Biblica® सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद

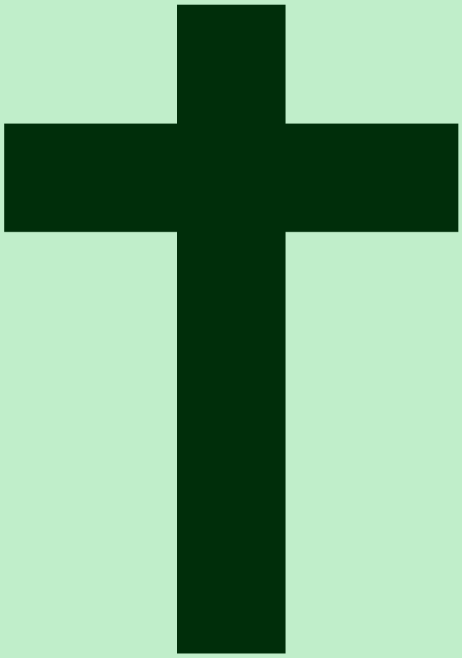

Chhattisgarhi: Biblica® सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद

(Bible)

Biblica® सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद

Chhattisgarhi: Biblica® सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद (Bible)

copyright © 2012, 2016, 2021, 2024 Biblica, Inc.

Language: (Chhattisgarhi)

Contributor: Biblica, Inc.

Biblica® सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद™
कापीराईट © 2012, 2016, 2021, 2024 Biblica, Inc.
Biblica® Open Chhattisgarhi Contemporary Version™
Copyright © 2012, 2016, 2021, 2024 by Biblica, Inc.

Creative Commons License

ये ग्रंथ ला Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License (CC BY-SA) के अधीन उपलब्ध कराय गे हवय। ये लाइसेंस के एक प्रतिलिपि ला देखे बर https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0 म जावव या Creative Commons, PO Box 1866, Mountain View, CA 94042, USA के पता म एक चिट्ठी लिखव।

यदि तुमन ये काम म कोनो बदलाव नइं करत हव अऊ तुमन सीर्सक ला जस के तस रखथव, त तुमन ला ये काम के प्रतिलिपि बनाय के अऊ येला बांटे के अनुमति हवय। ये काम म बदलाव करई या अनुवाद करई ह एक आने काम हो जाही। जब तुमन ये आने काम के परकासन करथव, त ये जरूरी अय कि तुमन जऊन बदलाव करे हव, ओकर उल्लेख करव, ताकि मनखेमन ओला देख सकंय, जइसे कि एक वेबसाइट म। ये घलो दिखाना जरूरी अय कि ओ मूल या मौलिक काम कहां हवय: “मूल काम ला येकर कापीराइट मालिक के दुवारा www.biblica.com अऊ open.bible म मुफ्त म उपलब्ध कराय गे हवय।”

कापीराइट के सूचना सीर्सक म या करे गय काम के कापीराइट पन्ना म ये किसम ले जरूर करे जावय:

Biblica® सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद™
कापीराईट © 2012, 2016, 2021, 2024 Biblica, Inc.
Biblica® Open Chhattisgarhi Contemporary Version™
Copyright © 2012, 2016, 2021, 2024 by Biblica, Inc.

“Biblica” ह संयुक्त राज अमेरिका अधिकारिक अऊ ब्यवसायिक कार्यालय म Biblica, Inc. दुवारा पंजीयन कराय एक ठन ब्यवसायिक चिनहां हरे जेकर उपयोग अनुमति लेके करे जाथे।

“Biblica” is a trademark registered in the United States Patent and Trademark Office by Biblica, Inc. Used with permission.

मूल ग्रंथ ले जऊन आने काम तुमन करथव, ओ काम ला घलो ओ एकेच लाइसेंस (CC BY-SA) के अधीन उपलब्ध कराना जरूरी अय।

यदि तुमन ये काम के अपन अनुवाद के बारे म Biblica, Inc. ला बताय चाहत हव, त किरपा करके हमर ले ये पता https://open.bible/#feedback म सम्पर्क करव।

This work is made available under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License (CC BY-SA). To view a copy of this license, visit https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0 or send a letter to Creative Commons, PO Box 1866, Mountain View, CA 94042, USA.

You have permission to copy and distribute this Work, as long as you do not change it and you keep the title as it is. Changing or translating this Work will create a derivative work. When you publish this derivative work, you must list what changes you have made where people can see them, such as on a website. You must also show where the original Work is from: “The original Work by its copyright holders is available for free at www.biblica.com and open.bible.”

Notice of copyright must appear on the title or copyright page of the work as follows:

Biblica® सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद™
कापीराईट © 2012, 2016, 2021, 2024 Biblica, Inc.
Biblica® Open Chhattisgarhi Contemporary Version™
Copyright © 2012, 2016, 2021, 2024 by Biblica, Inc.

“Biblica” ह संयुक्त राज अमेरिका अधिकारिक अऊ ब्यवसायिक कार्यालय म Biblica, Inc. दुवारा पंजीयन कराय एक ठन ब्यवसायिक चिनहां हरे जेकर उपयोग अनुमति लेके करे जाथे।

“Biblica” is a trademark registered in the United States Patent and Trademark Office by Biblica, Inc. Used with permission.

You must also make your derivative work available under the same license (CC BY-SA).

If you would like to notify Biblica, Inc. regarding your translation of this work, please contact us at https://open.bible/#feedback.

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

- You include the above copyright and source information.
- If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.
- If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2025-05-10

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 11 Mar 2026 from source files dated 10 May 2025

fc6eca93-7598-5163-a701-a8762d44a042

Contents

उतपत्ती
के किताब

[illegible]

1 सुरू* म परमेसर ह अकास अऊ धरती ला रचिस।
2 अऊ धरती ह बेडौल अऊ सुनसान परे रिहिस, अऊ गहिरा पानी के ऊपर अंधियार रिहिस, अऊ परमेसर के
आतमा पानी के ऊपर किंदरत रिहिस।

3 अऊ परमेसर ह कहिस, "अंजोर हो," त अंजोर हो गीस।
4 परमेसर ह अंजोर ला देखिस कि येह बने हे, अऊ ओह अंजोर ला अंधियार ले अलग करिस।
5 परमेसर ह अंजोर ला "दिन," अऊ अंधियार ला "रात" कहिस। अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये
किसम ले पहिला दिन हो गीस।

6 फेर परमेसर ह कहिस, "पानी के बीच म एक अइसने अंतर होवय कि पानी ह पानी ले अलग हो जावय।"
7 तब परमेसर ह अकास-मंडल बनाईस अऊ अकास-मंडल के खाल्हे के पानी ला एकर ऊपर के पानी ले
अलग कर दीस। अऊ वइसने हो गीस।
8 परमेसर ह ओ अकास-मंडल ला "अकास" कहिस। अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले
दूसर दिन हो गीस।

9 फेर परमेसर ह कहिस, "अकास के खाल्हे के पानी ह एके जगह म माढ़ जावय, अऊ सूखा भुइयां दिखय।"
अऊ वइसने हो गीस।
10 परमेसर ह सूखा भुइयां ला "धरती" कहिस, अऊ जऊन पानी माढ़ गीस, ओला ओह "समुंदर" कहिस, अऊ
परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे।
11 फेर परमेसर ह कहिस, "धरती म हरियर घांस, बीजावाले पऊधा अऊ फर देवइया रूख, अऊ रूख के फर
म अपन-अपन किसम के मुताबिक बीजा होवय।" अऊ वइसने हो गीस।
12 ये किसम ले धरती म हरियर घांस, अऊ पऊधा, जेमा ओमन के जाति के मुताबिक बीजा होथे, अऊ
फरवाला रूख, जेमा ओमन के जाति के मुताबिक बीजा होथे, ये जम्मो हो गीन। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह
बढ़िया हे।
13 अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले तीसर दिन हो गीस।

14 फेर परमेसर ह कहिस, "दिन ला रात ले अलग करे बर अकास-मंडल म अंजोरमन होवंय, अऊ ओमन
पबितर समय, अऊ दिन अऊ बछरमन ला जाने बर चिनहां के रूप म काम करंय,
15 अऊ धरती ऊपर अंजोर देय बर ओमन अकास-मंडल म अंजोर बन जावंय।" अऊ वइसने हो गीस।
16 परमेसर ह दू ठन बड़े अंजोर बनाईस—ओमा के बड़े अंजोर ला दिन ऊपर परभूता करे बर अऊ छोटे
अंजोर ला रात ऊपर परभूता करे बर बनाईस। ओह तारामन ला घलो बनाईस।
17 परमेसर ह ओमन ला अकास-मंडल म एकर बर रखिस कि ओमन धरती ऊपर अंजोर देवंय,
18 दिन अऊ रात ऊपर परभूता करंय, अऊ अंजोर ला अंधियार ले अलग करंय। अऊ परमेसर ह देखिस कि
येह बढ़िया हे।
19 अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले चौथा दिन हो गीस।

20 फेर परमेसर ह कहिस, "पानी ह जीयत जन्तुमन ले भर जावय, अऊ चिरईमन धरती के ऊपर अकास म
उड़ंय।"

---

* **1:1** [illegible] मतलब [illegible]

21 परमेसर ह समुंदर के बड़े-बड़े जीव-जन्तुमन ला बनाईस, अऊ जाति-जाति के ओ जम्मो जीयत चीजमन
ला बनाईस जेमन ले पानी भर गीस अऊ ओमन पानी म चलंय-फिरंय, अऊ किसम-किसम के पंखवाले चिरईमन
ला घलो बनाईस। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे।
22 परमेसर ह ओमन ला आसीस दीस अऊ कहिस, "फूलव-फरव; गनती म बाढ़व अऊ समुंदर के पानी म भर
जावव, अऊ चिरईमन धरती ऊपर बहुंत हो जावंय।"
23 अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले पांचवां दिन हो गीस।

24 फेर परमेसर ह कहिस, "धरती म किसम-किसम के जीयत परानी होवंय: याने कि घरेलू-पसु, अऊ भुइयां म
रेंगइया जन्तु अऊ बन पसु, हर एक अपन जाति-जाति के मुताबिक होवंय।" अऊ वइसने ही हो गीस।
25 परमेसर ह किसम-किसम के बन पसु, किसम-किसम के घरेलू-पसु, अऊ भुइयां ऊपर रेंगइया किसम-किसम
के जम्मो जन्तुमन ला बनाईस। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे।
26 तब परमेसर ह कहिस, "हमन मनखे ला अपन सरूप, अपन समानता म बनावन, ताकि ओमन समुंदर के
मछरी, अकास के चिरई अऊ घरेलू-पसु अऊ जम्मो बन पसु अऊ भुइयां म रेंगइया जम्मो जीव-जन्तु ऊपर
अधिकार रखंय।"
27 तब परमेसर ह मनखे ला अपन खुद के सरूप म बनाईस,
अपन ही सरूप म परमेसर ह ओमन ला बनाईस;
नर अऊ नारी करके ओह ओमन ला बनाईस।
28 अऊ परमेसर ह ओमन ला आसीस दीस अऊ ओमन ला कहिस, "फूलव-फरव अऊ गनती म बढ़व; धरती
म भर जावव, अऊ येला अपन बस म कर लेवव। समुंदर के मछरी अऊ अकास के चिरई अऊ भुइयां ऊपर
रेंगइया जम्मो जीव-जन्तुमन ऊपर अधिकार रखव।"
29 तब परमेसर ह ओमन ला कहिस, "सुनव, धरती के जम्मो बीजावाले पऊधा अऊ जम्मो रूख, जऊन म
बीजावाले फर होथें, ओ सबो ला मेंह तुमन ला देवत हंव। ओमन तुम्हर जेवन बर अंय।
30 अऊ धरती के जम्मो पसु अऊ अकास के जम्मो चिरई अऊ भुइयां ऊपर रेंगइया जम्मो जीव-जन्तु—जेमन
म जिनगी के सांस हवय—मेंह जम्मो हरियर-हरियर पऊधा ला जेवन बर देवत हंव।" अऊ वइसने ही हो गीस।
31 तब परमेसर ह अपन बनाय जम्मो चीज ला देखिस, अऊ येह बहुंत बढ़िया रिहिस। अऊ सांझ होईस, फेर
बिहान पहा गीस—ये किसम ले छठवां दिन हो गीस।

2

1 ये किसम ले अकास अऊ धरती अऊ ओमा के जम्मो चीज के बनई पूरा हो गीस।

2 परमेसर ह अपन काम, जेला ओह करत रिहिस, सातवां दिन म पूरा करिस अऊ ओह अपन जम्मो काम ले
सातवां दिन बिसराम करिस।
3 तब परमेसर ह सातवां दिन ला आसीस दीस अऊ येला पबितर ठहिराईस, काबरकि ओ दिन ओह अपन
सिरिस्टी के जम्मो बुता ले बिसराम करिस।

[illegible]

4 अकास अऊ धरती के बिबरन ये अय जब ओमन रचे गीन, मतलब कि जब यहोवा परमेसर ह अकास अऊ
धरती ला बनाईस।

5 तब धरती* म न तो कोनो झाड़ी उगे रिहिन, अऊ न ही कोनो पऊधा निकले रिहिन, काबरकि यहोवा
परमेसर ह धरती म पानी नइं बरसाय रिहिस, अऊ भुइयां म खेती करे बर कोनो नइं रिहिन,
6 पर कुहरा† धरती ले उठत रिहिस, जेकर ले जम्मो भुइयां पानी ले पलत रिहिस।
7 तब यहोवा परमेसर ह भुइयां के माटी ले एक मनखे‡ ला रचिस, अऊ ओकर नाक म जिनगी के सांस फूंक
दीस, अऊ मनखे ह जीयत परानी बन गीस।
8 अऊ यहोवा परमेसर ह पूरब कोति अदन§ म एक बगीचा लगाईस, अऊ उहां ओ मनखे जेला ओह रचे

* **2:5** या [illegible] † **2:6** या [illegible] ‡ **2:7** [illegible] इबरानी म [illegible] § **2:8** अदन ह ओ इलाका के नांव ए जिहां बगीचा रिहिस

रिहिस, रख दीस।
9 अऊ यहोवा परमेसर ह भुइयां म जम्मो किसम के रूख, जो देखे म मनोहर अऊ जेकर फर खाय म बने
लगथे, उगाईस, अऊ बगीचा के मांझा म जिनगी के रूख अऊ भला अऊ बुरा के गियान के रूख ला घलो
लगाईस।
10 ओ बगीचा ला पलोय बर, एक नदी अदन ले बहत रिहिस अऊ उहां ले आघू जाके ओह चार धारा म बंट
गीस।
11 पहिली धारा के नांव पीसोन ए; येह हवीला नांव के पूरा देस ला, जिहां सोन मिलथे, घेरे हवय।
12 (ओ देस के सोन चोखा होथे; उहां खुसबूदार धूप अऊ गोमेदक घलो मिलथे।)
13 दूसर नदी के नांव गीहोन ए; येह कूस* नांव के पूरा देस ला घेरे हवय।
14 अऊ तीसर नदी के नांव तिगरीस ए; येह अस्सूर के पूरब कोति बोहाथे। अऊ चौथा नदी के नांव फरात ए।
15 तब यहोवा परमेसर ह मनखे ला लेके अदन के बगीचा म रख दीस कि ओह ओमा काम करय अऊ ओकर
देखभाल करय।
16 अऊ यहोवा परमेसर ह मनखे ला ये हुकूम दीस, "तें बगीचा के कोनो घलो रूख के फर बिगर रोक-टोक के
खा सकत हस,
17 पर भला अऊ बुरा के गियान के जऊन रूख हवय, ओकर फर तें कभू झन खाबे, काबरकि जब तें ओकर फर
ला खाबे, त निस्चित रूप से तेंह मर जाबे।"
18 फेर यहोवा परमेसर ह कहिस, "मनखे के अकेला रहई बने नो हय। में ओकर बर एक अइसन मददगार
बनाहूं, जऊन ह ओकर ले मेल खावय।"
19 यहोवा परमेसर ह भुइयां ले जम्मो जाति के पसुमन ला अऊ अकास के जम्मो चिरईमन ला बनाय रिहिस
अऊ ये देखे बर ओमन ला मनखे करा लानिस कि ओह ओमन के का-का नांव रखथे; अऊ जऊन-जऊन नांव लेके
जीयत परानीमन ला मनखे ह बलाईस, ओह ओमन के नांव हो गीस।
20 ये किसम ले मनखे ह जम्मो घरेलू-पसुमन के, अकास के चिरईमन के अऊ जम्मो बन पसुमन के नांव रखिस।
पर आदम† बर कोनो अइसने सहायक नइं मिलिस, जेकर संग ओकर मेल खावय।
21 एकरसेति यहोवा परमेसर ह आदम ला भारी नींद म डार दीस; अऊ जब ओह सुतत रिहिस, तब परमेसर ह
आदम के एक पसली निकालके ओकर जगह म मांस भर दीस।
22 तब यहोवा परमेसर ह आदम ले निकाले ओ पसली‡ म ले एक माईलोगन बनाईस, अऊ ओला आदम करा
ले आईस।
23 तब आदम ह कहिस,
"अब येह मोर हाड़ा म के हाड़ा
अऊ मोर मांस म के मांस अय;
एकरसेति येला 'नारी' कहे जाही,
काबरकि येह नर म ले निकाले गे हवय।"
24 एकरे कारन आदमी ह अपन दाई-ददा ला छोंड़के अपन घरवाली संग मिले रहिही, अऊ ओ दूनों एक तन
होहीं।
25 आदम अऊ ओकर घरवाली दूनों नंगरा रिहिन, पर ओमन लजात नइं रिहिन।

3

[illegible]

1 यहोवा परमेसर ह जतेक बन पसु बनाय रिहिस, ओ सब म सांप ह जादा धूर्त रिहिस। ओह माईलोगन ले
पुछिस, "का परमेसर ह सही म कहे हवय, 'तुमन ये बगीचा के कोनो रूख के फर ला झन खाहू'?"
2 माईलोगन ह सांप ला जबाब दीस, "हमन ये बगीचा के रूखमन के फर खा सकत हन,
3 पर जऊन रूख ह बगीचा के मांझा म हवय, ओकर फर के बारे म परमेसर ह कहे हवय कि न तो तुमन ओला
खावव अऊ न ही ओला छुवव, नइं तो तुमन मर जाहू।"
4 तब सांप ह माईलोगन ला कहिस, "तुमन निस्चय नइं मरव।

* **2:13** संभवत: आज के इराक देस † **2:20** या [illegible] ‡ **2:22** या [illegible]

5 बरन परमेसर खुद जानत हे कि जऊन दिन तुमन ये फर ला खाहू, ओहीच दिन तुम्हर आंखी ह उघर जाही,
अऊ तुमन भला अऊ बुरा के गियान पाके परमेसर के सहीं हो जाहू।"
6 त जब माईलोगन ह देखिस कि रूख के फर ह खाय बर बढ़िया अऊ देखे म मनभाऊ, अऊ बुद्धि देय बर
पसंद के लईक हे, त ओह ओमा ले कुछू ला टोरके खाईस, अऊ कुछू अपन घरवाला ला घलो दीस, जऊन ह
ओकर संग रिहिस, अऊ ओह घलो खाईस।
7 तब ओ दूनों के आंखी उघर गीस, अऊ ओमन ला महसूस होईस कि ओमन नंगरा हवंय; एकरे बर ओमन
अंजीर के पानमन ला जोड़-जोड़के अपन बर ढपनी बना लीन।
8 तब यहोवा परमेसर, जऊन ह दिन के ठंडा समय बगीचा म घुमय, ओकर अवाज ओमन ला सुनई दीस। तब
आदम अऊ ओकर घरवाली बगीचा के रूखमन के बीच म यहोवा परमेसर ले लुका गीन।
9 पर यहोवा परमेसर ह हांक पारके आदम ला पुछिस, "तें कहां हस?"
10 ओह जबाब दीस, "में बारी म तोर अवाज ला सुनके डर गेंव, काबरकि में नंगरा रहेंव; एकरसेति में लुका
गेंव।"
11 परमेसर ह कहिस, "तोला कोन कहिस कि तें नंगरा हस? जऊन रूख के फर खाय बर मेंह तोला मना करे
रहेंव, का तेंह ओकर फर ला खाय हस?"
12 आदम ह कहिस, "जऊन माईलोगन ला तेंह मोर संग रहे बर देय हस—ओही ह ओ रूख के फर मोला खाय
बर दीस अऊ मेंह ओला खांय।"
13 तब यहोवा परमेसर ह माईलोगन ले कहिस, "ये तें का करे हस?"
माईलोगन ह जबाब दीस, "सांप ह मोला बहका दीस, त मेंह खांय।"
14 तब यहोवा परमेसर ह सांप ला कहिस, "काबरकि तेंह अइसने करे हस,
"एकरसेति तें जम्मो घरेलू-पसु,
अऊ जम्मो बन पसु ले जादा सरापित अस!
तेंह पेट के बल म रेंगबे,
अऊ तेंह जिनगी भर
माटी खावत रहिबे।
15 अऊ मेंह तोर अऊ ये माईलोगन के बीच म,
अऊ तोर बंस* अऊ एकर बंस के बीच म,
बईरता उपजाहूं,
ओह तोर मुड़ ला कुचरही,
अऊ तें ओकर एड़ी ला डसबे।"
16 फेर माईलोगन ला ओह कहिस,
"में तोर गरभवती होय के समय के पीरा ला अब्बड़ बढ़ाहूं;
अऊ छेवारी होय के समय, तेंह पीरा सहके लइका जनमाबे।
तोर लालसा तोर घरवाला बर होही
अऊ ओह तोर ऊपर परभूता करही।"
17 अऊ आदम ला ओह कहिस, "काबरकि तेंह अपन घरवाली के बात ला माने, अऊ जऊन रूख के बिसय म
मेंह तोला हुकूम देय रहेंव कि तें ओकर फर ला झन खाबे, ओला तेंह खाय हस।
"भुइयां ह तोर कारन सरापित हे;
तें एकर ऊपज अपन जिनगी भर
दुख के संग खाय पाबे।
18 अऊ येह तोर बर कांटा अऊ कंटिला पऊधा उपजाही,
अऊ तें खेत के ऊपज ला खाबे।
19 अऊ अपन माथा के पसीना के कमई
तेंह खाय पाबे,
अऊ आखिर म माटी म मिल जाबे;

* **3:15** या [illegible]

काबरकि तोला ओही म ले लिये गे हवय,
तें तो माटी ही अस,
अऊ माटी म ही फेर मिल जाबे।”
20 आदम ह अपन घरवाली के नांव हवा† रखिस, काबरकि जम्मो जीयत मनखेमन के ओही ह दाई होईस।
21 अऊ यहोवा परमेसर ह आदम अऊ ओकर घरवाली बर चमड़ा के पहिरावा बनाके ओमन ला पहिरा दीस।
22 फेर यहोवा परमेसर ह कहिस, “मनखे ह भला अऊ बुरा के गियान पाके अब हमर म के एक झन सहीं हो गे हवय। एकरसेति अब अइसने झन होवय कि ओह हांथ लमाके जिनगी के रूख के फर ला घलो टोरके खा लेवय अऊ सदाकाल तक जीयत रहय।”
23 एकरसेति यहोवा परमेसर ह ओला अदन के बगीचा ले निकाल दीस कि ओह ओ भुइयां म काम करय, जेमा ले ओह बनाय गे रिहिस।
24 आदम ला निकाले के बाद, ओह जिनगी के रूख के रसता के रखवारी करे बर, अदन के बगीचा के पूरब दिग म करूबमन ला अऊ चारों कोति किंदरनेवाला आगी के तलवार ला घलो रख दीस।

4

[illegible]

1 जब आदम ह अपन घरवाली हवा संग सुतिस, त ओह आसरा म होके कैन* ला जनम दीस अऊ कहिस, “मेंह यहोवा के मदद ले एक झन पुरूस पाय हंव।”
2 बाद म ओह ओकर भाई हाबिल ला जनम दीस।
हाबिल ह भेड़-बकरी के चरवाहा बन गीस, अऊ कैन ह खेती-बारी करत रिहिस।
3 कुछू दिन के बाद, कैन ह यहोवा करा भुइयां के कुछू फर चढ़ावा के रूप म लानिस।
4 अऊ हाबिल घलो अपन भेड़-बकरी के कुछू पहिलांतमन ला लानिस अऊ ओमन के चरबी ला चढ़ावा के रूप म चघाईस। यहोवा ह हाबिल अऊ ओकर चढ़ावा ला तो गरहन करिस,
5 पर कैन अऊ ओकर भेंट ला गरहन नइं करिस। एकरसेति कैन ह अब्बड़ गुस्सा होईस अऊ ओकर चेहरा ह उतर गीस।
6 तब यहोवा ह कैन ले पुछिस, “तेंह काबर गुस्सा होवत हस? तोर मुहूं ह काबर उतरे हवय?
7 जऊन ह सही ए, यदि तेंह ओला करते, त का तोर भेंट ह गरहन नइं होतिस? पर जऊन ह सही ए, यदि तेंह ओला नइं करस, त पाप ह तोर दुवारी म ठाढ़े हवय; ओकर लालसा तोला पाय बर होही, पर तोला ओकर ऊपर जय पाना जरूरी ए।”
8 एक दिन कैन ह अपन भाई हाबिल ला कहिस, “चल हमन खेत डहार जाबो।” जब ओमन खेत म रिहिन, त कैन ह अपन भाई हाबिल ऊपर हमला करके ओला मार डारिस।
9 तब यहोवा ह कैन ले पुछिस, “तोर भाई हाबिल कहां हे?”
त कैन जबाब दीस, “में नइं जानंव; का मेंह अपन भाई के रखवार अंव?”
10 यहोवा ह कहिस, “तेंह का करे हस? सुन! तोर भाई के लहू ह भुइयां ले मोला नरियावथे।
11 अब तेंह एक सराप के अधीन हस अऊ ओ भुइयां ले निकाले जावत हस, जऊन ह तोर भाई के लहू तोर हांथ ले पीये बर अपन मुहूं फारिस।
12 जब तेंह भुइयां म खेती करबे, त ओह अब तोला अपन फसल नइं देवय। तेंह धरती म बियाकुल होके इहां-उहां भटकत रहिबे।”
13 तब कैन ह यहोवा ला कहिस, “मोर सजा ह मोर सहे के बाहिर ए।
14 आज तेंह मोला ये भुइयां म ले निकालत हस, अऊ मेंह तोर नजर के आड़ म हो जाहूं; अऊ धरती म अस्थिर होके इहां-उहां भटकत रहिहूं, अऊ जऊन कोनो मोला पाही, ओह मोला मार डारही।”
15 पर यहोवा ह ओला कहिस, “अइसने नइं होवय; जऊन कोनो कैन ला मारही, ओकर ले सात गुना बदला लेय जाही।” तब यहोवा ह कैन बर एक चिनहां ठहिरा दीस ताकि कोनो मनखे कैन ला पाके ओकर हतिया झन कर देवय।

---

† **3:20** *[illegible]* संभवत: येकर अर्थ होथे *[illegible]* या *[illegible]*

* **4:1** *[illegible]* इबरानी म एकर मतलब होथे *[illegible]* या *[illegible]*

16 तब कैन ह यहोवा के आघू ले चल दीस अऊ नोद† नांव के देस म, जेह अदन के पूरब कोति हवय, रहे
लगिस।
17 जब कैन अपन घरवाली संग सुतिस, तब ओकर घरवाली ह आसरा म होईस अऊ ओह हनोक ला जनम
दीस। कैन ह तब एक सहर बसावत रिहिस, अऊ ओह ओ सहर के नांव अपन बेटा के नांव म हनोक रखिस।
18 हनोक ले ईराद जनमिस, अऊ ईराद ह महूयाएल के ददा रिहिस, अऊ महूयाएल ह मतूसाएल के ददा
रिहिस, अऊ मतूसाएल ह लेमेक के ददा रिहिस।
19 लेमेक ह दू झन माईलोगन ले बिहाव करिस, जेमा के एक झन के नांव आदा, अऊ दूसर के सिल्ला रिहिस।
20 आदा ह याबाल ला जनमिस; याबाल ह ओमन के पुरखा रिहिस जऊन मन तम्बू म रहिथें अऊ पसु-पालन
करथें।
21 ओकर भाई के नांव यूबाल रिहिस; जऊन ह जम्मो किसम के सितार अऊ बंसी बजइयामन के पुरखा
रिहिस।
22 सिल्ला घलो तूबल-कैन नांव के एक बेटा ला जनमिस; जऊन ह कांसा अऊ लोहा ढारके औजार बनइया‡
होईस। तूबल-कैन के बहिनी के नांव नामा रिहिस।
23 लेमेक ह अपन घरवालीमन ला कहिस,
"हे आदा अऊ सिल्ला, मोर गोठ ला सुनव;
हे लेमेक के घरवालीमन, मोर बात ऊपर कान लगावव।
मेंह एक मनखे ला, जेह मोला चोट पहुंचाय रिहिस, मार डारेंव।
एक जवान, जऊन ह मोला घायल करे रिहिस।
24 यदि कैन के बदला सात गुना लेय जाथे,
त लेमेक के सतहत्तर गुना लेय जाही।"
25 आदम फेर अपन घरवाली संग सुतिस, अऊ ओकर घरवाली ह एक बेटा ला जनम दीस अऊ ओकर नांव ये
कहिके सेत§ रखिस, "परमेसर ह मोला हाबिल के बदला म, जेला कैन ह मार डारिस, एक अऊ बेटा दे हवय।"
26 बाद म, सेत के घलो एक बेटा होईस; ओह ओकर नांव एनोस रखिस।
ओही बेरा ले मनखेमन यहोवा ले पराथना* करे के सुरू करिन।

5

[illegible]
1 येह आदम के खानदान के लिखित बिबरन अय।

जब परमेसर ह मनखे ला बनाईस, त ओह अपन ही सरूप म ओला बनाईस।
2 ओह ओमन ला नर अऊ नारी करके बनाईस अऊ ओमन ला आसीस दीस, अऊ ओमन के बनाय के दिन
ओकर नांव "मनखे-जात"* रखिस।

3 जब आदम ह 130 बछर के होईस, त ओकर एक बेटा ओकर समानता अऊ ओकर सरूप म जनमिस। ओह
ओकर नांव सेत रखिस।
4 सेत के जनमे के बाद, आदम ह 800 बछर जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ घलो बेटा-बेटी होईन।
5 ये किसम ले आदम के कुल उमर 930 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।
6 जब सेत 105 बछर के होईस, त ओह एनोस के ददा† होईस।
7 एनोस के जनम के बाद, सेत ह 807 बछर तक जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ बेटा-बेटी होईन।
8 ये किसम ले सेत के कुल उमर 912 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।
9 जब एनोस 90 बछर के होईस, तब ओकर ले केनान के जनम होईस।
10 केनान के जनम के बाद, एनोस 815 बछर तक जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ घलो बेटा-बेटी होईन।
11 ये किसम ले एनोस के कुल उमर 905 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।

---

† **4:16** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **4:22** या [illegible] § **4:25** [illegible] के मतलब संभवत: [illegible] * **4:26** या [illegible] * **5:2** इबरानी म [illegible] † **5:6** [illegible] के मतलब हो सकथे [illegible]

12 जब केनान 70 बछर के होईस, त ओकर ले महललेल के जनम होईस।
13 महललेल के जनम के बाद, केनान 840 बछर तक जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ घलो बेटा-बेटी होईन।
14 ये किसम ले केनान के कुल उमर 910 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।
15 जब महललेल 65 बछर के होईस, त ओकर ले येरेद के जनम होईस।
16 येरेद के जनम के बाद, महललेल 830 बछर तक जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ घलो बेटा-बेटी होईन।
17 ये किसम ले महललेल के कुल उमर 895 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।
18 जब येरेद 162 बछर के होईस, त ओकर ले हनोक के जनम होईस।
19 हनोक के जनम के बाद, येरेद 800 बछर तक जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ भी बेटा-बेटी होईन।
20 ये किसम ले येरेद के कुल उमर 962 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।
21 जब हनोक 65 बछर के होईस, त ओकर ले मतूसेलह के जनम होईस।
22 मतूसेलह के जनम के बाद, हनोक 300 बछर तक परमेसर के संग-संग चलिस, अऊ ओकर अऊ भी बेटा-बेटी होईन।
23 ये किसम ले हनोक के कुल उमर 365 बछर होईस।
24 हनोक ह ईमानदारी से परमेसर के संग चलिस; तब ओह गायब हो गीस, काबरकि परमेसर ह ओला उठा लीस।
25 जब मतूसेलह 187 बछर के होईस, त ओकर ले लेमेक के जनम होईस।
26 लेमेक के जनम के बाद, मतूसेलह 782 बछर जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ भी बेटा-बेटी होईन।
27 ये किसम ले मतूसेलह के कुल उमर 969 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।
28 जब लेमेक 182 बछर के होईस, त ओकर ले एक बेटा होईस।
29 ओह ओकर नांव ए कहिके नूह‡ रखिस, "यहोवा ह धरती ला जऊन सराप दे हे, ओकर बारे म, ये बाबू-पीला ह हमर काम म अऊ जऊन कठोर मेहनत हमन करथन, ओमा हमन ला सांति दीही।"
30 नूह के जनम के बाद, लेमेक 595 बछर तक जीयत रिहिस, अऊ ओकर अऊ बेटा-बेटी जनमिन।
31 ये किसम ले लेमेक के कुल उमर 777 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।
32 जब नूह 500 बछर के होईस, त ओकर ले सेम, हाम अऊ येपेत के जनम होईस।

6

[illegible]

1 जब मनखेमन धरती म गनती म बाढ़े लगिन अऊ ओमन के बेटीमन जनमिन,
2 त परमेसर के बेटामन* देखिन कि मनखे के बेटीमन सुघर हें अऊ ओमन जे-जे ला पसंद करिन, तेमन ले बिहाव कर लीन।
3 तब यहोवा ह कहिस, "मोर आतमा ह मनखे संग सदाकाल बर नइं रहय, काबरकि मनखे ह अमर नो हय; ओमन के उमर एक सौ बीस बछर होही।"
4 ओ समय धरती म नेफिलीम† रहत रिहिन, अऊ एकर पाछू जब परमेसर के बेटामन मनखे के बेटीमन संग संबंध बनाईन, त ओमन के मेल से जऊन लइका जनमिन, ओमन ओ समय सूरबीर अऊ जाने-माने मनखे रिहिन।
5 यहोवा ह देखिस कि मनखेमन के बुरई धरती म बहुंत बढ़ गे हवय, अऊ ओमन के हिरदय के जम्मो बिचार ह हर समय सिरिप बुरई के ही होथे।
6 त यहोवा ह धरती म मनखे ला बनाके पछताईस, अऊ अपन मन म बहुंत दुखी होईस।
7 एकरसेति यहोवा ह कहिस, "मेंह मनखे ला, जेला मेंह बनाय हंव, धरती म ले नास कर दूहूं—अऊ ओमन के संग पसु, चिरई अऊ भुइयां म रेंगइया जन्तु, ओ जम्मो ला नास कर दूहूं—काबरकि मेंह ओमन ला बनाके पछतात हंव।"
8 पर यहोवा के दया-दिरिस्टी नूह ऊपर बने रिहिस।

[illegible]

‡ **5:29** [illegible] इबरानी म [illegible] सबद के सहीं अवाज लगथे * **6:2** [illegible] इबरानी म [illegible]; अयू 1:6; 2:1; भजन 29:1; 89:6; दानि 3:252 पत 2:4-5; यहू 6 † **6:4** [illegible] के मतलब [illegible] या [illegible]

9 नूह अऊ ओकर परिवार के बिबरन ये अय।

नूह एक धरमी अऊ अपन समय के मनखेमन म निरदोस रिहिस, अऊ ओह ईमानदारी से परमेसर के संग चलिस।
10 नूह के तीन झन बेटा रिहिन: सेम, हाम अऊ येपेत।
11 ओ समय धरती ह परमेसर के नजर म खराप हो गे रिहिस अऊ हिंसा ले भर गे रिहिस।
12 परमेसर ह देखिस कि धरती ह बहुंत खराप हो गे हे, काबरकि धरती के जम्मो मनखेमन अपन चालचलन ला बिगाड़ ले रहंय।
13 एकरसेति परमेसर ह नूह ला कहिस, "मेंह जम्मो मनखे के अन्त करइया हंव, काबरकि ओमन के कारन धरती ह हिंसा ले भर गे हवय। मेंह निस्चित रूप से ओमन ला धरती समेत नास करइया हंव।
14 एकरसेति तें गोपेर रूख के लकरी के एक पानी जहाज बना ले; ओकर भीतर म खोलीमन ला बनाबे, अऊ ओकर भीतर-बाहिर राल लगा देबे।
15 तें ओला अइसने बनाबे: जहाज ला तीन सौ क्यूबीट लम्बा, पचास क्यूबीट चाकर अऊ तीस क्यूबीट ऊंच बनाबे।‡
16 जहाज के एक छत बनाबे अऊ छत खाल्हे एक क्यूबीट§ ऊंच खिड़की जहाज के चारों कोति बनाबे। जहाज के बाजू म एक कपाट रखबे अऊ जहाज ला तीन तल्ला बनाबे।
17 काबरकि देख, में धरती म जल-परलय करके जम्मो चीज ला जेमन म जिनगी के सांस हवय, अकास के तरी ले नास करइया हंव। धरती ऊपर जऊन कुछू हवय, सबो चीज नास हो जाहीं।
18 पर मेंह तोर संग करार करहूं, अऊ तेंह जहाज के भीतर जाबे—तोर बेटामन अऊ तोर घरवाली अऊ तोर बेटामन के घरवालीमन घलो तोर संग जहाज के भीतर जाहीं।
19 अऊ जम्मो जीयत परानी म ले, तें हर एक जाति के दू-दू ठन याने कि एक नर अऊ एक मादा ला जहाज भीतर लानबे अऊ ओमन ला अपन संग जीयत रखबे।
20 हर किसम के चिरई, हर किसम के पसु अऊ भुइयां म रेंगइया हर किसम के जीव म के दू-दू ठन तोर करा जीयत रहे बर आहीं।
21 तें आनि-बानि के खाय के जिनिस जेला खाय जाथे, अपन करा जमा कर लेबे, जऊन ह तोर अऊ ओमन के जेवन बर होही।"
22 परमेसर के हुकूम के मुताबिक नूह हर चीज ला करिस।

7

1 तब यहोवा ह नूह ला कहिस, "तें अपन पूरा घराना समेत जहाज म जा, काबरकि मेंह ये पीढ़ी के मनखे म तोला अपन नजर म धरमी पाय हंव।
2 हर किसम के सुध पसु म ले, तें सात-सात जोड़ी याने कि नर अऊ मादा ले, पर हर किसम के असुध पसु म ले एक-एक जोड़ी याने कि नर अऊ मादा ले,
3 अऊ हर किसम के चिरई म ले घलो सात-सात जोड़ी याने कि नर अऊ मादा ले ताकि ओमन के बंस बांचके जम्मो धरती म बने रहंय।
4 सात दिन के बाद, मेंह धरती म चालीस दिन अऊ चालीस रात तक बरसा करहूं, अऊ मेंह जम्मो जीयत परानीमन ला धरती म ले नास कर दूहूं, जेमन ला मेंह बनाय हवंव।"
5 अऊ जइसे यहोवा ह हुकूम देय रिहिस, ओकरे मुताबिक नूह जम्मो चीज ला करिस।
6 नूह के उमर छै सौ साल रिहिस, जब धरती ऊपर जल-परलय आईस।
7 नूह ह अपन बेटा, घरवाली अऊ बहुमन के संग जल-परलय ले बांचे बर जहाज भीतर गीस।
8 सुध अऊ असुध दूनों किसम के पसु, चिरई अऊ भुइयां म रेंगइया जम्मो जन्तु म ले एक-एक जोड़ी
9 याने कि नर अऊ मादा, नूह करा आईन अऊ जहाज भीतर गीन, जइसने कि परमेसर ह नूह ला हुकूम दे रिहिस।

‡ **6:15** लगभग 135 मीटर लम्बा, 23 मीटर चाकर अऊ 14 मीटर ऊंच § **6:16** लगभग 18 ईंच या लगभग 45 सेन्टीमीटर

10 अऊ सात दिन के बाद, जल-परलय धरती म होय लगिस।
11 नूह के जिनगी के छै सौवां साल के दूसरा महिना के सतरहवां दिन गहिरा समुंदर के सोतामन फूट गीन
अऊ अकास के पानी के झरोखामन घलो खुल गीन।
12 अऊ चालीस दिन अऊ चालीस रात तक धरती म लगातार बरसा होते रिहिस।
13 ठीक ओही दिन नूह अपन बेटा सेम, हाम, येपेत अऊ अपन घरवाली अऊ तीनों बहुमन संग जहाज भीतर
गीस।
14 ओमन के संग हर किसम के जंगली पसु, हर किसम के घरेलू-पसु, हर किसम के धरती ऊपर रेंगइया जन्तु,
अऊ हर किसम के उड़इया चिरईमन के एक-एक जोड़ी जहाज म गीन।
15 जम्मो परानी जेमा जिनगी के सांस रिहिस, ओमा के एक-एक जोड़ी नूह करा आईन अऊ जहाज भीतर
गीन।
16 जऊन पसुमन भीतर जावत रिहिन, ओमा हर किसम के जीव-जन्तु के नर अऊ मादा रिहिन जइसने कि
परमेसर ह नूह ला हुकूम दे रिहिस। तब यहोवा ह नूह के भीतर जाय के बाद जहाज के कपाट ला बंद कर दीस।
17 धरती म चालीस दिन तक पानी के परलय होते रिहिस, अऊ जइसे-जइसे पानी बढ़त गीस, वइसे-वइसे
जहाज ह धरती ले ऊपर उठत गीस।
18 पानी बढ़त-बढ़त धरती ऊपर बहुंत हो गे अऊ जहाज पानी ऊपर तउरे लगिस।
19 पानी ह धरती ऊपर अतेक भर गीस कि धरती के जम्मो बड़े-बड़े पहाड़ घलो बुड़ गीन।
20 पानी ह अऊ बढ़के पहाड़मन के ऊपर पंदरह क्यूबीट* ले घलो जादा भर गीस।
21 भुइयां म रहइया जम्मो जीव—चिरई, घरेलू-पसु, जंगली पसु, धरती के जम्मो उड़नेवाला जीव, अऊ
जम्मो मनखे नास हो गीन।
22 सूखा भुइयां म रहइया हर ओ चीज जऊन म जिनगी के सांस रिहिस, ओ जम्मो के जम्मो मर गीन।
23 धरती के ऊपर जम्मो जीयत चीज के नास हो गीस; मनखे अऊ पसु अऊ भुइयां म रेंगइया जीव अऊ चिरई
जम्मो के जम्मो धरती ले मर मिटिन। सिरिप नूह अऊ जतेक झन ओकर संग जहाज म रिहिन, ओमन बांचिन।
24 अऊ पानी धरती ऊपर एक सौ पचास दिन तक भरे रिहिस।

8

1 अऊ परमेसर ह नूह अऊ जतेक जंगली पसु अऊ घरेलू-पसु ओकर संग जहाज म रिहिन, ओ जम्मो के सुधि
लीस, अऊ परमेसर ह धरती ऊपर हवा बहाईस, अऊ पानी अंटाय लगिस।
2 अब गहिरा समुंदर के सोता अऊ अकास के पानी के झरोखामन बंद कर दिये गीन, अऊ अकास ले पानी गिरे
के बंद हो गीस।
3 अऊ पानी ह धरती ले लगातार कम होवत गीस। एक सौ पचास दिन के बाद पानी ह कम होय लगिस;
4 अऊ साल के सातवां महिना के सतरहवां दिन जहाज ह अरारात नांव के पहाड़ म टेक गीस।
5 पानी ह दसवां महिना तक अंटात गीस, अऊ दसवां महिना के पहिला दिन पहाड़ के चोटीमन दिखे लगिन।
6 ओकर चालीस दिन के बाद नूह ह अपन बनाय जहाज के एक खिड़की ला खोलिस
7 अऊ एक ठन कऊआ ला उड़ा दीस, अऊ जब तक पानी ह धरती ऊपर ले नइं सूखा गीस, ओ कऊआ ह
धरती ऊपर एती-ओती उड़ते रिहिस।
8 तब ओह एक ठन पंड़की ला ये देखे बर उड़िया दीस कि पानी धरती ऊपर ले अंटाईस कि नइं।
9 पर ओ पंड़की ला बईठे बर कोनो ठिकाना नइं मिलिस, काबरकि जम्मो धरती ह पानी ले भरे रिहिस,
एकरसेति ओह लहुंटके नूह करा जहाज म आ गीस। तब नूह ह हांथ लमाके ओला वापिस अपन करा जहाज म
ले आईस।
10 तब ओह सात दिन तक ठहिरके ओ पंड़की ला जहाज ले फेर उड़िया दीस।
11 जब ओ पंड़की ह सांझकुन नूह करा लहुंटके आईस, त ओह देखिस कि पंड़की के चोंच म जैतून के एक नवां
पान हवय! तब नूह ह जान डारिस कि पानी धरती ऊपर ले अंटा गे हे।
12 ओह सात दिन अऊ ठहिरके ओ पंड़की ला फेर उड़िया दीस, पर ये समय ओह फेर लहुंटके नूह करा नइं
आईस।

* **7:20** लगभग 23 फीट

13 नूह के उमर के छै सौ एक बछर के पहिला महिना के पहिला दिन, पानी ह धरती ऊपर ले सूखा गीस। नूह
ह तब जहाज के छानी ला खोल दीस अऊ देखिस कि धरती ह सूखा गे हे।
14 दूसर महिना के सत्ताईसवां दिन धरती ह पूरा सूखा गीस।
15 तब परमेसर ह नूह ला कहिस,
16 "तें अपन घरवाली, बेटा, अऊ बहुमन के संग जहाज ले निकल आ।
17 चिरई, पसु, अऊ जम्मो किसम के धरती ऊपर रेंगइया जन्तुमन ला घलो अपन संग निकालके ले आ ताकि
धरती ऊपर ओमन बहुंत फूलंय-फरंय अऊ धरती म ओमन के गनती बढ़य।"
18 तब नूह, अपन बेटा, घरवाली अऊ बहुमन संग निकल आईस।
19 जम्मो पसु अऊ भुइयां म रेंगइया जम्मो जन्तु, अऊ जम्मो चिरई अऊ जम्मो जीव-जन्तु, जऊन मन
धरती म रेंगथें-बुलथें, अपन जाति-जाति के मुताबिक जहाज ले निकल आईन।
20 तब नूह ह यहोवा बर एक बेदी बनाईस, अऊ जम्मो सुध पसु अऊ जम्मो सुध चिरई म ले थोर-थोर लेके
बेदी ऊपर होम-बलिदान करिस।
21 यहोवा ह सुख-देवइया सुगंध ला सुंघके अपन मन म कहिस: "मनखे के कारन, में फेर कभू भुइयां ला सराप
नइं दंव, हालाकि मनखे के लइकापन ले जऊन भी बिचार ओकर मन म आथे, ओह खराप ही होथे। पर जइसने
मेंह जम्मो जीवमन ला नास करे हंव, वइसने अऊ फेर कभू नइं करंव।
22 "अब ले जब तक धरती ह रहिही,
तब तक बीजा बोय अऊ लुये के समय,
जाड़ा अऊ गरमी,
धूपकाला अऊ जड़काला,
दिन अऊ रात
लगातार होवत रहिहीं।"

9

[illegible]

1 फेर परमेसर ह नूह अऊ ओकर बेटामन ला आसीस दीस अऊ ओमन ला कहिस, "फूलव-फरव अऊ गनती
म बढ़व अऊ धरती म भर जावव।
2 तुम्हर डर अऊ भय धरती के जम्मो पसु, अऊ अकास के जम्मो चिरई, अऊ भुइयां म रेंगइया जम्मो जीव,
अऊ समुंदर के जम्मो मछरीमन ऊपर बने रहय; ये जम्मो ला तुम्हर बस म करे जावथे।
3 जम्मो जीयत अऊ रेंगइया जन्तुमन तुम्हर खाय बर हवंय। जइसने मेंह तुमन ला हरियर पऊधा दे रहेंव,
वइसने मेंह अब तुमन ला हर चीज देवत हंव।
4 "पर मांस ला तुमन परान सहित याने कि लहू समेत झन खाहू।
5 अऊ मेंह तुम्हर लहू याने कि परान के जरूर बदला लूहूं। मेंह जम्मो पसुमन ले बदला लूहूं। अऊ हर एक
मनखे ले घलो मेंह दूसर मनखे के परान के बदला लूहूं।
6 "जऊन कोनो मनखे के लहू बहाही,
ओकर लहू मनखे के दुवारा बहाय जाही;
काबरकि परमेसर ह मनखे ला
अपनेच सरूप म बनाय हवय।
7 अऊ तुमन फूलव-फरव अऊ गनती म बढ़व; धरती ऊपर बहुंत बढ़व अऊ येमा भर जावव।"
8 फेर परमेसर ह नूह अऊ ओकर बेटामन ला कहिस,
9 "सुनव, में अब तुम्हर संग अऊ तुम्हर पाछू तुम्हर होवइया संतानमन संग करार करत हंव;
10 अऊ जम्मो जीयत परानी जेमन तुम्हर संग हवंय—चिरई, घरेलू-पसु अऊ जम्मो जंगली पसु, अऊ धरती
ऊपर जम्मो जीयत परानी, जऊन मन तुम्हर संग जहाज ले निकले हवंय, ओमन संग घलो।
11 में तुम्हर संग अपन ये करार करत हंव: फेर कभू जम्मो परानी जल-परलय ले नास नइं होवंय; फेर कभू
धरती ला नास करे बर जल-परलय नइं होवय।"

12 फेर परमेसर ह कहिस, “जऊन करार मेंह तुम्हर अऊ जतेक जीयत परानी तुम्हर संग हवंय, ओ सबो के
संग करत हंव, येह अवइया तुम्हर जम्मो पीढ़ी बर होही अऊ ओकर ये चिनहां होही:
13 मेंह बादर म अपन मेघ-धनुस रखे हवंव, अऊ येह मोर अऊ धरती के बीच म करार के चिनहां होही।
14 जब भी में धरती ऊपर बादर लानंव अऊ बादर म मेघ-धनुस दिखय,
15 त मेंह जऊन करार तुम्हर अऊ जम्मो किसम के जीयत परानीमन संग करे हंव, ओला में सुरता करहूं। फेर
कभू अइसन जल-परलय जम्मो परानी के बिनास बर नइं होवय।
16 जब भी बादर म मेघ-धनुस दिखही, त मेंह ओला देखके ओ सदाकाल के करार ला सुरता करहूं, जऊन ला
परमेसर अऊ धरती के जम्मो किसम के जीयत परानीमन के बीच करे गे हवय।”
17 फेर परमेसर ह नूह ले कहिस, “जऊन करार मेंह धरती के जम्मो परानीमन संग करे हंव, ओकर ये चिनहां
अय।”

[illegible]

18 नूह के बेटा, जेमन जहाज ले निकलिन, ओमन के नांव सेम, हाम अऊ येपेत रिहिस। (हाम ह कनान के ददा
रिहिस।)
19 येमन नूह के तीन बेटा रिहिन, अऊ येमन के संतानमन जम्मो धरती म बगर गीन।
20 नूह ह भुइयां ले जुड़े मनखे रिहिस अऊ ओह अंगूर के एक बारी लगाईस।
21 एक दिन ओह अंगूर के मंद ला पीके मतवार हो गीस, अऊ अपन तम्बू के भीतर नंगरा पड़े रिहिस।
22 तब कनान के ददा, हाम ह अपन ददा ला नंगरा देखिस अऊ बाहिर आके अपन दूनों भाईमन ला बताईस।
23 तब सेम अऊ येपेत एक कपड़ा लेके अपन खांधा म रखिन अऊ उल्टा रेंगत अपन ददा के नंगरा देहें ला
ढांप दीन। ओमन अपन मुहूं ला आने कोति करे रिहिन ताकि ओमन अपन ददा ला नंगरा झन देखंय।
24 जब नूह के नसा उतरिस, त ओह जान डारिस कि ओकर सबले छोटे बेटा ह ओकर संग का करे हे।
25 एकरसेति ओह कहिस,
“कनान ला सराप लगय!
ओह अपन भाईमन के
दास म सबले छोटे दास होवय।”
26 ओह ये घलो कहिस,
“सेम के परमेसर यहोवा के महिमा होवय!
कनान ह सेम के दास होवय।
27 परमेसर ह येपेत* के इलाका ला बढ़ाय;
येपेत ह सेम के तम्बू म रहय
अऊ कनान ह येपेत के गुलाम बनय।”
28 जल-परलय के बाद नूह 350 बछर जीईस।
29 ये किसम ले नूह के कुल उमर 950 बछर होईस, अऊ तब ओह मर गीस।

10

[illegible]

1 येह नूह के बेटा सेम, हाम अऊ येपेत के बंसावली अय। जल-परलय के बाद ओमन के ये बेटामन जनमिन।

[illegible]

2 येपेत के बेटामन*:
गोमेर, मागोग, मादै, यावान, तूबल, मेसेक अऊ तीरास होईन।
3 गोमेर के बेटामन:
असकनज, रीपत अऊ तोगरमा होईन।
4 यावान के बेटामन:
एलीसाह, तरसीस, कित्ती अऊ रोदानीमन होईन।

---

* **9:27** [illegible] इबरानी म [illegible]
* **10:2** [illegible] एकर मतलब [illegible] घलो हो सकथे। पद 3, 4, 6, 7, 20-23, 29 अऊ 31 म घलो

5 (येमन ले समुंदर तीर के मनखेमन अपन-अपन छेत्र म अपन गोत्र, अपन जाति अऊ अपन भासा के
मुताबिक अलग-अलग हो गीन।)

[illegible]

6 हाम के बेटामन:
कूस, मिसर, पूत अऊ कनान होईन।
7 कूस के बेटामन:
सबा, हवीला, सबता, रामा, अऊ सबतका होईन।
रामा के बेटामन:
सेबा अऊ ददान होईन।
8 कूस ह निमरोद के ददा† रिहिस; निमरोद ह धरती म पहिला बड़े बीर होईस।
9 ओह यहोवा के नजर म एक बड़े सिकारी रिहिस; एकर खातिर ये कहे जाथे, "निमरोद के सहीं, यहोवा के नजर
म एक बड़े सिकारी।"
10 ओकर राज के पहिली केन्द्रमन सिनार‡ देस म बेबिलोन, ऊरूक, अक्कद अऊ कलने रिहिन।
11 ओ देस ले, ओह निकलके अस्सूर देस म गीस, अऊ उहां नीनवे, रहोबोत-ईर अऊ कालह सहर बसाईस,
12 अऊ नीनवे अऊ कालह के बीच म रेसेन सहर बसाईस—जऊन ह बड़े सहर अय।
13 मिसर ह
लूदी, अनामी, लहाबी, नपतूही,
14 अऊ पतरूसी, कसलूही (जेकर ले पलिस्तीमन आईन) अऊ कपतोरी मनखेमन के ददा रिहिस।
15 कनान के बड़े बेटा
सीदोन रिहिस,§ तेकर पाछू हित्ती,
16 यबूसी, अमोरी, गिरगासी,
17 हिब्बी, अरकी, सीनी,
18 अरवदी, समारी अऊ हमातीमन घलो होईन।
(बाद म कनानी कुल के मनखेमन बगर गीन
19 अऊ कनानीमन के सीमना ह सीदोन ले लेके गरार के तरफ गाजा तक, अऊ फेर सदोम, अमोरा, अदमा
अऊ सबोईम के तरफ लासा तक होईस।)
20 येमन हाम के बंसज रिहिन, अऊ येमन अपन गोत्र अऊ भासा के मुताबिक अपन-अपन इलाका अऊ जाति
म अलग हो गीन।

[illegible]

21 सेम जऊन ह येपेत के बड़े भाई रिहिस, ओकर घलो बेटामन होईन, अऊ सेम ह जम्मो एबेर बंस के पुरखा
रिहिस।
22 सेम के बेटामन:
एलाम, अस्सूर, अर्पछद, लूद अऊ अराम होईन।
23 अराम के बेटामन:
ऊस, हूल, गेतेर अऊ मेसेक* होईन।
24 अर्पछद ह सेलह के ददा
अऊ सेलह ह एबेर के ददा रिहिस।
25 एबेर के दू झन बेटा होईन:
एक के नांव पेलेग† रखे गीस, काबरकि ओकर समय म धरती ह बंट गीस; ओकर भाई के नांव योकतान
रिहिस।
26 योकतान के बेटामन
अलमोदाद, सेलेप, हसरमावेत, येरह
27 हदोराम, ऊजाल, दिकला,

---

† **10:8** [illegible] एकर मतलब [illegible] घलो हो सकथे; पद 13, 15, 24 अऊ 26 ‡ **10:10** याने कि, बेबिलोनिया § **10:15** या [illegible] * **10:23** देखव सेप्टाजिन्ट अऊ 1 इति 1:17; इबरानी म [illegible] † **10:25** [illegible] के मतलब [illegible]

28 ओबाल, अबीमाएल, सेबा,
29 ओपीर, हवीला अऊ योबाब रिहिन। ये जम्मो योकतान के बेटा रिहिन।
30 (ओ जगह जिहां येमन रहत रिहिन, ओह पूरब दिग के पहाड़ी देस म मेसा ले लेके सपारा तक फईले रिहिस।)
31 येमन सेम के बंसज रिहिन, अऊ येमन अपन गोत्र अऊ भासा के मुताबिक अपन-अपन छेत्र अऊ जाति म अलग हो गीन।

32 अपन-अपन संतान अऊ जाति के मुताबिक, येमन नूह के बेटामन के बंसज अंय। जल-परलय के बाद, जाति-जाति के मनखेमन येमन ले निकलके धरती म बगर गीन।

11

[illegible]

1 जम्मो धरती म एके ठन भासा अऊ एके किसम के बोली रिहिस।
2 ओ समय जब मनखेमन पूरब दिग कोति जावत रिहिन, त ओमन ला सिनार देस म एक मैदान मिलिस अऊ उहां ओमन बस गीन।
3 तब ओमन एक-दूसर ला कहिन, "आवव, हमन ईंटा बना-बनाके ओला आगी म बने करके पकावन।" ओमन पथरा के बदला ईंटा अऊ चूना के गारा के बदला डामर के उपयोग करिन।
4 फेर ओमन कहिन, "आवव, हमन अपन बर एक सहर अऊ एक मीनार बनावन, जेकर चोटी अकास तक हबरे, ताकि हमर नांव होवय; नइं तो हमन ला जम्मो धरती ऊपर बगरे बर पड़ही।"
5 जब मनखेमन सहर अऊ मीनार बनाय लगिन, त यहोवा ह ओ सहर अऊ मीनार ला देखे बर खाल्हे उतर आईस।
6 अऊ यहोवा ह कहिस, "ये जम्मो झन एकेच दल अंय, अऊ येमन के भासा घलो एके ठन अय, अऊ येमन ये काम ला सुरू कर डारे हें; अब येमन जऊन कुछू भी बनाय के योजना करहीं, येमन बर कुछू भी असंभव नइं होही।
7 एकरसेति आवव, हमन उतरके येमन के भासा म गड़बड़ी कर देवन ताकि येमन एक-दूसर के बात ला झन समझंय।"
8 अइसने करके यहोवा ह ओमन ला उहां ले जम्मो धरती ऊपर बगरा दीस, अऊ ओमन ओ सहर ला बनाना छोंड़ दीन।
9 एकरे बर ओ सहर के नांव बेबिलोन* पड़िस—काबरकि उहां यहोवा ह जम्मो धरती के भासा म गड़बड़ी करिस, अऊ उहां ले यहोवा ह मनखेमन ला धरती के जम्मो जगह बगरा दीस।

[illegible]

10 सेम के परिवार के बिबरन ये अय।

जल-परलय के दू बछर के पाछू, जब सेम ह 100 बछर के होईस, त ओह अर्पछद के ददा† होईस।
11 अर्पछद के जनम के पाछू, सेम ह 500 बछर जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ भी बेटा-बेटीमन होईन।
12 जब अर्पछद 35 बछर के होईस, त ओकर ले सेलह के जनम होईस।
13 अऊ सेलह के जनम के पाछू, अर्पछद ह 403 बछर अऊ जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ भी बेटा-बेटीमन होईन।
14 जब सेलह 30 बछर के होईस, त ओकर ले एबेर के जनम होईस।
15 अऊ एबेर के जनम के पाछू, सेलह ह 403 बछर अऊ जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ भी बेटा-बेटीमन होईन।
16 जब एबेर 34 बछर के होईस, त ओकर ले पेलेग के जनम होईस।
17 अऊ पेलेग के जनम के पाछू, एबेर 430 बछर अऊ जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ भी बेटा-बेटीमन होईन।
18 जब पेलेग 30 बछर के होईस, त ओकर ले रू के जनम होईस।

---

* **11:9** *[illegible]* इबरानी म *[illegible]* † **11:10** *[illegible]* के मतलब *[illegible]*

19 अऊ रू के जनम के पाछू, पेलेग 209 बछर अऊ जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ बेटा-बेटीमन होईन।
20 जब रू 32 बछर के होईस, त ओकर ले सरूग के जनम होईस।
21 अऊ सरूग के जनम के पाछू, रू 207 बछर अऊ जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ बेटा-बेटीमन होईन।
22 जब सरूग 30 बछर के होईस, त ओकर ले नाहोर के जनम होईस।
23 अऊ नाहोर के जनम के पाछू, सरूग 200 बछर अऊ जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ बेटा-बेटीमन होईन।
24 जब नाहोर 29 बछर के होईस, त ओकर ले तेरह के जनम होईस।
25 अऊ तेरह के जनम के पाछू, नाहोर 119 बछर अऊ जीयत रिहिस अऊ ओकर अऊ बेटा-बेटीमन होईन।
26 जब तेरह 70 बछर के होईस, त ओकर ले अब्राम, नाहोर अऊ हारान के जनम होईस।

[illegible]
27 तेरह के परिवार के बिबरन ये अय।

तेरह ले अब्राम, नाहोर अऊ हारान के जनम होईस। अऊ हारान ले लूत के जनम होईस।
28 हारान अपन ददा तेरह के जीते जी कसदीमन के ऊर नांव के नगर म, जऊन ह ओकर जनम भुइयां रिहिस, मर गीस।
29 अब्राम अऊ नाहोर दूनों झन बिहाव कर लीन। अब्राम के घरवाली के नांव सारै, अऊ नाहोर के घरवाली के नांव मिलका रिहिस; ओह हारान के बेटी रिहिस, जऊन ह मिलका अऊ यिसका दूनों के ददा रिहिस।
30 सारै के कोनो बाल-बच्चा नइं रिहिन, काबरकि ओला कभू गरभ नइं ठहिरिस।
31 तेरह अपन बेटा अब्राम, अपन पोता लूत, जेह हारान के बेटा रिहिस, अऊ अपन बहू सारै, जेह ओकर बेटा अब्राम के घरवाली रिहिस, ये जम्मो झन ला लेके कसदीमन के ऊर नगर ले कनान देस जाय बर निकलिस। पर जब ओमन हारान नांव के देस म आईन, त उहेंच रहे लगिन।
32 तेरह 205 बछर जीईस, अऊ ओह हारान देस म मर गीस।

12

[illegible]
1 यहोवा ह अब्राम ला कहिस, "अपन देस, अपन मनखे अऊ अपन ददा के परिवार ला छोंड़के ओ देस म चले जा, जेला मेंह तोला देखाहूं।
2 "मेंह तोर ले एक बड़े जाति बनाहूं
अऊ मेंह तोला आसीस दूहूं;
मेंह तोर नांव ला बहुंत बड़े करहूं
अऊ तेंह आसीस के कारन होबे।
3 जऊन मन तोला आसीस दीहीं, ओमन ला में आसीस दूहूं
अऊ जऊन ह तोला सराप दीही, ओला मेंह सराप दूहूं;
अऊ ये धरती के जम्मो मनखेमन
तोर जरिये आसीस पाहीं।"*
4 यहोवा के ये बचन के मुताबिक अब्राम ह चल पड़िस; अऊ ओकर संग लूत घलो गीस। अब्राम ह पचहत्तर बछर के रिहिस, जब ओह हारान देस ले निकलिस।
5 अब्राम अपन घरवाली सारै, अपन भतीजा लूत, जऊन धन ओमन जमा करे रिहिन अऊ जऊन मनखेमन ला ओमन हारान म पाय रिहिन, ओ सबो ला लेके कनान देस जाय बर निकलिस अऊ ओमन कनान देस म आ गीन।
6 ओ देस म ले होवत अब्राम ह सकेम म मोरे के बड़े रूख तक गीस। ओ समय ओ देस म कनानीमन रहत रिहिन।
7 तब यहोवा ह अब्राम ला दरसन देके कहिस, "तोर संतान ला में ये देस दूहूं।" एकरसेति ओह उहां यहोवा बर, जऊन ह ओला दरसन दे रिहिस, एक बेदी बनाईस।

---

* **12:3** या *[illegible]* (देखव 48:20)

8 फेर उहां ले चलके ओह ओ पहाड़ करा आईस, जऊन ह बेतेल के पूरब कोति हवय, अऊ उहां ओह अपन
तम्बू गाड़िस, जेकर पछिम कोति बेतेल अऊ पूरब कोति अई नगर हवय। उहां घलो ओह यहोवा बर एक ठन
बेदी बनाईस अऊ यहोवा के अराधना करिस।
9 तब अब्राम उहां ले निकलके नेगेव कोति चल दीस।

[illegible]

10 कनान देस म अकाल पड़िस, एकर कारन अब्राम ह खाल्हे कोति मिसर देस म चल दीस अऊ उहां कुछू
समय तक रिहिस, काबरकि देस म भयंकर अकाल रिहिस।
11 जब ओह मिसर देस म हबरनेचवाला रिहिस, त ओह अपन घरवाली सारै ला कहिस, "सुन, मेंह जानत हंव
कि तें एक सुघर नारी अस।
12 जब मिसर देस के मनखेमन तोला देखहीं, त कहिहीं, 'येह ओकर घरवाली अय।' तब ओमन मोला तो मार
डारहीं, पर तोला छोंड़ दीहीं।
13 एकरसेति ये कहिबे कि तें मोर बहिनी अस, ताकि तोर कारन मोर संग बने बरताव होवय अऊ मोर परान ह
तोर कारन बच जावय।"
14 जब अब्राम मिसर म आईस, त मिसर देस के मनखेमन देखिन कि सारै ह बहुंत सुघर हे।
15 अऊ जब फिरौन† के अधिकारीमन ओला देखिन, त फिरौन के आघू म ओकर बड़ई करिन, एकरसेति सारै
ला फिरौन के महल म लाय गीस।
16 फिरौन ह ओकर कारन से अब्राम के संग बने बरताव करिस, अऊ अब्राम ला भेड़-बकरी, गरूवा-बईला,
गदहा-गदही अऊ दास-दासी, अऊ ऊंट मिलिस।
17 पर यहोवा ह फिरौन अऊ ओकर परिवार ऊपर अब्राम के घरवाली सारै के कारन बड़े-बड़े बेमारी लानिस।
18 तब फिरौन ह अब्राम ला बलाके कहिस, "तेंह मोर संग ये का करे हस? तें मोला काबर नइं बताय कि ओह
तोर घरवाली ए?
19 तेंह काबर कहे कि ओह तोर बहिनी ए? एकरसेति मेंह ओला अपन घरवाली बनाय बर ले गे रहेंव। पर अब
अपन घरवाली ला ले अऊ इहां ले चले जा!"
20 तब फिरौन ह अपन मनखेमन ला अब्राम के बारे म हुकूम दीस, अऊ ओमन ओला अऊ ओकर घरवाली
ला, ओकर जम्मो धन-संपत्ति सहित बिदा कर दीन।

13

[illegible]

1 तब अब्राम अपन घरवाली अऊ अपन जम्मो संपत्ति ला लेके मिसर देस ले नेगेव* गीस, अऊ लूत घलो
ओकर संग म गीस।
2 अब्राम ह घरेलू-पसु अऊ सोन अऊ चांदी म अब्बड़ धनी हो गे रिहिस।
3 नेगेव ले चलके जगह-जगह होवत ओह बेतेल के लकठा म हबरिस, बेतेल अऊ अई नगर के बीच म, जिहां
पहिली ओह अपन तम्बू ठाढ़ करे रिहिस
4 अऊ जिहां ओह पहिली बार बेदी बनाय रिहिस, उहां अब्राम ह यहोवा के अराधना करिस।
5 लूत, जऊन ह अब्राम संग चलत रिहिस, ओकर करा घलो भेड़-बकरी, गरूवा-बईला अऊ तम्बू रिहिस।
6 पर ओ जगह ह ओ दूनों ला नइं पूरत रिहिस। काबरकि ओमन के धन-संपत्ति अतकी जादा हो गे रिहिस कि
ओमन एक संग रह नइं सकिन।
7 अब्राम अऊ लूत के चरवाहामन के बीच म झगरा होय लगिस। ओ समय कनानी अऊ परिज्जीमन घलो ओ
देस म रहत रिहिन।
8 तब अब्राम ह लूत ला कहिस, "मोर अऊ तोर बीच, या मोर चरवाहा अऊ तोर चरवाहामन के बीच झगरा
झन होवय, काबरकि हमन नजदीकी रिस्तेदार अन।
9 का पूरा देस तोर आघू म नइं ए? एकर खातिर मोर ले अलग हो जा। यदि तें डेरी कोति जाबे, त में जेवनी
कोति जाहूं, अऊ यदि तें जेवनी कोति जाबे, त में डेरी कोति जाहूं।"

---

† **12:15** येह राजा के नांव नो हय पर येह मिसर देस के राजा के उपाधि ए * **13:1** कनान के दक्खिन के भाग

10 तब लूत ह चारों कोति देखिस कि सोअर कोति यरदन नदी के मैदान ह यहोवा के बगीचा अऊ मिसर देस
सहीं पानी ले बने सिंचाय हवय। (येह ओ समय के बात ए, जब यहोवा ह सदोम अऊ अमोरा ला नास नइं करे
रिहिस।)
11 एकरसेति लूत ह अपन बर यरदन के पूरा मैदान ला चुनके पूरब कोति गीस। अऊ ओ दूनों एक-दूसर ले
अलग हो गीन:
12 अब्राम ह कनान देस म रह गीस, जबकि लूत ह ओ मैदान के सहरमन म रहे लगिस अऊ अपन तम्बू सदोम
के लकठा म ठाढ़ करिस।
13 सदोम के मनखेमन दुस्ट रिहिन अऊ यहोवा के बिरूध बहुंत पाप करत रिहिन।
14 जब लूत ह अब्राम ले अलग हो गीस, तब यहोवा ह अब्राम ला कहिस, "जिहां तेंह ठाढ़े हस, उहां ले आंखी
उठाके उत्तर, दक्खिन, पूरब अऊ पछिम चारों कोति देख।
15 काबरकि जतेक भुइयां तोला दिखत हे, ओ सब ला मेंह तोला अऊ तोर संतान† ला सदाकाल बर दूहूं।
16 अऊ में तोर बंस के मनखेमन ला धरती के धुर्रा के कन सहीं बहुंत करहूं, ताकि यदि कोनो धरती के धुर्रा ला
गने सकही, त फेर ओह तोर संतानमन ला घलो गने सकही।
17 उठ, अऊ ये देस के लम्बई अऊ चौड़ई म जतकी रेंग सकथस रेंग, काबरकि में येला तोला देवत हंव।"
18 एकरसेति अब्राम ह हेबरोन म ममरे के बड़े रूखमन के लकठा म रहे बर गीस अऊ उहां अपन तम्बू ठाढ़
करिस। अऊ उहां यहोवा बर एक ठन बेदी बनाईस।

14

[illegible]

1 ओ समय जब सिनार* के राजा अमरापेल, एल्लासार के राजा अरयोक, एलाम के राजा कदोरलाओमेर अऊ
गोयीम के राजा तिदाल रिहिस,
2 त ये राजामन सदोम के राजा बेरा, अमोरा के राजा बिरसा, अदमा के राजा सिनाब, सबोईम के राजा सेमेबेर
अऊ बेला के राजा (जऊन ला सोअर कहे जाथे) के बिरूध लड़ई करिन।
3 ये पांचों राजामन सिद्दीम नांव के घाटी म (जऊन ला मिरतू सागर घाटी कहे जाथे) जूरिन।
4 काबरकि बारह बछर तक येमन कदोरलाओमेर के अधीन रिहिन, पर तेरहवां बछर म येमन ओकर बिरूध
बिदरोह करिन।
5 चौदहवां बछर म कदोरलाओमेर अऊ ओकर संगी राजामन एक संग आईन अऊ असतरोत-करनेम म
रपाईमन, हाम म जूजीमन, साबे-किरयातैम म एमीमन
6 अऊ सेईर के पहाड़ी म होरीमन ऊपर चढ़ई करिन अऊ ओमन ला हरावत-हरावत मरू-भुइयां के लकठा म
एल-पारान तक हबर गीन।
7 तब उहां ले ओमन लहुंटके एन-मिसपात (जऊन ला कादेस कहे जाथे) म आईन, अऊ ओमन अमालेकीमन
के जम्मो देस ला अऊ संग म ओ अमोरीमन ला घलो जीत लीन, जेमन हससोन-तामार म रहत रिहिन।
8 तब सदोम के राजा, अमोरा के राजा, अदमा के राजा, सबोईम के राजा अऊ बेला के राजा (जऊन ला
सोअर कहे जाथे) निकलिन अऊ सिद्दीम नांव के घाटी म
9 एलाम के राजा कदोरलाओमेर, गोयीम के राजा तिदाल, सिनार के राजा अमरापेल अऊ एल्लासार के राजा
अरयोक के बिरूध म लड़ई करे बर ठाढ़ होईन—चार राजामन पांच राजामन के बिरूध म रहंय।
10 सिद्दीम के घाटी ह डामर के खंचवामन ले भर गे रिहिस, अऊ जब सदोम अऊ अमोरा के राजामन भागिन,
त कुछू मनखेमन ओ खंचवामन म गिरिन अऊ बांचे मनखेमन पहाड़ी ऊपर भाग गीन।
11 तब ओ चारों राजा सदोम अऊ अमोरा के जम्मो सामान अऊ खाय के चीजमन ला लूटके चल दीन।
12 ओमन अब्राम के भतीजा लूत, जऊन ह सदोम म रहत रिहिस, ओला अऊ ओकर धन-संपत्ति ला घलो
अपन संग ले गीन।

---

† **13:15** या *[illegible]* पद 16 म घलो * **14:1** बेबिलोनिया; पद 9 म घलो

13 तब एक मनखे जऊन ह भागके बांच गे रिहिस, ओह जाके इबरी अब्राम ला ये बात बताईस। अब्राम तो
अमोरी ममरे जऊन ह एसकोल अऊ आनेर के एक भाई† रिहिस, ओकर बड़े रूखमन के लकठा म रहत रिहिस;
येमन के संबंध अब्राम के संग संगवारी के सहीं रिहिस।
14 जब अब्राम सुनिस कि ओकर भतीजा ला बंधुवई म ले गे हवंय, त ओह 318 लड़ई करे बर सिखोय
मनखेमन ला, जेमन ओकर परिवार म जनमे रिहिन, लीस अऊ दान नगर तक ओमन के पीछा करिस।
15 रथिया के बेरा अब्राम ह ओमन ऊपर हमला करे बर अपन मनखेमन के अलग-अलग दल बनाईस अऊ
दमिस्क सहर के उत्तर म होबा तक ओमन के पीछा करिस, अऊ ओमन ला हराईस।
16 अऊ ओह जम्मो सामान ला, अऊ अपन भतीजा लूत अऊ ओकर धन-संपत्ति ला, अऊ माईलोगन अऊ
दूसर मनखेमन ला छोंड़ाके ले आईस।

[illegible]

17 जब अब्राम ह कदोरलाओमेर अऊ ओकर संगी राजामन ला हराके लहुंटत रिहिस, तब सदोम के राजा ह
साबे नांव के घाटी म (जेला राजा के घाटी घलो कहे जाथे) अब्राम के संग भेंट करे बर आईस।
18 तब सालेम‡ के राजा मलकिसिदक रोटी अऊ अंगूर के मंद लेके आईस। ओह सर्वोच्च परमेसर के पुरोहित
रिहिस,
19 अऊ ओह ये कहिके अब्राम ला आसीस दीस,
"सर्वोच्च परमेसर ले, जऊन ह अकास अऊ धरती के रचइता ए,
तोला आसीस मिलय।
20 अऊ सर्वोच्च परमेसर के महिमा होवय,
जऊन ह तोर बईरीमन ला तोर बस म कर दीस।"
तब अब्राम ह ओला हर एक चीज के दसवां भाग दीस।
21 तब सदोम के राजा ह अब्राम ला कहिस, "मनखेमन ला तें मोला दे अऊ धन ला तें अपन बर रख।"
22 पर अब्राम ह सदोम के राजा ला कहिस, "यहोवा, सर्वोच्च परमेसर जऊन ह अकास अऊ धरती के रचइता
ए, ओकर करा मेंह हांथ उठाके किरिया खाय हंव
23 कि जऊन चीज तोर अय, ओमा ले में कुछू नइं लेवंव, न एक ठन सूंत, न जूता के एक बंधना घलो, ताकि तें
ये कभू झन कहे सकस, 'मेंह अब्राम ला धनी बनांय।'
24 पर जऊन कुछू मोर मनखेमन खा ले हवंय अऊ ओमन के बांटा, जऊन मन मोर संग गे रिहिन याने कि
आनेर, एसकोल अऊ ममरे के बांटा, में तोला नइं लहुंटांव। ओमन ला अपन बांटा रखन दे।"

15

[illegible]

1 एकर पाछू, यहोवा के ये बचन दरसन के दुवारा अब्राम करा आईस:
"हे अब्राम, झन डर।
मेंह तोर ढाल
अऊ तोर बड़े ईनाम अंव।*"
2 पर अब्राम ह कहिस, "हे परमपरधान यहोवा, तें मोला का दे सकथस, जब में बिन लइका के हंव अऊ मोर
घर के वारिस दमिस्क के एलिएजेर होही?"
3 अऊ अब्राम ह कहिस, "मोला तो तें कोनो लइका नइं दे हस; एकरसेति मोर परिवार म एक दास ह मोर
वारिस होही।"
4 तब यहोवा के ये बचन ओकर करा आईस, "ये मनखे ह तोर वारिस नइं होवय, पर तोर खुद के मांस अऊ लहू
ले जनमे बेटा ही तोर वारिस होही।"
5 ओह ओला बाहिर ले जाके कहिस, "आंखी उठाके अकास कोति देख अऊ ये तारामन ला गन—का तें येमन
ला गन सकथस?" फेर ओह ओला कहिस, "तोर संतान ह अइसने होही।"
6 अब्राम ह यहोवा ऊपर बिसवास करिस, अऊ परमेसर ह येला अब्राम बर धरमीपन के बात मानिस।

---

† **14:13** या [illegible]; या [illegible] ‡ **14:18** बाद म येला [illegible] कहे गीस; भजन 76:2 * **15:1** या [illegible]

7 परमेसर ह अब्राम ला ये घलो कहिस, “में ओही यहोवा अंव, जऊन ह तोला कसदीमन के ऊर नगर ले
बाहिर लानेंव ताकि तोला ये देस ऊपर अधिकार देवंव।”
8 पर अब्राम ह कहिस, “हे परमपरधान यहोवा, में येला कइसे जानंव कि मेंह ये देस के ऊपर अधिकार रखहूं?”
9 त यहोवा ह ओला कहिस, “मोर बर तीन-तीन बछर के एक बछिया, एक बोकरा अऊ एक मेढ़ा लान अऊ
संग म एक पंड़की अऊ एक परेवा के पीला लान।”
10 अब्राम ये जम्मो ला ओकर करा लानिस, अऊ ओमन के दू-दू कुटा करके ओ कुटामन ला एक-दूसर के आघू
म मढ़ा दीस, पर चिरईमन ला ओह दू कुटा नइं करिस।
11 तब ओ मुरदामन ऊपर मांसाहारी चिरईमन झपटिन, पर अब्राम ओमन ला हंकाल दीस।
12 जब बेर ह बुड़त रिहिस, त अब्राम ह भारी नींद म सो गीस, अऊ भारी अऊ भयानक अंधियार ओकर ऊपर
छा गीस।
13 तब यहोवा ह अब्राम ला कहिस, “ये बात ला निस्चय जान ले कि तोर संतानमन आने देस म चार सौ साल
तक परदेसी होहीं अऊ उहां ओमन गुलाम बनाय जाहीं अऊ ओमन के ऊपर अतियाचार करे जाही।
14 पर जऊन देस के ओमन गुलाम के रूप म सेवा करहीं, ओ देस ला में दंड दूहूं, अऊ ओकर बाद ओमन उहां
ले अब्बड़ धन लेके निकल आहीं।
15 पर, तें सांति से अपन पुरखामन संग मिल जाबे अऊ बने डोकरा होय के बाद तोला माटी मिलही।
16 पर चौथा पीढ़ी म, तोर संतानमन इहां फेर वापिस आहीं, काबरकि अमोरीमन के पाप के घड़ा ह अब तक
नइं भरे हवय।”
17 जब बेर ह बुड़ गीस अऊ अंधियार छा गीस, तब एक अंगीठी म, जेमा ले धुआं उठत रहय, एक बरत
मसाल दिखिस अऊ ओ मसाल मांस के कुटामन के बीच म ले निकल गीस।
18 ओ दिन यहोवा ह अब्राम के संग एक करार करिस अऊ कहिस, “मिसर के नरवा† ले लेके फरात नांव के बड़े
नदी तक—
19 याने कि केनी, कनिज्जी, कदमोनी,
20 हित्ती, परिज्जी, रपाई,
21 अमोरी, कनानी, गिरगासी अऊ यबूसीमन के देस ला में तोर संतानमन ला देवत हंव।”

16

[illegible]

1 अब्राम के घरवाली सारै के कोनो संतान नइं रिहिस। पर ओकर हाजिरा नांव के एक झन मिसर देस के दासी
रिहिस;
2 एकरसेति सारै ह अब्राम ला कहिस, “देख, यहोवा ह मोर कोख ला बंद कर दे हवय, एकरसेति तें मोर दासी के
संग सुत; हो सकत हे कि ओकर दुवारा मोर परिवार आघू बढ़य।”
सारै के ये बात ला अब्राम मान लीस।
3 अब्राम ला कनान देस म रहत दस साल होय के बाद ओकर घरवाली सारै ह अपन मिसर के दासी हाजिरा
ला अपन घरवाला अब्राम के घरवाली होय बर दे दीस।
4 ओह हाजिरा संग सुतिस, तब हाजिरा ह आसरा म हो गीस।
जब ओह जानिस कि ओह आसरा म हवय, त ओह अपन मालकिन ला तुछ समझे लगिस।
5 तब सारै ह अब्राम ला कहिस, “मोर संग जऊन अनियाय होवथे, ओकर जिम्मेदार तें अस। में तो अपन
दासी ला तोर हांथ म दे देंव, पर जब ओह ये जानिस कि ओह आसरा म हवय, त ओह मोला तुछ समझत हे।
एकर बर यहोवा तोर अऊ मोर नियाय करय।”
6 अब्राम ह सारै ला कहिस, “देख, तोर दासी ह तोर हांथ* म हवय; जइसने तोला बने लगय, वइसने ओकर
संग कर।” तब सारै ह हाजिरा ला दुख देय लगिस। एकरसेति ओह ओकर करा ले भाग गीस।
7 यहोवा के स्वरगदूत ह ओला सुनसान जगह म सूर के रसता म पानी के एक सोता करा पाईस।
8 अऊ ओह कहिस, “हे सारै के दासी, हाजिरा, तें कहां ले आवत हस, अऊ कहां जावत हस?”
ओह जबाब दीस, “मेंह अपन मालकिन सारै करा ले भागके आय हंव।”

† **15:18** या *[illegible]* * **16:6** या *[illegible]*

9 तब यहोवा के स्वरगदूत ह ओला कहिस, “अपन मालकिन करा लहुंट जा अऊ ओकर बस म रह।”
10 यहोवा के स्वरगदूत ह ओला ये घलो कहिस, “मेंह तोर संतान ला अब्बड़ बढ़ाहूं, इहां तक कि ओमन के
गनती करई मुसकिल हो जाही।”
11 यहोवा के स्वरगदूत ह ओला ये घलो कहिस:
“देख, तें आसरा म हस
अऊ तें एक बेटा ला जनम देबे।
तें ओकर नांव इसमायल† रखबे,
काबरकि यहोवा ह तोर दुख के बात ला सुन ले हवय।
12 ओह एक जंगली गदहा के सुभाव के मनखे होही;
ओकर हांथ जम्मो झन के बिरूध उठही
अऊ जम्मो झन के हांथ ओकर बिरूध उठही,
अऊ ओह अपन जम्मो भाई-बंधुमन संग
बईरता के संग जिनगी जीही।”
13 तब हाजिरा ह यहोवा के ये नांव रखिस, जऊन ह ओकर ले बात करे रिहिस: “तेंह ओ परमेसर अस, जऊन
ह मोला देखथस,” काबरकि ओह कहिस, “मेंह अब ओला देख डारे हंव जऊन ह मोला देखथे।”
14 एकरे कारन ओ कुआं के नांव बेर-लहाय-रोई‡ परिस, येह अभी घलो कादेस अऊ बेरेद के बीच म हवय।
15 हाजिरा ला अब्राम के दुवारा एक बेटा होईस, अऊ अब्राम ओ बेटा के नांव इसमायल रखिस, जेला हाजिरा
जनम दीस।
16 जब हाजिरा ह अब्राम के दुवारा इसमायल ला जनम दीस, ओ समय अब्राम छियासी बछर के रिहिस।

17

[illegible]

1 जब अब्राम ह निनानबे बछर के होईस, त यहोवा ह ओला दरसन देके कहिस, “में सर्वसक्तिमान* परमेसर
अंव; बिसवासयोग्यता के साथ मोर संग चल अऊ निरदोस बने रह।
2 त में तोर अऊ मोर बीच म अपन करार करहूं अऊ तोर बंस ला अब्बड़ बढ़ाहूं।”
3 तब अब्राम ह मुहूं के बल गिरके ओला दंडवत करिस, अऊ परमेसर ह ओला कहिस,
4 “देख, तोर संग मोर करार ये अय: तेंह बहुंते जाति के मनखेमन के ददा होबे।
5 एकर बर अब ले तोर नांव अब्राम† नइं रहय, पर तोर नांव अब्राहम‡ होही; काबरकि मेंह तोला बहुंते जाति
के मनखेमन के ददा ठहिराय हंव।
6 मेंह तोला बहुंत फलवंत करहूं; मेंह तोर ले जाति-जाति के मनखे बनाहूं अऊ तोर बंस म राजामन जनमहीं।
7 में तोर संग अऊ तोर पाछू तोर अवइया पीढ़ी-पीढ़ी के संतान संग सदाकाल के ये करार करहूं कि में तोर
अऊ तोर पाछू तोर संतानमन के घलो परमेसर होहूं।
8 मेंह तोर अऊ तोर पाछू तोर संतानमन के अधिकार म, ये जम्मो कनान देस, जिहां तेंह अभी परदेसी होके
रहिथस, सदाकाल बर दे दूहूं; अऊ मेंह ओमन के परमेसर होहूं।”
9 फेर परमेसर ह अब्राहम ला कहिस, “ये जरूरी ए कि तहूं घलो मोर करार के पालन कर, तें अऊ तोर पाछू
अवइया तोर पीढ़ी-पीढ़ी के संतानमन घलो ये करार के पालन करंय।
10 तोर संग बांधे गय करार, जेला तोला अऊ तोर पाछू तोर संतानमन ला माने बर पड़ही, ओ ये अय: तुम्हर
बीच म हर पुरूस के खतना करे जावय।
11 तुमन अपन-अपन खतना करवा लव, अऊ येह मोर अऊ तुम्हर बीच म करे गय करार के चिनहां होही।

---

† **16:11** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **16:14** [illegible] के मतलब होथे [illegible]
* **17:1** इबरानी म [illegible] † **17:5** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **17:5** [illegible] संभवत: एकर मतलब होथे [illegible]

12 पीढ़ी-पीढ़ी तक सिरिप तोर बंस के मनखे ही नइं, पर जेमन तोर घर म जनमे हें या जेमन ला कोनो परदेसी
करा ले बिसाय गे हवय—जेमन तोर संतान नो हंय, अइसन जम्मो पुरूस के ओमन के जनमे के आठवां दिन म
खतना करे जावय।
13 जऊन मन तोर घर म जनमे हवंय या फेर रूपिया देके बिसाय गे हवंय, ओमन के जरूर खतना करे जावय।
मोर करार, जेकर चिनहां तोर देहें म होही, येह एक सदाकाल के करार होही।
14 कोनो बिगर खतना के पुरूस, जेकर चमड़ी के खतना नइं करे गे हवय, ओह अपन मनखेमन के बीच म ले
अलग करे जाही, काबरकि ओह मोर करार ला टोरे हवय।"
15 फेर परमेसर ह अब्राहम ला कहिस, "तोर जऊन घरवाली सारै हवय, तेला अब तें सारै झन कहिबे; ओकर
नांव सारा होही।
16 में ओला आसीस दूहूं, अऊ तोला ओकर दुवारा एक बेटा दूहूं; अऊ मेंह ओला अइसन आसीस दूहूं कि ओह
जाति-जाति के मनखेमन के मूल महतारी होही, अऊ ओकर ले मनखेमन के राजामन आहीं।"
17 तब अब्राहम ह मुहूं के बल भुइयां म गिरिस; ओह हंसिस अऊ अपन मन म कहिस, "का सौ बछर के मनखे
के घलो संतान पईदा होही? का सारा, जऊन ह नब्बे बछर के अय, एक लइका ला जनमही?"
18 अऊ अब्राहम ह परमेसर ला कहिस, "सिरिप इसमायल ह तोर आसीस म बने रहय, येह मोर बर बहुंत
अय।"
19 तब परमेसर ह कहिस, "सही म, तोर घरवाली सारा ले तोर दुवारा एक बेटा होही, अऊ तें ओकर नांव
इसहाक§ रखबे। में ओकर संग अइसन करार करहूं, जऊन ह ओकर बाद ओकर बंस बर घलो सदाकाल बर होही।
20 इसमायल के बिसय म घलो, में तोर बिनती ला सुने हंव: में ओला घलो आसीस दूहूं; में ओला फलवंत करहूं
अऊ ओकर संतान ला बहुंत बढ़ाहूं। ओकर ले बारह सासन करइया पईदा होहीं अऊ में ओकर ले एक बड़े जाति
बनाहूं।
21 पर में अपन करार इसहाक संग करहूं, जऊन ह अगले साल इही समय म, सारा ले तोर दुवारा जनमही।"
22 जब परमेसर ह अब्राहम के संग गोठिया लीस, तब ओह ओकर करा ले चल दीस।
23 तब अब्राहम ओहीच दिन अपन बेटा इसमायल अऊ ओकर घर म जनमे जम्मो पुरूस या ओकर घर म
रहइया बिसाय गे जम्मो पुरूस ला लीस अऊ परमेसर के कहे मुताबिक ओमन के खतना करिस।
24 जब अब्राहम के खतना होईस, तब ओह निनानबे बछर के रिहिस,
25 अऊ जब ओकर बेटा इसमायल के खतना होईस, तब ओह तेरह बछर के रिहिस।
26 अब्राहम अऊ ओकर बेटा इसमायल दूनों के खतना एके दिन म होईस।
27 अऊ ओकर घर म जतेक पुरूस रिहिन, जेमन ओकर घर म जनमे रिहिन या जेमन परदेसीमन के हांथ ले
बिसाय गे रिहिन, ओ जम्मो पुरूस के खतना ओकर संग होईस।

18

[illegible]

1 अब्राहम ह ममरे के बड़े रूखमन के लकठा म, घाम के बेरा अपन तम्बू के दुवारी म बईठे रिहिस, तब यहोवा
ह ओकर करा परगट होईस।
2 ओह आंखी उठाके देखिस, त तीन झन पुरूस लकठा म ठाढ़े रहंय। जब ओह ओमन ला देखिस, त ओह
ओमन ले भेंट करे बर तम्बू के दुवारी ले दऊड़िस अऊ भुइयां म झुकके ओमन ला दंडवत करिस।
3 ओह कहिस, "हे परभू, यदि मोर ऊपर तुम्हर दया-दिरिस्टी हवय, त अपन दास करा ले झन जावव।
4 मेंह थोरकन पानी लेके आवत हंव, अऊ तब तुमन अपन गोड़ ला धोके ये रूख खाल्हे म सुसतावव।
5 मेंह तुम्हर बर कुछू खाय बर लानत हंव ताकि ओला खाके तुमन तरो-ताजा होवव अऊ तब आघू अपन
रसता म जावव—काबरकि तुमन अपन दास करा आय हवव।"
त ओमन कहिन, "येह बने बात ए; तेंह जइसने कहय, वइसने कर।"
6 तब अब्राहम ह तुरते तम्बू म सारा करा गीस अऊ कहिस, "जल्दी कर, तीन सेआ* बढ़िया पीसान ले अऊ
ओला गुंथके कुछू रोटी बना।"

§ **17:19** [illegible] के मतलब होथे [illegible] * **18:6** करीब 16 किलोग्राम

7 तब अब्राहम ह दऊड़के अपन गरूवा-बईला के झुंड म गीस अऊ एक बढ़िया, नरम बछुवा ला छांटके अपन
दास ला दीस, जऊन ह जाके जल्दी से ओला पकाईस।
8 अब्राहम ह तब कुछू दही अऊ दूध अऊ ओ रांधे गय बछुवा के मांस ला ओमन के आघू म परोस दीस। जब
ओमन खावत रिहिन, त ओह ओमन के लकठा म रूख खाल्हे म ठाढ़े रिहिस।
9 ओमन ओला पुछिन, "तोर घरवाली सारा कहां हवय?"
ओह कहिस, "ओह तो तम्बू भीतर हवय।"
10 त ओमा के एक झन ह कहिस, "में अगले साल इही समय म तोर करा फेर आहूं, अऊ तोर घरवाली सारा के
एक बेटा होही।"
सारा तम्बू के दुवारी म अब्राहम के पाछू कोति रहिके ये बात ला सुनत रिहिस।
11 अब्राहम अऊ सारा दूनों बहुंत डोकरा-डोकरी हो गे रिहिन, अऊ सारा के माहवारी भी बंद हो गे रिहिस।
12 एकरसेति सारा ह मन म हंसके कहे लगिस, "में तो डोकरी हो गे हंव अऊ मोर घरवाला घलो डोकरा हो गे
हे, त का मोला ये सुख मिलही?"
13 तब यहोवा ह अब्राहम ला कहिस, "सारा अइसन कहिके काबर हंसिस, 'में अब अतकी डोकरी हो गे हंव
अऊ का सही म मोर एक बेटा होही?'
14 का यहोवा बर कोनो काम कठिन ए? मेंह अगले साल ठहिराय समय म तोर करा फेर आहूं, अऊ सारा के
एक बेटा होही।"
15 तब सारा डर के मारे ये कहिके अपन बात ले मुकर गीस, "में नइं हंसे रहंय।"
पर ओह कहिस, "नइं, तें हंसे तो रहय।"

[illegible]

16 जब ओ मनखेमन उहां ले जाय बर उठिन, त ओमन खाल्हे सदोम नगर कोति देखिन, अऊ अब्राहम ह
ओमन ला बिदा करे बर ओमन संग गीस।
17 तब यहोवा ह कहिस, "अभी में जो करइया हंव, का ओला मेंह अब्राहम ले छुपाके रखंव?
18 अब्राहम ले सही म एक बड़े अऊ सक्तिसाली जाति पईदा होही, अऊ धरती के जम्मो जाति के मनखेमन
ओकर जरिये आसीस पाहीं।
19 काबरकि मेंह ओला चुने हंव कि ओह अपन बाद अपन बेटा अऊ परिवार के मनखेमन ला हुकूम दीही कि
ओमन सही अऊ नियाय के काम करे के दुवारा यहोवा के रसता म अटल बने रहंय, ताकि यहोवा ह जऊन
परतिगियां अब्राहम ले करे हवय, ओला पूरा करय।"
20 फेर यहोवा ह कहिस, "सदोम अऊ अमोरा नगरमन के बिरूध नरियाई ह बहुंत बढ़ गे हवय अऊ ओमन के
पाप ह बहुंत दुखदाई हो गे हवय,
21 एकरसेति में उतरके देखहूं कि ओमन के बिरूध जऊन नरियाई मोर कान म हबरे हे, ओकर मुताबिक ओमन
के काम वइसने खराप हवय कि नइं। यदि नइं, त में ओला जान डारहूं।"
22 तब ओमा के दू झन उहां ले लहुंटके सदोम कोति जाय लगिन; पर अब्राहम ह यहोवा के आघू म ठाढ़े
रिहिस।
23 तब अब्राहम ओकर करा जाके कहिस: "का तें दुस्टमन के संग म धरमीमन ला घलो नास करबे?
24 सायद ओ नगर म पचास धरमी मनखे होवंय, त का तें सही म ओ जगह ला नास कर देबे, अऊ ओ पचास
धरमी जन के कारन ओला नइं छोंड़बे?
25 अइसन काम करई तोर ले दूरिहा रहय—कि दुस्ट के संग धरमी ला घलो मार डार अऊ धरमी अऊ दुस्ट
दूनों के एके दसा होवय। अइसन काम तोर ले झन होवय! का जम्मो धरती के नियायी ह सही नियाय नइं
करही?"
26 यहोवा ह कहिस, "यदि मोला सदोम सहर म पचास धरमी मिलहीं, त ओमन के कारन ओ जम्मो जगह ला
छोंड़ दूहूं।"
27 तब अब्राहम ह फेर कहिस, "हे परभू, देख, में तो माटी अऊ राख सहीं अंव, तभो ले में हिम्मत करके तोर से
गोठियावत हंव।

28 यदि ओ पचास धरमी म पांच कम रहंय, त का तें पांच धरमी के कम होय के कारन ओ पूरा सहर ला नास
कर देबे?”
ओह कहिस, “यदि उहां मोला पैंतालीस भी मिलहीं, त में ओला नास नइं करंव।”
29 एक बार फेर अब्राहम ह परमेसर ला कहिस, “यदि उहां सिरिप चालीस धरमी मिलंय त?”
ओह कहिस, “में चालीस के कारन भी अइसने नइं करंव।”
30 तब अब्राहम ह कहिस, “हे परभू, नराज झन हो, पर मोला कुछू अऊ कहन दे। यदि उहां सिरिप तीस धरमी
मिलंय त?”
ओह ये जबाब दीस, “यदि मोला उहां तीस भी मिलंय, त में अइसने नइं करंव।”
31 फेर अब्राहम ह कहिस, “हे परभू, देख, में हिम्मत करके तोर ले गोठियावत हंव; यदि उहां सिरिप बीस धरमी
मिलंय त?”
ओह कहिस, “त फेर में बीस के कारन ओकर नास नइं करंव।”
32 तब अब्राहम ह कहिस, “हे परभू नराज झन हो, पर मोला सिरिप एक बार अऊ कहन दे। यदि उहां दस झन
धरमी मिलंय त?”
ओह जबाब दीस, “त फेर दस झन के कारन ओकर नास नइं करंव।”
33 जब यहोवा ह अब्राहम ले गोठिया लीस, तब ओह उहां ले चले गीस, अऊ अब्राहम अपन घर लहुंट गीस।

19

[illegible]

1 सांझकुन दू झन स्वरगदूतमन सदोम करा आईन, अऊ लूत ह सदोम के कपाट करा बईठे रिहिस। जब ओह
ओमन ला देखिस, त ओह ओमन ले भेंट करे बर उठिस अऊ मुहूं के भार भुइयां म झुकके दंडवत करिस अऊ
कहिस,
2 “हे मोर परभूमन, अपन दास के घर म आवव, अऊ अपन गोड़ धोके रात भर अराम करव अऊ तब बड़े
बिहनियां उठके अपन डहार म चले जावव।”
ओमन कहिन, “नइं, हमन चऊक म ही रथिया बिताबो।”
3 पर ओह बहुंत बिनती करके ओमन ला मनाईस, एकरसेति ओमन ओकर संग ओकर घर म आईन। ओह
ओमन बर जेवन तियार करिस, अऊ बिगर खमीर के रोटी बनाके ओमन ला खवाईस।
4 ओमन के सुते के पहिली सदोम सहर के जम्मो पुरूसमन आके—जवान ले लेके सियान तक लूत के घर ला
घेर लीन;
5 अऊ ओमन लूत ला चिचियाके कहिन, “जऊन मनखेमन आज रथिया तोर करा आय हें, ओमन कहां हवंय?
ओमन ला हमर करा बाहिर ले आ कि हमन ओमन संग भोग करन।”
6 तब लूत ह ओमन ले मिले बर घर ले बाहिर निकलिस अऊ कपाट ला बंद करके
7 ओमन ला कहिस, “हे मोर भाईमन, अइसने गंदा काम झन करव।
8 देखव, मोर दू झन बेटीमन हें, जेमन कभू कोनो पुरूस के संग नइं सुते हें। मेंह ओमन ला बाहिर तुम्हर करा
ले आवत हंव, अऊ तुमन ला जइसने बने लगय, वइसने ओमन के संग करव। पर ये मनखेमन संग कुछू झन
करव; काबरकि येमन मोर छानी के तरी म आय हवंय।”
9 ओमन कहिन, “हमर रसता ले हट जा। ये मनखे ह एक परदेसी के रूप म इहां आय रिहिस, पर अब नियायी
बनत हे! हमन तोर संग ओमन ले घलो जादा खराप बरताव करबो।” अऊ ओमन लूत ऊपर दबाव डारे लगिन
अऊ कपाट ला टोरे बर आघू बढ़िन।
10 पर ओ पहुनामन हांथ लमाके लूत ला अपन करा घर के भीतर खींच लीन अऊ कपाट ला बंद कर दीन।
11 तब ओमन का छोटे का बड़े, जम्मो मनखे ला, जेमन घर के दुवारी म रिहिन, अंधरा कर दीन, एकरसेति
ओमन कपाट ला खोजे नइं सकिन।
12 तब ओ दूनों पहुनामन लूत ले पुछिन, “इहां तोर अऊ कोनो हवंय—दामाद, बेटा-बेटीमन, या अऊ कोनो
ये सहर म तोर हवंय? त ओ जम्मो झन ला लेके इहां ले निकल जा,
13 काबरकि हमन ये जगह ला नास करइया हन। यहोवा करा ये जगह के मनखेमन के बिरूध नरियाई अतेक
जादा हो गय हे कि ओह हमन ला एकर सतियानास करे बर पठोय हे।”

14 एकरसेति, लूत ह निकलके अपन दामादमन ला, जेमन संग ओकर बेटीमन के मंगनी हो गे रहय, कहिस,
“जल्दी करव अऊ ये जगह ले निकलव; काबरकि यहोवा ह ये सहर ला नास करइया हे!” पर ओकर दामादमन
सोचिन कि ओह ठट्ठा करत हे।
15 जब बिहान पहात रिहिस, त स्वरगदूतमन लूत ला कहिन, “जल्दी कर! अपन घरवाली अऊ अपन दूनों
बेटी ला, जेमन इहां हवंय, अपन संग ले जा, नइं तो तुमन घलो ये सहर के दंड म नास हो जाहू।”
16 पर ओह झिझकत रिहिस, एकरसेति ओ पहुनामन ओकर अऊ ओकर घरवाली अऊ ओकर दूनों बेटीमन के
हांथ ला धरिन अऊ सही-सलामत ओमन ला सहर के बाहिर ले गीन, काबरकि यहोवा के दया ओमन के ऊपर
रिहिस।
17 जब ओमन ला बाहिर निकाल लीन, त ओमन ले एक झन ह कहिस, “अपन परान लेके भागव! पाछू पलटके
झन देखहू, अऊ मैदान म कहूं मेर झन रूकहू! ओ पहाड़ ऊपर भाग जावव, नइं तो तुमन घलो नास हो जाहू!”
18 पर लूत ह ओमन ला कहिस, “हे मोर परभू, अइसन झन करव।
19 देख, तोर दास ऊपर तोर दया-दिरिस्टी होय हवय, अऊ तेंह मोर जिनगी ला बचाके मोर ऊपर अब्बड़ दया
करे हस। पर में ओ पहाड़ ऊपर नइं जा सकंव; ये बिपत्ति ह मोर ऊपर आ जाही, अऊ में मर जाहूं।
20 देख, ओ नगर ह बहुंत लकठा म हवय अऊ मेंह उहां भाग सकत हंव, अऊ ओह छोटे घलो हवय। मोला
उहां भाग जावन दे—का ओह बहुंत छोटे नगर नो हय? तब मोर परान ह बच जाही।”
21 ओह लूत ला कहिस, “ठीक हे, मेंह तोर ये बिनती ला घलो मानत हंव; जऊन नगर के बारे म तेंह कहत
हस, ओला में नास नइं करंव।
22 पर जल्दी करके उहां भाग जा, काबरकि जब तक तेंह उहां नइं हबरबे, तब तक में कुछू नइं कर सकंव।”
(एकरे बर ओ नगर ला सोअर* कहे गीस।)
23 जब लूत ह सोअर नगर म हबरिस, त बेर ह धरती ऊपर उग गे रिहिस।
24 तब यहोवा ह अपन कोति ले सदोम अऊ अमोरा म अकास ले बरत गंधक बरसाईस।
25 ये किसम ले, ओह ओ सहरमन ला अऊ ओ जम्मो मैदान ला अऊ सहर म रहइया जम्मो मनखेमन
ला—अऊ भुइयां के घांस-पूस अऊ रूख-रई जम्मो ला नास कर दीस।
26 पर लूत के घरवाली ह पाछू कोति मुड़के देखिस, अऊ ओह नून के खंभा बन गीस।
27 दूसर दिन बड़े बिहनियां अब्राहम उठके ओ ठऊर म गीस, जिहां ओह यहोवा के आघू म ठाढ़े रिहिस।
28 ओह खाल्हे सदोम अऊ अमोरा अऊ ओ मैदान के जम्मो भुइयां कोति देखिस, त ओह का देखिस कि ओ
जम्मो जगह ले धधकत भट्ठी ले निकलत धुआं सहीं घना धुआं उठत रहय।
29 अऊ जब परमेसर ह ओ मैदान के सहरमन ला नास करिस, त ओह अब्राहम ला सुरता करिस, अऊ ओह
उहां रहइया लूत ला ओ संकट ले बचा लीस, जऊन ह ओ सहरमन ला उलट-पलट दीस।

[illegible]

30 लूत अऊ ओकर दूनों बेटीमन सोअर ला छोंड़ दीन अऊ पहाड़ ऊपर रहे लगिन, काबरकि लूत ह सोअर म
रहे बर डरत रिहिस। ओह अऊ ओकर दूनों बेटी गुफा म रहत रिहिन।
31 एक दिन बड़की बेटी ह छोटकी ला कहिस, “हमर ददा त डोकरा हो गे हे, अऊ इहां आसपास म अइसन
कोनो पुरूस नइं ए, जऊन ह संसार के रीति के मुताबिक हमन ला लइका दे सकय।
32 एकरसेति आ, हमन अपन ददा ला मंद पीयाके ओकर संग सुतन अऊ अपन ददा के दुवारा अपन परिवार
के बंस ला बंचावन।”
33 त ओमन ओहीच दिन रथिया अपन ददा ला मंद पीयाईन, अऊ तब बड़की बेटी जाके अपन ददा संग
सुतिस, पर ओकर ददा ह नइं जानिस कि ओह कब ओकर संग लेटिस अऊ कब ओह उठ गीस।
34 ओकर दूसर दिन बड़की ह छोटकी बहिनी ला कहिस, “देख, कल रथिया मेंह अपन ददा संग सुतें। आ,
आज रथिया हमन ओला फेर मंद पीयाबो, अऊ तब तें जाके ओकर संग सुतबे ताकि हमन अपन ददा के दुवारा
अपन परिवार के बंस ला बचा सकन।”

---

* **19:22** [illegible] येकर मतलब होथे [illegible]

35 एकरसेति ओमन ओ दिन घलो रथिया अपन ददा ला मंद पीयाईन अऊ छोटकी बेटी जाके अपन ददा संग
सुतिस, अऊ फेर ओकर ददा ह नइं पता पाईस कि ओह कब ओकर संग लेटिस अऊ कब ओह उठ गीस।
36 ये किसम ले लूत के दूनों बेटी अपन ददा कोति ले आसरा म हो गीन।
37 बड़की बेटी के एक बेटा होईस, अऊ ओह ओकर नांव मोआब† रखिस; ओह आज तक के मोआबीमन के
जनमदाता होईस।
38 अऊ छोटकी के घलो एक बेटा होईस, अऊ ओह ओकर नांव बेन-अम्मी‡ रखिस; ओह आज तक के
अमोनीमन के जनमदाता होईस।

20

[illegible]

1 फेर अब्राहम उहां ले निकलके नेगेव* के छेत्र म आईस अऊ कादेस अऊ सूर के बीच म रहे लगिस। कुछू
समय तक ओह गरार नगर म ठहिरिस,
2 अऊ उहां अब्राहम ह अपन घरवाली सारा के बारे म कहिस, "ओह मोर बहिनी अय।" एकरसेति गरार के
राजा अबीमेलेक ह दूत पठोके सारा ला अपन करा बला लीस।
3 पर रथिया परमेसर ह सपना म अबीमेलेक करा आके कहिस, "सुन, तेंह मर जाबे, काबरकि जऊन
माईलोगन ला तेंह रख ले हस; ओह एक बिहाता माईलोगन अय।"
4 पर अबीमेलेक ओकर करा नइं गे रिहिस, एकर बर ओह कहिस, "हे परभू, का तें एक निरदोस जाति ला मार
डारबे?
5 का ओह खुद मोला नइं कहिस कि ओह मोर बहिनी अय? अऊ ओ नारी ह घलो खुद नइं कहिस कि ओह
मोर भाई अय? में तो अपन सुध बिबेक अऊ निरदोस हांथ ले ये काम ला करे हंव।"
6 तब परमेसर ह ओला सपना म कहिस, "हव, में भी जानत हंव कि सुध बिबेक से तेंह ये काम ला करे हस,
अऊ एकरसेति मेंह तोला मोर बिरूध म पाप करे बर रोकके रखे हंव। एकरे कारन मेंह तोला ओला छुए नइं देंव।
7 अब ओ मनखे के घरवाली ला लहुंटा दे, काबरकि ओह एक अगमजानी अय, अऊ ओह तोर बर पराथना
करही अऊ तें जीयत रहिबे। पर यदि तें ओला नइं लहुंटाबे, त जान ले कि तें अऊ तोर जतेक मनखे हें, ओ सब के
सब मर जाहीं।"
8 दूसर दिन बड़े बिहनियां अबीमेलेक अपन जम्मो करमचारीमन ला बलाईस, अऊ जब ओह ओमन ला ओ
जम्मो बात बताईस, त ओमन बहुंत डरा गीन।
9 तब अबीमेलेक ह अब्राहम ला बलाके कहिस, तेंह हमर संग ये का करे हस? मेंह तोर का बिगाड़ेंव कि तें मोर
अऊ मोर राज ऊपर अइसने बड़े दोस डाल दे हस। तेंह मोर संग ओ काम करे हस, जऊन ह उचित नो हय।
10 फेर अबीमेलेक ह अब्राहम ले पुछिस, "तेंह का समझके अइसन काम करय?"
11 अब्राहम ह कहिस, "मेंह ये सोचेंव कि ये ठऊर म परमेसर के डर-भय नइं होही, अऊ मनखेमन मोर
घरवाली के कारन मोला मार डारहीं।
12 एकर छोंड़, सही म ओह मोर बहिनी अय, मोर ददा के बेटी, हालाकि ओह मोर दाई के बेटी नो हय; अऊ
फेर ओह मोर घरवाली बन गीस
13 अऊ जब परमेसर ह मोला मोर ददा के घर ला छोंड़के निकले के हुकूम दीस, त में ओला कहेंव, 'तें ये
किसम ले अपन मया मोर बर देखा सकथस: जिहां-जिहां हमन जाबो, उहां-उहां तें मोर बारे म कहिबे, "ये मोर
भाई अय।" ' "
14 तब अबीमेलेक ह भेड़-बकरी, गरूवा-बईला ला, अऊ दास-दासीमन ला लेके अब्राहम ला दीस अऊ ओकर
घरवाली सारा ला घलो ओला लहुंटा दीस।
15 अऊ अबीमेलेक ह कहिस, "देख, मोर देस तोर आघू म हवय; जिहां तोला बने लगय, उहां रह।"
16 सारा ला ओह कहिस, "देख, में तोर भाई ला एक हजार सेकेल† चांदी देवत हंव। तोर बिरूध जऊन अपराध
मेंह करे हंव, तोर संग के मनखेमन के आघू म, येह ओकर भरपई ए; तोर संग पूरा नियाय करे जावथे।"

---

† **19:37** *[illegible]* इबरानी म *[illegible]* ‡ **19:38** *[illegible]-[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]* * **20:1** कनान के दक्खिन के भाग † **20:16** करीब 12 किलोग्राम

17 तब अब्राहम ह परमेसर ले पराथना करिस, अऊ परमेसर ह अबीमेलेक, ओकर घरवाली अऊ ओकर
दासीमन ला चंगा करिस कि ओमन फेर लइका जनमे लगंय,
18 काबरकि यहोवा ह अब्राहम के घरवाली सारा के कारन अबीमेलेक के घर के जम्मो माईलोगनमन के कोख
ला बंद कर दे रिहिस।

21

[illegible]

1 यहोवा ह सारा के ऊपर अनुग्रह करिस जइसने कि ओह कहे रिहिस, अऊ ओह सारा बर वइसने करिस
जइसने कि ओह परतिगियां करे रिहिस।
2 सारा ह अब्राहम ले गरभ म होईस अऊ ओकर बुढ़ापा म, ओही ठहिराय समय म परमेसर के परतिगियां के
मुताबिक ओह एक बेटा जनमिस।
3 अब्राहम अपन ओ बेटा के नांव इसहाक* रखिस, जेला सारा ह जनम दीस।
4 जब ओकर बेटा इसहाक ह आठ दिन के होईस, त अब्राहम ह परमेसर के हुकूम के मुताबिक ओकर खतना
करिस।
5 अब्राहम ह एक सौ बछर के रिहिस, जब ओकर बेटा इसहाक के जनम होईस।
6 सारा ह कहिस, "परमेसर ह मोला खुसी दे हवय, अऊ जऊन कोनो भी एकर बारे म सुनही, ओह खुस होके
हंसही।"
7 फेर ओह ये घलो कहिस, "का कोनो कभू अब्राहम ले ये कहे सकत रिहिन कि सारा ह लइकामन ला दूध
पीयाही? पर देखव, मेंह ओकर बुढ़त काल म ओकर एक बेटा ला जनम दे हवंव।"

[illegible]

8 ओ लइका ह बढ़त गीस अऊ ओकर दूध छोंड़ाय गीस, अऊ इसहाक के दूध छोंड़ाय के दिन अब्राहम ह एक
बड़े भोज करिस।
9 पर बाद म सारा ह देखिस कि मिसरी हाजिरा के बेटा, जऊन ह अब्राहम दुवारा जनमे रिहिस, ओकर हंसी
उड़ात रिहिस,
10 त ओह अब्राहम ला कहिस, "ये गुलाम माईलोगन अऊ ओकर बेटा ला निकाल दे, काबरकि ये माईलोगन
के बेटा ह मोर बेटा इसहाक के संग कभू हिस्सा नइं पावय।"
11 ये बात अब्राहम ला बहुंत खराप लगिस, काबरकि ये बात ओकर बेटा के बारे म रिहिस।
12 पर परमेसर ह अब्राहम ला कहिस, "ओ लइका अऊ अपन दासी के बारे म दुखी झन हो। जऊन बात सारा
ह तोला कहत हे, ओला मान, काबरकि इसहाक के जरिये तोर बंस ह चलही।
13 मेंह दासी के बेटा ले घलो एक जाति बनाहूं, काबरकि ओह तोर संतान अय।"
14 ओकर दूसर दिन बड़े बिहनियां अब्राहम ह उठके कुछू जेवन अऊ पानी ले भरे चमड़ा के थैली लीस अऊ
हाजिरा ला दीस। ओह जेवन अऊ पानी के थैली ला हाजिरा के कंधा म रखिस अऊ ओला अऊ ओकर बेटा ला
बिदा करिस। ओह अपन रसता म चल दीस अऊ बेरसेबा के सुन्ना जगह म भटकत रिहिस।
15 जब चाम के थैली के पानी सिरा गीस, तब ओह अपन बेटा ला एक झाड़ी तरी म छोंड़ दीस।
16 अऊ तब अपन खुद तीर चलाय भर के दूरिहा म गीस अऊ ये सोचके बईठ गीस, "में अपन बेटा के मरना
नइं देख सकंव।" अऊ ओह उहां बईठके रोवन लगिस।
17 परमेसर ह ओ छोकरा के रोये के अवाज ला सुनिस, अऊ परमेसर के स्वरगदूत ह स्वरग ले नरियाके
हाजिरा ला कहिस, "हे हाजिरा, का बात ए? झन डर; जऊन करा तोर बेटा हवय, उहां ले ओकर रोये के अवाज
ह परमेसर करा हबरे हवय।
18 उठ अऊ अपन बेटा ला अपन हांथ म उठा, काबरकि में ओकर दुवारा एक बड़े जाति बनाहूं।"
19 तब परमेसर ह ओकर आंखी ला उघार दीस अऊ ओला एक ठन पानी के कुआं दिखिस, तब ओह जाके थैली
म पानी भरिस अऊ लइका ला पीयाईस।
20 परमेसर ह ओ लइका संग रिहिस, जब ओह बढ़े लगिस। ओह सुन्ना जगह म रहत एक धनुस चलइया बन
गीस।

---

* **21:3** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

21 जब ओह पारान के सुन्ना जगह म रहत रिहिस, त ओकर दाई ह ओकर बर मिसर देस ले एक घरवाली
लानिस।

[illegible]

22 ओ समय म, अबीमेलेक अऊ ओकर सेनापति पीकोल अब्राहम ला कहिन, "जऊन कुछू तें करथस, ओमा
परमेसर तोर संग रहिथे।
23 एकरसेति, अब मोर संग इहां परमेसर के आघू म किरिया खा कि तें न तो मोर संग, न मोर लइकामन संग
अऊ न ही मोर अवइया संतान संग कोनो छल करबे। पर जइसन दया मेंह तोला देखाय हवंव, वइसन ही दया तें
मोर अऊ ये देस ऊपर देखाबे, जिहां तेंह अभी एक परदेसी के रूप म रहत हस।"
24 अब्राहम ह कहिस, "में किरिया खावत हंव।"
25 तब अब्राहम ह अबीमेलेक ले एक कुआं के बारे म सिकायत करिस, जेला अबीमेलेक के दासमन जबरन
लेय ले रिहिन।
26 पर अबीमेलेक ह कहिस, "में नइं जानंव कि कोन ह ये काम ला करिस। तें मोला नइं बताय, अऊ आज
मोला ये बात के पता चलत हे।"
27 तब अब्राहम ह भेड़-बकरी अऊ गरूवा-बईला लानिस अऊ अबीमेलेक ला दीस, अऊ ओ दूनों झन आपस
म करार करिन।
28 अब्राहम ह सात ठन मेढ़ा-पीला ला झुंड ले अलग रखिस,
29 त अबीमेलेक ह अब्राहम ले पुछिस, "ये सात ठन मेढ़ा-पीला, जेमन ला तें अलग रखे हस, तेकर का
मतलब अय?"
30 ओह कहिस, "ये सात ठन मेढ़ा-पीला ला ये बात के साखी जानके मोर हांथ ले लेय ले कि मेंह ये कुआं ला
खने हंव।"
31 ओ दूनों झन ओ ठऊर म आपस म किरिया खाईन, एकर कारन ओ जगह के नांव बेरसेबा† परिस।
32 बेरसेबा म करार करे के बाद, अबीमेलेक अऊ ओकर सेना के सेनापति पीकोल पलिस्तीन देस ला लहुंट
गीन।
33 अब्राहम ह बेरसेबा म एक झाऊ के रूख लगाईस अऊ उहां यहोवा ले, जेह सनातन परमेसर‡ अय,
अराधना करिस।
34 अब्राहम ह पलिस्तीन देस म बहुंत साल तक एक परदेसी के रूप म रिहिस।

22

[illegible]

1 कुछू समय बाद, परमेसर ह अब्राहम के परिछा लीस। ओह अब्राहम ला कहिस, "हे अब्राहम!"
अब्राहम ह कहिस, "में इहां हंव।"
2 तब परमेसर ह कहिस, "अपन बेटा याने अपन एकलऊता बेटा इसहाक ला, जेला तें मया करथस, अपन
संग लेके मोरियाह छेत्र म जा। उहां ओला एक पहाड़ ऊपर होम-बलिदान करके चघा, जेला में तोला देखाहूं।"
3 अब्राहम बड़े बिहनियां उठिस अऊ अपन गदहा ऊपर सामान लादिस। ओह अपन संग म दू झन सेवक अऊ
अपन बेटा इसहाक ला लीस। जब ओह होम-बलिदान बर लकरी फोर लीस, त ओह ओ जगह बर रवाना होईस,
जेकर बारे म परमेसर ह ओला बताय रिहिस।
4 तीसर दिन अब्राहम ह आंखी उठाके ओ जगह ला दूरिहा ले देखिस,
5 अऊ ओह अपन सेवकमन ला कहिस, "गदहा के संग इहां ठाढ़े रहव; ये लड़का अऊ में उहां जावत हन।
हमन अराधना करके तुम्हर करा लहुंट आबो।"
6 तब अब्राहम ह होम-बलिदान बर लकरी ला लीस अऊ अपन बेटा इसहाक के कंधा म रखिस, अऊ अपन
खुद आगी अऊ छुरी ला धरिस। जब ओ दूनों एक संग जावत रिहिन,
7 त इसहाक ह अपन ददा अब्राहम ला कहिस, "हे ददा?"
अब्राहम ह कहिस, "का बात ए, बेटा?"
त इसहाक ह कहिस, "देख, आगी अऊ लकरी तो हमर करा हवय, पर होम-बलिदान बर मेढ़ा-पीला कहां हे?"

† **21:31** [illegible] या [illegible] ‡ **21:33** इबरानी म [illegible]

8 अब्राहम ह कहिस, “होम-बलिदान बर मेढ़ा-पीला के उपाय परमेसर ह खुद करही, बेटा।” अऊ ओ दूनों
संगे-संग आघू बढ़त गीन।
9 जब ओमन ओ जगह म हबरिन, जेकर बारे म परमेसर ह ओला बताय रिहिस, तब अब्राहम ह उहां एक बेदी
बनाके ओकर ऊपर लकरी ला छांट-छांटके रखिस, अऊ अपन बेटा इसहाक ला बांधके बेदी के लकरी ऊपर लेटा
दीस।
10 तब ओह अपन बेटा ला बलि करे बर अपन हांथ म छुरी ला धरिस।
11 पर यहोवा के स्वरगदूत ह स्वरग ले ओला नरियाके कहिस, “हे अब्राहम! हे अब्राहम!”
ओह कहिस, “में इहां हंव।”
12 परमेसर के दूत ह कहिस, “ओ लड़का ऊपर हांथ झन बढ़ा; ओला कुछू झन कर। अब में जानत हंव कि तें
परमेसर के भय मानथस, काबरकि तें मोर बर अपन बेटा याने अपन एकलऊता बेटा ला घलो नइं छोंड़े।”
13 तब अब्राहम ह आंखी उठाके देखिस, त ओकर पाछू म एक मेढ़ा रहय, जेकर सींग झाड़ी म फंसे रहय।
अब्राहम ह जाके ओ मेढ़ा ला लानिस अऊ अपन बेटा के बदला म, ओला होम-बलिदान के रूप म चघाईस।
14 एकरसेति अब्राहम ओ जगह के नांव, “यहोवा ह दीही” रखिस। अऊ आज घलो ये कहे जाथे, “यहोवा के
पहाड़ ऊपर परबंध होही।”
15 यहोवा के स्वरगदूत ह दूसर बेर स्वरग ले अब्राहम ला नरियाके कहिस,
16 “यहोवा के ये बचन अय कि में अपनेच ही किरिया खावत हंव कि तें जो ये काम करे कि अपन बेटा याने
अपन एकलऊता बेटा ला घलो नइं छोंड़य,
17 एकर कारन मेंह तोला जरूर आसीस दूहूं अऊ तोर संतानमन ला अकास के तारामन अऊ समुंदर तीर के
बालू सहीं अनगिनत करहूं। तोर संतानमन अपन बईरीमन के सहरमन ला अपन अधिकार म ले लीहीं,
18 अऊ तोर संतान के जरिये धरती के जम्मो जाति के मनखेमन आसीस पाहीं, काबरकि तें मोर बात ला माने
हस।”
19 तब अब्राहम अपन सेवकमन करा लहुंट आईस अऊ ओमन एक संग बेरसेबा गीन। अऊ अब्राहम ह
बेरसेबा म रहत रिहिस।

[illegible]

20 कुछू समय के बाद, अब्राहम ला ये संदेस मिलिस, “मिलका ह घलो दाई बने हे; ओह तोर भाई नाहोर कोति
ले लइकामन ला जनमे हे।
21 ओकर बड़खा बेटा ऊस अऊ ओकर भाई बूज,
कमूएल (जऊन ह अराम के ददा होईस),
22 केसेद, हजो, पिलदास, यिदलाप अऊ बतूएल।”
23 ये आठों बेटामन ला मिलका ह अब्राहम के भाई नाहोर कोति ले जनम दीस।
अऊ बतूएल ह रिबका के ददा होईस।

24 नाहोर के रूमा नांव के एक रखैल रिहिस;
जेकर ले तेबह, गहम, तहस अऊ माका पईदा होईन।

23

[illegible]

1 सारा ह एक सौ सत्ताईस बछर के रिहिस,
2 तब ओह कनान देस के किरयत-अरबा (जेला हेबरोन कहे जाथे) म मर गीस। एकरसेति अब्राहम ह सारा बर
सोक मनाय अऊ रोये बर गीस।
3 तब अब्राहम ह अपन घरवाली के लास के बाजू म ठाढ़ होके हित्तीमन ला कहिस,
4 “मेंह तुम्हर बीच म एक परदेसी अऊ अजनबी अंव। मोला इहां मरघटी बर कुछू जमीन बिक्री म देवव ताकि
में अपन मनखेमन के लास ला माटी दे सकंव।”
5 तब हित्तीमन अब्राहम ला कहिन,

6 “हे महोदय, हमर बात ला सुन। तेंह हमर बीच म एक बड़े आदमी अस। हमर कबर म ले, जेह तोला बने
लगय, ओमा अपन घरवाली के लास ला माटी दे। तोला अपन मनखे के लास ला माटी देय बर हमन म ले कोनो
भी अपन कबर देय बर तोला मना नइं करय।”
7 तब अब्राहम उठके ठाढ़ होईस अऊ ओ देस के मनखे हित्तीमन के आघू म मुड़ नवाके कहिस,
8 “यदि तुम्हर मन हवय कि इहां में अपन घरवाली ला माटी देवंव, त मोर बात ला सुनव अऊ मोर कोति ले
सोहर के बेटा एपरोन ले बिनती करव
9 कि ओह अपन मकपेला के गुफा, जेह ओकर नांव म हे अऊ येह ओकर भुइयां के छोर म हवय, ओकर पूरा
दाम लेके मोला बेच देवय कि ओह तुम्हर बीच म मोर अऊ मोर मनखेमन बर मरघटी होवय।”
10 एपरोन हित्ती ह अपन मनखेमन के बीच म बईठे रिहिस अऊ ओ जम्मो हित्ती, जऊन मन ओकर नगर के
कपाट करा आय रिहिन, ओमन के सुनत म ओह अब्राहम ला कहिस,
11 “हे मोर परभू, अइसन नइं, मोर बात ला सुन; ओ भुइयां ला में तोला देवत हंव, अऊ ओमा जऊन गुफा
हवय, ओला घलो तोला देवत हंव। मेंह येला अपन मनखेमन के आघू म तोला देवत हंव। तें अपन मनखे के
लास ला उहां माटी दे।”
12 तब अब्राहम ह ओ देस के मनखेमन के आघू म फेर मुड़ नवाईस
13 अऊ ओमन के सुनत म एपरोन ला कहिस, “यदि तोर अइसन मन हे, त मोर बात ला सुन। ओ भुइयां के
जऊन दाम हे, तेला मेंह दूहूं। ओला तें मोर करा ले लेय ले, ताकि में अपन मनखे के लास ला उहां माटी दे
सकंव।”
14 एपरोन ह अब्राहम ला जबाब दीस,
15 “हे मोर परभू, मोर बात ला सुन; ओ भुइयां के दाम तो चार सौ सेकेल* हवय, पर तोर अऊ मोर बीच म येह
कुछू नो हय। अपन मनखे के लास ला उहां माटी दे।”
16 अब्राहम ह एपरोन के बात ला मानके ओला ओतकी चांदी तऊलके दे दीस, जतकी ओह हित्तीमन के सुनत
म कहे रिहिस, याने कि चार सौ सेकेल, जऊन ह ओ समय बेपारीमन म चलत रिहिस।
17 ये किसम ले एपरोन के भुइयां, जऊन ह ममरे के लकठा म मकपेला म रिहिस—ओ भुइयां अऊ गुफा, अऊ
ओ जम्मो रूख जऊन मन ओ भुइयां के सीमना म आवत रिहिन,
18 ओ जम्मो संपत्ति, ओ सबो हित्ती, जऊन मन सहर के कपाट करा आय रिहिन, ओमन के आघू म अब्राहम
के हक म पक्का हो गीस।
19 ओकर बाद अब्राहम ह अपन घरवाली सारा के लास ला मकपेला के भुइयां के गुफा म माटी दीस, जऊन ह
ममरे के, याने कि हेबरोन के लकठा म कनान देस म हवय।
20 ये किसम ले ओ भुइयां ह गुफा समेत हित्तीमन कोति ले मरघटी बर अब्राहम के अधिकार म पक्का हो
गीस।

24

[illegible]

1 अब्राहम अब बहुंत डोकरा हो गे रिहिस, अऊ यहोवा ह ओला सब बात म आसीस दे रिहिस।
2 अब्राहम ह अपन पुराना सेवक ला, जऊन ह ओकर जम्मो धन-दौलत ऊपर मुखिया रिहिस, कहिस, “अपन
हांथ ला मोर जांघ के तरी म रख,*
3 अऊ मोर ले यहोवा, जऊन ह अकास अऊ धरती के परमेसर ए, ओकर ये बात के किरिया खा कि तें
कनानीमन के बेटीमन ले, जेमन के बीच म मेंह रहिथंव, कोनो ला मोर बेटा के घरवाली बनाके नइं लानबे,
4 पर तें मोर देस अऊ मोरेच रिस्तेदारमन करा जाके, मोर बेटा इसहाक बर एक घरवाली लानबे।”
5 तब दास ह ओकर ले पुछिस, “मान ले ओ नोनी के मन ह मोर संग ये देस म आय के नइं होही, त का मोला
तोर बेटा ला ओ देस म ले जाय बर पड़ही, जिहां ले तें आय हस?”
6 अब्राहम ह ओला कहिस, “ये बात के धियान रहय कि मोर बेटा ला उहां कभू झन ले जाबे।

* **23:15** लगभग 4.6 किलोग्राम चांदी * **24:2** कसम खाय के बेरा एक प्रतिकात्मक चिनहां

7 यहोवा, जऊन ह स्वरग के परमेसर ए, ओह मोला मोर ददा के घर ले अऊ मोर जनम भुइयां ले बाहिर
लानिस अऊ मोर ले गोठियाईस अऊ कसम खाके मोर ले ये परतिगियां करिस, 'में ये देस तोर संतान ला दूहूं,' त
ओहीच ह अपन स्वरगदूत ला तोर आघू-आघू पठोही कि तें मोर बेटा बर उहां ले एक घरवाली ले आन।
8 पर यदि ओ नोनी-पीला ह तोर संग नइं आय चाहही, तब तो तें मोर ये किरिया से छूट जाबे; पर मोर बेटा
ला उहां झन ले जाबे।"
9 तब ओ दास ह अपन मालिक अब्राहम के जांघ के तरी म अपन हांथ रखके ये बिसय म ओकर ले किरिया
खाईस।
10 तब ओ दास ह अपन मालिक के दस ठन ऊंट ला लीस अऊ ओमा अपन मालिक के जम्मो किसम के बने
चीजमन ला जोरके अरम-नहरैम† जाय बर निकलिस अऊ ओह नाहोर के नगर करा हबरिस।
11 ओह ऊंटमन ला नगर के बाहिर कुआं के लकठा म बईठाईस। ओ सांझ के बेरा रहय, अऊ ओ समय म
माईलोगनमन पानी भरे बर आवंय।
12 तब ओह ये पराथना करन लगिस, "हे यहोवा, मोर मालिक अब्राहम के परमेसर, आज तें मोर काम ला
सफल कर अऊ मोर मालिक अब्राहम ऊपर दया कर।
13 देख, में पानी के ये सोता के बाजू म ठाढ़े हंव, अऊ नगर के मनखेमन के बेटीमन पानी भरे बर निकलके
आवत हें।
14 एकरसेति अइसन होवन दे कि जऊन जवान नोनी ला में ये कहंव, 'अपन घघरी ला मोर कोति नवा कि में
पानी पी सकंव,' अऊ ओह कहय, 'ले पी ले, अऊ में तोर ऊंटमन ला घलो पानी पीयाहूं'—त ओही ह ओ जवान
छोकरी होवय, जेला तेंह अपन दास इसहाक बर ठहिराय हस। एकर दुवारा, मेंह जान डारहूं कि तेंह मोर मालिक
ऊपर दया करे हस।"
15 एकर पहिली कि ओकर पराथना खतम होतिस, रिबका ह अपन कंधा म घघरी बोहके आईस, जऊन ह
अब्राहम के भाई नाहोर के घरवाली मिलका के बेटा बतूएल के बेटी रिहिस।
16 ओह बहुंत सुन्दर अऊ कुंवारी रिहिस, अऊ कोनो पुरूस के संग नइं सुते रिहिस। ओह पानी के सोता करा
उतरिस अऊ अपन घघरी ला भरके फेर ऊपर आईस।
17 तब ओ दास ह जल्दी करके ओकर ले भेंट करे बर गीस अऊ कहिस, "किरपा करके अपन घघरी म ले मोला
थोरकन पानी पीया दे।"
18 ओह कहिस, "हे मोर परभू, ले, पी ले," अऊ ओह जल्दी से घघरी ला उतारके हांथ म धरे-धरे ओला पीया
दीस।
19 जब ओह ओला पानी पीया डारिस, तब कहिस, "में तोर ऊंटमन बर घलो तब तक पानी भर-भरके लानहूं,
जब तक ओमन पी नइं डारहीं।"
20 तब ओह तुरते अपन घघरी के पानी ला कोटना म ढारके फेर कुआं म पानी भरे बर दऊड़िस अऊ ओकर
जम्मो ऊंटमन बर पानी भर दीस।
21 ओ मनखे ह ओकर कोति चुपेचाप धियान से देखत, ये जाने के कोसिस करत रिहिस कि यहोवा ह ओकर
काम ला सफल करिस हे कि नइं।
22 जब ऊंटमन पानी पी डारिन, तब ओ मनखे ह एक बेका‡ सोन के नकफुली निकालके ओला दीस, अऊ दस
सेकेल§ सोन के दू ठन कंगन ओकर हांथ म पहिरा दीस;
23 अऊ पुछिस, "तें काकर बेटी अस? मोला बता, का तोर ददा के घर म हमर बर रथिया ठहिरे बर जगह
हवय?"
24 ओह जबाब दीस, "में तो नाहोर के घरवाली मिलका के जनमाय बेटा बतूएल के बेटी अंव।"
25 फेर ओह ओला कहिस, "हमर घर म पैंरा अऊ चारा बहुंत हवय, अऊ रात बिताय बर जगह घलो हवय।"
26 तब ओ मनखे ह मुड़ नवाके यहोवा के अराधना करिस
27 अऊ कहिस, "यहोवा, मोर मालिक अब्राहम के परमेसर के महिमा होवय, जऊन ह अपन दया अऊ सच्चई
ला मोर मालिक ऊपर ले नइं हटाईस। यहोवा ह मोला सही रसता म लेके मोला मोर मालिक के भाई-बंधुमन के
घर म पहुंचा दीस।"

---

† **24:10** याने कि, उत्तर-पछिम मेसोपोटामिया ‡ **24:22** लगभग 6 ग्राम § **24:22** करीब 115 ग्राम

28 तब ओ जवान नोनी ह दऊड़के गीस अऊ अपन दाई के घर के मनखेमन ला ये बात बताईस।
29 रिबका के भाई लाबान ह तुरते दऊड़के ओ मनखे करा कुआं म गीस।
30 जब ओकर नजर अपन बहिनी के नकफुली अऊ हांथ म पहिरे कंगन म परिस, अऊ ओकर ये बात ला सुनिस कि ओ मनखे ह रिबका ला का कहे रिहिस, त ओह तुरते ओ मनखे करा गीस, जऊन ह कुआं के तीर म ऊंटमन करा ठाढ़े रहय।
31 लाबान ह कहिस, "हे यहोवा कोति ले आसीसित मनखे, मोर संग आ। तें काबर इहां बाहिर म ठाढ़े हस? मेंह तोर बर घर ला तियार करे हंव, अऊ ऊंटमन बर घलो जगह तियार करे हंव।"
32 त ओ मनखे ह घर म गीस, अऊ ऊंटमन के काठी खोलके ओमन ला चारा-पानी दिये गीस, अऊ ओकर अऊ ओकर संगीमन के गोड़ धोय बर पानी लाने गीस।
33 तब ओला खाना परोसे गीस, पर ओह कहिस, "में जब तक अपन आय के कारन नइं बता दंव, तब तक कुछू नइं खावंव।"
लाबान ह कहिस, "त फेर बता।"
34 तब ओह कहिस, "में तो अब्राहम के दास अंव।
35 यहोवा ह मोर मालिक ला अब्बड़ आसीस दे हवय, अऊ ओह धनी मनखे हो गय हे। परमेसर ह ओला भेड़-बकरी, गाय-बईला, सोन-चांदी, दास-दासी, ऊंट अऊ गदहामन दे हवय।
36 मोर मालिक के घरवाली सारा ह अपन बुढ़त काल म ओकर बर एक बेटा जनमाय हे, अऊ ओ बेटा ला अब्राहम ह अपन सबो कुछू दे देय हवय।
37 अऊ मोर मालिक ह मोला किरिया खवाके ये कहिस, 'तें कनानीमन के बेटीमन ले, जेमन के देस म मेंह रहिथंव, कोनो ला मोर बेटा के घरवाली बनाके झन लानबे,
38 पर मोर ददा के परिवार अऊ मोर अपन गोत्र म जा अऊ मोर बेटा बर एक घरवाली लान।'
39 "तब में अपन मालिक ले पुछेंव, 'मान ले ओ नोनी ह मोर संग नइं आही त?'
40 "मोर मालिक ह मोला कहिस, 'यहोवा जेकर पाछू में ईमानदारी से चलत आय हंव, ओह तोर संग अपन स्वरगदूत ला भेजके तोर यातरा ला सफल करही, अऊ तें मोर गोत्र अऊ मोर ददा के परिवार ले मोर बेटा बर एक घरवाली लाय सकबे।
41 तेंह मोर किरिया ले तभे छूटबे, जब तें मोर गोत्र के मनखेमन करा जाबे, अऊ ओमन यदि तोला अपन नोनी ला देय म इनकार करहीं, त तें मोर ये किरिया ले छूट जाबे।'
42 "जब में आज ओ पानी के सोता करा आयेंव त पराथना करेंव, 'हे यहोवा, मोर मालिक अब्राहम के परमेसर, यदि तें मोर यातरा ला सफल करथस,
43 त देख, में पानी के ये सोता के बाजू म ठाढ़े हंव। यदि कोनो जवान छोकरी पानी भरे बर आवय, अऊ में ओला कहंव, "मोला अपन घघरी म ले थोरकन पानी पीया,"
44 अऊ यदि ओह मोला कहय, "ले, पी ले, अऊ में तोर ऊंटमन ला घलो पानी पीयाहूं," त ओहीच ह ओ नोनी होवय, जेला यहोवा ह मोर मालिक के बेटा बर ठहिराय हवय।'
45 "एकर पहिली कि मेंह अपन मन म करत पराथना ला खतम करतेंव, रिबका ह अपन कंधा म घघरी बोहके आईस, अऊ ओह खाल्हे सोता करा जाके पानी भरे लगिस, त में ओला कहेंव, 'मोला पानी पीया दे ओ।'
46 "अऊ ओह तुरते अपन घघरी ला कंधा ले उतारके कहिस, 'ले, पी ले, अऊ में तोर ऊंटमन ला घलो पीयाहूं।' त मेंह पानी पीयेंव, अऊ ओह ऊंटमन ला घलो पानी पीयाईस।
47 "तब मेंह ओला पुछेंव, 'तेंह काकर बेटी अस?'
"ओह कहिस, 'में तो नाहोर के घरवाली मिलका के जनमाय बेटा बतूएल के बेटी अंव।'
"तब मेंह ओकर नाक म नकफुली अऊ ओकर हांथ म कंगन पहिरा देंव।
48 फेर में मुड़ नवाके यहोवा के दंडवत करेंव। मेंह यहोवा, मोर मालिक अब्राहम के परमेसर के महिमा करेंव, काबरकि ओह मोला सही रसता म लानिस कि में अपन मालिक के बेटा बर ओकर भाई के नतनीन ला लान सकंव।
49 एकरसेति अब, यदि तुमन मोर मालिक बर दया अऊ ईमानदारी देखाय चाहत हव, त मोला बताववव; अऊ यदि नइं चाहत हव, त ओला घलो बताववव, ताकि में जान सकंव कि मोला कोन कोति जाना हे।"

50 तब लाबान अऊ बतूएल जबाब दीन, “येह यहोवा कोति ले होईसे; एकरसेति हमन तोला न हां कहे सकन,
न ना कहे सकन।
51 देख, रिबका इहां हवय; ओला ले जा अऊ ओह यहोवा के बचन के मुताबिक तोर मालिक के बेटा के
घरवाली हो जावय।”
52 ओमन के ये बात ला सुनके, अब्राहम के दास ह भुइयां म मुड़ नवाके यहोवा ला दंडवत करिस।
53 तब ओ दास ह सोन अऊ चांदी के जेवर अऊ कपड़ा निकालके रिबका ला दीस; अऊ ओकर भाई अऊ दाई
ला घलो ओह मंहगा-मंहगा चीज भेंट म दीस।
54 तब ओ अऊ ओकर संग के मनखेमन खाईन-पीईन अऊ उहां रथिया अराम करिन।
जब ओमन दूसर दिन बिहनियां सोके उठिन, त ओह कहिस, “मोला मोर मालिक करा जाय बर बिदा करव।”
55 पर रिबका के भाई अऊ दाई कहिन, “नोनी ला हमर करा कुछू दिन, याने कि कम से कम दस दिन अऊ रहन
दे; तब तें ओला ले जाबे।”
56 पर ओह ओमन ला कहिस, “यहोवा ह मोर यातरा ला सफल करिस हे, एकरसेति मोला झन रोकव। अब
मोला बिदा करव कि में अपन मालिक करा जावंव।”
57 तब ओमन कहिन, “हमन नोनी ला बलाके एकर बारे म पुछथन।”
58 तब ओमन रिबका ला बलाके पुछिन, “का तें ये मनखे संग जाबे?”
ओह कहिस, “हव, में जाहूं।”
59 तब ओमन अपन बहिनी रिबका अऊ ओकर धाई अऊ अब्राहम के दास अऊ ओकर संग के मनखेमन ला
बिदा करिन।
60 अऊ ओमन रिबका ला आसीरबाद देके कहिन,
“हे हमर बहिनी, तोर संतानमन
हजारों लाखों के संखिया म होवंय;
तोर संतान के मनखेमन अपन बईरीमन के
सहरमन ला अपन अधिकार म करंय।”
61 तब रिबका अऊ ओकर सेविकामन तियार होके ऊंट के ऊपर चघिन अऊ ओ मनखे के संग चल दीन। ये
किसम ले ओ दास ह रिबका ला लेके चल दीस।
62 इसहाक ह बेर-लहाय-रोई ले लहुंटके आय रिहिस, अऊ नेगेव देस म रहत रिहिस।
63 एक दिन सांझ के बेरा ओह मैदान म मनन-चिंतन करे बर निकले रिहिस, अऊ जब ओह आंखी उठाके
देखिस, त का देखिस कि ऊंटमन आवत रहंय।
64 रिबका ह घलो आंखी उठाके इसहाक ला देखिस, अऊ ओह अपन ऊंट ऊपर ले उतरिस,
65 अऊ दास ले पुछिस, “जऊन मनखे मैदान ले हमर करा भेंट करे बर आवथे, ओह कोन अय?”
ओ दास ह जबाब दीस, “ओह तो मोर मालिक अय।” तब रिबका ह अपन घूंघट लेके अपनआप ला ढांप लीस।
66 दास ह इसहाक ला अपन यातरा के पूरा कहानी बताईस।
67 तब इसहाक ह रिबका ला अपन दाई सारा के तम्बू म ले आईस, अऊ ओकर संग बिहाव करिस। ये किसम
ले रिबका ह ओकर घरवाली बनिस, अऊ इसहाक ह ओला मया करिस; अऊ इसहाक ला अपन दाई के मऊत के
पाछू सांति मिलिस।

25

[illegible]

1 अब्राहम ह एक झन अऊ माईलोगन ला अपन घरवाली बनाय रिहिस, जेकर नांव कतूरा रिहिस।
2 ओकर ले जिमरान, योकसान, मदान, मिदयान, यिसबाक अऊ सूह जनमिन।
3 योकसान ले सेबा अऊ ददान पईदा होईन; अऊ ददान के संतान अस्सूरी, लतूसी अऊ लुम्मीमन रिहिन।
4 मिदयान के एपा, एपेर, हनोक, अबीदा अऊ एलदा नांव के बेटामन होईन। ये जम्मो कतूरा के संतान रिहिन।
5 इसहाक ला अब्राहम ह अपन जम्मो कुछू ला दे दीस।
6 पर अपन रखैलीमन के बेटामन ला कुछू भेंट देके अपन जीते जी अपन बेटा इसहाक करा ले ओमन ला
दूरिहा पूरब देस म पठो दीस।

7 अब्राहम के कुल उमर एक सौ पचहत्तर बछर के होईस।
8 तब अब्राहम के पूरा बुढ़ापा म परान छूट गीस; ओह पूरा उमर के एक डोकरा रिहिस; अऊ ओह मरे के बाद
अपन पुरखामन संग जा मिलिस।
9 ओकर बेटा इसहाक अऊ इसमायल ओला हित्ती सोहर के बेटा एपरोन के भुइयां म, ममरे के लकठा म
जऊन मकपेला के गुफा रिहिस, ओमा माटी दीन,
10 याने कि जऊन भुइयां ला अब्राहम ह हित्तीमन* करा ले बिसाय रिहिस; ओही म अब्राहम ला ओकर
घरवाली सारा के संग माटी दीन।
11 अब्राहम के मरे के बाद, परमेसर ह ओकर बेटा इसहाक ला आसीस दीस, जऊन ह ओ बेरा बेर-लहाय-रोई
के लकठा म रहत रिहिस।

?????? ?? ?????

12 अब्राहम के बेटा इसमायल, जऊन ह सारा के दासी, हाजिरा मिसरी ले जनमे रिहिस, ओकर ये बंसावली
अय।

13 इसमायल के बेटामन के नांव ओमन के जनम के मुताबिक ये अय:

इसमायल के बड़े बेटा नबायोत,
तब केदार, अदबेल, मिबसाम,
14 मिस्मा, दूमा, मस्सा,
15 हदद, तेमा, यतूर,
नापीस अऊ केदमा।

16 इसमायल के बेटा येमन रिहिन, अऊ ओमन के बसावट अऊ छावनीमन के मुताबिक ये बारह जाति के
परधानमन के नांव अय।

17 इसमायल के कुल उमर एक सौ सैंतीस बछर होईस। तब ओह मर गीस अऊ अपन मनखेमन संग मिल
गीस।
18 ओकर संतानमन हवीला ले लेके सूर के छेत्र म बस गीन, जेह मिसर देस के पूरबी सीमना के लकठा म,
अस्सूर के रसता म हवय। ओमन अपन जम्मो गोत्र के भाई-बंधुमन के बईरी के सहीं रहत रिहिन।

????? ?? ????

19 अब्राहम के बेटा इसहाक के परिवार के बिबरन ये अय।

अब्राहम ले इसहाक जनम लीस,
20 अऊ इसहाक चालीस बछर के रिहिस, जब ओह रिबका ले बिहाव करिस, जऊन ह पदन-अराम के निवासी,
अरामी बतूएल के बेटी अऊ अरामी लाबान के बहिनी रिहिस।
21 इसहाक के घरवाली बांझ रिहिस, एकरसेति ओह अपन घरवाली बर यहोवा ले पराथना करिस अऊ यहोवा
ह ओकर पराथना ला सुनिस, अऊ ओकर घरवाली रिबका ला गरभ ठहिरिस।
22 लइकामन ओकर गरभ म एक-दूसर ला धक्का देय लगिन, त ओह कहिस, "मोर संग अइसन काबर
होवथे?" एकरसेति ओह यहोवा ले पुछे बर गीस।
23 तब यहोवा ह ओला कहिस,
"तोर गरभ म दू ठन जाति हवंय,
अऊ तोर म ले दू किसम के मनखेमन निकलके अलग-अलग होहीं;
एक दल के मनखेमन दूसर मनखेमन ले जादा बलवान होहीं,
अऊ बड़खा बेटा ह छोटे के सेवा करही।"
24 जब रिबका के छेवारी होय के समय आईस, त पता चलिस कि ओकर गरभ म जुड़वां लइका हवंय।

---

* **25:10** या ??? ?? ????????

25 जऊन ह पहिली जनमिस, ओह लाल रिहिस, अऊ ओकर जम्मो देहें ह बाल से भरे रिहिस; एकरसेति
ओकर नांव एसाव† रखे गीस।
26 एकर बाद, ओकर भाई अपन हांथ ले एसाव के एड़ी धरके पईदा होईस; एकरसेति ओकर नांव याकूब‡ रखे
गीस। जब रिबका ह ये लइकामन ला जनमिस, तब इसहाक साठ साल के रिहिस।
27 ओ लड़कामन बढ़त गीन, अऊ एसाव ह खुला भुइयां म रहइया, एक चतुर सिकारी हो गीस, पर याकूब ह
तम्बू के बीच घर म रहिके संतुस्ट रहय।
28 इसहाक ह सिकार के मांस ला खाना पसंद करय, एकरसेति ओह एसाव ले मया करय, पर रिबका ह याकूब
ला मया करय।
29 एक दिन जब याकूब ह कुछू रांधत रिहिस, त एसाव ह खुला मैदान कोति ले आईस अऊ ओला बहुंत भूख
लगत रहय।
30 त ओह याकूब ला कहिस, "जऊन लाल चीज ला तेंह रांधत हस, जल्दी करके ओमा के कुछू मोला दे,
काबरकि मोला बहुंत भूख लगत हे!" (एकरसेति ओला एदोम§ घलो कहे जावय।)
31 याकूब ह कहिस, "पहिले तें अपन पहिलऊठा के अधिकार मोर करा बेच दे।"
32 एसाव ह कहिस, "देख, में तो मरइया हंव, त पहिलऊठा के अधिकार ले मोला का फायदा?"
33 पर याकूब ह कहिस, "पहिले तें मोर करा किरिया खा।" त ओह किरिया खाके याकूब करा अपन पहिलऊठा
के अधिकार ला बेच दीस।
34 तब याकूब ह एसाव ला कुछू रोटी अऊ रंधाय दाल दीस। ओह खाईस-पीईस अऊ उठके चल दीस।
ये किसम ले, एसाव ह अपन पहिलऊठा के अधिकार ला तुछ जानिस।

26

[illegible]

1 कुछू समय के बाद, ओ देस म अकाल परिस, एकरे बर इसहाक ह पलिस्तीमन के राजा अबीमेलेक करा गरार
म गीस। ये ओ अकाल ले अलग रिहिस, जऊन ह अब्राहम के समय म परे रिहिस।
2 गरार म यहोवा ह इसहाक ला दरसन देके कहिस, "मिसर देस म झन जा; मेंह तोला जऊन देस म रहे बर
कहथंव, ओही देस म रह।
3 तें ये देस म कुछू समय तक रह, अऊ में तोर संग रहिहूं अऊ तोला आसीस दूहूं। ये पूरा देस में तोला अऊ
तोर संतानमन ला दूहूं; ये किसम ले जऊन किरिया में तोर ददा अब्राहम करा खाय रहेंव, ओला पूरा करहूं।
4 में तोर संतानमन ला अकास के तारामन सहीं अनगिनत करहूं अऊ ओमन ला ये जम्मो देस ला दूहूं, अऊ
तोर संतान के जरिये धरती के जम्मो जाति के मनखेमन आसीस पाहीं,*
5 काबरकि अब्राहम ह मोर बात मानिस, अऊ जऊन हुकूम, नियम अऊ निरदेस, में ओला दे रहेंव, ओ जम्मो
के पालन करिस।"
6 एकरे बर इसहाक ह गरार म रह गीस।
7 जब ओ ठऊर के मनखेमन ओकर घरवाली के बारे म ओकर ले पुछिन, त ओह कहिस, "ओह मोर बहिनी
अय।" काबरकि ओह ये सोचके डरत रिहिस कि यदि में ओला अपन घरवाली कहिहूं, त इहां के मनखेमन रिबका
के कारन मोला मार डारहीं, काबरकि ओह सुन्दर हवय।
8 जब ओला उहां रहत बहुंत दिन बीत गीस, तब एक दिन पलिस्तीमन के राजा अबीमेलेक ह खिड़की ले
झांकके देखिस कि इसहाक ह अपन घरवाली रिबका के संग प्रेमालाप करत हे।
9 तब अबीमेलेक ह इसहाक ला बलाके कहिस, "ओह सही म तोर घरवाली अय! फेर तें काबर ओला अपन
बहिनी कहय?"
इसहाक ह जबाब दीस, "मेंह सोचेंव कि ओकर कारन मोला अपन परान गंवाना पड़ सकत हे।"
10 तब अबीमेलेक ह कहिस, "तेंह हमर संग ये का करे हस? अइसन म तो कोनो भी मनखे तोर घरवाली संग
आसानी से कुकरम कर सकत रिहिस, अऊ तें हमन ला पाप म फंसाते।"

---

† **25:25** *[illegible]* येकर मतलब हो सकथे *[illegible]* ‡ **25:26** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]*, एक इबरानी मुहावरा जेकर मतलब होथे *[illegible]* § **25:30** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]* * **26:4** या *[illegible]*

11 एकर कारन अबीमेलेक ह जम्मो मनखेमन ला हुकूम दीस, “जऊन ह भी ओ मनखे अऊ ओकर घरवाली
संग गलत बेवहार करही, ओह खचित मार डारे जाही।”
12 फेर इसहाक ह ओ देस म खेती करिस, अऊ ओही बछर म सौ गुना फर पाईस, काबरकि यहोवा ह ओला
आसीस दीस।
13 अऊ ओह धनी हो गीस, अऊ ओकर धन लगातार बढ़त गीस अऊ ओह बहुंत धनी हो गीस।
14 जब ओकर बहुंत भेड़-बकरी, गरूवा-बईला, अऊ नौकर-चाकर हो गीन; तब पलिस्तीमन ओकर ले जलन
करे लगिन।
15 एकर कारन जतेक कुआंमन ला ओकर ददा के सेवकमन ओकर ददा अब्राहम के जीते जी खने रिहिन, ओला
पलिस्तीमन माटी पाटके बंद कर दीन।
16 तब अबीमेलेक ह इसहाक ला कहिस, “हमर पास ले चले जा, काबरकि तें हमन ले बहुंत बलवान हो गे हस।”
17 एकरे बर इसहाक उहां ले चल दीस अऊ गरार के घाटी म अपन तम्बू ठाढ़ करके उहां रहे लगिस।
18 तब जऊन कुआंमन ला ओकर ददा के समय खने गे रिहिस, अऊ अब्राहम के मरे के पाछू पलिस्तीमन पाट
दे रिहिन, ओमन ला इसहाक ह फेर खनवाईस, अऊ ओमन के ओहीच नांव रखिस, जे नांव ओकर ददा ह रखे
रिहिस।
19 फेर इसहाक के दासमन घाटी म खोदई करिन अऊ उहां ओमन ला ताजा पानी के एक ठन कुआं मिलिस।
20 पर गरार के चरवाहामन इसहाक के चरवाहामन संग झगरा करिन अऊ ओमन कहिन, “ये पानी हमर
अय।” एकरे बर ओह ओ कुआं के नांव एसेक† रखिस; काबरकि ओमन ओकर संग झगरा करे रिहिन।
21 तब ओमन आने कुआं खनिन, पर ओमन ओकर बर घलो झगरा करिन; एकरे बर ओह ओकर नांव सितनाह‡
रखिस।
22 तब ओह उहां ले निकलके एक अऊ कुआं खनवाईस, अऊ ओकर बर उहां कोनो झगरा नइं करिन। ओह
ओकर नांव ये कहिके रहोबोत§ रखिस, “अब यहोवा ह हमन ला बहुंत जगह दे हवय अऊ हमन ये देस म
फूलबो-फरबो।”
23 उहां ले इसहाक ह बेरसेबा चल दीस।
24 ओ रथिया यहोवा ह ओला दरसन देके कहिस, “मेंह तोर ददा अब्राहम के परमेसर अंव। झन डर, काबरकि
मेंह तोर संग हवंव; में अपन दास अब्राहम ले करे परतिगियां के कारन तोला आसीस दूहूं अऊ तोर संतानमन के
गनती ला बढ़ाहूं।”
25 तब इसहाक ह उहां एक ठन बेदी बनाईस अऊ यहोवा के अराधना करिस। उहां ओह अपन तम्बू ठाढ़
करिस, अऊ उहां ओकर दासमन एक ठन कुआं खनिन।
26 ये बीच म, अबीमेलेक ह अपन सलाहकार अहुज्जत अऊ अपन सेना के सेनापति पीकोल के संग गरार ले
इसहाक करा आईस,
27 त इसहाक ह ओमन ले पुछिस, “तुमन मोर ले बईरता करके मोला अपन बीच ले निकाल दे रहेव, अब मोर
करा काबर आय हवव?”
28 ओमन जबाब दीन, “हमन सच म देख डारेंन कि यहोवा ह तोर संग रहिथे; एकरे बर हमन सोचेंन कि हमर
बीच म किरिया खाके करार होना चाही—हमर अऊ तोर बीच म। आ, हमर संग करार कर
29 कि तेंह हमर कोनो हानि नइं करबे, जइसन कि हमन तोर कोनो हानि नइं करेंन, पर तोर संग हमेसा बने
बरताव करेंन अऊ तोला सांति से बिदा करेंन। अऊ अब तें यहोवा के दुवारा आसीसित अस।”
30 तब इसहाक ह ओमन बर एक भोज करिस अऊ ओमन खाईन-पीईन।
31 दूसर दिन बड़े बिहनियां ओ मनखेमन एक-दूसर ले किरिया खाईन। तब इसहाक ह ओमन ला बिदा करिस,
अऊ ओमन सांति से उहां ले चल दीन।
32 ओही दिन इसहाक के दासमन आके ओ खने गय कुआं के बारे बताईन। ओमन कहिन, “हमन ला पानी मिल
गे हवय।”
33 तब ओह ओकर नांव सिबा* रखिस, अऊ आज तक ओ नगर के नांव बेरसेबा† परे हे।

---

† **26:20** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **26:21** [illegible] के मतलब होथे [illegible] § **26:22** [illegible] के मतलब होथे [illegible] * **26:33** [illegible] के मतलब हो सकथे [illegible] या [illegible] † **26:33** [illegible] के मतलब हो सकथे [illegible] [illegible] [illegible] अऊ [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

34 जब एसाव ह चालीस बछर के होईस, त ओह हित्ती बेरी के बेटी यूदीत, अऊ हित्ती एलोन के बेटी बासमत
ले बिहाव कर लीस।
35 ओमन इसहाक अऊ रिबका के दुख के कारन रिहिन।

27

1 जब इसहाक ह डोकरा हो गीस अऊ ओकर आंखी ह अतेक कमजोर हो गीस कि ओला दिखना ही बंद हो
गीस, तब ओह अपन बड़खा बेटा एसाव ला बलाके कहिस, "हे बेटा।"
ओह कहिस, "में इहां हंव।"
2 इसहाक ह कहिस, "सुन, में तो डोकरा हो गे हंव अऊ नइं जानंव कि कब मर जाहूं।
3 एकरसेति, अब तें अपन साज-सामान—तीर-धनुस लेके खुले मैदान म जा, अऊ मोर बर कोनो जंगली पसु
सिकार करके लान,
4 अऊ मोर मन के लईक सुवादवाला जेवन बनाके मोर करा लान कि में ओला खाके मरे के पहिली तोला
आसीस देवंव।"
5 जब इसहाक ह अपन बेटा एसाव ले गोठियावत रिहिस, त ओ बात ला रिबका ह सुनत रिहिस। जब एसाव
ह सिकार करे बर खुला मैदान म चल दीस,
6 त रिबका ह अपन बेटा याकूब ला कहिस, "देख, मेंह तोर ददा ला तोर भईया एसाव ले ये कहत सुने हंव,
7 'तें मोर बर सिकार करके लान अऊ सुवादवाला जेवन बना कि में मरे के पहिली ओला खाके तोला यहोवा के
आघू म आसीस देवंव।'
8 एकरसेति, हे मोर बेटा, धियान से सुन अऊ मोर बात ला मान:
9 पसुमन के झुंड म जाके दू ठन बने-बने बोकरा-पीला ले आन कि में तोर ददा बर ओकर मन के लईक
सुवादवाला जेवन बनावंव।
10 तब तें ओला अपन ददा करा ले जाबे कि ओह ओला खाके मरे के पहिली तोला आसीस देवय।"
11 याकूब ह अपन दाई रिबका ला कहिस, "देख, मोर भईया एसाव तो रूआंवाला मनखे अय, पर में तो बिन
रूआं के अंव।
12 कहूं मोर ददा मोला छूही, तब का होही? में तो ओकर नजर म धोखा देवइया हो जाहूं अऊ आसीस के
बदला म मोला सराप मिलही।"
13 ओकर दाई ह ओला कहिस, "हे मोर बेटा, सराप तोला नइं, मोला मिलय। में जऊन बात कहत हंव, ओला
कर; जा अऊ बोकरामन ला मोर करा ले आन।"
14 तब याकूब ह जाके बोकरामन ला अपन दाई करा ले आईस, अऊ ओकर दाई ह ओकर ददा के मन के लईक
सुवादवाला जेवन बना दीस।
15 तब रिबका ह अपन बड़खा बेटा एसाव के सबले सुन्दर कपड़ा ला लीस, जऊन ह कि ओकर करा घर म
रिहिस अऊ ओला लेके अपन छोटे बेटा याकूब ला पहिरा दीस।
16 अऊ ओह बोकरा के खाल ला लेके याकूब के हांथमन म अऊ ओकर चिकना घेंच म लपेट दीस।
17 तब ओह सुवादवाला जेवन अऊ अपन बनाय रोटी ला अपन बेटा याकूब के हांथ म धरा दीस।
18 याकूब ह अपन ददा करा गीस अऊ कहिस, "हे मोर ददा।"
ओकर ददा ह कहिस, "हव, मोर बेटा, तेंह कोन अस?"
19 याकूब ह अपन ददा ला कहिस, "मेंह तोर बड़खा बेटा एसाव अंव। जइसे तेंह मोला कहे रहय, वइसे मेंह
करे हंव। बईठ जा अऊ मोर दुवारा सिकार करके लाने गे मांस ला खा अऊ मोला आसीस दे।"
20 इसहाक ह अपन बेटा ले पुछिस, "येह तोला अतकी जल्दी कइसे मिल गीस, बेटा?"
ओह जबाब दीस, "यहोवा तोर परमेसर ह मोला सफल करिस।"
21 तब इसहाक ह याकूब ला कहिस, "मोर लकठा म आ कि में तोला छुवंव, मोर बेटा, अऊ जानंव कि तें सही
म मोर बेटा एसाव अस कि नइं।"
22 याकूब ह अपन ददा इसहाक के लकठा म गीस; तब इसहाक ह ओला छुईस अऊ कहिस, "अवाज तो
याकूब के अवाज अय, पर हांथमन एसाव के हांथ अंय।"

23 इसहाक ह याकूब ला नइं चिन्हिस, काबरकि ओकर हांथमन ओकर भईया एसाव के सहीं रूआंदार रिहिन;
एकर बर इसहाक ह ओला आसीस देय के सुरू करिस।
24 अऊ ओह पुछिस, "का सही म, तें मोर बेटा एसाव अस?"
ओह कहिस, "हव, में अंव।"
25 तब इसहाक ह कहिस, "हे मोर बेटा, सिकार के मांस ला मोर करा ले आ कि में ओला खावंव अऊ तोला
अपन आसीस देवंव।"
ओह मांस ला इसहाक करा ले आईस अऊ ओह खाईस; अऊ याकूब ह ओकर करा अंगूर के मंद घलो लानिस
अऊ ओह खाईस-पीईस।
26 तब ओकर ददा इसहाक ह ओला कहिस, "हे मोर बेटा, इहां आ अऊ मोला चूम।"
27 याकूब ह ओकर करा गीस अऊ ओला चूमिस। जब इसहाक ह ओकर कपड़ा के गंध पाईस, त ओला
आसीस दीस अऊ कहिस,
"अहा, मोर बेटा के सुगंध ह
अइसन खेत के सुगंध सहीं अय
जऊन ला यहोवा ह आसीस दे हवय।
28 परमेसर तोला अकास ले ओस
अऊ धरती के उत्तम चीज—
बहुंत अकन अनाज अऊ अंगूर के नवां मंद देवय।
29 जाति-जाति के मनखेमन तोर सेवा करंय
अऊ मनखेमन तोला झुकके दंडवत करंय।
तें अपन भाईमन के सुवामी हो जा,
अऊ तोर दाई के बेटामन तोला दंडवत करंय।
जऊन मन तोला सराप देवंय, ओमन खुद सराप पावंय
अऊ जऊन मन तोला आसीस देवंय, ओमन आसीस पावंय।"
30 जब इसहाक ह याकूब ला आसीस दे चुकिस, अऊ याकूब ह अपन ददा इसहाक करा ले निकले ही रिहिस
कि ओकर भाई एसाव ह सिकार करके घर आ गीस।
31 ओह घलो सुवादवाला जेवन बनाके अपन ददा करा लानिस अऊ कहिस, "हे मोर ददा, बईठ जा अऊ मोर
दुवारा सिकार करके लाने गे मांस ला खा अऊ मोला अपन आसीस दे।"
32 ओकर ददा इसहाक ह ओकर ले पुछिस, "तें कोन अस?"
ओह कहिस, "मेंह तोर बड़खा बेटा एसाव अंव।"
33 इसहाक ह बहुंत थरथरात कहिस, "फेर ओह कोन रिहिस, जेह सिकार करके मोर करा लानिस? अभी तोर
आय के पहिली ही ओ सिकार के मांस ला में खायेंव अऊ ओला आसीस देंव—अऊ सही म ओला आसीस
मिलही।"
34 अपन ददा के ये गोठ सुनके एसाव ह दुख के मारे नरियाके अऊ फूट-फूटके रोईस अऊ अपन ददा ला
कहिस, "हे मोर ददा, मोला आसीस दे—मोला घलो आसीस दे!"
35 पर ओह कहिस, "तोर भाई धोखा से आईस अऊ तोर आसीस ला ले लीस।"
36 एसाव ह कहिस, "का ओकर नांव याकूब* सही नइं रखे गे हे? येह दूसर बार ए, ओह मोर ले फायदा उठाय
हवय: ओह मोर पहिलऊठा के अधिकार ला ले लीस, अऊ अब ओह मोर आसीस ला घलो ले गीस!" तब ओह
अपन ददा ले पुछिस, "का तेंह मोर बर कोनो आसीस नइं रखे हस?"
37 इसहाक ह एसाव ला जबाब दीस, "मेंह ओला तोर ऊपर सुवामी ठहिराय हंव अऊ ओकर जम्मो रिस्तेदार
ला ओकर सेवक बनाय हंव, अऊ मेंह ओला अनाज अऊ अंगूर के नवां मंद ले आसीसित करे हंव। अब हे मोर
बेटा, में तोर बर का कर सकत हंव?"
38 एसाव ह अपन ददा ला कहिस, "हे मोर ददा, का तोर करा सिरिप एके ठन आसीस हवय? हे मोर ददा,
मोला घलो आसीस दे!" तब एसाव चिचिया-चिचियाके रोईस।

---

* **27:36** [illegible] के मतलब होथे [illegible], इबरानी म एक मुहावरा, जेकर मतलब होथे [illegible] या [illegible]

39 ओकर ददा इसहाक ह ओला जबाब दीस,
“तोर निवास ह धरती के
उपजाऊ भुइयां ले दूरिहा होही,
ऊपर के अकास के ओस ओमा नइं पड़ही।
40 तेंह तलवार के बल म जिनगी जीबे
अऊ तेंह अपन भाई के सेवा करबे।
पर जब तेंह बियाकुल हो जाबे,
त तेंह ओकर सेवा करई
छोंड़ देबे।”
41 एसाव ह ओ आसीस के कारन याकूब बर बईरता के भावना रखय, जऊन ला ओकर ददा ह याकूब ला देय रिहिस। ओह अपन मन म कहिस, “मोर ददा के मरे के दिन ह लकठा म हे; तब में अपन भाई याकूब ला मार डारहूं।”
42 जब रिबका ला ओकर बड़खा बेटा एसाव के ये बात बताय गीस, त ओह अपन छोटे बेटा याकूब ला बलाके कहिस, “सुन, तोर भईया एसाव ह बदला लेय बर तोला मार डारे के योजना बनावत हे।
43 एकरसेति हे मोर बेटा, मोर बात ला मान: तुरते मोर भाई लाबान करा हारान नगर म भाग जा।
44 अऊ कुछू समय तक ओकरे संग रह, जब तक कि तोर भईया के गुस्सा नइं उतर जावय।
45 जब तोर भईया के गुस्सा ह खतम हो जाही अऊ जऊन काम तेंह ओकर बिरूध करे हवस, ओला भुला जाही, तब में तोला खबर भिजवाके उहां ले बला लूहूं। अइसन झन हो कि एके दिन म, में तुमन दूनों झन ला गंवा दंव।”
46 तब रिबका ह इसहाक ला कहिस, “ये हित्ती माईलोगनमन के कारन, में अपन जिनगी ले असकटा गे हंव। यदि याकूब ह ये देस के कोनो माईलोगन ला याने कि ये हित्ती माईलोगनमन ले कोनो ला अपन घरवाली बना लेथे, त फेर मोर जीये के कोनो मतलब नइं होही।”

28

1 एकरसेति इसहाक ह याकूब ला बलाके आसीस दीस, अऊ ओला हुकूम दीस: “तें कोनो कनानी छोकरी ले बिहाव झन करबे।
2 तें तुरते पदन-अराम* म, अपन नाना बतूएल के घर जा। उहां तोर ममा लाबान के कोनो बेटी ले बिहाव कर ले।
3 सर्वसक्तिमान परमेसर ह तोला आसीस देवय अऊ तोला फूलाय-फलाय अऊ तोर गनती ला बढ़ाय, जब तक कि तें मनखेमन के एक समाज नइं बन जावस।
4 ओह अब्राहम ले करे गे परतिगियां के आसीस तोला अऊ तोर बंस ला देवय, ताकि तें ये देस के मालिक बन जा, जिहां अभी तें एक परदेसी के रूप म रहिथस, अऊ जेला परमेसर ह अब्राहम ला दे रिहिस।”
5 तब इसहाक ह याकूब ला बिदा करिस, अऊ ओह पदन-अराम म अरामी बतूएल के बेटा लाबान के घर गीस। लाबान ह याकूब अऊ एसाव के दाई रिबका के भाई रिहिस।
6 जब एसाव ला ये पता चलिस कि इसहाक ह याकूब ला आसीस दे हवय अऊ ओला पदन-अराम पठोय हवय कि ओह उहां बिहाव करय, अऊ ओला आसीस देके ये हुकूम दे हवय, “तें कोनो कनानी माईलोगन ले बिहाव झन करबे,”
7 अऊ याकूब ह अपन दाई-ददा के बात मानके पदन-अराम ला चल दे हवय।
8 तब एसाव महसूस करिस कि कनानी छोकरीमन ओकर ददा इसहाक ला कतेक नापसंद रिहिन;
9 एकरसेति ओह अब्राहम के बेटा इसमायल करा गीस, अऊ इसमायल के बेटी महलत ले बिहाव कर लीस, जऊन ह कि नबायोत के बहिनी रिहिस। एसाव के अऊ घलो घरवाली रिहिन।

[illegible]
10 याकूब ह बेरसेबा ला छोंड़के हारान जाय बर निकलिस।

---

* **28:2** उत्तर-पछिम मेसोपोटामिया; पद 5, 6 अऊ 7 म घलो

11 जब ओह एक जगह म हबरिस, त उहां रात काटे बर रूकिस काबरकि बेर बुड़ गे रहय। उहां एक पथरा ला
लेके अपन मुड़ खाल्हे तकिया के रूप म रखिस अऊ सुत गीस।
12 ओह सपना म देखिस कि एक सीढ़ी धरती म ठाढ़े हे अऊ ओकर दूसर छोर ह स्वरग तक हबरत हे, अऊ
परमेसर के स्वरगदूतमन ओमा चघत-उतरत हवंय।
13 ओकर ऊपर म यहोवा ह ठाढ़ होके कहत हे: "में यहोवा, तोर दादा अब्राहम के परमेसर अऊ तोर ददा
इसहाक के परमेसर अंव। जऊन भुइयां म तेंह सुते हस, ओला में तोला अऊ तोर बंस ला दूहूं।
14 तोर संतानमन भुइयां के धुर्रा सहीं अनगिनत होहीं, अऊ ओमन पछिम, पूरब, उत्तर, दक्खिन, चारों कोति
बगर जाहीं। धरती के जम्मो मनखेमन तोर अऊ तोर संतान के जरिये आसीस पाहीं।
15 सुन, में तोर संग हवंव अऊ जिहां कहूं तें जाबे, में तोर रकछा करहूं, अऊ मेंह तोला ये देस म लहुंटाके
लानहूं। मेंह तोर ले जऊन परतिगियां करे हंव, जब तक ओला पूरा नइं कर लूहूं, तब तक में तोला नइं छोड़ंव।"
16 जब याकूब ह नींद ले जागिस, त ओह सोचिस, "सही म, ये ठऊर म यहोवा हवय, अऊ में ये बात ला नइं
जानत रहेंव।"
17 ओह डर के मारे कहिस, "ये ठऊर ह कतेक बढ़िया हवय! येह परमेसर के घर के छोंड़ अऊ कुछू नइं हो
सकय; येह स्वरग के कपाट अय।"
18 बड़े बिहनियां याकूब ह ओ पथरा ला लीस, जऊन ला ओह अपन मुड़ के खाल्हे तकिया के रूप म रखे
रिहिस अऊ ओला खंभा के रूप म ठाढ़ करिस अऊ ओकर टीप म तेल रितो दीस।
19 ओह ओ ठऊर के नांव बेतेल† रखिस, हालाकि ओ सहर के नांव लूज रिहिस।
20 तब याकूब ह ये मन्नत मानके कहिस, "यदि परमेसर ह मोर संग रहिही अऊ ये यातरा म मोर रकछा करही
अऊ मोला खाय बर रोटी अऊ पहिरे बर कपड़ा दीही
21 अऊ में अपन ददा के घर म सही-सलामत लहुंटके आहूं, त यहोवा ह मोर परमेसर ठहिरही
22 अऊ ये पथरा जेला मेंह खंभा के रूप म ठाढ़ करे हवंव, परमेसर के घर होही, अऊ जऊन कुछू तें मोला देबे,
ओ जम्मो के दसवां हिस्सा में तोला दूहूं।"

29

[illegible] [illegible]-[illegible] ह [illegible]

1 तब याकूब ह अपन यातरा म आघू बढ़िस अऊ पूरब दिग के मनखेमन के देस म आईस।
2 उहां ओह मैदान म एक कुआं देखिस, जेकर लकठा म भेड़-बकरीमन के तीन झुंड बईठे रहंय, काबरकि ओमन
ला ओ कुआं ले पानी पीयाय जावय। कुआं के मुहूं के ऊपर के पथरा ह बहुंत बड़े रिहिस।
3 जब जम्मो झुंड ह उहां जमा होवय, त चरवाहामन कुआं के मुहूं ले पथरा ला हटाके भेड़-बकरीमन ला पानी
पीयावंय, अऊ तब ओमन पथरा ला फेर कुआं के मुहूं ऊपर जइसन के तइसन मढ़ा दें।
4 याकूब ह चरवाहामन ला पुछिस, "हे भाईमन, तुमन कहां के अव?"
ओमन जबाब दीन, "हमन हारान के अन।"
5 तब ओह ओमन ले पुछिस, "का तुमन नाहोर के पोता लाबान ला जानथव?"
ओमन जबाब दीन, "हव, हमन ओला जानथन।"
6 तब याकूब ह ओमन ले पुछिस, "का ओह बने हवय?"
ओमन कहिन, "हव, ओह बने हवय, अऊ देख, ओकर बेटी राहेल ह भेड़मन ला लेके आवत हे।"
7 ओह कहिस, "देखव, अभी तो दिन बहुंत हे; अभी पसुमन के जूरे के बेरा नइं होय हे। भेड़मन ला पानी
पीयावव अऊ फेर ले जाके चरावव।"
8 ओमन कहिन, "हमन अइसन नइं कर सकन; जब जम्मो झुंड ह जूरही अऊ पथरा ह कुआं के मुहूं ले टारे
जाही, तब हमन भेड़मन ला पानी पीयाबो।"
9 जब ओह ओमन ले गोठियावत रिहिस, तभे राहेल ह अपन ददा के भेड़मन ला लेके आईस, काबरकि ओह
पसु चराय के बुता करय।

† **28:19** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

10 जब याकूब ह अपन ममा लाबान के बेटी राहेल, अऊ अपन ममा के भेड़मन ला देखिस, त ओह उहां जाके
कुआं के मुहूं ले पथरा ला टार दीस अऊ अपन ममा के भेड़मन ला पानी पीयाईस।
11 तब याकूब ह राहेल ला चूमिस अऊ चिचिया-चिचियाके रोये लगिस।
12 ओह राहेल ला बता दे रिहिस कि ओह ओकर फुफेरा भाई ए, याने कि ओकर फूफू रिबका के बेटा ए।
एकरसेति राहेल ह दऊड़के गीस अऊ अपन ददा ला बताईस।
13 अपन भांचा याकूब के खबर पाते ही, लाबान तुरते ओकर संग भेंट करे बर गीस। ओह ओला पोटारके
चूमिस अऊ ओला अपन घर ले आईस, अऊ उहां याकूब ओला अपन जम्मो बात बताईस।
14 तब लाबान ह ओला कहिस, "तें तो मोर खुद के मांस अऊ लहू अस।"

[illegible]

याकूब के लाबान संग एक महिना रहे के बाद,
15 लाबान ह ओला कहिस, "रिस्तेदार अस तभो ले तोला सोझे म बुता कराना मोला बने नइं लगय, त मोला
बता कि बुता करे के बदला म में तोला का देवंव?"
16 लाबान के दू झन बेटी रिहिन; बड़की के नांव लिआ अऊ छोटकी के नांव राहेल रिहिस।
17 लिआ के आंखीमन कमजोर रिहिन, पर राहेल ह रूपवती अऊ सुघर रिहिस।
18 याकूब ह राहेल ले मया करय, एकरसेति ओह कहिस, "में तोर छोटे बेटी राहेल बर सात बछर तोर काम
करहूं।"
19 लाबान ह कहिस, "ये बने बात अय कि ओला कोनो अऊ मनखे ला देय के बदले तोला देवंव। इहां मोर संग
रह।"
20 याकूब सात बछर तक राहेल ला पाय बर सेवा करिस, पर ये सात बछर ह ओला सिरिप कुछू दिन सहीं
लगिस काबरकि ओह राहेल ले मया करय।
21 तब याकूब ह लाबान ला कहिस, "मोर घरवाली ला मोला दे। मोर समय ह पूरा हो गीस, अऊ अब मेंह
ओकर मेर जाय चाहत हंव।"
22 तब लाबान ह उहां के जम्मो मनखे ला इकट्ठा करिस अऊ ओमन ला एक भोज दीस।
23 पर जब सांझ होईस, त ओह अंधियार के बेरा अपन बेटी लिआ ला याकूब करा लानिस, अऊ याकूब
ओकर संग संबंध बनाईस।
24 लाबान ह अपन बेटी लिआ के दासी होय बर अपन दासी जिलपा ला दीस।
25 जब बिहान होईस, तब पता चलिस कि ये तो लिआ ए। एकरसेति याकूब ह लाबान ला कहिस, "तें मोर संग
ये का करे हस? का में तोर सेवा राहेल बर नइं करेंव? तें मोला काबर धोखा दे हस?"
26 लाबान ह जबाब दीस, "हमर इहां अइसन रीति नइं ए कि बड़की बेटी के रहत छोटकी बेटी के बिहाव करन।
27 बेटी के बिहाव उत्सव के ये हप्ता ला पूरा कर; फेर हमन छोटकी ला घलो तोला देबो, तेकर बर तोला अऊ
सात साल मोर काम करना पड़ही।"
28 तब याकूब ह वइसनेच करिस। ओह लिआ के संग हप्ता पूरा करिस, अऊ तब लाबान ह ओला अपन बेटी
राहेल ला घलो दीस कि ओह ओकर घरवाली होवय।
29 लाबान ह अपन बेटी राहेल के दासी होय बर अपन दासी बिलहा ला दीस।
30 याकूब ह राहेल ले घलो संबंध बनाईस, अऊ ओकर मया लिआ ले जादा राहेल बर रहय। अऊ ओह
लाबान बर अऊ सात बछर काम करिस।

[illegible]

31 जब यहोवा ह देखिस कि लिआ ह मया नइं पावत हे, त ओह ओला गरभ ठहिरे के आसीस दीस, पर राहेल
बांझ रहय।
32 लिआ ह आसरा म होईस अऊ एक बेटा ला जनमिस। ओह ये कहिके ओकर नांव रूबेन* रखिस, "यहोवा
ह मोर दुख कोति धियान दे हवय। अब मोर घरवाला ह खचित मोला मया करही।"
33 ओह फेर आसरा म होईस, अऊ ओकर फेर एक बेटा होईस, त ओह कहिस, "काबरकि यहोवा ह सुनिस कि
मोला मया नइं मिलत हे, तेकर खातिर ओह मोला ये बेटा घलो दीस।" अऊ ओह ओकर नांव सिमोन† रखिस।

* **29:32** [illegible] येकर मतलब होथे [illegible], [illegible] [illegible] † **29:33** [illegible] संभवत: येकर मतलब होथे [illegible]

34 ओह फेर आसरा म होईस, अऊ ओकर फेर एक बेटा होईस, त ओह कहिस, “अब मोर घरवाला ह मोला
मिल जाही, काबरकि ओकर दुवारा मोर तीन बेटा होईन।” एकरसेति ओकर नांव लेवी‡ रखे गीस।
35 ओह फेर आसरा म होईस, अऊ ओकर एक अऊ बेटा होईस, त ओह कहिस, “अब के बार में यहोवा के
परसंसा करहूं।” एकरसेति ओह ओकर नांव यहूदा§ रखिस। तब कुछू समय तक ओला लइका नइं होईस।

30

1 जब राहेल ह देखिस कि याकूब कोति ले ओला कोनो लइका नइं होवथे, त ओह अपन बहिनी ले जलन करे
लगिस। ओह याकूब ला कहिस, “मोला लइका दे, नइं तो में मर जाहूं।”
2 याकूब ह राहेल ऊपर गुस्सा होके कहिस, “का में परमेसर अंव? तोर कोख ला तो ओही ह बंद रखे हवय।”
3 तब राहेल ह कहिस, “ये दे मोर दासी बिलहा इहां हवय। ओकर ले संबंध बना ताकि ओह मोर बर लइका
जनमे अऊ में घलो ओकर जरिये एक परिवार बनावंव।”
4 त ओह अपन दासी बिलहा ला ओकर घरवाली होय बर दीस। याकूब ओकर करा गीस,
5 अऊ बिलहा ह आसरा म होईस अऊ याकूब ले ओला एक बेटा होईस।
6 तब राहेल ह कहिस, “परमेसर ह मोर नियाय करे हवय; ओह मोर बिनती ला सुनके मोला एक बेटा दे
हवय।” एकर कारन ओह ओकर नांव दान* रखिस।
7 राहेल के दासी बिलहा फेर आसरा म होईस अऊ याकूब ले ओकर एक अऊ बेटा होईस।
8 तब राहेल ह कहिस, “मोर बहिनी के संग मोर बहुंत संघर्स होईस, अऊ में जीत गेंव।” त ओह ओकर नांव
नपताली† रखिस।
9 जब लिआ देखिस कि अब ओकर लइका नइं होवथे, त ओह अपन दासी जिलपा ला याकूब के घरवाली होय
बर दीस।
10 अऊ लिआ के दासी जिलपा ले याकूब के एक बेटा होईस।
11 तब लिआ ह कहिस, “कतेक बढ़िया किस्मत!” त ओह ओकर नांव गाद‡ रखिस।
12 लिआ के दासी जिलपा के याकूब ले एक अऊ बेटा होईस।
13 तब लिआ ह कहिस, “में बहुंत खुस हंव! माईलोगनमन मोला धइन कहिहीं।” त ओह ओकर नांव आसेर§
रखिस।
14 गहूं लुवई के समय, रूबेन ला मैदान म कुछू दूदा फर* मिलिस, जेला ओह अपन दाई लिआ करा ले गीस।
तब राहेल ह लिआ ला कहिस, “तोर बेटा के दूदा फर म ले कुछू महूं ला दे।”
15 पर लिआ ह ओला कहिस, “तेंह जो मोर घरवाला ला लेय ले हस; का येह छोटे बात अय? अऊ अब मोर
बेटा के दूदा फर ला घलो लेय चाहत हस?”
राहेल ह कहिस, “ठीक हे, तोर बेटा के दूदा फर के बदला म, आज रथिया हमर घरवाला ह तोर करा सुतही।”
16 सांझकुन जब याकूब ह खेत ले आईस, त लिआ ह ओकर ले भेंट करे बर गीस अऊ ओला कहिस, “तोला
मोर करा आय बर पड़ही, काबरकि मेंह अपन बेटा के दूदा फर के बदला म तोला लेय ले हंव।” त याकूब ह ओ
रथिया ओकर संग सुतिस।
17 परमेसर ह लिआ के सुनिस, अऊ ओह आसरा म होके याकूब बर पांचवां बेटा जनमिस।
18 तब लिआ ह कहिस, “में जो अपन दासी ला अपन घरवाला ला देंव, एकरे बर परमेसर ह मोला ईनाम दे
हवय।” त ओह ओकर नांव इस्साकार† रखिस।
19 लिआ फेर आसरा म होईस अऊ याकूब ले ओकर छठवां बेटा जनमिस।
20 तब लिआ ह कहिस, “परमेसर ह मोला बढ़िया ईनाम दे हवय। अब के बार मोर आदमी मोर संग आदर के
बरताव करही, काबरकि मेंह ओकर दुवारा छै बेटा जनमे हंव।” त ओह ओकर नांव जबूलून‡ रखिस।
21 कुछू समय के बाद, ओकर एक झन बेटी घलो होईस अऊ ओह ओकर नांव दीना रखिस।

---

‡ **29:34** [illegible] इबरानी म येकर मतलब हो सकथे [illegible] § **29:35** [illegible] सायद इबरानी म येकर मतलब होथे [illegible] * **30:6** [illegible] इहां येकर मतलब होथे [illegible] † **30:8** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **30:11** [illegible] के मतलब हो सकथे [illegible] या [illegible] § **30:13** [illegible] के मतलब होथे [illegible] * **30:14** अइसे समझे जाथे कि येह सारीरिक संबंध बर [illegible] करथे अऊ माईलोगन ला गरभवती होय म मदद करथे † **30:18** [illegible] इबरानी म येकर मतलब हो सकथे [illegible] ‡ **30:20** [illegible] संभवत: येकर मतलब होथे [illegible]

22 तब परमेसर ह राहेल के घलो सुधि लीस; ओह ओकर गरभ ठहिरे के आसीस दीस।
23 ओह आसरा म होईस अऊ एक बेटा जनमिस अऊ कहिस, “परमेसर ह मोर बेजत्ती ला दूर करे हवय।”
24 ओह ये कहिके अपन बेटा के नांव यूसुफ§ रखिस, “यहोवा मोला एक अऊ बेटा देवय।”

[illegible]

25 जब राहेल ह यूसुफ ला जनमिस, त याकूब ह लाबान ला कहिस, “मोला बिदा कर कि में अपन देस वापिस जा सकंव।
26 मोर घरवाली अऊ मोर लइकामन ला मोला दे, जेमन बर में तोर सेवा करे हंव ताकि में इहां ले चले जावंव। तें तो जानत हस कि मेंह तोर कतेक सेवा करे हंव।”
27 पर लाबान ह ओला कहिस, “यदि तोर नजर म में दया पाय के लईक हंव, त रूक जा। काबरकि मेंह अनुभव ले जान डारे हंव कि यहोवा ह तोर कारन से मोला आसीस दे हवय।”
28 फेर ओह कहिस, “तें अपन बनी बता अऊ में तोला तोर बनी दूहूं।”
29 याकूब ह ओला कहिस, “तेंह जानत हस कि मेंह तोर कइसन सेवा करे हंव अऊ तोर पसुमन मोर देखरेख म कइसन बढ़िन हें।
30 मोर आय के पहिली ओमन थोरकन रिहिन, अऊ अब कतेक बढ़ गे हवंय, अऊ जिहां कहूं मेंह हांथ लगांय, यहोवा ह तोला अब्बड़ आसीस दीस। पर अब, में अपन परिवार बर कब कुछू करहूं?”
31 ओह पुछिस, “में तोला का देवंव?”
याकूब ह कहिस, “तें मोला कुछू झन दे; पर यदि तें मोर बर एक काम करबे, त में फेर तोर भेड़-बकरी ला चराहूं अऊ ओमन के देखरेख करहूं:
32 मोला आज तोर जम्मो भेड़-बकरी के बीच म ले होके जावन दे, अऊ जऊन भेड़मन धारीवाले या चितकबरी हवंय, अऊ जऊन मेढ़ामन करिया हवंय अऊ जऊन छेरीमन धारीवाले अऊ चितकबरी हवंय, ओमन ला अलग करन दे। ओमन मोर मजदूरी होहीं।
33 अऊ अवइया समय म मोर ईमानदारी के सबूत ये होही कि जऊन मजदूरी तेंह मोला दे हस; जब तें ओकर जांच करबे; त यदि कोनो बकरी धारीवाले या चितकबरी नइं होही या कोनो मेढ़ा-पीला करिया रंग के नइं होही, त ओह चोरी के समझे जाही।”
34 लाबान ह कहिस, “में राजी हंव। तोर कहे के मुताबिक होवय।”
35 ओहीच दिन ओह जम्मो धारीवाले अऊ धब्बावाले बोकरा, अऊ जम्मो धारीवाली अऊ धब्बावाली बकरी (सफेद धब्बावाली) अऊ जम्मो करिया मेढ़ा-पीलामन ला अलग करके अपन बेटामन के देखरेख म कर दीस।
36 तब ओह अपन अऊ याकूब के बीच म तीन दिन के यातरा के दूरी बना लीस, अऊ याकूब ह लाबान के बाकि भेड़-बकरीमन ला चराय लगिस।
37 तब याकूब ह चिनार, बादाम, अऊ अरमोन रूख के हरियर-हरियर छड़ी लेके ओकर छिलका ला जगह-जगह छिलके धारीदार बना दीस, जेकर से ओ छड़ीमन के सफेदी ह दिखे लगिस।
38 तब छिलाय छड़ीमन ला पानी पीये के जम्मो कोटना म अइसे रखिस कि जब भेड़-बकरीमन पानी पीये बर आवंय, त ओमन सीधा भेड़-बकरीमन के आघू म रहंय। जब भेड़-बकरीमन गाभिन होय के समय पानी पीये बर आईन,
39 त ओमन छड़ीमन के आघू म समागम करिन अऊ गाभिन होके भेड़-बकरीमन धारीवाला या चित्तीवाला या चितकबरा पीला जनमे लगिन।
40 याकूब ह मेढ़ा-पीलामन ला अलग-अलग करिस, पर बाकि बचे भेड़-बकरीमन के मुहूं ला लाबान के चित्तीवाले अऊ करिया भेड़-बकरीमन कोति कर दीस। ये किसम ले ओह अपन भेड़-बकरीमन के अलग झुंड बनाईस अऊ ओमन ला लाबान के भेड़-बकरीमन संग मिले नइं दीस।
41 जब भी मजबूत भेड़-बकरीमन के गाभिन होय के समय होवय, त याकूब ह ओ छड़ीमन ला कोटना म ओमन के आघू म ठाढ़ कर देवय, जेकर से ओमन छड़ीमन के लकठा म गाभिन होवंय,
42 पर जब कमजोर भेड़-बकरीमन गाभिन होवंय, त ओह ओमन ला छड़ीमन के आघू म नइं रखय। ये कारन से कमजोर पसुमन लाबान के होईन अऊ मजबूत पसुमन याकूब के हो गीन।

§ **30:24** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

43 अइसन करके याकूब ह भारी धनवान हो गीस। ओकर खुद के अब्बड़ भेड़-बकरी, अऊ दास-दासी, अऊ
ऊंट, अऊ गदहामन हो गीन।

31

[illegible]

1 लाबान के बेटामन के ये बात याकूब के सुने म आईस, "याकूब ह हमर ददा के जम्मो चीज ला लेय ले हे,
अऊ हमर ददा के धन के कारन ओह ये जम्मो धन-संपत्ति कमाय हे।"
2 अऊ याकूब ह धियान दीस कि लाबान के बरताव ह ओकर बर पहिले सहीं नइं ए।
3 तब यहोवा ह याकूब ला कहिस, "तेंह अपन पुरखा अऊ अपन रिस्तेदारमन के देस म लहुंट जा, अऊ मेंह
तोर संग रहिहूं।"
4 एकरसेति याकूब ह राहेल अऊ लिआ ला बाहिर मैदान म आय बर खबर भिजवाईस जिहां ओकर
भेड़-बकरीमन रहंय।
5 ओह ओमन ला कहिस, "में देखत हंव कि तुम्हर ददा के बरताव ह मोर बर पहिले सहीं नइं ए, पर मोर ददा के
परमेसर ह मोर संग हवय।
6 तुमन जानत हव कि में तुम्हर ददा के सेवा पूरा मेहनत से करे हंव,
7 तभो ले तुम्हर ददा ह दस बार मोर बनी ला बदलके मोर ले छल-कपट करिस। पर परमेसर ह ओला मोर
हानि करे बर नइं दीस।
8 जब ओह कहिस, 'चित्तीवाला बोकरामन तोर मजदूरी होहीं,' त जम्मो भेड़-बकरीमन चित्तीवाला जनमे
लगिन; अऊ जब ओह कहिस, 'धारीवालामन तोर मजदूरी होहीं,' त जम्मो भेड़-बकरीमन धारीवाला जनमे
लगिन।
9 अइसन करके परमेसर ह तोर ददा के पसुमन ला लेके मोला दे हवय।
10 "भेड़-बकरी के गाभिन होय के समय म एक बार मेंह सपना म देखेंव कि जऊन बोकरामन बकरी ऊपर
चघत हवंय, ओमन धारीवाला, चित्तीवाला या चितकबरा हवंय।
11 तब परमेसर के स्वरगदूत ह सपना म मोला कहिस, 'हे याकूब।' में कहेंव, 'में इहां हंव।'
12 अऊ ओह कहिस, 'आंखी उठाके देख कि ओ जम्मो बोकरा, जेमन बकरीमन ऊपर चघत हवंय, ओमन
धारीवाला, चित्तीवाला या चितकबरा हवंय, काबरकि में ओ जम्मो चीज ला देखे हवंव, जऊन ला लाबान तोर
संग करत हवय।
13 में ओ बेतेल के परमेसर अंव, जिहां तें एक खंभा के अभिसेक करे रहय, अऊ मोर मन्नत माने रहय। अब तें
ये देस ला तुरते छोंड़ अऊ अपन जनम भुइयां ला लहुंट जा।' "
14 तब राहेल अऊ लिआ कहिन, "का हमर ददा के संपत्ति म अब भी हमर कुछू बांटा या हिस्सा बांचे हवय?
15 का ओह हमन ला परदेसी नइं समझत हे? ओह सिरिप हमन ला बेचे ही नइं ए, पर हमर बदले दिये गय
रूपिया ला खा डारिस हे।
16 सही म, ओ जम्मो धन जऊन ला परमेसर ह हमर ददा ले लेय लीस, ओ हमर अऊ हमर लइकामन के
अय। एकरसेति जइसन परमेसर ह तोला कहे हवय, वइसने कर।"
17 तब याकूब ह अपन लइका अऊ घरवालीमन ला ऊंट म चघाईस,
18 अऊ जतेक पसु अऊ सामान ओह पदन-अराम म कमाय रिहिस, ओ जम्मो ला अपन आघू म रवाना करके,
अपन ददा इसहाक करा कनान देस जाय बर निकलिस।
19 जब लाबान ह अपन भेड़मन के ऊन कतरे बर गे रिहिस, त राहेल ह अपन ददा के घर-देवतामन ला चोरा
लीस।
20 याकूब ह लाबान अरामी करा ले चोरी से चले गीस; ओला नइं बताईस कि ओह भागके जावत हे।
21 ओह अपन जम्मो कुछू ला लेके भागिस, अऊ फरात नदी ला पार करके गिलाद के पहाड़ी देस कोति गीस।

[illegible]

22 तीसर दिन लाबान ला खबर मिलिस कि याकूब ह भाग गे हवय।

23 अपन रिस्तेदारमन ला लेके, ओह सात दिन तक याकूब के पीछा करिस अऊ गिलाद के पहाड़ी देस म
ओकर करा हबरिस।
24 पर परमेसर ह रथिया सपना म आके अरामी लाबान ला कहिस, "सावधान रह! तें याकूब ला न तो भला
कहिबे, न बुरा।"
25 जब लाबान ह याकूब करा हबरिस, तब याकूब ह गिलाद के पहाड़ी देस म अपन तम्बू गाड़े रिहिस, अऊ
लाबान ह घलो अपन रिस्तेदारमन संग उहां अपन तम्बू गाड़िस।
26 तब लाबान ह याकूब ला कहिस, "तेंह ये का करे हस? तेंह मोला धोखा दे हस, अऊ मोर बेटीमन ला
अइसने लाने हस, जइसने लड़ई के समय दूसरमन ला बंदी बनाके लानथें।
27 तेंह काबर चुपेचाप भागके मोला धोखा देय? तेंह मोला काबर नइं बताय, नइं तो में तोला आनंद के संग
गावत अऊ मिरदंग अऊ बीना बजावत बिदा करे रहितेंव?
28 तेंह तो मोला अपन नाती-नतनीन अऊ बेटीमन ला चूमे तक नइं देय? तेंह गंवारी करे हस।
29 तोला नुकसान पहुंचाय के ताकत मोर करा हवय, पर बीते रथिया, तोर ददा के परमेसर ह मोला कहिसे,
'सावधान रह! तें याकूब ला न तो भला कहिबे, न बुरा।'
30 तें अपन ददा के घर के मोह के कारन चले आय। पर तें मोर देवतामन ला काबर चोराके ले आने हस?"
31 याकूब ह लाबान ला जबाब दीस, "में ये सोचके डरा गे रहेंव कि कहूं तें अपन बेटीमन ला मोर ले जबरदस्ती
झन छीन ले।
32 पर जेकर मेर तें अपन देवतामन ला पाबे, ओ जीयत नइं बांचय। मोर रिस्तेदारमन के आघू म, तें खुद देख
ले, कहूं तोर कोनो चीज मोर करा हवय त; यदि हवय, त ओला लेय ले।" याकूब ह नइं जानत रिहिस कि राहेल ह
देवतामन ला चोराके ले आने हे।
33 एकरसेति लाबान ह याकूब के तम्बू अऊ लिआ के तम्बू अऊ दू झन दासीमन के तम्बूमन म गीस, पर
ओला कुछू नइं मिलिस। लिआ के तम्बू म ले निकलके, ओह राहेल के तम्बू म गीस।
34 राहेल ह घर-देवतामन ला लेके अपन ऊंट के काठी के भीतर म रखे रिहिस अऊ ओकर ऊपर बईठ गे
रिहिस। लाबान ह ओकर जम्मो तम्बू म खोजिस पर ओला कुछू नइं मिलिस।
35 राहेल ह अपन ददा ला कहिस, "हे मोर परभू, गुस्सा झन कर कि में तोर आघू म ठाढ़ नइं हो सकेंव;
काबरकि मोला माहवारी होवत हे।" ओह खोजिस पर ओला घर-देवतामन नइं मिलिन।
36 तब याकूब ह गुस्सा होके लाबान ले बिबाद करे लगिस अऊ लाबान ले पुछिस, "मोर का दोस ए?" में तोर
का गलत करे हंव कि तें मोर पीछा करत आय हस?
37 तें मोर जम्मो सामान ला खोजके देख डारे; इहां तोला अपन घर के सामान म ले का चीज मिलिस? कुछू
पाय हस, त ओला तोर अऊ मोर रिस्तेदारमन के आघू म रख, अऊ ओमन ला हमन दूनों के नियाय करन दे।
38 "मेंह तोर संग बीस बछर तक रहेंव; अऊ ये दौरान न तो तोर भेड़-बकरीमन के गरभ गिरिस, न कभू में तोर
झुंड के मेढ़ा के मांस खायेंव।
39 तोर जऊन पसुमन ला हिंसक पसुमन मार डारिन, ओमन ला में तोर करा नइं लानेंव; ओकर हानि में खुद
उठांय। कोनो चीज, चाहे दिन के चोरी जाय या रथिया, तें ओकर भरती मोर ले मांगे।
40 मोर तो ये दसा रिहिस: दिन के समय घाम ले अऊ रथिया ठंड के मारे मरत रहेंव, अऊ नींद ह मोर आंखी
ले कोसों दूर रिहिस।
41 मेंह ये दसा म तोर घर म बीस बछर तक रहेंव। में चौदह बछर तक तोर दूनों बेटी बर अऊ छै बछर तक
तोर भेड़-बकरीमन बर सेवा करेंव, अऊ तें मोर मजदूरी ला दस बार बदले हस।
42 कहूं मोर ददा के परमेसर, याने कि अब्राहम के परमेसर, जेकर भय इसहाक घलो मानथे, कहूं ओह मोर संग
नइं होतिस, त खचित तें मोला जुच्छा हांथ पठो दे रहितय। पर परमेसर ह मोर दुख अऊ मोर हांथ के मेहनत ला
देखे हवय, अऊ बीते रथिया ओह तोला डांटिस।"
43 लाबान ह याकूब ला कहिस, "ये माईलोगनमन तो मोर बेटी अंय, अऊ ये लइकामन मोर लइका अंय,
अऊ ये भेड़-बकरीमन भी मोर अंय। जऊन कुछू तेंह देखत हस, ओ जम्मो मोर अंय। पर अब में मोर ये बेटीमन
के का कर सकत हंव, या येमन के दुवारा जनमे लइकामन के का कर सकत हंव?

44 अब आ, हमन एक करार करन, तें अऊ में, अऊ येह हमर बीच म एक गवाही के काम करय।”
45 तब याकूब ह एक पथरा लीस अऊ ओला एक खंभा के रूप म ठाढ़ करिस।
46 ओह अपन रिस्तेदारमन ला कहिस, “कुछू पथरा संकेलव।” त ओमन पथरा संकेलके कुढ़ो दीन, अऊ ओही
कुढ़ा मेर जेवन करिन।
47 ओ कुढ़ा के नांव लाबान ह यजर-सहादुथा, पर याकूब ह गलीद* रखिस।
48 लाबान ह कहिस, “ये कुढ़ा ह आज तोर अऊ मोर बीच म एक गवाही ए।” एकरसेति ओला गलीद कहे गीस।
49 येला मिसपा† घलो कहे गीस, काबरकि ओह कहिस, “जब हमन एक-दूसर ले अलग हो जाबो, त यहोवा के
नजर तोर अऊ मोर ऊपर रहय।
50 यदि तें मोर बेटीमन ला दुख देबे या मोर बेटीमन के छोंड़ अऊ कोनो ला घरवाली बना लेबे, हालाकि हमर
संग कोनो मनखे नइं ए, त सुरता रख कि परमेसर ह तोर अऊ मोर बीच म गवाह हे।”
51 लाबान ह याकूब ला ये घलो कहिस, “ये कुढ़ा ह इहां हवय, अऊ ये खंभा ला में तोर अऊ मोर बीच म ठाढ़
करे हंव।
52 ये कुढ़ा अऊ ये खंभा दूनों ये बात के गवाह रहंय कि तोर नुकसान करे के बिचार ले, न तो में ये कुढ़ा ला
नाहकके तोर तरफ आहूं, अऊ न ही मोर नुकसान करे के बिचार ले, तें ये कुढ़ा या खंभा ला नाहकके मोर तरफ
आबे।
53 अब्राहम अऊ नाहोर अऊ ओकर ददा के परमेसर ह हमन दूनों के बीच नियाय करय।”
तब याकूब ह अपन ददा इसहाक के भय के नांव म किरिया खाईस।
54 अऊ ओह उहां पहाड़ ऊपर एक बलि चघाईस अऊ अपन रिस्तेदारमन ला जेवन करे बर बलाईस। जेवन
करके ओमन उहां रात बिताईन।
55 ओकर दूसर दिन बड़े बिहनियां लाबान ह उठके अपन नाती-नतनीन अऊ बेटीमन ला चूमिस अऊ ओमन
ला आसीस दीस। तब ओह ओमन ला छोंड़के अपन घर लहुंट गीस।‡

32

[illegible]
1 याकूब ह घलो अपन डहार धरिस, अऊ परमेसर के स्वरगदूतमन ओकर ले मिलिन।
2 जब याकूब ह ओमन ला देखिस, त ओह कहिस, “येह तो परमेसर के डेरा अय!” एकरसेति ओह ओ जगह के
नांव महनैम* रखिस।
3 याकूब ह सेईर देस याने कि एदोम के देस म, अपन भईया एसाव करा अपन आघू दूतमन ला पठोईस।
4 ओह ओमन ला ये हुकूम दीस, “मोर मालिक एसाव ला तुमन ये कहिहू: ‘तोर दास याकूब ह अइसन कहिथे,
मेंह लाबान के संग रहत रहेंव अऊ अब तक उहां रहेंव।
5 मोर करा गरूवा-बईला अऊ गदहा, भेंड़-बकरी, अऊ दास-दासीमन हवंय। में अपन परभू करा एकर खातिर
खबर पठोत हंव कि तोर दया-मया मोर ऊपर होवय।’ ”
6 जब ओ दूतमन याकूब करा लहुंटके आईन, त ओमन कहिन, “हमन तोर भईया एसाव करा गे रहेंन, अऊ
ओह तोर करा भेंट करे बर आवत हे, अऊ चार सौ मनखे ओकर संग आवत हंय।”
7 याकूब ह अब्बड़ डरा गीस अऊ चिंतित होके ओह अपन मनखेमन ला दू ठन दल म बांट दीस, अऊ वइसने
गरूवा-बईला, भेड़-बकरी अऊ ऊंटमन ला घलो दू ठन दल म बांट दीस।
8 ओह सोचिस, “यदि एसाव ह आके एक दल ला मारही, त सायद दूसर दल ह बांच जाही।”
9 तब याकूब ह पराथना करिस, “हे मोर दादा अब्राहम के परमेसर, मोर ददा इसहाक के परमेसर, यहोवा, तेंह
तो मोला कहे रहय, ‘अपन देस अऊ अपन रिस्तेदारमन करा लहुंट जा, अऊ मेंह तोला बढ़ाहूं,’
10 तेंह ओ जम्मो दया अऊ किरपा मोर ऊपर करे हस, में ओकर लईक नो हंव। जब में ये यरदन नदी ला पार
करेंव, त मोर करा सिरिप मोर छड़ी रिहिस, पर अब मोर करा दू ठन दल हवय।

---

* **31:47** अरामिक म [illegible] अऊ इबरानी म [illegible] दूनों सबद के मतलब होथे [illegible] † **31:49** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **31:55** इबरानी म ये पद ला 32:1 गने गे हवय * **32:2** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

11 में बिनती करत हंव कि मोला मोर भईया एसाव के हांथ ले बंचा, काबरकि मोला डर हवय कि ओह आके
मोर ऊपर, अऊ लइकामन सहित दाईमन ऊपर घलो हमला करही।
12 पर तेंह कहे रहय, 'मेंह सही म तोला बढ़ाहूं अऊ तोर संतान ला समुंदर के बालू के सहीं करहूं, जऊन ला
गने नइं जा सकय।' "
13 ओह ओ रथिया उहां काटिस, अऊ जऊन कुछू ओकर करा रिहिस, ओमा ले ओह अपन भईया एसाव ला
देय बर ये भेंट ला छांटके निकालिस:
14 याने कि दू सौ बकरी अऊ बीस ठन बोकरा, दू सौ भेड़ी अऊ बीस ठन मेढ़ा,
15 तीस ठन माई ऊंट ओमन के पीला सहित, चालीस ठन गाय अऊ दस ठन बईला, अऊ बीस ठन गदही
अऊ दस ठन गदहा।
16 ओह येमन ला दल-दल करके अपन दासमन ला सऊंप दीस अऊ ओमन ला कहिस, "मोर आघू-आघू
चलव, अऊ हर एक दल के बीच म कुछू जगह रखव।"
17 जऊन ह सबले आघू के दल म रिहिस, ओला ओह ये हुकूम दीस: "जब मोर भईया एसाव तोर ले मिलही
अऊ पुछही, 'तें काकर दास अस, अऊ कहां जावत हस, अऊ तोर आघू म ये जो जम्मो जानवर जावत हंय,
ओमन काकर अंय?'
18 तब तें ये कहिबे, 'येमन तोर दास याकूब के अंय। हे मोर मालिक एसाव, येमन तोर बर एक भेंट के रूप म
भेजे गे हवंय, अऊ ओह खुद हमर पाछू-पाछू आवत हवय।' "
19 याकूब ह दूसर, तीसर अऊ ओ जम्मो झन ला घलो ये हुकूम दीस, जेमन जानवर के दलमन के पाछू-पाछू
चलत रिहिन: "जब तुमन एसाव ले मिलहू, त तुमन घलो अइसनेच कहिहू।
20 अऊ ये जरूर कहिहू, 'तोर दास याकूब ह हमर पाछू-पाछू आवत हे।' " काबरकि ओह ये सोचिस, "ये
भेंटमन ला आघू भेजके, मेंह ओकर गुस्सा ला सांत कर लूहूं; अऊ बाद म, जब में ओकर ले मिलहूं, त सायद ओह
मोला स्वीकार कर ले।"
21 एकरसेति याकूब के मनखेमन भेंट ला आघू लेके गीन, पर ओह खुद डेरा म ओ रथिया काटिस।

[illegible]

22 ओ रथिया याकूब उठिस अऊ अपन दूनों घरवाली, अपन दूनों दासी अऊ अपन गियारह बेटामन ला लीस
अऊ यब्बोक नदी के घाट के ओ पार हो गीस।
23 ओह ओमन ला नदी नहकाय के बाद, अपन जम्मो चीज ला घलो ओ पार भेजवा दीस।
24 याकूब ह एके झन उहां रह गीस, अऊ एक मनखे ह आके बिहान पहात तक ओकर संग कुस्ती लड़िस।
25 जब ओ मनखे ह देखिस कि ओह याकूब ला नइं जीत सकत हे, त ओह याकूब के जांघ के हाड़ा के जोड़ ला
छुईस, तब कुस्ती लड़त याकूब के जांघ के हाड़ा ह चढ़ गीस।
26 तब ओ मनखे ह कहिस, "मोला जावन दे, काबरकि बिहान पहा गे हवय।"
पर याकूब ह कहिस, "जब तक तें मोला आसीस नइं देबे, तब तक में तोला जावन नइं दंव।"
27 ओ मनखे ह ओकर ले पुछिस, "तोर का नांव ए?"
ओह जबाब दीस, "याकूब।"
28 तब ओ मनखे ह कहिस, "तोर नांव अब याकूब नइं, पर इसरायल† होही, काबरकि तें परमेसर अऊ मनखेमन
संग कुस्ती लड़े हस अऊ जीते हस।"
29 याकूब ह कहिस, "किरपा करके मोला अपन नांव बता।"
पर ओह कहिस, "तेंह मोर नांव काबर पुछत हस?" तब ओह ओला उहां आसीरबाद दीस।
30 एकरसेति याकूब ह ये कहिके ओ जगह के नांव पनिएल‡ रखिस, "परमेसर ला आमने-सामने देखके घलो
मोर परान ह बांच गीस।"
31 जब ओह पनिएल ले जावत रिहिस, तब बेर निकल गे रिहिस, अऊ ओह जांघ के हाड़ा के कारन खोरवात
रिहिस।

---

† **32:28** [illegible] संभवत: येकर मतलब होथे [illegible] ‡ **32:30** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

32 एकरसेति आज घलो इसरायलीमन जांघ के हाड़ा ला जोड़नेवाला नस ला नइं खावंय, काबरकि ओ मनखे
ह याकूब के जांघ के जोड़ के नस के लकठा ला छुये रिहिस।

33

[illegible]

1 याकूब ह नजर उठाके देखिस कि एसाव चार सौ मनखेमन संग चले आवत हे; एकरसेति ओह लइकामन ला
लिआ, राहेल अऊ दूनों दासीमन के बीच म बांट दीस।
2 ओह सबले आघू म दूनों दासी अऊ ओमन के लइकामन ला, ओकर बाद लिआ अऊ ओकर लइकामन ला,
अऊ सब के पाछू म राहेल अऊ यूसुफ ला रखिस।
3 ओह खुद आघू-आघू चलिस अऊ जब ओह अपन भईया करा हबरिस, त सात बार भुइयां म गिरके दंडवत
करिस।
4 पर एसाव ह याकूब संग भेंट करे बर दऊड़िस अऊ ओला छाती ले लगा लीस; ओह ओला बाहां म पोटारके
चूमिस। अऊ ओ दूनों रोईन।
5 तब एसाव ह माईलोगन अऊ लइकामन ला देखिस अऊ पुछिस, "तोर संग येमन कोन अंय?"
याकूब ह जबाब दीस, "येमन तोर सेवक के लइकामन अंय, जेमन ला परमेसर ह अनुग्रह करके दे हवय।"
6 तब दासी अऊ ओमन के लइकामन हबरिन अऊ आके दंडवत करिन।
7 फेर लिआ अऊ ओकर लइकामन आईन अऊ दंडवत करिन। सबले आखिरी म यूसुफ अऊ राहेल आईन,
अऊ ओमन घलो दंडवत करिन।
8 एसाव ह पुछिस, "ये जो गाय-बईला अऊ भेड़-बकरी के दलमन रसता म मोला मिलिन, एकर का मतलब
ए?"
ओह कहिस, "हे मोर मालिक, ये जम्मो चीज एकरसेति अय कि तोर दया मोर ऊपर होवय।"
9 पर एसाव ह कहिस, "हे मोर भाई, मोर करा पहिले ही बहुंत हवय। जऊन कुछू तोर करा हवय, ओह तोरेच
रहय।"
10 याकूब ह कहिस, "नइं, नइं! यदि तोर दया मोर ऊपर हवय, त मोर ये भेंट ला गरहन कर। काबरकि तोर
चेहरा देखई ह परमेसर के चेहरा देखे सहीं अय, अऊ तेंह मोला खुसी से गरहन करे हस।
11 तोर करा जऊन भेंट लाय गे हे, ओला गरहन कर, काबरकि परमेसर ह मोर ऊपर अनुग्रह करे हवय अऊ
मोर करा मोर जरूरत के जम्मो चीज हवय।" अऊ जब याकूब ह बहुंत बिनती करिस, त एसाव ह ओ भेंट ला
गरहन कर लीस।
12 फेर एसाव ह कहिस, "आ, अब हमन चलन; में तोर संग चलहूं।"
13 पर याकूब ह ओला कहिस, "हे मोर मालिक, तेंह जानत हस कि मोर संग नान-नान लइकामन हवंय अऊ
ओ भेड़ अऊ गायमन के देखभाल करना जरूरी ए, जऊन मन अपन लइकामन ला दूध पीयावत हें। यदि येमन
एक दिन भी जादा खेदे जाहीं, त जम्मो के जम्मो पसु मर जाहीं।
14 एकरसेति मोर मालिक ह अपन सेवक के आघू चलय, अऊ मेंह ये पसु जऊन मन मोर आघू म रेंगत हवंय,
ओमन के मुताबिक अऊ लइकामन के रेंगई के मुताबिक धीरे-धीरे चलहूं, अऊ सेईर म अपन मालिक करा
हबरहूं।"
15 एसाव ह कहिस, "त मोर कुछू मनखेमन ला तोर संग छोंड़ देवत हंव।"
याकूब ह कहिस, "पर अइसने काबर करबे? सिरिप मोर मालिक के दया मोर ऊपर बने रहय, अतकेच ह बहुंत
ए।"
16 तब एसाव ह ओही दिन वापिस सेईर जाय बर निकलिस।
17 पर याकूब ह उहां ले सुक्कोत गीस, अऊ उहां अपन बर एक घर अऊ अपन पसुमन बर कोठा बनाईस।
एकरसेति ओ जगह के नांव सुक्कोत* परिस।
18 याकूब ह पदन-अराम† ले आय के बाद, कनान के सकेम सहर म सही-सलामत हबरिस अऊ सहर के लकठा
म अपन डेरा ठाढ़ करिस।

* **33:17** [illegible] के मतलब होथे [illegible] † **33:18** याने कि, उत्तर-पछिम मेसोपोटामिया

19 भुइयां के जऊन भाग म, ओह तम्बू गाड़े रिहिस, ओला ओह सकेम के ददा, हमोर के बेटामन के हांथ ले एक
सौ चांदी के टुकड़ा म बिसाय रिहिस।
20 उहां ओह एक बेदी बनाईस अऊ ओकर नांव एल-एलोहे-इसरायल‡ रखिस।

34

[illegible]

1 एक दिन लिआ के बेटी, दीना जेह याकूब ले जनमे रिहिस, ओ देस के छोकरीमन संग भेंट करे बर निकलिस।
2 जब ओ इलाका के हाकिम, हिब्बी हमोर के बेटा सकेम ह ओला देखिस, त ओह ओला ले जाके ओकर संग
कुकरम करिस।
3 ओकर दिल ह याकूब के बेटी दीना म लग गीस; ओह ओ जवान छोकरी ले मया करिस अऊ ओकर ले
गुरतूर बात करिस।
4 अऊ सकेम ह अपन ददा हमोर ला कहिस, "ये छोकरी ला मोर घरवाली के रूप म लान दे।"
5 जब याकूब ह सुनिस कि ओकर बेटी दीना ह असुध हो गे हे; त ओ समय ओकर बेटामन ओकर पसुमन संग
मैदान म रिहिन; एकरसेति ओह ओमन के घर आवत तक, एकर बारे म कुछू नइं करिस।
6 तब सकेम के ददा हमोर ह निकलके याकूब करा बातचीत करे बर आईस।
7 इही बीच म, जइसने ही याकूब के बेटामन ये बात ला सुनिन, त ओमन मैदान ले घर आ गीन। ओमन ला ये
बात ला सुनके धक्का लगिस अऊ ओमन बहुंत गुस्सा हो गीन, काबरकि सकेम ह याकूब के बेटी संग कुकरम
करके इसरायल के घराना ले गंवारी के काम करे रिहिस—एक अइसने काम, जेला नइं करना रिहिस।
8 पर हमोर ह ओमन ला कहिस, "मोर बेटा सकेम ह तोर बेटी ऊपर दिल लगा बईठे हे। किरपा करके अपन
बेटी ला मोर बेटा के घरवाली के रूप म देय दे।
9 हमर संग सादी-बिहाव करव; अपन बेटीमन ला हमन ला दव अऊ हमर बेटीमन ला अपन बर लव।
10 तुमन हमर बीच म रह सकत हव; ये देस ह तुम्हर बर खुला हवय। इहां रहव; काम-धंधा करव, अऊ अपन
बर इहां संपत्ति बनावव।"
11 तब सकेम ह दीना के ददा अऊ भाईमन ला कहिस, "मोर ऊपर तुमन दया करव, अऊ जऊन कुछू भी तुमन
बोलहू, मेंह दूहूं।
12 दुलहिन के जो भी दाम बोलहू, मेंह दूहूं अऊ जतेक बड़े भेंट तुमन पसंद करव, मेंह लानहूं, अऊ जऊन कुछू
घलो कहव, मेंह दूहूं। पर ओ जवान छोकरी ला मोर घरवाली होय बर मोला दव।"
13 काबरकि ओमन के बहिनी दीना ह असुध हो गे रिहिस, याकूब के बेटामन सकेम अऊ ओकर ददा हमोर ला
छल करके जबाब दीन।
14 ओमन कहिन, "हमन अइसन काम नइं कर सकन; हमन अइसने मनखे ला हमर बहिनी नइं दे सकन, जेकर
खतना नइं होय हवय। येह हमर ऊपर एक कलंक होही।
15 हमन तुम्हर संग सिरिप एक सर्त म सहमत होबो अऊ ओ ये अय कि तुम्हर जम्मो पुरूसमन खतना करवाके
हमर सहीं हो जावंय।
16 तब हमन अपन बेटीमन ला तुमन ला बिहाव म देबो अऊ तुम्हर बेटीमन ला अपन बर बिहाव म लेबो।
हमन तुम्हर बीच म रहिबो अऊ तुम्हर संग एक जात के मनखे हो जाबो।
17 पर यदि तुमन अपन खतना करवाय बर राजी नइं होहू, त हमन अपन बहिनी ला लेके इहां ले चले जाबो।"
18 ओमन के ये बात हमोर अऊ ओकर बेटा सकेम ला बने लगिस।
19 सकेम ह अपन ददा के जम्मो घराना म सबले जादा नामी रिहिस, अऊ ओमन के कहे काम ला करे बर ओह
देरी नइं करिस, काबरकि ओह याकूब के बेटी ला अब्बड़ चाहत रिहिस।
20 एकरसेति हमोर अऊ ओकर बेटा सकेम अपन सहर के कपाट करा जाके सहर के मनखेमन ला अइसने
समझाय लगिन,

‡ **33:20** [illegible] के मतलब हो सकथे [illegible] या [illegible]

21 “ओ मनखेमन हमर संग संगवारी के रूप म रहे चाहथें; ओमन ला हमर देस म रहिके लेन-देन करन देवन;
ये देस म ओमन बर बहुंत जगह हवय। हमन ओमन के बेटीमन ले बिहाव कर सकत हन अऊ ओमन हमर
बेटीमन ले बिहाव कर सकथें।
22 पर ओमन सिरिप एक सर्त म हमर संग एक मनखे के रूप म रहे बर तियार हवंय, अऊ ओ ये अय कि ओमन
के सहीं हमर जम्मो आदमीमन के खतना होवय।
23 का ओमन के भेड़-बकरी, गाय-बईला, ओमन के धन-संपत्ति अऊ ओमन के जम्मो आने पसुमन हमर नइं हो
जाहीं? एकरसेति आवव, हमन ओमन के बात ला मान लेवन, त ओमन हमर संग रहिहीं।”
24 ओ जम्मो मनखे, जऊन मन सहर के कपाट ले बाहिर निकले रिहिन, ओमन हमोर अऊ ओकर बेटा सकेम
के बात ला मान लीन, अऊ सहर म हर आदमी के खतना करे गीस।
25 तीन दिन के बाद, जब ओ जम्मो झन पीरा म रिहिन, तब सिमोन अऊ लेवी, याकूब के दू झन बेटा, जेमन
दीना के भाई रिहिन, अपन-अपन तलवार लेके सहर के मनखेमन के बिगर जानत हमला कर दीन अऊ जम्मो
आदमीमन ला मार डारिन।
26 ओमन हमोर अऊ ओकर बेटा सकेम ला तलवार ले मार डारिन अऊ दीना ला सकेम के घर ले, ले गीन।
27 याकूब के बेटामन लासमन के ऊपर होवत आईन अऊ ओ सहर ला लूट लीन, जिहां ओमन के बहिनी ला
असुध करे गे रिहिस।
28 ओमन भेड़-बकरी अऊ गाय-बईला अऊ गदहा अऊ सहर अऊ मैदान के ओमन के जम्मो चीज ला लूट
लीन।
29 ओमन उहां के जम्मो संपत्ति अऊ जम्मो माईलोगन अऊ लइकामन ला ले गीन, अऊ उहां के हर घर के
सामान ला घलो लूटके ले गीन।
30 तब याकूब ह सिमोन अऊ लेवी ला कहिस, “तुमन ये देस के निवासी कनानी अऊ परिज्जीमन के मन म
मोर बर घिन पईदा करे हव, अऊ मोला तुमन संकट म डार दे हव। हमन गनती म थोरकन मनखे हन, अऊ यदि
ओमन एक संग आहीं अऊ मोर ऊपर चढ़ई कर दीहीं, त में अऊ मोर घराना नास हो जाही।”
31 पर ओमन कहिन, “का ओला हमर बहिनी संग एक बेस्या के सहीं बरताव करना सही रिहिस?”

35

[illegible]

1 तब परमेसर ह याकूब ला कहिस, “इहां ले निकलके बेतेल म जा अऊ उहां बस जा, अऊ उहां परमेसर बर
एक बेदी बना, जऊन ह तोला ओ समय दरसन दीस, जब तें अपन भाई एसाव ले डरके भागत रहय।”
2 तब याकूब ह अपन घराना अऊ अपन संग के जम्मो झन ला कहिस, “तुमन जऊन पराय देवतामन ला
अपन संग रखे हव, ओमन ला निकाल फेंकव, अऊ अपनआप ला सुध करव अऊ अपन कपड़ामन ला बदल
डारव।
3 तब आवव, हमन इहां ले निकलके बेतेल जाबो; उहां में परमेसर बर एक ठन बेदी बनाहूं, जऊन ह संकट के
दिन म मोर बात सुनिस अऊ जिहां घलो में गेंव, ओह मोर संग म रिहिस।”
4 एकरसेति ओमन अपन जम्मो पराय देवता अऊ अपन कान के कुंडलमन ला याकूब ला दे दीन, अऊ ओह
ओ जम्मो ला सकेम म बलूत रूख के खाल्हे म गड़िया दीस।
5 तब ओमन आघू बढ़िन, अऊ ओमन के चारों कोति के नगरमन के निवासी के मन म परमेसर के डर हमा
गीस, जेकर कारन कोनो ओमन के पीछा नइं करिन।
6 याकूब अऊ ओकर संग के जम्मो मनखेमन कनान देस के लूज नगर म आईन। लूज ला बेतेल घलो कहे
जाथे।
7 उहां ओह एक ठन बेदी बनाईस, अऊ ओ जगह के नांव एल बेतेल* रखिस, काबरकि येह ओ जगह रिहिस,
जिहां परमेसर ह ओकर करा परगट होईस, जब ओह अपन भईया के डर ले भागत रिहिस।
8 रिबका के धाई दबोरा ह मर गीस, अऊ ओला बेतेल के बाहिर बलूत रूख के खाल्हे म माटी दिये गीस।
एकरसेति ओ रूख के नांव अल्लोन-बकूत† रखे गीस।
9 याकूब के पदन-अराम ले लहुंटे के बाद, परमेसर ह ओला फेर दरसन देके आसीस दीस।

* **35:7** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]* † **35:8** *[illegible]-[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]*

10 परमेसर ह ओला कहिस, “तोर नांव याकूब‡ ए, पर अब ले तोला याकूब नइं कहे जाय; तोर नांव इसरायल§
होही।” अऊ परमेसर ह ओकर नांव इसरायल रखिस।
11 फेर परमेसर ह ओला कहिस, “में सर्वसक्तिमान* परमेसर अंव; तें फूल-फर अऊ गनती म बढ़।तोर ले एक
जाति अऊ जातिमन के एक समुदाय बनही, अऊ तोर बंस म राजामन पईदा होहीं।
12 जऊन देस मेंह अब्राहम अऊ इसहाक ला दे रहेंव, ओला में तोला घलो देवत हंव, अऊ तोर पाछू ये देस
तोर बंसमन ला घलो दूहूं।”
13 तब परमेसर जिहां याकूब ले बात करत रिहिस, उहां ले ऊपर चल दीस।
14 जऊन जगह म परमेसर ह याकूब ले बात करे रिहिस, उहां याकूब ह पथरा के एक खंभा ठाढ़ करिस, अऊ
ओह ओकर ऊपर पेय-बलिदान के चढ़ावा चघाके तेल घलो डारिस।
15 जऊन मेर परमेसर ह याकूब ले बात करिस, ओ जगह के नांव याकूब ह बेतेल† रखिस।

[illegible]

16 तब ओमन बेतेल ले आघू बढ़िन। जब ओमन एपराता सहर ले थोरकन दूरिहा म रिहिन, तभे राहेल ला
छेवारी होय के बहुंत पीरा होय लगिस।
17 अऊ जब ओला भारी पीरा होय लगिस, तब धाई ह ओला कहिस, “निरास झन हो, काबरकि तोर फेर एक
बेटा होय हवय।”
18 राहेल के मरे के घरी आ गीस, पर परान छूटत-छूटत ओह अपन बेटा के नांव बेन-ओनी‡ रखिस। पर ओकर
ददा ह ओकर नांव बिनयामीन§ रखिस।
19 ये किसम ले राहेल के मऊत हो गीस अऊ एपराता याने कि बैतलहम के डहार म ओला माटी देय गीस।
20 याकूब ह ओकर कबर ऊपर एक खंभा ठाढ़ करिस, अऊ आज तक ओ खंभा ह राहेल के कबर के चिनहां ए।
21 इसरायल ह फेर आघू बढ़िस अऊ मिग्दल-एदेर के बाहिर अपन तम्बू ठाढ़ करिस।
22 जब इसरायल ह ओ छेत्र म रहत रिहिस, तब एक दिन रूबेन ह जाके अपन ददा के रखैल बिलहा संग
कुकरम करिस, अऊ ये बात इसरायल ला पता चल गीस।

याकूब के बारह बेटा रिहिन:

23 ओमा ले लिआ के बेटा येमन रिहिन:
याकूब के बड़े बेटा रूबेन,
फेर सिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार अऊ जबूलून।
24 अऊ राहेल के बेटा येमन रिहिन:
यूसुफ अऊ बिनयामीन।
25 अऊ राहेल के दासी बिलहा के बेटा येमन रिहिन:
दान अऊ नपताली।
26 अऊ लिआ के दासी जिलपा के बेटा येमन रिहिन:
गाद अऊ आसेर।

येमन याकूब के बेटा रिहिन, जेमन ओकर ले पदन-अराम म जनमिन।

27 याकूब अपन ददा इसहाक के घर ममरे म आईस, जऊन ह किरयत-अरबा याने कि हेबरोन के लकठा म
हवय; ममरे म अब्राहम अऊ इसहाक परदेसी होके रहे रिहिन।
28 इसहाक के उमर एक सौ अस्सी बछर के होईस।
29 तब ओह आखिरी सांस लीस अऊ मर गीस अऊ डोकरा अऊ पूरा उमर के होके अपन पुरखामन संग जा
मिलिस। अऊ ओकर बेटा एसाव अऊ याकूब ओला माटी दीन।

---

‡ **35:10** [illegible] के मतलब होथे [illegible] इबरानी भासा के मुहावरा म येकर मतलब होथे [illegible] § **35:10** [illegible] संभवत: येकर मतलब होथे [illegible] * **35:11** इबरानी म [illegible] † **35:15** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **35:18** [illegible] के मतलब होथे [illegible] § **35:18** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

36

[illegible]
1 एसाव जेला एदोम घलो कहे जाथे, ओकर परिवार के बिबरन ये अय।

2 एसाव ह कनानी माईलोगनमन ले बिहाव करे रिहिस: याने कि हित्ती एलोन के बेटी आदा, अऊ अना के
बेटी ओहोलीबामा, जऊन ह हिब्बी सिबोन के नतनीन रिहिस।
3 अऊ ओह इसमायल के बेटी बासमत ले घलो बिहाव करे रिहिस, जऊन ह नबायोत के बहिनी रिहिस।
4 एसाव के घरवाली आदा ह एलीपज ला, अऊ बासमत ह रूएल ला जनम दीस।
5 अऊ ओहोलीबामा ह यूस, यालाम अऊ कोरह ला जनम दीस। एसाव के ये बेटामन कनान देस म पईदा
होईन।
6 एसाव ह अपन घरवाली अऊ बेटा-बेटी अऊ घर के जम्मो मनखेमन, अऊ अपन भेड़-बकरी अऊ
गाय-बईला अऊ जम्मो दूसर पसुमन अऊ कनान देस म कमाय जम्मो संपत्ति ला लीस, अऊ अपन भाई याकूब
करा ले एक-दूसर देस म चल दीस।
7 काबरकि ओमन के धन-संपत्ति अतेक हो गे रिहिस कि ओमन एक संग नइं रहे सकिन; ओमन करा अतेक पसु
हो गे रिहिन कि जिहां ओमन रहत रिहिन, उहां ओमन के चारा-पानी के परबंध नइं हो सकत रिहिस।
8 एकरसेति एसाव याने कि एदोम ह सेईर नांव के पहाड़ी देस म रहे लगिस।

9 सेईर नांव के पहाड़ी देस म रहइया एदोमीमन के पुरखा एसाव के बंसावली ये अय।

10 एसाव के बेटामन के नांव ये अय:
एसाव के घरवाली आदा के बेटा एलीपज, अऊ एसाव के घरवाली बासमत के बेटा रूएल।
11 एलीपज के बेटामन:
तेमान, ओमार, सपो, गाताम अऊ कनज।
12 एसाव के बेटा एलीपज के तिमना नांव के एक रखैल रिहिस, जेह एलीपज कोति ले अमालेक ला जनम
दीस। एसाव के घरवाली आदा के नाती येमन होईन।
13 रूएल के बेटामन:
नहत, जेरह, सम्मा, अऊ मिज्जा। एसाव के घरवाली बासमत के नाती येमन होईन।
14 एसाव के घरवाली ओहोलीबामा, जऊन ह अना के बेटी अऊ सिबोन के नतनीन रिहिस, ओह एसाव कोति
ले ये बेटामन ला जनम दीस:
यूस, यालाम अऊ कोरह।

15 एसाव के बंस म येमन मुखिया होईन:
एसाव के पहिलांत बेटा एलीपज के बेटामन:
मुखियामन—तेमान, ओमार, सपो, कनज,
16 कोरह, गाताम अऊ अमालेक। एलीपज के बंस म ले, एदोम देस म येमन मुखिया होईन अऊ येमन
आदा के नाती रिहिन।
17 एसाव के बेटा रूएल के बेटामन:
मुखियामन—नहत, जेरह, सम्मा, मिज्जा। रूएल के बंस म ले, एदोम देस म येमन मुखिया होईन अऊ
येमन एसाव के घरवाली बासमत के नाती रिहिन।
18 एसाव के घरवाली ओहोलीबामा के बेटामन:
मुखियामन—यूस, यालाम, कोरह। एसाव के घरवाली ओहोलीबामा, जेह अना के बेटी रिहिस, ओकर बंस
म येमन मुखिया होईन।
19 एसाव याने कि एदोम के बेटामन येमन रिहिन, अऊ येमन ओमन के मुखिया रिहिन।

20 सेईर, जऊन ह होरी जाति के रिहिस, ओकर ये बेटामन ओ इलाका म रहत रिहिन:
लोतान, सोबाल, सिबोन, अना,

21 दीसोन, एसेर अऊ दीसान। एदोम देस म, सेईर के येमन ही होरी जाति के मुखिया होईन।
22 लोतान के बेटामन:
होरी अऊ होमाम।* तिमना ह लोतान के बहिनी रिहिस।
23 सोबाल के बेटामन:
आलवान, मानहत, एबाल, सपो अऊ ओनाम।
24 सिबोन के बेटामन:
अय्या अऊ अना। येह ओही अना अय, जेला सुन्ना जगह म अपन ददा सिबोन के गदहामन ला चरात बेरा गरम पानी के झरना मिलिस।
25 अना के लइकामन:
अना के दीसोन† नांव के बेटा अऊ ओहोलीबामा नांव के बेटी होईस।
26 दीसोन के बेटामन:
हेमदान, एसबान, यितरान अऊ करान।
27 एसेर के बेटामन:
बिलहान, जाबान अऊ अकान।
28 दीसान के बेटामन:
ऊस अऊ अरान।
29 होरी जाति के मुखिया येमन होईन:
लोतान, सोबाल, सिबोन, अना,
30 दीसोन, एसेर, दीसान।
सेईर के देस म, अपन दल के मुताबिक येमन होरी जाति के मुखिया रिहिन।

[illegible] [illegible] [illegible]

31 कोनो इसरायली राजा के एदोम म राज करे के पहिली, येमन ओ राजा रिहिन, जेमन एदोम म राज करिन:
32 बेओर के बेटा बेला ह एदोम के राजा बनिस। ओकर सहर के नांव दिनहाबा रखे गीस।
33 बेला के मरे के बाद, बोसरा के रहइया जेरह के बेटा योबाब ओकर जगह म राजा बनिस।
34 योबाब के मरे के बाद, तेमानीमन के देस के हूसाम ओकर जगह म राजा होईस।
35 जब हूसाम ह मर गीस, त बदद के बेटा हदद ह ओकर जगह म राजा होईस: येह ओही अय, जऊन ह मोआब के देस म मिदयानीमन ला हराईस। ओकर सहर के नांव अबीत रखे गीस।
36 हदद के मरे के बाद, मसरेका नगर के रहइया समला ह ओकर जगह म राजा होईस।
37 जब समला ह मर गीस, त साऊल ह ओकर जगह म राजा होईस, जेह नदी के तीर म बसे रहोबोत नगर के रिहिस।
38 साऊल के मरे के बाद, अकबोर के बेटा बाल-हानान ओकर जगह म राजा होईस।
39 अकबोर के बेटा बाल-हानान के मरे के बाद, ओकर जगह म हदद राजा होईस। ओकर सहर के नांव पाऊ रखे गीस, अऊ ओकर घरवाली के नांव महेतबेल रिहिस, जऊन ह मतरेद के बेटी अऊ मे-जाहब के नतनीन रिहिस।

40 अपन कुल अऊ इलाका के मुताबिक एसाव के बंस के मुखियामन के नांव ये रिहिस:
तिमना, अलबा, यतेत,
41 ओहोलीबामा, एला, पीनोन,
42 कनज, तेमान, मिबसार,
43 मगदीएल अऊ ईराम।
देस म कब्जा करे के बाद, अपन-अपन जगह के मुताबिक येमन एदोम के मुखिया रिहिन।

येह एसाव के बंसावली अय, जेह एदोमीमन के पुरखा अय।

---

* **36:22** इबरानी म [illegible] येह [illegible] के आने नांव ए (देखव 1 इति 1:39) † **36:25** इबरानी म [illegible] जऊन ह [illegible] के आने नांव ए

37

[illegible]

1 याकूब तो कनान देस म रहत रिहिस, जिहां ओकर ददा रहत रिहिस।

2 याकूब के परिवार के बिबरन ये अय।

यूसुफ सतरह बछर के एक जवान रिहिस अऊ अपन भाईमन संग भेड़-बकरी चरात रिहिस; ओकर ये भाईमन ओकर ददा के घरवाली बिलहा अऊ जिलपा के बेटामन रिहिन; अऊ यूसुफ ह अपन भाईमन के खराप काम के खबर अपन ददा ला बताय करय।
3 इसरायल ह यूसुफ ला अपन जम्मो दूसर बेटामन ले जादा मया करय, काबरकि ओह ओकर बुढ़त काल म जनमे रिहिस; अऊ इसरायल ह ओकर बर एक रंग-बिरंगा अंगरखा बनाय रिहिस।
4 जब ओकर भाईमन देखिन कि ओमन के ददा ह ओ जम्मो झन ले जादा यूसुफ ले मया करथे, त ओमन ओकर ले नफरत करे लगिन अऊ ओकर ले ठीक से बात घलो नइं करत रिहिन।
5 यूसुफ ह एक सपना देखिस, अऊ जब ओकर बारे म, ओह अपन भाईमन ला बताईस, त ओमन ओकर ले अऊ नफरत करे लगिन।
6 ओह ओमन ला कहिस, "जऊन सपना मेंह देखे हंव, ओला सुनव:
7 हमन खेत म अनाज के बीड़ा बांधत रहेंन, त मेंह देखेंव कि मोर बीड़ा ह उठके ठाढ़ हो गीस, जबकि तुम्हर बीड़ामन मोर बीड़ा के चारों कोति जूर गीन अऊ ओला दंडवत करिन।"
8 ओकर भाईमन ओला कहिन, "का तेंह हमर ऊपर राज करे के इरादा करत हस? का तेंह सही म हमर ऊपर राज करबे?" यूसुफ के सपना अऊ ओह जऊन कुछू कहिस, ओकर कारन ओमन ओकर ले अऊ जादा नफरत करे लगिन।
9 तब ओह एक ठन अऊ सपना देखिस, अऊ अपन भाईमन ला ये सपना के बारे म घलो बताईस। ओह कहिस, "सुनव, मेंह एक अऊ सपना देखे हंव, अऊ ये बखत सूरज अऊ चंदा अऊ गियारह तारामन मोला दंडवत करत रिहिन।"
10 जब ओह अपन सपना के बारे म अपन भाईमन ला अऊ फेर अपन ददा ला बताईस, त ओकर ददा ह ओला घुड़कके कहिस, "ये का सपना तेंह देखे हस? का सच म, तोर दाई अऊ में अऊ तोर भाईमन आबो अऊ तोर आघू म भुइयां म गिरके तोला दंडवत करबो?"
11 ओकर भाईमन ओकर ले जलन करे लगिन, पर ओकर ददा ह ये बात ला अपन मन म रखिस।

[illegible]

12 यूसुफ के भाईमन अपन ददा के भेड़-बकरीमन ला चराय बर सकेम के लकठा म गे रिहिन,
13 तब इसरायल ह यूसुफ ला कहिस, "जइसे कि तेंह जानथस, तोर भाईमन सकेम के लकठा म भेड़-बकरी चरावत हंय। एकरसेति आ, में तोला ओमन करा पठोहूं।"
त ओह जबाब दीस, "बने बात ए।"
14 तब इसरायल ह ओला कहिस, "जा अऊ देख कि तोर भाई अऊ भेड़-बकरीमन कइसन हवंय, अऊ आके मोला ओमन के खबर बता।" तब ओह ओला हेबरोन के घाटी म ले पठोईस।
जब यूसुफ ह सकेम हबरिस,
15 त एक मनखे ह ओला मैदान म एती-ओती भटकत देखके ओकर ले पुछिस, "तेंह का खोजत हस?"
16 ओह कहिस, "मेंह अपन भाईमन ला खोजत हंव। का तें मोला बता सकत हस कि ओमन अपन भेड़-बकरीमन ला कहां चरात हवंय?"
17 ओ मनखे ह जबाब दीस, "ओमन इहां ले चल दीन हंय, अऊ मेंह ओमन ला ये कहत सुने हंव, 'आवव, हमन दोतान जाबो।' "
एकरसेति यूसुफ अपन भाईमन के पाछू गीस, अऊ ओमन ला दोतान के लकठा म पाईस।
18 एकर पहिली कि ओह अपन भाईमन करा हबरतिस, ओकर भाईमन ओला दूरिहा ले आवत देख डारिन, अऊ ओला मार डारे के उपाय करिन।
19 ओमन आपस म कहे लगिन, "देखव, ओ सपना देखइया आवत हे।

20 आवव, हमन ओला मारके कोनो खंचवा म फटिक दन अऊ ये कहन कि कोनो हिंसक पसु ओला मारके खा
लीस। तब हमन देखबो कि ओकर सपना के का होथे।"
21 जब रूबेन ह ये बात ला सुनिस, त ओह ओला ओमन के हांथ ले बंचाय के बिचार करिस अऊ कहिस, "हमन
ओकर परान नइं लेवन;
22 लहू झन बहावव। ओला इहां सुन्ना जगह के ये खंचवा म फटिक दव, पर ओकर ऊपर हांथ झन उठावव।"
रूबेन ह ओला ओमन के हांथ ले बचाके अपन ददा करा वापिस लाने चाहत रिहिस।
23 एकरसेति जब यूसुफ अपन भाईमन करा हबरिस, तब ओमन ओकर रंग-बिरंगा अंगरखा ला उतार लीन,
जेला ओह पहिरे रिहिस,
24 अऊ ओमन ओला लेके खंचवा म फटिक दीन; ओ खंचवा ह खाली रिहिस अऊ ओमा पानी नइं रिहिस।
25 जब ओमन रोटी खाय बर बईठिन, त देखिन कि इसमायलीमन के एक दल ह गिलाद ले आवत रहय। ओमन
के ऊंटमन ऊपर मसाला, मलहम अऊ गंधरस लदाय रहय, अऊ ओमन ओला लेके मिसर देस जावत रिहिन।
26 तब यहूदा ह अपन भाईमन ला कहिस, "अपन भाई ला मारके ओकर खून ला छुपाय ले हमन ला का
फायदा होही?
27 आवव, हमन ओला इसमायलीमन के हांथ म बेच देवन अऊ अपन हांथ ओकर ऊपर झन उठावन;
काबरकि ओह हमर भाई, हमर अपन मांस अऊ खून अय।" अऊ ओकर भाईमन ओकर बात ला मान लीन।
28 एकरसेति जब मिदयानी बेपारीमन ओमन के लकठा म हबरिन, त यूसुफ के भाईमन ओला खंचवा ले बाहिर
निकालिन अऊ इसमायलीमन के हांथ म चांदी के बीस सेकेल* म बेच दीन, अऊ ओमन यूसुफ ला मिसर देस ले
गीन।
29 जब रूबेन ह खंचवा करा लहुंटिस अऊ देखिस कि यूसुफ ह उहां नइं ए, त दुखी होके ओह अपन ओनहा ला
चीरिस,
30 अऊ अपन भाईमन करा वापिस जाके कहिस, "छोकरा तो उहां नइं ए! अब में कहां जावंव?"
31 तब ओमन यूसुफ के अंगरखा ला लीन, अऊ एक ठन बोकरा ला मारके ओकर लहू म ओला बोर दीन।
32 ओमन ओ रंग-बिरंगा अंगरखा ला अपन ददा करा वापिस ले जाके कहिन, "येह हमन ला मिले हे। तेंह
जांचके देख ले कि येह तोर बेटा के अय कि नइं।"
33 ओह ओला चिन डारिस अऊ कहिस, "येह तो मोर बेटा के अंगरखा ए! कोनो हिंसक पसु ह ओला मारके
खा डारिस। सही म, यूसुफ के कुटा-कुटा कर दे गे हवय।"
34 तब याकूब ह दुख म अपन ओनहा ला चीरिस, बोरा ला पहिरिस अऊ अपन बेटा बर अब्बड़ दिन ले दुख
मनाईस।
35 ओकर जम्मो बेटा-बेटीमन ओला सांति देय बर आईन, पर ओला सांति नइं मिलिस। ओह कहिस, "नइं,
मेंह तब तक दुख मनात रहिहूं, जब तक में अपन बेटा करा कबर म माटी नइं पा जावंव।" ये किसम ले ओकर
ददा ह ओकर बर रोते रिहिस।
36 ये बीच म, मिदयानीमन यूसुफ ला मिसर देस ले जाके पोतीफर के हांथ म बेच दीन। पोतीफर ह फिरौन
राजा के एक हाकिम याने कि राजा के अंगरछकमन के मुखिया रिहिस।

38

[illegible]

1 ओ समय अइसन होईस कि यहूदा ह अपन भाईमन करा ले चल दीस अऊ हीरा नांव के अदुल्लाम गांव के
रहइया मनखे करा रहे लगिस।
2 उहां यहूदा ह सूआ नांव के कनानी मनखे के बेटी ला देखिस; अऊ ओकर ले बिहाव करके ओकर संग सुतिस।
3 ओह आसरा म होके एक बेटा ला जनम दीस, जेकर नांव एर रखे गीस।
4 ओह फेर आसरा म होईस अऊ एक बेटा ला जनम दीस अऊ ओह ओकर नांव ओनान रखिस।
5 ओह एक अऊ बेटा ला जनमिस, जेकर नांव सेलह रखे गीस। जऊन समय एकर जनम होईस, ओ समय
यहूदा ह कजीब म रहत रिहिस।

* **37:28** लगभग 230 ग्राम

6 यहूदा ह तामार नांव के एक माईलोगन ले अपन बड़े बेटा एर के बिहाव कर दीस।
7 पर यहूदा के बड़े बेटा एर ह यहोवा के नजर म दुस्ट मनखे रिहिस; एकरसेति यहोवा ह ओला मार डारिस।
8 तब यहूदा ह ओनान ला कहिस, "अपन भौजी संग सुत अऊ ओकर संग देवर के धरम पूरा करके अपन भाई बर संतान पईदा कर।"
9 पर ओनान जानत रिहिस कि जऊन संतान जनमही, ओह ओकर नइं होवय; एकरसेति ओह जब भी अपन भौजी संग सुते, त अपन बीर्य ला ओह भुइयां म गिरा दे, ताकि ओकर भाई के नांव ले कोनो संतान झन होवय।
10 जऊन कुछू ओह करत रिहिस, ओह यहोवा के नजर म दुस्टता के काम रिहिस, एकरसेति यहोवा ह ओला घलो मार डारिस।
11 तब यहूदा ह ये सोचके कि कहूं सेलह ह घलो अपन भाईमन सहीं मर न जावय, अपन बहू तामार ले कहिस, "जब तक मोर बेटा सेलह जवान नइं हो जावय, तब तक तें अपन ददा के घर म बिधवा के रूप म रह।" एकरसेति तामार ह अपन ददा के घर म जाके रहे लगिस।
12 बहुंत समय के बाद, यहूदा के घरवाली याने कि सूआ के बेटी मर गीस। जब यहूदा ह दुख ला भुला गीस, त ओह अपन भेड़ के ऊन कतरइयामन करा तिमना नगर गीस, अऊ संग म अपन संगी अदुल्लाम के रहइया हीरा ला घलो ले गीस।
13 जब तामार ला ये खबर मिलिस, "तोर ससुर ह अपन भेड़मन के ऊन कतरे बर तिमना जावथे।"
14 त ओह अपन बिधवा के पहिरावा ला उतारिस अऊ घूंघट डारके अपन ला ढांप लीस, अऊ एनैम नगर के कपाट करा जाके बईठ गीस, जेह तिमना के डहार म हवय। काबरकि ओह देख डारे रिहिस कि सेलह ह जवान हो गे हवय, पर ओला ओकर घरवाला बने बर नइं दिये गे हवय।
15 जब यहूदा ह ओला देखिस, त ओह ओला बेस्या समझिस, काबरकि ओह अपन मुहूं ला ढांपे रिहिस।
16 ये बिगर जाने कि ओह ओकर बहू अय, यहूदा ह ओकर करा सड़क-तीर म गीस अऊ ओला कहिस, "आ, मोला तोर संग सुतन दे।"
ओह पुछिस, "तोर संग सुते के बदले, तें मोला का देबे?"
17 ओह कहिस, "में अपन छेरी के झुंड म ले एक ठन छेरी-पीला तोर मेर पठो दूहूं।"
तब ओह पुछिस, "ओला भेजत तक, का तेंह मोला गिरवी के रूप म कुछू देबे?"
18 यहूदा ह कहिस, "गिरवी के रूप म, तोला में का दंव?"
ओह जबाब दीस, "तोर मुहर अऊ एकर डोरी, अऊ अपन हांथ म धरे लउठी।" तब ओह ओ चीजमन ला ओला दे दीस अऊ ओकर संग सुतिस, अऊ ओह ओकर कोति ले आसरा म होईस।
19 उहां ले जाय के बाद, ओह अपन घूंघट ला उतार दीस अऊ फेर अपन बिधवा के ओनहा ला पहिर लीस।
20 ये बीच म, यहूदा ह अदुल्लाम के रहइया, अपन संगी के हांथ म एक ठन छेरी-पीला पठो दीस, ताकि ओह ओ माईलोगन ले ओकर गिरवी रखे चीजमन ला ले आवय, पर ओला ओ माईलोगन नइं मिलिस।
21 ओह उहां रहइया मनखेमन ले पुछिस, "ओ मंदिर के बेस्या कहां हवय, जऊन ह एनैम के सड़क-तीर म बईठे रिहिस?"
ओमन कहिन, "इहां कोनो मंदिर के बेस्या नइं रिहिस।"
22 एकरसेति ओह यहूदा करा वापिस जाके कहिस, "मोला ओह नइं मिलिस; अऊ उहां रहइया मनखेमन कहिन, 'इहां कोनो मंदिर के बेस्या नइं रिहिस।' "
23 तब यहूदा ह कहिस, "ओला ओ चीजमन ला रखन दे, नइं तो हमर हंसी उड़ाय जाही। मेंह तो ये छेरी-पीला ला ओकर करा पठोय रहेंव, पर ओह तोला नइं मिलिस।"
24 करीब तीन महिना के बाद, यहूदा ला ये बताय गीस, "तोर बहू तामार ह बेभिचार करे हवय, अऊ ओकर कारन से ओह आसरा म हवय।"
यहूदा ह कहिस, "ओला बाहिर लानव अऊ जलाके ओला मार डारव!"
25 जब ओला बाहिर लाने जावत रिहिस, त ओह अपन ससुर करा ये खबर पठोईस, "जऊन मनखे के ये चीजमन अंय, ओकरे कोति ले मेंह आसरा म हंव," ओह ये घलो कहे रिहिस, "देख अऊ चिन ले कि ये मुहर अऊ डोरी अऊ लउठी काकर अंय।"

26 यहूदा ह ओ चीजमन ला चिन डारिस अऊ कहिस, “ओह तो मोर ले कम दोसी अय, काबरकि मेंह ओकर
बिहाव अपन बेटा सेलह के संग नइं करेंव।” अऊ ओह ओकर संग फेर कभू नइं सुतिस।
27 जब ओकर छेवारी होय के बेरा आईस, त पता चलिस कि ओकर कोख म जुड़वां लइकामन हवंय।
28 जब ओह छेवारी होवत रिहिस, त एक लइका के हांथ ह बाहिर आईस; एकरसेति धाय ह लाल सुत लेके
ओ लइका के कलई म बांध दीस अऊ कहिस, “येह पहिली जनमिस।”
29 पर जब ओ लइका ह अपन हांथ ला भीतर तीर लीस, त ओकर भाई ह जनमिस, तब ओ धाय ह कहिस, “ये
किसम ले, तेंह जबरदस्ती निकल आय!” अऊ ओकर नांव पेरेस* रखे गीस।
30 तब ओकर भाई, जेकर कलई म सिन्दूरी सूंत बंधाय रिहिस, जनमिस। अऊ ओकर नांव जेरह† रखे गीस।

39

[illegible]

1 जब यूसुफ ला मिसर देस म लाय गीस, त पोतीफर नांव के एक मिसरी, जेह फिरौन के एक हाकिम याने कि
अंगरछकमन के मुखिया रिहिस, ओला ओ इसमायलीमन करा ले बिसा लीस, जेमन ओला उहां लाने रिहिन।
2 यूसुफ ह अपन मिसरी मालिक के घर म रहत रिहिस, अऊ यहोवा ह ओकर संग रिहिस, एकरसेति ओह
उन्नति करत गीस।
3 जब यूसुफ के मालिक ह देखिस कि यहोवा ओकर संग रहिथे अऊ जऊन काम ओह करथे, यहोवा ह ओमा
ओला सफल करथे,
4 त ओकर किरपा के नजर यूसुफ ऊपर होईस अऊ यूसुफ ला ओकर सेवा-टहल करे बर ठहिराय गीस।
पोतीफर ह ओला अपन घर के जिम्मा देके अपन जम्मो चीज ला ओकर भरोसा म छोंड़ दीस।
5 जब ले ओह अपन घर के जिम्मा अऊ अपन सबो चीज ला ओकर भरोसा म कर दीस, तब ले यहोवा ह
यूसुफ के कारन ओ मिसरी के घर म आसीस देय लगिस। पोतीफर के जम्मो चीज म, ओकर घर अऊ खेत दूनों म
यहोवा के आसीस होय लगिस।
6 एकरसेति पोतीफर ह अपन जम्मो चीज ला यूसुफ के देखरेख म कर दीस, इहां तक कि यूसुफ के कारन अपन
खाय के रोटी के छोंड़, ओह अपन कोनो चीज के फिकर नइं करत रिहिस।
यूसुफ ह सुन्दर अऊ ओकर कद-काठी बहुंत बढ़िया रिहिस,
7 कुछू समय के बाद, ओकर मालिक के घरवाली ह यूसुफ ऊपर नजर लगाईस अऊ कहिस, “आ, मोर संग
सुत!”
8 पर ओह इनकार करके अपन मालिक के घरवाली ला कहिस, “जम्मो चीज ला मोर जिम्मा म देके, मोर
मालिक ह घर म कोनो चीज के फिकर नइं करय; जऊन कुछू ओकर हवय, ओ जम्मो ला मोर भरोसा म छोंड़ दे
हवय।
9 ये घर म मोर ले बड़े कोनो नइं ए। ओह तोला छोंड़, अपन करा अऊ कुछू नइं रखे हे, काबरकि तें ओकर
घरवाली अस। तब में अइसन दुस्ट काम करके परमेसर के बिरूध म कइसे पाप कर सकथंव?”
10 अऊ हालाकि ओह रोज-रोज यूसुफ ले बात करय, पर यूसुफ ह ओकर संग सुते बर इनकार करय, अऊ त
अऊ ओकर संग रहे बर घलो नइं चाहय।
11 एक दिन अइसन होईस कि यूसुफ ह अपन काम-धाम करे बर घर भीतर गीस, अऊ घर के कोनो सेवक
भीतर म नइं रिहिन।
12 तब ओ माईलोगन ह ओकर ओनहा ला धरके कहिस, “मोर संग सुत!” पर ओह अपन ओनहा ला ओकर
हांथ म छोंड़के घर के बाहिर भाग गीस।
13 जब ओ माईलोगन ह ये देखिस कि ओह अपन ओनहा ला ओकर हांथ म छोंड़के घर के बाहिर भाग गे हे,
14 त ओह अपन घर के सेवकमन ला बलाके कहिस, “देखव, ओ इबरी मनखे ला मसखरी करे बर इहां लाने गे
हवय! ओह तो इहां मोर संग सुते के मतलब से भीतर आय रिहिस, पर में जोर से नरियांय।
15 मदद खातिर जब ओह मोर नरियाई ला सुनिस, त ओह अपन ओनहा ला मोर करा छोंड़के घर के बाहिर
भाग गीस।”
16 ओह ओकर ओनहा ला ओकर मालिक के घर आवत तक अपन करा रखे रिहिस।

---

* **38:29** [illegible] के मतलब होथे [illegible] [illegible] † **38:30** [illegible] के मतलब होथे [illegible] या [illegible]

17 जब ओह आईस, त ओला ये कहानी बताईस, “ओ इबरी दास, जेला तें हमर करा लाने हस, ओह मोर करा
मसखरी करे बर आय रिहिस।
18 पर जब में मदद खातिर नरियांय, त ओह अपन ओनहा मोर करा छोंड़के घर के बाहिर भाग गीस।”
19 जब ओकर मालिक ह अपन घरवाली के ये बातमन ला सुनिस, “तोर दास ह मोर संग अइसन बेवहार करे
हवय।” त ओह गुस्सा के मारे भड़क गीस।
20 यूसुफ के मालिक ह ओला पकड़के जेलखाना म डार दीस, जिहां राजा के कैदीमन बंद रिहिन।
पर जब यूसुफ ह जेलखाना म रिहिस,
21 त यहोवा ह ओकर संग रिहिस। ओह ओकर ऊपर दया करिस, जेकर कारन जेलखाना के दरोगा के किरपा
यूसुफ ऊपर होईस।
22 एकरसेति जेलखाना के दरोगा ह यूसुफ ला उहां जम्मो कैदीमन के मुखिया बना दीस, अऊ जऊन
काम-बुता उहां करे जावत रिहिस, ओकर जिम्मेदारी घलो यूसुफ ला दे दीस।
23 यूसुफ के देखरेख म जऊन कुछू रिहिस, ओमा के कोनो बात के फिकर दरोगा ला नइं रिहिस, काबरकि
यहोवा ह यूसुफ के संग रिहिस अऊ जऊन कुछू यूसुफ ह करय, ओ जम्मो म ओला सफल करत रिहिस।

40

[illegible]

1 कुछू समय बाद, अइसन होईस कि मिसर के राजा के पीयानेवाला अऊ जेवन पकानेवाला अपन मालिक,
राजा के बिरूध म कुछू अपराध करिन।
2 फिरौन ह अपन ओ दूनों हाकिम याने कि पीयानेवालामन के मुखिया अऊ रंधइयामन के मुखिया ऊपर
नराज होईस,
3 अऊ ओमन ला पकड़के अंगरछकमन के मुखिया के घर के ओही जेलखाना म डलवा दीस, जिहां यूसुफ कैदी
रिहिस।
4 तब अंगरछकमन के मुखिया ह ओमन ला यूसुफ के हांथ म सऊंप दीस, अऊ ओह ओमन के देखरेख करे
लगिस।
ओमन के कुछू समय तक जेलखाना म रहे के बाद,
5 ओमा के दूनों मनखे—मिसर के राजा के पीयानेवाला अऊ रंधइया, जेमन जेलखाना म बंद रिहिन—एके
रात म सपना देखिन, अऊ हर सपना के अलग-अलग मतलब रिहिस।
6 बिहनियां जब यूसुफ ओमन करा आईस, त देखिस कि ओमन उदास हवंय।
7 एकरसेति फिरौन के ओ अधिकारीमन ला, जेमन ओकर संग ओकर मालिक के घर* म बंद रिहिन, यूसुफ ह
पुछिस, “आज तुम्हर मुहूं काबर उतरे हवय?”
8 ओमन जबाब दीन, “हमन दूनों झन सपना देखे हन, अऊ ओकर अर्थ बतानेवाला कोनो नइं ए।”
यूसुफ ह ओमन ला कहिस, “का सपना के अर्थ बतानेवाला परमेसर नो हय? मोला अपन-अपन सपना
बतावव।”
9 तब पीयानेवालामन के मुखिया ह अपन सपना यूसुफ ला अइसन बताय लगिस, “मेंह सपना म देखेंव कि
मोर आघू म एक अंगूर के नार हे,
10 अऊ ओ अंगूर के नार म तीन ठन डंगाली हवंय। जतकी जल्दी ओमा कली फूटिस, ओमा फूल लगिस,
अऊ गुच्छामन म अंगूरमन पाक गीन।
11 फिरौन राजा के कटोरा ह मोर हांथ म रिहिस, अऊ मेंह ओ अंगूरमन ला लेके फिरौन राजा के कटोरा म
निचोंय अऊ कटोरा ला ओकर हांथ म दे देंव।”
12 यूसुफ ह ओला कहिस, “एकर मतलब ये अय—तीन डंगालीमन के अर्थ तीन दिन अय।
13 अब ले तीन दिन के भीतर फिरौन राजा ह तोला जेलखाना ले निकलवाही अऊ तोला तोर पद मिल जाही,
अऊ तें फिरौन राजा के कटोरा ओकर हांथ म देबे, जइसने कि पहिली तें करत रहय, जब तें ओकर पीयानेवाला
रहय।

---

* **40:7** या [illegible]

14 पर जब तोर संग सब ठीक हो जाही, त मोला सुरता करबे अऊ मोर ऊपर दया देखाबे; मोर बारे म फिरौन
राजा ला बताबे अऊ ये जेलखाना ले मोला बाहिर निकालबे।
15 असल म, मोला इबरीमन के देस ले जबरदस्ती लाय गे हवय, अऊ इहां घलो मेंह अइसन कुछू काम नइं
करे हंव कि मोला ये जेलखाना म डारे जावय।"
16 जब रंधइयामन के मुखिया ह देखिस कि यूसुफ ह सपना के बने अर्थ बताय हवय, त ओह यूसुफ ला कहिस,
"मेंह घलो एक सपना देखे हंव: मेंह देखेंव कि मोर मुड़ ऊपर रोटी के तीन ठन टुकनी हवंय।
17 सबले ऊपर के टुकनी म फिरौन राजा बर जम्मो किसम के चुरे-पाके चीजमन हवंय, पर चिरईमन मोर मुड़
म के टुकनी म ले ओ चीजमन ला खावत हवंय।"
18 यूसुफ ह कहिस, "एकर मतलब ये अय: तीन ठन टुकनी के मतलब तीन दिन अय।
19 अब ले तीन दिन के भीतर फिरौन राजा ह तोर मुड़ ला कटवाके तोर देहें ला एक ठन खंभा ऊपर टंगवा
दीही। अऊ चिरईमन तोर मांस ला खाहीं।"
20 तीसर दिन फिरौन राजा के जनम दिन रिहिस, अऊ ओह अपन जम्मो करमचारीमन ला एक जेवनार दीस।
ओह अपन करमचारीमन के आघू म पीयानेवालामन के मुखिया अऊ रंधइयामन के मुखिया ला जेलखाना ले
बाहिर निकलवाईस।
21 ओह पीयानेवालामन के मुखिया ला फेर ओकर पद दे दीस, ताकि ओह फिरौन राजा के हांथ म कटोरा
देवय—
22 पर रंधइयामन के मुखिया ला ओह सूली म टंगवा दीस, जइसने कि यूसुफ ह ओमन ला सपना के अर्थ
बताय रिहिस।
23 तभो ले, पीयानेवालामन के मुखिया ह यूसुफ ला सुरता नइं करिस; ओह ओला भुला गीस।

41

[illegible]

1 जब पूरा दू बछर हो गीस, त फिरौन राजा एक सपना देखिस: ओह नील नदी के तीर म ठाढ़े रिहिस,
2 अऊ ओ नदी म ले सात ठन सुन्दर अऊ मोट-मोट गाय निकलके कछार के कांदी ला चरे लगिन।
3 ओमन के बाद, सात ठन आने कुरूप अऊ कमजोर गाय नील नदी ले निकलिन अऊ नदी के तीर म ठाढ़े
दूसर गायमन के बाजू म ठाढ़ हो गीन।
4 अऊ जऊन गायमन कुरूप अऊ कमजोर रिहिन, ओमन ओ सात ठन सुन्दर अऊ मोट-मोट गायमन ला खा
डारिन। तब फिरौन ह नींद ले जाग गीस।
5 ओह फेर सुत गीस अऊ एक आने सपना देखिस: एक ही डंठल म ले सात ठन मोट अऊ बने बीजा के
पीकमन निकलिन।
6 ओमन के बाद, सात ठन अऊ बीजा के पीकमन निकलिन, जेमन पातर अऊ पूरब दिग के हवा ले मुरझा गे
रिहिन।
7 ओ बीजा के पातर पीकमन ओ सातों मोट अऊ दाना ले भरे पीकमन ला लील डारिन। तब फिरौन ह जाग
गीस; येह एक सपना रिहिस।
8 बिहनियां फिरौन के मन ह बियाकुल हो गीस, एकरसेति ओह मिसर के जम्मो जादूगर अऊ पंडितमन ला
बुलवाईस, अऊ ओमन ला अपन दूनों सपना ला बताईस, पर कोनो घलो ओला ओ सपनामन के अर्थ नइं बता
सकिन।
9 तब पीयानेवालामन के मुखिया ह फिरौन ला कहिस, "आज में अपन गलती ला सुरता करत हंव।
10 जब फिरौन ह अपन सेवकमन ले नराज रिहिस, अऊ ओह मोला अऊ रंधइयामन के मुखिया ला
अंगरछकमन के मुखिया के घर म कैद करके रखे रिहिस।
11 तब हमन दूनों झन एके रथिया एक-एक सपना देखेंन, अऊ हर सपना के अपन म अलग अर्थ रिहिस।
12 उहां हमर संग एक इबरी जवान रिहिस, जऊन ह अंगरछकमन के मुखिया के सेवक रिहिस। हमन ओला
अपन-अपन सपना बतायेंन, अऊ ओह हमर सपनामन के अर्थ हमन ला बताईस; हमन के एक-एक के सपना के
अर्थ ओह बता दीस।

13 अऊ जइसने-जइसने अर्थ ओह हमन ला बताय रिहिस, एकदम वइसनेच होईस घलो: मोला मोर पद फेर
मिल गीस, पर रंधइयामन के मुखिया ला सूली ऊपर लटका दिये गीस।"
14 तब फिरौन ह यूसुफ ला बलाय बर पठोईस, अऊ ओला तुरते जेलखाना ले बाहिर निकाले गीस, अऊ ओह
चुंदी कटवाके अऊ कपड़ा बदलके फिरौन के आघू म आईस।
15 फिरौन ह यूसुफ ला कहिस, "मेंह एक सपना देखे हंव, अऊ कोनो ओकर अर्थ नइं बता सकत हें। पर मेंह
तोर बारे म सुने हवंव कि तें सपना ला सुनके ओकर अर्थ बता देथस।"
16 यूसुफ ह फिरौन ला जबाब दीस, "में ये नइं कर सकंव, पर परमेसर ह फिरौन ला ओकर ईछा के जबाब
दीही।"
17 तब फिरौन ह यूसुफ ला कहिस, "में अपन सपना म नील नदी के तीर म ठाढ़े रहेंव।
18 तब नदी म ले सात ठन मोट-मोट अऊ सुन्दर गाय निकलिन अऊ कछार के कांदी ला चरे लगिन।
19 ओमन के बाद, सात ठन गाय अऊ निकलिन, जेमन दुरबल, बहुंत कुरूप अऊ पातर रिहिन। मेंह पूरा मिसर
देस म अइसन कुरूप गाय कभू नइं देखे रहेंव।
20 ये पातर अऊ कुरूप गायमन ओ पहिली के सात ठन मोट-मोट गायमन ला खा डारिन।
21 पर ओमन ला खाय के बाद घलो कोनो ये नइं कह सकत रिहिन कि ओमन अइसन करे हवंय, काबरकि
ओमन पहिली के सहीं जस के तस कुरूप दिखत रिहिन। तब में जाग गेंव।
22 "फेर में दूसर सपना म देखेंव कि एक ही डंठल म सात ठन बने-बने अऊ बीजा ले भरे पीकमन निकलिन।
23 ओमन के बाद, अऊ सात ठन पीक निकलिन, जेमन कमजोर अऊ पातर अऊ पूरब के हवा ले मुरझा गे
रिहिन।
24 बीजा के ये पातर पीकमन ओ बने सात ठन पीकमन ला लील डारिन। मेंह येला जादूगरमन ला बतांय, पर
ओमा के कोनो मोला ओकर अर्थ नइं बता सकिन।"
25 तब यूसुफ ह फिरौन ला कहिस, "फिरौन के सपनामन एके ठन अऊ ओहीच अंय। परमेसर जऊन काम करे
बर चाहत हवय, ओला ओह फिरौन ऊपर परगट करे हवय।
26 ओ सात बने गायमन सात बछर अंय, अऊ ओ बीजा के सात ठन बने पीकमन घलो सात बछर अंय; येह
एके ठन अऊ ओहीच सपना अय।
27 जऊन सात ठन पातर अऊ कुरूप गायमन निकलिन, अऊ जऊन सात ठन बेकार अऊ पूरब के हवा ले
मुरझाय पीकमन निकलिन: ओमन अकाल के सात बछर अंय।
28 "येह ओही बात अय, जेला में फिरौन ला बता डारे हंव: परमेसर जऊन काम करनेवाला हे, ओला ओह
फिरौन ला देखाय हवय।
29 सुन, जम्मो मिसर देस म सात बछर तो अब्बड़ ऊपज होही।
30 पर ओकर पाछू, सात बछर अकाल पड़ही, अऊ मिसर देस के मनखेमन ओ जम्मो बने ऊपज ला भुला
जाहीं, अऊ अकाल ले देस ह नास हो जाही।
31 ओ अब्बड़ ऊपज ला कोनो सुरता नइं करही, काबरकि ओकर बाद जऊन अकाल पड़ही, ओह बहुंत भयंकर
होही।
32 फिरौन ला ये जो सपना दू किसम ले देखाय गीस, एकर कारन ये अय कि ये बात परमेसर कोति ले ठहिराय
जा चुके हवय अऊ परमेसर ह येला जल्दी पूरा करही।
33 "एकरसेति अब फिरौन ह कोनो समझदार अऊ बुद्धिमान मनखे ला खोजके ओला मिसर देस ऊपर मुखिया
ठहिराय।
34 फिरौन ह देस भर म अधिकारीमन ला ठहिराय, जेमन सुकाल के सात बछर रहत तक मिसर देस के
मनखेमन ले ऊपज के पांचवां भाग ला लेवंय।
35 ओमन अवइया बने समय म जम्मो खाय-पीये के चीज ला संकेलंय, अऊ फिरौन के अधिकार ले सहरमन
म अनाज ला जमा करंय, ताकि खाय बर भोजन-बस्तु रहय।
36 ये भोजन-बस्तु ला देस बर बचाके रखे जावय, ताकि मिसर देस ऊपर अवइया अकाल के ओ सात बछर के
समय एकर उपयोग करे जा सकय, अऊ देस ह अकाल ले नास झन होवय।"
37 ये बात फिरौन अऊ ओकर जम्मो करमचारीमन ला बने लगिस।

38 एकरसेति फिरौन ह अपन करमचारीमन ला कहिस, “का हमन ला ये मनखे सहीं कोनो मिल सकत हे, जेमा
परमेसर के आतमा रहिथे?”
39 तब फिरौन ह यूसुफ ला कहिस, “जब परमेसर ह तोला ये जम्मो बात बताय हवय, त तोर सहीं समझदार
अऊ बुद्धिमान मनखे अऊ कोनो नइं एं।
40 एकरसेति तेंह मोर महल के मुखिया होबे, अऊ मोर जम्मो मनखेमन तोर हुकूम ला मानहीं। सिरिप
सिंघासन के आदर के कारन मेंह तोर ले बड़े रहिहूं।”

[illegible]

41 फेर फिरौन ह यूसुफ ले कहिस, “देख, में तोला पूरा मिसर देस ऊपर अधिकारी ठहिरात हंव।”
42 तब फिरौन ह अपन अंगरी ले मुहरवाला मुंदरी निकालके यूसुफ के अंगरी म पहिरा दीस। ओह ओला सुघर
मलमल के ओनहा पहिराईस अऊ ओकर गला म सोन के माला पहिरा दीस।
43 ओह ओला अपन बाद दूसर अधिकारी के रूप म रथ म चघाईस, अऊ मनखेमन ओकर आघू-आघू
चिचियाके ये कहत रिहिन, “ओला दंडवत करव!” ये किसम ले, ओह ओला मिसर के जम्मो देस के ऊपर
अधिकारी बना दीस।
44 तब फिरौन ह यूसुफ ला कहिस, “फिरौन तो में अंव, पर जम्मो मिसर देस म कोनो घलो तोर हुकूम के बिना
कुछू नइं कर सकंय।”
45 फिरौन ह यूसुफ के नांव सापनत-पानेह रखिस अऊ ओन* नगर के पुरोहित पोतीपेरा के बेटी आसनत ले
ओकर बिहाव करवा दीस। अऊ यूसुफ जम्मो मिसर देस म दउरा करिस।
46 जब यूसुफ ह मिसर के राजा फिरौन के सेवा म आईस, त ओह तीस बछर के रिहिस। अऊ यूसुफ ह फिरौन
करा ले जाके जम्मो मिसर देस म दउरा करिस।
47 सुकाल के सातों बछर अब्बड़ फसल होईस।
48 यूसुफ ह मिसर देस म सुकाल के ओ सातों बछर म जम्मो किसम के जेवन के चीज-वस्तु ला संकेलिस अऊ
सहरमन म रखत गीस। हर सहर के चारों कोति के खेत म पईदा होय खाय-पीये के चीज ला ओह ओहीच सहर म
जमा करत गीस।
49 अइसन करके यूसुफ ह अनाज ला समुंदर के बालू सहीं भारी तदाद म जमा कर लीस; अनाज अतकी जादा
हो गीस कि ओह ओकर हिसाब रखे बर छोंड़ दीस, काबरकि येह गनती के बाहिर हो गीस।
50 अकाल परे के पहिली, यूसुफ के दू झन बेटा, ओन सहर के पुरोहित पोतीपेरा के बेटी आसनत ले होईन।
51 यूसुफ ह अपन बड़े बेटा के नांव ये कहिके मनस्से† रखिस, “परमेसर ह मोर ले मोर जम्मो दुख अऊ मोर
ददा के जम्मो घराना ला भुला दीस हे।”
52 दूसर बेटा के नांव ओह ये कहिके एफ्रैम‡ रखिस, “मोर दुख भोगे के देस म परमेसर ह मोला फलवंत करे हे।”
53 मिसर देस म सुकाल के सात बछर सिरा गीस,
54 अऊ यूसुफ के कहे मुताबिक सात बछर के अकाल सुरू हो गीस। दूसर जम्मो देसमन म घलो अकाल
परिस, पर पूरा मिसर देस म खाय के चीज-वस्तु रिहिस।
55 जब पूरा मिसर देस अकाल के चपेट म आईस, त मनखेमन फिरौन ले नरिया-नरियाके खाय बर मांगे
लगिन। तब फिरौन ह जम्मो मिसरीमन ला कहिस, “यूसुफ करा जावव अऊ जऊन कुछू ओह तुमन ला कहिथे,
वइसने करव।”
56 जब अकाल ह जम्मो देस म फईल गीस, त यूसुफ ह जम्मो गोदाममन ला खोल दीस अऊ मिसरीमन ला
अनाज बेचे लगिस, काबरकि जम्मो मिसर देस म भयंकर अकाल परे रिहिस।
57 अऊ जम्मो संसार के मनखेमन मिसर देस म यूसुफ करा अनाज बिसाय बर आय लगिन, काबरकि जम्मो
जगह भयंकर अकाल परे रिहिस।

42

[illegible]

* **41:45** हिलियापुलिस; देखव पद 50 † **41:51** [illegible] सायद इबरानी म [illegible] ‡ **41:52** [illegible] सायद इबरानी म [illegible]

1 जब याकूब ला पता चलिस कि मिसर देस म अनाज हवय, त ओह अपन बेटामन ला कहिस, “तुमन काबर
सिरिप एक-दूसर ला देखत हवव?”
2 फेर ओह कहिस, “मेंह सुने हंव कि मिसर म अनाज हवय। तुमन उहां जावव अऊ हमर बर कुछू अनाज
बिसाके लानव, ताकि हमन झन मरन, पर जीयत रहन।”
3 तब यूसुफ के दस भाईमन अनाज बिसाय बर मिसर गीन।
4 पर याकूब ह यूसुफ के भाई बिनयामीन ला ओमन के संग नइं पठोईस, काबरकि ओह डरात रिहिस कि
बिनयामीन ऊपर बिपत्ति आ सकत हे।
5 ये किसम ले जऊन मन अनाज बिसाय बर गीन, ओमन म इसरायल के बेटामन घलो गीन, काबरकि कनान
देस म घलो अकाल परे रिहिस।
6 यूसुफ ह मिसर देस के राजपाल रिहिस, अऊ ओह ओ देस के जम्मो झन ला अनाज बेचत रिहिस।
एकरसेति जब यूसुफ के भाईमन आईन, त ओमन भुइयां म मुहूं के भार गिरके ओला दंडवत करिन।
7 यूसुफ ह अपन भाईमन ला देखत ही ओमन ला चिन डारिस, पर ओह अनजान बने रिहिस अऊ ओमन ले
कड़ई से पुछिस, “तुमन कहां ले आय हव?”
ओमन कहिन, “हमन कनान देस ले अनाज बिसाय बर आय हन।”
8 हालाकि यूसुफ अपन भाईमन ला चिन डारिस, पर ओमन ओला नइं चिन्हिन।
9 तब ओह ओमन के बारे म देखे अपन सपना ला सुरता करिस अऊ ओमन ला कहे लगिस, “तुमन भेदिया
अव! तुमन ये देखे बर आय हव कि हमर देस म कते करा पहरेदारी नइं होवत हे।”
10 ओमन जबाब दीन, “नइं, नइं, हे हमर मालिक, तोर सेवकमन भोजन-बस्तु बिसाय बर आय हवंय।
11 हमन जम्मो झन एके मनखे के बेटा अन। तोर सेवकमन ईमानदार मनखे अंय, भेदिया नो हंय।”
12 ओह ओमन ला कहिस, “नइं! तुमन ये देखे बर आय हव कि हमर देस म कते करा पहरेदारी नइं होवत हे।”
13 पर ओमन कहिन, “तोर सेवकमन बारह भाई रिहिन, अऊ जम्मो झन कनान देस म रहइया एके मनखे के
बेटा अंय। सबले छोटे ह अभी हमर ददा करा हवय, अऊ एक झन ह काल कर डारिस।”
14 यूसुफ ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला कह डारे हंव कि तुमन भेदिया अव!
15 अऊ तुम्हर ये किसम ले जांच होही: फिरौन के जिनगी के कसम, जब तक तुम्हर छोटे भाई ह इहां नइं आ
जाही, तुमन इहां ले नइं जा सकव।
16 तुमन अपन म ले एक झन ला पठोवव कि ओह तुम्हर भाई ला लेके आवय; बाकि तुमन इहां कैद म रहिहू,
ये किसम ले तुम्हर बात ह परखे जाही कि तुमन सच कहत हव कि नइं। यदि तुम्हर बात ह सच नइं होही, त
फिरौन के जिनगी के कसम, तुमन सच म भेदिया अव!”
17 अऊ ओह ओमन ला तीन दिन तक कैद म रखिस।
18 तीसर दिन यूसुफ ह ओमन ला कहिस, “एक काम करव, त जीयत रहिहू, काबरकि में परमेसर के भय
मानथंव:
19 यदि तुमन ईमानदार मनखे अव, त तुम्हर भाईमन ले एक झन इहां जेलखाना म रूके, अऊ बाकि झन
अपन परिवार के मनखेमन के भूख मिटाय बर अनाज ले जावव।
20 पर तुमन अपन सबले छोटे भाई ला मोर करा ले आवव, ताकि तुम्हर बात ला सच साबित करे जा सकय,
अऊ तुमन झन मारे जावव।” तब ओमन वइसनेच करिन।
21 ओमन एक-दूसर ला कहिन, “सच म, हमन अपन भाई के कारन दंड पावत हन। हमन देखे रहेंन कि ओह
कतेक दुखी रिहिस, जब ओह हमर ले अपन जिनगी बर बिनती करत रिहिस, पर हमन नइं सुनेंन; एकरसेति ये
बिपत ह हमर ऊपर परे हवय।”
22 रूबेन ह कहिस, “का में तुमन ला नइं कहे रहेंव कि छोकरा के बिरूध म पाप झन करव? पर तुमन नइं
सुनेव! अब हमन ला ओकर लहू के हिसाब देना पड़ही।”
23 ओमन नइं जानत रिहिन कि यूसुफ ह ओमन के बात ला समझत हवय, काबरकि ओमन के संग गोठियाय
बर यूसुफ ह एक दुभासिया के उपयोग करत रिहिस।

24 तब ओह ओमन करा ले हट गीस अऊ रोये लगिस, पर ओह फेर वापिस आईस अऊ ओमन ले फेर बात
करिस। ओह ओमन ले सिमोन ला लीस अऊ ओमन के आघू म ओला बांधके कैदी बना लीस।
25 तब यूसुफ ह हुकूम दीस कि ओमन के बोरामन ला अनाज ले भर देवव अऊ हर एक झन के बोरा म ओकर
रूपिया ला घलो रख देवव, अऊ रसता बर ओमन ला भोजन-पानी दे देवव। ओमन बर अइसने ही करे गीस।
26 तब ओमन अपन गदहामन ऊपर अनाज लादके उहां ले चल दीन।
27 रसता म ओमन एक जगह रात बिताय बर रूकिन, त ओमन के एक झन ह अपन गदहा ला चारा देय बर
अपन बोरा ला खोलिस, त ओह देखिस कि ओकर रूपिया ह अनाज के ऊपर म रहय।
28 तब ओह अपन भाईमन ला कहिस, "मोर रूपिया तो लहुंटा दे गे हवय; देखव, येह मोर बोरा म हवय।"
तब ओमन के जी म जी नइं रिहिस अऊ ओमन डर के मारे एक-दूसर कोति देखके कांपे लगिन अऊ कहिन,
"परमेसर ह हमर संग ये का करे हवय?"
29 जब ओमन कनान देस म अपन ददा याकूब करा आईन, त जऊन कुछू ओमन के संग होय रिहिस, ओ
जम्मो बात ओला बताईन। ओमन कहिन,
30 "जऊन मनखे ह ओ देस के हाकिम अय, ओह हमन ले बहुंत कड़ई से बात करिस अऊ हमर ले अइसन
बरताव करिस, जइसन कि हमन ओकर देस के भेद लेवत रहेंन।
31 पर हमन ओला कहेंन, 'हमन ईमानदार मनखे अन; हमन भेदिया नो हन।
32 हमन बारह भाई, जम्मो एके ददा के बेटा अन। एक भाई ह काल कर डारिस, अऊ सबले छोटे ह अभी
कनान देस म हमर ददा करा हवय।'
33 "तब ओ मनखे, जऊन ह ओ देस के हाकिम अय, हमन ला कहिस, 'ये किसम ले मोला मालूम हो जाही कि
तुमन ईमानदार मनखे अव कि नइं: तुमन अपन म ले एक भाई ला मोर करा छोंड़ जावव, अऊ अपन परिवार के
मनखेमन के भूख मिटाय बर भोजन-बस्तु लेके जावव।
34 पर अपन छोटे भाई ला मोर करा लेके आवव, तब मेंह जानहूं कि तुमन भेदिया नइं, पर ईमानदार मनखे
अव। तब में तुम्हर भाई तुमन ला सऊंप दूहूं, अऊ तुमन ये देस म लेन-देन कर सकहू।' "
35 जब ओमन अपन-अपन बोरा म ले अनाज निकाले लगिन, त देखिन कि हर एक के रूपिया के थैली ओकर
बोरा म हवय! जब ओमन अऊ ओमन के ददा ह रूपिया के थैलीमन ला देखिन, त ओमन बहुंत डरा गीन।
36 तब ओमन के ददा याकूब ह ओमन ला कहिस, "तुमन मोर ले मोर लइकामन ला छीन ले हव। यूसुफ तो
नइं ए अऊ सिमोन घलो नइं ए, अऊ अब तुमन बिनयामीन ला घलो ले जाय चाहत हव। ये जम्मो बिपत्ति मोर
ऊपर आ गे हवय।"
37 तब रूबेन ह अपन ददा ला कहिस, "यदि में ओला तोर करा वापिस नइं लानहूं, त तें मोर दूनों बेटा ला मार
डारबे। तें ओला मोर हांथ म सऊंप दे, अऊ में ओला वापिस लेके आहूं।"
38 पर याकूब ह कहिस, "मोर बेटा ह तोर संग उहां नइं जावय; ओकर भाई ह मर चुके हे अऊ ओह एके झन
बांचे हवय। जिहां तुमन जावत हव, यदि डहार म ओकर ऊपर कोनो बिपत पड़थे, त तुमन के कारन, मेंह ये
बुढ़ापा म दुख म मर जाहूं।"

43

[illegible]
1 कनान देस म अभी घलो अकाल ह बहुंत भयंकर रिहिस।
2 जब मिसर ले लाने जम्मो अनाज सिरा गीस, त याकूब ह अपन बेटामन ला कहिस, "मिसर देस वापिस
जावव अऊ हमर बर थोरकून अऊ अनाज बिसाके लानव।"
3 तब यहूदा ह ओला कहिस, "ओ मनखे ह हमन ला चेताके कहे रिहिस, 'यदि तुम्हर भाई तुम्हर संग नइं आही,
त फेर तुमन मोर आघू म नइं आ सकव।'
4 यदि तें हमर भाई ला हमर संग पठोबे, त हमन जाबो अऊ तोर बर अनाज बिसाबो।
5 पर यदि तें ओला नइं पठोबे, त हमन नइं जावन, काबरकि ओ मनखे ह हमन ला कहिसे, 'यदि तुम्हर भाई
तुम्हर संग नइं आही, त फेर तुमन मोर आघू म नइं आ सकव।' "

6 तब इसरायल ह पुछिस, “तुमन ओ मनखे ला ये बताके कि तुम्हर एक झन अऊ भाई हवय, काबर मोर ऊपर
ये समस्या लानेव?”
7 ओमन जबाब दीन, “ओ मनखे ह बड़े सावधानी से हमर अऊ परिवार के बारे म अइसने सवाल पुछिस, ‘का
तुम्हर ददा ह अब तक जीयत हवय? का तुम्हर अऊ भाई हवय?’ तब हमन सधारन रूप म ओकर सवाल के
जबाब देंन। हमन कइसे जान सकत रहेंन कि ओह ये कहिही, ‘अपन भाई ला इहां ले आवव’?”
8 तब यहूदा ह अपन ददा इसरायल ला कहिस, “ओ छोकरा ला मोर संग म पठो दे अऊ हमन तुरते चले
जाबो, ताकि हमन अऊ तें अऊ हमर लइकामन जीयत रहंय अऊ मरंय झन।
9 में खुद ओकर सुरकछा के जमानत अंव; तेंह मोला ओकर बर जिम्मेदार ठहिरा सकथस। यदि में ओला तोर
करा लानके इहां तोर आघू म ठाढ़ नइं कर देवंव, त मोर जिनगी भर, में तोर अपराधी ठहिरहूं।
10 यदि हमन देरी नइं करतेंन, त अभी तक दू बार जाके लहुंट आय रहितेंन।”
11 तब ओमन के ददा इसरायल ह ओमन ला कहिस, “यदि येह जरूरी अय, त अइसने करव: ये देस के सबले
बने चीजमन ले थोर-थोर अपन बोरा म रखव अऊ ओ मनखे बर भेंट के रूप म ले जावव—जइसे कि थोरकन
मलहम अऊ थोरकन मंधरस, कुछू मसाला अऊ गंधरस, कुछू पिसता अऊ बादाम।
12 अपन-अपन संग म दू गुना रूपिया ले जावव; काबरकि जऊन रूपिया तुम्हर बोरामन के मुहूं म रख दिये गे
रिहिस, ओला लहुंटाना जरूरी अय। सायद गलती से अइसने होय होही।
13 अपन भाई ला घलो ले लव अऊ ओ मनखे करा तुरते वापिस जावव।
14 अऊ सर्वसक्तिमान परमेसर ह ओ मनखे ला तुम्हर ऊपर दयालु करय, ताकि ओह तुम्हर दूसर भाई अऊ
बिनयामीन ला तुम्हर संग वापिस आवन दे। यदि में बिगर बंस के हो जावंव, त हो जावंव।”
15 तब ओ मनखेमन ओ भेंट अऊ दू गुना रूपिया, अऊ बिनयामीन ला संग म लेके चल दीन, अऊ मिसर म
हबरके यूसुफ के आघू म ठाढ़ होईन।
16 जब यूसुफ ह बिनयामीन ला ओमन के संग देखिस, त ओह अपन घर के देखरेख करइया ला कहिस, “ये
मनखेमन ला मोर घर म ले जा, अऊ एक पसु मारके जेवन तियार कर; काबरकि येमन मंझनियां मोर संग जेवन
करहीं।”
17 ओ मनखे ह यूसुफ के कहे मुताबिक करिस अऊ ओ मनखेमन ला यूसुफ के घर ले गीस।
18 जब ओमन ला यूसुफ के घर म लाने गीस, त ओमन डरा गीन। ओमन सोचिन, “जऊन रूपिया पहिली
बखत हमर बोरामन म लहुंटा दिये गे रिहिस, ओकरे कारन हमन ला इहां लाने गे हवय। ओह हमर ऊपर हमला
करके हमन ला अपन बस म करे चाहत हे अऊ हमन ला गुलाम के रूप म पकड़के हमर गदहामन ला लेय चाहत
हे।”
19 एकरसेति ओमन यूसुफ के घर के देखरेख करइया करा गीन अऊ घर के कपाट करा ओकर ले ये कहे लगिन,
20 “हे हमर मालिक, हमन ला छेमा कर; हमन पहिली बार इहां अनाज बिसाय बर आय रहेंन।
21 पर वापिस जावत बेरा, जब एक जगह रात बिताय बर रूकेंन अऊ अपन-अपन बोरा ला खोलेंन, त का
देखेंन कि हर एक के पूरा-पूरा पईसा ओकर बोरा के मुहूं म धराय रहय। एकरसेति हमन ओला अपन संग लेके
आय हन।
22 हमन अपन संग अऊ रूपिया अनाज बिसाय बर लाने हन। हमन नइं जानन कि हमर रूपिया ला हमर बोरा
म कोन रखे रिहिस।”
23 घर के देखरेख करइया ह कहिस, “कोनो बात नइं ए; झन डरव। तुम्हर परमेसर, जऊन ह तुम्हर ददा के
घलो परमेसर अय, ओही ह तुम्हर बोरा म तुमन ला धन दे हवय; तुम्हर रूपिया तो मोला मिल गे हवय।” तब
ओह सिमोन ला निकालके ओमन करा ले आईस।
24 तब ओ सेवक ह ओ मनखेमन ला यूसुफ के घर भीतर ले आईस, अऊ गोड़ धोय बर ओमन ला पानी दीस
अऊ ओमन के गदहामन बर चारा दीस।
25 ये सुनके कि आज हमन ला इहां जेवन करना हे, ओमन यूसुफ के आय के समय, याने कि मंझनियां तक,
अपन-अपन भेंट ला तियार करके रखिन।
26 जब यूसुफ ह घर म आईस, त ओमन घर के भीतर लाय अपन भेंट यूसुफ ला दीन, अऊ भुइयां म गिरके
ओला दंडवत करिन।

27 ओह ओमन के हालचाल पुछिस अऊ कहिस, “तुम्हर सियान ददा कइसने हवय, जेकर बारे म तुमन मोला
बताय रहेव? का ओह अभी घलो जीयत हवय?”
28 ओमन कहिन, “हव, तोर सेवक, हमर ददा ह अभी घलो जीयत हवय अऊ बने हवय।” अऊ ओमन मुड़
नवाके ओला दंडवत करिन।
29 जब ओह आंखी उठाके अपन भाई बिनयामीन ला देखिस, जऊन ह ओकर खुद के दाई के बेटा रिहिस, त
ओह पुछिस, “का येह तुम्हर सबले छोटे भाई अय, जेकर बारे म तुमन मोला बताय रहेव?” अऊ ओह कहिस,
“हे मोर बेटा, परमेसर तोर ऊपर अनुग्रह करय।”
30 अपन भाई ला देखके यूसुफ के आंखी भर आईस, अऊ रोये बर सुन्ना जगह देखे लगिस। ओह अपन निजी
कमरा म गीस अऊ उहां रोये लगिस।
31 अपन मुहूं ला धोये के बाद, ओह बाहिर निकलिस अऊ अपनआप ला सांत करके कहिस, “जेवन परोसव।”
32 तब ओमन ओकर बर अलग, ओकर भाईमन बर अलग, अऊ जऊन मिसरी मनखेमन ओकर संग खावत
रिहिन, ओमन बर घलो अलग जेवन परोसिन, काबरकि मिसरी मनखेमन इबरी मनखेमन संग जेवन नइं करंय;
ओमन बर अइसन करई ह घिन के बात रिहिस।
33 यूसुफ के भाईमन ला ओकर आघू म ओमन के उमर के हिसाब से बईठाय गे रिहिस, पहिले बड़खा, फेर
ओकर बाद वालामन अऊ आखिरी म सबले छोटे; अऊ ओमन चकित होके एक-दूसर ला देखे लगिन।
34 तब यूसुफ के मेज म ले ओमन ला भोजन-बस्तु परोसे गीस, पर बिनयामीन ला ओकर भाईमन ले पांच गुना
जादा भोजन-बस्तु परोसे गीस। ओमन यूसुफ के संग खुलके खाईन-पीईन।

44

[illegible]

1 तब यूसुफ ह अपन घर के देखरेख करइया ला ये हुकूम दीस: “ये मनखेमन जतेक जादा भोजन-बस्तु अपन
बोरा म ले जा सकथें, ओतेक जादा भरव, अऊ हर एक के रूपिया ला ओमन के बोरा के मुहूं म रख देवव।
2 तब मोर चांदी के कटोरा ला सबले छोटे के बोरा के मुहूं म ओकर अनाज के रूपिया के संग रख देवव।” अऊ
ओह वइसने करिस, जइसने यूसुफ ह कहिस।
3 बिहनियां होते ही, ओ मनखेमन ला ओमन के गदहामन के सहित बिदा करे गीस।
4 ओमन सहर ले जादा दूरिहा नइं गे होहीं जब यूसुफ ह अपन घर के देखरेख करइया ला कहिस, “तुरते ओ
मनखेमन के पीछा कर, अऊ जब ओमन तुमन ला मिल जाहीं, त ओमन ला कह, ‘तुमन भलई के बदला म बुरई
काबर करे हव?
5 का येह ओ कटोरा नो हय, जेमा मोर मालिक पीथे अऊ अगम के बात कहे बर घलो एकर उपयोग करथे?
तुमन एक दुस्ट काम करे हव।’ ”
6 जब ओला ओमन मिल गीन, त ओह ओमन ले वइसनेच कहिस।
7 पर ओमन ओला कहिन, “हे हमर मालिक, तें अइसन बात काबर कहत हस? अइसने काम करई तोर
सेवकमन ले दूरिहा रहय!
8 देख, इहां तक कि जऊन रूपिया हमन ला हमर बोरामन के मुहूं के भीतर म मिले रिहिस, ओला हमन कनान
देस ले तोर करा वापिस ले आयेंन, त फेर तोर मालिक के घर ले चांदी या सोन, हमन काबर चोराबो?
9 यदि तोर दासमन ले जेकर करा घलो ओ चीज निकलही, ओह मार डारे जाही; अऊ बाकि हमन, हे हमर
मालिक, तोर गुलाम हो जाबो।”
10 ओह कहिस, “तब, ठीक हे। तुम्हर कहे मुताबिक होवय। जेकर करा ओ चीज निकलही, ओह मोर दास हो
जाही; अऊ बाकि तुमन दोस मुक्त हो जाहू।”
11 ओमन जल्दी-जल्दी अपन-अपन बोरा ला भुइयां म उतारके ओला खोले लगिन।
12 तब यूसुफ के घर के देखरेख करइया ह खोजे लगिस; ओह सबले बड़े के बोरा ले सुरू करके सबले छोटे के
बोरा म खतम करिस। अऊ कटोरा ह बिनयामीन के बोरा म मिलिस।
13 येला देखके ओमन अपन-अपन ओनहा ला चीरिन। तब ओमन जम्मो झन अपन-अपन गदहा ऊपर बोरा
लादके सहर म वापिस आईन।

14 जब यहूदा अऊ ओकर भाईमन आईन, त यूसुफ ह घरेच म रिहिस, अऊ ओमन ओकर आघू म भुइयां म
गिरिन।
15 यूसुफ ह ओमन ला कहिस, "तुमन ये कइसन काम करे हव? का तुमन ये नइं जानत हव कि मोर सहीं मनखे
ह अगम के बात कहे के दुवारा चीज के पता लगा सकथे?"
16 "हमन हमर मालिक ला का कह सकत हन?" यहूदा ह कहिस। "हमन का कह सकत हन? हमन कइसे
अपनआप ला निरदोस साबित करन? परमेसर ह तोर सेवकमन के अपराध ला देखा दे हे। अब हमन हमर
मालिक के गुलाम अन—हमन खुद अऊ ओह घलो, जेकर करा कटोरा मिले हवय।"
17 पर यूसुफ ह कहिस, "अइसन करई मोर ले दूरिहा रहय! जेकर करा कटोरा निकले हवय, सिरिप ओहीच ह
मोर दास होही। बाकि के तुमन सांति से अपन ददा करा वापिस जावव।"
18 तब यहूदा ओकर करा जाके कहे लगिस, "हे मोर मालिक, अपन सेवक ला छेमा कर; मोला एक बात कहन
दे। तोर गुस्सा तोर सेवक ऊपर झन भड़के, काबरकि तें तो फिरौन के बरोबर अस।
19 हे मोर परभू, तेंह अपन सेवकमन ले पुछे रहय, 'का तुम्हर ददा या भाई हवय?'
20 अऊ हमन जबाब देय रहेंन, 'हव, हमर डोकरा ददा हवय, अऊ ओकर बुढ़त काल म जनमे एक बेटा हवय।
ओकर भाई ह मर गीस, अऊ अब ओह अपन दाई के एके झन बेटा बांचे हवय, अऊ ओकर ददा ह ओकर ले मया
करथे।'
21 "तब तें अपन सेवकमन ला कहे, 'ओला मोर करा ले आवव ताकि मेंह खुदे ओला देख सकंव।'
22 अऊ हे मोर मालिक, हमन कहेंन, 'ओ लड़का ह अपन ददा ला नइं छोंड़ सकय; नइं तो ओकर ददा ह मर
जाही।'
23 पर तें अपन सेवकमन ला कहे, 'यदि तुम्हर छोटे भाई तुम्हर संग नइं आही, त फेर तुमन मोर आघू म नइं
आ सकव।'
24 जब हमन तोर सेवक हमर ददा करा गेंन, त हे मोर परभू, जऊन कुछू तेंह कहे रहे, हमन ओला बतायेंन।
25 "तब हमर ददा ह कहिस, 'वापिस जावव अऊ थोरकून अऊ भोजन-बस्तु बिसाके लानव।'
26 पर हमन कहेंन, 'हमन नइं जा सकन। हां, यदि हमर छोटे भाई हमर संग होही; त हमन जाबो। यदि हमर
छोटे भाई हमर संग नइं होही, त हमन ओ मनखे के आघू म नइं जा सकन।'
27 "तब तोर सेवक मोर ददा ह हमन ला कहिस, 'तुमन तो जानत हव कि मोर घरवाली दू झन बेटा जनमे
रिहिस।
28 ओमा ले एक झन तो मोर ले दूरिहा चले गीस, अऊ मेंह सोचेंव, "निस्चय ही ओला पसुमन चीर डारे
होहीं।" अऊ तब ले ओला, में नइं देखे हंव।
29 यदि तुमन येला घलो मोर आंखी ले दूरिहा ले जाथव, अऊ कोनो बिपत एकर ऊपर पड़थे, त तुम्हर कारन,
में ये बुढ़ापा के समय दुख म मर जाहूं।'
30 "एकरसेति, तोर सेवक मोर ददा करा जब में वापिस जाहूं, अऊ यदि ये लड़का हमर संग म नइं होही, अऊ
जब मोर ददा, जेकर परान ये लड़का म लटके रहिथे,
31 देखही कि लड़का ह उहां नइं ए, त ओह मर जाही। तोर सेवकमन के कारन, हमर ददा ह बुढ़ापा म दुख म
मर जाही।
32 तोर सेवक ह मोर ददा ला ये कहिके लड़का के सुरकछा के जमानत ले हवय, 'यदि में येला तोर करा वापिस
नइं लानहूं, त मोर जिनगी भर, में तोर अपराधी ठहिरहूं!'
33 "एकरसेति, हे मोर मालिक, किरपा करके तोर सेवक ला ये लड़का के बदला म तोर गुलाम के रूप म इहां
रहन दे, अऊ ये लड़का ला अपन भाईमन संग वापिस जावन दे।
34 यदि ये लड़का ह मोर संग नइं जाही, त में कइसे अपन ददा करा वापिस जा सकथंव? नइं! मोला अपन
ददा ऊपर अवइया दुख ला झन देखन दे।"

45

1 तब यूसुफ ह अपन जम्मो सेवकमन के आघू म अपनआप ला नइं रोक सकिस, अऊ चिचियाके कहिस, “इहां
के जम्मो मनखे बाहिर चले जावव!” अपन भाईमन के आघू म अपनआप ला परगट करे के बेरा उहां यूसुफ के
संग अऊ कोनो नइं रिहिन।
2 अऊ ओह चिचिया-चिचियाके रोय लगिस, जेला मिसरीमन सुनिन, अऊ फिरौन के घर के मन ला घलो एकर
खबर मिलिस।
3 यूसुफ ह अपन भाईमन ला कहिस, “में यूसुफ अंव! का मोर ददा अभी तक ले जीयत हवय?” पर ओकर
भाईमन ओला जबाब नइं दे सकिन, काबरकि ओमन ओकर आघू म घबरा गे रिहिन।
4 तब यूसुफ ह अपन भाईमन ला कहिस, “मोर लकठा म आवव।” जब ओमन ओकर लकठा म आईन, त ओह
कहिस, “मेंह तुम्हर भाई यूसुफ अंव, जेला तुमन मिसर अवइयामन के हांथ म बेच दे रहेव।
5 अब तुमन दुखी झन होवव, अऊ मोला इहां बेच देय के कारन, अपनआप ले गुस्सा झन होवव, काबरकि
परमेसर ह परान बचाय बर मोला तुम्हर आघू इहां पठो दीस।
6 दू बछर हो गे, ये देस म अकाल परे हवय, अऊ अवइया पांच साल तक अइसने ही होही—न तो नांगर
चलही अऊ न ही फसल लुये जाही।
7 पर परमेसर ह मोला तुम्हर आघू ये खातिर पठोईस कि ओह तुम्हर बर तुम्हर एक भाग ला बंचाके रखय अऊ
एक बड़े छुटकारा के दुवारा तुम्हर जिनगी ला बचावय।
8 “एकरसेति, मोला इहां पठोइया तुमन नइं, पर परमेसर अय। ओही ह मोला फिरौन के ददा सहीं अऊ ओकर
जम्मो घर के मालिक अऊ जम्मो मिसर देस ऊपर सासन करइया ठहिराय हवय।
9 अब तुमन जल्दी करके मोर ददा करा जावव अऊ ओला कहव, ‘तोर बेटा यूसुफ ह अइसन कहत हे:
परमेसर ह मोला जम्मो मिसर देस के मालिक बनाय हे। तें बिगर देरी करे मोर करा चले आ।
10 तें गोसेन के इलाका म रहिबे—तें, तोर लइकामन अऊ नाती-पोतामन, तोर भेड़-बकरी अऊ गाय-बईला,
अऊ जऊन कुछू तोर करा हवय, ओ जम्मो सहित मोर लकठा म रहिबे।
11 अकाल के जऊन पांच बछर अऊ होही, ओमा में उहां तोर पालन-पोसन करहूं। अइसन झन होवय कि तें
अऊ तोर घराना अऊ तोर करा जऊन मन हवंय, ओमन भूखन मरंय।’
12 “तुमन खुद अपन आंखी ले देख सकत हव, अऊ मोर भाई बिनयामीन घलो देख सकत हे कि में जो तुम्हर
ले गोठियावत हंव, सही म यूसुफ अंव।
13 ओ जम्मो आदरमान, जऊन ह मोर करा मिसर देस म हवय अऊ जऊन कुछू तुमन देखे हव, ओ जम्मो
बात मोर ददा ला बतावव। अऊ तुरते मोर ददा ला इहां ले आवव।”
14 तब ओह अपन भाई बिनयामीन ला पोटारके रोईस, अऊ बिनयामीन घलो रोवत ओला पोटार लीस।
15 अऊ यूसुफ ह अपन जम्मो भाईमन ला चूमके रोईस। एकर बाद ओकर भाईमन ओकर संग गोठियाय
लगिन।
16 जब ये खबर फिरौन के महल म पहुंचिस कि यूसुफ के भाईमन आय हवंय, त फिरौन अऊ ओकर जम्मो
करमचारीमन खुस होईन।
17 फिरौन ह यूसुफ ला कहिस, “अपन भाईमन ले कह कि ओमन अइसन करंय: ‘अपन पसुमन ऊपर सामान
लादके कनान देस वापिस चले जावंय,
18 अऊ अपन ददा अऊ अपन घर के मनखेमन ला लेके मोर करा आवंय। मेंह मिसर देस के सबले बने भुइयां
तुमन ला दूहूं अऊ तुमन ला देस के उत्तम से उत्तम चीज खाय बर मिलही।’
19 “तोला ये घलो हुकूम दिये जावत हे कि तें ओमन ला बता कि ओमन अइसन करंय: ‘मिसर देस ले कुछू
गाड़ी अपन लइका अऊ घरवाली अऊ तोर ददा बर ले जावंय, अऊ ओमन ला लेके आवंय।
20 अपन सामान के चिंता झन करंय, काबरकि मिसर म सबले बने चीजमन तुम्हर होही।’ ”
21 इसरायल के बेटामन वइसने ही करिन। यूसुफ ह फिरौन के हुकूम के मुताबिक ओमन ला गाड़ी दीस, अऊ
रसता बर ओमन ला भोजन-बस्तु घलो दीस।
22 ओमा के हर एक झन ला ओह एक-एक जोड़ा ओनहा दीस, पर बिनयामीन ला ओह तीन सौ चांदी के
सेकेल* अऊ पांच जोड़ा ओनहा दीस।

* **45:22** लगभग साढ़े तीन किलोग्राम

23 अऊ अपन ददा बर ओह ये सामान पठोईस: मिसर देस के सबले बने चीजमन ले लदाय दस ठन गदहा,
अऊ अनाज अऊ रोटी अऊ ओकर ददा के रसता बर आने भोजन-बस्तु ले लदाय दस ठन गदही।
24 तब ओह अपन भाईमन ला बिदा करिस, अऊ जब ओमन जावत रिहिन, त ओह ओमन ला कहिस, "डहार
म झगरा झन करिहव!"
25 मिसर ले निकलके, ओमन कनान देस म अपन ददा याकूब करा आईन।
26 ओमन ओला ये बताईन, "यूसुफ अभी तक ले जीयत हे! अऊ जम्मो मिसर देस म ओही ह राज करत हे।"
ये सुनके, याकूब ह हक्का-बक्का हो गीस; ओह ओमन के बात ला बिसवास नइं करिस।
27 पर जब ओमन ओ जम्मो बात ओला बताईन, जेला यूसुफ ह ओमन ले कहे रिहिस, अऊ जब ओह ओ
गाड़ीमन ला देखिस, जेला यूसुफ ह ओला लाने बर पठोय रिहिस, तब ओमन के ददा याकूब के मन ह सांत
होईस।
28 अऊ इसरायल ह कहिस, "मोला बिसवास हो गे हे! मोर बेटा यूसुफ ह अभी तक जीयत हे। एकर पहिली
कि में मर जावंव, मेंह जाके ओला देखहूं।"

46

[illegible]

1 तब इसरायल ह अपन जम्मो संपत्ति लेके निकलिस, अऊ जब ओह बेरसेबा म हबरिस, त उहां ओह अपन
ददा इसहाक के परमेसर ला बलिदान चघाईस।
2 अऊ परमेसर ह रथिया इसरायल ला दरसन म कहिस, "हे याकूब! हे याकूब!"
ओह कहिस, "में इहां हंव।"
3 परमेसर ह कहिस, "में परमेसर अंव, तोर ददा के परमेसर। तें मिसर देस जाय बर झन डरा, काबरकि में उहां
तोर ले एक बड़े जाति बनाहूं।
4 मेंह तोर संग म मिसर जाहूं, अऊ निस्चित रूप से, में उहां ले तोला फेर वापिस ले आनहूं। अऊ यूसुफ ह
अपन हांथ ले तोर आंखीमन ला बंद करही।"
5 तब याकूब बेरसेबा ले चल दीस, अऊ इसरायल के बेटामन अपन ददा याकूब अऊ अपन लइकामन ला
अऊ अपन घरवालीमन ला ओ गाड़ीमन म चघाके चल दीन, जेला फिरौन ह ओमन ला लाने बर पठोय रिहिस।
6 ये किसम ले, याकूब अऊ ओकर संतानमन अपन भेड़-बकरी, गाय-बईला, अऊ कनान म कमाय अपन
जम्मो धन-दौलत ला लेके मिसर देस गीन।
7 याकूब ह अपन संग अपन बेटा-बेटी, पोता-पोती, याने अपन जम्मो संतान ला मिसर म ले आईस।

8 इसरायल (याकूब अऊ ओकर संतान) के बेटामन के नांव ये अय, जऊन मन ओकर संग मिसर देस गीन:

याकूब के बड़खा बेटा रूबेन।
9 रूबेन के बेटामन:
हनोक, पल्लू, हेसरोन अऊ करमी।
10 सिमोन के बेटामन:
यमूएल, यामीन, ओहद, याकीन, सोहर अऊ कनानी माईलोगन ले जनमे साऊल।
11 लेवी के बेटामन:
गेरसोन, कहात अऊ मरारी।
12 यहूदा के बेटामन:
एर, ओनान, सेलह, पेरेस अऊ जेरह (पर एर अऊ ओनान कनान देस म ही मर गे रिहिन)।
पेरेस के बेटामन:
हेसरोन अऊ हामूल।
13 इस्साकार के बेटामन:
तोला, पुआ, यसूब* अऊ सिमरोन।

* **46:13** समारीतान पेन्टाटूक अऊ कुछू सेप्टाजिन्ट हस्तलिपि म *[illegible]* देखव गन 26:24 अऊ 1 इति 7:1

14 जबूलून के बेटामन:
सेरेद, एलोन अऊ यहलेल।
15 येमन याकूब के घरवाली लिआ ले पदन-अराम† म जनमे बेटामन रिहिन। ओकर दीना नांव के एक बेटी घलो
रिहिस। ओकर ये बेटा अऊ बेटीमन कुल तैंतीस झन रिहिन।

16 गाद के बेटामन:
सिफियोन, हाग्गी, सूनी, एसबोन, एरी, अरोदी अऊ अरेली।
17 आसेर के बेटामन:
यिमना, इसवा, इसवी, बरीया। ओमन के बहिनी के नांव सेरह रिहिस।
बरीया के बेटामन:
हेबेर अऊ मलकीएल।
18 येमन याकूब कोति ले जिलपा ले जनमे लइकामन रिहिन, जेला लाबान ह अपन बेटी लिआ ला दासी के रूप
म देय रिहिस। येमन कुल सोलह झन रिहिन।

19 याकूब के घरवाली राहेल के बेटामन:
यूसुफ अऊ बिनयामीन।
20 मिसर देस म, ओन‡ के पुरोहित पोतीपेरा के बेटी आसनत ले यूसुफ के दू झन बेटा होईन—मनस्से
अऊ एपरैम।
21 बिनयामीन के बेटामन:
बेला, बेकेर, असबेल, गेरा, नामान, एही, रोस, मुप्पीम, हुप्पीम अऊ अर्द।
22 येमन याकूब के घरवाली राहेल ले जनमे बेटामन रिहिन। येमन कुल चौदह झन रिहिन।

23 दान के बेटा:
हूसीम।
24 नपताली के बेटामन:
यहसेल, गूनी, येसेर अऊ सिल्लेम।
25 येमन याकूब कोति ले बिलहा ले जनमे बेटामन रिहिन, जेला लाबान ह अपन बेटी राहेल ला दासी के रूप म
देय रिहिस। येमन कुल सात झन रिहिन।

26 ओ जम्मो, जऊन मन याकूब के संग मिसर म गीन अऊ ओकर खुद के बंस रिहिन—ओमन कुल छियासठ
झन रिहिन अऊ येमा ओकर बहुमन ला नइं गने गे रिहिस।
27 यूसुफ के दू झन बेटा मिसर म जनमिन; येमन अऊ याकूब के घराना के जऊन मनखेमन मिसर म गीन, ओ
जम्मो मिलाके कुल सत्तर§ झन रिहिन।

28 याकूब ह यहूदा ला अपन आघू यूसुफ करा पठोईस कि ओह ओकर ले गोसेन के डहार के पता करय। जब
ओमन गोसेन के इलाका म आईन,
29 तब यूसुफ ह अपन रथ फंदवाके अपन ददा इसरायल ले भेंट करे बर गोसेन गीस। जब ओह अपन ददा करा
हबरिस, त ओला पोटारके बहुंत देर तक रोईस।
30 इसरायल ह यूसुफ ला कहिस, “में अब मरे बर तियार हंव, काबरकि में खुद देख चुकेंव कि तें जीयत हस।”
31 तब यूसुफ ह अपन भाईमन ला अऊ अपन ददा के घर के मनखेमन ला कहिस, “मेंह जाके फिरौन ले
गोठियाहूं अऊ ओला बताहूं, ‘मोर भाईमन अऊ मोर ददा के घर के मनखे, जेमन कनान देस म रहत रिहिन,
ओमन मोर करा आ गे हवंय।
32 ओमन चरवाहा अंय; ओमन पसु-पालन करथें, अऊ ओमन अपन संग अपन भेड़-बकरी, गाय-बईला अऊ
अपन जम्मो सामान लेके आय हवंय।’

---

† **46:15** याने कि, उत्तर-पछिम मेसोपोटामिया ‡ **46:20** याने कि, हिलियापुलिस § **46:27** सेप्टाजिन्ट हस्तलिपि म ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰

33 जब फिरौन ह तुमन ला बलाके पुछही, 'तुमन का धंधा करथव?'
34 तब तुमन ये कहिहू, 'तोर सेवकमन लइकापन ले लेके आज तक पसु-पालन करत आय हन, अऊ हमर
पुरखामन घलो अइसने ही करत रिहिन।' तब तुमन ला गोसेन के इलाका म रहे बर मिलही, काबरकि मिसरीमन
जम्मो चरवाहामन ले घिन करथें।"

47

1 यूसुफ ह फिरौन करा जाके ये समाचार दीस, "मोर ददा अऊ भाईमन अपन भेड़-बकरी, गाय-बईला अऊ
अपन जम्मो सामान सहित कनान देस ले आ गे हवंय अऊ अभी ओमन गोसेन म हवंय।"
2 ओह अपन भाईमन ले पांच झन ला चुनिस अऊ ओमन ला फिरौन करा लानिस।
3 फिरौन ह ओकर भाईमन ले पुछिस, "तुमन के का धंधा अय?"
ओमन फिरौन ला कहिन, "तोर सेवकमन चरवाहा अंय, अऊ हमर पुरखामन घलो चरवाहा रिहिन।"
4 ओमन ओला ये घलो कहिन, "हमन इहां कुछू समय तक रहे बर आय हन, काबरकि कनान म भारी अकाल
परे हे अऊ तोर सेवकमन के पसु बर कुछू चारा नइं बचे हे। एकरसेति, किरपा करके अपन सेवकमन ला गोसेन म
रहे के हुकूम दे।"
5 फिरौन ह यूसुफ ला कहिस, "तोर ददा अऊ तोर भाईमन तोर करा आय हवंय,
6 अऊ मिसर देस तोर आघू म हवय; ये देस के सबले बने भाग म अपन ददा अऊ अपन भाईमन ला बसा दे,
याने कि ओमन ला गोसेन म ही रहन दे। अऊ यदि तें जानत हस कि ओमा के कोनो म बिसेस योग्यता हवय, त
ओला मोर पसुमन के ऊपर मुखिया ठहिरा दे।"
7 तब यूसुफ ह अपन ददा याकूब ला फिरौन करा लेके आईस। जब याकूब ह फिरौन ला आसीस दे डारिस,
8 तब फिरौन ह याकूब ले पुछिस, "तोला कतेक साल होवथे?"
9 याकूब ह फिरौन ला कहिस, "मेंह एक सौ तीस बछर परदेसी होके अपन जिनगी जी डारे हंव। मोर जिनगी
के उमर ह थोरकून रिहिस अऊ कठिन रिहिस अऊ मोर पुरखामन परदेसी होके जतेक बछर तक जीयत रिहिन,
में ओतेक बछर के नइं होय हंव।"
10 तब याकूब ह फिरौन ला आसीस देके ओकर आघू ले चल दीस।
11 तब यूसुफ ह अपन ददा अऊ अपन भाईमन ला मिसर देस म बसा दीस, अऊ फिरौन के हुकूम के मुताबिक
देस के सबले बने भाग, याने कि रामसेस नांव के जिला म ओमन ला जमीन दीस।
12 यूसुफ ह अपन ददा ला अऊ अपन भाईमन ला अऊ अपन ददा के घर के जम्मो मनखेमन ला ओमन के
लइकामन के गनती के मुताबिक भोजन-बस्तु घलो दीस।

[illegible]

13 ओ जम्मो देस म खाय बर कुछू नइं रिहिस, काबरकि बहुंत भारी अकाल परे रिहिस; मिसर अऊ कनान म
बहुंत कठिन समय रिहिस।
14 मिसर अऊ कनान के मनखेमन जऊन रूपिया-पईसा देके अनाज बिसात रिहिन, ओ जम्मो रूपिया ला
यूसुफ ह जमा करके फिरौन के महल म ले आवत रिहिस।
15 जब मिसर अऊ कनान देस के मनखेमन के रूपिया ह सिरा गीस, त मिसर के जम्मो मनखेमन यूसुफ करा
आईन अऊ कहिन, "हमन ला भोजन-बस्तु दे। का तोर रहत ले हमन मर जाबो? हमर जम्मो पईसा सिरा गे।"
16 यूसुफ ह कहिस, "यदि रूपिया नइं ए, त अपन पसुमन ला लानव, अऊ में ओकर बदला म तुमन ला
भोजन-बस्तु दूहूं, काबरकि तुम्हर पईसा ह सिरा गे हे।"
17 एकरसेति ओमन अपन पसुमन ला यूसुफ करा लाय लगिन, अऊ ओह ओमन ला ओमन के घोड़ा,
भेड़-बकरी, गाय-बईला अऊ गदहामन के बदला म भोजन-बस्तु देय लगिस। ओ साल ओह ओमन के जम्मो
पसुमन के बदला म भोजन-बस्तु देके ओमन के पालन-पोसन करिस।
18 ओ बछर तो अइसने कट गीस, तब अगले साल ओमन ओकर करा आके कहिन, "हमन अपन मालिक ले ये
बात ला छिपा नइं सकन कि हमर रूपिया-पईसा खतम हो गे अऊ हमर पसुमन तोर हो गे हंय; अब हमर
मालिक के आघू म हमर करा हमर देहें अऊ जमीन के छोंड़ अऊ कुछू नइं बांचे हे।

19 हमन तोर देखत म काबर मर जावन, अऊ हमर जमीन ह काबर उजाड़ हो जावय? हमन ला अऊ हमर
जमीन ला भोजन-बस्तु के बदला म बिसा ले, अऊ हमन अपन जमीन सहित फिरौन के गुलामी म रहिबो। हमन
ला बीजा दे कि हमन जीयत रहन अऊ मरन झन, अऊ जमीन ह उजाड़ झन होवय।"
20 तब यूसुफ ह मिसर के जम्मो जमीन ला फिरौन बर बिसा लीस। मिसर के जम्मो मनखेमन अपन जमीन बेच
दीन, काबरकि उहां भयंकर अकाल परे रिहिस। जम्मो जमीन ह फिरौन के हो गीस,
21 अऊ यूसुफ ह मनखेमन ला मिसर देस के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक गुलाम बना दीस।*
22 पर ओह पुरोहितमन के जमीन ला नइं बिसाईस, काबरकि ओमन ला फिरौन कोति ले नियम के मुताबिक
बांटा मिलत रिहिस अऊ फिरौन के दुवारा दिये गय बांटा म ओमन बर परयाप्त भोजन के परबंध रिहिस।
एकरसेति ओमन अपन जमीन नइं बेचिन।
23 यूसुफ ह मनखेमन ला कहिस, "सुनव, मेंह आज तुमन ला अऊ तुम्हर जमीन ला फिरौन बर बिसा ले हंव;
देखव, तुमन बर इहां बीजा हवय; येला लेवव अऊ भुइयां म बोवव।
24 पर जब फसल होथे, त ओकर पांचवां हिस्सा फिरौन ला देवव। बाकि के चार हिस्सा तुम्हर होही, जेला
तुमन खेत म बोये बर अऊ अपन अऊ अपन घर के मनखे अऊ लइकामन के खाय बर उपयोग करव।"
25 ओमन कहिन, "तेंह हमर जिनगी ला बंचाय हस; हमर परभू के किरपा के नजर हमर ऊपर बने रहय; हमन
फिरौन के गुलामी म रहिबो।"
26 ये किसम ले, यूसुफ ह मिसर के जमीन के बारे म येला कानून के रूप म कर दीस, जऊन ह आज तक लागू
हवय कि फसल के पांचवां हिस्सा फिरौन के अय। सिरिप पुरोहितमन के जमीन ह फिरौन के नइं होईस।
27 इसरायलीमन मिसर देस के गोसेन के इलाका म बस गीन। ओमन उहां धन-संपत्ति कमाईन अऊ
फूलिन-फरिन अऊ गनती म बहुंत बढ़ गीन।
28 याकूब ह मिसर देस म सतरह बछर तक जीयत रिहिस, अऊ ओकर जिनगी के कुल उमर एक सौ सैंतालीस
बछर होईस।
29 जब इसरायल के मरे के समय ह लकठा आईस, तब ओह अपन बेटा यूसुफ ला बुलवाईस अऊ ओला
कहिस, "यदि तोर किरपा मोर ऊपर हवय, त अपन हांथ ला मोर जांघ के तरी म रख अऊ परतिगियां कर कि तें
मोर ऊपर किरपा करके सच्चई से ये काम ला करबे। मोला मिसर म माटी झन देबे,
30 पर जब में अपन पुरखामन के सहीं मर जावंव, त मोला मिसर ले बाहिर ले जाबे अऊ उहां माटी देबे, जिहां
मोर पुरखामन ला माटी दे गे हवय।"
तब यूसुफ ह कहिस, "में तोर बचन के मुताबिक करहूं।"
31 फेर याकूब ह कहिस, "मोर ले किरिया खा।" तब यूसुफ ह ओकर ले किरिया खाईस, अऊ इसरायल ह अपन
लउठी के मुठ के ऊपर निहरके परमेसर के अराधना करिस।†

48

[illegible]

1 कुछू समय के बाद, यूसुफ ला ये बताय गीस, "तोर ददा ह बेमार हे।" तब ओह अपन दूनों बेटा मनस्से अऊ
एफ्रैम ला अपन संग लेके ओकर करा गीस।
2 जब याकूब ला बताय गीस, "तोर बेटा यूसुफ ह तोर करा आय हवय," त इसरायल ह अपनआप ला
संभालके बिस्तर म बईठ गीस।
3 याकूब ह यूसुफ ला कहिस, "सर्वसक्तिमान* परमेसर ह कनान देस के लूज नगर म मोला दरसन दीस, अऊ
उहां ओह मोला आसीस दीस,
4 अऊ कहिस, 'देख, में तोला फलवंत करहूं अऊ गनती म तोला बढ़ाहूं। मेंह तोला मनखेमन के एक समाज
बनाहूं, अऊ तोर पाछू तोर संतानमन ला ये देस सदाकाल बर दे दूहूं।'
5 "अब, तोर दूनों बेटा, जऊन मन मिसर म मोर आय के पहिली जनमे हवंय, ओमन मोर गने जाहीं; जइसने
कि रूबेन अऊ सिमोन मोर अंय, वइसने ही मनस्से अऊ एफ्रैम घलो मोर होहीं।

---

* **47:21** समारीतान पेन्टाटूक अऊ सेप्टाजिन्ट (वल्गेट ला घलो देखव); मासोरेटिक अनुवाद *[illegible]* † **47:31** या *[illegible]* * **48:3** इबरानी म *[illegible]*

6 ओमन के बाद, तोर कोनो लइका जनमथें, त ओमन तोर होहीं; पर अपन बंटवारा म, ओमन अपन भाईमन
के नांव म गने जाहीं।
7 जब में पदन† ले वापिस आवत रहेंव, त मोर बर दुख के बात ये होईस कि डहार म ही एपराता हबरे के
थोरकून पहिले, राहेल ह कनान देस म मर गीस। एकरसेति मेंह ओला उहां एपराता (बैतलहम) जाय के डहार
तीर म माटी दे देंव।"
8 जब इसरायल ह यूसुफ के बेटामन ला देखिस, त ओह पुछिस, "येमन कोन एं?"
9 यूसुफ ह अपन ददा ला कहिस, "ये मोर बेटामन अंय, जेमन ला परमेसर ह मोला इहां दे हवय।"
तब इसरायल ह कहिस, "ओमन ला मोर करा लान कि में ओमन ला आसीस देवंव।"
10 इसरायल के आंखीमन बुढ़ापा के कारन धुंधला गे रिहिन, अऊ ओला बहुंत कम दिखत रिहिस। एकरसेति
यूसुफ अपन बेटामन ला ओकर लकठा म ले आईस, अऊ ओकर ददा ह ओमन ला चूमिस अऊ ओमन ला पोटार
लीस।
11 तब इसरायल ह यूसुफ ला कहिस, "में कभू आसा नइं करे रहेंव कि में तोर चेहरा फेर देखहूं, पर देख,
परमेसर ह मोला तोर लइकामन ला घलो देखाईस।"
12 तब यूसुफ ह अपन बेटामन ला इसरायल के माड़ीमन के बीच ले हटाईस अऊ अपन मुहूं के भार गिरके
दंडवत करिस।
13 अऊ यूसुफ ह ओ दूनों ला लीस, अऊ एपरैम ला अपन जेवनी कोति, याने कि इसरायल के डेरी हांथ कोति
अऊ मनस्से ला अपन डेरी कोति, याने कि इसरायल के जेवनी हांथ कोति रखिस, अऊ ओमन ला इसरायल के
लकठा म लानिस।
14 पर इसरायल ह अपन जेवनी हांथ बढ़ाके एपरैम के मुड़ ऊपर रखिस, हालाकि ओह छोटे रिहिस, अऊ
अपन डेरी हांथ बढ़ाके मनस्से के मुड़ ऊपर रख दीस, हालाकि मनस्से ह पहिले जनमे रिहिस।
15 तब ओह यूसुफ ला आसीस दीस अऊ कहिस,
"परमेसर जेकर आघू म मोर बाप-ददा
अब्राहम अऊ इसहाक सच्चई से चलिन,
ओ परमेसर, जऊन ह मोर जनम ले लेके
आज तक मोर चरवाहा बने हे,
16 ओ स्वरगदूत, जऊन ह मोला जम्मो बुरई ले बचाय हे
—ओही ह ये लड़कामन ला आसीस देवय।
येमन मोर नांव अऊ मोर बाप-ददा
अब्राहम अऊ इसहाक के नांव से जाने जावंय,
अऊ येमन धरती ऊपर
गनती म बहुंत बढ़ंय।"
17 जब यूसुफ ह देखिस कि ओकर ददा ह अपन जेवनी हांथ एपरैम के मुड़ ऊपर रखे हे, त ये बात ओला खराप
लगिस; एकरसेति ओह अपन ददा के जेवनी हांथ ला ये बिचार से धरिस कि ओला एपरैम के मुड़ ले हटाके
मनस्से के मुड़ ऊपर रखय।
18 अऊ यूसुफ ह अपन ददा ला कहिस, "नइं, हे ददा, येह पहिले जनमे हे; अपन जेवनी हांथ ला एकर मुड़
ऊपर रख।"
19 पर ओकर ददा ह मना करिस अऊ कहिस, "में जानत हंव, मोर बेटा, में जानत हंव। एकर दुवारा घलो
मनखेमन के एक समाज बनही, अऊ येह घलो महान होही। तभो ले एकर छोटे भाई एकर ले जादा महान होही,
अऊ ओकर बंस ह कतको जाति के मनखेमन के एक झुंड हो जाही।"
20 ओ दिन, ओह ओमन ला आसीस दीस अऊ कहिस,
"तोर नांव म इसरायल ह अइसन आसीस दीही:
'परमेसर तोला एपरैम अऊ मनस्से के सहीं बनाय।' "
ये किसम ले ओह एपरैम ला मनस्से के पहिले रखिस।

† **48:7** पदन-अराम या उत्तर-पछिम मेसोपोटामिया

21 तब इसरायल ह यूसुफ ला कहिस, “देख, में तो मरनेवाला हंव, पर परमेसर ह तुमन के संग रहिही, अऊ
तुमन ला तुम्हर पुरखामन के देस म वापिस ले जाही।
22 अऊ मेंह तोला तोर भाईमन ले एक ठन जादा पहाड़ी जमीन‡ देवत हंव, जेला मेंह अमोरीमन ले अपन
तलवार अऊ धनुस के बल म ले रहेंव।”

49

[illegible]
1 तब याकूब ह अपन बेटामन ला बलाके कहिस: “ये मेर जूरव ताकि में तुमन ला बता सकंव कि अवइया दिन
म तुम्हर ऊपर का होवइया हे।
2 “हे याकूब के बेटामन, ये मेर जूरव अऊ सुनव;
अपन ददा इसरायल के बात ला सुनव।

3 “रूबेन, तें मोर पहिले जनमे बेटा अस,
तें मोर सक्ति अऊ मोर ताकत के पहिली फर अस,
तें आदर के लईक, अऊ ताकत म उत्तम अस।
4 तें जो पानी के लहरा सहीं उफननेवाला अस, तें अब उत्तम नइं ठहिरबे,
काबरकि तें अपन ददा के बिछौना ऊपर चघे,
मोर खटिया ऊपर चघे अऊ ओला असुध करे।*

5 “सिमोन अऊ लेवी तो भाई-भाई अंय—
ओमन के तलवारमन हिंसा करे के हथियार अंय।
6 मोला ओमन के सभा म झन जाना पड़य,
मोला ओमन के संगत म झन रहना पड़य,
काबरकि ओमन अपन कोप म मनखेमन ला मार डारे हवंय
अऊ अपन खुसी बर बईलामन ला खोरवा कर दे हवंय।†
7 धिक्कार ए ओमन के कोप ला, जेह भयंकर रिहिस,
अऊ ओमन के कोरोध ला, जेह बहुंत निरदयी रिहिस!
मेंह ओमन ला याकूब म फईला दूहूं
अऊ इसरायल म तितिर-बितिर कर दूहूं।

8 “हे यहूदा,‡ तोर भाईमन तोर परसंसा करहीं;
तोर हांथ ह तोर बईरी के घेंच म होही;
तोर ददा के बेटामन तोला दंडवत करहीं।
9 हे यहूदा, तेंह सेर के पीला अस;
हे मोर बेटा, तें सिकार करके लहुंटे हस।
सेर के सहीं, ओह बरताव करके बईठ जाथे,
सेरनी के सहीं—कोन ह ओला छेड़े के हिम्मत करथे।
10 राजदंड ह यहूदा करा ले नइं जावय,
अऊ न ही सासन करइया के छड़ी ह ओकर बंस ले अलग होही,
जब तक कि ओह§ नइं आ जाही, जेकर ये चीजमन अंय
अऊ जाति-जाति के मनखेमन ओकर बस म नइं हो जाहीं।
11 ओह अपन गदहा ला अंगूर के नार म,
अऊ अपन गदहा के पीला ला उत्तम नार म बांधही;

---

‡ **48:22** [illegible] इबरानी म सकेम नांव के जगह सहीं * **49:4** उत 35:22 † **49:6** उत 34:26 ‡ **49:8** [illegible] सायद इबरानी म [illegible] § **49:10** अवइया मसीह के बारे अगमबानी हो सकथे

ओह अपन ओनहा ला अंगूर के मंद म,
अऊ अपन पहिरावा ला अंगूर के रस म धोही।
12 ओकर आंखीमन अंगूर के मंद ले जादा गहिरा रंग,
अऊ ओकर दांतमन दूध ले जादा सफेद होहीं।

13 "जबूलून ह समुंदर के तीर म निवास करही
अऊ पानी जहाजमन बर बंदरगाह के काम करही;
ओकर सीमना ह सीदोन कोति बढ़ही।

14 "इस्साकार एक बलवान गदहा अय,
जेह भेड़मन के भेड़साला म ढलंगे रहिथे।
15 जब ओह देखथे कि ओकर सुसताय के जगह ह कतेक बने हे
अऊ ओकर जमीन ह कतेक मनोहर हे,
त ओह बोझा ला लेय बर अपन कंधा ला नवाथे
अऊ बंधुवा मजदूर बन जाथे।

16 "दान* ह इसरायल के एक गोत्र के रूप म
अपन मनखेमन के नियाय करही।
17 दान ह सड़क के तीर म एक सांप,
रसता के तीर म एक जहरिला सांप सहीं होही,
जेह घोड़ा के एड़ी ला डसथे,
जेकर ले ओकर सवार ह पाछू कोति गिरथे।

18 "हे यहोवा, में तोर दुवारा छुटकारा पाय के बाट जोहत हंव।

19 "गाद† के ऊपर हमला करइयामन के एक दल ह चढ़ई तो करही,
पर ओह ओमन के पाछू कोति ले ओमन ऊपर हमला करही।

20 "आसेर के भोजन-बस्तु ह उत्तम होही;
अऊ ओह एक राजा के पसंद के सुवादवाला भोजन देय करही।

21 "नपताली ह खुले म घुमनेवाला एक हिरनी सहीं अय,
जऊन ह सुघर पीला जनथे।

22 "यूसुफ एक फलवंत अंगूर के नार सहीं ए,
ओह एक झरना के लकठा म एक फलवंत अंगूर के नार सहीं ए,
जेकर डालीमन भीथी ऊपर चघके बगर जाथें।
23 धनुसधारीमन दुखी होके ओकर ऊपर हमला करिन;
अऊ बईरता करके ओकर ऊपर तीर चलाईन।
24 पर ओकर धनुस इस्थिर रिहिस,
याकूब के सक्तिसाली परमेसर के हांथ के कारन,
ओ चरवाहा, इसरायल के चट्टान के कारन,
ओकर बाहांमन फुरतिला होईन,
25 काबरकि तोर ददा के परमेसर ह तोर मदद करथे,
काबरकि सर्वसक्तिमान ह तोला आसीस देथे,

* **49:16** [illegible] इहां येकर मतलब ए [illegible] † **49:19** [illegible] इबरानी म [illegible]

ये आसीस ह अकास के ऊपर के अय,
ये आसीस ह गहिरा झरना के खाल्हे के अय,
अऊ ये आसीस ह छाती अऊ गरभ के आसीस अय।
26 तोर ददा के आसीसमन
पुराना पहाड़मन के आसीस ले,
पुराना पहाड़ीमन के दान ले घलो बड़े अंय।
ये जम्मो आसीस यूसुफ के मुड़ म आवय,
जऊन ह अपन भाईमन ले अलग होके राजा बन गीस, ओकर ललाट म आवय।

27 "बिनयामीन ह एक भूखा भेड़िया सहीं अय;
बिहनियां ओह सिकार ला मन भरके खाथे,
अऊ सांझ के लूट के सामान ला बांट लेथे।"
28 ये जम्मो इसरायल के बारह गोत्र अंय, अऊ ये ओ बातमन अंय, जेला ओमन के ददा ह ओमन ले कहिस जब ओह ओमन ला आसीस दीस; जइसने हर एक बर उचित रिहिस, वइसने ओह ओमन ला आसीस दीस।

[illegible]

29 तब याकूब ह ओमन ला हुकूम दीस: "बहुंत जल्दी मेंह मरके अपन पुरखामन संग मिलनेचवाला हंव। मोला हित्ती एपरोन के खेत के गुफा म मोर पुरखामन संग माटी दूहू,
30 याने कि ओ गुफा म जेह कनान देस म ममरे के लकठा म मकपेला के खेत म हवय, जेला अब्राहम ह हित्ती एपरोन ले खेत सहित एकरसेति बिसाय रिहिस कि ओला मरघटी बनावय।
31 उहां अब्राहम अऊ ओकर घरवाली सारा ला माटी देय गे रिहिस; उहां इसहाक अऊ ओकर घरवाली रिबका ला माटी देय गे रिहिस; अऊ उहां लिआ ला घलो माटी दे हंव।
32 ओ खेत अऊ ओमा के गुफा ला हित्तीमन ले बिसाय गे रिहिस।"
33 जब याकूब ह अपन बेटामन ला हुकूम दे डारिस, त ओह अपन गोड़ ला खटिया ऊपर करके अपन परान ला छोंड़ दीस अऊ अपन पुरखामन संग जा मिलिस।

50

1 यूसुफ अपन ददा ला पोटारके रोईस अऊ ओला चूमिस।
2 तब यूसुफ ह अपन अधीन सेवा करइया बईदमन ला हुकूम दीस कि ओमन ओकर ददा इसरायल के लास म सुगंधित लेपन लगांय। तब बईदमन ओकर लास म सुगंधित रसायन लगा दीन।
3 ओमन पूरा चालीस दिन तक सुगंधित रसायन लगाईन, काबरकि कोनो लास म सुगंधित रसायन लगाय बर अतेक दिन के जरूरत परय। अऊ मिसरी मनखेमन ओकर बर सत्तर दिन तक बिलाप करिन।
4 जब बिलाप करे के दिन पूरा हो गीस, तब यूसुफ ह फिरौन के घर के मनखेमन ला कहिस, "यदि तुम्हर किरपा मोर ऊपर हवय, त मोर कोति ले फिरौन ले बात करव। ओला कहव,
5 'मोर ददा ह मोर ले किरिया खवाके कहे रिहिस, "देख, में मरनेचवाला हंव; मोला ओ कबर म माटी देबे, जेला मेंह अपन बर कनान देस म खनवाय हंव।" एकरसेति अब मोला उहां जाके मोर ददा ला माटी देवन दे; ओकर बाद, में वापिस आ जाहूं।' "
6 फिरौन ह कहिस, "जा अऊ अपन ददा के खवाय किरिया के मुताबिक ओला माटी दे।"
7 तब यूसुफ ह अपन ददा ला माटी दे बर गीस। फिरौन के जम्मो करमचारी याने कि ओकर घर के सम्मानित मनखे अऊ मिसर देस के जम्मो सम्मानित मनखेमन ओकर संग गीन,
8 संग म यूसुफ के घर के जम्मो झन अऊ ओकर भाईमन अऊ ओकर ददा के घर के जम्मो मनखेमन घलो गीन। सिरिप ओमन के लइका अऊ भेड़-बकरी अऊ गाय-बईलामन गोसेन के इलाका म छूट गीन।
9 रथ अऊ घुड़सवारमन* घलो ओकर संग म गीन। येह मनखेमन के एक बड़े दल रिहिस।
10 जब ओमन यरदन नदी के लकठा म, आताद के कोठार करा हबरिन, त ओमन उहां दुख ले भरे भारी बिलाप करे लगिन; अऊ उहां यूसुफ ह अपन ददा बर सात दिन तक सोक मनाईस।

---

* **50:9** या [illegible]

11 जब ओ कनानी, जऊन मन उहां रहत रिहिन, आताद के कोठार करा बिलाप करत देखिन, त ओमन कहिन,
"येह मिसरीमन के दुख ले भरे गंभीर बिलाप ए।" ओकरे कारन यरदन नदी के लकठा म ओ जगह के नांव
आबेल-मिसरैम† परिस।
12 इसरायल के बेटामन ठीक वइसने करिन, जइसने ओह ओमन ला हुकूम दे रिहिस:
13 याने कि ओमन ओला कनान देस म ले गीन अऊ ममरे के लकठा म, मकपेला के खेत के ओ गुफा म ओला
माटी दीन, जेला अब्राहम ह हित्ती एपरोन ले खेत समेत एकरसेति बिसाय रिहिस कि ओह ओमन के मरघटी
होवय।
14 अपन ददा ला माटी देय के बाद, यूसुफ ह मिसर देस लहुंट गीस, अऊ ओकर संग ओकर भाई अऊ ओ
जम्मो झन, जेमन ओकर ददा ला माटी देय बर गे रिहिन, ओ जम्मो मनखे घलो मिसर देस लहुंट गीन।

[illegible]

15 जब यूसुफ के भाईमन देखिन कि ओमन के ददा मर गे हे, तब ओमन कहे लगिन, "यदि यूसुफ के मन म हमर
बर बईरता होही, अऊ जतेक खराप काम हमन ओकर संग करे रहेंन, ओह ओकर बदला लीही, त का करबो।"
16 एकरसेति ओमन यूसुफ करा ये खबर भेजिन, "तोर ददा ह मरे के पहिली हमन ला ये हुकूम दे रिहिस,
17 'तुमन यूसुफ ला अइसने कहिहू: मेंह कहत हंव कि तोर संग गलत बरताव करके तोर भाईमन तोर बिरूध
म जऊन पाप अऊ अपराध करे रिहिन, ओकर बर तें ओमन ला छेमा कर।' अब किरपा करके अपन ददा के
परमेसर के सेवकमन के पाप ला छेमा कर।" ओमन के ये बात ला सुनके यूसुफ रो डारिस।
18 ओकर बाद, ओकर भाईमन आईन अऊ ओकर आघू म गिरके कहिन, "देख, हमन तोर गुलाम अन।"
19 पर यूसुफ ह ओमन ला कहिस, "झन डरावव। का में परमेसर के जगह म हंव?
20 तुम्हर इरादा मोर संग हानि करे के रिहिस, पर परमेसर ह एकर दुवारा भलई करे के बिचार करिस, जऊन ह
अब बहुंते झन के जिनगी बचाय के दुवारा पूरा होवत हे।
21 एकरसेति, अब झन डरावव। मेंह तुम्हर अऊ तुम्हर लइकामन के पालन-पोसन करहूं।" अऊ ओह ओमन
ला फेर बिसवास देवाईस अऊ ओमन के संग बने ढंग से गोठियाईस।

[illegible]

22 यूसुफ अपन ददा के जम्मो घराना समेत मिसर म रहत रिहिस। ओह एक सौ दस बछर जीईस
23 अऊ तीसर पीढ़ी तक एपरैम के लइकामन ला देखे पाईस। मनस्से के बेटा, माकीर के लइकामन घलो जनम
के बाद यूसुफ के कोरा म रखे गीन।
24 तब यूसुफ ह अपन भाईमन ला कहिस, "में तो मरनेचवाला हंव। पर परमेसर जरूर तुम्हर मदद करही अऊ
तुमन ला ये देस ले निकालके ओ देस म ले जाही, जेकर परतिगियां ओह किरिया खाके अब्राहम, इसहाक अऊ
याकूब ले करे रिहिस।"
25 अऊ यूसुफ ह इसरायलीमन ला किरिया खवाईस अऊ कहिस, "परमेसर जरूर तुम्हर मदद करे बर आही,
अऊ तब तुमन मोर हाड़ामन ला ये जगह ले ओ देस म जरूर ले जावव।"
26 ये किसम ले यूसुफ ह एक सौ दस बछर के उमर म मर गीस। अऊ ओमन ओकर लास म सुगंधित लेपन
लगाईन, अऊ ओला मिसर म मुरदा रखे के एक सन्दूक म रख दीन।

---

† **50:11** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible]

निरगमन
के किताब

[illegible]
1 ये इसरायल के बेटामन के नांव अंय, जऊन मन याकूब के संग अपन-अपन परिवार ला लेके मिसर देस गे
रिहिन:

2 रूबेन, सिमोन, लेवी अऊ यहूदा;
3 इस्साकार, जबूलून अऊ बिनयामीन;
4 दान अऊ नपताली;
गाद अऊ आसेर।

5 याकूब के संतानमन सत्तर* झन रिहिन; अऊ यूसुफ ह पहिलेच ले मिसर म रिहिस।

6 समय के बीतत यूसुफ अऊ ओकर जम्मो भाई अऊ ओ पीढ़ी के जम्मो झन मर गीन,
7 पर इसरायलीमन बहुंत फूलत-फरत, संखिया म बहुंत हो गीन, गनती म बढ़त ओमन अतेक जादा हो गीन
कि देस ह ओमन ले भर गीस।
8 तब मिसर देस म एक नवां राजा ह राज करन लगिस, जऊन ह यूसुफ ला नइं जानत रिहिस।
9 ओह अपन मनखेमन ले कहिस, "देखव, इसरायलीमन गनती म अऊ बल म हमर ले बहुंत जादा हो गे हवंय।
10 आवव, हमन ओमन संग चतुरई से बरताव करन, अइसन झन होवय कि ओमन अऊ बढ़ जावंय अऊ, कहूं
लड़ई सुरू हो जावय, त ओमन हमर बईरीमन संग जाके मिल जावंय, अऊ हमन ले लड़ंय अऊ देस छोंड़के चले
जावंय।"
11 एकरसेति ओमन इसरायलीमन ऊपर मेटमन ला रखिन ताकि ओमन इसरायलीमन ले बंधुवा मजदूरी
करवाके ओमन ला दुख देवंय अऊ ओमन फिरौन बर पितोम अऊ रामसेस ला भंडारघर के सहर के रूप म
बनाईन।
12 पर जतेक जादा ओमन इसरायलीमन ला दुख दीन, ओतेक जादा इसरायलीमन बढ़त अऊ बगरत गीन;
एकरसेति मिसरीमन इसरायलीमन ले डरे लगिन
13 अऊ मिसरीमन इसरायलीमन ले निरदयता से बुता कराय लगिन।
14 ओमन गारा अऊ ईंटा बनवा-बनवाके, अऊ खेती के जम्मो बुता करवाके ओमन के जिनगी ला दुख ले भर
दीन। ओमन ले जऊन कुछू बुता करवात रिहिन, बहुंत कड़ई ले करवात रिहिन।
15 तब मिसर के राजा ह इबरी धाईमन ले, जेमा के एक झन के नांव सिपरा अऊ दूसर के नांव पुआ रिहिस,
कहिस,
16 "जब तुमन इबरी माईलोगनमन ला छेवारी होय के बेरा म मदद करथव, त कहूं बाबू-पीला होवय, त ओला
मार डारव, पर कहूं नोनी होवय, त ओला जीयत छोंड़ देवव।"
17 पर ओ धाईमन परमेसर के भय मानंय, एकरसेति मिसर के राजा के हुकूम ला नइं मानके बाबू-पीला ला
घलो छोंड़ देवत रिहिन।
18 तब मिसर के राजा ह ओ धाईमन ला बलाके पुछिस, "तुमन अइसन काबर करथव कि बाबू-पीलामन ला
घलो जीयत छोंड़ देथव?"
19 ओ धाईमन फिरौन ला जबाब दीन, "इबरी माईलोगनमन मिसरी माईलोगनमन कस नो हंय; ओमन अतेक
दमदार हवंय कि धाईमन के हबरे के पहिली लइका जनमा लेथंय।"
20 एकरसेति परमेसर ह धाईमन ऊपर दया करिस अऊ इसरायली मनखेमन बढ़त गीन अऊ गनती म अऊ
जादा हो गीन।

---

* **1:5** मासोरेटिक ग्रंथ (देखव उत 46:27) *[illegible]*

21 अऊ काबरकि धाईमन परमेसर के भय मानंय, त ओह ओमन के घर बसाईस।
22 तब फिरौन ह अपन जम्मो मनखेमन ला ये हुकूम दीस, “इबरीमन के जतेक बाबू-पीला जनमहीं, ओ जम्मो ला नील नदी म फेंक देवव अऊ जम्मो नोनीमन ला जीयत छोंड़ देवव।”

2

[illegible]

1 लेवी के गोत्र के एक मनखे ह लेवी गोत्र के ही एक माईलोगन ले बिहाव करिस,
2 अऊ ओह देहें म होईस अऊ एक बेटा ला जनम दीस। जब ओह देखिस कि लइका ह सुघर हवय, त ओह ओला तीन महिना ले लुकाके रखिस।
3 जब ओह ओला अऊ जादा लुकाय नइं सकिस, त ओह ओकर बर सरकंडा* के एक ठन टुकनी लीस, अऊ ओमा डामर अऊ राल के लेप लगाईस। फेर ओह लइका ला ओमा सुताके नील नदी के खंड़ म नरकट कांदीमन के मांझा म छोंड़के आ गीस।
4 ओ लइका के दीदी ह दूरिहा म ठाढ़ होके देखत रहय कि ओकर का गती होही।
5 तब फिरौन के बेटी ह नहाय बर नील नदी म गीस, अऊ ओकर सेविकामन नदी के तीर म चलत रिहिन। तब ओह नरकटमन के मांझा म टुकनी ला देखिस अऊ अपन सेविका ला पठोके ओ टुकनी ला लाने बर कहिस।
6 तब ओह टुकनी ला उघारके देखिस, त लइका ह रोवत रहय, अऊ ओला ओ लइका ऊपर दया आईस। ओह कहिस, “येह कोनो इबरी के लइका अय।”
7 तब लइका के बहिनी ह फिरौन के बेटी ले कहिस, “का मेंह जाके इबरी माईलोगन म ले कोनो धाई ला ले आवंव कि ओह तोर बर लइका ला दूध पीयाय?”
8 फिरौन के बेटी ह ओला कहिस, “जा।” त ओ छोकरी ह गीस अऊ ओ लइका के महतारी ला ले आईस।
9 फिरौन के बेटी ह ओला कहिस, “तें ये लइका ला ले जा अऊ मोर बर येला पाल-पोस, अऊ मेंह तोला येकर बनी दूहूं।” तब ओ माईलोगन ह लइका ला ले गीस अऊ ओकर पालन-पोसन करिस।
10 जब लइका ह बड़े हो गीस, त ओह ओला फिरौन के बेटी करा ले गीस अऊ फिरौन के बेटी ह ओला अपन बेटा मान लीस। ओह ओकर नांव ये कहिके मूसा† रखिस, “मेंह ओला पानी म ले निकाले हंव।”

[illegible]

11 जब मूसा ह जवान होईस, त एक दिन ओह उहां गीस, जिहां ओकर खुद के इबरी मनखेमन रिहिन अऊ ओह ओमन के कठोर मेहनत ला देखिस। तब ओह देखिस कि एक मिसरी मनखे ह एक इबरी मनखे ला याने कि ओकर मनखेमन के एक झन ला मारत रिहिस।
12 तब मूसा ह एती-ओती देखिस, अऊ जब कोनो नइं दिखिन, त ओह ओ मिसरी मनखे ला मार डारिस, अऊ ओकर लास ला बालू म तोप दीस।
13 ओकर दूसर दिन, मूसा ह बाहिर निकलिस, त दू झन इबरीमन ला झगरा करत देखिस। ओ दूनों म के जेकर गलती रिहिस, ओकर ले मूसा ह पुछिस, “तेंह अपन इबरी संगी ला काबर मारत हस?”
14 त ओ मनखे ह कहिस, “तोला कोन ह हमर ऊपर हाकिम अऊ नियाय करइया ठहिराय हवय? जइसने तेंह ओ मिसरी मनखे ला मार डारे रहय, वइसने का तेंह मोला घलो मार डारे चाहत हस?” येला सुनके मूसा ह डर गीस अऊ सोचिस, “जऊन कुछू मेंह करे हंव, ओला जरूर मनखेमन जान डारे होहीं।”
15 जब फिरौन ह ये बात ला सुनिस, त ओह मूसा ला मार डारे के कोसिस करिस, पर मूसा ह फिरौन करा ले भाग गीस अऊ मिदयान देस म रहे बर गीस, उहां एक ठन कुआं के तीर म बईठ गीस।
16 मिदयान देस म एक पुरोहित के सात झन बेटी रिहिन, जऊन मन अपन ददा के भेड़-बकरीमन ला पानी पीयाय खातिर ओ कुआं करा कोटना म पानी भरे बर आईन।
17 तभे कुछू चरवाहामन आईन अऊ ओमन ला उहां ले भगा दीन, पर मूसा ह उठिस अऊ ओ छोकरीमन के बचाव करिस अऊ ओमन के भेड़-बकरीमन ला पानी पीयाईस।
18 जब ओ छोकरीमन अपन ददा रूएल करा लहुंटके आईन, त ओह अपन बेटीमन ले पुछिस, “आज तुमन अतेक जल्दी कइसे लहुंटके आ गेव?”

---

* **2:3** लम्बा-लम्बा कांदी † **2:10** [illegible] इबरानी म [illegible]

19 ओमन जबाब दीन, “एक मिसरी मनखे ह हमन ला चरवाहामन ले बचाईस, अऊ त अऊ ओह हमर बर
पानी भरके हमर भेड़-बकरीमन ला पानी घलो पीयाईस।”
20 रूएल ह अपन बेटीमन ले पुछिस, “ओह कहां हवय? तुमन ओला काबर छोंड़ देव? ओला बलाके कुछू
खाय बर देवव।”
21 मूसा ह ओकर संग रहे बर राजी हो गीस, अऊ ओह अपन बेटी सिप्पोरा के बिहाव मूसा के संग कर दीस।
22 सिप्पोरा ह एक बेटा ला जनम दीस, अऊ मूसा ह ये कहिके ओकर नांव गेरसोम‡ रखिस, “मेंह परदेस म
एक परदेसी अंव।”
23 बहुंत समय बीते के बाद, मिसर देस के राजा ह मर गीस। इसरायलीमन गुलामी म कलहरत रिहिन अऊ
छोंड़ाय बर चिचियाके गोहारत रिहिन, अऊ ओमन के मदद के पुकार ह ओमन के गुलामी के कारन परमेसर करा
हबरिस।
24 परमेसर ह ओमन के कलहरई ला सुनके अपन करार ला सुरता करिस, जेला ओह अब्राहम, इसहाक अऊ
याकूब के संग करे रिहिस।
25 अऊ परमेसर ह इसरायलीमन कोति देखिस अऊ ओमन ऊपर धियान दीस।

3

[illegible]

1 मूसा ह अपन ससुर यितरो, मिदयान देस के पुरोहित, के भेड़-बकरीमन ला चरात रिहिस; ओह बहुंत दूरिहा
तक सुन्ना प्रदेस म भेड़-बकरीमन ला चराय बर ले गीस, अऊ परमेसर के पहाड़ होरेब मेर आईस।
2 उहां झाड़ी के बरत आगी म यहोवा के स्वरगदूत ह परगट होईस। मूसा ह देखिस कि झाड़ी म आगी तो लगे
रिहिस, पर ओह जलके भसम नइं होवत रिहिस।
3 एकरसेति मूसा ह सोचिस, “मेंह ओ पार जाके ये अद्भूत चीज ला देखहूं कि झाड़ी ह काबर जलके खतम नइं
होवत हे।”
4 जब यहोवा ह देखिस कि ओह देखे बर उहां आवत हे, त परमेसर ह झाड़ी म ले ओला बलाईस, “हे मूसा! हे
मूसा!”
अऊ मूसा ह कहिस, “मेंह इहां हंव।”
5 यहोवा ह कहिस, “लकठा म झन आ, अऊ अपन पांव के पनही ला उतार ले, काबरकि जऊन ठऊर म तेंह
ठाढ़े हस, ओह पबितर भुइयां ए।”
6 फेर ओह कहिस, “मेंह तोर पुरखामन के परमेसर, अब्राहम के परमेसर, इसहाक के परमेसर अऊ याकूब के
परमेसर अंव।” ये सुनके मूसा ह अपन मुहूं ला छुपा लीस, काबरकि ओह परमेसर कोति देखे बर डरात रिहिस।
7 यहोवा ह कहिस, “मेंह सही म अपन मनखेमन के दुरगति ला मिसर देस म देखे हंव। अऊ मेटमन के दुख
देय के कारन ओमन के रोवई ला घलो सुने हंव, मेंह ओमन के पीरा ला घलो जानत हंव।
8 एकरसेति मेंह ओमन ला मिसरीमन के हांथ ले बचाय बर उतरके आ गे हंव, ताकि ओमन ला ओ देस ले
निकालके एक बढ़िया अऊ बड़े देस म ले जावंव, जिहां दूध अऊ मंधरस के भरमार हवय*—जऊन ह कनानीमन,
हित्तीमन, अमोरीमन, परिज्जीमन, हिब्बीमन अऊ यबूसीमन के घर अय।
9 अऊ अब इसरायलीमन के चिचियाई ह मोर करा हबरिस हवय, अऊ मेंह देखे हंव कि मिसरीमन ओमन के
ऊपर कइसे अतियाचार करत हवंय।
10 एकरसेति अब, मेंह तोला फिरौन करा पठोवत हंव, तेंह जा अऊ मोर मनखे इसरायलीमन ला मिसर देस ले
निकालके ले आ।”
11 पर मूसा ह परमेसर ला कहिस, “मेंह कोन अंव कि फिरौन करा जावंव अऊ इसरायलीमन ला मिसर देस ले
निकालके ले आवंव?”
12 तब परमेसर ह कहिस, “मेंह तोर संग म रहिहूं। अऊ येह तोर बर चिनहां होही कि येह में अंव, जऊन ह
तोला पठोय हवंव: जब तें ओ मनखेमन ला मिसर देस ले निकालके ले आबे, त तुमन इही पहाड़ म परमेसर के
अराधना करहू।”

---

‡ **2:22** *[illegible]* इबरानी म *[illegible]* * **3:8** याने कि, धनी अऊ उपजाऊ देस

13 मूसा ह परमेसर ला कहिस, “कहूं मेंह इसरायलीमन करा जाके ओमन ला कहंव, ‘तुम्हर पुरखामन के
परमेसर ह मोला तुम्हर करा पठोय हवय,’ अऊ ओमन मोर ले पुछंय, ‘ओकर का नांव अय?’ त मेंह ओमन ला
का जबाब दूहूं?”
14 परमेसर ह मूसा ला कहिस, “मेंह जो अंव सो अंव। तें इसरायलीमन ले कहिबे: ‘जेकर नांव में अंव, अय,
ओही ह मोला तुम्हर करा पठोय हवय।’ ”
15 परमेसर ह मूसा ला ये घलो कहिस, “तें इसरायलीमन ला कहिबे, ‘यहोवा, तुम्हर पुरखामन के
परमेसर—अब्राहम के परमेसर, इसहाक के परमेसर अऊ याकूब के परमेसर ह मोला तुम्हर करा पठोय हवय।’
“सदाकाल बर मोर नांव ह इहीच अय,
अऊ पीढ़ी-पीढ़ी तक ले तुमन
मोला इही नांव ले पुकारहू।
16 “जा, अऊ इसरायल के अगुवामन ला इकट्ठा करके ओमन ले कह, ‘यहोवा, तुम्हर पुरखामन के
परमेसर—अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब के परमेसर ह परगट होके मोला कहिस: मेंह तुम्हर ऊपर नजर करे हंव
अऊ देखे हंव कि मिसर देस म तुम्हर संग का बरताव करे गे हवय।
17 अऊ मेंह वायदा करे हंव कि तुमन ला मिसर म होवत दुरगति ले बाहिर निकालके कनानी, हित्ती, अमोरी,
परिज्जी, हिब्बी अऊ यबूसीमन के देस म ले जाहूं, जिहां दूध अऊ मंधरस के भरमार हवय।’
18 “इसरायलीमन के अगुवामन तोर बात ला सुनहीं। तब तें अऊ इसरायलीमन के अगुवामन मिसर देस के
राजा करा जाके ओला कहव, ‘यहोवा, इबरीमन के परमेसर ह हमन ला दरसन दे हवय, एकरसेति हमन ला तीन
दिन के यातरा के दूरी म एक सुन्ना जगह म जावन दे, ताकि हमन यहोवा हमर परमेसर बर बलि चघा सकन।’
19 पर मेंह जानत हंव मिसर देस के राजा ह तुमन ला जावन नइं दीही, जब तक कि एक ताकतवर हांथ ह
ओला बिबस नइं कर दीही।
20 एकरसेति मेंह अपन हांथ बढ़ाहूं अऊ मिसरीमन के बीच ओ जम्मो अद्भूत काम करके ओमन ला मारहूं,
ओकर बाद, ओह तुमन ला जावन दीही।
21 “अऊ मेंह मिसरीमन ला अइसे कर दूहूं कि ओमन मोर ये इसरायली मनखेमन संग नरम बरताव करहीं,
ताकि जब तुमन उहां ले निकलव, त जुच्छा हांथ झन निकलव।
22 तुम्हर हर एक माईलोगन अपन मिसरी परोसिन अऊ ओकर घर म रहइया माईलोगन ले सोन अऊ चांदी
के जेवर अऊ कपड़ामन ला मांग लीही, जेला तुमन अपन बेटा-बेटीमन ला पहिरा दूहू। अऊ ये किसम ले तुमन
मिसरीमन ला लूट लूहू।”

4

[illegible]

1 मूसा ह जबाब दीस, “मेंह का करहूं यदि ओमन मोर ऊपर बिसवास नइं करहीं या मोर बात ला नइं सुनके ये
कहिहीं, ‘यहोवा ह तोला दरसन नइं दे हवय’?”
2 तब यहोवा ह ओला कहिस, “तोर हांथ म का हवय?”
ओह जबाब दीस, “एक ठन लउठी।”
3 यहोवा ह कहिस, “ओला भुइयां म फटिक दे।”
मूसा ह ओला भुइयां म फटिक दीस अऊ ओह एक सांप बन गीस, अऊ मूसा ह भागे लगिस।
4 तब यहोवा ह ओला कहिस, “अपन हांथ बढ़ाके ओकर पुंछी ला धर ले।” तब मूसा ह हांथ बढ़ाके ओ सांप
ला धर लीस अऊ ओ सांप ह फेर ओकर हांथ म लउठी बन गीस।
5 यहोवा ह कहिस, “येला देखके ओमन बिसवास करहीं कि यहोवा, ओमन के पुरखामन के परमेसर—अब्राहम
के परमेसर, इसहाक के परमेसर अऊ याकूब के परमेसर ह तोला दरसन दे हवय।”

6 तब यहोवा ह कहिस, “अपन हांथ ला अपन कपड़ा के भीतर छाती म रख।” अऊ मूसा ह अपन हांथ ला
अपन कपड़ा के भीतर रखिस, अऊ जब ओह अपन हांथ ला बाहिर निकालिस, त देखिस कि ओकर हांथ के
चमड़ी ह कोढ़* ले बरफ कस सादा हो गे हवय।
7 यहोवा ह कहिस, “अब अपन हांथ ला फेर अपन कपड़ा के भीतर रख,” मूसा ह वापिस अपन हांथ ला कपड़ा
के भीतर रखिस, अऊ जब ओह अपन हांथ निकालके देखिस, त ओह पहिली कस जस के तस बने हो गे रिहिस।
8 तब यहोवा ह कहिस, “कहूं ओमन तोर बिसवास नइं करहीं या पहिली चिनहां ऊपर धियान नइं दीहीं, त
दूसर चिनहां ऊपर बिसवास करहीं।
9 पर कहूं ओमन ये दूनों चिनहां ऊपर बिसवास नइं करहीं या तोर बात ला नइं सुनहीं, त तें नील नदी ले
थोरकन पानी लेके सूखा भुइयां म डाल देबे। जऊन पानी ला तेंह नील नदी ले लेबे, ओह भुइयां म पड़ते ही लहू
बन जाही।”
10 तब मूसा ह यहोवा ले कहिस, “हे परभू, अपन सेवक ला छेमा कर। मेंह कभू बने गोठियाय बर नइं जानेंव,
पहिली घलो नइं जानत रहेंव, अऊ जब ले तेंह अपन सेवक ले गोठियावत हस, तब ले घलो। मेंह गोठियाय म
धीमा अऊ जीभ के भद्दा अंव।”
11 यहोवा ह ओला कहिस, “मनखेमन के मुहूं ला कोन बनाईस? कोन ह ओमन ला भैंरा या कोंदा बनाथे? कोन
ह ओमन के आंखी म रोसनी देथे या ओमन ला अंधरा बनाथे? का ये में यहोवा, नो हंव?
12 अब तें जा; मेंह तोर गोठियाय म मदद करहूं अऊ मेंह तोला बताहूं कि तोला का कहना हे।”
13 पर मूसा ह कहिस, “हे परभू, अपन सेवक ला छेमा कर, अऊ किरपा करके कोनो आने मनखे ला पठो दे।”
14 तब यहोवा के गुस्सा ह मूसा ऊपर भड़किस अऊ ओह कहिस, “अपन भाई हारून के बारे म का सोचथस,
जऊन ह लेवी अय? मेंह जानत हंव कि ओह बने गोठियाथे। ओह तोर ले भेंट करे बर आवत हे अऊ रसता म
हवय, अऊ ओह तोला देखके खुस होही।
15 तें ओकर ले गोठियाबे अऊ बातमन ला ओकर मुहूं म डालबे; मेंह तुम्हर दूनों झन के गोठियाय म मदद
करहूं अऊ तुमन ला बताहूं कि का करना हे।
16 ओह तोर कोति ले मनखेमन संग गोठियाही, अऊ येह अइसने होही कि मानो ओह तोर मुहूं होही अऊ तेंह
ओकर बर परमेसर कस होबे।
17 पर ये लउठी ला अपन हांथ म लेय ले; येकर दुवारा तेंह चिनहांमन ला देखाबे।”

[illegible]

18 तब मूसा ह अपन ससुर यितरो करा वापिस गीस अऊ ओला कहिस, “मोला लहुंटके मिसर देस म रहइया
मोर अपन मनखेमन करा जावन दे ताकि मेंह पता लगावंव कि ओमन ले कोनो अब तक उहां जीयत बांचे हवंय
कि नइं।”
यितरो ह कहिस, “तेंह जा, अऊ मेंह तोर खुसी के कामना करत हंव।”
19 यहोवा ह मिदयान देस म ही मूसा ला कहे रिहिस, “मिसर देस ला वापिस चले जा, काबरकि ओ जम्मो झन
मर चुके हवंय, जऊन मन तोला मार डारे बर चाहत रिहिन।”
20 तब मूसा ह अपन घरवाली अऊ अपन बेटामन ला गदहा ऊपर बईठाईस अऊ वापिस मिसर देस जाय
लगिस। अऊ ओह परमेसर के लउठी ला अपन हांथ म ले लीस।
21 यहोवा ह मूसा ला कहिस, “जब तेंह मिसर म हबरबे, त देख, फिरौन के आघू म ओ जम्मो अद्भूत काम ला
देखाबे, जेला देखाय के सक्ति मेंह तोला दे हवंव। पर मेंह ओकर मन ला कठोर कर दूहूं, जेकर कारन ओह
इसरायलीमन ला जावन नइं दीही।
22 तब तें फिरौन ले कहिबे, ‘यहोवा ह ये कहत हे: इसरायल ह मोर पहिलांत बेटा अय,
23 अऊ मेंह तोला कह चुकेंव, “मोर बेटा ला जावन दे, ताकि ओह मोर अराधना करय।” पर तेंह ओला जावन
नइं देवत हस; एकरसेति मेंह तोर पहिलांत बेटा ला मार डारहूं।’ ”
24 डहार म, एक ठन धरमसाला म यहोवा ह मूसा ले मिलिस, अऊ ओला मार डालनेवाला रिहिस।
25 पर सिप्पोरा ह एक धारवाला पथरा लीस अऊ अपन बेटा के खलड़ी† ला काटिस अऊ ओ खलड़ी ला मूसा

* **4:6** इबरानी म [illegible] सबद के उपयोग चाम के आने किसम के रोग बर घलो करे जावय † **4:25** लिंग के सामने के चमड़ी

के गोड़ म छुआ दीस अऊ कहिस, “सही म, तेंह लहू बहानेवाला मोर दूल्हा अस।”
26 एकरसेति यहोवा ह मूसा ला छोंड़ दीस। (ओतेक बेरा सिप्पोरा ह खतना के हवाला देवत कहिस, “लहू
बहानेवाला दूल्हा।”)
27 तब यहोवा ह हारून ला कहिस, “मूसा ले मिले बर निरजन प्रदेस म जा।” एकरसेति हारून ह मूसा ले मिले
बर परमेसर के पहाड़ म गीस अऊ ओला चूमिस।
28 तब मूसा ह हारून ला ओ जम्मो बात बताईस, जेला बताय बर यहोवा ह ओला पठोय रिहिस, अऊ ओ
जम्मो चिनहांमन के बारे म घलो बताईस, जेमन ला देखाय के हुकूम ओला दे रिहिस।
29 तब मूसा अऊ हारून इसरायलीमन के जम्मो अगुवामन ला इकट्ठा करिन,
30 अऊ हारून ह ओमन ला ओ जम्मो बात बताईस, जेला यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस। ओह मनखेमन के
आघू म ओ चिनहांमन ला घलो देखाईस,
31 अऊ ओमन बिसवास करिन। अऊ जब ओमन सुनिन कि यहोवा ह ओमन के बारे म चिंतित हवय अऊ
ओमन के दुरगति ला देखे हवय, त ओमन मुड़ नवाके यहोवा के अराधना करिन।

5

[illegible]
1 एकर बाद मूसा अऊ हारून फिरौन करा जाके कहिन, “यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: ‘मोर
मनखेमन ला जावन दे कि ओमन निरजन प्रदेस म मोर बर एक तिहार मनावंय।’ ”
2 त फिरौन ह कहिस, “यहोवा ह कोन अय कि मेंह ओकर हुकूम ला मानंव अऊ इसरायलीमन ला जावन दंव?
मेंह यहोवा ला नइं जानंव अऊ मेंह इसरायलीमन ला नइं जावन दंव।”
3 तब मूसा अऊ हारून कहिन, “इबरीमन के परमेसर ह हमर ले मुलाकात करे हवय। अब हमन ला तीन दिन
के यातरा के दूरी म एक निरजन प्रदेस म जावन दे कि हमन यहोवा हमर परमेसर बर बलिदान चघावन, अइसन
झन होवय कि ओह हमन ला महामारी या तलवार ले नास करय।”
4 पर मिसर देस के राजा ह कहिस, “मूसा अऊ हारून, तुमन मनखेमन ला ओमन के बुता ले काबर दूरिहा करे
चाहत हव? तुमन वापिस अपन काम म लग जावव!”
5 तब फिरौन ह ये घलो कहिस, “देखव, अब देस म मनखेमन बहुंत हो गे हवंय, अऊ तुमन ओमन ला बुता करे
बर रोकत हव।”
6 ओहीच दिन फिरौन ह बेगारी करानेवाला अऊ मनखेमन के ऊपर मेटमन ला ये हुकूम दीस:
7 “तुमन अब मनखेमन ला ईंटा बनाय बर भूंसा झन देवव; ओमन जावंय अऊ खुद अपन बर भूंसा संकेलंय।
8 पर जतेक ईंटा ओमन पहिली बनात रिहिन, ओतकेच ईंटा अब भी बनवाव; ईंटा के ठहिराय गनती म कमी
झन करव, ओमन आलसी अंय; एकरसेति ओमन चिचियाके कहत हवंय, ‘आवव, हमन जावन अऊ हमर परमेसर
बर बलिदान चघावन।’
9 ओ मनखेमन के काम ला अऊ बढ़ा दव ताकि ओमन काम म ही लगे रहंय, अऊ लबारी गोठमन म धियान
झन लगावंय।”
10 तब बेगारी करानेवाला अऊ मेटमन बाहिर निकलिन अऊ इसरायली मनखेमन ला कहिन, “फिरौन ह ये
कहत हे: ‘मेंह तुमन ला अब भूंसा नइं देवंव।
11 जावव अऊ तुमन अपन खुद के भूंसा लानव, जिहां कहूं भी येह तुमन ला मिलथे, पर तुम्हर काम म कोनो
भी किसम ले कमी नइं करे जावय।’ ”
12 एकरसेति इसरायलीमन फसल के खूंटी संकेले बर पूरा मिसर देस म बगर गीन ताकि भूंसा के जगह म
ओकर उपयोग कर सकंय।
13 बेगारी करवइयामन ये कहिके ओमन ऊपर दबाव बनाय रखिन, “हर एक दिन बर ठहिराय गे काम ला अब
भी वइसने ही पूरा करव, जइसने तुमन पहिली करत रहेव, जब तुम्हर करा भूंसा रिहिस।”
14 फिरौन के बेगारी करवइयामन अपन दुवारा ठहिराय इसरायली मेटमन ला मारंय-पीटंय अऊ पुछंय,
“तुमन काबर ठहिराय गय ईंटा के संखिया के मुताबिक कल या आज ईंटा नइं बनाय हव, जइसे कि पहिले बनात
रहेव?”

15 तब इसरायली मेटमन फिरौन करा जाके गोहारे लगिन, “तेंह अपन सेवकमन के संग अइसने बरताव काबर
करत हस?
16 तोर सेवकमन ला भूंसा नइं दिये जावत हे, तभो ले हमन ला कहे जाथे, ‘ईंटा बनावव!’ तोर सेवकमन ला
मारे-पीटे जावत हे, पर गलती तो तोर खुद के मनखेमन के अय।”
17 फिरौन ह कहिस, “तुमन आलसी अव, आलसी! एकरसेति तुमन कहत रहिथव, ‘हमन ला जावन दे कि
हमन यहोवा बर बलि चघावन।’
18 अब जावव अऊ अपन काम करव। तुमन ला कोनो भूंसा नइं दिये जावय, तभो ले तुमन ला अपन
निरधारित भाग के ईंटा बनाना जरूरी अय।”
19 इसरायली मेटमन समझ गीन कि ओमन परेसानी म पड़ गे हवंय, जब ओमन ला कहे गीस, “हर दिन बर
ठहिराय गय तुम्हर ईंटा के गनती ला कम नइं करे जावय।”
20 जब ओमन फिरौन करा ले मिलके आईन, त मूसा अऊ हारून ओमन के डहार देखत रिहिन,
21 अऊ ओमन मूसा अऊ हारून ला कहिन, “यहोवा ह तुमन ला देखय अऊ तुम्हर नियाय करय! तुमन हमन
ला फिरौन अऊ ओकर अधिकारीमन के नजर म घिन करे के चीज बना दे हव अऊ हमन ला मारे बर ओमन के
हांथ म एक तलवार देय दे हव।”

[illegible]

22 मूसा ह यहोवा करा गीस अऊ कहिस, “काबर, हे परभू, तेंह काबर ये मनखेमन ऊपर ये समस्या लाने हस?
का एकर खातिर तेंह मोला पठोय रहय?
23 जब ले मेंह तोर नांव म फिरौन करा गोठियाय बर गेंव, तब ले ओह ये मनखेमन ऊपर समस्या लाने हवय,
अऊ तेंह अपन मनखेमन के कुछू बचाव नइं करे हस।”

6

1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “अब तेंह देखबे कि मेंह फिरौन के का करहूं: मोर सक्तिसाली हांथ के कारन
ओह इसरायलीमन ला जावन दीही अऊ ओह ओमन ला अपन देस ले भगा दीही।”
2 परमेसर ह मूसा ला ये घलो कहिस, “मेंह यहोवा अंव।
3 मेंह सर्वसक्तिमान परमेसर के रूप म अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ला दरसन दे हंव, पर अपन नांव यहोवा
के दुवारा मेंह अपनआप ला ओमन ऊपर पूरा परगट नइं करेंव।
4 मेंह ओमन संग करार घलो करेंव कि ओमन ला कनान देस ला दूहूं, जिहां ओमन परदेसी के रूप म रिहिन।
5 अऊ मेंह इसरायलीमन के कलहरई ला सुने हंव, जेमन ले मिसरीमन गुलामी करवात हें, अऊ मेंह अपन
करार ला सुरता करे हवंव।
6 “एकरसेति इसरायलीमन ले कह: ‘मेंह यहोवा अंव, अऊ मेंह तुमन ला मिसरीमन के गुलामी ले बाहिर
निकालहूं। मेंह तुमन ला ओमन के गुलामी ले छोंड़ाहूं, अऊ मेंह अपन बढ़ाय भुजा अऊ बड़े नियाय* के दुवारा
तुमन ला छोंड़ा लूहूं।
7 मेंह तुमन ला अपन खुद के मनखे सहीं अपना लूहूं, अऊ मेंह तुम्हर परमेसर होहूं। तब तुमन जान लूहू कि
मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुमन ला मिसरीमन के गुलामी ले बाहिर निकालिस।
8 अऊ मेंह तुमन ला ओ देस म लानहूं, जऊन ला मेंह अब्राहम, इसहाक, अऊ याकूब ला देय बर हांथ उठाके
किरिया खाय रहेंव। मेंह ओला तुम्हर अधिकार म कर दूहूं। मेंह यहोवा अंव।’ ”
9 मूसा ह इसरायलीमन ला ये बात बताईस, पर अपन निरासा अऊ कठोर मेहनत के कारन ओमन मूसा के
बात ला नइं सुनिन।
10 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
11 “जा अऊ मिसर के राजा फिरौन ला कह कि ओह इसरायलीमन ला ओकर देस ले बाहिर जावन दे।”
12 पर मूसा ह यहोवा ला कहिस, “यदि इसरायलीमन मोर बात ला नइं सुनिन, त फेर फिरौन ह मोर बात ला
काबर सुनही, जबकि बात करे म, मेंह हकलाथंव घलो?”

---

* **6:6** मिसरीमन ला भयंकर दंड देय के दुवारा

[illegible]

13 तब यहोवा ह मूसा अऊ हारून ले इसरायली अऊ मिसर के राजा फिरौन के बारे म बात करिस, अऊ ओह
ओमन ला हुकूम दीस कि ओमन इसरायलीमन ला मिसर देस ले निकालके ले जावंय।

14 येमन अपन परिवारमन† के मुखिया रिहिन:

इसरायल के पहिलांत बेटा रूबेन के बेटामन:
हनोक, अऊ पल्लू, हेसरोन अऊ करमी।
येमन रूबेन के गोत्र रिहिन।

15 सिमोन के बेटामन:
यमूएल, यामीन, ओहद, याकीन, सोहर अऊ साऊल जऊन ह एक कनानी माईलोगन के बेटा रिहिस।
येमन सिमोन के गोत्र रिहिन।

16 ओमन के लिखाय बंसावली के मुताबिक येमन लेवी के बेटा रिहिन:
गेरसोन, कहात अऊ मरारी।
(लेवी ह 137 बछर तक जीईस।)
17 गोत्र के मुताबिक गेरसोन के बेटामन:
लिबनी अऊ सिमी।
18 कहात के बेटामन:
अमराम, ईसहार, हेबरोन अऊ उजीएल।
(कहात ह 133 बछर तक जीईस।)
19 मरारी के बेटामन:
महली अऊ मूसी।
ओमन के अभिलेख के मुताबिक येमन लेवी के गोत्र रिहिन।

20 अमराम ह अपन फूफू योकेबेद ले बिहाव करिस, जेकर ले मूसा अऊ हारून पईदा होईन।
(अमराम ह 137 बछर तक जीईस।)
21 ईसहार के बेटामन:
कोरह, नेपेग अऊ जिकरी।
22 उजीएल के बेटामन:
मिसाएल, एलसाफान अऊ सितरी।
23 हारून ह अमीनादाब के बेटी, नहसोन के बहिनी एलीसेबा ले बिहाव करिस, अऊ ओह नादाब, अबीहू,
एलिआजर अऊ ईतामार ला जनम दीस।

24 कोरह के बेटामन:
अस्सीर, एलकाना अऊ अबीआसाप।
येमन कोरही गोत्र रिहिन।

25 हारून के बेटा एलिआजर ह पूतीएल के एक बेटी ले बिहाव करिस, अऊ ओह पीनहास ला जनम दीस।

अपन-अपन कुल के मुताबिक लेवी परिवारमन के मुखिया येमन रिहिन।

26 ये हारून अऊ मूसा रिहिन, जेमन ला यहोवा ह हुकूम दे रिहिस, "इसरायलीमन ला ओमन के दल के
मुताबिक मिसर देस ले बाहिर निकालके लानव।"

---

† **6:14** इबरानी म इहां *[illegible]* के मतलब गोत्र ले घलो बड़े, पद 25 म घलो

27 ये मूसा अऊ हारून रिहिन, जेमन इसरायलीमन ला मिसर देस ले बाहिर लाने बर मिसर के राजा फिरौन ले
बात करिन।

[illegible]

28 जब यहोवा ह मिसर देस म मूसा ले गोठियाईस,
29 त ओह मूसा ला कहिस, "मेंह यहोवा अंव। जऊन कुछू मेंह तोला कहत हंव, ओ जम्मो बात तेंह मिसर के
राजा फिरौन ला बता।"
30 पर मूसा ह यहोवा ला कहिस, "देख, मेंह बात करे म हकलाथंव, त फिरौन ह मोर बात ला काबर सुनही?"

7

1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "देख, मेंह फिरौन बर तोला परमेसर के सहीं बना दे हंव, अऊ तोर भाई
हारून ह तोर अगमबानी करइया होही।
2 तोला ओ हर बात हारून ला कहना हे, जेकर हुकूम मेंह तोला देवत हंव, अऊ तोर भाई हारून ह फिरौन ला
कहिही कि ओह इसरायलीमन ला अपन देस ले जावन दे।
3 पर मेंह फिरौन के मन ला कठोर कर दूहूं, अऊ हालाकि मेंह मिसर देस म बहुंते चिनहां अऊ अद्भूत काम
ला देखाहूं,
4 पर ओह तोर बात ला नइं सुनही। तब मेंह मिसर देस ऊपर अपन हांथ डालके दंड दूहूं अऊ नियाय के बड़े
काम के संग मेंह अपन दल, मोर मनखे इसरायलीमन ला मिसर देस ले निकाल लानहूं।
5 अऊ जब मेंह मिसर देस के बिरूध अपन हांथ बढ़ाहूं अऊ इसरायलीमन ला उहां ले निकाल लानहूं, त
मिसरीमन जान लीहीं कि मेंह यहोवा अंव।"
6 मूसा अऊ हारून वइसनेच करिन जइसने यहोवा ह ओमन ला हुकूम दे रिहिस।
7 मूसा के उमर अस्सी साल अऊ हारून के उमर तिरासी साल रिहिस, जब ओमन फिरौन ले बात करिन।

[illegible]

8 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस,
9 "जब फिरौन ह तुमन ले कहिथे, 'अपन कोनो चमतकार देखावव,' तब हारून ला कह, 'अपन लउठी ला ले
अऊ फिरौन के आघू म फटिक दे,' अऊ ओह एक सांप बन जाही।"
10 मूसा अऊ हारून फिरौन करा गीन, अऊ वइसने ही करिन, जइसने यहोवा ह ओमन ला हुकूम देय रिहिस।
हारून ह अपन लउठी ला फिरौन अऊ ओकर अधिकारीमन के आघू म फटिक दीस, अऊ ओह सांप बन गीस।
11 तब फिरौन ह मिसर के पंडित अऊ जादूगरमन ला बुलवाईस, अऊ मिसर के जादूगरमन घलो अपन
जादूगरी ले वइसनेच करिन।
12 हर एक झन अपन लउठी ला खाल्हे म फटकिन अऊ ओह सांप बन गीस। पर हारून के लउठी ह ओमन के
लउठीमन ला लील लीस।
13 तभो ले फिरौन के मन ह कठोर बने रिहिस, अऊ ओह ओमन के नइं सुनिस, जइसे कि यहोवा ह कहे रिहिस।

[illegible]

14 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "फिरौन के मन ह कठोर हो गे हवय; ओह मनखेमन ला जावन नइं देवथे।
15 फिरौन ह बिहनियां जब नदी कोति जाथे, तब नील नदी के तीर म ओकर सामना कर, अऊ अपन हांथ म
ओहीच लउठी ला धरे रहिबे, जऊन ह सांप बन गे रिहिस।
16 तब ओला कहिबे, 'यहोवा, इबरीमन के परमेसर ह मोला तोर करा ये कहे बर पठोय हवय: मोर मनखेमन
ला जावन दे, ताकि ओमन निरजन प्रदेस म मोर अराधना करंय। पर अब तक तेंह मोर बात नइं सुने।
17 यहोवा ह ये कहत हे: मेंह नील नदी के पानी ला अपन हांथ के लउठी ले मारहूं अऊ ओह लहू म बदल
जाही। एकर दुवारा तेंह जान लेबे कि मेंह यहोवा अंव।
18 अऊ नील नदी के मछरीमन मर जाहीं, अऊ नदी ले बदबू आय लगही; अऊ मिसरीमन येकर पानी ला पी
नइं सकहीं।' "
19 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "हारून ले कह, 'अपन लउठी ला ले अऊ मिसर देस के पानी याने कि उहां के
नदी, नरवा, तरिया, नहर, अऊ जम्मो बांधामन कोति अपन हांथ ला लमा, जेकर से जम्मो पानी ह लहू म बदल

जाही।' मिसर देस म जम्मो जगह खूने-खून हो जाही, अऊ त अऊ लकरी अऊ पथरा के बने बरतनमन* म घलो।"

20 मूसा अऊ हारून वइसने ही करिन, जइसने कि यहोवा ह हुकूम दे रिहिस। ओह अपन लउठी ला फिरौन अऊ ओकर अधिकारीमन के आघू म उठाईस अऊ नील नदी के पानी ला मारिस, अऊ जम्मो पानी ह लहू बन गीस।

21 नील नदी के जम्मो मछरीमन मर गीन, अऊ नदी ह अतेक बदबू मारिस कि मिसरीमन येकर पानी ला पी नइं सकिन। पूरा मिसर देस ह लहूच लहू हो गीस।

22 मिसर के जादूगरमन घलो अपन जादूगरी ले वइसनेच करिन, अऊ फिरौन के मन ह कठोर बने रिहिस; ओह मूसा अऊ हारून के नइं सुनिस, जइसे कि यहोवा ह कहे रिहिस।

23 ये जम्मो बात के फिरौन ऊपर कोनो असर नइं होईस अऊ ओह लहुंटके अपन महल म चल दीस।

24 अऊ जम्मो मिसरीमन पीये के पानी बर नील नदी म खंचवा खने लगिन, काबरकि ओमन नदी के पानी ला पी नइं सकिन।

[illegible]

25 यहोवा के दुवारा नील नदी के पानी ला लहू बनाय सात दिन हो गे रिहिस।

8

* 1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "फिरौन करा जा अऊ ओला कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: मोर मनखेमन ला जावन दे, ताकि ओमन मोर अराधना कर सकंय।

2 कहूं तेंह ओमन ला जावन नइं देबे, त मेंह तोर जम्मो देस म मेचकामन ले महामारी पठोहूं।

3 नील नदी ह मेचकामन ले भर जाही। ओमन तोर महल अऊ तोर सुते के खोली म अऊ तोर दसना म, तोर करमचारीमन के घर म अऊ तोर मनखेमन ऊपर, अऊ तुम्हर चूल्हा अऊ तुम्हर पीसान गुंथे के बरतनमन म भर जाहीं।

4 मेचकामन तोर अऊ तोर मनखे अऊ तोर जम्मो करमचारीमन ऊपर चघ जाहीं।' "

5 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "हारून ले कह, 'हांथ म लउठी ला लेके अपन हांथ ला पानी के सोता अऊ नहर अऊ तरियामन ऊपर कर, अऊ मेचकामन ला मिसर देस म ले आन।' "

6 त हारून ह मिसर के पानी के जगहमन ऊपर अपन हांथ ला लमाईस, अऊ मेचकामन आके मिसर देस म भर गीन।

7 पर मिसर के जादूगरमन घलो अपन जादूगरी ले वइसने ही करिन; ओमन मिसर देस म मेचकामन ला ले आईन।

8 फिरौन ह मूसा अऊ हारून ला बलाके कहिस, "यहोवा ले पराथना करव कि ओह मेचकामन ला मोर ले अऊ मोर मनखेमन ले हटा ले, अऊ मेंह तुम्हर मनखेमन ला जावन दूहूं कि ओमन यहोवा बर बलि चघावंय।"

9 मूसा ह फिरौन ला कहिस, "मेंह तोर ऊपर छोंड़त हंव; तेंह मोला बता कि कतेक बेरा तोर अऊ तोर करमचारी अऊ तोर मनखेमन बर पराथना करंव कि ये मेचकामन तुमन अऊ तुम्हर घर ला छोंड़के चले जावंय, अऊ ओहीच मेचकामन रहंय, जेमन नील नदी म हवंय।"

10 फिरौन ह कहिस, "कल।"

मूसा ह कहिस, "वइसने ही होही, जइसने तेंह कहत हस, ताकि तेंह जान लेबे कि यहोवा हमर परमेसर के सहीं अऊ कोनो नइं ए।

11 मेचकामन तुमन अऊ तुम्हर घरमन ला, तोर करमचारी अऊ तोर मनखेमन ला छोंड़के चले जाहीं; ओमन सिरिप नील नदी म ही रहिहीं।"

12 जब मूसा अऊ हारून फिरौन करा ले चल दीन, त मूसा ह ओ मेचकामन के बारे म यहोवा ले गोहारिस, जऊन ला ओह फिरौन के ऊपर लाने रिहिस।

13 अऊ यहोवा ह मूसा के पराथना के मुताबिक करिस। मेचकामन घर म, अंगना म अऊ खेत म मर गीन।

14 ओमन ला कुढ़ोय गीस, अऊ ओमन ले देस म बदबू फईल गीस।

---

* **7:19** या *[illegible]*

* **8:** इबरानी म 8:1-4 ला 7:26-29 अऊ 8:5-32 ला 8:1-28 गने गे हवय

15 पर जब फिरौन ह देखिस कि अब अराम मिल गे हवय, त ओह अपन मन ला फेर कठोर कर लीस अऊ मूसा
अऊ हारून के बात ला नइं सुनिस, जइसे कि यहोवा ह कहे रिहिस।

[illegible]

16 तब यहोवा ह मूसा ले कहिस, "हारून ला कह, 'अपन लउठी ला लमा अऊ भुइयां के धुर्रा ला मार,' अऊ
पूरा मिसर देस म धुर्रा ह कीरा बन जाही।"
17 ओमन वइसने करिन, अऊ जब हारून ह लउठी लेके अपन हांथ ला बढ़ाईस अऊ भुइयां के धुर्रा ला
मारिस, त मनखे अऊ पसुमन ऊपर कीरामन आ गीन। पूरा मिसर देस म धुर्रा ह कीरा बन गीस।
18 पर जब जादूगरमन अपन जादूगरी ले कीरा बनाय के कोसिस करिन, त ओमन नइं कर सकिन।
कीरामन हर जगह मनखे अऊ पसुमन म बने रिहिन,
19 त जादूगरमन फिरौन ला कहिन, "येह परमेसर के काम अय।" पर फिरौन के मन ह कठोर बने रिहिस अऊ
ओह नइं सुनिस, जइसे कि यहोवा ह कहे रिहिस।

[illegible]

20 तब यहोवा ह मूसा ले कहिस, "बड़े बिहनियां उठ अऊ जब फिरौन ह नदी कोति जाथे, त ओकर आघू म
जाके ओला कहिबे, 'यहोवा ह ये कहत हे: मोर मनखेमन ला जावन दे, ताकि ओमन मोर अराधना करंय।
21 कहूं तेंह मोर मनखेमन ला जावन नइं देबे, त मेंह तोर अऊ तोर करमचारीमन ऊपर, तोर मनखेमन ऊपर
अऊ तुम्हर घरमन म दल के दल कीट-पतंगामन ला पठोहूं। मिसरीमन के घरमन कीट-पतंगामन ले भर जाहीं;
अऊ त अऊ भुइयां ह ओमन ले तोपा जाही।
22 " 'पर ओ दिन मेंह गोसेन प्रदेस ले अलग बरताव करहूं, जिहां मोर मनखेमन रहिथें; उहां कीट-पतंगामन के
कोनो दल नइं होही, ताकि तेंह जान लेबे कि में, यहोवा, ये देस म हवंव।
23 मेंह मोर मनखे अऊ तोर मनखेमन के बीच एक अंतर करहूं। ये चिनहां ह कल दिखही।' "
24 अऊ यहोवा ह वइसनेच करिस। फिरौन के महल म अऊ ओकर करमचारीमन के घरमन म कीट-पतंगामन
भर गीन; पूरा मिसर देस ह कीट-पतंगामन के दुवारा नास हो गीस।
25 तब फिरौन ह मूसा अऊ हारून ला बलाके कहिस, "तुमन जावव अऊ अपन परमेसर बर इही देस म बलि
चघावव।"
26 पर मूसा ह कहिस, "येह ठीक नइं होही। जऊन बलिदान हमन यहोवा हमर परमेसर ला चघाबो, ओह
मिसरीमन बर घिन अय। अऊ कहूं हमन ओ बलिदान ला चघाबो, जऊन ह मिसरीमन के नजर म घिन अय, त
का ओमन हमर ऊपर पथरवाह नइं करहीं?
27 हमन ला तीन दिन के यातरा के दूरी म एक सुन्ना जगह म जाना जरूरी अय, ताकि हमन यहोवा हमर
परमेसर बर बलिदान चघा सकन, जइसे कि ओह हमन ला हुकूम दे हवय।"
28 फिरौन ह कहिस, "मेंह तुमन ला जावन दूहूं ताकि तुमन सुन्ना जगह म जाके यहोवा अपन परमेसर बर
बलिदान चघावव, पर जादा दूरिहा झन जावव। मोर बर पराथना करव।"
29 मूसा ह जबाब दीस, "जइसे ही मेंह तोर इहां ले जाहूं, मेंह यहोवा ले पराथना करहूं, अऊ कल
कीट-पतंगामन फिरौन अऊ ओकर करमचारी अऊ ओकर मनखेमन ला छोंड़के चल दीहीं। पर फिरौन ह ये बात
के निस्चय करय कि ओह फेर धोखा देके मनखेमन ला नइं रोकही कि ओमन जाके यहोवा बर बलिदान चघावंय।"
30 तब मूसा ह फिरौन करा ले चल दीस अऊ यहोवा ले पराथना करिस,
31 अऊ यहोवा ह मूसा के पराथना के मुताबिक करिस। कीट-पतंगामन फिरौन अऊ ओकर करमचारी अऊ
ओकर मनखेमन ला छोंड़के चल दीन; एको ठन घलो उहां नइं रिहिन।
32 पर ये बेरा घलो फिरौन ह अपन मन ला कठोर कर लीस अऊ इसरायली मनखेमन ला जावन नइं दीस।

9

[illegible]

1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "फिरौन करा जाके ओला कह, 'यहोवा, इबरीमन के परमेसर ह ये कहत हे:
"मोर मनखेमन ला जावन दे कि ओमन मोर अराधना कर सकंय।"
2 यदि तेंह ओमन ला जावन नइं देबे अऊ ओमन ला रोके रहिबे,

3 त यहोवा के हांथ ह मैदान म तोर पसुमन ऊपर भयंकर महामारी ले आही—याने कि तोर घोड़ा, गदहा अऊ
ऊंट अऊ तोर गाय-बईला अऊ भेड़-बकरीमन ऊपर।
4 पर यहोवा ह इसरायलीमन के पसु अऊ मिसरीमन के पसु म एक अंतर बनाही, जेकर ले इसरायलीमन के
कोनो भी पसु नइं मरहीं।' "
5 यहोवा ह ये कहिके एक समय ठहिरा दीस, "कल यहोवा ह ये काम ला ये देस म करही।"
6 अऊ दूसर दिन यहोवा ह येला करिस: मिसरीमन के जम्मो पसुमन मर गीन, पर इसरायलीमन के एको ठन
पसु नइं मरिन।
7 फिरौन ह खोजबीन करवाईस, त ओला पता चलिस कि इसरायलीमन के एको ठन पसु नइं मरे हवंय। तभो
ले ओकर मन ह कठोर बने रिहिस अऊ ओह मनखेमन ला नइं जावन दीस।

[illegible] [illegible] [illegible]

8 तब यहोवा ह मूसा अऊ हारून ले कहिस, "एक ठन भट्ठी ले अपन हांथ म मुठा भरके राख ला लेवव अऊ
मूसा ह फिरौन के आघू म ओ राख ला हवा म उड़िया दे।
9 येह पूरा मिसर देस म बारिक धुर्रा म बदल जाही, अऊ पूरा देस भर के मनखे अऊ पसुमन म फोड़ा निकल
आही।"
10 एकरसेति ओमन एक ठन भट्ठी ले राख ला लीन अऊ फिरौन के आघू म जाके खड़े हो गीन। मूसा ह ओ राख
ला हवा म उड़िया दीस, जेकर ले मनखे अऊ पसुमन म फोड़ा निकल आईस।
11 जादूगरमन ये फोड़ामन के कारन मूसा के आघू म ठाढ़ नइं हो सकिन, काबरकि ओ फोड़ामन न सिरिप
जम्मो मिसरीमन के देहें म निकले रिहिन, पर जादूगरमन के देहेंमन घलो फोड़ा ले भर गे रिहिन।
12 पर यहोवा ह फिरौन के मन ला कठोर बना दीस, अऊ ओह मूसा अऊ हारून के बात ला नइं सुनिस, जइसे
कि यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible]

13 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "बड़े बिहनियां उठके फिरौन करा जाबे अऊ ओला कहिबे, 'यहोवा, इबरीमन
के परमेसर ह ये कहत हे: मोर मनखेमन ला जावन दे ताकि ओमन मोर अराधना कर सकंय,
14 नइं तो ये बेरा, तोर बिरूध अऊ तोर करमचारी अऊ तोर मनखेमन के बिरूध मेंह पूरा सक्ति से महामारी
पठोहूं, जेकर ले तेंह जान लेबे कि जम्मो धरती म मोर सहीं अऊ कोनो नइं ए।
15 काबरकि अब तक मेंह अपन हांथ लमाके तोर अऊ तोर मनखेमन ऊपर महामारी लानके तुमन ला धरती ले
नास कर सकत रहेंव।
16 पर मेंह तोला एकरसेति राजा बनाके उठाय हवंव, ताकि मेंह तोला अपन सामर्थ देखा सकंव अऊ धरती
भर म मोर नांव के परचार होवय।
17 पर तेंह अब भी अपनआप ला मोर मनखेमन के बिरोध म रखके ओमन ला जावन नइं देवत हस।
18 एकरसेति, कल इही बेरा म, मेंह करा के अइसन आंधी पठोहूं, जइसन कि मिसर के नीव डारे के दिन ले लेके
अब तक कभू नइं आय हवय।
19 एकरसेति अब हुकूम देके अपन पसु अऊ जऊन कुछू खेतमन म हवय, ओ जम्मो ला सुरकछित जगह म
करवा ले, काबरकि हर ओ मनखे अऊ पसु, जऊन मन नइं लाय जाहीं अऊ खेत म रहिहीं, ओमन ऊपर करा
गिरही, अऊ ओमन मर जाहीं।' "
20 फिरौन के ओ करमचारी, जऊन मन यहोवा के बचन के भय मानिन, ओमन लकर-धकर अपन गुलाम अऊ
पसुमन ला भीतर ले आईन।
21 पर जऊन मन यहोवा के बचन ऊपर धियान नइं दीन, ओमन अपन गुलाम अऊ पसुमन ला खेत म ही रहन
दीन।
22 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "अपन हांथ ला अकास कोति बढ़ा ताकि जम्मो मिसर देस म करा*
गिरय—मनखे अऊ पसुमन ऊपर अऊ मिसर के खेत म होवइया हर फसल के ऊपर करा गिरय।"
23 जब मूसा ह अपन लउठी ला अकास कोति उठाईस, त यहोवा ह बादर के गरजन अऊ करा, अऊ बिजली
के कड़क भुइयां म पठोईस। ये किसम ले यहोवा ह मिसर देस म करा के बारिस करिस;

---

* **9:22** [illegible] के मतलब [illegible]

24 करा गिरत रिहिस अऊ बार-बार बिजली घलो चमकत रिहिस। जब ले मिसर देस ह बसे रिहिस, तब ले लेके
आज तक अइसने आंधी पूरा देस म कभू नइं आय रिहिस।
25 पूरा मिसर देस के खेत म के हर एक चीज ऊपर करा गिरिस—मनखे अऊ पसु दूनों के ऊपर; येह खेत के
जम्मो फसल ला नास कर दीस अऊ रूखमन टूट गीन।
26 सिरिप एक ठन जगह म करा नइं गिरिस अऊ ओह गोसेन प्रदेस रिहिस, जिहां इसरायलीमन रहत रिहिन।
27 तब फिरौन ह मूसा अऊ हारून ला बलाईस अऊ ओमन ला कहिस, "ये बेरा, मेंह पाप करे हंव। यहोवा ह
सही अय, अऊ में अऊ मोर मनखेमन गलत अन।
28 यहोवा ले पराथना करव; काबरकि बादर के गरजई अऊ करा के गिरई बहुंत हो गीस। मेंह तुमन ला जावन
दूहूं; तुमन ला अब रूकना नइं पड़य।"
29 मूसा ह जबाब दीस, "जब मेंह सहर ले बाहिर निकलहूं, त मेंह अपन हांथ उठाके यहोवा ले पराथना करहूं।
तब गरजन बंद हो जाही अऊ करा फेर नइं गिरही, तब तेंह जान लेबे कि धरती ह यहोवा के अय।
30 पर मेंह जानत हंव कि अभी घलो तें अऊ तोर करमचारीमन यहोवा परमेसर के भय नइं मानत हव।"
31 (सन अऊ जौ के फसल ह नास हो गे रिहिस, काबरकि जौ ह छटक गे रिहिस अऊ सन म फूल धरत रिहिस।
32 पर गहूं अऊ कठिया गहूंमन नास नइं होईन, काबरकि ओमन के फसल ह बाद म पाकथे।)
33 तब मूसा ह फिरौन करा ले निकलके सहर ले बाहिर चल दीस। ओह यहोवा कोति अपन हांथ उठाईस; तब
गरजन अऊ करा के गिरई ह बंद हो गीस, अऊ देस म बारिस घलो रूक गीस।
34 जब फिरौन ह देखिस कि पानी अऊ करा के गिरई अऊ गरजन ह बंद हो गे हवय, त ओह फेर पाप करिस:
ओ अऊ ओकर करमचारीमन अपन मन ला कठोर कर लीन।
35 फिरौन के मन ह कठोर हो गीस अऊ ओह इसरायलीमन ला जावन नइं दीस, जइसे कि यहोवा ह मूसा के
जरिये पहिले कहे रिहिस।

10

[illegible]

1 ओकर बाद यहोवा ह मूसा ले कहिस, "फिरौन करा जा, काबरकि मेंह ओकर अऊ ओकर करमचारीमन के मन
ला एकरसेति कठोर कर दे हंव, ताकि मेंह अपन ये चिनहांमन ला ओमन के बीच म देखावंव
2 अऊ तुमन अपन लइका अऊ अपन नाती-पोतामन ला बतावव कि कइसे मेंह मिसरीमन के संग कठोर
बरताव करेंव अऊ कइसे मेंह ओमन के बीच म चिनहांमन ला देखांय, अऊ ये कि तुमन जानव कि मेंह यहोवा
अंव।"
3 तब मूसा अऊ हारून, फिरौन करा गीन अऊ ओला कहिन, "यहोवा, इबरीमन के परमेसर ह ये कहत हे: 'तें
कब तक मोर आघू म अपनआप ला नम्र नइं करबे? मोर मनखेमन ला जावन दे, ताकि ओमन मोर अराधना
करंय।
4 कहूं तेंह ओमन ला जावन नइं देबे, त कल मेंह फांफामन ला तोर देस म ले आहूं।
5 ओमन भुइयां ऊपर अइसे छा जाहीं कि ओह नइं दिखही। जऊन कुछू करा गिरे ले बांच गे हवय, ओला
घलो ओमन खा जाहीं, अऊ खेतमन म बाढ़त जम्मो रूखमन ला घलो खा जाहीं।
6 ओमन तोर अऊ तोर जम्मो करमचारी अऊ जम्मो मिसरीमन के घर म भर जाहीं—जब ले तोर दाई-ददा
अऊ तोर पुरखामन ये देस म बसे हवंय, तब ले लेके अब तक ओमन अइसने चीज नइं देखे होहीं।' " ये कहिके
मूसा ह मुड़िस अऊ फिरौन करा ले चल दीस।
7 फिरौन के करमचारीमन ओला कहिन, "कब तक ये मनखे ह हमर बर फांदा बने रहिही? मनखेमन ला जावन
दे, ताकि ओमन यहोवा अपन परमेसर के अराधना कर सकंय। का तेंह अभी घलो नइं समझत हस कि मिसर देस
ह बरबाद हो गे हवय?"
8 तब मूसा अऊ हारून ला फेर फिरौन करा लाने गीस, अऊ ओह ओमन ला कहिस, "जावव, अऊ यहोवा
अपन परमेसर के अराधना करव, पर मोला बतावव कि कोन-कोन तुम्हर संग जाहीं।"
9 मूसा ह जबाब दीस, "हमर संग हमर लइका अऊ हमर सियानमन, हमर बेटा-बेटीमन, अऊ हमर पसु अऊ
भेड़-बकरीमन जाहीं, काबरकि हमन यहोवा बर एक तिहार मनाबो।"

10 फिरौन ह कहिस, “यहोवा ह तुम्हर संग रहय—कहूं मेंह तुमन ला तुम्हर माईलोगन अऊ लोग-लइकामन
सहित जावन देथंव, त मोला लगत हे कि तुम्हर मन म बुरई हवय।*
11 नइं! तुमन सिरिप मरदमन जावव अऊ यहोवा के अराधना करव, काबरकि इही बात के मांग तो तुमन
करत रहेव।” तब मूसा अऊ हारून ला फिरौन के आघू ले बाहिर निकाल दिये गीस।
12 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “मिसर देस ऊपर अपन हांथ लमा ताकि फांफामन आके मिसर देस म भर
जावंय अऊ खेत म बाढ़त हर एक पऊधा ला खा जावंय, हर ओ चीज जऊन ह करा के गिरे के बाद बांच गे
हवय, ओ जम्मो ला खा डारंय।”
13 तब मूसा ह अपन लउठी ला मिसर देस ऊपर बढ़ाईस, अऊ यहोवा ह जम्मो देस म ओ दिन अऊ रात भर
पुरवई हवा चलाईस, अऊ बिहनियां ओ हवा ह फांफामन ला ले आईस;
14 ओमन जम्मो मिसर देस म छा गीन, अऊ बड़े संखिया म देस के हर भाग म फईल गीन। येकर पहिली
अइसे फांफामन के महामारी कभू नइं आय रिहिस, अऊ येकर बाद फेर कभू नइं आही।
15 ओमन जम्मो भुइयां ऊपर अइसन छा गीन कि ओह करिया दिखे लगिस। करा गिरे के बाद जऊन कुछू
बांच गे रिहिस, ओ जम्मो ला ओमन खा गीन—ओ जम्मो चीज जऊन ह खेतमन म बाढ़त रिहिस अऊ रूखमन
के फर, ओ जम्मो ला खा लीन। पूरा मिसर देस म रूख अऊ पऊधा म कोनो किसम के हरियर चीज नइं बांचिस।
16 फिरौन ह तुरते मूसा अऊ हारून ला बलाके कहिस, “मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अऊ तुम्हर बिरूध पाप करे
हवंव।
17 अब मोर पाप ला एक बार फेर छेमा करव अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर ले पराथना करव कि ये मिरतू के
महामारी ला मोर ले हटा ले।”
18 तब मूसा ह फिरौन करा ले चल दीस अऊ यहोवा ले पराथना करिस।
19 अऊ यहोवा ह हवा के दिग ला बदलके एक बड़े पछिमी हवा चलाईस, जऊन ह जम्मो फांफामन ला
लाल-समुंदर म डार दीस। पूरा मिसर देस म एको ठन फांफा नइं बांचिन।
20 पर यहोवा ह फिरौन के मन ला कठोर कर दीस, अऊ ओह इसरायलीमन ला जावन नइं दीस।

[illegible]

21 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “अपन हांथ ला अकास कोति लमा, ताकि मिसर देस म अंधियार छा
जावय—अइसन अंधियार जेला महसूस करे जा सकय।”
22 तब मूसा ह अपन हांथ ला अकास कोति लमाईस, अऊ जम्मो मिसर देस म तीन दिन तक घोर अंधियार
छा गीस।
23 तीन दिन तक न तो कोनो एक-दूसर ला देख सकिन, अऊ न ही कोनो कहीं आ जा सकिन। पर ओ जम्मो
जगह म अंजोर रिहिस, जिहां इसरायलीमन रहत रिहिन।
24 तब फिरौन ह मूसा ला बलाके कहिस, “जावव, अऊ यहोवा के अराधना करव। तुमन अपन संग अपन
लोग-लइकामन ला घलो ले जावव; सिरिप अपन पसुमन ला छोंड़ देवव।”
25 पर मूसा ह कहिस, “तें हमन ला बलिदान अऊ होम-बलिदान ले जाय के अनुमति दे ताकि हमन येमन ला
यहोवा हमर परमेसर के आघू म भेंट चघा सकन।
26 एकरसेति संग म हमर पसुमन ला घलो ले जाना जरूरी अय; ओमन के एक ठन खुर तक घलो नइं छूटना
चाही। हमन ओमा के कुछू चीजमन ला यहोवा हमर परमेसर के अराधना म उपयोग करबो, अऊ जब तक हमन
उहां नइं हबर जावन, तब तक हमन नइं जानन कि यहोवा के अराधना म का चीज के उपयोग करबो।”
27 पर यहोवा ह फिरौन के मन ला कठोर कर दीस, अऊ ओह ओमन ला जावन नइं दीस।
28 फिरौन ह मूसा ला कहिस, “मोर नजर ले दूरिहा हट! अऊ धियान रख कि मोर आघू म फेर झन आबे!
जऊन दिन तेंह मोर मुहूं ला देखबे, ओहीच दिन तेंह मार डारे जाबे।”
29 मूसा ह जबाब दीस, “जइसे कि तेंह कहत हस, मेंह तोर आघू म फेर कभू नइं आवंव।”

11

[illegible]

* **10:10** या [illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस, “मेंह फिरौन अऊ मिसर देस ऊपर एक ठन अऊ महामारी लानहूं। ओकर
बाद, ओह तुमन ला इहां ले जावन दीही, अऊ जब ओह अइसन करथे, त ओह तुमन ला पूरा-पूरी भगा दीही।
2 इसरायलीमन ला कह कि हर एक मरद अऊ माईलोगन अपन-अपन परोसी ले सोन अऊ चांदी के चीजमन
ला मांग लेवंय।”
3 (यहोवा ह अपन मनखेमन बर मिसरीमन के मन म दया के भाव उपजाईस, अऊ मूसा ला खुद मिसर देस म
फिरौन के करमचारी अऊ मनखेमन बहुंत आदर के नजर ले देखंय।)
4 मूसा ह फिरौन ला कहिस, “यहोवा ह ये कहत हे: ‘मेंह आधा रथिया पूरा मिसर देस के बीच ले होके जाहूं।
5 मिसर देस के हर पहिलांत बेटा ह मर जाही, सिंघासन ऊपर बईठइया फिरौन के पहिलांत बेटा ले लेके जांता
चलइया गुलाम माईलोगन के पहिलांत बेटा तक, अऊ पसुमन के जनमे जम्मो पहिलांत पसु घलो मर जाहीं।
6 पूरा मिसर देस म बहुंत रोये के अवाज सुनई दीही—अतेक खराप बात न कभू होय रिहिस, अऊ न फेर कभू
होही।
7 पर इसरायलीमन के बीच म कोनो मनखे या पसु ऊपर कोनो कुकुर घलो नइं भूंकही,’ तब तेंह जान लेबे कि
यहोवा ह मिसरी अऊ इसरायलीमन के बीच म एक अंतर रखथे।
8 तोर ये जम्मो करमचारीमन मोर करा आहीं, अऊ मोर आघू म मुड़ नवाके कहिहीं, ‘जावव, तें अऊ तोर पाछू
चलइया जम्मो मनखेमन जावंय!’ ओकर बाद मेंह चल दूहूं।” तब मूसा ह बहुंत गुस्सा होके फिरौन करा ले चल
दीस।
9 यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस, “फिरौन ह तोर बात ला नइं सुनही—ताकि मिसर देस म मोर अचम्भो के
काम बहुंत होवय।”
10 मूसा अऊ हारून, फिरौन के आघू म ये जम्मो अचम्भो के काम करिन, पर यहोवा ह फिरौन के मन ला
कठोर कर दे रिहिस, अऊ ओह इसरायलीमन ला अपन देस ले बाहिर नइं जावन देत रिहिस।

12

[illegible]

1 यहोवा ह मिसर देस म मूसा अऊ हारून ला कहिस,
2 “ये महिना ह तुम्हर बर पहिला महिना होही, याने कि येह साल के पहिला महिना होही।
3 इसरायल के पूरा समाज ला बता दव कि ये महिना के दसवां दिन तुमन म के हर एक झन अपन-अपन
परिवार बर एक-एक ठन मेढ़ा-पीला लेवय।
4 यदि कोनो परिवार ह एक ठन मेढ़ा-पीला बर बहुंत छोटे हवय, त ओमन अपन सबले नजदीक के परोसी संग
ओ मेढ़ा-पीला ला ओ घर के गनती के मुताबिक बांट लेवंय। हर मनखे ह कतेक खाही, ओकर मुताबिक ही ओ
मेढ़ा-पीला के बांटा करे जावय।
5 जऊन पसु ला तुमन चुनथव, ओह एक साल के निरदोस नर पसु होवय, अऊ तुमन ओला भेड़मन ले या
बकरीमन ले लेय सकत हव।
6 इही महिना के चौदहवां दिन तक ओकर खियाल रखव, तब इसरायली समाज के हर सदस्य गोधूलि के बेरा
म ओला पूज देवय।
7 तब जऊन घर म ओ मेढ़ा-पीला ला खाहू, ओकर चौखट के दूनों कोति अऊ चौखट के ऊपरी भाग म ओकर
थोरकन लहू ला लगा देवव।
8 ओहीच रथिया ओकर मांस ला आगी म भुंजके करू साग अऊ अखमीरी रोटी के संग खावव।
9 कइंचा मांस या पानी म उसने मांस ला झन खावव, पर ओकर गोड़, मुड़, अऊ पेट के भीतर के भागमन ला
आगी म भुंजके खावव।
10 अऊ ओमा के कुछू चीज ला बिहनियां बर झन बचावव; कहूं ओमा के कुछू चीज ह बिहनियां तक बच जाथे,
त तुमन ओला आगी म जला देवव।
11 तुमन ओला अइसे खावव: तुम्हर ऊपर के पहिरावा ह कमरपट्टा म बंधाय रहय, अपन गोड़ म पनही पहिरे
रहव, अपन लउठी ला हांथ म धरे रहव अऊ ओला जल्दी-जल्दी खावव; येह यहोवा के फसह अय।

12 “ओही रथिया मेंह मिसर देस म ले होके निकलहूं अऊ मिसर देस के जम्मो पहिलांत ला मारहूं—चाहे ओह
मनखे होवय या पसु, जम्मो पहिलांत ला मारहूं, अऊ मेंह मिसर के जम्मो देवतामन ला सजा दूहूं। मेंह यहोवा
अंव।
13 जऊन घरमन म तुमन रहत हव, ओमा ओ लहू ह एक चिनहां होही, अऊ जब मेंह ओ लहू ला देखहूं, त
ओला नाहकके आघू बढ़ जाहूं। जब मेंह मिसरीमन ला मारहूं, त तुम्हर ऊपर कोनो नास करइया महामारी नइं
आही।
14 “ये दिन ह तुम्हर बर एक यादगार दिन होही; अऊ पीढ़ी-पीढ़ी तक तुमन येला यहोवा बर एक तिहार के
रूप म मनाहू—ये नियम ह हमेसा बने रहय।
15 सात दिन तक बिगर खमीर के बने रोटी ला खावव। पहिलीच दिन अपन घर ले खमीर ला हटा दव,
काबरकि कहूं कोनो पहिली दिन ले लेके सातवां दिन तक कोनो खमीर मिले हुए चीज ला खाथे, त ओला
इसरायल ले अलग करे जावय।
16 पहिली दिन एक पबितर सभा करव, अऊ सातवां दिन घलो एक सभा करव। ये दूनों दिन कोनो काम-बुता
झन करव, जम्मो झन के खाय बर सिरिप जेवन पकाय के काम करे जावय; ये दूनों दिन तुमन सिरिप येहीच काम
करव।
17 “तुमन अखमीरी रोटी के तिहार मनावव, काबरकि येह ओ दिन अय, जब मेंह तुमन ला दल के दल मिसर
देस ले बाहिर निकालके लानेंव। हमेसा के नियम के रूप म ये दिन ला अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक मानव।
18 पहिली महिना के चौदहवां दिन के सांझ ले इक्कीसवां दिन के सांझ तक तुमन अखमीरी रोटी खावव।
19 सात दिन ले तुम्हर घर म कोनो खमीर झन रहय। यदि कोनो मनखे खमीर ले बने कुछू चीज ला खाथे, चाहे
ओह देसी मनखे होवय या फेर परदेसी, ओला इसरायल के समाज ले अलग करे जावय।
20 खमीर ले बने कोनो भी चीज ला झन खावव; जिहां कहूं भी तुमन रहव, अखमीरी रोटी ही खावव।”
21 तब मूसा ह इसरायल के जम्मो अगुवामन ला बलाके कहिस, “तुरते जावव अऊ अपन-अपन परिवार बर
एक-एक ठन पसु छांट लेवव अऊ फसह के मेढ़ा-पीला के बलि करव।
22 तुमन जूफा* के एक ठन गुच्छा लेवव अऊ ओला तसला म रखे लहू म बोरव अऊ लहू ला चौखट के ऊपर
अऊ चौखट के दूनों तरफ लगावव, अऊ बिहान के होवत तक तुमन म ले कोनो अपन घर के मुंहटा ले बाहिर
झन निकलय।
23 काबरकि जब यहोवा ह देस म ले होके मिसरीमन ला मारत जाही, त ओह चौखट के ऊपर अऊ चौखट के
दूनों तरफ लगे लहू ला देखही, अऊ ओ मुंहटा ले नाहकके आघू बढ़ जाही, अऊ ओह नास करइया ला तुम्हर
घरमन म जाके मार डारे के अनुमति नइं दीही।
24 “ये निरदेस ला तुमन अपन अऊ अपन लइकामन बर एक अटल हुकूम के रूप म मानव।
25 जब तुमन ओ देस म हबर जावव, जेला यहोवा ह अपन परतिगियां के मुताबिक तुमन ला दीही, त ये
रीति-बिधिमन ला मानव।
26 अऊ जब तुम्हर लइकामन तुमन ले पुछंय, ‘तुमन ये बिधिमन ला काबर मानथव?’
27 तब ओमन ला बतावव, ‘येह यहोवा बर फसह के बलिदान अय; जऊन ह मिसर देस म इसरायलीमन के घर
के आघू ले निकलिस अऊ हमर घरमन ला छोंड़के मिसरीमन ला नास करिस।’ ” तब मनखेमन मुड़ नवाके
अराधना करिन।
28 इसरायलीमन वइसे ही करिन, जइसे यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला हुकूम दे रिहिस।
29 आधा रथिया यहोवा ह मिसर म जम्मो पहिलांतमन ला मार डारिस, सिंघासन म बईठे फिरौन के पहिलांत
ले लेके जेल म रहइया कैदीमन के पहिलांतमन ला, अऊ संग म पसुमन के जम्मो पहिलांत ला घलो मार
डारिस।
30 रथिया के बेरा ही फिरौन अऊ ओकर जम्मो करमचारी अऊ जम्मो मिसरीमन जाग उठिन, अऊ उहां मिसर
म बहुंत हाहाकार होवत रिहिस, काबरकि उहां अइसन एको ठन घर नइं रिहिस, जिहां कोनो मरे नइं रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible]

* **12:22** [illegible] ह एक ठन [illegible] अय, जऊन ह लगभग तीन फीट ऊंच होथे अऊ एकर डारा अऊ पानमन कूंची कस होथें

31 रथिया के बेरा ही फिरौन ह मूसा अऊ हारून ला बलाके कहिस, “मोर मनखेमन ला छोड़के, तुमन
इसरायलीमन के संग चले जावव! तुमन जावव, अऊ यहोवा के अराधना करव, जइसे कि तुमन बिनती करे हव।
32 अपन कहे मुताबिक अपन भेड़-बकरी अऊ गरूवा-बईला ला संग म ले जावव। अऊ मोला आसीरबाद
देवत जावव।”
33 मिसरीमन इसरायलीमन ला देस छोंड़के जल्दी से जल्दी चले जाय बर बिनती करिन। ओमन कहिन, “नइं
तो हमन जम्मो झन मर जाबो!”
34 तब इसरायलीमन बिगर खमीर डाले गूंधे पीसान ला बरतन म धरके कपड़ा म लपेटिन अऊ ओला कंधा म
बोहके ले चलिन।
35 इसरायलीमन मूसा के कहे मुताबिक मिसरीमन ले सोन अऊ चांदी के जेवर अऊ ओनहा ला मांग लीन।
36 यहोवा ह मिसरीमन ला इसरायलीमन बर दयालु कर दीस, अऊ ओमन जऊन कुछू मिसरीमन ले मांगिन,
ओमन ला दिये गीस; ये किसम ले इसरायलीमन मिसरीमन ला लूट लीन।
37 तब इसरायलीमन रामसेस सहर ले चलके सुक्कोत सहर आईन। माईलोगन अऊ लइकामन के अलावा
ओमन लगभग छै लाख पैदल चलइया आदमीमन रिहिन।
38 बहुंते आने मनखेमन घलो ओमन के संग गीन, ओमन के संग भेड़-बकरी अऊ गरूवा-बईला के बड़े दल
घलो रहय।
39 जऊन साने गय पीसान, इसरायलीमन मिसर ले लाने रिहिन, ओकर ले ओमन बिगर खमीर के रोटी
बनाईन। साने गय पीसान ह बिगर खमीर के रिहिस, काबरकि ओमन ला मिसर देस ले निकाल दिये गे रिहिस
अऊ ओमन करा अपन बर खाना बनाय के समय नइं रिहिस।
40 इसरायलीमन मिसर देस म 430 साल तक रिहिन।
41 430 साल के आखिरी म, ओहीच दिन, यहोवा के जम्मो मनखेमन मिसर देस ले निकल गीन।
42 काबरकि यहोवा ह इसरायलीमन ला मिसर देस ले निकाल लाने बर रतजगा रखिस, ये रथिया जम्मो
इसरायलीमन यहोवा के आदर म रतजगा करंय अऊ येला अवइया पीढ़ी-पीढ़ी के मनखेमन मानंय।

[illegible] [illegible] [illegible]

43 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस, “फसह के भोज के बिधि ये अय:
“कोनो भी परदेसी येला झन खावय।
44 कोनो गुलाम, जेला तुमन बिसाय हवव, अऊ ओकर खतना करवाय हवव, त ओह येला खा सकत हे।
45 पर कोनो अस्थायी रूप म रहइया मनखे या कोनो बनिहार येला झन खावय।
46 “येला घर के भीतरेच म ही खाय जावय; मांस के एक टुकड़ा घलो घर के बाहिर झन ले जावव। कोनो हाड़ा
ला झन टोरव।
47 जरूरी अय कि पूरा इसरायली समाज येला मनावय।
48 “तुम्हर बीच म रहइया कोनो परदेसी यदि यहोवा के फसह ला मनाय चाहथे, त ओकर घर के जम्मो
मरदमन के खतना कराना जरूरी अय, तब ओह ओ देस म जनमे मनखे के सहीं येमा भाग ले सकथे। कोनो भी
बिगर खतनावाला मनखे येला झन खावय।
49 येहीच कानून देसी मनखे अऊ तुम्हर बीच म रहइया परदेसी मनखे, दूनों बर लागू होथे।”
50 जम्मो इसरायलीमन वइसे ही करिन, जइसे यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला हुकूम दे रिहिस।
51 अऊ ओहीच दिन यहोवा ह इसरायलीमन ला दल-दल करके मिसर देस ले निकाल लानिस।

13

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 “हर पहिलांत मरद के मोर बर संस्कार करव। इसरायलीमन के बीच म हर गरभ के पहिली फर ह मोर अय,
चाहे ओह मनखे होवय या पसु।”
3 तब मूसा ह मनखेमन ला कहिस, “सुरता करके ये दिन म उत्सव मनावव; येह ओ दिन ए, जब तुमन मिसर
देस ले, गुलामी के देस ले बाहिर निकलेव, काबरकि यहोवा ह अपन सक्तिसाली हांथ के दुवारा तुमन ला उहां ले
निकालके ले आईस। एकरसेति खमीर मिले हुए कोनो भी चीज ला झन खावव।

4 आज, अबीब* नांव के महिना म, तुमन निकलके जावत हव।
5 जब यहोवा ह तुमन ला कनानी, हित्ती, अमोरी, हिब्बी, अऊ यबूसीमन के देस म लानही—ओ देस जेला
तुमन ला देय बर, ओह तुम्हर पुरखामन के संग सपथ खाय रिहिस, एक अइसन देस जिहां दूध अऊ मंधरस के
भरमार हवय—त तुमन इही महिना म ये उत्सव के पालन करव:
6 सात दिन तक तुमन बिगर खमीर के बने रोटी खावव अऊ सातवां दिन यहोवा बर तिहार मनावव।
7 ओ सात दिन तक अखमीरी रोटी ही खावव; तुम्हर बीच येमा कोनो भी किसम के खमीर झन दिखय, न ही
तुम्हर सीमना के भीतर कहूं मेर कोनो किसम के खमीर दिखय।
8 ओ दिन तुमन अपन बेटामन ला बतावव, 'जब मेंह मिसर देस ले बाहिर निकलेंव, त यहोवा ह जऊन कुछू
मोर बर करिस, ओकर सेति मेंह येला मनाथंव।'
9 येकर पालन करई ह तुम्हर बर तुम्हर हांथ म एक चिनहां अऊ तुम्हर माथा म एक सुरता करइया के सहीं
होवय कि यहोवा के ये कानून ह तुम्हर मुहूं म रहय। काबरकि यहोवा ह अपन सक्तिसाली हांथ के दुवारा तुमन
ला मिसर देस ले बाहिर निकाल लानिस।
10 एकरसेति हर साल ठहिराय गे समय म ये बिधि के पालन करव।
11 "जब यहोवा ह तुमन ला कनानीमन के देस म ले आथे अऊ ओला तुम्हर अधिकार म दे देथे, जइसे कि
ओह तुम्हर अऊ तुम्हर पुरखामन ले सपथ खाके परतिगियां करे रिहिस,
12 त तुमन हर एक कोख के पहिली संतान यहोवा ला दे दव। तुम्हर पसुमन के पहिलांत नर बछरू ह घलो
यहोवा के अय।
13 गदहा के हर एक पहिलांत ला एक ठन मेढ़ा-पीला देके छोंड़ा लेवव, पर यदि तुमन ओला नइं छोंड़ावव, त
ओकर घेंच ला टोर देवव। अपन जम्मो पहिलांत बेटामन ला बलदा देके छोंड़ा लेवव।
14 "अवइया दिन म जब तुम्हर बेटामन तुमन ले पुछहीं, 'येकर का मतलब अय?' त ओमन ले कहव, 'यहोवा
ह अपन सक्तिसाली हांथ के दुवारा हमन ला मिसर देस के गुलामी ले निकाल लानिस।
15 जब फिरौन ह जिद्द करके हमन ला नइं जावन देवत रिहिस, त यहोवा ह मिसर देस म मनखे अऊ पसु दूनों
के पहिलांत ला मार डारिस। एकरसेति हमन हर एक के कोख के पहिली नर संतान ला यहोवा बर बलिदान
करथन अऊ अपन पहिलांत बेटा ला बलदा देके छोंड़ा लेथन।'
16 अऊ येह तुम्हर हांथ म एक चिनहां अऊ तुम्हर माथा म एक टीका सहीं होही कि यहोवा ह अपन
सक्तिसाली हांथ के दुवारा हमन ला मिसर देस ले निकाल लानिस।"

?????? ?? ? ??? ???

17 जब फिरौन ह मनखेमन ला जावन दीस, त परमेसर ह ओमन ला पलिस्तीमन के देस के डहार म ले नइं ले
गीस, हालाकि ओ डहार ह छोटे रिहिस। पर परमेसर ह अपन मन म कहिस, "अइसन झन होवय कि ओमन
लड़ई होवत देखंय अऊ अपन मन ला बदलके मिसर देस लहुंट जावंय।"
18 एकरसेति परमेसर ह इसरायलीमन ला सुन्ना जगह के रसता म ले होके लाल-समुंदर कोति ले लेय गीस।
मिसर देस ले निकलके इसरायलीमन लड़ई बर तियार होके आघू बढ़िन।
19 मूसा ह अपन संग यूसुफ के हाड़ामन ला घलो ले गीस, काबरकि यूसुफ ह इसरायलीमन ले ये कहिके
किरिया खवाय रिहिस, "परमेसर ह जरूर तुम्हर मदद करही, अऊ जब तुमन ये जगह ले जावव, त मोर हाड़ामन
ला अपन संग जरूर ले जावव।"†
20 सुक्कोत ले आघू बढ़े के बाद, ओमन एताम म डेरा डालिन, जऊन ह सुन्ना जगह के तीर म रिहिस।
21 यहोवा ह ओमन ला दिन म डहार देखाय बर बादर के खंभा अऊ रथिया अंजोर देय बर आगी के खंभा म
होके ओमन के आघू-आघू चलय, ताकि ओमन रात अऊ दिन यातरा कर सकंय।
22 परमेसर ह न तो बादर के खंभा ला दिन म अऊ न ही आगी के खंभा ला रात म मनखेमन के आघू ले
हटाईस।

14

1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,

* **13:4** इबरीमन के पहिला महिना; बाद म येकर नांव निसान रखे गीस † **13:19** देखव उत 50:25।

2 “इसरायलीमन ला कह कि ओमन पाछ्ू घुंचके मिगदोल अऊ समुंदर के बीच, पी-हाहीरोत के लकठा म डेरा
डालंय। ओमन समुंदर तीर, बाल-सपोन के एकदम सामने म डेरा डालंय।
3 फिरौन ह सोचही, ‘इसरायलीमन घबराहट म आके देस म चारों कोति भटकत हवंय, सुन्ना जगह म फंस गे
हवंय।’
4 अऊ मेंह फिरौन के मन ला कठोर कर दूहूं, अऊ ओह ओमन के पीछा करही। पर मेंह फिरौन अऊ ओकर
जम्मो सेनामन के दुवारा अपन महिमा कराहूं, अऊ मिसरीमन जान लीहीं कि मेंह यहोवा अंव।” अऊ
इसरायलीमन वइसनेच करिन।
5 जब मिसर के राजा ला बताय गीस कि इसरायलीमन भाग गे हवंय, त फिरौन अऊ ओकर करमचारीमन के
मन ह ओमन के बारे म बदल गीस अऊ ओमन कहिन, “हमन का कर डारेंन? हमन इसरायलीमन ला जावन देंन
अऊ अब हमन ला ओमन के सेवा नइं मिलत हे!”
6 तब फिरौन ह अपन रथ ला तियार करवाईस अऊ सेना ला अपन संग लीस।
7 ओह छै सौ बढ़िया-बढ़िया रथमन ला लीस, अऊ संग म मिसर देस के आने जम्मो रथमन ला घलो लीस
अऊ ओ जम्मो रथ म अधिकारीमन रहंय।
8 यहोवा ह मिसर के राजा फिरौन के मन ला कठोर कर दीस, जेकर कारन ओह इसरायलीमन के पीछा करिस,
जेमन बेधड़क आघू बढ़त रिहिन।
9 मिसरीमन—फिरौन के जम्मो घोड़ा अऊ रथ, घुड़सवार अऊ सैनिक दल इसरायलीमन के पीछा करत
ओमन करा हबर गीन, जेमन समुंदर के तीर, पी-हाहीरोत के लकठा म, बाल-सपोन के सामने डेरा डाले रिहिन।
10 जब फिरौन ह लकठा म आईस, त इसरायलीमन देखिन कि मिसरीमन ओमन के पीछा करत आवत हंय। त
ओमन अब्बड़ डरा गीन अऊ चिचियाके यहोवा ले गोहारे लगिन।
11 ओमन मूसा ला कहिन, “का मिसर देस म कबर नइं रिहिस कि तेंह हमन ला इहां सुन्ना जगह म मरे बर ले
आय? तेंह हमर संग काबर अइसे करय कि तेंह हमन ला मिसर देस ले निकाल लानय?
12 का हमन मिसर म तोला नइं कहे रहेंन, ‘हमन ला इहेंच रहन दे; हमन मिसरीमन के सेवा करबो?’ ये सुन्ना
जगह म मरे के बदले बने होतिस कि हमन मिसरीमन के सेवा करत रहितेंन!”
13 मूसा ह मनखेमन ला जबाब दीस, “झन डरव। खड़े रहव अऊ ओ छुटकारा के काम ला देखव, जेला यहोवा
ह आज तुम्हर बर करही। जऊन मिसरीमन ला आज तुमन देखत हव, ओमन ला तुमन फेर कभू नइं देखहू।
14 यहोवा ह तुम्हर बर लड़ही; तुमन सिरिप चुपेचाप रहव।”
15 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “तुमन काबर चिचियाके मोला गोहारत हव? इसरायलीमन ला कह कि
ओमन आघू बढ़ंय।
16 पानी ला दू भाग करे बर लउठी ला उठाके अपन हांथ ला समुंदर कोति बढ़ा, ताकि इसरायलीमन समुंदर के
सूखा भुइयां म ले होके जा सकंय।
17 मेंह मिसरीमन के मन ला कठोर कर दूहूं अऊ ओमन इसरायलीमन के पीछा करत आहीं। अऊ मेंह फिरौन
अऊ ओकर जम्मो सेना के जरिये, अऊ ओकर जम्मो रथ अऊ ओकर घुड़सवारमन के जरिये महिमा पाहूं।
18 जब मेंह फिरौन, ओकर रथ अऊ ओकर घुड़सवारमन के जरिये महिमा पाहूं, त मिसरीमन जान लीहीं कि
मेंह यहोवा अंव।”
19 तब परमेसर के स्वरगदूत, जऊन ह इसरायली सेना के आघू-आघू चलत रिहिस, घुंचके ओमन के पाछ्ू म
चल दीस। बादर के खंभा ह घलो आघू ले हटके ओमन के पाछ्ू म आ गीस।
20 ये किसम ले, स्वरगदूत अऊ बादर के खंभा ह मिसर के सेना अऊ इसरायलीमन के बीच म आ गीन। बादर
के कारन रात भर एक तरफ अंधियार अऊ दूसर कोति अंजोर रिहिस; एकरसेति रात भर दूनों तरफ के कोनो भी
एक-दूसर के तीर म नइं आ सकिन।
21 तब मूसा ह समुंदर कोति अपन हांथ ला बढ़ाईस, अऊ यहोवा ह ओ पूरा रथिया पूरब ले बहुंत हवा
चलाईस, अऊ समुंदर के पानी ह हट गे, अऊ उहां सूखा भुइयां हो गीस; पानी ह दू भाग हो गीस,
22 अऊ इसरायलीमन सूखा भुइयां म समुंदर म ले होके चल दीन, अऊ पानी ह ओमन के डेरी अऊ जेवनी
दूनों कोति दीवार सहीं हो गे रिहिस।

23 मिसरीमन ओमन के पीछा करिन, अऊ फिरौन के जम्मो घोड़ा, रथ अऊ घुड़सवारमन ओमन के पीछा
करत समुंदर म आ गीन।
24 रथिया के आखिरी बेरा म यहोवा ह आगी अऊ बादर के खंभा ले खाल्हे मिसरी सेना के ऊपर नजर
डालिस, अऊ ओमन म गड़बड़ी कर दीस।
25 ओह ओमन के रथ के चक्कामन ला जाम कर दीस, जेकर कारन ओमन ला रथ चलाना मुसकिल हो गे,
अऊ मिसरीमन कहे लगिन, "आवव, हमन इसरायलीमन के पीछा करई छोंड़के दूरिहा भाग जावन! यहोवा ह
ओमन के खातिर मिसरीमन के बिरूध लड़त हवय।"
26 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "अपन हांथ ला समुंदर कोति लमा ताकि पानी ह मिसरी अऊ ओमन के रथ
अऊ घुड़सवारमन ऊपर फेर बोहावय।"
27 मूसा ह अपन हांथ ला समुंदर कोति लमाईस, अऊ बिहनियां होवत समुंदर ह फेर पहिले के सहीं जस के
तस हो गीस। मिसरीमन भागे लगिन, पर यहोवा ह ओमन ला समुंदर म बुड़ो दीस।
28 पानी ह वापिस बहे लगिस अऊ रथ अऊ घुड़सवार—फिरौन के ओ जम्मो सेना ला बुड़ो दीस, जेमन
इसरायलीमन के समुंदर म पीछा करत रिहिन। ओमा के एको झन भी नइं बांचिन।
29 पर इसरायलीमन समुंदर म ले होके सूखा भुइयां म रेंगत निकल गीन, अऊ पानी ह दीवार के सहीं ओमन
के जेवनी अऊ डेरी कोति ठाढ़े रहय।
30 ओ दिन यहोवा ह इसरायलीमन ला मिसरीमन के हांथ ले बचाईस, अऊ इसरायलीमन मिसरीमन ला
समुंदर के तीर म मरे पड़े देखिन।
31 अऊ जब इसरायलीमन यहोवा के सक्तिसाली हांथ ला मिसरीमन के बिरूध काम करत देखिन, त ओमन
यहोवा के भय मानिन अऊ ओमन ओकर ऊपर अऊ ओकर सेवक मूसा ऊपर भरोसा करिन।

15

[illegible]

1 तब मूसा अऊ इसरायलीमन यहोवा बर ये गीत गाईन:
"मेंह यहोवा बर गीत गाहूं,
काबरकि ओह महान परतापी अय।
घोड़ा अऊ घुड़सवार दूनों ला
ओह समुंदर म फटिक दे हवय।

2 "यहोवा ह मोर बल अऊ मोर सुरकछा* अय;
ओही ह मोर उद्धार अय।
ओह मोर परमेसर अय, अऊ मेंह ओकर परसंसा करहूं,
ओह मोर ददा के परमेसर अय, अऊ मेंह ओकर महिमा करहूं।
3 यहोवा ह योद्धा अय;
ओकर नांव यहोवा अय।
4 फिरौन के रथमन ला अऊ ओकर सेना ला
ओह समुंदर म फटिक दे हवय।
फिरौन के सबले बढ़िया अधिकारीमन
लाल-समुंदर म बुड़ गे हवंय।
5 गहिरा पानी ह ओमन ला ढांप ले हवय;
ओमन गहरई म पथरा कस बुड़ गीन।
6 हे यहोवा, तोर जेवनी हांथ ह
ताकत म सानदार रिहिस।
हे यहोवा, तोर जेवनी हांथ ह
बईरीमन ला चकनाचूर कर दीस।

* **15:2** या *[illegible]*

7 “अपन बड़े महानता म,
तेंह अपन बिरोधीमन ला खाल्हे फटिक देय।
तोर भयंकर गुस्सा ह भड़किस;
येह भूंसा के सहीं ओमन ला भसम कर दीस।
8 तोर नाक के फूंक ले
पानी ह संकला गीस।
पानी के लहरा ह दीवार के सहीं ठाढ़ हो गीस;
गहिरा पानी ह समुंदर के मांझा म जम गीस।
9 बईरी ह ये कहिके डींग मारिस,
‘मेंह पीछा करहूं, मेंह ओमन ला धर लूहूं।
मेंह लूट के सामान ला बांट लूहूं;
मेंह ओमन ला अपन बर ठूंसके भर लूहूं।
मेंह अपन तलवार ला खींचके निकालहूं
अऊ मोर हांथ ह ओमन ला नास कर दीही।’
10 पर तेंह अपन सांस फूंके,
अऊ समुंदर ह ओमन ला ढांप लीस।
ओमन अथाह पानी म
सीसा के सहीं बुड़ गीन।
11 हे यहोवा, देवतामन म
तोर कस कोन हवय?
कोन हवय तोर कस—
पबितरता म सानदार,
महिमा म अद्भूत,
अऊ अचम्भो के काम करइया?

12 “तेंह अपन जेवनी हांथ ला बढ़ाथस,
अऊ धरती ह तोर बईरीमन ला लील लेथे।
13 अपन बड़े मया म तेंह ओ मनखेमन के अगुवई करबे,
जेमन ला तेंह छोंड़ाय हस।
अपन ताकत ले तेंह ओमन ला
अपन पबितर निवास म ले जाबे।
14 जाति-जाति के मनखेमन सुनके कांपे लगहीं;
पलिस्ती के मनखेमन म डर हमा जाही।
15 एदोम के मुखियामन भयभीत हो जाहीं,
मोआब के अगुवामन कांपे लगहीं,
कनान के मनखेमन† के मन ह पिघल जाही;
16 आतंक अऊ भय ओमन म छा जाही।
हे यहोवा, जब तक कि तोर मनखेमन निकल नइं जावंय,
जब तक कि तोर बिसाय‡ मनखेमन निकल नइं जावंय,
तोर भुजबल के दुवारा
ओमन पथरा के सहीं इस्थिर बने रहिहीं।
17 तेंह ओमन ला लानबे
अऊ अपन निज भाग के पहाड़ म ओमन ला बसाबे—
हे यहोवा, येह ओ जगह अय, जेला तेंह अपन निवास बर बनाय,

† **15:15** या [illegible] ‡ **15:16** या [illegible]

हे परभू, येह ओ पबितर-स्थान अय, जेला तेंह अपन हांथ ले इस्थिर करे हस।

18 “यहोवा ह सदाकाल बर
राज करथे।”
19 जब फिरौन के घोड़ा, रथ अऊ घुड़सवारमन§ समुंदर म आ गीन, त यहोवा ह ओमन ऊपर समुंदर के पानी
ला वापिस ले आईस, पर इसरायलीमन सूखा भुइयां म समुंदर ले होके रेंगत निकल गीन।
20 तब हारून के बहिनी, मिरियम अगमजानी ह अपन हांथ म डफली धरिस, अऊ ओकर संग जम्मो
माईलोगनमन डफली धरके नाचे लगिन।
21 मिरियम ह ओमन बर ये गीत गाईस:
“यहोवा के गीत गावव,
काबरकि ओह महान परतापी अय।
घोड़ा अऊ घुड़सवार दूनों ला
ओह समुंदर म फटिक दे हवय।”

[illegible]

22 तब मूसा ह इसरायलीमन ला लाल-समुंदर ले सूर के सुन्ना जगह म ले गीस। तीन दिन तक ओमन सुन्ना
जगह म चलिन, पर ओमन ला पानी नइं मिलिस।
23 जब ओमन मारा नांव के ठऊर म आईन, त ओमन उहां के पानी ला नइं पी सकिन, काबरकि ओ पानी ह
करू रिहिस। (एकर कारन ओ ठऊर ला मारा* कहे जाथे।)
24 तब मनखेमन मूसा के बिरूध बड़बड़ाय लगिन अऊ कहिन, “हमन का ला पीबो?”
25 तब मूसा ह यहोवा करा गोहारिस, अऊ यहोवा ह ओला एक ठन लकड़ी के कुटा देखाईस। मूसा ह ओला
पानी म फटिक दीस, अऊ ओ पानी ह पीये के लईक हो गीस।
उहां यहोवा ह ओमन बर एक ठन नियम अऊ हुकूम बनाईस अऊ ओमन ला परखिस।
26 ओह कहिस, “कहूं तुमन यहोवा अपन परमेसर के बात ला धियान देके सुनहू, अऊ जऊन कुछू ओकर नजर
म सही अय, ओला करहू, कहूं तुमन ओकर हुकूम अऊ ओकर जम्मो नियममन ला मानहू, त जऊन महामारी
मेंह मिसरीमन ऊपर लाने रहेंव, ओमा के एको ठन ला तुम्हर ऊपर नइं लानंव, काबरकि मेंह यहोवा अंव, जऊन
ह तुमन ला चंगा करथे।”
27 तब ओमन एलीम नांव के जगह म आईन, जिहां पानी के बारह ठन सोता अऊ सत्तर ठन खजूर के रूख
रहंय, अऊ ओमन ओ सोतामन के पानी के तीर म अपन डेरा डालिन।

16

[illegible]

1 तब पूरा इसरायली समाज ह एलीम ले आघू बढ़िस अऊ ओमन सीन नांव के निरजन जगह म आईन, जऊन
ह एलीम अऊ सीनय पहाड़ के बीच म हवय। मिसर देस ले निकले के दूसरा महिना के पंदरहवां दिन
इसरायलीमन उहां हबरिन।
2 ओ निरजन जगह म जम्मो इसरायली समाज ह मूसा अऊ हारून के बिरूध बड़बड़ाय लगिस।
3 इसरायलीमन ओमन ला कहिन, “बने होतिस यदि हमन यहोवा के हांथ ले मिसर म ही मर गे रहितेंन! उहां
हमन मांस ले भरे कढ़ाही के तीर म बईठके अपन ईच्छा के मुताबिक जम्मो किसम के जेवन करत रहेंन, पर तुमन
हमन ला ये निरजन जगह म एकरसेति लाने हवव कि ये पूरा समाज भूख के मारे मर जावय।”
4 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “मेंह तुम्हर बर स्वरग ले रोटी बरसाहूं। मनखेमन हर दिन बाहिर जाके अपन
दिन भर के रोटी संकेल लेवंय। ये किसम ले मेंह ओमन ला परखहूं अऊ देखहूं कि ओमन मोर हुकूम ला मानथें
कि नइं।
5 हप्ता के हर छठवां दिन ओमन आने दिन ले दू गुना जेवन संकेलंय, अऊ ओला रांधंय।”

§ **15:19** या [illegible] * **15:23** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

6 मूसा अऊ हारून जम्मो इसरायलीमन ला कहिन, “सांझ के तुमन जान जाहू कि येह यहोवा अय, जऊन ह
तुमन ला मिसर देस ले बाहिर निकाल लानिस,
7 अऊ बिहनियां तुमन यहोवा के महिमा ला देखहू, काबरकि ओह अपन बिरोध म तुम्हर बड़बड़ई ला सुने
हवय। हमन कोन अन कि तुमन हमर बिरूध म बड़बड़ावव?”
8 मूसा ह ये घलो कहिस, “तुमन जान लूहू कि येह यहोवा अय, जऊन ह तुम्हर खाय बर सांझकुन मांस अऊ
बिहनियां तुम्हर जरूरत के पूरा रोटी देथे, काबरकि ओह अपन बिरूध तुम्हर बड़बड़ई ला सुन ले हवय। हमन
कोन अन? तुमन हमर बिरूध नइं बड़बड़ावत हव, पर यहोवा के बिरूध बड़बड़ावत हव।”
9 तब मूसा ह हारून ला कहिस, “जम्मो इसरायली समाज ले ये कहि दे, ‘यहोवा के आघू म आवव, काबरकि
ओह तुम्हर बड़बड़ई ला सुने हवय।’ ”
10 जब हारून ह जम्मो इसरायली समाज ले गोठियावत रिहिस, त ओमन निरजन जगह कोति नजर करिन,
अऊ उहां बादर म यहोवा के महिमा परगट होवत देखिन।
11 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
12 “मेंह इसरायलीमन के बड़बड़ई ला सुने हवंव। ओमन ला बता, ‘सांझकुन तुमन ला मांस अऊ बिहनियां के
बेरा तुमन ला भरपेट रोटी खाय बर मिलही। तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।’ ”
13 ओ दिन संझा के बेरा बटेरमन आईन अऊ छावनी ह बटेरमन ले भर गीस, अऊ बिहनियां के बेरा छावनी
म चारों कोति ओस के एक परत दिखिस।
14 जब ओस ह सूखा गीस, त पाला के सहीं एक पतला परत निरजन जगह के भुइयां म पड़े दिखिस।
15 जब इसरायलीमन येला देखिन, त ओमन आपस म कहे लगिन, “येह का ए?” काबरकि ओमन नइं जानत
रिहिन कि ओह का रिहिस।
मूसा ह ओमन ला कहिस, “येह ओ रोटी ए, जेला यहोवा ह तुमन ला खाय बर दे हवय।
16 येह यहोवा के हुकूम अय: ‘हर एक झन अपन जरूरत के मुताबिक खाय बर संकेल लेवय। अपन तम्बू म
हर एक मनखे बर एक-एक ओमेर* संकेलव।’ ”
17 इसरायलीमन वइसनेच करिन, जइसे ओमन ला कहे गीस; कोनो मन थोरकन, त कोनो मन जादा संकेलिन।
18 अऊ जब ओमन येला ओमेर म नापिन, त जऊन ह जादा संकेले रिहिस, ओकर करा बहुंत जादा नइं
रिहिस, अऊ जऊन ह थोरकन संकेले रिहिस, ओकर करा कम नइं होईस। पर हर एक झन अपन जरूरत के
मुताबिक ही संकेले रिहिन।
19 तब मूसा ह ओमन ला कहिस, “कोनो भी मनखे बिहनियां होवत तक येमा के कुछू चीज ला बचाके झन
रखय।”
20 पर ओमा के कुछू मनखेमन मूसा के गोठ ला धियान नइं दीन; अऊ येमा के कुछू भाग ला बिहनियां बर रख
लीन, पर ओमा कीरा पर गे अऊ ओह बस्साय लगिस। एकरसेति मूसा ह ओमन ऊपर गुस्सा होईस।
21 रोज बिहनियां हर एक जन अपन जरूरत के मुताबिक ओला संकेलंय, अऊ जब घाम होवय, त ओह टघल
जावय।
22 हप्ता के छठवां दिन, ओमन आने दिन के तुलना म दू गुना संकेलिन—हर एक मनखे बर दू ओमेर—अऊ
समाज के अगुवामन आके मूसा ला ये बात के सूचना दीन।
23 ओह ओमन ला कहिस, “यहोवा ह ये हुकूम दे हवय: ‘कल बिसराम दिन अय, यहोवा बर एक पबितर
बिसराम दिन। एकरसेति, जऊन कुछू तुमन रांधे बर चाहत हव, ओला रांध लव अऊ जऊन कुछू तुमन उसने बर
चाहत हव, ओला उसन लव। जतेक ह बांच जाही, ओला बिहनियां होवत तक रख लेवव।’ ”
24 तब ओमन मूसा के हुकूम के मुताबिक ओला बिहनियां होवत तक बंचाके रखिन, अऊ ओह बास नइं मारिस
अऊ ओमा कीरा नइं लगिस।
25 मूसा ह कहिस, “आज तुमन इही ला खावव, काबरकि आज यहोवा बर बिसराम दिन अय। येमा के कुछू भी
चीज आज तुमन ला मैदान म नइं मिलही।

* **16:16** लगभग एक किलो चार सौ ग्राम।

26 हप्ता के छै दिन तुमन येला संकेलव, पर सातवां दिन बिसराम दिन अय, अऊ ओ दिन येह तुमन ला नइं
मिलय।"
27 तभो ले, कुछू मनखेमन सातवां दिन घलो ओला संकेले बर गीन, पर ओमन ला कुछू नइं मिलिस।
28 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "तुमन कब तक मोर हुकूम अऊ निरदेसमन ला नइं मानहू?
29 अपन मन म ये बात ला रख लव कि यहोवा ह तुमन ला बिसराम दिन दे हवय; एकरसेति ओह तुमन ला
छठवां दिन दू दिन के पुरता जेवन देथे। सातवां दिन हर एक झन घर म रहंय; कोनो बाहिर झन निकलय।"
30 एकरसेति मनखेमन सातवां दिन बिसराम करिन।
31 मनखेमन ओ जेवन के नांव मन्ना† रखिन। ओह सफेद धनियां के बीजा सहीं रिहिस, अऊ ओकर सुवाद ह
मंधरस ले बने छोटे पातर मीठा पपड़ी सहीं रिहिस।
32 मूसा ह इसरायलीमन ला कहिस, "यहोवा ह ये हुकूम दे हवय: 'एक ओमेर‡ मन्ना अवइया पीढ़ी के
मनखेमन बर रख लेवव, ताकि ओमन ओ जेवन ला देखंय, जेला मेंह तुमन ला निरजन जगह म देय हवंव, जब
मेंह तुमन ला मिसर देस ले निकालके लानेंव।' "
33 तब मूसा ह हारून ला कहिस, "एक ठन बरतन ले अऊ ओमा एक ओमेर मन्ना ले अऊ ओला यहोवा के
आघू म मढ़ा दे ताकि ओह अवइया पीढ़ी के मनखेमन बर रहय।"
34 यहोवा के मूसा ला दिये हुकूम के मुताबिक, हारून ह मन्ना ला करार कानून के पटियामन के संग रख दीस,
ताकि ओला बचाय जा सकय।
35 इसरायलीमन चालीस साल तक मन्ना खाईन, जब तक कि ओमन ओ देस म नइं हबर गीन, जिहां ओमन
ला बसना रिहिस; ओमन तब तक मन्ना ला खाईन, जब तक कि ओमन कनान देस के सीमना म नइं हबर गीन।
36 (एक ओमेर ह एक एपा§ के दसवां हिस्सा होथे।)

17

[illegible]

1 पूरा इसरायली समाज ह सीन नांव के निरजन जगह ले आघू बढ़िस, ओमन जगह-जगह के यातरा करत
गीन, जइसे कि यहोवा ह ओमन ला हुकूम दीस। ओमन रपीदीम नांव के जगह म डेरा डालिन, पर उहां
मनखेमन के पीये बर पानी नइं रिहिस।
2 एकरसेति ओमन मूसा ले झगरा करे लगिन अऊ कहिन, "हमन ला पीये बर पानी दे।"
मूसा ह जबाब दीस, "तुमन काबर मोर संग झगरा करत हव? तुमन काबर यहोवा के परिछा लेवत हव?"
3 पर मनखेमन पानी बर पीयासन रिहिन, अऊ ओमन मूसा के बिरूध बड़बड़ाय लगिन। ओमन कहिन, "तेंह
काबर हमन ला मिसर देस ले बाहिर निकालके ले आय कि हमन अऊ हमर लइकामन अऊ पसुमन पीयास के
मारे मर जावन?"
4 तब मूसा ह यहोवा ले चिचियाके गोहारिस, "मेंह ये मनखेमन के का करंव? ओमन मोर ऊपर पथरवाह करे
बर लगभग तियार हवंय।"
5 यहोवा ह मूसा ला जबाब दीस, "मनखेमन के आघू म जा। अपन संग इसरायल के कुछू अगुवामन ला ले
अऊ जऊन लउठी ले तेंह नील नदी ला मारे रहय, ओला अपन हांथ म ले अऊ जा।
6 मेंह उहां तोर आघू म होरेब पहाड़ ऊपर चट्टान के बाजू म ठाढ़े रहिहूं। तेंह लउठी ले ओ चट्टान ला मारबे,
अऊ मनखेमन के पीये बर ओमा ले पानी निकलही।" अऊ मूसा ह इसरायल के अगुवामन के आघू म वइसनेच
करिस।
7 अऊ ओह ओ ठऊर के नांव मस्सा* अऊ मरीबा† रखिस, काबरकि इसरायलीमन उहां झगरा करे रिहिन, ये
कहिके यहोवा ला परखे रिहिन, "यहोवा ह हमर बीच हवय कि नइं?"

[illegible]

8 रपीदीम म अमालेकीमन आईन अऊ इसरायलीमन ऊपर हमला कर दीन।

---

† **16:31** [illegible] इबरानी म मतलब होथे [illegible] (देखव पद 15) ‡ **16:32** लगभग 1 किलो 400 ग्राम § **16:36** येह एक बिसेस नापा अय, [illegible] ह लगभग दस किलो होथे। * **17:7** [illegible] के मतलब होथे [illegible] † **17:7** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

9 मूसा ह यहोसू ला कहिस, “हमर म के कुछू मनखेमन ला छांट ले अऊ जाके अमालेकीमन ले लड़ई कर।
कल मेंह परमेसर के लउठी ला अपन हांथ म धरके पहाड़ी के ऊपर म ठाढ़े रहिहूं।”
10 मूसा के हुकूम के मुताबिक यहोसू ह अमालेकीमन ले लड़िस, अऊ मूसा, हारून अऊ हूर, पहाड़ी के टीप म
चघ गीन।
11 जब तक मूसा ह अपन हांथ ला ऊपर करे रहय, तब तक इसरायलीमन जीतंय, पर जब-जब ओह अपन
हांथ ला खाल्हे कोति करय, त अमालेकीमन जीतंय।
12 जब मूसा के हांथ ह थक गीस, त ओमन एक ठन पथरा ला लेके ओकर बईठे बर मढ़ा दीन अऊ ओह ओकर
ऊपर बईठ गीस। हारून अऊ हूर ओकर हांथमन ला उठाय रखिन—एक झन ह एक कोति अऊ एक झन ह दूसर
कोति—जेकर ले ओकर हांथमन बेर बुड़त तक इस्थिर रिहिन।
13 अऊ यहोसू ह अमालेकी सेना ला तलवार के बल म हरा दीस।
14 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “ये बात ला एक ठन चामपट्टी‡ म लिख ले ताकि येला सुरता करे जावय,
अऊ येकर घलो धियान रख कि यहोसू ह ये बात ला सुनय, काबरकि मेंह धरती ले अमालेकीमन के नामोनिसान
मिटा दूहूं।”
15 मूसा ह एक ठन बेदी बनाईस अऊ ओकर नांव रखिस—यहोवा§ ह मोर झंडा ए।
16 मूसा ह कहिस, “यहोवा ह पीढ़ी-पीढ़ी तक अमालेकीमन के बिरूध लड़ई करत रहिही, काबरकि ओमन
यहोवा के सिंघासन के बिरूध हांथ उठाय हवंय।”

18

[illegible]

1 मूसा के ससुर, मिदयान देस के पुरोहित यितरो ह ओ जम्मो बात ला सुनिस, जऊन ला परमेसर ह मूसा
अऊ अपन इसरायली मनखेमन बर करे रिहिस, अऊ ये कि यहोवा ह कइसे इसरायलीमन ला मिसर देस ले
निकालके लानिस।
2 मूसा ह अपन घरवाली सिप्पोरा अऊ अपन दू झन बेटा ला अपन ससुर यितरो करा पठो दे रिहिस।
3 मूसा ह ओमा के एक झन बेटा के नांव ये कहिके गेरसोम* रखिस, “मेंह परदेस म परदेसी हो गे हंव”;
4 अऊ ओह ये कहिके दूसर बेटा के नांव एलिएजेर† रखिस, “मोर ददा के परमेसर ह मोर मददगार रिहिस;
ओह मोला फिरौन के तलवार ले बचाईस।”
5 मूसा के ससुर यितरो ह मूसा के घरवाली अऊ ओकर बेटामन ला लेके मूसा करा ओ निरजन जगह म
आईस, जिहां ओह परमेसर के पहाड़ के लकठा म डेरा डाले रिहिस।
6 यितरो ह ओकर करा ये खबर पठोईस, “मेंह तोर ससुर यितरो, तोर घरवाली अऊ तोर दूनों बेटामन ला लेके
तोर करा आवत हंव।”
7 तब मूसा ह अपन ससुर ले भेंट करे बर बाहिर निकलिस अऊ ओकर दंडवत करके ओला चूमिस। ओमन
एक-दूसर के हालचाल पुछत तम्बू के भीतर गीन।
8 मूसा ह अपन ससुर ला ओ जम्मो बात बताईस, जऊन ला इसरायलीमन के हित म यहोवा ह फिरौन अऊ
मिसरीमन के संग करे रिहिस, अऊ ओ जम्मो कठिनई के घलो बखान करिस, जऊन ह यातरा के बखत ओमन
ऊपर परिस अऊ यहोवा ह कइसे ओमन ला बचाईस।
9 यितरो ह यहोवा के ओ जम्मो भलई के काम ला सुनके खुस होईस, जऊन ला ओह इसरायलीमन बर करे
रिहिस याने कि ओह कइसे ओमन ला मिसरीमन के हांथ ले छोंड़ाय रिहिस।
10 यितरो ह कहिस, “यहोवा के परसंसा होवय, जऊन ह तुमन ला फिरौन अऊ मिसरीमन के हांथ ले
छोंड़ाईस, अऊ जऊन ह मनखेमन ला मिसरीमन के हांथ ले छोंड़ाईस।
11 अब मेंह जान डारेंव कि यहोवा ह आने जम्मो देवतामन ले महान अय, काबरकि ओह येला ओमन के संग
साबित कर दीस, जऊन मन घमंडी होके इसरायलीमन संग खराप बरताव करिन।”

---

‡ **17:14** *[illegible]* येह *[illegible]* या रूख के छाली ले बने पन्ना रहय, जेला लपेटके रखे जावय § **17:15** या *[illegible]* * **18:3** *[illegible]* इबरानी म *[illegible]* † **18:4** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]*

12 तब मूसा के ससुर यितरो ह परमेसर बर होम-बलिदान अऊ आने बलिदान चघाईस, अऊ हारून ह
इसरायलीमन के जम्मो अगुवामन संग मूसा के ससुर यितरो करा आईस, ताकि ओमन ओकर संग परमेसर के
आघू म जेवन कर सकंय।
13 दूसर दिन मूसा ह मनखेमन के नियाय करे बर नियायधीस के आसन म बईठिस, अऊ बिहान ले लेके सांझ
तक मनखेमन मूसा के चारों कोति ठाढ़े रिहिन।
14 जब मूसा के ससुर ह ओ जम्मो ला देखिस, जेला मूसा ह मनखेमन बर करत रिहिस, त ओह कहिस, "येह
का अय, जऊन ला तेंह मनखेमन बर करत हस? नियाय करे बर तेंह एके झन काबर बईठथस, जबकि ये जम्मो
मनखेमन बिहान ले सांझ तक तोर चारों कोति ठाढ़े रहिथें?"
15 मूसा ह ओला जबाब दीस, "काबरकि मनखेमन मोर करा परमेसर के ईछा जाने बर आथें।
16 जब भी ओमन म कोनो झगरा होथे, त ओमन मोर करा आथें, अऊ मेंह ओमन के फैसला करथंव अऊ
ओमन ला परमेसर के नियम अऊ बिधिमन ला बताथंव।"
17 मूसा के ससुर ह जबाब दीस, "जऊन कुछू तेंह करत हस, ओह सही नो हय।
18 अइसन म तेंह अऊ ये मनखे, जेमन तोर करा आथें, तुमन जम्मो अपनआप ला बहुंत थका डारहू। ये काम
ह तोर बर बहुंत जादा हे; तेंह एके झन येला नइं कर सकस।
19 एकरसेति मोर बात ला सुन; मेंह तोला कुछू सलाह देवत हंव, अऊ परमेसर ह तोर संग रहय। तेंह परमेसर
के आघू म ये मनखेमन के परतिनिधि बन अऊ ओमन के झगरा ला परमेसर करा लान।
20 ओमन ला ओकर नियम अऊ बिधिमन ला सिखोय कर, अऊ ओमन ला देखा कि ओमन कइसे जिनगी
जीयंय अऊ ओमन कइसे बरताव करंय।
21 पर ये जम्मो मनखेमन ले योग्य मनखेमन ला छांट ले—अइसन मनखे, जऊन मन परमेसर के भय मानथें,
ईमानदार मनखे, जऊन मन बेईमानी के कमई ले दूरिहा रहिथें—अऊ येमन ला हजार-हजार, सौ-सौ,
पचास-पचास अऊ दस-दस मनखेमन के ऊपर अधिकारी ठहिरा दे।
22 येमन ही जम्मो बेरा मनखेमन बर नियायधीस के रूप म काम करंय, पर ओमन कठिन मामला ला तोर करा
लानंय; सधारन मामला के फैसला ओमन खुद करंय। येह तोर बोझा ला हल्का करही, काबरकि ये बोझा ला
ओमन तोर संग बांटहीं।
23 कहूं तेंह येला करथस अऊ परमेसर ह अइसने करे के हुकूम देथे, त तेंह बुता ला सही ढंग से करे के लईक
रहिबे, अऊ जम्मो मनखेमन संतोस मन से अपन-अपन घर जाहीं।"
24 मूसा ह अपन ससुर के गोठ ला मानिस अऊ जऊन कुछू ओह कहिस, वइसने ही करिस।
25 ओह जम्मो इसरायलीमन ले योग्य मनखेमन ला चुनिस अऊ ओमन ला मनखेमन के अगुवा, हजार-हजार,
सौ-सौ, पचास-पचास अऊ दस-दस मनखे ऊपर अधिकारी ठहिराईस।
26 ओमन जम्मो बेरा मनखेमन बर नियायधीस के रूप म काम करिन। कठिन मामला ला ओमन मूसा करा
लानंय, पर सधारन मामला के फैसला ओमन खुद करंय।
27 तब मूसा ह अपन ससुर ला बिदा करिस अऊ यितरो ह अपन देस ला लहुंट गीस।

19

[illegible] [illegible] ? [illegible]

1 इसरायलीमन के मिसर देस ले निकले के तीसरा महिना के ठीक पहिला दिन ओमन सीनय के सुन्ना जगह म
आईन।
2 रपीदीम ले आघू बढ़े के बाद, ओमन सीनय के सुन्ना जगह म हबरिन अऊ इसरायलीमन उहां पहाड़ के आघू
म डेरा डालिन।
3 तब मूसा ह ऊपर पहाड़ म परमेसर करा गीस, अऊ यहोवा ह पहाड़ ले ओला बलाके कहिस, "तें याकूब के
संतान अऊ इसरायल के मनखेमन ला ये बात बता:
4 'तुमन खुद देखे हवव कि मेंह मिसर देस के का हाल करेंव, अऊ कइसे तुमन ला गिधवा सहीं डेना म बईठाके
अपन करा लानेंव।

5 अब यदि तुमन मोर गोठ ला पूरा मानहू, अऊ मोर करार ला बनाय रखहू, त जम्मो जाति के मनखेमन म
तुमन मोर कीमती निज भाग होहू। हालाकि जम्मो धरती ह मोर अय,
6 तुमन मोर बर पुरोहितमन के एक राज अऊ एक पबितर जाति होहू।' ये बात तेंह इसरायलीमन ले कह।"
7 तब मूसा ह वापिस गीस अऊ मनखेमन के अगुवामन ला बलाईस अऊ ओ जम्मो बात ओमन के आघू म
रखिस, जेला कहे के हुकूम यहोवा ह ओला दे रिहिस।
8 तब जम्मो मनखेमन एके संग जबाब दीन, "हमन ओ जम्मो काम करबो, जेला यहोवा ह कहे हवय।" मूसा ह
मनखेमन के ये बात वापिस जाके यहोवा ला बताईस।
9 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "देख, मेंह एक ठन घिटके बादर म होके तोर करा आहूं अऊ तोर ले गोठियाहूं,
अऊ मनखेमन मोला तोर ले बात करत सुनहीं अऊ हमेसा तोर ऊपर भरोसा करहीं।" तब मूसा ह मनखेमन के
कहे बात यहोवा ला सुनाईस।
10 अऊ यहोवा ह मूसा ला कहिस, "मनखेमन करा जा अऊ ओमन ला आज अऊ कल पबितर कर। ओमन
अपन-अपन कपड़ा ला धोवंय
11 अऊ तीसर दिन तियार रहंय, काबरकि ओ दिन यहोवा ह जम्मो मनखेमन के देखत म सीनय पहाड़ म
उतरही।
12 तेंह मनखेमन बर पहाड़ के चारों कोति एक सीमना बना देबे अऊ ओमन ला कहिबे, 'सावधान रहव अऊ
कोनो पहाड़ करा झन जावय अऊ न ही कोनो ओकर सीमना ला छुवय। जऊन कोनो पहाड़ ला छुवय, ओह मार
डारे जावय।
13 ओला पथरवाह करे जाही या तीर चलाके ओला मार डारे जाही; कोनो ओ मनखे ला झन छुवंय। चाहे ओह
मनखे होवय या पसु, ओला जिंदा नइं छोंड़े जावय।' जब तुरही फूंके के लम्बा अवाज सुनई दीही, तब मनखेमन
पहाड़ के लकठा म आवंय।"
14 तब मूसा ह पहाड़ ले उतरके मनखेमन करा गीस अऊ ओमन ला पबितर करिस, अऊ ओमन अपन-अपन
कपड़ा ला धोईन।
15 तब मूसा ह मनखेमन ला कहिस, "अपनआप ला तीसर दिन बर तियार करव; कोनो माईलोगन संग झन
सुतहू।"
16 तीसर दिन के बिहनियां बादर गरजिस अऊ बिजली चमकिस; पहाड़ ऊपर कारी घटा छा गीस, अऊ तुरही
के तेज अवाज सुनई दीस। डेरा म जम्मो झन कांपे लगिन।
17 तब मूसा ह परमेसर ले भेंट कराय बर मनखेमन ला डेरा ले बाहिर ले आईस, अऊ ओमन पहाड़ के खाल्हे
म ठाढ़ हो गीन।
18 सीनय पहाड़ ह धुआं ले भर गे रिहिस, काबरकि यहोवा ह आगी म होके उहां उतरे रिहिस। धुआं ह अइसे
ऊपर उठत रिहिस, जइसे कोनो भट्ठी ले धुआं उठथे, अऊ पूरा पहाड़ ह बहुंत जोर से कांपे लगिस।
19 जब तुरही के अवाज ह तेज होवत गीस, त मूसा ह गोठियाईस अऊ परमेसर के अवाज ह ओकर जबाब
दीस।
20 यहोवा ह सीनय पहाड़ के ऊपर म उतरिस अऊ मूसा ला पहाड़ के ऊपर म बलाईस, त मूसा ह ऊपर गीस
21 अऊ यहोवा ह ओला कहिस, "उतरके खाल्हे जा अऊ मनखेमन ला चेता दे ताकि ओमन यहोवा ला देखे
बर अपन सीमना ला झन लांघंय, नइं तो बहुंते झन नास हो जाहीं।
22 अऊ त अऊ जऊन पुरोहितमन यहोवा करा आथें, ओमन घलो अपनआप ला जरूर पबितर करंय, नइं तो
यहोवा के कोप ओमन ऊपर घलो भड़कही।"
23 मूसा ह यहोवा ला कहिस, "मनखेमन सीनय पहाड़ ऊपर नइं आ सकंय, काबरकि तेंह खुद ये कहिके हमन
ला चेताय हस, 'पहाड़ के चारों कोति सीमना बांध दे अऊ पबितर रूप म येला अलग रख।' "
24 यहोवा ह जबाब दीस, "तेंह खाल्हे जा अऊ अपन संग हारून ला ऊपर लेके आ। पर पुरोहित अऊ
मनखेमन यहोवा करा ऊपर आय बर सीमना ला झन लांघंय, नइं तो ओकर कोप ह ओमन ऊपर भड़कही।"
25 तब मूसा ह खाल्हे उतरके मनखेमन ला यहोवा के कहे जम्मो बात ला बताईस।

20

[illegible]
1 अऊ परमेसर ह ये जम्मो बात कहिस:

2 “में यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले, याने कि गुलामी के देस ले निकाल लानिस।

3 “तुमन मोर छोंड़ अऊ कोनो ला ईस्वर करके झन मानहू।
4 तुमन अपन बर कोनो भी चीज के कोनो किसम के मूरती झन बनाहू, न तो ऊपर अकास के, न खाल्हे धरती के अऊ न ही पानी म के कोनो चीज के।
5 तुमन ओमन ला न तो दंडवत करहू अऊ न ही ओमन के अराधना करहू, काबरकि में यहोवा, तुम्हर परमेसर ह जलन रखइया परमेसर अंव; अऊ जऊन मन मोर ले घिन करथें, ओमन के पाप के दंड मेंह ओमन के लइकामन के तीसरा अऊ चौथा पीढ़ी तक देथंव,
6 पर जऊन मन मोर ले मया करथें अऊ मोर हुकूममन ला मानथें, ओमन के हजार पीढ़ी तक मेंह अपन मया देखाथंव।
7 तुमन यहोवा अपन परमेसर के नांव बेमतलब के झन लूहू, काबरकि जऊन ह यहोवा के नांव के दुरपयोग करही, ओला ओह दोसी ठहिराही।
8 बिसराम दिन ला पबितर मानके सुरता रखहू।
9 हप्ता के छै दिन तुमन मेहनत करव अऊ अपन जम्मो काम करव,
10 पर सातवां दिन यहोवा तुम्हर परमेसर बर बिसराम दिन ए। ओ दिन तुमन कोनो काम झन करहू, न तो तुमन, न तुम्हर बेटा या बेटीमन, न तुम्हर सेवक या सेविकामन, न तुम्हर पसुमन, अऊ न ही तुम्हर नगर म रहइया कोनो परदेसी।
11 काबरकि छै दिन म यहोवा ह अकास अऊ धरती, समुंदर, अऊ ओमा के जम्मो चीजमन ला बनाईस, पर सातवां दिन ओह अराम करिस। एकरसेति यहोवा ह बिसराम दिन ला आसीस दीस अऊ ओला पबितर ठहिराईस।
12 तुमन अपन दाई-ददा के आदरमान करव, ताकि ओ देस म तुमन बहुंत साल तक जीयव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे।
13 तुमन कोनो मनखे के हतिया झन करहू।
14 तुमन बेभिचार झन करहू।
15 तुमन चोरी झन करहू।
16 तुमन अपन परोसी के बिरूध म लबारी गवाही झन दूहू।
17 तुमन अपन परोसी के घर के लालच झन करहू। तुमन अपन परोसी के घरवाली के लालच झन करहू, न ही ओकर सेवक या सेविका, न ओकर बईला या गदहा, अऊ न ही ओकर कोनो अऊ चीज के लालच करहू, जऊन ह तुम्हर परोसी के अय।”

18 जब मनखेमन बादर गरजत अऊ बिजली चमकत देखिन अऊ तुरही के अवाज सुनिन अऊ पहाड़ ले धुआं उठत देखिन, त ओमन डर के मारे कांपे लगिन, अऊ दूरिहा म ठाढ़े रिहिन
19 अऊ ओमन मूसा ला कहिन, “तेंह हमन ले गोठिया अऊ हमन सुनबो। पर परमेसर ह हमन ले झन गोठियावय, नइं तो हमन मर जाबो।”
20 मूसा ह मनखेमन ला कहिस, “झन डरव। परमेसर ह तुमन ला परखे बर आय हवय, ताकि परमेसर के डर ह तुमन म बने रहय, अऊ तुमन पाप झन करव।”
21 मनखेमन दूरिहा म ही ठाढ़े रिहिन, जबकि मूसा ह घोर अंधियार के तीर म गीस, जिहां परमेसर ह रिहिस।

[illegible]

22 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “इसरायलीमन ले ये कह: ‘तुमन खुद देखे हव कि मेंह स्वरग ले तुम्हर से
बात करे हंव:
23 तुमन मोर बाजू म कोनो आने देवता झन बनावव; तुमन अपन बर सोन या चांदी के कोनो देवता झन
बनावव।
24 “ ‘मोर बर तुमन माटी के एक बेदी बनावव अऊ ओमा अपन होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान, तुम्हर भेड़
अऊ बोकरा अऊ पसुमन ला चघावव। जिहां कहूं में अपन नांव के आदर कराथंव, उहां में तुम्हर करा आहूं अऊ
तुमन ला आसीस दूहूं।
25 कहूं तुमन मोर बर पथरा के एक बेदी बनाथव, त ओला गढ़े गय पथरामन ले झन बनावव, काबरकि यदि
तुमन ओमा औजार के उपयोग करहू, त ओह असुध हो जाही।
26 अऊ मोर बेदी करा निसेनी लगाके ऊपर झन आहू, नइं तो तुम्हर नंगरा देहें ह दिख जाही।’

21

1 “येमन ओ कानून अंय, जेमन ला तें ओमन के आघू म बता:

[illegible]

2 “कहूं तुमन कोनो इबरी सेवक ला बिसाथव, त ओह छै साल तक तुम्हर सेवा करय, पर सातवां साल ओह
बिगर कोनो दाम चुकाय सुतंतर होके चले जावय।
3 कहूं ओह एके झन आय हवय, त ओह अकेला सुतंतर होके चले जावय; पर कहूं ओकर आय के समय ओकर
घरवाली ओकर संग म रहय, त ओकर घरवाली घलो ओकर संग चले जावय।
4 कहूं ओकर मालिक ह कोनो माईलोगन ला ओकर घरवाली के रूप म देथे अऊ ओह बेटा या बेटीमन ला
जनमथे, त ओ माईलोगन अऊ लइकामन मालिक के हो जाहीं, अऊ सिरिप ओ मनखे ह एके झन सुतंतर होके
जावय।
5 “पर कहूं ओ सेवक ह ये कहय, ‘मेंह अपन मालिक, अपन घरवाली अऊ अपन लइकामन ले मया करथंव,
अऊ सुतंतर होके जाय बर नइं चाहत हंव,’
6 तब जरूरी अय कि ओकर मालिक ह ओला नियायीमन करा लानय।* मालिक ह ओला कपाट या चौखट
करा ले जावय अऊ एक ठन सूजा ले ओकर कान ला छेदय। तब ओह जिनगी भर ओ मालिक के सेवक हो जाही।
7 “कहूं कोनो मनखे ह अपन बेटी ला सेविका के रूप म बेच देथे, त ओ सेविका ह एक सेवक के सहीं सुतंतर
होके झन जावय।
8 कहूं ओकर मालिक ह ओकर ले खुस नइं ए, जऊन ह कि ओला अपन बर बिसाय रिहिस, त फेर जरूरी अय
कि ओह ओ सेविका ला छोंड़ देवय। ओला अधिकार नइं ए कि ओह सेविका ला परदेसीमन करा बेच देवय,
काबरकि ओह सेविका के संग बिसवास ला टोरे हवय।
9 कहूं ओह ओ सेविका ला अपन बेटा बर चुनथे, त फेर जरूरी अय कि ओह ओ सेविका ला एक बेटी के
अधिकार देवय।
10 कहूं ओह आने माईलोगन ले बिहाव कर लेथे, तब येह जरूरी अय कि ओह ये सेविका के जेवन-पानी,
कपड़ा अऊ ओकर बिहाव संबंधी अधिकार के खियाल रखय।
11 कहूं ओह ओ सेविका के ये तीनों चीजमन के पूरती नइं करय, त फेर ओ सेविका ह बिगर कुछू दाम चुकाय
सुतंतर होके जा सकत हे।

[illegible]

12 “यदि कोनो मनखे ह आने मनखे ला अइसन जोर से मारय कि ओ मनखे ह मर जावय, त ओ मनखे घलो
मार डारे जावय।
13 पर यदि जानबूझके ये हतिया नइं करे गे हवय, पर परमेसर ह येला होवन दीस, त ओह एक अइसन जगह
ला भाग जावय, जेला मेंह ठहिराहूं।
14 पर यदि कोनो मनखे ह ताक धरके अऊ जानबूझके आने मनखे ला मार डारथे, त ओ मनखे ला मोर बेदी ले
हटाय जावय अऊ मार डारे जावय।

---

* **21:6** या [illegible]

15 “कहूं कोनो मनखे ह अपन दाई या ददा ला मारथे-पीटथे,† त ओला मार डारे जावय।

16 “कोनो मनखे ह कोनो आने मनखे के अपहरन कर लेथे, त चाहे अपहरन करे गय मनखे ला बेच दिये गय हो
या फेर ओह अपहरनकर्ता करा होवय, दूनों स्थिति म अपहरनकर्ता ला मार डारे जावय।

17 “जऊन ह अपन दाई या ददा ला सराप देथे, ओला घलो मार डारे जावय।

18 “कहूं दू झन म झगरा होथे अऊ एक झन ह दूसर ला पथरा म मारथे या मुटका मारथे, जेकर ले ओ दूसर
मनखे ह मरय तो नइं, पर खटिया धर लेथे,

19 अऊ यदि ओह लउठी के सहारा म चले-फिरे लगथे, त फेर चोट पहुंचानेवाला मनखे ला जिम्मेदार झन
ठहिराय जावय; पर ओह चोट खाय मनखे के नुकसान के भरपई करय अऊ ओकर पूरा ठीक होवत तक ईलाज के
खरचा उठावय।

20 “कहूं कोनो मनखे ह अपन नर या नारी गुलाम ला लउठी या छड़ ले मारथे, जेकर ले ओह मर जाथे, त फेर
ओ मनखे ला जरूर सजा मिलय,

21 पर कहूं ओ गुलाम ह एक या दू दिन के बाद ठीक हो जाथे, त फेर ओ मनखे ला सजा झन दिये जावय,
काबरकि ओ गुलाम ह ओकर संपत्ति अय।

22 “कहूं मनखेमन झगरा करत रहिथें अऊ ये दौरान ओमा के कोनो के दुवारा कोनो देहें म रहे माईलोगन ला
चोट लगथे अऊ समय के पहिली ओकर‡ लइका ह जनमथे, पर कोनो गंभीर चोट नइं लगय, त ओ चोट
पहुंचानेवाला मनखे ह माईलोगन के घरवाला के मांग अऊ अदालत के फैसला के मुताबिक जुरबाना भरय।

23 पर कहूं ओला गंभीर चोट लगथे, त फेर तुमन परान के बलदा परान,

24 आंखी के बलदा आंखी, दांत के बलदा दांत, हांथ के बलदा हांथ, गोड़ के बलदा गोड़,

25 जरे के बलदा जलाके, घाव के बलदा घाव देके अऊ चोट के बलदा चोट पहुंचाके लव।

26 “कहूं कोनो मालिक ह अपन नर या नारी गुलाम ला ओकर आंखी म मारथे, जेकर ले ओकर आंखी ह फूट
जाथे, त ओह ओ गुलाम के आंखी के भरपई के बलदा म ओला छोंड़ दे।

27 अऊ कोनो मालिक ह अपन नर अऊ नारी गुलाम ला अइसे मारथे कि ओकर दांत ह टूट जाथे, त ओह ओ
गुलाम के दांत के भरपई के बलदा म ओला छोंड़ दे।

28 “कहूं कोनो बईला ह कोनो आदमी या माईलोगन ला मारथे, जेकर ले ओह मर जाथे, त फेर ओ बईला ला
पथरा फेंक-फेंकके मार डारे जावय, अऊ ओकर मांस ला झन खाय जावय। पर ओ बईला के मालिक ला
जिम्मेदार झन ठहिराय जावय।

29 पर कहूं कोनो बईला ला सींग मारे के आदत हवय अऊ ओकर मालिक ला चेताय के बाद घलो ओह ओला
बांधके नइं रखय अऊ ओ बईला कोनो आदमी या माईलोगन ला मार डारथे, त ओ बईला ला पथरा फेंक-फेंकके
मार डारे जावय अऊ ओकर मालिक ला घलो मार डारे जावय।

30 पर यदि बईला के मालिक ले छुड़ौती बर पईसा के मांग करे जावय, त मालिक ह मांगे गय रकम के
भुगतान करके अपन परान ला बचा सकथे।

31 यदि बईला ह काकरो बेटा या बेटी ला मार डारथे, तब भी इही कानून लागू होथे।

32 कहूं बईला ह कोनो नर या नारी गुलाम ला मार डारथे, त बईला के मालिक ह ओ गुलाम के मालिक ला
तीस सेकेल§ चांदी देवय, अऊ ओ बईला ला पथरा फेंक-फेंकके मार डारे जावय।

33 “कहूं कोनो खंचवा के ढकना ला खोलथे या खंचवा खनके ओला नइं तोपय अऊ ओमा कोनो बईला या
गदहा ह गिर परय,

34 त जऊन ह खंचवा ला खोले या खने रिहिस, ओह ओ पसु के मालिक ला नुकसान के भुगतान करय अऊ
बलदा म मरे पसु ला ले लेवय।

35 “कहूं काकरो बईला ह कोनो दूसर के बईला ला चोट पहुंचाथे अऊ ओ बईला ह मर जावय, त ओ दूनों झन
ओ जीयत बईला ला बेचंय अऊ ओकर दाम अऊ मरे पसु दूनों ला आधा-आधा बांट लेवंय।

---

† **21:15** या [illegible] ‡ **21:22** या [illegible] § **21:32** लगभग 345 ग्राम चांदी

36 पर कहूं पहिलीच ले ये पता रहय कि ओ बईला म आने ला मारे के आदत हवय, तभो ले ओकर मालिक ह
ओला बांधके नइं रखय, त फेर मालिक ह ओ बईला के बलदा म बईला देवय अऊ बलदा म मरहा पसु ला ले
लेवय।

22

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

1 "कहूं कोनो मनखे बईला या भेड़ के चोरी करके ओला मार डारथे या ओला बेच देथे, त ओह ओ बईला के
बलदा म पांच ठन बईला अऊ ओ भेड़ के बलदा म चार ठन भेड़ देवय।
2 "कहूं चोर ह चोरी करत पकड़े जावय अऊ ओला मारत बखत ओह मर जावय, त चोर ला मारनेवाला ह खून
के दोसी नो हय;
3 पर कहूं ये काम बेर निकले के बाद होथे, त चोर ला मारनेवाला ह खून के दोसी अय।

"कोनो मनखे चोरी करथे, त जरूरी अय कि ओह नुकसान ला भर दे, पर यदि ओकर करा कुछू नइं ए, त फेर
चोरी के भरपई करे बर ओला बेच दिये जावय।
4 कहूं चोराय पसु ह चोर करा जीयत पाय जावय—चाहे ओह बईला या गदहा या भेड़ होवय; त चोर ह ओकर
दू गुना भुगतान भरय।
5 "कहूं कोनो मनखे अपन पसु ला खेत या अंगूर के बारी म चराथे अऊ ओमन ला खुला छोंड़ देथे अऊ ओमन
आने के खेत ला चर देथें, त ओह अपन खेत या अंगूर के बारी के सबले बने फसल ओला बलदा म देके नुकसान
के भरपई करय।
6 "कहूं कोनो मनखे आगी धराथे, अऊ ओ आगी ह झाड़ीमन म फईल जाथे, जेकर ले अनाज के बीड़ा या खड़े
फसल या फेर जम्मो खेत ह जर जावय, त आगी धरइया ह ओकर नुकसान के भरपई जरूर करय।
7 "कहूं कोनो मनखे ह अपन परोसी ला चांदी या आने चीज संभालके रखे बर देथे अऊ ओ चीज ह परोसी के
घर ले चोरी हो जाथे, अऊ चोर ह यदि पकड़ म आ जावय, त ओह ओकर दू गुना भरय।
8 पर यदि चोर ह पकड़े नइं जावय, त जरूरी अय कि ओ घर के मालिक ला नियायीमन करा लाने जावय,
अऊ ओ नियायीमन पता लगावंय कि कहीं घर के मालिक ह तो ओ आने मनखे के संपत्ति म हांथ नइं डारे हवय।
9 गैरकानूनी तरीका ले कब्जा करे गय जम्मो मामला म, चाहे ओह एक ठन बईला या एक ठन गदहा या एक
ठन भेड़ या एक ठन कपड़ा या फेर कोनो आने गंवाय चीज हो, जेकर बारे म यदि कोनो मनखे ये कहिथे, 'येह मोर
अय,' तब ओ दूनों झन अपन मामला ला नियायीमन करा लानंय। जऊन ला नियायीमन दोसी ठहिरावंय, ओह
दूसर मनखे ला दू गुना भर देवय।
10 "कहूं कोनो मनखे अपन परोसी ला बईला या गदहा या भेड़ या अऊ कोनो पसु संभालके रखे बर देथे अऊ
ओकर बाद ओ पसु ह मर जाथे या ओला चोट लगथे या काकरो देखे बिगर कोनो ओला खेदके ले जाथे,
11 त ओ दूनों झन के बीच ये मामला के निपटारा यहोवा के आघू म ये सपथ खवाके करे जावय कि परोसी ह
आने मनखे के संपत्ति म हांथ नइं लगाय हवय। संपत्ति के मालिक ह ये बात ला मान लेवय, अऊ नुकसान के
भरपई करे के जरूरत नइं परय।
12 पर कहूं ओ परोसी ले पसु ला चोराय गे हवय, त फेर मालिक ला नुकसान के भरपई जरूर करे जावय।
13 कहूं ओ पसु ला कोनो जंगली पसु ह चीर-फार डारय, त परोसी ह ओ पसु के बांचे-खुचे चीज ला सबूत के
रूप म लानय अऊ ओला ओ चीर-फार करे गे पसु बर कोनो भरपई करना नइं पड़य।
14 "कहूं कोनो मनखे अपन परोसी ले मांगके कोनो पसु ला लानय अऊ मालिक के नइं रहे म ओ पसु ला चोट
लगय या ओह मर जावय, त ओ मनखे ह नुकसान ला जरूर भरय।
15 पर कहूं मालिक ह पसु संग म रहय, त मांगके ले जानेवाला मनखे ला नुकसान भरना नइं पड़य। यदि पसु
ला भाड़ा म लाने गे रिहिस, त नुकसान के भरपई ओकर दिये गय किराया म हो जाही।

[illegible] [illegible]

16 “कहूं कोनो मनखे ह कोनो कुंवारी कन्या ला भूलवार के ओकर संग कुकरम करथे, जेकर कि बिहाव के बात
नइं लगे रिहिस, त ओकर बर ये जरूरी अय कि ओह दुलहिन के दाम चुकावय अऊ ओकर ले बिहाव करके ओला
घरवाली बना ले।
17 पर कहूं ओकर ददा ह ओला देय बर मना करथे, तब भी ओला कुंवारी बर दुलहिन के दाम चुकाना जरूरी
अय।
18 “जादूगरनी ला जीयत झन रहन दव।
19 “कहूं कोनो मनखे ह पसु संग कुकरम करथे, त ओला मार डारे जावय।
20 “जऊन कोनो यहोवा के छोंड़ अऊ कोनो आने देवता बर बलि चघाथे, ओला नास कर दिये जावय।
21 “कोनो परदेसी के संग अतियाचार झन करव या ओला झन सतावव, काबरकि तुमन घलो मिसर देस म
परदेसी रहेव।
22 “कोनो बिधवा या अनाथ लइका ले फायदा झन उठावव।*
23 कहूं तुमन अइसन करथव अऊ ओमन मोला गोहारथें, त मेंह ओमन के गोहार ला जरूर सुनहूं।
24 मोर कोरोध ह भड़कही अऊ मेंह तुमन ला तलवार ले मार डारहूं; अऊ तुम्हर घरवालीमन बिधवा अऊ
तुम्हर लइकामन अनाथ हो जाहीं।
25 “कहूं तुमन अपन बीच रहइया मोर कोनो मनखे ला उधार म पईसा देथव, जऊन ह कि जरूरत म हवय, त
येला एक धंधा के रूप म झन लेवव; ओकर ले बियाज झन लेवव।
26 कहूं तुमन अपन परोसी के कपड़ा ला गिरवी के रूप म अपन करा रखथव, त ओला बेर बुड़त तक लहुंटा
दव।
27 काबरकि तुम्हर परोसी करा ओढ़े बर सिरिप एके ठन कपड़ा हवय। ओह अऊ का ला ओढ़के सुतही? जब
ओह मोला गोहारही, त मेंह ओकर सुनहूं, काबरकि मेंह दयालु अंव।
28 “परमेसर के निन्दा झन करव† या अपन मनखेमन के हाकिम ला सराप झन देवव।
29 “अपन खेत के फसल या रसकुंड म ले भेंट ला रोकके झन रखव।
“तुमन अपन बेटामन म के पहिलांत ला मोला देवव।
30 अइसने ही तुमन अपन पसु अऊ भेड़मन के संग घलो करव। सात दिन ले ओ पीलामन अपन दाई के संग
रहंय, पर आठवां दिन तुमन ओमन ला मोला दे दव।
31 “तुमन ला मोर पबितर मनखे बनना हे। एकरसेति ओ पसु के मांस ला झन खावव, जेला कोनो जंगली
जानवर ह मार डारे हवय; ओला कुकुरमन के आघू म फटिक दव।

23

[illegible]

1 “लबारी बात झन फईलाहू। लबारी गवाही देके दोसी मनखे के मदद झन करव।
2 “गलत काम करे म भीड़ के साथ झन देवव। जब अदालत म तुमन गवाही देथव, त भीड़ के तरफ होके
नियाय ला झन बिगाड़व,
3 अऊ मुकदमा म कोनो गरीब के तरफदारी झन करव।
4 “कहूं तुम्हर बईरी के भटकत बईला या गदहा ह तुमन ला मिलय, त ओला ओकर मालिक करा जरूर अमरा
दव।
5 कहूं तुमन कोनो गदहा ला बोझा ले दबे देखथव, जेकर मालिक ह तुम्हर ले घिन करथे, त ओला उहां
वइसनेच झन छोंड़व, पर ओकर मालिक संग मिलके ओकर जरूर मदद करव।
6 “अपन गरीब मनखेमन के मुकदमा म ओमन के नियाय ला झन बिगाड़व।
7 झूठा आरोप ले दूरिहा रहव अऊ निरदोस या ईमानदार मनखे के हतिया झन करव, काबरकि मेंह अपराधी
ला निरदोस नइं छोड़ंव।
8 “तुमन घूस झन लेवव, काबरकि घूस ह देखइया मनखे ला अंधरा कर देथे अऊ निरदोस मनखे के गोठ ला
बिगाड़ देथे।

---

* **22:22** झन दुख देवव † **22:28** या [illegible]

9 “कोनो परदेसी के ऊपर अतियाचार झन करव; तुमन खुद जानत हव कि परदेसी होय के का मतलब होथे,
काबरकि तुमन मिसर देस म परदेसी रहेव।

[illegible]

10 “छै बछर ले तुमन अपन खेत ला बोवव अऊ फसल ला लुवव,
11 पर सातवां बछर ओला झन जोतव अऊ परिया रहन दव। तब तुम्हर मनखेमन के बीच के गरीबमन ओमा
ले खाय बर पावंय, अऊ ओमा के बांचे-खुचे ला जंगली पसुमन खावंय। अपन अंगूर के बारी अऊ जैतून के
बगीचामन ला घलो अइसनेच करव।
12 “हप्ता के छै दिन तुमन अपन काम करव, पर सातवां दिन काम झन करव, ताकि तुम्हर बईला अऊ
गदहामन अराम करंय, अऊ तुम्हर परिवार म जनमे गुलाम अऊ तुम्हर बीच रहइया परदेसीमन तरो-ताजा हो
सकंय।
13 “जऊन कुछू मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओला धियान देके करव। आने देवतामन के नांव मदद बर झन लेवव;
ओमन के नांव घलो तुम्हर मुहूं ले झन निकलय।

[illegible]

14 “साल म तीन बार तुमन मोर बर तिहार मनावव।
15 “अखमीरी रोटी के तिहार मनावव; जइसे कि मेंह हुकूम दे हवंव, सात दिन ले बिगर खमीर ले बने रोटी
खावव। येला ठहिराय गे समय अबीब के महिना म करव, काबरकि इही महिना म तुमन मिसर देस ले निकलके
आय रहेव।
“कोनो भी मनखे जुच्छा हांथ मोर करा झन आवय।
16 “जब तुमन खेत म फसल लगाथव, अऊ ओह तियार हो जाथे, त ओकर पहिली-फसल लुवई के तिहार
मनावव।
“बछर के आखिरी म फसल संकेलई के तिहार मनावव, जब तुमन खेत म ले फसल ला संकेलथव।
17 “हर बछर तीन बार तुम्हर जम्मो मरद परमपरधान यहोवा करा आवंय।
18 “कोनो बलिदान करे गय पसु के लहू ला कोनो खमीर मिले हुए चीज के संग झन चघावव।
“मोर तिहार-बलिदान के चरबी ला बिहान होवत तक झन रखव।
19 “अपन भुइयां के सबले बने पहिली-फसल ला यहोवा अपन परमेसर के घर म लानव।
“कोनो छेरी-पीला ला ओकर मियारी के दूध म झन रांधहू।

[illegible]

20 “देखव, मेंह एक स्वरगदूत ला तुम्हर आघू-आघू भेजत हंव, ताकि रसता म ओह तुम्हर पहरेदारी करय अऊ
तुमन ला ओ जगह म लानय, जेला मेंह तियार करे हंव।
21 ओकर ऊपर धियान दव अऊ ओकर बात ला मानव। ओकर बिरूध बिदरोह झन करव; ओह तुम्हर बिदरोह
ला छेमा नइं करही, काबरकि ओमा मोर नांव हवय।
22 कहूं धियान लगाके तुमन ओकर बात ला सुनहू अऊ मोर कहे गय जम्मो चीज ला करहू, त मेंह तुम्हर
बईरीमन के बईरी अऊ तुम्हर बिरोधीमन के बिरोधी बनहूं।
23 मोर स्वरगदूत ह तुम्हर आघू-आघू जाही अऊ तुमन ला अमोरी, हित्ती, परिज्जी, कनानी, हिब्बी अऊ
यबूसीमन के देस म ले जाही, अऊ मेंह ओमन ला नास कर दूहूं।
24 ओमन के देवतामन के दंडवत झन करहू या ओमन के अराधना झन करहू या ओमन के रीति-रिवाज म झन
चलहू। तुमन ओमन के देवता ला गिरा दव अऊ ओमन के पबितर पथरामन ला फोरके कुटा-कुटा कर दव।
25 यहोवा अपन परमेसर के अराधना करव, अऊ ओह तुम्हर जेवन-पानी ला आसीस दीही। मेंह तुम्हर बीच म
ले रोग-बेमारी ला दूरिहा कर दूहूं
26 अऊ तुम्हर देस म कोनो माईलोगन के गरभ ह नइं गिरही या कोनो बांझ नइं होही। मेंह तुमन ला पूरा
जिनगी जीये बर दूहूं।
27 “मेंह अपन आतंक ला तुम्हर आघू-आघू पठोहूं, अऊ जऊन जाति के भी तुमन सामना करहू, ओमन म
घबराहट फईला दूहूं। मेंह अइसे कर दूहूं कि तुम्हर जम्मो बईरीमन पीठ देखाके भागहीं।

28 मेंह तुम्हर आघू-आघू बर्रामन* ला पठोहूं, जेमन हिब्बी, कनानी अऊ हित्तीमन ला तुम्हर आघू ले भगा
दीहीं।
29 पर मेंह ओमन ला एकेच बछर म नइं भगावंव, काबरकि ओ देस ह उजर जाही, अऊ जंगली पसु बहुंत होय
के कारन तुमन परेसानी म पड़ जाहू।
30 धीरे-धीरे करके मेंह ओमन ला तुम्हर आघू ले भगाहूं, जब तक कि तुमन गनती म बढ़के ओ देस ऊपर
अधिकार नइं कर लूहू।
31 "मेंह लाल-समुंदर ले लेके भूमध्य सागर† अऊ निरजन जगह ले लेके फरात नदी तक तुम्हर सीमना बनाहूं।
ओ देस म रहइया मनखेमन ला मेंह तुम्हर हांथ म कर दूहूं, अऊ तुमन ओमन ला अपन आघू ले भगा दूहू।
32 तुमन ओमन के संग या ओमन के देवतामन के संग कोनो करार झन करहू।
33 तुमन ओमन ला अपन देस म रहे बर झन दूहू, नइं तो ओमन तुमन ला मोर बिरूध पाप करवाहीं, काबरकि
ओमन के देवतामन के अराधना करई ह जरूर तुम्हर बर एक फांदा बन जाही।"

24

[illegible]

1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "तें अऊ हारून, नादाब अऊ अबीहू, अऊ इसरायल के सत्तर अगुवामन
यहोवा करा ऊपर आवव, अऊ दूरिहा ले अराधना करव,
2 पर सिरिप मूसा ह यहोवा करा आवय; आने मन लकठा म झन आवंय। अऊ मनखेमन ओकर संग ऊपर झन
आवंय।"
3 जब मूसा ह मनखेमन करा जाके यहोवा के जम्मो बात अऊ नियम-कानून ला बताईस, तब ओमन एक संग
कहिन, "हमन यहोवा के कहे गय हर काम ला करबो।"
4 मूसा ह तब यहोवा के कहे गय जम्मो बात ला लिख लीस।
ओह दूसर दिन बड़े बिहनियां उठिस अऊ पहाड़ के खाल्हे एक ठन बेदी बनाईस अऊ इसरायल के बारह गोत्र
के मुताबिक बारह ठन पथरा के खंभा घलो बनाईस।
5 तब ओह जवान इसरायली मनखेमन ला पठोईस, अऊ ओमन यहोवा बर होम-बलिदान चघाईन अऊ
बछवामन ला मेल-बलिदान के रूप म चघाईन।
6 मूसा ह आधा लहू ला कटोरामन म रखिस, अऊ आधा ला बेदी म छिंच दीस।
7 तब ओह करार के किताब अपन हांथ म लीस अऊ मनखेमन ला पढ़के सुनाईस। ओमन कहिन, "हमन
यहोवा के कहे गय हर काम ला करबो; हमन ओकर कहना मानबो।"
8 तब मूसा ह लहू ला लीस अऊ ओला मनखेमन ऊपर छिंचके कहिस, "येह ओ करार के लहू ए, जेला यहोवा
ह ये जम्मो बातमन के मुताबिक तुम्हर संग करे हवय।"
9 तब मूसा अऊ हारून, नादाब अऊ अबीहू, अऊ इसरायल के सत्तर अगुवामन पहाड़ ऊपर गीन
10 अऊ इसरायल के परमेसर के दरसन करिन। ओकर गोड़ खाल्हे नीलमनि ले बने चौंरा के सहीं एक चीज
रिहिस, जऊन ह अकास के सहीं एकदम नीला रिहिस।
11 पर परमेसर ह इसरायल के ये अगुवामन के बिरूध अपन हांथ नइं उठाईस; ओमन परमेसर के दरसन करिन
अऊ खाईन-पीईन।
12 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "पहाड़ ऊपर मोर करा आ अऊ इहां रूक, अऊ मेंह तोला ओ पथरा के
पटियामन ला दूहूं, जेमा मेंह कानून अऊ हुकूममन ला लिख दे हंव ताकि तेंह येला ओमन ला सिखा।"
13 तब मूसा ह अपन सहायक यहोसू के संग चल दीस, अऊ मूसा ह परमेसर के पहाड़ ऊपर गीस।
14 जाय के पहिले ओह अगुवामन ला कहिस, "जब तक हमन तुम्हर करा लहुंटके नइं आवन, तब तक तुमन
इहां रूके रहव। हारून अऊ हूर तुम्हर संग इहां हवंय, अऊ कहूं काकरो झगरा होथे, त ओह ओमन करा जा
सकत हे।"

---

* **23:28** *[illegible]* डंक मरइया एक ठन कीरा, जऊन ला *[illegible]* घलो कहिथें। † **23:31** इबरानी म *[illegible]*

15 तब मूसा ह पहाड़ ऊपर गीस, त बादर ह पहाड़ ला ढांप लीस,
16 अऊ यहोवा के महिमा ह सीनय पहाड़ म छा गीस। छै दिन ले बादर ह पहाड़ ला ढांपे रिहिस, अऊ सातवां
दिन यहोवा ह मूसा ला बादर म ले बलाईस।
17 इसरायलीमन ला यहोवा के महिमा ह पहाड़ के ऊपर म एक भसम करइया आगी सहीं दिखिस।
18 जब मूसा ह पहाड़ ऊपर गीस, त ओह बादर भीतर हमा गीस। अऊ ओह चालीस दिन अऊ चालीस रात
उहां रिहिस।

25

[illegible]
1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले कह कि ओमन मोर बर भेंट लानंय। तेंह मोर बर हर ओ मनखे ले भेंट लेबे, जऊन ह अपन
ईछा ले देथे।

3 "येमन ओ भेंट अंय, जेला तेंह ओमन ले लेबे:

"सोन, चांदी अऊ कांसा;
4 नीला, बैंगनी, अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर मलमल के कपड़ा;
बोकरा के रूआं;
5 लाल रंग ले रंगाय मेढ़ा के खाल अऊ आने किसम के टिकाऊ खाल;
बंबरी के लकड़ी;
6 अंजोर करे बर जैतून के तेल;
अभिसेक के तेल अऊ कहरवाला धूप बर मसाला;
7 अऊ एपोद अऊ छातीबंध म जड़े बर गोमेदक के पथरा अऊ आने किसम के रत्न।

8 "तब ओ सामान ले मोर बर एक ठन पबितर-स्थान बनवाबे, अऊ मेंह ओमन के बीच म निवास करहूं।
9 ये पबितर-तम्बू अऊ येकर जम्मो चीजमन ला एकदम वइसे ही बनाबे, जइसे मेंह तोला बताहूं।

[illegible]
10 "ओमन ले बंबरी लकड़ी के एक ठन सन्दूक बनवाबे—जऊन ह अढ़ई क्यूबीट लम्बा, डेड़ क्यूबीट चौड़ा,
अऊ डेड़ क्यूबीट ऊंचा रहय।*
11 अऊ ओ सन्दूक के भीतर-बाहिर दूनों कोति चोखा सोन लगवाबे, अऊ ओकर चारों कोति सोन के एक पट्टी
लगवाबे।
12 सोन के चार ठन कड़ा बनवाके ओमन ला ओकर चारों खुरा म बांध देबे, एक तरफ दू ठन अऊ दूसर तरफ दू
ठन।
13 तब डंडामन ला बंबरी लकड़ी के बनवाबे, अऊ ओमन ला घलो सोन ले मढ़बे।
14 ओ डंडामन ला सन्दूक के दूनों कोति कड़ामन म लगाबे, ताकि सन्दूक ला उठाके ले जा सकंय।
15 ओ बल्लीमन सन्दूक के कड़ामन म लगे रहंय; ओमन ला कड़ा ले झन निकाले जावय।
16 तब करार कानून के ओ पटियामन ला सन्दूक म रख देबे, जेमन ला मेंह तोला दूहूं।
17 "चोखा सोन ले पछताप के एक ढकना बनवाबे—जऊन ह अढ़ई क्यूबीट लम्बा अऊ डेड़ क्यूबीट चौड़ा
होवय।
18 अऊ ढकना के दूनों छोर बर हथौड़ा ले पीटके सोन के दू ठन करूब बनवाबे।
19 एक ठन करूब ला एक छोर म अऊ दूसर करूब ला दूसर छोर म बनवाबे; दूनों छोर म करूबमन अऊ
ढकना ला सोन के एके कुटा ले बनाय जावय।
20 ओ करूबमन के डेनामन ऊपर कोति अइसन फईले रहंय कि पछताप के ढकना ह ओमन ले ढंकाय रहय।
करूबमन के मुहूं ह एक-दूसर के आमने-सामने रहय अऊ ओमन ढकना कोति देखत रहंय।

---

* **25:10** 1.1 मीटर लम्बा अऊ 68 सेन्टीमीटर चौड़ा अऊ ऊंचा; पद 17 म घलो

21 ढकना ला सन्दूक के ऊपर लगाबे अऊ करार कानून के ओ पटियामन ला सन्दूक म रख देबे, जेमन ला मेंह
तोला दूहूं।
22 ढकना के ऊपर, ओ दूनों करूबमन के बीच, जेमन करार कानून के सन्दूक ऊपर होथें, उहां मेंह तोर ले मिलहूं
अऊ तोला मोर जम्मो हुकूम इसरायलीमन बर दूहूं।

[illegible]

23 "बंबरी लकड़ी के एक ठन मेज बनाबे—जऊन ह दू क्यूबीट लम्बा, एक क्यूबीट चौड़ा अऊ डेड़ क्यूबीट
ऊंचा होवय।†
24 मेज के ऊपर चोखा सोन लगाबे अऊ ओकर चारों मुड़ा सोन के एक पट्टी लगाबे।
25 ओकर चारों कोति हथेली भर चौड़ा सोन के एक ठन चक्र लगाबे अऊ ओ चक्र म सोन के एक ठन पट्टी
लगाबे।
26 मेज बर सोन के चार ठन कड़ा बनाबे अऊ ओमन ला ओ चारों कोना म बांध देबे, जिहां चारों खुरामन हवंय।
27 ये कड़ामन पट्टी के लकठा म रहंय, ताकि ओमा ओ डंडामन ला फंसाय जा सकय, जेमन के उपयोग मेज
ला उठाके ले जाय बर होथे।
28 ओ डंडामन ला बंबरी लकड़ी के ही बनाबे, अऊ ओमन ला सोन ले मढ़बे अऊ ओकर दुवारा मेज ला उठाके
ले जावव।
29 अऊ ओकर थाली अऊ बरतनमन ला चोखा सोन के बनाबे, संग म बलिदान ला रितोय बर ओकर घघरी
अऊ कटोरामन ला घलो चोखा सोन के बनाबे।
30 मोर आघू म ये मेज ऊपर चघावा के रोटी हमेसा रखे जावय।

[illegible]

31 "चोखा सोन के एक ठन दीवट बनाबे। ओकर आधार अऊ मुठिया ला हथौड़ा ले पीटके बनाबे, अऊ ओकर
फूल असन कटोरा, कली अऊ पंखुड़ीमन ला एके ठन कुटा म बनाय जावय।
32 दीवट के किनारे ले छै ठन डारामन निकले रहंय—तीन ठन डारा एक कोति अऊ तीन ठन डारा दूसर कोति।
33 हर एक डारा म बादाम के फूल सहीं तीन ठन कटोरी, कली अऊ पंखुड़ीमन रहंय, तीन ओकर बाद वाले
डारा म, अऊ अइसनेच दीवट ले निकले जम्मो छै ठन डारा म होवय।
34 दीवट म बादाम के फूल सहीं चार ठन कटोरी अऊ ओमा कली अऊ पंखुड़ीमन ला बनाय जावय।
35 दीवट ले निकले छै ठन डारा म ले एक-एक जोड़ी डारा के तरी म एक-एक ठन कली रहय—ये किसम ले
कुल तीन ठन कली छै ठन डारा के तरी म रहंय।
36 कली अऊ डारामन ला दीवट के संग एके कुटा म बनाय जावय अऊ चोखा सोन ला पीटके येमन ला
बनाय जावय।
37 "तब ओकर बर सात ठन दीया बनवाबे अऊ ओमन ला दीवट ऊपर मढ़ाबे, ताकि ओमन दीवट के आघू
कोति अंजोर करंय।
38 ओकर बाती ला ठीक करे के चिमटा अऊ थालीमन घलो चोखा सोन के होवंय।
39 दीवट अऊ ये जम्मो चीजमन ला बनाय बर एक टेलेन्ट‡ चोखा सोन के उपयोग करे जावय।
40 धियान रहय कि जऊन नमूना तोला ये पहाड़ ऊपर देखाय गीस, ओकरे मुताबिक ही तेंह येमन ला बनाबे।

26

[illegible]-[illegible]

1 "पबितर-तम्बू ला दस ठन परदा ले बनाय जावय; ये परदामन सुघर बंटे मलमल अऊ नीला, बैंगनी अऊ
सिन्दूरी रंग के सूंत ले बनाय जावंय, अऊ कुसल कारीगरमन के दुवारा ये परदामन म कढ़ई करके करूबमन ला
बनाय जावय।
2 जम्मो परदामन एकेच आकार के होवंय—अठाईस क्यूबीट लम्बा अऊ चार क्यूबीट चौड़ा।*
3 पांच ठन परदा ला एक संग जोड़ दिये जावय, अऊ बांचे पांच ठन परदा ला घलो अइसने ही करे जावय।

---

† **25:23** तीन फीट लम्बा, डेड़ फीट चौड़ा अऊ सवा दू फीट ऊंचा। ‡ **25:39** लगभग चौंतीस किलोग्राम। * **26:2** लगभग 42 फीट लम्बा अऊ 6 फीट चौड़ा या 13 मीटर लम्बा अऊ 1.8 मीटर चौड़ा

4 एक समूह के आखिरी के परदा के धरी म नीला रंग के चीज के फांस लगावव, अऊ वइसने ही दूसरा समूह के
आखिरी के परदा म घलो करव।
5 एक समूह के आखिरी के परदा म पचास ठन फांस अऊ दूसर समूह के आखिरी के परदा म पचास ठन फांस
लगावव, अऊ ये फांसमन एक-दूसर के आमने-सामने रहंय।
6 तब पचास ठन सोन के कड़ा बनवाव अऊ ओमन के उपयोग परदामन ला एक संग बांधके रखे बर करव,
ताकि पबितर-तम्बू ह एक हो जावय।
7 "पबितर-तम्बू के ऊपर बोकरा के रूआं के परदा बनवाव—कुल गियारह ठन परदा बनवाव।
8 जम्मो गियारह परदामन एके नाप के होवंय—तीस क्यूबीट लम्बा अऊ चार क्यूबीट चौड़ा।†
9 ओमा के पांच ठन परदा ला जोड़के एक ठन परदा बना लेबे अऊ आने छै ठन ला घलो जोड़के एक ठन अऊ
परदा बना लेबे। छठवां परदा ला तम्बू के आघू म मोड़ के दू पुरूत कर देबे।
10 एक समूह के आखिरी परदा के धरी म पचास ठन फांस बनाबे अऊ वइसने ही पचास ठन फांस दूसर समूह
के आखिरी परदा के धरी म घलो बनाबे।
11 तब पचास ठन कांसा के कड़ा बनवाबे अऊ तम्बू ला बांधे बर कड़ामन म गांठ लगाबे ताकि ओ पूरा तम्बू
मिलके एके ठन हो जावय।
12 जिहां तक तम्बू के परदामन के अतकिहा लम्बई के बात हे, याने कि ओ आधा परदा जऊन ह बांच जाथे,
ओह पबितर-तम्बू के पाछू कोति ओरमे रहय।
13 तम्बू के परदामन के लम्बई दूनों कोति एक क्यूबीट‡ होही; जऊन ह बच जाथे, ओह पबितर-तम्बू के किनारे
म ओरमत रहिही अऊ ये किसम ले ओह ढंपे रहिही।
14 तम्बू ला ढांपे बर लाल रंग ले रंगाय मेढ़ा के खाल के एक ठन ओढ़ना बनाबे, अऊ ओकर ऊपर लगाय बर
आने टिकाऊ खाल के एक ठन ओढ़ना बनाबे।
15 "पबितर-तम्बू बर बंबरी लकड़ी के खड़े ढांचामन ला बनवाबे।
16 हर एक ढांचा दस क्यूबीट लम्बा अऊ डेड़ क्यूबीट चौड़ा होवय,§
17 एक-दूसर के समानांतर दू-दू ठन खूंटी रहय। पबितर-तम्बू के जम्मो ढांचामन ला इही किसम ले बनवाबे।
18 पबितर-तम्बू के दक्खिन कोति बर बीस ठन ढांचा बनवाबे
19 अऊ ये ढांचामन के खाल्हे म रखे बर चांदी के चालीस ठन आधार बनवाबे—हर एक ढांचा बर दू ठन
आधार, हर एक खूंटी के खाल्हे म एक ठन आधार।
20 पबितर-तम्बू के दूसर कोति, याने कि उत्तर दिग बर, बीस ठन ढांचा
21 अऊ चालीस ठन चांदी के आधार बनवाबे—हर एक ढांचा के खाल्हे म दू ठन आधार रहय।
22 आखिरी छोर याने कि पबितर-तम्बू के पछिम छोर बर छै ठन ढांचा बनवाबे,
23 अऊ आखिरी छोर म, कोनटामन बर, दू ठन ढांचा बनवाबे।
24 ये दूनों कोनटा म ढांचामन खाल्हे ले लेके टीप तक दू परत के रहंय अऊ एके ठन कड़ा म जुड़े रहंय; दूनों
वइसने रहंय।
25 ये किसम ले आठ ठन ढांचा होहीं अऊ सोलह ठन चांदी के आधार—याने कि हर ढांचा के खाल्हे म दू ठन
आधार।
26 "बंबरी लकड़ी के मियारमन ला घलो बनवाबे: पबितर-तम्बू के एक तरफ के ढांचामन बर पांच ठन,
27 दूसर तरफ के ढांचामन बर पांच ठन, अऊ पबितर-तम्बू के आखिरी छोर म, पछिम तरफ के ढांचामन बर
पांच ठन मियार बनवाबे।
28 मांझा के मियार ह ढांचामन के बीच म तम्बू के एक छोर ले दूसर छोर तक रहय।
29 ढांचामन ला सोन ले मढ़वाबे अऊ मियारमन ला पकड़े बर सोन के कड़ा बनवाबे। अऊ मियारमन ला घलो
सोन ले मढ़वा देबे।
30 "पबितर-तम्बू ला ओ योजना के मुताबिक बनाबे, जेला पहाड़ ऊपर तोला देखाय गे रिहिस।

---

† **26:8** लगभग 45 फीट लम्बा अऊ 6 फीट चौड़ा या 13.5 मीटर लम्बा अऊ 1.8 मीटर चौड़ा ‡ **26:13** लगभग 18 ईंच या 45 सेन्टीमीटर
§ **26:16** लगभग 15 फीट लम्बा अऊ 2 1⁄4 फीट चौड़ा या लगभग 4.5 मीटर लम्बा अऊ 68 सेन्टीमीटर चौड़ा

31 “फेर नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर बंटे मलमल ले एक ठन परदा बनवाबे, जऊन म
एक कुसल कारीगर दुवारा करूबमन के कढ़ई करे गे होवय।
32 सोन ले मढ़े बंबरी लकड़ी के चार ठन खंभा म सोन के खीलामन ला ठोंक अऊ ये परदा ला ओमा टांग दे;
बंबरी के खंभामन चांदी के चार ठन आधार म खड़े रहंय।
33 परदा ह खूंटीमन ले खाल्हे तक ओरमे रहय अऊ करार कानून के सन्दूक ला उहां परदा के ओधा म रखबे।
ये परदा ह पबितर स्थान ला महा पबितर स्थान ले अलग करही।
34 पछ्ताप के ढकना ला महा पबितर स्थान म करार कानून के सन्दूक ऊपर ढांप देबे।
35 परदा के बाहिर पबितर-तम्बू के उत्तर कोति मेज ला रखबे अऊ दक्खिन कोति मेज के आघू म दीवट ला
रखबे।
36 “तम्बू के प्रवेस दुवार बर नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर बंटे मलमल के ओनहा ले एक
ठन परदा बनवाबे—येह एक कढ़ई करइया के काम होवय।
37 ये परदा बर सोन के खूंटी अऊ सोन ले मढ़े बंबरी लकड़ी के पांच ठन खंभा बनवाबे। अऊ ओमन बर कांसा
के पांच ठन आधार बनवाबे।

27

[illegible]

1 “बंबरी लकड़ी के एक बेदी बनवाबे, जेकर ऊंचई तीन क्यूबीट* रहय; ओला वर्गाकार बनवाबे, पांच क्यूबीट
लम्बा अऊ पांच क्यूबीट चौड़ा।†
2 ओकर चारों कोनटा म एक-एक ठन सींग बनवाबे; सींग अऊ बेदी एके कुटा म बनंय, अऊ बेदी ला कांसा ले
मढ़वाबे।
3 बेदी के जम्मो बरतन याने कि ओकर राख उठाय के बरतन, अऊ ओकर बेलचा, छिंचे के कटोरा, मांस बर
कांटा अऊ करछूल ला कांसा के बनवाबे।
4 ओकर बर कांसा के एक ठन जालीवाला छननी बनवाबे, अऊ छननी के चारों कोनटा म कांसा के चार ठन
कड़ा लगवाबे।
5 ओ छननी ला बेदी के निकले भाग के तरी म अइसन लगाबे कि ओह बेदी के आधा ऊंचई तक आवय।
6 बेदी बर बंबरी लकड़ी के डंडा बनवाबे, अऊ ओ डंडामन म कांसा मढ़वाबे।
7 डंडामन ला कड़ामन म अइसे लगाय जावय कि ओमन बेदी के दूनों कोति निकले रहंय, ताकि जब भी बेदी
ला ले जावंय, त ये डंडा के निकले भाग ला पकड़के उठावंय।
8 बेदी के तखतामन ला अइसने बनवाबे कि ओमन भीतर ले खोखला रहंय। येमन ला वइसने ही बनवाबे,
जइसने कि तोला पहाड़ ऊपर देखाय गे रिहिस।

[illegible]

9 “फेर पबितर-तम्बू बर एक ठन अंगना बनवाबे। दक्खिन कोति अंगना ह एक सौ क्यूबीट‡ लम्बा रहय अऊ
ओमा सुघर बंटाय मलमल के परदा रहय,
10 ओ परदा बर बीस ठन खंभा अऊ बीस ठन कांसा के आधारमन रहंय अऊ खंभामन म चांदी के कांटा अऊ
पट्टीमन रहंय।
11 अइसने ही अंगना के उत्तर भाग ह एक सौ क्यूबीट लम्बा रहय अऊ ओमा परदा लगे रहय, अऊ ओकर
बीस ठन खंभा अऊ कांसा के बीस ठन आधार होवय, खंभामन के कांटा अऊ पट्टीमन चांदी के होवंय।
12 “अंगना के पछिमी छोर ह पचास क्यूबीट§ चौड़ा रहय अऊ ओमा परदा लगे रहय, अऊ ओकर दस ठन
खंभा अऊ दस ठन आधार रहंय।
13 पूरबी छोर म, सूरज निकले कोति घलो अंगना के चौड़ई पचास क्यूबीट रहय।
14 प्रवेस दुवार के एक तरफ परदा के लम्बई पंदरह क्यूबीट* रहय, अऊ ओकर बर तीन ठन खंभा अऊ तीन
ठन आधार रहंय,

---

* **27:1** लगभग 4 1⁄4 फीट या लगभग 1.4 मीटर † **27:1** 2.3 मीटर लम्बा अऊ चौड़ा ‡ **27:9** लगभग 150 फीट या लगभग 45 मीटर; पद 11 म घलो § **27:12** लगभग 75 फीट या लगभग 23 मीटर; पद 13 म घलो * **27:14** लगभग 23 फीट या लगभग 6.8 मीटर; पद 15 म घलो

15 अऊ प्रवेस दुवार के दूसर तरफ घलो पंदरह क्यूबीट लम्बा परदा लगे रहय, ओकर तीन ठन खंभा अऊ तीन
ठन आधार रहंय।
16 "अंगना के प्रवेस दुवार बर बीस क्यूबीट† लम्बई के परदा देबे, जऊन ला एक कढ़ई करनेवाला के दुवारा
नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर बंटे मलमल के कपड़ा ले बनाय गे रहय—अऊ ओकर चार ठन
खंभा अऊ चार ठन आधार रहंय।
17 अंगना के चारों मुड़ा के जम्मो खंभा म चांदी के पट्टी लगे रहंय अऊ ओकर कांटामन चांदी के, अऊ
आधारमन कांसा के रहंय।
18 अंगना के लम्बई एक सौ क्यूबीट अऊ चौड़ई पचास क्यूबीट‡ रहय, ओकर परदा के ऊंचई पांच क्यूबीट§
रहय, अऊ ओह सुघर बंटे मलमल कपड़ा के बने रहय, अऊ ओमा कांसा के आधारमन रहंय।
19 पबितर-तम्बू म बउरे के आने जम्मो बरतन, चाहे ओमन के कुछू भी उपयोग होवय, इहां तक कि तम्बू के
जम्मो खूंटी अऊ अंगना के जम्मो खूंटीमन—ये सब कांसा के बने रहंय।

[illegible]

20 "इसरायलीमन ला हुकूम दे कि ओमन अंजोर करे बर जैतून के पेरके निकाले सुध तेल लानंय, ताकि
दीयामन हरदम बरत रहंय।
21 मिलापवाला तम्बू म, ओ परदा के बाहिर, जऊन ह करार कानून के सन्दूक ला ओधा करथे, हारून अऊ
ओकर बेटामन दीयामन ला यहोवा के आघू म संझा ले बिहान होवत तक बरत रखंय। येह इसरायलीमन के बीच
म पीढ़ी-पीढ़ी तक हमेसा के बिधि होवय।

28

[illegible]

1 "तें इसरायलीमन के बीच ले अपन भाई हारून अऊ ओकर बेटा नादाब अऊ अबीहू, एलिआजर अऊ
ईतामार ला अपन करा ले आ, ताकि ओमन पुरोहित के रूप म मोर सेवा करंय।
2 अपन भाई हारून के मान अऊ आदर के खातिर ओकर बर पबितर पहिरावा बनवा।
3 ओ जम्मो कुसल कारीगरमन ला कह, जऊन मन ला मेंह ये काम करे बर बुद्धि दे हंव कि ओमन हारून बर
पहिरावा बनावंय, ताकि ओकर संस्कार करे जावय अऊ ओह पुरोहित के रूप म मोर सेवा करय।
4 येमन ओ पहिरावा अंय, जऊन ला ओमन बनावंय: एक सीनाबंध, एक एपोद, एक चोगा, एक ठन बुने हुए
कुरता, एक पागा अऊ एक गमछा। ओमन तोर भाई हारून अऊ ओकर बेटामन बर ये पबितर पहिरावा
बनावंय, ताकि ओमन पुरोहित के रूप म मोर सेवा करंय।
5 कारीगरमन सोन, अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ सुघर मलमल कपड़ा के उपयोग करंय।

[illegible]

6 "एपोद* ला सोन, अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ सुघर बंटाय मलमल के कपड़ा के
बनवाबे अऊ येह कुसल कारीगर के दुवारा बनाय जावय।
7 येकर दू ठन कंधा के टुकड़ामन येकर कोना म जुड़े रहंय, ताकि येला बांधे जा सकय।
8 कुसलता से बुने गय कमरबंध ह अइसने होवय—येह एपोद के संग एके टुकड़ा म बने रहय अऊ येह सोन,
अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ सुघर बंटाय मलमल के बने रहय।
9 "दू ठन गोमेदक के रत्नमन ला लेके ओमा इसरायल के बेटामन के नांव ला खुदवा देबे,
10 अऊ ये नांवमन ला ओमन के जनम के मुताबिक खुदवाबे—छै झन के नांव एक ठन पथरा म अऊ बांचे छै
झन के नांव दूसर पथरा म।
11 दूनों पथरा म इसरायल के बेटामन के नांवमन अइसने खुदवाबे, जइसने कोनो सुनार ह नक्कासी करके
मुहर ला बनाथे। तब पथरामन ला सोन के जरी के काम सहीं मढ़ देबे

† **27:16** लगभग तीस फीट या फेर लगभग नौ मीटर। ‡ **27:18** लगभग 150 फीट लम्बा अऊ 75 फीट चौड़ा या लगभग 45 मीटर लम्बा अऊ 23 मीटर चौड़ा § **27:18** लगभग 7 1/2फीट या लगभग 2.3 मीटर * **28:6** [illegible] याने कि [illegible]

12 अऊ ओ दूनों पथरा ला इसरायल के बेटामन बर यादगार पथरा के रूप म एपोद के कंधावाले टुकड़ा म
बांध देबे। हारून ह यहोवा के आघू म ओ नांवमन ला एक स्मारक के रूप म अपन दूनों कंधा म लगाय रहय।
13 सोन के जरीवाला काम के खाना बनवाबे
14 अऊ डोरी के सहीं चोखा सोन के दू ठन गुंथे हुए जंजीर बनवाबे, अऊ ये जंजीरमन ला ओ खानामन म
लगवाबे।

[illegible]

15 "फैसला करे बर छातीबंध बनवाबे—ओला कुसल कारीगर के हांथ ले बनाय जावय। ओला एपोद के सहीं
सोन, अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ सुघर बंटे मलमल के बनवाबे।
16 छातीबंध ह चौकोर रहय—याने कि ओह एक स्पान† लम्बा अऊ एक स्पान चौड़ा—अऊ दू बार मुड़े रहय।
17 तब येमा चार ठन कतार म कीमती पथरा लगवाबे। पहिली कतार म मानिक, पुखराज अऊ पन्ना रहय;
18 दूसर कतार म मरकत, नीलमनि हीरा अऊ पन्ना रहय;
19 तीसर कतार म नारंगी रंग के लसम, सूर्यकांत अऊ नीलम रहय;
20 चौथा कतार म फिरोजा, गोमेदक अऊ यसब होवय।‡ येमन ला जरी के काम करे गे सोन म जड़े जावय।
21 ये पथरामन बारह ठन होवंय, याने कि इसरायल के बेटामन के हर एक नांव बर एक-एक ठन पथरा होवय,
अऊ हर एक म बारह गोत्र के एक-एक नांव ला मुहर सहीं खोदे जावय।
22 "छातीबंध म डोरी के सहीं चोखा सोन के गुंथे गय जंजीर बनवाबे।
23 येकर बर सोन के दू ठन छल्ला बनवाबे अऊ दूनों छल्लामन ला छातीबंध के दू ठन कोनटा म बांध देबे।
24 तब सोन के दूनों जंजीर ला छातीबंध के कोनटामन म ओ छल्लामन के संग बांध देबे,
25 अऊ जंजीरमन के दूसर छोरमन ला दूनों खानामन म बांधबे, अऊ येमन सामने म एपोद के कंधावाले
टुकड़ा म जुड़े रहंय।
26 सोन के दू ठन अऊ छल्ला बनाके ओमन ला छातीबंध के आने दूनों कोनटा के भीतरी किनारा म एपोद ले
संटके लगवाबे।
27 सोन के अऊ दू ठन छल्ला बनाबे, अऊ ओमन ला एपोद के सामने म कंधा के टुकड़ामन के खाल्हे म जोड़
देबे अऊ ये जोड़ ह एपोद के कमरबंध के ऊपर के जोड़ के लकठा म होवय।
28 छातीबंध के छल्लामन ला एपोद के छल्लामन ले बांधे जावय अऊ येला कमरबंध ले जोड़त नीला डोरी
ले बांधे जावय, ताकि छातीबंध ह एपोद के बाहिर झन ओरमय।
29 "जब भी हारून ह पबितर स्थान म जावय, त ओह फैसला करे के छातीबंध म अपन हिरदय के ऊपर
इसरायल के बेटामन के नांवमन ला लगाय रहय, जेकर ले यहोवा के आघू म ओकर सुरता ह हमेसा बने रहय।
30 छातीबंध म ऊरीम अऊ तुम्मीम§ ला घलो रख, ताकि जब भी हारून ह यहोवा के आघू म जावय, त
ओमन हारून के हिरदय ऊपर रहंय। ये किसम ले हारून ह इसरायलीमन बर फैसला करे के चीज ला अपन
हिरदय ऊपर यहोवा के आघू म हमेसा धरे रहिही।

[illegible]

31 "एपोद के खाल्हे के लबादा ला पूरा नीला रंग के कपड़ा ले बनवाबे;
32 ओकर मांझा म मुड़ी खुसेरे बर एक जगह होवय। ओ जगह के चारों कोति पट्टी के सहीं बुने गय किनारा
होवय, ताकि ओह झन चिरावय।
33 कपड़ा के खाल्हे के घेरा के चारों कोति नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत ले अनार बनवाबे, अऊ
अनारमन के बीच-बीच म सोन के घंटी लगवाबे।
34 लबादा के खाल्हे के घेरा म अनार अऊ सोन के घंटीमन एक के बाद एक रहंय।
35 हारून ह सेवा-टहल करत बेरा येला जरूर पहिरे। जब ओह पबितर स्थान म यहोवा के आघू म जाही अऊ
उहां ले निकलही, त घंटीमन के अवाज सुनई दीही, अऊ ओह नइं मरही।
36 "चोखा सोन के एक ठन तस्तरी बनवाबे अऊ ओमा मुहर के सहीं ये सबदमन ला खुदवाबे:

---

† **28:16** लगभग 9 ईंच या लगभग 23 सेन्टीमीटर ‡ **28:20** ये कीमती पथरामन ले कुछू के सही पहिचान नइं ए § **28:30** [illegible] दू ठन चीज, जेकर दुवारा परमेसर के ईछा मालूम करे जावय; पर एकर पक्का गियान नइं अय कि एकर उपयोग कइसे करे जाय। पढ़व गन 27:21; ब्यव 33:8; एज 2:63; नहे 7:65

यहोवा बर पबितर।
37 ओला पागा म जोड़े बर ओमा एक ठन नीला डोरी बांधबे; ओह पागा के आघू म रहय।
38 येह हारून के माथा म रहय, अऊ ओह इसरायलीमन के दुवारा चघाय गे पबितर भेंट के दोस ला अपन ऊपर
उठाही, चाहे ओह कोनो भी किसम के भेंट होवय। ओह हमेसा हारून के माथा म रहय ताकि ओह यहोवा ला
गरहनयोग्य होवय।
39 "कुरता अऊ पागा ला सुघर मलमल के कपड़ा ले बनवाबे। कमरपट्टा ला कढ़ई करनेवाला ह बनावय।
40 हारून के बेटामन ला आदर देय बर कुरता, पटका अऊ टोपी बनवाबे।
41 अपन भाई हारून अऊ ओकर बेटामन ला ये कपड़ा पहिराय के बाद, ओमन ला अभिसेक अऊ नियुक्त
करबे। ओमन के संस्कार करबे ताकि ओमन पुरोहित के रूप म मोर सेवा करंय।
42 "ओमन के उघरा देहें ला ढांपे बर मलमल के कच्छा बनवाबे, जऊन ह कनिहां ले लेके जांघ तक रहय।
43 जब भी हारून अऊ ओकर बेटामन मिलापवाला तम्बू म जावंय या पबितर स्थान म सेवा करे बर बेदी करा
जावंय, त ओमन ओ कच्छामन ला जरूर पहिरंय, ताकि ओमन ऊपर दोस झन लगय अऊ ओमन झन मरंय।
"येह हारून अऊ ओकर संतानमन बर हमेसा के आदेस होवय।

29

[illegible]

1 "हारून अऊ ओकर बेटामन के संस्कार करे बर तोला ये करना हे, ताकि ओमन पुरोहित के रूप म मोर सेवा
करंय: एक ठन निरदोस बछवा अऊ दू ठन निरदोस मेढ़ामन ला ले।
2 अऊ बिगर खमीर के गहूं के बढ़िया पीसान ले गोल रोटी बनवा, मोटा रोटीमन ला जैतून तेल मिलाके बिगर
खमीर के बनवा, अऊ पातर रोटीमन ला बिगर खमीर के बनवा अऊ ओमा जैतून तेल ला चुपर दे।
3 ये जम्मो ला एक ठन टुकनी म रखके बछवा अऊ दूनों मेढ़ा संग चघाबे।
4 तब हारून अऊ ओकर बेटामन ला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा करा लानके ओमन ला पानी ले नहवाबे।
5 पहिरावा ला लेबे अऊ हारून ला अंगरखा, एपोद के बागा पहिरा देबे, एपोद अऊ छातीबंध घलो पहिरा
देबे। एपोद ला सुघरता से बुने गय कमरबंध के दुवारा हारून म बांध देबे।
6 ओकर मुड़ म पागा घलो रखबे अऊ पबितर मुकुट ला ओमा जोड़ देबे।
7 अभिसेक के तेल ला लेबे अऊ ओला ओकर मुड़ म रितोके ओकर अभिसेक करबे।
8 तब ओकर बेटामन ला घलो लानके ओमन ला अंगरखा पहिराबे
9 अऊ मुड़ म टोपी ला पहिराबे। तब हारून अऊ ओकर बेटामन के कनिहां म कमरबंध बांधबे। पुरोहित के
पद ह ये आदेस के दुवारा हमेसा बर ओमन के अय।
"तब हारून अऊ ओकर बेटामन के अभिसेक करबे।
10 "बछवा ला मिलापवाला तम्बू के आघू म लानबे, अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन ओ बछवा के मुड़ म
अपन हांथ रखंय।
11 तब बछवा ला यहोवा के आघू म मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार करा बलि कर देबे।
12 बछवा के थोरकून लहू ला लेबे अऊ ओला बेदी के सींगमन म अपन अंगठी ले लगाबे, अऊ बांचे लहू ला
बेदी के खाल्हे म रितो देबे।
13 तब भीतरी भाग के जम्मो चरबी, करेजा के लम्बा निकले भाग, अऊ चरबी सहित दूनों गुरदा ला घलो लेबे
अऊ ओमन ला बेदी म जला देबे।
14 पर बछवा अऊ ओकर खाल अऊ मांस अऊ ओकर पोटा ला डेरा के बाहिर जला देबे। येह एक
पाप-बलिदान अय।*
15 "तब एक ठन मेढ़ा लेबे, अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन ओ मेढ़ा के मुड़ म अपन हांथ रखंय।
16 तब ओ मेढ़ा ला बलि करबे अऊ ओकर लहू ला लेके बेदी के चारों मुड़ा म छिंच देबे।
17 तब ओ मेढ़ा ला कुटा-कुटा करके काटबे अऊ ओकर भीतरी भाग अऊ गोड़मन ला धोके ओमन ला मुड़
अऊ ओकर आने कुटामन संग रख देबे।

* **29:14** या [illegible]; पद 36 म घलो

18 तब ओ पूरा मेढ़ा ला बेदी म जला देबे; येह यहोवा ला चघाय बर एक होम-बलिदान अय, अऊ यहोवा ला
चघाय बर एक सुख-देवइया सुगंध, एक जेवन-बलिदान अय।
19 "आने मेढ़ा ला लेबे, अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन ओ मेढ़ा के मुड़ म अपन हांथ रखंय।
20 तब ओ मेढ़ा ला बलि करबे, अऊ ओकर कुछू लहू ला लेके हारून अऊ ओकर बेटामन के जेवनी कान
ऊपर, ओमन के जेवनी हांथ के अंगठा ऊपर, अऊ ओमन के जेवनी गोड़ के अंगठा म लगा देबे। तब बांचे लहू
ला बेदी के चारों मुड़ा म छिंच देबे।
21 अऊ बेदी ले थोरकन लहू अऊ अभिसेक के थोरकन तेल लेके ओला हारून अऊ ओकर बेटामन के ऊपर
अऊ ओमन के पहिरावा ऊपर छिंच देबे। तब ओ अऊ ओकर बेटा अऊ ओमन के पहिरावामन संस्कारित हो
जाहीं।
22 "ये मेढ़ा के चरबी, चरबीवाला पुंछी, पेट के भीतरी भाग के चरबी, करेजा के लम्बा निकले भाग, चरबी
समेत दूनों गुरदा अऊ ओकर जेवनी जांघ ला लेबे। (येह अभिसेक के मेढ़ा अय।)
23 टुकनी के बिगर खमीर के बनाय गे रोटी, जऊन ह यहोवा के आघू म माढ़े हवय, ओमा के एक गोल रोटी,
जैतून तेल म सनाय एक ठन मोटा रोटी, अऊ एक ठन पातर रोटी लेबे।
24 ये जम्मो ला हारून अऊ ओकर बेटामन के हांथ म रख देबे अऊ ओमन येला यहोवा के आघू म एक
हलाय-बलिदान के रूप म हलावंय।
25 तब ओमन के हांथ ले ओ चीजमन ला ले लेबे अऊ ओमन ला होम-बलिदान के संग यहोवा बर एक
सुख-देवइया सुगंध के रूप म जला देबे। येह यहोवा बर चघाय गे एक जेवन-बलिदान अय।
26 हारून के अभिसेक के मेढ़ा के छाती ला लेय के बाद, येला यहोवा के आघू म एक हलाय-बलिदान के रूप
म हलाबे, अऊ येह तोर हिस्सा होही।
27 "मेढ़ा के अभिसेक करे गय ओ भागमन के संस्कार करबे, जऊन ह हारून अऊ ओकर बेटामन के अय: याने
कि हलाय गे छाती अऊ भेंट चघाय गय छाती ला संस्कारित करबे।
28 येह इसरायलीमन के दुवारा हारून अऊ ओकर बेटामन ला हमेसा दिये जानेवाला भाग होवय। येह
इसरायलीमन के अंसदान अय, जेला ओमन अपन मेल-बलिदान म ले यहोवा बर देवंय।
29 "हारून के पबितर पहिरावामन ओकर संतानमन के होहीं, ताकि ओ पहिरावा म ओमन के संस्कार अऊ
अभिसेक करे जा सकय।
30 ओकर बेटा, जऊन ह ओकर जगह म पुरोहित होही अऊ पबितर स्थान म सेवा करे बर मिलापवाला तम्बू
म आही, त ओह सात दिन तक ओ पहिरावा ला पहिरय।
31 "अभिसेक के मेढ़ा के मांस ला लेबे अऊ ओला एक पबितर स्थान म रांधबे।
32 हारून अऊ ओकर बेटामन मेढ़ा के ओ मांस अऊ टुकनी के रोटी ला मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म
खावंय।
33 हारून अऊ ओकर बेटामन भेंट के चीजमन ला खावंय, जेकर दुवारा ओमन के अभिसेक अऊ संस्कार बर
पछताप करे गीस। पर कोनो आने मनखे ओ चीजमन ला झन खावंय, काबरकि ओमन पबितर चीज अंय।
34 अऊ बिहान तक कहूं अभिसेक वाला मेढ़ा के जऊन मांस अऊ रोटी बांच जाथे, त ओला जला देवंव।
ओला झन खाय जावय, काबरकि ओह पबितर अय।
35 "हारून अऊ ओकर बेटामन बर ओ जम्मो काम करव, जेकर हुकूम मेंह तुमन ला दे हंव, याने कि सात दिन
तक ओमन के अभिसेक के ये बिधिमन ला पूरा करव।
36 प्रायस्चित करे बर हर दिन एक ठन बछवा पाप-बलिदान के रूप म चघाववव। प्रायस्चित करे के बेरा बेदी ला
सुध करव, अऊ ओला पबितर करे बर ओकर अभिसेक करव।
37 सात दिन ले बेदी बर पछताप करव अऊ ओला पबितर करव। तब बेदी ह महा पबितर ठहिरही, अऊ
जऊन कुछू चीज बेदी ला छूथे, ओह पबितर हो जाही।
38 "बेदी म जऊन चीज तोला रोज चघाना हे, ओह ये अय: एक-एक बछर के दू ठन निरदोस मेढ़ा-पीला।
39 एक ठन ला बिहनियां, अऊ दूसर ला सांझ के चघाबे।

40 पहिली मेढ़ा-पीला के संग एक एपा† उत्तम पीसान के दसवां भाग ला‡ पेरके निकाले गय एक हीन जैतून
तेल के चौथा भाग म मिलाके चघाबे, अऊ एक हीन अंगूर के मंद के चौथा भाग ला एक पेय-बलिदान के रूप म
चघाबे।
41 दूसर मेढ़ा-पीला ला सांझ के बेरा चघाबे, येला घलो बिहनियां के बेरा चघाय गे अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान के सहीं चघाबे—येह यहोवा बर चघाय एक सुखदाई सुगंध, एक जेवन-बलिदान अय।
42 "पीढ़ी-पीढ़ी तक यहोवा के आघू म, मिलापवाला तम्बू के मुंहटा करा ये होम-बलिदान ला नियमित चघाय
जावय। उहां मेंह तोर ले मिलहूं अऊ तोर ले गोठियाहूं।
43 उहां मेंह इसरायलीमन ले घलो मिलहूं अऊ ओ जगह ह मोर महिमा ले पबितर करे जाही।
44 "वइसने ही मेंह मिलापवाला तम्बू अऊ बेदी ला पबितर करहूं अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन ला
पुरोहित के रूप म मोर सेवा करे बर संस्कारित करहूं।
45 तब मेंह इसरायलीमन के बीच म निवास करहूं अऊ ओमन के परमेसर होहूं।
46 ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा ओमन के परमेसर अंव, जऊन ह ओमन ला मिसर देस ले निकाल लानिस,
ताकि मेंह ओमन के बीच निवास करंव। मेंह यहोवा ओमन के परमेसर अंव।

30

[illegible]

1 "धूप जलाय बर बंबरी के लकड़ी ले एक ठन बेदी बनवाबे।
2 ओह वर्गाकार होवय, एक क्यूबीट लम्बा अऊ एक क्यूबीट चौड़ा, अऊ दू क्यूबीट ऊंचा*—अऊ ओकर
सींगमन ला ओ बेदी संग एके कुटा ले बनाय जावंय।
3 बेदी के ऊपर अऊ जम्मो कोति अऊ सींगमन ला चोखा सोन ले मढ़बे, अऊ येकर चारों कोति सोन के एक
किनारी लगाबे।
4 बेदी बर किनारी के खाल्हे म दू-दू ठन कड़ा बनवाबे—ये कड़ामन एक-दूसर के आमने-सामने होवंय, ताकि
येमा डंडामन ला घुसावंय अऊ उठाके ले जा सकंय।
5 डंडामन ला बंबरी के लकड़ी ले बनवाबे अऊ ओमन ला सोन ले मढ़बे।
6 बेदी ला ओ परदा के आघू म रखबे, जऊन ह करार कानून के सन्दूक ला ओधा करथे—याने कि पछ्ताप के
ढकना के आघू म, जऊन ह करार कानून के पटियामन के ऊपर हवय—जिहां मेंह तोर ले मिलहूं।
7 "हारून ह बिहनियां जब दीयामन ला ठीक करथे, त ओह रोज बिहनियां बेदी म सुगंधित धूप जलावय।
8 फेर जब हारून ह संझा के बेरा म दीयामन ला बारथे, त ओ बेरा घलो धूप जलावय, ताकि अवइया
पीढ़ी-पीढ़ी तक यहोवा के आघू म हमेसा धूप ह जलत रहय।
9 ये बेदी म अऊ कोनो आने किसम के धूप झन जलाबे या येमा कोनो होम-बलिदान या अन्न-बलिदान झन
चघाबे, अऊ येमा कोनो पेय-बलिदान झन रितोबे।
10 हारून ह साल म एक बार ओकर सींगमन म प्रायस्चित करय। साल म एक बार करइया ये प्रायस्चित ला
अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक प्रायस्चित के पाप-बलिदान† के लहू के संग करे जावय। येह यहोवा बर महा पबितर
अय।"

[illegible]

11 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
12 "जब तेंह इसरायलीमन के संखिया ला जाने बर गनती करबे, त हर एक जन अपन गनती के बेरा यहोवा
ला अपन जिनगी बर छुड़ौती के रकम देवय। तब ओमन ऊपर कोनो महामारी नइं आही, जब तेंह ओमन के
गनती करबे।
13 हर एक मनखे, जब अपन गनती के बाद गने गय मनखेमन कोति जाथे, त ओह पबितर-स्थान के सेकेल के
मुताबिक आधा सेकेल‡ देवय, जेकर वजन बीस गेरा होथे। ये आधा सेकेल ह यहोवा बर एक भेंट अय।
14 ओ जम्मो जेमन के गनती होथे अऊ बीस साल या ओकर ले जादा के रहिथें, ओमन यहोवा ला भेंट देवंय।

---

† **29:40** लगभग 1.6 किलोग्राम ‡ **29:40** लगभग 1 लीटर * **30:2** लगभग 45 सेन्टीमीटर लम्बा अऊ चौड़ा अऊ 90 सेन्टीमीटर ऊंचा
† **30:10** या *[illegible]* ‡ **30:13** लगभग 5.8 ग्राम; पद 15 म घलो

15 जब तुमन अपन जिनगी बर प्रायस्चित के भेंट यहोवा ला देवव, त चाहे ओह धनी होवय या गरीब, हर एक
मनखे आधा सेकेल ही देवय; कोनो भी न तो आधा सेकेल ले जादा अऊ न आधा सेकेल ले कम देवय।
16 तेंह इसरायलीमन ले प्रायस्चित के रूपिया लेबे अऊ ओकर उपयोग मिलापवाला तम्बू के सेवा बर करबे।
येह तुम्हर जिनगी के प्रायस्चित करे बर यहोवा के आघू म इसरायलीमन बर एक स्मारक होही।”

[illegible]

17 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
18 “धोये बर तेंह कांसा के एक तसला बनाबे अऊ ओकर पाया ला घलो कांसा के बनाबे। ओला मिलापवाला
तम्बू अऊ बेदी के मांझा म मढ़ाके ओमा पानी भर देबे।
19 हारून अऊ ओकर बेटामन ओमा के पानी ले अपन हांथ अऊ गोड़ धोवंय।
20 जब कभू ओमन मिलापवाला तम्बू म जावंय, त ओमन पानी ले हांथ-गोड़ धोवंय, ताकि ओमन झन मरंय।
अऊ जब कभू ओमन यहोवा ला जेवन-बलिदान चघाय के दुवारा सेवा करे बर बेदी करा जावंय,
21 त ओमन अपन हांथ-गोड़ ला धोवंय, ताकि ओमन झन मरंय। येह हारून अऊ ओकर संतानमन बर
अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक हमेसा के एक बिधि होवय।”

[illegible]

22 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
23 “ये बढ़िया मसालामन ला लेबे: 500 सेकेल§ तरल लोहबान, 250 सेकेल खुसबूवाला दालचीनी, 250
सेकेल* खुसबूवाला तेजपान,
24 500 सेकेल दालचीनी—अऊ एक हीन† जैतून तेल।
25 येमन ले तेंह एक पबितर अभिसेक के तेल बनाबे, येह एक सुगंधवाला मिलावट होवय अऊ येह एक अंतर
तेल बनानेवाला के काम होवय। येह अभिसेक के पबितर तेल होही।
26 तब इही तेल ले तेंह मिलापवाला तम्बू, करार कानून के सन्दूक,
27 अऊ मेज अऊ येकर जम्मो सामान, दीवट अऊ येकर जम्मो सामान, धूप के बेदी,
28 होम-बलिदान के बेदी अऊ येकर जम्मो बरतन, अऊ तसला अऊ ओकर खुरा के अभिसेक करबे।
29 तेंह ये जम्मो के संस्कार करबे ताकि येमन महा पबितर हो जावंय, अऊ जऊन कुछू येमन ला छुही, ओह
घलो पबितर हो जाही।
30 “तेंह हारून अऊ ओकर बेटामन के अभिसेक करबे अऊ ओमन के संस्कार करबे, ताकि ओमन पुरोहित के
रूप म मोर सेवा करंय।
31 तेंह इसरायलीमन ले ये कहिबे, ‘येह अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक मोर पबितर अभिसेक के तेल होवय।
32 येला कोनो आने मनखे के देहें म झन रितोहू अऊ इही नुसखा के उपयोग करत कोनो आने तेल झन बनाबे।
येह पबितर अय, अऊ येला तुमन पबितर समझव।
33 जऊन कोनो येकर सहीं अंतर तेल बनाथे अऊ ओला पुरोहित के छोंड़ कोनो आने मनखे ऊपर डारथे, त
ओला अपन मनखेमन के बीच म ले अलग करे जावय।’ ”

[illegible]

34 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस, “ये सुगंधित मसालामन लेय ले—गंधरस, कस्तुरी गंधिका अऊ
बिरोजा—अऊ सुध लोहबान; ये जम्मो ला बरोबर मात्रा म लेबे,
35 अऊ ये जम्मो ला मिलाके धूप के एक सुगंधित मिंझरा बनाबे; येह एक अंतर तेल बनानेवाला के काम
होवय। येह नूनचूर अऊ सुध अऊ पबितर होवय।
36 येमा के थोरकन ला पीसके चूरन बना लेबे अऊ ओला मिलापवाला तम्बू म करार कानून के सन्दूक के आघू
म रखबे, जिहां मेंह तोर ले मिलहूं। येह तुम्हर बर महा पबितर होही।
37 इही नुसखा के उपयोग करत अपन बर कोनो आने धूप झन बनाबे; येला यहोवा बर पबितर समझव।
38 जऊन कोनो ये किसम के धूप येकर खुसबू के आनंद उठाय बर बनाथे, ओला अपन मनखेमन के बीच ले
अलग करे जावय।”

§ **30:23** लगभग 5.8 किलोग्राम; पद 24 म घलो * **30:23** लगभग 2.9 किलोग्राम † **30:24** लगभग 3.8 लीटर

31

[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 “देखव, मेंह यहूदा के गोत्र ले हूर के नाती, ऊरी के बेटा बसलेल ला चुने हंव,
3 अऊ मेंह ओला परमेसर के आतमा, बुद्धि, समझ, गियान अऊ जम्मो किसम के हुनर ले भर दे हंव—
4 ताकि ओह सोन, चांदी अऊ कांसा के कलात्मक नमूना बनावय,
5 पथरामन ला काटे अऊ मढ़ाय, लकड़ी के काम करय, अऊ जम्मो किसम के सिल्पकारी करय।
6 येकर अलावा, मेंह दान के गोत्र ले अहीसामाक के बेटा ओहोलीआब ला नियुक्त करे हंव कि ओह बसलेल के मदद करे।

“मेंह जम्मो कुसल कारीगरमन ला ओ जम्मो चीज बनाय के योग्यता दे हंव, जेमन ला बनाय के हुकूम मेंह तोला दे हंव:

7 “मिलापवाला तम्बू,
करार कानून के सन्दूक अऊ ओकर पछ्ताप के ढकना,
अऊ तम्बू के आने जम्मो चीज—
8 मेज अऊ ओकर जम्मो चीज,
चोखा सोन के दीवट अऊ ओकर जम्मो चीज,
धूप के बेदी,
9 होम-बलिदान के बेदी अऊ ओकर जम्मो बरतन,
तसला अऊ ओकर खुरा—
10 अऊ बुने गय पहिरावामन घलो,
हारून पुरोहित के पबितर पहिरावा
अऊ ओकर बेटामन के ओ पहिरावा, जब ओमन पुरोहित के रूप म सेवा करत बेरा पहिरहीं,
11 अऊ अभिसेक के तेल अऊ पबितर स्थान बर सुगंधित धूप।

“ये जम्मो चीजमन ला ओमन वइसने ही बनावंय, जइसने मेंह तोला हुकूम दे हंव।”

[illegible]

12 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
13 “तेंह इसरायलीमन ला ये कहिबे, ‘तुमन मोर बिसराम दिन ला जरूर मानव। येह अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक मोर अऊ तुम्हर बीच म एक ठन चिनहां होही, ताकि तुमन जानव कि मेंह यहोवा अंव, जऊन ह तुमन ला पबितर करथे।
14 “ ‘बिसराम दिन ला मानव, काबरकि ये दिन ह तुम्हर बर पबितर अय। जऊन कोनो येला अपबितर करथे, ओह मार डारे जावय; जऊन कोनो ओ दिन कोनो बुता करय, ओह अपन मनखेमन के बीच ले अलग करे जावय।
15 काबरकि हर हप्ता छै दिन काम-बुता करे जावय, पर सातवां दिन बिसराम के दिन अऊ यहोवा बर पबितर अय। जऊन कोनो बिसराम दिन म कुछू बुता करय, ओह मार डारे जाय।
16 इसरायलीमन बिसराम दिन ला मानंय; ओमन येला अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक हमेसा के एक करार के रूप म मानंय।
17 येह मोर अऊ इसरायलीमन के बीच म सदाकाल बर एक चिनहां ठहिरही, काबरकि छै दिन म यहोवा ह अकास अऊ धरती ला बनाईस, अऊ सातवां दिन ओह बिसराम करिस अऊ तरो-ताजा होईस।’ ”
18 जब यहोवा ह सीनय पहाड़ ऊपर मूसा ले बात कर चुकिस, त ओह मूसा ला करार कानून के दू ठन पटिया ला दीस, येमन पथरा के ओ पटियामन रिहिन, जेमा परमेसर ह अपन अंगठी ले लिखे रिहिस।

32

[illegible]

1 जब मनखेमन देखिन कि मूसा ला पहाड़ ले उतरके आय म बहुंत समय लगत हे, त ओमन हारून के चारों
मुड़ा जूरिन अऊ कहिन, "आ, हमर बर एक देवता बना, जऊन ह हमर आघू-आघू जाही, काबरकि ओ मनखे
मूसा, जऊन ह हमन ला मिसर देस ले निकालके लाने रिहिस, ओला का होईस, हमन नइं जानत हन?"
2 त हारून ह ओमन ला जबाब दीस, "तुमन अपन-अपन घरवाली, अपन बेटा अऊ अपन बेटीमन के कान म
पहिरे सोन के बालीमन ला हेरके मोर करा लानव।"
3 तब जम्मो मनखेमन अपन-अपन कान ले सोन के बालीमन ला हेरिन अऊ ओला हारून करा ले आईन।
4 हारून ह ओमन ले ओ सोन ला ले लीस, अऊ ओह ओला ढालके एक औजार के दुवारा बछवा के रूप म एक
मूरती बनाईस। तब ओमन कहे लगिन, "हे इसरायलीमन, येह तुम्हर देवता ए, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले
बाहिर निकालके लानिस।"
5 जब हारून ह येला देखिस, त ओह ओ बछवा के आघू म एक ठन बेदी बनाईस अऊ ये घोसना करिस, "कल
यहोवा बर एक तिहार होही।"
6 एकरसेति दूसर दिन मनखेमन बड़े बिहनियां उठिन अऊ होम-बलिदान चघाईन, अऊ मेल-बलिदान लाईन।
ओकर बाद ओमन खाय-पीये बर बईठिन अऊ उठके उछल-मंगल करे लगिन।
7 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "खाल्हे उतर जा, काबरकि तोर मनखेमन, जऊन मन ला तेंह मिसर देस ले
निकालके लाने हस, ओमन बिगड़ गे हवंय।
8 जऊन बात के हुकूम मेंह ओमन ला देय रहेंव, ओमन ओमा ले बहुंत जल्दी हट गे हवंय अऊ ओमन अपन
बर बछवा के आकार म एक ठन मूरती बना ले हवंय। ओमन ओला दंडवत करिन अऊ ओकर बर बलिदान
चघाईन अऊ ये कहिन, 'हे इसरायलीमन, येह तुम्हर देवता अय, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले निकालके
लाने हवय।' "
9 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस, "मेंह ये मनखेमन ला देखे हंव, येमन ढीठ मनखे अंय।
10 अब तेंह मोला अकेला छोंड़ दे ताकि मोर कोरोध ह ओमन ऊपर भड़के अऊ मेंह ओमन ला नास कर दंव।
तब मेंह तोर ले एक ठन बड़े जाति बनाहूं।"
11 पर मूसा ह यहोवा अपन परमेसर ले दया के कामना करत ये कहिस, "हे यहोवा, तेंह काबर अपन मनखेमन
ऊपर कोरोध करत हस, जेमन ला तेंह अपन बड़े सामर्थ अऊ सक्तिसाली हांथ ले मिसर देस ले निकालके
लानय?
12 मिसरीमन काबर ये कहंय, 'ओह ओमन ला गलत उदेस्य ले निकाल लानिस ताकि ओह ओमन ला पहाड़ म
मार डारय अऊ धरती ले ओमन के नामोनिसान मिटा दे?' एकरसेति अपन कोरोध ला छोंड़; दया कर अऊ
अपन मनखेमन ऊपर बिपत्ति झन लान।
13 अपन सेवक अब्राहम, इसहाक अऊ इसरायल ला सुरता कर, जेमन ले तेंह अपनेच कसम खाके कहे रहय:
'मेंह तुम्हर संतानमन ला अकास के तारामन सहीं अनगिनत कर दूहूं अऊ मेंह तुम्हर संतानमन ला ये जम्मो देस
दूहूं, जेकर वायदा मेंह ओमन ले करे हंव, अऊ येह सदाकाल बर ओमन के निज भाग होही।' "
14 तब यहोवा ह दया करिस अऊ अपन मनखेमन ऊपर ओ बिपत्ति नइं लानिस, जेकर धमकी ओह दे रिहिस।
15 तब मूसा ह मुड़िस अऊ पहाड़ ले खाल्हे उतरिस; ओह अपन हांथ म करार कानून के दूनों पटिया ला धरे
रिहिस। ओ पटियामन के आघू अऊ पाछू दूनों कोति लिखाय रिहिस।
16 ओ पटियामन ला परमेसर ह बनाय रिहिस; अऊ ओ पटियामन म जऊन लिखावट रिहिस, ओला परमेसर
ह खोदके लिखे रिहिस।
17 जब यहोसू ह मनखेमन के चिचियाय के अवाज ला सुनिस, त ओह मूसा ला कहिस, "डेरा ले लड़ई के
अवाज आवत हे।"
18 मूसा ह जबाब दीस:

"येह जीत के अवाज नो हय,
येह हार के अवाज घलो नो हय;
पर मोला तो गीत गाय के अवाज सुनई देवत हे।"

19 जब मूसा ह डेरा करा आईस अऊ बछवा ला देखिस अऊ मनखेमन ला नाचत देखिस, त ओकर गुस्सा
भड़किस अऊ ओह अपन हांथ के पटियामन ला फटिक दीस अऊ पटियामन पहाड़ के खाल्हे म टूटके कुटा-कुटा
हो गीन।
20 अऊ ओह मनखेमन के बनाय ओ बछवा ला लीस अऊ ओला आगी म जला दीस; तब ओला कुचरके
चूर-चूर कर दीस अऊ चूरा ला पानी म छिंच दीस अऊ ओ चूरा मिले पानी इसरायलीमन ला पीयाईस।
21 तब मूसा ह हारून ला कहिस, "ये मनखेमन तोर संग का करिन कि तेंह येमन ले अतेक बड़े पाप करवाय?"
22 हारून ह जबाब दीस, "हे मोर मालिक, तें गुस्सा झन कर; तेंह तो जानत हस कि येमन बुरई के काम करे बर
कतेक लालायित रहिथें।
23 ओमन मोला कहिन, 'हमर बर एक ठन देवता बना, जऊन ह हमर आघू-आघू जाही। जिहां तक ओ मनखे
मूसा के सवाल हे, जऊन ह हमन ला मिसर देस ले निकालके लानिस, हमन नइं जानन कि ओकर का होईस?'
24 एकरसेति मेंह ओमन ला कहेंव, 'जेकर करा भी सोन के कोनो जेवर हवय, ओमन ओला हेरके ले आवंय।'
तब ओमन मोर करा सोन ले आईन, अऊ मेंह ओला आगी म डारेंव, अऊ ओमा ले ये बछवा निकलिस!"
25 मूसा ह देखिस कि मनखेमन एती-ओती भागत हें अऊ हारून ह ओमन ला अपन काबू ले बाहिर कर दे
रिहिस अऊ एकरसेति ओमन अपन बईरीमन के ठट्ठा के कारन हो गे रहंय।
26 त मूसा ह छावनी के मुंहटा म ठाढ़ होके कहिस, "जऊन कोनो यहोवा कोति हवव, ओह मोर करा आवव।"
अऊ जम्मो लेवीमन ओकर करा जूर गीन।
27 तब मूसा ह ओमन ला कहिस, "यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'तुमन म ले हर आदमी ह
अपन बाजू म एक तलवार बांध लेवय। सिविर के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक आती-जाती हर एक झन
अपन भाई अऊ संगवारी अऊ परोसी ला मार डारव।' "
28 लेवीमन वइसे ही करिन, जइसे मूसा ह हुकूम दीस, अऊ ओ दिन लगभग तीन हजार मनखे मारे गीन।
29 तब मूसा ह कहिस, "आज तुमन ला यहोवा बर अलग करे गे हवय, काबरकि तुमन अपन खुद के बेटा अऊ
भाईमन के बिरूध म रहेव, एकरसेति यहोवा ह तुमन ला आज आसीस दे हवय।"
30 दूसर दिन मूसा ह मनखेमन ला कहिस, "तुमन एक बहुंत बड़े पाप करे हव। पर अब मेंह पहाड़ ऊपर यहोवा
करा जावत हंव; सायद मेंह तुम्हर पाप बर प्रायस्चित कर सकंव।"
31 तब मूसा ह यहोवा करा वापिस गीस अऊ कहिस, "हाय, हाय, ये मनखेमन बहुंत बड़े पाप करे हवंय!
ओमन अपन बर सोन के देवता बना ले हवंय।
32 पर अब, तेंह किरपा करके ओमन के पाप ला छेमा कर दे—यदि नइं, त फेर मोर नांव ला ओ किताब म ले
मिटा दे, जऊन ला तेंह लिखे हस।"
33 यहोवा ह मूसा ला जबाब दीस, "जऊन कोनो मोर बिरूध म पाप करे हवय, मेंह ओकरे नांव ला मोर किताब
ले मिटा दूहूं।
34 अब तेंह जा, अऊ ये मनखेमन ला ओ ठऊर म ले जा, जेकर बारे म मेंह तोला बताय हंव, अऊ मोर
स्वरगदूत ह तोर आघू-आघू जाही। तभो ले जब मोर सजा देय के समय आही, त मेंह ओमन ला ओमन के पाप के
सजा दूहूं।"
35 अऊ यहोवा ह ओ मनखेमन के बीच एक महामारी लानिस काबरकि ओमन हारून के दुवारा बछवा बनवाय
रिहिन अऊ ओकर अराधना करे रिहिन।

33

1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "तें अऊ जऊन मनखेमन ला मिसर देस ले निकालके लाने हस, तुमन जम्मो
झन ये जगह ला छोंड़के ओ देस म चले जावव, जेकर वायदा मेंह अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ले सपथ खाके
करे रहेंव, 'मेंह ओला तुम्हर संतानमन ला दूहूं।'
2 मेंह तुम्हर आघू एक स्वरगदूत ला पठोहूं अऊ कनानी, अमोरी, हित्ती, परिज्जी, हिब्बी, अऊ यबूसीमन ला
भगा दूहूं।
3 ओ देस म जावव, जिहां दूध अऊ मंधरस बहुंतायत म मिलथे,* पर मेंह तुम्हर संग नइं जावंव, काबरकि

* **33:3** याने कि, उपजाऊ देस

तुमन ढीठ मनखे अव अऊ अइसने झन होवय कि मेंह तुमन ला डहार म ही नास कर दंव।”
4 जब मनखेमन ये दुख के समाचार ला सुनिन, त ओमन बिलाप करे लगिन अऊ कोनो भी अपन जेवर ला नइं
पहिरिन।
5 काबरकि यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस, “इसरायलीमन ला ये कह, ‘तुमन ढीठ मनखे अव। कहूं मेंह तुम्हर
संग एक घरी घलो चलंव, त हो सकथे मेंह तुमन ला नास कर दंव। एकरसेति अब तुमन अपन जेवरमन ला
उतारव अऊ मेंह फैसला करहूं कि तुम्हर संग का करना हे।’ ”
6 एकरसेति इसरायलीमन होरेब पहाड़† म अपन जेवरमन ला उतार दीन।

[illegible]

7 मूसा ह एक ठन तम्बू ला लेके छावनी के बाहिर थोरकन दूरिहा म खड़े करय, अऊ ओला मिलापवाला तम्बू
कहय। जऊन कोनो ला यहोवा ले कोनो बात पुछना रहय, त ओह छावनी ले बाहिर ओ मिलापवाला तम्बू करा
जावय।
8 अऊ जब भी मूसा ह मिलापवाला तम्बू करा जावय, त जम्मो मनखेमन उठके अपन-अपन तम्बू के मुंहटा म
ठाढ़ हो जावंय, अऊ मूसा ला तब तक देखत रहंय, जब तक ओह तम्बू के भीतर नइं चले जावय।
9 मूसा के तम्बू म जावत ही बादर के खंभा उतरके तम्बू के मुंहटा म ठहर जावय, अऊ यहोवा ह मूसा ले
गोठियावय।
10 जब भी मनखेमन बादर के खंभा ला तम्बू के मुंहटा म खड़े देखंय, त ओ जम्मो झन अपन-अपन तम्बू के
मुंहटा म अराधना करंय।
11 यहोवा ह मूसा ले आमने-सामने गोठियावय, जइसन कोनो मनखे अपन संगवारी ले गोठियाथे। तब मूसा
छावनी म लहुंटय, पर ओकर जवान सहायक नून के बेटा यहोसू ह तम्बू ला बिगर छोंड़े उहां बने रहय।

[illegible]

12 मूसा ह यहोवा ला कहिस, “तेंह मोला कहत आय हस, ‘ये मनखेमन के अगुवई कर,’ पर तेंह मोला ये नइं
बताय हस कि मोर संग तेंह कोन ला पठोबे। तेंह कहे हस, ‘मेंह तोला तोर नांव ले जानत हंव अऊ तोर ऊपर मोर
किरपा हवय।’
13 यदि तेंह मोर ले खुस हवस, त तेंह मोला अपन रसता के बारे म सिखा, ताकि मेंह तोला जानंव अऊ तोर
किरपा मोर ऊपर हमेसा बने रहय। ये बात के सुरता रखबे कि ये जाति के मनखेमन तोरेच मनखे अंय।”
14 यहोवा ह जबाब दीस, “मोर उपस्थिति तोर संग बने रहिही, अऊ मेंह तोला बिसराम दूहूं।”
15 तब मूसा ह ओला कहिस, “कहूं तोर उपस्थिति हमर संग बने नइं रहय, त हमन ला इहां ले अऊ आघू झन
भेज।
16 जब तेंह हमर संग नइं रहिबे, त कोनो मनखे ह ये कइसे जानही कि तेंह मोर ले अऊ अपन मनखेमन ले खुस
हवस? का आने चीज अय, जऊन ह मोला अऊ तोर मनखेमन ला ये धरती के जम्मो मनखेमन ले अलग करही?”
17 अऊ यहोवा ह मूसा ला कहिस, “मेंह ओ हर काम ला करहूं, जेला तेंह कहे हस, काबरकि मेंह तोर ले खुस
हंव अऊ मेंह तोला तोर नांव ले जानत हंव।”
18 तब मूसा ह कहिस, “मोर बिनती हवय कि तेंह मोला अपन महिमा देखा।”
19 अऊ यहोवा ह कहिस, “मेंह अपन जम्मो भलई तोर आघू म देखाहूं, अऊ मेंह अपन नांव यहोवा के घोसना
तोर आघू म करहूं। जेकर ऊपर मेंह दया करे चाहंव, ओकर ऊपर दया करहूं, अऊ जेकर ऊपर मेंह तरस खाय
चाहंव, ओकर ऊपर तरस खाहूं।”
20 ओह आगे कहिस, “पर तेंह मोर चेहरा ला नइं देख सकस, काबरकि कोनो भी मनखे मोला देखे के बाद
जीयत नइं रह सकय।”
21 फेर यहोवा ह कहिस, “मोर लकठा म एक जगह हवय, जिहां तेंह एक चट्टान ऊपर ठाढ़ हो सकत हस।
22 जब मोर महिमा ह उहां ले होके जाही, त मेंह तोला चट्टान के एक दरार म रख दूहूं अऊ तोला अपन हांथ
ले तब तक ढांपे रहिहूं, जब तक कि मेंह उहां ले निकल नइं जावंव।
23 तब मेंह अपन हांथ ला टार दूहूं अऊ तेंह मोर पीठ ला देखे बर पाबे, पर मोर चेहरा ह नइं दिखय।”

---

† **33:6** या [illegible]

34

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस, “पहिली के पटियामन सहीं पथरा के दू ठन पटिया काटके बना ले, अऊ में ये
पटियामन म ओ बचनमन ला फेर लिख दूहूं, जेमन पहिली के पटियामन म रिहिन, जेमन ला तें टोर देय।
2 बिहनियां तियार होके सीनय पहाड़ के टीप म चघके मोर करा ठाढ़ होबे।
3 तोर संग कोनो अऊ चघके झन आवय, पहाड़ ऊपर कोनो कोति कोनो झन दिखय; इहां तक कि कोनो
भेड़-बकरी अऊ गरूवा-बईला घलो ओ पहाड़ के आघू म झन चरत रहंय।”
4 मूसा ह काटके पथरामन के दू ठन पटिया पहिली सहीं बनाईस, फेर ओह यहोवा के हुकूम के मुताबिक
बिहनियां उठिस अऊ पथरा के दूनों पटियामन ला अपन हांथ म धरके सीनय पहाड़ म चघिस।
5 तब यहोवा ह बादर म उतरिस अऊ ओकर संग ठाढ़ होके अपन नांव यहोवा के घोसना करिस।
6 अऊ यहोवा ह मूसा के सामने ले होके निकलिस अऊ ये कहत गीस, “यहोवा, यहोवा, दयालु अऊ किरपा
करइया परमेसर, कोरोध करे म धीमा, मया ले भरपूर अऊ बिसवासयोग्य अय,
7 हजारों झन ला सदा मया करइया, अधरम, अपराध अऊ पाप छेमा करइया; फेर दोसी ला ओह निरदोस
नइं छोंड़य, ओह दाई-ददा के पाप बर ओमन के लइकामन ला तीसरा अऊ चौथा पीढ़ी तक दंड देथे।”
8 मूसा ह तुरते भुइयां कोति झुकिस अऊ अराधना करिस।
9 अऊ ओह कहिस, “हे परभू, कहूं तोर दया-मया ह मोर ऊपर हवय, त परभू ह हमर संग चलय। हालाकि ये
मनखेमन ढीठ अंय, पर तें हमर पाप अऊ अधरम ला छेमा कर अऊ हमन ला अपन मानके गरहन कर।”
10 तब यहोवा ह कहिस: “सुन, मेंह एक ठन करार करत हंव। मेंह तोर जम्मो झन के आघू म अइसन अचम्भो
बुता करहूं, जइसन जम्मो धरती म कोनो जातिमन के आघू म कभू नइं करे गे हवय, अऊ ओ जम्मो झन, जऊन
मन के मांझा म तेंह रहत हस, ओमन यहोवा के बुता ला देखहीं, काबरकि जऊन कुछू मेंह करइया हंव, ओह
अद्भूत बुता अय।
11 जऊन हुकूम आज मेंह तुमन ला दूहूं, ओला तुमन मानव। मेंह तुम्हर आघू ले अमोरी, कनानी, हित्ती,
परिज्जी, हिब्बी अऊ यबूसी जाति के मनखेमन ला निकाल दूहूं।
12 एकरसेति धियान रहय कि ओ देस म रहइयामन के संग कोनो करार झन करव, जिहां तुमन जवइया हव,
कहूं अइसन झन होवय कि ओमन तुम्हर बर फांदा बन जावंय।
13 पर तुमन ओमन के बेदीमन ला टोरके गिरा दव अऊ ओमन के पबितर पथरामन ला कुटा-कुटा कर दव,
अऊ ओमन के असेरा के खंभामन ला काट डारव;
14 कोनो आने देवता के अराधना झन करव, काबरकि यहोवा जेकर नांव जलन रखइया अय, ओह जल
उठइया परमेसर अय।
15 “धियान रहय कि ओ देस म रहइयामन के संग कोनो करार झन करव; काबरकि जब ओमन अपन देवतामन
के अराधना करके बेभिचार के सहीं काम करथें अऊ ओकर बर बलिदान चघाथें, त ओमन तुमन ला नेवता दीहीं
अऊ तुमन ओमन के बलिदान करे गय चीज ला खाहू।
16 अऊ जब तुमन ओमन के बेटीमन ला अपन बेटामन के घरवाली होय बर लेथव अऊ ओ बेटीमन खुदे
अपन देवतामन के पाछू चलके बेभिचार करथें, त ओमन तुम्हर बेटामन ला घलो वइसनेच करे बर ले जाहीं।
17 “अपन बर कोनो देवता झन बनाहू।
18 “अखमीरी रोटी के तिहार मनाहू, ओमा तुमन मोर हुकूम के मुताबिक अबीब महिना के नियत बेरा म सात
दिन ले अखमीरी रोटी खाय करहू, काबरकि तुमन अबीब महिना म मिसर देस ले निकलके आय रहेव।
19 “हर एक कोख के पहिली लइका ह मोर अय। चाहे ओह बछवा होवय चाहे भेड़; तुम्हर पसुमन म ले घलो
पहिली नर पीला ह मोर अय।
20 गदहा के पहिली पीला के बलदा मेढ़ा-पीला देके ओला छोंड़ाहू, फेर कहूं तेंह ओला छोंड़ाय बर नइं
चाहस, त ओकर घेंच ला टोर दूहू। पर अपन जम्मो पहिलांत बेटामन ला बलदा देके छोंड़ाहू।
“कोनो मोला जुच्छा हांथ अपन मुहूं झन देखावंय।

21 “हर हप्ता छै दिन ले कमाहू, अऊ सातवां दिन अराम करहू; नांगर जोतई अऊ लुवई के बखत घलो अराम
करहू।
22 “तुमन हप्तामन के तिहार मनाहू, मतलब कि गहूं के ऊपज के पहिली-फसल के तिहार अऊ बछर के
आखिरी म संकेलन तिहार घलो मनाहू।
23 साल म तीन बार तुम्हर जम्मो आदमीमन परमपरधान यहोवा, इसरायल के परमेसर के आघू म उपस्थित
होवंय।
24 काबरकि मेंह आनजातमन ला तोर आघू ले निकालके तोर सिवाना ला बढ़ाहूं अऊ जब तुमन एक बछर म
तीन बार अपन यहोवा के आघू म ठाढ़ होय बर जाहू, तब कोनो तोर भुइयां के लालच नइं करही।
25 “कोनो बलिदान करे गय पसु के लहू ला कोनो खमीर मिले हुए चीज के संग झन चघावव अऊ फसह तिहार
के बलिदान म ले बिहान तक ले कुछू ला झन बचाहू।
26 “तुमन अपन भुइयां के सबले बने पहिली-फसल ला यहोवा अपन परमेसर के घर म लानव।
“तुमन कोनो छेरी-पीला ला ओकर मियारी के दूध म झन रांधहू।”
27 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस, “ये बचनमन ला लिख ले, काबरकि मेंह इही बचन के मुताबिक तोर ले अऊ
इसरायल ले करार करे हंव।”
28 मूसा ह यहोवा संग उहां चालीस दिन अऊ चालीस रात रिहिस, ओह रोटी नइं खाईस अऊ पानी घलो नइं
पीईस, अऊ ओह ओ पटियामन म करार के बचन याने कि दस हुकूममन ला लिखिस।

[illegible]

29 जब मूसा ह करार कानून के दूनों पटिया ला हांथ म धरे सीनय पहाड़ ले उतरत रिहिस, त यहोवा संग
गोठियाय के कारन ओकर मुहूं ह चमकत रिहिस, पर ओह ये बात ला नइं जानत रिहिस।
30 जब हारून अऊ जम्मो इसरायलीमन मूसा ला देखिन, कि ओकर मुहूं ह चमकत हवय त ओमन ओकर करा
आय बर डराईन।
31 पर मूसा ह ओमन ला बलाईस; अऊ हारून अऊ समाज के जम्मो अगुवामन ओकर करा आईन, अऊ
मूसा ह ओमन ले गोठियाईस।
32 ओकर बाद, जम्मो इसरायलीमन ला घलो तीर म बलाके मूसा ह ओमन ला ओ जम्मो हुकूम ला माने के
हुकूम दीस, जऊन ला यहोवा ह सीनय पहाड़ म ओला कहे रिहिस।
33 जब मूसा ह ओमन ले गोठिया लीस, त ओह अपन मुहूं म ओढ़ना ला डार लीस।
34 मूसा ह जब-जब यहोवा करा ओकर ले गोठियाय बर जावय, त ओह बाहिर निकलत ले ओढ़ना ला हटाय
रहय; अऊ जब-जब ओह बाहिर म आके परमेसर के दिये गय हुकूम इसरायलीमन ला बतावय,
35 त इसरायलीमन मूसा के मुहूं ला देखंय कि ओकर मुहूं ह चमकत रहय, अऊ जब तक मूसा ह यहोवा ले
गोठियाय बर भीतर नइं जावय तब तक ओह अपन मुहूं म ओढ़ना डारे रहय।

35

[illegible]

1 मूसा ह जम्मो इसरायली समाज ला इकट्ठा करिस अऊ ओमन ला कहिस, “जऊन बुतामन ला यहोवा ह करे
के हुकूम तुमन ला दे हवय, ओमन ये अंय:
2 हर हप्ता छै दिन बुता करहू अऊ सातवां दिन ह तुम्हर पबितर दिन, यहोवा बर एक बिसराम के दिन
ठहिरय। ओ दिन जऊन कोनो कुछू बुता करय, ओला मार डारे जावय।
3 बिसराम के दिन तुमन अपन-अपन निवास के ठऊर म आगी घलो झन बारव।”

[illegible]

4 फेर मूसा ह जम्मो इसरायली समाज ला कहिस, “जऊन हुकूम यहोवा ह दे हवय, ओह ये अय:
5 तुमन अपन करा ले यहोवा बर भेंट संकेलव; जऊन मन अपन ईछा ले देय बर चाहथंय, ओमन यहोवा बर
ये चीजमन के भेंट लानंय:

"सोन, चांदी अऊ कांसा;
6 नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर मलमल के कपड़ा;
बोकरा के रूआं;
7 लाल रंग ले रंगाय मेढ़ा के खाल अऊ आने किसम के टिकाऊ खाल;
बंबरी के लकड़ी;
8 अंजोर करे बर जैतून तेल;
अभिसेक के तेल अऊ कहरवाला धूप बर मसाला;
9 अऊ एपोद अऊ छातीबंध म जड़े बर गोमेदक के पथरा अऊ आने किसम के रत्न।

10 "तुमन म जऊन मन कुसल कारीगर अंय, ओमन आवंय अऊ यहोवा के हुकूम के मुताबिक ये चीजमन ला बनावंय:

11 "पबितर-तम्बू के संग ओकर तम्बू अऊ ओकर ओढ़ना, अऊ ओकर घुंडी, ढांचा, बल्ली, खंभा अऊ आधारमन;
12 सन्दूक अऊ ओकर डंडामन, पछ्ताप के ढकना अऊ ओ परदा, जऊन ह ओला आड़ करथे;
13 मेज अऊ ओकर डंडा अऊ ओकर जम्मो सामान अऊ चघावा के रोटी;
14 अंजोर बर दीवट, अऊ ओकर जम्मो सामान, दीयामन अऊ अंजोर करे बर तेल;
15 डंडा समेत धूप के बेदी, अभिसेक के तेल, सुगंधित धूप,
अऊ पबितर-तम्बू के प्रवेस दुवार बर परदा;
16 होम-बलिदान के बेदी के संग ओकर कांसा के जाली, ओकर डंडा अऊ ओकर जम्मो बरतन,
कांसा के तसला अऊ ओकर पाया;
17 अंगना के परदामन के संग ओकर खंभा अऊ आधारमन, अऊ अंगना के प्रवेस दुवार के परदा;
18 पबितर-तम्बू अऊ अंगना के खूंटीमन, अऊ ओमन के रस्सीमन;
19 पबितर-स्थान म सेवा-टहल करे बर बुने गय पहिरावा—येमा हारून पुरोहित के पबितर पहिरावा अऊ ओकर बेटामन के पहिरावा रिहिस, जेला पुरोहित के रूप म सेवा करत बेरा ओमन पहिरंय।"

20 तब पूरा इसरायली समाज मूसा करा ले लहुंट गीस।
21 हर एक मनखे, जेमन के मन ह ओमन ला उत्साहित करिस अऊ हर एक मनखे जऊन मन के आतमा ह ओमन ला उभारिस, ओह मिलापवाला तम्बू के बुता अऊ ओकर जम्मो सेवा करे अऊ पबितर ओनहा ला बनाय बर अऊ यहोवा बर भेंट लेके आईन।
22 तब जम्मो मरद अऊ माईलोगनमन, जऊन मन के मन ह ओमन ला उत्साहित करे रिहिस, ओमन सोन के कान के बाली, नाक के नथनी, अंगठी के मुंदरी अऊ हांथ के कंगनी आदि जम्मो किसम के जेवर लानिन; ओ जम्मो झन हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा ला अपन सोन के भेंट चघाईन।
23 अऊ हर ओ मनखे, जेकर करा नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के ओनहा, सुघर मलमल अऊ छेरीमन के बाल अऊ लाल रंग ले रंगाय भेड़ के खाल अऊ आने टिकाऊ खाल रिहिस, ओह ओ चीजमन ला ले आईस।
24 जऊन मनखेमन चांदी या कांसा के भेंट लाने सकत रिहिन, ओमन यहोवा बर भेंट लानिन। अऊ जऊन मन करा सेवा करे के कोनो बुता बर बंबरी के लकड़ी रिहिस, ओमन ओला लानिन।
25 जतेक कुसल माईलोगनमन रिहिन, ओमन अपन हांथ ले रेसम के सूंत बनाईन अऊ ओमन नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ महिन मलमल के बनाय गे सूंत ला लेके आईन।
26 अऊ जऊन माईलोगनमन के ईछा रिहिस अऊ सूंत कांते म कुसल रिहिन, ओमन छेरीमन के रूआं के घलो सूंत बनाईन।
27 अऊ मुखियामन एपोद अऊ सीनाबंध बर सुलेमानी मनि अऊ जड़े बर मनि लानिन।
28 ओमन अंजोर करे बर अऊ अभिसेक के तेल बर अऊ सुगंधित धूप बर मसाला अऊ जैतून तेल लानिन।
29 जऊन बुतामन ला करे बर यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस, ओकर बर जम्मो इसरायली माईलोगन अऊ मरद, जेमन के हिरदय ह ओमन ला भेंट लाने बर उभारिस, यहोवा बर स्वेच्छा-बलिदान लेके आईन।

?????? ?? ????????

30 मूसा ह इसरायलीमन ला कहिस, “देखव, यहोवा ह यहूदा के गोत्र ले हूर के नाती, ऊरी के बेटा बसलेल ला
चुने हवय,
31 अऊ ओह ओला परमेसर के आतमा, बुद्धि, समझ, गियान अऊ जम्मो किसम के हुनर ले भर दे हवय,
32 ताकि ओह सोन, चांदी अऊ कांसा के कलात्मक काम,
33 पथरामन ला काटे अऊ मढ़ाय, लकड़ी के काम अऊ जम्मो किसम के कलात्मक सिल्पकारी के काम करय।
34 अऊ यहोवा ह ओकर संग दान के गोत्र ले अहीसामाक के बेटा ओहोलीआब ला घलो योग्यता दे हवय कि
ओ दूनों झन आने मन ला सिखोवंय।
35 ओमन के हिरदय ला यहोवा ह अइसन हुनर ले भरे हवय कि ओमन गढ़नेवाला अऊ कलात्मक नमूना
बनानेवाला नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के ओनहा म अऊ महिन मलमल के कढ़ई अऊ बुनई म जम्मो
किसम के कलात्मक जिनिसमन के नमूना के काम अऊ कारीगरमन के जम्मो बुता करंय।

36

1 बसलेल, ओहोलीआब अऊ ओ जम्मो कुसल कारीगर, जेमन ला यहोवा ह हुनर अऊ योग्यता दे हवय कि
ओ पबितर-स्थान ला बनाय के जम्मो काम ला कइसे करना हे, ओमन ये काम ला वइसने ही करंय, जइसने कि
यहोवा ह हुकूम दे हवय।”
2 तब मूसा ह बसलेल, ओहोलीआब अऊ ओ जम्मो कुसल कारीगर, जेमन ला यहोवा ह योग्यता दे रिहिस
अऊ जऊन मन अपन ईच्छा ले आके काम करे चाहत रिहिन, ओ जम्मो झन ला बुलवाईस।
3 अऊ मूसा ह ओमन ला ओ जम्मो भेंट के चीजमन ला दे दीस, जेला इसरायलीमन पबितर-स्थान ला बनाय
के काम बर लाय रिहिन। अऊ मनखेमन रोज बिहनियां स्वेच्छा-बलिदान लाते रिहिन।
4 तब ओ जम्मो कारीगर, जेमन पबितर-स्थान ला बनाय के जम्मो काम ला करत रिहिन, ओमन अपन-अपन
काम ला छोंड़ दीन,
5 अऊ आके मूसा ला कहिन, “मनखेमन जरूरत ले जादा चीज ओ काम ला करे बर लानत हें, जेला करे के
हुकूम यहोवा ह दे हवय।”
6 तब मूसा ह हुकूम दीस अऊ ये बात के घोसना पूरा सिविर म करे गीस: “कोनो भी मरद या माईलोगन अब
पबितर-स्थान बर भेंट के रूप म कोनो चीज झन लानंय।” अऊ ये किसम ले मनखेमन ला अऊ भेंट लाने बर रोके
गीस,
7 काबरकि जतेक चीज ओमन करा आय रिहिस, ओह जम्मो काम बर जरूरत ले घलो जादा रिहिस।

??????-??????

8 काम करइयामन के बीच म ले जम्मो कुसल कारीगरमन पबितर-तम्बू ला दस ठन परदा म ले बनाईन;
ओमन ये परदामन ला सुघर बंटे मलमल अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत ले बनाईन अऊ कुसल
कारीगरमन के दुवारा ये परदामन म कढ़ई करके करूबमन ला बनाय गे रिहिस।
9 जम्मो परदामन एकेच आकार के रिहिन—अठाईस क्यूबीट लम्बा अऊ चार क्यूबीट चौड़ा।*
10 ओमन पांच ठन परदा ला एक संग जोड़ दीन अऊ बांचे पांच ठन परदा ला घलो वइसने ही करिन।
11 तब ओमन पहिला समूह के आखिरी के परदा के धरी म नीला रंग के चीज के फांस लगाईन, अऊ वइसने
ही दूसरा समूह के आखिरी के परदा म घलो करे गीस।
12 ओमन एक समूह के आखिरी के परदा म पचास ठन फांस लगाईन अऊ दूसर समूह के आखिरी के परदा म
घलो पचास ठन फांस लगाईन, अऊ ये फांसमन एक-दूसर के आमने-सामने रिहिन।
13 तब ओमन पचास ठन सोन के कड़ा बनाईन अऊ ओमन के उपयोग दूनों समूह के परदामन ला एक संग
बांधके रखे बर करिन, जेकर ले पबितर-तम्बू ह एक ठन हो गीस।
14 ओमन पबितर-तम्बू के ऊपर बोकरा के रूआं के परदा बनाईन—कुल गियारह ठन परदा बनाईन।
15 जम्मो गियारह परदामन एके नाप के रिहिन—तीस क्यूबीट लम्बा अऊ चार क्यूबीट चौड़ा।†

---

* **36:9** लगभग 42 फीट लम्बा अऊ 6 फीट चौड़ा या लगभग 13 मीटर लम्बा अऊ 1.8 मीटर चौड़ा † **36:15** लगभग 45 फीट लम्बा अऊ 6 फीट चौड़ा या लगभग 14 मीटर लम्बा अऊ 1.8 मीटर चौड़ा

16 ओमन पांच ठन परदा ला जोड़के एक ठन बना दीन अऊ आने छै ठन परदा ला घलो जोड़के एक ठन कर
दीन।
17 तब ओमन पहिली समूह के आखिरी परदा के धरी म पचास ठन फांस लगाईन अऊ वइसने ही दूसर समूह
के आखिरी परदा म घलो पचास ठन फांस लगाईन।
18 ओमन परदामन ला जोड़े बर कांसा के पचास ठन कड़ा बनाईन ताकि ओ पूरा तम्बू मिलके एके ठन हो
जावय।
19 तब ओमन तम्बू बर लाल रंग ले रंगाय मेढ़ा के खाल के एक ठन ओढ़ना बनाईन अऊ ओकर ऊपर लगाय
बर आने टिकाऊ खाल के एक ठन ओढ़ना बनाईन।
20 ओमन पबितर-तम्बू बर बंबरी लकड़ी के खड़े ढांचामन ला बनाईन।
21 हर एक ढांचा दस क्यूबीट लम्बा अऊ डेड़ क्यूबीट चौड़ा रिहिस,‡
22 अऊ ओमा एक-दूसर के समानांतर दू-दू ठन खूंटी रिहिन। ओमन पबितर-तम्बू के जम्मो ढांचामन ला इही
किसम ले बनाईन।
23 ओमन पबितर-तम्बू के दक्खिन कोति बर बीस ठन ढांचा बनाईन
24 अऊ ओ ढांचामन के खाल्हे म रखे बर चांदी के चालीस ठन आधार बनाईन—हर एक ढांचा बर दू ठन
आधार, हर एक खूंटी के खाल्हे म एक ठन आधार।
25 दूसर कोति याने कि पबितर-तम्बू के उत्तर दिग बर ओमन बीस ठन ढांचा
26 अऊ चालीस ठन चांदी के आधार बनाईन—हर एक ढांचा के खाल्हे म दू ठन आधार।
27 ओमन आखिरी छोर याने कि पबितर-तम्बू के पछिम छोर बर छै ठन ढांचा बनाईन
28 अऊ पबितर-तम्बू के कोनटामन बर आखिरी छोर म दू ठन ढांचा बनाईन।
29 ये दूनों कोनटा म ढांचामन खाल्हे ले लेके टीप तक दू परत म रिहिन अऊ एके ठन कड़ा म जुड़े रिहिन; दूनों
एक जइसे बने रिहिन।
30 ये किसम ले आठ ठन ढांचा अऊ चांदी के सोलह ठन आधार रिहिस याने कि हर ढांचा के खाल्हे म दू ठन
आधार।
31 ओमन बंबरी लकड़ी के मियारमन ला घलो बनाईन: पबितर-तम्बू के एक तरफ के ढांचामन बर पांच ठन
मियार,
32 पबितर-तम्बू के दूसर तरफ बर पांच ठन मियार अऊ पबितर-तम्बू के आखिरी छोर म, पछिम तरफ के
ढांचामन बर पांच ठन मियार बनाईन।
33 ओमन मांझा के मियार ला अइसने बनाईन कि ओह ढांचामन के बीच म ले होके एक छोर ले दूसर छोर
तक पहुंचय।
34 ओमन ढांचामन ला सोन ले मढ़िन अऊ मियारमन ला पकड़े बर सोन के कड़ा बनाईन। ओमन मियारमन
ला घलो सोन ले मढ़िन।
35 ओमन नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर बंटे मलमल ले परदा बनाईन, जऊन म एक
कुसल कारीगर के दुवारा करूबमन के कढ़ई करे गे रिहिस।
36 ओमन येकर बर बंबरी लकड़ी के चार ठन खंभा बनाईन अऊ ओमन ला सोन ले मढ़िन। ओमन बर सोन के
खूंटीमन ला बनाईन अऊ ओमन बर चांदी के चार ठन आधार ढालके बनाईन।
37 तम्बू के प्रवेस दुवार बर ओमन नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर बंटे मलमल के ओनहा ले
एक ठन परदा बनाईन—येला एक कढ़ई करइया ह बनाईस;
38 अऊ ओमन पांच ठन खंभा बनाईन अऊ ओमन बर खूंटी घलो बनाईन। ओमन खंभामन के टीप अऊ
ओमन के पट्टामन ला सोन ले मढ़िन अऊ ओमन के पांचों आधार ला कांसा के बनाईन।

37

[illegible] [illegible] [illegible]

1 बसलेल ह बंबरी लकड़ी ले सन्दूक ला बनाईस—जऊन ह अढ़ई क्यूबीट लम्बा अऊ डेड़ क्यूबीट चौड़ा,
अऊ डेड़ क्यूबीट ऊंचा रिहिस।*

‡ **36:21** लगभग 15 फीट लम्बा अऊ 2 1/4 फीट चौड़ा या लगभग 4.5 मीटर लम्बा अऊ 68 सेन्टीमीटर चौड़ा * **37:1** या लगभग 1.1 मीटर लम्बा अऊ 68 सेन्टीमीटर चौड़ा अऊ ऊंचा; वइसने ही पद 6 म घलो

2 ओह ओला भीतर-बाहिर दूनों कोति चोखा सोन ले मढ़िस, अऊ ओकर चारों कोति सोन के एक पट्टी
लगाईस।
3 ओह सन्दूक बर चार ठन सोन के कड़ा बनवाके ओमन ला ओकर चारों खुरा म बांध दीस—एक तरफ दू ठन
अऊ दूसर तरफ दू ठन।
4 तब ओह डंडामन ला बंबरी लकड़ी के बनाईस अऊ ओमन ला सोन ले मढ़िस।
5 अऊ ओह करार के सन्दूक ला उठाके ले जाय बर डंडामन ला सन्दूक के दूनों कोति कड़ामन म डालिस।
6 फेर बसलेल ह चोखा सोन ले पछ्ताप के ढकना ला बनाईस—जऊन ह अढ़ई क्यूबीट लम्बा अऊ डेड़
क्यूबीट चौड़ा रिहिस।
7 तब ओह ढकना के दूनों छोर बर हथौड़ा ले पीटके सोन के दू ठन करूब बनाईस।
8 ओह एक ठन करूब ला एक छोर म अऊ दूसरा करूब ला दूसर छोर म बनाईस; दूनों छोर म करूबमन अऊ
ढकना ला सोन के एके कुटा ले बनाईस।†
9 करूबमन के डेनामन ऊपर कोति फईले रहंय, अऊ पछ्ताप के ढकना ह ओमन ले ढंकाय रहय। करूबमन के
मुहूं ह एक-दूसर के आमने-सामने रहय अऊ ओमन ढकना कोति देखत रहंय।

[illegible]

10 ओमन बंबरी लकड़ी के एक ठन मेज बनाईन—जऊन ह दू क्यूबीट लम्बा, एक क्यूबीट चौड़ा अऊ डेड़
क्यूबीट ऊंचा रिहिस।‡
11 तब ओमन ओला चोखा सोन ले मढ़िन अऊ ओकर चारों मुड़ा सोन के एक पट्टी लगाईन।
12 ओमन ओकर चारों कोति हथेली भर§ चौड़ा एक ठन चक्र बनाईन अऊ ओ चक्र म सोन के एक ठन पट्टी
लगाईन।
13 ओमन मेज बर सोन के चार ठन कड़ा बनाईन अऊ ओमन ला ओ चारों कोना म बांध दीन, जिहां चारों
खुरामन रिहिन।
14 ये कड़ामन पट्टी के लकठा म लगाय गे रिहिन, ताकि ओमा ओ डंडामन ला फंसाय जा सकय, जेमन के
उपयोग मेज ला उठाके ले जाय बर होथे।
15 मेज ला उठाके ले जाय के डंडामन बंबरी लकड़ी के बने रिहिन अऊ ओमन ला सोन ले मढ़े गे रिहिस।
16 मेज ऊपर रखे जाय के सामान ला ओमन चोखा सोन के बनाईन—याने कि येकर थाली, बरतन, कटोरा
अऊ पेय-बलिदान ला रितोय बर येकर घघरीमन ला।

[illegible]

17 ओमन चोखा सोन के दीवट बनाईन। ओमन ओकर आधार अऊ मुठिया ला हथौड़ा ले पीटके बनाईन, अऊ
ओकर फूल सहीं दिखइया कटोरा, कली अऊ पंखुड़ीमन ला एके ठन कुटा म बनाईन।
18 दीवट के किनारे ले छै ठन डारामन निकले रहंय—तीन ठन डारा एक कोति अऊ तीन ठन दूसर कोति।
19 हर एक डारा म बादाम के फूल सहीं तीन ठन कटोरी, कली अऊ पंखुड़ीमन रिहिन, तीन ठन ओकर बाद
वाले डारा म, अऊ अइसनेच दीवट ले निकले जम्मो छै ठन डारा रिहिन।
20 अऊ दीवट म बादाम के फूल सहीं चार ठन कटोरी बने रिहिन अऊ ओमा कली अऊ पंखुड़ीमन रिहिन।
21 दीवट ले निकले छै ठन डारा म ले एक-एक जोड़ी डारा के तरी म एक-एक ठन कली रिहिस—ये किसम ले
कुल तीन ठन कली छै ठन डारा के तरी म रिहिन।
22 कली अऊ डारामन ला दीवट के संग एके कुटा म बनाय गे रिहिस, अऊ चोखा सोन ला पीटके येमन ला
बनाय गे रिहिस।
23 ओमन येकर सात ठन दीया अऊ संग म ओकर बाती के कतरनी अऊ थालीमन ला चोखा सोन के बनाईन।
24 ओमन दीवट अऊ येकर जम्मो चीजमन ला एक टेलेन्ट* चोखा सोन ले बनाईन।

[illegible] [illegible] [illegible]

25 ओमन बंबरी लकड़ी ले धूप के बेदी बनाईन। येह वर्गाकार रिहिस, एक क्यूबीट लम्बा, एक क्यूबीट चौड़ा
अऊ दू क्यूबीट ऊंचा†—अऊ ओकर सींगमन ओ बेदी संग एके कुटा ले बने रिहिन।

---

† **37:8** देखव 25:18-19 घलो ‡ **37:10** लगभग 3 फीट लम्बा, डेड़ फीट चौड़ा अऊ सवा दू फीट ऊंचा या लगभग 90 सेन्टीमीटर लम्बा, 45 सेन्टीमीटर चौड़ा अऊ 68 सेन्टीमीटर ऊंचा § **37:12** लगभग 7.5 सेन्टीमीटर * **37:24** लगभग 34 किलोग्राम † **37:25** 45 सेन्टीमीटर लम्बा, 45 सेन्टीमीटर चौड़ा अऊ 90 सेन्टीमीटर ऊंचा

26 ओमन बेदी के ऊपर अऊ जम्मो किनारा अऊ सींगमन ला चोखा सोन ले मढ़िन, अऊ येकर चारों कोति
सोन के एक किनारी बनाईन।
27 ओमन किनारी के खाल्हे म दू ठन कड़ा बनाईन—दू-दू ठन एक-दूसर के आमने-सामने, ताकि येमा डंडामन
ला घुसावंय अऊ उठाके ले जा सकंय।
28 ओमन डंडामन ला बंबरी लकड़ी ले बनाईन अऊ ओमन ला सोन ले मढ़िन।
29 ओमन पबितर अभिसेक के तेल अऊ सुध, खुसबूवाला धूप घलो बनाईन। येह अंतर तेल बनानेवाला के
काम रिहिस।

38

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

1 फेर ओमन* बंबरी लकड़ी ले होम-बलिदान के बेदी ला बनाईन, जेकर ऊंचई तीन क्यूबीट रिहिस;† अऊ येह
वर्गाकार रिहिस—पांच क्यूबीट लम्बा अऊ पांच क्यूबीट चौड़ा।‡
2 ओमन चारों कोनटा म एक-एक ठन सींग बनाईन, अऊ ये सींग अऊ बेदी एके कुटा म बने रिहिन, अऊ
ओमन बेदी ला कांसा ले मढ़िन।
3 ओमन येकर जम्मो बरतन ला कांसा के बनाईन—बरतन, बेलचा, छिंचे के कटोरा, मांस बर कांटा अऊ
आगी हेरे बर करछूल।
4 बेदी बर, ओकर चारों कोति के कंगनी के खाल्हे, ओमन कांसा के जाली के एक छननी बनाईन, जऊन ह बेदी
के आधा ऊंचई तक लगे रिहिस।
5 ओमन कांसा के छननी के चारों कोना म चार ठन कड़ा लगाईन, ताकि येमा डंडामन ला फंसाय जा सकय।
6 ओमन बंबरी लकड़ी के डंडा बनाईन अऊ ओ डंडामन म कांसा मढ़िन।
7 ओमन डंडामन ला कड़ा म घुसाईन, ताकि बेदी ला उठाके ले जाय बर येमन बाजू ले निकले रहंय। बेदी ह
भीतर ले खोखला रिहिस अऊ येह तखतामन ले बने रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible]

8 ओमन तसला अऊ ओकर पाया ला कांसा के बनाईन अऊ येमन ला ओ माईलोगन के दरपनमन ले बनाय
गीस, जऊन मन मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार करा सेवा करंय।

[illegible]

9 ओकर बाद ओमन अंगना ला बनाईन। दक्खिन कोति अंगना ह एक सौ क्यूबीट§ लम्बा रिहिस अऊ ओमा
सुघर बंटाय मलमल के परदा रिहिस,
10 येकर बीस ठन खंभा अऊ बीस ठन कांसा के आधारमन रिहिन, अऊ खंभामन म चांदी के कांटा अऊ
पट्टीमन लगे रिहिन।
11 उत्तर कोति घलो अंगना ह एक सौ क्यूबीट लम्बा रिहिस अऊ येकर बर बीस ठन खंभा अऊ बीस ठन
कांसा के आधारमन रिहिन; खंभामन के हुक अऊ पट्टीमन चांदी के रिहिन।
12 अंगना के पछिमी छोर ह पचास क्यूबीट* चौड़ा रिहिस अऊ ओती के परदा म दस ठन खंभा अऊ दस ठन
आधार रिहिन अऊ खंभामन म फंसाय के चांदी के कांटा अऊ पट्टी लगे रिहिन।
13 पूरबी छोर म, सूरज निकले कोति घलो अंगना ह पचास क्यूबीट चौड़ा रिहिस।
14 प्रवेस दुवार के एक तरफ परदा के लम्बई पंदरह क्यूबीट† रिहिस अऊ ओकर बर तीन ठन खंभा अऊ तीन
ठन आधार बनाय गे रिहिस,
15 अऊ अंगना के प्रवेस दुवार के दूसर तरफ घलो पंदरह क्यूबीट लम्बा परदा रिहिस, जेकर बर तीन ठन खंभा
अऊ तीन ठन आधार बनाय गे रिहिस।
16 अंगना के चारों कोति के परदामन सुघर बंटाय मलमल के बने रिहिन।
17 खंभामन के आधारमन कांसा के रिहिन। खंभा म फंसाय के कांटा अऊ पट्टीमन चांदी के रिहिन, अऊ
ओमन के ऊपर के भाग ला चांदी ले मढ़े गे रिहिस; ये किसम ले अंगना के जम्मो खंभा म चांदी के पट्टी रिहिस।

---

* **38:1** या [illegible]; पद 2-9म घलो † **38:1** लगभग 1.4 मीटर ‡ **38:1** लगभग 2.3 मीटर लम्बा अऊ 2.3 मीटर चौड़ा § **38:9** लगभग 45 मीटर * **38:12** लगभग 23 मीटर † **38:14** लगभग 6.8 मीटर

18 अंगना के प्रवेस दुवार के परदा ह नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर बंटे मलमल के कपड़ा
ले बने रिहिस—येह कढ़ई करनेवाला के काम रिहिस। येह बीस क्यूबीट‡ लम्बा अऊ अंगना के परदामन सहीं
पांच क्यूबीट§ ऊंच रिहिस;
19 येमा चार ठन खंभा अऊ कांसा के चार ठन आधार रिहिन। ओमन के फंसाय के कांटा अऊ पट्टामन चांदी
के रिहिन, अऊ ओमन के ऊपर के भागमन चांदी ले मढ़े रिहिस।
20 पबितर-तम्बू के जम्मो खूंटी अऊ अंगना के चारों कोति के खूंटीमन कांसा के रिहिन।

[illegible]

21 मूसा के हुकूम ले पबितर-तम्बू, करार के कानून के पबितर-तम्बू बर उपयोग म लाय गय सामान के मात्रा
ला लिखे गीस अऊ येला हारून पुरोहित के बेटा ईतामार के निरदेस म लेवीमन लिखिन।
22 (जऊन चीजमन ला बनाय के हुकूम यहोवा ह मूसा ला देय रिहिस, ओ जम्मो चीज ला यहूदा के बंस के
बसलेल ह बनाईस, जऊन ह ऊरी के बेटा अऊ हूर के पोता रिहिस;
23 अऊ ओकर संग दान के बंस के अहीसामाक के बेटा ओहोलीआब रिहिस, जऊन ह एक नक्कासी
करनेवाला, सिल्पकार अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी सूंत अऊ उत्तम मलमल के कपड़ा म कढ़ई के काम करे म
माहिर रिहिस।)
24 पबितर-स्थान म जम्मो काम म उपयोग करे बर जऊन सोन हलाय-बलिदान म चघाय गे रिहिस, ओकर
मात्रा पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक 29 टेलेन्ट अऊ 730 सेकेल रिहिस।*
25 समाज के मनखेमन ले जऊन चांदी मिले रिहिस, ओकर गनती पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक 100
टेलेन्ट† अऊ 1,775 सेकेल‡ रिहिस—
26 जऊन इसरायलीमन बीस साल ले जादा उमर के रिहिन, ओमन के संखिया 6,03,550 रिहिस, अऊ ओमा
के हर एक जन पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक आधा सेकेल§ याने कि एक बेका दीन।
27 पबितर-स्थान के आधार अऊ परदा बर चांदी के 100 टेलेन्ट उपयोग होय रिहिस—100 ठन आधार 100
टेलेन्ट ले बनिस, एक ठन आधार बर एक टेलेन्ट लगिस।
28 जऊन 1,775 सेकेल* चांदी बच गीस, ओकर ले खंभामन बर फंसाय के कांटा बनाईन अऊ खंभामन के
ऊपरी भाग ला मढ़िन अऊ ओमन के पट्टी घलो बनाईन।
29 हलाय-बलिदान म चघाय गे कांसा लगभग 70 टेलेन्ट अऊ 2,400 सेकेल रिहिस।†
30 ओमन ओकर ले मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार बर आधार, कांसा के बेदी अऊ ओकर कांसा के जाली
अऊ बेदी के जम्मो बरतन,
31 अंगना के चारों कोति के आधार अऊ ओकर प्रवेस दुवार के आधार अऊ पबितर-तम्बू के जम्मो खीला अऊ
अंगना के चारों कोति के खीलामन ला बनाईन।

39

[illegible]

1 ओमन पबितर-स्थान म सेवा करइयामन बर नीला, बैंगनी, अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत ले बुने पहिरावा
बनाईन। जइसे यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस, ओकर मुताबिक ओमन हारून बर घलो पबितर पहिरावा
बनाईन।

[illegible]

2 ओमन सोन अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ सुघर बंटाय मलमल के कपड़ा ले एपोद
बनाईन।
3 ओमन सोन के पातर चद्दर ला पीटके काटिन अऊ ओकर तार बनाईन, ताकि येला नीला, बैंगनी अऊ
सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर मलमल के कपड़ा म बुने जा सकय—येह कुसल कारीगर के दुवारा बनाय गे
रिहिस।

‡ **38:18** लगभग 9 मीटर § **38:18** लगभग 2.3 मीटर * **38:24** लगभग 1002 किलो † **38:25** लगभग पौने चार टन; पद 27 म घलो
‡ **38:25** लगभग 20 किलो § **38:26** लगभग 5.7 ग्राम * **38:28** लगभग 30 किलोग्राम † **38:29** लगभग ढाई टन

4 ओमन एपोद बर कंधा के टुकड़ामन ला बनाईन, जेमन येकर दू ठन कोना म जुड़े रहंय, ताकि येला बांधे जा
सकय।
5 येकर कुसलता से बुने गय कमरबंध ला एपोद के संग एके टुकड़ा म बनाय गे रिहिस अऊ येह सोन, अऊ
नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ सुघर बंटाय मलमल के सूंत ले बने रिहिस, जइसे कि यहोवा ह
मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
6 ओमन गोमेदक के रत्नमन ला सोन के जरी म जड़िन अऊ ओमा इसरायल के बेटामन के नांव मुहर सहीं
खोदके लगा दीन।
7 तब ओमन, ओमन ला इसरायल के बेटामन बर यादगार पथरा के रूप म एपोद के कंधावाले टुकड़ा म बांध
दीन, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।

[illegible]

8 ओमन छातीबंध ला बनाईन—येह एक कुसल कारीगर के काम रिहिस। ओमन येला एपोद के सहीं सोन,
अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत, अऊ सुघर बंटे मलमल के बनाईन।
9 येह चौकोर रिहिस—एक स्पान* लम्बा अऊ एक स्पान चौड़ा—अऊ दू बार मुड़े रिहिस।
10 तब ओमन येमा चार ठन कतार म कीमती पथरा लगाईन। पहिली कतार म मानिक, पुखराज अऊ पन्ना
लगाईन;
11 दूसर कतार म मरकत, नीलमनि हीरा अऊ पन्ना लगाईन;
12 तीसर कतार म नारंगी रंग के लसम, सूर्यकांत अऊ नीलम;
13 अऊ चौथा कतार म फिरोजा, गोमेदक अऊ यसब लगाईन;† येमन ला जरी के काम करे गे सोन म जड़िन।
14 उहां बारह ठन पथरा रिहिन; याने कि इसरायल के बेटामन के हर एक नांव बर एक-एक ठन पथरा रिहिस;
हर एक म इसरायल के बारह गोत्र के एक-एक नांव ला मुहर के सहीं खोदे गे रिहिस।
15 छातीबंध म, ओमन डोरी के सहीं चोखा सोन के गुंथे गय जंजीर बनाईन।
16 ओमन सोन के काम करे दू ठन जाली अऊ दू ठन सोन के छल्ला बनाईन, अऊ ओ छल्लामन ला छातीबंध
के दूनों कोनटा म बांध दीन।
17 ओमन सोन के दूनों जंजीर ला छातीबंध के कोनटामन म ओ छल्लामन के संग बांध दीन,
18 अऊ जंजीरमन के दूसर छोरमन ला दूनों खानामन म बांध दीन, अऊ येमन सामने म एपोद के कंधावाले
टुकड़ा म जुड़े रिहिन।
19 ओमन सोन के दू ठन छल्ला बनाके ओमन ला छातीबंध के आने दूनों कोनटा के भीतरी किनारा म एपोद ले
संटके लगाईन।
20 तब ओमन सोन के अऊ दू ठन छल्ला बनाईन अऊ ओमन ला एपोद के सामने म कंधा के टुकड़ामन के
खाल्हे म जोड़िन; येमन एपोद के कमरबंध के ऊपर जोड़ के लकठा म रिहिन।
21 ओमन छातीबंध के छल्लामन ला एपोद के छल्लामन ले बांध दीन अऊ येला कमरबंध ले जोड़त नीला
डोरी ले बांधे गीस, ताकि छातीबंध ह एपोद के बाहिर झन ओरमय। ये जम्मो काम यहोवा के दुवारा मूसा ला
दिये गय हुकूम के मुताबिक करे गीस।

[illegible]

22 ओमन एपोद के खाल्हे के लबादा ला पूरा नीला रंग के कपड़ा ले बनाईन—येह एक बुनकर के काम
रिहिस—
23 गला के पट्टी के छेदा सहीं, ये कपड़ा के बीच म एक छेदा रहय, अऊ ये छेदा के चारों कोति एक पट्टी लगे
रहय, ताकि येह झन चिरावय।
24 ओमन ये कपड़ा के खाल्हे के घेरा के चारों कोति नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत अऊ सुघर बंटाय
मलमल के सूंत ले अनार बनाईन।
25 अऊ ओमन चोखा सोन के घंटीमन ला बनाईन अऊ ओमन ला खाल्हे के घेरा के चारों कोति अनारमन के
बीच म जोड़ दीन।

---

* **39:9** लगभग 23 सेन्टीमीटर † **39:13** येमा के कुछू कीमती पथरामन के सही पहिचान निस्चित नइं ए

26 लबादा के खाल्हे के घेरा के चारों कोति घंटी अऊ अनारमन ला एक के बाद एक बनाय गे रिहिस ताकि
येला पहिरके सेवा के काम करंय, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
27 हारून अऊ ओकर बेटामन बर, ओमन सुघर मलमल के कुरता बनाईन; येह एक बुनकर के काम रिहिस—
28 अऊ सुघर मलमल के पागा, मलमल के टोपी अऊ महिन बराय मलमल के कच्छा बनाईन।
29 पटका ह महिन बराय मलमल अऊ नीला, बैंगनी अऊ सिन्दूरी रंग के सूंत ले बने रिहिस—येह एक कढ़ई
करनेवाला के काम रिहिस—जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
30 ओमन तस्तरी, पबितर प्रतीक ला चोखा सोन के बनाईन अऊ मुहर म खोदे लिखावट सहीं येमा खोदके ये
लिखिन:

यहोवा बर पबितर।

31 तब ओमन पागा म जोड़े बर ओमा एक ठन नीला डोरी बांधिन, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।

[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

32 ये किसम ले पबितर-तम्बू, मिलापवाला तम्बू के जम्मो काम पूरा होईस। इसरायलीमन ओ जम्मो काम
करिन, जेला करे बर यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
33 तब ओमन पबितर-तम्बू ला मूसा करा लानिन:

तम्बू अऊ येकर सामान, येला जकड़के रखइया सामान, ढांचा, बल्ली, खंभा अऊ आधारमन;
34 लाल रंग ले रंगाय मेढ़ा के खाल के ओढ़ना अऊ आने टिकाऊ खाल के ओढ़ना अऊ आड़ करइया परदा;
35 करार कानून के सन्दूक के संग येकर डंडामन अऊ पछ्ताप के ढकना;
36 मेज के संग येकर जम्मो सामान अऊ चघावा के रोटी;
37 चोखा सोन के दीवट के संग येकर दीयामन के कतार अऊ येकर जम्मो सामान, अऊ अंजोर करे बर जैतून
तेल;
38 सोन के बेदी, अभिसेक के तेल, सुगंधित धूप, अऊ तम्बू के प्रवेस दुवार बर परदा;
39 कांसा के बेदी के संग येकर कांसा के जाली, येकर डंडा अऊ येकर जम्मो बरतन;
तसला अऊ येकर पाया;
40 अंगना के परदामन के संग ओकर खंभा अऊ आधारमन, अऊ अंगना के प्रवेस दुवार के परदा;
रस्सी अऊ अंगना बर तम्बू के खूंटीमन;
पबितर-तम्बू, मिलापवाला तम्बू बर जम्मो सामान;
41 अऊ पबितर-स्थान म सेवा-टहल करे बर बुने गय पहिरावा, येमा हारून पुरोहित के पबितर पहिरावा अऊ
ओकर बेटामन के पहिरावा रिहिस, जेला पुरोहित के रूप म सेवा करत बेरा ओमन ला पहिरना रिहिस।

42 यहोवा ह जइसे हुकूम मूसा ला दे रिहिस, ओकर मुताबिक ही इसरायलीमन जम्मो काम ला करिन।
43 मूसा ह ओ जम्मो काम के जांच करिस अऊ देखिस कि ओमन बिलकुल वइसे ही करे रिहिन, जइसे यहोवा
ह हुकूम दे रिहिस। तब मूसा ह ओमन ला आसीस दीस।

40

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस:
2 "पहिला महिना के पहिला दिन पबितर-तम्बू याने कि मिलापवाला तम्बू ला ठाढ़ कर।
3 ओमा करार कानून के सन्दूक ला रख दे अऊ सन्दूक ला परदा के ओधा म कर दे।
4 मेज ला भीतर ले आ अऊ ओकर सामान ला सजा दे। तब दीवट ला लान अऊ येकर दीयामन ला बार दे।
5 धूपवाला सोन के बेदी ला करार कानून के सन्दूक के आघू म रख अऊ पबितर-तम्बू के प्रवेस दुवार करा परदा
ला लगा दे।
6 "पबितर-तम्बू, मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार के आघू म होम-बलिदान के बेदी ला रख;
7 मिलापवाला तम्बू अऊ बेदी के बीच म तसला ला रख अऊ ओमा पानी भर दे।
8 येकर चारों कोति अंगना ला स्थापित कर अऊ अंगना के प्रवेस दुवार म परदा लगा दे।

9 “फेर अभिसेक करे के तेल ला लेके पबितर-तम्बू अऊ येमा के हर एक चीज ला अभिसेक कर; पबितर कर
अऊ येकर जम्मो सामान अऊ येह पबितर हो जाही।
10 तब होम-बलिदान के बेदी अऊ येकर जम्मो बरतन ला अभिसेक कर; बेदी ला पबितर कर, अऊ येह महा
पबितर हो जाही।
11 तसला अऊ येकर पाया ला अभिसेक कर अऊ ओमन ला पबितर कर।
12 “हारून अऊ ओकर बेटामन ला मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म लान अऊ ओमन ला पानी ले नहवा।
13 तब हारून ला पबितर पहिरावा ला पहिरा, ओकर अभिसेक कर अऊ ओला पबितर कर, ताकि ओह
पुरोहित के रूप म मोर सेवा करे।
14 फेर ओकर बेटामन ला लानके ओमन ला कुरता पहिरा।
15 अऊ ओमन के अभिसेक घलो वइसे ही कर, जइसे ओमन के ददा के करे रहय, ताकि ओमन पुरोहित के रूप
म मोर सेवा करंय। ओमन के अभिसेक ह एक पुरोहित के पद बर होही, जऊन ह ओमन के पीढ़ी-पीढ़ी तक
चलही।”
16 मूसा ह ओ जम्मो काम वइसने ही करिस, जइसने यहोवा ह ओला करे के हुकूम दे रिहिस।
17 ये किसम ले, मिसर ला छोंड़े के दूसरा साल के पहिला महिना के पहिला दिन पबितर-तम्बू ला स्थापित
करे गीस।
18 जब मूसा ह पबितर-तम्बू ला स्थापित करिस, त ओह आधारमन ला जगह म रखिस, ढांचामन ला खड़े
करिस, छड़मन ला बईठाईस अऊ खंभामन ला खड़े करिस।
19 तब ओह पबितर-तम्बू के ऊपर तम्बू ला फईलाईस अऊ तम्बू के ऊपर ओढ़ना ला लगाईस, जइसे कि
यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस।
20 ओह करार कानून के पटियामन ला लीस अऊ ओमन ला सन्दूक म रखिस, अऊ सन्दूक म डंडामन ला
लगाके ओकर ऊपर पछुताप के ढकना ला धर दीस।
21 तब ओह पबितर-तम्बू म सन्दूक ला लानिस अऊ ओधा करइया परदा ला टांग दीस अऊ करार कानून के
सन्दूक ला आड़ करिस, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
22 मूसा ह मेज ला मिलापवाला तम्बू म परदा के बाहिर पबितर-तम्बू के उत्तर दिग म रखिस
23 अऊ रोटी ला ओकर ऊपर यहोवा के आघू म सजाके रखिस, जइसे कि यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस।
24 ओह दीवट ला मिलापवाला तम्बू म मेज के सामने पबितर-तम्बू के दक्खिन कोति रखिस
25 अऊ यहोवा के आघू म दीयामन ला बार दीस, जइसे कि यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस।
26 मूसा ह सोन के बेदी ला मिलापवाला तम्बू म परदा के सामने म रखिस
27 अऊ खुसबूवाला धूप ला ओमा जलाईस, जइसे कि यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस।
28 तब ओह परदा ला पबितर-तम्बू के प्रवेस दुवार म लगाईस।
29 ओह होम-बलिदान के बेदी ला पबितर-तम्बू, मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार के लकठा म रखिस, अऊ
ओमा होम-बलिदान अऊ अन्न-बलिदान चघाईस, जइसे कि यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस।
30 ओह तसला ला मिलापवाला तम्बू अऊ बेदी के बीच म रखिस अऊ धोये बर ओमा पानी भर दीस,
31 अऊ मूसा अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन अपन हांथ अऊ गोड़ ला धोये बर ओकर उपयोग करंय।
32 जब भी ओमन मिलापवाला तम्बू म या बेदी करा जावंय, तब ओमन अपन हांथ-गोड़ ला धोके जावंय,
जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
33 तब मूसा ह पबितर-तम्बू अऊ बेदी के चारों कोति अंगना ला लगाईस अऊ अंगना के प्रवेस दुवार करा
परदा लगाईस। अऊ ये किसम ले मूसा ह काम ला पूरा करिस।

[illegible]

34 तब बादर ह मिलापवाला तम्बू ला ढंक लीस, अऊ यहोवा के महिमा ह पबितर-तम्बू म भर गीस।
35 मूसा ह मिलापवाला तम्बू के भीतर जा नइं सकिस काबरकि बादर ह येकर ऊपर छाय रिहिस, अऊ यहोवा
के महिमा ले पबितर-तम्बू ह भर गीस।
36 इसरायलीमन के पूरा यातरा म जब भी बादर ह पबितर-तम्बू के ऊपर ले उठ जावय, तब ओमन आघू बढ़ंय;

37 पर यदि बादर ह पबितर-तम्बू के ऊपर ले नइं उठय, त ओमन ओ जगह ला तब तक नइं छोंड़ंय, जब तक
कि बादर ह उठ नइं जावय।
38 ये किसम ले इसरायलीमन के पूरा यातरा के बेरा ओ जम्मो के नजर म यहोवा के बादर ह दिन के बेरा
पबितर-तम्बू के ऊपर, अऊ रथिया के बेरा ओ बादर म आगी दिखय।

लैव्य-ब्यवस्था
के किताब

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला बलाईस अऊ मिलापवाला तम्बू ले ओला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ला ये कह: 'जब तुमन म ले कोनो मनखे यहोवा बर कोनो बलिदान
चघाय बर लानथे, त ओह बलिदान के रूप म कोनो पसु ला, गाय-बईला या भेड़-बकरी के झुंड म ले लेके आवय।
3 " 'कहूं बलिदान ह गाय-बईला के झुंड म ले होम-बलिदान ए, त तें निरदोस नर पसु ला बलिदान करबे। ये
बलिदान ह मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म चघाय जावय, ताकि यहोवा ह येला गरहन करय।
4 तें अपन हांथ ओ होम-बलिदान के पसु के मुड़ ऊपर रखबे, त ये बलिदान ह तोर कोति ले तोर पछतावा के
रूप म गरहन करे जाही।
5 तेंह यहोवा के आघू म बछवा ला बलि करबे, अऊ तब हारून के बेटामन, जऊन मन पुरोहित अंय, ओकर
लहू ला लानहीं अऊ ओ बेदी के चारों कोति छिंचहीं, जऊन ह मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म हवय।
6 तब तें होम-बलिदान करे गे ओ पसु के चमड़ी ला निकाल देबे अऊ ओ पसु के कुटा-कुटा कर देबे।
7 हारून पुरोहित के बेटामन बेदी म आगी जलाहीं अऊ आगी ऊपर लकरी ला रचहीं।
8 तब हारून के ओ बेटामन, जऊन मन पुरोहित अंय, ओ पसु के कुटामन ला मुड़ अऊ चरबी समेत बेदी ऊपर
बरत लकरी म रखहीं।
9 तेंह ओ पसु के पेट भीतर के चीजमन ला अऊ गोड़मन ला पानी म धो डारबे, अऊ पुरोहित ह ये जम्मो ला
बेदी म जला देवय। येह यहोवा बर एक महकत सुख-देवइया, एक होम-बलिदान, अऊ एक जेवन-बलिदान
होही।
10 " 'कहूं बलिदान ह भेड़-बकरी के झुंड म ले एक होम-बलिदान अय, त तें भेड़ या बोकरा म ले बिगर
दोसवाला नर ला बलिदान करबे।
11 तेंह येला बेदी के उत्तर कोति यहोवा के आघू म बलि करबे, अऊ हारून के बेटामन, जऊन मन पुरोहित
अंय, ओकर लहू ला बेदी के चारों कोति छिंचहीं।
12 तब तें ओ पसु के कुटा-कुटा कर देबे, अऊ पुरोहित ह ओ पसु के कुटामन ला मुड़ अऊ चरबी समेत बेदी
ऊपर बरत लकरी म रखय।
13 तेंह ओ पसु के पेट भीतर के अंगमन ला अऊ गोड़मन ला पानी म धो डारबे, अऊ पुरोहित ह ओ जम्मो ला
लानके बेदी म जला देवय। येह यहोवा बर एक महकत सुख-देवइया, एक होम-बलिदान, अऊ एक
जेवन-बलिदान होही।
14 " 'कहूं यहोवा बर बलिदान ह चिरई के होम-बलिदान अय, त तें पंड़की या परेवा पीला के बलिदान चघाबे।
15 पुरोहित ह ओला बेदी म लानय अऊ ओकर घेंच ला मुरकेट के मुड़ ला अलग करय अऊ ओला बेदी म
जलावय; ओकर लहू ला बेदी के बाजू म गिरावय।
16 ओह घेंच के थैली अऊ पांखी ला निकालय अऊ ओमन ला बेदी के पूरब कोति राख डारे के जगह म फटिक
देवय।
17 तब ओह दूनों डेना ला धरके चीरय, पर पूरा अलग झन करय, अऊ तब पुरोहित ह ओला बेदी म रखके
बरत लकरी म जलावय। येह यहोवा बर एक महकत सुख-देवइया, एक होम-बलिदान अऊ एक जेवन-बलिदान
होही।

2

[illegible]

1 " 'जब कोनो मनखे यहोवा करा अन्न-बलिदान लानथे, त ओकर बलिदान ह बहुंत चिक्कन पीसान के होना
चाही। ओह ओकर ऊपर जैतून तेल डारके ओमा धूप घलो रखय,

2 अऊ ओला हारून के ओ बेटामन करा ले जावय, जऊन मन पुरोहित अंय। पुरोहित ह ओ तेल अऊ धूप
मिले मैदा ला एक मुठा भरके निकालय, अऊ ओला एक सुरता-देवइया हिस्सा के रूप म बेदी म जलावय कि
येह यहोवा बर एक महकत सुख-देवइया, अन्न-बलिदान ठहिरय।
3 बाकि बांचे अन्न-बलिदान ह हारून अऊ ओकर बेटामन के अय; येह जेवन-बलिदान के सबले पबितर भाग
अय, जेला यहोवा ला चघाय जाथे।
4 " 'यदि तें भट्ठी म पके अन्न-बलिदान लानथस, त येह बहुंत चिक्कन पीसान के होना चाही: येह जैतून तेल म
सनाय अखमीरी मोटा रोटी होवय या फेर जैतून तेल म चुपराय अखमीरी पातर रोटी होवय।
5 यदि तुम्हर अन्न-बलिदान ह तवा म पके हवय, त येह तेल म सनाय बहुंत चिक्कन पीसान के बने अखमीरी
रोटी होवय।
6 तुमन ओला कुटा-कुटा करके ओकर ऊपर तेल डारव; येह एक अन्न-बलिदान अय।
7 कहूं तुम्हर अन्न-बलिदान ह कढ़ई म चुरे हवय, त ओला बहुंत चिक्कन पीसान अऊ थोरकन तेल म बनाय
जावय।
8 ये चीजमन ले बने अन्न-बलिदान ला यहोवा करा लानव; ओला पुरोहित ला सऊंप देवव अऊ पुरोहित ह
ओला बेदी मेर ले जावय।
9 पुरोहित ह अन्न-बलिदान म ले सुरता-देवइया हिस्सा ला निकालय अऊ ओला बेदी म जला देवय कि ओह
यहोवा बर एक महकत सुख-देवइया, जेवन-बलिदान ठहिरय।
10 बाकि बांचे अन्न-बलिदान ह हारून अऊ ओकर बेटामन के अय; येह जेवन-बलिदान के सबले पबितर भाग
अय, जेला यहोवा ला चघाय जाथे।
11 " 'यहोवा करा लाने गय हर एक अन्न-बलिदान बिगर खमीर के बनाय जावय, काबरकि यहोवा ला चघाय
जेवन-बलिदान म, तुमन ला कोनो खमीर या मंधरस जलाना नइं ए।
12 तुमन येमन ला पहिली फर के बलिदान के रूप म यहोवा करा लान सकत हव, पर ओमन ला एक महकत
सुख-देवइया बलिदान के रूप म बेदी ऊपर झन चघाय जावय।
13 अपन जम्मो अन्न-बलिदान ला नूनचूर करव। अपन परमेसर के संग बांधे करार के नून* ला अपन
अन्न-बलिदान ले अलग झन करव; अपन जम्मो बलिदान म नून मिलावव।
14 " 'कहूं तुमन पहिली-फसल के अन्न-बलिदान यहोवा करा लानथव, त आगी म भूंजे नवां अनाज के कुचरे
बालीमन ला अन्न-बलिदान करव।
15 तुमन येमा तेल अऊ धूप डारव; येह एक अन्न-बलिदान ए।
16 तब पुरोहित ह तेल अऊ जम्मो धूप के संग कुचरे अनाज के सुरता-देवइया हिस्सा ला जला देवय कि येह
यहोवा बर जेवन-बलिदान ठहिरय।

3

[illegible]

1 " 'कहूं तुम्हर चढ़ावा ह मेल-बलिदान ए, अऊ ओला बरदी म ले चघावव, चाहे ओह नर या मादा होवय, त
यहोवा के आघू म निरदोस पसु ला ही चघावव।
2 ओह अपन हांथ ला चढ़ावा पसु के मुड़ म मढ़ावय अऊ ओला मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म पूजय;
फेर हारून के बेटा, जऊन मन पुरोहित अंय, ओकर लहू ला बेदी के ऊपर जम्मो कोति छिंच देवंय।
3 अऊ ओह मेल-बलिदान के चढ़ावा म ले यहोवा बर होम-बलिदान करय याने ओ चरबी जेकर ले पोटामन
ढंकाय रहिथे अऊ ओ जम्मो चरबी जेकर ले पोटामन लपटाय रहिथें,
4 अऊ दूनों गुरदा अऊ ओमन के ऊपर के चरबी जऊन ह कनिहां के तीर म रहिथे, अऊ गुरदा समेत करेजा के
सबले बने भाग, ये जम्मो ला ओह अलग करय।
5 हारून के बेटामन ये जम्मो ला बेदी म ओ होम-बलिदान के ऊपर जला देवंय, जऊन ह आगी के ऊपर के
लकरी म हवय। येह यहोवा बर महकत सुख-देवइया एक जेवन-बलिदान ठहिरही।

* **2:13** स्थायी करार; गन 18:19 अऊ 2 इति 13:5 म घलो

6 “ ‘कहूं तेंह यहोवा बर कोनो पसु म ले मेल-बलिदान चघाथस, त ओ चढ़ावा ह बिगर दोसवाला नर या मादा
पसु हो।
7 कहूं तेंह मेढ़ा-पीला चघावत हस, त ओ चढ़ावा ला यहोवा के आघू म चघा।
8 मिलापवाला तम्बू के आघू म अपन हांथ ला चढ़ावा पसु के मुड़ ऊपर मढ़ाके ओला पूज दे। फेर हारून के
बेटामन ओकर लहू ला बेदी म चारों कोति छिंचंय।
9 तें मेल-बलिदान म ले यहोवा बर एक जेवन-बलिदान लान: येह चरबी अय, याने कि मंझरेटा हाड़ा के तीर
ले अलग करे गय चरबी भरे पुंछी, अऊ ओ चरबी जेकर ले पोटामन तोपाय रहिथें, अऊ ओ जम्मो चरबी जऊन
ह पोटामन म लपटाय रहिथे।
10 अऊ दूनों गुरदा अऊ ओकर ऊपर के चरबी जऊन ह कनिहां के तीर म रहिथे अऊ गुरदा समेत करेजा के
सबले बने भाग, ये जम्मो ला तेंह अलग करबे।
11 अऊ पुरोहित ह येमन ला लेके बेदी म जलावय; येह यहोवा बर एक जेवन-बलिदान ठहिरही।
12 “ ‘कहूं तोर चढ़ावा ह बोकरा होवय, त ओला यहोवा के आघू म चघा।
13 तेंह मिलापवाला तम्बू के आघू म चढ़ावा पसु के मुड़ म अपन हांथ ला मढ़ाके ओला पूज दे, अऊ हारून के
बेटामन ओकर लहू ला बेदी म जम्मो कोति छिंच देवंय।
14 तें ओमा ले अपन चढ़ावा ला यहोवा बर जेवन-बलिदान करके चघा, याने ओ चरबी जेकर ले पोटामन
तोपाय रहिथें, अऊ ओ जम्मो चरबी जऊन ह पोटामन म लपटाय रहिथे,
15 अऊ दूनों गुरदा अऊ ओकर ऊपर के चरबी जऊन ह कनिहां के तीर म रहिथे, अऊ गुरदा समेत करेजा के
सबले बने भाग, ये जम्मो ला तेंह अलग करबे।
16 तब पुरोहित ह ओमन ला बेदी म जेवन-बलिदान के रूप म जलावय; येह सुख-देवइया सुगंध ठहिरय।
जम्मो चरबी ह यहोवा के ही अय।
17 “ ‘जिहां कहूं भी तुमन रहव, येह अवइया पीढ़ी-पीढ़ी बर हमेसा के एक बिधि ठहिरय। तुमन चरबी अऊ
लहू ला कभू झन खाहू।’ ”

4

[illegible]-[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 “इसरायलीमन ला ये कह: ‘जब कोनो अनजाने म कोनो पाप करथे अऊ ओ काम करथे, जऊन ह यहोवा के
कोनो हुकूम के बिरूध अय—
3 “ ‘कहूं अभिसिक्त पुरोहित ह अइसने पाप करय, जेकर ले मनखेमन दोसी ठहिरंय, त अपन पाप के खातिर,
ओह यहोवा करा एक निरदोस बछवा पाप-बलिदान* के रूप म लानय।
4 ओह ओ बछवा ला मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म यहोवा के आघू म लानय अऊ ओकर मुड़ म अपन
हांथ रखय अऊ बछवा ला यहोवा के आघू म बलि करय।
5 तब अभिसिक्त पुरोहित ह बछवा के थोरकून लहू ला लेके मिलापवाला तम्बू म जावय।
6 ओह अपन अंगठी ला लहू म बुड़ोके पबितर-स्थान के परदा के सामने यहोवा के आघू म सात बार छिंचय।
7 तब पुरोहित ह ओ लहू म ले थोरकून ला लेके कहरत धूप के बेदी के ओ सींगमन म लगावय, जऊन ह
मिलापवाला तम्बू म यहोवा के आघू म हवय। बछवा के बांचे जम्मो लहू ला, ओह होम-बलिदान के बेदी के
खाल्हे म रितो देवय, जऊन ह मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म हवय।
8 ओह पाप-बलिदान के बछवा के जम्मो चरबी ला निकाल देवय—याने कि पेट भीतर के अंगमन के जम्मो
चरबी,
9 अऊ दूनों गुरदा अऊ ओकर ऊपर के चरबी जऊन ह कनिहां के तीर म रहिथे, अऊ करेजा के सबले बने
भाग, जऊन ला ओह गुरदा संग अलग करही—

---

* **4:3** या *[illegible]-[illegible]*

10 जइसने कि मेल-बलिदान के बलि के बईला ले चरबी ला अलग करे जाथे। तब पुरोहित ह येमन ला
होम-बलिदान के बेदी म जला देवय।
11 पर बछवा के खाल अऊ ओकर जम्मो मांस, अऊ मुड़, गोड़मन ला, पेट भीतर के अंग अऊ पोटा ला—
12 याने कि बछवा के जम्मो बांचे भाग ला ओह डेरा के बाहिर ओ जगह म ले जावय, जेला बिधि-बिधान ले
सुध करे गे हवय अऊ जिहां राख ला डारे जाथे, अऊ उहां राख ऊपर लकरी रखके ओमा येला जला देवय।
13 " 'कहूं जम्मो इसरायली समाज अनजाने म कोनो पाप करथे अऊ अइसने काम करथे, जऊन ह यहोवा के
हुकूम के बिरूध अय, हालाकि पूरा समाज ये बात ले अनजान रहिथे, पर जब ओमन अपन अपराध ला जानथें
14 अऊ ओमन ला अपन करे गे पाप के पता चलथे, त जम्मो समाज ह एक ठन बछवा ला पाप-बलिदान के
रूप म मिलापवाला तम्बू के आघू म लेके जावय,
15 अऊ समाज के अगुवामन यहोवा के आघू म ओ बछवा के मुड़ म अपन हांथ रखंय अऊ यहोवा के आघू म
ओ बछवा के बलि करे जावय।
16 तब अभिसिक्त पुरोहित ह बछवा के लहू म ले थोरकून ला मिलापवाला तम्बू म ले जावय।
17 ओह अपन अंगठी ला लहू म बुड़ोके परदा के सामने म सात बार यहोवा के आघू म छिंचय।
18 ओह ओ लहू म ले थोरकून लेके बेदी के ओ सींगमन म लगावय, जऊन ह यहोवा के आघू म मिलापवाला
तम्बू म हवय। बाकि बांचे जम्मो लहू ला ओह होम-बलिदान के बेदी के खाल्हे म रितो देवय, जऊन ह
मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म हवय।
19 ओह बछवा के जम्मो चरबी ला निकाल लेवय अऊ ओ चरबी ला बेदी म जला देवय,
20 अऊ ओह ये बछवा के संग ठीक वइसनेच करय, जइसने पाप-बलिदान के बछवा ला करे रिहिस। ये किसम
ले पुरोहित ह इसरायली समाज बर प्रायस्चित करय, अऊ समाज के पाप छेमा करे जाही।
21 तब ओह बछवा ला डेरा के बाहिर ले जावय अऊ ओला वइसने ही जलावय, जइसने ओह पहिली बछवा
ला जलाय रिहिस। येह समाज बर पाप-बलिदान अय।
22 " 'जब कोनो अगुवा ह अनजाने म पाप करथे अऊ ओ काम करथे, जऊन ह यहोवा, ओकर परमेसर के
हुकूम के बिरूध अय, पर जब ओह अपन अपराध ला महसूस करथे
23 अऊ ओला अपन करे गे पाप के पता चलथे, त ओह एक ठन निरदोस बोकरा ला बलिदान के रूप म लानय।
24 ओह बोकरा के मुड़ म अपन हांथ ला रखय अऊ ओला यहोवा के आघू म ओ जगह म बलि करय, जिहां
होम-बलिदान के पसु ला बलि करे जाथे। येह एक पाप-बलिदान अय।
25 तब पुरोहित ह अपन अंगठी म पाप-बलिदान के पसु के थोरकून लहू ला लेवय अऊ ओला होम-बलिदान
के बेदी के सींगमन म लगावय अऊ बाकि बांचे लहू ला बेदी के खाल्हे म रितो देवय।
26 ओह जम्मो चरबी ला बेदी म वइसने जलावय, जइसने ओह मेल-बलिदान के चरबी ला जलाय रिहिस। ये
किसम ले पुरोहित ह ओ अगुवा के पाप बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही, अऊ परमेसर ह ओकर पाप ला
छेमा करही।
27 " 'यदि समाज के कोनो मनखे अनजाने म कोनो पाप करथे अऊ ओ काम करथे, जऊन ह यहोवा के हुकूम
के बिरूध अय, पर जब ओह अपन अपराध ला महसूस करथे
28 अऊ ओला अपन करे गे पाप के पता चलथे, त ओह अपन करे गे पाप के खातिर एक ठन निरदोस छेरी†
बलिदान के रूप म लानय।
29 ओह अपन हांथ ला ओ पाप-बलिदान के पसु के मुड़ म रखय अऊ येला होम-बलिदान करे के जगह म बलि
करय।
30 तब पुरोहित ह अपन अंगठी म ओकर थोरकून लहू ला लेवय अऊ ओला होम-बलिदान के बेदी के सींगमन
म लगावय अऊ बाकि बांचे लहू ला बेदी के खाल्हे म रितो देवय।
31 ओ मनखे ह जम्मो चरबी ला अलग करय, जइसने कि मेल-बलिदान के पसु के चरबी ला अलग करे जाथे,
अऊ पुरोहित ह ओला बेदी म जला देवय ताकि ओह यहोवा बर सुख-देवइया एक सुगंध होवय। ये किसम ले
पुरोहित ह ओ मनखे के पाप बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही, अऊ परमेसर ह ओकर पाप ला छेमा करही।

† **4:28** मतलब, बरई या पठिया

32 “ ‘कहूं कोनो अपन पाप-बलिदान बर मेढ़ा-पीला के झुंड म ले कोनो पसु ला लानथे, त ओह एक निरदोस
भेड़ी-पीला ला लानय।
33 ओह ओ भेड़ी-पीला के मुड़ म अपन हांथ ला रखय अऊ ओला पाप-बलिदान बर ओ जगह म बलि करय,
जिहां होम-बलिदान के पसु ला बलि करे जाथे।
34 तब पुरोहित ह अपन अंगठी म पाप-बलिदान के पसु के थोरकून लहू ला लेवय अऊ ओला होम-बलिदान
के बेदी के सींगमन म लगावय अऊ बाकि बांचे लहू ला बेदी के खाल्हे म रितो देवय।
35 तब ओ मनखे ह जम्मो चरबी ला अलग करय, जइसने कि मेल-बलिदान के मेढ़ा-पीला के चरबी ला अलग
करे जाथे, अऊ पुरोहित ह ओला बेदी म यहोवा ला चघाय जेवन-बलिदान के ऊपर जलावय। ये किसम ले
पुरोहित ह ओ मनखे दुवारा करे गे पाप ले प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करय, अऊ परमेसर ह ओकर पाप ला
छेमा करही।

5

1 “ ‘कहूं कोनो मनखे ह कोनो घटना ला देखे रहिथे या ओ घटना ला जानत रहिथे, पर जब गवाह के रूप म
ओकर ले ओ घटना के बारे म पुछे जाथे, अऊ यदि ओह कुछू नइं बतावय, त ओह पाप करथे, अऊ ओला
जिम्मेदार ठहिराय जाही।
2 “ ‘कहूं कोनो मनखे ला पता चलथे कि ओमन दोसी अंय—यदि ओमन असुध चीज ला अनजाने म छू लेथें
(चाहे असुध जंगली पसु के लास या घरेलू-पसु के लास होवय, या भुइयां म रेंगइया कोनो असुध जीव-जन्तु के
लास होवय) अऊ ओ मनखेमन नइं जानंय कि ओमन संस्कारिक रूप ले असुध हो गे हवंय, पर जब ओमन अपन
दोस ला जानथें;
3 या कहूं ओमन मनखे के कोनो असुध चीज ला अनजाने म छूथें (कोनो घलो चीज, जऊन ह ओला असुध
करथे), पर जब ओमन ला ये बात के पता चलथे अऊ अपन गलती ला महसूस करथें;
4 या कहूं कोनो मन बिगर सोचे-बिचारे अनजाने म कोनो काम ला करे के किरिया खाथें, चाहे ओ भलई के काम
हो या बुरई के (दूनों बात म लापरवाही से किरिया खाथें), पर जब ओमन ला ये बात के पता चलथे अऊ ओमन
अपन गलती ला महसूस करथें।
5 जब कोनो मनखे ला पता चलथे कि ये बातमन के कोनो एक ठन म घलो ओह दोसी अय, त ओह जऊन
गलती करके पाप करे हवय, ओला मान लेवय।
6 जऊन पाप ओह करे हवय, ओकर दंड के रूप म, ओह बरदी म ले एक ठन मेढ़ी-पीला या छेरी, यहोवा करा
पाप-बलिदान* के रूप म लानय; अऊ पुरोहित ह ओकर पाप के खातिर पछताप के बिधि ला पूरा करय।
7 “ ‘पर कहूं कोनो भेड़ी-पीला नइं चढ़ा सकय, त अपन पाप के दंड के रूप म, ओह यहोवा करा दू ठन पंड़की
या दू ठन परेवा पीला ले आवय—एक ठन ला पाप-बलिदान बर अऊ दूसर ला होम-बलिदान करे बर।
8 ओह ओमन ला पुरोहित करा ले आवय अऊ पुरोहित ह पहिले एक ठन ला पाप-बलिदान बर चघावय। ओह
ओ चिरई के घेंच ले ओकर मुड़ ला मुरकेट देवय, पर ओला पूरा अलग झन करय,
9 अऊ ओह ओ पाप-बलिदान के लहू म ले थोरकून लेके बेदी के बगल म छिंचय; बाकि बांचे लहू ला बेदी के
खाल्हे म रितो देवय। येह एक पाप-बलिदान अय।
10 पुरोहित ह तब दूसर चिरई ला बताय गे बिधि के मुताबिक होम-बलिदान के रूप म चघावय अऊ पुरोहित
ह ओकर करे गे पाप बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करय, अऊ परमेसर ह ओकर पाप ला छेमा करही।
11 “ ‘पर कहूं ओह दू ठन पंड़की या परेवा के दू ठन पीला घलो नइं दे सकय, त ओह अपन पाप के खातिर
चघाय बर एपा† के दसवां भाग बहुंत चिक्कन पीसान पाप-बलिदान के रूप म ले आवय। ओह ओमा जैतून तेल
या धूप झन डालय, काबरकि ओह एक पाप-बलिदान अय।
12 ओह ओला पुरोहित करा लानय अऊ पुरोहित ह ओमा ले अपन मुठा भरके सुरता-देवइया हिस्सा के रूप
म लेवय अऊ ओला बेदी म यहोवा ला चघाय अन्न-बलिदान के ऊपर जलावय। येह एक पाप-बलिदान अय।

* **5:6** या [illegible] † **5:11** 1.6 किलोग्राम

13 ये किसम ले, पुरोहित ह ओकर खातिर, ओकर दुवारा करे गय येमा के कोनो पाप बर प्रायस्चित के बिधि
ला पूरा करही, अऊ परमेसर ह ओकर पाप ला छेमा करही। बाकि बांचे बलिदान ह पुरोहित के होही, जइसने
कि अन्न-बलिदान के बिधि म होथे।' "

?????-??????

14 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस:
15 "कहूं कोनो यहोवा के कोनो पबितर चीज के संबंध म अनजाने म पाप करथे, अऊ यहोवा के नजर म
बेईमान ठहिरथे, त ओमन भेड़-बकरी के झुंड ले, दंड के रूप म एक ठन निरदोस मेढ़ा यहोवा करा लानंय अऊ
पबितर-स्थान के सेकेल‡ के मुताबिक, ओह चांदी म उचित दाम के होवय। येह एक दोस-बलिदान अय।
16 जऊन पबितर चीज के बिसय म ओमन पाप करे हवंय, ओमन ओकर भरपई जरूर करंय; दंड के रूप म, ओ
चीज के दाम म पांचवां भाग अऊ बढ़ाके ओमन ओ जम्मो ला पुरोहित ला देवंय। पुरोहित ह ओमन बर मेढ़ा
ला दोस-बलिदान के रूप म चघाके प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही, अऊ परमेसर ह ओमन के पाप ला छेमा
करही।
17 "कहूं कोनो पाप करथे अऊ ओ काम करथे, जऊन ह यहोवा के हुकूम के बिरूध अय, चाहे ओह ओ काम ला
अनजाने म करय, तभो ले ओह दोसी अय अऊ ओह ओ काम बर जिम्मेदार ठहिरही।
18 एकरसेति ओह दोस-बलिदान के रूप म बरदी म ले एक ठन निरदोस मेढ़ा पुरोहित करा लानय अऊ ओह
उचित दाम के होवय। ये किसम ले, पुरोहित ह ओकर बर, ओकर दुवारा अनजाने म करे गय गलती खातिर
प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही, अऊ परमेसर ह ओकर पाप ला छेमा करही।
19 येह एक दोस-बलिदान अय; ओह यहोवा के बिरूध म गलत करके दोसी ठहिरे हवय।"

6

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस:
2 "कहूं कोनो मनखे ह पाप करथे अऊ यहोवा के नजर म बेईमान ठहिरथे, याने कि अपन परोसी ला धोखा देथे
या ओकर सामान के गलत उपयोग करथे या ओकर सामान के चोरी करथे, या अपन परोसी ला ठगथे,
3 या ओह कोनो गंवाय चीज ला पाके ओकर बिसय म लबारी मारथे, या मनखेमन के करे गे कोनो पाप के बारे
म झूठ-मूठ के किरिया खाथे—
4 जब ओह येमा के कोनो घलो पाप करथे अऊ अपन दोस ला महसूस करथे, त जरूरी अय कि जऊन चीज
ला ओह चोराय रिहिस या लूटे रिहिस, या ओकर भरोसा म रखे चीज ला ले लेय रिहिस, या ओ गंवाय चीज
जऊन ला ओह पाय रिहिस,
5 या कोनो चीज जेकर बारे म झूठ-मूठ के किरिया खाय रिहिस, ओ जम्मो चीज के पूरा भरपई करय, अऊ ओ
चीज के जऊन कीमत होही, ओकर पांचवां भाग ओमा जोड़के ओकर मालिक ला ओ जम्मो चीज ओ दिन दे
देवय, जऊन दिन ओह अपन दोस-बलिदान चघावय।
6 अऊ दंड के रूप म, यहोवा ला चघाय बर ओह अपन दोस-बलिदान पुरोहित करा लानय, अऊ ये
दोस-बलिदान बरदी म ले एक ठन निरदोस मेढ़ा होवय अऊ ओह उचित दाम के होवय।
7 ये किसम ले, पुरोहित ह ओकर बर यहोवा के आघू म प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही, अऊ जऊन घलो
काम ला करके ओह दोसी ठहिरे होही, परमेसर ह ओला ओकर बर छेमा करही।"

?????-??????

8 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस:
9 "हारून अऊ ओकर बेटामन ला ये हुकूम दे: 'होम-बलिदान करे बर ये नियम अय: होम-बलिदान ह बेदी के
चूल्हा म रात भर, बिहनियां होवत तक रहय, अऊ बेदी म के आगी ह बरत रहय।
10 पुरोहित ह तब अपन मलमल के ओनहा ला पहिरय अऊ अपन देहें म मलमल के कच्छा घलो पहिरय
अऊ बेदी म जलाय होम-बलिदान के राख ला उठाके बेदी के बाजू म रखय।
11 तब ओह अपन ओनहा ला उतारके आने ओनहा पहिरय, अऊ राख ला डेरा के बाहिर अइसन जगह म ले
जावय, जऊन ह बिधि के मुताबिक साफ हवय।

‡ **5:15** लगभग 12 ग्राम

12 बेदी के आगी ह बरत रहय; येह झन बुतावय। पुरोहित ह रोज बिहनियां ओमा लकरी डालय अऊ
होम-बलिदान ला आगी म सही ढंग ले रखय अऊ ओकर ऊपर मेल-बलिदान के चरबी ला जलावय।
13 बेदी म हमेसा आगी बरतेच रहय; येह कभू झन बुतावय।

[illegible]-[illegible]

14 " 'अन्न-बलिदान करे बर ये नियम अय: हारून के बेटामन ओ बलिदान ला बेदी के आघू म यहोवा करा
लानंय।
15 पुरोहित ह ओ अन्न-बलिदान म ले अपन मुठा भरके बहुंत चिक्कन पीसान अऊ थोरकून जैतून तेल अऊ
संग म जम्मो धूप ला लेवय, अऊ सुरता-देवइया हिस्सा ला बेदी ऊपर जलावय, जेह यहोवा बर सुख-देवइया
एक सुगंध होही।
16 ओमा के बाकि बांचे चीज ला हारून अऊ ओकर बेटामन खावंय। पर येला ओमन पबितर-स्थान के छेत्र म
बिगर खमीर के खावंय; ओमन येला मिलापवाला तम्बू के अंगना म खावंय।
17 येला खमीर के संग झन पकाय जावय; मोला चघाय गे जेवन-बलिदान के ओमन के बांटा के रूप म, मेंह
येला दे हवंव। येह पाप-बलिदान अऊ दोस-बलिदान सहीं महा पबितर अय।
18 हारून के बंस म के कोनो घलो पुरूस येला खा सकत हें, तुम्हर अवइया जम्मो पीढ़ी बर, यहोवा ला चघाय
गे जेवन-बलिदान म ले, येह हमेसा ओमन के बांटा होही। जऊन कुछू घलो ओ बलिदान के चीजमन ला छू लेथे,
ओह पबितर हो जाही।*' "
19 यहोवा ह मूसा ला ये घलो कहिस,
20 "जऊन दिन हारून अऊ ओकर बेटामन म ले काकरो अभिसेक करे जावय, ओ दिन ओह अपन बेटामन के
संग यहोवा करा ये बलिदान लेके आवय: एपा के दसवां हिस्सा† के बरोबर बहुंत चिक्कन पीसान नियमित
अन्न-बलिदान के रूप म, आधा बिहनियां अऊ आधा संझा के बेरा चघावय।
21 येला तेल के संग तवा म चुरोय जावय; येला बने करके मिलाय जावय अऊ ये अन्न-बलिदान ला
कुटा-कुटा करके चघावय; येह यहोवा बर सुख-देवइया एक सुगंध होही।
22 ओकर जऊन बेटा ह अभिसिक्त पुरोहित के रूप म ओकर जगह ला लीही, ओही ह ओ बलिदान ला
तियार करय। येह यहोवा के हमेसा के बांटा अय अऊ येला पूरा जलाय जावय।
23 पुरोहित के हर एक अन्न-बलिदान ला पूरा जलाय जावय; येला झन खाय जावय।"

[illegible]-[illegible]

24 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
25 "हारून अऊ ओकर बेटामन ला कह: 'पाप-बलिदान करे के नियम ये अय: पाप-बलिदान के पसु ला यहोवा
के आघू म ओही जगह म बलि करे जावय, जऊन जगह म होम-बलिदान के पसु ला बलि करे जाथे। येह महा
पबितर अय।
26 जऊन पुरोहित ह पाप-बलिदान ला चघाथे, ओही ह ओला खावय। ओला पबितर-स्थान के छेत्र म याने कि
मिलापवाला तम्बू के अंगना म खाय जावय।
27 जऊन कुछू घलो ओकर मांस ला छू लेथे, ओह पबितर हो जाही, अऊ यदि लहू के कोनो छींटा ह ओनहा
म लग जावय, त ओला पबितर-स्थान के छेत्र म धोय जावय।
28 जऊन माटी के बरतन म ओ मांस ला रांधे जाथे, ओला टोर दिये जावय; पर कहूं ओ मांस ला कांस के
बरतन म रांधे जाथे, त बरतन ला मांजके पानी म धोय जावय।
29 पुरोहित परिवार के कोनो घलो मरद ओला खा सकत हें; येह महा पबितर अय।
30 पर जऊन पाप-बलिदान के पसु के लहू ला मिलापवाला तम्बू के भीतर पबितर स्थान म प्रायस्चित करे बर
लाय जाथे, ओकर मांस ला झन खाय जावय; ओला आगी म जला दिये जावय।

7

[illegible]-[illegible]

1 " 'दोस-बलिदान करे के ये नियम अय, अऊ ये बलिदान ह महा पबितर अय:

---

* **6:18** जऊन कोनो ओला छूथे, ओह जरूर पबितर होवय † **6:20** लगभग 1.6 किलोग्राम

2 जऊन जगह म होम-बलिदान के पसु ला बलि करे जाथे, ओही जगह म दोस-बलिदान के पसु ला घलो बलि
करे जावय अऊ ओकर लहू ला बेदी के चारों कोति छिंचे जावय।
3 ओमा के जम्मो चरबी ला चघाय जावय: याने कि चरबीवाला पुंछी अऊ ओ चरबी, जऊन ह पेट के अंगमन
ला तोपे रहिथे,
4 दूनों गुरदा अऊ ओमन के ऊपर के चरबी, जऊन ह कनिहां के तीर म रहिथे अऊ करेजा के निकले भाग,
जऊन ला गुरदामन समेत अलग करे जावय।
5 पुरोहित ह ओमन ला बेदी म यहोवा ला चघाय जेवन-बलिदान के रूप म जला देवय। येह एक
दोस-बलिदान अय।
6 पुरोहित के परिवार के कोनो घलो मरद येला खा सकत हे, पर येला पबितर-स्थान म खाय जावय। येह महा
पबितर अय।
7 " 'पाप-बलिदान* अऊ दोस-बलिदान दूनों म ओहीच कानून लागू होथे: येमन ओ पुरोहित के होथें, जऊन
ह ओमन के संग प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करथे।
8 जऊन पुरोहित ह काकरो बर होम-बलिदान चघाथे, ओ पुरोहित ह बलिदान के पसु के खाल ला अपन बर
रख सकत हे।
9 हर अन्न-बलिदान, जऊन ह चूल्हा के आंच म सेंके जाथे या कढ़ई या तवा म पकाय जाथे, ओह ओहीच
पुरोहित के होही, जऊन ह ओला चघाथे,
10 अऊ हर एक अन्न-बलिदान, चाहे ओह जैतून तेल म सनाय होवय या सूखा होवय, ओह हारून के जम्मो
बेटामन ला बरोबर-बरोबर बांटा म मिलय।

[illegible]

11 " 'जब कोनो मनखे यहोवा ला मेल-बलिदान चघाथे, त ओकर नियम ये अय:
12 " 'कहूं ओह येला धनबाद देय बर चघाथे, त ये धनबाद-बलिदान के संग, ओह जैतून तेल म सनाय बिगर
खमीर के बने मोटा-मोटा रोटी, बिगर खमीर के बने तेल म चुपरे पातर-पातर रोटी, अऊ बने ढंग से गुंथाय अऊ
तेल म सनाय बहुंत चिक्कन पीसान के बने मोटा-मोटा रोटी चघावय।
13 धनबाद के मेल-बलिदान के संग, ओह खमीर मिले मोटा-मोटा रोटी के चढ़ावा चघावय।
14 ओह हर किसम के रोटी म ले एक-एक ठन रोटी बलिदान के रूप म लानय; येह यहोवा के हिस्सा होही; येह
ओ पुरोहित के अय, जऊन ह मेल-बलिदान के लहू ला बेदी के चारों कोति छिंचथे।
15 धनबाद के मेल-बलिदान के मांस ला ओहीच दिन खाय जावय, जऊन दिन ओला चघाय जाथे; बिहनियां
होवत तक ओमा ले कुछू झन बांचय।
16 " 'पर, कहूं, ओकर बलिदान ह बदना के कारन या स्वेच्छा-बलिदान होवय, त जऊन दिन बलिदान चघाय
जावय, ओहीच दिन ओला खाय जावय, पर कुछू बांच जावय, त ओला ओकर दूसर दिन खाय जावय।
17 यदि बलिदान के कुछू मांस ह तीसर दिन तक बांचे रहिथे, त ओला आगी म जला दिये जावय।
18 कहूं मेल-बलिदान म के कोनो मांस ला तीसर दिन खाय जाथे, त ओ बलिदान चघोइया ला गरहन नइं करे
जावय। येला ओकर हित म नइं गने जावय, काबरकि येह असुध हो गे हवय; जऊन मनखे ह येमा के कुछू चीज
ला खाथे, ओला ओकर बर जिम्मेदार ठहिराय जाही।
19 " 'यदि मांस ह कोनो अइसने चीज ले छू जाथे, जऊन ह बिधि के मुताबिक असुध अय, त ओ मांस ला झन
खाय जावय; ओला आगी म जला दिये जावय। दूसर मांस ला बिधि के मुताबिक सुध मनखे ह खा सकथे।
20 पर कहूं कोनो मनखे असुध होके यहोवा ला चघाय गे मेल-बलिदान के मांस ला खाथे, त ओह अपन
मनखेमन के समाज ले अलग करे जावय।
21 अऊ कहूं कोनो असुध चीज ला छूथे—चाहे मनखे के असुधता होवय या असुध पसु होवय या भुइयां म
रेंगइया कोनो असुध जीव होवय—अऊ तब यहोवा ला चघाय गे मेल-बलिदान के मांस म ले खाथे, त ओ मनखे
घलो अपन मनखेमन के समाज ले अलग करे जावय।' "

[illegible]

* **7:7** या [illegible]; पद 37 म घलो

22 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
23 “इसरायलीमन ला कह: ‘तुमन कोनो पसु के चरबी ला झन खावव, भेड़ होवय या बोकरा।
24 जऊन पसु ह अपनआप मर गे हे या जऊन पसु ला कोनो जंगली पसु चीर-फार दे हे, ओकर चरबी ला कोनो
आने काम म लाय जा सकत हे, पर तुमन ओला झन खाहू।
25 जऊन मनखे ह ओ पसु के चरबी ला खाथे, जेकर ले यहोवा बर जेवन-बलिदान चघाय जा सकथे, त ओ
मनखे ह अपन मनखेमन ले अलग करे जावय।
26 अऊ तुमन जिहां कहूं घलो रहव, कोनो चिरई या पसु के लहू ला झन खावव।
27 ओ मनखे, जऊन ह लहू ला खाथे, ओह अपन मनखेमन ले अलग करे जावय।’ ”

[illegible]

28 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
29 “इसरायलीमन ला कह: ‘ओ मनखे, जऊन ह यहोवा बर मेल-बलिदान लानथे, ओह मेल-बलिदान के एक
भाग ला यहोवा बर अपन बलिदान के रूप म लानय।
30 ओह अपनेच हांथ ले यहोवा बर जेवन-बलिदान चघावय; ओह चरबी ला छाती के समेत लानय, अऊ
छाती ला हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा के आघू म हलावय।
31 पुरोहित ह चरबी ला बेदी म जलावय, पर छाती ह हारून अऊ ओकर बेटामन के अय।
32 तुमन अपन मेल-बलिदान के जेवनी जांघ ला पुरोहित ला ओकर हिस्सा के रूप म देवव।
33 हारून के जऊन बेटा ह मेल-बलिदान के लहू अऊ चरबी ला चघाथे, ओह जेवनी जांघ ला अपन बांटा के
रूप म रखय।
34 इसरायलीमन के मेल-बलिदान म ले, हलाय गय छाती अऊ चघाय गय जांघ ला, मेंह लेय हंव अऊ येमन
ला हारून पुरोहित अऊ ओकर बेटामन ला देय हंव कि इसरायलीमन कोति ले, येह हमेसा ओमन के बांटा
होवय।’ ”
35 येह यहोवा ला चघाय गे जेवन-बलिदान के ओ बांटा अय, जऊन ला हारून अऊ ओकर बेटामन ला ओ
दिन दिये गीस, जऊन दिन ओमन पुरोहित के रूप म यहोवा के सेवा करे बर लाने गीन।
36 जऊन दिन ओमन के अभिसेक करे गीस, ओहीच दिन यहोवा ह हुकूम दीस कि इसरायलीमन येला पीढ़ी
दर पीढ़ी ओमन ला ओमन के बांटा के रूप म हमेसा देवंय।
37 येमन होम-बलिदान, अन्न-बलिदान, पाप-बलिदान, दोस-बलिदान, अभिसेक-बलिदान अऊ मेल-बलिदान
के नियम अंय,
38 जेला यहोवा ह मूसा ला सीनय के सुन्ना जगह म सीनय के पहाड़ ऊपर ओ दिन दीस, जऊन दिन ओह
इसरायलीमन ला यहोवा करा ओमन के बलिदान लाने के हुकूम दीस।

8

[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 “हारून अऊ ओकर बेटामन ला, ओमन के ओनहा ला, अभिसेक के तेल ला, पाप-बलिदान बर एक ठन
निरदोस बछवा ला, दू ठन निरदोस मेढ़ा अऊ ओ टुकनी, जऊन म बिगर खमीर के बने रोटी हवय, ये जम्मो ला
ले आन,
3 अऊ इसरायल के पूरा सभा ला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म बला ले।”
4 मूसा ह यहोवा के हुकूम के मुताबिक करिस, अऊ सभा ह मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म जूर गीस।
5 मूसा ह सभा के मनखेमन ला कहिस, “जऊन काम करे के हुकूम यहोवा ह देय हवय, ओह ये अय।”
6 तब मूसा ह हारून अऊ ओकर बेटामन ला सामने लानके ओमन ला पानी ले नहवाईस।
7 ओह हारून ला अंगरखा पहिराईस, अऊ ओकर कनिहां म कमरबंध लपेटिस, ओला बागा पहिराके ओकर
ऊपर एपोद पहिराईस। ओह सुघरता से बुने गय कमरबंध ले एपोद ला कसके बांध दीस।
8 तब ओह छातीबंध ला ओकर ऊपर लगाके छातीबंध म ऊरीम अऊ तुम्मीम लगा दीस।

9 फेर ओह ओकर मुड़ म पागा घलो पहिराईस अऊ पागा के आघू म सोन के पट्टी याने कि पबितर मुकुट ला
लगाईस, जइसने कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम देय रिहिस।

10 तब मूसा ह अभिसेक के तेल ला लीस, अऊ पबितर-तम्बू अऊ जऊन कुछू ओमा रिहिस, ओ जम्मो ला
अभिसेक करके ओमन के संस्कार करिस।
11 ओह थोरकून तेल लेके बेदी के ऊपर सात बार छिंचिस, बेदी अऊ ओकर जम्मो सामान ला अऊ तसला
अऊ ओकर खुरामन ला घलो पबितर करे बर ओमन के अभिसेक करिस।
12 ओह अभिसेक के कुछू तेल ला हारून के मुड़ म रितोईस अऊ ओला पबितर करे बर ओकर अभिसेक
करिस।
13 तब ओह हारून के बेटामन ला आघू म लानके ओमन ला अंगरखा पहिराईस, कनिहां म कमरबंध बांधिस
अऊ मुड़ म टोपी पहिराईस जइसने कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम देय रिहिस।

14 ओह तब पाप-बलिदान बर बछवा ला लानिस, अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन पाप-बलिदान के बछवा के
मुड़ म अपन हांथ रखिन।
15 मूसा ह ओ बछवा ला बलि करिस, अऊ अपन अंगठी म बछवा के थोरकून लहू लेके बेदी के जम्मो
सींगमन म लगाईस, अऊ बेदी ला सुध करिस। बाकि बांचे लहू ला ओह बेदी के खाल्हे म रितो दीस। ये किसम
ले ओह प्रायस्चित करे बर बेदी ला पबितर करिस।
16 मूसा ह पेट के भीतरी भाग के जम्मो चरबी ला लीस अऊ करेजा के लम्बा निकले भाग, अऊ चरबी सहित
दूनों गुरदा ला घलो लीस, अऊ ओमन ला बेदी म जला दीस।
17 पर बछवा अऊ ओकर खाल अऊ ओकर मांस अऊ ओकर पोटा ला डेरा के बाहिर जला दीस, जइसने कि
यहोवा ह मूसा ला हुकूम देय रिहिस।

18 ओह तब होम-बलिदान बर मेढ़ा ला लानिस, अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन ओ मेढ़ा के मुड़ म अपन
हांथ रखिन।
19 तब मूसा ह मेढ़ा ला बलि करिस अऊ ओकर लहू ला लेके बेदी के चारों मुड़ा छिंचिस।
20 ओह मेढ़ा ला कुटा-कुटा करिस अऊ ओकर मुड़ अऊ कुटामन ला अऊ चरबी ला जला दीस।
21 ओह पेट भीतर के चीजमन ला अऊ गोड़मन ला पानी म धोईस अऊ पूरा मेढ़ा ला बेदी म जला दीस। येह
यहोवा ला चघाय बर एक होम-बलिदान, एक सुख-देवइया सुगंध, एक जेवन-बलिदान होईस, जइसने कि
यहोवा ह मूसा ला हुकूम देय रिहिस।

22 ओह तब दूसर मेढ़ा ला याने कि अभिसेक करे के मेढ़ा ला लानिस अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन ओ मेढ़ा
के मुड़ म अपन हांथ रखिन।
23 मूसा ह ओ मेढ़ा ला बलि करिस अऊ ओकर कुछू लहू ला लेके हारून के जेवनी कान ऊपर, जेवनी हांथ के
अंगठा ऊपर अऊ जेवनी गोड़ के अंगठा ऊपर लगाईस।
24 मूसा ह हारून के बेटामन ला घलो आघू म लानिस अऊ कुछू लहू ला ओमन के जेवनी कान ऊपर, ओमन
के जेवनी हांथ के अंगठा ऊपर अऊ ओमन के जेवनी गोड़ के अंगठा ऊपर लगाईस। तब मूसा ह बांचे लहू ला
बेदी के चारों मुड़ा म छिंच दीस।
25 ओकर बाद, ओह चरबी, चरबीवाला पुंछी, पेट के भीतरी भाग के चरबी, करेजा के लम्बा निकले भाग,
चरबी समेत दूनों गुरदा अऊ ओकर जेवनी जांघ ला लीस।
26 अऊ यहोवा के आघू म माढ़े बिगर खमीर के बनाय गे टुकनी के रोटी म ले ओमा के एक गोल रोटी, जैतून
तेल म सनाय एक ठन मोटा रोटी, अऊ एक ठन पातर रोटी लीस, अऊ ओह येमन ला चरबीवाले भाग अऊ
जेवनी जांघ ऊपर रख दीस।
27 तब ओह ये जम्मो ला हारून अऊ ओकर बेटामन के हांथ म रखिस अऊ ओमन येला यहोवा के आघू म
एक हलाय-बलिदान के रूप म हलाईन।
28 तब मूसा ह येला ओमन के हांथ ले लेय लीस अऊ येला होम-बलिदान के ऊपर बेदी म यहोवा बर एक
सुख-देवइया सुगंध के रूप म, अभिसेक-बलिदान, एक जेवन-बलिदान करके जला दीस।

29 मूसा ह छाती ला घलो लीस, जऊन ह अभिसेक मेढ़ा के ओकर बांटा रिहिस, अऊ ओला यहोवा के आघू म
एक हलाय-बलिदान के रूप म हलाईस, जइसने कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम देय रिहिस।
30 तब मूसा ह बेदी म ले कुछू अभिसेक के तेल अऊ कुछू लहू लीस अऊ ओला हारून अऊ ओकर ओनहामन
म अऊ ओकर बेटामन अऊ ओमन के ओनहामन म छिंचिस। ये किसम ले ओह हारून अऊ ओकर ओनहामन
के, अऊ ओकर बेटामन अऊ ओमन के ओनहामन के संस्कार करिस।
31 मूसा ह तब हारून अऊ ओकर बेटामन ला कहिस, "मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म ओ मांस ला
रांधव अऊ ओला अभिसेक-बलिदान के टुकनी के रोटी संग उहां खावव, जइसने कि परमेसर ह हुकूम देय
रिहिस: 'हारून अऊ ओकर बेटामन भेंट के चीजमन ला खावंय।'
32 तब जऊन मांस अऊ रोटी बांच जाथे, ओला जला देवंव।
33 तुमन सात दिन तक मिलापवाला तम्बू के मुंहटा के बाहिर झन जावव, जब तक कि तुम्हर अभिसेक के दिन
ह पूरा नइं हो जावय, काबरकि तुम्हर अभिसेक ह सात दिन तक चलही।
34 आज जऊन कुछू करे गीस, येला करे के हुकूम यहोवा ह देय रिहिस, ताकि तुम्हर प्रायस्चित के बिधि पूरा
होवय।
35 तुम्हर बर ये जरूरी ए कि तुमन मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म रात अऊ दिन सात दिन तक ठहिरव अऊ
यहोवा जइसने कहे हवय, वइसने करव, ताकि तुमन झन मरव; काबरकि मोला अइसने ही हुकूम दिये गे हवय।"
36 हारून अऊ ओकर बेटामन ओ जम्मो चीज करिन, जेकर हुकूम यहोवा ह मूसा के दुवारा देय रिहिस।

9

[illegible]

1 आठवां दिन मूसा ह हारून अऊ ओकर बेटामन ला अऊ इसरायल के अगुवामन ला बलाईस।
2 अऊ ओह हारून ला कहिस, "पाप-बलिदान बर एक ठन बिगर दोस के बछवा अऊ होम-बलिदान करे बर
एक ठन बिगर दोस के मेढ़ा ला लेके यहोवा के आघू म चघा।
3 तब इसरायलीमन ला ये कह: 'तुमन पाप-बलिदान करे बर एक ठन बोकरा अऊ होम-बलिदान बर एक ठन
बछवा अऊ एक ठन बिगर दोस के मेढ़ा-पीला ला ले आवव।
4 अऊ यहोवा के आघू म चघाय बर मेल-बलिदान के खातिर एक ठन बछवा अऊ एक ठन मेढ़ा अऊ जैतून
तेल म सनाय अन्न-बलिदान ले आवव, काबरकि यहोवा ह आज तुमन करा परगट होही।' "
5 मूसा ह जऊन कुछू लाने के हुकूम देय रिहिस, ओमन ओला मिलापवाला तम्बू के आघू म ले आईन, अऊ
पूरा सभा ह लकठा म आके यहोवा के आघू म ठाढ़ हो गीस।
6 तब मूसा ह कहिस, "येह ओ काम ए, जऊन ला करे के हुकूम यहोवा ह तुमन ला देय हवय, जेकर ले यहोवा
के महिमा तुमन म परगट होवय।"
7 तब मूसा ह हारून ला कहिस, "यहोवा के हुकूम के मुताबिक बेदी करा आ अऊ अपन पाप-बलिदान अऊ
अपन होम-बलिदान ला चघा अऊ अपन अऊ मनखेमन बर प्रायस्चित कर; मनखेमन बर चढ़ावा ला चघा अऊ
ओमन बर प्रायस्चित कर।"
8 अऊ हारून ह बेदी करा आके ओ बछवा ला जऊन ह ओकर पाप-बलिदान के खातिर रिहिस, बलि करिस।
9 हारून के बेटामन ओकर करा लहू ला ले गीन अऊ ओह ओ लहू म अपन अंगठी ला बुड़ोके बेदी के सींगमन
म चुपरिस अऊ बांचे लहू ला बेदी के खाल्हे म रितो दीस।
10 पाप-बलिदान के चरबी, गुरदामन ला अऊ करेजा के सबले बने भाग ला ओह बेदी म जला दीस, जइसे कि
यहोवा ह मूसा ला हुकूम देय रिहिस,
11 पर ओह मांस अऊ खाल ला डेरा के बाहिर म जलाईस।
12 तब ओह होम-बलिदान के पसु के बलि चघाईस अऊ हारून के बेटामन लहू ला ओकर हांथ म दीन अऊ
ओह ओला बेदी के ऊपर जम्मो कोति छिंच दीस।
13 तब ओमन होम-बलिदान के पसु ला कुटा-कुटा करके मुड़ समेत ओकर हांथ म दे दीन अऊ ओह ओमन ला
बेदी म जला दीस।

14 ओह पेट के भीतरी भागमन ला अऊ गोड़मन ला धोके ओमन ला होम-बलिदान के ऊपर बेदी म जला दीस।
15 तब हारून ह मनखेमन के बलिदान ला लानके अऊ पाप-बलिदान के बोकरा ला, जऊन ह मनखेमन के
खातिर रिहिस, लेके ओला बलि करिस अऊ पहिली बलि असन ओला पाप-बलिदान खातिर चघाईस।
16 तब होम-बलिदान के पसु ला घलो लकठा म लानके बिधि-बिधान के मुताबिक बलिदान चघाईस।
17 फेर ओह बिहनियां के होम-बलिदान के अलावा अन्न-बलिदान ला लकठा म लानके ओमा ले मुठा भर
बलिदान ला बेदी म जला दीस।
18 ओकर बाद ओह बछवा अऊ मेढ़ा ला, जऊन ह मनखेमन कोति ले मेल-बलिदान रिहिस, बलि करिस अऊ
हारून के बेटामन लहू ला ओकर हांथ म दीन अऊ ओह ओला बेदी म जम्मो कोति छिंच दीस।
19 पर ओमन बछवा अऊ मेढ़ा के चरबी, मोटहा पुंछी, अऊ चरबी के परत, गुरदा अऊ करेजा के सबले बने
भाग—
20 येमन ला छाती म मढ़ा दीन, अऊ तब हारून ह ओमन ला बेदी म जला दीस।
21 छाती अऊ जेवनी जांघ ला हारून ह मूसा के हुकूम के मुताबिक हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा के आघू
म हलाईस।
22 तब हारून ह ओमन कोति हांथमन ला लमाके ओमन ला आसीस दीस, अऊ पाप-बलिदान, होम-बलिदान,
अऊ मेल-बलिदान ला चघाके बेदी करा ले खाल्हे उतर आईस।
23 फेर मूसा अऊ हारून मिलापवाला तम्बू म गीन। जब ओमन उहां ले निकलिन, त ओमन मनखेमन ला
आसीस दीन; अऊ यहोवा के महिमा जम्मो मनखेमन ऊपर परगट होईस।
24 तब यहोवा के आघू ले आगी निकलके चरबी समेत होम-बलिदान ला बेदी म भसम कर दीस। जब मनखेमन
ये देखिन, त ओमन जय-जयकार के नारा लगाईन अऊ मुहूं के भार गिरके यहोवा ला दंडवत करिन।

10

[illegible]

1 तब नादाब अऊ अबीहू नांव के हारून के बेटामन अपन-अपन धूपदान ला लेके ओमन म आगी भरिन अऊ
धूप डारिन; अऊ ओ आगी ला यहोवा ला चघाईन, जेकर हुकूम यहोवा ह नइं देय रिहिस।
2 एकरसेति यहोवा करा ले आगी निकलिस अऊ ओमन ला जला दीस अऊ ओमन यहोवा के आघू म मर
गीन।
3 मूसा ह तब हारून ला कहिस, "येह ओ बात ए, जऊन ला यहोवा ह कहिस:
" 'जऊन मन मोर लकठा म आथें
ओमन के आघू म में पबितर साबित होहूं;
जम्मो मनखेमन के आघू म
मोर आदर होही।' "
हारून ह तब चुपेचाप रिहिस।
4 मूसा ह हारून के कका उजीएल के बेटा मिसाएल अऊ एलसाफान ला बलाईस, अऊ ओमन ला कहिस,
"इहां आवव, अऊ अपन चचेरा-भाईमन के देहें ला पबितर-स्थान के आघू ले उठाके डेरा के बाहिर ले जावव।"
5 तब मूसा के हुकूम के मुताबिक ओमन आईन अऊ ओमन ला ओमन के अंगरखा समेत डेरा के बाहिर ले
गीन।
6 तब मूसा ह हारून अऊ ओकर आने बेटा एलिआजर अऊ ईतामार ला कहिस, "तुमन अपन मुड़ के चुंदी ला
खुला झन छोंड़व अऊ अपन ओनहा ला झन चीरव;* नइं तो तुमन घलो मर जाहू अऊ जम्मो मनखेमन के
ऊपर यहोवा के गुस्सा भड़कही। पर तुम्हर रिस्तेदार, याने कि जम्मो इसरायलीमन ओमन बर सोक मनावंय,
जऊन मन ला यहोवा ह आगी म नास कर दे हवय।
7 तुमन मिलापवाला तम्बू के मुंहटा के बाहिर झन जावव, नइं तो तुमन घलो मर जाहू, काबरकि यहोवा के
अभिसेक के तेल तुमन ऊपर लगे हवय।" ओमन मूसा के कहे मुताबिक करिन।
8 तब यहोवा ह हारून ला कहिस,

* **10:6** ओनहा चिरई ह दुख परगट करे के तरीका ए

9 “जब कभू तें अऊ तोर बेटामन मिलापवाला तम्बू म जाथव, त तुमन अंगूर के मंद या कोनो अऊ किसम के
मंद पीके झन जावव, नइं तो तुमन मर जाहू। येह तुम्हर अवइया पीढ़ी के मनखेमन बर हमेसा के बिधि-बिधान
अय,
10 ताकि तुमन पबितर अऊ सधारन म, सुध अऊ असुध म फरक कर सकव,
11 अऊ इसरायलीमन ला ओ जम्मो बिधिमन ला सिखो सकव, जेमन ला यहोवा ह मूसा के दुवारा ओमन ला
देय हवय।”
12 मूसा ह हारून अऊ ओकर बांचे बेटा एलिआजर अऊ ईतामार ला कहिस, “बिगर खमीर ले बने जऊन
जेवन-बलिदान यहोवा ला चघाय गे रिहिस, ओमा के बांचे अन्न-बलिदान ला लेवव अऊ ओला बेदी के बाजू म
खावव, काबरकि ओह महा पबितर अय।
13 येला तुमन पबितर-स्थान के छेत्र म खावव, काबरकि येह यहोवा ला चघाय जेवन-बलिदान म ले तोर अऊ
तोर बेटामन के बांटा ए, अऊ मोला अइसने हुकूम मिले हवय।
14 पर हलाय गे छाती अऊ अरपन करे गे जांघ ला तुमन अऊ तुम्हर बेटा-बेटीमन खा सकत हें। ओमन ला
बिधि के मुताबिक साफ करे गे जगह म खावव; काबरकि ओ चीजमन इसरायलीमन के मेल-बलिदान के तुम्हर
बांटा के रूप म, तुमन अऊ तुम्हर लइकामन ला दिये गे हवय।
15 चघाय गे जांघ अऊ हलाय गे छाती ला जेवन-बलिदान के चरबीवाले भागमन के संग लाय जावय, अऊ
येमन ला हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा के आघू म हलाय जावय। येह तुम्हर अऊ तुम्हर लइकामन के हमेसा
के बांटा होही, जइसने कि यहोवा ह हुकूम दे हवय।”
16 जब मूसा ह पाप-बलिदान के बोकरा के बारे म पुछताछ करिस, त पता चलिस कि ओला तो जला देय गे
हवय; येकरे कारन ओह हारून के बांचे बेटामन एलिआजर अऊ ईतामार ऊपर गुस्सा होईस, अऊ ओमन ले
पुछिस,
17 “तुमन पाप-बलिदान के मांस ला पबितर-स्थान के छेत्र म काबर नइं खायेव? येह महा पबितर अय; येह
एकर खातिर देय गे रिहिस कि यहोवा के आघू म सभा बर प्रायस्चित करके ओमन के दोस ला दूर करे जावय।
18 जब एकर लहू ला पबितर स्थान के भीतर म लाने ही नइं गीस, त तुमन ला बोकरा के मांस ला
पबितर-स्थान के छेत्र म खाना रिहिस, जइसने कि मेंह तुमन ला हुकूम देय रहेंव।”
19 हारून ह मूसा ला जबाब दीस, “आज ही ओमन अपन पाप-बलिदान अऊ होम-बलिदान यहोवा के आघू म
चघाय हवंय, पर अइसने बात मोर संग होईस। कहूं में आज पाप-बलिदान के मांस ला खाय रहितंय, त का
यहोवा के आघू म ये बने बात होतिस?”
20 जब मूसा ह ये सुनिस, त ये बात ओला बने लगिस।

11

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस,
2 “इसरायलीमन ला कहव: ‘भुइयां के ऊपर जतेक जीयत पसुमन हवंय, ओमा ले तुमन येमन ला खा सकत
हव:
3 तुमन कोनो भी अइसने पसु ला खा सकत हव, जेकर फटे खुर हवय अऊ ओह पागुर करथे।
4 “ ‘कुछू पसुमन होथें, जऊन मन या तो सिरिप पागुर करथें या फेर सिरिप फटे खुर के होथें; ओमन ला तुमन
झन खाहू। ऊंट—हालाकि येह पागुर करथे, पर येकर खुर फटे नइं रहय; येह तुम्हर बर बिधि के मुताबिक असुध
अय।
5 कबर-बिज्जू*—हालाकि येह पागुर करथे, पर येकर खुर फटे नइं रहय; येह तुम्हर बर असुध अय।
6 खरगोस—हालाकि येह पागुर करथे, पर येकर खुर फटे नइं रहय; येह तुम्हर बर असुध अय।
7 अऊ सूरा घलो—हालाकि येकर खुर ह फटे रहिथे, पर येह पागुर नइं करय; येह तुम्हर बर असुध अय।
8 तुमन ये पसुमन के मांस झन खावव या ओमन के लास ला झन छुववव; ओमन तुम्हर बर असुध अंय।

* **11:5** सापान; भालू के सहीं एक जंगली पसु

9 “ ‘समुंदर अऊ नदी के पानी म जतेक जीयत जीव-जन्तु हवंय, ओमा के जेकर पंख अऊ बिस्सर छिलका
होथे, ओमन ला तुमन खा सकत हव।
10 पर समुंदर अऊ नदी के ओ जम्मो जीव-जन्तु, जेकर पंख अऊ बिस्सर छिलका नइं होवय—चाहे
उड़नेवाला जीव होवंय या पानी के दूसर जीयत जीव-जन्तु होवंय—तुमन ओमन ला असुध समझव।
11 अऊ जब तुमन ओमन ला असुध समझथव, त तुमन ओमन के मांस ला झन खावव; तुमन ओमन के लास
ला घलो असुध समझव।
12 पानी के कोनो घलो जीयत जन्तु, जेकर पंख अऊ बिस्सर छिलका नइं होवय, ओह तुम्हर दुवारा असुध
समझे जावय।
13 “ ‘येमन ओ चिरई अंय, जेमन ला तुमन असुध समझव अऊ झन खावव, काबरकि ओमन असुध अंय:
चील, गिधवा, करिया गिधवा,
14 लाल चील, कोनो भी किसम के करिया चील,
15 कोनो भी किसम के कऊआ
16 सींगवाला उल्लू, चिचियानेवाला उल्लू, समुंदरी चिरई, कोनो भी किसम के बाज,
17 छोटे घुघवा, हाड़गील, बड़े घुघवा,
18 सफेद घुघवा, सुनसान जगह के घुघवा, समुंदरी बाज,
19 सारस, कोनो भी किसम के कोकड़ा, टिटहरी अऊ चमगीदड़।
20 “ ‘जम्मो उड़नेवाला कीरामन, जऊन मन चारों गोड़ म रेंगथें, ओमन तुम्हर बर असुध अंय।
21 पर कुछू उड़नेवाला कीरा, जेमन चारों गोड़ म रेंगथें, ओमन ला खा सकत हव: जेमन के गोड़मन भुइयां म
कूदे-फांदे बर जूरे होथे।
22 येमन ला खा सकत हव—कोनो घलो किसम के टिड्डी, फनगे, झिंगुर अऊ फांफा।
23 पर आने जम्मो किसम के उड़नेवाला कीरा, जेमन के चार गोड़ हवय, ओमन ला तुमन असुध समझव।
24 “ ‘तुमन ये काम करे के दुवारा अपनआप ला असुध ठहिराहू; जऊन कोनो ओमन के लास ला छूथे, ओह
संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
25 जऊन कोनो ओमन के कोनो लास ला उठाथे, त ओह अपन ओनहा ला धोवय, अऊ संझा के होवत ले
असुध ठहिरय।
26 “ ‘हर ओ पसु, जेकर खुर फटे नइं ए या जेह पागुर नइं करय, ओह तुम्हर बर असुध अय; जऊन कोनो
ओमन के कोनो घलो लास ला छूथे, ओह असुध ठहिरही।
27 चारों गोड़ म रेंगइया जम्मो पसु, जेमन अपन पंजा म रेंगथें, ओमन तुम्हर बर असुध अंय। जऊन कोनो
ओमन के लास ला छूथे, ओह संझा के होवत ले असुध ठहिरही।
28 जऊन कोनो ओमन के लास ला उठाथे, ओह अपन ओनहा ला धोवय, अऊ संझा के होवत ले असुध
ठहिरय। ये पसुमन तुम्हर बर असुध अंय।
29 “ ‘भुइयां म रेंगइया पसु म ले, येमन तुम्हर बर असुध अंय: नेवला, मुसवा, कोनो घलो किसम के बड़े टेटका,
30 छिपकली, गोइहा, भीथी के टेटका, सांडा अऊ छोटे टेटका
31 भुइयां म रेंगइया जम्मो पसुमन ले, येमन तुम्हर बर असुध अंय। जऊन कोनो येमन के लास ला छूथे, ओह
संझा के होवत ले असुध ठहिरही।
32 जब येमन म के कोनो ह मर जाथे, अऊ ओह कोनो चीज के ऊपर गिरथे, त ओ चीज ह असुध ठहिरही,
ओह कोनो घलो चीज होवय, चाहे ओह कठवा के बने होवय, या ओनहा, या खाल, या बोरा के बने होवय। ओला
पानी म डारे जावय अऊ संझा के होवत ले ओह असुध ठहिरही, अऊ तब ओह सुध हो जाही।
33 यदि ये पसु म के कोनो ह माटी के कोनो बरतन म गिरथे, त ओ बरतन के जम्मो चीज ह असुध ठहिरही;
तुमन ओ बरतन ला टोर देवव।
34 कोनो किसम के जेवन, जेला तुमन खा सकत हव, पर यदि ओह अइसने बरतन के पानी म छू जाथे, त ओ
जेवन ह असुध अय, अऊ कहूं अइसने बरतन म कोनो पीये के चीज हवय, त ओह घलो असुध अय।
35 ओमन के लास म के कोनो भाग ह येमा के कोनो चीज म गिर जावय, चाहे ओह चूल्हा होवय या रांधे के
बरतन, ओला टोर दिये जावय। ओमन असुध अंय, अऊ तुमन ओमन ला असुध समझव।

36 पर सोता या तरिया, जेमा पानी ह संकलाथे, यदि कोनो मरे पसु ओमा मिलथे, त ओ पानी ह सुध रहिथे,
फेर जऊन कोनो येमन के लास ला छूथे, ओह असुध ठहिरही।
37 कहूं कोनो लास ह कोनो किसम के बीजा ऊपर गिरथे, जेला बोये बर रखे गे हवय, त ओ बीजा ह सुध बने
रहिही।
38 फेर कहूं बीजा ऊपर पानी डारे गे हवय अऊ कोनो लास ह ओमा गिर जाथे, त ओ बीजा ह तुम्हर बर असुध
अय।
39 " 'कोनो पसु, जेला खाय के अनुमति तुमन ला हवय, यदि ओह मर जाथे, अऊ जऊन कोनो ओकर लास ला
छूथे, ओह संझा के होवत ले असुध ठहिरही।
40 जऊन कोनो ओकर लास म ले कुछू खाथे, ओह अपन ओनहा ला धोवय, अऊ ओह संझा के होवत ले
असुध ठहिरही। जऊन कोनो ओकर लास ला उठावय, ओह घलो अपन ओनहा ला धोवय, अऊ ओह संझा के
होवत ले असुध ठहिरही।
41 " 'भुइयां म रेंगइया जम्मो जीव ला असुध समझे जावय; ओमन ला झन खाय जावय।
42 तुमन भुइयां म रेंगइया कोनो जीव या परानी ला झन खावव, चाहे ओह पेट के भार रेंगथे या चारों गोड़ म
या अब्बड़ अकन गोड़ म रेंगथे; येह असुध अय।
43 येमा के कोनो घलो जीव के दुवारा अपनआप ला असुध झन करव। तुमन कोनो घलो हालत म अपनआप
ला ओमन के दुवारा असुध झन करव या ओमन के दुवारा असुध झन होवव।
44 मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव; अपनआप ला सुध करव अऊ पबितर बनव, काबरकि मेंह पबितर अंव।
भुइयां म रेंगइया कोनो घलो जीव के दुवारा अपनआप ला असुध झन करव।
45 मेंह यहोवा अंव, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले निकालके लाने हंव कि मेंह तुम्हर परमेसर होवंव;
एकरसेति तुमन पबितर बनव, काबरकि मेंह पबितर अंव।
46 " 'पसु, चिरई, पानी म रेंगइया-बुलइया जम्मो जीव अऊ भुइयां म रेंगइया जम्मो परानी के बिसय म इही
ह नियम अय।
47 येह जरूरी अय कि तुमन सुध अऊ असुध म भेद करव, अऊ खाय जानेवाला जीयत परानी अऊ नइं खाय
जानेवाला परानीमन ला जानव।' "

12

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ला कह: 'ओ माईलोगन, जऊन ह देहें म होके बेटा ला जनम देथे, ओह सात दिन तक बिधि
के मुताबिक असुध रहिही, जइसने कि ओह माहवारी के समय म असुध रहिथे।
3 जनमे बेटा के आठवां दिन म खतना करे जावय।
4 ओकर बाद ओ छेवारीन ह अपन बहत लहू ले सुध होय बर तैंतीस दिन तक अगोरय। जब तक ओकर सुध
होय के दिन ह पूरा नइं हो जावय, तब तक ओह न तो कोनो पबितर चीज ला छुवय अऊ न ही पबितर-स्थान म
जावय।
5 कहूं ओ माईलोगन ह बेटी ला जनम देथे, तब ओह दू हप्ता तक असुध रहिही, जइसने कि माहवारी के समय
म रहिथे। तब ओह अपन बहत लहू ले सुध होय बर छैंसठ दिन तक अगोरय।
6 " 'जब ओ छेवारीन के सुध होय के दिन ह पूरा हो जावय, चाहे ओला बेटा होय रहय या बेटी, ओह
होम-बलिदान बर एक बछुर के मेढ़ा-पीला अऊ पाप-बलिदान बर एक ठन परेवा पीला या एक ठन पंड़की
मिलापवाला तम्बू म पुरोहित करा लानय।
7 तब पुरोहित ह ओ माईलोगन बर प्रायस्चित के नियम ला पूरा करे बर ओमन ला यहोवा के आघू म
चघावय, अऊ तब ओह अपन बहत लहू ले बिधि के मुताबिक सुध हो जाही।
" 'येमन छेवारीन बर बिधि अंय, जऊन ह कोनो बेटा या बेटी ला जनम देथे।

8 पर कहूं ओ छेवारीन ह मेढ़ा-पीला नइं दे सकय, त ओह पंड़की के एक जोड़ा या दू ठन परेवा पीला लेके
आवय, जेमा के एक ठन ह होम-बलिदान अऊ दूसर ह पाप-बलिदान के रूप म चघाय जावय। ये किसम ले,
पुरोहित ह ओकर बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही, अऊ ओह सुध हो जाही।' "

13

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला फेर कहिस,
2 "जब कोनो मनखे के चमड़ी म सूजन या चकत्ता या चमकत कोनो दाग होवय, जऊन ह चमड़ी के कोनो
असुध करइया बेमारी हो सकत हे, त ओला हारून पुरोहित या ओकर पुरोहित बेटामन* म ले एक झन करा
लाने जावय।
3 पुरोहित ह ओकर चमड़ी के बेमारी के जांच करय, अऊ यदि बेमारी के जगह के रूआंमन सफेद हो गे हवंय
अऊ बेमारी ह ओकर देहें के चमड़ी ले गहरा दिखय, त येह एक चमड़ी के असुध करइया बेमारी अय। जब
पुरोहित ह ओ मनखे के जांच कर लेवय, तब ओह ओला बिधि मुताबिक असुध ठहिरावय।
4 कहूं ओ चमकत दाग ह सफेद हवय, पर चमड़ी ले गहरा नइं दिखथे अऊ उहां के रूआंमन सफेद नइं होय
हवंय, त पुरोहित ह ओ बेमारीवाला मनखे ला सात दिन तक अलग रखय।
5 सातवां दिन, पुरोहित ह ओला फेर जांचय, अऊ यदि ओह देखय कि दाग म कोनो बदलाव नइं ए अऊ
बेमारी ह चमड़ी म नइं बगरे हे, त पुरोहित ह ओला अऊ सात दिन तक अलग रखय।
6 सातवां दिन, पुरोहित ह ओला फेर जांचय, अऊ कहूं दाग के चमकई ह कम हो गे हवय अऊ चमड़ी म नइं
बगरे हवय, तब पुरोहित ह ओला सुध ठहिरावय; येह सिरिप एक चकत्ता अय। ओह अपन ओनहा ला धोवय,
अऊ ओह सुध हो जाही।
7 पर पुरोहित ला देखाय अऊ सुध ठहिराय के बाद, यदि ओकर चमड़ी म चकत्ता ह बगर जाथे, त ओ मनखे ह
फेर पुरोहित करा जावय।
8 पुरोहित ह ओ मनखे के जांच करय, अऊ कहूं चकत्ता ह चमड़ी म बगर गे हवय, तब पुरोहित ह ओला
असुध ठहिरावय; येह चमड़ी के एक असुध करइया बेमारी अय।
9 "जब कोनो मनखे ला चमड़ी के असुध करइया बेमारी हवय, त ओला पुरोहित करा लाने जावय।
10 पुरोहित ह ओला जांचय, अऊ कहूं चमड़ी के सूजनवाले जगह ह सफेद हो गे हवय अऊ उहां के रूआंमन
घलो सफेद हो गे हवंय, अऊ ओ सूजन के जगह म मांस दिखथे,
11 त येह एक पुराना चमड़ी के रोग अय, अऊ पुरोहित ह ओला असुध ठहिरावय। ओह ओला अलग झन
रखय, काबरकि ओ मनखे ह पहिले से ही असुध हवय।
12 "कहूं बेमारी ह मनखे के जम्मो चमड़ी म बगर गे हवय, अऊ पुरोहित ह देखथे कि ओ मनखे के मुड़ ले लेके
गोड़ तक जम्मो चमड़ी म बेमारी हो गे हवय,
13 त पुरोहित ह ओला धियान से जांचय, अऊ यदि बेमारी ह ओकर जम्मो देहें म हो गे हवय, त ओह ओ
मनखे ला सुध ठहिरावय। जब ओकर पूरा देहें ह सफेद हो गे हवय, त ओह सुध अय।
14 पर जब कभू ओकर चमड़ी म मांस दिखे लगय, तब ओह असुध ठहिरही।
15 जब पुरोहित ह ओमा मांस देखथे, त ओह ओ मनखे ला असुध ठहिरावय। खुला मांस ह असुध अय; ओला
एक असुध करइया बेमारी हवय।
16 कहूं ओ खुला मांस ह ठीक होके सफेद हो जाथे, त ओ मनखे ह पुरोहित करा जावय।
17 पुरोहित ह ओकर जांच करय, अऊ कहूं घाव ह सफेद हो गे हवय, त पुरोहित ह ओ बिमरहा मनखे ला सुध
ठहिरावय; तब ओह सुध हो जाही।
18 "जब काकरो चमड़ी म फोड़ा हवय अऊ ओह बने हो जाथे,
19 अऊ ओ फोड़ा के जगह म सफेद सूजन या लाल-सफेद दाग दिखथे, त ओह अपनआप ला पुरोहित ला
देखावय।

---

* **13:2** या *[illegible]*

20 पुरोहित ह येकर जांच करय, अऊ कहूं ओ दाग ह चमड़ी ले जादा गहिरा दिखय अऊ येमा के रूआंमन
सफेद हो गे हवंय, त पुरोहित ह ओ मनखे ला असुध ठहिरावय। येह चमड़ी के असुध करइया बेमारी अय,
जऊन ह फोड़ा म ले फूटके निकले हवय।
21 पर यदि, जब पुरोहित ह येकर जांच करथे, अऊ ओला येमा सफेद रूआं नइं दिखय अऊ येह चमड़ी ले
गहिरा नइं ए अऊ ओकर चमक ह कम हो गे हवय, त पुरोहित ह ओला सात दिन तक अलग रखय।
22 पर कहूं येह चमड़ी म बगरत हवय, तब पुरोहित ह ओला असुध ठहिरावय; येह एक असुध करइया बेमारी
अय।
23 पर कहूं दाग ह नइं बदले हवय अऊ येह नइं बगरे हवय, त येह सिरिप फोड़ा के एक दाग अय, अऊ
पुरोहित ह ओ मनखे ला सुध ठहिरावय।
24 "जब कोनो मनखे के चमड़ी ह जर जाथे अऊ ओ जरे जगह के मांस म लाल-सफेद या सफेद दाग दिखथे,
25 तब पुरोहित ह ओ दाग के जांच करय। अऊ कहूं दाग म के रूआंमन सफेद हो गे हवंय अऊ येह चमड़ी ले
गहिरा हो गे हवय, त येह एक असुध करइया बेमारी अय, जऊन ह ओ जरे के जगह म फूटके निकले हवय।
पुरोहित ह ओ मनखे ला असुध ठहिरावय; येह एक चमड़ी के असुध करइया रोग अय।
26 पर कहूं पुरोहित ह येकर जांच करथे अऊ ओ दाग म कोनो सफेद रूआं नइं दिखय अऊ यदि येह चमड़ी ले
गहिरा नइं हवय अऊ येकर चमक ह कम हो गे हवय, त पुरोहित ह ओ मनखे ला सात दिन तक अलग रखय।
27 सातवां दिन पुरोहित ह ओ मनखे के जांच करय, अऊ कहूं बेमारी ह चमड़ी म बगरत हवय, त पुरोहित ह
ओ मनखे ला असुध ठहिरावय; येह चमड़ी के एक असुध करइया बेमारी अय।
28 फेर कहूं ओ दाग ह नइं बदले हवय अऊ चमड़ी म नइं बगरे हवय अऊ ओकर चमक ह कम हो गे हवय, त
येह जरे के कारन एक सूजन अय, अऊ पुरोहित ह ओ मनखे ला सुध ठहिरावय; येह जरे के सिरिप एक दाग अय।
29 "कहूं कोनो आदमी या माईलोगन के मुड़ या थोथना म कोनो घाव हवय,
30 त पुरोहित ह ओ घाव के जांच करय अऊ कहूं येह चमड़ी ले गहिरा दिखय, अऊ येमा के रूआं ह पीला रंग
के अऊ पातर दिखय, त पुरोहित ह ओला असुध ठहिरावय; येह मुड़ या थोथना म चमड़ी के एक असुध करइया
बेमारी अय।
31 पर यदि, जब पुरोहित ह घाव ला जांच करथे, अऊ येह चमड़ी ले गहिरा नइं दिखय अऊ उहां करिया रूआं
नइं ए, त पुरोहित ह ओ मनखे ला सात दिन तक अलग रखय।
32 सातवां दिन, पुरोहित ह ओकर घाव के जांच करय, अऊ कहूं येह नइं बगरे हवय, अऊ येमा कोनो पीला
रंग के रूआं नइं ए अऊ येह चमड़ी ले गहिरा नइं दिखय,
33 त ओ आदमी या माईलोगन ह ओ घाव के जगह ला छोंड़के अपन बाल मुड़ा लेवय, अऊ पुरोहित ह
ओला अऊ सात दिन तक अलग रखय।
34 फेर सातवां दिन, पुरोहित ह ओ घाव के जांच करय अऊ कहूं येह चमड़ी म नइं बगरे हवय अऊ चमड़ी ले
गहिरा नइं दिखय, त पुरोहित ह ओ मनखे या माईलोगन ला सुध ठहिरावय। ओह अपन ओनहा ला धोवय,
अऊ ओह सुध हो जाही।
35 पर सुध ठहिराय जाय के बाद, कहूं घाव ह चमड़ी म बगरथे,
36 त पुरोहित ह ओकर जांच करय, अऊ कहूं ओह देखथे कि घाव ह चमड़ी म बगर गे हवय, त ओला घाव के
जगह म पीला रूआं देखे के जरूरत नइं ए; ओह असुध अय।
37 पर कहूं पुरोहित ह देखथे कि घाव ह नइं बदले हे, अऊ यदि येमा करिया रूआं जाम गे हे, त फेर ओ
आदमी या माईलोगन ह बने हो गे हवय। ओह सुध अय, अऊ पुरोहित ह ओला सुध ठहिरावय।
38 "जब कोनो आदमी या माईलोगन के चमड़ी म सफेद दाग हवय,
39 त पुरोहित ह ओकर जांच करय, अऊ कहूं ओकर दागमन हल्का सफेद हवंय, त येह नुकसान नइं करइया
दाग अय, जऊन ह चमड़ी म निकले हवय; ओ मनखे ह सुध अय।
40 "कोनो मनखे के मुड़ के चुंदी ह झर गे हवय अऊ ओह चंदुआ अय, त अइसने मनखे ह सुध अय।
41 कहूं कोनो मनखे के मुड़ के आघू के चुंदी झर गे हवय, त ओह माथा के चंदुआ अय; ओह सुध अय।

42 पर कहूं ओकर चंदुआ मुड़ या चंदुआ माथा म लाल-सफेद रंग के घाव हवय, त येह ओकर मुड़ या माथा म
निकले एक असुध करइया बेमारी अय।
43 पुरोहित ह ओ मनखे के जांच करय अऊ कहूं ओकर मुड़ या माथा के फूले घाव ह लाल-सफेद रंग के
चमड़ी के एक असुध करइया बेमारी सहीं अय,
44 त ओ मनखे ला बेमारी हो गे हे अऊ ओह असुध अय। ओकर मुड़ या माथा म घाव के कारन, पुरोहित ह
ओला असुध ठहिरावय।
45 "जऊन मनखे म अइसने असुध बेमारी हवय, ओह चिरहा-फटहा ओनहा पहिरय; ओकर चुंदी ह छरियाय
रहय अऊ अपन चेहरा के खाल्हे भाग ला तोप के ओह चिचियावय, 'असुध! असुध!'
46 जब तक ओ मनखे म बेमारी हवय, तब तक ओह असुध रहिथे। ओह अकेला रहय; ओह डेरा के बाहिर म
रहय।

[illegible]

47 "जब कोनो ओनहा ह असुध करइया बेमारी ले खराप हो जावय—चाहे ओ ओनहा ह ऊन के होवय या
मलमल के होवय,
48 मलमल या ऊन के बिनाय या गंथाय कोनो चीज होवय, चाम या चाम के बने कोनो चीज होवय—
49 कहूं ओ ओनहा, चाम, बिनाय या गंथाय चीज, या कोनो चाम ले बने चीज के ओ बेमारीवाला भाग ह
हरियर या लाली रंग के दिखय, त येह असुध करइया फफूंदी अय अऊ येला पुरोहित ला देखाय जावय।
50 पुरोहित ह बेमारी लगे भाग ला जांचय अऊ ओ चीज ला सात दिन तक अलग रखय।
51 सातवां दिन पुरोहित ह येकर फेर जांच करय, अऊ कहूं ओ बेमारी ह ओनहा, बिनाय या गंथाय चीज म,
या चाम म बगर गे हवय, चाहे ओकर कोनो घलो उपयोग होथे, येह लगातार बने रहइया एक असुध बेमारी अय;
ओ चीज ह असुध अय।
52 ओह ओ ओनहा, ऊन या मलमल के बिनाय या गंथाय चीज, या कोनो चाम के बने चीज, जऊन ह खराप
हो गे हवय, ओला जला देवय; काबरकि ओ असुध करइया फफूंदी ह लगातार बने रहिथे; ओ चीज ला जला दिये
जावय।
53 "पर कहूं पुरोहित ह येला जांच करय, अऊ फफूंदी ह ओ ओनहा म, बिनाय या गंथाय चीज म, या चाम के
चीज म नइं बगरे हवय,
54 त पुरोहित ह हुकूम देवय कि जऊन चीज ह खराप होय हवय, ओला धोय जावय। तब ओह ओ चीज ला
सात दिन तक अलग रखय।
55 ओ चीज ला धोय के बाद, पुरोहित ह ओला फेर जांच करय, अऊ कहूं फफूंदी म कोनो बदलाव नइं दिखय,
अऊ हालाकि येह नइं बगरे हवय, तभो ले येह असुध अय। येला जला देवय, चाहे ओ चीज के कोनो घलो भाग
खराप होय हवय।
56 पर यदि पुरोहित ह येला जांच करथे, अऊ ओ चीज ला धोय के बाद, फफूंदी के चमक ह कम हो गे हवय, त
ओह ओ ओनहा, चाम, या बिनाय या गंथाय चीज के ओ खराप हिस्सा ला चीरके अलग कर देवय।
57 पर कहूं ओ बेमारी ओनहा म, बुने या गंथाय चीज म, या चाम के बने चीज म फेर दिखथे, त येह एक
बगरनेवाला फफूंदी अय; अऊ ओ फफूंदीवाले चीज ला जला दिये जावय।
58 कहूं कोनो ओनहा, बिनाय या गंथाय चीज, या चाम के कोनो चीज ला धोय गे हवय, अऊ ओमा के फफूंदी
ह खतम हो गे हवय, त ओ चीज ला फेर धोय जावय। तब येह सुध होही।"
59 ऊन या मलमल के ओनहा, बिनाय या गंथाय चीज, या चाम ले बने कोनो चीज म लगे फफूंद ला सुध या
असुध ठहिराय के नियम येमन अंय।

14

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "जब कोनो बिमरहा मनखे ला पुरोहित करा लाय जाथे, त ओकर बिधि के मुताबिक सुध होय के नियम ये
अंय:

3 पुरोहित ह डेरा के बाहिर जावय अऊ ओकर जांच करय। यदि ओह असुध करइया चमड़ी के बेमारी ले बने
हो गे हवय,
4 त पुरोहित ह हुकूम देवय कि ओ मनखे ला सुध ठहिराय बर दू ठन जीयत अऊ सुध चिरई, देवदार के लकरी,
लाल रंग के सूंत अऊ जूफा लाने जावय।
5 तब पुरोहित ह हुकूम देवय कि माटी के बरतन म ताजा पानी के ऊपर एक ठन चिरई ला बलि करे जावय।
6 ओह तब ओ जीयत चिरई ला लेवय अऊ ओला देवदार के लकरी, लाल सूंत अऊ जूफा के संग ताजा पानी
के ऊपर बलि करे गय चिरई के लहू म बुड़ोवय।
7 तब ओह ओ मनखे ला असुध करइया बेमारी ले सुध ठहिराय बर ओकर ऊपर सात बार छिंचय, अऊ तब
ओला सुध ठहिरावय। ओकर बाद, ओ जीयत चिरई ला खुला जगह म छोंड़ देवय।
8 "तब ओ मनखे जऊन ला सुध ठहिराय जाथे, ओह अपन ओनहा ला धोवय, अपन जम्मो चुंदी ला कतरावय
अऊ पानी म नहावय; तब ओह बिधि के मुताबिक सुध होही। एकर बाद, ओह डेरा के भीतर आ सकत हे, पर
सात दिन तक, ओह अपन तम्बू ले बाहिर रहय।
9 सातवां दिन ओह अपन जम्मो चुंदी ला मुड़वावय; ओह अपन मुड़, अपन दाढ़ी अऊ अपन भौंह के चुंदी
अऊ बाकि चुंदी ला कतरावय। तब ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी म नहावय, अऊ तब ओह सुध
होही।
10 "आठवां दिन, ओह एक-एक बछुर के दू ठन निरदोस मेढ़ा-पीला अऊ एक बछुर के एक ठन निरदोस
भेड़ी-पीला लेके आवय अऊ अन्न-बलिदान बर संग म जैतून तेल म सनाय एक एपा के तीन-दसवां* भाग
बढ़िया पीसान लानय अऊ लोज भर† तेल घलो लानय।
11 ओ पुरोहित जऊन ह सुध ठहिराथे, ओह ओ मनखे ला अऊ ओकर बलिदानमन ला यहोवा के आघू म
मिलापवाला तम्बू के मुंहटा करा लानय।
12 "तब पुरोहित ह एक ठन मेढ़ा-पीला ला लेवय अऊ ओला दोस-बलिदान के रूप म, आधा लीटर तेल के
संग यहोवा ला चघावय; ओह हलाय-बलिदान के रूप म ओमन ला यहोवा के आघू म हलाय।
13 ओह मेढ़ा-पीला ला पबितर-स्थान के छेत्र म बलि करय, जिहां पाप-बलिदान अऊ होम-बलिदान के पसु
ला बलि करे जाथे। पाप-बलिदान सहीं, दोस-बलिदान ह घलो पुरोहित के बांटा अय; येह महा पबितर अय।
14 पुरोहित ह दोस-बलिदान के कुछू लहू ला लेवय अऊ सुध होवइया मनखे के जेवनी कान के टीप म, ओकर
जेवनी हांथ के अंगठा म अऊ ओकर जेवनी गोड़ के अंगठा म लगावय।
15 पुरोहित ह तब ओ आधा लीटर तेल म ले थोरकून लेवय अऊ अपन डेरी हांथ के हथेली म ढारय,
16 अऊ ओह अपन जेवनी हांथ के अंगठा के बाद वाले अंगठी ला डेरी हांथ के हथेली के तेल म बुड़ोवय,
अऊ अपन अंगठी ले ओमा के कुछू तेल यहोवा के आघू म सात बार छिंचय।
17 अपन हथेली म बांचे कुछू तेल ला पुरोहित ह ओ सुध होवइया मनखे के जेवनी कान के टीप म, ओकर
जेवनी हांथ के अंगठा म अऊ जेवनी गोड़ के अंगठा म, अऊ दोस-बलिदान के लहू के ऊपर म लगावय।
18 अपन हथेली म बांचे तेल ला, पुरोहित ह सुध होवइया मनखे के मुड़ म डार देवय अऊ यहोवा के आघू म
ओ मनखे बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करय।
19 "तब पुरोहित ह पाप-बलिदान चघावय अऊ ओ मनखे ला ओकर असुधता ले सुध करे बर प्रायस्चित के
बिधि ला पूरा करय। ओकर बाद, पुरोहित ह होम-बलिदान के पसु ला बलि करय
20 अऊ येला अन्न-बलिदान के संग बेदी म चघावय, अऊ ओ मनखे बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करय,
अऊ ओह सुध ठहिरही।
21 "पर, कहूं, ओह गरीब अय अऊ अतेक नइं दे सकय, त ओह अपन प्रायस्चित करे बर एक ठन मेढ़ा-पीला
दोस-बलिदान के रूप म हलाय बर लेवय, अऊ संग म अन्न-बलिदान बर तेल म सनाय एपा के दसवां भाग‡
बहुंत बढ़िया पीसान अऊ आधा लीटर तेल लेवय,

---

* **14:10** लगभग 5 किलोग्राम † **14:10** लगभग 0.3 लीटर; पद 12, 15, 21 अऊ 24 म घलो ‡ **14:21** लगभग 1.6 किलोग्राम

22 अऊ अपन हैसियत के मुताबिक, ओह दू ठन पंड़की या दू ठन परेवा पीला लानय; येमा के एक ठन ह
पाप-बलिदान अऊ दूसर ह होम-बलिदान बर होही।
23 "आठवां दिन ओह ये जम्मो ला अपन सुध होय बर मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म यहोवा के आघू म
पुरोहित करा लानय।
24 पुरोहित ह दोस-बलिदान के रूप म मेढ़ा-पीला ला आधा लीटर तेल के संग लेवय, अऊ ओमन ला
हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा के आघू म हलावय।
25 ओह दोस-बलिदान बर मेढ़ा-पीला ला बलि करय अऊ येमा के कुछू लहू ला लेवय अऊ सुध होवइया
मनखे के जेवनी कान के टीप म, ओकर जेवनी हांथ के अंगठा म अऊ जेवनी गोड़ के अंगठा म लगावय।
26 पुरोहित ह कुछू तेल ला अपन डेरी हांथ के हथेली म ढारय,
27 अऊ अपन जेवनी हांथ के अंगठा के बाजू वाले अंगठी म हथेली के कुछू तेल ला लेके यहोवा के आघू म
सात बार छिंचय।
28 तब पुरोहित ह अपन हथेली के कुछू तेल ला लेके ओ जगह म लगावय, जऊन जगह म ओह
दोस-बलिदान के लहू ला लगाथे—याने कि सुध होवइया मनखे के जेवनी कान के टीप म, ओकर जेवनी हांथ के
अंगठा म अऊ जेवनी गोड़ के अंगठा म लगावय।
29 अपन हथेली म बांचे तेल ला पुरोहित ह ओ सुध होवइया मनखे के मुड़ म ढारय, ताकि यहोवा के आघू म
ओ मनखे के प्रायस्चित के बिधि ह पूरा होवय।
30 तब ओह अपन हैसियत के मुताबिक पंड़कीमन या परेवा-पीलामन ला चघावय,
31 एक ठन ला पाप-बलिदान अऊ दूसर ला होम-बलिदान के रूप म, अन्न-बलिदान के संग चघावय। ये
किसम ले, सुध होवइया मनखे के तरफ ले, पुरोहित ह यहोवा के आघू म प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही।"
32 येमन ओ मनखे बर सुध होय के नियम अंय, जऊन ला असुध करइया चमड़ी के बेमारी हवय अऊ ओमन
गरीब अंय।

?? ?? ???? ?????? ?? ??? ????

33 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस,
34 "जब तुमन कनान देस म हबरहू, जेला मेंह तुमन ला तुम्हर अधिकार म देवत हंव, अऊ कहूं मेंह ओ देस म
कोनो घर म बगरनेवाला बेमारी भेजंव,
35 त ओ घर के मालिक ह जाके पुरोहित ला बतावय, 'मेंह अपन घर म अइसन चीज देखे हंव, जऊन ह
असुध करइया फफूंदी सहीं लगथे।'
36 एकर पहिली कि पुरोहित ह ओ घर म जाके बेमारी के जांच करय, ओह घर के सामान ला खाली करे के
हुकूम देवय, ताकि घर के कोनो चीज असुध झन ठहिरय। एकर बाद, पुरोहित ह घर भीतर जाके जांच करय।
37 ओह भीथीमन म बेमारी के जांच करय, अऊ यदि येह हरियर या लाल रंग के हवय अऊ भीथी के सतह ले
धंसे सहीं दिखय,
38 त पुरोहित ह घर ले बाहिर मुंहटा म जाके, ओ घर ला सात दिन बर बंद कर देवय।
39 सातवां दिन, पुरोहित ह आके ओ घर के जांच करय। कहूं बेमारी ह घर के भीथीमन म बगर गे हवय,
40 त पुरोहित ह हुकूम देवय कि जऊन पथरामन दूसित हो गे हवंय, ओमन ला निकालके सहर के बाहिर
कोनो असुध जगह म फटिक दिये जावय।
41 ओह घर के भीतर के चारों कोति के भीथी ला खुरचय अऊ खुरचे माटी ला सहर के बाहिर, कोनो असुध
जगह म डार देवय।
42 तब ओह निकाले गे पथरामन के जगह म आने पथरा लगावय अऊ ताजा गारा लेके घर ला छाबय।
43 "घर के पथरामन ला बदले, घर ला खुरचे अऊ छाबे के बाद, कहूं असुध करइया फफूंदी ह फेर दिखथे,
44 त पुरोहित ह घर भीतरी जाके जांच करय। अऊ, कहूं फफूंदी ह घर म बगर गे हवय, त येह लगातार बने
रहइया असुध करइया फफूंदी अय; ओ घर ह असुध अय।
45 ओ घर ला गिरा दिये जावय—ओकर पथरा, लकरी अऊ घर के जम्मो मलमा ला सहर के बाहिर कोनो
असुध जगह म ले जावय।

46 “जब घर ह बंद रहिथे, ओ समय यदि कोनो घर के भीतर जाथे, त ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरय।
47 ओ मनखे जऊन ह ओ घर म सुतथे या खाथे, ओह अपन ओनहा ला जरूर धोवय।
48 “पर कहूं पुरोहित ह भीतर म आके जांच करथे अऊ देखथे कि घर ला फेर से छाबे के बाद, फफूंदी ह नइं बगरे हवय, त ओह ओ घर ला सुध ठहिरावय, काबरकि असुध करइया फफूंदी ह खतम हो गे हवय।
49 अऊ ओ घर ला सुध करे बर, ओह दू ठन चिरई, देवदार के लकरी, लाल सूंत अऊ जूफा लेवय।
50 ओह एक ठन माटी के बरतन म ताजा पानी के ऊपर एक ठन चिरई ला बलि करय।
51 तब ओह ओ जीयत चिरई के संग देवदार के लकरी, जूफा, लाल सूंत ला लेवय अऊ येमन ला बलि करे गे चिरई के लहू म अऊ ताजा पानी म बुड़ोवय अऊ घर म सात बार छिंचय।
52 ओह ओ घर ला चिरई के लहू, ताजा पानी, जीयत चिरई, देवदार के लकरी, जूफा अऊ लाल सूंत के दुवारा सुध करय।
53 तब ओह जीयत चिरई ला सहर के बाहिर खुला जगह म छोंड़ देवय। ये किसम ले ओह घर बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही, अऊ ओ घर ह सुध हो जाही।”
54 कोनो असुध करइया चमड़ी के बेमारी, घाव,
55 ओनहा या घर म असुध करइया फफूंदी,
56 सूजन, चकत्ता, या चमकत दाग के बिसय म ये नियम अंय।
57 ये बिधिमन के दुवारा पता चलथे कि कोनो चीज ह सुध हवय या असुध।
असुध करइया चमड़ी के बेमारी अऊ असुध करइया फफूंदी के बिसय म ये नियम अंय।

15

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला फेर कहिस,
2 “इसरायलीमन ले गोठियावव अऊ ओमन ला कहव: ‘जब कोनो मनखे के देहें ले असामान्य रूप म कुछू चीज निकलथे, त ओ चीज ह असुध अय।
3 चाहे ओ चीज ह ओकर देहें ले लगातार निकलत रहय या बंद हो जावय, येह ओला असुध करही। ये किसम ले, ओकर देहें ले निकले चीज ह ओला असुध करही:
4 “ ‘जऊन बिस्तर म धातवाले ह सुतथे, ओह असुध हो जाही, अऊ जऊन कोनो चीज म ओह बईठथे, ओह घलो असुध हो जाही।
5 जऊन कोनो ओकर बिस्तर ला छूथे, ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी ले नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
6 जऊन कोनो ओ चीज म बईठथे, जेमा धातवाले ह बईठे रिहिस, त ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी ले नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
7 “ ‘जऊन कोनो धातवाले ला छू लेथे, ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी ले नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
8 “ ‘कहूं कोनो धातवाले ह कोनो सुध मनखे ऊपर थूक देथे, त ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी ले नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
9 “ ‘धातवाले ह जऊन चीज म बईठके सवारी करथे, ओ आसन ह असुध ठहिरय,
10 अऊ जऊन ह कोनो चीज ला, जेह ओकर खाल्हे म रिहिस, छू लेथे, त ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही; जऊन कोनो ओ चीजमन ला उठाथे, ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी ले नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
11 “ ‘जऊन कोनो मनखे ला धातवाले ह पानी म हांथ धोये बिगर छू लेथे, त ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी ले नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
12 “ ‘धातवाले ह माटी के कोनो बरतन ला छू लेथे, त ओ बरतन ला फोर दिये जावय, अऊ कठवा के बने जम्मो चीज ला पानी म धोय जावय।

13 “ ‘जब धातवाले ह अपन तकलीफ ले बने हो जाथे, तब ओह बिधि मुताबिक अपन सुध होय के सात दिन
गन लेवय; तब ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ ताजा पानी म नहावय, अऊ ओह सुध हो जाही।
14 आठवां दिन ओह दू ठन पंड़की या दू ठन परेवा पीला लेवय अऊ मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म यहोवा के
आघू म जाके ओमन ला पुरोहित ला देवय।
15 पुरोहित ह ओमा ले एक ठन ला पाप-बलिदान बर अऊ दूसर ला होम-बलिदान बर चघावय। ये किसम ले,
पुरोहित ह ओ मनखे बर ओकर धात के रोग के कारन यहोवा के आघू म प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करही।
16 “ ‘जब कोनो आदमी के बीर्य ह निकल जावय, त ओह पानी म पूरा नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक
असुध ठहिरही।
17 कोनो ओनहा या चाम के चीज, जऊन म बीर्य लगे हवय, ओला पानी म धोय जावय, अऊ येह संझा के
होवत तक असुध ठहिरही।
18 जब कोनो आदमी के सारीरिक संबंध कोनो माईलोगन के संग होथे अऊ बीर्य निकलथे, त ओ दूनों झन
पानी म नहावंय, अऊ ओमन संझा के होवत तक असुध ठहिरहीं।
19 “ ‘जब कोनो माईलोगन ला मासिक धरम होवय, त ओ समय म ओह सात दिन तक असुध ठहिरही, अऊ
जऊन कोनो ओला छूथे, ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
20 “ ‘अपन मासिक धरम के समय, ओह जऊन चीज म सुतथे, ओ चीज ह असुध ठहिरही, अऊ जऊन चीज म
ओह बईठथे, ओह घलो असुध ठहिरही।
21 जऊन कोनो ओ माईलोगन के बिस्तर ला छूथे, ओह असुध ठहिरही; ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ
पानी म नहावय अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
22 जऊन कोनो अइसने कोनो चीज ला छू लेथे, जेमा ओ माईलोगन ह बईठे रिहिस, त ओह असुध ठहिरही;
ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी म नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
23 चाहे येह बिस्तर होवय या कोनो अऊ चीज, जेमा ओ माईलोगन ह बईठे रिहिस, जब कोनो येला छू लेथे,
त ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
24 “ ‘कहूं कोनो आदमी ह ओकर संग सारीरिक संबंध बनाथे अऊ ओ माईलोगन के मासिक धरम के लहू ह
ओला लग जाथे, त ओ आदमी ह सात दिन तक असुध हो जाही; अऊ जऊन बिस्तर म ओह सुतथे, ओह घलो
असुध ठहिरही।
25 “ ‘जब कोनो माईलोगन ला ओकर मासिक धरम के समय ले जादा दिन तक लहू बोहावत रहिथे या ओकर
मासिक धरम के समय के बाद घलो ओकर लहू बोहावत रहिथे, त जब तक ओकर लहू बोहावत रहिही, तब तक
ओह वइसने ही असुध ठहिरही, जइसने कि अपन मासिक धरम के दिन म ठहिरथे।
26 जऊन बिस्तर म ओह अइसने लहू बोहाय के दिन म सुतथे, त ओ बिस्तर घलो असुध ठहिरही, जइसने कि
ओकर मासिक धरम के समय म असुध ठहिरथे, अऊ ओ माईलोगन जऊन चीज म बईठथे, ओ चीज ह घलो
असुध ठहिरही, जइसने कि ओकर मासिक धरम के दिन म ठहिरथे।
27 जऊन कोनो ओ चीजमन ला छूथे, ओह असुध ठहिरही; ओह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी म
नहावय, अऊ ओह संझा के होवत तक असुध ठहिरही।
28 “ ‘जब ओ माईलोगन ह अपन लहू बोहाय ले सुध हो जाथे, त ओह सात दिन गनय, अऊ ओकर बाद बिधि
के मुताबिक ओह सुध हो जाही।
29 आठवां दिन ओह दू ठन पंड़की या दू ठन परेवा पीला लेवय अऊ ओमन ला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म
पुरोहित करा लानय।
30 पुरोहित ह एक ठन चिरई ला पाप-बलिदान अऊ दूसर ला होम-बलिदान के रूप म चघावय। ये किसम ले,
पुरोहित ह ओकर लहू बोहाय के असुधता के सेति यहोवा के आघू म ओकर बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा
करही।
31 “ ‘तुमन इसरायलीमन ला ओ चीजमन ले अलग रखव, जऊन चीजमन ओमन ला असुध करथें, नइं तो
ओमन मोर निवास के जगह,* जऊन ह ओमन के बीच हवय, ओला असुध करहीं अऊ ओकरे कारन अपन

* **15:31** या [illegible]

असुधता म मर जाहीं।' "

32 धात के बिमरहा, अऊ जऊन आदमी के बीर्य ह निकल जाथे, जेकर ले ओह असुध ठहिरथे,

33 ओ माईलोगन जऊन ह मासिक धरम के कारन असुध हवय, कोनो आदमी के बीर्य निकलय या माईलोगन के लहू बोहावय, या कोनो आदमी, जऊन ह असुध माईलोगन संग सारीरिक संबंध बनाथे, ये जम्मो बर ये बिधिमन अंय।

16

[illegible]

1 जब हारून के दू झन बेटामन यहोवा के आघू म जाके मर गीन,* त एकर बाद यहोवा ह मूसा ले गोठियाईस।

2 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "अपन भाई हारून ला कह कि ओह सन्दूक के ऊपर बने प्रायस्चित के ढकना के आघू, परदा के भीतर महा पबितर स्थान म, घेरी-बेरी झन आवय, नइं तो ओह मर जाही, काबरकि मेंह प्रायस्चित के ढकना के ऊपर बादर म परगट होहूं।

3 "हारून ह महा पबितर स्थान म ये किसम ले आवय: जरूरी अय कि ओह पहिले पाप-बलिदान के खातिर एक ठन जवान बछवा अऊ होम-बलिदान के खातिर एक ठन मेढ़ा ला लेके आवय।

4 ओह मलमल के पबितर अंगरखा अऊ अपन देहें म मलमल के कच्छा पहिरय अऊ मलमल के कमरबंध कसके मलमल के पागा बांधय। येमन पबितर ओनहा अंय। ओह पानी म नहाके ही येमन ला पहिरय।

5 फेर ओह इसरायली समाज ले पाप-बलिदान के खातिर दू ठन बोकरा अऊ होम-बलिदान के चढ़ावा खातिर एक ठन मेढ़ा लेवय।

6 "तब हारून ह ओ पाप-बलिदान के बछवा ला जऊन ह ओकरे खातिर अय, चघाके अपन अऊ अपन परिवार बर प्रायस्चित करय।

7 तब ओह ओ दूनों बोकरामन ला लेके मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म यहोवा के आघू म ठाढ़ करय।

8 हारून ह दूनों बोकरामन बर चिट्ठी डालय, याने कि एक चिट्ठी यहोवा बर अऊ दूसर चिट्ठी अजाजेल† बर।

9 जऊन बोकरा बर यहोवा के नांव के चिट्ठी निकलय, ओला हारून ह पाप-बलिदान बनाके चघावय।

10 पर जऊन बोकरा बर अजाजेल के नांव के चिट्ठी निकलय, ओला यहोवा के आघू म जीयत ठाढ़ करे जावय ताकि ओकर दुवारा प्रायस्चित करे बर ओला सुन्ना जगह म अजाजेल के रूप म भेजे जावय।

11 "तब हारून ह पाप-बलिदान के ओ बछवा ला, जऊन ह ओकरेच बर अय, लानके अपन घराना बर प्रायस्चित करय। ओह ओ पाप-बलिदान के बछवा ला, जऊन ह ओकरेच बर अय, बलि करय।

12 अऊ ओह यहोवा के आघू बेदी म के बरत कोइला ले भरे धूपदान अऊ दू मुठा चिक्कन पिसे खुसबूवाला धूप ला लेके परदा के भीतर जावय।

13 ओह ओ धूप ला यहोवा के आघू म आगी के ऊपर डारय, जेकर ले धूप के कुहरा ह करार कानून के पटियामन ऊपर प्रायस्चित के ढकना ला भर लेवय, ताकि ओह झन मरय।

14 फेर ओह बछवा के लहू म ले थोरकून ला लेके अंगठी ले प्रायस्चित के ढकना के ऊपर सामने म छिंचय अऊ ओ लहू म ले थोरकून ला प्रायस्चित के ढकना के आघू म घलो अंगठी ले सात बार छिंचय।

15 "तब ओह पाप-बलिदान के ओ बोकरा ला, जऊन ह मनखेमन बर अय, बलि करय अऊ ओकर लहू ला परदा के भीतर लावय अऊ ये लहू के संग वइसनेच करय, जइसे बछवा के लहू के संग करे रिहिस। ओह येला प्रायस्चित के ढकना के ऊपर अऊ ओकर आघू म छिंचय।

16 इसरायलीमन के असुधता अऊ बिदरोह के कारन, अऊ जऊन कुछू पाप ओमन करे हवंय, ओकर कारन, ओह ये किसम ले महा पबितर स्थान बर प्रायस्चित करय। ओह मिलापवाला तम्बू बर घलो, जऊन ह ओमन के असुधता म ओमन के बीच म रहिथे, अइसने ही करय।

17 जब हारून ह प्रायस्चित करे बर महा पबितर स्थान म जावय, त जब तक ओह अपन, अपन घराना अऊ इसरायल के जम्मो समाज बर प्रायस्चित करके बाहिर नइं निकलय, तब तक कोनो मनखे मिलापवाला तम्बू म झन रहय।

---

* **16:1** देखव लैव्य 10:1-2 † **16:8** पाप ला दूरिहा ले जवइया बोकरा; पद 10अऊ 26म घलो

18 “तब ओह बाहिर निकलके ओ बेदी के तीर म जावय, जऊन ह यहोवा के आघू म हवय अऊ ओकरे बर
प्रायस्चित करय, याने बछवा अऊ बोकरा दूनों के लहू म ले थोरकून ला लेके बेदी के सींगमन म जम्मो कोति
लगावय।
19 अऊ अपन अंगठी ले ओ लहू म ले थोरकून लेके बेदी ऊपर सात बार छिंचके, ओला इसरायलीमन के
असुधता ले सुध अऊ पबितर करय।
20 “जब हारून ह महा पबितर स्थान, मिलापवाला तम्बू, अऊ बेदी बर प्रायस्चित कर डारय, तब ओ जीयत
बोकरा ला तीर म लावय।
21 तब हारून ह जीयत बोकरा के मुड़ के ऊपर अपन दूनों हांथ ला मढ़ावय अऊ ओकर ऊपर इसरायलीमन के
जम्मो अधरम अऊ ओमन के जम्मो अपराध अऊ पाप ला मान लेवय। ओह ओमन ला ओ बोकरा के मुड़ म
डारके ओला एक झन मनखे के हांथ ले, जऊन ला इही काम बर रखे गय हवय, सुन्ना जगह म भेज देवय।
22 ओ बोकरा ह ओमन के जम्मो अधरम ला अपन ऊपर बोहके कोनो सुन्ना जगह म चल दीही। ओ मनखे ह
ओ बोकरा ला सुन्ना जगह म छोंड़ देवय।
23 “तब हारून ह मिलापवाला तम्बू म आके मलमल के ओ जम्मो ओनहा, जऊन ला ओह महा पबितर स्थान
म जाय के बेरा पहिरे रिहिस, ओमन ला ओही मेर छोंड़ देवय।
24 फेर ओह पबितर-स्थान के छेत्र म पानी ले नहाके अपनेच ओनहा ला पहिर लेवय अऊ बाहिर म आके
अपन बर अऊ मनखेमन बर घलो होम-बलिदान चघाके अपन बर अऊ मनखेमन बर प्रायस्चित करय।
25 अऊ पाप-बलिदान के चरबी ला ओह बेदी म जलावय।
26 “जऊन मनखे ह बोकरा ला अजाजेल के रूप म छोंड़े हवय, ओह अपन ओनहा ला धोवय, पानी ले
नहावय, तभे डेरा के भीतर आवय।
27 पर पाप-बलिदान के बछवा अऊ पाप-बलिदान के बोकरा, जेकर लहू ला महा पबितर स्थान म प्रायस्चित
करे बर लाने गे रिहिस, ओमन ला डेरा के बाहिर म ले जाके ओकर खाल, मांस, अऊ गोबर ला आगी म जलाय
जावय।
28 तब ओमन ला जरोइया ह अपन ओनहा ला धोवय अऊ पानी ले नहावय। एकर बाद ही ओह डेरा के भीतर
आवय।
29 “येह तुम्हर बर एक ठन सदा के बिधि ठहिरय: हर साल सातवां महिना के दसवां दिन तुमन अपनआप के
इनकार करव।‡ ओ दिन कोनो मनखे, कहूं ओह देस म जनमे मनखे होवय या तुम्हर बीच म रहइया परदेसी, कोनो
काम-बुता झन करहू।
30 काबरकि इही दिन तुमन ला सुध करे के खातिर तुम्हर बर प्रायस्चित करे जाही, अऊ तुमन अपन जम्मो
पापमन ले यहोवा के आघू म सुध ठहिरहू।
31 ये दिन ह बिसराम के दिन अय, अऊ जरूरी अय कि तुमन अपनआप के इनकार करव।§ येह सदा के एक
बिधि अय।
32 अऊ जऊन पुरोहित ला अपन ददा के जगह म महा पुरोहित के रूप म काम करे बर अभिसेक अऊ संस्कार
करे गे हवय, ओही ह प्रायस्चित करय। ओह मलमल के ओनहा याने पबितर ओनहा ला पहिरके
33 जम्मो महा पबितर स्थान, मिलापवाला तम्बू, अऊ बेदी बर प्रायस्चित करय। ओह पुरोहित अऊ समाज
के जम्मो सदस्य बर घलो प्रायस्चित करय।
34 “येह तुम्हर बर सदा के बिधि ठहिरय कि इसरायलीमन बर एक बछर म एक बार ओमन के जम्मो पाप बर
प्रायस्चित करे जावय।”
अऊ जइसे यहोवा ह मूसा ला हुकूम देय रिहिस, वइसनेच करे गीस।

17

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 “हारून अऊ ओकर बेटामन ला अऊ जम्मो इसरायलीमन ला कह: ‘यहोवा ह ये हुकूम दे हवय:
3 यदि कोनो इसरायली मनखे कोनो बछवा, मेढ़ा-पीला या बोकरा ला डेरा के भीतर या डेरा के बाहिर बलि
चघाथे,

‡ **16:29** या *[illegible]* § **16:31** उपास करव अऊ पूरा बिसराम करव

4 पर ओला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा करा यहोवा के पबितर-तम्बू के आघू म यहोवा ला बलि चघाय बर
नइं लानय, त ओ मनखे ह लहू बहाय के दोसी समझे जाही; ओ मनखे ह लहू बहाय हवय; ओला अपन मनखेमन
के समाज ले अलग करे जावय।
5 ये बिधि के कारन ये अय ताकि इसरायलीमन अपन बलिदान यहोवा करा लानंय, पर खुला जगह म
बलिदान झन करंय। ओमन अपन बलिदान ला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म पुरोहित करा लानके
मेल-बलिदान के रूप म यहोवा ला चघावंय।
6 पुरोहित ह लहू ला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म यहोवा के बेदी के चारों कोति छिंचय अऊ चरबी ला
यहोवा बर सुख-देवइया सुगंध के रूप म जलावय।
7 ओमन बोकरा के मूरतीमन* ला कोनो बलिदान झन चघावंय, काबरकि अइसने करके ओमन बेभिचारी के
सहीं ठहिरथें। येह पीढ़ी दर पीढ़ी ओमन के हमेसा के बिधि ठहिरय।'
8 "ओमन ला कह: 'कोनो इसरायली या ओमन के बीच म रहइया कोनो परदेसी ह होम-बलिदान या बलि
चघाथे,
9 अऊ ओला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म यहोवा करा लानके नइं चघावय, त ओ मनखे ला इसरायली
मनखेमन के समाज ले अलग करे जावय।
10 " 'कोनो इसरायली या ओमन के बीच म रहइया कोनो परदेसी, जऊन ह लहू ला खाथे, त मेंह ओला
मनखेमन के बीच ले अलग कर दूहूं।
11 काबरकि परानी के परान ह लहू म रहिथे, अऊ येला मेंह तुमन ला एकरसेति दे हंव कि तुमन बेदी म अपन
बर प्रायस्चित के बिधि ला पूरा करव; काबरकि ये लहू ही मनखे के जिनगी के प्रायस्चित ला पूरा करथे।
12 एकरसेति मेंह इसरायलीमन ला कहिथंव, "न तो तुमन, अऊ न ही तुम्हर बीच म रहइया कोनो परदेसी लहू
ला खावय।"
13 " 'कोनो इसरायली या तुम्हर बीच म रहइया कोनो परदेसी कोनो अइसने पसु या चिरई के सिकार करथे,
जऊन ला खाय जा सकत हे, त पहिले ओकर लहू ला बहाके माटी म ढांप दिये जावय,
14 काबरकि हर एक जीव के परान ह ओकर लहू म होथे। एकरसेति मेंह इसरायलीमन ला कहे हंव, "तुमन
कोनो जीव के लहू ला झन खावव, काबरकि हर एक जीव के परान ह ओकर लहू म होथे; जऊन कोनो ओला
खाथे, ओला समाज ले अलग करे जावय।"
15 " 'कोनो मनखे, चाहे ओह देस म जनमे होवय या परदेसी, यदि ओह पहिले से मरे पसु या कोनो जंगली पसु
के दुवारा चिरे-फारे पसु के मांस ला खाथे, त ओला अपन ओनहा ला धोना अऊ पानी म नहाना चाही, अऊ ओह
संझा के होवत तक बिधि मुताबिक असुध रहिही; तब ओह सुध होही।
16 पर कहूं ओह अपन ओनहा ला नइं धोही अऊ नइं नहाही, त ओह दोसी ठहिरही।' "

18

[illegible]
1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: 'मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
3 तुमन वइसने झन करव, जइसने ओमन मिसर देस म करथें, जिहां तुमन रहत रहेव, अऊ तुमन वइसने झन
करव, जइसने ओमन कनान देस म करथें, जिहां मेंह तुमन ला लावत हंव। ओमन के रीति-रिवाज म झन चलव।
4 तुमन मोर कानून ला मानव अऊ धियान से मोर बिधि-बिधान म चलव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
5 मोर बिधि-बिधान अऊ कानून म चलव, काबरकि जऊन मनखे ह ओमन के पालन करही, ओह ओमन के
दुवारा जीयत रहिही। मेंह यहोवा अंव।
6 " 'तुमन म ले कोनो अपन नजदीकी रिस्तेदार के संग सारीरिक संबंध झन बनावय। मेंह यहोवा अंव।
7 " 'अपन दाई के संग सारीरिक संबंध बनाय के दुवारा अपन ददा के अनादर झन करव। ओह तो तुम्हर दाई
ए; ओकर संग सारीरिक संबंध झन बनावव।
8 " 'अपन सौतेली दाई के संग घलो सारीरिक संबंध झन बनावव; येह तुम्हर ददा के अनादर होही।

* **17:7** या [illegible]

9 “ ‘तुमन अपन बहिनी के संग सारीरिक संबंध झन बनावव, चाहे ओह तुम्हर ददा के बेटी होवय या तुम्हर
दाई के बेटी, चाहे ओह ओही घर म जनमे होवय या कहूं मेर अऊ।
10 “ ‘अपन बेटा के बेटी या अपन बेटी के बेटी संग सारीरिक संबंध झन बनावव; एकर दुवारा तुम्हर अनादर
होही।
11 “ ‘यदि तुम्हर ददा ह आने घरवाली लानथे अऊ ओह बेटी जनमथे, त ओ बेटी संग घलो सारीरिक संबंध
झन बनावव; ओह तुम्हर बहिनी अय।
12 “ ‘अपन फूफू के संग सारीरिक संबंध झन बनावव, काबरकि ओह तुम्हर ददा के नजदीकी रिस्तेदार अय।
13 “ ‘अपन मौसी के संग सारीरिक संबंध झन बनावव, काबरकि ओह तुम्हर दाई के नजदीकी रिस्तेदार अय।
14 “ ‘अपन कका के घरवाली संग सारीरिक संबंध बनाय के दुवारा अपन कका के अनादर झन करव, काबरकि
ओकर घरवाली ह तो तुम्हर काकी अय।
15 “ ‘अपन बेटा के घरवाली संग सारीरिक संबंध झन बनावव, ओह तो तुम्हर बेटा के घरवाली अय। ओकर
संग सारीरिक संबंध झन बनावव।
16 “ ‘अपन भऊजी या भाई-बहू के संग सारीरिक संबंध झन बनावव, एकर दुवारा भाई के अनादर होही।
17 “ ‘कोनो माईलोगन अऊ ओकर बेटी दूनों के संग सारीरिक संबंध झन बनावव। न तो ओ माईलोगन के
बेटा के बेटी, अऊ न ही ओ माईलोगन के बेटी के बेटी संग सारीरिक संबंध बनावव; काबरकि ओमन ओकर
नजदीकी रिस्तेदार अंय। अइसने करई ह दुस्टता अय।
18 “ ‘अपन घरवाली के जीते-जीयत अपन साली ला घलो घरवाली बनाके ओकर संग सारीरिक संबंध झन
बनावव।
19 “ ‘कोनो माईलोगन के मासिक धरम के असुधता के समय, ओकर संग सारीरिक संबंध झन बनावव।
20 “ ‘अपन परोसी के घरवाली के संग सारीरिक संबंध बनाके अपनआप ला अऊ ओला असुध झन करव।
21 “ ‘अपन लइकामन ले कोनो ला भी मोलेक देवता बर बलि झन चघावव, काबरकि एकर ले तुम्हर परमेसर
के नांव अपबितर होही। में यहोवा अंव।
22 “ ‘तुमन कोनो आदमी के संग सारीरिक संबंध झन बनावव, जइसने कि तुमन कोनो माईलोगन के संग
बनाथव। येह घिनौना काम अय।
23 “ ‘कोनो पसु के संग पसुगमन करके अपनआप ला असुध झन करव। कोनो माईलोगन ह कोनो पसु के संग
सारीरिक संबंध बनाय बर अपनआप ला झन देवय; येह अपनआप ला अपबितर करई अय।
24 “ ‘अइसने कोनो घलो काम करके अपनआप ला असुध झन करव, काबरकि अइसने काम करके जऊन जाति
के मनखेमन अपनआप ला असुध करे हवंय, ओ जम्मो जातिमन ला मेंह तुम्हर आघू ले निकालनेवाला हंव।
25 इहां तक कि देस ह असुध हो गीस; एकरसेति मेंह ओला ओकर पाप के सेति दंड दे हंव, जेकर ले ओ देस ह
उहां के रहइयामन ला स्वीकार नइं करिस।
26 पर तुमन मोर बिधि अऊ कानूनमन ला मानव। तुमन म ले कोनो घलो, चाहे ओह कोनो देस म जनमे मनखे
होवय या तुम्हर बीच म रहइया कोनो परदेसी, ये घिनौना काम झन करय,
27 काबरकि जऊन मनखेमन तुम्हर पहिली ये देस म रहत रिहिन, ओमन ये काम करत रिहिन, जेकर ले देस ह
असुध हो गीस।
28 अऊ यदि तुमन देस ला असुध करथव, त येह तुमन ला घलो स्वीकार नइं करही, जइसने येह ओमन ला
स्वीकार नइं करिस, जऊन मन तुम्हर पहिली इहां रिहिन।
29 “ ‘जऊन मनखे ह येमा के कोनो घलो घिनौना काम करथे, ओला अपन मनखेमन के समाज ले निकाल दिये
जावय।
30 एकरसेति मोर हुकूममन ला मानव अऊ कोनो ओ घिनौना रीति-रिवाज ला झन मानव, जऊन ला
मनखेमन तुम्हर आय के पहिली मानत रिहिन अऊ ओमन के संग अपनआप ला असुध झन करव। मेंह यहोवा
तुम्हर परमेसर अंव।’ ”

19

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,

2 “इसरायलीमन के जम्मो सभा ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: ‘पबितर बनव, काबरकि में, यहोवा तुम्हर
परमेसर ह पबितर अंव।
3 “ ‘तुमन म ले हर एक झन अपन दाई अऊ ददा के आदर करव, अऊ तुमन मोर बिसराम दिनमन ला मानव।
मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
4 “ ‘तुमन मूरतीमन कोति झन लहुंटव अऊ अपन बर धातु के देवता झन बनावव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर
अंव।
5 “ ‘जब तुमन यहोवा ला मेल-बलिदान चघावव, त अइसने चघावव कि येह तुम्हर खातिर गरहन करे जावय।
6 जऊन दिन तुमन ओला चघावव, ओही दिन या ओकर दूसर दिन ओला खाय जावय; कोनो चीज तीसर दिन
तक बांच जावय, त ओला आगी म जला दिये जावय।
7 यदि ओमा के कुछू ला तीसर दिन खाय जाथे, त ओह असुध अय अऊ ओला नइं गरहन करे जावय।
8 जऊन कोनो ओला खाथे, ओह दोसी ठहिरही, काबरकि ओह यहोवा के पबितर चीज ला अपबितर करे हवय;
ओला अपन मनखेमन के समाज ले निकाल दिये जावय।
9 “ ‘अपन देस म रहे के बाद, जब तुमन अपन भुइयां के फसल ला लुवव, त अपन खेत के कोना-कोना तक
जम्मो ला झन लुवव या लुवाय फसल के गिरे-परे बालमन ला झन संकेलव।
10 तुमन अपन अंगूर के बारी म दूसर बार अंगूर टोरे बर झन जावव या अंगूर के बारी म झरे अंगूरमन ला
झन संकेलव। ओमन ला गरीब अऊ परदेसीमन बर छोंड़ दव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
11 “ ‘तुमन चोरी झन करव।
“ ‘लबारी झन मारव।
“ ‘एक-दूसर ला धोखा झन देवव।
12 “ ‘मोर नांव म लबारी किरिया झन खावव अऊ ये किसम ले अपन परमेसर के नांव ला अपबितर झन
करव। मेंह यहोवा अंव।
13 “ ‘अपन परोसी ला झन ठगव या ओला झन लूटव।
“ ‘बनिहार के बनी रात भर याने कि बिहनियां तक अपन करा रोकके झन रखव।
14 “ ‘भैंरा मनखे ला सराप झन देवव या अंधरा के आघू म हपटे बर कुछू झन मढ़ावव, पर अपन परमेसर के
भय मानव। मेंह यहोवा अंव।
15 “ ‘नियाय ला झन बिगाड़व। गरीब के संग पखियपात या बड़े मनखे के मुहूं-देखी नियाय झन करव, पर
अपन परोसी के सही-सही नियाय करव।
16 “ ‘अपन मनखेमन के बीच म लबारी बात झन फईलावव।
“ ‘अपन परोसी के हतिया करे के उपाय झन करव।* मेंह यहोवा अंव।
17 “ ‘अपन मन म अपन संगी इसरायली ले घिन झन करव। अपन परोसी ला खुले मन से डांटव, ताकि तुमन
ओमन के अपराध म भागी झन होवव।
18 “ ‘काकरो ले बदला झन लेवव या अपन मनखेमन के बीच म कोनो बर बईरता झन रखव, पर अपन परोसी
ले अपन सहीं मया करव। मेंह यहोवा अंव।
19 “ ‘मोर बिधिमन ला मानव।
“ ‘आने-आने जाति के पसुमन म संबंध झन करावव।
“ ‘अपन खेत म दू किसम के बीजा एक संग झन बोवव।
“ ‘दू किसम के चीज ले बने ओनहा ला झन पहिरव।
20 “ ‘कोनो गुलाम माईलोगन, जेकर मंगनी कोनो मनखे के संग हो गे हवय, पर ओ कुंवारी ला दाम देके नइं
छोंड़ाय गे हवय या ओला सुतंतर नइं करे गे हवय; ओकर संग यदि कोनो मनखे ह सारीरिक संबंध बनाथे, त
ओमन ला दंड† तो दिये जावय, पर ओमन झन मार डारे जावंय, काबरकि ओ कुंवारी ला सुतंतर नइं करे गे
रिहिस।
21 ओ आदमी ह मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म यहोवा करा दोस-बलिदान बर एक ठन मेढ़ा लेके आवय।

* **19:16** अइसने कोनो काम झन करव, जेकर से तुम्हर परोसी के जिनगी खतरा म पड़य † **19:20** या [illegible]

22 पुरोहित ह ओ दोस-बलिदान के मेढ़ा ला यहोवा के आघू म चघाके ओ मनखे के पाप के प्रायस्चित के बिधि
ला पूरा करय, तब ओह जऊन पाप करे हवय, ओह छेमा करे जाही।
23 " 'जब तुमन कनान देस म आवव अऊ उहां कोनो किसम के फर के रूख लगावव, त ओकर फर ला बरजे‡
कस समझव। तीन बछर ले ओ फर ला तुमन बरजीत समझव; ओला झन खावव।
24 चौथा साल ओकर जम्मो फर यहोवा के इस्तुति के बलिदान बर पबितर ठहिरही।
25 तब पांचवां साल तुमन ओकर फर ला खा सकत हव। ये किसम ले तुम्हर फसल म बढ़ोतरी होही। मेंह
यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
26 " 'तुमन कोनो घलो मांस ला लहू के संग झन खावव।
" 'जादू-टोना झन करव या सुभ-असुभ घरी ला झन मानव।
27 " 'अपन मुड़ के किनारे के चुंदी ला झन कटावव या अपन दाढ़ी के तीर के बाल ला झन कतरावव।
28 " 'कोनो मरे मनखे बर अपन देहें ला झन काटव या अपन देहें म गोदना झन गोदावव। मेंह यहोवा अंव।
29 " 'अपन बेटी ला बेस्या बनाय के दुवारा ओकर अपमान झन करव, नइं तो देस ह बेस्या के काम के कारन
बुरई ले भर जाही।
30 " 'मोर बिसराम दिनमन ला मानव अऊ मोर पबितर-स्थान के आदर करव। मेंह यहोवा अंव।
31 " 'बईगामन अऊ भूत-परेत साधोइयामन करा झन जावव, काबरकि तुमन ओमन के दुवारा असुध हो
जाहू। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
32 " 'डोकरामन के आघू म उठके ठाढ़ हो जावव; सियानमन के आदर करव अऊ अपन परमेसर के भय मानव।
मेंह यहोवा अंव।
33 " 'जब कोनो परदेसी तुम्हर देस म तुम्हर संग रहिथे, त ओकर संग गलत बरताव झन करव।
34 जब कोनो परदेसी तुम्हर बीच म रहत हवय, त ओकर संग वइसने बरताव करव, जइसने कि तुमन देसी
मनखे के संग करथव। ओकर ले अपन सहीं मया करव, काबरकि तुमन घलो मिसर देस म परदेसी होके रहेव। मेंह
यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
35 " 'जब तुमन कोनो चीज ला नापथव, तऊलथव या गनथव, त ये काम ला ईमानदारी से करव।
36 लम्बई नापे के सही पैमाना, भार तऊले बर सही तराजू, मात्रा जाने बर सही एपा§ अऊ सही हीन* के
उपयोग करव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले निकालके लानिस।
37 " 'मोर जम्मो बिधि-बिधान अऊ मोर जम्मो कानून ला मानव अऊ ओमन के पालन करव। मेंह यहोवा
अंव।' "

20

[illegible] [illegible] [illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ला कह: 'इसरायल म रहइया कोनो इसरायली या कोनो परदेसी, जऊन ह अपन कोनो
लइका ला, मोलेक देवता ला बलिदान चघाथे, त ओह मार डारे जावय। समाज के मनखेमन ओला पथरवाह
करके मार डारंय।
3 मेंह खुद ओ मनखे के बिरोध म होके ओला ओकर मनखेमन ले मिटा दूहूं; काबरकि मोलेक ला अपन लइका
बलिदान करके, ओह मोर पबितर-स्थान ला असुध अऊ मोर पबितर नांव ला अपबितर करे हवय।
4 कहूं समाज के मनखेमन अपन आंखी मुंद लेथें, जब ओ मनखे ह अपन कोनो लइका मोलेक ला बलिदान
करथे अऊ यदि ओला मार नइं डारंय,
5 त मेंह खुद ओ मनखे अऊ ओकर परिवार के बिरोध म होके ओमन ला ओमन के मनखेमन ले अलग कर दूहूं
अऊ संग म ओ जम्मो झन ला घलो, जऊन मन ओकर संग देके मोलेक के पाछू चले के दुवारा बेस्या सहीं काम
करथें।
6 " 'जऊन मनखे ह बईगा अऊ भूत-परेत साधोइयामन के पाछू चलके बेस्या सहीं काम करथे, ओकर बिरोध
म होके, मेंह ओला ओकर मनखेमन ले अलग कर दूहूं।

‡ **19:23** इबरानी म *[illegible]* § **19:36** एपा ह अनाज नापे के 22 लीटर के साधन अय * **19:36** हीन तरल चीज नापे के साधन अय

7 “ ‘एकरसेति अपनआप ला पबितर काम बर अलग करव अऊ पबितर बनव, काबरकि मेंह यहोवा तुम्हर
परमेसर अंव।
8 मोर बिधि-बिधान ला मानव अऊ ओमन के पालन करव। मेंह यहोवा अंव, जऊन ह तुमन ला पबितर करथे।
9 “ ‘जऊन मनखे अपन ददा या दाई ला सराप देथे, ओह मार डारे जावय। ओह अपन ददा या दाई ला सराप
देय हवय, एकरसेति ओकर लहू के दोस ओकरेच मुड़ म पड़ही।
10 “ ‘कहूं कोनो मनखे कोनो आने मनखे के घरवाली संग—अपन परोसी के घरवाली संग बेभिचार करथे, त ओ
बेभिचारी अऊ बेभिचारिन दूनों झन मार डारे जावंय।
11 “ ‘कहूं कोनो मनखे ह अपन ददा के घरवाली के संग सारीरिक संबंध बनाथे, त ओह अपन ददा के अनादर
करे हवय। ओ मनखे अऊ ओ माईलोगन दूनों झन मार डारे जावंय; ओमन के लहू के दोस ओमन के मुड़ म ही
पड़ही।
12 “ ‘कहूं कोनो मनखे अपन बहुरिया* संग सारीरिक संबंध बनाथे, त ओ दूनों झन मार डारे जावंय। ओमन
असुध काम करे हवंय; ओमन के लहू के दोस ओमन के मुड़ म ही पड़ही।
13 “ ‘कहूं कोनो आदमी ह कोनो आदमी संग सारीरिक संबंध बनाथे, जइसने कि कोनो माईलोगन संग बनाय
जाथे, त ओ दूनों झन घिन काम करे हवंय। ओमन मार डारे जावंय; ओमन के लहू के दोस ओमन के मुड़ म ही
पड़ही।
14 “ ‘कहूं कोनो मनखे ह कोनो माईलोगन अऊ ओकर दाई दूनों ले बिहाव करथे, त येह दुस्ट काम अय। ओ
मनखे अऊ ओ दूनों माईलोगन ला आगी म जला दिये जावय, ताकि तुम्हर बीच म दुस्ट काम झन होवय।
15 “ ‘कहूं कोनो मनखे ह पसु के संग सारीरिक संबंध बनाथे, त ओ मनखे ह मार डारे जावय, अऊ ओ पसु ला
घलो मार डारव।
16 “ ‘कहूं कोनो माईलोगन ह कोनो पसु करा जाके ओकर संग कुकरम करथे, त ओ माईलोगन अऊ ओ पसु
दूनों ला मार डारव। ओमन मार डारे जावंय; ओमन के लहू ह ओमन के मुड़ म ही पड़ही।
17 “ ‘कहूं कोनो मनखे ह अपन बहिनी ले बिहाव करथे—चाहे ओह ओकर ददा के बेटी होवय या ओकर दाई के
बेटी, अऊ ओकर संग सारीरिक संबंध बनाथे, त येह एक कलंक ए। ओ दूनों झन ला खुलेआम ओमन के
मनखेमन ले अलग करे जावय। ओह अपन बहिनी के अनादर करे हवय अऊ ओह दोसी ठहिरही।
18 “ ‘कहूं कोनो मनखे ह कोनो माईलोगन के मासिक धरम के समय ओकर संग सारीरिक संबंध बनाथे, त ओह
ओ माईलोगन के लहू बहई ला उघारे हवय, अऊ ओ माईलोगन घलो अपन लहू बहई ला उघारे हवय।
एकरसेति ओ दूनों झन अपन मनखेमन ले अलग करे जावंय।
19 “ ‘अपन मौसी या फूफू के संग सारीरिक संबंध झन बनाववव, काबरकि ओह एक नजदीकी रिस्तेदार के
अनादर होही; अऊ ओ दूनों दोसी ठहिरहीं।
20 “ ‘कहूं कोनो मनखे अपन काकी के संग सारीरिक संबंध बनाथे, त ओह अपन कका के अनादर करथे। ओमन
दोसी ठहिरहीं; ओमन बिगर संतान के मर जाहीं।
21 “ ‘कहूं कोनो मनखे अपन भाई के घरवाली ले बिहाव करथे, त येह एक असुधता के काम अय; ओह अपन
भाई के अनादर करे हवय। ओमन के कोनो संतान नइं होवय।
22 “ ‘मोर जम्मो बिधि अऊ हुकूममन ला मानव अऊ ओमन के पालन करव, ताकि जऊन देस म मेंह तुमन
ला रहे बर लावत हंव, उहां ले तुमन अलग झन करे जाववव।
23 तुमन ओ जाति के मनखेमन के रीति-रिवाज के मुताबिक झन चलहू, जेला मेंह तुम्हर आघू ले
निकालनेवाला हंव। काबरकि ओमन ये जम्मो काम करे हवंय, एकरसेति मेंह ओमन ले घिन करथंव।
24 पर मेंह तुमन ला कहे हंव, “ओमन के देस ह तुम्हर अधिकार म होही; मेंह ये देस, जेमा दूध अऊ मंधरस
बहुंतायत म हवय,† तुम्हर अधिकार म दे दूहूं।” मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुमन ला आने देस के
मनखेमन ले अलग करे हवय।

---

* **20:12** बेटा के घरवाली † **20:24** बहुंत उपजाऊ भुइयां

25 " 'एकरसेति तुमन सुध अऊ असुध पसु म, अऊ सुध अऊ असुध चिरईमन म भेद करव। तुमन कोनो
अइसने पसु या चिरई या भुइयां म रेंगइया जीव के दुवारा अपनआप ला असुध झन करव, जऊन मन ला मेंह
तुम्हर बर असुध ठहिराके अलग करे हंव।
26 तुमन मोर बर पबितर बने रहव, काबरकि में यहोवा ह पबितर अंव, अऊ मेंह तुमन ला आने देस के
मनखेमन ले अलग करे हंव कि तुमन मोर बने रहव।
27 " 'कोनो आदमी या माईलोगन, जऊन ह तुम्हर बीच म बईगा या भूत-परेत साधे के काम करथे, ओह मार
डारे जावय। तुमन ओला पथरवाह करके मार डारव; ओकर लहू के दोस ओकरेच मुड़ म ही पड़ही।' "

21

[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस, "हारून के बेटा, जऊन मन पुरोहित अंय, ओमन ला कह: 'कहूं तुम्हर
मनखेमन ले कोनो मर जावय, त ओकर कारन पुरोहित ह अपनआप ला असुध झन करय;
2 सिरिप अपन नजदीकी रिस्तेदार, याने कि अपन दाई या ददा, अपन बेटा या बेटी, अपन भाई,
3 या अपन कुंवारी बहिनी, जऊन ह ओकर भरोसा म हवय काबरकि ओकर घरवाला नइं ए—येमन के मरे म
ओह अपनआप ला असुध कर सकत हे।
4 जऊन मनखेमन बिहाव के कारन ओकर रिस्तेदार अंय, ओमन बर ओह अपनआप ला असुध झन करय अऊ
ये किसम ले अपबितर झन होवय।
5 " 'पुरोहितमन अपन मुड़ झन मुड़ावंय या दाढ़ी के तीर ला झन कतरावंय या अपन देहें ला झन
चिरंय-फारंय।
6 ओमन अपन परमेसर बर पबितर बने रहंय अऊ अपन परमेसर के नांव ला अपबितर झन करंय। काबरकि
ओमन यहोवा बर जेवन-बलिदान याने कि अपन परमेसर बर जेवन चघाथें; एकरसेति ओमन पबितर बने रहंय।
7 " 'ओमन अइसने माईलोगन से बिहाव झन करंय, जऊन ह बेस्या के काम करके असुध हो गे हवय या
ओमन अइसने कोनो माईलोगन ले बिहाव झन करंय, जऊन ला ओकर घरवाला ह तलाक दे देय हवय, काबरकि
पुरोहितमन अपन परमेसर बर पबितर अंय।
8 ओमन ला पबितर जानव, काबरकि ओमन तुम्हर परमेसर ला जेवन चघाथें। ओमन ला पबितर समझव,
काबरकि में यहोवा ह पबितर अंव—में जऊन ह तुमन ला पबितर करथंव।
9 " 'कहूं कोनो पुरोहित के बेटी ह बेस्या बनके अपनआप ला अपबितर करथे, त ओह अपन ददा ऊपर कलंक
लगाथे; ओला आगी म जलाय जावय।
10 " 'अपन भाईमन म जऊन ह महा पुरोहित होवय, जेकर मुड़ म अभिसेक के तेल रितोय गे हवय अऊ
जऊन ला पुरोहित के ओनहा पहिरे बर अभिसेक करे गे हवय, ओह अपन मुड़ के चुंदी ला झन छरियावय या
ओह अपन ओनहा ला झन चीरय।
11 ओह ओ जगह म झन जावय, जिहां लास रखे हवय। इहां तक कि ओह अपन ददा या दाई बर घलो
अपनआप ला असुध झन करय;
12 ओह अपन परमेसर के पबितर-स्थान ला झन छोंड़य या येला अपबितर झन करय, काबरकि ओह अपन
परमेसर के अभिसेक के तेल दुवारा अलग करे गे हवय। मेंह यहोवा अंव।
13 " 'ओह कुंवारी ले ही बिहाव करय।
14 ओह कोनो बिधवा, कोनो तलाकसुदा माईलोगन, या बेस्या काम ले अपबितर होय माईलोगन ले बिहाव
झन करय, पर अपन मनखेमन ले सिरिप कोनो कुंवारी ले बिहाव करय,
15 ताकि ओकर लइका ह ओकर मनखेमन के बीच म असुध झन होवय। में यहोवा अंव, जऊन ह ओला
पबितर बनाथंव।' "
16 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
17 "हारून ला ये कह: 'तोर बंस के पीढ़ी-पीढ़ी म कहूं कोनो मनखे म कोनो सारीरिक दोस होवय, त ओह अपन
परमेसर ला बलिदान चघाय बर लकठा म झन आवय।
18 कोनो घलो मनखे, जेमा दोस हवय, ओह लकठा म झन आवय: चाहे ओह अंधरा या खोरवा, बिगड़े चेहरा,
या खराप अंग वाला होवय,

19 या ओह गोड़ या हांथ ले लूलवा होवय,
20 या कुबड़ा या बवना, या जेकर आंखी म कोनो दोस होवय, या जेकर घाव ह पक गे हवय या घाव ले पीब
निकलत हवय या जेकर अंडकोस ह पिचके होवय।
21 हारून पुरोहित के बंस म ले कोनो घलो, जेकर म कोनो सारीरिक दोस हवय, ओह यहोवा ला
जेवन-बलिदान चघाय बर लकठा म झन आवय; काबरकि ओमा दोस हवय, ओह अपन परमेसर के जेवन चघाय
बर लकठा म झन आवय।
22 ओह अपन परमेसर के महा पबितर जेवन अऊ संग म पबितर जेवन ला खा सकत हे।
23 पर ओमा सारीरिक दोस होय के कारन, ओह परदा के लकठा म या बेदी करा झन जावय, नइं तो मोर
पबितर-स्थान ह अपबितर हो जाही। में यहोवा अंव, जऊन ह ओमन ला पबितर बनाथंव।' "
24 ये किसम ले मूसा ह ये बात हारून अऊ ओकर बेटामन ला अऊ जम्मो इसरायलीमन ला बताईस।

22

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "हारून अऊ ओकर बेटामन ला कह कि ओमन ओ पबितर बलिदानमन के संग आदर के बरताव करंय, जऊन
ला इसरायलीमन मोला अरपन करथें, ताकि ओमन मोर पबितर नांव ला अपबितर झन करंय। मेंह यहोवा अंव।
3 "ओमन ला कह: 'तुम्हर अवइया पीढ़ीमन म, कहूं तुम्हर बंस के कोनो मनखे असुध हवय अऊ तभो ले ओह
ओ पबितर बलिदान के लकठा म आथे, जऊन ला इसरायलीमन यहोवा बर अरपन करथें, त ओ मनखे ला मोर
आघू ले अलग करे जावय। मेंह यहोवा अंव।
4 " 'यदि हारून के बंस म ले कोनो ला असुध चमड़ी के बेमारी या धात के रोग हवय, त ओह जब तक सुध नइं
हो जावय, तब तक ओह पबितर बलिदान के चीजमन ला झन खावय। ओह तब घलो असुध होही यदि ओह
कोनो अइसने चीज ला छूथे, जऊन ह लास के दुवारा या बीर्य निकले मनखे के दुवारा असुध हो गे हवय,
5 या कहूं ओह कोनो रेंगइया जीव ला छूथे, जऊन ह ओला असुध करथे, या कोनो मनखे जऊन ह ओला
असुध करथे, चाहे ओह कोनो घलो किसम के असुधता होवय।
6 जऊन मनखे अइसने कोनो चीज ला छूथे, ओह संझा के होवत तक असुध रहिही। ओह तब तक पबितर
बलिदान के कोनो चीज ला झन खावय, जब तक ओह पानी ले नइं नहा लेवय।
7 बेर बुड़े के बाद, ओह सुध हो जाही, अऊ एकर बाद ओह पबितर बलिदान म ले खा सकत हे, काबरकि येह
ओकर जेवन अय।
8 ओह अपनआप मरे या जंगली पसु के दुवारा चिरे-फारे कोनो पसु ला झन खावय, नइं तो ओह असुध हो
जाही। मेंह यहोवा अंव।
9 " 'पुरोहितमन मोर ये किसम ले सेवा करंय कि ओमन दोसी झन ठहिरंय, नइं तो अनादर करे के कारन मर
जाहीं। मेंह यहोवा अंव, जऊन ह ओमन ला पबितर करथंव।
10 " 'पुरोहित के परिवार के छोंड़ कोनो आने मनखे पबितर बलिदान ला झन खावय, चाहे ओह पुरोहित के
पहुना होवय या ओकर बनिहार, ओह कोनो पबितर चीज ला झन खावय।
11 पर कोनो पुरोहित ह कोनो गुलाम ला पईसा देके बिसा लेथे या कोनो गुलाम ह पुरोहित के घर म जनमे
हवय, त ओ गुलाम ह ओमा ले खा सकत हे।
12 कहूं कोनो पुरोहित के बेटी ह अइसने मनखे ले बिहाव करथे, जऊन ह पुरोहित नो हय, त पुरोहित के ओ
बेटी ह पबितर बलिदान के कोनो चीज ला झन खावय।
13 पर कहूं कोनो पुरोहित के बेटी ह बिधवा हो जाथे या ओला ओकर घरवाला छोंड़ देथे अऊ ओकर
लोग-लइका नइं रहंय अऊ ओह अपन जवानी के दिन म अपन ददा के घर म फेर आके रहिथे, त ओह अपन
ददा के जेवन ला खा सकत हे, पर कोनो आने मनखे ओमा ले झन खावय।
14 " 'कहूं कोनो मनखे अनजाने म पबितर बलिदान के चीज ला खा लेथे, त ओह ओ बलिदान के कीमत संग
ओकर पांचवां भाग बढ़ाके पुरोहित ला भरपई कर देवय।
15 इसरायलीमन जऊन पबितर बलिदान यहोवा ला चघाथें, ओला पुरोहितमन इसरायलीमन ला खाय के
अनुमति देके अपबितर झन करंय,

16 नइं तो ओमन दोसी ठहिरहीं अऊ ओमन ला दाम चुकाना पड़ही। मेंह यहोवा अंव, जऊन ह ओमन ला
पबितर करथंव।' "

??????? ??? ?? ???? ??? ??? ????

17 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
18 "हारून अऊ ओकर बेटामन ला अऊ जम्मो इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: 'तुमन म ले
कोनो—चाहे इसरायली होवय या इसरायल म रहइया कोनो परदेसी—यदि ओह यहोवा ला होम-बलिदान के
भेंट चघाथे, चाहे ओह बदना के होवय या स्वेच्छा-बलिदान के होवय,
19 त ओह पसु, भेड़ या बोकरा म ले निरदोस नर पसु होवय, ताकि येह तुम्हर कोति ले गरहन करे जावय।
20 जऊन पसु म कोनो दोस होवय, ओला झन लानव, काबरकि ओह तुम्हर कोति ले गरहन नइं करे जावय।
21 जब कोनो अपन बिसेस बदना या स्वेच्छा-बलिदान ला पूरा करे बर गाय-बईला या भेड़-बकरी म ले कोनो
पसु ला यहोवा करा मेल-बलिदान चघाय बर लानथे, त गरहन करे बर जरूरी अय कि ओ पसु ह बिगर दोस के
होवय।
22 जऊन पसु ह अंधरा या चोट खाय या अपंग होवय, या जेमा गांठ, या पके या बहत घाव होवय, अइसने
पसु ला यहोवा बर बलि झन चघावव। अइसने कोनो पसु ला यहोवा बर जेवन-बलिदान के रूप म बेदी ऊपर
झन रखव।
23 तुमन कोनो कुरूप बईला या भेड़ ला अपन स्वेच्छा-बलिदान के रूप म चघा सकत हव, पर येह बदना पूरा
होय के बलिदान के रूप म गरहन नइं होवय।
24 जऊन पसु के अंडकोस ह चोट खाय, कुचराय, फटे या कटे हवय, ओला तुमन यहोवा बर झन चघावव।
तुमन अपन देस म अइसन बलिदान के काम झन करव,
25 अऊ तुमन न तो अइसने पसु ला कोनो परदेसी के हांथ ले लेवव अऊ न ही ओला अपन परमेसर के जेवन
के रूप म चघावव। ओह तुम्हर बर गरहन नइं होवय, काबरकि ओह कुरूप हे अऊ ओमा दोस हवय।' "
26 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
27 "जब कोनो बछवा, मेढ़ा-पीला या छेरी-पीला के जनम होवय, त ओह सात दिन तक अपन दाई के संग म
रहय। आठवां दिन ले, ओह यहोवा बर जेवन-बलिदान के रूप म गरहन करे जावय।
28 चाहे गाय होवय या भेड़, ओला अऊ ओकर पीला ला एक ही दिन म झन मारव।
29 "जब तुमन यहोवा ला धनबाद-बलिदान चघाथव, त ये किसम ले चघावव कि ओह तुम्हर कोति ले गरहन
करे जावय।
30 ओला ओहीच दिन खाय जावय; ओमा के कोनो चीज बिहान होवत तक झन बांचय। मेंह यहोवा अंव।
31 "मोर हुकूममन ला मानव अऊ ओमन के पालन करव। मेंह यहोवा अंव।
32 मोर पबितर नांव ला अपबितर झन करहू, काबरकि जरूरी अय कि मेंह इसरायलीमन के दुवारा पबितर
माने जावंव। मेंह यहोवा अंव, जऊन ह तुमन ला पबितर करिस,
33 अऊ जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले निकालके लानिस ताकि तुम्हर परमेसर होवय। मेंह यहोवा अंव।"

23

??????? ?? ????????

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: 'येमन मोर ठहिराय तिहार, यहोवा के ठहिराय तिहार अंय,
जेकर तुमन पबितर सभा के रूप म घोसना करव।

??????? ???

3 " 'हर हप्ता छै दिन बुता करे जावय, पर सातवां दिन एक बिसराम के दिन, एक पबितर सभा के दिन अय।
जिहां घलो रहव, तुमन ओ दिन कोनो घलो किसम के बुता-काम झन करव; येह यहोवा बर बिसराम के दिन अय।

??? ?? ??????? ???? ?? ?????

4 " 'येमन यहोवा के ठहिराय तिहार, पबितर सभा अंय, जेकर तुमन ओमन के ठहिराय समय म घोसना करव:
5 हर साल पहिली महिना के चौदहवां दिन के बेर बुड़े के बाद यहोवा के फसह तिहार सुरू होथे।

6 ओहीच महिना के पंदरहवां दिन यहोवा के अखमीरी रोटी के तिहार सुरू होथे; सात दिन तक तुमन बिगर
खमीर के बने रोटी खावव।
7 ये तिहार के पहिली दिन तुमन एक पबितर सभा करव, अऊ ओ दिन तुमन रोजमर्रा के काम झन करव।
8 पर सातों दिन तुमन यहोवा ला जेवन-बलिदान चघावव। अऊ सातवां दिन एक पबितर सभा करव अऊ ओ
दिन रोजमर्रा के काम झन करव।' "

[illegible]

9 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
10 "इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: 'जब तुमन ओ देस म जावव, जऊन ला मेंह तुमन ला
देवइया हंव अऊ उहां जब फसल काटव, त लुए गय पहिली-फसल के एक करपा तुमन पुरोहित करा लानव।
11 पुरोहित ह ओ करपा ला यहोवा के आघू म हलावय कि ओह तुम्हर बर गरहन करे जावय; पुरोहित ह
ओला बिसराम दिन के दूसर दिन हलावय।
12 जऊन दिन तुमन ओ करपा ला हलावव, ओ दिन एक बछुर के निरदोस मेढ़ा-पीला ला तुमन यहोवा ला
होम-बलिदान के रूप म चघावव,
13 अऊ ओकर संग म जैतून तेल म सनाय बहुंत बढ़िया पीसान के एक एपा के दू-दसवां भाग* अन्न-बलिदान
के रूप म यहोवा ला चघावव; येह यहोवा बर सुख-देवइया सुगंधवाला एक जेवन-बलिदान होही, अऊ एकर
संग म एक हीन के चौथा भाग† अंगूर के मंद पेय-बलिदान के रूप म चघावव।
14 जब तक तुमन अपन परमेसर करा ये बलिदान नइं ले जावव, ओ दिन तक तुमन कोनो रोटी, या भुने या
नवां अन्न झन खावव। तुमन जिहां घलो रहव, येह तुम्हर पीढ़ी-पीढ़ी तक हमेसा के बिधि ठहिरय।

[illegible]

15 " 'बिसराम दिन के दूसर दिन, याने कि जऊन दिन तुमन हलाय-बलिदान के करपा ला लानेव, ओ दिन ले
लेके पूरा सात हप्ता गन लेवव।
16 सातवां बिसराम दिन के दूसर दिन तक याने पचास दिन गनव, अऊ ओ पचासवां दिन यहोवा ला नवां अन्न
के बलिदान चघावव।
17 तुमन जिहां घलो रहव, बहुंत बढ़िया पीसान के एपा के दू-दसवां भाग ले बने दू ठन रोटी लानव, जऊन म
खमीर मिले रहय अऊ येला पहिली-फसल के हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा ला चघावव।
18 अऊ ओ रोटी के संग एक-एक बछुर के सात ठन निरदोस मेढ़ा-पीला, एक ठन जवान बछुवा अऊ दू ठन
मेढ़ा चघावव। येमन यहोवा बर ओमन के अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के संग एक होम-बलिदान होहीं
अऊ येह यहोवा बर महकत सुख-देवइया एक जेवन-बलिदान होही।
19 तब तुमन पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा अऊ मेल-बलिदान बर एक-एक बछुर के दू ठन मेढ़ा-पीला
चघावव।
20 पुरोहित ह पहिली-फसल के रोटी संग, ओ दूनों मेढ़ा-पीला ला हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा के आघू
म हलावय। ओमन यहोवा बर पबितर बलिदान अऊ पुरोहित के बांटा अंय।
21 ओहीच दिन तुमन एक पबितर सभा के हांका परवाव अऊ कोनो रोजमर्रा के काम झन करव। तुमन जिहां
घलो रहव, येह तुम्हर पीढ़ी-पीढ़ी तक हमेसा के बिधि ठहिरय।
22 " 'जब तुमन अपन भुइयां के फसल लुवव, त अपन खेत के एकदम तीर के फसल ला झन लुवव अऊ गिरे
बालमन ला झन संकेलव। ओमन ला गरीब अऊ तुम्हर बीच म रहइया परदेसीमन बर छोंड़ दव। मेंह यहोवा
तुम्हर परमेसर अंव।' "

[illegible]

23 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
24 "इसरायलीमन ला कह: 'हर साल सातवां महिना के पहिली दिन तुम्हर बर बिसराम दिन होवय, अऊ ओ
दिन पबितर सभा जूरय अऊ तुरही बजाके आनंद मनावय।
25 ओ दिन रोजमर्रा के काम झन करव, पर यहोवा बर एक जेवन-बलिदान चघावव।' "

[illegible]

* **23:13** लगभग 3.2 किलोग्राम; पद 17 म घलो † **23:13** लगभग 1 लीटर

26 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
27 “ओ सातवां महिना के दसवां दिन ह प्रायस्चित के दिन अय। ओ दिन पबितर सभा करे जावय अऊ
अपनआप के इनकार करव‡ अऊ यहोवा ला जेवन-बलिदान चघावव।
28 ओ दिन तुमन कोनो काम-बुता झन करव, काबरकि ओह प्रायस्चित के दिन अय, अऊ यहोवा तुम्हर
परमेसर के आघू म तुम्हर बर प्रायस्चित करे जाही।
29 ओ दिन जऊन मन अपनआप के इनकार नइं करंय, ओमन अपन मनखेमन के समाज ले अलग करे जावंय।
30 जऊन मनखे ह ओ दिन कोनो किसम के काम-बुता करथे, ओला मेंह ओकर मनखेमन के बीच ले नास कर
दूहूं।
31 तुमन कोनो घलो किसम के काम झन करहू। तुमन जिहां घलो रहव, येह पीढ़ी-पीढ़ी तक तुम्हर बर हमेसा
के बिधि होवय।
32 येह तुम्हर बर बिसराम दिन अय, अऊ तुमन अपनआप के इनकार करव। ओ महिना के नौवां दिन के संझा
ले लेके दूसर दिन के संझा तक तुमन अपन बिसराम दिन माने करव।”

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

33 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
34 “इसरायलीमन ला कह: ‘सातवां महिना के पंदरहवां दिन यहोवा के पबितर-तम्बूमन के तिहार सुरू होथे
अऊ येह सात दिन तक चलथे।
35 पहिली दिन पबितर सभा होवय; ओ दिन कोनो काम झन करव।
36 ये सातों दिन यहोवा ला जेवन-बलिदान चघावव, अऊ आठवां दिन तुमन पबितर सभा करव अऊ यहोवा
ला जेवन-बलिदान चघावव। येह तिहार खतम करे के बिसेस सभा अय; ओ दिन रोजमर्रा के काम झन करव।
37 (“ ‘येमन यहोवा के ठहिराय तिहारमन अंय, जेमन ला तुमन पबितर सभा के रूप म घोसना करव ताकि
यहोवा बर जेवन-बलिदान—याने कि होम-बलिदान अऊ अन्न-बलिदान, चढ़ावा अऊ पेय-बलिदान हर दिन के
जरूरत के मुताबिक लाय जावय।
38 ये बलिदानमन ओ बलिदानमन के अलावा होहीं, जऊन ला तुमन यहोवा के बिसराम दिन अऊ तुम्हर भेंट
अऊ तुम्हर बदना अऊ स्वेच्छा-बलिदान के रूप म यहोवा ला चघाहू।)
39 “ ‘जब तुमन भुइयां के ऊपज ला संकेल डारव, तब सातवां महिना के पंदरहवां दिन ले सुरू करके सात दिन
तक यहोवा के तिहार मनावव; पहिला दिन ह बिसराम दिन अय, अऊ आठवां दिन घलो बिसराम दिन अय।
40 पहिला दिन तुमन घना रूख के डारामन ला याने कि खजूर, सरई अऊ आने पानवाला रूख के डारामन ला
लेके यहोवा तुम्हर परमेसर के आघू म सात दिन तक आनंद मनावव।
41 तुमन येला हर साल सात दिन तक यहोवा बर तिहार के रूप म मनाय करव। येह तुम्हर पीढ़ी-पीढ़ी तक
हमेसा के बिधि होवय; हर साल सातवां महिना म ये तिहार ला मनावव।
42 सात दिन तक तुमन कुंदरा म रहव: जम्मो देस म जनमे इसरायलीमन अइसने कुंदरा म रहंय,
43 ताकि तुम्हर बंस के मनखेमन जान सकंय कि जब मेंह इसरायलीमन ला मिसर देस ले निकालके लानत
रहेंव, त ओमन ला मेंह कुंदरामन म रखे रहेंव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।’ ”
44 ये किसम ले, मूसा ह इसरायलीमन ला यहोवा के ठहिराय तिहारमन ला बताईस।

24

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 “इसरायलीमन ला हुकूम दे कि ओमन अंजोर करे बर जैतून के पेरके निकाले सुध तेल लानंय ताकि दीयामन
हरदम बरत रहंय।
3 परदा के बाहिर जऊन ह मिलापवाला तम्बू म करार कानून के सन्दूक ला ओधा करथे, उहां हारून ह यहोवा
के आघू म संझा ले बिहान होवत तक लगातार दीयामन के देखरेख करय। येह पीढ़ी-पीढ़ी तक हमेसा के बिधि
होवय।

‡ **23:27** या [illegible] [illegible]

4 ओ दीया जऊन मन सुध सोन के दीवट म यहोवा के आघू म हवंय, ओमन के लगातार देखरेख करे जावय।
5 “बहुंत बढ़िया पीसान के बारह ठन रोटी सेंकके बनावव अऊ हर एक रोटी ह एपा के दू-दसवां भाग* म
बनाय जावय।
6 तुमन ओमन ला सुध सोन के मेज ऊपर दू जगह म, याने एक-एक जगह म छै-छै ठन करके यहोवा के आघू
म रख देवव।
7 दूनों जगह म सुध धूप रखव, कि ओह रोटी के सेति सुरता-देवइया हिस्सा अऊ यहोवा बर जेवन-बलिदान
होवय।
8 ये रोटी ला हमेसा के करार के रूप म इसरायलीमन कोति ले हर बिसराम के दिन लगातार यहोवा के आघू म
रखे जावय।
9 ये रोटी ह हारून अऊ ओकर बेटामन के अय अऊ ओमन येला पबितर-स्थान के छेत्र म खावंय, काबरकि
येह यहोवा ला चघाय जेवन-बलिदान के ओमन के हमेसा के महा पबितर भाग अय।”

[illegible]

10 एक इसरायली माईलोगन के बेटा, जेकर ददा ह मिसरी रिहिस, इसरायली मनखेमन के बीच म चल दीस,
अऊ डेरा म इसरायली माईलोगन के ओ बेटा अऊ एक इसरायली के बीच झगरा हो गीस।
11 ओ इसरायली माईलोगन के बेटा ह सराप देके यहोवा के नांव के निन्दा करे लगिस। एकरसेति ओला
मनखेमन मूसा करा ले गीन। (ओकर दाई के नांव सलोमीत रिहिस, जऊन ह दान के गोत्र के दिबरी के बेटी
रिहिस।)
12 मनखेमन ओकर बारे म यहोवा के ईछा के पता चलत तक ओला हवालात म रखिन।
13 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
14 “ओ निन्दा करइया ला डेरा के बाहिर ले जा। अऊ जतेक झन ओला सराप देवत सुने हवंय, ओमन अपन
हांथ ओकर मुड़ म रखंय, अऊ जम्मो सभा के मनखेमन ओला पथरवाह करंय।
15 तेंह इसरायलीमन ला कह: ‘जऊन कोनो अपन परमेसर ला सराप देथे, ओह दोसी ठहिराय जाही;
16 जऊन कोनो यहोवा के नांव के निन्दा करथे, ओह मार डारे जावय। जम्मो सभा के मनखेमन ओला पथरा
फेंक-फेंकके मारंय। चाहे कोनो परदेसी होवय या देसी मनखे होवय, जब कोनो घलो मनखे परमेसर के नांव के
निन्दा करथे, त ओह मार डारे जावय।
17 “ ‘जऊन मनखे कोनो आने मनखे के परान ले लेथे, त ओह मार डारे जावय।
18 जऊन मनखे कोनो आने मनखे के पसु के परान ले लेथे, त ओह ओकर भरपई दूसर पसु देके करय।
19 जब कोनो मनखे ह अपन परोसी के देहें ला चोट पहुंचाथे, त ओला घलो ओही किसम ले चोट पहुंचाय
जावय:
20 हाड़ा टोरई के बलदा हाड़ा टोरई, आंखी के बलदा आंखी, दांत के बलदा दांत। जऊन मनखे ह जइसने चोट
कोनो आने मनखे ला देय हवय, ओला घलो वइसनेच चोट पहुंचाय जावय।
21 कोनो मनखे ह कोनो पसु ला मार डारथे, त ओ मनखे ह ओकर भरपई जरूर करय, पर जऊन मनखे ह कोनो
आने मनखे ला मार डारथे, त ओला घलो मार डारे जावय।
22 चाहे परदेसी होवय या देसी मनखे, जम्मो बर तुम्हर ओहीच कानून होवय। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर
अंव।’ ”
23 तब मूसा ह इसरायलीमन ले बात करिस, अऊ ओमन ओ निन्दा करइया ला डेरा के बाहिर ले गीन अऊ
ओला पथरवाह करिन। इसरायलीमन वइसनेच करिन, जइसने यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।

25

[illegible]

1 यहोवा ह सीनय परबत ऊपर मूसा ला कहिस,
2 “इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: ‘जब तुमन ओ देस म जावव, जऊन ला मेंह तुमन ला
देवइया हंव, त ओ देस ह खुद यहोवा बर एक बिसराम बछर ला मानय।
3 तुमन छै बछर ले अपन खेत ला बोवव, अऊ छै बछर ले अपन अंगूर के बारी के नारमन ला छांटव अऊ
ओमन के फर ला संकेलव,

* **24:5** लगभग 3.2 किलोग्राम

4 पर सातवां बछर ह भुइयां बर बिसराम के बछर होवय; येह यहोवा के नांव म बिसराम के बछर अय। ये
साल न तो अपन खेत ला बोवव, अऊ न ही अपन अंगूर के बारी के नारमन ला छांटव।
5 खेत म जऊन कुछू अपनआप बाढ़थे, ओला झन लुवव या परिया छोंड़े गे अंगूर के नारमन के फर ला झन
संकेलव। भुइयां ला एक बछर के बिसराम मिलय।
6 बिसराम बछर के समय भुइयां म जऊन घलो ऊपज अपनआप होथे, ओह तुम्हर बर जेवन होही—तुम्हर,
तुम्हर सेवक या सेविका, बनिहार अऊ तुम्हर बीच म कुछू समय तक रहइया मनखेमन बर जेवन होही,
7 अऊ ओह तुम्हर पसु अऊ तुम्हर देस के जंगली पसुमन के घलो जेवन होही। भुइयां म जऊन घलो ऊपज
अपनआप होथे, ओला खाय जा सकत हे।

?????? ?? ???

8 “ ‘तुमन सात बिसराम बछर गनव—सात बछर के सात गुना—ताकि उनचास बछर म सात बिसराम बछर
होवय।
9 तब तुमन पचासवां साल के सातवां महिना के दसवां दिन याने प्रायस्चित के दिन अपन पूरा देस म तुरही
फुंकवाव।
10 ओ पचासवां बछर ला पबितर मानव अऊ देस म रहइया जम्मो झन के छुटकारा के घोसना करव। येह
तुम्हर बर जुबली बछर होही; तुमन म ले हर एक झन अपन परिवारिक संपत्ति अऊ अपन खुद के कुल म
लहुंटय।
11 तुम्हर बर ये पचासवां बछर ह जुबली बछर होवय; तुमन न तो बोवव, अऊ न ही अपनआप जामे फसल
ला लुवव, अऊ न ही बिगर छांटे अंगूर के नार म फरे फर ला टोरव।
12 काबरकि येह जुबली बछर अय अऊ येह तुम्हर बर पबितर होवय। जऊन ऊपज तुम्हर करा सीधा खेत ले
लाय जाथे, सिरिप ओला खावव।
13 “ ‘ये जुबली बछर म हर एक मनखे अपन खुद के भुइयां म लहुंटय।
14 “ ‘कहूं तुमन अपन कोनो मनखे ला भुइयां बेचथव या ओकर ले भुइयां बिसाथव, त एक-दूसर ले फायदा
झन लेवव।
15 जुबली बछर के बाद, जतका बछर बीत गे होवय, ओकर गनती के आधार म तुमन अपन मनखेमन ले
भुइयां बिसावव। अऊ ओमन फसल लुए बर बांचे बछर के गनती के आधार म अपन भुइयां ला तुम्हर करा
बेचंय।
16 जतका जादा बछर बांचे रहय, ओतका जादा दाम बढ़ावव, अऊ जतका कम बछर बांचे रहय, ओतका ही
दाम घटावव, काबरकि सही म जऊन चीज ह बेचे जावत हे, ओह बछर के हिसाब से ओकर फसल अय।
17 एक-दूसर ले फायदा झन लेवव, पर अपन परमेसर के भय मानव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
18 “ ‘मोर बिधिमन ला मानव अऊ धियान देके मोर कानूनमन के पालन करव, त तुमन निडर होके देस म बसे
रहिहू।
19 तब भुइयां ह अपन फसल उपजाही, अऊ तुमन पेट भर खाहू अऊ उहां निडर बसे रहिहू।
20 तुमन पुछ सकत हव, “यदि सातवां बछर म, हमन नइं बोवन या अपन फसल ला नइं लुवन, त ओ बछर
म, हमन का ला खाबो?”
21 मेंह छठवां बछर म अइसने आसीस दूहूं कि भुइयां ह ओ साल तीन बछर के बरोबर फसल दीही।
22 जब तुमन आठवां बछर म बोवई करव, त जुन्ना फसल* म ले तब तक खावत रहव, जब तक कि नौवां
बछर के फसल के लुवई नइं हो जावय।
23 “ ‘भुइयां ला सब दिन बर झन बेचव, काबरकि भुइयां ह मोर अय अऊ तुमन मोर भुइयां म परदेसी अऊ
अजनबी के सहीं रहिथव।
24 ओ जम्मो भुइयां, जऊन ह तुम्हर अधिकार म हवय, ओकर छुटकारा के परबंध जरूर करव।
25 “ ‘कहूं तुम्हर कोनो संगी इसरायली गरीब हो जावय अऊ अपन कुछू संपत्ति ला बेचय, त ओकर सबले
नजदीकी रिस्तेदार ह आवय अऊ ओ बेचे गय चीज ला छोंड़ावय।

* **25:22** छठवां बछर के फसल

26 कहूं ओकर बर छुड़ानेवाला कोनो नइं ए, पर बाद म, जब ओह खुद धनवान हो जाथे अऊ ओकर करा ओला
छोंड़ाय बर धन हो जाथे,
27 त ओह ओ संपत्ति के बेचे जाय के पाछू के बछर के हिसाब से दाम तय करय अऊ ओ दाम बेचे गय मनखे
ला वापिस कर देवय; ओह तब फेर अपन संपत्ति म काबिज हो सकथे।
28 पर कहूं ओकर करा अतका पूंजी नइं ए कि ओह फेर अपन संपत्ति ला बिसा सकय, त फेर ओ संपत्ति ह
बिसइया के ही अधिकार म जुबली बछर तक रहिही। ओ संपत्ति ला जुबली बछर म वापिस करे जाही, अऊ तब
ओह अपन संपत्ति म अधिकार कर सकत हे।
29 " 'कोनो मनखे दीवारवाले सहर म घर बेचथे, त बेचे जाय के पाछू एक बछर तक ओकर करा छोंड़ाय के
अधिकार रहिथे। ओ एक साल म बेचइया ह अपन घर ला छोंड़ा सकत हे।
30 कहूं ओ एक बछर के पूरा होवत तक ओ घर ला छोंड़ाय नइं जावय, त दीवारवाले सहर के ओ घर ह सब
दिन बर बिसइया अऊ ओकर संतानमन के हो जाही। येला जुबली बछर म झन वापिस करे जावय।
31 पर बिगर दीवार के गांवमन के घरमन ला देस के खेत सहीं समझे जावय। ओमन ला छोंड़ाय जा सकत हे,
अऊ ओमन ला जुबली बछर म वापिस कर दिये जावय।
32 " 'लेवीमन ला अपन अधिकार के लेवी सहरमन म हमेसा अपन घर ला छोंड़ाय के अधिकार हवय।
33 एकरसेति लेवीमन के संपत्ति ह छोंड़ाय जा सकत हे—याने कि ओमन के अधिकार के सहर म बेचे गय
कोनो घर—अऊ ये घर ह जुबली बछर म वापिस करे जावय, काबरकि इसरायलीमन के बीच, लेवीमन के सहर
के घरमन लेवीमन के संपत्ति अंय।
34 पर ओमन के नगर के चरागन ह झन बेचे जावय; काबरकि येमा ओमन के हमेसा के अधिकार हवय।
35 " 'कहूं तुम्हर कोनो संगी इसरायली गरीब हो जाथे, अऊ तुम्हर बीच म ओकर दुरदसा होवय, त तुमन
ओकर मदद करव, जइसने कि तुमन कोनो परदेसी अऊ अजनबी ला करथव, ताकि ओह तुम्हर बीच म रह सकय।
36 तुमन ओकर ले बियाज झन लेवव या ओकर ले कोनो फायदा झन लेवव, पर अपन परमेसर के भय मानव,
ताकि ओह तुम्हर बीच म रह सकय।
37 तुमन ओला न तो बियाज म पईसा उधार देवव अऊ न ही फायदा लेके ओला जेवन के कोनो चीज बेचव।
38 मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले निकालके लानेंव, ताकि तुमन ला कनान
देस देवंव अऊ तुम्हर परमेसर होवंव।
39 " 'कहूं तुम्हर कोनो संगी इसरायली गरीब हो जाथे अऊ अपनआप ला तुम्हर हांथ म बेच देथे, त तुमन
ओकर ले गुलाम सहीं काम झन करावव।
40 ओकर संग बनिहार या तुम्हर बीच म कुछू समय तक रहइया मनखे सहीं बरताव करव; ओह तुम्हर बर
जुबली बछर तक काम करय।
41 तब ओह अऊ ओकर लइकामन छोंड़ दिये जावंय, ताकि ओमन अपन गोत्र अऊ अपन पुरखामन के
संपत्ति करा वापिस जा सकंय।
42 काबरकि इसरायलीमन मोर सेवक अंय, जऊन मन ला मेंह मिसर देस ले निकालके लानेंव; ओमन ला
गुलाम के रूप म झन बेचे जावय।
43 ओमन ऊपर कठोरता से सासन झन करव, पर अपन परमेसर के भय मानव।
44 " 'तुम्हर पुरूस अऊ महिला गुलाममन तुम्हर चारों कोति के आनजात के होवंय, जेमन ला तुमन गुलाम के
रूप म बिसावव।
45 जऊन मन तुम्हर बीच म कुछू समय बर रहत हवंय अऊ ओमन के कुल के सदस्य, जऊन मन तुम्हर देस म
जनमे हवंय, येमा के कुछू झन ला घलो तुमन बीसा सकत हव, अऊ ओमन तुम्हर संपत्ति हो जाहीं।
46 तुमन ओमन ला अपन लइकामन बर उत्तराधिकार म मिले संपत्ति के रूप म वसीयत कर सकत हव अऊ
ओमन ला जिनगी भर गुलाम बना सकत हव, पर तुमन अपन संगी इसरायलीमन ऊपर कठोरता से सासन झन
करव।
47 " 'कहूं तुम्हर बीच म रहइया कोनो परदेसी धनी हो जाथे अऊ तुम्हर कोनो संगी इसरायली गरीब हो जाथे
अऊ अपनआप ला ओ परदेसी या परदेसी के गोत्र के कोनो सदस्य करा बेच देथे,

48 त अपनआप ला बेचे के बाद, ओकर करा छुटकारा के अधिकार रहिथे। ओकर कोनो रिस्तेदार ओला छोंड़ा
सकत हे:
49 ओकर कोनो कका या चचेरा-भाई या ओकर गोत्र म ओकर कोनो खून के रिस्तेदार ओला छोंड़ा सकत हे।
या कहूं ओह धनी हो जाथे, त ओह अपनआप ला छोंड़ा सकत हे।
50 ओह अपन बिसइया के संग अपन बेचे जाय के बछर ले जुबली बछर तक गनय। ओ गने गय बछर म एक
बनिहार के कतेक बनी होथे, ओकर मुताबिक ओकर छोंड़ाय जाय के दाम होवय।
51 कहूं जादा बछर बांचे हवय, त ओकर बर दिये गय दाम के एक बड़े भाग ला अपन छुटकारा बर लहुंटा
देवय।
52 कहूं जुबली बछर बर सिरिप थोरकून बछर बांचे हवय, त ओमन ओकर हिसाब लगावंय अऊ ओकर
मुताबिक ओकर छुटकारा के दाम चुकावंय।
53 ओला साल दर साल बनिहार के सहीं समझे जावय; तुमन ये बात के धियान रखव कि ओकर मालिक ह
ओकर ऊपर कठोरता से सासन झन करय।
54 " 'कहूं कोनो इसरायली येमा के कोनो घलो किसम ले छोंड़ाय नइं जावय, त ओला अऊ ओकर लइकामन
ला जुबली बछर म छोंड़ दिये जावय,
55 काबरकि इसरायलीमन सेवक के रूप म मोर अंय। ओमन मोर सेवक अंय, जऊन मन ला मेंह मिसर देस ले
निकालके लानेंव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।

26

[illegible]

1 " 'तुमन अपन बर मूरती झन बनावव या अपन बर कोनो फोटू या कोनो पबितर पथरा झन ठाढ़ करव, अऊ
अपन देस म दंडवत करे बर तुमन तरासके बनाय गय कोनो पथरा झन रखव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।
2 " 'मोर बिसराम दिनमन ला मानव अऊ मोर पबितर-स्थान के आदर करव। मेंह यहोवा अंव।
3 " 'कहूं तुमन मोर बिधिमन म चलहू अऊ मोर हुकूममन के धियान से पालन करहू,
4 त मेंह तुम्हर बर सही रितु म बरसा भेजहूं, अऊ भुइयां ह अपन फसल उपजाही अऊ रूखमन अपन फर
दीहीं।
5 तुम्हर मिंजई के काम ह चलते रहिही, जब तक कि अंगूर टोरे के समय नइं आ जावय अऊ अंगूर टोरई ह
लगातार चलते रहिही, जब तक कि बोये के समय ह नइं आ जावय, अऊ तुमन भरपेट भोजन करहू अऊ अपन
देस म सुरकछित बसे रहिहू।
6 " 'मेंह देस म सुख-सांति दूहूं, अऊ तुमन अराम से सुतहू अऊ तुमन ला कोनो डरवइया नइं होहीं। मेंह देस
म ले हिंसक जंगली पसुमन ला निकाल दूहूं, अऊ तुम्हर देस म कोनो तलवार ले नइं मारे जाही।
7 तुमन अपन बईरीमन के पीछा करहू अऊ ओमन तुम्हर आघू म तलवार ले मारे जाहीं।
8 तुमन के पांच झन ह सौ झन ला अऊ तुमन के सौ झन ह दस हजार ला भगाहीं, अऊ तुम्हर बईरीमन
तुम्हर आघू म तलवार ले मारे जाहीं।
9 " 'मेंह तुम्हर ऊपर दया करहूं अऊ तुमन ला फलवंत करहूं अऊ तुमन ला गनती म बढ़ाहूं, अऊ मेंह अपन
करार ला तुम्हर संग पूरा करहूं।
10 नवां फसल ला रखे बर जब तुमन बीते बछर के फसल ला हटाहू, तब भी तुमन जुन्ना फसल ला खावत
रहिहू।
11 मेंह तुम्हर बीच म अपन निवास के जगह* बनाहूं, अऊ मेंह तुमन ले घिन नइं करहूं।
12 मेंह तुम्हर बीच म चले-फिरे करहूं अऊ तुम्हर परमेसर होहूं, अऊ तुमन मोर मनखे होहू।

---

* **26:11** या *[illegible]*

13 मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले निकालके लानेंव, ताकि तुमन मिसरी
मनखेमन के गुलाम झन बने रहव; मेंह तुम्हर जुड़ा के डांड़ी ला टोर दे हंव अऊ तुमन ला अइसने कर दे हंव कि
तुमन मुड़ उठाके चल सकव।

[illegible]

14 " 'पर कहूं तुमन मोर नइं सुनहू अऊ ये जम्मो हुकूममन के पालन नइं करहू,
15 अऊ कहूं तुमन मोर बिधिमन ला गरहन नइं करहू अऊ मोर कानून ले घिन करहू अऊ मोर जम्मो हुकूममन
ला नइं मानहू अऊ ये किसम ले मोर करार ला टोर दूहू,
16 त फेर मेंह तुम्हर संग अइसन करहूं: मेंह तुम्हर ऊपर अचानक आतंक, नास करइया बेमारी अऊ जर
लानहूं, जेकर ले तुम्हर आंखी ह नइं दिखही अऊ तुमन अब्बड़ दुख पाहू। तुम्हर बीज बोवई ह घलो बेकार होही,
काबरकि ओला तुम्हर बईरीमन खा डारहीं।
17 मेंह तुम्हर बिरोध म हो जाहूं, जेकर ले तुमन अपन बईरीमन ले हार जाहू; जऊन मन तुम्हर ले घिन करथें,
ओमन तुम्हर ऊपर सासन करहीं, अऊ जब तुम्हर कोनो पीछा नइं करत होही, तभो ले तुमन भागहू।
18 " 'ये जम्मो बात होय के बाद घलो, कहूं तुमन मोर नइं सुनहू, त मेंह तुम्हर पाप बर तुमन ला सात गुना दंड
दूहूं।
19 मेंह तुम्हर जिद्द ले भरे घमंड ला टोर दूहूं अऊ तुम्हर ऊपर अकास ला लोहा सहीं अऊ तुम्हर खाल्हे के
भुइयां ला कांसा सहीं कर दूहूं।
20 तुम्हर मेहनत ह बेकार जाही, काबरकि न तो तुम्हर भुइयां म फसल होही अऊ न ही तुम्हर देस के रूखमन
म फर लगही।
21 " 'कहूं तुमन मोर बिरोध म चलतेच रहिहू अऊ मोर बात ला नइं सुनहू, त मेंह तुम्हर पापमन के मुताबिक
तुम्हर दुख ला सात गुना बढ़ाहूं।
22 मेंह तुम्हर बीच म जंगली जानवर भेजहूं, अऊ ओमन तुम्हर लइकामन ला धरके ले जाहीं, तुम्हर पसुमन
ला मार डारहीं अऊ तुम्हर गनती ला अतका कम कर दीहीं कि तुम्हर सड़कमन सुन्ना हो जाहीं।
23 " 'एकर बाद घलो, यदि तुमन मोर ताड़ना ले नइं सुधरहू अऊ मोर बिरोध म चलते रहिहू,
24 त मेंह घलो तुम्हर बिरोध म हो जाहूं अऊ तुम्हर पाप के सेति तुम्हर ऊपर सात गुना दुख-तकलीफ लानहूं।
25 अऊ करार ला टोरे के बदला म, मेंह तुम्हर ऊपर तलवार चलवाहूं। जब तुमन अपन-अपन सहर म वापिस
जाहू, त मेंह तुम्हर बीच म महामारी लानहूं, अऊ तुमन ला बईरी के हांथ म कर दिये जाही।
26 जब में तुम्हर रोटी आय के जरिया ला बंद कर देवंव, तब दस माईलोगनमन एक ठन चूल्हा म रोटी बनाहीं,
अऊ ओमन तुमन ला तऊलके थोर-थोर रोटी दीहीं। तुमन खाहू, पर तुम्हर पेट नइं भरही।
27 " 'ये जम्मो होय के बाद घलो, कहूं तुमन मोर नइं सुनहू अऊ मोर बिरोध म चलते रहिहू,
28 त गुस्सा होके मेंह तुम्हर बिरोध म होहूं, अऊ में खुद तुम्हर पाप बर तुमन ला सात गुना दंड दूहूं।
29 तुमन अपन बेटा-बेटीमन के मांस खाहू।
30 मेंह तुम्हर ऊंच जगहमन† ला गिरा दूहूं, तुम्हर धूप के बेदीमन ला नास कर दूहूं अऊ तुम्हर लासमन ला
तुम्हर निरजीव मूरतीमन ऊपर कुढ़ो दूहूं, अऊ मेंह तुम्हर ले घिन करहूं।
31 मेंह तुम्हर सहरमन ला खंडहर बना दूहूं अऊ तुम्हर पबितर-स्थानमन ला उजार दूहूं अऊ तुम्हर बलिदान के
सुख-देवइया सुगंध ले मोला कोनो खुसी नइं होही।
32 मेंह खुद तुम्हर देस ला उजार दूहूं, ताकि उहां बसे तुम्हर बईरीमन डरा जाहीं।
33 मेंह तुमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच तितिर-बितिर कर दूहूं अऊ अपन तलवार खींचके निकालहूं
अऊ तुम्हर पीछा करहूं। तुम्हर देस ह सुन्ना हो जाही अऊ तुम्हर सहरमन नास हो जाहीं।

† **26:30** अराधना के ऊंच [illegible]

34 तब, जब ये देस ह उजरे रहिही अऊ तुमन अपन बईरीमन के देस म रहिहू, तब ये देस ह अपन बिसराम
बछरमन के आनंद मनाही; देस ह अराम करही अऊ अपन बिसराम बछर के आनंद उठाही।
35 जतेक समय तक येह बीरान रहिही, ओह येकर सुसताय के समय होही, काबरकि जब तुमन येमा रहत
रहेव, त बिसराम बछर म येला सुसताय बर नइं मिलिस।
36 " 'तुमन म के जऊन मन बांच गे हवंय, ओमन ला अपन बईरीमन के देस म अइसने डरपोक बना दूहूं कि
हवा चले के कारन पान के खड़खड़ाय के अवाज सुनके ओमन भागहीं। ओमन अइसने भागहीं, मानो कोनो
तलवार लेके ओमन के पीछा करत हे, अऊ ओमन गिर पड़हीं, हालाकि कोनो ओमन के पीछा नइं करत होही।
37 ओमन एक-दूसर के ऊपर गिरहीं, मानो कोनो तलवार ले बांचे बर भागत हवय, हालाकि कोनो घलो ओमन
के पीछा नइं करत होही। एकरसेति तुमन अपन बईरीमन के सामना नइं कर सकहू।
38 तुमन आने जाति के मनखेमन के बीच म नास हो जाहू; तुम्हर बईरीमन के भुइयां ह तुमन ला खा जाही।
39 तुमन म जऊन मन बांचे हवंय, ओमन अपन पाप के कारन अपन बईरीमन के देस म नास हो जाहीं; ओमन
अपन पुरखामन के पाप के कारन घलो नास हो जाहीं।
40 " 'पर कहूं ओमन अपन अऊ अपन पुरखामन के पाप ला मान लीहीं—याने कि मोर बर ओमन के
बिसवासघात अऊ ओमन के बईरता ला,
41 जेकर कारन मेंह ओमन के बिरोध म हो गेंव अऊ मेंह ओमन ला ओमन के बईरीमन के देस म भेज
देंव—तब जब ओमन के कठोर हिरदय ह नरम हो जावय अऊ ओमन अपन पाप के दाम चुकावंय,
42 त मेंह याकूब के संग मोर करार अऊ इसहाक के संग मोर करार अऊ अब्राहम के संग मोर करार ला सुरता
करहूं, अऊ मेंह ये देस ला घलो सुरता करहूं।
43 काबरकि ओमन के दुवारा ओ देस ह छोंड़ दिये गे होही अऊ ओमन के छोंड़ दिये गय समय म देस ह अपन
बिसराम के आनंद उठाही। ओमन अपन पाप के दाम चुकाहीं, काबरकि ओमन मोर कानूनमन ला नइं मानिन
अऊ मोर बिधिमन ले घिन करिन।
44 तभो ले, ये जम्मो होय के बाद, जब ओमन अपन बईरीमन के देस म होवंय, त मेंह ओमन ला नइं छोंड़
देवंव अऊ न ही ओमन ले अइसने घिन करंव कि ओमन के संग मोर करार ला टोरके ओमन ला पूरा नास कर
देवंव। मेंह यहोवा, ओमन के परमेसर अंव।
45 पर ओमन के भलई बर, मेंह ओमन के पुरखामन के संग मोर करार ला सुरता करहूं, जेमन ला मेंह
जाति-जाति के मनखेमन के देखत म मिसर देस ले बाहिर निकाल लानेंव, ताकि मेंह ओमन के परमेसर होवंव।
मेंह यहोवा अंव।' "
46 येमन बिधि, कानून अऊ नियम अंय, जऊन ला यहोवा ह सीनय पहाड़ म अपन अऊ इसरायलीमन के
बीच म मूसा के दुवारा ठहिराईस।

27

[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: 'यदि कोनो मनखे ह कोनो मनखे ला यहोवा ला अरपन करे
के बिसेस मन्नत मानथे अऊ यदि ये मन्नत ह ओ मनखे के बरोबर कीमत देय के दुवारा होवय,
3 त बीस ले साठ बछर के आदमी के कीमत पबितर-स्थान के सेकेल* के मुताबिक चांदी के पचास सेकेल
ठहिरावव;
4 अऊ माईलोगन के कीमत तीस सेकेल† ठहिरावव;
5 पांच ले बीस बछर के मनखे के कीमत—यदि ओह बाबू-पीला अय, त ओकर कीमत बीस सेकेल अऊ यदि
ओह नोनी-पीला अय, त ओकर कीमत दस सेकेल ठहिरावव;
6 एक महिना ले लेके पांच बछर तक के मनखे के कीमत—यदि ओह बाबू-पीला अय, त ओकर कीमत चांदी के
पांच सेकेल‡ अऊ यदि नोनी-पीला अय, त ओकर कीमत चांदी के तीन सेकेल§ ठहिरावव;

* **27:3** एक सेकेल ह लगभग 12 ग्राम के बरोबर होथे। † **27:4** लगभग 345 ग्राम ‡ **27:6** लगभग 58 ग्राम § **27:6** लगभग 35 ग्राम

7 साठ बछर या ओकर ले जादा उमर के मनखे के कीमत—यदि आदमी अय, त ओकर कीमत पंदरह सेकेल
अऊ माईलोगन अय, त ओकर कीमत दस सेकेल ठहिरावव।
8 कहूं कोनो मनखे ह अतका गरीब अय कि ओह ठहिराय गय कीमत ला नइं पटा सकय, त अरपन करे गय
मनखे ला पुरोहित करा लाने जावय अऊ पुरोहित ह ओकर कीमत मन्नत मनइया के हैसियत के मुताबिक
ठहिराही।
9 " 'कहूं कोनो मनखे के मन्नत ह कोनो पसु अय, जऊन ला यहोवा बर बलिदान के रूप म दिये जा सकत हे, त
यहोवा ला दिये गय अइसने पसु ह पबितर हो जाथे।
10 ओ मनखे ह ओला फेर कोनो किसम ले झन बदलय; खराप के बदले बढ़िया ला या बढ़िया के बदले खराप
ला झन देवय; कहूं ओह एक पसु के बदला म आने पसु देवय, त पहिली अऊ बदला म दिये गय पसु, दूनों पबितर
हो जाथें।
11 कहूं ओह बिधि के मुताबिक कोनो असुध पसु के मन्नत माने हवय, जऊन ला यहोवा बर बलिदान के रूप म
नइं दिये जा सकय, त ओ पसु ला पुरोहित करा लाने जावय,
12 अऊ पुरोहित ह ओ पसु ला जांचके बढ़िया या खराप ठहिराही। ओकर बाद, जऊन घलो कीमत पुरोहित
ह ठहिरावय, ओकर ओतकेच कीमत होही।
13 कहूं ओकर मालिक ह ओ पसु ला छोंड़ाय चाहथे, त ओह पुरोहित के दुवारा ठहिराय गे कीमत म पांचवां
भाग अऊ देके ओला छोंड़ा सकत हे।
14 " 'कहूं कोनो मनखे अपन घर ला पबितर चीज के रूप म यहोवा ला अरपन करय, त पुरोहित ह ओ घर के
जांच करके ओला बढ़िया या खराप बतावय। ओकर बाद, जऊन घलो कीमत पुरोहित ह ठहिरावय, ओकर
ओतकेच कीमत होही।
15 कहूं अरपन करइया ह अपन घर ला छोंड़ाय चाहथे, त ओह ठहिराय गे कीमत म पांचवां भाग अऊ देवय,
त ओ घर ह फेर ओकर हो जाही।
16 " 'कहूं कोनो मनखे ह अपन परिवारिक भुइयां के कुछू भाग ला यहोवा बर अरपन करथे, त ओमा बोये बर
जतका बीजा के जरूरत होथे, ओकर मुताबिक ओ भाग के कीमत तय करे जावय—एक होमेर* जौ बीजा के
चांदी के पचास सेकेल।
17 कहूं ओह जुबली बछर म अपन कोनो खेत अरपन करय, त ओकर ठहिराय गे कीमत ह ओहीच रहय।
18 पर कहूं ओह जुबली बछर के पाछू अपन कोनो खेत ला अरपन करथे, त अवइया जुबली बछर बर जतका
बछर बांचे हवय, ओकर मुताबिक पुरोहित ह ओ खेत के कीमत ठहिरावय, अऊ येकर ठहिराय गे कीमत ह कम
हो जाही।
19 कहूं खेत ला अरपन करइया ह ओ खेत ला छोंड़ाय बर चाहथे, त ओह ठहिराय गे कीमत म पांचवां भाग
अऊ देवय, त ओ खेत ह फेर ओकरेच हो जाही।
20 पर कहूं ओह ओ खेत ला नइं छोंड़ावय, या यदि ओह ओला कोनो आने मनखे ला बेच देवय, त ओ खेत ह
फेर कभू छोंड़ाय नइं जा सकय।
21 जब ओ खेत ह जुबली बछर म छूट जावय, त ओह यहोवा ला अरपित खेत सहीं पबितर हो जाही; अऊ
ओह पुरोहित के संपत्ति हो जाही।
22 " 'कहूं कोनो मनखे ह कोनो बिसाय खेत ला यहोवा ला अरपन करथे, जऊन ह कि ओकर पुरखा के खेत नो
हय,
23 त अवइया जुबली बछर के मुताबिक पुरोहित ह ओकर कीमत ठहिरावय, अऊ मालिक ह ओहीच दिन
यहोवा ला चघाय गे पबितर चीज के रूप म ओ कीमत ला दे देवय।
24 जुबली बछर म ओ खेत ला ओ मनखे ला लहुंटा दिये जावय, जेकर ले ओला बिसाय गे रिहिस, ओ मनखे
ला जेकर ओ खेत रिहिस।
25 जब कोनो चीज के कीमत ठहिराय जाथे, ओ कीमत ह पबितर-स्थान के सेकेल मुताबिक ठहिराय जावय,
सेकेल ह बीस गेराह† के ठहिरय।

---

* **27:16** लगभग 135 किलोग्राम † **27:25** एक गेराह ह लगभग 0.6 ग्राम होथे।

26 “ ‘कोनो मनखे कोनो पसु के पहिलांत पीला ला अरपन झन करय, काबरकि पहिली जनमे के कारन ओ
पीला ह पहिले ही यहोवा के हो जाथे; चाहे ओह कोनो बईला होवय या कोनो भेड़, येह यहोवा के अय।
27 यदि ओह कोनो असुध पसु अय, त ओकर ठहिराय गे कीमत म पांचवां भाग अऊ देके ओला फेर वापिस
बिसाय जा सकथे। कहूं ओ पसु ह छोंड़ाय नइं जावय, त ओकर ठहिराय गे कीमत के मुताबिक ओला बेच दिये
जावय।
28 “ ‘पर जब कोनो मनखे अपन कोनो चीज ला यहोवा ला अरपित करथे—चाहे ओह मनखे होवय या पसु या
पुरखा के खेत—ओह न तो बेचे जावय अऊ न ही छोंड़ाय जावय; अइसने अरपन करे गय हर एक चीज यहोवा
बर महा पबितर अय।
29 “ ‘जऊन मनखे ला नास करे बर अरपित करे गे हवय, ओला छोंड़ाय झन जावय; ओह मार डारे जावय।
30 “ ‘भुइयां के हर एक चीज के दसमांस, चाहे माटी ले उपजाय बीजा होवय या रूख के फर, ओह यहोवा के
अय; ओह यहोवा बर पबितर अय।
31 जऊन कोनो अपन दसमांस म ले कुछू भाग ला छोंड़ाय चाहथे, त ओकर कीमत म पांचवां भाग जादा देके
ओला छोंड़ा सकथे।
32 गाय-बईला या भेड़-बकरी के झुंड के दसमांस‡—हर एक झुंड के दसवां पसु, जऊन ह चरवाहा के गने जाय
के बेरा ओकर लउठी के तरी ले निकलथे, ओह यहोवा बर पबितर ठहिरही।
33 कोनो घलो मनखे बढ़िया या खराप होय के चिंता झन करय अऊ न ही ओमा कोनो अदला-बदली करय।
कहूं कोनो मनखे अदला-बदली करथे, त ओ पसु अऊ ओकर बदले म दिये गय पसु, दूनों पबितर हो जाथें अऊ
ओमन ला छोंड़ाय नइं जा सकय।’ ”
34 येमन ओ हुकूम अंय, जऊन ला यहोवा ह सीनय पहाड़ म मूसा ला इसरायलीमन बर दीस।

‡ **27:32** घरेलू-पसुमन के दसमांस

गनती
के किताब

[illegible]
1 इसरायलीमन के मिसर देस ले निकल जाय के दूसर बछर के दूसर महिना के पहिली दिन, यहोवा ह सीनय
के निरजन जगह म, मिलापवाला तम्बू म मूसा ला कहिस:
2 "इसरायलीमन के जम्मो समाज ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक, हर एक पुरूस के गनती नांव
लिख-लिखके कर।
3 जतेक इसरायली बीस साल या ओकर ले जादा उमर के हवंय अऊ ओमन सेना म सेवा देय के लईक हवंय,
ओ जम्मो के गनती तें अऊ हारून ओमन के दल के मुताबिक करव।
4 हर एक गोत्र के एक-एक पुरूस, जऊन मन अपन परिवार के मुखिया अंय, ओमन तुम्हर मदद करंय।

5 "ये ओ पुरूसमन के नांव अय, जऊन मन तुम्हर मदद करहीं:

"रूबेन के गोत्र ले सदेऊर के बेटा एलीसूर;
6 सिमोन के गोत्र ले सूरीसद्दाय के बेटा सलूमीएल;
7 यहूदा के गोत्र ले अमीनादाब के बेटा नहसोन;
8 इस्साकार के गोत्र ले सूआर के बेटा नतनेल;
9 जबूलून के गोत्र ले हेलोन के बेटा एलीआब;
10 यूसुफ के बेटामन ले:
एपरैम के गोत्र ले अमीहूद के बेटा एलीसामा;
मनस्से के गोत्र ले पदासूर के बेटा गमलीएल;
11 बिनयामीन के गोत्र ले गिदोनी के बेटा अबीदान;
12 दान के गोत्र ले अम्मीसद्दाय के बेटा अहीएजेर;
13 आसेर के गोत्र ले ओकरान के बेटा पगीएल;
14 गाद के गोत्र ले दूएल के बेटा एलियासाप;
15 नपताली के गोत्र ले एनान के बेटा अहीरा।"

16 येमन समाज के ओ मनखे रिहिन, जेमन ला अपन पुरखा के गोत्रमन ले अगुवा ठहिराय गीस। येमन
इसरायल के गोत्रमन के मुखिया रिहिन।

17 जऊन मनखेमन के नांव ऊपर लिखे गे हवय, ओमन ला मूसा अऊ हारून अपन संग लीन,
18 अऊ ओमन ओ साल के दूसरा महिना के पहिला दिन पूरा समाज ला इकट्ठा करिन। मनखेमन अपन गोत्र
अऊ परिवार के मुताबिक अपन बंसावली लिखवाईन, अऊ जतेक झन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर
के रिहिन, ओमन के नांव एक-एक करके लिखे गीस,
19 जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस। ये किसम ले ओह सीनय के सुनसान जगह म ओमन के
गनती करिस:

20 इसरायल के बेटा रूबेन के बंस ले:
जतेक पुरूस बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा दे सकत रिहिन, ओमन के
नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक एक-एक करके लिखे गीस।
21 रूबेन के गोत्र के गनती 46,500 होईस।

22 सिमोन के बंस ले:

ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के गनती करे गीस अऊ ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक
एक-एक करके लिखे गीस।
23 सिमोन के गोत्र के गनती 59,300 होईस।

24 गाद के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
25 गाद के गोत्र के गनती 45,650 होईस।

26 यहूदा के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
27 यहूदा के गोत्र के गनती 74,600 होईस।

28 इस्साकार के बंस ले:
ओ जम्मो मनखे, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
29 इस्साकार के गोत्र के गनती 54,400 होईस।

30 जबूलून के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
31 जबूलून के गोत्र के गनती 57,400 होईस।

32 यूसुफ के बेटामन ले:
एपरैम के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
33 एपरैम के गोत्र के गनती 40,500 होईस।
34 मनस्से के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
35 मनस्से के गोत्र के गनती 32,200 होईस।

36 बिनयामीन के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
37 बिनयामीन के गोत्र के गनती 35,400 होईस।

38 दान के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
39 दान के गोत्र के गनती 62,700 होईस।

40 आसेर के बंस ले:

ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
41 आसेर के गोत्र के गनती 41,500 होईस।

42 नपताली के बंस ले:
ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ सेना म सेवा देय के
लईक रिहिन, ओमन के नांव ओमन के गोत्र अऊ परिवार के मुताबिक लिखे गीस।
43 नपताली के गोत्र के गनती 53,400 होईस।

44 मूसा अऊ हारून अऊ इसरायल के बारह अगुवा, जेमन अपन-अपन परिवार के मुखिया घलो रिहिन, येमन
के गनती करिन।
45 जम्मो इसरायली, जऊन मन बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ इसरायली सेना म सेवा देय के लईक
रिहिन, ओमन के गनती परिवार के मुताबिक होईस।
46 कुल गनती 6,03,550 होईस।

47 पर लेवीमन के पुरखा के गोत्र ला आने मन के संग नइं गने गीस।
48 यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस:
49 "लेवी गोत्र ला झन गनबे या ओमन ला आने इसरायलीमन संग गनती म सामिल झन करबे।
50 पर लेवीमन ला करार के कानून के पबितर-तम्बू म अधिकारी ठहिराबे—ओकर जम्मो सजावट अऊ ओमा
के जम्मो चीज ऊपर अधिकारी ठहिराबे। ओमन पबितर-तम्बू अऊ ओमा के जम्मो चीज ला उठावंय; ओमन
ओकर देखभाल करंय अऊ ओकर चारों कोति डेरा डाले रहंय।
51 जब भी पबितर-तम्बू ला आने जगह ले जाय के समय होवय, त लेवीमन ओला उसालंय, अऊ जब भी
पबितर-तम्बू ला गाड़े के समय होवय, त लेवीमन ही ओला गाड़ंय। यदि कोनो आने मनखे येकर लकठा म
आवय, त ओह मार डारे जावय।
52 इसरायलीमन दल के मुताबिक अपन तम्बूमन ला गाड़ंय, हर एक जन अपन झंडा के अधीन अपन सिविर
म तम्बू गाड़ंय।
53 पर लेवीमन करार के कानून के पबितर-तम्बू के चारों कोति अपन तम्बू गाड़ंय ताकि मोर कोप ह इसरायली
समाज ऊपर झन भड़कय। लेवीमन करार के कानून के पबितर-तम्बू के देखभाल बर जिम्मेदार अंय।"
54 इसरायलीमन जम्मो चीज वइसने ही करिन, जइसने यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।

2

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस:
2 "इसरायलीमन मिलापवाला तम्बू के थोरकन दूरिहा म ओकर चारों कोति डेरा डालंय, हर एक जन अपन
दल के अधीन अऊ अपन परिवार के झंडा धरे डेरा डालंय।"

3 पूरब तरफ, सूरज निकले कोति:
यहूदा के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन डेरा डालंय। यहूदा के मनखेमन के अगुवा अमीनादाब के
बेटा नहसोन होवय।
4 ओकर दल के गनती 74,600 रिहिस।
5 ओमन के बाद इस्साकार गोत्र के परधान सूआर के बेटा नतनेल ह डेरा डालही।
6 ओकर दल के गनती 54,400 रिहिस।
7 ओकर बाद जबूलून के गोत्र डेरा डालही। जबूलून के मनखेमन के अगुवा हेलोन के बेटा एलीआब होही।
8 ओकर दल के गनती 57,400 रिहिस।
9 यहूदा के सिविर बर जतेक आदमी सऊंपे गे रिहिन, ओमन के गनती ओमन के दल के मुताबिक 1,86,400
रिहिस। येमन पहिले निकलहीं।

10 दक्खिन कोति:
रूबेन के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन डेरा डालंय। रूबेन के मनखेमन के अगुवा सदेऊर के बेटा
एलीसूर होही।
11 ओकर दल के गनती 46,500 रिहिस।
12 ओमन के बाद सिमोन के गोत्र ह डेरा डालही। सिमोन के मनखेमन के अगुवा सूरीसद्दाय के बेटा सलूमीएल
होही।
13 ओकर दल के गनती 59,300 रिहिस।
14 ओकर बाद गाद के गोत्र डेरा डालही। गाद के मनखेमन के अगुवा दूएल* के बेटा एलियासाप होही।
15 ओकर दल के गनती 45,650 रिहिस।
16 रूबेन के सिविर के जतेक आदमी रिहिन, ओमन के गनती दल के मुताबिक 1,51,450 रिहिस। दूसर बार म
येमन बाहिर निकलहीं।

17 तब मिलापवाला तम्बू अऊ लेवीमन के सिविर ह ले जाय के बेरा सिविरमन के बीच म रहय। ओमन ला
ओहीच किसम ले लेय जावंय, जऊन किसम ले ओमन गाड़े जावंय, हर एक अपन झंडा के अधीन
अपन-अपन जगह म रहिके चलंय।

18 पछिम कोति:
एपरैम के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन डेरा डालंय। एपरैम के मनखेमन के अगुवा अमीहूद के बेटा
एलीसामा होही।
19 ओकर दल के गनती 40,500 रिहिस।
20 ओकर बाद मनस्से के गोत्र डेरा डालही। मनस्से के मनखेमन के अगुवा पदासूर के बेटा गमलीएल होही।
21 ओकर दल के गनती 32,200 रिहिस।
22 ओकर बाद बिनयामीन के गोत्र डेरा डालही। बिनयामीन के मनखेमन के अगुवा गिदोनी के बेटा अबीदान
होही।
23 ओकर दल के गनती 35,400 रिहिस।
24 एपरैम के सिविर म जतेक आदमी रिहिन, ओमन अपन दल के मुताबिक 1,08,100 रिहिन। येमन तीसरा
नम्बर म निकलहीं।

25 उत्तर कोति:
दान के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन डेरा डालंय। दान के मनखेमन के अगुवा अम्मीसद्दाय के बेटा
अहीएजेर होही।
26 ओकर दल के गनती 62,700 रिहिस।
27 ओमन के बाद आसेर के गोत्र डेरा डालही। आसेर के मनखेमन के अगुवा ओकरान के बेटा पगीएल होही।
28 ओकर दल के गनती 41,500 रिहिस।
29 ओकर बाद नपताली के गोत्र डेरा डालही। नपताली के मनखेमन के अगुवा एनान के बेटा अहीरा होही।
30 ओकर दल के गनती 53,400 रिहिस।
31 दान के सिविर के जतेक आदमी रिहिन, ओमन के गनती 1,57,600 रिहिस। आखिरी म येमन अपन झंडा के
अधीन निकलहीं।

32 येमन ओ इसरायली रिहिन, जेमन ला ओमन के परिवार के मुताबिक गने गीस। सिविरमन म जम्मो पुरूस के
गनती ओमन के दल के मुताबिक 6,03,550 रिहिस।
33 पर लेवीमन ला आने इसरायलीमन संग नइं गने गीस, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।

34 इसरायलीमन ओ हर काम करिन, जेकर हुकूम यहोवा ह मूसा ला दे रिहिस; ओ हुकूम के मुताबिक ओमन
अपन-अपन झंडा के अधीन डेरा डालंय अऊ हुकूम के मुताबिक ही ओमा के हर एक जन अपन-अपन गोत्र अऊ

* **2:14** कतको हस्तलिपि म ????

परिवार के संग निकलंय।

3

??????

1 जब यहोवा ह सीनय पहाड़ ऊपर मूसा ले गोठियाईस, ओ समय हारून अऊ मूसा के परिवार के लेखा-जोखा
अइसने रिहिस।

2 हारून के बेटामन के नांव: पहिलऊठा नादाब ओकर बाद अबीहू, एलिआजर अऊ ईतामार।
3 हारून के बेटामन के ये नांव अय, जेमन अभिसिक्त पुरोहित रिहिन अऊ जेमन ला पुरोहिती सेवा बर
अभिसेक करे गे रिहिस।
4 पर नादाब अऊ अबीहू यहोवा के आघू म मर गीन, जब ओमन ओकर आघू म सीनय के सुन्ना जगह म बरजे
गय आगी के संग बलिदान चघाईन।* ओमन के कोनो बेटा नइं रिहिस, एकरसेति एलिआजर अऊ ईतामार
अपन ददा हारून के समय म पुरोहित के रूप म सेवा करिन।
5 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
6 "लेवी गोत्र के मनखेमन ला बलाके हारून पुरोहित करा लान कि ओमन ओकर मदद करंय।
7 ओमन पबितर-तम्बू के काम करे के दुवारा मिलापवाला तम्बू म हारून बर अऊ पूरा समाज बर जिम्मेदारी
पूरा करंय।
8 ओमन मिलापवाला तम्बू के जम्मो सामान के देखरेख करंय अऊ पबितर-तम्बू के काम करे के दुवारा
इसरायलीमन के काम ला पूरा करंय।
9 लेवीमन ला लानके हारून अऊ ओकर बेटामन के हांथ म सऊंप दे; येमन ओ इसरायली अंय, जेमन ओला
पूरा दे दिये जावंय।
10 हारून अऊ ओकर बेटामन ला पुरोहित के पद म सेवा करे बर ठहिरा; यदि आने मनखे पबितर-स्थान म
जावय, त ओह मार डारे जावय।"
11 यहोवा ह मूसा ला ये घलो कहिस,
12 "हर एक इसरायली माईलोगन के पहिलांत बेटा के बदला म मेंह इसरायलीमन के बीच ले लेवीमन ला
लेय ले हंव। लेवीमन मोर अंय,
13 काबरकि जम्मो पहिलांतमन मोर अंय। जब मेंह मिसर देस म जम्मो पहिलांतमन ला मार डारेंव, त मेंह
इसरायल म हर एक पहिलांत ला अपन बर पबितर कर ले रहेंव, चाहे ओह मनखे होवय या पसु। ओमन मोर
होहीं। मेंह यहोवा अंव।"
14 यहोवा ह सीनय के सुनसान जगह म मूसा ला कहिस,
15 "लेवीमन ला परिवार अऊ गोत्र के मुताबिक गनती कर। एक महिना अऊ जादा उमर के, पुरूसमन ला
गन।"
16 एकरसेति मूसा ह ओमन ला वइसने गनिस, जइसने यहोवा ह ओला हुकूम देय रिहिस।

17 लेवी के बेटामन के नांव ये अंय:
गेरसोन, कहात अऊ मरारी।
18 गेरसोन बंस के नांवमन ये रिहिन:
लिबनी अऊ सिमी।
19 कहात बंस के येमन रिहिन:
अमराम, ईसहार, हेबरोन अऊ उजीएल।
20 मरारी बंस के येमन रिहिन:
महली अऊ मूसी।

लेवी के परिवारमन के मुताबिक येमन ओमन के बंस रिहिन।

---

* **3:4** देखव लैव्य 10:1-7

21 गेरसोन के बंस म लिबनी अऊ सिमीमन रिहिन; येमन गेरसोनी बंस रिहिन।
22 एक महिना या जादा उमर के जम्मो पुरूसमन के गनती 7,500 रिहिस।
23 गेरसोनीमन के बंस ला पछिम कोति, पबितर-तम्बू के पाछू म डेरा डालना रिहिस।
24 गेरसोनीमन के परिवारमन के अगुवा लाएल के बेटा एलियासाप रिहिस।
25 मिलापवाला तम्बू म गेरसोन बंस के ऊपर पबितर-तम्बू अऊ तम्बू, ओकर ढपना, मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार के परदा,
26 अंगना के परदा, पबितर-तम्बू अऊ बेदी के चारों कोति अंगना के प्रवेस दुवार के परदा, अऊ रस्सी—अऊ ओमन के उपयोग ले संबंधित हर एक चीज के जिम्मेदारी रिहिस।

27 कहात ले अमरामी, ईसहारी, हेबरोनी अऊ उजीएलीमन के बंस चलिस; येमन कहातीमन के बंस रिहिन।
28 ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन एक महिना या जादा उमर के रिहिन, ओमन के गनती 8,600† रिहिस।
कहातीमन पबितर-स्थान के देखरेख करंय।
29 कहात के बंस ला पबितर-तम्बू के दक्खिन कोति डेरा डालना रिहिस।
30 कहाती बंस के परिवारमन के अगुवा उजीएल के बेटा एलीसापान रिहिस।
31 ओमन के ऊपर सन्दूक, मेज, दीवट, बेदी, सेवा म उपयोग अवइया पबितर-स्थान के बरतन, परदा, अऊ ओमन के उपयोग ले संबंधित हर एक चीज के जिम्मेदारी रिहिस।
32 लेवीमन के परधान अगुवा एलिआजर ह हारून पुरोहित के बेटा रिहिस। ओला ओमन के ऊपर ठहिराय गे रिहिस, जऊन मन के ऊपर पबितर-स्थान के देखरेख के जिम्मेदारी रिहिस।

33 मरारी ले महली अऊ मूसी गोत्र के बंस चलिस; येमन मरारी के बंस रिहिन।
34 एक महिना या जादा उमर के पुरूसमन गने गीन, ओमन 6,200 रिहिन।
35 मरारी बंस के परिवारमन के अगुवा अबीहैल के बेटा सूरीएल रिहिस।
ओमन ला पबितर-तम्बू के उत्तर कोति डेरा डालना रिहिस।
36 मरारी बंस के ऊपर पबितर-तम्बू के ढांचा, येकर बल्ली, खंभा, आधार, येकर जम्मो सामान, ओमन के उपयोग ले संबंधित हर एक चीज के जिम्मेदारी रिहिस;
37 अंगना के संग ओमन के आधार के चारों कोति के खंभा, तम्बू के खूंटी अऊ डोरीमन के जिम्मेदारी घलो रिहिस।

38 मूसा अऊ हारून अऊ ओकर बेटामन ला पबितर-तम्बू के पूरब दिसा म, सूरज निकले कोति, मिलापवाला तम्बू के आघू म डेरा डालना रिहिस।
ओमन के ऊपर इसरायलीमन कोति ले पबितर-स्थान के देखरेख के जिम्मेदारी रिहिस।
यदि कोनो आने मनखे पबितर-स्थान करा जावय, त ओह मार डारे जावय।

39 मूसा अऊ हारून यहोवा के हुकूम ले लेवीमन के ओमन के बंस के मुताबिक गनती करिन, अऊ एक महिना या ओकर ले जादा उमर के पुरूसमन के संखिया 22,000 रिहिस।

40 ओकर बाद यहोवा ह मूसा ला कहिस, “इसरायलीमन के पहिलांत पुरूसमन ला गन, जऊन मन एक महिना या जादा उमर के हवंय ओमन के नांव के एक सूची बना।
41 मोर बर इसरायलीमन के जम्मो पहिलांत के बदले लेवीमन ला, अऊ इसरायलीमन के पसुमन के जम्मो पहिलांत के बदले लेवीमन के पसुमन ला लेय ले। मेंह यहोवा अंव।”
42 एकरसेति मूसा ह इसरायलीमन के जम्मो पहिलांतमन के गनती, यहोवा के हुकूम के मुताबिक करिस।
43 जऊन पहिलांत पुरूसमन, एक महिना या ओकर ले जादा उमर के रिहिन, ओमन के लिखे गय नांव के मुताबिक ओमन गनती म 22,273 रिहिन।
44 यहोवा ह मूसा ला ये घलो कहिस,

† **3:28** कुछू हस्तलिपि म *8,300*

45 “इसरायल के जम्मो पहिलांत के बदले लेवीमन, अऊ ओमन के पसुमन के बदले लेवीमन के पसुमन ला
लेय ले। लेवीमन मोर अंय। मेंह यहोवा अंव।
46 इसरायलीमन के ओ 273 पहिलांत, जेमन गनती म लेवीमन ले जादा हवंय, ओमन के छुड़ौती बर,
47 तें ओ हर एक पुरूस बर पांच सेकेल‡ जमा कर, येह पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक होवय, जेकर वजन
बीस गेरा होथे।
48 ये रकम ला उपरहा इसरायलीमन के छुड़ौती बर हारून अऊ ओकर बेटामन ला दे देबे।”
49 एकरसेति मूसा ह ओ मनखेमन ले छोंड़ाय के दाम जमा करिस, जेमन लेवीमन के दुवारा छोंड़ाय गे
मनखेमन ले जादा रिहिन।
50 इसरायलीमन के पहिलांतमन ले ओह पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक दाम जमा करिस, जेकर वजन
1,365 सेकेल§ होईस।
51 मूसा ह हारून अऊ ओकर बेटामन ला छुड़ौती के दाम दीस, जइसे कि ओला यहोवा ह हुकूम दे रिहिस।

4

??????

1 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस:
2 “लेवीमन के बीच म ले कहातीमन के ओमन के बंस अऊ परिवार के मुताबिक गनती कर।
3 तीस साल ले लेके पचास साल के उमर के ओ जम्मो आदमीमन के गनती कर, जेमन मिलापवाला तम्बू के
काम म सेवा करे बर आथें।
4 “मिलापवाला तम्बू म कहातीमन के काम ये होही: महा पबितर चीजमन के देखरेख।
5 जब डेरा ह आघू बढ़थे तब हारून अऊ ओकर बेटामन भीतर जाके आड़ करइया परदा ला उतार लेवंय अऊ
ओला करार कानून के सन्दूक ऊपर ढांप देवंय।
6 तब ओमन परदा ला एक टिकाऊ खाल ले ढांप देवंय, अऊ ओकर ऊपर पूरा नीला रंग के कपड़ा ओढ़ा देवंय
अऊ डंडामन ला ओमन के जगह म लगावंय।
7 “उपस्थिति के मेज के ऊपर ओमन एक नीला कपड़ा ला फईला देवंय अऊ येकर ऊपर थाली, बरतन अऊ
कटोरा, अऊ पेय-बलिदान के सुराहीमन ला रखंय; ओ रोटी, जऊन ह उहां हमेसा रहिथे, ओह उहां रखे रहय।
8 ओमन एक सिन्दूरी रंग के कपड़ा येमन के ऊपर फईलाके, टिकाऊ खाल ले ढांप देवंय अऊ डंडामन ला
ओमन के जगह म लगावंय।
9 “फेर ओमन एक नीला कपड़ा लेके अंजोर करे बर रखे दीवट, ओकर दीया, ओकर बाती ला काटे के कतरनी
अऊ बड़े थाली, अऊ जैतून तेल डारे म उपयोग अवइया ओकर जम्मो सुराहीमन ला ढांप देवंय।
10 तब ओमन येला अऊ ओकर जम्मो सामान ला एक टिकाऊ खाल के ढकना म लपेट देवंय अऊ येला ले
जवइया ढांचा म डार देवंय।
11 “सोन के बेदी ऊपर ओमन एक नीला कपड़ा फईला देवंय अऊ ओला टिकाऊ खाल ले ढांप देवंय अऊ
डंडामन ला ओकर जगह म लगा देवंय।
12 “ओमन पबितर-स्थान म सेवा बर उपयोग होवइया जम्मो सामान ला लेवंय अऊ ओमन ला एक नीला
कपड़ा म लपेटंय, अऊ ओकर ऊपर टिकाऊ खाल ला ढांप देवंय अऊ ओमन ला ले जवइया ढांचा म रख देवंय।
13 “ओमन कांसा के बेदी ले राख ला हटाके ओकर ऊपर एक बैंगनी कपड़ा फईला देवंय।
14 तब ओमन ओमा बेदी करा सेवा म उपयोग होवइया जम्मो बरतन ला रख देवंय, जेमा करछूल, मांस म
उपयोग होवइया कांटा, बेलचा अऊ छिंचे के कटोरामन घलो रहंय। येला ओमन एक टिकाऊ खाल ले ढांप
देवंय अऊ डंडामन ला ओकर जगह म लगा देवंय।
15 “जब हारून अऊ ओकर बेटामन पबितर-स्थान अऊ ओकर जम्मो पबितर सामान अऊ पबितर बरतनमन
ला ढांप लीहीं, अऊ जब सिविर ह चले बर तियार हो जाही, तब ही कहातीमन आवंय अऊ ओला उठाके ले
जावंय। पर जरूरी अय कि ओमन पबितर चीजमन ला झन छुवंय, नइं तो ओमन मर जाहीं। मिलापवाला तम्बू
म जऊन सामान रहिथे, कहातीमन ओमन ला उठाके ले जावंय।

‡ **3:47** लगभग 58 ग्राम § **3:50** लगभग 16 किलोग्राम

16 “हारून पुरोहित के बेटा एलिआजर के देखरेख म ये चीजमन रहंय: दीया जलाय के तेल, खुसबूवाला धूप,
नियमित अन्न-बलिदान अऊ अभिसेक के तेल। ओकर ऊपर पूरा पबितर-तम्बू अऊ ओमा के हर एक चीज के
जिम्मेदारी रहय, ओमा के पबितर सामान अऊ बरतनमन के घलो जिम्मेदारी।”
17 फेर यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस,
18 “धियान रहय कि कहाती बंस ह लेवीमन के बीच ले नास झन होवय,
19 ताकि जब ओमन सबले पबितर चीजमन के लकठा म आवंय, त ओमन जीयत रहंय अऊ झन मरंय, ओमन
बर ये करव: हारून अऊ ओकर बेटामन पबितर-स्थान म जावंय अऊ हर एक झन ला ओकर काम के जिम्मेदारी
सऊंपंय अऊ बतावंय कि कोन ह का उठाके ले जाही।
20 पर कहातीमन पबितर चीजमन ला देखे बर बिलकुल ही भीतर झन जावंय, थोरकन देर बर घलो नइं, नइं
तो ओमन मर जाहीं।”

[illegible]

21 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
22 “गेरसोनीमन के घलो ओमन के परिवार अऊ बंस के मुताबिक गनती कर।
23 तीस ले लेके पचास साल के ओ जम्मो पुरूसमन के गनती कर, जऊन मन मिलापवाला तम्बू म सेवा करे
बर आथें।
24 “सामान ले जवई अऊ ओमन के आने काम म गेरसोनी बंस के मनखेमन के ये सेवा होही:
25 ओमन पबितर-तम्बू के परदा ला उठाके ले जावंय, येमा मिलापवाला तम्बू, कपड़ा के तोपनी अऊ टिकाऊ
खाल के येकर बाहिरी तोपनी, मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म लगे परदामन,
26 पबितर-तम्बू अऊ बेदी के चारों कोति के अंगना के परदामन, अंगना के प्रवेस दुवार म लगे परदा, तम्बू के
सेवा म उपयोग होवइया रस्सी अऊ जम्मो सामानमन होहीं। गेरसोनीमन ये चीजमन ले संबंधित जम्मो काम
ला करहीं।
27 गेरसोनीमन के जम्मो काम, चाहे ओह सामान उठाके ले जवई या आने काम; ये सब हारून अऊ ओकर
बेटामन के निरदेसन म करे जावय। ओमन जऊन काम करहीं, येला एक जिम्मेदारी के रूप म तेंह ओमन ला
सऊंपबे।
28 येह मिलापवाला तम्बू म गेरसोनी बंस के सेवा अय। ओमन अपन काम हारून पुरोहित के बेटा ईतामार के
निरदेसन म करंय।

[illegible]

29 “मरारीमन ला ओमन के बंस अऊ परिवार के मुताबिक गन।
30 तीस ले लेके पचास साल के ओ जम्मो आदमीमन के गनती कर, जऊन मन मिलापवाला तम्बू म सेवा करे
बर आथें।
31 तम्बू म अपन जम्मो सेवा के भाग के रूप म, ओमन पबितर-तम्बू के ढांचा, येकर डंडा, खंभा अऊ
आधारमन ला उठाके ले जावंय,
32 संगे-संग ओमन अंगना के चारों कोति के खंभामन ला ओमन के आधार सहित, तम्बू के खूंटी, रस्सी, ओमन
के जम्मो सामान अऊ ओमन के उपयोग के हर एक चीज ला ले जावंय। हर एक आदमी ला बता कि ओह का
चीज ला ले जाही।
33 हारून पुरोहित के बेटा ईतामार के निरदेसन म मिलापवाला तम्बू म मरारी गोत्र के ये सेवा होही।”

[illegible]

34 तब मूसा, हारून अऊ समाज के अगुवामन कहातीमन ला ओमन के बंस अऊ परिवारमन के मुताबिक
गनती करिन।
35 तीस ले लेके पचास साल के ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन मिलापवाला तम्बू म सेवा करे बर आईन,
36 बंस के मुताबिक 2,750 रिहिन।
37 येह कहाती बंस म ओ जम्मो झन के संखिया रिहिस, जऊन मन मिलापवाला तम्बू म सेवा करिन।
यहोवा के दुवारा मूसा ला दिये गय हुकूम के मुताबिक मूसा अऊ हारून ओमन के गनती करिन।

38 गेरसोनीमन ओमन के कुल अऊ परिवारमन के मुताबिक गने गीन।

39 तीस ले लेके पचास साल के ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन मिलापवाला तम्बू म सेवा करे बर आईन,
40 ओमन के कुल अऊ परिवारमन के मुताबिक ओमन के संखिया 2,630 रिहिस।
41 येह गेरसोनी कुल म ओ जम्मो झन के संखिया रिहिस, जऊन मन मिलापवाला तम्बू म सेवा करिन।
यहोवा के हुकूम के मुताबिक मूसा अऊ हारून ओमन के गनती करिन।

42 मरारीमन ला ओमन के कुल अऊ परिवार के मुताबिक गने गीस।
43 तीस ले लेके पचास साल के ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन मिलापवाला तम्बू म सेवा करे बर आईन,
44 ओमन के कुल के मुताबिक ओमन के संखिया 3,200 रिहिस।
45 येह मरारी बंस के कुल संखिया रिहिस। यहोवा के दुवारा मूसा ला दिये गय हुकूम के मुताबिक मूसा अऊ हारून ओमन के गनती करिन।

46 मूसा, हारून अऊ इसरायल के अगुवामन जम्मो लेवीमन के ओमन के बंस अऊ परिवार के मुताबिक गनती करिन।
47 तीस ले लेके पचास साल के ओ जम्मो पुरूस, जऊन मन सेवा के काम करे बर अऊ मिलापवाला तम्बू ला उठाके ले जाय बर आईन,
48 ओमन के संखिया 8,580 रिहिस।
49 मूसा ला दिये गय यहोवा के हुकूम के मुताबिक हर एक जन ला ओकर काम सऊंपे गीस, अऊ बताय गीस कि कोन ह का चीज ला उठाके ले जाही।

ये किसम ले यहोवा के दुवारा मूसा ला दिये गय हुकूम के मुताबिक ओमन के गनती होईस।

5

[illegible]
1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ला हुकूम दे कि यदि कोनो ला असुध चाम के बेमारी* या देहें ले कोनो चीज निकले, या लास ला छुए से असुध हो गे हवय, ओला सिविर ले बाहिर निकाल दिये जावय।
3 चाहे पुरूस हो या माईलोगन, ओला निकाल दव; ओमन ला सिविर के बाहिर निकाल दव ताकि ओमन सिविर ला असुध झन करंय, जिहां मेंह ओमन के बीच म रहिथंव।"
4 इसरायलीमन अइसने ही करिन; ओमन मनखेमन ला सिविर के बाहिर कर दीन। ओमन वइसने ही करिन, जइसने यहोवा ह मूसा ला निरदेस दे रिहिस।

[illegible]
5 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
6 "इसरायलीमन ला कह: 'जब कोनो पुरूस या माईलोगन कोनो मनखे के संग गलत बरताव करथे अऊ ये किसम ले यहोवा के संग बिसवासघात करके दोसी ठहिरथे,
7 त ओह अपन करे गे पाप ला जरूर मान लेवय। ओह अपन करे गे दोस के पूरा भरपई करय; नुकसान करे गे चीज के दाम म ओकर पांचवां भाग जोड़के ओह ओ मनखे ला दे देवय, जेकर ओह नुकसान करे हवय।
8 पर कहूं ओ मनखे के कोनो नजदीकी रिस्तेदार नइं ए, जेला गलत काम के भरपई करे जा सकय, त फेर भरपई ह यहोवा के हो जाही अऊ येला पुरोहित ला ओ मेढ़ा के संग दे दिये जावय, जेकर संग बिसवासघात करइया मनखे ह पछताप करथे।
9 ओ जम्मो पबितर चीज के बांटा, जेला इसरायलीमन पुरोहित करा लानथें, ओ सब पुरोहित के होही।
10 पबितर चीजमन ओमन के मालिक के अंय, पर जऊन चीज ओमन पुरोहित ला देथें, ओह पुरोहित के हो जाही।' "

[illegible]

---

* **5:2** इबरानी सबद *[illegible]* ला अकसर "कोढ़" अनुवाद करे गे हवय

11 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
12 “इसरायलीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: ‘कहूं कोनो मनखे के घरवाली बदचलन होके ओकर संग
बिसवासघात करथे
13 याने कि कोनो आने मनखे ह ओकर घरवाली संग सुतथे, अऊ ये बात ओकर घरवाला ला मालूम नइं ए
अऊ ओकर असुध होय के पता नइं चले हे (काबरकि ओकर बिरूध कोनो सबूत नइं ए अऊ ओह ओ काम म
पकड़े नइं गे हवय),
14 अऊ कहूं ओकर घरवाला के मन म जलन होथे अऊ ओह अपन घरवाली ऊपर संका करथे कि ओह असुध
हवय—या फेर ओकर घरवाली के असुध नइं होवत घलो, कहूं ओ मनखे ह ओकर ऊपर जलन अऊ संका करथे—
15 तब ओह अपन घरवाली ला पुरोहित करा ले जावय। ओह अपन घरवाली कोति ले एक एपा† के दसवां
भाग जौ के पीसान घलो चढ़ावा के रूप म ले जावय। ओह ओकर ऊपर जैतून के तेल झन डालय या ओकर
ऊपर धूप झन रखय, काबरकि येह जलन बर एक अन्न-बलिदान अय, पाप कोति धियान देय बर एक
सुरता-बलिदान ए।
16 “ ‘पुरोहित ह ओ माईलोगन ला लानय अऊ यहोवा के आघू म ओला ठाढ़ करय।
17 तब पुरोहित ह माटी के सुराही म थोरकन पबितर पानी लेवय अऊ पबितर-तम्बू के फर्स ले कुछू धुर्रा लेके
ओ पानी म डाल देवय।
18 पुरोहित ह ओ माईलोगन ला यहोवा के आघू म ठाढ़ करे के बाद, ओकर बाल ला खोल देवय अऊ ओकर
हांथ म जलन के सुरता-बलिदान, अन्न-बलिदान ला रखय, जबकि पुरोहित ह खुद ओ करू पानी ला धरय, जऊन
ह सराप लानथे।
19 तब पुरोहित ह ओ माईलोगन ला कसम खवाके कहय, “अपन घरवाला के संग बिहाव के जिनगी जीयत,
यदि कोनो आने पुरूस ह तोला असुध नइं करे हवय अऊ तेंह निरदोस हस, त ये सराप लानेवाला करू पानी ले
तोला कोनो हानि नइं होवय।
20 पर यदि अपन घरवाला के संग बिहाव के जिनगी जीयत, तेंह बदचलनी करे हस अऊ अपन घरवाला के
छोंड़ आने पुरूस के संग सुतके अपनआप ला असुध करे हस”—
21 इहां पुरोहित ह ओ माईलोगन ला ये सराप के अधीन रखय—“त यहोवा ह मनखेमन के बीच म तोला
सरापित‡ करय, ओह तोर गरभपात करवा देवय अऊ तोर पेट ह फूल जावय।
22 ये सराप लानेवाला करू पानी ह तोर देहें भीतर जावय, ताकि तोर पेट ह फूल जावय या तोर गरभ गिर
जावय।”
“ ‘तब ओ माईलोगन ह कहय, “आमीन। अइसने ही होवय।”
23 “ ‘पुरोहित ह ये सराप ला एक ठन चामपट्टी§ म लिख लेवय अऊ तब ओला ओ करू पानी म धो लेवय।
24 ओकर बाद ओ सराप लानेवाला करू पानी ला ओह ओ माईलोगन ला पीये बर देवय, तब ये सराप
लानेवाला पानी ओकर भीतर जाही, जेकर ले करू पीरा होथे।
25 तब पुरोहित ह जलन के अन्न-बलिदान ला ओ माईलोगन के हांथ ले लेय लेवय, अऊ येला यहोवा के आघू
म हलावय अऊ येला बेदी करा लानय।
26 तब पुरोहित ह यादगार-बलिदान के रूप म ओ अन्न-बलिदान म ले एक मुठा ले लेवय अऊ येला बेदी
ऊपर जला देवय; ओकर बाद, ओह ओ माईलोगन ला पानी पीयावय।
27 यदि ओह अपनआप ला असुध करे होही अऊ अपन घरवाला के संग बिसवासघात करे होही, त फेर ओकर
ये हाल होही: जब ओला ओ सराप देवइया अऊ बहुंत पीरा देवइया पानी पीयाय जाही, त येह ओकर देहें भीतर
जाके ओकर पेट ला फूला दीही अऊ ओकर गरभ गिर जाही, अऊ ओह अपन मनखेमन के बीच सरापित हो
जाही।
28 पर यदि ओ माईलोगन ह अपनआप ला असुध नइं करे होही, पर साफ होही, त ओह निरदोस ठहिरही अऊ
ओकर गरभ धरे म समस्या नइं होही।
29 “ ‘जलन के संबंध म इही ह सही नियम ए, जब कोनो माईलोगन ह अपन घरवाला के संग बिहाव के
जिनगी जीयत बदचलनी करथे अऊ अपनआप ला असुध करथे,

† **5:15** 1.6 किलोग्राम ‡ **5:21** आने मन देखंय कि तेंह सरापित अस § **5:23** ******* येह चाम या रूख के छाली ले बने पन्ना रहय, जेला लपेटके रखे जावय

30 या जब कोनो मनखे ऊपर अपन घरवाली बर संका के भावना आथे, त येह जलन के कानून अय। पुरोहित
ह ओ माईलोगन ला यहोवा के आघू म ठाढ़ करय अऊ ओकर ऊपर ये जम्मो बिधि पूरा करय।
31 ओ घरवाला ह गलत काम बर निरदोस ठहिरही, पर ओ माईलोगन ला ओकर पाप के दंड मिलही।' "

6

??????

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: 'यदि कोनो माईलोगन या पुरूस कोनो बिसेस मन्नत माने
के दुवारा अपनआप ला एक नाजीर* के रूप म यहोवा ला सऊंप देथे,
3 त जरूरी अय कि ओह अंगूर के मंद अऊ कोनो आने किसम के मंद अऊ अंगूर के मंद ले बने सिरका या आने
किसम के मंद ले अलग रहय। जरूरी अय कि ओह अंगूर के रस झन पीयय या अंगूर या किसमिस झन खावय।
4 जब तक नाजीर ह मन्नत बर अलग रहिथे, तब तक जरूरी अय कि ओह अंगूर के नार के कोनो चीज ला झन
खावय, इहां तक कि अंगूर के छिलका या बीजा ला घलो झन खावय।
5 " 'नाजीर के मन्नत माने के पूरा समय ओह अपन मुड़ म उस्तरा झन चलवाय। ओह तब तक अलग रहय।
जब तक कि यहोवा ला दिये समय ह खतम नइं हो जावय, तब तक ओह पबितर बने रहय; ओह अपन चुंदी ला
लम्बा बाढ़न देवय।
6 " 'यहोवा ला अपन दिये गय समय के बीच म नाजीर ह कोनो लास के लकठा म झन जावय।
7 अऊ त अऊ यदि ओकर खुद के दाई या ददा या भाई या बहिनी घलो मर जावय, तभो ले ओह अपनआप
ला ओमन के कारन संस्कार म असुध झन करय, काबरकि अपनआप ला यहोवा ले मन्नत बर सऊंपे के चिनहां ह
ओकर मुड़ म हवय।
8 अपन मन्नत बर ओ पूरा समय म, ओह यहोवा बर पबितर ठहिरथे।
9 " 'यदि नाजीर के उहां रहत कोनो मनखे ह अचानक मर जावय, त फेर ओकर बाल ह असुध हो जाथे, जऊन
ह कि ओकर मन्नत बर चिनहां अय, ये स्थिति म सातवां दिन याने कि सुध होय के दिन, ओह अपन मुड़ मुड़ा ले।
10 तब आठवां दिन, ओह मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म पुरोहित करा दू ठन पंड़की या दू ठन परेवा पीला
लानय।
11 पुरोहित ह नाजीर बर पछ्ताप करे के खातिर एक ठन ला पाप-बलिदान अऊ आने ला होम-बलिदान के
रूप म चघावय, काबरकि ओह लास करा रहे के दुवारा पाप करे हवय। ओहीच दिन ओह अपन मुड़ ला फेर
पबितर करय।
12 ओह फेर अपनआप ला मन्नत बर यहोवा ला सऊंपे अऊ ओह दोस-बलिदान के रूप म एक साल के
मेढ़ा-पीला लानय। पहिले के दिनमन ला झन गने जावय, काबरकि ओह अपन मन्नत के दौरान असुध हो गे
रिहिस।
13 " 'जब नाजीर के मन्नत बर ठहिराय समय ह पूरा हो जाथे, त येह ओकर कानून अय। ओला मिलापवाला
तम्बू के मुंहटा करा लाने जावय।
14 उहां ओह यहोवा बर अपन बलिदान चघावय: होम-बलिदान बर एक साल के निरदोस मेढ़ा-पीला,
पाप-बलिदान बर एक साल के निरदोस भेड़ी-पीला, अऊ मेल-बलिदान बर एक ठन निरदोस मेढ़ा,
15 संग म अपन अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान, अऊ एक टुकना अखमीरी रोटी, जऊन ह बढ़िया किसम
के पीसान ले बने होवय—मोटहा रोटीमन म जैतून तेल मिले होवय, अऊ पातर रोटीमन के ऊपर जैतून तेल
चुपरे होवय।
16 " 'पुरोहित ह ये जम्मो चीज ला यहोवा के आघू म लानय अऊ पाप-बलिदान अऊ होम-बलिदान चघावय।
17 पुरोहित ह अखमीरी रोटी के टोकरी ला लानय अऊ मेढ़ा ला मेल-बलिदान के रूप म यहोवा ला चढ़ावा
चघावय, संग म अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान ला घलो चघावय।
18 " 'तब मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म, नाजीर ह अपन ओ बाल ला मुड़ावय, जऊन ह कि ओकर मन्नत बर
चिनहां अय। तब ओह ओ बाल ला ले जाके ओ आगी म डार देवय, जऊन ह मेल-बलिदान के चढ़ावा के खाल्हे
म होथे।

---

* **6:2** अलग करे गय या पबितर करे गय मनखे

19 “ ‘जब नाजीर ह बाल ला मुड़वा लेवय, जऊन ह ओकर मन्नत बर चिनहां अय, तब पुरोहित ह ओकर हांथ
म मेढ़ा के एक ठन उबले कंधा, अऊ टुकना के एक ठन मोटहा अखमीरी रोटी अऊ एक ठन पातर अखमीरी रोटी
रख देवय।
20 तब पुरोहित ह येमन ला हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा के आघू म हलावय; येमन पबितर अंय अऊ
पुरोहित के अंय, संग म ओ छाती, जेला हलाय गीस अऊ ओ जांघ जेला चघाय गीस, ओमन घलो पुरोहित के
अंय। ओकर बाद, नाजीर ह अंगूर के मंद पी सकथे।
21 “ ‘येह नाजीर के कानून ए, जऊन ह अपन मन्नत के मुताबिक यहोवा ला मन्नत के चढ़ावा चघाथे, येकर
अलावा अऊ जऊन कुछू ओह दे सकथे, ओह देवय। येह जरूरी अय कि ओह अपन माने गय मन्नत ला नाजीर
के कानून के मुताबिक पूरा करय।’ ”

[illegible] [illegible] [illegible]

22 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
23 “हारून अऊ ओकर बेटामन ला कह, ‘ये किसम ले तुमन इसरायलीमन ला आसीस देवव। ओमन ला कहव:
24 “ ‘ “यहोवा तुमन ला आसीस देवय
अऊ तुम्हर रकछा करय;
25 यहोवा ह अपन चेहरा के अंजोर तुम्हर ऊपर चमकाय
अऊ अनुग्रह करय;
26 यहोवा ह अपन चेहरा तुम्हर कोति करय
अऊ तुमन ला सांति देवय।” ’
27 “ये किसम ले ओमन मोर नांव ला इसरायलीमन म रखंय अऊ मेंह ओमन ला आसीस दूहूं।”

7

[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 जब मूसा ह पबितर-तम्बू ला खड़े कर लीस, त ओह ओला ओकर जम्मो सामान सहित अभिसेक करिस अऊ
ओला पबितर करिस। ओह बेदी अऊ ओकर जम्मो बरतनमन ला घलो अभिसेक करिस अऊ पबितर करिस,
2 तब इसरायल के अगुवामन, परिवारमन के ओ मुखियामन बलिदान चघाईन, जऊन मन ओमन के गोत्र के
मुखिया रिहिन, जेमन ला गने गीस।
3 ओमन यहोवा के आघू म अपन चढ़ावा के रूप म छै ठन ढंपे बईला गाड़ी अऊ बारह ठन बईला
लानिन—एक बईला एक अगुवा ले अऊ एक गाड़ी हर दू झन अगुवा ले। येमन ला ओमन पबितर-तम्बू के आघू
म भेंट कर दीन।
4 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
5 “ये चीजमन ला ओमन ले लेय ले, ताकि येमन के उपयोग मिलापवाला तम्बू के काम म करे जा सकय।
लेवीमन ला ओमन के काम के मुताबिक येमन ला देय दे।”
6 तब मूसा ह गाड़ी अऊ बईलामन ला लेके लेवीमन ला दे दीस।
7 ओह गेरसोन के परिवार ला ओमन के काम के मुताबिक दू ठन गाड़ी अऊ चार ठन बईला दीस,
8 अऊ मरारीमन ला ओमन के काम के मुताबिक चार ठन गाड़ी अऊ आठ ठन बईला दीस। ओमन जम्मो
हारून पुरोहित के बेटा ईतामार के अधीन काम करंय।
9 पर मूसा ह कहातीमन ला कुछू नइं दीस, काबरकि ओमन पबितर चीजमन ला अपन कंधा म उठाके ले
जावंय, अऊ येह ओमन के जिम्मेदारी रिहिस।
10 जब बेदी के अभिसेक करे गीस, तब अगुवामन येकर समरपन बर अपन चढ़ावा ला लानके बेदी के आघू म
रखिन।
11 काबरकि यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस, “बेदी के समरपन बर हर दिन एक अगुवा अपन चढ़ावा ला
लानय।”

12 जऊन ह पहिले दिन चढ़ावा लानिस, ओह यहूदा के गोत्र के अमीनादाब के बेटा नहसोन रिहिस।
13 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:

पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल* वजन के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर
सेकेल† वजन के छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल
ले सने उत्तम पीसान ले भरे रिहिन;
14 धूप ले भरे दस सेकेल‡ के एक ठन सोन के धूपदान;
15 होम-बलिदान बर एक ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
16 पाप-बलिदान§ बर एक ठन बोकरा;
17 अऊ मेल-बलिदान के रूप म चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक
साल के पांच ठन मेढ़ा-पीला।
येह अमीनादाब के बेटा नहसोन के चढ़ावा रिहिस।

18 दूसर दिन इस्साकार गोत्र के अगुवा सूआर के बेटा नतनेल अपन चढ़ावा लानिस।
19 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के
एक ठन छिंचनेवाला चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम
पीसान ले भरे रिहिन;
20 धूप ले भरे दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
21 होम-बलिदान बर एक ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
22 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
23 अऊ मेल-बलिदान के रूप म चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक
साल के पांच ठन मेढ़ा-पीला।
येह सूआर के बेटा नतनेल के चढ़ावा रिहिस।

24 तीसर दिन, जबूलून के मनखेमन के अगुवा हेलोन के बेटा एलीआब अपन चढ़ावा लानिस।
25 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के
एक ठन छिंचनेवाला चांदी के कटोरा, अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम
पीसान ले भरे रिहिन।
26 धूप ले भरे दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
27 होम-बलिदान बर एक ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
28 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
29 अऊ मेल-बलिदान के रूप म चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक
साल के पांच ठन मेढ़ा-पीला।
येह हेलोन के बेटा एलीआब के चढ़ावा रिहिस।

30 चौथा दिन, रूबेन के मनखेमन के अगुवा सदेऊर के बेटा एलीसूर अपन चढ़ावा लानिस।
31 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के
छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा, अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम
पीसान ले भरे रिहिन;
32 धूप ले भरे दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
33 होम-बलिदान बर एक ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
34 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
35 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच
ठन मेढ़ा-पीला।

---

* **7:13** लगभग 1.5 किलोग्राम † **7:13** लगभग 800 ग्राम ‡ **7:14** लगभग 115 ग्राम § **7:16** सुध होय के बलिदान

येह सदेऊर के बेटा एलीसूर के चढ़ावा रिहिस।

36 पांचवां दिन सिमोन के मनखेमन के अगुवा सूरीसद्दाय के बेटा सलूमीएल अपन चढ़ावा लानिस।
37 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम पीसान ले भरे रिहिन;
38 धूप ले भरे, दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
39 होम-बलिदान बर एक ठन बछ्वा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
40 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
41 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच ठन मेढ़ा-पीला।
येह सूरीसद्दाय के बेटा सलूमीएल के चढ़ावा रिहिस।

42 छठवां दिन गाद के मनखेमन के अगुवा दूएल के बेटा एलियासाप अपन चढ़ावा लानिस।
43 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम पीसान ले भरे रिहिन;
44 धूप ले भरे, दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
45 होम-बलिदान बर एक ठन बछ्वा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
46 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
47 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच ठन मेढ़ा-पीला।
येह दूएल के बेटा एलियासाप के चढ़ावा रिहिस।

48 सातवां दिन एपरैम के मनखेमन के अगुवा अमीहूद के बेटा एलीसामा अपन चढ़ावा लानिस।
49 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम पीसान ले भरे रिहिन;
50 धूप ले भरे, दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
51 होम-बलिदान बर एक ठन बछ्वा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
52 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
53 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच ठन मेढ़ा-पीला।
येह अमीहूद के बेटा एलीसामा के चढ़ावा रिहिस।

54 आठवां दिन मनस्से के मनखेमन के अगुवा पदासूर के बेटा गमलीएल ह अपन चढ़ावा लानिस।
55 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम पीसान ले भरे रिहिन;
56 धूप ले भरे दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
57 होम-बलिदान बर एक ठन बछ्वा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;

58 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
59 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच
ठन मेढ़ा-पीला।
येह पदासूर के बेटा गमलीएल के चढ़ावा रिहिस।

60 नौवां दिन बिनयामीन के मनखेमन के अगुवा गिदोनी के बेटा अबीदान ह अपन चढ़ावा लानिस।
61 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के
एक ठन छिंचनेवाला चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम
पीसान ले भरे रिहिन;
62 धूप ले भरे दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
63 होम-बलिदान बर एक ठन बछवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
64 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
65 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच
ठन मेढ़ा-पीला।
येह गिदोनी के बेटा अबीदान के चढ़ावा रिहिस।

66 दसवां दिन दान के मनखेमन के अगुवा अम्मीसद्दाय के बेटा अहीएजेर ह अपन चढ़ावा लानिस।
67 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के एक ठन चांदी के थाली अऊ सत्तर सेकेल के
छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम
पीसान ले भरे रिहिन;
68 धूप ले भरे, दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
69 होम-बलिदान बर एक ठन बछवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
70 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
71 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच
ठन मेढ़ा-पीला।
येह अम्मीसद्दाय के बेटा अहीएजेर के चढ़ावा रिहिस।

72 गियारहवां दिन आसेर के मनखेमन के अगुवा ओकरान के बेटा पगीएल अपन चढ़ावा लानिस।
73 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के चांदी के एक ठन थाली अऊ सत्तर सेकेल के
छिंचनेवाला एक ठन चांदी के कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम
पीसान ले भरे रिहिन;
74 धूप ले भरे, दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
75 होम-बलिदान बर एक ठन बछवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
76 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
77 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच
ठन मेढ़ा-पीला।
येह ओकरान के बेटा पगीएल के चढ़ावा रिहिस।

78 बारहवां दिन नपताली के मनखेमन के अगुवा एनान के बेटा अहीरा अपन चढ़ावा लानिस।
79 ओकर चढ़ावा ये रिहिस:
पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक एक सौ तीस सेकेल के चांदी के एक ठन थाली अऊ सत्तर सेकेल के
छिंचनेवाला चांदी के एक ठन कटोरा; अन्न-बलिदान के रूप म ये दूनों चीज जैतून तेल ले सने उत्तम
पीसान ले भरे रिहिन;

80 धूप ले भरे, दस सेकेल के एक ठन सोन के धूपदान;
81 होम-बलिदान बर एक ठन बछ्वा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक साल के एक ठन मेढ़ा-पीला;
82 पाप-बलिदान बर एक ठन बोकरा;
83 अऊ मेल-बलिदान चघाय बर दू ठन बईला, पांच ठन मेढ़ा, पांच ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के पांच ठन मेढ़ा-पीला।
येह एनान के बेटा अहीरा के चढ़ावा रिहिस।

84 जब बेदी के अभिसेक करे गीस, त ओकर समरपन बर इसरायली अगुवामन के ये चढ़ावा रिहिन:
चांदी के बारह थाली, छिंचे बर चांदी के बारह कटोरा अऊ सोन के बारह धूपदान।
85 हर चांदी के थाली के वजन एक सौ तीस सेकेल, अऊ हर छिंचनेवाला कटोरा के वजन सत्तर सेकेल रिहिस। पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक, जम्मो चांदी के बरतन के वजन दू हजार चार सौ सेकेल* रिहिस।
86 पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक, धूप ले भरे बारह सोन के धूपदान म ले हर एक के वजन दस सेकेल रिहिस। जम्मो धूपदान के वजन एक सौ बीस सेकेल† रिहिस।
87 होम-बलिदान बर पसुमन के कुल संखिया ओमन के अन्न-बलिदान के संग बारह ठन बछ्वा, बारह ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के बारह ठन मेढ़ा-पीला रिहिस। पाप-बलिदान बर बारह ठन बोकरा के उपयोग करे गीस।
88 मेल-बलिदान चघाय बर पसुमन के कुल संखिया चौबीस ठन बईला, साठ ठन मेढ़ा, साठ ठन बोकरा अऊ एक-एक साल के साठ ठन मेढ़ा-पीला रिहिस।

बेदी ला अभिसेक करे के बाद, ओकर समरपन बर येमन ओकर चढ़ावा रिहिन।

89 जब मूसा ह यहोवा ले गोठियाय बर मिलापवाला तम्बू के भीतर गीस, त करार कानून के सन्दूक ला ढंके पछ्ताप ढकना के ऊपर दूनों करूबमन के बीच ले ओला गोठियाय के अवाज सुनाई दीस। ये किसम ले यहोवा ह मूसा ले गोठियाईस।

8

[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "हारून ले बात कर अऊ ओला कह, 'जब भी तेंह दीयामन ला मढ़ाथस, त धियान रख कि जम्मो सातों दीया दीवट के सामने कोति अंजोर देवंय।' "
3 हारून ह वइसने करिस; ओह दीयामन ला मढ़ाईस कि ओमन दीवट के सामने अंजोर देवंय, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
4 ये दीवट ला ये किसम ले बनाय गे रिहिस: येकर आधार ले लेके येकर फूल तक येह हथौड़ी ले पीटे गय सोन के बने रिहिस। दीवट ह बिलकुल ओहीच नमूना म बने रिहिस, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला देखाय रिहिस।

[illegible]

5 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस:
6 "जम्मो इसरायलीमन के बीच ले लेवीमन ला अलग कर अऊ ओमन ला बिधि के मुताबिक सुध कर।
7 ओमन ला सुध करे बर तेंह अइसने कर: सुध करइया पानी के छिड़काव ओमन ऊपर कर; तब ओमन अपन पूरा देहें म उस्तरा चलवांय अऊ अपन कपड़ा ला धोवंय। अऊ अइसने ओमन अपनआप ला सुध करंय।
8 तब ओमन जैतून तेल ले सने उत्तम पीसान के अन्न-बलिदान के संग एक ठन बछ्वा लेवंय, अऊ पाप-बलिदान* बर तें एक ठन दूसर बछ्वा ले।
9 ओकर बाद लेवीमन ला मिलापवाला तम्बू के आघू म लान अऊ जम्मो इसरायली समाज ला इकट्ठा कर।
10 तेंह लेवीमन ला यहोवा के आघू म लानबे, अऊ इसरायलीमन ओमन ऊपर अपन हांथ रखंय।

---

* **7:85** लगभग 28 किलोग्राम † **7:86** लगभग 1.4 किलोग्राम * **8:8** या [illegible]

11 तब हारून ह इसरायलीमन कोति ले लेवीमन ला यहोवा के आघू म एक हलाय-बलिदान के रूप म लानय,
ताकि ओमन यहोवा के काम करे बर तियार होवंय।
12 "तब लेवीमन अपन हांथ बछुवामन के मुड़ ऊपर रखंय; येमा के एक ठन बछुवा के उपयोग यहोवा ला
पाप-बलिदान बर अऊ दूसर बछुवा के उपयोग लेवीमन के पछुताप करे बर होम-बलिदान के रूप म करे जावय।
13 ओकर बाद लेवीमन ला हारून अऊ ओकर बेटामन के आघू म ठाढ़ कर अऊ तब ओमन ला एक
हलाय-बलिदान के रूप म यहोवा ला अरपन कर।
14 ये किसम ले तेंह लेवीमन ला आने इसरायलीमन ले अलग करबे, अऊ लेवीमन मोर होहीं।
15 "जब तेंह लेवीमन ला सुध करके ओमन ला एक हलाय-बलिदान के रूप म अरपन कर लेबे, तब ओमन
मिलापवाला तम्बू म अपन काम करे बर आवंय।
16 येमन ओ इसरायली अंय, जेमन ला पूरा मोला दिये जावय। मेंह ओमन ला अपन जानके के पहिलांतमन
के जगह म याने कि हर एक इसरायली माईलोगनमन के पहिला जनमे लड़का के रूप म लेय ले हंव।
17 इसरायल म हर पहिला जनमे नर, चाहे ओह मनखे होवय या पसु, ओह मोर अय। मेंह ओमन ला अपन बर
पबितर करे हंव, जब मेंह मिसर देस म जम्मो पहिलांतमन ला मार डारेंव।
18 अऊ मेंह इसरायल म जम्मो पहिलांत बेटामन के जगह म लेवीमन ला लेय ले हंव।
19 जम्मो इसरायलीमन के बीच ले, मेंह लेवीमन ला एक भेंट के रूप म हारून अऊ ओकर बेटामन ला देय दे
हंव कि ओमन इसरायलीमन कोति ले मिलापवाला तम्बू म काम करंय अऊ ओमन बर प्रायस्चित करंय, ताकि
जब इसरायलीमन पबितर-स्थान के लकठा म जावंय त ओमन ऊपर कोनो महामारी झन आवय।"
20 मूसा, हारून अऊ पूरा इसरायली समाज ह लेवीमन के संग वइसे ही करिन, जइसे यहोवा ह मूसा ला
हुकूम दे रिहिस।
21 लेवीमन अपनआप ला सुध करिन अऊ अपन ओनहा ला धोईन। तब हारून ह ओमन ला यहोवा के आघू
म हलाय-बलिदान के रूप म अरपन करिस अऊ ओमन ला सुध करे बर ओमन बर प्रायस्चित करिस।
22 ओकर बाद, लेवीमन हारून अऊ ओकर बेटामन के देखरेख म मिलापवाला तम्बू म अपन काम करे बर
आईन। ओमन लेवीमन के संग वइसने ही करिन, जइसे यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
23 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
24 "ये नियम लेवीमन ऊपर लागू होथे: पच्चीस साल या ओकर ले जादा उमर के मनखेमन मिलापवाला तम्बू
म काम करे बर आवंय,
25 पर पचास साल के उमर म, ओमन अपन नियमित सेवा ले हट जावंय अऊ फेर काम झन करंय।
26 येकर बाद ओमन मिलापवाला तम्बू म अपन भाईमन† के काम म मदद कर सकत हें, पर ओमन खुद होके
कोनो काम झन करंय। ये किसम ले तेंह लेवीमन ला ओमन के जिम्मेदारी सऊंपबे।"

9

[illegible]

1 इसरायलीमन के मिसर देस ले निकल आय के दूसरा साल के पहिला महिना म यहोवा ह सीनय के सुन्ना
जगह म मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ठहिराय गे समय म फसह के तिहार मनावंय।
3 ठहिराय गे समय म, इही महिना के चौदहवां दिन सूरज बुड़े के पाछू, तुमन येला येकर जम्मो नियम अऊ
बिधि के मुताबिक मनावव।"
4 तब मूसा ह इसरायलीमन ला फसह के तिहार मनाय बर कहिस,
5 अऊ ओमन सीनय के सुन्ना जगह म, पहिला महिना के चौदहवां दिन, सूरज बुड़े के पाछू फसह ला मनाईन।
इसरायलीमन हर चीज वइसने ही करिन, जइसने कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।
6 पर ओमा के कुछू झन ओ दिन फसह नइं मना सकिन, काबरकि एक लास के कारन ओमन बिधि के मुताबिक
असुध रिहिन। एकरसेति ओहीच दिन ओमन मूसा अऊ हारून करा आईन

† **8:26** अपन संगी लेवीमन

7 अऊ मूसा ला कहिन, “हमन एक लास के कारन असुध हो गे हन, पर ठहिराय गे समय म, यहोवा ला चढ़ावा
चघाय बर, आने इसरायलीमन ले हमन ला काबर अलग करे जावथे?”
8 मूसा ह ओमन ला जबाब दीस, “मेंह पता लगात हंव कि तुम्हर बारे म यहोवा के का हुकूम अय, तब तक
तुमन ठहिरे रहव।”
9 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
10 “इसरायलीमन ला बता: ‘जब तुमन म ले कोनो या तुम्हर संतान म के कोनो मनखे कोनो लास के कारन
असुध हवय या कोनो काम ले बाहिर गे हवय, तब भी ओह यहोवा के फसह ला मना सकत हे,
11 पर ओह दूसरा महिना के चौदहवां दिन बेर बुड़े के बाद येला मनावय। ओह मेढ़ा के मांस ला अखमीरी
रोटी अऊ करू साग के संग खावय।
12 ओह बिहनियां होवत तक कुछू ला झन छोंड़य या येकर कोनो हाड़ा ला झन टोरय। जब ओह फसह तिहार
ला मनावय, त ओह जम्मो बिधि के पालन करय।
13 पर यदि बिधि के मुताबिक सुध हवय अऊ यातरा म नइं ए, पर फसह के तिहार ला नइं मनाथे, त ओला
अपन मनखेमन ले अलग करे जाय, काबरकि ओह ठहिराय गे समय म यहोवा ला चढ़ावा के अरपन नइं करिस।
ओह अपन पाप के दुख भोगही।
14 “ ‘यदि कोनो परदेसी तुम्हर बीच म रहत हवय, त ओह घलो नियम अऊ बिधि के मुताबिक यहोवा के फसह
ला मनावय। देस म जनमे मनखे अऊ परदेसी दूनों बर फसह माने के तुम्हर ओहीच बिधि होवय।’ ”

[illegible]

15 जऊन दिन पबितर-तम्बू, करार कानून के तम्बू ला खड़े करे गीस, ओ दिन बादर ह येला ढांप लीस। सांझ
ले लेके बिहनियां तक बादर ह पबितर-तम्बू ऊपर आगी सहीं दिखिस।
16 अऊ हर दिन अइसने ही होईस; बादर ह येला ढांपय, अऊ रथिया के बेरा येह आगी सहीं दिखय।
17 जब भी बादर ह तम्बू के ऊपर ले उठय, त इसरायलीमन आघू बढ़ंय, अऊ जिहां भी बादर ह ठहर जावय,
उहां इसरायलीमन डेरा डालंय।
18 यहोवा के हुकूम ले इसरायलीमन आघू बढ़िन, अऊ ओकर हुकूम ले ही ओमन डेरा डालिन। जब तक बादर
ह पबितर-तम्बू के ऊपर रहय, ओमन डेरा डाले रहंय।
19 जब बादर ह पबितर-तम्बू के ऊपर बहुंत दिन तक बने रहय, त इसरायलीमन यहोवा के हुकूम ला मानंय
अऊ आघू नइं बढ़ंय।
20 कभू-कभू बादर ह पबितर-तम्बू ऊपर सिरिप कुछू दिन बर रहय; यहोवा के हुकूम ले ओमन डेरा डालंय,
अऊ तब ओकर हुकूम ले ही ओमन आघू बढ़ंय।
21 कभू-कभू बादर ह सिरिप सांझ ले बिहनियां तक रहय, अऊ जब येह बिहनियां उठय, त ओमन आघू बढ़
जावंय। चाहे दिन हो या रथिया, जब भी बादर ह उठ जावय, ओमन आघू बढ़ जावंय।
22 जब भी बादर ह पबितर-तम्बू ऊपर दू दिन या एक महिना या एक साल बर ठहिरय, त इसरायलीमन डेरा
म रहंय अऊ आघू नइं बढ़ंय; पर जब येह उठ जावय, त ओमन आघू बढ़ंय।
23 यहोवा के हुकूम ले ओमन डेरा डालंय, अऊ यहोवा के हुकूम ले ही ओमन आघू बढ़ंय। ओमन यहोवा के
हुकूम मानंय, जेला ओह मूसा के जरिये ओमन ला देवय।

10

[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस:
2 “चांदी ला पीटके दू ठन तुरही बना, अऊ ओमन के उपयोग समाज ला एक संग जूरे बर अऊ सिविर के आघू
बढ़े बर कर।
3 जब दूनों तुरही बजाय जावंय, त पूरा समाज मिलापवाला तम्बू के दुवार म तोर आघू म जूर जावय।
4 अऊ यदि सिरिप एक ठन ला बजाय जावय, त अगुवामन—इसरायल के गोत्र के मुखियामन तोर आघू म
जूर जावंय।
5 जब तुरही ला एक बार जोर से फूंके जावय, त पूरब दिसा म डेरा डाले गोत्र के मन आघू बढ़ंय।

6 तुरही ला दूसर बार जोर से फूंके जावय, त दक्खिन कोति डेरा डाले मनखेमन आघू बढ़ंय। तुरही ला जोर से
फूंकई ह आघू बढ़े के संकेत होही।
7 समाज ला इकट्ठा करे बर तुरहीमन ला फूंके जावय, पर येमा आघू बढ़े के संकेत झन होवय।
8 "हारून के बेटा, पुरोहितमन तुरही ला फूंकंय। येह हमेसा के बिधि होवय अऊ अवइया पीढ़ीमन म घलो
येकर पालन करे जावय।
9 जब तुमन अपन ही देस म कोनो बईरी के बिरूध लड़े बर निकलव, जऊन ह तुम्हर ऊपर अतियाचार करत
हे, त तुरहीमन ला एक बार जोर से बजावव। तब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला सुरता करही अऊ तुम्हर
बईरीमन ले बचाही।
10 अपन आनंद मनाय के बेरा—तुम्हर ठहिराय गय तिहार अऊ नवां चंदा के जेवनार के बेरा, तुमन
होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चढ़ावा के समय तुरहीमन ला फूंकव, अऊ ओह तुम्हर बर परमेसर के आघू म
एक सुरता करइया होही। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।"

[illegible]

11 इसरायलीमन के मिसर देस ले निकले के दूसरा साल के दूसरा महिना के बीसवां दिन बादर ह करार के
कानून के पबितर-तम्बू के ऊपर ले उठ गीस।
12 तब इसरायलीमन सीनय के सुन्ना जगह ले आघू बढ़िन अऊ जगह-जगह होवत ओमन आघू बढ़त गीन
जब तक कि बादर ह पारान के सुन्ना जगह म ठहर नइं गीस।
13 ओमन पहिली बार, मूसा के जरिये यहोवा के हुकूम के मुताबिक आघू बढ़िन।
14 पहिले यहूदा के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन आघू बढ़िन। अमीनादाब के बेटा नहसोन ओमन के
अगुवा रिहिस।
15 इस्साकार गोत्र के दल के अगुवा सूआर के बेटा नतनेल,
16 अऊ जबूलून के गोत्र के दल के अगुवा हेलोन के बेटा एलीआब रिहिस।
17 तब पबितर-तम्बू ला उसाले गीस, अऊ गेरसोनी अऊ मरारीमन येला उठाके आघू बढ़िन।
18 ओकर बाद, रूबेन के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन आघू बढ़िन। सदेऊर के बेटा एलीसूर ओमन
के अगुवा रिहिस।
19 सिमोन के गोत्र के दल के अगुवा सूरीसद्दाय के बेटा सलूमीएल,
20 अऊ गाद के गोत्र के दल के अगुवा दूएल के बेटा एलियासाप रिहिस।
21 तब कहातीमन पबितर चीजमन ला उठाके आघू बढ़िन। ओमन के हबरे के पहिले पबितर-तम्बू ला गाड़े
जावय।
22 ओकर बाद एपरैम के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन बढ़िन। अमीहूद के बेटा एलीसामा ह ओमन
के अगुवा रिहिस।
23 मनस्से के गोत्र के दल के अगुवा पदासूर के बेटा गमलीएल,
24 अऊ बिनयामीन के गोत्र के दल के अगुवा गिदोनी के बेटा अबीदान रिहिस।
25 आखिरी म, जम्मो दल बर पाछू के पहरेदार के रूप म, दान के सिविर के दलमन अपन झंडा के अधीन आघू
बढ़िन। अम्मीसद्दाय के बेटा अहीएजेर ओमन के अगुवा रिहिस।
26 आसेर के गोत्र के दल के अगुवा ओकरान के बेटा पगीएल,
27 अऊ नपताली के गोत्र के दल के अगुवा एनान के बेटा अहीरा रिहिस।
28 इसरायलीमन जब भी आघू बढ़ंय, त ओमन के दलमन के क्रम अइसने ही रहय।
29 मूसा ह अपन ससुर रूएल, जऊन ह मिदयानी रिहिस, ओकर बेटा होबाब ला कहिस, "हमन ओ जगह म
जावत हन, जेकर बारे म यहोवा ह कहे हवय, 'मेंह ओ जगह तुमन ला दूहूं।' तें घलो हमर संग आ अऊ हमन
तोर बने धियान रखबो, काबरकि यहोवा ह इसरायल बर बने चीजमन के वायदा करे हे।"
30 होबाब ह जबाब दीस, "नइं, में नइं जावंव; मेंह अपन देस अऊ अपन मनखेमन करा वापिस जावत हंव।"

31 पर मूसा ह कहिस, “हमन ला झन छोंड़। तेंह जानथस कि सुन्ना जगह म हमन ला कहां डेरा डालना चाही,
अऊ तें हमर बर आंखी* सहीं अस।
32 यदि तेंह हमर संग आबे, त जऊन भी बने चीज यहोवा ह हमन ला दीही, ओला हमन तोर संग बांटबो।”
33 तब इसरायलीमन यहोवा के पहाड़ ले आघू बढ़िन अऊ तीन दिन तक चलते रिहिन। ओ तीन दिन के दौरान,
यहोवा के करार के सन्दूक ह ओमन बर एक ठन अराम के जगह के खोज म ओमन के आघू-आघू बढ़ते रिहिस।
34 जब ओमन डेरा ले आघू बढ़ंय, त दिन के बेरा यहोवा के बादर ह ओमन के ऊपर बने रहय।
35 जब भी सन्दूक ह आघू बढ़य, त मूसा ह कहय,
“हे यहोवा, उठ!
तोर बईरीमन तितिर-बितिर हो जावंय;
तोर बईरीमन तोर आघू ले भाग जावंय।”
36 जब भी सन्दूक ह ठहर जावय, त मूसा ह कहय,
“हे यहोवा, इसरायल के
हजारों-हजार मनखेमन करा लहुंट आ।”

11

[illegible]

1 अब इसरायलीमन यहोवा के सुनत म अपन तकलीफ के सिकायत करे लगिन, अऊ जब ओह ओमन के बात
ला सुनिस, त ओकर गुस्सा भड़क उठिस। तब ओमन के बीच यहोवा के आगी बरिस अऊ सिविर के कुछू बाहिरी
भाग ला जलाके भसम कर दीस।
2 जब मनखेमन मूसा करा आके गोहार पारिन, त ओह यहोवा ले पराथना करिस अऊ आगी ह बुता गीस।
3 एकरसेति ओ जगह ला तबेरा* कहे गीस, काबरकि यहोवा के आगी ह ओमन के बीच बरे रिहिस।

[illegible]

4 ओकर बाद ओमन के संग के हल्ला मचानेवालामन आने जेवन खाय के लालसा करे लगिन, अऊ फेर
इसरायलीमन बिलाप करत कहिन, “कास हमर करा खाय बर मांस होतिस!
5 हमन ला मिसर के मछरी के सुरता आवत हे, जेला मुफत म खावत रहेंन—खीरा, कलिंदर, कांदा, गोंदली,
अऊ लहसुन घलो।
6 पर अब हमर भूख ह खतम हो गे हवय; हमन ला ये मन्ना के छोंड़ अऊ कुछू नइं दिखय!”
7 मन्ना ह धनियां के बीजा सहीं रिहिस अऊ रंग ह मोती सहीं दिखय।
8 मनखेमन आसपास जाके ओला संकेलंय, अऊ तब ओला जांता म पीसंय या ओखली म कुटंय। ओमन
ओला एक बरतन म रांधंय या ओकर रोटी बनांय। अऊ येकर सुवाद ह जैतून तेल ले बने कुछू चीज सहीं लगय।
9 जब रथिया सिविर म ओस पड़य, त संग म मन्ना घलो गिरय।
10 मूसा ह हर परिवार के मनखेमन ला अपन-अपन तम्बू के दुवार म रोवत सुनिस। यहोवा ह बहुंत गुस्सा
करिस, अऊ मूसा ह परेसान हो गीस।
11 तब मूसा ह यहोवा ले पुछिस, “तेंह अपन सेवक ऊपर ये समस्या काबर लाने हस? मेंह अइसने का काम
करके तोला दुखी करेंव कि ये जम्मो मनखेमन के बोझ मोर ऊपर डाल दे हस?
12 का ये जम्मो मनखेमन मोर गरभ म रिहिन? का येमन ला में जनमांय? तेंह मोला काबर कहिथस कि
जइसने एक धाई ह छोटे लइका ला अपन कोरा म पाके चलथे, वइसने येमन ला ओ देस म लेके जा, जेला देय
के वायदा तेंह येमन के पुरखामन ले कसम खाके करे रहय?
13 मेंह ये जम्मो झन बर मांस कहां ले लानंव? येमन लगातार रो-रोके मांगत रहिथें, ‘हमन ला खाय बर मांस
दे!’
14 मेंह एके झन ये जम्मो मनखेमन के भार नइं उठा सकंव; येह मोर बर भारी हे।
15 यदि ये किसम ले तोला मोर संग बरताव करना हे, त आघू बढ़ अऊ मोला मार डार—यदि तोर दया के
नजर मोर ऊपर हवय, त मोला अपन खुद के दुरदसा ला झन देखा।”

---

* **10:31** [illegible] या [illegible] * **11:3** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

16 यहोवा ह मूसा ला कहिस: “मोर करा इसरायल के सत्तर अइसने अगुवामन ला लान, जेमन ला तेंह
मनखेमन के अगुवा अऊ अधिकारी के रूप म जानथस। ओमन ला मिलापवाला तम्बू करा ले आ कि ओमन उहां
तोर संग ठाढ़ होवंय।
17 तब मेंह खाल्हे उतरके उहां तोर ले गोठियाहूं, अऊ जऊन आतमा के सक्ति तोर म हवय, ओमा ले कुछू
सक्ति लेके मेंह ओमन म डार दूहूं। ओमन तोर संग मिलके मनखेमन के ये बोझा ला उठाहीं, ताकि तोला एके
झन येला उठाना झन पड़य।
18 “मनखेमन ला कह: ‘कल के तियारी म अपनआप ला पबितर करव, कल तुमन ला मांस खाय बर मिलही।
काबरकि यहोवा ह तुम्हर ओ बात ला सुन ले हवय, जब तुमन बिलाप करके कहेव, “कास हमन ला मांस खाय बर
मिलतिस! मिसर देस म ही हमर दसा बने रिहिस!” अब यहोवा ह तुमन ला मांस दीही, अऊ तुमन ओला खाहू।
19 तुमन ओला सिरिप एक दिन, या दू दिन, या पांच, दस या बीस दिन नइं,
20 पर पूरा एक महिना तक खाहू—जब तक कि येह तुम्हर नाक ले निकले नइं लगे अऊ येकर ले तुमन ला
घिन नइं हो जावय—काबरकि तुमन यहोवा ला तुछ जाने हव, जऊन ह तुम्हर बीच म हवय, अऊ तुमन ओकर
आघू म ये कहिके बिलाप करे हव, “हमन काबर मिसर देस ला छोंड़के आ गेंन?” ’ ”
21 पर मूसा ह कहिस, “इहां मेंह छै लाख पैदल चलइया मनखेमन के बीच हवंव, अऊ तेंह कहिथस, ‘मेंह पूरा
एक महिना येमन ला खाय बर मांस दूहूं!’
22 यदि पसु अऊ चिरईमन के झुंड घलो काटे जाय, त का येमन ला पूरही? यदि समुंदर के जम्मो मछरी ला
घलो येमन बर पकड़े जावय, त का येमन ला पूरही?”
23 यहोवा ह मूसा ला जबाब दीस, “का यहोवा के हांथ अतेक छोटे हवय? अब तेंह देखबे कि जऊन बात मेंह
तोला कहे हंव, ओह सच होथे कि नइं।”
24 तब मूसा ह बाहिर निकलिस अऊ मनखेमन ला यहोवा के कहे बात ला बताईस। ओह ओमन के सत्तर
अगुवामन ला इकट्ठा करिस अऊ ओमन ला तम्बू के लकठा म ठाढ़ करिस।
25 तब यहोवा ह बादर म होके खाल्हे उतरिस अऊ मूसा ले गोठियाईस, अऊ जऊन आतमा के सक्ति मूसा म
रिहिस, ओमा ले कुछू सक्ति लेके, ओह ओ सत्तर अगुवामन म डार दीस। जब ओ आतमा ओमन म आईस, त
ओमन अगमबानी करे लगिन—पर एकर बाद ओमन फेर दूबारा नइं करिन।
26 पर दू झन मनखे सिविर म रह गीन, जेमा के एक झन के नांव एलदाद अऊ दूसर के नांव मेदाद रिहिस।
ओमन के नांव अगुवामन के सूची म रिहिस, पर ओमन बाहिर तम्बू करा नइं गीन। तभो ले आतमा ह ओमन म
आईस, अऊ ओमन घलो सिविर म अगमबानी करे लगिन।
27 एक जवान ह दऊड़के गीस अऊ मूसा ला बताईस, “एलदाद अऊ मेदाद सिविर म अगमबानी करत हें।”
28 नून के बेटा यहोसू, जऊन ह अपन जवानी के समय ले मूसा के सहायक रिहिस; ओह मूसा ला कहिस, “हे
मोर मालिक, मूसा, ओमन ला मना कर!”
29 पर मूसा ह जबाब दीस, “का मोर कारन तोला जलन होवत हे? बने होतिस कि यहोवा के जम्मो मनखेमन
अगमजानी होतिन अऊ यहोवा ह अपन आतमा ओमन म डार देतिस!”
30 तब मूसा अऊ इसरायल के ओ अगुवामन डेरा म वापिस चल दीन।
31 यहोवा कोति ले एक गरेर चलिस अऊ ये गरेर ह समुंदर ले बटेर चिरईमन ला ले आईस। येह बटेरमन ला
दू क्यूबीट† ऊंचई तक डेरा के चारों कोति, हर दिसा म एक दिन के रसता तक बगरा दीस।
32 ओ पूरा दिन अऊ रथिया अऊ दूसर दिन घलो मनखेमन बाहिर जाके बटेरमन ला संकेलिन। कम से कम
बटोरनेवाला घलो दस होमेर‡ ले कम नइं बटोरिस। तब ओमन ओ बटेरमन ला सिविर के चारों कोति बगरा दीन।
33 पर खाय के बेरा जब मांस ह ओमन के मुहूं म ही रिहिस अऊ येकर पहिले कि ओमन ओला चबाके
लीलतिन, यहोवा के कोरोध ह ओमन ऊपर भड़क उठिस अऊ ओह ओमन के बीच बड़े महामारी फईला दीस।
34 एकरसेति ओ जगह के नांव किबरोत-हतावा§ पड़िस, काबरकि उहां ओमन ओ मनखेमन ला माटी दे
रिहिन, जेमन आने जेवन के लालसा करे रिहिन।

---

† **11:31** लगभग 3 फीट या 90 सेन्टीमीटर ‡ **11:32** लगभग 1006 किलोग्राम § **11:34** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

35 ओकर बाद किबरोत-हतावा ले मनखेमन हसेरोत गीन अऊ उहां रूक गीन।

12

[illegible]

1 मूसा ह एक कूसी माईलोगन ले बिहाव कर ले रिहिस, त मिरियम अऊ हारून ओकर कूसी घरवाली के
कारन ओकर बिरूध गोठियाय लगिन।
2 ओमन कहिन, "का यहोवा ह सिरिप मूसा के दुवारा ही बात करे हवय? का ओह हमर दुवारा घलो बात नइं
करे हवय?" अऊ यहोवा ह ये बात ला सुनिस।
3 (मूसा ह एक बहुंत नम्र सुभाव के मनखे रिहिस, धरती म ओकर ले जादा अऊ कोनो नम्र मनखे नइं रिहिन।)
4 तुरते यहोवा ह मूसा, हारून अऊ मिरियम ला कहिस, "तुमन तीनों झन बाहिर मिलापवाला तम्बू करा
आवव।" त ओ तीनों झन बाहिर आ गीन।
5 तब यहोवा ह बादर के एक खंभा म खाल्हे आईस; ओह तम्बू के दुवार करा ठाढ़ हो गीस अऊ हारून अऊ
मिरियम ला बलाईस। जब ओ दूनों झन आघू आईन,
6 त यहोवा ह कहिस, "मोर बात ला सुनव:
"जब तुम्हर बीच म कोनो अगमजानी होथे,
त में, यहोवा अपनआप ला ओकर करा दरसन म परगट करथंव,
मेंह ओकर ले सपना म गोठियाथंव।
7 पर ये बात मोर सेवक मूसा बर लागू नइं होवय;
ओह मोर जम्मो घर* म बिसवासयोग्य ए।
8 ओकर संग मेंह आमने-सामने,
अऊ साफ-साफ गोठियाथंव, पहेलीमन म नइं गोठियावंव;
ओह यहोवा के स्वरूप ला देखथे।
तब तुमन काबर मोर सेवक मूसा के बिरूध
गोठियाय बर नइं डरेव?"
9 तब यहोवा के कोरोध ओमन ऊपर भड़किस, अऊ ओह ओमन ला छोंड़के चल दीस।
10 जब बादर ह तम्बू के ऊपर ले उठ गीस, त मिरियम ला कोढ़ के बेमारी हो गीस अऊ ओह बरफ सहीं सफेद
हो गीस। हारून ह ओकर कोति मुड़िस अऊ देखिस कि ओला असुध करइया चाम-रोग हो गे हे,
11 अऊ ओह मूसा ला कहिस, "हे मोर मालिक, मेंह बिनती करत हंव कि हमर ओ पाप ला झन धर, जेला
हमन बहुंत मुरूख होके करे हवन।
12 ओला दाई के गरभ ले निकलत आधा गले देहेंवाले लइका सहीं झन रहन दे।"
13 तब मूसा ह यहोवा ले गोहारिस, "हे परमेसर, किरपा करके ओला बने कर दे!"
14 यहोवा ह मूसा ला जबाब दीस, "यदि ओकर ददा ह ओकर चेहरा म थूक दे होतिस, त का ओह सात दिन
तक कलंक म नइं रहितिस; ओला सात दिन तक सिविर के बाहिर रखव; ओकर बाद ओला वापिस लाने जावय।"
15 तब मिरियम ला सात दिन तक सिविर के बाहिर रखे गीस, अऊ मनखेमन आघू नइं बढ़िन जब तक कि
ओला वापिस नइं लाने गीस।
16 ओकर बाद, मनखेमन हसेरोत ले आघू बढ़िन अऊ पारान के सुन्ना जगह म डेरा डालिन।

13

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "कुछू मनखेमन ला कनान देस के खोजबीन करे बर भेज, जेला मेंह इसरायलीमन ला देनेवाला हंव। हर
पुरखा के गोत्र म ले एक-एक झन अगुवा ला भेज।"
3 तब यहोवा के हुकूम पाके मूसा ह ओमन ला पारान के सुन्ना जगह ले पठो दीस। ओ जम्मो झन
इसरायलीमन के अगुवा रिहिन।

---

* **12:7** या [illegible]

4 ओमन के नांव ये अंय:

रूबेन के गोत्र ले जक्कूर के बेटा सम्मू;
5 सिमोन के गोत्र ले होरी के बेटा सापात;
6 यहूदा के गोत्र ले यपुन्ने के बेटा कालेब;
7 इस्साकार के गोत्र ले यूसुफ के बेटा इगाल;
8 एपरैम के गोत्र ले नून के बेटा होसे;
9 बिनयामीन के गोत्र ले राफू के बेटा पलती;
10 जबूलून के गोत्र ले सोदी के बेटा गदीएल;
11 मनस्से के गोत्र ले (यूसुफ के एक गोत्र) सूसी के बेटा गद्दी;
12 दान के गोत्र ले गमली के बेटा अमीएल;
13 आसेर के गोत्र ले मिकाएल के बेटा सतूर;
14 नपताली के गोत्र ले वोपसी के बेटा नहबी;
15 गाद के गोत्र ले माकी के बेटा गूएल।

16 ये ओ मनखेमन के नांव ए, जेमन ला मूसा ह देस के खोजबीन करे बर पठोईस। (मूसा ह नून के बेटा होसे के नांव यहोसू रखिस।)

17 जब मूसा ह ओमन ला कनान देस के खोजबीन करे बर पठोईस, त ओह कहिस, "तुमन नेगेव राज* म होवत पहाड़ी देस म जावव।
18 देखव कि ओ देस ह कइसे हवय अऊ जऊन मनखेमन उहां रहिथें, ओमन बलवान हें कि कमजोर, संखिया म कम हवंय कि जादा।
19 कइसे हवय ओ देस, जेमा ओमन रहिथें? बने कि खराप? रहे के नगरमन कइसे हवंय? ओ नगरमन खुला हवंय कि चारों कोति दीवार बने हवय?
20 उहां के माटी कइसे हवय? उपजाऊ हे या बंजर? उहां रूखमन हवंय कि नइं? ओ देस म ले कुछू फर लाने के पूरा कोसिस करव।" (येह पाके अंगूर के पहिली-फसल के मौसम रिहिस।)
21 त ओमन गीन अऊ सीन के सुन्ना जगह ले लेके लेबो-हमात कोति रहोब नगर तक ओ देस के खोजबीन करिन।
22 ओमन नेगेव कोति ले होवत हेबरोन आ गीन, जिहां अनाक के बंसज अहीमन, सेसै अऊ तलमै रहत रिहिन। (हेबरोन सहर ह मिसर के सोअन ले सात साल पहिले बन गे रिहिस।)
23 जब ओमन एसकोल† के घाटी म हबरिन, त ओमन अंगूर के एक नार ला काट लीन, जेमा अंगूर के सिरिप एके ठन गुच्छा रिहिस। ओमा के दू झन येला कुछू अनार अऊ अंजीर के संग एक ठन लउठी म लटकात बोहके ले चलिन।
24 ओ जगह ला एसकोल के घाटी कहे गीस काबरकि उहां इसरायलीमन अंगूर के एक गुच्छा ला काटे रिहिन।
25 चालीस दिन के बाद ओमन ओ देस के खोजबीन करके लहुंट आईन।

[illegible]

26 ओमन पारान के सुन्ना जगह के कादेस नगर म मूसा अऊ हारून अऊ जम्मो इसरायली समाज करा वापिस आईन। ओमन उहां ओमन ला अऊ जम्मो इसरायली सभा ला लेखा-जोखा दीन अऊ ओ देस के फर ओमन ला देखाईन।
27 ओमन मूसा ला बताईन: "हमन ओ देस म गेंन, जिहां तेंह हमन ला पठोय रहय, ओ देस म दूध अऊ मंधरस बहुंत हवय! हमन उहां ले ये कुछू फर लेके आय हन।
28 पर उहां के मनखेमन बलवान अंय, सहरमन के चारों कोति किला हे अऊ सहरमन बहुंत बड़े हवंय। अऊ त अऊ हमन उहां अनाक के संतानमन ला घलो देखेंन।

---

* **13:17** [illegible] या [illegible] † **13:23** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

29 अमालेकीमन नेगेव म रहिथें; हित्ती, यबूसी अऊ अमोरी पहाड़ी इलाका म रहिथें; अऊ कनानीमन समुंदर
के लकठा म, यरदन नदी के तीरे-तीर रहिथें।"
30 तब कालेब ह मूसा के आघू म मनखेमन ला चुप कराईस अऊ कहिस, "हमन ला जाके ओ देस ऊपर
अधिकार कर लेना चाही, काबरकि हमन खचित अइसने कर सकत हन।"
31 पर जऊन मनखेमन ओकर संग गे रिहिन, ओमन कहिन, "हमन ओमन ऊपर हमला नइं कर सकन; काबरकि
ओमन हमर ले जादा बलवान हें।"
32 अऊ ओमन इसरायलीमन के बीच म ओ देस के बारे म एक खराप बात फईला दीन, जिहां ओमन गे रिहिन।
ओमन कहिन, "जऊन देस के हमन भेद लेके आय हन, ओ देस ह उहां के निवासीमन ला खा जाथे। उहां जम्मो
मनखेमन बड़े डीलडौल के हवंय।
33 हमन उहां नेफिलीम‡ देखेंन (अनाक के संतानमन नेफिलीम के बंस ले आथें)। हमन अपन नजर म ओमन
के आघू म फांफा सहीं लगत रहेंन, अऊ अइसने ही हमन ओमन ला दिखत रहेंन।"

14

[illegible]

1 ओ रथिया समाज के जम्मो झन अपन अवाज ऊंचहा करिन अऊ जोर-जोर से रोईन।
2 जम्मो इसरायलीमन मूसा अऊ हारून के बिरूध बड़बड़ाय लगिन, अऊ पूरा सभा ह ओमन ला कहिस, "बने
होतिस कि हमन मिसर म मर गे होतेंन! या ये सुन्ना जगह म मर जातेंन!
3 तलवार ले मारे जाय बर ही यहोवा ह हमन ला ये देस म काबर लानत हे? हमर घरवाली अऊ लइकामन ला
लूट के सामान सहीं ले लिये जाही। का येह बने नइं होही कि हमन मिसर देस वापिस चले जावन?"
4 अऊ ओमन एक-दूसर ला कहिन, "आवव, हमन अपन बर एक अगुवा चुनके वापिस मिसर देस चल देवन।"
5 तब उहां जूरे सबो इसरायली समाज के आघू म मूसा अऊ हारून मुहूं के बल गिरिन।
6 नून के बेटा यहोसू अऊ यपुन्ने के बेटा कालेब दुखी होके अपन कपड़ा चीरिन; ये दूनों ओ दल म रिहिन,
जेमन ओ देस के पता लगाय गे रिहिन।
7 ये दूनों इसरायलीमन के पूरा सभा ला कहिन, "जऊन देस म हमन गे रहेंन अऊ खोजबीन करके आय हन,
ओह बहुंत ही बने देस अय।
8 यदि यहोवा ह हमन ले खुस हवय, त ओह हमन ला ओ देस म ले जाही, जिहां दूध अऊ मंधरस के भरमार
हे, अऊ ओह ओ देस हमन ला दीही।
9 यहोवा के बिरूध बिदरोह झन करव। अऊ ओ देस के मनखेमन ले झन डरव, काबरकि हमन ओमन ला नास
कर देबो। ओमन के सुरकछा ह हट गे हवय, पर यहोवा ह हमर संग हवय। ओमन ले झन डरावव।"
10 पर पूरा सभा के मनखेमन ओमन ला पथरवाह करे के बात करत रिहिन। तब मिलापवाला तम्बू करा जम्मो
इसरायलीमन ऊपर यहोवा के महिमा परगट होईस।
11 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "कब तक ये मनखेमन मोर संग अपमान के बरताव करत रहिहीं? मोर दुवारा
येमन के बीच म ये जम्मो चिनहां देखाय के बाद भी, येमन कब तक मोर ऊपर बिसवास नइं करहीं?
12 मेंह महामारी लानके ओमन ला नास कर दूहूं, पर मेंह तोर दुवारा एक बड़े जाति बनाहूं, जऊन ह येमन ले
घलो बड़े अऊ सक्तिसाली होही।"
13 मूसा ह यहोवा ला कहिस, "तब तो मिसर देस के मनखेमन येकर बारे म सुनहीं! तेंह अपन सामर्थ ले ये
इसरायलीमन ला ओमन के बीच ले निकाल लाने हस।
14 अऊ ओमन ये देस के निवासीमन ला येकर बारे म बताहीं। ओमन ये बात ला सुने हवंय कि तें यहोवा ये
मनखेमन के संग रहिथस अऊ ये कि तें यहोवा आमने-सामने दिखथस, कि तोर बादर ह येमन के ऊपर ठहिरे
रहिथे, अऊ ये घलो कि तेंह दिन के बेरा बादर के एक खंभा के रूप म अऊ रथिया आगी के एक खंभा के रूप म
येमन के आघू-आघू रेंगथस।
15 यदि तेंह ये जम्मो मनखेमन ला मार डारबे, कोनो ला नइं छोंड़बे, त ओ जाति के मनखेमन, जऊन मन
येला सुने हवंय, ओमन कहिहीं,

‡ **13:33** *[illegible]* बड़े डीलडौलवाला मनखे; *[illegible]*

16 'यहोवा ह ये इसरायलीमन ला ओ देस म नइं लाने सकिस, जेकर वायदा ओह येमन ले कसम खाके करे
रिहिस, एकरसेति ओह येमन ला सुन्ना जगह म मार डारिस।'
17 "पर अब परभू के सक्ति ह परगट होवय, जइसे कि तेंह घोसना करे हस:
18 'यहोवा ह कोरोध करे म धीमा, मया ले भरपूर अऊ पाप अऊ बिदरोह ला छेमा करइया ए। फेर दोसी ला
ओह निरदोस नइं छोंड़य; ओह दाई-ददा के पाप बर ओमन के लइकामन ला तीसरा अऊ चौथा पीढ़ी तक दंड*
देथे।'
19 तोर महान मया के मुताबिक, ये मनखेमन के पाप ला छेमा कर, जइसे कि तेंह येमन ला मिसर देस ले
निकल आय के समय ले लेके अब तक छेमा करत आय हस।"
20 यहोवा ह जबाब दीस, "तोर बिनती के मुताबिक मेंह येमन ला छेमा कर दे हंव।
21 तभो ले, मोर जिनगी के कसम अऊ जब तक पूरा धरती ह यहोवा के महिमा ले भरे हवय,
22 ओ जम्मो झन, जऊन मन मोर महिमा अऊ चिनहांमन ला मिसर अऊ सुन्ना जगह म देखिन, ओमा के
जऊन मन भी मोर बात ला नइं मानिन अऊ दस बार मोला जांचिन-परखिन—
23 ओमन कोनो भी ओ देस ला देखे नइं पाहीं, जेकर वायदा मेंह ओमन के पुरखामन ले कसम खाके करे रहेंव।
मोर अपमान करइयामन कभू ओ देस ला देखे नइं पाहीं।
24 पर काबरकि मोर सेवक कालेब करा एक अलग आतमा हवय अऊ ओह पूरा मन से मोर पाछू चलथे,
एकरसेति मेंह ओला उहां ले जाहूं, जिहां ओह गे रिहिस, अऊ ओकर संतानमन ओ देस ऊपर अधिकार करहीं।
25 काबरकि अमालेकीमन अऊ कनानीमन ओ घाटीमन म रहत हें, एकरसेति कल तुमन वापिस लहुंटव अऊ
लाल-समुंदर† के तीरे-तीर रसता ले सुन्ना जगह कोति आघू बढ़व।"
26 तब यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस:
27 "ये दुस्ट समाज के मनखेमन कब तक मोर बिरूध बड़बड़ावत रहिहीं? मेंह ये बड़बड़ानेवाले इसरायलीमन
के सिकायत ला सुने हंव।
28 एकरसेति ओमन ले कह, 'यहोवा अपन जिनगी के कसम खाके घोसना करत हे, जऊन बात तुमन मोर
सुनत म कहे हव, में तुम्हर संग वइसने ही करहूं।
29 ये सुन्ना जगह म ही तुम्हर लास पड़े रहिही—ओ जम्मो, जऊन मन बीस साल या जादा उमर के हवंय,
जेमन के गनती हो चुके हवय अऊ जेमन मोर बिरूध बड़बड़ाय हवंय।
30 यपुन्ने के बेटा कालेब अऊ नून के बेटा यहोसू के छोंड़, तुमन म ले कोनो ओ देस म जाय नइं सकहू, जेला
तुम्हर घर बनाय बर मेंह हांथ उठाके कसम खाय रहेंव।
31 जहां तक तुम्हर लइकामन के बात ए, जेमन के लूट म जाय के बारे म तुमन कहे रहेव, मेंह ओमन ला ओ
देस म आनंद करे बर लानहूं, जेला तुमन ठुकरा दे हव।
32 पर जहां तक तुम्हर बात अय, तुमन ये सुन्ना जगह म मर जाहू।
33 तुम्हर बिसवासघात के कारन, तुम्हर लइकामन चालीस बछर तक दुख भोगत इहां चरवाहा होके रहिहीं,
जब तक कि तुम्हर आखिरी जन ये सुन्ना जगह म मर नइं जाही।
34 तुमन चालीस दिन तक ओ देस के खोजबीन करे रहेव—एक दिन के पाछू एक साल याने कि चालीस साल
तक तुमन अपन पाप के दुख भोगहू, तब तुमन जानहू कि मोर बिरूध होय के मतलब का होथे।'
35 में, यहोवा ये बात ला कहे हवंव, अऊ मेंह खचित ये पूरा दुस्ट समाज के संग अइसने ही करहूं, जेमन मोर
बिरूध म एक जुट हो गे हवंय। ये सुन्ना जगह म येमन के आखिरी समय बीतही; इहां ओमन मर जाहीं।"
36 ओ मनखे जेमन ला मूसा ह ओ देस के खोजबीन करे बर पठोय रिहिस, ओमन लहुंटके ओ देस के बारे म
गलत बात कहिके मूसा के बिरूध जम्मो समाज ला बड़बड़ाय बर उभारे रिहिन—
37 ये मनखे जेमन ओ देस के बारे म गलत बात फईलाय बर जिम्मेदार रिहिन, ओ जम्मो के जम्मो मार डारे
गीन अऊ यहोवा के आघू म एक महामारी ले मर गीन।
38 जऊन मनखेमन ओ देस के खोजबीन करे बर गे रिहिन, ओमा ले सिरिप नून के बेटा यहोसू अऊ यपुन्ने के
बेटा कालेब बांचिन।

* **14:18** निर 34:6 † **14:25** या [illegible]

39 जब मूसा ह जम्मो इसरायलीमन ला ये बात बताईस, त ओमन बहुंत सोक मनाईन।
40 दूसर दिन बड़े बिहनियां ये कहिके ओमन पहाड़ी देस के चोटी कोति आघू बढ़िन, "खचित हमन पाप करे
हन! पर अब हमन ओ देस म जाय बर तियार हन, जेकर वायदा यहोवा ह करे हवय।"
41 पर मूसा ह कहिस, "तुमन काबर यहोवा के हुकूम ला नइं मानत हव? तुम्हर ये काम सफल नइं होवय!
42 तुमन ऊपर झन जावव, काबरकि यहोवा ह तुम्हर संग नइं ए। तुमन अपन बईरीमन ले हार जाहू,
43 अमालेकीमन अऊ कनानीमन उहां तुम्हर सामना करहीं। काबरकि तुमन यहोवा के रसता ले हट गे हव,
एकरसेति ओह तुम्हर संग नइं रहय अऊ तुमन तलवार ले मार डारे जाहू।"
44 तभो ले, ओमन अपन ढिठई म पहाड़ी देस के चोटी कोति आघू बढ़िन, पर न तो मूसा अऊ न ही यहोवा के
करार के सन्दूक ह सिविर ले आघू बढ़िस।
45 तब अमालेकीमन अऊ कनानीमन, जेमन ओ पहाड़ी देस म रहत रिहिन, ओमन खाल्हे उतरके
इसरायलीमन ऊपर हमला कर दीन अऊ ओमन ला होरमा सहर तक मारत चले गीन।

15

[illegible]-[illegible]

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: 'जब तुमन ओ देस म हबरव, जेला मेंह तुम्हर घर के रूप म
देवत हंव
3 अऊ तुमन यहोवा ला सुख-देवइया खुसबू के रूप म भेड़-बकरी या गाय-बईला के झुंड ले जेवन-बलिदान
चघावव—चाहे होम-बलिदान या चढ़ावा होवय, बिसेस मन्नत या स्वेच्छा-बलिदान या तिहार-बलिदान होवय—
4 त जऊन मनखे ह चढ़ावा लानथे, ओह यहोवा ला जैतून तेल के एक हीन* के चौथा भाग म सनाय उत्तम
पीसान के एक एपा† के दसवां भाग के एक अन्न-बलिदान चघावय।
5 होम-बलिदान या चढ़ावा बर हर एक मेढ़ा-पीला के संग पेय-बलिदान के रूप म अंगूर के मंद के एक हीन के
चौथा भाग‡ तियार करव।
6 " 'एक मेढ़ा-पीला के संग जैतून तेल के एक हीन के तीसरा भाग§ म सनाय उत्तम पीसान के एक एपा के
दू-दसवां भाग* के एक अन्न-बलिदान,
7 अऊ पेय-बलिदान बर अंगूर के मंद के एक हीन के तीसरा भाग ला, यहोवा ला सुख-देवइया सुगंध के रूप म
चघावव।
8 " 'जब तुमन यहोवा बर एक होम-बलिदान या चढ़ावा, एक बिसेस मन्नत या मेल-बलिदान के चढ़ावा बर
एक बछवा तियार करथव,
9 त बछवा के संग जैतून तेल के आधा हीन† ले सनाय उत्तम पीसान के एक एपा के तीन-दसवां भाग‡ के एक
अन्न-बलिदान लानव,
10 अऊ पेय-बलिदान के रूप म आधा हीन अंगूर के मंद§ घलो लानव। येह यहोवा ला महकत सुख-देवइया
एक जेवन-बलिदान होही।
11 हर बछवा या मेढ़ा, हर मेढ़ा-पीला या छेरी-पीला ला इही तरीका ले तियार करे जावय।
12 हर एक बलिदान के तियारी बर, तुमन इही तरीका अपनावव।
13 " 'हर एक मनखे, जऊन ह उहां देस म जनमे हवय, ओह ये चीजमन ला ये किसम ले करय, जब ओह
यहोवा ला महकत सुख-देवइया एक जेवन-बलिदान चघाथे।
14 अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक, जब कोनो परदेसी या कोनो अऊ मनखे, जऊन ह तुम्हर बीच म रहत हे, यदि
ओह यहोवा ला महकत सुख-देवइया जेवन-बलिदान चघाथे, त ओह वइसने ही करय जइसने तुमन करथव।
15 तुम्हर बर अऊ तुम्हर बीच रहइया परदेसी बर समाज के ओहीच नियम होवय; येह अवइया पीढ़ी-पीढ़ी
तक हमेसा के बिधि ठहिरय। तुमन अऊ परदेसीमन यहोवा के आघू म एक समान होहू:
16 ओहीच कानून अऊ बिधि तुम्हर अऊ तुम्हर बीच रहइया परदेसी दूनों बर लागू होही।' "

---

* **15:4** लगभग 1 लीटर † **15:4** लगभग 1.6 किलोग्राम ‡ **15:5** लगभग 1 लीटर § **15:6** लगभग 1.3 लीटर * **15:6** लगभग 3.2 किलोग्राम † **15:9** लगभग 1.9 लीटर ‡ **15:9** लगभग 5 किलोग्राम § **15:10** लगभग 2 लीटर

17 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
18 “इसरायलीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: ‘जऊन देस म मेंह तुमन ला ले जावत हंव, जब तुमन उहां हबरव
19 अऊ ओ देस के जेवन ला खावव, त ओकर एक भाग यहोवा ला बलिदान के रूप म चघावव।
20 अपन भुइयां के ऊपज के पहिली भाग के रूप म एक रोटी चघावव अऊ येला कोठार के बलिदान के रूप म चघावव।
21 अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक तुमन ला अपन भुइयां के पहिली ऊपज ले यहोवा ला ये बलिदान चघाना हे।

[illegible]

22 “ ‘यदि समाज के रूप म तुमन अनजाने म, यहोवा के मूसा ला दिये कोनो हुकूम के पालन करे म असफल होथव—
23 यहोवा दुवारा मूसा के जरिये तुमन ला दिये कोनो हुकूम, जेह पीढ़ी-पीढ़ी ले चले आवत हे—
24 अऊ यदि येह अनजाने म समाज के बिगर जानकारी म होथे, तब पूरा समाज ह यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया होम-बलिदान बर एक बछवा चघावय, अऊ संग म येकर बताय गे अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान, अऊ एक ठन बोकरा पाप-बलिदान* बर चघावय।
25 पुरोहित ह पूरा इसरायली समाज बर प्रायस्चित करय, अऊ ओमन के पाप छेमा हो जाही, काबरकि ये पाप ह जानबूझके नइं करे गे रिहिस अऊ ओमन यहोवा ला अपन गलती बर जेवन-बलिदान अऊ पाप-बलिदान चघाय हवंय।
26 पूरा इसरायली समाज अऊ ओमन के बीच रहइया परदेसीमन के पाप छेमा हो जाही, काबरकि ओ जम्मो झन अनजाने म करे गे गलती म सामिल रिहिन।
27 “ ‘पर यदि एक मनखे ह अनजाने म पाप करथे, त ओ मनखे ह पाप-बलिदान बर एक साल के बकरी लानय।
28 पुरोहित ह यहोवा के आघू म ओ मनखे बर प्रायस्चित करय, जऊन ह अनजाने म पाप करे हवय, अऊ जब प्रायस्चित कर लिये जाथे, त ओ मनखे के पाप छेमा हो जाही।
29 ओहीच कानून हर ओ मनखे ऊपर लागू होथे, जऊन ह अनजाने म पाप करथे, चाहे ओह देस म जनमे कोनो इसरायली हो या फेर तुम्हर बीच म रहइया कोनो परदेसी।
30 “ ‘पर ओ मनखे, जऊन ह जानबूझके पाप करथे, अऊ यहोवा के निन्दा करथे, चाहे जनमजात देसी हो या परदेसी, ओला इसरायलीमन ले जरूर अलग करे जावय।
31 काबरकि ओह यहोवा के बचन ला तुछ समझिस अऊ ओकर हुकूम ला टोरे हवय, ओला खचित अलग कर दिये जावय; ओकर दोस ओकर ऊपर बने रहिथे।’ ”

[illegible]

32 जब इसरायलीमन सुन्ना जगह म रिहिन, त एक मनखे मिलिस, जऊन ह बिसराम दिन म लकड़ी बीनत रहय।
33 जेमन ला ओह लकड़ी बीनत मिलिस, ओमन ओला मूसा अऊ हारून अऊ जम्मो सभा के आघू म लानिन,
34 अऊ ओमन ओला हिरासत म रखिन, काबरकि अइसे मनखे के संग का करे जावय, ये बात ह साफ नइं रिहिस।
35 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “ओ मनखे के मरना जरूरी ए। सिविर के बाहिर पूरा सभा ह ओला पथरवाह करय।”
36 तब सभा ह ओला सिविर के बाहिर ले गीस अऊ पथरवाह करके मार डारिस, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे रिहिस।

[illegible]

37 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
38 “इसरायलीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: ‘अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक तुमन अपन कपड़ा के छोर म झालर लगाय करव, अऊ हर झालर ह नीला रंग के डोरी ले बने रहय।
39 ये झालरमन ला जब भी तुमन देखहू, त येह तुमन ला यहोवा के ओ जम्मो हुकूम ला सुरता कराही, जेकर पालन तुमन ला करना हे अऊ तुमन अपन मन अऊ आंखी के लालसा म पड़के अपनआप से बेभिचार नइं करहू।

---

* **15:24** या [illegible]

40 तब तुमन मोर जम्मो हुकूम ला पालन करे बर सुरता करहू अऊ अपनआप ला अपन परमेसर बर पबितर
करहू।
41 मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुम्हर परमेसर होय बर तुमन ला मिसर देस ले निकाल लानिस।
मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।' "

16

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

1 कोरह, जेह लेवी के परपोता, कहात के पोता अऊ ईसहार के बेटा रिहिस, अऊ कुछू रूबेनी—जेमा एलीआब
के बेटा दातान अऊ अबीराम, अऊ पेलेत के बेटा ओन—उदंड हो गीन
2 अऊ येमन आके मूसा के बिरूध हो गीन। ओमन के संग 250 इसरायली मनखे घलो सामिल हो गीन, जेमन
समाज के नामी अगुवा अऊ समिति के सदस्य घलो चुने गे रिहिन।
3 ओमन मूसा अऊ हारून के बिरोध करे बर एक दल के रूप म आईन अऊ ओमन ला कहिन, "तुमन अति कर
दे हवव! पूरा समाज ह पबितर हे; येमा के हर एक जन पबितर हे, अऊ यहोवा ह ओमन के संग हवय। तब तुमन
अपनआप ला यहोवा के सभा के ऊपर काबर ठहिराथव?"
4 मूसा ह येला सुनके, दुख म मुहूं-भरसा गिरिस।
5 तब ओह कोरह अऊ ओकर जम्मो दल ला कहिस: "कल बिहनियां यहोवा ह देखाही कि कोन ह ओकर अय
अऊ कोन ह पबितर हवय, अऊ ओह ओ मनखे ला अपन लकठा म आवन दीही। जऊन मनखे ला ओह चुनही,
ओला ओह अपन लकठा म लानही।
6 हे कोरह, तें अऊ तोर पाछू चलइया मनखेमन ये काम करव: धूपदानमन ला लेवव
7 अऊ कल यहोवा के आघू म ओमा कोइला के अंगरा अऊ धूप डालव। जऊन मनखे ला यहोवा ह चुनही,
ओह पबितर अय। तुम लेवीमन अति कर दे हवव!"
8 मूसा ह कोरह ला ये घलो कहिस, "हे लेवीमन, तुमन सुनव!
9 का येह तुम्हर बर परयाप्त नो हय कि इसरायल के परमेसर ह तुमन ला बाकि इसरायली समाज ले अलग
करे हवय अऊ तुमन ला अपन लकठा म लाने हवय कि तुमन यहोवा के पबितर-तम्बू म सेवा करव अऊ समाज
के आघू म ठाढ़ होके ओमन के सेवा करव?
10 ओह तोला अऊ तोर जम्मो संगी लेवीमन ला अपन लकठा म लाने हवय, पर अब तेंह पुरोहित के पद ला
घलो पाय के कोसिस करत हस।
11 ये काम ह यहोवा के बिरूध अय कि तें अऊ तोर जम्मो मंडली एक संग जूरे हव। हारून ह कोन ए कि तेंह
ओकर बिरूध म बड़बड़ावत हस?"
12 तब मूसा ह एलीआब के बेटा दातान अऊ अबीराम ला बुलवाईस, पर ओमन कहिन, "हमन नइं आवन!
13 का येह परयाप्त नो हय कि तेंह दूध अऊ मंधरस के भरमार वाले देस ले हमन ला ये सुन्ना जगह म मारे बर
ले आय हस? अऊ अब हमर ऊपर मालिक बने चाहत हस!
14 येकर छोंड़, तेंह हमन ला अइसन देस म नइं लाने, जिहां दूध अऊ मंधरस के भरमार हे अऊ न ही हमन ला
खेत अऊ अंगूर के बारीमन के उत्तराधिकार दे हस। का ये मनखेमन संग गुलाम सहीं बरताव करे चाहथस*?
नइं, हमन नइं आवन!"
15 तब मूसा ह बहुत गुस्सा होईस अऊ यहोवा ला कहिस, "ओमन के भेंट ला गरहन झन कर। मेंह ओमन ले
एक गदहा तक नइं ले हंव, अऊ न ही ओमन के कुछू हानि करे हंव।"
16 मूसा ह कोरह ले कहिस, "तें अऊ तोर जम्मो मंडली ला कल यहोवा के आघू म आना हे—तें अऊ तोर
संगीमन अऊ हारून।
17 हर मनखे अपन धूपदान ला लेवय अऊ ओमा धूप डालय—कुल मिलाके 250 धूपदान—येला यहोवा के
आघू म अरपन करव। तें अऊ हारून घलो अपन धूपदान ला अरपन करव।"
18 तब ओमन के हर एक जन अपन-अपन धूपदान ला लीन, ओमा कोइला के अंगरा अऊ धूप डालिन, अऊ
मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म मूसा अऊ हारून के संग ठाढ़ हो गीन।

* **16:14** का तें ये [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

19 जब कोरह ह अपन जम्मो पाछ्ू चलइयामन ला मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म ओमन के बिरोध म इकट्ठा
कर लीस, त यहोवा के महिमा ह जम्मो सभा ऊपर परगट होईस।
20 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस,
21 "अपनआप ला ये सभा ले अलग करव, ताकि मेंह तुरते येमन ला खतम कर दंव।"
22 पर मूसा अऊ हारून दुख म मुहूं-भरसा गिरिन अऊ गोहार पारके कहिन, "हे परमेसर, तेंह जम्मो जीयत
परानीमन ला सांस देथस, त का सिरिप एक आदमी के पाप करे के कारन पूरा सभा ऊपर गुस्सा करबे?"
23 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
24 "इसरायली सभा ला कह, 'कोरह, दातान अऊ अबीराम के तम्बू ले हट जावव।' "
25 मूसा ह उठिस अऊ दातान अऊ अबीराम करा गीस, अऊ इसरायल के अगुवामन ओकर पाछ्ू-पाछ्ू गीन।
26 ओह इसरायली सभा ला चेताईस, "ये दुस्ट मनखेमन के तम्बू ले दूरिहा हट जावव! ओमन के कुछ्ू भी
चीज ला झन छुवव, नइं तो ओमन के जम्मो पाप के कारन तुमन खतम हो जाहू।"
27 तब ओमन कोरह, दातान अऊ अबीराम के तम्बू ले दूरिहा हट गीन। दातान अऊ अबीराम बाहिर निकलके
अपन-अपन घरवाली, लइका अऊ छोटे लइकामन संग अपन-अपन तम्बू के दुवार म खड़े रिहिन।
28 तब मूसा ह कहिस, "ये किसम ले तुमन जान लूहू कि यहोवा ह ये जम्मो काम करे बर मोला पठोय हवय
अऊ येह मोर उपाय नो हय।
29 यदि ये मनखेमन सुभाविक मऊत मरके जम्मो मानव-जाति सहीं दुख भोगथें, तब यहोवा ह मोला नइं
पठोय हे।
30 पर यदि यहोवा ह कुछ्ू एकदम नवां चीज करथे, अऊ धरती ह अपन मुहूं फारथे अऊ येमन ला येमन के
जम्मो चीज के संग लील लेथे, अऊ येमन जीयत खाल्हे अधोलोक† म चले जावंय, तब तुमन जान लूहू कि ये
मनखेमन यहोवा के अपमान करे हवंय।"
31 मूसा के ये बात खतम होते ही, ओमन के खाल्हे भुइयां ह दू भाग म फट गीस
32 अऊ धरती ह अपन मुहूं ला फारिस अऊ ओमन ला अऊ ओमन के घर के सामान अऊ कोरह के संग के
जम्मो मनखे अऊ ओमन के सामान ला लील लीस।
33 ओमन जीते जी खाल्हे अधोलोक म अपन सामान सहित हमा गीन; ओमन के हमाय के बाद, धरती फेर
जस के तस हो गीस, अऊ ओमन नास होके समाज के बीच ले मिटा गीन।
34 ओमन के चिल्लई सुनके, ओमन के आसपास के जम्मो इसरायलीमन ये चिचियावत भागिन, "धरती ह
हमन ला घलो लीलनेवाला हे!"
35 तब यहोवा ले आगी निकलिस अऊ ओ 250 आदमी ला भसम कर दीस, जऊन मन धूप चढ़ात रिहिन।
36 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस,
37 "हारून पुरोहित के बेटा एलिआजर ला कह कि ओह आगी म ले धूपदानमन ला हटा ले अऊ बरत कोइला
ला कुछ्ू दूरिहा म बगरा दे, काबरकि ओ धूपदानमन पबितर अंय—
38 ओ मनखेमन के धूपदान, जऊन मन पाप के बदले अपन परान गंवाय हें। ओ धूपदानमन ला पीटके चद्दर
बना दव, ताकि ओह बेदी म मढ़े जावय, काबरकि ओमन यहोवा ला चढ़ाय गे रिहिन अऊ पबितर हो गे हवंय।
येमन इसरायलीमन बर एक चिनहां ठहिरंय।"
39 तब एलिआजर पुरोहित ह ओ कांसा के धूपदानमन ला संकेलिस, जेला ओमन लाने रिहिन, जेमन जलके
मर गीन, अऊ ओह ओमन ला बेदी ऊपर मढ़े बर पीट-पीटके चद्दर बना दीस,
40 जइसे कि यहोवा ह ओला मूसा के दुवारा निरदेस देय रिहिस। अइसने इसरायली सभा ला सुरता कराय बर
करे गीस, ताकि हारून के संतानमन ला छोंड़ अऊ कोनो आने मनखे आके यहोवा के आघू म धूप झन जलावय,
नइं तो ओह कोरह अऊ ओकर संगवारीमन सहीं हो जाही।
41 ओकर दूसर दिन पूरा इसरायली समाज ह मूसा अऊ हारून के बिरूध ये कहिके बड़बड़ाय लगिस, "तुमन
यहोवा के मनखेमन ला मार डारेव।"

---

† **16:30** [illegible] या [illegible]

42 पर जब ओ सभा ह मूसा अऊ हारून के बिरोध म जूरिस अऊ मिलापवाला तम्बू कोति मुड़िस, त अचानक
बादर ह तम्बू ला ढांप लीस अऊ यहोवा के महिमा परगट होईस।
43 तब मूसा अऊ हारून मिलापवाला तम्बू के सामने गीन,
44 अऊ यहोवा ह मूसा ला कहिस,
45 "ये सभा ले दूरिहा चल दे ताकि मेंह अभीच येमन ला खतम कर दंव।" अऊ मूसा अऊ हारून दुख म
मुहूं-भरसा गिरिन।
46 तब मूसा ह हारून ला कहिस, "अपन धूपदान ला ले अऊ ओमा बेदी के बरत कोइला लेके ओमा धूप डाल,
अऊ बिगर देरी करे सभा के मनखेमन करा जा अऊ ओमन बर पछ्ताप कर। यहोवा के कोप ह भड़के हवय; अऊ
महामारी ह सुरू हो गे हवय।"
47 हारून ह वइसने ही करिस, जइसने मूसा ह कहिस, अऊ ओह सभा के बीच म दऊड़के गीस। महामारी ह
मनखेमन के बीच सुरू हो गे रिहिस, पर हारून ह धूप चढ़ाईस अऊ ओमन बर पछ्ताप करिस।
48 ओह मरे अऊ जीयत मनखेमन के बीच ठाढ़ होईस, अऊ महामारी ह रूक गीस।
49 पर 14,700 मनखे महामारी ले मर गीन; येह ओमन ला छोंड़के आय, जेमन कोरह के कारन मरे रिहिन।
50 तब हारून ह मिलापवाला तम्बू के दुवार म मूसा करा लहुंट आईस, काबरकि महामारी ह खतम हो गे
रिहिस।‡

17

[illegible]

* 1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ले गोठिया अऊ ओमन ले बारह ठन लउठी ले, ओमन के पुरखा के गोत्र के हर अगुवा ले एक
ठन लउठी। हर एक अगुवा के नांव ओकर लउठी म लिख।
3 लेवी के लउठी म हारून के नांव लिख, काबरकि हर गोत्र के मुखिया के नांव म एक लउठी होना चाही।
4 ओ लउठीमन ला मिलापवाला तम्बू म करार कानून के सन्दूक के आघू म रख, जिहां मेंह तुम्हर ले मिलथंव।
5 तब ओ मनखे जेला मेंह चुनहूं, ओकर लउठी म पीका निकलही, अऊ इसरायलीमन तोर बिरूध म जऊन
लगातार बड़बड़ावत हें, ओकर ले मेंह अपनआप ला अलग कर लूहूं।"
6 त मूसा ह इसरायलीमन ले बात करिस, अऊ ओमन के अगुवामन ओला बारह ठन लउठी दीन, ओमन के
पुरखा के गोत्र के हर अगुवा बर एक ठन लउठी, अऊ हारून के लउठी घलो ओमा रिहिस।
7 मूसा ह लउठीमन ला करार कानून के तम्बू म यहोवा के आघू म रखिस।
8 ओकर दूसर दिन मूसा ह तम्बू के भीतर गीस, त ओह देखिस कि लेवी गोत्र के हारून के लउठी म सिरिप
पीका ही नइं निकले रिहिस, पर ओमा कली निकलके, फूल फूटके ओमा बादाम फर भी लगे रिहिस।
9 तब मूसा ह जम्मो लउठी ला यहोवा के आघू ले निकालके इसरायलीमन करा ले आईस। ओमन लउठीमन
ला देखिन, अऊ हर एक अगुवा ह अपन-अपन लउठी ला ले लीस।
10 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "हारून के लउठी ला करार कानून के सन्दूक के आघू म वापिस रख दे, ताकि
येह बिदरोहीमन बर एक चिनहां के रूप म रहय। येह मोर बिरूध ओमन के बड़बड़ई ला खतम कर दीही, अऊ
ओमन नइं मरहीं।"
11 मूसा ह वइसे ही करिस, जइसे यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस।
12 इसरायलीमन मूसा ले कहिन, "हमन मर जाबो! हमन भटक गे हन, हमन जम्मो झन भटक गे हन!
13 जऊन ह यहोवा के पबितर-तम्बू के लकठा म भी आही, ओह मर जाही। का हमन जम्मो के जम्मो मर
जाबो?"

18

[illegible]

‡ **16:50** इबरानी म 16:36-50 ला 17:1-15 गने गे हवय
* **17:** इबरानी म 17:1-13 ला 17:16-28 गने गे हवय

1 यहोवा ह हारून ला कहिस, “तें, तोर बेटामन अऊ तोर परिवार, पबितर-स्थान ले संबंधित अपराध के काम
के जिम्मेदारी लेवंय, अऊ तें अऊ तोर बेटामन पुरोहित के पद ले संबंधित अपराध के जिम्मेदारी लेवंय।
2 तोर पुरखा के गोत्र के तोर लेवी संगीमन ला अपन संग लेय ले, ताकि जब तें अऊ तोर बेटामन करार कानून
के तम्बू के आघू म सेवा करव, त ओमन तुम्हर मदद करंय।
3 ओमन तोर बर जिम्मेदार होवंय अऊ तम्बू के जम्मो काम करंय, पर ओमन पबितर-स्थान के चीजमन के
लकठा म या बेदी करा झन जावंय। नइं तो ओमन अऊ तें दूनों मर जाहू।
4 ओमन तोर संग काम करहीं अऊ मिलापवाला तम्बू के देखरेख बर जिम्मेदार होहीं—तम्बू के जम्मो काम
बर—पर कोनो आने मनखे तोर लकठा म झन आवय।
5 “पबितर-स्थान अऊ बेदी के देखरेख बर तें जिम्मेदार होबे, ताकि मोर कोप ह इसरायलीमन ऊपर फेर झन
भड़के।
6 मेंह इसरायलीमन के बीच ले तोर संगी लेवीमन ला चुने हवंव; येमन मिलापवाला तम्बू म काम करे बर
यहोवा ला समरपित तोर बर एक भेंट के सहीं अंय।
7 पर सिरिप तें अऊ तोर बेटामन ही पुरोहित के रूप म बेदी ले संबंधित हर काम अऊ परदा के भीतर के काम
करहू। मेंह तोला पुरोहित के पद ला एक भेंट के रूप म देवत हंव। यदि कोनो आने मनखे पबितर-स्थान के लकठा
म आथे, त ओह मार डारे जावय।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

8 तब यहोवा ह हारून ला कहिस, “मोला चघाय गे बलिदानमन के जिम्मेदारी मेंह खुद तोला देवत हंव; ओ
जम्मो पबितर बलिदान, जेला इसरायलीमन मोला देथें, ओमन ला मेंह तोला अऊ तोर बेटामन ला तुम्हर भाग,
तुम्हर हमेसा के भाग के रूप म देवत हंव।
9 सबले पबितर बलिदानमन, जेला आगी ले अलग रखे जाथे, ओमन तोर होहीं। ओ जम्मो भेंट म ले, जेला
ओमन मोर करा सबले पबितर बलिदान के रूप म लानथें, चाहे ओह अन्न या पाप* या दोस-बलिदान होवय, ओ
भाग ह तोर अऊ तोर बेटामन के होही।
10 येला सबले पबितर चीज समझके खाय करव; हर एक पुरूस येला खावय। येला तेंह पबितर समझबे।
11 “येह घलो तोर अय: कोनो भी चीज, जेला इसरायलीमन के जम्मो हलाय-बलिदान के भेंट म ले अलग रखे
जाथे। मेंह ये चीज तोला अऊ तोर बेटा अऊ बेटीमन ला तोर हमेसा के भाग के रूप म देवत हंव। तोर
घर-परिवार के हर ओ मनखे जऊन ह रीति-बिधि से सुध हे, ओह येला खा सकथे।
12 “मेंह तोला ओ जम्मो बढ़िया जैतून तेल अऊ बढ़िया नवां अंगूर के मंद अऊ अनाज देवत हंव, जेला
ओमन यहोवा ला अपन फसल के पहिली फर के रूप म देथें।
13 देस के ओ जम्मो पहिली-फसल, जेला ओमन यहोवा करा लानथें, ओह तोर होही। तोर घर-परिवार के हर
ओ मनखे जऊन ह रीति-बिधि से सुध हे, ओह येला खा सकथे।
14 “इसरायल म कोनो भी चीज यहोवा ला अरपित करे जाथे, ओह तोर अय।
15 हर परानी के पहिलांत, चाहे ओह मनखे हो या पसु, जेला यहोवा ला अरपन करे जाथे, ओह तोर अय। पर
जरूरी अय कि हर पहिलांत बेटा अऊ असुध पसु के हर पहिलांत नर ला दाम लेके छोंड़ देबे।
16 जब ओमन एक महिना के हो जाथें, त तेंह पबितर-स्थान के सेकेल के मुताबिक ठहिराय गे छुटकारा के
दाम चांदी के पांच सेकेल† लेके ओमन ला छोंड़ देबे, येह वजन म बीस गेरा‡ होथे।
17 “पर तेंह कोनो गाय, भेड़ या बकरी के पहिलांत ला दाम लेके झन छोंड़बे; येमन पबितर पसु अंय। ओमन
के खून ला बेदी ऊपर छिड़कबे अऊ ओमन के चरबी ला यहोवा ला महकत सुख-देवइया एक जेवन-बलिदान के
रूप म जलाबे।
18 ओमन के मांस ह तोर होवय, जइसे कि हलाय-बलिदान के छाती अऊ जेवनी जांघ ह तोर होथे।
19 जऊन पबितर बलिदान इसरायलीमन यहोवा ला चघाथें, ओमा ले अलग रखे गे कोनो भी चीज मेंह तोला
अऊ तोर बेटा अऊ बेटीमन ला तोर हमेसा के भाग के रूप म देवत हंव। येह तोर अऊ तोर संतानमन बर यहोवा
के आघू म हमेसा बर नून के करार ए।”

---

* **18:9** या [illegible] † **18:16** लगभग 58 ग्राम ‡ **18:16** तऊले के सबले छोटे वजन

20 फेर यहोवा ह हारून ला कहिस, “ओमन के देस म तोर कोनो उत्तराधिकार नइं होही, अऊ न ही ओमन के
बीच तोर कोनो भाग होही; इसरायलीमन के बीच म, मेंह तोर भाग अऊ उत्तराधिकार अंव।
21 “मिलापवाला तम्बू म लेवीमन सेवा के जऊन काम करथें, ओकर बदले म, मेंह इसरायल म ओमन ला
उत्तराधिकार के रूप म जम्मो दसमांस देवत हंव।
22 अब के बाद, इसरायलीमन मिलापवाला तम्बू के लकठा म झन जावंय, नइं तो ओमन अपन पाप के
परतिफल भोगहीं अऊ मर जाहीं।
23 येमन लेवी अंय, जेमन मिलापवाला तम्बू म काम करहीं अऊ येकर बिरूध करे गे कोनो अपराध के
जिम्मेदारी ओमन ऊपर होही। येह अवइया पीढ़ी-पीढ़ी तक एक बिधि ठहिरय। इसरायलीमन के बीच म, ओमन
के कोनो उत्तराधिकार नइं होही।
24 बदले म, मेंह लेवीमन ला ओमन के उत्तराधिकार के रूप म ओ दसमांस ला देवत हंव, जेला इसरायलीमन
यहोवा करा एक बलिदान के रूप म चघाथें। एकरे कारन मेंह ओमन के बारे म कहेंव: ‘इसरायलीमन के बीच म
ओमन के कोनो उत्तराधिकार नइं होही।’ ”
25 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
26 “लेवीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: ‘जब तुमन ला इसरायलीमन ले दसमांस मिलथे, जेला मेंह
तुमन ला तुम्हर उत्तराधिकार के रूप म देथंव, त तुमन ओ दसमांस के दसवां भाग यहोवा ला भेंट के रूप म
चघावव।
27 तुम्हर भेंट के हिसाब तुम्हर बर कोठार के अनाज के रूप म या अंगूर के रसकुंड के रस के रूप म करे जाही।
28 ये किसम ले तुमन घलो ओ जम्मो दसमांस म ले यहोवा ला एक भेंट चघाहू, जेह तुमन ला इसरायलीमन
ले मिलथे। अऊ येह जरूरी अय कि ये दसमांस म ले यहोवा के भाग ला तुमन हारून पुरोहित ला देवव।
29 तुमन ला जऊन चीज भी दिये जाथे, ओ हर चीज के सबले बने अऊ पबितर भाग ला यहोवा के भाग
मानके भेंट चघावव।’
30 “लेवीमन ला कह: ‘जब तुमन सबले बने भाग ला चघाथव, त येला तुम्हर बर कोठार के अनाज या अंगूर के
रसकुंड के रस सहीं हिसाब करे जाही।
31 तुमन अपन परिवार सहित बांचे चीज ला कहूं मेर खा सकत हव, काबरकि येह तुम्हर मिलापवाला तम्बू म
काम करे के मजदूरी अय।
32 येकर सबले बने भाग ला चघाय के दुवारा तुमन ये बात म दोसी नइं ठहिरहू; तब तुमन इसरायलीमन के
पबितर बलिदानमन ला असुध नइं करहू, अऊ तुमन नइं मरहू।’ ”

19

[illegible]

1 यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस:
2 “येह कानून के एक जरूरत अय, जेकर हुकूम यहोवा ह दे हवय: इसरायलीमन ला कह कि ओमन एक लाल
रंग के बछिया बिगर दोस के लानंय, जेकर ऊपर जुड़ा कभू नइं रखे गे हवय।
3 येला एलिआजर पुरोहित ला दे दव; येला सिविर के बाहिर लाने जावय अऊ ओकर आघू म मारे जावय।
4 तब एलिआजर पुरोहित ह एकर कुछू खून ला अपन अंगठी म लेवय अऊ येला मिलापवाला तम्बू के सामने
कोति सात बार छिंचय।
5 ओकर बाद ओकर देखत म, ओ बछिया ला जला दिये जावय—ओकर चाम, मांस, लहू अऊ पोटा ला।
6 पुरोहित ह कुछू देवदार लकड़ी, जूफा अऊ सिन्दूरी रंग के ऊन लेवय अऊ ये चीजमन ला ओ बरत बछिया
के ऊपर फटिक देवय।
7 ओकर बाद, जरूरी अय कि पुरोहित ह अपन ओनहा ला धोवय अऊ खुद नहावय। तब ओह सिविर म
आवय, पर ओह बिधि के रूप म सांझ तक असुध रहिही।
8 जऊन मनखे ह येला जलाथे, ओह घलो अपन ओनहा ला जरूर धोवय अऊ नहावय, अऊ ओह घलो सांझ
तक असुध रहिही।

9 “ओ मनखे जऊन ह सुध हे, ओह ओ बछिया के राख ला इकट्ठा करय अऊ ओला सिविर के बाहिर बिधि के
रूप म सुध करे गे एक जगह म रख देवय। इसरायली समाज ह पानी ला सुध करे म येकर उपयोग करय; येह
पाप ले सुध होय बर अय।
10 जऊन मनखे ह बछिया के राख ला इकट्ठा करथे, ओह घलो अपन ओनहा ला जरूर धोवय, अऊ ओह घलो
सांझ तक असुध रहिही। येह इसरायली अऊ ओमन के बीच रहइया परदेसी दूनों बर हमेसा-हमेसा के एक बिधि
ठहिरही।
11 “जऊन मनखे कोनो मनखे के लास ला छूही, त ओह सात दिन तक असुध रहिही।
12 जरूरी अय कि ओह तीसरा दिन अऊ सातवां दिन अपनआप ला पानी ले सुध करय; तब ओह सुध होही।
पर यदि ओह तीसरा अऊ सातवां दिन अपनआप ला सुध नइं करय, त ओह सुध नइं होही।
13 यदि ओह कोनो मनखे के लास ला छूए के बाद अपनआप ला सुध नइं करय, त ओह यहोवा के
पबितर-तम्बू ला असुध करथे। अइसे मनखे ला इसरायल ले अलग कर दिये जावय। ओह असुध हवय, काबरकि
ओकर ऊपर सुध करइया पानी छिंचे नइं गे हवय; ओकर असुधता ओकर ऊपर बने रहिथे।
14 “ये कानून ह तब लागू होथे, जब कोनो मनखे कोनो तम्बू म मर जाथे: कोनो मनखे ओ तम्बू के भीतर जाथे
या जऊन ह ओ तम्बू म हवय, ओह सात दिन तक असुध रहिही,
15 अऊ ओ तम्बू म हर एक खुला बरतन, जेला ढकना ले ढांपे नइं गे हवय, ओह असुध होही।
16 “जऊन मनखे ह बाहिर खुला मैदान म तलवार ले मारे गे मनखे या सुभाविक मिरतू ले मरे मनखे या मनखे
के हाड़ा या कोनो कबर ला छू लेथे, त ओह सात दिन तक असुध रहिही।
17 “असुध मनखे बर, ओ जलाय गे सुध करइया पाप-बलिदान म ले कुछू राख लेके एक बरतन म रखव अऊ
ओकर ऊपर ताजा पानी डारव।
18 तब बिधि के मुताबिक कोनो सुध मनखे ह कुछू जूफा लेवय अऊ येला पानी म बोरके तम्बू अऊ जम्मो
सामान अऊ ओ मनखेमन ऊपर छिंचय, जेमन उहां हवंय। ओह ओ मनखे के ऊपर घलो छिंचय, जऊन ह कोनो
मनखे के हाड़ा या कोनो कबर या कोनो मारे गे मनखे या कोनो सुभाविक मिरतू ले मरे मनखे ला छू ले हवय।
19 ओ मनखे जऊन ह सुध हे, ओह असुध मनखे ऊपर तीसरा अऊ सातवां दिन छिंचय, अऊ सातवां दिन ओह
ओला सुध करय। जेमन ला सुध करे जाथे, ओमन अपन कपड़ा ला जरूर धोवंय अऊ नहावंय, अऊ ओ सांझ के
बेरा ओमन सुध हो जाहीं।
20 पर जऊन मनखेमन असुध हवंय अऊ यदि अपनआप ला सुध नइं करंय, त ओमन ला समाज ले अलग कर
दिये जावय, काबरकि ओमन यहोवा के पबितर-स्थान ला असुध करे हवंय। सुध करइया पानी ह ओमन ऊपर
छिंचे नइं गे हवय, अऊ ओमन असुध हवंय।
21 येह ओमन बर हमेसा के बिधि ठहिरय।
“जऊन मनखे ह सुध करइया पानी ला छिंचथे, ओह घलो अपन ओनहा ला जरूर धोवय, अऊ जऊन ह सुध
करइया पानी ला छूथे, ओह सांझ तक असुध रहिही।
22 जऊन भी चीज ला ओ असुध मनखे छूथे, ओह असुध हो जाथे, अऊ जऊन मनखे ओ चीज ला छूथे, ओह
सांझ तक असुध हो जाथे।”

20

[illegible]

1 पहिला महिना म, जम्मो इसरायली समाज के मनखेमन सीन के सुन्ना जगह म हबरिन, अऊ ओमन कादेस
नगर म डेरा डालिन। उहां मिरियम ह मर गीस अऊ ओला उहां माटी दिये गीस।
2 उहां समाज के मनखेमन बर पानी नइं रिहिस, अऊ मनखेमन मूसा अऊ हारून के बिरोध म जूर गीन।
3 ओमन मूसा ले झगरा करे लगिन अऊ कहिन, “बने होतिस कि हमन घलो अपन संगी इसरायलीमन संग,
यहोवा के आघू म मर गे रहितेंन!
4 तेंह काबर यहोवा के समाज ला ये सुन्ना जगह म लाने कि हमन अऊ हमर पसुमन इहां मर जावन?
5 तेंह काबर हमन ला मिसर देस ले बाहिर निकालके ये भयानक जगह म ले आय? इहां न तो अनाज या
अंजीर, अऊ न ही अंगूर के नार या अनार हवय। अऊ इहां पीये बर पानी घलो नइं ए!”

6 मूसा अऊ हारून सभा ले निकलके मिलापवाला तम्बू के दुवार करा गीन अऊ निरासा म मुहूं-भरसा गिरिन,
अऊ यहोवा के महिमा ओमन ऊपर परगट होईस।
7 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
8 "ओ लउठी ला ले अऊ तें अऊ तोर भाई हारून इसरायली सभा ला एक जगह इकट्ठा करव। अऊ ओमन के
देखत म ओ चट्टान ले बात कर अऊ येह अपन म ले पानी निकालही। तेंह समाज बर ये चट्टान म ले पानी
निकालबे ताकि ओमन अऊ ओमन के पसु पानी पी सकंय।"
9 तब मूसा ह यहोवा के हुकूम के मुताबिक ओकर आघू म ओ लउठी ला ले लीस।
10 अऊ मूसा अऊ हारून चट्टान के आघू म समाज ला इकट्ठा करिन अऊ मूसा ह ओमन ला कहिस, "हे
बिदरोह करइयामन, सुनव! का हमन ला ये चट्टान म ले तुम्हर बर पानी निकाले बर पड़ही?"
11 तब मूसा ह अपन हांथ उठाईस अऊ अपन लउठी ले ओ चट्टान ला दू बार मारिस। तब ओमा ले पानी बहे
लगिस, अऊ पूरा समाज अऊ ओमन के पसुमन ओ पानी ला पीईन।
12 पर यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस, "काबरकि तुमन इसरायलीमन के नजर म मोर ऊपर न तो
परयाप्त भरोसा रखेव, न ही पबितर मानके आदर देव, एकरसेति तुमन ये समाज ला ओ देस म नइं ले जा सकहू,
जेला मेंह ओमन ला दे हंव।"
13 येमन मरीबा* पानी के सोतामन रिहिन, जिहां इसरायलीमन यहोवा ले झगरा करिन अऊ जिहां ओह
ओमन के बीच म पबितर ठहिराय गीस।

[illegible]

14 मूसा ह एदोम के राजा करा कादेस ले संदेसियामन ला ये कहिके पठोईस:
"तोर भाई इसरायल ह ये कहत हे: तेंह हमर ऊपर आय ओ जम्मो मुसीबत ला जानत हस।
15 हमर पुरखामन मिसर देस ला गीन, अऊ हमन उहां बहुंत साल रहेंन। मिसर के मनखेमन हमर अऊ
हमर पुरखामन संग बुरा बरताव करिन,
16 पर जब हमन यहोवा ले गोहारेंन, त ओह हमर गोहार ला सुनिस अऊ एक स्वरगदूत पठोके हमन ला
मिसर देस ले बाहिर निकालिस।
"अब हमन इहां कादेस नगर म हन, जऊन ह तोर राज के तीर म हवय।
17 किरपा करके तोर देस म ले होके हमन ला जावन दे। हमन कोनो खेत या अंगूर के बारी म ले होके नइं
जावन, अऊ न ही कोनो कुआं के पानी पीयन। हमन राजा के राजमार्ग म ही जाबो अऊ जब तक तोर राज ले
निकल नइं जाबो तब तक न तो जेवनी मुड़बो अऊ न ही डेरी।"
18 पर एदोम ह जबाब दीस:
"तुमन इहां ले होके नइं जा सकव; यदि कोसिस करहू, त हमन बाहिर निकलके तलवार से तुम्हर ऊपर
हमला करबो।"
19 तब इसरायलीमन ये जबाब दीन:
"हमन सिरिप मुख्य सड़क म जाबो, अऊ यदि हमन या हमर पसुमन तुम्हर कोनो पानी ला पीहीं, त हमन
ओकर दाम चुकाबो। हमन सिरिप पैदल जाय चाहथन—अऊ कुछू नइं।"
20 फेर ओह ये जबाब दीस:
"तुमन इहां ले होके नइं जा सकव।"
तब एदोम ह ओमन के बिरूध एक बड़े अऊ सक्तिसाली सेना लेके निकलिस।
21 एदोम ह ओमन ला अपन राज म ले होके जाय बर मना करिस, त इसरायल ह उहां ले मुड़के चल दीस।

[illegible]

22 पूरा इसरायली समाज ह कादेस ले चलके होर पहाड़ करा आईस।
23 एदोम के सीमना के लकठा म, होर पहाड़ म, यहोवा ह मूसा अऊ हारून ला कहिस,
24 "हारून ह अपन पुरखा संग हमेसा बर सुत जाही। ओह ओ देस म नइं जा सकही, जेला मेंह इसरायलीमन
ला दे हंव, काबरकि तुमन दूनों मरीबा के सोता करा मोर हुकूम के बिरूध बिदरोह करे रहेव।†

---

* **20:13** [illegible] के मतलब होथे [illegible] † **20:24** देखव ब्यव 32:50

25 हारून अऊ ओकर बेटा एलिआजर ला लेके होर पहाड़ के ऊपर जा।
26 हारून के पुरोहिती कपड़ा ला उतारके ओला ओकर बेटा एलिआजर ला पहिरा, काबरकि हारून ह अपन
मनखेमन संग मिल जाही; ओह उहां मर जाही।"
27 मूसा ह यहोवा के हुकूम के मुताबिक करिस: ओमन जम्मो समाज के देखत म होर पहाड़ ऊपर गीन।
28 मूसा ह हारून के पुरोहिती कपड़ामन ला उतारिस अऊ ओ कपड़ा ला हारून के बेटा एलिआजर ला पहिरा
दीस। अऊ हारून ह उहां पहाड़ के टीप म मर गीस। तब मूसा अऊ एलिआजर पहाड़ ले खाल्हे उतरिन,
29 अऊ जब पूरा समाज ला पता चलिस कि हारून ह मर गे हवय, त जम्मो इसरायलीमन ओकर बर तीस
दिन तक बिलाप करिन।

21

[illegible]

1 जब नेगेव* म रहइया अराद के कनानी राजा ये सुनिस कि इसरायल ह अतारीम के सड़क के रसता ले
आवत हे, त ओह इसरायलीमन ऊपर हमला करिस अऊ ओमा के कुछू झन ला बंदी बना लीस।
2 तब इसरायल ह यहोवा ले ये मन्नत मानिस: "यदि तेंह ये मनखेमन ला हमर हांथ म कर देबे, त हमन ओमन
के सहरमन ला पूरा नास कर देबो।"
3 यहोवा ह इसरायल के बिनती ला सुनिस अऊ कनानीमन ला ओमन के अधीन कर दीस। इसरायलीमन
ओमन ला अऊ ओमन के नगरमन ला पूरा नास कर दीन, एकरसेति ओ जगह के नांव होरमा† पड़िस।

[illegible]

4 ओमन होर पहाड़ ले आघू बढ़िन अऊ एदोम देस के बाहिर-बाहिर लाल-समुंदर के रसता ला धरिन। पर
रसता म मनखेमन के धीरज खतम होय लगिस;
5 ओमन परमेसर अऊ मूसा के बिरूध गोठियाय लगिन, अऊ कहिन, "तेंह काबर हमन ला मिसर देस ले
निकालके ये सुन्ना जगह म मरे बर ले आय? इहां न तो रोटी हवय न पानी! अऊ हमन ला ये बेकार के जेवन ले
घिन हो गे हवय!"
6 तब यहोवा ह ओमन के बीच जहरिला सांप पठोईस; ओमन मनखेमन ला चाबिन अऊ कतको इसरायलीमन
मर गीन।
7 तब मनखेमन मूसा करा आके कहिन, "हमन यहोवा अऊ तोर बिरूध बात करके पाप करे हन। पराथना कर
कि यहोवा ह ये सांपमन ला हमर करा ले हटा ले।" तब मूसा ह मनखेमन बर पराथना करिस।
8 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "सांप के एक मूरती बनाके खंभा के ऊपर टांग दे; सांप के चाबे मनखे ह ओला
देखके जीयत रहिही।"
9 त मूसा ह कांसा के एक ठन सांप के मूरती बनाईस अऊ ओला एक खंभा के ऊपर रख दीस। तब सांप के
चाबे जऊन भी मनखे ओ कांसा के सांप ला देखय, त ओह बच जावय।

[illegible]

10 इसरायलीमन आघू बढ़िन अऊ ओबोत नांव के जगह म डेरा डालिन।
11 तब ओमन ओबोत ले कूच करके इये-अबारीम के सुन्ना जगह म डेरा डालिन, जऊन ह मोआब के सामने
पूरब कोति हवय।
12 उहां ले ओमन आघू बढ़िन अऊ जेरेद के घाटी म डेरा डालिन।
13 ओमन उहां ले बढ़त गीन अऊ अरनोन के तीर म डेरा डालिन, जऊन ह सुन्ना जगह म हवय अऊ अमोरी
राज के सीमना तक फईले हवय। अरनोन ह मोआब के सीमना अय, मोआब अऊ अमोरीमन के बीच म।
14 एकरसेति यहोवा के लड़ई नांव के किताब म ये लिखे हवय:
"सूपा म जाहब‡ अऊ घाटीमन,
अरनोन
15 अऊ घाटीमन के ढलान
जऊन ह आर के इलाका तक जाथे

* **21:1** [illegible] या [illegible] † **21:3** [illegible] के मतलब [illegible] होथे ‡ **21:14** इबरानी म [illegible]

अऊ मोआब के सीमना तक फईले हवय।”
16 उहां ले ओमन आघू बढ़िन अऊ बीर नांव कुआं करा हबरिन, जिहां यहोवा ह मूसा ला कहे रिहिस, “मनखेमन
ला एक जगह म इकट्ठा कर अऊ मेंह ओमन ला पानी दूहूं।”
17 तब इसरायल ह ये गीत गाईस:
“हे कुआं, पानी ले भर जा!
ये गीत गावव,
18 ओ कुआं के बारे म जेला हाकिममन कोड़िन,
जेला परभावसाली मनखेमन कोड़िन—
परभावसाली मनखेमन राजदंड अऊ लउठी ले कोड़िन।”
तब ओमन सुन्ना जगह ले मत्ताना करा गीन,
19 मत्ताना ले नहलीएल, नहलीएल ले बामोत,
20 अऊ बामोत ले मोआब के घाटी करा, जिहां पिसगा पहाड़ के टीप ह बीरान भुइयां ले ऊंच हवय।

[illegible]

21 इसरायल ह अमोरीमन के राजा सीहोन करा संदेसियामन ला ये कहे बर पठोईस:
22 “हमन ला तोर देस म ले होके जावन दे। हमन कोनो खेत या अंगूर के बारी कोति नइं जावन, न ही कोनो
कुआं के पानी पीयन। जब तक तोर राज ले निकल नइं जाबो, तब तक हमन राजा के राजमार्ग म ही जाबो।”
23 पर सीहोन ह इसरायल ला अपन देस म ले होके जावन नइं दीस। ओह अपन पूरा सेना ला इकट्ठा करिस
अऊ इसरायल के बिरूध सुन्ना जगह करा गीस। जब ओह यहस नगर करा हबरिस, त उहां ओह इसरायल के
संग लड़िस।
24 पर इसरायल ह ओला तलवार ले मार डारिस अऊ अरनोन नदी ले लेके यब्बोक नदी तक ओकर देस म
अधिकार कर लीस, पर सिरिप उहां तक, जिहां अमोनीमन रिहिन, काबरकि ओमन के सीमना ला किलाबंदी करे
गे रिहिस।
25 इसरायल ह अमोरीमन के जम्मो सहर ऊपर कब्जा करके ओमन ऊपर अधिकार कर लीस, जेमा हेसबोन
सहर अऊ ओकर आसपास के नगर अऊ बस्तीमन घलो रिहिन।
26 हेसबोन ह अमोरीमन के राजा सीहोन के सहर रिहिस, जऊन ह मोआब के पहिले के राजा के बिरूध लड़े
रिहिस अऊ ओकर ले अरनोन तक ओकर जम्मो देस ला लेय ले रिहिस।
27 एकरे कारन कबिमन कहिथें:
“हेसबोन म आवव अऊ येला फेर बनावव;
सीहोन के सहर ह फेर पहिले सहीं हो जावय।

28 “हेसबोन ले आगी,
अऊ सीहोन के सहर ले जुवाला निकलिस।
येह मोआब के आर नगर ला,
अरनोन के ऊंच जगह के मनखेमन ला भसम कर दीस।
29 हे मोआब, तोर ऊपर हाय!
हे कमोस देवता के मनखेमन, तुमन नास हो गेव!
ओह अपन बेटामन ला सरनार्थी के रूप म
अऊ अपन बेटीमन ला कैदी के रूप म
अमोरीमन के राजा सीहोन ला दे दीस।

30 “पर हमन ओमन ला गिरा दे हन;
हेसबोन सहर के राज ह दीबोन नगर तक नास हो गे हवय।
हमन ओमन ला नोपह नगर तक उजाड़ दे हन
जऊन ह मेदबा नगर तक फईले हवय।”
31 ये किसम ले इसरायल ह अमोरीमन के देस म बस गीस।

32 मूसा के याजेर सहर म भेदियामन ला पठोय के बाद, इसरायलीमन ओकर आसपास के इलाका म कब्जा
कर लीन अऊ जऊन अमोरीमन उहां रिहिन, ओमन ला भगा दीन।
33 तब ओमन मुड़के सड़क म होवत बासान कोति गीन, अऊ बासान के राजा ओग अऊ ओकर पूरा सेना
ओमन के संग लड़ई करे बर निकलके एदरेई नगर करा आईन।
34 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "ओकर ले झन डर, काबरकि मेंह ओला ओकर पूरा सेना अऊ ओकर देस सहित
तोर हांथ म कर देवत हंव। ओकर संग वइसने ही कर, जइसने तेंह अमोरीमन के राजा सीहोन के संग करय,
जऊन ह हेसबोन म राज करत रिहिस।"
35 तब इसरायलीमन राजा ओग अऊ ओकर बेटामन ला पूरा सेना सहित मार डारिन; ओमा के एको झन
घलो नइं बचिन। अऊ इसरायलीमन ओकर देस ऊपर अधिकार कर लीन।

22

[illegible]

1 तब इसरायलीमन मोआब के मैदान म हबरिन अऊ यरीहो के सामने यरदन नदी के तीर म डेरा डालिन।
2 सिप्पोर के बेटा बालाक ह ओ जम्मो ला देखिस, जेला इसरायल ह अमोरीमन संग करे रिहिस,
3 अऊ मोआब ह डरा गीस, काबरकि इसरायलीमन बहुंत बड़े संखिया म रिहिन। वास्तव म, मोआब ह
इसरायलीमन के कारन भयंकर डरा गीस।
4 मोआबीमन मिदयानीमन के अगुवामन ला कहिन, "ये उपदरवी दल ह हमर चारों कोति के जम्मो चीज ला
चट कर डारही, जइसे बईला ह खेत के घांस ला चट कर जाथे।"
ओ समय सिप्पोर के बेटा बालाक ह मोआब के राजा रिहिस;
5 ओह बेओर के बेटा बिलाम ला बलाय बर संदेसियामन ला भेजिस, जऊन ह फरात नदी के लकठा म अपन
जनम भुइयां पतोर सहर म रिहिस। बालाक ह कहिस:
"मिसर ले अब्बड़ मनखेमन आय हवंय; अऊ मोर बाजू म बस गे हवंय ओमन ले पूरा भुइयां ह ढंक गे हवय।
6 त तेंह आ अऊ ये मनखेमन ला सराप दे, काबरकि येमन मोर ले बहुंत सक्तिसाली हें। तब सायद में येमन
ला हराय सकहूं अऊ देस ले बाहिर भगाय सकहूं। काबरकि मेंह जानत हंव कि जेला तें आसीस देथस, ओह
आसीस पाथे, अऊ जेला तें सराप देथस, ओह सरापित हो जाथे।"
7 तब मोआब अऊ मिदयान के अगुवामन अगम बिचारे के दाम लेके चल दीन। जब ओमन बिलाम करा
हबरिन, त ओला बालाक के कहे बात ला बताईन।
8 बिलाम ह ओमन ला कहिस, "आज रथिया इहां रूक जावव, अऊ जऊन बात यहोवा ह मोला कहिही,
ओकर मुताबिक मेंह तुमन ला जबाब दूहूं।" त मोआब के अधिकारीमन ओकर संग रूक गीन।
9 परमेसर ह बिलाम करा आईस अऊ पुछिस, "तोर संग ये मनखेमन कोन अंय?"
10 बिलाम ह परमेसर ला कहिस, "सिप्पोर के बेटा, मोआब के राजा बालाक ह मोला ये संदेस भेजे हवय:
11 'मिसर देस ले निकलके आय मनखेमन के एक दल ले भुइयां ह ढंक गे हवय। अब तें आ अऊ मोर बर ओमन
ला सराप दे। तब सायद में ओमन संग लड़ सकहूं अऊ ओमन ला भगाय सकहूं।' "
12 पर परमेसर ह बिलाम ला कहिस, "ओमन के संग झन जा। तें ओ मनखेमन ला सराप झन दे, काबरकि
ओमन मोर आसीसित मनखे अंय।"
13 ओकर दूसर दिन बिहनियां बिलाम ह उठके बालाक के अधिकारीमन ला कहिस, "तुमन अपन देस वापिस
जावव, काबरकि यहोवा ह मोला तुम्हर संग जाय बर मना करे हवय।"
14 तब मोआब के अधिकारीमन बालाक करा लहुंटके कहिन, "बिलाम ह हमर संग आय बर मना कर दीस।"
15 तब बालाक ह आने अधिकारीमन ला पठोईस, जऊन मन संखिया म पहिले से अधिक अऊ जादा आदर
योग्य रिहिन।
16 ओमन बिलाम करा आईन अऊ कहिन:
"सिप्पोर के बेटा बालाक ह ये कहिथे: तोला मोर करा आय ले कोनो चीज झन रोकय,
17 काबरकि में तोला बहुंत बढ़िया ईनाम दूहूं अऊ जऊन कुछू तें कहिबे, ओला करहूं। आ मोर बर ये
मनखेमन ला सराप दे।"

18 पर बिलाम ह ओमन ला जबाब दीस, “अऊ त अऊ यदि बालाक ह अपन महल के जम्मो सोन अऊ चांदी
मोला देय दे, तभो ले मेंह यहोवा मोर परमेसर के हुकूम के बाहिर जाके छोटे या बड़े कुछू काम नइं कर सकंव।
19 पर तुमन आज रथिया इहां रूकव, ताकि मेंह पता लगा सकंव कि यहोवा ह मोला का कहत हे।”
20 रथिया परमेसर ह बिलाम करा आके कहिस, “जब ये मनखेमन तोला ले जाय बर आय हवंय, त ओमन के
संग जा, पर सिरिप वइसने ही करबे, जइसने मेंह तोला कहिहूं।”

[illegible]

21 बिलाम ह बिहनियां उठिस, अपन गदही म काठी बांधिस अऊ मोआब के अधिकारीमन संग चल दीस।
22 पर परमेसर ह बहुंत गुस्सा होईस, जब बिलाम ह ओमन के संग गीस, अऊ यहोवा के स्वरगदूत ह ओकर
बिरोध करे बर सड़क म ठाढ़ हो गीस। बिलाम ह अपन गदही म चघके जावत रिहिस, अऊ दू झन सेवकमन
ओकर संग रिहिन।
23 जब ओ गदही ह यहोवा के स्वरगदूत ला अपन हांथ म तलवार लिये देखिस, त ओह सड़क ला छोंड़के खेत
कोति उतर गीस। तब बिलाम ह गदही ला फेर सड़क म लाने बर ओला मारिस।
24 तब यहोवा के स्वरगदूत ह अंगूर के बारीमन के संकरा रसता म ठाढ़ हो गीस, जेकर दूनों कोति दीवार
रहय।
25 जब गदही ह यहोवा के स्वरगदूत ला देखिस, त ओह दीवार ले संट गीस, जेकर ले बिलाम के गोड़ ह दीवार
ले रगड़ा गीस। त ओह फेर गदही ला मारिस।
26 तब यहोवा के स्वरगदूत ह आघू बढ़िस अऊ संकरा जगह म ठाढ़ हो गीस, जिहां न तो जेवनी अऊ न ही
डेरी कोति हटे के जगह रिहिस।
27 जब गदही ह यहोवा के स्वरगदूत ला देखिस, त ओह बिलाम ला लेके बईठ गीस; तब बिलाम ह गुस्सा
होईस अऊ गदही ला अपन लउठी ले मारे लगिस।
28 तब यहोवा ह गदही के मुहूं ला खोल दीस अऊ गदही ह बिलाम ला कहिस, “मेंह तोर का करे हंव कि तीन
बार हो गीस, तेंह मोला मारत हस?”
29 त बिलाम ह गदही ला जबाब दीस, “तेंह मोला मुरूख बना दे हस! कहूं मोर हांथ म तलवार होतिस, त
अभीच मेंह तोला मार डारतेंव।”
30 ओ गदही ह बिलाम ला कहिस, “का मेंह तोर खुद के गदही नो हंव, जेमा तेंह हमेसा आज तक सवारी करत
आय हस? का मेंह तोर संग कभू अइसने करे रहंय?”
ओह कहिस, “नइं।”
31 तब यहोवा ह बिलाम के आंखी ला खोल दीस, अऊ ओह यहोवा के स्वरगदूत ला तलवार लेके सड़क म
खड़े देखिस। तब ओह झुकिस अऊ मुहूं के भार गिरके दंडवत करिस।
32 यहोवा के स्वरगदूत ह ओकर ले पुछिस, “तेंह अपन गदही ला ये तीन बार ले काबर मारय? मेंह इहां तोर
बिरोध करे बर आय हंव, काबरकि जऊन काम तेंह करत हस, ओह मोर आघू म सही नो हय।
33 गदही ह मोला देखिस अऊ तीन बार मोर ले दूरिहा घुंचिस। यदि ओह नइं घुंचे रहितिस, त खचित मेंह अब
तक तो तोला मार डारे रहितेंव, पर गदही ला छोंड़ देतेंव।”
34 बिलाम ह यहोवा के स्वरगदूत ला कहिस, “मेंह पाप करे हंव। मोला पता नइं रिहिस कि तेंह मोर सामना
करे बर सड़क म खड़े हस। यदि तेंह ये बात ले नाखुस हस, त मेंह वापिस चल दूहूं।”
35 यहोवा के स्वरगदूत ह बिलाम ला कहिस, “ओ मनखेमन संग जा, पर जऊन बात में बताहूं, ओही बात ला
कहिबे।” तब बिलाम ह बालाक के अधिकारीमन संग चल दीस।
36 जब बालाक ह सुनिस कि बिलाम ह आवत हे, त ओह बिलाम ले मिले बर अरनोन के सीमना म मोआबी
नगर करा गीस, जऊन ह ओकर इलाका के तीर म हवय।
37 बालाक ह बिलाम ला कहिस, “का मेंह तोला जरूरी बात बर नइं बलाय रहेंव? तेंह मोर करा काबर नइं
आवत रहय? का मेंह तोला आदर देय के लईक नो हंव?”
38 बिलाम ह बालाक ला जबाब दीस, “देख, अब तो में तोर करा आ गे हंव, पर मेंह अपन मन से कुछू नइं
कहंव। जेला परमेसर मोर मुहूं म डारही, सिरिप ओहीच बात कहिहूं।”
39 तब बिलाम ह बालाक के संग किरयत-हुसोत नगर म गीस।

40 उहां बालाक ह पसु अऊ भेड़मन के बलि चघाईस, अऊ कुछू भाग बिलाम अऊ अधिकारीमन ला दीस,
जेमन ओकर संग रिहिन।
41 ओकर दूसर दिन बिहनियां बालाक ह बिलाम ला ऊपर बामोत-बाल करा ले गीस, अऊ उहां ले ओह
इसरायलीमन के डेरा के बाहिरी भाग ला देखिस।

23

[illegible]

1 बिलाम ह बालाक ला कहिस, "इहां मोर बर सात ठन बेदी बनवा, अऊ सात-सात ठन बछवा अऊ मेढ़ा
बलिदान करे बर तियार कर।"
2 बालाक ह बिलाम के कहे मुताबिक करिस, अऊ दूनों झन हर एक बेदी म एक-एक ठन बछवा अऊ मेढ़ा
चघाईन।
3 तब बिलाम ह बालाक ला कहिस, "तेंह इहां अपन बलि करा ठाढ़े रह; मेंह थोरकन दूरिहा जावत हंव। हो
सकथे यहोवा ह मोर ले मिले बर आवय। जऊन कुछू ओह मोर ऊपर परगट करही, मेंह तोला बताहूं।" तब ओह
एक उजाड़ पहाड़ी ऊपर गीस।
4 परमेसर ह ओकर ले मिलिस, त बिलाम ह कहिस, "में सात ठन बेदी तियार करे हंव, अऊ हर बेदी म एक ठन
बछवा अऊ एक ठन मेढ़ा चघाय हंव।"
5 यहोवा ह बिलाम के मुहूं म एक ठन बात डालिस अऊ कहिस, "तें बालाक करा वापिस जा अऊ ओला ये
बात कह।"
6 तब बिलाम ह बालाक करा वापिस गीस अऊ ओला जम्मो मोआब के अधिकारीमन के संग अपन चढ़ावा के
बाजू म खड़े पाईस।
7 तब बिलाम ह अपन संदेस दीस:
"बालाक ह मोला अराम देस ले लानिस,
मोआब के राजा, पूरब के पहाड़ीमन ले।
ओह कहिस, 'आ अऊ मोर बर याकूब ला सराप दे;
आ अऊ इसरायल के निन्दा कर।'
8 ओमन ला मेंह कइसे सराप दंव
जेमन ला परमेसर ह सराप नइं दीस?
ओमन के निन्दा कइसे करंव
जेमन के निन्दा यहोवा ह नइं करिस?
9 चट्टानमन के ऊपर ले मेंह ओमन ला देखत हंव,
ऊंचई ले ओमन मोला दिखत हें।
मेंह अइसे मनखेमन ला देखत हंव, जेमन अलग रहिथें
अऊ अपनआप ला आने जातमन सहीं नइं समझंय।
10 कोन ह याकूब के धुर्रा सहीं संतानमन ला
या इसरायल के एक चौथाई ला घलो गन सकथे?
बने होही कि मेंह एक धरमी के सहीं मरंव,
अऊ मोर अन्त ह ओमन सहीं होवय!"
11 बालाक ह बिलाम ला कहिस, "तेंह मोर संग का करय? मेंह तोला मोर बईरीमन ला सराप दे बर लानेंव, पर
तेंह ओमन ला सिरिप आसीस देय के अलावा कुछू नइं करे हस!"
12 ओह जबाब दीस, "जऊन बात यहोवा ह मोला कहे हवय, का ओही ला नइं बतावंव?"

[illegible]

13 तब बालाक ह ओला कहिस, "तेंह मोर संग आने जगह म आ, जिहां ले तें ओमन ला देख सकबे; तेंह जम्मो
झन ला नइं, सिरिप ओमन के सिविर के बाहिर ला देख सकबे। अऊ उहां ले, तें मोर बर ओमन ला सराप दे।"
14 त ओह बिलाम ला पिसगा पहाड़ के ऊपर सोपीम के खेत म ले गीस, अऊ उहां ओह सात ठन बेदी
बनवाईस अऊ हर बेदी म एक बछवा अऊ एक मेढ़ा चघाईस।

15 बिलाम ह बालाक ला कहिस, “तें इहां अपन चढ़ावा के बाजू म रूक अऊ मेंह जाके उहां यहोवा ले मिलत
हंव।”
16 यहोवा ह बिलाम ले मिलिस अऊ ओकर मुहूं म अपन बात डालके कहिस, “बालाक करा वापिस जा अऊ
ओला ये बात कह।”
17 तब बिलाम ह बालाक करा गीस अऊ ओला मोआब के अधिकारीमन के संग अपन चढ़ावा के बाजू म खड़े
पाईस। बालाक ह ओकर ले पुछिस, “यहोवा ह का कहिस?”
18 तब बिलाम ह अपन संदेस दीस:
“हे बालाक, सिप्पोर के बेटा उठ अऊ सुन;
मोर बात ला सुन।
19 परमेसर ह मनखे नो हय, कि ओह लबारी मारय,
ओह मनखे नो हय, कि ओह अपन मन ला बदलय।
का ओह बोलथे अऊ वइसने नइं करय?
का ओह वायदा करथे अऊ ओला पूरा नइं करय?
20 मोला आसीस देय के हुकूम मिले हवय;
ओह आसीस दे हवय, अऊ येला मेंह नइं बदल सकंव।

21 “याकूब म कोनो अनर्थ,
अऊ इसरायल म कोनो दुरगति नइं दिखत हे।
यहोवा ओमन के परमेसर ह ओमन के संग हवय;
ओमन के बीच म राजा के जय-जयकार होथे।
22 परमेसर ह ओमन ला मिसर ले लेय आईस;
ओमन करा जंगली बईला के ताकत हवय।
23 याकूब के बिरूध म न कोनो अपसकुन हवय,
न इसरायल के बिरूध म कोनो खराप सकुन-बिचार।
अब याकूब अऊ इसरायल के बारे म कहे जाही,
‘देखव, परमेसर ह का अद्भूत काम करे हवय!’
24 ये मनखेमन सेरनी सहीं निकलथें;
ओमन एक सिंह सहीं ठाढ़ होथें
ओमन तब तक अराम नइं करंय, जब तक कि अपन सिकार ला खा नइं लेवंय
अऊ ओकर खून ला पी नइं लेवंय।”
25 तब बालाक ह बिलाम ला कहिस, “तें ओमन ला न तो कोनो सराप दे अऊ न ही कोनो आसीस!”
26 बिलाम ह बालाक ला जबाब दीस, “का मेंह तोला नइं कहे रहेंव कि यहोवा जइसने कहिही, वइसने करहूं?”

?????? ?? ????? ?????

27 तब बालाक ह बिलाम ला कहिस, “आ, तोला एक आने जगह म ले चलत हंव। सायद येह परमेसर ला बने
लगय कि उहां ले ओह तोला मोर बर इसरायलीमन ला सराप देवन दे।”
28 अऊ बालाक ह बिलाम ला पेओर पहाड़ के चोटी ऊपर ले, उजाड़ जगह ला देखा दीस।
29 बिलाम ह बालाक ला कहिस, “इहां मोर बर सात ठन बेदी बनवा, अऊ सात ठन बछवा अऊ सात ठन मेढ़ा
तियार कर।”
30 बिलाम के कहे मुताबिक बालाक ह करिस, अऊ हर बेदी म एक बछवा अऊ एक मेढ़ा चघाईस।

24

1 जब बिलाम ह देखिस कि इसरायल ला आसीस देवई ह यहोवा ला बने लगथे, त ओह पहिले के सहीं
सकुन-बिचार करे म मन नइं लगाईस, पर अपन चेहरा ला सुन्ना जगह कोति करिस।
2 जब बिलाम ह देखिस कि इसरायल ह गोत्र-गोत्र के मुताबिक डेरा डाले हवय, त परमेसर के आतमा ओकर
ऊपर आईस

3 अऊ बिलाम ह अपन संदेस दीस:
“बेओर के बेटा बिलाम के अगमबानी,
ओ मनखे के अगमबानी, जेकर आंखी ह साफ-साफ देखथे,
4 ओ मनखे के अगमबानी, जऊन ह परमेसर के बचन ला सुनथे,
जऊन ह सर्वसक्तिमान परमेसर ले एक दरसन पाथे,
जऊन ह सास्टांग दंडवत करथे, अऊ जेकर आंखीमन खुला हवंय:

5 “हे याकूब, का ही सुघर हवंय तोर तम्बूमन,
हे इसरायल, तोर निवासमन!

6 “ओमन घाटीमन सहीं फईले हवंय,
नदी के तीर म बगीचा सहीं,
यहोवा दुवारा लगाय मुसब्बर,
अऊ पानी तीर म लगे देवदार रूखमन सहीं हवंय।
7 ओमन के बाल्टीमन ले पानी ह बहते रहिही;
ओमन के बीजा ला बहुंत पानी मिलही।

“ओमन के राजा ह अमालेकी राजा अगाग ले घलो महान होही;
ओमन के राज ह बढ़ते ही रहिही।

8 “परमेसर ह ओमन ला मिसर देस ले निकाल लानिस;
ओमन करा जंगली बईला के ताकत हवय।
जेमन बिरोधी देसमन ला नास करके
ओमन के हाड़ा ला कुटा-कुटा कर देथें;
अऊ अपन तीरमन ले बिरोधीमन ला छेद डारथें।
9 सिंह सहीं ओमन लेटके अराम करथें,
सिंहनी सहीं—ओमन ला छेड़े के हिम्मत कोन करय?

“जऊन मन तोला आसीस देथें, ओमन आसीस पावंय
अऊ जऊन मन तोला सराप देथें, ओमन सरापित होवंय!”
10 तब बालाक के कोप बिलाम ऊपर भड़किस। ओह अपन दूनों हांथ ला ठोंकके बिलाम ला कहिस, “मेंह अपन बईरीमन ला सराप दे बर तोला बुलवाय हंव, पर तेंह तीन बार ओमन ला आसीस दे हस।
11 अब तें तुरते इहां ले भाग अऊ अपन घर जा! मेंह कहे रहेंव कि मेंह तोला बने ईनाम दूहू, पर यहोवा ह तोला ओ ईनाम ले दूरिहा रखे हवय।”
12 बिलाम ह बालाक ला कहिस, “का मेंह तोर संदेसियामन ला ये नइं कहे रहेंव,
13 ‘यदि बालाक ह मोला अपन महल के जम्मो सोन अऊ चांदी ला घलो दे दीही, तभो ले मेंह अपन ईछा ले यहोवा के हुकूम के बाहिर बने या खराप कुछू नइं कर सकंव—अऊ सिरिप ओहीच बात कहिहूं, जऊन बात यहोवा ह कहिही?’
14 अब सुन, मेंह अपन मनखेमन करा वापिस जावत हंव, पर मेंह तोला चेतात हंव कि अवइया समय म ये इसरायली मनखेमन तोर मनखेमन संग का करहीं।”

[illegible]
15 तब ओह अपन संदेस दीस:
“बेओर के बेटा बिलाम के अगमबानी,
ओ मनखे के अगमबानी, जेकर आंखी ह साफ-साफ देखथे,
16 ओ मनखे के अगमबानी, जऊन ह परमेसर के बचन ला सुनथे,
जेला सर्वोच्च परमेसर ले गियान मिले हवय,

जऊन ह सर्वसक्तिमान परमेसर के दरसन देखथे,
जऊन ह सास्टांग दंडवत करथे, अऊ जेकर आंखीमन खुला हवंय:

17 “मेंह ओला देखथंव, पर अभी नइं;
मेंह ओला देखथंव, पर लकठा ले नइं।
याकूब ले एक तारा निकलके आही;
इसरायल ले एक राजदंड के उदय होही।
ओह मोआब के माथा ला कुचरही,
सेत के जम्मो मनखेमन* के खोपड़ी ला कुचरही।
18 एदोम के ऊपर जय मिलही;
ओकर बईरी सेईर के ऊपर जीत मिलही,
पर इसरायल ह ताकतवर होवत जाही।
19 याकूब ले एक सासन करइया निकलही
अऊ सहर के बांचे मनखेमन ला नास कर दीही।”

[illegible]

20 तब बिलाम ह अमालेक ला देखिस अऊ अपन संदेस दीस:
“अमालेक ह जातिमन म पहिले रिहिस,
पर ओमन के अन्त ह बहुंत बिनासकारी होही।”

[illegible]

21 तब बिलाम ह केनीमन ला देखिस अऊ अपन संदेस दीस:
“तुम्हर निवास स्थान ह सुरकछित हवय,
तुम्हर बसेरा ह चट्टान म हवय;
22 तभो ले केनी मनखेमन, तुमन नास हो जाहू
जब अस्सूर ह तुमन ला बंधुवई म ले जाही।”

[illegible]

23 तब बिलाम ह अपन ये संदेस दीस:
“हाय! जब परमेसर ह अइसने करही, त कोन ह बचही?
24 कित्ती† के समुंदर तीर ले पानी जहाजमन आहीं;
ओमन अस्सूर अऊ एबेर ला अपन अधीन कर लीहीं,
पर आखिर म ओमन घलो नास हो जाहीं।”
25 तब बिलाम ह उठिस अऊ अपन घर वापिस चल दीस, अऊ बालाक घलो अपन रसता म चल दीस।

25

[illegible]

1 जब इसरायल ह सित्तीम म रूके रिहिस, तब कुछू इसरायली मनखेमन मोआब के माईलोगनमन संग कुकरम करे लगिन।
2 अऊ ये माईलोगनमन अपन देवता ला बलिदान चघाय के बेरा म ओमन ला नेवता देय लगिन। ये मनखेमन ओ बलि चघाय जेवन खाके ये देवतामन ला दंडवत करे लगिन।
3 ये किसम ले इसरायलीमन बाल-पेओर देवता के संग जुड़ गीन। अऊ यहोवा के कोप ओमन के बिरूध भड़किस।
4 यहोवा ह मूसा ला कहिस, “ये मनखेमन के जम्मो अगुवामन ला ले, अऊ ओमन ला मारके दिन-दुपहरी म यहोवा के आघू म खुला रख दे, ताकि यहोवा के भयंकर कोरोध ह इसरायल ले हट जावय।”
5 तब मूसा ह इसरायल के नियायीमन ला कहिस, “तुमन ले हर एक जन अपन ओ मनखेमन ला मार डारव, जेमन अपनआप ला बाल-पेओर के अधीन कर दे हवंय।”

---

* **24:17** या [illegible] † **24:24** [illegible] संभवत: [illegible]

6 जब इसरायलीमन मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार म रोवत रिहिन, तब एक इसरायली मनखे ह मूसा अऊ
जम्मो सभा के देखत म एक मिदयानी माईलोगन ला सिविर म ले आईस।
7 जब हारून पुरोहित के पोता, एलिआजर के बेटा पीनहास ह येला देखिस, त ओह सभा ले उठके गीस अऊ
अपन हांथ म एक ठन बरछी लीस
8 अऊ ओ इसरायली मनखे के पाछू-पाछू तम्बू म गीस। ओह ओ इसरायली मनखे अऊ मिदयानी माईलोगन
के पेट ला बरछी ले बेध दीस। तब इसरायलीमन के बिरूध फईले महामारी ह रूक गीस;
9 पर जेमन महामारी ले मरिन, ओमन 24,000 रिहिन।
10 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
11 "हारून पुरोहित के पोता, एलिआजर के बेटा पीनहास ह इसरायलीमन के बिरूध मोर कोरोध ला सांत कर
दे हवय। ओह ओमन के बीच मोर आदरमान बर अइसने जलन रखिस, जइसने मेंह रखथंव, एकर कारन मेंह
अपन उत्साह म ओमन के अन्त नइं करेंव।
12 अब ओला बताव कि मेंह ओकर संग अपन सांति के करार करत हंव।
13 ओह अऊ ओकर संतानमन बर हमेसा के पुरोहित के पद के एक करार होही, काबरकि ओला अपन परमेसर
के आदरमान बर जलन होईस अऊ ओह इसरायलीमन बर पछ्ताप करिस।"
14 जऊन इसरायली ह मिदयानी माईलोगन के संग मारे गीस, ओह सिमोनी गोत्र के एक अगुवा सालू के बेटा
जिमरी रिहिस।
15 अऊ जऊन मिदयानी माईलोगन ह मारे गीस, ओकर नांव कोजबी रिहिस, जऊन ह एक मिदयानी परिवार
के गोत्र के एक मुखिया सूर के बेटी रिहिस।
16 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
17 "मिदयानीमन के संग बईरी के सहीं बरताव करत ओमन ला मार डार।
18 काबरकि ओमन तुम्हर संग बईरी के सहीं बरताव करिन, जब ओमन अपन बहिनी, एक मिदयानी अगुवा के
बेटी कोजबी ला सामिल करके पेओर के मामला म तुमन ला धोखा दीन, ओ माईलोगन ह मारे गीस, जब ओ
घटना के कारन महामारी आईस।"

26

[illegible]

1 महामारी के बाद यहोवा ह मूसा अऊ हारून पुरोहित के बेटा एलिआजर ला कहिस,
2 "जम्मो इसरायली समाज के गनती परिवार के मुताबिक करव—जेमन बीस साल या जादा उमर के हवंय
अऊ इसरायल के सेना म सेवा दे सकत हें।"
3 तब मूसा अऊ एलिआजर पुरोहित, यरीहो के ओ पार यरदन नदी के तीर, मोआब के मैदान म इसरायलीमन
ले बात करिन अऊ कहिन,
4 "बीस साल या ओकर ले जादा उमर के मनखेमन के गनती करव, जइसने यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे हवय।"

येमन ओ इसरायली रिहिन, जेमन मिसर देस ले निकलके आय रिहिन:

5 इसरायल के पहिलांत बेटा रूबेन के संतान:
हनोक के जरिये हनोकी गोत्र;
पल्लू के जरिये पल्लूयी गोत्र;
6 हेसरोन के जरिये हेसरोनी गोत्र;
करमी के जरिये करमी गोत्र।
7 येमन रूबेनी गोत्र के रिहिन; जेमन के गनती, 43,730 रिहिस।
8 पल्लू के बेटा एलीआब रिहिस,
9 अऊ एलीआब के बेटामन नमूएल, दातान अऊ अबीराम रिहिन। इही दातान अऊ अबीराम समाज के
करमचारी रिहिन अऊ येमन मूसा अऊ हारून के बिरूध बिदरोह करिन अऊ येमन कोरह के ओ अनुयायीमन के
संग रिहिन, जब ओमन यहोवा के बिरूध बिदरोह करिन।

10 धरती ह अपन मुहूं फारिस अऊ ओमन ला कोरह के संग लील लीस; ओकर पाछ्ू चलइयामन मर गीन,
जब आगी ह 250 मनखे ला भसम कर दीस। अऊ ओमन चेतउनी के एक चिनहां होईन।
11 तभो ले कोरह के बंस ह खतम नइं होईस।

12 सिमोन के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
नमूएल के जरिये नमूएली गोत्र;
यामीन के जरिये यामीनी गोत्र;
याकीन के जरिये याकीनी गोत्र;
13 जेरह के जरिये जेरही गोत्र;
साऊल के जरिये साऊली गोत्र।
14 येमन सिमोन गोत्र के रिहिन; जेमन के गनती, 22,200 रिहिस।

15 गाद के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
सपोन के जरिये सपोनी गोत्र;
हाग्गी के जरिये हाग्गी गोत्र;
सूनी के जरिये सूनी गोत्र;
16 ओजनी के जरिये ओजनी गोत्र;
एरी के जरिये एरी गोत्र;
17 अरोद के जरिये अरोदी गोत्र;
अरेली के जरिये अरेली गोत्र।
18 येमन गाद गोत्र के रिहिन; जेमन के गनती 40,500 रिहिस।

19 यहूदा के बेटा एर अऊ ओनान रिहिन, पर ओमन कनान देस म मर गीन।*
20 यहूदा के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
सेलह के जरिये सेलानी गोत्र;
पेरेस के जरिये पेरेसी गोत्र;
जेरह के जरिये जेरही गोत्र।
21 पेरेस के संतान येमन रिहिन:
हेसरोन के जरिये हेसरोनी गोत्र;
हामूल के जरिये हामूली गोत्र।
22 येमन यहूदा गोत्र के रिहिन; जेमन के गनती 76,500 रिहिस।

23 इस्साकार के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
तोला के जरिये तोलायी गोत्र;
पुआ के जरिये पुवी गोत्र;
24 यासूब के जरिये यासूबी गोत्र;
सिमरोन के जरिये सिमरोनी गोत्र।
25 येमन इस्साकार गोत्र के रिहिन; जेमन के गनती 64,300 रिहिस।

26 जबूलून के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
सेरेद के जरिये सेरेदी गोत्र;
एलोन के जरिये एलोनी गोत्र;
यहलेल के जरिये यहलेली गोत्र।
27 येमन जबूलूनी गोत्र के रिहिन; जेमन के गनती, 60,500 रिहिस।

28 यूसुफ के संतान, जेमन गोत्र के मुताबिक मनस्से अऊ एपरैम के जरिये होईन:

* **26:19** देखव उत 38:3-4 अऊ 7:8

29 मनस्से के संतान:
माकीर के जरिये माकीरी गोत्र (माकीर ह गिलाद के ददा रिहिस);
गिलाद के जरिये गिलादी गोत्र।
30 गिलाद के संतान येमन रिहिन:
ईएजेर के जरिये ईएजेरी गोत्र;
हेलेक के जरिये हेलेकी गोत्र;
31 असरीएल के जरिये असरीएली गोत्र;
सकेम के जरिये सकेमी गोत्र;
32 समीदा के जरिये समीदायी गोत्र;
हेपेर के जरिये हेपेरी गोत्र।
33 (हेपेर के बेटा सलोफाद के कोनो बेटा नइं रिहिन; ओकर सिरिप बेटीमन रिहिन, जेमन के नांव महला,
नोआ, होगला, मिलका अऊ तिरसा रिहिस।)
34 येमन मनस्से के गोत्र रिहिन; जेमन के गनती 52,700 रिहिस।
35 एपरैम के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक येमन रिहिन:
सूतेलह के जरिये सूतेलही गोत्र;
बेकेर के जरिये बेकेरी गोत्र;
तहान के जरिये तहानी गोत्र।
36 सूतेलह के संतान येमन रिहिन:
एरान के जरिये एरानी गोत्र।
37 येमन एपरैम के संतान रिहिन; जेमन के गनती, 32,500 रिहिस।
येमन गोत्र के मुताबिक यूसुफ के संतान रिहिन।

38 बिनयामीन के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
बेला के जरिये बेलायी गोत्र;
असबेल के जरिये असबेली गोत्र;
अहीराम के जरिये अहीरामी गोत्र;
39 सूपाम† के जरिये सूपामी गोत्र;
हूपाम के जरिये हूपामी गोत्र।
40 बेला के संतान अर्द अऊ नामान के जरिये:
अर्द के जरिये अर्दी गोत्र;
नामान के जरिये नामानी गोत्र।
41 येमन बिनयामीन के गोत्र रिहिन; जेमन के संखिया 45,600 रिहिस।

42 दान के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक येमन रिहिन:
सूहाम के जरिये सूहामी गोत्र।
येमन दान के गोत्र रिहिन: 43 येमा के जम्मो झन सूहामी गोत्र के रिहिन; जेमन के संखिया 64,400 रिहिस।

44 आसेर के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
यिमना के जरिये यिमनी गोत्र;
इसवी के जरिये इसवी गोत्र;
बरीया के जरिये बरीयी गोत्र;
45 अऊ बरीया के संतान के जरिये:
हेबेर के जरिये हेबेरी गोत्र;
मलकीएल के जरिये मलकीएली गोत्र।
46 आसेर के सेरह नांव के एक बेटी रिहिस।
47 येमन आसेर के गोत्र रिहिन; जेमन के गनती 53,400 रिहिस।

† **26:39** या ⍰⍰⍰⍰⍰

48 नपताली के संतान ओमन के गोत्र के मुताबिक:
यहसेल के जरिये यहसेली गोत्र;
गूनी के जरिये गूनी गोत्र;
49 येसेर के जरिये येसेरी गोत्र;
सिल्लेम के जरिये सिल्लेमी गोत्र।
50 येमन नपताली गोत्र के रिहिन; जेमन के गनती 45,400 रिहिस।

51 इसरायल के पुरूसमन के कुल संखिया 6,01,730 रिहिस।

52 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
53 "नांव के गनती के आधार म ओमन के बीच म भुइयां ला ओमन के उत्तराधिकार के रूप म बांटना हे।
54 बड़े दल ला बड़े भाग दे, अऊ छोटे दल ला छोटे भाग; सूची म ओमन के गनती के मुताबिक हर एक ला ओकर उत्तराधिकार मिलय।
55 येकर धियान रखबे कि भुइयां ला चिट्ठी के जरिये बांटे जावय। हर एक दल ला जऊन भाग मिलथे, ओह ओकर पुरखा के गोत्र के नांव के मुताबिक होवय।
56 हर उत्तराधिकार ला चिट्ठी के दुवारा बड़े अऊ छोटे दलमन के बीच बांटे जावय।"

57 ये लेवीमन रिहिन, जेमन के गनती ओमन के गोत्र के मुताबिक होईस:
गेरसोन के जरिये गेरसोनी गोत्र;
कहात के जरिये कहाती गोत्र;
मरारी के जरिये मरारी गोत्र।
58 लेवी गोत्र के येमन घलो रिहिन:
लिबनी गोत्र,
हेबरोनी गोत्र,
महली गोत्र,
मूसी गोत्र,
कोरही गोत्र।
(कहात ह अमराम के पुरखा रिहिस;
59 अमराम के घरवाली के नांव योकेबेद रिहिस, जऊन ह लेवी के एक संतान रिहिस, अऊ मिसर म लेवी बंस म जनमे रिहिस। अमराम कोति ले ओह हारून, मूसा अऊ ओमन के बहिनी मिरियम ला जनम दीस।
60 हारून ह नादाब, अबीहू, एलिआजर अऊ ईतामार के ददा रिहिस।
61 पर नादाब अऊ अबीहू मर गीन, जब ओमन यहोवा के आघू म बिगर अधिकार वाले आगी ले एक बलिदान चघाईन।)‡

62 जम्मो लेवी पुरूस, जेमन एक महिना अऊ जादा उमर के रिहिन, गनती म 23,000 रिहिन। येमन ला आने इसरायलीमन संग नइं गने गीस, काबरकि येमन ला ओमन के बीच उत्तराधिकार नइं मिले रिहिस।

63 मूसा अऊ एलिआजर पुरोहित के दुवारा येमन ला गने गीस, जब ओमन यरीहो के ओ पार यरदन नदी के तीर मोआब के मैदान म इसरायलीमन के गनती करिन।
64 जऊन इसरायलीमन ला मूसा अऊ हारून पुरोहित, सीनय के सुन्ना जगह म गने रिहिन, ओमा के एको झन घलो अभी गने गय मनखेमन के बीच नइं रिहिन।
65 काबरकि यहोवा ह ओ इसरायलीमन ला कहे रिहिस कि ओमन खचित सुन्ना जगह म मर जाहीं, अऊ सिरिप यपुन्ने के बेटा कालेब अऊ नून के बेटा यहोसू ला छोंड़ ओमा के एको झन घलो नइं बांचिन।§

‡ **26:61** देखव लैव्य 10:1-7 § **26:65** देखव गन 14:29-35

27

[illegible]

1 मनस्से के बेटा माकीर, माकीर के बेटा गिलाद, गिलाद के बेटा हेपेर, हेपेर के बेटा सलोफाद, सलोफाद ले
ओकर बेटीमन रिहिन; येमन यूसुफ के बेटा मनस्से के गोत्र के रिहिन। सलोफाद के बेटीमन के नांव महला,
नोआ, होगला, मिलका अऊ तिरसा रिहिस। एक दिन ओमन आईन
2 अऊ मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार करा मूसा, एलिआजर पुरोहित, अगुवामन अऊ जम्मो सभा के आघू
म ठाढ़ होके कहिन,
3 "हमर ददा ह सुन्ना जगह म मर गीस। ओह कोरह के मनखेमन के संग नइं रिहिस, जेमन मिलके यहोवा के
बिरोध करिन, पर हमर ददा ह अपन खुद के पाप के कारन मर गीस अऊ ओकर कोनो बेटा नइं ए।
4 ओकर कोनो बेटा नइं होय के कारन ओकर नांव ह गोत्र ले काबर खतम हो जावय? एकरसेति हमर ददा के
रिस्तेदारमन के बीच म हमन ला घलो संपत्ति देवव।"
5 तब मूसा ह ओमन के ये बात ला यहोवा ला कहिस,
6 अऊ यहोवा ह मूसा ला कहिस,
7 "सलोफाद के बेटीमन जऊन बात कहत हें, ओह सही अय। जरूरी ए कि तें ओमन ला ओमन के ददा के
रिस्तेदारमन के बीच उत्तराधिकार के रूप म संपत्ति दे अऊ ओमन के ददा के उत्तराधिकार ओमन ला दे।
8 "इसरायलीमन ला कह, 'यदि कोनो मनखे बिगर बेटा के मर जाथे, त ओकर उत्तराधिकार ओकर बेटी ला
दिये जावय।
9 यदि ओकर कोनो बेटी नइं ए, त ओकर भाईमन ला उत्तराधिकार दिये जावय।
10 यदि ओकर कोनो भाई नइं ए, त ओकर उत्तराधिकार ओकर ददा के भाईमन ला दिये जावय।
11 यदि ओकर ददा के भाई नइं ए, त उत्तराधिकार ओकर गोत्र के सबले नजदीकी रिस्तेदार ला मिलय, संपत्ति
ला ओह ले लेवय। ये कानून ला इसरायलीमन के बीच म कड़ई से माने जावय, जइसने कि यहोवा ह मूसा ला
हुकूम दे हवय।' "

[illegible]

12 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "ये पहाड़* के अबारीम छेत्र म ऊपर जा अऊ ओ देस ला देख, जेला मेंह
इसरायलीमन ला दे हंव।
13 येला देखे के बाद, तेंह घलो अपन भाई हारून सहीं अपन मनखेमन के संग हमेसा बर सुत जाबे,
14 काबरकि जब समाज ह सीन के सुन्ना जगह म पानी के सोता करा बिदरोह करिस, त तुमन दूनों मोर हुकूम
ला नइं मानके ओमन के नजर म मोर पबितरता के अनादर करेव।" (येमन सीन के सुन्ना जगह म मरीबा-कादेस
के पानी के सोतामन रिहिन।)
15 मूसा ह यहोवा ले बिनती करिस,
16 "यहोवा, परमेसर जऊन ह जम्मो जीयत चीजमन ला सांस देथे, ओह ये समाज के ऊपर कोनो ला
ठहिरावय
17 जऊन ह ओमन के आघू म आवय-जावय, जऊन ह ओमन के अवई अऊ जवई म अगुवई करय, ताकि
यहोवा के समाज बिगर चरवाहा के भेड़मन सहीं झन होवय।"
18 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, "नून के बेटा यहोसू ला ले अऊ ओकर ऊपर अपन हांथ रख; ओह एक
अइसे मनखे अय, जेमा अगुवई करे के आतमा हवय।
19 ओला एलिआजर पुरोहित अऊ जम्मो सभा के आघू म ठाढ़ कर अऊ ओमन के आघू म ओला अधिकार दे।
20 ओला तोर कुछू अधिकार दे ताकि पूरा इसरायली समाज ओकर बात मानय।
21 ओह एलिआजर पुरोहित के आघू म ठाढ़ होवय, जऊन ह यहोवा के आघू म ऊरीम के पुछताछ के दुवारा
ओकर बर परमेसर के ईछा मालूम करय। ओकर हुकूम ले ओह अऊ पूरा इसरायली समाज जावंय अऊ ओकर
हुकूम ले ओमन आवंय।"
22 मूसा ह वइसने ही करिस, जइसने यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस। ओह यहोसू ला लीस अऊ ओला
एलिआजर पुरोहित अऊ जम्मो सभा के आघू म ठाढ़ करिस।

---

* **27:12** या [illegible]; देखव ब्यव 32:49

23 तब मूसा ह यहोसू के ऊपर अपन हांथ रखके ओला अधिकार दीस, जइसे यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे
रिहिस।

28

[illegible]

1 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ला ये हुकूम देके कह: 'धियान रहय कि ठहिराय गे समय म मोला महकत सुख-देवइया
जेवन-बलिदान चघावव।'
3 ओमन ला कह: 'तुमन यहोवा ला ये जेवन-बलिदान चघावव: हर दिन होम-बलिदान के रूप म एक-एक
बछुर के दू ठन निरदोस मेढ़ा-पीला चघाय जावय।
4 एक ठन मेढ़ा-पीला ला बिहनियां अऊ एक ठन ला सांझ के चघावव,
5 संग म एक एपा उत्तम पीसान के दसवां भाग* ला चढ़ावा चघावव, जेमा पेरके निकाले गय एक हीन जैतून
तेल के चौथा भाग† मिले रहय।
6 येह यहोवा ला चघाय जानेवाला महकत सुख-देवइया एक जेवन-बलिदान सीनय पहाड़ म ठहिराय गे
नियमित होम-बलिदान ए।
7 संग म हर मेढ़ा-पीला के संग एक हीन के एक चौथाई‡ मंद के पेय-बलिदान रहय। पेय-बलिदान ला
पबितर-स्थान म यहोवा बर ढार दव।
8 दूसर मेढ़ा-पीला ला सांझ के बेरा चघावव; संग म ओहीच किसम के अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के
चढ़ावा घलो चघाय जावय, जइसे कि तुमन बिहनियां के बेरा चघाथव। येह यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया
जेवन-बलिदान अय।

[illegible]

9 " 'बिसराम दिन म, एक-एक साल के दू ठन निरदोस मेढ़ा-पीला के चढ़ावा चघावव; संग म येकर
पेय-बलिदान अऊ एक एपा के दू-दसवां भाग§ जैतून तेल म सने उत्तम पीसान के एक अन्न-बलिदान चघावव।
10 नियमित रूप से चघाय जानेवाला होम-बलिदान अऊ येकर पेय-बलिदान के अलावा येह हर बिसराम दिन
बर होम-बलिदान अय।

[illegible]-[illegible]

11 " 'हर महिना के सुरू म, दू ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के सात ठन निरदोस मेढ़ा-पीला
यहोवा ला एक होम-बलिदान के रूप म चघाय करव।
12 हर बछुवा के संग तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के तीन-दसवां भाग* अन्न-बलिदान के रूप म
चघावव; मेढ़ा-पीला के संग तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के दू-दसवां भाग अन्न-बलिदान के रूप म
चघावव;
13 अऊ हर एक मेढ़ा-पीला के संग तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के दसवां भाग† अन्न-बलिदान के रूप
म चघावव। येह यहोवा बर चघाय जानेवाला एक होम-बलिदान, एक महकत सुख-देवइया जेवन-बलिदान अय।
14 हर एक बछुवा के संग आधा हीन‡ अंगूर के मंद; मेढ़ा के संग एक हीन§ के तीसरा भाग; अऊ हर एक
मेढ़ा-पीला संग एक हीन के चौथा भाग पेय-बलिदान के रूप म चघाय जावय। येह साल भर हर नवां चंदा के
दिन चघाय जानेवाला मासिक होम-बलिदान अय।
15 नियमित होम-बलिदान के संग येकर पेय-बलिदान के अलावा एक ठन बोकरा पाप-बलिदान* के रूप म
यहोवा ला चघाय जावय।

[illegible]

16 " 'हर साल पहिला महिना के चौदहवां दिन यहोवा के फसह माने जावय।
17 ये महिना के पंदरहवां दिन एक तिहार होवय; काबरकि सात दिन बिगर खमीर के बने रोटी खावव।
18 पहिली दिन एक पबितर सभा करव अऊ ओ दिन तुमन रोजमर्रा के काम झन करव।

---

* **28:5** लगभग 1.6 किलोग्राम † **28:5** लगभग 1 लीटर ‡ **28:7** लगभग 1 लीटर § **28:9** लगभग 3.2 किलोग्राम; पद 12, 20 अऊ 28 म घलो * **28:12** लगभग 5 किलोग्राम † **28:13** लगभग 1 किलोग्राम ‡ **28:14** लगभग 1.9 लीटर § **28:14** लगभग 1.3 लीटर * **28:15** या [illegible]; पद 22 म घलो

19 यहोवा ला एक जेवन-बलिदान चघावव, जेह दू ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा-पीला अऊ एक-एक साल के
सात ठन निरदोस मेढ़ा-पीला के होम-बलिदान ले बने होवय।
20 हर एक बछुवा के चढ़ावा के संग तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के तीन-दसवां भाग; मेढ़ा के संग
दू-दसवां भाग एक अन्न-बलिदान के रूप म चघावव;
21 अऊ सात मेढ़ा-पीला के हर एक के संग एक-दसवां भाग।
22 अपन पछुताप करे बर एक ठन बोकरा पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
23 हर बिहनियां के होम-बलिदान के अलावा येमन ला चघावव।
24 ये किसम ले हर एक दिन सात दिन तक यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया जेवन-बलिदान चघावव;
नियमित होम-बलिदान अऊ येकर पेय-बलिदान के अलावा ये बलिदान चघाय जावव।
25 सातवां दिन एक पबितर सभा करव अऊ ओ दिन रोजमर्रा के काम झन करव।

[illegible]

26 " 'पहिली-फसल के दिन, जब तुमन हप्तामन के तिहार के समय नवां अनाज के बलिदान यहोवा ला
चघावव, त एक पबितर सभा करव अऊ कोनो रोजमर्रा के काम झन करव।
27 दू ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक-एक बछुर के सात ठन निरदोस मेढ़ा-पीला के एक होम-बलिदान
यहोवा बर महकत सुख-देवइया चढ़ावा के रूप म चघावव।
28 हर एक बछुवा के चढ़ावा संग तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के तीन-दसवां भाग; मेढ़ा के संग
दू-दसवां भाग;
29 अऊ हर सात मेढ़ा-पीला के संग एक-दसवां भाग।
30 अपन पछुताप करे बर एक ठन बोकरा मिलावव।
31 नियमित होम-बलिदान अऊ येकर अन्न-बलिदान के अलावा येमन ला एक संग ओमन के पेय-बलिदान के
संग चघावव। ये बात के धियान रहय कि पसुमन निरदोस होवंय।

29

[illegible]

1 " 'हर साल सातवां महिना के पहिला दिन एक पबितर सभा करव अऊ ओ दिन नियमित काम झन करव।
येह तुम्हर बर तुरही बजाय के दिन अय।
2 यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया चढ़ावा के रूप म एक ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के
सात ठन निरदोस मेढ़ा-पीला के होम-बलिदान चघावव।
3 बछुवा के चढ़ावा के संग जैतून तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के तीन-दसवां भाग*; मेढ़ा के संग
दू-दसवां भाग†;
4 अऊ हर सातों मेढ़ा-पीला संग एक-दसवां भाग चघावव।‡
5 अपन पछुताप करे बर ओमा पाप-बलिदान§ बर एक ठन बोकरा घलो मिला लेवव।
6 बताय गे मासिक अऊ हर दिन के होम-बलिदान के संग ओमन के अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के
अलावा ये बलिदानमन ला चघाय जावय। येमन यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया चघाय गे जेवन-बलिदान
अंय।

[illegible]

7 " 'ये सातवां महिना के दसवां दिन एक पबितर सभा करव। तुमन अपनआप के इनकार करव* अऊ काम
झन करव।
8 यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया चढ़ावा के रूप म एक ठन बछुवा, एक ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के
सात ठन निरदोस मेढ़ा-पीला के होम-बलिदान चघावव।
9 बछुवा के चढ़ावा संग तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के तीन-दसवां भाग; मेढ़ा के संग दू-दसवां भाग;
10 अऊ सातों मेढ़ा-पीलामन के हर एक के संग एक-दसवां भाग चघावव।

---

* **29:3** लगभग 5 किलोग्राम † **29:3** लगभग 3.2 किलोग्राम ‡ **29:4** लगभग 1.6 किलोग्राम § **29:5** सुध होय के बलिदान * **29:7** या [illegible]

11 पछ्ताप करे बर पाप-बलिदान अऊ नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान, अऊ ओमन के
पेय-बलिदान के अलावा, पाप-बलिदान के रूप म एक ठन बोकरा मिलावव।

?????-????????? ?? ?????

12 “ ‘सातवां महिना के पंदरहवां दिन एक पबितर सभा करव अऊ ओ दिन नियमित काम झन करव। सात
दिन तक यहोवा बर तिहार मनावव।
13 यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया चढ़ावा के रूप म एक जेवन-बलिदान चघावव, जेमा तेरह ठन बछ्वा,
दू ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के चौदह ठन निरदोस मेढ़ा-पीला होम-बलिदान के होवंय।
14 तेरह बछ्वा म ले हर एक बछ्वा के चढ़ावा संग तेल ले सने उत्तम पीसान के एक एपा के तीन-दसवां भाग;
दूनों मेढ़ा म ले हर एक के संग दू-दसवां भाग;
15 अऊ चौदह मेढ़ा-पीलामन के हर एक के संग म एक-दसवां भाग चघावव।
16 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन बोकरा
पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
17 “ ‘दूसरा दिन बारह ठन बछ्वा, दू ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के चौदह ठन निरदोस मेढ़ा-पीला चघावव।
18 बछ्वा, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला के संग बताय गे संखिया के मुताबिक ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान चघावव।
19 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान, अऊ ओमन के पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन
बोकरा पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
20 “ ‘तीसरा दिन गियारह ठन बछ्वा, दू ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के चौदह ठन निरदोस मेढ़ा-पीला
चघावव।
21 बछ्वा, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला के संग बताय गे संखिया के मुताबिक ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान चघावव।
22 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन बोकरा
पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
23 “ ‘चौथा दिन दस ठन बछ्वा, दू ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के चौदह ठन निरदोस मेढ़ा-पीला चघावव।
24 बछ्वा, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला के संग बताय गे संखिया के मुताबिक ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान चघावव।
25 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन बोकरा
पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
26 “ ‘पांचवां दिन नौ ठन बछ्वा, दू ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के चौदह ठन निरदोस मेढ़ा-पीला चघावव।
27 बछ्वा, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला के संग बताय गे संखिया के मुताबिक ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान चघावव।
28 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन बोकरा
पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
29 “ ‘छठवां दिन आठ ठन बछ्वा, दू ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के चौदह ठन निरदोस मेढ़ा-पीला चघावव।
30 बछ्वा, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला के संग बताय गे संखिया के मुताबिक ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान चघावव।
31 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन बोकरा
पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
32 “ ‘सातवां दिन सात ठन बछ्वा, दू ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के चौदह ठन निरदोस मेढ़ा-पीला चघावव।
33 बछ्वा, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला के संग बताय गे संखिया के मुताबिक ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान चघावव।
34 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन बोकरा
पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
35 “ ‘आठवां दिन एक बिसेस समापन सभा करव अऊ ओ दिन नियमित काम झन करव।
36 यहोवा ला एक महकत सुख-देवइया चढ़ावा के रूप म एक जेवन-बलिदान चघावव, जेमा एक ठन बछ्वा,
एक ठन मेढ़ा अऊ एक-एक साल के सात ठन निरदोस मेढ़ा-पीला के एक होम-बलिदान होवय।

37 बछ्वा, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला के संग बताय गे संखिया के मुताबिक ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान चघावव।
38 नियमित होम-बलिदान के संग येकर अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान के अलावा, एक ठन बोकरा
पाप-बलिदान के रूप म मिलावव।
39 " 'अपन मन्नत अऊ अपन स्वेच्छा-बलिदान के चढ़ावा के अलावा, तुम्हर ठहिराय गे तिहार म यहोवा ला
ये घलो चघावव: तुम्हर होम-बलिदान, अन्न-बलिदान, पेय-बलिदान अऊ मेल-बलिदान।' "
40 यहोवा के जम्मो हुकूम ला मूसा ह इसरायलीमन ला बता दीस।†

30

[illegible]

* 1 मूसा ह इसरायल के गोत्रमन के मुखियामन ला कहिस: "यहोवा के ये हुकूम अय:
2 जब कोनो मनखे यहोवा के मन्नत मानथे या अपनआप परन करके सपथ खावय, त ओह अपन बचन ले झन
मुकरय, पर अपन कहे हर बात ला पूरा करय।
3 "जब कोनो जवान नोनी अपन ददा के घर म रहत यहोवा के मन्नत मानथे या अपनआप कोनो परन करथे
4 अऊ ओकर ददा ओकर मन्नत या परन ला सुनथे, पर ओला कुछू नइं कहय, त ओ जवान नोनी के जम्मो
मन्नत अऊ ओकर करे गे हर परन ह लागू होथे।
5 पर यदि ओकर ददा ह ओकर मन्नत या ओकर बचन देवई ला सुनके ओला मना कर देथे, त ओकर दुवारा
माने गय कोनो मन्नत या परन ह लागू नइं होवय; यहोवा ह ओला छोंड़ दीही, काबरकि ओकर ददा ह ओला मना
कर दे हवय।
6 "यदि ओह कोनो परन करे के बाद या अपनआप बिगर सोचे-बिचारे कोनो मन्नत के बाद बिहाव कर लेथे
7 अऊ जब ओकर घरवाला ह येकर बारे म सुनथे, पर ओला कुछू नइं कहय, त फेर ओकर मन्नत या अपनआप
करे गे परन करई ह लागू होथे।
8 पर यदि ओकर घरवाला ह मन्नत के बारे म सुनके ओला मना कर देथे, त ओह ओकर घरवाली के परन या
बिगर सोचे-बिचारे अपनआप करे गे मन्नत ला खतम कर देथे, अऊ यहोवा ह ओला छेमा कर दीही।
9 "यदि बिधवा या तलाकसुदा माईलोगन कोनो मन्नत मानथे या बचन देथे, त ओह ओकर ले बंधे रहिथे।
10 "यदि कोनो माईलोगन अपन घरवाला के संग रहत कोनो मन्नत मानथे या सपथ खाके कोनो परन करथे
11 अऊ ओकर घरवाला येला सुनके ओला कुछू नइं कहय अऊ ओला मना नइं करय, त ओकर माने गे जम्मो
मन्नत या ओकर दुवारा करे गे जम्मो परन लागू होथे।
12 पर यदि ओकर घरवाला ह ओ मन्नत या बचन ला सुनके खतम कर देथे, तब ओ माईलोगन के दुवारा माने
गे मन्नत या बचन लागू नइं होवय। ओकर घरवाला ह ओमन ला रद्द कर दे हवय, एकरसेति यहोवा ह ओला
छेमा कर दीही।
13 ओकर घरवाला ह ओकर दुवारा माने गे कोनो मन्नत या करे गय सपथ ला लागू कर सकथे या ओला खतम
घलो कर सकथे।
14 पर यदि ओकर घरवाला दिन-प्रतिदिन ओकर बारे म ओला कुछू नइं कहय, त येकर मतलब ये अय कि ओह
ओकर दुवारा करे गय जम्मो मन्नत या परन ला सहमती देथे। ओह सुनके ओला कुछू नइं कहे के दुवारा ओकर
मन्नत या बचन बर सहमती देथे।
15 पर यदि ओह ओ मन्नत या बचन ला सुनके कुछू समय बाद ओमन ला खतम कर देथे, तब ओह अपन
घरवाली के दोस के भार उठाही।"
16 एक मनखे अऊ ओकर घरवाली के बीच, अऊ एक ददा अऊ ओकर कुंवारी बेटी के बीच जऊन ह अभी भी
घर म रहिथे, ओमन के संबंध के बारे म येमन बिधि अंय, जेला यहोवा ह मूसा ला दीस।

31

[illegible]

---

† **29:40** इबरानी अनुवाद म ये पद (29:40) ला अधियाय 30:1 के रूप म गने गे हवय * **30:** इबरानी म 30:1-16 ला 30:2-17 गने गे हवय

1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 “इसरायलीमन बर मिदयानीमन ले बदला ले। ओकर बाद, तेंह मरके अपन पुरखामन संग हमेसा बर मिल
जाबे।”
3 तब मूसा ह मनखेमन ला कहिस, “मिदयानीमन के बिरूध लड़ई करे बर अपन कुछू मनखेमन ला तियार होय
बर कहव, ताकि ओमन मिदयानीमन ले यहोवा के बदला लेवंय।
4 इसरायल के हर गोत्र म ले एक-एक हजार पुरूसमन ला लड़ई म भेजव।”
5 हर गोत्र म ले एक-एक हजार, कुल बारह हजार हथियारबंद पुरूस लड़ई बर इसरायल के बंस ले तियार
होईन।
6 मूसा ह हर गोत्र म ले एक-एक हजार पुरूस लड़ई म भेजिस; संग म एलिआजर पुरोहित के बेटा पीनहास
ला पठोईस, जऊन ह अपन संग पबितर-स्थान के चीज अऊ फूंकके इसारा करे बर तुरहीमन ला धरे रिहिस।
7 यहोवा के मूसा ला दिये हुकूम के मुताबिक ओमन मिदयानीमन के बिरूध लड़के जम्मो मिदयानी पुरूस ला
मार डारिन।
8 मारे गे मनखेमन के बीच मिदयानीमन के पांच राजा—एवी, रेकेम, सूर, हूर अऊ रेबा रिहिन। ओमन बेओर
के बेटा बिलाम ला घलो तलवार ले मार डारिन।
9 इसरायलीमन मिदयानी माईलोगन अऊ लइकामन ला बंदी बना लीन अऊ मिदयानीमन के जम्मो
गरूवा-बईला, भेड़-बकरी के झुंड अऊ सामान ला लूट लीन।
10 ओमन मिदयानीमन के बसे जम्मो नगर अऊ ओमन के जम्मो सिविरमन ला नास कर दीन।
11 ओमन जम्मो लूट के सामान, मनखे अऊ पसुमन ला ले लीन,
12 अऊ बंदीमन ला अऊ लूट के सामान ला मूसा अऊ एलिआजर पुरोहित अऊ इसरायली सभा करा
मोआब के मैदान म डारे ओमन के डेरा म ले आईन, जऊन ह यरीहो के ओ पार यरदन नदी के तीर म रिहिस।
13 मूसा, एलिआजर पुरोहित अऊ समाज के जम्मो अगुवामन ओमन ले मिले बर सिविर के बाहिर गीन।
14 मूसा ह लड़ई ले लहुंटे सेना के ओ अधिकारीमन ले नराज होईस, जेमन हजारों अऊ सैकड़ों सैनिक के
ऊपर सेनापति ठहिराय गे रिहिन।
15 मूसा ह ओमन ले पुछिस, “का तुमन जम्मो माईलोगन ला जीयत छोंड़ दे हव?”
16 येमन ओ माईलोगन रिहिन, जेमन पेओर के घटना म बिलाम के सलाह मानिन अऊ यहोवा के संग
बिसवासघात करे बर इसरायली समाज ला बहकाईन, जेकर ले यहोवा के मनखेमन ऊपर एक महामारी फईलिस।
17 अब जम्मो लड़कामन ला मार डारव। अऊ हर ओ माईलोगन ला मार डारव, जऊन ह पुरूस के संग सुते
हवय,
18 पर हर ओ लड़की ला अपन बर बचाके रखव, जेह पुरूस के संग कभू नइं सुते हे।
19 “जऊन मनखे ह कोनो मनखे ला मार डारे हे या कोनो मारे गे मनखे ला छुए हे, त ओ मनखे ह सात दिन
तक डेरा ले बाहिर रहय। तीसरा अऊ सातवां दिन तुमन अपनआप ला अऊ अपन बंदीमन ला सुध करव।
20 हर एक कपड़ा अऊ संग म चाम के बने हर चीज ला सुध करव, बोकरा के रूआं हो या लकड़ी।”
21 तब एलिआजर पुरोहित ह ओ सैनिकमन ला कहिस, जऊन मन लड़ई म गे रिहिन, “यहोवा के दुवारा मूसा
ला दिये गे कानून के मुताबिक ये काम करे के जरूरत हे:
22 सोन, चांदी, कांसा, लोहा, टीन, सीसा
23 अऊ जऊन कुछू चीज आगी म नइं जलय, ओमन ला आगी म डालके निकालव, अऊ तब ये चीजमन सुध
हो जाहीं। पर येमन ला सुध करइया पानी ले घलो सुध करना जरूरी ए। अऊ जऊन कुछू चीज आगी म ठहर
नइं सकय, ओला ओ पानी म डालके निकालव।
24 सातवां दिन अपन कपड़ामन ला धोवव अऊ तुमन सुध हो जाहू। तब तुमन डेरा म आ सकत हव।”

[illegible]
25 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
26 “तें अऊ एलिआजर पुरोहित अऊ समाज के परिवार के मुखियामन बंदी बनाय गे जम्मो मनखे अऊ
पसुमन के गनती करव।
27 लूट के सामान ला लड़ई म गय सैनिक अऊ समाज के बाकि मनखेमन के बीच बरोबर-बरोबर बांट दव।

28 जऊन सैनिकमन लड़ई म गे रिहिन, ओमा ले हर पांच सौ के पाछू एक झन ला यहोवा बर राजकर के रूप
म अलग रखव; चाहे ओमन मनखे, पसु, गदहा या भेड़मन होवंय।
29 ओमन के आधा भाग म ले ये राजकर ला लेय ले अऊ येला यहोवा बर एलिआजर पुरोहित ला भेंट देय दे।
30 इसरायलीमन के आधा भाग म ले, हर पचास के पाछू एक झन ला अलग रख; चाहे ओमन मनखे, पसु,
गदहा, भेड़ या आने पसुमन होवंय। ये भाग ला ओ लेवीमन ला देय दे, जेमन के ऊपर यहोवा के पबितर-तम्बू के
देखरेख के जिम्मेदारी हवय।"
31 मूसा अऊ एलिआजर पुरोहित मूसा ला दिये गय यहोवा के हुकूम के मुताबिक करिन।
32 सैनिकमन के दुवारा लूटे गय सामान म ले ये बचे रिहिस 6,75,000 भेड़,
33 72,000 पसु
34 61,000 गदहा
35 32,000 माईलोगन जेमन कभू कोनो पुरूस संग नइं सुते रिहिन।

36 जेमन लड़ई म गे रिहिन, ओमन के आधा भाग ये रिहिस:

3,37,500 भेड़,
37 जेमा ले यहोवा के राजकर 675 ठन भेड़ रिहिन;
38 36,000 पसु, जेमा ले यहोवा के राजकर 72 ठन पसु रिहिन;
39 30,500 गदहा, जेमा ले यहोवा के राजकर 61 ठन गदहा रिहिन;
40 16,000 मनखे, जेमा यहोवा बर ठहिराय राजकर के रूप म 32 झन मनखे रिहिन।

41 मूसा ह एलिआजर पुरोहित ला यहोवा के बांटा के रूप म राजकर दीस, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम
दे रिहिस।
42 मूसा ह सैनिकमन ले लूट के आधा सामान ला इसरायलीमन बर अलग रखिस;
43 समाज के आधा भाग 3,37,500 भेड़,
44 36,000 पसु,
45 30,500 गदहा,
46 अऊ 16,000 मनखे।
47 इसरायलीमन के आधा भाग म ले, मूसा ह हर पचास मनखे अऊ पचास पसु के पाछू एक-एक मनखे अऊ
पसु ला अलग करिस, जइसे कि यहोवा ह ओला हुकूम दे रिहिस, अऊ ओला लेवीमन ला दे दीस, जेमन यहोवा
के पबितर-तम्बू के देखरेख करत रिहिन।
48 तब सेना के हर दल के ऊपर ठहिराय गय अधिकारीमन—हजारों सैनिकमन अऊ सैकड़ों सैनिकमन ऊपर
ठहिराय गय सेनापतिमन मूसा करा गीन
49 अऊ मूसा ला कहिन, "तोर सेवकमन हमर अधीन रहे सैनिकमन के गनती करे हवंय, अऊ ओमा ले एको
झन भी नइं छूटे हवंय।
50 हमन म ले हर एक जन सोन के जऊन चीजमन ला अपन अधिकार म ले हन—बाजूबंद, कंगन, मुंदरी, कान
के बाली अऊ माला—येला हमन यहोवा बर चढ़ावा के रूप म लाने हन, ताकि यहोवा के आघू म हमन पछ्ताप
कर सकन।"
51 तब मूसा अऊ एलिआजर पुरोहित ओमन ले तरासके बनाय गे सोन के जम्मो चीजमन ला ले लीन।
52 हजारों सैनिक अऊ सैकड़ों सैनिक के सेनापति दुवारा दिये गय जम्मो सोन ला, मूसा अऊ एलिआजर
यहोवा ला भेंट म चघाईन, ओकर वजन 16,750 सेकेल* रिहिस।
53 हर एक सैनिक अपन बर लूट के सामान लेय ले रिहिन।
54 मूसा अऊ एलिआजर पुरोहित हजारों अऊ सैकड़ों सैनिकमन के सेनापति ले ओ सोन ला स्वीकार कर
लीन अऊ ओ सोन ला मिलापवाला तम्बू म ले आईन, ताकि ओह यहोवा के आघू म इसरायलीमन बर एक
सुरता करइया चीज ठहिरे।

* **31:52** लगभग 190 किलोग्राम

32

?????

1 रूबेनी अऊ गादीमन करा गरूवा-बईला अऊ भेड़-बकरी के बड़े-बड़े झुंड रिहिन। जब ओमन देखिन कि
याजेर अऊ गिलाद पसु-धन बर उचित छेत्र अंय,
2 त ओमन मूसा अऊ एलिआजर पुरोहित अऊ समाज के अगुवामन करा आईन अऊ कहिन,
3 "अतारोत, दीबोन, याजेर, निमराह, हेसबोन, एलाले, सबाम, नबो अऊ बोन नगरमन ला
4 यहोवा ह इसरायली समाज के मनखेमन के आघू म जीत लीस; ये नगरमन पसु-धन बर सही अंय, अऊ
तुम्हर सेवकमन करा पसु-धन हवय।
5 यदि तुम्हर किरपा के नजर हमर ऊपर हवय, त ये देस ला तुम्हर सेवकमन के अधिकार म दिये जावय। हमन
ला यरदन नदी के ओ पार झन जावन दव।"
6 तब मूसा ह गादी अऊ रूबेनीमन ला कहिस, "का तुम्हर संगी इसरायलीमन लड़ई करे बर जावंय, जब तुमन
इहां बईठे रहव?
7 तुमन काबर इसरायलीमन ला यरदन के ओ पार के देस म जाय बर हतास करत हव, जेला कि यहोवा ह
ओमन ला दे हवय?
8 तुम्हर पुरखामन घलो अइसने ही करिन, जब मेंह ओमन ला कादेस-बरने ले ओ देस ला देखे बर पठोंय।
9 जब ओमन एसकोल के घाटी म हबरिन अऊ उहां ले ओ देस ला देखिन, त ओमन इसरायलीमन ला ओ देस
म जाय बर हतास करिन, जेला यहोवा ह ओमन ला दे रिहिस।
10 तब ओ दिन यहोवा के कोप ह भड़किस अऊ ओह ये सपथ खाईस:
11 'काबरकि ओमन पूरा मन से मोर पाछू नइं चलिन, एकरसेति मिसर ले निकले के बेरा जतेक झन बीस साल
या ओकर ले जादा उमर के रिहिन, ओमा के कोनो भी ओ देस ला देखे नइं सकहीं, जेला देय के परतिगियां मेंह
अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ले सपथ खाके करे रहेंव—
12 सिरिप कनजी यपुन्ने के बेटा कालेब अऊ नून के बेटा यहोसू ही ओ देस ला देखे सकहीं, काबरकि ओमन
पूरा मन से यहोवा के पाछू चले हवंय।'
13 त यहोवा के कोप इसरायल ऊपर भड़किस अऊ ओह ओमन ला सुन्ना जगह म चालीस साल तक
भटकाईस, जब तक कि ओ पूरा पीढ़ी खतम नइं हो गीस, जेमन ओकर नजर म दुस्ट काम करे रिहिन।
14 "अऊ तुमन इहां, पापीमन के संतान, अपन पुरखामन के जगह म खड़े हव अऊ इसरायल बर यहोवा ला
अऊ गुस्सा देवात हव।
15 यदि तुमन ओकर पाछू चलई बंद कर दूहू, त ओह फेर ये जम्मो मनखेमन ला सुन्ना जगह म छोंड़ दीही,
अऊ तुमन ओमन के बिनास के कारन होहू।"
16 तब गादी अऊ रूबेनीमन मूसा करा आके कहिन, "हमन इहां अपन पसुमन बर थान अऊ हमर माईलोगन
अऊ लइकामन बर सहर बसाय चाहत हन।
17 पर हमन खुद लड़ई बर हथियार धरबो अऊ इसरायलीमन के आघू-आघू जाबो, जब तक कि हमन ओमन
ला ओमन के जगह म अमरा नइं देबो। इही दौरान हमर माईलोगन अऊ लइकामन ये देस के निवासीमन ले बचे
बर गढ़वाले सहर म रहिहीं।
18 हमन तब तक अपन घर नइं लहुंटन, जब तक कि हर एक इसरायली अपन उत्तराधिकार ला नइं पा लीही।
19 हमन यरदन के ओ पार ओमन के संग कोनो उत्तराधिकार नइं लेवन, काबरकि हमर उत्तराधिकार हमन ला
यरदन के पूरब कोति मिल गे हवय।"
20 तब मूसा ह ओमन ला कहिस, "यदि तुमन ये करहू—यदि तुमन खुद यहोवा कोति ले लड़ई बर हथियार
धरहू
21 अऊ यदि तुमन जम्मो, जऊन मन हथियार धरहू अऊ परभू के आघू यरदन के ओ पार जाहू अऊ यहोवा ह
अपन आघू ले अपन बईरीमन ला निकाल दीही—

22 तब जब देस ह यहोवा के आघू म जीत लिये जाही, त तुमन लहुंट सकत हव अऊ यहोवा बर अऊ अपन
संगी इसरायलीमन बर अपन जिम्मेदारी ले छूट सकत हव। अऊ ये देस ह यहोवा के आघू म तुम्हर अधिकार म
हो जाही।
23 "पर यदि तुमन ये काम करे म असफल होहू, त तुमन यहोवा के बिरूध पाप करहू, अऊ तुमन ये बात ला
खचित जान लव कि तुमन ला तुम्हर पाप लगही।
24 अपन माईलोगन अऊ लइकामन बर सहर अऊ अपन पसुमन बर थान बनावव, अऊ अपन करे गे
परतिगियां ला पूरा करव।"
25 गादी अऊ रूबेनीमन मूसा ला कहिन, "हमन तोर सेवकमन, जइसे हमर मालिक ह हुकूम देवत हे, वइसे
करबो।
26 हमर लइका अऊ घरवाली, हमर गरूवा-बईला अऊ भेड़-बकरी के झुंड इहां गिलाद के सहरमन म रहिहीं।
27 पर तोर सेवकमन, हर ओ मनखे जऊन ह लड़ई बर हथियार धरे हवय, यहोवा के आघू म लड़ई करे बर ओ
पार जाही, जइसे कि हमर मालिक ह कहत हे।"
28 तब मूसा ह ओमन के बारे म एलिआजर पुरोहित अऊ नून के बेटा यहोसू अऊ इसरायली गोत्र के परिवार
के मुखियामन ला हुकूम दीस।
29 मूसा ह ओमन ला कहिस, "यदि गादी अऊ रूबेनीमन के लड़ई बर हथियार धरे हर एक पुरूस यहोवा के
आघू म तुम्हर संग यरदन के ओ पार जाथें, अऊ तब जब ओ देस ह तुम्हर अधिकार म आ जाथे, त तुमन गिलाद
के देस ला ओमन के अधिकार म दे दूहू।
30 पर यदि ओमन हथियार धरके तुम्हर संग ओ पार नइं जाहीं, त ओमन ला कनान म ही अपन भाग स्वीकार
करना पड़ही।"
31 गादी अऊ रूबेनीमन जबाब दीन, "तोर सेवकमन वइसने ही करहीं, जइसने यहोवा ह कहे हवय।
32 हमन हथियार धरके यहोवा के आघू म ओ पार कनान देस म जाबो, पर उत्तराधिकार के रूप म हमर संपत्ति
यरदन के इही पार रहय।"
33 तब मूसा ह गाद, रूबेन अऊ यूसुफ के बेटा मनस्से के आधा गोत्र ला अमोरीमन के राजा सीहोन के राज
अऊ बासान के राजा ओग के राज ला दे दीस—पूरा देस, येकर सहरमन अऊ ओमन के चारों कोति के इलाका
ला दे दीस।
34 गादीमन दीबोन, अतारोत, अरोएर,
35 अतरोत-सोपान, याजेर, योगबहा,
36 बेत-निमरा अऊ बेत-हारान ला गढ़वाले नगर बना दीन, अऊ अपन पसुमन बर थान बनाईन।
37 अऊ रूबेनीमन हेसबोन, एलाले, अऊ किरयातैम,
38 अऊ संग म नबो अऊ बाल-मेओन (ये नांवमन ला बदल दिये गीस) अऊ सिबमा ला फेर बनाईन। ओमन
फेर बनाय गे सहरमन के नांव रखिन।
39 मनस्से के बेटा माकीर के संतानमन गिलाद जाके ओला अपन कब्जा म कर लीन अऊ जऊन अमोरीमन
उहां रहत रिहिन, ओमन ला भगा दीन।
40 तब मूसा ह मनस्से के संतान माकीर ला गिलाद के इलाका दे दीस, अऊ ओमन उहां बस गीन।
41 मनस्से के एक संतान याईर ह गिलाद के नगरमन ऊपर कब्जा कर लीस अऊ ओमन के नांव
हव्वोत-याईर* रखिस।
42 अऊ नोबह ह कनात अऊ ओकर आसपास के बस्तीमन ऊपर कब्जा कर लीस अऊ ओला अपन ही नांव
नोबह दीस।

33

[illegible]

1 जब इसरायलीमन मूसा अऊ हारून के अगुवई म दल बना-बनाके मिसर देस ले बाहिर निकलिन, त येमन
ओमन के यातरा के पड़ाव रिहिन।

---

* **32:41** या *[illegible]*

2 यहोवा के हुकूम ले मूसा ह ओमन के यातरा के पड़ावमन के लेखा रखिस। पड़ावमन के मुताबिक येह ओमन
के यातरा रिहिस:

3 पहिला महिना* के पंदरहवां दिन, याने कि फसह तिहार के बाद दूसर दिन इसरायलीमन रामसेस सहर ले
आघू बढ़िन। ओमन जम्मो मिसरीमन के देखत म बड़े निडरता से निकलिन;
4 ओ समय मिसरीमन अपन पहिलांतमन ला माटी देवत रिहिन, जेमन ला यहोवा ह मार डारे रिहिस;
काबरकि यहोवा ह ओमन के देवतामन ला दंड देय रिहिस।
5 इसरायलीमन रामसेस ले चलके सुक्कोत नांव के जगह म डेरा डालिन।
6 फेर सुक्कोत ले आघू बढ़के एताम म डेरा डालिन, जऊन ह सुन्ना जगह के तीर म हवय।
7 ओमन एताम ले पाछू लहुंटके पी-हाहीरोत गीन, जऊन ह बाल-सपोन के पूरब म हवय, अऊ उहां
मिगदोल के लकठा म डेरा डालिन।
8 तब ओमन पी-हाहीरोत ले चलके समुंदर ले होवत सुन्ना जगह म आईन, अऊ एताम के सुन्ना जगह म
तीन दिन के रसता तय करिन, अऊ मारा नांव के जगह म डेरा डालिन।
9 ओमन मारा ले चलके एलीम म आईन, जिहां बारह ठन पानी के सोता अऊ सत्तर ठन खजूर के रूख
रिहिन, अऊ ओमन उहां डेरा डालिन।
10 ओमन एलीम ले चलके लाल-समुंदर† के तीर म डेरा डालिन।
11 ओमन लाल-समुंदर ले चलके सीन के सुन्ना जगह म डेरा डालिन।
12 फेर ओमन सीन के सुन्ना जगह ले दोपका म डेरा डालिन।
13 ओमन दोपका ले चलके आलूस म डेरा डालिन।
14 फेर ओमन आलूस ले चलके रपीदीम म डेरा डालिन, जिहां मनखेमन के पीये बर पानी नइं रिहिस।
15 तब ओमन रपीदीम ले चलके सीनय के सुन्ना जगह म डेरा डालिन।
16 फेर ओमन सीनय के सुन्ना जगह ले चलके किबरोत-हतावा म डेरा डालिन।
17 तब ओमन किबरोत-हतावा ले चलके हसेरोत म डेरा डालिन।
18 फेर ओमन हसेरोत ले चलके रितमा म डेरा डालिन।
19 ओमन रितमा ले चलके रिम्मोन-पेरेस म डेरा डालिन।
20 ओमन रिम्मोन-पेरेस ले चलके लिबना म डेरा डालिन।
21 ओमन लिबना ले चलके रिस्सा म डेरा डालिन।
22 ओमन रिस्सा ले चलके कहेलाता म डेरा डालिन।
23 तब ओमन कहेलाता ले चलके सेपेर पहाड़ करा डेरा डालिन।
24 फेर ओमन सेपेर पहाड़ ले चलके हरादा म डेरा डालिन।
25 तब ओमन हरादा ले चलके मखेलोत म डेरा डालिन।
26 फेर ओमन मखेलोत ले चलके तहत म डेरा डालिन।
27 तब ओमन तहत ले चलके तेरह म डेरा डालिन।
28 फेर ओमन तेरह ले चलके मितका म डेरा डालिन।
29 तब ओमन मितका ले चलके हसमोना म डेरा डालिन।
30 फेर ओमन हसमोना ले चलके मोसेरोत म डेरा डालिन।
31 तब ओमन मोसेरोत ले चलके बेने-जाकन म डेरा डालिन।
32 फेर ओमन बेने-जाकन ले चलके होर-हग्गीदगाद म डेरा डालिन।
33 तब ओमन होर-हग्गीदगाद ले चलके योतबाता म डेरा डालिन।
34 फेर ओमन योतबाता ले चलके अबरोना म डेरा डालिन।
35 ओमन अबरोना ले चलके एसियोन-गेबेर म डेरा डालिन।
36 फेर ओमन एसियोन-गेबेर ले चलके सीन के सुन्ना जगह कादेस म डेरा डालिन।
37 तब ओमन कादेस ले चलके एदोम के सीमना म होर पहाड़ करा डेरा डालिन।

---

* **33:3** इबरीमन के पहिला महिना संभवत: मध्य मार्च ले लेके मध्य अप्रेल तक होथे † **33:10** या ?????? ?? ??????

38 यहोवा के हुकूम ले हारून पुरोहित ह होर पहाड़ ऊपर गीस, जिहां ओह मर गीस; ओकर मिरतू
इसरायलीमन के मिसर देस ले निकले के चालीसवां साल के पांचवां महिना के पहिला दिन होईस।
39 जब हारून के मिरतू होर पहाड़ म होईस, त ओकर उमर एक सौ तेईस साल रिहिस।
40 इही समय कनान के नेगेव म रहइया अराद के कनानी राजा ला पता चलिस कि इसरायलीमन आवत हें।
41 इसरायलीमन होर पहाड़ ले चलके सलमोना म डेरा डालिन।
42 ओमन सलमोना ले चलके पुनोन म डेरा डालिन।
43 ओमन पुनोन ले चलके ओबोत म डेरा डालिन।
44 फेर ओमन ओबोत ले चलके मोआब के सीमना म इये-अबारीम करा डेरा डालिन।
45 फेर इये-अबारीम ले चलके दीबोन-गाद म डेरा डालिन।
46 फेर ओमन दीबोन-गाद ले चलके अलमोन-दिबलातैम म डेरा डालिन।
47 तब ओमन अलमोन-दिबलातैम ले चलके नबो के लकठा म अबारीम के पहाड़मन म डेरा डालिन।
48 फेर ओमन अबारीम के पहाड़मन ले चलके यरीहो के ओ पार यरदन नदी के तीर मोआब के मैदान म डेरा
डालिन।
49 उहां ओमन यरदन नदी के तीर बेत-यसीमोत ले लेके आबेल-सित्तीम तक मोआब के मैदान म डेरा
डालिन।

50 यरीहो के ओ पार यरदन नदी के तीर मोआब के मैदान म यहोवा ह मूसा ला कहिस,
51 "इसरायलीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: 'जब तुमन यरदन नदी ला पार करके कनान देस म जावव,
52 त अपन आघू ले ओ देस के जम्मो निवासी ला भगा दव। ओमन के गढ़े, अऊ ढालके बनाय गय जम्मो
मूरती ला नास कर दव, अऊ ओमन के जम्मो ऊंचहा जगहमन ला गिरा दव।
53 ओ देस ला अपन अधिकार म ले लव अऊ उहां बस जावव, काबरकि मेंह ओ देस तुमन ला अधिकार करे
बर दे हवंव।
54 अपन गोत्र के मुताबिक चिट्ठी निकालके ओ देस ला बांट लेवव। बड़े दल ला बड़े भाग अऊ छोटे दल ला
छोटे भाग देवव। चिट्ठी के मुताबिक जऊन भाग ओमन ला मिलथे, ओह ओमन के होही। अपन पुरखा के
गोत्रमन के मुताबिक येला बांटव।
55 " 'पर यदि तुमन ओ देस के निवासीमन ला निकाल नइं सकव, त ओमन म ले जेमन ला तुमन रहे बर दूहू,
ओमन तुम्हर आंखीमन म कचरा अऊ तुम्हर पंजरामन म कांटा सहीं हो जाहीं। ओमन तुम्हर बर ओ देस म
समस्या खड़े करहीं, जिहां तुमन रहिहू।
56 अऊ मेंह तुम्हर संग वइसने करहूं, जइसने ओमन बर करे के ठाने हंव।' "

34

[illegible]
1 यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ला हुकूम देके कह: 'जब तुमन कनान देस म जावव, त जऊन भुइयां तुमन ला उत्तराधिकार के
रूप म दिये जाही, ओकर ये सीमना होवय:

3 " 'तुम्हर दक्खिन कोति सीन के सुन्ना जगह के कुछू भाग घलो होही, जऊन ह एदोम के सीमना ए। तुम्हर
दक्खिनी सीमना ह पूरब म मिरतू सागर के दक्खिनी छोर ले सुरू होही,
4 अऊ अकरबीम चढ़ई के दक्खिन के पार सीन कोति आही अऊ कादेस-बरने नगर के दक्खिन तक जाही। तब
येह हाजार-अद्दार तक जाके असमोन तक जाही,
5 असमोन ले मुड़के मिसर के नरवा म जुड़ जाही अऊ भूमध्य सागर म खतम होही।
6 तुम्हर पछिमी सीमना ह भूमध्य सागर के किनारा होही। येह पछिम म तुम्हर सीमना होही।
7 अपन उत्तरी सीमना बर, भूमध्य सागर ले होर पहाड़ तक एक लकीर खींचव
8 अऊ होर पहाड़ ले लेबो-हमात सहर तक ये लकीर जाही। तब सीमना ह सेदाद नगर तक जाही,
9 अऊ जिपरोन तक बढ़के हसर-एनान करा खतम होही। येह उत्तर म तुम्हर सीमना होही।

10 अपन पूरब के सीमना बर, हसर-एनान ले सपाम तक एक लकीर खींचव।
11 सीमना ह सपाम ले खाल्हे ऐन के पूरब कोति रिबला तक जाही अऊ ढलान म बढ़त गलील* समुंदर के
पूरब तक जाही।
12 तब सीमना ह खाल्हे यरदन के तीरे-तीर जाही अऊ मिरतू सागर करा खतम होही।

" 'चारों कोति अपन सीमना के संग येह तुम्हर देस होही।' "

13 मूसा ह इसरायलीमन ला हुकूम दीस: "चिट्ठी डारके ये देस ला बांटव, अऊ ओमन ला उत्तराधिकार के रूप
म दे दव। यहोवा के हुकूम अय कि ये देस साढ़े नौ गोत्रमन ला दिये जावय,
14 काबरकि रूबेन के गोत्र, गाद के गोत्र अऊ मनस्से के आधा गोत्र के परिवारमन अपन उत्तराधिकार पा गे
हवंय।
15 ये ढाई गोत्र के मनखेमन सूरज निकले के दिसा म, यरीहो के ओ पार, यरदन के पूरब म अपन उत्तराधिकार
पा गे हवंय।"
16 फेर यहोवा ह मूसा ला कहिस,
17 "एलिआजर पुरोहित अऊ नून के बेटा यहोसू ओ मनखेमन के नांव अय, जेमन के ऊपर ये देस ला बांटके
तुमन ला उत्तराधिकार म देय के जिम्मेदारी हवय।
18 अऊ हर एक गोत्र ले एक अगुवा ठहिरा, जेमन ये देस ला बांटे म मदद करहीं।

19 "ओमन के नांव ये अय:

"यहूदा के गोत्र ले, यपुन्ने के बेटा कालेब;
20 सिमोन के गोत्र ले, अमीहूद के बेटा समूएल;
21 बिनयामीन के गोत्र ले, किसलोन के बेटा एलीदाद;
22 दान के गोत्र ले, योगली के बेटा बुक्की ह अगुवा रिहिस;
23 यूसुफ के बेटा मनस्से के गोत्र ले, एपोद के बेटा हन्नीएल ह अगुवा रिहिस;
24 यूसुफ के बेटा एपरैम के गोत्र ले, सिपतान के बेटा कमूएल ह अगुवा रिहिस;
25 जबूलून के गोत्र ले, परनाक के बेटा एलीसापान ह अगुवा रिहिस;
26 इस्साकार के गोत्र ले, अज्जान के बेटा पलतीएल ह अगुवा रिहिस;
27 आसेर के गोत्र ले, सलोमी के बेटा अहीहूद ह अगुवा रिहिस;
28 अऊ नपताली के गोत्र ले, अमीहूद के बेटा पदहेल ह अगुवा रिहिस।"

29 येमन ओ मनखे अंय, जेमन ला यहोवा ह कनान देस म इसरायलीमन ला उत्तराधिकार बांटे के हुकूम दीस।

35

[illegible]
1 यरीहो के ओ पार, यरदन नदी के तीर, मोआब के मैदान म यहोवा ह मूसा ला कहिस,
2 "इसरायलीमन ला हुकूम दे कि ओमन अपन उत्तराधिकार म पाय नगरमन ले कुछू नगर लेवीमन ला देवंय।
अऊ ओमन ला नगर के चारों कोति के चरागन घलो देवंय।
3 तब ओमन करा रहे बर नगर अऊ गाय-बईला, भेड़-बकरी अऊ ओमन के आने जम्मो पसु बर चरागन होही।
4 "नगरमन के चारों कोति जऊन चरागन तेंह लेवीमन ला देबे, ओ चरागनमन के फईलाव नगर के दीवार ले
एक हजार क्यूबीट* तक होवय।
5 नगर के बाहिर, पूरब कोति दू हजार क्यूबीट†, दक्खिन कोति दू हजार क्यूबीट, पछिम कोति दू हजार
क्यूबीट अऊ उत्तर कोति दू हजार क्यूबीट नापव अऊ नगर ह मांझा म रहय। ओमन करा ये जगह नगर म
चरागन के रूप म होही।

* **34:11** इबरानी म *[illegible]* * **35:4** लगभग 450 मीटर † **35:5** लगभग 900 मीटर

??? ??? ?? ???

6 “लेवीमन ला तेंह जऊन सहरमन ला देबे, ओमा के छै ठन सहरमन सरन लेय के सहर होहीं, अऊ येमा ओ
मनखे ह भागके जा सकथे, जऊन ह कोनो ला मार डारे हवय। येकर छोंड़, ओमन ला अऊ बियालीस सहर देबे।
7 तेंह लेवीमन ला कुल मिलाके अड़तालीस ठन नगर ओमन के चरागन सहित देबे।
8 इसरायलीमन के अधिकार के देस म ले जऊन नगर तेंह लेवीमन ला देबे, ओ नगरमन गोत्र के मुताबिक
उत्तराधिकार के अनुपात म दिये जावंय: जऊन गोत्र के जादा नगर हवंय, ओकर ले जादा, पर जऊन गोत्र के
कम नगर हवंय, ओकर ले कम नगर लेबे।”
9 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस:
10 “इसरायलीमन ले बात कर अऊ ओमन ला कह: ‘जब तुमन यरदन पार करके कनान देस म जावव,
11 तब कुछू नगरमन ला अपन सरन लेय के नगर के रूप म चुनव, जिहां ओ मनखे ह भागके जा सकथे, जऊन
ह कोनो ला अनजाने म मार डारे हवय।
12 ओ नगरमन बदला लेवइया मनखे ले सरन के जगह होहीं, ताकि सभा के आघू म जांच होय के पहिली
ओला झन मार डारे जावय।
13 ये छै ठन नगर जेला तुमन दूहू, येमन तुम्हर सरन लेय के सहर होहीं।
14 तीन सहर यरदन के ये पार अऊ तीन सहर कनान देस म सरन लेय के सहर के रूप म दव।
15 ये छै नगर इसरायली अऊ ओमन के बीच रहइया परदेसीमन बर सरन लेय के जगह होहीं, ताकि कोनो
मनखे अनजाने म कोनो आने मनखे ला मार डारथे, त ओह उहां भागके जा सकय।
16 “ ‘यदि कोनो मनखे आने मनखे ला लोहा के चीज ले अइसे मारथे कि ओह मर जाथे, त ओ मनखे ह
हतियारा अय; अऊ ओ हतियारा ला मार डारे जावय।
17 या यदि कोनो मनखे पथरा लेके कोनो आने मनखे ला अइसे चोट पहुंचाथे कि ओह मर जाथे, त ओ मनखे ह
हतियारा अय; ओला मार डारे जावय।
18 या कोनो मनखे ह लकड़ी के कोनो चीज धरे हवय अऊ ओकर ले कोनो आने मनखे ला अइसे मारथे कि ओह
मर जाथे, त ओ मनखे ह हतियारा अय; ओला मार डारे जावय।
19 खून के बदला लेवइया ह ओ हतियारा ला मार डारय; जब भी बदला लेवइया ह हतियारा ला देखथे, त ओ
बदला लेवइया ह हतियारा ला मार डारय।
20 यदि कोनो मनखे जलन के कारन कोनो आने मनखे ला ढकेल देथे या जानबूझके ओकर ऊपर कोनो चीज
फेंकथे, जेकर से ओह मर जाथे
21 या यदि बईरता के कारन एक मनखे ह कोनो आने मनखे ला मुक्का मारथे, जेकर से ओह मर जाथे, त ओ
मुक्का मारनेवाला मनखे ह मार डारे जावय; ओ मनखे ह एक हतियारा अय। जब भी खून के बदला लेवइया ह
हतियारा ले मिलय, त ओ बदला लेवइया ह ओला मार डारय।
22 “ ‘पर यदि बिगर बईरता के कोनो मनखे कोनो ला धक्का देथे या अनजाने म ओकर ऊपर कुछू चीज ला
फेंकथे
23 या ओला बिगर देखे ओकर ऊपर कोनो भारी पथरा गिरा देथे, जेकर से आने मनखे ह मर जाथे, त जब ओ
आने मनखे ह कोनो बईरी नइं रिहिस अऊ चोट पहुंचाय के कोनो इरादा नइं रिहिस,
24 तब सभा ह ये मामला म मारइया अऊ खून के पलटा लेवइया के बीच ये नियम के मुताबिक नियाय करय।
25 सभा ह हतिया के दोसी मनखे ला खून के पलटा लेवइया मनखे ले बचावय अऊ दोसी मनखे ला सरन लेय
के सहर म वापिस पठो दे, जिहां ओह भागके गे रिहिस। दोसी मनखे ह उहां तब तक रहय, जब तक कि पबितर
तेल ले अभिसेक करे गय ओ समय के महा पुरोहित के मिरतू न हो जाय।
26 “ ‘पर यदि दोसी मनखे ह ओ सरन लेय के सहर के सीमना ले बाहिर जाथे, जिहां ओह भागके गे हवय
27 अऊ खून के बदला लेवइया ह ओला नगर के बाहिर पाथे, त खून के बदला लेवइया ह दोसी मनखे ला मार
सकथे अऊ हतिया के दोसी नइं होवय।
28 जरूरी अय कि दोसी मनखे ह महा पुरोहित के मिरतू तक सरन लेय के सहर म रहय; सिरिप महा पुरोहित
के मिरतू के बाद ही ओह अपन खुद के संपत्ति म लहुंट सकथे।
29 “ ‘जिहां कहूं भी तुमन रहव, येह तुम्हर पीढ़ी-पीढ़ी तक कानून बने रहय।

30 “ ‘जऊन मनखे ह कोनो आने मनखे ला मार डारथे, त ओह सिरिप गवाहमन के गवाही के आधार म ही
हतियारा के रूप म मार डारे जावय। पर कोनो भी मनखे एक गवाह के गवाही के आधार म झन मार डारे जावय।
31 “ ‘कोनो हतियारा, जऊन ह मिरतू के दोसी हवय, ओकर जिनगी के बदले कोनो किसम के धन झन लेवव।
ओह मार डारे जावय।
32 “ ‘जऊन ह सरन लेय के सहर म भाग गे हवय, ओकर बर कोनो किसम के छुड़ौती के धन स्वीकार झन करव
कि ओह महा पुरोहित के मिरतू के पहिले वापिस जाके अपन देस म रह सकय।
33 “ ‘ओ देस ला असुध झन करव, जिहां तुमन रहत हव। खून करई ह देस ला असुध कर देथे, अऊ ओ देस बर
पछ्ताप नइं करे जा सकय, जिहां खून बहाय गे हवय; पछ्ताप सिरिप ओ मनखे के खून के दुवारा होथे, जऊन ह
खून बहाय हवय।
34 ओ देस ला असुध झन करव, जिहां तुमन रहिथव अऊ जिहां मेंह रहिथंव, काबरकि में यहोवा ह
इसरायलीमन के बीच रहिथंव।’ ”

36

[illegible]

1 तब गिलाद, जऊन ह माकीर के बेटा अऊ मनस्से के पोता रिहिस, ओकर गोत्र के परिवार के मुखियामन
यूसुफ के संतानमन के गोत्र म ले रिहिन; ये मुखियामन आईन अऊ मूसा अऊ अगुवामन के आघू म याने कि
इसरायली परिवार के मुखियामन के आघू म कहे लगिन,
2 “जब यहोवा ह हमर मालिक ला चिट्ठी के दुवारा इसरायलीमन ला देस म उत्तराधिकार देय के हुकूम दीस,
त ओह ये हुकूम देय रिहिस कि हमर भाई सलोफाद के उत्तराधिकार ओकर बेटीमन ला दिये जावय।*
3 यदि ओमन कोनो आने इसरायली गोत्र के मनखे ले बिहाव करथें, त फेर ओमन के उत्तराधिकार ह हमर
पुरखामन के भाग ले, ले लिये जाही अऊ ओ गोत्र म मिला दिये जाही, जेमा ओमन के बिहाव होही। अऊ ये
किसम ले हमन ला मिले उत्तराधिकार के एक भाग ह ले लिये जाही।
4 जब इसरायलीमन के जुबली बछर ह आही, त ओमन† के उत्तराधिकार ह ओ गोत्र म मिला दिये जाही, जेमा
ओमन के बिहाव होथे, अऊ ओमन के संपत्ति ह हमर पुरखामन के गोत्र के उत्तराधिकार ले लेय लिये जाही।”
5 तब यहोवा ले हुकूम पाके मूसा ह इसरायलीमन ला ये हुकूम दीस: “यूसुफ के संतान के गोत्र के मनखेमन
जऊन बात कहत हें, ओह सही ए।
6 सलोफाद के बेटीमन के बारे म यहोवा ह ये हुकूम दे हवय: ओमन अपन ईछ्ा ले अपन ददा के गोत्र म ले ही
कोनो पुरूस ले बिहाव कर सकथें।
7 इसरायल म कोनो भी उत्तराधिकार एक गोत्र ले आने गोत्र म झन जावय, काबरकि हर एक इसरायली ह
अपन पुरखा के गोत्र के उत्तराधिकार ला बनाय रखही।
8 हर ओ बेटी, जऊन ह कोनो इसरायली जाति म उत्तराधिकार पाथे, त ओकर बर जरूरी अय कि ओह अपन
ददा के जाति के गोत्र के कोनो पुरूस ले ही बिहाव करय, ताकि हर एक इसरायली ह अपन पुरखामन के
उत्तराधिकार बनाय रखय।
9 कोनो भी उत्तराधिकार एक गोत्र ले आने गोत्र म झन जावय, काबरकि हर एक इसरायली ह उत्तराधिकार म
मिले भाग ला बनाय रखय।”
10 सलोफाद के बेटीमन मूसा ला दिये गय यहोवा के हुकूम मुताबिक ही करिन।
11 सलोफाद के बेटीमन के नांव महला, तिरसा, होगला, मिलका अऊ नोआ रिहिस अऊ येमन अपन
चचेरा-भाईमन ले बिहाव कर लीन।
12 ओमन यूसुफ के बेटा मनस्से के संतान के गोत्र म बिहाव करिन, अऊ ओमन के उत्तराधिकार ह ओमन के
ददा के जाति अऊ गोत्र म बने रिहिस।

13 येमन ओ हुकूम अऊ नियम अंय, जेला यहोवा ह मूसा के जरिये इसरायलीमन ला यरीहो के ओ पार यरदन
नदी के तीर मोआब के मैदान म दीस।

---

* **36:2** गन 27:1-11 † **36:4** ओमन *[illegible]*

ब्यवस्था-बिबरन
के किताब

[illegible]

1 ये बात मूसा ह जम्मो इसरायल ला यरदन नदी के पूरब कोति सुन्ना जगह म कहिस—ये जगह ह पारान
अऊ तोपेल, लाबान, हसेरोत अऊ दीजाहाब के बीच, सूप के सामने अराबा म हवय।
2 (सेईर पहाड़ के सड़क ले होवत होरेब पहाड़ ले कादेस-बरने* जाय म गियारह दिन लगथे।)
3 मिसर देस छोंड़े के चालीसवां साल के गियारहवां महिना के पहिले दिन, मूसा ह इसरायलीमन ला ओ
जम्मो बात कहिस, जेकर हुकूम यहोवा ह ओला इसरायलीमन के बारे म दे रिहिस।
4 ये बात ओ समय के अय, जब मूसा ह हेसबोन नगर म राज-करइया अमोरीमन के राजा सीहोन ला हराईस,
अऊ असतारोत नगर म राज-करइया बासान के राजा ओग ला एदरेई नगर म हराईस।
5 यरदन के पूरब कोति मोआब के इलाका म, मूसा ह ये कानून ला बताय के सुरू करिस:

6 यहोवा हमर परमेसर ह होरेब पहाड़ म हमन ला कहिस, "ये पहाड़ करा रहत तुमन ला बहुंत दिन हो गे हवय।
7 एकरसेति अब डेरा ला उसालव अऊ अमोरीमन के पहाड़ी इलाका म जावव; अराबा के पास-पड़ोस के
जम्मो मनखे करा, पहाड़मन म, पछिम के खाल्हे भाग म, नेगेव अऊ समुंदर के तीरे-तीर, कनानीमन के देस अऊ
लबानोन म फरात महानदी तक जावव।
8 देखव, मेंह तुमन ला ये देस दे हवंव। जावव अऊ ये देस ऊपर अधिकार कर लव, जेकर बारे म यहोवा ह
सपथ खाके कहे रिहिस कि ओह ये देस तुम्हर पुरखा—अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब—अऊ ओमन के बाद
ओमन के संतानमन ला दीही।"

[illegible]

9 ओ समय मेंह तुमन ला कहेंव, "मेंह एके झन तुम्हर भार नइं उठा सकंव।
10 यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर संखिया ला बढ़ाय हवय कि आज तुमन अकास के तारामन सहीं अनगिनत
हो गे हवव।
11 यहोवा, तुम्हर पुरखामन के परमेसर ह तुमन ला हजारों गुना अऊ बढ़ावय अऊ अपन वायदा के मुताबिक
तुमन ला आसीस देवय!
12 पर मेंह एके झन तुम्हर समस्या अऊ तुम्हर भार अऊ तुम्हर झगरा के बोझ ला कइसे उठा सकत हंव?
13 एकरसेति तुमन अपन गोत्रमन ले कुछू बुद्धिमान, समझदार अऊ आदरनीय मनखेमन ला चुनव, अऊ मेंह
ओमन ला तुम्हर ऊपर मुखिया ठहिराहूं।"
14 त तुमन के ये जबाब रिहिस, "तेंह जऊन काम करे के सलाह देवत हस, ओह बढ़िया ए।"
15 एकरसेति मेंह तुम्हर गोत्रमन के ओ अगुवा मनखेमन ला लेंय, जेमन बुद्धिमान अऊ आदरनीय रिहिन,
अऊ ओमन ला तुम्हर ऊपर अधिकारी ठहिरांय—ओमन ला हजार-हजार, सौ-सौ, पचास-पचास अऊ दस-दस
के ऊपर सेनापति अऊ गोत्रमन के अधिकारी ठहिरांय।
16 अऊ ओ समय मेंह तुम्हर नियायधीसमन ला ये अधिकार देंय, "अपन मनखेमन के बीच के झगरा ला सुनव
अऊ सही-सही नियाय करव, चाहे मामला ह दू इसरायलीमन के बीच होवय या मामला ह एक इसरायली अऊ
तुम्हर बीच रहइया कोनो परदेसी के बीच होवय।
17 नियाय करे म पखियपात झन करव; छोटे या बड़े दूनों मनखे के बात ला एक समान सुनव। कोनो मनखे ले
झन डरव, काबरकि नियाय ह परमेसर के काम ए। यदि कोनो मामला ह तुम्हर बर बहुंत कठिन ए, त ओला मोर
करा लानव, अऊ मेंह ओला सुनहूं।"
18 अऊ ओ समय मेंह तुमन ला तुम्हर जम्मो काम बता दे रहेंव।

---

* **1:2** [illegible] मतलब [illegible]

[illegible]

19 तब, जइसे कि यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला हुकूम दीस, हमन होरेब ले आघू बढ़ेंन अऊ ओ जम्मो बड़े
अऊ भयानक सुन्ना जगह, जेला तुमन देखे हव, ओमा ले होवत अमोरीमन के पहाड़ी देस कोति गेंन, अऊ हमन
कादेस-बरने पहुंचेंन।
20 तब मेंह तुमन ला कहेंव, "तुमन अमोरीमन के ओ पहाड़ी देस म हबर गे हव, जेला यहोवा हमर परमेसर ह
हमन ला देवत हे।
21 देखव, यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओ देस तुमन ला दे हवय। जावव अऊ ओ देस ऊपर अधिकार कर लव,
जइसे कि यहोवा, तुम्हर पुरखामन के परमेसर ह तुमन ला कहे हवय। झन डरव; अऊ निरास झन होवव।"
22 तब तुमन जम्मो झन मोर करा आके कहेव, "आवव हमन हमर आघू कुछू मनखेमन ला पठोवन कि ओमन
ओ देस म जाके गुपत रूप से पता लगावंय अऊ वापिस आके हमन ला बतावंय कि हमन ला कोन रसता म
जाना हे अऊ हमन ला कोन-कोन नगर म होके जाना पड़ही।"
23 ये सलाह मोला बने लगिस; एकरसेति मेंह तुमन म ले बारह झन ला चुनेंव याने कि हर गोत्र म ले एक झन
ला चुनेंव।
24 ओ बारह मनखे ऊपर पहाड़ी देस म गीन, अऊ एसकोल के घाटी म आके ओकर भेद लीन।
25 अपन संग ओ देस के कुछू फर लेके ओमन हमर करा आईन अऊ उहां के ये बात बताईन, "येह एक बने देस
ए, जेला यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला देवत हे।"

[illegible]

26 पर तुमन के जाय के ईच्छा नइं रिहिस; तुमन यहोवा अपन परमेसर के हुकूम के बिरूध बिदरोह करेव।
27 अपन तम्बूमन म तुमन बड़बड़ावत कहेव, "यहोवा ह हमन ले घिन करथे; एकरसेति ओह हमन ला मिसर
देस ले निकाल लानिस कि हमन ला अमोरीमन के हांथ म सऊंपके नास कर दे।
28 हमन कहां जावन? हमर भाईमन ये कहिके हमन ला बहुंत डरा दे हवंय, 'उहां के मनखेमन हमर ले बलवान
अऊ हमर ले ऊंच हवंय; उहां के सहरमन बड़े-बड़े अऊ ओमन के दीवारमन अकास तक ऊंचहा हवंय। अऊ त
अऊ हमन उहां अनाकीमन ला घलो देखेंन।' "
29 तब मेंह तुमन ला कहेंव, "भयभीत झन होवव; ओमन ले झन डरव।
30 यहोवा तुम्हर परमेसर, जऊन ह तुम्हर आघू जावत हे, ओह तुम्हर बर लड़ही, जइसे कि तुम्हर देखत म
मिसर देस म तुम्हर बर करिस,
31 अऊ सुन्ना जगह म घलो करिस। उहां तुमन देखेव कि कइसे यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला लेके
चलिस, जइसे कोनो ददा ह अपन बेटा ला लेके चलथे, वइसे ओह तुमन ला पूरा रसता म लेके चलिस अऊ ये
जगह म तुमन ला पहुंचाईस।"
32 येकर बावजूद, तुमन यहोवा अपन परमेसर ऊपर भरोसा नइं करेव,
33 जऊन ह तुम्हर यातरा म रथिया आगी म अऊ दिनमान बादर म होके तुम्हर आघू-आघू चलिस, ताकि ओह
तुम्हर डेरा डाले बर जगह खोजय अऊ तुमन ला ओ रसता देखावय, जेमा तुमन ला जाना चाही।
34 जब यहोवा ह तुम्हर बात ला सुनिस, त ओह गुस्सा होईस अऊ सपथ खाके कहिस:
35 "ये दुस्ट पीढ़ी के कोनो भी मनखे ओ बने देस ला देख नइं सकहीं, जेला मेंह येमन के पुरखामन ला देय के
सपथ खाय रहेंव;
36 यपुन्ने के बेटा कालेब ओ देस ला देखही, अऊ मेंह ओला अऊ ओकर संतानमन ला ओ देस दूहूं, जेमा
ओकर पांव पड़े रिहिस, काबरकि ओह पूरा मन से यहोवा के पाछू चलिस।"
37 तुम्हर कारन यहोवा ह मोर ऊपर घलो गुस्सा होईस अऊ कहिस, "तेंह घलो ओ देस म नइं जा सकबे।
38 पर तोर सहायक नून के बेटा यहोसू ह ओ देस म जाही। तें ओला उत्साहित कर, काबरकि ओह ओ देस
ऊपर अधिकार करे बर इसरायल के अगुवई करही।
39 अऊ छोटे लइकामन जेमन के बारे म तुमन कहे हव कि ओमन बंधुवई म चले जाहीं, तुम्हर लइकामन,
जेमन ला अभी सही-गलत के गियान नइं ए—ओमन ओ देस म जाहीं। मेंह ओ देस ओमन ला दूहूं अऊ ओमन
ओकर ऊपर अधिकार करहीं।

40 पर जहां तक तुम्हर सवाल ए, तुमन मुड़के लाल-समुंदर के रसता ले सुन्ना जगह कोति जावव।”
41 तब तुम्हर ये जबाब रिहिस, “हमन यहोवा के बिरूध म पाप करे हन। हमन जाबो अऊ लड़बो, जइसे कि
यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला हुकूम दे हवय।” तब तुमन म ले हर एक जन अपन-अपन हथियार ला धरेव, ये
सोचके कि ओ पहाड़ी देस म जवई ह सरल ए।
42 पर यहोवा ह मोला कहिस, “ओमन ला कह, ‘तुमन ऊपर कोति जाके झन लड़व, काबरकि मेंह तुम्हर संग
नइं रहंव। तुमन अपन बईरीमन ले हार जाहू।’ ”
43 मेंह ये बात तुमन ला कहेंव, पर तुमन नइं मानेव। तुमन यहोवा के हुकूम के बिरूध चलेव अऊ अपन घमंड
म आके ओ पहाड़ी देस के ऊपर कोति आघू बढ़ेव।
44 ओ अमोरी, जेमन ओ पहाड़ी देस म रहत रिहिन, ओमन तुम्हर सामना करिन; अऊ तुमन ला
मधुमक्खीमन के झुंड सहीं भगाईन अऊ तुमन ला सेईर ले लेके होरमा सहर तक मारत चले गीन।
45 तब तुमन वापिस आके यहोवा के आघू म रोये लगेव; पर ओह तुम्हर रोवई कोति धियान नइं दीस अऊ
तुम्हर बात ला नइं सुनिस।
46 अऊ ये किसम ले तुमन कादेस म बहुंत दिन तक पड़े रहेव—उहां तुम्हर पूरा समय अइसने ही बीतिस।

2

[illegible]

1 तब यहोवा ह जइसे मोला कहे रिहिस, ओकरे मुताबिक हमन वापिस मुड़ेंन अऊ लाल-समुंदर के रसता ले
होवत सुन्ना जगह कोति गेंन। हमन बहुंत समय तक सेईर के पहाड़ी देस के आसपास चलते रहेंन।
2 तब यहोवा ह मोला कहिस,
3 “तुमन ला ये पहाड़ी देस के आसपास चलत बहुंत समय हो गे हे; अब मुड़के उत्तर कोति चलव।
4 अऊ तें मनखेमन ला ये हुकूम दे: ‘तुमन सेईर म रहइया अपन रिस्तेदार, एसाव के संतानमन के इलाका म
ले होके जानेवाला हव। ओमन तुमन ले डरहीं, पर तुमन बहुंत सावधान रहव।
5 ओमन ला लड़ई बर झन उकसावव, काबरकि मेंह तुमन ला ओमन के कोनो भुइयां नइं दंव, अऊ त अऊ
तुमन ला अपन पांव धरे के जगह तक नइं दंव। मेंह एसाव ला सेईर के पहाड़ी देस ओकर खुद के संपत्ति के रूप
म दे हवंव।
6 तुमन जऊन खाना खाहू अऊ पानी पीहू, ओकर बर तुमन ओमन ला चांदी देके ओ जेवन अऊ पानी के दाम
चुकावव।’ ”
7 यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर जम्मो काम म आसीस दे हवय। ओह ये बड़े सुन्ना जगह म तुम्हर यातरा के
दौरान तुम्हर देखरेख करे हवय। ये चालीस साल तक यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर संगे-संग रहे हवय, अऊ
तुमन ला कोनो चीज के कमी नइं होईस।
8 अऊ हमन सेईर म रहइया हमर रिस्तेदार, एसाव के संतानमन के इलाका ले हटके गेंन। हमन अराबा के
सड़क ले मुड़ेंन, जऊन ह एलात अऊ एसियोन-गेबेर म ले आथे, अऊ हमन मोआब के सुन्ना जगह के सड़क म
ले होके गेंन।
9 तब यहोवा ह मोला कहिस, “मोआबीमन ला तंग झन करव या ओमन ला लड़ई बर झन उकसावव,
काबरकि मेंह ओमन के देस म के कोनो भाग तुमन ला नइं दंव। मेंह लूत के संतानमन ला आर के इलाका ओमन
के अधिकार म देय दे हंव।”
10 (एमीमन उहां रहे के आदि रिहिन—ये मनखेमन बलवान अऊ संखिया म बहुंत रिहिन, अऊ येमन
अनाकीमन सहीं ऊंच घलो रिहिन।
11 अनाकीमन सहीं, ओमन ला घलो रपाई* माने जावत रिहिस, पर मोआबीमन ओमन ला एमी कहंय।
12 सेईर म होरीमन रहे के आदि रिहिन, पर एसाव के संतानमन ओमन ला भगा दीन। ओमन होरीमन ला
अपन आघू ले खतम कर दीन अऊ ओमन के जगह म बस गीन, जइसे कि इसरायलीमन ओ देस म बस गीन,
जेला यहोवा ह ओमन के अधिकार म दे दीस।)

---

* **2:11** *[illegible]* बड़े डीलडौलवाला मनखे; *[illegible]*

13 अऊ यहोवा ह कहिस, “अब तुमन उठव अऊ जेरेद घाटी के ओ पार जावव।” तब हमन घाटी के ओ पार
गेंन।
14 कादेस-बरने ला छोंड़के आय के बेरा ले लेके जेरेद घाटी ला पार करत तक अड़तीस साल हो गे रिहिस। ये
बीच म ओ पीढ़ी के जम्मो योद्धामन सिविर म नास हो गीन, जइसे कि यहोवा ह ओमन ले सपथ खाय रिहिस।
15 जब तक यहोवा ह ओमन ला सिविर ले पूरा खतम नइं कर दीस, तब तक ओकर हांथ ह ओमन के बिरूध
रिहिस।
16 जब आखिरी म मनखेमन के बीच म ले जम्मो योद्धामन मर गीन,
17 तब यहोवा ह मोला कहिस,
18 “आज तेंह आर नगर म मोआब के इलाका ले होके जाबे।
19 जब तेंह अमोनीमन करा आबे, त ओमन ला तंग झन करबे या ओमन ला लड़ई करे बर झन उकसाबे,
काबरकि मेंह ओमन के देस के कोनो भाग ला तोर अधिकार म नइं दंव। मेंह ओला लूत के संतानमन के अधिकार
म कर दे हंव।”
20 (ओला घलो रपाईमन के एक देस समझे जावत रिहिस, जऊन मन उहां रहत रिहिन; पर अमोनीमन ओमन
ला जमजुम्मी कहंय।
21 ओमन बलवान अऊ संखिया म बहुंत, अऊ अनाकीमन सहीं ऊंच रिहिन। यहोवा ह अमोनीमन के आघू ले
ओमन ला नास कर दीस; अमोनीमन ओमन ला भगा दीन अऊ ओमन के जगह म बस गीन।
22 यहोवा ह वइसने ही एसाव के संतानमन बर करिस, जऊन मन सेईर म रहत रिहिन; ओह होरीमन ला
ओमन के आघू ले नास कर दीस। एसाव के संतानमन ओमन ला भगा दीन अऊ ओमन आज तक होरीमन के
जगह म रहत हवंय।
23 जहां तक अव्वीमन के बात ए, जऊन मन गाजा सहर तक के गांवमन म रहत रिहिन, ओमन ला
कपतोरीमन कपतोर† ले आके नास कर दीन अऊ ओमन के जगह म बस गीन।)

[illegible]

24 “अब आघू बढ़व अऊ अरनोन घाटी के ओ पार चलव। देख, मेंह हेसबोन के राजा, अमोरी सीहोन अऊ
ओकर देस ला तोर हांथ म कर दे हंव। ओला अधिकार म लेय के सुरू कर दव अऊ ओला लड़ई म लगाय रखव।
25 आज के दिन ले ही मेंह धरती के जम्मो देस म तोर आतंक अऊ डर पईदा कर दूहूं। ओमन तोर बारे म
सुनहीं अऊ तोर कारन ओमन कांपहीं अऊ ओमन ला तकलीफ होही।”
26 कदेमोत के सुन्ना जगह ले मेंह हेसबोन नगर के राजा सीहोन करा संदेसियामन के दुवारा ये कहिके सांति
संदेस पठोंय,
27 “हमन ला तोर देस म ले होके जावन दे। हमन मुख्य सड़क म ही रहिबो; हमन न तो जेवनी अंग मुड़बो, न
ही डेरी।
28 चांदी के रूप म हमन ले दाम लेके हमन ला खाय बर जेवन अऊ पीये बर पानी दे। हमन ला सिरिप इहां ले
रेंगत जावन दे—
29 जइसे कि सेईर म रहइया एसाव के संतान, अऊ आर म रहइया मोआबीमन हमर बर करिन, जब तक कि
हमन यरदन ला पार करके ओ देस म नइं हबर जावन, जेला यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला देवत हे।”
30 पर हेसबोन के राजा सीहोन ह इसरायल ला अपन देस म ले होके जावन नइं दीस। काबरकि यहोवा तुम्हर
परमेसर ह ओकर मन ला कठोर अऊ ओला जिद्दी बना दे रिहिस, ताकि ओह ओला तुम्हर हांथ म कर दे, जइसे
कि अब ओह करे हवय।
31 यहोवा ह मोला कहिस, “देख, मेंह सीहोन अऊ ओकर देस ला तोर अधीन करे के सुरू कर दे हंव। अब तेंह
ओकर देस ऊपर अधिकार अऊ ओला अपन अधीन करे के सुरू कर दे।”
32 जब सीहोन अऊ ओकर जम्मो सेना लड़ई म हमर सामना करे बर यहस नांव के नगर म आईन,
33 त यहोवा ह ओला हमर अधीन कर दीस अऊ हमन ओला ओकर बेटामन अऊ ओकर पूरा सेना सहित मार
डारेंन।
34 ओ समय हमन ओकर जम्मो नगरमन ला ले लेंन अऊ ओमन ला पूरा नास कर देंन—जम्मो पुरूस,
माईलोगन अऊ लइकामन ला। हमन एको झन ला घलो जीयत नइं छोड़ेंन।

† **2:23** याने कि, क्रेते

35 पर पसु अऊ नगरमन ले लूटे सामान ला हमन अपन बर ले लेंन।
36 अरनोन घाटी के तीर म अरोएर ले, अऊ घाटी म नगर ले लेके गिलाद के इलाका तक कोनो भी नगर हमर
आघू म टिक नइं सकिन। यहोवा हमर परमेसर ह ओ जम्मो ला हमन ला दे दीस।
37 पर यहोवा हमर परमेसर के दिये हुकूम के मुताबिक, तुमन न तो अमोनीमन के देस, अऊ न ही यब्बोक नदी
के तीरे-तीर के देस अऊ पहाड़ी कोति के नगरमन के आसपास के इलाका म गेव।

3

[illegible]

1 ओकर बाद हमन मुड़के सड़क म होवत बासान कोति गेंन, अऊ बासान के राजा ओग अपन पूरा सेना के
संग हमर ले लड़ई करे बर एदरेई नगर करा आईस।
2 यहोवा ह मोला कहिस, "ओकर ले झन डर, काबरकि मेंह ओला अऊ ओकर पूरा सेना के संग ओकर देस ला
तोर हांथ म कर देवत हंव। ओकर संग वइसने ही करबे, जइसने तेंह अमोरीमन के राजा सीहोन के संग करे रहय,
जऊन ह हेसबोन म राज करत रिहिस।"
3 ये किसम ले यहोवा हमर परमेसर ह बासान के राजा ओग अऊ ओकर जम्मो सेना ला हमर हांथ म कर
दीस। हमन ओमन ला मार डारेंन अऊ एको झन ला घलो नइं छोड़ेंन।
4 ओ समय हमन ओकर जम्मो सहरमन ला ले लेंन। हमन ओमन के साठ ठन सहरमन ले जम्मो सहरमन ला
ले लेंन—याने कि अरगोब के पूरा इलाका, जऊन ह बासान म ओग के राज म रिहिस।
5 ये जम्मो सहरमन ऊंच-ऊंच दीवार के संग गढ़वाले रिहिन, जेमा कपाट अऊ बाड़ामन लगे रिहिन, अऊ
उहां बिगर दीवार के कतको बड़े-बड़े गांवमन घलो रिहिन।
6 हमन ओमन ला पूरा नास कर देंन, जइसे कि हमन हेसबोन के राजा सीहोन के संग करे रहेंन याने कि हर एक
सहर के पुरूस, माईलोगन अऊ लइकामन ला नास कर देंन।
7 पर ओमन के सहर के जम्मो पसु अऊ लूट के सामान ला हमन अपन बर ले लेंन।
8 ये किसम ले ओ समय हमन अमोरीमन के ये दूनों राजामन ले यरदन के पूरब के इलाका अरनोन घाटी ले
लेके हेरमोन पहाड़ तक ले लेंन।
9 (हेरमोन ला सीदोनीमन सिरयोन, अऊ अमोरीमन सनीर कहिथें।)
10 हमन पठार के जम्मो नगर, अऊ पूरा गिलाद के इलाका अऊ बासान म ओग राज के नगर सलका अऊ
एदरेई तक पूरा बासान ला ले लेंन।
11 (रपाईमन म बासान के राजा ओग ह सबले आखिरी रिहिस। ओकर पलंग ह लोहा ले सजे रिहिस अऊ येह
नौ क्यूबीट लम्बा अऊ चार क्यूबीट चौड़ा रिहिस।* येह अमोनीमन के रब्बा नगर म अभी तक हवय।)

[illegible]

12 ओ देस, जेला हमन ओ समय अपन अधिकार म लेंन, ओमा के अरनोन घाटी के तीरे-तीर अरोएर के उत्तर
के इलाका, गिलाद के आधा पहाड़ी इलाका अऊ येकर नगरमन ला मेंह रूबेनी अऊ गादीमन ला दे देंव।
13 गिलाद के बचे भाग अऊ पूरा बासान याने कि ओग के राज ला मेंह मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन ला
दे देंव। (बासान म अरगोब के पूरा इलाका ह रपाईमन के देस के रूप म जाने जाथे।
14 मनस्से के एक संतान याईर ह गसूरी अऊ माकातीमन के सीमना तक पूरा अरगोब के इलाका ला लीस;
येला ओकर नांव दिये गीस, एकरसेति आज तक बासान ला हव्वोत-याईर† कहे जाथे।)
15 अऊ मेंह माकीर ला गिलाद दे देंव।
16 पर मेंह रूबेनी अऊ गादीमन ला ओ इलाका देंव, जऊन ह गिलाद ले लेके खाल्हे अरनोन घाटी (घाटी के
मांझा भाग ह सीमना अय) अऊ यब्बोक नदी के बाहिर तक फईले हवय, जऊन ह कि अमोनीमन के सीमना
अय।
17 येकर पछिमी सीमना ह अराबा म यरदन रिहिस, जऊन ह किन्नेरेत ले लेके पिसगा के ढलान के खाल्हे
अराबा के समुंदर (याने कि मिरतू सागर) तक रिहिस।

---

* **3:11** लगभग 4 मीटर लम्बा अऊ 1.8 मीटर चौड़ा † **3:14** या [illegible]

18 ओ समय मेंह तुमन ला हुकूम देंव: “यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला ये देस अपन अधिकार म करे बर दे
हवय। पर तुम्हर जम्मो योग्य मनखेमन लड़ई बर हथियार धरके आने इसरायलीमन ले आघू ओ पार जावंय।
19 पर तुम्हर घरवाली, तुम्हर लइका अऊ तुम्हर पसुमन (मेंह जानत हंव कि तुम्हर करा बहुंत पसु हवंय) मोर
दुवारा दिये गय नगरमन म तब तक रूके रहंय,
20 जब तक कि यहोवा ह तुम्हर संगी इसरायलीमन ला अराम नइं देय दे, जइसे कि ओह तुमन ला देय हवय,
अऊ ओमन घलो ओ देस ऊपर अधिकार नइं कर लेवंय, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला यरदन के ओ
पार देवत हे। ओकर बाद, तुमन म ले हर एक जन अपन अधिकार म लिये गय ओ जगह म जावव, जेला मेंह
तुमन ला दे हवंव।”

[illegible]

21 ओ समय मेंह यहोसू ला हुकूम देंव: “तेंह अपन आंखी ले ओ जम्मो चीज ला देखे हस कि यहोवा तोर
परमेसर ह ये दूनों राजामन के संग का करिस। यहोवा ह उहां के जम्मो राजमन के संग वइसने ही करही, जिहां
तेंह जावत हस।
22 ओमन ले झन डरबे; यहोवा तोर परमेसर ह खुद तोर बर लड़ही।”
23 ओ समय मेंह यहोवा ले बिनती करेंव:
24 “हे परमपरधान यहोवा, तेंह अपन सेवक ला अपन महानता अऊ अपन बलवान हांथ देखाय सुरू करे हस।
स्वरग अऊ धरती म अइसे कोन देवता हे, जेह तोर सहीं काम अऊ सक्तिसाली काम कर सकथे?
25 मोला यरदन के ओ पार जाके ओ सुघर पहाड़ी देस अऊ लबानोन ला देखन दे।”
26 पर तुम्हर कारन यहोवा ह मोर ऊपर गुस्सा होईस अऊ मोर बात ला नइं सुनिस। यहोवा ह कहिस, “बहुंत
हो गीस, येकर बारे म तेंह मोर ले अऊ झन गोठिया।
27 पिसगा पहाड़ के चोटी म जा अऊ पूरब, पछिम, उत्तर, दक्खिन चारों कोति देख। ओ देस ला अपन आंखी
ले देख ले, काबरकि तेंह ये यरदन के ओ पार नइं जावत हस।
28 पर यहोसू ला अधिकार दे, अऊ ओला उत्साहित अऊ मजबूत कर, काबरकि ओ पार जाय म, ओह ये
मनखेमन के अगुवई करही अऊ जऊन देस ला तेंह देखबे, ओकर ऊपर ओह ये मनखेमन ला अधिकार देवाही।”
29 तब हमन ओ घाटी म रूक गेंन, जऊन ह बेत-पोर के लकठा म रिहिस।

4

[illegible]

1 अब हे इसरायल, ओ बिधि अऊ कानूनमन ला सुनव, जेला मेंह तुमन ला सिखानेवाला हंव। ओमन के
पालन करव ताकि तुमन जीयत रहव अऊ ओ देस म जाके ओकर ऊपर अधिकार कर सकव, जेला यहोवा, तुम्हर
पुरखामन के परमेसर ह तुमन ला देवत हे।
2 जऊन हुकूम मेंह तुमन ला देवत हंव, ओमा न कुछू जोड़व अऊ न कुछू घटावव, पर यहोवा तुम्हर परमेसर
के ओ हुकूम ला मानव, जेला मेंह तुमन ला देवत हंव।
3 तुमन अपन आंखी ले देखे हव कि यहोवा ह बाल-पेओर करा का करिस। यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर बीच
ले ओ जम्मो मनखेमन ला नास कर दीस, जऊन मन बाल-पेओर देवता के पाछू चलत रिहिन,
4 पर तुमन जम्मो, जऊन मन यहोवा अपन परमेसर के संग मजबूती से बने रहेव, ओ जम्मो आज भी जीयत
हव।
5 देखव, यहोवा मोर परमेसर के दिये हुकूम के मुताबिक मेंह तुमन ला बिधि अऊ कानून सिखाय हंव, ताकि
तुमन ओ देस म येमन के पालन करव, जिहां तुमन ओकर ऊपर अधिकार करे बर जावत हव।
6 धियान लगाके येमन के पालन करव, काबरकि येह ओ आने जाति के मनखेमन ला तुम्हर बुद्धि अऊ समझ
देखाही, जऊन मन ये जम्मो बिधिमन के बारे म सुनहीं अऊ ओमन कहिहीं, “सही म ये महान जाति के मनखेमन
एक बुद्धिमान अऊ समझवाले मनखे अंय।”
7 कोन अइसने बड़े जाति ए, जेकर देवता ओकर अइसे लकठा म रहिथे, जइसे यहोवा हमर परमेसर हमर
लकठा म रहिथे, जब भी हमन ओकर ले पराथना करथन?

8 अऊ कोन अइसने बड़े जाति ए, जेकर करा अइसे धरमी बिधि अऊ कानून हवंय, जइसे कि ये कानूनमन,
जेला मेंह आज तुम्हर आघू म रखत हंव?
9 सिरिप तुमन सावधान रहव, अऊ अपन म बहुंत सचेत रहव, ताकि तुम्हर आंखीमन जऊन चीजमन ला देखे
हवंय, ओला तुमन झन भूलव या ओ चीजमन तुम्हर मन ले झन हटंय, जब तक कि तुमन जीयत हव। ये
बातमन ला अपन लइका अऊ नाती-पोतामन ला सिखावव।
10 ओ दिन ला सुरता करव, जब तुमन होरेब म यहोवा अपन परमेसर के आघू म खड़े रहेव, अऊ ओह मोला
कहिस, "मनखेमन ला मोर बात सुने बर मोर आघू म इकट्ठा कर, ताकि जब तक ओमन देस म जीयत रहंय,
ओमन मोर आदर करई सीखंय अऊ ये बारे म अपन लइकामन ला घलो सिखावंय।"
11 तुमन लकठा म आके पहाड़ के खाल्हे म ठाढ़ हो गेव अऊ ओ पहाड़ ह आगी ले धधकत रहय; आगी के
जुवाला ह करिया बादर अऊ घोर अंधियार के संग अकास तक हबरत रहय।
12 तब यहोवा ह आगी म ले तुम्हर ले गोठियाईस। तुमन सबद के अवाज तो सुनेव, पर तुमन ला कोनो
दिखाई नइं दीस; उहां सिरिप एक अवाज रिहिस।
13 ओह तुमन ला अपन करार, दस ठन हुकूम ला बताईस अऊ ओह तुमन ला ये हुकूममन के पालन करे बर
कहिस अऊ ओमन ला पथरा के दू ठन पटिया म लिख दीस।
14 अऊ यहोवा ह ओ समय मोला निरदेस दीस कि मेंह तुमन ला ओ बिधि अऊ कानूनमन ला सिखावंव,
जेकर पालन तुमन ओ देस म करव, जेला अपन अधिकार म करे बर तुमन यरदन के ओ पार जावत हव।

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

15 तुमन ला ओ दिन कोनो किसम के सरूप दिखाई नइं दीस, जऊन दिन यहोवा ह तुमन ले होरेब पहाड़ करा
आगी म ले गोठियाईस। एकरसेति तुमन बहुंत सचेत रहव,
16 ताकि तुमन भ्रस्ट होके अपन बर कोनो भी किसम के मूरती या कोनो चीज के नमूना झन बनावव, चाहे
ओह कोनो पुरूस या माईलोगन के सहीं रूप होवय,
17 या धरती म कोनो पसु या अकास म उड़इया कोनो चिरई सहीं होवय,
18 या भुइयां म रेंगइया कोनो जीव सहीं या पानी के भीतर कोनो मछरी सहीं होवय।
19 अऊ जब तुमन अकास कोति नजर उठाके सूरज, चंदा अऊ तारा याने कि जम्मो अकास के चीजमन ला
देखव, त बहकके तुमन ओमन के दंडवत अऊ अराधना झन करव; ये चीजमन ला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
धरती के जम्मो जाति के मनखेमन ला ओमन के भाग के रूप म दे हवय।
20 पर जहां तक तुम्हर सवाल ए, यहोवा ह तुमन ला लेके लोहा पिघलइया भट्ठी ले निकाले सहीं मिसर देस ले
बाहिर निकालिस, ताकि तुमन ओकर उत्तराधिकार के मनखे हो जावव, जइसे कि अब तुमन अव घलो।
21 यहोवा ह तुम्हर कारन मोर ऊपर गुस्सा होईस अऊ सपथ खाके कहिस कि मेंह यरदन नदी के पार ओ बने
देस म नइं जा सकंव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला तुम्हर उत्तराधिकार के रूप म देवत हे।
22 मेंह इही देस म मर जाहूं; मेंह यरदन के ओ पार नइं जा सकंव; पर तुमन ओ पार जाके ओ बने देस ऊपर
अधिकार करहू।
23 एकरसेति धियान रहय कि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के ओ करार ला झन भूलव, जेला ओह तुम्हर संग
करे हवय; अपन बर कोनो भी चीज के कोनो मूरती झन बनावव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह मना करे हवय।
24 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह एक भसम करइया आगी, एक जलन रखइया परमेसर अय।
25 जब तुम्हर लोग-लइका अऊ नाती-पोता हो जाहीं अऊ तुम्हर उहां लम्बा समय तक रहे के बाद—यदि
तुमन भ्रस्ट होके कोनो किसम के मूरती बनाथव अऊ ये किसम ले यहोवा तुम्हर परमेसर के नजर म खराप काम
करके ओकर गुस्सा ला भड़काथव,
26 त आज मेंह अकास अऊ धरती ला तुम्हर बिरूध गवाह रखके कहत हंव कि तुमन ओ देस ले जल्दी नास
हो जाहू, जेला तुमन अपन अधिकार म लेय बर यरदन के ओ पार जावत हव। तुमन उहां लम्बा समय तक जिंदा
नइं रहे पाहू, पर खचित तुमन नास हो जाहू।
27 यहोवा ह तुमन ला मनखेमन के बीच म तितिर-बितिर कर दीही, अऊ यहोवा ह तुमन ला जऊन जातिमन
के बीच म भगा दीही, उहां तुमन थोरकन ही बचे रहिहू।

28 उहां तुमन मनखे के बनाय ओ लकड़ी अऊ पथरा के देवतामन के अराधना करहू, जेमन न तो देख सकंय, न
सुन सकंय, न खा सकंय अऊ न ही सुंघ सकंय।
29 पर यदि उहां तुमन यहोवा अपन परमेसर के खोज करहू, त ओह तुमन ला मिलही, यदि तुमन ओला अपन
पूरा मन अऊ अपन पूरा आतमा ले खोजहू।
30 जब तुमन बिपत्ति म पड़व अऊ ये जम्मो चीज तुम्हर जिनगी म होथे, तब बाद म, तुमन यहोवा अपन
परमेसर करा लहुंटके आहू अऊ ओकर बात मानहू।
31 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह दयालु परमेसर अय; ओह तुमन ला नइं छोंड़ही अऊ न ही नास करही
अऊ न ही तुम्हर पुरखामन के संग करे गे ओ करार ला भूलही, जेला ओह सपथ खाके ओमन के संग मजबूत करे
रिहिस।

[illegible]

32 अब पहिले के समय के बारे म पुछव, अपन बहुंत पहिले के समय, जब परमेसर ह धरती म मानव-जाति ला
बनाईस; अकास के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक पुछव। का अइसने बड़े बात कभू होईस, या कभू अइसने
बात सुनई म आईस?
33 का कभू आने मनखेमन परमेसर के अवाज ला आगी ले गोठियावत सुनके घलो जीयत रिहिन, जइसे कि
तुमन सुनके जीयत हव?
34 का कभू कोनो देवता एक जाति ला आने जाति के बीच ले अपन करे बर, परखे के दुवारा, चिनहां अऊ
अद्भूत काम के दुवारा, लड़ई के दुवारा, सक्तिसाली हांथ अऊ बढ़ाय हुए भुजा के दुवारा, या बड़े अऊ अद्भूत
काम के दुवारा निकाल लाने के कोसिस करिस, जइसे कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर आंखी के आघू म तुम्हर
बर मिसर देस म जम्मो काम करिस?
35 तुमन ला ये जम्मो चीज देखाय गीस ताकि तुमन जानव कि यहोवा ह परमेसर ए; ओला छोंड़ अऊ कोनो
परमेसर नइं ए।
36 अकास ले ओह तुमन ला अपन अवाज सुनाईस, ताकि तुमन अनुसासन म रहव। धरती म ओह तुमन ला
अपन बड़े आगी ला देखाईस, अऊ तुमन आगी ले ओकर बात सुनेव।
37 काबरकि ओह तुम्हर पुरखामन ले मया करिस अऊ ओमन के बाद ओह ओमन के संतान ला चुनिस,
एकरसेति ओह तुमन ला खुद होके अपन बड़े सामर्थ से मिसर देस ले बाहिर निकाल लानिस,
38 ताकि तुम्हर आघू ले तुम्हर ले बड़े अऊ बलवान जाति के मनखेमन ला भगाके तुमन ला ओमन के देस म
लानय अऊ ओ देस तुमन ला तुम्हर उत्तराधिकार के रूप म देवय, जइसे कि आज तुमन देखत हव।
39 एकरसेति आज तुमन मान लव अऊ अपन मन म जान लव कि यहोवा ही ऊपर अकास म अऊ खाल्हे
धरती म परमेसर ए। आने अऊ कोनो परमेसर नइं ए।
40 ओकर बिधि अऊ कानूनमन ला मानव, जेला आज में तुमन ला देवत हंव, ताकि तुम्हर अऊ तुम्हर बाद
तुम्हर लइकामन के संग भलई होवय अऊ तुमन ओ देस म बहुंत समय तक रहव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला हमेसा बर देवत हे।

[illegible]

41 तब मूसा ह यरदन के पूरब कोति तीन ठन सहर ला अलग करिस,
42 ताकि यदि कोनो मनखे के दुवारा अनजाने म बिगर कोनो बईरता के कोनो परोसी के हतिया हो जावय, त
ओह येमा के कोनो सहर म भागके जा सकय अऊ अपन जिनगी ला बचावय।
43 ओ सहरमन ये रिहिन: रूबेनीमन बर सुन्ना जगह के पठार म बेसेर; गादीमन बर गिलाद म रामोत; अऊ
मनस्सेयीमन बर बासान म गोलान।

[illegible]

44 येह ओ कानून ए, जेला मूसा ह इसरायलीमन के आघू म रखिस।
45 येमन ओ सर्त, बिधि अऊ कानून अंय, जेला मूसा ह ओमन ला दीस, जब ओमन मिसर देस ले निकलके
आईन

46 अऊ यरदन के पूरब कोति बेत-पोर नगर के लकठा के घाटी म रिहिन; ये जगह ह अमोरीमन के राजा
सीहोन के देस म रिहिस; ओह हेसबोन नगर म राज करत रिहिस अऊ ओला मूसा अऊ इसरायलीमन लड़ई म
हराईन, जब ओमन मिसर देस ले निकलके आईन।
47 ओमन ओकर देस ऊपर अऊ बासान के राजा ओग के देस ऊपर अधिकार कर लीन याने कि यरदन के पूरब
कोति ये दूनों अमोरी राजामन के देस ऊपर अधिकार कर लीन।
48 ये देस ह अरनोन घाटी के तीर म अरोएर ले लेके सीरिओन* (याने कि हेरमोन) पहाड़ तक फईले रिहिस,
49 अऊ येमा यरदन के पूरब कोति जम्मो अराबा अऊ पिसगा पहाड़ के ढलान के खाल्हे मिरतू सागर† तक के
इलाका सामिल रिहिस।

5

[illegible]

1 मूसा ह जम्मो इसरायल ला बलाके कहिस:
हे इसरायल, जऊन बिधि अऊ कानून मेंह आज तुम्हर आघू म बतात हंव, ओमन ला सुनव। ओमन ला
सीखव अऊ धियान से ओमन के पालन करव।
2 यहोवा हमर परमेसर ह होरेब पहाड़ म हमर ले एक करार करिस।
3 येह ओ करार नो हय, जेला यहोवा ह हमर पुरखामन संग करिस, पर ये करार हमर संग, हमर ओ जम्मो झन
संग करिस, जेमन आज इहां हवंय।
4 यहोवा ह पहाड़ ऊपर आगी म ले तुम्हर संग आमने-सामने गोठियाईस।
5 (ओ समय, मेंह यहोवा के बचन ला बताय बर यहोवा अऊ तुम्हर बीच ठाढ़ होंय, काबरकि तुमन ओ आगी
ले डरके पहाड़ ऊपर नइं गेव।)
अऊ यहोवा ह कहिस:

6 "मेंं यहोवा तुम्हर परमेसर अंव, जऊन ह तुमन ला मिसर देस याने कि गुलामी के देस ले निकाल लानिस।

7 "तुमन मोर छोंड़ अऊ कोनो ला ईस्वर करके झन मानहू।
8 तुमन अपन बर कोनो भी चीज के कोनो किसम के मूरती झन बनाहू, न तो ऊपर अकास के, न खाल्हे धरती
के अऊ न ही पानी म के कोनो चीज के।
9 तुमन ओमन ला न तो दंडवत करहू अऊ न ही ओमन के अराधना करहू; काबरकि मेंं यहोवा तुम्हर परमेसर
ह जलन रखइया परमेसर अंव अऊ जऊन मन मोर ले घिन करथें, ओमन के पाप के दंड मेंह ओमन के लइकामन
के तीसरा अऊ चौथा पीढ़ी तक देथंव,
10 पर जऊन मन मोर ले मया करथें अऊ मोर हुकूममन ला मानथें, ओमन के हजार पीढ़ी तक मेंह अपन मया
देखाथंव।
11 तुमन यहोवा अपन परमेसर के नांव बेमतलब के झन लूहू, काबरकि जऊन ह यहोवा के नांव के दुरपयोग
करही, ओला ओह दोसी ठहिराही।
12 तुमन बिसराम दिन ला पबितर मानव, जइसे कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला हुकूम दे हवय।
13 हप्ता के छै दिन तुमन मेहनत करव अऊ अपन जम्मो काम करव,
14 पर सातवां दिन यहोवा तुम्हर परमेसर बर बिसराम दिन ए। ओ दिन तुमन कोनो काम झन करहू, न तो
तुमन, न तुम्हर बेटा या बेटीमन, न तुम्हर सेवक या सेविकामन, न तुम्हर बईला, तुम्हर गदहा या तुम्हर पसुमन,
अऊ न ही तुम्हर नगर म रहइया कोनो परदेसी, ताकि तुम्हर सहीं तुम्हर सेवक अऊ सेविकामन घलो बिसराम
करंय।
15 ये बात ला सुरता रखव कि तुमन मिसर देस म गुलाम रहेव अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला उहां ले
अपन सक्तिसाली हांथ अऊ बढ़ाय भुजा के दुवारा निकाल लानिस। एकरसेति यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन
ला बिसराम दिन ला माने के हुकूम दे हवय।

---

* **4:48** इबरानी म [illegible] † **4:49** इबरानी म [illegible]

16 अपन दाई-ददा के आदरमान करव, जइसे कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला हुकूम दे हवय, ताकि तुमन
बहुंत साल तक जीयव अऊ ओ देस म तुम्हर भलई होवय, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत
हे।
17 तुमन कोनो मनखे के हतिया झन करहू।
18 तुमन बेभिचार झन करहू।
19 तुमन चोरी झन करहू।
20 तुमन अपन परोसी के बिरूध लबारी गवाही झन दूहू।
21 तुमन अपन परोसी के घरवाली के लालच झन करहू। तुमन अपन परोसी के घर या भुइयां के लालच झन
करहू, न ही ओकर सेवक या सेविका, ओकर बईला, या गदहा, या ओकर कोनो अऊ चीज के लालच करहू।"

22 येमन ओ हुकूम अंय, जेला यहोवा ह ऊंच अवाज म आगी, बादर अऊ घोर अंधियार म ले उहां पहाड़
ऊपर तुम्हर जम्मो सभा ला सुनाईस; अऊ ओह येमा अऊ कुछू नइं जोड़िस। तब ओह येमन ला दू ठन पथरा के
पटिया म लिखके मोला दे दीस।*
23 जब तुमन ओ अंधियार म ले अवाज ला सुनेव अऊ पहाड़ ह आगी ले बरत रिहिस, त तुम्हर गोत्रमन के
जम्मो अगुवा अऊ तुम्हर मुखियामन मोर करा आईन।
24 अऊ तुमन कहेव, "यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला अपन महिमा अऊ गौरव देखाय हवय, अऊ हमन
आगी म ले ओकर अवाज सुने हन। आज हमन देखेंन कि यदि परमेसर ह मनखे ले गोठियाथे, तभो ले मनखे ह
जीयत रह सकथे।†
25 पर अब, हमन काबर मरन? ये भयंकर आगी ह हमन ला भसम कर दीही, अऊ यदि हमन यहोवा हमर
परमेसर के अवाज फेर सुनबो, त हमन मर जाबो।
26 काबरकि कभू कोनो मरनहार मनखे ह परमेसर ला आगी म ले गोठियावत ओकर अवाज ला सुनके जीयत
हवय, जइसे कि हमन जीयत हन?
27 एकरसेति तें लकठा म जा अऊ ओ जम्मो बात ला सुन, जेला यहोवा हमर परमेसर ह कहत हे। तब जऊन
बात यहोवा हमर परमेसर ह तोला बताथे, ओ बात हमन ला बता। हमन सुनबो अऊ ओकर पालन करबो।"
28 यहोवा ह तुम्हर बात ला सुनिस, जब तुमन मोर ले गोठियावत रहेव, अऊ तब यहोवा ह मोला कहिस, "ये
मनखेमन जऊन बात तोर ले कहिन, मेंह ओला सुनेंव। जऊन बात ओमन कहिन, ओह बने बात ए।
29 बने होही कि ओमन के मन ह अइसने ही रहय अऊ ओमन गंभीरता से मोर भय मानंय अऊ हमेसा मोर
जम्मो हुकूम ला मानंय, ताकि ओमन अऊ ओमन के लइकामन संग हमेसा भलई होवय!
30 "जा, अऊ ओमन ला कह कि ओमन अपन तम्बू म लहुंट जावंय।
31 पर तें इहां मोर संग रूक, ताकि मेंह तोला ओ जम्मो हुकूम, बिधि अऊ कानून बता सकंव, जेला तेंह ओमन
ला सिखाबे कि ओमन ओ देस म येकर पालन करंय, जेला मेंह ओमन के अधिकार म देवत हंव।"
32 एकरसेति सचेत होके ओ काममन ला करव, जेकर हुकूम यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला दे हवय; येकर
ले न तो जेवनी मुड़व अऊ न ही डेरी।
33 ओ जम्मो बात के पालन करत चलव, जेकर हुकूम यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला दे हवय, ताकि तुमन
जीयत रहव अऊ तुम्हर उन्नति होवय अऊ तुमन ओ देस म बहुंत समय तक बने रहव, जेला तुमन अपन
अधिकार म करहू।

6

[illegible]

1 येमन ओ हुकूम, बिधि अऊ कानून अंय, जेमन ला सिखाय के निरदेस यहोवा तुम्हर परमेसर ह मोला देय
हवय कि तुमन ओ देस म येमन के पालन करव, जिहां अधिकार करे बर तुमन यरदन के ओ पार जावत हव,

* **5:22** देखव निर 20:1-17 † **5:24** निर 19:19

2 ताकि तुमन, तुम्हर लइकामन अऊ ओमन के बाद ओमन के लइकामन यहोवा अपन परमेसर के भय मानंय।
जब तक तुमन मोर दिये जम्मो बिधि अऊ कानूनमन ला मानत रहिहू, तुमन लम्बा जिनगी के आनंद उठाहू।
3 हे इसरायलीमन, सुनव अऊ धियान से हुकूममन के पालन करव, ताकि तुम्हर भलई होवय अऊ तुम्हर
संखिया ह ओ देस म बहुंत बढ़य, जिहां दूध अऊ मंधरस के भरमार हे, जइसे कि यहोवा, तुम्हर पुरखामन के
परमेसर ह तुम्हर ले वायदा करे हवय।
4 हे इसरायलीमन, सुनव: यहोवा हमर परमेसर अय, यहोवा ह एके झन परभू अय।
5 यहोवा अपन परमेसर ले अपन पूरा हिरदय अऊ अपन पूरा परान अऊ अपन पूरा सक्ति ले मया करव।
6 ये हुकूम, जेमन ला आज मेंह तुमन ला देवत हंव, येमन तुम्हर हिरदय म रहंय।
7 येमन ला अपन लइकामन ला सिखावव। जब तुमन घर म बईठथव अऊ डहार म रेंगथव, जब तुमन
लेटथव अऊ उठथव, त येमन ला सिखाय करव।
8 चिनहां के रूप म येमन ला अपन हांथ म बांध लव अऊ येमन ला अपन माथा म बांध लव।
9 येमन ला अपन घर के चौखटमन म अऊ अपन दुवारमन म लिखव।
10 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला ओ देस म लानथे, जेला ओह तुम्हर पुरखा, अब्राहम, इसहाक अऊ
याकूब ला देय के सपथ खाय हवय—एक अइसने देस, जेमा बड़े-बड़े अऊ उन्नत सहरमन हवंय, जेला तुमन नइं
बनाय हव,
11 अइसने घरमन, जेमा जम्मो किसम के बने चीजमन भरे हवंय, जेला तुमन नइं दे हव, कुआंमन जेला तुमन
नइं कोड़े हव, अऊ अंगूर के बारी अऊ जैतून के छोटे जंगलमन, जेला तुमन नइं लगाय हव—तब जब तुमन
येमन ला खाथव अऊ तुम्हर पेट ह भर जाथे,
12 त सचेत रहव कि तुमन यहोवा ला झन भूलव, जऊन ह तुमन ला मिसर देस याने कि गुलामी के देस ले
निकाल लानिस।
13 यहोवा अपन परमेसर के भय मानव, सिरिप ओकरेच सेवा करव अऊ ओकर नांव म सपथ लेवव।
14 आने देवतामन के पाछू झन जावव याने कि ओ मनखेमन के देवता, जेमन तुम्हर चारों कोति हवंय;
15 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर, जऊन ह तुम्हर बीच म हवय, ओह जलन रखनेवाला परमेसर ए अऊ
ओकर कोप ह तुम्हर बिरूध भड़कही, अऊ ओह तुमन ला धरती ऊपर ले नास कर दीही।
16 तुमन यहोवा अपन परमेसर के परिछा झन करव, जइसे कि तुमन मस्सा म करे रहेव।*
17 धियान देके ओ हुकूम, निरदेस अऊ बिधिमन ला मानव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला दे हवय।
18 यहोवा के नजर म ओ काम करव, जऊन ह सही अऊ बने अय, ताकि तुम्हर भलई होवय अऊ तुमन जाके
ओ उत्तम देस के ऊपर अधिकार कर सकव, जेकर सपथ यहोवा ह तुम्हर पुरखामन ले खाय हवय,
19 तुम्हर जम्मो बईरीमन तुम्हर आघू ले भगा दिये जाहीं, जइसे कि यहोवा ह कहिसे।
20 भविस्य म, जब तुम्हर लइकामन तुम्हर ले पुछहीं, "ओ निरदेस, बिधि अऊ कानूनमन के का मतलब ए,
जेला माने के हुकूम यहोवा हमर परमेसर ह तुमन ला दे हवय?"
21 त ओमन ला बतावव: "हमन मिसर देस म फिरौन के गुलाम रहेंन, पर यहोवा ह अपन सक्तिसाली हांथ ले
हमन ला मिसर देस ले बाहिर निकाल लानिस।
22 हमर आंखी के आघू म यहोवा ह मिसर म फिरौन अऊ ओकर जम्मो परिवार ला बड़े-बड़े अऊ भयंकर
चिनहां अऊ चमतकार देखाईस।
23 ओह हमन ला उहां ले निकालके ओ देस म लानिस, जेला हमन ला देय के सपथ ओह हमर पुरखामन ले
खाय रिहिस।
24 यहोवा ह हमन ला ये जम्मो बिधिमन ला पालन करे के अऊ यहोवा हमर परमेसर के भय माने के हुकूम
दीस, ताकि हमन हमेसा उन्नति करन अऊ जीयत रहन, जइसे कि आज के दिन म दिखत हे।
25 अऊ यदि हमन धियान देके ये जम्मो कानून ला यहोवा हमर परमेसर के आघू म मानथन, जइसे कि ओह
हमन ला हुकूम दे हवय, त ओह हमर धरमीपन होही।"

---

* **6:16** निर 17:1-7

7

[illegible]

1 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला ओ देस म ले आथे, जेला तुमन अधिकार करइया हव अऊ यहोवा ह
तुम्हर आघू ले कतको जाति—याने कि हित्ती, गिरगासी, अमोरी, कनानी, परिज्जी, हिब्बी अऊ यबूसी जाति के
मनखेमन ला भगा देथे; ये सात जाति के मनखे जेमन तुम्हर ले गनती म जादा अऊ बलवान हवंय—
2 अऊ जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला तुम्हर हांथ म कर देथे अऊ तुमन ओमन ला हरा दव, तब ये
जरूरी अय कि तुमन ओमन ला पूरा नास कर दव। ओमन के संग कोनो करार झन करव, अऊ ओमन ऊपर दया
झन करव।
3 ओमन के संग सादी-बिहाव घलो झन करव। न अपन बेटीमन ला ओमन के बेटामन बर दव अऊ न ही
ओमन के बेटीमन ला अपन बेटामन बर लानव,
4 काबरकि ओमन तुम्हर लइकामन ला मोर पाछू चले से भटका दीहीं अऊ आने देवता के सेवा करे बर कहिहीं,
अऊ तब यहोवा के कोरोध ह तुम्हर ऊपर भड़कही अऊ तुमन ला तुरते नास कर दीही।
5 तुमन ला ओमन के संग ये करना हे: ओमन के बेदीमन ला टोरके गिरा दव, ओमन के पबितर पथरामन ला
कुटा-कुटा कर दव, ओमन के असेरा के खंभामन* ला काट डारव अऊ ओमन के मूरतीमन ला आगी म जला दव।
6 काबरकि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर बर एक पबितर जाति के मनखे अव। यहोवा तुम्हर परमेसर ह धरती
के जम्मो जाति ले तुम्हर जाति ला चुने हवय ताकि तुमन ओकर मनखे, ओकर निज भाग ठहिरव।
7 यहोवा ह तुम्हर ऊपर अपन मया देखाके तुमन ला एकरसेति नइं चुनिस कि तुमन आने जातिमन के
मनखेमन ले गनती म जादा रहेव; वास्तव म तुमन जम्मो जातिमन ले गनती म बहुंत कम रहेव।
8 पर येह एकरसेति होईस काबरकि यहोवा ह तुमन ले मया करिस अऊ ओ सपथ ला पूरा करिस, जेला ओह
तुम्हर पुरखामन ले खाय रिहिस कि ओह तुमन ला अपन सक्तिसाली हांथ के दुवारा बंधुवई के देस ले याने कि
मिसर देस के राजा फिरौन के सक्ति ले छोंड़ाईस।
9 एकरसेति तुमन जानव कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह परमेसर ए; ओह बिसवासयोग्य परमेसर ए, जऊन ह
अपन मया के करार ला ओमन के संग हजार पीढ़ी तक बनाय रखथे, जेमन ओकर ले मया करथें अऊ ओकर
हुकूममन ला मानथें।
10 पर
जऊन मन ओकर ले घिन करथें, ओह ओमन ला नास करके ओमन के आघू म ही ओमन ले बदला लीही;
ओह ओमन ले बदला लेय म देरी नइं करही, जेमन ओकर ले घिन करथें।
11 एकरसेति, ओ हुकूम, बिधि अऊ कानूनमन ला माने बर धियान लगावव, जेला मेंह आज तुमन ला देवत हंव।
12 यदि तुमन ये कानूनमन ऊपर धियान देथव अऊ मन लगाके ओमन के पालन करथव, त यहोवा तुम्हर
परमेसर ह अपन मया के करार ला तुम्हर संग बनाय रखही, जइसे कि ओह तुम्हर पुरखामन संग सपथ खाय
रिहिस।
13 ओह तुमन ला मया करही अऊ तुमन ला आसीस दीही अऊ तुम्हर संखिया ला बढ़ाही। ओह तुम्हर गरभ
के फर, तुम्हर भुइयां के ऊपज—तुम्हर अनाज, नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल अऊ तुम्हर बरदी के बछ़वा
अऊ मेढ़ा-पीलामन ला ओ देस म आसीस दीही, जेला देय के परतिगियां ओह तुम्हर पुरखामन ले करे रिहिस।
14 तुमन कोनो आने जाति के मनखेमन ले जादा आसीसित होहू; तुम्हर कोनो भी आदमी या माईलोगन बांझ
नइं होही, अऊ न ही तुम्हर पसु-धन म पीलामन के कमी होही।
15 यहोवा ह तुमन ला हर एक बेमारी ले दूरिहा रखही। ओह तुम्हर ऊपर ओ भयंकर बेमारीमन ला नइं
लानही, जेला तुमन मिसर देस म देखे रहेव, पर ओह ये बेमारीमन ला ओ जम्मो झन ऊपर लानही, जेमन तुम्हर
ले घिन करथें।
16 जरूरी ए कि तुमन ओ जम्मो जाति के मनखेमन ला नास कर दव, जेमन ला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन
ला दे देथे। ओमन ऊपर दया झन करव अऊ ओमन के देवतामन के सेवा झन करव, काबरकि ओह तुम्हर बर एक
फांदा होही।

---

* **7:5** असेरा देवी के लकड़ी के प्रतीक

17 तुमन अपनआप ले कह सकत हव, “ये जातिमन तो हमर ले बलवान हवंय। हमन येमन ला कइसे भगा
सकत हन?”
18 पर ओमन ले झन डरव; बने करके सुरता करव कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह फिरौन अऊ जम्मो मिसर देस
के संग का करिस।
19 तुमन अपन आंखी ले ओ बड़े-बड़े बिपत्ति, चिनहां अऊ अद्भूत काम, सक्तिसाली हांथ अऊ बढ़ाय हुए
बाहां ला देखे हव, जेकर दुवारा यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला बाहिर निकालिस। यहोवा तुम्हर परमेसर ह
ओ जम्मो मनखेमन के संग वइसने ही करही, जेमन ले तुमन अब डरत हव।
20 येकर अलावा, यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन के बीच म तब तक दतैया पठोही, जब तक कि ओ बांचे
मनखेमन नास नइं हो जाहीं, जेमन कि तुम्हर ले छिपे होहीं।
21 ओमन ले भयभीत झन होवव, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर, जऊन ह तुम्हर बीच म हवय, ओह महान
अऊ अद्भूत परमेसर अय।
22 यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओ जाति-जाति के मनखेमन ला धीरे-धीरे करके तुम्हर आघू ले भगा दीही। ओमन
ला तुरते भगाय के अनुमति तुमन ला नइं होही, नइं तो तुम्हर चारों कोति जंगली पसुमन बहुंत बढ़ जाहीं।
23 पर यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला तुम्हर हांथ म सऊंप दीही अऊ ओमन के बीच म अइसने गड़बड़ी
कर दीही कि ओमन नास हो जाहीं।
24 ओह ओमन के राजामन ला तुम्हर हांथ म कर दीही, अऊ तुमन धरती म ओमन के नांव मिटा दूहू। अइसने
कोनो नइं होही, जऊन ह तुम्हर सामना कर सकय; तुमन ओमन ला नास कर दूहू।
25 तुमन ला ओमन के देवतामन के मूरती ला आगी म जला देना हे। ओमन के सोन अऊ चांदी के लालच
झन करहू, अऊ ओला अपन बर झन लूहू, नइं तो तुमन ओकर दुवारा फंस जाहू, काबरकि येह यहोवा तुम्हर
परमेसर बर घिनौना चीज अय।
26 अपन घर म कोनो घिनौना चीज ला झन लानव, नइं तो तुमन ला घलो ओकर सहीं बिनास बर अलग रखे
जाही। येला नीच या खराप चीज समझव अऊ येकर ले बहुंत घिन करव, काबरकि येला बिनास बर अलग करे
जाथे।

8

[illegible]

1 आज मेंह तुमन ला जऊन हुकूम देवत हंव, धियान देके तुमन ओमन के पालन करव, ताकि तुमन जीयत
रहव अऊ संखिया म बढ़व अऊ ओ देस म जाके ओकर ऊपर अधिकार कर लेवव, जेकर परतिगियां यहोवा ह
सपथ खाके तुम्हर पुरखामन ले करे रिहिस।
2 सुरता रखव कि कइसे यहोवा तुम्हर परमेसर ह पूरा रसता म ये चालीस साल तक सुन्ना जगह म तुम्हर
अगुवई करिस अऊ ओह ये जाने बर तुमन ला नम्र करिस अऊ परखिस कि तुम्हर मन म का हवय, तुमन ओकर
हुकूममन ला मानहू या नइं।
3 ओह तुमन ला भूखा रखके नम्र करिस अऊ फेर तुमन ला मन्ना खवाईस, जेकर बारे म न तो तुमन अऊ न ही
तुम्हर पुरखामन जानत रिहिन; ओह तुमन ला ये सिखाय बर घलो नम्र करिस कि मनखे ह सिरिप रोटी ले ही
जीयत नइं रहय, फेर हर ओ बचन जऊन ह यहोवा के मुहूं ले निकलथे जीयत रहिही।
4 ये चालीस साल के दौरान तुम्हर कपड़ामन न तो फटिन अऊ न ही तुम्हर गोड़मन थकके फूलिन।
5 तब अपन मन म जान लेवव कि जइसे एक मनखे ह अपन बेटा ला अनुसासित करथे, वइसे ही यहोवा तुम्हर
परमेसर ह तुमन ला अनुसासित करथे।
6 यहोवा अपन परमेसर के हुकूम ला मानव, ओकर हुकूम के मुताबिक चलव अऊ ओकर आदर करव।
7 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला एक उत्तम देस म ले जावत हे—एक अइसने देस जिहां घाटी
अऊ पहाड़ीमन ले पानी के नाला, नरवा अऊ गहिरा सोतामन निकलत हें;
8 एक अइसने देस जिहां गहूं, जौ, अंगूर के नार, अंजीर के रूख, अनार, जैतून तेल अऊ मंधरस हवय;
9 एक अइसने देस जिहां जेवन के कमी नइं होही अऊ तुमन ला कोनो चीज के घटी नइं होही; एक अइसने
देस जिहां चट्टान म लोहा हवय अऊ तुमन पहाड़ीमन ला खनके तांबा निकाल सकत हव।

10 जब तुमन जी भरके खा लेवव, त यहोवा अपन परमेसर के ओ उत्तम देस बर परसंसा करव, जेला ओह
तुमन ला देय हवय।
11 ये बात के खियाल रखव कि मेंह तुमन ला आज ओकर जऊन हुकूम, कानून अऊ बिधिमन ला देवत हंव,
ओमन ला नइं मानके यहोवा अपन परमेसर ला झन भूलव।
12 नइं तो, जब तुमन जी भरके खाथव, जब तुमन सुघर घर बनाथव अऊ रहे लगथव,
13 अऊ जब तुम्हर गाय-बईला अऊ भेड़-बकरी के झुंड ह बहुंत बढ़थे अऊ तुम्हर सोन अऊ चांदी ह बढ़थे
अऊ तुम्हर जम्मो चीज म बढ़ोतरी होथे,
14 त तुम्हर मन ह घमंडी हो जाही अऊ तुमन यहोवा अपन परमेसर ला भुला जाहू, जऊन ह तुमन ला मिसर
देस ले, याने कि बंधुवई के देस ले बाहिर निकाल लानिस।
15 ओह तुमन ला ओ बड़े अऊ भयानक निरजन प्रदेस म ले आईस, जिहां पानी के कमी अऊ सूखा भुइयां
रिहिस, जिहां जहरिला सांप अऊ बिच्छूमन रिहिन। ओह तुम्हर बर कठोर चट्टान म ले पानी निकालिस।
16 ओह निरजन प्रदेस म तुमन ला खाय बर मन्ना दीस, जेकर बारे म तुम्हर पुरखामन नइं जानत रिहिन; ओह
ये सब तुमन ला नम्र करे बर अऊ तुमन ला परखे बर करिस ताकि आखिरी म ये सब के दुवारा तुम्हर भलई होवय।
17 तुमन अपनआप ले कह सकत हव, "मोर सक्ति अऊ मोर हांथ के ताकत ले मेंह मोर बर ये संपत्ति बनाय
हवंव।"
18 पर यहोवा अपन परमेसर ला सुरता रखव, काबरकि येह ओहीच अय, जऊन ह तुमन ला संपत्ति बनाय के
योग्यता देथे, अऊ ये किसम ले ओह अपन करार ला मजबूत करथे, जेला ओह तुम्हर पुरखामन संग सपथ खाके
करे रिहिस, जइसे कि येह आज दिखत हे।
19 कहूं तुमन कभू यहोवा अपन परमेसर ला भुला जावव अऊ आने देवतामन के पाछू चलव अऊ ओमन के
अराधना अऊ दंडवत करव, त मेंह आज तुमन ला चेताके कहत हंव कि खचित तुमन नास हो जाहू।
20 जइसे कि यहोवा ह जाति-जाति के ओ मनखेमन ला तुम्हर आघू ले नास कर दे रिहिस, वइसे ही तुमन घलो
यहोवा अपन परमेसर के हुकूम नइं माने के कारन नास हो जाहू।

9

?????? ?? ????? ?? ???? ???? ???

1 हे इसरायलीमन, सुनव: तुमन अब यरदन नदी के ओ पार जाके ओ जाति-जाति के मनखेमन ला बेदखल
करनेचवाला हव, जेमन तुम्हर ले बड़े अऊ बलवान हें, जेमन के बड़े-बड़े सहर हवंय अऊ ओ सहर म
ऊंचहा-ऊंचहा दीवार हवंय।
2 उहां मनखेमन बलवान अऊ ऊंचहा-ऊंचहा हवंय—ओमन अनाकी अंय। तुमन ओमन के बारे म जानत हव
अऊ ओमन के बारे म ये बात सुने हव: "कोन ह अनाकीमन के सामना कर सकथे?"
3 पर तुमन आज ये बात ला जान लेवव कि यहोवा तुम्हर परमेसर ही ओ अय, जऊन ह एक भसम करइया
आगी सहीं तुम्हर आघू ओ पार जाही। ओह ओमन ला नास कर दीही; ओह ओमन ला तुम्हर आघू म दबा दीही।
अऊ तुमन ओमन ला भगा दूहू अऊ तुरते ओमन के बिनास कर दूहू, जइसे कि यहोवा ह तुम्हर ले वायदा करे
हवय।
4 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला तुम्हर आघू ले भगा दीही, त तुमन अपनआप ले ये झन कहव, "मोर
धरमीपन के कारन यहोवा ह मोला इहां ये देस ऊपर अधिकार करे बर लाने हवय।" काबरकि सच तो ये अय कि
ये जातिमन के दुस्टता के कारन यहोवा ह येमन ला तुम्हर आघू ले भगानेवाला हे।
5 तुमन अपन धरमीपन अऊ ईमानदारी के कारन ओमन के देस ऊपर अधिकार करे बर नइं जावत हव; पर ये
जातिमन के दुस्टता के कारन यहोवा तुम्हर परमेसर ओमन ला तुम्हर आघू ले भगाही ताकि ओ बात पूरा होवय,
जेकर सपथ ओह तुम्हर पुरखा अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ले खाय रिहिस।
6 एकरसेति ये बात ला समझ लव कि तुम्हर धरमीपन के कारन यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला ये देस
तुम्हर अधिकार म नइं देवत हे, काबरकि तुमन एक ढीठ जाति के मनखे अव।

??? ?? ????

7 ये बात ला सुरता रखव अऊ कभू झन भूलव कि सुन्ना जगह म तुमन कइसे यहोवा तुम्हर परमेसर के कोरोध
ला भड़कावत रहेव। मिसर देस ला छोंड़े के दिन ले लेके इहां हबरे के दिन तक, तुमन यहोवा के बिरूध बिदरोह
करत आय हवव।
8 होरेब करा घलो तुमन यहोवा के कोरोध ला भड़कायेव; ओह अतेक गुस्सा होईस कि तुमन ला नास कर
देतिस।
9 जब मेंह पथरा के पटिया, ओ करार के पटियामन ला लेय बर पहाड़ ऊपर गेंव, जेला यहोवा ह तुम्हर संग
करे रिहिस, त मेंह पहाड़ ऊपर चालीस दिन अऊ चालीस रात तक रहेंव; मेंह न तो जेवन करेंव अऊ न ही पानी
पीयेंव।
10 यहोवा ह मोला दू ठन पथरा के पटिया दीस, जेमा परमेसर ह अपन अंगरी ले लिखे रिहिस। ओमा ओ
जम्मो हुकूममन लिखाय रिहिन, जेला यहोवा ह पहाड़ ऊपर आगी म होके सभा के दिन तुमन ला बताय रिहिस।
11 चालीस दिन अऊ चालीस रात के आखिरी म यहोवा ह मोला ओ दू ठन पथरा के पटियामन ला दीस,
जेमन करार के पटिया रिहिन।
12 तब यहोवा ह मोला कहिस, "तें इहां ले तुरते खाल्हे उतर, काबरकि तोर मनखेमन बिगड़ गे हवंय, जेमन ला
तें मिसर देस ले निकालके लाने हस। ओमन ओ रसता ला बहुंत जल्दी छोंड़ दे हवंय, जेकर हुकूम मेंह ओमन ला
दे रहेंव अऊ ओमन अपन बर एक मूरती बना ले हवंय।"
13 फेर यहोवा ह मोला ये घलो कहिस, "मेंह ये मनखेमन ला देखे हंव, अऊ येमन असल म एक हठीला जाति
के मनखे अंय!
14 मोला अकेला छोंड़ दे, ताकि मेंह ओमन ला नास कर देवंव अऊ धरती ऊपर ले ओमन के नांव ला मिटा
देवंव। अऊ मेंह तोर ले एक जाति बनाहूं, जऊन ह ओमन ले जादा सक्तिसाली अऊ संखिया म ओमन ले जादा
होही।"
15 तब मेंह मुड़ें अऊ पहाड़ ले खाल्हे उतरेंव जबकि पहाड़ ह आगी ले धधकत रिहिस। अऊ करार के ओ दूनों
पटिया मोर हांथ म रिहिस।
16 तब मेंह देखेंव कि तुमन यहोवा अपन परमेसर के बिरूध पाप करे रहेव; तुमन बछवा के आकार म एक ठन
मूरती बना ले रहेव। तुमन ओ रसता ला बहुंत जल्दी छोंड़ दे रहेव, जेकर हुकूम यहोवा ह तुमन ला दे रिहिस।
17 एकरसेति मेंह ओ दूनों पटिया ला मोर हांथ ले फटिक देंव, अऊ ओमन ला तुम्हर आंखी के आघू म टोरके
कुटा-कुटा कर देंव।
18 तब तुम्हर करे गय ओ जम्मो पाप के कारन, जऊन ह यहोवा के नजर म बुरई रिहिस अऊ जेकर ले ओकर
गुस्सा ह भड़किस, मेंह फेर एक बार यहोवा के आघू म चालीस दिन अऊ चालीस रात सीधा पड़े रहेंव; मेंह न तो
जेवन करेंव अऊ न ही पानी पीयेंव।
19 मेंह यहोवा के कोरोध अऊ कोप ले डरत रहेंव, काबरकि ओह अतेक गुस्सा म रिहिस कि तुमन ला नास करे
चाहत रिहिस। पर एक बार फेर यहोवा ह मोर बात ला सुनिस।
20 अऊ यहोवा ह हारून ऊपर अतेक गुस्सा होईस कि ओला नास करे चाहत रिहिस, पर ओ समय मेंह हारून
बर घलो पराथना करेंव।
21 मेंह तुम्हर ओ पापमय चीज—ओ बछवा ला लेंव, जेला तुमन बनाय रहेव, अऊ ओला आगी म जला देंव।
तब मेंह ओला कुचर देंव अऊ ओला चूर-चूर करके धुर्रा सहीं कर देंव अऊ ओ धुर्रा ला एक ठन नरवा म फटिक
देंव, जऊन ह पहाड़ ले खाल्हे बहत रिहिस।
22 तुमन यहोवा ला तबेरा, मस्सा अऊ किबरोत-हतावा म घलो गुस्सा दिलाय रहेव।*
23 अऊ जब यहोवा ह तुमन ला कादेस-बरने ले भेजिस, त ओह कहिस, "जावव अऊ ओ देस ऊपर अधिकार
कर लेवव, जेला में तुमन ला दे हवंव।" पर तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के बिरूध बिदरोह करेव। तुमन न तो
ओकर ऊपर भरोसा करेव अऊ न ही ओकर बात मानेव।
24 जब ले में तुमन ला जानत हंव, तब ले तुमन यहोवा के बिरूध बिदरोह ही करत आय हवव।
25 मेंह ओ चालीस दिन अऊ चालीस रात यहोवा के आघू म मुहूं-भरसा पड़े रहेंव काबरकि यहोवा ह कहे
रिहिस कि ओह तुमन ला नास कर दीही।

* **9:22** देखव गन 11:1-3; 11:31-34; निर 17:1-7

26 में यहोवा ले पराथना करके कहेंव, “हे परमपरधान यहोवा, अपन मनखेमन ला नास झन कर; येमन तोर
निज भाग अंय, जेमन ला तेंह अपन बड़े सामर्थ से छोंड़ाय हस अऊ अपन सक्तिसाली हांथ से येमन ला मिसर
देस ले निकाल लाने हस।
27 अपन सेवक अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ला सुरता कर। ये मनखेमन के हठीलापन, ओमन के दुस्टता
अऊ ओमन के पाप ला अनदेखी कर।
28 नइं तो, जऊन देस ले तेंह हमन ला निकालके लाने हस, उहां के मनखेमन† कहिहीं, ‘काबरकि यहोवा ह
ओमन ला ओ देस म नइं ले जा सकिस, जेकर परतिगियां ओह ओमन ले करे रिहिस, अऊ काबरकि ओह ओमन
ले घिन करिस, एकरसेति ओह ओमन ला बाहिर निकालिस ताकि निरजन प्रदेस म ओमन ला मार डारय।’
29 पर ओमन तोर मनखे अंय, तोर निज भाग, जेमन ला तें अपन बड़े सामर्थ अऊ अपन बढ़ाय भुजा के दुवारा
निकालके ले आय।”

10

[illegible]

1 ओ बेरा यहोवा ह मोला कहिस, “पहिली के पटियामन सहीं दू ठन पथरा के पटिया काटके बना ले अऊ मोर
करा पहाड़ ऊपर आ। अऊ लकड़ी के एक ठन सन्दूक घलो बना।
2 में ये पटियामन म ओ बचनमन ला फेर लिख दूहूं, जेमन पहिली के पटियामन म रिहिन, जेमन ला तें टोर
देय। तब तें ओ पटियामन ला सन्दूक म रख देबे।”
3 तब में बंबरी लकड़ी के एक सन्दूक बनांय अऊ पहिली सहीं काटके पथरामन के दू ठन पटिया बनांय, अऊ
दूनों पटियामन ला हांथ म धरके में पहाड़ ऊपर गेंव।
4 यहोवा ह ओ पटियामन म ओ बातमन ला लिख दीस, जेला ओह पहिली के पटियामन म लिखे रिहिस—ओ
दस हुकूम, जेला ओह सभा के दिन पहाड़ ऊपर आगी म ले कहे रिहिस। अऊ यहोवा ह ओ पटियामन ला मोला
दे दीस।
5 तब में पहाड़ ले खाल्हे उतरेंव अऊ ओ पटियामन ला मेंह ओ सन्दूक म रख देंव, जेला में बनाय रहेंव, जइसे
कि यहोवा ह मोला हुकूम देय रिहिस, अऊ ओमन अब उहां हवंय।
6 (तब इसरायलीमन बेने-जाकन के कुआंमन ले आघू बढ़के मोसेरा करा आईन। उहां हारून मर गीस अऊ
ओला उहां माटी दिये गीस, अऊ ओकर जगह म ओकर बेटा एलिआजर ह पुरोहित के रूप म सेवा करे लगिस।
7 उहां ले ओमन गुदगोदा अऊ गुदगोदा ले योतबाता आईन, जऊन ह पानी के सोतामन के एक देस रिहिस।
8 ओ समय यहोवा ह लेवी के गोत्र ला अलग करिस ताकि ओमन यहोवा के करार के सन्दूक ला उठाके ले
जावंय; यहोवा के सेवा करे बर ओकर आघू म ठाढ़ रहंय अऊ ओकर नांव म आसीस देवंय, जइसे कि ओमन
आज घलो करथें।
9 एकरे कारन लेवीमन ला ओमन के संगी इसरायलीमन के संग कोनो बांटा या भाग नइं मिलिस; यहोवा ह
ओमन के निज भाग ए, जइसे कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला कहिस।)
10 मेंह पहिले सहीं पहाड़ ऊपर चालीस दिन अऊ चालीस रात रूके रहेंव, अऊ यहोवा ह ये समय घलो मोर
बात ला सुनिस। तुमन ला नास करे के अपन ईछा ला छोंड़ दे रिहिस।
11 तब यहोवा ह मोला कहिस, “जा अऊ मनखेमन ला ओमन के रसता म अगुवई कर, ताकि ओमन ओ देस
म जाके ओकर ऊपर अधिकार करंय, जेला देय के सपथ मेंह ओमन के पुरखामन ले खाय रहेंव।”

[illegible]

12 अऊ अब, हे इसरायलीमन, यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ले का चाहथे, ये कि सिरिप तुमन यहोवा अपन
परमेसर के भय मानव, ओकर हुकूम म चलव, ओकर ले मया करव, यहोवा अपन परमेसर के सेवा अपन पूरा मन
अऊ अपन पूरा आतमा ले करव,
13 अऊ यहोवा के हुकूम अऊ बिधिमन के पालन करव, जेला मेंह आज तुमन ला तुम्हर खुद के भलई बर
देवत हंव?
14 अकास, अऊ त अऊ सबले ऊंच स्वरग, धरती अऊ येमा के हर एक चीज यहोवा तुम्हर परमेसर के अय।

† **9:28** या [illegible]

15 तभो ले यहोवा ह तुम्हर पुरखामन ऊपर अपन लगाव बनाय रखिस अऊ ओमन ले मया करिस, अऊ ओह
ओमन के संतान—तुमन ला जम्मो जाति के मनखेमन के बीच म ले चुनिस, जइसे कि येह आज हवय।
16 एकरसेति, अपन हिरदय के खतना करव, अऊ अब हठीला झन बने रहव।
17 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह देवतामन के परमेसर अऊ परभूमन के परभू, महान परमेसर, सक्तिसाली
अऊ अद्भूत परमेसर अय, जऊन ह कोनो भेदभाव नइं करय अऊ न ही घूस लेवय।
18 ओह अनाथ अऊ बिधवामन के बचाव करथे, अऊ तुम्हर बीच रहइया परदेसीमन ले ओह मया करथे, अऊ
ओमन ला जेवन अऊ कपड़ा देथे।
19 अऊ तुमन घलो ओमन ले मया करव, जेमन परदेसी अंय, काबरकि तुमन खुद मिसर देस म परदेसी रहेव।
20 यहोवा अपन परमेसर के भय मानव अऊ ओकर सेवा करव। ओला कसके पकड़े रहव अऊ ओकर ही नांव
म सपथ खावव।
21 येह ओ अय, जेकर तुमन परसंसा करथव; ओह तुम्हर परमेसर ए, जऊन ह तुम्हर बर ओ बड़े अऊ अद्भूत
काममन ला करिस, जेला तुमन खुद अपन आंखी ले देखे हव।
22 जब तुम्हर पुरखामन मिसर देस म गीन, त ओमन सिरिप सत्तर मनखे ही रिहिन, पर अब यहोवा तुम्हर
परमेसर ह तुमन ला अकास के तारामन सहीं बहुंत अकन कर दे हवय।

11

[illegible]

1 यहोवा अपन परमेसर ले मया करव अऊ ओकर मांग, ओकर बिधि, ओकर कानून अऊ ओकर हुकूममन ला
हमेसा मानव।
2 आज सुरता रखव कि तुम्हर लइकामन ओ चीजमन ला न तो देखे हवंय न ही ओकर अनुभव करे हवंय—याने
कि यहोवा तुम्हर परमेसर के अनुसासन, ओकर वैभव, ओकर सक्तिसाली हांथ, ओकर बढ़ाय गय भुजा ला;
3 ओकर देखाय गय अद्भूत चिनहां अऊ मिसर देस के बीच म करे गय ओकर काम, जेला मिसर देस के राजा
फिरौन अऊ ओकर जम्मो देस के संग करिस;
4 यहोवा ह मिसर देस के सेना, ओमन के घोड़ा अऊ रथमन के संग का करिस, जब ओमन तुम्हर पीछा करत
रिहिन, त ओह लाल-समुंदर के पानी ले ओमन ला कइसे घबरा दीस अऊ कइसे यहोवा ह ओमन के सर्वनास कर
दीस।
5 तुम्हर लइकामन नइं देखे हवंय कि ये जगह म हबरत तक ओह सुन्ना जगह म तुम्हर बर का करिस,
6 अऊ ओह रूबेनी एलीआब के बेटा दातान अऊ अबीराम के संग का करिस, जब धरती ह जम्मो
इसरायलीमन के मांझा म अपन मुहूं खोलिस अऊ ओमन ला ओमन के परिवार के संग अऊ ओमन के तम्बू अऊ
ओमा के हर जीयत चीजमन ला लील लीस।*
7 पर तुमन खुद अपन आंखी ले ये जम्मो बड़े काममन ला देखे हव, जेला यहोवा ह करिस।
8 एकर कारन ओ जम्मो हुकूममन के पालन करव, जेला मेंह आज तुमन ला देवत हंव, ताकि तुमन ला आघू
बढ़े बर ताकत मिलय अऊ तुमन ओ देस ला अपन अधीन कर लेवव, जेला अपन अधिकार म करे बर तुमन
यरदन के ओ पार जावत हव,
9 अऊ तुमन ओ देस म लम्बा समय तक रहव, जेला यहोवा ह तुम्हर पुरखा अऊ ओमन के संतानमन ला देय
के सपथ खाय रिहिस; ये देस म दूध अऊ मंधरस बहुंतायत म हवय।
10 जऊन देस म तुमन ओकर ऊपर अधिकार करे बर जावत हव, ओह ओ मिसर देस के सहीं नो हय, जिहां ले
तुमन निकलके आय हव, जिहां तुमन बीजा ला बोए के बाद गोड़ ले नाली बनाके पानी पलोत रहेव, जइसे कि
साग-सब्जी के बारी म करे जाथे।
11 पर जऊन देस ऊपर अधिकार करे बर तुमन यरदन ला पार करके जावत हव, ओह पहाड़ अऊ घाटीमन के
देस अय, जिहां अकास के बारिस ले सिंचई होथे।
12 येह ओ देस अय, जेकर देखभाल यहोवा तुम्हर परमेसर करथे; अऊ साल के सुरू ले लेके आखिरी तक
यहोवा तुम्हर परमेसर के नजर हमेसा येकर ऊपर बने रहिथे।

---

* **11:6** देखव गन 16

13 एकरसेति यदि तुमन ईमानदारी से ओ हुकूममन ला मानथव, जेला मेंह आज तुमन ला देवत हंव—यहोवा
अपन परमेसर ले मया करव अऊ अपन पूरा मन अऊ अपन पूरा आतमा से ओकर सेवा करव,
14 तब मेंह सही मौसम म तुम्हर देस म बारिस भेजहूं, सुरूआती अऊ अंतिम बारिस, ताकि तुमन अपन
अनाज, नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल के फसल ले सकव।
15 मेंह तुम्हर पसुमन बर मैदान म घांस उपजाहूं, अऊ तुमन भरपेट खाहू अऊ संतुस्ट होहू।
16 सचेत रहव, नइं तो तुमन ला बहकाय जाही कि तुमन अपन परमेसर ला छोंड़के आने देवतामन के
अराधना करव अऊ ओमन के दंडवत करव।
17 तब यहोवा के कोरोध ह तुम्हर ऊपर भड़कही, अऊ ओह अकास के बारिस ला बंद कर दीही अऊ भुइयां म
कोनो फसल नइं होही, अऊ तुमन ओ बने देस म ले जल्दी नास हो जाहू, जेला यहोवा ह तुमन ला देवत हे।
18 एकरसेति मोर ये बातमन ला अपन हिरदय अऊ मन म रख लव; येमन ला चिनहां के रूप म अपन हांथ म
बांध लव अऊ येमन ला अपन माथा म बांध लव।
19 ये बातमन ला अपन लइकामन ला सिखावव, जब तुमन घर म बईठथव अऊ जब तुमन डहार म रेंगथव,
जब तुमन लेटथव अऊ उठथव, त येमन के बारे म गोठियाय करव।
20 येमन ला अपन घर के चौखटमन म अऊ अपन दुवारमन म लिखव,
21 ताकि जऊन देस ला यहोवा ह तुम्हर पुरखामन ला देय के सपथ खाय रिहिस, ओ देस म तुमन अऊ तुम्हर
लइकामन तब तक बने रहव, जब तक कि धरती ऊपर अकास ह बने रहिथे।
22 यदि तुमन धियान देके ये जम्मो हुकूम के पालन करव, जेला मेंह माने बर तुमन ला देवत हंव—यहोवा
अपन परमेसर ले मया करव, ओकर हुकूम म चलव अऊ ओला कसके पकड़े रहव,
23 तब यहोवा ह ये जम्मो जाति के मनखेमन ला तुम्हर आघू ले भगा दीही, अऊ तुमन अपन ले बड़े अऊ
सक्तिसाली जाति के मनखेमन ला निकाल दूहू।
24 हर ओ जगह जिहां तुमन अपन गोड़ रखहू, ओह तुम्हर हो जाही: तुम्हर राज ह निरजन प्रदेस ले लेके
लबानोन, अऊ फरात नदी ले लेके भूमध्य सागर तक फईल जाही।
25 कोनो भी मनखे तुम्हर सामना नइं कर सकही। जइसे कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर ले परतिगियां करे
हवय, ओह तुम्हर आतंक अऊ भय ओ पूरा देस म फईला दीही, जिहां कहीं भी तुमन जावव।
26 देखव, आज में तुम्हर आघू म आसीस अऊ सराप दूनों ला रखत हंव—
27 यदि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के ओ हुकूममन ला मानहू, जेला मेंह आज तुमन ला देवत हंव, त तुमन
ला आसीस मिलही;
28 अऊ यदि यहोवा तुम्हर परमेसर के हुकूममन ला नइं मानहू, जेला मेंह आज तुमन ला देवत हंव अऊ यदि
तुमन ओकर रसता ला छोंड़के आने देवतामन के पाछू चलहू, जेमन ला तुमन जानत घलो नइं रहेव, त तुमन ला
सराप मिलही।
29 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला ओ देस म ले आय, जेकर ऊपर अधिकार करे बर तुमन जावत हव,
तब तुमन ला गरीजीम पहाड़ ले आसीस, अऊ एबाल पहाड़ ले सराप के घोसना करना हे।
30 जइसे कि तुमन जानत हव, ये पहाड़मन यरदन के ओ पार, पछिम दिग म, सूरज के बुड़ती कोति, मोरे के
बड़े रूखमन के लकठा, अराबा म रहइया ओ कनानीमन के छेत्र गिलगाल नगर के पड़ोस म हवंय।
31 तुमन यरदन के ओ पार जाके ओ देस ऊपर अधिकार करनेचवाला हव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला देवत हे। जब तुमन ओकर ऊपर अधिकार कर लेवव अऊ उहां रहे लगव,
32 तब धियान रहय कि तुमन ओ जम्मो बिधि अऊ कानूनमन के पालन करव, जेला मेंह आज तुम्हर आघू म
रखत हंव।

12

1 येमन ओ बिधि अऊ कानून अंय, जेकर पालन तुमन ला धियान देके ओ देस म करना हे, जेला यहोवा,
तुम्हर पुरखामन के परमेसर ह तुमन ला अपन अधिकार म करे बर दे हवय—जब तक तुमन ओ देस म जीयत
हव, येमन के पालन करना हे।
2 तुमन ओ जम्मो जगह ला पूरा नास कर दव, जेमन ऊंच पहाड़, पहाड़ी ऊपर अऊ रूखमन के छइहां म
हवंय, जिहां ओ आनजात के मनखेमन अपन देवतामन के अराधना करथें, जेमन ला तुमन बेदखल करत हव।
3 ओमन के बेदीमन ला टोर दव, ओमन के पबितर पथरामन ला कुटा-कुटा कर दव अऊ ओमन के असेरा के
खंभामन ला आगी म जला दव; ओमन के देवतामन के मूरतीमन ला काट डारव अऊ ओ जगहमन ले ओमन के
नांव ला मिटा दव।
4 तुमन यहोवा अपन परमेसर के अराधना ओमन सहीं झन करहू।
5 पर तुमन ओ जगह ला चुनव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर जम्मो गोत्रमन के बीच म ले देखाथे कि
ओह अपन निवास बर अपन नांव ला उहां रखय। ओ जगह म तुमन जावव;
6 अऊ उहां अपन होम-बलिदान अऊ चढ़ावा, अपन दसमांस अऊ बिसेस दान, मन्नत म माने गय भेंट अऊ
अपन स्वेच्छा-बलिदान, अऊ गाय-बईला अऊ पसु-चिरईमन के पहिलांतमन ला लानव।
7 उहां यहोवा अपन परमेसर के आघू म तुमन अऊ तुम्हर परिवार के मनखेमन खावंय अऊ ओ जम्मो चीज बर
आनंद मनावंय, जेमा तुमन अपन हांथ रखे हव, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला आसीस दे हवय।
8 तुमन ला वइसने नइं करना हे, जइसने कि हमन आज करत हन; हर एक जन वइसने ही करत हे, जइसने
ओला बने लगथे,
9 काबरकि तुमन ओ अराम के जगह अऊ निज भाग म अभी तक नइं हबरे हव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला देवत हे।
10 पर तुमन यरदन नदी के ओ पार जाहू अऊ ओ देस म बस जाहू, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला
एक उत्तराधिकार के रूप म देवत हे, अऊ ओह तुमन ला तुम्हर चारों कोति के बईरीमन ले सुरकछा दीही, ताकि
तुमन अराम से रहव।
11 तब ओ जगह म, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह अपन नांव बर निवास के रूप म चुनही—उहां तुमन ओ
जम्मो चीजमन ला ले आवव, जेकर हुकूम मेंह तुमन ला देवत हंव: तुम्हर होम-बलिदान अऊ चढ़ावा, तुम्हर
दसमांस अऊ बिसेस दान, अऊ ओ जम्मो उत्तम चीज, जेला तुमन यहोवा बर मन्नत माने हव।
12 अऊ उहां यहोवा अपन परमेसर के आघू म आनंद मनावव—तुमन, तुम्हर बेटा-बेटीमन, तुम्हर
सेवक-सेविकामन, अऊ ओ लेवीमन, जेमन तुम्हर नगर म रहिथें अऊ ओमन ला ओमन के नगर म कोनो जमीन
या निज भाग नइं मिले हवय।
13 ये बात के धियान रहय कि तुमन अपन होम-बलिदान ला अइसने कोनो आने जगह म झन चघाहू, जेह
तुमन ला बने लगय।
14 पर अपन बलिदान ला ओ जगह म चघावव, जेला यहोवा ह तुम्हर गोत्रमन ले चुनथे, अऊ उहां ओ जम्मो
काम करव, जेकर हुकूम मेंह तुमन ला देवत हंव।
15 पर तुमन अपन कोनो भी नगर म अपन पसु ला मारके ओकर जतेक मांस चाहव, ओतेक खा सकत हव,
चाहे ओह छोटे हिरन होवय या बड़े हिरन, जइसे भी यहोवा तुम्हर परमेसर तुमन ला आसीस देथे। संस्कारिक
रूप से सुध या असुध दूनों किसम के मनखे येला खा सकत हें।
16 तुमन येकर लहू ला झन खावव; ओला भुइयां म पानी सहीं रितो दव।
17 तुमन अपन अनाज अऊ नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल के दसमांस, या गाय-बईला अऊ
पसु-चिरईमन के पहिलांत, या अपन मन्नत माने गय कोनो चीज, या स्वेच्छा-बलिदान या बिसेस दान ला अपन
खुद के नगर म झन खावव।
18 येकर बदले, तुमन येमन ला यहोवा तुम्हर परमेसर के आघू म ओ जगह म खावव, जेला यहोवा तुम्हर
परमेसर ह चुनही—तुमन, तुम्हर बेटा-बेटीमन, तुम्हर सेवक-सेविकामन, अऊ तुम्हर नगर के लेवीमन
खावंव—अऊ तुमन यहोवा अपन परमेसर के आघू म ओ जम्मो चीज बर आनंद मनावव, जेमा तुमन हांथ रखे
हव।

19 ये बात के धियान रहय कि जब तक तुमन अपन देस म जीयत हवव, तब तक लेवीमन के अनदेखी झन
करव।
20 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर इलाका ला बढ़ाथे जइसे कि ओह वायदा करे हवय, अऊ तुमन मांस
खाय के ईच्छा करव अऊ कहव, "कुछू मांस खाय के मोर मन करत हे," तब तुमन येला जतेक चाहव ओतेक खा
सकत हव।
21 यदि ओ जगह ह तुमन ले बहुंत दूरिहा हवय, जेला परमेसर ह अपन नांव ला रखे बर चुनथे, त तुमन मोर
हुकूम के मुताबिक यहोवा के दिये गाय-बईला अऊ पसु-चिरईमन के झुंड ले पसु ला मारव, अऊ अपन खुद के
नगर म ओला जतेक चाहव ओतेक खा सकत हव।*
22 ओला खावव, जइसे तुमन कोनो कोटरी या हिरन ला खाथव। संस्कारिक रूप ले सुध अऊ असुध दूनों
किसम के मनखे ओला खा सकत हें।
23 पर धियान रहय कि तुमन लहू ला झन खावव, काबरकि लहू ह जिनगी अय, अऊ जरूरी अय कि तुमन
मांस के संग जिनगी ला झन खावव।
24 तुमन लहू ला झन खावव; येला भुइयां म पानी सहीं रितो दव।
25 ओला झन खावव, ताकि तुम्हर अऊ तुम्हर बाद तुम्हर लइकामन के भलई होवय, काबरकि अइसने करके
तुमन यहोवा के नजर म सही काम करहू।
26 पर अपन पबितर चीज अऊ अपन मन्नत म देय बर चीजमन ला लेवव अऊ ओ जगह म जावव, जेला
यहोवा ह चुनही।
27 अपन होम-बलिदान ला यहोवा अपन परमेसर के बेदी म चघावव, मांस अऊ लहू दूनों ला चघावव। तुम्हर
बलिदान के लहू ला यहोवा तुम्हर परमेसर के बेदी के बाजू म रितोय जावव, पर मांस ला तुमन खा सकत हव।
28 धियान रहय कि तुमन मोर दिये गय ये जम्मो नियम के पालन करव, ताकि तुम्हर अऊ तुम्हर बाद तुम्हर
लइकामन के हमेसा भलई होवय, काबरकि अइसने करके तुमन यहोवा अपन परमेसर के नजर म बने अऊ सही
काम करहू।
29 यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओ जातिमन के मनखे ला तुम्हर आघू म नास कर दीही, जेमन ऊपर तुमन चढ़ई
करके ओमन ला निकालनेचवाला हव। पर जब तुमन ओमन ला भगा देवव अऊ ओमन के देस म बस जावव,
30 अऊ ओमन तुम्हर आघू ले नास हो जावंय, त धियान रहय कि ओमन के देवतामन के बारे म पुछताछ करे
के दुवारा ये कहिके झन फंसव, "ये जातिमन के मनखेमन अपन देवतामन के सेवा कइसे करत रिहिन? हमन
घलो वइसने करबो।"
31 जरूरी अय कि तुमन यहोवा अपन परमेसर के अराधना ओमन सहीं झन करव, ओमन जम्मो किसम के
घिनौना काम करथें, जेकर ले यहोवा ह घिन करथे।† अऊ त अऊ ओमन अपन देवतामन बर बलिदान के रूप म
अपन बेटा-बेटीमन ला आगी म जला देथें।
32 धियान रहय कि तुमन ओ जम्मो बात के पालन करव, जेकर हुकूम मेंह तुमन ला देवत हंव; येमा न तो
कुछू जोड़व, अऊ न ही येमा ले कुछू निकालव।‡

13

[illegible]

* 1 यदि कोनो अगमजानी, या कोनो मनखे, जऊन ह सपना के दुवारा अगम के बात कहिथे, यदि अइसने
मनखे तुम्हर बीच म आथे अऊ कोनो चिनहां या अद्भूत बात के घोसना करथे,
2 अऊ यदि ओ चिनहां या अद्भूत काम सही म हो जाथे, अऊ ओ अगमजानी ह कहिथे, "आवव, हमन आने
देवतामन के पाछू चलन" (ओ देवता, जेमन ला तुमन नइं जानव) "अऊ ओमन के अराधना करन,"
3 त तुमन ओ अगमजानी या सपना देखइया के बात ला झन सुनहू; काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ये पता
लगाय बर परखत हे कि तुमन ओला अपन पूरा मन अऊ परान ले मया करथव कि नइं।

---

* **12:21** देखव लैव्य 14:24 † **12:31** देखव ब्यव 7:25-26 ‡ **12:32** इबरानी म ये पद (12:32) ला 13:1 गने गे हवय * **13:** इबरानी म 13:1-18 ला 13:2-19 गने गे हवय

4 येह यहोवा तुम्हर परमेसर ए, जेकर पाछू तुमन ला चलना जरूरी ए, अऊ जरूरी ए कि तुमन ओकर आदर
करव। ओकर हुकूम के पालन करव अऊ ओकर बात ला मानव; ओकर सेवा करव अऊ ओला कसके थामे रहव।
5 ओ अगमजानी या सपना देखइया मार डारे जावय, काबरकि ओह तुमन ला ओ यहोवा तुम्हर परमेसर के
बिरूध म भड़काय हवय, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले बाहिर निकाल लानिस अऊ तुमन ला गुलामी के देस
ले छोंड़ाईस। ओ अगमजानी या सपना देखइया ह तुमन ला ओ रसता ले हटाय के कोसिस करिस, जेमा चले के
हुकूम यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देय हवय। येह जरूरी अय कि तुमन अपन बीच ले बुरई ला हटाववव।
6 यदि तुम्हर खुद के भाई, या तुम्हर बेटा या बेटी, या तुम्हर मयारू घरवाली, या तुम्हर नजदीकी संगवारी
गुपत रूप म ये कहिके तुमन ला बहकाथे, "चलव, हमन आने देवतामन के अराधना करन" (ओ देवता जेला न
तो तुमन जानथव अऊ न ही तुम्हर पुरखामन कभू जानिन,
7 तुम्हर चारों कोति के मनखेमन के देवता, चाहे लकठा के होवंय या दूरिहा के, या ओमन देस के एक छोर ले
लेके दूसर छोर म होवंय),
8 ओमन के बात झन मानव या ओमन के बात ला झन सुनव। ओमन ऊपर दया झन देखाववव। ओमन ला झन
छोंड़व या ओमन के बचाव झन करव।
9 जरूरी अय कि तुमन ओमन ला मार डारव। ओमन ला मारे म तुम्हर हांथ पहिले उठे, अऊ तब आने जम्मो
मनखेमन के।
10 पथरवाह करके ओमन ला मार डारव, काबरकि ओमन तुमन ला ओ यहोवा तुम्हर परमेसर ले अलग करे के
कोसिस करे हवंय, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले, ओ गुलामी के देस ले बाहिर निकाल लानिस।
11 तब जम्मो इसरायली ये बात ला सुनके डरहीं, अऊ तुम्हर बीच म फेर कोनो मनखे अइसने दुस्ट काम नइं
करही।
12 जऊन नगरमन ला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला रहे बर दे हवय, यदि ओमा के कोनो नगर के बारे म
ये सुनव
13 कि दुस्ट मनखेमन तुम्हर बीच म ले निकलके ओ नगर के मनखेमन ला ये कहिके भटका दे हवंय, "चलव,
हमन आने देवतामन के अराधना करन" (ओ देवता, जेमन ला तुमन नइं जानव),
14 तब जरूरी अय कि तुमन पुछताछ करव, जांचव अऊ ओकर पूरा खोजबीन करव। अऊ यदि ये बात सच
निकले अऊ येह साबित हो जावय कि ये घिनौना काम तुम्हर बीच म करे गे हवय,
15 त खचित तुमन ओ नगर म रहइया जम्मो झन ला तलवार ले मार डारव। तुमन ओला पूरा नास कर दव,
उहां के मनखे अऊ पसु दूनों ला नास कर दव।
16 तुमन ओ नगर के जम्मो लूटे गय सामान ला सार्वजनिक चऊक म इकट्ठा करव अऊ ओ नगर अऊ ओकर
लूटे गय जम्मो सामान ला यहोवा तुम्हर परमेसर बर एक पूरा होम-बलिदान के रूप म जला दव। ओ नगर ह
हमेसा बर खंडहर बने रहय अऊ ओला फेर कभू झन बनाय जावय,
17 अऊ कोनो भी दंडित चीज तुम्हर हांथ म झन रहय। तब यहोवा ह अपन भयंकर कोरोध ला छोंड़के तुम्हर
ऊपर दया देखाही, अऊ तुम्हर ऊपर किरपा करही। ओह तुम्हर संखिया ला बढ़ाही, जइसे कि ओह तुम्हर
पुरखामन ले सपथ खाके वायदा करे रिहिस—
18 काबरकि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के बात ला ओकर ओ जम्मो हुकूम ला माने के दुवारा पूरा करथव,
जेला मेंह आज तुमन ला देवत हंव अऊ अइसे करके तुमन परमेसर के नजर म सही काम करत हव।

14

[illegible]

1 तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के लइकामन अव। मरे मनखे बर अपन देहें ला झन काटव या अपन मुड़ के
आघू के बाल ला झन मुड़ाववव,
2 काबरकि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर बर पबितर मनखे अव। धरती के जम्मो मनखेमन ले यहोवा ह तुमन
ला अपन कीमती भाग होय बर चुन ले हवय।
3 तुमन कोनो घिनौना चीज ला झन खाहू।
4 ये पसुमन ला तुमन खा सकत हव: बईला, भेड़, बोकरा,

5 हिरन, चिकारा, हिरनी, जंगली बोकरा, बड़े सींगवाला पहाड़ी बोकरा, कुरंग अऊ पहाड़ी भेड़।*
6 तुमन कोनो भी अइसने पसु ला खा सकत हव, जेकर फटे खुर हवय अऊ ओह पागुर करथे।
7 पर जऊन मन पागुर करथें या फेर सिरिप फटे खुर के होथें, ओमन ला झन खाहू—ऊंट, खरगोस या
कबर-बिज्जू। हालाकि येमन पागुर करथें, पर येमन के खुर फटे नइं रहय; ओमन बिधि के मुताबिक तुम्हर बर
असुध अंय।
8 सूरा ह घलो असुध अय; हालाकि येकर खुर ह फटे रहिथे, पर येह पागुर नइं करय। तुमन ओमन के मांस
झन खावव अऊ न ही ओमन के लास ला छुववव।
9 पानी म जतेक जीव-जन्तु हवंय, ओमा के जेकर पंख अऊ बिस्सर छिलका† होथे, ओमन ला तुमन खा सकत
हव।
10 पर जेकर पंख अऊ बिस्सर छिलका नइं होवय, ओला झन खावव; काबरकि ओह असुध ए।
11 तुमन कोनो भी सुध चिरई ला खा सकत हव।
12 पर येमन ला तुमन झन खावव ओमन असुध अंय: चील, गिधवा, करिया गिधवा,
13 लाल चील, करिया चील, कोनो भी किसम के बाज,
14 कोनो भी किसम के कऊआ,
15 सींगवाला उल्लू, चिचियानेवाला उल्लू, समुंदरी चिरई, कोनो भी किसम के बाज,
16 छोटे घुघवा, बड़े घुघवा, सफेद घुघवा,
17 सुनसान जगह के घुघवा, समुंदरी बाज, हाड़गील,
18 सारस, कोनो भी किसम के कोकड़ा, टिटहरी अऊ चमगीदड़।
19 जम्मो उड़नेवाला कीरामन तुम्हर बर असुध अंय; ओमन ला झन खाहू।
20 पर कोनो पंखवाला सुध जीव ला खा सकत हव।
21 तुमन अइसे कोनो चीज ला झन खाहू, जऊन ह पहिले ही मर गे हवय। तुमन ओला अपन कोनो भी नगर
म रहइया परदेसी ला दे सकत हव अऊ ओह ओला खा सकत हे, या तुमन ओला कोनो आने परदेसी ला बेच
सकत हव। पर तुमन यहोवा अपन परमेसर बर एक पबितर मनखे अव।
कोनो छेरी-पीला ला ओकर दाई के दूध म झन पकाहू।

[illegible]

22 जरूरी अय कि हर साल तुम्हर खेत म होवइया जम्मो फसल के दसवां अंस ला अलग रखव
23 जऊन जगह ला यहोवा तुम्हर परमेसर ह अपन नांव बर निवास के रूप म चुनही, ओ जगह म तुमन अपन
अनाज के दसवां अंस, नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल, अऊ अपन गाय-बईला अऊ पसु-चिरई के पहिलांत
ला यहोवा अपन परमेसर के आघू म खावव, ताकि तुमन हमेसा यहोवा अपन परमेसर ला आदर देय बर सीखव।
24 तुमन यहोवा अपन परमेसर के दुवारा आसीस पाय हवव अऊ यदि ओ जगह ह बहुंत दूरिहा म हवय, जेला
यहोवा ह अपन नांव रखे बर चुनथे, अऊ तुमन उहां अपन दसवां अंस ला नइं ले जा सकव,
25 त फेर ओ दसवां अंस ला चांदी म बदला कर लव, अऊ ओ चांदी ला लेके तुमन ओ जगह म जावव, जेला
यहोवा तुम्हर परमेसर ह चुनही।
26 ओ चांदी के उपयोग अपन मन मुताबिक चीज बिसाय म करव: गाय-बईला, भेड़-बकरी, अंगूर के मंद या
कोनो आने मंद, या कोनो अऊ चीज जेला तुमन चाहव। तब तुमन अऊ तुम्हर परिवार के मनखेमन उहां यहोवा
तुम्हर परमेसर के आघू म खावंय अऊ आनंद मनावंय।
27 अऊ तुमन तुम्हर नगर म रहइया लेवीमन के अनदेखी झन करव, काबरकि ओमन करा ओमन के खुद के
कोनो हिस्सा या निज भाग नइं ए।
28 हर तीन साल के आखिरी म, ओ साल के ऊपज के जम्मो दसवां अंस ला लानव अऊ ओला अपन नगर म
इकट्ठा करव,

---

* **14:5** ये अधियाय म कुछू चिरई अऊ पसुमन के पहिचान निस्चित नइं ए † **14:9** या [illegible]

29 ताकि लेवी (जेमन करा ओमन के खुद के कोनो हिस्सा या निज भाग नइं ए) अऊ परदेसी, अनाथ अऊ
बिधवा जेमन तुम्हर नगर म रहिथें, ओमन आवंय अऊ खावंय अऊ संतुस्ट हो जावंय, अऊ यहोवा तुम्हर
परमेसर ह तुम्हर जम्मो काम म तुमन ला आसीस देवय।

15

[illegible]

1 हर सात साल के आखिरी म तुमन करजा ला माफ कर दूहू।
2 ये करजा माफी के काम अइसने करे जावय: हर एक साहूकार ह अपन संगी इसरायली ला दिये करजा ला
माफ कर देवय। ओह अपन खुद के मनखेमन ले करजा के पईसा वापिस झन लेवय, काबरकि करजा माफी बर
यहोवा के समय के घोसना करे जा चुके हे।
3 तुमन कोनो परदेसी ले करजा म दिये पईसा ला वापिस ले सकत हव, पर तुम्हर संगी इसरायली तुम्हर ले
कोनो करजा लेय हवय, त ओ करजा ला जरूर माफ कर दव।
4 पर तुम्हर बीच म कोनो भी गरीब मनखे झन रहय, काबरकि जऊन देस ला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन
ला तुम्हर उत्तराधिकार के रूप म देवत हे, ओ देस म ओह तुमन ला बहुंत आसीस दीही,
5 यदि तुमन सिरिप यहोवा तुम्हर परमेसर के बात ला मानहू अऊ धियान देके ये जम्मो हुकूममन के पालन
करहू, जेला मेंह आज तुमन ला देवत हंव।
6 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह अपन वायदा के मुताबिक तुमन ला आसीस दीही, अऊ तुमन बहुंते जाति
के मनखेमन ला उधार दूहू पर कोनो ले तुमन ला उधार लेना नइं पड़ही। तुमन बहुंते जाति के मनखेमन ऊपर
सासन करहू पर तुम्हर ऊपर कोनो सासन नइं करही।
7 यदि तुम्हर संगी इसरायलीमन के बीच म ही कोनो गरीब हवय, जऊन ह ओ देस के कोनो नगर म रहिथे,
जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे, त ओकर बर अपन हिरदय ला कठोर झन करव या ओकर बर
अपन हांथ ला झन बांध लव।
8 पर हांथ खोलके अऊ उदार मन से ओकर जरूरत के चीज ओला उधार दव या ओकर मदद करव।
9 धियान रहय कि ये दुस्ट बिचार तुम्हर मन म झन आवय: "सातवां साल, करजा माफी करे के साल ह लकठा
म हवय," ताकि तुम्हर संगी इसरायलीमन के बीच के ओ जरूरतमंद भाई बर तुम्हर मन म कोनो गलत बिचार
झन आवय अऊ ओला तुमन कुछू नइं देय के बात झन सोचव। तब ओह यहोवा ले तुम्हर बिरूध बिनती कर
सकत हे, अऊ तुमन पाप के दोसीदार होहू।
10 ओला उदार मन से देवव अऊ ये काम बिगर कुड़कुड़ाय करव; तब येकर कारन यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला तुम्हर जम्मो काम म अऊ जेमा तुमन अपन हांथ लगाहू, ओ जम्मो म आसीस दीही।
11 देस म हमेसा गरीब मनखेमन होहीं। एकरसेति तुमन ला हुकूम देवत हंव कि तुमन अपन ओ संगी
इसरायलीमन बर उदार भाव देखावव, जेमन तुम्हर देस म गरीब अऊ जरूरतमंद हवंय।

[illegible]

12 यदि तुम्हर मनखेमन ले कोनो—चाहे ओह इबरी आदमी हो या माईलोगन—अपनआप ला तुम्हर करा बेच
देथे अऊ छै साल तक सेवा करथे, त जरूरी अय कि सातवां साल तुमन ओला छोंड़ दव।
13 अऊ जब तुमन ओला छोंड़ देथव, त ओला खाली हांथ झन जावन दव।
14 ओला अपन पसु के झुंड ले, अपन कोठार ले अऊ अपन अंगूर के रसकुंड ले उदार मन से देवव। जइसे
यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला आसीस दे हवय, ओकरे मुताबिक तुमन ओला देवव।
15 सुरता रखव कि तुमन मिसर देस म गुलाम रहेव अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला छोंड़ाईस। एकर
कारन मेंह आज तुमन ला ये हुकूम देवत हंव।
16 पर यदि तुम्हर सेवक तुमन ला कहिथे, "मेंह तोला छोंड़के जाय बर नइं चाहत हंव," काबरकि ओह तुम्हर
अऊ तुम्हर परिवार ले मया करथे अऊ तुम्हर संग खुस रहिथे,
17 तब एक ठन सूजा लेवव अऊ ओकर कान ला कपाट म लगाके छेद दव, अऊ ओह जिनगी भर तुम्हर सेवक
बने रहिही। वइसने ही अपन सेविका के संग घलो करव।

18 अपन सेवक ला मुक्त करई तुम्हर बर कठिन काम झन होवय, काबरकि ये छै साल म बनिहार ले काम
कराय के बदले तुम्हर सेवक के काम ले तुमन ला दू गुना फायदा होईस हे। अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन
ला तुम्हर हर काम म आसीस दीही।

?????????? ???

19 अपन गाय-बईला अऊ भेड़-बकरी म ले जनमे हर पहिलांत नर पसु ला यहोवा अपन परमेसर बर अलग
करव। अपन गाय के पहिलांत बछवा ले कोनो काम झन करवाव, अऊ अपन भेड़ के पहिलांत मेढ़ा-पीला के
ऊन ला झन कतरव।
20 हर एक साल तुमन अऊ तुम्हर परिवार के मनखेमन ओला यहोवा तुम्हर परमेसर के आघू म ओ जगह म
खावव, जेला परमेसर ह चुनही।
21 पर कहूं पसु म दोस हवय याने कि ओह खोरवा या कनवां हे, या ओमा कोनो गंभीर दोस हवय, त तुमन
ओला यहोवा तुम्हर परमेसर बर बलिदान झन करव।
22 ओला तुमन अपन खुद के नगर म खावव। संस्कारिक रूप ले सुध अऊ असुध दूनों किसम के मनखे ओला
खा सकत हें, जइसे कि कोनो चिकारा या हिरन ला खाथें।
23 पर धियान रहय कि तुमन ओकर खून ला झन खावव; ओला पानी सहीं बाहिर भुइयां म रितो दव।

16

??? ?? ??????

1 अबीब* के महिना ला मानव अऊ यहोवा अपन परमेसर बर फसह तिहार मनावव, काबरकि अबीब के
महिना म ओह रथिया के बेरा तुमन ला मिसर देस ले निकालके लाने रिहिस।
2 यहोवा अपन परमेसर बर अपन गाय-बईला या भेड़-बकरी के झुंड म ले एक ठन पसु ला फसह के रूप म ओ
जगह म बलिदान चघावव, जेला यहोवा ह अपन नांव बर निवास के रूप म चुनही।
3 ओला खमीर मिले हुए रोटी के संग झन खाहू, पर सात दिन तक बिगर खमीर मिले रोटी ला खावव याने कि
दुख के रोटी खावव, काबरकि तुमन मिसर देस ले जल्दबाजी म निकले रहेव—ताकि तुमन ला मिसर ले निकल
आय के बेरा ह जिनगी भर सुरता रहय।
4 तुम्हर पूरा देस म सात दिन तक तुम्हर करा कोनो खमीर झन दिखय। पहिला दिन के संझा के बेरा चघाय
गय मांस के बलिदान म ले कुछू भी बिहनियां तक झन बचय।
5 तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के दुवारा तुमन ला दिये गय कोनो भी नगर म फसह के बलिदान ला झन चघाहू,
6 पर सिरिप ओहीच जगह म चघाहू, जेला यहोवा ह अपन नांव बर निवास के रूप म चुनही। उहां संझा के
बेरा, जब सूरज ह ढरथे, तब तुमन मिसर ले निकले के सालाना उत्सव के रूप म फसह के बलिदान ला चघावव।
7 तुमन मांस ला ओ जगह म भूंजव अऊ खावव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह चुनही। तब बिहनियां
अपन-अपन तम्बू म लहुंट जावव।
8 छै दिन तक बिगर खमीर मिले हुए रोटी ला खावव अऊ सातवां दिन यहोवा तुम्हर परमेसर बर एक सभा
करव अऊ ओ दिन काम झन करव।

????????? ?? ?????

9 जब तुमन खड़े फसल ला लुए बर हंसिया चलाय के सुरू करथव, त ओ दिन ले लेके सात हप्ता गन लेवव।
10 तब यहोवा तुम्हर परमेसर ह जऊन आसीस तुमन ला देय हवय, ओकर अनुपात म एक स्वेच्छा-बलिदान
देय के दुवारा तुमन यहोवा अपन परमेसर बर हप्तामन के तिहार मनावव।
11 अऊ यहोवा अपन परमेसर के आघू म ओ जगह म आनंद मनावव, जेला ओह अपन नांव बर निवास के
रूप म चुनही—तुमन, तुम्हर बेटा-बेटी, तुम्हर सेवक-सेविका, तुम्हर नगर के लेवी, अऊ तुम्हर बीच रहइया
परदेसी, अनाथ अऊ बिधवा, जम्मो के जम्मो आनंद मनावव।
12 सुरता रखव कि तुमन मिसर देस म गुलाम रहेव, अऊ धियान देके ये बिधिमन के पालन करव।

?????-????????? ?? ?????

* **16:1** ???? ला बाद म ????? ??? ???

13 अपन कोठार अऊ अंगूर के रसकुंड ले ऊपज ला संकेले के सात दिन के बाद तुमन पबितर-तम्बूमन के
तिहार मनावव।†
14 अपन तिहार म आनंद मनावव—तुमन, तुम्हर बेटा-बेटी, तुम्हर सेवक-सेविका, अऊ लेवी, परदेसी, अनाथ
अऊ तुम्हर नगर म रहइया बिधवा, जम्मो के जम्मो आनंद मनावव।
15 सात दिन तक यहोवा तुम्हर परमेसर बर ओ जगह म आनंद मनावव, जेला यहोवा ह चुनही। काबरकि
यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला तुम्हर जम्मो ऊपज अऊ तुम्हर हांथ के जम्मो काम म आसीस दीही, अऊ
तुम्हर आनंद ह पूरा होही।
16 साल म तीन बार तुम्हर जम्मो आदमीमन यहोवा तुम्हर परमेसर के आघू म ओ जगह म उपस्थित होवंय,
जेला ओह चुनही: याने कि बिगर खमीर के रोटी के तिहार, हप्तामन के तिहार अऊ पबितर-तम्बूमन के तिहार के
बेरा उपस्थित होवंय। कोनो भी मनखे यहोवा के आघू म जुच्छा हांथ झन आवय:
17 हर एक झन यहोवा तुम्हर परमेसर के दिये आसीस के अनुपात म एक ठन भेंट जरूर लानय।

[illegible]

18 तुम्हर हर एक गोत्र बर हर ओ नगर म नियायधीस अऊ करमचारी नियुक्त करव, जेला यहोवा तुम्हर
परमेसर ह तुमन ला देवत हे, अऊ ओमन ईमानदारी से मनखेमन के नियाय करंय।
19 नियाय ला झन बिगाड़व या भेदभाव झन करव। घूस झन लेवव, काबरकि घूस ह बुद्धिमान मनखे के आंखी
ला अंधरा कर देथे अऊ निरदोस मनखे के गोठ ला बिगाड़ देथे।
20 नियाय अऊ सिरिप नियाय के पाछू चलव, ताकि तुमन जीयत रहव अऊ ओ देस ऊपर अधिकार करव,
जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे।

[illegible]

21 तुमन यहोवा अपन परमेसर बर बनाय गे बेदी के बाजू म लकड़ी के कोनो असेरा के खंभा झन खड़े करहू,
22 अऊ कोनो पबितर पथरा खड़े झन करहू, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह अइसने चीज ले घिन करथे।

17

1 तुमन यहोवा, अपन परमेसर ला अइसने कोनो बईला या भेड़ ला झन चघाहू, जेमा कोनो किसम के दोस या
खोट हवय, काबरकि येह ओकर नजर म घिनौना अय।
2 जऊन नगरमन ला यहोवा तुमन ला देय हवय, यदि ओमा के कोनो नगर म कोनो मनखे या माईलोगन तुम्हर
बीच म रहत हे अऊ ओह यहोवा, तुम्हर परमेसर के करार ला टोरे के दुवारा ओकर नजर म दुस्ट काम करथे,
3 अऊ मोर हुकूम के उल्टा आने देवतामन ला दंडवत करके अराधना करथे या सूरज या चंदा या अकास के
तारामन के अराधना करथे,
4 अऊ ये बात तुम्हर जानकारी म लाय जाथे, तब तुमन येकर पूरा जांच-पड़ताल करव। यदि येह सच पाय
जाथे अऊ येह साबित हो जाथे कि इसरायल म ये घिनौना काम करे गे हवय,
5 त तुमन ओ मनखे या माईलोगन, जऊन ह ये दुस्ट काम करे हवय, ओला अपन सहर के दुवार म ले जावव,
अऊ उहां ओला पथरवाह करके मार डारव।
6 दू या तीन गवाहमन के गवाही के दुवारा ही कोनो मनखे ला मऊत के सजा दिये जावय, पर सिरिप एक
गवाह के गवाही के दुवारा कोनो ला मऊत के सजा झन दिये जावय।
7 ओला मार डारे जाय म पहिले गवाहमन के हांथ होवय, अऊ तब जम्मो मनखेमन के हांथ उठय। ये किसम
ले तुमन अपन बीच ले बुरई ला दूर करव।

[illegible]

8 यदि तुम्हर अदालत म अइसने मामला आथे, जेकर नियाय करई बहुंत कठिन अय—चाहे ओह हतिया,
बिबाद या मारपीट के मामला होवय—त ओ मामला ला ओ जगह म ले जावव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
चुनही।
9 उहां तुमन ओ लेवी पुरोहितमन अऊ नियायधीस करा जावव, जेमन ओ बेरा पद म होहीं। ओमन ले
पुछताछ करव अऊ ओमन तुमन ला फैसला सुनाहीं।

† **16:13** देखव लैव्य 23:42

10 यहोवा के दुवारा चुने गय जगह म ओमन तुमन ला जऊन फैसला देथें, तुमन ओकरे मुताबिक काम करव।
ओमन जऊन निरदेस देथें, ओला पूरा करे म सावधानी बरतव।
11 ओमन तुमन ला जऊन बात सिखाथें अऊ तुमन ला जऊन निरदेस देथें, ओकर मुताबिक तुमन काम करव।
ओमन के कहे बात ले एती-ओती झन जावव, न तो जेवनी अऊ न ही डेरी।
12 जऊन भी मनखे यहोवा तुम्हर परमेसर के सेवकई करइया नियायधीस या पुरोहित के बात ला नइं मानय,
ओह मार डारे जावय। जरूरी अय कि तुमन इसरायल ले बुरई ला खतम करव।
13 जम्मो मनखेमन येला सुनहीं अऊ डरहीं, अऊ ओमन फेर नियायधीस या पुरोहित के बात के अनादर नइं
करहीं।

[illegible]

14 जब तुमन ओ देस म हबर जावव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे अऊ ओकर ऊपर
अधिकार कर लव अऊ ओमा बस जाय के बाद तुमन कहव, "आवव, हमर चारों कोति के देसमन के सहीं हमन
घलो अपन ऊपर एक राजा ठहिरावन,"
15 त धियान रहय कि जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह चुनथे, ओला तुमन अपन ऊपर राजा ठहिरावव। ओह
तुम्हर संगी इसरायलीमन के बीच म ले होवय। अपन ऊपर कोनो परदेसी ला राजा झन ठहिरावव, ओ मनखे
जऊन ह इसरायली नो हय।
16 येकर अलावा, जरूरी अय कि राजा अपन बर जादा संखिया म घोड़ा झन रखय या अऊ घोड़ा लाने के
बदले म राजा ह मनखेमन ला मिसर देस म गुलाम के रूप म झन पठोवय, काबरकि यहोवा ह तुमन ला कहे
हवय, "तुमन ला ओ रसता म फेर वापिस नइं जाना हे।"
17 राजा ह बहुंत घरवाली झन बनावय, नइं तो ओकर मन ह यहोवा कोति ले भटक जाही। जरूरी अय कि
ओह जादा सोन अऊ चांदी जमा झन करय।
18 जब ओह अपन राज के सिंघासन म बईठे, त ओह लेवी पुरोहितमन ले लिये गय ये कानून के एक नकल
करके अपन बर एक किताब बना ले।
19 येह ओकर संग रहय, अऊ ओह ओला अपन जिनगी भर पढ़य, ताकि ओह यहोवा ओकर परमेसर के आदर
करना सीखय अऊ धियान देके ये कानून अऊ ये बिधि के बातमन के पालन करय
20 अऊ अपनआप ला अपन संगी इसरायलीमन ले उत्तम झन समझय अऊ ये कानून ले न तो जेवनी जावय,
अऊ न ही डेरी।* तब ओह अऊ ओकर संतानमन इसरायल म ओकर राज ऊपर लम्बा समय तक सासन करहीं।

18

[illegible]

1 लेवीय पुरोहितमन—वास्तव म लेवी के पूरा गोत्र ला इसरायल के संग कोनो भाग या उत्तराधिकार नइं
मिलय। यहोवा ला चघाय गे जेवन-बलिदान ओमन ला मिलही, काबरकि ओह ओमन के भाग ए।
2 ओमन के संगी इसरायलीमन के बीच म ओमन के कोनो भाग नइं होही; यहोवा ह ओमन के भाग ए, जइसे
कि ओह ओमन ले वायदा करे हवय।
3 मनखेमन जऊन बईला या भेड़ ला बलिदान चघाहीं, ओमा ले पुरोहितमन ला ये चीजमन बांटा के रूप म
मिलही: कंधा, पेट के भीतर के चीजमन अऊ मुड़ के मांस।
4 तुमन पुरोहितमन ला अपन अनाज के पहिली फर देवव याने कि नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल, अऊ
तुम्हर भेड़मन ले कतरे पहिला ऊन,
5 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला अऊ ओमन के संतानमन ला तुम्हर जम्मो गोत्रमन ले चुने
हवय कि ओमन हमेसा यहोवा के आघू म ठाढ़ होवंय अऊ ओकर सेवा करंय।
6 कोनो लेवी ह इसरायल के तुम्हर कोनो नगर जिहां ओह रहत हे, यदि ओह ओ जगह ले सही मन से
इसरायल के कोनो आने जगह म आथे, जेला यहोवा ह चुनथे,
7 त ओह अपन ओ जम्मो संगी लेवीमन सहीं यहोवा अपन परमेसर के नांव म सेवा करय, जेमन उहां यहोवा
के आघू म सेवा करथें।

* **17:20** एकदम कानून के मुताबिक ही करय

8 ओला ओमन के जम्मो लाभ म बराबर भाग मिलय, हालाकि परिवारिक संपत्ति के बिक्री ले ओला पईसा
मिल गे हवय।

[illegible] [illegible]

9 जब तुमन ओ देस म जावव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे, त उहां आनजातमन के
घिनौना रीति-रिवाज के नकल करे बर झन सीखव।
10 तुम्हर बीच म अइसन कोनो मनखे झन पाय जावय, जऊन ह अपन बेटा या बेटी ला आगी म बलिदान
करथे, जऊन ह सकुन-बिचार या जादू करथे या सकुन के अर्थ बताथे या जादू-टोना करथे,
11 या सम्मोहन करथे, या जऊन ह भूतसाधक या बईगा अय या जऊन ह मरे मनखे के आतमा ले सम्पर्क
करथे।
12 जऊन ह अइसने काम करथे ओह यहोवा बर घिनौना अय, काबरकि इहीच घिनौना काम के कारन यहोवा
तुम्हर परमेसर ह ओ आनजातमन ला तुम्हर आघू ले भगा दीही।
13 जरूरी अय कि तुमन यहोवा अपन परमेसर के आघू म निरदोस रहव।

[illegible]

14 जऊन जातिमन ला तुमन बेदखल करहू, ओमन अइसने मनखेमन के बात सुनथें, जऊन मन जादू-टोना या
सकुन-बिचार करथें। पर जहां तक तुम्हर बात ए, यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला अइसे करे के अनुमति नइं दे
हवय।
15 यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर बर तुम्हर बीच ले, तुम्हर संगी इसरायलीमन ले मोर सहीं एक अगमजानी
ठाढ़ करही। तुमन ओकर बात जरूर सुनव।
16 काबरकि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर ले होरेब पहाड़ ऊपर सभा के दिन इही बात के मांग करे रहेव, जब
तुमन कहेव, "आवव, हमन यहोवा हमर परमेसर के अवाज ला नइं सुनन अऊ ये भयंकर आगी ला झन देखन,
नइं तो हमन मर जाबो।"
17 तब यहोवा ह मोला कहिस: "ओमन जऊन कुछू कहत हें ओह बने बात ए।
18 मेंह ओमन बर ओमन के संगी इसरायलीमन के बीच म ले तोर सहीं एक अगमजानी ला ठाढ़ करहूं, अऊ
मेंह अपन बात ओकर मुहूं म डालहूं। ओह ओमन ला ओ जम्मो बात बताही, जेकर हुकूम मेंह ओला दूहूं।
19 मेंह खुद ओ मनखे ला जिम्मेदार ठहिराहूं, जऊन ह मोर ओ बात ला नइं सुनही, जेला ओ अगमजानी ह
मोर नांव म बताही।
20 पर कोनो अगमजानी, जऊन ह मोर नांव म अपन मन के बात कहिथे, जेकर हुकूम मेंह नइं दे हंव, या कोनो
अगमजानी, जऊन ह आने देवता के नांव म गोठियाथे, त ओह मार डारे जावय।"
21 तुमन अपनआप ले कह सकत हव, "हमन कइसे जानबो कि ओ संदेस ला यहोवा ह नइं दे हवय?"
22 जब कोनो अगमजानी ह यहोवा के नांव म कोनो बात के घोसना करथे अऊ ओ बात ह ओकर घोसना के
मुताबिक नइं होवय या ओ बात ह सच साबित नइं होवय, त फेर ओ संदेस ला यहोवा ह नइं दे हवय। ओ
अगमजानी ह अपन मन से ओ बात ला कहे हवय, एकरसेति तुमन झन डरहू।

19

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओ जाति-जाति के मनखेमन ला नास कर दीही, जेमन के देस तुमन ला देवत
हे, अऊ जब तुमन ओमन ला भगा दूहू अऊ ओमन के नगर अऊ घरमन म बस जाहू,
2 तब ओ देस, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला तुम्हर अधिकार म देवत हे, उहां अपन बर तीन सहर
ला अलग करव।
3 तुमन उहां जाय बर डहार बनावव* अऊ ओ देस ला तीन भाग म बांटव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला तुम्हर उत्तराधिकार के रूप म देवत हे, ताकि ओ मनखे जऊन ह कोनो मनखे के हतिया कर देथे, त ओह
सरन लेय बर येमा के कोनो एक सहर म भागके जा सकय।

---

* **19:3** उहां जाय बर दूरी तय करव

4 जऊन मनखे कोनो आने मनखे के हतिया करके अपन सुरकछा बर येमा के कोनो सहर म भागके जाथे, त
ओकर बर ये नियम अय—कोनो मनखे अपन परोसी के हतिया बिगर इरादा, बिगर बईरता अऊ बिगर
सोचे-बिचारे कर देथे।
5 उदाहरन के रूप म, जब कोनो मनखे अपन परोसी के संग लकड़ी काटे बर जंगल म जाथे, अऊ टांगा ला
उठाके लकड़ी काटत बेरा, टांगा ह बेंट ले निकलके ओकर परोसी ला लगथे अऊ ओकर परोसी ह मर जाथे, त
ओ मनखे ह येमा के कोनो एक सहर म भागके अपन परान बचा सकत हे।
6 नइं तो खून के बदला लेवइया ह कोरोध म ओकर पीछा कर सकथे अऊ यदि रसता ह बहुंत लम्बा हवय, त
ओह ओला पकड़के मार सकथे, हालाकि ओह मिरतू-दंड के लईक काम नइं करे हवय, काबरकि ओकर मन म
अपन परोसी बर कोनो बईरता के भाव नइं रिहिस।
7 एकरसेति मेंह तुमन ला हुकूम देवत हंव कि तुमन अपन बर तीन सहर ला अलग रखव।
8 यदि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर सीमना ला बढ़ाथे, जइसे कि ओह सपथ खाके तुम्हर पुरखामन ले
वायदा करे रिहिस, अऊ ओह ओमन के संग करे वायदा के मुताबिक पूरा देस तुमन ला देथे,
9 काबरकि तुमन धियान देके ये जम्मो कानूनमन ला मानथव, जेकर हुकूम मेंह आज तुमन ला देवत
हंव—यहोवा अपन परमेसर ले मया करव अऊ हमेसा हुकूम मानके ओकर रसता म चलव—त तुमन तीन अऊ
सहर ला अलग करव।
10 अइसने करव ताकि ओ निरदोस के खून तुम्हर ये देस म झन बहाय जावय, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला तुम्हर उत्तराधिकार के रूप म देवत हे, अऊ ये किसम ले खून करे के दोस तुम्हर ऊपर नइं लगही।
11 पर यदि कोनो मनखे अपन परोसी ले बईरता रखके ओकर घात म रहिथे अऊ हमला करके ओला मार
डारथे, अऊ तब येमा के कोनो एक सहर म भाग जाथे,
12 त फेर सहर के अगुवामन कोनो ला पठोके ओला ओ सहर ले वापिस लानंय, अऊ ओला बदला लेवइया के
हांथ म सऊंप देवंय ताकि ओह मार डारे जावय।
13 ओकर ऊपर दया झन देखावव। जरूरी अय कि तुमन इसरायल ले निरदोस के खून के दोस ला दूर करव,
ताकि तुम्हर भलई होवय।†
14 यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला जऊन देस देवत हे कि तुमन ओकर ऊपर अधिकार करव याने कि जऊन
देस ह तुमन ला उत्तराधिकार म मिलथे, उहां तुम्हर बाप-ददामन तुम्हर परोसी के जऊन सीमना के पथरा
ठहिराथें, ओला झन हटाहू।

[illegible]

15 कोनो मनखे ला ओकर करे गय कोनो अपराध या पाप के दोसी ठहिराय बर एक गवाह के गवाही ह
परयाप्त नो हय। कोनो भी बात के पुस्टि करे बर दू या तीन गवाह के गवाही जरूरी अय।
16 यदि कोनो बईरता रखनेवाला गवाह काकरो ऊपर कोनो अपराध के दोस लगाथे,
17 त ओ दूनों मनखे, जेमन झगड़ा म सामिल रहिथें, ओमन यहोवा के उपस्थिति म उहां बईठे पुरोहित अऊ
नियायधीसमन के आघू म ठाढ़ होवंय।
18 नियायधीसमन पूरा जांच-पड़ताल करंय, अऊ यदि गवाह ह कोनो संगी इसरायली के बिरूध गवाही देवत
लबरा साबित होवय,
19 तब तुमन ओ लबरा गवाह के संग वइसे करव, जइसे ओह दूसर झन के संग करे के इरादा करत रिहिस।
तुमन अपन बीच ले बुरई ला जरूर साफ करव।
20 बाकि मनखेमन ये बात ला सुनके डर जाहीं, अऊ फेर कभू तुम्हर बीच म अइसे दुस्ट काम नइं करे जाही।
21 तुमन दया झन देखावव: परान के बलदा परान, आंखी के बलदा आंखी, दांत के बलदा दांत, हांथ के बलदा
हांथ, गोड़ के बलदा गोड़।

20

[illegible] [illegible] [illegible]

† **19:13** देखव गन 35:33-34

1 जब तुमन अपन बईरीमन के बिरूध लड़ई करे बर जावव, अऊ घोड़ा अऊ रथ अऊ अपन ले जादा बड़े सेना
ला देखव, त ओमन ले झन डरव, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर, जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले बाहिर
लानिस, ओह तुम्हर संग होही।
2 जब तुमन लड़ई करे बर जावव, त पुरोहित ह आघू आवय अऊ सेना ले बात करय।
3 ओह ओमन ले कहय: "हे इसरायलीमन, सुनव: आज तुमन तुम्हर बईरीमन के बिरूध लड़ई करे बर जावत
हव। डरपोक झन बनव या झन डरव; आतंकित झन होवव या ओमन के दुवारा भयभीत झन होवव।
4 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर संग तुम्हर कोति ले लड़े बर जावत हे अऊ ओह तुम्हर बईरीमन के
बिरूध तुमन ला जीत देवाही।"
5 तब अधिकारीमन सैनिकमन ला कहंय: "का कोनो अइसने हवय, जऊन ह नवां घर बनाय हवय अऊ ओमा
अब तक रहे के सुरू नइं करे हवय? त ओह अपन घर जावय, नइं तो लड़ई म ओह मर सकत हे अऊ कोनो आने
मनखे ओकर घर म रहे के सुरू कर सकत हे।
6 का कोनो अइसने हवय, जऊन ह एक अंगूर के बारी लगाय हवय अऊ ओकर फर खाय के आनंद नइं उठाय
हवय? त ओह अपन घर जावय, नइं तो लड़ई म ओह मर सकत हे अऊ कोनो आने मनखे ओकर बारी के फर
खाय के आनंद उठाही।
7 का कोनो अइसने हवय, जेकर बिहाव के बात कोनो माईलोगन के संग तय हो गे हवय, पर ओकर बिहाव ओ
माईलोगन संग नइं होय हवय? त ओह अपन घर जावय, नइं तो लड़ई म ओह मर सकत हे अऊ कोनो आने
मनखे ओ माईलोगन ले बिहाव कर लीही।"
8 तब अधिकारीमन ये घलो कहंय, "का कोनो अइसने हवय, जऊन ह डरथे या डरपोक हिरदय के अय? त
ओह अपन घर जावय, ताकि ओकर संगी सैनिकमन घलो हतास झन होवंय।"
9 जब अधिकारीमन सैनिकमन ले बात कर लेवंय, तब ओमन सैनिकमन ऊपर सेनापतिमन ला ठहिरावंय।
10 जब तुमन कोनो सहर ऊपर हमला करे बर आघू बढ़व, त तुमन उहां के मनखेमन ले सांति के प्रस्ताव रखव।
11 यदि ओमन ये प्रस्ताव ला मानके सहर के दुवार ला खोल देवंय, त उहां के जम्मो मनखेमन तुम्हर बंधुवा
मजदूर होहीं अऊ तुम्हर बर काम करहीं।
12 पर यदि ओमन सांति के प्रस्ताव ला स्वीकार नइं करंय अऊ तुमन ले लड़ई करे चाहंय, त तुमन ओ सहर के
घेराबंदी कर लव।
13 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओ सहर ला तुम्हर अधीन कर देथे, त तुमन उहां के जम्मो आदमी ला तलवार
ले मार डारव।
14 जहां तक माईलोगन, लइका, पसु अऊ सहर के आने चीजमन के बात ए, तुमन येमन ला लूट के सामान के
रूप म अपन बर रख लव। अऊ तुमन ओ लूट के सामान के उपयोग कर सकत हव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर
ह तुमन ला तुम्हर बईरीमन ले देथे।
15 तुमन ओ जम्मो सहरमन के संग अइसने ही बरताव करव, जेमन तुम्हर ले दूरिहा म हवंय अऊ लकठा के
जातिमन के नो हंय।
16 पर ओ जाति के सहरमन, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला तुम्हर उत्तराधिकार म देवत हे, उहां के
कोनो परानी ला जीयत झन छोंड़व।
17 ओमन ला पूरा नास कर दव—हित्ती, अमोरी, कनानी, परिज्जी, हिब्बी अऊ यबूसी जम्मो ला—जइसे कि
यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला हुकूम दे हवय।
18 नइं तो, ओमन तुमन ला ओ जम्मो घिनौना चीज करे बर सिखा दीहीं, जेला ओमन अपन देवतामन के पूजा
करे के बेरा म करथें, अऊ तुमन यहोवा अपन परमेसर के बिरूध पाप करहू।
19 जब तुमन कोनो सहर ऊपर कब्जा करे बर ओकर बिरूध लड़व अऊ ये दौरान ओ सहर के लम्बा समय तक
घेराबंदी करव, त टांगा चलाके उहां के रूखमन ला झन काटव, काबरकि ओमन के फर तुम्हर खाय के काम
आहीं। एकरसेति ओमन ला झन काटव। का रूखमन मनखे अंय कि तुमन ओमन के घेराबंदी करव?
20 पर तुमन ओ रूखमन ला काट सकत हव, जेमन ला तुमन जानत हव कि ओमन फरवाले रूख नो हंय; अऊ
ओ रूखमन के उपयोग घेराबंदी म करव, जब तक कि ओ सहर ह तुम्हर कब्जा म नइं आ जावय।

21

[illegible]

1 ओ देस म, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर तुम्हर अधिकार म देवत हे, यदि उहां कोनो मरे मनखे मैदान म पड़े
हुए मिलथे, अऊ ये बात के पता नइं ए कि ओकर हतियारा कोन ए,
2 त तुम्हर अगुवा अऊ नियायधीसमन जावंय अऊ जिहां ओ लास ह पड़े हवय, उहां ले लकठा के नगरमन के
दूरी ला नापंय।
3 तब ओ लास के सबले लकठा के नगर के अगुवामन एक अइसे बछिया ला लें, जऊन ह कभू काम नइं करे
हवय अऊ जेकर ऊपर कभू जुड़ा नइं रखे गे हवय।
4 तब ओमन ओला खाल्हे कोति एक अइसे घाटी म ले जावंय, जिहां कभू नांगर नइं जोते गे हवय या जिहां
कभू कुछू नइं बोय गे हवय अऊ जिहां पानी के बहत एक सोता होवय। उहां ओ घाटी म, ओमन ओ बछिया के
घेंच ला टोर देवंय।
5 तब लेवीय पुरोहितमन आघू आवंय, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला चुने हवय कि ओमन सेवा
करंय अऊ यहोवा के नांव म आसीस देवंय अऊ झगड़ा अऊ मारपीट के जम्मो मामला के फैसला करंय।
6 तब ओ लास के लकठा के नगर के जम्मो अगुवामन अपन हांथ ओ बछिया के ऊपर धोवंय, जेकर घेंच ला
घाटी म टोर दिये गे हवय,
7 अऊ ओमन ये घोसना करंय: "ये खून हमन नइं करे हन, अऊ न ही खून करत हमन कोनो ला देखे हन।
8 हे यहोवा, अपन इसरायली मनखेमन बर ये प्रायस्चित ला स्वीकार कर, जेमन ला तेंह छोंड़ाय हस, अऊ
अपन मनखेमन ला एक निरदोस मनखे के खून के दोसी झन ठहिरा।" तब ओ हतिया के दोस ह छेमा हो जाही,
9 अऊ ये किसम ले तुमन अपनआप ला एक निरदोस मनखे के खून के दोस ले सुध करहू, काबरकि तुमन ओ
काम करेव, जऊन ह यहोवा के नजर म सही अय।

[illegible]

10 जब तुमन अपन बईरीमन ले लड़ई करे बर जावव अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला तुम्हर हांथ म
कर देवय अऊ तुमन ओमन ला बंदी बना लेवव,
11 यदि ओ बंदी मनखेमन के बीच कोनो सुघर माईलोगन कोति तोर धियान ह जाथे अऊ तेंह ओकर कोति
मोहित होथस, त तेंह ओला अपन घरवाली के रूप म ले सकत हस।
12 ओला अपन घर म ले आबे अऊ ओकर मुड़ के बाल के मुंडन करबे अऊ ओकर नाखूनमन ला कतर देबे
13 अऊ बंदी बनाय गे बेरा ओह जऊन कपड़ा पहिरे रिहिस, ओला अलग कर देबे। जब ओह तोर घर म रहिके
एक महिना तक अपन दाई-ददा बर सोक मना लीही, तब तेंह ओकर करा जा सकत हस अऊ तेंह ओकर
घरवाला अऊ ओह तोर घरवाली हो जाही।
14 यदि तें ओकर ले खुस नइं होवस, त ओह जिहां जाय बर चाहय, तें ओला उहां जावन देबे। तें ओला झन
बेचबे या ओकर संग एक गुलाम के सहीं बरताव झन करबे, काबरकि तेंह ओकर अपमान करे हस।

[illegible]

15 यदि कोनो मनखे के दू घरवाली हवंय, अऊ ओह एक झन ले मया करथे अऊ दूसर ले नइं, अऊ दूनों
घरवालीमन ओकर ले बेटा जनमंय, पर पहिलांत बेटा ओ घरवाली के अय, जेकर ले ओह मया नइं करय,
16 त जब ओह संपत्ति के बंटवारा करय, त ओ बेटा ला पहिलांत के अधिकार झन देवय, जेकर दाई ले ओह
मया करथे, एकर बदले कि जऊन ह सही के पहिलांत अय अऊ जेकर दाई ले ओह मया नइं करय।
17 जऊन घरवाली ला ओह मया नइं करय, ओकर बेटा ला अपन जम्मो संपत्ति के दू गुना बांटा देके ओकर
पहिलांत के अधिकार ला मानय। ओ बेटा ह अपन ददा के पौरूस के पहिला चिनहां अय। पहिलांत के अधिकार
ओकर अय।

[illegible]

18 यदि कोनो मनखे के बेटा ह जिद्दी अऊ बिदरोही सुभाव के अय अऊ ओह अपन दाई-ददा के बात ला नइं
मानय अऊ ओकर ताड़ना करे ले घलो ओमन के बात ला नइं सुनय,
19 त ओकर दाई-ददा ओला पकड़के अपन नगर के दुवार म अगुवामन करा ले जावंय।

20 ओमन अगुवामन ले कहंय, “हमर ये बेटा ह जिद्दी अऊ बिदरोही सुभाव के अय। ओह हमर बात नइं
मानय। ओह पेटू अऊ मतवार ए।”
21 तब नगर के जम्मो मनखेमन पथरवाह करके ओला मार डारंय। तुमन अपन बीच ले अइसन बुरई ला दूर
करव। जम्मो इसरायलीमन ये बात ला सुनके डरहीं।

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

22 यदि कोनो मनखे ह मिरतू-दंड के दोसी अय, अऊ ओला मार डारे गे हवय अऊ ओकर लास ला खंभा म
टांग दिये गे हवय,
23 त तुमन ओ लास ला रात भर ओ खंभा म टंगे झन रहन दव। ये बात के धियान रखव कि ओला ओहीच दिन
माटी दे दिये जावय, काबरकि जेला खंभा म टांग दिये जाथे, ओह परमेसर कोति ले सरापित ठहिरथे। तुमन ओ
देस ला अपबितर झन करहू, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला तुम्हर उत्तराधिकार म देवत हे।

22

1 यदि तें देखथस कि तोर संगी इसरायली के कोनो बईला या भेड़ ह भटक गे हवय, त तें ओकर अनदेखी झन
करबे, पर धियान सहित ओला ओकर मालिक करा वापिस पहुंचा देबे।
2 यदि तोर ओ संगी इसरायली ह तोर लकठा म नइं रहय या यदि तेंह नइं जानस कि ओ बईला या भेड़ के
मालिक कोन ए, त तें ओला अपन घर ले जाबे अऊ ओला तब तक अपन करा रखे रहिबे, जब तक कि ओकर
मालिक ह ओला खोजत नइं आ जावय। तब तें ओला ओकर मालिक ला वापिस दे देबे।
3 यदि तोला ओमन के गंवाय कोनो गदहा या कपड़ा या कोनो आने चीज मिलथे, त ओमन के बारे म घलो
अइसने ही करबे। ओकर अनदेखी झन करबे।
4 यदि तें तोर संगी इसरायली के कोनो गदहा या बईला ला रसता म गिरे-परे देखथस, त ओला अनदेखा झन
करबे। ओला उठाके ठाढ़ करे म ओकर मालिक के मदद करबे।
5 कोनो माईलोगन ह आदमी के कपड़ा ला झन पहिरे, अऊ न ही कोनो आदमी ह माईलोगन के कपड़ा ला
पहिरे, काबरकि जऊन ह अइसे करथे, ओकर ले यहोवा तुम्हर परमेसर ह घिन करथे।
6 यदि तोला रसता के तीर म कोनो चिरई के खोंधरा दिखय, चाहे ओह कोनो रूख म होवय या भुइयां म, अऊ
माई चिरई ह लइकामन संग या अंडा ऊपर बईठे हवय, त माई ला लइकामन के संग झन ले जाबे।
7 तेंह लइकामन ला ले सकत हस, पर माई चिरई ला जरूर छोंड़ देबे, ताकि तोर भलई होवय अऊ तोर उमर
ह घलो लम्बा होवय।
8 जब तेंह कोनो नवां घर बनाथस, त छत म चारों कोति मुन्डेर बनाबे, ताकि यदि कोनो छत ले गिर जावय, त
तोर ऊपर खून के दोस झन लगय।
9 अपन अंगूर के बारी म दू किसम के बीजा झन लगाबे; यदि तेंह अइसने करबे, त न सिरिप तोर लगाय
फसल, पर तोर अंगूर के बारी के फर घलो असुध हो जाही।
10 बईला अऊ गदहा ला एक संग फांदके नांगर झन जोतबे।
11 ऊन अऊ सन ला एक संग मिलाके बनाय गे कपड़ा ला झन पहिरबे।
12 अपन पहिरे के कपड़ा के चारों कोना म झालर लगवाबे।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

13 यदि कोनो आदमी ह कोनो माईलोगन ले बिहाव करथे, अऊ ओकर संग सुते के बाद ओला पसंद नइं करय
14 अऊ ओकर निन्दा करथे अऊ ये कहिके ओकर ऊपर लांछन लगाथे, “में ये माईलोगन ले बिहाव करेंव, पर
जब में ओकर संग सुतेंव, त मोला ओकर कुंवारी होय के सबूत नइं मिलिस,”
15 तब ओ माईलोगन के दाई-ददा नगर के दुवार म अगुवामन करा ओ माईलोगन के कुंवारी होय के सबूत
लानंय।
16 ओकर ददा ह अगुवामन ला कहय, “में ये आदमी ले मोर बेटी के बिहाव करंय, पर येह मोर बेटी ला पसंद
नइं करय।
17 अब ओह ओला बदनाम करत कहत हे, ‘मोला तुम्हर बेटी म कुंवारी होय के कोनो सबूत नइं मिलिस।’ पर
ये हवय मोर बेटी के कुंवारीपन के सबूत।” तब ओकर दाई-ददा नगर के अगुवामन के आघू म ओ कपड़ा ला
देखावंय,

18 अऊ अगुवामन ओ आदमी ला दंड देवंय।
19 ओमन ओ आदमी ऊपर चांदी के एक सौ सेकेल* के जुरबाना लगावंय अऊ ओ जुरबाना ला ओ जवान
माईलोगन के ददा ला देवंय, काबरकि ये आदमी ह एक इसरायली कुंवारी ला बदनाम करे हवय। ओ माईलोगन
ह ओकर घरवाली बने रहय; जब तक ओ आदमी ह जीयत हवय, तब तक ओह ओ माईलोगन ला तलाक झन
देवय।
20 पर यदि दोस ह सही पाय जाथे अऊ ओ जवान माईलोगन के कुंवारीपन के कोनो सबूत नइं मिलय,
21 त ओला ओकर ददा के घर के कपाट करा लाने जावय अऊ उहां ओकर नगर के मनखेमन ओला पथरवाह
करके मार डारंय। ओह अपन ददा के घर म रहत बेभिचार करके इसरायल म बुरई करे हवय। जरूरी अय कि
तुमन अपन बीच ले बुरई ला दूर करव।
22 यदि कोनो मनखे ह कोनो आने मनखे के घरवाली के संग सुतत पाय जाथे, त जऊन मनखे ह ओ माईलोगन
के संग सुते हवय अऊ ओ माईलोगन, दूनों मार डारे जावंय। जरूरी अय कि तुमन इसरायल ले बुरई ला दूर
करव।
23 यदि कोनो कुंवारी कन्या के बिहाव के बात तय हो गे हवय, अऊ कोनो आने मनखे कोनो नगर म ओकर ले
मिलथे अऊ ओकर संग सुतथे,
24 त तुमन ओ दूनों ला ओ नगर के दुवार म ले जावव अऊ पथरवाह करके ओमन ला मार डारव—ओ जवान
माईलोगन ला एकरसेति मार डारव काबरकि ओह एक नगर म रिहिस अऊ मदद बर नइं चिचियाईस, अऊ ओ
मनखे ला एकरसेति मार डारव काबरकि ओह आने मनखे के घरवाली के सीलभंग करे हवय। जरूरी अय कि
तुमन अपन बीच ले बुरई ला दूर करव।
25 पर यदि कोनो जवान माईलोगन के बिहाव के बात तय हो गे हवय, अऊ कोनो आने मनखे ओला खेत-खार
म देखके ओकर संग कुकरम करथे, त सिरिप ओ मनखे ह मार डारे जावय।
26 ओ माईलोगन के संग कुछू झन करव; ओह मिरतू-दंड पाय के लईक कोनो पाप नइं करे हवय। ये मामला ह
वइसने अय, मानो कोनो मनखे ह हमला करथे अऊ अपन परोसी ला मार डारथे,
27 काबरकि ओ मनखे ह ओ जवान माईलोगन ला खेत-खार म पाईस, अऊ हालाकि ओ माईलोगन ह
चिचियाईस, जेकर मंगनी हो गे रिहिस, पर उहां ओला बचइया कोनो नइं रिहिस।
28 यदि कोनो मनखे कोनो अइसने कुंवारी कन्या ले मिलथे, जेकर बिहाव तय नइं होय हवय अऊ ओह ओकर
संग कुकरम करथे अऊ दूनों पकड़े जाथें,
29 त ओ मनखे ह ओ माईलोगन के ददा ला चांदी के पचास सेकेल† देवय, अऊ जरूरी अय कि ओ मनखे ह
ओ माईलोगन ले बिहाव करय, काबरकि ओह ओ माईलोगन के सीलभंग करे हवय। ओह अपन जिनगी भर
ओला तलाक नइं दे सकय।
30 कोनो मनखे अपन ददा के घरवाली‡ ले बिहाव झन करय; ओह अपन ददा के बिस्तर के अनादर झन
करय।§

23

[illegible]

1 अइसने मनखे, जेकर अंडकोस कुचरे गे हवय या जेकर लिंग ला काट डारे गे हवय, ओह यहोवा के सभा के
भीतर झन आवय।
2 अवैध रूप ले जनमे कोनो भी मनखे या ओकर संतान यहोवा के सभा के भीतर झन आवंय, अऊ त अऊ
दसवां पीढ़ी तक ओकर संतान यहोवा के सभा के भीतर झन आवंय।
3 कोनो अमोनी या मोआबी* या ओमन के कोनो संतान यहोवा के सभा के भीतर झन आवंय, इहां तक कि
ओमन के दसवां पीढ़ी तक ओमन के कोनो संतान यहोवा के सभा म झन आवंय।
4 काबरकि जब तुमन मिसर देस ले निकलके आवत रहेव, त ओमन रोटी अऊ पानी लेके तुम्हर ले भेंट करे बर
नइं आईन, अऊ अरम-नहरैम† देस के पतोर नगर के बेओर के बेटा बिलाम ला पईसा देके ओकर सेवा लीन कि
ओह तुमन ला सराप देवय।

---

* **22:19** लगभग 1.2 किलोग्राम † **22:29** लगभग 575 ग्राम या गांव के हिसाब म 50 दिन के बनी ‡ **22:30** सायद सौतेली दाई § **22:30** इबरानी भासा के अनुवाद म पद (22:30) ला 23:1 के रूप म गने गे हवय * **23:3** अमोनी अऊ मोआबीमन लूत कोति ले ओकर बेटीमन के दुवारा जनमे अवैध बेटामन के संतान रिहिन (उत 19:30-38) † **23:4** उत्तर-पछिम मेसोपोटामिया

5 पर यहोवा तुम्हर परमेसर ह बिलाम के बात ला नइं सुनिस पर ओकर सराप ला तुम्हर बर आसीस म बदल
दीस, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर ले मया करथे।
6 जब तक तेंह जीयत हस, तब तक अमोनी या मोआबीमन के संग संगवारी होय के कोनो समझौता झन
करबे।
7 तुमन कोनो एदोमी‡ ला तुछ झन समझहू, काबरकि एदोमीमन तुम्हर रिस्तेदार अंय। तुमन कोनो मिसरी
ला तुछ झन जानहू, काबरकि तुमन ओमन के देस म परदेसी के रूप म रहत रहेव।
8 ओमन के तीसरा पीढ़ी म जनमे संतानमन यहोवा के सभा म आ सकत हें।

[illegible]

9 जब तुमन अपन बईरीमन के बिरूध डेरा डालव, त ओ जम्मो चीज ले दूरिहा रहव, जऊन ह असुध अय।
10 यदि तुम्हर कोनो मनखे ह अपनआप बीर्यपात होय के कारन असुध हो गे हवय, त ओह डेरा के बाहिर जाके
उहां रहय।
11 पर जब सांझ होथे, त ओह अपनआप ला धोवय, अऊ बेर बुड़े के बेरा ओह डेरा म वापिस आवय।
12 दिसा मैदान बर डेरा के बाहिर अपन बर एक जगह तय करव।
13 औजार के रूप म तुम्हर करा खंचवा कोड़े बर कुछू होवय, अऊ जब तुमन बाहिर फिरे बर बईठव, त खंचवा
कोड़के अपन मल ला ढांप दव।
14 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला बचाय बर अऊ तुम्हर बईरीमन ला तुम्हर हांथ म करे बर
तुम्हर डेरा म चलते-फिरथे। जरूरी अय कि तुम्हर डेरा पबितर रहय, ताकि अइसन झन होवय कि ओह तुम्हर
बीच म कोनो अपबितर चीज देखके तुम्हर ले दूरिहा चले जावय।

[illegible]

15 यदि कोनो गुलाम ह अपन मालिक ले भागके तोर करा सरन ले हवय, त ओला ओकर मालिक के हांथ म
झन कर देबे।
16 ओह तुम्हर बीच म जिहां चाहय, उहां रहय अऊ जऊन भी नगर ला ओह पसंद करय, उहां ओह रहय।
ओकर ऊपर अतियाचार झन करहू।
17 कोनो भी इसरायली पुरूस या महिला मंदिर के बेस्या झन बनय।
18 तुमन कोनो महिला बेस्या या पुरूस बेस्या§ के कमई ला यहोवा तुम्हर परमेसर के घर म मन्नत के रूप म
देय बर झन लानहू, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह दूनों चीज ले घिन करथे।
19 तुमन कोनो इसरायली ले कोनो चीज के बियाज झन लूहू, चाहे ओह पईसा होवय या जेवन या कोनो आने
चीज, जेकर ले बियाज कमाय जा सकत हे।
20 तुमन कोनो परदेसी ले बियाज ले सकत हव, पर अपन संगी इसरायली ले नइं, ताकि जऊन देस ऊपर
अधिकार करे बर तुमन जावत हव, उहां जऊन काम म तुमन हांथ लगावव, ओ जम्मो काम म यहोवा तुम्हर
परमेसर तुमन ला आसीस देवय।
21 यदि तुमन यहोवा अपन परमेसर बर कोनो मन्नत मानव, त ओला पूरा करे म देरी झन करव, काबरकि
यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओ मन्नत ला पूरा करे के मांग करही अऊ देरी करे के दुवारा तुमन पाप करे के दोसी
ठहिरहू।
22 पर यदि तुमन मन्नत ही नइं मानहू, त तुमन दोसी नइं ठहिरहू।
23 जऊन भी बात तुम्हर मुहूं ले निकलथे, ओला जरूर पूरा करव, काबरकि तुमन खुद होके यहोवा अपन
परमेसर बर अपन मुहूं ले मन्नत माने हव।
24 यदि तुमन अपन परोसी के अंगूर के बारी म जावव, त तुमन जतेक चाहव ओतेक अंगूर खा सकत हव, पर
अपन टुकना म एको ठन भी झन रखव।
25 यदि तुमन अपन परोसी के खड़े फसलवाले खेत म जावव, त तुमन अपन हांथ ले बालीमन ला टोर सकत
हव, पर तुमन ओकर खड़े फसल ला हंसिया ले झन लुवव।

---

‡ **23:7** एदोमीमन याकूब (इसरायल) के भाई एसाव के संतान रिहिन (उत 36:1) § **23:18** इबरानी म [illegible]

24

1 यदि कोनो मनखे कोनो माईलोगन ले बिहाव करथे अऊ ओमा कुछू अनुचित बात पाके ओला पसंद नइं
करय, अऊ ओ माईलोगन ला तियाग पतर लिखके देथे अऊ ओला अपन घर ले पठो देथे,
2 अऊ ओकर घर छोंड़े के बाद, यदि ओ माईलोगन ह आने मनखे के घरवाली बन जाथे,
3 अऊ ओकर दूसरा घरवाला ओला नापसंद करथे अऊ ओला तलाकनामा लिखके देथे अऊ ओला अपन घर
ले निकाल देथे, या फेर ओ दूसरा घरवाला ह मर जाथे,
4 तब ओकर पहिले के घरवाला, जऊन ह ओला तलाक देय रिहिस, ओला ओ माईलोगन ले फेर बिहाव करे के
अनुमति नइं ए, काबरकि ओ माईलोगन ह असुध हो गे हवय। येह यहोवा के नजर म घिनौना होही। तुमन ओ
देस ऊपर पाप झन लानव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला एक उत्तराधिकार के रूप म देवत हे।
5 यदि कोनो मनखे ह नवां-नवां बिहाव करे हवय, त ओला लड़ई म झन भेजे जावय या ओला कोनो आने
जिम्मेदारी झन दिये जावय। ओला एक साल तक अपन घर म रहे के छूट मिलय अऊ ओह अपन बिहाता
घरवाली ला खुस रखय।
6 कोनो भी मनखे कोनो आने मनखे के जांता या जांता के सिरिप ऊपर के पथरा ला घलो गिरवी म अपन करा
झन रखय, काबरकि ओह कोनो मनखे के रोजी-रोटी ला गिरवी रखे सहीं होही।
7 यदि कोनो मनखे कोनो संगी इसरायली ला गुलाम बनाय या गुलाम के रूप म बेचे के मनसा ले अपहरन
करत पकड़े जाथे, त ओ अपहरन करइया ला जरूर मार डारे जावय। जरूरी अय कि तुमन अपन बीच ले बुरई
ला दूर करव।
8 धियान रहय कि कोढ़ के रोग के मामला म तुमन एकदम वइसे ही करव, जइसे लेवी पुरोहितमन तुमन ला
निरदेस देथें। तुमन धियान देके वइसने ही करव, जइसने मेंह ओमन ला हुकूम दे हवंव।
9 सुरता करव कि तुम्हर मिसर देस ले निकल आय के बाद, रसता म यहोवा तुम्हर परमेसर ह मिरियम के संग
का करिस।
10 जब तुमन अपन परोसी ला कोनो किसम के करजा देथव, त ओकर बदले गिरवी के कोनो सामान लेय बर
ओकर घर के भीतर झन जावव।
11 तुमन बाहिर खड़े रहव अऊ ओ परोसी, जेला तुमन करजा देवत हव, ओह गिरवी रखे के सामान ला तुम्हर
करा बाहिर लानय।
12 यदि परोसी ह गरीब मनखे अय, त तुमन ओकर गिरवी के कपड़ा ला रथिया अपन करा रखके झन सुतहू।
13 सूरज के डूबत तक ओकर कपड़ा ला वापिस कर दव ताकि तुम्हर परोसी ह ओमा सो सकय। तब ओह तुमन
ला धनबाद दीही, अऊ येह यहोवा तुम्हर परमेसर के नजर म एक धरमी काम समझे जाही।
14 तुमन कोनो गरीब अऊ जरूरतमंद बनिहार ले फायदा झन उठावव, चाहे ओ बनिहार ह संगी इसरायली
होवय या फेर तुम्हर कोनो नगर म रहइया कोनो परदेसी।
15 बेर बुड़े के पहिले ओला ओकर बनी दे दव, काबरकि ओह गरीब अय अऊ ओह ओ बनी ऊपर निरभर
रहिथे। नइं तो ओह तुम्हर बिरूध यहोवा करा गोहार लगा सकत हे, अऊ तुमन पाप करे के दोसी ठहिरहू।
16 दाई-ददा ला ओमन के लइकामन के कारन मिरतू-दंड झन मिलय, अऊ न ही लइकामन ओमन के दाई-ददा
के कारन मार डारे जावंय; हर एक ह अपन खुद के पाप के कारन मरही।
17 कोनो परदेसी या अनाथ के नियाय ला झन बिगाड़व, या कोनो बिधवा के कपड़ा ला गिरवी झन रखव।
18 सुरता रखव कि तुमन मिसर देस म गुलाम रहेव अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला उहां ले छोंड़ाईस।
एकर कारन मेंह तुमन ला अइसे करे के हुकूम देवत हंव।
19 जब तुमन अपन खेत म फसल लुवत हव अऊ फसल के कोनो बीड़ा ह तुम्हर नजर ले छूट जाथे, त ओला
लेय बर वापिस झन जावव। ओला परदेसी, अनाथ अऊ बिधवा बर छोंड़ दव, ताकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला तुम्हर जम्मो काम म आसीस देवय।
20 जब तुमन अपन जैतून रूख ले फरमन ला गिरावव, त डारामन म दूसर बार फर टोरे बर झन जावव।
जऊन ह बच जाथे, ओला परदेसी, अनाथ अऊ बिधवा बर छोंड़ दव।
21 जब तुमन अपन अंगूर के बारी म अंगूर टोरे बर जावव, त अंगूर के नारमन म फर टोरे बर दूबारा झन
जावव। जऊन ह बच जाथे, ओला परदेसी, अनाथ अऊ बिधवा बर छोंड़ दव।

22 सुरता रखव कि तुमन मिसर देस म गुलाम रहेव। एकर कारन मेंह तुमन ला अइसे करे के हुकूम देवत हंव।

25

1 जब मनखेमन के बीच म झगरा होथे, त ओमन येला अदालत म ले जावंय अऊ नियायधीसमन निरदोस ला
दोस मुक्त करत अऊ दोसी ला दंड देवत मामला के फैसला करंय।
2 यदि दोसी मनखे ह मार खाय के लईक दोस करे हवय, त नियायधीस ह ओला भुइयां म लेटाय अऊ अपन
आघू म ओला ओतेक कोर्रा लगवाय, जतेक ओकर अपराध के मुताबिक ठहिराय गे हवय,
3 पर नियायधीस ह ओला चालीस कोर्रा ले जादा झन लगवाय। यदि दोसी मनखे ला चालीस ले जादा कोर्रा
लगवाय जाथे, त तुम्हर नजर म तुम्हर संगी इसरायली के अपमान होही।
4 दंवरी म चलत बईला के मुहूं ला झन बांधव।
5 यदि भाईमन एक संग रहत हवंय अऊ ओमा के एक झन ह बिगर कोनो बेटा के मर जाथे, त ओकर बिधवा
ह परिवार के बाहिर बिहाव झन करय। ओकर घरवाला के भाई ह ओला लेके ओकर ले बिहाव करय अऊ ओकर
घरवाला के भाई के जिम्मेदारी ला ओकर बर पूरा करय।
6 ओ माईलोगन ह जऊन पहिलांत बेटा ला जनम देथे, ओकर नांव ओ मरे भाई के नांव म रखे जावय ताकि
ओकर नांव इसरायल ले खतम झन हो जावय।
7 पर, यदि कोनो मनखे ह अपन भाई के घरवाली ले बिहाव करे नइं चाहय, त ओकर भाई के घरवाली ह नगर
के दुवार म अगुवामन करा जाके कहय, "मोर घरवाला के भाई ह इसरायल म अपन भाई के नांव ला बनाय रखे
नइं चाहथे। ओह मोर संग मोर घरवाला के भाई के जिम्मेदारी ला पूरा करे बर नइं चाहथे।"
8 तब नगर के अगुवामन ओला उहां बलावंय अऊ ओकर ले बात करंय। यदि ओह अपन बात म अड़े रहय
अऊ कहय, "मेंह ओकर ले बिहाव करे नइं चाहत हंव।"
9 तब ओकर भाई के बिधवा ह अगुवामन के आघू म ओकर करा जावय, ओकर एक चप्पल ला उतारय, अऊ
ओकर मुहूं म थूकके कहय, "ओ मनखे के संग अइसे करे जाथे, जऊन ह अपन भाई के बंस ला आघू बढ़ाय नइं
चाहय।"
10 इसरायल म ओ मनखे के परिवार ह ये नांव ले जाने जाही—चप्पल उतारे गय मनखे के परिवार।
11 यदि दू झन मनखे के बीच मारपीट होवत हे अऊ ओमा के एक झन के घरवाली ह अपन घरवाला ला आने
मनखे ले बचाय बर आथे, अऊ अपन हांथ ले ओ मनखे के गुपत अंग ला पकड़ लेथे,
12 त तुमन ओकर हांथ ला काट डारव। ओकर ऊपर दया झन करव।
13 अपन झोला म एक ही तौल के दू किसम के बाट झन रखव—एक ठन भारी अऊ एक ठन हल्का।
14 अपन घर म दू किसम के नाप झन रखव—एक ठन लम्बा अऊ एक ठन छोटे।
15 तुम्हर करा सही अऊ ईमानदार तौल अऊ नाप रहय, ताकि ओ देस म तुम्हर लम्बा उमर होवय, जेला
यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे।
16 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओ मनखे ले घिन करथे, जऊन ह अइसने काम करथे, जऊन ह बेईमानी
करथे।
17 सुरता रखव कि जब तुमन मिसर देस ले निकलके आवत रहेव, त रसता म अमालेकीमन तुम्हर संग का
करिन।
18 जब तुमन थकके चूर हो गे रहेव, त ओमन ओ मनखेमन ऊपर हमला कर दीन, जेमन झुंड के पाछू धीरे-धीरे
चलत रिहिन; अमालेकीमन के मन म परमेसर के कोनो भय नइं रिहिस।
19 जब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला तुम्हर चारों कोति के ओ जम्मो बईरीमन ले अराम देथे, जेमन के
देस ला ओह तुमन ला तुम्हर अधिकार म उत्तराधिकार के रूप म देवत हे, त तुमन अमालेकीमन ला मारके
ओमन के नांव ला पूरा धरती ले मिटा दूहू। ये बात ला झन भुलाहू!

26

[illegible]

1 जब तुमन ओ देस म हबर जावव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला एक उत्तराधिकार के रूप म देवत
हे अऊ जब तुमन ओकर ऊपर अधिकार करके ओमा बस जावव,

2 त जऊन देस यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे, उहां जऊन फसल तुमन लगाथव, ओ जम्मो के
कुछू पहिली फर ला लेके एक ठन टुकना म रखव। तब ओ जगह म जावव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह अपन
नांव के निवास के रूप म चुनही
3 अऊ ओ समय उहां पद म रहइया पुरोहित ले कहव, "आज मेंह यहोवा तोर परमेसर करा घोसना करत हंव
कि मेंह ओ देस म आ गे हंव, जेला देय के वायदा यहोवा ह हमर पुरखामन ले करे रिहिस।"
4 तब पुरोहित ह ओ टुकना ला तुम्हर हांथ ले, लेय लीही अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर के बेदी के आघू म मढ़ा
दीही।
5 तब तुमन यहोवा अपन परमेसर के आघू म घोसना करहू: "मोर पुरखा ह एक घुमंतू अरामी मनखे रिहिस,
अऊ ओह अपन कुछू मनखेमन के संग जाके मिसर देस म रहे लगिस अऊ ओह एक बड़े, सक्तिसाली जाति हो
गीस अऊ ओमन संखिया म बहुंत हो गीन।
6 पर मिसरीमन हमर संग खराप बरताव करिन अऊ हमर ऊपर अतियाचार करिन, अऊ हमर ले कठोर मेहनत
करवाईन।
7 तब हमन यहोवा, हमर पुरखामन के परमेसर ले गोहारेंन अऊ यहोवा ह हमर गोहार ला सुनिस अऊ हमर
दुरगति, मेहनत अऊ हमर ऊपर होवत अतियाचार ला देखिस,
8 अऊ यहोवा ह अपन सक्तिसाली हांथ, लमाय हुए बाहां, बड़े आतंक अऊ चिनहां अऊ चमतकार देखाके
हमन ला मिसर देस ले बाहिर लानिस।
9 ओह हमन ला ये जगह म लानिस अऊ ये देस हमन ला दीस, जिहां दूध अऊ मंधरस बहुंतायत म हवय;
10 अऊ अब मेंह भुइयां के पहिली ऊपज ला लाने हंव, जेला हे यहोवा, तेंह मोला दे हस।" तब तुमन ओ
टुकना ला यहोवा अपन परमेसर के आघू म रख दव अऊ यहोवा ला दंडवत करव।
11 तब तुमन अऊ लेवी अऊ तुम्हर बीच रहइया परदेसीमन ओ जम्मो चीज बर आनंद मनावव, जेला यहोवा
तुम्हर परमेसर ह तुमन ला अऊ तुम्हर परिवार ला देय हवय।
12 जब तुमन तीसरा साल म याने कि दसमांस देय के साल म अपन जम्मो ऊपज के दसवां भाग ला अलग
कर लेवव, त येला लेवी, परदेसी, अनाथ अऊ बिधवा ला दे दव, ताकि ओमन येला खाके तुम्हर नगर म संतोस
हो जावंय।
13 तब यहोवा अपन परमेसर ले कहव: "मेंह तोर हुकूम के मुताबिक अपन घर ले पबितर भाग ला अलग करे
हंव अऊ ओ भाग ला लेवी, परदेसी, अनाथ अऊ बिधवा ला दे देय हंव। मेंह न तो तोर हुकूममन ला टारे हंव
अऊ न ही ओमा के कोनो ला भुलाय हंव।
14 जब मेंह सोक मनात रहेंव, तब मेंह ओ पबितर भाग के कोनो चीज ला नइं खाय हंव, न ही ओमा के कोनो
चीज ला हटाय हंव, जब में असुध रहेंव अऊ न ही ओमा के कोनो चीज ला मेंह मरे मनखे ला अरपन करे हंव।
मेंह यहोवा अपन परमेसर के हुकूम ला माने हंव; मेंह ओ हर काम करे हंव, जेकर हुकूम तेंह मोला दे हस।
15 तें अपन पबितर निवास, स्वरग ले खाल्हे देख, अऊ अपन इसरायली मनखे अऊ ओ देस ला आसीस दे,
जेला हमर पुरखामन ले करे गय वायदा के मुताबिक तेंह हमन ला दे हस, जिहां दूध अऊ मंधरस बहुंतायत म
हवय।"

?????? ?? ??????? ?? ???? ???

16 यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला आज हुकूम देवत हे कि तुमन ये बिधि अऊ कानूनमन के पालन करव;
धियान देके अपन पूरा मन अऊ पूरा परान ले येमन के पालन करव।
17 तुमन आज घोसना करे हव कि यहोवा तुम्हर परमेसर अय अऊ ये कि तुमन ओकर हुकूम के मुताबिक
चलहू अऊ ये कि तुमन ओकर बिधि, हुकूम अऊ कानूनमन ला मानहू अऊ ओकर बात ला सुनहू।
18 अऊ यहोवा ह अपन वायदा के मुताबिक आज घोसना करे हवय कि तुमन ओकर मनखे, ओकर कीमती धन
अव, अऊ ये कि तुमन ओकर जम्मो हुकूम के पालन करव।
19 ओह घोसना करे हवय कि ओह जतेक भी जाति के मनखे बनाय हवय, ओ जम्मो जातिमन ले तुमन ला
परसंसा, खियाती अऊ आदर म ऊपर रखही अऊ ये कि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर बर एक पबितर मनखे
ठहिरहू, जइसे कि ओह वायदा करे हवय।

27

[illegible]

1 मूसा अऊ इसरायल के अगुवामन मनखेमन ला हुकूम दीन: "ये जम्मो हुकूम के पालन करव, जेला आज
मेंह तुमन ला देवत हंव।
2 जब तुमन यरदन नदी ला पार करके ओ देस म हबरव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे, त
कुछू बड़े-बड़े पथरामन ला तियार करव अऊ ओमन ला चूना ले पलस्तर कर दव।
3 अऊ ओमन म ये कानून के जम्मो बातमन ला लिखव, जब तुमन यरदन नदी पार करके ओ देस म हबरव,
जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे, जेमा दूध अऊ मंधरस बहुंतायत म हवय, जइसे कि यहोवा,
तुम्हर पुरखामन के परमेसर ह तुमन ले वायदा करे रिहिस।
4 अऊ जब तुमन यरदन नदी ला पार कर लेवव, त ये पथरामन ला एबाल पहाड़ ऊपर खड़े करव, जइसे कि
मेंह आज तुमन ला हुकूम दे हंव, अऊ ये पथरामन ला चूना ले पलस्तर कर दव।
5 उहां तुमन यहोवा अपन परमेसर बर पथरामन ले एक बेदी बनावव। ओ पथरामन ऊपर लोहा के कोनो
औजार के उपयोग झन करहू।
6 यहोवा अपन परमेसर बर खेत के पथरामन ले बेदी ला बनावव अऊ ओमा यहोवा अपन परमेसर बर
होम-बलिदान चघावव।
7 उहां मेल-बलिदान घलो चघावव अऊ ओला खावव अऊ यहोवा अपन परमेसर के आघू म आनंद मनावव।
8 अऊ जऊन पथरामन ला तुमन खड़े करे हव, ओमा ये कानून के हर एक बचन ला साफ-साफ लिख दव।"

[illegible]

9 तब मूसा अऊ लेवी पुरोहितमन जम्मो इसरायलीमन ले कहिन, "हे इसरायलीमन सांत रहव अऊ सुनव!
तुमन अब यहोवा अपन परमेसर के मनखे बन गे हव।
10 यहोवा अपन परमेसर के बात ला मानव अऊ जऊन हुकूम अऊ बिधि मेंह आज तुमन ला देवत हंव,
ओमन के पालन करव।"
11 ओहीच दिन मूसा ह मनखेमन ला ये हुकूम दीस:
12 जब तुमन यरदन नदी ला पार कर लव, तब ये गोत्रमन के मनखे गरीजीम पहाड़ ऊपर ठाढ़ होके मनखेमन
ला आसीस दीहीं: सिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, यूसुफ अऊ बिनयामीन।
13 अऊ ये गोत्रमन के मनखे एबाल पहाड़ ऊपर ठाढ़ होके सराप दीहीं: रूबेन, गाद, आसेर, जबूलून, दान अऊ
नपताली।
14 तब लेवीमन इसरायल के जम्मो मनखेमन ला ऊंचहा अवाज म कहिहीं:
15 "सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह ढालके या गढ़के कोनो मूरती बनाथे या बनवाथे अऊ ओला गुपत
जगह म स्थापित करथे, काबरकि यहोवा ह ये काम ले घिन करथे।"
तब जम्मो मनखेमन कहंय, "आमीन!"
16 "सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह अपन दाई या ददा के अपमान करथे।"
तब जम्मो मनखेमन कहंय, "आमीन!"
17 "सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह अपन परोसी के सीमना के पथरा ला हटाथे।"
तब जम्मो मनखेमन कहंय, "आमीन!"
18 "सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह अंधरा ला डहार ले भटका देथे।*"
तब जम्मो मनखेमन कहंय, "आमीन!"
19 "सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह परदेसी, अनाथ या बिधवा के नियाय ला बिगाड़थे।"
तब जम्मो मनखेमन कहंय, "आमीन!"
20 "सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह अपन ददा के घरवाली† के संग कुकरम करथे; ओह अपन ददा के
दसना ला कलंकित करथे।"
तब जम्मो मनखेमन कहंय, "आमीन!"
21 "सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह कोनो पसु के संग कुकरम करथे।"

---

* **27:18** देखव लैव्य 19:14 † **27:20** अपन सौतेली दाई

तब जम्मो मनखेमन कहंय, “आमीन!”
22 “सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह अपन बहिनी या सौतेली बहिनी के संग कुकरम करथे।”
तब जम्मो मनखेमन कहंय, “आमीन!”
23 “सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह अपन सास के संग कुकरम करथे।”
तब जम्मो मनखेमन कहंय, “आमीन!”
24 “सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह छुपके अपन परोसी ला मार डारथे।”
तब जम्मो मनखेमन कहंय, “आमीन!”
25 “सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह कोनो निरदोस मनखे के हतिया करे बर सुपारी लेथे।”
तब जम्मो मनखेमन कहंय, “आमीन!”
26 “सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह ये कानून ला सुनके येमन के पालन नइं करय।”
तब जम्मो मनखेमन कहंय, “आमीन!”

28

[illegible]

1 यदि तुमन यहोवा अपन परमेसर के जम्मो हुकूम ला मानहू अऊ धियान देके ओकर जम्मो हुकूम के पालन
करहू, जेला में आज तुमन ला देवत हंव, त यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला धरती के जम्मो जाति के मनखेमन
ले बहुंत ऊपर ठहिराही।
2 यदि तुमन यहोवा अपन परमेसर के बात ला मानव, त ये जम्मो आसीस तुमन ला मिलही अऊ ये
आसीसमन तुम्हर संग बने रहिहीं:
3 तुमन ला सहर म अऊ खेत-खार म आसीस मिलही।
4 तुम्हर संतान ला आसीस मिलही, अऊ तुम्हर देस के फसल अऊ तुम्हर पसुमन के पीला—तुम्हर झुंड के
बछरू अऊ मेढ़ा-पीलामन ला आसीस मिलही।
5 तुम्हर टुकना अऊ तुम्हर पीसान साने के बरतन ला आसीस मिलही।
6 तुमन ला आसीस मिलही, जब तुमन भीतर आहू अऊ तुमन ला आसीस मिलही, जब तुमन बाहिर जाहू।
7 यहोवा ह अइसे करही कि तुम्हर बिरूध ठाढ़ होवइया बईरीमन तुम्हर ले हार जाहीं। ओमन एक दिग ले तो
हमला करहीं, पर सात दिग ले होके भाग जाहीं।
8 यहोवा ह तुम्हर कोठार ऊपर अऊ तुमन जऊन कुछू करथव, ओ जम्मो म आसीस दीही। यहोवा तुम्हर
परमेसर ह तुमन ला ओ देस म आसीस दीही, जेला ओह तुमन ला देवत हे।
9 यदि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के हुकूममन के पालन करहू अऊ ओकर रसता म चलहू, त यहोवा ह तुमन
ला अपन पबितर मनखे के रूप म स्थापित करही, जइसे कि ओह तुम्हर ले कसम खाके वायदा करे हवय।
10 तब धरती के जम्मो मनखेमन देखहीं कि तुमन यहोवा के नांव के दुवारा बलाय जाथव, त ओमन तुम्हर ले
डरहीं।
11 अऊ जऊन देस तुमन ला देय बर यहोवा ह तुम्हर पुरखामन ले कसम खाय रिहिस, ओ देस म ओह तुम्हर
संतान, तुम्हर पसु-धन के बढ़ती अऊ तुम्हर भुइयां के फसल म बहुंत उन्नति करही।
12 यहोवा ह उदार मन से अकास के भंडार ला खोल दीही अऊ समय म तुम्हर भुइयां म बारिस पठोही अऊ
तुम्हर जम्मो काम म आसीस दीही। तुमन बहुंत जाति के मनखेमन ला उधार दूहू, पर कोनो मेर ले तुमन ला
उधार लेना नइं पड़ही।
13 यहोवा ह तुमन ला पुंछी नइं, पर मुड़ ठहिराही। यदि तुमन यहोवा अपन परमेसर के हुकूम ऊपर धियान
दूहू, जेला आज मेंह तुमन ला देवत हंव अऊ धियान देके ओमन के पालन करहू, त तुमन हमेसा सबले ऊपर
रहिहू, खाल्हे म कभू नइं रहिहू।
14 जऊन बातमन के आज मेंह तुमन ला हुकूम देवत हंव, ओमा ले एती-ओती झन जावव; जेवनी या डेरी
मुड़के आने देवतामन के पाछू झन चलव अऊ न ही ओमन के सेवा करव।

[illegible]

15 पर, यदि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के बात ला नइं मानव अऊ धियान देके ओकर ओ जम्मो हुकूम अऊ
बिधिमन के पालन नइं करव, जेला आज मेंह तुमन ला देवत हंव, त ये जम्मो सराप तुम्हर ऊपर पड़ही अऊ
तुम्हर ऊपर लगे रहिही:
16 तुमन अपन सहर म अऊ अपन खेत-खार म सरापित होहू।
17 तुम्हर टुकना अऊ तुम्हर पीसान गुंथे के बरतन सरापित होही।
18 तुम्हर संतान ह सरापित होही, अऊ तुम्हर भुइयां के फसल, अऊ तुम्हर गरूवा-बईला के पीला अऊ
भेड़-बकरी के पीलामन सरापित होहीं।
19 तुमन सरापित होहू, जब तुमन भीतर आहू अऊ सरापित होहू, जब तुमन बाहिर जाहू।

20 यहोवा ला तियागके तुमन जऊन दुस्ट काम करहू, ओकर कारन तुमन जऊन कुछू करहू, यहोवा ह तुमन
ला हर चीज म सराप दीही, डरवाही अऊ दबकारही, जब तक कि तुमन नास नइं हो जाहू अऊ खतम नइं हो
जाहू।
21 यहोवा ह तुमन म तब तक महामारी लानही, जब तक कि तुमन ओ देस ले खतम नइं हो जावव, जेकर
ऊपर तुमन अधिकार करे बर जावत हव।
22 यहोवा ह तुम्हर ऊपर कोढ़ के संग जर अऊ जलन, झुलसइया गरमी अऊ अकाल, रोग अऊ गेरूई के
बेमारी लानही, अऊ येमन तुम्हर ऊपर तब तक रहिहीं, जब तक कि तुमन नास नइं हो जाहू।
23 तुम्हर मुड़ के ऊपर अकास ह कांसा अऊ तुम्हर गोड़ खाल्हे के भुइयां ह लोहा हो जाही।
24 यहोवा ह तुम्हर देस म पानी के बदले बालू अऊ धुर्रा के बारिस करही; येह अकास ले तब तक गिरही, जब
तक कि तुमन नास नइं हो जाहू।

25 यहोवा ह तुमन ला तुम्हर बईरीमन ले हरवा दीही। तुमन ओमन ऊपर एक दिग ले आहू, पर सात दिग ले
भागहू, अऊ तुमन धरती ऊपर जम्मो राज के मनखेमन बर घिन करे के चीज बन जाहू।
26 तुम्हर लासमन जम्मो चिरई अऊ जंगली पसुमन के जेवन बन जाहीं, अऊ उहां ओमन ला कोनो
भगानेवाला नइं होही।
27 यहोवा ह तुमन ला मिसर देस के सहीं फोड़ा, अऊ गिलटी, पके घाव अऊ खुजली के पीरा दीही, जेमन ले
तुमन ला चंगई नइं मिलही।
28 यहोवा ह तुमन ला पागल अऊ अंधरा कर दीही अऊ तुम्हर जी ला घबरा दीही।
29 अऊ जइसे कोनो अंधरा मनखे अंधियार म टमड़थे, वइसे तुमन दिन-दुपहरी के टमड़त फिरहू। तुमन ला
तुम्हर कोनो भी काम-बुता म सफलता नइं मिलही; हमेसा तुम्हर ऊपर अतियाचार होही अऊ तुमन लूटे जाहू,
अऊ तुमन ला बचइया कोनो नइं होही।

30 तुम्हर सगाई कोनो माईलोगन ले तो होही, पर कोनो आने मनखे ओला लेके ओकर ले कुकरम करही। तुमन
घर तो बनाहू, पर ओमा रह नइं सकहू। तुमन अंगूर के बारी तो लगाहू, पर ओकर फर खाय के आनंद नइं उठा
सकहू।
31 तुम्हर बईला ला तुम्हर आंखी के आघू म काटे जाही, पर तुमन ला ओमा के कुछू भी खाय बर नइं मिलही।
तुम्हर गदहा ला तुम्हर ले छीन लिये जाही, अऊ तुमन ला ओह फेर नइं मिलही। तुम्हर भेड़मन तुम्हर बईरीमन
ला दे दिये जाहीं, अऊ ओमन ला बचइया कोनो नइं होही।
32 तुम्हर बेटा अऊ बेटीमन आने देस के मनखेमन ला बंधुवा के रूप म दे दिये जाहीं, अऊ ओमन के डहार
देखत-देखत तुमन के आंखी पथरा जाहीं, अऊ तुमन कुछू नइं कर सकहू।
33 तुम्हर देस के ऊपज अऊ तुम्हर कमई ला ओ मनखेमन खा जाहीं, जेमन ला तुमन नइं जानव, अऊ जिनगी
भर तुम्हर ऊपर कठोर अतियाचार के अलावा तुम्हर संग अऊ कुछू बने नइं होवय।
34 तुम्हर आघू म अइसन चीजमन होहीं, जेला देखके तुमन पगला जाहू।
35 यहोवा ह तुम्हर माड़ी अऊ गोड़मन ला पीरावाले घाव ले भर दीही, जऊन ह ठीक नइं होवय अऊ ये
घावमन तुम्हर मुड़ ले लेके गोड़ तक भरे होहीं।

36 यहोवा ह तुमन ला अऊ तुम्हर ठहिराय राजा ला एक अइसने जाति के मनखेमन करा भगा दीही, जेला न
तो तुमन जानथव, अऊ न ही तुम्हर पुरखामन कभू जानिन। उहां तुमन लकड़ी अऊ पथरा के देवतामन के
पूजा-उपासना करहू।
37 जिहां यहोवा ह तुमन ला भगा दीही, उहां तुमन ओ जम्मो मनखेमन के बीच भय, कहावत अऊ हंसी के
बिसय बन जाहू।
38 तुमन खेत म बहुंत अकन बीजा तो बोहू, पर थोरकन फसल ही लुए पाहू, काबरकि फांफामन ओला खा
जाहीं।
39 तुमन अंगूर के बारी लगाके ओमा काम तो करहू, पर तुमन ओमा के न तो मंद पीये सकहू अऊ न ही ओमा
के अंगूर इकट्ठा कर सकहू, काबरकि कीरामन ओमन ला खा जाहीं।
40 तुम्हर पूरा देस म जैतून के रूखमन तो होहीं, पर तुमन ओमन के तेल ला बउरे नइं सकहू, काबरकि जैतून के
फरमन झरके गिर जाहीं।
41 तुम्हर बेटा अऊ बेटीमन तो होहीं, पर तुमन ओमन ला रख नइं सकहू, काबरकि ओमन बंधुवई म चल
दीहीं।
42 तुम्हर जम्मो रूख अऊ तुम्हर देस के फसल ला फांफामन के झुंड ह खा जाही।
43 जऊन परदेसीमन तुम्हर बीच रहिथें, ओमन तुम्हर ले बढ़त जाहीं, पर तुमन घटत अऊ घटत जाहू।
44 ओमन तुमन ला उधार दीहीं, पर तुमन ओमन ला उधार नइं दे सकहू। ओमन मुड़ी होहीं अऊ तुमन पुंछी।
45 ये जम्मो सराप तुम्हर ऊपर लगही। ओमन तुम्हर पाछू पड़े रहिहीं अऊ तुमन ला पकड़ लीहीं, जब तक कि
तुमन नास नइं हो जाहू, काबरकि तुमन यहोवा अपन परमेसर के बात नइं मानेव अऊ ओ हुकूम अऊ बिधिमन
के पालन नइं करेव, जेला ओह तुमन ला दे रिहिस।
46 ओमन तुम्हर अऊ तुम्हर संतानमन बर हमेसा बर एक चिनहां अऊ अद्भूत काम होहीं।
47 काबरकि तुमन अपन उन्नति के बेरा यहोवा अपन परमेसर के सेवा खुसी अऊ आनंद से नइं करेव,
48 एकरसेति भूख अऊ पीयास म, नंगई अऊ भयंकर गरीबी म, तुमन ओ बईरीमन के सेवा करहू, जेमन ला
यहोवा ह तुम्हर बिरूध पठोही। ओह तुम्हर घेंच म लोहा के जुड़ा तब तक डाले रखही,* जब तक कि ओह तुमन
ला नास नइं कर दीही।
49 यहोवा ह तुम्हर बिरूध बहुंत दूरिहा ले, धरती के छोर ले, चील के सहीं झपटनेवाला एक अइसन जाति ला
लानही, जेकर भासा तुमन नइं समझहू;
50 येमन एक भयानक जाति के मनखे होहीं, जेमन के मन म सियानमन बर न तो कोनो आदर होही, न ही
लइकामन बर कोनो किसम के दया।
51 ओमन तुम्हर पसुमन के पीला अऊ तुम्हर देस के फसल ला तब तक खाते रहिहीं, जब तक कि तुमन नास
नइं हो जावव। ओमन तुम्हर बर न तो कोनो अनाज अऊ नवां अंगूर के मंद अऊ न जैतून के तेल ला छोंड़हीं,
अऊ न ही तुम्हर गाय-बईला या भेड़-बकरी के कोनो बछरू या मेढ़ा-पीला ला छोंड़हीं, जेकर ले तुमन नास हो
जाहू।
52 ओमन तुम्हर पूरा देस म जम्मो सहरमन ला तब तक घेरे रहिहीं, जब तक कि ओ गढ़वाले ऊंच दीवारमन
गिर नइं जाहीं, जेमन के ऊपर तुमन भरोसा करथव। ओमन पूरा देस म ओ जम्मो सहर ला घेर लीहीं, जेमन ला
यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देवत हे।
53 ओ घेराबंदी के बेरा, जऊन दुख-तकलीफ तुम्हर बईरीमन तुमन ला दीहीं, ओकर कारन तुमन अपन
जनमाय ओ बेटा-बेटीमन के मांस ला खाहू, जेमन ला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला दे हवय।
54 अऊ त अऊ, तुम्हर बीच के सबले जादा दयालु अऊ नम्र मनखे घलो अपन खुद के भाई या अपन मयारू
घरवाली या अपन बांचे लइकामन ऊपर कोनो दया नइं करही,
55 अऊ ओह अपन लइकामन के ओ मांस कोनो ला नइं दीही, जेला ओह खावत होही। तुम्हर जम्मो सहरमन
के घेराबंदी के बेरा, तुम्हर बईरीमन तुमन ला जऊन दुख-तकलीफ दीहीं, ओकर कारन सिरिप येहीच मांस ह
ओकर करा बांचे रहिही।

* **28:48** बहुंत अतियाचार करही

56 तुम्हर बीच के सबले जादा दयालु अऊ नम्र माईलोगन—अतेक दयालु अऊ नम्र कि ओह अपन पांव ले
भुइयां ला छुए के हिम्मत घलो नइं करय, पर ओह घलो अपन मयारू घरवाला अऊ अपन गरभ ले जनमाय खुद
के बेटा-बेटी
57 अऊ अपन गरभ म धरे लइकामन ऊपर दया नइं देखाही। तुम्हर सहरमन के घेराबंदी के बेरा, तुम्हर
बईरीमन तुमन ला जऊन दुख-तकलीफ दीहीं, ओकर कारन ओह अपन लइकामन के मांस ला छुप-छुपके खाय
के लालसा करही।
58 यदि तुमन ये कानून के जम्मो बात ला धियान देके नइं मानहू, जऊन ह ये किताब म लिखे हवय, अऊ ये
महान अऊ अद्भूत नांव—यहोवा तुम्हर परमेसर—के आदर नइं करहू,
59 त यहोवा ह तुम्हर अऊ तुम्हर संतानमन ऊपर भयंकर महामारी, कठोर अऊ लम्बा समय तक रहनेवाला
बिपत्ति अऊ बहुंत समय तक रहनेवाला बेमारी लानही।
60 ओह तुमन ऊपर मिसर देस के ओ जम्मो बेमारी ले आही, जेमन ले तुमन डरत रहेव, अऊ ओ बेमारीमन
तुमन ला नइं छोंड़हीं।
61 यहोवा ह तुम्हर ऊपर ओ जम्मो किसम के रोग अऊ बिपत्ति ला घलो लानही, जेमन के बरनन कानून के ये
किताब म नइं करे गे हवय, ताकि तुमन नास हो जावव।
62 तुमन के संखिया बहुंत कम हो जाही, जबकि एक समय तुम्हर संखिया अकास के तारामन सहीं अनगिनत
रिहिस; ये सब येकर कारन होही, काबरकि तुमन यहोवा अपन परमेसर के बात नइं मानेव।
63 जइसे कि यहोवा ला तुम्हर उन्नति करके अऊ तुम्हर संखिया ला बढ़ाके खुसी मिले रिहिस, वइसे ही तुमन
ला नास करके अऊ मिटाके ओला खुसी मिलही। तुमन ला ओ देस ले निकाल दिये जाही, जेकर ऊपर तुमन
अधिकार करे बर जावत हव।
64 तब यहोवा ह तुमन ला धरती के एक छोर ले लेके आने छोर तक जम्मो जाति के मनखेमन के बीच
तितिर-बितिर कर दीही। उहां तुमन आने देवतामन के अराधना करहू—लकड़ी अऊ पथरा के देवतामन, जेमन
ला न तो तुमन अऊ न ही तुम्हर पुरखामन कभू जानिन।
65 ओ जातिमन के बीच म तुमन ला लेटे बर या अपन पांव धरे बर जगह नइं मिलही। उहां यहोवा ह तुमन
ला एक चिंतित मन, लालसा करत थके आंखी अऊ एक निरास हिरदय दीही।
66 तुमन लगातार असमंजस के स्थिति म, दिन अऊ रात डर म भरे रहिहू, अऊ तुमन ला अपन जिनगी के
कभू भरोसा नइं होही।
67 जऊन आतंक तुम्हर मन म भरे होही अऊ जऊन चीजमन ला तुम्हर आंखी ह देखही, ओकर कारन तुमन
बिहनियां के बेरा कहिहू, "कास येह सांझ होतिस!" अऊ सांझ के बेरा कहिहू, "कास येह बिहनियां होतिस!"
68 यहोवा ह तुमन ला पानी जहाज म बईठाके वापिस मिसर देस पठो दीही, जेकर बारे म मेंह कहे रहेंव तुमन
येला फेर कभू नइं देखहू। उहां तुमन अपनआप ला दे दूहू कि तुम्हर बईरीमन तुमन ला नर अऊ नारी गुलाम के
रूप म बिसावंय, पर तुमन ला कोनो नइं बिसाहीं।

29

[illegible]

1 यहोवा ह होरेब पहाड़* ऊपर जऊन करार इसरायलीमन ले करे रिहिस, ओकर अलावा यहोवा ह मूसा ला
जऊन करार इसरायलीमन के संग करे के हुकूम मोआब देस म दीस, ओकर बचन ये अंय।
2 मूसा ह जम्मो इसरायलीमन ला बलाके कहिस:

यहोवा ह मिसर देस म फिरौन, ओकर जम्मो करमचारी अऊ ओकर पूरा देस के संग जऊन कुछू करिस, ओ
जम्मो ला तुमन अपन आंखी ले देखे हव।
3 अपन खुद के आंखी ले तुमन ओ बड़े बिपत्ति, ओ चिनहां अऊ बड़े अद्भूत काममन ला देखे हव।

* **29:1** *[illegible]* या *[illegible]*

4 पर आज तक यहोवा ह तुमन ला अइसे मन नइं दे हवय, जऊन ह समझथे या अइसे आंखी नइं दे हवय,
जऊन ह देखथे या अइसे कान नइं दे हवय, जऊन ह सुनथे।
5 तभो ले यहोवा ह कहिथे, "चालीस साल तक मेंह निरजन प्रदेस म तुम्हर अगुवई करेंव, पर न तो तुम्हर
कपड़ा फटिस, अऊ न ही तुम्हर पांव के जूता।
6 तुमन ला खाय बर रोटी नइं मिलिस अऊ पीये बर अंगूर के मंद या आने मंद नइं मिलिस। मेंह ये सब करेंव,
ताकि तुमन जानव कि मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।"
7 जब तुमन ये जगह म हबरेव, त हेसबोन के राजा सीहोन अऊ बासान के राजा ओग हमर बिरूध लड़े बर
निकलके आईन, पर हमन ओमन ला हरा देंन।
8 हमन ओमन के देस ऊपर कब्जा कर लेंन अऊ ओ देस ला रूबेनी, गादी अऊ मनस्सेयीमन के आधा गोत्र
ला ओमन के उत्तराधिकार के रूप म दे देंन।
9 धियान देके ये करार के बचन के पालन करव, ताकि जऊन कुछू तुमन करव, ओमा तुम्हर उन्नति होवय।
10 तुमन जम्मो झन आज यहोवा अपन परमेसर के आघू म खड़े हवव—तुम्हर अगुवा अऊ मुखिया मनखेमन,
तुम्हर सियान अऊ करमचारीमन, अऊ इसरायल के आने जम्मो मनखेमन,
11 संग म तुम्हर लइकामन अऊ तुम्हर घरवालीमन, अऊ तुम्हर सिविर म रहइया ओ परदेसीमन घलो हवंय,
जेमन तुम्हर बर लकरी काटथें अऊ तुम्हर बर पानी भरथें।
12 तुमन इहां एकरसेति खड़े हव, ताकि यहोवा तुम्हर परमेसर के संग तुम्हर करार होवय, ओ करार जेला
यहोवा ह आज तुम्हर संग करत हे अऊ सपथ खाके मुहर लगात हे,
13 आज ओह तुमन ला अपन मनखे के रूप म पुस्टि करत हे, अऊ ये घलो कि ओह तुम्हर परमेसर होवय,
जइसे कि ओह तुम्हर ले वायदा करिस अऊ तुम्हर पुरखा, अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ले कसम खाय रिहिस।
14 मेंह ये करार सपथ खाके सिरिप तुम्हर संग ही नइं करत हंव,
15 जेमन आज इहां हमर संग यहोवा हमर परमेसर के आघू म खड़े हव पर ओमन संग घलो करत हंव, जेमन
आज इहां नइं अंय।
16 तुमन खुद जानत हव कि हमन मिसर देस म कइसे रहत रहेंन अऊ कइसे हमन देसमन ले होवत इहां तक
हबरेंन।
17 तुमन ओमन के बीच लकरी अऊ पथरा, सोन अऊ चांदी के बने घिनौना चीज अऊ मूरतीमन ला देखे हव।
18 ये बात के निस्चय करव कि तुम्हर बीच आज अइसने कोनो आदमी या माईलोगन, कुल या गोत्र झन
होवय, जेकर मन ह यहोवा हमर परमेसर ले हट जावय अऊ जाके ओ जातिमन के देवता के अराधना करय; ये
बात के निस्चय करव कि तुम्हर बीच म कोनो जरी झन रहय, जऊन ह अइसने करू जहर पईदा करय।
19 जब अइसने कोनो मनखे ये सपथ के बचन ला सुनथे अऊ अपनआप ला ये सोचके आसीस देथे, "मेंह तो
अपन खुद के रसता म चलहूं, तभो ले मेंह सुरकछित रहिहूं," त ओ मनखे ह सिंचईवाले भुइयां के संगे-संग सूखा
भुइयां म घलो बिपत्ति लानही।
20 यहोवा कभू ओकर पाप छेमा नइं करही; ओकर कोप अऊ जलन ओ मनखे के ऊपर भड़कही। ये किताब म
लिखे जम्मो सराप ओकर ऊपर पड़ही, अऊ यहोवा ह धरती ले ओकर नांव मिटा दीही।
21 कानून के ये किताब म लिखे करार के ओ जम्मो सरापमन के मुताबिक, यहोवा ह इसरायल के जम्मो गोत्र
म ले ओला अलग करके ओकर ऊपर बिपत्ति लानही।
22 अवइया पीढ़ी म, तुम्हर जऊन लइकामन होहीं, ओमन अऊ दूरिहा देस ले आय परदेसीमन ओ देस ऊपर
पड़नेवाला ओ बिपत्ति अऊ बेमारीमन ला देखहीं, जेला यहोवा ह ओमन ऊपर लानही।
23 पूरा देस ह जलके नून अऊ गंधक के कचरा हो जाही—उहां न तो कुछू बोए जाही, न ही उहां कुछू जामही
अऊ न ही उहां कुछू घांस-पूस या रूख-रई होही। येह सदोम अऊ अमोरा, अदमा अऊ सबोईम सहरमन के
बिनास सहीं होही, जेला यहोवा ह अपन भयंकर कोरोध म नास कर दे रिहिस।†
24 जम्मो जाति के मनखेमन पुछहीं: "यहोवा ह ये देस के संग अइसे काबर करिस? काबर ओकर भयंकर
कोरोध ह भड़किस?"

† **29:23** देखव उत 19:24-25

25 त ओकर जबाब ये होही: “काबरकि ये मनखेमन यहोवा अपन पुरखामन के परमेसर के ओ करार ला टोर दे
हवंय, जेला ओह ओमन के संग तब करे रिहिस, जब ओह ओमन ला मिसर देस ले बाहिर निकालके लाने रिहिस।
26 ओमन भटकके आने देवतामन के अराधना करिन अऊ ओमन ला दंडवत करिन, अइसन देवता जेला
ओमन नइं जानत रिहिन अऊ जेला परमेसर ह ओमन ला नइं दे रिहिस।
27 एकरसेति यहोवा के कोरोध ये देस के बिरूध भड़किस, अऊ ओह ये किताब म लिखे जम्मो सराप येमन
ऊपर लानिस।
28 यहोवा ह बड़े कोरोध अऊ भयंकर कोप म आके ओमन ला ओमन के देस ले उखानके आने देस म फटिक
दीस, जइसे कि अब दिखत हे।”
29 गुपत के चीजमन यहोवा हमर परमेसर के अंय, पर जऊन चीजमन परगट हो गे हवंय, ओमन सदाकाल बर
हमर अऊ हमर लइकामन के अंय, ताकि हमन ये कानून के जम्मो बचन के पालन करन।

30

[illegible]

1 जब ये जम्मो आसीस अऊ सराप तुम्हर ऊपर आवंय, जेमन के चरचा मेंह तुम्हर आघू म करे हवंव, अऊ
तुमन येमन ला ओ जातिमन के बीच म रहिके सुरता करव, जिहां यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला बगरा दीही,
2 अऊ जब तुमन अऊ तुम्हर लइकामन यहोवा तुम्हर परमेसर करा लहुंटव अऊ अपन पूरा मन अऊ अपन
पूरा परान से ओ जम्मो बात के पालन करव, जेकर हुकूम मेंह आज तुमन ला देवत हंव,
3 तब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला पहिले सहीं कर दीही* अऊ तुम्हर ऊपर दया करही अऊ तुमन ला
ओ जम्मो जाति के मनखेमन के बीच ले इकट्ठा करही, जिहां ओह तुमन ला तितिर-बितिर कर दे रिहिस।
4 अऊ त अऊ यदि तुमन धरती के बहुंत दूरिहा देस म घलो पड़े होहू, त उहां ले घलो यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुमन ला इकट्ठा करही अऊ वापिस ले आही।
5 ओह तुमन ला ओ देस म ले आही, जऊन ह तुम्हर पुरखामन के रिहिस, अऊ तुमन ओकर ऊपर अधिकार
कर लूहू। ओह तुमन ला तुम्हर पुरखामन ले घलो जादा सम्पन्न करही अऊ तुम्हर संखिया ला ओमन ले जादा
बढ़ाही।
6 यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर अऊ तुम्हर संतानमन के हिरदय† के खतना करही, ताकि तुमन ओकर ले
अपन पूरा हिरदय अऊ अपन पूरा परान ले मया करव अऊ जीयत रहव।
7 यहोवा तुम्हर परमेसर ह ये जम्मो सराप ला तुम्हर बईरीमन ऊपर डाल दीही, जेमन तुम्हर ले घिन करथें
अऊ तुम्हर ऊपर अतियाचार करथें।
8 तुमन फेर यहोवा के बात मानहू अऊ ओकर जम्मो हुकूम के पालन करहू, जेला मेंह आज तुमन ला देवत
हंव।
9 तब यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर जम्मो काम म तुम्हर उन्नति करही अऊ तुम्हर संतान, तुम्हर पसुमन के
पीला अऊ तुम्हर भुइयां के फसल ला बहुंत कर दीही। यहोवा ह फेर तुम्हर ले खुस होही अऊ तुमन ला धनवान
बना दीही, जइसे ओह तुम्हर पुरखामन ले खुस रिहिस,
10 यदि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के बात मानहू अऊ कानून के ये किताब म लिखे ओकर हुकूम अऊ
बिधिमन के पालन करहू अऊ अपन पूरा मन अऊ अपन पूरा परान से यहोवा तुम्हर परमेसर करा लहुंटहू।

[illegible]

11 देखव, मेंह आज तुमन ला जऊन हुकूम देवत हंव, ओह तुम्हर बर जादा कठिन नो हय अऊ न ही तुम्हर
पहुंच के बाहिर अय।
12 येह ऊपर अकास म नइं ए कि तुमन ला ये कहना पड़य, “कोन ह अकास ऊपर जाके येला लानही अऊ
हमन ला पढ़के सुनाही कि हमन येकर पालन करन?”
13 न ही येह समुंदर के ओ पार हवय कि तुमन ला ये कहना पड़य, “कोन ह समुंदर के ओ पार जाके येला
लानही अऊ हमन ला पढ़के सुनाही कि हमन येकर पालन करन?”

---

* **30:3** या [illegible] † **30:6** या [illegible]

14 नइं, ये बचन ह तुम्हर बहुंत लकठा म हवय; येह तुम्हर मुहूं म अऊ तुम्हर मन म हवय कि तुमन येकर
पालन करव।
15 देखव, मेंह आज तुम्हर आघू म जिनगी अऊ सम्पन्नता, मिरतू अऊ बिनास के बात ला रखे हंव।
16 काबरकि मेंह आज तुमन ला हुकूम देवत हंव कि तुमन यहोवा अपन परमेसर ले मया करव, ओकर बात म
चलव, अऊ ओकर हुकूम, बिधि अऊ कानूनमन के पालन करव; तब तुमन जीयत रहिहू अऊ गनती म बढ़हू,
अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला ओ देस म आसीस दीही, जेकर ऊपर अधिकार करे बर तुमन जावत हव।
17 पर यदि तुम्हर मन ह परमेसर ले हट जाय अऊ तुमन ओकर हुकूममन ला नइं मानव, अऊ यदि तुमन
दूरिहा हटके आने देवतामन के दंडवत करव अऊ ओमन के अराधना करव,
18 त मेंह आज तुम्हर आघू म घोसना करत हंव कि खचित तुमन नास हो जाहू। अऊ तुमन जऊन देस ऊपर
अधिकार करे बर यरदन नदी के ओ पार जावत हव, ओ देस म जादा समय तक रह नइं सकहू।
19 आज मेंह अकास अऊ धरती ला तुम्हर बिरूध गवाह बनात हंव कि मेंह जिनगी अऊ मिरतू, परमेसर के
आसीस अऊ सरापमन ला तुम्हर आघू म रखे हंव। एकरसेति तुमन जिनगी ला चुनव, ताकि तुमन अऊ तुम्हर
लइकामन जीयत रहव
20 अऊ तुमन यहोवा अपन परमेसर ले मया करव, ओकर अवाज ला सुनव, अऊ मजबूती से ओला धरे रहव।
काबरकि यहोवा ह तुम्हर जिनगी अय, अऊ ओह तुमन ला ओ देस म बहुंत साल तक रहे बर दीही, जेला देय बर
ओह तुम्हर पुरखा, अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ले सपथ खाय रिहिस।

31

[illegible]

1 तब मूसा ह बाहिर निकलिस अऊ जम्मो इसरायल ले ये कहिस:
2 "अब मेंह एक सौ बीस साल के हो गे हंव अऊ अब मोर म तुम्हर अगुवई करे के सक्ति नइं ए। यहोवा ह
मोला कहे हवय, 'तें यरदन नदी के ओ पार नइं जा सकस।'
3 यहोवा तुम्हर परमेसर ह खुद तुम्हर आघू ओ पार जाही। ओह उहां के मनखेमन ला तुम्हर आघू ले नास कर
दीही, अऊ तुमन ओमन के देस ऊपर अधिकार कर लूहू। यहोसू घलो तुम्हर ले आघू ओ पार जाही, जइसे कि
यहोवा ह कहे हवय।
4 अऊ यहोवा ह उहां के मनखेमन के संग वइसे ही करही, जइसे ओह अमोरीमन के राजा सीहोन अऊ ओग
के संग करे रिहिस, जेमन ला ओह ओमन के देस के संग नास कर दे रिहिस।
5 यहोवा ह ओमन ला तुम्हर अधीन कर दीही, अऊ तुमन ओमन के संग वइसे ही करहू, जइसे कि मेंह तुमन
ला हुकूम दे हवंव।
6 मजबूत अऊ साहसी बनव। ओमन ले झन डरव या भयभीत झन होवव, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह
तुम्हर संग जाथे; ओह तुमन ला न तो कभू छोंड़ही अऊ न ही तियागही।"
7 तब मूसा ह यहोसू ला बुलवाईस अऊ जम्मो इसरायल के आघू म ओला कहिस, "मजबूत अऊ साहसी बन,
काबरकि तें ये मनखेमन के संग ओ देस म जाबे, जेला येमन के पुरखामन ला देय बर यहोवा ह सपथ खाय
रिहिस, अऊ तेंह ओ देस ला येमन के बीच येमन के उत्तराधिकार के रूप म बांटबे।
8 यहोवा ह खुद तोर आघू-आघू जावत हे अऊ ओह तोर संग रहिही; ओह न तो तोला कभू छोंड़ही अऊ न ही
तियागही। एकरसेति झन डर अऊ झन घबरा।"

[illegible]

9 मूसा ह ये कानून ला लिखिस अऊ येला यहोवा के करार के सन्दूक उठानेवाला लेवीय पुरोहितमन ला अऊ
इसरायल के जम्मो अगुवामन ला दे दीस।
10 तब मूसा ह ओमन ला हुकूम दीस: "हर सात साल के आखिरी म, करजा माफी करे के साल,
पबितर-तम्बूमन के तिहार के बेरा,
11 जब जम्मो इसरायलीमन यहोवा तुम्हर परमेसर के आघू म ओ जगह म इकट्ठा होथें, जेला ओह चुनही, तब
तुमन ये कानून ओमन के आघू म पढ़के सुनाहू।

12 मनखेमन ला इकट्ठा करव—आदमी, माईलोगन अऊ लइकामन, अऊ तुम्हर नगरमन म रहइया परदेसी,
ओ जम्मो झन ला—ताकि ओमन ये कानून ला सुनंय अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर के भय मानना सीखंय अऊ
धियान देके ये कानून के हर बात के पालन करंय।
13 ओमन के लइकामन, जेमन ये कानून ला नइं जानंय, ओमन घलो येला सुनंय अऊ यहोवा तुम्हर परमेसर
के भय मानना सीखंय, जब तक कि तुमन ओ देस म जीयत हव, जेकर ऊपर अधिकार करे बर तुमन यरदन नदी
के ओ पार जावत हव।"

[illegible]

14 यहोवा ह मूसा ला कहिस, "तोर मिरतू के दिन ह लकठा म हवय। यहोसू ला बला अऊ तुमन दूनों
मिलापवाला तम्बू करा हाजिर होवव, जिहां मेंह ओला अधिकार दूहूं।" तब मूसा अऊ यहोसू मिलापवाला तम्बू
करा जाके हाजिर होईन।
15 तब यहोवा ह बादर के एक खंभा म परगट होईस, अऊ बादर के खंभा ह तम्बू के प्रवेस दुवार के ऊपर ठहर
गीस।
16 अऊ यहोवा ह मूसा ला कहिस: "तेंह मरके अपन पुरखामन के संग मिल जानेवाला हस, अऊ ये मनखेमन
ओ देस जिहां ओमन जावत हें, उहां जल्दी ही पराय देवतामन के पाछू जाके बेभिचारी हो जाहीं।* ओमन मोला
तियाग दीहीं अऊ जऊन करार मेंह ओमन के संग करे हवंव, ओला टोर दीहीं।
17 तब ओ दिन मेंह ओमन ऊपर गुस्सा करहूं अऊ ओमन ला तियाग दूहूं; मेंह ओमन ले अपन मुहूं मोड़ लूहूं,
अऊ ओमन नास हो जाहीं। ओमन ऊपर बहुंत बिपत्ति अऊ संकट आही, अऊ ओ दिन ओमन कहिहीं, 'का ये
बिपत्तिमन हमर ऊपर येकर कारन तो नइं आय हवंय, काबरकि हमर परमेसर ह हमर संग नइं ए?'
18 ओ समय ओमन आने देवतामन कोति जाके जऊन जम्मो बुरई के काम करहीं, ओकर कारन खचित मेंह
अपन मुहूं मोड़ लूहूं।
19 "एकरसेति अब ये गीत ला लिख ले अऊ येला इसरायलीमन ला सिखा दे, ताकि येह ओमन के बिरूध मोर
गवाह ठहिरय।
20 जब मेंह ओमन ला ओ देस म ले आहूं, जिहां दूध अऊ मंधरस बहुंतायत म मिलथे, ओ देस जेला देय के
मेंह ओमन के पुरखामन ले सपथ खाय रहेंव, अऊ जब ओमन ला भरपेट खाय बर मिलही अऊ ओमन उन्नति
करहीं, तब ओमन मोर करार ला टोरके मोला अस्वीकार करहीं अऊ आने देवतामन कोति जाके ओमन के
अराधना करहीं।
21 अऊ जब बहुंत बिपत्ति अऊ संकट ओमन ऊपर आही, तब ये गीत ह ओमन के बिरूध गवाही दीही,
काबरकि ये गीत ला ओमन के संतानमन नइं भुलाय होहीं। मेंह जानत हंव कि ओमन का करे के ठाने हवंय,
हालाकि मेंह ओमन ला अभी ओ देस म नइं लाने हंव, जेकर वायदा मेंह ओमन ले करे हवंव।"
22 तब मूसा ह ओ दिन ये गीत ला लिख लीस अऊ येला इसरायलीमन ला सिखाईस।
23 तब यहोवा ह नून के बेटा यहोसू ला ये हुकूम दीस: "मजबूत अऊ साहसी बन, काबरकि तेंह इसरायलीमन
ला ओ देस म लेके जाबे, जेकर वायदा मेंह ओमन ले करे हवंव, अऊ मेंह खुद तोर संग रहिहूं।"
24 जब मूसा ह कानून के ये बचन ला सुरू ले लेके आखिरी तक एक किताब म लिख लीस,
25 त ओह ओ लेवीमन ला ये हुकूम दीस, जेमन यहोवा के करार के सन्दूक ला उठाके चलंय:
26 "कानून के ये किताब ला लव अऊ यहोवा अपन परमेसर के करार के सन्दूक के बाजू म रख दव। उहां येह
तुम्हर बिरूध एक गवाह के रूप म रहय।
27 काबरकि मेंह जानत हंव कि तुमन कतेक बिदरोही अऊ ढीठ सुभाव के अव। जब मेंह अभी जीयत हंव अऊ
तुम्हर संग हवंव, तब तुमन यहोवा के बिरूध बिदरोह करे हव, त फेर मोर मरे के बाद तुमन कतेक जादा बिदरोह
करहू!
28 अपन-अपन गोत्र के जम्मो अगुवा अऊ जम्मो करमचारीमन ला मोर करा इकट्ठा करव, ताकि मेंह ये बचन
ओमन ला सुनावंव अऊ अकास अऊ धरती ला ओमन के बिरूध गवाह बनावंव।

---

* **31:16** मोर संग बिसवासघात करहीं

29 काबरकि मेंह जानत हंव कि मोर मरे के बाद तुमन एकदम बिगड़ जाहू अऊ ओ रसता ले हट जाहू, जेकर
हुकूम मेंह तुमन ला दे हवंव। अवइया दिन म, तुम्हर ऊपर बिपत्ति आही, काबरकि तुमन यहोवा के नजर म दुस्ट
काम करहू अऊ अपन हांथ ले करे गय काम के दुवारा तुमन ओकर कोरोध ला भड़काहू।"

[illegible]

30 तब मूसा ह इसरायल के जम्मो सभा ला सुरू ले लेके आखिरी तक ये गीत के बचन ला पढ़के सुना दीस:

32

1 हे अकास, तेंह सुन अऊ मेंह गोठियाहूं;
हे धरती, तेंह मोर मुहूं के बातमन ला सुन।
2 मोर सिकछा ह बारिस के सहीं गिरय
अऊ मोर बचन ह ओस के सहीं पड़य,
नवां कांदी ऊपर पानी के बौछार सहीं,
अऊ कोमल पऊधामन ऊपर बारिस के झड़ी सहीं गिरय।

3 मेंह यहोवा के नांव के घोसना करहूं।
जम्मो मनखेमन हमर परमेसर के महानता के परसंसा करव!
4 ओह चट्टान अय, ओकर काममन एकदम सही अंय,
अऊ ओकर जम्मो रसता नियाय के अंय।
ओह एक बिसवासयोग्य परमेसर अय, जऊन ह गलत काम नइं करय,
ओह ईमानदार अऊ नियायी अय।

5 इसरायलीमन बिगड़ गे हवंय अऊ ओमन ओकर लइका नो हंय;
अपन बेसरमी म, ओमन बेईमान अऊ दुस्ट पीढ़ी के मनखे अंय।
6 हे मुरूख अऊ निरबुद्धि मनखेमन,
का तुमन ये किसम ले यहोवा ला बदला देवत हव?
का ओह तुम्हर ददा, तुम्हर सिरजनहार नो हय,*
जऊन ह तुमन ला बनाईस अऊ तुमन ला आकार दीस?

7 पुराना जमाना ला सुरता करव;
बहुंत पहिले के पीढ़ीमन ऊपर बिचार करव।
अपन ददा ले पुछव अऊ ओह तुमन ला बताही,
अपन अगुवामन ले पुछव, अऊ ओमन तुमन ला समझाहीं।
8 जब सर्वोच्च परमेसर ह जाति-जाति के मनखेमन ला ओमन के उत्तराधिकार दीस,
जब ओह मनखे-जात ला अलग-अलग करिस,
ओह इसरायल के बेटामन के गनती के मुताबिक
मनखेमन बर सीमना बांधिस।
9 काबरकि यहोवा के बांटा ओकर मनखेमन अंय,
याकूब ह उत्तराधिकार म मिले ओकर भाग ए।

10 एक मरू-भुइयां, एक बंजर
अऊ सांय-सांय करत भुइयां म ओला याकूब ह मिलिस।
ओह ओला सुरकछा दीस अऊ ओकर खियाल रखिस;
अपन आंखी के पुतली के सहीं ओकर देखरेख करिस,
11 जइसे एक गिधवा ह अपन खोंधरा ला हलाथे

* **32:6** या ददा, *[illegible]*

अऊ अपन पीलामन ऊपर मंडराथे,
ताकि अपन डेना ला फईलाके ओमन ला पकड़य
अऊ उठाके ऊपर ले जावय।
12 यहोवा ह एके झन ओकर अगुवई करिस;
कोनो पराय देवता ओकर संग नइं रिहिस।

13 ओह ओला धरती के ऊंच-ऊंच जगह म ले गीस
अऊ खेतमन के फसल ओला खवाईस।
ओह ओकर पालन-पोसन चट्टान के मंधरस,
अऊ कठोर खड़े चट्टान के तेल म ले करिस
14 ओह ओला पसुमन के झुंड के दूध-दही
अऊ बासान के छुंटे मेढ़ामन के संग
मोटा-ताजा भेड़ अऊ बोकरा के मांस
अऊ उत्तम किसम के गहूं के जेवन कराईस।
तेंह अंगूर के झागवाला लाल रस पीयय।

15 पर यसूरून† ह मोटा होके लात मारिस;
बहुंत खाके, ओमन भारी अऊ चिकना हो गीन।
ओमन ओ परमेसर ला तियाग दीन, जऊन ह ओमन ला बनाईस
अऊ ओ चट्टान अपन उद्धारकर्ता ला अस्वीकार करिन।
16 ओमन पराय देवतामन ला मानके ओला जलन रखनेवाला बना दीन
अऊ अपन घिनौना मूरतीमन के दुवारा ओला रिस देवाईन।
17 ओमन झूठ-मूठ के देवतामन ला बलिदान चघाईन, जेमन परमेसर नो हंय;
ओ देवतामन, जेमन ला ओमन नइं जानत रिहिन,
ओ देवतामन, जेमन कुछू समय पहिले परगट होय रिहिन,
ओ देवतामन, जेमन के भय तुम्हर पुरखामन म नइं रिहिस।
18 तुमन ओ चट्टान ला छोंड़ देव, जऊन ह तुमन ला पालिस-पोसिस;
तुमन ओ परमेसर ला भुला गेव, जऊन ह तुमन ला पईदा करिस।

19 यहोवा ह येला देखिस अऊ ओमन ला अस्वीकार कर दीस
काबरकि ओमन के बेटा-बेटीमन ओला गुस्सा देवाईन।
20 तब यहोवा ह कहिस, "मेंह ओमन ले अपन मुहूं छुपा लूहूं,
अऊ देखहूं कि ओमन के अन्त कइसे होही;
काबरकि ओमन एक बिगड़े पीढ़ी के मनखे अंय,
अइसे संतान अंय, जेमन बिसवासयोग्य नो हंय।
21 ओमन मोर म ओकर दुवारा जलन पईदा करिन, जऊन ह ईस्वर नो हय
अऊ अपन बेकार के मूरतीमन के दुवारा मोला गुस्सा देवाईन।
मेंह ओमन म ओमन के दुवारा जलन पईदा करहूं, जेमन एक जाति नो हंय;
मेंह ओमन ला एक अइसे जाति के दुवारा कोरोध दिलवाहूं, जेमन म समझ नइं ए।
22 काबरकि मोर कोप के आगी ह बरही,
अइसन आगी, जऊन ह खाल्हे तक मिरतू-लोक ला जला देथे।
येह धरती अऊ येकर ऊपज ला भसम कर दीही
अऊ पहाड़मन के नीव म आगी लगा दीही।

† **32:15** [illegible] के मतलब होथे [illegible] [illegible] याने कि इसरायल; देखव यसा 44:2

23 “मेंह ओमन ऊपर बहुंत बिपत्ति लानहूं
अऊ ओमन ऊपर अपन तीर चलाहूं।
24 मेंह ओमन ऊपर नास करइया अकाल,
बिनास करइया अऊ मिरतू देवइया महामारी लानहूं;
मेंह ओमन ऊपर जंगली पसु पठोहूं, जेमन ओमन ला काट खाहीं,
अऊ मेंह ओमन ऊपर धुर्रा म रेंगइया करैत सांप के जहर पठोहूं।
25 घर के बाहिर गली म ओमन तलवार ले मारे जाहीं;
ओमन के घर म आतंक छा जाही।
जवान छोकरा अऊ छोकरी
दूध पीयत लइका अऊ डोकरामन नास हो जाहीं।
26 मेंह कहेंव कि मेंह ओमन ला तितिर-बितिर कर दूहूं
अऊ मनखेमन के सुरता ले ओमन के नांव तक मिटा दूहूं,
27 पर मोला बईरीमन के ताना मारे के भय रिहिस,
अइसे झन होवय कि बिरोधीमन गलत समझंय
अऊ ये कहंय, ‘हमन अपन बाहुबल ले जय पाय हन;
यहोवा ह ये जम्मो काम नइं करे हवय।’ ”

28 ओमन एक अइसन जाति के मनखे अंय, जेमन करा गियान नइं ए,
ओमन म कुछू समझ नइं ए।
29 कास ओमन म बुद्धि होतिस अऊ ओमन ये बात ला समझतिन
अऊ जानतिन कि ओमन के का अन्त होही!
30 एक मनखे ह हजार मनखे ला कइसे भगा सकही,
या दू झन दस हजार के संग कइसे लड़ सकत हें,
जब तक कि ओमन के चट्टान ह ओमन ला बेच नइं देवय,
अऊ यहोवा ह ओमन ला आने मन के हांथ म नइं कर देवय?
31 काबरकि ओमन के चट्टान ह हमर चट्टान सहीं नो हय,
इहां तक कि हमर बईरीमन घलो ये बात ला स्वीकार करथें।
32 ओमन के अंगूर के नार ह सदोम के अंगूर के नार
अऊ अमोरा के खेतमन ले आथे।
ओमन के अंगूरमन जहर ले,
अऊ ओमन के गुच्छामन करूवाहट ले भरे हवंय।
33 ओमन के अंगूर के मंद ह सांप के जहर,
नाग सांप के घातक जहर अय।

34 “का मेंह येला जमा करके
अऊ मोर गुफा म मुहर लगाके नइं रखे हंव?
35 बदला लेवई मोर काम ए; मेंह बदला लूहूं।
सही समय म ओमन के पांव ह फिसलही;
ओमन के बिपत्ति के दिन ह लकठा म हवय
अऊ बिनास ह ओमन ऊपर जल्दी अवइया हे।”

36 जब यहोवा ह देखही कि ओकर मनखेमन के सक्ति खतम हो गे हवय
अऊ कोनो नइं बचे हवंय, न गुलाम न सुतंतर मनखे,
त ओह अपन मनखेमन के बचाव करही

अऊ अपन सेवकमन के ऊपर दया देखाही।
37 अऊ यहोवा ह कहिही, “ओमन के देवतामन कहां हवंय,
ओ चट्टान, जिहां ओमन सरन ले रिहिन,
38 ओ देवता, जेमन ओमन के चघाय बलिदान के चरबी ला खाईन
अऊ ओमन के पेय-बलिदान के अंगूर के मंद ला पीईन?
ओमन तुम्हर मदद करे बर उठंय!
ओमन तुमन ला सरन देवंय!

39 “तुमन अब देख लव कि मेंह खुद ओ अंव!
मोर छोंड़ अऊ कोनो देवता नइं एं।
मेंह मिरतू देथंव अऊ मेंह जिनगी देथंव,
मेंह चोट लगाय हंव अऊ मेंह चंगा करहूं,
अऊ कोनो मोर हांथ ले बचा नइं सकंय।
40 मेंह स्वरग कोति हांथ उठाके कसम खावत हंव:
मोर जिनगी के सपथ,
41 जब मेंह अपन चमकत तलवार म धार लगाहूं
अऊ मोर हांथ ह नियाय बर येला धरही,
त मेंह अपन बईरीमन ले बदला लूहूं
अऊ ओमन ला बदला चुकाहूं, जेमन मोर ले घिन करथें।
42 मोर तीरमन खून ले भर जाहीं,
अऊ मोर तलवार ह मांस ला चीर-फार दीही:
मारे गय मनखे अऊ बंधुवामन के खून ले लाल हो जाही,
अऊ बईरीमन के अगुवामन के मुड़मन ला चीर-फार दीही।”

43 हे जाति-जाति के मनखेमन ओकर मनखेमन के संग आनंद मनावव,
काबरकि ओह अपन सेवकमन के खून के बदला लीही;
ओह अपन बईरीमन ले बदला लीही
अऊ अपन देस अऊ अपन मनखेमन बर प्रायस्चित ला पूरा करही।
44 मूसा ह नून के बेटा यहोसू‡ के संग आईस अऊ ये गीत के जम्मो बचन ला मनखेमन ला सुनाईस।
45 जब मूसा ह जम्मो इसरायलीमन ला ये जम्मो बचन पढ़के सुना दीस,
46 त ओह ओमन ला कहिस, “जऊन बचन मेंह आज तुमन ला गंभीरता से सुनाय हंव, ओ जम्मो ला अपन मन म रख लव, ताकि तुमन अपन लइकामन ला हुकूम दे सकव कि ओमन धियान देके ये कानून के जम्मो बचन के पालन करंय।
47 येमन तुम्हर बर बेमतलब के बचन नो हंय—येमन तुम्हर जिनगी अंय। येमन के दुवारा ओ देस म लम्बा समय तक जीयत रहिहू, जेकर ऊपर अधिकार करे बर तुमन यरदन नदी के ओ पार जावत हव।”

[illegible]
48 ओहीच दिन यहोवा ह मूसा ला कहिस,
49 “तेंह नबो पहाड़ के अबारीम छेत्र के ऊपर जा, जऊन ह मोआब देस म यरीहो सहर के ओ पार हवय, अऊ कनान देस ला देख, जेला मेंह इसरायलीमन ला ओमन के अधिकार म देवत हंव।
50 ओ पहाड़ जिहां तेंह चढ़बे, उहां तेंह मर जाबे अऊ अपन मरे मनखेमन संग मिल जाबे, जइसे कि तोर भाई हारून ह होर पहाड़ ऊपर मरिस अऊ अपन मरे पुरखामन संग मिल गीस।
51 येकर कारन ये अय कि सीन के निरजन जगह म, मरीबा-कादेस के पानी के सोता करा, तुमन दूनों मोर बिसवास ला टोर देव अऊ इसरायलीमन के बीच म मोर पबितरता ला बनाय नइं रखेव।

‡ **32:44** इबरानी म [illegible], एक आने नांव [illegible] के

52 एकरसेति, तेंह ओ देस ला दूरिहा ले सिरिप देख सकबे; तेंह ओ देस म नइं जा सकबे, जेला मेंह इसरायल के
मनखेमन ला देवत हंव।”

33

[illegible]

1 परमेसर के जन मूसा ह अपन मिरतू के पहिले इसरायलीमन ला जऊन आसीस दीस, ओह ये अय।
2 ओह कहिस:
“यहोवा ह सीनय पहाड़ ले आईस
अऊ सेईर पहाड़ ले ओमन ऊपर सूरज के सहीं परगट होईस;
ओह पारान पहाड़ ले अपन अंजोर के चमक देखाईस।
ओह हजारों पबितर जन के संग*
दक्खिन ले, अपन पहाड़ के ढाल म ले आईस।†
3 खचित येह तें अस, जऊन ह अपन मनखेमन ले मया करथस;
जम्मो पबितर जन तोर हांथ म हवंय।
तोर गोड़ म ओ जम्मो झन मुड़ नवाथें,
अऊ तोर ले ओमन ला हुकूम मिलथे,
4 ओ कानून जेला मूसा हमन ला दीस,
अऊ याकूब के सभा के अधिकार घलो मिलथे।
5 जब मनखेमन के अगुवामन
इसरायल के गोत्रमन के संग जूरे रिहिन,
तब ओह यसूरून‡ के राजा रिहिस।

6 “रूबेन§ ह जीयत रहय अऊ ओह झन मरय,
अऊ ओकर मनखेमन कम झन होवंय।”
7 अऊ मूसा ह यहूदा के बारे म ये कहिस:
“हे यहोवा, यहूदा के बिनती ला सुन;
ओला ओकर मनखेमन करा लान।
अपन खुद के हांथ ले ओह अपन मामला के बचाव करथे।
ओकर बईरीमन के बिरूध ओकर मदद कर!”
8 लेवी के बारे म ओह कहिस:
“तोर तुम्मीम अऊ ऊरीम*
तोर बिसवासयोग्य सेवक के अंय।
तेंह ओला मस्सा करा परखय;
तेंह मरीबा के सोता करा ओकर संग बाद-बिबाद करय।
9 ओह अपन दाई अऊ ददा के बारे म कहिस,
‘ओमन बर मोर मन म कोनो आदर नइं ए।’
ओह अपन भाईमन ला नइं पहिचानिस
अऊ न ही अपन लइकामन ला स्वीकार करिस,
पर ओह तोर बचन के पालन करिस
अऊ तोर करार के रखवारी करिस।
10 ओह याकूब ला तोर नियम
अऊ इसरायल ला तोर कानून के सिकछा देथे।
ओह तोर आघू म धूप जलाथे

---

* **33:2** या [illegible] † **33:2** इबरानी म येकर मतलब ह साफ नइं ए ‡ **33:5** [illegible] के मतलब [illegible] याने कि इसरायल; देखव पद 26 म घलो § **33:6** [illegible] के [illegible] * **33:8** देखव निर 28:30; लैव्य 8:8; 1 समू 14:41-42

अऊ तोर बेदी म पूरा होम-बलिदान चघाथे।
11 हे यहोवा, ओकर जम्मो कुसलता ऊपर आसीस दे,
अऊ ओकर हांथ के सेवा ला गरहन कर।
जेमन ओकर बिरूध ठाढ़ होथें, ओमन ला अऊ ओकर बईरीमन ला
अइसे मार कि ओमन फेर ठाढ़ झन हो सकंय।"
12 बिनयामीन के बारे म ओह कहिस:
"यहोवा के मयारू ह ओकर सुरकछा म रहय,
काबरकि यहोवा ह दिन भर ओकर सुरकछा करथे,
अऊ जेला यहोवा ह मया करथे, ओह ओकर दूनों कंधा के बीच म रहिथे।"
13 यूसुफ के बारे म ओह कहिस:
"यहोवा ह ओकर देस ला
ऊपर अकास के कीमती ओस ले
अऊ खाल्हे के गहिरा पानी ले आसीस देवय;
14 सूरज के परभाव ले उपजे सबले बने चीज
अऊ चंदा के दुवारा दिये उत्तम चीज;
15 पुराना पहाड़मन के मनपसंद ईनाम
अऊ सदाकाल तक बने रहइया पहाड़ीमन के फर;
16 धरती अऊ येकर भरपूरी म ले सबले उत्तम चीजमन के आसीस यहोवा देवय
अऊ ओकर किरपा बने रहय, जऊन ह बरत झाड़ी म रिहिस।†
ये जम्मो चीज यूसुफ के मुड़ म
याने कि ओकर भौंह म उतरय, जऊन ह अपन भाईमन के बीच राजकुमार रिहिस।
17 वैभव म ओह एक पहिलांत सांड़ के सहीं अय;
ओकर सींगमन जंगली बईला के सींग के सहीं अंय।
ओमन के दुवारा ओह जाति-जाति के मनखे,
इहां तक कि धरती के छोर के मनखेमन ला घायल करही।
अइसने अंय एपरैम के दस हजार;
अइसने अंय मनस्से के हजारों-हजार।"
18 जबूलून के बारे म ओह कहिस:
"हे जबूलून, अपन बाहिर जवई म,
अऊ हे इस्साकार, तेंह अपन तम्बू म आनंद मना।
19 ओमन मनखेमन ला पहाड़ ऊपर बलाहीं
अऊ उहां धरमीपन के बलिदान चघाहीं;
ओमन समुंदर के बहुंत चीज,
अऊ बालू म छुपे खजाना म ले लाभ उठाहीं।"
20 गाद के बारे म ओह कहिस:
"धइन अय ओ, जऊन ह गाद के इलाका ला बढ़ाथे!
गाद ह उहां एक सिंह के सहीं रहिथे,
अऊ बाहां या मुड़ ला चीर देथे।
21 ओह अपन बर सबले बढ़िया भुइयां ला चुनिस;
अगुवा के भाग ह ओकर बर रखे गे रिहिस।
जब मनखेमन के मुखियामन जूरिन,
त ओह यहोवा के धरमी ईछा
अऊ इसरायल के बारे म ओकर नियाय ला पूरा करिस।"

† **33:16** देखव निर 3:1-6

22 दान के बारे म ओह कहिस:
“दान ह बासान के उछलत-कूदत
सिंह के एक पीला ए।”
23 नपताली के बारे म ओह कहिस:
“नपताली के ऊपर यहोवा के बहुंत किरपा हवय
अऊ ओह यहोवा के आसीस ले भरे हवय;
ओला समुंदर कोति दक्खिन के भाग उत्तराधिकार म मिलही।”
24 आसेर के बारे म ओह कहिस:
“बेटामन म आसेर ह सबले जादा आसीसित अय;
ओकर ऊपर ओकर भाईमन के किरपा होवय,
अऊ ओकर पांव ह तेल म नहावय।
25 तोर दुवार के छड़मन लोहा अऊ कांसा के होहीं,
अऊ तोर बल ह तोर उमर के बराबर होही।

26 “यसूरून के परमेसर के सहीं कोनो नइं अंय,
जऊन ह अकास के ओ पार ले
अपन वैभव म बादर ऊपर सवार होके तोर मदद करे बर आथे।
27 अनादि परमेसर ह तोर सरन-स्थान ए,
अऊ तोर खाल्हे म सदा बने रहइया बाहांमन हवंय।
ओह तोर आघू ले तोर बईरीमन ला ये कहिके भगा दीही,
‘ओमन ला नास कर दव!’
28 एकरसेति इसरायल ह निडर होके रहिही;
याकूब ह अनाज अऊ नवां अंगूर के मंद के देस म
सुरकछित निवास करही,
जिहां अकास ले ओस गिरथे।
29 हे इसरायल, धइन अस तें!
यहोवा ले उद्धार पाय मनखे,
तोर सहीं कोन हवय?
ओह तोर ढाल अऊ मददगार
अऊ महिमामय तलवार ए।
तुम्हर बईरीमन तुम्हर आघू म झुकहीं,
अऊ तुमन ओमन के ऊंच जगहमन ला रऊंद डालहू।”

34

[illegible]

1 तब मूसा ह मोआब के मैदान ले नबो पहाड़ ऊपर पिसगा के चोटी म चढ़ गीस, जऊन ह यरीहो के ओ पार हवय। उहां यहोवा ह ओला पूरा देस ला देखाईस—गिलाद के इलाका ले लेके दान नगर तक,
2 पूरा नपताली, एपरैम अऊ मनस्से के इलाका, यहूदा के जम्मो देस भूमध्य सागर तक,
3 नेगेव अऊ पूरा इलाका—यरीहो के घाटी, खजूर के सहर ले लेके सोअर तक।
4 तब यहोवा ह मूसा ला कहिस, “येह ओ देस ए, जेला मेंह सपथ खाके अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब ला देय के वायदा ये कहिके करे रहेंव, ‘येला मेंह तुम्हर संतानमन ला दूहूं।’ मेंह तोला ये देस देखावत हंव, पर तें पार होके उहां नइं जा सकबे।”
5 अऊ उहां मोआब देस म यहोवा के सेवक मूसा के मिरतू हो गीस, जइसे कि यहोवा ह कहे रिहिस।

6 यहोवा ह ओला मोआब म बेत-पोर नगर के सामने घाटी म माटी दीस,* पर आज तक कोनो ला पता नइं
चलिस कि ओकर कबर कहां हवय।
7 जब मूसा के मिरतू होईस, तब ओह एक सौ बीस बछर के रिहिस, तभो ले ओकर आंखी ह न तो कमजोर
होय रिहिस अऊ न ही ओकर बल ह घटे रिहिस।
8 इसरायलीमन मोआब के मैदान म मूसा बर तीस दिन तक बिलाप करते रिहिन, जब तक कि रोये अऊ सोक
मनाय के समय ह खतम नइं हो गीस।
9 नून के बेटा यहोसू ह बुद्धि के आतमा ले भर गे रिहिस, काबरकि मूसा ह अपन हांथ ओकर ऊपर रखे रिहिस।
एकरसेति इसरायलीमन ओकर बात ला सुनिन अऊ ओ काम करिन जेकर हुकूम यहोवा ह मूसा ला दे रिहिस।
10 ओकर बाद, इसरायल म कोनो भी अगमजानी मूसा के सहीं नइं होईस, जेकर ले यहोवा ह आमने-सामने
बात करिस,
11 जऊन ह ओ जम्मो चिनहां अऊ चमतकार देखाईस, जेमन ला देखाय बर यहोवा ह ओला मिसर देस म
पठोय रिहिस कि ओह फिरौन, अऊ ओकर जम्मो करमचारी अऊ ओकर पूरा देस के सामने ओ चिनहां अऊ
चमतकारमन ला देखावय।
12 काबरकि कभू कोनो अइसे अपार सक्ति या अद्भूत काम करके नइं देखाय रिहिन, जइसे मूसा ह इसरायल
के जम्मो मनखेमन के आघू म करके देखाईस।

* **34:6** या [illegible]

यहोसू
के किताब

[illegible]

1 यहोवा के सेवक मूसा के मरे के बाद यहोवा ह मूसा के सहायक नून के बेटा यहोसू ला कहिस,
2 “मोर दास मूसा ह मर गे हवय; त अब तेंह उठ, अऊ इसरायली मनखेमन संग यरदन नदी ला पार करके ओ
देस म जाय बर तियार हो जा, जेला मेंह ओमन ला, याने कि इसरायली मनखेमन ला देनेचवाला हंव।
3 जइसे कि मेंह मूसा ले वायदा करे हवंव, जऊन-जऊन जगह म तुमन अपन गोड़ ला रखहू, ओ जम्मो देस
ला मेंह तुमन ला दे दूहूं।
4 निरजन प्रदेस ले लबानोन, अऊ बड़े नदी, फरात—हित्तीमन के जम्मो देस ले—पछिम म भूमध्य सागर तक
तुम्हर इलाका होही।
5 तोर जिनगी भर कोनो मनखे तोर आघू म ठहिर नइं सकय; जइसन मेंह मूसा संग रहंय, वइसन तोर संग
घलो रहिहूं; मेंह तोला कभू नइं छोंड़हूं अऊ न ही तोला तियागहूं।
6 एकरसेति मजबूत अऊ साहसी बन; काबरकि जऊन देस ला देय के सपथ, मेंह इसरायली मनखेमन के
पुरखामन ले खाय हवंव, ओ देस ला अपन कब्जा म करे बर ये मनखेमन के अगुवई तेंह करबे।
7 “एकरसेति तेंह मजबूत अऊ अब्बड़ साहसी बन। जऊन कानून ला मोर दास मूसा ह तोला दे हवय, ओ
जम्मो कानून ला धियान देके मान; ये कानून ले तेंह डेरी या जेवनी झन मुड़बे,* तब तेंह जिहां कहूं जाबे, ओ हर
जगह म तें सफल होबे।
8 परमेसर के कानून के ये किताब ला अपन चित ले कभू झन उतरन देबे; ये किताब म दिन अऊ रथिया धियान
करत रहिबे, ताकि तेंह ये किताब म लिखाय हर बात ला माने म सचेत रह। तब तेंह सम्पन्न अऊ सफल होबे।
9 का मेंह तोला हुकूम नइं दे हवंव? मजबूत अऊ साहसी बन। झन डराबे: निरास झन होबे, काबरकि जिहां
घलो तेंह जाबे, यहोवा तोर परमेसर ह तोर संग रहिही।”
10 तब यहोसू ह इसरायलीमन के अधिकारीमन ला हुकूम दीस:
11 “जम्मो डेरा म होके जावव, अऊ मनखेमन ला हुकूम देवव, ‘अपन-अपन बर खाना तियार करके रखव;
काबरकि तीन दिन के भीतर म तुमन ला यरदन नदी के ओ पार जाके ओ देस ला अपन कब्जा म करना हवय,
जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला तुम्हर कब्जा म देनेवाला हवय।’ ”
12 लेकिन यहोसू ह रूबेन अऊ गाद के गोत्र अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन ला कहिस,
13 “जऊन हुकूम ला यहोवा परमेसर के दास मूसा ह तुमन ला बताय रिहिस, ओला सुरता रखव; हुकूम ला
बताय के बाद ओह कहे रिहिस, ‘यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला ये देस देय के दुवारा तुमन ला अराम दीही।’
14 तुम्हर घरवालीमन, तुम्हर लइकामन अऊ पसु-धन ओ जगह म रूक सकत हंय, जऊन ला मूसा ह तुमन
ला यरदन नदी के पूरब दिग म दे हवय, पर तुम्हर जम्मो सैनिकमन लड़ई बर तियार होके तुम्हर संगी
इसरायलीमन के आघू-आघू यरदन नदी के ओ पार जावंय। तुमन ला ओमन के मदद करना हे,
15 जब तक कि यहोवा ह तुम्हर संगी इसरायलीमन ला बिसराम नइं देवय, जइसन कि ओह तुमन ला बिसराम
दे हवय, अऊ जब तक ओमन घलो ओ देस ला अपन अधिकार म नइं ले लेवंय, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह
ओमन ला देवत हवय। ओकर पाछू, तुमन अपन खुद के भुइयां ला अपन कब्जा म करे बर वापिस जा सकत
हवव, जेला यहोवा के दास मूसा ह, सूरज निकले के दिग म यरदन नदी के पूरब म तुमन ला दे हवय।”
16 तब ओमन यहोसू ला जबाब दीन, “जऊन कुछू तेंह हमन ला करे के हुकूम दे हस, ओ काम ला हमन करबो,
अऊ जिहां घलो तेंह हमन ला पठोबे, उहां हमन जाबो।
17 जइसन हमन मूसा के सब बात मानत रहेंन, वइसनेच तोर बात ला घलो मानबो। सिरिप अइसन होवय कि
यहोवा तोर परमेसर ह जइसन मूसा के संग रिहिस, वइसने तोर संग घलो रहय।

---

* **1:7** या *[illegible]*

18 जऊन ह तोर बात के बिरोध म बिदरोह करही अऊ जऊन हुकूम तेंह देबे, ओला नइं मानही, त ओह मार
डारे जाही। तेंह सिरिप मजबूत अऊ साहसी बने रह!”

2

[illegible]

1 एकर बाद नून के बेटा यहोसू ह दू झन मनखेमन ला भेद लेय खातिर सित्तीम नगर ले चुपेचाप भेजिस, अऊ
ओ मनखेमन ला कहिस, “जाके ओ देस ला देखव, बिसेस करके यरीहो सहर ला।” त ओमन उहां ले चल दीन,
अऊ राहाब नांव के एक बेस्या के घर म जाके ठहिरिन।
2 तब कोनो मनखे ह जाके यरीहो के राजा ला बता दीस कि आज रथिया कुछू इसरायलीमन हमर देस के भेद
ले बर इहां आय हवंय।
3 त यरीहो के राजा ह राहाब करा ये खबर भेजिस: “जऊन आदमीमन तोर इहां आय हवंय, ओमन ला बाहिर
लान, काबरकि ओमन हमर जम्मो देस के भेद लेय खातिर आय हवंय।”
4 ओ माईलोगन ह दूनों मनखेमन ला छिपा दे रिहिस, अऊ ओह राजा के सेवकमन ला कहिस, “मोर घर म
मनखेमन आय तो रिहिन, पर मेंह नइं जानंव कि ओमन कहां ले आय रिहिन।
5 जब अंधियार हो गीस, अऊ नगर के दुवार बंद होय लगिस, त ओमन चल दीन; मेंह नइं जानंव कि ओमन
कते डहार गीन। तुमन जल्दी करके ओमन के पीछा करव, त ओमन ला धर लूहू।”
6 (पर ओ माईलोगन ह ओ दूनों मनखे ला अपन घर के छानी म चघाके सनई के ओ लकड़ी के खाल्हे म छिपा
दे रिहिस, जऊन ला ओह छानी म इकट्ठा करके रखे रिहिस।)
7 तब राजा के ओ सिपाहीमन यरदन नदी के डहार ले ओ भेदिया मनखेमन के खोज म घाट तक चल दीन,
अऊ जइसे ही ओमन के खोजनेवालामन दुवारी ले निकलिन, त नगर के दुवार ला बंद कर दिये गीस।
8 भेदियामन के सुते के पहिले ओ माईलोगन ह ओमन करा छानी म जाके
9 ओ मनखेमन ला कहिस, “अब मेंह जान गे हंव कि यहोवा ह तुमन ला ये देस ला दे हवय, अऊ तुमन के डर
हमन के मन म हमा गे हवय, अऊ ये देस के जम्मो रहनेवालामन तुम्हर खातिर घबरावत हवंय
10 काबरकि हमन सुने हवन कि जब तुमन मिसर देस ले निकलके आएव, त यहोवा ह तुम्हर बर लाल-समुंदर*
के पानी ला सूखा दीस, अऊ ये घलो कि तुमन सीहोन अऊ ओग के अमोरीमन के दूनों राजामन ला, जऊन मन
यरदन नदी के ओ पार रिहिन, पूरा सतियानास कर डालेव।
11 जइसे ही ये गोठ ला हमन सुनेंन, हमन डर के मारे घबरा गेंन अऊ तुम्हर कारन काकरो जी म जी नइं
रिहिस; काबरकि तुम्हर यहोवा परमेसर ह ऊपर अकास के अऊ खाल्हे धरती के परमेसर अय।
12 “अब मेंह जो तुम्हर ऊपर किरपा करे हंव, एकर खातिर मोर ले यहोवा परमेसर के किरिया खावव कि तुमन
घलो मोर ददा के घराना ऊपर किरपा करहू, अऊ एकर एक सच्चा चिनहां मोला देवव
13 कि तुमन मोर दाई अऊ ददा, भाई अऊ बहिनीमन ला, अऊ जऊन कुछू ओमन के हवय ओ सबो ला
जीयत छोंड़ दूहू अऊ हमन ला मिरतू ले बचाहू।”
14 तब ओ मनखेमन ओ माईलोगन ले कहिन, “तुम्हर परान के बदला म हमर परान जावय! जऊन काम हमन
करत हन, अगर तेंह येला नइं बताबे, त जब यहोवा परमेसर ह हमन ला ये देस ला दे दीही, तब हमन तोर संग
किरपा अऊ सच्चई से बरताव करबो।”
15 राहाब ह जऊन घर म रहत रिहिस, ओह सहर के दीवार म बने रिहिस, त ओह ओमन ला खिड़की ले रस्सी
के दुवारा उतारके नगर के बाहिर कर दीस।
16 अऊ ओह ओमन ला कहिस, “तुमन पहाड़ी कोति चले जावव, ताकि राजा के मनखेमन तुमन ला झन खोज
सकंय। जब तक तुम्हर खोजनेवालामन वापिस नइं आ जावंय, तब तक तुमन उहां तीन दिन तक छिपे रहव,
ओकर बाद अपन डहार म चले जावव।”
17 ओ मनखेमन ओला कहिन, “जऊन किरिया तेंह हमन ला खवाय हस, ओकर बिसय म हमन तो निरदोस
रहिबो।

---

* **2:10** याने *[illegible]*

18 सुन, जब हमन ये देस म आबो, तब जऊन खिड़की ले तेंह हमन ला उतारे हस, ओमा ये लाल रंग के फीता
ला बांध देबे; अऊ तोर दाई-ददा, तोर भाईमन ला अऊ अपन ददा के घराना के जम्मो झन ला अपन घर म जमा
करके रखबे।
19 यदि कोनो तोर दुवारी ले बाहिर निकलही, त ओकर लहू के दोस ओकरेच मुड़ म पड़ही, अऊ हमन निरदोस
ठहिरबो; पर कहूं तोर संग तोर घर म, काकरो ऊपर काकरो हांथ पड़ही, त ओकर लहू के दोस हमर ऊपर लगही।
20 फेर यदि तेंह हमर ये बात ला काकरो करा बताबे, त जऊन किरिया तेंह हमन ला खवाय हस, ओकर ले
हमन छूट जाबो।"
21 ओह कहिस, "ठीक हे, तुम्हर बचन के मुताबिक होवय।"
तब ओह ओमन ला बिदा करिस, अऊ ओमन चल दीन; अऊ ओह ओ लाल रंग के फीता ला खिड़की म बांध
दीस।
22 तब ओमन उहां ले पहाड़ी म चल दीन, अऊ तीन दिन तक उहां रूके रिहिन, जब तक कि ओमन ला
खोजनेवालामन वापिस नइं चल दीन; खोजनेवालामन ओमन ला पूरा रसता भर खोजिन, पर ओमन ला नइं
पाईन।
23 तब दूनों मनखेमन पहाड़ी ले उतरिन, अऊ नदी के ओ पार नून के बेटा यहोसू करा आईन अऊ जऊन कुछू
ओमन के ऊपर बीते रिहिस, ओ जम्मो बात ओला बताईन।
24 ओमन यहोसू ला कहिन, "सच म यहोवा ह ओ जम्मो देस ला हमर हांथ म दे देय हवय; उहां के जम्मो
मनखेमन डर के मारे घबरावत हें।"

3

[illegible]

1 दूसर दिन बड़े बिहनियां यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन सित्तीम ले आघू बढ़िन अऊ यरदन नदी करा
आईन, अऊ नदी ला नाहके के पहिले उहां डेरा डालिन।
2 तीन दिन के पाछू मनखेमन के अधिकारीमन पूरा डेरा म जाके
3 मनखेमन ला ये हुकूम दीन: "जब तुमन यहोवा अपन परमेसर के करार के सन्दूक, अऊ ओला उठाके लेवीय
पुरोहितमन ला ले जावत देखव, तब तुमन अपन जगह ले उठके ओमन के पाछू-पाछू चलव।
4 पर तुम्हर अऊ सन्दूक के बीच म लगभग दू हजार क्यूबीट* के दूरी रहय; तुमन सन्दूक के लकठा म झन
जावव। ये किसम ले तुमन ला पता रहिही कि कोन रसता से तुमन ला चलना हे, काबरकि तुमन ये रसता में
पहिले कभू नइं गे हवव।"
5 फेर यहोसू ह मनखेमन ला कहिस, "तुमन अपनआप ला पबितर करव, काबरकि कल यहोवा ह तुम्हर बीच म
अद्भूत काम करही।"
6 तब यहोसू ह पुरोहितमन ला कहिस, "करार के सन्दूक ला उठाके मनखेमन के आघू-आघू चलव।" तब ओमन
करार के सन्दूक ला उठाके ओमन के आघू-आघू चलिन।
7 अऊ यहोवा ह यहोसू ला कहिस, "आज मेंह तोला जम्मो इसरायलीमन के नजर म ऊपर करे के सुरू करहूं,
ताकि ओमन जानंय कि जइसे मेंह मूसा के संग रहेंव, वइसे ही मेंह तोर संग घलो हवंव।
8 जऊन पुरोहितमन करार के सन्दूक ला उठाके ले जाथें, ओमन ला तें ये बता, 'जब तुमन यरदन नदी के पानी
के तीर म हबरव, त जावव अऊ यरदन के पानी म ठाढ़ हो जावव।' "
9 तब यहोसू ह इसरायलीमन ले कहिस, "इहां आवव अऊ यहोवा अपन परमेसर के बचन ला सुनव।
10 ये किसम ले तुमन जानहू कि जीयत परमेसर ह तुम्हर बीच म हवय अऊ ओह सच म कनानी, हित्ती,
हिब्बी, परिज्जी, गिरगासी, अमोरी अऊ यबूसीमन ला तुम्हर आघू ले भगा दीही।
11 देखव, जम्मो धरती के परभू के करार के सन्दूक ह तुम्हर आघू यरदन नदी म जाही।
12 एकरसेति, अब इसरायल के गोत्रमन ले बारह मनखे ला चुन लव, हर एक गोत्र ले एक झन।
13 अऊ जइसे ही जम्मो धरती के यहोवा के करार के सन्दूक उठानेवाला पुरोहितमन के पांव ह यरदन नदी के
पानी म पड़ही, वइसे ही नदी के खाल्हे कोति बहत पानी ह रूक जाही अऊ एक जगह जमा होके ठहर जाही।"

* **3:4** लगभग 900 मीटर

14 जब इसरायली मनखेमन यरदन ला पार करे बर डेरा ला उसालिन, त पुरोहितमन करार के सन्दूक ला
उठाके ओमन के आघू-आघू चलिन।
15 फसल के कटनी के पूरा समय म नदी के पानी ह पूरा भरके बहत रहय। पर जइसे ही पुरोहितमन करार के
सन्दूक ला उठाके यरदन नदी करा हबरिन अऊ ओमन के गोड़ ह पानी के तीर ला छुईस,
16 त ऊपर कोति ले बहत आवत पानी ह रूक गीस। अऊ येह बहुंत दूरिहा म, सारतान सहर के लकठा म
आदम नगर करा रूकके एक ठन ढेर म जमा हो गीस, जबकि खाल्हे कोति अराबा के समुंदर (मिरतू सागर) तरफ
बहत पानी ह पूरा अलग हो गीस। तब मनखेमन पार होके यरीहो के सामने आ गीन।
17 यहोवा के करार के सन्दूक ला उठाके ले जवइया पुरोहितमन यरदन नदी के मांझा म रूक गीन अऊ उहां
सूखा भुइयां म तब तक ठाढ़े रिहिन, जब तक कि जम्मो इसरायलीमन ओ पार जाय लगिन अऊ जम्मो मनखेमन
सूखा भुइयां म होके पूरा यरदन नदी के ओ पार नइं चल दीन।

4

1 जब जम्मो इसरायलीमन पूरा यरदन नदी के ओ पार चल दीन, त यहोवा ह यहोसू ला कहिस,
2 "मनखेमन के बीच ले बारह झन ला चुन, हर एक गोत्र ले एक मनखे,
3 अऊ ओमन ला कह कि ओमन यरदन नदी के मांझा ले, याने कि जिहां पुरोहितमन खड़े हवंय, उहां ले बारह
ठन पथरा उठाके तोर संग चलंय अऊ ओ पथरामन ला उहां रख देवंय, जिहां तें आज रथिया पड़ाव डालबे।"
4 तब यहोसू ह ओ बारह मनखे ला एक संग बलाईस, जेमन ला ओह इसरायलीमन के हर एक गोत्र से छांटके
ठहिराय रिहिस,
5 अऊ ओमन ला कहिस, "तुमन यहोवा अपन परमेसर के सन्दूक के आघू यरदन नदी के मांझा म जावव अऊ
इसरायलीमन के गोत्र के गनती के मुताबिक एक-एक ठन पथरा अपन कंधा म उठाववव;
6 ये पथरामन तुम्हर बीच म एक चिनहां ठहिरहीं। भविस्य म जब तुम्हर लइकामन तुमन ले ये पुछंय, 'ये
पथरामन के का मतलब ए?'
7 त तुमन ओमन ला बतावव कि यरदन नदी के पानी ह यहोवा के करार के सन्दूक के आघू म दू भाग हो गे
रिहिस। जब ओमन यरदन नदी ला पार करत रिहिन, तब नदी के पानी ह दू भाग हो गे रिहिस। ये पथरामन
इसरायलीमन बर हमेसा बर एक स्मारक ठहिरहीं।"
8 इसरायलीमन यहोसू के ये हुकूम के मुताबिक करिन। जइसन यहोवा ह यहोसू ला कहे रिहिस, वइसन ओमन
इसरायली गोत्रमन के गनती के मुताबिक बारह ठन पथरा यरदन के मांझा ले उठाईन, अऊ ओमन ला लानके
अपन डेरा म रख दीन।
9 अऊ यरदन नदी के मांझा म, जिहां पुरोहितमन करार के सन्दूक ला उठाके खड़े रिहिन, ओ जगह के बारह
ठन अऊ पथरा ला यहोसू ह स्थापित कर दीस। अऊ ओ पथरामन आज तक उहां हवंय।
10 अऊ पुरोहितमन सन्दूक ला उठाके यरदन नदी के मांझा म तब तक ठाढ़े रिहिन, जब तक कि ओ जम्मो
काम पूरा नइं हो गीस, जऊन ला यहोवा ह यहोसू ला मनखेमन ला करे के हुकूम दे रिहिस, जइसे कि मूसा ह
यहोसू ला निरदेस दे रिहिस। तब मनखेमन जल्दी से ओ पार चल दीन,
11 अऊ जतेक जल्दी जम्मो मनखेमन ओ पार चल दीन, ओकर तुरते यहोवा के सन्दूक अऊ पुरोहितमन घलो
एक संग ओमन के देखत म ओ पार आ गीन।
12 रूबेनी, गादी अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन मूसा के कहे अनुसार लड़ई बर तियार होके आने
इसरायलीमन के आघू-आघू पार हो गीन।
13 लगभग चालीस हजार सैनिकमन हथियार धरके लड़ई करे बर यहोवा के आघू-आघू यरीहो के मैदान म
पहुंच गीन।
14 ओहीच दिन यहोवा ह जम्मो इसरायलीमन के नजर म यहोसू के आदर बढ़ाईस; अऊ जइसे ओमन मूसा के
भय मानत रिहिन, वइसे ही ओमन यहोसू के भी भय ओकर जिनगी भर मानिन।
15 तब यहोवा ह यहोसू ला कहिस,
16 "करार कानून के सन्दूक ला जऊन पुरोहितमन उठाके ले जावत हें, ओमन ला हुकूम दे कि ओमन यरदन
नदी ले निकल आवंय।"

17 तब यहोसू ह पुरोहितमन ला हुकूम दीस, “यरदन म ले निकलके ऊपर आवव।”
18 अऊ जइसने ही यहोवा के करार के सन्दूक उठानेवाला पुरोहितमन यरदन के मांझा म ले निकलके आईन,
अऊ ओमन के गोड़ सूखा भुइयां म परिस, वइसने ही यरदन नदी के पानी अपन जगह में वापिस आ गीस; अऊ
पहिले के सहीं भरके बहे लगिस।
19 ओ साल के पहिले महिना के दसवां दिन, मनखेमन यरदन नदी ले निकलके गीन अऊ यरीहो के पूरबी
सीमना म गिलगाल नगर करा डेरा डालिन।
20 अऊ जऊन बारह ठन पथरा ओमन यरदन नदी ले लाने रिहिन, ओमन ला यहोसू ह गिलगाल म स्थापित
कर दीस।
21 तब ओह इसरायलीमन ला कहिस, “भविस्य म, जब तुम्हर संतानमन अपन दाई-ददा ले पुछहीं, ‘ये
पथरामन के का मतलब ए?’
22 त ओमन ला बताववव, ‘इसरायलीमन यरदन नदी ला सूखा भुइयां म होके पार करे रिहिन।’
23 काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह यरदन नदी ला तुम्हर आघू म सूखा दीस, जब तक कि तुमन नदी के ओ
पार नइं चल देव। यहोवा तुम्हर परमेसर ह यरदन के पानी ला वइसने ही करिस, जइसने ओह लाल-समुंदर के
पानी ला करे रिहिस, ओह ओला हमर आघू म तब तक सूखा दे रिहिस, जब तक कि हमन पार नइं हो गेंन।
24 ओह अइसने एकरसेति करिस ताकि धरती के जम्मो मनखेमन जानंय कि यहोवा के हांथ ह सक्तिसाली ए
अऊ ये घलो कि तुमन हमेसा यहोवा अपन परमेसर के भय मानव।”

5

1 जब यरदन के पछिम के अमोरीमन के जम्मो राजामन अऊ समुंदर तीर के जम्मो कनानी राजामन सुनिन कि
यहोवा ह कइसे इसरायलीमन के आघू म ओमन के पार होवत तक यरदन नदी के पानी ला सूखाय रखिस, त डर
के मारे ओमन के मन ह घबरा गीस अऊ इसरायलीमन के सामना करे के ओमन के फेर हिम्मत नइं होईस।

[illegible]

2 ओ समय म यहोवा ह यहोसू ला कहिस, “चकमक पथरा के चाकू बनवा अऊ ओ इसरायलीमन के खतना
कर, जेमन के खतना नइं होय हवय।”
3 तब यहोसू ह चकमक पथरा के चाकू बनवाईस अऊ गिबियात-हारालोत* करा इसरायलीमन के खतना
करिस।
4 यहोसू ह ये कारन से ओमन के खतना करिस: ओ जम्मो जेमन मिसर देस ले निकलके आईन—ओ जम्मो
जेमन के उमर सैनिक बने के रिहिस—मिसर देस ले निकले के बाद डहार म निरजन प्रदेस म मर गीन।
5 ओ जम्मो मनखे, जेमन मिसर से निकलके आय रिहिन, ओमन के तो खतना हो गे रिहिस, पर जऊन मन
मिसर ले निकले के पाछू यातरा के दौरान निरजन प्रदेस म पईदा होईन, ओमन के खतना नइं होय रिहिस।
6 इसरायलीमन चालीस साल तक निरजन प्रदेस म भटकत रिहिन, जब तक कि ओ जम्मो मनखेमन, जेमन के
उमर सैनिक बने के लईक रिहिस, जेमन मिसर ले निकले रिहिन, मर नइं गीन, काबरकि ओमन यहोवा के हुकूम
ला नइं मानिन। एकर कारन यहोवा ह सपथ खाके ओमन ले कहे रिहिस कि ओमन ओ देस ला नइं देख सकहीं,
जेला हमन ला देय बर ओह हमर पुरखामन ले सपथ खाके वायदा करे रिहिस, ओ देस, जिहां दूध अऊ मंधरस
बहुंतायत म मिलथे।
7 त ओह ओ मनखेमन के जगह म ओमन के बेटामन ला बढ़ाईस, अऊ येमन ओ मनखे रिहिन, जेमन के
खतना यहोसू करिस, काबरकि डहार म ओमन के खतना नइं होय रिहिस।
8 अऊ जम्मो झन के खतना होय के बाद, ओ जम्मो इसरायलीमन तब तक डेरा म रिहिन, जब तक कि ओमन
चंगा नइं हो गीन।
9 तब यहोवा ह यहोसू ला कहिस, “आज मेंह तोर ऊपर ले मिसर देस के कलंक ला दूरिहा कर देवत हंव।”
एकरसेति ओ जगह ह आज तक गिलगाल† के नांव ले जाने जाथे।
10 जब इसरायलीमन यरीहो के मैदान करा गिलगाल म डेरा डाले रिहिन, त महिना के चौदहवां दिन के सांझ
के बेरा ओमन उहां फसह के तिहार‡ मनाईन।

---

* **5:3** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible] † **5:9** इबरानी म [illegible] ‡ **5:10** देखव निर 12:1-14

11 अऊ फसह के दूसरा दिन ओमन ओ देस के कुछू ऊपज म ले अखमीरी रोटी अऊ भूंजे दाना भी खाईन।
12 जऊन दिन ओमन ओ देस के ये जेवन ला खाईन, ओकर दूसर दिन ले मन्ना गिरे के बंद हो गीस;
इसरायलीमन ला फेर कभू मन्ना नइं मिलिस, पर ओ बरस ओमन कनान देस के ऊपज म ले खाईन।

?????? ?? ???

13 जब यहोसू ह यरीहो के लकठा म रिहिस, तब ओह नजर उठाके देखिस कि एक जन अपन हांथ म तलवार
लेके ओकर आघू म ठाढ़े हवय। यहोसू ह ओकर करा जाके पुछिस, "का तेंह हमर कोति हस या हमर बईरीमन
कोति?"
14 ओह जबाब दीस, "काकरो कोति नइं, मेंह यहोवा के सेना के सेनापति के रूप म आय हवंव।" तब यहोसू ह
मुहूं-भरसा गिरके ओला दंडवत करिस, अऊ ओकर ले पुछिस, "अपन सेवक बर मोर परभू के का संदेस हवय?"
15 यहोवा के सेना के सेनापति ह यहोसू ला जबाब दीस, "गोड़ ले अपन पनही ला उतार ले, काबरकि जऊन
जगह म तेंह ठाढ़े हस, ओह पबितर जगह अय।" अऊ यहोसू ह वइसनेच करिस।

6

1 यरीहो सहर के दुवारमन ला इसरायलीमन के डर के कारन मजबूती से बंद कर दिये गे रिहिस, एकरसेति न
तो कोनो बाहिर निकल सकत रिहिन अऊ न ही कोनो भीतर जा सकत रिहिन।
2 तब यहोवा ह यहोसू ला कहिस, "मेंह यरीहो ला ओकर राजा अऊ ओकर सूरबीरमन सहित तोर हांथ म कर
दे हवंव।
3 तुमन हथियार धरे जम्मो सैनिकमन के संग सहर के चारों कोति एक चक्कर लगावव। अऊ छै दिन तक
अइसनेच करव।
4 सन्दूक के आघू म सात झन पुरोहितमन मेढ़ा के सींग के बने तुरहीमन ला लेवंय। सातवां दिन, सहर के सात
चक्कर लगावव, अऊ संग म पुरोहितमन तुरही ला फूंकत रहंय।
5 जब तुमन ला ओमन के तुरही के एक लम्बा अवाज सुनई दीही, त जम्मो सेना ह ऊंचहा अवाज म
जय-जयकार करय; तब सहर के दीवार ह गिर जाही, अऊ जम्मो सेना ह सीधा भीतर चल दीही।"
6 एकरसेति नून के बेटा यहोसू ह पुरोहितमन ला बलाके कहिस, "यहोवा के करार के सन्दूक ला उठावव, अऊ
सात झन पुरोहित तुरही लेके येकर आघू-आघू चलंय।"
7 अऊ ओह सेना ला हुकूम दीस, "आघू बढ़व! अऊ सहर के चारों खूंट चक्कर लगावव; अऊ हथियारबंद एक
पहरेदार ह यहोवा के सन्दूक के आघू-आघू चलय।"
8 जब यहोसू ह मनखेमन ले गोठिया लीस, त ओ सात झन पुरोहित, जेमन यहोवा के आघू म सात ठन तुरही
धरे रिहिन, आघू बढ़िन। ओमन तुरही ला फूंकत चलत रिहिन, अऊ यहोवा के करार के सन्दूक ह ओमन के
पाछू-पाछू चलिस।
9 हथियारबंद पहरेदार ह तुरही फूंकइया पुरोहितमन के आघू-आघू चलत रहय, अऊ पाछू के पहरेदार ह
सन्दूक के पाछू-पाछू रहय। ये पूरा समय पुरोहितमन तुरही ला फूंकत चलत रहंय।
10 पर यहोसू ह सेना ला हुकूम दे रिहिस, "जब तक मेंह तुमन ला जय-जयकार करे के हुकूम नइं देवंव, तब
तक जय-जयकार झन करहू, अऊ न तुम्हर कोनो अवाज सुनई देवय, न ही कोनो बात तुम्हर मुहूं ले निकलय;
मोर हुकूम पाय के बाद ही जय-जयकार करहू।"
11 ओह यहोवा के सन्दूक ला एक बार नगर के चारों मुड़ा घुमवाईस; तब ओमन डेरा म लहुंट आईन, अऊ
उहां रात काटिन।
12 यहोसू ह दूसर दिन बड़े बिहनियां उठिस अऊ पुरोहितमन यहोवा के सन्दूक ला उठाके चलिन।
13 अऊ ओ सात पुरोहितमन सात ठन तुरही धरके यहोवा के सन्दूक के आघू-आघू ओ तुरही ला फूंकत
चलिन। ओमन के आघू म हथियारबंद मनखेमन चलिन, अऊ पाछू के पहरेदार ह यहोवा के सन्दूक के पाछू-पाछू
चलिस, ये दौरान पुरोहितमन तुरही ला लगातार फूंकत रहंय।
14 अइसने ही ओमन दूसर दिन घलो एक बार सहर के चारों खूंट चक्कर लगाईन अऊ डेरा म लहुंट आईन।
ओमन अइसने छै दिन तक करिन।

15 सातवां दिन ओमन बड़े बिहनियां उठके ओही किसम ले नगर के चारों खूंट सात चक्कर लगाईन; सिरिप
सातवां दिन ही ओमन सात चक्कर लगाईन।
16 सातवां बार जब पुरोहितमन तुरही ला फूंकिन, त यहोसू ह सेना ला हुकूम दीस, "जय-जयकार करव!
काबरकि यहोवा ह ये सहर तुमन ला दे हवय!
17 सहर अऊ ओमा के जम्मो चीज यहोवा बर अरपन के चीज ठहिरय। सिरिप राहाब बेस्या अऊ जतेक झन
ओकर संग ओकर घर म हवंय, ओमन ला जीयत छोंड़ दिये जावय, काबरकि ओह हमर पठोय भेदियामन ला
छुपाके रखे रिहिस।*
18 पर तुमन अरपन करे गय चीजमन ले दूरिहा रहव, ताकि ओमा ले कुछू लेय के दुवारा तुमन अपन खुद के
बिनास झन करव। नइं तो तुमन इसरायल के डेरा ला जिम्मेदार ठहिराहू अऊ येकर ऊपर बिपत्ति लानहू।
19 जम्मो सोन, चांदी, अऊ कांसा अऊ लोहा के चीजमन यहोवा बर पबितर अंय, अऊ जरूरी अय कि येमन
ला ओकर भंडार म रखे जावय।"
20 जब तुरहीमन ला फूंके गीस, त सेना के मनखेमन जय-जयकार करिन, अऊ तुरही के अवाज सुनके जब
मनखेमन ऊंचहा अवाज म जय-जयकार करिन, त दीवार ह गिर गीस; अऊ जम्मो झन भीतर घुस गीन, अऊ
ओमन सहर ला अपन अधिकार म कर लीन।
21 ओमन सहर ला यहोवा बर अरपन कर दीन अऊ ओमा के जम्मो जीयत चीजमन ला तलवार ले नास कर
दीन—आदमी अऊ माईलोगन, जवान अऊ सियान, गरूवा-बईला, भेड़, गदहा, जम्मो ला मार डारिन।
22 तब यहोसू ह ओ दूनों मनखे ला कहिस, जेमन ओ देस के भेद लेय बर गे रिहिन, "ओ बेस्या के घर म जावव
अऊ ओकर संग करे गय अपन वायदा के मुताबिक ओला अऊ ओकर संग के जम्मो झन ला बाहिर ले आवव।"
23 तब ओ दूनों जवान, जेमन भेदिया के काम करे रिहिन, भीतर गीन अऊ राहाब, ओकर दाई अऊ ददा,
ओकर भाई अऊ बहिनीमन ला, अऊ ओ जम्मो जेमन ओकर अधीन रिहिन, ओमन ला बाहिर ले आईन। ओमन
ओकर पूरा परिवार ला ले आईन अऊ ओमन ला इसरायल के डेरा के बाहिर एक जगह म रखिन।
24 तब ओमन पूरा सहर ला अऊ ओमा के हर चीज ला जला दीन, पर ओमन सोन अऊ चांदी, अऊ कांसा
अऊ लोहा के चीजमन ला यहोवा के घर के भंडार म धर दीन।
25 पर यहोसू ह राहाब बेस्या, ओकर परिवार अऊ ओकर अधीन रहइया जम्मो झन ला जीयत छोंड़ दीस,
काबरकि ओह ओ मनखेमन ला छुपाके रखे रिहिस, जेमन ला यहोसू ह यरीहो के भेद लेय बर पठोय
रिहिस—अऊ ओह आज तक इसरायलीमन के बीच म रहिथे।
26 ओही बेरा यहोसू ह ये सपथ खाईस: अऊ कहिस: "ओ मनखे ह यहोवा के आघू म सरापित होवय, जऊन
ह ये सहर यरीहो ला फेर बनाय के जिम्मेदारी लेथे:
"जब ओह येकर नीव ला डारही
तब ओकर बड़े बेटा ह मर जाही;
अऊ जब ओह ओकर दुवारमन ला लगवाही
तब ओकर छोटे बेटा ह मर जाही।"
27 अऊ यहोवा ह यहोसू के संग म रिहिस, अऊ यहोसू के कीरति पूरा देस म बगर गीस।

7

[illegible]

1 पर इसरायलीमन यहोवा ला अरपन करे गय चीज के बिसय म बिसवासघात करिन; याने कि यहूदा गोत्र के
आकान, जऊन ह जेरहबंसी जिमरी के पोता अऊ करमी के बेटा रिहिस, ओह अरपन करे गय चीजमन म ले कुछू
ला ले लीस; ये खातिर यहोवा के कोरोध इसरायलीमन के ऊपर भड़क उठिस।
2 यहोसू ह कुछू मनखेमन ला यरीहो ले अई नांव के नगर म पठोईस, जऊन ह बेत-आवेन के लकठा म बेतेल
के पूरब कोति हवय, अऊ ओह ओमन ला ये कहिस, "जाके ओ इलाका के भेद लेके आवव।" त ओ मनखेमन
जाके अई नगर के चुपचाप जानकारी लीन।

* **6:17** देखव लैव्य 27:28-29

3 जब ओमन यहोसू करा लहुंटके आईन त ओला कहिन, “जम्मो सेना ला अई नगर भेजे के जरूरत नइं ए। दू
या तीन हजार मनखे जाके येला जीत सकत हंय; जम्मो मनखे ला थकाय के जरूरत नइं ए, काबरकि उहां सिरिप
कुछू मनखेमन रहत हवंय।”
4 एकरसेति लगभग तीन हजार इसरायली उहां गीन; पर ओमन ला अई के रहइया मनखेमन के आघू ले
भागना पड़िस।
5 अई के मनखेमन ओमा के लगभग छत्तीस मनखे ला मार डारिन। ओमन अपन सहर के दुवार ले पथरा के
खदान तक इसरायलीमन के पीछा करिन अऊ खाल्हे ढलान म ओमन ला मार डारिन। येला देखके
इसरायलीमन डर के मारे घबरा गीन अऊ ओमन के हिम्मत जबाब देय लगिस।
6 तब यहोसू ह अपन ओनहा ला चीरिस, अऊ ओह यहोवा के सन्दूक के आघू भुइयां म मुहूं-भरसा गिरिस
अऊ सांझ तक उहां दुख म पड़े रिहिस। इसरायल के अगुवामन घलो वइसने करिन, अऊ अपन-अपन मुड़ म
धुर्रा ला डालिन।
7 अऊ यहोसू ह बिनती करके कहिस, “हाय, हे परमपरधान यहोवा, तें अपन ये मनखेमन ला यरदन नदी के ये
पार काबर ले आय? का हमन ला अमोरीमन के बस म करके नास करे बर ले आय हस? बने होतिस कि हमन
संतोस करके यरदन के ओ पार रह जातेंन!
8 हे परभू, अपन सेवक ला छेमा कर। मेंह का कहंव, जब इसरायलीमन अपन बईरीमन ला पीठ देखाके भागे
हवंय?
9 कनानी अऊ ये देस के आने मनखेमन ये बात ला सुनके हमन ला घेर लीहीं, अऊ हमर नांव ला भुइयां ले
मिटा दीहीं। तब तें अपन बड़े नांव बर का करबे?”
10 यहोवा ह यहोसू ला कहिस, “उठ! तेंह काबर मुहूं-भरसा भुइयां म परे हस?
11 इसरायलीमन पाप करे हवंय; ओमन मोर ओ करार ला टोरे हवंय, जेला माने के हुकूम मेंह ओमन ला देय
रहंय, ओमन अरपन के कुछू चीजमन ला ले लेय हवंय; ओमन चोरी करे हवंय, ओमन लबारी मारे हवंय, ओमन
ओ चीजमन ला अपन अधिकार म रखे हवंय।
12 ये खातिर इसरायलीमन अपन बईरीमन के आघू ठहर नइं सकिन; ओमन बईरीमन ला अपन पीठ देखाके
भागिन, काबरकि बिनास के जिम्मेदार ओमन अंय। मेंह तब तक तुम्हर संग नइं रहंव, जब तक कि तुमन अपन
बीच म ले अरपन के चीजमन ला नास नइं कर डारहू।
13 “जा, अऊ मनखेमन ला पबितर कर। ओमन ला कह, ‘कल के तियारी म अपनआप ला पबितर करव;
काबरकि यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: हे इसरायल, तोर बीच म अरपन के चीजमन हवंय। जब
तक तुमन अरपन के चीजमन ला अपन बीच म ले दूरिहा नइं कर दूहू, तब तक तुमन अपन बईरीमन के आघू म
ठहर नइं सकव।
14 “ ‘कल बिहनियां तुमन अपन-अपन गोत्र के मुताबिक आवव। जऊन गोत्र ला यहोवा ह चुनथे, ओमन
अपन-अपन कुल के मुताबिक आघू आवंय; अऊ जऊन कुल ला यहोवा ह चुनथे, ओमन अपन-अपन परिवार के
मुताबिक आघू आवंय; अऊ जऊन परिवार ला यहोवा ह चुनथे, ओ परिवार के आदमीमन एक-एक करके आघू
आवंय।
15 जऊन मनखे ह अरपन के चीजमन के संग पकड़े जाही, ओला ओकर जम्मो चीजमन के संग आगी म
जलाके नास कर दिये जाही, काबरकि ओह यहोवा के करार ला टोरे हवय अऊ इसरायल म बेभिचार के सहीं
काम करे हवय!’ ”
16 यहोसू ह दूसर दिन बड़े बिहनियां उठके इसरायलीमन ला गोत्र-गोत्र करके आघू लानिस, अऊ यहूदा के
गोत्र ह चुने गीस।
17 तब ओह यहूदा के कुल के मनखेमन ला आघू लानिस, अऊ जेरहीमन चुने गीन; फेर ओह जेरहीमन ला
परिवार के मुताबिक आघू लानिस, अऊ जिमरी के परिवार ह चुने गीस।
18 तब यहोसू ह जिमरी के परिवार के एक-एक मनखे ला आघू म लानिस, अऊ यहूदा गोत्र के आकान ह पकड़े
गीस, जऊन ह जेरहबंसी जिमरी के पोता अऊ करमी के बेटा रिहिस।
19 तब यहोसू ह आकान ला कहिस, “हे मोर बेटा, यहोवा, इसरायल के परमेसर के महिमा कर, अऊ ओला
आदर दे। जऊन कुछू तेंह करे हस, मोला बता; मोर ले कुछू बात झन छुपा।”

20 आकान ह यहोसू ला जबाब दीस, “सही म मेंह यहोवा, इसरायल के परमेसर के बिरूध पाप करे हंव। मेंह ये
करे हंव:
21 जब मेंह लूट म बेबिलोनिया* के एक सुघर ओनहा, अऊ दू सौ सेकेल† चांदी अऊ पचास सेकेल‡ सोन के
एक ठन ईंटा ला देखेंव, त लालच म आके मेंह ओमन ला धर लेंव। ओमन ला मेंह अपन तम्बू के भीतर म भुइयां
म गाड़ दे हवंव, अऊ सब के खाल्हे म चांदी हवय।”
22 तब यहोसू ह दूतमन ला पठोईस, अऊ ओमन ओ तम्बू म दऊड़के गीन, अऊ ओमन ला ओ चीजमन ओकर
तम्बू म गड़े मिलिन, अऊ सब के खाल्हे म चांदी रहय।
23 ओमन ओ चीजमन ला तम्बू ले निकालके यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन करा लानिन अऊ ओमन ला
यहोवा के आघू म मढ़ा दीन।
24 तब यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन मिलके जेरह के बेटा आकान, ओ चांदी अऊ ओनहा, सोन के ईंटा,
ओकर बेटा-बेटी, ओकर गरूवा-बईला, गदहा अऊ भेड़-बकरी, ओकर तम्बू, अऊ जऊन कुछू ओकर रिहिस, ओ
जम्मो ला आकोर के घाटी म ले गीन।
25 तब यहोसू ह ओकर ले कहिस, “तेंह हमर ऊपर काबर ये संकट लानय? आज यहोवा ह तोर ऊपर संकट
लानही।”
तब जम्मो इसरायलीमन ओकर ऊपर पथरवाह करिन, अऊ बाकि चीजमन ऊपर घलो पथरवाह करके ओमन
ला आगी म जला दीन।
26 अऊ आकान के ऊपर पथरामन के बड़े ढेर लगा दीन, जऊन ह आज तक हवय। तब यहोवा के भड़के हुए
भयंकर कोरोध ह सांत हो गीस। ये खातिर ओ जगह ला आज तक आकोर§ के घाटी कहे जाथे।

8

[illegible]

1 तब यहोवा ह यहोसू ला कहिस, “झन डर्रा; हिम्मत झन हार। अपन संग पूरा सेना ला ले अऊ जाके अई
ऊपर हमला कर। काबरकि मेंह अई के राजा, ओकर मनखे, ओकर सहर अऊ ओकर देस ला तोर हांथ म कर दे
हंव।
2 जइसने तेंह यरीहो अऊ ओकर राजा के संग करे रहय, वइसनेच तें अई अऊ ओकर राजा के संग घलो करबे;
तुमन ओमन के लूट अऊ पसुमन ला अपन बर ले सकत हव। एकरसेति ओ सहर के पाछू कोति अपन मनखेमन
ला घात लगाके बईठा दे।”
3 तब यहोसू अऊ जम्मो सेना अई म हमला करे बर आघू बढ़िन। यहोसू ह तीस हजार अपन सबले बने
योद्धामन ला चुनिस अऊ रथिया ओमन ला ये हुकूम देके भेज दीस:
4 “धियान देके सुनव। तुमन ला ओ सहर के पाछू कोति घात लगाके बईठना हे। नगर ले जादा दूरिहा झन
जावव। तुमन जम्मो झन सचेत रहव।
5 में अऊ मोर संग के जम्मो झन आघू बढ़के सहर म जाबो, अऊ ओमन जब पहिले के सहीं हमर सामना करे
बर निकलहीं, त हमन ओमन के आघू ले भागबो।
6 तब ओमन हमर पीछा करहीं अऊ हमन ओमन ला सहर ले दूरिहा निकालके ले आबो, काबरकि ओमन
सोचहीं, ‘ओमन हमन ले भागत हें जइसे कि ओमन पहिले घलो भागंय।’ त जब हमन ओमन ले भागबो,
7 तब तुमन घात म ले उठके सहर ला अपन अधीन कर लूहू। यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओला तुम्हर हांथ म कर
दीही।
8 अऊ जब तुमन सहर ला ले लूहू, त ओमा आगी लगाके जला दूहू। जइसे यहोवा ह हुकूम दे हवय, तुमन
वइसे ही करव। सुरता रखव, तुम्हर बर येह मोर हुकूम अय।”
9 तब यहोसू ह ओमन ला पठो दीस; अऊ ओमन घात म बईठे बर चल दीन, अऊ बेतेल अऊ अई के बीच म
अई के पछिम कोति घात लगाके बईठिन—पर यहोसू ह बाकि सेना के बीच ओ रथिया बिताईस।
10 दूसर दिन बड़े बिहनियां यहोसू ह अपन सेना ला इकट्ठा करिस अऊ ओ अऊ इसरायल के अगुवामन ओमन
के आघू-आघू अई सहर कोति बढ़िन।

* **7:21** इबरानी म [illegible] † **7:21** लगभग 2.3 किलोग्राम ‡ **7:21** लगभग 575 ग्राम § **7:26** [illegible] के मतलब [illegible]

11 ओकर संग के जम्मो सेना ह आघू बढ़के सहर के सामने म आ गीस। ओमन अई सहर के उत्तर कोति डेरा
डालिन; ओमन के अऊ सहर के बीच म एक घाटी रिहिस।
12 यहोसू ह लगभग पांच हजार मनखे ला लेके बेतेल अऊ अई के बीच सहर के पछिम कोति ओमन ला घात
म बईठा दे रिहिस।
13 सैनिकमन अपन-अपन जगह ले लीन—मुख्य छावनी ह सहर के उत्तर कोति अऊ घात लगाय बईठे
सैनिकमन सहर के पछिम कोति रहंय। ओ रथिया यहोसू ह घाटी म चल दीस।
14 जब अई के राजा ह येला देखिस, त ओह अऊ सहर के जम्मो मनखेमन जल्दी करके बड़े बिहनियां उठिन
अऊ ओमन इसरायलीमन ले लड़े बर एक जगह म गीन अऊ ओमन अराबा कोति धियान नइं दीन। राजा ह नइं
जानत रिहिस कि सहर के पाछू कोति ओकर बिरूध इसरायली सैनिकमन घात लगाके बईठे हवंय।
15 यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन अई के सेना के आघू ले वापिस भागे के दिखावा करिन, अऊ ओमन
निरजन प्रदेस कोति भागिन।
16 तब अई सहर के जम्मो मनखेमन ला इसरायलीमन के पीछा करे बर बलाय गीस, अऊ ओमन यहोसू के
पीछा करत सहर ले दूरिहा निकल गीन।
17 अई अऊ बेतेल म एको झन आदमी नइं रिहिन, जम्मो के जम्मो इसरायलीमन के पीछा करे म लगे
रिहिन। ओमन सहर ला खुला छोंड़के इसरायलीमन के पीछा करे म लगे रिहिन।
18 तब यहोवा ह यहोसू ले कहिस, "अपन हांथ के धरे बरछी ला अई सहर कोति उठा, काबरकि सहर ला मेंह
तोर हांथ म दे दूहूं।" तब यहोसू ह अपन हांथ म धरे बरछी ला सहर कोति बढ़ाईस।
19 जइसे ही ओह अइसने करिस, त जऊन इसरायली सैनिकमन घात लगाके बईठे रिहिन, ओमन तुरते अपन
जगह ले उठिन, अऊ दऊड़के सहर के भीतर जाके ओकर ऊपर कब्जा कर लीन अऊ तुरते ओमा आगी लगा
दीन।
20 जब अई के मनखेमन पाछू कोति मुड़के देखिन, त सहर के धुआं अकास कोति ऊपर उठत रहय, पर ओमन
करा कोनो भी दिग म भागे के कोनो मऊका नइं रिहिस; जऊन इसरायलीमन निरजन प्रदेस कोति भागत रिहिन,
ओमन मुड़के अपन पीछा करइयामन ऊपर टूट पड़िन।
21 जब यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन देखिन कि घात लगाय मनखेमन सहर ला ले लेय हवंय अऊ उहां ले
धुआं उठत हवय, त ओमन मुड़के अई के मनखेमन ऊपर हमला कर दीन।
22 घात म रहे मनखेमन घलो अई के मनखेमन के सामना करे बर सहर ले निकल आईन, अऊ ये किसम ले
दूनों कोति इसरायलीमन आ गीन अऊ मांझा म अई के मनखेमन फंस गीन। इसरायलीमन ओ जम्मो ला मार
डारिन; न तो ओमा के कोनो बचिन अऊ न ही कोनो भागन पाईन।
23 पर ओमन अई के राजा ला जीयत पकड़के यहोसू करा ले आईन।
24 जब इसरायलीमन अई के जम्मो मनखेमन ला मैदान म अऊ ओ निरजन प्रदेस म मार डारिन, जिहां ओमन
इसरायलीमन के पीछा करे रिहिन, अऊ जब ओमन के जम्मो आदमीमन तलवार ले मार डारे गीन, त जम्मो
इसरायलीमन अई सहर ला लहुंटके आईन अऊ ओमन ला मार डारिन, जेमन उहां रिहिन।
25 ओ दिन बारह हजार आदमी अऊ माईलोगन मारे गीन—अई सहर के जम्मो मनखे।
26 यहोसू ह अपन हांथ के बरछी ला तब तक खाल्हे नइं करिस, जब तक कि ओह अई म रहइया जम्मो झन
ला नास नइं कर दीस।
27 पर जइसे यहोवा ह यहोसू ला निरदेस दे रिहिस, ओकर मुताबिक इसरायलीमन सहर के पसु अऊ लूट के
सामान ला अपन बर ले लीन।
28 यहोसू ह अई* सहर ला जला दीस, अऊ ओला हमेसा बर कचरा के एक कुढ़ा कर दीस; जऊन ह आज तक
उजाड़ पड़े हवय।
29 ओह अई के राजा के लास ला संझा तक एक ठन खंभा म लटकाके रखिस। बेर बुड़े के बेरा, यहोसू ह
मनखेमन ला हुकूम दीस कि ओमन लास ला खंभा ले उतारके सहर के प्रवेस दुवार के खाल्हे म फटिक दें। अऊ
ओमन ओकर ऊपर पथरामन के एक बड़े कुढ़ा लगा दीन, जऊन ह आज तक बने हवय।

[illegible]

* **8:28** [illegible] के मतलब [illegible]

30 तब यहोसू ह यहोवा, इसरायल के परमेसर बर एबाल पहाड़ म एक बेदी बनाईस,
31 जइसे कि यहोवा के सेवक मूसा ह इसरायलीमन ला हुकूम देय रिहिस। ओह बेदी वइसे ही बनाईस, जइसे
मूसा के कानून के किताब म लिखाय रिहिस—बिगर काटे पथरामन ले बने बेदी, जेमा लोहा के कोनो औजार नइं
चलाय गे रिहिस। अऊ ओमा ओमन यहोवा बर होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाईन।
32 उहां, इसरायलीमन के आघू म यहोसू ह पथरामन म मूसा के कानून के एक नकल लिखवाईस।
33 जम्मो इसरायली, ओमन के अगुवा, करमचारी, अऊ नियायधीसमन यहोवा के करार के सन्दूक के दूनों
कोति, ओ लेवीय पुरोहितमन कोति मुहूं करके ठाढ़े रहंय, जेमन सन्दूक ला उठाके ले जावंय। ओमन के बीच
रहइया परदेसी अऊ देसी दूनों मनखेमन उहां रिहिन। आधा मनखेमन गरीजीम पहाड़ के आघू म अऊ आधा
मनखेमन एबाल पहाड़ के आघू म ठाढ़े रहंय, जइसे कि यहोवा के सेवक मूसा ह पहिले ले हुकूम दे रिहिस जब
ओह इसरायल के मनखेमन ला आसीस देय बर निरदेस देय रिहिस।
34 ओकर बाद, यहोसू ह कानून के जम्मो बचन ला पढ़के सुनाईस—आसीस अऊ सराप—जइसे कि येह
कानून के किताब म लिखाय हवय।
35 जतेक बातमन के मूसा ह हुकूम देय रिहिस, ओमा के एको ठन सबद ला यहोसू नइं छोंड़िस; ओ जम्मो
बात इसरायल के जम्मो सभा के संग माईलोगन अऊ लइका अऊ ओमन के बीच रहइया परदेसीमन ला घलो
सुनाईस।

9

[illegible]

1 ये जम्मो बात ला सुनके हित्ती, अमोरी, कनानी, परिज्जी, हिब्बी, अऊ यबूसी, जतेक राजा यरदन के ये पार
पहाड़ी देस अऊ खाल्हे पछिम म, अऊ लबानोन ले लेके भूमध्य सागर के तीर म रहत रिहिन,
2 ओमन यहोसू अऊ इसरायलीमन ले लड़े बर एक संग जूरिन।
3 पर जब गिबोन के निवासीमन सुनिन कि यहोसू ह यरीहो अऊ अई सहर के का दसा करिस,
4 त ओमन एक छल करिन: ओमन एक परतिनिधि-मंडल के भेस बनाके अपन गदहामन म पुराना बोरा अऊ
मंद धरे के चमड़ा के पुराना थैलीमन ला जोरिन, जेमन फटा-पुराना रिहिन अऊ जेमन ला मरम्मत करे गे रिहिस।
5 ओमन अपन गोड़ म फटा-पुराना पनही अऊ देहें म फटा-पुराना ओनहा पहिरिन। ओमन के जेवन के जम्मो
रोटी ह सूखा अऊ ओमा फफूंद लगे रहय।
6 तब ओमन गिलगाल के डेरा म यहोसू करा जाके ओला अऊ इसरायलीमन ले कहिन, "हमन दूरिहा देस ले
आय हवन; एकरसेति तुमन हमर संग एक करार करव।"
7 इसरायलीमन ओ हिब्बीमन ले कहिन, "का पता, तुमन हमर लकठा म रहत हवव; त हमन तुम्हर संग कइसे
करार कर सकत हन?"
8 तब ओमन यहोसू ले कहिन, "हमन तोर सेवक अन।"
पर यहोसू ह ओमन ले पुछिस, "तुमन कोन अव अऊ कहां ले आय हवव?"
9 ओमन जबाब दीन, "तोर सेवकमन बहुंत दूरिहा के देस ले यहोवा तुम्हर परमेसर के कीरति ला सुनके आय
हवंय। काबरकि हमन ओकर बारे म सुने हवन: ओ जम्मो काम, जेला ओह मिसर देस म करिस,
10 अऊ ओ जम्मो, जेला ओह यरदन के पूरब कोति अमोरीमन के दूनों राजामन के संग करिस—याने कि
हेसबोन के राजा सीहोन, अऊ बासान के राजा ओग के संग, जेमन असतारोत म राज करत रिहिन।
11 एकरसेति हमर अगुवा अऊ हमर देस के रहइया जम्मो झन हमन ला कहिन, 'अपन रसता बर खाय-पीये
के सामान ले जावव अऊ जाके ओमन ले मिलव अऊ ओमन ला कहव, "हमन तुम्हर सेवक अन; तुमन हमर संग
एक करार करव।" '
12 जऊन दिन हमन तुम्हर करा आय बर निकले रहेंन, ओ दिन हमन गरम रोटी लेके निकले रहेंन। पर अब
देखव, येह सूखा गे हवय अऊ येमा फफूंद लग गे हवय।
13 अऊ जब हमन ये चमड़ा के थैलीमन म मंद ला भरे रहेंन, तब येमन नवां रिहिन, पर अब देखव, येमन
कइसे फट गे हवंय। अऊ हमर ये ओनहा अऊ पनहीमन बहुंत दूरिहा ले यातरा करे के कारन फट गे हवंय।"
14 तब इसरायलीमन ओमन के खाय-पीये के सामान ला देखिन पर यहोवा ले पुछताछ नइं करिन।

15 तब यहोसू ह ओमन ले सांति के एक करार करिस अऊ ओमन ला जीयत छोंड़ दीस, अऊ इसरायली सभा
के अगुवामन सपथ खाके येमा सहमती दीन।
16 गिबोनीमन संग करार करे के तीन दिन के बाद, इसरायलीमन ला पता चलिस कि ओमन परोसी रिहिन
अऊ लकठा म रहिथें।
17 तब इसरायलीमन निकलिन अऊ तीसर दिन ओमन के सहर गिबोन, कपीरा, बेरोत अऊ किरयत-यारीम म
आईन।
18 पर इसरायलीमन ओमन के ऊपर हमला नइं करिन, काबरकि सभा के अगुवामन ओमन के संग यहोवा,
इसरायल के परमेसर के सपथ खाय रिहिन।
सभा के जम्मो मनखेमन अगुवामन के बिरूध कुड़कुड़ाय लगिन।
19 पर जम्मो अगुवामन जबाब दीन, "हमन ओमन ले यहोवा, इसरायल के परमेसर के सपथ खाय हवन,
एकरसेति अब हमन ओमन ला छू घलो नइं सकन।
20 हमन ओमन के संग अइसने कर सकत हन: हमन ओमन ला जीयत छोंड़ देवन, ताकि ओमन के संग हमर
खाय सपथ के कारन हमर ऊपर परमेसर के कोप झन भड़कय।"
21 ओमन आगे कहिन, "ओमन ला जीयत छोंड़ दव, पर ओमन जम्मो सभा के सेवा म लकरी फोरइया अऊ
पानी भरइया बनंय।" ये किसम ले ओमन के संग अगुवामन के करे सपथ ह बने रिहिस।
22 तब यहोसू ह गिबोनीमन ला बलाके पुछिस, "तुमन काबर ये कहिके हमर ले छल करेव, 'हमन तुम्हर ले
बहुंत दूरिहा देस म रहिथन,' जबकि सही म तुमन हमर लकठा म रहिथव?
23 एकरसेति अब तुमन सरापित अव: तुमन मोर परमेसर के घर बर लकरी फोरइया अऊ पानी भरइया के
सेवा ले कभू भी छूट नइं सकव।"
24 ओमन यहोसू ला जबाब दीन, "तोर सेवकमन ला साफ-साफ जरूर बताय गे रिहिस कि यहोवा तुम्हर
परमेसर ह अपन सेवक मूसा ला हुकूम देय रिहिस कि तुमन ला ओह जम्मो देस दे दीही अऊ ओकर जम्मो
निवासीमन ला तुम्हर आघू ले नास कर दीही। एकरसेति हमन ला तुम्हर कारन हमर परान गंवाय के भय हो
गीस, अऊ ओकरे कारन हमन अइसने करेंन।
25 हमन अब तोर हांथ म हवन। तोला जऊन बात भी बने अऊ सही लगय, तेंह हमर संग वइसने कर।"
26 तब यहोसू ह ओमन ला इसरायलीमन ले बचाईस, अऊ ओमन गिबोनीमन के हतिया नइं करिन।
27 पर यहोसू ह ओही दिन ले ओमन ला सभा बर, अऊ जऊन ठऊर ला यहोवा ह चुनय, उहां ओकर बेदी बर
लकरी फोरइया अऊ पानी भरइया बना दीस। अऊ ओमन आज तक वइसने ही हवंय।

10

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 जब यरूसलेम के राजा अदोनी-सेदेक ह सुनिस कि यहोसू ह अई नगर ला ले लीस, अऊ ओकर पूरा
सतियानास* कर डारिस, अऊ जइसन ओह यरीहो अऊ ओकर राजा ले करे रिहिस, वइसनेच अई सहर अऊ
ओकर राजा ले घलो करे हवय, अऊ ये घलो सुनिस कि गिबोन के निवासीमन इसरायलीमन ले सांति के करार
करे हवंय, अऊ ओमन के बीच रहत हवंय,
2 त ओ अऊ ओकर मनखेमन अब्बड़ डरा गीन, काबरकि गिबोन ह एक मुख्य सहर बरन राजनगर के सहीं
रिहिस; ओह अई ले घलो बड़े नगर रिहिस, अऊ ओकर जम्मो आदमीमन बने योद्धा रिहिन।
3 एकरसेति यरूसलेम के राजा अदोनी-सेदेक ह हेबरोन के राजा होहाम, यरमूत के राजा पिराम, लाकीस के
राजा यापी, अऊ एगलोन के राजा दबीर करा ये खबर भेजिस:
4 "आवव अऊ गिबोन ऊपर हमला करे म मोर मदद करव, काबरकि येह यहोसू अऊ इसरायलीमन के संग
मिल गे हवय।"
5 तब यरूसलेम, हेबरोन, यरमूत, लाकीस अऊ एगलोन के पांचों अमोरी राजामन अपन-अपन सेना ला
इकट्ठा करके एक हो गीन। ओमन अपन जम्मो सेना के संग आघू बढ़िन अऊ गिबोन के बिरूध हमला कर दीन।

---

* **10:1** इहां जऊन इबरानी सबद के उपयोग करे गे हवय, ओह यहोवा परमेसर बर बस्तु या मनखेमन के पूरा समरपन ला दरसाथे, उजारके या ओमन ला चढ़ावा चघाके; पद 28, 35, 37, 39 and 40 म घलो इही सबद के उपयोग करे गे हवय।

6 तब गिबोन के निवासीमन गिलगाल के डेरा म यहोसू करा ये खबर पठोईन, “अपन सेवकमन ला झन
तियाग दे। जल्दी करके आ अऊ हमन ला बचा! हमर मदद कर, काबरकि पहाड़ी देस के जम्मो अमोरी राजामन
हमर बिरूध एक संग सेना इकट्ठा करे हवंय।”
7 तब यहोसू ह अपन पूरा सेना अऊ जम्मो बने योद्धामन ला लेके गिलगाल ले आघू बढ़िस।
8 अऊ यहोवा ह यहोसू ला कहिस, “ओमन ले झन डर, काबरकि मेंह ओमन ला तोर हांथ म कर दे हंव। ओमा
के कोनो भी तोर आघू म ठहर नइं सकंय।”
9 पूरा रथिया गिलगाल ले आघू बढ़े के बाद, यहोसू ह अचानक ओमन ऊपर टूट परिस।
10 यहोवा ह अइसे करिस कि इसरायल के सामने ओमन घबरा गीन, अऊ यहोसू अऊ इसरायलीमन गिबोन
म ओमन ला हरा दीन। इसरायलीमन बेत-होरोन जाय के रसता म ओमन के पीछा करिन अऊ अजेका अऊ
मकेदा सहर तक ओमन ला मारत चले गीन।
11 जब ओमन इसरायलीमन के आघू ले बेत-होरोन के खाल्हे रसता ले अजेका कोति भागत रिहिन, तब
यहोवा ह ओमन ऊपर अकास ले बड़े-बड़े ओला गिराईस, अऊ इसरायलीमन के तलवार ले मारे गय मनखे ले
जादा मनखे ओला गिरे ले मर गीन।
12 जऊन दिन यहोवा ह अमोरीमन ला इसरायलीमन के बस म कर दीस, ओ दिन यहोसू ह इसरायलीमन के
आघू म यहोवा ले कहिस:
“हे सूरज, तेंह गिबोन के ऊपर,
अऊ हे चंदा, तेंह अय्यालोन के घाटी ऊपर ठहर जा।”
13 तब सूरज ह ठहर गीस,
अऊ चंदा ह रूक गीस,
जब तक कि इसरायली मनखेमन अपन बईरीमन ले बदला नइं ले लीन,
जइसे कि ये बात ह यासार नांव के किताब म लिखाय हवय।
सूरज ह अकास के मांझा म ठहर गीस अऊ बेर के बुड़े म लगभग एक दिन के देरी होईस।
14 न तो ओकर पहिले कोनो अइसन दिन होय रिहिस अऊ न ही ओकर बाद होईस, एक अइसने दिन जब
यहोवा ह कोनो मनखे के बात ला सुनिस। सही म यहोवा ह इसरायल कोति ले लड़त रिहिस!
15 तब यहोसू ह जम्मो इसरायलीमन के संग गिलगाल के डेरा म लहुंट गीस।

[illegible]

16 ओ पांचों राजा भागके मकेदा करा गुफा म जाके छुपे रिहिन।
17 जब यहोसू ला बताय गीस कि पांचों राजा मकेदा करा गुफा म छुपे हवंय,
18 त ओह कहिस, “गुफा के मुंहटा म बड़े-बड़े पथरा ला ढुलंगा दव, अऊ पहरा देय बर उहां कुछू मनखेमन ला
ठहिरा दव।
19 पर तुमन उहां झन रूकव; अपन बईरीमन के पीछा करव! पाछू कोति ले ओमन ऊपर हमला करव अऊ
ओमन ला ओमन के सहर म हबरन झन दव, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओमन ला तुम्हर हांथ म कर दे
हवय।”
20 जब यहोसू अऊ इसरायलीमन ओमन ला पूरा हरा दीन, पर कुछू मनखेमन बचके अपन गढ़वाले सहर म
हबर गीन।
21 तब जम्मो सेना ह मकेदा के डेरा म यहोसू करा सुरकछित लहुंट गीस, अऊ इसरायलीमन के बिरूध
काकरो मुहूं ले एको ठन भी सबद नइं निकलिस।
22 तब यहोसू ह कहिस, “गुफा के मुहूं ला खोलके ओ पांचों राजामन ला मोर करा लानव।”
23 अऊ ओमन ओ पांचों राजा ला गुफा ले निकालके लानिन—याने कि यरूसलेम, हेबरोन, यरमूत, लाकीस,
अऊ एगलोन के राजा।
24 जब ओमन ओ राजामन ला यहोसू करा ले आईन, त ओह इसरायल के जम्मो मनखेमन ला बलाईस अऊ
अपन संग आय सेना के सेनापतिमन ले कहिस, “इहां आवव अऊ अपन-अपन गोड़ ला ये राजामन के घेंच म
मढ़ावव।” अऊ ओमन आघू आके अपन-अपन गोड़ ला ओमन के घेंच म मढ़ाईन।

25 तब यहोसू ह ओमन ले कहिस, “झन डरव; निरास झन होवव। मजबूत अऊ साहसी बनव। काबरकि
यहोवा ह तुम्हर जम्मो ओ बईरीमन के संग अइसनेच करही, जेमन ले तुमन लड़नेवाला हव।”
26 एकर बाद, यहोसू ह ओ पांचों राजा ला मरवा दीस अऊ ओमन के लास ला पांच ठन खंभा म लटका दीस,
अऊ ओमन के लासमन सांझ तक ओ खंभामन म लटके रिहिन।
27 बेर बुड़त बेरा, यहोसू ह हुकूम दीस अऊ मनखेमन लासमन ला खंभामन ले उतार लीन अऊ ओमन ला ओ
गुफा म फटिक दीन, जिहां ओमन छुपे रिहिन। अऊ ओ गुफा के मुंहटा म बड़े-बड़े पथरा ला मढ़ा दीन, जेमन
आज तक उहां हवंय।

[illegible]

28 ओहीच दिन यहोसू ह मकेदा ला ले लीस। ओह सहर के मनखे अऊ ओकर राजा ला तलवार ले मार डारिस
अऊ ओमा के हर चीज ला पूरा नास कर दीस; कोनो ला भी जीयत नइं छोंड़िस। अऊ जइसन ओह यरीहो के
राजा के संग करे रिहिस, वइसने ही ओह मकेदा के राजा के संग करिस।
29 तब यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन मकेदा ले आघू बढ़के लिबना नगर म आईन अऊ लिबना ऊपर
हमला करिन।
30 यहोवा ह ओ सहर अऊ ओकर राजा ला घलो इसरायलीमन के हांथ म कर दीस। ओ सहर अऊ ओमा के
जम्मो मनखे ला यहोसू ह तलवार ले मार डारिस। ओह कोनो ला भी उहां जीयत नइं छोंड़िस अऊ ओह ओ सहर
के राजा के संग वइसनेच करिस, जइसने ओह यरीहो के राजा के संग करे रिहिस।
31 फेर यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन लिबना ले आघू बढ़के लाकीस नगर म आईन; ओह ओकर बिरूध
तियारी करके ओकर ऊपर हमला करिस।
32 अऊ यहोवा ह लाकीस ला इसरायल के हांथ म कर दीस, अऊ दूसर दिन यहोसू ओला ले लीस। ओ सहर
अऊ ओमा के जम्मो मनखे ला ओह तलवार ले मार डारिस, जइसने कि ओह लिबना के मनखेमन संग करे
रिहिस।
33 ये बीच म गेजेर सहर के राजा हीराम ह लाकीस के मदद करे बर आ गे रिहिस, पर यहोसू ह ओला अऊ
ओकर सेना ला हरा दीस—ओकर कोनो भी जीयत नइं बचिन।
34 तब यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन लाकीस ले आघू बढ़के एगलोन नगर म आईन; ओमन ओकर बिरूध
तियारी करके ओकर ऊपर हमला कर दीन।
35 अऊ ओहीच दिन ओमन ओकर ऊपर कब्जा कर लीन, अऊ जम्मो झन ला तलवार ले मार डारिन अऊ
ओमा के हर एक जन ला पूरा नास कर दीन, जइसे कि ओमन लाकीस के संग करे रिहिन।
36 फेर यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन एगलोन ले आघू बढ़के हेबरोन सहर म आईन अऊ ओकर ऊपर
हमला करिन।
37 अऊ ओमन सहर ला ले लीन अऊ ओकर राजा, ओकर गांव अऊ ओमा के हर मनखे ला तलवार ले मार
डारिन। ओमन कोनो ला भी जीयत नइं छोंड़िन। एगलोन के सहीं, ओमन ओला अऊ ओमा के हर एक जन ला
पूरा नास कर दीन।
38 तब यहोसू अऊ जम्मो इसरायलीमन मुड़के दबीर सहर ऊपर हमला करिन।
39 अऊ ओमन सहर ला ओकर राजा अऊ ओकर गांवमन सहित ले लीन अऊ ओमन ला तलवार ले मार
डारिन। ओमा के हर एक जन ला ओमन पूरा नास कर दीन। ओमन कोनो ला भी जीयत नइं छोंड़िन। ओमन
दबीर अऊ ओकर राजा के संग वइसने ही करिन, जइसने ओमन लिबना अऊ ओकर राजा अऊ हेबरोन के संग
करे रिहिन।
40 ये किसम ले यहोसू ह ओ जम्मो छेत्र ला अपन अधीन म कर लीस—याने कि पहाड़ी देस, नेगेव, पछिम के
खाल्हे के पहाड़ीमन अऊ पहाड़ी ढलान अऊ ओमन के जम्मो राजामन। ओह कोनो ला भी जीयत नइं छोंड़िस।
ओह जम्मो जीयत परानी ला पूरा नास कर दीस, जइसे कि यहोवा, इसरायल के परमेसर ह हुकूम दे रिहिस।
41 यहोसू ह कादेस-बरने सहर ले लेके गाजा अऊ गोसेन के पूरा इलाका ले लेके गिबोन तक अपन अधीन म
कर लीस।
42 ये जम्मो राजा अऊ ओमन के देसमन ला यहोसू ह एकेच सैनिक अभियान म जीत लीस, काबरकि यहोवा,
इसरायल के परमेसर ह इसरायलीमन बर लड़िस।

43 तब यहोसू ह जम्मो इसरायलीमन के संग गिलगाल के डेरा म लहुंट आईस।

11

[illegible]

1 जब हासोर के राजा याबीन ह इसरायल के जीत के बात ला सुनिस, त ओह मादोन के राजा योबाब, अऊ
सिमरोन अऊ अछ्राप के राजामन ला,
2 अऊ जऊन राजामन उत्तर कोति पहाड़ी देस म, अऊ किन्नेरेत के दक्खिन के अराबा म*, अऊ खाल्हे
पछिमी पहाड़ी देस म†, अऊ पछिम कोति नपोत-दोर म रहत रिहिन ओमन ला;
3 पूरब अऊ पछिम म कनानीमन ला, अमोरी, हित्ती, परिज्जी, अऊ पहाड़ी देस म यबूसीमन ला, अऊ
मिसपा के इलाका म हेरमोन के खाल्हे हिब्बीमन ला खबर पठोईस।
4 ये जम्मो राजामन अपन पूरा सेना अऊ बड़े संखिया म घोड़ा अऊ रथमन ला लेके निकल आईन—एक
बहुंत बड़े सेना, समुंदर तीर के बालू सहीं अब्बड़ रिहिन।
5 ये जम्मो राजामन के सेनामन एक संग हो गीन अऊ इसरायलीमन ले लड़े बर मेरोम नांव के पानी के जगह
म आके एक संग डेरा डालिन।
6 तब यहोवा ह यहोसू ला कहिस, "ओमन ले झन डर, काबरकि कल एहीच बेरा मेंह ओ जम्मो ला
इसरायलीमन के बस म करके मरवा डारहूं; तुमन ला ओमन के घोड़ामन के माड़ी के नस ला काटके ओमन के
रथमन ला जला देना हे।"
7 अऊ यहोसू अऊ ओकर जम्मो सेना मेरोम नांव के पानी के जगह म आके अचानक ओमन ऊपर हमला कर
दीन,
8 अऊ यहोवा ह ओमन ला इसरायलीमन के हांथ म कर दीस। इसरायलीमन ओमन ला हरा दीन अऊ बड़े
नगर सीदोन अऊ मिसरपोत-मैम तक, अऊ पूरब म मिसपा के घाटी तक ओमन के पीछा करिन; अऊ ओमन ला
मारत गीन, अऊ कोनो ला भी जीयत नइं छोंड़िन।
9 यहोसू ह यहोवा के हुकूम के मुताबिक ओमन के संग करिस: ओह ओमन के घोड़ामन के माड़ी के नस ला
कटवाईस, अऊ ओमन के रथमन ला आगी म जला दीस।
10 ओ बेरा, यहोसू ह मुड़िस अऊ हासोर ऊपर कब्जा करके ओकर राजा ला तलवार ले मार डारिस। (हासोर ह
ये जम्मो राजमन के मुखिया रिहिस।)
11 अऊ उहां के जम्मो झन ला ओमन तलवार ले मार डारिन। इसरायलीमन ओमन ला पूरा नास कर दीन,
कोनो ला भी जीयत नइं छोंड़िन, अऊ हासोर ला जला दीन।
12 यहोसू ह ये जम्मो साही नगर अऊ ओमन के राजामन ला लीस अऊ ओमन ला तलवार ले मार डारिस।
यहोवा के सेवक मूसा के हुकूम के मुताबिक ओह ओमन ला पूरा नास कर दीस।
13 पर हासोर ला छोंड़, जेला यहोसू ह जला दीस, इसरायलीमन टीलामन म बसे अऊ कोनो नगर ला नइं
जलाईन।
14 ये नगरमन के पसु अऊ येमा के जम्मो लूट के सामान ला इसरायलीमन अपन बर ले लीन, पर जम्मो
मनखेमन ला ओमन तब तक तलवार ले मारिन, जब तक कि ओमन पूरा नास नइं हो गीन, ओमन के एको झन
ला घलो जीयत नइं छोंड़िन।
15 जइसे यहोवा ह अपन सेवक मूसा ला हुकूम देय रिहिस, वइसे ही मूसा ह यहोसू ला हुकूम दीस, अऊ
यहोसू ह वइसने ही करिस; जऊन-जऊन हुकूम यहोवा ह मूसा ला देय रिहिस, यहोसू ह ओमा के एको ठन ला
घलो अधूरा नइं छोंड़िस।
16 ये किसम ले यहोसू ह ओ पूरा देस ला ले लीस: पहाड़ी देस, जम्मो नेगेव, गोसेन के जम्मो इलाका, खाल्हे
के पछिमी पहाड़ी देस, अराबा अऊ इसरायल के पहाड़मन के संग ओमन के खाल्हे के पहाड़ीमन,
17 हालाक नांव के पहाड़ ले लेके, जऊन ह सेईर कोति उठे हवय, बाल-गाद तक, जऊन ह लबानोन के घाटी
म हेरमोन पहाड़ के खाल्हे म हवय। यहोसू ह ओमन के जम्मो राजामन ला पकड़के मार डारिस।
18 ये जम्मो राजामन के बिरूध यहोसू ह बहुंत लम्बा समय तक लड़ई करिस।

---

* **11:2** गलील के दक्खिन म यरदन के तराई के राजामन † **11:2** गलील के खाल्हे के पहाड़ीमन के राजामन

19 गिबोन म रहइया हिब्बीमन ला छोंड़ अऊ कोनो सहर के मनखेमन इसरायलीमन ले सांति के करार नइं
करिन; आने जम्मो नगरमन ला ओमन लड़ई म जीत लीन।
20 काबरकि यहोवा ह खुद ओमन के मन ला कठोर कर दे रिहिस, ताकि ओमन इसरायलीमन के बिरूध लड़ई
करंय, अऊ ओह ओमन ला बिगर कोनो दया के पूरा नास कर देवय, जइसे कि यहोवा ह मूसा ला हुकूम दे
रिहिस।
21 ओ बेरा यहोसू ह जाके पहाड़ी देस ले अनाकीमन ला नास कर दीस: हेबरोन, दबीर अऊ अनाब, यहूदा के
जम्मो पहाड़ी देस, अऊ इसरायल के जम्मो पहाड़ी देस म रहइया अनाकीमन ला नास कर दीस। यहोसू ह
ओमन ला अऊ ओमन के नगरमन ला पूरा नास कर दीस।
22 इसरायलीमन के इलाका म कोनो अनाकीमन नइं बचिन; सिरिप गाजा, गत अऊ असदोद म कोनो-कोनो
बच गीन।
23 ये किसम ले यहोवा के मूसा ला दिये निरदेस के मुताबिक यहोसू ह ओ जम्मो देस ऊपर अधिकार कर लीस,
अऊ ओह येला इसरायलीमन ला ओमन के गोत्रमन के मुताबिक एक उत्तराधिकार के रूप म दे दीस। तब देस
ला लड़ई ले सांति मिलिस।

12

[illegible]
1 यरदन नदी के पार पूरब कोति, याने कि अरनोन घाटी ले लेके हेरमोन पहाड़ तक के देस अऊ अराबा के जम्मो
पूरबी इलाका के जऊन राजामन ला इसरायलीमन मारके ओमन के देस ला अपन अधिकार म कर लेय रिहिन,
ओ राजामन ये अंय:

2 अमोरीमन के राजा सीहोन, जऊन ह हेसबोन म राज करत रिहिस।
ओह अरनोन घाटी के तीर के अरोएर नगर ले लेके—घाटी के मांझा ले लेके—यब्बोक नदी तक, जऊन ह
अमोनीमन के सीमना अय। येमा गिलाद के आधा भाग सामिल रिहिस।
3 ओह पूरबी अराबा ऊपर गलील* समुंदर ले लेके अराबा के समुंदर (जेला मिरतू सागर कहे जाथे),
बेत-यसीमोत, अऊ तब दक्खिन कोति पिसगा पहाड़ के ढलान के खाल्हे तक राज करत रिहिस।
4 बासान के राजा ओग के इलाका, जऊन ह रपाईमन के बचे आखिरी राजामन ले एक झन रिहिस; ओह
असतारोत अऊ एदरेई म सासन करत रिहिस।
5 ओह हेरमोन पहाड़, सलका नगर, गसूर अऊ माका के मनखेमन के सीमना तक पूरा बासान, अऊ हेसबोन
के राजा सीहोन के सीमना तक आधा गिलाद म राज करत रिहिस।

6 यहोवा के सेवक मूसा अऊ इसरायलीमन ओमन ला हरा दीन; अऊ यहोवा के सेवक मूसा ह ओमन के देस ला
रूबेनी, गादी अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन के अधिकार म दे दीस।

7 यरदन के पछिम कोति, लबानोन के घाटी म बाल-गाद सहर ले लेके सेईर कोति उठे हालाक पहाड़ तक के
देस के जऊन राजामन ला यहोसू अऊ इसरायलीमन हराय रिहिन अऊ जेमन के देस ला यहोसू ह इसरायलीमन
ला ओमन के गोत्र अऊ कुल के मुताबिक ओमन के उत्तराधिकार म दे दीस, ओमन ये अंय:
8 येमा पहाड़ी देस, पछिम म खाल्हे के पहाड़ीमन, अराबा, पहाड़ के ढलानमन, निरजन प्रदेस अऊ नेगेव
सामिल रिहिन। येमन हित्ती, अमोरी, कनानी, परिज्जी, हिब्बी, अऊ यबूसीमन के देस रिहिन।

येमन ओ राजा रिहिन:

9 एक, यरीहो के राजा;
एक, बेतेल के लकठा के अई के राजा;
10 एक, यरूसलेम के राजा;
एक, हेबरोन के राजा;

---

* **12:3** इबरानी म [illegible]

11 एक, यरमूत के राजा;
एक, लाकीस के राजा;
12 एक, एगलोन के राजा;
एक, गेजेर के राजा;
13 एक, दबीर के राजा;
एक, गेदेर के राजा;
14 एक, होरमा के राजा;
एक, अराद के राजा;
15 एक, लिबना के राजा;
एक, अदुल्लाम के राजा;
16 एक, मकेदा के राजा;
एक, बेतेल के राजा;
17 एक, तप्पूह के राजा;
एक, हेपेर के राजा;
18 एक, अपेक के राजा;
एक, लसारोन के राजा;
19 एक, मादोन के राजा;
एक, हासोर के राजा;
20 एक, सिमरोन-मरोन के राजा;
एक, अच्छाप के राजा;
21 एक, तानाक के राजा;
एक, मगिद्दो के राजा;
22 एक, केदेस के राजा;
एक, करमेल म योकनाम के राजा;
23 एक, नपोत-दोर म दोर के राजा;
एक, गिलगाल† म गोयीम के राजा;
24 एक, तिरसा के राजा;

ये किसम ले कुल इकतीस राजा होईन।

13

[illegible]

1 जब यहोसू ह बहुंत डोकरा हो गीस, त यहोवा ह ओला कहिस, "तेंह अब बहुंत डोकरा हो गे हस, अऊ अभी घलो देस के एक बड़े भाग ऊपर इसरायल ला अधिकार करना बाकि हवय।

2 "ये देसमन ला लेना बाकि हे:

"पलिस्ती अऊ गसूरीमन के जम्मो देस,
3 मिसर के पूरब कोति सीहोर नदी ले लेके उत्तर कोति एकरोन के इलाका, ये जम्मो ला कनानीमन के भाग गने जावय, हालाकि ये इलाका पांच पलिस्ती हाकिममन के अधीन रिहिस, जेमन गाजा, असदोद, अस्कलोन, गत अऊ एकरोन नगर म रिहिन;
दक्खिन कोति अव्वीमन के इलाका;
4 कनानीमन के पूरा देस, सीदोनीमन के आरा ले लेके अपेक अऊ अमोरीमन के सीमना तक;
5 गबालीमन के इलाका;

† **12:23** यूनानी अनुवाद म, *[illegible]*

अऊ पूरब कोति जम्मो लबानोन, हेरमोन पहाड़ के खाल्हे बाल-गाद ले लेके लेबो-हमात तक।

6 “फेर लबानोन ले लेके मिसरपोत-मैम तक पहाड़ी इलाका के जम्मो निवासीमन, येमन जम्मो सीदोनीमन
रिहिन, येमन ला मेंह खुद इसरायलीमन के आघू ले भगा दूहूं। धियान रहय कि तें मोर हुकूम के मुताबिक चिट्ठी
निकालके ये देस इसरायल ला बांट देबे।
7 ये देस ला नौ गोत्र अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन के बीच ओमन के उत्तराधिकार के रूप म बांट दे।”

[illegible]

8 मनस्से के आधा गोत्र, रूबेनी अऊ गादीमन ला ओमन के भाग मिल गे रिहिस, मूसा ह ओमन ला यरदन के
पूरब कोति ओमन के उत्तराधिकार देय रिहिस, जइसे कि ओ यहोवा के दास ह ओमन ला ओ भाग देय रिहिस।
9 येह अरनोन नांव के घाटी के तीर के अरोएर ले लेके, अऊ ओही घाटी के बीच के नगर ले लेके दीबोन तक
मेदबा के पूरा पठार,
10 अऊ अमोरीमन के राजा सीहोन के जम्मो नगर, जऊन ह अमोनीमन के सीमना के बाहिर, हेसबोन सहर म
राज करत रिहिस।
11 अऊ गिलाद देस, अऊ गसूर अऊ माकावासीमन के सीमना, अऊ जम्मो हेरमोन पहाड़, अऊ सलका तक
जम्मो बासान,
12 फेर असतारोत अऊ एदरेई म सासन करइया ओ बासान म ओग के जम्मो राज, जऊन ह रपाईमन म
अकेला बांच गे रिहिस; काबरकि येमन ला मूसा ह मारके येमन के देस ला लेय ले रिहिस।
13 पर इसरायलीमन गसूर अऊ माका के मनखेमन ला ओमन के देस ले नइं निकालिन; एकरसेति ओमन
इसरायलीमन के बीच म आज तक रहत हवंय।

14 पर लेवी के गोत्र ला ओह कोनो भाग नइं दीस; काबरकि यहोवा, इसरायल के परमेसर ला चघाय गय
जेवन-बलिदान ह ओमन के भाग अय, जइसे कि ओह ओमन ले वायदा करे रिहिस।

15 मूसा ह रूबेन के गोत्र ला ओमन के कुलमन के मुताबिक ये भाग देय रिहिस:
16 अरनोन नांव के घाटी के तीर म अरोएर ले लेके, अऊ ओही घाटी के बीच के नगर, अऊ मेदबा के लकठा के
जम्मो पठार ले लेके
17 हेसबोन अऊ पठार म येकर जम्मो नगरमन रिहिन; येमा दीबोन, बामोत-बाल, बेत-बाल-मेओन,
18 यहस, कदेमोत, मेपात,
19 किरयातैम, सिबमा, अऊ घाटी के पहाड़ी म बसे हुए सेरेत-सहर,
20 बेत-पोर, पिसगा के ढलानमन अऊ बेत-यसीमोत—
21 पठार के जम्मो नगरमन अऊ अमोरीमन के राजा सीहोन के जम्मो राज, जऊन ह हेसबोन म राज करत
रिहिस। मूसा ह ओला, अऊ मिदयानी मुखियामन ला, एवी, रेकेम, सूर, हूर अऊ रेबा ला हराय रिहिस—येमन
सीहोन के संगी हाकिममन रिहिन अऊ ओही देस म रहत रिहिन।
22 लड़ई म मारे गय येमन के अलावा, इसरायलीमन बेओर के बेटा बिलाम ला घलो तलवार ले मार डारिन,
जऊन ह सकुन-बिचार करय।
23 रूबेनीमन के सीमना ह यरदन के किनारा रिहिस। रूबेनीमन ला ओमन के कुलमन के मुताबिक ये नगर अऊ
ओमन के गांवमन उत्तराधिकार म मिले रिहिन।

24 मूसा ह गाद के गोत्र ला ओमन के कुलमन के मुताबिक ये भाग देय रिहिस:
25 याजेर के इलाका, गिलाद के जम्मो नगर अऊ रब्बा के लकठा म अरोएर तक अमोनीमन के आधा देस,
26 अऊ हेसबोन ले लेके रामत-मिसपा अऊ बतोनीम तक, अऊ महनैम ले लेके दबीर के इलाका तक;
27 अऊ घाटी म, बेत-हारम, बेत-निमरा, सुक्कोत अऊ सापोन, अऊ हेसबोन के राजा सीहोन के राज के बांचे
भाग (यरदन नदी के पूरब कोति, गलील* समुंदर के आखिरी छोर तक के इलाका)।
28 गादीमन ला ओमन के कुलमन के मुताबिक ये नगर अऊ ओमन के गांवमन बांटा म मिले रिहिन।

---

* **13:27** इबरानी म [illegible]

29 मनस्से के आधा गोत्र ला मूसा ह ये भाग देय रिहिस; येह मनस्से के संतानमन के आधा परिवार ला ओमन के
कुलमन के मुताबिक दिये गे रिहिस:
30 महनैम के इलाका ले लेके जम्मो बासान तक, बासान के राजा ओग के जम्मो राज—बासान म याईर के बसे
जम्मो साठ नगर,
31 गिलाद के आधा भाग, अऊ असतारोत अऊ एदरेई (बासान म ओग के साही सहरमन)।
येह मनस्से के बेटा माकीर के संतानमन बर रिहिस—माकीर के बेटामन के आधा भाग, ओमन के कुलमन के
मुताबिक।

32 ये ओ भागमन अंय, जेला मूसा तब देय रिहिस, जब ओह यरीहो के पूरब कोति, यरदन नदी के ओ पार,
मोआब के मैदान म रिहिस।
33 पर लेवी के गोत्र ला, मूसा ह कोनो भाग नइं दीस; यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ओमन के भाग अय, जइसे
कि ओह ओमन ले वायदा करे रिहिस।

14

[illegible]

1 एलिआजर पुरोहित, नून के बेटा यहोसू अऊ इसरायली गोत्रमन के अगुवामन कनान देस म इसरायलीमन
ला ओमन के उत्तराधिकार के रूप म जऊन इलाकामन ला दीन, ओमन ये अंय।
2 जइसे कि यहोवा ह मूसा के जरिये हुकूम देय रिहिस, ओकर मुताबिक साढ़े नौ गोत्रमन ला ओमन के
उत्तराधिकार चिट्ठी डार-डारके देय गीस।
3 मूसा ह अऊ बांचे अढ़ई गोत्र के मनखेमन ला ओमन के उत्तराधिकार यरदन के पूरब कोति देय रिहिस पर
लेवीमन ला ओह बाकि मनखेमन के बीच कोनो उत्तराधिकार नइं देय रिहिस,
4 काबरकि यूसुफ के संतानमन दू ठन गोत्र बन गे रिहिन—मनस्से अऊ एफ्रैम। ओ देस म लेवीमन ला कुछू
भाग नइं देय गे रिहिस; पर ओमन ला सिरिप रहे बर नगरमन, अऊ संग म ओमन के गरूवा-बईला अऊ
भेड़-बकरी बर चरागनमन मिले रिहिस।
5 ये किसम ले मूसा ला यहोवा के दिये हुकूम के मुताबिक इसरायलीमन देस ला बांट लीन।

[illegible]

6 तब गिलगाल म यहूदा के मनखेमन यहोसू करा आईन, अऊ कनजी यपुन्ने के बेटा कालेब ह ओला कहिस,
"तेंह जानत हस कि यहोवा ह कादेस-बरने नगर म परमेसर के जन मूसा ला तोर अऊ मोर बारे म का कहे रिहिस।
7 जब यहोवा के दास मूसा ह मोला कादेस-बरने ले ये देस के खोजबीन करे बर पठोय रिहिस, तब मेंह चालीस
बछर के रहेंव। अऊ मेंह अपन सही बिसवास से ओकर करा सूचना लेके वापिस आयेंव,
8 पर मोर संगी इसरायली, जेमन मोर संग म गेय रिहिन, ओमन अपन बात ले मनखेमन ला डरवा दीन। तभो
ले मेंह यहोवा अपन परमेसर के पाछू पूरा मन से चलेंव।
9 तब ओ दिन मूसा ह सपथ खाके मोर ले कहिस: 'जऊन भुइयां म तेंह अपन गोड़ ला मढ़ाके आय हस, ओह
सदाकाल बर तोर अऊ तोर संतानमन के भाग होही, काबरकि तेंह पूरा मन से यहोवा मोर परमेसर के पाछू चले
हस।'*
10 "अऊ तब ले, जइसे यहोवा ह वायदा करे रिहिस, मूसा ला ये कहे के बाद, ओह मोला पैंतालीस साल तक
जीयत रखे हवय, जबकि इसरायलीमन सुन्ना जगह म फिरत रिहिन। आज मेंह इहां हंव अऊ मेंह पचयासी साल
के हो गे हंव!
11 में आज घलो ओतेक मजबूत हंव, जतेक मजबूत में ओ समय रहेंव, जब मूसा ह मोला पठोय रिहिस; मेंह
आज घलो लड़ई म जाय बर वइसे ताकतवर हंव, जइसे मेंह ओ समय रहेंव।
12 ये खातिर ये पहाड़ी देस मोला दे, जेकर वायदा यहोवा ह ओ दिन मोर ले करे रिहिस। तेंह खुद ओ समय
सुने रहय कि उहां अनाकीमन रिहिन अऊ ओमन के सहरमन बड़े अऊ दीवारवाले रिहिन, पर यहोवा के मदद ले,
ओकर कहे मुताबिक मेंह अनाकीमन ला भगा दूहूं।"

---

* **14:9** ब्यव 1:36

13 तब यहोसू ह यपुन्ने के बेटा कालेब ला आसीरबाद दीस अऊ हेबरोन सहर ला ओकर उत्तराधिकार के रूप म
दीस।
14 एकरसेति हेबरोन ह तब ले, कनजी यपुन्ने के बेटा कालेब के हो गीस, काबरकि ओह यहोवा, इसरायल के
परमेसर के पाछू पूरा मन से चलिस।
15 (पहिले हेबरोन के नांव अरबा के कारन किरयत-अरबा रिहिस; काबरकि अरबा ह अनाकीमन के बीच सबले
बड़े मनखे रिहिस।)
तब ओ देस ला लड़ई ले सांति मिलिस।

15

[illegible]

1 यहूदा के गोत्र के भाग ओकर कुलमन के मुताबिक खाल्हे एदोम के इलाका, अऊ दक्खिन के आखिरी छोर म
सीन के सुन्ना जंगल तक रिहिस।

2 ओमन के दक्खिनी सीमना मिरतू सागर के दक्खिनी छोर के खाड़ी ले सुरू होके
3 अकरबीम नांव के चढ़ई के दक्खिन कोति ले निकलके सीन होवत कादेस-बरने के दक्खिन तक गे हवय। तब
येह हेसरोन के बाजू ले होवत अद्दार तक जाथे अऊ करका के चारों कोति मुड़ गे हवय।
4 येह तब असमोन सहर ले होवत मिसर के नरवा म जुड़ गीस, अऊ भूमध्य सागर म खतम होईस। येह
ओमन के दक्खिन के सीमना ए।
5 पूरबी सीमना ह यरदन के मुंहाटी तक मिरतू सागर ए।
उत्तरी दिग के सीमना ह यरदन नदी के मुंहाटी म समुंदर के खाड़ी ले सुरू होके,
6 बेत-होगला तक गीस अऊ फेर आघू बेत-अराबा* के उत्तर कोति ले होवत रूबेन के बेटा बोहन नांव के
पथरा तक चघ गीस।
7 ओही सीमना ह तब आकोर के घाटी ले ऊपर दबीर तक गीस अऊ उत्तर कोति मुड़के गिलगाल तक गीस,
जऊन ह संकरी घाटी के दक्खिन कोति अदुमीम के चघई के आघू म हवय। येह आघू बढ़त एन-सेमेस के सोता ले
होवत एन-रोगेल करा निकलिस।
8 तब येह यबूसी सहर याने कि यरूसलेम के दक्खिनी ढलान ले होवत बेन-हिन्नोम के घाटी तक गीस। उहां ले
येह रपाईम घाटी के उत्तरी छोर म हिन्नोम के घाटी के पछिमी पहाड़ी के टीप तक गीस।
9 पहाड़ी के टीप ले ओही सीमना ह नेपतोह के पानी के सोता कोति गीस, अऊ एपरोन पहाड़ के नगरमन म
निकलिस; फेर उहां ले खाल्हे बालाह सहर (जेला किरयत-यारीम कहे जाथे) कोति गीस।
10 फेर येह बालाह ले मुड़के पछिम कोति सेईर पहाड़ तक हबरिस, अऊ यारीम पहाड़ (जेला कसालोन घलो
कहे जाथे) के उत्तरी ढलान ले होवत खाल्हे बेत-सेमेस करा आईस अऊ फेर तिमना नगर करा निकलिस।
11 उहां ले ये सीमना ह एकरोन सहर के उत्तरी ढलान करा गीस, अऊ मुड़के सिक्करोन सहर कोति गीस, अऊ
बालाह पहाड़ म ले होवत यबनेल करा हबरिस अऊ ओ सीमना ह समुंदर करा खतम हो गीस।
12 पछिम के सीमना ह भूमध्य सागर के किनारा ठहिरिस।

येमन यहूदा के मनखेमन के चारों कोति ओमन के कुल के मुताबिक सीमना अंय।

13 यहोसू ह यपुन्ने के बेटा कालेब ला यहोवा के हुकूम के मुताबिक यहूदा म एक भाग दीस, याने कि
किरयत-अरबा, जेला हेबरोन घलो कहे जाथे। (अरबा ह अनाक के पुरखा रिहिस।)
14 हेबरोन ले कालेब ह तीन अनाकीमन ला निकाल दीस—येमन अनाक के बेटा सेसै, अहीमन, अऊ तलमै
रिहिन।
15 फेर उहां ले ओह दबीर नगर म रहइया मनखेमन के बिरूध आघू बढ़िस (पहिले दबीर ला किरयत-सेपेर कहे
जावय)।

---

* **15:6** *[illegible]* के मतलब इहां *[illegible]*

16 अऊ कालेब ह कहिस, “जऊन मनखे ह किरयत-सेपेर ऊपर हमला करके ओला अपन अधीन म कर लीही,
ओकर संग मेंह अपन बेटी अकसा के बिहाव कर दूहूं।”
17 तब कालेब के भाई कनज के बेटा ओतनीएल ह ये काम ला करिस; एकरसेति कालेब ह ओकर संग अपन
बेटी अकसा के बिहाव कर दीस।
18 एक दिन जब अकसा ह ओतनीएल करा आईस, त ओह ओतनीएल ले बिनती करिस† कि ओह अकसा के
ददा कालेब ले एक ठन खेत मांगय। जब अकसा ह अपन गदहा ले उतरिस, त कालेब ह ओकर ले पुछिस, “तेंह
का चाहत हस कि मेंह तोर बर करंव?”
19 ओह जबाब दीस, “मोर ऊपर एक बिसेस किरपा कर। जब तेंह मोला नेगेव म कुछू भुइयां दे हस, त मोला
पानी के सोतामन ला घलो दे।” तब कालेब ह ओला ऊपर अऊ खाल्हे के पानी के सोतामन ला दे दीस।

20 येह यहूदा गोत्र के येकर कुलमन के मुताबिक उत्तराधिकार ए:

21 नेगेव म एदोम के सीमना कोति यहूदा गोत्र के दक्खिनी छोर के नगरमन ये रिहिन:
कबसेल, एदेर यागूर,
22 कीना, दीमोना, अदादा,
23 केदेस, हासोर, यितनान,
24 जीप, तेलेम, बालोत,
25 हासोर-हदत्ता, करियोत-हेसरोन (जेला हासोर घलो कहे जाथे),
26 अमाम, सेमा, मोलादा,
27 हसर-गद्दा, हेसमोन, बेत-पेलेत,
28 हसर-सूआल, बेरसेबा, बिजयोतिया,
29 बालाह, इय्यीम, एसेम
30 एलतोलद, कसील, होरमा,
31 सिकलग, मदमन्ना, सनसन्ना,
32 लबाओत, सिल्हीम, ऐन, अऊ रिम्मोन—कुल मिलाके उनतीस नगर अऊ येमन के गांवमन।
33 पछिमी पहाड़ीमन के खाल्हे म:
एसताओल, सोरा, असना,
34 जानोह, एन-गन्नीम, तप्पूह, एनाम,
35 यरमूत, अदुल्लाम, सोको, अजेका,
36 सारैम, अदीतैम अऊ गदेरा (या गदेरोतैम)‡—कुल चौदह नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।
37 फेर सनान, हदासा, मिगदल-गाद,
38 दिलान, मिसपा, योकतेल,
39 लाकीस, बोसकत, एगलोन,
40 कब्बोन, लहमास, कितलीस,
41 गदेरोत, बेत-दागोन, नामा, अऊ मकेदा—कुल सोलह नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।
42 फेर लिबना, एतेर, आसान,
43 यिप्तह, असना, नसीब,
44 कीला, अकजीब, अऊ मारेसा—कुल नौ नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।
45 फेर एकरोन, येकर बसाहट अऊ गांवमन समेत;
46 एकरोन के पछिम म, ओ जम्मो जऊन मन असदोद के आसपास रिहिन अऊ संग म ओमन के गांवमन
घलो;
47 असदोद, येकर आसपास के बसाहट अऊ गांवमन; अऊ गाजा, येकर बसाहट अऊ गांवमन, मिसर के
नरवा अऊ भूमध्य सागर के तीर तक।
48 पहाड़ी देस म:

† **15:18** कुछू हस्तलिपि म लिखे हवय ओतनीएल ह अकसा ले बिनती करिस ‡ **15:36** या [illegible]

सामीर, यत्तीर, सोको,
49 दन्ना, किरयत-सन्ना (जऊन ला दबीर घलो कहे जाथे),
50 अनाब, एसतमो आनीम,
51 गोसेन, होलोन, अऊ गीलो—कुल गियारह नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।
52 फेर अरब, दूमा, एसान,
53 यानीम, बेत-तप्पूह, अपेका,
54 हुमता, किरयत-अरबा, (जऊन ला हेबरोन घलो कहे जाथे) अऊ सीओर—कुल नौ नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।
55 फेर माओन, करमेल, जीप, यूता,
56 यिजरेल, योकदाम, जानोह,
57 कैन, गिबा, अऊ तिमना—कुल दस नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।
58 फेर हलहूल, बेत-सूर, गदोर,
59 मरात, बेत-अनोत, अऊ एलतकोन—कुल छै नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।§
60 फेर किरयत-बाल, (जऊन ला किरयत-यारीम घलो कहे जाथे) अऊ रब्बा—कुल दू ठन नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।
61 निरजन जगह म:
बेत-अराबा, मिद्दीन, सकाका,
62 निबसान, नून के सहर अऊ एन-गदी—कुल छै नगर अऊ येमन के गांवमन घलो हवंय।

63 यहूदा के मनखेमन ओ यबूसीमन ला निकाल नइं सकिन, जेमन यरूसलेम म रहत रिहिन; एकरसेति आज तक यबूसीमन यहूदा के मनखेमन के संग उहां रहत हें।

16

[illegible]

1 फेर यूसुफ के संतानमन के भाग यरीहो के सोतामन के पूरब कोति, यरदन नदी ले सुरू होईस, अऊ उहां ले सुन्ना जगह ले होवत बेतेल के पहाड़ी देस म आईस।
2 येह बेतेल (जेला लूज कहे जाथे) ले निकलके अतारोत सहर म अरकीमन के इलाका म आईस,
3 अऊ पछिम कोति उतरके यपलेतीमन के इलाका म खाल्हे के बेत-होरोन के इलाका अऊ गेजेर सहर तक आईस, अऊ भूमध्य सागर म खतम हो गीस।

4 ये किसम ले यूसुफ के संतान, मनस्से अऊ एपरैम ला ओमन के उत्तराधिकार मिलिस।

5 येह एपरैम के कुलमन के मुताबिक ओकर इलाका रिहिस:

ओमन के उत्तराधिकार के सीमना ह पूरब म अतारोत-अद्दार ले होवत ऊपरी बेत-होरोन तक गीस
6 अऊ येह भूमध्य सागर तक हबरिस। उत्तर म मिकमतात सहर ले येह मुड़के पूरब कोति तानत-सीलो सहर करा आईस, अऊ फेर येला पार करके पूरब म यानोह सहर तक हबरिस।
7 तब येह यानोह ले खाल्हे अतारोत अऊ नारा सहरमन म गीस, अऊ यरीहो ला छूवत यरदन करा निकलिस।
8 फेर तप्पूह ले सीमना ह पछिम कोति काना घाटी करा आईस अऊ भूमध्य सागर म खतम हो गीस। येह एपरैमीमन के गोत्र के ओमन के कुलमन के मुताबिक उत्तराधिकार रिहिस।
9 येमा जम्मो नगर अऊ ओमन के गांवमन घलो सामिल रिहिन, जेला मनस्सेयीमन के उत्तराधिकार के भीतर एपरैमीमन बर अलग करे गे रिहिस।

§ **15:59** सेप्टाजिन्ट ह गियारह नगरमन के एक जिला अऊ तकोआ अऊ एपराता (बैतलहम) ला घलो मिलाथे

10 पर ओमन गेजेर सहर म रहइया कनानीमन ला नइं निकालिन; एकरसेति आज तक कनानीमन एपरैम के
मनखेमन के बीच म रहत हें, पर ओमन ला बंधुवा मजदूर के रूप म काम करना जरूरी ए।

17

1 फेर यूसुफ के बड़े बेटा मनस्से के गोत्र के बांटा ये रिहिस। मनस्से के बड़े बेटा माकीर ह गिलादीमन के पुरखा
रिहिस अऊ ओला बांटा म गिलाद अऊ बासान मिलिस, काबरकि माकीरीमन बड़े योद्धा रिहिन।
2 ये बांटा ह मनस्से के बाकि बांचे मनखेमन बर रिहिस—अबिएजेर, हेलेक, असरीएल, सकेम हेपेर, अऊ
समीदा के बंस के मनखेमन ला। येमन अपन बंस के मुताबिक यूसुफ के बेटा मनस्से के आने पुरूस संतान अंय।
3 पर हेपेर जऊन ह गिलाद के बेटा, माकीर के पोता, अऊ मनस्से के परपोता रिहिस, ओकर बेटा सलोफाद के
बेटा नइं रिहिन; ओकर सिरिप बेटीमन रिहिन, जेमन के नांव महला, नोआ, होगला, मिलका अऊ तिरसा
रिहिस।
4 तब ओमन एलिआजर पुरोहित, नून के बेटा यहोसू, अऊ अगुवामन करा जाके कहिन, "यहोवा ह मूसा ला
हुकूम देय रिहिस कि हमन ला हमर रिस्तेदारमन के बीच उत्तराधिकार दिये जावय।" एकरसेति यहोसू ह यहोवा
के हुकूम के मुताबिक ओमन ला ओमन के ककामन के संग एक बांटा दीस।
5 मनस्से के बांटा म यरदन नदी के पूरब कोति गिलाद अऊ बासान के अलावा दस इलाका अऊ रिहिस,
6 काबरकि मनस्से के गोत्र के बेटीमन ला घलो बेटामन के बीच एक भाग दिये गीस। गिलाद देस ह मनस्से के
बाकि बांचे संतानमन के हो गीस।

7 मनस्से के सीमना ह आसेर ले लेके सकेम के पूरब कोति मिकमतात सहर तक फईले रिहिस। सीमना ह उहां
ले बढ़के दक्खिन कोति एन-तप्पूह के निवासीमन तक हबरिस।
8 तप्पूह के भुइयां त मनस्से के रिहिस, पर तप्पूह नगर ह मनस्से के सीमना म एपरैमीमन के ठहिरिस।
9 तब उहां ले सीमना ह दक्खिन कोति काना के नरवा तक गीस। उहां एपरैम के नगरमन रिहिन अऊ ये
नगरमन मनस्से के नगरमन के बीच म रिहिन, पर मनस्से के सीमना काना के नरवा के उत्तर कोति रिहिस अऊ
भूमध्य सागर करा खतम होवत रिहिस।
10 दक्खिन कोति के भुइयां ह एपरैम के अऊ उत्तर कोति के भुइयां ह मनस्से के रिहिस। मनस्से के इलाका ह
भूमध्य सागर तक रिहिस अऊ ओकर सीमना ह उत्तर कोति आसेर ले अऊ पूरब कोति इस्साकार ले जाके मिलत
रिहिस।
11 इस्साकार अऊ आसेर के भीतर मनस्से ला बेत-सान, यिबलाम अऊ दोर के मनखे, एनदोर के मनखे, तानाक
के मनखे अऊ मगिद्दो के मनखे अऊ येमन के आसपास बसे इलाकामन घलो मिले रिहिस (सूची म तीसरा
नांव नपोत* अय)।

12 पर मनस्सेयीमन ये नगरमन ला अपन अधीन नइं कर सकिन, काबरकि कनानीमन ओ इलाका म ही रहे के
ठान ले रिहिन।
13 तभो ले जब इसरायलीमन ताकतवर हो गीन, त ओमन कनानीमन ला बंधुवा मजदूर बना लीन, पर ओमन
ला पूरा रीति ले बाहिर नइं निकालिन।
14 यूसुफ के मनखेमन यहोसू ला कहिन, "तेंह काबर हमन ला सिरिप एक बांटा अऊ उत्तराधिकार बर एक
भाग दे हस? हमन तो गनती म अब्बड़ हवन, अऊ यहोवा ह हमन ला अब्बड़ आसीस दे हवय।"
15 यहोसू ह ओमन ला जबाब दीस, "यदि तुमन गनती म अब्बड़ मनखे हवव, अऊ यदि एपरैम के पहाड़ी देस
तुम्हर बर बहुंत छोटे हवय, त परिज्जी अऊ रपाईमन के देस म ऊपर जंगल म जावव अऊ उहां रूखमन ला
काटके अपन बर भुइयां साफ करव।"
16 तब यूसुफ के मनखेमन जबाब दीन, "ओ पहाड़ी देस ह हमर बर परयाप्त नो हय, अऊ मैदानी इलाका म
रहइया जम्मो कनानीमन करा याने कि बेत-सान सहर अऊ उहां बसे मनखे अऊ यिजरेल के घाटी म बसे जम्मो
मनखेमन करा लोहा के रथ हवंय।"

---

* **17:11** याने कि, नपोत-दोर

17 पर यहोसू ह, यूसुफ के गोत्र के मनखे—एपरैमी अऊ मनस्से ला कहिस, “तुमन गनती म अब्बड़ हवव अऊ
बहुंत ताकतवर भी हव। तुमन ला सिरिप एकेच बांटा ही नइं मिलही,
18 पर संग म जंगल के पहाड़ी देस घलो तुम्हर हो जाही। तुमन ओला साफ करव, अऊ ओकर दूरिहा के
इलाकामन तुम्हर हो जाहीं; हालाकि कनानीमन करा लोहा के रथमन हवंय, अऊ ओ मनखेमन ताकतवर हवंय,
पर तुमन ओमन ला भगा सकत हव।”

18

[illegible]

1 फेर इसरायलीमन के सभा के जम्मो मनखेमन सीलो सहर म इकट्ठा होके उहां मिलापवाला तम्बू ला ठाढ़
करिन। काबरकि ओ देस ह ओमन के बस म आ गे रिहिस,
2 पर अभी भी इसरायलीमन के सात गोत्र अइसे रिहिन, जेमन ला ओमन के उत्तराधिकार नइं मिले रिहिस।
3 एकरसेति यहोसू ह इसरायलीमन ले कहिस, “तुम्हर पुरखामन के परमेसर यहोवा ह तुमन ला जऊन देस दे
हवय, ओला अपन अधिकार म कर लेय म तुमन कब तक ढिलई करत रहिहू?
4 अब हर एक गोत्र म ले तीन मनखे ला ठहिरा लेवव। मेंह ओमन ला पठोहूं कि ओमन जाके देस के खोजबीन
करंय अऊ हर एक गोत्र के उत्तराधिकार के अनुसार ओकर एक बिबरन लिखंय। अऊ तब ओमन मोर करा लहुंट
आवंय।
5 तुमन ला बाकि देस ला सात भाग म बांटना हे। यहूदा ह ओकर दक्खिन के इलाका म रहय अऊ यूसुफ के
गोत्रमन उत्तर के ओमन के इलाका म रहंय।
6 जब तुमन देस के सात भागमन के बिबरन ला लिख लव, त ओला लेके मोर करा आवव अऊ मेंह यहोवा
हमर परमेसर के आघू म तुम्हर बर चिट्ठी डालहूं।
7 पर लेवीमन ला तुम्हर बीच म कोनो भाग नइं मिलय, काबरकि यहोवा के पुरोहिती सेवा ह ओमन के
उत्तराधिकार अय। अऊ गाद, रूबेन अऊ मनस्से के आधा गोत्र ला यरदन नदी के पूरब कोति पहिले ही ओमन
के उत्तराधिकार मिल गे हवय। यहोवा के सेवक मूसा ह ओमन ला ये भाग दे हवय।”
8 जब ओ मनखेमन देस के हालचाल लिखे बर निकलिन, त यहोसू ह ओमन ला निरदेस दीस, “जाके देस के
खोजबीन करव अऊ ओकर एक बिबरन लिखव। अऊ तब मोर करा लहुंट आवव, अऊ मेंह इहां सीलो म यहोवा
के आघू म तुम्हर बर चिट्ठी डालहूं।”
9 तब ओ मनखेमन गीन अऊ ओ देस म घुमिन, अऊ नगरमन ला सात भाग करके एक ठन किताब म ओकर
बिबरन ला लिखिन, अऊ सीलो के डेरा म यहोसू करा लहुंट आईन।

10 तब यहोसू ह सीलो म यहोवा के आघू म ओमन बर चिट्ठी डालिस, अऊ उहां ओह इसरायलीमन ला ओमन के
गोत्र के दल के मुताबिक देस ला बांट दीस।

[illegible]

11 पहिली चिट्ठी बिनयामीन के गोत्र बर ओमन के कुलमन के मुताबिक निकलिस। ओमन के इलाका ह यहूदा
अऊ यूसुफ के गोत्रमन के बीच म परिस:
12 उत्तर कोति ओमन के सीमना यरदन नदी ले सुरू होईस, अऊ यरीहो के उत्तरी ढलान ले होवत पछिम
कोति पहाड़ी देस म गीस, अऊ उहां ले बेत-आवेन के सुन्ना जगह म निकलिस।
13 उहां ले पार होके येह लूज के दक्खिन ढलान करा हबरिस (लूज ला बेतेल घलो कहिथें), अऊ उहां ले खाल्हे
के बेत-होरोन सहर के दक्खिन कोति पहाड़ी म अतारोत-अद्दार सहर करा आईस।
14 पहाड़ी ले बेत-होरोन के सामने दक्खिन म सीमना ह दक्खिन म मुड़के पछिम कोति होवत किरयत-बाल
सहर (येला किरयत-यारीम घलो कहिथें) करा निकलिस; येह यहूदा के मनखेमन के एक नगर रिहिस। येह
पछिम कोति के सीमना रिहिस।
15 दक्खिन कोति के सीमना ह पछिम म किरयत-यारीम के बाहिरी भाग ले सुरू होईस अऊ येह नेपतोह के
पानी के सोता करा निकलिस।

16 ये सीमना ह खाल्हे कोति ओ पहाड़ी के नीचे म गीस, जऊन ह रपाईम के घाटी के उत्तर म बेन-हिन्नोम के
घाटी के सामने म हवय। उहां ले येह यबूसी सहर के दक्खिनी ढलान ले होवत हिन्नोम के घाटी के खाल्हे म गीस
अऊ ये किसम ले एन-रोगेल करा आईस।
17 येह तब उत्तर कोति मुड़के एन-सेमेस करा आईस अऊ उहां ले निकलके गलीलोत करा आईस, जऊन ह
अदुमीम घाटी के चघई के सामने म हवय, फेर उहां ले येह रूबेन के बेटा बोहन नांव के पथरा तक उतर गीस।
18 उहां ले आघू बढ़त येह बेत-अराबा के उत्तरी ढलान करा गीस अऊ खाल्हे अराबा म आईस।
19 येह तब बेत-होगला के उत्तरी ढलान तक गीस अऊ उहां ले जाके दक्खिन म यरदन नदी के मुंहाटी करा
मिरतू सागर के उत्तरी खाड़ी म निकलिस। येह दक्खिन के सीमना रिहिस।
20 यरदन ह पूरब कोति के सीमना ठहिरिस।
येमन बिनयामीन के कुलमन ला मिले उत्तराधिकार के चारों कोति के सीमनामन रिहिन।

21 बिनयामीन के गोत्र ला येकर कुलमन के मुताबिक ये नगरमन मिले रिहिन:
यरीहो, बेत-होगला, एमेक-कसीस,
22 बेत-अराबा, समारैम, बेतेल,
23 अब्बीम, पारा, ओपरा,
24 कपर-अम्मोनी, ओपनी अऊ गेबा—बारह नगर अऊ येमन के गांवमन।
25 फेर गिबोन, रामा, बेरोत,
26 मिसपा, कपीरा, मोसा,
27 रेकेम, यिरपेल, तरला,
28 सेला, हेलेप, यबूसी सहर (जेला यरूसलेम कहिथें), गिबा अऊ किरयत—चौदह नगर अऊ येमन के
गांवमन।
येह बिनयामीन के ओकर कुलमन के मुताबिक उत्तराधिकार रिहिस।

19

[illegible]
1 दूसर चिट्ठी सिमोन के गोत्र बर ओकर कुलमन के मुताबिक निकलिस। ओमन के भाग यहूदा के इलाका के भीतर
रिहिस।
2 येमा ये नगरमन सामिल रिहिन:
बेरसेबा, सेबा, मोलादा,
3 हसर-सूआल, बाला, एसेम,
4 एलतोलद, बतूल, होरमा,
5 सिकलग, बेत-मरकाबोत, हसर-सूसा,
6 बेत-लबाओत अऊ सारूहेन—तेरह नगर अऊ येमन के गांवमन;
7 ऐन, रिम्मोन, एतेर, अऊ आसान—चार नगर अऊ येमन के गांवमन—
8 अऊ ये नगरमन के आसपास के जम्मो गांवमन बालत-बेर तक (नेगेव म रामा)।
येह सिमोनीमन के गोत्र के ओकर कुलमन के मुताबिक उत्तराधिकार रिहिस। 9 सिमोनीमन के उत्तराधिकार
यहूदा के भाग ले लिये गे रिहिस, काबरकि यहूदा ला ओमन के जरूरत ले जादा भाग मिले रिहिस। एकरसेति
यहूदा के इलाका के भीतर सिमोनीमन ला ओमन के उत्तराधिकार मिलिस।

[illegible]
10 तीसर चिट्ठी जबूलून बर ओकर कुलमन के मुताबिक निकलिस:
ओमन के भाग के सीमना सारीद सहर तक हबरिस।
11 अऊ ओमन के सीमना पछिम कोति मरला सहर ला जाके दब्बेसेत सहर ला छुईस, अऊ योकनाम सहर के
लकठा के नरवा तक बढ़िस।
12 फेर सारीद ले येह पूरब कोति ले मुड़के बेर के उगती कोति किसलोत-ताबोर के इलाका तक हबरिस अऊ
उहां ले आघू बढ़त दाबरत अऊ तब यापी तक आईस

13 तब येह पूरब कोति आघू बढ़त गत-हेपेर अऊ इत-कासीन ला गीस; येह रिम्मोन करा निकलिस अऊ नेआ
कोति मुड़ गीस।
14 उहां ले ओ सीमना ह मुड़के उत्तर कोति हन्नातोन करा चल दीस अऊ यिप्तह-एल के घाटी म खतम हो
गीस।
15 येमा कत्तात, नहलाल, सिमरोन, यिदला अऊ बैतलहम सामिल रिहिन। उहां बारह नगर अऊ ओमन के
गांवमन रिहिन।
16 ये नगर अऊ ओमन के गांवमन जबूलून के कुलमन के मुताबिक ओला उत्तराधिकार म मिले रिहिन।

[illegible]

17 चौथा चिट्ठी इस्साकार बर ओकर कुलमन के मुताबिक निकलिस।
18 ओमन के इलाका म ये जगहमन सामिल रिहिन:
यिजरेल, कसुल्लोत, सुनेम,
19 हपारैम, सीओन, अनाहरत,
20 रब्बीत, किसयोन, एबेस,
21 रेमेत, एन-गन्नीम, एन-हद्दा अऊ बेत-पस्सेस।
22 ओ सीमना ह ताबोर पहाड़, सहसूमा, अऊ बेत-सेमेस ला छुईस, अऊ यरदन नदी करा खतम हो गीस।
उहां सोलह नगर अऊ ओमन के गांवमन रिहिन।
23 ये नगर अऊ ओकर गांवमन इस्साकार के कुलमन के मुताबिक ओकर गोत्र के उत्तराधिकार रिहिन।

[illegible]

24 पांचवां चिट्ठी आसेर के गोत्र बर ओकर कुलमन के मुताबिक निकलिस।
25 ओमन के इलाका म ये नगरमन सामिल रिहिन:
हेलकत, हली, बेतेन, अछ्राप,
26 अलाम्मेलेक, अमाद अऊ मिसाल। पछिम कोति सीमना ह करमेल पहाड़ अऊ सीहोर-लिब्नात ला छुईस।
27 तब येह पूरब कोति मुड़के बेत-दागोन सहर करा गीस, अऊ जबूलून गोत्र अऊ यिप्तह-एल के घाटी ला
छुईस, अऊ डेरी कोति काबूल ला पार करत उत्तर दिग म बेत-एमेक अऊ नीएल तक हबरिस।
28 येह एबरोन, रहोब, हम्मोन अऊ काना ले होके बड़े सीदोन तक हबरिस।
29 तब सीमना ह वापिस रामा कोति लहुंटिस अऊ सूर नांव के गढ़वाले नगर तक गीस; फेर उहां ले होसा
कोति मुड़के अकजीब,
30 उम्मा, अपेक अऊ रहोब के छेत्र म भूमध्य सागर करा निकलिस।
उहां बाईस नगर अऊ ओमन के गांवमन रिहिन।
31 ये नगर अऊ ओमन के गांवमन आसेर के कुलमन के मुताबिक ओकर गोत्र के उत्तराधिकार रिहिन।

[illegible]

32 छठवां चिट्ठी नपताली बर ओकर कुलमन के मुताबिक निकलिस:
33 ओमन के सीमना ह हेलेप नगर अऊ साननीम नगर म बड़े रूख ले गीस अऊ अदामी-नेकेब अऊ यबनेल
ला पार करत लक्कूम करा आईस अऊ यरदन नदी करा खतम हो गीस।
34 सीमना ह पछिम कोति अजनोत-ताबोर ले होवत हूकोक करा निकलिस। येह दक्खिन म जबूलून गोत्र,
पछिम म आसेर गोत्र अऊ पूरब म यरदन* ला छुईस।
35 ओमन के गढ़वाले नगर येमन रिहिन—सिद्दीम, सेर, हम्मत, रक्कत, किन्नेरेत,
36 अदामा, रामा, हासोर,
37 केदेस, एदरेई, एन-हासोर,
38 यिरोन, मिगदल-एल, होरेम, बेत-अनात अऊ बेत-सेमेस।
उहां उन्नीस नगर अऊ ओमन के गांवमन रिहिन।
39 ये नगर अऊ ओमन के गांवमन नपताली के कुलमन के मुताबिक ओकर गोत्र के उत्तराधिकार रिहिन।

---

* **19:34** सेप्टाजिन्ट; इबरानी म [illegible]

[illegible]
40 सातवां चिट्ठी दान के गोत्र बर ओकर कुलमन के मुताबिक निकलिस।
41 ओमन के उत्तराधिकार के इलाका म ये नगरमन सामिल रिहिन:
सोरा, एसताओल, ईर-सेमेस,
42 सालब्बीन, अय्यालोन, यितला,
43 एलोन, तिमना, एकरोन,
44 एलतके, गिब्बतोन, बालात,
45 यहूद, बने-बराक, गत-रिम्मोन,
46 मे-यरकोन अऊ रक्कोन अऊ ओ छेत्र, जऊन ह यापा के सामने म हवय।
47 (जब दानीमन के इलाका ह ओमन करा ले चले गीस, त ओमन जाके लेसेम सहर ऊपर हमला करिन, अऊ ओला लेके उहां तलवार के उपयोग करिन अऊ ओला अपन अधिकार म कर लीन। ओमन लेसेम म बस गीन अऊ ओकर नांव अपन पुरखा के नांव म दान रखिन।)
48 ये नगर अऊ ओमन के गांवमन दान के कुलमन के मुताबिक ओकर गोत्र के उत्तराधिकार रिहिन।

[illegible]
49 जब इसरायलीमन देस के अपन-अपन हिस्सा के मुताबिक बंटवारा कर लीन, तब इसरायलीमन नून के बेटा यहोसू ला घलो अपन बीच म एक बांटा दीन,
50 जइसे कि यहोवा ह हुकूम देय रिहिस। ओमन ओला ओ नगर दीन, जेकर मांग ओह करे रिहिस। येह एपरैम के पहाड़ी देस के तिमनत-सेरह रिहिस। अऊ ओह ओ नगर ला बनाईस अऊ बस गीस।

51 येमन ओ इलाका अंय, जेला एलिआजर पुरोहित, नून के बेटा यहोसू अऊ इसरायल के गोत्र ले संबंधित कुलमन के मुखियामन सीलो म, मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार करा, यहोवा के आघू म चिट्ठी डाल-डालके बांट दीन। अऊ ये किसम ले ओमन देस के बंटवारा के काम ला पूरा करिन।

20

[illegible]
1 तब एक दिन यहोवा ह यहोसू ले कहिस,
2 "इसरायलीमन ले कह कि ओमन सरन लेय के सहरमन ला चुन लेवंय, जइसे कि मेंह तोला मूसा के जरिये निरदेस दे हंव,
3 ताकि यदि कोनो मनखे के दुवारा गलती से अऊ अनजाने म कोनो आने मनखे के हतिया हो जाथे, त ओह ओ सहर म भागके जा सकय अऊ खून के बदला लेवइया ले बचे रहय।
4 जब ओह येमा के कोनो नगर म भाग जावय, त ओह ओ सहर के प्रवेस दुवार म खड़े रहय अऊ ओ सहर के अगुवामन के आघू म अपन मामला ला बतावय। तब अगुवामन ओ भगोड़ा मनखे ला अपन सहर म ले लेवंय अऊ ओला अपन बीच म रहे बर कोनो ठऊर देवंय।
5 यदि खून के बदला लेवइया ह ओकर पीछा करत आथे, त अगुवामन ओ भगोड़ा ला ओकर हांथ म झन सऊंपंय, काबरकि ओ भगोड़ा ह अपन परोसी ला अनजाने म अऊ बिगर बईरता के मार डारे हे।
6 ओह ओ सहर म तब तक रूके रहय, जब तक कि सभा के आघू म ओकर नियायिक जांच नइं हो जावय अऊ जब तक कि ओ समय म सेवा करइया महा पुरोहित के मिरतू नइं हो जावय। ओकर बाद, ओह ओ नगर के अपन घर म वापिस जा सकत हे, जिहां ले ओह भागके आय रिहिस।"
7 एकरसेति ओमन नपताली के पहाड़ी देस म गलील के केदेस ला, एपरैम के पहाड़ी देस म सकेम ला, अऊ यहूदा के पहाड़ी देस म किरयत-अरबा (जेला हेबरोन घलो कहिथें) नगरमन ला अलग करिन।
8 यरदन नदी के पूरब कोति (यरीहो ले ओ पार) ओमन रूबेन के गोत्र म पठार ऊपर सुन्ना जगह म बेसेर ला, गाद के गोत्र म गिलाद के रामोत ला, अऊ मनस्से के गोत्र म बासान के गोलान नगरमन ला ठहिराईन।

9 कोनो इसरायली या ओमन के बीच म रहइया कोनो परदेसी के दुवारा गलती से कोनो मनखे के हतिया हो
जाथे, त ओह ये ठहिराय गय सहरमन म भागके जा सकत हे अऊ खून के बदला लेवइया के दुवारा मारे जाय ले
बच सकत हे, जब तक कि सभा के आघू म ओकर नियायिक जांच नइं हो जावय।

21

[illegible]

1 तब लेवीमन के परिवार के मुखियामन एलिआजर पुरोहित, नून के बेटा यहोसू, अऊ इसरायल के आने
गोत्रमन के परिवार के मुखियामन करा
2 कनान देस के सीलो नगर म आके कहे लगिन, "यहोवा ह मूसा के दुवारा हुकूम दे हवय कि तुमन हमन ला
हमर रहे बर नगर अऊ संग म हमर पसुमन ला चराय बर चरागन दव।"

3 तब इसरायलीमन यहोवा के हुकूम के मुताबिक अपन-अपन बांटा म ले लेवीमन ला ये नगर अऊ चरागनमन
ला दीन:

4 तब पहिली चिट्ठी कहातीमन बर, ओमन के कुलमन के मुताबिक निकलिस। ओ लेवी, जेमन हारून पुरोहित
के संतान रिहिन, ओमन ला यहूदा, सिमोन अऊ बिनयामीन के गोत्रमन ले तेरह नगर मिलिस।
5 बाकि बांचे कहात के संतानमन ला एपरैम के गोत्र, दान के गोत्र अऊ मनस्से के आधा गोत्र के कुलमन ले
चिट्ठी डालके दस नगर दिये गीस।
6 गेरसोन के संतानमन ला इस्साकार के गोत्र, आसेर के गोत्र, नपताली के गोत्र अऊ बासान म मनस्से के
आधा गोत्र के कुलमन ले चिट्ठी के मुताबिक तेरह नगर दिये गीस।
7 मरारी के संतानमन ला ओमन के कुलमन के मुताबिक रूबेन, गाद अऊ जबूलून के गोत्रमन ले बारह नगर
दिये गीस।

8 ये किसम ले इसरायलीमन लेवीमन ला चिट्ठी डाले के दुवारा ये नगर अऊ अपन चरागनमन ला दीन, जइसे
कि यहोवा ह मूसा के जरिये हुकूम देय रिहिस।

9 ओमन यहूदा अऊ सिमोन के गोत्रमन ले नगरमन ला नांव ले-लेके दीन।
10 ये नगरमन हारून के ओ संतानमन ला दिये गीस, जेमन लेवी के कहाती कुलमन ले रिहिन, काबरकि
पहिली चिट्ठी ओही मन के नांव म निकले रिहिस:
11 ओमन कहातीमन ला यहूदा के पहाड़ी देस म किरयत-अरबा (जेला हेबरोन घलो कहिथें) के संग ओकर
चारों कोति के चरागन ला दीन। (अरबा ह अनाक के पुरखा रिहिस।)
12 पर ओ सहर के आसपास के खेत अऊ गांवमन ला ओमन यपुन्ने के बेटा कालेब ला ओकर अधिकार म
देय रिहिन।
13 ये किसम ले, हारून पुरोहित के संतानमन ला ओमन हेबरोन (कोनो हतियारा के सरन लेय के एक सहर),
लिबना,
14 यत्तीर, एसतमोआ,
15 होलोन, दबीर,
16 ऐन, यूता, अऊ बेत-सेमेस सहरमन ला ओमन के चरागनमन के संग दीन—ये दूनों गोत्रमन ले नौ ठन
नगर।
17 अऊ बिनयामीन के गोत्र ले ओमन ये नगरमन ला दीन:
गिबोन, गेबा,
18 अनातोत अऊ अलमोन—ये चार नगर के संग ओमन के चरागनमन ला घलो दीन।
19 ये किसम ले हारून के संतान, पुरोहितमन ला तेरह नगर अऊ ओमन के चरागनमन मिलिन।

20 बाकि बांचे लेवी के कहाती कुलमन ला एपरैम के गोत्र ले नगरमन मिलिस:
21 एपरैम के पहाड़ी देस म ओमन ला ये नगरमन दिये गीन:

सकेम (कोनो हतियारा बर सरन लेय के एक सहर) अऊ गेजेर,
22 किबसैम, अऊ बेत-होरोन—ये चार नगर के संग ओमन के चरागनमन घलो मिलिस।
23 दान के गोत्र ले घलो ओमन ला ये नगरमन मिलिन:
एलतके, गिब्बतोन,
24 अय्यालोन अऊ गत-रिम्मोन—ये चार नगर के संग ओमन के चरागनमन घलो मिलिस।
25 मनस्से के आधा गोत्र ले ओमन ला ये नगरमन मिलिन:
तानाक अऊ गत-रिम्मोन—ये दू ठन नगर के संग ओमन के चरागनमन घलो मिलिस।
26 ये किसम ले, ये जम्मो दस नगर अऊ ओमन के चरागनमन ला बाकि बांचे कहाती कुलमन ला दिये गीस।

27 गेरसोनीमन के लेवीय कुलमन ला ये नगरमन दिये गीन:
मनस्से के आधा गोत्र म ले:
बासान म गोलान (कोनो हतियारा बर सरन लेय के एक सहर) अऊ बे-एसतरा—ये दू ठन नगर के संग ओमन के चरागनमन घलो दिये गीन;
28 इस्साकार के गोत्र ले ये नगरमन दिये गीन:
किसयोन, दाबरत,
29 यरमूत अऊ एन-गन्नीम—ये चार नगरमन के संग ओमन के चरागनमन घलो दिये गीन;
30 आसेर के गोत्र ले ये नगरमन दिये गीन:
मिसाल, अबदोन,
31 हेलकत, अऊ रहोब—ये चार नगर के संग ओमन के चरागनमन घलो दिये गीन;
32 नपताली के गोत्र ले ये नगरमन दिये गीन:
गलील म केदेस (कोनो हतियारा बर सरन लेय के एक सहर), हम्मोत-दोर अऊ करतान—ये तीन नगर अऊ ओमन के चरागनमन घलो दिये गीन।
33 गेरसोनी कुलमन ला कुल तेरह नगर मिले रिहिन अऊ संग म ओमन के चरागनमन घलो मिलिन।

34 मरारी कुलमन (बाकि बांचे लेवीमन) ला ये नगरमन दिये गीन:
जबूलून के गोत्र ले:
योकनाम, करता,
35 दिमना, अऊ नहलाल—ये चार नगर अऊ संग म ओमन के चरागनमन घलो दिये गीन;
36 रूबेन के गोत्र ले:
बेसेर, यहस,
37 कदेमोत अऊ मेपात—ये चार नगर अऊ संग म ओमन के चरागनमन घलो दिये गीन;
38 गाद के गोत्र ले:
गिलाद म रामोत (कोनो हतियारा बर सरन लेय के एक सहर), महनैम,
39 हेसबोन अऊ याजेर—कुल ये चार नगर अऊ संग म ओमन के चरागनमन घलो दिये गीन।
40 मरारी कुल, जेमन बाकि बांचे लेवी रिहिन; ओमन ला कुल बारह नगर दिये गीस।

41 इसरायलीमन के इलाका म लेवीमन ला कुल मिलाके अड़तालीस नगर मिले रिहिन अऊ संग म ओमन के चरागनमन घलो रिहिन।
42 ये जम्मो नगर म हर एक के चारों कोति चरागनमन रिहिन; ये बात ये जम्मो नगरमन बर सच रिहिस।

43 ये किसम ले, यहोवा ह इसरायलीमन ला ओ जम्मो देस दे दीस, जेला ओह ओमन के पुरखामन ला देय बर सपथ खाय रिहिस, अऊ ओमन ओला अपन अधिकार म कर लीन अऊ उहां बस गीन।
44 अऊ यहोवा ह ओमन ला चारों कोति ले बिसराम दीस, जइसे कि ओह ओमन के पुरखामन ले सपथ खाय रिहिस। ओमन के कोनो भी बईरी ओमन के आघू म टिक नइं सकिन; यहोवा ह ओमन के जम्मो बईरी ला ओमन के अधीन कर दीस।
45 यहोवा के दुवारा इसरायल बर करे गय जम्मो बने वायदामन ले एको ठन भी अधूरा नइं रिहिस; हर एक वायदा ह पूरा होईस।

22

?????? ?? ????????? ?????? ?? ?????????

1 तब यहोसू ह रूबेनी, गादी, अऊ मनस्से के आधा गोत्रमन ला बलाईस
2 अऊ ओमन ला कहिस, "जऊन-जऊन हुकूम यहोवा के सेवक मूसा ह तुमन ला देय रिहिस ओ सब के
पालन तुमन करे हवव, अऊ तुमन मोर हर हुकूम ला घलो माने हवव।
3 बहुंत समय हो गे हे अऊ तब ले लेके आज तक तुमन अपन संगी इसरायलीमन ला नइं छोंड़े हव, पर
यहोवा अपन परमेसर के दिये काम ला तुमन करे हवव।
4 अऊ अब यहोवा तुम्हर परमेसर अपन वायदा के मुताबिक तुम्हर भाईमन ला बिसराम देय हवय; एकरसेति
अब तुमन ओ देस म अपन घर ला लहुंट जावव, जेला यहोवा के सेवक मूसा ह यरदन नदी के ओ पार तुमन ला
देय हवय।
5 पर यहोवा के सेवक मूसा के दिये हुकूम अऊ कानून ला धियान देके मानव: यहोवा अपन परमेसर ले मया
करव, ओकर रसता म चलव, ओकर हुकूममन के पालन करव, ओकर भक्ति म मगन रहव अऊ अपन जम्मो मन
अऊ जम्मो परान ले ओकर सेवा करव।"
6 तब यहोसू ह ओमन ला आसीरबाद देके बिदा करिस अऊ ओमन अपन-अपन घर चल दीन।
7 (मनस्से के आधा गोत्र ला मूसा ह बासान म भुइयां देय रिहिस, अऊ दूसर आधा गोत्र ला यहोसू ह ओमन
के संगी इसरायलीमन के संग यरदन नदी के पछिम कोति भुइयां दीस।) ओमन ला जब यहोसू ह बिदा करिस, त
ओह ओमन ला ये कहिके आसीरबाद दीस,
8 "अपन अपार संपत्ति ला लेके अपन-अपन घर लहुंट जावव—पसुमन के बड़े झुंड, सोन, चांदी, कांसा अऊ
लोहा, अऊ बहुंते ओनहा सब ला लेके जावव अऊ अपन बईरीमन ले लूटे गय सामान ला अपन संगी
इसरायलीमन संग बांट लेवव।"
9 तब रूबेनी, गादी अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन कनान देस के सीलो नगर मेर इसरायलीमन ला
छोंड़के अपन देस, गिलाद ला चल दीन, जेला यहोवा के हुकूम के मुताबिक, मूसा के जरिये ओमन पाय रिहिन।
10 जब रूबेनी, गादी, अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन कनान देस म यरदन नदी के लकठा म गलीलोत
के इलाका म हबरिन, त ओमन उहां यरदन नदी के तीर म एक बड़े बेदी बनाईन।
11 अऊ जब इसरायलीमन सुनिन कि रूबेनी, गादी, अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन कनान देस के
सीमना म, इसरायलीमन के भाग म, यरदन नदी के लकठा म गलीलोत करा एक बेदी बनाय हवंय,
12 त पूरा इसरायल के सभा ह ओमन के बिरूध लड़ई म जाय बर सीलो करा जूर गीस।
13 तब इसरायलीमन रूबेनी, गादी अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन करा गिलाद देस म एलिआजर
पुरोहित के बेटा पीनहास ला पठोईन।
14 ओकर संग ओमन दस झन मुखियामन ला घलो पठोईन, जेमन इसरायल के हर एक गोत्र म ले एक-एक
झन रिहिन अऊ ओमन इसरायली कुलमन के बीच हर एक परिवारिक दल के मुखिया घलो रिहिन।
15 जब ओमन गिलाद देस म रूबेनी, गादी अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन करा गीन, त येमन ओमन
ला कहिन:
16 "यहोवा के जम्मो सभा ह कहत हे: 'तुमन इसरायल के परमेसर के संग अइसने बिसवासघात कइसे कर
सकत हव? तुमन यहोवा ले मुहूं मोड़के अब ओकर बिरूध बिदरोह म अपन बर एक बेदी कइसे बना ले हव?
17 का पेओर के पाप ह हमर बर कुछू कम रिहिस? आज तक हमन अपनआप ला ओ पाप ले सुध नइं करे हन,
हालाकि ओकर कारन यहोवा के समाज ऊपर एक महामारी घलो फईलिस!
18 अऊ अब का तुमन यहोवा ला तियागके ओकर पाछू चलना छोंड़ देवत हव?
" 'यदि आज तुमन यहोवा के बिरूध बिदरोह करथव, त कल ओह इसरायल के जम्मो समाज ऊपर गुस्सा
होही।
19 जऊन देस ऊपर तुम्हर अधिकार हवय, यदि ओ देस ह असुध हो गे हवय, त यहोवा के देस म आवव, जिहां
यहोवा के पबितर-तम्बू हवय, अऊ हमर संग देस म बांटा लेके रहव। पर यहोवा हमर परमेसर के बेदी ला छोंड़
अपन बर अऊ कोनो बेदी बनाके यहोवा के बिरूध या हमर बिरूध बिदरोह झन करव।

20 जब जेरह के बेटा आकान ह अरपन करे गे चीज के बिसय म बिसवासघात करिस, त का यहोवा के कोप ह
इसरायल के जम्मो समाज ऊपर नइं भड़किस? अऊ ओ मनखे के पाप के कारन सिरिप ओह एके झन ही नइं
मरिस, पर आने मन घलो मरिन।' "
21 तब रूबेनी, गादी अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन इसरायल के कुलमन के मुखियामन ला जबाब
दीन:
22 "सक्तिमान, परमेसर, यहोवा! सक्तिमान, परमेसर, यहोवा! ओह जानत हे! अऊ इसरायल घलो जानय!
यदि ये काम ह यहोवा के बिदरोह म या ओकर हुकूम के बिरूध करे गे हवय, त फेर हमन ला आज जीयत झन
छोंड़व।
23 यदि हमन यहोवा ले अलग होय बर अपन खुद के बेदी बनाय हन या एकरसेति बनाय हन कि ओमा
होम-बलिदान अऊ अन्न-बलिदान, या मेल-बलिदान चघावन, त यहोवा ह खुद हमर ले हिसाब लेवय।
24 "पर हमन ये डर म अइसन करे हवन कि कोनो दिन तुम्हर संतानमन हमर संतानमन ला ये कह सकत हें,
'यहोवा, इसरायल के परमेसर ले तुम्हर का काम?
25 यहोवा ह तुम्हर अऊ हमर बीच म यरदन नदी ला एक सीमना ठहिराय हवय—हे रूबेनी अऊ गादीमन!
यहोवा म तुम्हर कोनो भाग नइं ए।' अइसन कहिके तुम्हर संतानमन हमर संतानमन ला यहोवा के भय माने ले
रोक सकत हें।
26 "एकरसेति हमन कहेंन, 'आवव, हमन तियार होके एक बेदी बनावन—पर होम-बलिदान या चढ़ावा बर
नइं।'
27 येकर उल्टा, येह तुम्हर अऊ हमर बीच अऊ अवइया पीढ़ी के मनखेमन बर एक गवाह के रूप म अय, कि
हमन होम-बलिदान, चढ़ावा अऊ मेल-बलिदान के संग यहोवा के पबितर-स्थान म ओकर अराधना करबो। तब
भविस्य म, तुम्हर संतानमन हमर संतानमन ला ये नइं कह सकहीं, 'यहोवा म तुम्हर कोनो भाग नइं ए।'
28 "अऊ हमन कहेंन, 'यदि ओमन कभू हमन ले, या हमर संतानमन ले अइसे कहिथें, त हमन ये जबाब देबो:
यहोवा के बेदी के नमूना म बने ये बेदी ला देखव, जेला हमर पुरखामन बनाय हवंय; येह होम-बलिदान अऊ
चढ़ावा बर नो हय, पर येह तुम्हर अऊ हमर बीच म एक गवाह के रूप म अय।'
29 "ये बात ह हमर ले दूरिहा रहय कि हमन यहोवा के बिरूध बिदरोह करन, अऊ यहोवा हमर परमेसर के ओ
बेदी ला छोंड़के जऊन ह ओकर पबितर-तम्बू के आघू म हवय, कोनो आने होम-बलिदान के बेदी, अन्न-बलिदान
अऊ चढ़ावा चघाय के बेदी बनावन।"
30 रूबेनी, गादी, अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन के ये बात ला जब पीनहास पुरोहित अऊ समाज के
अगुवामन—इसरायली कुलमन के मुखियामन सुनिन, त ओमन खुस होईन।
31 अऊ एलिआजर पुरोहित के बेटा पीनहास ह रूबेनी, गादी, अऊ मनस्सेयीमन ले कहिस, "आज हमन
जान गेंन कि यहोवा हमर संग हवय, काबरकि ये बात म तुमन यहोवा के संग बिसवासघात नइं करे हव। तुमन
इसरायलीमन ला यहोवा के हांथ ले बचा ले हव।"
32 तब एलिआजर पुरोहित के बेटा पीनहास, अऊ अगुवामन गिलाद म रूबेनी अऊ गादीमन के संग बात करे
के बाद कनान देस लहुंट गीन अऊ इसरायलीमन ला जम्मो बात बताईन।
33 इसरायलीमन ये बात ला सुनके खुस होईन अऊ परमेसर के महिमा करिन। अऊ ओमन ओ देस, जिहां
रूबेनी अऊ गादीमन रहत रिहिन, ओकर बिरूध लड़ई म जाके ओला नास करे के चरचा फेर नइं करिन।
34 अऊ रूबेनी अऊ गादीमन ओ बेदी के ये नांव रखिन: हमर बीच म एक गवाह*—कि यहोवा ह परमेसर
अय।

23

[illegible]

1 बहुंत समय बीत गे रिहिस अऊ यहोवा ह इसरायलीमन ला ओमन के चारों कोति के बईरीमन ले बिसराम दे
रिहिस, अऊ यहोसू ह बहुंत डोकरा हो गे रिहिस,
2 तब एक दिन ओह जम्मो इसरायली—ओमन के सियान, अगुवा, नियायधीस अऊ करमचारीमन ला
बलाईस अऊ ओमन ला कहिस: "मेंह बहुंत डोकरा हो गे हंव।

* **22:34** पूरबी अऊ पछिमी गोत्रमन के बीच एक गवाह

3 तुमन खुद हर एक चीज ला देखे हवव, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर खातिर ये जम्मो जाति के
मनखेमन संग करे हवय; येह यहोवा तुम्हर परमेसर रिहिस, जऊन ह तुम्हर कोति ले लड़िस।
4 सुरता रखव कि मेंह कइसे ओ जाति-जाति के बांचे जम्मो देस ला तुम्हर गोत्रमन बर एक उत्तराधिकार के
रूप म बांट देंव—ओ जाति-जाति के देस जेमन ला मेंह जीत लेंव—पछिम म यरदन नदी अऊ भूमध्य सागर के
बीच।
5 यहोवा तुम्हर परमेसर ह खुद तुम्हर खातिर ओमन ला तुम्हर आघू ले भगा दीही, अऊ तुमन ओमन के देस
ऊपर अधिकार कर लूहू, जइसे कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ले वायदा करे हवय।
6 "एकरसेति बहुंत मजबूत बनव; अऊ बिगर जेवनी या डेरी कोति मुड़े, मूसा के कानून के किताब म लिखाय
जम्मो बात के पालन धियान देके करव।
7 तुम्हर बीच म जऊन आने जातिमन के मनखेमन बांच गे हवंय, ओमन के संग सहभागी झन होवव; ओमन
के देवतामन के नांव झन लेवव अऊ न ही ओमन के सपथ खावव। ये जरूरी अय कि तुमन न तो ओमन के सेवा
करव अऊ न ही ओमन ला दंडवत करव।
8 पर तुमन ला यहोवा अपन परमेसर के रसता म अडिग बने रहना हे, जइसे कि तुमन अब तक करत आय
हवव।
9 "यहोवा ह तुम्हर आघू ले बड़े-बड़े अऊ ताकतवर जातिमन ला निकाल दे हवय; तुम्हर आघू म आज के दिन
तक कोनो ठहर नइं सकिन।
10 तुमन म ले एक मनखे ह एक हजार मनखेमन ला भगा देथे, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर बर
लड़थे, जइसे कि ओह वायदा करे हवय।
11 एकरसेति यहोवा अपन परमेसर ले मया रखे के पूरा चौकसी करव।
12 "पर यदि तुमन यहोवा ले फिरके ये आने जातिमन के बांचे मनखेमन के संग संबंध जोड़थव, जेमन तुम्हर
बीच म रहत हवंय अऊ यदि ओमन के संग सादी-बिहाव करथव अऊ ओमन के संग सहभागी होथव,
13 त फेर ये बात ला जरूर जान लव कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ये जातिमन ला तुम्हर आघू ले नइं
निकालही। पर ओमन तुम्हर बर तब तक जाल अऊ फांदा, तुम्हर पीठ बर कोर्रा अऊ तुम्हर आंखी म कांटा सहीं
बने रहिहीं, जब तक कि तुमन ये बने देस म ले नास नइं हो जाहू, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला देय
हवय।
14 "अब ये धरती ले मोर जाय के समय आ गे हवय। तुमन अपन पूरा हिरदय अऊ मन ले जानत हव कि ओ
जम्मो भलई के बात, जेला यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ले करे रिहिस, ओमा ले एको ठन बात घलो बिगर पूरा
होय नइं रिहिस। ओकर हर वायदा ह पूरा होय हवय; ओमा के एको ठन घलो बिगर पूरा होय नइं रिहिस।
15 पर जइसने यहोवा तुम्हर परमेसर के दुवारा करे गय वायदा के जम्मो भलई के बातमन तुम्हर ऊपर पूरा
होईस, वइसने ही ओह ओ जम्मो बिपत्ति के बात घलो तुम्हर ऊपर लानही, जेकर चेतउनी ओह देय हवय, अऊ
येह तब तक होही, जब तक कि यहोवा तुम्हर परमेसर ह ओकर दुवारा तुमन ला दिये गय ये बने देस म ले तुमन
ला नास नइं कर दीही।
16 यदि तुमन यहोवा तुम्हर परमेसर के करार ला टोरथव, जेकर हुकूम ओह तुमन ला देय हवय, अऊ तुमन
जाके आने देवतामन के सेवा करथव अऊ ओमन के दंडवत करथव, त यहोवा के कोरोध तुमन ऊपर भड़कही,
अऊ तुमन ये बने देस म ले जल्दी नास हो जाहू, जेला ओह तुमन ला देय हवय।"

24

[illegible]

1 तब यहोसू ह इसरायल के जम्मो गोत्रमन ला सकेम म इकट्ठा करिस। ओह इसरायल के सियान, अगुवा,
नियायधीस अऊ करमचारीमन ला बलाईस, अऊ ओमन परमेसर के आघू म हाजिर होईन।
2 यहोसू ह ओ जम्मो मनखेमन ला कहिस, "यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'पुराना जमाना म
तुम्हर पुरखामन, जेमा अब्राहम अऊ नाहोर के ददा तेरह घलो रिहिस, फरात नदी के ओ पार रहत रिहिन अऊ
आने देवतामन के अराधना करत रिहिन।

3 पर मेंह तुम्हर पुरखा अब्राहम ला फरात नदी के ओ पार ले लेंव अऊ कनान देस के जम्मो जगह म ओकर
अगुवई करेंव अऊ ओला बहुंत संतान देंव। मेंह ओला इसहाक ला देंव,
4 अऊ इसहाक ला मेंह याकूब अऊ एसाव ला देंव। एसाव ला मेंह सेईर के पहाड़ी देस देंव, पर याकूब अऊ
ओकर परिवार खाल्हे कोति मिसर देस चले गीन।
5 " 'तब मेंह मूसा अऊ हारून ला पठोंय, अऊ अपन काममन के दुवारा मिसर के मनखेमन ला दुख-तकलीफ
देंव, अऊ तुमन ला उहां ले बाहिर निकाल लानेंव।
6 जब मेंह तुम्हर पुरखामन ला मिसर देस ले निकाल लानेंव, त तुमन समुंदर करा हबरेव, अऊ मिसरीमन रथ
अऊ घुड़सवारमन* के संग लाल-समुंदर तक तुम्हर पुरखामन के पीछा करिन।
7 पर ओमन मदद बर यहोवा ले गोहारिन, अऊ ओह तुम्हर अऊ मिसरीमन के बीच म अंधियार कर दीस;
ओह मिसरीमन ऊपर समुंदर के पानी ला लानके ओमन ला पानी म बुड़ो दीस। तुमन खुद जानत हव कि मेंह
मिसरीमन के संग का करेंव। तब तुमन बहुंत समय तक निरजन जगह म रहेव।
8 " 'फेर मेंह तुमन ला अमोरीमन के देस म ले आंय, जऊन मन यरदन नदी के पूरब कोति रहत रिहिन। ओमन
तुमन ले लड़िन, पर मेंह ओमन ला तुम्हर बस म कर देंव। मेंह ओमन ला तुम्हर आघू म नास कर देंव, अऊ तुमन
ओमन के देस ला अपन अधीन कर लेव।
9 जब मोआब के राजा, सिप्पोर के बेटा बालाक ह उठके इसरायल ले लड़े के तियारी करिस, त ओह तुमन ला
सराप देय बर बेओर के बेटा बिलाम ला बलाय बर पठोईस।
10 पर मेंह बिलाम के बात नइं सुनेंव; एकरसेति ओह तुमन ला बार-बार आसीरबाद दीस, अऊ मेंह तुमन ला
ओकर हांथ ले बचांय।
11 " 'तब तुमन यरदन नदी ला पार करके यरीहो सहर हबरेव। यरीहो के मनखेमन तुम्हर बिरूध लड़िन, अऊ
वइसने ही अमोरी, परिज्जी, कनानी, हित्ती, गिरगासी, हिब्बी, अऊ यबूसीमन घलो तुमन ले लड़िन, पर मेंह
ओमन ला तुम्हर अधीन कर देंव।
12 मेंह तुम्हर आघू दतैयामन ला पठोंय, जेमन अमोरीमन के ओ दूनों राजामन ला तुम्हर आघू ले भगा दीन।
तुमन ये काम अपन खुद के तलवार अऊ धनुस के बल म नइं करेव।
13 मेंह तुमन ला एक अइसन देस ला देंव, जेकर बर तुमन मेहनत नइं करे रहेव अऊ अइसन नगरमन घलो
देंव, जेमन ला तुमन नइं बसाय रहेव; अऊ तुमन ओमा रहिथव अऊ ओ अंगूर अऊ जैतून के बारीमन के फर
ला खाथव, जेला तुमन नइं लगाय हव।'
14 "एकरसेति अब तुमन यहोवा के भय मानव अऊ पूरा सच्चई से ओकर सेवा करव। ओ देवतामन ला दूरिहा
म फटिक दव, जेमन के अराधना तुम्हर पुरखामन फरात नदी के ओ पार अऊ मिसर देस म करत रिहिन, अऊ
अब यहोवा के सेवा करव।
15 पर यदि यहोवा के सेवा करई तुमन ला बने नइं लगय, त आज तुमन अपन बर चुन लव कि तुमन काकर
सेवा करहू, ओ देवतामन के, जेमन के सेवा तुम्हर पुरखामन फरात नदी के ओ पार म करत रिहिन, या फेर
अमोरीमन के देवतामन के, जेमन के देस म तुमन रहत हव। पर जहां तक मोर अऊ मोर परिवार के बात ए, हमन
यहोवा के ही सेवा करबो।"
16 तब मनखेमन जबाब दीन, "यहोवा ला तियागके आने देवतामन के सेवा करई हमन ले दूरिहा के बात होवय!
17 येह यहोवा हमर परमेसर ही अय, जऊन ह हमन अऊ हमर पुरखामन ला मिसर देस ले, ओ गुलामी के देस
ले निकाल लानिस, अऊ हमर देखत म बड़े-बड़े अचरज के काम करिस, अऊ जऊन डहार म अऊ जतेक जाति
के मनखेमन के बीच म ले होवत हमन आयेंन, ओ जम्मो बात म ओह हमर रकछा करिस।
18 अऊ यहोवा ह हमर आघू ले जम्मो जाति के मनखेमन ला भगा दीस, जेमा ये देस म रहइया अमोरीमन
घलो रिहिन। एकरसेति हमन घलो यहोवा के सेवा करबो, काबरकि हमर परमेसर ओहीच अय।"
19 यहोसू ह मनखेमन ला कहिस, "तुमन ले यहोवा के सेवा नइं हो सकय, काबरकि ओह पबितर परमेसर अय;
ओह जलन रखइया परमेसर अय। ओह तुम्हर अपराध अऊ पापमन ला छेमा नइं करही।
20 यदि तुमन यहोवा ला तियागके पराय देवतामन के सेवा करथव, त हालाकि ओह अब तक तुम्हर भलई
करत आय हवय, तभो ले ओह मुड़के तुम्हर ऊपर बिपत्ति लानही अऊ तुमन ला खतम कर दीही।"

* **24:6** या [illegible]

21 पर मनखेमन यहोसू ले कहिन, “नइं! हमन यहोवा के ही सेवा करबो।”
22 यहोसू ह ओमन ला कहिस, “तुमन खुदेच अपन गवाह अव कि तुमन यहोवा के सेवा करई के बात ला चुन
ले हव।”
ओमन जबाब दीन, “हव, हमन गवाह अन।”
23 यहोसू ह कहिस, “त फेर तुमन अपन बीच म ले पराय देवतामन ला दूरिहा फटिक दव अऊ अपन मन ला
यहोवा, इसरायल के परमेसर कोति लगावव।”
24 अऊ मनखेमन यहोसू ला कहिन, “हमन यहोवा हमर परमेसर के सेवा करबो, अऊ ओकरेच बात ला
मानबो।”
25 तब यहोसू ह ओहीच दिन ओ मनखेमन ले एक करार करवाईस, अऊ उहां सकेम म ओमन ला बिधि अऊ
कानूनमन के बारे म फेर बताईस।
26 अऊ ये जम्मो बात ला यहोसू ह परमेसर के कानून के किताब म लिख दीस। तब ओह एक बड़े पथरा ला
लीस अऊ ओला उहां ओ बांज रूख के खाल्हे म ठाढ़ कर दीस, जऊन ह यहोवा के पबितर स्थान के लकठा म
रिहिस।
27 तब यहोसू ह जम्मो मनखेमन ला कहिस, “देखव! ये पथरा ह हमर बर एक गवाह होही। येह ओ जम्मो
बात ला सुने हवय, जेला यहोवा ह हमन ले कहे हवय। यदि तुमन अपन परमेसर ले मुकर जावव, त येह तुम्हर
बिरूध एक गवाह होही।”
28 तब यहोसू ह मनखेमन ला अपन-अपन निज भाग म जाय बर बिदा करिस।

[illegible]

29 येकर बाद, यहोवा के सेवक, नून के बेटा यहोसू के मिरतू हो गीस; ओ समय ओकर उमर एक सौ दस बछर
रिहिस।
30 अऊ ओमन ओला ओकर उत्तराधिकार के भुइयां तिमनत-सेरह† म माटी दीन, जऊन ह गास पहाड़ के
उत्तर कोति, एपरैम के पहाड़ी देस म हवय।
31 यहोसू के जिनगी भर, अऊ जऊन अगुवामन यहोसू के मरे के बाद जीयत रिहिन अऊ इसरायल बर यहोवा
के करे गय हर काम के अनुभव करे रिहिन, ओमन के जिनगी भर इसरायलीमन यहोवा ही के सेवा करते रिहिन।
32 अऊ यूसुफ के हाड़ामन जेला इसरायलीमन मिसर ले, ले आय रिहिन, ओला ओमन सकेम म भुइयां के ओ
भाग म गाड़ दीन, जेला याकूब ह सकेम के ददा हमोर के बेटामन ले एक सौ चांदी के टुकड़ा म बिसाय रिहिस। ये
भुइयां ह यूसुफ के संतानमन के निज भाग हो गीस।
33 हारून के बेटा एलिआजर घलो मर गीस अऊ ओला गिबा नगर म माटी दिये गीस; ये जगह एलिआजर के
बेटा पीनहास ला बांटा म मिले रिहिस अऊ येह एपरैम के पहाड़ी देस म रिहिस।

† **24:30** [illegible] येला [illegible] (देखव निया 2:9)

नियायीमन
के किताब

[illegible]

1 यहोसू के मरे के बाद, इसरायलीमन यहोवा ले पुछिन, “कनानीमन के बिरूध म लड़े बर हमन ले कोन पहिले
जाही?”
2 यहोवा ह जबाब दीस, “यहूदा गोत्र ह जाही; मेंह ये देस ला ओमन के हांथ म देय दे हवंव।”
3 तब यहूदा के मनखेमन अपन संगी इसरायली सिमोनीमन ले कहिन, “हमर संग हमन ला दिये गे इलाका म
आवव कि हमन कनानीमन के बिरूध लड़ई करन। बदले म, हमन तुम्हर संग तुम्हर करा जाबो।” त सिमोनीमन
ओमन के संग गीन।
4 जब यहूदा के मनखेमन हमला करिन, अऊ यहोवा ह कनानी अऊ परिज्जीमन ला ओमन के हांथ म कर
दीस, अऊ ओमन बेजेक नांव के जगह म दस हजार मनखेमन ला मार डारिन।
5 बेजेक म ओमन ला अदोनी-बेजेक मिलिस अऊ ओमन ओकर बिरूध लड़िन अऊ कनानीमन अऊ
परिज्जीमन ला हराके भगा दीन।
6 अदोनी-बेजेक ह भागे लगिस, पर ओमन ओकर पीछा करके ओला पकड़ लीन, अऊ ओकर हांथ-गोड़ के
अंगठामन ला काट डारिन।
7 तब अदोनी-बेजेक ह कहिस, “हांथ-गोड़मन के अंगठा कटे सत्तर राजामन मोर मेज के खाल्हे म जेवन के
कुटामन ला बीनत रिहिन। जइसने मेंह ओमन के संग करे रहेंव, अब परमेसर ह मोला ओकर बदला दे हवय।”
तब यहूदा के मनखेमन ओला यरूसलेम ले आईन अऊ उहां ओह मर गीस।
8 यहूदा के आदमीमन यरूसलेम ऊपर घलो हमला करिन अऊ ओला ले लीन। ओमन तलवार ले सहर के
निवासीमन ला मार डारिन अऊ सहर म आगी लगा दीन।
9 ओकर बाद, यहूदीमन पहाड़ी देस, नेगेव* अऊ पछिम के पहाड़ीमन म रहइया कनानीमन ले लड़े बर खाल्हे
गीन।
10 ओमन हेबरोन (पहिले किरयत-अरबा कहे जावय) म रहइया कनानीमन के बिरूध हमला करिन अऊ सेसै,
अहीमन अऊ तलमै ला हराईन।†
11 उहां ले ओमन दबीर नगर म रहइया मनखेमन के बिरूध आघू बढ़िन (पहिले दबीर ला किरयत-सेपेर कहे
जावय)।
12 तब कालेब ह कहिस, “जऊन मनखे ह किरयत-सेपेर ऊपर हमला करके ओला अपन अधीन म कर लीही,
ओकर संग मेंह अपन बेटी अकसा के बिहाव कर दूहूं।”
13 कालेब के छोटे भाई कनज के बेटा ओतनीएल ह ये काम ला करिस; त कालेब ह ओकर संग अपन बेटी
अकसा के बिहाव कर दीस।
14 एक दिन जब अकसा ह ओतनीएल करा आईस, त ओह ओतनीएल ले बिनती करिस‡ कि ओह अकसा के
ददा कालेब ले एक ठन खेत मांगय। जब अकसा ह अपन गदहा ले उतरिस, त कालेब ह ओकर ले पुछिस, “तेंह
का चाहत हस कि मेंह तोर बर करंव?”
15 अकसा ह जबाब दीस, “मोर ऊपर एक बिसेस किरपा कर। जब तेंह मोला नेगेव म कुछू भुइयां दे हस, त
मोला पानी के सोतामन घलो दे।” तब कालेब ह ओला ऊपर अऊ खाल्हे के सोतामन ला दे दीस।
16 मूसा के ससुर, जऊन ह केनी के रहइया रिहिस, ओकर संतानमन यहूदा के मनखेमन संग खजूर के सहर§
ले यहूदा के सुन्ना जगह के निवासीमन के बीच रहे बर ऊपर गीन, जऊन ह कि अराद के लकठा म नेगेव म हवय।
17 तब यहूदा के मनखेमन अपन संगी इसरायली सिमोनीमन संग गीन अऊ ओमन सपत सहर म रहइया
कनानीमन ऊपर हमला करके सहर ला पूरा नास कर दीन। एकरसेति ओ सहर ला होरमा* कहे गीस।

---

* **1:9** *[illegible]* के मतलब *[illegible]* † **1:10** देखव यहो 15:14 ‡ **1:14** ओतनीएल ह ओकर ले बिनती करिस § **1:16** याने *[illegible]* * **1:17** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]*

18 यहूदा के मनखेमन गाजा, अस्कलोन अऊ एकरोन सहरमन ऊपर घलो येमन के इलाका सहित कब्जा कर
लीन।
19 यहोवा ह यहूदा के मनखेमन संग रिहिस। ओमन पहाड़ी देस ला अपन अधिकार म ले लीन, पर ओमन
मैदानी भाग म रहइया मनखेमन ला भगा नइं सकिन, काबरकि ओमन करा लोहा के बने रथ रिहिन।
20 जइसे कि मूसा ह वायदा करे रिहिस, कालेब ला हेबरोन सहर दिये गीस, जऊन ह उहां ले अनाक के तीनों
बेटा ला भगा दीस।
21 पर बिनयामीनीमन ओ यबूसीमन ला भगा नइं सकिन, जऊन मन यरूसलेम म रहत रिहिन; अऊ आज
घलो यबूसीमन यरूसलेम म बिनयामीनीमन के संग रहिथें।
22 यूसुफ के बंस के मनखेमन बेतेल ऊपर हमला करिन, अऊ यहोवा ह ओमन के संग रिहिस।
23 जब ओमन बेतेल (पहिले लूज कहे जावय) के भेद लेय बर मनखेमन ला पठोईन,
24 त भेदियामन देखिन कि एक मनखे ह सहर ले निकलत हवय, त ओमन ओला कहिन, "हमन ला सहर भीतर
जाय के रद्दा देखा, त हमन तोर संग बने बरताव करबो।"
25 ओह ओमन ला सहर भीतर जाय के रद्दा देखाईस, अऊ ओमन सहर के मनखेमन ला तलवार ले मार
डारिन, पर ओ मनखे अऊ ओकर पूरा परिवार ला छोंड़ दीन।
26 तब ओ मनखे ह हित्तीमन के देस म गीस अऊ उहां एक ठन सहर बसाईस, अऊ ओ सहर के नांव लूज
रखिस; अऊ आज के दिन तक ओ सहर के ये नांव हवय।
27 पर मनस्से के मनखेमन बेत-सान या तानाक या दोर या यिबलाम या मगिद्दो अऊ ये नगरमन के चारों
कोति के निवासीमन ला नइं भगा सकिन, काबरकि कनानीमन ओ देस म बसे रहे के ठान ले रिहिन।
28 जब इसरायलीमन सक्तिसाली हो गीन, त ओमन कनानीमन ला बंधुवा मजदूर बना लीन, पर ओमन ला
कभू पूरा रीति ले नइं भगाईन।
29 अऊ न ही एपरैम के गोत्र ह गेजेर म रहइया कनानीमन ला भगाईस, पर कनानीमन उहां ओमन के बीच म
बसेच रिहिन।
30 जबूलून ह घलो कितरोन अऊ नहलोल के निवासीमन ला नइं भगाईस; एकरसेति ये कनानी ओमन के बीच
म बसे रिहिन, पर जबूलून ह ओमन ला बंधुवा मजदूर बना लीस।
31 आसेर के मनखेमन घलो अक्को, सीदोन, अहलाब, अकजीब, हेलबा, अपेक, अऊ रहोब सहरमन के
निवासीमन ला नइं भगाईन;
32 आसेरी मनखेमन देस के निवासी कनानीमन के बीच म रहत रिहिन, काबरकि ओमन कनानीमन ला नइं
भगाईन।
33 नपताली के मनखेमन घलो बेत-सेमेस अऊ बेत-अनात सहरमन के निवासीमन ला नइं भगाईन; पर
नपतालीमन घलो ओ देस के निवासी कनानीमन के बीच म बस गीन, अऊ जऊन मन बेत-सेमेस अऊ
बेत-अनात म रहत रिहिन, ओमन नपतालीमन के बंधुवा मजदूर बन गीन।
34 अमोरीमन दानीमन ला पहाड़ी देस म घेरके रखे रिहिन, अऊ ओमन ला खाल्हे चौरस भाग म नइं आवन
देत रिहिन।
35 अऊ अमोरीमन हेरेस पहाड़, अय्यालोन अऊ सालबीम म घलो अपन पकड़ बनाय रखे के ठान ले रिहिन,
पर जब यूसुफ के बंस के मनखेमन के सक्ति ह बढ़िस, त अमोरीमन घलो बंधुवा मजदूर हो गीन।
36 अमोरीमन के इलाका ह अकरबीम ले लेके सेला अऊ ओकर आघू तक रिहिस।

2

[illegible]

1 एक दिन यहोवा के स्वरगदूत ह गिलगाल ले बोकीम म जाके कहिस, "मेंह तुमन ला मिसर देस ले निकालके
ये देस म लानेंव, जेला मेंह तुम्हर पुरखामन ला देय के कसम खाय रहेंव। मेंह कहे रहेंव, 'जऊन करार मेंह तुम्हर
संग करे हवंव, ओला मेंह कभू नइं टोरंव,
2 अऊ तुमन ये देस के मनखेमन के संग कोनो करार झन करहू; तुमन ओमन के बेदीमन ला गिरा दूहू।' पर
तुमन मोर बात ला नइं मानेव। तुमन अइसने काबर करे हवव?

3 अऊ मेंह ये घलो कहे रहेंव, 'मेंह ओमन ला तुम्हर आघू ले नइं भगाहूं; ओमन तुम्हर जी के जंजाल अऊ
ओमन के देवतामन तुम्हर बर फांदा हो जाहीं।' "
4 जब यहोवा के स्वरगदूत ह जम्मो इसरायलीमन ला ये बात कहिस, त मनखेमन चिचिया-चिचियाके रोईन,
5 अऊ ओमन ओ जगह के नांव बोकीम* धरिन। अऊ उहां ओमन यहोवा बर बलिदान चघाईन।

[illegible]

6 जब यहोसू ह इसरायलीमन ला बिदा कर लीस, त इसरायलीमन ओ देस म अपन-अपन भाग लेय बर, ओ
देस ऊपर अधिकार करे बर गीन।
7 यहोसू के जिनगी भर अऊ जऊन अगुवामन यहोसू के मरे के बाद जीयत रिहिन अऊ इसरायल बर यहोवा
के करे जम्मो बड़े-बड़े काममन ला देखे रिहिन, ओमन के जिनगी भर, मनखेमन यहोवा के सेवा करिन।
8 तब यहोवा के सेवक, नून के बेटा यहोसू ह एक सौ दस साल के होके मर गीस।
9 अऊ ओला मनखेमन तिमनत-हेरेस† म ओकर उत्तराधिकार म मिले भुइयां म माटी दे दीन, जऊन ह कि
एपरैम के पहाड़ी देस म गास नांव के पहाड़ के उत्तर दिग म हवय।
10 ओकर बाद ओ पूरा पीढ़ी के मनखेमन अपन-अपन पुरखामन म मिल गीन; तब जऊन आने पीढ़ी आईस,
ओकर मनखेमन न तो यहोवा ला जानत रिहिन अऊ न ही ओ काममन ला, जेला ओह इसरायल बर करे रिहिस।
11 तब इसरायलीमन यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन अऊ बाल नांव के देवता के सेवा करन लगिन।
12 ओमन ओ यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर ला तियाग दीन, जऊन ह ओमन ला मिसर देस ले निकालके
लाने रिहिस। ओमन अपन चारों कोति के मनखेमन के कतको किसम के देवतामन के पाछू चलिन अऊ ओमन के
अराधना करिन। अऊ ओमन यहोवा के कोरोध ला भड़काईन
13 काबरकि ओमन यहोवा ला तियागके बाल देवता अऊ असतोरेत देवी के सेवा करन लगिन।
14 एकरसेति यहोवा ह इसरायलीमन ऊपर गुस्सा होके, ओह ओमन ला लुटेरामन के हांथ म कर दीस, जेमन
ओमन ला लूटिन। ओह ओमन ला ओमन के चारों कोति के ओ बईरीमन के हांथ म कर दीस, जेमन के बिरोध
ओमन अऊ नइं कर सकिन।
15 जब भी इसरायली मनखेमन लड़े बर बाहिर निकलिन, यहोवा के हांथ ह ओमन ला हराय बर उठिस,
जइसने कि ओह ओमन ला कसम खाके कहे रिहिस। ओमन बहुंत तकलीफ म रिहिन।
16 तब यहोवा ह नियायीमन‡ ला ठाढ़ करिस, जऊन मन ओमन ला लुटेरामन के हांथ ले बचाईन।
17 तभो ले ओमन अपन नियायीमन के बात ला नइं सुनंय, पर बेभिचारिन के सहीं आने देवतामन के पाछू
चलंय अऊ ओमन के अराधना करंय। ओमन बहुंत जल्दी अपन ओ पुरखामन के रसता ला छोंड़ दीन, जऊन
मन यहोवा के हुकूममन ला मानत आय रिहिन।
18 जब भी यहोवा ह ओमन बर एक नियायी ला ठाढ़ करय, त ओह ओ नियायी के संग म रहय अऊ ओ
नियायी के जिनगी भर ओह ओमन ला ओमन के बईरीमन के हांथ ले बचावय; काबरकि जऊन मन ओमन ला
सतावंय अऊ दुख देवंय, ओकर कारन ओमन करलई होवंय, अऊ ओ करलई ला देखके यहोवा ह ओमन ऊपर
दया करय।
19 पर जब नियायी ह मर जावय, त ओमन फेर आने देवतामन के पाछू चलंय अऊ ओमन के सेवा अऊ
अराधना करंय, अऊ अपन पुरखामन ले घलो जादा बिगड़ जावंय। ओमन अपन दुस्ट काम अऊ हठीला
चालचलन ला छोंड़े नइं चाहंय।
20 ये खातिर यहोवा ह इसरायल ऊपर बहुंत गुस्सा होईस अऊ कहिस, "ये जाति के मनखेमन ओ करार ला
टोर दे हवंय, जेला मेंह ओमन के पुरखामन के संग करे रहेंव, येमन मोर बात ला नइं माने हवंय,
21 एकरसेति यहोसू ह अपन मरे के बेरा, जऊन आने जाति के मनखेमन ला छोंड़ गे रिहिस, ओमन ला मेंह
इसरायलीमन के आघू ले अब नइं निकालंव।
22 मेंह ओमन के उपयोग इसरायलीमन ला परखे बर करहूं अऊ देखहूं कि ओमन यहोवा के हुकूम ला मानहीं
कि नइं अऊ अपन पुरखामन के सहीं ओ हुकूम म चलहीं कि नइं।"

---

* **2:5** [illegible] के मतलब होथे [illegible] † **2:9** येला [illegible]-[illegible] घलो कहे जाथे (देखव यहो 19:50 अऊ 24:30) ‡ **2:16** या [illegible]; अइसने ही पद 17-19 म घलो

23 एकरसेति यहोवा ह ओ जातिमन के मनखेमन ला उहां रहे बर दीस; ओह ओमन ला तुरते नइं निकालिस
अऊ ओह ओमन ला यहोसू के हांथ म नइं करिस।

3

1 ओ जम्मो इसरायली, जऊन मन कनान म कोनो लड़ई के अनुभव नइं करे रिहिन, ओमन ला परखे बर
यहोवा ह ये जातिमन के मनखेमन ला छोंड़ दे रिहिस
2 (ओ इसरायलीमन के संतान, जऊन मन ला पहिले लड़ई के अनुभव नइं रिहिस, ओमन ला लड़ई के बारे म
सिखाय बर ही यहोवा ह अइसने करिस):
3 याने कि पलिस्तीमन के पांच सासन करइया, जम्मो कनानीमन, सीदोनीमन, अऊ बाल-हेरमोन पहाड़ ले
लेके लेबो-हमात तक लबानोन पहाड़मन म रहइया हिब्बीमन ला।
4 इसरायलीमन ला परखे बर येमन ला छोंड़ दिये गे रिहिस, ताकि ये पता चले कि इसरायलीमन यहोवा के
ओ हुकूममन ला मानथें कि नइं, जेला ओह मूसा के जरिये ओमन के पुरखामन ला देय रिहिस।
5 इसरायली मनखेमन कनानी, हित्ती, अमोरी, परिज्जी, हिब्बी अऊ यबूसीमन के बीच म रहत रिहिन।
6 इसरायलीमन ओमन के बेटीमन ला अपन बेटा बर बिहाव करके लानंय अऊ अपन बेटीमन ला ओमन के
बेटा बर बिहाव म देवंय, अऊ ओमन के देवतामन के सेवा करंय।

??????

7 ये किसम ले इसरायलीमन यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन; ओमन यहोवा अपन परमेसर ला भुला गीन
अऊ बाल देवता अऊ असेरा देवी के सेवा करन लगिन।
8 तब यहोवा के गुस्सा ह इसरायलीमन ऊपर भड़किस, अऊ ओह ओमन ला अरम-नहरैम* के राजा
कूसन-रिसातैम के हांथ म कर दीस, जेकर अधीन म इसरायलीमन आठ साल तक रिहिन।
9 पर जब इसरायलीमन यहोवा करा गोहारिन, त ओह ओमन बर एक छुटकारा देवइया ओतनीएल ला ठाढ़
करिस, जऊन ह कालेब के छोटे भाई कनज के बेटा रिहिस, अऊ ओतनीएल ह ओमन ला बचाईस।
10 यहोवा के आतमा ह ओमा आईस, अऊ ओह इसरायलीमन के नियायी† बन गीस अऊ लड़े बर निकलिस।
यहोवा ह अराम के राजा कूसन-रिसातैम ला ओतनीएल के हांथ म कर दीस, अऊ ओह कूसन-रिसातैम ऊपर
जय पाईस।
11 तब चालीस साल तक, कनज के बेटा ओतनीएल के मरत तक इसरायल देस म सांति रिहिस।

????

12 इसरायलीमन फेर यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन, त यहोवा ह इसरायलीमन ला मोआब के राजा
एगलोन के अधीन कर दीस, काबरकि ओमन यहोवा के नजर म दुस्ट काम करे रिहिन।
13 एगलोन ह अमोनी अऊ अमालेकीमन ला इकट्ठा करिस अऊ ओमन के मदद ले इसरायल ऊपर हमला
करिस, अऊ ओमन खजूरवाले सहर‡ ला अपन अधिकार म कर लीन।
14 तब इसरायलीमन अठारह साल तक मोआब के राजा एगलोन के अधीन म रिहिन।
15 इसरायलीमन फेर यहोवा करा गोहारिन, अऊ ओह गेरा बिनयामीनी के बेटा एहूद ला ओमन के छुटकारा
देवइया ठहिराईस; ओह डेरी हत्था रिहिस। इसरायलीमन ओला मोआब के राजा एगलोन करा भेंट के संग
पठोईन।
16 एहूद ह हांथ भर लम्बा एक दूधारी तलवार बनवाय रिहिस, जेला ओह अपन ओनहा के खाल्हे जेवनी जांघ
म बांधके रखे रिहिस।
17 ओह ओ भेंट ला मोआब के राजा एगलोन ला दीस; एगलोन ह एक बहुंत मोटा मनखे रिहिस।
18 जब एहूद ह भेंट ला दे चुकिस, त ओह भेंट ला उठाके लानेवालामन ला वापिस भेज दीस।
19 पर गिलगाल के लकठा म पथरा के मूरतीमन करा हबरके, ओह खुद एगलोन करा वापिस गीस अऊ
कहिस, "हे महाराजा, मोला तोर ले एक भेद के बात कहना हे।"
तब राजा ह अपन सेवकमन ला कहिस, "हमन दूनों ला थोरकन देर बर अकेला छोंड़ दव!" अऊ ओ जम्मो
बाहिर चल दीन।

---

* **3:8** याने कि उत्तर-पछिमी मेसोपोटामिया † **3:10** या *??????* ‡ **3:13** याने कि, यरीहो सहर

20 तब एहूद ह ओकर करा गीस, जब ओह अपन महल के ऊपर के कमरा म अकेला बईठे रिहिस, अऊ एहूद ह
ओला कहिस, “परमेसर के कोति ले मोर करा तोर बर एक संदेस हवय।” जब राजा ह अपन गद्दी ले उठिस,
21 त अतका म, एहूद ह अपन डेरी हांथ ला बढ़ाके अपन जेवनी जांघ म ले तलवार ला निकालिस अऊ राजा
के पेट म भोंग दीस।
22 अऊ त अऊ तलवार के संगे-संग ओकर मुठ घलो ओकर पेट म हमा गीस, अऊ ओकर अंतड़ीमन बाहिर
निकल आईन। एहूद ह तलवार ला ओकर पेट म ले नइं निकालिस, अऊ चरबी ह ओला ढांप दीस।
23 तब एहूद ह निकलके बरामदा म आईस; अऊ ऊपर के कमरा के कपाटमन ला बंद कर दीस अऊ ओमन म
ताला लगा दीस।
24 जब ओह चले गीस, त सेवकमन आईन अऊ देखिन कि ऊपर के कमरा के कपाटमन म ताला लगे हवय।
ओमन कहिन, “जरूर ओह महल के भीतर के कमरा म अपनआप ला हल्का करत होही।”
25 ओमन बाट जोहत-जोहत परेसान हो गीन, पर जब ओह कमरा के कपाटमन ला नइं खोलिस, त ओमन एक
चाबी लेके कपाटमन ला खोलिन, त का देखिन कि ओमन के सुवामी ह भुइयां म मरे पड़े रहय।
26 जब ओमन सोच-बिचार करत रिहिन, तब एहूद ह भाग निकलिस। ओह पथरा के मूरतीमन ले होवत बचके
सेइरे नगर चल दीस।
27 जब ओह उहां हबरिस, त ओह एपरैम के पहाड़ी देस म तुरही फूंकिस, अऊ इसरायलीमन ओकर संग
पहाड़ीमन ले उतरके खाल्हे गीन, अऊ ओह ओमन के अगुवई करत रिहिस।
28 ओह ओमन ला हुकूम दीस, “मोर पाछू-पाछू आवव, काबरकि यहोवा ह तुम्हर बईरी मोआब ला तुम्हर
हांथ म देय दे हवय।” तब ओमन ओकर पाछू-पाछू खाल्हे गीन अऊ यरदन के ओ घाटीमन ला अपन अधिकार
म कर लीन, जऊन मन ले मनखेमन मोआब देस कोति जावंय; ओमन कोनो ला ओ पार नाहकन नइं दीन।
29 ओ बेरा ओमन करीब दस हजार मोआबीमन ला मार डारिन, ओ जम्मो मोआबीमन ताकतवर अऊ सूरबीर
रिहिन; ओमा के एको झन घलो बचके नइं जा सकिन।
30 ओ दिन मोआब ह इसरायल के अधीन म हो गीस, अऊ अस्सी साल तक इसरायल देस म सांति रिहिस।

????

31 एहूद के बाद, अनात के बेटा समगर आईस, जऊन ह एक बईला खेदे के लउठी ले छै सौ पलिस्तीमन ला
मार डारिस। ये किसम ले ओह घलो इसरायल ला बचाईस।

4

?????

1 जब एहूद ह मर गीस, त इसरायलीमन फेर यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन।
2 एकरसेति यहोवा ह ओमन ला हासोर सहर म राज-करइया कनान के राजा याबीन के अधीन कर दीस।
ओकर सेना के सेनापति सीसरा ह हरोसेत-हगोईम के निवासी रिहिस।
3 याबीन करा लोहा के बने नौ सौ रथ रिहिस अऊ ओह इसरायलीमन ला बीस साल तक बहुंत तकलीफ
दीस। तब ओमन यहोवा करा मदद बर गोहार पारिन।
4 ओ बेरा म लपीदोत के घरवाली दबोरा ह इसरायलीमन के अगुवई करत रिहिस अऊ ओह अगमजानीन
रिहिस।
5 ओह एपरैम के पहाड़ी देस म रामा अऊ बेतेल नगरमन के बीच म दबोरा के खजूर के खाल्हे म अदालत
लगावय, अऊ इसरायलीमन ओकर करा अपन झगरा के निपटारा करवाय बर जावंय।
6 ओह अबीनोम के बेटा बाराक ला नपताली के केदेस नगर म ले बलाईस अऊ ओला कहिस, “यहोवा,
इसरायल के परमेसर ह तोला हुकूम देवत हे, ‘तें जा, अऊ नपताली अऊ जबूलून के दस हजार मनखेमन ला
अपन संग लेके ताबोर पहाड़ ऊपर जा।
7 तब मेंह याबीन के सेना के सेनापति सीसरा ला ओकर रथमन अऊ ओकर सेना के संग कीसोन नदी करा
लानहूं अऊ ओला तोर हांथ म कर दूहूं।’ ”
8 बाराक ह ओला कहिस, “यदि तेंह मोर संग जाबे, त मेंह जाहूं; पर यदि तेंह मोर संग नइं जाबे, त मेंह नइं
जावंव।”

9 दबोरा ह कहिस, “जरूर मेंह तोर संग जाहूं। जऊन बरताव तेंह करत हस, ओकर कारन तोर बड़ई नइं होही,
काबरकि यहोवा ह सीसरा ला एक माईलोगन के हांथ म कर दीही।” तब दबोरा ह बाराक के संग केदेस गीस।
10 उहां बाराक ह जबूलून अऊ नपताली के मनखेमन ला बलाईस, अऊ ओकर हुकूम पाके दस हजार
मनखेमन ओकर संग ऊपर गीन। दबोरा ह घलो ओकर संग ऊपर गीस।
11 ओ बेरा हेबेर नांव के केनी ह ओ आने केनीमन ला छोंड़ दे रिहिस, जऊन मन मूसा के साला* होबाब के
संतान रिहिन, अऊ हेबेर ह केदेस के लकठा म जाके साननीम म बड़े रूख करा अपन तम्बू गाड़े रिहिस।
12 जब मनखेमन सीसरा ला बताईन कि अबीनोम के बेटा बाराक ह ताबोर पहाड़ ऊपर गे हवय,
13 त सीसरा ह हरोसेत-हगोईम ले लेके कीसोन नदी तक के अपन जम्मो मनखे अऊ लोहा ले बने अपन नौ
सौ रथमन ला बलाईस।
14 तब दबोरा ह बाराक ला कहिस, “जा! काबरकि आज ओ दिन ए, जब यहोवा ह सीसरा ला तोर हांथ म कर
दे हवय। का यहोवा ह तोर ले आघू नइं गे हवय?” एकरसेति बाराक ह ताबोर पहाड़ ले उतरिस अऊ ओकर
पाछू-पाछू दस हजार मनखे गीन।
15 जब बाराक ह आघू बढ़िस, त यहोवा ह सीसरा अऊ ओकर जम्मो रथ अऊ सेना ला तलवार ले हराके भगा
दीस, अऊ सीसरा ह अपन रथ ले उतरके दऊड़त भाग गीस।
16 बाराक ह हरोसेत-हगोईम तक रथमन के अऊ सेना के पीछा करिस, अऊ तलवार ले सीसरा के जम्मो सेना
ह मारे गीस; अऊ एको झन घलो नइं बांचिस।
17 पर सीसरा ह दऊड़त हेबेर केनी के घरवाली, याएल के तम्बू करा भाग गीस, काबरकि हासोर के राजा
याबीन अऊ हेबेर केनी के परिवार के बीच म मेल रिहिस।
18 तब याएल ह सीसरा ले भेंट करे बर निकलिस अऊ ओला कहिस, “हे मोर मालिक, आ, मोर करा आ। झन
डर्रा।” तब ओह ओकर तम्बू के भीतर गीस, अऊ याएल ह ओला एक कम्बल म ढांप दीस।
19 तब सीसरा ह ओकर ले कहिस, “मोला पीयास लगत हे, मोला थोरकन पानी दे।” तब याएल ह दूध के
कुप्पी ला खोलके ओला दूध पीये बर दीस, अऊ ओकर ऊपर फेर कम्बल ओढ़ा दीस।
20 तब सीसरा ह ओला कहिस, “तम्बू के दुवारी म ठाढ़े रह; यदि कोनो आके तोर ले पुछथे, ‘इहां कोनो हवय?’
त कहिबे, ‘कोनो नइं ए।’ ”
21 पर जब सीसरा ह थकके गहिरा नींद म सोवत रिहिस, त हेबेर के घरवाली, याएल ह तम्बू के एक खूंटी
अऊ हथौड़ा ला लीस, अऊ चुपेचाप सीसरा करा गीस अऊ खूंटी ला ओकर कनपटी म अइसने ठोंक दीस कि
खूंटी ह पार होके भुइयां म धंस गीस, अऊ सीसरा ह मर गीस।
22 जब बाराक ह सीसरा के पीछा करत उहां आईस, त याएल ह ओकर ले भेंट करे बर निकलिस अऊ कहिस,
“एती आ, मेंह तोला ओ मनखे ला देखाहूं, जेला तेंह खोजत हस।” तब ओह याएल के संग भीतर गीस अऊ
देखिस कि सीसरा के कनपटी म तम्बू के खूंटी ठोंकाय रहय अऊ ओह मरे पड़े रहय।
23 ये किसम ले, ओ दिन, परमेसर ह कनान के राजा याबीन ला इसरायलीमन के अधीन कर दीस।
24 अऊ इसरायलीमन कनान के राजा याबीन ऊपर परबल होवत गीन, जब तक कि ओमन ओला नास नइं कर
दीन।

5

[illegible]

1 ओहीच दिन दबोरा अऊ अबीनोम के बेटा बाराक ये गीत गाईन:
2 “जब इसरायल के राजकुमारमन अगुवई करथें,
जब मनखेमन अपन ही ईच्छा से अपनआप ला दे देथें—
यहोवा के परसंसा होवय!

3 “हे राजामन, ये बात ला सुनव! हे सासन करइयामन सुनव!
मेंह खुद यहोवा बर गीत गाहूं;
मेंह यहोवा, इसरायल के परमेसर के गीत गाके परसंसा करहूं।

---

* **4:11** या *[illegible]*

4 “हे यहोवा, जब तेंह सेईर ले निकलय,
जब तेंह एदोम के देस ले आघू बढ़य,
त धरती ह कांपिस, अकासमन टूट पड़िन,
बादरमन पानी बरसाईन।
5 सीनय के यहोवा के आघू म,
यहोवा, इसरायल के परमेसर के आघू म पहाड़मन कांप उठिन।

6 “अनात के बेटा समगर के दिनमन म,
अऊ याएल के दिनमन म, राजमार्गमन सूना पड़े रिहिन;
डहार रेंगइयामन पै-डगरीमन ले जावत रिहिन।
7 जब तक में, दबोरा ह छुड़ानेवाला बनके नइं उठेंव, जब तक मेंह इसरायल म
एक दाई होके नइं उठेंव, इसरायल म गांववालामन नइं लड़त रिहिन;
ओमन पाछू घुंचत रिहिन।
8 परमेसर ह नवां अगुवामन ला चुनिस,
जब लड़ई ह सहर के दुवारमन म आ गीस,
पर चालीस हजार इसरायलीमन के बीच म
एको ठन ढाल या बरछी नइं दिखिस।
9 मोर मन ह इसरायल के राजकुमारमन* कोति,
अऊ मनखेमन के बीच म अपन ईछा से सैनिक बने मनखेमन कोति हवय।
यहोवा के परसंसा होवय!

10 “हे पंर्रा गदहामन म सवारी करइया,
अपन काठी म कम्बल डालके बईठइया मनखेमन,
अऊ हे रसता म रेंगइया मनखेमन,
11 पानी सिंचइया जगहमन म गीत गवइयामन के अवाज ऊपर धियान दव।
ओमन यहोवा के बिजय के, अऊ इसरायल म ओकर गांववालामन के बिजय के गीत गाथें।

“तब यहोवा के मनखेमन
खाल्हे सहर के दुवारमन करा गीन।
12 ‘जाग, जाग, हे दबोरा!
जाग, जाग, गाना सुना!
हे बाराक, उठ!
हे अबीनोम के बेटा, अपन बंदीमन ला बंधुवई म ले जा।’

13 “परभावसाली मनखेमन के बांचे मनखेमन खाल्हे उतरिन;
यहोवा के मनखेमन बलसालीमन के बिरूध म लड़े बर मोर करा उतर आईन।
14 कुछू मनखेमन एपरैम ले आईन, जेमन के संबंध अमालेक म रिहिस;
बिनयामीन ह ओ मनखेमन के संग रिहिस, जऊन मन तोर पाछू चलिन।
माकीर म ले कप्तानमन उतर आईन
जबूलून ले सेनापति के सामान-धरइयामन आईन।
15 इस्साकार के राजकुमारमन दबोरा के संग रिहिन;
हव, इस्साकार ह बाराक के संग रिहिस;
ओकर हुकूम पाके ओमन घाटी म गीन।
रूबेन के इलाकामन म
बहुंत बातमन ला मन म सोचे गीस।

* **5:9** कानून देवइयामन या अगुवामन

16 भेड़-बकरी के झुंड बर चरवाहा के सीटी के अवाज सुने बर,
तेंह काबर भेड़साला म रूक गे रहय?
रूबेन के इलाकामन म
बहुंत बातमन ला मन म सोचे गीस।
17 गिलाद ह यरदन के ओ पार रह गीस।
अऊ दान ह काबर पानी जहाजमन म रूक गीस?
आसेर ह समुंदर के तीर म रह गीस
अऊ ओकर छोटे खाड़ीमन म ठहर गीस।
18 जबूलून के मनखेमन अपन परान ला खतरा म डालिन;
वइसने ही नपताली घलो खेतमन के चौरस जगह म ठहर गीस।

19 "राजामन आईन, अऊ ओमन लड़िन,
कनान के राजामन मगिद्दो के सोतामन करा
तानाक म लड़िन;
ओमन चांदी के कोनो सामान ला नइं लूटिन।
20 अकासमन ले तारामन लड़िन;
ओमन अपन क्रम म सीसरा ले लड़ई करिन।
21 कीसोन नदी ह ओमन ला बोहाके ले गीस,
याने कि ओ पुराना नदी, ओ कीसोन नदी।
हे मोर मन, आघू बढ़; मजबूत हो!
22 तब घोड़ामन के खुर के गरजन होवन लगिस—
ओकर ताकतवर घोड़ामन सरपट दऊड़न लगिन।
23 यहोवा के स्वरगदूत ह कहिस, 'मेरोज सहर ला सराप देवव;
येकर मनखेमन ला भारी सराप देवव,
काबरकि ओमन यहोवा के सहायता करे बर,
बलसाली मनखेमन के बिरूध म यहोवा के सहायता करे बर नइं आईन।'

24 "केनी हेबेर के घरवाली याएल ह
माईलोगनमन म सबले जादा धइन होवय,
तम्बू म रहइया माईलोगनमन म सबले जादा धइन होवय।
25 सीसरा ह पानी मांगिस, पर ओह ओला दूध दीस;
परभावसाली मनखेमन बर उचित, ओह सीसरा बर कटोरा म दही ले आईस।
26 याएल ह अपन एक हांथ म तम्बू के खूंटी,
अऊ अपन जेवनी हांथ म बढ़ई के हथौड़ा धरिस।
अऊ ओह हथौड़ा ले सीसरा ला मारिस; ओह ओकर मुड़ ला कुचर दीस;
ओह ओकर कनपटी ला चकनाचूर करके आर-पार छेद दीस।
27 ओ माईलोगन के गोड़मन म ओह झुकिस,
ओह गिरिस; उहां ओह चित हो गीस।
ओकर गोड़मन म ओह झुकिस, ओह गिरिस;
जिहां ओह झुकिस, उहां ओह गिरिस—मर गीस।

28 "खिड़की म ले सीसरा के दाई ह झांकके देखिस;
अऊ जाली के पाछू म ले पुकारके कहिस,
'ओकर रथ के आय म अतेक देर काबर होवत हे?
ओकर रथमन के खड़खड़ के अवाज काबर सुनई नइं देवत हे?'

29 ओकर सबले बुद्धिमान माईलोगनमन ओला जबाब देथें;
वास्तव म, ओह अपनआप ला कहिते रहिथे,
30 'का ओमन लूट ला पाके बांटा नइं करत हें:
हर आदमी बर एक या दू माईलोगन,
सीसरा बर लूट के रूप म रंग-बिरंगी कपड़ामन,
काढ़े गय रंग-बिरंगी कपड़ामन,
मोर गला बर बढ़िया ढंग से काढ़े गय कपड़ामन—
ये जम्मो लूट के रूप म?'

31 "हे यहोवा, तोर जम्मो बईरीमन नास हो जावंय!
पर ओ जम्मो, जऊन मन तोर ले मया करथें,
ओमन अपन पूरा ताकत ले उगत सूरज के सहीं होवंय।"
तब इसरायल देस म चालीस साल तक सांति रिहिस।

6

?????

1 तब इसरायलीमन यहोवा के नजर म फेर दुस्ट काम करिन, एकरसेति यहोवा ह ओमन ला मिदयानीमन के
हांथ म सात साल तक सऊंप दीस।
2 मिदयानीमन के अतियाचार इसरायलीमन ऊपर अतेक जादा होय लगिस कि इसरायलीमन पहाड़ के दरार,
गुफा अऊ गढ़मन म अपन डेरा बना लीन।
3 जब भी इसरायलीमन फसल लगावंय, त मिदयानी, अमालेकी अऊ पूरब दिग के आने मनखेमन ओमन
ऊपर हमला कर देवंय।
4 ओमन भुइयां म डेरा डालंय अऊ गाजा सहर तक फसल ला नास कर डारंय अऊ इसरायलीमन बर कोनो
जीयत चीज ला नइं छोंड़ंय, न तो भेड़-बकरी, न ही गाय-बईला, अऊ न ही गदहामन ला छोंड़ंय।
5 ओमन अपन पसुमन सहित डेरा डालंय अऊ ओमन के तम्बूमन फांफामन के दल के सहीं अब्बड़ रहय।
ओमन के या ओमन के ऊंटमन के गनती करई असंभव रिहिस; ओमन ओ देस ला नास करे बर ओकर ऊपर
हमला करंय।
6 मिदयानीमन इसरायलीमन के अतेक दुरदसा करिन कि इसरायलीमन यहोवा करा मदद बर गोहार पारिन।
7 जब इसरायलीमन मिदयानीमन के कारन यहोवा करा गोहारिन,
8 त यहोवा ह इसरायलीमन करा एक अगमजानी ला पठोईस, जऊन ह ओमन ले कहिस, "यहोवा, इसरायल
के परमेसर ह ये कहत हे: मेंह तुमन ला मिसर देस ले, गुलामी के देस ले निकाल लानेंव।
9 मेंह तुमन ला मिसरीमन के हांथ ले बचायेंव। अऊ मेंह तुमन ला ओ जम्मो झन के हांथ ले छुटकारा देंय,
जऊन मन तुमन ला दुख देवत रिहिन; मेंह ओमन ला तुम्हर आघू ले भगा देंय अऊ ओमन के देस ला तुमन ला
दे देंय।
10 अऊ मेंह तुमन ला कहेंव, 'मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव; अमोरीमन के देवतामन के अराधना झन करव,
जेमन के देस म तुमन रहिथव।' पर तुमन मोर बात ला नइं मानेव।"
11 यहोवा के स्वरगदूत ह आके ओपरा नगर म ओ बलूत रूख के खाल्हे म बईठ गीस, जऊन ह अबिएजेरी
योआस के रिहिस, अऊ उहां ओकर बेटा गिदोन ह एक अंगूर के मंद निकाले के कुन्ड म गहूं मिंजत रहय ताकि
ओह गहूं ला मिदयानीमन के नजर ले बचाके रख सकय।
12 जब यहोवा के स्वरगदूत ह गिदोन ला दरसन दीस, त ओह कहिस, "हे बलसाली सूरबीर, यहोवा ह तोर
संग हवय।"
13 गिदोन ह ओला कहिस, "हे मोर परभू, मोर बिनती ला सुन; यदि यहोवा ह हमर संग हवय, त हमर ऊपर ये
जम्मो बिपत्ति काबर पड़िस? ओकर जम्मो अचरज के काममन कहां हवंय, जेकर बारे म हमर पुरखामन हमन ला

बताईन, जब ओमन कहिन, 'का यहोवा ह हमन ला मिसर देस ले निकालके नइं लानिस?' पर अब यहोवा ह
हमन ला तियाग दे हवय अऊ हमन ला मिदयानीमन के हांथ म कर दे हवय।"
14 तब यहोवा ह ओकर कोति मुड़िस अऊ कहिस, "तोर करा जऊन बल हवय, ओ बल म होके जा अऊ
इसरायलीमन ला मिदयानीमन के हांथ ले बचा। मेंह तोला पठोवत हंव?"
15 गिदोन ह कहिस, "हे मोर परभू, मोर बिनती ला सुन, मेंह इसरायल ला कइसे बचा सकत हंव? मनस्से म
मोर कुल ह सबले कमजोर हवय, अऊ मेंह अपन परिवार म सबले छोटे अंव।"
16 यहोवा ह जबाब दीस, "मेंह तोर संग रहिहूं, अऊ तेंह जम्मो मिदयानीमन ला मार गिराबे, अऊ एको झन
ला जीयत नइं छोंड़बे।"
17 गिदोन ह कहिस, "यदि तोर दया-दिरिस्टी मोर ऊपर हवय, त मोला एकर कोनो चिनहां देखा, जेकर ले पता
चले कि सही म, तेंह मोर ले गोठियावत हस।
18 किरपा करके तेंह इहां ले झन जाबे, जब तक कि मेंह जाके तोर बर भेंट लानके तोर आघू म नइं धर दंव।"
अऊ यहोवा ह कहिस, "मेंह तोर लहुंटके आवत तक ठहिरे रहिहूं।"
19 तब गिदोन ह भीतर जाके एक बोकरा-पीला ला अऊ एक एपा* पीसान ले बिगर खमीर के रोटी तियार
करिस। तब मांस ला एक टुकनी म, अऊ झोर ला एक बरतन म रखके, ओह ओ चीजमन ला बाहिर लानिस अऊ
बलूत रूख के खाल्हे म ओ चीजमन ला लानके ओला दीस।
20 परमेसर के स्वरगदूत ह ओला कहिस, "मांस अऊ अखमीरी रोटी ला ले अऊ ओमन ला ये चट्टान ऊपर रख
दे, अऊ झोर ला ढार दे।" अऊ गिदोन ह अइसने ही करिस।
21 तब यहोवा के स्वरगदूत ह अपन हांथ म धरे लउठी के टीप ले मांस अऊ अखमीरी रोटी ला छुईस। त
चट्टान ले आगी निकलिस अऊ मांस अऊ अखमीरी रोटी ला भसम कर दीस। तब यहोवा के स्वरगदूत ह गायब
हो गीस।
22 जब गिदोन ह ये जानिस कि येह यहोवा के स्वरगदूत रिहिस, त ओह चिचियाके कहिस, "हाय, हे
परमपरधान यहोवा! मेंह तो यहोवा के स्वरगदूत ला आमने-सामने देखे हंव!"
23 पर यहोवा ह ओला कहिस, "तोला सांति मिलय! झन डर। तेंह नइं मरबे।"
24 तब गिदोन ह उहां यहोवा बर एक बेदी बनाईस अऊ ओकर नांव यहोवा ह सांति ए† रखिस। ओह आज के
दिन तक अबिएजेरीमन के ओपरा म हवय।
25 ओहीच रथिया, यहोवा ह गिदोन ला कहिस, "अपन ददा के पसु के झुंड म ले दूसरा एक सात साल के
बईला ला ले, अऊ तोर ददा के बाल देवता के बेदी ला गिरा दे अऊ ओकर बाजू म ठाढ़े असेरा देवी के खंभा ला
काट डार।
26 अऊ तब ये ऊंचई के टीप म, यहोवा अपन परमेसर बर ठहिराय गय रीति के मुताबिक एक बेदी बना, अऊ
असेरा देवी के ओ खंभा, जेला तेंह काट डारे हस, ओकर लकरी के उपयोग करत, तें ओ दूसरा बईला ला एक
होम-बलिदान के रूप म चघा।"
27 तब गिदोन ह अपन सेवकमन के दस झन ला लीस अऊ यहोवा के बताय मुताबिक करिस। पर ओह अपन
परिवार अऊ नगर के मनखेमन के डर के कारन ये काम ला दिनमान नइं करके रथिया के बेरा करिस।
28 दूसर दिन बिहनियां जब नगर के मनखेमन सोके उठिन, त का देखिन कि बाल के बेदी ह गिरा देय गे हवय,
अऊ ओकर बाजू के असेरा के खंभा ला काट देय गे हवय अऊ दूसरा बईला ला नवां बनाय बेदी म बलिदान
चघाय गे हवय।
29 तब ओमन एक-दूसर ले पुछिन, "ये काम कोन ह करिस?"
जब ओमन बहुंत खोजबीन करिन, त ओमन ला बताय गीस, "ये काम योआस के बेटा गिदोन ह करे हवय।"
30 तब नगर के मनखेमन योआस ले कहिन, "अपन बेटा ला बाहिर लान। ओकर मरना जरूरी अय, काबरकि
ओह बाल के बेदी ला गिरा दे हवय अऊ ओकर बाजू के असेरा के खंभा ला काट दे हवय।"
31 पर योआस ह अपन चारों कोति के गुस्साय भीड़ के मनखेमन ला कहिस, "का तुमन बाल के तरफ ले
गोठियावत हव? का तुमन ओला बचाय चाहत हव? जऊन ह ओकर बर लड़ही, ओह बिहनियां तक मार डारे

* **6:19** लगभग 16 किलोग्राम † **6:24** याने कि, यहोवा सालोम

जाही। यदि बाल ह सही म एक देवता ए, त ओह खुद अपन बचाव कर सकत हे, जब कोनो ओकर बेदी ला गिराथे।"
32 काबरकि गिदोन ह बाल के बेदी ला गिरा दे रिहिस, एकरसेति मनखेमन ओकर नांव ये कहिके यरूब्बाल रखिन, "बाल ह खुद ओकर संग लड़ई करय।"
33 एकर बाद जम्मो मिदयानी, अमालेकी अऊ पूरब दिग के आने मनखेमन सेना म भरती हो गीन अऊ यरदन नदी के ओ पार जाके यिजरेल के घाटी म डेरा डालिन।
34 तब यहोवा के आतमा ह गिदोन म हमाईस, अऊ अबिएजेरीमन ला अपन पाछू म आय बर कहिके, ओह एक तुरही फूंकिस।
35 ओह मनस्से के जम्मो जगह म दूतमन ला पठोके मनखेमन ला हथियार धरके आय बर कहिस, अऊ ओह आसेर, जबूलून, अऊ नपताली के जगह म घलो दूतमन ला पठोईस, अऊ ओमन घलो ओकर ले मिले बर चले आईन।
36 तब गिदोन ह परमेसर ले कहिस, "यदि तेंह अपन वायदा के मुताबिक इसरायल ला मोर दुवारा बचाबे—
37 त सुन, मेंह भेड़ के रूआं ला कोठार म रखहूं। यदि उहां ओस ह सिरिप ओ भेड़ के रूआं म पड़ही अऊ जम्मो भुइयां ह सूखा रहिही, तब मेंह जानहूं कि तेंह अपन कहे मुताबिक इसरायल ला मोर दुवारा बचाबे।"
38 अऊ अइसने ही होईस। ओकर दूसर दिन, बड़े बिहनियां गिदोन ह सोके उठिस; ओह भेड़ के रूआं ला दबाईस अऊ निचोड़के ओस ला निकालिस, त ओस के अतेक पानी निकलिस कि एक कटोरा भर गीस।
39 तब गिदोन ह परमेसर ले कहिस, "मोर ऊपर गुस्सा झन करबे। मोला एक बिनती अऊ करन दे। ये भेड़ के रूआं म ले मोला एक अऊ परिछा करन दे, पर ये बेरा भेड़ के रूआं ह सूखा रहय अऊ जम्मो भुइयां ऊपर ओस पड़य।"
40 अऊ ओ रथिया परमेसर ह अइसने ही करिस। सिरिप भेड़ के रूआं ह सूखा रहय, अऊ जम्मो भुइयां म ओस पड़े रहय।

7

[illegible]
1 एक दिन बड़े बिहनियां, यरूब्बाल (गिदोन) अऊ ओकर जम्मो मनखेमन हरोद के सोता करा डेरा डालिन। अऊ मिदयानीमन के डेरा ह ओमन के उत्तर कोति मोरे के पहाड़ी के लकठा म खाड़ी म रिहिस।
2 तब यहोवा ह गिदोन ला कहिस, "तोर करा बहुंत जादा मनखे हवंय। मेंह मिदयानीमन ला तोर हांथ म नइं कर सकंव, नइं तो इसरायलीमन ये कहिके मोर बिरूध म अपन बड़ई करहीं, 'हमन अपन ही ताकत के दुवारा बांचे हवन।'
3 एकरसेति अब तेंह जाके सेना म ये घोसना कर, 'जऊन ह डर के मारे कांपत हे, ओह गिलाद पहाड़ ला छोंड़के वापिस जा सकत हे।' " तब बाईस हजार आदमी लहुंट गीन, अऊ सिरिप दस हजार आदमी रह गीन।
4 पर यहोवा ह गिदोन ला कहिस, "अभी घलो बहुंत जादा मनखे हवंय। ओमन ला खाल्हे पानी करा ले जा, अऊ उहां मेंह ओमन ला तोर बर छांटहूं। यदि मेंह कहंव, 'येह तोर संग जावय,' त ओह जावय; पर यदि मेंह कहंव, 'ये तोर संग झन जावय,' त ओह झन जावय।"
5 तब गिदोन ह मनखेमन ला खाल्हे पानी करा ले गीस। उहां यहोवा ह गिदोन ला कहिस, "जऊन मन कुकुर सहीं जीभ ले पानी ला चपड़-चपड़ करके पीयथें, ओमन ला अलग कर; अऊ जऊन मन माड़ी टेकके पानी पीयथें, ओमन ला अलग कर।"
6 ओमा ले तीन सौ मनखे हांथ लगाके कुकुर के सहीं चपड़-चपड़ करके पानी पीईन; अऊ बाकि बचे जम्मो झन माड़ी टेकके पानी पीईन।
7 तब यहोवा ह गिदोन ला कहिस, "ये तीन सौ चपड़-चपड़ करके पीयइयामन के दुवारा मेंह तुमन ला बचाहूं अऊ मिदयानीमन ला तोर हांथ म कर दूहूं। आने जम्मो झन ला ओमन के घर म पठो दे।"
8 तब गिदोन ह बाकि इसरायलीमन ला ओमन के घर पठो दीस, पर ओ तीन सौ मनखेमन ला रखिस, जऊन मन आने मन के जेवन के सामान अऊ तुरहीमन ला अपन अधिकार म ले लीन।
मिदयानीमन के डेरा ह गिदोन के खाल्हे घाटी म रहय।

9 ओ रथिया यहोवा ह गिदोन ला हुकूम दीस, “उठ अऊ खाल्हे जाके ओ डेरा के ऊपर हमला कर, काबरकि ओ
डेरा ला मेंह तोर हांथ म कर दूहूं।
10 यदि तेंह हमला करे बर डरावत हस, त अपन सेवक फूरा के संग खाल्हे डेरा म जा,
11 अऊ सुन कि ओमन का कहत हें। ओकर बाद, ओ डेरा ऊपर हमला करे म तोला हिम्मत मिलही।” तब
ओह अऊ ओकर सेवक फूरा, खाल्हे डेरा के सैनिक चौकीमन करा उतर गीन।
12 मिदयानी, अमालेकी अऊ आने जम्मो पूरबी मनखेमन घाटी म आराम से पड़े रहंय अऊ ओमन फांफामन
सहीं बहुंते रहंय। ओमन के ऊंटमन समुंदर तीर के बालू सहीं गनती ले बाहिर रिहिन।
13 जब गिदोन ह उहां हबरिस, त उहां एक मनखे ह अपन सपना के बारे म अपन एक संगवारी ला अइसने
बतात रहय, “मेंह एक सपना देखेंव; जौ के बने एक गोल रोटी ह उंडलत-उंडलत मिदयानीमन के डेरा म आईस
अऊ डेरा ले अइसने जोर से टकराईस कि डेरा ह उलटके गिर गीस।”
14 ओकर संगवारी ह जबाब दीस, “येह योआस के बेटा गिदोन नांव के एक इसरायली मनखे के तलवार के
छोंड़ अऊ कुछू नो हय। परमेसर ह मिदयानीमन ला अऊ जम्मो डेरा ला ओकर हांथ म कर दे हवय।”
15 जब गिदोन ह ओ सपना अऊ ओ सपना के मतलब के बारे म सुनिस, त ओह मुड़ नवाके यहोवा ला दंडवत
करिस। ओह इसरायलीमन के डेरा म लहुंटिस अऊ कहिस, “उठव! यहोवा ह मिदयानीमन के डेरा ला तुम्हर
हांथ म कर दे हवय।”
16 तब ओह ओ तीन सौ मनखे ला तीन ठन दल म बांटिस, अऊ ओमा के हर एक मनखे के हांथ म एक तुरही
अऊ खाली घघरी दीस, अऊ घघरीमन के भीतर म एक मसाल रहय।
17 तब ओह ओमन ले कहिस, “मोला देखव; अऊ मोर पाछू-पाछू आवव। जब मेंह ओमन के डेरा के तीर म
जावंव, अऊ जइसने मेंह करंव, त तुमन घलो वइसने करव।
18 जब मेंह अऊ मोर संग के जम्मो झन अपन तुरही ला फूंकंय, तब तुमन घलो डेरा के चारों कोति अपन
तुरही ला फूंकव अऊ चिचियाके कहव, ‘यहोवा बर अऊ गिदोन बर।’ ”
19 अध-रथिया के सुरूआत म, पहरेदारमन के बदले जाय के तुरते बाद, गिदोन अऊ ओकर संग म सौ झन
मनखे मिदयानीमन के डेरा के तीर म हबरिन; अऊ अपन-अपन तुरही ला फूंकिन अऊ अपन हांथ म धरे
घघरीमन ला टोर दीन।
20 तब तीनों दल के मनखेमन घलो तुरहीमन ला फूंकिन अऊ घघरीमन ला टोर दीन, अऊ अपन-अपन डेरी
हांथ म मसाल अऊ जेवनी हांथ म फूंके बर तुरही धरके, ओमन चिचियाके कहिन, “यहोवा बर अऊ गिदोन बर
एक तलवार!”
21 हर एक मनखे डेरा के चारों कोति अपन-अपन जगह ले लीन, त जम्मो मिदयानीमन रोवत भागे लगिन।
22 जब ओमन तीन सौ तुरही ला फूंकिन, त यहोवा ह अइसने करिस कि पूरा डेरा म आदमीमन एक-दूसर के
ऊपर तलवार चलाय लगिन, अऊ सेना के मनखेमन सरेरा नगर कोति तब्बात के लकठा म आबेल-महोला नगर
के सीमना तक बेत-सित्ता करा भाग गीन।
23 नपताली, आसेर अऊ जम्मो मनस्से के इसरायलीमन ला बलाय गे रिहिस, अऊ ओमन मिदयानीमन के
पीछा करिन।
24 गिदोन ह एपरैम के जम्मो पहाड़ी देस म ये कहे बर दूतमन ला पठोईस, “मिदयानीमन के बिरोध म आवव
अऊ यरदन नदी के पानी ला ओमन के पहिले बेत-बारा तक रोक देवव।”
एकरसेति एपरैम के जम्मो आदमीमन आईन अऊ यरदन नदी के पानी ला बेत-बारा तक रोक दीन।
25 अऊ ओमन ओरेब अऊ जेब नांव के मिदयानीमन के दू झन अगुवामन ला पकड़ लीन; अऊ ओमन ओरेब
ला ओरेब नांव के चट्टान करा अऊ जेब ला जेब नांव के अंगूर के रस निकाले के कुन्ड करा मार डारिन; अऊ
ओमन मिदयानीमन के पीछा करिन अऊ ओरेब अऊ जेब के मुड़ ला यरदन के पार गिदोन करा लानिन।

8

[illegible]

1 तब एपरैमी मनखेमन गिदोन ले पुछिन, “तेंह हमर संग अइसने बरताव काबर करे हस? जब तें मिदयानीमन
ले लड़े बर गेय, त हमन ला काबर नइं बलाय?” अऊ ओमन ओकर ले बहुंत बिबाद करिन।

2 पर ओह ओमन ला जबाब दीस, “तुम्हर से तुलना करे जावय, त मेंह का काम करे हवंव? का एपरैम के छोंड़े
गय मिंझरती अंगूर ह घलो अबिएजेर के जम्मो अंगूर के फसल ले बने नो हय?
3 परमेसर ह ओरेब अऊ जेब नांव के मिदयानी अगुवामन ला तुम्हर हांथ म कर दीस। तुम्हर काम के तुलना
म, मेंह करे ही का हंव?” अतका म, ओकर ऊपर एपरैमी मनखेमन के गुस्सा ह सांत हो गीस।
4 गिदोन अऊ ओकर तीन सौ मनखेमन थक गे रिहिन, तभो ले ओमन पीछा करत यरदन नदी करा आईन
अऊ ओला पार करिन।
5 तब गिदोन ह सुक्कोत नगर के मनखेमन ला कहिस, “मोर सेना के मनखेमन ला कुछू रोटी देवव; ओमन
बहुंत थक गे हवंय, अऊ मेंह अभी घलो मिदयानीमन के राजा जेबह अऊ सलमुन्ना के पीछा करत हंव।”
6 पर सुक्कोत के करमचारीमन जबाब दीन, “का जेबह अऊ सलमुन्ना तोर अधीन हो चुके हवंय? हमन तोर
सेना ला काबर रोटी देबो?”
7 तब गिदोन ह कहिस, “जब यहोवा ह जेबह अऊ सलमुन्ना ला मोर हांथ म कर दीही, त ये बात के खातिर
मेंह सुन्ना जगह के कांटा अऊ कंटिली झाड़ीमन ले तुम्हर मांस ला चीथवाहूं।”
8 उहां ले ओह पनिएल नगर ला गीस अऊ उहां के मनखेमन ले अइसनेच बिनती करिस, पर ओमन घलो
सुक्कोत के मनखेमन सहीं जबाब दीन।
9 एकरसेति ओह पनिएल के मनखेमन ले कहिस, “जब मेंह बिजयी होके लहुंटहूं, त मेंह ये मीनार ला गिरा
दूहूं।”
10 जेबह अऊ सलमुन्ना, करकोर सहर म रिहिन, अऊ ओमन के संग पूरबी मनखेमन के सेना के बांचे करीब
पंदरह हजार मनखेमन रिहिन; एक लाख बीस हजार तलवारबाज मनखेमन मारे गे रिहिन।
11 तब गिदोन ह नोबह अऊ योगबहा नगरमन के पूरब कोति डेरा म रहइयामन के रद्दा ले ऊपर गीस अऊ
बेफिकर पड़े सेना ऊपर हमला करिस।
12 मिदयानीमन के दूनों राजा, जेबह अऊ सलमुन्ना भागिन, पर गिदोन ह ओमन के पीछा करके ओमन ला
पकड़ लीस, अऊ ओमन के जम्मो सेना ला भगा दीस।
13 तब योआस के बेटा गिदोन ह लड़ई के बाद हेरेस के चढ़ाव कोति ले लहुंटिस।
14 ओह सुक्कोत के एक जवान ला पकड़के ओकर ले पुछताछ करिस, अऊ ओ जवान ह गिदोन ला सुक्कोत
के सतहत्तर करमचारीमन के नांव लिखके दीस, जऊन मन कि नगर के अगुवा रिहिन।
15 तब गिदोन ह सुक्कोत के मनखेमन करा आईस अऊ ओमन ला कहिस, “जेबह अऊ सलमुन्ना इहां हवंय,
जेमन के बारे म, तुमन मोला ये कहिके ताना मारे रहेव, ‘का जेबह अऊ सलमुन्ना तोर अधीन हो गे हवंय? हमन
काबर तोर थके-मांदे मनखेमन ला रोटी देबो?’ ”
16 तब ओह ओ नगर के अगुवामन ला लीस, अऊ सुक्कोत के मनखेमन ला सुन्ना जगह के कांटा अऊ कंटिली
झाड़ीमन ले चीथवाके एक पाठ पढ़ाईस।
17 ओह पनिएल के मीनार ला घलो गिरा दीस अऊ ओ नगर के आदमीमन ला मार डारिस।
18 तब ओह जेबह अऊ सलमुन्ना ले पुछिस, “जऊन आदमीमन ला तुमन ताबोर पहाड़ म मार डारेव, ओमन
कइसने आदमी रिहिन?”
ओमन जबाब दीन, “ओमन तोर सहीं आदमी रिहिन, याने कि हर एक झन राजकुमार के सहीं रिहिस।”
19 गिदोन ह कहिस, “ओमन मोर भाई, मोर अपन दाई के बेटामन रिहिन; यहोवा के जिनगी के कसम, यदि
तुमन ओमन ला जीयत छोंड़ देय रहितेव, त मेंह तुम्हर परान नइं लेतेंव।”
20 तब ओह अपन बड़े बेटा येतेर कोति मुड़िस अऊ कहिस, “येमन ला मार डार।” पर येतेर ह अपन तलवार
ला नइं निकालिस, काबरकि ओह ओ समय एक लड़का ही रिहिस अऊ डर गीस।
21 तब जेबह अऊ सलमुन्ना कहिन, “आ अऊ तें खुद हमन ला मार डार। ‘काबरकि आदमी ह जइसने होथे,
वइसनेच ओकर ताकत घलो होथे।’ ” तब गिदोन ह आघू बढ़िस, अऊ जेबह अऊ सलमुन्ना ला मार डारिस, अऊ
ओमन के ऊंटमन के घेंच ले गहनामन ला उतार लीस।

[illegible] [illegible]

22 तब इसरायली मनखेमन गिदोन ले कहिन, “तें हमर ऊपर राज कर—तें, तोर बेटा अऊ तोर पोता घलो हमर
ऊपर राज करंय—काबरकि तेंह हमन ला मिदयानीमन के हांथ ले बचाय हस।”

23 पर गिदोन ह ओमन ले कहिस, “मेंह तुम्हर ऊपर राज नइं करंव अऊ न ही मोर बेटा ह तुम्हर ऊपर राज
करही। यहोवा ह तुम्हर ऊपर राज करही।”
24 अऊ ओह कहिस, “मेंह तुमन ले एक बिनती करत हंव, कि तुमन ले हर एक झन मोला अपन-अपन लूट के
सामान म ले एक-एक कान के बाली देवव।” (इसमायलीमन के रिवाज रिहिस कि ओमन अपन कान म सोन के
बाली पहिरंय।)
25 ओमन कहिन, “कान के बाली देके हमन ला खुसी होही।” तब ओमन एक ठन ओनहा ला फईला दीन, अऊ
ओमन ले हर एक झन अपन-अपन लूट म ले एक-एक बाली ओ ओनहा म डार दीन।
26 जऊन सोन के बालीमन ला ओह मांगिस, ओमन के वजन एक हजार सात सौ सेकेल* होईस; येमा आने
जेवर, झुमका अऊ मिदयानी राजामन के पहिरे बैंगनी कपड़ा या ओमन के ऊंटमन के गला के जंजीरमन के
गनती नइं करे गीस।
27 गिदोन ह ओ सोन म ले एक एपोद बनाईस, अऊ ओला अपन नगर ओपरा म रखिस। अऊ जम्मो
इसरायलीमन उहां ओ एपोद के अराधना करे के दुवारा अपनआप ले बेभिचार करिन, अऊ येह गिदोन अऊ
ओकर परिवार बर एक फांदा हो गीस।

[illegible] [illegible] [illegible]

28 ये किसम ले मिदयानीमन इसरायलीमन के अधीन हो गीन अऊ फेर कभू मुड़ नइं उठाईन। अऊ गिदोन के
जिनगी भर याने कि चालीस साल तक इसरायल देस म सांति रिहिस।
29 योआस के बेटा यरूब्बाल ह वापिस जाके अपन घर म रहे लगिस।
30 ओकर खुद के सत्तर बेटा रिहिन, काबरकि ओकर बहुंत घरवाली रिहिन।
31 ओकर रखैल, जऊन ह सकेम सहर म रहत रिहिस, ओकर घलो एक बेटा होईस, जेकर नांव ओह
अबीमेलेक रखिस।
32 योआस के बेटा गिदोन ह बहुंत डोकरा होय के बाद मर गीस अऊ अबिएजेरीमन के ओपरा म, ओकर ददा
योआस के कबर म ओला माटी देय गीस।
33 गिदोन के मरते ही इसरायलीमन फेर बाल देवता के अराधना करे के दुवारा अपनआप ले बेभिचार करिन
याने कि परमेसर ले बिसवासघात करिन। ओमन बाल-बरीत ला अपन देवता मान लीन
34 अऊ ओमन ओ यहोवा अपन परमेसर ला सुरता नइं करिन, जऊन ह ओमन ला चारों खूंट के ओमन के
जम्मो बईरीमन के हांथ ले बचाय रिहिस।
35 ओमन यरूब्बाल (गिदोन) के परिवार बर घलो कुछू मया नइं देखाईन, जऊन ह ओमन बर बहुंते भलई के
काम करे रिहिस।

9

[illegible]

1 एक दिन यरूब्बाल के बेटा अबीमेलेक ह सकेम म अपन ममामन करा गीस अऊ ओमन ला अऊ अपन
नाना के बंस के जम्मो मनखेमन ला कहिस,
2 “सकेम के जम्मो मनखेमन ले पुछव, ‘तुम्हर बर का ह बने अय: तुम्हर ऊपर यरूब्बाल के जम्मो सत्तर बेटा
राज करंय, या फेर तुम्हर ऊपर सिरिप एक मनखे ह राज करय?’ सुरता रखव कि मेंह तुम्हर हाड़ा अऊ मांस
अंव।”
3 जब ओकर ममामन ये जम्मो बात सकेम के मनखेमन ला कहिन, त मनखेमन अबीमेलेक के पाछू चले के
निरनय करिन, काबरकि ओमन कहिन, “अबीमेलेक तो हमर रिस्तेदार अय।”
4 तब ओमन बाल-बरीत के मंदिर म ले चांदी के सत्तर सेकेल* ओला दीन, अऊ अबीमेलेक ह ओ चांदी के
सेकेल ला ढीठ अऊ दुस्ट मनखेमन ला देके ओमन ला अपन तरफ कर लीस, अऊ ओमन ओकर पाछू हो लीन।
5 तब ओह ओपरा म अपन ददा के घर गीस अऊ एकेच पथरा ऊपर अपन सत्तर भाईमन ला याने कि
यरूब्बाल के बेटामन ला मार डारिस। पर यरूब्बाल के सबले छोटे बेटा योताम ह छुप गीस अऊ बांच गीस।
6 तब सकेम अऊ बेत-मिलो के जम्मो मनखेमन अबीमेलेक ला राजा बनाय बर सकेम म खंभा करा बड़े रूख
के तीर म जूरिन।

* **8:26** करीब 20 किलो * **9:4** लगभग 800 ग्राम

7 जब योताम ला येकर बारे म बताय गीस, त ओह गरीजीम पहाड़ के टीप म चघ गीस अऊ ओमन ला
चिचियाके कहिस, “हे सकेम के मनखेमन, मोर बात ला सुनव, ताकि परमेसर ह तुम्हर बात ला सुनय।
8 एक दिन रूखमन अपन बर एक राजा के अभिसेक करे बर निकलिन। ओमन जैतून के रूख ले कहिन, ‘तेंह
हमर राजा बन जा।’
9 “पर जैतून के रूख ह जबाब दीस, ‘का मेंह अपन ओ तेल ला छोंड़ दंव, जेकर दुवारा देवता अऊ मनखेमन के
आदर होथे, अऊ रूखमन ऊपर सासन करंव?’
10 “तब रूखमन अंजीर के रूख ले कहिन, ‘आ अऊ हमर राजा बन जा।’
11 “पर अंजीर के रूख ह जबाब दीस, ‘का मेंह अपन बहुंत बढ़िया अऊ मीठा फरमन ला छोंड़ दंव, अऊ
रूखमन ऊपर सासन करंव?’
12 “तब रूखमन अंगूर के नार ले कहिन, ‘आ अऊ हमर राजा बन जा।’
13 “पर अंगूर के नार ह जबाब दीस, ‘का मेंह अपन ओ अंगूर के मंद ला छोंड़ दंव, जेकर ले देवता अऊ मनखे
दूनों खुस होथें, अऊ रूखमन ऊपर सासन करंव?’
14 “आखिरी म, जम्मो रूखमन कंटिला-झाड़ी ले कहिन, ‘आ अऊ हमर राजा बन जा।’
15 “कंटिला-झाड़ी ह ओ रूखमन ले कहिस, ‘यदि तुमन सही म, मोला अपन ऊपर राजा होय बर मोर
अभिसेक करे चाहत हव, त आवव अऊ मोर छइहां म सरन लेवव; अऊ यदि नइं, त फेर कंटिला-झाड़ी ले आगी
निकलय अऊ लबानोन के देवदार रूखमन ला भसम कर देवय!’
16 “अबीमेलेक ला राजा बनाके, का तुमन आदर अऊ सही बिसवास के काम करे हवव? का तुमन यरूब्बाल
अऊ ओकर परिवार बर सही काम करे हवव? का तुमन ओकर योग्यता के मुताबिक ओकर संग बरताव करे हवव?
17 सुरता करव कि मोर ददा ह तुम्हर बर लड़िस अऊ मिदयानीमन के हांथ ले तुमन ला बचाय बर अपन परान
ला जोखिम म डालिस।
18 पर आज तुमन मोर ददा के परिवार के बिरूध म बिदरोह करे हवव। तुमन सिरिप एके ठन पथरा ऊपर ओकर
सत्तर झन बेटा ला मार डारे हव अऊ ओकर गुलाम माईलोगन के बेटा अबीमेलेक ला सकेम के मनखेमन ऊपर
राजा बनाय हवव, काबरकि ओह तुम्हर रिस्तेदार अय।
19 त का तुमन आज यरूब्बाल अऊ ओकर परिवार बर आदर अऊ सही बिसवास के संग काम करे हवव? यदि
तुमन करे हवव, त फेर अबीमेलेक ह तुम्हर आनंद के कारन बनय, अऊ तुमन घलो ओकर आनंद के कारन बनव!
20 पर यदि तुमन सही काम नइं करे हवव, त फेर अबीमेलेक ले आगी निकलय अऊ तुमन ला याने कि सकेम
अऊ बेत-मिलो के मनखेमन ला भसम कर देवय, अऊ तुमन याने कि सकेम अऊ बेत-मिलो के मनखेमन ले
आगी निकलय, अऊ अबीमेलेक ला भसम कर देवय!”
21 तब योताम ह भाग गीस, अऊ बचके बेर नगर चल दीस, अऊ अपन भाई अबीमेलेक के डर के मारे उहां रहे
लगिस।
22 अबीमेलेक के इसरायल के ऊपर तीन साल तक राज करे के बाद,
23 परमेसर ह अबीमेलेक अऊ सकेम के मनखेमन के बीच म बईरता के भावना लानिस, जेकर कारन सकेम के
मनखेमन अबीमेलेक ले बिसवासघात करे लगिन।
24 परमेसर ह ये काम एकरसेति करिस ताकि यरूब्बाल के सत्तर बेटामन के खून बहाय के जऊन अपराध करे
गे रिहिस, ओकर बदला ओह ओमन के भाई अबीमेलेक अऊ सकेम के ओ मनखेमन ले लेवय, जेमन ओकर
भाईमन ला मार डारे म ओकर मदद करे रिहिन।
25 अबीमेलेक के बिरोध म, सकेम के ये मनखेमन पहाड़ के टीपमन म मनखेमन ला छुपाके रखे रहंय, जऊन
मन उहां ले जवइया हर एक झन ला लूटंय, अऊ ये बात अबीमेलेक ला बताय गीस।
26 तब एबेद के बेटा गाल ह अपन बंस के मनखेमन संग सकेम म आईस, अऊ सकेम के मनखेमन ओकर ऊपर
भरोसा करिन।
27 ओमन मैदान म गीन अऊ अंगूर ला संकेले अऊ कुचरे के बाद, ओमन अपन देवता के मंदिर म एक तिहार
मनाईन। जब ओमन खावत-पीयत रिहिन, त ओमन अबीमेलेक ला कोसन लगिन।
28 तब एबेद के बेटा गाल ह कहिस, “अबीमेलेक ह कोन ए, अऊ हमन सकेमीमन ओकर अधीन काबर रहन?
का ओह यरूब्बाल के बेटा नो हय, अऊ का जबूल ओकर परतिनिधि नो हय? सकेम के ददा, हमोर के परिवार के
सेवा करव! हमन काबर अबीमेलेक के सेवा करन?

29 यदि ये मनखेमन मोर अधीन म होतिन, त मेंह ओकर ले पीछा छोंड़ा लेतेंव। मेंह अबीमेलेक ले कहितेंव,
'अपन जम्मो सेना ला बला।' "
30 एबेद के बेटा गाल के ये बात ला, जब सहर के राजपाल जबूल ह सुनिस, त ओह बहुंत गुस्सा होईस।
31 ओह चुपेचाप अबीमेलेक करा दूतमन ला ये कहे बर पठोईस, "एबेद के बेटा गाल अऊ ओकर बंस के
मनखेमन सकेम म आके सहर के मनखेमन ला तोर बिरोध म भड़कावत हें।
32 एकरसेति तें अऊ तोर मनखेमन रथिया आवव अऊ मैदान म छुपके इंतजार करव।
33 कल बिहनियां सूरज के निकलत बेरा, सहर के मनखेमन के बिरूध म आघू बढ़व। जब गाल अऊ ओकर
मनखेमन तोर सामना करे बर निकलंय, त मऊका के फायदा उठाके ओमन ऊपर हमला करव।"
34 तब अबीमेलेक अऊ ओकर जम्मो सेना रथिया के बेरा निकलिन अऊ सकेम के लकठा म चार दल बनाईन
अऊ छुपके अपन-अपन जगह ले लीन।
35 एबेद के बेटा गाल ह बाहिर निकलके सहर के भीतर जाय के दुवार म ठाढ़े रिहिस, ओतकेच बेरा अबीमेलेक
अऊ ओकर सेना अपन छुपे के जगह ले बाहिर निकलिन।
36 जब गाल ह ओमन ला देखिस, त ओह जबूल ला कहिस, "देख, पहाड़मन के टीपमन ले मनखेमन उतरके
आवत हें!"
जबूल ह ओकर ले कहिस, "तेंह पहाड़मन के छइहांमन ला मनखे समझत हस।"
37 पर गाल ह फेर कहिस, "देख, मनखेमन मांझा के पहाड़ी ले उतरके आवत हें, अऊ मनखेमन के एक दल ह
बांज रूख के तरफ ले आवत हे।"
38 तब जबूल ह ओला कहिस, "तोर बड़े-बड़े बात के का होईस, तेंह कहत रहय, 'अबीमेलेक ह कोन ए कि
हमन ओकर अधीन रहन?' का येमन ओ मनखे नो हंय, जेमन के तेंह हंसी उड़ात रहय? बाहिर निकल अऊ
ओमन ले लड़!"
39 तब गाल ह निकलके सकेम के मनखेमन के अगुवई करिस अऊ अबीमेलेक ले लड़िस।
40 अबीमेलेक ह कपाट ले भीतर जाय के दुवार तक ओकर पीछा करिस, अऊ जब ओमन भागत रिहिन, त
बहुंते झन मारे गीन।
41 तब अबीमेलेक ह अरूमा नगर म रूक गीस, अऊ जबूल ह गाल अऊ ओकर बंस के मनखेमन ला सकेम ले
बाहिर भगा दीस।
42 ओकर दूसर दिन सकेम के मनखेमन निकलके मैदान म गीन, अऊ ये बात अबीमेलेक ला बताय गीस।
43 त ओह अपन मनखेमन ला लीस, अऊ ओमन के तीन ठन दल बनाईस अऊ हमला करे बर मैदान म छुपके
बईठ गीस। जब ओह मनखेमन ला सहर ले निकलके आवत देखिस, त ओह ओमन ऊपर हमला करे बर उठिस।
44 अबीमेलेक अऊ ओकर संग के दल ह दऊड़के गीन अऊ सहर के भीतर जाय के कपाट करा ठाढ़ हो गीन।
तब आने दू दल के मनखेमन ओमन ऊपर हमला करिन, जऊन मन मैदान म रिहिन अऊ ओमन ला मार डारिन।
45 ओ पूरा दिन अबीमेलेक ह सहर म तब तक हमला करिस, जब तक कि ओह सहर ऊपर कब्जा करके उहां के
मनखेमन ला नइं मार डारिस। तब ओह सहर ला नास कर दीस अऊ ओकर ऊपर नून छिंचवा दीस।
46 ये सुनके सकेम के मीनार के रहइयामन एल-बरीत के मंदिर के गढ़ म चल दीन।
47 जब अबीमेलेक ह ये सुनिस कि ओमन उहां जूरे हवंय,
48 त ओह अऊ ओकर जम्मो आदमीमन सलमोन पहाड़ ऊपर चल दीन; अऊ ओह एक टंगिया लीस अऊ
रूखमन ले कुछू डारामन ला काटिस, अऊ ओला उठाके अपन कंधा म रखिस, अऊ ओह अपन संग के
आदमीमन ला हुकूम दीस, "जइसने तुमन मोला करत देखे हवव, वइसनेच तुमन घलो करव; जल्दी करव!"
49 तब ओ जम्मो आदमीमन घलो डारामन ला काटिन अऊ अबीमेलेक के सहीं करिन। ओमन डारामन ला
गढ़ म कुढ़ोके ओमा आगी लगा दीन, जबकि मनखेमन गढ़ के भीतर रिहिन, अऊ सकेम के मीनार के ओ जम्मो
मनखे घलो मर गीन, जऊन मन करीब एक हजार आदमी अऊ माईलोगन रिहिन।
50 ओकर बाद अबीमेलेक ह तेबेस नगर ला जाके उहां घेरा डालिस अऊ ओकर ऊपर कब्जा कर लीस।
51 पर ओ सहर के भीतर म, एक मजबूत मीनार रिहिस, जिहां जम्मो आदमी अऊ माईलोगन—सहर के जम्मो
मनखेमन भागके चल दे रिहिन। ओमन अपनआप ला भीतर ले बंद करके मीनार के छत म चघ गे रिहिन।

52 तब अबीमेलेक ह मीनार करा गीस अऊ ओकर ऊपर हमला करिस। पर जब ओह मीनार म आगी लगाय
बर ओकर दुवार करा गीस,
53 तब एक माईलोगन ह जांता के ऊपर के पाटा ला अबीमेलेक के मुड़ ऊपर गिरा दीस अऊ ओकर खोपड़ी ह
फट गीस।
54 तब तुरते अबीमेलेक ह अपन हथियार ढोवइया ला बलाके कहिस, "अपन तलवार निकाल अऊ मोला मार
डार, ताकि ओमन ये झन कह सकंय, 'ओला एक माईलोगन ह मार डारिस।' " तब ओकर सेवक ह ओला तलवार
ले भोंग दीस, अऊ ओह मर गीस।
55 जब इसरायलीमन देखिन कि अबीमेलेक ह मर गे हवय, त ओमन अपन-अपन घर चल दीन।
56 ये किसम ले, परमेसर ह अबीमेलेक के ओ दुस्ट काम के बदला चुकाईस, जेला ओह अपन सत्तर भाईमन
ला मारके अपन ददा के बिरूध करे रिहिस।
57 परमेसर ह सकेम के मनखेमन के जम्मो दुस्ट काम के बदला घलो ओमन ले लीस। यरूब्बाल के बेटा
योताम के सराप ओमन ऊपर लगिस।

10

[illegible]

1 अबीमेलेक के मिरतू के बाद, इसरायल ला बचाय बर तोला नांव के एक इस्साकारी मनखे उठिस; ओह दोदो
के पोता अऊ पुआ के बेटा रिहिस। ओह एपरैम के पहाड़ी देस के सामीर नगर म रहत रिहिस।
2 ओह तेईस साल तक इसरायल के अगुवई करिस; तब ओह मर गीस, अऊ ओला सामीर म माटी देय गीस।

[illegible]

3 तोला के मरे के बाद, गिलाद के याईर आईस, अऊ ओह बाईस साल तक इसरायल के अगुवई करिस।
4 ओकर तीस झन बेटा रिहिन, जऊन मन तीस ठन गदहामन म सवारी करंय। ओमन के गिलाद म तीस ठन
नगर के ऊपर अधिकार रिहिस, जेमन ला आज तक हव्वोत-याईर* कहे जाथे।
5 जब याईर ह मर गीस, त ओला कामोन नगर म माटी देय गीस।

[illegible]

6 तब इसरायलीमन फेर यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन। ओमन बाल देवता अऊ असतोरेत देवी, अऊ
अराम, सीदोन, मोआब, अमोनी अऊ पलिस्तीमन के देवतामन के सेवा करिन। यहोवा ह इसरायलीमन ऊपर
गुस्सा होईस, काबरकि ओमन ओला तियाग दीन
7 अऊ ओकर सेवा करे बर छोंड़ दीन। ओह ओमन ला पलिस्ती अऊ अमोनीमन के हांथ म कर दीस,
8 जऊन मन ओ साल इसरायलीमन ला सताईन अऊ कुचर दीन। अठारह साल तक, ओमन अमोरीमन के
देस, गिलाद म यरदन के पूरब कोति जम्मो इसरायलीमन ला सताईन।
9 अमोनीमन घलो यहूदा, बिनयामीन अऊ एपरैम के बिरूध म लड़े बर यरदन के ओ पार गीन; इसरायलीमन
बहुंत तकलीफ म रिहिन।
10 तब इसरायलीमन यहोवा करा रो-रोके बिनती करिन, "हमन तोर बिरूध म पाप करे हवन; हमन अपन
परमेसर ला तियागके बाल देवता के सेवा करे हवन।"
11 यहोवा ह इसरायलीमन ला जबाब दीस, "जब मिसरी, अमोरी, अमोनी, पलिस्ती,
12 सीदोनी, अमालेकी अऊ माओनी मनखेमन तुम्हर ऊपर अतियाचार करत रिहिन अऊ तुमन मदद बर मोर
ले रोवत बिनती करेव, त का मेंह तुमन ला ओमन के हांथ ले नइं बचायेंव?
13 पर तुमन मोला तियागके आने देवतामन के सेवा करे हवव, एकरसेति मेंह तुमन ला अब नइं बचावंव।
14 जावव अऊ अपन चुने देवतामन करा बिनती करव। तुम्हर संकट के बेरा म, ओमन तुमन ला बचावंय!"
15 पर इसरायलीमन यहोवा ले कहिन, "हमन पाप करे हवन। तोला जइसने बने लगथे, वइसने तेंह हमर संग
कर, पर अब तेंह हमन ला बचा।"
16 तब ओमन आने देवतामन ला अपन बीच ले निकाल दीन अऊ यहोवा के सेवा करिन। अऊ ओह
इसरायलीमन के दुरगति ला देख नइं सकिस।

---

* **10:4** येला *[illegible]* घलो कहे जाथे

17 जब अमोनीमन ला लड़ई बर बलाय गीस अऊ ओमन गिलाद के इलाका म अपन डेरा डालिन, त
इसरायलीमन जूरिन अऊ मिसपा नगर म अपन डेरा डालिन।
18 तब गिलाद के मनखेमन के अगुवामन एक-दूसर ले कहिन, "जऊन मनखे ह अमोनीमन ले लड़ई करे म
अगुवई करही, ओह गिलाद म रहइया जम्मो मनखेमन ऊपर मुखिया होही।"

11

1 यिप्तह नांव के गिलादी मनखे ह एक बड़े सूरबीर रिहिस। ओकर ददा के नांव गिलाद रिहिस, अऊ ओकर
दाई ह एक बेस्या रिहिस।
2 गिलाद के घरवाली ला घलो बेटामन होईन, अऊ जब ओमन बड़े हो गीन, त ओमन यिप्तह ला ये कहिके
निकाल दीन, "तोला हमर परिवार म कोनो बांटा नइं मिलय, काबरकि तेंह आने माईलोगन के बेटा अस।"
3 तब यिप्तह ह अपन भाईमन करा ले भाग गीस अऊ तोब देस म रहे लगिस, जिहां दुस्ट मनखेमन के एक
दल ह ओकर संग जूर गीस अऊ ओकर पाछू चले लगिस।
4 कुछू समय के बाद, जब अमोनीमन इसरायल ले लड़त रिहिन,
5 तब गिलाद के अगुवामन यिप्तह ला तोब देस ले लाने बर गीन।
6 ओमन यिप्तह ले कहिन, "चल अऊ हमर सेनापति बन जा, ताकि हमन अमोनीमन ले लड़ सकन।"
7 यिप्तह ह ओमन ले कहिस, "का तुमन मोर तिरस्कार करके मोला मोर ददा के घर ले निकाल नइं देय रहेव?
पर अब जब तुमन संकट म हवव, त मोर करा काबर आय हवव?"
8 गिलाद के अगुवामन यिप्तह ले कहिन, "तभो ले, हमन अब तोर करा लहुंटत हन; एकरसेति अमोनीमन ले
लड़े बर हमर संग आ, अऊ गिलाद म रहइया हमन जम्मो ऊपर तेंह मुखिया होबे।"
9 यिप्तह ह जबाब दीस, "मान लव, तुमन मोला अमोनीमन ले लड़े बर वापिस ले जाथव अऊ यहोवा ह
ओमन ला मोर हांथ म कर देथे—त का सही म मेंह तुम्हर मुखिया होहूं?"
10 गिलाद के अगुवामन यिप्तह ले कहिन, "हमन जरूर वइसने करबो, जइसने तेंह कहत हस; यहोवा ह हमर
ये बात के गवाह हवय।"
11 तब यिप्तह ह गिलाद के अगुवामन संग गीस, अऊ मनखेमन ओला अपन ऊपर मुखिया अऊ सेनापति
ठहिराईन। अऊ ओह मिसपा म अपन जम्मो बात यहोवा के आघू म फेर कहिस।
12 तब यिप्तह ह अमोनीमन के राजा ले ये पुछे बर अपन दूतमन ला पठोईस, "तोला मोर ले का दुसमनी
हवय कि तेंह मोर देस ऊपर हमला करे हवस?"
13 अमोनीमन के राजा ह यिप्तह के दूतमन ला जबाब दीस, "जब इसरायलीमन मिसर देस ले आईन, त
ओमन अरनोन नदी ले लेके यब्बोक नदी अऊ यरदन नदी तक मोर देस ला ले लीन। अब तेंह सांति से ओला
वापिस कर दे।"
14 तब यिप्तह ह अमोनी राजा करा अपन दूतमन ला वापिस पठोईस
15 ताकि ओमन राजा ला कहंय:
"यिप्तह ह ये कहत हे: इसरायलीमन मोआब देस या अमोनीमन के देस ला नइं लीन।
16 पर जब ओमन मिसर ले निकलके आईन, त इसरायलीमन सुन्ना जगह म ले होवत लाल-समुंदर* अऊ
कादेस करा आईन,
17 तब इसरायलीमन एदोम के राजा ले ये कहे बर दूतमन ला पठोईन, 'हमन ला तोर देस म ले होवत जाय
के अनुमति दे,' पर एदोम के राजा ह ओ बात ला नइं मानिस। इसरायलीमन मोआब के राजा करा घलो येहीच
बात कहे बर दूतमन ला पठोईन, पर ओह घलो नइं मानिस। एकरसेति इसरायलीमन कादेस म रूक गीन।
18 "तब ओमन सुन्ना जगह म ले होवत, एदोम अऊ मोआब देस के तीरे-तीर, मोआब देस के पूरब कोति ले
आघू बढ़िन, अऊ अरनोन के ओ पार डेरा डालिन। ओमन मोआब के इलाका के भीतर नइं गीन, काबरकि
अरनोन ह येकर सीमना रिहिस।
19 "तब इसरायलीमन अमोरीमन के राजा सीहोन करा दूतमन ला पठोईन, जऊन ह हेसबोन म राज करत
रिहिस, अऊ ओला ये कहिन, 'हमन ला तोर देस म ले होके हमर जगह म जावन दे।'

* **11:16** या [illegible]

20 पर सीहोन ह इसरायलीमन ऊपर बिसवास नइं करिस अऊ ओमन ला अपन देस म ले होके जावन नइं
दीस। ओह अपन सेना ला इकट्ठा करिस अऊ यहस म डेरा डालके इसरायलीमन ले लड़िस।
21 "तब यहोवा, इसरायल के परमेसर ह सीहोन अऊ ओकर जम्मो सेना ला इसरायलीमन के हांथ म कर
दीस, अऊ ओमन सीहोन अऊ ओकर सेना ला हरा दीन। इसरायलीमन ओ देस म रहइया अमोरीमन के
जम्मो देस ला अपन अधिकार म ले लीन,
22 याने कि ओमन अरनोन ले लेके यब्बोक तक अऊ सुन्ना जगह ले लेके यरदन तक जम्मो चीज ऊपर
कब्जा कर लीन।
23 "अब जबकि यहोवा, इसरायल के परमेसर ह अमोरीमन ला अपन मनखे इसरायलीमन के आघू ले
निकाल दे हवय, त येकर ऊपर अधिकार करे के तोर का अधिकार हे?
24 का तें ओला नइं लेबे, जेला तोर देवता कमोस तोला दीही? इही किसम ले जऊन कुछू यहोवा हमर
परमेसर ह हमन ला देय हवय, ओला हमन अपन अधिकार म रखबो।
25 का तेंह मोआब के राजा, सिप्पोर के बेटा बालाक ले कुछू बने अस? का ओह कभू इसरायलीमन ले
झगरा करिस या ओमन ले कभू लड़िस?
26 तीन सौ साल तक, इसरायलीमन हेसबोन, अरोएर, आसपास के इलाका अऊ अरनोन के तीर के जम्मो
नगरमन ऊपर कब्जा करे रिहिन, त ओ समय तेंह ओमन ला फेर से अपन कब्जा म काबर नइं लेय ले?
27 मेंह तोर बिरूध म कुछू गलत नइं करे हंव, पर तेंह मोर बिरूध म लड़ई करके, मोर संग गलत करत हस।
एकरसेति यहोवा, जऊन ह नियायी ए, ओह आज इसरायली अऊ अमोनीमन के बीच के झगरा के निपटारा
करय।"
28 तभो ले, अमोनीमन के राजा ह यिप्तह के भेजे संदेस ऊपर कोनो धियान नइं दीस।
29 तब यहोवा के आतमा ह यिप्तह ऊपर आईस, अऊ ओह गिलाद अऊ मनस्से ला पार करिस, अऊ गिलाद
के मिसपा होवत गीस, अऊ उहां ले ओह अमोनीमन के बिरूध म आघू बढ़िस।
30 अऊ यिप्तह ह कसम खाके यहोवा ले ये कहिस: "यदि तेंह अमोनीमन ला मोर हांथ म कर देबे,
31 त जब मेंह अमोनीमन ले बिजय पाके लहुंट आहूं, तब जऊन कोनो मोर ले भेंट करे बर मोर घर के कपाट ले
निकलही, ओह यहोवा के हो जाही, अऊ मेंह ओला होम-बलिदान के रूप म चघाहूं।"
32 तब यिप्तह ह अमोनीमन ले लड़े बर गीस, अऊ यहोवा ह ओमन ला यिप्तह के हांथ म कर दीस।
33 अऊ ओह अरोएर ले लेके मिन्नीत के लकठा, अऊ आबेल-करामीम तक बीस ठन नगर ला बरबाद कर
दीस। ये किसम ले इसरायलीमन अमोनीमन ला अधीन म कर लीन।
34 जब यिप्तह ह मिसपा म अपन घर ला लहुंटिस, त ओकर बेटी ह खंजरी के अवाज म नाचत ओकर ले भेंट
करे बर निकलिस। ओह यिप्तह के एकलऊती बेटी रिहिस। ओला छोंड़ ओकर न तो अऊ कोनो बेटा रिहिस
अऊ न ही अऊ कोनो बेटी।
35 जब यिप्तह ह ओला देखिस, त ओह दुख म अपन ओनहामन ला चीरिस अऊ जोर से कहिस, "ओ नइं, हे
मोर बेटी! तेंह मोर कनिहां ला टोर देय अऊ मेंह बरबाद हो गेंव। काबरकि मेंह यहोवा करा एक कसम खाय हंव,
अऊ ओला टोर नइं सकंव।"
36 ओह अपन ददा ला कहिस, "हे मोर ददा, तेंह यहोवा ला अपन बचन दे हवस। अपन दिये बचन के
मुताबिक तेंह मोर ले बरताव कर, काबरकि यहोवा ह तोर बईरी, अमोनीमन ले तोर बदला लेय हवय।"
37 फेर ओह अपन ददा ले कहिस, "पर मोर ये बिनती ला मान ले; दू महिना के समय दे कि मेंह अपन
सहेलीमन संग पहाड़ीमन म एती-ओती घुमंव अऊ रोवंव, काबरकि मोर कभू बिहाव नइं होही।"
38 ओकर ददा ह कहिस, "तेंह जा सकत हस।" अऊ ओह ओला दू महिना बर जावन दीस। तब ओकर बेटी ह
अपन सहेलीमन संग पहाड़ीमन म गीस अऊ ओमन रोईन, काबरकि ओकर कभू बिहाव नइं होही।
39 दू महिना के बाद, ओह अपन ददा करा लहुंटके आईस, अऊ ओकर ददा ह परमेसर के संग खाय अपन
कसम के मुताबिक ओकर संग बरताव करिस। अऊ ओह एक कुंवारी रिहिस।

ये बात ले इसरायलीमन म ये रिवाज चलिस

40 कि हर साल इसरायल के जवान माईलोगनमन यिप्तह गिलादी के बेटी के सुरता म उत्सव मनाय खातिर
चार दिन बर बाहिर जाथें।

12

[illegible]

1 कुछू समय के बाद एपरैमी सेना के मनखेमन जूरिन, अऊ ओमन पार होके सापोन नगर म गीन अऊ यिप्तह
ला कहिन, “जब तेंह अमोनीमन ले लड़े बर गेय, त हमन ला अपन संग चले बर काबर नइं बलाय? हमन तोर घर
ला तोर सहित जला देबो।”
2 यिप्तह ह ओमन ले कहिस, “में अऊ मोर मनखेमन अमोनीमन ले एक बड़े झगरा म लगे रहेंन, अऊ
हालाकि मेंह तुमन ला बलाएंव, पर तुमन मोला ओमन के हांथ ले नइं बचाएव।
3 जब मेंह देखेंव कि तुमन मोर मदद नइं करत हव, त मेंह अपन परान ला अपन हथेली म लेके अमोनीमन ले
लड़े बर ओ पार गेंव, अऊ यहोवा ह मोला ओमन ऊपर बिजय देवाईस। अब तुमन काबर आज मोर ले लड़े बर
आय हवव?”
4 तब यिप्तह ह गिलाद के जम्मो मनखेमन ला इकट्ठा करके एपरैम ले लड़िस। गिलादीमन ओमन ला मार
डारिन काबरकि एपरैमीमन कहत रिहिन, “हे गिलादीमन, तुमन एपरैम अऊ मनस्से के भगोड़ा अव।”
5 गिलादीमन एपरैम कोति जाय के यरदन के घाट ऊपर कब्जा कर लीन, अऊ जब भी एपरैम के कोनो बचके
निकलइया मनखे ह कहय, “मोला ओ पार जावन दव,” त गिलाद के मनखेमन ओकर ले पुछंय, “का तेंह एक
एपरैमी अस?” अऊ यदि ओह कहय, “नइं,”
6 त ओमन कहंय, “ठीक हे, शिब्बोलेत कह,” अऊ यदि ओह कहय, “सिब्बोलेत,” काबरकि ओह ओ सबद के
सही उच्चारन नइं कर सकय, तब ओमन ओला पकड़ लेंय अऊ यरदन के घाट म मार डारंय। ओ बेरा, बियालीस
हजार एपरैमीमन मार डारे गीन।
7 यिप्तह ह छै साल तक इसरायलीमन के अगुवई* करिस। तब यिप्तह गिलादी ह मर गीस, अऊ ओला
गिलाद के एक नगर म माटी दिये गीस।

[illegible], [illegible]

8 यिप्तह के मरे के बाद, बैतलहम के इबसान ह इसरायलीमन के अगुवई करिस।
9 ओकर तीस बेटा अऊ तीस झन बेटी रिहिन। ओह अपन बेटीमन के बिहाव अपन बंस के बाहिर करिस,
अऊ अपन बेटामन बर घलो, ओह अपन बंस के बाहिर तीस जवान माईलोगनमन ला ओमन के घरवाली के रूप
म ले आईस। इबसान ह सात साल तक इसरायलीमन के अगुवई करिस।
10 तब इबसान ह मर गीस अऊ ओला बैतलहम म माटी देय गीस।
11 ओकर बाद जबूलूनी एलोन इसरायल के नियाय करन लगिस; अऊ ओह इसरायल के नियाय दस साल तक
करिस।
12 तब एलोन जबूलूनी ह मर गीस, अऊ ओला जबूलून के देस के अय्यालोन सहर म माटी देय गीस।
13 एलोन के मरे के बाद, पिरातोनी हिल्लेल के बेटा अबदोन ह इसरायल के नियाय करन लगिस।
14 अऊ ओकर चालीस बेटा अऊ तीस पोता होईन, जऊन मन सत्तर गदहामन म सवारी करत रिहिन। ओह
आठ साल तक इसरायल के नियाय करिस।
15 तब पिरातोनी हिल्लेल के बेटा अबदोन ह मर गीस, अऊ ओला एपरैम के पिरातोन नगर म माटी दिये
गीस, जऊन ह अमालेकीमन के पहाड़ी देस म हवय।

13

[illegible]

1 इसरायलीमन फेर यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन; एकरसेति यहोवा ह ओमन ला चालीस साल तक
पलिस्तीमन के अधीन कर दीस।
2 ओ समय दानीमन के कुल म सोरा नगर के एक मनखे रिहिस, जेकर नांव मानोह रिहिस; ओकर घरवाली के
बांझ होय के कारन कोनो बेटा नइं रिहिस।
3 ये माईलोगन ला यहोवा के दूत ह दरसन देके कहिस, “बांझ होय के कारन तोर कोनो लइका नइं ए, पर अब
तें गरभवती होबे अऊ तोला एक बेटा होही।

---

* **12:7** या *[illegible]* देखव पद 8-14 म घलो

4 एकरसेति अब ये बात के धियान रख कि तेंह न तो अंगूर के मंद या अऊ कोनो परकार के मंद पीबे, अऊ न
ही कोनो असुध चीज ला खाबे,
5 काबरकि तेंह गरभवती होबे अऊ तोर एक बेटा पईदा होही। ओकर मुड़ म कभू भी उस्तरा झन फिरय,
काबरकि गरभ ले ही परमेसर ला समरपित ओह एक नाजीर* होही। ओह इसरायलीमन ला पलिस्तीमन के हांथ
ले छुड़ाय म अगुवई करही।"
6 ओ माईलोगन ह अपन घरवाला करा जाके ओ बात ला बताईस, "परमेसर के एक जन ह मोर करा आय
रिहिस। ओकर रूप ह परमेसर के स्वरगदूत कस बहुंत अद्भूत रिहिस। मेंह ओकर ले नइं पुछेंव कि ओह कहां ले
आय रिहिस, अऊ न ही ओह मोला अपन नांव बताईस।
7 पर ओह मोर ले कहिस, 'सुन, तेंह गरभवती होबे अऊ तोला एक बेटा होही। एकरसेति, अब तें न तो अंगूर
के मंद या अऊ कोनो परकार के मंद पीबे, अऊ न ही कोनो असुध चीज खाबे, काबरकि ओ लइका ह गरभ ले लेके
ओकर मरन के दिन तक परमेसर के एक नाजीर होही।' "
8 तब मानोह ह यहोवा परमेसर ले ये बिनती करिस, "हे परभू, मोर बिनती ला सुन। परमेसर के ओ जन जेला
तेंह पठोय रहय, ओला फेर हमर करा पठो कि ओह हमन ला सिखोय कि जऊन लइका ह पईदा होवइया हवय,
ओकर पालन-पोसन कइसे करे जावय।"
9 मानोह के ये बात ला परमेसर ह सुनिस, एकरसेति जब ओ माईलोगन ह मैदान म रिहिस, अऊ ओकर
घरवाला मानोह ओकर संग म नइं रिहिस, त परमेसर के स्वरगदूत ह ओकर करा फेर आईस।
10 तब ओ माईलोगन ह दऊड़के अपन घरवाला ला ये समाचार देय बर गीस, "जऊन मनखे ओ दिन मोला
दिखाई देय रिहिस, ओही ह फेर आय हवय।"
11 ये सुनत ही मानोह ह उठके अपन घरवाली के पाछू-पाछू गीस, अऊ ओ मनखे करा आके ओकर ले पुछिस,
"का तेंह ओही मनखे अस, जऊन ह मोर घरवाली ले गोठियाय रहय?"
ओह जबाब दीस, "मेंह ओही अंव।"
12 तब मानोह ह ओकर ले पुछिस, "जब तोर बचन ह पूरा हो जाही, त ओ लइका के जिनगी के का ढंग अऊ
ओकर का काम होही?"
13 यहोवा के स्वरगदूत ह जबाब दीस, "जतेक चीजमन के चरचा मेंह तोर घरवाली ले करे रहेंव, ओह ओ
जम्मो ला जरूर पूरा करय।
14 येह अइसने कोनो चीज ला झन खावय, जऊन ह अंगूर के नार ले पईदा होथे, अऊ न ही अंगूर के मंद या
अऊ कोनो परकार के मंद पीयय, अऊ न ही कोनो असुध चीज ला खावय। जरूरी अय कि येह हर ओ चीज ला
करय, जेकर हुकूम मेंह येला देय हवंव।"
15 मानोह ह यहोवा के स्वरगदूत ला कहिस, "हमन चाहथन कि तेंह इहां रूक, ताकि हमन तोर बर एक ठन
बोकरा पीला ला रांधके तियार करन।"
16 यहोवा के स्वरगदूत ह कहिस, "तेंह मोला रोक भी लेबे, तभो ले मेंह तोर जेवन म ले कुछू नइं खाहूं। पर
यदि तेंह होम-बलिदान चघाय चाहथस, त येला यहोवा ला चघा।" (मानोह ह नइं जानत रिहिस कि ओह
यहोवा के स्वरगदूत अय।)
17 तब मानोह ह यहोवा के ओ स्वरगदूत ले पुछिस, "तोर का नांव अय, ताकि जब तोर बात ह पूरा होवय, त
हमन तोर आदरमान कर सकन।"
18 यहोवा के स्वरगदूत ह ओकर ले कहिस, "तेंह काबर मोर नांव पुछत हस? येह समझ के बाहिर अय?†"
19 तब मानोह ह अन्न-बलिदान के संग बोकरा के एक पीला ला धरिस अऊ ओला एक चट्टान ऊपर यहोवा बर
चघाईस। तब यहोवा ह मानोह अऊ ओकर घरवाली के देखत म एक अद्भूत काम करिस।
20 याने कि जब आगी के लपट ओ बेदी म ले अकास कोति उठत रिहिस, तब यहोवा के स्वरगदूत ह ओ बेदी
के आगी के लपट म ले होके ऊपर चल दीस, येला देखके मानोह अऊ ओकर घरवाली भुइयां म मुहूं के बल गिरके
दंडवत करिन।
21 पर जब यहोवा के स्वरगदूत ह मानोह अऊ ओकर घरवाली ला फेर नइं दिखिस, तब मानोह ह जान डारिस
कि ओह यहोवा के स्वरगदूत रिहिस।

---

* **13:5** देखव गन 6:1-21 † **13:18** या [illegible]

22 तब मानोह ह अपन घरवाली ले कहिस, “हमन जरूर मर जाबो काबरकि हमन परमेसर के दरसन करे हवन!”
23 पर ओकर घरवाली ह जबाब दीस, “यदि यहोवा ह हमन ला मार डारे चाहतिस, त ओह हमर हांथ ले होम-बलिदान अऊ अन्न-बलिदान गरहन नइं करतिस, अऊ न ही ओह ये जम्मो चीज हमन ला देखातिस, अऊ न ही अभी हमन ला ये बातमन ला बतातिस।”
24 बाद म, ओ माईलोगन ह एक बेटा ला जनम दीस, अऊ ओकर नांव सिमसोन धरिस। ओ लइका ह बाढ़त गीस अऊ यहोवा ह ओला आसीस दीस,
25 अऊ जब ओह सोरा अऊ एसताओल नगरमन के बीच महने-दान म रिहिस, त यहोवा के आतमा ह ओला उभारन लगिस।

14

[illegible]

1 एक दिन सिमसोन ह खाल्हे तिमना नगर म गीस, अऊ तिमना म एक पलिस्तीनी माईलोगन ला देखिस।
2 तब ओह जाके अपन दाई-ददा ले कहिस, “तिमना म मेंह एक पलिस्तीनी माईलोगन ला देखे हवंव, एकरसेति अब तुमन ओकर ले मोर बिहाव कर देवव।”
3 ओकर दाई-ददा ओकर ले कहिन, “का तोर सगा-संबंधी म या हमर जम्मो मनखेमन म कोनो माईलोगन नइं अंय कि तेंह खतनारहित पलिस्तीमन के माईलोगन ले बिहाव करे चाहथस?”
पर सिमसोन ह अपन ददा ले कहिस, “ओकर ले ही मोर बिहाव करा देवव, काबरकि मोर बर ओही ह सही अय।”
4 (ओकर दाई-ददा नइं जानत रिहिन कि ये बात यहोवा कोति ले अय, जऊन ह पलिस्तीमन के बदला लेय के मऊका खोजत रिहिस; काबरकि ओ बेरा पलिस्तीमन इसरायल ऊपर राज करत रिहिन।)
5 तब सिमसोन ह अपन दाई-ददा के संग खाल्हे तिमना नगर ला गीस। जब ओमन तिमना के अंगूर के बारी करा हबरिन, त अचानक एक जवान सिंह गरजत ओकर कोति लपकिस।
6 तब यहोवा के आतमा सिमसोन के ऊपर बड़े सक्ति से उतरिस, अऊ ओह ओ सिंह ला अपन खाली हांथ ले अइसे चीर दीस, जइसे ओह कोनो बोकरा के पीला ला चीरे हवय। पर ये बात ओह न तो अपन ददा ला बताईस अऊ न ही अपन दाई ला।
7 तब ओह जाके ओ माईलोगन ले गोठियाईस, अऊ सिमसोन ह ओला पसंद करिस।
8 कुछू समय के बाद, जब ओह ओ माईलोगन ले बिहाव करे बर वापिस तिमना गीस, त ओह रसता म ओ सिंह के लास ला देखे बर रसता ले मुड़िस, अऊ ओह सिंह के लास म मधुमक्खीमन के एक झुंड अऊ कुछू मंधरस घलो देखिस।
9 तब ओह ओमा ले मंधरस ला अपन हांथ ले निकालिस अऊ खावत-खावत आघू बढ़ गीस। जब ओह अपन दाई-ददा करा गीस, त ओह ओमन ला घलो कुछू मंधरस दीस, अऊ ओमन घलो खाईन। पर ओह ओमन ला ये बात नइं बताईस कि ओह ओ मंधरस ला सिंह के लास म ले निकाले रिहिस।
10 तब ओकर ददा ह ओ माईलोगन ला देखे बर गीस। अऊ उहां सिमसोन ह जवानमन के रीति के मुताबिक एक भोज के आयोजन करिस।
11 जब मनखेमन* ओला देखिन, त ओमन ओकर संग-संग रहे बर तीस संगवारीमन ला चुनिन।
12 सिमसोन ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला एक पहेली कहत हवंव; यदि तुमन ये भोज के सात दिन के भीतर ये पहेली के उत्तर दे दूहू, त मेंह तुमन ला तीस मलमल के पहिरावा अऊ तीस जोड़ी कपड़ा दूहूं।
13 पर यदि तुमन येकर उत्तर नइं दे सकहू, त तुमन ला मोला तीस मलमल के पहिरावा अऊ तीस जोड़ी कपड़ा देय बर पड़ही।”
ओमन कहिन, “हमन ला अपन पहेली बता; हमन ओला सुनन।”
14 सिमसोन ह कहिस,
“खवइया म ले कुछू खाय के चीज;
अऊ बलवान म ले कुछू मीठा चीज।”
तीन दिन तक ओमन कुछू जबाब नइं दे सकिन।

---

* **14:11** या *[illegible]*

15 चौथा† दिन, ओमन सिमसोन के घरवाली ला कहिन, “अपन घरवाला ला फुसला कि ओह हमन ला पहेली
के मतलब बतावय, नइं त हमन तोला अऊ तोर ददा के परिवार ला आगी लगाके मार डालबो। का तुमन हमर
संपत्ति चोराय बर हमन ला इहां नेवता देके बलाय हवव?”
16 तब सिमसोन के घरवाली ह ये कहिके सिमसोन के आघू म रोवन लगिस, “तेंह मोर ले नफरत करथस!
असल म, तेंह मोर ले मया नइं करस। तेंह मोर मनखेमन ला एक पहेली तो कहे हवस, पर तेंह मोला ओकर
मतलब नइं बताय हस।”
ओह कहिस, “मेंं तो येकर मतलब अपन दाई-ददा ला घलो नइं बताय हंव, त फेर मेंह तोला काबर बतावंव?”
17 ओह भोज के पूरा सात दिन तक रोवत रिहिस, त सातवां दिन आखिर म, सिमसोन ह ओला पहेली के
मतलब बता दीस, काबरकि ओह सिमसोन ला लगातार तंग करते रिहिस। तब ओह जाके अपन मनखेमन ला
पहेली के मतलब बता दीस।
18 सातवां दिन सूरज डुबे के पहिले, ओ नगर के मनखेमन सिमसोन ले कहिन,
“मंधरस ले जादा मीठा का ए?
सिंह ले जादा बलवान का ए?”
सिमसोन ह ओमन ला कहिस,
“यदि तुमन मोर बछिया ला नांगर म नइं जोततेव,
त मोर पहेली के मतलब नइं बुझतेव।”
19 तब यहोवा के आतमा ह ओकर ऊपर ताकत से उतरिस। ओह अस्कलोन नगर गीस अऊ उहां ओमन के
तीस मनखेमन ला मार डारिस, अऊ ओमन के जम्मो चीज ला लूट लीस अऊ ओमा के तीस जोड़ी कपड़ा ओमन
ला दे दीस, जेमन पहेली के मतलब बताय रिहिन। तब ओह बहुंत गुस्सा होके अपन ददा के घर लहुंट गीस।
20 अऊ सिमसोन के घरवाली ला ओकर ही एक संगवारी ला दे दिये गीस, जऊन ह ओकर संग भोज के बेरा म
रिहिस।

15

[illegible]

1 बाद म, गहूं के लुवई के बेरा, सिमसोन ह बोकरा के एक पीला ला लेके अपन घरवाली ले मिले बर गीस।
उहां जाके ओह कहिस, “मेंह अपन घरवाली के कमरा म जावत हंव।” पर ओकर ससुर ह ओला भीतर जाय बर
नइं दीस।
2 ओकर ससुर ह सिमसोन ला कहिस, “मेंह पक्का जानत रहेंव कि तेंह ओकर ले नफरत करथस, एकरसेति मेंह
ओला तोर संगवारी ला देय दे हंव। का ओकर छोटे बहिनी ह ओकर ले जादा सुघर नइं अय? अपन घरवाली के
बदला म ओला लेय ले।”
3 सिमसोन ह ओ मनखेमन ला कहिस, “अब के बेरा, मोला अधिकार हे कि मेंह पलिस्तीमन ले भिड़ंव; मेंह
सही म ओमन के नुकसान करहूं।”
4 तब सिमसोन ह जाके तीन सौ कोलिहामन ला पकड़िस, अऊ दू-दू ठन कोलिहामन के पुंछी ला एक संग
बांध दीस। तब ओह ओमन के पुंछी के मांझा म एक-एक ठन मसाल ला बांधिस,
5 अऊ मसालमन म आगी लगाके कोलिहामन ला पलिस्तीमन के खड़े फसल म खुला छोंड़ दीस। ओह
अनाज के ढेर अऊ खड़े फसल के संग अंगूर अऊ जैतून के बारीमन ला जला दीस।
6 तब पलिस्तीमन पुछिन, “येला कोन करे हवय?” त ओमन ला बताय गीस, “तिमनी के दामाद, सिमसोन ह
येला करे हवय, काबरकि ओकर घरवाली ओकर संगवारी ला दे दिये गे हवय।”
एकरसेति पलिस्तीमन जाके ओकर घरवाली अऊ ओकर ससुर दूनों ला जलाके मार डारिन।
7 सिमसोन ह ओमन ला कहिस, “तुमन जऊन काम करे हवव, एकरसेति मेंह कसम खावत हंव कि जब तक
मेंह तुमन ले अपन बदला नइं ले लूहूं, तब तक चुप नइं बईठंव।”
8 ओह ओमन ऊपर बड़े निरदयता से हमला करिस अऊ ओमा के बहुंते झन ला मार डारिस। तब ओह जाके
एताम नांव के चट्टान के एक ठन गुफा म रहन लगिस।

† **14:15** कुछू सेटाजिन्ट हस्तलिपि अऊ म [illegible] लिखे हवय

9 पलिस्तीमन ऊपर जाके यहूदा देस म डेरा डालिन, अऊ लेही नांव के नगर के आसपास बगर गीन।
10 यहूदी मनखेमन ओमन ले पुछिन, "तुमन काबर हमर संग लड़ई करे बर आय हवव?"
ओमन जबाब दीन, "हमन सिमसोन ला बंदी बनाके ले जाय बर आय हवन, ताकि हमन ओकर संग वइसे करन, जइसे ओह हमर संग करे हवय।"
11 तब तीन हजार यहूदी मनखेमन एताम नांव के चट्टान के गुफा म जाके सिमसोन ला कहिन, "का तेंह नइं जानत हस कि पलिस्तीमन हमर ऊपर सासन करत हवंय? फेर तेंह हमर संग ये का करे हस?"
सिमसोन ह ओमन ला जबाब दीस, "मेंह ओमन के संग सिरिप वइसे ही करे हंव, जइसे ओमन मोर संग करिन।"
12 ओमन ओला कहिन, "हमन इहां एकरसेति आय हवन कि तोला बंदी बनावन अऊ पलिस्तीमन के हांथ म सऊंप दन।"
सिमसोन ह कहिस, "मोर ले ये कसम खावव कि तुमन खुद मोर हतिया नइं करहू।"
13 ओमन कहिन, "ठीक हे; हमन तोला सिरिप बांधके ओमन के हांथ म कर देबो। हमन तोर हतिया नइं करन।" तब ओमन सिमसोन ला दू ठन नवां रस्सी म बांधके ओ चट्टान म ले बाहिर ले आईन।
14 जब ओह लेही नांव के जगह म हबरिस, त पलिस्तीमन चिचियावत ओकर कोति आईन। तब यहोवा के आतमा सिमसोन ऊपर ताकत से उतरिस, अऊ ओकर हांथ म बंधे रस्सीमन आगी म जरे सन कस हो गीन, अऊ ओकर हांथ के बंधनामन टूटके गिर गीन।
15 ओला गदहा के जबड़ा के एक नवां हाड़ा मिलिस, ओला ओह उठाईस अऊ ओकर दुवारा एक हजार पलिस्ती आदमीमन ला मार डारिस।
16 तब सिमसोन ह कहिस,
"गदहा के जबड़ा के हाड़ा ले
मेंह ओमन ला गदहा बना दे हंव।*
गदहा के जबड़ा के हाड़ा ले
मेंह एक हजार मनखे ला मार डारेंव।"
17 अइसने कहे के बाद, ओह जबड़ा के ओ हाड़ा ला फटिक दीस; अऊ ओ जगह के नांव रामत-लेही† रखे गीस।
18 तब सिमसोन ला अब्बड़ पीयास लगिस, त ओह यहोवा ला पुकारके कहिस, "तेंह अपन सेवक ला ये बड़े जीत दे हस। का अब मेंह पीयास म मरके ओ खतनारहित मनखेमन के हांथ म पड़ंव?"
19 तब परमेसर ह लेही म खंचवा के मुहूं ला खोल दीस, अऊ ओमा ले पानी निकले लगिस। जब सिमसोन ह पानी पीईस, त ओला फेर ताकत मिलिस, अऊ ओह फेर तरो-ताजा हो गीस। ये खातिर ओ सोता के नांव एन-हक्कोरे‡ रखे गीस, अऊ येह अभी घलो उहां लेही म हवय।
20 सिमसोन ह पलिस्तीमन के दिन म बीस साल तक इसरायल के अगुवई करिस।

16

[illegible]

1 एक दिन सिमसोन ह गाजा सहर ला गीस, अऊ उहां एक बेस्या ला देखके ओकर संग रथिया बिताय बर गीस।
2 गाजा के मनखेमन ला बताय गीस, "सिमसोन ह इहां आय हवय," त ओमन ओ जगह ला घेर लीन, अऊ ओला पकड़े बर रात भर सहर के दुवार म इंतजार करिन। ओमन ये कहिके रात भर डटे रिहिन, "बड़े बिहनियां हमन ओला मार डालबो।"
3 पर सिमसोन ह उहां सिरिप आधा रथिया तक पड़े रिहिस। तब ओह उठिस अऊ सहर के दुवार के कपाट ला दूनों खंभा के संग धरिस, अऊ ओला टोरके छड़ अऊ जम्मो चीज ला ढीला कर दीस, अऊ ओमन ला अपन कंधा म उठाके ओ पहाड़ी के टीप म ले गीस, जऊन ह हेबरोन सहर के सामने म हवय।
4 कुछू समय बाद, ओला सोरेक के घाटी के एक माईलोगन ले मया हो गीस, जेकर नांव दलीला रिहिस।

---

* **15:16** या [illegible] † **15:17** [illegible]-[illegible] याने कि [illegible] ‡ **15:19** [illegible]-[illegible] याने कि [illegible]

5 पलिस्तीमन के सासन करइयामन ओ माईलोगन करा जाके कहिन, “तें ओला फुसलाके पुछ कि ओकर
अब्बड़ ताकत के भेद का अय, अऊ हमन ओला कइसे हरा सकत हन, ताकि ओला बांधके अपन अधीन करन।
हमन ले हर एक झन तोला चांदी के गियारह-गियारह सौ सेकेल* दीही।”
6 तब दलीला ह सिमसोन ले कहिस, “मोला बता कि तोर अब्बड़ ताकत के राज का अय, अऊ कइसे तोला
बांधके अधीन करे जा सकत हवय।”
7 सिमसोन ह ओला जबाब दीस, “यदि कोनो मोला धनुस के सात ठन अइसन नवां-नवां तांतमन ले बांधथे,
जेमन ला सूखाय नइं गे हवय, त मेंह कोनो आने मनखे के सहीं कमजोर हो जाहूं।”
8 तब पलिस्तीमन के सासन करइयामन दलीला करा धनुस के सात ठन अइसन नवां-नवां तांतमन ला ले
आईन, जेमन ला सूखाय नइं गे रिहिस, अऊ ओ तांतमन ले ओह सिमसोन ला बांध दीस।
9 ओ कमरा म कुछू मनखेमन छिपे रहंय, त ओह ओकर ले जोर से कहिस, “हे सिमसोन, पलिस्तीमन तोर घात
म हवंय!” पर ओह ओ तांतमन ला अइसन टोर दीस, जइसन जब तांत ह आगी के लकठा म आथे, त टूट जाथे।
अऊ ओकर अब्बड़ ताकत के राज ह नइं खुलिस।
10 तब दलीला ह सिमसोन ला कहिस, “देख, तेंह मोर संग छल करे हवस; अऊ लबारी मारे हवस। अब मोला
बता कि तोला कइसे बांधे जा सकत हे।”
11 ओह कहिस, “यदि कोनो मोला अइसने नवां रस्सीमन ले बने करके बांधय, जेकर उपयोग कभू नइं करे गे
हवय, त मेंह कोनो आने मनखे के सहीं कमजोर हो जाहूं।”
12 तब दलीला ह नवां रस्सीमन ला लीस अऊ ओला बांध दीस। तब जऊन मनखेमन ओ कमरा म छिपे
रहंय, ओमन के सुनत म जोर से कहिस, “हे सिमसोन, पलिस्तीमन तोर घात म हवंय!” पर सिमसोन ह अपन
बाहां म बंधे ओ रस्सीमन ला अइसन टोर दीस, मानो ओमन सूंत के सहीं कमजोर रिहिन।
13 तब दलीला ह सिमसोन ला कहिस, “अब तक तेंह मोर ले छल करत अऊ लबारी मारत आय हवस। मोला
बता दे कि तोला कइसे बांधे जा सकत हे?”
सिमसोन ह कहिस, “यदि तेंह मोर मुड़ के सात ठन लटमन ला ताना म बुनबे अऊ ओला खूंटी म बांध देबे, त
मेंह कोनो आने मनखे सहीं कमजोर हो जाहूं।” जब सिमसोन ह सुतत रिहिस, त दलीला ह ओकर मुड़ के सात
ठन लटमन ला लेके ताना म बुन दीस
14 अऊ ओला खूंटी म बांध दीस।
फेर दलीला ह ओला जोर से कहिस, “हे सिमसोन, पलिस्तीमन तोर घात म हवंय!” तब ओह नींद ले जागिस,
अऊ खूंटी अऊ ताना ला लट समेत उखान दीस।
15 तब दलीला ह ओकर ले कहिस, “तेंह कइसे कह सकत हस कि तेंह मोर ले मया करथस, जबकि तेंह मोर
ऊपर बिसवास नइं करस? येह तीसरा बार अय, जब तेंह मोर ले छल करे हस अऊ मोला अपन अब्बड़ ताकत के
राज नइं बताय हस।”
16 दिन ब दिन दलीला ह ओला अइसे तंग करके मजबूर करिस कि ओकर नाक म दम आ गीस।
17 तब सिमसोन ह अपन जम्मो भेद ला ओकर आघू म खोलत कहिस, “मोर मुड़ म उस्तरा कभू नइं चलाय गे
हवय, काबरकि मेंह अपन दाई के पेट ले ही परमेसर ला समरपित एक नाजीर अंव। यदि मोर मुड़ के बाल के
मुंडन कर दिये जाही, त मोर ताकत ह चले जाही, अऊ मेंह कोनो आने मनखे सहीं कमजोर हो जाहूं।”
18 जब दलीला ह देखिस कि सिमसोन ह ओला जम्मो भेद के बात बता दे हवय, त ओह पलिस्तीमन के सासन
करइयामन करा ये खबर पठोईस, “एक बार फेर आवव, काबरकि ओह जम्मो भेद के बात मोला बता देय हवय।”
तब पलिस्तीमन के सासन करइयामन अपन हांथ म चांदी धरके ओकर करा वापिस आईन।
19 दलीला ह ओला अपन कोरा म सुताके एक झन मनखे ला बलाईस कि ओह सिमसोन के मुड़ के सातों
लटमन ला मुड़वा दे, अऊ ये किसम ले ओह अधीन म कर लेवय।† लटमन ला काटे के बाद, सिमसोन के ताकत
ह खतम हो गीस।
20 तब दलीला ह जोर से कहिस, “हे सिमसोन, पलिस्तीमन तोर घात म हवंय!”
ओह नींद ले जागिस अऊ सोचन लगिस, “मेंह पहिले के असन बाहिर जाहूं अऊ अपनआप ला झटकके
आजाद हो जाहूं।” पर ओह ये नइं जानत रिहिस कि यहोवा ह ओला छोंड़ दे हवय।

---

* **16:5** लगभग 13 किलोग्राम † **16:19** इबरानी म [illegible]

21 तब पलिस्तीमन ओला पकड़ लीन अऊ ओकर आंखी ला फोरके ओला गाजा ले गीन। ओमन ओला कांसा
के बेड़ी म जकड़के जेल म डाल दीन कि ओह उहां चक्की पीसय।
22 पर मुंडन होय के बाद, ओकर मुड़ के चुंदी ह फेर बाढ़न लगिस।

[illegible]

23 कुछू समय के बाद, पलिस्तीमन के सासन करइयामन अपन देवता दागोन ला बड़े बलिदान चघाय अऊ
आनंद मनाय बर ये कहिके जूरिन, "हमर देवता ह हमर बईरी सिमसोन ला हमर हांथ म कर दे हवय।"
24 जब पलिस्तीमन सिमसोन ला देखिन, त ओमन ये कहिके अपन देवता के बड़ई करिन,
"हमर देवता ह हमर बईरी सिमसोन ला
हमर हांथ म कर दे हवय,
जऊन ह हमर देस ला नास करत रिहिस
अऊ हमर बहुंते झन ला मार डारिस।"
25 जब ओमन के मन मगन हो गीस, त ओमन चिचियाके कहिन, "सिमसोन ला लानव कि ओह हमर मनोरंजन
करय।" एकरसेति सिमसोन ला जेल ले बाहिर लाने गीस, अऊ ओह ओमन के मनोरंजन करिस।
जब ओमन ओला खंभामन के मांझा म ठाढ़ कर देय रिहिन,
26 त सिमसोन ह ओ सेवक ला कहिस, जऊन ह ओकर हांथ ला पकड़े रिहिस, "मोला ओ खंभामन करा ले जा,
जेमन मंदिर ला संभाले हवंय, ताकि मेंह ओमन ला छू सकंव अऊ ओमन म टिकके ठाढ़ हो सकंव।"
27 मंदिर ह आदमी अऊ माईलोगनमन ले भर गे रिहिस; पलिस्तीमन के जम्मो सासन करइयामन उहां
रिहिन, अऊ छानी म लगभग तीन हजार आदमी अऊ माईलोगन रिहिन, जेमन सिमसोन ला तमासा करत
देखत रिहिन।
28 तब सिमसोन ह ये कहिके यहोवा ले पराथना करिस, "हे परमपरधान यहोवा, मोर सुधि ले। हे परमेसर,
मोला सिरिप एक बार अऊ ताकत दे कि मेंह पलिस्तीमन ले अपन दूनों आंखी के बदला एकेच बार म ले लंव।"
29 तब सिमसोन ह मांझा के दू ठन खंभामन ला पकड़िस, जेमा मंदिर ह टिके रिहिस, अऊ ओमन ऊपर अपन
ताकत लगाईस; जेवनी हांथ ले एक खंभा अऊ डेरी हांथ ले दूसर खंभा ऊपर बल लगात
30 सिमसोन ह कहिस, "पलिस्तीमन के संग मोर परान घलो जावय!" तब ओह अपन जम्मो ताकत ला लगाके
धकेलिस, अऊ मंदिर ह सासन करइया अऊ उहां जूरे जम्मो मनखेमन ऊपर आ गिरिस। ये किसम ले ओह अपन
जीयत समय जतेक मनखेमन ला मारे रिहिस, ओकर ले जादा मनखे ओह अपन मरत बेरा म मार डारिस।
31 तब ओकर भाई अऊ ओकर ददा के पूरा परिवार ओकर लास ला ले जाय बर आईन। ओमन ओला उठाके
वापिस ले गीन अऊ सोरा अऊ एसताओल के बीच ओला ओकर ददा मानोह के कबर म माटी दीन। ओह
इसरायल के अगुवई बीस साल तक करे रिहिस।

17

[illegible]

1 एपरैम के पहाड़ी इलाका म मीका नांव के एक मनखे रिहिस।
2 एक दिन ओह अपन दाई ले कहिस, "जऊन गियारह सौ सेकेल* चांदी तोर से ले लिये गे रिहिस, जेकर बारे
तेंह मोर सुनत म सराप देय रहय—ओ चांदी ह मोर करा हवय; मेंह ओला लेय रहेंव।"
तब ओकर दाई ह कहिस, "हे मोर बेटा, यहोवा ह तोला आसीस देवय!"
3 जब ओह ओ गियारह सौ सेकेल चांदी अपन दाई ला लहुंटा दीस, त ओकर दाई ह कहिस, "मेंह गंभीरता से
अपन चांदी ला मोर बेटा बर यहोवा ला अरपन करत हंव ताकि एक मूरती बनाय जावय अऊ ओकर ऊपर चांदी
के परत लगाय जावय। एकरसेति मेंह ये चांदी तोला वापिस देवत हंव।"
4 जब ओह अपन दाई ला ओ चांदी लहुंटा दीस, त ओकर दाई ह दू सौ सेकेल† चांदी लीस अऊ ओला एक
सुनार ला दे दीस, जऊन ह ओकर उपयोग एक मूरती बनाय म करिस। अऊ ओ मूरती ला मीका के घर म रखे
गीस।

---

* **17:2** करीब-करीब 13 किलोग्राम † **17:4** करीब-करीब 2.3 किलोग्राम

5 ये मनखे मीका करा एक ठन देव-स्थल रिहिस, अऊ ओह एक एपोद अऊ कुछू घर-देवता बनाईस अऊ
अपन एक बेटा ला संस्कार करके अपन पुरोहित ठहिरा लीस।
6 ओ समय म इसरायलीमन के कोनो राजा नइं रिहिस; जेला जइसने ठीक लगय, ओह वइसने करय।
7 यहूदा के बैतलहम नगर म एक जवान लेवी यहूदा गोत्र के मनखेमन के बीच रहत रिहिस;
8 ओह बैतलहम नगर ला छोंड़के कहीं अऊ रहे बर आने जगह के खोज म निकलिस। रेंगत-रेंगत ओह एपरैम
के पहाड़ी देस म मीका के घर म हबरिस।
9 मीका ह ओकर ले पुछिस, "तेंह कहां ले आवत हस?"
ओह जबाब दीस, "मेंह यहूदा के बैतलहम ले आय हंव अऊ एक लेवी अंव, अऊ मेंह एक जगह के खोज म
हवंव, जिहां में रह सकंव।"
10 तब मीका ह ओ लेवी ला कहिस, "मोर संग म रह अऊ मोर ददा अऊ मोर पुरोहित बन जा। मेंह तोला हर
साल चांदी के दस सेकेल‡, तोर कपड़ा अऊ तोर जेवन दूहूं।"
11 लेवी ह ओकर संग रहे बर तियार हो गीस, अऊ ओ जवान ह ओकर एक बेटा के सहीं हो गीस।
12 तब मीका ह ओ लेवी के संस्कार करिस, अऊ ओ जवान ह ओकर पुरोहित बन गीस अऊ ओकर घर म रहन
लगिस।
13 अऊ मीका ह अपनआप ला कहिस, "अब मेंह जानत हंव कि यहोवा ह मोर भलई करही, काबरकि ये लेवी
ह मोर पुरोहित बन गे हवय।"

18

[illegible]

1 ओ समय म इसरायलीमन के कोनो राजा नइं रिहिस।
अऊ ओ समय म दानीमन के गोत्र के मनखेमन रहे बर अपन खुद के जगह के खोज म रिहिन, काबरकि
इसरायली गोत्रमन के बीच ओमन ला अभी तक कोनो निज भाग नइं मिले रिहिस।
2 तब दानीमन ओ देस के भेद लेय बर अऊ खोजबीन करे बर अपन पांच झन अगुवा मनखेमन ला सोरा अऊ
एसताओल सहर ले पठोईन। ये मनखेमन जम्मो दानीमन के परतिनिधि रिहिन। ओमन ला ये कहे गीस, "जाके
ओ देस के खोजबीन करव।"
एकरसेति ओमन एपरैम के पहाड़ी इलाका म गीन अऊ मीका के घर म जाके उहां रात बिताईन।
3 जब ओमन मीका के घर के लकठा म आईन, त ओमन ओ जवान लेवी के अवाज ला पहिचान लीन; तब
ओमन मुड़के उहां गीन अऊ ओकर ले पुछिन, "तोला इहां कोन लेके आईस? तेंह इहां का करत हस? इहां तें
काबर हस?"
4 ओह ओमन ला बताईस कि मीका ह ओकर बर का-का करे रिहिस, अऊ ओह कहिस, "ओह मोला सेवा करे
बर रखे हवय अऊ मेंह ओकर पुरोहित अंव।"
5 तब ओमन ओकर ले कहिन, "किरपा करके परमेसर ले ये पता लगाके बता कि हमन ला हमर यातरा म
सफलता मिलही कि नइं।"
6 पुरोहित ह ओमन ला जबाब दीस, "सांति से जावव। तुम्हर यातरा म यहोवा के किरपा-दिरिस्टी हवय।"
7 तब ओ पांचों जन उहां ले चल दीन अऊ लैस नांव के नगर म आईन, जिहां ओमन देखिन कि मनखेमन उहां
सीदोनीमन के सहीं सांति अऊ सुरकछा म रहत हवंय। अऊ ओमन के देस म कोनो चीज के कमी नइं रिहिस,
एकरसेति ओमन सम्पन्न रिहिन।* अऊ ये घलो कि ओमन सीदोनीमन ले बहुंत दूरिहा म रहत रिहिन, अऊ कोनो
आने मनखे† के संग ओमन के कोनो संबंध नइं रिहिस।
8 तब ओमन सोरा अऊ एसताओल वापिस आईन, त ओमन के संगी दानीमन ओमन ले पुछिन, "तुमन का
समाचार लेके आय हवव?"
9 ओमन जबाब दीन, "आवव, हमन ओमन ऊपर हमला करन! हमन ओ देस ला देखे हन, अऊ ओ देस ह बहुंत
बढ़िया हवय। तुमन काबर चुपेचाप बईठे हवव? उहां चलके ओ देस ला अपन अधीन कर लेय म झन हिचकव।

‡ **17:10** करीब-करीब 115 ग्राम * **18:7** इबरानी म ये वाक्य के मतलब ह साफ नइं ए † **18:7** इबरानी म *[illegible]*

10 जब तुमन उहां जाहू, त उहां तुमन ला सीधवा मनखेमन अऊ चौरस देस मिलही, जेला परमेसर ह तुम्हर
हांथ म कर दे हवय, एक अइसन देस जिहां कुछू चीज के कमी नइं ए।”
11 तब सोरा अऊ एसताओल ले दानीमन के छै सौ मनखे हथियार बांधके लड़ई बर निकलिन।
12 अपन रसता म ओमन यहूदा के किरयत-यारीम म डेरा डालिन। एकर खातिर किरयत-यारीम के पछिम के
जगह ला आज तक महने-दान‡ कहे जाथे।
13 उहां ले ओमन आघू बढ़िन अऊ एपरैम के पहाड़ी देस म मीका के घर म आईन।
14 तब ओ पांचों मनखे, जेमन लैस के देस के भेद लेय रिहिन, अपन संगी दानीमन ले कहिन, “का तुमन
जानत हव कि येमा के एक घर म एक एपोद, कुछू घर-देवता अऊ चांदी के परत चघाय एक मूरती हवय?
एकरसेति अब तुमन जानव कि का करना हे।”
15 तब ओमन ओती मुड़के मीका के घर म ओ जवान लेवी करा गीन अऊ ओकर हालचाल पुछिन।
16 छै सौ दानीमन लड़ई बर हथियार बांधे प्रवेस दुवार म खड़े रिहिन।
17 तब ओ पांचों मनखे, जेमन देस के भेद लेय बर गे रिहिन, घर के भीतर गीन अऊ मूरती, एपोद अऊ
घर-देवतामन ला ले लीन; ये समय पुरोहित अऊ ओ हथियार बांधे छै सौ मनखे प्रवेस दुवार म खड़े रिहिन।
18 जब ओ पांचों मनखे मीका के घर म घुसरके मूरती, एपोद अऊ घर-देवतामन ला ले लीन, त पुरोहित ह
ओमन ले पुछिस, “ये तुमन का करत हव?”
19 ओमन ओला जबाब दीन, “चुपे रह, अऊ कुछू झन कह। हमर संग आ, अऊ हमर ददा अऊ पुरोहित बनके
रह। का येह तोर बर ठीक अय कि एक पुरोहित के रूप म तेंह इसरायल के एक गोत्र अऊ कुल के सेवा करे के
बदले सिरिप एक मनखे के खानदान के पुरोहित के रूप म सेवा कर?”
20 तब पुरोहित ह बहुंत खुस होईस। ओह एपोद, घर-देवता अऊ मूरती ला लेके ओ मनखेमन के संग चल
दीस।
21 तब ओमन अपन छोटे लइका, पसु अऊ अपन साजो-सामान ला अपन आघू करके मुड़िन अऊ उहां ले चल
दीन।
22 जब ओमन मीका के घर ले कुछू दूरिहा निकल गे रिहिन, तब मीका के घर के लकठा म रहइया मनखेमन
जूरिन अऊ दानीमन करा हबर गीन।
23 जब ओमन दानीमन ऊपर चिचियाईन, त दानीमन मुड़के मीका ले कहिन, “का बात ए कि तेंह अपन
मनखेमन ला लेके लड़े बर आय हस?”
24 ओह जबाब दीस, “तुमन मोर बनाय देवतामन ला अऊ मोर पुरोहित ला लेके जावत हव। मोर करा अऊ
का हवय? तुमन कइसे कह सकत हव कि का बात ए?”
25 दानीमन ओला जबाब दीन, “हमर संग बहस झन कर, अइसे झन होवय कि हमर कुछू मनखेमन गुस्सा
होके तुम्हर ऊपर हमला करंय, अऊ तें अऊ तोर परिवार के मनखेमन मारे जावंय।”
26 तब दानीमन अपन रसता म चल दीन, अऊ मीका ह ये देखके कि ओमन जादा ताकतवर हवंय, मुड़िस अऊ
अपन घर वापिस चल दीस।
27 तब ओमन मीका के बनाय चीज अऊ ओकर पुरोहित ला लेके लैस नांव के जगह म आईन, जिहां के
मनखेमन सांति से अऊ बिगर कोनो डर के रहत रिहिन। दानीमन तलवार लेके ओमन ऊपर हमला करिन, अऊ
ओमन के सहर लैस म आगी लगाके जला दीन।
28 ओमन ला बचानेवाला कोनो नइं रिहिन, काबरकि ओमन सीदोन ले बहुंत दूरिहा म रहत रिहिन अऊ ओमन
के कोनो आने मनखेमन के संग कोनो संबंध नइं रिहिस। ओ सहर ह बेत-रहोब नगर के लकठा म एक घाटी म
रिहिस।
तब दानीमन ओ सहर ला फेर बनाईन अऊ उहां बस गीन।
29 ओमन ओ सहर के नांव अपन पुरखा दान के नांव म रखिन, जऊन ह इसरायल के एक बेटा रिहिस। ओ
सहर के नांव पहिले लैस रिहिस।

‡ **18:12** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible] [illegible] [illegible]

30 उहां दानीमन ओ मूरती ला ठाढ़ कर लीन, अऊ देस के बंधुवई म जावत तक मूसा§ के पोता, गेरसोम के
बेटा योनातन अऊ ओकर बेटामन दान के गोत्र के पुरोहित के काम करते रिहिन।
31 जब तक परमेसर के घर ह सीलो नगर म रिहिस, तब तक ओमन मीका के बनाय मूरती के उपयोग करिन।

19

[illegible]

1 ओ समय म इसरायलीमन के कोनो राजा नइं रिहिस,
तब एक लेवी मनखे एपरैम के पहाड़ी देस के एक दूरिहा जगह म रहत रिहिस; ओह यहूदा के बैतलहम ले एक
रखैल ला अपन घर ले आईस।
2 पर ओ रखैल ह बेभिचार करिस अऊ ओह अपन दाई-ददा के घर वापिस यहूदा के बैतलहम चल दीस। जब
ओला उहां रहत चार महिना हो गीस,
3 त ओकर घरवाला ह ओकर करा गीस कि ओला मनाके वापिस अपन घर ले आवय। ओह अपन संग अपन
सेवक अऊ दू ठन गदहा घलो लेके गे रिहिस। ओह अपन घरवाला ला अपन ददा के घर म ले गीस, अऊ जब
ओकर ससुर ह ओला देखिस, त ओह खुसी से ओकर सुवागत करिस।
4 तब ओकर ससुर याने कि ओ माईलोगन के ददा ह बिनती करके ओला रोक लीस; अऊ ओह उहां
खावत-पीयत अऊ सुतत तीन दिन तक ओकर करा रूके रिहिस।
5 चौथा दिन ओमन बड़े बिहनियां उठिन, अऊ ओह जाय के तियारी करिस; पर ओ माईलोगन के ददा ह अपन
दामाद ले कहिस, "कुछू खाके अपनआप ला तरो-ताजा कर ले, तब चल देबे।"
6 तब ओ दूनों झन बईठके एक संग खाईन-पीईन। ओकर बाद ओ माईलोगन के ददा ह कहिस, "एक रात
अऊ रूक जा अऊ आनंद मना।"
7 अऊ जब ओ मनखे ह जाय बर उठिस, त ओकर ससुर ह ओला मना लीस, एकरसेति ओह ओ रथिया उहां
रूक गीस।
8 पांचवां दिन बिहनियां जब ओह जाय बर उठिस, त ओ माईलोगन के ददा ह कहिस, "अपनआप ला
तरो-ताजा कर ले अऊ मंझन तक रूक!" तब ओ दूनों झन एक संग रोटी खाईन।
9 जब ओ मनखे अपन रखैल अऊ अपन सेवक के संग जाय बर उठिस, त ओकर ससुर याने कि ओ माईलोगन
के ददा ह ओकर ले कहिस, "देख, सांझ होनेचवाला हे, एकरसेति रात भर रूक जा। सूरज ह डुबनेचवाला हे।
एकरसेति रूक जा अऊ आनंद मना। कल बड़े बिहनियां उठके अपन घर चल देबे।"
10 पर ओ मनखे ह एक अऊ रथिया रूके नइं चाहिस, अऊ बिदा होके काठी कसे अपन दूनों गदहा अऊ अपन
रखैल के संग यबूस (यरूसलेम) कोति गीस।
11 जब ओमन यबूस के लकठा म हबरिन अऊ दिन ह लगभग खतम हो गे रिहिस, त सेवक ह अपन मालिक
ले कहिस, "आ, हमन यबूसीमन के ये सहर म रूकके रात बितावन।"
12 ओकर मालिक ह जबाब दीस, "नइं, हमन अइसन कोनो सहर म नइं जावन, जिहां के मनखे इसरायली नो
हंय। हमन आघू बढ़बो अऊ गिबा नगर तक जाबो।"
13 फेर ओह अपन सेवक ला कहिस, "आ, हमन गिबा या रामा नगर तक हबरे के कोसिस करन अऊ ओमा के
कोनो जगह म रात बितावन।"
14 अऊ ओमन आघू बढ़िन, अऊ सूरज ह डूब गीस, जब ओमन बिनयामीन के गिबा के लकठा म आईन।
15 त उहां ओमन रात बिताय बर रूक गीन। ओमन जाके नगर के चऊक म बईठ गीन, पर रथिया बिताय बर
कोनो ओमन ला अपन घर म नइं ले गीस।
16 तब ओ दिन सांझ के बेरा, एपरैम के पहाड़ी इलाका के एक सियान मनखे अपन खेत-खार के काम ला
निपटाके आईस; ओह गिबा म रहत रिहिस; गिबा ह बिनयामीनी मनखेमन के नगर रिहिस।
17 जब ओ सियान ह देखिस कि यातरा करइयामन नगर के चऊक म बईठे हवंय, त ओह पुछिस, "तुमन कहां
जावत हव, अऊ कहां ले आय हवव?"

§ **18:30** कुछू इबरानी लिपि म *[illegible]*

18 ओह सियान ला जबाब दीस, “हमन यहूदा के बैतलहम ले आय हवन अऊ एपरैम के पहाड़ी देस के एक
दूरिहा के जगह म जावत हन, जिहां मेंह रहिथंव। मेंह यहूदा के बैतलहम नगर गे रहेंव अऊ अब मेंह यहोवा के
घर ला जावत हंव।* रथिया बिताय बर कोनो हमन ला अपन घर नइं ले गीन।
19 हमर करा हमर गदहामन बर पैंरा अऊ चारा दूनों हवय अऊ तोर सेवकमन करा याने कि मोर अऊ तोर ये
दासी अऊ हमर संग ये जवान करा रोटी अऊ अंगूर के मंद घलो हवय। हमन ला कोनो चीज के जरूरत नइं ए।”
20 तब सियान मनखे ह कहिस, “तुमन मोर घर म आ सकत हव। तुमन ला जऊन चीज के जरूरत होही, ओला
में दूहूं, पर चऊक म तुमन रात झन बितावव।”
21 तब ओह ओमन ला अपन घर म ले गीस अऊ ओकर गदहामन ला चारा दीस। तब ओमन अपन गोड़ धोके
खाय-पीये लगिन।
22 जब ओमन आनंद मनात रिहिन, त सहर के कुछू दुस्ट मनखेमन ओ घर ला घेर लीन। कपाट ला
खटखटा-खटखटाके ओ घर के मालिक, ओ सियान मनखे ले चिचियाके कहिन, “जऊन आदमी ह तोर घर म आय
हवय, ओला बाहिर लेके आ ताकि हमन ओकर संग सारीरिक संबंध बनावन।”
23 घर के मालिक ह बाहिर निकलके ओमन ला कहिस, “नइं, हे मोर संगीमन, अइसन कुकरम झन करव। ये
आदमी ह मोर पहुना ए, अइसन कुकरम झन करव।
24 देखव, इहां मोर कुंवारी बेटी हवय, अऊ ओ मनखे के रखैल घलो हवय। मेंह ओमन ला बाहिर तुम्हर करा
लावत हंव, अऊ तुमन ओमन के उपयोग कर सकत हव, अऊ ओमन के संग तुमन जइसन चाहव, वइसन करव।
पर ये आदमी के संग अइसन कुकरम झन करव।”
25 पर ओ मनखेमन ओकर बात ला नइं सुनिन। तब ओ लेवी ह अपन रखैल ला लीस अऊ बाहिर ओमन करा
पठो दीस, अऊ ओमन रात भर ओकर संग कुकरम अऊ गलत बरताव करिन, अऊ बिहनियां ओमन ओला छोंड़
दीन।
26 सूरज निकलत बेरा, ओ माईलोगन ह ओ घर म वापिस गीस, जिहां ओकर मालिक ह रूके रिहिस; ओह
कपाट करा गिर गीस अऊ अंजोर होवत तक उहां पड़े रिहिस।
27 जब ओकर मालिक ह बिहनियां उठिस, अऊ घर के कपाट खोलके बाहिर निकलिस, त देखिस कि ओकर
रखैल ह चौखट ला हांथ म थामे घर के कपाट करा पड़े हवय।
28 ओह ओला कहिस, “उठ, अब हमन चलबो।” पर ओला कोनो जबाब नइं मिलिस। तब ओह ओकर देहें ला
गदहा म लादके अपन घर जाय बर निकलिस।
29 जब ओह अपन घर म हबरिस, त एक चाकू लीस अऊ अपन रखैल के देहें के अंगमन ला काटके बारह कुटा
करिस, अऊ ओ कुटामन ला इसरायल के जम्मो इलाका म पठो दीस।
30 जतेक झन भी ओला देखिन, ओ जम्मो आपस म कहन लगिन, “जब ले इसरायलीमन मिसर देस ले
निकलके आय हवंय, तब ले लेके आज तक अइसने चीज न तो कभू देखे गे हवय अऊ न ही करे गे हवय। येकर
ऊपर सोच-बिचार करव! हमन ला कुछू करना जरूरी ए! बतावव!”

20

[illegible]

1 तब दान ले लेके बेरसेबा नगर तक जम्मो इसरायली अऊ गिलाद के इलाका के मनखेमन एक संग आईन
अऊ ओमन मिसपा नगर म यहोवा के आघू म इकट्ठा होईन।
2 इसरायल के गोत्रमन के जम्मो मनखे के अगुवामन परमेसर के मनखेमन के सभा म अपन-अपन जगह लीन;
ओमन चार लाख तलवारधारी मनखे रिहिन।
3 (बिनयामीनीमन ला पता चलिस कि इसरायलीमन मिसपा म जूरे हवंय।) तब इसरायलीमन पुछन लगिन,
“हमन ला बतावव कि ये कुकरम कइसे होईस?”
4 ओ लेवी याने कि मार डारे गय माईलोगन के घरवाला ह जबाब दीस, “में अऊ मोर रखैल, बिनयामीन के
गिबा नगर म रात बिताय बर आयेंन।

* **19:18** कुछू लिपि म *[illegible]*

5 रथिया के बेरा गिबा के मनखेमन मोर पाछू आईन अऊ मोला मार डारे के इरादा से ओ घर ला घेर लीन।
ओमन मोर रखैल के संग कुकरम करिन अऊ ओह मर गीस।
6 तब मेंह अपन रखैल के लास ला लेके ओकर कुटा-कुटा करेंव अऊ एक-एक कुटा इसरायल के उत्तराधिकार
के हर इलाका म पठो देंव, काबरकि ओमन इसरायल म ये बेभिचार अऊ कुकरम करे हवंय।
7 अब हे जम्मो इसरायलीमन, तुमन बिचार करव अऊ मोला बतावव कि तुमन का करे के फैसला करे हवव।"
8 तब जम्मो मनखेमन एक मन होके ये कहत ठाढ़ हो गीन, "हमन ले कोनो भी घर नइं जावन। नइं, हमन ले
कोनो भी अपन घर वापिस नइं जावय।
9 पर अब हमन गिबा के संग अइसे करबो: हमन परची डालबो अऊ ओकर मुताबिक क्रम म ओमन के बिरूध
आघू बढ़बो।
10 हमन इसरायल के जम्मो गोत्रमन म ले हर सौ मनखेमन ले दस मनखे, अऊ एक हजार मनखेमन ले एक
सौ, अऊ दस हजार मनखेमन ले एक हजार मनखे लेबो कि ओमन सेना के मनखेमन बर जेवन के परबंध करंय।
तब, जब सेना के मनखेमन बिनयामीन के गिबा म हबरहीं, त ओमन इसरायल म करे गय ये कुकरम के काम के
उचित सजा उहां के मनखेमन ला दीहीं।"
11 तब जम्मो इसरायलीमन एक संग जूरिन अऊ गिबा सहर के बिरूध एक जुट हो गीन।
12 तब इसरायल के गोत्रमन बिनयामीन के गोत्र के जम्मो जगह म ये कहिके संदेसिया पठोईन, "तुम्हर बीच
म ये कइसे भयंकर अपराध करे गे हवय?
13 अब तुमन गिबा के ओ दुस्ट मनखेमन ला हमर हांथ म कर देवव, ताकि हमन ओमन ला मार डारन अऊ
इसरायल ले बुरई ला साफ करन।"
पर बिनयामीनीमन अपन संगी इसरायलीमन के बात ला नइं सुनिन।
14 इसरायलीमन के बिरूध लड़े बर बिनयामीनीमन अपन-अपन नगर ले निकलके गिबा म इकट्ठा होईन।
15 ओहीच दिन अपन-अपन नगर ले छब्बीस हजार तलवारधारी बिनयामीनी जूर गीन; येकर अलावा गिबा म
ही रहइया सात सौ योग्य जवान घलो ओमन के संग सामिल हो गीन।
16 ये जम्मो सैनिकमन के बीच सात सौ झन के चुने गय एक सैनिक दल रिहिस, जेमन डेरी हांथ के उपयोग
करंय अऊ ओमा के हर एक जन गोफन के पथरा ले एक पातर बाल ला घलो बिगर चूके निसाना लगा सकत
रिहिन।
17 बिनयामीनीमन ले अलग, इसरायलीमन के चार लाख तलवारधारी सैनिक रिहिन अऊ ये जम्मो के जम्मो
योग्य योद्धा रिहिन।
18 इसरायलीमन परमेसर के ईछा जाने बर बेतेल ला गीन। ओमन परमेसर ले पुछिन, "हमन म ले कोन ह
बिनयामीनीमन ले लड़े बर पहिले जावय।"
यहोवा ह जबाब दीस, "यहूदा ह पहिले जावय।"
19 तब बिहनियां इसरायलीमन उठके गिबा के लकठा म डेरा डालिन।
20 इसरायलीमन बिनयामीनीमन ले लड़े बर बाहिर निकलिन अऊ इसरायलीमन ओमन के बिरूध गिबा करा
लड़ई के पांति बांध लीन।
21 तब बिनयामीनीमन गिबा ले निकलके आईन अऊ ओ दिन बाईस हजार इसरायलीमन ला मारके माटी म
मिला दीन।
22 पर इसरायलीमन एक-दूसर ला उत्साहित करिन अऊ फेर ओहीच जगह म पांति बांधिन, जिहां पहिले दिन
बांधे रिहिन।
23 इसरायलीमन जाके सांझ तक यहोवा के आघू म रोईन, अऊ यहोवा ले पता लगाईन। ओमन कहिन, "का
हमन बिनयामीनी, अपन संगी इसरायलीमन ले लड़े बर जावन?"
यहोवा ह जबाब दीस, "ओमन के बिरूध लड़े बर जावव।"
24 तब दूसर दिन इसरायलीमन बिनयामीनीमन के लकठा म गीन।
25 ये बेरा, जब बिनयामीनीमन ओमन के सामना करे बर गिबा ले निकलके आईन, त ओमन अऊ अठारह
हजार इसरायलीमन ला मार डारिन, ये जम्मो के जम्मो तलवारधारी सैनिक रिहिन।

26 तब जम्मो इसरायली, जम्मो सेना बेतेल म गीन, अऊ उहां ओमन रोवत-रोवत यहोवा के आघू म बईठ
गीन। ओ दिन ओमन सांझ तक उपास करिन अऊ यहोवा ला होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाईन।
27 अऊ इसरायलीमन यहोवा ले पता लगाईन। (ओ समय म परमेसर के करार के सन्दूक बेतेल म रिहिस,
28 अऊ हारून के पोता, एलिआजर के बेटा पीनहास ह करार के सन्दूक के आघू म सेवा करत रिहिस।) ओमन
पुछिन, "का हमन फेर बिनयामीनी, हमर संगी इसरायलीमन के बिरूध लड़े बर जावन कि नइं?"
यहोवा ह जबाब दीस, "जावव, काबरकि कल मेंह ओमन ला तुम्हर हांथ म कर दूहूं।"
29 तब इसरायलीमन गिबा के चारों खूंट सैनिकमन ला घात लगाके बईठा दीन।
30 तीसर दिन ओमन बिनयामीनीमन के बिरूध लड़े बर गीन, अऊ पहिले के सहीं गिबा म पांति बांधिन।
31 बिनयामीनीमन ओमन के सामना करे बर निकलिन, अऊ इसरायली सेना ह पाछू हटत ओमन ला सहर ले
दूरिहा ले गीस। बिनयामीनीमन पहिले के सहीं इसरायलीमन ला मारे लगिन अऊ खुला मैदान अऊ बेतेल कोति
जानेवाला सड़क अऊ गिबा कोति जानेवाला सड़क म लगभग तीस इसरायली मारे गीन।
32 जब बिनयामीनीमन ये कहे लगिन, "हमन ओमन ला पहिले के सहीं हरावत हन," तब इसरायलीमन
कहिन, "आवव, हमन पाछू हटके ओमन ला सहर ले दूरिहा सड़कमन म ले आवन।"
33 तब इसरायल के जम्मो आदमीमन अपन जगह ले पाछू हटके बाल-तामार नगर म पांति बांधिन, अऊ
घात म बईठे हुए इसरायलीमन अपन जगह, याने कि गिबा* के पछिम ले अचानक निकलिन।
34 तब इसरायल के छांटे गय दस हजार जवान गिबा म आघू आके हमला करिन। उहां अतेक घोर लड़ई
होवन लगिस कि बिनयामीनीमन ला पता नइं चलिस कि बिपत्ति ह ओमन के कतेक लकठा म हवय।
35 यहोवा ह बिनयामीनीमन ला इसरायलीमन ले हरवा दीस, अऊ ओ दिन इसरायलीमन 25,100
बिनयामीनी मनखे ला मार डारिन; मारे गय जम्मो मनखे तलवारधारी रिहिन।
36 बिनयामीनीमन देखिन कि ओमन हार गे हवंय।
अब इसरायल के आदमीमन बिनयामीनीमन ला आघू म रसता दे दीन, काबरकि ओमन ला गिबा के लकठा म
घात लगाके बईठे अपन मनखेमन ऊपर भरोसा रिहिस।
37 तब जऊन मन घात लगाके बईठे रिहिन, ओमन गिबा सहर म झपट पड़िन, अऊ पूरा सहर म फईलके
जम्मो झन ला तलवार ले मार डारिन।
38 इसरायली मनखेमन अपन घात लगइया मनखेमन संग पहिले ही ये तय कर ले रिहिन कि जब ओमन सहर
के भीतर जावंय, त ओमन सहर ले धुआं के बड़े बादर सहीं छोंड़ंय,
39 अऊ येला देखके इसरायलीमन एती ले घलो हमला करहीं।
बिनयामीनीमन इसरायलीमन ला मारे के सुरू कर दे रिहिन (करीब तीस झन ला मार डारिन), अऊ ओमन
कहिन, "हमन पहिली के लड़ई सहीं ओमन ला हरावत हन।"
40 पर जब सहर ले धुआं के खंभा उठे लगिस, त बिनयामीनीमन मुड़के देखिन कि पूरा सहर ले धुआं उठत
हवय।
41 तब इसरायलीमन फेर हमला करिन, अऊ ये देखके बिनयामीनीमन घबरा गीन, काबरकि ओमन समझ गे
रिहिन कि ओमन ऊपर बिपत्ति आ गे हवय।
42 एकरसेति ओमन इसरायलीमन ला पीठ देखाके निरजन जगह कोति भागे लगिन, पर ओमन लड़ई ले बच
नइं सकिन। अऊ जऊन इसरायलीमन नगर ले निकलके आईन, ओमन ये बिनयामीनीमन ला उहां मार डारिन।
43 ओमन बिनयामीनीमन ला घेर लीन, अऊ ओमन के पीछा करत पूरब कोति गिबा के लकठा म ओमन ला
अपन अधीन कर लीन।
44 ये लड़ई म अठारह हजार बिनयामीनी सैनिक मारे गीन; ओ जम्मो के जम्मो सूरबीर रिहिन।
45 जब आने बिनयामीनी मनखेमन मुड़के निरजन जगह म रिम्मोन नांव के चट्टान कोति भागिन, त
इसरायलीमन पांच हजार मनखे ला सड़कमन म मार डारिन। ओमन गिदोम नगर तक बिनयामीनीमन के पीछा
करते रिहिन अऊ ओमन के दू हजार अऊ मनखे ला मार डारिन।
46 ओ दिन पच्चीस हजार तलवारधारी बिनयामीनीमन मार डारे गीन; ओ जम्मो के जम्मो सूरबीर रिहिन।

---

* **20:33** इबरानी म [illegible] जऊन ह [illegible] के आने नांव ए

47 पर ओमा के छै सौ मनखे मुड़के निरजन प्रदेस म रिम्मोन नांव के चट्टान करा भाग गीन, अऊ उहां चार
महिना तक ठहिरे रिहिन।
48 तब इसरायल के मनखेमन वापिस बिनयामीनीमन करा गीन, अऊ ओमन के नगर म ओमन ला जऊन कुछू
मिलिस, ओ जम्मो ला तलवार ले नास कर दीन; येमा उहां के मनखे अऊ पसुमन घलो रिहिन। जम्मो ला
तलवार ले नास कर डारिन। ओमन जतेक भी नगर म गीन, ओ जम्मो नगर म आगी लगा दीन।

21

[illegible]

1 इसरायली मनखेमन मिसपा म ये सपथ खाय रिहिन, "हमन म ले कोनो भी अपन बेटी के बिहाव कोनो
बिनयामीनी मनखे ले नइं करही।"
2 मनखेमन बेतेल* जाके सांझ तक उहां परमेसर के आघू म बईठे रिहिन अऊ फूट-फूटके बहुंत रोईन,
3 अऊ रोवत-रोवत ओमन ये कहिन, "हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, इसरायल म अइसने काबर होईस?
काबर आज इसरायल म ले एक गोत्र के कमी हो गीस?"
4 ओकर दूसर दिन, बड़े बिहनियां मनखेमन उठके एक बेदी बनाईन अऊ होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान
चघाईन।
5 तब इसरायलीमन पुछन लगिन, "इसरायल के जम्मो गोत्रमन म ले कोन ह यहोवा के आघू म नइं आय
हवय?" काबरकि ओमन बहुंत गंभीरता से सपथ खाय रिहिन कि जऊन कोनो मिसपा म यहोवा के आघू म इकट्ठा
नइं होही, ओह मार डारे जाही।
6 इसरायलीमन बिनयामीन के गोत्र, अपन संगी इसरायलीमन बर सोक मनाईन अऊ ओमन ये कहिन, "आज
इसरायल ले एक गोत्र ह अलग हो गे हवय।
7 हमन ओ बांचे बिनयामीनीमन ला घरवाली कइसे दे सकत हन, जब हमन यहोवा के ये सपथ खाय हवन कि
हमन अपन कोनो बेटी ओमन ला बिहाव म नइं देवन?"
8 तब ओमन पुछिन, "इसरायल के गोत्रमन ले कते गोत्र ह मिसपा म यहोवा के आघू म इकट्ठा नइं होय
हवय?" तब ओमन ला पता चलिस कि याबेस-गिलाद म ले कोनो भी सभा म नइं आय हवंय।
9 जब ओमन मनखेमन के गनती करिन, त ओमन ला पता चलिस कि याबेस-गिलाद म ले कोनो भी मनखे उहां
नइं रिहिन।
10 एकरसेति सभा ह बारह हजार लड़नेवाला मनखेमन ला ये निरदेस देके याबेस-गिलाद पठोईस कि उहां
जतेक झन रहत हवंय, माईलोगन अऊ लइकामन सहित जम्मो झन ला तलवार ले मार डारव।
11 ओमन कहिन, "तुमन ला ये करना हे; हर पुरूस अऊ हर ओ माईलोगन ला मार डारव, जऊन ह कुंवारी नो
हय।"
12 ओमन ला याबेस-गिलाद म चार सौ अइसे जवान माईलोगनमन मिलिन, जेमन कभू कोनो पुरूस के संग
नइं सुते रिहिन, अऊ ओमन ओ जवान माईलोगनमन ला कनान देस के सीलो म ले आईन।
13 तब जम्मो सभा ह रिम्मोन के चट्टान म बिनयामीनीमन करा सांति के एक प्रस्ताव भेजिस।
14 तब ओ बेरा बिनयामीनीमन लहुंट गीन अऊ ओमन ला ओ माईलोगनमन दिये गीन, जेमन ला
याबेस-गिलाद म छोंड़ दिये गे रिहिस। पर ये माईलोगनमन के संखिया ओमन बर कम रिहिस।
15 तब मनखेमन बिनयामीन के गोत्र बर सोक मनाईन, काबरकि यहोवा ह इसरायल के गोत्रमन म एक दरार
बना दे रिहिस।
16 तब सभा के अगुवामन कहिन, "बिनयामीनी माईलोगनमन मार डारे गीन, त हमन बांचे मनखेमन बर
घरवाली के परबंध कइसे करन?"
17 ओमन ये बिचार करिन, "बांचे बिनयामीनीमन के वारिस होना जरूरी अय, ताकि इसरायल के एक गोत्र के
अन्त झन होवय।
18 हमन अपन बेटीमन ला ओमन के घरवाली के रूप म नइं दे सकन, काबरकि हमन इसरायलीमन ये सपथ ले
हवन: 'सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह कोनो बिनयामीनी ला अपन बेटी बिहाव करके देथे।'

---

* **21:2** या *[illegible]*

19 पर देखव, सीलो सहर—जऊन ह बेतेल के उत्तर म अऊ बेतेल ले सकेम सहर जवइया सड़क के पूरब, अऊ
लबोना नगर के दक्खिन कोति हवय, उहां यहोवा के सालाना तिहार मनाय जानेवाला हे।"
20 एकरसेति ओमन बिनयामीनीमन ला ये हुकूम दीन, "जाके अंगूर के बारीमन म छिप जावव
21 अऊ देखत रहव। जब सीलो के जवान माईलोगनमन नाचे बर बाहिर निकलके आवंय, त तुमन अंगूर के
बारीमन ले झपटके निकलव अऊ तुमन के हर एक जन ओमन के एक-एक माईलोगन ला अपन घरवाली बनाय
बर धर लव। तब बिनयामीन के देस म वापिस चले जावव।
22 जब ओमन के ददा या भाई हमर ले सिकायत करहीं, त हमन ओमन ला कहिबो, 'ओमन के मदद करे के
दुवारा हमर ऊपर किरपा करव, काबरकि लड़ई के बेरा हमन ओमन बर घरवाली के परबंध नइं कर सकेंन। तुमन
अपन सपथ ला टोरे के दोसी नइं ठहिरहू, काबरकि तुमन अपन बेटी ओमन ला नइं दे हव।' "
23 तब बिनयामीनीमन वइसनेच करिन। जब जवान माईलोगनमन नाचत रिहिन, त हर एक मनखे एक-एक
माईलोगन ला अपन घरवाली बनाय बर धरके ले गीन। तब ओमन अपन निज भाग म लहुंट गीन अऊ नगरमन
ला फेर बनाके ओमा बस गीन।
24 ओ समय बाकि इसरायलीमन ओ जगह ला छोंड़के अपन घर, अपन गोत्र अऊ अपन कुलमन म चल दीन,
हर एक अपन निज भाग म चल दीस।
25 ओ समय म इसरायलीमन के कोनो राजा नइं रिहिस; जेला जइसने ठीक लगय, ओह वइसने करय।

रूत
के किताब

[illegible]

1 ओ समय म, जब नियायीमन राज करत रिहिन, त जम्मो देस म अकाल पड़िस। एकरसेति यहूदा प्रदेस के
बैतलहम गांव के एक मनखे ह अपन माईलोगन अऊ दूनों बेटामन ला संग म लेके कुछू समय बर मोआब देस म
रहे बर चल दीस।
2 ओ मनखे के नांव एलीमेलेक, अऊ ओकर घरवाली के नांव नाओमी, अऊ ओकर दू झन बेटामन के नांव
महलोन अऊ किलयोन रिहिस। ओमन यहूदा प्रदेस के बैतलहम गांव के एपराती रिहिन। अऊ ओमन मोआब
देस गीन अऊ उहां रहे लगिन।
3 कुछू समय के बाद, नाओमी के घरवाला एलीमेलेक ह मर गीस, अऊ नाओमी अऊ ओकर दूनों बेटा रह
गीन।
4 बाद म ओमन एक-एक मोआबीन माईलोगन ले बिहाव कर लीन; एक के नांव ओरपा अऊ दूसर के नांव रूत
रिहिस। ओमन के उहां करीब दस साल रहे के बाद,
5 महलोन अऊ किलयोन घलो मर गीन, अऊ नाओमी ह अपन दूनों बेटा अऊ घरवाला के बिगर रह गीस।

[illegible]

6 जब नाओमी ह मोआब देस म ये बात ला सुनिस कि यहोवा ह अपन मनखेमन के सुधि ले हवय, अऊ ओमन
ला जेवन-बस्तु* दे हवय, त नाओमी अऊ ओकर दूनों बहुरियामन मोआब देस ले बैतलहम लहुंटे के तियारी
करिन।
7 नाओमी ह अपन दूनों बहुरियामन संग मोआब देस ला छोंड़के, यहूदा प्रदेस ला वापिस जाय बर उहां के
डहार ला धरिस।
8 तब नाओमी ह अपन दूनों बहुरियामन ले कहिस, "तुमन दूनों अपन-अपन मायके लहुंट जावव। जइसने
तुमन अपन मर गेय घरवालामन ऊपर अऊ मोर ऊपर किरपा करे हवव, वइसने यहोवा ह तुम्हर ऊपर किरपा
करय।
9 यहोवा ह तुम्हर संग अइसने करय कि तुमन फेर बिहाव करके अपन-अपन घरवालामन के घर म अराम
पावव।"
तब नाओमी ह अपन दूनों बहुरिया ला बिदा करे बर चूमिस, अऊ ओ दूनों चिचिया-चिचियाके रोवन लगिन
10 अऊ ओमन नाओमी ला कहिन, "हमन तोर संग तोर मनखेमन करा वापिस जाबो।"
11 पर नाओमी ह कहिस, "हे मोर बेटीमन, अपन घर लहुंट जावव। तुमन काबर मोर संग म आहू? का मेंह
अऊ बेटामन ला जनम देवइया हंव, जऊन मन तुम्हर घरवाला होहीं?
12 हे मोर बेटीमन, अपन घर लहुंट जावव; काबरकि मेंह तो अपन खातिर अऊ कोनो घरवाला बनाय बर बहुंत
डोकरी हो गे हवंव। चाहे यदि मेंह सोचंव भी कि अभी घलो मोर बर आसा हवय—अऊ यदि आज रथिया मोर
कोनो घरवाला हो जावय अऊ मोर बेटामन घलो जनमंय—
13 त का तुमन ओमन के जवान होवत तक इंतजार करहू? का ओमन बर बिगर बिहाव करे ठहिरे रहिहू? हे
मोर बेटीमन, अइसने झन होवय। मोर दुख ह तुम्हर दुख ले जादा बढ़के अय, काबरकि यहोवा के हांथ ह मोर
बिरूध म उठे हवय!"
14 ये सुनके ओमन फेर चिचिया-चिचियाके रोईन। तब ओरपा ह तो अपन सास ला चूमा देके बिदा होईस, पर
रूत ह अपन सास ला नइं छोंड़िस।
15 तब नाओमी ह रूत ला कहिस, "देख, तोर जेठानी† ह तो अपन मनखे अऊ अपन देवतामन करा वापिस
जावत हे। तेंह घलो ओकर संग लहुंट जा।"

---

* **1:6** या [illegible] † **1:15** या [illegible]

16 पर रूत ह जबाब दीस, “तोला छोंड़े बर या तोला छोंड़के वापिस जाय बर, तेंह मोर ले बिनती झन कर।
जिहां तेंह जाबे, उहां मेंह घलो जाहूं, अऊ जिहां तेंह रहिबे, उहां मेंह घलो रहिहूं। तोर मनखेमन मोर मनखेमन
होहीं, अऊ तोर परमेसर ह मोर परमेसर होही।
17 जिहां तेंह मरबे, उहां मेंह घलो मरहूं, अऊ उहेंच मोला माटी दिये जाही। यदि मिरतू के छोंड़ अऊ कोनो
कारन ले मेंह तोर ले अलग होथंव, त यहोवा ह मोर संग बहुंत कठोर बरताव करय।”
18 जब नाओमी ह देखिस कि रूत ह ओकर संग चले बर ठान ले हवय, त नाओमी ह ओकर ले बिनती करे बर
छोंड़ दीस।
19 तब ओमन दूनों माईलोगन चलिन अऊ बैतलहम हबरिन। जब ओमन बैतलहम म हबरिन, त जम्मो नगर
म ओमन के कारन हलचल मच गीस, अऊ माईलोगनमन अचम्भो करके कहे लगिन, “का येह नाओमी अय?”
20 नाओमी ह ओमन ले कहिस, “मोला नाओमी‡ झन कहव; मोला मारा§ कहव, काबरकि सर्वसक्तिमान
परमेसर ह मोला बहुंत दुख दे हवय।
21 मेंह भरा-पूरा गे रहेंव, पर यहोवा ह मोला जुच्छा हांथ लहुंटाय हवय। एकरसेति जब यहोवा ह मोला दुख
दे हवय; सर्वसक्तिमान परमेसर ह मोर ऊपर बिपत्ति लाने हवय, त फेर तुमन मोला काबर नाओमी कहत हव?”
22 ये किसम ले नाओमी ह मोआब देस ले अपन मोआबीन बहुरिया रूत के संग लहुंटिस। जब जौ कटई के
सुरूआत होवत रिहिस, तब ओमन बैतलहम हबरिन।

2

[illegible]

1 नाओमी के ओकर घरवाला कोति ले एक रिस्तेदार रिहिस, जऊन ह एलीमेलेक के बंस के एक नामी मनखे
रिहिस; ओकर नांव बोअज रिहिस।
2 एक दिन मोआबीन रूत ह नाओमी ले कहिस, “मोला कोनो खेत म जावन दे कि कोनो फसल लुवइया ह मोर
ऊपर दया-दिरिस्टी करय, त ओकर पाछू-पाछू मेंह सीला बीनत जावंव।”*
नाओमी ह ओला कहिस, “ठीक ए बेटी, तें जा।”
3 एकरसेति रूत ह जाके एक ठन खेत म फसल लुवइयामन के पाछू-पाछू सीला बीनन लगिस। अऊ अइसने
होईस कि जऊन खेत म ओह काम करत रिहिस, ओह संजोग से बोअज के रिहिस, जऊन ह एलीमेलेक के बंस के
रिहिस।
4 ओतकीच बेरा बोअज ह बैतलहम ले उहां आके फसल लुवइयामन ले कहिस, “यहोवा ह तुम्हर संग रहय।”
अऊ ओमन ओला कहिन, “यहोवा ह तोला आसीस देवय।”
5 तब बोअज ह अपन फसल लुवइयामन के मुखिया ले पुछिस, “ओ जवान माईलोगन ह काकर घर के अय?”
6 फसल लुवइयामन के मुखिया ह जबाब दीस, “ओह एक मोआबीन अय, जऊन ह नाओमी के संग मोआब
देस ले लहुंटके आय हवय।
7 ओ माईलोगन ह कहे रिहिस, ‘मोला फसल लुवइयामन के पाछू-पाछू अऊ करपामन के बीच म बीनन अऊ
बटोरन देवव।’ ओह खेत म आईस अऊ बिहनियां ले लेके अब तक इहेंच हवय; सिरिप थोरकन देर बर छइहां म
अराम करे हवय।”
8 तब बोअज ह रूत ला कहिस, “हे बेटी, मोर बात ला सुन। कोनो दूसर के खेत म सीला बीने बर झन जाबे
अऊ इहां ले झन जाबे। जऊन माईलोगनमन मोर काम करत हें, ओमन के संग इहेंच रह।
9 जिहां मनखेमन फसल लुवत हें, उहां खेत म तोर धियान लगे रहय, अऊ माईलोगनमन के संग पाछू-पाछू
चल। मेंह मनखेमन ला कहि दे हंव कि ओमन तोला तंग झन करंय। अऊ जब भी तोला पीयास लगही, त जाके
ओ बरतन के पानी ला पी लेबे, जेला सेवकमन भर दे हवंय।”
10 अतका म, रूत ह भुइयां तक मुहूं नवाके बोअज ला दंडवत करिस, अऊ बोअज ले पुछिस, “का कारन ए
कि तें मोर ऊपर, एक परदेसीन के ऊपर दया-दिरिस्टी करके मोर सुधि ले हवस?”

‡ **1:20** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]* § **1:20** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]* * **2:2** देखव लैव्य 19:9-10; 23:22

11 बोअज ह जबाब दीस, “तोर घरवाला के मिरतू के बाद, तेंह जऊन काम अपन सास बर करे हवस, ओ जम्मो
बात मोला बताय गे हवय—कि कइसे तेंह अपन दाई-ददा अऊ जनम भुइयां ला छोंड़के अइसने मनखेमन संग
रहे बर आय हवस, जेमन ला तेंह पहिली नइं जानत रहय।
12 यहोवा ह तोला तोर करम के फर देवय। ओ यहोवा, इसरायल के परमेसर ह तोला बहुंतायत से आसीस
देवय, जेकर खाल्हे म तेंह सरन लेय बर आय हस।”
13 रूत ह कहिस, “हे मोर मालिक, तोर दया-दिरिस्टी मोर ऊपर बने रहय; हालाकि मेंह तोर दासीमन ले कोनो
के बराबर नो हंव, तभो ले तेंह अपन दासी ले दया के बात कहिके मोला सांति दे हवस।”
14 फेर खाय के बेरा म बोअज ह रूत ला कहिस, “इहां आके कुछू रोटी ले अऊ ओला सिरका म बोरके खा।”
जब रूत ह फसल लुवइयामन संग म बईठ गीस, त बोअज ह ओला भूंजे अनाज के कुछू बाली घलो दीस।
अऊ रूत ह पेट भरके खाईस अऊ कुछू बंचा घलो लीस।
15 जब ओह सीला बीने बर उठिस, त बोअज ह अपन मनखेमन ला हुकूम दीस, “ओला करपामन के बीच म
बीनन देवव अऊ ओला झन डांटिहव।
16 बरन बंधाय बीड़ा म ले कुछू बालीमन ला खींचके गिरा देवव, ताकि ओह ओमन ला बीनय, अऊ ओला
झन दबकारव।”
17 एकरसेति रूत ह संझा होवत तक सीला बीनिस। तब ओह ओ जौ ला मिंजिस, जेला ओह बीने रिहिस अऊ
ओह करीब एक एपा† भर जौ निकलिस।
18 तब रूत ह ओ जौ ला उठाके नगर म लानिस, अऊ ओकर सास ह देखिस कि ओह कतेक जौ संकेले रिहिस।
रूत ह ओ खाय के चीज ला घलो निकालके अपन सास ला दीस, जऊन ह ओकर भरपेट खाय के बाद बच गे
रिहिस।
19 ओकर सास ह ओकर ले पुछिस, “आज तेंह कहां सीला बीनय? तेंह कहां बुता करय? धइन होवय ओ
मनखे, जऊन ह तोर ऊपर धियान दीस!”
तब रूत ह अपन सास ला ओकर बारे म बताईस, जेकर खेत म ओह काम करे रिहिस। ओह कहिस, “जऊन
मनखे के खेत म, मेंह आज बुता करेंव, ओकर नांव बोअज अय।”
20 नाओमी ह अपन बहू ले कहिस, “यहोवा ओला आसीस देवय! ओह जीयत अऊ मरे मनखे ऊपर अपन दया
देखई ला बंद नइं करे हवय।” नाओमी ह ये घलो कहिस, “ओ मनखे ह हमर करीबी रिस्तेदार ए; ओह हमर
कुटुम्ब के मनखेमन ले एक झन अय, जेला हमर भुइयां छुड़ाय‡ के अधिकार घलो हवय।”
21 तब मोआबीन रूत ह अपन सास ला कहिस, “ओह मोर ले ये घलो कहिस, ‘जब तक मोर काम करइयामन
मोर जम्मो फसल ला काट नइं लेवंय, तब तक ओमन के संग म रहिबे।’ ”
22 नाओमी ह अपन बहू रूत ले कहिस, “हे मोर बेटी, ये बात ह तोर बर ठीक होही कि तेंह ओकरेच काम
करइया माईलोगनमन के संग जा, काबरकि कोनो आने के खेत म तोर संग गलत हो सकत हे।”
23 एकरसेति रूत ह सीला बीने बर बोअज के माईलोगन के लकठा म रहे लगिस, जब तक कि जौ अऊ गहूं के
फसल कटई ह खतम नइं हो गीस। अऊ ओह अपन सास के संग रहत रिहिस।

3

[illegible]

1 एक दिन रूत के सास नाओमी ह ओला कहिस, “हे मोर बेटी, मोला तोर घर बसाय के परबंध करना जरूरी
ए, जिहां तोर बने देखरेख हो सकय।
2 बोअज, जेकर माईलोगनमन के संग तेंह काम करे हस, ओह हमर रिस्तेदार ए। आज रथिया ओह कोठार म
जौ पछरही।
3 तेंह नहा-खोरके अंतर तेल चुपर ले, अऊ अपन सबले सुघर ओनहामन ला पहिर, अऊ तब कोठार म जा, पर
जब तक बोअज ह खा-पी नइं लीही, तब तक ओला ये पता नइं चलना चाही कि तेंह उहां हवस।
4 जब ओह सुतही, तब तें ओकर सुते के जगह ला देख लेबे। तब उहां जाके ओकर गोड़ ढांपे के ओढ़ना ला
उघार देबे अऊ उहां पसर जाबे। तब ओह तोला बताही कि तोला का करना हे।”

† **2:17** करीब 13 किलो ‡ **2:20** देखव लैव्य 25:25-55

5 रूत ह कहिस, “जऊन कुछू तेंह कहत हस, ओला मेंह करहूं।”
6 तब ओह कोठार म गीस, अऊ वइसने करिस, जइसने ओकर सास ह करे बर कहे रिहिस।
7 जब बोअज ह खाय-पीये के बाद मन म आनंदित रिहिस, त ओह अनाज के ढेर के आखिरी छोर म जाके पसर गीस। तब रूत ह चुपेचाप उहां गीस, अऊ बोअज के गोड़ ढांपे के ओढ़ना ला उघारके उहां पसर गीस।
8 आधा रथिया, कुछू चीज के कारन बोअज ह चौंक गीस; ओह करवट बदलिस, त देखिस कि ओकर गोड़ करा कोनो माईलोगन ह पसरे हवय!
9 ओह पुछिस, “तेंह कोन अस?”
तब ओह जबाब दीस, “मेंह तोर सेविका रूत अंव; तेंह अपन ओढ़ना के छोर ला मोर ऊपर ओढ़ा दे, काबरकि तेंह हमर परिवार के भुइयां छुड़इया* अस।”
10 बोअज ह कहिस, “हे मोर बेटी, यहोवा तोला आसीस देवय; ये दया ह तोर पहिली के देखाय दया ले अऊ जादा बने अय: तेंह कोनो जवान के पाछू नइं गे, चाहे धनी होवय या गरीब।
11 एकरसेति अब, हे मोर बेटी, तेंह झन डर। जऊन कुछू तेंह कहिबे, मेंह तोर बर करहूं। मोर नगर के जम्मो मनखेमन ये बात ला जानत हें कि तेंह बने चालचलन के माईलोगन अस।
12 हालाकि ये बात ह सच अय कि मेंह हमर कुटुम्ब के एक छुड़इया अंव, तभो ले एक झन अऊ मनखे हवय, जऊन ह मोर ले अऊ नजदीकी रिस्तेदार अय।
13 तेंह रथिया भर इहां ठहर, अऊ बिहनियां यदि ओह तोला छुड़ाय के जिम्मेदारी ला पूरा करे चाहथे, त ठीक अय; ओह तोला छुड़ाय। पर यदि ओह तोर छुड़ाय के जिम्मेदारी ला पूरा नइं करे चाहय, त यहोवा के जिनगी के कसम, मेंह ये काम ला करहूं। बिहान के होवत तक तें इहां लेटे रह।”
14 तब रूत ह बोअज के गोड़ करा बिहान होवत तक लेटे रिहिस, अऊ येकर पहिली कि मनखेमन एक-दूसर ला पहिचान सकंय, रूत ह उठ गीस; तब बोअज ह कहिस, “कोनो ये बात ला झन जानय कि कोठार म कोनो माईलोगन आय रिहिस।”
15 ओह ये घलो कहिस, “जऊन ओढ़ना ला तेंह ओढ़े हवस, ओला फईलाके धर।” जब रूत ह ओढ़ना ला फईलाके धरिस, त बोअज ह छै नपुआ† जौ ओमा डाल दीस अऊ ओ गठरी ला रूत ला बोहा दीस। तब बोअज ह नगर म चल दीस।
16 जब रूत ह अपन सास करा आईस, त नाओमी ह पुछिस, “हे मोर बेटी, का होईस?”
तब जऊन कुछू बोअज ह रूत बर करे रिहिस, ओ जम्मो बात रूत ह नाओमी ला बताईस।
17 ओह ये घलो कहिस, “ये छै नपुआ जौ ओह ये कहिके मोला दीस कि अपन सास करा खाली हांथ झन जा।”
18 तब नाओमी ह कहिस, “हे मोर बेटी, जब तक कि तोला ये बात के पता नइं चल जावय कि का होवइया हे, तब तक तेंह धीरज धरे रह। काबरकि ये बात ला आज निपटाय बिगर ओ मनखे ह सांति से नइं बईठय।”

4

[illegible]

1 ओकर बाद, बोअज ह नगर के कपाट करा जाके बईठ गीस; अऊ जऊन छुड़इया सगा के चरचा बोअज ह करे रिहिस, ओह घलो आ गीस तब बोअज ह कहिस, “हे संगवारी, इहां आ अऊ बईठ।” त ओह उहां जाके बईठ गीस।
2 तब बोअज ह नगर के दस झन अगुवामन ला बलाईस अऊ कहिस, “इहां बईठव,” अऊ ओमन बईठ गीन।
3 तब ओह ओ छुड़इया सगा ला कहिस, “नाओमी जऊन ह कि मोआब देस ले लहुंटके आ गे हवय, ओह भुइयां के एक टुकड़ा ला बेचत हे, जऊन ह हमर रिस्तेदार एलीमेलेक के अय।
4 एकरसेति मेंह सोचेंव कि ये बात ला तोर आघू म लानंव अऊ मेंह सलाह देवत हंव कि तें ओ जमीन ला ये बईठे मनखेमन के आघू म अऊ मोर मनखेमन के अगुवामन के आघू म बिसा ले। यदि तेंह ओला छुड़ाय चाहबे, त छुड़ा ले। पर यदि तें छुड़ाय नइं चाहस, त मोला बता दे ताकि मेंह जान लंव। काबरकि तोला छोंड़ अऊ कोनो ला अइसने करे के अधिकार नइं ए, अऊ मोर अधिकार तोर बाद हवय।”
ओह कहिस, “मेंह ओला छोंड़ाहूं।”

* **3:9** देखव लैव्य 25:25-55 † **3:15** लगभग 24 किलोग्राम

5 तब बोअज ह कहिस, “जऊन दिन तेंह ओ जमीन ला नाओमी के हांथ ले बीसा लेबे, ओ दिन तेंह मोआबीन
रूत ला घलो पा जाबे, जऊन ह मरे मनखे के बिधवा अय, ताकि मरे मनखे के नांव ह ओकर संपत्ति के संग आघू
बढ़य।”
6 अतका म, ओ छुड़इया सगा ह कहिस, “तब मेंह ओला छुड़ा नइं सकंव, काबरकि अइसने म मोर खुद के
संपत्ति खतरा म पड़ सकत हे। एकरसेति तेंह खुद ओला छुड़ा ले। मेंह ये नइं कर सकंव।”
7 (पुराना जमाना म, इसरायल म संपत्ति ला छुड़ाय अऊ नांव चढ़ाय के काम ला पक्का करे बर ये रिवाज
रिहिस कि मनखे ह अपन पनही ला उतारके दूसर ला देवय। इसरायल म कोनो लेन-देन ला पक्का करे के ये
कानूनी तरीका रिहिस।)
8 एकरसेति ओ छुड़इया सगा ह बोअज ले कहिस, “तेंह ओला बीसा ले,” अऊ ओह अपन पनही ला उतार
दीस।
9 तब बोअज ह अगुवा मनखे अऊ जम्मो मनखेमन ला कहिस, “तुमन आज ये बात के गवाह अव कि मेंह
एलीमेलेक, किलयोन अऊ महलोन के जम्मो संपत्ति ला नाओमी के हांथ ले बीसा ले हंव।
10 मेंह महलोन के बिधवा मोआबीन रूत ला घलो अपन घरवाली के रूप म पा गे हंव कि मरे मनखे के नांव ला
ओकर संपत्ति के संग आघू बढ़ावंव, ताकि ओ मरे मनखे के नांव ह ओकर परिवार ले या ओकर जनम स्थान ले
झन मिट जावय। तुमन आज ये बात के गवाह हव!”
11 तब दुवार करा जतेक मनखे अऊ अगुवामन रिहिन, ओमन कहिन, “हमन गवाह हन। ये जऊन माईलोगन
तोर घर म आवत हे, ओला यहोवा ह राहेल अऊ लिआ के सहीं बनावय, जऊन मन इसरायल के परिवार ला
मिलके बनाईन। एपराता म तोर मान-सम्मान होवय अऊ बैतलहम म तोर अब्बड़ नांव होवय।
12 ये जवान माईलोगन के दुवारा यहोवा ह तोला जऊन संतान देवय, त तोर परिवार ह पेरेस के परिवार सहीं
हो जावय, जेला तामार ह यहूदा कोति ले जनमिस।”

[illegible]

13 तब बोअज ह रूत ला ले लीस अऊ ओह ओकर घरवाली हो गीस। अऊ जब ओह ओकर संग संबंध
बनाईस, त यहोवा के दया ले ओला गरभ ठहिरिस, अऊ ओह एक बेटा ला जनम दीस।
14 तब माईलोगनमन नाओमी ले कहिन, “यहोवा के महिमा होवय, जऊन ह तोला आज छुड़इया सगा के
बिगर नइं छोंड़िस। जम्मो इसरायल म येकर अब्बड़ नांव होवय!
15 येह तोर जिनगी ला तरो-ताजा करही अऊ तोर बुढ़त काल म तोला संभालही। काबरकि तोर बहू जऊन ह
तोर ले मया करथे, सात झन बेटामन ले घलो तोर बर बने अय, ओही ह येला जनम दे हवय।”
16 तब नाओमी ह ओ लइका ला अपन कोरा म लीस अऊ ओकर जतन करे लगिस।
17 जऊन माईलोगनमन उहां रहत रिहिन, ओमन कहिन, “नाओमी के एक बेटा हवय!” अऊ ओमन ओकर
नांव ओबेद रखिन। ओह यिसै के ददा अऊ यिसै ह दाऊद के ददा रिहिस।

[illegible]

18 तब येह पेरेस के बंसावली अय:

पेरेस के बेटा हेसरोन रिहिस;
19 हेसरोन के बेटा राम,
अऊ राम के बेटा अमीनादाब रिहिस;
20 अमीनादाब के बेटा नहसोन,
अऊ नहसोन के बेटा सलमोन रिहिस;
21 सलमोन के बेटा बोअज,
अऊ बोअज के बेटा ओबेद रिहिस;
22 ओबेद के बेटा यिसै,
अऊ यिसै के बेटा दाऊद रिहिस।

समूएल
के पहिला किताब

[illegible]

1 एपरैम के पहाड़ी देस के रामातैम-सोपीम नगर म, एलकाना नांव के एक मनखे रिहिस, ओह एक एपरैमी
रिहिस। ओह यरोहाम के बेटा रिहिस अऊ यरोहाम ह एलीहू के, एलीहू ह तोहू के अऊ तोहू ह सूप के बेटा
रिहिस।
2 एलकाना के दू झन घरवाली रिहिन; एक के नांव हन्ना अऊ दूसर के नांव पनिन्ना रिहिस। पनिन्ना के तो
लइका रिहिन, पर हन्ना के लइका नइं रिहिन।
3 ओ मनखे ह हर साल अपन नगर ले यहोवा सर्वसक्तिमान ला दंडवत करे बर अऊ बलिदान चघाय बर सीलो
नगर म जावत रिहिस, जिहां होपनी अऊ पीनहास नांव के एली के दू झन बेटा, यहोवा के पुरोहित रिहिन।
4 जब भी एलकाना ह बलिदान चघावय, त ओह अपन घरवाली पनिन्ना अऊ ओकर जम्मो बेटा-बेटीमन ला
मांस के बांटा देवय।
5 पर हन्ना ला ओह दू गुना देवय काबरकि ओह हन्ना ले मया करय, तभो ले यहोवा ह ओकर कोख ला बंद कर
दे रिहिस।
6 काबरकि यहोवा ह ओकर कोख ला बंद कर दे रिहिस, एकर खातिर ओकर सऊत ह ओला चिढ़ाके दुख देवय।
7 अइसने बहुंते साल तक चलते रिहिस। जब भी हन्ना ह यहोवा के भवन म जावय, त पनिन्ना ह ओला
चिढ़ावय; जेकर कारन हन्ना ह रोवय अऊ खाना-पीना छोंड़ देवय।
8 एकरसेति ओकर घरवाला एलकाना ह ओला कहय, "हे हन्ना, तेंह काबर रोवत हस? तेंह काबर नइं खावत
हस? तोर मन ह काबर उदास हवय? का तोर बर मेंह दस झन बेटा ले घलो बढ़के नो हंव?"
9 एक बार अइसने होईस कि जब ओमन सीलो म खा-पी लीन, त हन्ना ह उठिस। ओ बेरा एली पुरोहित ह
यहोवा के भवन के चौखट के बाजू म कुरसी म बईठे रिहिस।
10 हन्ना ह अपन मन म बहुंत दुखी होके यहोवा ले पराथना करन लगिस, अऊ बिलख-बिलखके रोवन लगिस।
11 अऊ ओह ये कहत मन्नत मानिस, "हे यहोवा सर्वसक्तिमान, यदि तें अपन दासी के दुख ला सही म देखबे
अऊ मोर सुधि लेबे, अऊ अपन दासी ला नइं भूलबे पर ओला एक बेटा देबे, त मेंह ओला ओकर जिनगी भर बर
यहोवा ला अरपन कर दूहूं, अऊ ओकर मुड़ म कभू उस्तरा फिरन नइं पाही।"
12 जब ओह यहोवा के आघू म अइसने पराथना करत रिहिस, त एली ह ओकर मुहूं कोति देखत रिहिस।
13 हन्ना ह अपन मन म पराथना करत रिहिस, ओकर ओंठ तो हालत रिहिस फेर ओकर अवाज नइं सुनई
पड़त रिहिस। एली ह समझिस कि ओह नसा म हवय
14 अऊ ओला कहिस, "तें कब तक नसा म रहिबे? अपन नसा ला उतार।"
15 हन्ना ह कहिस, "हे मोर मालिक, अइसने नो हय, मेंह तो एक दुखियारी माईलोगन अंव। मेंह न तो अंगूर
के मंद पीये हंव अऊ न ही कोनो अऊ मंद; मेंह अपन मन के बात खोलके यहोवा ला कहत रहेंव।
16 अपन दासी ला दुस्ट माईलोगन झन समझ; मेंह अब्बड़ पीरा म अऊ दुखी होके इहां पराथना करत रहेंव।"
17 एली ह कहिस, "सांति से जा, इसरायल के परमेसर ह तोला मनचाहा बरदान देवय।"
18 ओह कहिस, "तोर दासी ह तोर नजर म अनुग्रह पावय।" तब ओ माईलोगन ह चले गीस अऊ जेवन
करिस, अऊ ओकर मुहूं ह फेर उदास नइं दिखिस।
19 दूसर दिन बड़े बिहनियां ओमन उठके यहोवा के आघू म अराधना करिन अऊ तब अपन घर रामा ला लहुंट
गीन। एलकाना ह अपन घरवाली हन्ना करा गीस, अऊ यहोवा ह हन्ना के सुधि लीस।
20 तब कुछू दिन के बाद हन्ना देहें म होईस अऊ एक बेटा ला जनम दीस। ओह ये कहत ओकर नांव समूएल*
रखिस, "काबरकि मेंह येला यहोवा ले मांगेंव।"

---

* **1:20** *[illegible]* इबरानी म *[illegible]*

[illegible]
21 जब एलकाना ह हर साल के सहीं अपन जम्मो परिवार सहित यहोवा ला बलिदान चघाय बर अऊ अपन
मन्नत पूरा करे बर गीस,
22 त हन्ना ह नइं गीस। ओह अपन घरवाला ला कहिस, "जब लइका के दूध छूट जाही, तब मेंह ओला ले
जाहूं अऊ यहोवा के आघू म ओला अरपन करहूं, अऊ ओह उहां हमेसा रहिही।"
23 ओकर घरवाला एलकाना ह ओला कहिस, "जऊन बात तोला बने लगय, ओहीच कर। जब तक तें ओकर
दूध ला नइं छोंड़ाथस, तब तक इहां ठहिरे रह; सिरिप अइसने होवय कि यहोवा ह अपन बचन ला पूरा करय।"
एकरसेति हन्ना ह घर म रूक गीस अऊ अपन बेटा के दूध छूटत तक ओला दूध पीयात रिहिस।
24 जब लइका के दूध ह छूट गीस, तब ओह ओला अपन संग म ले गीस, अऊ संग म तीन साल के एक
बछवा,† एपा‡ भर पीसान अऊ अंगूर के मंद ले भरे चमड़ा के एक थैली घलो लीस, अऊ ये जम्मो चीज सहित
लइका ला सीलो म यहोवा के भवन म लानिस।
25 बछवा ला बलि करे के बाद, ओमन लइका ला एली करा लानिन,
26 तब हन्ना ह कहिस, "हे मोर मालिक, मोला छेमा कर, तोर जिनगी के कसम, मेंह ओहीच माईलोगन अंव,
जऊन ह इहां तोर बाजू म ठाढ़ होके यहोवा ले पराथना करत रहेंव।
27 येह ओ लइका ए, जेकर बर मेंह पराथना करे रहेंव, अऊ यहोवा ह मोला मोर मुहूं मांगा बर दे हवय।
28 एकरसेति अब मेंह ओला यहोवा ला अरपन कर देवत हंव। येह अपन जिनगी भर यहोवा ही के बने रहय।"
अऊ तब ओह§ उहां यहोवा के अराधना करिस।

2

[illegible]
1 तब हन्ना ह पराथना करत कहिस:
"मोर मन ह यहोवा म आनंदित हवय;
यहोवा म मोर सींग* ला ऊपर करे गे हवय।
मोर मुहूं ह मोर बईरीमन के बिरूध खुल गीस,
काबरकि में तोर दिये गय छुटकारा म आनंदित हंव।

2 "यहोवा के सहीं कोनो पबितर नइं अंय;
तोर छोंड़ अऊ कोनो नइं अंय;
हमर परमेसर के सहीं कोनो चट्टान नइं अय।

3 "घमंड से भरे बात झन करत रहव,
या घमंड के बात तुम्हर मुहूं ले झन निकले,
काबरकि यहोवा ह अइसने परमेसर अय, जऊन ह जम्मो बात ला जानथे,
अऊ ओह हमर काम के नियाय करथे।

4 "सूरबीरमन के धनुसमन टूट गीन,
पर ठोकर खानेवालामन ला ताकत दिये जाथे।
5 जऊन मन के पेट भरे रिहिस, ओमन जेवन बर बनी करे बर जाथें,
पर जऊन मन भूखा रिहिन, ओमन अब भूखा नइं अंय।
ओ माईलोगन, जऊन ह बांझ रिहिस, ओह सात झन लइका जनमे हवय,
पर ओह, जेकर कतको बेटा रिहिन, ओह सोक मनाथे।

6 "यहोवा ह मिरतू लानथे अऊ जियाथे घलो;
ओह खाल्हे कबर म उतारथे अऊ फेर जियाथे।

---

† **1:24** कुछू हस्तलिपि म [illegible] ‡ **1:24** लगभग 16 किलोग्राम § **1:28** या [illegible] * **2:1** [illegible] इहां येह ताकत के प्रतीक ए; पद 10 म घलो

7 यहोवा ह गरीब बनाथे अऊ धन घलो देथे;
ओह मनखे ला नीचा दिखाथे अऊ ओला ऊंचा घलो उठाथे।
8 ओह गरीब ला धुर्रा ले उठाथे
अऊ जरूरतमंद ला राख के कुढ़ा ले ऊपर करथे;
ओह ओमन ला हाकिममन के संग बईठाथे
अऊ ओमन ला आदर के सिंघासन के अधिकारी बनाथे।

"काबरकि धरती के नीव यहोवा के अय;
अऊ ओकरे ऊपर ओह संसार ला धरे हवय।
9 ओह अपन बिसवासयोग्य सेवकमन के पांव ला संभाले रहिही,
पर दुस्टमन ला अंधियार म चुप रहे बर कहे जाही।

"कोनो मनखे अपन ताकत के दुवारा जीत नइं सकय;
10 जऊन मन यहोवा के बिरोध करथें ओमन टूट जाहीं।
सर्वोच्च परमेसर ह अकास ले गरजही;
यहोवा ह धरती के छोर तक नियाय करही।

"ओह अपन राजा ला ताकत दीही
अऊ अपन अभिसिक्त मनखे के सींग ला ऊंचा करही।"
11 तब एलकाना ह अपन घर रामा ला चले गीस, पर ओ लइका ह एली पुरोहित के अधीन म रहिके यहोवा के सेवा करन लगिस।

[illegible]

12 एली के बेटामन दुस्ट मनखे रिहिन; ओमन के मन म यहोवा बर कोनो आदर नइं रिहिस।
13 उहां पुरोहितमन के ये रिवाज रिहिस कि जब भी कोनो मनखे बलिदान चघावय, त पुरोहित के सेवक ह मांस चुरे के बेरा म एक तीन दांतवाला कांटा अपन हांथ म धरके आवय
14 अऊ ओला कढ़ाही, या करसी, या करसा, या धमेला के भीतर डुबोवय। अऊ जतेक मांस कांटा म फंसके ऊपर आवय, ओला पुरोहित ह अपन बर ले लेवय। ये किसम ले ओमन ओ जम्मो इसरायलीमन संग बरताव करंय, जऊन मन सीलो म आवंय।
15 अऊ इहां तक कि चरबी ला जलाय के पहिली, पुरोहित के सेवक ह आके बलिदान करइया मनखे ला कहय, "भूंजे बर पुरोहित ला कुछू मांस दे; ओह तोर ले चुरे हुए मांस ला नइं लेवय, पर सिरिप कच्चा मांस ला लीही।"
16 अऊ कहूं ओ मनखे ह सेवक ला कहय, "पहिली चरबी ला जरन दे, तब तें जो चाहथस, ओला ले जा सकथस," तब सेवक ह जबाब देवय, "नइं, अभी दे; यदि नइं देवस, त मेंह येला छीनके ले जाहूं।"
17 ओ जवानमन के ये पाप ह यहोवा के नजर म बहुंत बड़े रिहिस, काबरकि ओमन यहोवा के भेंट के अपमान करत रिहिन।
18 पर समूएल जऊन ह लइका रिहिस, सन के कपड़ा के एपोद पहिरे यहोवा के आघू म सेवा करत रिहिस।
19 ओकर दाई ह हर साल ओकर बर एक ठन छोटे अंगरखा बनाके ओकर बर ले जावय, जब भी ओह अपन घरवाला संग हर साल बलिदान चघाय बर उहां जावय।
20 एली ह एलकाना अऊ ओकर घरवाली ला ये कहिके आसीस देवय, "जऊन लइका बर तोर घरवाली ह पराथना करे रिहिस अऊ ओला यहोवा ला अरपन कर दीस, ओकर बदला म यहोवा ह तोला तोर ये घरवाली ले अऊ लइका देवय।" तब ओमन अपन घर चले जावंय।
21 अऊ यहोवा ह हन्ना के सुधि लीस; ओह अऊ तीन बेटा अऊ दू बेटी ला जनम दीस। ये बीच म लइका समूएल ह यहोवा के संग म रहत बाढ़त गीस।
22 एली ह अब्बड़ डोकरा हो गे रिहिस, अऊ ओह ओ जम्मो बात के बारे म सुनिस, जेला ओकर बेटामन जम्मो इसरायलीमन के संग करत रिहिन अऊ कइसे मिलापवाला तम्बू के मुंहटा म सेवा करइया माईलोगनमन संग कुकरम घलो करत रिहिन।

23 एकरसेति ओह अपन बेटामन ला बलाके कहिस, “तुमन अइसने काम काबर करथव? मेंह जम्मो मनखेमन
ले तुम्हर ये कुकरम के बारे म सुनत हंव।
24 हे मोर बेटामन, अइसने झन करव; काबरकि जऊन खबर यहोवा के मनखेमन के बीच म फईलत हे, अऊ
जेला मेंह सुनत हंव, ओह ठीक नो हय।
25 यदि एक मनखे ह दूसर मनखे के बिरूध पाप करथे, त परमेसर† ह ओकर बिचवई करही; पर यदि कोनो
मनखे ह यहोवा के बिरूध पाप करथे, त ओकर बिचवई कोन करही?” तभो ले एली के बेटामन अपन ददा के गोठ
ला नइं सुनिन, काबरकि यहोवा के ईछा ओमन ला मार डारे के रिहिस।
26 अऊ लइका समूएल ह डीलडौल अऊ यहोवा अऊ मनखेमन के अनुग्रह म बढ़त गीस।

[illegible]

27 तब परमेसर के एक जन ह एली करा आईस अऊ ओला कहिस, “यहोवा अइसने कहत हे: ‘जब तोर
पुरखामन के घराना ह मिसर म फिरौन राजा के अधीन रिहिन, त का मेंह ओमन करा अपनआप ला साफ-साफ
परगट नइं करे रहेंव?
28 मेंह इसरायल के जम्मो गोत्रमन ले तोर पुरखा ला मोर पुरोहित होय बर चुनेंव कि ओमन मोर बेदी करा
जावंय, उहां धूप जलावंय, अऊ मोर आघू म एपोद पहिरंय। मेंह तोर पुरखामन के घराना ला इसरायलीमन के
चघाय जम्मो जेवन-बलिदान ला घलो देंव।
29 तुमन काबर मोर ओ चढ़ावा अऊ बलिदान के अपमान करत हव, जेला मेंह अपन निवास बर ठहिराय हंव?
तेंह‡ काबर मोर मनखे इसरायलीमन के दुवारा चघाय जम्मो बलिदान के बने भाग ला खाके अपनआप ला
मोटा-ताजा करत हवस अऊ मोर ले जादा अपन बेटामन के आदर करत हवस?’
30 “एकरसेति यहोवा, इसरायल के परमेसर ह घोसना करत हे: ‘मेंह वायदा करे रहेंव कि तोर परिवार के
मनखेमन हमेसा मोर आघू म सेवा करहीं।’ पर अब यहोवा ह घोसना करत हे: ‘अब अइसने नइं होवय! जऊन
मन मोर आदर करथें, ओमन के में आदर करहूं, पर जऊन मन मोला तुछ समझथें, ओमन तुछ समझे जाहीं।
31 ओ समय ह आवत हवय जब मेंह तोर ताकत अऊ तोर पुरोहिती घराना के ताकत ला कम कर दूहूं, ताकि
तोर खानदान म कोनो डोकरा होवत तक नइं जी सकहीं,
32 अऊ तेंह मोर निवास म दुख ला देखबे। हालाकि इसरायल के भलई करे जाही, पर तोर खानदान म कोनो
कभू डोकरा होवत तक नइं जीयन पाही।
33 तुमन म के हर एक झन ला मोर बेदी के सेवा ले अलग नइं करंव; मेंह सिरिप तोर आंखी ला नास करे बर
अऊ तोर ताकत घटाय बर ओमन ला बचाय रखहूं, अऊ तोर जम्मो संतानमन अपन भरे जवानी म मरहीं।
34 “ ‘तोर दूनों बेटामन के का होही, होपनी अऊ पीनहास तोर बर एक चिनहां होहीं, दूनों के दूनों एक ही दिन
म मर जाहीं।
35 मेंह अपन बर एक बिसवासयोग्य पुरोहित ला ठहिराहूं, जऊन ह मोर हिरदय अऊ मन के मुताबिक काम
करही। मेंह ओकर पुरोहिती घराना ला बने करके बसाहूं अऊ ओमन मोर अभिसिक्त जन के आघू म हमेसा सेवा
करहीं।
36 तब तोर परिवार म बचे जम्मो झन आहीं अऊ चांदी के एक छोटे टुकड़ा§ अऊ रोटी के एक टुकड़ा बर
ओकर आघू म झुकहीं अऊ बिनती करहीं, “पुरोहित के कोनो काम बर मोर अभिसेक कर, ताकि खाय बर मोला
जेवन मिलय।” ’ ”

3

[illegible]

1 ओ लइका समूएल ह एली के अधीन म यहोवा के सेवा करत रिहिस। ओ समय म यहोवा के बचन के
परकासन दुरलभ रिहिस; अऊ बहुंत कम दरसन मिलत रिहिस।
2 एक रथिया अइसने होईस कि एली, जेकर आंखी बहुंत कमजोर हो गे रिहिस अऊ ओला बहुंत कम दिखत
रिहिस, ओह अपन जगह म लेटे रिहिस।

---

† **2:25** या [illegible] ‡ **2:29** इबरानी म बहुबचन [illegible] § **2:36** या [illegible]

3 परमेसर के दीया ह अब तक ले बुताय नइं रिहिस, अऊ समूएल ह यहोवा के मंदिर म उहां लेटे रिहिस, जिहां
परमेसर के सन्दूक रहय।
4 तब यहोवा ह समूएल ला बलाईस।
समूएल ह कहिस, "में इहां हंव।"
5 अऊ ओह एली करा दऊड़के गीस अऊ कहिस, "में इहां हंव; तेंह मोला बलाय।"
पर एली ह कहिस, "मेंह नइं बलाय हंव; जाके लेट जा।" त ओह जाके लेट गीस।
6 यहोवा ह ओला फेर बलाईस, "हे समूएल!" समूएल ह उठिस अऊ एली करा जाके कहिस, "में इहां हंव; तेंह
मोला बलाय।"
पर एली ह कहिस, "हे मोर बेटा, मेंह नइं बलाय हंव; जाके लेट जा।"
7 अभी तक ले समूएल ह यहोवा ला नइं पहिचानत रिहिस: यहोवा के बचन ह अभी तक ले ओकर ऊपर
परगट नइं होय रिहिस।
8 फेर तीसर बार यहोवा ह बलाईस, "हे समूएल!" समूएल ह उठिस अऊ एली करा जाके कहिस, "में इहां हंव;
तेंह मोला बलाय।"
तब एली ह समझ गीस कि ये लड़का ला यहोवा ह बलाय हवय।
9 एकरसेति एली ह समूएल ला कहिस, "जाके लेट जा, अऊ यदि ओह तोला बलाथे, त कहिबे, 'हे यहोवा,
कह, काबरकि तोर सेवक ह सुनत हवय।' " तब समूएल ह अपन जगह म जाके लेट गीस।
10 तब यहोवा ह उहां आके ठाढ़ हो गीस, अऊ पहिले सहीं बलाईस, "हे समूएल! हे समूएल!"
तब समूएल ह कहिस, "कह, काबरकि तोर सेवक ह सुनत हवय।"
11 अऊ यहोवा ह समूएल ला कहिस: "सुन, मेंह इसरायल म कुछू अइसने करइया हंव, जेकर ले जम्मो
सुनइयामन म सनसनी फईल जाही।
12 ओ समय म मेंह एली के बिरूध ओ जम्मो काम करहूं, जऊन ला मेंह ओकर घराना के बिसय म कहे रहेंव,
ओला सुरू ले आखिरी तक पूरा करहूं।
13 मेंह ओला कहे रहेंव कि ओ पाप के खातिर, जेला ओह जानत रिहिस, ओकर परिवार के नियाय सदाकाल
बर करहूं; ओकर बेटामन परमेसर के निन्दा करिन, अऊ ओह ओमन ला रोके म असफल होईस।
14 एकरसेति मेंह एली के घराना के बिसय म ये किरिया खायेंव, 'एली के घराना के अपराध के प्रायस्चित कोनो
बलिदान या चढ़ावा के दुवारा कभू नइं होवय।' "
15 समूएल ह बिहान तक लेटे रिहिस अऊ तब ओह यहोवा के भवन के कपाटमन ला खोलिस। ओह एली ला
ओ दरसन के बारे म बताय बर डरात रिहिस।
16 पर एली ह ओला बलाईस अऊ कहिस, "हे मोर बेटा, समूएल।"
समूएल ह कहिस, "मेंह इहां हंव।"
17 तब ओह पुछिस, "ओह का गोठ अय, जऊन ला परमेसर ह तोर ले कहिस? ओ बात मोर ले झन छुपा।
जऊन कुछू ओह तोर ले कहिस, यदि तेंह मोर ले छुपाबे, त परमेसर ह तोर ले वइसने ही बरताव, बरन ओकर ले
घलो जादा कड़ई से बरताव करय।"
18 तब समूएल ह ओला जम्मो बात ला बता दीस, ओकर ले कुछू नइं छुपाईस। तब एली ह कहिस, "ओह
यहोवा अय; जऊन कुछू ओकर नजर म बने लगथे, ओला ओह करय।"
19 समूएल बड़े होवत गीस अऊ यहोवा ह ओकर संग रिहिस, अऊ ओह समूएल के कोनो घलो बात ला बेकार
नइं होवन दीस।
20 अऊ दान ले लेके बेरसेबा तक जम्मो इसरायलीमन जान डारिन कि समूएल ह यहोवा के अगमजानी के
रूप म ठहिराय गे हवय।
21 यहोवा ह सीलो म परगट होते रिहिस, अऊ ओह उहां अपन बचन के जरिये अपनआप ला समूएल करा
परगट करिस।

4

1 अऊ समूएल के बचन जम्मो इसरायल देस म हबर गीस।

[illegible]

इसरायलीमन पलिस्तीमन ले लड़ई करे बर निकलिन। ओमन एबनेजेर सहर करा डेरा डालिन, अऊ
पलिस्तीमन अपेक सहर म डेरा डालिन।
2 पलिस्तीमन इसरायलीमन के बिरूध म लड़ई करे बर अपन सेना के मोरचा बनाईन, अऊ जब घमासान
लड़ई होवन लगिस, त इसरायलीमन पलिस्तीमन ले हार गीन, अऊ लगभग चार हजार इसरायली सेना के
मनखे लड़ई के मैदान म मारे गीन।
3 जब इसरायली सैनिकमन डेरा म लहुंटके आईन, तब इसरायल के अगुवामन पुछिन, "आज यहोवा ह हमन
ला पलिस्तीमन ले काबर हरवा दीस? आवव, हमन यहोवा के करार के सन्दूक ला सीलो ले लेय आवन, ताकि
ओह हमर संग जावय अऊ हमन ला बईरीमन के हांथ ले बचावय।"
4 एकरसेति ओमन आदमीमन ला सीलो म पठोईन, अऊ ओमन ओ सर्वसक्तिमान यहोवा के करार के सन्दूक
ला वापिस ले आईन, जऊन ह करूबमन के ऊपर बिराजमान हवय। अऊ एली के दू झन बेटा, होपनी अऊ
पीनहास, परमेसर के करार के सन्दूक संग उहां रिहिन।
5 जब यहोवा के करार के सन्दूक ह डेरा म आईस, त जम्मो इसरायलीमन अतेक जोर से नरियाईन कि भुइयां
ह कांप गीस।
6 ये अवाज ला सुनके पलिस्तीमन पुछिन, "इबरीमन के डेरा म नरियाय के ये का अवाज होवथे?"
जब पलिस्तीमन ये जानिन कि यहोवा के सन्दूक ह डेरा म आय हवय,
7 त पलिस्तीमन डर्रा गीन अऊ कहन लगिन, "एक देवता ह डेरा म आय हवय, ओहो नइं! एकर पहिली
अइसने कभू नइं होय रिहिस।
8 हमर ऊपर बिपत्ति आय हवय! हमन ला ये सक्तिसाली देवतामन के हांथ ले कोन बचाही? येमन ओ देवता
अंय, जेमन सुनसान जगह म मिसरीमन ऊपर जम्मो किसम के महामारी लाने रिहिन।
9 हे पलिस्तीमन, हिम्मत रखव! मरद बनव, नइं तो तुमन इबरीमन के अधीन हो जाहू, जइसने कि ओमन
तुम्हर अधीन म रिहिन। मरद बनव, अऊ लड़व!"
10 तब पलिस्तीमन लड़िन, अऊ इसरायलीमन हार गीन अऊ हर एक झन अपन-अपन तम्बू म भाग गीन।
बहुंते झन मार डारे गीन; इसरायलीमन के तीस हजार पैदल चलइया सैनिकमन मार डारे गीन।
11 परमेसर के सन्दूक ला कब्जा कर लिये गीस, अऊ एली के दूनों बेटा, होपनी अऊ पीनहास मर गीन।

[illegible]

12 तब ओहीच दिन एक बिनयामीन बंस के मनखे लड़ई के जगह ले फटहा-चीरहा कपड़ा पहिरे अऊ मुड़ म
धुर्रा लगाके दऊड़त सीलो म आईस।
13 जब ओह हबरिस, त एली ह सड़क-तीर म अपन कुरसी म बईठके देखत रहय, काबरकि ओकर मन म
परमेसर के सन्दूक बर डर रहय। जब ओ मनखे ह नगर म आके जम्मो बात ला बताईस, त जम्मो नगर के
मनखेमन रोये लगिन।
14 रोये के अवाज ला सुनके एली ह पुछिस, "ये हो-हल्ला के का मतलब ए?"
ओ मनखे ह तुरते एली करा गीस,
15 एली ह अन्ठानबे साल के रिहिस, अऊ ओकर आंखीमन नइं दिखत रिहिन।
16 ओ मनखे ह एली ला कहिस, "मेंह अभीच लड़ई के जगह ले आय हवंव; में आजेच उहां ले भागके आय
हवंव।"
एली ह पुछिस, "हे मोर बेटा, उहां का होईस?"
17 ओ मनखे, जऊन ह संदेस लेके आय रिहिस ओह जबाब दीस, "इसरायलीमन पलिस्तीमन के आघू ले भाग
गीन, अऊ सेना के बहुंत नुकसान होय हवय। तोर दूनों बेटा होपनी अऊ पीनहास घलो मर गीन, अऊ परमेसर
के सन्दूक ला कब्जा कर लिये गे हवय।"
18 जइसे ही एली ह परमेसर के सन्दूक के बारे म सुनिस, ओह दुवार के बाजू म कुरसी म ले पाछू कोति
लुड़कके गिर पड़िस। ओकर गरदन ह टूट गीस अऊ ओह मर गीस, काबरकि ओह डोकरा हो गे रिहिस अऊ भारी
सरीर के रिहिस। ओह इसरायलीमन के अगुवई चालीस साल तक करिस।

19 ओकर बहू, पीनहास के घरवाली ह देहें म रिहिस अऊ ओकर छेवारी होय के समय ह लकठा आ गे रिहिस।
जब ओह सुनिस कि परमेसर के सन्दूक ला छीन लिये गे हवय अऊ ओकर ससुर अऊ ओकर घरवाला मर गे
हवंय, त ओला छेवारी होय के पीरा उठिस अऊ ओह एक लइका ला जनम दीस, पर ओह अपन छेवारी होय के
पीरा ला सहे नइं सकिस।
20 जब ओह मरत रिहिस, त ओला छेवारी करइया माईलोगनमन ओला कहिन, "निरास झन हो; तेंह एक
बेटा ला जनमे हस।" पर ओह कुछू जबाब नइं दीस या कुछू धियान नइं दीस।
21 ओह ये कहत ओ लइका के नांव ईकाबोद* रखिस, "इसरायल म ले महिमा ह चल दीस"—काबरकि
परमेसर के सन्दूक ह छीन लिये गे रिहिस अऊ ओकर ससुर अऊ ओकर घरवाला मर गे रिहिन।
22 ओह कहिस, "इसरायल म ले परमेसर के महिमा ह चल दीस, काबरकि परमेसर के सन्दूक ला छीन लिये गे
हवय।"

5

[illegible]

1 परमेसर के सन्दूक ला कब्जा करे के बाद, पलिस्तीमन ओला एबनेजेर ले असदोद सहर ले गीन।
2 तब ओमन परमेसर के सन्दूक ला उठाके दागोन के मंदिर म ले गीन अऊ दागोन मूरती के बाजू म मढ़ा दीन।
3 ओकर दूसर दिन असदोदीमन बड़े बिहनियां उठके देखिन, त दागोन ह भुइयां म अपन मुहूं के भार यहोवा के
सन्दूक के आघू म गिरे पड़े रहय! तब ओमन दागोन ला उठाके फेर ओकर जगह म रख दीन।
4 पर दूसर दिन जब ओमन बिहनियां उठिन, तब का देखिन कि दागोन ह भुइयां म अपन मुहूं के भार यहोवा के
सन्दूक के आघू म फेर गिरे पड़े रहय! ओकर मुड़ अऊ हांथमन टूट गे रहंय अऊ कपाट करा पड़े रहंय; सिरिप
ओकर देहें ह बांचे रिहिस।
5 एकर खातिर आज के दिन तक दागोन के पुरोहितमन या असदोद म दागोन के मंदिर म जवइया कोनो मनखे
उहां के कपाट म गोड़ नइं रखंय।
6 यहोवा के कोप ह असदोद अऊ ओकर आसपास के इलाका म भड़किस; अऊ ओह ओमन ला बरबाद करे
लगिस अऊ ओमन के सरीर म गिलठी पईदा करिस।
7 अपन ये हाल ला देखके असदोद के मनखेमन कहिन, "इसरायल के परमेसर के सन्दूक ह हमर बीच म झन
रहय, काबरकि ओकर कोप ह हमर ऊपर अऊ हमर देवता दागोन ऊपर भड़के हवय।"
8 एकरसेति ओमन पलिस्तीमन के जम्मो सासन करइयामन ला बलाईन अऊ ओमन ले पुछिन, "हमन
इसरायल के परमेसर के सन्दूक के संग का करन?"
ओमन जबाब दीन, "इसरायल के परमेसर के सन्दूक ला गत नगर अमरा दिये जावय।" एकरसेति ओमन
इसरायल के परमेसर के सन्दूक ला गत नगर अमरा दीन।
9 पर ओला उहां अमराय के बाद, यहोवा के कोप ह ओ सहर ऊपर भड़किस, अऊ उहां भयंकर हलचल मच
गीस। परमेसर ह ओ सहर म छोटे ले लेके बड़े तक, जम्मो मनखे के देहें ला गिलठी होय के पीरा ले भर दीस।
10 एकरसेति ओमन परमेसर के सन्दूक ला एकरोन पठो दीन।
जब परमेसर के सन्दूक ह एकरोन सहर के भीतर आवत रिहिस, त एकरोन के मनखेमन चिचियाके कहिन,
"ओमन इसरायल के परमेसर के सन्दूक ला हमर करा हमन ला अऊ हमर मनखेमन ला मरवाय बर लाने हवंय।"
11 एकरसेति ओमन पलिस्तीमन के जम्मो सासन करइयामन ला एक जगह बलाईन अऊ कहिन, "इसरायल
के परमेसर के सन्दूक ला निकाल दव; ओला अपन जगह म लहुंटा दव, नइं तो येह हमन ला अऊ हमर मनखेमन
ला मार डारही।" काबरकि जम्मो सहर म मिरतू के डर के हलचल मचे हवय; परमेसर के भारी हांथ येकर ऊपर
पड़े हवय।
12 जऊन मनखेमन नइं मरिन, ओमन के देहें म गिलठी हो गीस, अऊ सहर के मनखेमन के चिचियाहट ह ऊपर
अकास तक गीस।

6

[illegible]

* **4:21** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

1 जब यहोवा के सन्दूक पलिस्तीमन के इलाका म सात महिना तक रिहिस,
2 त पलिस्तीमन, पुरोहितमन अऊ सकुन-बिचार करइयामन ला बलाके पुछिन, "यहोवा के सन्दूक के हमन
का करन? हमन ला बतावव कि हमन येला कइसन येकर जगह म वापिस पठोवन।"

3 ओमन जबाब दीन, "यदि तुमन इसरायल के परमेसर के सन्दूक ला वापिस पठोथव, त येला बिगर कोनो भेंट
के वापिस झन पठोवव; जरूरी अय कि तुमन ओला दोस-बलिदान देके पठोवव। तब तुमन चंगा हो जाहू, अऊ
तुमन जानहू कि ओकर कोप ह तुम्हर ऊपर ले काबर नइं उठे हवय।"

4 पलिस्तीमन पुछिन, "हमन ओला का दोस-बलिदान पठोवन?"

ओमन कहिन, "पलिस्ती सासन करइयामन के गनती के मुताबिक सोन के पांच गिलठी अऊ सोन के पांच ठन
मुसवा, काबरकि तुमन अऊ तुम्हर सासन करइयामन ला एकेच महामारी धरे हवय।
5 तुमन गिलठी अऊ मुसवामन के मूरती बनावव, जऊन मन देस ला नास करत हवंय, अऊ इसरायल के
परमेसर के महिमा करव। हो सकत हे, ओकर कोप ह तुम्हर अऊ तुम्हर देवतामन अऊ देस ऊपर ले उठ जावय।
6 तुमन काबर अपन मन ला मिसरीमन अऊ फिरौन राजा सहीं कठोर कर ले हवव? जब इसरायल के परमेसर
ह ओमन के संग कड़ई से पेस आईस, त का ओमन इसरायलीमन ला पठो नइं दीन कि ओमन अपन रसता म
जावंय?

7 "एकरसेति, अब तुमन एक नवां गाड़ी तियार करव, अऊ संग म दू ठन दूधारू गाय लेवव, जऊन मन म कभू
जुड़ा नइं रखे गे हवंय। गायमन ला ओ गाड़ी म फांदव, पर ओमन के बछरूमन ला ले जाके बाड़ा म बांध देवव।
8 तब यहोवा के सन्दूक ला लेके ओ गाड़ी ऊपर रखव, अऊ येकर बाजू म एक-दूसर सन्दूक म सोन के ओ
चीजमन ला रखव जऊन ला तुमन ओकर करा दोस-बलिदान के रूप म पठोवत हवव। फेर गाड़ी ला ओकर
रसता म पठो दव,
9 पर ओला देखत रहव। यदि ओह अपन खुद के इलाका, बेत-सेमेस कोति जाथे, तब जानव कि यहोवा ह ये
बड़े बिपत्ति ला हमर ऊपर लाने हवय। पर यदि गाड़ी ह ओ कोति नइं जावय, त हमन जान लेबो कि हमर ऊपर
ये बिपत्ति ह ओकर कोति ले नइं, पर संजोग से होईस।"

10 ओ मनखेमन वइसनेच करिन। ओमन वइसने दू ठन गाय लेके गाड़ी म फांद दीन अऊ ओमन के बछरूमन
ला बाड़ा म बांध दीन।
11 ओमन यहोवा के सन्दूक, अऊ संग म ओ दूसर सन्दूक ला घलो गाड़ी म रख दीन, जेमा सोन के मुसवा
अऊ गिलठी के नमूना रहंय।
12 तब गायमन सीधा बेत-सेमेस कोति सड़क म चिचियावत चले गीन; ओमन न तो जेवनी अऊ न ही डेरी
कोति मुड़िन। पलिस्तीमन के सासन करइयामन ओमन के पाछू-पाछू बेत-सेमेस के सीमना तक गीन।

13 बेत-सेमेस के मनखेमन घाटी म अपन गहूं लुवत रहंय, अऊ जब ओमन आंखी उठाके सन्दूक ला देखिन, त
ओला देखके आनंदित होईन।
14 गाड़ी ह बेत-सेमेस के यहोसू नांव के एक मनखे के खेत म आईस अऊ उहां एक ठन पथरा के बाजू म रूक
गीस। मनखेमन गाड़ी के कठवा ला काटिन अऊ गायमन ला यहोवा बर होम-बलिदान के रूप म चघाईन।
15 लेवीमन यहोवा के सन्दूक ला, सोन के चीज रखे ओ सन्दूक सहित उतारिन, अऊ ओमन ला ओ बड़े पथरा
म मढ़ा दीन। ओ दिन बेत-सेमेस के मनखेमन यहोवा ला होम-बलिदान अऊ चढ़ावा चघाईन।
16 पलिस्तीमन के पांच सासन करइयामन ये जम्मो ला देखिन अऊ तब ओहीच दिन एकरोन लहुंट गीन।

17 सोन के जऊन गिलठीमन ला पलिस्तीमन यहोवा बर दोस-बलिदान के रूप म पठोय रिहिन, ओमा ले एक
असदोद, एक गाजा, एक अस्कलोन, एक गत अऊ एक एकरोन कोति ले देय गे रिहिस।
18 अऊ ओ सोन के मुसवामन पलिस्तीमन के ओ सहरमन के गनती के मुताबिक रिहिन, जेमन पांच सासन
करइयामन के अधीन रिहिन; ओमा दीवारवाले सहरमन अऊ ओमन के बिगर दीवार के गांवमन घलो रिहिन।
जऊन बड़े पथरा म लेवीमन यहोवा के सन्दूक ला रखे रिहिन, ओह आज तक बेत-सेमेस म यहोसू के खेत म एक
गवाही अय।

19 पर परमेसर ह बेत-सेमेस के रहइया कुछू मनखेमन ला मारिस, काबरकि ओमन यहोवा के सन्दूक के भीतर
झांके रिहिन। परमेसर ह ओमन के सत्तर* मनखे ला मार डारिस। ओ मनखेमन सोक मनाईन काबरकि यहोवा के
भारी कोप ओमन के ऊपर भड़के रिहिस।
20 अऊ बेत-सेमेस के मनखेमन पुछिन, "यहोवा, ये पबितर परमेसर के आघू म कोन ह ठाढ़ हो सकत हे? इहां
ले सन्दूक ह काकर करा जाही?"
21 तब ओमन ये कहिके किरयत-यारीम के मनखेमन करा दूतमन ला पठोईन, "पलिस्तीमन यहोवा के सन्दूक
ला लहुंटा दे हवंय। एकरसेति तुमन खाल्हे आवव अऊ येला अपन सहर म ले जावव।"

7

1 तब किरयत-यारीम के मनखेमन आईन अऊ यहोवा के सन्दूक ला ले गीन। ओमन येला पठार ऊपर
अबीनादाब के घर म लानिन अऊ यहोवा के सन्दूक के पहरेदारी करे बर अबीनादाब के बेटा एलिआजर के
अभिसेक करिन।
2 किरयत-यारीम म सन्दूक ह बहुंत समय तक रिहिस—कुल बीस बछर तक।

[illegible]

तब इसरायल के जम्मो मनखेमन यहोवा के पाछू चले लगिन।
3 एकरसेति समूएल ह जम्मो इसरायलीमन ला कहिस, "यदि तुमन अपन पूरा मन से यहोवा कोति फिरत
हवव, त अपनआप ला आने देवतामन अऊ असतोरेत के मूरतीमन ले दूरिहा रखव अऊ अपनआप ला यहोवा
ला सऊंप दव अऊ सिरिप ओकरेच सेवा करव, त ओह तुमन ला पलिस्तीमन के हांथ ले छुड़ाही।"
4 एकरसेति इसरायलीमन ओमन के बाल देवतामन ला अऊ असतोरेत देवीमन ला छोंड़ दीन, अऊ सिरिप
यहोवा के सेवा करिन।
5 तब समूएल ह कहिस, "जम्मो इसरायलीमन ला मिसपा सहर म जूरे बर कहव, अऊ मेंह तुम्हर बर यहोवा
ले बिनती करहूं।"
6 जब ओमन मिसपा म जूर गीन, त ओमन पानी लानके यहोवा के आघू म ढारिन। ओ दिन ओमन उपास
करिन अऊ ये कहिके अपन पाप ला मानिन, "हमन यहोवा के बिरूध म पाप करे हन।" अऊ समूएल ह मिसपा म
इसरायलीमन के अगुवा के रूप म सेवा करत रिहिस।
7 जब पलिस्तीमन सुनिन कि इसरायलीमन मिसपा म जूरे हवंय, त ओमन के सासन करइयामन
इसरायलीमन ऊपर हमला करे बर आईन। ये सुनके इसरायलीमन पलिस्तीमन ले डरा गीन।
8 अऊ इसरायलीमन समूएल ला कहिन, "यहोवा हमर परमेसर करा हमर बर रोना बंद झन कर, ताकि ओह
हमन ला पलिस्तीमन के हांथ ले बचावय।"
9 तब समूएल ह एक दूध-पियइया मेढ़ा-पीला ला लेके ओला पूरा होम-बलिदान के रूप म यहोवा ला
चघाईस। ओह इसरायलीमन बर यहोवा करा बिलाप करिस, अऊ यहोवा ह ओकर पराथना के उत्तर दीस।
10 जब समूएल ह होम-बलिदान चघात रिहिस, तब पलिस्तीमन इसरायलीमन संग लड़ई करे बर लकठा म
आ गीन। पर ओ दिन यहोवा ह बड़े अवाज म पलिस्तीमन के बिरूध बादर सहीं गरजिस अऊ ओमन ला अइसने
डरवाईस कि ओमन इसरायलीमन के आघू ले भाग गीन।
11 तब इसरायली मनखेमन मिसपा ले निकलके पलिस्तीमन के पीछा करिन, अऊ ओमन ला डहार म बेत-कर
के खाल्हे तक मारत चले गीन।
12 तब समूएल ह एक ठन पथरा ला लेके मिसपा अऊ सेन के बीच म ठाढ़ करिस, अऊ ओह ये कहिके ओकर
नांव एबनेजेर* रखिस, "इहां तक यहोवा ह हमर मदद करे हवय।"
13 ये किसम ले पलिस्तीमन दब गीन अऊ ओमन इसरायलीमन के देस म चढ़ई करे बर बंद कर दीन। समूएल
के जिनगी भर यहोवा के हांथ ह पलिस्तीमन के बिरूध बने रिहिस।
14 एकरोन ले लेके गत तक जतेक नगरमन ला पलिस्तीमन, इसरायलीमन ले छीन ले रिहिन, ओमन फेर
इसरायलीमन ला वापिस मिल गीन, अऊ इसरायलीमन परोसी इलाका ला घलो पलिस्तीमन के हांथ ले
छोंड़ाईन। अऊ इसरायली अऊ अमोरीमन के बीच सांति हो गीस।

---

* **6:19** जादातर इबरानी हस्तलिपि अऊ सेप्टाजिन्ट *50,070* * **7:12** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

15 समूएल ह अपन जिनगी भर इसरायलीमन के अगुवा बने रिहिस।
16 ओह हर साल बेतेल नगर ले गिलगाल नगर अऊ गिलगाल ले मिसपा नगर म जा-जाके ओ जम्मो जगह
म इसरायलीमन के नियाय करत रिहिस।
17 पर ओह हमेसा वापिस रामा सहर चल देवय, जिहां ओकर घर रिहिस, अऊ उहां घलो ओह इसरायलीमन
के नियाय करय। अऊ उहां ओह यहोवा बर एक बेदी बनाईस।

8

[illegible]

1 जब समूएल ह डोकरा हो गीस, त ओह अपन बेटामन ला इसरायलीमन के अगुवा ठहिराईस।
2 ओकर बड़े बेटा के नांव योएल अऊ दूसर बेटा के नांव अबियाह रिहिस, अऊ ओमन बेरसेबा नगर म सेवा
करत रिहिन।
3 पर ओकर बेटामन ओकर रद्दा म नइं चलिन। ओमन बेईमानी करके फायदा उठाईन अऊ घूस लेवत रिहिन
अऊ नियाय ला बिगाड़त रिहिन।
4 एकरसेति इसरायलीमन के जम्मो अगुवामन एक संग जूरिन अऊ रामा नगर म समूएल करा आईन,
5 अऊ ओमन ओला कहिन, "सुन, तेंह तो अब डोकरा हो गे हस, अऊ तोर बेटामन तोर रद्दा म नइं चलत हें;
अब हमर अगुवई* करे बर एक राजा ठहिरा, जइसने कि जम्मो दूसर जातिमन के राजा हवंय।"
6 पर जब ओमन ये कहिन, "हमर अगुवई करे बर हमन ला एक राजा दे," त ये बात ह समूएल ला खराप
लगिस; एकरसेति ओह यहोवा ले पराथना करिस।
7 अऊ यहोवा ह ओला कहिस, "मनखेमन जऊन कुछू तोला कहत हवंय, ओ जम्मो बात ला सुन; येह तें नो
हस, जऊन ला ओमन अस्वीकार करे हवंय, पर ओमन मोला अपन राजा के रूप म अस्वीकार करे हवंय।
8 जइसने काम ओमन ओ दिन ले करत आय हवंय, जब मेंह ओमन ला मिसर देस ले निकाल लानेंव, ओमन
आज घलो वइसने काम करत हें; मोला तियागके आने देवतामन के सेवा करत हवंय; वइसने ओमन तोर संग
घलो करत हवंय।
9 एकरसेति अब ओमन के बात ला सुन; पर ओमन ला बने करके चेता दे अऊ ओमन ला बता दे कि जऊन
राजा ह ओमन ऊपर राज करही, ओकर बेवहार कइसने होही।"
10 समूएल ह यहोवा के जम्मो बात ओ मनखेमन ला बता दीस, जऊन मन ओकर ले एक राजा के मांग करत
रिहिन।
11 ओह कहिस, "जऊन राजा ह तुम्हर ऊपर राज करही, ओकर बेवहार अइसने होही: ओह तुम्हर बेटामन ला
लीही अऊ ओमन ला अपन रथ अऊ घोड़ामन के काम म लगाही, अऊ ओमन ओकर रथमन के आघू-आघू
दऊड़हीं।
12 कुछू झन ला ओह हजार-हजार अऊ कुछू झन ला पचास-पचास के ऊपर सेनापति ठहिराही, अऊ कतको
ले ओह अपन नांगर जोतवाही, अऊ अपन फसल कटवाही, अऊ कतको ले ओह लड़ई के हथियार अऊ रथमन
के साजो-सामान बनवाही।
13 ओह तुम्हर बेटीमन ला लेके ओमन ले खुसबूवाला इतर अऊ जेवन अऊ रोटी बनवाही।
14 ओह तुम्हर सबले बने खेत अऊ अंगूर अऊ जैतून के बारीमन ला लेके अपन सेवकमन ला दे दीही।
15 ओह तुम्हर अनाज अऊ अंगूर के फर के दसवां भाग ला लेके अपन अधिकारी अऊ सेवकमन ला दे दीही।
16 तुम्हर सेवक-सेविकामन ला, अऊ तुम्हर सबले बने पसु† अऊ गदहामन ला लेके अपन उपयोग म लानही।
17 ओह तुम्हर भेड़-बकरीमन के दसवां भाग ला ले लीही, अऊ तुमन खुद ओकर गुलाम बन जाहू।
18 जब ओ दिन आही, त तुमन अपन ओ चुने हुए राजा ले छुटकारा पाय बर गोहारहू, पर यहोवा ह ओ दिन
तुम्हर बात नइं सुनही।"
19 पर ओ मनखेमन समूएल के बात ला नइं सुनिन। ओमन कहिन, "नइं! हमन अपन बर एक राजा चाहत हन।
20 तब जम्मो दूसर देसमन सहीं हमर करा घलो हमर अगुवई करे बर एक राजा होही, जऊन ह आघू-आघू
जाही अऊ हमर लड़ई लड़ही।"

---

* **8:5** या [illegible] † **8:16** सेप्टाजिन्ट; इबरानी म [illegible]

21 जब समूएल ह ओ मनखेमन के कहे जम्मो बात ला सुनिस, त ओह ओ बात ला यहोवा के आघू म बताईस।
22 यहोवा ह समूएल ला कहिस, "ओमन के बात ला मानके ओमन बर एक राजा ठहिरा दे।"
तब समूएल ह इसरायलीमन ला कहिस, "तुमन जम्मो झन अपन-अपन नगर म वापिस जावव।"

9

[illegible]

1 बिनयामीन के गोत्र म कीस नांव के एक मनखे रिहिस, जऊन ह अबीएल के बेटा रिहिस, अबीएल ह सरोर के बेटा, सरोर ह बकोरत के बेटा अऊ बकोरत ह अपीह के बेटा रिहिस। कीस ह एक बिनयामीनी अऊ इज्जतदार मनखे रिहिस।
2 ओकर साऊल नांव के एक जवान बेटा रिहिस, जऊन ह सुन्दर रिहिस, अऊ इसरायलीमन म कोनो ओकर ले बढ़के सुन्दर नइं रिहिन; ओह अतेक ऊंच रिहिस कि आने मनखेमन ओकर कंधा तक ही आवत रिहिन।
3 एक दिन साऊल के ददा कीस के गदहामन गंवा गीन, त कीस ह अपन बेटा साऊल ले कहिस, "एक सेवक ला अपन संग म ले जा अऊ गदहामन ला खोजके लान।"
4 तब ओह एफ्रैम के पहाड़ी देस अऊ सलीसा के इलाका म होवत गीस, पर ओमन ला गदहामन नइं मिलिन। तब ओमन सालीम जिला म गीन, पर गदहामन उहां घलो नइं रिहिन। तब ओमन बिनयामीन के इलाका म होवत गीन, पर गदहामन नइं मिलिन।
5 जब ओमन सूप जिला म हबरिन, त साऊल ह अपन संग के सेवक ला कहिस, "आ, हमन वापिस चलन, नइं तो मोर ददा ह गदहामन के चिंता ला छोंड़के हमर चिंता करे लगही।"
6 पर सेवक ह कहिस, "देख, ये नगर म परमेसर के एक जन हवय, जेह बहुंत आदर योग्य अय, अऊ जऊन भी बात ओह कहिथे, ओह सच हो जाथे। आ, हमन उहां चलबो, हो सकत हे कि ओह हमन ला रद्दा बतावय कि हमन ला कते डहार जाना हे।"
7 साऊल ह अपन सेवक ले कहिस, "यदि हमन ओ मनखे करा जाबो, त ओकर बर का लेके जाबो? हमर झोलामन के जेवन ह खतम हो गे हवय। परमेसर के ओ जन ला देय बर हमर करा भेंट के लईक कोनो चीज नइं ए। हमर करा का हवय?"
8 सेवक ह साऊल ला फेर जबाब दीस, "देख, मोर करा चांदी के एक चौथाई सेकेल* हवय। मेंह येला परमेसर के ओ जन ला दे दूहूं ताकि ओह हमन ला बतावय कि कोन डहार म जाना हे।"
9 (पुराना जमाना म इसरायल म, जब कोनो मनखे परमेसर ले कुछू पुछे बर जावय, त ओह कहय, "आ, हमन अगम-दरसी करा चलबो," काबरकि आज के अगमजानी ला पहिली अगम-दरसी कहे जावत रिहिस।)
10 तब साऊल ह अपन सेवक ला कहिस, "तेंह सही कहत हस, आ, हमन चलन।" अऊ ओमन ओ नगर ला चलिन, जिहां परमेसर के जन रिहिस।
11 जब ओमन ओ नगर म जाय बर पठार ला चघत रिहिन, त ओमन ला कुछू जवान माईलोगनमन मिलिन, जऊन मन पानी भरे बर निकले रिहिन, अऊ ओमन ओ माईलोगनमन ले पुछिन, "का अगम-दरसी इहां हवय?"
12 ओमन जबाब दीन, "हवय, ओह तुम्हर आघू कोति हवय। अब जल्दी करव; ओह आज ही हमर नगर म आय हवय, काबरकि मनखेमन ऊंचहा जगह म बलिदान करत हवंय।
13 जइसने ही तुमन नगर म हबरहू, वइसने ही ओह तुमन ला ऊंचहा जगह म जेवन करे बर जाय के पहिले मिलही। मनखेमन खाय के सुरू नइं करंय, जब तक ओह नइं आ जाही, काबरकि बलिदान ला ओकर आसीस देना जरूरी अय; ओकर पाछू नेवताहारी मनखेमन खाथें। एकरसेति तुमन अभी ऊपर जावव; इही बेरा म ओह तुमन ला मिलही।"
14 ओमन ऊपर नगर म गीन अऊ जब ओमन नगर के भीतर हबरिन, त समूएल ह ऊंचहा जगह ला जाय बर ओमन कोति आवत रहय।
15 साऊल के आय के एक दिन पहिली, यहोवा ह समूएल ला ये बता दे रिहिस:
16 "कल लगभग अतकेच बेरा, मेंह तोर करा बिनयामीन के देस ले एक मनखे ला पठोहूं। ओला तेंह मोर इसरायली मनखेमन के ऊपर सासन करइया के रूप म अभिसेक करबे; ओह मोर मनखेमन ला पलिस्तीमन के

* **9:8** लगभग 3 ग्राम

हांथ ले बचाही। मेंह अपन मनखेमन ऊपर किरपा-दिरिस्टी करे हवंव, काबरकि मदद बर ओमन के रोवई ह मोर करा हबरे हवय।"

17 जब समूएल के नजर साऊल ऊपर पड़िस, त यहोवा ह ओला कहिस, "येहीच ह ओ मनखे अय, जेकर बारे म मेंह तोला बताय रहेंव; ओह मोर मनखेमन ऊपर राज करही।"

18 साऊल ह दुवार के लकठा म समूएल करा जाके पुछिस, "किरपा करके मोला बता कि अगम-दरसी के घर कहां हवय?"

19 समूएल ह कहिस, "मेंह अगम-दरसी अंव; तें मोर ले आघू ऊपर ऊंचहा जगह म जा, काबरकि आज तें मोर संग जेवन करबे, अऊ जऊन कुछू तोर मन म हवय, बिहनियां ओ जम्मो बात तोला बताके बिदा करहूं।

20 अऊ तोर जऊन गदहामन तीन दिन पहिली गंवा गे रिहिन, ओमन के चिंता झन कर; ओमन मिल गे हवंय। अऊ कोन ए, जेला इसरायल के जम्मो मनखेमन चाहथें, का येह तें अऊ तोर जम्मो घराना नो हय?"

21 साऊल ह जबाब दीस, "का मेंह इसरायल के सबले छोटे गोत्र के एक बिनयामीनी नो हंव, अऊ का मोर कुल ह बिनयामीन के गोत्र के जम्मो कुलमन म ले छोटे नो हय? तेंह मोला अइसन बात काबर कहत हस?"

22 तब समूएल ह साऊल अऊ ओकर सेवक ला ओ बड़े कोठरी म ले आईस अऊ नेवताहारीमन के खास जगह म बईठा दीस—करीब तीस जन नेवताहारी उहां रिहिन।

23 फेर समूएल ह रसोइया ला कहिस, "ओ मांस के टुकड़ा ला लान, जऊन ला मेंह तोला देके अलग रखे बर कहे रहेंव।"

24 त रसोइया ह मांस समेत जांघ ला उठाके साऊल के आघू म मढ़ा दीस। तब समूएल ह कहिस, "येह ओ चीज अय, जऊन ला तोर बर रखे गे रिहिस। खा, काबरकि येह ओ समय ले तोर बर इही ठहिराय बेरा सेति अलग रखे गे रिहिस, जब मेंह कहे रहेंव, 'मेंह पहुनामन ला नेवता दे हवंव।' " अऊ साऊल ह ओ दिन समूएल के संग जेवन करिस।

25 जब ओमन ऊंचहा जगह ले उतरके नगर म आ गीन, त समूएल ह अपन घर के छानी म साऊल के संग गोठियाईस।

26 ओमन दूसर दिन बड़े बिहनियां सुतके उठिन, अऊ समूएल ह साऊल ला छानी म बलाके कहिस, "तियार हो जा, मेंह तोला बिदा करहूं।" जब साऊल ह तियार हो गीस, त ओह अऊ समूएल एक संग बाहिर निकलिन।

27 जब ओमन खाल्हे नगर के तीर मेर जावत रिहिन, त समूएल ह साऊल ला कहिस, "अपन सेवक ला कह कि ओह हमर ले आघू जावय"—अऊ सेवक ह आघू चल दीस—"पर तें कुछू समय तक इहां रूक, ताकि मेंह तोला परमेसर के एक संदेस सुनावंव।"

10

1 तब समूएल ह एक कुप्पी म तेल लेके साऊल के मुड़ म रितोईस अऊ ओला चूमके कहिस, "का यहोवा ह अपन मनखे इसरायलीमन ऊपर परधान होय बर तोर अभिसेक नइं करे हवय?

2 आज जब तेंह मोर करा ले जाबे, त राहेल के कबर के लकठा म, बिनयामीन के देस के सीमना ऊपर सेलसह सहर म तोला दू झन मिलहीं अऊ ओमन तोला कहिहीं, 'जऊन गदहामन ला तेंह खोजे बर गे रहय, ओमन मिल गे हवंय। अऊ अब तोर ददा ह गदहामन के चिंता छोंड़के तोर चिंता करत हवय। ओह पुछत हे, "मेंह अपन बेटा बर का करंव?" '

3 "फेर उहां ले, तें आघू बढ़बे अऊ ताबोर के बड़े रूख करा हबरबे, तब तीन झन परमेसर के अराधना करे बर बेतेल सहर जावत उहां तोला मिलहीं। ओमा के एक झन ह तीन ठन छेरी-पीला, दूसर ह तीन ठन रोटी, अऊ तीसर ह चाम के बोतल म अंगूर के मंद धरे होही।

4 ओमन तोर कुसल-मंगल पुछे के बाद तोला दू ठन रोटी दीहीं, अऊ तेंह ओला ओमन करा ले स्वीकार करबे।

5 "ओकर बाद, तेंह परमेसर के गिबा म जाबे, जिहां पलिस्तीमन के एक चउकी हवय। अऊ जब तेंह उहां नगर म हबरबे, त तोला अगमजानीमन के एक दल ऊंचहा जगह ले उतरत मिलही, अऊ ओमन के आघू म सितार, डफली, बांसुरी अऊ बीना बजत होही; अऊ ओमन अगमबानी करत होहीं।

6 तब यहोवा के आतमा तोर ऊपर बल से उतरही, अऊ तेंह ओमन के संग अगमबानी करबे, अऊ तेंह बदलके एक अलग मनखे बन जाबे।

7 जब ये चिनहांमन पूरा हो जाहीं, तब तोला जऊन काम करे बर मिलथे, ओला कर, काबरकि परमेसर ह तोर
संग हवय।
8 “तें मोर ले आघू गिलगाल नगर ला जा। मेंह होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाय बर तोर करा खाल्हे
जरूर आहूं, पर तें सात दिन तक मोर रसता देखत रहिबे, जब तक कि मेंह आके तोला नइं बतावंव कि तोला का
करना हे।”

[illegible]

9 जब साऊल ह समूएल करा ले जाय बर मुड़िस, त परमेसर ह साऊल के मन ला बदल दीस, अऊ ओ जम्मो
चिनहांमन ओहीच दिन पूरा होईन।
10 जब ओ अऊ ओकर सेवक गिबा करा हबरिन, त अगमजानीमन के एक दल ओला मिलिस; अऊ परमेसर
के आतमा ओकर ऊपर बल से उतरिस, अऊ ओह ओमन के संग अगमबानी करे लगिस।
11 जब ओ जम्मो, जऊन मन ओला पहिली ले जानत रिहिन, ये देखिन कि ओह अगमजानीमन के संग
अगमबानी करत हवय, त ओमन आपस म कहन लगिन, “कीस के बेटा ला ये का हो गे हे? का साऊल घलो
अगमजानीमन म ले एक झन अय?”
12 उहां के रहइया एक मनखे ह जबाब दीस, “अऊ कोन ह ओमन के ददा अय?” एकरसेति येह एक अनमोल
बानी बन गीस, “का साऊल घलो अगमजानीमन म ले एक झन अय?”
13 साऊल ह अगमबानी करे के बाद, ऊंचहा जगह म चल दीस।
14 तब साऊल के कका ह ओकर अऊ ओकर सेवक ले पुछिस, “तुमन कहां चले गे रहेव?”
साऊल ह कहिस, “हमन तो गदहामन ला खोजे बर गे रहेंन, पर जब हमन ला गदहामन नइं मिलिन, त हमन
समूएल करा गेंन।”
15 साऊल के कका ह कहिस, “मोला बता कि समूएल ह तोला का कहिस।”
16 साऊल ह अपन कका ले कहिस, “ओह हमन ला बिसवास देवाके कहिस कि गदहामन मिल गे हवंय।” पर
समूएल ह ओकर राजा बने के बारे म जऊन बात कहे रिहिस, ओह ओ बात अपन कका ला नइं बताईस।
17 तब समूएल ह इसरायल के मनखेमन ला मिसपा म यहोवा करा बलाईस
18 अऊ ओमन ला कहिस, “यहोवा, इसरायल के परमेसर ह अइसने कहत हे: ‘मेंह इसरायल ला मिसर देस ले
निकाल लानेंव, अऊ मेंह तुमन ला मिसर के हांथ ले, अऊ ओ जम्मो राजमन के हांथ ले छोंड़ांय, जऊन मन
तुम्हर ऊपर अतियाचार करत रिहिन।’
19 पर तुमन अब अपन परमेसर ला तियाग दे हवव, जऊन ह तुमन ला तुम्हर जम्मो बिपत्ति अऊ संकट म
बचाथे। अऊ तुमन कहे हवव, ‘हमर ऊपर एक राजा ठहिरा दे।’ एकरसेति, अब तुमन अपन-अपन गोत्र अऊ
कुल के मुताबिक यहोवा के आघू म ठाढ़ हो जावव।”
20 जब समूएल ह जम्मो इसरायल ला गोत्रमन के मुताबिक आघू म ले आईस, त बिनयामीन के गोत्र म चिट्ठी
निकलिस।
21 तब ओह बिनयामीन के गोत्र ला कुल-कुल करके आघू म लानिस, अऊ चिट्ठी ह मतरी के कुल म निकलिस।
आखिर म चिट्ठी ह कीस के बेटा साऊल के नांव म निकलिस। पर जब ओमन ओला खोजिन, त ओह नइं मिलिस।
22 एकरसेति ओमन फेर यहोवा ले पुछिन, “का ओ मनखे ह इहां आ गे हवय?”
अऊ यहोवा ह कहिस, “हव, ओह अपनआप ला सामान के बीच म लुकाय हवय।”
23 तब ओमन दऊड़के गीन अऊ ओला बाहिर निकालिन, अऊ जब ओह मनखेमन के बीच म ठाढ़ होईस, त
ओह अतेक ऊंचहा रिहिस कि आने जम्मो मनखेमन ओकर कंधा तक आवत रिहिन।
24 समूएल ह जम्मो मनखेमन ला कहिस, “का तुमन यहोवा के चुने मनखे ला देखत हव? जम्मो मनखे म
ओकर सहीं अऊ कोनो नइं एं?”
तब मनखेमन चिचियाके कहिन, “राजा चिरंजीव रहय!”
25 तब समूएल ह मनखेमन ला राजपद के अधिकार अऊ काममन के बारे म बताईस। ओह ओमन ला एक ठन
चामपट्टी म लिखके यहोवा के आघू म रख दीस। तब समूएल ह जम्मो मनखेमन ला अपन-अपन घर जाय बर
बिदा करिस।

26 साऊल घलो अपन घर गिबा ला चल दीस, अऊ ओकर संग साहसी मनखेमन के एक दल घलो गीस,
जेमन के मन ला परमेसर ह उभारे रिहिस।
27 पर कुछू दुस्ट मनखेमन कहिन, "ये मनखे ह हमन ला कइसे बचाही?" ओमन ओला तुछ जानिन अऊ
ओकर करा भेंट नइं लानिन। पर साऊल ह चुपेचाप रिहिस।

11

[illegible]

1 तब अमोनी राज के नाहास ह चढ़ई करके गिलाद के याबेस सहर के बिरूध म डेरा डालिस। अऊ याबेस के
जम्मो मनखेमन नाहास ला कहिन, "हमर संग एक करार कर, अऊ हमन तोर अधीन म रहिबो।"
2 पर अमोनी नाहास ह ओमन ले कहिस, "मेंह तुमन ले एक सर्त म करार करहूं कि मेंह तुमन जम्मो झन के
जेउनी आंखी ला फोरे के दुवारा जम्मो इसरायल ला कलंकित करहूं।"
3 याबेस के अगुवामन ओला कहिन, "हमन ला सात दिन के मोहलत दे ताकि हमन जम्मो इसरायल म दूतमन
ला पठो सकन; यदि हमन ला कोनो बचानेवाला नइं मिलही, त हमन तोर अधीन हो जाबो।"
4 जब दूतमन साऊल के गिबा म आके मनखेमन ला ये सर्त के बारे म बताईन, त ओ जम्मो झन
चिचिया-चिचियाके रोईन।
5 ओतेक बेरा साऊल ह बईलामन के पाछू-पाछू खेत ले आवत रहय; अऊ साऊल ह पुछिस, "मनखेमन ला
का होईस कि ओमन रोवत हवंय?" तब ओमन याबेस के मनखेमन के कहे बात ओला सुनाईन।
6 ये खबर सुनत ही साऊल ऊपर परमेसर के आतमा बल से उतरिस, अऊ ओकर गुस्सा ह भड़क गीस।
7 ओह एक जोड़ी बईला ला लेके ओमन ला काटके कुटा-कुटा करिस, अऊ ये कहिके दूतमन के हांथ म
इसरायल के जम्मो देस म दूतमन ला पठोईस, "जऊन कोनो साऊल अऊ समूएल के पाछू नइं चलही, ओकर
बईलामन के संग घलो अइसने ही करे जाही।" तब यहोवा के आतंक मनखेमन ऊपर फईल गीस अऊ ओमन
एक मन होके निकल आईन।
8 तब साऊल ह ओमन ला बेजेक म गनिस, अऊ इसरायल के मनखेमन तीन लाख अऊ यहूदा के मनखेमन
तीस हजार होईन।
9 ओमन, जऊन दूतमन उहां आय रिहिन, ओमन ला कहिन, "तुमन गिलाद म याबेस के मनखेमन ला कहव,
'कल घाम बाढ़े के बेरा, तुमन के छुटकारा होही।' " जब दूतमन जाके याबेस के मनखेमन ला ये बात बताईन, त
ओमन खुस होईन।
10 याबेस के मनखेमन अमोनी मनखेमन ला कहिन, "कल हमन अपनआप ला तुम्हर अधीन कर देबो, अऊ
तब तुमन हमर संग जो चाहव, ओ कर सकत हव।"
11 ओकर दूसर दिन साऊल ह अपन मनखेमन के तीन ठन दल बनाईस; अऊ रथिया के आखिरी पहर म,
ओमन अमोनीमन के डेरा म हमाईन अऊ घाम के बाढ़त तक ओमन के कतल करत गीन। जऊन मन बांचके
निकल गीन, ओमन अइसने तितिर-बितिर होईन कि ओमन के दू झन एक संग कोनो मेर नइं बांचिन।

[illegible]

12 तब मनखेमन समूएल ला कहिन, "जऊन मनखेमन कहे रिहिन, 'का साऊल हमर ऊपर राज करही?' ओमन
ला हमर हांथ म सऊंप दे कि हमन ओमन ला मार डारन।"
13 पर साऊल ह कहिस, "आज के दिन कोनो घलो मारे नइं जावय, काबरकि आज यहोवा ह इसरायलीमन ला
छुटकारा दे हवय।"
14 तब समूएल ह मनखेमन ला कहिस, "आवव, हमन गिलगाल ला जावन अऊ उहां राजपद ला नवां तरीका
ले स्थापित करन।"
15 एकरसेति जम्मो मनखेमन गिलगाल ला गीन अऊ उहां यहोवा के आघू म साऊल ला राजा बनाईन। उहां
ओमन यहोवा ला मेल-बलिदान चघाईन, अऊ साऊल अऊ जम्मो इसरायलीमन एक बड़े उत्सव करिन।

12

[illegible]

1 समूएल ह जम्मो इसरायलीमन ला कहिस, “जऊन कुछू तुमन मोर ले कहेव, ओ जम्मो बात ला मेंह सुनेंव
अऊ तुम्हर ऊपर एक राजा ठहिरांय।
2 अब तुम्हर करा तुम्हर अगुवा के रूप म एक राजा हवय। अब मेंह, डोकरा हो गे हवंव अऊ मोर चुंदीमन पाक
गे हवंय, अऊ मोर बेटामन इहां तुम्हर संग हवंय। मेंह अपन लड़कपन ले लेके आज तक तुम्हर अगुवा रहे हंव।
3 इहां में ठाढ़े हंव। तुमन यहोवा अऊ ओकर अभिसिक्त राजा के आघू म मोर बिरूध गवाही देवव। मेंह काकर
बईला ला ले लेय हंव? या काकर गदहा ला ले लेय हंव? या काकर ऊपर अंधेर करे हंव? या कोन ला सताय
हंव? या काकर हांथ ले अपन आंखी ला बंद करे बर घूस ले हंव? कहूं मेंह येमा के कोनो चीज करे हवंव, त
बतावव; मेंह ओकर भरती दूहूं?”
4 ओमन कहिन, “तेंह न तो हमर ऊपर अंधेर करे हस अऊ न ही हमन ला सताय हस। अऊ न ही काकरो हांथ
ले कुछू घूस ले हस।”
5 समूएल ह ओमन ला कहिस, “आज के दिन यहोवा गवाह हवय, अऊ ओकर अभिसिक्त राजा घलो ये बात
के गवाह हवय कि तुमन ला मोर बिरूध म कुछू नइं मिलिस।”
ओमन कहिन, “हव, ओह गवाह हवय।”
6 तब समूएल ह मनखेमन ला कहिस, “येह यहोवा ए, जऊन ह मूसा अऊ हारून ला ठहिराईस अऊ तुम्हर
पुरखामन ला मिसर देस ले निकालके लानिस।
7 अब तुमन इहां ठाढ़े रहव, काबरकि मेंह यहोवा के आघू म ओकर ओ जम्मो धरमी काममन के बारे म तुमन
ला बताहूं, जेला ओह तुम्हर अऊ तुम्हर पुरखामन के संग करे हवय।
8 “याकूब के मिसर म जाय के बाद, तुम्हर पुरखामन यहोवा ले मदद बर गोहार लगाईन, अऊ यहोवा ह मूसा
अऊ हारून ला पठोईस, जऊन मन तुम्हर पुरखामन ला मिसर ले निकालके लानिन अऊ ये जगह म बसाईन।
9 “पर ओमन यहोवा अपन परमेसर ला भुला गीन; एकरसेति ओह ओमन ला हासोर सहर के सेनापति सीसरा,
अऊ पलिस्तीमन अऊ मोआब के राजा के अधीन कर दीस; अऊ येमन ओमन के संग लड़िन।
10 तब तुम्हर पुरखामन यहोवा ला गोहार पारके कहिन, ‘हमन पाप करे हवन; हमन यहोवा ला तियागके बाल
देवता अऊ असतोरेत देवीमन के सेवा करे हवन; पर अब तेंह हमन ला हमर बईरीमन के हांथ ले छोंड़ा, अऊ
हमन तोर सेवा करबो।’
11 तब यहोवा ह यरूब्बाल,* बाराक,† यिप्तह अऊ समूएल‡ ला पठोईस अऊ तुमन ला तुम्हर चारों कोति के
बईरीमन के हांथ ले छोंड़ाईस, जेकर ले तुमन निडर रहे लगेव।
12 “पर जब तुमन देखेव के अमोनीमन के राजा नाहास ह तुम्हर ऊपर चढ़ई करत हवय, त तुमन मोला कहेव,
‘नइं, हमर ऊपर राज करे बर हमन एक राजा चाहत हन’ हालाकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुम्हर राजा रिहिस।
13 अब तुम्हर चुने ओ राजा ह इहां हवय, जेकर बर तुमन मोर ले पराथना करे रहेव; देखव, यहोवा ह तुम्हर
ऊपर एक राजा ठहिराय हवय।
14 यदि तुमन यहोवा के भय मानथव अऊ ओकर सेवा करथव अऊ ओकर बात मानथव अऊ ओकर बिरोध म
बिदरोह नइं करव, अऊ यदि तुमन अऊ ओ राजा, जऊन ह तुम्हर ऊपर राज करथे, दूनों यहोवा तुम्हर परमेसर
के पाछू चलथव, त बने बात ए!
15 पर यदि तुमन यहोवा के बात नइं मानहू, अऊ ओकर बिरोध म बिदरोह करहू, त फेर जइसने ओकर हांथ
तुम्हर पुरखामन के बिरूध म उठे रिहिस, वइसने तुम्हर बिरूध म घलो उठही।
16 “एकरसेति, अब तुमन ठाढ़े रहव अऊ ये बड़े काम ला देखव, जेला यहोवा ह तुम्हर आंखी के आघू म
करइया हवय!
17 का अभी गहूं लुवई नइं होवत हे? मेंह यहोवा ले बिनती करहूं कि ओह बादर गरजाय अऊ पानी बरसाय।
अऊ तब तुमन जानहू कि एक राजा ला मांगके तुमन यहोवा के नजर म कतेक बड़े खराप काम करे हवव।”
18 तब समूएल ह यहोवा ले बिनती करिस, अऊ ओहीच दिन यहोवा ह बादर गरजाईस अऊ पानी गिराईस।
एकरसेति जम्मो मनखेमन ऊपर यहोवा अऊ समूएल के भय छा गीस।

---

* **12:11** [illegible] ला [illegible] † **12:11** कुछू हस्तलिपि म [illegible] ‡ **12:11** इबरानी; कुछू हस्तलिपि म [illegible]

19 तब जम्मो मनखेमन समूएल ला कहिन, “यहोवा तोर परमेसर ले अपन सेवकमन बर पराथना कर, ताकि
हमन झन मरन, काबरकि हमन एक राजा मांगके अपन जम्मो पाप म एक अऊ बुरई जोड़ ले हवन।”
20 समूएल ह कहिस, “झन डरव, तुमन ये जम्मो बुरई तो करे हवव; पर अब यहोवा के पाछू चले बर झन
छोंड़व, पर अपन पूरा मन से यहोवा के सेवा करव।
21 बेकार के मूरतीमन के पाछू झन चलव। ओमन तुम्हर कुछू भलई नइं कर सकंय, अऊ न ही ओमन तुमन
ला बचा सकंय, काबरकि ओमन बेकार के चीज अंय।
22 यहोवा ह अपन बड़े नांव के खातिर अपन मनखेमन ला नइं छोंड़य, काबरकि यहोवा ह तुमन ला अपन
बनाके खुस होईस हे।
23 मोर ले ये बात ह दूरिहा रहय कि मेंह तुम्हर बर पराथना नइं करके यहोवा के बिरूध म पाप करंव। अऊ मेंह
तुमन ला सिखाहूं कि कोन ह बने अऊ सही रद्दा अय।
24 पर जरूरी अय कि तुमन यहोवा के आदर करव अऊ ईमानदारी से अपन पूरा मन सहित ओकर सेवा करव;
ये तो सोचव कि ओह तुम्हर बर कतेक बड़े-बड़े काम करे हवय।
25 पर तभो ले यदि तुमन बुरई करते रहिहू, त तुमन अऊ तुम्हर राजा दूनों के दूनों नास हो जाहू।”

13

[illegible]

1 साऊल ह तीस साल के रिहिस जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह इसरायल ऊपर बियालीस साल तक राज
करिस।
2 साऊल ह इसरायलीमन ले तीन हजार मनखे ला चुनिस; ओमा के दू हजार साऊल के संग मिकमास सहर म
अऊ बेतेल के पहाड़ म रिहिन, अऊ एक हजार योनातन के संग बिनयामीन के गिबा सहर म रिहिन। बाकि
मनखेमन ला ओह ओमन के घर वापिस पठो दीस।
3 तब योनातन ह गिबा म पलिस्तीमन के चउकी ऊपर हमला करिस, अऊ पलिस्तीमन येकर बारे म सुनिन।
तब साऊल ह जम्मो देस म तुरही बजवाके ये कहिस, “इबरी मनखेमन सुनंय!”
4 अऊ जम्मो इसरायलीमन ये खबर ला सुनिन कि साऊल ह पलिस्तीमन के चउकी ऊपर हमला करे हवय,
अऊ पलिस्तीमन इसरायलीमन ले नफरत करत हवंय। अऊ मनखेमन ला गिलगाल म साऊल के संग चले बर
बलाय गीस।
5 पलिस्तीमन इसरायलीमन के संग लड़े बर जूरिन, अऊ ओमन करा तीन हजार* रथ, छै हजार सारथी, अऊ
समुंदर तीर के बालू सहीं अनगिनत सैनिक रहंय। ओमन ऊपर जाके बेत-आवेन के पूरब कोति मिकमास म डेरा
डालिन।
6 जब इसरायलीमन देखिन कि ओमन संकट म हवंय अऊ ओमन के सेना ह घिर गे हवय, त ओमन खोड़रा
अऊ झाड़ीमन म, पथरामन के बीच म, अऊ गड्ढा अऊ पानी के जगहमन म छुपे लगिन।
7 अऊ कुछू इबरीमन यरदन नदी पार करके गाद अऊ गिलाद के इलाका म चल दीन।
पर साऊल ह गिलगाल म ही रह गीस, अऊ ओकर संग के जम्मो सैनिक दलमन डर के मारे कांपत रहंय।
8 समूएल के ठहिराय समय, याने कि सात दिन तक साऊल ह इंतजार करिस; पर समूएल ह गिलगाल म नइं
आईस, अऊ साऊल के आदमीमन एती-ओती होय लगिन।
9 एकरसेति ओह कहिस, “मोर करा होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदानमन ला लानव।” अऊ साऊल ह
होम-बलिदान चघाईस।
10 जइसने ही ओह बलिदान चघाय ला खतम करिस, वइसने ही समूएल ह उहां हबरिस, अऊ साऊल ह
ओकर ले भेंट करे बर बाहिर निकलिस।
11 समूएल ह पुछिस, “तेंह ये का करे हस?”
साऊल ह कहिस, “जब मेंह देखेंव कि आदमीमन एती-ओती होवत हवंय, अऊ तेंह अपन ठहिराय समय म
नइं आय, अऊ पलिस्तीमन मिकमास म जूरत रिहिन,

* **13:5** कुछू हस्तलिपि म; इबरानी [illegible]

12 त मेंह सोचेंव, 'पलिस्तीमन गिलगाल म मोर ऊपर आ पड़हीं, अऊ मेंह यहोवा ले मदद बर बिनती घलो
नइं करे हवंव।' एकरसेति दबाव म आके मेंह होम-बलिदान चघांय।"
13 समूएल ह कहिस, "तेंह मुरूखता के काम करे हस; यहोवा तोर परमेसर ह तोला जऊन हुकूम दे रिहिस,
ओला तेंह नइं माने हस; यदि तेंह माने होते, त ओह तोर राज ला इसरायलीमन ऊपर सदा बनाय रखतिस।
14 पर अब तोर राज ह इस्थिर नइं रहय; यहोवा ह अपन बर एक अइसने मनखे ला खोज ले हवय, जऊन ह
ओकर मन के मुताबिक हवय अऊ ओह ओला अपन मनखेमन ऊपर परधान होय बर ठहिराय हवय, काबरकि तेंह
यहोवा के हुकूम ला नइं मानय।"
15 तब समूएल ह गिलगाल ले चल दीस अऊ बिनयामीन के गिबा म गीस, अऊ साऊल ह अपन संग के
मनखेमन के गनती करिस। ओमन करीब छै सौ मनखे रिहिन।

[illegible]

16 साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन अऊ ओमन के संग के मनखेमन बिनयामीन के गिबा म ठहिरे रिहिन,
जबकि पलिस्तीमन मिकमास म डेरा डाले रिहिन।
17 पलिस्तीमन के डेरा ले हमला करइयामन तीन दल बनाके निकलिन। एक दल ह सूआल देस के तीर म
ओपरा सहर कोति गीस,
18 दूसर दल ह बेत-होरोन सहर कोति गीस, अऊ तीसर दल ह सुन्ना जगह के सामने सबोईम के घाटी ला
धियान नइं देवत सीमना म लगे देस कोति गीस।
19 इसरायल के जम्मो देस म लोहार कहीं नइं मिलत रिहिन, काबरकि पलिस्तीमन कहे रिहिन, "इबरीमन
तलवार या भाला बनावन झन पावंय!"
20 एकरसेति जम्मो इसरायलीमन अपन नांगर के फाल, गैंती, टंगिया, अऊ हंसियामन ला धार करवाय बर
पलिस्तीमन करा जावंय।
21 ओमन नांगर के फाल अऊ गैंती ला धार करवाय के एक सेकेल के दू-तिहाई भाग†, अऊ तिरसूल अऊ
टंगिया अऊ तुतारी ला धार करवाय बर एक सेकेल के एक तिहाई भाग‡ देवत रिहिन।
22 एकरसेति लड़ई के दिन, साऊल अऊ योनातन के संग के कोनो सैनिक के हांथ म तलवार या भाला नइं
रिहिस; सिरिप साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन करा तलवार अऊ भाला रिहिस।

[illegible]

23 पलिस्तीमन के सैनिक के एक दल ह निकलके मिकमास के घाटी म गे रिहिस।

14

1 एक दिन साऊल के बेटा योनातन ह हथियार ढोवइया जवान ले कहिस, "आ, हमन ओती पलिस्तीमन के
सेना के चउकी करा जाबो।" पर योनातन ह ये बात अपन ददा ला नइं बताईस।
2 साऊल ह गिबा के सीमना म मिगरोन म अनार के एक रूख के खाल्हे म ठहिरे रिहिस। अऊ ओकर संग म
करीब छै सौ आदमी रिहिन,
3 ओमन म अहियाह घलो रिहिस, जऊन ह एपोद पहिरे रिहिस। ओह ईकाबोद के भाई अहीतूब के एक बेटा
रिहिस; अहीतूब ह पीनहास के बेटा अऊ पीनहास ह ओ एली के बेटा रिहिस, जऊन ह सीलो म यहोवा के
पुरोहित रिहिस। पर कोनो नइं जानत रिहिन कि योनातन ह चले गे हवय।
4 जऊन घाटी ला पार करके योनातन ह पलिस्तीमन के चउकी करा जाय चाहत रिहिस, ओ घाटी के दूनों
कोति एक-एक खड़े चट्टान रिहिस; एक चट्टान के नांव बोसेस अऊ दूसर के नांव सेने रिहिस।
5 एक चट्टान ह उत्तर कोति मिकमास के आघू, अऊ दूसर चट्टान ह दक्खिन कोति गेबा के आघू म निकले
रिहिस।
6 तब योनातन ह अपन हथियार ढोवइया जवान ला कहिस, "आ, हमन ओ खतनारहित मनखेमन के सेना के
चउकी करा जाबो। हो सकथे, यहोवा ह हमर मदद करय। यदि यहोवा ह बचाही, त कोनो रूकावट नइं डाल
सकंय, चाहे ओह अब्बड़ मनखेमन के दुवारा बचावय या थोरकन मनखेमन के दुवारा।"
7 ओकर हथियार ढोवइया ह कहिस, "जइसने तेंह सोचत हस, वइसने कर; चल, मेंह तोर संग अपन मन अऊ
आतमा सहित हंव।"

---

† **13:21** लगभग 8 ग्राम ‡ **13:21** लगभग 4 ग्राम

8 योनातन ह कहिस, “त फेर आ, हमन नाहकके ओमन कोति जाबो कि ओमन हमन ला देखंय।
9 यदि पलिस्तीमन हमन ला कहिथें, ‘उहां ठहिरव, जब तक कि हमन तुम्हर करा नइं आ जावन,’ तब हमन
रूक जाबो अऊ ओमन करा नइं जाबो।
10 पर यदि ओमन कहिथें, ‘हमर करा आवव,’ त हमन ओमन करा ऊपर जाबो, काबरकि ओह हमर बर चिनहां
होही कि यहोवा ह ओमन ला हमर हांथ म कर दे हवय।”
11 तब ओ दूनों अपनआप ला पलिस्तीमन के चउकी के नजर म लानिन। तब पलिस्तीमन कहिन, “देखव!
इबरी मनखेमन ओ बिलमन ले निकलके आवत हें, जिहां ओमन लुकाय रिहिन।”
12 चउकी के मनखेमन योनातन अऊ ओकर हथियार ढोवइया ला चिचियाके कहिन, “हमर करा आवव अऊ
हमन तुमन ला एक पाठ पढ़ाबो।”
तब योनातन ह अपन हथियार ढोवइया ला कहिस, “मोर पाछू ऊपर आ जा; यहोवा ह ओमन ला
इसरायलीमन के हांथ म कर दे हवय।”
13 योनातन ह अपन हांथ अऊ गोड़ के सहारा लेके ऊपर चघिस, अऊ ओकर हथियार ढोवइया घलो ओकर
पाछू-पाछू चघ गीस। पलिस्तीमन योनातन के आघू म गिरत गीन, अऊ ओकर हथियार ढोवइया ओकर
पाछू-पाछू ओमन ला मारत गीस।
14 ओ पहिली हमला म, योनातन अऊ ओकर हथियार ढोवइया करीब आधा एकड़ जमीन म लगभग बीस
मनखे ला मार डारिन।

[illegible]

15 तब जम्मो सेना म आतंक फईल गीस—जऊन मन डेरा अऊ भांठा म रहंय, अऊ जऊन मन सेना के
चउकी अऊ हमला करइया दल म रहंय—अऊ भुइयां ह कांप गीस। ये आतंक ह परमेसर के दुवारा भेजे गे
रिहिस।
16 साऊल के पहरेदारमन बिनयामीन के गिबा म देखिन कि सेना के मनखेमन चारों कोति तितिर-बितिर होवत
हवंय।
17 त साऊल ह अपन संग के आदमीमन ला कहिस, “सेना के मनखेमन के गनती करके देखव कि कोन ह इहां
नइं ए।” जब ओमन गनती करिन, त पाईन कि योनातन अऊ ओकर हथियार ढोवइया उहां नइं रिहिन।
18 तब साऊल ह अहियाह ला कहिस, “परमेसर के सन्दूक ला लान।” (ओ बेरा परमेसर के सन्दूक ह
इसरायलीमन करा रिहिस।)
19 जब साऊल ह पुरोहित ले गोठियावत रिहिस, तब पलिस्तीमन के डेरा म हुल्लड़ अऊ बढ़त गीस।
एकरसेति साऊल ह पुरोहित ले कहिस, “अपन हांथ ला वापिस खींच ले।”
20 तब साऊल अऊ ओकर जम्मो मनखेमन जूरिन अऊ लड़ई म गीन। उहां ओमन देखिन कि पलिस्तीमन के
बीच म गड़बड़ हो गे रहय, अऊ ओमन एक-दूसर ला तलवार ले घात करत रहंय।
21 ओ इबरी जऊन मन पहिली पलिस्तीमन के संग रिहिन, अऊ ओमन के संग ओमन के डेरा म चल दे
रिहिन, ओमन आके ओ इसरायलीमन संग मिल गीन, जऊन मन साऊल अऊ योनातन के संग रिहिन।
22 जब ओ जम्मो इसरायली, जऊन मन एपरैम के पहाड़ी देस म लुकाय रिहिन, ये सुनिन कि पलिस्तीमन
भागत हवंय, त ओमन घलो लड़ई म सामिल होके पलिस्तीमन के पीछा करे म लग गीन।
23 ओ दिन, यहोवा ह इसरायलीमन ला बचाईस, अऊ लड़ई ह बेत-आवेन के बाहिर तक चल दीस।

[illegible]

24 पर इसरायली मनखेमन ओ दिन दुखी रिहिन, काबरकि साऊल ह मनखेमन ला किरिया खवाके कहे रिहिस,
“सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह सांझ होय के पहिली कुछू खावय, या मोर बईरीमन ले बदला लेय के
पहिली कुछू खावय!” एकरसेति कोनो घलो मनखे जेवन नइं करिन।
25 जम्मो सेना ह जंगल भीतर गीस, अऊ उहां भुइयां म मंधरस परे रहय।
26 जब ओमन जंगल भीतर गीन, त ओमन देखिन कि मंधरस ह चूहत रहय; तभो ले कोनो ओला नइं खाईस,
काबरकि ओमन ला किरिया के डर रहय।

27 पर योनातन ह ये बात ला नइं जानत रिहिस कि ओकर ददा ह मनखेमन ला किरिया खवाय हवय, एकरसेति
ओह अपन हांथ के लउठी के एक छोर ला मंधरस के छत्ता म बोरिस, अऊ अपन हांथ म मंधरस लेके खाय
लगिस, अऊ ओकर आंखी म चमक आ गीस।
28 तब सैनिकमन ले एक झन ह ओला कहिस, "तोर ददा ह सेना के मनखेमन ला एक कठोर किरिया खवाके
कहे हवय, 'सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह आज कुछू खावय!' ओकरे कारन मनखेमन थक गे हवंय।"
29 योनातन ह कहिस, "मोर ददा ह मनखेमन ला समस्या म डाल दे हवय। देख, मोर आंखी म कइसे चमक आ
गीस, जब में ये मंधरस ला थोरकन चिखेंव त।
30 कतेक बढ़िया होय रहितिस, यदि मनखेमन अपन बईरीमन ले लूटे चीज म ले कुछू आज खाय रहितिन।
का पलिस्तीमन के कतल करई ह अऊ बड़े बात नइं होतिस?"
31 ओ दिन, इसरायली सेना के मनखेमन पलिस्तीमन ला मिकमास ले लेके अय्यालोन तक मारे के बाद बहुंत
थक गीन।
32 एकरसेति ओमन लूट के सामान ऊपर टूट पड़िन अऊ भेड़, गाय-बईला अऊ बछरूमन ला लेके भुइयां म
मारिन अऊ ओमन ला खून समेत खाईन।
33 तब एक मनखे ह साऊल ला बताईस, "देख, मनखेमन खून समेत मांस ला खाके यहोवा के बिरूध म पाप
करत हवंय।"
तब साऊल ह ओमन ले कहिस, "तुमन बिसवासघात करे हवव; तुरते एक बड़े पथरा लुड़का के इहां लानव।"
34 फेर साऊल ह कहिस, "मनखेमन के बीच म जाके ओमन ला कहव, 'हर एक जन अपन-अपन पसु अऊ
भेड़मन ला साऊल राजा करा लानय, अऊ इहां ओमन ला मारके खावय। खून समेत मांस ला खाके यहोवा के
बिरूध म पाप झन करव।' "
एकरसेति जम्मो मनखेमन ओ रथिया अपन-अपन बईला ला ले जाके उहां मारिन।
35 तब साऊल ह यहोवा बर एक बेदी बनाईस; ओह पहिली बार बेदी बनाईस।
36 तब साऊल ह कहिस, "आवव, हमन खाल्हे जाके रथिया पलिस्तीमन के पीछा करन अऊ बिहान होवत
तक ओमन ला लूटन; अऊ ओमन ले एको झन ला घलो जिंदा नइं छोड़न।"
ओमन कहिन, "जऊन कुछू तोला बने लगय, ओही कर।"
पर पुरोहित ह कहिस, "आवव, हमन इहां परमेसर ले पुछन।"
37 एकरसेति साऊल ह परमेसर ले पुछिस, "का में खाल्हे जाके पलिस्तीमन के पीछा करंव? का तेंह ओमन
ला इसरायलीमन के हांथ म कर देबे?" पर ओ दिन परमेसर ह ओला जबाब नइं दीस।
38 एकरसेति साऊल ह कहिस, "सेना के जम्मो अगुवामन इहां आवव, अऊ हमन पता लगाबो कि हमर ले
आज का पाप होईस हवय।
39 यहोवा जऊन ह इसरायल ला बचाथे, ओकर जिनगी के कसम, अऊ त अऊ यदि मोर बेटा योनातन घलो
दोसी पाय जाथे, त निस्चय ओह घलो मार डारे जाही।" पर ओमा के कोनो कुछू नइं कहिस।
40 तब साऊल ह जम्मो इसरायलीमन ला कहिस, "तुमन एक तरफ ठाढ़ हो जावव; में अऊ मोर बेटा योनातन
दूसर तरफ ठाढ़ होबो।"
ओमन कहिन, "जऊन कुछू तोला बने लगत हे, ओही कर।"
41 तब साऊल ह यहोवा, इसरायल के परमेसर ले पराथना करिस, "तेंह काबर आज अपन सेवक ला जबाब नइं
दे। यदि गलती मोर या मोर बेटा योनातन के अय, त ऊरीम म जबाब दे, पर यदि इसरायल के मनखेमन के गलती
अय, त तुम्मीम म जबाब दे।" चिट्ठी ह योनातन अऊ साऊल के नांव म निकलिस, अऊ मनखेमन बांच गीन।
42 तब साऊल ह कहिस, "मोर अऊ मोर बेटा योनातन के नांव म चिट्ठी निकालव।" अऊ चिट्ठी योनातन के
नांव म निकलिस।
43 तब साऊल ह योनातन ला कहिस, "मोला बता कि तेंह का करे हस।"
योनातन ह ओला बताईस, "मेंह अपन लउठी के एक छोर म थोरकन मंधरस लेके चखे हंव। अऊ अब में
जरूर मरहूं!"
44 साऊल ह कहिस, "हे योनातन यदि तेंह नइं मरबे, त परमेसर ह मोर संग अइसने ही करय, बरन एकर ले
घलो जादा करय।"

45 पर मनखेमन साऊल ले कहिन, “का योनातन ला मार डारे जावय, जऊन ह इसरायल बर अइसने बड़े
छुटकारा लाने हवय? अइसने कभू झन होवय! यहोवा के जिनगी के कसम, ओकर मुड़ के एक ठन चुंदी घलो
भुइयां म गिरन नइं पाही; काबरकि ओह आज परमेसर के मदद ले ये करे हवय।” ये किसम ले मनखेमन योनातन
ला बचा लीन, अऊ ओह नइं मारे गीस।
46 तब साऊल ह पलिस्तीमन के पीछा करई छोंड़ दीस, अऊ ओमन अपन इलाका म चल दीन।
47 जब साऊल के राज ह इसरायलीमन ऊपर इस्थिर हो गीस, तब ओह अपन चारों कोति के बईरी मोआबी,
अमोनी, एदोमी, सोबा के राजामन, अऊ पलिस्तीमन ले लड़िस। जिहां कहूं घलो ओह गीस, हर जगह ओह जय
पाईस।
48 ओह बीरता से लड़िस अऊ अमालेकीमन ला हराईस, अऊ इसरायलीमन ला ओमन के हांथ ले छोंड़ाईस,
जऊन मन ओमन ला लूटे रिहिन।

[illegible]

49 साऊल के बेटामन योनातन, इसवी अऊ मलकी-सुआ रिहिन। ओकर बड़े बेटी के नांव मेरब, अऊ छोटे
बेटी के नांव मीकल रिहिस।
50 साऊल के घरवाली के नांव अहीनोअम रिहिस, जऊन ह अहीमास के बेटी रिहिस। साऊल के सेना के
सेनापति के नांव अबनेर रिहिस, जऊन ह नेर के बेटा रिहिस, अऊ नेर ह साऊल के कका रिहिस।
51 साऊल के ददा कीस अऊ अबनेर के ददा नेर, दूनों अबीएल के बेटा रिहिन।
52 साऊल ह अपन जिनगी भर पलिस्तीमन ले भारी लड़ई लड़ते रिहिस, अऊ जब भी साऊल कोनो बलवान
अऊ हिम्मती मनखे ला देखय, त ओह ओला अपन सेवा म ले लेवय।

15

[illegible]

1 एक दिन समूएल ह साऊल ला कहिस, “यहोवा ह मोला पठोय रिहिस कि मेंह ओकर मनखे इसरायलीमन
ऊपर तोला राजा के रूप म अभिसेक करंव; एकरसेति अब यहोवा के बचन ला सुन ले।
2 यहोवा सर्वसक्तिमान ह ये कहत हे: ‘मेंह अमालेकीमन ला ओ काम के सजा दूहूं, जेला ओमन
इसरायलीमन के संग करिन कि जब इसरायलीमन मिसर देस ले आवत रिहिन, तब अमालेकीमन घात लगाके
ओमन ऊपर हमला करिन।
3 एकरसेति अब तें जा अऊ अमालेकीमन ऊपर हमला कर अऊ ओमन के जम्मो चीज ला पूरा नास कर दे।
ओमन ला झन छोंड़बे; मनखे, माईलोगन, लइका अऊ दूध पीयत लइका, गाय-बईला, भेड़, ऊंट अऊ गदहा,
जम्मो ला मार डार।’ ”
4 एकरसेति साऊल ह मनखेमन ला बलाके ओमन ला तलाईम सहर म जूरे बर कहिस—उहां ओमन दू लाख
पैदल चलइया सैनिक अऊ दस हजार यहूदा के मनखे रिहिन।
5 साऊल ह अमालेक सहर म गीस अऊ घाटी म घात लगाके बईठिस।
6 तब ओह केनीमन ले कहिस, “इहां ले चले जावव, अमालेकीमन ला छोंड़के चले जावव, ताकि मेंह तुमन ला
ओमन के संग नास झन करंव; काबरकि तुमन जम्मो इसरायलीमन ऊपर दया करे रहेव, जब ओमन मिसर देस
ले निकलके आवत रिहिन।” एकरसेति केनीमन अमालेकीमन के बीच म ले अलग हट गीन।
7 तब साऊल ह हवीला के इलाका ले लेके मिसर के पूरब के सीमना के लकठा म सूर तक, अमालेकीमन ऊपर
हमला करिस।
8 ओह अमालेकीमन के राजा अगाग ला जीयत पकड़िस, अऊ ओकर जम्मो मनखेमन ला तलवार ले नास
कर दीस।
9 पर साऊल अऊ ओकर सेना ह अगाग अऊ जम्मो बने चीजमन ला नइं मारिन, जइसे कि बने भेड़ अऊ
गाय-बईला, मोटहा बछेड़ा अऊ मेढ़ा-पीलामन ला। येमन ला ओमन नास करे बर नइं चाहत रिहिन, पर जऊन
चीजमन तुछ अऊ कमजोर रिहिन, ओमन ला साऊल अऊ ओकर सेना ह पूरा नास कर दीस।
10 तब यहोवा के ये बचन समूएल करा आईस:
11 “मेंह साऊल ला राजा बनाके पछतावत हंव, काबरकि ओह मोर पाछू चलना छोंड़ दे हवय अऊ मोर
हुकूममन ला नइं मानत हवय।” समूएल ह गुस्सा होईस, अऊ ओ रात भर ओह यहोवा ले गोहार पारिस।

12 दूसर दिन बड़े बिहनियां समूएल ह उठिस अऊ साऊल ले भेंट करे बर गीस, पर ओला ये बताय गीस,
"साऊल ह करमेल नगर ला चल दे हवय। उहां ओह अपन आदर म एक स्मारक बनवाय हवय अऊ लहुंटके
खाल्हे गिलगाल चल दे हवय।"
13 जब समूएल ह साऊल करा हबरिस, त साऊल ह कहिस, "यहोवा ह तोला आसीस देवय! मेंह यहोवा के
बचन ला पालन करे हवंव।"
14 पर समूएल ह कहिस, "तब भेड़मन के ये मिमियाना, जऊन ह मोर कान म पड़त हे, येह का ए? अऊ
गाय-बईलामन के रम्भाना, जेला मेंह सुनत हंव, ये का ए?"
15 साऊल ह जबाब दीस, "सैनिकमन येमन ला अमालेकीमन ले इहां लाने हवंय; ओमन सबले बने भेड़ अऊ
गाय-बईलामन ला बचाके रखे हवंय कि ओमन ला यहोवा तोर परमेसर ला बलिदान चघावंय, पर बाकि जम्मो
ला हमन पूरा नास कर दे हवन।"
16 समूएल ह साऊल ला कहिस, "भइगे! बीते रथिया यहोवा ह मोला का कहिस, मेंह तोला बतावत हंव।"
साऊल ह कहिस, "बता।"
17 समूएल ह कहिस, "हालाकि एक समय तेंह खुद अपन नजर म छोटे रहय, पर का तें इसरायल के गोत्रमन
के मुखिया नइं बन गे? यहोवा ह इसरायल ऊपर राजा के रूप म तोर अभिसेक करिस।
18 अऊ यहोवा तोला एक खास काम करे बर ये कहिके पठोईस, 'जा अऊ ओ दुस्ट अमालेकी मनखेमन ला
पूरा नास कर दे; अऊ जब तक ओमन खतम नइं हो जावंय, तब तक ओमन के बिरूध लड़ई करते रह।'
19 त फेर तेंह यहोवा के बात काबर नइं मानय? तेंह काबर लूट के चीजमन ऊपर टूट पड़य अऊ यहोवा के
नजर म खराप काम करय?"
20 तब साऊल ह कहिस, "पर मेंह तो यहोवा के बात ला माने हंव। जऊन खास काम यहोवा ह मोला दे
रिहिस, ओला करे बर मेंह गेंव। मेंह अमालेकीमन ला पूरा नास कर देंव अऊ ओमन के राजा अगाग ला वापिस
ले आनेंव।
21 पर सैनिकमन लूट म ले भेड़ अऊ गाय-बईलामन ला ले लीन, याने कि परमेसर के भक्ति म सबले बने
चीजमन, ताकि ओ चीजमन ला गिलगाल म यहोवा तोर परमेसर बर बलिदान चघावंय।"
22 पर समूएल ह जबाब दीस:

"का यहोवा ह होम-बलिदान अऊ बलिदानमन ले ओतेक खुस होथे
जतेक कि ओकर बात ला माने ले होथे?
हुकूम मनई ह बलिदान चघई ले,
अऊ बात ला धियान देवई ह मेढ़ामन के चरबी ले घलो बने अय।
23 काबरकि बिदरोह करई ह सकुन-बिचार के पाप,
अऊ घमंड करई ह मूरती-पूजा के पाप सहीं अय।
काबरकि तेंह यहोवा के बचन ला नइं मानय,
एकरसेति ओह तोला राजा के रूप म अस्वीकार करे हवय।"

24 तब साऊल ह समूएल ला कहिस, "मेंह पाप करे हवंव। मेंह यहोवा के हुकूम अऊ तोर बात ला नइं मानेंव।
मेंह मनखेमन ले डरके ओमन के बात मानेंव।
25 पर अब मेंह तोर ले बिनती करत हंव कि मोर पाप ला छेमा कर अऊ मोर संग वापिस चल, ताकि मेंह
यहोवा के अराधना करंव।"
26 पर समूएल ह ओला कहिस, "मेंह तोर संग वापिस नइं जावंव। तेंह यहोवा के बचन ला अस्वीकार करय, त
यहोवा ह तोला इसरायल के राजा के रूप म अस्वीकार करे हवय।"
27 जब समूएल ह जाय बर मुड़िस, त साऊल ह ओकर कपड़ा के छोर ला धरिस, अऊ ओह चीरा गीस।
28 तब समूएल ह ओला कहिस, "यहोवा ह आज तोर ले इसरायल के राज ला टोर दीस अऊ येला तोर एक
परोसी इसरायली ला दे दीस, जऊन ह तोर ले बने हवय।
29 जऊन ह इसरायल के महिमामय परमेसर अय, ओह लबारी नइं मारय या अपन मन ला नइं बदलय;
काबरकि ओह कोनो मनखे नो हय कि अपन मन ला बदलय।"

30 साऊल ह बिनती करिस, “मेंह पाप करे हवंव; पर किरपा करके मोर मनखेमन के अगुवामन के आघू म अऊ
इसरायल के आघू म मोर आदर कर; मोर संग वापिस चल, ताकि मेंह यहोवा तोर परमेसर के अराधना करंव।”
31 एकरसेति समूएल ह साऊल के संग वापिस गीस, अऊ साऊल ह यहोवा के अराधना करिस।
32 तब समूएल ह कहिस, “अमालेकीमन के राजा अगाग ला मोर करा लान।”
अगाग ह संकली म बंधाय ओकर करा आईस। अऊ ओह सोचत रिहिस, “निस्चय ही खराप समय ह खतम हो
गीस अऊ मेंह मिरतू ले बच गेंव।”
33 पर समूएल ह कहिस,
“जइसे कि तोर तलवार ह माईलोगनमन ला बिगर लइका के कर दीस,
वइसे ही तोर दाई घलो माईलोगनमन के बीच म बिगर लइका के होही।”
अऊ समूएल ह अगाग ला गिलगाल म यहोवा के आघू म मार डारिस।
34 तब समूएल ह अपन घर रामा ला चल दीस, पर साऊल ह अपन नगर गिबा म अपन घर गीस।
35 एकर बाद, समूएल ह अपन जिनगी भर फेर कभू साऊल ले भेंट करे बर नइं गीस, हालाकि समूएल ह
साऊल बर दुखी होवत रिहिस। अऊ यहोवा ह साऊल ला इसरायल के राजा बनाके पछताईस।

16

[illegible]

1 एक दिन यहोवा ह समूएल ला कहिस, “जब मेंह साऊल ला इसरायल के राजा के रूप म अस्वीकार करे हंव,
त तें कब तक साऊल बर दुखी होते रहिबे? अपन सींग म तेल भर अऊ चल; मेंह तोला बैतलहम नगर के यिसै
करा पठोवत हंव। मेंह ओकर बेटामन ले एक झन ला राजा होय बर चुने हंव।”
2 पर समूएल ह कहिस, “मेंह कइसे जा सकत हंव? यदि साऊल ह ये बात ला सुनही, त ओह मोला मार
डारही।”
यहोवा ह कहिस, “अपन संग एक बछिया ला ले अऊ कह, ‘मेंह यहोवा करा बलिदान चघाय बर आय हवंव।’
3 बलिदान करे बर यिसै ला घलो नेवता दे, अऊ मेंह तोला बताहूं कि का करना हे। जेला मेंह बताहूं, तेला तें
मोर कोति ले अभिसेक करबे।”
4 समूएल ह वइसने करिस, जइसने यहोवा ह कहिस। जब समूएल ह बैतलहम हबरिस, त ओ नगर के
अगुवामन ओकर ले मिलके कांपे लगिन। ओमन पुछिन, “का तें सांत मन से आय हवस?”
5 समूएल ह कहिस, “हव, सांति मन से; मेंह यहोवा ला बलिदान चघाय बर आय हवंव। तुमन अपनआप ला
पबितर करके मोर संग बलिदान चघाय बर आवव।” तब ओह यिसै अऊ ओकर बेटामन ला पबितर करिस अऊ
बलिदान चघाय बर ओमन ला नेवता दीस।
6 जब ओमन आईन, त ओह एलीआब ला देखिस अऊ सोचिस, “निस्चय, ये जो यहोवा के आघू म हवय,
ओही ह ओकर अभिसिक्त जन अय।”
7 पर यहोवा ह समूएल ला कहिस, “ओकर रूप अऊ ओकर कद के ऊंचई के बारे म झन सोच, काबरकि मेंह
ओला अस्वीकार करे हंव। यहोवा ह मनखेमन सहीं नइं देखय। मनखेमन तो बाहिरी रूप ला देखथें, पर यहोवा ह
मनखे के मन ला देखथे।”
8 तब यिसै ह अबीनादाब ला बलाईस अऊ ओला समूएल के आघू म पठोईस। पर समूएल ह कहिस, “यहोवा
ह येला घलो नइं चुने हवय।”
9 यिसै ह तब सम्मा ला पठोईस, पर समूएल ह कहिस, “यहोवा ह येला घलो नइं चुने हवय।”
10 ये किसम ले, यिसै ह अपन सात बेटामन ला समूएल के आघू म पठोईस, पर समूएल ह यिसै ला कहिस,
“यहोवा ह येमन ला नइं चुने हवय।”
11 एकरसेति ओह यिसै ले पुछिस, “का तोर अतकेच बेटामन हवंय?”
ओह जबाब दीस, “नइं, सबले छोटे ह अभी नइं आय हवय; ओह भेड़मन ला चरावत हे।”
समूएल ह कहिस, “ओला बलाय बर कोनो ला भेज; जब तक ओह नइं आ जाही, तब तक हमन नइं बईठन।”
12 तब यिसै ह ओला बलाय बर एक झन ला पठोईस अऊ ओला लाय गीस। ओकर देहें ह दमकत रहय अऊ
रूप ह सुघर अऊ सुडौल रहय।

तब यहोवा ह कहिस, “उठ अऊ ओकर अभिसेक कर; ओह येहीच अय।”
13 एकरसेति समूएल ह तेल ले भरे सींग ला लीस अऊ ओकर भाईमन के आघू म ओकर अभिसेक करिस,
अऊ ओ दिन ले लेके आघू घलो यहोवा के आतमा दाऊद ऊपर बल से उतरे लगिस। समूएल ह तब उठके रामा
ला वापिस चल दीस।

[illegible]

14 यहोवा के आतमा ह साऊल ला छोंड़के चल दीस, अऊ यहोवा कोति ले एक दुस्ट आतमा ओला सताय
लगिस।
15 साऊल के अधिकारीमन ओला कहिन, “देख, परमेसर कोति ले एक दुस्ट आतमा तोला सतावत हवय।
16 हमर मालिक ह इहां अपन सेवकमन ला हुकूम देवय कि ओमन कोनो बने बीना बजइया ला खोजके लानंय।
जब-जब परमेसर कोति ले दुस्ट आतमा तोर ऊपर आवय, तब-तब ओह बीना बजावय, ताकि तोला बने लगय।”
17 एकरसेति साऊल ह अपन सहायकमन ला कहिस, “एक बने बीना बजइया ला खोजव अऊ ओला मोर करा
लानव।”
18 तब सेवकमन ले एक झन ह जबाब देवत कहिस, “मेंह बैतलहम के रहइया यिसै के एक बेटा ला देखे हंव,
जऊन ह बीना बजाय बर जानथे। ओह एक बहादुर मनखे अऊ योद्धा घलो अय। ओह समझ से गोठियाथे अऊ
दिखे म सुघर हवय। अऊ यहोवा ह ओकर संग हवय।”
19 तब साऊल ह दूतमन के हांथ म यिसै करा ये खबर पठोईस, “अपन बेटा दाऊद ला मोर करा पठो, जऊन ह
भेड़मन के संग म हवय।”
20 तब यिसै ह रोटी ले लदे एक गदहा, चाम के थैली म अंगूर के मंद अऊ बकरी के पीला लीस अऊ येमन ला
अपन बेटा दाऊद के हांथ म साऊल करा पठो दीस।
21 दाऊद ह साऊल करा आईस अऊ ओकर सेवा म लग गीस। साऊल ह ओला बहुंत पसंद करिस, अऊ
दाऊद ह साऊल के एक हथियार ढोवइया बन गीस।
22 तब साऊल ह यिसै करा ये खबर पठोईस, “दाऊद ला मोर सेवा म रहन दे, काबरकि मेंह ओकर ले खुस
हवंव।”
23 जब भी परमेसर कोति ले साऊल ऊपर आतमा आवय, तब दाऊद ह अपन बीना ला लेके बजावय। तब
साऊल ला अराम मिलय, ओला बने लगय, अऊ ओ दुस्ट आतमा ह ओला छोंड़ देवय।

17

[illegible]

1 एक दिन पलिस्तीमन लड़ई बर अपन सेना ला इकट्ठा करिन अऊ ओमन यहूदा देस के सोको नगर म
जूरिन। ओमन सोको अऊ अजेका के बीच एपेस दम्मीम म डेरा डालिन।
2 साऊल अऊ इसरायलीमन घलो इकट्ठा होके एला नांव के घाटी म डेरा डालिन अऊ लड़ई बर पलिस्तीमन
के बिरूध म पांति बांधिन।
3 पलिस्तीमन एक तरफ के पहाड़ी म अऊ इसरायलीमन दूसर तरफ के पहाड़ी म रहंय, अऊ ओमन के बीच म
घाटी रहय।
4 तब पलिस्तीमन के छावनी ले गोलियत नांव के एक बीर ह निकलिस, जऊन ह गत नगर के रिहिस। ओकर
ऊंचई छै क्यूबीट अऊ एक स्पान रिहिस।*
5 ओकर मुड़ म पीतल के टोप रहय अऊ ओह एक पीतल के परत चढ़े झिलम पहिरे रिहिस, जेकर वजन पांच
हजार सेकेल† रिहिस;
6 ओकर गोड़मन म पीतल के कवच रहय, अऊ ओकर पीठ म बरछी लटकत रहय।
7 ओकर भाला ह बुनकर के डोंगी सहीं रहय अऊ ओ भाला के लोहा के फाल के वजन छै सौ सेकेल‡ रहय,
अऊ ओकर ढाल ला लेके एक झन ओकर आघू-आघू चलत रहय।
8 गोलियत ठाढ़ होईस अऊ इसरायली पांति के सैनिकमन ला चिचियाके कहिस, “तुमन इहां आके लड़ई बर
काबर दल बांधे हव? का मेंह एक पलिस्ती नो हंव, अऊ तुमन साऊल के सेवक नो हव? तुमन अपन म ले एक
झन ला चुनव अऊ ओला मोर करा आवन दव।

* **17:4** लगभग 9 फीट 9 ईंच † **17:5** लगभग 58 किलोग्राम ‡ **17:7** लगभग 7 किलोग्राम

9 यदि ओह मोर ले लड़के मोला मार डारही, त हमन तुम्हर अधीन हो जाबो; पर यदि मेंह ओकर ऊपर जय
पाके ओला मार डारंव, त फेर तुमन ला हमर अधीन होके हमर सेवा करना पड़ही।"
10 फेर ओ पलिस्ती ह कहिस, "मेंह आज इसरायली सेना ला ललकारत हंव! एक मनखे ला मोर करा पठोवव
कि में ओकर संग लड़ंव।"
11 ओ पलिस्ती के बात ला सुनके साऊल अऊ जम्मो इसरायलीमन चिंतित होके बहुंत डरा गीन।
12 दाऊद ह यहूदा के बैतलहम नगर के ओ एपराती मनखे के बेटा रिहिस, जेकर नांव यिसै रिहिस। यिसै के
आठ झन बेटा रिहिन अऊ ओह साऊल के समय म बहुंत डोकरा हो गे रिहिस।
13 यिसै के तीन बड़े बेटामन साऊल के पाछू होके लड़ई म गे रिहिन। ओकर पहिलांत बेटा एलीआब, दूसरा
अबीनादाब, अऊ तीसरा सम्मा रिहिस।
14 दाऊद ह सबले छोटे रिहिस; तीनों बड़े बेटामन साऊल के सेना म सामिल हो गे रिहिन,
15 पर दाऊद ह साऊल मेर ले आ-जाके बैतलहम म अपन ददा के भेड़मन ला चरात रिहिस।
16 ओ पलिस्ती ह चालीस दिन तक बिहनियां अऊ सांझ के बेरा इसरायली सेना के आघू म जाके ठाढ़ होय
करत रिहिस।
17 एक दिन यिसै ह अपन बेटा दाऊद ला कहिस, "ये एपा§ भर भूंजे अनाज अऊ दस ठन रोटी अपन भाईमन
बर छावनी म जल्दी लेके जा।
18 अपन संग म पनीर के ये दस टिकिया ओमन के दल के सेनापति बर ले जा, अऊ तोर भाईमन कइसे हवंय,
देखबे अऊ ओमन ले कुछू चिनहां लेके आबे।
19 साऊल अऊ तोर भाई अऊ जम्मो इसरायली मनखेमन एला नांव के घाटी म पलिस्तीमन ले लड़त हवंय।"
20 बड़े बिहनियां दाऊद ह उठिस अऊ भेड़-बकरीमन ला एक चरवाहा के हांथ म कर दीस अऊ अपन ददा
यिसै के हुकूम के मुताबिक सामानमन ला लादके चल दीस। जब सेना ह निकलके लड़ई करे बर चिचियावत लड़ई
के जगह म जावत रिहिस, तभे दाऊद ह छावनी म हबरिस।
21 तब इसरायली अऊ पलिस्तीमन एक-दूसर के आमने-सामने लड़ई बर पांति बांधत रिहिन।
22 दाऊद ह अपन सामान ला सामान के रखवार के हांथ म छोंड़के लड़ई के पांति करा दऊड़के गीस अऊ
अपन भाईमन ले ओमन के हालचाल पुछे लगिस।
23 जब ओह ओमन के संग गोठियावत रिहिस, तभे गत के रहइया ओ पलिस्ती बीर, गोलियत अपन पांति म
ले आघू आईस अऊ पहिले के सहीं लड़ई बर चिचियाय लगिस, अऊ दाऊद ह ओला सुनिस।
24 जब भी इसरायलीमन ओ मनखे ला देखंय, त ओ जम्मो झन डर के मारे ओकर करा ले भाग जावंय।
25 इसरायलीमन एक-दूसर ला कहत रिहिन, "का तुमन देखत हव कि ओ मनखे ह कइसे बार-बार निकलके
आथे? ओह इसरायलीमन ला ललकारे बर आथे। जऊन कोनो ये मनखे ला मार डारही, ओला राजा ह बहुंत धन
दीही। ओह अपन बेटी के बिहाव घलो ओकर संग कर दीही अऊ ओकर परिवार ला इसरायल के कर पटाना
घलो नइं पड़ही।"
26 तब दाऊद ह अपन लकठा म खड़े सैनिकमन ले पुछिस, "ओ मनखे बर का करे जाही, जऊन ह ये पलिस्ती
ला मारके इसरायल ले ये बेजत्ती ला दूर करही? ये खतनारहित पलिस्ती कोन ए कि जीयत परमेसर के सेना ला
ललकारे?"
27 ओमन ओला ओहीच बात फेर बता दीन अऊ ओला जबाब दीन, "जऊन कोनो गोलियत ला मारही, ओकर
बर अइसने करे जाही।"
28 जब दाऊद के सबले बड़े भाई, एलीआब ह ओला सैनिकमन ले गोठियावत सुनिस, त ओह दाऊद ऊपर
अब्बड़ गुस्सा होईस अऊ ओकर ले पुछिस, "तें इहां काबर आय हवस? अऊ सुन्ना जगह म ओ थोरकन भेड़मन
ला तेंह काकर करा छोंड़े हवस? मेंह जानत हंव कि तेंह कतेक घमंडी अस अऊ तोर मन म कतेक बुरई हवय;
तेंह इहां सिरिप लड़ई देखे बर आय हवस।"
29 दाऊद ह कहिस, "अब मेंह का करे हंव? का मेंह बात भी नइं कर सकंव।"
30 तब दाऊद ह ओकर ले मुड़के आने सैनिक करा गीस अऊ ओहीच बात पुछे लगिस, अऊ मनखेमन ओला
पहिले के सहीं जबाब दीन।

§ **17:17** लगभग 16 किलोग्राम

31 जब दाऊद के बात ला आने मन सुनिन, त ये बात साऊल ला घलो बताय गीस, अऊ साऊल ह दाऊद ला
बलाय बर मनखे पठोईस।
32 तब दाऊद ह साऊल ला कहिस, "ये पलिस्ती के कारन कोनो मनखे निरास झन होवय; तोर सेवक ह जाके
ओ पलिस्ती ले लड़ही।"
33 साऊल ह कहिस, "तेंह जाके ओ पलिस्ती के बिरूध लड़ नइं सकस; तेंह अभी सिरिप एक जवान अस, अऊ
ओह लड़कपन ही ले एक लड़नेवाला बीर अय।"
34 पर दाऊद ह साऊल ला कहिस, "तोर सेवक ह अपन ददा के भेड़मन ला बहुंत समय ले चरावत आवत हे;
अऊ जब भी कोनो सेर या भालू आके बरदी म ले भेड़ ला उठाके ले जावय,
35 त मेंह ओकर पीछा करके ओकर ऊपर वार करंव, अऊ भेड़ ला ओकर मुहूं ले छोड़ांव; जब ओह मोर ऊपर
हमला करय, त मेंह ओकर चुंदी ला धरके ओकर ऊपर वार करंव अऊ ओला मार डारंव।
36 तोर सेवक ह सेर अऊ भालू दूनों ला मारे हवय; ये खतनारहित पलिस्ती ह ओमन ले एक ठन सहीं होही,
काबरकि ओह जीयत परमेसर के सेना ला ललकारे हवय।
37 यहोवा, जऊन ह मोला सेर के पंजा अऊ भालू के पंजा ले बचाईस, ओह मोला ये पलिस्ती के हांथ ले घलो
बचाही।"
साऊल ह दाऊद ला कहिस, "जा, यहोवा तोर संग रहय।"
38 तब साऊल ह अपन कपड़ा दाऊद ला पहिराईस। ओह ओला झिलम अऊ ओकर मुड़ म पीतल के टोप
पहिराईस।
39 तब दाऊद ह ओकर तलवार ला कपड़ा के ऊपर म कसिस अऊ एती-ओती चले के कोसिस करिस; काबरकि
ओला वइसने चीज पहिरे के आदत नइं रिहिस।
दाऊद ह साऊल ला कहिस, "येमन ला पहिरके मेंह नइं जा सकंव, काबरकि मोला येमन के आदत नइं ए।"
एकरसेति दाऊद ह ओमन ला उतार दीस।
40 तब ओह अपन लउठी ला अपन हांथ म लीस, अऊ नरवा ले पांच ठन चिकना पथरा छांटके अपन
चरवाहा झोला म धरिस, अऊ अपन गोफन हांथ म लेके ओ पलिस्ती कोति गीस।
41 इही दौरान, ओ पलिस्ती ह दाऊद के लकठा म आवन लगिस, अऊ ओकर ढाल धरइया ह ओकर
आघू-आघू चलत रहय।
42 पलिस्ती ह दाऊद ला देखके ओला तुछ समझिस, काबरकि ओह एक लड़का ले थोरकन बड़े रिहिस अऊ
ओकर बदन ह चमकत रहय अऊ ओह सुघर रहय।
43 पलिस्ती ह दाऊद ला कहिस, "का मेंह कुकुर अंव कि तेंह लउठी लेके मोर करा आय हवस?" अऊ
पलिस्ती ह अपन देवतामन के नांव लेके दाऊद ला कोसन लगिस।
44 फेर पलिस्ती ह दाऊद ला ये घलो कहिस, "इहां आ, अऊ मेंह तोर मांस ला चिरई अऊ जंगली पसुमन ला
दूहूं!"
45 दाऊद ह पलिस्ती ला कहिस, "तेंह तो मोर ले लड़े बर तलवार अऊ बरछी अऊ भाला लेके आय हवस, पर
मेंह ओ यहोवा सर्वसक्तिमान, इसरायल के सेनामन के परमेसर के नांव म तोर बिरूध आय हवंव, जेला तेंह
ललकारे हस।
46 आज यहोवा ह तोला मोर हांथ म कर दीही, अऊ मेंह तोला मारहूं, अऊ तोर मुड़ ला तोर देहें ले अलग
कर दूहूं। आज के ही दिन मेंह पलिस्ती सेना के लासमन ला चिरई अऊ जंगली पसुमन ला दे दूहूं, तब जम्मो
संसार के मनखेमन जानहीं कि इसरायल म एक परमेसर हवय।
47 ओ जम्मो, जऊन मन इहां जूरे हवंय, ओमन जान जाहीं कि येह तलवार या बरछी नो हय, जेकर दुवारा
यहोवा ह बचाथे; काबरकि लड़ई तो यहोवा के अय, अऊ ओह तुमन जम्मो झन ला हमर हांथ म कर दीही।"
48 जब ओ पलिस्ती ह हमला करे बर दाऊद कोति आय लगिस, त दाऊद ह ओकर सामना करे बर तुरते
दऊड़के लड़ई के पांति कोति गीस।
49 दाऊद ह अपन झोला ले एक ठन पथरा निकालिस, अऊ ओला गोफन म रखके पलिस्ती के माथा म
अइसने मारिस कि पथरा ह ओकर माथा भीतर घुस गीस, अऊ ओ पलिस्ती ह भुइयां म मुहूं के बल गिरिस।

50 ये किसम ले, दाऊद ह अपन हांथ म बिगर कोनो तलवार के, एक गोफन अऊ एक पथरा के दुवारा ओ
पलिस्ती ऊपर घात करिस अऊ ओला मार डारिस।
51 तब दाऊद ह दऊड़के गीस अऊ पलिस्ती ऊपर ठाढ़ हो गीस, अऊ ओह पलिस्ती के तलवार ला खींचके
मियान ले निकालिस, अऊ ओला मारे के बाद, ओकर मुड़ ला ओही तलवार से काटके अलग कर दीस।
जब पलिस्तीमन देखिन कि ओमन के सूरबीर ह मारे गे हे, त ओमन लहुंटके भागे लगिन।
52 तब इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन ललकारत एक संग आघू बढ़िन अऊ गत अऊ एकरोन सहर के
कपाटमन तक पलिस्तीमन के पीछा करिन। अऊ पलिस्तीमन के लास ह सारैम के रद्दा ले लेके गत अऊ एकरोन
तक परे रहय।
53 जब इसरायलीमन पलिस्तीमन के पीछा करके लहुंटिन, त ओमन पलिस्तीमन के डेरामन ला लूट लीन।
54 दाऊद ह पलिस्ती के मुड़ ला यरूसलेम ले आईस; अऊ ओह पलिस्ती के हथियारमन ला अपन तम्बू म
रखिस।
55 जब साऊल ह दाऊद ला ओ पलिस्ती के सामना करे बर जावत देखिस, त ओह अपन सेना के सेनापति,
अबनेर ले पुछिस, "हे अबनेर, ओ जवान ह काकर बेटा अय?"
अबनेर ह कहिस, "हे महाराजा, तोर जिनगी के कसम, मोला मालूम नइं ए।"
56 राजा ह कहिस, "पता लगा कि ये जवान ह काकर बेटा अय?"
57 जतेक जल्दी दाऊद ह ओ पलिस्ती गोलियत ला मारके लहुंटिस, अबनेर ह ओला लेके साऊल करा
आईस, अऊ ओतेक बेरा दाऊद ह पलिस्ती के मुड़ ला धरे रहय।
58 साऊल ह ओकर ले पुछिस, "हे जवान, तेंह काकर बेटा अस?"
दाऊद ह कहिस, "मेंह तोर सेवक बैतलहम नगर के रहइया, यिसै के बेटा अंव।"

18

[illegible]

1 दाऊद के साऊल के संग गोठियाय के बाद, योनातन के मन ह दाऊद ऊपर अइसे लगिस कि ओह दाऊद ला
अपन परान के सहीं मया करे लगिस।
2 ओ दिन ले साऊल ह दाऊद ला अपन करा रखिस, अऊ ओला ओकर ददा के घर जावन नइं दीस।
3 अऊ योनातन ह दाऊद के संग एक करार करिस, काबरकि ओह ओला अपन परान सहीं मया करत रिहिस।
4 योनातन ह अपन पहिरे लम्बा ओनहा ला उतारके अपन कुरता सहित दाऊद ला दे दीस, अऊ ओह अपन
तलवार, तीर-धनुस अऊ कमरबंध ला घलो ओला दे दीस।
5 साऊल ह जऊन भी काम करे बर दाऊद ला पठोवय, ओ जम्मो काम म दाऊद ह सफल होवय, एकरसेति
साऊल ह ओला सेना म एक ऊंचा पद दीस। ये बात ले सेना के जम्मो दल अऊ साऊल के अधिकारीमन घलो
खुस होईन।
6 जब दाऊद ह ओ पलिस्ती गोलियत ला मारके लहुंटत रिहिस, अऊ मनखेमन घलो आवत रिहिन, तब
जम्मो इसरायली नगरमन के माईलोगनमन डफली अऊ बीना बजावत, आनंद के संग गावत अऊ नाचत,
साऊल राजा ले भेंट करे बर निकलिन।
7 अऊ माईलोगनमन नाचत-नाचत अइसने गावत रिहिन:
"साऊल ह हजारों बईरी ला,
अऊ दाऊद ह लाखों बईरी ला मारिस।"
8 तब साऊल ह बहुंत गुस्सा होईस; अऊ ये बात ह ओला बहुंत खराप लगिस। ओह सोचिस, "ओमन दाऊद
बर तो लाखों अऊ मोर बर सिरिप हजारों कहत हवंय। अब तो मोर राज के छोंड़ ओला अऊ का मिलना बाकि
हे?"
9 अऊ ओ समय ले साऊल ह दाऊद ऊपर नजर रखे लगिस।
10 ओकर दूसर दिन परमेसर कोति ले एक दुस्ट आतमा साऊल ऊपर बल से उतरिस। ओह अपन घर के भीतर
अगमबानी करत रिहिस, जबकि दाऊद ह हर दिन के सहीं बीना बजावत रहय। साऊल ह अपन हांथ म एक
बरछी धरे रहय

11 अऊ ओह अपनआप ले ये कहत बरछी ला जोर से फेंकिस, “मेंह दाऊद ला छेदके दीवार म धंसा दूहूं।” पर
दाऊद ह होसियारी से दू बार बच गीस।
12 साऊल ह दाऊद ले डरत रिहिस, काबरकि यहोवा ह दाऊद के संग रिहिस अऊ साऊल ला छोंड़ दे रिहिस।
13 एकरसेति साऊल ह ओला अपन करा ले अलग करके ओला एक हजार सैनिकमन ऊपर मुखिया के
जिम्मेदारी दे रिहिस, अऊ दाऊद ह ओ सैनिक दल के लड़ई म अगुवई करय।
14 ओह जऊन कुछू भी करिस, ओमा ओह बहुंत सफल होईस, काबरकि यहोवा ह ओकर संग रिहिस।
15 जब साऊल ह देखिस कि दाऊद ह बहुंत सफल होवत हे, त ओह दाऊद ले डरे लगिस।
16 पर इसरायल अऊ यहूदा के जम्मो मनखेमन दाऊद ले मया करत रिहिन, काबरकि दाऊद ह ओमन के
सैनिक अभियान म अगुवई करत रिहिस।
17 साऊल ह दाऊद ला कहिस, “येह मोर बड़की बेटी मेरब अय। मेंह येकर बिहाव तोर ले कर दूहूं; तेंह सिरिप
बीरता से मोर सेवा कर अऊ यहोवा के लड़ई ला लड़।” काबरकि साऊल ह सोचत रिहिस, “मेंह अपन हांथ
ओकर बिरूध नइं उठावंव। ये काम ला पलिस्तीमन करंय।”
18 पर दाऊद ह साऊल ला कहिस, “मेंह कोन अंव, अऊ मोर परिवार या इसरायल म मोर कुल ह का ए कि
मेंह राजा के दामाद बनंव?”
19 तभो ले जब समय आईस कि साऊल के बेटी मेरब के बिहाव दाऊद के संग करे जावय, त ओकर बिहाव
दाऊद के संग नइं करके महोला नगर के अदरीएल के संग कर दिये गीस।
20 साऊल के बेटी मीकल ह दाऊद ले मया करत रिहिस अऊ जब साऊल ला ये बात के पता चलिस, त ओह
खुस होईस।
21 साऊल ह सोचिस, “मेंह मीकल के बिहाव दाऊद के संग करहूं ताकि मीकल ह ओकर बर एक फांदा बन
जावय अऊ पलिस्तीमन के हांथ ओकर बिरूध उठय।” एकरसेति साऊल ह दाऊद ला कहिस, “मोर दामाद बने
बर अब तोर करा दूसरा मऊका हवय।”
22 तब साऊल ह अपन अधिकारीमन ला हुकूम दीस: “दाऊद ला अलग ले जाके कहव, ‘देख, राजा ह तोला
पसंद करथे, अऊ ओकर जम्मो सेवकमन तोर ले मया करथें; एकरसेति अब तेंह राजा के दामाद बन जा।’ ”
23 साऊल के अधिकारीमन दाऊद करा जाके ये बात कहिन। पर दाऊद ह कहिस, “का तुमन सोचथव कि
राजा के दामाद बनई एक छोटे बात ए? मेंह तो एक गरीब मनखे अंव अऊ मोला बहुंत कम मनखेमन जानथें।”
24 जब साऊल के सेवकमन साऊल करा आके दाऊद के कहे बात ला बताईन,
25 त साऊल ह कहिस, “तुमन दाऊद ला कहव, ‘राजा ह दुलहिन के दाम के रूप म पलिस्तीमन के सिरिप एक
सौ लिंग के चमड़ी के छोंड़ अऊ कुछू नइं चाहत हे, अऊ ये किसम ले ओह बईरीमन ले बदला लेय चाहथे।’ ”
साऊल के योजना ये रिहिस कि दाऊद ह पलिस्तीमन के दुवारा मार डारे जावय।
26 जब सेवकमन ये बात दाऊद ला बताईन, त ओह राजा के दामाद बने बर खुसी से राजी हो गीस। एकरसेति
ठहिराय गे समय के पहिली,
27 दाऊद ह अपन सैनिकमन ला लेके निकलिस, अऊ दू सौ पलिस्तीमन ला मारिस अऊ ओमन के लिंग के
चमड़ी ला ले आईस। ओ लिंग के चमड़ीमन ला पूरा गनती करके राजा ला दिये गीस, ताकि दाऊद ह राजा के
दामाद बन सकय। तब साऊल ह अपन बेटी मीकल के बिहाव ओकर संग कर दीस।
28 जब साऊल ह ये बात ला जानिस कि यहोवा ह दाऊद के संग म हवय अऊ ओकर बेटी मीकल ह दाऊद
ला मया करथे,
29 त साऊल ह दाऊद ले अऊ डरे लगिस, अऊ साऊल ह अपन बाकि जिनगी भर दाऊद के बईरी बने रिहिस।
30 पलिस्तीमन के सेनापतिमन लगातार लड़ई करे बर जावत रिहिन, अऊ जब भी ओमन लड़ई बर निकलंय,
त दाऊद ह ओमन ले लड़े अऊ ओह साऊल के बाकि दूसर सैनिक अधिकारीमन ले जादा सफल होवय, अऊ
दाऊद के नांव जम्मो मनखेमन म फईल गीस।

19

1 साऊल ह अपन बेटा योनातन अऊ अपन जम्मो अधिकारीमन ला कहिस कि दाऊद ला मार डारव। पर
योनातन ह दाऊद ला बहुंत पसंद करत रिहिस
2 अऊ ओह दाऊद ला चेताके कहिस, "मोर ददा ह तोला मार डारे बर मऊका खोजत हे। एकरसेति कल
बिहनियां तेंह सचेत रहिबे, कोनो जगह म जाके छुप जाबे अऊ उहां रहिबे;
3 अऊ तेंह जिहां रहिबे, उहां मैदान म मेंह अपन ददा के संग जाहूं अऊ ओकर ले तोर बारे म गोठियाहूं, अऊ
जऊन कुछू भी होही, मेंह तोला बताहूं।"
4 योनातन ह अपन ददा साऊल ले दाऊद के परसंसा करके ओकर ले कहिस, "हे राजा, अपन सेवक दाऊद के
बिरूध कोनो गलत काम झन कर; काबरकि ओह तोर बिरूध म कोनो गलती नइं करे हवय, अऊ जऊन कुछू भी
ओह करे हवय, ओकर ले तोर बहुंत भलई होय हवय।
5 ओह अपन परान के चिंता नइं करिस जब ओह ओ पलिस्ती ला मारिस। यहोवा ह जम्मो इसरायलीमन ला
एक बड़े जीत देवाईस हे, अऊ तेंह येला देखके खुस होय रहय। तब तें काबर बिगर कारन के दाऊद सहीं निरदोस
मनखे ला मारके गलती करे चाहत हस?"
6 साऊल ह योनातन के बात ला सुनिस अऊ ये कसम खाईस: "यहोवा के जिनगी के कसम, दाऊद ला मारे
नइं जावय।"
7 ओकर पाछू योनातन ह दाऊद ला बलाईस अऊ ये जम्मो बात ओला बताईस। योनातन ह दाऊद ला
साऊल करा लेके आईस, अऊ दाऊद ह पहिली के सहीं साऊल के संग रहे लगिस।
8 तब लड़ई ह फेर सुरू हो गीस, अऊ दाऊद ह जाके पलिस्तीमन ले लड़िस। ओह पलिस्तीमन ला अइसने
मारे लगिस कि ओमन ओकर आघू ले भाग गीन।
9 पर जब साऊल ह अपन घर म बईठे रहय अऊ ओकर हांथ म एक बरछी रहय, तभे यहोवा करा ले एक दुस्ट
आतमा साऊल ऊपर आईस, अऊ ओ बेरा दाऊद ह बीना ला बजावत रहय,
10 तब साऊल ह बरछी फेंकके ओला दीवार म धंसा देय के कोसिस करिस, पर दाऊद ह होसियारी से बच
गीस, अऊ बरछी ह दीवार म धंस गीस। दाऊद ह भागिस, अऊ ओ रथिया ओह बच गीस।
11 तब साऊल ह दाऊद के घर के निगरानी करे बर अऊ बिहनियां ओला मार डारे बर आदमीमन ला पठोईस।
पर दाऊद के घरवाली मीकल ह ओला ये कहिके चेताईस, "यदि तेंह आज रथिया अपन परान बचाके नइं भागबे,
त कल तेंह मार डारे जाबे।"
12 मीकल ह दाऊद ला खिड़की ले खाल्हे उतार दीस अऊ ओह भागके बच निकलिस।
13 तब मीकल ह एक मूरती ला लेके पलंग म सुता दीस, अऊ मुड़ म छेरीमन के कुछू रूआं ला रखके ओकर
ऊपर चादर ओढ़ा दीस।
14 जब साऊल ह दाऊद ला पकड़े बर आदमीमन ला पठोईस, त मीकल ह कहिस, "ओह बेमार हवय।"
15 तब साऊल ह आदमीमन ला दाऊद ला देखे बर वापिस पठोईस अऊ ओमन ला कहिस, "ओला पलंग
समेत उठाके मोर करा लानव ताकि मेंह ओला मार डारंव।"
16 पर जब ओ आदमीमन घर के भीतर गीन, त देखिन कि पलंग म मूरती हवय अऊ मुड़ म छेरीमन के कुछू
रूआं रखे हवय।
17 ये बात ला जानके साऊल ह मीकल ला कहिस, "तेंह मोला अइसने धोखा काबर देय अऊ मोर बईरी ला
भगा दे कि ओह बचके निकल गीस?"
मीकल ह साऊल ला कहिस, "ओह मोर ले कहिस, 'मोला जावन दे। मेंह तोला काबर मार डारंव?' "
18 जब दाऊद ह भागके बच निकलिस, त ओह रामा म समूएल करा गीस अऊ जऊन कुछू साऊल ह ओकर
संग करे रिहिस, ओ जम्मो बात ओला बताईस। तब ओ अऊ समूएल जाके नबायोत म रहे लगिन।
19 जब ये बात साऊल ला बताय गीस कि दाऊद ह रामा के नबायोत म हवय,
20 त ओह दाऊद ला पकड़े बर आदमीमन ला पठोईस। पर जब साऊल के सेवकमन देखिन कि अगमजानीमन
के एक दल ह अगमबानी करत हवय, अऊ समूएल ह ओमन के अगुवा के रूप म उहां ठाढ़े हवय, त परमेसर के
आतमा साऊल के आदमीमन ऊपर उतरिस, अऊ ओमन घलो अगमबानी करे लगिन।

21 ये बात जब साऊल ला बताय गीस, त ओह अऊ आदमीमन ला पठोईस, अऊ ओमन घलो जाके
अगमबानी करे लगिन। साऊल ह तीसर बार आदमीमन ला पठोईस, पर ओमन घलो जाके अगमबानी करे
लगिन।
22 आखिर म साऊल ह खुद रामा जाय बर निकलिस, अऊ सेकू नगर के बड़े तरिया करा हबरके पुछे लगिस,
"समूएल अऊ दाऊद कहां हवंय?"
उहां मनखेमन जबाब दीन, "ओमन तो रामा के नबायोत म हवंय।"
23 तब साऊल ह रामा के नबायोत म गीस। पर परमेसर के आतमा ओकर ऊपर घलो उतरिस अऊ ओह रामा
के नबायोत ला हबरते तक अगमबानी करत गीस।
24 ओह अपन कपड़ामन ला उतार दीस, अऊ ओह घलो समूएल के आघू म अगमबानी करे लगिस। ओह ओ
पूरा दिन अऊ पूरा रथिया नंगरा परे रिहिस। एकरे कारन मनखेमन कहिथें, "का साऊल ह घलो अगमजानीमन
म ले एक जन अय?"

20

[illegible]

1 तब दाऊद ह रामा के नबायोत ले भागिस अऊ योनातन करा जाके ओकर ले पुछिस, "मेंह का करे हंव? मोर
का अपराध ए? मेंह तोर ददा के का गलत करे हंव कि ओह मोला मार डारे के कोसिस करत हवय?"
2 योनातन ह ओला जबाब दीस, "तेंह नइं मारे जावस! देख, मोर ददा ह मोला बिगर बताय, कोनो बड़े या
छोटे काम नइं करय। त फेर ओह ये बात ला मोर ले काबर छुपाही? अइसने कोनो बात नइं ए!"
3 पर दाऊद ह किरिया खाके कहिस, "तोर ददा ह बने करके जानत हे कि तोर किरपा-दिरिस्टी मोर ऊपर हवय,
अऊ ओह अपन मन म सोचे होही, 'योनातन ला ये बात के पता झन चलय, नइं तो ओह दुखी हो जाही।' तभो
ले यहोवा के जिनगी के कसम अऊ तोर जिनगी के कसम, मोर अऊ मिरतू के बीच म सिरिप एक कदम के
फासला हवय।"
4 योनातन ह दाऊद ला कहिस, "तेंह जऊन कुछू मोर ले चाहत हस, मेंह तोर बर करहूं।"
5 एकरसेति दाऊद ह कहिस, "देख, कल नवां चंदा के भोज अय, अऊ येकरे कारन राजा के संग बईठके जेवन
करे पड़ही; पर तें मोला जावन दे कि में परसों सांझ होवत तक मैदान म छुपे रहंव।
6 यदि तोर ददा ह मोर बारे म पुछही, त ओला कहिबे, 'दाऊद ह अपन नगर बैतलहम ला जल्दी जाय बर मोर
ले बिनती करके छुट्टी मांगे हवय, काबरकि उहां ओकर जम्मो कुल के मनखेमन बर एक सालाना बलिदान चघाय
जावत हे।'
7 यदि ओह अइसने कहय, 'बने बात ए!' तब तो तोर सेवक बर कोनो डर के बात नो हय। पर यदि ओह अब्बड़
गुस्सा करय, त तेंह जान लेबे कि ओह मोर हानि करे बर ठान ले हवय।
8 अब तेंह अपन सेवक के ऊपर दया कर, काबरकि तेंह यहोवा के आघू म ओकर संग एक करार करे हस। यदि
मेंह दोसी अंव, त तेंह खुद मोला मार डार! तेंह मोला अपन ददा के हांथ म काबर सऊंपबे?"
9 योनातन ह कहिस, "अइसने कभू नइं होवय! यदि मोला थोरकन भी जानकारी होतिस कि मोर ददा ह तोर
हानि करे के ठाने हवय, त का मेंह तोला नइं बतातेंव?"
10 दाऊद ह पुछिस, "यदि तोर ददा ह तोला कठोर जबाब देथे, त ये बात मोला कोन बताही?"
11 योनातन ह कहिस, "आ, हमन मैदान म जाबो।" अऊ ओमन दूनों सहर ले बाहिर मैदान म चल दीन।
12 तब योनातन ह दाऊद ला कहिस, "मेंह यहोवा, इसरायल के परमेसर के कसम खावत हंव कि मेंह परसों ये
बेरा तक अपन ददा के मन के भेद ला जरूर पा लूहूं! यदि ओह तोर हित म गोठियाथे, त मेंह खबर भेजके तोला
बता दूहूं।
13 पर यदि मोर ददा ह तोर हानि करे के इरादा करे हवय, अऊ ये बात यदि मेंह तोला नइं बताके तोला सांति
से बिदा करहूं, त यहोवा ह मोर संग बहुंत कठोरता करय। यहोवा ह तोर संग वइसने ही रहय, जइसने ओह मोर
ददा के संग रिहिस।
14 पर मोर जीयत तक, यहोवा के दया सहीं तेंह मोर ऊपर अपन दया रखे रह, ताकि मेंह मारे झन जावंव,

15 अऊ मोर परिवार ले घलो अपन करूना ला कभू झन हटाबे, अऊ त अऊ जब यहोवा ह दाऊद के जम्मो
बईरीमन ला ये धरती ले नास कर देवय, तभो ले घलो अपन किरपा-दिरिस्टी झन हटाबे।"
16 एकरसेति योनातन ह दाऊद के घराना ले ये कहिके एक करार करिस, "यहोवा ह दाऊद के बईरीमन ले
बदला लेवय।"
17 अऊ योनातन ह दाऊद बर अपन मया के कारन, ओह दाऊद के संग किरिया ला फेर मजबूत करिस,
काबरकि ओह ओला अपन परान के सहीं मया करय।
18 तब योनातन ह दाऊद ला कहिस, "कल नवां चंदा के भोज अय, अऊ तोर बारे म पुछे जाही, काबरकि तोर
कुरसी ह खाली रहिही।
19 परसों, सांझ के बेरा, तेंह ओ जगह म जाबे, जिहां तेंह ये समस्या के सुरूआत म छुपे रहय, अऊ उहां
एजेल नांव के पथरा के लकठा म बाट जोहबे।
20 मेंह ओकर बाजू म तीन ठन तीर चलाहूं, मानो कि मेंह निसाना लगाय हंव।
21 तब मेंह एक छोकरा ला ये कहिके पठोहूं, 'जा अऊ तीरमन ला खोजके लान।' यदि मेंह ओ छोकरा ला ये
कहंव, 'देख, तीरमन तोर ये कोति हवंय; ओमन ला इहां ले आ,' तब तेंह आ जाबे, काबरकि यहोवा के जिनगी के
कसम, तेंह सुरकछित हस; कोनो खतरा नइं ए।
22 पर यदि मेंह ओ छोकरा ला कहंव, 'देख, तीरमन तोर ओ कोति हवंय,' तब तेंह चले जाबे, काबरकि यहोवा
ह तोला बिदा करे हवय।
23 अऊ जऊन बात के चरचा तें अऊ में करे हवन ओला सुरता रखबे, यहोवा तोर अऊ मोर बीच म हमेसा बर
गवाह हवय।"
24 एकरसेति दाऊद ह मैदान म जाके छुप गीस, अऊ जब नवां चंदा के भोज होईस, त राजा साऊल ह जेवन
खाय बर बईठिस।
25 राजा ह पहिले सहीं अपन ओ आसन म बईठिस, जऊन ह दीवार करा रिहिस; योनातन ह साऊल के
सामने, अऊ अबनेर ह साऊल के बाजू म बईठिस, पर दाऊद के जगह ह खाली रिहिस।
26 ओ दिन तो साऊल ह ये सोचके कुछू नइं कहिस, "दाऊद ला कुछू होय होही, जेकर से ओह रिवाज के
मुताबिक सुध नइं होही, जरूर ओह असुध होही।"
27 पर ओकर आने दिन, याने कि महिना के दूसर दिन, दाऊद के जगह ह फेर खाली रिहिस। तब साऊल ह
अपन बेटा योनातन ले पुछिस, "का कारन ए कि यिसै के बेटा ह न तो कल खाय बर आईस, अऊ न ही आज
खाय बर आय हवय?"
28 योनातन ह जबाब दीस, "दाऊद ह बैतलहम जाय बर मोर ले बिनती करके छुट्टी मांगिस
29 अऊ कहिस, 'मोला जावन दे, काबरकि उहां नगर म हमर परिवार के मन एक बलिदान चघावत हंय अऊ
मोर भाई ह मोला उहां हाजिर होय के हुकूम देय हवय। यदि मोर ऊपर तोर किरपा-दिरिस्टी होवय, त मेंह अपन
भाईमन ले मिले बर जावंव।' एकरे कारन ओह राजा के संग भोज खाय बर नइं आ सकिस।"
30 तब साऊल के कोप योनातन ऊपर भड़किस अऊ ओह योनातन ला कहिस, "हे कुटिल अऊ बिदरोही
माईलोगन के बेटा! का मेंह नइं जानत हंव कि अपन लाज-सरम अऊ अपन जनमाय दाई के लाज-सरम के
परवाह करे बिगर, तेंह यिसै के ओ बेटा के तरफ हो गे हवस?
31 काबरकि जब तक यिसै के बेटा ये धरती म जीयत रहिही, तब तक न तो तें अऊ न ही तोर राज ह स्थापित
होही। एकरसेति अब कोनो ला पठोके ओला मोर करा लान, काबरकि ओकर मरना जरूरी अय!"
32 योनातन ह अपन ददा ले पुछिस, "ओह काबर मार डारे जाही? ओह का करे हवय?"
33 पर साऊल ह ओला मारे बर ओकर ऊपर अपन बरछी फेंकिस। तब योनातन जान डारिस कि ओकर ददा ह
दाऊद ला मार डारे के इरादा करे हवय।
34 योनातन ह अब्बड़ गुस्सा करत खाय के ओ मेज ले उठिस; भोज के ओ दूसर दिन ओह खाना नइं खाईस,
काबरकि दाऊद बर ओकर ददा के खराप बरताव के कारन, ओह बहुंत दुखी रिहिस।
35 दूसर दिन बिहनियां, योनातन ह मैदान म दाऊद ले मिले बर ठहिराय जगह म गीस। ओह अपन संग एक
छोटे लड़का ला ले गे रिहिस,

36 अऊ ओह ओ लड़का ला कहिस, “दऊड़के जाबे अऊ जऊन तीर मेंह चलाहूं, ओमन ला खोजके लानबे।”
जब लड़का ह दऊड़िस, त योनातन ह एक तीर ओकर आघू कोति चलाईस।
37 जब लड़का ह ओ जगह म आईस, जिहां योनातन के चलाय तीर ह गिरे रिहिस, तब योनातन ह ओकर
पाछू ले आरो लगाके कहिस, “तीर ह तोर आघू कोति हवय।”
38 तब योनातन ह चिचियाके कहिस, “जल्दी कर! तुरते चले जा! झन ठहर!” अऊ लड़का ह तीर ला उठाके
अपन मालिक करा आ गीस।
39 (भेद के ओ बात के बारे म ओ लड़का ह कुछू नइं जानत रिहिस; सिरिप योनातन अऊ दाऊद ओ बात ला
जानत रिहिन।)
40 तब योनातन ह अपन हथियार ओ लड़का ला देके कहिस, “जा, येमन ला वापिस नगर म ले जा।”
41 जब लड़का ह चले गीस, तब दाऊद ह पथरा के दक्खिन कोति ले निकलिस, अऊ भुइयां म मुहूं के भार तीन
बार गिरके योनातन ला दंडवत करिस। तब ओमन एक-दूसर ला चूमिन अऊ रोईन, पर दाऊद बहुंत जादा
रोईस।
42 योनातन ह दाऊद ला कहिस, “सांति से जा, काबरकि हमन दूनों एक-दूसर ले ये कहिके यहोवा के नांव म
किरिया खाय हवन, ‘यहोवा ह तोर अऊ मोर बीच, अऊ तोर बंस अऊ मोर बंस के मनखेमन के बीच सदा गवाह
हवय।’ ” तब दाऊद ह उठके चले गीस, अऊ योनातन ह नगर ला वापिस चल दीस।

21

[illegible]

1 दाऊद ह नोब म, अहीमेलेक पुरोहित करा गीस। अहीमेलेक ह डर के मारे कांपत रिहिस, जब ओह दाऊद ले
भेंट करिस, अऊ ओह दाऊद ले पुछिस, “का कारन ए कि तेंह अकेला हस? तोर संग म अऊ कोनो काबर नइं ए?”
2 दाऊद ह अहीमेलेक पुरोहित ला जबाब दीस, “राजा ह मोला एक काम म पठोके मोला कहे हवय, ‘जऊन
काम बर मेंह तोला पठोत हवंव, ओकर बारे म कोनो झन जान पावय।’ मेंह अपन मनखेमन ला एक जगह म मोर
ले मिले बर कहे हवंव।
3 त अब, तोर हांथ म का हवय? तेंह पांच ठन रोटी, या जऊन कुछू तोर करा हवय, ओला मोला दे।”
4 पर पुरोहित ह दाऊद ला जबाब दीस, “मोर करा सधारन रोटी तो नइं ए; पर इहां कुछू पबितर रोटी हवय,
येह ओमन बर अय, जऊन मन अपनआप ला जवान माईलोगनमन ले अलग रखे हवंय।”
5 दाऊद ह कहिस, “वास्तव म, माईलोगनमन हमर ले अलग हवंय, अऊ जब भी मेंह काम म निकलथंव,
ओमन अलग रहिथें। आदमीमन के देहें ह पबितर रहिथे, जब ओमन सधारन काम म घलो जाथें। आज तो अऊ
पबितर होहीं!”
6 तब पुरोहित ह ओला पबितर रोटी दीस; काबरकि उहां अऊ दूसर रोटी नइं रिहिस, सिरिप भेंट के रोटी
रिहिस, जऊन ला यहोवा के आघू ले उठाय गे रिहिस, अऊ ओकर जगह म ओहीच दिन गरम रोटी रखे गे रिहिस।
7 ओ दिन, उहां साऊल के एक सेवक ह यहोवा के आघू रूके रिहिस; ओह एक एदोमी मनखे रिहिस अऊ
ओकर नांव दोएग रिहिस अऊ ओह साऊल के चरवाहामन के मुखिया रिहिस।
8 दाऊद ह अहीमेलेक ले पुछिस, “का इहां तोर करा कोनो बरछी या तलवार हवय? राजा के काम ह जरूरी
रिहिस अऊ मेंह जल्दी म अपन तलवार या कोनो अऊ हथियार नइं लाने हंव।”
9 पुरोहित ह कहिस, “पलिस्ती गोलियत के तलवार इहां हवय, जेला तेंह एला के घाटी म मारे रहय; ओकर
तलवार कपड़ा म लपेटे एपोद के पाछू माढ़े हवय। यदि तेंह चाहथस, त ओला लेय ले; ओकर छोंड़ इहां अऊ
कोनो तलवार नइं ए।”
दाऊद ह कहिस, “ओकर सहीं अऊ कोनो तलवार नइं ए; ओहीच ला मोला दे।”

[illegible]

10 ओ दिन दाऊद ह साऊल के डर के मारे भागिस अऊ गत के राजा आकीस करा गीस।
11 पर आकीस के सेवकमन आकीस ले कहिन, “का येह ओ देस के राजा दाऊद नो हय? का येह ओ नो हय,
जेकर बारे म मनखेमन नाचत ये गीत गावत रिहिन:
“ ‘साऊल ह हजारों मनखे ला,

अऊ दाऊद ह लाखों मनखे ला मारिस'?"
12 दाऊद ह ये गोठ के बारे म सोचके गत के राजा आकीस ले अब्बड़ डर गीस।
13 एकरसेति ओह ओमन के आघू म एक चाल चलिस; अऊ जब ओह ओमन के हांथ म रिहिस, त ओह एक पागल मनखे सहीं बरताव करिस अऊ दुवार के कपाटमन ला खुरचत अपन लार ला दाढ़ी म बोहाय लगिस।
14 तब आकीस ह अपन सेवकमन ला कहिस, "ओ मनखे ला देखव! ओह पागल ए! तुमन ओला मोर करा काबर लाने हव?
15 का मोर करा पागल मनखेमन के कोनो कमी हवय कि तुमन ये मनखे ला इहां मोर आघू म पागलपन करे बर लाने हवव? का अइसने मनखे ला मोर भवन म लाना जरूरी ए?"

22

[illegible]

1 दाऊद ह गत सहर ला छोंड़ दीस अऊ बचके अदुल्लाम नगर के गुफा म हबरिस। जब ओकर भाई अऊ ओकर ददा के परिवार के मन येकर बारे म सुनिन, त ओमन उहां ओकर करा गीन।
2 ओ जम्मो जऊन मन संकट म पड़े रिहिन या करजदार रिहिन या जेमन असंतुस्ट रिहिन, ओमन दाऊद करा जूरिन, अऊ ओह ओमन के परधान होईस। लगभग चार सौ मनखे ओकर संग हो गीन।
3 उहां ले दाऊद ह मोआब के मिसपा नगर ला गीस अऊ मोआब के राजा ला कहिस, "का मोर ददा अऊ दाई आके तोर संग रह सकत हंय, जब तक कि मेंह ये नइं जान लेवंव कि परमेसर ह मोर बर का करे चाहथे?"
4 अऊ ओह ओमन ला मोआब के राजा के संग छोंड़ दीस, अऊ ओमन तब तक राजा के संग रिहिन, जब तक दाऊद ह ओ गढ़ म छुपे रिहिस।
5 पर गाद नांव के एक अगमजानी ह दाऊद ला कहिस, "ये गढ़ म झन रह। यहूदा देस म जा।" एकरसेति दाऊद ह ओ जगह ला छोंड़के हेरेत के जंगल म चल दीस।

[illegible]

6 साऊल ह सुनिस कि दाऊद अऊ ओकर मनखेमन के पता चल गे हवय। ओ बेरा साऊल ह अपन हांथ म बरछी धरके गिबा के पहाड़ी म एक झाऊ के रूख के खाल्हे म बईठे रहय, अऊ ओकर जम्मो करमचारीमन ओकर आसपास ठाढ़े रहंय।
7 तब साऊल ह अपन करमचारीमन ला कहिस, "हे बिनयामीनी मनखेमन, सुनव! का यिसै के बेटा ह तुमन जम्मो झन ला खेत अऊ अंगूर के बारी दीही? का ओह तुमन जम्मो ला हजार-हजार मनखेमन ऊपर अऊ सौ-सौ मनखेमन ऊपर सेनापति बनाही?
8 का येकर खातिर तुमन जम्मो झन मोर बिरूध म सडयंत्र करे हवव? जब मोर बेटा ह यिसै के बेटा के संग करार करिस, त ये बात मोला कोनो नइं बताईस। तुमन म ले कोनो मोर चिंता नइं करय या नइं बतावय कि मोर बेटा ह मोर सेवक ला मोर घात करे बर उभारे हवय, जइसने कि ओह आज करत हे।"
9 तब एदोमी दोएग, जऊन ह साऊल के करमचारीमन के संग ठाढ़े रिहिस, जबाब देवत कहिस, "मेंह तो यिसै के बेटा ला नोब म अहीतूब के बेटा अहीमेलेक करा आवत देखेंव।
10 अहीमेलेक ह ओकर बर यहोवा ले पुछिस; ओह यिसै के बेटा ला जेवन के सामान अऊ पलिस्ती गोलियत के तलवार घलो दीस।"
11 तब राजा ह अहीतूब के बेटा अहीमेलेक पुरोहित ला अऊ ओकर ददा के परिवार के जम्मो मनखे, जऊन मन नोब म पुरोहित रिहिन, ओ जम्मो ला बलाय बर पठोईस, अऊ ओ जम्मो झन राजा करा आईन।
12 साऊल ह कहिस, "हे अहीतूब के बेटा, सुन!"
अहीमेलेक ह कहिस, "हे मोर मालिक, का हुकूम हे?"
13 साऊल ह ओकर ले पुछिस, "का कारन ए कि तें अऊ यिसै के बेटा मोर बिरूध म सडयंत्र करे हवव? तेंह ओला रोटी अऊ तलवार दे हवस अऊ ओकर बर परमेसर ले पुछे हवस, जेकर ले ओह मोर बिरूध म बिदरोह करे हवय अऊ मोला घात करे म लगे हवय, जइसने कि ओह आज करत हे?"
14 अहीमेलेक ह राजा ला जबाब दीस, "तोर जम्मो सेवकमन म दाऊद सहीं बिसवासयोग्य कोन हवय? ओह तो तोर दामाद अऊ तोर रकछा करइयामन के मुखिया ए अऊ तोर परिवार म ओकर बहुंत आदर करे जाथे।

15 का ओ दिन पहिली बार मेंह ओकर बर परमेसर ले पुछेंव? नइं! राजा ह अपन सेवक ऊपर या ओकर ददा के
परिवार के काकरो ऊपर दोस झन लगावय, काबरकि तोर सेवक ये जम्मो चीज के बारे म कुछू भी नइं जानत हे।"
16 पर राजा ह कहिस, "हे अहीमेलेक, तेंह जरूर मार डारे जाबे, तें अऊ तोर पूरा परिवार घलो।"
17 तब राजा ह अपन लकठा म खड़े पहरेदारमन ला हुकूम दीस, "मुड़व अऊ यहोवा के पुरोहितमन ला मार
डारव, काबरकि ओमन घलो दाऊद कोति हो गे हवंय। ओमन जानत रिहिन कि दाऊद ह भागत रिहिस, तभो ले
ओमन मोला नइं बताईन।"
पर राजा के पहरेदारमन यहोवा के पुरोहितमन ला मारे बर हांथ उठाना नइं चाहत रिहिन।
18 तब राजा ह दोएग ला हुकूम दीस, "तेंह मुड़के पुरोहितमन ला मार डार।" तब एदोमी दोएग ह मुड़के
पुरोहितमन ला मार डारिस। ओ दिन, ओह ओ पचयासी झन ला मार डारिस, जऊन मन सन के बने एपोद पहिरे
रिहिन।
19 ओह पुरोहितमन के नगर नोब के मनखे, माईलोगन, लइका अऊ दूध पीयत लइका, अऊ नगर के
गाय-बईला, गदहा अऊ भेड़-बकरीमन ला घलो तलवार ले मार डारिस।
20 पर अहीतूब के बेटा अहीमेलेक के अबियातार नांव के एक बेटा बच निकलिस, अऊ भागके दाऊद करा
चल दीस।
21 अबियातार ह दाऊद ला बताईस कि साऊल ह यहोवा के पुरोहितमन ला मार डारे हवय।
22 तब दाऊद ह अबियातार ला कहिस, "ओ दिन, एदोमी दोएग ह उहां रिहिस, तभे मेंह जान गे रहेंव कि ओह
जरूर साऊल ला बताही। मेंह तोर जम्मो परिवार के मिरतू के जिम्मेदार अंव।
23 मोर संग रह अऊ झन डर। जऊन मनखे ह तोला मार डारे चाहत हे, ओह मोला घलो मार डारे के कोसिस
करत हे। तेंह मोर संग सुरकछित रहिबे।"

23

[illegible]

1 जब दाऊद ला ये बताय गीस कि पलिस्तीमन कीला नगर ले लड़त हवंय अऊ कोठारमन ला लूटत हवंय,
2 त ओह ये कहिके यहोवा ले पता लगाईस, "का मेंह जाके ये पलिस्तीमन ऊपर हमला करंव?"
यहोवा ह ओला जबाब दीस, "जा, अऊ पलिस्तीमन ऊपर हमला कर अऊ कीला नगर ला बचा।"
3 पर दाऊद के मनखेमन ओला कहिन, "इहां यहूदा देस म, हमन डरत रहिथन; अऊ यदि हमन पलिस्तीमन
के सामना करे बर कीला नगर ला जाबो, त हमर का हाल होही?"
4 तब दाऊद ह एक बार फेर यहोवा ले पता लगाईस, अऊ यहोवा ह ओला जबाब दीस, "खाल्हे कीला नगर
ला जा, काबरकि मेंह पलिस्तीमन ला तोर हांथ म कर दूहूं।"
5 एकरसेति दाऊद अऊ ओकर मनखेमन कीला नगर म जाके पलिस्तीमन ले लड़िन अऊ ओमन के पसुमन
ला ले आईन। दाऊद ह पलिस्तीमन के बहुंत नुकसान करिस अऊ कीला के मनखेमन ला बचाईस।
6 (जब अहीमेलेक के बेटा अबियातार ह दाऊद करा कीला नगर म भागके आईस, त ओह अपन संग एपोद
धरके आय रिहिस।)

[illegible]

7 साऊल ला बताय गीस कि दाऊद ह कीला नगर ला चल दे हवय, त ओह कहिस, "परमेसर ह ओला मोर
हांथ म कर दे हवय, काबरकि ओह कपाट अऊ बेड़ा लगे नगर म घुसके अपनआप ला बंदी बना ले हवय।"
8 अऊ साऊल ह अपन जम्मो सेना ला लड़ई बर बलाईस कि कीला नगर म जाके दाऊद अऊ ओकर
मनखेमन ला घेर लेवंय।
9 जब दाऊद ला ये पता चलिस कि साऊल ह ओकर बिरूध म सडयंत्र करत हे, त ओह अबियातार पुरोहित
ला कहिस, "एपोद ला लान।"
10 तब दाऊद ह पराथना करिस, "हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, तोर सेवक ह निस्चय सुने हवय कि साऊल
ह मोर कारन कीला म आके नगर ला नास करे के योजना बनात हवय।
11 का कीला के मनखेमन मोला ओकर हांथ म कर दीहीं? का साऊल ह आही, जइसने कि तोर सेवक ह सुने
हवय? हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, अपन सेवक ला बता।"

अऊ यहोवा ह कहिस, “हव, ओह आही।”
12 दाऊद ह फेर पुछिस, “का कीला के मनखेमन मोला अऊ मोर मनखेमन ला साऊल के हांथ म कर दीहीं?”
अऊ यहोवा ह कहिस, “हव, ओमन अइसने करहीं।”
13 तब दाऊद अऊ ओकर मनखे, जऊन मन लगभग छै सौ जन रिहिन, कीला नगर ले निकलके एती-ओती
जगह-जगह फिरे लगिन। जब साऊल ला ये बताय गीस कि दाऊद ह कीला ले निकलके भाग गे हवय, त ओह
उहां नइं गीस।
14 दाऊद ह सुनसान गढ़मन म अऊ जीप के सुनसान पहाड़ीमन म रहे लगिस। साऊल ह ओला हर दिन
खोजिस, पर परमेसर ह दाऊद ला ओकर हांथ म नइं पड़न दीस।
15 जब दाऊद ह जीप के सुनसान जगह म होरेस सहर म रिहिस, त ओला पता चलिस कि साऊल ह ओकर
परान के खोज म निकले हवय।
16 अऊ साऊल के बेटा योनातन ह होरेस म दाऊद करा गीस अऊ परमेसर ऊपर बिसवास म मजबूती से बने
रहे बर ओकर मदद करिस।
17 ओह दाऊद ला कहिस, “झन डर! मोर ददा साऊल ह तोला नइं पकड़ सकय। तेंह इसरायल के राजा बनबे,
अऊ मोर पद ह तोर बाद दूसरा नम्बर म होही। अऊ त अऊ ये बात ला मोर ददा साऊल घलो जानत हे।”
18 तब ओ दूनों झन यहोवा के आघू म एक करार करिन। तब योनातन अपन घर चल दीस, पर दाऊद ह होरेस
म रह गीस।
19 तब जीपीमन गिबा म साऊल करा जाके कहिन, “का दाऊद ह हमर बीच म, हकीला पहाड़ी म, होरेस के
गढ़मन म नइं छुपे हवय, जऊन ह यसीमोन के दक्खिन कोति हवय?
20 एकरसेति, हे राजा, तोला जब भी सही लगय, तेंह आ, अऊ ओला तोर हांथ म कर देना हमर जिम्मेदारी
होही।”
21 साऊल ह जबाब दीस, “मोर चिंता करे के कारन, यहोवा ह तुमन ला आसीस देवय।
22 तुमन जाके अऊ पता लगावव। पता लगावव कि दाऊद ह अकसर कहां जाथे अऊ कोन ह ओला उहां देखे
हवय। मोला बताय गे हवय कि ओह बहुंत चालबाज अय।
23 ओह कहां-कहां छुपथे, ओ जम्मो जगह के पता लगावव अऊ वापिस आके मोला सही-सही बतावव। तब
मेंह तुम्हर संग चलहूं; यदि ओह ओ इलाका म होही, त मेंह ओला यहूदा के जम्मो गोत्र म ले खोज निकालहूं।”
24 तब ओमन चलिन अऊ साऊल ले पहिले जीप ला गीन। दाऊद अऊ ओकर मनखेमन माओन के सुनसान
जगह म रिहिन, जऊन ह अराबा म यसीमोन के दक्खिन कोति हवय।
25 तब साऊल अऊ ओकर मनखेमन दाऊद के खोज म लग गीन, अऊ जब दाऊद ला येकर बारे म बताय
गीस, त ओह खाल्हे चट्टान करा उतर गीस अऊ माओन के सुनसान जगह म रहे लगिस। जब साऊल ह ये बात
ला सुनिस, त ओह माओन के सुनसान जगह म दाऊद के पीछा करे बर गीस।
26 साऊल ह पहाड़ के एक तरफ जावत रिहिस, अऊ दाऊद अऊ ओकर मनखेमन पहाड़ के दूसर कोति
साऊल ले बचे बर जल्दी-जल्दी जावत रिहिन। जब साऊल अऊ ओकर सेना ह दाऊद अऊ ओकर मनखेमन
ला पकड़े बर लकठा म आवत रिहिन,
27 तभे एक दूत ह साऊल करा आईस अऊ कहिस, “जल्दी करके आ! काबरकि पलिस्तीमन देस ऊपर हमला
करत हवंय।”
28 ये सुनके साऊल ह दाऊद के पीछा करे बर छोंड़के पलिस्तीमन के सामना करे बर गीस। येकरे कारन
मनखेमन ओ जगह ला सेला-हम्मालकोत* कहिथें।
29 अऊ दाऊद ह उहां ले चल दीस अऊ एन-गदी के गढ़मन म रहे लगिस।

24

[illegible]
* 1 जब साऊल ह पलिस्तीमन के पीछा करके लहुंटिस, त ओला ये बताय गीस, “दाऊद ह एन-गदी के
सुनसान जगह म हवय।”

* **23:28** *[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]*
* **24:** इबरानी अनुवाद म 24:1-22 ला 24:22-23 गने गे हवय

2 तब साऊल ह जम्मो इसरायलीमन म ले तीन हजार उत्तम जवानमन ला लीस अऊ दाऊद अऊ ओकर
मनखेमन ला जंगली छेरीमन के खड़े चट्टानमन के लकठा म खोजे बर निकलिस।
3 जब ओह रद्दा म भेड़थान करा आईस, त उहां एक गुफा रिहिस, अऊ साऊल ह बहिर फिरे बर ओकर भीतर
गीस। दाऊद अऊ ओकर मनखेमन ओही गुफा के पाछू म बईठे रहंय।
4 तब दाऊद के मनखेमन ओकर ले कहिन, "आज ओ दिन अय, जेकर बारे म यहोवा ह तोला कहे रिहिस, 'मेंह
तोर बईरी ला तोर हांथ म कर दूहूं ताकि तें ओकर संग अपन ईछा मुताबिक बरताव कर।' " तब दाऊद ह रेंगत
गीस अऊ चुपेचाप साऊल के अंगरखा के छोर ला काट लीस।
5 येकर बाद, दाऊद ह साऊल के कपड़ा के छोर ला काटके पछताईस।
6 ओह अपन मनखेमन ला कहिस, "यहोवा ह मना करथे कि मेंह अपन मालिक, यहोवा के अभिसिक्त जन के
संग अइसने काम करंव, या ओकर ऊपर अपन हांथ उठावंव; काबरकि ओह यहोवा के अभिसिक्त जन अय।"
7 अइसने बात कहिके दाऊद ह अपन मनखेमन ला बहुंत चेताईस अऊ ओमन ला साऊल ऊपर हमला करे के
अनुमति नइं दीस। ओकर पाछू साऊल ह गुफा ले निकलके अपन डहार म चल दीस।
8 तब दाऊद ह खोड़रा ले बाहिर निकलिस अऊ साऊल ला नरियाके कहिस, "हे राजा मोर मालिक।" जब
साऊल ह अपन पाछू कोति मुड़के देखिस, त दाऊद ह झुकके भुइयां कोति मुड़ ला नवाके दंडवत करिस।
9 ओह साऊल ला कहिस, "तेंह ओ मनखेमन के बात ला काबर सुनथस, जऊन मन ये कहिथें कि दाऊद ह तोर
हानि करे चाहत हे?
10 आज तेंह अपन आंखी ले देख डारे हस कि यहोवा ह गुफा म कइसे तोला मोर हांथ म कर दे रिहिस। मोर
कुछू मनखेमन तो तोला मार डारे बर घलो कहिन, पर मेंह तोला छोंड़ देंव; मेंह कहेंव, 'मेंह अपन मालिक ऊपर
हांथ नइं उठावंव, काबरकि ओह यहोवा के अभिसिक्त जन अय।'
11 देख, हे मोर ददा, मोर हांथ म तोर अंगरखा के ये कुटा ला देख! मेंह तोर कपड़ा के छोर ला काट तो लेंव पर
तोला घात नइं करेंव। देख कि मोर हांथ म अइसने कुछू नइं ए, जेकर से ये पता चले कि मेंह गलत काम करे के
या बिदरोह करे के दोसी अंव। मेंह तोर बिरूध म कोनो गलती नइं करे हंव, पर तेंह मोर परान लेय बर मोला
खोजत हस।
12 यहोवा ह तोर अऊ मोर नियाय करय। अऊ जऊन गलत काम तेंह मोर बिरूध म करे हवस, यहोवा ओकर
बदला लेवय, पर मोर हांथ ह तोर हानि करे बर नइं उठय।
13 जइसे कि पुराना कहावत हे, 'दुस्ट मनखेमन ले दुस्टता के काम होथे,' एकरसेति मोर हांथ ह तोर ऊपर नइं
उठही।
14 "इसरायल के राजा ह काकर बिरूध म निकलके आय हवय? तेंह काकर पाछू पड़े हस? एक मरे कुकुर के
पाछू? एक कीरा के पाछू?
15 यहोवा ह हमर नियाय करइया होवय अऊ फैसला करय। ओह मोर मामला ऊपर बिचार करय अऊ मोला
संभालय; ओह मोला तोर हांथ ले बचाके मोर नियाय करय।"
16 जब दाऊद ह साऊल ले ये बात कह चुकिस, त साऊल ह पुछिस, "हे मोर बेटा, दाऊद, का येह तोर अवाज
ए?" अऊ साऊल ह चिचियाके रोवन लगिस।
17 फेर ओह दाऊद ले कहिस, "तेंह मोर ले जादा धरमी अस। तेंह तो मोर संग भलई करे हस, पर मेंह तोर संग
बुरई करे हंव।
18 तेंह जऊन भलई मोर संग करे हस, ओकर बारे म तेंह मोला अभी बताय; यहोवा ह मोला तोर हांथ म कर
दे रिहिस, पर तेंह मोर घात नइं करय।
19 जब कोनो मनखे अपन बईरी ला पाथे, त का ओह ओकर बिगर कोनो हानि करे ओला जावन देथे? आज
तेंह जइसने बरताव मोर संग करे हस, यहोवा ह तोला ओकर बने ईनाम देवय।
20 मेंह जानत हंव कि तेंह जरूर राजा बनबे अऊ इसरायल के राज ह तोर हांथ म इस्थिर होही।
21 अब तेंह मोर ले यहोवा के कसम खा कि तेंह मोर संतानमन ला नास नइं करबे या मोर ददा के घराना ले
मोर नांव ला नइं मेटाबे।"
22 एकरसेति दाऊद ह साऊल ले अइसने ही कसम खाईस। तब साऊल ह अपन घर लहुंट गीस, पर दाऊद
अऊ ओकर मनखेमन ऊपर गढ़ म चल दीन।

25

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

1 समूएल के मिरतू हो गीस, अऊ जम्मो इसरायलीमन जूरिन अऊ ओकर बर सोक मनाईन; अऊ ओमन
ओला रामा सहर के ओकर घर म माटी दीन। तब दाऊद ह खाल्हे पारान* के सुन्ना जगह म चल दीस।
2 माओन नगर म एक मनखे रिहिस, जेकर उहां करमेल नगर म संपत्ति रिहिस, अऊ ओह बहुंत धनी मनखे
रिहिस। ओकर करा एक हजार बकरी अऊ तीन हजार भेड़ रिहिन, अऊ ओह करमेल म अपन भेड़मन के ऊन
कतरत रिहिस।
3 ओ मनखे के नांव नाबाल अऊ ओकर घरवाली के नांव अबीगैल रिहिस। ओह एक बुद्धिमान अऊ सुन्दर
माईलोगन रिहिस, पर ओकर घरवाला ह कठोर अऊ खराप काम करनेवाला रिहिस—ओह एक कालेबबंसी
रिहिस।
4 जब दाऊद ह सुन्ना जगह म रिहिस, त ओह सुनिस कि नाबाल ह अपन भेड़मन के ऊन कतरत हवय।
5 त दाऊद ह अपन दस जवानमन ला कहिस, "करमेल म नाबाल करा जावव अऊ मोर कोति ले ओला
जोहार-भेंट करव।
6 अऊ ओला अइसने कहव, 'तेंह जीयत रह! तोर अऊ तोर घराना के कल्यान होवय! अऊ तोर जम्मो चीज
के कल्यान होवय!
7 " 'मेंह सुने हंव कि येह भेड़मन के ऊन कतरे के समय अय। जब तोर चरवाहामन हमर संग रिहिन, त हमन
ओमन के संग कोनो गलत बरताव नइं करेंन अऊ जतेक समय ओमन हमर संग करमेल म रिहिन, ओमन के कुछू
नइं गंवाईस।
8 तेंह अपन सेवकमन ला पुछ अऊ ओमन तोला बताहीं। एकरसेति, जब हमन खुसी के बेरा म आय हवन, त
मोर जवान मनखेमन ऊपर किरपा कर। जऊन कुछू तोर ले हो सकत हे, अपन सेवकमन ला अऊ अपन बेटा
सहीं दाऊद ला दे।' "
9 जब दाऊद के जवानमन उहां हबरिन, त ओमन दाऊद के नांव म नाबाल ला ये संदेस देके इंतजार करिन।
10 नाबाल ह दाऊद के सेवकमन ला ये जबाब दीस, "दाऊद ह कोन ए? ये यिसै के बेटा कोन ए? आजकल
बहुंत सेवकमन अपन मालिकमन ला छोंड़के भागत हवंय।
11 मेंह काबर अपन रोटी अऊ पानी, अऊ मांस, जऊन ला मेंह अपन ऊन कतरइयामन बर काटे हवंव, ओला
लेके अइसने मनखेमन ला दे दंव, जेमन ला मेंह नइं जानंव कि ओमन कहां ले आय हवंय?"
12 दाऊद के जवानमन लहुंटके वापिस चल दीन। जब ओमन दाऊद करा हबरिन, त ओमन ओला जम्मो बात
जस के तस सुना दीन।
13 तब दाऊद ह अपन मनखेमन ला कहिस, "जम्मो झन अपन-अपन तलवार बांध लेवव!" अऊ ओमन
अपन-अपन तलवार बांध लीन, अऊ दाऊद घलो अपन तलवार ला बांध लीस। लगभग चार सौ मनखे दाऊद के
संग गीन, अऊ दू सौ मनखे सामान के संग रूक गीन।
14 पर एक सेवक ह नाबाल के घरवाली अबीगैल ला बताईस, "दाऊद ह सुनसान जगह ले हमर मालिक ला
अपन जोहार-भेंट करे बर दूत पठोय रिहिस, पर हमर मालिक ह ओमन के बेजत्ती करिस।
15 जबकि ओ आदमीमन हमर संग भलई करिन। ओमन हमर ले गलत बरताव नइं करिन, अऊ ओ पूरा समय
जब हमन मैदान म ओमन के लकठा म रहेंन, तब हमर कोनो चीज नइं गंवाईस।
16 ओ पूरा समय जब हमन ओमन के लकठा म भेड़-बकरीमन ला चरात रहेंन, त ओमन रात-दिन हमर चारों
कोति आड़ बनके रिहिन।
17 अब तें येकर बारे म सोच-बिचार कर अऊ देख कि तेंह का कर सकथस, काबरकि बिपत्ति ह हमर मालिक
अऊ ओकर जम्मो घराना ऊपर अवइया हे। हमर मालिक तो अइसने दुस्ट मनखे अय कि ओकर ले कोनो
गोठिया नइं सकय।"
18 तब अबीगैल ह जल्दी करके दू सौ रोटी, दू ठन चाम के थैली म अंगूर के मंद, पांच ठन भेड़मन के मांस,
पांच सेआ† भूंजे अनाज, एक सौ किसमिस के केक अऊ दबाय अंजीर के दू सौ केक लेके गदहामन म लदवाईस,

---

* **25:1** [illegible] कुछू हस्तलिपि म [illegible] † **25:18** लगभग 27 किलोग्राम

19 अऊ अबीगैल ह अपन सेवकमन ला कहिस, “तुमन आघू चलव; मेंह तुम्हर पाछू-पाछू आवत हंव।” पर
ओह अपन घरवाला नाबाल ला ये बात नइं बताईस।
20 जब ओह अपन गदहा म चघके पहाड़ के एक घाटी म आईस, त उहां दाऊद अऊ ओकर मनखेमन ओकर
कोति खाल्हे उतरत आवत रिहिन, अऊ ओह ओमन ले मिलिस।
21 दाऊद ह थोरकन देर पहिली अपनआप ले कहे रिहिस, “ये सब बेकार हो गे—सुनसान जगह म, ये मनखे के
संपत्ति के, मेंह पूरा पहरेदारी करेंव, जेकर से ओकर कुछू घलो चीज नइं गंवाईस। ओह भलई के बदले मोर संग
बुरई करे हवय।
22 परमेसर ह दाऊद के संग बहुंत कठोरता से बरताव करय, यदि बिहनियां होवत तक, में ओ मनखे के अधीन
म रहइया एको आदमी ला घलो जीयत छोड़ंव त!”
23 जब अबीगैल ह दाऊद ला देखिस, त ओह जल्दी से अपन गदहा ले उतरिस अऊ दाऊद के आघू मुहूं के
बल भुइयां म गिरके ओला दंडवत करिस।
24 ओह दाऊद के गोड़ खाल्हे गिरके कहिस: “हे मोर मालिक, अपन सेविका ला छेमा कर, अऊ मोला तोर से
गोठियावन दे; सुन कि तोर सेविका का कहे चाहत हे।
25 हे मोर मालिक, ओ दुस्ट मनखे नाबाल ऊपर धियान झन दे। जइसने ओकर नांव हे, वइसने ही ओह
अय—ओकर नांव के मतलब मुरूख होथे, अऊ सही म ओमा मुरूखता पाय जाथे। पर में, तोर सेविका ह ओ
जवानमन ला नइं देख सकेंव, जेमन ला मोर मालिक ह पठोय रिहिस।
26 अऊ अब, हे मोर मालिक, यहोवा तोर परमेसर के जिनगी अऊ तोर जिनगी के कसम, जबकि यहोवा ह
तोला खून करे ले अऊ अपन हांथ से खुद बदला लेय से रोके हवय, एकरसेति तोर बईरीमन अऊ ओ जम्मो,
जेमन मोर मालिक ला नुकसान पहुंचाय के इरादा रखथें, ओमन के हालत नाबाल के सहीं होवय।
27 अऊ ये भेंट, जऊन ला तोर सेविका ह अपन मालिक करा लाने हवय, येला तोर पाछू चलइया मनखेमन
ला दिये जावय।
28 “किरपा करके अपन सेविका के अपराध ला छेमा कर। यहोवा तोर परमेसर ह निस्चय ही मोर परभू के
राजबंस ला स्थापित करही, काबरकि तेंह यहोवा के लड़ई लड़त हस, अऊ तोर जिनगी भर तोर म कोनो बुरई
नइं पाय जाही।
29 हालाकि एक मनखे तोर परान लेय बर तोर पीछा करत हे, पर मोर मालिक के परान यहोवा तोर परमेसर के
दुवारा जिनगी के गठरी म बंधाय रहिही, अऊ तोर बईरीमन के परान ला अइसने निकाल लीही, जइसने गोफन
म ले गोटी निकलथे।
30 जब यहोवा ह मोर मालिक ले करे गय वायदा के जम्मो बने चीज ला पूरा कर लीही अऊ ओला इसरायल
ऊपर परधान ठहिरा दीही,
31 तब मोर मालिक ला ये खातिर पछताना नइं पड़ही कि ओह अकारन खून बहाय हवय या ओह खुद बदला
लेय हवय। अऊ जब यहोवा तोर परमेसर ह मोर मालिक ला सफलता दे दीही, तब अपन सेविका ला सुरता
करबे।”
32 दाऊद ह अबीगैल ला कहिस, “यहोवा, इसरायल के परमेसर के महिमा होवय, जऊन ह आज मोर ले भेंट
करे बर तोला पठोय हवय।
33 परमेसर ह तोला आसीस देवय, काबरकि तेंह सही निरनय ले हस अऊ मोला आज तें खून बहाय अऊ
अपन खुद के हांथ ले अपन बदला लेय से रोक ले हस।
34 नइं तो, यहोवा, इसरायल के परमेसर के जिनगी के कसम, जऊन ह मोला तोर नुकसान करे ले रोके हवय,
कहूं तेंह जल्दी करके मोर ले भेंट करे बर नइं आय रहितय, त बिहनियां के होवत तक नाबाल के कोनो आदमी
जीयत नइं बचे रहितिन।”
35 तब दाऊद ह अबीगैल के दुवारा लाय गे चीजमन ला गरहन करिस अऊ ओला कहिस, “सांति से अपन घर
जा। मेंह तोर बात ला सुनेंव अऊ तोर बिनती ला मान ले हंव।”
36 तब अबीगैल ह नाबाल करा गीस, त देखिस कि ओह घर म राजा के सहीं एक भोज के आयोजन करत
हवय। ओकर मन ह मगन रहय अऊ ओह नसा म चूर हो गे रहय। एकरसेति अबीगैल ह बिहनियां के होवत
तक, ओला कुछू नइं कहिस।

37 दूसर दिन बिहनियां, जब नाबाल के नसा ह उतर गे रिहिस, तब ओकर घरवाली ह ओला ये जम्मो बात
बताईस, तब ओह अपन मन म बहुंत हतास होईस अऊ ओह एक पथरा सहीं सुन्न हो गीस।
38 लगभग दस दिन के बाद, यहोवा ह नाबाल ला अइसने मारिस कि ओह मर गीस।
39 जब दाऊद ह सुनिस कि नाबाल ह मर गे हवय, त ओह कहिस, "यहोवा के महिमा होवय, जऊन ह नाबाल
के दुवारा करे गय मोर अपमान के बदला लीस। ओह अपन सेवक ला गलती करे ले रोकिस अऊ नाबाल के बुरई
ला ओकरेच मुड़ म डार दीस।"
तब दाऊद ह अबीगैल करा खबर भिजवाके पुछिस कि ओह दाऊद के घरवाली बनय।
40 दाऊद के सेवकमन करमेल गीन अऊ अबीगैल ला कहिन, "दाऊद ह हमन ला तोला ले जाय बर पठोय
हवय, ताकि तेंह ओकर घरवाली बनके रह।"
41 अबीगैल ह मुहूं के बल भुइयां म गिरके दंडवत करिस अऊ कहिस, "मेंह तोर सेविका अंव अऊ तोर सेवा
करे बर अऊ अपन मालिक के सेवकमन के चरन धोय बर तियार हंव।"
42 तब अबीगैल ह जल्दी से एक गदहा ऊपर चघिस, अऊ अपन पांच सेविकामन ला लेके दाऊद के दूतमन के
संग गीस, अऊ ओकर घरवाली हो गीस।
43 दाऊद ह यिजरेल नगर के अहीनोअम ले घलो बिहाव कर लीस, अऊ ओ दूनों ओकर घरवाली होईन।
44 पर साऊल ह अपन बेटी, दाऊद के घरवाली, मीकल ला लैस के बेटा पलतीएल‡ ला देय दे रिहिस, जऊन
ह गल्लीम के रहइया रिहिस।

26

[illegible]
1 जीपीमन गिबा म साऊल करा जाके कहिन, "का दाऊद ह ओ हकीला नांव के पहाड़ी म नइं छुपे हवय,
जऊन ह यसीमोन के सामने म हवय?"
2 एकरसेति साऊल ह अपन तीन हजार चुने इसरायलीमन के संग दाऊद ला खोजे बर जीप के सुनसान जगह
म गीस।
3 साऊल ह अपन डेरा हकीला नांव के पहाड़ी के रद्दा के तीर म डालिस, जऊन ह यसीमोन के सामने म
रिहिस। पर दाऊद ह सुनसान जगह म रूके रिहिस। जब ओह ये जानिस कि साऊल ह ओकर पीछा करत उहां
आ गे हवय,
4 त ओह भेदियामन ला पठोके ये जान लीस कि साऊल ह सही म आ गे हवय।
5 तब दाऊद ह निकलिस अऊ ओ जगह म गीस, जिहां साऊल ह डेरा डाले रिहिस। ओह ओ जगह ला
देखिस, जिहां साऊल अऊ सेना के सेनापति, नेर के बेटा अबनेर पड़े रहंय। साऊल ह डेरा के भीतर लेटे रहय,
अऊ सेना ह ओकर चारों कोति डेरा डाले रहय।
6 तब दाऊद ह हित्ती अहीमेलेक अऊ सरूयाह के बेटा, योआब के भाई, अबीसै ले पुछिस, "मोर संग कोन ह
खाल्हे डेरा म साऊल करा जाही?"
अबीसै ह कहिस, "मेंह तोर संग चलहूं।"
7 त दाऊद अऊ अबीसै रथिया सेना करा गीन, अऊ का देखिन कि साऊल डेरा के भीतर सोवत हवय, ओकर
बरछी ह ओकर मुड़ के लकठा म भुइयां म गड़े हवय। अबनेर अऊ सैनिकमन ओकर चारों कोति पड़े रहंय।
8 तब अबीसै ह दाऊद ला कहिस, "परमेसर ह आज तोर बईरी ला तोर हांथ म कर दे हवय। मोला कह, मेंह
बरछी के एके वार म ओला भुइयां म बेध दूहूं; मोला ओकर ऊपर दूबारा वार करना नइं पड़ही।"
9 पर दाऊद ह अबीसै ला कहिस, "ओला नास झन कर! यहोवा के अभिसिक्त जन ऊपर हांथ उठाके कोन ह
निरदोस हो सकथे?"
10 फेर दाऊद ह कहिस, "यहोवा के जिनगी के कसम, यहोवा ह ओला मारही, या ओकर समय आही अऊ
ओह मर जाही, या ओह लड़ई म जाके नास हो जाही।
11 पर यहोवा ये झन करय कि मेंह यहोवा के अभिसिक्त जन ऊपर हांथ उठावंव। अब तें ओकर मुड़ के लकठा
म रखे बरछी अऊ पानी के सुराही ला धर, अऊ आ हमन इहां ले चले जावन।"

‡ **25:44** इबरानी म [illegible] जऊन ह [illegible] के आने नांव ए

12 तब दाऊद ह बरछी अऊ पानी के सुराही ला साऊल के मुड़ के लकठा ले लेय लीस, अऊ ओमन चल दीन।
कोनो येला नइं देखिस या येकर बारे नइं जानिस, अऊ न ही कोनो जागिस। ओमन जम्मो झन सुतत रिहिन,
काबरकि यहोवा ह ओमन ला भारी नींद म डार दे रिहिस।
13 तब दाऊद ह पार होके दूसर कोति गीस अऊ कुछू दूरिहा म पहाड़ी ऊपर जाके ठाढ़ हो गीस; अऊ ओमन
के बीच म एक बड़े जगह रहय।
14 दाऊद ह ओ सेना ला अऊ नेर के बेटा अबनेर ला नरियाके कहिस, "हे अबनेर, का तेंह मोला जबाब देबे?"
अबनेर ह जबाब दीस, "तेंह कोन अस, जो राजा ला नरियावत हस?"
15 दाऊद ह अबनेर ला कहिस, "तेंह एक आदमी अस, अस कि नइं? अऊ इसरायल म तोर सहीं कोन हवय?
तेंह अपन मालिक, राजा के पहरेदारी काबर नइं करय? एक झन तोर मालिक, राजा ला नास करे बर आय
रिहिस।
16 जऊन काम तें करे हस, ओह ठीक नो हय। यहोवा के जिनगी के कसम, तें अऊ तोर मनखेमन मारे जाय के
लईक हव, काबरकि तुमन अपन मालिक, यहोवा के अभिसिक्त जन के पहरेदारी नइं करेव। अपन चारों कोति
देख। राजा के ओ बरछी अऊ पानी के सुराही कहां हवय, जऊन ह ओकर मुड़ के लकठा म रिहिस?"
17 साऊल ह दाऊद के अवाज ला चिन डारिस अऊ कहिस, "हे मोर बेटा, दाऊद, का येह तोर अवाज अय?"
दाऊद ह जबाब दीस, "हव, हे मोर मालिक मोर राजा, येह मोर अवाज अय।"
18 फेर ओह कहिस, "मोर परभू ह अपन सेवक के पीछा काबर करत हवय? मेंह का करे हवंव, अऊ मेंह कोन
गलत काम के दोसी अंव?
19 अब, मोर मालिक, राजा ह अपन सेवक के बात ला सुन लेवय। यदि यहोवा ह तोला मोर बिरूध उकसाईस
हवय, त फेर ओह एक भेंट गरहन करय। पर यदि मनखेमन अइसने करे हवंय, त ओमन ला यहोवा के आघू म
सराप लगय! ओमन आज मोला यहोवा के उत्तराधिकार के बांटा ले अलग कर दे हवंय अऊ कहे हवंय, 'जा,
आने देवतामन के सेवा कर।'
20 एकरसेति अब मोर खून ह यहोवा ले दूरिहा भुइयां म झन गिरन पावय। इसरायल के राजा ह एक कीरा ला
खोजे बर निकले हवय—जइसने कि कोनो पहाड़मन म तीतर के सिकार करथे।"
21 तब साऊल ह कहिस, "मेंह पाप करे हवंव। हे मोर बेटा दाऊद, वापिस आ जा। मेंह फेर तोर कुछू हानि करे
के कोसिस नइं करंव, काबरकि तेंह आज मोर परान ला बहुंत अनमोल समझय। निस्चय ही, मेंह मुरूख सहीं
काम करे हंव अऊ बहुंत गलत करे हंव।"
22 दाऊद ह जबाब देवत कहिस, "राजा के बरछी इहां हवय; तोर कोनो जवान इहां आवय अऊ येला ले
जावय।
23 यहोवा ह हर एक ला ओकर धरमीपन अऊ बिसवासयोग्यता के ईनाम देथे। यहोवा ह आज तोला मोर हांथ
म कर दे रिहिस, पर मेंह यहोवा के अभिसिक्त जन के ऊपर हांथ उठाना उचित नइं समझेंव।
24 जइसने कि मेंह आज तोर जिनगी ला मयारू जानेंव, वइसने ही यहोवा घलो मोर जिनगी ला मयारू जानय
अऊ मोला जम्मो बिपत्ति ले बचावय।"
25 तब साऊल ह दाऊद ला कहिस, "हे मोर बेटा दाऊद, परमेसर ह तोला आसीस देवय; तेंह बड़े-बड़े काम
करबे अऊ जरूर जय पाबे।"
तब दाऊद ह अपन रसता म चल दीस, अऊ साऊल ह अपन घर लहुंट गीस।

27

[illegible]

1 ओकर पाछू दाऊद ह अपन मन म सोचिस, "अब में कोनो न कोनो दिन साऊल के हांथ ले मारे जाहूं। सबले
बने बात ये होही कि मेंह बचके पलिस्तीमन के देस म भाग जावंव। तब साऊल ह इसरायल के कोनो भी जगह
म मोला खोजना छोंड़ दीही, अऊ मेंह ओकर हांथ ले बच निकलहूं।"
2 एकरसेति दाऊद अऊ ओकर संग छै सौ मनखे ओ जगह ला छोंड़ दीन अऊ ओमन गत सहर के राजा
माओक के बेटा आकीस करा गीन।

3 दाऊद अऊ ओकर मनखेमन गत म आकीस के संग रहे लगिन। हर एक मनखे के संग ओकर परिवार घलो
रहय, अऊ दाऊद के दू झन घरवाली रिहिन: यिजरेल के अहीनोअम अऊ करमेल के अबीगैल, जऊन ह नाबाल
के बिधवा रिहिस।
4 जब साऊल ला ये बताय गीस कि दाऊद ह गत ला भाग गे हवय, त ओह ओला फेर नइं खोजिस।
5 तब दाऊद ह आकीस ला कहिस, "यदि मोर ऊपर तोर किरपा-दिरिस्टी हवय, त देहात इलाका म कोनो नगर
मोला दे ताकि मेंह उहां रहंव। तोर सेवक ह तोर संग राजकीय सहर म काबर रहय?"
6 एकरसेति ओ दिन आकीस ह दाऊद ला सिकलग नगर दे दीस, अऊ तब ले सिकलग ह यहूदा के राजामन के
बने हवय।
7 दाऊद ह पलिस्तीमन के इलाका म एक साल अऊ चार महिना रिहिस।
8 दाऊद अऊ ओकर मनखेमन ऊपर जाके गसूरी, गिरजी अऊ अमालेकीमन ऊपर हमला करिन। (पुराना
जमाना ले, ये मनखेमन ओ देस म रहत रिहिन, जऊन ह सूर अऊ मिसर देस तक फईले रिहिस।)
9 दाऊद ह जब भी कोनो इलाका म हमला करय, त ओह उहां के एको मनखे या माईलोगन ला जीयत नइं
छोंड़य, पर भेड़-बकरी, गाय-बईला, गदहा, ऊंट अऊ कपड़ामन ला ले लेवय अऊ तब ओह लहुंटके आकीस
करा जावय।
10 जब आकीस ह पुछय, "आज तुमन कहां हमला करे बर गे रहेव?" त दाऊद ह कहय, "यहूदा के नेगेव म"
या "यरहमेल के नेगेव म" या "केनीमन के नेगेव म।"
11 दाऊद ह ये सोचके एको मनखे या माईलोगन ला जीयत नइं छोंड़य, "ओमन गत म आके हमर बारे म ये
कह सकत हें, 'दाऊद ह अइसने करे हवय।' " अऊ जब तक ओह पलिस्तीमन के इलाका म रिहिस, तब तक ओह
अइसने ही करिस।
12 आकीस ह दाऊद ऊपर बिसवास करय अऊ अपन मन म कहय, "ओह अपन इसरायली मनखेमन के नजर
म अइसे गिर गे हवय कि ओह जिनगी भर मोर सेवक बने रहिही।"

28

1 कुछू दिन के पाछू पलिस्तीमन इसरायल के बिरूध लड़े बर अपन सेना ला संकेलिन। आकीस ह दाऊद ला
कहिस, "तेंह ये बात ला जान ले कि तोला अऊ तोर मनखेमन ला मोर संग सेना म जाना पड़ही।"
2 दाऊद ह कहिस, "तब तेंह खुद देखबे कि तोर सेवक ह का कर सकत हे।"
आकीस ह जबाब दीस, "बहुंत बढ़िया, मेंह तोला अपन जिनगी भर अपन अंगरछक बनाके रखहूं।"

?????? ? ???? ?? ??? ??????-????? ????????

3 समूएल ह मर गीस, अऊ जम्मो इसरायलीमन ओकर बर सोक मनाईन अऊ ओला ओकर नगर रामा म
माटी दीन। साऊल ह भूतसाधक अऊ बईगामन ला देस ले निकाल देय रिहिस।
4 पलिस्तीमन जूरिन अऊ आके सुनेम नगर म डेरा डालिन, जबकि साऊल ह जम्मो इसरायलीमन ला
संकेलके गिलबो पहाड़ म डेरा डालिस।
5 जब साऊल ह पलिस्ती सेना ला देखिस, त ओह डरा गीस; ओकर मन ह आतंक ले भर गीस।
6 ओह यहोवा ले पुछताछ करिस, पर यहोवा ह ओला न तो सपना, न ही ऊरीम अऊ न ही अगमजानीमन के
दुवारा कोनो जबाब दीस।
7 साऊल ह तब अपन सेवकमन ले कहिस, "मोर बर कोनो भूतसाधक माईलोगन ला खोजव ताकि मेंह ओकर
करा जाके पुछताछ करंव।"
ओमन कहिन, "एनदोर नगर म एक भूत सिद्धि-करइया माईलोगन हवय।"
8 तब साऊल ह अपन भेस ला बदलिस अऊ आने कपड़ा पहिरके दू झन मनखे ला संग म लीस, अऊ रथिया
ओ माईलोगन करा गीस, अऊ कहिस, "मोर बर कोनो आतमा ले सम्पर्क कर, अऊ जेकर नांव में लेवंव, ओ
आतमा ला बला।"
9 पर ओ माईलोगन ह ओला कहिस, "तेंह तो जानत हस कि साऊल ह का करे हवय। ओह भूत सिद्धि-करइया
अऊ बईगामन ला देस ले निकाल दे हवय। फेर तेंह मोला मरवाय बर मोर परान म फांदा काबर लगावत हस?"
10 साऊल ह यहोवा के कसम खाके ओला कहिस, "यहोवा के जिनगी के कसम, तोला येकर बर सजा नइं
मिलय।"

11 तब माईलोगन ह पुछिस, “मेंह तोर बर कोन ला बलावंव?”
ओह जबाब दीस, “समूएल ला बला।”
12 जब ओ माईलोगन ह समूएल ला देखिस, त ओह जोर से चिचियाके साऊल ले कहिस, “तेंह मोला काबर
धोखा देय हस? तेंह तो साऊल अस!”
13 राजा ह ओला कहिस, “झन डर। तोला का दिखत हे?”
माईलोगन ह कहिस, “मेंह भूत सहीं एक रूप* ला भुइयां ले बाहिर निकलत देखत हंव।”
14 ओह पुछिस, “ओह कइसे दिखत हवय?”
ओ माईलोगन ह जबाब दीस, “एक सियान मनखे बागा पहिरे ऊपर आवत हवय।”
तब साऊल ह जान डारिस कि ओह समूएल अय, अऊ ओह झुकिस अऊ मुहूं के भार भुइयां म पट पड़के
दंडवत करिस।
15 समूएल ह साऊल ला कहिस, “तेंह मोला ऊपर बलाके काबर बाधा डाले हवस?”
साऊल ह कहिस, “मेंह भारी संकट म हवंव। पलिस्तीमन मोर संग लड़त हवंय अऊ परमेसर ह मोला छोंड़ दे
हवय। ओह अब मोला कोनो जबाब नइं देवय, न तो अगमजानीमन के दुवारा अऊ न ही सपना के दुवारा।
एकरसेति मेंह तोला बलाय हवंव कि तेंह मोला बता कि मेंह का करंव।”
16 समूएल ह कहिस, “जब यहोवा ह तोला छोंड़के तोर बईरी बन गे हवय, त फेर तेंह मोर ले काबर पुछत
हस?
17 यहोवा ह जइसने मोर जरिये कहवाय रिहिस, वइसने ही ओह करे हवय। यहोवा ह तोर हांथ ले राज ला
छीनके तोर परोसी दाऊद ला दे दीस हवय।
18 काबरकि तेंह यहोवा के बात ला नइं माने अऊ अमालेकीमन के बिरूध ओकर भड़के कोप के मुताबिक
ओमन ला दंड नइं देय, एकरसेति यहोवा ह तोर संग आज अइसने करे हवय।
19 यहोवा ह तोला अऊ इसरायलीमन ला पलिस्तीमन के हांथ म कर दीही, अऊ कल तें अऊ तोर बेटामन
मोर संग होहू। यहोवा ह इसरायली सेना ला घलो पलिस्तीमन के हांथ म कर दीही।”
20 समूएल के बात ला सुनके साऊल ह डर के मारे भुइयां म चित गिर पड़िस। ओकर ताकत ह खतम हो गे
रहय, काबरकि ओह ओ पूरा दिन अऊ ओ पूरा रथिया कुछू नइं खाय रिहिस।
21 जब ओ माईलोगन ह साऊल करा आईस अऊ देखिस कि साऊल ह बहुंत डरे हवय, त ओह कहिस, “देख,
तोर सेविका ह तोर बात ला मानिस। मेंह अपन परान ला जोखिम म डालके, तें जो कहय, ओला करेंव।
22 अब तें घलो अपन सेविका के बात ला मान; मेंह तोला कुछू खाय बर देवत हंव; ओला खा, ताकि अपन
रसता म जाय बर तोला ताकत मिलय।”
23 ओह मना करके कहिस, “मेंह नइं खावंव।”
पर साऊल के मनखेमन घलो ओ माईलोगन के संग ओकर ले बिनती करिन, अऊ ओह ओमन के बात मान
लीस। ओह भुइयां ले उठके खटिया म बईठिस।
24 ओ माईलोगन करा कोठा म एक मोटा बछवा रहय, जेला ओह तुरते काटके बनाईस। फेर ओह कुछू
पीसान लेके गुंथिस अऊ बिगर खमीर डाले ओकर रोटी बनाईस।
25 तब ओह साऊल अऊ ओकर मनखेमन के आघू म ओ जेवन ला परोस दीस, अऊ ओमन खाईन। तब
ओमन उठके ओहीच रथिया उहां ले चल दीन।

29

[illegible]

1 पलिस्तीमन अपन जम्मो सेना ला अपेक सहर म संकेलिन, अऊ इसरायलीमन यिजरेल म झरना के बाजू
म डेरा डाले रहंय।
2 जब पलिस्ती सासन करइयामन अपन सेना के सौ-सौ अऊ हजार-हजार के दल बनाके आघू बढ़िन, त
ओमन के पाछू-पाछू दाऊद अऊ ओकर मनखेमन आकीस के संग बढ़िन।
3 तब पलिस्तीमन के दूसर सेनापतिमन पुछिन, “ये इबरीमन का करहीं?”

* **28:13** या [illegible]; या [illegible]

आकीस ह जबाब दीस, “का येह दाऊद नो हय, जऊन ह इसरायल के राजा साऊल के एक अधिकारी रिहिस? एक साल ले जादा हो गे, ओह मोर संग हवय, अऊ जब ले ओह साऊल ला छोंड़के आय हवय, तब ले लेके आज तक, मेंह ओमा कोनो दोस नइं पाय हवंव।”

4 पर दूसर पलिस्ती सेनापतिमन आकीस ऊपर गुस्सा होईन अऊ कहिन, “ओ मनखे ला वापिस भेज, ताकि ओह ओ जगह ला जावय, जेला तेंह ओकर बर ठहिराय हस। ओला हमर संग लड़ई म बिलकुल ही नइं जाना हे, नइं तो ओह लड़ई चलत समय हमर बिरूध हो जाही। बने बात ये होही कि ओह अपन मालिक के मन फेर जीतय, एकर बदले कि ओह हमर मनखेमन के मुड़ काटय।

5 का येह ओ दाऊद नो हय, जेकर बारे म इसरायल के माईलोगनमन नाचत-नाचत अइसने गावत रिहिन:
“ ‘साऊल ह हजारों मनखे ला,
अऊ दाऊद ह लाखों मनखे ला मारिस’?”

6 एकरसेति आकीस ह दाऊद ला बलाईस अऊ ओला कहिस, “यहोवा के जिनगी के कसम, तेंह भरोसा करे के लईक मनखे अस, अऊ सेना म मोर संग तोर सेवा ला पाके, मेंह खुस होहूं। जऊन दिन ले तेंह मोर करा आय, ओ दिन ले लेके आज तक, मेंह तोर म कोनो गलती नइं पाय हंव, पर दूसर सेनापतिमन तोला नइं चाहत हंय।

7 एकरसेति तेंह अब सांति से लहुंटके चले जा; अऊ अइसने कुछू झन कर, जेकर से दूसर पलिस्ती सासन करइयामन तोर ले नराज होवंय।”

8 दाऊद ह आकीस ले पुछिस, “पर मेंह का करे हंव? जब ले मेंह तोर करा आय हंव, तब ले लेके आज तक, तेंह अपन सेवक म का गलती पाय हस? मेंह जाके मोर मालिक राजा के बईरीमन के बिरूध म काबर लड़ नइं सकंव?”

9 आकीस ह जबाब दीस, “मेंह जानत हंव कि तेंह मोर नजर म तो परमेसर के स्वरगदूत सहीं बने लगत हस; पर पलिस्ती सेनापतिमन कहे हवंय, ‘ओला हमर संग लड़ई म बिलकुल ही नइं जाना हे।’

10 एकरसेति तेंह तोर मालिक के ओ सेवक, जऊन मन तोर संग आय हवंय, ओमन के संग बड़े बिहनियां उठबे, अऊ ओमन के संग बिहनियां अंजोर होते ही चले जाबे।”

11 एकरसेति दाऊद अऊ ओकर मनखेमन बड़े बिहनियां उठिन अऊ पलिस्तीमन के देस ला लहुंट गीन, अऊ पलिस्तीमन ऊपर यिजरेल कोति बढ़ गीन।

30

[illegible]

1 दाऊद अऊ ओकर मनखेमन तीसर दिन सिकलग सहर म हबरिन। इही बीच अमालेकीमन नेगेव अऊ सिकलग ऊपर हमला करे रहंय। ओमन हमला करके सिकलग ला जला दे रहंय,

2 अऊ ओमन उहां के माईलोगन, जवान, डोकरा अऊ आने जम्मो झन ला बंदी बनाके ले गे रहंय। ओमन कोनो के हतिया नइं करिन, पर ओमन ला अपन संग लेके चल दे रिहिन।

3 जब दाऊद अऊ ओकर मनखेमन सिकलग हबरिन, त देखिन कि नगर ला आगी ले जलाके नास कर दे गे हवय, अऊ ओमन के घरवाली अऊ बेटा-बेटीमन ला बंदी बनाके ले गे रहंय।

4 तब दाऊद अऊ ओकर मनखेमन चिचिया-चिचियाके अतका रोईन कि ओमन म अऊ रोये के ताकत नइं बचिस।

5 दाऊद के दू घरवालीमन घलो बंदी बनाय गे रिहिन—यिजरेल के अहीनोअम, अऊ अबीगैल, जऊन ह करमेल नगर के नाबाल के बिधवा रिहिस।

6 दाऊद ह बहुंत संकट म रिहिस, काबरकि मनखेमन ओला पथरवाह करके मार डारे के बात एक-दूसर ले करत रिहिन; हर एक मनखे ह अपन बेटा-बेटीमन के कारन मन म बहुंत दुखी रिहिस। पर दाऊद ला यहोवा ओकर परमेसर म ताकत मिलिस।

7 तब दाऊद ह अहीमेलेक के बेटा, अबियातार पुरोहित ला कहिस, “एपोद ला मोर करा लान।” तब अबियातार ह एपोद ला दाऊद करा ले आईस,

8 अऊ दाऊद ह यहोवा ले पुछताछ करिस, “का मेंह ये हमला करइया दल के पीछा करंव? का मेंह पीछा करके ओमन ला पकड़ लूहूं?”

ओह जबाब दीस, “ओमन के पीछा कर। तेंह ओमन ला जरूर पकड़ लेबे अऊ जम्मो ला छोंड़ाके ले आबे।”

9 तब दाऊद ह अपन छै सौ मनखेमन के संग बसोर घाटी करा आईस; उहां कुछू मनखेमन रूक गीन।
10 दू सौ मनखे बहुंत थक गे रिहिन, जेकर कारन ओमन घाटी के ओ पार नइं जा सकिन, पर दाऊद ह चार सौ
मनखेमन संग पीछा करत आघू बढ़िस।

11 मनखेमन ला मैदान म एक मिसरी मनखे मिलिस अऊ ओमन ओला दाऊद करा ले आईन। ओमन ओला
पीये बर पानी अऊ खाय बर जेवन घलो दीन—
12 जेमा अंजीर के केक के एक टुकड़ा अऊ किसमिस के दू ठन केक रहय। जब ओह खाईस, त ओकर जी म
जी आईस, काबरकि ओह तीन दिन अऊ तीन रथिया ले न तो खाना खाय रिहिस अऊ न ही पानी पीये रिहिस।

13 दाऊद ह ओकर ले पुछिस, "तेंह काकर मनखे अस? अऊ तेंह कहां ले आवत हस?"

ओह जबाब दीस, "मेंह एक मिसरी मनखे अंव अऊ एक अमालेकी के गुलाम अंव। तीन दिन पहिले जब में
बेमार पड़ेंव, त मोर मालिक ह मोला छोंड़ दीस।
14 हमन करेतीमन के नेगेव, यहूदा के देस के कुछू इलाका अऊ कालेब के नेगेव म हमला करे रहेंन। अऊ
हमन सिकलग ला जला देंन।"

15 दाऊद ह ओकर ले पुछिस, "का तेंह मोला ओ हमला करइया दल करा ले जा सकत हस?"

ओह जबाब दीस, "परमेसर के आघू म मोर ले कसम खा कि तेंह मोर परान नइं लेबे या मोला मोर मालिक के
हांथ म नइं कर देबे, तब मेंह तोला खाल्हे ओमन करा ले जाहूं।"

16 ओह दाऊद ला खाल्हे ले गीस, अऊ ओमन उहां रहंय। ओमन ओ इलाका म बगर गे रहंय अऊ
खावत-पीयत अऊ खुसी मनात रहंय, काबरकि ओमन पलिस्तीमन के देस अऊ यहूदा के देस ले बहुंत सामान
लूटे रहंय।
17 दाऊद ह ओ दिन के सांझ ले लेके दूसर दिन के सांझ होवत तक ओमन के संग लड़ते रिहिस, अऊ ओमन
के एको झन नइं बांचिन, सिरिप चार सौ जवान मनखेमन ला छोंड़के, जऊन मन ऊंटमन म चघके भाग गीन।
18 जऊन कुछू अमालेकीमन ले गे रिहिन, ओ जम्मो ला दाऊद ह छुड़ा लीस, अपन दूनों घरवालीमन ला
घलो छुड़ा लीस।
19 कुछू घलो नइं गंवाईस: जवान या सियान, नोनी या बाबू, लूट के माल या अऊ कोनो चीज, जेला
अमालेकीमन ले गे रिहिन। दाऊद ह जम्मो चीज ला वापिस ले आईस।
20 ओह जम्मो भेड़-बकरी अऊ गाय-बईलामन ला लीस, अऊ ओकर मनखेमन ये कहत ओमन ला आने
जानवरमन के आघू हांकत ले गीन, "येह दाऊद के लूट के माल अय।"

21 तब दाऊद ह ओ दू सौ मनखेमन करा आईस, जऊन मन बहुंत थकावट के कारन ओकर संग नइं जा सके
रिहिन, अऊ ओमन ला बसोर घाटी म छोंड़ दिये गे रिहिस। ओमन दाऊद अऊ ओकर संग के मनखेमन संग
मिले बर बाहिर निकलिन। जब दाऊद अऊ ओकर मनखेमन ओमन करा हबरिन, त दाऊद ह ओमन के हालचाल
पुछिस।
22 पर जऊन मन दाऊद के संग गे रिहिन, ओमा के दुस्ट अऊ खराप मनखेमन कहे लगिन, "ये मनखेमन हमर
संग नइं गे रिहिन, एकरसेति हमन ओमन ला अपन छुड़ाय गे लूट के माल म ले कुछू नइं देवन। पर येमन
अपन-अपन घरवाली अऊ अपन लइकामन ला लेके जा सकत हें।"

23 पर दाऊद ह कहिस, "हे मोर भाईमन, नइं! तुमन ओ सामान के संग अइसने झन करव, जेला यहोवा ह
हमन ला दे हवय। ओह हमन ला बचाय हवय अऊ ओ हमला करइया दल ला हमर हांथ म कर दीस, जऊन ह
हमर बिरूध म आय रिहिस।
24 ये बिसय म तुम्हर बात ला कोन सुनही? लड़ई म जवइयामन ला जइसने बांटा मिलही, वइसने ही बांटा
ओमन ला घलो मिलही, जऊन मन इहां सामान के संग रूक गे रिहिन। जम्मो झन ला बरोबर-बरोबर बांटा
मिलही।"
25 दाऊद ह येला इसरायलीमन बर एक कानून अऊ नियम बना दीस, अऊ ओ दिन ले लेके आज तक येह
चले आवत हे।

26 जब दाऊद ह सिकलग म हबरिस, त ओह यहूदा के ओ अगुवामन करा लूट के कुछू माल पठोईस, जऊन
मन ओकर संगवारी रिहिन, अऊ ओमन ला ये संदेस घलो पठोईस, "यहोवा के बईरीमन ले हमर लूटे गय माल
म ले येह तुम्हर बर एक भेंट अय।"
27 दाऊद ह ये भेंट ओमन ला पठोईस, जऊन मन बेतेल, रामोत नेगेव, यत्तीर,
28 अरोएर, सिपमोत, एसतमोआ
29 राकाल म; अऊ जऊन मन यरहमेली अऊ केनीमन के नगरमन म;
30 होरमा, बोर-आसान, अताक
31 अऊ हेबरोन म; अऊ ओ जम्मो जगह म रहत रिहिन, जिहां दाऊद अऊ ओकर मनखेमन घुमे-फिरे रिहिन।

31

[illegible]

1 इही दौरान पलिस्तीमन इसरायलीमन ले लड़िन; इसरायलीमन ओमन ले हारके भाग गीन, अऊ बहुंते झन
गिलबो नांव के पहाड़ म मारे गीन।
2 पलिस्तीमन साऊल अऊ ओकर बेटामन के तेजी से पीछा करत रिहिन, अऊ ओमन ओकर बेटा योनातन,
अबीनादाब अऊ मलकी-सुआ ला मार डारिन।
3 साऊल के चारों कोति भयंकर लड़ई होय लगिस, अऊ जब धनुसधारीमन पीछा करके ओला घेर लीन, त
ओमन ओला घायल कर दीन।
4 तब साऊल ह अपन हथियार ढोवइया ला कहिस, "अपन तलवार ला खींचके मोला भोंग दे, नइं तो ये
खतनारहित मनखेमन आके मोर ठट्ठा करहीं।"
पर ओकर हथियार ढोवइया ह डरके वइसने नइं करिस। तब साऊल ह अपन तलवार ला ठाढ़ करके ओकर
ऊपर गिर गीस।
5 जब हथियार ढोवइया ह देखिस कि साऊल ह मर गीस, त ओह घलो अपन तलवार ऊपर गिरके ओकर संग
मर गीस।
6 ये किसम ले साऊल अऊ ओकर तीनों बेटा अऊ ओकर हथियार ढोवइया अऊ ओकर जम्मो मनखेमन
ओहीच दिन एके संग मर गीन।
7 जब घाटी के तीर के अऊ यरदन नदी के ओ पार के इसरायलीमन देखिन कि इसरायली सेना ह भाग गे हवय
अऊ साऊल अऊ ओकर बेटामन मर गे हवंय, त ओमन अपन-अपन नगर ला छोंड़के भाग गीन। अऊ
पलिस्तीमन आके ओ नगरमन ला अपन अधिकार म ले लीन।
8 दूसर दिन, जब पलिस्तीमन मरे मनखेमन के माल ला लूटे बर आईन, त ओमन ला साऊल अऊ ओकर
तीनों बेटामन के लास गिलबो पहाड़ म मिलिस।
9 ओमन साऊल के मुड़ ला काटिन, अऊ ओकर हथियार ला निकाल लीन, अऊ ओमन पलिस्तीमन के पूरा
देस म संदेसियामन ला एकरसेति पठोईन कि ओमन के मूरतीमन के मंदिर अऊ ओमन के मनखेमन के बीच म
जाके ये खबर सुनावंय।
10 ओमन साऊल के हथियार ला असतोरेत नांव के देवी के मंदिर म रखिन अऊ ओकर लास ला बेत-सान
सहर के दीवार म ठोंक दीन।
11 जब याबेस-गिलाद सहर के मनखेमन सुनिन कि पलिस्तीमन साऊल के संग का करे हवंय,
12 त ओमन के जम्मो साहसी मनखेमन रातों-रात बेत-सान गीन। ओमन साऊल अऊ ओकर बेटामन के लास
ला बेत-सान के दीवार ले खाल्हे उतारके याबेस म ले आईन, अऊ उहां जला दीन।
13 तब ओमन साऊल अऊ ओकर बेटामन के हाड़ामन ला लीन अऊ ओमन ला याबेस म एक ठन झाऊ के
रूख के खाल्हे म गाड़ दीन, अऊ ओमन सात दिन तक उपास रखिन।

समूएल
के दूसरा किताब

[illegible]

1 साऊल के मरे के बाद, जब दाऊद ह अमालेकीमन ला मारके लहुंटिस, अऊ दाऊद ला सिकलग सहर म
रहत दू दिन हो गीस,
2 तब तीसर दिन अइसने होईस कि साऊल के छावनी म ले एक मनखे आईस, जेकर ओनहा ह फटे रहय अऊ
ओकर मुड़ म धुर्रा रहय। जब ओह दाऊद के लकठा म आईस, त ओह भुइयां म गिरके दाऊद ला दंडवत करिस।
3 दाऊद ह ओकर ले पुछिस, "तेंह कहां ले आवत हस?"
ओह जबाब दीस, "मेंह इसरायली छावनी ले बांचके आय हवंव।"
4 दाऊद ह पुछिस, "उहां का बात होईस? मोला बता।"
ओह जबाब दीस, "इसरायली मनखेमन लड़ई के मैदान ला छोंड़के भाग गीन। बहुंते झन गिरके मर गीन।
अऊ साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन घलो मारे गीन।"
5 तब दाऊद ह ओ समाचार देवइया जवान ले पुछिस, "तोला कइसे पता चलिस कि साऊल अऊ ओकर बेटा
योनातन मर गे हवंय?"
6 ओ जवान ह कहिस, "संजोग के बात ए कि मेंह गिलबो पहाड़ म रहेंव, त मेंह देखेंव कि साऊल ह अपन
भाला ऊपर टेक लगाय हवय, अऊ ओकर पीछा करत रथ अऊ सवारमन बड़ तेजी से आवत रहंय।
7 जब साऊल ह पाछू मुड़िस अऊ मोला देखिस, त ओह मोला बलाईस, अऊ मेंह कहेंव, 'मोर बर का हुकूम
हे?'
8 "ओह मोर ले पुछिस, 'तें कोन अस?'
"मेंह कहेंव, 'मेंह एक अमालेकी अंव।'
9 "तब ओह मोला कहिस, 'मोर बाजू म ठाढ़ होके मोला मार डार! मेंह मिरतू के पीरा म कलपत हंव, पर मोर
परान ह नइं निकलत हे।'
10 "तब मेंह ओकर बाजू म ठाढ़ होके ओला मार डारेंव, काबरकि मेंह जान गे रहेंव कि ओह गिर जाय के बाद
नइं बांच सकय। अऊ मेंह ओकर मुड़ के मुकुट अऊ ओकर बाहां के कंगन ला इहां अपन मालिक करा ले आय
हंव।"
11 तब दाऊद अऊ उहां ओकर संग के जम्मो मनखेमन सोक म अपन ओनहा ला पकड़के चीरिन।
12 ओमन साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन बर, अऊ यहोवा के सेना बर अऊ इसरायल के घराना बर बिलाप
करिन अऊ रोईन अऊ संझा तक उपास करिन, काबरकि ओमन तलवार ले मारे गे रिहिन।
13 दाऊद ह ओ समाचार देवइया जवान ले पुछिस, "तें कहां के अस?"
ओह जबाब दीस, "में एक परदेसी के बेटा, एक अमालेकी अंव।"
14 दाऊद ह ओकर ले पुछिस, "तेंह यहोवा के अभिसिक्त जन ला नास करे बर अपन हांथ उठाय ले काबर नइं
डरय?"
15 तब दाऊद ह अपन एक जवान ला बलाके कहिस, "जा अऊ ओला मार डार।" तब ओह ओ समाचार
देवइया ला अइसे मारिस कि ओह मर गीस।
16 काबरकि दाऊद ह ओ समाचार देवइया ला कहे रिहिस, "तोर खून के दोस तोला ही लगय। तेंह खुद अपन
मुहूं ले अपन बिरूध ये कहिके गवाही दे हस, 'मेंह यहोवा के अभिसिक्त जन ला मार डारेंव।' "

[illegible]

17 तब दाऊद ह साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन के बारे म ये बिलाप करिस,
18 अऊ ओह हुकूम दीस कि यहूदा के मनखेमन ला धनुस नांव के ये बिलापगीत सिखाय जावय (ये
बिलापगीत ह यासार नांव के किताब म लिखाय हवय):
19 "हे इसरायल, एक सुघर हिरन* तोर ऊंचहा जगह म मरे पड़े हे।

---

* **1:19** [illegible] इहां येह मनखे के आदरमान ला बताथे

सूरबीर ह कइसे गिरे पड़े हवय!

20 “गत म येला झन बतावव,
अस्कलोन के गलीमन म येकर घोसना झन करव,
अइसन झन होवय कि पलिस्तीमन के माईलोगनमन खुस होवंय,
अइसन झन होवय कि खतनारहित मनखेमन के माईलोगनमन आनंद मनावंय।

21 “हे गिलबो के पहाड़मन,
तुम्हर ऊपर न तो ओस पड़य अऊ न ही बारिस होवय,
तुम्हर चौरस खेतमन† म झड़ी के फुहार झन लगय।
काबरकि उहां सूरबीर के ढाल ला तुछ समझे गीस,
साऊल के ढाल—बिगर तेल लगाय रह गीस।

22 “मारे गय मनखे के खून बोहाय बिगर,
सूरबीरमन के मांस खाय बिगर,
योनातन के धनुस ह नइं लहुंटत रिहिस,
अऊ न ही साऊल के तलवार ह असंतुस्ट होके लहुंटत रिहिस।
23 साऊल अऊ योनातन ला ओमन के जिनगी म
ओमन ला मया मिलिस अऊ ओमन के परसंसा करे गीस,
अऊ अपन मिरतू के बेरा म घलो ओमन अलग नइं होईन।
ओमन गिधवा ले घलो तेज चलइया,
अऊ सिंह ले घलो जादा बलवान रिहिन।

24 “हे इसरायल के बेटीमन,
साऊल बर रोवव,
जऊन ह तुमन ला सिन्दूरी अऊ सुघर ओनहा पहिराईस,
जऊन ह तुम्हर पहिरावा ला सोन के जेवर ले सजाईस।

25 “ओ सूरबीरमन लड़ई म कइसे गिरे पड़े हवंय!
तुम्हर ऊंचहा जगह म योनातन ह मरे पड़े हवय।
26 हे मोर भाई योनातन, मेंह तोर खातिर दुखी हवंव;
तेंह मोर बहुंत मयारू रहय।
मोर बर तोर मया ह अद्भूत रिहिस,
माईलोगनमन के मया ले घलो जादा अद्भूत रिहिस।

27 “सूरबीर सैनिकमन कइसे गिरे पड़े हवंय!
लड़ई के हथियारमन नास हो गे हवंय!”

2

[illegible]

1 एकर बाद दाऊद ह यहोवा ले पुछताछ करिस, “का मेंह यहूदा प्रदेस के कोनो नगर म जावंव?”
यहोवा ह ओला जबाब दीस, “हव, जा।”
त दाऊद ह पुछिस, “कोन नगर म जावंव?”
यहोवा ह जबाब दीस, “हेबरोन म।”

† **1:21** या [illegible]

2 तब दाऊद ह यिजरेली अहीनोअम, अऊ करमेली नाबाल के बिधवा अबीगैल नांव के अपन दूनों घरवाली
के संग उहां गीस।
3 दाऊद ह अपन संग के मनखेमन ला घलो ओमन के परिवार के संग लेके गीस; अऊ ओमन हेबरोन अऊ
येकर नगरमन म रहे लगिन।
4 तब यहूदा के मनखेमन हेबरोन आईन, अऊ उहां ओमन यहूदा के गोत्र ऊपर राजा के रूप म दाऊद के
अभिसेक करिन।
जब दाऊद ला ये बताय गीस कि जेमन साऊल ला माटी दीन, ओमन याबेस-गिलाद के मनखे रिहिन,
5 त ओह संदेसियामन ला ओमन करा ये कहे बर पठोईस, "अपन मालिक साऊल ला माटी देय के दुवारा
तुमन जऊन दया देखाय हव, ओकर बर यहोवा ह तुमन ला आसीस देवय।
6 यहोवा ह तुमन ले किरपा अऊ सच्चई के बरताव करय, अऊ मेंह घलो तुम्हर ऊपर अइसे किरपा करहूं,
काबरकि तुमन ये काम करे हवव।
7 अब तुमन मजबूत अऊ साहसी बनव, काबरकि तुम्हर मालिक साऊल ह मर गीस, अऊ यहूदा के मनखेमन
अपन ऊपर राजा होय बर मोर अभिसेक करे हवंय।"

[illegible]

8 ये दौरान, नेर के बेटा अबनेर, जऊन ह साऊल के सेनापति रिहिस, ओह साऊल के बेटा ईस-बोसेत ला लेके
महनैम म आईस,
9 अऊ ईस-बोसेत ला गिलाद, अस्सूरी अऊ यिजरेल, अऊ एपरैम, बिनयामीन अऊ जम्मो इसरायल ऊपर
राजा बना दीस।
10 साऊल के बेटा ईस-बोसेत ह चालीस बछर के रिहिस, जब ओह इसरायल ऊपर राजा बनिस, अऊ ओह दू
बछर तक राज करिस। पर यहूदा के गोत्र ह दाऊद बर वफादार बने रिहिस।
11 हेबरोन म यहूदा के गोत्र ऊपर दाऊद ह साढ़े सात बछर तक राजा रिहिस।
12 नेर के बेटा अबनेर ह साऊल के बेटा ईस-बोसेत के आदमीमन के संग महनैम ले गिबोन गीस।
13 तब सरूयाह के बेटा योआब, अऊ दाऊद के आदमीमन निकलके गीन अऊ ओमन ले गिबोन के तरिया
करा मिलिन। एक दल ह तरिया के एक तरफ बईठिस अऊ एक दल ह तरिया के दूसर तरफ बईठिस।
14 तब अबनेर ह योआब ले कहिस, "कुछू जवानमन उठके हमर आघू म एक-दूसर के संग लड़ंय।"
योआब ह कहिस, "ठीक हे, ओमन लड़ंय।"
15 तब ओमन उठिन अऊ ओमन के गनती करे गीस—बिनयामीन अऊ साऊल के बेटा ईस-बोसेत के तरफ ले
बारह झन, अऊ दाऊद के तरफ ले बारह झन।
16 हर एक आदमी अपन बिरोधी के मुड़ ला धरिस अऊ अपन छुरा ला अपन बिरोधी के पंजरा म भोंग दीस,
अऊ ओमन एक संग गिरके मर गीन। एकरसेति गिबोन म ओ जगह के नांव हेलकत-हस्सूरीम* पड़िस।
17 ओ दिन बहुंत भयंकर लड़ई होईस, अऊ अबनेर अऊ इसरायलीमन दाऊद के जवानमन ले हार गीन।
18 उहां सरूयाह के तीन बेटा रिहिन: योआब, अबीसै अऊ असाहेल। असाहेल ह जंगली हिरन के सहीं तेज
भागनेवाला मनखे रिहिस।
19 ओह अबनेर के पीछा करन लगिस, अऊ बिगर जेवनी या डेरी कोति मुड़े, ओह अबनेर के पीछा करिस।
20 अबनेर ह पाछू कोति मुड़के पुछिस, "का तेंह असाहेल अस?"
ओह जबाब दीस, "हव, में अंव।"
21 त अबनेर ह ओकर ले कहिस, "अपन जेवनी या डेरी कोति मुड़ अऊ कोनो जवान ला पकड़के ओकर
हथियारमन ला छीन ले।" पर असाहेल ह ओकर पीछा करई नइं छोंड़िस।
22 अबनेर ह फेर असाहेल ला चेतउनी दीस, "मोर पीछा करई छोंड़ दे! मेंह तोला काबर मार डारंव? अइसन
करके मेंह तोर भाई योआब ला अपन मुहूं कइसे देखाहूं?"
23 पर असाहेल ह ओकर पीछा करई नइं छोंड़िस; तब अबनेर ह अपन बरछी के कुन्दा ला ओकर पेट म अइसे
भोंग दीस कि बरछी ह ओकर आर-पार होके ओकर पीठ कोति निकल आईस। अऊ ओह गिरके उहेंच मर गीस।
हर ओ मनखे जऊन ह ओ जगह म आईस, जिहां असाहेल ह गिरके मर गे रिहिस, उहां आके ओमन रूक गीन।

---

* **2:16** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible] या [illegible]

24 पर योआब अऊ अबीसै अबनेर के पीछा करिन, अऊ जब बेर ह बुड़त रिहिस, त ओमन अम्मा नांव के ओ
पहाड़ी करा हबरिन, जऊन ह गिबोन के उजाड़ जगह के रसता म गीह के लकठा म हवय।
25 तब बिनयामीन के आदमीमन एक जुट होके अबनेर के पाछू हो लीन। ओमन अपन एक दल बनाके पहाड़ी
के टीप म ठाढ़ हो गीन।
26 तब अबनेर ह योआब ला पुकारके कहिस, "का जरूरी अय कि तलवार ह सदा मारत रहय? का तें नइं
जानस कि एकर अन्त दुखदाई होही? तेंह कब अपन आदमीमन ला हुकूम देबे कि ओमन अपन संगी
इसरायलीमन के पीछा करई छोंड़ दें?"
27 योआब ह जबाब दीस, "परमेसर के जिनगी के सपथ, यदि तेंह नइं बोले होते, त मोर आदमीमन बिहान
होवत तक ओमन के पीछा करे रहितिन।"
28 तब योआब ह तुरही फूंकिस, अऊ पूरा सैनिक दल ह रूक गीस; ओमन फेर इसरायलीमन के पीछा नइं
करिन, अऊ न ही ओमन फेर लड़ई करिन।
29 ओ पूरा रथिया अबनेर अऊ ओकर आदमीमन अराबा म ले होके गीन। ओमन यरदन नदी ला पार करिन,
अऊ बिहनियां के बेरा आघू बढ़त ओमन महनैम करा हबरिन।
30 तब योआब ह अबनेर के पीछा करई छोंड़ दीस अऊ पूरा सेना ला इकट्ठा करिस। ओह देखिस कि असाहेल
के अलावा, दाऊद के अऊ उन्नीस आदमी उहां नइं रिहिन।
31 पर दाऊद के आदमीमन तीन सौ साठ ओ बिनयामीनीमन ला मार डारे रिहिन, जेमन अबनेर के संग रिहिन।
32 योआब अऊ ओकर दल के मन असाहेल के लास ला लीन अऊ ओला बैतलहम म ओकर ददा के कबर म
माटी दीन। तब ओमन अऊ ओकर आदमीमन रात भर आघू बढ़ते रिहिन अऊ बड़े बिहनियां हेबरोन म हबरिन।

3

1 साऊल के घराना अऊ दाऊद के घराना के बीच बहुंत समय तक लड़ई चलते रिहिस। पर दाऊद ह अऊ
मजबूत होवत गीस अऊ साऊल के घराना ह कमजोर होवत गीस।

2 हेबरोन नगर म दाऊद के जऊन बेटामन जनमिन, ओमन ये रिहिन:

ओकर बड़े बेटा अमनोन रिहिस, जऊन ह यिजरेल के अहीनोअम ले जनमे रिहिस;
3 अऊ ओकर दूसर बेटा किलाब रिहिस, जऊन ह करमेल के नाबाल के बिधवा अबीगैल ले जनमे रिहिस;
तीसर, अबसालोम रिहिस, जऊन ह गसूर के राजा तलमै के बेटी माका ले जनमे रिहिस;
4 चौथा, अदोनियाह रिहिस, जऊन ह हगीत ले जनमे रिहिस;
पांचवां सपतयाह रिहिस, जेकर दाई अबीतल रिहिस;
5 अऊ छठवां यितराम, जऊन ह एगला नांव दाऊद के घरवाली ले जनमे रिहिस।

हेबरोन म दाऊद ले येहीच लइकामन होईन।

[illegible]

6 जब साऊल अऊ दाऊद दूनों के घराना के बीच लड़ई होवत रिहिस, तब अबनेर ह साऊल के घराना म
अपन खुद के स्थिति ला मजबूत करत गीस।
7 साऊल के एक झन रखैल रिहिस, जेकर नांव रिस्पा रिहिस; ओह अय्या के बेटी रिहिस। ईस-बोसेत ह
अबनेर ऊपर दोस लगाईस, "तेंह मोर ददा के रखैल संग काबर सुतय?"
8 ईस-बोसेत ह जऊन बात कहिस, ओकर कारन अबनेर ह बहुंत गुस्सा होईस अऊ कहिस, "का मेंह यहूदा के
कुकुर के मुड़ अंव? आज तक मेंह तोर ददा साऊल के घराना अऊ ओकर परिवार अऊ संगवारीमन के पूरा मन
से काम करे हंव। मेंह तोला दाऊद के हांथ म पड़न नइं दे हंव। तभो ले तेंह अब मोर ऊपर ये माईलोगन के
बिसय म दोस लगावत हस!
9 यहोवा ह सपथ खाके दाऊद ले जऊन वायदा करे हवय, यदि मेंह ओकर मुताबिक दाऊद के मदद नइं करंव,
त परमेसर ह अबनेर ले लेखा लेवय अऊ बहुंत कड़ई से लेखा लेवय

10 याने कि मेंह राज ला साऊल के घराना ले छीन लूहूं अऊ दाऊद के सिंघासन ला दान ले लेके बेरसेबा तक
इसरायल अऊ यहूदा के ऊपर इस्थिर करहूं।"
11 ईस-बोसेत ह अबनेर ला अऊ कुछू कहे के हिम्मत नइं करिस, काबरकि ओह अबनेर ले डरत रिहिस।
12 तब अबनेर ह अपन कोति ले ये कहे बर संदेसियामन ला दाऊद करा पठोईस, "ये देस काकर अय? मोर
संग एक समझौता कर, अऊ मेंह जम्मो इसरायल ला तोर अधीन करे म तोर मदद करहूं।"
13 दाऊद ह कहिस, "ठीक हे, मेंह तोर संग एक समझौता करहूं। पर एक बात मेंह तोर ले चाहथंव: तेंह मोर
सामने नइं आबे, जब तक कि तेंह साऊल के बेटी मीकल ला लेके नइं आबे, जब तेंह मोर ले भेंट करे बर आबे।"
14 तब दाऊद ह ये मांग के संग संदेसियामन ला साऊल के बेटा ईस-बोसेत करा पठोईस, "मोला मोर घरवाली
मीकल ला दे, जेकर संग मोर रिस्ता तय करे बर एक सौ पलिस्तीमन के खलड़ी ला दाम के रूप म चुकाय रहेंव।"
15 तब ईस-बोसेत ह मनखेमन ला हुकूम देके मीकल ला ओकर घरवाला पलतीएल ले अलग कर दीस, जऊन
ह लैस के बेटा रिहिस।
16 तभो ले, ओकर घरवाला ह रोवत ओकर पाछू-पाछू बहूरीम तक गीस। तब अबनेर ह ओला कहिस, "अपन
घर लहुंट जा।" त ओह लहुंट गीस।
17 फेर अबनेर ह इसरायल के अगुवामन संग सलाह-मसविरा करिस अऊ कहिस, "कुछू समय ले तुमन चाहत
रहेव कि दाऊद ह तुम्हर राजा होवय।
18 अब वइसनेच करव! काबरकि यहोवा ह दाऊद ले वायदा करे हवय, 'अपन सेवक दाऊद के दुवारा मेंह
अपन मनखे इसरायल ला पलिस्तीमन के हांथ ले अऊ ओमन के जम्मो बईरीमन के हांथ ले छोंड़ाहूं।' "
19 अबनेर ह बिनयामीनी मनखेमन ले घलो गोठियाईस। तब ओह हेबरोन म दाऊद ला ओ जम्मो बात बताय
बर चल दीस, जेला इसरायल अऊ बिनयामीन के पूरा गोत्र के मनखेमन करे चाहत रिहिन।
20 तब अबनेर ह अपन बीस जवानमन के संग हेबरोन म दाऊद करा आईस, त दाऊद ह ओकर अऊ ओकर
मनखेमन बर एक जेवनार करिस।
21 तब अबनेर ह दाऊद ला कहिस, "मोला तुरते जाके मोर मालिक, राजा बर जम्मो इसरायलीमन ला इकट्ठा
करन दे, ताकि ओमन तोर संग एक करार करंय, अऊ ये कि तें अपन मन मुताबिक जम्मो के ऊपर राज कर
सकस।" तब दाऊद ह अबनेर ला बिदा करिस, अऊ ओह सांत मन से चले गीस।

[illegible]

22 तब ओही बेरा, दाऊद के जवानमन अऊ योआब बईरीमन के कोनो जगह म हमला करके लहुंटिन अऊ
अपन संग बहुंत अकन लूट के सामान लेके आईन। पर ओ समय अबनेर ह दाऊद के संग हेबरोन म नइं रिहिस,
काबरकि दाऊद ह ओला बिदा कर देय रिहिस, अऊ ओह सांत मन से चल दे रिहिस।
23 जब योआब अऊ ओकर संग के जम्मो सैनिकमन आईन, त योआब ला बताय गीस कि नेर के बेटा अबनेर
ह राजा करा आय रिहिस अऊ राजा ह ओला बिदा कर दीस अऊ ओह सांत मन से चल दीस।
24 तब योआब ह राजा करा जाके कहिस, "तेंह ये का करे हस? देख, अबनेर ह तोर करा आय रिहिस, त तेंह
ओला काबर जावन देय? अब ओह चले गे हवय!
25 तेंह नेर के बेटा अबनेर ला जानत हस; ओह तोला धोखा देय बर, अऊ तोर अवई-जवई अऊ तोर जम्मो
काम के भेद लेय बर आय रिहिस।"
26 तब योआब ह दाऊद करा ले चल दीस अऊ अबनेर के पाछू संदेसियामन ला पठोईस, अऊ ओमन ओला
सीरा नांव के कुन्ड ले लहुंटाके ले आईन। पर दाऊद ला ये बात के पता नइं रिहिस।
27 जब अबनेर ह हेबरोन म लहुंट आईस, त योआब ह ओला अलग एक भीतर के कमरा म ले गीस; ओह
अइसे देखाईस मानो ओह ओकर ले गुपत म कुछू बात करे चाहत हे। अऊ उहां अपन भाई असाहेल के खून के
बदला लेय बर, योआब ह ओकर पेट म छुरा ला अइसन भोंगिस कि ओह मर गीस।
28 बाद म, जब दाऊद ये बात ला सुनिस, त ओह घोसना करिस, "नेर के बेटा अबनेर के खून के बारे म, में अऊ
मोर राज ह यहोवा के नजर म हमेसा निरदोस रहिबो।

29 ओकर खून के दोस ह योआब अऊ ओकर पूरा परिवार ऊपर लगय! योआब के परिवार म हमेसा कोनो न
कोनो मनखे ला बहत घाव या कोढ़ के बेमारी होवय या ओह लउठी के मदद ले चलय या तलवार ले मारे जावय
या भूखन मरइया होवय।"
30 (योआब अऊ ओकर भाई अबीसै मिलके अबनेर के हतिया कर दीन, काबरकि ओह ओमन के भाई असाहेल
ला गिबोन म लड़ई के बेरा मार डारे रिहिस।)
31 तब दाऊद ह योआब अऊ अपन संग के जम्मो मनखेमन ला कहिस, "अपन-अपन ओनहा ला सोक म
चीरव अऊ बोरा के ओनहा पहिरव अऊ अबनेर के आघू-आघू सोक मनात चलव।" दाऊद राजा खुद अरथी के
पाछू-पाछू चलिस।
32 ओमन अबनेर ला हेबरोन म माटी दीन, अऊ राजा ह अबनेर के कबर म जोर-जोर से रोईस, अऊ जम्मो
मनखेमन घलो रोईन।
33 तब राजा ह अबनेर बर ये बिलापगीत गाईस:
"का उचित रिहिस कि अबनेर ह अइसने मरय, जइसने कोनो मुरूख ह मरथे?
34 न तो तोर हांथमन ला बांधे गीस,
न ही तोर गोड़मन म बेड़ी डारे गीस।
तेंह अइसे मरय, जइसे कोनो, दुस्ट मनखे के आघू म मरथे।"
अऊ जम्मो मनखेमन ओकर बर फेर रोईन।
35 तब जम्मो मनखेमन आईन अऊ दाऊद ले बिनती करिन कि ओह दिन के रहत कुछू खा ले; पर दाऊद ह ये
कहिके सपथ लीस, "यदि बेर बुड़े के पहिले मेंह रोटी या कुछू आने चीज ला खावंव, त परमेसर ह मोर ले
अइसनेच, बरन एकर ले घलो जादा कठोर बरताव करय!"
36 जम्मो मनखेमन ये बात ऊपर धियान दीन अऊ खुस होईन; वास्तव म, ओ जम्मो चीज ले ओमन खुस
रिहिन, जेला राजा ह करिस।
37 तब ओ दिन, उहां ओ जम्मो मनखे अऊ जम्मो इसरायलीमन जान डारिन कि नेर के बेटा अबनेर के हतिया
करे म राजा के कोनो हांथ नइं रिहिस।
38 तब राजा ह अपन अधिकारीमन ले कहिस, "का तुमन ये बात ला नइं समझत हव कि इसरायल म, आज
एक सेनापति अऊ एक बड़े मनखे ह खतम हो गीस?
39 अऊ आज, हालाकि मेंह अभिसिक्त राजा अंव, तभो ले मेंह कमजोर हंव, अऊ सरूयाह के ये बेटामन मोर
ले जादा ताकतवर हो गे हवंय। यहोवा ह दुस्ट काम करइया ला ओकर दुस्ट काम के मुताबिक बदला देवय।"

4

??-????? ?? ?????

1 जब साऊल के बेटा, ईस-बोसेत ह सुनिस कि अबनेर ह हेबरोन म मारे गीस, तब ओह हिम्मत हार गीस,
अऊ जम्मो इसरायलीमन घबरा गीन।
2 साऊल के बेटा के दू झन आदमी रिहिन, जेमन छापामार दलमन के अगुवा रिहिन। एक के नांव बाना अऊ
दूसर के नांव रेकाब रिहिस; येमन बिनयामीन के गोत्र के बेरोतवासी रिम्मोन के बेटा रिहिन—बेरोत ला
बिनयामीन के भाग समझे जाथे,
3 काबरकि बेरोत के मनखेमन गित्तैम नगर ला भाग गे रिहिन अऊ ओमन उहां आज तक परदेसी के रूप म
रहिथें।
4 (साऊल के बेटा योनातन के एक झन बेटा रिहिस, जऊन ह दूनों गोड़ ले खोरवा रिहिस। जब यिजरेल ले
साऊल अऊ योनातन के बारे म समाचार आईस, तब ओह पांच बछर के रिहिस। ओ बेरा म, ओकर धाई ह
ओला उठाके भागिस, अऊ जब ओह भागे बर जल्दी करत रिहिस, त लइका ह गिरके खोरवा हो गीस। ओकर
नांव मपीबोसेत रिहिस।)
5 बेरोती रिम्मोन के बेटा रेकाब अऊ बाना, ईस-बोसेत के घर जाय बर निकलिन, अऊ ओमन उहां दिन म
घाम के बेरा हबरिन, जब ईस-बोसेत ह मंझनियां अराम करत रिहिस।
6 ओमन घर के भीतरी भाग म अइसे गीन, मानो ओमन कुछू गहूं ले जाय बर आय हवंय, अऊ उहां ओमन
ईस-बोसेत के पेट म छुरा भोंग दीन। तब रेकाब अऊ ओकर भाई बाना चुपेचाप भाग निकलिन।

7 ओमन घर म तब घुसे रिहिन, जब ईस-बोसेत ह अपन सोये के कमरा म बिस्तर म लेटे रिहिस। ओमन ओला
छुरा घोंपके मार डारिन अऊ ओकर मुड़ ला काट लीन, अऊ ओकर मुड़ ला लेके, ओमन रात भर अराबा के
रसता म चलिन।
8 ओमन ईस-बोसेत के मुड़ ला हेबरोन म दाऊद करा लानिन अऊ राजा ला कहिन, "तोर ओ बईरी साऊल,
जऊन ह तोला मार डारे के कोसिस करत रिहिस, ये देख, हमन ओकर बेटा ईस-बोसेत के मुड़ ला ले आय हन।
आज यहोवा ह साऊल अऊ ओकर बंस ले हमर मालिक, राजा के पलटा लेय ले हवय।"
9 दाऊद ह बेरोती रिम्मोन के बेटा रेकाब अऊ ओकर भाई बाना ला ये जबाब दीस, "यहोवा के जिनगी के
सपथ, जऊन ह मोला हर समस्या ले निकाले हवय,
10 जब कोनो मनखे ह मोला बताईस, 'साऊल ह मर गे हे,' अऊ ओह सोचिस कि ओह सुघर संदेस लेके आय
हवय, पर मेंह ओला पकड़के सिकलग म मरवा देंव। ओह ओकर ईनाम रिहिस, जेला मेंह ओकर ओ संदेस बर
देंव!
11 त फेर येकर ले जादा ईनाम काबर नइं मिलही—जब दुस्ट मनखेमन एक निरदोस मनखे ला ओकरेच घर म
अऊ ओकर बिस्तर म मार डारे हवंय—त येह जरूरी अय कि मेंह ओकर खून के बदला तुमन ले लंव अऊ तुमन
ला ये धरती ले मिटा दंव!"
12 तब दाऊद ह अपन आदमीमन ला हुकूम दीस, अऊ ओमन ओ दूनों झन ला मार डारिन अऊ ओमन के
हांथ अऊ गोड़मन ला काटके ओमन के लास ला हेबरोन के तरिया के तीर म टांग दीन। पर ओमन ईस-बोसेत के
मुड़ ला लेके हेबरोन म अबनेर के कबर म गाड़ दीन।

5

[illegible]

1 इसरायल के जम्मो गोत्र के मनखेमन हेबरोन म दाऊद मेर आके कहिन, "सुन, हमन तोर खुद के मांस अऊ
लहू अन।
2 पहिले जब साऊल ह हमर राजा रिहिस, तब तेंहीच ह सैनिक अभियान म इसरायल के अगुवई करत रहय।
अऊ यहोवा ह तोला कहे रिहिस, 'तेंह मोर मनखे इसरायल के चरवाहा होबे, अऊ तेंह ओमन ऊपर सासन
करबे।' "
3 जब इसरायल के जम्मो अगुवामन हेबरोन म राजा दाऊद मेर आय रिहिन, त दाऊद राजा ह ओमन के संग
म हेबरोन म यहोवा के आघू म एक करार करिस, अऊ ओमन इसरायल के राजा होय बर दाऊद के अभिसेक
करिन।
4 दाऊद ह तीस बछर के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ चालीस बछर तक राज करिस।
5 हेबरोन म यहूदा ऊपर, ओह साढ़े सात बछर तक राज करिस, अऊ यरूसलेम म जम्मो इसरायल अऊ
यहूदा ऊपर, ओह तैंतीस बछर तक राज करिस।

[illegible]

6 राजा अऊ ओकर आदमीमन यरूसलेम जाके यबूसीमन ऊपर हमला करिन, जऊन मन उहां रहत रिहिन।
यबूसीमन दाऊद ला कहिन, "तेंह इहां घुस नइं सकस; अऊ त अऊ अंधरा अऊ खोरवामन तोला रोक लीहीं।"
ओमन सोचत रिहिन, "दाऊद ह इहां घुस नइं सकय।"
7 तभो ले दाऊद ह सियोन के गढ़ ऊपर कब्जा कर लीस—जऊन ह दाऊद के नगर अय।
8 ओ दिन दाऊद ह कहे रिहिस, "जऊन कोनो यबूसीमन ऊपर जय पाय चाहथे, ओला ओ अंधरा अऊ
खोरवामन करा हबरे बर पानी के लम्बा सुरंग के उपयोग करना पड़ही, जेमन दाऊद के बईरी अंय।" एकर कारन
ओमन कहिथें, "अंधरा अऊ खोरवामन महल भीतर नइं आ सकंय।"
9 तब दाऊद ह ओ किला म रहे लगिस, अऊ ओकर नांव दाऊद के नगर रखिस। ओह चारों कोति मिल्लो ले
लेके भीतर कोति नगर ला बनवाईस।
10 अऊ ओह अऊ जादा सक्तिसाली होवत गीस, काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा परमेसर ह ओकर संग
रिहिस।
11 तब सूर के राजा हीराम ह दाऊद करा दूतमन ला पठोईस, अऊ संग म देवदार के लकड़ी, बढ़ई अऊ
राज-मिसतिरीमन ला पठोईस, अऊ ओमन दाऊद बर एक महल बनाईन।

12 तब दाऊद ला निस्चय हो गीस कि यहोवा ह ओला इसरायल ऊपर राजा के रूप म इस्थिर करे हवय अऊ
अपन मनखे इसरायलीमन के हित म ओकर राज ला उठाय हवय।
13 हेबरोन नगर ला छोंड़े के बाद, दाऊद ह यरूसलेम म अऊ रखैल अऊ घरवाली बना लीस, अऊ ओकर ले
अऊ बेटा अऊ बेटीमन पईदा होईन।
14 येमन ओ लइकामन के नांव अंय, जेमन उहां ओकर ले जनमिन: सम्मू, सोबाब, नातान, सुलेमान,
15 यिभार, एलीसू, नेपेग, यापी,
16 एलीसामा, एलयादा अऊ एलीपेलेत।

[illegible]

17 जब पलिस्तीमन ये सुनिन कि इसरायल के ऊपर राजा के रूप म दाऊद के अभिसेक करे गे हवय, त ओमन
पूरा सेना लेके दाऊद के खोज म निकलिन, पर दाऊद ह येकर बारे म सुनिस अऊ खाल्हे कोति गढ़ म चल दीस।
18 तब पलिस्तीमन आके रपाईम के घाटी म बगर गीन।
19 तब दाऊद ह परमेसर ले पुछताछ करिस, "का मेंह जाके पलिस्तीमन ऊपर हमला करंव? का तेंह ओमन
ला मोर हांथ म कर देबे?"
यहोवा ह दाऊद ला जबाब दीस, "जा, खचित मेंह पलिस्तीमन ला तोर हांथ म कर दूहूं।"
20 तब दाऊद ह बाल-परासीम ला गीस, अऊ उहां ओह ओमन ला हरा दीस। ओह कहिस, "यहोवा ह मोर
आघू म मोर बईरीमन ला अइसे फोर दे हवय, जइसे पानी के धारा ह फूट निकलथे।" ये खातिर ओ जगह ला
बाल-परासीम* कहे गीस।
21 पलिस्तीमन उहां अपन मूरतीमन ला छोंड़ दीन, अऊ दाऊद अऊ ओकर आदमीमन ओमन ला उठाके ले
गीन।
22 एक बार फेर पलिस्तीमन आईन अऊ रपाईम घाटी म बगर गीन;
23 तब दाऊद ह यहोवा ले पुछताछ करिस, अऊ परमेसर ह जबाब दीस, "ओमन कोति सीधा झन जा, पर
ओमन के पाछू कोति घेरा बनाके चिनार रूखमन के आघू म ओमन ऊपर हमला कर।
24 जतेक जल्दी तेंह चिनार रूखमन के पान ऊपर म सेना के चले के खरखराहट ला सुनबे, त जल्दी करबे,
काबरकि ओकर ये मतलब होही कि यहोवा ह पलिस्ती सेना ला मारे बर तोर आघू गे हवय।"
25 दाऊद ह वइसे ही करिस, जइसे यहोवा ह ओला हुकूम देय रिहिस, अऊ ओह गिबोन सहर† ले लेके गेजेर
नगर तक पलिस्तीमन ला मार गिराईस।

6

[illegible]

1 दाऊद ह फेर इसरायल के जम्मो योग्य जवानमन ला इकट्ठा करिस, जेमन के संखिया तीस हजार रिहिस।
2 ओ अऊ ओकर आदमीमन यहूदा के बालाह* नांव के जगह म गीन ताकि उहां ले ओमन परमेसर के ओ
सन्दूक ला ले आवंय, जेला नांव ले पुकारे जाथे, याने कि सर्वसक्तिमान यहोवा के नांव ले पुकारे जाथे, जऊन ह
सन्दूक ऊपर करूबमन के बीच म बिराजे हवय।
3 तब ओमन पहाड़ी म रहइया अबीनादाब के घर ले परमेसर के सन्दूक ला निकालके एक नवां गाड़ी म रखिन।
अऊ अबीनादाब के उज्जा अऊ अहियो नांव के दू झन बेटामन ओ गाड़ी ला हांकत रिहिन,
4 जेमा परमेसर के सन्दूक रखाय रिहिस, अऊ अहियो ह सन्दूक के आघू-आघू चलत रिहिस।
5 दाऊद अऊ जम्मो इसरायलीमन यहोवा के आघू म जम्मो किसम के बाजा, बीना, सारंगी, डफ, डमरू अऊ
झांझ बजाके उत्सव मनात रिहिन।
6 जब ओमन नाकोन के कोठार मेर आईन, तब उज्जा ह अपन हांथ ला बढ़ाके परमेसर के सन्दूक ला थाम
लीस, काबरकि बईलामन लड़खड़ा गे रिहिन।
7 तब यहोवा के कोरोध उज्जा के ऊपर भड़किस, काबरकि ओह अनादर के काम करे रिहिस; एकरसेति परमेसर
ह ओला अइसन मारिस कि ओह उहां परमेसर के सन्दूक के बाजू म मर गीस।

---

* **5:20** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] † **5:25** सेटाजिन्ट (देखव 1 इति 14:16); इबरानी म [illegible] * **6:2** [illegible] याने कि [illegible]-[illegible] देखव 1 इति 13:6

8 तब दाऊद ह गुस्सा होईस, काबरकि यहोवा के कोप ह उज्जा ऊपर भड़के रिहिस, अऊ आज तक ओ जगह
ला पेरेस-उज्जा† कहे जाथे।
9 ओ दिन दाऊद ह यहोवा ले डर गीस अऊ कहिस, "यहोवा के सन्दूक ह मोर इहां कभू कइसे आ सकत हे?"
10 दाऊद ह यहोवा के सन्दूक ला अपन संग दाऊद के नगर म ले जाय बर नइं चाहत रिहिस। पर ओह येला
गत के रहइया ओबेद-एदोम के घर ले गीस।
11 यहोवा के सन्दूक ह गत के रहइया ओबेद-एदोम के घर म तीन महिना तक रिहिस, अऊ यहोवा ह
ओबेद-एदोम अऊ ओकर जम्मो घराना ला आसीस दीस।
12 तब दाऊद राजा ला ये बताय गीस, "परमेसर के सन्दूक के कारन यहोवा ह ओबेद-एदोम के घराना अऊ
ओकर हर चीज ला आसीस देय हवय।" तब दाऊद ह परमेसर के सन्दूक ला ओबेद-एदोम के घर ले दाऊद के
नगर म लाने बर आनंद मनात गीस।
13 जब यहोवा के सन्दूक ला उठानेवालामन छै कदम बढ़ाय रिहिन, तब दाऊद ह एक ठन बईला अऊ एक
ठन मोटा-ताजा बछरू ला बलि चघाईस।
14 मलमल के एक ठन एपोद पहिरे, दाऊद ह पूरा मन से यहोवा के आघू म नाचत रिहिस,
15 जब ओ अऊ जम्मो इसरायलीमन जोर-सोर से अऊ तुरही फूंकत यहोवा के सन्दूक ला लावत रिहिन।
16 जब यहोवा के सन्दूक दाऊद के नगर म प्रवेस करत रिहिस, त साऊल के बेटी मीकल ह खिड़की ले झांकके
देखिस। जब ओह दाऊद राजा ला यहोवा के आघू म नाचत-कूदत देखिस, त ओह अपन मन म ओला तुछ
समझिस।
17 मनखेमन यहोवा के सन्दूक ला लानके ओ तम्बू के भीतर ओकर जगह म रख दीन, जेला दाऊद ह ओकर
बर बनाय रिहिस, अऊ दाऊद ह यहोवा के आघू म होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाईस।
18 होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाय के बाद, ओह मनखेमन ला सर्वसक्तिमान यहोवा के नांव म
आसीस दीस।
19 तब ओह इसरायलीमन के जम्मो भीड़ के हर एक मनखे, आदमी अऊ माईलोगन दूनों ला एक-एक ठन
रोटी, एक-एक ठन खजूर के टिकिया अऊ एक-एक ठन किसमिस के टिकिया दीस। ओकर बाद जम्मो मनखेमन
अपन-अपन घर चल दीन।
20 जब दाऊद ह अपन घराना ला आसीस देय बर घर लहुंटिस, त साऊल के बेटी मीकल ह ओकर ले मिले बर
बाहिर निकलिस अऊ ओला कहिस, "आज इसरायल के राजा ह कइसे अपनआप ला अलग देखाईस! ओह
अपन सेवकमन के दासीमन के देखत म आधा नंगरा हो गे रिहिस, जइसने कोनो गंवार मनखे ह करथे!"
21 दाऊद ह मीकल ला कहिस, "येह यहोवा के आघू म होईस, जऊन ह तोर ददा या ओकर घर के कोनो मनखे
के बदले मोला चुनिस, जब ओह मोला यहोवा के मनखे इसरायलीमन ऊपर सासन करइया ठहिराईस—मेंह
यहोवा के आघू म उत्सव मनाहूं।
22 अऊ मेंह एकर ले घलो जादा तुछ बनहूं, अऊ मेंह अपन ही नजर म अपमानित होहूं। पर जऊन दासीमन
के तेंह चरचा करय, ओमन के दुवारा मोला आदर मिलही।"
23 अऊ साऊल के बेटी मीकल के मरे के दिन तक ओकर कोनो लइका नइं होईस।

7

[illegible]

1 जब राजा दाऊद ह अपन महल म रहे लगिस, अऊ यहोवा ओला ओकर चारों कोति के जम्मो बईरीमन ले
बिसराम देय रिहिस,
2 त एक दिन राजा ह नातान अगमजानी ला कहिस, "देख, मेंह देवदार लकरी ले बने घर म रहत हंव, जबकि
परमेसर के सन्दूक ह एक तम्बू म हवय।"
3 नातान ह राजा ले कहिस, "जऊन कुछू तोर मन म हवय, जा अऊ ओला कर, काबरकि यहोवा ह तोर संग
हवय।"
4 पर ओहीच रथिया, यहोवा के ये बचन नातान मेर आईस:

† **6:8** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible]

5 “जाके मोर सेवक दाऊद ला कह, ‘यहोवा ह ये कहत हे: का तेंह ओ अस, जऊन ह मोर निवास बर एक
घर बनवाबे?
6 जब ले मेंह इसरायलीमन ला मिसर देस ले निकालके लाने हंव, ओ दिन ले लेके आज तक मेंह कोनो घर
म नइं रहे हंव। निवास के रूप म एक तम्बू के संग मेंह एक जगह ले दूसर जगह जावत हंव।
7 जिहां-जिहां मेंह जम्मो इसरायलीमन के संग गेंव, का मेंह कभू ओमन के ऊपर सासन करइयामन ले,
जेमन ला मेंह अपन इसरायली मनखेमन ऊपर सासक ठहिराय रहेंव, ओमन ले कोनो ला अइसन बात कहेंव,
“तेंह मोर बर देवदार लकड़ी के घर काबर नइं बनवाय?” ’
8 “एकरसेति, अब मोर सेवक दाऊद ले कह, ‘सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोला चरागन ले,
भेड़-बकरीमन ला चराय के काम ले लेंव, अऊ मेंह तोला मोर इसरायली मनखेमन ऊपर सासन करइया
ठहिरांय।
9 जिहां घलो तें गे, उहां में तोर संग रहेंव, अऊ मेंह तोर जम्मो बईरीमन ला तोर आघू ले नास कर देंव। अब
मेंह तोर नांव ला धरती के सबले बड़े मनखेमन के नांव सहीं बड़े करहूं।
10 अऊ मेंह अपन इसरायली मनखेमन बर एक जगह ठहिराहूं, अऊ ओमन ला बसाहूं, ताकि ओमन के
अपन खुद के घर होवय अऊ ओमन फेर कभू एती-ओती झन होवंय। दुस्ट मनखेमन फेर ओमन ऊपर
अतियाचार नइं करहीं, जइसने कि ओमन सुरू म करत रिहिन
11 अऊ ओ बेरा ले करत आवत हें, जब मेंह अपन इसरायली मनखेमन ऊपर अगुवामन* ला ठहिरांय। मेंह
तोला तोर जम्मो बईरीमन ले बिसराम दूहूं।
“ ‘यहोवा तोर करा घोसना करत हे कि यहोवा ह खुद तोर बर एक घर स्थापित करही:
12 जब तोर उमर पूरा हो जाही, अऊ तेंह अपन पुरखामन संग मिल जाबे, त मेंह तोर संतान ला तोर जगह
लेय बर ठाढ़ करहूं; ओह तोर खुद के देहें अऊ खून म ले होही, अऊ मेंह ओकर राज ला इस्थिर करहूं।
13 ओही ह मोर नांव बर एक घर बनाही, अऊ मेंह ओकर राज के सिंघासन ला हमेसा बर इस्थिर करहूं।
14 मेंह ओकर ददा होहूं, अऊ ओह मोर बेटा होही। जब ओह गलत काम करही, त मेंह ओला मनखेमन के
दुवारा छड़ी ले अऊ कोर्रा ले पीटवाके दंड दूहूं।
15 पर मोर मया ह ओकर ऊपर ले कभू नइं हटही, जइसे कि मेंह साऊल के ऊपर ले हटा ले रहेंव अऊ जेला
मेंह तोर आघू ले दूरिहा कर देंव।
16 तोर घराना अऊ तोर राज ह मोर आघू म सदा बने रहिही; तोर सिंघासन ह सदा बने रहिही।’ ”
17 नातान ह दरसन के हर एक बात दाऊद ला बता दीस।

[illegible]

18 तब दाऊद राजा ह भीतर जाके यहोवा के आघू म बईठ गीस, अऊ कहिस:
“हे परमपरधान यहोवा, मेंह कोन अंव, अऊ मोर घराना का ए, कि तेंह मोला इहां तक लाने हस?
19 अऊ हे परमपरधान यहोवा, मानो येह तोर नजर म परयाप्त नइं रिहिस कि तेंह अपन सेवक के घराना के
भविस्य के बारे म गोठियाय—अऊ हे परमपरधान यहोवा, ये बिधि-बिधान ह सिरिप एक मनखे बर अय!
20 “दाऊद ह तोर ले अऊ का कह सकत हे? काबरकि हे परमपरधान यहोवा, तें तो अपन सेवक ला जानत
हस।
21 अपन बचन के हित म अऊ अपन ईछा के मुताबिक, तेंह ये बड़े काम करे हस अऊ अपन सेवक ला ये
बात बताय हस।
22 “हे परमपरधान यहोवा, तेंह कतेक महान अस! तोर सहीं अऊ कोनो नइं ए, अऊ तोला छोंड़ अऊ कोनो
परमेसर नइं ए, जइसे कि हमन अपन कान ले सुने हवन।
23 अऊ तोर मनखे इसरायल के सहीं कोन हे—धरती ऊपर के एक जाति, जेला अपन नांव के खातिर तेंह
जाके छोंड़ाय, अऊ अपन मनखेमन के आघू ले जाति-जाति के मनखेमन ला निकालके बड़े अऊ अद्भूत काम
करे, अऊ ओमन ला मिसर देस ले छोंड़ाय।
24 तेंह अपन मनखे इसरायलीमन ला हमेसा बर अपन खुद के मनखे के रूप म स्थापित करे, अऊ हे यहोवा,
तेंह ओमन के परमेसर बने हस।

* **7:11** परंपरा के रूप म येकर मतलब होथे [illegible]

25 “अऊ अब हे यहोवा परमेसर, तेंह जऊन वायदा अपन सेवक अऊ ओकर घराना के बारे म करे हस,
ओला सदाकाल तक बनाय रख। अपन वायदा के मुताबिक ही कर,
26 ताकि तोर नांव ह सदाकाल बर महान रहय। तब मनखेमन कहिहीं, ‘सर्वसक्तिमान यहोवा ह इसरायल
ऊपर परमेसर अय!’ अऊ तोर सेवक दाऊद के घराना ह तोर नजर म बने रहिही।
27 “हे सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर, तेंह येला अपन सेवक ऊपर परगट करे हस, ‘मेंह तोर
बर एक घर ला बनाहूं।’ एकरसेति तोर सेवक ला तोर ले पराथना करे के हिम्मत मिले हवय।
28 हे परमपरधान यहोवा, तेंहीच ह परमेसर अस! तोर करार ह बिसवासयोग्य अय, अऊ तेंह ये बने
चीजमन के वायदा अपन सेवक ले करे हस।
29 त अब खुस होके अपन सेवक के घराना ला आसीस दे, कि येह तोर नजर म हमेसा बने रहय; काबरकि हे
परमपरधान यहोवा, तेंह ये बात ला कहे हस, अऊ तोर आसीस ले ही तोर सेवक के घराना ह हमेसा आसीसित
होही।”

8

[illegible] [illegible] [illegible]

1 कुछू समय के बाद, दाऊद ह पलिस्तीमन ला हराके ओमन ला अपन अधीन कर लीस, अऊ ओह
मेतेग-अम्मा सहर ला पलिस्तीमन के हांथ ले छीन लीस।
2 दाऊद ह मोआबीमन ला घलो हराईस। ओह ओमन ला भुइयां म लेटा दीस अऊ ओमन ला एक ठन डोरी
ले नापिस। तब ओमा के हर दू पांति के मनखेमन मार डारे गीन, अऊ तीसरा पांति के मनखेमन ला जीयत छोंड़
दिये गीस। ये किसम ले मोआबीमन दाऊद के अधीन होके ओला कर पटाय लगिन।
3 येकर छोंड़ दाऊद ह रहोब के बेटा सोबा के राजा हददेजेर ला हराईस, जब हददेजेर ह फरात नदी करा
अपन स्मारक के मरम्मत करे बर जावत रिहिस।
4 दाऊद ह ओकर एक हजार रथ, सात हजार सारथी,* अऊ बीस हजार पैदल सैनिकमन ला छीन लीस। ओह
एक सौ रथवाले घोड़ामन ला छोंड़के बाकि जम्मो घोड़ामन के माड़ी के पाछू के नस ला कटवा दीस।
5 जब दमिस्क के अरामीमन सोबा के राजा हददेजेर के मदद करे बर आईन, त दाऊद ह ओमन के बाईस हजार
मनखेमन ला मार डारिस।
6 दाऊद ह दमिस्क के अरामी राज म सैनिक दलमन ला ठहिरा दीस, अऊ अरामीमन ओकर अधीन हो गीन
अऊ ओला कर पटाय लगिन। दाऊद ह जिहां घलो गीस, यहोवा ह ओला जीतवाईस।
7 दाऊद ह हददेजेर के अधिकारीमन के सोन के ढालमन ला ले लीस अऊ ओ ढालमन ला यरूसलेम ले
आईस।
8 हददेजेर के तेबह† अऊ बरोतै नांव के नगरमन ले दाऊद राजा ह बहुंत अकन कांसा ले आईस।
9 जब हमात के राजा तोऊ‡ ह सुनिस कि दाऊद ह हददेजेर के पूरा सेना ला हरा दे हवय,
10 त ओह योराम नांव के अपन बेटा ला दाऊद राजा करा पठोईस, ताकि ओह ओकर ले भेंट करके हददेजेर के
ऊपर लड़ई म मिले जीत बर बधाई देवय, काबरकि हददेजेर ह तोऊ ले लड़ई करत रिहिस। योराम ह अपन संग
सोन, चांदी, अऊ कांसा के चीजमन ला लेके आय रिहिस।
11 दाऊद राजा ह ये चीजमन ला यहोवा बर अरपन कर दीस, जइसे कि ओह ओ चांदी अऊ सोन के संग करे
रिहिस, जेला ओह ये जम्मो जाति—
12 याने कि एदोम§ अऊ मोआब, अमोनी अऊ पलिस्ती, अऊ अमालेकीमन ले लेय रिहिस। ओह रहोब के
बेटा, सोबा के राजा हददेजेर ले लूटे चीजमन ला घलो अरपन कर दीस।
13 अऊ जब दाऊद ह नून के घाटी म अठारह हजार एदोमीमन* ला मारके लहुंटिस, त ओकर बड़े नांव हो
गीस।
14 ओह पूरा एदोम म सैनिक दलमन के पहरा बईठा दीस, अऊ जम्मो एदोमीमन दाऊद के अधीन हो गीन।
दाऊद ह जिहां घलो गीस, यहोवा ह ओला जीतवाईस।

[illegible] [illegible] [illegible]

---

* **8:4** कुछू हस्तलिपि म सतरह सौ † **8:8** कुछू हस्तलिपि म [illegible] ‡ **8:9** इबरानी म [illegible]; पद 10 म घलो § **8:12** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible] * **8:13** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible]

15 दाऊद ह जम्मो इसरायल ऊपर राज करिस, अऊ ओ काम करिस, जऊन ह ओकर जम्मो मनखेमन बर
ठीक अऊ सही रिहिस।
16 सरूयाह के बेटा योआब ह सेना के सेनापति रिहिस; अहीलूद के बेटा यहोसापात ह इतिहास के लेखक
रिहिस;
17 अहीतूब के बेटा सादोक अऊ अबियातार के बेटा अहीमेलेक पुरोहित रिहिन; सरायाह ह सचिव रिहिस;
18 यहोयादा के बेटा बनायाह ह करेती अऊ पलेतीमन के अधिकारी रिहिस; अऊ दाऊद के बेटामन मुखिया
अधिकारी† रिहिन।

9

[illegible]

1 एक दिन दाऊद ह सोचिस, "का साऊल के घराना म ले कोनो अभी घलो बांचे हवय, जेला मेंह योनातन के
खातिर मया देखावंव?"
2 साऊल के घराना के सीबा नांव के एक झन सेवक रिहिस। ओला दाऊद करा बलाय गीस, अऊ जब राजा ह
ओकर ले पुछिस, "का तेंह सीबा अस?"
तब ओह जबाब दीस, "हव, तोर सेवा म हाजिर हे।"
3 राजा ह पुछिस, "का साऊल के घराना म ले कोनो अब तक बांचे हवय, जेला मेंह परमेसर के दया देखा
सकंव?"
सीबा ह राजा ला जबाब दीस, "अभी घलो योनातन के एक झन बेटा हवय, जऊन ह दूनों गोड़ ले खोरवा
अय।"
4 राजा ह पुछिस, "ओह कहां हवय?"
सीबा ह जबाब दीस, "ओह लो-देबार नगर म अमीएल के बेटा माकीर के घर म हवय।"
5 तब राजा दाऊद ह दूत ला पठोके ओला लो-देबार ले, अमीएल के बेटा माकीर के घर ले बुलवा लीस।
6 जब मपीबोसेत, जऊन ह योनातन के बेटा अऊ साऊल के पोता रिहिस, दाऊद मेर आईस, तब ओह आदर
देय बर मुहूं के बल गिरके दाऊद ला दंडवत करिस।
दाऊद ह कहिस, "हे मपीबोसेत!"
ओह कहिस, "तोर सेवा म हाजिर हे।"
7 दाऊद ह ओला कहिस, "झन डर, काबरकि तोर ददा योनातन के खातिर मेंह तोर ऊपर जरूर दया करहूं।
अऊ तोर दादा साऊल के सबो भुइयां तोला फेर वापिस कर दूहूं, अऊ तेंह हमेसा मोर संग राजा के मेज म जेवन
करबे।"
8 मपीबोसेत ह दंडवत करके कहिस, "तोर सेवक ह का अय कि तेंह मोर सहीं मरे कुकुर के कोति धियान देवत
हस?"
9 तब राजा ह साऊल के करमचारी सीबा ला बलाके ओला कहिस, "जऊन कुछू साऊल अऊ ओकर परिवार
के रिहिस, ओ जम्मो चीज मेंह तोर मालिक के पोता ला देय दे हंव।
10 अब ले तें अपन बेटा अऊ सेवकमन संग ओकर बर भुइयां म खेती-बारी करके ओकर ऊपज ला ले आय
करबे, ताकि तोर मालिक के पोता ला जेवन मिलय। अऊ तोर मालिक के पोता मपीबोसेत ह हमेसा मोर मेज म
जेवन करही।" (सीबा के पंदरह बेटा अऊ बीस सेवक रिहिन।)
11 तब सीबा ह राजा ले कहिस, "मोर मालिक राजा ह अपन सेवक ला जऊन कुछू भी करे के हुकूम दीही, तोर
सेवक ह ओहीच काम करही।" एकरसेति मपीबोसेत ह राजा के एक बेटा सहीं दाऊद के मेज म जेवन करे लगिस।
12 मपीबोसेत के मीका नांव के एक छोटे बेटा रिहिस, अऊ सीबा के घर के जम्मो मनखेमन मपीबोसेत के
सेवक रिहिन।
13 अऊ मपीबोसेत ह यरूसलेम म रहे लगिस; काबरकि ओह हमेसा राजा के मेज म जेवन करय; ओह दूनों
गोड़ ले खोरवा रिहिस।

10

[illegible]

† **8:18** या *[illegible]* (देखव 1 इति 18:17)

1 कुछू समय के बाद, अमोनीमन के राजा नाहास ह मर गीस, अऊ ओकर बेटा हानून ह ओकर जगह म राजा
बनिस।
2 तब दाऊद ह ये सोचिस, "मेंह नाहास के बेटा हानून ऊपर दया करहूं, जइसे ओकर ददा ह मोर ऊपर दया
करे रिहिस।" एकरसेति दाऊद ह अपन एक परतिनिधि-मंडल ला हानून करा ओकर ददा के बारे म सहानुभूति
परगट करे बर पठोईस।
जब दाऊद के आदमीमन अमोनीमन के देस म आईन,
3 त अमोनी सेनापतिमन अपन मालिक हानून ला कहिन, "का तेंह ये सोचत हस कि दाऊद ह तोर संग
सहानुभूति देखाय बर दूतमन ला पठोय के दुवारा तोर ददा के आदर करत हे? का दाऊद ह ओमन ला तोर मेर
सिरिप एकर खातिर नइं पठोय हवय कि ओमन ये सहर के खोजबीन करंय अऊ भेद लेवंय अऊ येला उखान
फेकंय?"
4 एकरसेति हानून ह दाऊद के दूतमन ला पकड़ लीस, अऊ ओमन के हर एक के आधा-आधा दाढ़ी ला फंकवा
दीस, अऊ ओमन के ओनहा ला कुलामन तक कटवा दीस अऊ ओमन ला वापिस भेज दीस।
5 जब दाऊद ला एकर बारे म बताय गीस, त ओह संदेसियामन ला ओमन ले मिले बर पठोईस, काबरकि
ओमन के बहुंत बेजत्ती करे गे रिहिस। राजा ह ओमन करा ये खबर पठोईस, "जब तक तुम्हर दाढ़ी बाढ़ नइं
जावय, तब तक तुमन यरीहो सहर म ठहिरे रहव, अऊ तब वापिस आ जावव।"
6 जब अमोनीमन ला महसूस होईस कि ओमन दाऊद ला नराज कर दे हवंय, तब ओमन बेत-रहोब अऊ सोबा
ले बीस हजार अरामी पैदल सैनिक, माका के राजा के संग एक हजार मनखे, अऊ बारह हजार मनखे तोब ले
भाड़ा म लीन।
7 ये सुनके, दाऊद ह योआब ला योद्धामन के जम्मो सेना के संग पठोईस।
8 तब अमोनीमन बाहिर निकलिन अऊ अपन सहर के प्रवेस दुवार करा लड़ई बर कतार बांधिन, जबकि सोबा
अऊ रहोब के अरामीमन अऊ तोब अऊ माका के मनखेमन खुला मैदान म रिहिन।
9 जब योआब ह देखिस कि ओकर आघू अऊ पाछू दूनों कोति ओकर बिरूध लड़ई बर कतार बांधे गे हवय, त
ओह इसरायल के सबले बढ़िया कुछू सैनिक दलमन ला चुनिस अऊ ओमन ला अरामीमन के बिरूध ठहिरा दीस।
10 ओह बाकि बांचे आदमीमन ला अपन भाई अबीसै के अधीन करके ओमन ला अमोनीमन के बिरूध तैनात
कर दीस।
11 फेर योआब ह कहिस, "यदि अरामीमन मोर ऊपर भारी होवन लगंय, त तुमन मोर मदद करे बर आहू; अऊ
यदि अमोनीमन तुम्हर ऊपर भारी होवन लगहीं, त मेंह आके तुम्हर मदद करहूं।
12 मजबूत बनव, अऊ आवव, हमन अपन मनखे अऊ अपन परमेसर के सहरमन बर हिम्मत से लड़ई करन।
यहोवा ह ओही करही, जऊन ह ओकर नजर म सही अय।"
13 तब योआब अऊ ओकर संग के सैनिक दल अरामीमन ले लड़े बर आघू बढ़िन, अऊ अरामीमन ओकर आघू
ले भाग गीन।
14 जब अमोनीमन देखिन कि अरामीमन भागत हवंय, त अमोनीमन घलो अबीसै के आघू ले भागिन अऊ
सहर के भीतर चल दीन। योआब ह अमोनीमन ले लड़े के बाद लहुंटके यरूसलेम आ गीस।
15 जब अरामीमन देखिन कि ओमन इसरायलीमन ले हार गे हवंय, त ओमन फेर दल बनाके एक संग जूरिन।
16 हददेजेर ह फरात नदी के ओ पार ले अरामीमन ला बुलवा ले रिहिस; ओमन हेलाम नगर करा आ गीन
अऊ हददेजेर के सेना के सेनापति सोबक ह ओमन के अगुवई करत रहय।
17 जब दाऊद ला ये बात बताय गीस, त ओह जम्मो इसरायलीमन ला इकट्ठा करिस, अऊ यरदन नदी ला
पार करके हेलाम म आ गीस। तब अरामीमन दाऊद ले लड़े बर अपन कतार बांधिन अऊ ओकर ले लड़िन।
18 पर ओमन इसरायलीमन के आघू ले भाग गीन, अऊ दाऊद ह अरामीमन के सात सौ सारथी अऊ चालीस
हजार पैदल सैनिकमन ला मार डारिस।* ओह ओमन के सेना के सेनापति सोबक ला घलो अइसन मारिस कि
ओह उहां मर गीस।
19 जब हददेजेर के अधीन के जम्मो राजामन देखिन कि ओमन इसरायलीमन ले हार गे हवंय, त ओमन
इसरायलीमन संग समझौता कर लीन अऊ ओमन के अधीन हो गीन।

* **10:18** कुछू सेप्टाजिन्ट हस्तलिपि म (देखव 1 इति 19:18); इबरानी म [illegible]

ओकर बाद, अरामीमन अमोनीमन के मदद करे बर डरे लगिन।

11

[illegible]

1 बसन्त के मौसम म, जब राजामन लड़ई करे बर निकलथें, ओ बेरा, दाऊद ह योआब ला राजा के आदमी
अऊ जम्मो इसरायली सेना के संग पठोईस। ओमन अमोनीमन ला नास कर दीन अऊ रब्बा नगर ला घेर लीन।
पर दाऊद ह यरूसलेम म ही रिहिस।
2 एक दिन सांझ के बेरा, दाऊद ह अपन बिस्तर ले उठके महल के छत म टहलत रिहिस, अऊ छत ले ओह
एक माईलोगन ला नहावत देखिस। ओ माईलोगन ह अब्बड़ सुघर रिहिस।
3 दाऊद ह एक झन ला पठोके ओ माईलोगन के बारे म पता लगवाईस। ओ मनखे ह ओला ये बताईस, "ओह
एलीआम के बेटी, अऊ हित्ती उरियाह के घरवाली बतसेबा ए"
4 तब दाऊद ह दूतमन ला पठोके ओला बुलवा लीस। बतसेबा ह ओकर मेर आईस अऊ दाऊद ह ओकर संग
सुतिस। (ओ समय ओह अपन माहवारी ले सुध हो गे रिहिस।) तब ओह अपन घर वापिस चल दीस।
5 ओ माईलोगन ह आसरा म हो गीस अऊ तब दाऊद करा ये कहिके खबर पठोईस, "मेंह आसरा म हवंव।"
6 तब दाऊद ह योआब करा ये खबर पठोईस, "हित्ती उरियाह ला मोर करा पठो दे।" अऊ योआब ह उरियाह
ला दाऊद मेर पठो दीस।
7 जब उरियाह ह ओकर करा आईस, त दाऊद ह ओकर ले योआब अऊ सेना के हालचाल अऊ लड़ई के बारे
म पुछिस।
8 तब दाऊद ह उरियाह ले कहिस, "तेंह अपन घर म जाके अपन गोड़ ला धो।" अऊ उरियाह ह महल ले चल
दीस, अऊ ओकर पाछू, ओकर बर राजा कोति ले कुछू ईनाम पठोय गीस।
9 पर उरियाह ह अपन मालिक के जम्मो सेवकमन संग महल के प्रवेस दुवार म सुत गीस अऊ अपन घर नइं
गीस।
10 दाऊद ला बताय गीस, "उरियाह ह अपन घर नइं गीस," त दाऊद ह उरियाह ले पुछिस, "का तेंह अभी
सैनिक अभियान ले नइं आय हस? त तें अपन घर म काबर नइं गेय?"
11 उरियाह ह दाऊद ले कहिस, "जब सन्दूक अऊ इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन तम्बूमन* म रहत हवंय,
अऊ मोर सेनापति योआब अऊ मोर मालिक के मनखेमन खुला मैदान म डेरा डाले हवंय, त फेर मेंह खाय-पीये
बर अऊ अपन घरवाली ला मया करे बर अपन घर कइसे जा सकत हंव? तोर जिनगी के सपथ, मेंह अइसन काम
नइं करंव।"
12 तब दाऊद ह उरियाह ला कहिस, "इहां एक दिन अऊ रूक जा, अऊ कल मेंह तोला बिदा कर दूहूं।"
एकरसेति उरियाह ओ दिन अऊ दूसर दिन घलो यरूसलेम म रूक गीस।
13 दाऊद ह ओला नेवता दीस, अऊ ओह ओकर संग खाईस-पीईस, अऊ दाऊद ह ओला मतवाला कर दीस।
पर सांझ के बेरा, उरियाह ह गीस अऊ अपन मालिक के सेवकमन के बीच अपन चटई म सुत गीस; पर ओह
अपन घर नइं गीस।
14 बिहनियां दाऊद ह योआब के नांव म एक चिट्ठी लिखके उरियाह के हांथ म पठो दीस।
15 ओ चिट्ठी म ओह ये लिखे रिहिस, "उरियाह ला सामने ओ जगह म रख, जिहां भयंकर लड़ई होवत हे। तब
ओकर ले पाछू हट जा, ताकि बईरीमन के दुवारा ओह मार डारे जावय।"
16 जब योआब ह नगर ला घेर लेय रिहिस, त ओह उरियाह ला लड़ई बर ओ जगह म भेजिस, जिहां ओह
जानत रिहिस कि बईरीमन के बलवान सैनिकमन हवंय।
17 जब सहर के मनखेमन बाहिर निकलके योआब ले लड़ई करिन, त दाऊद के सेना के कुछू मनखेमन मारे
गीन; अऊ ओमा हित्ती उरियाह घलो मर गीस।
18 तब योआब ह लड़ई के पूरा हालचाल लिखके दाऊद करा भेज दीस।
19 ओह संदेसिया ला ये निरदेस दीस, "जब तें लड़ई के पूरा हाल राजा ला बता लेबे,
20 तब राजा ह गुस्सा होके तोला पुछ सकत हे, 'तुमन लड़े बर सहर के अतेक लकठा म काबर गेव? का तुमन
नइं जानत रहेव कि ओमन दीवार म ले तीर चलाहीं?

* **11:11** [illegible] या [illegible]

21 यरूब-बेसेत के बेटा अबीमेलेक ला कोन ह मार डारिस? का एक माईलोगन ह दीवार ले चक्की के ऊपर के
पाट ला ओकर ऊपर नइं गिरा देय रिहिस, जेकर ले ओह तेबेस म मर गीस? फेर तुमन दीवार के अतेक लकठा म
काबर गेव?' यदि ओह तोर ले अइसने पुछथे, त ओला कहिबे, 'येकर अलावा, तोर सेवक हित्ती उरियाह घलो मर
गीस।' "
22 तब संदेसिया ह चल दीस, अऊ जब ओह दाऊद करा हबरिस, त ओह ओला ओ जम्मो बात बताईस, जेला
कहे बर योआब ह ओला पठोय रिहिस।
23 संदेसिया ह दाऊद ले कहिस, "ओ मनखेमन हमर ऊपर हावी हो गीन अऊ खुला मैदान म हमर ऊपर
हमला करिन, पर हमन ओमन ला सहर के प्रवेस दुवार तक भगा देंन।
24 तब धनुसधारीमन दीवार ले तोर सेवकमन ऊपर तीर चलाईन, अऊ राजा के कुछू मनखेमन मर गीन।
ओमा तोर सेवक हित्ती उरियाह घलो मर गीस।"
25 दाऊद ह संदेसिया ला कहिस, "योआब ले अइसने कहिबे: 'ये बात के खातिर उदास झन हो; तलवार ह
जइसने एक ला मारथे, वइसने दूसर ला घलो मारथे। सहर के बिरूध अऊ जादा मजबूती से हमला कर अऊ
ओला नास कर दे।' योआब के हौसला बढ़ाय बर अइसने कह।"
26 जब उरियाह के घरवाली ह सुनिस कि ओकर घरवाला ह मर गीस, त ओह अपन घरवाला बर बिलाप करे
लगिस।
27 ओकर बिलाप के दिन खतम होय के बाद, दाऊद ह ओला अपन घर म ले आईस, अऊ ओह ओकर घरवाली
हो गीस अऊ ओह एक बेटा ला जनम दीस। पर जऊन काम दाऊद ह करे रिहिस, ओकर ले यहोवा ह नराज
होईस।

12

[illegible]

1 तब यहोवा ह नातान ला दाऊद मेर पठोईस। नातान ह ओकर मेर जाके कहिस, "एक नगर म दू झन मनखे
रिहिन, जेमा एक झन ह धनी अऊ दूसर ह गरीब रिहिस।
2 धनी मनखे करा अब्बड़ भेड़-बकरी अऊ गाय-बईला रिहिन,
3 पर गरीब मेर एक ठन छोटे भेड़ी-पीला के छोंड़ अऊ कुछू नइं रिहिस, जेला कि ओह बिसाय रिहिस। ओह
ओला पालिस-पोसिस, अऊ ओ भेड़ी-पीला ह ओकर अऊ ओकर लइकामन संग बढ़े रिहिस; ओह ओ गरीब
मनखे के संग खावय, अऊ ओकर कटोरा म ले पीयय, अऊ ओकर कोरा म सुतय घलो। ओ भेड़ी-पीला ह ओकर
बर ओकर एक बेटी के असन रिहिस।
4 "एक दिन अइसने होईस कि एक यातरा करइया मनखे ह धनी मनखे करा आईस, पर ओ यातरी, जऊन ह
धनी मनखे करा आय रिहिस, ओकर खातिर जेवन बनाय बर, ओह अपन भेड़-बकरी या गाय-बईलामन ले कुछू
नइं लीस, पर ओ गरीब मनखे के भेड़ी-पीला ला लेके, ओह ओ यातरी बर जेवन तियार करिस, जऊन ह ओकर
मेर आय रिहिस।"
5 ये सुनके दाऊद के कोप ओ मनखे ऊपर बहुंत भड़किस अऊ ओह नातान ला कहिस, "यहोवा के जिनगी के
सपथ, जऊन मनखे ह ये काम करे हवय, ओकर मरना जरूरी ए!
6 अऊ ओला ओ भेड़ी-पीला के चौगुना भरपई करे बर पड़ही, काबरकि ओह अइसन काम करिस, अऊ कुछू
दया नइं करिस।"
7 तब नातान ह दाऊद ले कहिस, "तेंह ओ मनखे अस! यहोवा, इसरायल के परमेसर ह, ये कहत हे: 'मेंह
इसरायल ऊपर राजा के रूप म तोर अभिसेक करेंव, अऊ मेंह तोला साऊल के हांथ ले बचायेंव।
8 मेंह तोर मालिक के घर ला तोला दे देंव, अऊ तोर मालिक के घरवालीमन ला तोर हांथ म कर देंव। मेंह पूरा
इसरायल अऊ यहूदा तोला दे देंव। अऊ यदि ये जम्मो ह थोरकन रिहिस, त मेंह तोला अऊ घलो बहुंत चीज
देय रहितेंव।
9 तेंह यहोवा के बचन ला तुछ जानके काबर ओकर नजर म दुस्ट काम करय? तेंह हित्ती उरियाह ला तलवार
ले मार डारय, अऊ ओकर घरवाली ला अपन घरवाली बना लेय। तेंह उरियाह ला अमोनीमन के तलवार ले
मरवा डारय।

10 एकरसेति, अब तलवार ह तोर घर के पीछा कभू नइं छोंड़य, काबरकि तेंह मोला तुछ जानके हित्ती
उरियाह के घरवाली ला अपन बना ले हस।'
11 "यहोवा ह ये कहत हे: 'तोर खुद के घराना ले मेंह तोर ऊपर बिपत्ति लानहूं। तोर आंखी के आघू म मेंह तोर
घरवालीमन ला लेके तोर नजदीकी मनखे ला दे दूहूं, अऊ ओह दिन के अंजोर म तोर घरवालीमन ले कुकरम
करही।
12 तेंह तो ये काम गुपत म करय, पर मेंह ये काम जम्मो इसरायलीमन के देखते-देखत दिन-दुपहरी म करहूं।' "
13 तब दाऊद ह नातान ले कहिस, "मेंह यहोवा के बिरूध पाप करे हंव।"
नातान ह दाऊद ला कहिस, "यहोवा ह तोर पाप ला दूरिहा कर दे हवय। तेंह नइं मरबे।
14 पर तोर जऊन बेटा ह जनम लीही, ओह मर जाही, काबरकि ये काम करे के दुवारा तेंह यहोवा के बहुंत
अपमान करे हस।"
15 नातान के अपन घर जाय के बाद, यहोवा ह ओ लइका ला बहुंत बिमरहा कर दीस, जेला उरियाह के
घरवाली ह दाऊद कोति ले जनमाय रिहिस।
16 दाऊद ह ओ लइका बर परमेसर ले बिनती करिस। ओह उपास करिस अऊ बोरा के ओनहा* पहिरे रात भर
भुइयां म पड़े रिहिस।
17 ओकर घराना के सियानमन ओला भुइयां ले उठाय बर ओकर बाजू खड़े रिहिन, पर ओह नइं मानिस, अऊ
ओमन के संग कोनो जेवन नइं करिस।
18 सात दिन बेमार रहे के बाद ओ लइका ह मर गीस। दाऊद के सेवकमन ओला लइका के मरे के समाचार देय
बर डरत रिहिन, काबरकि ओमन सोचत रिहिन, "जब लइका ह जीयत रिहिस, अऊ हमन ओकर ले गोठियायेंन,
त ओह हमर बात ला नइं सुनिस। पर अब हमन ओला कइसे बतावन कि लइका ह मर गे हवय? ओह निरासा म
कुछू गलत झन कर बईठे।"
19 दाऊद ह देखिस कि ओकर सेवकमन आपस म फुसफुसावत हवंय, त ओह जान डारिस कि लइका ह मर गे
हवय। दाऊद ह ओमन ले पुछिस, "का लइका ह मर गीस?"
त ओमन जबाब दीन, "हव, ओह मर गीस।"
20 तब दाऊद ह भुइयां ले उठिस, अऊ नहा-खोरके तेल लगाईस, अऊ अपन ओनहा ला बदलिस; तब ओह
यहोवा के घर म जाके अराधना करिस। ओकर बाद, ओह अपन घर गीस, अऊ ओकर हुकूम ले ओला रोटी परोसे
गीस, अऊ ओह जेवन करिस।
21 तब ओकर सेवकमन ओकर ले पुछिन, "तेंह काबर अइसन करत हस? जब तक लइका ह जीयत रिहिस, त
तेंह उपास करय अऊ रोये, पर अब, जब लइका ह मर गीस, त तेंह उठके जेवन करत हस।"
22 ओह जबाब दीस, "जब लइका ह जीयत रिहिस, त मेंह उपास करेंव अऊ रोयें। काबरकि मेंह सोचत रहेंव,
'कोन जानय? यहोवा के अनुग्रह मोर ऊपर होवय अऊ लइका ह जीयत रहय।'
23 पर अब ओह मर गीस, फेर मेंह काबर उपास करत रहंव? का मेंह ओला लहुंटाके ला सकत हंव? मेंह ओकर
मेर जाहूं, पर ओह मोर करा लहुंटके नइं आवय।"
24 तब दाऊद ह अपन घरवाली बतसेबा ला सांतवना दीस, अऊ ओह ओकर मेर जाके ओला मया करिस।
बतसेबा ह एक बेटा ला जनम दीस, अऊ ओमन ओकर नांव सुलेमान रखिन। यहोवा ह ओकर ले मया करिस;
25 अऊ काबरकि यहोवा ह ओकर ले मया करिस, एकरसेति ओह नातान अगमजानी के दुवारा संदेस पठोके
ओ लइका के नांव यदिदियाह† रखिस।
26 इही बीच म योआब ह अमोनीमन के रब्बा नगर के बिरूध लड़िस अऊ साही किला ऊपर कब्जा कर लीस।
27 तब योआब ह ये कहिके संदेसियामन ला दाऊद मेर पठोईस, "मेंह रब्बा के बिरूध लड़ेंव अऊ एकर पानी
पूरोय के काम ला अपन अधीन कर ले हंव।
28 एकरसेति अब बांचे सेना के मनखेमन ला इकट्ठा करके सहर के घेराबंदी कर अऊ ओला अपन अधीन कर
ले। नइं तो मेंह सहर ला ले लूहूं, अऊ ओ सहर के नांव मोर नांव म रखे जाही।"

---

* **12:16** कुछू हस्तलिपि म [illegible] नइं ए † **12:25** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

29 तब दाऊद ह जम्मो सेना ला इकट्ठा करके रब्बा नगर म गीस, अऊ ओकर ऊपर हमला करके ओला अपन
अधीन कर लीस।
30 तब दाऊद ह ओमन के राजा के मुड़ ले मुकुट ला ले लीस, अऊ ओ मुकुट ला दाऊद के मुड़ म रखे गीस।
ओ मुकुट के वजन सोन के एक टेलेन्ट‡ रिहिस, अऊ येमा कीमती पथरामन जड़े रिहिन। दाऊद ह ओ सहर ले
बहुंत अकन सामान लूटके ले गीस
31 अऊ उहां के मनखेमन ला बाहिर निकाल लीस अऊ ओमन ला आरी, रांपा अऊ टंगिया देके ओमन ले
मजदूरी करवाईस, अऊ ओह ओमन ले ईंटा घलो बनवाईस। दाऊद ह अमोनी नगरमन के जम्मो मनखेमन के
संग अइसने ही करिस। तब ओह अऊ ओकर पूरा सेना यरूसलेम लहुंट गीस।

13

[illegible]

1 तामार नांव के एक सुघर कन्या, जऊन ह दाऊद के बेटा अबसालोम के बहिनी रिहिस, ओकर ऊपर दाऊद
के दूसर बेटा अमनोन ह मोहा गीस।
2 अमनोन के मन म ओकर बहिनी तामार ह अइसन छा गे रिहिस कि अमनोन ह बेमार पड़ गीस। तामार ह
कुंवारी रिहिस, अऊ अमनोन ला ओकर संग कुछू करना असंभव लगत रिहिस।
3 अमनोन के योनादाब नांव के एक सलाहकार रिहिस, जऊन ह दाऊद के भाई सिमा के बेटा रिहिस।
योनादाब ह बहुंत चतुर मनखे रिहिस।
4 ओह अमनोन ले पुछिस, "तें राजा के बेटा अस, अऊ का कारन ए कि दिन ब दिन तेंह पातर होवत जावत
हस? का तेंह मोला नइं बताबे?"
अमनोन ह ओकर ले कहिस, "मेंह तो अपन भाई अबसालोम के बहिनी तामार ऊपर मोहा गे हंव।"
5 योनादाब ह कहिस, "अपन बिस्तर म जा अऊ अइसे बहाना कर कि तेंह बेमार हस, अऊ जब तोर ददा ह
तोला देखे बर आही, तब ओकर ले कहिबे, 'मेंह चाहत हंव कि मोर बहिनी तामार ह आके मोला खाय बर कुछू
देवय। ओह जेवन ला मोर आघू म रांधय ताकि मेंह ओला देखंव अऊ तब ओकर हांथ ले खावंव।' "
6 तब अमनोन ह लेट गीस अऊ अइसे बहाना करे लगिस, मानो ओह बेमार हवय। अऊ जब राजा ह ओला
देखे बर आईस, त अमनोन ह राजा ले कहिस, "मेंह चाहत हंव कि मोर बहिनी तामार ह आके मोर देखत म कुछू
बिसेस रोटी बनाय कि मेंह ओकर हांथ ले खावंव।"
7 तब दाऊद ह महल म तामार मेर ये खबर पठोईस, "अपन भाई अमनोन के घर म जाके ओकर बर कुछू जेवन
तियार कर।"
8 तब तामार ह अपन भाई अमनोन के घर म गीस, जऊन ह अपन बिस्तर म लेटे रिहिस। तामार ह कुछू
पीसान ला लेके गुंथिस, अऊ ओकर देखत म रोटी बनाईस।
9 तब ओह थाली लेके ओला रोटी परोस दीस, पर अमनोन ह खाय ले मना करिस।
ओह कहिस, "इहां ले जम्मो झन ला बाहिर भेज दे।" तब जम्मो झन उहां ले चल दीन।
10 तब अमनोन ह तामार ले कहिस, "अब जेवन ला इहां मोर सुते के कमरा म ले आ कि में तोर हांथ ले
खावंव।" त तामार ह अपन बनाय रोटी ला लीस अऊ ओला अपन भाई अमनोन मेर ओकर सुते के कमरा म ले
आईस।
11 पर जब ओह ओ रोटी ला ओकर करा खाय बर ले गीस, त अमनोन ह ओला पकड़ लीस अऊ कहिस, "हे
मोर बहिनी, आ, मोर संग बिस्तर म सुत।"
12 तामार ह ओला कहिस, "हे मोर भाई, नइं, मोर संग जबरदस्ती झन कर; अइसन काम इसरायल म नइं
होना चाही! अइसन दुस्ट काम झन कर।
13 मोर का होही? मेंह अपन कलंक ले अलग कइसे होहूं? अऊ तोर का होही? तेंह इसरायल म एक दुस्ट
मुरूख के रूप म गने जाबे। किरपा करके तेंह राजा ले गोठिया; ओह मोर बिहाव तोर संग करे बर मना नइं करही।"
14 पर अमनोन ह ओकर बात नइं सुनिस; अऊ ओह तामार ले जादा ताकतवर होय के कारन ओह ओकर संग
जबरदस्ती कुकरम करिस।

‡ **12:30** लगभग 34 किलोग्राम

15 ओकर बाद, अमनोन ह ओकर ले बहुंत घिन करे लगिस। पहिले जतेक मया ओह तामार ले करत रिहिस,
ओकर ले बढ़के ओह घिन करे लगिस। तब अमनोन ह ओला कहिस, "उठ अऊ इहां ले निकल जा!"
16 पर तामार ह ओला कहिस, "नइं! जऊन गलत काम तेंह मोर संग करे हस, ओकर ले जादा गलती तो तेंह
मोला इहां ले बाहिर भगाके करत हस।"
पर अमनोन ह ओकर एको ठन बात नइं सुनिस।
17 तब ओह अपन निजी सेवक ला बलाके कहिस, "ये माईलोगन ला मोर नजर ले हटा अऊ ओला निकालके
कपाट ला बंद कर दे।"
18 तब ओकर सेवक ह ओला निकाल दीस अऊ कपाट ला बंद कर दीस। ओह पूरा बांही के एक रंग-बिरंगी
कुरता पहिरे रिहिस, काबरकि राजा के कुंवारी बेटीमन ये किसम के पहिरावा पहिरंय।
19 तामार ह अपन मुड़ म राख ला डारिस, अऊ अपन पहिरे कुरता ला चीरिस, अऊ अपन मुड़ म अपन हांथ
धरिस अऊ जोर-जोर से रोवत उहां ले चल दीस।
20 ओकर भाई अबसालोम ह ओकर ले पुछिस, "का तोर भाई, ओ अमनोन ह तोर संग म रिहिस? हे मोर
बहिनी, अभी तें चुप हो जा; ओह तोर भाई अय। ये बात ला अपन मन म झन रख।" अऊ तामार ह अपन भाई
अबसालोम के घर म अलग परे माईलोगन सहीं रहे लगिस।
21 जब दाऊद राजा ये जम्मो बात ला सुनिस, त ओह बहुंत नराज होईस।
22 पर अबसालोम ह अमनोन ला कभू बने या खराप कुछू नइं कहिस; ओह ओकर ले घिन करय काबरकि
अमनोन ह ओकर बहिनी तामार ला कलंकित करे रिहिस।

[illegible]

23 दू बछर के बाद, जब अबसालोम के ऊन कतरइयामन एफ्रैम के सीमना के लकठा म बाल-हासोर मेर
रिहिन, त ओह राजा के जम्मो बेटामन ला उहां आय बर नेवता दीस।
24 अबसालोम ह राजा करा जाके कहिस, "तोर सेवक ह भेड़ के ऊन कतरइयामन ला बलाय हवय, एकरसेति
राजा अऊ ओकर सेवकमन किरपा करके मोर संग उहां चलंय।"
25 पर राजा ह जबाब दीस, "हे मोर बेटा, नइं, हमन जम्मो झन नइं जावन; नइं तो हमन तोर ऊपर एक बोझा
सहीं हो जाबो।" हालाकि अबसालोम ओकर ले बिनती करिस, पर तभो ले राजा ह जाय बर मना कर दीस, पर
ओला अपन आसीस दीस।
26 तब अबसालोम ह कहिस, "यदि तें नइं आ सकस, त किरपा करके मोर भाई अमनोन ला हमर संग म आवन
दे।"
राजा ह ओकर ले पुछिस, "ओह तोर संग काबर जाही?"
27 पर अबसालोम ह ओकर ले बिनती करते रिहिस, त ओह अमनोन अऊ बाकि जम्मो राजकुमारमन ला
ओकर संग पठो दीस।
28 अबसालोम ह अपन मनखेमन ला हुकूम दीस, "सुनव! जब अमनोन ह मंद पीके बहुंत नसा म आ जाही
अऊ मेंह तुमन ले कहंव, 'अमनोन ला मारव,' तब ओला मार डारव। झन डरहू। का तुमन ला ये हुकूम देवइया में
नो हंव। बलवान अऊ साहसी बनव।"
29 एकरसेति अबसालोम के सेवकमन अमनोन के संग वइसे ही करिन, जइसे अबसालोम ह हुकूम देय रिहिस।
तब जम्मो राजकुमारमन उठिन, अऊ अपन-अपन खच्चर म चघके भाग गीन।
30 जब ओमन रसता म ही रिहिन कि दाऊद ला ये खबर मिलिस, "अबसालोम ह राजा के जम्मो बेटामन ला
मार डारे हे; ओमन के एको झन घलो नइं बांचे हवंय।"
31 ये सुनके राजा ह उठके दुख म अपन ओनहा ला चीरिस अऊ भुइयां म लेट गीस; अऊ ओकर जम्मो
सेवकमन घलो अपन ओनहा ला चीरके ओकर बाजू म ठाढ़ हो गीन।
32 पर दाऊद के भाई सिमा के बेटा योनादाब ह कहिस, "मोर मालिक ह ये झन सोचय कि जम्मो राजकुमार
मार डारे गे हवंय; सिरिप अमनोन ही मारे गे हवय। जऊन दिन ले अमनोन ह अबसालोम के बहिनी तामार ले
जबरदस्ती कुकरम करे रिहिस, ओही दिन ले ही अबसालोम ह एकर इरादा कर ले रिहिस।
33 मोर मालिक राजा ह ये खबर सुनके उदास झन होवय कि राजा के जम्मो बेटामन मर गे हवंय। सिरिप
अमनोन ही मारे गे हवय।"
34 इही दौरान, अबसालोम ह भाग गे रिहिस।

जऊन मनखे ह पहरा देवत रिहिस, ओह आंखी ला उठाके देखिस कि ओकर पछिम के रसता ले, पहाड़ी के बाजू ले बहुंते मनखेमन आवत हवंय। पहरेदार ह जाके राजा ला कहिस, "मेंह होरोनैम कोति, पहाड़ी के बाजू म मनखेमन ला देखत हंव।"

35 योनादाब ह राजा ला कहिस, "देख, राजा के बेटामन आ गे हवंय; जइसने तोर सेवक ह कहे रिहिस, वइसनेच होईस।"

36 ओह अपन बात खतम ही करे रिहिस कि राजा के बेटामन जोर-जोर से रोवत आ गीन। राजा ह घलो अपन जम्मो अधिकारीमन संग कलप-कलपके के रोवन लगिस।

37 अबसालोम ह भागके गसूर के राजा, अमीहूद के बेटा तलमै करा चल दीस। पर दाऊद ह अपन बेटा बर बहुंत दिन तक बिलाप करिस।

38 जब अबसालोम ह भागके गसूर ला गीस, त ओह उहां तीन बछर तक रिहिस।

39 अऊ राजा दाऊद के मन म अबसालोम मेर जाय के बड़े लालसा रिहिस, काबरकि ओह अमनोन के मिरतू के बात ले उबर चुके रिहिस।

14

[illegible] [illegible] [illegible]

1 सरूयाह के बेटा योआब ह जान डारिस कि राजा के मन ह अबसालोम कोति लगे हवय।

2 एकरसेति योआब ह तकोआ नगर म दूत ला पठोके उहां ले एक बुद्धिमान माईलोगन ला बलाईस। ओह ओ माईलोगन ले कहिस, "अइसे दिखावा कर कि तेंह सोक मनात हस। सोक के पहिरावा ला पहिर ले, अऊ कोनो भी किसम के सजे-संवरे के चीज के उपयोग झन कर। अइसे माईलोगन सहीं दिखावा कर, जऊन ह मरे मनखे बर बहुंत दिन ले बिलाप करत हे।

3 तब राजा करा जाके ओला ये बात कह।" अऊ योआब ह ओला सिखो दीस कि का कहना हे।

4 जब तकोआ नगर के ओ माईलोगन ह राजा मेर गीस, त ओह मुहूं के भार भुइयां म गिरके राजा के दंडवत करिस, अऊ ओह कहिस, "हे महाराज, मोर मदद कर!"

5 राजा ह ओकर ले पुछिस, "तोर का समस्या ए?"

ओह जबाब दीस, "में एक बिधवा अंव; मोर घरवाला ह मर गीस।

6 अऊ में, तोर सेविका के दू झन बेटा रिहिन, जब ओमन खेत म रिहिन, त ओ दूनों के बीच मारपीट होईस, अऊ उहां ओमन ला छोंड़ाके अलग करनेवाला कोनो नइं रिहिस। एक झन ह दूसर ला अइसन मारिस कि ओह मर गीस।

7 अब जम्मो कुल के मनखेमन तोर सेविका के बिरूध हो गे हवंय; ओमन कहत हें, 'जऊन ह अपन भाई ला घात करे हवय, ओला हमर हांथ म सऊंप दे, ताकि ओला ओकर भाई के हतिया करे के बदला म मार डारन;' यदि ओमन अइसे करहीं, त फेर हमर वारिस ह घलो खतम हो जाही। जऊन एके ठन मोर बरत कोइला बांचे हवय, ओमन ओला घलो बुता दीहीं, अऊ ये धरती म मोर घरवाला के न तो नांव रहिही अऊ न ही ओकर कोनो संतान बांचही।"

8 राजा ह ओ माईलोगन ला कहिस, "तें अपन घर जा, अऊ मेंह तोर बिसय म एक हुकूम दूहूं।"

9 पर तकोआ के ओ माईलोगन ह राजा ले कहिस, "मोर मालिक, राजा ह मोला अऊ मोर परिवार ला छेमा करय, अऊ राजा अऊ ओकर सिंघासन ह निरदोस ठहिरय।"

10 राजा ह कहिस, "यदि कोनो मनखे तोर ले कुछू बोलथे, त ओला मोर करा ले आबे, अऊ ओ मनखेमन तोला फेर नइं सताहीं।"

11 ओह कहिस, "राजा ह यहोवा अपन परमेसर ला सुरता करय कि खून के पलटा लेवइया ह अऊ नास करन झन पावय, अऊ मोर बेटा ला नास झन करे जावय।"

राजा ह कहिस, "यहोवा के जिनगी के सपथ, तोर बेटा के एको ठन बाल भी बांका नइं होवय।"

12 तब माईलोगन ह कहिस, "तोर सेविका ह मोर मालिक राजा ले एक ठन अऊ बात कहे चाहत हे।"

ओह कहिस, "गोठिया।"

13 ओ माईलोगन ह कहिस, “फेर तेंह परमेसर के मनखेमन के बिरूध अइसनेच उपाय काबर करे हस? जब
राजा ह ये बात कहिथे, त का ओह खुद दोसी नइं ठहिरत हे, काबरकि राजा अपन निकाले गय बेटा ला लहुंटाके
नइं लाय हवय?
14 हमन ला तो मरनेच हे, अऊ हमन भुइयां म गिरे हुए पानी के असन ठहिरबो, जेला फेर उठाय नइं जा
सकय। पर परमेसर ह ओ बात ला नइं चाहय; एकर बदले, ओह अइसन उपाय करथे कि निकाले गय मनखे
हमेसा बर ओकर ले निकाले गय सहीं झन रहय।
15 “अऊ अब मेंह अपन मालिक राजा ले ये बात कहे बर आय हवंव, काबरकि मनखेमन मोला डरा देय
रिहिन। तोर सेविका ह सोचिस, ‘में राजा ले बात करहूं; सायद ओह अपन सेविका के बिनती ला सुन ले।
16 सायद राजा ह अपन सेविका ला ओ मनखे के हांथ ले छोंड़ाय के अनुमति देवय, जऊन ह मोला अऊ मोर
बेटा दूनों ला परमेसर के भाग ले अलग करे के कोसिस करत हे।’
17 “अब तोर सेविका ह कहत हे, ‘मोर मालिक राजा के बचन ह मोर भाग ला सुनिस्चित करय, काबरकि मोर
मालिक राजा ह परमेसर के कोनो स्वरगदूत के असन बने अऊ खराप बात म भेद कर सकथे। यहोवा तोर
परमेसर ह तोर संग रहय।’ ”
18 तब राजा ह ओ माईलोगन ला कहिस, “जऊन बात मेंह तोर ले पुछनेवाला हंव, ओला मोर ले झन
छुपाबे।”

ओ माईलोगन ह कहिस, “मोर मालिक राजा ह पुछय।”

19 राजा ह पुछिस, “का ये जम्मो बात म तोर पाछू योआब के हांथ हवय?”

माईलोगन ह जबाब देके कहिस, “हे मोर मालिक राजा, तोर जिनगी के सपथ, जऊन कुछू मोर मालिक राजा
ह कहत हे, ओकर ले कोनो न तो जेवनी कोति मुड़ सकथे अऊ न ही डेरी कोति। हव, येह तोर सेवक योआब ए,
जऊन ह मोला ये सब करे के हुकूम दे रिहिस, अऊ ओही ह ये जम्मो बात तोर सेविका ला सिखोय रिहिस।
20 तोर सेवक योआब ह अभी के स्थिति ला बदले बर ये सब करिस। मोर मालिक करा परमेसर के एक
स्वरगदूत सहीं बुद्धि हवय—ओह ओ हर चीज ला जानथे, जऊन ह धरती म होथे।”
21 तब राजा ह योआब ला कहिस, “बहुंत बढ़िया, मेंह ये काम करहूं। तेंह जा अऊ ओ जवान अबसालोम ला
वापिस लेके आ।”
22 योआब ह राजा के आदर म भुइयां म मुहूं के बल गिरके ओला दंडवत करिस, अऊ ओह राजा ला
आसीरबाद दीस। योआब ह कहिस, “हे मोर मालिक राजा, आज तोर सेवक ह जान गीस कि मोर ऊपर तोर
दया-दिरिस्टी हवय, काबरकि राजा ह अपन सेवक के बिनती ला मान ले हवय।”
23 तब योआब ह उठके गसूर राज ला गीस अऊ अबसालोम ला वापिस यरूसलेम ले आईस।
24 पर राजा ह कहिस, “ओह अपन खुद के घर म जावय; ओह मोर चेहरा झन देखय।” तब अबसालोम अपन
घर म चल दीस, अऊ राजा के चेहरा नइं देखिस।
25 जम्मो इसरायल म अबसालोम के सुघर देहें के जतेक परसंसा होवय, ओकर तुलना म अऊ कोनो के नइं
होवत रिहिस। ओकर मुड़ ले लेके गोड़ तक, ओमा कुछू भी दोस नइं रिहिस।
26 जब भी ओह अपन मुड़ के बाल ला कटवाय—ओह बछर म एक बार अपन बाल कटवात रिहिस, काबरकि
येह ओकर बर बहुंत भारी हो जावय—ओह अपन बाल के तऊल करवाय, अऊ ओकर वजन साही तऊल के
मुताबिक दू सौ सेकेल* होवय।
27 अबसालोम के तीन बेटा अऊ एक बेटी होईन। ओकर बेटी के नांव तामार रिहिस, अऊ ओह एक सुघर
माईलोगन होईस।
28 अबसालोम ह दू बछर तक राजा के चेहरा देखे बिगर यरूसलेम म रिहिस।
29 तब अबसालोम ह योआब ला बुलवाईस ताकि ओला राजा दाऊद करा पठोवय, पर योआब ह ओकर मेर
आय ले मना कर दीस। तब ओह ओला दूसर बार बलाय बर पठोईस, पर तब भी योआब ह आय ले मना कर दीस।

* **14:26** लगभग 2.3 किलोग्राम

30 तब अबसालोम ह अपन सेवकमन ला कहिस, “देखव, योआब के खेत ह मोर खेत ले लगे हवय, अऊ ओमा
जौ के फसल लगे हवय। तुमन जाके ओमा आगी लगा दव।” तब अबसालोम के सेवकमन जाके ओ खेत म आगी
लगा दीन।
31 तब योआब ह अबसालोम के घर गीस, अऊ ओह ओकर ले पुछिस, “तोर सेवकमन मोर खेत म काबर
आगी लगाय हवंय?”
32 अबसालोम ह योआब ले कहिस, “देख, मेंह तोर मेर ये कहे बर मनखे पठोय रहेंव, ‘इहां आ कि मेंह तोला
राजा करा ये पुछे बर पठोवंव, “मेंह गसूर ले काबर आयेंव? बने होतिस कि मेंह अब तक उहेंच रहितेंव!” ’
एकरसेति अब मेंह राजा के दरसन करे चाहत हंव, अऊ यदि मेंह कोनो बात के दोसी अंव, त ओह मोला मार
डारय।”
33 तब योआब ह राजा करा गीस अऊ ओला ये बात बताईस। अऊ राजा ह अबसालोम ला बलाईस, अऊ
ओह राजा करा गीस अऊ ओकर आघू म भुइयां म मुहूं के बल गिरके ओला दंडवत करिस। अऊ राजा ह
अबसालोम ला चूमिस।

15

[illegible]

1 कुछू दिन के बाद, अबसालोम ह अपन बर रथ अऊ घोड़ामन अऊ अपन आघू-आघू दऊड़इया पचास झन
मनखेमन ला रख लीस।
2 अबसालोम ह बड़े बिहनियां उठके ओ सड़क के किनारे म ठाढ़ हो जावय, जऊन ह सहर के दुवार करा
जावय। जब भी कोनो मनखे अपन सिकायत लेके राजा मेर आवत दिखय, त अबसालोम ह ओला आरो लगाके
पुछय, “तेंह कोन नगर ले आवत हस?” जब ओ मनखे ह कहय, “तोर सेवक ह इसरायल के एक गोत्र म के अय।”
3 तब अबसालोम ह ओला कहय, “देख, तोर सिकायत ह सही अऊ उचित अय, पर तोर बात ला सुने बर राजा
कोति ले कोनो मनखे नइं ए।”
4 अऊ अबसालोम ह ये घलो कहय, “बने होतिस कि सिरिप मेंह ये देस म नियायी ठहिराय जातेंव! तब हर
एक मनखे मोर करा अपन सिकायत या मामला ला लेके आतिन, अऊ मेंह देखतेंव कि ओमन ला नियाय
मिलतिस।”
5 अबसालोम ह ये घलो करय कि जब भी कोनो मनखे झुकके ओला दंडवत करे बर ओकर करा आवय, त ओह
अपन हांथ बढ़ाय अऊ ओला पकड़के चूम लेवय।
6 जतेक इसरायलीमन राजा करा नियाय मांगे बर आवंय, ओ जम्मो के संग अबसालोम के अइसनेच बेवहार
रहय, अऊ ये किसम ले अबसालोम ह इसरायली मनखेमन के मन ला जीत लीस।
7 चार* बछर के आखिरी म, अबसालोम ह राजा ले कहिस, “मोला हेबरोन जावन दे कि यहोवा ले माने गय
मन्नत ला पूरा कर सकंव।
8 जब तोर सेवक ह अराम के गसूर म रहत रिहिस, तब ये मन्नत माने रिहिस: ‘यदि यहोवा ह मोला वापिस
यरूसलेम ले जाथे, त मेंह यहोवा के उपासना हेबरोन† म करहूं।’ ”
9 राजा ह ओला कहिस, “सांति से जा।” अऊ ओह हेबरोन चल दीस।
10 तब अबसालोम ह इसरायल के जम्मो गोत्रमन म ये कहे बर गुपत संदेसियामन ला पठोईस, “जइसे ही
तुमन तुरहीमन के अवाज सुनव, त कहव, ‘अबसालोम ह हेबरोन के राजा बन गीस।’ ”
11 यरूसलेम ले दू सौ मनखे अबसालोम के संग गे रिहिन। ओमन ला पहुना के रूप म नेवता देय गे रिहिस
अऊ ओमन सीधवा मन ले बिगर कोनो बात ला जाने उहां गे रिहिन।
12 जब अबसालोम ह बलिदान चघात रिहिस, त ओह दाऊद के सलाहकार, गीलोनी अहीतोपेल ला घलो
बुलवाईस कि ओह अपन नगर गीलो ले आवय। अऊ ये किसम ले साजिस ह अऊ मजबूत होईस, अऊ
अबसालोम के तरफ के मनखेमन के गनती बराबर बाढ़त गीस।

[illegible]

13 एक संदेसिया ह आके दाऊद ला बताईस, “इसरायली मनखेमन के मन ह अबसालोम कोति हो गे हवय।”

---

* **15:7** कुछू हस्तलिपि म [illegible] † **15:8** कुछू हस्तलिपि म [illegible] नइं ए

14 तब दाऊद ह अपन ओ जम्मो करमचारीमन ले कहिस, जेमन ओकर संग यरूसलेम म रिहिन, “आवव!
हमन भाग चलन; नइं तो हमन म ले कोनो भी अबसालोम के हांथ ले नइं बांचही। हमन ला तुरते भागना पड़ही,
नइं तो ओह बहुंत जल्दी आके हमन ला घेर लीही, अऊ हमर नुकसान करही अऊ ये नगर के मनखेमन ला
तलवार ले मार डारही।”
15 राजा के करमचारीमन ओला जबाब दीन, “जइसने हमर मालिक राजा ह कहिही, वइसने हमन तोर
सेवकमन करे बर तियार हवन।”
16 तब राजा ह निकल गीस, अऊ ओकर संग ओकर पूरा घराना घलो चल दीस; पर ओह दस रखैलमन ला
महल के देखरेख करे बर छोंड़ दीस।
17 राजा ह निकल गीस, अऊ ओकर पाछू-पाछू जम्मो मनखेमन घलो चल दीन, अऊ ओमन सहर के तीर म
जाके रूक गीन।
18 ओकर जम्मो आदमीमन ओकर सामने ले होके आघू बढ़ गीन; ओमन के संग म जम्मो करेती अऊ
पलेतीमन अऊ ओ जम्मो छै सौ गतीमन घलो रिहिन, जेमन गत ले ओकर संग आय रिहिन; ओमन जम्मो राजा
के आघू म चलिन।
19 तब राजा दाऊद ह गत के निवासी इत्तै ले पुछिस, “हमर संग तेंह काबर चलत हस? वापिस जा अऊ राजा
अबसालोम के संग रह। तेंह एक परदेसी बंधुवा अस अऊ अपन देस ले बाहिर रहत हस।
20 तेंह तो कल ही आय हस। अऊ का आज ही मेंह तोला हमर संग एती-ओती भटकावंव, जबकि मेंह खुद नइं
जानत हंव कि मेंह कहां जावत हंव? तें लहुंट जा, अऊ अपन संग अपन मनखेमन ला घलो ले जा। यहोवा ह
तोर ऊपर दया अऊ मया देखावय।”
21 पर इत्तै ह राजा ला जबाब दीस, “यहोवा के जिनगी के सपथ, अऊ मोर मालिक राजा के जिनगी के सपथ,
जिहां कहूं मोर मालिक राजा ह रहिही, चाहे मरे या जीये के बात घलो होवय, उहां तोर सेवक तोर संग रहिही।”
22 तब दाऊद ह इत्तै ला कहिस, “ठीक हे, आघू बढ़।” तब गती इत्तै ह अपन जम्मो आदमी अऊ ओमन के
परिवार के मनखेमन संग आघू बढ़िस।
23 गांव-गंवई के जम्मो मनखेमन चिचिया-चिचियाके रोईन, जब जम्मो मनखेमन उहां ले होके गीन। राजा
घलो किदरोन घाटी ला पार करिस, अऊ जम्मो मनखेमन निरजन जगह कोति बढ़ गीन।
24 सादोक ह घलो उहां रिहिस, अऊ ओकर संग के जम्मो लेवीमन परमेसर के करार के सन्दूक ला उठाके ले
जावत रिहिन। ओमन परमेसर के सन्दूक ला खाल्हे धर दीन; तब अबियातार ह बलिदान चघाईस, जब तक कि
जम्मो मनखेमन सहर ले नइं निकल गीन।
25 तब राजा ह सादोक ला कहिस, “परमेसर के सन्दूक ला वापिस सहर म ले जा। यदि यहोवा के अनुग्रह के
नजर मोर ऊपर होही, त ओह मोला लहुंटाके लानही अऊ येला अऊ ओकर निवास स्थान ला फेर देखाही।
26 पर यदि ओह कहिथे, ‘मेंह तोर ले खुस नइं अंव,’ तब मेंह तियार हंव, जइसने ओला उचित लगय, वइसने
ओह मोर संग करय।”
27 राजा ह सादोक पुरोहित ला ये घलो कहिस, “का तेंह समझत हस? मोर आसीस के संग वापिस सहर चले
जा। अपन संग अपन बेटा अहीमास, अऊ अबियातार के बेटा योनातन ला घलो ले जा। तें अऊ अबियातार
अपन-अपन बेटा संग लहुंट जावव।
28 मेंह निरजन जगह के पानी के घाट म तब तक इंतजार करहूं, जब तक कि तोर खबर मोला नइं मिल जाही।”
29 तब सादोक अऊ अबियातार, परमेसर के सन्दूक ला वापिस यरूसलेम ले गीन अऊ उहां रूक गीन।
30 पर दाऊद ह जैतून पहाड़ ऊपर चढ़त गीस, अऊ चलत-चलत ओह रोवत रिहिस; ओकर मुड़ ह ढंके रिहिस
अऊ ओह खाली गोड़ रिहिस। ओकर संग के जम्मो मनखेमन घलो अपन-अपन मुड़ ला ढांके रहंय अऊ
चलत-चलत रोवत रहंय।
31 दाऊद ला ये बताय गे रिहिस, “अबसालोम के संग साजिस करइयामन म अहीतोपेल घलो हवय।”
एकरसेति दाऊद ह पराथना करिस, “हे यहोवा, अहीतोपेल के सलाह ला मुरूखता म बदल दे।”
32 जब दाऊद ह पहाड़ के चोटी म हबर गीस, जिहां मनखेमन परमेसर के अराधना करंय, त उहां ओकर ले
मिले बर अरकी हूसै आय रिहिस अऊ ओकर ओनहा ह फटे रहय अऊ सोकित मनखे सहीं मुड़ म धुर्रा रहय।
33 दाऊद ह ओला कहिस, “यदि तेंह मोर संग जाबे, त तेंह मोर बर एक बोझा सहीं होबे।

34 पर यदि तेंह सहर ला वापिस जाके अबसालोम ला कहिबे, 'हे महाराज, मेंह तोर एक सेवक होहूं; जइसे मेंह
पहिले तोर ददा के सेवक रहेंव, पर अब में तोर सेवक होहूं,' तब तेंह अहीतोपेल के सलाह ला असफल करके मोर
मदद कर सकत हस।
35 उहां तोर संग सादोक अऊ अबियातार पुरोहित घलो होहीं? राजा के महल म जऊन कुछू भी तेंह सुनथस,
ओ बात तें ओमन ला बता देबे।
36 ओमन के दू झन बेटा, याने कि सादोक के बेटा अहीमास, अऊ अबियातार के बेटा योनातन घलो उहां
ओमन के संग हवंय। जऊन भी बात तें उहां सुनथस, ओकर खबर मोला ओमन के दुवारा पठो देबे।"
37 तब दाऊद के भरोसावाला मनखे, हूसै ह यरूसलेम सहर हबरिस, जब अबसालोम ह सहर के भीतर जावत
रिहिस।

16

[illegible]

1 जब दाऊद ह पहाड़ के चोटी ले थोरकन आघू बढ़े रिहिस कि ओला मपीबोसेत के करमचारी सीबा ह मिलिस,
जऊन ह राजा ले मिले बर आय रिहिस। ओकर करा सामान से लदे गदहामन रहंय अऊ ओमा दू सौ रोटी,
किसमिस के एक सौ टिकिया, अंजीर के एक सौ टिकिया अऊ अंगूर के मंद ले भरे चमड़ा के एक थैली रहय।
2 राजा ह सीबा ले पुछिस, "तेंह काबर येमन ला लाने हस?"
सीबा ह जबाब दीस, "गदहामन त राजा के घराना के सवारी बर, रोटी अऊ फर ह आदमीमन के खाय बर,
अऊ अंगूर के मंद ह ओमन ला तरो-ताजा करे बर अय, जेमन निरजन प्रदेस म थक जाहीं।"
3 तब राजा ह पुछिस, "तोर मालिक के पोता* कहां हवय?"
सीबा ह राजा ला जबाब दीस, "ओह यरूसलेम म हवय, काबरकि ओह सोचथे, 'आज इसरायलीमन मोला
मोर डोकरा ददा के राज फेर वापिस कर दीहीं।' "
4 तब राजा ह सीबा ला कहिस, "जऊन कुछू मपीबोसेत के रिहिस, ओ जम्मो चीज अब तोर अय।"
सीबा ह कहिस, "हे मोर मालिक राजा, में तोर दंडवत करत हंव, मोर ऊपर तोर अनुग्रह के नजर बने रहय।"

[illegible]

5 जब दाऊद राजा बहूरीम नगर म हबरिस, त साऊल के परिवार के कुल म ले एक मनखे उहां ले निकलिस,
ओकर नांव सिमी रिहिस अऊ ओह गेरा के बेटा रिहिस, अऊ ओह दाऊद ला सराप देवत बाहिर निकलिस।
6 ओह दाऊद अऊ दाऊद राजा के जम्मो करमचारीमन ऊपर पथरा फेंकत रिहिस, हालाकि जम्मो सेना अऊ
बिसेस पहरेदारमन दाऊद के जेवनी अऊ डेरी दूनों कोति रिहिन।
7 सिमी ह सराप देवत कहिस, "दूरिहा हट, हे हतियारा, दूरिहा हट, हे दुस्ट!
8 यहोवा ह तोर ले साऊल के घराना के जम्मो खून के बदला लेय हवय, जेकर जगह म तेंह राज करत हस।
यहोवा ह राज ला तोर बेटा अबसालोम के हांथ म कर देय हवय। तेंह बरबाद होवत हस काबरकि तेंह हतियारा
अस!"
9 तब सरूयाह के बेटा अबीसै ह राजा ले कहिस, "ये मरे कुकुर ह मोर मालिक राजा ला काबर सराप देवय?
मोला उहां जावन दे कि मेंह ओकर मुड़ ला काटके अलग कर दंव।"
10 पर राजा ह कहिस, "हे सरूयाह के बेटामन, तुमन ला एकर से कुछू लेना-देना नइं ए? ओह सराप देवत हे,
काबरकि यहोवा ह ओकर ले कहे हवय, 'दाऊद ला सराप दे,' त ओकर ले कोन पुछ सकथे, 'तेंह अइसन काबर
करत हस?' "
11 तब दाऊद ह अबीसै अऊ अपन जम्मो करमचारीमन ले कहिस, "जब मोर बेटा, मोर खुद के मांस अऊ खून
ह मोला मार डारे के कोसिस करत हे, त फेर ये बिनयामीनी ह अइसन काबर नइं करही? ओला रहन दव, अऊ
सराप देवन दव, काबरकि यहोवा ह ओला अइसन करे बर कहे हवय।
12 हो सकत हे कि यहोवा ह मोर दुरगति ला देखय अऊ आज ओकर सराप के बदले मोला ओकर करार के
आसीस फेर मिलय।"

---

* **16:3** या [illegible]

13 तब दाऊद अऊ ओकर आदमीमन रसता म आघू बढ़त गीन जबकि सिमी ह ओकर उल्टा पहाड़ के तीरे-तीर
जावत रिहिस अऊ जावत-जावत ओह दाऊद ला सराप देवत रिहिस अऊ ओकर ऊपर पथरा अऊ धुर्रा घलो
फेंकत रिहिस।
14 जब राजा अऊ ओकर जम्मो मनखेमन अपन ठिकाना म हबरिन, त ओमन थक गे रिहिन। अऊ उहां राजा
ह बिसराम करिस।

[illegible]

15 इही बीच म, अबसालोम ह इसरायल के जम्मो आदमीमन संग यरूसलेम आ गीस, अऊ ओकर संग
अहीतोपेल घलो रिहिस।
16 तब दाऊद के बिसवासयोग्य मनखे, अरकी हूसै ह अबसालोम मेर जाके नरियाईस, "राजा चिरंजीव रहय!
राजा चिरंजीव रहय!"
17 अबसालोम ह हूसै ला कहिस, "का येह तोर मया अय, जेला तेंह अपन संगी बर देखात हस? यदि ओह तोर
संगी अय, त फेर तें ओकर संग काबर नइं गेय?"
18 हूसै ह अबसालोम ला जबाब दीस, "अइसन नो हय, जऊन ला यहोवा, ये मनखेमन, अऊ इसरायल के
जम्मो आदमीमन चुने हवंय, ओकर मेंह संगी अंव, अऊ ओकरे संग मेंह रहिहूं।
19 अऊ फेर मेंह काकर सेवा करंव? का में ओकर बेटा के सेवा नइं करंव? जइसने मेंह तोर ददा के सेवा करत
रहेंव, वइसने ही तोर सेवा करहूं।"
20 तब अबसालोम ह अहीतोपेल ला कहिस, "तेंह अपन सलाह दे। हमन ला का करना चाही?"
21 अहीतोपेल ह जबाब देवत कहिस, "तें अपन ददा के ओ रखैलमन संग सुत, जेमन ला तोर ददा ह महल के
देखरेख करे बर छोंड़ दे हवय। तब जम्मो इसरायलीमन सुनहीं कि तेंह अपनआप ला अपन ददा के नजर म
घिनौना बना ले हस, अऊ जेमन तोर संग रहिहीं ओमन अऊ हिम्मती हो जाहीं।"
22 तब ओमन अबसालोम बर महल के छत म एक तम्बू गाड़िन, अऊ अबसालोम ह जम्मो इसरायलीमन के
देखत अपन ददा के रखैलमन संग सुतिस।
23 ओ समय म, जऊन सलाह अहीतोपेल ह देवत रिहिस, ओह अइसन होवत रिहिस कि मानो कोनो मनखे ह
परमेसर ले पुछके सलाह देवत हे। दाऊद अऊ अबसालोम दूनों अहीतोपेल के जम्मो सलाह ला अइसने ही
समझंय।

17

1 ओकर बाद अहीतोपेल ह अबसालोम ला कहिस, "मोला बारह हजार मनखे ला छांटन देय, अऊ मेंह उठके
आजेच रथिया दाऊद के पीछा करहूं।
2 जब दाऊद ह थके-मांदे अऊ निरबल होही, तभे मेंह ओकर ऊपर हमला करहूं। मेंह ओला आतंकित कर दूहूं,
अऊ तब ओकर संग के जम्मो मनखेमन भाग जाहीं। मेंह सिरिप राजा ही ला मारहूं
3 अऊ जम्मो मनखेमन ला वापिस तोर करा ले आहूं। जऊन मनखे ला तेंह खोजत हस, ओकर मिरतू के
मतलब होही—जम्मो मनखेमन के वापिस लहुंटई; जम्मो मनखेमन सही-सलामत होहीं।"
4 ये बात ह अबसालोम अऊ इसरायल के जम्मो अगुवामन ला सही लगिस।
5 फेर अबसालोम ह कहिस, "अरकी हूसै ला घलो बलाके लानव, ताकि ओकर बात ला घलो हमन सुनन कि
ओह का कहिथे।"
6 जब हूसै ह अबसालोम मेर आईस, त अबसालोम ह ओकर ले कहिस, "अहीतोपेल ह ये सलाह दे हवय।
जऊन बात ओह कहत हे, का हमन ला करना चाही? यदि नइं, त फेर तोर का बिचार ए, हमन ला बता।"
7 हूसै ह अबसालोम ला जबाब दीस, "जऊन सलाह अहीतोपेल ह ये बखत दे हवय, ओह सही नो हय।
8 तेंह तो अपन ददा अऊ ओकर आदमीमन ला जानत हस; ओमन योद्धा अंय, अऊ अपन पीला छीने गय
जंगली भालू सहीं भयंकर कोरोधित होहीं। एकर अलावा, तोर ददा ह एक अनुभवी योद्धा अय; ओह सेना के
दलमन के संग रात नइं बितावय।
9 अऊ त अऊ अभी घलो ओह कोनो गुफा या कोनो आने जगह म लुकाय होही। यदि ओह पहिले हमला
करथे, त जऊन ह भी ये बात ला सुनही, ओह कहिही, 'अबसालोम के सेना के बहुंते जन मारे गे हवंय।'

10 तब सबले हिम्मती सैनिक घलो, जेकर हिरदय सिंह के असन होथे, डर के मारे टघल जाही, काबरकि पूरा
इसरायल जानत हे कि तोर ददा ह एक योद्धा अय, अऊ जऊन मन ओकर संग हवंय, ओमन हिम्मती अंय।
11 "एकरसेति मोर सलाह ये अय: दान सहर ले लेके बेरसेबा सहर तक जम्मो इसरायलीमन, जेमन समुंदर
तीर के बालू सहीं अनगिनत हवंय, येमन तोर करा इकट्ठा होवंय, अऊ तें खुद लड़ई म ओमन के अगुवई कर।
12 तब जिहां कहूं भी ओह मिलही, हमन ओकर ऊपर हमला करबो, अऊ हमन ओकर ऊपर अइसे टूट पड़बो,
जइसे भुइयां म ओस गिरथे। तब न तो ओ अऊ न ही ओकर आदमीमन ले कोनो बांचहीं।
13 यदि ओह कोनो सहर म चले जाथे, त जम्मो इसरायलीमन ओ सहर म रस्सी ले आहीं, अऊ हमन सहर ला
घाटी म घसीटके ले आबो, इहां तक कि उहां एक ठन कंकड़ घलो नइं बांचही।"
14 तब अबसालोम अऊ इसरायल के जम्मो आदमीमन कहिन, "अरकी हूसै के सलाह अहीतोपेल के सलाह ले
उत्तम अय।" काबरकि यहोवा ह अहीतोपेल के सही सलाह ला असफल करे के ठान लेय रिहिस, ताकि ओह
अबसालोम के ऊपर बिपत्ति लानय।
15 तब हूसै ह सादोक अऊ अबियातार पुरोहितमन ले कहिस, "अहीतोपेल ह अबसालोम अऊ इसरायल के
अगुवामन ला ये किसम के सलाह देय हवय, पर मेंह ओमन ला अइसे-अइसे करे बर कहे हवंव।
16 अब तुमन दाऊद करा खबर पठोके ओला बतावव, 'आज रथिया निरजन जगह के पानी के तीर म झन
ठहिरव; बिगर रूके ओ पार चल दव, नइं तो राजा अऊ ओकर संग के जम्मो मनखेमन नास हो जाहीं।' "
17 योनातन अऊ अहीमास ह एन-रोगेल के नरवा करा ठहिरे रिहिन। एक सेविका ला जाके ओमन ला बताना
रिहिस, अऊ ओमन ला जाके राजा दाऊद ला बताना रिहिस, काबरकि ओमन काकरो देखत म सहर के भीतर
जाय के जोखिम नइं उठा सकत रिहिन।
18 पर एक दिन एक जवान मनखे ह ओमन ला देख डारिस अऊ जाके अबसालोम ला बताईस। एकरसेति ओ
दूनों तुरते उहां ले चल दीन अऊ बहूरीम म एक मनखे के घर म गीन। ओ मनखे के अंगना म एक ठन कुआं
रिहिस अऊ ओमन ओ कुआं म उतरके छिप गीन।
19 ओ मनखे के घरवाली ह एक ठन कपड़ा लेके कुआं के ऊपर बिछा दीस अऊ ओमा अनाज ला फईला दीस।
एकर बारे म कोनो कुछू नइं जानत रिहिन।
20 जब अबसालोम के जवानमन ओ घर म ओ माईलोगन करा आईन, त ओमन पुछिन, "अहीमास अऊ
योनातन कहां हवंय?"
तब माईलोगन ह ओमन ला जबाब दीस, "ओमन तो नरवा के ओ पार चल दीन।" तब ओ आदमीमन ओ दूनों
ला खोजिन, पर ओ दूनों ओमन ला नइं मिलिन, तब अबसालोम के आदमीमन यरूसलेम लहुंट गीन।
21 जब ओमन चल दीन, तब अहीमास अऊ योनातन दूनों कुआं ले निकलिन अऊ जाके दाऊद राजा ला खबर
दीन। ओमन दाऊद ला कहिन, "तुमन आघू बढ़व अऊ तुरते नदी के ओ पार चले जावव; काबरकि अहीतोपेल ह
राजा के बिरूध अइसन-अइसन सलाह देय हवय।"
22 तब दाऊद अऊ ओकर संग के जम्मो मनखेमन आघू बढ़िन अऊ यरदन नदी के ओ पार चल दीन।
बिहनियां होवत तक ओमन के जम्मो झन यरदन नदी के ओ पार हो गीन।
23 जब अहीतोपेल ह देखिस कि ओकर सलाह के मुताबिक काम नइं करे गे हवय, त ओह अपन गदहा म काठी
ला कसिस, अऊ अपन नगर म अपन घर कोति निकल गीस। ओह अपन घर ला ब्यवस्थित करिस अऊ तब
फांसी लगा लीस। ये किसम ले ओह मर गीस अऊ ओकर ददा के कबर म ओला माटी देय गीस।

[illegible] [illegible] [illegible]

24 तब दाऊद ह महनैम नगर म हबरिस, अऊ अबसालोम ह इसरायल के जम्मो आदमीमन के संग यरदन
नदी ला पार करिस।
25 अबसालोम ह अमासा ला योआब के जगह म सेना के सेनापति ठहिराय रिहिस। अमासा ह एक
इसमायली मनखे के बेटा रिहिस, जेकर नांव येतेर रिहिस, अऊ ओह अबीगैल ले बिहाव करे रिहिस; अबीगैल ह
नाहास के बेटी अऊ सरूयाह के बहिनी अऊ योआब के दाई रिहिस।
26 इसरायलीमन अऊ अबसालोम गिलाद देस म डेरा डाले रिहिन।
27 जब दाऊद ह महनैम म आईस, तब अमोनीमन के रब्बा सहर के निवासी नाहास के बेटा सोबी, अऊ
लो-देबार के निवासी अमीएल के बेटा माकीर, अऊ रोगलीम नगरवासी गिलादी बरजिलै,

28 बिस्तर, कटोरा, माटी के बरतन लेके आईन। ओमन गहूं अऊ जौ, पीसान अऊ भुने अनाज, सेमी अऊ
दाल,
29 मंधरस, दही, भेड़, अऊ गाय के दूध के पनीर घलो दाऊद अऊ ओकर मनखेमन के खाय बर ले आईन।
काबरकि ओमन सोचत रिहिन, "निरजन जगह म ओ मनखेमन थक गे होहीं अऊ भूखन-पियासन घलो होहीं।"

18

1 राजा दाऊद ह अपन संग के आदमीमन ला इकट्ठा करिस अऊ ओमन ला हजार-हजार अऊ सौ-सौ
मनखेमन के ऊपर सेनापति ठहिरा दीस।
2 तब दाऊद ह अपन सेना के एक तिहाई ला योआब के, अऊ एक तिहाई ला सरूयाह के बेटा, योआब के भाई
अबीसै के, अऊ एक तिहाई ला गती इत्तै के अधीन म करके पठो दीस। राजा ह सेना के मनखेमन ला कहिस,
"मेंह घलो जरूर तुम्हर संग चलहूं।"
3 पर आदमीमन कहिन, "नइं, तोला बिलकुल ही नइं जाना हे; यदि हमन ला उहां भागे बर पड़य, त ओमन
हमर चिंता नइं करहीं। अऊ त अऊ यदि हमन आधा मनखे घलो मारे जाथन, तभो ले ओमन चिंता नइं करंय; पर
तेंह हमर सहीं दस हजार मनखे के बरोबर अस। एकरसेति येह सही होही कि तेंह सहर ले हमन ला मदद कर।"
4 राजा ह जबाब दीस, "जऊन कुछू तुमन ला बने लगय, मेंह ओही काम करहूं।"
तब राजा ह दुवार के एक कोति ठाढ़ हो गीस, अऊ ओकर जम्मो आदमीमन सौ-सौ अऊ हजार-हजार के दल
म निकलत गीन।
5 राजा ह योआब, अबीसै अऊ इत्तै ला हुकूम दीस, "मोर खियाल रखके ओ जवान अबसालोम के संग नमरता
से बरताव करहू।" अऊ राजा ह अबसालोम के बारे म सेनापतिमन ला जऊन हुकूम देवत रिहिस, ओला सेना के
जम्मो मनखेमन सुनिन।
6 दाऊद के सेना इसरायल के बिरूध लड़े बर बाहिर निकलिस, अऊ एफ्रैम के जंगल म ओमन के बीच लड़ई
होईस।
7 उहां इसरायल के सेना ह दाऊद के आदमीमन ले हार गीस, अऊ ओ दिन बहुंत आदमी मारे गीन—बीस
हजार आदमी।
8 लड़ई ह ओ जम्मो देहात छेत्र म फईल गीस, अऊ ओ दिन जतेक आदमी तलवार ले मारे गीन, ओकर ले
जादा आदमी जंगल के कारन मर गीन।
9 अइसने होईस कि अबसालोम के मुलाकात राजा दाऊद के आदमीमन संग हो गीस। अबसालोम ह एक
खच्चर म चघके जावत रिहिस, अऊ जब खच्चर ह एक बड़े बलूत रूख के घना डारामन के खाल्हे ले होके गीस,
त अबसालोम के मुड़ के बाल ह रूख म फंस गीस। ओह अधर म लटक गीस, जबकि ओकर खच्चर ह आघू
निकल गीस।
10 जब एक आदमी ह येला देखिस, त ओह योआब ला बताईस, "मेंह अभी-अभी अबसालोम ला एक ठन
बलूत रूख म टंगे देखे हंव।"
11 तब योआब ह ओ खबर देवइया मनखे ला कहिस, "का! तें ओला देखे हस? फेर काबर तें ओला उहां मारके
भुइयां म नइं गिरा देय? तब मेंह तोला चांदी के दस सेकेल* अऊ एक ठन योद्धा के पट्टा देय रहितेंव।"
12 पर ओ मनखे ह योआब ला जबाब दीस, "अऊ त अऊ यदि तें मोला एक हजार सेकेल तऊलके देय
रहितेय, तभो ले मेंह राजा के बेटा ऊपर हांथ नइं उठाय रहितेंव। काबरकि हमर सुनत म, राजा ह तोला अऊ
अबीसै अऊ इत्तै ला ये हुकूम देय रिहिस, 'मोर खियाल रखके ओ जवान अबसालोम ला कुछू झन करहू।'
13 अऊ यदि मेंह परान ला संकट म डाले रहितेंव†—त तेंह खुद मोर बिरोधी हो जाते, काबरकि राजा ले कोनो
बात छिपे नइं ए।"
14 योआब ह कहिस, "मेंह तोर संग अइसनेच ठहिरे नइं रह सकंव।" तब ओह अपन हांथ म तीन ठन भाला
लीस अऊ ओमन ला अबसालोम के हिरदय म भोंग दीस, जब अबसालोम ह बलूत रूख म लटके रिहिस अऊ
जीयत रिहिस।

---

* **18:11** लगभग 115 ग्राम † **18:13** या [illegible]

15 अऊ योआब के दस हथियार ढोवइयामन अबसालोम ला घेरके ओकर ऊपर हमला करिन अऊ ओला मार
डारिन।
16 फेर योआब ह तुरही ला फूंकिस, अऊ सेना के मनखेमन इसरायल‡ के पीछा करई छोंड़ दीन, काबरकि
योआब ह ओमन ला रोक ले रिहिस।
17 तब ओमन अबसालोम ला लीन अऊ जंगल के एक बड़े खंचवा म डाल दीन अऊ ओकर ऊपर पथरामन के
एक बड़े ढेर लगाके पाट दीन। इही बीच म, जम्मो इसरायली अपन-अपन घर ला भाग गीन।
18 अपन जीते जी अबसालोम ह एक खंभा ला लेके राजा के घाटी म अपन खुद के स्मारक के रूप म ठाढ़ करे
रिहिस, काबरकि ओह सोचिस, "मोर नांव ला आघू बढ़ानेवाला मोर कोनो बेटा नइं एं।" ओह ओ खंभा ला अपन
नांव देय रिहिस, अऊ ओला आज के दिन तक अबसालोम के स्मारक कहे जाथे।

[illegible]

19 तब सादोक के बेटा अहीमास ह कहिस, "मेंह दऊड़के जाहूं अऊ राजा ला ये खबर दूहूं कि यहोवा ह राजा
ला ओकर बईरीमन के हांथ ले छोंड़ाके ओला बचाय हवय।"
20 पर योआब ह ओला कहिस, "तें आज के दिन ये खबर ला झन ले जा, तें कोनो आने दिन ये खबर ले जा
सकत हस, पर आज नइं, काबरकि राजा के बेटा मरे हवय।"
21 तब योआब ह एक कूसी मनखे ला कहिस, "जा अऊ ओ जम्मो बात राजा ला बता, जेला तेंह देखे हस।"
ओ कूसी मनखे ह योआब ला दंडवत करिस अऊ दऊड़के चल दीस।
22 सादोक के बेटा अहीमास ह योआब ला फेर कहिस, "कुछू भी होवय, मोला घलो ओ कूसी मनखे के पाछू
दऊड़के जावन दे।"
पर योआब ह कहिस, "हे मोर बेटा, तें काबर जाय चाहत हस? तोर करा अइसने कोनो संदेस नइं ए, जेकर
तोला ईनाम मिलय?"
23 ओह कहिस, "कुछू भी होवय, में दऊड़के जाय चाहत हंव।"
तब योआब ह कहिस, "दऊड़!" तब अहीमास ह मैदान§ के रसता म होके दऊड़िस अऊ ओह कूसी मनखे ले
आघू निकल गीस।
24 जब दाऊद ह भीतरी अऊ बाहिरी दुवारमन के बीच बईठे रिहिस, त पहरेदार ह दीवार म चढ़के दुवार के
ऊपर बने छत म गीस, ओह आंखी उठाके देखिस कि एक मनखे ह अकेला दऊड़त आवत हे।
25 तब पहरेदार ह आरो लगाके राजा ला ये बात बताईस।
तब राजा ह कहिस, "यदि ओह एके झन हवय, त ओह जरूर बने खबर लावत होही।" अऊ ओ दऊड़नेवाला
लकठा म आवत गीस।
26 तब पहरेदार ह एक अऊ मनखे ला दऊड़के आवत देखिस, अऊ ओह दुवारपाल ला आरो लगाके कहिस,
"देख, एक अऊ मनखे दऊड़त आवत हे!"
राजा ह कहिस, "ओह घलो जरूर बने खबर लावत होही।"
27 पहरेदार ह कहिस, "मोला अइसे लगत हे कि पहिले मनखे ह सादोक के बेटा अहीमास सहीं दऊड़त हे।"
राजा ह कहिस, "ओह एक बने मनखे अय, अऊ ओह बने खबर लेके आथे।"
28 तब अहीमास ह आरो लगाके राजा ला कहिस, "सब ठीक हे!" फेर ओह भुइयां म मुहूं के बल गिरके राजा
ला दंडवत करिस अऊ कहिस, "यहोवा तोर परमेसर के परसंसा होवय! जऊन मन मोर मालिक राजा के बिरूध
हांथ उठाय रिहिन, ओमन ला परमेसर ह तोर अधीन कर दे हवय।"
29 राजा ह पुछिस, "का जवान अबसालोम ह सुरकछित हवय?"
अहीमास ह जबाब दीस, "जब योआब ह राजा के सेवक अऊ तोर दास मोला भेजनेचवाला रिहिस, त मेंह
उहां बहुंत गड़बड़ी देखेंव, पर में नइं जानंव कि का होय रिहिस।"
30 तब राजा ह कहिस, "बाजू म ठाढ़े रह अऊ इहां इंतजार कर।" त ओह बाजू म जाके उहां ठाढ़ हो गीस।
31 तब कूसी मनखे ह हबरिस अऊ कहिस, "हे मोर मालिक राजा, तोर बर बने खबर हवय। यहोवा ह तोला ओ
जम्मो झन ले छोंड़ाके बचाय हवय, जेमन के हांथ तोर बिरूध उठे रिहिस।"
32 राजा ह ओ कूसी ले पुछिस, "का जवान अबसालोम ह सुरकछित हवय?"

‡ **18:16** या [illegible] § **18:23** या [illegible]

कूसी ह जबाब देवत कहिस, “मोर मालिक राजा के बईरी अऊ ओ जम्मो जऊन मन तोर हानि करे बर ठाढ़ होथें, ओमन के दसा ओ जवान के असन होवय।”

33 तब राजा ह कांपे लगिस। ओह सहर के दुवार के ऊपर बने कमरा म गीस अऊ रोवन लगिस। ओह जावत-जावत कहिस: “हाय मोर बेटा अबसालोम! मोर बेटा, मोर बेटा अबसालोम! बने होतिस कि तोर बदला म, में मर गे रहितेंव—हाय अबसालोम, मोर बेटा, मोर बेटा!”*

19

* 1 तब योआब ला ये समाचार मिलिस, “राजा ह अबसालोम बर रोवत हवय अऊ बिलाप करत हवय।”

2 एकरसेति ओ दिन के बिजय ह सबो सेना बर बिलाप म बदल गीस, काबरकि ओ दिन सेना के मनखेमन ये सुनिन, “राजा ह अपन बेटा बर सोक मनात हे।”

3 एकरसेति ओ दिन आदमीमन अइसन मुहूं ला लुकाके महनैम नगर म घुसिन, जइसन मनखेमन लड़ई ले भागके आय ले लज्जित होके अपन मुहूं छुपाथें।

4 राजा ह अपन मुहूं ला ढांपके चिचिया-चिचियाके रोईस, “हाय मोर बेटा अबसालोम! हाय अबसालोम, मोर बेटा, मोर बेटा!”

5 तब योआब ह राजा के घर म जाके ओला कहिस, “आज तेंह ओ जम्मो आदमीमन ला लज्जित करे हस, जेमन अभी-अभी तोर परान अऊ तोर बेटा अऊ बेटीमन के परान अऊ तोर घरवाली अऊ रखैलमन के परान ला बचाय हवंय।

6 तेंह ओमन ले मया करथस, जेमन तोर ले घिन करथें अऊ ओमन ले घिन करथस, जेमन तोर ले मया करथें। तेंह आज ये बात ला साफ कर देय कि तोर नजर म सेनापति अऊ ओमन के आदमीमन के कोनो महत्व नइं ए। मेंह देखत हंव कि तेंह खुस होते, यदि आज अबसालोम ह जीयत रहितिस अऊ हमन जम्मो झन मारे जातेंन।

7 अब उठके बाहिर जा अऊ अपन आदमीमन ला उत्साहित कर। में यहोवा के सपथ खाके कहत हंव कि यदि तेंह बाहिर नइं जाबे, त आज रथिया तक एको झन भी तोर संग नइं रहंय। अऊ तोर लइकापन ले लेके अब तक जतेक बिपत्ति तोर ऊपर पड़े हवय, ओ सबो ले ये बिपत्ति ह बड़े होही।”

8 तब राजा ह उठिस अऊ दुवार म जाके बईठिस। जब आदमीमन ला ये बताय गीस, “राजा ह दुवार म बईठे हवय,” त ओ जम्मो झन ओकर करा आईन।

इही बीच, इसरायलीमन अपन-अपन घर भाग गे रिहिन।

[illegible]

9 इसरायल के सबो गोत्र म, जम्मो मनखेमन आपस म ये कहिके बहस करत रिहिन, “राजा ह हमन ला हमर बईरीमन के हांथ ले बचाईस; ओह ओ मनखे अय, जऊन ह हमन ला पलिस्तीमन के हांथ ले छोंड़ाईस। पर अब ओह अबसालोम ले बचे बर देस छोंड़के भाग गीस;

10 अऊ अबसालोम, जऊन ला हमन हमर ऊपर राज करे बर अभिसेक करेंन, ओह लड़ई म मर गीस। त अब तुमन राजा ला वापिस लाय के बारे म काबर कुछू नइं कहत हव?”

11 राजा दाऊद ह सादोक अऊ अबियातार पुरोहितमन करा ये खबर भेजिस, “यहूदा के अगुवामन ले पुछव, ‘तुमन राजा ला ओकर महल म लाय बर सबले पाछू काबर होवत हव, जबकि जम्मो इसरायल म जऊन बात के चरचा होवत हे, ओकर खबर राजा ला ओकर भवन म मिल चुके हे?

12 तुमन त मोर रिस्तेदार, मोर खुद के मांस अऊ लहू अव। त तुमन राजा ला वापिस लाय म सबले पाछू काबर होवत हव?’

13 अऊ अमासा ला ये कहव, ‘का तेंह मोर खुद के मांस अऊ लहू नो हस? यदि तेंह योआब के जगह म हमेसा बर मोर सेना के सेनापति नइं ठहिरबे, त परमेसर मोर ले बहुंत कड़ई से बरताव करय।’ ”

14 ये किसम ले, ओह यहूदा के आदमीमन के मन ला अइसन अपन कोति कर लीस कि ओ जम्मो झन एके मन के हो गीन। ओमन राजा मेर ये खबर पठोईन, “तें अऊ तोर जम्मो आदमीमन वापिस आ जावव।”

15 तब राजा ह लहुंटके यरदन नदी तक आ गीस।

* **18:33** इबरानी म (18:33) ला 19:1 के रूप म गने गे हवय * **19:** इबरानी म 19:1-43 ला 19:2-44 गने गे हवय

यहूदा के आदमीमन गिलगाल सहर तक गे रिहिन ताकि ओमन जाके राजा ले मिलंय अऊ ओला यरदन के ये
पार ले आवंय।
16 यहूदा के आदमीमन के संग बहूरीम नगर के निवासी बिनयामीनी, गेरा के बेटा सिमी ह घलो जल्दी करके
राजा दाऊद ले भेंट करे बर गीस।
17 ओकर संग एक हजार बिनयामीनी मनखे अऊ साऊल के घराना के परबंधक सीबा अऊ ओकर पंदरह बेटा
अऊ बीस सेवकमन घलो रिहिन। ओमन जल्दी करके यरदन नदी करा गीन, जिहां राजा ह रिहिस।
18 ओमन राजा के घराना ला लाने बर अऊ राजा के हर ईछा ला पूरा करे बर नदी के ओ पार गीन।
जब गेरा के बेटा सिमी ह यरदन के ओ पार गीस, त ओह राजा ला सास्टांग दंडवत करिस
19 अऊ राजा ला कहिस, "मोर मालिक ह मोला दोसी झन ठहिरावय। जऊन दिन मोर मालिक राजा ह
यरूसलेम ला छोंड़ आईस, ओ दिन तोर सेवक ह जऊन गलती करिस, ओला तें सुरता झन कर। राजा ह ओ
बात ला अपन मन ले निकाल देय।
20 काबरकि में, तोर सेवक ह जानत हंव कि मेंह पाप करे हंव, पर आज अपन मालिक राजा ले भेंट करे बर,
यूसुफ के गोत्र ले में ही पहिले आय हंव।"
21 तब सरूयाह के बेटा अबीसै ह कहिस, "का सिमी ला ओकर काम के कारन मिरतू-दंड नइं मिलना चाही?
ओह यहोवा के अभिसिक्त जन ला सराप देय रिहिस।"
22 दाऊद ह जबाब दीस, "हे सरूयाह के बेटामन, एकर से तुम्हर का लेना-देना हे? येमा दखल देय के तुम्हर
का अधिकार हे? का आज इसरायल म कोनो ला मिरतू-दंड मिलना चाही? का मेंह नइं जानत हंव कि आज मेंह
इसरायल के ऊपर राजा अंव?"
23 तब राजा ह सिमी ले कहिस, "तोला मिरतू-दंड नइं दिये जावय।" अऊ राजा ह ओकर ले सपथ खाके
वायदा करिस।
24 साऊल के पोता मपीबोसेत ह घलो राजा ले भेंट करे बर गे रिहिस। राजा के चले जाय के दिन ले लेके
ओकर सुरकछित वापिस लहुंटके आवत तक, ओह न तो अपन गोड़मन के खियाल रखिस अऊ न ही अपन
दाढ़ी-मूछ ला काटे रिहिस अऊ न ही अपन ओनहामन ला धोय रिहिस।
25 जब ओह यरूसलेम ले राजा ले मिले बर आईस, त राजा ह ओकर ले पुछिस, "हे मपीबोसेत, तेंह मोर संग
म काबर नइं गेय रहय?"
26 ओह कहिस, "हे मोर मालिक राजा, में तोर सेवक ह लंगड़ा अंव, त मेंह कहेंव, 'में अपन गदहा म काठी
कसवाहूं अऊ ओमा सवार होके राजा के संग चले जाहूं।' पर सीबा, मोर सेवक ह मोला धोखा दीस।
27 अऊ ओह मोर मालिक राजा करा मोर चुगली करे हवय। मोर मालिक राजा ह परमेसर के स्वरगदूत के
असन अय; अब तोला जऊन कुछू बने लगय, ओला तें कर।
28 मोर डोकरा-बबा† के जम्मो संतानमन मोर मालिक राजा ले मिरतू-दंड पाय के लईक रिहिन, पर तेंह अपन
सेवक ला ओमन के बीच जगह देय, जेमन तोर मेज म खाथें। मोला अऊ कोनो हक नइं ए कि मेंह राजा ले अऊ
बिनती करंव?"
29 राजा ह ओकर ले कहिस, "अऊ बातमन के चरचा करे के का मतलब? मेंह तोला अऊ सीबा ला हुकूम देवत
हंव कि ओ भुइयां ला तुमन दूनों आपस म बांट लेवव।"
30 तब मपीबोसेत ह राजा ले कहिस, "सीबा ह जम्मो कुछू ला लेय ले, मोर बर ये काफी ए कि मोर मालिक
राजा ह सुरकछित घर लहुंट आय हे।"
31 गिलादी बरजिलै ह घलो रोगलीम ले आय रिहिस कि ओह राजा के संग यरदन नदी पार जावय अऊ उहां
ले राजा ला ओकर रसता बर बिदा करय।
32 बरजिलै बहुंत डोकरा हो गे रिहिस; ओकर उमर ह अस्सी बछर रिहिस। जब राजा ह महनैम म रिहिस, तब
ओ दौरान बरजिलै ही ओकर देखरेख करत रिहिस, काबरकि ओह एक बहुंत धनी मनखे रिहिस।
33 राजा ह बरजिलै ले कहिस, "मोर संग ओ पार चल अऊ यरूसलेम म मोर संग रूक, अऊ मेंह तोर देखरेख
करहूं।"

---

† **19:28** [illegible] या [illegible]

34 पर बरजिलै ह राजा ला जबाब दीस, “मोला अऊ कतेक साल जीयत रहना हे कि मेंह राजा के संग
यरूसलेम जावंव?
35 मेंह अब अस्सी बछर के हो गे हंव। का मेंह ये बात म अंतर बता सकत हंव कि का चीज के आनंद उठाय
जावय अऊ का चीज के नइं? जऊन कुछू तोर सेवक ह खाथे-पीथे, का ओह ओकर सुवाद ला पहिचान सकत हे?
का में अब पुरूस अऊ महिला गायकमन के अवाज ला सुन सकत हंव? तोर सेवक ह अपन मालिक राजा ऊपर
काबर एक अतकिहा बोझ बनय?
36 तोर सेवक ह राजा के संग म यरदन के पार थोरकन दूरिहा तक जाही, पर राजा ह काबर मोला ये किसम के
ईनाम देवय?
37 अपन सेवक ला वापिस लहुंटन दे कि मेंह अपन ही नगर म अपन दाई-ददा के कबर के लकठा म मरंव। पर
इहां तोर दास किमहाम हवय। ओला मोर मालिक राजा के संग ओ पार जावन दे। अऊ जइसने तोला भावय,
वइसने ओकर बर करबे।”
38 राजा ह कहिस, “हव, किमहाम ह मोर संग ओ पार चलही, अऊ जइसने तोला बने लगय, वइसने मेंह
ओकर बर करहूं। अऊ कोनो चीज तेंह मोर ले चाहत हस, त मेंह ओला तोर बर करहूं।”
39 तब जम्मो मनखेमन यरदन के ओ पार गीन, अऊ राजा ह घलो ओ पार गीस। तब राजा ह बरजिलै ला
चूमिस अऊ ओला बिदा करिस, अऊ बरजिलै ह अपन घर लहुंट गीस।
40 जब राजा ह पार होके गिलगाल करा आईस, त ओकर संग किमहाम घलो पार होईस। यहूदा के जम्मो
सेना अऊ इसरायल के आधा सेना के मनखेमन राजा ला ओ पार ले गीन।
41 तब जल्दी ही इसरायल के जम्मो आदमीमन राजा करा आके ओला ये कहे लगिन, “का कारन ए कि हमर
भाई, यहूदा के आदमीमन राजा ला चोर सहीं चुपेचाप ले जावत हें अऊ ओला अऊ ओकर घराना ला ओकर
जम्मो आदमीमन के संग यरदन के ये पार लावत हें?”
42 यहूदा के जम्मो आदमीमन इसरायल के आदमीमन ला जबाब दीन, “हमन अइसने करेंन काबरकि राजा के
हमर ले नजदीकी रिस्ता हवय। तुमन एकर बारे म, काबर गुस्सा करत हव? का हमन राजा के कुछू जेवन-पानी
ला खाय हवन? या का ओमा के कुछू चीज ला हमन लेय हवन?”
43 तब इसरायली आदमीमन यहूदी आदमीमन ला जबाब दीन, “राजा म दस भाग हमर हवय; एकरसेति
दाऊद ऊपर तुम्हर ले जादा हमर अधिकार हवय। त फेर तुमन काबर हमन ला अपमानित करत हव? का हमन
अपन राजा ला वापिस लाय के चरचा सबले पहिले नइं करे रहेंन?”
पर यहूदी आदमीमन इसरायली आदमीमन ले अऊ जादा मजबूती से दावा करे लगिन।

20

[illegible]

1 उहां संजोग ले सेबा नांव के एक दुस्ट मनखे रिहिस, जऊन ह बिनयामीनी गोत्र के बिकरी के बेटा रिहिस।
ओह तुरही ला फूंकिस अऊ चिचियाके कहिस,
“दाऊद म हमर कुछू भाग नइं ए,
यिसै के बेटा म हमर कोनो बांटा नइं ए!
हे इसरायलीमन, हर एक जन अपन-अपन तम्बू म चले जावव!”
2 तब इसरायल के जम्मो मनखेमन दाऊद ला छोंड़के बिकरी के बेटा सेबा के पाछू हो लीन। पर यहूदा के
जम्मो मनखेमन यरदन ले लेके यरूसलेम तक पूरा रसता म अपन राजा के संग रिहिन।
3 जब दाऊद ह यरूसलेम म अपन महल म आईस, त ओह ओ दस रखैलमन ला लीस, जेमन ला ओह महल
के देखरेख करे बर छोंड़के गे रिहिस, अऊ ओमन ला पहरेदार के अधीन एक घर म रखिस। ओह ओमन के
पालन-पोसन करिस पर ओमन के संग सारीरिक संबंध नइं बनाईस। ओमन अपन मिरतू के दिन तक बिधवा के
सहीं ओ घर के सीमना के भीतर रिहिन।
4 तब राजा ह अमासा ला कहिस, “यहूदा के आदमीमन करा खबर भिजवा कि ओमन तीन दिन के भीतर मोर
करा आवंय, अऊ तेंह घलो इहां हाजिर रहिबे।”

5 पर जब अमासा ह यहूदा के आदमीमन ला बलाय बर गीस, त ओह राजा के दुवारा ठहिराय गय समय ले
जादा समय लीस।
6 तब दाऊद ह अबीसै ला कहिस, “अब बिकरी के बेटा सेबा ह अबसालोम ले घलो हमर जादा नुकसान
करही। एकरसेति तें अपन मालिक के आदमीमन ला लेके ओकर पीछा कर, नइं तो ओह गढ़वाले नगर ला जाके
हमर ले बच जाही।”
7 तब योआब के आदमीमन अऊ करेती अऊ पलेतीमन, अऊ जम्मो सूरबीरमन अबीसै के अधीन होके
निकलिन। ओमन बिकरी के बेटा सेबा के पीछा करे बर यरूसलेम ले आघू बढ़िन।
8 जब ओमन गिबोन म बड़े पथरा करा रिहिन, त अमासा ह ओमन ले मिले बर आईस। योआब ह अपन सेना
के पहिरावा ला पहिरे रिहिस, अऊ ओकर कनिहां म बंधे पट्टा के मियान म एक कटार रिहिस। जब ओह आघू
बढ़िस, त कटार ह मियान ले निकलके गिर गीस।
9 योआब ह अमासा ला कहिस, “हे मोर भाई, का हालचाल हे?” तब योआब ह अमासा ला चूमे बर अपन
जेवनी हांथ ले ओकर दाढ़ी ला पकड़िस।
10 अमासा के धियान ये तरफ नइं गीस कि योआब के हांथ म कटार रिहिस, अऊ योआब ह कटार ला अमासा
के पेट म भोंग दीस, जेकर से ओकर पोटामन निकलके भुइयां म गिरिन। अमासा ला दूसर बार कटार भोंगे बर
नइं पड़िस, अऊ ओह मर गीस। तब योआब अऊ ओकर भाई अबीसै बिकरी के बेटा सेबा के पीछा करिन।
11 योआब के एक आदमी अमासा के बाजू म ठाढ़ होके कहिस, “जऊन कोनो योआब के तरफ अऊ दाऊद
कोति हवय, ओह योआब के पाछू हो लेवय।”
12 अमासा ह सड़क के बीच म अपन खून म लोटत रहय, अऊ ओ मनखे ह देखिस कि पूरा सेना ह उहां आके
रूक गीस। जब ओह देखिस कि हर एक जन अमासा करा आके रूक गे हवंय, त ओह अमासा ला सड़क ले
घसीटके खेत म ले गीस अऊ ओकर ऊपर एक ओनहा ला डार दीस।
13 अमासा ला सड़क ले हटाय के बाद, जम्मो आदमी बिकरी के बेटा सेबा के पीछा करे बर योआब के संग
चल दीन।
14 सेबा ह सबो इसरायली गोत्रमन म ले होवत आबेल-बेत-माका हबरिस अऊ बिकरीमन* के पूरा इलाका म
ले होवत गीस, जेमन इकट्ठा होके ओकर पाछू म हो लीन।
15 योआब ह पूरा सेना के संग आके आबेल-बेत-माका म सेबा ला घेर लीस। ओमन सहर ला घेरे बर एक
टीला ठाढ़ कर दीन, अऊ एकर से सहर के बाहिरी किलाबंदी हो गीस। अऊ ओमन सहर के दीवार ला गिराय बर
ओला धक्का देवन लगिन।
16 तब एक बुद्धिमान माईलोगन ह सहर ले पुकारके कहिस, “सुनव! सुनव! योआब ले कहव कि ओह इहां मोर
करा आवय, ताकि मेंह ओकर ले बात कर सकंव।”
17 जब योआब ह ओकर लकठा म गीस, त ओ माईलोगन ह पुछिस, “का तेंह योआब अस?”
योआब ह कहिस, “हव, मेंह ओहीच अंव।”
माईलोगन ह कहिस, “अपन सेविका के बात ला सुन।”
त ओह कहिस, “मेंह सुनत हंव।”
18 माईलोगन ह आघू कहिस, “पुराना जमाना म मनखेमन ये कहंय, ‘आबेल करा समस्या ला रखव,’ अऊ ये
किसम ले समस्या के हल हो जावय।
19 हमन इसरायल म सांति से अऊ ईमानदारी से रहिथन। तेंह एक अइसन सहर ला नास करे चाहत हस,
जऊन ह इसरायल म एक दाई सहीं अय। तेंह यहोवा के भाग ला काबर लील जाय चाहत हस?”
20 योआब ह जबाब दीस, “अइसन काम मोर ले दूरिहा रहय! लीले या नास करे के काम मोर ले दूरिहा रहय!
21 मामला अइसने नो हय। सेबा नांव के बिकरी के बेटा, जऊन ह एपरैम के पहाड़ी देस के अय, ओह दाऊद
राजा के बिरूध हांथ उठाय हवय। ये एक आदमी ला मोर हांथ म कर दव, अऊ मेंह सहर ले चले जाहूं।”
माईलोगन ह योआब ले कहिस, “ओकर मुड़ ला दीवार ले तोर करा फटिक दिये जाही।”

* **20:14** इबरानी म [illegible]

22 तब ओ माईलोगन ह अपन बुद्धिमानी के बात के संग जम्मो मनखे करा गीस, अऊ ओमन बिकरी के बेटा
सेबा के मुड़ ला काटिन अऊ योआब करा फटिक दीन। तब योआब ह तुरही ला फूंकिस, अऊ ओकर आदमीमन
सहर ले हट गीन, अऊ अपन-अपन घर वापिस चल दीन। अऊ योआब ह राजा करा यरूसलेम लहुंट गीस।

[illegible] [illegible] [illegible]

23 योआब त जम्मो इसरायली सेना के सेनापति रिहिस;
यहोयादा के बेटा बनायाह ह करेतीमन अऊ पलेतीमन के ऊपर रिहिस;
24 अदोनीराम† ह बंधुवा मजदूरमन ऊपर मुखिया रिहिस;
अहीलूद के बेटा यहोसापात ह इतिहास के लिखइया रिहिस;
25 सेवा ह सचिव रिहिस;
सादोक अऊ अबियातार पुरोहित रिहिन;
26 अऊ याईरी‡ ईरा ह दाऊद के पुरोहित रिहिस।

21

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 दाऊद के सासनकाल के समय म लगातार तीन बछर तक अकाल पड़िस; त एकर कारन जाने बर दाऊद ह
यहोवा ले पुछिस। यहोवा ह जबाब दीस, "येह साऊल अऊ ओकर खूनी घराना के खातिर होईस, काबरकि ओह
गिबोनीमन ला मरवा डारे रिहिस।"
2 तब राजा ह गिबोनीमन ला बलाके ओमन ले बात करिस। (गिबोनीमन इसरायलीमन के भाग नइं रिहिन, पर
ओमन अमोरीमन के बांचे मनखेमन रिहिन; इसरायलीमन ओमन ला बचाय के सपथ खाय रिहिन, पर साऊल ह
इसरायल अऊ यहूदा बर अपन उत्साह म ओमन ला पूरा नास कर डारे के कोसिस करिस।)
3 दाऊद ह गिबोनीमन ले पुछिस, "मेंह तुम्हर बर का करंव? मेंह कइसे प्रायस्चित करंव कि तुमन यहोवा के
निज भाग ला आसीरबाद देवव?"
4 गिबोनीमन ओला जबाब दीन, "हमर करा साऊल या ओकर घराना ले सोन या चांदी मांगे के कोनो
अधिकार नइं ए, अऊ न ही हमर करा अधिकार हवय कि इसरायल म कोनो ला मार डारन।"
दाऊद ह पुछिस, "तुमन मोर ले का चाहत हव कि में तुम्हर बर करंव।"
5 ओमन राजा ला जबाब दीन, "जहां तक ओ आदमी के बात ए, जऊन ह हमन ला नास कर दीस अऊ हमर
बिरूध साजिस करिस, जेकर कारन लगभग हमन मेटा गे हन अऊ इसरायल म कोनो मेर हमर बर जगह नइं ए,
6 ओकर संतानमन ले सात झन आदमी हमन ला दिये जावय कि हमन ओमन ला मार डारन अऊ ओमन के
लासमन ला यहोवा के चुने जन साऊल के गिबा नांव के बस्ती म यहोवा के आघू म खुला म रखे जावय।"
त राजा ह कहिस, "मेंह ओमन ला तुम्हर हांथ म दे दूहूं।"
7 पर दाऊद अऊ साऊल के बेटा योनातन आपस म यहोवा के आघू म सपथ खाय रिहिन, एकरसेति राजा ह
साऊल के पोता, योनातन के बेटा मपीबोसेत ला बचाय रखिस।
8 पर राजा ह अय्या के बेटी रिस्पा ले साऊल कोति ले जनमे दू झन बेटा अरमोनी अऊ मपीबोसेत के संग
साऊल के बेटी मेरब के पांच झन बेटा ला लीस, जेमन महोलावासी बरजिलै के बेटा अदरीएल कोति ले जनमे
रिहिन।
9 राजा ह येमन ला गिबोनीमन के हांथ म सऊंप दीस, अऊ गिबोनीमन ओमन ला मार डारिन अऊ ओमन के
लास ला एक पहाड़ी ऊपर यहोवा के आघू म खुला छोंड़ दीन। ओ जम्मो सातों जन एक संग नास हो गीन;
ओमन ला कटनी के सुरूआती दिन म ही मार डारे गीस याने कि जब जौ के कटनी के सुरूआत होवत रिहिस।
10 तब अय्या के बेटी रिस्पा ह बोरा के कपड़ा लीस अऊ ओला एक चट्टान ऊपर अपन बर बिछा लीस। कटनी
के सुरूआत ले लेके अकास ले ओ लासमन ऊपर बहुंत बारिस होवत तक, ओ लासमन ला ओह दिन के बेरा न
तो चिरईमन ला अऊ रात के बेरा न ही जंगली पसुमन ला छुवन दीस।
11 जब दाऊद ला अय्या के बेटी, साऊल के रखैल रिस्पा के ये काम के खबर देय गीस,

† **20:24** कुछू हस्तलिपि म [illegible] ‡ **20:26** कुछू हस्तलिपि म [illegible]; ([illegible] 23:38)

12 त दाऊद ह् जाके साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन के हाड़ामन ला याबेस-गिलाद के मनखेमन ले लेय
लीस। (जेमन ओमन के लास ला बेत-सान के सार्वजनिक चऊक ले चोरा ले रिहिन; पलिस्तीमन साऊल अऊ
ओकर बेटा योनातन ला गिलबो म मार डारे के बाद ओमन के लास ला ओ चऊक म टांग दे रिहिन।)
13 दाऊद ह् साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन के हाड़ामन ला याबेस ले लेय आईस, अऊ ओमन के हाड़ा ला
घलो इकट्ठा करे गीस, जेमन ला मारके खुला म छोंड़ दिये गे रिहिस।
14 साऊल अऊ ओकर बेटा योनातन के हाड़ामन ला बिनयामीन के सेला म साऊल के ददा कीस के कबर म
माटी दिये गीस; अऊ राजा दाऊद के हुकूम के मुताबिक हर काम करे गीस। ओकर बाद, परमेसर ह देस के
मनखेमन के पराथना के जबाब दीस।

[illegible]

15 कुछू दिन के बाद एक बार फेर, पलिस्ती अऊ इसरायलीमन के बीच लड़ई होय लगिस। दाऊद ह अपन
आदमीमन संग खाल्हे पलिस्तीमन के बिरूध लड़े बर गीस, अऊ ओह थक गीस।
16 अऊ रापा के एक संतान, यिसबी-बनोब, जेकर कांसा के भाला के मुठ के वजन तीन सौ सेकेल* रिहिस,
अऊ जऊन ह एक नवां तलवार धरे रिहिस, ओह कहिस कि ओह दाऊद ला मार डारही।
17 पर सरूयाह के बेटा अबीसै ह दाऊद के बचाव करे बर आईस; ओह ओ पलिस्ती ऊपर वार करिस अऊ
ओला मार डारिस। तब दाऊद के आदमीमन सपथ खाके दाऊद ला कहिन, "तेंह हमर संग लड़ई म फेर कभू झन
जाबे, ताकि इसरायल के दीया ह झन बुतावय।"
18 समय के बीतत, पलिस्तीमन ले गोब म फेर एक लड़ई होईस। ओ बेरा हूसाती सिब्बकै ह रापा के एक
संतान, साप ला मार डारिस।
19 गोब म, पलिस्तीमन के संग फेर एक लड़ई म, बैतलहमवासी याईर के बेटा एल्हानान ह गत सहर के
रहइया गोलियत के भाई ला मार डारिस, जेकर बरछी के मुठिया ह बुनकर के डोंगी सहीं रिहिस।
20 गत म एक अऊ लड़ई होईस, जिहां एक बहुंत बड़े डीलडौलवाला आदमी रिहिस, जेकर हर हांथ अऊ गोड़
म छै-छै ठन अंगरी रिहिस—कुल चौबीस ठन अंगरी। ओह घलो रापा के संतान रिहिस।
21 जब ओह इसरायल ला ताना मारिस, त दाऊद के भाई, सिमा के बेटा योनातन ह ओला मार डारिस।
22 ये चारों जवान गत के रहइया रापा के संतान रिहिन, अऊ ओमन दाऊद अऊ ओकर आदमीमन के हांथ म
मारे गीन।

22

[illegible]

1 दाऊद ह यहोवा बर ये गीत के बचनमन ला तब गाईस, जब यहोवा ह ओला ओकर जम्मो बईरीमन के हांथ
ले अऊ साऊल के हांथ ले बचाईस।
2 ओह कहिस:
"यहोवा ह मोर चट्टान, मोर गढ़ अऊ मोर छुड़ानेवाला अय;
3 मोर परमेसर ह मोर चट्टान अय, जेमा मेंह सरन लेथंव,
ओह मोर ढाल* अऊ मोर उद्धार के सींग† अय।
ओह मोर मजबूत गढ़, मोर सरन-स्थान अऊ मोर उद्धारकर्ता अय—
तेंह उपदरवी मनखे ले मोला बचाथस।

4 "मेंह यहोवा ला पुकारेंव, जऊन ह इस्तुति के योग्य अय,
अऊ मेंह अपन बईरीमन ले बचाय गे हवंव।
5 मिरतू के लहरमन मोला घेर डारिन;
भयंकर बिनास के तेज धारा ह मोला घबरा दीस।
6 कबर के डोरीमन मोर चारों कोति रिहिन;
मिरतू के फांदा ह मोर आघू म रिहिस।

* **21:16** लगभग 3.5 किलोग्राम * **22:3** या [illegible] † **22:3** [illegible] के मतलब इहां [illegible]

7 “मेंह अपन बिपत्ति म यहोवा ला पुकारेंव;
मेंह अपन परमेसर ला पुकारेंव।
अपन मंदिर ले ओह मोर अवाज ला सुनिस;
मोर गोहार ह ओकर कान म पड़िस।
8 तब धरती ह कांपिस अऊ डोलिस,
अऊ अकास‡ के नीवमन डोल गीन;
ओमन कांपे लगिन, काबरकि ओह गुस्सा हो गे रिहिस।
9 ओकर नाक ले धुआं निकलिस;
ओकर मुहूं ले भसम करइया आगी निकलिस,
जेमा ले बरत कोइला के जुवाला निकलिस।
10 ओह अकास ला अलग करिस अऊ खाल्हे उतरिस;
करिया बादरमन ओकर गोड़ के खाल्हे रिहिन।
11 ओह करूब ऊपर सवार होके उड़ गीस;
ओह हवा के डेनामन म सवार होके बहुंत ऊपर उड़िस।
12 ओह अंधियार ला अपन चारों कोति ओढ़ना बना लीस—
याने कि अकास के पानीवाले करिया बादरमन ला।
13 ओकर उपस्थिति के तेज ले
बिजली के जुवाला चमकिस।
14 यहोवा ह स्वरग ले गरजिस;
सर्वोच्च परमेसर के अवाज ह गुंजिस।
15 ओह अपन तीरमन ला चलाईस अऊ बईरीमन ला तितिर-बितिर कर दीस,
बिजली के बड़े कड़क ले ओह ओमन ला हराके भगा दीस।
16 यहोवा के डांटे ले,
ओकर नाक के सांस फूंके ले,
समुंदर के घाटीमन दिखे लगिन
अऊ धरती के नीवमन खाली पड़ गीन।

17 “ओह ऊपर ले हांथ बढ़ाके मोला थाम लीस;
ओह मोला गहिरा पानी म ले बाहिर निकालिस।
18 ओह मोला मोर ओ ताकतवर बईरीमन ले,
मोर बिरोधीमन ले छोंड़ाईस, जेमन बहुंत बलवान रिहिन।
19 ओमन मोर बिपत्ति के दिन म मोर बिरोध करिन,
पर यहोवा ह मोर सहारा रिहिस।
20 ओह मोला एक ठन चाकर जगह म ले आईस;
ओह मोला बचाईस काबरकि ओह मोर ले खुस रिहिस।

21 “यहोवा ह मोर धरमीपन के मुताबिक मोर ले बरताव करे हवय;
मोर हांथ के सुधता के मुताबिक ओह मोला ईनाम दे हवय।
22 काबरकि मेंह यहोवा के रद्दा म चले हवंव;
मेंह अपन परमेसर के रद्दा ले हट जाय के पाप नइं करे हंव।
23 ओकर जम्मो कानूनमन मोर आघू म हवंय;
मेंह ओकर बिधिमन ला माने ले नइं हटे हंव।
24 मेंह ओकर आघू म निरदोस रहे हंव
अऊ मेंह अपनआप ला पाप ले दूरिहा रखे हंव।
25 यहोवा ह मोर धरमीपन के मुताबिक मोला ईनाम दे हवय,

‡ **22:8** इबरानी म; (देखव भजन 18:7) [illegible]

ओकर नजर म मोर सुधता के मुताबिक ओह मोला ईनाम दे हवय।

26 "बिसवासयोग्य मनखे बर तेंह बिसवासयोग्य रहिथस,
निरदोस मनखे बर तेंह निरदोस रहिथस,
27 सुध मनखे बर तेंह सुध रहिथस,
पर भटके हुए मनखे बर तेंह चतुर बनथस।
28 तेंह नम्र सुभाव के मनखे ला बचाथस,
पर अभिमानीमन ला नीचा दिखाय बर तोर आंखी ह ओमन ऊपर लगे रहिथे।
29 हे यहोवा, तेंह मोर दीया अस;
यहोवा ह मोर अंधियार ला अंजोर कर देथे।
30 तोर मदद ले मेंह एक सेना के बिरूध जा सकत हंव;
मोर परमेसर के मदद ले मेंह एक दीवार ऊपर चढ़ सकत हंव।

31 "जहां तक परमेसर के बात ए, ओकर रसता ह बिलकुल सही ए:
यहोवा के बचन म कोनो कमी नइं ए;
ओह ओ जम्मो झन ला बचाथे, जऊन मन ओकर सरन म आथें।
32 काबरकि यहोवा ला छोंड़ कोन ह परमेसर ए?
अऊ हमर परमेसर ला छोंड़ कोन ह चट्टान ए?
33 येह परमेसर ए, जऊन ह सामर्थ से मोला संभालथे
अऊ मोर रसता ला सुरकछित रखथे।
34 ओह मोर गोड़ ला हिरन के गोड़ सहीं कर देथे;
ओह मोला ऊंच जगह म ठाढ़ करथे।
35 ओह मोर हांथमन ला लड़ई करे बर सिखाथे;
मोर बाहां ह कांसा के धनुस ला मोड़ सकथे।
36 तेंह अपन बचाव के मदद ला मोर ढाल बनाथस;
तोर मदद ह मोला महान कर दे हवय।
37 तेंह मोर पांव बर चाकर रसता देथस,
जेकर ले मोर एड़ीमन नइं थकंय।

38 "मेंह अपन बईरीमन के पीछा करके ओमन ला कुचर देंव;
मेंह तब तक नइं लहुंटंय, जब तक कि ओमन नास नइं हो गीन।
39 मेंह ओमन ला पूरा कुचर देंव, अऊ ओमन उठ नइं सकिन;
ओमन मोर गोड़ खाल्हे गिर गीन।
40 तेंह मोला लड़ई करे बर ताकत दे हस;
तेंह मोर बईरीमन ला मोर आघू म झुका दे हस।
41 तेंह मोर बईरीमन ला पीठ देखाके भागे बर बिबस कर दे हस,
अऊ मेंह मोर बईरीमन ला नास कर देंव।
42 ओमन मदद बर गोहारिन, पर ओमन ला बचानेवाला कोनो नइं रिहिस—
ओमन यहोवा ला पुकारिन, पर ओह जबाब नइं दीस।
43 मेंह ओमन ला मार-मारके भुइयां के धुर्रा सहीं कर देंव;
मेंह ओमन ला गली के चीखला सहीं कुटेंव अऊ रऊंदेंव।

44 "तेंह मोला मनखेमन के हमला ले बचाय हस;
तेंह मोला जाति-जाति के मनखेमन के मुखिया के रूप म बचाके रखे हस।
ओ मनखे, जेमन ला मेंह नइं जानत रहेंव, ओमन अब मोर सेवा करथें,
45 परदेसीमन मोर आघू म डरथें;

मोर अवाज ला सुनतेच ही ओमन मोर हुकूम के पालन करथें।
46 ओ जम्मो झन घबरा जाथें;
ओमन कांपत अपन गढ़ ले बाहिर निकलथें।

47 "यहोवा ह जीयत हवय! मोर चट्टान के परसंसा होवय!
मोर परमेसर, चट्टान, मोर उद्धारकर्ता के बहुंत परसंसा होवय!
48 ओह परमेसर ए, जऊन ह मोर बदला लेथे,
जऊन ह जाति-जाति के मनखेमन ला मोर अधीन कर देथे,
49 जऊन ह मोला मोर बईरीमन ले छुड़ाथे;
तेंह मोला मोर बिरोधीमन ले ऊंच करे हस;
एक हिंसक आदमी ले तेंह मोला बचाय हस।
50 एकरसेति हे यहोवा, मेंह जाति-जाति के मनखेमन के बीच तोर परसंसा करहूं;
मेंह तोर नांव के परसंसा के गीत गाहूं।

51 "ओह अपन राजा ला बड़े बिजय देथे;
ओह अपन अभिसिक्त जन, दाऊद
अऊ ओकर संतानमन ऊपर हमेसा बहुंत दया देखाथे।"

23

[illegible]
1 दाऊद के आखिरी बचन ये अय:
"यिसै के बेटा दाऊद के उत्साह देवइया बचन,
ओ मनखे के बचन, जेला सर्वोच्च परमेसर ह ऊपर उठाईस,
ओ मनखे, जेला याकूब के परमेसर ह अभिसेक करिस,
इसरायल के गीतमन के नायक:

2 "यहोवा के आतमा ह मोर जरिये गोठियाईस;
ओकर बचन ह मोर मुहूं म रिहिस।
3 इसरायल के परमेसर ह गोठियाईस,
इसरायल के चट्टान ह मोर ले कहिस:
'जब एक झन धरमीपन म मनखेमन ऊपर सासन करथे,
जब ओह परमेसर के भय मानत सासन करथे,
4 ओह बिहनियां सूरज निकले के बेरा के अंजोर सहीं अय
अइसन बिहनियां, जेमा बादर नइं होवय,
जइसन बरसात होय के बाद चमकीलापन होथे
जेह भुइयां ले हरियर-हरियर कांदी उगाथे।'

5 "यदि मोर घराना के सही संबंध परमेसर के संग नइं होतिस,
त खचित ओह मोर संग सदा के एक करार नइं करतिस,
जऊन ह हर किसम ले ठीक अऊ सुरकछित हवय;
खचित ओह मोर उद्धार के फर ला नइं लानतिस
अऊ मोर हर ईछा ला पूरा नइं करतिस।
6 पर जम्मो दुस्ट मनखेमन कांटा के सहीं बाजू म फटिक दिये जाय बर होथें,
जेला हांथ ले नइं संकेले जावय।
7 जऊन ह कांटा ला छूथे
ओह लोहा के कोनो चीज या कोनो भाला के डंडा के उपयोग करथे;

जहां ओमन पड़े रहिथें, ओ जगह ला जला दिये जाथे।”

[illegible]

8 दाऊद के तीन बड़े सूरबीरमन के नांव:
योसेब-यसेबेत, येह एक तहकमोनी* रिहिस अऊ तीनों झन के मुखिया रिहिस; ओह आठ सौ आदमीमन ऊपर
अपन बरछी उठाईस अऊ ओमन ला एकेच मुकाबला म मार डारिस।
9 ओकर बाद अहोही दोदै के बेटा एलिआजर रिहिस। तीन बड़े योद्धा म ले एक झन के रूप म, ओह ओ समय
म दाऊद के संग रिहिस, जब ओमन पलिस्तीमन ला ताना मारिन, जब पलिस्तीमन लड़ई बर पस-दमीम म जूरे
रिहिन। तब इसरायलीमन पाछू हट गीन,
10 पर एलिआजर ह सामना करिस अऊ ओह पलिस्तीमन ला तब तक मारत गीस, जब तक कि ओकर हांथ ह
थकके तलवार ले चिपट नइं गीस। ओ दिन यहोवा ह एक बड़े जीत दिलाईस। सेना ह एलिआजर करा लहुंटके
आईस, पर सिरिप मरे मनखेमन के सामान लूटे बर।
11 ओकर बाद, हरारी अगी के बेटा सम्मा रिहिस। जब पलिस्तीमन एक अइसन जगह म एक संग जूरिन,
जिहां मसूर दाल ले भरे एक खेत रिहिस, त इसरायल के सेना ह ओमन ले डरके भाग गीस।
12 पर सम्मा ह खेत के मांझा म ठाढ़ होके ओमन के सामना करिस। ओह बचाव करिस अऊ पलिस्तीमन ला
मार गिराईस, अऊ यहोवा ह एक बड़े जीत दिलाईस।
13 फसल लुए के समय, तीस मुख्य सूरबीरमन ले तीन झन दाऊद करा अदुल्लाम के गुफा म आईन, अऊ ओ
समय, पलिस्तीमन के एक दल ह रपाईम के घाटी म डेरा डाले रहय।
14 ओ बेरा दाऊद ह गढ़ म रिहिस, अऊ पलिस्तीमन के गढ़ के सेना ह बैतलहम म रिहिस।
15 दाऊद ला बहुंत पीयास लगिस, त ओह कहिस, “हाय, कोनो मोला बैतलहम के दुवार के लकठा के कुआं ले
पानी लानके पीयावव!”
16 त ओ तीनों सूरबीरमन पलिस्तीमन के कतार ला टोरके बैतलहम के दुवार के लकठा के कुआं ले पानी
निकालिन अऊ ओ पानी ला लेके दाऊद करा वापिस आ गीन। पर ओह ओ पानी ला पीये ले मना करिस, अऊ
ओह ओ पानी ला यहोवा के आघू म ढार दीस,
17 अऊ कहिस, “हे यहोवा, अइसन काम करई ह मोर ले दूरिहा रहय! का येह ओ आदमीमन के लहू नो हय,
जेमन अपन परान ला जोखिम म डालके गेय रिहिन?” अऊ दाऊद ह ओ पानी ला नइं पीईस।
अइसने बीरता के काम रिहिस ओ तीनों बड़े सूरबीरमन के।
18 सरूयाह के बेटा, योआब के भाई अबीसै ह ओ तीनों झन के मुखिया रिहिस। ओह तीन सौ आदमीमन के
बिरूध अपन बरछी उठाके ओमन ला मार डारिस, अऊ ये किसम ले ओह ओ तीनों के सहीं नामी हो गीस।
19 का ओ तीनों ले ओकर जादा आदर नइं होईस? ओह ओमन के सेनापति बनिस, हालाकि ओला ओ तीनों के
बीच सामिल नइं करे गीस।
20 यहोयादा के बेटा बनायाह ह कबसेल सहर के एक बड़े बीर रिहिस, अऊ ओह बहुंत बीरता देखाईस। ओह
मोआब के दू झन सबले बड़े योद्धामन ला मार गिराईस। बरफ गिरे के दिन म ओह खाल्हे एक खंचवा म उतरके
एक सिंह ला घलो मार डारिस।
21 दूसर बार ओह एक बहुंत बड़े मिसरी मनखे ला मार डारिस। हालाकि ओ मिसरी मनखे ह अपन हांथ म
बरछी धरे रिहिस, पर बनायाह एक ठन बड़े लउठी लेके ओकर बिरूध गीस। ओह ओ मिसरी मनखे के हांथ ले
बरछी ला छीन लीस अऊ ओकरेच बरछी ले ही ओला मार डारिस।
22 अइसने-अइसने बीरता के काम यहोयादा के बेटा बनायाह ह करिस; ओह घलो ओ तीनों बड़े सूरबीरमन
सहीं नामी रिहिस।
23 ओला ओ तीस सूरबीरमन ले जादा आदर मिलिस, पर ओला ओ तीनों म सामिल नइं करे गीस। अऊ
दाऊद ह ओला अपन अंग रकछकमन के मुखिया ठहिराईस।

24 येमन ओ तीस योद्धा रिहिन:

---

* **23:8** संभवत: [illegible] के आने नांव

योआब के भाई असाहेल,
बैतलहम के दोदो के बेटा एल्हानान,
25 हेरोदी सम्मा,
हेरोदी एलीका,
26 पलती हेलेस,
तकोआ ले इक्केस के बेटा ईरा,
27 अनातोत ले अबिएजेर,
हूसाती† सिब्बकै,
28 अहोही सलमोन,
नतोपाती महरै,
29 नतोपाती बाना के बेटा हेलेद‡,
बिनयामीन म गिबा नगर ले रीबै के बेटा इतै,
30 पिरातोनी बनायाह,
गास के घाटीमन के इलाका ले हिद्दै§,
31 अरबात के अबी-अल्बोन,
बरहूमी अजमावेत,
32 सालबोनी एल्यहबा,
यासेन के बेटामन,
योनातन
33 हरारी सम्मा के बेटा,
हरारी सारार के बेटा अहीआम,
34 माकाती अहसबै के बेटा एलीपेलेत,
गीलोनी अहीतोपेल के बेटा एलीआम,
35 करमेली हेसरो,
अराबी पारै,
36 सोबा ले नातान के बेटा इगाल,
हगरी* के बेटा,
37 अमोनी सेलेक,
बेरोती नहरै, जऊन ह सरूयाह के बेटा योआब के हथियार ढोवइया रिहिस,
38 येतेरी ईरा,
येतेरी गारेब,
39 अऊ हित्ती उरियाह।

जम्मो ला मिलाके सैंतीस बीर रिहिन।

24

[illegible]

1 यहोवा के कोप ह फेर इसरायलीमन ऊपर भड़किस, अऊ ओह दाऊद ला ओमन के बिरूध ये कहिके उभारिस, "जा अऊ इसरायल अऊ यहूदा के गनती कर।"

2 एकरसेति राजा ह योआब अऊ ओकर संग के सेनापतिमन ला हुकूम दीस, "दान सहर ले लेके बेरसेबा तक इसरायल के जम्मो गोत्र म जावव, अऊ सैनिकमन के गनती करव, ताकि मेंह जानंव कि ओमन कतेक हवंय।"

3 पर योआब ह राजा ला जबाब दीस, "यहोवा तोर परमेसर ह इसरायल के मनखेमन ला सौ गुना बढ़ावय, अऊ मोर मालिक राजा के आंखी ह येला देखय। पर मोर मालिक राजा ह अइसने काम काबर करे चाहत हे?"

† **23:27** इबरानी म [illegible] ‡ **23:29** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible] § **23:30** कुछू इबरानी हस्तलिपि म [illegible] * **23:36** कुछू हस्तलिपि म [illegible] (देखव 1 इति 11:38)

4 पर राजा ह योआब अऊ सेना के सेनापतिमन के बात ला नइं मानिस; तब ओमन राजा करा ले चल दीन
अऊ इसरायल के सैनिकमन के गनती करिन।
5 यरदन नदी के ओ पार जाके, ओमन घाटी म नगर के दक्खिन कोति अरोएर नगर के लकठा म डेरा डालिन,
अऊ तब गाद म ले होवत याजेर कोति गीन।
6 तब ओमन गिलाद म अऊ तहतीम-होदसी के इलाका म गीन, फेर दान-यान गीन अऊ घुमके सीदोन सहर
कोति चलिन।
7 तब ओमन सूर के गढ़, अऊ हिब्बी अऊ कनानीमन के जम्मो नगरमन कोति गीन। आखिर म, ओमन यहूदा
देस के नेगेव म बेरसेबा करा गीन।
8 पूरा देस भर म जाय के बाद, नौ महिना अऊ बीस दिन के आखिरी म ओमन यरूसलेम वापिस आईन।
9 योआब ह राजा ला सैनिकमन के गनती बताईस; इसरायल म आठ लाख योग्य आदमीमन रिहिन, जेमन
तलवार चला सकत रिहिन, अऊ यहूदा म पांच लाख रिहिन।
10 सैनिकमन के गनती करे के बाद, दाऊद के मन ह बियाकुल होय लगिस, अऊ ओह यहोवा ले पराथना
करिस, "जऊन काम मेंह करे हंव, ओह एक बड़े पाप ए। त अब, हे यहोवा, मेंह तोर ले बिनती करत हंव, अपन
सेवक के दोस ला दूर कर दे। मेंह एक बहुंत मुरूखता के काम करे हंव।"
11 एकर पहिले कि दूसर दिन बिहनियां दाऊद ह सोके उठतिस, यहोवा के ये बचन गाद अगमजानी, दाऊद के
अगम-दरसी करा आईस:
12 "जा अऊ दाऊद ला बता, 'यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोर आघू म तीन बात रखत हंव। ओमा ले कोनो एक
ठन ला चुन ले, जेला में तोर बिरूध करहूं।' "
13 तब गाद ह दाऊद मेर जाके ओला कहिस, "का तोर देस म तीन* बछुर के अकाल पड़य? या तीन महिना
तक तोर बईरीमन तोर पीछा करत रहंय अऊ तेंह ओमन ले भागत रहिबे? या फेर तोर देस म तीन दिन तक
महामारी होवय? अब तें येकर ऊपर सोच-बिचार कर अऊ मोला बता ताकि में ओला जबाब दे सकंव, जऊन ह
मोला पठोय हवय।"
14 दाऊद ह गाद ला कहिस, "मेंह बड़े संकट म पड़े हंव। हमन यहोवा के हांथ म पड़न, काबरकि ओकर दया
बहुंत बड़े अय; पर मोला मनखेमन के हांथ म झन पड़न दे।"
15 तब यहोवा ह ओ बिहनियां ले लेके ठहिराय गय समय तक इसरायल ऊपर एक महामारी लानिस, अऊ
दान ले लेके बेरसेबा तक सत्तर हजार मनखे मर गीन।
16 जब स्वरगदूत ह यरूसलेम ला नास करे बर अपन हांथ ला बढ़ाईस, तब यहोवा के मन ह ओ बिपत्ति के
बारे म पिघल गीस अऊ ओह ओ स्वरगदूत ला कहिस, जऊन ह मनखेमन ला पीरा देवत रिहिस, "बहुंत हो गे!
अपन हांथ ला खींच ले।" ओ समय यहोवा के स्वरगदूत ह ओरनान नांव के एक यबूसी के कोठार म रिहिस।
17 जब दाऊद ह ओ स्वरगदूत ला देखिस, जऊन ह मनखेमन ला पीरा देवत रिहिस, त ओह यहोवा ले कहिस,
"पाप तो में करे हंव; में, चरवाहा ह गलत काम करे हंव। येमन तो भेड़ अंय। येमन का करे हवंय? तोर हांथ ह
मोर अऊ मोर परिवार ऊपर उठे।"

[illegible]

18 ओहीच दिन, गाद ह दाऊद मेर गीस अऊ ओकर ले कहिस, "जा अऊ यबूसी ओरनान के कोठार म यहोवा
बर एक बेदी बना।"
19 तब दाऊद ह उहां गीस जइसे कि यहोवा ह गाद के जरिये हुकूम देय रिहिस।
20 जब ओरनान ह राजा अऊ ओकर करमचारीमन ला अपन कोति आवत देखिस, त ओह निकलके राजा के
आघू म भुइयां तक मुड़ नवाके ओला दंडवत करिस।
21 ओरनान ह कहिस, "मोर मालिक राजा ह अपन दास मेर काबर आय हवय?"
दाऊद ह जबाब दीस, "तोर कोठार ला बिसाय बर आय हवंव, ताकि में इहां यहोवा बर एक बेदी बना सकंव,
जेकर ले मनखेमन के महामारी ह खतम हो जावय।"

---

* **24:13** इबरानी म; (देखव 1 इति 21:12); [illegible]

22 ओरनान ह दाऊद ले कहिस, “मोर मालिक राजा ला जऊन कुछ्छू बने लगय, ओला ओह लेय ले अऊ भेंट
चघावय। होम-बलिदान बर इहां बईलामन हवंय, अऊ इहां लकरी बर दंवरी के चीज अऊ बईलामन के जुड़ा
हवय।
23 हे महाराज, ओरनान ह ये जम्मो चीज राजा ला देवत हे।” ओरनान ह राजा ला ये घलो कहिस, “यहोवा
तोर परमेसर ह तोला स्वीकार करय।”
24 पर राजा ह ओरनान ला जबाब दीस, “नइं, मेंह दाम देके तोर ले येला लूहूं। मेंह यहोवा अपन परमेसर ला
अइसन होम-बलिदान नइं चघावंव, जेकर बर में कुछ्छू दाम नइं चुकाय हंव।”
एकरसेंति दाऊद ह कोठार अऊ बईलामन ला चांदी के पचास सेकेल† म बिसा लीस।
25 उहां दाऊद ह यहोवा बर एक बेदी बनाईस अऊ होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाईस। तब यहोवा ह
देस बर दाऊद के दुवारा करे पराथना के जबाब दीस, अऊ इसरायल ऊपर आय महामारी ह खतम हो गीस।

† **24:24** लगभग 575 ग्राम

राजामन
के पहिला किताब

[illegible]

1 जब दाऊद राजा ह बहुंत डोकरा हो गीस, त ओला ओनहा ओढ़ाय ले घलो ओकर देहें ह गरम नइं होवत
रिहिस।
2 एकरसेति ओकर सेवकमन ओला कहिन, “हमन एक जवान कुंवारी लड़की खोजथन, जऊन ह राजा के सेवा
करय अऊ ओकर देखभाल करय। ओह ओकर बाजू म लेटय, ताकि हमर परभू राजा ला गरमी लगय।”
3 तब ओमन जम्मो इसरायल देस म एक सुघर जवान माईलोगन के खोज करिन अऊ ओमन ला अबीसग
नांव के एक सुनेमवासी लड़की मिलिस, अऊ ओमन ओला राजा करा ले आईन।
4 ओ माईलोगन ह अब्बड़ सुघर रहय; ओह राजा के देखभाल करय अऊ ओकर बाजू म ठाढ़े रहय, पर राजा
के सारीरिक संबंध ओकर संग नइं रिहिस।
5 तब अदोनियाह, जेकर दाई के नांव हगीत रिहिस, अपनआप ला आघू करके कहिस, “मेंह राजा बनहूं।” अऊ
ओह रथ अऊ घोड़ामन* ला तियार करिस अऊ अपन आघू-आघू दऊड़े बर पचास मनखे रखिस।
6 (ओकर ददा ह ओला ये कहिके कभू नइं डांटे रिहिस, “तेंह अइसने काम काबर करथस।” ओह बहुंत सुन्दर
घलो रिहिस अऊ अबसालोम के बाद ओकर जनम होय रिहिस।)
7 अदोनियाह ह सरूयाह के बेटा योआब अऊ अबियातार पुरोहित ले बातचीत करिस, अऊ ओमन ओकर
समरथन करिन।
8 पर सादोक पुरोहित, यहोयादा के बेटा बनायाह, नातान अगमजानी, सिमी अऊ रेई अऊ दाऊद के बिसेस
पहरेदार, अदोनियाह के समरथन नइं करिन।
9 अदोनियाह ह तब एन-रोगेल के लकठा म जोहेलेत नांव के पथरा करा भेड़, पसु अऊ मोटहा बछरूमन के
बलिदान करिस। ओह अपन जम्मो भाई राजा के बेटामन ला, अऊ यहूदा के जम्मो राज-करमचारीमन ला
बलाईस।
10 पर ओह नातान अगमजानी, बनायाह, बिसेस पहरेदार अऊ अपन भाई सुलेमान ला नइं बलाईस।
11 तब नातान ह सुलेमान के दाई बतसेबा ले पुछिस, “का तेंह सुने हस कि हगीत के बेटा अदोनियाह ह राजा
बन गे हवय अऊ हमर परभू दाऊद येकर बारे म कुछू नइं जानत हे?
12 एकरसेति, अब मेंह तोला सलाह देवत हंव कि तेंह कइसे अपन अऊ अपन बेटा सुलेमान के परान बचा
सकत हस।
13 तेंह दाऊद राजा करा जा अऊ ओला अइसने कह, ‘हे मोर मालिक! हे राजा! का तेंह अपन दासी मोर ले
कसम खाके ये नइं कहे रहय: “तोर बेटा सुलेमान ह मोर बाद राजा होही, अऊ ओह मोर सिंघासन म बईठही”?
त फेर अदोनियाह ह काबर राजा बन गे हवय?’
14 जब तेंह उहां राजा ले अइसने गोठियावत रहिबे, तभे मेंह आहूं अऊ तोर बात के समरथन करहूं।”
15 तब बतसेबा ह डोकरा राजा ला देखे बर ओकर कमरा म गीस, जिहां सुनेम के अबीसग ह ओकर सेवा-टहल
करत रिहिस।
16 बतसेबा ह खाल्हे झुकके राजा ला दंडवत करिस।
राजा ह पुछिस, “तेंह का चाहत हस?”
17 ओह कहिस, “हे मोर परभू, तेंह खुद यहोवा तोर परमेसर के कसम खाके अपन दासी ले कहे रहय: ‘तोर बेटा
सुलेमान ह मोर बाद राजा होही, अऊ ओह मोर सिंघासन म बईठही।’
18 पर अब अदोनियाह ह राजा बन गे हवय, अऊ तें, हे मोर मालिक राजा, येकर बारे म नइं जानत हस।
19 ओह अब्बड़ पसु, मोटहा बछरू अऊ भेड़मन के बलिदान करे हवय, अऊ राजा के जम्मो बेटा, अबियातार
पुरोहित अऊ सेना के सेनापति योआब ला बलाय हवय, पर ओह तोर सेवक सुलेमान ला नइं बलाईस।

---

* **1:5** या *[illegible]*

20 हे मोर परभू! हे राजा! जम्मो इसरायल के आंखी तोर कोति ये जाने बर लगे हवय कि मोर परभू राजा के
बाद ओकर सिंघासन म कोन ह बईठही।
21 नइं तो जब मोर मालिक राजा ह अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सो जाही, त मोर अऊ मोर बेटा
सुलेमान के संग अपराधी के सहीं बरताव करे जाही।"
22 जब बतसेबा ह राजा ले गोठियावत रिहिस, तभे नातान अगमजानी घलो आ गीस।
23 अऊ राजा ला बताय गीस, "नातान अगमजानी ह आय हवय।" तब ओह राजा करा गीस, अऊ मुहूं के बल
भुइयां म गिरके राजा ला दंडवत करिस।
24 नातान ह कहिस, "हे मोर मालिक राजा! का तेंह घोसना करे हवस कि अदोनियाह ह तोर बाद राजा होही,
अऊ ओह तोर सिंघासन म बईठही?
25 आज ओह खाल्हे म जाके अब्बड़ अकन पसु, मोटहा बछरू अऊ भेड़मन के बलिदान करे हवय। ओह राजा
के जम्मो बेटा, सेना के सेनापति अऊ अबियातार पुरोहित ला बलाय हवय। अभी ओमन ओकर संग खावत
अऊ पीयत हवंय अऊ ये कहत हवंय, 'राजा अदोनियाह चिरंजीव रहय।'
26 पर तोर दास मोला, अऊ सादोक पुरोहित, अऊ यहोयादा के बेटा बनायाह, अऊ तोर दास सुलेमान ला
ओह नइं बलाय हवय।
27 का ये काम मोर मालिक राजा कोति ले अपन दासमन ला बिगर बताय होय हवय कि मोर मालिक राजा के
बाद ओकर सिंघासन म कोन बईठही।"

[illegible]

28 तब दाऊद राजा ह कहिस, "बतसेबा ला मोर करा बलावव।" तब ओह राजा करा आईस अऊ ओकर आघू
म ठाढ़ हो गीस।
29 राजा ह तब ये कसम खाईस, "यहोवा के जिनगी के कसम, जऊन ह मोला हर बिपत्ति ले बचाय हवय,
30 मेंह जऊन बात तोर ले यहोवा, इसरायल के परमेसर के कसम खाके कहे हवंव, ओला आज ही पूरा करहूं:
तोर बेटा सुलेमान ह मोर बाद राजा होही, अऊ ओह मोर बाद सिंघासन म मोर जगह म बईठही।"
31 तब बतसेबा ह राजा के आघू म मुहूं-भरसा होके ओला सास्टांग दंडवत करिस, अऊ कहिस, "मोर परभू
राजा दाऊद ह सदा जीयत रहय!"
32 तब दाऊद राजा ह कहिस, "सादोक पुरोहित, नातान अगमजानी अऊ यहोयादा के बेटा बनायाह ला मोर
करा बलाके लान।" अऊ जब ओमन राजा करा आईन,
33 त ओह ओमन ले कहिस: "अपन परभू के सेवकमन ला अपन संग लेवव अऊ मोर बेटा सुलेमान ला मोर
अपन खुद के खच्चर म चघावव अऊ ओला खाल्हे गीहोन म ले जावव।
34 अऊ उहां सादोक पुरोहित अऊ नातान अगमजानी, इसरायल के राजा के रूप म ओकर अभिसेक करंय।
तब तुरही फूंकके चिचियाके कहव, 'राजा सुलेमान चिरंजीव रहय!'
35 तब तुमन ओकर संग ऊपर जावव, अऊ ओह आके मोर सिंघासन म बईठे अऊ मोर जगह म राज करय।
मेंह ओला इसरायल अऊ यहूदा ऊपर सासन करइया ठहिराय हंव।"
36 तब यहोयादा के बेटा बनायाह ह कहिस, "आमीन! यहोवा, मोर मालिक, राजा के परमेसर घलो अइसने ही
घोसना करय।
37 जइसने यहोवा ह मोर मालिक, राजा के संग रिहिस, वइसने ही ओह सुलेमान के संग घलो रहय अऊ
ओकर राज ला मोर मालिक, राजा दाऊद के राज ले घलो अधिक बढ़ावय!"
38 तब सादोक पुरोहित, नातान अगमजानी, यहोयादा के बेटा बनायाह, करेती अऊ पलेतीमन खाल्हे गीन
अऊ सुलेमान ला राजा दाऊद के खच्चर म चघाईन, अऊ ओला गीहोन म ले गीन।
39 तब सादोक पुरोहित ह पबितर तम्बू ले तेल ले भरे सींग ला लीस अऊ सुलेमान के अभिसेक करिस। तब
ओमन तुरही फूंकिन अऊ जम्मो मनखे चिचियाके कहिन, "राजा सुलेमान चिरंजीव रहय!"
40 अऊ जम्मो मनखेमन बांसुरी बजावत अऊ अइसने आनंद मनावत ओकर पाछू-पाछू ऊपर गीन कि
अवाज के मारे धरती घलो कांपे लगिस।
41 जब अदोनियाह अऊ ओकर जम्मो पहुनामन अपन खाना खवई खतम करनेवाला ही रिहिन कि ओमन ये
अवाज सुनिन। तुरही के अवाज ला सुनके, योआब ह पुछिस, "सहर म ये जम्मो कोलाहल के का मतलब ए?"

42 जब ओह अइसने गोठियावत रिहिस, तभे अबियातार पुरोहित के बेटा योनातन आईस। अदोनियाह ह
ओकर ले कहिस, “भीतर आ। तेंह एक बने मनखे अस, अऊ तेंह जरूर कोनो बने संदेस लाने होबे।”
43 योनातन ह जबाब दीस, “बिलकुल ही नइं! हमर परभू राजा दाऊद ह सुलेमान ला राजा बना दे हवय।
44 अऊ राजा ह सादोक पुरोहित, नातान अगमजानी, यहोयादा के बेटा बनायाह, करेती अऊ पलेतीमन ला
ओकर संग पठोय हवय, अऊ ओमन ओला राजा के खच्चर म चघाय हवंय,
45 अऊ सादोक पुरोहित अऊ नातान अगमजानी गीहोन म राजा के रूप म ओकर अभिसेक करे हवंय। उहां
ले ओमन खुसी मनावत ऊपर गे हवंय, सहर म येकर कोलाहल मचे हे, जेकर अवाज तुमन सुनत हवव।
46 अऊ सुलेमान ह राज सिंघासन म अपन जगह ले लेय हवय।
47 राज-करमचारीमन घलो हमर परभू राजा दाऊद करा आके ये कहिके बधाई देवत हंय, ‘तोर परमेसर ह
सुलेमान के नांव ला तोर नांव ले घलो महान करय अऊ ओकर राज ला तोर राज ले घलो अधिक बढ़ावय!’ अऊ
राजा ह अपन पलंग म भक्ति म दंडवत करिस
48 अऊ कहिस, ‘ओ यहोवा, इसरायल के परमेसर के महिमा होवय, जऊन ह आज मोर देखत म एक
उत्तराधिकारी ला मोर सिंघासन म बईठाय हवय।’ ”
49 ये सुनके, अदोनियाह के जम्मो पहुनामन घबराके उहां ले उठिन अऊ अपन-अपन रद्दा म चल दीन।
50 पर अदोनियाह ह सुलेमान के डर के मारे उठिस, अऊ जाके बेदी के सींगमन ला पकड़ लीस।
51 तब सुलेमान ला ये बताय गीस, “अदोनियाह ह राजा सुलेमान ले डरत हवय अऊ बेदी के सींगमन ला ये
कहिके पकड़ ले हवय, ‘राजा सुलेमान ह आज मोर ले कसम खावय कि ओह अपन दास ला तलवार ले नइं मार
डारही।’ ”
52 सुलेमान ह जबाब दीस, “यदि ओह अपनआप ला सही साबित करथे, त ओकर बाल भी बांका नइं होही;
पर यदि ओमा बुरई पाय जाथे, तो ओह मारे जाही।”
53 तब राजा सुलेमान ह कुछू आदमीमन ला पठोईस, अऊ ओमन ओला बेदी ले खाल्हे ले आईन। अऊ
अदोनियाह ह आईस अऊ झुकके राजा सुलेमान ला दंडवत करिस, अऊ सुलेमान ह ओला कहिस, “अपन घर
चले जा।”

2

[illegible]

1 जब दाऊद के मरे के बेरा ह लकठा म आईस, त ओह अपन बेटा सुलेमान ला ये कहिके अधिकार दीस:
2 “मेंह जम्मो संसार के रीति के मुताबिक जवइया हंव, एकरसेति तेंह मजबूत होके एक मनखे के सहीं काम कर,
3 अऊ जऊन कुछू यहोवा तोर परमेसर चाहथे, ओला मान: ओकर ईछा के मुताबिक चल, अऊ जइसने मूसा
के कानून म लिखे हवय वइसने ही ओकर रीति-बिधि अऊ हुकूम, ओकर कानून अऊ नियममन ला मान। तेंह ये
जम्मो ला माने कर, ताकि तोर हर काम अऊ तोला हर जगह म सफलता मिलय
4 अऊ यहोवा ह मोर ले करे ये वायदा ला पूरा करय: ‘यदि तोर संतानमन अपन चालचलन ला सही रखहीं,
अऊ यदि ओमन अपन पूरा मन अऊ परान के संग म मोर आघू म सच्चई म चलहीं, त इसरायल के सिंघासन म
बईठे बर तोर खानदान म उत्तराधिकारी के कभू कमी नइं होही।’
5 “तेंह खुद जानत हस कि सरूयाह के बेटा योआब ह मोर संग का करिस—याने कि नेर के बेटा अबनेर अऊ
येतेर के बेटा अमासा, इसरायल के ये दूनों सेनापतिमन के संग ओह का करिस। ओह ओमन ला मार डारिस,
अऊ सांति के समय म लड़ई के बेरा सहीं खून बहाईस अऊ ओ खून ले अपन कनिहां के कमरबंध अऊ अपन
गोड़ के पनहीमन म दाग लगाईस।
6 अपन बुद्धि के मुताबिक ओकर संग बरताव कर, पर ओ पक्का चुंदीवाला ला सांति से मरन झन देबे।
7 “पर गिलाद के बरजिलै के बेटामन ऊपर दया करबे अऊ ओमन तोर मेज म खाना खवइया होवंय, काबरकि
जब मेंह तोर भाई अबसालोम ले भागत रहेंव, त ओमन मोर साथ दे रिहिन।
8 “अऊ सुन, तोर संग बहूरीम के बिनयामीनी गेरा के बेटा सिमी हवय, जऊन ह मोला ओ दिन कठोर सराप
देय रिहिस जब मेंह महनैम ला जावत रहेंव। पर जब ओह मोर ले भेंट करे बर यरदन मेर आईस, त मेंह ओकर ले
यहोवा के किरिया खाके कहे रहेंव: ‘मेंह तोला तलवार ले नइं मारंव।’

9 पर अब तेंह ओला निरदोस झन ठहिराबे। तेंह एक बुद्धिमान मनखे अस; तोला पता होही कि ओकर संग का
करना हे। ओ पक्का चुंदीवाला के खून बहाके ओला मार डारबे।"
10 तब दाऊद ह अपन पुरखामन के संग सुत गीस अऊ ओला दाऊद के सहर म माटी दिये गीस।
11 ओह इसरायल ऊपर चालीस साल तक राज करिस—सात साल हेबरोन सहर म अऊ तैंतीस साल
यरूसलेम सहर म।
12 तब सुलेमान ह अपन ददा दाऊद के सिंघासन म बईठिस, अऊ ओकर राज ह मजबूत होवत गीस।

?????? ?? ??? ??????? ????

13 तब हगीत के बेटा अदोनियाह ह सुलेमान के दाई बतसेबा करा गीस। बतसेबा ह ओकर ले पुछिस, "का
तेंह मितानभाव ले आय हस?"
ओह जबाब दीस, "हव, मितानभाव ले!"
14 फेर ओह कहिस, "मोला तोर से कुछू कहना हे।"
बतसेबा ह कहिस, "तेंह कह सकत हस!"
15 त ओह कहिस, "जइसे कि तेंह जानत हस कि राज ह मोर हो गे रिहिस। जम्मो इसरायल ह मोला अपन
राजा के रूप म देखत रिहिस। पर चीजमन बदल गीन, अऊ अब राज ह मोर भाई के हो गे हवय, काबरकि येह
यहोवा कोति ले ओला मिले हवय।
16 एकरसेति अब मेंह तोर ले एक बिनती करत हंव। मोला इनकार झन करबे।"
बतसेबा ह कहिस, "अपन बिनती ला बता।"
17 ओह कहिस, "राजा सुलेमान ह तोर बात ला नइं काटही—एकरसेति ओकर ले पुछ कि ओह मोला सुनेमिन
अबीसग ला मोर घरवाली के रूप म देवय।"
18 बतसेबा ह कहिस, "बने बात ए, मेंह तोर बर राजा ले बात करहूं।"
19 जब बतसेबा ह अदोनियाह के बारे म राजा सुलेमान करा गोठियाय बर गीस, त राजा ह ओकर ले भेंट करे
बर उठिस, अऊ झुकके ओला दंडवत करिस अऊ तब ओह अपन सिंघासन म बईठ गीस। राजा ह अपन दाई बर
घलो एक सिंघासन रखवा दीस, अऊ ओकर दाई ह ओकर जेवनी हांथ कोति बईठ गीस।
20 तब राजा के दाई ह कहिस, "मेंह तोर ले एक छोटे बिनती करे चाहत हंव, मोला इनकार झन करबे।"
राजा ह कहिस, "हे मोर दाई, का बिनती करे चाहत हस? मेंह तोला इनकार नइं करंव।"
21 ओह कहिस, "सुनेमिन अबीसग ह तोर भाई अदोनियाह ला बिहाव म दिये जावय।"
22 राजा सुलेमान ह अपन दाई ला जबाब दीस, "तेंह अदोनियाह बर सुनेमिन अबीसग ला ही काबर मांगत
हस? तेंह ओकर बर राज ला घलो मांग सकत हस, काबरकि ओह तो मोर बड़े भाई अय—हव, सिरिप ओकर बर
ही काबर! अबियातार पुरोहित अऊ सरूयाह के बेटा योआब बर घलो मांग!"
23 तब राजा सुलेमान ह यहोवा के कसम खाके कहिस: "यदि अदोनियाह ह ये बिनती बर मार डारे नइं जावय,
त परमेसर ह मोर ले बहुंत कठोरता से बरताव करय!
24 अऊ अब यहोवा के जिनगी के कसम—जऊन ह मोला मोर ददा दाऊद के सिंघासन म बने करके स्थापित
करे हवय अऊ अपन वायदा के मुताबिक मोर बर एक राजबंस कायम करे हवय—आज ही अदोनियाह ह मार
डारे जाही।"
25 एकरसेति राजा सुलेमान ह यहोयादा के बेटा बनायाह ला हुकूम दीस अऊ ओह गीस अऊ अदोनियाह
ऊपर घात करके ओला मार डारिस।
26 अबियातार पुरोहित ला राजा ह कहिस, "अनातोत नगर म अपन भुइयां म जा। तेंह मार डारे जाय के
लईक अस, पर मेंह तोला अभी नइं मारंव, काबरकि तें मोर ददा दाऊद के आघू म परमपरधान यहोवा के सन्दूक
ला उठाय करत रहय अऊ मोर ददा के जम्मो दुख म तेंह ओकर संग रहय।"
27 सुलेमान ह अबियातार ला पुरोहित पद ले उतार दीस, ये किसम ले जऊन बचन यहोवा ह एली के बंस के
बारे म सीलो म कहे रिहिस, ओह पूरा होईस।
28 जब ये खबर योआब करा हबरिस, जऊन ह अबसालोम के संग तो नइं, पर अदोनियाह के संग साजिस रचे
रिहिस, तब ओह यहोवा के तम्बू म भाग के गीस अऊ बेदी के सींगमन ला धर लीस।

29 राजा सुलेमान ला बताय गीस कि योआब ह यहोवा के तम्बू म भाग गे हवय अऊ बेदी के बाजू म हवय।
तब सुलेमान ह यहोयादा के बेटा बनायाह ला हुकूम दीस, "जा अऊ ओला मार डार!"
30 तब बनायाह ह यहोवा के तम्बू भीतर गीस अऊ योआब ला कहिस, "राजा के हुकूम अय कि बाहिर निकल
आ!"
पर ओह जबाब दीस, "नइं, मेंह इहां मरहूं।"
बनायाह ह ये बात के सूचना राजा ला दीस, "योआब ह मोला अइसने जबाब दे हवय।"
31 तब राजा ह बनायाह ला हुकूम दीस, "ओकर कहे के मुताबिक ओला मार डार। ओला मारके माटी देय दे,
अऊ अइसने करके योआब के दुवारा बहाय निरदोसमन के खून के दोस ले मोला अऊ मोर जम्मो परिवार ला
बरी कर।
32 जऊन खून, ओह बहाय रिहिस, यहोवा ह ओकर बदला लीही, काबरकि मोर ददा दाऊद के बिगर जाने,
ओह दू झन मनखे ऊपर हमला करिस अऊ ओमन ला तलवार ले मार डारिस। ओ दूनों मनखे—नेर के बेटा
अबनेर, इसरायल के सेना के सेनापति, अऊ येतेर के बेटा अमासा यहूदा के सेना के सेनापति रिहिन। ये दूनों
झन योआब ले जादा बने अऊ धरमी मनखे रिहिन।
33 येमन के खून के दोस ह योआब अऊ ओकर संतान के मुड़ म सदाकाल तक बने रहय। पर दाऊद अऊ
ओकर संतान, ओकर घर अऊ ओकर सिंघासन ऊपर यहोवा के सांति सदाकाल तक बने रहय।"
34 एकरसेति यहोयादा के बेटा बनायाह ह जाके योआब ला मार डारिस, अऊ ओला देहात इलाका म ओकर
घर म माटी दिये गीस।
35 तब राजा सुलेमान ह योआब के जगह म यहोयादा के बेटा बनायाह ला सेना के सेनापति ठहिराईस अऊ
अबियातार के जगह म सादोक पुरोहित ला ठहिराईस।
36 तब राजा ह सिमी ला बुलवाईस अऊ ओला कहिस, "तें यरूसलेम म अपन बर एक घर बना अऊ उहां रह,
पर उहां ले बाहिर कोनो अऊ जगह ला झन जाबे।
37 तें ये बात ला पक्का जान ले कि जऊन दिन तेंह निकलके किदरोन घाटी के ओ पार जाबे, त ओहीच दिन,
तेंह जरूर मार डारे जाबे; तोर खून के दोस तोरेच मुड़ ऊपर होही।"
38 सिमी ह राजा ला जबाब दीस, "तेंह बने बात कहे हस। जइसने मोर मालिक, राजा ह कहे हवय, तोर सेवक
ह वइसने ही करही।" अऊ सिमी ह बहुंत समय तक यरूसलेम म रिहिस।
39 पर तीन साल के बाद, सिमी के दू झन गुलाम माका के बेटा आकीस करा भाग गीन, जऊन ह गत नगर के
राजा रिहिस, अऊ सिमी ला ये बात बताय गीस, "तोर गुलाममन गत म हवंय।"
40 ये सुनके सिमी ह अपन गदहा ऊपर काठी कसिस अऊ अपन गुलाममन ला खोजे बर गत म आकीस करा
गीस। ये किसम ले सिमी ह निकलके गीस अऊ अपन गुलाममन ला गत ले वापिस ले आईस।
41 जब सुलेमान ला बताय गीस कि सिमी ह यरूसलेम ले गत गे रिहिस अऊ फेर वापिस आ गे हवय,
42 त ओह सिमी ला बुलवाईस अऊ ओला कहिस, "का मेंह तोला यहोवा के कसम खवाके ये चेतउनी नइं दे
रहेंव, 'तें ये बात पक्का जान ले कि जऊन दिन तेंह निकलके कोनो अऊ जगह ला जाबे, त तेंह जरूर मार डारे
जाबे'? अऊ ओ समय तेंह मोला कहे रहय, 'तेंह बने बात कहे हस। मेंह येला मानहूं।'
43 त फेर तेंह यहोवा के खाय कसम ला काबर टोरय अऊ मोर दिये हुकूम ला नइं मानय?"
44 राजा ह सिमी ला ये घलो कहिस, "तेंह खुद अपन मन म ओ जम्मो गलत काम ला जानत हस, जऊन ला
तेंह मोर ददा दाऊद के बिरूध करे हवस। अब यहोवा ह तोर गलत काम के बदला तोर ले लीही।
45 पर राजा सुलेमान ह आसीस पाही, अऊ दाऊद के सिंघासन ह यहोवा के आघू म सदा मजबूत बने रहिही।"
46 तब राजा ह यहोयादा के बेटा बनायाह ला हुकूम दीस, अऊ ओह बाहिर म जाके सिमी ला अइसने मारिस
कि ओह मर गीस।
ये किसम ले सुलेमान के हांथ म राज ह स्थापित होईस।

3

1 सुलेमान ह मिसर के राजा फिरौन के संग एक संधि करके ओकर बेटी ले बिहाव कर लीस। ओह ओला लानके
दाऊद के सहर म तब तक रखिस, जब तक कि ओह अपन महल अऊ यहोवा के मंदिर अऊ यरूसलेम के चारों
कोति दीवार नइं बनवा लीस।
2 मनखेमन अभी तक ले ऊंचहा जगहमन म बलिदान करत रिहिन, काबरकि ओ समय तक यहोवा के नांव म
कोनो मंदिर नइं बने रिहिस।
3 सुलेमान ह अपन ददा दाऊद के बताय बिधिमन म चले के दुवारा यहोवा बर अपन मया देखाईस, पर ओह
ऊंचहा जगहमन म बलि चघाय अऊ धूप जलाय करत रिहिस।
4 राजा ह गिबोन सहर ला बलि चघाय बर गीस, काबरकि ओह सबले जादा महत्व के ऊंच जगह रिहिस, अऊ
सुलेमान ह उहां बेदी म एक हजार होम-बलिदान करिस।
5 गिबोन म यहोवा ह रथिया सपना म सुलेमान करा परगट होईस, अऊ परमेसर ह कहिस, "जऊन भी चीज
तेंह चाहत हस, मांग अऊ मेंह तोला दूहूं।"
6 सुलेमान ह जबाब दीस, "तेंह अपन सेवक, मोर ददा दाऊद ऊपर बहुंत दया करे हवस, काबरकि ओह तोर बर
बिसवासयोग्य रिहिस अऊ मन म धरमी अऊ ईमानदार रिहिस। तेंह अभी घलो ओकर ऊपर बहुंत दया करे हवस
अऊ ओला ओकर सिंघासन म बईठे बर एक बेटा देय हवस, जऊन ह आज ओमा बिराजे हवय।
7 "अब हे यहोवा, मोर परमेसर, तेंह अपन सेवक ला मोर ददा दाऊद के जगह म राजा बनाय हवस। पर मेंह
तो एक छोटे लइका सहीं अंव अऊ नइं जानंव कि मेंह अपन काम ला कइसे करंव।
8 तोर सेवक ह इहां तोर चुने हुए मनखेमन के बीच म हवय, अऊ येमन अतेक जादा हवंय कि येमन के गनती
करे नइं जा सकय।
9 एकरसेति तोर मनखेमन ऊपर राज करे बर, अऊ सही अऊ गलत ला परखे बर, तेंह अपन सेवक ला समझे
के सक्ति दे। काबरकि कोन एकर लईक हवय कि तोर ये अब्बड़ मनखेमन ऊपर राज कर सकय?"
10 ये बात ले परभू ह खुस होईस कि सुलेमान ह अइसने बरदान मांगे हवय।
11 एकरसेति परमेसर ह ओला कहिस, "जब तेंह ये बरदान मांगे हस अऊ न तो लम्बा उमर, न धन-संपत्ति
अऊ न ही अपन बईरीमन के मिरतू मांगे हस, पर नियाय करे बर समझे के सक्ति मांगे हस,
12 त जऊन कुछू तेंह मांगे हस, मेंह ओला पूरा करहूं। मेंह तोला एक बुद्धिमान अऊ समझवाला मन दूहूं,
ताकि तोर सहीं न तो तोर ले पहिले कोनो कभू होईस, अऊ न ही तोर बाद कोनो कभू होही।
13 येकर अलावा मेंह तोला ओ चीज घलो दूहूं, जेला तेंह नइं मांगे हस—धन अऊ आदरमान दूनों—ताकि
तोर जिनगी भर तोर सहीं अऊ कोनो राजा नइं होही।
14 अऊ यदि तेंह मोर हुकूममन ला मानत चलत रहिबे अऊ अपन ददा दाऊद के सहीं मोर बिधि अऊ
हुकूममन के पालन करबे, त मेंह तोर उमर ला घलो बढ़ाहूं।"
15 तब सुलेमान ह जाग गीस—अऊ ओह समझ गीस कि येह एक सपना रिहिस।
तब ओह यरूसलेम लहुंट गीस, अऊ परभू के करार के सन्दूक के आघू म ठाढ़ होईस अऊ होम-बलिदान अऊ
मेल-बलिदान करिस। तब ओह अपन जम्मो करमचारीमन बर एक भोज करिस।

[illegible]

16 एक बार दू झन बेस्या राजा करा आके ओकर आघू म ठाढ़ होईन।
17 ओमा के एक झन कहिस, "हे मोर मालिक! में अऊ ये माईलोगन, हमन दूनों एकेच घर म रहिथन, अऊ
येकर संग म रहत मोला एक लइका होईस।
18 मोर लइका होय के तीन दिन के बाद, ये माईलोगन ला घलो एक लइका होईस। हमन अकेला रहेंन; हमर
दूनों के छोंड़ घर म अऊ कोनो नइं रिहिस।
19 "रथिया ये माईलोगन के बेटा ह येकर खाल्हे म दबके मर गीस।
20 जब में, तोर सेविका ह सोवत रहेंव, तब येह आधा रथिया उठिस, अऊ मोर बाजू ले मोर बेटा ला लेके
अपन छाती म रखिस अऊ अपन मरे बेटा ला मोर छाती म रख दीस।
21 बिहनियां, जब में अपन बेटा ला दूध पीयाय बर उठेंव, त देखेंव कि ओह मर गे रहय! पर जब मेंह बिहनियां
के अंजोर म धियान से देखेंव, त जानेंव कि येह मोर जनमाय बेटा नो हय।"

22 तब दूसर माईलोगन ह कहिस, “नइं! जीयत लइका ह मोर बेटा अय; मरे लइका ह तोर बेटा अय।”
पर पहिली माईलोगन ह जोर देके कहिस, “नइं! मरे लइका ह तोर अय; अऊ जीयत लइका ह मोर अय।” ये
किसम ले ओमन राजा के आघू म बहस करे लगिन।
23 राजा ह कहिस, “एक झन ह कहत हे, ‘मोर बेटा ह जीयत हवय अऊ तोर बेटा ह मर गे हवय,’ जबकि दूसर
झन ह कहत हे, ‘नइं! तोर बेटा ह मर गे हवय अऊ मोर ह जीयत हवय।’ ”
24 तब राजा ह कहिस, “मोर करा एक ठन तलवार लानव।” एकरसेति एक तलवार राजा करा लाने गीस।
25 तब राजा ह हुकूम दीस, “जीयत लइका ला काटके दू कुटा कर दव अऊ आधा एक झन ला अऊ आधा
दूसर झन ला दे दव।”
26 तब ओ माईलोगन जेकर बेटा जीयत रिहिस, ओकर मन ह अपन बेटा के मया ले भर आईस अऊ ओह
राजा ले कहिस, “हे मोर मालिक! जीयत लइका ला ओला देय दे! लइका ला झन मार!”
पर दूसर माईलोगन ह कहिस, “ओ लइका ह न तो तोर होवय अऊ न ही मोर। काटके ओकर दू कुटा कर दव!”
27 तब राजा ह अपन ये फैसला सुनाईस, “पहिली माईलोगन ला जीयत लइका दे दव। लइका ला झन
मारव; काबरकि ओह लइका के दाई अय।”
28 जब जम्मो इसरायलीमन राजा के दिये फैसला ला सुनिन, त ओमन राजा के भय मानके ओकर आदर
करिन, काबरकि ओमन देखिन कि ओकर करा नियाय करे बर परमेसर के दिये बुद्धि हवय।

4

[illegible]
1 राजा सुलेमान ह जम्मो इसरायल ऊपर राज करिस।

2 अऊ येमन ओकर परधान करमचारी रिहिन:

सादोक के बेटा अजरयाह—पुरोहित;
3 सीसा के बेटा एलीहोरेप अऊ अहियाह—सचिव;
अहीलूद के बेटा यहोसापात—इतिहास के लिखइया;
4 यहोयादा के बेटा बनायाह—परधान सेनापति;
सादोक अऊ अबियातार—पुरोहित;
5 नातान के बेटा अजरयाह—जिला राजपालमन के ऊपर मुखिया;
अऊ नातान के बेटा जाबूद—एक पुरोहित अऊ राजा के सलाहकार;
6 अहीसार—महल के अधिकारी;
अब्दा के बेटा अदोनीराम—बंधुवा बनिहारमन के ऊपर मुखिया।

7 जम्मो इसरायल म सुलेमान के बारह जिला राजपाल रिहिन, जऊन मन राजा अऊ राज-घराना बर जेवन के
परबंध करत रिहिन। हर एक राजपाल ह साल म ठहिराय एक महिना के जेवन के परबंध करय।

8 राजपालमन के नांव ये रिहिस:

बेन-हूर—एपरैम के पहाड़ी इलाका म;
9 बेन-देकर—माकस, सालबीम, बेत-सेमेस अऊ एलोन-बेतानन म;
10 बेन-हेसेद—अरूब्बोत म (सोको अऊ हेपेर के जम्मो देस ओकर रिहिन);
11 बेन-अबीनादाब—नपोत-दोर म (येह सुलेमान के बेटी तापत ले बिहाव करे रिहिस);
12 अहीलूद के बेटा बाना—तानाक, मगिद्दो अऊ बेत-सान के ओ जम्मो देस म रिहिस, जऊन ह सारतान के
बाद अऊ यिजरेल के खाल्हे, बेत-सान अऊ आबेल-महोला ले लेके योकमाम के ओ पार तक रिहिस;
13 बेन-गेबेर—रामोत-गिलाद म (गिलाद म मनस्से के बेटा याईर के गांवमन ओकर रिहिन, अऊ संग म
बासान के अरगोब के इलाका अऊ कांसा दुवार के डंडामन के संग बड़े दीवारवाले साठ ठन सहर घलो
ओकर रिहिन);

14 इद्दो के बेटा अहीनादाब—महनैम सहर म;
15 अहीमास—नपताली म (येह सुलेमान के बेटी बासमत ले बिहाव करे रिहिस);
16 हूसै के बेटा बाना—आसेर अऊ आलोत म;
17 पारूह के बेटा यहोसापात—इस्साकार के इलाका म;
18 एला के बेटा सिमी—बिनयामीन म;
19 ऊरी के बेटा गेबेर—गिलाद म (अमोरीमन के राजा सीहोन के देस अऊ बासान के राजा ओग के देस)। ये जिला के सिरिप ओहीच ह राजपाल रिहिस।

[illegible]

20 यहूदा अऊ इसरायल के मनखेमन समुंदर तीर के बालू के सहीं अनगिनत रिहिन; ओमन खावत-पीयत रिहिन अऊ खुस रिहिन।
21 अऊ सुलेमान ह फरात नदी अऊ पलिस्तीमन के देस ले लेके मिसर के सीमना तक जम्मो राज म सासन करत रिहिस। ये देसमन सुलेमान ला ओकर जिनगी भर राजकीय लगान दीन अऊ ओकर अधीन रिहिन।
22 सुलेमान अऊ ओकर परिवार के एक दिन के रसोई तीस कोर* बढ़िया पीसान, साठ कोर† मैदा,
23 कोठार म रखके खवाय गे दस ठन बईला, मैदान म चराय गे बीस ठन पसु अऊ एक सौ भेड़-बकरी अऊ संग म हिरन, चिकारा, सांबर अऊ मनपसंद चिरई।
24 काबरकि ओह फरात नदी के पछिम के जम्मो राज, तिपसह सहर ले लेके गाजा सहर तक राज करत रिहिस, अऊ ओकर चारों कोति सांति रिहिस।
25 सुलेमान के जिनगी भर, दान सहर ले लेके बेरसेबा सहर तक, यहूदा अऊ इसरायल के मनखेमन अपन-अपन अंगूर अऊ अंजीर खाके निडर रहत रिहिन।
26 सुलेमान करा रथ के घोड़ामन बर चार‡ हजार घुड़साल के कोठरी, अऊ बारह हजार घोड़ा रिहिन।
27 जिला के राजपालमन अपन-अपन ठहिराय महिना म, राजा सुलेमान अऊ ओकर मेज म खवइया जम्मो मनखे बर जेवन के परबंध करंय। ओमन ये बात के धियान रखंय कि कोनो चीज के कमी झन होवय।
28 ओमन रथ के घोड़ा अऊ आने घोड़ामन बर घलो अपन बर ठहिराय जौ अऊ पैंरा के भाग सही जगह म लानंय।

[illegible]

29 परमेसर ह सुलेमान ला बहुंत बुद्धि अऊ अंतर-गियान दीस, अऊ ओकर समझ ला अइसने बढ़ाईस, जइसने समुंदर तीर के बालू, जऊन ला कि नापे नइं जा सकय।
30 सुलेमान के बुद्धि ह पूरब देस के जम्मो मनखे अऊ मिसर देस के जम्मो मनखेमन के बुद्धि ले घलो बढ़के रिहिस।
31 ओह जम्मो मनखेमन ले बढ़के बुद्धिमान रिहिस; एतान एजराही अऊ माहोल के बेटा हेमान, कलकोल अऊ दरदा ले घलो जादा बुद्धिमान रिहिस। अऊ ओकर कीरति ह आसपास के जम्मो देस म फईल गीस।
32 ओह तीन हजार नीतिबचन कहिस, अऊ ओकर एक हजार पांच गीत घलो हवंय।
33 ओह रूख-रईमन के बारे म गोठियाईस—लबानोन के देवदार रूख ले लेके दीवारमन म उगइया जूफा तक के चरचा करिस। ओह पसु अऊ चिरई, पेट के भार रेंगइया जन्तु अऊ मछरीमन के बारे म घलो कहिस।
34 जम्मो देस के मनखेमन सुलेमान के बुद्धि के बात सुने बर आवत रिहिन—संसार के जम्मो राजा, जऊन मन ओकर बुद्धि के बारे म सुने रिहिन, अपन मनखेमन ला सुलेमान के बुद्धि के बात सुने बर पठोत रिहिन।

5

[illegible]

1 जब सूर सहर के राजा हीराम ह ये सुनिस कि सुलेमान ला ओकर ददा दाऊद के जगह म राजा बनाय गे हवय, त ओह अपन दूत ला सुलेमान करा पठोईस, काबरकि दाऊद के संग ओकर हमेसा संगवारी के नाता रिहिस।
2 सुलेमान ह वापिस हीराम करा ये संदेस पठोईस:

---

* **4:22** लगभग साढ़े 5 टन † **4:22** लगभग 11 टन ‡ **4:26** कुछू हस्तलिपि म [illegible]

3 “तेंह तो जानत हस कि मोर ददा दाऊद ह यहोवा ओकर परमेसर के नांव के एक मंदिर नइं बनवा सकिस
काबरकि ओह चारों कोति लड़ई म तब तक उलझे रिहिस, जब तक कि यहोवा ह ओकर बईरीमन ला ओकर
गोड़ खाल्हे नइं कर दीस।
4 पर अब यहोवा मोर परमेसर ह मोला चारों कोति ले बिसराम दे हवय, अऊ अब न तो कोनो बिरोधी
हवय, अऊ न ही कोनो बिपत्ति दिखत हे।
5 एकरसेति मेंह यहोवा अपन परमेसर के नांव के एक मंदिर बनाय चाहत हंव, जइसे कि यहोवा ह मोर ददा
दाऊद ले कहे रिहिस, ‘तोर ओ बेटा ह मोर नांव के मंदिर बनाही, जेला मेंह तोर जगह म सिंघासन म बईठाहूं।’
6 “एकरसेति अब तेंह हुकूम दे कि मोर बर लबानोन के देवदार रूख काटे जावंय। मोर आदमीमन तोर
आदमीमन के संग काम करहीं, अऊ जऊन कुछू भी बनी, तेंह अपन मनखेमन बर ठहिराबे, ओला मेंह दूहूं।
तेंह तो जानत हस कि सीदोनीमन के सहीं कठवा काटे के जानकार मनखे हमर करा एको झन नइं एं।”
7 जब हीराम ह सुलेमान के संदेस ला सुनिस, त ओह अब्बड़ खुस होईस अऊ कहिस, “आज यहोवा के महिमा
होवय, काबरकि ओह दाऊद ला ओ बड़े जाति ऊपर राज करे बर एक बुद्धिमान बेटा दे हवय।”
8 तब हीराम ह सुलेमान करा ये खबर पठोईस:
“मोला तोर संदेस ह मिल गे हवय अऊ तोर ईच्छा के मुताबिक मेंह तोला देवदार अऊ सनोवर के कठवा
दूहूं।
9 मोर आदमीमन कठवा ला लबानोन ले भूमध्य सागर तक लानहीं, अऊ मेंह ओमन के बेड़ा बनवाके,
समुंदर के रसता ले ओ जगह म भिजवा दूहूं, जिहां तें कहिबे। उहां मेंह ओमन ला खोलके अलग-अलग कर दूहूं,
तब तें ओमन ला ले जा सकत हस। अऊ तेंह मोर राज-परिवार बर जेवन देय के दुवारा मोर ईच्छा ला पूरा करबे।”
10 ये किसम ले हीराम ह सुलेमान के ईच्छा के मुताबिक ओला देवदार अऊ सनोवर के कठवा देवन लगिस,
11 अऊ सुलेमान ह हीराम के परिवार के खाय बर ओला बीस हजार कोर* गहूं अऊ बीस हजार बत† पेरे गय
जैतून तेल दीस। सुलेमान ह हीराम करा हर साल अइसने जेवन पठोईस।
12 यहोवा ह अपन वायदा के मुताबिक सुलेमान ला बुद्धि दीस। हीराम अऊ सुलेमान के बीच म सांति के नाता
बने रिहिस अऊ ओ दूनों झन आपस म एक करार घलो करिन।
13 राजा सुलेमान ह जम्मो इसरायल ले तीस हजार मनखेमन ला जरूरी बनिहार के रूप म लगाईस।
14 ओह ओमन के दस-दस हजार के दल बनाईस अऊ हर दल ला पारी-पारी करके महिना म लबानोन पठोय
करत रिहिस अऊ ओमन एक महिना लबानोन म अऊ दू महिना घर म रहे करत रिहिन। अदोनीराम ह ये जरूरी
बनिहारमन के अधिकारी रिहिस।
15 सुलेमान करा पहाड़ी म सत्तर हजार बोझा ढोवइया बनिहार अऊ अस्सी हजार पथरा कटइया मनखेमन
रिहिन,
16 येमन ला छोंड़के सुलेमान करा तीन हजार तीन सौ‡ बनिहारमन के अधिकारी रिहिन, जऊन मन ओ काम
के देखरेख करंय अऊ बनिहारमन ला काम बतावंय।
17 राजा के हुकूम ले ओमन बड़े-बड़े कीमती पथरा ला खदान ले निकालत रिहिन, ताकि गढ़े गय पथरामन ला
मंदिर के नीव म डाले जा सकय।
18 ये किसम ले, सुलेमान अऊ हीराम के कारीगरमन अऊ गबाल के बनिहारमन मंदिर बनाय बर लकड़ी अऊ
पथरामन ला काटिन अऊ तियार करिन।

6

[illegible]

1 इसरायलीमन के मिसर देस ले निकले के चार सौ अस्सीवां साल के बाद, जऊन ह कि सुलेमान के इसरायल
ऊपर राज करे के चौथा साल रिहिस, जीव के महिना म, जऊन ला दूसरा महिना घलो कहे जावय, सुलेमान ह
यहोवा के मंदिर ला बनाय के काम सुरू करिस।

---

* **5:11** लगभग 3,600 टन † **5:11** लगभग 4,40,000लीटर ‡ **5:16** कुछू हस्तलिपि म (देखव 2 इति 2:2, 18) [illegible]

2 जऊन मंदिर, राजा सुलेमान ह यहोवा बर बनाईस, ओह साठ क्यूबीट लम्बा, बीस क्यूबीट चौड़ा अऊ तीस
क्यूबीट ऊंचा रिहिस।*
3 मंदिर के सबले बड़े कमरा के आघू म जऊन मंडप रिहिस, ओकर लम्बई मंदिर के चौड़ई के बरोबर, याने कि
बीस क्यूबीट† रिहिस, अऊ मंदिर के आघू म मंडप ह दस क्यूबीट‡ निकले रिहिस।
4 ओह मंदिर के दीवारमन म ऊंचई म संकरा खिड़कीमन ला बनाईस।
5 सबले बड़े कमरा अऊ भीतरी पबितर-स्थान के दीवारमन के सामने, ओह भवन के चारों कोति एक परिसर
बनाईस, जेकर किनारे म कमरामन रहंय।
6 सबले खाल्हे वाले मंजिल के चौड़ई पांच क्यूबीट§, बीच वाले मंजिल के छै क्यूबीट* अऊ तीसर मंजिल के
चौड़ई सात क्यूबीट† रिहिस। ओह मंदिर के बाहिर चारों कोति निकले हुए चीज बनाईस, ताकि मंदिर के दीवार
म कोनो घलो चीज जोड़े झन जा सकय।
7 मंदिर के बनाय म, सिरिप खदान म गढ़े गय पथरामन के उपयोग करे गीस, अऊ मंदिर बने के बेरा, कोनो
हथौड़ा, छैनी या अऊ कोनो किसम के लोहा के औजार के अवाज मंदिर इलाका म सुनई नइं दीस।
8 खाल्हे‡ के मंजिल म जाय बर मंदिर के दक्खिन कोति कपाट रिहिस; बीच के मंजिल म जाय बर एक सीढ़ी
रिहिस अऊ उहां ले तीसरा मंजिल म जाय बर घलो सीढ़ी रिहिस।
9 ओह छानी म बड़े अऊ लम्बा लकड़ीमन के संग देवदार के तखतामन ला लगाईस, अऊ मंदिर के काम ला
पूरा करिस।
10 अऊ ओह पूरा मंदिर के किनारे कमरामन ला बनवाईस। हर कमरा के ऊंचई पांच क्यूबीट रिहिस, अऊ ये
कमरामन मंदिर ले देवदार के लकड़ी ले जुड़े रिहिन।
11 तब यहोवा के ये बचन सुलेमान करा आईस:
12 "जइसने कि तेंह ये मंदिर ला बनावत हस, यदि तेंह मोर बिधि, कानून अऊ हुकूममन के मुताबिक चलके
ओमन के पालन करबे, त जऊन वायदा मेंह तोर ददा दाऊद ले करे रहेंव, ओला मेंह तोर जरिये पूरा करहूं।
13 अऊ मेंह इसरायलीमन के बीच म निवास करहूं अऊ अपन इसरायली मनखेमन ला नइं छोंड़हूं।"
14 सुलेमान ह मंदिर बनाय के काम ला पूरा करिस।
15 ओह मंदिर के भीतरी दीवारमन ला देवदार के तखतामन ले मंदिर के फर्स अऊ छानी ला जोड़िस, अऊ
मंदिर के फर्स ला सनोवर के तखता ले बनाईस।
16 ओह मंदिर के भीतर पाछू कोति फर्स ले लेके छानी तक देवदार के तखता लगाके बीस क्यूबीट के एक
भीतरी पबितर-स्थान बनाईस; येला महा पबितर स्थान कहे जावय।
17 ये कोठरी के आघू म जऊन मुख्य बड़े कमरा रिहिस, ओह चालीस क्यूबीट§ लम्बा रिहिस।
18 मंदिर के भीतर ह देवदार लकरी के बने रिहिस अऊ लकरी म लौकी अऊ खिले फूलमन के चित्र बनाय गे
रिहिस, उहां जम्मो चीज देवदार लकरी के रिहिस; कोनो चीज पथरा के नइं रिहिस।
19 ओह मंदिर म भीतरी पबितर-स्थान ला तियार करिस ताकि उहां यहोवा के करार के सन्दूक ला रखे जा
सकय।
20 ओ भीतरी पबितर-स्थान ह बीस क्यूबीट लम्बा, बीस क्यूबीट चौड़ा अऊ बीस क्यूबीट ऊंचा रिहिस। ओह
भीतर ला सुध सोन ले मढ़वाईस अऊ ओह देवदार के बेदी ला घलो मढ़वाईस।
21 सुलेमान ह मंदिर के भीतर ला सुध सोन ले मढ़वाईस, अऊ ओह सोन के जंजीर ला भीतरी पबितर-स्थान
के सामने एक तरफ ले दूसर तरफ तक बढ़ाईस; जऊन ह सोन ले मढ़े गे रिहिस।
22 ओह पूरा भीतर के भाग ला सोन ले मढ़वाईस। ओह भीतरी पबितर-स्थान के बेदी ला घलो सोन ले
मढ़वाईस।
23 भीतरी पबितर-स्थान बर, ओह जैतून लकड़ी के एक जोड़ा करूब बनाईस, अऊ ओमा के हर एक के ऊंचई
दस-दस क्यूबीट रिहिस।
24 पहिली करूब के एक डेना ह पांच क्यूबीट लम्बा, अऊ दूसर डेना ह पांच क्यूबीट लम्बा रिहिस—एक डेना
के सिरा ले लेके दूसर डेना के सिरा तक लम्बई दस क्यूबीट रिहिस।

---

* **6:2** लगभग 90 फीट लम्बा, 30 फीट चौड़ा अऊ 45 फीट ऊंचहा † **6:3** लगभग 30 फीट ‡ **6:3** लगभग 15 फीट § **6:6** लगभग साढ़े सात फीट * **6:6** लगभग 9 फीट † **6:6** लगभग 11 फीट ‡ **6:8** इबरानी म [illegible] § **6:17** लगभग 60 फीट

25 दूसर करूब के नाप घलो दस क्यूबीट के रिहिस; दूनों करूब एकेच आकार अऊ बनावट के रिहिन।
26 हर एक करूब के ऊंचई दस क्यूबीट के रिहिस।
27 ओह करूबमन ला मंदिर के सबले भीतर के कमरा म रखिस, अऊ करूबमन के डेनामन फईले रहंय। एक करूब के एक डेना ह एक दीवार ला, जबकि दूसर करूब के डेना ह दूसर दीवार ला छूवत रहय, अऊ दूनों करूब के डेनामन भवन के मांझा म एक-दूसर ले छूवत रिहिन।
28 ओह करूबमन ला सोन ले मढ़वाईस।
29 मंदिर के चारों कोति दीवारमन म, दूनों भीतरी अऊ बाहिरी कमरामन म, ओह करूब, खजूर के रूख अऊ खिले फूल खनवाके बनवाईस।
30 ओह मंदिर के दूनों भीतरी अऊ बाहिरी कमरामन के फर्समन ला सोन ले मढ़वाईस।
31 भीतरी पबितर-स्थान के प्रवेस दुवार बर, ओह जैतून लकड़ी के बने कपाटमन ला बनवाईस, जेमन आकार म पबितर-स्थान के चौड़ई के पांचवां भाग रिहिन।
32 अऊ दू ठन जैतून लकड़ी के कपाट म, ओह करूब, खजूर के रूख अऊ खिले फूल खनवाके बनवाईस, अऊ करूब अऊ खजूर के रूखमन के ऊपर म हथौड़ी ले पीटे सोन मढ़वाईस।
33 ओही किसम ले, ओह मुख्य बड़े कमरा के प्रवेस दुवार बर जैतून लकड़ी के चौखट बनवाईस, जेमन के आकार बड़े कमरा के चौड़ई के चौथा भाग रिहिन।
34 ओह सनोवर के कठवा के घलो दू ठन कपाट बनवाईस, अऊ ये दूनों कपाट म दू-दू ठन पान मुड़े हुए बनाय गे रिहिन।
35 ओह ओमन म घलो करूब, खजूर के रूख अऊ खिले फूल खनवाके बनवाईस अऊ ओमन के ऊपर खनवाय भाग म सही ढंग म हथौड़ी ले पीटे सोन मढ़वाईस।
36 अऊ ओह भीतर के अंगना ला गढ़े गय पथरामन के तीन परत, अऊ एक परत सुघर देवदार रूख के बल्लीमन ले बनाईस।
37 चौथा बछर के जीव नांव के महिना म, यहोवा के मंदिर के नींव रखे गीस।
38 अऊ गियारहवां बछर के बूल* नांव के आठवां महिना म, पूरा मंदिर के काम ह दिये गय निरदेस के मुताबिक पूरा हो गीस। सुलेमान ला ये मंदिर बनाय म सात बछर लगिस।

7

[illegible]

1 सुलेमान ह अपन महल घलो बनाईस, अऊ ओला बनाय म तेरह बछर लगिस।
2 ओह लबानोन के जंगल नांव के महल बनाईस, जेकर लम्बई सौ क्यूबीट, चौड़ई पचास क्यूबीट अऊ ऊंचई तीस क्यूबीट के रिहिस;* ओह देवदार के खंभामन के चार कतार म बनिस अऊ खंभामन ला सुघर देवदार के कड़ीमन संभाले रिहिन।
3 येकर छानी ला देवदार लकरी के संग कड़ीमन के ऊपर खंभामन के सहारा म बनाय गीस; उहां पैंतालीस ठन कड़ी रिहिन अऊ येमन एक कतार म पंदरह ठन रिहिन।
4 येकर खिड़कीमन, ऊपर म तीन समूह म रिहिन अऊ येमन एक-दूसर के आमने-सामने रिहिन।
5 जम्मो कपाटमन के चौखटमन चौकोर रिहिन; येमन सामने कोति तीन समूह म रिहिन अऊ येमन एक-दूसर के आमने-सामने रिहिन।
6 ओह एक ठन ओसारा घलो बनाईस, जेकर लम्बई पचास क्यूबीट अऊ चौड़ई तीस क्यूबीट के रिहिस।† येकर आघू म एक मंडप रिहिस, अऊ ओकर आघू म खंभामन रहंय अऊ ऊपर म छानी बने रहय।
7 फेर ओह सिंघासन के बड़े कमरा याने कि नियाय के बड़े कमरा ला नियाय करे बर बनाईस, अऊ येमा फर्स ले लेके छत तक देवदार के कठवा के तखताबंदी करवाईस।
8 अऊ जऊन महल म ओह रहइया रिहिस, दूरिहा पाछू म ओहीच ढंग के बनावट रिहिस। सुलेमान ह ये बड़े कमरा सहीं एक महल फिरौन के बेटी बर घलो बनाईस, जेकर ले ओह बिहाव करे रिहिस।

---

* **6:38** येह एक कनानी महिना ए, जेमा अक्टूबर के आधा अऊ नवम्बर महिना के आधा दिनमन आथें * **7:2** लगभग 150 फीट लम्बा, 75 फीट चौड़ा अऊ 45 फीट ऊंचहा † **7:6** लगभग 75 फीट लम्बा अऊ 45 फीट चौड़ा

9 ये जम्मो घर, बाहिर ले लेके बड़े अंगना तक अऊ नीव ले लेके छानी के कोना तक, उच्च कोटी के गढ़े गय
पथरामन ले बने रिहिस, जेमन के भीतरी अऊ बाहिरी सतह ह चिकना रहय।
10 येमन के नीव म उच्च कोटी के बड़े-बड़े पथरामन ला डाले गे रिहिस, जेमा कुछू पथरा दस क्यूबीट‡ अऊ
कुछू पथरा आठ क्यूबीट§ के रिहिन।
11 ऊपर म उच्च कोटी के गढ़े गय पथरा, अऊ देवदार के कठवा के कड़ीमन रिहिन।
12 बड़े अंगना ह गढ़े गय पथरा के तीन परत अऊ सुघर देवदार के कड़ीमन के एक परत के दीवार ले चारों
कोति ले घिरे रिहिस, जइसने कि यहोवा के मंदिर के भीतरी अंगना ह येकर मंडप सहित घिरे रिहिस।

[illegible]

13 राजा सुलेमान ह सूर सहर के हूराम ला बुलवाईस।
14 हूराम के दाई ह नपताली के गोत्र के एक बिधवा रिहिस अऊ ओकर ददा ह सूर देस के निवासी रिहिस अऊ
कांसा के बढ़िया कारीगर रिहिस। हूराम ह कांसा के जम्मो किसम के काम करे म बुद्धिमान, समझदार अऊ
गियानी रिहिस। ओह राजा सुलेमान करा आईस अऊ ओला दिये गय जम्मो काम ला करिस।
15 ओह कांसा ला ढारके अठारह-अठारह क्यूबीट ऊंच अऊ बारह-बारह क्यूबीट गोलई के दू ठन खंभा
बनाईस।*
16 ओह खंभा के मुड़ म लगाय बर कांसा ढारके दू ठन कंगनी घलो बनाईस; एक-एक कंगनी के ऊंचई
पांच-पांच क्यूबीट† रिहिस।
17 खंभामन के मुड़ ऊपर कंगनीमन सात-सात ठन गुंथे गय संकली ले सजे रहंय।
18 खंभामन के ऊपर कंगनीमन ला सजाय बर, ओह गुंथे गय संकलीमन के चारों कोति अनारमन के दू-दू ठन
कतार बनाईस। ओह हर कंगनी म अइसने करिस।
19 मंडप के खंभामन के मुड़ ऊपर कंगनीमन कुमुदिनी फूल के आकार के रहंय, अऊ येमन के ऊंचई चार-चार
क्यूबीट‡ के रहय।
20 दूनों खंभा के कंगनीमन म, कटोरा आकार वाले भाग के ऊपर, संकली के बाद दू सौ अनार चारों कोति
कतार म बने रहंय।
21 ओह खंभामन ला मंदिर के मंडप म सीधा ठाढ़ करिस। दक्खिन कोति के खंभा के नांव ओह याकीन रखिस
अऊ उत्तर कोति के खंभा के नांव बोअज रखिस।
22 कंगनीमन के मुड़ ह कुमुदिनी फूल के आकार म रिहिस। अऊ ये किसम ले खंभामन म काम ह पूरा होईस।
23 ओह ढाले गय धातु ले एक बड़े हौज बनाईस, जऊन ह आकार म गोल रिहिस, ओकर बियास ह दस
क्यूबीट अऊ ऊंचई पांच क्यूबीट रिहिस। येकर कुल घेरा के नाप तीस क्यूबीट रिहिस।
24 गोल घेरा के खाल्हे म एक-एक क्यूबीट म दस-दस ठन लौकी बने रहंय। लौकीमन ला हौज के संग दू कतार
म एके ठन कुटा म ढालके बनाय गे रिहिस।
25 हौज ला बारह ठन बनाय गे बईलामन ऊपर रखे गे रिहिस, जेमा के तीन ठन के मुहूं उत्तर कोति, तीन के
मुहूं पछिम कोति, तीन के मुहूं दक्खिन कोति, अऊ तीन के मुहूं पूरब कोति रिहिस। हौज ला ओमन के ऊपर
मढ़ाय गे रिहिस, अऊ ओमन के पाछू के भागमन हौज के मांझा कोति रहंय।
26 येकर मोटई लगभग तीन ईंच रिहिस, अऊ ओकर किनारा ह कटोरा के किनारा असन, खिले कुमुदिनी फूल
सहीं रिहिस। ओमा दू हजार बत§ पानी हमात रिहिस।
27 ओह कांसा के दस ठन ठेला घलो बनाईस, हर एक ठेला के लम्बई चार क्यूबीट, चौड़ई घलो चार क्यूबीट
अऊ ऊंचई तीन क्यूबीट के रहय।*
28 ओ ठेलामन ला ये किसम ले बनाय गीस: ओमन के तखतामन रिहिन, अऊ तखतामन ढांचामन म फंसाय
गे रिहिन।
29 ये तखतामन म सेर, बईला अऊ करूब बने रिहिन—अऊ ढांचामन म घलो ये चित्र बने रिहिन। सेर अऊ
बईलामन के ऊपर अऊ खाल्हे हथौड़ा ले बनाय गे झालरमन रिहिन।

‡ **7:10** लगभग 15 फीट § **7:10** लगभग 12 फीट * **7:15** 27 फीट ऊंच अऊ 18 फीट गोलई † **7:16** लगभग 7 1/2 फीट ‡ **7:19** लगभग 6 फीट § **7:26** लगभग 44,000 लीटर * **7:27** लगभग 6 फीट लम्बा अऊ चौड़ा अऊ 4 1/2 फीट ऊंचहा

30 हर एक ठेला म कांसा के चार-चार पहिया अऊ कांसा के धुरीमन रिहिन, अऊ हर एक ठेला म एक-एक ठन
हौदी रहय, जऊन ह चार ठन आधार म टिके रहय अऊ येकर हर किनारे म झालरमन लगे रहंय।
31 ठेला के भीतर भाग म एक खुला जगह रहय, जेकर गोलाकार ढांचा ह एक क्यूबीट† गहिरा रहय। ये खुला
भाग ह गोलाकार रहय अऊ येकर मुहूं के नाप ह डेड़ क्यूबीट‡ के रहय। ये खुला भाग के चारों कोति नक्कासी
करे गे रहय। ठेलामन के तखतामन गोलाकार न होके चौकोर रिहिन।
32 चारों पहियामन तखतामन के खाल्हे म रिहिन, अऊ पहियामन के धुरीमन ठेला ले जुड़े रिहिन। हर एक
पहिया के ऊंचई डेड़-डेड़ क्यूबीट के रिहिस।
33 पहियामन के बनावट ह रथ के पहियामन सहीं रिहिस; धुरी, चकरी, आरा, अऊ नाभमन जम्मो के जम्मो
ढाले गय धातु के बने रिहिन।
34 हर एक ठेला के चारों कोना म एक-एक ठन मुठिया रिहिस, अऊ ये मुठियामन ठेला ले निकले हुए रिहिन।
35 ठेला के टीप म आधा क्यूबीट§ गहरई के एक गोलाकार तस्मा रिहिस। आधार अऊ तखतामन ठेला के
टीप ले जुड़े हुए रिहिन।
36 ओह आधार अऊ तखतामन के ऊपर जम्मो जगह करूब, सेर अऊ खजूर के रूख खनके बनाईस, अऊ
चारों कोति झालर घलो बनाईस।
37 ये किसम ले ओह दस ठन ठेलामन ला बनाईस। ओ जम्मो ठेलामन एकेच सांचा एकेच आकार के रिहिन
अऊ दिखे म घलो एक सहीं रिहिन।
38 ओह तब कांसा के दस ठन हौदी बनाईस। हर एक हौदी म चालीस-चालीस बत* पानी हमात रिहिस अऊ
ओमन एक कोति ले दूसर कोति चार-चार क्यूबीट के रिहिन, अऊ ये हौदीमन दसों ठेला म एक-एक ठन रिहिन।
39 ओह पांच ठन ठेला ला मंदिर के दक्खिन कोति अऊ पांच ठन ला उत्तर कोति रखिस। ओह हौज ला
दक्खिन कोति, मंदिर के दक्खिन-पूरबी कोना म रखिस।
40 ओह बरतन अऊ बेलचा अऊ छिंचे बर कटोरामन ला घलो बनाईस।
ये किसम ले हूराम ह राजा सुलेमान के दुवारा दिये गय काम ला यहोवा के मंदिर म पूरा करिस।

41 दू ठन खंभामन;
खंभामन के टीप म कटोरा के आकार के दू ठन कंगनी;
खंभामन के टीप म कटोरा के आकार के दूनों कंगनीमन ला सजाय बर दू ठन जाली;
42 दूनों जाली बर चार सौ अनार (खंभामन के टीप म कटोरा के आकार के कंगनीमन ला सजाय बर हर एक
जाली म ये अनारमन दू ठन कतार म रहंय);
43 दस ठन खुरामन अऊ ओमन के दस ठन तसला;
44 हौज अऊ ओकर खाल्हे म बारह ठन बईला;
45 बरतन, बेलचा अऊ छिंचनेवाला कटोरामन।

ये जम्मो चीज, जेमन ला हूराम ह यहोवा के मंदिर बर राजा सुलेमान के हुकूम ले बनाईस, येमन चमकदार
कांसा के बने रिहिन।
46 राजा ह ओमन ला यरदन के मैदान म सुक्कोत अऊ सारतान के बीच चिक्कन माटी के सांचा ले ढलवाय
रिहिस।
47 अब्बड़ सामान होय के कारन सुलेमान ह ये चीजमन ला नइं तऊलिस; कांसा के वजन कतेक रिहिस, पता
नइं चलिस।
48 सुलेमान ह ओ जम्मो सजावट के चीजमन ला घलो बनवाईस, जेमन यहोवा के मंदिर म रिहिन:

सोन के बेदी;
सोन के ओ मेज, जेमा भेंट के रोटी रखे जावय;

† **7:31** लगभग 18 ईंच ‡ **7:31** लगभग सवा दू फीट § **7:35** लगभग 9 ईंच * **7:38** लगभग 880 लीटर

49 अऊ सुध सोन के दीवटमन (भीतरी पबितर-स्थान के आघू म, पांच ठन जेवनी कोति अऊ पांच ठन डेरी
कोति);
सोन के फूलवाला काम अऊ दीया अऊ चिमटामन;
50 सुध सोन के तसला, बाती ला काटे बर कतरनी, छिंचे के कटोरामन, बरतन अऊ धूपदानीमन;
अऊ मंदिर के सबले भीतर के कमरा, महा पबितर स्थान के कपाटमन बर सोन के कब्जा, अऊ मंदिर के मुख्य
सभा मंडप के कपाटमन बर घलो सोन के कब्जा।

51 जब राजा सुलेमान ह यहोवा के मंदिर के जम्मो बुता ला पूरा कर डारिस, तब ओह ओ चीजमन ला
लानिस, जेमन ला ओकर ददा दाऊद ह अरपन करे रिहिस—ओमा सोन अऊ चांदी अऊ सजावट के चीजमन
रिहिन—अऊ ओह ओमन ला यहोवा के मंदिर के खजाना म रखिस।

8

[illegible]

1 तब राजा सुलेमान ह इसरायल के अगुवामन ला, गोत्रमन के जम्मो मुखियामन ला अऊ इसरायली
परिवारमन के मुखियामन ला यरूसलेम म अपन करा बलाईस कि ओमन यहोवा के करार के सन्दूक ला सियोन
ले याने कि दाऊद के सहर ले लेय आवंय।
2 एकरसेति जम्मो इसरायलीमन एतानीम* नांव के सातवां महिना म तिहार के बेरा म राजा सुलेमान करा
जूरिन।
3 जब इसरायल के जम्मो अगुवामन आ गीन, त पुरोहितमन सन्दूक ला उठाईन,
4 अऊ ओमन यहोवा के करार के सन्दूक अऊ मिलापवाला तम्बू अऊ ओमा के जम्मो पबितर चीजमन ला
ऊपर ले आईन। पुरोहित अऊ लेवीमन ओमन ला उठाके लानिन,
5 अऊ राजा सुलेमान अऊ जम्मो इसरायली सभा, जऊन मन ओकर करा जूरे रिहिन, ओमन सन्दूक के आघू
म होके अतेक भेड़ अऊ पसुमन ला बलि करत रिहिन कि ओमन के हिसाब या गनती नइं करे जा सकिस।
6 तब पुरोहितमन यहोवा के करार के सन्दूक ला ओकर जगह म याने कि मंदिर के भीतरी पबितर-स्थान, महा
पबितर स्थान म लानिन, अऊ ओला करूबमन के डेना के खाल्हे म मढ़ा दीन।
7 करूबमन अपन डेनामन ला सन्दूक के ऊपर फईलाय रिहिन अऊ सन्दूक अऊ ओकर बोहे के डंडामन ला
छाया करत रिहिन।
8 ये डंडामन अतेक लम्बा रिहिन कि ओमन के छोरमन ला भीतरी पबितर-स्थान के सामने पबितर स्थान ले
देखे जा सकत रिहिस, पर ओमन ला पबितर स्थान के बाहिर ले नइं देखे जा सकत रिहिस; अऊ ओमन आज भी
उहेंच हवंय।
9 सन्दूक म सिरिप ओ दू ठन पथरा के पटिया के छोंड़ अऊ कुछू नइं रिहिस, जेला मूसा ह होरेब पहाड़ ऊपर
येमा रखे रिहिस, जिहां इसरायलीमन के मिसर देस ले बाहिर निकले के बाद, यहोवा ह ओमन के संग एक करार
करे रिहिस।
10 जब पुरोहितमन पबितर स्थान ले बाहिर निकल गीन, तब यहोवा के मंदिर ह बादर ले भर गीस।
11 अऊ पुरोहितमन बादर के कारन अपन सेवा नइं देय सकिन, काबरकि यहोवा के महिमा ले ओकर मंदिर ह
भर गे रिहिस।
12 तब सुलेमान ह कहिस, "यहोवा ह कहे हवय कि ओह करिया बादर म निवास करही;
13 मेंह सही म तोर बर एक सानदार मंदिर बनाय हंव; तोर हमेसा रहे बर निवास के एक ठन जगह।"
14 जब इसरायल के जम्मो सभा ह उहां ठाढ़े रिहिस, त राजा ह ओमन कोति मुहूं करके ओमन ला आसीरबाद
दीस।
15 तब ओह कहिस:
"यहोवा, इसरायल के परमेसर के महिमा होवय, जऊन ह मोर ददा दाऊद के संग अपन मुहूं ले करे गय
वायदा ला अपन हांथ ले पूरा करे हवय। काबरकि ओह कहिस,

* **8:2** सितम्बर अऊ अक्टूबर महिना के आधा-आधा समय आथें

16 'जऊन दिन ले मेंह अपन इसरायली मनखेमन ला मिसर ले निकालके लानंय, तब ले मेंह इसरायल के
कोनो गोत्र के एको ठन सहर ला एक मंदिर बनाय बर नइं चुने हवंव कि उहां मोर नांव होवय, पर मेंह दाऊद ला
अपन इसरायली मनखेमन ऊपर राज करे बर चुने हवंव।'
17 "मोर ददा दाऊद के मन म ये बात रिहिस कि ओह इसरायल के परमेसर, यहोवा के नांव खातिर एक
मंदिर बनावय।
18 पर यहोवा ह मोर ददा दाऊद ला कहिस, 'मोर नांव खातिर अपन मन म, एक मंदिर बनवाय के ईछा
करके, तेंह बने करे हवस।
19 तभो ले, तेंह ओ मनखे नो हस, जऊन ह ओ मंदिर ला बनाही, पर तोर बेटा, तोर खुद के मांस अऊ
लहू—ओही ह मोर नांव बर मंदिर बनवाही।'
20 "यहोवा ह अपन करे गय वायदा ला पूरा करे हवय: मेंह अपन ददा दाऊद के जगह म राजा बने हंव
अऊ अब यहोवा के वायदा के मुताबिक मेंह इसरायल के सिंघासन म बईठे हवंव, अऊ मेंह यहोवा, इसरायल
के परमेसर के नांव खातिर मंदिर ला बनाय हवंव।
21 मेंह उहां सन्दूक बर एक जगह ठहिराय हवंव, जेमा यहोवा के ओ करार हवय, जेला ओह हमर पुरखामन
ले तब करे रिहिस, जब ओह ओमन ला मिसर देस ले निकालके लानिस।"

[illegible]

22 तब सुलेमान ह इसरायल के जम्मो सभा के आघू म यहोवा के बेदी के आघू म ठाढ़ होईस, अऊ अपन हांथ
ला स्वरग कोति उठाईस
23 अऊ कहिस:
"हे यहोवा, इसरायल के परमेसर! ऊपर स्वरग म, अऊ खाल्हे धरती म तोर असन कोनो परमेसर नइं
एं—तेंह अपन ओ सेवकमन संग करे मया के करार ला पूरा करथस, जेमन पूरा मन से तोर रसता म बने
रहिथें।
24 तेंह अपन सेवक मोर ददा दाऊद ले करे ओ वायदा ला बनाय रखे हस, जेला तेंह अपन मुहूं ले बोलके
करे रहय अऊ अपन हांथ ले ओला पूरा करे हस—जइसने कि येह आज हवय।
25 "अब हे यहोवा, इसरायल के परमेसर! अपन सेवक मोर ददा दाऊद ले करे गय ओ वायदा ला बनाय
रख, जब तेंह कहय, 'मोर आघू म इसरायल के सिंघासन म बईठे बर तोला उत्तराधिकारी के कमी कभू नइं
होवय, यदि सिरिप तोर संतानमन अपन जम्मो काम ला धियान देके बिसवासयोग्यता के संग करंय, जइसे कि
तेंह करे हस।'
26 अऊ अब, हे इसरायल के परमेसर! तोर ओ बचन, जेकर वायदा तेंह अपन सेवक मोर ददा दाऊद ले करे
रहय, ओला सच होवन दे।
27 "पर का सही म परमेसर ह धरती म निवास करही? स्वरगमन, अऊ त अऊ सबले ऊंच स्वरग घलो
तोला धारन नइं कर सकंय। फेर मोर बनाय ये मंदिर तो बहुंत छोटे हे!
28 तभो ले, हे यहोवा, मोर परमेसर! अपन सेवक के पराथना अऊ दया के ओकर बिनती ऊपर धियान दे।
मोर रोवई अऊ ओ पराथना ला सुन, जेला आज तोर सेवक ह तोर आघू म करत हवय।
29 तोर आंखीमन रात अऊ दिन ये मंदिर कोति लगे रहंय, ये जगह जेकर बारे म तेंह कहे हस, 'मोर नांव ह
उहां रहिही,' ताकि तेंह ओ पराथना ला सुनबे, जेला तोर सेवक ये जगह कोति मुहूं करके करथे।
30 अपन सेवक अऊ अपन मनखे इसरायलीमन के बिनती ला सुन, जब ओमन ये जगह कोति मुहूं करके
पराथना करथें। स्वरग ले, अपन निवास के जगह ले सुन, अऊ जब तें सुनथस, त ओमन ला छेमा कर।
31 "जब कोनो अपन परोसी के बिरूध कोनो अपराध करय अऊ ओला किरिया खाय के जरूरत पड़य अऊ
ओह आके ये मंदिर म तोर बेदी के आघू म किरिया खावय,
32 त तेंह स्वरग ले सुनके, अपन सेवकमन के बीच म नियाय करबे। अपराधी के काम ला ओकर मुड़ म
लानके ओला सजा देबे, अऊ निरदोस के ओकर निरदोसता के मुताबिक नियाय करबे।
33 "जब तोर इसरायली मनखेमन तोर बिरूध पाप करे के कारन, अपन कोनो बईरी ले हार जावंय, अऊ जब
ओमन तोर कोति फेर लहुंटंय अऊ ये मंदिर म तोर ले पराथना अऊ बिनती करत, तोर नांव के परसंसा करंय,

34 तब स्वरग ले सुनबे अऊ अपन इसरायली मनखेमन के पाप ला छेमा करबे अऊ ओमन ला ओ देस म
लहुंटाके ले आबे, जेला तेंह ओमन के पुरखामन ला देय हस।
35 "तोर मनखेमन के तोर बिरूध पाप करे के कारन, जब अकास ह बंद हो जावय अऊ बरसा नइं होवय,
अइसने बेरा म जब ओमन ये जगह कोति होके पराथना करंय अऊ तोर नांव के परसंसा करंय अऊ अपन
पाप ले मन फिरावंय, काबरकि तेंह ओमन ला दुख म डाले हस,
36 तब स्वरग ले सुनके अपन सेवक, अपन इसरायली मनखेमन के पाप ला छेमा करबे। ओमन ला जीये के
सही रसता सिखाबे, अऊ ओ देस म बारिस भेजबे, जेला तेंह अपन मनखेमन ला उत्तराधिकार म देय हस।
37 "जब देस म अकाल या महामारी आवय, या फसल म रोग या फफूंदी, टिड्डी या फांफामन लगंय, या
जब कोनो बईरी ओमन ला ओमन के कोनो सहर म घेर लेवय, याने कोनो भी बिपत्ति या बेमारी आवय,
38 अऊ जब तोर इसरायली मनखेमन के बीच म ले कोनो ओमन के मन के पीरा ला जानके, ये मंदिर कोति
अपन हांथ ला फईलाके पराथना या बिनती करय—
39 त तेंह अपन निवास स्वरग ले सुनके छेमा करबे; हर एक के संग ओमन के काम के मुताबिक बरताव
करबे, तेंह ओमन के मन के बात ला जानथस (काबरकि सिरिप तेंहीच ह हर एक मनखे के मन ला जानथस),
40 ताकि जऊन देस ला तेंह हमर पुरखामन ला देय हवस, ओ देस म रहत ओमन हर समय तोर भय मानंय।
41 "जहां तक परदेसी के बात ए, जऊन ह तोर इसरायली मनखेमन के बीच म के नो हय, पर ओह तोर नांव
ला सुनके दूरिहा देस ले आय हवय—
42 काबरकि परदेसीमन तोर बड़े नांव अऊ बलवंत हांथ अऊ तोर बड़े काम के बारे म सुनहीं—जब ओमन
आवंय अऊ ये मंदिर कोति मुहूं करके पराथना करंय,
43 त तेंह स्वरग, अपन निवास स्थान ले सुनबे। जऊन कुछू ओ परदेसी तोर ले मांगय, ओला पूरा करबे,
ताकि धरती के जम्मो मनखे तोर नांव ला जानंय अऊ तोर भय मानंय, जइसे कि तोर खुद के इसरायली
मनखेमन करथें, अऊ ओमन जानंय कि ये घर ला मेंह तोर नांव बर बनाय हवंव।
44 "जब तेंह अपन मनखेमन ला ओमन के बईरीमन के बिरूध म लड़े बर जिहां कहीं भी पठोथस, अऊ जब
ओमन यहोवा करा तोर चुने ये सहर अऊ तोर नांव बर मोर बनाय ये मंदिर कोति होके पराथना करंय,
45 तब तेंह स्वरग ले ओमन के पराथना अऊ बिनती ला सुनबे, अऊ ओमन ला संभालबे।
46 "जब ओमन तोर बिरूध पाप करंय—काबरकि कोनो भी अइसन नइं ए जऊन ह पाप नइं करय—अऊ
तेंह ओमन ऊपर गुस्सा होके ओमन ला ओमन के बईरीमन के हांथ म कर देवस, जऊन मन ओमन ला बंदी
बनाके बहुंत दूरिहा या लकठा म अपन देस म ले जावंय;
47 अऊ यदि तोर मनखेमन ओ बंदी बनाय गे देस म अपन मन ला बदलंय, अऊ पछताप करंय अऊ बंदी
बनाय गय देस म तोर ले बिनती करके कहंय, 'हमन पाप करे हवन, हमन गलती करे हवन, हमन दुस्टता के काम
करे हवन';
48 अऊ यदि ओमन अपन ओ बईरीमन के देस म, जऊन मन ओमन ला बंदी बनाके ले गे हवंय, अपन पूरा
मन अऊ आतमा ले तोर कोति फिरंय, अऊ ओमन के पुरखामन ला तोर दिये देस कोति, तोर चुने सहर कोति
अऊ तोर नांव खातिर मोर बनाय ये मंदिर कोति होके तोर ले पराथना करंय;
49 त तेंह स्वरग अपन निवास स्थान ले ओमन के पराथना अऊ ओमन के बिनती ला सुनबे, अऊ ओमन ला
संभालबे।
50 अऊ अपन ओ मनखेमन ला छेमा करबे, जऊन मन तोर बिरूध म पाप करे हवंय; ओ जम्मो अपराध ला
छेमा करबे, जेला ओमन तोर बिरूध म करे हवंय, अऊ ओमन ला बंधुवई म ले जवइयामन के मन म ओमन बर
दया पईदा करबे।
51 काबरकि ओमन तोर मनखे अऊ तोर निज भाग अंय, जेमन ला तेंह मिसर देस ले, ओ लोहा पिघलइया
भट्ठी ले बाहिर निकालके लानय।
52 "तोर आंखी तोर सेवक के बिनती अऊ तोर इसरायली मनखेमन कोति लगे रहय, अऊ जब भी ओमन
तोर ले गोहारंय, तें ओमन के सुनबे।
53 काबरकि तेंह ओमन ला संसार के जम्मो जाति ले, अपन निज भाग होय बर अलग करे हवस, जइसने कि
हे परमपरधान यहोवा, तेंह अपन सेवक मूसा के जरिये कहे रहय, जब तेंह हमर पुरखामन ला मिसर देस ले

निकालके लानय।”

54 जब सुलेमान ह यहोवा ले ये जम्मो पराथना अऊ बिनती कर चुकिस, तब ओह यहोवा के बेदी के आघू ले
उठिस, जिहां ओह माड़ी टेकके अकास कोति अपन हांथमन ला फईलाय रिहिस।
55 ओह ठाढ़ होईस अऊ इसरायल के जम्मो सभा ला ऊंचहा अवाज म ये कहिके आसीस दीस:
56 “यहोवा के महिमा होवय, जऊन ह अपन वायदा के मुताबिक अपन इसरायली मनखेमन ला बिसराम
देय हवय। ओह अपन सेवक मूसा के जरिये जऊन बने वायदामन ला करे रिहिस, ओमा के एको ठन घलो नइं
छूटिस।
57 यहोवा हमर परमेसर ह हमर संग रहे, जइसने कि ओह हमर पुरखामन के संग रिहिस; ओह हमन ला
कभू झन छोंड़े अऊ कभू झन तियागे।
58 ओह हमर मन ला अपन कोति करय, ताकि हमन ओकर हुकूम के मुताबिक चलन अऊ जऊन हुकूम,
बिधि अऊ कानून ओह हमर पुरखामन ला देय रिहिस, ओकर हमन पालन करन।
59 अऊ मोर ये बातमन, जेला मेंह यहोवा के आघू म पराथना के रूप म रखे हवंव, रात अऊ दिन यहोवा
हमर परमेसर के लकठा म रहंय, ताकि हर एक दिन के जरूरत के मुताबिक, ओह अपन सेवक अऊ अपन
इसरायली मनखेमन के मांग ला पूरा करय,
60 अऊ धरती के जम्मो मनखेमन जानंय कि यहोवा ही परमेसर अय अऊ कोनो दूसर परमेसर नइं ए।
61 अऊ ओकर बिधिमन म चले अऊ ओकर हुकूममन ला माने बर तुम्हर मन ह यहोवा हमर परमेसर कोति
पूरा लगे रहय, जइसे कि अभी तुमन करत हव।”

[illegible]

62 तब राजा अऊ ओकर संग जम्मो इसरायली मनखेमन यहोवा के आघू म बलिदान चघाईन।
63 सुलेमान ह यहोवा ला मेल-बलिदान चघाईस: बाईस हजार पसु अऊ एक लाख बीस हजार भेड़ अऊ
बकरी। ये किसम ले राजा अऊ जम्मो इसरायलीमन यहोवा के मंदिर के समरपन करिन।
64 ओहीच दिन राजा ह यहोवा के मंदिर के आघू के अंगना के मांझा वाले भाग के अभिसेक करिस, अऊ उहां
ओह होम-बलिदान, अन्न-बलिदान अऊ मेल-बलिदान के चरबी ला चघाईस, काबरकि जऊन कांसा के बेदी
यहोवा के आघू म रिहिस, ओह होम-बलिदान, अन्न-बलिदान अऊ मेल-बलिदान के चरबी ला रखे बर बहुंत छोटे
रिहिस।
65 तब ओ बेरा, सुलेमान ह तिहार मनाईस, अऊ ओकर संग जम्मो इसरायलीमन घलो मनाईन—उहां एक
बड़े सभा जूरे रिहिस अऊ सभा म लेबो-हमात सहर ले लेके मिसर के नरवा तक के मनखेमन रिहिन। ओमन सात
दिन अऊ सात दिन अऊ, याने कि कुल चौदह दिन यहोवा हमर परमेसर के आघू म ये तिहार मनाईन।
66 ओकर दूसर दिन, ओह मनखेमन ला बिदा करिस। मनखेमन राजा ला आसीस दीन अऊ ओ जम्मो बने
काम, जऊन ला यहोवा ह अपन सेवक दाऊद अऊ अपन इसरायली मनखेमन बर करे रिहिस, ओकर बर ओमन
आनंदित अऊ मगन होके अपन-अपन घर चल दीन।

9

[illegible]

1 जब सुलेमान ह यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल ला बना चुकिस, अऊ ओकर जऊन कुछू करे के ईछा
रिहिस, ओला पूरा कर डारिस,
2 त यहोवा ह जइसे गिबोन सहर म ओकर करा परगट होय रिहिस, वइसे ओह दूसर बार सुलेमान करा परगट
होईस।
3 यहोवा ह ओला कहिस:
“जऊन पराथना अऊ बिनती तेंह मोर आघू म करे हवस, ओला मेंह सुने हवंव; ये मंदिर जऊन ला तेंह
बनाय हवस, मेंह अपन नांव उहां सदाकाल बर रखे के दुवारा ओकर अभिसेक करे हंव। मोर आंखी अऊ मोर
मन ह हमेसा उहां लगे रहिही।

4 “जहां तक तोर बात ए, यदि तेंह अपन ददा दाऊद के सहीं, मन के सीधई अऊ सच्चई के संग मोर आघू म
बिसवासयोग्यता से चलबे, अऊ मोर दिये जम्मो हुकूम ला मानबे अऊ मोर बिधि अऊ कानूनमन के पालन
करबे,
5 त मेंह तोर राज सिंघासन ला इसरायल के ऊपर सदाकाल बर स्थिर करहूं, जइसने कि मेंह तोर ददा
दाऊद ले वायदा करके ये कहे रहेंव, ‘इसरायल के सिंघासन म बईठे बर, तोर बंस म उत्तराधिकारी के कमी कभू
नइं होही’
6 “पर यदि तें या तोर संतानमन मोर पाछू चलई छोंड़ देथें अऊ जऊन हुकूम अऊ बिधिमन ला मेंह तोला
देय हवंव, ओला नइं मानंय अऊ जाके आने देवतामन के सेवा अऊ ओमन के अराधना करंय,
7 त फेर मेंह इसरायल ला ये देस ले निकाल दूहूं, जेला मेंह ओमन ला देय हवंव, अऊ मेंह ये मंदिर ला
अस्वीकार करहूं, जेला मेंह अपन नांव खातिर पबितर करे हवंव। इसरायल ह तब जम्मो झन के बीच म एक
कहावत अऊ ठट्ठा के चीज बन जाही।
8 ये मंदिर ह पथरामन के कुढ़हा हो जाही। अऊ ओ जम्मो, जेमन इहां ले होके जाहीं, ओमन अचरज करहीं
अऊ हंसी उड़ाके कहिहीं, ‘यहोवा ह ये देस अऊ ये मंदिर ला अइसने काबर करे हवय?’
9 तब मनखेमन जबाब दीहीं, ‘काबरकि ओमन यहोवा अपन परमेसर ला तियाग दे हवंय, जऊन ह ओमन के
पुरखामन ला मिसर देस ले निकालके लानिस। ओमन आने देवतामन ला अपनाके ओमन के अराधना अऊ सेवा
करत हवंय—एकरसेंति यहोवा ह ये जम्मो बिपत्ति ओमन ऊपर लाने हवय।’ ”

[illegible]

10 बीसवां बछर के आखिर म, ये दौरान सुलेमान ह ये दू ठन भवन बनाईस—यहोवा के मंदिर अऊ
राजमहल—
11 राजा सुलेमान ह सूर के राजा हीराम ला गलील म बीस ठन नगर दीस, काबरकि हीराम ह सुलेमान ला
ओकर मन के मुताबिक देवदार अऊ सनोवर के लकरी अऊ सोन देय रिहिस।
12 पर जब हीराम ह सूर ले जाके ओ नगरमन ला देखिस, जेमन ला सुलेमान ह ओला देय रिहिस, त ओमन
ला देखके हीराम ह खुस नइं होईस।
13 ओह सुलेमान ले पुछिस, “हे मोर भाई, ये का किसम के नगर तेंह मोला देय हवस?” अऊ ओह ओमन के
नांव काबूल* देस रखिस, अऊ येहीच नांव आज के दिन तक पड़े हवय।
14 फेर हीराम ह राजा करा 120 टेलेन्ट† सोन पठोय रिहिस।
15 राजा सुलेमान ह यहोवा के मंदिर, अपन महल, घरमन के पंक्ति, अऊ यरूसलेम, अऊ हासोर, मगिद्दो
अऊ गेजेर नगरमन के दीवार ला बनाय बर जऊन बंधुवा बनिहारमन ला अनिवार्य रूप म रखे रिहिस, ओमन के
लेखा ये अय।
16 (मिसर के राजा फिरौन ह गेजेर ऊपर हमला करके ओला कब्जा कर ले रिहिस अऊ ओह ओमा आगी लगा
दे रिहिस। ओह ओ नगर म रहइया कनानीमन ला मार डारिस अऊ तब ओह ओला अपन बेटी, सुलेमान के
घरवाली ला एक बिहाव भेंट के रूप म दे दीस।
17 अऊ सुलेमान ह गेजेर ला फेर बनाईस।) ओह अपन देस के भीतर खाल्हे के बेत-होरोन,
18 बालात अऊ सुन्ना जगह म तदमोर‡ ला बनाईस,
19 अऊ संग म सुलेमान ह अपन जम्मो भंडारवाले सहर अऊ अपन रथ अऊ अपन घोड़ामन§ बर नगरमन
ला बनाईस—ओह यरूसलेम म, लबानोन म अऊ अपन जम्मो राज म, जऊन कुछू बनाय चाहत रिहिस, ओ
जम्मो ला ओह बनाईस।
20 तभो ले अमोरी, हित्ती, परिज्जी, हिब्बी अऊ यबूसीमन के कुछू मनखेमन बांच गे रिहिन (ये मनखेमन
इसरायली नइं रिहिन)।
21 देस म बचे ये जम्मो मनखेमन के संतान, जेमन ला इसरायलीमन पूरा नास नइं कर सकिन—ओमन ला
सुलेमान ह अनिवार्य रूप से सेवा करे बर बंधुवा बनिहार बना दीस, अऊ आज तक ओमन वइसनेच हवंय।

---

* **9:13** [illegible] इबरानी के [illegible] सबद सहीं लगथे † **9:14** लगभग साढ़े चार टन ‡ **9:18** इबरानी म [illegible] घलो कहे जा सकथे § **9:19** या [illegible]

22 पर सुलेमान ह इसरायलीमन ले कोनो ला गुलाम नइं बनाईस; ओमन ओकर सैनिक, ओकर सरकारी
करमचारी, ओकर अधिकारी, ओकर कप्तान, अऊ ओकर रथ अऊ सारथीमन के सेनापति रिहिन।
23 ओमन सुलेमान के काम-योजनामन के मुखिया अधिकारीमन घलो रिहिन; 550 अधिकारी, जऊन मन
काम करइयामन के काम ला देखंय।
24 जब फिरौन के बेटी ह दाऊद के सहर ले ओ महल म आ गीस, जेला सुलेमान ह ओकर बर बनाय रिहिस,
तब सुलेमान ह घरमन के पंक्ति ला बनाईस।
25 सुलेमान ह जऊन बेदी ला यहोवा बर बनाय रिहिस, ओ बेदी म ओह हर साल तीन बार होम-बलिदान
अऊ मेल-बलिदान चघात रिहिस, अऊ बलिदान के संग, ओह यहोवा के आघू म धूप घलो जलाय करत रिहिस,
अऊ ये किसम ले, ओह मंदिर बर अपन जबाबदेही ला पूरा करत रिहिस।
26 राजा सुलेमान ह एसियोन-गेबेर नगर म पानी जहाजमन ला घलो बनाईस; एसियोन-गेबेर ह एदोम देस
म, लाल-समुंदर के तट म एलात के लकठा म हवय।
27 अऊ हीराम ह अपन ओ मनखेमन ला पठोईस, जऊन मन नाविक रिहिन अऊ समुंदर के जानकार
रिहिन—ताकि ओमन सुलेमान के मनखेमन संग जहाजी-बेड़ा म काम करंय।
28 ओमन जहाज म ओपीर गीन अऊ उहां ले वापिस 420 टेलेन्ट* सोन लानके राजा सुलेमान ला दे दीन।

10

[illegible]

1 जब सेबा के रानी ह सुलेमान के जस अऊ यहोवा के संग ओकर संबंध के बारे म सुनिस, त ओह सुलेमान ला
परखे बर कठिन-कठिन सवाल लेके आईस।
2 ओह एक बड़े दल के संग ऊंटमन म मसाला, बहुंत अकन सोन, अऊ कीमती रत्नमन ला लादके यरूसलेम
म हबरिस—ओह सुलेमान मेर आईस अऊ अपन मन म जऊन बात रिहिस, ओ जम्मो के बारे ओकर ले
गोठियाईस।
3 सुलेमान ह ओकर जम्मो सवाल के जबाब दीस; कोनो भी बात राजा बर अइसे कठिन नइं रिहिस कि ओह
ओला नइं समझा सकय।
4 जब सेबा के रानी ह सुलेमान के जम्मो बुद्धि अऊ ओकर बनाय महल,
5 ओकर मेज के जेवन, ओकर करमचारीमन के बईठना, पोसाक पहिरे सेवकमन के सेवा करई, ओकर
पीयानेवालामन, अऊ यहोवा के मंदिर म ओकर दुवारा चघाय गे होम-बलिदान ला देखिस, त ओह चकित हो
गीस।
6 ओह राजा ले कहिस, "जऊन बात, मेंह अपन देस म तोर काम अऊ तोर बुद्धि के बारे म सुने रहेंव, ओह सही
अय।
7 पर ये बातमन ऊपर मोला बिसवास नइं होईस, जब तक कि मेंह खुद आके अपन आंखी ले नइं देख लेंव।
वास्तव म, मोला तो आधा घलो बात नइं बताय गे रिहिस; जऊन बात मेंह सुने रहेंव, ओकर ले कहीं बढ़के तोर
करा बुद्धि अऊ संपत्ति हवय।
8 तोर मनखेमन कतेक खुस होहीं! तोर करमचारीमन कतेक खुस होहीं, जऊन मन लगातार तोर आघू म ठाढ़े
रहिके तोर बुद्धि के गोठ ला सुनथें!
9 यहोवा तोर परमेसर के परसंसा होवय, जऊन ह तोर ले खुस होके तोला इसरायल के सिंघासन म बईठाय
हवय। इसरायल बर यहोवा के अनंत मया के कारन, ओह तोला राजा बनाय हवय, ताकि तेंह नियाय अऊ
धरमीपन ला बनाय रख।"
10 अऊ ओह राजा ला 120 टेलेन्ट* सोन, अब्बड़ अकन मसाला, अऊ कीमती रत्न दीस। अतेक मसाला फेर
कभू नइं आईस, जतेक कि सेबा के रानी ह राजा सुलेमान ला दीस।
11 (हीराम के जहाजमन घलो ओपीर ले सोन लानिन; अऊ उहां ले ओमन जहाज म अब्बड़ अकन चंदन के
लकरी अऊ कीमती पथरा घलो लानिन।
12 राजा ह चंदन के लकरी ले यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल बर खंभा अऊ संगीतकारमन बर बीना अऊ
सारंगी बनवाईस। ओ दिन के बाद, अतेक जादा चंदन के लकरी न तो फेर कभू मंगाय गीस, अऊ न ही देखे
गीस।)

* **9:28** लगभग 16 टन * **10:10** लगभग साढ़े 4 टन

13 राजा सुलेमान ह सेबा के रानी ला अपन साही उदारता से देय के अलावा ओह रानी ला ओ सब दीस,
जेकर ईछा रानी ह करिस अऊ मांगिस। तब रानी ह अपन सेवकमन के संग अपन देस लहुंट गीस।

[illegible]

14 सुलेमान ला हर साल 666 टेलेन्ट† सोन मिलत रिहिस,
15 येकर अलावा ओला सौदागर अऊ बेपारीमन ले अऊ अरब देस के जम्मो राजा ले, अऊ अपन राज के
राजपालमन ले मालगुजारी घलो मिलत रिहिस।
16 राजा सुलेमान ह गढ़े गय सोन ले दू सौ बड़े ढाल बनवाईस; हर एक ढाल म छै-छै सौ सेकेल‡ सोन लगिस।
17 ओह गढ़े गय सोन के तीन सौ छोटे ढाल घलो बनाईस; जेमा के हर एक ढाल म तीन-तीन मीना§ सोन
लगिस। राजा ह ओमन ला लबानोन के जंगल के महल म रख दीस।
18 तब राजा ह हाथी-दांत ले ढंके एक बड़े सिंघासन बनवाईस, अऊ ओला सुध सोन ले मढ़वाईस।
19 ओ सिंघासन के छै ठन पायदान रिहिस; अऊ सिंघासन के पाछू के भाग के टीप ह गोलाकार रिहिस।
आसन के दूनों कोति हांथ रखे के हत्था लगे रहय, अऊ दूनों हत्था के बाजू म एक-एक ठन सेर ठाढ़े स्थिति म
बनाय गे रहंय।
20 बारह ठन सेर छै ठन पायदानमन म खड़े रिहिन, हर एक पायदान के दूनों छोर म एक-एक ठन। कोनो आने
राज म अइसने सिंघासन कभू नइं बनाय गे रिहिस।
21 राजा सुलेमान के पीये के जम्मो पियालामन सोन के रिहिन, अऊ लबानोन के जंगल के महल म जम्मो
बरतन सुध सोन के रिहिन। कुछू भी चीज चांदी के नइं बने रिहिस, काबरकि सुलेमान के समय म, चांदी के जादा
कीमत नइं रिहिस।
22 समुंदर म हीराम के जहाजमन के संग, राजा के घलो एक ब्यवसायिक जहाजी-बेड़ा* रिहिस। हर तीन बछर
म ये जहाजी-बेड़ा ह एक बार सोन, चांदी अऊ हाथी-दांत ले बने सामान, अऊ बिगर पुंछीवाला बेंदरा अऊ
आने किसम के बेंदरामन ला लेके लहुंटय।
23 राजा सुलेमान ह धन अऊ बुद्धि म धरती के आने जम्मो राजामन ले बढ़के रिहिस।
24 जम्मो संसार के मनखेमन सुलेमान के ओ बुद्धि के बात ला सुने के ताक म रहंय, जेला परमेसर ह ओकर
मन म डाले रिहिस।
25 हर एक बछर, ओकर करा अवइयामन भेंट लेके आवंय—सोन अऊ चांदी के सामान, ओनहा, हथियार
अऊ मसाला, अऊ घोड़ा अऊ खच्चरमन।
26 सुलेमान ह रथ अऊ घोड़ामन ला संकेले रिहिस; ओकर मेर चौदह सौ रथ अऊ बारह हजार घोड़ामन
रिहिन, जऊन ला ओह रथ के नगरमन म, अऊ अपन संग यरूसलेम म घलो रखय।
27 राजा ह यरूसलेम म चांदी ला पथरा के असन सधारन, अऊ देवदार लकड़ी ला खाल्हे पहाड़ी के डूमर रूख
असन बहुंत अकन कर दीस।
28 सुलेमान के घोड़ामन ला मिसर देस ले अऊ कू† ले मंगाय जावत रिहिस—राजा के बेपारीमन ओमन ला
ओ समय ठहिराय दाम म कू ले बिसावंय।
29 ओमन मिसर देस ले एक ठन रथ ला चांदी के छै सौ सेकेल, अऊ एक ठन घोड़ा ला चांदी के डेड़ सौ सेकेल
म मंगावत रिहिन। राजा के बेपारीमन ओमन ला हित्ती अऊ अरामीमन के जम्मो राजामन ला घलो पठोवत
रिहिन।

11

[illegible]

1 फेर राजा सुलेमान ह फिरौन के बेटी के अलावा अऊ कतको परदेसी माईलोगनमन ले मया करिस—जेमा
मोआबी, अमोनी, एदोमी, सीदोनी, अऊ हित्ती माईलोगनमन रिहिन।

---

† **10:14** लगभग 25 टन ‡ **10:16** लगभग 6.9 किलोग्राम (पद 29 म घलो) § **10:17** लगभग 1.7 किलोग्राम * **10:22** इबरानी म [illegible] † **10:28** संभवत: [illegible]

2 ओमन ओ जाति के रिहिन, जेकर बारे म यहोवा ह इसरायलीमन ला कहे रिहिस, “तुमन ओमन के संग
सादी-बिहाव झन करहू, काबरकि ओमन खचित तुम्हर मन ला अपन देवतामन के कोति कर लीहीं।” तभो ले
सुलेमान ह ओमन के मया म मगन हो गीस।
3 राज-परिवार म जनमे, ओकर सात सौ घरवाली अऊ तीन सौ रखैल रिहिन, अऊ ओकर घरवालीमन ओकर
मन ला परमेसर ले दूरिहा कर दीन।
4 जब सुलेमान के उमर बढ़त गीस, तब ओकर घरवालीमन ओकर मन ला आने देवतामन कोति कर लीन,
अऊ जइसने ओकर ददा दाऊद के मन ह पूरा यहोवा ऊपर लगे रिहिस, वइसने ओकर मन ह यहोवा ओकर
परमेसर ऊपर पूरा नइं लगे रिहिस।
5 ओह सीदोनीमन के असतोरेत नांव के देवी, अऊ अमोनीमन के मोलेक नांव के घिनित देवता के पाछू
चलिस।
6 ये किसम ले सुलेमान ह यहोवा के नजर म खराप काम करिस; ओह अपन ददा दाऊद के सहीं पूरा यहोवा के
पाछू नइं चलिस।

7 तब सुलेमान ह यरूसलेम के पूरब दिग के एक पठार म मोआब के घिनित देवता कमोस बर, अऊ अमोनीमन
के घिनित देवता मोलेक बर एक ऊंचहा जगह बनाईस।
8 ओह अपन ओ जम्मो परदेसी घरवालीमन बर घलो अइसने करिस, जेमन अपन-अपन देवता बर धूप
जलावंय अऊ बलिदान चघावंय।
9 यहोवा ह सुलेमान ऊपर गुस्सा होईस, काबरकि ओकर मन ह ओ यहोवा, इसरायल के परमेसर ले दूरिहा हट
गे रिहिस, जऊन ह ओला दू बार दरसन देय रिहिस।
10 हालाकि ओह सुलेमान ला आने देवतामन के पाछू चले बर मना करे रिहिस, तभो ले सुलेमान ह यहोवा के
हुकूम ला नइं मानिस।
11 एकरसेति यहोवा ह सुलेमान ला कहिस, “जब तोर अइसने मन हवय, अऊ तेंह मोर ओ करार अऊ
बिधिमन ला नइं माने हवस, जेला माने के हुकूम मेंह दे रहेंव, त ये खातिर, मेंह खचित तोर ले राज ला छीनके
तोर एक अधिकारी ला दे दूहूं।
12 तभो ले तोर ददा दाऊद के कारन, तोर जिनगी रहत तक, मेंह अइसने नइं करंव; पर तोर बेटा के हांथ ले
राज ला छीन लूहूं।
13 मेंह पूरा राज ला तो ओकर हांथ ले नइं छीनंव, पर मोर सेवक दाऊद के कारन, अऊ मोर चुने यरूसलेम के
कारन, मेंह तोर बेटा के हांथ म एक गोत्र ला छोंड़ दूहूं।”

[illegible] [illegible] [illegible]

14 तब यहोवा ह एदोमी हदद ला सुलेमान के एक बईरी बना दीस; हदद ह एदोम के राजबंस के रिहिस।
15 पहिले जब दाऊद ह एदोम के संग लड़ई करत रिहिस, तब सेना के सेनापति योआब ह मरे मनखेमन ला
माटी देय बर गे रिहिस, अऊ ओह एदोम म जम्मो मनखेमन ला मार डारिस
16 योआब अऊ जम्मो इसरायलीमन उहां छै महिना रूकिन, जब तक कि ओमन एदोम म जम्मो मनखेमन के
नास नइं कर दीन।
17 पर हदद ह ओ समय सिरिप एक छोटे लड़का रिहिस, अऊ ओह कुछू ओ एदोमी करमचारीमन संग मिसर
देस भाग गीस, जऊन मन ओकर ददा के सेवा करे रिहिन।
18 ओमन मिदयान ले निकलिन अऊ पारान म आईन। तब पारान ले मनखेमन ला अपन संग लेके, ओमन
मिसर म फिरौन राजा करा गीन, जऊन ह हदद ला एक घर अऊ भुइयां दीस अऊ ओला खाना घलो दीस।

19 फिरौन ह हदद ले अतेक खुस होईस कि ओह ओला अपन घरवाली, रानी तहपनेस के एक बहिनी ला
बिहाव म दे दीस।
20 तहपनेस के बहिनी ला ओकर कोति ले एक बेटा होईस, जेकर नांव गनूबत रिहिस, जेला तहपनेस ह
राजमहल म पालिस-पोसिस। उहां महल म, गनूबत ह फिरौन के लइकामन संग रहत रिहिस।

21 जब हदद ह मिसर म रहत रिहिस, त ओह ये सुनिस कि दाऊद ह अपन पुरखामन के संग सुत गीस अऊ
सेना के सेनापति योआब घलो मर गे हवय। तब हदद ह फिरौन ले कहिस, "मोला हुकूम दे कि मेंह अपन देस ला
जावंव।"
22 फिरौन ह पुछिस, "तोला इहां का चीज के कमी हवय कि तेंह अपन देस ला जाय चाहथस?"
हदद ह जबाब दीस, "कुछू भी नइं, पर मोला जावन दे!"
23 अऊ परमेसर ह सुलेमान के एक अऊ बईरी कर दीस, याने कि एलयादा के बेटा रजोन ला, जऊन ह अपन
मालिक सोबा के राजा हददेजेर करा ले भाग गे रिहिस।
24 जब दाऊद ह सोबा के सेना ला नास कर दीस, त रजोन ह अपन करा मनखेमन के एक दल जमा करिस
अऊ ओमन के अगुवा बन गीस; ओमन दमिस्क चल दीन अऊ उहां रहिके अधिकार जमा लीन।
25 हदद ह जऊन समस्या खड़े करे रिहिस, ओकर अलावा रजोन ह सुलेमान के जिनगी भर इसरायल के बईरी
बने रिहिस। ये किसम ले रजोन ह अराम म राज करिस अऊ इसरायल के बईरी बने रिहिस।

[illegible]

26 नबात के बेटा, यरोबाम घलो राजा के बिरूध बिदरोह करिस। ओह सरेदा के रहइया एक एफ्रैमी रिहिस
अऊ ओह सुलेमान के एक करमचारी रिहिस, अऊ ओह सरूआह नांव के एक बिधवा के बेटा रिहिस।
27 ओकर राजा के बिरूध बिदरोह करे के, ये कारन रिहिस: सुलेमान ह घरमन के मिल्लो ला बनाय रिहिस
अऊ अपन ददा दाऊद के सहर के दीवार के दरार ला बंद कर दे रिहिस।
28 यरोबाम ह एक बहुंत योग्य मनखे रिहिस, अऊ जब सुलेमान ह ओ जवान ला देखिस कि ओह कतेक बने
तरीका से काम ला करथे, त ओह ओला यूसुफ के गोत्र के जम्मो काम ऊपर मुखिया ठहिरा दीस।
29 ओही बेरा यरोबाम यरूसलेम ले निकलके जावत रिहिस कि तभे सीलो के अगमजानी, अहियाह एक नवां
कपड़ा पहिरे, ओला रसता म मिलिस। ओ दूनों ओ गांव के इलाका म अकेला रिहिन,
30 अऊ अहियाह ह अपन पहिरे नवां कपड़ा ला लीस अऊ ओला चीरके बारह टुकड़ा कर दीस।
31 तब ओह यरोबाम ला कहिस, "दस ठन टुकड़ा ला अपन बर लेय ले, काबरकि यहोवा, इसरायल के परमेसर
ह ये कहत हवय, 'देख, मेंह सुलेमान के हांथ ले राज ला छीनके, दस ठन गोत्र ला तोर हांथ म कर देवत हंव।
32 पर मोर सेवक दाऊद के कारन अऊ यरूसलेम सहर के कारन, जऊन ला मेंह इसरायल के जम्मो गोत्र म ले
चुने हवंव, ओकर करा एक गोत्र बने रहिही।
33 मेंह अइसने करहूं काबरकि ओमन मोला तियागके सीदोनीमन के देवी असतोरेत अऊ मोआबीमन के
देवता कमोस, अऊ अमोनीमन के देवता मोलेक ला अराधना करत हवंय, अऊ मोर रसता म नइं चलिन, अऊ
जऊन ह मोर नजर म सही अय, ओला नइं करिन, अऊ न ही मोर बिधि अऊ कानूनमन ला मानिन, जइसने कि
सुलेमान के ददा, दाऊद ह मानिस।
34 " 'पर मेंह सुलेमान के हांथ ले जम्मो राज ला नइं लेवंव; मोर चुने सेवक दाऊद, जऊन ह मोर हुकूम अऊ
बिधिमन ला मानिस, ओकर कारन, मेंह सुलेमान ला ओकर जिनगी भर सासन करइया ठहिराय हंव।
35 मेंह ओकर बेटा के हांथ ले राज ला ले लूहूं अऊ तोला दस गोत्रमन ला दूहूं।
36 ओकर बेटा ला मेंह एक गोत्र दूहूं, ताकि यरूसलेम सहर, जेला मेंह अपन नांव रखे बर चुने हवंव, उहां मोर
सेवक दाऊद के एक दीया हमेसा मोर आघू म रहय।
37 पर जहां तक तोर बात ए, तोला मेंह लूहूं, अऊ तेंह अपन पूरा मन के मुताबिक राज करबे; तेंह इसरायल के
ऊपर राजा होबे।
38 यदि तेंह मोर सेवक दाऊद के सहीं मोर जम्मो हुकूममन ला मानबे अऊ मोर रसता म चलबे, अऊ मोर
बिधि अऊ हुकूममन ला माने के दुवारा, मोर नजर म सही काम करबे, त मेंह तोर संग रहिहूं। जइसने मेंह दाऊद
बर ठहरनेवाला एक राज-घराना बनाय हवंव, वइसने तोर बर एक राज-घराना बनाहूं अऊ तोर हांथ म इसरायल
ला दे दूहूं।
39 ये पाप के खातिर, मेंह दाऊद के संतानमन ला दुख दूहूं, पर सदाकाल बर नइं।' "
40 सुलेमान ह यरोबाम ला मार डारे के कोसिस करिस, पर यरोबाम ह मिसर के राजा सीसक करा भाग गीस,
अऊ सुलेमान के मिरतू तक उहां रिहिस।

[illegible]

41 सुलेमान के राज के आने घटनामन—जऊन कुछू ओह करिस अऊ ओकर बुद्धि के काम—ओ जम्मो बात
सुलेमान के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
42 सुलेमान ह यरूसलेम म जम्मो इसरायल ऊपर चालीस साल तक राज करिस।
43 तब ओह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओकर ददा दाऊद के सहर म माटी दिये
गीस। अऊ ओकर बेटा, रहूबियाम ह ओकर जगह म राजा बनिस।

12

[illegible]

1 रहूबियाम ह सकेम सहर गीस, काबरकि जम्मो इसरायलीमन ओला राजा बनाय बर उहां गे रिहिन।
2 जब नबात के बेटा यरोबाम ह येला सुनिस (ओह अभी भी मिसर देस म रिहिस, जिहां ओह राजा सुलेमान के
डर म भागके गे रिहिस), त ओह मिसर ले लहुंट आईस।
3 अऊ ओमन यरोबाम ला बलाय बर पठोईन, अऊ ओह अऊ इसरायल के जम्मो सभा रहूबियाम मेर गीन
अऊ ओकर ले कहिन:
4 "तोर ददा ह हमर ऊपर एक भारी बोझा डाले रिहिस, पर अब तें हमर ऊपर डाले ओकर कठोर काम अऊ
भारी बोझा ला हल्का कर, अऊ हमन तोर सेवा करबो।"
5 रहूबियाम ह जबाब दीस, "अभी तो तुमन जावव, अऊ तब तीन दिन के बाद मोर करा लहुंटके आवव।" तब
मनखेमन चल दीन।
6 तब राजा रहूबियाम ह ओ अगुवामन ले सलाह लीस, जेमन ओकर ददा सुलेमान के जिनगी भर सेवा करे
रिहिन। ओह ओमन ले पुछिस, "तुम्हर का सलाह ए? ये मनखेमन ला का जबाब देना चाही?"
7 ओमन जबाब दीन, "यदि तें आज ये मनखेमन के सेवक बनके येमन के सेवा करबे अऊ अपन जबाब म बने
बात कहिबे, त ओमन हमेसा तोर सेवक बने रहिहीं।"
8 पर रहूबियाम ह अगुवामन के सलाह ला नइं मानिस अऊ ओ जवानमन ले सलाह लीस, जेमन ओकर संग
बड़े होय रिहिन, अऊ ओकर सेवा करत रिहिन।
9 ओह ओमन ले पुछिस, "तुम्हर का सलाह ए? हमन ला ये मनखेमन ला कइसे जबाब देना चाही, जेमन मोर
ले ये कहत हें, 'जऊन बोझा तोर ददा ह हमर ऊपर डाले हवय, ओला हल्का कर'?"
10 ओकर संग बाढ़े जवान मनखेमन ओला जबाब दीन, "ये मनखेमन तोला कहे हवंय, 'तोर ददा ह हमर ऊपर
भारी बोझा डाले हवय, पर तें हमर बोझा ला हल्का कर।' अब तें ओमन ला अइसने कह, 'मोर छोटे अंगरी ह
मोर ददा के कनिहां ले मोट हवय।
11 मोर ददा ह तुम्हर ऊपर जऊन भारी बोझा डाले हवय, ओला मेंह अऊ भारी करहूं। मोर ददा ह तो तुमन
ला कोर्रा म पीटवाईस, पर मेंह तुमन ला बिच्छूमन ले कटवाहूं।' "
12 तीन दिन के बाद, यरोबाम अऊ जम्मो मनखेमन रहूबियाम करा वापिस आईन, जइसे कि राजा ह कहे
रिहिस, "तीन दिन म मोर मेर वापिस आवव।"
13 राजा ह मनखेमन ला कठोर मन से जबाब दीस। अगुवामन के सलाह ला नइं मानके,
14 ओह जवानमन के सलाह ला मानिस अऊ कहिस, "मोर ददा ह तुम्हर बोझा ला भारी कर दीस; मेंह येला
अऊ भारी करहूं। मोर ददा ह तो तुमन ला कोर्रा म पीटवाईस, पर मेंह तुमन ला बिच्छूमन ले कटवाहूं।"
15 ये किसम ले राजा ह मनखेमन के बात ला नइं सुनिस; काबरकि ये घटना ह यहोवा कोति ले ओ बचन ला
पूरा करे बर होईस, जेला यहोवा ह सीलोवासी, अहियाह अगमजानी के दुवारा नबात के बेटा यरोबाम ले कहे
रिहिस।
16 जब जम्मो इसरायलीमन देखिन कि राजा ह ओमन के बात ला सुने ले इनकार कर दीस, तब ओमन राजा
ला जबाब दीन:
"दाऊद म हमर का बांटा हवय,
यिसै के बेटा म हमर का भाग हवय?
हे इसरायलीमन! अपन-अपन तम्बू म चले जावव,

हे दाऊद! अपन खुद के घर ला संभाल।”
तब इसरायलीमन अपन-अपन घर चल दीन।
17 पर ओ इसरायली, जेमन यहूदा के नगरमन म रहत रिहिन, ओमन ऊपर रहूबियाम ह राज करते रिहिस।
18 राजा रहूबियाम ह अदोनीराम* ला भेजिस, जऊन ह बंधुवा मजदूरमन ऊपर मुखिया रिहिस, पर जम्मो
इसरायलीमन ओकर ऊपर पथरवाह करके ओला मार डारिन। पर राजा रहूबियाम ह कोनो किसम ले अपन रथ
म चघिस अऊ बचके यरूसलेम भाग गीस।
19 ये किसम ले, इसरायलीमन आज तक ले दाऊद के घराना के बिरूध बिदरोह करत हें।
20 जब जम्मो इसरायलीमन ये सुनिन कि यरोबाम ह लहुंटके आ गे हवय, त ओमन ओला सभा म बलाईन
अऊ ओला जम्मो इसरायल ऊपर राजा बनाईन। अऊ सिरिप यहूदा के गोत्र ही दाऊद के घराना के संग बने
रिहिस।
21 जब रहूबियाम ह यरूसलेम हबरिस, त ओह जम्मो यहूदा अऊ बिनयामीन के गोत्र ले एक लाख अस्सी
हजार काबिल जवानमन ला संकेलिस कि ओमन इसरायल के बिरूध लड़े बर जावंय अऊ ओ राज ला सुलेमान
के बेटा रहूबियाम के अधीन फेर कर देवंय।
22 पर परमेसर के जन समायाह करा परमेसर के ये बचन आईस:
23 “यहूदा के राजा सुलेमान के बेटा रहूबियाम ले, जम्मो यहूदा अऊ बिनयामीन ले, अऊ बाकि मनखेमन ले
कह,
24 ‘यहोवा ह ये कहत हे: अपन भाई इसरायलीमन के बिरूध म लड़े बर झन जावव। तुमन जम्मो झन
अपन-अपन घर जावव, काबरकि येला मेंह करत हंव।’ ” ओमन यहोवा के बचन के पालन करिन अऊ
अपन-अपन घर चल दीन, जइसने कि यहोवा ह ओमन ला हुकूम दे रिहिस।

[illegible]

25 तब यरोबाम ह एफ्रैम के पहाड़ी देस म सकेम नगर ला किलाबंदी करिस अऊ उहां रहे लगिस। फेर उहां ले
ओह निकलके गीस अऊ पनिएल नगर ला बनाईस।
26 यरोबाम ह अपन मन म सोचिस, “अब सायद राज ह दाऊद के घराना के फेर हो जाही।
27 यदि ये मनखेमन यरूसलेम म यहोवा के मंदिर म बलिदान चघाय बर जाथें, त ओमन के देसभक्ति ह
ओमन के मालिक, यहूदा के राजा रहूबियाम कोति फेर हो जाही, अऊ ओमन मोला मारके राजा रहूबियाम करा
फेर लहुंट जाहीं।”
28 एकरसेति, राजा ह सलाह लेके सोन के दू ठन बछवा के मूरती बनाईस अऊ मनखेमन ला कहिस,
“यरूसलेम जवई तुम्हर बर बहुंत कठिन अय। एकरसेति, हे इसरायलीमन, येमन तुम्हर देवता अंय, जऊन मन
तुमन ला मिसर देस ले निकालके लानिन।”
29 ओह एक ठन बछरू ला बेतेल नगर, अऊ दूसर ला दान नगर म स्थापित करिस।
30 अऊ ये बात ह एक पाप होईस; मनखेमन एक बछरू के अराधना करे बर बेतेल अऊ दूसर बछरू के
अराधना करे बर, दान तक घलो जावन लगिन।
31 यरोबाम ह ऊंचहा जगहमन म देव-स्थल बनाईस अऊ जम्मो किसम के मनखेमन ले पुरोहित ठहिराईस,
हालाकि ओमन लेवी के बंस के नइं रिहिन।
32 जइसने यहूदा म तिहार मनाय जावय, वइसने ओह आठवां महिना के पंदहरवां दिन म एक तिहार मनाय
बर ठहिराईस, अऊ बेदी म बलिदान चघाईस। ये काम, ओह बेतेल म, अपन बनाय बछवा के मूरतीमन ला
बलिदान चघाके करिस। अऊ बेतेल म, ओह अपन बनाय ऊंचहा जगहमन म पुरोहित घलो ठहिराईस।
33 अपन खुद के चुने आठवां महिना के पंदहरवां दिन म, ओह बेतेल म अपन बनाय बेदी म बलिदान चघाईस।
ये किसम ले, ओह इसरायलीमन बर एक तिहार ठहिराईस अऊ बलिदान चघाय बर ऊपर बेदी मेर गीस।

13

[illegible]

* **12:18** अदोराम (देखव 4:6 अऊ 5:14) ला घलो

1 एक दिन जब यरोबाम ह बेदी मेर एक बलिदान चघाय बर ठाढ़े रिहिस, तब यहोवा के बचन पाके, परमेसर के
एक आदमी यहूदा ले बेतेल आईस।
2 ओ मनखे ह यहोवा के बचन पाके, बेदी के बिरूध चिचियाके कहिस: "हे बेदी, हे बेदी! यहोवा ह ये कहिथे:
'दाऊद के घराना म योसियाह नांव के एक बेटा जनम लीही। तोर ऊपर, ओह ऊंचहा जगहमन के ओ पुरोहितमन
ला बलिदान करही, जऊन मन इहां बलिदान करथें, अऊ मनखेमन के हाड़ामन ला तोर ऊपर जलाय जाही।' "
3 अऊ ओहीच दिन, परमेसर के ओ मनखे ह ये कहिके एक चिनहां दीस: "येह ओ चिनहां ए, जेला यहोवा ह दे
हवय: बेदी ह फटके दू भाग हो जाही अऊ येकर ऊपर के राख ला गिराय जाही।"
4 जब राजा यरोबाम ह सुनिस कि परमेसर के मनखे ह बेतेल म बेदी के बिरूध चिचियाके का कहे हवय, त ओह
बेदी ले अपन हांथ बढ़ाके कहिस, "ओला धर लेवव!" पर जऊन हांथ ला ओह ओ मनखे कोति बढ़ाय रिहिस, ओ
हांथ ह सूख गीस अऊ ओह ओला वापिस खींच नइं सकिस।
5 अऊ बेदी ह फट गीस, अऊ ओकर राख ह गिर गीस; ये किसम ले ओ चिनहां ह पूरा होईस, जऊन ला
परमेसर के मनखे ह यहोवा के बचन ला पाके कहे रिहिस।
6 तब राजा ह परमेसर के मनखे ले कहिस, "यहोवा अपन परमेसर ला मना अऊ मोर बर पराथना कर कि मोर
हांथ ह पहिले के सहीं हो जावय!" तब परमेसर के मनखे ह यहोवा ला मनाईस अऊ राजा के हांथ ह ठीक पहिले
के सहीं हो गीस।
7 राजा ह परमेसर के मनखे ला कहिस, "में चाहत हंव कि मोर संग घर चलके जेवन कर, अऊ मेंह तोला ईनाम
घलो दूहूं।"
8 पर परमेसर के मनखे ह राजा ला जबाब दीस, "चाहे तें मोला अपन आधा संपत्ति घलो दे, तभो ले मेंह तोर
संग नइं जावंव, अऊ न ही इहां रोटी खावंव अऊ पानी पीयंव।
9 काबरकि यहोवा के बचन के दुवारा मोला ये हुकूम मिले हवय: 'तेंह न तो रोटी खाबे अऊ न ही पानी पीबे
अऊ न ही ओ डहार ले लहुंटबे, जेमा ले आय हवस।' "
10 एकरसेति ओह आने डहार म गीस अऊ ओ डहार ले नइं लहुंटिस, जेमा ले ओह बेतेल आय रिहिस।
11 बेतेल म एक डोकरा अगमजानी रहत रिहिस, जेकर बेटामन आके ओला ओ जम्मो बात बताईन, जेला
परमेसर के ओ मनखे ह ओ दिन बेतेल म करे रिहिस; अऊ जऊन बात परमेसर के मनखे ह राजा ले कहे रिहिस,
ओला घलो ओमन अपन ददा ला बताईन।
12 ओमन के ददा ह ओमन ले पुछिस, "ओह कते रसता म गीस?" अऊ ओकर बेटामन ओला देखाईन कि
यहूदा ले आय परमेसर के ओ मनखे ह कते रसता म गीस।
13 तब ओह अपन बेटामन ले कहिस, "मोर बर गदहा म काठी बांधव।" अऊ जब ओमन गदहा म काठी बांध
लीन, त ओह ओमा चघिस
14 अऊ परमेसर के मनखे के पाछू गीस। ओह परमेसर के मनखे ला एक बलूत रूख के खाल्हे बईठे पाईस अऊ
ओकर ले पुछिस, "का तेंह परमेसर के ओ मनखे अस, जऊन ह यहूदा ले आय रिहिस?"
ओह कहिस, "हव, मेंह अंव।"
15 तब ओ अगमजानी ह ओकर ले कहिस, "मोर संग चलके मोर घर म जेवन कर।"
16 परमेसर के मनखे ह कहिस, "मेंह लहुंटके तोर संग नइं जा सकंव, अऊ न ही मेंह ये जगह म तोर संग रोटी
खा सकंव या पानी पी सकंव।
17 यहोवा के बचन के दुवारा मोला ये बताय गे हवय: 'उहां तेंह न तो रोटी खाबे, न ही पानी पीबे अऊ न ही
ओ रसता ले लहुंटबे, जऊन रसता ले तेंह आबे।' "
18 ओ डोकरा अगमजानी ह जबाब दीस, "तोर सहीं मेंह घलो एक अगमजानी अंव। अऊ एक स्वरगदूत ह
यहोवा के बचन के दुवारा मोला कहिस, 'ओला अपन संग अपन घर वापिस ले आ ताकि ओह रोटी खावय अऊ
पानी पीयय।' " (पर ओह ओकर ले लबारी मारत रिहिस।)
19 एकरसेति परमेसर के मनखे ह ओ डोकरा के संग लहुंट गीस अऊ ओकर घर म खाईस अऊ पीईस।
20 जब ओमन खाना खाय के मेज म बईठे ही रिहिन, त यहोवा के बचन ओ डोकरा अगमजानी मेर आईस,
जऊन ह ओला लहुंटाके लाने रिहिस।

21 ओह यहूदा ले आय परमेसर के ओ मनखे ला चिचियाके ये कहिस, “यहोवा ह ये कहत हे: ‘तेंह यहोवा के
बचन ला धियान नइं दे हस अऊ जऊन हुकूम यहोवा तोर परमेसर ह तोला देय रिहिस, ओला नइं माने हस।
22 तेंह ओ जगह म वापिस आके रोटी खाय अऊ पानी पीये हस, जिहां परमेसर ह तोला खाय अऊ पीये बर
मना करे रिहिस। एकरसेति तोला तोर पुरखामन के मरघटी म माटी नइं दिये जाही।’ ”
23 जब परमेसर के मनखे ह खा-पी चुकिस, त जऊन अगमजानी ह ओला वापिस लाने रिहिस, ओह ओकर बर
ओकर गदहा म काठी बांधिस।
24 जब परमेसर के मनखे ह जावत रिहिस, त रसता म ओला एक सेर मिलिस अऊ सेर ह ओला मार डारिस,
अऊ ओकर लास ह रसता म पड़े रहय, अऊ गदहा अऊ सेर ओ लास के बाजू म ठाढ़े रहंय।
25 कुछू मनखेमन ओती ले होवत जावत रिहिन, त ओमन देखिन कि लास ह उहां पड़े हवय, अऊ सेर ह लास
के बाजू म ठाढ़े हवय, तब ओमन ओ सहर म जाके बताईन, जिहां ओ डोकरा अगमजानी रहत रिहिस।
26 जब ओ अगमजानी, जऊन ह ओला रसता ले लहुंटाके लाने रिहिस, ये बात ला सुनिस, त ओह कहिस,
“येह परमेसर के ओ मनखे अय, जऊन ह यहोवा के बचन ला धियान नइं दीस। एकरसेति यहोवा ह ओला सेर के
हवाले कर दीस; अऊ सेर ह ओला चीरके मार डारिस, जइसने कि यहोवा के बचन ह ओला चेतउनी दे रिहिस।”
27 तब ओ अगमजानी ह अपन बेटामन ले कहिस, “मोर बर गदहा म काठी बांधव,” अऊ ओमन काठी बांधिन।
28 तब ओह बाहिर गीस अऊ देखिस कि लास ह रसता म पड़े रहय, अऊ गदहा अऊ सेर ओ लास के बाजू म
ठाढ़े रहंय। सेर ह न तो लास ला खाय रिहिस अऊ न ही गदहा ला फाड़े रिहिस।
29 तब ओ सियान अगमजानी ह परमेसर के मनखे के लास ला उठाके गदहा के ऊपर रखिस, अऊ ओकर बर
सोक मनाय बर अऊ ओला माटी देय बर अपन सहर म ले आईस।
30 तब ओह ओ लास ला अपन खुद के कबर म रखिस, अऊ ओमन ओकर बर सोक मनाईन अऊ कहिन,
“हाय, मोर भाई!”
31 ओला माटी देय के बाद, ओ अगमजानी ह अपन बेटामन ले कहिस, “जब में मर जाहूं, त मोला ओ कबर म
माटी देवव, जेमा परमेसर के ओ मनखे ला माटी देय गे हवय; मोर हाड़ामन ला ओकर हाड़ामन के बाजू म रखव।
32 काबरकि जऊन संदेस, ओह यहोवा के बचन के दुवारा बेतेल के बेदी के बिरूध अऊ सामरिया के नगरमन
के ऊंचहा जगहमन के जम्मो देवालय के बिरूध दे रिहिस, ओह जरूर पूरा होही।”
33 येकर बाद घलो, यरोबाम ह अपन दुस्ट काममन ला नइं छोंड़िस, पर एक बार फेर, ओह जम्मो किसम के
मनखेमन ला ऊंचहा जगहमन के पुरोहित ठहिराईस। जऊन कोनो भी पुरोहित बने बर चाहिस, यरोबाम ह
ओकर संस्कार ऊंचहा जगहमन बर कर देवत रिहिस।
34 येह यरोबाम के घर के पाप ठहिरिस, अऊ येकरे कारन ओकर पतन होईस अऊ ओह धरती ऊपर ले नास
हो गीस।

14

[illegible]

1 ओ बेरा म यरोबाम के बेटा अबियाह ह बेमार हो गीस,
2 तब यरोबाम ह अपन घरवाली ला कहिस, “जा अऊ अपन भेस ला अइसने बदल ले कि तोला कोनो
यरोबाम के घरवाली के रूप म झन चिन सकंय। तब सीलो सहर ला चले जाबे। उहां अहियाह अगमजानी हवय,
जऊन ह मोर ले कहे रिहिस कि मेंह ये मनखेमन के राजा बनहूं।
3 अपन संग दस ठन रोटी, कुछू केक अऊ एक कुप्पी सहद ले, अऊ ओकर मेर जा। ओह तोला बताही कि
लड़का के का होही।”
4 जइसने यरोबाम ह कहिस, ओकर घरवाली ह वइसनेच करिस अऊ सीलो म अहियाह के घर गीस।
अहियाह ह देखे नइं सकत रिहिस; ओकर उमर होय के कारन, ओकर नजर ह कमजोर हो गे रिहिस।
5 पर यहोवा ह अहियाह ला ये बता दे रिहिस, “यरोबाम के घरवाली अपन बेटा के बारे म पुछे बर तोर करा
आवत हे, काबरकि ओह बेमार हवय, अऊ तेंह ओकर ले ये-ये बात कहिबे। जब इहां आही, त ओह अइसने
देखाही, जइसने ओह कोनो अऊ अय।”

6 एकरसेति जब अहियाह ह कपाट करा आवत ओकर गोड़ के अवाज ला सुनिस, त ओह कहिस, “हे यरोबाम
के घरवाली, भीतर आ। तेंह काबर ये भेस बदले हस? तोला बताय बर, मोला खराप संदेस मिले हवय।
7 जा अऊ यरोबाम ला बता कि यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहिथे: ‘मेंह तोला मनखेमन के बीच ले
उठांय अऊ अपन मनखे इसरायलीमन ऊपर सासन करइया ठहिरांय।
8 मेंह दाऊद के घराना ले राज ला छीनके तोला दे देंव, पर तेंह मोर सेवक दाऊद के सहीं नइं ठहिरय, जऊन
ह मोर हुकूममन ला मानिस अऊ अपन पूरा मन से मोर पाछू चलिस, अऊ सिरिप ओही काम करिस, जऊन ह
मोर नजर म सही अय।
9 तेंह ओ जम्मो ले जादा दुस्ट काम करे हवस, जऊन मन तोर ले पहिले रिहिन। तेंह अपन बर धातु के आने
देवता अऊ मूरतीमन ला बना ले हस; तेंह मोर गुस्सा ला भड़काय हस अऊ मोर कोति ले अपन मुहूं फेर ले हस।
10 “ ‘येकरे कारन, मेंह यरोबाम के घराना ऊपर बिपत्ति लानहूं। मेंह इसरायल म यरोबाम के हर एक आदमी
ला नास कर दूहूं—चाहे गुलाम होवय या सुतंतर। मेंह यरोबाम के घराना ला अइसने जला दूहूं, जइसने कोनो
गोबर ला पूरा खतम होवत तक जलाथे।
11 यरोबाम के घराना के जऊन मन सहर म मरहीं, ओमन ला कुकुरमन खाहीं, अऊ जऊन मन मैदान म मरहीं,
ओमन ला चिरईमन खा जाहीं। काबरकि यहोवा ह ये कहे हवय!’
12 “जहां तक तोर बात ए, तेंह घर वापिस जा। जब तें अपन सहर के भीतर गोड़ रखबे, त ओ छोकरा ह मर
जाही।
13 जम्मो इसरायलीमन ओकर बर सोक मनाहीं अऊ ओला माटी दीहीं। ओह यरोबाम के घराना के सिरिप
एके झन होही, जऊन ला माटी दिये जाही, काबरकि यरोबाम के घराना म सिरिप ओहीच ह एके झन हवय,
जऊन म यहोवा, इसरायल के परमेसर ह कुछू बने चीज पाय हवय।
14 “यहोवा ह इसरायल ऊपर अपन बर एक अइसने राजा ठाढ़ करही, जऊन ह यरोबाम के परिवार ला नास
कर दीही। अऊ अब येकर सुरूआत घलो हो चुके हवय।
15 अऊ यहोवा इसरायल ला अइसने मारही, जइसने पानी म नरकट के पऊधा हलाय जाथे। ओह इसरायल
ला ये बने भुइयां ले उखान दीही, जेला ओह ओमन के पुरखामन ला देय रिहिस अऊ ओमन ला फरात नदी के
ओ पार तितिर-बितिर कर दीही, काबरकि ओमन असेरा देवी के खंभा बनाके यहोवा के गुस्सा ला भड़काय हवंय।
16 अऊ ओ पाप, जऊन ला यरोबाम ह करिस अऊ इसरायल ले करवाईस, ओकर कारन यहोवा इसरायल ला
तियाग दीही।”
17 तब यरोबाम के घरवाली ह उठिस अऊ उहां ले तिरसा सहर चल दीस। जइसने ही ओह घर के कपाट म
गोड़ रखिस, ओ छोकरा ह मर गीस।
18 ओमन ओला माटी दीन, अऊ जम्मो इसरायल ओकर बर सोक मनाईस, जइसने कि यहोवा ह अपन सेवक
अहियाह अगमजानी के जरिये कहे रिहिस।
19 यरोबाम के सासन के आने घटना, ओकर लड़ई अऊ ओह कइसने सासन करिस—ये जम्मो बात इसरायल
के राजामन के इतिहास के किताब म लिखाय हवय।
20 यरोबाम ह बाईस साल तक राज करिस अऊ तब अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ नादाब
नांव के ओकर बेटा ह ओकर जगह म राजा होईस।

[illegible]

21 सुलेमान के बेटा, रहूबियाम ह यहूदा के राजा रिहिस। ओह इकतालीस बछर के रिहिस, जब ओह राजा
बनिस, अऊ ओह यरूसलेम सहर म सतरह साल ले राज करिस, ओ सहर जेला यहोवा ह इसरायल के जम्मो
गोत्र म ले अपन नांव रखे बर चुने रिहिस। ओकर दाई के नांव नामा रिहिस; ओह एक अमोनी माईलोगन रिहिस।
22 यहूदीमन यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन। अपन पुरखामन ले घलो जादा पाप करके ओमन परमेसर के
जलन रखइया कोरोध ला अऊ भड़काईन।
23 ओमन जम्मो ऊंचहा पठार अऊ छइहां देवइया रूखमन के खाल्हे म, अपन बर ऊंचहा जगह, पबितर
पथरा अऊ असेरा के खंभा बना लीन।
24 अऊ त अऊ उहां देस म पुरूस बेस्यामन घलो देवालय म रिहिन; मनखेमन ओ जातिमन के जम्मो घिनौना
काम करत रिहिन, जेमन ला यहोवा ह इसरायलीमन के आघू ले निकाल देय रिहिस।

25 राजा रहूबियाम के राज के पांचवां साल म, मिसर के राजा सीसक ह यरूसलेम ऊपर हमला करिस,
26 अऊ ओह यहोवा के मंदिर के खजाना अऊ राजमहल के खजाना ला उठाके ले गीस। ओह सबो चीज ला ले
गीस, जेमा सुलेमान के बनाय सोन के जम्मो ढालमन घलो रिहिन।
27 एकरसेति राजा रहूबियाम ह ओमन के बदला म कांसा के ढालमन ला बनवाईस अऊ ये ढालमन ला
पहरेदारमन के ओ सेनापतिमन ला सऊंप दीस, जेमन राजमहल के प्रवेस दुवार म पहरेदारी करत रिहिन।
28 जब भी राजा ह यहोवा के मंदिर म जावय, तब पहरेदारमन ढालमन ला धरके चलंय, अऊ ओकर बाद
ओमन ओ ढालमन ला पहरेदारमन के कमरा म लहुंटा देवंय।
29 रहूबियाम के सासन के आने घटना, अऊ जऊन कुछू ओह करिस, ओ जम्मो बात यहूदा के राजामन के
इतिहास के किताब म लिखाय हवय?
30 रहूबियाम अऊ यरोबाम के बीच म हमेसा लड़ई होवत रिहिस।
31 अऊ रहूबियाम ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओमन के संग दाऊद के सहर म
माटी देय गीस। ओकर दाई के नांव नामा रिहिस, जऊन ह एक अमोनी माईलोगन रिहिस। अऊ ओकर बेटा
अबियाह* ओकर जगह म राजा बनिस।

15

[illegible]

1 नबात के बेटा, यरोबाम के राज के अठारहवां साल म अबियाह ह यहूदा के राजा बनिस,
2 अऊ ओह तीन साल तक यरूसलेम म राज करिस। ओकर दाई के नांव माका रिहिस, जऊन ह अबसालोम
के बेटी रिहिस।
3 ओह ओ जम्मो पाप करिस, जऊन ला ओकर ददा ह ओकर पहिले करे रिहिस; ओकर मन ह यहोवा अपन
परमेसर कोति अपन पुरखा दाऊद के सहीं पूरा नइं लगे रिहिस।
4 तभो ले दाऊद के खातिर, यहोवा ओकर परमेसर ह यरूसलेम म ओला एक दीया दीस, याने कि ओकर बेटा
ला ओकर बाद राजा ठहिराईस अऊ यरूसलेम ला मजबूत करिस।
5 काबरकि दाऊद ह ओ जम्मो काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस अऊ सिरिप हित्ती
उरियाह के मामला ला छोंड़के, ओह अपन जिनगी भर यहोवा के कोनो हुकूम ला नइं टोरिस।
6 अबियाह* के जिनगी भर, ओकर अऊ यरोबाम के बीच लड़ई चलते रिहिस।
7 अबियाह के सासन के आने घटनामन अऊ जऊन कुछू ओह करिस, ओ जम्मो काम यहूदा के राजामन के
इतिहास के किताब म लिखाय हवय। अऊ अबियाह अऊ यरोबाम के बीच लड़ई होते रिहिस।
8 अऊ अबियाह ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला दाऊद के सहर म माटी देय गीस।
अऊ ओकर बेटा आसा ह ओकर जगह म राजा बनिस।

[illegible]

9 इसरायल के राजा यरोबाम के राज के बीसवां साल म, आसा ह यहूदा के राजा बनिस,
10 अऊ ओह यरूसलेम म इकतालीस साल तक राज करिस। ओकर दादी के नांव माका रिहिस, जऊन ह
अबसालोम के बेटी रिहिस।
11 आसा ह अपन पुरखा दाऊद के सहीं ओ काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस।
12 ओह देवालय के पुरूस बेस्यामन ला देस ले निकाल दीस अऊ जतेक मूरती ओकर पुरखामन बनाय रिहिन,
ओ जम्मो ला ओह हटा दीस।
13 अऊ त अऊ ओह अपन दादी माका ला राज-माता के पद ले हटा दीस, काबरकि माका ह असेरा के
अराधना करे बर एक घिनौना मूरती बनाय रिहिस। आसा ह ओला काट डारिस अऊ ओला किदरोन घाटी म
जला दीस।
14 हालाकि आसा ह ऊंचहा जगहमन ला नइं हटाईस, तभो ले ओकर मन ह पूरा जिनगी भर यहोवा बर
समरपित रिहिस।

---

* **14:31** जादा इबरानी हस्तलिपि म (देखव 2 इति 12:16) *[illegible]*
* **15:6** जादा इबरानी हस्तलिपि म *[illegible]*

15 जऊन सोन, चांदी अऊ सामानमन ला, ओ अऊ ओकर ददा अरपन करे रिहिन, ओ जम्मो ला ओह यहोवा
के मंदिर म ले आईस।
16 आसा अऊ इसरायल के राजा बासा के बीच ओमन के सासन करत तक लड़ई होते रिहिस।
17 इसरायल के राजा बासा ह यहूदा के बिरूध गीस अऊ रामा नगर के किलाबंदी करिस, ताकि यहूदा के राजा
आसा के इलाका ले न तो कोनो निकल सकंय अऊ न ही कोनो ओकर राज म जा सकंय।
18 तब आसा ह जम्मो सोन अऊ चांदी ला लीस, जऊन ह यहोवा के मंदिर अऊ ओकर महल के खजानामन म
बांचे रिहिस, अऊ ओला अपन करमचारीमन के हांथ म सऊंप दीस अऊ ओमन ला अराम के राजा बेन-हदद करा
पठोईस, जऊन ह हेज्योन के पोता अऊ तबरिम्मोन के बेटा रिहिस अऊ दमिस्क सहर म सासन करत रिहिस।
19 ओह कहिस, "जइसने मोर ददा अऊ तोर ददा के बीच म करार होय रिहिस, वइसनेच मोर अऊ तोर बीच म
घलो करार होवय। देख, मेंह तोर मेर सोन अऊ चांदी के भेंट पठोवत हंव। एकरसेति तें इसरायल के राजा बासा
के संग अपन करार ला टोर दे, ताकि ओह मोर करा ले पाछू हट जाय।"
20 बेन-हदद ह राजा आसा के बात ला मान लीस अऊ अपन सेना के सेनापतिमन ला इसरायल के नगरमन के
बिरूध भेजिस। ओह इयोन, दान, आबेल-बेत-माका अऊ नपताली ला मिलाके जम्मो किन्नेरेत ला जीत लीस।
21 जब बासा ह ये बात ला सुनिस, त ओह रामा सहर ला बनाय के काम ला रोक दीस अऊ तिरसा सहर चले
गीस।
22 तब राजा आसा ह जम्मो यहूदा म ये हुकूम दीस—अऊ कोनो ला ये हुकूम ले छूट नइं रिहिस—अऊ
ओमन रामा ले ओ पथरा अऊ इमारती लकड़ीमन ला ले गीन, जेमन के उपयोग बासा ह उहां करत रिहिस।
येमन ले राजा आसा ह बिनयामीन के गेबा अऊ संग म मिसपा सहरमन ला घलो बनाईस।
23 आसा के सासन के आने जम्मो घटना, ओकर जम्मो काम, जऊन कुछू ओह करिस अऊ जऊन सहरमन ला
ओह बनाईस, ये जम्मो बात यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म लिखाय हवय। पर ओकर डोकरा होय के
बाद ओकर गोड़मन म बेमारी हो गीस।
24 तब आसा अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओमन के संग ओकर पुरखा दाऊद के सहर
म माटी दिये गीस। अऊ ओकर बेटा यहोसापात ओकर जगह म राजा होईस।

[illegible]

25 यहूदा के राजा आसा के राज के दूसर साल म यरोबाम के बेटा नादाब ह इसरायल के राजा बनिस, अऊ
ओह इसरायल ऊपर दू बछर तक राज करिस।
26 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस अऊ अपन ददा के रसता म चलत ओहीच पाप करिस, जऊन ला
ओकर ददा ह इसरायल ले करवाय रिहिस।
27 जब नादाब अऊ जम्मो इसरायलीमन पलिस्तीमन के एक नगर, गिब्बतोन ला घेरे रिहिन, तब इस्साकार
के गोत्र के अहियाह के बेटा, बासा ह नादाब के बिरूध गोस्टी करिस, अऊ ओला गिब्बतोन म मार डारिस।
28 यहूदा के राजा आसा के तीसरा साल म, बासा ह नादाब ला मार डारिस अऊ ओकर जगह म राजा बन
गीस।
29 राजा बनते ही, बासा ह यरोबाम के पूरा परिवार ला मार डारिस। ओह यरोबाम के घराना के एको झन ला
घलो जीयत नइं छोंड़िस, पर ओ जम्मो झन ला नास कर दीस, अऊ येह यहोवा के ओ बचन के मुताबिक होईस,
जऊन ला परमेसर ह अपन सेवक सीलो के अहियाह के जरिये कहे रिहिस।
30 येह एकर खातिर होईस, काबरकि यरोबाम ह पाप करिस अऊ इसरायल ले घलो पाप करवाईस, अऊ
अइसने करके, ओह यहोवा, इसरायल के परमेसर के गुस्सा ला भड़काईस।
31 नादाब के सासन के आने घटनामन, अऊ जऊन कुछू ओह करिस, ओ जम्मो बात इसरायल के राजामन के
इतिहास के किताब म लिखाय हवय।
32 आसा अऊ इसरायल के राजा बासा के बीच ओमन के सासन करत तक लड़ई होते रिहिस।

[illegible]

33 यहूदा के राजा आसा के राज के तीसरा साल म अहियाह के बेटा बासा ह तिरसा म जम्मो इसरायल ऊपर
राजा बनिस, अऊ ओह चौबीस साल तक राज करिस।

34 यरोबाम के रसता म चलत, ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, अऊ ओहीच पाप करिस, जेला
यरोबाम ह इसरायल ले करवाय रिहिस।

16

1 तब बासा के बिसय म यहोवा के ये बचन हनानी के बेटा येहू मेर आईस:
2 "मेंह तोला माटी ले उठाके अपन इसरायली मनखेमन ऊपर सासन करइया ठहिरांय, पर तेंह यरोबाम के
रसता म चलके मोर इसरायली मनखेमन ले पाप करवाय अऊ ओमन के पाप के दुवारा मोर गुस्सा ला भड़काय।
3 एकरसेति, मेंह बासा अऊ ओकर घराना ला नास कर दूहूं, अऊ मेंह तोर घराना ला नबात के बेटा यरोबाम
के सहीं कर दूहूं।
4 बासा के घर के जऊन मन सहर म मरहीं, ओमन ला कुकुरमन खा जाहीं, अऊ ओकर जऊन मनखेमन खुले
जगह म मरहीं, ओमन ला चिरईमन खा जाहीं।"
5 बासा के सासन के आने घटनामन, जऊन कुछू ओह करिस अऊ ओकर काम, ये जम्मो बात इसरायल के
राजामन के इतिहास के किताब म लिखाय हवय।
6 आखिरी म बासा ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ तिरसा म ओला माटी दिये गीस। अऊ
ओकर बेटा एला ओकर जगह म राजा होईस।
7 हनानी के बेटा अगमजानी येहू के जरिये यहोवा के अऊ भी बचन, बासा अऊ ओकर घराना के बिरूध म
आईस, काबरकि ओह यहोवा के नजर म बहुंत दुस्ट काम करे रिहिस, अऊ अपन काम के दुवारा ओकर गुस्सा ला
भड़काय रिहिस, अऊ ओह यरोबाम के घराना सहीं हो गे रिहिस—अऊ येकर खातिर घलो कि बासा ह यरोबाम
के घराना ला नास कर दे रिहिस।

[illegible]

8 यहूदा के राजा आसा के राज के छब्बीसवां साल म, बासा के बेटा एला इसरायल के राजा बनिस, अऊ ओह
तिरसा म दू साल तक राज करिस।
9 जिमरी नांव के राजा एला के एक करमचारी, जऊन ह राजा के आधा रथमन के मुखिया रिहिस; ओह राजा
के बिरूध गोस्टी करिस। ओतेक बेरा, एला ह तिरसा म महल के परधान अरसा के घर म मंद पीके मतवाला हो
गे रहय।
10 तब जिमरी ह भीतर आईस अऊ एला ऊपर वार करके ओला मार डारिस, अऊ ओकर जगह म राजा बन
गीस। येह यहूदा के राजा आसा के राज के सत्ताईसवां साल म होईस।
11 ओह राज करे के सुरू करते अऊ सिंघासन म बईठते ही बासा के जम्मो परिवार ला मार डारिस। ओह
ओकर परिवार के एको झन पुरूस ला नइं छोंड़िस, अऊ त अऊ ओह ओकर रिस्तेदार अऊ संगीमन के एको
पुरूस ला घलो जीयत नइं छोंड़िस।
12 ये किसम ले यहोवा के ओ बचन के मुताबिक, जऊन ला ओह येहू अगमजानी के जरिये बासा के बिरूध कहे
रिहिस, जिमरी ह बासा के जम्मो परिवार ला नास कर दीस—
13 काबरकि बासा अऊ ओकर बेटा एला बहुंत पाप करे रिहिन अऊ इसरायल ले घलो करवाय रिहिन अऊ
ओमन अपन बेकार के मूरतीमन के दुवारा यहोवा, इसरायल के परमेसर के गुस्सा ला भड़काय रिहिन।
14 एला के सासन के आने घटनामन, अऊ जऊन कुछू ओह करिस, ओ जम्मो बात इसरायल के राजामन के
इतिहास के किताब म लिखाय हवय।

[illegible]

15 यहूदा के राजा आसा के राज के सत्ताईसवां साल म जिमरी ह तिरसा म सात दिन तक राज करिस। सेना के
मनखेमन एक पलिस्ती नगर, गिब्बतोन के लकठा म डेरा डाले रहंय।
16 जब सिविर म इसरायली मनखेमन सुनिन कि जिमरी ह राजा के बिरूध गोस्टी करके ओला मार डारे हवय,
त ओहीच दिन ओमन उहां सिविर म सेना के सेनापति ओमरी ला इसरायल के राजा घोसित कर दीन।
17 तब ओमरी अऊ ओकर संग के जम्मो इसरायलीमन गिब्बतोन ले हट गीन अऊ तिरसा ला घेर लीन।

18 जब जिमरी ह देखिस कि सहर ला ले लिये गे हवय, त ओह राजमहल के किला भीतर गीस अऊ महल म
अपन चारों कोति आगी लगा लीस, अऊ जरके मर गीस,
19 येह एकरसेति होईस, काबरकि ओह बहुंत पाप करे रिहिस, अऊ यहोवा के नजर म दुस्ट काम करके
यरोबाम के रसता म चले रिहिस अऊ यरोबाम के सहीं पाप करके इसरायल ले घलो पाप करवाईस।
20 जिमरी के सासन के आने घटनामन, अऊ जऊन बिदरोह, ओह करिस, ओ जम्मो बातमन इसरायल के
राजामन के इतिहास के किताब म लिखाय हवय।

[illegible]

21 तब इसरायली मनखेमन दू भाग म बंट गीन; आधा मनखेमन गीनत के बेटा तिबनी ला राजा बनाय बर
समरथन करिन, त आधा मनखे ओमरी के समरथन करिन।
22 पर ओमरी के समरथकमन गीनत के बेटा तिबनी के समरथकमन ले जादा ताकतवर रिहिन। एकरसेति
तिबनी ह मारे गीस अऊ ओमरी ह राजा बनिस।
23 यहूदा के राजा आसा के राज के इकतीसवां साल म, ओमरी ह इसरायल के राजा बनिस, अऊ ओह बारह
साल तक राज करिस, जेमा के छै साल ओकर राज ह तिरसा ऊपर रिहिस।
24 ओह सेमेर ले सामरिया के पहाड़ी ला दू टेलेन्ट* चांदी म बिसाईस अऊ ओ पहाड़ी ऊपर एक सहर
बसाईस; अऊ अपन बसाय ओ सहर के नांव पहाड़ी के पहिले के मालिक सेमेर के नांव म सामरिया रखिस।
25 पर ओमरी ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस अऊ ओ जम्मो राजामन ले घलो जादा पाप करिस,
जऊन मन ओकर पहिले रिहिन।
26 ओह पूरा नबात के बेटा यरोबाम के रसता म चलिस, अऊ ओहीच पाप करिस, जेला यरोबाम ह इसरायली
मनखेमन ले करवाय रिहिस, अऊ ये किसम ले, ओमन अपन बेकार के मूरतीमन के दुवारा यहोवा, इसरायल के
परमेसर के गुस्सा ला भड़काईन।
27 ओमरी के सासन के आने घटनामन, जऊन कुछू ओह करिस अऊ ओकर काम, ये जम्मो बात इसरायल के
राजामन के इतिहास के किताब म लिखाय हवय।
28 ओमरी ह अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला सामरिया म माटी दिये गीस। अऊ
ओकर बेटा अहाब ह ओकर जगह म राजा होईस।

[illegible]

29 यहूदा के राजा आसा के राज के अड़तीसवां साल म ओमरी के बेटा, अहाब ह इसरायल के राजा बनिस,
अऊ इसरायल ऊपर सामरिया म बाईस बरस तक राज करिस।
30 ओमरी के बेटा, अहाब ह यहोवा के नजर म ओकर पहिले के जम्मो राजामन ले जादा दुस्ट काम करिस।
31 न सिरिप ओह नबात के बेटा यरोबाम के सहीं पाप करई ला मामूली बात समझिस, पर ओह सीदोनीमन के
राजा एतबाल के बेटी, ईजेबेल ले बिहाव घलो कर लीस, अऊ बाल देवता के सेवा सुरू करके ओकर अराधना
करिस।
32 ओह बाल के एक मंदिर सामरिया म बनाके, ओमा बाल बर एक बेदी बनाईस।
33 अहाब ह एक असेरा के खंभा घलो बनाईस अऊ अपन पहिले के जम्मो इसरायली राजामन ले अऊ जादा
पाप करके यहोवा, इसरायल के परमेसर के गुस्सा ला भड़काईस।
34 अहाब के समय म, बेतेल के रहइया हीएल ह यरीहो ला फेर बनाईस; जब ओह ओकर नीव डारिस, त
ओकर पहिलांत बेटा अबीराम ह मर गीस, अऊ जब ओह ओकर दुवारमन ला ठाढ़ करिस, त ओकर सबले छोटे
बेटा सगूब ह मर गीस, अऊ येह यहोवा के ओ बचन के मुताबिक होईस, जऊन ला ओह नून के बेटा यहोसू के
दुवारा कहे रिहिस।

17

[illegible]

1 गिलाद म तिसबे नगर के रहइया, एलियाह तिसबी ह राजा अहाब ला कहिस, "ओ यहोवा, इसरायल के
परमेसर के कसम, जेकर सेवा मेंह करथंव, अवइया कुछू साल म मोर कहे बिगर, न तो ओस गिरही अऊ न ही
पानी बरसही।"

---

* **16:24** लगभग 68 किलोग्राम

[illegible]

2 तब यहोवा के ये बचन एलियाह करा आईस:
3 “ये जगह ला छोंड़ अऊ पूरब दिग म जा अऊ करीत नांव के घाटी म छुप जा, जऊन ह यरदन के पूरब म
हवय।
4 तें नरवा के पानी ला पीबे, अऊ मेंह कऊआमन ला हुकूम दे हवंव कि ओमन तोर बर उहां जेवन लानहीं।”
5 यहोवा के कहे बचन के मुताबिक ओह करिस। ओह यरदन के पूरब कोति, करीत नांव के घाटी म गीस अऊ
उहां रहे लगिस।
6 कऊआमन बिहनियां अऊ सांझ के बेरा ओकर बर रोटी अऊ मांस लानंय, अऊ ओह नरवा के पानी ला
पीयय।

[illegible]

7 पानी नइं गिरे के कारन, कुछू समय के बाद, नरवा ह सूख गीस।
8 तब यहोवा के ये बचन एलियाह करा आईस:
9 “सीदोन इलाका के सारपत नगर म तुरते जा अऊ उहां रह। मेंह उहां के एक बिधवा ला तोला खवाय बर
हुकूम दे हवंव।”
10 एकरसेति ओह सारपत गीस। जब ओह नगर के दुवार मेर आईस, त ओह देखिस कि उहां एक बिधवा ह
लकड़ी बीनत रहय। ओह ओला बलाके कहिस, “का तेंह कोनो बरतन म मोर पीये बर थोरकन पानी लानबे?”
11 जब ओह पानी लेय बर जावत रिहिस, त एलियाह ह ओला पुकारके कहिस, “अऊ मोर बर रोटी के एक ठन
टुकड़ा घलो लेवत आबे।”
12 ओ बिधवा ह कहिस, “यहोवा तोर परमेसर के जिनगी के कसम, मोर करा कोनो रोटी नइं ए—एक घड़ा म
सिरिप मुट्ठी भर पीसान अऊ एक कुप्पी म थोरकन तेल हवय। मेंह कुछू लकड़ी बीनत हंव, ताकि येला घर ले
जाके मोर अऊ मोर बेटा बर खाना पकावंव, अऊ हमन ओला खावन अऊ मर जावन।”
13 एलियाह ह ओला कहिस, “झन डर। घर जा अऊ जइसने तेंह अभी कहय, वइसने कर। पर पहिले मोर बर
ओ पीसान ले एक ठन छोटे रोटी बनाके मोर करा लान, अऊ ओकर बाद, अपन अऊ अपन बेटा बर कुछू बना।
14 काबरकि यहोवा, इसरायल के परमेसर ये कहत हे: ‘जब तक यहोवा ह भुइयां म पानी नइं बरसाही, तब तक
न तो ओ घड़ा के पीसान सिराही, अऊ न ही ओ कुप्पी के तेल घटही।’ ”
15 तब ओह चले गीस, अऊ एलियाह के कहे बचन के मुताबिक करिस। अऊ एलियाह अऊ ओ माईलोगन
अऊ ओकर परिवार बर हर दिन जेवन के परबंध होवय।
16 काबरकि न तो घड़ा के पीसान ह सिराईस, अऊ न ही कुप्पी के तेल ह घटिस, जइसने कि यहोवा ह
एलियाह के दुवारा कहे रिहिस।
17 कुछू समय के बाद, घर के मालकिन ओ बिधवा के बेटा ह बेमार हो गीस। ओकर बेमारी बढ़ते अऊ बढ़ते
गीस, अऊ आखिरी म ओकर सांस लेवई बंद हो गीस।
18 तब ओ माईलोगन ह एलियाह ले कहिस, “हे परमेसर के जन! तोर मन म मोर बिरोध म का हवय? का तेंह
मोला मोर पाप के सुरता कराय बर अऊ मोर बेटा ला मारे बर आय हवस?”
19 एलियाह ह ओला जबाब दीस, “अपन बेटा ला मोला दे।” तब ओह माईलोगन के कोरा ले ओकर बेटा ला
ले लीस अऊ ओला लेके ऊपर के कमरा म गीस, जिहां ओह खुद रहत रिहिस, अऊ ओला अपन खटिया म लेटा
दीस।
20 तब ओह गोहार पारके यहोवा ला कहिस, “हे यहोवा मोर परमेसर! ये बिधवा, जेकर इहां मेंह ठहिरे हंव,
ओकर बेटा ला मारके, का तेंह ये बिधवा ऊपर घलो बिपत्ति लाने हस?”
21 तब ओह ओ छोकरा ऊपर तीन बार पसर गीस अऊ यहोवा ला गोहार पारके कहिस, “हे यहोवा मोर
परमेसर! ये छोकरा के परान येमा फेर डाल दे।”
22 एलियाह के ये गोहार ला यहोवा ह सुनिस, अऊ ओ छोकरा के परान ओमा फेर आ गीस अऊ ओह जी
उठिस।
23 तब एलियाह ओ लइका ला कमरा ले खाल्हे घर म ले गीस, अऊ ओह लइका ला ओकर दाई के हांथ म
सऊंपके कहिस, “देख, तोर बेटा ह जीयत हवय!”

24 तब ओ माईलोगन ह एलियाह ले कहिस, “अब मेंह जान गे हंव कि तेंह परमेसर के जन अस अऊ तोर मुहूं
ले निकले यहोवा के बचन म सच्चई हवय।”

18

[illegible]

1 बहुंत समय के बाद, तीसरा साल म, यहोवा के ये बचन एलियाह करा आईस: “जा अऊ अपनआप ला
अहाब ला देखा, अऊ मेंह भुइयां म पानी बरसाहूं।”
2 तब एलियाह अपनआप ला देखाय बर अहाब करा गीस।
ओ बेरा म, सामरिया म भारी अकाल पड़े रहय,
3 अऊ अहाब ह अपन महल के अधिकारी ओबदयाह ला बलाय रहय। (ओबदयाह ह यहोवा के बड़े भक्त
रिहिस।
4 जब ईजेबेल ह यहोवा के अगमजानीमन ला नास करत रिहिस, तब ओबदयाह ह एक सौ अगमजानीमन ला
लेके ओमन के पचास-पचास दू ठन दल बनाईस अऊ ओमन ला दू ठन खोड़रा म छुपा दे रिहिस, अऊ ओमन बर
जेवन अऊ पानी के परबंध घलो करे रिहिस।)
5 अहाब ह ओबदयाह ला कहे रिहिस, “देस के जम्मो सोता अऊ घाटीमन ला जाके देख। सायद हमन ला
घोड़ा अऊ खच्चरमन ला बंचाय बर कुछू कांदी मिल जाय अऊ हमन ला हमर कोनो पसु ला मारना झन पड़य।”
6 एकरसेति ओमन देस म जाय बर देस के इलाका ला बांट लीन; अहाब ह एक दिग म गीस, त ओबदयाह ह
दूसर दिग म।
7 जब ओबदयाह ह जावत रिहिस, त रसता म ओला एलियाह मिलिस। ओबदयाह ह ओला चिन डारिस अऊ
भुइयां म झुकके ओला दंडवत करिस, अऊ कहिस, “हे मोर मालिक, एलियाह, का सही म, ये तें अस?”
8 ओह जबाब दीस, “हव मेंह अंव। जा अऊ अपन मालिक ला बता, ‘एलियाह ह इहां हवय।’ ”
9 ओबदयाह ह कहिस, “मेंह का पाप करे हंव कि तेंह अपन सेवक ला मार डारे बर, अहाब के हांथ म कर देय
चाहथस?
10 यहोवा तोर परमेसर के जिनगी के कसम, कोनो अइसन देस या राज नइं ए, जिहां मोर मालिक ह तोला
खोजे बर मनखेमन ला नइं पठोय होही। अऊ जब भी कोनो देस या राज के मनखेमन कहंय कि तेंह उहां नइं
अस, त मोर मालिक ओमन ले किरिया खवाके कहवाय कि ओमन ला तें नइं मिलय।
11 अऊ तेंह मोला कहत हस कि जाके मेंह अपन मालिक ले कहंव, ‘एलियाह ह इहां हवय।’
12 अऊ जइसने ही मेंह तोर करा ले चले जाहूं, वइसने ही यहोवा के आतमा तोला न जाने कहां उठाके ले
जाही। यदि मेंह जाके अहाब ला बतावंव अऊ ओला तेंह नइं मिलबे, त ओह मोला मार डारही। तभो ले, में तोर
सेवक अपन लइकापन ले यहोवा के भय मानत आय हवंव।
13 हे मोर मालिक, का तेंह ये बात नइं सुने हस कि जब ईजेबेल ह यहोवा के अगमजानीमन ला नास करत
रिहिस, त मेंह का करेंव? मेंह यहोवा के एक सौ अगमजानीमन ला लेंव अऊ ओमन के पचास-पचास के दू ठन
दल करके, ओमन ला दू ठन खोड़रा म छुपा दे रहेंव, अऊ ओमन के जेवन अऊ पानी के परबंध घलो करेंव।
14 अऊ तेंह मोला कहत हस कि जाके मेंह अपन मालिक ले कहंव, ‘एलियाह ह इहां हवय।’ ओह मोला मार
डारही!”
15 एलियाह ह कहिस, “सर्वसक्तिमान यहोवा, जेकर सेवा मेंह करथंव, ओकर जिनगी के कसम, आज ही मेंह
अपनआप ला अहाब ला देखाहूं।”

[illegible]

16 तब ओबदयाह ह अहाब करा गीस अऊ ओला बताईस, अऊ अहाब ह एलियाह ले मिले बर गीस।
17 जब ओह एलियाह ला देखिस, त ओह ओला कहिस, “का तेंह ओ मनखे अस, हे इसरायल बर समस्या खड़े
करनेवाला?”
18 एलियाह ह जबाब दीस, “मेंह इसरायल बर समस्या नइं खड़े करे हवंव, पर तें अऊ तोर ददा के परिवार ह
समस्या खड़े करे हवय। तेंह यहोवा के हुकूम मानना छोंड़ दे हस अऊ बाल देवतामन के पाछू चलत हस।

19 अब तें जम्मो इसरायल के मनखेमन करा खबर भेज कि ओमन आके मोर ले करमेल पहाड़ ऊपर मिलंय।
अऊ बाल के साढ़े चार सौ अगमजानी अऊ असेरा के चार सौ अगमजानीमन ला लेके आ, जऊन मन ईजेबेल
के मेज म खाथें।"
20 तब अहाब ह जम्मो इसरायल म खबर पठोईस, अऊ अगमजानीमन ला करमेल पहाड़ म इकट्ठा करिस।
21 एलियाह ह मनखेमन के आघू म आके कहिस, "तुमन कब तक दू ठन बिचार के बीच म डोलत रहिहू? यदि
यहोवा ह परमेसर अय, त ओकर पाछू चलव; पर यदि बाल ह परमेसर अय, त ओकर पाछू हो लेवव।"
पर मनखेमन कुछू नइं कहिन।
22 तब एलियाह ह ओमन ला कहिस, "यहोवा के अगमजानीमन ले सिरिप मेंह एके झन बांचे हंव, पर बाल
करा साढ़े चार सौ अगमजानी हवंय।
23 हमर बर दू ठन सांड़ लानव। बाल के अगमजानीमन ओमा के एक ठन ला चुनंय, अऊ ओला कुटा-कुटा
काटके कठवा ऊपर रखंय पर ओमा आगी झन लगावंय। मेंह आने सांड़ ला तियार करके ओला कठवा ऊपर
रखहूं पर ओमा आगी नइं लगाहूं।
24 तब तुमन अपन देवता ले पराथना करहू, अऊ मेंह यहोवा ले पराथना करहूं। अऊ जऊन देवता ह आगी
गिराके जबाब दीही—ओही ह परमेसर अय।"
तब जम्मो मनखेमन कहिन, "तेंह बने बात कहे हस।"
25 एलियाह ह बाल के अगमजानीमन ला कहिस, "पहिले तुमन एक सांड़ ला चुनव अऊ ओला तियार करव,
काबरकि तुमन बहुंत झन हवव। अपन देवता ले पराथना करव, पर आगी झन लगावव।"
26 तब ओमन ओ सांड़ ला लीन, जऊन ह ओमन ला दिये गे रिहिस अऊ ओला तियार करिन।
तब ओमन बिहनियां ले लेके मंझनियां तक ये कहिके बाल ले चिचियाके पराथना करिन, "हे बाल, हमन ला
जबाब दे!" पर ओमन ला कोनो जबाब नइं मिलिस; कोनो जबाब नइं दीन। अऊ ओमन अपन बनाय बेदी के
चारों कोति नाचे लगिन।
27 मंझन के बेरा, एलियाह ह ये कहिके ओमन ला ताना मारे लगिस, "अऊ जोर से चिचियावव! खचित, ओह
एक देवता अय; सायद ओह बहुंत सोच-बिचार करत होही, या ब्यस्त होही, या यातरा करत होही। हो सकत हे,
ओह सोवत होही अऊ ओला जगाय के जरूरत हे।"
28 अऊ ओमन अऊ चिचियाय लगिन अऊ अपन रीति-रिवाज के मुताबिक अपनआप ला तलवार अऊ
बरछीमन ले तब तक घायल करे लगिन, जब तक कि ओमन के लहू नइं निकले लगिस।
29 आधा दिन बीत गीस, फेर ओमन संझा बलिदान के बेरा होवत तक पागल सहीं अगमबानी करते रिहिन।
पर ओमन ला कोनो जबाब नइं मिलिस, कोनो जबाब नइं दीन, कोनो धियान नइं दीन।
30 तब एलियाह ह जम्मो मनखेमन ला कहिस, "इहां, मोर करा आवव।" अऊ ओमन ओकर करा आईन, अऊ
ओह यहोवा के बेदी ला मरम्मत करिस, जऊन ला कि टोरके गिरा दिये गे रिहिस।
31 तब एलियाह बारह ठन पथरा लीस, याने कि याकूब म ले आय बारह गोत्र म ले हर एक बर एक-एक ठन
पथरा लीस; याकूब ला यहोवा ह कहे रिहिस, "तोर नांव इसरायल होही।"
32 ओ पथरामन ले एलियाह ह यहोवा के नांव म एक बेदी बनाईस, अऊ ओकर चारों कोति अतेक बड़े एक
खंचवा कोड़िस कि ओमा दू सेआ* बीजा आ सके।
33 तब ओह बेदी म कठवा ला सजाईस, सांड़ ला कुटा-कुटा करके काटिस अऊ ओ कुटामन ला कठवा ऊपर
मढ़ा दीस। तब ओह मनखेमन ला कहिस, "चार ठन बड़े घड़ा म पानी भर देवव अऊ ओ पानी ला बलिदान अऊ
कठवा ऊपर ढार देवव।"
34 तब ओह कहिस, "वइसनेच फेर करव," अऊ मनखेमन फेर वइसनेच करिन।
ओह कहिस, "तीसरा बार अइसनेच फेर करव," अऊ मनखेमन तीसरा बार घलो वइसनेच करिन।
35 पानी ह बेदी के चारों कोति बोहा गीस अऊ खंचवा ह पानी ले भर गीस।
36 सांझ के बलिदान चघाय के बेरा, एलियाह अगमजानी ह आघू बढ़िस अऊ पराथना करिस, "हे यहोवा,
अब्राहम, इसहाक अऊ इसरायल के परमेसर! आज तें येला परगट कर दे कि इसरायल म तें ही परमेसर अस,
अऊ मेंह तोर सेवक अंव अऊ ये जम्मो काम तोर हुकूम ले करे हंव।

* **18:32** लगभग 11 किलोग्राम

37 मोला जबाब दे, हे यहोवा, मोला जबाब दे, ताकि ये मनखेमन जानंय कि हे यहोवा, तें ही परमेसर अस,
अऊ तें ही ओमन के मन ला फेर बदलत हस।"
38 तब यहोवा के आगी ह अकास ले गिरिस अऊ बलिदान, कठवा, पथरा अऊ माटी ला जलाके भसम कर
दीस, अऊ खंचवा के पानी ला घलो सूखा दीस।
39 येला देखके, जम्मो मनखेमन मुहूं के भार गिरिन अऊ चिचियाके कहिन, "यहोवा ही परमेसर अय! यहोवा
ही परमेसर अय।"
40 तब एलियाह ह ओमन ला हुकूम दीस, "बाल के अगमजानीमन ला धर लेवव। ओमन ले एको झन घलो
भागन झन पावय!" तब मनखेमन ओमन ला धर लीन, अऊ एलियाह ह ओमन ला खाल्हे कीसोन घाटी म ले
आईस अऊ उहां ओमन ला मार डारिस।
41 फेर एलियाह ह अहाब ला कहिस, "जा, खा अऊ पी, काबरकि भारी बारिस के अवाज सुनई देवत हे।"
42 तब अहाब ह खाय-पीये बर चल दीस, पर एलियाह ह करमेल पहाड़ के टीप म चघिस, अऊ भुइयां म
झुकके अपन मुहूं ला दूनों माड़ी के बीच म करिस।
43 फेर ओह अपन सेवक ला कहिस, "जा अऊ समुंदर कोति देख।" तब ओह ऊपर जाके देखिस।
सेवक ह आके कहिस, "उहां तो कुछू नइं ए।"
एलियाह ह सात बार ले कहिस, "वापिस जा।"
44 सातवां बार, सेवक ह आके कहिस, "समुंदर म ले मनखे के हांथ सहीं एक छोटे बादर उठत हवय।"
तब एलियाह ह कहिस, "जा अऊ अहाब ले कह, 'येकर पहिले कि बारिस ह तोला रोकय, जल्दी से अपन रथ
म चघ अऊ खाल्हे चले जा।' "
45 थोरकन देर म, अकास ह बादर के कारन करिया होय लगिस, आंधी चले लगिस अऊ भारी बारिस सुरू हो
गीस अऊ अहाब ह सवार होके यिजरेल सहर ला चल दीस।
46 यहोवा के सक्ति एलियाह ऊपर उतरिस, अऊ ओह अपन कपड़ा ला अपन कमरपट्टा म खोंचके अहाब के
पहिले यिजरेल तक दऊड़त चले गीस।

19

[illegible]

1 राजा अहाब ह ईजेबेल ला ओ जम्मो बात बताईस, जऊन ला एलियाह ह करे रिहिस अऊ कइसने ओह
जम्मो अगमजानीमन ला तलवार ले मार डारे रिहिस।
2 तब ईजेबेल ह एलियाह करा ये कहे बर दूत पठोईस, "यदि मेंह कल अतेक बेरा तक तोर परान ओ
अगमजानीमन सहीं नइं कर दूहूं, त देवतामन मोर संग वइसने करंय, फेर ओकर ले घलो जादा करंय।"
3 ये सुनके एलियाह ह डर गीस* अऊ अपन परान बंचाय बर भागिस। जब ओह यहूदा के बेरसेबा सहर म
हबरिस, त उहां ओह अपन सेवक ला छोंड़ दीस।
4 पर ओह खुद आघू सुनसान जगह म एक दिन के रसता चलिस। ओह एक झाऊ के झाड़ी करा आके ओकर
खाल्हे म बईठ गीस अऊ ये कहिके पराथना म अपन मिरतू मांगे लगिस, "हे यहोवा, बहुंत हो गे; अब मोर परान
लेय ले, काबरकि मेंह अपन पुरखामन ले बने नो हंव।"
5 तब ओह ओ झाड़ी खाल्हे लेट गीस अऊ सुत भुलाईस।
तुरते एक स्वरगदूत ह ओला छुईस अऊ कहिस, "उठ अऊ खा।"
6 ओह चारों कोति अपन नजर घुमाके देखिस, त ओला अपन मुड़ करा कोइला के अंगरा म चुरे कुछू रोटी,
अऊ पानी ले भरे एक सुराही दिखिस। तब ओह खाईस अऊ पीईस अऊ फेर लेट गीस।
7 यहोवा के स्वरगदूत ह दूसर बार आईस अऊ ओला छूके कहिस, "उठ अऊ खा, काबरकि तोला बहुंत लम्बा
यातरा करना हे।"
8 तब ओह उठके खाईस अऊ पीईस। खाना खाय ले ओला ताकत मिलिस अऊ ओह चालीस दिन अऊ
चालीस रात रेंगत-रेंगत परमेसर के पहाड़ होरेब करा हबरिस।
9 उहां ओह एक खोड़रा म गीस अऊ उहां रथिया काटिस।

---

* **19:3** या *[illegible]*

[illegible]

अऊ यहोवा के बचन ह एलियाह करा आईस: “हे एलियाह, तेंह इहां का करत हस?”
10 ओह जबाब दीस, “मेंह यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर बर बहुंत उत्साही हंव। इसरायलीमन तोर करार ला
नइं माने हवंय, तोर बेदीमन ला गिरा दे हवंय, अऊ तोर अगमजानीमन ला तलवार ले घात करे हवंय। सिरिप
मेंह एके झन बांचे हवंव, अऊ अब ओमन मोला घलो मार डारे के कोसिस करत हवंय।”
11 यहोवा ह कहिस, “बाहिर निकलके, यहोवा के आघू म पहाड़ ऊपर ठाढ़ हो जा, काबरकि यहोवा ह उहां ले
होके जवइया हे।”
तब यहोवा के आघू म एक बड़े भयंकर आंधी ह पहाड़मन ला फोर दीस अऊ चट्टानमन ला टोर दीस, पर
यहोवा ह ओ आंधी म नइं रिहिस। आंधी के बाद, एक भुइंडोल होईस, पर यहोवा ह ओ भुइंडोल म घलो नइं
रिहिस।
12 भुइंडोल के बाद, आगी ह आईस, पर यहोवा ओ आगी म नइं रिहिस। अऊ आगी के बाद, एक धीमा
कानाफूसी के अवाज सुनई दीस।
13 जब एलियाह ह येला सुनिस, त ओह अपन कपड़ा ला अपन मुहूं ऊपर ढांप लीस अऊ बाहिर निकलके
खोड़रा के मुंहाटी म ठाढ़ हो गीस।
तब ओला ये बात सुनई दीस, “हे एलियाह, तेंह इहां का करत हस?”
14 ओह जबाब दीस, “मेंह यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर बर बहुंत उत्साही हंव। इसरायलीमन तोर करार ला
नइं माने हवंय, तोर बेदीमन ला गिरा दे हवंय, अऊ तोर अगमजानीमन ला तलवार ले घात करे हवंय। सिरिप
मेंह एके झन बांचे हवंव, अऊ अब ओमन मोला घलो मार डारे के कोसिस करत हवंय।”
15 यहोवा ह ओला कहिस, “जऊन रसता म आय रहय, ओहीच रसता म लहुंट जा, अऊ दमिस्क सहर के
सुनसान जगह म जा। जब तें उहां हबरबे, त हजाएल ला अराम के राजा होय बर अभिसेक करबे।
16 अऊ निमसी के बेटा येहू ला इसरायल के राजा होय बर, अऊ तोर जगह म अगमजानी होय बर
आबेल-महोला नगर के सापात के बेटा एलीसा के अभिसेक करबे।
17 हजाएल के तलवार ले जऊन कोनो भी बच जाही, ओला येहू ह मार डारही, अऊ जऊन कोनो येहू के
तलवार ले बच जाही, ओला एलीसा ह मार डारही।
18 तभो ले मेंह इसरायल म सात हजार मनखे ला बंचाके रखे हंव—ये जम्मो ओमन अंय, जेमन न तो बाल के
आघू म माड़ी टेके हवंय, अऊ न ही अपन मुहूं ले ओला चूमे हवंय।”

[illegible]

19 तब एलियाह ह उहां ले चल दीस, अऊ ओला सापात के बेटा एलीसा मिलिस, जऊन ह बारह जोड़ी
बईलामन ले नांगर जोतत रहय, अऊ ओह खुद बारहवां जोड़ी ला हांकत रहय। एलियाह ह ओकर मेर जाके
ओकर ऊपर अपन कपड़ा ला डाल दीस।
20 तब एलीसा ह अपन बईलामन ला छोंड़के एलियाह के पाछू दऊड़िस अऊ कहे लगिस, “मोला जाके मोर
दाई अऊ ददा ला चूमन दे अऊ बिदा लेवन दे, अऊ तब मेंह तोर संग चलहूं।”
एलियाह ह कहिस, “लहुंट जा, मेंह तोर का करे हवंव?”
21 तब एलीसा ह ओला छोंड़के वापिस चल दीस। अऊ अपन बईलामन के जोड़ी ला लेके पूज दीस। ओह
नांगर जोते के सामान ला जलाके मांस ला पकाईस अऊ ओला मनखेमन ला खाय बर दीस, अऊ ओमन खाईन।
तब ओह एलियाह के पाछू चले बर गीस अऊ ओकर सेवक बन गीस।

20

[illegible]

1 अराम के राजा बेन-हदद ह अपन जम्मो सेना ला संकेलिस। ओकर संग म अऊ बत्तीस राजामन अपन
घोड़ा अऊ रथ सहित गीन; ओमन के संग जाके ओह सामरिया ला घेर लीस अऊ ओकर ऊपर हमला करिस।
2 ओह सहर म इसरायल के राजा अहाब करा दूतमन ला ये कहे बर पठोईस, “बेन-हदद ह ये कहत हे:
3 ‘तोर सोन अऊ चांदी ह मोर अय, अऊ तोर सबले बने घरवालीमन अऊ लइकामन घलो मोर अंय।’ ”

4 इसरायल के राजा ह ओकर करा ये कहे बर पठोईस, “हे मोर मालिक राजा! तोर कहे मुताबिक में तोर अंव
अऊ मोर जम्मो चीज घलो तोर अंय।”
5 दूतमन वापिस आके इसरायल के राजा ले कहिन, “बेन-हदद ह ये कहत हे: ‘मेंह खबर पठोय रहेंव कि तें
अपन सोन अऊ चांदी, अपन घरवाली अऊ लइकामन ला मोला दे।
6 पर कल अतेक बेरा, मेंह अपन करमचारीमन ला पठोहूं अऊ ओमन तोर महल अऊ तोर करमचारीमन के
घर के जांच-पड़ताल करहीं, अऊ ओमन तोर जम्मो कीमती सामान ला जपती करके अपन संग ले आहीं।’ ”
7 तब इसरायल के राजा ह अपन देस के जम्मो अगुवामन ला बलाके कहिस, “देखव, ये मनखे ह कइसे
समस्या खड़े करे के ताक म हवय! जब ओह मोर घरवालीमन अऊ मोर लइकामन, मोर सोन अऊ चांदी के मांग
करिस, त मेंह इनकार नइं करेंव।”
8 तब जम्मो अगुवा अऊ मनखेमन जबाब दीन, “बेन-हदद के बात ला झन सुन या ओकर मांग ला झन मान।”
9 तब राजा ह बेन-हदद के दूतमन ला जबाब दीस, “मोर मालिक राजा ला जाके कहव, ‘जऊन कुछू तेंह पहिले
अपन सेवक ले मांग करे रहे, ओ जम्मो ला मेंह पूरा करहूं, पर तोर ये मांग ला मेंह पूरा नइं कर सकंव।’ ” दूतमन
वापिस जाके बेन-हदद ला ये संदेस सुनाईन।
10 तब बेन-हदद ह अहाब करा एक आने संदेस पठोईस, “यदि सामरिया म अतेक धुर्रा बांचे हवय कि मोर
जम्मो मनखेमन ला एक-एक मुट्ठी मिल जावय, त देवतामन मोर संग कठोरता से बेवहार करंय।”
11 इसरायल के राजा ह जबाब देवत खबर पठोईस, “ओकर ले कहव, ‘जऊन ह अपन हथियार बांधथे, ओला
ओकर सहीं घमंड नइं करना चाही, जऊन ह ओ हथियार ला उतारथे।’ ”
12 जब ये संदेस बेन-हदद ला दिये गीस, त ओ समय, ओह अऊ राजामन अपन डेरामन म पीयत रिहिन,
अऊ ओह अपन मनखेमन ला हुकूम दीस: “हमला करे बर तियारी करव।” तब ओमन सहर ऊपर हमला करे बर
तियारी करिन।

[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

13 ये बीच म, एक अगमजानी ह इसरायल के राजा अहाब करा आके कहिस, “यहोवा ह ये कहत हे: ‘का तेंह
ये बहुंत बड़े सेना ला देखत हस? येला आज ही मेंह तोर हांथ म कर दूहूं, अऊ तब तें जान लेबे कि मेंह यहोवा
अंव।’ ”
14 अहाब ह पुछिस, “पर येला कोन ह करही?”
अगमजानी ह जबाब दीस, “यहोवा ह ये कहत हे: ‘इलाका के सेनापतिमन के अधीन छोटे अधिकारीमन येला
करहीं।’ ”
फेर ओह पुछिस, “अऊ लड़ई के सुरूआत कोन ह करही?”
ओ अगमजानी ह जबाब दीस, “तेंह करबे।”
15 एकरसेति अहाब ह इलाका के सेनापतिमन के अधीन दू सौ बत्तीस छोटे अधिकारीमन ला बलाईस। तब
ओह बाकि बचे सात हजार इसरायली मनखेमन ला इकट्ठा करिस।
16 ओमन मंझन के बेरा म निकलिन, अऊ ओ समय, बेन-हदद अऊ ओकर संग के बत्तीस राजामन अपन
डेरामन म मंद पीके मतवाला होवत रहंय।
17 इलाका के सेनापतिमन के अधीन छोटे अधिकारीमन पहिले निकलिन।
बेन-हदद ह संदेस लाने बर सैनिकमन ला पठोय रिहिस, अऊ ओमन आके कहिन, “सामरिया ले मनखेमन
आघू बढ़त हवंय।”
18 ओह हुकूम दीस, “यदि ओमन मेल-मिलाप करे बर निकले हवंय, त ओमन ला जिंदा पकड़के ले आवव; यदि
ओमन लड़ई करे बर निकले हवंय, तब भी ओमन ला जिंदा पकड़के ले आवव।”
19 छोटे अधिकारीमन इलाका के सेनापतिमन के अधीन सहर ले निकलिन अऊ ओमन के पाछू सेना के
सिपाहीमन रहंय
20 अऊ ओमा के हर एक जन अपन बिरोधी ला मार डारिस। येला देखके, अरामीमन भागे लगिन, अऊ
इसरायलीमन ओमन के पीछा करिन। पर अराम के राजा बेन-हदद ह घोड़ा म चघके अपन कुछू घुड़सवारमन
संग बचके भाग गीस।

21 तब इसरायल के राजा ह आघू बढ़के घोड़ा अऊ रथमन ला अधिकार म कर लीस अऊ अरामीमन के भारी
नुकसान करिस।
22 ओकर बाद, ओ अगमजानी ह इसरायल के राजा करा आके कहिस, "अपन स्थिति ला मजबूत कर अऊ
देख कि का करना जरूरी ए, काबरकि नवां साल के लगत ही अराम के राजा ह फेर तोर ऊपर हमला करही।"
23 ये बीच म, अराम के राजा के करमचारीमन ओला ये सलाह दीन, "ओ मनखेमन के देवतामन पहाड़ी देवता
अंय, एकर खातिर ओमन हमर ऊपर भारी पड़िन। पर यदि हमन ओमन ले मैदान म लड़बो, त निस्चय ही, हमन
ओमन ऊपर भारी पड़बो।
24 अइसने कर: जम्मो राजामन के अधिकार ला छीन ले अऊ ओमन के जगह म आने अधिकारीमन ला
ठहिरा दे।
25 अऊ जऊन सेना ला तेंह गंवा दे हस, वइसने फेर एक ठन सेना तियार कर—घोड़ा के बदला म घोड़ा अऊ
रथ के बदला म रथ—ताकि हमन मैदान म इसरायल ले लड़ सकन। तब निस्चय ही, हमन ओमन ऊपर भारी
पड़बो।" ओह ओमन के बात ला मानिस अऊ वइसनेच करिस।
26 नवां साल के लगत ही बेन-हदद ह अरामी सेना ला इकट्ठा करिस अऊ इसरायल ले लड़े बर अपेक सहर
ला गीस।
27 जब इसरायलीमन ला घलो इकट्ठा करे गीस अऊ ओमन ला भोजन-पानी दिये गीस, त ओमन अरामीमन
के सामना करे बर निकलिन। इसरायलीमन छेरीमन के दू ठन छोटे झुंड सहीं ओमन के आघू म डेरा डाले रिहिन,
जबकि अरामीमन मैदान म भर गे रिहिन।
28 तब परमेसर के जन ह इसरायल के राजा करा आईस अऊ कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे: 'अरामीमन
सोचथें कि यहोवा ह पहाड़ी देवता अय अऊ घाटीमन के देवता नो हय, एकरे कारन, मेंह ओ बड़े सेना ला तोर
हांथ म कर दूहूं, अऊ तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।' "
29 सात दिन तक, ओमन एक-दूसर के आघू म डेरा डाले रिहिन, अऊ सातवां दिन लड़ई सुरू होईस। अऊ
इसरायलीमन एक दिन म, अरामीमन के एक लाख पैदल सेना ला मार डारिन।
30 बाकि बचे अरामी सेना ह बचके अपेक सहर ला भाग गीस, जिहां सहर के दीवार गिरे ले ओमा के सत्ताईस
हजार मनखे दबके मर गीन। अऊ बेन-हदद ह सहर ला भाग गीस अऊ जाके एक ठन भीतरी कमरा म लुका
गीस।
31 तब ओकर करमचारीमन ओला कहिन, "देख, हमन सुने हवन कि इसरायल के राजामन दयालु होथें,
एकरसेति, हमन कनिहां म टाट के कपड़ा अऊ मुड़ म रस्सी लपेटके इसरायल के राजा करा चलन। हो सकथे कि
ओह तोर परान झन लेवय।"
32 तब अपन कनिहां म टाट के कपड़ा पहिरके अऊ मुड़ म रस्सी बांधके, ओमन इसरायल के राजा करा गीन
अऊ कहिन, "तोर सेवक बेन-हदद ह कहत हे, 'किरपा करके मोला जीयत रहन दे।' "
राजा ह जबाब दीस, "का ओह अभी तक ले जीयत हवय? ओह तो मोर भाई अय।"
33 ओ मनखेमन येला बने बात समझके तुरते ओकर बात के ये जबाब दीन, "हव, तोर भाई बेन-हदद।"
राजा ह कहिस, "जाके ओला ले आवव।" जब बेन-हदद ह निकलके आईस, त अहाब ह ओला अपन रथ म
चघा लीस।
34 तब बेन-हदद ह ओला कहिस, "जऊन सहरमन ला मोर ददा ह तोर ददा ले छीन ले रिहिस, ओमन ला मेंह
तोला वापिस कर दूहूं, अऊ जइसने मोर ददा ह सामरिया म हाट-बजार बनाय रिहिस, वइसने तेंह अपन खुद के
हाट-बजार दमिस्क म बना सकत हस।"
अहाब ह कहिस, "एक करार के अधार म, मेंह तोला छोंड़ दूहूं।" तब ओह बेन-हदद संग एक करार करिस,
अऊ ओला जावन दीस।

[illegible]

35 यहोवा ले बचन पाके, अगमजानीमन के दल के एक जन ह अपन संगी ला कहिस, "अपन हथियार ले
मोला मार।" पर ओकर संगी ह इनकार करिस।
36 तब पहिले अगमजानी ह कहिस, "काबरकि तेंह यहोवा के बात ला नइं माने, एकरसेति जइसने ही तेंह मोर
करा ले जाबे, एक सिंह ह तोला मार डारही।" अऊ जब ओ मनखे ह चले गीस, त डहार म ओला एक सिंह
मिलिस अऊ ओला मार डारिस।

37 ओ अगमजानी ला एक आने मनखे मिलिस, ओला घलो कहिस, “मोला मार।” अऊ ओ मनखे ह
अगमजानी ला मारिस अऊ ओला घायल कर दीस।
38 तब ओ अगमजानी चले गीस अऊ सड़क के तीर म ठाढ़ होके राजा के बाट जोहे लगिस। ओह अपन पगड़ी
ले अपन आंखीमन ला ढांपके अपन भेस ला छुपा ले रहय।
39 जब राजा ह उहां ले होके जावत रिहिस, त ओ अगमजानी ह ओला पुकारके कहिस, “जब तोर सेवक ह
लड़ई के इलाका म गे रिहिस, त एक मनखे ह एक कैदी ला लेके मोर करा आईस अऊ कहिस, ‘ये मनखे के
रखवारी कर। यदि ये मनखे कहीं चले जाही, त ओकर परान के बदले म तोर परान ले लिये जाही, या फेर तोला
एक टेलेन्ट* चांदी देय ला पड़ही।’
40 ओकर बाद, जब तोर सेवक ह एती-ओती बुता म फंस गीस, त ओ मनखे ह गायब हो गीस।”
इसरायल के राजा ह कहिस, “तोर अइसने ही नियाय होही; तेंह खुद येकर निरनय करे हवस।”
41 तब अगमजानी ह तुरते अपन आंखीमन ले पगड़ी ला हटाईस, अऊ इसरायल के राजा ह ओला एक
अगमजानी के रूप म चिन डारिस।
42 तब ओ अगमजानी ह राजा ला कहिस, “यहोवा ह ये कहत हे: ‘तेंह एक अइसने मनखे ला छोंड़ दे हस,
जेकर बारे म मेंह ठान ले रहेंव कि ओह मरय। एकरसेति अब ओकर परान के बदले तोर परान जाही अऊ ओकर
मनखेमन के बदले तोर मनखेमन।’ ”
43 तब उदास अऊ गुस्सा होके, इसरायल के राजा ह सामरिया के अपन महल म चले गीस।

21

[illegible]

1 कुछू समय के बाद, नाबोत नांव के एक यिजरेली के एक अंगूर के बारी के संबंध म एक घटना होईस। ओ
अंगूर के बारी ह यिजरेल म सामरिया के राजा अहाब के महल के लकठा म रहय।
2 अहाब ह नाबोत ला कहिस, “तोर अंगूर के बारी ह मोर महल के लकठा म हवय, त तें ओला मोला देय दे कि
मेंह ओकर उपयोग साग-भाजी के बारी के रूप म करंव। ओकर बदले म, मेंह तोला ओकर ले जादा बने एक
अंगूर के बारी दूहूं या यदि तें चाहबे, त जो भी ओकर कीमत होही, मेंह तोला ओकर दाम चुका दूहूं।”
3 पर नाबोत ह जबाब दीस, “यहोवा ह झन करय कि मेंह अपन पुरखामन के संपत्ति ला देवंव।”
4 यिजरेली नाबोत के ये बात के कारन कि मेंह अपन पुरखामन के संपत्ति तोला नइं देवंव, अहाब ह उदास अऊ
नराज होके अपन घर चल दीस, अऊ उदास मन से अपन बिस्तर म लेट गीस अऊ जेवन करे बर मना कर दीस।
5 तब ओकर घरवाली ईजेबेल ह ओकर करा आके पुछिस, “तेंह काबर अतेक उदास हवस? तेंह काबर नइं
खावत हस?”
6 राजा ह ओला कहिस, “कारन ये अय कि मेंह यिजरेली नाबोत ला कहेंव, ‘तोर अंगूर के बारी ला मोर करा
बेच दे; या यदि तें चाहबे, त मेंह तोला ओकर बदले म एक आने अंगूर के बारी दूहूं।’ पर ओह कहिस, ‘मेंह अपन
अंगूर के बारी तोला नइं दंव।’ ”
7 राजा के घरवाली ईजेबेल ह कहिस, “का तेंह इसरायल ऊपर राज करथस कि नइं? उठ अऊ खाना खा!
खुसी मना। यिजरेली नाबोत के अंगूर के बारी मेंह तोला देवाहूं।”
8 तब ईजेबेल ह अहाब के नांव ले चिट्ठी लिखके ओमा ओकर मुहर लगाईस, अऊ चिट्ठीमन ला ओ अगुवा
अऊ परभावसाली मनखेमन करा पठोईस, जऊन मन ओही सहर म नाबोत के संग रहत रिहिन।
9 ओ चिट्ठीमन म, ओह ये लिखे रहय:
“एक दिन के उपास रखे के घोसना करव अऊ नाबोत ला मनखेमन के बीच एक खास जगह म बईठाववं।
10 पर दू झन दुस्ट मनखे ला ओकर आघू म बईठाववं, जऊन मन नाबोत ऊपर ये दोस लगावंय कि ओह
परमेसर अऊ राजा दूनों के निन्दा करे हवय। तब ओला बाहिर ले जाववं अऊ पथरवाह करके ओला मार डारव।”
11 ईजेबेल ह नाबोत के सहर म रहइया अगुवा अऊ परभावसाली मनखेमन ला चिट्ठी म लिखके जइसने
हुकूम दे रिहिस, ओमन वइसने ही करिन।
12 ओमन उपास रखे के घोसना करिन अऊ नाबोत ला मनखेमन के बीच एक खास जगह म बईठाईन।

* **20:39** लगभग 34 किलोग्राम

13 तब दू झन दुस्ट मनखे आके ओकर आघू म बईठ गीन अऊ ओमन ये कहिके मनखेमन के आघू म नाबोत
ऊपर दोस लगाईन, "नाबोत ह परमेसर अऊ राजा दूनों के निन्दा करे हवय।" एकरे कारन, ओमन ओला सहर के
बाहिर ले गीन अऊ पथरवाह करके ओला मार डारिन।
14 तब ओमन ईजेबेल करा ये खबर पठोईन: "नाबोत ला पथरवाह करके मार डारे गे हवय।"
15 जइसने ही ईजेबेल ह ये सुनिस कि नाबोत ला पथरवाह करके मार डारे गे हवय, त ओह अहाब ले कहिस,
"उठ अऊ यिजरेली नाबोत के ओ अंगूर के बारी ला अपन कब्जा म लेय ले, जेला ओह तोला बेचे बर इनकार
करे रिहिस। नाबोत ह अब जीयत नइं ए, पर ओह मर गे हवय।"
16 जब अहाब ह सुनिस कि नाबोत ह मर गे हवय, त ओह उठिस अऊ नाबोत के अंगूर के बारी ला अपन
कब्जा म लेय बर खाल्हे गीस।
17 तब यहोवा के ये बचन तिसबी एलियाह करा आईस:
18 "इसरायल के राजा अहाब करा मिले बर खाल्हे जा, जऊन ह सामरिया म राज करथे। ओह अभी नाबोत के
अंगूर के बारी म हवय, अऊ ओह ओला अपन कब्जा म लेय बर उहां गे हवय।
19 ओला ये कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: का तेंह एक मनखे के हतिया करके ओकर संपत्ति ला कब्जा नइं कर ले
हस?' फेर ओला ये घलो कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: जऊन जगह म कुकुरमन नाबोत के लहू ला चाटिन, ओही
जगह म कुकुरमन तोर लहू ला घलो चाटहीं—हव, तोर लहू!' "
20 एलियाह ला देखके अहाब ह कहिस, "हे मोर बईरी! तेंह मोला खोज लेय!"
एलियाह ह जबाब दीस, "हव, मेंह तोला खोज लेंव, काबरकि यहोवा के नजर म दुस्ट काम करे बर तेंह
अपनआप ला बेच दे हवस।
21 परमेसर ह कहत हे, 'मेंह तोर ऊपर बिपत्ति लानेवाला हंव। मेंह तोर संतानमन के नामोनिसान मिटा दूहूं
अऊ इसरायल म अहाब के घर के एक-एक छोकरा अऊ पुरूस ला नास कर दूहूं—चाहे ओह गुलाम हो या
सुतंतर मनखे।
22 मेंह तोर घराना ला नबात के बेटा यरोबाम, अऊ अहियाह के बेटा बासा के सहीं कर दूहूं, काबरकि तेंह मोर
गुस्सा ला भड़काय हस अऊ इसरायल ले पाप करवाय हस।'
23 "अऊ ईजेबेल के बारे म घलो यहोवा ह कहत हे: 'यिजरेल के दीवार के भीतर, कुकुरमन ईजेबेल ला खा
डारहीं।'
24 "अहाब के जऊन मनखेमन सहर म मरहीं, ओमन ला कुकुरमन खा डारहीं, अऊ जऊन मन मैदान म मरहीं,
ओमन ला अकास के चिरईमन खा जाहीं।"
25 (अहाब के सहीं अऊ कोनो नइं रिहिस, जऊन ह अपन घरवाली ईजेबेल के उकसाय म आके, यहोवा के
नजर म दुस्ट काम करे बर अपनआप ला बेच दीस।
26 ओह मूरतीमन के पाछू जाके सबले जादा नीच काम करिस, जइसने कि ओ अमोरीमन करे रिहिन, जेमन
ला यहोवा ह इसरायलीमन के आघू ले निकाल दे रिहिस।)
27 जब अहाब ह ये बात ला सुनिस, त ओह अपन ओनहा ला चीरिस, अऊ टाट के कपड़ा पहिरके उपास
करिस। ओह टाट के कपड़ा म सोये लगिस अऊ नम्र मन से एती-ओती जाय लगिस।
28 तब यहोवा के ये बचन तिसबी एलियाह करा आईस:
29 "का तेंह धियान दे हवस कि अहाब ह कइसे मोर आघू म नम्र बन गे हवय? काबरकि ओह अपनआप ला नम्र
कर ले हवय, एकरसेति मेंह ये बिपत्ति ला ओकर जीयत भर नइं लानंव, पर मेंह येला ओकर बेटा के दिन म
ओकर घराना ऊपर लानहूं।"

22

[illegible]

1 तीन बछर तक अरामी अऊ इसरायलीमन के बीच म लड़ई नइं होईस।
2 पर तीसरा बछर यहूदा के राजा यहोसापात इसरायल के राजा ला देखे बर गीस।

3 इसरायल के राजा ह अपन करमचारीमन ला कहे रिहिस, “का तुमन नइं जानत हव कि रामोत-गिलाद ह
हमर अय अऊ तभो ले ओला हमन अराम के राजा के हांथ ले वापिस लेय बर कुछू नइं करत हन?”
4 एकरसेति ओह यहोसापात ले पुछिस, “का तेंह मोर संग रामोत-गिलाद के बिरूध लड़े बर जाबे?”
यहोसापात ह इसरायल के राजा ला जबाब दीस, “मेंह घलो तोर असन अंव, मोर मनखेमन तोर मनखेमन
असन अंय, मोर घोड़ामन तोर घोड़ामन असन अंय।”
5 पर यहोसापात ह इसरायल के राजा ला ये घलो कहिस, “पहिले यहोवा के ईछा ला मालूम कर ले।”
6 तब इसरायल के राजा ह अगमजानीमन ला इकट्ठा करिस—ओमन करीब चार सौ आदमी रिहिन—अऊ
राजा ह ओमन ले पुछिस, “का मेंह रामोत-गिलाद के बिरूध लड़ई करे बर जावंव, या फेर रूक जावंव?”
ओमन जबाब दीन, “जा, काबरकि परभू ह ओला राजा के हांथ म कर दीही।”
7 पर यहोसापात ह पुछिस, “का इहां यहोवा के कोनो अगमजानी नइं अंय, जेकर ले हमन पुछताछ कर
सकन?”
8 इसरायल के राजा ह यहोसापात ला जबाब दीस, “इहां अभी भी एक अगमजानी हवय, जेकर जरिये हमन
यहोवा ले पुछताछ कर सकत हन? पर मेंह ओकर ले घिन करथंव, काबरकि ओह कभू भी मोर बारे म कोनो बने
बात के अगमबानी नइं करय, पर हमेसा खराप बात ही कहिथे। ओह यिमला के बेटा मीकायाह ए।”
यहोसापात ह कहिस, “राजा ला अइसन बात नइं कहना चाही।”
9 तब इसरायल के राजा ह अपन एक करमचारी ला बलाके कहिस, “यिमला के बेटा मीकायाह ला अभीचे लेके
आवव।”
10 इसरायल के राजा अऊ यहूदा के राजा यहोसापात अपन राजसी कपड़ा पहिरे सामरिया के प्रवेस दुवार के
बगल म एक कोठार म अपन सिंघासन म बईठे रहंय अऊ जम्मो अगमजानीमन ओमन के आघू म अगमबानी
करत रहंय।
11 कनाना के बेटा सिदकियाह ह लोहा के सींग बनाय रिहिस अऊ ओह घोसना करिस, “यहोवा ह ये कहत हे:
‘ये सींगमन ले तुमन अरामीमन ला अइसन मारहू, कि जब तक ओमन नास नइं हो जाहीं।’ ”
12 आने जम्मो अगमजानीमन घलो येहीच अगमबानी करत रिहिन। ओमन कहिन, “रामोत-गिलाद ऊपर
हमला करव अऊ जीत जावव, काबरकि यहोवा ह ओला राजा के हांथ म कर दीही।”
13 जऊन संदेसिया ह मीकायाह ला बलाय बर गे रिहिस, ओह ओकर ले कहिस, “देख, आने अगमजानीमन
बिगर कोनो आपत्ति के राजा बर सफलता के अगमबानी करत हवंय। तोर बात ह घलो ओमन के बात ले मेल
खावय, अऊ तें राजा के हित म गोठियाबे।”
14 पर मीकायाह ह कहिस, “यहोवा के जिनगी के सपथ, मेंह ओला सिरिप ओही बात बताहूं, जेला यहोवा ह
मोला कहिही।”
15 जब मीकायाह ह उहां हबरिस, त राजा ह ओकर ले पुछिस, “हे मीकायाह! का हमन रामोत-गिलाद के
बिरूध लड़ई करे बर जावन, या नइं?”
ओह जबाब दीस, “हमला करव अऊ जीत जावव, काबरकि यहोवा ह ओला राजा के हांथ म कर दीही।”
16 राजा ह ओला कहिस, “मेंह तोला कतेक बार कसम खवावंव कि तें यहोवा के नांव म मोला सिरिप सच्चई
के छोंड़ अऊ कुछू बात झन बता?”
17 तब मीकायाह ह जबाब दीस, “मेंह जम्मो इसरायल ला पहाड़ीमन म बिगर चरवाहा के बगरे भेड़मन सहीं
देखेंव, अऊ यहोवा ह कहिस, ‘ये मनखेमन के कोनो मालिक नइं एं। हर एक जन सांति से अपन घर जावय।’ ”
18 तब इसरायल के राजा ह यहोसापात ला कहिस, “का मेंह तोला नइं कहे रहेंव कि ओह मोर बारे म कभू बने
अगमबानी नइं करय, पर सिरिप खराप बात कहिथे?”
19 तब मीकायाह ह आगे कहिस, “एकरसेति यहोवा के बचन ला सुनव: मेंह यहोवा ला अपन सिंघासन म
बईठे अऊ ओकर संग स्वरग के जम्मो भीड़ ला ओकर जेवनी अऊ डेरी कोति खड़े देखेंव।
20 अऊ यहोवा ह कहिस, ‘कोन ह अहाब ला रामोत-गिलाद ऊपर हमला करे बर अऊ उहां जाके मरे बर
बहकाही?’
“कोनो ह कुछू सलाह दीस, त कोनो ह कुछू अऊ।
21 आखिर म, एक आतमा आघू म आके यहोवा के आघू म ठाढ़ होईस अऊ कहिस, ‘मेंह ओला बहकाहूं।’
22 “यहोवा ह पुछिस, ‘कोन किसम ले?’

"ओ आतमा ह कहिस, 'मेंह बाहिर जाहूं अऊ ओकर जम्मो अगमजानीमन के मुहूं म एक धोखा देवइया आतमा बनहूं।'

"यहोवा ह कहिस, 'तेंह ओला बहकाय म सफल होबे, जा अऊ येला कर।'

23 "एकरसेति, अब यहोवा ह तोर ये जम्मो अगमजानीमन के मुहूं म एक धोखा देवइया आतमा डाल दे हवय। यहोवा ह तोर बिनास के हुकूम दे हवय।"

24 तब कनाना के बेटा सिदकियाह ह ऊपर मीकायाह करा गीस अऊ ओकर गाल म थपरा मारके पुछिस, "कते रसता ले आतमा ह यहोवा करा ले गीस, जब ओह तोर ले गोठियाय बर मोर ले निकलके गीस?"

25 मीकायाह ह जबाब दीस, "तोला ओ दिन ये बात के पता चलही, जब तेंह लुकाय बर एक भीतरी कमरा म जाबे।"

26 तब इसरायल के राजा ह हुकूम दीस, "मीकायाह ला ले जावव अऊ ओला सहर के हाकिम आमोन अऊ राजा के बेटा योआस करा वापिस भेज दव

27 अऊ ओमन ले कहव, 'राजा ह ये कहत हे: ये मनखे ला जेल म डाल दव अऊ जब तक मेंह सही-सलामत वापिस नइं लहुंटंव, तब तक येला रोटी अऊ पानी के छोंड़ अऊ कुछू झन दव।' "

28 पर मीकायाह ह घोसना करिस, "यदि तेंह सही-सलामत लहुंटके आ जाबे, त फेर यहोवा ह मोर जरिये बात नइं करे हवय।" तब ओह ये घलो कहिस, "तुमन, जम्मो मनखेमन! मोर बात ला धियान म रखव!"

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

29 तब इसरायल के राजा अऊ यहूदा के राजा यहोसापात, ऊपर रामोत-गिलाद गीन।

30 इसरायल के राजा ह यहोसापात ला कहिस, "मेंह भेस बदलके लड़ई म जाहूं, पर तें अपन राजसी पहिरावा पहिरबे।" तब इसरायल के राजा ह अपन भेस ला बदल लीस अऊ लड़ई म गीस।

31 अराम के राजा ह अपन रथ के बत्तीस सेनापतिमन ला हुकूम देय रिहिस, "इसरायल के राजा के छोंड़, अऊ कोनो छोटे या बड़े मनखे ले लड़ई झन करहू।"

32 जब रथ के सेनापतिमन यहोसापात ला देखिन, त ओमन सोचिन, "खचित, येह इसरायल के राजा अय।" एकरसेति ओमन ओकर ऊपर हमला करे बर मुड़िन, पर जब यहोसापात ह चिचियाईस,

33 त रथ के सेनापतिमन देखिन कि ओह इसरायल के राजा नो हय, अऊ तब ओमन ओकर पीछा करई छोंड़ दीन।

34 पर कोनो मनखे ह बिगर सोचे-बिचारे अपन तीर ला चला दीस अऊ ओ तीर ह इसरायल के राजा के हथियार के बीच भाग म लगिस। तब राजा ह अपन रथ के सारथी ला कहिस, "मेंह घायल हो गे हवंव। रथ ला एती-ओती ले घुमाके मोला लड़ई ले बाहिर निकाल।"

35 ओ पूरा दिन भयंकर लड़ई होते रिहिस अऊ राजा अहाब ह अपन रथ के सहारा म अरामीमन कोति मुहूं करके ठाढ़े रिहिस। ओकर घाव के खून ह रथ के फर्स म बहत रहय अऊ ओहीच दिन सांझ के बेरा, ओह मर गीस।

36 जब सूरज बुड़त रिहिस, त जम्मो सेना म ये पुकार होईस, "हर एक मनखे अपन-अपन सहर अऊ अपन-अपन देस ला लहुंट जावय!"

37 राजा ह मर गीस, त ओकर लास ला सामरिया म लाय गीस, अऊ उहां ओला माटी दिये गीस।

38 मनखेमन सामरिया म ओ रथ ला धोईन (जिहां बेस्यामन नहावंय), अऊ कुकुरमन ओकर लहू ला चाटिन, जइसने कि यहोवा के बचन के दुवारा कहे गे रिहिस।

39 अहाब के सासन के आने घटनामन, ओकर जम्मो काम, जऊन महल ओह बनाईस अऊ हाथी-दांत ले सजाईस, अऊ सहरमन के किलाबंदी करई—ये जम्मो बात इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म लिखाय हवय।

40 अहाब अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओकर बेटा अहजयाह ओकर जगह म राजा होईस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

41 इसरायल के राजा अहाब के राज के चौथा साल म आसा के बेटा यहोसापात ह यहूदा के राजा बनिस।

42 जब यहोसापात ह राजा बनिस, त ओह पैंतीस साल के रिहिस, अऊ ओह पच्चीस साल तक यरूसलेम म
राज करिस। ओकर दाई के नांव अजूबा रिहिस, जऊन ह सिलही के बेटी रिहिस।
43 ओह हर काम म अपन ददा आसा के रसता म चलिस अऊ ओमन ले नइं हटिस; ओह ओही काम करिस,
जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस। तभो ले, ऊंचहा जगहमन हटाय नइं गीन, अऊ मनखेमन उहां
बलिदान चघाय अऊ धूप जलाय के काम करते रिहिन।
44 यहोसापात ह इसरायल के राजा संग सांति घलो बनाय रखिस।
45 यहोसापात के सासन के आने घटनामन, जऊन काम ओह करिस अऊ ओकर सैनिक छमता—ये जम्मो
बात यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म लिखाय हवय?
46 ओह मंदिर के ओ पुरूस बेस्यामन ला नास कर दीस, जऊन मन ओकर ददा आसा के सासन के बाद घलो
उहां बांच गे रिहिन।
47 तब एदोम म कोनो राजा नइं रिहिस; एक प्रदेस के राजपाल ह राज-काज चलात रिहिस।
48 यहोसापात ह ओपीर जाके सोन लाने बर एक बेपारी जहाजी-बेड़ा बनवाईस, पर ओ जहाजमन कभू नइं जा
सकिन—ओमन एसियोन-गेबेर म टूट गीन।
49 ओ बेरा अहाब के बेटा अहजयाह ह यहोसापात ले कहिस, “मोर नाविकमन ला तोर नाविकमन के संग
जहाज म जावन दे,” पर यहोसापात ह इनकार करिस।
50 तब यहोसापात ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओमन के संग, ओकर पुरखा दाऊद
के सहर म माटी दिये गीस। अऊ ओकर बेटा यहोराम ओकर जगह म राजा बनिस।

[illegible]

51 यहूदा के राजा यहोसापात के राज के सतरहवां बछर म, अहाब के बेटा अहजयाह, सामरिया म इसरायल
के राजा बनिस, अऊ ओह दू बछर तक इसरायल ऊपर राज करिस।
52 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, काबरकि ओह अपन दाई अऊ ददा के रसता म चलिस अऊ
नबात के बेटा यरोबाम के रसता म घलो चलिस, जऊन ह इसरायल ले पाप करवाय रिहिस।
53 जइसने ओकर ददा ह करे रिहिस, वइसने अहजयाह ह घलो बाल के सेवा अऊ अराधना करिस अऊ
यहोवा, इसरायल के परमेसर के गुस्सा ला भड़काईस।

राजामन
के दूसरा किताब

[illegible]

1 अहाब के मरे के बाद मोआब ह इसरायल के बिरूध बिदरोह कर दीस।
2 अहजयाह ह सामरिया नगर म अपन ऊपर के कमरा के एक जालीदार खिड़की ले खाल्हे गिर गीस अऊ
घायल हो गीस। तब ओह अपन दूतमन ला ये कहिके पठोईस, "तुमन जाके एकरोन के देवता बाल-जबूब ले ये
पता लगावव कि मोर ये चोट ह ठीक होही कि नइं?"
3 पर यहोवा के स्वरगदूत ह तिसबी एलियाह ले कहिस, "जा अऊ सामरिया के राजा के संदेसियामन ले भेंट
कर अऊ ओमन ले पुछ, 'का इसरायल म कोनो परमेसर नइं ए, जेकर कारन तुमन एकरोन के देवता बाल-जबूब
ले पुछे बर जावत हव?'
4 एकरसेति अब यहोवा ह ये कहत हे: 'जऊन पलंग म तेंह पड़े हस, उहां ले तेंह कभू नइं उठ सकस, पर
खचित तेंह मर जाबे।' " तब एलियाह ह चल दीस।
5 जब अहजयाह के संदेसियामन लहुंटके राजा करा आईन, त ओह ओमन ले पुछिस, "तुमन काबर लहुंटके
आ गेव?"
6 ओमन जबाब दीन, "एक मनखे ह हमर ले मिले बर आईस अऊ हमन ले कहिस, 'जऊन राजा ह तुमन ला
पठोय हवय, ओकर करा लहुंट जावव अऊ ओला कहव, "यहोवा ह ये कहत हे: का इसरायल म कोनो परमेसर
नइं ए, जेकर कारन तेंह एकरोन के देवता बाल-जबूब ले पुछे बर संदेसिया पठोय हस? ये खातिर जऊन पलंग म
तेंह पड़े हस, उहां ले कभू नइं उठ सकस। पर खचित तेंह मर जाबे!" ' "
7 राजा ह ओमन ले पुछिस, "जऊन मनखे ह तुम्हर ले मिले बर आय रिहिस, अऊ तुम्हर ले ये बात कहिस,
ओकर रंग-रूप कइसने रिहिस?"
8 ओमन जबाब दीन, "ओह तो रूआं के कपड़ा पहिरे रिहिस* अऊ अपन कनिहां म चमड़ा के पट्टा बांधे
रिहिस।"
त राजा ह कहिस, "ओह तिसबी एलियाह अय।"
9 तब ओह एलियाह करा पचास सैनिकमन के संग ओमन के कप्तान ला पठोईस। कप्तान ह एलियाह करा
गीस, जऊन ह एक पहाड़ी के चोटी म बईठे रिहिस, अऊ ओह एलियाह ला कहिस, "हे परमेसर के जन, राजा ह
कहे हवय, 'तें खाल्हे उतर आ!' "
10 एलियाह ह ओ कप्तान ला कहिस, "यदि मेंह परमेसर के जन अंव, त अकास ले आगी गिरय अऊ तोला
अऊ तोर पचास मनखेमन ला भसम कर देवय!" तब अकास ले आगी गिरिस अऊ कप्तान अऊ ओकर मनखेमन
ला भसम कर दीस।
11 फेर राजा ह एलियाह करा एक आने कप्तान ला ओकर पचास सैनिकमन के संग पठोईस। कप्तान ह
एलियाह ले कहिस, "हे परमेसर के जन, राजा ह ये कहे हवय, 'तुरते खाल्हे उतर आ!' "
12 एलियाह ह जबाब दीस, "यदि मेंह परमेसर के जन अंव, त अकास ले आगी गिरय अऊ तोला अऊ तोर
पचास मनखेमन ला भसम कर देवय!" तब परमेसर के आगी अकास ले गिरिस अऊ ओला अऊ ओकर पचास
मनखेमन ला भसम कर दीस।
13 फेर राजा ह एक तीसरा कप्तान अऊ संग म ओकर पचास सैनिकमन ला पठोईस। ये तीसरा कप्तान गीस
अऊ एलियाह के आघू म माड़ी टेकके बिनती करिस, "हे परमेसर के जन, मोर परान अऊ तोर ये पचास सेवकमन
के परान तोर नजर म अनमोल ठहिरय!
14 देख, पहिले के दू झन कप्तान अऊ ओमन के मनखेमन ऊपर अकास ले आगी गिरिस अऊ ओमन ला भसम
कर दीस। पर अब मोर परान ह तोर नजर म अनमोल ठहिरय!"
15 यहोवा के स्वरगदूत ह एलियाह ला कहिस, "ओकर संग खाल्हे जा, ओकर ले झन डर।" तब एलियाह ह
उठिस अऊ ओकर संग राजा करा गीस।

---

* **1:8** या *[illegible]*

16 ओह राजा ला कहिस, “यहोवा ह ये कहत हे: का पुछताछ करे बर इसरायल म तोर बर कोनो परमेसर नइं
अय कि तेंह पुछताछ करे बर एकरोन के देवता बाल-जबूब करा संदेसिया पठोय हस? काबरकि तेंह अइसने करे
हस, एकरसेति जऊन पलंग म तेंह पड़े हस, उहां ले तें कभू नइं उठ सकस। खचित तेंह मर जाबे!”
17 तब एलियाह के दुवारा कहे यहोवा के बचन के मुताबिक राजा अहजयाह ह मर गीस।
अहजयाह के कोनो बेटा नइं रिहिस, एकर कारन योराम† ह ओकर जगह म राजा बनिस। ओह यहूदा के राजा
यहोसापात के बेटा यहोराम के राज के दूसर बरस म राजा बनिस।
18 अहजयाह के राज के आने घटनामन, अऊ ओकर जम्मो काम इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब
म लिखे हवय?

2

[illegible]

1 जब यहोवा ह एलियाह ला बवंडर के दुवारा स्वरग म उठाके ले जानेवाला रिहिस, त एलियाह अऊ एलीसा
दूनों गिलगाल नगर ले निकलके जावत रिहिन।
2 एलियाह ह एलीसा ले कहिस, “इहां रूक; यहोवा ह मोला बेतेल जाय बर कहे हवय।”
पर एलीसा ह कहिस, “यहोवा के जिनगी अऊ तोर जिनगी के सपथ, मेंह तोर संग ला नइं छोड़ंव।” तब
ओमन बेतेल चल दीन।
3 बेतेल म अगमजानीमन के दल ह एलीसा करा आईस अऊ ओमन एलीसा ले पुछिन, “का तेंह जानत हस
कि आज यहोवा ह तोर मालिक ला तोर करा ले उठाके ले जानेवाला हे?”
एलीसा ह जबाब दीस, “हव, मेंह जानत हंव, तुमन चुप रहव।”
4 तब एलियाह ह ओला कहिस, “हे एलीसा, इहां रूक, काबरकि यहोवा ह मोला यरीहो सहर ला पठोत हवय।”
पर एलीसा ह कहिस, “यहोवा के जिनगी अऊ तोर जिनगी के सपथ, मेंह तोर संग ला नइं छोड़ंव।” तब
ओमन यरीहो चल दीन।
5 यरीहो म अगमजानीमन के दल ह एलीसा करा गीस अऊ ओकर ले पुछिस, “का तेंह जानत हस कि आज
यहोवा ह तोर मालिक ला तोर करा ले उठाके ले जानेवाला हे?”
ओह जबाब दीस, “हव, मेंह जानत हंव, तुमन चुप रहव।”
6 तब एलियाह ह ओला कहिस, “इहां रूक, यहोवा ह मोला यरदन नदी मेर पठोत हवय।”
एलीसा ह कहिस, “यहोवा के जिनगी अऊ तोर जिनगी के सपथ, मेंह तोर संग ला नइं छोड़ंव।” तब ओ दूनों
चल दीन।
7 अगमजानीमन के दल के पचास झन जाके ओमन ले थोरकन दूरिहा म ठाढ़ हो गीन, अऊ ओमन के चेहरा ह
ओ जगह कोति रहय, जिहां एलियाह अऊ एलीसा यरदन के तीर म रूके रिहिन।
8 एलियाह ह अपन चादर ला लीस अऊ ओला अइंठके पानी म पटकिस। तब पानी ह जेवनी अऊ डेरी कोति
दू भाग हो गीस, अऊ ओ दूनों झन सूखा भुइयां म ओ पार चल दीन।
9 जब ओमन ओ पार चल दीन, तब एलियाह ह एलीसा ला कहिस, “येकर पहिली कि मेंह तोर करा ले उठा
लिये जावंव, मोला बता कि मेंह तोर बर का करंव?”
एलीसा ह जबाब दीस, “तोर म जऊन आतमा हवय, ओकर दू गुना भाग मोला मिलय।”
10 एलियाह ह कहिस, “तेंह एक कठिन बात मांगे हस, तभो ले यदि तेंह मोला तोर करा ले उठाय जावत बेरा
मोला देख लेबे, त तोर ईच्छा ह पूरा हो जाही, यदि देख नइं पाबे, त तोर ईच्छा पूरा नइं होवय।”
11 जब ओमन एक संग गोठियावत जावत रिहिन, तब अचानक एक आगी के रथ अऊ आगी के घोड़ामन
परगट होईन अऊ ओ दूनों ला अलग-अलग कर दीन, अऊ एलियाह ह बवंडर म होके स्वरग ऊपर चल दीस।
12 एलीसा ह येला देखके जोर से पुकारके कहिस, “हे मोर ददा! हे मोर ददा! हे इसरायल के रथ अऊ
घुड़सवारमन!” अऊ एलीसा ह ओला फेर कभू नइं देखिस। तब ओह दुख म अपन कपड़ा ला धरिस अऊ चीरके
दू कुटा कर दीस।

† **1:17** इबरानी म *[illegible]*, जऊन ह *[illegible]* के एक आने नांव ए

13 एलीसा ह तब ओ चादर ला उठा लीस, जऊन ह एलियाह के देहें ले गिरे रिहिस, अऊ ओह वापिस जाके
यरदन के तीर म ठाढ़ हो गीस।
14 ओह एलियाह के देहें ले गिरे चादर ला लीस अऊ ओकर से पानी ला मारके पुछिस, "अब यहोवा,
एलियाह के परमेसर कहां हवय?" जब ओह पानी ला मारिस, त पानी ह जेवनी अऊ डेरी कोति दू भाग हो गीस
अऊ एलीसा ह नदी के ओ पार चल दीस।
15 यरीहो के अगमजानीमन के दल ह येला देखत रिहिस अऊ ओमन कहिन, "एलियाह म जऊन आतमा
रिहिस, ओहीच ह अब एलीसा म आ गे हवय।" अऊ ओमन ओकर ले मिले बर गीन अऊ ओकर आघू म भुइयां
म झुकके ओला दंडवत करिन।
16 तब ओमन ओला कहिन, "देख, हमर याने कि तोर सेवकमन करा पचास बलवान मनखे हवंय, ओमन ला
अनुमति दे कि ओमन जावंय अऊ तोर मालिक ला खोजंय। हो सकथे यहोवा के आतमा ह ओला उठाके कोनो
पहाड़ म या कोनो घाटी म छोंड़ देय होही।"
एलीसा ह जबाब दीस, "नइं, ओमन ला झन भेजव।"
17 पर जब ओमन ओला बार-बार कहितेच रिहिन, त ओह परेसान होके ओमन के बात ला मान लीस अऊ
कहिस, "ओमन ला पठो दव।" अऊ ओमन पचास मनखे ला पठो दीन, जेमन ओला तीन दिन तक खोजिन, पर
ओला नइं पाईन।
18 जब ओमन वापिस एलीसा करा आईन, जऊन ह यरीहो म ठहिरे रिहिस, त ओह ओमन ला कहिस, "का
मेंह तुमन ले नइं कहे रहंय कि झन जावव?"

[illegible]

19 एक दिन नगर के मनखेमन एलीसा ला कहिन, "हे मालिक, देख, ये नगर ह बढ़िया बसे हवय, जइसे कि तेंह
देखत हस, पर इहां के पानी ह खराप हवय अऊ भुइयां म फसल नइं होवय।"
20 एलीसा ह कहिस, "एक ठन नवां कटोरा म नून डालके मोर करा लानव।" त ओमन कटोरा म नून डालके
ओकर करा ले आईन।
21 तब ओह बाहिर पानी के झरना मेर गीस अऊ ओमा नून ला डालके कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे: 'मेंह ये
पानी ला ठीक कर दे हवंव। अब ले फेर कभू येकर कारन मिरतू नइं होही अऊ भुइयां म फसल होही।' "
22 अऊ एलीसा के कहे ये बचन के मुताबिक पानी ह आज तक सुध हवय।

[illegible]

23 उहां ले एलीसा ह बेतेल म गीस। जब ओह डहार म रेंगत रिहिस, त नगर के कुछू लड़कामन आईन अऊ ये
कहिके ओकर हंसी उड़ाय लगिन, "ए चंदवा मनखे, इहां ले निकल जा, ए चंदवा मनखे, इहां ले निकल जा!"
24 ओह पाछू कोति मुड़के ओमन ला देखिस अऊ यहोवा के नांव ले ओमन ला सराप दीस। तब जंगल म ले दू
ठन भालू निकलके आईन अऊ बियालीस झन लड़का ला फार डारिन।
25 अऊ उहां ले एलीसा ह करमेल पहाड़ करा गीस अऊ फेर सामरिया लहुंट आईस।

3

[illegible]

1 सामरिया म अहाब के बेटा योराम* ह इसरायल के राजा बनिस; ओह यहूदा के राजा यहोसापात के राज के
अठारहवां साल म राजा बनिस, अऊ बारह साल तक राज करिस।
2 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, पर ओह ओतेक दुस्ट काम नइं करिस, जतेक ओकर दाई अऊ ददा
करे रिहिन। ओह अपन ददा के बनाय बाल देवता के पथरा ला हटा दीस।
3 तभो ले ओह नबात के बेटा यरोबाम के ओ पापमन म लगे रिहिस, जेला यरोबाम ह इसरायल ले करवाय
रिहिस; ओह ओ पापमन ला नइं छोंड़िस।
4 मोआब देस के राजा मेसा ह बहुंत अकन भेड़ पाले रिहिस, अऊ ओला इसरायल के राजा ला एक लाख
मेढ़ा-पीला अऊ एक लाख मेढ़ामन के ऊन राजकर के रूप म देय पड़त रिहिस।
5 पर अहाब के मरे के बाद, मोआब के राजा ह इसरायल के राजा ले बिदरोह करिस।

---

* **3:1** इबरानी म [illegible]

6 एकरसेति ओ बेरा राजा योराम ह सामरिया ले निकलके जम्मो इसरायल ला लड़ई बर इकट्ठा करिस।
7 ओह यहूदा के राजा यहोसापात करा ये संदेस घलो पठोईस: "मोआब के राजा ह मोर बिरोध म बिदरोह करे
हवय। का तेंह मोर संग मोआब के बिरोध म लड़े बर जाबे?"
यहोसापात ह जबाब दीस, "हव, मेंह तोर संग जाहूं, जइसने तेंह, वइसने महूं घलो अंव; मोर मनखेमन तोर
मनखेमन सहीं अंय, अऊ मोर घोड़ामन तोर घोड़ा अंय।"
8 तब ओह पुछिस, "हमन कते डहार ले हमला करबो?"
योराम ह जबाब दीस, "एदोम के बंजर भुइयां कोति ले।"
9 तब इसरायल के राजा, यहूदा के राजा अऊ एदोम के राजा मिलके चलिन। अऊ जब ओमन सात दिन तक
घुमके चल चुकिन, तब सेना अऊ ओमन के संग रेंगत पसुमन बर पानी नइं मिलिस।
10 तब इसरायल के राजा ह कहिस, "हाय! का यहोवा ह हमन तीनों राजा ला मोआब के हांथ म सऊंप देय
बर एक संग बलाय हवय।"
11 पर यहोसापात ह पुछिस, "का इहां यहोवा के कोनो अगमजानी नइं ए, जेकर दुवारा हमन यहोवा के ईछा
ला जान सकन?"
इसरायल के राजा के एक अधिकारी ह जबाब दीस, "सापात के बेटा एलीसा ह इहां हवय, जऊन ह एलियाह
के हांथ धोवाय के काम करत रिहिस।†"
12 यहोसापात ह कहिस, "ओकर करा यहोवा के बचन ह पहुंचथे।" तब इसरायल के राजा अऊ यहोसापात
अऊ एदोम के राजा ओकर करा गीन।
13 एलीसा ह इसरायल के राजा ला कहिस, "मोला तोर ले कोनो लेना-देना नइं ए। अपन ददा के अगमजानी
अऊ अपन दाई के अगमजानीमन करा जा।"
इसरायल के राजा ह ओला जबाब दीस, "नइं, काबरकि यहोवा ह हमन तीनों राजामन ला मोआब के हांथ म
कर देय बर एक संग बलाय हवय।"
14 एलीसा ह कहिस, "ओ सर्वसक्तिमान यहोवा के जिनगी के सपथ, जेकर मेंह सेवा करथंव, यदि यहूदा के
राजा यहोसापात बर मोर मन म आदर नइं होतिस, त मेंह तुम्हर कोति कोनो धियान नइं देय रहितेंव।
15 पर अब कोनो बीना बजइया ला मोर करा लानव।"
जब बीना बजइया ह बीना ला बजात रिहिस, त यहोवा के सामर्थ एलीसा के ऊपर उतरिस
16 अऊ ओह कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे: मेंह ये घाटी ला पानी के सोता ले भर दूहूं।
17 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे: तुमन न तो हवा ला देखहू अऊ न ही बारिस, तभो ले ये घाटी ह पानी ले
भर जाही, अऊ तुमन अऊ तुम्हर गाय-बईला अऊ तुम्हर आने पसुमन ला पीये बर पानी मिलही।
18 येह यहोवा के नजर म एक छोटकन बात अय; ओह मोआब ला घलो तुम्हर हांथ म कर दीही।
19 तुमन हर गढ़वाले सहर अऊ हर एक बड़े नगर ला नास कर दूहू। तुमन हर एक बने रूख ला काट डारहू,
पानी के जम्मो सोतामन ला बंद कर दूहू, अऊ जम्मो बने खेतमन ला पथरा पाटके नास कर दूहू।"
20 ओकर दूसर दिन बिहनियां, बलिदान चघाय के बेरा म, अइसने होईस—एदोम के दिग ले पानी बहे लगिस!
अऊ देस ह पानी ले भर गीस।
21 जम्मो मोआबीमन सुने रिहिन कि राजामन हमर ले लड़े बर आय हवंय, एकरसेति हर एक मनखे, जवान
अऊ डोकरा, जेमन हथियार उठा सकत रिहिन, ओ जम्मो ला बलाके सीमना म तैनात कर दिये गीस।
22 जब ओमन बड़े बिहनियां सुतके उठिन, त देखिन कि सूरज ह पानी के ऊपर चमकत रहय। मोआबीमन ला
रसता के एक तरफ ले लेके दूसर तरफ तक पानी ह लहू के सहीं लाल दिखिस।
23 त ओमन आपस म कहे लगिन, "ओह तो लहू अय! जरूर ओ राजामन आपस म लड़के एक-दूसर ला मार
डारे हवंय। एकरसेति हे मोआबीमन, सामान ला लूटे बर आवव।"
24 पर जब ओमन इसरायल के छावनी करा आईन, त इसरायलीमन उठिन अऊ मोआबीमन ले लड़के ओमन
ला भगा दीन। अऊ इसरायलीमन ओ देस ऊपर हमला करके मोआबीमन ला मारते चले गीन।
25 ओमन नगरमन ला नास कर दीन, अऊ जम्मो बने-बने खेत म हर एक मनखे पथरा फेंकत गीन अऊ ओ
खेतमन ला पथरा ले पाट दीन। ओमन पानी के जम्मो सोतामन ला बंद कर दीन अऊ हर एक बने रूख ला काट

† **3:11** ओह एलियाह के निजी सेवक रिहिस

डारिन। सिरिप कीर-हरेसेत सहर के जगह ह पथरामन के संग बांचिस, पर जऊन मनखेमन गोफन चलात रिहिन, ओमन ओला चारों कोति ले घेर लीन अऊ ओकर ऊपर हमला कर दीन।

26 जब मोआब के राजा ह देखिस कि ओह लड़ई हारत हवय, त ओह सात सौ तलवारधारी मनखेमन ला लेके एदोम के राजा कोति हमला करिस, पर ओमन सफल नइं होईन।

27 तब ओह अपन पहिलांत बेटा ला लीस, जऊन ह कि ओकर जगह म राजा होनेवाला रिहिस, अऊ ओला सहर के दीवार म एक बलिदान के रूप म चघाईस। ये खातिर इसरायल के बिरूध बहुंत कोरोध भड़किस; अऊ ओमन पाछू हटके अपन देस वापिस चल दीन।

4

[illegible]

1 अगमजानीमन के दल के एक मनखे के घरवाली ह एलीसा करा गोहारिस, "तोर दास मोर घरवाला ह मर गे हवय, अऊ तेंह जानथस कि ओह यहोवा के आदर करय। पर अब ओकर साहूकार ह मोर दू झन बेटा ला अपन गुलाम बनाके ले जाय बर आवत हे।"

2 एलीसा ह ओकर ले पुछिस, "मेंह तोर बर का करंव? मोला बता, तोर घर म का हवय?"

ओह कहिस, "तोर दासी के घर म जैतून तेल के एक छोटे बरतन के अलावा अऊ कुछू नइं ए।"

3 एलीसा ह कहिस, "तें आसपास म जा अऊ अपन जम्मो पड़ोसीमन ले खाली बरतन मांगके ले आ, अऊ धियान रहे कि थोरकन बरतन झन लानबे।

4 तब अपन बेटामन ला लेके घर के भीतर जा अऊ कपाट ला बंद करके जम्मो बरतन म तेल ला ढार, अऊ जब हर बरतन ह भर जाही, त ओला एक तरफ रखत जाबे।"

5 तब ओ माईलोगन ह ओकर करा ले चले गीस, अऊ अपन बेटामन ला संग म लेके अपन घर के भीतर गीस अऊ कपाट ला बंद कर लीस। ओकर बेटामन ओकर करा बरतनमन ला लावत गीन अऊ ओह बरतनमन म तेल ढारत गीस।

6 जब जम्मो बरतनमन भर गीन, त ओह अपन बेटा ला कहिस, "मोर करा एक अऊ बरतन ले आ।"

पर ओकर बेटा ह कहिस, "अऊ कोनो बरतन नइं ए।" तब तेल के धार ह बंद हो गीस।

7 तब ओ माईलोगन ह जाके परमेसर के जन ला ये बात बताईस, त परमेसर के जन ह कहिस, "जा अऊ तेल ला बेचके अपन करजा के चुकता कर। अऊ जऊन ह बच जाही, ओमा तें अऊ तोर बेटामन गुजारा कर सकत हव।"

[illegible]

8 एक दिन एलीसा ह सुनेम नांव के सहर म गीस। उहां एक धनी माईलोगन रिहिस, जऊन ह बिनती करके एलीसा ला जेवन करे बर बलाईस। एकर बाद जब भी ओह ओती आवय, त ओह उहां जेवन करे बर रूकय।

9 ओ माईलोगन ह अपन घरवाला ले कहिस, "सुन, मेंह जानत हंव कि ये मनखे, जऊन ह अकसर हमर एती आथे, ओह परमेसर के एक पबितर जन अय।

10 आ हमन ओकर बर छत म एक छोटे कमरा बना दन, अऊ उहां ओकर बर एक ठन पलंग अऊ एक ठन मेज, एक ठन कुरसी अऊ एक ठन दीया रख देवन। तब जब भी ओह हमर इहां आही, त ओह उहां रूक सकथे।"

11 एक दिन जब एलीसा ह आईस, त ओह ऊपर अपन कमरा म गीस अऊ उहां लेट गीस।

12 ओह अपन सेवक गेहजी ला कहिस, "ओ सुनेमिन ला बला।" त गेहजी ह ओला बलाईस, अऊ सुनेमिन ह आके ओकर आघू म ठाढ़ हो गीस।

13 तब एलीसा ह गेहजी ले कहिस, "ओला कह, 'तेंह हमर बर ये जम्मो तकलीफ उठाय हस। त तोर बर का करे जावय? का हमन तोर कोनो बात के चरचा राजा या सेनापति ले करन?' "

ओ माईलोगन ह जबाब दीस, "मोर अपन मनखेमन के बीच एक घर हवय।"

14 एलीसा ह गेहजी ले पुछिस, "त येकर बर का करे जा सकत हे?"

गेहजी ह जबाब दीस, "ओकर कोनो बेटा नइं ए, अऊ ओकर घरवाला ह डोकरा हो गे हवय।"

15 तब एलीसा ह कहिस, "ओला बला।" त गेहजी ह ओला बलाईस, अऊ सुनेमिन ह आके दुवार म ठाढ़ हो गीस।

16 तब एलीसा ह कहिस, "अगले साल लगभग इही समय म तोर कोरा म एक बेटा होही।"

ओ माईलोगन ह कहिस, “नइं, हे मोर मालिक! हे परमेसर के जन, अपन दासी ले लबारी बात झन कह!”
17 पर ओ माईलोगन ह गरभवती होईस, अऊ अगले साल लगभग ओहीच समय म ओह एक बेटा ला जनम
दीस, जइसे कि एलीसा ह ओला कहे रिहिस।
18 लइका ह बड़े होवत गीस, अऊ एक दिन ओह बाहिर अपन ददा करा गीस, जऊन ह फसल लुवइयामन के
संग रिहिस।
19 अचानक ओह अपन ददा ला कहिस, “आह! मोर मुड़! मोर मुड़!”
ओकर ददा ह अपन एक सेवक ला कहिस, “येला येकर दाई करा ले जा।”
20 ओ सेवक ह ओला उठाके ओकर दाई करा ले गीस; ओ लइका ह मंझन तक अपन दाई के कोरा म बईठे
रिहिस, अऊ तब ओह मर गीस।
21 ओ माईलोगन ह लइका ला ऊपर ले जाके परमेसर के जन के दसना म लेटा दीस, अऊ कपाट ला बंद
करके उहां ले चल दीस।
22 तब ओह अपन घरवाला करा ये संदेस भिजवाईस, “मोर करा एक सेवक अऊ एक गदही पठो दे ताकि मेंह
तुरते परमेसर के जन करा जाके वापिस आ सकंव।”
23 ओकर घरवाला ह पुछिस, “आज तेंह ओकर इहां काबर जाबे? आज न तो नवां चंदा, अऊ न ही बिसराम
दिन अय।”
ओह कहिस, “कोनो बात नइं ए।”
24 गदही म काठी बंधवाके ओह अपन सेवक ला कहिस, “गदही ला हांकत चल; अऊ जब तक मेंह तोला नइं
कहंव, तब तक धीरे झन चलबे।”
25 ओ माईलोगन ह आघू बढ़त करमेल पहाड़ म परमेसर के जन करा आईस।
जब परमेसर के जन ह ओला दूरिहा ले देखिस, त ओह अपन सेवक गेहजी ला कहिस, “देख! ओती ओ
सुनेमिन माईलोगन!
26 ओकर ले मिले बर दऊड़के जा अऊ ओकर ले पुछ, ‘सब बने तो हवय? तोर घरवाला घलो बने तो हवय?
अऊ का तोर लइका ह बने तो हवय?’ ”
ओ माईलोगन ह कहिस, “हव, सब बने हवय।”
27 जब ओह पहाड़ म परमेसर के जन करा गीस, त ओह ओकर गोड़ ला धर लीस। तब गेहजी ह आके ओला
अलग हटाय लगिस, पर परमेसर के जन ह कहिस, “ओला छोंड़ दे! ओकर मन बहुंत बियाकुल हवय, पर यहोवा
ह ये बात मोर ले छुपाके रखे हवय, अऊ मोला नइं बताय हवय, कोन जाने काबर?”
28 तब ओ माईलोगन ह कहन लगिस, “हे मोर मालिक, का मेंह तोर ले एक बेटा मांगे रहंय? का मेंह नइं कहे
रहंय कि मोर ले लबारी बात झन कह?”
29 एलीसा ह गेहजी ले कहिस, “अपन कनिहां ला कस ले, अऊ मोर लउठी ला अपन हांथ म लेके दऊड़के
जा। डहार म कोनो तोला मिलय, त ओकर हालचाल झन पुछबे, अऊ यदि कोनो तोर हालचाल पुछय, त
ओकर जबाब झन देबे। अऊ जाके मोर ये लउठी ला ओ लइका के चेहरा म रख देबे।”
30 पर लइका के दाई ह कहिस, “यहोवा के अऊ तोर जिनगी के सपथ, मेंह तोला नइं छोड़ंव।” एकरसेति
एलीसा ह उठिस अऊ ओकर पाछू-पाछू गीस।
31 गेहजी ह पहिले हबरके लउठी ला ओ लइका के चेहरा म रखिस, पर कोनो अवाज नइं आईस, अऊ न ही
ओमा कोनो हरकत होईस। तब गेहजी ह वापिस आके एलीसा ला कहिस, “लइका ह नइं जागिस।”
32 जब एलीसा ह घर म आईस, त देखिस कि लइका ह ओकर दसना म मरे पड़े हवय।
33 तब ओह भीतर गीस अऊ कपाट ला बंद कर दीस, अऊ भीतर म ओ अऊ मरे पड़े लइका रिहिन। एलीसा ह
यहोवा ले पराथना करिस।
34 तब ओह दसना म चढ़के लइका के ऊपर लेट गीस; अपन मुहूं ला लइका के मुहूं ऊपर, अपन आंखी ला
लइका के आंखी ऊपर अऊ अपन हांथमन ला लइका के हांथमन ऊपर रखिस। जब ओह ओ लइका ऊपर पसर
गीस, त लइका के देहें ह गरम होय लगिस।
35 तब ओह उठके कमरा म एती ले ओती टहले लगिस अऊ तब दसना म जाके एक बार फेर लइका के ऊपर
पसर गीस। तब लइका ह सात बार छिंकिस अऊ अपन आंखी ला खोलिस।

36 एलीसा ह गेहजी ला बलाके कहिस, “सुनेमिन ला बला।” अऊ ओह बलाके लानिस। जब सुनेमिन ह
आईस, त ओह कहिस, “अपन बेटा ला ले जा।”
37 ओह भीतर आके एलीसा के गोड़ खाल्हे गिरिस अऊ झुकके दंडवत करिस। तब ओह अपन बेटा ला लेके
बाहिर चल दीस।

[illegible]

38 तब एलीसा ह गिलगाल ला लहुंट गीस। ओ बेरा ओ इलाका म अकाल पड़े रिहिस। जब अगमजानीमन के
दल ह ओकर संग बईठे रिहिस, त ओह अपन सेवक ले कहिस, “एक ठन बड़े बरतन म ये अगमजानीमन बर कुछू
रांध।”
39 ओमा ले एक झन ह साग-भाजी टोरे बर बाहिर मैदान म गीस अऊ ओह उहां एक ठन जंगली नार म ले
ओकर लौकी ला टोरिस अऊ अपन पूरा कपड़ा भरके गंठियाईस अऊ ओला ले आईस। वापिस आके ओह ओ
फरमन ला काटके रांधे बर बरतन म डाल दीस अऊ कोनो नइं जानत रिहिन कि ओमन का फर अंय।
40 जेवन पके के बाद, ओला मनखेमन ला परोसे गीस। पर जब ओमन खाय लगिन, ओमन चिचियाके कहे
लगिन, “हे परमेसर के जन, बरतन म मिरतू हवय!” अऊ ओमन ओला खाय नइं सकिन।
41 एलीसा ह कहिस, “थोरकन पीसान ले आवव।” तब ओह पीसान ला बरतन म डालके कहिस, “अब येला
खाय बर मनखेमन ला परोस दव।” तब ओ बरतन म नुकसान करे के कोनो चीज नइं रिहिस।

[illegible]

42 बाल-सालीसा सहर ले, एक मनखे ह आके परमेसर के जन ला पके अनाज के पहिली-फसल ले बने जौ के
बीस ठन रोटी, अऊ नवां अनाज के कुछू बालमन ला दीस। त एलीसा ह कहिस, “खाय बर येला मनखेमन ला दे
दव।”
43 ओकर सेवक ह पुछिस, “येला मेंह सौ मनखेमन ला कइसे परोसंव?”
पर एलीसा ह जबाब दीस, “येला खाय बर मनखेमन ला देय दे। काबरकि यहोवा ह ये कहत हे: ‘ओमन के
खाय के बाद कुछू बांच घलो जाही।’ ”
44 तब ओह ओमन के आघू म परोस दीस, अऊ ओमन खाईन अऊ यहोवा के बचन के मुताबिक ओमन के
खाय के बाद कुछू बांच घलो गीस।

5

[illegible]

1 अराम के राजा के सेना के नामान नांव के सेनापति रिहिस। ओह अपन मालिक के नजर म एक बड़े अऊ
आदर के योग्य मनखे रिहिस, काबरकि ओकर जरिये यहोवा ह अराम ला लड़ई म जीताय रिहिस। ओह एक बीर
सैनिक रिहिस, पर ओह कोढ़ के रोगी रिहिस।*
2 एक बार, अराम के हमला करइया मनखेमन के दल ह जाके इसरायल देस के एक छोटे लड़की ला बंदी
बनाके ले आय रिहिस, अऊ ओह नामान के घरवाली के सेवा करत रिहिस।
3 ओ लड़की ह अपन मालकिन ले कहिस, “यदि मोर मालिक ह सामरिया के अगमजानी करा जातिस, त बने
होतिस! काबरकि ओह ओला कोढ़ ले चंगा कर दीही।”
4 त नामान ह अपन मालिक, राजा करा जाके ओ बात ला बताईस, जेला ओ इसरायली लड़की ह कहे रिहिस,
5 अराम के राजा ह कहिस, “तेंह जरूर जा; मेंह इसरायल के राजा करा एक ठन चिट्ठी लिख दूहूं।” तब नामान
ह अपन संग दस टेलेन्ट† चांदी, छै हजार सेकेल‡ सोन अऊ दस जोड़ी कपड़ा लेके निकलिस।
6 ओह इसरायल के राजा बर जऊन चिट्ठी लेके गीस, ओमा ये लिखाय रिहिस: “ये चिट्ठी के संग मेंह अपन
सेवक नामान ला तोर करा भेजत हंव, ताकि तेंह ओला कोढ़ के बेमारी ले बने कर दे।”
7 जब इसरायल के राजा ह चिट्ठी ला पढ़िस, त ओह अपन कपड़ा ला चीरके कहिस, “का मेंह परमेसर अंव?
का मेंह मार सकत हंव या कोनो ला जीया सकत हंव? ये मनखे ह मोर करा एक मनखे ला ओकर कोढ़ ले बने करे
बर काबर पठोय हवय? देखव, कइसे ओह मोर ले झगड़ा करे के बहाना खोजत हे!”

---

* **5:1** इबरानी म चमड़ी के आने रोग ला घलो [illegible] कहे गे हवय; देखव पद 3, 6, 7, 11 अऊ 27 म घलो † **5:5** लगभग 340 किलोग्राम
‡ **5:5** लगभग 69 किलोग्राम

8 जब परमेसर के जन एलीसा ह ये बात ला सुनिस कि इसरायल के राजा ह अपन कपड़ा ला चीरे हवय, त
ओह ओकर करा ये संदेस पठोईस, "तेंह काबर अपन कपड़ा ला फारे हस? ओ मनखे ह मोर करा आवय, तब
ओला पता चलही कि इसरायल म एक अगमजानी हवय।"
9 तब नामान ह घोड़ा अऊ रथमन संग जाके एलीसा के दुवार म ठाढ़ हो गीस।
10 एलीसा ह एक संदेसिया ला ओकर करा ये कहे बर पठोईस, "तेंह जा अऊ यरदन नदी म सात बार डुबकी
मार, तब तोर देहें ह पहिले के सहीं हो जाही अऊ तेंह सुध हो जाबे।"
11 पर नामान ह गुस्सा होके उहां ले चल दीस अऊ कहिस, "मेंह तो सोचत रहेंव कि ओह जरूर बाहिर मोर
करा निकलके आही अऊ ठाढ़ होही अऊ यहोवा अपन परमेसर के नांव लेके कोढ़ के जगह म अपन हांथ फेरही
अऊ मोर कोढ़ ला दूर कर दीही!
12 का दमिस्क सहर के अबाना अऊ परपर नदी के पानी ह इसरायल के जम्मो जगह के पानी ले जादा बने नो
हय? का मेंह ओमा डुबकी लगाके सुध नइं हो सकंव?" ओह गुस्सा होके मुड़िस अऊ उहां ले चल दीस।
13 तब नामान के सेवकमन ओकर करा गीन अऊ कहिन, "हे हमर ददा, यदि अगमजानी ह तोला कोनो भारी
काम करे बर कहे होतिस, त का तेंह ओला नइं करते? येला तो जरूर करना चाही, जब ओह तोला कहत हवय,
'जाके डुबकी लगा अऊ सुध हो जा!' "
14 तब नामान ह गीस अऊ यरदन नदी म सात बार डुबकी लगाईस, जइसे कि परमेसर के जन ह ओला कहे
रिहिस, ओकर देहें ह पहिले के सहीं हो गीस अऊ ओह छोटे लइका के सहीं सुध हो गीस।
15 तब नामान अऊ ओकर जम्मो सेवकमन परमेसर के जन करा वापिस गीन, अऊ नामान ह ओकर आघू म
ठाढ़ होके कहिस, "अब मेंह जान गे हवंव कि जम्मो संसार म इसरायल के परमेसर के छोंड़ अऊ कोनो परमेसर
नइं ए। एकरसेति अब तोर दास के भेंट ला गरहन कर।"
16 एलीसा ह कहिस, "यहोवा के जिनगी के सपथ, जेकर सेवा मेंह करथंव, मेंह कोनो चीज नइं लेवंव।" अऊ
नामान के बहुंत बिनती करे के बाद घलो ओह भेंट ला गरहन नइं करिस।
17 तब नामान ह कहिस, "यदि तेंह भेंट ला गरहन नइं करस, त फेर तोर सेवक ला इहां के अतेक माटी लेके
जावन दे, जतेक कि दू ठन खच्चर उठाके ले जा सकंय, काबरकि येकर बाद तोर सेवक ह यहोवा ला छोंड़ फेर
कभू कोनो आने देवता ला होम-बलिदान अऊ आने बलिदान नइं चघाही।
18 पर यहोवा ह तोर सेवक ला ये एक बात बर माफ करय: जब मोर मालिक ह रिम्मोन के मंदिर म दंडवत करे
बर जाथे अऊ ओह मोर हांथ के सहारा लेथे अऊ मोला घलो उहां दंडवत करे बर पड़थे—जब मेंह रिम्मोन के
मंदिर म दंडवत करथंव, त यहोवा ह तोर सेवक ला येकर बर माफ करय।"
19 एलीसा ह कहिस, "सांति से जा।"
नामान ह थोरकन दूरिहा गे रिहिस,
20 कि परमेसर के जन एलीसा के सेवक गेहजी ह अपन मन म बिचार करिस, "मोर मालिक ह ओ अरामी
नामान ला अइसनेच छोंड़ दीस अऊ ओकर लाय गे भेंट ला स्वीकार नइं करिस। यहोवा के जिनगी के सपथ,
मेंह पाछू दऊड़के ओकर करा जाहूं अऊ ओकर ले कुछू न कुछू ले लूहूं।"
21 तब गेहजी ह नामान के पाछू दऊड़िस। जब नामान ह कोनो ला दऊड़त अपन कोति आवत देखिस, त ओह
ओकर ले मिले बर रथ ले खाल्हे उतरिस अऊ पुछिस, "सब ठीक-ठाक तो हवय?"
22 गेहजी ह जबाब दीस, "हव, सब ठीक-ठाक हवय, पर मोर मालिक ह मोला ये कहे बर पठोय हवय, 'एफ्रैम
के पहाड़ी इलाका ले अगमजानीमन के दल के दू जवान अभीच मोर करा आय हवंय। किरपा करके ओमन बर एक
टेलेन्ट§ चांदी अऊ दू जोड़ी कपड़ा देय दे।' "
23 नामान ह कहिस, "खुसी से दू टेलेन्ट लेय ले।" ओह ओला लेय बर गेहजी ले जिद्द करिस, अऊ तब दू ठन
झोला म दू टेलेन्ट चांदी के संग दू जोड़ी कपड़ा बांध दीस। ओह ये दूनों झोला अपन दू झन सेवकमन ला दीस,
अऊ ओमन येला उठाके गेहजी के आघू-आघू ले चलिन।
24 जब गेहजी ह पहाड़ी करा हबरिस, त ओह ओ सामान ला सेवकमन ले लेके घर म रख दीस। तब ओह ओ
मनखेमन ला बिदा करिस, अऊ ओमन चल दीन।

§ **5:22** लगभग 34 किलोग्राम

25 जब गेहजी ह भीतर जाके अपन मालिक के आघू म ठाढ़ होईस, त एलीसा ह ओकर ले पुछिस, “हे गेहजी,
तेंह कहां गे रहय?”
ओह जबाब दीस, “तोर सेवक ह कहीं नइं गे रिहिस।”
26 पर एलीसा ह ओला कहिस, “जब ओ मनखे ह तोर से मिले बर अपन रथ ले खाल्हे उतरिस, त का मोर
आतमा ह तोर संग नइं रिहिस? का येह पईसा या कपड़ा या जैतून अऊ अंगूर के बारी, या गाय-बईला अऊ
भेड़-बकरी, या नर गुलाम अऊ नारी गुलाम लेय के समय ए?
27 येकर कारन नामान के कोढ़ ह तोर अऊ तोर संतानमन म सदाकाल बर लगे रहिही।” तब गेहजी ह एलीसा
करा ले चल दीस अऊ ओकर चमड़ी म कोढ़ हो गीस—येह बरफ के सहीं सफेद हो गे रिहिस।

6

[illegible]

1 एक दिन अगमजानीमन के दल ह एलीसा ला कहिस, “देख, जऊन जगह म हमन तोर संग मिलथन, ओह
हमर बर बहुंत छोटे पड़त हे।
2 एकरसेति आवव, हमन यरदन तक जावन, अऊ उहां हमर म ले हर एक जन बल्ली लेवय अऊ उहां हमन
अपन बर एक जगह तियार करन।”
एलीसा ह कहिस, “ठीक हे, जावव।”
3 तब ओमा के एक झन ह कहिस, “किरपा करके तेंह घलो अपन सेवकमन के संग चल।”
एलीसा ह जबाब दीस, “ठीक हे, मेंह घलो तुम्हर संग चलहूं।”
4 अऊ ओह ओमन के संग गीस।
अऊ ओमन यरदन के तीर म गीन अऊ रूखमन ला काटे के सुरू करिन।
5 जब ओमन लकड़ी काटत रिहिन, त ओमा के एक झन के टंगिया ह बेंट ले निकलके पानी म गिर गीस। त
ओह चिचियाके कहिस, “ओहो! नइं, हे मोर परभू, टंगिया ला मेंह मांगके लाने रहंय!”
6 परमेसर के जन ह पुछिस, “ओह कहां गिरिस?” जब ओह ओ जगह ला देखाईस, त एलीसा ह एक ठन छड़ी
ला काटिस अऊ उहां फेंक दीस, अऊ ओ टंगिया ह पानी म तउरे लगिस।
7 एलीसा ह कहिस, “ओला उठा ले।” तब ओ मनखे ह हांथ बढ़ाके ओला ले लीस।

[illegible]

8 ओ बेरा, अराम के राजा ह इसरायल ले लड़ई करत रिहिस। अपन अधिकारीमन ले सलाह करे के बाद ओह
कहिस, “मेंह फलाना-फलाना जगह म अपन डेरा डालहूं।”
9 तब परमेसर के जन एलीसा ह इसरायल के राजा करा ये खबर पठोईस, “सावधानी बरतव अऊ ओ फलाना
जगह ले होके झन जावव, काबरकि अरामी सेना ह उहां जावत हवय।”
10 तब इसरायल के राजा ह ओ जगह के बारे म पता लगवाईस, जेकर बारे म परमेसर के जन ह बताय
रिहिस। एलीसा ह राजा ला फेर कतको बार चेताईस, एकरसेति ओ जगहमन म राजा ह अपन बचाव म
सावधानी बरतिस।
11 ये खातिर अराम के राजा ह गुस्सा होईस। ओह अपन अधिकारीमन ला बलाके ओमन ले पुछिस, “मोला
बतावव! हमन म ले कोन ह इसरायल के राजा कोति हवय?”
12 ओकर एक अधिकारी ह कहिस, “हे मोर मालिक राजा! हमन म ले कोनो नइं ए, पर इसरायल म जऊन
अगमजानी हवय—एलीसा, ओह इसरायल के राजा ला ओ जम्मो गोठ बता देथे, जेला तेंह अपन सुते के कमरा
म कहिथस।”
13 राजा ह हुकूम दीस, “जावव अऊ पता लगावव कि ओह कहां हवय, ताकि मेंह मनखेमन ला पठोके ओला
पकड़ सकंव।” ओला ये समाचार मिलिस: “ओह दोतान नगर म हवय।”
14 तब ओह उहां घोड़ा अऊ रथमन के संग एक भारी सैनिक दल भेजिस। ओमन रथिया उहां गीन अऊ सहर
ला घेर लीन।
15 बिहनियां जब परमेसर के जन के सेवक ह उठिस अऊ बाहिर निकलके देखिस, त सहर ह घोड़ा अऊ रथमन
के संग एक सेना ले घिर गे रहय। तब सेवक ह पुछिस, “ओहो! नइं, हे मोर मालिक! अब हमन का करन?”

16 अगमजानी ह जबाब दीस, “झन डर, काबरकि जऊन मन हमर तरफ हवंय, ओमन संखिया म ओ
बिरोधीमन ले जादा हवंय।”
17 अऊ एलीसा ह ये पराथना करिस, “हे यहोवा, येकर आंखी ला खोल दे कि येह देख सकय।” तब यहोवा ह
सेवक के आंखी ला खोल दीस, अऊ जब ओह नजर उठाके देखिस, त एलीसा के चारों कोति पहाड़ी ह आगी के
घोड़ा अऊ रथमन ले भर गे रहय।
18 जब अरामीमन ओकर कोति आईन, तब एलीसा ह यहोवा ले पराथना करिस, “ये सेना ला अंधरा कर दे।”
अऊ एलीसा के बिनती के मुताबिक यहोवा ह ओमन ला अंधरा कर दीस।
19 एलीसा ह ओमन ले कहिस, “येह ओ डहार नो हय, अऊ न ही येह ओ सहर अय। मोर पाछू आवव, अऊ
मेंह तुमन ला ओ मनखे करा ले जाहूं, जेला तुमन खोजत हवव।” अऊ ओह ओमन ला सामरिया ले गीस।
20 जब ओमन सामरिया सहर के भीतर गीन, त एलीसा ह पराथना करिस, “हे यहोवा, ये मनखेमन के आंखी
ला खोल दे कि येमन देख सकंय।” तब यहोवा ह ओमन के आंखी ला खोल दीस, अऊ ओमन देखिन कि ओमन
सामरिया सहर के भीतर हवंय।
21 जब ओमन ला इसरायल के राजा ह देखिस, त ओह एलीसा ले पुछिस, “हे मोर ददा, का मेंह येमन ला मार
डारंव? का मेंह येमन ला मार डारंव?”
22 ओह जबाब दीस, “नइं, ओमन ला झन मार। का तेंह ओमन ला मार डारबे, जेमन ला तेंह अपन तलवार या
धनुस के दुवारा बंदी बना लेथस? ओमन ला जेवन अऊ पानी दे, ताकि ओमन खावंय-पीयंय अऊ अपन
मालिक करा वापिस जावंय।”
23 तब ओह ओमन बर बड़े जेवनार करिस, अऊ जब ओमन खा-पी लीन, तब ओह ओमन ला विदा करिस,
अऊ ओमन अपन मालिक करा वापिस चले गीन। येकर बाद, अराम के दलमन इसरायल के इलाका म हमला
करे बर बंद कर दीन।

[illegible]

24 कुछू समय बाद, अराम के राजा बेन-हदद ह अपन जम्मो सेना ला संगठित करिस अऊ सेना ला लेके
सामरिया सहर ला घेर लीस।
25 सामरिया म भयंकर अकाल पड़िस; अऊ सहर के घेराबंदी ह अतेक लम्बा चलिस कि गदहा के एक ठन
मुड़ी ह चांदी के अस्सी सेकेल*, अऊ पंड़की के टट्टी के एक चौथाई केब† ह पांच सेकेल‡ म बिके लगिस।
26 एक दिन जब इसरायल के राजा ह सहर के दीवार म ले होके जावत रिहिस, त एक झन माईलोगन ह
पुकारके ओला कहिस, “हे मोर मालिक, हे राजा, मोर मदद कर!”
27 राजा ह जबाब दीस, “यदि यहोवा ह तोर मदद नइं करत हे, त फेर मेंह कहां ले तोर मदद करंव? का कोठार
म ले या अंगूर के रसकुंड म ले?”
28 तब राजा ह ओकर ले पुछिस, “का बात ए?”
ओह जबाब दीस, “ये माईलोगन ह मोर ले कहिस, ‘अपन बेटा ला दे कि आज हमन ओला खावन, अऊ कल
हमन मोर बेटा ला खाबो।’
29 तब हमन मोर बेटा ला रांधके खायेंन। ओकर दूसर दिन जब मेंह येला कहेंव, ‘अपन बेटा ला दे कि हमन
ओला खावन,’ पर येह अपन बेटा ला छिपा दे हवय।”
30 जब राजा ह ओ माईलोगन के ये बात ला सुनिस, त दुख म अपन ऊपर के कपड़ा ला चीरिस। जब राजा ह
दीवार म होके जावत रिहिस, त मनखेमन देखिन कि ओह कपड़ा के भीतर अपन देहें म बोरा ले बने कपड़ा पहिरे
हवय।
31 ओह कहिस, “यदि सापात के बेटा एलीसा के मुड़ी आज ओकर धड़ म बने रहिथे, त परमेसर ह मोला दंड
देवय, अऊ मोला बहुंत कठोर दंड देवय।”
32 एलीसा ह अपन घर म बईठे रिहिस, अऊ अगुवामन घलो ओकर संग बईठे रिहिन। राजा ह एक संदेसिया
ला पठोय रिहिस, पर ओ संदेसिया के हबरे के पहिली, एलीसा ह अगुवामन ले कहिस, “का तुमन देखत हव कि
ये हतियारा ह मोर मुड़ी ला काटे बर एक झन ला पठोय हवय? देखव, जब ओ संदेसिया ह आवय, त कपाट ला
बंद करके ओला रोके रहव। का ओकर मालिक के पांव के अवाज ओकर पाछू सुनई नइं देवत हे?”

---

* **6:25** लगभग 920 ग्राम † **6:25** लगभग 100 ग्राम ‡ **6:25** लगभग 58 ग्राम

33 जब ओह ओमन से गोठियात रिहिस, त संदेसिया ह ओकर करा आ गीस।
राजा ह कहिस, "ये बिपत्ति ह यहोवा कोति ले अय। अब मेंह काबर यहोवा के अऊ बाट जोहत रहंव?"

7

1 तब एलीसा ह जबाब दीस, "यहोवा के बचन ला सुनव। यहोवा ह ये कहत हे: कल इही बेरा सामरिया के
दुवार म एक सेआ* मैदा एक सेकेल† म अऊ दू सेआ‡ जौ घलो एक सेकेल म बिकही।"
2 तब ओ अधिकारी, जेकर बाहां के सहारा राजा लेय रिहिस, परमेसर के जन ला कहिस, "देख, यदि यहोवा ह
अकास के दुवार ला घलो खोल दीही, त का अइसन बात हो सकत हे?"
एलीसा ह जबाब दीस, "तेंह खुद अपन आंखी ले येला देखबे, पर तेंह ओमा ले कुछू भी खाय नइं पाबे।"

[illegible]

3 ओ बेरा, सहर के प्रवेस दुवार करा चार झन मनखे रिहिन, जेमन ला कोढ़ के बेमारी रिहिस। ओमन आपस म
कहन लगिन, "हमन काबर इहां बईठे-बईठे मर जावन?
4 यदि हमन कहिथन, 'हमन सहर म जाबो'—त मर जाबो, काबरकि उहां अकाल परे हवय। अऊ यदि हमन
इहां बईठे रहिथन, तब भी हमन मर जाबो। एकरसेति आवव, हमन अरामीमन के डेरा म जाके अपनआप ला
ओमन के हांथ म दे देवन। यदि ओमन हमन ला छोंड़ दीहीं, त हमन जिंदा रहिबो, अऊ यदि ओमन हमन ला
मार डारहीं, त वइसे घलो हमन ला तो मरनेच हवय।"
5 तब सांझ के बेरा ओमन उठिन अऊ अरामीमन के डेरा म चल दीन। जब ओमन अरामी डेरा के छोर म
हबरिन, त देखिन कि उहां कोनो नइं रिहिस,
6 काबरकि परभू ह अइसे करिस कि अरामी सेना ला रथमन के अऊ घोड़ामन के अऊ एक भारी सेना के
अवाज सुनई दीस, जेकर कारन ओमन एक-दूसर ला कहन लगिन, "देखव, इसरायल के राजा ह हमर ऊपर
हमला करे बर हित्ती अऊ मिसरी राजामन ला भाड़ा म लेय हवय।"
7 एकरसेति ओमन उठिन अऊ सांझ के बेरा अपन तम्बू, घोड़ा अऊ गदहामन ला छोंड़के भागिन। ओमन
डेरा ला जस के तस छोंड़के अपन परान बंचाय बर भाग गीन।
8 जब ओ कोढ़ीमन डेरा के छोर म हबरिन, त ओमन एक ठन तम्बू के भीतर गीन अऊ खाईन-पीईन। तब
ओमन सोन, चांदी अऊ कपड़ामन ला ले जाके छिपा दीन। फेर ओमन लहुंटके आईन अऊ एक ठन आने तम्बू म
जाके उहां ले कुछू चीजमन ला लीन अऊ ओमन ला घलो ले जाके छिपा दीन।
9 तब ओमन एक-दूसर ले कहिन, "जऊन कुछू हमन करत हवन, ओह सही नो हय। आज के दिन ह सुघर
संदेस के दिन अय अऊ येला हमन सिरिप अपन तक रखे हवन। यदि हमन बिहनियां तक ठहिरे रहिबो, त हमन
ला दंड मिलही। एकरसेति आवव, हमन तुरते राजमहल म जाके ये बात के खबर देवन।"
10 तब ओमन गीन अऊ सहर के दुवारपालमन ला बलाके बताईन, "हमन अरामीमन के डेरा म गेय रहेंन अऊ
देखेंन कि उहां कोनो नइं ए—कोनो मनखे के अवाज घलो नइं आवत हे—सिरिप खूंटा म बंधे घोड़ा अऊ
गदहामन हवंय अऊ तम्बूमन ला जस के तस छोंड़ देय गे हवय।"
11 तब दुवारपालमन चिचिया-चिचियाके ये खबर ला बताईन अऊ राजमहल म घलो ये समाचार हबर गीस।
12 तब रथियाच ही राजा ह उठिस अऊ अपन अधिकारीमन ले कहिस, "मेंह तुमन ला बतात हंव कि
अरामीमन हमर संग का करे हवंय। ओमन जानत हवंय कि हमन भूखन मरत हन; एकरसेति ओमन डेरा ला
छोंड़ दे हवंय अऊ ये सोचके मैदान म छिपे हवंय कि खचित हमन सहर ले निकलके आबो, तब ओमन हमन ला
जिंदा पकड़के सहर म ले जाहीं।"
13 पर राजा के एक अधिकारी ह जबाब देवत कहिस, "जऊन घोड़ामन सहर म बांचे हवंय, ओमा ले पांच ठन
घोड़ा कुछू मनखेमन लेवंय अऊ उहां जाके पता लगावंय कि का होय हवय। ओमन के दसा घलो इहां बचे जम्मो
इसरायलीमन सहीं होही—हव, ओमन घलो ये जम्मो नास होवत इसरायलीमन के सहीं होहीं।"
14 तब ओमन दू ठन रथ ला ओमन के घोड़ामन के संग लीन, अऊ राजा ह ओमन ला अरामी सेना के पाछू
पठो दीस। ओह सारथीमन ला हुकूम दीस, "जावव अऊ पता लगावव कि का होय हवय।"

---

* **7:1** लगभग 5.5 किलोग्राम मैदा; पद 16 अऊ 18 म घलो † **7:1** लगभग 12 ग्राम; पद 16 अऊ 18 म घलो ‡ **7:1** लगभग 9 किलोग्राम जौ; पद 16 अऊ 18 म घलो

15 तब ओमन यरदन नदी तक ओमन के पाछ्रू-पाछ्रू जाके देखिन कि पूरा रसता म कपड़ा अऊ हथियार बिखरे
पड़े रहय, जेला अरामीमन भागत-भागत फेंक देय रिहिन। तब संदेसियामन लहुंटके आईन अऊ राजा ला ये
खबर बताईन।
16 तब सामरिया के मनखेमन बाहिर निकलके अरामीमन के डेरा ला लूट लीन। अऊ एक सेआ मैदा ह एक
सेकेल म, अऊ दू सेआ जौ घलो एक सेकेल म बिकिस, जइसे कि यहोवा ह कहे रिहिस।
17 राजा ह जऊन अधिकारी के बाहां ऊपर झुकके सहारा लेवय, ओ अधिकारी ला दुवार के जिम्मा देय
रिहिस, पर ओह दुवार म मनखेमन के भागम-भाग म गोड़ खाल्हे कुचरे गीस अऊ मर गीस, जइसे कि परमेसर के
जन पहिले ही बता देय रिहिस, जब राजा ह ओकर घर म आय रिहिस।
18 येह ठीक वइसनेच ही होईस, जइसे कि परमेसर के जन ह राजा ले कहे रिहिस, "कल लगभग इहीच बेरा
सामरिया के दुवार म एक सेआ मैदा एक सेकेल म अऊ दू सेआ जौ घलो एक सेकेल म बिकही।"
19 ओ अधिकारी ह परमेसर के जन ला कहे रिहिस, "देख, यदि यहोवा ह अकास के दुवार ला घलो खोल दीही,
त का अइसन बात हो सकत हे?" अऊ परमेसर के जन ह जबाब देवत कहे रिहिस, "तेंह खुद अपन आंखी ले
येला देखबे, पर ओमा ले तेंह कुछ्रू भी खाय नइं पाबे!"
20 अऊ ठीक वइसनेच ओकर संग होईस, काबरकि ओह दुवार म मनखेमन के भागम-भाग म गोड़ खाल्हे
कुचरे गीस अऊ ओह मर गीस।

8

[illegible]

1 जऊन माईलोगन के बेटा ला एलीसा ह जिलाय रिहिस, ओकर ले ओह कहे रिहिस, "अपन परिवार के संग
इहां ले जाके कुछ्रू समय तक जिहां कहीं तेंह रह सकत हस, उहां रह, काबरकि यहोवा के ईछा हवय कि ये देस म
अकाल पड़ही, अऊ ओ अकाल ह सात बरस तक बने रहिही।"
2 परमेसर के जन के कहे बचन के मुताबिक ओ माईलोगन ह करिस। ओह अपन परिवार के संग उहां ले चल
दीस अऊ ओमन पलिस्तीमन के देस म जाके सात बरस तक रिहिन।
3 सात साल के आखिरी म, ओह पलिस्तीमन के देस ले लहुंट आईस अऊ अपन घर अऊ जमीन ला वापिस
पाय बर राजा करा बिनती करे बर गीस।
4 ओ बेरा राजा ह परमेसर के जन के सेवक गेहजी ले गोठियावत रिहिस, अऊ ओह कहत रिहिस, "जऊन
बड़े-बड़े काम एलीसा ह करे हवय, ओ जम्मो के बारे म मोला बता।"
5 जब गेहजी ह राजा ला बतात रिहिस कि एलीसा ह कइसे एक मुरदा ला जिलाईस, त ओहीच बेरा म, ओ
माईलोगन ह जेकर बेटा ला एलीसा ह जिलाय रिहिस, राजा करा अपन घर अऊ जमीन ला वापिस करे के
बिनती लेके आईस।
ओला देखके गेहजी ह कहिस, "हे मोर मालिक, हे राजा, येह ओही माईलोगन अऊ येह ओकर बेटा ए, जेला
एलीसा ह जिलाय रिहिस।"
6 राजा ह ओ माईलोगन ले येकर बारे म पुछिस, त ओह जम्मो बात ला बताईस।
तब राजा ह ओ माईलोगन के मामला बर एक अधिकारी ला ठहिराके ओला कहिस, "जऊन कुछ्रू ये
माईलोगन के रिहिस, ओ जम्मो चीज येला लहुंटा दिये जावय अऊ जऊन दिन ले येह देस छोंड़के गे रिहिस,
तब ले लेके आज तक येकर जमीन के जतकी आमदनी होय हवय, ओ जम्मो ला घलो येला दे दिये जावय।"

[illegible]

7 एलीसा ह दमिस्क ला गीस, अऊ अराम के राजा बेन-हदद ह बेमार रिहिस। जब राजा ला ये बताय गीस,
"परमेसर के जन ह इहां आय हवय।"
8 त ओह हजाएल ला कहिस, "अपन संग एक भेंट लेके परमेसर के जन करा जा, अऊ ओकर जरिये यहोवा के
ईछा के पता लगा; ओकर ले पुछ, 'का मेंह ये बेमारी ले ठीक होहूं?' "
9 तब हजाएल ह अपन संग दमिस्क ले भेंट के रूप म सबले उत्तम चीजमन ला चालीस ठन ऊंट म लदवाके
एलीसा ले मिले बर गीस। ओह एलीसा के आघू म ठाढ़ होके कहिस, "तोर बेटा अराम के राजा बेन-हदद ह मोला
तोर ले ये पुछे बर पठोय हवय, 'का मेंह ये बेमारी ले ठीक होहूं?' "

10 एलीसा ह जबाब दीस, “जाके ओला बता, ‘तेंह जरूर ठीक हो जाबे।’ तभो ले यहोवा ह मोर ऊपर ये परगट
करे हवय कि ओह निसंदेह मर जाही।”
11 अऊ ओह ओकर कोति टकटकी लगाके देखते रिहिस, जब तक कि हजाएल ह परेसान नइं हो गीस। तब
परमेसर के जन ह रोवन लगिस।
12 तब हजाएल ह पुछिस, “मोर परभू ह काबर रोवत हे?”
ओह जबाब दीस, “काबरकि जऊन हानि तेंह इसरायलीमन के करबे, ओला मेंह जानत हंव। तेंह ओमन के
गढ़वाले जगहमन म आगी लगा देबे; ओमन के जवानमन ला तलवार ले मार डारबे; ओमन के छोटे लइकामन
ला भुइयां म पटक देबे, अऊ ओमन के गरभवती माईलोगनमन के पेट ला फार देबे।”
13 हजाएल ह कहिस, “तोर सेवक जऊन ह एक कुकुर सहीं अय, ओह का ए कि अइसन बड़े काम करय?”
एलीसा ह जबाब दीस, “यहोवा ह मोर ऊपर ये परगट करे हवय कि तेंह अराम के राजा बन जाबे।”
14 तब हजाएल ह एलीसा ले बिदा होके अपन मालिक करा लहुंट आईस। जब बेन-हदद ह ओकर ले पुछिस,
“एलीसा ह तोर ले का कहिस?” त हजाएल ह जबाब दीस, “ओह मोला बताईस कि तेंह जरूर ठीक हो जाबे।”
15 पर ओकर दूसर दिन हजाएल ह एक मोटा कपड़ा लेके पानी म भिजोईस, अऊ ओला राजा के मुहूं म
अइसने ओढ़हा दीस कि राजा ह मर गीस। तब हजाएल ह ओकर जगह म राजा बनिस।

[illegible]

16 इसरायल के राजा अहाब के बेटा योराम के राज के पांचवां बछर म, जब यहूदा के राजा यहोसापात ह
जिंदा रिहिस, तब यहोसापात के बेटा यहोराम ह यहूदा म राजा के रूप म राज करन लगिस।
17 जब ओह राजा बनिस, तब ओह बत्तीस साल के रिहिस, अऊ ओह आठ साल तक यरूसलेम म राज करिस।
18 ओह इसरायल के राजामन के रसता म चलिस, जइसने कि अहाब के घराना ह करे रिहिस, काबरकि ओह
अहाब के एक बेटी ले बिहाव करे रिहिस। ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस।
19 पर यहोवा ह अपन सेवक दाऊद के कारन यहूदा ला नास करे नइं चाहत रिहिस। ओह वायदा करे रिहिस
कि ओह दाऊद अऊ ओकर संतानमन बर एक दीया हमेसा बनाय रखही।
20 यहोराम के समय म, एदोम ह यहूदा के बिरूध बिदरोह करिस अऊ अपन खुद के एक राजा बना लीस।
21 एकरसेति यहोराम* ह अपन जम्मो रथमन ला लेके साईर ला चले गीस। एदोमीमन ओला अऊ ओकर रथ
के सेनापतिमन ला घेर लीन, पर रथिया उठके ओह निकल गीस; पर ओकर सेना ह वापिस घर भाग गीस।
22 आज तक ले एदोम ह यहूदा के बिरूध बिदरोह करत रहिथे। ओही बेरा लिबना ह घलो बिदरोह कर दीस।
23 यहोराम के राज के आने घटनामन, अऊ ओकर जम्मो काम के बारे म यहूदा के राजामन के इतिहास के
किताब म लिखे गे हवय।
24 यहोराम ह अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओमन के बीच दाऊद के सहर म ओला माटी
देय गीस। अऊ ओकर जगह म ओकर बेटा अहजयाह ह राजा बनिस।

[illegible]

25 अहाब के बेटा इसरायल के राजा योराम के राज के बारहवां साल म, यहूदा के राजा यहोराम के बेटा
अहजयाह ह राज करन लगिस।
26 जब अहजयाह ह राजा बनिस, तब ओह बाईस साल के रिहिस, अऊ ओह यरूसलेम म एक साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव अतलयाह रिहिस, जऊन ह इसरायल के राजा ओमरी के पोती रिहिस।
27 अहजयाह ह अहाब के घराना के रसता म चलिस अऊ यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसे कि
अहाब के घराना ह करे रिहिस, काबरकि ओह अहाब के परिवार के दामाद रिहिस।
28 अहजयाह ह अहाब के बेटा योराम के संग रामोत-गिलाद सहर म अराम के राजा हजाएल के बिरूध लड़ई
करे बर गीस। अरामीमन योराम ला घायल कर दीन;
29 एकरसेति राजा योराम ह ओ घावमन ले ठीक होय बर यिजरेल लहुंट गीस, जेमन ओला अरामीमन के
दुवारा रामोत† म अराम के राजा हजाएल के संग लड़ई करत बेरा लगे रिहिन।

---

* **8:21** इबरानी म [illegible] पद 23 अऊ 24 म घलो † **8:29** इबरानी म [illegible]

तब यहूदा के राजा यहोराम के बेटा अहजयाह ह अहाब के बेटा योराम ला देखे बर यिजरेल गीस, काबरकि योराम ह घायल हो गे रिहिस।

9

[illegible]

1 एक दिन एलीसा अगमजानी ह अगमजानीमन के दल के एक मनखे ला बलाईस अऊ ओला कहिस, "अपन कनिहां ला बांध ले, अऊ हांथ म जैतून तेल के ये कुप्पी लेके रामोत-गिलाद जा।
2 जब तेंह उहां हबरबे, त निमसी के पोता, यहोसापात के बेटा येहू के पता लगाबे अऊ ओकर करा जाबे। ओला ओकर संगवारीमन ले अलग एक ठन भीतर के कमरा म ले जाबे।
3 तब ये कुप्पी ला लेके येकर तेल ला ओकर मुड़ म ढार देबे अऊ ये घोसना करबे, 'यहोवा ह ये कहत हे: मेंह, तोला इसरायल के राजा के रूप म अभिसेक करत हंव।' तब कपाट खोलके भाग जाबे; देरी झन करबे!"
4 तब ओ जवान अगमजानी ह रामोत-गिलाद गीस।
5 जब ओह उहां हबरिस, त देखिस कि सेना के अधिकारीमन एक संग बईठे रहंय, तब ओह कहिस, "हे सेनापति, मोर करा तोर बर एक संदेस हवय।"
येहू ह पुछिस, "हमन म ले काकर बर?"
त ओह जबाब दीस, "हे सेनापति, तोर बर!"
6 तब येहू ह उठके घर के भीतर गीस। अऊ अगमजानी ह येहू के मुड़ म तेल ला ढारके ये घोसना करिस, "यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'मेंह यहोवा के मनखे इसरायलीमन ऊपर राजा होय बर तोर अभिसेक करत हंव।
7 तोला अपन मालिक अहाब के घराना के नास करना हे, जेकर ले ईजेबेल के दुवारा बहाय गे मोर सेवक अगमजानीमन के खून अऊ यहोवा के जम्मो सेवकमन के खून के बदला ह पूरा होवय।
8 अहाब के पूरा घराना ह नास हो जाही। मेंह इसरायल म अहाब के घराना के छोटे-बड़े हर एक पुरूस ला मार डारहूं—चाहे ओह गुलाम होवय या सुतंतर मनखे।*
9 मेंह अहाब के घराना ला नबात के बेटा यरोबाम के घराना सहीं अऊ अहियाह के बेटा बासा के घराना सहीं कर दूहूं।
10 जहां तक ईजेबेल के बात ए, यिजरेल के भुइयां म कुकुरमन ओला खा जाहीं, अऊ ओला माटी देवइया कोनो नइं होहीं।' " तब ओ अगमजानी ह कपाट ला खोलके भाग गीस।
11 जब येहू ह कमरा ले निकलके अपन संगी अधिकारीमन करा गीस, त ओमा के एक झन ह ओकर ले पुछिस, "सब ठीक-ठाक तो हवय? ओ पगला ह काबर तोर करा आय रिहिस?"
येहू ह जबाब दीस, "तुमन तो ओ मनखे ला जानत हव अऊ जऊन बात ओह कहिथे, ओला भी जानथव।"
12 ओमन कहिन, "येह सच नो हय; हमन ला सच बता।"
येहू ह कहिस, "ओह मोला ये बात बताईस: 'यहोवा ह ये कहत हवय हे: मेंह इसरायल के राजा होय बर तोर अभिसेक करत हंव।' "
13 तब ओमन तुरते अपन ऊपर पहिरे कपड़ा ला उतारिन अऊ ओकर खाल्हे सीढ़ी म बिछा दीन। तब ओमन तुरही फूंकके चिचियाके कहिन, "येहू ह राजा ए!"

[illegible]

14 निमसी के पोता, यहोसापात के बेटा येहू ह योराम के बिरूध सडयंत्र करिस। (योराम अऊ जम्मो इसरायलीमन अराम के राजा हजाएल ले रामोत-गिलाद के रकछा करत रिहिन;
15 पर राजा योराम† ह अपन घाव के ईलाज करवाय बर यिजरेल लहुंट गे रिहिस; अराम के राजा हजाएल ले लड़ई करत बेरा ओला अरामीमन घायल कर दे रिहिन।) तब येहू ह कहिस, "यदि तुमन मोला राजा बनाय के ईछा करत हव, त फेर कोनो ला सहर ले बाहिर झन जावन दव ताकि ये खबर यिजरेल तक झन पहुंच सकय।"

---

* **9:8** हर एक सासन करइया या अगुवा † **9:15** इबरानी म [illegible]

16 तब येहू ह अपन रथ म चढ़के यिजरेल गीस, काबरकि योराम ह उहां अराम करत रिहिस अऊ यहूदा के
राजा अहजयाह ह योराम ला देखे बर उहां गे रिहिस।
17 जब यिजरेल के गुम्मट ऊपर खड़े पहरेदार ह येहू के सैनिक दल ला आवत देखिस, त ओह चिचियाके
कहिस, "मोला एक सैनिक दल आवत दिखत हे।"
योराम ह हुकूम दीस, "एक घुड़सवार ला बलाके ओमन ले भेंट करे बर भेजव ताकि ओह ओमन ले पुछय, 'का
तुमन सांति के ईछा से आवत हव?' "
18 तब एक घुड़सवार ह येहू ले भेंट करे बर गीस, अऊ ओकर ले कहिस, "राजा ह पुछत हवय, 'का तुमन सांति
के ईछा से आवत हव?' "
येहू ह जबाब दीस, "सांति से तोर का लेना-देना हवय? मुड़के मोर पाछू हो ले।"
तब पहरेदार ह कहिस, "संदेसिया ह ओमन करा हबर गे हवय, पर ओह लहुंटके नइं आवत हे।"
19 तब राजा ह एक-दूसर घुड़सवार ला पठोईस। जब ओह ओमन करा गीस, त ओह कहिस, "राजा ह पुछत
हवय: 'का तुमन सांति के ईछा से आवत हव?' "
येहू ह कहिस, "सांति से तोर का लेना-देना हवय? मुड़के मोर पाछू हो ले।"
20 तब पहरेदार ह कहिस, "ओह ओमन करा हबर गे हवय, पर ओह घलो लहुंटके नइं आवत हे। रथ ला
चलानेवाला ह निमसी के बेटा येहू के सहीं लगत हे—ओह एक पागल के सहीं रथ ला दऊड़ाथे।"
21 योराम ह हुकूम दीस, "जल्दी से मोर रथ ला तियार करव।" अऊ जब रथ ह तियार हो गीस, तब इसरायल
के राजा योराम अऊ यहूदा के राजा अहजयाह, दूनों अपन-अपन रथ म चघके येहू ले भेंट करे बर गीन। ओमन
जाके यिजरेली नाबोत के भुइयां म ओकर ले भेंट करिन।
22 येहू ला देखके योराम ह पुछिस, "हे येहू, का तेंह सांति के ईछा से आय हस?"
येहू ह जबाब दीस, "जब तक तोर दाई ईजेबेल ह मूरती-पूजा अऊ जादू-टोना करत रहिही, तब तक सांति
कहां हो सकत हे?"
23 तब योराम ह मुड़िस अऊ भागत-भागत अहजयाह ला चिचियाके कहिस, "हे अहजयाह, धोखा होय हवय!"
24 तब येहू ह अपन धनुस ला तानिस अऊ योराम के कंधा के बीच निसाना लेके तीर चलाईस। तीर ह योराम
के हिरदय ला छेद दीस अऊ ओह अपन रथ म गिर गीस।
25 तब येहू ह अपन रथ के अधिकारी बिदकर ले कहिस, "ओला उठा अऊ यिजरेली नाबोत के खेत म ओला
फटिक दे। सुरता कर कि जब तें अऊ में एक संग ओकर ददा अहाब के पाछू-पाछू रथ चलावत रहेंन, तब यहोवा
ह ओकर बिरूध ये अगमबानी करे रिहिस:
26 'कल नाबोत अऊ ओकर बेटामन के जऊन खून होईस, ओला मेंह देखे हंव, अऊ यहोवा ह घोसना करत हे
कि खचित मेंह भुइयां के ये जगह म तोर ले बदला लूहूं, यहोवा ह घोसना करत हे।'‡ त अब यहोवा के ओ बचन
के मुताबिक ओला उठा अऊ ओ भुइयां के ओ जगह म फटिक दे।"
27 जब यहूदा के राजा अहजयाह ह ये सब ला देखिस, त ओह बेत-हग्गान नगर के रसता ले भागिस।§ येहू ह
ये चिचियावत ओकर पीछा करिस, "ओला घलो मार डारव!" त ओमन ओला ओकर रथ म यिबलाम के लकठा
म गूर के चढ़ईवाले रसता म घायल कर दीन, पर ओह बचके मगिद्दो तक निकल गीस अऊ उहां मर गीस।
28 तब अहजयाह के सेवकमन रथ म ही ओला यरूसलेम ले गीन अऊ दाऊद के नगर म ओकर पुरखामन के
संग ओला ओकर कबर म माटी दीन।
29 (अहाब के बेटा योराम के राज के गियारहवां साल म अहजयाह ह यहूदा के राजा बने रिहिस।)

[illegible]

30 तब येहू ह यिजरेल म आईस। जब ईजेबेल येकर बारे म सुनिस, त अपन आंखी म काजर आंजिस, अपन
बाल बनाईस अऊ खिड़की म ले देखन लगिस।
31 जब येहू ह दुवार के भीतर आईस, त ईजेबेल ह पुछिस, "हे अपन मालिक के घात करइया जिमरी, का तें
सांति के ईछा से आय हस?"

‡ **9:26** देखव 1 राजा 21:19 § **9:27** या [illegible]

32 तब ओह ऊपर खिड़की कोति देखिस अऊ पुछिस, “मोर कोति कोन हवय? कोन?” दू या तीन खोजामन
खाल्हे ओकर कोति देखिन।
33 तब येहू ह कहिस, “ओला उहां ले फेंक दव!” तब ओमन ओला उहां ले खाल्हे फेंक दीन, अऊ ओकर लहू के
कुछू छींटा ह दीवार अऊ घोड़ामन ऊपर पड़िस जब ओमन ओला गोड़ खाल्हे कुचर डारिन।
34 तब येहू ह महल भीतर जाके खाईस अऊ पीईस अऊ कहिस, “जावव, ओ सरापित माईलोगन ला देखव,
अऊ ओला माटी दे दव, काबरकि ओह एक राजा के बेटी रिहिस।”
35 पर जब मनखेमन ओला माटी दे बर बाहिर निकलिन, त ओमन ला ओकर खोपड़ी, ओकर पांव अऊ ओकर
हांथमन के छोंड़ अऊ कुछू नइं मिलिस।
36 ओमन वापिस जाके येहू ला ये बात बताईन, त येहू ह कहिस, “येह यहोवा के ओ बचन अय, जेला ओह
अपन सेवक तिसबी एलियाह के जरिये कहे रिहिस: ईजेबेल के मांस ला यिजरेल के भुइयां म कुकुरमन खाहीं।*
37 ईजेबेल के लास ह यिजरेल के भुइयां म गोबर के सहीं होही, ताकि कोनो नइं कह सकहीं, ‘येह ईजेबेल
अय।’ ”

10

[illegible]

1 अहाब के सत्तर बेटा सामरिया सहर म रिहिन। एकरसेति येहू ह सामरिया म यिजरेल के करमचारीमन ला,
अगुवामन ला अऊ अहाब के लइकामन के संरछकमन ला चिट्ठी लिखके पठोईस। ओह चिट्ठी म ये लिखिस,
2 “तुम्हर मालिक के बेटामन तुम्हर करा हवंय अऊ तुम्हर करा रथ अऊ घोड़ा, एक गढ़वाला सहर अऊ
हथियारमन घलो हवंय। त जतेक जल्दी तुमन ला ये चिट्ठी मिलथे,
3 ओतेक जल्दी अपन मालिक के बेटामन ले सबले बने अऊ योग्य बेटा ला चुनव अऊ ओला अपन ददा के
सिंघासन म बईठावव। अऊ तब अपन मालिक के खानदान बर लड़व।”
4 पर ओमन बहुंत डर गीन अऊ कहन लगिन, “जब दू झन राजामन ओकर आघू म टिक नइं सकिन, त हमन
कइसे टिक सकबो?”
5 एकरसेति महल के अधिकारी, सहर के राजपाल, अगुवा अऊ संरछकमन येहू करा ये संदेस पठोईन: “हमन
तोर सेवक अन अऊ तेंह जऊन कुछू घलो कहिबे, हमन ओला करबो। हमन कोनो ला राजा नइं बनावन; तोला
जऊन बात सबले बने लगथे, वइसने कर।”
6 तब येहू ह ये लिखके दूसरा चिट्ठी ओमन करा पठोईस, “यदि तुमन मोर तरफ हव अऊ मोर बात ला
मानथव, त अपन मालिक के बेटामन के मुड़ ला काटके कल इही बेरा तक मोर करा यिजरेल ले आवव।”
राजा के सत्तर राजकुमार रिहिन, जऊन मन सहर के जाने-माने मनखेमन के अधीन पलत-बढ़त रिहिन।
7 जब ओमन ला चिट्ठी मिलिस, त ओमन ओ जम्मो सत्तर राजकुमारमन ला लेके ओमन ला मार डारिन, अऊ
ओमन के मुड़ ला टोकरीमन म रखके यिजरेल म येहू करा पठो दीन।
8 जब संदेसिया ह हबरिस, त ओह येहू ला कहिस, “ओमन राजकुमारमन के मुड़ ला लाने हवंय।”
तब येहू ह हुकूम दीस, “ये मुड़मन ला दू ठन ढेरी म सहर के दुवार करा बिहान होवत तक रखव।”
9 बिहनियां येहू बाहिर गीस। ओह जम्मो मनखेमन के आघू म ठाढ़ होके कहिस, “तुमन निरदोस अव। मेंह
अपन मालिक के बिरूध सडयंत्र रचेंव अऊ ओला मार डारेंव, पर ये जम्मो झन ला कोन मार डारिस?
10 तब ये बात ला जान लव कि यहोवा के दुवारा अहाब के खानदान के बिरूध कहे गय कोनो भी बात बेकार
नइं होवय। यहोवा ह ओ बात ला पूरा करे हवय, जेला ओह अपन सेवक एलियाह के दुवारा कहे रिहिस।”
11 तब येहू ह यिजरेल म अहाब के खानदान के बांचे जम्मो झन ला मार डारिस, संग म ओह अहाब के जम्मो
मुखिया मनखे, ओकर करीबी संगी अऊ ओकर पुरोहितमन ला घलो मार डारिस; अहाब के कोनो मनखे नइं
बचिन।
12 तब येहू ह निकलके सामरिया कोति गीस। रसता म चरवाहामन के बेत-एकेद नांव के जगह म,

* **9:36** देखव 1 राजा 21:23

13 ओकर मुलाकात यहूदा के राजा अहजयाह के कुछ्छू रिस्तेदारमन ले होईस, त ओह ओमन ले पुछिस, “तुमन
कोन अव?”
ओमन कहिन, “हमन अहजयाह के रिस्तेदार अन, अऊ हमन राजा अऊ राज-माता के परिवार के हालचाल
पुछे बर आय हवन।”
14 येहू ह हुकूम दीस, “येमन ला जीयत पकड़ लव!” त मनखेमन ओमन ला जीयत पकड़ लीन अऊ बेत-एकेद
के कुआं करा ओमन ला मार डारिन—ओमन बियालीस झन रिहिन। ओह कोनो ला जीयत नइं छोंड़िस।
15 तब ओह उहां ले चल दीस, अऊ रसता म ओकर मुलाकात रेकाब के बेटा यहोनादाब ले होईस, जऊन ह
ओकर ले भेंट करे बर आवत रिहिस। येहू ह ओला जोहार करिस अऊ कहिस, “का तेंह मोर संग हस, जइसे कि
मेंह तोर संग हवंव?”
यहोनादाब ह जबाब दीस, “हव, तोर संग हवंव।”
तब येहू ह कहिस, “अगर अइसने बात ए, त अपन हांथ मोला दे।” ओह अपन हांथ बढ़ाईस, अऊ येहू ह
ओकर मदद करके अपन रथ म चघा लीस।
16 येहू ह कहिस, “मोर संग आ अऊ यहोवा बर मोर उत्साह ला देख।” तब ओह यहोनादाब ला अपन संग रथ
म ले गीस।
17 जब येहू ह सामरिया म आईस, त ओह अहाब के परिवार के उहां बचे जम्मो मनखे ला मार डारिस; ओह
ओमन के नास कर दीस, अऊ येह यहोवा के कहे ओ बचन के मुताबिक होईस, जेला ओह एलियाह ला कहे
रिहिस।

[illegible]

18 तब येहू ह जम्मो मनखेमन ला इकट्ठा करिस अऊ ओमन ला कहिस, “अहाब ह तो बाल देवता के थोरकन
सेवा करिस; पर येहू ह ओकर ले बढ़के सेवा करही।
19 अब बाल के जम्मो अगमजानी, ओकर जम्मो सेवक अऊ ओकर जम्मो पुरोहितमन ला बलावव। ये बात
के धियान रखव कि कोनो झन छूटय, काबरकि मेंह बाल बर एक बड़े बलिदान चघानेवाला हंव। जऊन ह नइं
आही, ओह जीयत नइं बचही।” असल म येहू ह छल करके एक चाल चलत रिहिस, ताकि ओह बाल के
सेवकमन ला नास कर देवय।
20 येहू ह कहिस, “बाल के आदर म एक सभा के आयोजन करव।” अऊ मनखेमन येकर घोसना करिन।
21 तब ओह पूरा इसरायल म खबर पठोईस, अऊ बाल के जम्मो सेवकमन आईन; एको झन भी अपन घर म
नइं रूकिन। ओमन बाल के मंदिर भीतर गीन अऊ उहां अतेक भीड़ होईस कि एक किनारा ले लेके दूसर किनारा
तक पूरा जगह भर गीस।
22 अऊ येहू ह कपड़ा रखे के कमरा के अधिकारी ला हुकूम दीस, “बाल के जम्मो सेवकमन बर कपड़ा* लेके
आ।” तब ओह ओमन बर कपड़ा ले आईस।
23 तब येहू अऊ रेकाब के बेटा यहोनादाब बाल के मंदिर के भीतर गीन। येहू ह बाल के सेवकमन ला कहिस,
“चारों कोति खोजबीन करके देखव कि तुम्हर संग इहां यहोवा के कोनो सेवक नइं, पर सिरिप बाल के सेवकमन
हवंय।”
24 तब ओमन बलिदान अऊ होम-बलिदान चघाय बर भीतर गीन। येहू ह बाहिर अस्सी मनखे ला ये चेतउनी
देके ठाढ़ करे रिहिस, “यदि तुमन म ले कोनो ये मनखेमन ले कोनो ला बचके जावन दूहू, जेमन ला मेंह तुम्हर
हांथ म सऊंपत हंव, त फेर ओकर परान के बदले तुम्हर परान ले लिये जाही।”
25 जइसे ही येहू ह होम-बलिदान चघाय के काम ला पूरा करिस, त ओह पहरेदार अऊ अधिकारीमन ला
हुकूम दीस: “भीतर जावव अऊ ओमन ला मार डारव; एको झन भी बचके झन निकलय।” तब पहरेदार अऊ
अधिकारीमन ओमन ला तलवार ले मार डारिन अऊ ओमन के लास ला बाहिर फटिक दीन अऊ तब ओमन बाल
के मंदिर के भीतर के कमरा म गीन।
26 ओमन बाल के मंदिर ले पबितर पथरा ला बाहिर निकालिन अऊ ओला जला दीन।

---

* **10:22** या [illegible]

27 ओमन बाल के पबितर पथरा ला नास कर दीन अऊ बाल के मंदिर ला गिरा दीन, अऊ मनखेमन ओला
बाहिर फिरे के जगह† के रूप म आज तक उपयोग करत हवंय।
28 ये किसम ले येहू ह इसरायल म बाल उपासना ला खतम कर दीस।
29 तभो ले, ओह नबात के बेटा यरोबाम के ओ पापमन ले नइं हटिस, जेला ओह इसरायल ले करवाय
रिहिस—याने कि बेतेल अऊ दान म सोन के बछवामन के अराधना करई।
30 यहोवा ह येहू ला कहिस, "काबरकि तेंह ओ काम ला बने करके पूरा करे हस, जऊन ह मोर नजर म सही
अय अऊ जऊन कुछू मेंह अपन मन म अहाब के घराना के संग करे के सोचे रहंय, ओला घलो तेंह करे हस,
एकरसेति तोर संतानमन इसरायल के सिंघासन म चौथा पीढ़ी तक बईठत रहिहीं।"
31 तभो ले, येहू ह अपन पूरा मन ले यहोवा, इसरायल के परमेसर के कानून ऊपर चले म सावधानी नइं
बरतिस। ओह यरोबाम के पापमन ले नइं हटिस, जेला ओह इसरायल ले करवाय रिहिस।
32 ओ दिनमन म, यहोवा ह इसरायल के इलाका ला घटाय लगिस। हजाएल ह इसरायलीमन ऊपर ओमन के
पूरा इलाका म अधिकार कर लीस:
33 यरदन नदी के पूरब कोति गिलाद के पूरा देस (गाद, रूबेन अऊ मनस्से के इलाका), अरनोन के घाटी के
लकठा म अरोएर नगर ले लेके गिलाद अऊ बासान के इलाका तक।
34 येहू के राज के आने घटनामन, ओकर करे गे जम्मो काम, अऊ ओकर जम्मो उपलब्धी इसरायल के
राजामन के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
35 येहू ह अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला सामरिया म माटी दिये गीस। अऊ ओकर
बेटा यहोआहाज ओकर जगह म राजा बनिस।
36 येहू ह सामरिया म इसरायल ऊपर अठाईस साल तक राज करिस।

11

[illegible]

1 जब अहजयाह के दाई अतलयाह ह देखिस कि ओकर बेटा ह मर गे हवय, त ओह जम्मो राज-घराना ला
नास करे बर सुरू कर दीस।
2 पर राजा यहोराम के बेटी अऊ अहजयाह के बहिनी यहोसेबा ह अहजयाह के बेटा योआस ला धरिस अऊ
ओला ओ साही राजकुमारमन के बीच ले निकालके ले गीस, जेमन मार डारे जवइया रिहिन अऊ ओह ओला अऊ
ओकर धाई ला अतलयाह के नजर ले दूर एक ठन सोये के कमरा म रख दीस, ताकि ओह झन मार डारे जावय।
3 योआस ह अपन धाई के संग यहोवा के मंदिर म छै साल तक लुकाय रिहिस, जब तक कि अतलयाह ह ओ
देस म राज करते रिहिस।
4 सातवां साल म यहोयादा ह कारी जाति के सौ-सौ सैनिकमन ऊपर ठहिराय गे सेनापति अऊ पहरेदारमन
ला बुलवाईस अऊ ओमन ला अपन संग यहोवा के मंदिर म ले आईस। ओह ओमन के संग एक करार करिस
अऊ यहोवा के मंदिर म ओमन ला सपथ खवाईस। तब ओह ओमन ला राजा के बेटा ला देखाईस।
5 ओह ये कहिके ओमन ला हुकूम दीस, "तुमन ला ये काम करना हे: तुमन तीन दल म हवव अऊ तुमन,
जऊन मन बिसराम दिन म काम म जावत हव—तुमन के एक तिहाई राजमहल के पहरेदारी करहीं,
6 एक तिहाई सूर नांव के दुवार करा, अऊ एक तिहाई ओ पहरेदार के पाछू दुवार करा रहंय, जऊन मन
आरी-पारी ले मंदिर के पहरेदारी करथें—
7 अऊ तुमन के आने दू ठन दल म जऊन मन हवंय, ओमन सधारन रूप म बिसराम दिन कोनो काम नइं करंय,
पर ओ जम्मो झन ला राजा बर मंदिर के पहरेदारी करना हे।
8 तुमन म ले हर एक जन अपन हांथ म हथियार धरके राजा के चारों कोति रहव। जऊन कोनो तुम्हर सीमना
म आवय, ओह मार डारे जावय। राजा ह जिहां भी जाथे, ओकर संगे-संग रहव।"
9 एक सौ समूह के सेनापतिमन वइसे ही करिन, जइसे यहोयादा पुरोहित ह हुकूम दीस। हर एक जन
अपन-अपन आदमीमन ला लीन—ओमन जऊन मन बिसराम दिन काम करे बर जानेवाला रिहिन अऊ ओमन
जऊन मन काम करके आवत रिहिन—ओमन यहोयादा पुरोहित करा आईन।

† **10:27** या *[illegible]*

10 तब पुरोहित ह सेनापतिमन ला बरछी अऊ ढालमन ला दीस, जेमन राजा दाऊद के रिहिन अऊ यहोवा के
मंदिर म रखे गे रिहिन।
11 पहरेदारमन अपन हांथ म हथियार लेके मंदिर के दक्खिन दिग ले उत्तर दिग तक, बेदी अऊ मंदिर के
लकठा म, राजा के चारों कोति ठाढ़ हो गीन।
12 यहोयादा ह राजा के बेटा ला बाहिर लानिस अऊ ओला मुकुट पहिरा दीस; ओह ओला करार के एक नकल
भेंट करके ओला राजा घोसित करिस। ओमन ओकर अभिसेक करिन, अऊ मनखेमन ताली बजाईन अऊ
चिचियाके कहिन, "राजा ह चिरंजीव रहय!"
13 जब अतलयाह ह पहरेदार अऊ मनखेमन के हल्ला ला सुनिस, त ओह यहोवा के मंदिर म मनखेमन करा
गीस।
14 ओह देखिस कि राजा ह उहां रीति के मुताबिक खंभा करा खड़े रिहिस। अधिकारी अऊ तुरही बजइयामन
राजा के बाजू म खड़े रहंय, अऊ देस के जम्मो मनखेमन आनंद मनात तुरही फूंकत रहंय। तब अतलयाह ह
अपन कपड़ा ला चीरिस अऊ चिचियाके कहिस, "देस-द्रोह! देस-द्रोह!"
15 तब यहोयादा पुरोहित ह ओ सौ-सौ सैनिक के दल के सेनापतिमन ला हुकूम दीस, जऊन मन सेना के
अधिकारी रिहिन, "ओला कतार के बीच म ले बाहिर लानव अऊ जऊन कोनो भी ओकर पाछू चलथे, ओला
तलवार ले मार डारव।" काबरकि पुरोहित ह कहे रिहिस, "यहोवा के मंदिर म ओकर हतिया झन करे जावय।"
16 एकरसेति ओमन ओला ओ जगह म पकड़ लीन, जिहां ले घोड़ामन महल के मैदान के भीतर जाथें, अऊ
उहां ओला मार डारिन।
17 तब यहोयादा ह यहोवा अऊ राजा अऊ मनखेमन के बीच करार करवाईस कि ओमन यहोवा के मनखे
होहीं। ओह राजा अऊ मनखेमन के बीच म घलो करार करवाईस।
18 देस के जम्मो मनखेमन बाल के मंदिर म गीन अऊ ओला टोर-फोरके गिरा दीन। ओमन बेदी अऊ
मूरतीमन ला कुटा-कुटा कर दीन अऊ बाल के पुरोहित मतान ला बेदी के आघू म मार डारिन।
तब यहोयादा पुरोहित ह यहोवा के मंदिर म पहरेदारमन ला नियुक्त करिस।
19 ओकर बाद ओह सौ-सौ सैनिक के ऊपर ठहिराय सेनापति, कारी, पहरेदार अऊ देस के जम्मो मनखेमन ला
अपन संग लीस, अऊ ओमन एक संग राजा ला यहोवा के मंदिर ले खाल्हे लानिन अऊ पहरेदारमन के दुवार के
रसता ले होवत महल के भीतर गीन। तब राजा योआस ह राज सिंघासन म बिराजिस।
20 देस के जम्मो मनखेमन आनंद मनाईन, अऊ सहर म सांति रिहिस, काबरकि अतलयाह ह महल मेर
तलवार ले मार डारे गे रिहिस।
21 योआस* ह सात साल के रिहिस, जब ओह राज करे के सुरू करिस।†

12

[illegible]

1 येहू के राज के सातवां साल म, योआस ह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म चालीस साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव सिबयाह रिहिस अऊ ओह बेरसेबा के रिहिस।
2 पूरा समय म यहोयादा पुरोहित ह योआस ला निरदेस दीस अऊ योआस ह ओहीच काम करिस, जऊन ह
यहोवा के नजर म सही अय।
3 तभो ले, पूजा के ऊंचहा जगहमन हटाय नइं गीन; मनखेमन तब भी उहां बलिदान चघात अऊ धूप जलात
रिहिन।
4 योआस ह पुरोहितमन ला कहिस, "यहोवा के मंदिर म जऊन पईसा पबितर दान के रूप म चघाय जाथे, ओ
जम्मो ला जमा कर लव—येमा जन संखिया के गनती के समय जमा करे गे पईसा, मनखेमन के खुद के सपथ ले
मिले पईसा अऊ मनखेमन के दुवारा खुद के ईच्छा से मंदिर म लाय पईसा रिहिस।
5 हर पुरोहित ला कोनो एक ही खजांची ले पईसा मिलय, तब येकर उपयोग मंदिर म होय टूट-फूट के मरम्मत
के काम म करे जावय।"
6 पर राजा योआस के राज के तेईसवां साल तक पुरोहितमन मंदिर के मरम्मत के काम ला नइं करे रिहिन।

* **11:21** इबरानी म [illegible] † **11:21** इबरानी म ये पद (11:21) ला 12:1 गने गे हवय

7 एकरसेति राजा योआस ह यहोयादा पुरोहित अऊ आने पुरोहितमन ला बलाईस अऊ ओमन ले पुछिस,
"तुमन मंदिर के टूट-फूट के मरम्मत काबर नइं करत हव? अब अपन खजांचीमन ले पईसा झन लेवव, पर येला
मंदिर के मरम्मत के काम बर दे दव।"
8 पुरोहितमन ये बात ऊपर सहमत हो गीन कि ओमन मनखेमन ले अऊ पईसा जमा नइं करहीं अऊ ओमन
मंदिर के मरम्मत खुद नइं करहीं।
9 यहोयादा पुरोहित ह एक सन्दूक लीस अऊ ओकर ढकना म एक ठन छेद करिस अऊ ओह ओ सन्दूक ला
यहोवा के मंदिर म अवइया मनखेमन के जेवनी कोति, बेदी के बाजू म रख दीस। जऊन पुरोहितमन दुवार के
पहरेदारी करंय, ओमन यहोवा के मंदिर म लाने गय जम्मो पईसा ला ओ सन्दूक म रख देंय।
10 जब भी ओमन देखंय कि सन्दूक म बहुंत पईसा हो गे हवय, त साही सचिव अऊ महा पुरोहित आके ओ
पईसा ला गनंय, जेला यहोवा के मंदिर म लाय के बाद थैलीमन म रखे गे रहय।
11 पईसा ला गने के बाद, ओमन ओ पईसा ला ओ मनखेमन ला दे देवंय, जऊन मन मंदिर के मरम्मत के काम
के देखरेख करे बर ठहिराय गे रिहिन। ये पईसा ले ओमन ओ मनखेमन ला बनी देवंय, जऊन मन यहोवा के
मंदिर म काम करंय—याने कि बढ़ई अऊ भवन-निरमान करइया,
12 राज-मिसतिरी अऊ पथरा काटनेवालामन ला। ये पईसा ले ओमन यहोवा के मंदिर के मरम्मत बर इमारती
लकड़ी अऊ गढ़े पथरामन ला बिसावंय, अऊ मंदिर के मरम्मत म होवइया आने जम्मो खरचा म ओ पईसा ला
लगावंय।
13 जऊन पईसा मंदिर म आवत रिहिस, ओकर उपयोग चांदी के तसला, दीया के बत्ती संवारे, छिड़काव के
कटोरा, तुरही या यहोवा के मंदिर बर सोन या चांदी कोनो आने चीज बनाय म नइं होवत रिहिस;
14 पर येला काम करइयामन ला दिये जावत रिहिस, जऊन मन येकर उपयोग मंदिर के मरम्मत म करंय।
15 जेमन ला ये पईसा काम करइयामन ला देय बर दिये जावत रिहिस, ओमन ले कोनो हिसाब-किताब नइं
मांगे जावय, काबरकि ओमन पूरा ईमानदारी से काम करत रिहिन।
16 दोस-बलिदान अऊ पाप-बलिदान* बर दिये गय पईसा ला यहोवा के मंदिर म नइं लाय जावत रिहिस; येह
पुरोहितमन बर रिहिस।
17 इही बेरा अराम के राजा हजाएल ह गीस अऊ गत नगर ऊपर हमला करके ओला अपन अधिकार म कर
लीस। तब ओह यरूसलेम ऊपर हमला करे बर मुड़िस।
18 पर यहूदा के राजा योआस ह ओ जम्मो पबितर चीजमन ला लीस, जेला ओकर पहिले के यहूदा के
राजा—यहोसापात, यहोराम अऊ अहजयाह समरपित करे रिहिन अऊ ओकर खुद के दुवारा समरपित करे गे
भेंट अऊ ओ पूरा सोन, जऊन ह यहोवा के खजाना अऊ राजमहल म रिहिस, ओमन ला घलो लीस अऊ ओ
जम्मो चीज ला अराम के राजा हजाएल करा पठो दीस। तब हजाएल ह अपन सेना के संग यरूसलेम ले वापिस
चल दीस।
19 योआस के सासन के आने घटनामन अऊ ओकर जम्मो काम यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म
लिखे गे हवय।
20 ओकर करमचारीमन ओकर बिरूध सडयंत्र करिन अऊ सिल्ला के खाल्हे के रसता म, बेत-मिलो करा ओकर
हतिया कर दीन।
21 जऊन करमचारीमन ओकर हतिया करिन, ओमन सिमात के बेटा योजाबाद अऊ सोमेर के बेटा यहोजाबाद
रिहिन। योआस के मिरतू हो गीस अऊ ओला ओकर पुरखामन के संग दाऊद के सहर म माटी दिये गीस। अऊ
ओकर बेटा अमसयाह ह ओकर जगह म राजा बनिस।

13

[illegible]

1 अहजयाह के बेटा यहूदा के राजा योआस के सासन के तेईसवां साल म येहू के बेटा यहोआहाज ह सामरिया
म इसरायल के राजा बनिस, अऊ सतरह साल तक राज करिस।
2 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, याने कि ओह ओ पाप के पाछू चलिस, जेला नबात के बेटा
यरोबाम ह इसरायल ले करवाय रिहिस, अऊ ओह ओ पापमन ला नइं छोंड़िस।

* **12:16** या *[illegible]*

3 एकरसेति यहोवा के कोरोध इसरायल ऊपर भड़किस, अऊ बहुंत समय तक ओह इसरायलीमन ला अराम के
राजा हजाएल अऊ ओकर बेटा बेन-हदद के अधीन म रखिस।
4 तब यहोआहाज ह यहोवा ले बिनती करिस, अऊ यहोवा ह ओकर बात ला सुनिस, काबरकि अराम के राजा
के दुवारा जऊन भयंकर अतियाचार इसरायलीमन के ऊपर होवत रिहिस, ओला यहोवा ह देखिस।
5 यहोवा ह इसरायल बर एक छुटकारा देवइया दीस, अऊ ओमन अराम के अधीन ले मुक्त हो गीन, अऊ
इसरायलीमन पहिले के सहीं अपन खुद के घर म रहे लगिन।
6 पर ओमन यरोबाम के घराना के ओ पापमन ले नइं हटिन, जेला ओह इसरायल ले करवाय रिहिस; ओमन
ओ पापमन ला करते रिहिन, अऊ सामरिया म असेरा देवी के खंभा घलो खड़े रिहिस, गिराय नइं गीस।
7 यहोआहाज के सेना म सिरिप पचास घुड़सवार, दस ठन रथ अऊ दस हजार पैदल सैनिकमन ला छोंड़के
अऊ कुछू नइं बचिस, काबरकि अराम के राजा ह बाकि मन ला नास कर दीस अऊ ओमन ला अनाज रऊंदत
बेरा के धुर्रा सहीं कर दीस।
8 यहोआहाज के सासन के आने घटना, ओकर जम्मो काम अऊ ओकर उपलब्धी इसरायल के राजामन के
इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
9 आखिर म यहोआहाज ह हमेसा बर अपन पुरखामन के संग सुत गीस अऊ ओला सामरिया म माटी दिये
गीस। अऊ ओकर जगह म ओकर बेटा यहोआस राजा बनिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

10 यहूदा के राजा योआस के राज के सैंतीसवां साल म यहोआहाज के बेटा यहोआस ह सामरिया म इसरायल
के राजा बनिस, अऊ ओह सोलह साल तक राज करिस।
11 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस अऊ ओह नबात के बेटा यरोबाम के कोनो पाप ले नइं हटिस,
जेला ओह इसरायल ले करवाय रिहिस; यहोआस ह ओ पापमन ला करते रिहिस।
12 यहोआस के सासन के आने घटना, ओकर जम्मो काम, ओकर उपलब्धी अऊ यहूदा के राजा अमसयाह के
संग ओकर लड़ई—ये जम्मो बात इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
13 यहोआस अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस, अऊ यरोबाम ह ओकर जगह सिंघासन म बईठिस।
यहोआस ला सामरिया म इसरायल के राजामन के संग माटी दिये गीस।
14 एलीसा ह बेमार पड़े रिहिस अऊ ओ बेमारी ले मरनेवाला रिहिस। इसरायल के राजा यहोआस ह ओला देखे
बर गीस अऊ ओकर बर रोवत-रोवत कहिस, "हे मोर ददा! हे मोर ददा! हे इसरायल के रथ अऊ घुड़सवारमन!"
15 एलीसा ह कहिस, "एक ठन धनुस अऊ कुछू तीर ले," अऊ ओह वइसने करिस।
16 तब एलीसा ह इसरायल के राजा ला कहिस, "धनुस ला अपन हांथ म ले।" जब राजा ह धनुस ला अपन
हांथ म ले लीस, त एलीसा ह अपन हांथ ला राजा के हांथ म रख दीस।
17 तब ओह कहिस, "पूरब कोति के खिड़की ला खोल दे," अऊ ओह खिड़की ला खोल दीस। एलीसा ह कहिस,
"तीर चला!" अऊ ओह तीर चलाईस। एलीसा ह घोसना करिस, "यहोवा के बिजय के तीर, अराम के ऊपर
बिजय के तीर! तेंह अपेक सहर म अरामीमन ला पूरा नास कर देबे।"
18 फेर ओह कहिस, "तीरमन ला ले," अऊ राजा ह तीरमन ला ले लीस। एलीसा ह राजा ला कहिस, "भुइयां
म तीर चला।" अऊ ओह भुइयां म तीन बार तीर चलाईस अऊ फेर रूक गीस।
19 परमेसर के जन ह ओकर ऊपर गुस्सा होके कहिस, "तोला भुइयां म पांच या छै बार तीर चलाना रिहिस; तब
तेंह अराम ला हराय रहितय अऊ ओला पूरा नास कर दे रहितय। पर अब तेंह ओला सिरिप तीन बार हराबे।"
20 तब एलीसा मर गीस अऊ ओला माटी दिये गीस।
मोआबी हमला करइयामन हर साल बसन्त के समय देस म आवंय।
21 एक बार कुछू इसरायलीमन एक मनखे ला माटी देवत रिहिन, अचानक ओमन हमला करइयामन के एक
दल ला देखिन; त ओमन ओ मनखे के लास ला एलीसा के कबर म फटिक दीन। जब लास ह एलीसा के हाड़ामन
ले छुईस, त ओ लास ह जी उठिस अऊ ओ मनखे ह अपन गोड़ म ठाढ़ हो गीस।
22 यहोआहाज के पूरा सासनकाल म अराम के राजा हजाएल ह इसरायल ला सताते ही रिहिस।

23 पर यहोवा ह ओमन ऊपर अनुग्रह करिस अऊ करूना करके ओमन ऊपर दया देखाईस, काबरकि ओह
अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब के संग करार करे रिहिस, अऊ आज तक ओह ओमन ला नास करे के या ओमन
ला अपन आघू ले दूरिहा हटाय के ईछा नइं करय।
24 अराम के राजा हजाएल मर गीस, अऊ ओकर बेटा बेन-हदद ओकर जगह म राजा बनिस।
25 तब यहोआहाज के बेटा यहोआस ह हजाएल के बेटा बेन-हदद ले ओ नगरमन ला अपन अधिकार म फेर
ले लीस, जेमन ला बेन-हदद ह लड़ई म यहोआस के ददा यहोआहाज ले छीन ले रिहिस। तीन बार ले यहोआस
ह ओला हराईस, अऊ ये किसम ले ओह इसरायलीमन के नगर ला वापिस ले लीस।

14

[illegible]

1 इसरायल के राजा यहोआहाज के बेटा यहोआस* के सासन के दूसरा साल म, यहूदा के राजा योआस के
बेटा अमसयाह ह राज करे के सुरू करिस।
2 जब ओह राजा बनिस, त ओह पच्चीस साल के रिहिस, अऊ ओह यरूसलेम म उनतीस साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव यहोअद्दीन रिहिस; जऊन ह यरूसलेम के रिहिस।
3 ओह ओही काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस, पर जइसे ओकर पुरखा दाऊद करे रिहिस,
वइसे नइं करिस। ओह हर काम अपन ददा योआस के सहीं करिस।
4 पर पूजा के ऊंचहा जगहमन हटाय नइं गीन; मनखेमन तब भी उहां बलिदान चघात अऊ धूप जलात रिहिन।
5 ओकर हांथ म राज ह मजबूत होय के बाद, ओह ओ करमचारीमन ला मार डारिस, जऊन मन ओकर ददा
राजा ला मार डारे रिहिन।
6 पर ओह ओ हतियारामन के लइकामन ला नइं मरवाईस; येह मूसा के कानून के किताब म लिखे बात के
मुताबिक रिहिस, जिहां यहोवा ह हुकूम दे हवय: "दाई-ददा ला ओमन के लइकामन के कारन मिरतू-दंड झन
मिलय, अऊ न ही लइकामन ओमन के दाई-ददा के कारन मार डारे जावंय; हर एक ह अपन खुद के पाप के कारन
मरही।"†
7 अमसयाह ह नून के घाटी म दस हजार एदोमीमन ला हराईस अऊ लड़ई करके सेला नगर ऊपर अपन
अधिकार कर लीस अऊ ओकर नांव योकतेल रखिस, जऊन ह आज तक चलत हे।
8 तब अमसयाह ह इसरायल के राजा यहोआस करा संदेसियामन ला पठोईस, जऊन ह यहोआहाज के बेटा
अऊ येहू के पोता रिहिस, अऊ ओला ये चुनौती दीस, "आ, हमन लड़ई म एक-दूसर के सामना करन।"
9 पर इसरायल के राजा यहोआस ह यहूदा के राजा अमसयाह ला जबाब भेजिस, "लबानोन के एक कंटिली
झाड़ी ह लबानोन के एक देवदार रूख मेर ये संदेस भेजिस, 'अपन बेटी के बिहाव मोर बेटा के संग कर दे।' तब
लबानोन म एक जंगली पसु आईस अऊ ओ कंटिली झाड़ी ला गोड़ खाल्हे कुचर दीस।
10 तेंह वास्तव म एदोम ला हराय हस अऊ अब तेंह घमंडी हो गे हस। अपन जीत के डींग मार, पर अपन घर
म रह! मुसीबत ला काबर नेवता देवत हस अऊ अपन खुद के अऊ यहूदा के घलो बिनास के कारन बनत हस?"
11 पर अमसयाह ह ओकर बात ला नइं सुनिस, एकरसेति इसरायल के राजा यहोआस ह हमला कर दीस।
ओकर अऊ यहूदा के राजा अमसयाह के आमना-सामना यहूदा के बेत-सेमेस नगर म होईस।
12 यहूदा ह इसरायल ले हार गीस अऊ जम्मो मनखेमन अपन-अपन घर भाग गीन।
13 इसरायल के राजा यहोआस ह यहूदा के राजा अमसयाह ला बेत-सेमेस करा बंदी बना लीस, जऊन ह
योआस के बेटा अऊ अहजयाह के पोता रिहिस। तब यहोआस ह यरूसलेम गीस अऊ यरूसलेम के दीवार ला
एपरैम के दुवार ले लेके कोना के दुवार तक टोरके गिरा दीस—याने कि लगभग चार सौ क्यूबीट‡ लम्बा भाग ला
गिरा दीस।
14 ओह यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल के खजाना म रखे जम्मो सोन, चांदी अऊ जम्मो चीजमन ला ले
लीस। ओह बंदी बनाय गे मनखेमन ला घलो लेके वापिस सामरिया लहुंट गीस।

---

* **14:1** इबरानी म [illegible]; पद 13, 23 अऊ 27 म घलो † **14:6** ब्यव 24:16 ‡ **14:13** लगभग 600 फीट

15 यहोआस के राज के आने घटना, ओकर जम्मो काम अऊ ओकर उपलब्धी, संग म यहूदा के राजा
अमसयाह के संग ओकर लड़ई—ये जम्मो बात इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे हवय।
16 यहोआस अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला सामरिया म इसरायल के राजामन के संग
माटी दिये गीस। अऊ ओकर बेटा यरोबाम ओकर जगह म राजा बनिस।
17 यहोआहाज के बेटा इसरायल के राजा यहोआस के मिरतू के बाद योआस के बेटा यहूदा के राजा अमसयाह
ह पंदरह साल जिंदा रिहिस।
18 अमसयाह के सासन के आने घटनामन यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे गे हवंय।
19 मनखेमन यरूसलेम म ओकर बिरूध साजिस करिन, अऊ ओह लाकीस सहर ला भाग गीस, पर ओमन
ओकर पाछू आदमीमन ला लाकीस पठोईन अऊ ओला उहां मार डारिन।
20 ओकर लास ला घोड़ा म लादके वापिस लाय गीस अऊ ओला यरूसलेम म ओकर पुरखामन संग दाऊद के
सहर म माटी देय गीस।
21 तब यहूदा के जम्मो मनखेमन अजरयाह§ ला लीन अऊ ओला ओकर ददा अमसयाह के जगह म राजा
बनाईन; ओ समय अजरयाह के उमर सोलह साल रिहिस।
22 जब अमसयाह ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस, तब अजरयाह ही ओ राजा रिहिस, जऊन ह
एलात नगर ला फेर बनाईस अऊ यहूदा म सामिल कर लीस।

[illegible]

23 योआस के बेटा यहूदा के राजा अमसयाह के राज के पंदरहवां साल म इसरायल के राजा यहोआस के बेटा
यरोबाम ह सामरिया म राजा बनिस, अऊ ओह एकतालीस साल तक राज करिस।
24 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस अऊ ओह नबात के बेटा यरोबाम के कोनो पाप ले नइं हटिस,
जेला ओह इसरायल ले करवाय रिहिस।
25 ओह लेबो-हमात सहर ले लेके मिरतू सागर तक इसरायल के सीमना ला फेर बनाईस, अऊ येह इसरायल
के परमेसर, यहोवा के कहे ओ बचन के मुताबिक होईस, जेला ओह अमित्तै के बेटा अपन सेवक योना
अगमजानी के जरिये कहे रिहिस; योना ह गत-हेपेर नगर के निवासी रिहिस।
26 यहोवा ह देखिस कि इसरायल म हर मनखे के ऊपर अतियाचार होवत हे;* चाहे ओह गुलाम हो या सुतंतर
मनखे; ओमन के मदद करे बर कोनो नइं रिहिन।
27 अऊ काबरकि यहोवा ह ये नइं कहे रिहिस कि ओह इसरायल के नांव ला धरती ले मिटा दीही, त ओह
यहोआस के बेटा यरोबाम के दुवारा ओमन ला छुटकारा दीस।
28 यरोबाम के राज के आने घटना, ओकर जम्मो काम, अऊ ओकर सेना के उपलब्धी, संग म ओह कइसे
दमिस्क अऊ हमात ला फेर इसरायल म मिलाईस, जेमन यहूदा के अधिकार म रिहिन—ये जम्मो बात
इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे हवय।
29 यरोबाम ह हमेसा बर अपन पुरखा इसरायल के राजामन संग सुत गीस। अऊ ओकर बेटा जकरयाह ओकर
जगह म राजा बनिस।

15

[illegible]

1 इसरायल के राजा यरोबाम के राज के सत्ताईसवां साल म अमसयाह के बेटा यहूदा के राजा अजरयाह* ह
राज करे के सुरू करिस।
2 जब ओह राजा बनिस, तब ओह सोलह साल के रिहिस, अऊ ओह यरूसलेम म बावन साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव यकोलियाह रिहिस, जऊन ह यरूसलेम के रिहिस।
3 अजरयाह ह अपन ददा अमसयाह के सहीं ओहीच काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही अय।
4 तभो ले, ऊंचहा जगहमन नइं हटाय गीन; मनखेमन उहां बलिदान चघाय अऊ धूप जलाय के काम करते
रिहिन।

§ **14:21** येला [illegible] घलो कहे जाथे * **14:26** ओमन बिगर सासक अऊ अगुवा के रिहिन * **15:1** येला [illegible] घलो कहे जाथे

5 यहोवा ह राजा ला कोढ़† के बेमारी ले पीड़ित कर दीस, जऊन ह ओकर मिरतू तक ओकर देहें म बने रिहिस,
अऊ ओह एक अलग घर म रहत रिहिस। राजा के बेटा योताम ह महल के अधिकारी होके देस के मनखेमन
ऊपर सासन करिस।
6 अजरयाह के राज के आने घटनामन, ओकर जम्मो काम के बिबरन यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब
म लिखे गे हवय।
7 अजरयाह ह हमेसा बर अपन पुरखामन संग सुत गीस अऊ ओला ओमन के लकठा म दाऊद के सहर म
माटी दिये गीस। अऊ ओकर बेटा योताम ह ओकर जगह म राजा बनिस।

[illegible]

8 यहूदा के राजा अजरयाह के राज के अड़तीसवां साल म, यरोबाम के बेटा जकरयाह ह सामरिया म
इसरायल के राजा बनिस, अऊ ओह छै महिना राज करिस।
9 ओह अपन पहिले के राजामन सहीं यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस। ओह नबात के बेटा यरोबाम के ओ
पापमन ले नइं हटिस, जेला ओह इसरायल ले करवाय रिहिस।
10 याबेस के बेटा सल्लूम ह जकरयाह के बिरूध सडयंत्र करिस। ओह मनखेमन के आघू म ओकर ऊपर हमला
करिस अऊ ओकर हतिया करके ओकर जगह म राजा बन गीस।
11 जकरयाह के राज के आने घटनामन इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
12 ये किसम ले यहोवा के दुवारा येहू ला कहे गे ये बचन ह पूरा होईस: "तोर संतानमन चौथा पीढ़ी तक
इसरायल के सिंघासन म बईठहीं।"‡

[illegible]

13 यहूदा के राजा उजियाह के राज के उन्चालीसवां साल म, याबेस के बेटा सल्लूम ह राजा बनिस, अऊ ओह
सामरिया म एक महिना तक राज करिस।
14 तब गादी के बेटा मनहेम ह तिरसा नगर ले सामरिया गीस। उहां सामरिया म, ओह याबेस के बेटा सल्लूम
के ऊपर हमला करिस अऊ ओकर हतिया करके ओकर जगह म राजा बन गीस।
15 सल्लूम के राज के आने घटना, अऊ ओकर दुवारा रचे गय सडयंत्र—ये जम्मो बात इसरायल के राजामन
के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
16 ओ समय, मनहेम ह तिरसा ले निकलत रिहिस अऊ ओह तिपसह नगर अऊ नगर के हर मनखे ऊपर अऊ
अड़ोस-पड़ोस म हमला करिस, काबरकि ओमन सहर के दुवार खोले बर मना करिन। ओह तिपसह ला लूट लीस
अऊ उहां जतेक माईलोगनमन गरभवती रिहिन, ओ जम्मो के पेट ला चीर दीस।

[illegible]

17 यहूदा के राजा अजरयाह के राज के उन्चालीसवां साल म, गादी के बेटा मनहेम ह इसरायल के राजा
बनिस, अऊ ओह सामरिया म दस साल तक राज करिस।
18 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस। ओह अपन पूरा सासनकाल म, नबात के बेटा यरोबाम के पाप ले
नइं हटिस, जेला ओह इसरायल ले करवाय रिहिस।
19 तब अस्सूर के राजा पूल§ ह इसरायल देस के ऊपर हमला करिस, अऊ मनहेम ह ओकर समरथन पाय बर
अऊ राज म अपन पकड़ मजबूत करे बर ओला लगभग पैंतीस टन चांदी दीस।
20 मनहेम ह इसरायल ले ये पईसा वसूल करिस। हर एक धनी मनखे ले पचास सेकेल* चांदी वसूले गीस,
ताकि ये पईसा ला अस्सूर के राजा ला देय जा सकय। तब अस्सूर के राजा ह देस ला छोंड़के चल दीस अऊ
उहां नइं रूकिस।
21 मनहेम के राज के आने घटना, अऊ ओकर जम्मो काम इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म
लिखे गे हवय।
22 मनहेम ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस। अऊ ओकर बेटा पकहियाह ह ओकर जगह म राजा
बनिस।

[illegible]

---

† **15:5** इबरानी म मनखे के चमड़ी के आने कतको बेमारी ला कोढ़ कहे जावय ‡ **15:12** 2 राजा 10:30 § **15:19** येला [illegible] घलो कहे जाथे * **15:20** लगभग 575 ग्राम

23 यहूदा के राजा अजरयाह के राज के पचासवां साल म, मनहेम के बेटा पकहियाह ह सामरिया म इसरायल
के राजा बनिस, अऊ ओह दू साल तक राज करिस।
24 पकहियाह ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस। ओह नबात के बेटा यरोबाम के ओ पाप ले नइं हटिस,
जेला ओह इसरायल ले करवाय रिहिस।
25 ओकर मुखिया अधिकारीमन ले एक झन रमलियाह के बेटा पेकह ह ओकर बिरूध सडयंत्र करिस। ओह
अपन संग गिलाद के पचास मनखे लीस, अऊ सामरिया के राजमहल के किला म ओह पकहियाह के संग
अरगोब अऊ अरये के घलो हतिया कर दीस। ये किसम ले पेकह ह पकहियाह ला मार डारिस अऊ ओकर जगह
म राजा बन गीस।
26 पकहियाह के राज के आने घटना, अऊ ओकर जम्मो काम इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म
लिखे गे हवय।

[illegible]

27 यहूदा के राजा अजरयाह के राज के बावनवां साल म, रमलियाह के बेटा पेकह सामरिया म इसरायल के
राजा बनिस, अऊ ओह बीस साल तक राज करिस।
28 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस। ओह नबात के बेटा यरोबाम के ओ पापमन ले नइं हटिस, जेला
ओह इसरायल ले करवाय रिहिस।
29 इसरायल के राजा पेकह के समय म, अस्सूर के राजा तिगलत-पिलेसेर आईस अऊ इयोन,
आबेल-बेत-माका, यानोह, केदेस अऊ हासोर नगरमन ला ले लीस। ओह गिलाद अऊ गलील अऊ संग म
नपताली के जम्मो इलाका ला घलो ले लीस, अऊ मनखेमन ला बंदी बनाके अस्सूर ले गीस।
30 तब एला के बेटा होसे ह रमलियाह के बेटा पेकह के बिरूध सडयंत्र करिस। ओह हमला करिस अऊ पेकह
ला मार डारिस, अऊ ओकर जगह म राजा बन गीस; ये घटना ह उजियाह के बेटा योताम के राज के बीसवां
साल म होईस।
31 पेकह के राज के आने घटना, अऊ ओकर जम्मो काम इसरायल के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे
गे हवय।

[illegible]

32 रमलियाह के बेटा इसरायल के राजा पेकह के राज के दूसरा साल म, उजियाह के बेटा यहूदा के राजा
योताम राज करे के सुरू करिस।
33 जब ओह राजा बनिस, त ओह पच्चीस साल के रिहिस, अऊ ओह यरूसलेम म सोलह साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव यरूसा रिहिस, जऊन ह सादोक के बेटी रिहिस।
34 ओह अपन ददा उजियाह के सहीं ओही काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस।
35 तभो ले, पूजा के ऊंचहा जगहमन नइं हटाय गीन; मनखेमन उहां बलिदान चघाय अऊ धूप जलाय के काम
करते रिहिन। योताम ह यहोवा के मंदिर के दुवार ला फेर बनाईस।
36 योताम के राज के आने घटनामन, अऊ ओकर करे गय जम्मो काम यहूदा के राजामन के इतिहास के
किताब म लिखे गे हवय।
37 (ओ समय म, यहोवा ह अराम के राजा रसीन अऊ रमलियाह के बेटा पेकह ला यहूदा के बिरूध पठोय के
सुरू करिस।)
38 योताम ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओकर ददा के सहर, दाऊद के सहर म
माटी देय गीस। अऊ ओकर बेटा आहाज ह ओकर जगह म राजा बनिस।

16

[illegible]

1 रमलियाह के बेटा पेकह के राज के सतरहवां साल म, योताम के बेटा यहूदा के राजा आहाज ह राज करे के
सुरू करिस।

2 आहाज ह बीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म सोलह साल तक सासन
करिस। अपन पुरखा दाऊद के सहीं, ओह ओ काम नइं करिस, जऊन ह यहोवा अपन परमेसर के नजर म सही
रिहिस।
3 ओह इसरायल के राजामन के रसता म चलिस; ओह ओ जाति-जाति के मनखेमन के घिनौना रीति-रिवाज
म चलिस, जेमन ला यहोवा ह इसरायलीमन के आघू ले भगा दे रिहिस; इहां तक कि ओह अपन बेटा ला आगी
म बलिदान करिस।
4 ओह ऊंच जगह म, पहाड़ीमन के टीप म अऊ हर फईले हुए रूख के खाल्हे म बलिदान चघाईस अऊ धूप
जलाईस।
5 तब अराम के राजा रसीन अऊ रमलियाह के बेटा इसरायल के राजा पेकह यरूसलेम के बिरूध लड़ई करे
बर आघू बढ़िन अऊ आहाज ला घेर लीन, पर ओमन ओला अपन बस म नइं कर सकिन।
6 ओ समय, अराम के राजा रसीन ह यहूदा के मनखेमन ला निकालके एलात ला अराम के अधीन कर दीस।
तब एदोमी मनखेमन एलात म आ गीन अऊ आज तक ओमन उहां रहत हंय।
7 आहाज ह अस्सूर के राजा तिगलत-पिलेसेर करा संदेसियामन के दुवारा ये संदेस पठोईस, "मेंह तोर सेवक
अऊ तोर गुलाम अंव। आ अऊ मोला अराम के राजा अऊ इसरायल के राजा के हांथ ले बचा, जेमन मोर ऊपर
हमला करत हवंय।"
8 अऊ आहाज ह यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल के खजाना म रखे सोन अऊ चांदी ला लीस अऊ येला
अस्सूर के राजा करा भेंट के रूप म पठो दीस।
9 अस्सूर के राजा ह ओकर बात ला मान लीस अऊ दमिस्क सहर ऊपर हमला करके ओला अपन अधीन कर
लीस। ओह उहां के मनखेमन ला बंदी बनाके कीर नांव के नगर म ले गीस अऊ रसीन ला मार डारिस।
10 तब राजा आहाज ह अस्सूर के राजा तिगलत-पिलेसेर ले मिले बर दमिस्क गीस। ओह दमिस्क म एक बेदी
देखिस अऊ ओह ओ बेदी के एक नक्सा अऊ ओकर पूरा बनावट के बारे म लिखके उरियाह पुरोहित करा पठो
दीस।
11 अऊ उरियाह पुरोहित ह दमिस्क ले पठोय राजा आहाज के पूरा बिबरन के मुताबिक एक बेदी बनाईस
अऊ ओह ये बेदी ला राजा आहाज के दमिस्क ले वापिस लहुंटे के पहिले ही बना लीस।
12 जब राजा ह दमिस्क ले वापिस लहुंटिस अऊ ओ बेदी ला देखिस, त ओह ओकर लकठा म गीस अऊ
ओकर ऊपर बलि चघाईस।
13 ओह उहां होम-बलिदान अऊ अन्न-बलिदान चघाईस; पेय-बलिदान ला ढारिस, अऊ अपन मेल-बलिदान
के खून ला ओ बेदी ऊपर छिंच दीस।
14 जऊन कांसा के बेदी यहोवा के आघू म रिहिस, ओला ओह मंदिर के सामने म ले लेय आईस—याने कि
नवां बेदी अऊ यहोवा के मंदिर के बीच म ले लानिस अऊ ओला नवां बेदी के जेवनी कोति रख दीस।
15 तब राजा आहाज ह उरियाह पुरोहित ला ये हुकूम दीस: "नवां बड़े बेदी ऊपर तेंह बिहनियां के
होम-बलिदान अऊ संझा के अन्न-बलिदान, राजा के होम-बलिदान अऊ ओकर अन्न-बलिदान, अऊ देस के
जम्मो मनखे के होम-बलिदान, अऊ ओमन के अन्न-बलिदान अऊ ओमन के पेय-बलिदान चघाय कर। अऊ
जम्मो होम-बलिदान अऊ आने बलिदानमन के खून ला ये बेदी ऊपर छिंचे कर। पर मेंह कांसा के बेदी के
उपयोग अगुवई पाय बर करहूं।"
16 अऊ उरियाह पुरोहित ह वइसने ही करिस, जइसने राजा आहाज ह हुकूम दे रिहिस।
17 राजा आहाज ह बाजू के तखतामन ला काट दीस अऊ हटनेवाला सहारा ले तसलामन ला हटा दीस। ओह
कांसा के बईलामन ऊपर रखे बड़े तसला ला हटा दीस अऊ ओला पथरा के चबूतरा म रख दीस।
18 ओह बिसराम दिन म उपयोग होवइया ओ ओसारा ला हटा दीस, जऊन ह मंदिर परिसर म बने रिहिस अऊ
अस्सूर के राजा के कारन, ओह यहोवा के मंदिर के बाहिर बने साही प्रवेस दुवार ला हटा दीस।
19 आहाज के राज के आने घटनामन, अऊ ओकर जम्मो काम यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म
लिखे गे हवंय।
20 आहाज ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओमन के संग दाऊद के सहर म माटी दिये
गीस। अऊ ओकर बेटा हिजकियाह ह ओकर जगह म राजा बनिस।

17

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]—[illegible]

1 यहूदा के राजा आहाज के राज के बारहवां साल म, एला के बेटा होसे सामरिया म इसरायल के राजा बनिस,
अऊ ओह नौ साल तक राज करिस।
2 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, पर इसरायल के ओ राजामन सहीं दुस्ट काम नइं करिस, जेमन
ओकर पहिले रिहिन।
3 अस्सूर के राजा सल्मनेसेर ह होसे ऊपर हमला करे बर आईस, जऊन ह सल्मनेसेर के अधीन रिहिस अऊ
सल्मनेसेर ला राजकर देवत रिहिस।
4 पर अस्सूर के राजा ला पता चलिस कि होसे ह बिसवासघाती रिहिस, काबरकि होसे ह सो* नांव के मिसर के
राजा करा मदद बर दूतमन ला भेजे रिहिस, अऊ अब ओह अस्सूर के राजा ला राजकर देना बंद कर दीस, जेला
ओह हर साल देवत रिहिस। एकरसेति सल्मनेसेर ह ओला बंदी बना लीस अऊ ओला जेल म डाल दीस
5 तब अस्सूर के राजा ह पूरा देस ऊपर हमला कर दीस अऊ सामरिया के बिरूध सेना लेके आघू बढ़िस अऊ
तीन साल तक ओला सेना के घेरा म रखिस।
6 होसे के राज के नौवां साल म, अस्सूर के राजा ह सामरिया ऊपर कब्जा कर लीस अऊ इसरायलीमन ला
अस्सूर देस ले गीस। ओह ओमन ला हलह सहर म, हाबोर नदी करा गोजान म अऊ मादीमन के नगरमन म
बसा दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

7 ये जम्मो बात एकरसेति होईस काबरकि इसरायलीमन यहोवा अपन परमेसर के बिरूध पाप करिन, जऊन ह
कि ओमन ला मिसर देस के राजा फिरौन के सक्ति ले छोंड़ाय रिहिस अऊ ओमन ला मिसर देस ले बाहिर
निकालके लाने रिहिस। ओमन आने देवतामन के अराधना करिन
8 अऊ ओ आनजातमन के रीति-रिवाज म चलिन, जेमन ला यहोवा ह ओमन के आघू ले भगा दे रिहिस, येकर
अलावा ओमन इसरायल के राजामन के बनाय रीति-रिवाज म घलो चलिन।
9 इसरायलीमन यहोवा अपन परमेसर के बिरूध गुपत रूप म ओ काम करिन, जऊन ह सही नो हय।
पहरेदारमन के गुम्मट ले लेके गढ़वाले सहर तक ओमन अपन बर अपन जम्मो नगर म पूजा के ऊंचहा जगहमन
ला बनाईन।
10 ओमन हर ऊंचहा पहाड़ी ऊपर अऊ हर फईले रूख के खाल्हे म देव ला अरपित पथरा अऊ असेरा के खंभा
खड़े करिन।
11 हर ऊंचहा जगह म, ओमन धूप जलात रिहिन, जइसने कि ओ आनजातमन करे रिहिन, जेमन ला यहोवा ह
ओमन के आघू ले भगा दे रिहिस। ओमन दुस्ट काम करिन, जेकर ले यहोवा के गुस्सा भड़किस।
12 ओमन मूरतीमन के उपासना करिन, हालाकि यहोवा ह ओमन ला कहे रिहिस, "तुमन ये काम झन करहू।"†
13 यहोवा ह इसरायल अऊ यहूदा ला अपन जम्मो अगमजानी अऊ अगम-दरसीमन के जरिये ये चेतउनी दे
रिहिस: "अपन दुस्ट काममन ला छोंड़व। पूरा कानून के मुताबिक मोर ओ हुकूम अऊ नियममन ला मानव,
जेला मेंह तुम्हर पुरखामन ला माने के हुकूम दे रहेंव अऊ जेला मेंह अपन सेवक अगमजानीमन के जरिये तुमन
ला दे हंव।"
14 पर इसरायलीमन नइं सुनिन अऊ अपन ओ पुरखामन सहीं हठी हो गीन, जेमन यहोवा अपन परमेसर के
बिसवास नइं करिन।
15 ओमन ओकर नियम अऊ ओ करार ला अस्वीकार करिन, जेला ओह ओमन के पुरखामन संग करे रिहिस
अऊ ओमन ओ बिधिमन ला घलो नइं मानिन, जेला माने के चेतउनी यहोवा ह ओमन ला दे रिहिस। ओमन
बेकार के मूरतीमन के पाछू चलिन अऊ खुद बेकार हो गीन। ओमन अपन चारों कोति के जातिमन के सहीं काम
करिन, हालाकि यहोवा ह ओमन ला हुकूम दे रिहिस, "वइसने काम झन करव, जइसने ओमन करथें।"
16 ओमन यहोवा अपन परमेसर के जम्मो हुकूम ला तियाग दीन अऊ अपन बर दू ठन बछवामन के मूरती
ढालके बनाईन, अऊ एक ठन असेरा के खंभा घलो बनाईन। ओमन जम्मो तारामन के समूह ला दंडवत करिन,
अऊ बाल देवता के उपासना करिन।

---

* **17:4** [illegible]ह सायद [illegible] के छोटे नांव ए † **17:12** निर 20:4, 5

17 ओमन अपन बेटा अऊ बेटीमन ला आगी म बलि चघाईन। ओमन सकुन-बिचार के काम अऊ जादू-टोना
करे लगिन अऊ यहोवा के नजर म दुस्ट काम करे बर अपनआप ला बेच दीन, अऊ अइसे करके यहोवा के
कोरोध ला भड़काईन।
18 येकर कारन यहोवा ह इसरायल ऊपर बहुंत गुस्सा होईस अऊ ओमन ला अपन आघू ले हटा दीस। सिरिप
यहूदा के गोत्र बचिस,
19 अऊ हालाकि यहूदा घलो यहोवा अपन परमेसर के हुकूम नइं मानिस। ओमन इसरायल के बनाय
रीति-रिवाज म चलिन।
20 एकरसेति यहोवा ह इसरायल के जम्मो मनखेमन ला अस्वीकार करिस; ओह ओमन ला दुख दीस अऊ
ओमन ला लुटेरामन के हांथ म कर दीस, अऊ ओमन ला अपन आघू ले निकाल दीस।
21 जब ओह इसरायल ला दाऊद के घराना ले अलग कर दीस, त ओमन नबात के बेटा यरोबाम ला अपन
राजा बनाईन। यरोबाम ह इसरायल ला बहकाईस कि ओमन यहोवा के पाछू झन चलंय अऊ ओह ओमन ले
एक बड़े पाप करवाईस।
22 इसरायलीमन ओ जम्मो पाप करिन, जेला यरोबाम ह करे रिहिस अऊ ओमन ओ पापमन ले तब तक नइं
हटिन
23 जब तक कि यहोवा ह ओमन ला अपन आघू ले नइं हटा दीस, जइसे कि ओह अपन जम्मो सेवक अऊ
अगमजानीमन के जरिये चेतउनी दे रिहिस। ये किसम ले इसरायल के मनखेमन ला ओमन के देस ले हटा दिये
गीस अऊ ओमन ला बंधुवा बनाके अस्सूर देस ले जाय गीस, अऊ ओमन आज तक उहां हवंय।

[illegible]

24 अस्सूर के राजा ह बेबिलोन, कूता, अव्वा, हमात अऊ सपरवैम नगर ले मनखेमन ला लानिस अऊ
इसरायलीमन के जगह म ओमन ला सामरिया के नगरमन म बसा दीस। ओमन सामरिया ला अपन अधिकार म
ले लीन अऊ येकर नगरमन म रहे लगिन।
25 जब ओमन उहां पहिली-पहल रहे लगिन, त ओमन यहोवा के उपासना नइं करिन; एकरसेति यहोवा ह
ओमन के बीच म सिंह पठोईस अऊ ओ सिंहमन ओमन के कुछू मनखे ला मार डारिन।
26 अस्सूर के राजा ला ये बात बताय गीस: "जऊन मनखेमन ला तेंह ले जाके सामरिया के नगरमन म बसाय
हस, ओमन नइं जानंय कि ओ देस के देवता के का रीति-बिधि ए। ओ देवता ह ओमन के बीच म सिंहमन ला
पठोय हवय, जऊन मन ओमन ला मार डारत हें, काबरकि ओमन ओ देस के देवता के रीति-बिधि नइं जानत हें।"
27 तब अस्सूर के राजा ह ये हुकूम दीस: "जऊन पुरोहितमन ला तुमन सामरिया ले बंधुवई म ले गे हवव,
ओमा ले एक झन उहां रहे बर वापिस जावय अऊ मनखेमन ला सिखोवय कि ओ देस के देवता के का रीति-बिधि
ए।"
28 एकरसेति सामरिया ले बंधुवई म आय पुरोहितमन ले एक झन बेतेल म रहे बर आईस अऊ ओमन ला
सिखोईस कि यहोवा के उपासना का रीति-बिधि ले करे जावय।
29 तभो ले, हर जाति के मनखेमन अपन खुद के देवता ओ नगरमन म बना लीन, जिहां ओमन बस गे रिहिन,
अऊ ओ देवतामन ला ओ जगहमन म स्थापित करिन, जेला सामरिया के मनखेमन ऊंच जगह म बनाय रिहिन।
30 बेबिलोन के मनखेमन सुक्कोत-बनोत ला बनाईन, कूता के मनखेमन नेरगल ला बनाईन, अऊ हमात के
मनखेमन असीमा ला बनाईन;
31 अव्वीमन निभज अऊ तर्ताक के मूरतीमन ला बनाईन, अऊ सपरवीमन अपन लइकामन ला आगी म
जलाके सपरवैम के देवता अद्रमेलेक अऊ अनमेलेक ला बलिदान के रूप म चघाय लगिन।
32 ओमन यहोवा के उपासना करिन, पर ओमन अपन म ले जम्मो किसम के मनखेमन ला घलो पुरोहित के
रूप म नियुक्त कर लीन, जऊन मन ओमन बर ऊंचहा जगह के देव-स्थल म बलि चघावंय।
33 ओमन यहोवा के उपासना करिन, पर ओमन अपन देवतामन के ओ जातिमन के रीति-बिधि के मुताबिक
सेवा घलो करत रिहिन, जेमन के बीच ले ओमन ला लाने गे रिहिस।
34 आज तक ओमन अपन पहिले के रीति-रिवाज म चलत हें। ओमन न तो यहोवा के उपासना करथें, अऊ न
ही ओ बिधि-बिधान अऊ नियम, कानून अऊ हुकूम ऊपर चलथें, जेला यहोवा ह ओ याकूब के संतानमन ला दे
रिहिस, जेकर नांव ओह इसरायल रखिस।

35 जब यहोवा ह इसरायलीमन ले करार करिस, त ओह ओमन ला ये हुकूम दीस: “कोनो आने देवता के
उपासना झन करव या ओमन ला दंडवत झन करव, ओमन के सेवा झन करव, अऊ न ही ओमन ला बलिदान
चघावव।
36 पर ओ यहोवा के उपासना करव, जऊन ह बड़े सक्ति अऊ बढ़े हुए भुजा ले तुमन ला मिसर देस ले निकाल
लानिस। ओला तुमन दंडवत करव अऊ ओला तुमन बलिदान चघावव।
37 जऊन बिधि अऊ नियम, कानून अऊ हुकूम ओह तुमन बर लिखवा दे हवय, ओमन ला हमेसा धियान देके
मानव। आने देवतामन के अराधना झन करव।
38 जऊन करार मेंह तुम्हर संग करे हवंव, ओला झन भूलव, अऊ आने देवतामन के उपासना झन करव।
39 पर सिरिप यहोवा, अपन परमेसर के उपासना करव; सिरिप ओहीच ह तुमन ला तुम्हर जम्मो बईरीमन के
हांथ ले बचाही।”
40 पर ओमन नइं सुनिन, अऊ अपन पहिले के रीति-रिवाज म ही चलते रिहिन।
41 अऊ त अऊ, जब ओमन यहोवा के सेवा करत रिहिन, तब भी ओमन मूरतीमन के सेवा घलो करत रिहिन।
आज घलो ओमन के लइका अऊ नाती-पोतामन अपन पुरखामन सहीं करत हवंय।

18

[illegible]

1 एला के बेटा, इसरायल के राजा होसे के राज के तीसरा साल म, आहाज के बेटा, यहूदा के राजा हिजकियाह
ह राज करे के सुरू करिस।
2 ओह पच्चीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म उनतीस साल तक राज करिस।
ओकर दाई के नांव अबियाह* रिहिस, जऊन ह जकरयाह के बेटी रिहिस।
3 ओह ओही काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस, जइसे कि ओकर पुरखा दाऊद ह करे
रिहिस।
4 ओह पूजा के ऊंचहा जगहमन ला हटा दीस, पबितर पथरामन ला कुटा-कुटा कर दीस अऊ असेरा के
खंभामन ला काटके गिरा दीस। ओह मूसा के दुवारा बनाय कांसा के ओ सांप के मूरती ला टोरके कुटा-कुटा कर
दीस, काबरकि इसरायलीमन ओ समय तक ओकर आघू म धूप जलात रिहिन। (ये मूरती ला नहुस्तान† कहे
जावय।)
5 हिजकियाह ह यहोवा, इसरायल के परमेसर ऊपर भरोसा रखिस। ओकर पहिले या ओकर बाद, यहूदा के
जम्मो राजामन के बीच ओकर सहीं अऊ कोनो राजा नइं होईन।
6 ओह यहोवा के संग मजबूती से लगे रिहिस अऊ ओकर पाछू चले बर नइं छोंड़िस; ओह मूसा के जरिये दिये
यहोवा के हुकूम म चलते रिहिस।
7 अऊ यहोवा ह ओकर संग रिहिस; ओह जऊन कुछू भी करिस, ओमा ओह सफल होईस। ओह अस्सूर के
राजा के बिरूध बिदरोह करिस अऊ ओकर सेवा नइं करिस।
8 पहरेदारमन के मचान ले लेके गढ़वाले सहर तक, गाजा सहर अऊ येकर सीमना तक ओह पलिस्तीमन ला
हराईस।
9 हिजकियाह राजा के राज के चौथा साल म, जऊन ह एला के बेटा, इसरायल के राजा होसे के राज के सातवां
साल रिहिस, अस्सूर के राजा सल्मनेसेर ह सामरिया के बिरूध सेना लेके आघू बढ़िस अऊ ओला घेर लीस।
10 तीन साल के आखिरी म, ओमन ओला अपन अधिकार म ले लीन। ये किसम ले हिजकियाह के राज के
छठवां साल म, जऊन ह इसरायल के राजा होसे के राज के नौवां साल रिहिस, सामरिया ह अस्सूर के राजा के
अधिकार म चले गीस।
11 अस्सूर के राजा ह इसरायलीमन ला बंदी बनाके अस्सूर देस ले गीस अऊ ओमन ला हलह म, हाबोर नदी
के तीर गोजान म अऊ मादीमन के नगर म बसा दीस।

---

* **18:2** इबरानी म [illegible] † **18:4** [illegible] ह इबरानी म [illegible] अऊ [illegible] दूनों के सहीं लगथे

12 येह येकर कारन होईस काबरकि ओमन यहोवा, अपन परमेसर के बात नइं मानिन, पर ओकर करार ला टोर
दीन—याने कि ओ जम्मो हुकूम जेला यहोवा के सेवक मूसा ह दे रिहिस। ओमन न तो ओ हुकूममन ला सुनिन,
अऊ न ही ओमन ला मानिन।
13 हिजकियाह राजा के राज के चौदहवां साल म, अस्सूर के राजा सनहेरीब ह यहूदा के जम्मो गढ़वाले सहर
ऊपर हमला करिस अऊ ओमन ला अपन अधिकार म कर लीस।
14 एकरसेति यहूदा के राजा हिजकियाह ह अस्सूर के राजा करा लाकीस नगर म ये खबर पठोईस: "मेंह गलत
करे हंव। अपन सेना ला इहां ले हटा ले, अऊ जऊन भी मांग तेंह रखबे, ओला मेंह पूरा करहूं।" अस्सूर के राजा
ह यहूदा के राजा हिजकियाह ले तीन सौ टेलेन्ट‡ चांदी अऊ तीस टेलेन्ट§ सोन वसूल करिस।
15 तब हिजकियाह ह यहोवा के मंदिर म रखे जम्मो चांदी अऊ राजमहल के खजाना के जम्मो चांदी अस्सूर
के राजा ला दे दीस।
16 ओ बेरा यहूदा के राजा हिजकियाह ह यहोवा के मंदिर के कपाट अऊ कपाट के चौखटमन म मढ़े सोन ला
निकालिस अऊ अस्सूर के राजा ला दे दीस।

[illegible]

17 तब अस्सूर के राजा ह अपन परधान सेनापति, अपन मुखिया अधिकारी अऊ अपन लड़ई के मैदान के
सेनापति ला एक बड़े सेना के संग लाकीस नगर ले यरूसलेम म हिजकियाह राजा करा पठोईस। ओमन
यरूसलेम आईन अऊ ऊपरी तरिया के नहर करा, धोबीमन के खेत के सड़क म रूक गीन।
18 ओमन राजा ला बलाईन; त हिलकियाह के बेटा एलयाकीम, जऊन ह महल के अधिकारी रिहिस; सेबना,
जऊन ह सचिव रिहिस; अऊ आसाप के बेटा योआह, जऊन ह अभिलेखक रिहिस; ये तीनों झन निकलके ओमन
करा गीन।
19 मैदान के सेनापति ह ओमन ला कहिस, "हिजकियाह ला बताव:
" 'महाराजा, अस्सूर के राजा ह ये कहत हे: तोर ये भरोसा के आधार का ए?
20 तेंह कहिथस कि तोर करा लड़ई बर नीति अऊ ताकत हवय—पर तेंह सिरिप खोखला बात करथस।
काकर ऊपर भरोसा करके, तेंह मोर बिरूध बिदरोह करत हस?
21 देख, मेंह जानत हंव कि तेंह मिसर देस ऊपर भरोसा करत हस, ओ एक लउठी के चीरे नरकट ऊपर,
जऊन ह ओ मनखे के हांथ म चूभथे, जऊन ह येकर सहारा लेथे! फिरौन, मिसर के राजा ह ओ जम्मो झन बर
अइसने ही अय, जेमन ओकर ऊपर भरोसा करथें।
22 पर कहूं तें मोला ये कहिथस, "हमर भरोसा यहोवा, हमर परमेसर ऊपर हवय"—का येह ओ नो हय,
जेकर ऊंचहा जगह अऊ बेदीमन ला हिजकियाह ह हटाके यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला कहिस, "ये
जरूरी अय कि तुमन यरूसलेम म ये बेदी के आघू म उपासना करव"?
23 " 'अब आ अऊ मोर मालिक, अस्सूर के राजा के संग मोलभाव कर: मेंह तोला दू हजार घोड़ा
दूहूं—यदि तें ओमन बर घुड़सवारमन के परबंध कर सकबे त!
24 हालाकि तेंह रथ अऊ घुड़सवारमन बर मिसर देस ऊपर भरोसा करत हस, पर मोर मालिक के छोटे ले
छोटे अधिकारी ला घलो कइसे भगा सकत हस?
25 अऊ ये घलो कि का मेंह यहोवा के बिगर कहे ये जगह ऊपर हमला करे अऊ येला नास करे बर आय
हवंव? यहोवा ह खुद मोला कहे हवय कि ये देस ऊपर हमला कर अऊ येला नास कर दे।' "
26 तब हिलकियाह के बेटा एलयाकीम, सेबना अऊ योआह मैदान के सेनापति ला कहिन, "अपन सेवकमन ले
अरामिक भासा म गोठिया, काबरकि हमन ये भासा ला समझथन। भीथी ऊपर बईठे मनखेमन के सुनत म हमर
ले इबरानी म झन गोठिया।"
27 पर सेनापति ह जबाब दीस, "का मोर मालिक ह मोला सिरिप तुम्हर मालिक अऊ तुमन ला ये बात कहे बर
पठोय हवय, अऊ दीवार ऊपर बईठे ओ मनखेमन ला नइं, जेमन ला तुम्हर सहीं, अपन खुद के मल ला खाना
अऊ अपन खुद के पेसाब ला पीना पड़ही?"
28 तब सेनापति ह ठाढ़ होईस अऊ इबरानी म जोर से कहिस, "महाराजा, अस्सूर के राजा के बात ला सुनव!

‡ **18:14** लगभग 11 टन § **18:14** लगभग 1 टन

29 राजा ह ये कहत हे: हिजकियाह ह तुमन ला धोखा झन देवय। ओह तुमन ला मोर हांथ ले छुड़ा नइं सकय।
30 हिजकियाह के मनाय म झन आवव, जब ओह यहोवा ऊपर भरोसा रखे बर ये कहिथे, 'खचित यहोवा ह
हमन ला छुड़ाही; ये सहर ला अस्सूर के राजा के हांथ म नइं दिये जावय।'
31 "हिजकियाह के बात ला झन सुनव। अस्सूर के राजा ह ये कहिथे: मोर संग मेल-मिलाप करव अऊ बाहिर
निकलके मोर करा आवव। तब तुमन म ले हर एक ह अपन खुद के अंगूर के नार के अऊ अंजीर के रूख के फर
खाही अऊ अपन खुद के कुंड के पानी पीही,
32 जब तक कि मेंह आके तुमन ला एक अइसन देस म नइं ले जाहूं, जऊन ह तुम्हर खुद के सहीं
होही—अनाज अऊ नवां अंगूर के मंद के देस, रोटी अऊ अंगूर के बारीमन के देस, जैतून रूख अऊ मंधरस के
देस। जिनगी ला चुनव, मिरतू ला नइं!
"हिजकियाह के बात ला झन सुनव, काबरकि ओह तुमन ला बहकावथे, जब ओह ये कहिथे, 'यहोवा ह हमन
ला छुड़ाही।'
33 का कोनो जाति के देवता कभू अपन देस ला अस्सूर के राजा के हांथ ले छुड़ाय हवय?
34 हमात अऊ अरपाद के देवतामन कहां हवंय? सपरवैम, हेना अऊ इव्वा के देवतामन कहां हवंय? का
ओमन सामरिया ला मोर हांथ ले बचाय हवंय?
35 ये देसमन के जम्मो देवतामन ले कोन ह अपन देस ला मोर हांथ ले बचाय हवय? तब यहोवा ह कइसे
यरूसलेम ला मोर हांथ ले छुड़ा सकथे?"
36 पर मनखेमन चुपेचाप रिहिन अऊ जबाब म कुछू नइं कहिन, काबरकि राजा ह ये हुकूम दे रिहिस, "ओला
जबाब झन दव।"
37 तब हिलकियाह के बेटा एलयाकीम, जऊन ह महल के अधिकारी रिहिस; सेबना, जऊन ह सचिव रिहिस;
अऊ आसाप के बेटा योआह, जऊन ह इतिहास के अभिलेखक रिहिस; ये तीनों अपन फटे कपड़ा के संग
हिजकियाह मेर गीन, अऊ ओला मैदान के सेनापति के कहे बात ला बताईन।

19

[illegible]
1 जब हिजकियाह राजा ह ये बात ला सुनिस, त ओह दुख म अपन ओनहा ला चीरिस अऊ बोरा के ओनहा
पहिरिस अऊ यहोवा के मंदिर म गीस।
2 ओह महल के अधिकारी एलयाकीम, सचिव सेबना अऊ अगुवा पुरोहितमन ला, जेमन बोरा के कपड़ा पहिरे
रहंय, येमन ला आमोस के बेटा यसायाह अगमजानी करा पठोईस।
3 ओमन ओला कहिन, "हिजकियाह ह ये कहत हे: ये दिन ह दुख अऊ फटकार अऊ निन्दा के दिन अय, येह
अइसने अय, मानो लइकामन के जनमे के समय आ गे, पर दाई म ओमन ला जनम देय के ताकत नइं ए।
4 ये हो सकत हे कि यहोवा तोर परमेसर ह ओ मैदान के सेनापति के जम्मो बात ला सुनय, जेला ओकर
मालिक, अस्सूर के राजा ह जीयत परमेसर के हंसी उड़ाय बर पठोय हवय, अऊ ये कि यहोवा तोर परमेसर ह
ओकर बात ला सुनके ओला डांटय। एकरसेति ओ बांचे भाग बर पराथना कर, जेमन अभी जीयत हें।"
5 जब हिजकियाह राजा के अधिकारीमन यसायाह करा आईन,
6 तब यसायाह ह ओमन ला कहिस, "अपन मालिक ला बतावव, 'यहोवा ह ये कहत हे: ओ बात ले झन डर,
जेला तेंह सुने हस—ओ बात जेला अस्सूर के राजा के सेवकमन मोर निन्दा करत कहे हवंय।
7 सुन! जब ओह कोनो बिसेस खबर सुनही, त मेंह अइसे करहूं कि ओह अपन खुद के देस ला लहुंट जाही,
अऊ उहां मेंह ओला तलवार ले मरवा दूहूं।' "
8 जब मैदान के सेनापति ह ये सुनिस कि अस्सूर के राजा ह लाकीस नगर ला छोंड़के चले गे हवय, त ओह
लहुंट गीस अऊ देखिस कि राजा ह लिबना के बिरूध लड़त हवय।
9 अस्सूर के राजा सनहेरीब ला ये खबर मिलिस कि कूस* के राजा तिरहाका ह ओकर बिरूध लड़ई करे बर
सेना लेके आवत हे, त ओह फेर हिजकियाह मेर संदेसियामन के हांथ म ये खबर पठोईस:

* **19:9** नील के ऊपरी इलाका

10 “यहूदा के राजा हिजकियाह ला कहव: तोर परमेसर, जेकर ऊपर तेंह भरोसा करथस, ओह तोला ये कहिके
धोखा झन देवय, ‘यरूसलेम ला अस्सूर के राजा के हांथ म नइं दिये जावय।’
11 तेंह ये जरूर सुने होबे कि अस्सूर के राजामन जम्मो देसमन ला पूरा नास कर दे हवंय। त का तेंह बच
सकबे?
12 जब मोर ले पहिले के राजामन गोजान, हारान, रेसेप सहरमन के देवता अऊ तेल-अस्सार म रहइया एदेन
के मनखेमन ला नास करिन, त का ओ जाति के देवतामन ओमन ला बचा सकिन?
13 हमात के राजा या अरपाद के राजा कहां हवय? लायर, सपरवैम, हेना अऊ इव्वा के राजामन कहां हवंय?”

[illegible]

14 हिजकियाह ला संदेसियामन ले चिट्ठी मिलिस अऊ ओह ओला पढ़िस। तब ओह यहोवा के मंदिर म गीस
अऊ ओ चिट्ठी ला यहोवा के आघू म बगरा दीस।
15 अऊ हिजकियाह ह यहोवा ले पराथना करिस: “हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, तेंह करूबमन के बीच म
बिराजे हस, सिरिप तें ही धरती के जम्मो राजमन के ऊपर परमेसर अस। तें ही स्वरग अऊ धरती ला बनाय हस।
16 हे यहोवा, कान लगाके सुन; हे यहोवा, अपन आंखी ला खोलके देख; सनहेरीब के ओ बात ला सुन, जेला
ओह जीयत परमेसर के हंसी उड़ाय बर लिखके भेजे हवय।
17 “हे यहोवा, ये बात सच ए कि अस्सूर के राजामन ये जातिमन ला अऊ ओमन के देसमन ला उजाड़ दे
हवंय।
18 ये राजामन ओमन के देवतामन ला आगी म फटिकके नास कर दे हवंय, काबरकि ओमन देवता नइं रिहिन,
पर मनखेमन के हांथ के बनाय सिरिप लकरी अऊ पथरा ही रिहिन।
19 एकरसेति, अब हे यहोवा, हमर परमेसर, हमन ला ओकर हांथ ले बचा, ताकि धरती के जम्मो राजमन
जानंय कि सिरिप तें यहोवा ही परमेसर अस।”

[illegible]

20 तब आमोस के बेटा यसायाह ह हिजकियाह करा ये खबर पठोईस: “यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये
कहत हे: मेंह अस्सूर के राजा सनहेरीब के बारे म तोर पराथना ला सुने हंव।
21 यहोवा ह ओकर बिरूध म ये बात कहे हवय:
“ ‘कुंवारी बेटी सियोन ह
तोला तुछ समझथे अऊ तोर हंसी उड़ाथे।
बेटी यरूसलेम ह
अपन मुड़ हलाथे, जब तेंह भागथस।
22 तेंह काकर हंसी उड़ाय हस अऊ निन्दा करे हस?
काकर बिरूध म, तेंह अपन अवाज उठाय हस
अऊ घमंड ले अपन आंखी उठाय हस?
इसरायल के पबितर परमेसर के बिरूध!
23 अपन संदेसियामन के दुवारा
तेंह परभू के हंसी उड़ाय हस।
अऊ तेंह कहे हस,
“अपन बहुंते रथमन के संग
मेंह पहाड़मन के ऊंचई म चघे हंव,
लबानोन के टीप तक।
मेंह ओकर सबले ऊंच देवदार रूखमन ला
अऊ सबले बने सनोवर रूखमन ला काट डारे हंव।
मेंह ओकर सबले दुरगम भाग,
ओकर जंगल के सबले सुघर भाग म हबर गे हवंव।
24 मेंह परदेस म कुआं खने हंव
अऊ उहां पानी पीये हंव।
अपन गोड़ के तलवा ले

मेंह मिसर के जम्मो झरना ला सूखा दे हंव।”

25 “ ‘का तेंह नइं सुने?
बहुंत पहिले मेंह ओला ठहिराय रहेंव;
बहुंत पहिले ओकर योजना बनाय रहेंव;
अब मेंह ओला पूरा करत हंव,
कि तेंह गढ़वाले सहरमन ला
पथरा के कुढ़ा बना दे हस।
26 ओमन के ताकत ह चले गे हवय,
ओमन डर गे हवंय अऊ ओमन के बेजत्ती होय हवय।
ओमन खेत के पऊधा सहीं अंय,
हरियर कोअंर पऊधा के पीका सहीं,
छानी म उगत कांदी सहीं,
जऊन ह बाढ़े के पहिली सूख जाथे।

27 “ ‘पर मेंह जानत हंव कि तेंह कहां हस
अऊ तें कब आथस अऊ जाथस
अऊ कइसे तेंह मोर ऊपर गुस्सा करथस।
28 काबरकि तें मोर ऊपर गुस्सा करथस
अऊ तोर घमंड के बात मेंह सुने हवंव,
एकरसेति मेंह तोर नाक म नकेल डालहूं
अऊ तोर मुहूं म अपन लगाम लगाहूं,
अऊ जऊन रसता ले तेंह आय रहे
ओही रसता ले तोला लहुंटा दूहूं।’
29 “हे हिजकियाह, तोर बर ये चिनहां होही:
“ये बछर तेंह ओला खाबे, जऊन ह अपनआप जामही,
अऊ दूसरा बछर ओला खाबे, जऊन ह ओकर ले पईदा होही।
पर तीसरा बछर तेंह बोबे अऊ फसल लूबे,
अंगूर के बारी लगाबे अऊ ओकर फर खाबे।
30 एक बार फेर यहूदा के राज के बांचे भाग ह
खाल्हे जरी धरही अऊ ऊपर फर लगही।
31 काबरकि यरूसलेम ले एक बांचे भाग निकलही,
अऊ सियोन पहाड़ ले बांचे मनखेमन के एक दल आही।
सर्वसक्तिमान यहोवा के उत्साह ह येला पूरा करही।

32 “एकरसेति अस्सूर के राजा के बारे म यहोवा ह ये कहिथे:
“ ‘ओह ये सहर म न तो घुसही
अऊ न ही इहां एको ठन तीर चलाही।
ओह येकर आघू म न तो ढाल लेके आही
अऊ न ही येकर बिरूध घेराबंदी के कोनो ढलान बनाही।
33 जऊन रसता ले ओह आय हवय, ओही रसता ले ओह लहुंट जाही;
ओह ये सहर म नइं घुसही,
यहोवा ह घोसना करत हे।
34 मेंह अपन हित अऊ अपन सेवक दाऊद के हित म
ये सहर के रकछा करहूं अऊ येला बचाहूं।’ ”

35 ओहीच रथिया यहोवा के स्वरगदूत ह निकलके गीस अऊ अस्सूरीमन के सिविर म एक लाख पचयासी
हजार मनखेमन ला मार डारिस। जब मनखेमन बिहनियां उठिन, त देखिन कि उहां मनखेमन के लास ही लास पड़े
हवय!
36 एकरसेति अस्सूर के राजा सनहेरीब ह सिविर ला उखानके वापिस चल दीस। ओह नीनवे सहर लहुंटिस
अऊ उहां रहे लगिस।
37 एक दिन, जब ओह अपन देवता निसरोक के मंदिर म उपासना करत रिहिस, त ओकर बेटा अद्रमेलेक अऊ
सरेसेर ह ओला तलवार ले मार डारिन, अऊ ओमन अरारात देस भाग गीन। अऊ ओकर बेटा एसरहदोन ह
ओकर जगह म राजा बनिस।

20

[illegible]

1 ओ समय म हिजकियाह ह बेमार हो गीस अऊ मरइयाच रिहिस। तब आमोस के बेटा यसायाह अगमजानी
ह ओकर मेर गीस अऊ कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे: अपन घर-परिवार ला ठीक कर, काबरकि तेंह मरइयाच
हस; तोर बेमारी ह ठीक नइं होवय।"
2 तब हिजकियाह ह भीथी कोति अपन मुहूं करके यहोवा ले पराथना करिस,
3 "हे यहोवा, सुरता कर कि मेंह कइसे सच्चई अऊ पूरा मन लगाके तोर आघू म चलत आय हंव अऊ ओ काम
करे हंव जऊन ह तोर नजर म सही अय।" अऊ हिजकियाह ह फूट-फूटके रोए लगिस।
4 येकर पहिले कि यसायाह ह मांझा के अंगना ला पार करके जातिस, यहोवा के ये बचन ओकर करा आईस:
5 "लहुंट जा अऊ मोर मनखेमन ऊपर सासन करइया हिजकियाह ला कह, 'यहोवा, तोर पुरखा दाऊद के
परमेसर ये कहत हे: मेंह तोर पराथना ला सुने हंव अऊ तोर आंसू ला देखे हंव; मेंह तोर बेमारी ला ठीक करहूं।
परसों तेंह यहोवा के मंदिर ला जाबे।
6 मेंह तोर उमर पंदरह बछर अऊ बढ़ा दूहूं। अऊ मेंह तोला अऊ ये यरूसलेम सहर ला अस्सूर के राजा के
हांथ ले छोंड़ाहूं। मेंह अपन हित अऊ अपन सेवक दाऊद के हित म ये सहर के रकछा करहूं।' "
7 तब यसायाह ह राजा के सेवकमन ला कहिस, "अंजीर के एक लेप बनावव।" ओमन ओला बनाईन अऊ
राजा के फोड़ा म लगाईन, अऊ राजा ह ठीक हो गीस।
8 हिजकियाह ह यसायाह ले पुछे रिहिस, "यहोवा ह मोला चंगा कर दीही अऊ तीसरा दिन मेंह यहोवा के
मंदिर म जाहूं, येकर का चिनहां होही?"
9 यसायाह ह जबाब दीस, "यहोवा ह अपन बचन ला पूरा करही, ये बात के यहोवा के तोर बर ये चिनहां होही:
तें बता कि छइहां ह दस कदम आघू बढ़ जावय या फेर छइहां ह दस कदम पाछू हो जावय?"
10 हिजकियाह ह कहिस, "छइहां के दस कदम आघू बढ़ई सधारन बात ए। बल्कि अइसन होवय कि छइहां ह
दस कदम पाछू हो जावय।"
11 तब यसायाह अगमजानी ह यहोवा ला पुकारिस, अऊ यहोवा ह छइहां ला दस कदम पाछू कर दीस,
जऊन ह कि खाल्हे आहाज के सीढ़ी ऊपर चल दे रिहिस।

[illegible]

12 ओ समय बलदान के बेटा बेबिलोन के राजा मरोदक-बलदान ह हिजकियाह करा चिट्ठी अऊ उपहार
पठोईस, काबरकि ओह हिजकियाह के बेमारी के बारे म सुने रिहिस।
13 हिजकियाह ह दूतमन के सुवागत करिस अऊ ओमन ला अपन भंडारघर के जम्मो चीजमन ला
देखाईस—सोन, चांदी, मसाला अऊ उत्तम किसम के जैतून तेल—अपन हथियार-घर अऊ अपन खजाना म रखे
जम्मो चीज ला देखाईस। उहां ओकर महल या ओकर जम्मो राज म अइसन कोनो चीज नइं बांचिस, जेला
हिजकियाह ह ओमन ला नइं देखाय होही।
14 तब यसायाह अगमजानी ह हिजकियाह राजा मेर जाके पुछिस, "ओ आदमीमन का कहिन, अऊ ओमन
कहां ले आय रिहिन?"
हिजकियाह ह जबाब दीस, "ओमन एक दूरिहा के देस बेबिलोन ले आय रिहिन।"
15 अगमजानी ह पुछिस, "ओमन तोर महल म का देखिन?"

हिजकियाह ह कहिस, “ओमन मोर महल के हर चीज ला देखिन। मोर खजाना म अइसन कोनो चीज नइं ए,
जेला मेंह ओमन ला नइं देखाय होहूं।”
16 तब यसायाह ह हिजकियाह ला कहिस, “यहोवा के बचन ला सुन:
17 अइसन समय जरूर आही, जब तोर महल के हर एक चीज, अऊ ओ जम्मो चीज, जेला तोर पुरखामन के
दुवारा आज तक इकट्ठा करे गे हवय, ओ जम्मो ला बेबिलोन ले जाय जाही। कुछू भी चीज नइं बांचही, यहोवा ह
कहत हे।
18 अऊ तोर कुछू संतानमन ला, तोर खुद के मांस अऊ लहू, जऊन मन तोर ले पईदा होहीं, ओमन ला घलो
ले जाय जाही, अऊ ओमन बेबिलोन के राजा के महल म खोजा बन जाहीं।”
19 हिजकियाह ह जबाब दीस, “यहोवा के जऊन बात तेंह कहे हस, ओह बने बात ए।” काबरकि ओह सोचिस,
“का मोर जिनगी भर सांति अऊ सुरकछा नइं होही?”
20 हिजकियाह के राज के आने घटना, अऊ ओकर जम्मो काम अऊ कइसे ओह तरिया अऊ नाली बनाके
पानी सहर म लानिस, ये जम्मो बात यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
21 आखिर म हिजकियाह ह अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस। अऊ ओकर बेटा मनस्से ह ओकर
जगह म राजा बनिस।

21

[illegible]

1 मनस्से ह बारह साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म पचपन साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव हेपसीबा रिहिस।
2 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस; ओह ओ जातिमन के घिनित काममन के पाछू चलिस, जेमन ला
यहोवा ह इसरायलीमन के आघू ले भगा दे रिहिस।
3 ओकर ददा हिजकियाह ह जऊन ऊंचहा जगहमन ला गिरा दे रिहिस, ओमन ला ओह फेर बनाईस; ओह
बाल देवता के बेदीमन ला घलो बनाईस अऊ असेरा देवी के एक खंभा बनाईस, जइसे कि इसरायल के राजा
अहाब ह करे रिहिस। ओह जम्मो तारामन के समूह ला दंडवत करके ओमन के अराधना करिस।
4 ओह यहोवा के ओ मंदिर म बेदीमन ला बनाईस, जेकर बारे म यहोवा ह कहे रिहिस, “यरूसलेम म मेंह
अपन नांव ला रखहूं।”
5 यहोवा के मंदिर के दू ठन अंगना म, ओह जम्मो तारामन के समूह बर बेदीमन ला बनाईस।
6 ओह अपन बेटा ला आगी म बलिदान कर दीस, ओह सुभ-असुभ समय ला मानिस, सकुन-बिचार करवाईस,
अऊ ओह बईगा अऊ भूत-परेत साधकमन ले सलाह लीस। ओह यहोवा के नजर म बहुंत दुस्ट काम करिस अऊ
ओकर कोरोध ला भड़काईस।
7 ओह अपन दुवारा गढ़े असेरा के खंभा ला लीस अऊ ओला ओ मंदिर म रखिस, जेकर बारे म यहोवा ह
दाऊद अऊ ओकर बेटा सुलेमान ला कहे रिहिस, “ये मंदिर अऊ यरूसलेम ला मेंह इसरायल के जम्मो गोत्र म
ले चुने हंव, अऊ इहां मेंह अपन नांव ला सदाकाल बर रखहूं।
8 यदि इसरायलीमन सिरिप मोर दिये गे जम्मो हुकूम ला धियान देके पालन करहीं अऊ ओ जम्मो कानून ला
मानहीं, जेला मोर सेवक मूसा ह दे हवय, त मेंह ओमन ला ये देस ले फेर बाहिर भटकन नइं दूहूं, जेला कि मेंह
ओमन के पुरखामन ला दे हंव।”
9 पर मनखेमन नइं सुनिन। मनस्से ह ओमन ला इहां तक भटका दीस कि ओमन ओ जाति के मनखेमन ले
घलो जादा दुस्ट काम करिन, जेमन ला यहोवा ह इसरायलीमन के आघू ले नास कर दे रिहिस।
10 यहोवा ह अपन सेवक अगमजानीमन के जरिये कहिस:
11 “यहूदा के राजा मनस्से ह ये घिनौना पाप करे हवय। ओह ओकर ले पहिले आय अमोरीमन ले घलो जादा
दुस्ट काम करे हवय अऊ यहूदा के मनखेमन ले अपन मूरतीमन के पूजा करवाके ओमन ले पाप करवाय हे।
12 एकरसेति यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: मेंह यरूसलेम सहर अऊ यहूदा म अइसन बिपत्ति
लानहूं कि ओला सुनके हर एक जन सनसनी के अनुभव करहीं।

13 जऊन नापे के डोरी सामरिया के ऊपर डाले गे हवय अऊ जऊन भार अहाब के घराना के ऊपर लटकाय गे
हवय, ओला मेंह यरूसलेम के ऊपर घलो डालहूं। मेंह यरूसलेम ला अइसन पोंछहूं, जइसने कोनो बरतन ला
पोंछथे, अऊ ओला पोंछके उल्टा रख देथे।
14 मेंह अपन उत्तराधिकार के बचे भाग ला तियाग दूहूं अऊ ओमन ला बईरीमन के हांथ म कर दूहूं। ओमन
अपन बईरीमन के दुवारा लूटे अऊ छीने जाहीं;
15 ओमन मोर नजर म दुस्ट काम करे हवंय अऊ जब ले ओमन के पुरखामन मिसर देस ले निकलके आईन,
तब ले आज तक मोर गुस्सा ला भड़कावत हें।"
16 मनस्से ह यहूदा ले पाप करवाईस, जेकर ले ओमन यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिन; येकर अलावा,
ओह अतेक निरदोसमन के खून बहाईस कि यरूसलेम के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक खून ले भर गीस।
17 मनस्से के राज के आने घटनामन, अऊ ओकर जम्मो काम अऊ ओकर करे गय पाप—ये जम्मो बात यहूदा
के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे हवय।
18 मनस्से ह अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओकर महल के बारी याने कि उज्जा के
बारी म माटी दिये गीस। अऊ ओकर जगह म ओकर बेटा आमोन ह राजा बनिस।

[illegible]

19 आमोन ह बाईस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म दू साल तक राज करिस।
ओकर दाई के नांव मसुल्लेमेत रिहिस, जऊन ह हारूस के बेटी रिहिस अऊ योतबा के रहइया रिहिस।
20 राजा ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसे कि ओकर ददा मनस्से ह करे रिहिस।
21 जइसे ओकर ददा ह मूरतीमन के उपासना करे रिहिस, वइसे ही ओह घलो मूरतीमन के उपासना करत अऊ
ओमन ला दंडवत करत पूरा अपन ददा के रसता म चलिस।
22 ओह यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर ला छोंड़ दीस, अऊ ओकर हुकूम नइं मानिस।
23 आमोन के करमचारीमन ओकर बिरूध साजिस करिन अऊ राजा ला ओकर महल म मार डारिन।
24 तब देस के मनखेमन ओ जम्मो झन ला मार डारिन, जेमन राजा आमोन के बिरूध साजिस करे रिहिन, अऊ
ओमन ओकर बेटा योसियाह ला ओकर जगह म राजा बनाईन।
25 आमोन के राज के आने घटनामन, अऊ ओकर जम्मो काम यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म
लिखे हवय।
26 ओला उज्जा के बारी के कबर म माटी दिये गीस। अऊ ओकर बेटा योसियाह ह ओकर जगह म राजा
बनिस।

22

[illegible]

1 योसियाह ह आठ साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म इकतीस साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव यदीदा रिहिस, जऊन ह अदायाह के बेटी रिहिस अऊ ओह बोसकत के रहइया
रिहिस।
2 राजा ह ओ काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस अऊ अपन पुरखा दाऊद के रसता म पूरा
मन से चलिस, ओकर ले ओह न तो जेवनी कोति मुड़िस अऊ न ही डेरी कोति।
3 अपन राज के अठारहवां साल म राजा योसियाह ह मसुल्लाम के पोता, असलियाह के बेटा अपन सचिव
सापान ला यहोवा के मंदिर म ये कहिके पठोईस:
4 "हिलकियाह महा पुरोहित करा जा अऊ कह कि ओह यहोवा के मंदिर म लाने गय ओ पईसा ला तियार
रखे, जेला दुवारपालमन मनखेमन ले जमा करे हवंय।
5 ये पईसा ला ओ मनखेमन ला सऊंप दिये जावय, जऊन मन मंदिर के काम के देखरेख बर ठहिराय गे हवंय।
अऊ ये मनखेमन ओ पईसा ला बनी के रूप म ओ काम करइयामन ला देवंय, जऊन मन यहोवा के मंदिर के
मरम्मत के काम करत हें—
6 याने कि बढ़ई, भवन बनानेवाला अऊ राज-मिसतिरीमन ला देवंय अऊ मंदिर के मरम्मत बर ओमन इमारती
लकरी अऊ गढ़े पथरा घलो बिसावंय।

7 पर जऊन पईसा ओमन ला सऊंपे गे हवय, ओ पईसा के ओमन ला लेखा-जोखा देय के जरूरत नइं ए,
काबरकि ओमन अपन लेन-देन म ईमानदार अंय।"
8 हिलकियाह महा पुरोहित ह सचिव सापान ला कहिस, "मोला कानून के किताब यहोवा के मंदिर म मिले
हवय।" हिलकियाह ह ओ किताब सापान ला दे दीस, अऊ सापान ह ओला पढ़िस।
9 तब सचिव सापान ह राजा करा जाके ओला बताईस: "जऊन पईसा यहोवा के मंदिर म रिहिस, ओला तोर
करमचारीमन भुगतान कर दे हवंय अऊ ओला मंदिर म काम करइया अऊ देखरेख करइयामन ला सऊंप दे
हवंय।"
10 तब सचिव सापान ह राजा ला ये घलो बताईस, "हिलकियाह पुरोहित ह मोला एक किताब दे हवय।" अऊ
सापान ह राजा के आघू म ओ किताब ला पढ़के सुनाईस।
11 जब राजा ह कानून के किताब के बात ला सुनिस, त ओह अपन ओनहा ला चीरिस।
12 ओह हिलकियाह पुरोहित, सापान के बेटा अहीकाम, मीकायाह के बेटा अकबोर, सचिव सापान अऊ राजा
के सेवक असायाह ला ये हुकूम दीस:
13 "जावव अऊ जऊन किताब मिले हवय, ओमा लिखे बात के बारे म मोर बर अऊ मनखेमन बर अऊ जम्मो
यहूदा बर यहोवा ले पुछताछ करव। भयंकर ए यहोवा के कोरोध, जऊन ह हमर ऊपर भड़कत हे काबरकि हमर
पुरखामन ये किताब के बात ला नइं मानिन; ओमन ओ किताब म हमर संबंध म लिखे जम्मो बात के मुताबिक
नइं चलिन।"
14 हिलकियाह पुरोहित, अहीकाम, अकबोर, सापान अऊ असायाह बात करे बर हुलदा अगमजानीन करा
गीन, जऊन ह हरहस के पोता अऊ तिकवा के बेटा सल्लूम के घरवाली रिहिस; ओह ओनहा रखे के कमरा के
रखवारीन रिहिस अऊ ओह यरूसलेम के नवां बने मकान म रहत रिहिस।
15 हुलदा ह ओमन ला कहिस, "यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: जऊन मनखे ह तुमन ला मोर
करा पठोय हवय, ओला ये कहव,
16 'यहोवा ह ये कहत हे: यहूदा के राजा ह जऊन किताब ला पढ़े हवय, ओमा लिखे हर बात के मुताबिक मेंह
ये जगह अऊ इहां के मनखेमन ऊपर बिपत्ति लानेवाला हंव।
17 काबरकि ओमन मोला तियाग दे हवंय अऊ आने देवतामन बर धूप जलाय हवंय अऊ अपन हांथ के बनाय
जम्मो मूरतीमन के दुवारा मोर कोरोध ला भड़काय हवंय, एकरसेति ये जगह ऊपर मोर कोरोध ह भड़कही अऊ
येह सांत नइं होही।'
18 यहूदा के राजा ले कहव, जऊन ह तुमन ला यहोवा ले पुछताछ करे बर पठोय हवय, 'जऊन बातमन ला
तेंह सुने हस, ओकर बारे म यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
19 काबरकि तोर मन ह उत्तरदायी होईस अऊ तेंह यहोवा के आघू म अपनआप ला नम्र करय, जब तेंह ये
जगह अऊ इहां के मनखेमन के बिरूध कहे गय मोर बात ला सुनय—कि ओमन एक सराप बन जाहीं अऊ ओमन
उजड़ जाहीं—अऊ काबरकि तेंह अपन ओनहा ला चीरय अऊ मोर आघू म रोवय, त मेंह घलो तोर बात ला
सुनेंव, यहोवा ह घोसना करत हे।
20 एकरसेति मेंह तोला तोर पुरखामन संग मिला दूहूं, अऊ तोला सांति म माटी दिये जाही। तोर आंखीमन
ओ जम्मो बिपत्ति ला नइं देखहीं, जेला मेंह ये जगह ऊपर लानेवाला हंव।' "
तब ओमन वापिस जाके ओ माईलोगन के कहे बात राजा ला बताईन।

23

[illegible]

1 तब राजा ह यहूदा अऊ यरूसलेम के जम्मो अगुवामन ला बलाके इकट्ठा करिस।
2 ओह यहूदा के मनखे, यरूसलेम के निवासी, पुरोहित अऊ अगमजानीमन के संग यहोवा के मंदिर म
गीस—ओमा छोटे ले लेके बड़े जम्मो मनखे रिहिन। ओह ओमन ला करार के ओ किताब के जम्मो बचन ला
पढ़के सुनाईस, जऊन ह यहोवा के मंदिर म मिले रिहिस।

3 राजा ह खंभा करा ठाढ़ होईस अऊ यहोवा के आघू म ये कहिके ओ करार ला नवां करिस कि ओह यहोवा के
पाछू चलही अऊ अपन पूरा मन अऊ अपन पूरा परान से ओकर हुकूम, नियम अऊ बिधिमन ला मानही अऊ
ओ किताब म लिखे करार के बातमन ला मजबूत करही। तब जम्मो मनखेमन करार ला पूरा करे के सपथ खाईन।
4 राजा ह हिलकियाह महा पुरोहित ला, ओकर बाद के पद के पुरोहितमन ला, अऊ दुवारपालमन ला हुकूम
दीस कि ओमन यहोवा के मंदिर ले बाल अऊ असेरा अऊ अकास के जम्मो तारामन बर बने जम्मो चीजमन ला
हटवा दें। ओह ओ चीजमन ला यरूसलेम के बाहिर किदरोन घाटी म जला दीस अऊ ओमन के राख ला बेतेल ले
गीस।
5 ओह ओ मूरती-पूजा करइया पुरोहितमन ला निकाल दीस, जेमन ला यहूदा के राजामन यहूदा के नगर के
ऊंचहा जगहमन म अऊ यरूसलेम के आसपास धूप जलाय बर ठहिराय रिहिन—येमन बाल, सूरज अऊ चंदा,
तारा मंडल अऊ जम्मो तारागन बर धूप जलावंय।
6 ओह यहोवा के मंदिर ले असेरा के खंभा ला यरूसलेम के बाहिर किदरोन घाटी म ले गीस अऊ उहां ओला
जला दीस। ओह ओला कुचरके चूरा बना दीस अऊ ओकर धुर्रा ला सधारन मनखेमन के कबर म बिखेर दीस।
7 ओह मंदिर के ओ पुरूस बेस्यामन के घरमन ला घलो गिरा दीस, जेमन यहोवा के मंदिर म रिहिन अऊ जिहां
माईलोगनमन असेरा देवी बर कपड़ा बुने के काम करत रिहिन।
8 योसियाह ह यहूदा के नगरमन ले जम्मो पुरोहितमन ला बलाईस अऊ गेबा ले लेके बेरसेबा तक ओ ऊंचहा
जगहमन ला असुध कर दीस, जिहां पुरोहितमन धूप जलात रिहिन। ओह सहर के हाकिम यहोसू के दुवार के
पास के ओ कपाट ला टोरके गिरा दीस, जऊन ह सहर के दुवार के डेरी कोति रिहिस।
9 हालाकि ऊंचहा जगह के पुरोहितमन यरूसलेम म यहोवा के बेदी करा सेवा नइं करत रिहिन, पर ओमन
अपन संगी पुरोहितमन के संग बिगर खमीर के रोटी ला खावत रिहिन।
10 ओह तोपेत* ला असुध कर दीस, जऊन ह बेन-हिन्नोम के घाटी म रिहिस, ताकि कोनो मोलेक देवता बर
अपन बेटा या बेटी ला आगी म बलिदान करे म ओकर उपयोग झन कर सकंय।
11 ओह दुवार ले लेके यहोवा के मंदिर तक ओ घोड़ामन ला हटा दीस, जेमन ला यहूदा के राजामन सूरज ला
अरपन करे रिहिन। ओ घोड़ामन नातान-मेलेक नांव के एक करमचारी के कमरा के लकठा के अंगना म रिहिन।
योसियाह ह तब सूरज ला अरपन करे गे रथमन ला जला दीस।
12 ओह आहाज के ऊपर के कमरा के लकठा म, छत म यहूदा के राजामन के बनाय बेदीमन ला गिरा दीस,
अऊ ओह यहोवा के मंदिर के दूनों अंगना म मनस्से के बनाय बेदीमन ला घलो गिरा दीस। ओह ओमन ला उहां
ले हटाके ओमन के कुटा-कुटा कर दीस अऊ कुड़ा-कचरा ला किदरोन के घाटी म फेंकवा दीस।
13 राजा ह ओ ऊंचहा जगहमन ला घलो असुध कर दीस, जेमन बेईमानी के पहाड़ी के दक्खिन कोति
यरूसलेम के पूरब म रिहिन—येमन ला इसरायल के राजा सुलेमान ह सीदोनीमन के दुस्ट देवी असतोरेत,
मोआब के दुस्ट देवता कमोस, अऊ अमोन के मनखेमन के घिनित देवता मोलेक बर बनाय रिहिस।
14 योसियाह ह देवतामन ला अरपित पथरामन ला चूर-चूर कर दीस अऊ असेरा के खंभामन ला काट डारिस
अऊ ओ जगहमन ला मनखे के हाड़ामन ले भर दीस।
15 अऊ त अऊ बेतेल के बेदी, नबात के बेटा यरोबाम के बनाय ऊंचहा जगह, जऊन ह इसरायल ले पाप
करवाय रिहिस—येमन ला घलो ओह गिरा दीस। ओह ऊंचहा जगह ला जला दीस अऊ येला कुचरके चूरा बना
दीस, अऊ असेरा के खंभा ला घलो जला दीस।
16 तब योसियाह ह अपन आसपास देखिस, अऊ ओला पहाड़ी कोति कबरमन दिखिन, त ओह कबरमन ले
हाड़ामन ला हटवाईस अऊ ओ हाड़ामन ला बेदी के ऊपर जलाके ओला असुध कर दीस। ये बात ह यहोवा के
ओ बचन के मुताबिक होईस, जेला परमेसर के जन ह अगमबानी करके घोसना करे रिहिस।
17 राजा ह पुछिस, "ओ कबर के पथरा का ए, जेला मेंह देखत हंव?"
सहर के मनखेमन कहिन, "येह बताथे कि येह परमेसर के ओ मनखे के कबर अय, जऊन ह यहूदा ले आईस
अऊ बेतेल के बेदी के बिरूध ओ बात के घोसना करिस, जेला तेंह बेदी के संग करे हस।"

---

* **23:10** [illegible] या [illegible]

18 राजा ह कहिस, “ओला छोंड़ दव। कोनो ओकर हाड़ामन ला झन हटाय।” एकरसेति ओमन ओकर हाड़ामन
ला अऊ सामरिया ले आय अगमजानी के हाड़ामन ला छोंड़ दीन।
19 जइसने योसियाह बेतेल म करे रिहिस, वइसने ही ओह ऊंचहा जगहमन के ओ जम्मो देव-स्थलमन ला
गिरा दीस, जेमन ला इसरायल के राजामन सामरिया के नगरमन म बनाय रिहिन अऊ जेकर कारन यहोवा के
गुस्सा भड़के रिहिस।
20 योसियाह ह ओ ऊंचहा जगहमन के जम्मो पुरोहितमन ला बेदीमन के ऊपर मार डारिस अऊ मनखेमन के
हाड़ा ला ओमन के ऊपर जला दीस। तब ओह यरूसलेम वापिस चल दीस।
21 राजा ह जम्मो मनखेमन ला ये हुकूम दीस: “करार के ये किताब म लिखे मुताबिक यहोवा, अपन परमेसर
बर फसह के तिहार मनावव।”
22 न तो नियायीमन के दिन म, जऊन मन इसरायल के अगुवई करिन, अऊ न ही इसरायल के राजा अऊ
यहूदा के राजामन के दिन म अइसने फसह के तिहार मनाय गे रिहिस।
23 पर योसियाह राजा के सासन के अठारहवां साल म यहोवा बर यरूसलेम म ये फसह तिहार मनाय गीस।
24 येकर अलावा, योसियाह ह जादू-टोना करइया, भूत-परेत साधक, घर म रखे देवता, मूरती, अऊ यहूदा
अऊ यरूसलेम के जम्मो घिनित चीजमन ला हटा दीस। ये काम ओह ओ किताब म लिखे कानून के बात ला पूरा
करे बर करिस, जऊन ह हिलकियाह पुरोहित ला यहोवा के मंदिर म मिले रिहिस।
25 न तो योसियाह के पहिले अऊ न ही ओकर बाद कोनो अइसने राजा होईस, जऊन ह ओकर सहीं अपन
जम्मो हिरदय अऊ अपन जम्मो परान अऊ अपन जम्मो ताकत ले मूसा के जम्मो कानून के मुताबिक यहोवा के
रसता म चले हो।
26 तभो ले, यहोवा के ओ भयंकर कोरोध ह सांत नइं होईस, जऊन ह यहूदा के बिरूध भड़के रिहिस, काबरकि
मनस्से ह ओकर कोरोध ला भड़काय बर बहुंते दुस्ट काम करे रिहिस।
27 एकरसेति यहोवा ह कहिस, “मेंह यहूदा ला घलो अपन आघू ले हटा दूहूं, जइसे कि मेंह इसरायल ला हटा
दे हंव, अऊ मेंह यरूसलेम ला अस्वीकार करहूं, ओ सहर जेला मेंह चुनेंव, अऊ ये मंदिर ला घलो अस्वीकार
करहूं, जेकर बारे म मेंह कहे रहेंव, ‘मोर नांव उहां होही।’[†]”
28 योसियाह के राज के आने घटना, अऊ ओकर जम्मो काम यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे
हवंय।
29 जब योसियाह ह राजा रिहिस, त मिसर के राजा फिरौन नको ह अस्सूर के राजा के मदद करे बर फरात नदी
करा गीस। योसियाह राजा ओकर ले लड़ई करे बर आघू बढ़िस, पर नको ह ओकर सामना करके ओला मगिद्दो
सहर म मार डारिस।
30 योसियाह के सेवकमन ओकर लास ला मगिद्दो ले यरूसलेम एक रथ म लानिन अऊ ओकर खुद के कबर म
माटी दीन। अऊ देस के मनखेमन योसियाह के बेटा यहोआहाज ला लीन अऊ ओकर अभिसेक करके ओला
ओकर ददा के जगह म राजा बनाईन।

[illegible]

31 यहोआहाज ह तेईस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म तीन महिना राज
करिस। ओकर दाई के नांव हमूतल रिहिस, जऊन ह यरमियाह के बेटी रिहिस, अऊ ओह लिबना के रहइया
रिहिस।
32 यहोआहाज ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसे कि ओकर पहिले के राजामन करे रिहिन।
33 फिरौन नको ह ओला हमात देस के रिबला नगर म संकली म बांधके रखिस, ताकि ओह यरूसलेम म राज
झन कर सकय, अऊ ओह यहूदा देस ऊपर एक सौ टेलेन्ट[‡] चांदी अऊ एक टेलेन्ट[§] सोन के कर लगा दीस।
34 फिरौन नको ह योसियाह के बेटा एलयाकीम ला ओकर ददा योसियाह के जगह म राजा बनाईस अऊ
ओकर नांव एलयाकीम ला बदलके यहोयाकीम रख दीस। पर ओह यहोआहाज ला मिसर ले गीस, जिहां
यहोआहाज के मिरतू हो गीस।

---

† **23:27** 1 राजा 8:29 ‡ **23:33** लगभग पौने चार टन § **23:33** लगभग 34 किलोग्राम

35 यहोयाकीम ह फिरौन नको के मांग के मुताबिक ओला सोन अऊ चांदी दीस। पर अइसने करे बर, ओह देस
के ऊपर कर लगाईस अऊ देस के मनखेमन ले ओमन के संपत्ति के हिसाब से जबरदस्ती सोन अऊ चांदी के
वसूली करिस।

[illegible]

36 यहोयाकीम ह पच्चीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म गियारह साल तक
राज करिस। ओकर दाई के नांव जबीदा रिहिस, जऊन ह पदायाह के बेटी रिहिस; जबीदा ह रूमा नगर के
रहइया रिहिस।
37 यहोयाकीम ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसे कि ओकर पहिले के राजामन करे रिहिन।

24

1 यहोयाकीम के राज के समय, बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह ओकर देस ऊपर हमला करिस, अऊ
यहोयाकीम ह तीन साल तक ओकर अधीन म रिहिस। ओकर बाद ओह नबूकदनेसर के बिरूध बिदरोह करिस।
2 तब यहोवा ह यहूदा ला नास करे बर ओकर बिरूध बेबिलोनी,* अरामी, मोआबी अऊ अमोनी हमला
करइयामन ला पठोईस अऊ येह यहोवा के ओ बचन के मुताबिक होईस, जेकर घोसना ओकर सेवक अऊ
अगमजानीमन करे रिहिन।
3 सही म, ये बात यहूदा के ऊपर यहोवा के हुकूम के मुताबिक होईस, ताकि राजा मनस्से के दुवारा करे गे पाप
अऊ निरदोसमन के खून बहाय के संगे-संग ओकर दुवारा करे गे जम्मो दुस्ट काम के कारन,
4 यहोवा ह यहूदा ला अपन आघू ले हटावय। काबरकि मनस्से ह यरूसलेम ला निरदोस मनखेमन के खून ले
भर दे रिहिस, अऊ यहोवा ह ओला छेमा नइं करे चाहत रिहिस।
5 यहोयाकीम के राज के आने घटना, अऊ ओकर जम्मो काम यहूदा के राजामन के इतिहास के किताब म
लिखे हवंय।
6 यहोयाकीम ह हमेसा बर अपन पुरखामन संग सुत गीस। अऊ ओकर जगह म ओकर बेटा यहोयाकीन राजा
बनिस।
7 मिसर देस के राजा फेर कभू अपन देस ले बाहिर नइं गीस, काबरकि बेबिलोन के राजा ह मिसर के नरवा ले
लेके फरात नदी तक ओकर जम्मो राज ला ले लेय रिहिस।

[illegible]

8 यहोयाकीन ह अठारह साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म तीन महिना तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव नहुस्ता रिहिस, जऊन ह एलनातान के बेटी रिहिस; नहुस्ता ह यरूसलेम के रहइया
रिहिस।
9 यहोयाकीन ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसे कि ओकर ददा ह करे रिहिस।
10 ओ समय बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के सेना के अधिकारीमन आके यरूसलेम ला घेर लीन,
11 अऊ नबूकदनेसर खुद सहर म आईस, जब ओकर अधिकारीमन सहर ला घेरे रिहिन।
12 यहूदा के राजा यहोयाकीन, ओकर दाई, ओकर सेवकमन, ओकर परभावसाली मनखेमन, अऊ ओकर
करमचारीमन—जम्मो के जम्मो बेबिलोन के राजा के आघू म समरपन कर दीन।
बेबिलोन के राजा ह अपन राज के आठवां साल म यहोयाकीन ला बंदी बना लीस।
13 नबूकदनेसर ह यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल ले खजाना ला निकाल लीस, अऊ इसरायल के राजा
सुलेमान ह यहोवा के मंदिर बर जऊन सोन के चीजमन ला बनाय रिहिस, ओमन ला ओह काट डारिस।
14 ओह पूरा यरूसलेम ला बंधुवई म ले गीस: येमा जम्मो अधिकारी अऊ योद्धामन, अऊ जम्मो कुसल
मजदूर अऊ सिल्पकारमन रिहिन; येमन के संखिया दस हजार रिहिस। देस के सबले गरीब मनखेमन ला ही छोंड़
दिये गीस।
15 नबूकदनेसर ह यहोयाकीन ला बंदी बनाके बेबिलोन ले गीस। ओह राजा के दाई, ओकर घरवाली, ओकर
करमचारी अऊ देस के परभावसाली मनखेमन ला घलो यरूसलेम ले बेबिलोन ले गीस।
16 बेबिलोन के राजा ह सात हजार लड़ई करइया मनखेमन के पूरा सेना ला घलो बेबिलोन ले गीस, अऊ संग
म एक हजार कुसल मजदूर अऊ कारीगरमन ला ले गीस।

---

* **24:2** या [illegible]

17 बेबिलोन के राजा ह यहोयाकीन के कका मतनयाह ला ओकर जगह म राजा बनाईस अऊ ओकर नांव ला
बदलके सिदकियाह रखिस।

?????? ?? ????? ?????????

18 सिदकियाह ह इक्कीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म गियारह साल तक
राज करिस। ओकर दाई के नांव हमूतल रिहिस, जऊन ह यरमियाह के बेटी रिहिस; हमूतल ह लिबना सहर के
रिहिस।
19 सिदकियाह ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसने यहोयाकीम ह करे रिहिस।
20 यहोवा के गुस्सा के कारन ये जम्मो बात यरूसलेम अऊ यहूदा ऊपर होईस, अऊ आखिर म, यहोवा ह
ओमन ला अपन आघू ले भगा दीस।

??????? ?? ????

सिदकियाह ह बेबिलोन के राजा के बिरूध बिदरोह करिस।

25

1 सिदकियाह के राज के नौवां साल के दसवां महिना के दसवां दिन, बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह अपन
जम्मो सेना के संग यरूसलेम के बिरूध लड़ई करे बर निकलिस। ओह सहर के बाहिर डेरा डालिस अऊ सहर ला
चारों कोति ले घेर लीस।
2 सहर म ये घेराबंदी सिदकियाह राजा के गियारहवां साल तक रिहिस।
3 चौथा महिना के नौवां दिन ले सहर म अकाल के असर अतेक भयंकर हो गीस कि मनखेमन बर खाय बर
कुछू नइं रिहिस।
4 तब सहर के दीवार ला टोर दिये गीस, अऊ पूरा सेना ह रथिया राजा के बारी के लकठा म दू ठन दीवार के
बीच बने दुवार ले भाग गीस, हालाकि बेबिलोनीमन* सहर ला घेरे रिहिन। ओमन अराबा† कोति भागिन,
5 पर बेबिलोनी सेना ह राजा के पीछा करिस अऊ यरीहो के मैदान म ओकर करा हबर गीस। राजा के जम्मो
सैनिकमन ओकर ले अलग होके तितिर-बितिर हो गीन,
6 अऊ राजा ला पकड़ लिये गीस।
ओला रिबला सहर म बेबिलोन के राजा करा लाने गीस, जिहां ओला सजा सुनाय गीस।
7 ओमन सिदकियाह के बेटामन ला ओकर आंखी के आघू म मार डारिन। तब ओमन ओकर आंखीमन ला
निकाल लीन अऊ ओला कांसा के बेड़ीमन म जकड़के बेबिलोन ले गीन।
8 बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के राज के उन्नीसवां साल के पांचवां महिना के सातवां दिन, बेबिलोन के राजा
के एक अधिकारी, साही पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह यरूसलेम आईस।
9 ओह यहोवा के मंदिर, राजमहल अऊ यरूसलेम के जम्मो घरमन म आगी लगा दीस। हर एक बड़े भवन ला
ओह जला दीस।
10 साही पहरेदारमन के सेनापति के अगुवई म, बेबिलोनीमन के जम्मो सेना ह यरूसलेम के चारों कोति के
दीवारमन ला गिरा दीस।
11 पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह सहर म बचे मनखेमन ला, बाकि बचे सधारन मनखे अऊ ओ मनखे
जऊन मन बेबिलोन के राजा कोति भागे रिहिन—ओ जम्मो ला बंधुवा करके ले गीस।
12 पर सेनापति ह देस के कुछू बहुंत गरीब मनखेमन ला अंगूर के बारी अऊ खेतमन म काम करे बर छोंड़
दीस।
13 बेबिलोनीमन यहोवा के मंदिर के कांसा के खंभामन ला, सरकनेवाला सहारामन ला अऊ कांसा के हौज ला
टोर दीन अऊ ओमन कांसा ला बेबिलोन ले गीन।
14 ओमन हंड़िया, बेलचा, दीया के बाती ला कतरे के कतरनी, बरतन अऊ मंदिर के सेवा म उपयोग होवइया
जम्मो कांसा के चीजमन ला ले गीन।
15 धूपदान अऊ छिंचे के कटोरामन—ओ चीज, जेमन सुध सोन या चांदी के बने रिहिन, ओ जम्मो ला साही
पहरेदारमन के सेनापति ह ले गीस।
16 यहोवा के मंदिर बर सुलेमान के दुवारा बनाय गे दूनों खंभा, हौज अऊ सरकनेवाला सहारामन के कांसा ह
अतेक जादा रिहिस कि ओला तऊले नइं जा सकिस।

---

* **25:4** या ??????? † **25:4** या ???? ?? ????

17 हर एक खंभा के ऊंचई अठारह क्यूबीट‡ रिहिस। एक खंभा के ऊपर कांसा के बने सिरा ह तीन क्यूबीट§
ऊंचा रिहिस, जेमा चारों कोति कांसा के जाली अऊ अनार बनाके सजाय गे रिहिस। आने खंभा घलो जालीदार
सजावट के संग वइसने ही रिहिस।
18 पहरेदारमन के सेनापति ह मुखिया पुरोहित सरायाह, पद म ओकर बाद वाला पुरोहित सपनयाह अऊ
तीन झन दुवारपाल ला कैदी के रूप म ले गीस।
19 सहर म जऊन मन बांचे रिहिन, ओमा के सैनिकमन के मुखिया अधिकारी, अऊ पांच साही सलाहकार ला
ओह ले गीस। ओह ओ सचिव ला घलो ले गीस, जऊन ह देस के मनखेमन के जरूरी सैनिक सेवा भरती के
मुखिया अधिकारी रिहिस। जरूरी सैनिक सेवा के साठ झन सहर म मिलिन।
20 सेनापति नबूजरदान ओ जम्मो झन ला लीस अऊ ओमन ला रिबला म बेबिलोन के राजा करा लानिस।
21 हमात देस के रिबला म, राजा ह ओमन ला मरवा दीस।
ये किसम ले यहूदा ह अपन देस ले दूर बंधुवई म चल दीस।
22 जऊन मनखेमन यहूदा म छूट गीन, ओमन के ऊपर बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह गदलयाह ला
अधिकारी ठहिरा दीस, जऊन ह अहीकाम के बेटा अऊ सापान के पोता रिहिस।
23 जब सेना के जम्मो अधिकारी अऊ ओमन के मनखेमन ये सुनिन कि बेबिलोन के राजा ह गदलयाह ला
राजपाल के रूप म ठहिराय हवय, त ओमन मिसपा म गदलयाह करा आईन—येमा नतनयाह के बेटा
इसमायल, कारेह के बेटा योहानान, नतोपाती के रहइया तनहूमेत के बेटा सरायाह, माकाती के बेटा याजनयाह,
अऊ ओमन के मनखेमन रिहिन।
24 गदलयाह ह ओमन ला अऊ ओमन के मनखेमन ला बिसवास दिलाय बर कसम खाके ये कहिस, "बेबिलोन
के करमचारीमन ले झन डरव, देस म बस जावव अऊ बेबिलोन के राजा के सेवा करव, तब तुम्हर भलई होही।"
25 पर सातवां महिना म इसमायल, जऊन ह नतनयाह के बेटा अऊ एलीसामा के पोता रिहिस अऊ
राज-परिवार के रिहिस; ओह दस झन मनखे ला लेके आईस अऊ गदलयाह ला मार डारिस अऊ मिसपा म
ओकर संग रहइया यहूदा के मनखे अऊ बेबिलोनी मनखेमन ला घलो मार डारिस।
26 येकर कारन, छोटे ले लेके बड़े जम्मो मनखे अऊ सेना के अधिकारीमन बेबिलोनी मनखेमन के डर के मारे
मिसर देस भाग गीन।

[illegible]

27 यहूदा के राजा यहोयाकीन के बंधुवई के सैंतीसवां साल म, जब एवील-मरोदक ह बेबिलोन के राजा बनिस,
त ओ साल ओह यहूदा के राजा यहोयाकीन ला जेल ले छोंड़ दीस। ओह ये काम बारहवां महिना के सत्ताईसवां
दिन करिस।
28 ओह ओकर संग मया ले बात करिस अऊ ओला ओ राजामन ले एक ऊंच आदर के पद दीस, जेमन ओकर
संग बेबिलोन म रिहिन।
29 तब यहोयाकीन ह अपन जेल के कपड़ा ला उतार लीस अऊ जिनगी भर हर दिन राजा के मेज म जेवन
करिस।
30 राजा ह यहोयाकीन के हर दिन के खरचा बर एक भत्ता ठहिराय रिहिस, जऊन ह ओला ओकर जिनगी भर
मिलिस।

‡ **25:17** लगभग 27 फीट § **25:17** लगभग सवा चार फीट

इतिहास
के पहिला किताब

[illegible]

[illegible]

1 आदम, सेत, एनोस,
2 केनान, महललेल, येरेद,
3 हनोक, मतूसेलह, लेमेक,
नूह।

4 नूह के बेटामन: सेम, हाम अऊ येपेत।

[illegible]

5 येपेत के बेटामन:*
गोमेर, मागोग, मादै, यावान, तूबल, मेसेक अऊ तीरास।
6 गोमेर के बेटामन:
असकनज, रीपत अऊ तोगरमा।
7 यावान के बेटामन:
एलीसाह, तरसीस, कित्ती अऊ रोदानीमन।

[illegible]

8 हाम के बेटामन:
कूस, मिसर, पूत अऊ कनान।
9 कूस के बेटामन:
सबा, हवीला, सबता, रामा अऊ सबतका।
रामा के बेटामन:
सेबा अऊ ददान्।
10 कूस ह निमरोद के ददा रिहिस;
निमरोद ह धरती म पहिला बड़े बीर होईस।
11 मिसर ह
लूदी, अनामी, लहाबी, नपतूही,
12 पतरूसी, कसलूही (जेकर ले पलिस्तीमन आईन) अऊ कपतोरी मनखेमन के ददा रिहिस।
13 कनान के बड़े बेटा सीदोन रिहिस,
तेकर पाछू हित्ती,
14 यबूसी, अमोरी, गिरगासी,
15 हिब्बी, अरकी, सीनी,
16 अरवदी, समारी, अऊ हमातीमन घलो होईन।

[illegible]

17 सेम के बेटामन:
एलाम, अस्सूर, अर्पछद, लूद अऊ अराम।
अराम के बेटामन:
ऊस, हूल, गेतेर अऊ मेसेक।
18 अर्पछद ह सेलह के ददा रिहिस,
अऊ सेलह ह एबेर के ददा रिहिस।

---

* **1:5** [illegible] के मतलब [illegible] हो सकथे

19 एबेर के दू झन बेटा होईन:
एक के नांव पेलेग† रखे गीस, काबरकि ओकर समय म धरती ह बंट गीस; ओकर भाई के नांव योकतान
रिहिस।
20 योकतान ह
अलमोदाद, सेलेप, हसरमावेत, येरह
21 हदोराम, ऊजाल, दिकला,
22 ओबाल, अबीमाएल, सेबा,
23 ओपीर हवीला अऊ योबाब के ददा रिहिस। ये जम्मो योकतान के बेटा रिहिन।

24 सेम, अर्पछद, सेलह,
25 एबेर, पेलेग, रू,
26 सरूग, नाहोर, तेरह
27 अऊ अब्राम (जेह अब्राहम घलो कहाथे)।

[illegible]
28 अब्राहम के बेटामन: इसहाक अऊ इसमायल।

[illegible]
29 ओमन के बंस येमन रिहिन:
इसमायल के बड़े बेटा नबायोत, तब केदार, अदबेल, मिबसाम,
30 मिस्मा, दूमा, मस्सा, हदद, तेमा,
31 यतूर, नापीस अऊ केदमा।
येमन इसमायल के बेटा रिहिन।

[illegible]
32 अब्राहम के रखैल कतूरा के बेटामन:
जिमरान, योकसान, मदान, मिदयान, यिसबाक अऊ सूह।
योकसान के बेटामन:
सेबा अऊ ददान।
33 मिदयान के बेटामन:
एपा, एपेर, हनोक, अबीदा अऊ एलदा।
ये जम्मो कतूरा के बंसज रिहिन।

[illegible]
34 अब्राहम ह इसहाक के ददा रिहिस।
इसहाक के बेटामन:
एसाव अऊ इसरायल।

[illegible]
35 एसाव के बेटामन:
एलीपज, रूएल, यूस, यालाम अऊ कोरह।
36 एलीपज के बेटामन:
तेमान, ओमार, सपो, गाताम अऊ कनज;
अऊ तिमना‡ कोति ले अमालेक।
37 रूएल के बेटामन:
नहत, जेरह, सम्मा अऊ मिज्जा।

[illegible]
38 सेईर के बेटामन:
लोतान, सोबाल, सिबोन, अना, दीसोन, एसेर अऊ दीसान।

---

† **1:19** *[illegible]* के मतलब *[illegible]* ‡ **1:36** एलीपज के रखैल

39 लोतान के बेटामन:
होरी अऊ होमाम। तिमना ह लोतान के बहिनी रिहिस।
40 सोबाल के बेटामन:
आलवान, मानहत, एबाल, सपो अऊ ओनाम।
सिबोन के बेटामन:
अय्या अऊ अना।
41 अना के बेटा:
दीसोन।
दीसोन के बेटामन:
हेमदान,§ एसबान, यितरान अऊ करान।
42 एसेर के बेटामन:
बिलहान, जाबान अऊ अकान।
दीसान* के बेटामन:
ऊस अऊ अरान।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

43 कोनो इसरायली राजा के एदोम म राज करे के पहिली येमन ओ राजा रिहिन, जेमन एदोम म राज करिन:
बेओर के बेटा बेला, जेकर सहर के नांव दिनहाबा रखे गीस।
44 बेला के मरे के बाद, ओकर जगह म बोसरा के रहइया जेरह के बेटा योबाब राजा बनिस।
45 योबाब के मरे के बाद, तेमानीमन के देस के हूसाम ओकर जगह म राजा होईस।
46 जब हूसाम ह मर गीस, त बदद के बेटा हदद ओकर जगह म राजा होईस: येह ओही अय, जऊन ह मोआब के देस म मिदयानीमन ला हराईस। ओकर सहर के नांव अबीत रखे गीस।
47 हदद के मरे के बाद, मसरेका नगर के रहइया समला ह ओकर जगह म राजा होईस।
48 जब समला ह मर गीस, त साऊल ह ओकर जगह म राजा होईस, जेह नदी† के तीर म बसे रहोबोत नगर के रिहिस।
49 साऊल के मरे के बाद, अकबोर के बेटा बाल-हानान ओकर जगह म राजा होईस।
50 बाल-हानान के मरे के बाद, ओकर जगह म हदद राजा होईस। ओकर सहर के नांव पाऊ रखे गीस, अऊ ओकर घरवाली के नांव महेतबेल रिहिस, जऊन ह मतरेद के बेटी अऊ मे-जाहब के नतनीन रिहिस।
51 हदद घलो मर गीस।

एदोम के मुखियामन येमन रिहिन:
तिमना, अलबा, यतेत,
52 ओहोलीबामा, एला, पीनोन,
53 कनज, तेमान, मिबसार,
54 मगदीएल अऊ ईराम।
येमन एदोम के मुखिया रिहिन।

2

[illegible] [illegible] [illegible]

1 येमन इसरायल के बेटा रिहिन: रूबेन, सिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, जबूलून,
2 दान, यूसुफ, बिनयामीन, नपताली, गाद अऊ आसेर।

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

3 यहूदा के बेटामन:
एर, ओनान, अऊ सेलह। ओकर ये तीनों बेटामन एक कनानी माईलोगन, जऊन ह सूआ के बेटी रिहिस, ओकर ले जनमे रिहिन।

§ **1:41** कतको इबरानी हस्तलिपि म *[illegible]* * **1:42** देखव उत 36:28; इबरानी म *[illegible]* † **1:48** संभवत: फरात नदी

(यहूदा के पहिलांत बेटा एर ह यहोवा के नजर म दुस्ट मनखे रिहिस, ये खातिर यहोवा ह ओला मार दीस।)
4 यहूदा के बहू तामार ह यहूदा कोति ले पेरेस अऊ जेरह ला जनम दीस।
ओकर कुल पांच झन बेटा होईन।

5 पेरेस के बेटामन:
हेसरोन अऊ हामूल।
6 जेरह के बेटामन:
जिमरी, एतान, हेमान, कलकोल अऊ दारा। जम्मो मिलाके पांच झन बेटा रिहिन।
7 करमी के बेटा:
आकार,* येह अरपन करे गे चीज के बारे म बिसवासघात करके इसरायलीमन ला दुख देवइया होईस।
8 एतान के बेटा:
अजरयाह।
9 हेसरोन के बेटामन:
यरहमेल, राम अऊ कालेब।

[illegible]

10 राम ह अमीनादाब के ददा रिहिस,
अऊ अम्मीनादाब ह नहसोन के ददा रिहिस, जऊन ह यहूदा के मनखेमन के मुखिया होईस।
11 नहसोन ह सलमोन के ददा रिहिस
अऊ सलमोन ह बोअज के ददा रिहिस,
12 बोअज ह ओबेद के ददा रिहिस
अऊ ओबेद ह यिसै के ददा रिहिस।

13 यिसै के पहिलांत बेटा
एलीआब रिहिस; दूसर बेटा अबीनादाब रिहिस,
तीसरा बेटा सिमा,
14 चौथा बेटा नतनेल,
पांचवां रदै,
15 छठवां ओसेम
अऊ सातवां दाऊद रिहिस।
16 ओमन के बहिनीमन सरूयाह अऊ अबीगैल रिहिन।
सरूयाह के तीन झन बेटा होईन: अबीसै, योआब अऊ असाहेल।
17 अबीगैल ह अमासा के दाई रिहिस, जेकर ददा इसमायली येतेर रिहिस।

[illegible]

18 हेसरोन के बेटा कालेब के घरवाली अजूबा (अऊ यरीओत) ले ओकर बेटामन जनमे रिहिन, जेमन के नांव रिहिस:
येसेर, सोबाब अऊ अरदोन।
19 जब अजूबा मर गीस तब कालेब ह एपरात ले बिहाव करिस, जेकर ले हूर जनमिस।
20 हूर ह ऊरी के ददा रिहिस अऊ ऊरी ह बसलेल के।

21 बाद म, हेसरोन, अपन साठ बरस के उमर म गिलाद के ददा माकीर के बेटी ले बिहाव करिस, जेकर ले सगूब जनमिस।
22 सगूब ह याईर के ददा रिहिस जेकर गिलाद देस म तेईस ठन सहर रिहिस।
23 (पर गसूर अऊ अराम, हव्वोत-याईर के बस्ती अऊ गांवमन के संगे-संग कनात ऊपर घलो कब्जा कर लीन, ये जम्मो साठ ठन सहर रिहिन।)
ये जम्मो गिलाद के ददा माकीर के संतान रिहिन।

---

* **2:7** [illegible] ला यहोसू के किताब म [illegible] कहे गे हवय

24 कालेब-एपराता म हेसरोन के मरे के बाद, हेसरोन के घरवाली, अबियाह ह तकोआ के ददा असहूर ला
जनम दीस।

[illegible]

25 हेसरोन के बड़े बेटा यरहमेल के बेटामन:
ओकर बड़े बेटा राम, बूना, ओरेन, ओसेम अऊ अहियाह।
26 यरहमेल के एक झन अऊ घरवाली रिहिस, जेकर नांव अतारा रिहिस; ओह ओनाम के दाई रिहिस।
27 यरहमेल के बड़े बेटा राम के बेटामन:
मास, यामीन अऊ एकेर।
28 ओनाम के बेटामन:
सम्मै अऊ यादा।
सम्मै के बेटामन:
नादाब अऊ अबीसूर।
29 अबीसूर के घरवाली के नांव अबीहैल रिहिस, जेकर ले अहबान अऊ मोलीद जनमिन।
30 नादाब के बेटामन:
सेलेद अऊ अप्पैम। सेलेद ह बिना कोनो लइका के मर गीस।
31 अप्पैम के बेटा:
यिसी जऊन ह सेसान के ददा रिहिस। सेसान ह अहलै के ददा रिहिस।
32 सम्मै के भाई यादा के बेटामन:
येतेर अऊ योनातन। येतेर बिगर संतान के मर गीस।
33 योनातन के बेटामन:
पेलेत अऊ जाजा।
येमन यरहमेल के संतान रिहिन।

34 सेसान के कोनो बेटा नइं रिहिन, सिरिप बेटी रिहिन।
ओकर यरहा नांव के एक झन मिसरी सेवक रिहिस।
35 सेसान ह अपन बेटी के बिहाव अपन सेवक यरहा के संग कर दीस, जेकर ले अत्तै जनमिस।
36 अत्तै ह नातान के ददा रिहिस,
नातान ह जाबाद के ददा रिहिस,
37 जाबाद ह एपलाल के ददा रिहिस,
एपलाल ह ओबेद के,
38 ओबेद ह येहू के,
येहू ह अजरयाह के,
39 अजरयाह ह हेलेस के,
हेलेस ह एलासा के
40 एलासा ह सिसमै के,
सिसमै ह सल्लूम के,
41 सल्लूम ह यकमयाह के,
यकमयाह ह एलीसामा के।

[illegible]

42 यरहमेल के भाई कालेब के बेटामन:
ओकर बड़े बेटा मेसा, जऊन ह जीप के ददा रिहिस,
अऊ ओकर बेटा मारेसा जऊन ह हेबरोन के ददा रिहिस।
43 हेबरोन के बेटामन:
कोरह, तप्पूह, रेकेम अऊ सेमा।
44 सेमा ह रहम के ददा रिहिस,
अऊ रहम ह योरकाम के।

रेकेम ह सम्मै के ददा रिहिस।
45 सम्मै के बेटा माओन होईस
अऊ माओन ह बेत-सूर के ददा रिहिस।
46 कालेब के रखैल एपा ले
हारान, मोसा अऊ गाजेज जनमिन।
हारान ह गाजेज के ददा रिहिस।
47 याहदै के बेटामन:
रेगेम, योताम, गेसान, पेलेत, एपा अऊ साप।
48 कालेब के रखैल माका ह
सेबेर अऊ तिरहाना के दाई रिहिस।
49 ओह मदमन्ना के ददा, साप ला
अऊ मकबेना अऊ गिबा के ददा, सेवा ला घलो जनम दीस।
कालेब के बेटी अकसा रिहिस।
50 येमन कालेब के बंसज रिहिन।

एपराता के बड़े बेटा हूर के बेटामन:
किरयत-यारीम के ददा सोबाल,
51 बैतलहम के ददा सलमा अऊ बेत-गादेर के ददा हारेप।
52 किरयत-यारीम के ददा सोबाल के बंस म येमन रिहिन:
हारोएह, आधा मनुहोतीमन,
53 अऊ किरयत-यारीम के कुल: येतेरी, पूती, सूमाती अऊ मिसराई। येमन ले सोराती अऊ एसताओली निकलिन।
54 सलमा के बंसज:
बैतलहम, नतोपाती, अतरोत-बेत-योआब, आधा मानहतीमन, सोरी,
55 अऊ याबेस नगर म रहइया लेखकमन के कुल: तिराती, सिमाती, अऊ सूकाती। येमन केनी अंय, जेमन रेकाब के परिवार के मूल पुरूस हम्मत के बंस म ले आईन।

3

[illegible]
1 दाऊद के बेटा, जेमन ओकर ले हेबरोन नगर म जनमिन:

ओकर पहिलांत बेटा अमनोन रिहिस, जऊन ह यिजरेल सहर के अहीनोअम ले जनमे रिहिस;
दूसर बेटा दानिएल जऊन ह करमेल नगर के अबीगैल ले जनमे रिहिस;
2 तीसर, अबसालोम, गसूर के राजा तलमै के बेटी माका के बेटा;
चौथा अदोनियाह, हगीत के बेटा;
3 पांचवां सपतयाह, अबीतल के बेटा;
अऊ छठवां यितराम, जऊन ह ओकर एगला नांव के घरवाली ले जनमे रिहिस।

4 दाऊद के ये छै बेटा हेबरोन म जनमे रिहिन, जिहां ओह सात बरस अऊ छै महिना राज करिस।

दाऊद ह यरूसलेम म तैंतीस बरस राज करिस, 5 अऊ येमन ओ लइकामन के नांव अंय, जेमन उहां ओकर ले जनमिन:

सम्मू*, सोबाब, नातान अऊ सुलेमान। ये चारों अमीएल के बेटी बतसेबा ले जनमिन।
6 अऊ यिभार, एलीसू,† एलीपेलेत,

* **3:5** इबरानी म [illegible] † **3:6** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible]

7 नोगह, नेपेग, यापी,
8 एलीसामा, एलयादा अऊ एलीपेलेत—ये जम्मो नौ झन बेटा।

9 ये जम्मो दाऊद के बेटा रिहिन, येमन ला छोंड़के ओकर रखैलमन ले घलो बेटा होईन। येमन के बहिनी तामार रिहिस।

[illegible]

10 सुलेमान के बेटा रहूबियाम रिहिस,
ओकर बेटा अबियाह,
ओकर ले आसा,
ओकर ले यहोसापात,
11 ओकर ले यहोराम,‡
ओकर ले अहजयाह,
ओकर ले योआस,
12 ओकर ले अमसयाह,
ओकर ले अजरयाह,
ओकर ले योताम,
13 ओकर ले आहाज,
ओकर ले हिजकियाह,
ओकर ले मनस्से,
14 ओकर ले आमोन
अऊ ओकर ले योसियाह जनमिस।
15 योसियाह के बेटामन:
ओकर पहिलांत बेटा योहानान,
दूसर बेटा यहोयाकीम,
तीसर बेटा सिदकियाह,
चौथा सल्लूम।
16 यहोयाकीम के बेटा
यहोयाकीन§,
ओकर बेटा सिदकियाह।

[illegible]

17 यहोयाकीन जऊन ह बंदी रिहिस, ओकर संतान:
सालतीएल,
18 मलकीराम, पदायाह, सेनसर, यकमयाह, होसामा अऊ नदबयाह।
19 पदायाह के बेटामन:
जरूब्बाबेल अऊ सिमी।
जरूब्बाबेल के बेटामन:
मसुल्लाम अऊ हननयाह। सलोमीत ह ओमन के बहिनी रिहिस।
20 अऊ आने पांच झन घलो रिहिन: हसूबा, ओहेल, बेरेकियाह, हसदियाह अऊ यूसब-हेसेद।
21 हननयाह के संतान:
पलतयाह अऊ येसायाह, अऊ रपायाह के बेटामन, अरनान के बेटामन, ओबदयाह के बेटामन अऊ सेकनयाह के बेटामन।
22 सेकनयाह के संतान:
समायाह अऊ ओकर बेटामन: हतूस, इगाल, बारीह, नारयाह अऊ सापात—ये जम्मो छै झन।
23 नारयाह के बेटामन:
एलयोएनै, हिजकियाह अऊ अजरीकाम—जम्मो तीन झन।

‡ **3:11** इबरानी म [illegible] § **3:16** इबरानी म [illegible]; पद 17 म घलो

24 एलयोएनै के बेटामन:
होदवियाह, एलियासीब, पलायाह, अक्कूब, योहानान, दलायाह अऊ अनानी—जम्मो सात झन।

4

[illegible]

1 यहूदा के संतान:
पेरेस, हेसरोन, करमी, हूर अऊ सोबाल।
2 सोबाल के बेटा रायाह ले यहत, अऊ यहत ले अहूमै अऊ लहद जनमिन। येमन सोराती बंस के अंय।
3 येमन एताम के बेटा रिहिन:
यिजरेल, यिस्मा, अऊ यिद्बास। येमन के बहिनी के नांव हस्सलेलपोनी रिहिस।
4 गदोर के ददा पनूएल, अऊ हूसा के ददा एजेर रिहिस।
येमन एपराता के बेटा हूर के संतान अंय जऊन ह बैतलहम के ददा रिहिस।
5 तकोआ के ददा असहूर के हेला अऊ नारा नांव के दू झन घरवाली रिहिन।
6 नारा ले अहुज्जाम, हेपेर, तेमनी अऊ हाहसतारी जनमिन। येमन नारा के बेटा रिहिन।
7 हेला के बेटामन:
सेरेत, सोहर, एतनान।
8 अऊ कोस ले आनूब अऊ हस्सोबेबा जनमिन अऊ ओकर बंस म हारूम के बेटा अहरहेल के कुल भी जनमिन।

9 याबेस ह अपन भाईमन ले जादा नामी होईस। ओकर दाई ह ये कारन ले ओकर नांव याबेस राखिस, "मेंह येला दुख-पीरा ले जनमाय हंव।"
10 याबेस ह इसरायल के परमेसर ला गोहार लगाईस, "बने होतिस कि तें मोला सही म आसीस देते अऊ मोर इलाका ला बढ़ाते अऊ तोर हांथ मोर संग रहितिस अऊ तें मोला हानि ले अइसन बचाते कि मेंह पीरा ले बांचे रहितंय।" अऊ परमेसर ह ओकर बिनती ला सुनिस।

11 फेर सूहा के भाई कलूब ले एसतोन के ददा महीर जनमिस।
12 एसतोन ह बेत-रापा, पासेह अऊ तहिन्ना के ददा रिहिस अऊ तहिन्ना ह ईर-नाहास के ददा रिहिस। येमन रेका नगर के मनखेमन रिहिन।

13 कनज के बेटामन:
ओतनीएल अऊ सरायाह।
ओतनीएल के बेटामन:
हतत अऊ मोनोतै।
14 मोनोतै ह ओपरा के ददा रिहिस।
सरायाह ले योआब जनमिस,
जऊन ह गे-हरासीम* के ददा रिहिस; येमन कारीगर रिहिन।
15 यपुन्ने के बेटा कालेब के बेटामन:
इरू, एला अऊ नाम।
एला के बेटा:
कनज।
16 यहल्लेलेल के बेटामन:
जीप, जीपा, तीरया अऊ असरेल।
17 एजरा के बेटामन:
येतेर, मेरेद, एपेर अऊ यालोन।

---

* **4:14** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible]

ओकर घरवाली ले मिरियम, सम्मै अऊ एसतमोआ के ददा यिसबह जनमिन।
18 येमन फिरौन के बेटी बित्या के संतान रिहिन, जेला मेरेद ह बिहाव करे रिहिस।
ओकर यहूदीन घरवाली ले गदोर के ददा येरेद, सोको के ददा हेबेर अऊ जानोह के ददा यकुतिएल जनमिन।
19 होदियाह के घरवाली जऊन ह नहम के बहिनी रिहिस, ओकर बेटामन:
गेरेमी कीला के ददा, अऊ माकाती एसतमोआ
20 सीमोन के बेटामन:
अमनोन, रिन्ना, बेन-हानान अऊ तोलोन।
यिसी के संतान:
जोहेत अऊ बेन-जोहेत।
21 यहूदा के बेटा सेलह के संतान:
लेका के ददा एर, मारेसा के ददा लादा, अऊ बेत-असबे ले ओकर परिवार के बंसज जेमन मलमल के कपड़ा बनाय के बुता करंय।
22 योकीम अऊ कोजबा के मनखे अऊ योआस अऊ साराप जऊन मन मोआब म सासन करंय, अऊ यासुबी-लेहेम। (ये लेखा-जोखा पुराना जमाना के अय।)
23 येमन कुम्हार रिहिन अऊ येमन नताईम अऊ गदेरा नगर म रहत रिहिन; येमन उहां रूकंय अऊ राजा बर काम करंय।

[illegible]

24 सिमोन के संतान:
नमूएल, यामीन, यारीब, जेरह अऊ साऊल;
25 साऊल के बेटा सल्लूम, सल्लूम के बेटा मिबसाम अऊ मिबसाम ले मिस्मा होईस।
26 मिस्मा के संतान:
हम्मूएल ओकर बेटा, जक्कूर ओकर बेटा, अऊ सिमी ओकर बेटा।

27 सिमी के सोलह झन बेटा अऊ छै बेटी रिहिन, लेकिन ओकर भाईमन के बहुंत लइका नइं रिहिन; एकरसेति ओकर कुल ह यहूदा के कुल असन नइं बाढ़िस।
28 ओमन बेरसेबा, मोलादा, हसर-सूआल,
29 बिलहा, एसेम, तोलाद,
30 बतूएल, होरमा, सिकलग,
31 बेत-मरकाबोत, हसर-सूसीम, बेत-बिरी अऊ सारैम म बस गीन। दाऊद के राज के समय तक येमन ओमन के नगर रिहिन।
32 ओमन के गांव एताम, ऐन, रिम्मोन, तोकेन अऊ आसान नांव के पांच ठन नगर
33 अऊ बालात† तक ये नगरमन के आसपास के जम्मो गांव। ओमन के बसे के जगह येमन रिहिन।

अऊ ओमन बंसावली के लेखा-जोखा रखिन।

34 मेसोबाब, यमलेक,
अमसयाह के बेटा योसा,
35 योएल,
योसिब्याह के बेटा येहू, जऊन ह सरायाह के पोता अऊ असीएल के परपोता रिहिस,
36 अऊ एलयोएनै, अऊ याकोबा, यसोहायाह,
अऊ असायाह, अऊ अदीएल, अऊ यसीमीएल, अऊ बनायाह,
37 अऊ सिपी के बेटा जीजा, जऊन ह अल्लोन के बेटा, ओह यदायाह के बेटा, ओह सिमरी के बेटा, ओह समायाह के बेटा रिहिस।

38 जऊन आदमीमन के नांव ऊपर लिखे गे हवय, ओमन अपन-अपन कुल के मुखिया रिहिन।

† **4:33** कुछू सेप्टाजिन्ट हस्तलिपि म (देखव यहो 19:8); इबरानी म [illegible]

अऊ ओमन के परिवारमन बहुंत बाढ़िस,
39 अऊ येमन अपन भेड़-बकरीमन बर चरागन खोजे बर गदोर सहर के सीमना म घाटी के पूरब कोति तक
गीन।
40 अऊ ओमन बने-बने चरागन पाईन अऊ ओ देस ह लम्बा-चौड़ा, सांतिमय अऊ सांत रिहिस। पहिले उहां
हाम के बंस के कुछू मनखेमन रहत रिहिन।
41 जऊन आदमीमन के नांव ह सूची म लिखे गे रिहिस, ओमन यहूदा के राजा हिजकियाह के समय म आईन।
ओमन हामीमन के निवास ऊपर अऊ उहां रहइया मूनीमन ऊपर घलो हमला कर दीन अऊ ओमन ला पूरा नास
कर दीन, जेकर सबूत आज तक देखे जा सकत हे। तब ओमन ओमन के जगह म बस गीन काबरकि उहां ओमन के
पसुमन बर चरागन रिहिस।
42 अऊ ये सिमोनीमन के पांच सौ मनखे पलतयाह, नारयाह, रपायाह अऊ उजीएल नांव के यिसी के बेटामन
के अगुवई म सेईर के पहाड़ी देस ऊपर हमला कर दीन।
43 ओमन ओ अमालेकीमन ला मार डारिन, जेमन बांचके भाग गे रिहिन, अऊ ओमन आज तक उहां रहत
हवंय।

5

[illegible]
1 इसरायल के पहिलांत रूबेन के बेटामन (ओह पहिलांत रिहिस, पर जब ओह अपन ददा के बिछौना ला असुध
करिस, त ओकर पहिलांत के अधिकार ला इसरायल के बेटा यूसुफ के बेटामन ला देय गीस; एकरसेति रूबेन के
नांव ला ओकर जनम के अधिकार के मुताबिक बंसावली के लेखा-जोखा म नइं लिखे गीस,
2 अऊ अपन भाईमन ले यहूदा के नांव ह सबले जादा मजबूती से चलिस अऊ ओकर ले एक सासन करइया
निकलके आईस, पर पहिलांत के अधिकार यूसुफ ह पाईस)।
3 इसरायल के पहिलांत रूबेन के बेटामन:

हनोक, पल्लू, हेसरोन अऊ करमी।
4 योएल के संतान:
योएल के बेटा समायाह, समायाह के बेटा गोग,
गोग के बेटा सिमी,
5 सिमी के बेटा मीका,
मीका के बेटा रायाह, रायाह के बेटा बाल,
6 अऊ बाल के बेटा बेरा, जऊन ला अस्सूर के राजा तिगलत-पिलेसेर बंदी बनाके ले गीस। बेरा ह
रूबेनीमन के एक अगुवा रिहिस।
7 ओमन के रिस्तेदारमन के नांव ओमन के कुल के मुताबिक बंसावली के सूची म लिखे गीस:
ओमन के मुखिया येइल, फेर जकरयाह,
8 अऊ अजाज के बेटा बेला, जऊन ह सेमा के पोता अऊ योएल के परपोता रिहिस।

ओमन अरोएर नगर ले लेके नबो पहाड़ अऊ बाल-मेओन सहर के छेत्र म बस गीन।
9 पूरब कोति ओमन ओ निरजन जगह के किनारे तक के भुइयां ऊपर कब्जा कर लीन, जऊन ह फरात नदी तक
फईले हवय, काबरकि ओमन के पसुमन के संखिया गिलाद देस म बाढ़ गे रिहिस।
10 साऊल के राज के समय म ओमन हगरीमन ले लड़ई करिन अऊ हगरीमन ओमन ले हार गीन; तब ओमन
गिलाद के जम्मो पूरबी भाग के इलाका म हगरीमन के निवासमन ऊपर अधिकार कर लीन।

[illegible]
11 गादीमन ओमन के बाद सलका नगर तक बासान के इलाका म रहत रिहिन।

12 योएल तो मुखिया रिहिस, अऊ दूसरा सापाम, तब यानै अऊ सापात, येमन बासान म रहंय।
13 परिवारमन के मुताबिक ओमन के रिस्तेदारमन:

मिकाएल, मसुल्लाम, सेबा, योरै, याकान, जिया अऊ एबेर—कुल सात झन।
14 येमन अबीहैल के बेटा रिहिन जऊन ह हूरी के बेटा रिहिस, हूरी ह योराह के बेटा, योराह ह गिलाद के
बेटा, गिलाद ह मिकाएल के बेटा, मिकाएल ह यसीसै के बेटा, यसीसै ह यहदो के बेटा, यहदो ह बूज के
बेटा रिहिस।
15 येमन के परिवार के मुखिया अही रिहिस, जऊन ह अब्दीएल के बेटा अऊ गूनी के पोता रिहिस।

16 गादीमन बासान के गिलाद अऊ ओकर बाहिर म फईले गांवमन म, अऊ सारोन के जम्मो चरागनमन म
रहत रिहिन, जऊन ह दूरिहा तक फईले रिहिस।
17 ये जम्मो के नांव बंसावली म यहूदा के राजा योताम अऊ इसरायल के राजा यरोबाम के सासनकाल म
लिखे गीस।

18 रूबेनी, गादी, अऊ मनस्से के आधा गोत्र के 44,760 आदमीमन सेना म सेवा देय बर तियार
रिहिन—येमन ढाल अऊ तलवार अऊ तीर चलाय म माहिर रिहिन, अऊ येमन लड़ई के सिकछा लेय रिहिन।
19 ओमन हगरी, यतूर, नापीस अऊ नोदाब के बिरूध लड़ई करिन।
20 ओमन के बिरूध लड़ई म येमन ला मदद मिले रिहिस अऊ परमेसर ह हगरीमन अऊ ओमन के जम्मो संगी
सेना ला येमन के हांथ म कर दीस, काबरकि लड़ई के बेरा येमन परमेसर ला गोहारिन। अऊ ओह ओमन के
पराथना ला सुनिस, काबरकि येमन ओकर ऊपर भरोसा रखिन।
21 येमन हगरीमन के पसुमन ला छीन लीन—जेमा पचास हजार ऊंट, दू लाख पचास हजार भेड़, अऊ दू
हजार गदहामन रिहिन। येमन एक लाख मनखेमन ला घलो बंदी बनाके ले गीन,
22 अऊ आने बहुंते झन मारे गीन, काबरकि येह परमेसर के लड़ई रिहिस। येमन ओ जगह म बंधुवई के समय
तक कब्जा बनाय रखिन।

[illegible]
23 मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन के संखिया बहुंत रिहिस; ओमन ओ देस म बासान ले लेके बाल-हेरमोन
तक बस गीन; बाल-हेरमोन ला सनीर (हेरमोन पहाड़) कहे जाथे।
24 ओमन के परिवारमन के मुखिया येमन रिहिन: एपेर, यिसी, एलीएल, अजरीएल, यरमियाह, होदवियाह
अऊ यहदीएल। येमन बड़े बीर अऊ नामी मनखे अऊ अपन परिवारमन के मुखिया रिहिन।
25 पर ओमन अपन पुरखामन के परमेसर ले बिसवासघात करिन अऊ ओ देस के ओ मनखेमन के देवतामन के
पूजा करे के दुवारा अपनआप ले बेभिचार करिन, जेमन ला परमेसर ह ओमन के आघू ले नास कर देय रिहिस।
26 एकरसेति इसरायल के परमेसर ह अस्सूर के राजा पूल (जेला अस्सूर के राजा तिगलत-पिलेसेर कहे जाथे)
के मन ला उभारिस, जऊन ह रूबेनी, गादी, अऊ मनस्से के आधा गोत्र के मनखेमन ला बंधुवई म ले गीस। ओह
ओमन ला हलह, हाबोर, हारा अऊ गोजान नदी करा ले गीस, जिहां ओमन आज तक हवंय।

6

[illegible]
1 लेवी के बेटामन:
गेरसोन, कहात अऊ मरारी।
2 कहात के बेटामन:
अमराम, ईसहार, हेबरोन अऊ उजीएल।
3 अमराम के संतान:
हारून, मूसा अऊ मिरियम।
हारून के बेटामन:
नादाब, अबीहू, एलिआजर अऊ ईतामार।
4 एलिआजर ह पीनहास के ददा रिहिस,
पीनहास ह अबीसू के ददा,
5 अबीसू ह बुक्की के ददा,

बुक्की ह उज्जी के ददा,
6 उज्जी ह जरहयाह के ददा,
जरहयाह ह मरायोत के ददा,
7 मरायोत ह अमरयाह के ददा,
अमरयाह ह अहीतूब के ददा,
8 अहीतूब ह सादोक के ददा,
सादोक ह अहीमास के ददा,
9 अहीमास ह अजरयाह के ददा,
अजरयाह ह योहानान के ददा,
10 योहानान ह अजरयाह के ददा
जऊन ह सुलेमान के यरूसलेम म बनाय गे भवन म पुरोहित के काम करय,
11 अजरयाह ह अमरयाह के ददा,
अमरयाह ह अहीतूब के ददा,
12 अहीतूब ह सादोक के ददा,
सादोक ह सल्लूम के ददा,
13 सल्लूम ह हिलकियाह के ददा,
हिलकियाह ह अजरयाह के ददा,
14 अजरयाह ह सरायाह के ददा,
अऊ सरायाह ह योसादाक* के ददा रिहिस।
15 जब यहोवा ह यहूदा अऊ यरूसलेम ला नबूकदनेसर के दुवारा बंधुवई म भेज दीस, तब योसादाक घलो बंधुवई म चल दीस।

16 लेवी के बेटामन:
गेरसोन, कहात अऊ मरारी।
17 गेरसोन† के बेटामन के नांव ये रिहिस:
लिबनी अऊ सिमी।
18 कहात के बेटामन:
अमराम, ईसहार, हेबरोन अऊ उजीएल।
19 मरारी के बेटामन:
महली अऊ मूसी।

अपन-अपन ददा के परिवार के मुताबिक लेवीमन के कुल ये होईन:
20 गेरसोन के संतान:
लिबनी, लिबनी ले यहत,
ओकर ले जिम्मा,
21 ओकर ले योआह,
योआह ले इद्दो, इद्दो ले जेरह,
जेरह ले यातरै।
22 कहात के संतान:
कहात के बेटा अमीनादाब, ओकर बेटा कोरह,
ओकर बेटा अस्सीर,
23 ओकर बेटा एलकाना,
ओकर बेटा एबियासाप, ओकर बेटा अस्सीर,
24 ओकर बेटा तहत, ओकर बेटा उरीएल,
ओकर बेटा उजियाह अऊ ओकर बेटा साऊल।

* **6:14** इबरानी म [illegible] † **6:17** इबरानी म [illegible]

25 एलकाना के संतान:
अमासै अऊ अहीमोत,
26 ओकर बेटा एलकाना, ओकर बेटा सोपै,
ओकर बेटा नहत,
27 ओकर बेटा एलीआब,
ओकर बेटा यरोहाम, ओकर बेटा एलकाना,
अऊ ओकर बेटा समूएल।
28 समूएल के बेटामन:
ओकर जेठा योएल
अऊ दूसरा अबियाह।
29 मरारी के संतान:
महली, ओकर बेटा लिबनी,
ओकर बेटा सिमी, ओकर बेटा उज्जा,
30 ओकर बेटा सिमा, ओकर बेटा हग्गियाह
अऊ ओकर बेटा असायाह।

[illegible] [illegible] [illegible]

31 यहोवा के भवन म सन्दूक ला रखे जाय के बाद, दाऊद ह यहोवा के भवन म संगीत के जिम्मेदारी जेमन ला दीस, ओमन ये अंय।
32 जब तक सुलेमान ह यरूसलेम म यहोवा के मंदिर ला नइं बनवा लीस, तब तक येमन पबितर-तम्बू, मिलापवाला तम्बू के आघू म संगीत के दुवारा सेवा करिन। येमन ओमन के ऊपर लागू बिधि के मुताबिक अपन काम करिन।

33 येमन ओ आदमी रिहिन, जेमन अपन बेटामन के संग सेवा करिन:

कहातीमन ले:
हेमान संगीतकार,
जऊन ह योएल के बेटा रिहिस, अऊ योएल ह समूएल के,
34 समूएल ह एलकाना के, एलकाना ह यरोहाम के
यरोहाम ह एलीएल के, एलीएल ह तोह के,
35 तोह ह सूप के, सूप ह एलकाना के,
एलकाना ह महत के, महत ह अमासै के,
36 अमासै ह एलकाना के, एलकाना ह योएल के,
योएल ह अजरयाह के, अजरयाह ह सपनयाह के,
37 सपनयाह ह तहत के, तहत ह अस्सीर के,
अस्सीर ह एबियासाप के, एबियासाप ह कोरह के,
38 कोरह ह ईसहार के, ईसहार ह कहात के,
कहात ह लेवी के, अऊ लेवी ह इसरायल के बेटा रिहिस;
39 अऊ हेमान के सहयोगी आसाप, जऊन ह ओकर जेवनी कोति रहिके सेवा करय:
आसाप ह बेरेकियाह के बेटा रिहिस, अऊ बेरेकियाह ह सिमा के,
40 सिमा ह मिकाएल के, मिकाएल ह बासेयाह के,
बासेयाह ह मलकियाह के,
41 मलकियाह ह एत्नी के,
एत्नी ह जेरह के, जेरह ह अदायाह के,
42 अदायाह ह एतान के, एतान ह जिम्मा के,
जिम्मा ह सिमी के,

43 सिमी ह यहत के,
यहत ह गेरसोन के, अऊ गेरसोन ह लेवी के बेटा रिहिस;
44 अऊ ओमन के सहयोगी, मरारीमन ओकर डेरी कोति रहंय:
एतान ह कीसी के बेटा रिहिस, कीसी ह अब्दी के,
अब्दी ह मल्लूक के,
45 मल्लूक ह हसबियाह के,
हसबियाह ह अमसयाह के, अमसयाह ह हिलकियाह के,
46 हिलकियाह ह अमसी के, अमसी ह बानी के,
बानी ह सेमेर के,
47 सेमेर ह महली के,
महली ह मूसी के, मूसी ह मरारी के,
अऊ मरारी ह लेवी के बेटा रिहिस।

48 ओमन के संगी लेवीमन ला पबितर-तम्बू, परमेसर के भवन म आने जम्मो किसम के काम दिये गे रिहिस।
49 पर सिरिप हारून अऊ ओकर बेटा अऊ ओकर संतानमन महा पबितर स्थान म करे गे जम्मो काम के संबंध म होम-बलिदान के बेदी अऊ धूप के बेदी म भेंट चघावंय अऊ इसरायलीमन बर प्रायस्चित करंय जइसन कि परमेसर के दास मूसा ह हुकूम दे रिहिस।

50 हारून के संतान येमन रिहिन:
ओकर बेटा एलिआजर, ओकर बेटा पीनहास,
ओकर बेटा अबीसू,
51 ओकर बेटा बुक्की,
ओकर बेटा उज्जी, ओकर बेटा जरहयाह,
52 ओकर बेटा मरायोत, ओकर बेटा अमरयाह,
ओकर बेटा अहीतूब,
53 ओकर बेटा सादोक,
ओकर बेटा अहीमास।

54 ओमन के इलाका म ओमन के बसाहट के मुताबिक जऊन भाग ओमन ला दिये गीस, ओमन ये रिहिन (हारून के संतान, जेमन कहाती कुल के रिहिन, ओमन ला ये भाग दिये गीस, काबरकि पहिली चिट्ठी ओमन के नांव म निकलिस):
55 ओमन ला चारों कोति के चरागन समेत यहूदा प्रदेस म हेबरोन मिलिस।
56 (पर सहर के चारों कोति के खेत अऊ गांवमन ला यपुन्ने के बेटा कालेब ला दिये गीस।)
57 हारून के संतानमन ला हेबरोन (एक सरन लेय के सहर), अऊ लिबना, यत्तीर, एसतमोआ
58 हीलेन अऊ दबीर,
59 आसान, यूता अऊ बेत-सेमेस अऊ ये सहरमन के संग ओमन के चरागनमन घलो दिये गीस।
60 अऊ बिनयामीन के गोत्र म ले ओमन ला गिबोन, गेबा, आलेमेत अऊ अनातोत सहर ओमन के चरागनमन के संग दिये गीस।
कहाती कुल के मनखेमन के बीच बांटे गय नगरमन के कुल संखिया तेरह रिहिस।

61 बाकि बांचे कहात के संतानमन ला मनस्से के आधा गोत्र के कुलमन ले दस नगर चिट्ठी डालके बांट दिये गीस।
62 गेरसोन के संतानमन ला ओमन के कुलमन के मुताबिक इस्साकार, आसेर अऊ नपताली के गोत्र अऊ बासान म रहइया मनस्से के गोत्र के भाग म ले तेरह नगर मिलिस।
63 मरारीमन के कुलमन के मुताबिक ओमन ला रूबेन, गाद अऊ जबूलून के गोत्र म ले बारह नगर चिट्ठी डालके बांट दिये गीस।

64 इसरायलीमन लेवीमन ला ओ नगरमन ला चरागन समेत दीन।

65 ओमन ला यहूदा, सिमोन अऊ बिनयामीन के गोत्र म ले ओ नगरमन चिट्ठी डालके दिये गीन, जेमन के नांव
ऊपर दिये गे हवय।

66 कहाती के कुछू कुलमन ला ओमन के इलाका के नगरमन के रूप म एपरैम के गोत्र ले दिये गीस।
67 ये किसम ले ओमन ला एपरैम के पहाड़ी देस म सकेम सहर (सरन लेय के एक सहर), गेजेर,
68 योकमाम, बेत-होरोन,
69 अय्यालोन अऊ गत-रिम्मोन, ओमन के चरागन समेत मिलिस।
70 मनस्से के आधा गोत्र म ले इसरायलीमन आनेर अऊ बिलाम, ओमन के चरागन समेत दीन; ये नगरमन
बाकि बांचे कहाती के कुलमन ला मिलिस।

71 गेरसोनीमन ला ये नगरमन मिलिन:
मनस्से के आधा गोत्र के कुल म ले ओमन बासान के गोलान अऊ असतारोत घलो पाईन, ये नगरमन के संग
ओमन के चरागनमन घलो रिहिन;
72 इस्साकार के गोत्र म ले ओमन केदेस, दाबरत,
73 रामोत अऊ आनेम नगर पाईन, संग म ओमन के चरागनमन घलो रिहिन;
74 आसेर के गोत्र म ले ओमन मासाल, अबदोन,
75 हूकोक अऊ रहोब नगर पाईन, संग म ओमन के चरागनमन घलो रिहिन;
76 अऊ नपताली के गोत्र म ले ओमन ला गलील के केदेस, हम्मोन अऊ किरयातैम नगर मिलिस, संग म
ओमन के चरागनमन घलो रिहिन।

77 मरारीमन (बाकि बांचे लेवीमन) ला ये नगरमन मिलिन:
जबूलून के गोत्र म ले ओमन योकनाम, करताह, रिम्मोन अऊ ताबोर नगर पाईन, संग म ओमन के
चरागनमन घलो रिहिन;
78 यरीहो के पूरब कोति यरदन नदी के ओ पार, रूबेन के गोत्र म ले ओमन ला निरजन जगह म बेसेर मिलिस,
अऊ यहस,
79 कदेमोत अऊ मेपात नगरमन के संग ओमन के चरागनमन घलो मिलिन;
80 अऊ गाद के गोत्र म ले ओमन गिलाद के रामोत, महनैम,
81 हेसबोन अऊ याजेर नगर पाईन, संग म ओमन के चरागनमन घलो रिहिन।

7

[illegible]

1 इस्साकार के बेटामन:
तोला, पुआ, यासूब अऊ सिमरोन—जम्मो चार झन रिहिन।
2 तोला के बेटामन:
उज्जी, रपायाह, यरीएल, यहमै, यिबसाम अऊ समूएल—येमन अपन-अपन परिवार के मुखिया रिहिन।
दाऊद के राज के समय, तोला के संतानमन के गनती ओमन के बंसावली म बीर योद्धा के रूप म करे
गीस अऊ दाऊद के समय म ओमन के संखिया 22,600 रिहिस।
3 उज्जी के बेटा:
यिजराहियाह।
यिजराहियाह के बेटामन:
मिकाएल, ओबदयाह, योएल अऊ यिसियाह। ये जम्मो पांच झन मुखिया रिहिन।
4 ओमन के परिवार के बंसावली के मुताबिक, ओमन 36,000 आदमी रिहिन, जेमन लड़ई बर तियार रिहिन,
काबरकि ओमन के बहुंत घरवाली अऊ लइकामन रिहिन।
5 इस्साकार के जम्मो कुलमन ले ओमन के रिस्तेदार, जेमन योद्धा रिहिन, ओमन के बंसावली म लिखे नांव के
मुताबिक ओमन के कुल संखिया 87,000 रिहिस।

[illegible]

6 बिनयामीन के तीन बेटामन:
बेला, बेकेर अऊ यदीएल।
7 बेला के बेटामन:
एसबोन, उज्जी, उजीएल, यरीमोत अऊ ईरी; येमन कुल पांच झन रिहिन अऊ येमन अपन-अपन परिवार के मुखिया रिहिन। ओमन के बंसावली म 22,034 योद्धामन के नांव लिखे गे रिहिस।
8 बेकेर के बेटामन:
जमीरा, योआस, एलिएजेर, एलयोएनै, ओमरी, यरेमोत, अबियाह, अनातोत अऊ आलेमेत। ये जम्मो झन बेकेर के बेटा रिहिन।
9 ओमन के बंसावली म ओमन के परिवारमन के मुखियामन के नांव अऊ 20,200 योद्धामन के नांव लिखे गे रिहिस।
10 यदीएल के बेटा:
बिलहान।
बिलहान के बेटामन:
यूस, बिनयामीन, एहूद, कनाना, जेतान, तरसीस अऊ अहीसहर।
11 यदीएल के ये जम्मो बेटामन अपन-अपन परिवारमन के मुखिया रिहिन। 17,200 योद्धामन लड़ई म जाय बर तियार रिहिन।
12 ईर के संतान सुप्पीम अऊ हुप्पीम अऊ अहेर के संतान हूसीमन रिहिन।

[illegible]

13 नपताली के बेटामन:
यहसीएल, गूनी, येसेर अऊ सल्लूम—येमन बिलहा के संतान रिहिन।

[illegible]

14 मनस्से के संतान:
असरीएल ह ओकर अरामी रखैल कोति ले ओकर संतान रिहिस। ओ अरामी माईलोगन ह गिलाद के ददा माकीर ला घलो जनम दीस।
15 माकीर ह हुप्पीमन अऊ सुप्पीममन के बीच ले अपन बर एक घरवाली बनाईस। माकीर के बहिनी के नांव माका रिहिस। ओकर आने संतान के नांव सलोफाद रिहिस, जेकर सिरिप बेटीमन रिहिन।
16 माकीर के घरवाली माका ह एक बेटा ला जनम दीस, जेकर नांव पेरेस रखे गीस। ओकर भाई के नांव सेरेस रखे गीस, अऊ ऊलाम अऊ राकेम ओकर बेटामन रिहिन।
17 ऊलाम के बेटा:
बदान।
येमन गिलाद के बेटामन रिहिन अऊ गिलाद ह माकीर के बेटा अऊ मनस्से के पोता रिहिस।
18 ओकर बहिनी हम्मोलेकेत ह ईसहोद, अबिएजेर अऊ महला ला जनम दीस।
19 समीदा के बेटा येमन रिहिन:
अहियान, सकेम, लिखी, अऊ अनीआम।

[illegible]

20 एपरैम के संतानमन:
सूतेलह, ओकर बेटा बेरेद,
ओकर बेटा तहत, ओकर बेटा एलादा,
ओकर बेटा तहत,
21 ओकर बेटा जाबाद,
अऊ ओकर बेटा सूतेलह।
(एजेर अऊ एलाद ला देस म ही जनमे गत के आदमीमन मार डारिन, जब ओमन ये मनखेमन के पसुमन ला पकड़के ले जाय बर आय रिहिन।

22 ओमन के ददा एपरैम ह बहुंत दिन तक ओमन बर सोक मनाईस, अऊ ओकर रिस्तेदारमन ओला सांति
देय बर आईन।
23 तब ओह अपन घरवाली संग फेर संबंध बनाईस, अऊ ओकर घरवाली ह गरभवती होके एक झन बेटा
ला जनम दीस। एपरैम ह ओकर नांव एकर खातिर बरीया* रखिस, काबरकि ओकर परिवार म बिपत्ति पड़े रिहिस।
24 ओकर बेटी सेरा रिहिस, जऊन ह खाल्हे अऊ ऊपर कोति के बेत-होरोन के संग म उज्जेन-सेरा ला घलो
बनवाईस।)
25 ओकर बेटा रेपा रिहिस अऊ ओकर बेटा रेसेप,
ओकर बेटा तेलह, ओकर बेटा तहान,
26 ओकर बेटा लादान, ओकर बेटा अमीहूद,
ओकर बेटा एलीसामा,
27 ओकर बेटा नून,
अऊ ओकर बेटा यहोसू रिहिस।
28 ओमन के भुइयां अऊ बसे जगह म बेतेल अऊ ओकर आसपास के गांवमन, पूरब कोति नारान, गेजेर अऊ
येकर गांवमन पछिम कोति, अऊ सकेम अऊ येकर गांवमन अय्या तक अऊ संग म अय्या के गांवमन घलो
रिहिन।
29 अऊ मनस्से के सीमना के तीरे-तीर बेत-सान, तानाक, मगिद्दो अऊ दोर सहरमन अऊ संग म ओमन के
गांवमन घलो रिहिन। इसरायल के बेटा, यूसुफ के संतानमन ये नगरमन म रहत रिहिन।

[illegible]

30 आसेर के बेटामन:
यिमना, इसवा, इसवी अऊ बरीया। अऊ ओमन के बहिनी के नांव सेरह रिहिस।
31 बरीया के बेटामन:
हेबेर अऊ मलकीएल, जऊन ह बिरजोत के ददा होईस।
32 हेबेर ह यपलेत, सोमेर, होताम, अऊ ओमन के बहिनी सूआ के ददा होईस।
33 यपलेत के बेटामन:
पासक, बिम्हाल अऊ अस्वात।
येमन यपलेत के बेटा रिहिन।
34 सोमेर के बेटामन:
अही, रोहगा, यहुब्बा अऊ अराम।
35 ओकर भाई हेलेम के बेटामन:
सोपह, यिमना, सेलेस अऊ आमाल।
36 सोपह के बेटामन:
सूह, हरनेपर, सूआल, बेरी, इमरा,
37 बेसेर, होद, सम्मा, सिलसा, यितरान† अऊ बेरा।
38 येतेर के बेटामन:
यपुन्ने, पिस्पा अऊ अरा।
39 उल्ला के बेटामन:
आरह, हन्नीएल अऊ रिस्या।
40 ये जम्मो झन आसेर के संतान रिहिन अऊ येमन अपन-अपन परिवार के मुखिया, चुने आदमी, बीर योद्धा
अऊ बहुंत बढ़िया अगुवा रिहिन। ओमन के बंसावली म लिखे गय, लड़ई बर तियार आदमीमन के संखिया
26,000 रिहिस।

8

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 बिनयामीन के बेटामन:
ओकर पहिलांत बेटा बेला,

* **7:23** [illegible] इबरानी म [illegible] के सहीं लगथे † **7:37** संभवत: [illegible] के आने नांव

दूसर बेटा असबेल, तीसर अहराह,
2 चौथा नोहा अऊ पांचवां रापा।
3 बेला के बेटामन:
अद्दार, गेरा, अबीहूद,
4 अबीसू, नामान, अहोह,
5 गेरा, सपूपान अऊ हूराम।
6 येमन एहूद के संतान रिहिन, जेमन गेबा नगर म रहइयामन के परिवारमन के मुखिया रिहिन, अऊ येमन ला बंदी बनाके मानहत ले जाय गीस:
7 नामान, अहियाह, अऊ गेरा, जऊन ह ओमन ला बंदी बनाके ले गीस अऊ ओह उज्जा अऊ अहीहूद ला जनम दीस।
8 सहरैम के अपन घरवाली हूसीम अऊ बारा ला तलाक देय के बाद, मोआब देस म ओकर बेटामन जनमिन।
9 ओकर घरवाली होदेस ले योबाब, सिब्या, मेसा, मल्काम,
10 यूस, साकिया अऊ मिरमा जनमिन। येमन ओकर बेटामन रिहिन अऊ येमन अपन-अपन परिवार के मुखिया रिहिन।
11 हूसीम ले अबीतूब अऊ एलपाल जनमिन।
12 एलपाल के बेटामन:
एबेर, मिसाम अऊ सेमेद (जऊन ह ओनो अऊ लोद सहर अऊ येमन के आसपास के गांवमन ला बसाईस),
13 अऊ बरीया अऊ सेमा, जेमन अय्यालोन सहर म रहइयामन के परिवारमन के मुखिया रिहिन अऊ जेमन गत सहर के निवासीमन ला भगा दीन।
14 अहियो, सासक, यरेमोत,
15 जबदयाह, अराद, एदेर,
16 मिकाएल, यिस्पा, योहा; येमन बरीया के बेटा रिहिन।
17 जबदयाह, मसुल्लाम, हिजकी, हेबेर,
18 यिसमरै, यिजलीया, योबाब; येमन एलपाल के बेटा रिहिन।
19 याकीम, जिकरी, जबदी,
20 एलीएनै, सिल्लतै, एलीएल
21 अदायाह, बरायाह अऊ सिमरात; येमन सिमी के बेटा रिहिन।
22 यिसपान, एबेर, एलीएल,
23 अबदोन, जिकरी, हानान,
24 हननयाह, एलाम, अन्तोतयाह,
25 यिपदयाह अऊ पनूएल; येमन सासक के बेटा रिहिन।
26 समसरै, सहरयाह, अतलयाह,
27 यारेसियाह, एलियाह अऊ जिकरी; येमन यरोहाम के बेटा रिहिन।
28 ये जम्मो झन अपन-अपन परिवार के मुखिया रिहिन अऊ ओमन के बंसावली म ओमन के नांव मुखिया के रूप म लिखे गे रिहिस, अऊ ओमन यरूसलेम म रहत रिहिन।

29 गिबोन के ददा येइल, गिबोन सहर म रहय।
ओकर घरवाली के नांव माका रिहिस।
30 अऊ ओकर पहिलांत बेटा अबदोन रिहिस, फेर जूर, कीस, बाल, नेर, नादाब,
31 गदोर, अहियो, जेकेर
32 अऊ मिकलोत, जऊन ह सिमा के ददा रिहिस। येमन घलो अपन रिस्तेदारमन के लकठा म यरूसलेम म रहत रिहिन।

33 नेर ह कीस के ददा रिहिस, कीस ह साऊल के अऊ साऊल ह योनातन, मलकी-सुआ, अबीनादाब अऊ
एस-बाल* के ददा रिहिस।
34 योनातन के बेटा:
मरीब-बाल,† जऊन ह मीका के ददा रिहिस।
35 मीका के बेटामन:
पीतोन, मेलेक, तारे अऊ आहाज।
36 आहाज ह यहोआदा के ददा रिहिस, यहोआदा ह आलेमेत, अजमावेत अऊ जिमरी के ददा रिहिस, अऊ
जिमरी ह मोसा के ददा रिहिस।
37 मोसा ह बीना के ददा रिहिस; ओकर बेटा रापा, रापा के बेटा एलासा अऊ एलासा के बेटा आसेल
रिहिस।
38 आसेल के छै बेटा रिहिन अऊ ये ओमन के नांव अंय:
अजरीकाम, बोकेरू, इसमायल, सारयाह, ओबदयाह अऊ हानान। ये जम्मो झन आसेल के बेटा रिहिन।
39 ओकर भाई एसेक के बेटामन:
ओकर पहिलांत बेटा ऊलाम, दूसर यूस अऊ तीसर एलीपेलेत।
40 ऊलाम के बेटामन बीर योद्धा रिहिन अऊ धनुसधारी रिहिन। ओमन के बहुंत बेटा अऊ पोतामन
रिहिन—कुल 150 जन।
येमन जम्मो बिनयामीन के संतान रिहिन।

9

1 जम्मो इसरायलीमन के नांव बंसावली म इसरायल अऊ यहूदा के राजामन के किताब म लिखे गे हवय।
ओमन के बिसवासघात करे के कारन ओमन ला बंधुवई म बेबिलोन देस ले जाय गीस।

[illegible]
2 बंधुवई ले लहुंटे के बाद, सबले पहिले अपन-अपन नगर के अपन-अपन संपत्ति म फेर बसनेवालामन कुछू
इसरायली, पुरोहित, लेवी अऊ मंदिर के सेवकमन रिहिन।

3 यहूदा के गोत्र ले, बिनयामीन के गोत्र ले, अऊ एपरैम अऊ मनस्से के गोत्र ले जेमन यरूसलेम म रहत रिहिन,
ओमन ये रिहिन:
4 यहूदा के बेटा पेरेस के एक संतान ऊतै रिहिस, जऊन ह अमीहूद के बेटा, अमीहूद ह ओमरी के बेटा, ओमरी
ह इमरी के बेटा अऊ इमरी ह बानी के बेटा रिहिस।
5 सेलानीमन* के बंस:
बड़े बेटा असायाह अऊ ओकर बेटामन।
6 जेरहीमन के बंस:
यूएल।
यहूदा के मनखेमन के संखिया 690 रिहिस।

7 बिनयामीनीमन के बंस:
सल्लू, जऊन ह मसुल्लाम के बेटा, होदवियाह के पोता अऊ हस्सनूआ के परपोता रिहिस;
8 यिबनियाह, जऊन ह यरोहाम के बेटा रिहिस;
एला, जऊन ह उज्जी के बेटा अऊ मिकरी के पोता रिहिस;
अऊ मसुल्लाम, जऊन ह सपतयाह के बेटा, रूएल के पोता अऊ यिबनियाह के परपोता रिहिस।
9 बिनयामीन के गोत्र के मनखेमन के ओमन के बंसावली म लिखे नांव के मुताबिक ओमन के संखिया 956
रिहिस। ये जम्मो आदमीमन अपन-अपन परिवार के मुखिया रिहिन।

10 पुरोहितमन ले:

---

* **8:33** येला [illegible] घलो कहे जाथे † **8:34** येला [illegible] घलो कहे जाथे * **9:5** देखव गन 26:20; इबरानी म [illegible]

यदायाह; यहोयारीब; याकीन;
11 अजरयाह जऊन ह परमेसर के भवन के अधिकारी अऊ हिलकियाह के बेटा रिहिस, हिलकियाह ह
मसुल्लाम के बेटा, मसुल्लाम ह सादोक के बेटा, सादोक ह मरायोत के बेटा अऊ मरायोत ह अहीतूब के
बेटा रिहिस;
12 अऊ अदायाह, जऊन ह यरोहाम के बेटा रिहिस, यरोहाम ह पसहूर के बेटा, पसहूर ह मलकियाह के बेटा
रिहिस;
अऊ मासै, जऊन ह अदीएल के बेटा, अदीएल ह यहसेरा के बेटा, यहसेरा ह मसुल्लाम के बेटा, मसुल्लाम ह
मसिल्लेमीत के बेटा, मसिल्लेमीत ह इम्मेर के बेटा रिहिस।
13 ओ पुरोहित, जेमन अपन-अपन परिवार के मुखिया रिहिन, ओमन के संखिया 1,760 रिहिस। ओमन योग्य
मनखे रिहिन, अऊ परमेसर के भवन म सेवा करे बर जिम्मेदार रिहिन।

14 लेवीमन ले:
समायाह, जऊन ह हस्सूब के बेटा रिहिस, हस्सूब ह अजरीकाम के बेटा, अजरीकाम ह हसबियाह के बेटा
रिहिस अऊ येह एक मरारी रिहिस;
15 बकबक्कर, हेरेस अऊ गालाल अऊ मतनयाह, जऊन ह मीका के बेटा रिहिस, मीका ह जिकरी के बेटा,
जिकरी ह आसाप के बेटा रिहिस;
16 ओबदयाह, जऊन ह समायाह के बेटा रिहिस, समायाह ह गालाल के बेटा, गालाल ह यदूतून के बेटा
रिहिस;
अऊ बेरेकियाह, जऊन ह आसा के बेटा रिहिस, आसा ह एलकाना के बेटा रिहिस, जऊन ह नतोपातीमन के
गांवमन म रहत रिहिस।

17 दुवारपालमन:
सल्लूम, अक्कूब, तलमोन, अहीमन अऊ ओमन के संगी लेवीमन; सल्लूम ह येमन के मुखिया रिहिस
18 अऊ ओह अब तक पूरब कोति राजा के दुवार करा तैनात रिहिस। लेवीमन के डेरा ले येमन दुवारपाल
रिहिन।
19 सल्लूम, जऊन ह कोरे के बेटा, एबियासाप के पोता, अऊ कोरह के परपोता रिहिस, ओकर अऊ ओकर
कोरही परिवार के ओकर संगी दुवारपालमन ऊपर तम्बू के दुवारमन के पहरेदारी करे के जिम्मेदारी रिहिस,
जइसे कि ओमन के पुरखामन ऊपर यहोवा के निवास के प्रवेस दुवार के पहरेदारी करे के जिम्मेदारी रिहिस।
20 पहिले के समय म, एलिआजर के बेटा पीनहास ह दुवारपालमन के अधिकारी रिहिस, अऊ यहोवा ह
ओकर संग रिहिस।
21 मसेलेमियाह के बेटा जकरयाह ह मिलापवाला तम्बू के प्रवेस दुवार करा दुवारपाल रिहिस।
22 जऊन मन दुवारमन करा दुवारपाल के रूप म चुने गे रिहिन, ओमन के कुल संखिया 212 रिहिस। ओमन के
नांव बंसावली के मुताबिक ओमन के गांवमन म लिखे गे रिहिस।

दाऊद अऊ समूएल अगम-दरसी के दुवारा दुवारपालमन ला ओमन के भरोसा के पद म ठहिराय गे रिहिस
23 ओमन अऊ ओमन के संतानमन यहोवा के भवन के दुवारमन म दुवारपालमन के अधिकारी रिहिन—भवन
ला मिलापवाला तम्बू कहे जावय।
24 दुवारपालमन चारों दिग म रिहिन: पूरब, पछिम, उत्तर अऊ दक्खिन।
25 ओमन के संगी लेवीमन समय-समय म अपन-अपन गांवमन ले आवंय अऊ सात-सात दिन तक ओमन के
काम म हाथ बटावंय।
26 पर चार परधान दुवारपाल, जऊन मन लेवी रिहिन, ओमन ला परमेसर के भवन के कमरामन के अऊ
खजानामन के जिम्मेदारी सऊंपे गे रिहिस।
27 ओमन परमेसर के भवन के आसपास ही रथिया बितावंय, काबरकि ओमन ला ओकर पहरेदारी करना पड़य;
अऊ रोज बिहनियां ओला खोले बर ओमन करा चाबी के जिम्मेदारी रहय।

28 ओमन म ले कुछ्ू झन के ऊपर मंदिर के सेवा म उपयोग होवइया चीजमन के जिम्मेदारी रिहिस; ओमन ओ
चीजमन ला गनंय, जब ओ चीजमन ला भीतर लाने जावय अऊ जब ओ चीजमन ला बाहिर लाने जावय।
29 आने मन ला पबितर-स्थान के साजो-सामान अऊ आने जम्मो चीजमन के देखरेख करे बर ठहिराय गे
रिहिस, येकर अलावा येमन ऊपर बिसेस पीसान अऊ अंगूर के मंद, अऊ जैतून तेल, धूप अऊ मसालामन के
जिम्मेदारी रिहिस।
30 पर कुछ्ू पुरोहितमन मसाला तियार करे के काम करंय।
31 मत्तितियाह नांव के एक लेवी, जऊन ह कोरही सल्लूम के पहिलांत बेटा रिहिस, ओकर ऊपर भेंट चघाय के
रोटी ला सेंके के जिम्मेदारी रिहिस।
32 ओमन के संगी लेवी, कुछ्ू कहातीमन ऊपर हर बिसराम दिन म मेज ऊपर रखइया रोटी ला तियार करे के
जिम्मेदारी रिहिस।
33 जेमन संगीतकार, लेवी परिवारमन के मुखिया रिहिन, ओमन मंदिर के कमरामन म रहंय अऊ ओमन आने
काम नइं करंय, काबरकि ओमन रात अऊ दिन अपन काम बर जिम्मेदार रिहिन।
34 ये जम्मो झन अपन-अपन लेवी परिवार के मुखिया रिहिन; ओमन के बंसावली म ओमन के नांव मुखिया के
रूप म लिखे गे रिहिस अऊ ओमन यरूसलेम म रहत रिहिन।

[illegible]

35 गिबोन के ददा येइल गिबोन सहर म रहय।
ओकर घरवाली के नांव माका रिहिस।
36 ओकर पहिलांत बेटा अबदोन रिहिस, फेर जूर, कीस, बाल, नेर, नादाब,
37 गदोर, अहियो, जकरयाह अऊ मिकलोत।
38 मिकलोत ह सिमाम के ददा रिहिस। ओमन घलो अपन रिस्तेदारमन के लकठा म यरूसलेम म रहत
रिहिन।
39 नेर ह कीस के ददा रिहिस, कीस ह साऊल के ददा रिहिस, अऊ साऊल ह योनातन, मलकी-सुआ,
अबीनादाब, अऊ एस-बाल के ददा रिहिस।
40 योनातन के बेटा:
मरीब-बाल, जऊन ह मीका के ददा रिहिस।
41 मीका के बेटामन:
पीतोन, मेलेक, तारे अऊ आहाज।
42 आहाज ह यादा के ददा रिहिस, यादा ह आलेमेत, अजमावेत अऊ जिमरी के ददा रिहिस, अऊ जिमरी ह
मोसा के ददा रिहिस।
43 अऊ मोसा ह बीना के ददा रिहिस; अऊ बीना के बेटा रपायाह रिहिस, रपायाह के बेटा एलासा अऊ
एलासा के बेटा आसेल रिहिस।
44 आसेल के छ्ै बेटा रिहिन, अऊ ये ओमन के नांव अंय:
अजरीकाम, बोकेरू, इसमायल, सारयाह, ओबदयाह अऊ हानान। येमन आसेल के बेटा रिहिन।

10

[illegible]

1 इही दौरान पलिस्तीमन इसरायलीमन ले लड़िन; इसरायलीमन ओमन ले हारके भाग गीन, अऊ बहुंते झन
गिलबो नांव के पहाड़ म मारे गीन।
2 पलिस्तीमन साऊल अऊ ओकर बेटामन के तेजी से पीछा करत रिहिन; अऊ ओमन ओकर बेटा योनातन,
अबीनादाब अऊ मलकी-सुआ ला मार डारिन।
3 साऊल के चारों कोति भयंकर लड़ई होय लगिस, अऊ जब धनुसधारीमन पीछा करके ओला घेर लीन, त
ओमन ओला घायल कर दीन।
4 तब साऊल ह अपन हथियार ढोवइया ला कहिस, “अपन तलवार खींचके मोला भोंग दे, नइं तो ये
खतनारहित मनखेमन आके मोर ठट्ठा करहीं।”

पर ओकर हथियार ढोवइया ह डरके वइसने नइं करिस; तब साऊल ह अपन तलवार ला ठाढ़ करके ओकर
ऊपर गिर गीस।
5 जब हथियार ढोवइया ह देखिस कि साऊल ह मर गीस, त ओह घलो अपन तलवार ऊपर गिरके मर गीस।
6 ये किसम ले साऊल अऊ ओकर तीनों बेटा मर गीन, अऊ ओकर घर के जम्मो झन एक संग मर गीन।
7 जब घाटी के जम्मो इसरायलीमन देखिन कि पूरा सेना के मनखेमन भाग गीन अऊ साऊल अऊ ओकर
बेटामन मर गे हवंय, त ओमन अपन-अपन नगरमन ला छोंड़के भाग गीन। अऊ पलिस्तीमन आके ओ नगरमन
ला अपन अधिकार म ले लीन।
8 दूसर दिन जब पलिस्तीमन मरे मनखेमन के माल ला लूटे बर आईन, त ओमन ला साऊल अऊ ओकर
बेटामन के लास गिलबो पहाड़ म मिलिस।
9 ओमन साऊल के ओनहा ला उतारके ओकर मुड़ ला काटिन अऊ ओकर मुड़ ला ओकर हथियार संग ले
गीन, अऊ पलिस्तीमन के पूरा देस म संदेसियामन ला पठोके अपन मूरती अऊ अपन मनखेमन के बीच ये संदेस
के घोसना करवा दीन।
10 ओमन साऊल के हथियार ला अपन देवतामन के मंदिर म रखिन अऊ ओकर मुड़ ला दागोन देवता के
मंदिर म टांग दीन।
11 जब याबेस-गिलाद के जम्मो रहइयामन सुनिन कि पलिस्तीमन साऊल के संग का करे हवंय,
12 त ओमन के जम्मो बहादुर आदमीमन गीन अऊ साऊल अऊ ओकर बेटामन के लास ला याबेस म ले
आईन। तब ओमन साऊल अऊ ओकर बेटामन के हाड़ा ला याबेस म बड़े रूख के खाल्हे म गाड़ दीन, अऊ
ओमन दुखी होके सात दिन तक उपास रखिन।
13 साऊल ह मर गीस, काबरकि ओह यहोवा के संग बिसवासघात करिस; ओह यहोवा के बचन के पालन नइं
करिस; अऊ त अऊ ओह सलाह लेय बर एक भूतसिद्धी करइया ले मदद लीस,
14 अऊ ओह यहोवा ले पुछताछ नइं करिस। एकरसेति यहोवा ह ओला मारके राज ला यिसै के बेटा दाऊद
ला दे दीस।

11

[illegible]

1 ओकर बाद जम्मो इसरायलीमन हेबरोन म दाऊद मेर आके कहिन, "सुन, हमन तोर खुद के मांस अऊ लहू
अन।
2 पहिले, जब साऊल ह राजा रिहिस, तब तेंहीच ह सैनिक अभियान म इसरायल के अगुवई करत रहय। अऊ
यहोवा तोर परमेसर ह तोला कहे रिहिस, 'तेंह मोर मनखे इसरायल के चरवाहा होबे, अऊ तेंह ओमन ऊपर
सासन करबे।' "
3 जब इसरायल के जम्मो अगुवामन हेबरोन म राजा दाऊद करा आ गीन, त ओह हेबरोन म ओमन के संग
यहोवा के आघू म एक करार करिस, अऊ समूएल के जरिये यहोवा के करे गय वायदा के मुताबिक, ओमन
इसरायल ऊपर दाऊद ला राजा के रूप म अभिसेक करिन।

[illegible]

4 तब दाऊद ह जम्मो इसरायलीमन के संग यरूसलेम सहर गीस, (यरूसलेम ला यबूस घलो कहे जाथे)।
जऊन यबूसीमन उहां रहत रिहिन,
5 ओमन दाऊद ले कहिन, "तेंह इहां नइं आय पाबे।" तभो ले, दाऊद ह सियोन के गढ़ ऊपर कब्जा कर
लीस—जऊन ह दाऊद के नगर अय।
6 दाऊद ह कहे रिहिस, "जऊन ह यबूसीमन ऊपर हमला करे म अगुवई करही, ओह मुखिया सेनापति होही।"
तब सरूयाह के बेटा योआब ह सबले पहिले उहां गीस, अऊ ये किसम ले ओला सेनापति के पद दिये गीस।
7 तब दाऊद ह ओ गढ़ म रहे लगिस, अऊ ओकर खातिर ओला दाऊद के सहर कहे गीस।
8 ओह एकर चारों कोति सहर ला बनाईस, छत ले लेके चारों कोति दीवार ला बनवाईस, जबकि योआब ह
सहर के बाकि काम ला पूरा करिस।
9 अऊ दाऊद ह अऊ जादा सक्तिसाली होवत गीस, काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा ह ओकर संग रिहिस।

[illegible]

10 येमन दाऊद के बड़े सूरबीरमन के मुखिया रिहिन—यहोवा के वायदा के मुताबिक येमन जम्मो इसरायल के
संग दाऊद के राज ला पूरा देस म फईलाय बर बहुंत सहयोग करिन—
11 येह दाऊद के बड़े सूरबीरमन के सूची अय:
एक हकमोनी के बेटा यासोबाम ह अधिकारीमन के मुखिया रिहिस; ओह तीन सौ आदमीमन ऊपर अपन
बरछी उठाईस, अऊ ओमन ला एकेच मुकाबला म मार डारिस।
12 ओकर बाद अहोही दोदै के बेटा एलिआजर रिहिस, जऊन ह तीन बड़े योद्धा म ले एक झन रिहिस।
13 ओह पस-दमीम म दाऊद के संग रिहिस, जब पलिस्तीमन उहां लड़ई बर जूरे रिहिन। ओ जगह जिहां जौ
के फसल ले भरे एक खेत रिहिस, अऊ सेना ह पलिस्तीमन ले डरके भाग गीस।
14 पर ओमन ओ खेत के बीच म ठाढ़ होके ओमन के सामना करिन। ओमन लड़िन अऊ पलिस्तीमन ला मार
डारिन, अऊ यहोवा ह एक बड़े जीत देवाईस।
15 तीस मुखियामन ले तीन झन दाऊद करा चट्टान म आईन, जऊन ह अदुल्लाम के गुफा म रिहिस, जबकि
पलिस्तीमन के एक दल ह रपाईम के घाटी म डेरा डाले रहय।
16 ओ बेरा दाऊद ह गढ़ म रिहिस, अऊ पलिस्तीमन के गढ़ के सेना ह बैतलहम म रिहिस।
17 दाऊद ला बहुंत पीयास लगिस, त ओह कहिस, "हाय, कोनो मोला बैतलहम के दुवार के लकठा के कुआं ले
पानी लानके पीयावव!"
18 तब ओ तीनों झन पलिस्तीमन के कतार ला टोरके बैतलहम के दुवार के लकठा के कुआं ले पानी निकालिन
अऊ ओ पानी ला लेके दाऊद करा वापिस आ गीन। पर ओह ओ पानी ला पीये ले मना करिस; अऊ ओह ओ
पानी ला यहोवा के आघू म ढार दीस।
19 ओह कहिस, "परमेसर ह मोला अइसन काम करई ले दूरिहा रखय। का में ये आदमीमन के लहू पीयंव,
जऊन मन अपन परान ला जोखिम म डालके उहां गे रिहिन?" काबरकि ओमन अपन परान ला जोखिम म
डालके ओ पानी ला लाने रिहिन, एकरसेति ओह ओला नइं पीईस।
ये तीनों बड़े सूरबीरमन के बीरता के काम अइसने रिहिस।
20 योआब के भाई अबीसै ह ओ तीनों झन के मुखिया रिहिस। ओह तीन सौ आदमीमन के बिरूध अपन बरछी
उठाके ओमन ला मार डारिस, अऊ ये किसम ले ओह ओ तीनों के सहीं नामी हो गीस।
21 ओला ओ तीनों ले दू गुना आदर मिलिस, अऊ ओह ओमन के सेनापति बनिस, हालाकि ओला ओ तीनों के
बीच सामिल नइं करे गीस।
22 यहोयादा के बेटा बनायाह ह कबसेल सहर के एक बड़े बीर रिहिस, अऊ ओह बहुंत बीरता देखाईस। ओह
मोआब के दू झन सबले बड़े योद्धामन ला मार गिराईस। बरफ गिरे के दिन म, ओह खाल्हे एक खंचवा म उतरके
एक सिंह ला घलो मार डारिस।
23 अऊ ओह एक मिसरी मनखे ला मार डारिस, जऊन ह पांच क्यूबीट* ऊंच रिहिस। हालाकि ओ मिसरी ह
अपन हांथ म बुनकर के डोंगी असन एक ठन बरछी धरे रिहिस, पर बनायाह एक ठन बड़े लउठी लेके ओकर
बिरूध गीस। ओह ओ मिसरी के हांथ ले बरछी ला छीन लीस अऊ ओकरेच बरछी ले ही ओला मार डारिस।
24 यहोयादा के बेटा बनायाह के बीरता के काम अइसने रिहिस; ओह घलो ओ तीनों बड़े सूरबीरमन सहीं
नामी रिहिस।
25 ओला ओ तीस सूरबीरमन ले जादा आदर मिलिस, पर ओला ओ तीनों म सामिल नइं करे गीस। अऊ
दाऊद ह ओला अपन अंग रकछकमन के मुखिया ठहिराईस।

26 बड़े सूरबीरमन ये रिहिन:

योआब के भाई असाहेल,
बैतलहम के दोदो के बेटा एल्हानान,
27 हरोरी सम्मोत,
पलोनी हेलेस,

* **11:23** लगभग 7 फीट 6 ईंच

28 तकोआ ले इक्केस के बेटा ईरा,
अनातोत ले अबिएजेर,
29 हूसाती सिब्बकै,
अहोही ईलै,
30 नतोपाती महरै,
नतोपाती बाना के बेटा हेलेद,
31 बिनयामीन म गिबा ले रीबै के बेटा इतै,
पिरातोनी बनायाह,
32 गास के घाटीमन ले हूरै,
अरबात के अबीएल,
33 बहरूमी अजमावेत,
सालबोनी एल्यहबा,
34 गीजोनी हसेम के बेटामन,
हरारी सागे के बेटा योनातन,
35 हरारी साकार के बेटा अहीआम,
ऊर के बेटा एलीपाल,
36 मकेराती हेपेर,
पलोनी अहियाह,
37 करमेली हेसरो,
एजबै के बेटा नारै,
38 नातान के भाई योएल,
हगरी के बेटा मिभार,
39 अमोनी सेलेक,
बेरोती नहरै, जऊन ह सरूयाह के बेटा योआब के हथियार ढोवइया रिहिस,
40 येतेरी ईरा
येतेरी गारेब,
41 हित्ती उरियाह,
अहलै के बेटा जाबाद,
42 रूबेनी सीजा के बेटा अदीना, जऊन ह रूबेनीमन के मुखिया रिहिस, अऊ ये तीस झन ओकर संग रिहिन,
43 माका के बेटा हानान,
मितनी योसापात,
44 असतरोती उजियाह,
अरोएरी होताम के बेटा सामा अऊ येइल,
45 सिमरी के बेटा यदीएल
अऊ ओकर भाई तीसी योहा,
46 महवी के एलीएल,
एलनाम के बेटा यरीबै अऊ योसब्याह,
मोआबी यितमा,
47 एलीएल, ओबेद अऊ मसोबाई यासीएल।

12

[illegible]
1 जब दाऊद ह सिकलग नगर म कीस के बेटा राजा साऊल के डर के मारे छिपे रिहिस, तब येमन ओ आदमी रिहिन, जेमन दाऊद करा आईन (येमन ओ योद्धामन के बीच म ले रिहिन, जेमन लड़ई म ओकर मदद करिन।

2 येमन धनुस धरे रिहिन, अऊ जेवनी या डेरी हांथ ले तीर चलाय या गोफन के पथरा चलाय सकत रिहिन;
येमन बिनयामीन के गोत्र ले साऊल के रिस्तेदार रिहिन):

3 गिबाती समाआ के बेटामन अहीएजेर अऊ योआस; अहीएजेर ह ओमन के मुखिया रिहिस;
अजमावेत के बेटामन यजीएल अऊ पेलेत;
बराका अऊ अनातोती येहू,
4 अऊ गिबोनी यिसमायाह, जऊन ह तीस म ले एक बड़े योद्धा रिहिस अऊ ओ तीस झन के एक अगुवा रिहिस;
फेर यरमियाह, यहजीएल, योहानान, गदेराती योजाबाद,
5 एलूजै, यरीमोत, बाल्याह, समरयाह, हारूपी सपतयाह;
6 एलकाना, यिसियाह, अजरेल, योएजेर, यासोबाम, येमन जम्मो कोरहबंसी रिहिन;
7 अऊ गदोर नगर ले यरोहाम के बेटा योएला अऊ जबदयाह।

8 जब दाऊद ह निरजन प्रदेस म अपन गढ़ म रिहिस, त कुछू गादीमन अलग होके ओकर करा आ गीन। ओमन साहसी योद्धा रिहिन, लड़ई बर तियार अऊ ढाल अऊ बरछी चलाय म माहिर रिहिन। ओमन के मुहूं ह सिंह के मुहूं असन रिहिस, अऊ ओमन पहाड़ी हिरन असन तेज दऊड़नेवाला रिहिन।

9 एजेर ह मुखिया रिहिस,
दूसरा ओबदयाह, तीसर एलीआब,
10 चौथा मिसमन्ना, पांचवां यरमियाह,
11 छठवां अत्तै, सातवां एलीएल,
12 आठवां योहानान, नौवां एलजाबाद,
13 दसवां यरमियाह अऊ गियारहवां मकबनै रिहिस।

14 ये गादीमन सेना के सेनापति रिहिन; ओमन म जऊन ह सबले छोटे रिहिस, ओह एक सौ के बराबर, अऊ जऊन ह सबले बड़े रिहिस ओह एक हजार के बराबर रिहिस।
15 येमन ही ओ रिहिन, जेमन साल के पहिला महिना म यरदन नदी के ओ पार गीन, जब नदी म जम्मो किनारामन के ऊपर तक पानी बहत रिहिस, अऊ ओमन घाटीमन म रहइया जम्मो झन ला पूरब अऊ पछिम कोति भगा दीन।
16 यहूदा ले आने बिनयामीनी अऊ कुछू आदमीमन घलो दाऊद करा गढ़ म आईन।
17 ओमन ले भेंट करे बर दाऊद निकलके गीस अऊ ओमन ला कहिस, "यदि तुमन मोर करा सांति के भाव म मोर मदद करे बर आय हव, त मेंह तियार हंव कि तुमन मोर संग जुड़ जावव। पर यदि तुमन धोखा देके मोला मोर बईरीमन के हांथ म पकड़वाय बर आय हवव, त हमर पुरखामन के परमेसर येला देखय अऊ तुम्हर नियाय करय, काबरकि मोर हांथमन कोनो गलत काम नइं करे हवंय।"
18 तब आतमा ह अमासै ऊपर आईस, जऊन ह तीस सूरबीरमन के मुखिया रिहिस, अऊ ओह कहिस,
"हे दाऊद, हमन तोर अन!
हे यिसै के बेटा! हमन तोर संग हवन!
तोला सफलता अऊ सफलता मिलय,
अऊ जऊन मन तोर मदद करथें, ओमन ला सफलता मिलय,
काबरकि तोर परमेसर तोर मदद करही।"
एकर खातिर दाऊद ह ओमन ला स्वीकार करिस अऊ ओमन ला अपन हमला करइया दलमन के मुखिया बना दीस।
19 जब दाऊद ह पलिस्तीमन के संग साऊल के बिरूध लड़े बर गीस, मनस्से गोत्र के कुछू मनखे घलो आके दाऊद के संग मिल गीन। (ओह अऊ ओकर आदमीमन पलिस्तीमन के मदद नइं करिन, काबरकि, सलाह करे के

बाद, पलिस्तीमन के सासकमन ओला वापिस भेज दीन। ओमन कहिन, “यदि ओह अपन मालिक संग मिल
जाही, त ओह हमन के मुड़ ला कटवा दीही।”)
20 जब दाऊद ह सिकलग गीस, त येमन मनस्से के ओ आदमीमन रिहिन, जेमन आके ओकर संग मिल गे
रिहिन: अदना, योजाबाद, यदीएल, मिकाएल, योजाबाद, एलीहू अऊ सिल्लतै; येमन मनस्से के एक-एक हजार
दल के मुखिया रिहिन।
21 येमन हमला करइया दलमन के बिरूध दाऊद के मदद करिन, काबरकि ये जम्मो झन बीर योद्धा रिहिन,
अऊ ओमन ओकर सेना म सेनापति रिहिन।
22 दिनों-दिन आदमीमन दाऊद करा ओकर मदद करे बर आते रिहिन, जब तक कि ओकर करा एक बड़े सेना
नइं हो गीस, परमेसर के सेना सहीं।*

[illegible]

23 येह ओ आदमीमन के संखिया ए, जेमन लड़ई बर हथियार बांधे हेबरोन म दाऊद करा आईन, ताकि यहोवा के
कहे मुताबिक ओमन साऊल के राज ला दाऊद के हांथ म कर देवंय:

24 यहूदा ले लड़ई बर ढाल अऊ बरछी लेके 6,800 हथियारवाले आदमी;
25 सिमोन ले लड़ई बर तियार योद्धामन 7,100;
26 लेवीमन ले 4,600 आदमी;
27 हारून के परिवार के अगुवा यहोयादा ला मिलाके ओकर संग 3,700 आदमी,
28 अऊ सादोक, एक बीर जवान योद्धा, अऊ ओकर संग ओकर परिवार के 22 अधिकारीमन;
29 साऊल के गोत्र, बिनयामीन ले 3,000; येमा के जादातर आदमीमन ओ समय तक साऊल के घराना के
वफादार रिहिन;
30 एपरैम ले, बीर योद्धामन, अपन-अपन कुल म नामी रिहिन 20,800;
31 मनस्से के आधा गोत्र म ले, जेमन ला नामांकित करे गे रिहिस कि ओमन आके दाऊद ला राजा बनावंय
18,000;
32 इस्साकार ले, ओ आदमी, जेमन समय ला समझत रिहिन अऊ ये जानत रिहिन कि इसरायल ला का करना
चाही 200 मुखियामन, संग म ओमन के अधीन ओमन के जम्मो रिस्तेदार।
33 जबूलून म ले, हर किसम के हथियार के संग लड़ई बर तियार अनुभवी सैनिक, जेमन पूरा वफादारी से
दाऊद के मदद करे बर तियार रिहिन 50,000;
34 फेर नपताली म ले 1,000 अधिकारीमन ला मिलाके 37,000 आदमी, जेमन ढाल अऊ बरछी धरे रहंय;
35 दान म ले, लड़ई बर तियार आदमी 28,600;
36 अऊ आसेर म ले, लड़ई बर तियार अनुभवी सैनिक 40,000;
37 अऊ यरदन नदी के पूरब कोति रूबेन, गाद अऊ मनस्से के आधा गोत्र म ले, हर किसम के हथियार धरे
आदमी 1,20,000 रिहिन।

38 ये जम्मो के जम्मो योद्धा रिहिन अऊ अपन मरजी से सेना म मिले पद के मुताबिक सेवा करे बर तियार रिहिन।

ओमन पूरा मनसा से दाऊद ला जम्मो इसरायल ऊपर राजा बनाय बर हेबरोन म आईन। बाकि बांचे जम्मो
इसरायलीमन घलो दाऊद ला राजा बनाय बर एक हो गे रिहिन।
39 आदमीमन उहां तीन दिन दाऊद के संग खावत-पीयत बिताईन, काबरकि ओमन के परिवार के मनखेमन†
ओमन बर खाय-पीये के परबंध करिन।
40 ओमन के दूरिहा-दूरिहा के पड़ोसी, जइसे कि इस्साकार, जबूलून अऊ नपताली गोत्र के मनखेमन घलो
गदहा, ऊंट, खच्चर अऊ बईलामन के ऊपर खाय-पीये के सामान जोरके ओमन करा आईन। ओमा बहुंत अकन
पीसान, अंजीर के टिकिया, किसमिस के टिकिया, अंगूर के मंद, जैतून तेल, गरूवा-बईला अऊ भेड़मन रिहिन,
काबरकि इसरायल म आनंद मनाय जावत रिहिस।

---

* **12:22** एक बड़े अऊ [illegible] † **12:39** संगी इसरायलीमन

13

[illegible]

1 कुछू समय बाद, दाऊद अपन हर एक अधिकारीमन ले, हजार-हजार के ऊपर ठहिराय सेनापति अऊ सौ-सौ
के ऊपर ठहिराय सेनापतिमन ले सलाह-मसविरा करिस।
2 ओह तब जम्मो इसरायली सभा ले कहिस, "यदि येह तुमन ला बने लगय अऊ यदि येह यहोवा हमर
परमेसर के ईच्छा अय, त आवव, हमन दूरिहा-दूरिहा म बाकि बांचे हमर मनखेमन करा इसरायल के जम्मो
इलाका म खबर पठोवन, अऊ ओमन के नगर अऊ चरागनमन म ओमन के संग रहइया पुरोहित अऊ लेवीमन
करा घलो खबर पठोवन कि ओमन आवंय अऊ हमर संग सामिल हो जावंय।
3 आवव, हमन अपन परमेसर के सन्दूक ला अपन इहां वापिस ले आवन, काबरकि साऊल के राज करे के
दौरान हमन येकर बारे म पुछताछ नइं करेंन।"
4 पूरा सभा ये बात म राजी रिहिस, काबरकि जम्मो मनखे ला ये बात बने लगिस।
5 तब किरयत-यारीम सहर ले परमेसर के सन्दूक ला लाने बर, दाऊद ह मिसर के सीहोर नदी ले लेके
लेबो-हमात सहर तक जम्मो इसरायलीमन ला इकट्ठा करिस।
6 दाऊद अऊ जम्मो इसरायलीमन यहूदा के बालाह (किरयत-यारीम) सहर करा गीन, ताकि ओ यहोवा
परमेसर के सन्दूक ला ले आवंय, जऊन ह करूबमन के बीच म बिराजे हवय—ओ सन्दूक जेला यहोवा के नांव ले
पुकारे जाथे।
7 ओमन परमेसर के सन्दूक ला एक ठन नवां गाड़ी म चढ़ाके अबीनादाब के घर ले निकालिन, अऊ उज्जा
अऊ अहियो ओ गाड़ी ला हांकत रिहिन।
8 दाऊद अऊ जम्मो इसरायलीमन परमेसर के आघू म तन-मन ले गीत गावत अऊ बीना, सारंगी, डफ, झांझ
अऊ तुरही बजाके उत्सव मनात रिहिन।
9 जब ओमन कीदोन के कोठार मेर आईन, तब उज्जा ह सन्दूक ला संभाले बर अपन हांथ बढ़ाईस, काबरकि
बईलामन लड़खड़ा गे रिहिन।
10 तब यहोवा के कोरोध उज्जा के ऊपर भड़किस, अऊ ओह ओला मारिस, काबरकि ओह सन्दूक म अपन
हांथ लगाय रिहिस। ओह ओहीच मेर परमेसर के आघू म मर गीस।
11 तब दाऊद ह गुस्सा होईस, काबरकि यहोवा के कोप ह उज्जा ऊपर भड़के रिहिस, अऊ आज तक ओ जगह
ला पेरेस-उज्जा* कहे जाथे।
12 ओ दिन दाऊद ह परमेसर ले डर गीस अऊ पुछिस, "मेंह परमेसर के सन्दूक ला कभू अपन इहां कइसे ला
सकत हंव?"
13 तब ओह सन्दूक ला अपन संग दाऊद के नगर म नइं ले गीस। पर ओह येला गत नगर के रहइया
ओबेद-एदोम के घर ले गीस।
14 अऊ परमेसर के सन्दूक ह ओबेद-एदोम के परिवार करा ओकर घर म तीन महिना तक रिहिस, अऊ यहोवा
ह ओकर घराना अऊ ओकर जम्मो चीज ऊपर आसीस दीस।

14

[illegible]

1 सूर के राजा हीराम ह दाऊद करा दूतमन ला पठोईस, अऊ संग म ओकर बर एक महल बनाय बर देवदार के
लकड़ी अऊ राज-मिसतिरी अऊ बढ़ईमन ला घलो पठोईस।
2 तब दाऊद ला निस्चय हो गे रिहिस कि यहोवा ह ओला इसरायल ऊपर राजा के रूप म इस्थिर करे हवय
अऊ अपन मनखे इसरायलीमन के हित म ओकर राज ला बहुंत उठाय हवय।
3 यरूसलेम म दाऊद ह अऊ कतको माईलोगनमन ला अपन घरवाली बना लीस अऊ ओकर कतको बेटा
अऊ बेटीमन पईदा होईन।
4 येमन ओ लइकामन के नांव अंय, जेमन उहां ओकर ले जनमिन: सम्मू, सोबाब, नातान, सुलेमान,
5 यिभार, एलीसू, एलपेलेत,

---

* **13:11** *[illegible]*-*[illegible]* के मतलब होथे *[illegible]*

6 नोगह, नेपेग, यापी,
7 एलीसामा, बेल्यादा* अऊ एलीपेलेत।

[illegible]

8 जब पलिस्तीमन सुनिन कि जम्मो इसरायल के ऊपर राजा के रूप म दाऊद के अभिसेक करे गे हवय, त
ओमन पूरा सेना लेके दाऊद के खोज म निकलिन, पर दाऊद ह येकर बारे म सुनिस अऊ ओमन के सामना करे
बर निकलिस।
9 पलिस्तीमन आके रपाईम के घाटी म धावा बोल दे रहंय।
10 तब दाऊद ह परमेसर ले पुछताछ करिस, "का मेंह जाके पलिस्तीमन ऊपर हमला करंव? का तेंह ओमन
ला मोर हांथ म कर देबे?"
यहोवा ह ओला जबाब दीस, "जा, मेंह ओमन ला तोर हांथ म कर दूहूं।"
11 तब दाऊद अऊ ओकर आदमीमन बाल-परासीम नगर गीन, अऊ उहां दाऊद ह ओमन ला हरा दीस। ओह
कहिस, "जइसे पानी के धारा ह फूट निकलथे, वइसे ही परमेसर ह मोर हांथ के दुवारा मोर बईरीमन ला फोर दे
हवय।" एकरसेति ओ जगह ला बाल-परासीम† कहे गीस।
12 पलिस्तीमन उहां अपन देवतामन ला छोंड़ दे रिहिन, अऊ दाऊद ह हुकूम दीस कि ओमन ला आगी म
जला देय जावय।
13 एक बार फेर पलिस्तीमन घाटी ऊपर हमला करिन;
14 तब दाऊद ह परमेसर ले फेर पुछताछ करिस, अऊ परमेसर ह जबाब दीस, "ओमन कोति सीधा झन जा,
पर ओमन के चारों कोति घेरा डाल अऊ चिनार रूखमन के आघू म ओमन ऊपर हमला कर।
15 जतेक जल्दी तेंह चिनार रूखमन के पान ऊपर म सेना के चले के खरखराहट ला सुनबे, त लड़ई करे बर
निकलबे, काबरकि ओकर ये मतलब होही कि परमेसर ह पलिस्ती सेना ला मारे बर तोर आघू गे हवय।"
16 तब दाऊद ह वइसे ही करिस, जइसे परमेसर ह ओला हुकूम देय रिहिस, अऊ ओमन पलिस्ती सेना ला
पूरा गिबोन सहर ले लेके गेजेर नगर तक मार डारिन।
17 तब दाऊद के नांव हर देस म फईल गीस, अऊ यहोवा ह जम्मो जाति के मनखेमन के मन म दाऊद के डर
पईदा कर दीस।

15

[illegible]

1 दाऊद के नगर म अपन बर भवन बनवाय के बाद, दाऊद ह परमेसर के सन्दूक बर एक ठन जगह तियार
करिस अऊ येकर बर एक ठन तम्बू खड़े करिस।
2 तब दाऊद ह कहिस, "लेवीमन के छोंड़ अऊ कोनो परमेसर के सन्दूक ला उठाके झन ले जावंय, काबरकि
यहोवा ह ओमन ला यहोवा के सन्दूक ला उठाके ले जाय बर अऊ ओकर आघू म हमेसा सेवा-टहल करे बर चुने
हवय।"
3 तब दाऊद ह जम्मो इसरायलीमन ला यरूसलेम म ये खातिर इकट्ठा करिस कि यहोवा के सन्दूक ला ओ
जगह म लानंय, जेला ओह येकर खातिर तियार करे रिहिस।

4 दाऊद ह हारून के संतान अऊ लेवीमन ला इकट्ठा करिस:

5 कहात के संतानमन ले,
उरीएल नांव के अगुवा अऊ ओकर 120 झन रिस्तेदार;
6 मरारी के संतानमन ले,
असायाह नांव के अगुवा अऊ ओकर 220 झन रिस्तेदार;
7 गेरसोन* के संतानमन ले,
योएल नांव के अगुवा अऊ ओकर 130 झन रिस्तेदार;
8 एलीसापान के संतानमन ले,

---

* **14:7** [illegible] ह एक आने नांव ए [illegible]
† **14:11** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible]
* **15:7** इबरानी म [illegible]

समायाह नांव के अगुवा अऊ ओकर 200 रिस्तेदारमन;
9 हेबरोन के संतानमन ले,
एलीएल नांव के अगुवा अऊ ओकर 80 रिस्तेदारमन;
10 अऊ उजीएल के संतानमन ले,
अमीनादाब नांव के अगुवा अऊ ओकर 112 रिस्तेदारमन।

11 तब दाऊद ह सादोक अऊ अबियातार पुरोहितमन ला, अऊ उरीएल, असायाह, योएल, समायाह, एलीएल अऊ अमीनादाब नांव के लेवीमन ला बुलवाईस
12 अऊ ओह ओमन ले कहिस, "तुमन तो लेवी परिवारमन के मुखिया अव; तुमन अऊ तुम्हर संगी लेवीमन अपनआप ला पबितर करव अऊ इसरायल के परमेसर यहोवा के सन्दूक ला ओ जगह म ले आवव, जेला मेंह येकर बर तियार करे हंव।
13 काबरकि पहिली बार तुम, लेवीमन ओला उठाके नइं लानेव, एकर कारन यहोवा हमर परमेसर के गुस्सा हमर ऊपर भड़किस। हमन ओकर ले पुछताछ नइं करेंन कि बताय गय तरीका म येला कइसे करे जावय।"
14 तब पुरोहित अऊ लेवीमन इसरायल के परमेसर, यहोवा के सन्दूक ला लाने बर अपनआप ला पबितर करिन।
15 अऊ लेवीमन परमेसर के सन्दूक ला ओमा लगे डंडामन ला धरके उठाईन अऊ अपन कंधा म रखके ले चलिन, जइसे कि मूसा ह यहोवा के बचन मुताबिक हुकूम दे रिहिस।

16 दाऊद ह लेवीमन के अगुवामन ला कहिस कि ओमन अपन संगी लेवीमन ला संगीतकार ठहिरावंय ताकि ओमन आनंद के संग बाजा याने कि सारंगी, बीना अऊ झांझ बजावंय अऊ गावंय।
17 तब लेवीमन योएल के बेटा हेमान ला; ओकर रिस्तेदारमन ले बेरेकियाह के बेटा आसाप ला; अऊ ओमन के रिस्तेदार मरारीमन ले कुसायाह के बेटा एतान ला ठहिराईन।
18 ओमन के संग ओमन के रिस्तेदार, जेमन ओकर बाद के पद म रिहिन: जकरयाह, बेन, याजीएल, समीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब, बनायाह, मासेयाह, मत्तितियाह, एलीपलेह, मिकनेयाह, अऊ ओबेद-एदोम अऊ येइल, जऊन मन दुवारपाल रिहिन।
19 हेमान, आसाप अऊ एतान नांव के संगीतकारमन कांसा के झांझमन ला बजावंय;
20 जकरयाह, अजीएल, समीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब, मासेयाह, अऊ बनायाह, ?????? नांव के राग म सारंगी ला बजावंय,
21 अऊ मत्तितियाह, एलीपलेह, मिकनेयाह, ओबेद-एदोम, येइल अऊ अजजियाह, ??????? नांव के राग म अगुवई करत बीनामन ला बजावंय।
22 कननियाह नांव के लेवी ह गवइयामन के मुखिया रिहिस; ओह ओकर जिम्मेदारी रिहिस, काबरकि ओह ओ काम म माहिर रिहिस।
23 बेरेकियाह अऊ एलकाना सन्दूक के दुवारपाल रिहिन।
24 सबनियाह, योसापात, नतनेल, अमासै, जकरयाह, बनायाह अऊ एलिएजेर नांव के पुरोहितमन परमेसर के सन्दूक के आघू-आघू तुरही बजावंय। ओबेद-एदोम अऊ यहियाह घलो सन्दूक के दुवारपाल रिहिन।
25 ये किसम ले, दाऊद अऊ इसरायलीमन के अगुवा अऊ एक-एक हजार दल के सेनापतिमन चलिन कि ओमन यहोवा के करार के सन्दूक ला ओबेद-एदोम के घर ले आनंद के संग ले आवंय।
26 काबरकि परमेसर ह ओ लेवीमन के मदद करिस, जेमन यहोवा के करार के सन्दूक ला उठाके ले जावत रिहिन, त सात ठन बईला अऊ सात ठन मेढ़ा ला बलि करे गीस।
27 दाऊद ह सुघर मलमल के ओनहा पहिरे रिहिस, संग म सन्दूक उठाके ले जवइया जम्मो लेवीमन, अऊ संगीतकारमन, अऊ गीत गवइयामन के मुखिया कननियाह घलो सुघर मलमल के ओनहा पहिरे रिहिन। दाऊद ह मलमल के एक एपोद घलो पहिरे रिहिस।
28 ये किसम ले, जम्मो इसरायलीमन यहोवा के करार के सन्दूक ला जय-जयकार करत, अऊ नरसिंगा, अऊ तुरही, अऊ झांझ अऊ सारंगी अऊ बीना बजात ले आईन।

29 जब यहोवा के करार के सन्दूक ह दाऊद के नगर म प्रवेस करत रिहिस, त साऊल के बेटी मीकल ह खिड़की
ले झांकके देखिस। जब ओह दाऊद राजा ला नाचत अऊ खुसी मनात देखिस, त ओह अपन मन म ओला तुछ
समझिस।

16

[illegible]

1 ओमन परमेसर के सन्दूक ला लानके ओ तम्बू के भीतर म रख दीन, जऊन ला दाऊद ह ओकर बर बनाय
रिहिस, अऊ ओमन परमेसर के आघू म होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाईन।
2 जब दाऊद ह होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघा लीस, त ओह यहोवा के नांव म मनखेमन ला आसीस
दीस।
3 तब ओह हर एक इसरायली आदमी अऊ माईलोगन ला एक-एक ठन रोटी अऊ एक-एक ठन खजूर के
टिकिया अऊ एक-एक ठन किसमिस के टिकिया बंटवाईस।
4 तब दाऊद ह कुछू लेवीमन ला ठहिराईस कि ओमन यहोवा के सन्दूक के आघू म यहोवा, इसरायल के
परमेसर के इस्तुति, धनबाद अऊ परसंसा करे के दुवारा सेवा करंय:
5 आसाप ह मुखिया रिहिस, अऊ ओकर बाद जकरयाह के पद रिहिस, फेर याजीएल, समीरामोत, यहीएल,
मत्तितियाह, एलीआब, बनायाह, ओबेद-एदोम अऊ येइल रिहिन। येमन ला सारंगी अऊ बीना बजाना रिहिस,
अऊ आसाप ला झांझ बजाना रिहिस,
6 बनायाह अऊ यहजीएल नांव के पुरोहितमन ला परमेसर के करार के सन्दूक के आघू म लगातार तुरही
बजाना रिहिस।

7 ओ दिन दाऊद ह आसाप अऊ ओकर सहायकमन ला ठहिराईस कि ओमन ये तरीका ले यहोवा के परसंसा
करंय:
8 यहोवा के परसंसा करव, ओकर नांव के घोसना करव;
जाति-जाति के मनखेमन के बीच म ओकर करे गे काम ला बतावव।
9 ओकर गीत गावव, ओकर परसंसा के गीत गावव;
ओकर जम्मो अद्भूत काम के बखान करव।
10 ओकर पबितर नांव के महिमा होवय;
जऊन मन यहोवा के खोज करथें, ओमन के मन आनंदित होवय।
11 यहोवा अऊ ओकर बल के खोज म रहव;
हमेसा ओकर दरसन के खोज म रहव।

12 ओकर करे गे अद्भूत काम,
ओकर चमतकार, अऊ ओकर दिये गय नियाय ला सुरता करव,
13 हे ओकर सेवक, इसरायल के संतानमन,
हे ओकर चुने गय मनखे, याकूब के लइकामन।
14 ओह यहोवा हमर परमेसर ए;
जम्मो धरती म ओकर नियाय हवय।

15 ओह अपन करे गे करार,
हजार पीढ़ी के मनखेमन बर करे गे वायदा,
16 अब्राहम के संग करे गे करार,
इसहाक के संग खाय गे सपथ ला सदाकाल बर सुरता रखथे।
17 ओह येला याकूब के संग एक बिधि के रूप म,
इसरायल के संग हमेसा के एक करार के रूप म ये कहिके मजबूत करिस:
18 “तोला मेंह कनान देस दूहूं,
एक निज भाग के रूप म तोला ओह मिलही।”

19 जब ओमन गनती म थोरकन ही रिहिन,
वास्तव म थोरकन रिहिन, अऊ ओ देस म अजनबी रिहिन,
20 त ओमन एक जाति ले आने जाति,
अऊ एक राज ले दूसर राज म भटकत रिहिन।
21 पर परमेसर ह कोनो ला ओमन ला सताय नइं दीस;
ओमन के हित म, ओह राजामन ला दबकारिस:
22 "मोर अभिसिक्त मनखेमन ला झन छुवव;
मोर अगमजानीमन के कुछू हानि झन करव।"

23 हे धरती के जम्मो मनखेमन, यहोवा बर गीत गावव,
ओकर उद्धार के सुसमाचार हर दिन सुनात रहव।
24 जाति-जाति के मनखेमन के बीच म ओकर महिमा के,
अऊ जम्मो मनखेमन के बीच ओकर अद्भूत काम के बखान करव।

25 काबरकि यहोवा ह महान अऊ अति परसंसा के योग्य अय;
ओह जम्मो देवतामन ले जादा भय के योग्य अय।
26 काबरकि जाति-जाति के जम्मो देवतामन सिरिप मूरती अंय,
पर यहोवा ह स्वरग ला बनाईस।
27 सोभा अऊ वैभव ओकर आघू म हवय;
ताकत अऊ आनंद ओकर निवास स्थान म हवय।

28 हे जाति-जाति के जम्मो परिवारमन, यहोवा के बखान करव,
यहोवा के महिमा अऊ बल के बखान करव।
29 यहोवा के नांव के मुताबिक ओकर बखान करव;
भेंट लेके ओकर आघू म आवव।
पबितरता ले सोभायमान होके यहोवा के अराधना करव।
30 हे धरती के जम्मो मनखेमन, ओकर आघू म कांपव!
संसार ला मजबूती से स्थापित करे गे हवय; येला हटाय नइं जा सकय।

31 अकास ह आनंद मनावय, धरती ह खुस होवय;
ओमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच म कहंय, "यहोवा राज करथे!"
32 समुंदर अऊ ओमा के जम्मो चीजमन गरजंय;
भुइयां अऊ ओमा के हर एक चीज बहुंत आनंदित होवंय!
33 जंगल के रूखमन गीत गावंय,
ओमन यहोवा के आघू म आनंद के गीत गावंय,
काबरकि ओह धरती के नियाय करे बर आवत हे।

34 यहोवा ला धनबाद देवव, काबरकि ओह बने अय;
ओकर मया हमेसा बने रहिथे।
35 ओला पुकारव, "हमर उद्धार करइया परमेसर, हमन ला बचा;
हमन ला इकट्ठा कर अऊ हमन ला जाति-जाति के मनखेमन ले छुड़ा,
ताकि हमन तोर पबितर नांव ला धनबाद देवन,
अऊ तोर परसंसा म बड़ई करन।"
36 आदिकाल ले अनंतकाल तक,
यहोवा, इसरायल के परमेसर के परसंसा होवय।
तब जम्मो मनखेमन कहिन, "आमीन" अऊ "यहोवा के परसंसा होवय।"

37 तब दाऊद ह आसाप अऊ ओकर सहायकमन ला यहोवा के करार के सन्दूक के आघू म छोंड़ दीस, ताकि
ओमन उहां हर दिन के जरूरत के मुताबिक लगातार सेवा करंय।
38 ओह ओबेद-एदोम अऊ ओकर अड़सठ सहायकमन ला घलो ओमन के संग सेवा करे बर छोंड़ दीस।
यदूतून के बेटा ओबेद-एदोम अऊ होसा घलो दुवारपाल रिहिन।
39 दाऊद ह सादोक पुरोहित अऊ ओकर संगी पुरोहितमन ला यहोवा के पबितर-तम्बू के आघू म, जऊन ह
गिबोन के ऊंचहा जगह म हवय, ठहिरा दीस,
40 ताकि ओमन लगातार बिहनियां अऊ संझा के बेरा, होम-बलिदान के बेदी म यहोवा ला होम-बलिदान
चघावंय अऊ ये जम्मो काम यहोवा के कानून म लिखे मुताबिक करंय, जऊन ला यहोवा ह इसरायल ला देय
रिहिस।
41 ओमन के संग हेमान अऊ यदूतून अऊ बाकि बांचे ओ आने मन घलो रिहिन, जऊन मन ला नांव लेके चुने
गे रिहिस, ताकि ओमन यहोवा के नांव के धनबाद ये किसम ले करंय, "ओकर मया सदाकाल तक बने रहिथे।"
42 हेमान अऊ यदूतून के ऊपर तुरही अऊ झांझमन ला बजाय के अऊ पबितर गीत गाय के बेरा आने
बाजामन ला बजाय के जिम्मेदारी रिहिस। यदूतून के बेटामन ला दुवार के रखवारी करे बर ठहिराय गे रिहिस।
43 तब जम्मो मनखेमन अपन-अपन घर चले गीन, अऊ दाऊद ह अपन परिवार ला आसीस देय बर अपन घर
लहुंट गीस।

17

[illegible]

1 जब दाऊद ह अपन महल म रहे लगिस, त ओह नातान अगमजानी ला कहिस, "देख, मेंह देवदार रूख ले
बने घर म रहत हंव, जबकि यहोवा के करार के सन्दूक ह एक तम्बू म हवय।"
2 नातान ह दाऊद ला कहिस, "जऊन कुछू तोर मन म हवय, ओला कर, काबरकि परमेसर ह तोर संग हवय।"
3 पर ओहीच रथिया परमेसर के ये बचन नातान मेर आईस:
4 "जाके मोर सेवक दाऊद ला कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: तेंह ओ मनखे नो हस, जऊन ह मोर रहे बर घर
बनाबे।
5 जब ले मेंह इसरायल ला मिसर देस ले निकालके लाने हंव, ओ दिन ले लेके आज तक मेंह कोनो घर म
नइं रहे हंव। मेंह एक तम्बू ले दूसर तम्बू, एक निवास ले दूसर निवास म रहत आय हंव।
6 जिहां-जिहां मेंह जम्मो इसरायलीमन के संग गेंव, का मेंह कभू ओमन के ऊपर सासन करइयामन ले,
जेमन ला मेंह अपन इसरायली मनखेमन ऊपर अगुवा ठहिराय रहेंव, ओमन ले कोनो ला अइसन बात कहेंव,
"तेंह मोर बर देवदार लकड़ी के घर काबर नइं बनवाय?" '
7 "एकरसेति अब, मोर सेवक दाऊद ले कह, 'सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोला चरागन ले,
भेड़-बकरीमन ला चराय के काम ले लेंव, अऊ मोर इसरायली मनखेमन ऊपर सासन करइया ठहिरांय।
8 जिहां घलो तें गे, उहां में तोर संग रहेंव, अऊ मेंह तोर जम्मो बईरीमन ला तोर आघू ले नास कर देंव। अब
मेंह तोर नांव ला धरती के सबले बड़े मनखेमन के नांव सहीं बड़े करहूं।
9 अऊ मेंह अपन इसरायली मनखेमन बर एक जगह ठहिराहूं अऊ मेंह ओमन ला बसाहूं ताकि ओमन के
अपन खुद के घर होवय अऊ ओमन फेर कभू एती-ओती झन होवंय। दुस्ट मनखेमन फेर ओमन ऊपर
अतियाचार नइं करहीं, जइसने कि ओमन सुरू म करत रिहिन
10 अऊ ओ बेरा ले करत आवत हें, जब मेंह अपन इसरायली मनखेमन ऊपर अगुवामन ला ठहिरांय। मेंह
तोर जम्मो बईरीमन ला दबा दूहूं।
" 'मेंह तोला बतात हंव कि यहोवा ह तोर बर एक घर बनाही:
11 जब तोर उमर ह पूरा हो जाही अऊ तेंह अपन पुरखामन संग मिल जाबे, त मेंह तोर संतान ला तोर
जगह लेय बर ठाढ़ करहूं अऊ ओह तोर बेटामन ले एक झन होही, अऊ मेंह ओकर राज ला इस्थिर करहूं।
12 ओही ह मोर बर एक घर बनाही, अऊ मेंह ओकर सिंघासन ला हमेसा बर इस्थिर करहूं।
13 मेंह ओकर ददा होहूं, अऊ ओह मोर बेटा होही। मेंह ओकर ऊपर ले मोर मया ला कभू नइं हटाहूं, जइसे
कि मेंह तोर ले पहिले के राजामन ले हटाय रहेंव।

14 मेंह ओला मोर घर अऊ मोर राज ऊपर हमेसा बर इस्थिर करहूं; ओकर सिंघासन ह सदा बने रहिही।' "
15 नातान ह दरसन के हर एक बात दाऊद ला बता दीस।

[illegible]

16 तब दाऊद राजा ह भीतर जाके यहोवा के आघू म बईठ गीस, अऊ कहिस:
"हे यहोवा, परमेसर, मेंह कोन अंव, अऊ मोर घराना का ए, कि तेंह मोला इहां तक लाने हस?
17 अऊ हे मोर परमेसर, मानो येह तोर नजर म परयाप्त नइं रिहिस कि तेंह अपन सेवक के घराना के भविस्य के बारे म गोठियाय। हे यहोवा, परमेसर, तेंह मोला अइसे देखे हस, मानो मेंह मनखेमन म सबले ऊंच पदवाला अंव।
18 "तेंह अपन सेवक ला जऊन आदर दे हस, ओकर बारे म दाऊद ह का कह सकत हे? काबरकि हे यहोवा, तेंह अपन सेवक ला जानत हस।
19 अपन सेवक के हित म अऊ अपन ईछा के मुताबिक, तेंह ये बड़े काम करे हस अऊ ये जम्मो बड़े बातमन ला बताय हस।
20 "हे यहोवा, जइसे कि हमन अपन कान ले सुने हवन, तोर सहीं अऊ कोनो नइं ए, अऊ तोला छोंड़ अऊ कोनो परमेसर नइं ए।
21 अऊ तोर मनखे इसरायल के सहीं कोन हे—धरती ऊपर के एक जाति, जेला अपन नांव के खातिर तें परमेसर ह जाके छोंड़ाय, अऊ अपन मनखेमन के आघू ले जाति-जाति के मनखेमन ला निकालके बड़े अऊ अद्भूत काम करे, अऊ ओमन ला मिसर देस ले छोंड़ाय।
22 तेंह अपन मनखे इसरायलीमन ला हमेसा बर अपन खुद के मनखे बनाय हस, अऊ हे यहोवा, तेंह ओमन के परमेसर बने हस।
23 "अब, हे यहोवा, तेंह अपन सेवक अऊ ओकर घराना के बारे म जऊन वायदा करे हस, ओला सदाकाल तक बनाय रख। अपन वायदा के मुताबिक ही कर,
24 ताकि येह स्थापित होवय अऊ तोर नांव ह सदाकाल बर महान रहय। तब मनखेमन कहिहीं, 'सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल ऊपर परमेसर ही इसरायल के परमेसर अय!' अऊ तोर सेवक दाऊद के घराना ह तोर आघू म इस्थिर होही।
25 "हे मोर परमेसर, तेंह येला अपन सेवक ऊपर परगट करे हस कि तेंह ओकर बर एक घर बनाबे। एकरसेति तोर सेवक ला तोर ले पराथना करे के हिम्मत मिले हवय।
26 हे यहोवा, तेंह परमेसर अस! तेंह ये बने चीजमन के वायदा अपन सेवक ले करे हस।
27 अब तेंह खुस होके अपन सेवक के घराना ला आसीस दे हस, कि येह तोर नजर म हमेसा बने रहय; काबरकि हे यहोवा, तेंह येला आसीस दे हस, अऊ येह हमेसा आसीसित होही।"

18

[illegible]

1 कुछू समय के बाद, दाऊद ह पलिस्तीमन ला हराके ओमन ला अपन अधीन कर लीस, अऊ गत नगर अऊ ओकर आसपास के गांवमन ला पलिस्तीमन के हांथ ले छीन लीस।
2 दाऊद ह मोआबीमन ला घलो लड़ई म हराईस अऊ ओमन ओकर अधीन होके ओला कर पटाय लगिन।
3 येकर छोंड़, दाऊद ह सोबा के राजा हददेजेर ला हमात के इलाका म हराईस, जब हददेजेर ह फरात नदी करा अपन स्मारक बनाय बर* जावत रिहिस।
4 दाऊद ह ओकर एक हजार रथ, सात हजार सारथी अऊ बीस हजार पैदल सैनिकमन ला छीन लीस। ओह एक सौ रथवाले घोड़ामन ला छोंड़के बाकि जम्मो घोड़ामन के माड़ी के पाछू के नस ला कटवा दीस।
5 जब दमिस्क के अरामीमन सोबा के राजा हददेजेर के मदद करे बर आईन, त दाऊद ह ओमन के बाईस हजार मनखेमन ला मार डारिस।
6 दाऊद ह दमिस्क के अरामी राज म सैनिक दलमन ला ठहिरा दीस, अऊ अरामीमन ओकर अधीन हो गीन अऊ ओला कर पटाय लगिन। दाऊद ह जिहां घलो गीस, यहोवा ह ओला जीतवाईस।

* **18:3** या [illegible]

7 दाऊद ह हददेजेर के अधिकारीमन के सोन के ढालमन ला ले लीस अऊ ओ ढालमन ला यरूसलेम ले
आईस।
8 येकर अलावा, दाऊद ह हददेजेर के तेबह† अऊ कून नांव के नगरमन ले बहुंत अकन कांसा ले आईस, जेकर
उपयोग सुलेमान ह कांसा के हौद, खंभा अऊ कांसा के आने चीजमन ला बनाय म करिस।
9 जब हमात के राजा तोऊ ह सुनिस कि दाऊद ह सोबा के राजा हददेजेर के पूरा सेना ला हरा दे हवय,
10 त ओह अपन बेटा हदोराम ला दाऊद राजा करा पठोईस, ताकि ओह ओकर ले भेंट करके हददेजेर के ऊपर
लड़ई म मिले जीत बर बधाई देवय, काबरकि हददेजेर ह तोऊ ले लड़ई करत रिहिस। हदोराम ह सोन, चांदी
अऊ कांसा के जम्मो किसम के चीजमन ला लेके आईस।
11 दाऊद राजा ह ये चीजमन ला यहोवा बर अरपन कर दीस, जइसे कि ओह ओ चांदी अऊ सोन के संग करे
रिहिस, जेला ओह ये जम्मो जाति—एदोम अऊ मोआब, अमोनी अऊ पलिस्ती, अऊ अमालेकीमन ले लेय
रिहिस।
12 सरूयाह के बेटा अबीसै ह नून के घाटी म अठारह हजार एदोमीमन ला मार डारिस।
13 ओह एदोम म सैनिक दलमन के पहरा बईठा दीस, अऊ जम्मो एदोमीमन दाऊद के अधीन हो गीन।
दाऊद ह जिहां घलो गीस, यहोवा ह ओला जीतवाईस।

[illegible]

14 दाऊद ह जम्मो इसरायल ऊपर राज करिस अऊ ओ काम करिस, जऊन ह ओकर जम्मो मनखेमन बर ठीक
अऊ सही रिहिस।

15 सरूयाह के बेटा योआब ह सेना के सेनापति रिहिस;
अहीलूद के बेटा यहोसापात ह इतिहास के लेखक रिहिस;
16 अहीतूब के बेटा सादोक अऊ अबियातार के बेटा अहीमेलेक‡ पुरोहित रिहिन;
सावसा ह सचिव रिहिस;
17 यहोयादा के बेटा बनायाह ह करेती अऊ पलेतीमन के अधिकारी रिहिस;
अऊ दाऊद के बेटामन राजा करा मुखिया अधिकारी रिहिन।

19

[illegible]

1 कुछू समय के बाद, अमोनीमन के राजा नाहास ह मर गीस, अऊ ओकर बेटा ओकर जगह म राजा बनिस।
2 दाऊद ह सोचिस, "मेंह नाहास के बेटा हानून ऊपर दया करहूं, काबरकि ओकर ददा मोर ऊपर दया करे
रिहिस।" एकरसेति दाऊद ह अपन एक परतिनिधि-मंडल ला हानून करा ओकर ददा के बारे म सहानुभूति परगट
करे बर पठोईस।
जब दाऊद के दूतमन अमोनीमन के देस म हानून करा सहानुभूति परगट करे बर आईन,
3 त अमोनी सेनापतिमन हानून ला कहिन, "का तेंह ये सोचत हस कि दाऊद ह तोर संग सहानुभूति देखाय बर
दूतमन ला पठोय के दुवारा तोर ददा के आदर करत हे? का ओकर दूतमन तोर करा सिरिप देस के खोजबीन अऊ
भेद लेय बर अऊ येला उखान फेंके बर नइं आय हवंय?"
4 एकरसेति हानून ह दाऊद के दूतमन ला पकड़ लीस, अऊ ओमन के बाल मुड़वाके ओमन के ओनहा ला
कुलामन तक कटवा दीस अऊ ओमन ला वापिस भेज दीस।
5 जब एक मनखे ह आके दाऊद ला ओकर मनखेमन के बारे म बताईस, त ओह संदेसियामन ला ओमन ले
मिले बर पठोईस, काबरकि ओमन के बहुंत बेजत्ती करे गे रिहिस। राजा ह ओमन करा ये खबर पठोईस, "जब तक
तुम्हर दाढ़ी बाढ़ नइं जावय, तब तक तुमन यरीहो सहर म ठहिरे रहव, अऊ तब वापिस आ जावव।"
6 जब अमोनीमन ला महसूस होईस कि ओमन दाऊद ला नराज कर दे हवंय, त हानून अऊ अमोनीमन
लगभग एक हजार टेलेन्ट* चांदी अरम-नहरैम, अरम-माका अऊ सोबा ला देके रथ अऊ सारथीमन ला किराया
म लीन।

---

† **18:8** इबरानी म [illegible] ‡ **18:16** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible] * **19:6** लगभग 38 टन

7 ओमन बत्तीस हजार रथ अऊ सारथीमन ला किराया म लीन, संग म माका के राजा ह अपन सेना लेके
मेदबा नगर के लकठा म डेरा डालिस, जबकि अमोनीमन अपन-अपन नगर ले निकलके जूरिन अऊ लड़ई बर
आघू बढ़िन।
8 ये सुनके, दाऊद ह योआब ला योद्धामन के जम्मो सेना के संग पठोईस।
9 अमोनीमन बाहिर निकलिन अऊ अपन सहर के प्रवेस दुवार करा लड़ई बर कतार बांधिन, जबकि राजामन,
जऊन मन लड़ई बर आय रिहिन, खुला मैदान म रिहिन।
10 योआब ह देखिस कि ओकर आघू अऊ पाछू दूनों कोति ओकर बिरूध लड़ई बर कतार बांधे गे हवय; त ओह
इसरायल के सबले बढ़िया कुछू सैनिक दलमन ला चुनिस अऊ ओमन ला अरामीमन के बिरूध ठहिरा दीस।
11 ओह बाकि बांचे आदमीमन ला अपन भाई अबीसै के अधीन कर दीस, अऊ ओमन ला अमोनीमन के
बिरूध तैनात कर दीस।
12 योआब ह कहिस, "यदि अरामीमन मोर ऊपर भारी होवन लगंय, त तुमन मोर मदद करे बर आहू; अऊ
यदि अमोनीमन तुम्हर ऊपर भारी होवन लगहीं, त मेंह आके तुम्हर मदद करहूं।
13 मजबूत बनव, अऊ आवव, हमन अपन मनखे अऊ अपन परमेसर के सहरमन बर हिम्मत से लड़ई करन।
यहोवा ह ओही करही, जऊन ह ओकर नजर म सही अय।"
14 तब योआब अऊ ओकर संग के सैनिक दल अरामीमन ले लड़े बर आघू बढ़िन, अऊ अरामीमन ओकर आघू
ले भाग गीन।
15 जब अमोनीमन देखिन कि अरामीमन भागत हवंय, त ओमन घलो ओकर भाई अबीसै के आघू ले भागिन
अऊ सहर के भीतर चल दीन। तब योआब ह यरूसलेम लहुंट गीस।
16 जब अरामीमन देखिन कि ओमन इसरायलीमन ले हार गे हवंय, त ओमन दूतमन ला पठोईन अऊ फरात
नदी के ओ पार ले अरामीमन ला बुलवाईन, अऊ हददेजेर के सेना के सेनापति सोपक ओमन के अगुवई करत
रहय।
17 जब दाऊद ला ये बात बताय गीस, त ओह जम्मो इसरायलीमन ला इकट्ठा करिस अऊ यरदन नदी के ओ
पार गीस; ओह ओमन के बिरूध आघू बढ़िस अऊ ओमन के बिरूध लड़ई के दल बांधिस। दाऊद ह लड़ई म
अरामीमन के सामना करे बर अपन दल बांधिस, अऊ ओमन ओकर ले लड़िन।
18 पर ओमन इसरायलीमन के आघू ले भाग गीन, दाऊद ह ओमन के सात हजार सारथी अऊ चालीस हजार
पैदल सैनिकमन ला मार डारिस। ओह ओमन के सेना के सेनापति सोपक ला घलो मार डारिस।
19 जब हददेजेर के सेवकमन देखिन कि ओमन इसरायलीमन ले हार गे हवंय, त ओमन दाऊद संग समझौता
कर लीन अऊ ओकर अधीन हो गीन।
ओकर बाद, अरामीमन अमोनीमन के फेर मदद करे नइं चाहिन।

20

[illegible]

1 बसन्त के मौसम म, जब राजामन लड़ई करे बर निकलथें, त योआब ह सेना के अगुवई करत रिहिस। ओह
अमोनीमन के देस ला उजाड़ दीस अऊ ओह रब्बा म जाके ओला अपन अधिकार म कर लीस, पर दाऊद ह
यरूसलेम म ही रिहिस। योआब ह रब्बा ऊपर हमला करके ओला नास कर दीस।
2 दाऊद ह ओमन के राजा* के मुड़ ले मुकुट ला ले लीस—येह सोन के बने रिहिस अऊ येकर वजन एक
टेलेन्ट† रिहिस, अऊ येमा कीमती पथरामन जड़े रिहिन—अऊ ये मुकुट ला दाऊद के मुड़ म रखे गीस। दाऊद
ह ओ सहर ले बहुंत अकन सामान लूटके ले गीस
3 अऊ उहां के मनखेमन ला बाहिर निकाल लीस अऊ ओमन ला आरी, रांपा अऊ टंगिया देके ओमन ले
मजदूरी करवाईस। दाऊद ह अमोनी नगरमन के जम्मो मनखेमन के संग अइसने ही करिस। तब दाऊद अऊ
ओकर पूरा सेना यरूसलेम लहुंट गीस।

[illegible]

* **20:2** या ओमन के देवता [illegible] या ओला [illegible] भी कहे जाथे † **20:2** लगभग 34 किलोग्राम

4 समय के बीतत, गेजेर नगर म पलिस्तीमन ले लड़ई होय लगिस। ओ बेरा हूसाती सिब्बकै ह सिप्पै ला मार
डारिस, जऊन ह रपाईमन के एक संतान रिहिस, अऊ पलिस्तीमन अधीन म हो गीन।
5 पलिस्तीमन ले फेर एक लड़ई म, याईर के बेटा एल्हानान ह गत सहर के रहइया गोलियत के भाई लहमी
ला मार डारिस, जेकर बरछी के मुठिया ह बुनकर के डोंगी सहीं रिहिस।
6 एक अऊ लड़ई गत म होईस, जिहां एक बहुंत बड़े डीलडौलवाला आदमी रिहिस, जेकर हर हांथ अऊ गोड़
म छै-छै ठन अंगरी रिहिस—कुल चौबीस ठन अंगरी। ओह घलो रापा के संतान रिहिस।
7 जब ओह इसरायल ला ताना मारिस, त दाऊद के भाई सिमा के बेटा योनातन ह ओला मार डारिस।
8 येमन गत के रहइया रापा के संतान रिहिन, अऊ ओमन दाऊद अऊ ओकर आदमीमन के हांथ म मारे गीन।

21

[illegible]

1 सैतान ह इसरायल के बिरूध काम करे लगिस अऊ ओह दाऊद ला इसरायल के गनती करे बर उकसाईस।
2 एकरसेति दाऊद ह योआब अऊ सेना के सेनापतिमन ला हुकूम दीस, "जावव अऊ बेरसेबा ले लेके दान तक
इसरायलीमन के गनती करव अऊ आके मोला बतावव ताकि मेंह जानंव कि ओमन कतेक हवंय।"
3 पर योआब ह जबाब दीस, "यहोवा ह इसरायल के मनखेमन ला सौ गुना बढ़ावय। हे मोर मालिक, हे राजा,
का ओ जम्मो मोर मालिक के अधीन नइं एं? मोर मालिक अइसे काबर करे चाहथे? ओह इसरायल ऊपर दोस
लाने के कारन काबर बनय?"
4 राजा ह योआब के बात ला नइं मानिस; एकरसेति योआब ह उहां ले चल दीस अऊ जम्मो इसरायल देस म
गीस अऊ तब यरूसलेम वापिस आ गीस।
5 योआब ह दाऊद ला सैनिकमन के गनती बताईस: जम्मो इसरायल म गियारह लाख आदमी रिहिन, जऊन
मन तलवार चला सकत रिहिन, येमा यहूदा के चार लाख सत्तर हजार मनखे घलो रिहिन।
6 पर योआब ह लेवी अऊ बिनयामीन के बंस के गनती नइं करिस, राजा के हुकूम ह ओला बने नइं लगत
रिहिस।
7 ये हुकूम ह परमेसर के नजर म घलो गलत रिहिस; एकरसेति ओह इसरायल ला सजा दीस।
8 तब दाऊद ह परमेसर ला कहिस, "मेंह अइसे करके बहुंत पाप करे हंव। अब, मेंह तोर ले बिनती करत हंव
कि अपन सेवक के दोस ला दूर कर दे। मेंह एक बहुंत मुरूखता के काम करे हंव।"
9 यहोवा ह दाऊद के अगम-दरसी गाद ला कहिस,
10 "जा अऊ दाऊद ला बता, 'यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोर आघू म तीन बात रखत हंव। ओमा ले कोनो एक
ठन ला चुन ले जेला में तोर बिरूध करहूं।' "
11 तब गाद ह दाऊद करा गीस अऊ ओला कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे: 'तेंह एक ठन ला चुन ले:
12 तीन साल तक अकाल, तीन महिना तक तोर बईरीमन तोला तलवार ले नास करंय*, या फेर तीन दिन तक
यहोवा के तलवार चले—याने कि देस म महामारी फईलय अऊ यहोवा के दूत ह इसरायल के हर भाग ला नास
करय।' अब तें निरनय कर कि मेंह ओला का जबाब दंव, जऊन ह मोला पठोय हवय।"
13 दाऊद ह गाद ला कहिस, "मेंह बड़े संकट म पड़े हंव। मोला यहोवा के हांथ म पड़न दे, काबरकि ओकर
दया बहुंत बड़े अय; पर मोला मनखेमन के हांथ म झन पड़न दे।"
14 तब यहोवा ह इसरायल ऊपर एक महामारी लानिस, अऊ इसरायल के सत्तर हजार मनखे मर गीन।
15 अऊ परमेसर ह यरूसलेम ला नास करे बर एक स्वरगदूत ला पठोईस। पर जब स्वरगदूत ह नास करत
रिहिस, त यहोवा ह येला देखिस अऊ बिपत्ति के बारे म ओकर मन ह पिघल गीस अऊ ओह मनखेमन ला नास
करइया ओ स्वरगदूत ला कहिस, "बहुंत हो गे! अपन हांथ ला खींच ले।" ओ समय यहोवा के स्वरगदूत ह
ओरनान नांव के एक यबूसी के कोठार म ठाढ़े रिहिस।
16 दाऊद ह आंखी उठाके देखिस कि यहोवा के दूत ह अकास अऊ धरती के बीच म एक तलवार खींचके खड़े
रहय अऊ ओ तलवार ह यरूसलेम कोति बढ़े हवय। तब दाऊद अऊ अगुवामन बोरा के कपड़ा पहिरे मुहूं के बल
गिरके दंडवत करिन।

* **21:12** (देखव 2 समू 24:13) [illegible]

17 दाऊद ह परमेसर ले कहिस, “का ओह में नो हंव, जऊन ह लड़ई म जवइया मनखेमन के गनती करे के
हुकूम देय रहेंव? में, चरवाहा† ह पाप करे हंव अऊ गलत काम करे हंव। येमन तो भेड़ अंय। येमन का करे हवंय?
हे यहोवा मोर परमेसर, तोर हांथ ह मोर अऊ मोर परिवार ऊपर उठे, पर तोर मनखेमन ऊपर ये महामारी झन
रहय।”

[illegible]

18 तब यहोवा के स्वरगदूत ह गाद ला हुकूम दीस कि ओह दाऊद ले कहय कि दाऊद ह जाके यबूसी ओरनान
के कोठार म यहोवा बर एक बेदी बनावय।
19 तब यहोवा के नांव म गाद के दुवारा कहे गे बात ला मानके दाऊद ह उहां गीस।
20 जब ओरनान ह गहूं ला मिंजत रिहिस, त ओह मुड़िस अऊ दूत ला देखिस; ओरनान के चार झन बेटा
ओकर संग म रिहिन, अऊ ओमन दूत ला देखके लुका गीन।
21 तब दाऊद ह ओरनान करा आईस अऊ जब ओरनान ह दाऊद ला देखिस, त ओह कोठार ला छोंड़के
आईस अऊ भुइयां तक मुड़ नवाके दाऊद ला दंडवत करिस।
22 दाऊद ह ओला कहिस, “मोला तोर ये कोठार के जगह ला देय दे ताकि में इहां यहोवा बर एक बेदी बना
सकंव, जेकर ले मनखेमन के महामारी ह खतम हो जावय। पूरा दाम लेके मोला ये जगह ला बेच दे।”
23 ओरनान ह दाऊद ले कहिस, “येला लेय ले! मोर मालिक राजा ला जइसे बने लगथे, वइसे करे। देख, मेंह
होम-बलिदान बर बईला, लकरी बर दंवरी के चीज, अऊ अन्न-बलिदान बर गहूं दूहूं। मेंह ये जम्मो चीज दूहूं।”
24 पर दाऊद राजा ह ओरनान ला जबाब दीस, “नइं, मेंह पूरा दाम देके ही मानहूं। जऊन ह तोर ए, ओला मेंह
यहोवा बर अइसने ही नइं ले लूहूं, अऊ न ही मुफत म कोनो होम-बलिदान चघाहूं।”
25 एकरसेति दाऊद ह ओरनान ला ओ जगह के दाम के रूप म छै सौ सेकेल‡ सोन दीस।
26 दाऊद ह उहां यहोवा बर एक बेदी बनाईस अऊ होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघाईस। दाऊद ह
यहोवा ले पराथना करिस अऊ यहोवा ह ओकर जबाब होम-बलिदान के बेदी ऊपर स्वरग ले आगी गिराके दीस।
27 तब यहोवा ह दूत ले बात करिस, अऊ दूत ह अपन तलवार ला मियान म रख लीस।
28 ओ बेरा, जब दाऊद ह देखिस कि यहोवा ह यबूसी ओरनान के कोठार म ओला जबाब दे हवय, त ओह उहां
बलिदान चघाईस।
29 यहोवा के पबितर-तम्बू, जेला मूसा ह निरजन जगह म बनाय रिहिस, अऊ होम-बलिदान के बेदी ओ बेरा
गिबोन के ऊंचहा जगह म रिहिन।
30 पर दाऊद ह परमेसर ले पुछे बर ओ बेदी के आघू म नइं जा सकिस, काबरकि ओह यहोवा के दूत के तलवार
ले डरत रिहिस।

22

1 तब दाऊद ह कहिस, “यहोवा परमेसर के घर ला इहां होना हे अऊ इसरायल बर होम-बलिदान के बेदी ला
घलो।”

[illegible]

2 दाऊद ह इसरायल म रहइया परदेसीमन ला इकट्ठा होय के हुकूम दीस, अऊ ओमन के बीच ले ओह परमेसर
के घर बनाय बर पथरा कटइयामन ला ठहिराईस कि ओमन गढ़े गय पथरा तियार करंय।
3 ओह दुवारमन के कपाट बर खीला बनाय बर अऊ जोड़ या पुरजा बर बहुंत अकन लोहा दीस, अऊ अतेक
कांसा दीस कि ओला तऊले नइं जा सकय।
4 ओह गनती के बाहिर देवदार के लकड़ी घलो दीस, काबरकि सीदोन अऊ सूर के मनखेमन दाऊद करा बहुंत
अकन देवदार के लकड़ी ले आय रिहिन।
5 दाऊद ह अपनआप ले कहिस, “मोर बेटा सुलेमान ह अभी लइका अऊ अनुभवहीन हे, अऊ यहोवा बर
जऊन घर बनाय जाना हे, ओह जम्मो जाति के मनखेमन के नजर म बहुंत सोभायमान, प्रसिद्ध अऊ भब्य होना
चाही। एकरसेति मेंह येकर बर तियारी करहूं।” तब दाऊद ह अपन मरे के पहिली बहुंत तियारी करिस।

† **21:17** देखव 2 समू 24:17 ‡ **21:25** लगभग 6.9 किलोग्राम

6 तब ओह अपन बेटा सुलेमान ला बलाईस अऊ ओला यहोवा, इसरायल के परमेसर बर एक घर बनाय के
जिम्मेदारी दीस।
7 दाऊद ह सुलेमान ला कहिस: "हे मोर बेटा, येह मोर मन म रिहिस कि मेंह यहोवा, मोर परमेसर के नांव बर
एक घर बनावंव।
8 पर यहोवा के ये बचन मोर करा आईस: 'तेंह बहुंत खून बहाय हस अऊ बहुंत लड़ई लड़े हस। तेंह मोर नांव
बर एक घर नइं बनाय सकबे, काबरकि मोर नजर म धरती ऊपर, तेंह बहुंत खून बहाय हस।
9 पर तोर एक बेटा होही, जऊन ह सांति अऊ अराम के एक मनखे होही, अऊ मेंह ओला जम्मो कोति ले
ओकर जम्मो बईरीमन ले अराम दूहूं। ओकर नांव सुलेमान* होही, अऊ मेंह ओकर राज के दौरान इसरायल ला
सांति अऊ अराम दूहूं।
10 ओह ओ मनखे होही, जऊन ह मोर नांव बर एक घर बनाही। ओह मोर बेटा होही, अऊ मेंह ओकर ददा
होहूं। अऊ मेंह ओकर सिंघासन ला इसरायल के ऊपर हमेसा बर स्थापित करहूं।'
11 "अब, हे मोर बेटा, यहोवा ह तोर संग रहय, अऊ तोला सफलता मिलय अऊ तेंह यहोवा, तोर परमेसर के
घर ला बना, जइसे कि ओह कहे हवय कि तेंह ओकर घर ला बनाबे।
12 यहोवा ह तोला बुद्धि अऊ समझ देवय, जब ओह तोला इसरायल के ऊपर अधिकार देथे, ताकि तेंह
यहोवा, तोर परमेसर के कानून के पालन कर सकस।
13 तेंह तब सफल होबे, जब तेंह ओ नियम अऊ कानूनमन ला धियान देके मानबे, जेला यहोवा ह मूसा ला
इसरायलीमन बर देय रिहिस। मजबूत अऊ साहसी बन। झन डर अऊ हिम्मत झन हार।
14 "मेंह बड़े तकलीफ उठाके यहोवा के मंदिर बर एक लाख टेलेन्ट† सोन, दस लाख टेलेन्ट‡ चांदी, कांसा अऊ
लोहा अतेक जादा कि तऊल के बाहिर, अऊ लकड़ी अऊ पथरा के परबंध करे हंव। अऊ तेंह अऊ सामान
लानके येला बढ़ा सकत हस।
15 तोर करा बहुंत काम करइया हें: पथरा कटइया, राज-मिसतिरी अऊ बढ़ईमन संग म सोन अऊ चांदी,
कांसा अऊ लोहा के हर काम करे के कुसल मनखेमन हवंय—
16 गनती के बाहिर कारीगरमन हवंय। अब तेंह काम सुरू कर, अऊ यहोवा ह तोर संग रहय।"
17 तब दाऊद ह इसरायल के जम्मो अगुवामन ला अपन बेटा सुलेमान के मदद करे बर हुकूम दीस।
18 ओह ओमन ला कहिस, "का यहोवा, तुम्हर परमेसर ह तुम्हर संग नइं ए? अऊ का ओह तुमन ला जम्मो
कोति ले अराम नइं दे हवय? काबरकि ओह ये देस के निवासीमन ला मोर हांथ म कर दे हवय, अऊ ये देस ह
यहोवा अऊ ओकर मनखेमन के अधिकार म हवय।
19 अब अपन मन अऊ आतमा ला यहोवा, अपन परमेसर के खोज म लगाय रखव। यहोवा परमेसर के
पबितर-स्थान ला बनाय के काम सुरू करव, ताकि तुमन यहोवा के करार के सन्दूक अऊ परमेसर के पबितर
चीजमन ला ओ मंदिर म ला सकव, जऊन ह कि यहोवा के नांव म बनाय जाही।"

23

[illegible]

1 जब दाऊद ह बहुंत उमर के हो गीस अऊ डोकरा हो गीस, त ओह अपन बेटा सुलेमान ला इसरायल के ऊपर
राजा बनाईस।
2 ओह इसरायल के जम्मो अगुवा अऊ संग म पुरोहित अऊ लेवीमन ला घलो इकट्ठा करिस।
3 जतेक लेवी तीस साल या तीस साल के ऊपर के रिहिन, ओमन के गनती करे गीस, अऊ आदमीमन के कुल
संखिया अड़तीस हजार होईस।
4 दाऊद ह कहिस, "येमा के चौबीस हजार मनखेमन के ऊपर यहोवा के मंदिर के काम के जिम्मेदारी होही अऊ
छै हजार मनखे अधिकारी अऊ नियाय करइया होहीं।
5 चार हजार मनखेमन दुवारपाल अऊ चार हजार मनखेमन ओ बाजामन के संग यहोवा के महिमा करहीं,
जेला मेंह ओ काम बर देय हवंव।"

---

* **22:9** *[illegible]* इबरानी भासा के *[illegible]* सबद ले आय हे सहीं लगथे। † **22:14** लगभग 3,750 टन ‡ **22:14** लगभग 37,500 टन

6 दाऊद ह लेवीमन ला लेवी के बेटा गेरसोन, कहात अऊ मरारी के नांव के मुताबिक अलग-अलग दल म बांट
दीस।

??????????

7 गेरसोनीमन के बंसज:
लादान अऊ सिमी।
8 लादान के बेटामन:
पहिलऊठा यहीएल, तब जेताम अऊ फेर योएल—कुल तीन झन।
9 सिमी के बेटामन:
सलोमोत, हजीएल अऊ हारान—कुल तीन झन।
(येमन लादान के परिवारमन के मुखिया रिहिन।)
10 अऊ सिमी के बेटामन:
यहत, जीजा,* यूस अऊ बरीया।
येमन सिमी के बेटा रिहिन—कुल चार झन।
11 (यहत पहिलऊठा रिहिस, अऊ जीजा ह दूसरा, पर यूस अऊ बरीया के जादा बेटा नइं रिहिन: एकरसेति
येमन ला एक भाग के संग एक परिवार के रूप म गने गीस।)

?????????

12 कहात के बेटामन:
अमराम, ईसहार, हेबरोन अऊ उजीएल—कुल चार झन।
13 अमराम के बेटामन:
हारून अऊ मूसा।
हारून ला अलग करे गीस, ओला अऊ ओकर संतानमन ला हमेसा बर, ताकि ओमन परम पबितर चीजमन
ला पबितर ठहिरांय, यहोवा के आघू म बलिदान चघावंय, ओकर आघू म सेवा करंय अऊ ओकर नांव म
हमेसा आसीस देवंय।
14 परमेसर के जन मूसा के बेटामन ला लेवी बंस के एक भाग के रूप म गने गीस।
15 मूसा के बेटामन:
गेरसोम अऊ एलिएजेर।
16 गेरसोम के संतान:
सूबाएल ह पहिलऊठा रिहिस।
17 एलिएजेर के संतान:
रहबियाह ह पहिलऊठा रिहिस।
(एलिएजेर के अऊ कोनो बेटा नइं रिहिन, पर रहबियाह के बहुंत बेटा रिहिन।)
18 ईसहार के बेटामन:
सलोमीत ह पहिलऊठा रिहिस।
19 हेबरोन के बेटामन:
यरियाह ह पहिलऊठा, अमरयाह ह दूसरा,
यहजीएल ह तीसरा अऊ यकमाम ह चौथा।
20 उजीएल के बेटामन:
मीका ह पहिलऊठा अऊ यिसियाह ह दूसरा।

?????????

21 मरारी के बेटामन:
महली अऊ मूसी।
महली के बेटामन:
एलिआजर अऊ कीस।

---

* **23:10** पद 11 भी देखव; जादा इबरानी लेखमन म जीना

22 (एलिआजर के मिरतू बिगर कोनो बेटा के हो गीस: ओकर सिरिप बेटीमन रिहिन। कीस के बेटामन याने
कि ओमन के चचेरा-भाईमन ओमन ले बिहाव कर लीन।)
23 मूसी के बेटामन:
महली, एदेर अऊ यरीमोत—कुल तीन झन रिहिन।

24 येमन ओमन के परिवार के मुताबिक लेवी के संतान रिहिन—परिवार के मुखियामन के नांव लिखे गीस अऊ
ओमन ला एक-एक करके गने गीस, याने कि ओ काम करइयामन, जेमन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर
के रिहिन अऊ यहोवा के मंदिर म सेवा करत रिहिन।
25 काबरकि दाऊद ह कहे रिहिस, "जब यहोवा, इसरायल के परमेसर ह अपन मनखेमन ला अराम दे हवय अऊ
यरूसलेम म हमेसा रहे बर आय हवय,
26 त लेवीमन ला पबितर-तम्बू या येकर सेवा म उपयोग होवइया कोनो चीज ला अऊ ले जाय के जरूरत नइं
ए।"
27 दाऊद के पिछला निरदेस के मुताबिक बीस साल या बीस साल के ऊपर के लेवीमन के गनती करे गीस।

28 लेवीमन के काम ह यहोवा के मंदिर के सेवा म हारून के संतानमन के मदद करई रिहिस: याने कि
अंगनामन के देखरेख करई, बाजू के कमरामन के देखरेख करई, जम्मो पबितर चीजमन के सुध करई अऊ परमेसर
के घर म आने किसम के काम करई।
29 ओमन मेज म सजे रोटी, अन्न-बलिदान बर बिसेस पीसान, बिगर खमीर के बनाय पातर रोटी, रोटी के
सेंकई अऊ पीसान के मिलई, अऊ जम्मो चीजमन के मात्रा अऊ आकार के नाप-तौल के देखरेख करंय।
30 ओमन ला यहोवा के धनबाद अऊ इस्तुति करे बर हर बिहनियां ठाढ़ होना घलो पड़य। ओमन सांझ के बेरा
घलो वइसने करंय
31 अऊ जब भी बिसराम दिन, नवां चंदा के तिहार अऊ ठहिराय तिहारमन म यहोवा ला होम-बलिदान
चघाय जावय, ओमन वइसने ही करंय। ओमन सही संखिया म होके लगातार यहोवा के आघू म सेवा करंय अऊ
ओमन येला ओमन बर ठहिराय गे नियम के मुताबिक करंय।
32 अऊ ये किसम ले लेवीमन मिलापवाला तम्बू बर, पबितर स्थान बर यहोवा के मंदिर के सेवा म अपन
रिस्तेदार हारून के संतानमन के अधीन अपन जिम्मेदारी ला पूरा करंय।

24

[illegible]
1 हारून के संतानमन के दल येमन रिहिन:
हारून के बेटामन नादाब, अबीहू, एलिआजर अऊ ईतामार रिहिन।
2 पर नादाब अऊ अबीहू अपन ददा के मरे के पहिली मर गीन, अऊ ओमन के कोनो बेटा नइं रिहिन;
एकरसेति एलिआजर अऊ ईतामार पुरोहित के रूप म सेवा करिन।
3 एलिआजर के एक संतान सादोक अऊ ईतामार के एक संतान अहीमेलेक के मदद ले, दाऊद ह ओमन ला
ओमन के सेवा के पद के मुताबिक दल-दल करके बांट दीस।
4 एलिआजर के संतान म ईतामार के संतान ले जादा अगुवामन पाय गीन, अऊ ओमन ला ये किसम ले बांटे
गीस: एलिआजर के संतान ले परिवारमन के सोलह जन मुखिया अऊ ईतामार के संतान ले परिवारमन के आठ
जन मुखिया रिहिन।
5 चिट्ठी निकाले के दुवारा बिगर भेदभाव के ओमन ला दल म बांट दिये गीस, काबरकि एलिआजर अऊ
ईतामार दूनों के संतानमन ले पबितर-स्थान के अधिकारी अऊ परमेसर के अधिकारी ठहिराय गे रिहिन।
6 नतनेल के बेटा लेखक समायाह ह एक लेवी रिहिस, अऊ ओह ओमन के नांव राजा अऊ ये अधिकारीमन के
आघू म लिख लीस: सादोक पुरोहित, अबियातार के बेटा अहीमेलेक, अऊ पुरोहित अऊ लेवीमन के परिवारमन
के मुखियामन—एक परिवार एलिआजर के बंस ले अऊ एक परिवार ईतामार के बंस ले लिये गीस।

7 पहिला चिट्ठी यहोयारीब के नांव,
दूसरा यदायाह,

8 तीसरा हारीम,
चौथा सोरीम,
9 पांचवां मलकियाह,
छठवां मियामीन,
10 सातवां हक्कोस,
आठवां अबियाह,
11 नौवां येहोसू,
दसवां सेकनयाह,
12 गियारहवां एलियासीब,
बारहवां याकीम,
13 तेरहवां हुपा,
चौदहवां येसेबाब,
14 पंदरहवां बिलगा,
सोलहवां इम्मेर,
15 सतरहवां हेजीर,
अठारहवां हपिसेस,
16 उन्नीसवां पतहियाह,
बीसवां यहेजकेल,
17 इक्कीसवां याकीन,
बाईसवां गामूल,
18 तेईसवां दलायाह,
चौबीसवां माजियाह के नांव निकलिस।

19 जब ओमन यहोवा के मंदिर म जावंय त येह ओमन के सेवा के ठहिराय गे पारी रिहिस अऊ येह ओमन के पुरखा हारून के दुवारा ओमन ला दिये ओ नियम के मुताबिक रिहिस, जेकर हुकूम यहोवा, इसरायल के परमेसर ह हारून ला देय रिहिस।

???? ??? ??????

20 लेवी के बाकि बचे संतानमन:

अमराम के बेटामन ले सूबाएल;
सूबाएल के बेटामन ले येहदियाह।
21 रहबियाह के बेटामन ले, यिसियाह ह पहिलऊठा रिहिस।
22 ईसहारीमन ले: सलोमोत;
सलोमोत के बेटामन ले: यहत।
23 हेबरोन के बेटामन:
यरियाह ह पहिलऊठा, अमरयाह ह दूसरा, यहजीएल ह तीसरा अऊ यकमाम ह चौथा रिहिस।
24 उजीएल के बेटा: मीका;
मीका के बेटामन ले: सामीर।
25 मीका के भाई: यिसियाह;
यिसियाह के बेटामन ले: जकरयाह।
26 मरारी के बेटामन: महली अऊ मूसी।
याजियाह के बेटा: बेनो।
27 मरारी के बेटामन:
याजियाह ले: बेनो, सोहम, जक्कूर अऊ इबरी।
28 महली ले: एलिआजर, जेकर कोनो बेटा नइं रिहिन।
29 कीस ले: कीस के बेटा: यरहमेल।

30 अऊ मूसी के बेटामन: महली, एदेर अऊ यरीमोत।

अपन-अपन परिवार के मुताबिक येमन लेवी रिहिन।

31 ओमन घलो अपन रिस्तेदार हारून के संतानमन सहीं दाऊद राजा अऊ सादोक, अहीमेलेक, अऊ पुरोहित
अऊ लेवीमन के परिवारमन के मुखियामन के आघू म चिट्ठी निकालिन। सबले बड़े भाई के परिवारमन के संग
अऊ सबले छोटे भाई के परिवारमन के संग एक समान बरताव करे गीस।

25

[illegible]
1 राजा दाऊद ह सेना के सेनापतिमन के संग मिलके आसाप, हेमान अऊ यदूतून के कुछू बेटामन ला अलग
करिस कि ओमन बीना, सारंगी अऊ झांझ बजाके अगमबानी के सेवकई करंय। जऊन मनखेमन ये सेवा करत
रिहिन, ओमन के सूची ये अय:

2 आसाप के बेटामन ले:
जक्कूर, यूसुफ, नतनयाह अऊ असरेला। आसाप के बेटामन आसाप के देखरेख म सेवा करंय अऊ आसाप
ह राजा के देखरेख म अगमबानी करय।
3 यदूतून के बेटामन ले:
गदलयाह, जरी, येसायाह, सिमेई,* हसबियाह अऊ मत्तितियाह, कुल छै जन अपन ददा के देखरेख म
रिहिन, जऊन ह यहोवा के धनबाद अऊ इस्तुति करे म बीना के उपयोग करय अऊ अगमबानी करय।
4 हेमान के बेटामन ले:
बुकियाह, मतनयाह, उजीएल, सूबाएल अऊ यरीमोत; हननयाह, हनानी, एलीआता, गिदलती अऊ
रोमामती-एजेर; योसबकासा, मलोती, होतीर अऊ महजीओत।
5 (ये जम्मो झन हेमान के बेटा रिहिन, जऊन ह राजा के अगम-दरसी रिहिस। येमन हेमान ला परमेसर के
वायदा के जरिये मिले रिहिन ताकि ओमन परमेसर के नांव ला ऊंचहा करंय। परमेसर ह हेमान ला चौदह बेटा
अऊ तीन बेटी दे रिहिस।)

6 ये जम्मो अपन ददा के देखरेख म यहोवा के मंदिर के संगीत दल के आदमीमन रिहिन, अऊ येमन परमेसर
के घर म सेवकई बर झांझ, सारंगी अऊ बीना बजाके अराधना करंय।
आसाप, यदूतून अऊ हेमान, राजा के देखरेख म काम करंय।
7 अपन रिस्तेदारमन के संग—ये जम्मो झन यहोवा बर संगीत के गियानी अऊ कुसल संगीतकार
रिहिन—ओमन के संखिया 288 रिहिस।
8 जवान अऊ सियान एक समान, गुरू के संगे-संग चेला, ओ जम्मो झन ला जिम्मेदारी देय बर चिट्ठी निकाले
गीस।

9 पहिला चिट्ठी आसाप बर यूसुफ के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन† सहित ओमन 12‡ झन रिहिन;
दूसरा चिट्ठी गदलयाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
10 तीसरा जक्कूर के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
11 चौथा यिसरी§ के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
12 पांचवां नतनयाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;

* **25:3** पद 17 ला घलो देखव; कतको इबरानी हस्तलिपि म [illegible] नइं ए। † **25:9** इबरानी म [illegible] नइं ए
‡ **25:9** इबरानी म *12* नइं ए § **25:11** [illegible] ह [illegible] के आने नांव ए

13 छठवां बुकियाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
14 सातवां यसरेला के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
15 आठवां येसायाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
16 नवां मतनयाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
17 दसवां सिमी के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
18 गियारहवां अजरेल के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
19 बारहवां हसबियाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
20 तेरहवां सूबाएल के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
21 चौदहवां मत्तितियाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
22 पंदरहवां यरीमोत के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
23 सोलहवां हननयाह के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
24 सतरहवां योसबकासा के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
25 अठारहवां हनानी के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
26 उन्नीसवां मलोती के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
27 बीसवां इलियाता के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
28 इक्कीसवां होतीर के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
29 बाईसवां गिदलती के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
30 तेईसवां महजीओत के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन;
31 चौबीसवां चिट्ठी रोमामती-एजेर के नांव निकलिस,
ओकर बेटा अऊ रिस्तेदारमन सहित ओमन 12 झन रिहिन।

26

[illegible]
1 दुवारपालमन के दल येमन रिहिन:

कोरहीमन ले:
कोरे के बेटा मसेलेमियाह, जऊन ह आसाप के संतानमन ले एक झन रिहिस।
2 मसेलेमियाह के बेटामन:
पहिलऊठा बेटा जकरयाह, दूसरा यदीएल,

तीसरा जबदयाह, चौथा यतनिएल,
3 पांचवां एलाम, छठवां यहोहानान
अऊ सातवां एलिहोएनै।
4 ओबेद-एदोम के घलो बेटामन रिहिन:
पहिलऊठा बेटा समायाह, दूसरा यहोजाबाद,
तीसरा योआह, चौथा साकार
पांचवां नतनेल,
5 छठवां अमीएल,
सातवां इस्साकार अऊ आठवां पुलेताई।
(काबरकि परमेसर ह ओबेद-एदोम ला आसीस दे रिहिस।)
6 ओबेद-एदोम के बेटा समायाह के घलो बेटामन रिहिन, जऊन मन अपन ददा के परिवार म अगुवा रिहिन,
काबरकि ओमन बहुंत योग्य आदमी रिहिन।
7 समायाह के बेटामन:
ओतनी, रपाएल, ओबेद अऊ एलजाबाद;
ओकर रिस्तेदार एलीहू अऊ समाकियाह घलो योग्य आदमी रिहिन।
8 ये जम्मो झन ओबेद-एदोम के संतान रिहिन; ओमन अऊ ओकर बेटामन अऊ ओमन के रिस्तेदारमन योग्य
मनखे रिहिन अऊ ओमन म कोनो भी काम करे के ताकत रिहिस—ओबेद-एदोम के संतानमन के कुल संखिया 62
रिहिस।
9 मसेलेमियाह के बेटा अऊ रिस्तेदारमन रिहिन, जऊन मन योग्य आदमी रिहिन—येमन कुल 18 झन रिहिन।

10 मरारी के बंस के होसा के बेटामन:
पहिलऊठा बेटा सिमरी (हालाकि ओह पहिलऊठा नइं रिहिस, पर ओकर ददा ह ओला पहिलऊठा
ठहिराय रिहिस),
11 दूसरा हिलकियाह, तीसरा तबलियाह
अऊ चौथा जकरयाह।
होसा के बेटा अऊ रिस्तेदारमन के कुल संखिया 13 रिहिस।

12 ये दुवारपालमन के ये दलमन ला ओमन के रिस्तेदारमन के सहीं ओमन के अगुवामन के जरिये यहोवा के
मंदिर म सेवा के जबाबदारी दिये जावत रिहिस।
13 ओमन के परिवार के मुताबिक हर एक दुवार बर चिट्ठी निकाले गीस, जवान अऊ सियान जम्मो बर एक समान।
14 पूरब के दुवार के चिट्ठी सेलेमियाह* के नांव निकलिस।
तब ओकर बेटा जकरयाह बर चिट्ठी निकाले गीस, जऊन ह एक बुद्धिमान सलाहकार रिहिस, अऊ ओकर नांव
म उत्तर के दुवार के चिट्ठी निकलिस।
15 दक्खिन के दुवार के चिट्ठी ओबेद-एदोम के नांव निकलिस, अऊ भंडारघर के चिट्ठी ओकर बेटामन के नांव
म आईस।
16 पछिम के दुवार अऊ ऊपर के सड़क म सलेकेत दुवार के चिट्ठी सुप्पीम अऊ होसा के नांव निकलिस।

पहरेदार ह पहरेदार के संग रहय:
17 पूरब म हर दिन छै लेवी रहंय,
उत्तर म हर दिन चार झन,
दक्खिन म हर दिन चार झन
अऊ भंडारघर म एक समय म दू झन।
18 पछिम कोति के अंगना बर चार झन सड़क म अऊ अंगना म ही दू झन रहंय।

* **26:14** [illegible] ह [illegible] के आने नांव ए

19 ये दुवारपालमन के दल रिहिन, जऊन मन कोरह अऊ मरारी के संतान रिहिन।

[illegible]
20 ओमन के संगी लेवीमन के ऊपर परमेसर के घर के खजाना अऊ चघाय गे चीजमन के खजाना के
जिम्मेदारी रिहिस।
21 लादान के संतान, जऊन मन लादान के जरिये गेरसोनी रिहिन अऊ जऊन मन गेरसोनी लादान के
परिवारमन के मुखिया रिहिन, ओमन ये रिहिन—यहीएली,
22 यहीएली के बेटा जेताम अऊ ओकर भाई योएल। येमन यहोवा के मंदिर के खजाना के अधिकारी रिहिन।

23 अमरामी, ईसहारी, हेबरोनी अऊ उजीएलीमन ले:

24 मूसा के बेटा गेरसोम के एक संतान सूबाएल ह खजाना के मुखिया अधिकारी रिहिस।
25 ओकर रिस्तेदार एलिएजेर के जरिये: ओकर बेटा रहबियाह, रहबियाह के बेटा येसायाह, येसायाह के
बेटा योराम, योराम के बेटा जिकरी अऊ जिकरी के बेटा सलोमीत रिहिस।
26 (राजा दाऊद अऊ परिवारमन के मुखिया, जऊन मन हजार-हजार मनखे ऊपर सेनापति अऊ सौ-सौ
मनखे ऊपर सेनापति रिहिन, अऊ सेना के आने सेनापति जऊन चीजमन ला चघाय रिहिन, ओ जम्मो
चीज के खजाना के जिम्मेदारी सलोमीत अऊ ओकर रिस्तेदारमन के ऊपर रिहिस।
27 लड़ई म लूटे गे कुछू चीजमन ला घलो ओमन यहोवा के मंदिर के सुधार के काम बर चघाय रिहिन।
28 अऊ समूएल अगम-दरसी के दुवारा अऊ कीस के बेटा साऊल के दुवारा, नेर के बेटा अबनेर अऊ
सरूयाह के बेटा योआब के दुवारा चघाय गे चीजमन, अऊ मंदिर के उपयोग बर चघाय गे आने जम्मो चीजमन
के देखरेख के जिम्मेदारी सलोमीत अऊ ओकर रिस्तेदारमन के ऊपर रिहिस।)
29 ईसहारीमन ले:
कननियाह अऊ ओकर बेटामन ला मंदिर के बाहिर इसरायल देस के ऊपर अधिकारी अऊ नियायधीस के
काम करे बर ठहिराय गे रिहिस।
30 हेबरोनीमन ले:
हसबियाह अऊ ओकर रिस्तेदार, जऊन मन सतरह सौ योग्य आदमी रिहिन, ओमन इसरायल म यरदन
नदी के पछिम कोति यहोवा के जम्मो काम अऊ राजा के सेवा बर जिम्मेदार रिहिन।
31 हेबरोनीमन बर, ओमन के परिवारमन के बंसावली के मुताबिक यरियाह ह ओमन के मुखिया रिहिस।
(दाऊद के राज के चालीसवां साल म अभिलेखमन म खोजे गीस, अऊ गिलाद के याजेर नगर म
हेबरोनीमन के बीच योग्य आदमीमन पाय गीन।
32 यरियाह के सत्ताईस सौ रिस्तेदार रिहिन, जऊन मन योग्य आदमी रिहिन अऊ परिवारमन के मुखिया
रिहिन, दाऊद राजा ह ओमन ला रूबेनी, गादी अऊ मनस्से के आधा बंस के ऊपर परमेसर ले संबंधित जम्मो
काम बर अऊ राजा ले संबंधित काम बर अधिकारी ठहिराईस।)

27

[illegible]
1 येह इसरायलीमन के सूची अय—परिवारमन के मुखियामन, हजार-हजार मनखे ऊपर सेनापति, सौ-सौ मनखे
ऊपर सेनापति, अऊ ओमन के अधिकारी, जऊन मन साल भर एक-एक महिना करके सैनिक दलमन ले संबंधित
जम्मो काम म राजा के सेवा करंय। हर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।

2 पहिला महिना बर, पहिला दल के अधिकारी जबदीएल के बेटा यासोबाम रिहिस। ओकर दल म 24,000
सैनिक रिहिन
3 ओह पेरेस के एक संतान रिहिस अऊ पहिला महिना बर जम्मो सैनिक अधिकारीमन के मुखिया रिहिस।
4 दूसरा महिना बर दल के अधिकारी दोदै नांव के अहोही रिहिस; मिकलोत ह ओकर दल के अगुवा रिहिस।
ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
5 तीसरा महिना बर, तीसरा सेनापति यहोयादा पुरोहित के बेटा बनायाह रिहिस। ओह मुखिया रिहिस अऊ
ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।

6 येह ओ बनायाह रिहिस, जऊन ह तीस बीरमन के बीच म एक बीर योद्धा रिहिस अऊ ओ तीस बीरमन के
ऊपर रिहिस। ओकर बेटा अमीजाबाद ह ओकर दल के अगुवा रिहिस।
7 चौथा महिना बर, चौथा सेनापति योआब के भाई असाहेल रिहिस; ओकर बाद ओकर बेटा जबदयाह ह
ओकर उत्तराधिकारी रिहिस। ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
8 पांचवां महिना बर, पांचवां सेनापति समहूत नांव के ईसराही रिहिस। ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
9 छठवां महिना बर, छठवां सेनापति तकोआ ले इक्केस के बेटा ईरा रिहिस। ओकर दल म 24,000 सैनिक
रिहिन।
10 सातवां महिना बर, सातवां सेनापति हेलेस नांव के पलोनी रिहिस, जऊन ह एपरैम के बंस के रिहिस।
ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
11 आठवां महिना बर, आठवां सेनापति सिब्बकै नांव के हूसाती रिहिस, जऊन ह जेरही बंस के रिहिस। ओकर
दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
12 नौवां महिना बर, नौवां सेनापति अबिएजेर नांव के अनातोती रिहिस, जऊन ह बिनयामीन के बंस के
रिहिस। ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
13 दसवां महिना बर, दसवां सेनापति महरै नांव के नतोपाती रिहिस, जऊन ह जेरही बंस के रिहिस। ओकर
दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
14 गियारहवां महिना बर, गियारहवां सेनापति बनायाह नांव के पिरातोनी रिहिस, जऊन ह एपरैम के बंस के
रिहिस। ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।
15 बारहवां महिना बर, बारहवां सेनापति हेल्दै नांव के नतोपाती रिहिस, जऊन ह ओतनीएल के परिवार के
रिहिस। ओकर दल म 24,000 सैनिक रिहिन।

[illegible]
16 इसरायल के गोत्रमन के अगुवामन:

रूबेनीमन ले: जिकरी के बेटा एलिएजेर;
सिमोनीमन ले: माका के बेटा सपतयाह;
17 लेवी ले: कमूएल के बेटा हसबियाह;
हारून ले: सादोक;
18 यहूदा ले: एलीहू नांव के दाऊद के एक भाई;
इस्साकार ले: मिकाएल के बेटा ओमरी;
19 जबूलून ले: ओबदयाह के बेटा यिसमायाह;
नपताली ले: अजरीएल के बेटा यरीमोत;
20 एपरैम ले: अजजियाह के बेटा होसे;
मनस्से के आधा गोत्र ले: पदायाह के बेटा योएल;
21 गिलाद म मनस्से के आधा गोत्र ले: जकरयाह के बेटा इद्दो;
बिनयामीन ले: अबनेर के बेटा यासीएल;
22 दान ले: यरोहाम के बेटा अजरेल।

येमन इसरायल के गोत्र के अगुवामन रिहिन।

23 दाऊद ह ओ मनखेमन ला गनती म नइं लीस, जेमन बीस साल या बीस साल ले छोटे रिहिन, काबरकि
यहोवा ह वायदा करे रिहिस कि ओह इसरायल ला अकास के तारामन सहीं अनगिनत कर दीही।
24 सरूयाह के बेटा योआब ह मनखेमन ला गने के सुरू करिस पर येला पूरा नइं करिस। ये गनती करे के कारन
परमेसर के कोरोध इसरायल ऊपर भड़किस, अऊ दाऊद राजा के इतिहास के किताब म ये गनती ला नइं लिखे
गीस।

[illegible]
25 अदीएल के बेटा अजमावेत ह साही भंडारघरमन के अधिकारी रिहिस।

उजियाह के बेटा योनातन ह दूरिहा-दूरिहा जिला, नगर, गांव अऊ पहरेदारी के मीनारमन के अधिकारी
रिहिस।
26 कलूब के बेटा एजरी ह भुइयां म खेती करइया मनखेमन के अधिकारी रिहिस।
27 रामाह के सिमी ह अंगूर के बारीमन के अधिकारी रिहिस।
सेपाम के जबदी ह अंगूर के बारी के ऊपज रखे के अंगूर के कुंडमन के अधिकारी रिहिस।
28 गेदेर के बाल-हानान ह पछिम के पहाड़ी इलाका म जैतून अऊ डूमर रूखमन के अधिकारी रिहिस।
योआस ह जैतून तेल के पूरती करे के अधिकारी रिहिस।
29 सारोन के सितरै ह सारोन के इलाका म घांस चरइया पसु के झुंडमन के अधिकारी रिहिस।
अदलै के बेटा सापात ह घाटीमन म पसु के झुंडमन के अधिकारी रिहिस।
30 इसमायली ओबील ह ऊंटमन के अधिकारी रिहिस।
मेरोनोत के येहदियाह ह गदहामन के अधिकारी रिहिस।
31 हगरी के याजीज ह भेड़-बकरी के झुंडमन के अधिकारी रिहिस।
ये जम्मो झन दाऊद राजा के संपत्ति के देखरेख बर ठहिराय गय अधिकारी रिहिन।

32 दाऊद के कका योनातन ह एक सलाहकार रिहिस, जऊन ह एक समझदार मनखे अऊ लेखक रिहिस।
हकमोनी के बेटा यहीएल ह राजा के बेटामन के देखरेख करय।
33 अहीतोपेल ह राजा के सलाहकार रिहिस।
अरकी हूसै ह राजा के बिसवासयोग्य मनखे रिहिस।
34 (अहीतोपेल के मरे के बाद यहोयादा अऊ अबियातार सलाहकार बनाय गीन; यहोयादा ह बनायाह के बेटा
रिहिस।)
योआब ह साही सेना के सेनापति रिहिस।

28

?????? ?? ????? ?? ??????

1 दाऊद ह इसरायल के जम्मो करमचारीमन ला यरूसलेम म जूरे के हुकूम दीस: येमा गोत्र के अधिकारीमन,
राजा के सेवा दल के सेनापतिमन, हजार-हजार मनखेमन के ऊपर सेनापतिमन, सौ-सौ मनखेमन के ऊपर
सेनापतिमन, जम्मो संपत्ति अऊ राजा अऊ ओकर बेटामन के पसु-धन बर ठहिराय गे अधिकारीमन, अऊ संग
म महल के करमचारीमन, योद्धामन अऊ जम्मो बहादुर सैनिकमन रिहिन।
2 दाऊद राजा ह अपन गोड़ म ठाढ़ हो गीस अऊ कहिस: "हे मोर संगी इसरायली, मोर मनखेमन, मोर बात
ला सुनव। ये बात मोर मन म रिहिस कि मेंह यहोवा के करार के सन्दूक बर अराम के एक जगह के रूप म, हमर
परमेसर के गोड़ के चौकी बर एक घर बनावंव, अऊ मेंह येला बनाय बर योजना घलो बनाएंव।
3 पर परमेसर ह मोला कहिस, 'तेंह ओ मनखे नो हस, जऊन ह मोर नांव बर एक घर बनाही, काबरकि तेंह एक
योद्धा अस अऊ तेंह बहुंत खून बहाय हस।'
4 "तभो ले इसरायल के परमेसर, यहोवा ह मोर पूरा परिवार ले मोला चुनिस कि मेंह इसरायल ऊपर हमेसा
बर राजा बनंव। ओह यहूदा ला अगुवा के रूप म चुनिस, अऊ यहूदा के गोत्र ले ओह मोर परिवार ला चुनिस,
अऊ मोर ददा के बेटामन ले ओह मोला जम्मो इसरायल ऊपर राजा बनाके खुस होईस।
5 यहोवा ह मोला बहुंत बेटा दे हवय, अऊ मोर जम्मो बेटामन ले ओह मोर बेटा सुलेमान ला चुने हवय कि
ओह इसरायल ऊपर यहोवा के राज के सिंघासन म बईठे।
6 यहोवा ह मोला कहिस: 'तोर बेटा सुलेमान ह ओ मनखे अय, जऊन ह मोर घर अऊ मोर अंगनामन ला
बनाही, काबरकि मेंह ओला मोर बेटा होय बर चुन ले हंव, अऊ मेंह ओकर ददा होहूं।
7 मेंह ओकर राज ला हमेसा बर स्थापित करहूं, यदि ओह मोर हुकूम अऊ कानूनमन के पालन करे ले पाछू नइं
हटही, जइसे कि अभी करे जावथे।'

8 “एकरसेति अब मेंह जम्मो इसरायल अऊ यहोवा के सभा के आघू म, अऊ परमेसर के सुनत म तोला ये
जिम्मेदारी देवत हंव: धियान देके यहोवा तोर परमेसर के जम्मो हुकूममन ला मान, ताकि ये बने देस म तोर
अधिकार रहय अऊ तोर बाद तोर संतानमन ला तें ये देस ला हमेसा बर दे सकस।
9 “अऊ हे मोर बेटा सुलेमान, तें अपन ददा के परमेसर ला जान ले, अऊ पूरा हिरदय के भक्ति अऊ मन के
ईछा ले ओकर सेवा कर, काबरकि यहोवा ह हर एक के मन ला जांचथे अऊ हर एक के ईछा अऊ हर एक के
बिचार ला समझथे। यदि तें ओला खोजबे, त ओह तोला मिलही; पर यदि तें ओला तियाग देबे, त ओह तोला
हमेसा बर छोंड़ दीही।
10 अब बिचार कर, काबरकि यहोवा ह तोला चुने हवय कि तें पबितर-स्थान के रूप म एक घर बना। मजबूत
बन अऊ ये काम ला कर।”
11 तब दाऊद ह अपन बेटा सुलेमान ला मंदिर के मंडप, येकर भवन, येकर भंडारघर, येकर ऊपरी भाग, येकर
भीतर के कमरामन के अऊ प्रायस्चित करे के जगह के योजना ला सऊंप दीस।
12 ओह ओला ओ जम्मो योजना ला सऊंप दीस, जेला परमेसर के आतमा ह यहोवा के मंदिर के अंगना अऊ
आसपास के जम्मो कमरा बर, परमेसर के मंदिर के खजाना बर अऊ चघाय गे चीजमन के खजाना बर ओकर मन
म डाले रिहिस।
13 ओह ओला पुरोहित अऊ लेवीमन के दल बर, यहोवा के मंदिर म सेवा के जम्मो काम बर, संग म येकर
सेवा म उपयोग होवइया जम्मो चीजमन के संबंध म निरदेस दीस।
14 दाऊद ह आने-आने किसम के सेवा म उपयोग होवइया सोन के जम्मो चीजमन बर सोन के मात्रा तय
करिस, अऊ ओह आने-आने किसम के सेवा म उपयोग होवइया चांदी के जम्मो चीजमन बर चांदी के मात्रा तय
करिस:
15 सोन के दीवट अऊ ओमन के दीयामन बर सोन के मात्रा, संग म हर एक दीवट अऊ ओकर दीयामन बर
सोन के मात्रा; अऊ हर एक चांदी के दीवट अऊ ओकर दीयामन बर चांदी के मात्रा हर एक दीवट के उपयोग के
मुताबिक तय करिस;
16 भेंट चघाय रोटी के हर एक मेज बर सोन के मात्रा; चांदी के मेजमन बर चांदी के मात्रा;
17 कांटा, छिड़काव के कटोरा अऊ मटकामन बर सुध सोन के मात्रा; हर एक सोन के बरतन बर सोन के मात्रा;
हर एक चांदी के बरतन बर चांदी के मात्रा;
18 अऊ धूप के बेदी बर चोखा सोन। ओह ओला रथ बनाय के योजना घलो दीस, याने कि सोन के करूब,
जेकर डेनामन फईले रहंय अऊ यहोवा के करार के सन्दूक ला ढांपे रहंय।
19 दाऊद ह सुलेमान ला कहिस, “यहोवा के हांथ मोर ऊपर होय के कारन, मेंह ये जम्मो बात ला लिखके रखे
हंव, अऊ ओह मोला येकर काबिल बनाईस कि मेंह योजना के जम्मो बात ला समझ सकेंव।”
20 दाऊद ह अपन बेटा सुलेमान ला ये घलो कहिस, “मजबूत अऊ साहसी बन, अऊ ये काम ला कर। झन
डरा या निरास झन हो, काबरकि यहोवा परमेसर, मोर परमेसर ह तोर संग हवय। ओह तोला असफल नइं करय
या ओह तोला नइं तियागय, जब तक कि यहोवा के मंदिर के सेवा बर जम्मो काम पूरा नइं हो जाही।
21 पुरोहित अऊ लेवीमन के दलमन परमेसर के मंदिर के जम्मो काम बर तियार हवंय, अऊ कुसल मनखेमन
अपन ईछा ले जम्मो काम म तोर मदद करहीं। करमचारी अऊ जम्मो मनखेमन तोर हर हुकूम ला मानहीं।”

29

[illegible]

1 तब राजा दाऊद ह पूरा सभा के मनखेमन ला कहिस: “मोर बेटा सुलेमान, जेला परमेसर ह चुने हवय, ओह
छोटे हवय अऊ ओला अनुभव घलो नइं ए। पर काम ह बड़े हे, काबरकि ये महल सहीं भवन ह मनखे बर नइं, पर
यहोवा परमेसर बर बनही।
2 मोर जम्मो साधनमन ले मेंह मोर परमेसर के मंदिर बर चीजमन ला दे हवंव—सोन के काम बर सोन, चांदी
के काम बर चांदी, कांसा के काम बर कांसा, लोहा के काम बर लोहा अऊ लकड़ी के काम बर लकड़ी, संग म
लगाय या जड़े बर गोमेदक, फिरोजा, कई रंग के कीमती पथरा, अऊ किसम-किसम के जम्मो सुघर पथरा अऊ
संगमरमर के पथरा—ये जम्मो चीज भारी मात्रा म दे हवंव

3 ओ हर एक चीज, जेला मेंह ये पबितर मंदिर बर मोर परमेसर के मंदिर के भक्ति म दे हवंव, येकर अलावा,
मेंह अब मोर परमेसर के मंदिर बर अपन खुद के खजाना के सोन अऊ चांदी देवत हंव:
4 याने कि तीन हजार सोन (ओपीर के सोन) के टेलेन्ट* अऊ सात हजार टेलेन्ट† सुध करे गे चांदी, भवन के
दीवारमन म मढ़े बर,
5 सोन के काम अऊ चांदी के काम बर, अऊ कारीगरमन के दुवारा करइया जम्मो काम बर दे हवंव। अब, आज
कोन ह अपन ईछा ले अपनआप ला यहोवा बर समरपित करे चाहथे?"
6 तब परिवार के मुखियामन, इसरायल के गोत्र के अधिकारीमन, हजार-हजार दल के सेनापति अऊ सौ-सौ
दल के सेनापतिमन, अऊ राजा के काम बर ठहिराय गे अधिकारीमन अपन-अपन ईछा ले दीन।
7 ओमन परमेसर के मंदिर के काम बर पांच हजार टेलेन्ट‡ अऊ दस हजार दरकमोन§ सोन, दस हजार टेलेन्ट
चांदी,* अठारह हजार टेलेन्ट† कांसा अऊ एक लाख टेलेन्ट‡ लोहा दीन।
8 जेकर करा कीमती पथरामन रिहिन, ओमन ओ पथरामन ला यहोवा के मंदिर के खजाना म दे दीन, जऊन ह
गेरसोनीमन के यहीएल के देखरेख म रिहिस।
9 अपन अगुवामन के ईछा से देवई ला देखके, मनखेमन आनंद मनाईन, काबरकि ओमन खुले मन ले अऊ
अपन ईछा ले यहोवा ला देय रिहिन। दाऊद राजा घलो बहुंत आनंद मनाईस।

[illegible]

10 दाऊद ह जम्मो सभा के आघू म यहोवा के ये कहिके महिमा करिस,
"हे यहोवा, हमर ददा इसरायल के परमेसर,
अनादिकाल ले अनंतकाल तक,
तोर महिमा होवय।
11 हे यहोवा, महानता अऊ सामर्थ
अऊ महिमा अऊ गौरव अऊ सोभा तोर ए,
काबरकि स्वरग अऊ धरती म हर चीज ह तोर ए।
हे यहोवा, राज ह तोर ए;
तेंह जम्मो के ऊपर मुखिया के रूप म उठाय गे हस।
12 धन-संपत्ति अऊ आदर तोर करा ले आथे;
तेंह जम्मो चीज के ऊपर परभूता करथस।
जम्मो ला उठाय अऊ बल देय बर
तोर हांथ म बल अऊ सामर्थ हवय।
13 अब, हे हमर परमेसर, हमन तोला धनबाद,
अऊ तोर महिमामय नांव के इस्तुति करथन।
14 "पर मेंह कोन अंव, अऊ मोर मनखेमन कोन अंय, कि हमन अइसने उदार मन ले दे सकन? हर एक चीज
तोर करा ले आथे, अऊ हमन तोला सिरिप ओही चीज दे हन, जऊन ह तोर ले हमर करा आथे।
15 हमन तोर नजर म परदेसी अऊ अजनबी अन, जइसे कि हमर जम्मो पुरखामन रिहिन। धरती म हमर दिन
ह बिगर आसा के एक छइहां सहीं अय।
16 हे यहोवा हमर परमेसर, ये जम्मो बहुंत अकन चीज, जेला हमन तोर पबितर नांव बर एक भवन बनाय
खातिर दे हवन, ये जम्मो चीज तोर करा ले आथे, अऊ ये जम्मो चीज तोर अय।
17 हे मोर परमेसर, मेंह जानत हंव कि तेंह मन ला जांचथस अऊ ईमानदारी ले खुस होथस। ये जम्मो चीज
मेंह अपन ईछा ले अऊ सही मनसा ले दे हवंव। अऊ अब मेंह आनंद के संग देखे हंव कि तोर मनखे, जऊन मन
इहां हवंय, कइसे अपन ईछा ले तोला देय हवंय।
18 हे यहोवा, हमर पुरखा अब्राहम, इसहाक अऊ इसरायल के परमेसर, ये ईछा अऊ बिचारमन ला अपन
मनखेमन के मन म हमेसा बनाय रख, अऊ ओमन के मन ला अपन कोति लगाय रख।
19 अऊ मोर बेटा सुलेमान ला भक्ति ले भरे अइसे मन दे कि ओह तोर हुकूम, कानून अऊ बिधिमन ला मानय
अऊ ओ महल सहीं भवन ला बनाय बर हर काम करे, जेकर इंतजाम मेंह करे हवंव।"

---

* **29:4** लगभग 110 टन † **29:4** लगभग 260 टन ‡ **29:7** लगभग 190 टन § **29:7** लगभग 84 किलोग्राम * **29:7** लगभग 380 टन † **29:7** लगभग 675 टन ‡ **29:7** लगभग 3,800 टन

20 तब दाऊद ह जम्मो सभा के मनखेमन ला कहिस, “यहोवा तुम्हर परमेसर के महिमा होवय।” तब ओमन
जम्मो यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के महिमा करिन; ओमन मुड़ नवाके, यहोवा अऊ राजा ला सास्टांग
दंडवत करिन।

[illegible]

21 ओकर दूसर दिन, ओमन यहोवा ला बलिदान चघाईन अऊ ओकर करा होम-बलिदान लानिन: एक हजार
बईला, एक हजार मेढ़ा अऊ एक हजार नर मेढ़ा-पीला, अऊ संग म ओमन के पेय-बलिदान, अऊ जम्मो
इसरायल बर बहुंत अकन आने बलिदान।
22 ओ दिन ओमन यहोवा के आघू म बहुंत आनंद सहित खाईन अऊ पीईन।
तब ओमन दाऊद के बेटा सुलेमान ला दूसर बार राजा के रूप म स्वीकार करिन, अऊ यहोवा के आघू म ओला
सासन करे बर अऊ सादोक ला पुरोहित के काम बर अभिसेक करिन।
23 तब सुलेमान ह यहोवा के सिंघासन म अपन ददा दाऊद के जगह म राजा के रूप म बईठिस। ओह उन्नति
करत गीस अऊ जम्मो इसरायल ह ओकर बात मानिस।
24 जम्मो अधिकारी अऊ योद्धा, संग म राजा दाऊद के जम्मो बेटामन सुलेमान राजा के अधीन रहे के सपथ
खाईन।
25 यहोवा ह सुलेमान ला जम्मो इसरायल के नजर म बहुंत बढ़ाईस अऊ ओला अइसे राजकीय सोभा दीस,
जइसे ओकर पहिले इसरायल म कोनो राजा ला नइं देय रिहिस।

[illegible]

26 यिसै के बेटा दाऊद ह जम्मो इसरायल के ऊपर राजा रिहिस।
27 ओह इसरायल ऊपर चालीस साल तक राज करिस—सात साल हेबरोन सहर म अऊ तैंतीस साल
यरूसलेम सहर म।
28 ओह लम्बा जिनगी, धन अऊ आदरमान के आनंद उठाके बने बुढ़त काल म मरिस। ओकर बेटा सुलेमान
ओकर जगह म राजा बनिस।
29 सुरू ले लेके आखिरी तक, दाऊद राजा के राज के घटनामन समूएल अगम-दरसी के अभिलेख, नातान
अगमजानी के अभिलेख अऊ गाद अगम-दरसी के अभिलेख म लिखे गे हवंय,
30 संग म ओकर राज अऊ सक्ति, अऊ ओकर आसपास के अऊ इसरायल के अऊ आने जम्मो देसमन के
परिस्थिति के बारे म घलो लिखे गे हवय।

इतिहास
के दूसरा किताब

[illegible]

1 दाऊद के बेटा राजा सुलेमान ह अपन राज म अपनआप ला मजबूती के साथ स्थापित कर लीस, काबरकि
यहोवा ओकर परमेसर ह ओकर संग रिहिस अऊ ओला अति महान करिस।
2 तब सुलेमान ह जम्मो इसरायल ले—हजार-हजार के ऊपर सेनापति अऊ सौ-सौ के ऊपर सेनापति, नियायी
अऊ इसरायल के जम्मो अगुवा अऊ परिवारमन के मुखियामन ले गोठियाईस—
3 अऊ सुलेमान अऊ ओकर सभा के जम्मो झन उठके गिबोन सहर के ऊंच जगह म गीन, काबरकि परमेसर के
मिलापवाला तम्बू उहां रिहिस, जेला यहोवा के सेवक मूसा ह सुन्ना जगह म बनाय रिहिस।
4 पर दाऊद ह परमेसर के सन्दूक ला किरयत-यारीम नगर ले ओ जगह म ले आय रिहिस, जऊन ला ओह
येकर बर तियार करे रिहिस, काबरकि येकर बर दाऊद ह यरूसलेम म एक तम्बू खड़े करे रिहिस।
5 पर ओ कांसा के बेदी, जऊन ला ऊरी के बेटा, हूर के पोता, बसलेल ह बनाय रिहिस, ओह गिबोन म यहोवा
के पबितर-तम्बू के आघूच म माढ़े रिहिस; एकरसेति सुलेमान अऊ सभा के मनखेमन उहां परमेसर ले पुछताछ
करिन।
6 सुलेमान ह मिलापवाला तम्बू म कांसा के बेदी करा यहोवा के आघू म गीस अऊ ओकर ऊपर एक हजार
होम-बलिदान चघाईस।
7 ओहीच रथिया परमेसर ह सुलेमान ला दरसन देके कहिस, "जऊन भी चीज तेंह चाहत हस, मांग अऊ मेंह
तोला दूहूं।"
8 सुलेमान ह परमेसर ला जबाब दीस, "तेंह मोर ददा दाऊद ऊपर बहुंत दया करे हवस अऊ मोला ओकर
जगह म राजा बनाय हस।
9 अब, हे यहोवा परमेसर, मोर ददा दाऊद ले करे गे वायदा ह पूरा होवय, काबरकि तेंह मोला अइसन
मनखेमन ऊपर राजा बनाय हस, जऊन मन गनती म धरती के धुर्रा सहीं अनगिनत हवंय।
10 मोला बुद्धि अऊ गियान दे कि मेंह ये मनखेमन के अगुवई कर सकंव, काबरकि कोन ह एकर लईक हवय कि
तोर ये अब्बड़ मनखेमन ऊपर राज कर सकय?"
11 परमेसर ह सुलेमान ला कहिस, "जब येह तोर हिरदय के ईछा ए अऊ तेंह मोर ले न तो धन-संपत्ति, न
वैभव, न आदरमान, न ही अपन बईरीमन के मऊत अऊ न ही अपन बर लम्बा जिनगी के मांग करय, पर तेंह
अपन बर बुद्धि अऊ गियान के मांग करय ताकि तें मोर मनखेमन ऊपर सासन कर सकस, जेमन के ऊपर मेंह
तोला राजा बनाय हवंव,
12 एकरसेति बुद्धि अऊ गियान त तोला देय जाही, संग म मेंह तोला अतेक धन, वैभव अऊ आदरमान दूहूं,
जतेक कि तोर ले पहिली कोनो राजा ला न तो मिलिस अऊ न ही तोर बाद कोनो राजा ला मिलही।"
13 तब सुलेमान ह गिबोन के ऊंचहा जगह, मिलापवाला तम्बू करा ले यरूसलेम लहुंट गीस। अऊ ओह
इसरायल ऊपर राज करे लगिस।
14 सुलेमान ह रथ अऊ घोड़ामन ला संकेले रिहिस; ओकर मेर चौदह सौ रथ अऊ बारह हजार घोड़ामन*
रिहिन; जऊन ला ओह रथ के नगरमन म अऊ अपन संग यरूसलेम म घलो रखय।
15 राजा ह यरूसलेम म चांदी अऊ सोन ला पथरा के असन सधारन, अऊ देवदार लकड़ी ला खाल्हे पहाड़ी के
डूमर रूख असन बहुंत अकन कर दीस।
16 सुलेमान के घोड़ामन ला मिसर अऊ कू† ले मंगाय जावत रिहिस—राजा के बेपारीमन ओमन ला ओ समय
ठहिराय दाम म कू ले बिसावंय।
17 ओमन मिसर देस ले एक रथ ला चांदी के छै सौ सेकेल‡ म, अऊ एक ठन घोड़ा ला चांदी के डेड़ सौ
सेकेल§ म मंगावत रिहिन। राजा के बेपारीमन ओमन ला हित्ती अऊ अरामीमन के जम्मो राजामन ला घलो

* **1:14** या [illegible] † **1:16** संभवत: किलिकिया ‡ **1:17** लगभग 6.9 किलोग्राम § **1:17** लगभग 1.7 किलोग्राम

पठोवत रिहिन।

2

[illegible]

1 सुलेमान ह यहोवा के नांव बर एक मंदिर अऊ अपन बर एक राजमहल बनाय के हुकूम दीस।
2 ओह 70,000 मनखेमन ला बोझा ढोये बर अऊ 80,000 मनखे ला पहाड़ी ले पथरा काटे बर अऊ 3,600
मनखे ला येमन ऊपर देखरेख करे बर ठहिराईस।
3 सुलेमान ह सूर के राजा हीराम ला ये संदेस भेजिस:
"तेंह मोर ददा दाऊद ला ओकर रहे के महल बनाय बर देवदार के लकड़ी पठोय रहय, त मोर बर घलो
अइसने ही देवदार के लकड़ी पठो।
4 अब मेंह यहोवा मोर परमेसर के नांव बर एक मंदिर बनानेवाला हंव अऊ ओला समरपित करहूं, ताकि
ओकर आघू म खुसबू देवइया धूप जलाय जावय, हमेसा पबितर रोटी रखे जावय, अऊ हर बिहनियां अऊ संझा
के अऊ बिसराम दिन म, नवां चंदा अऊ यहोवा हमर परमेसर दुवारा ठहिराय गे तिहार म होम-बलिदान चघाय
जावय। येह इसरायल बर हमेसा के एक बिधि अय।
5 "जऊन मंदिर मेंह बनानेवाला हंव, ओह अब्बड़ महान होही, काबरकि हमर परमेसर ह आने जम्मो देवता
ले महान अय।
6 पर अइसन कोन हे, जऊन ह ओकर बर एक मंदिर बनवा सकथे, काबरकि स्वरगमन, अऊ त अऊ सबले
ऊंच स्वरगमन घलो ओला धारन नइं कर सकंय? त मेंह कोन अंव, कि ओकर आघू म बलिदान के एक जगह ला
छोंड़ ओकर बर एक मंदिर बनवावंव?
7 "एकरसेति मोर करा एक आदमी भेज, जऊन ह सोन अऊ चांदी, कांसा अऊ लोहा, अऊ बैंगनी, लाल
अऊ नीला सूंत म काम करे के कुसल कारीगर होवय, अऊ नक्कासी के कला म अनुभवी होवय, अऊ जऊन
ह मोर ओ कुसल कारीगरमन संग यहूदा अऊ यरूसलेम म काम कर सकय, जेमन ला मोर ददा दाऊद ह
ठहिराय हवय।
8 "मोर करा लबानोन ले देवदार, सनोवर अऊ चंदन के लकड़ी घलो भेज, काबरकि मोला मालूम हवय कि
तोर सेवकमन उहां लकड़ी काटे म माहिर अंय। मोर सेवकमन तोर सेवकमन संग बुता करहीं
9 जेकर ले मोला अब्बड़ अकन लकड़ी मिल जाही, काबरकि जऊन मंदिर मेंह बनवावत हंव, ओह बहुंत बड़े
अऊ सानदार होना चाही।
10 तोर जऊन सेवकमन लकड़ी काटहीं, मेंह ओमन ला बीस हजार कोर्स* गहूं, बीस हजार कोर्स† जौ, बीस
हजार बत‡ अंगूर के मंद अऊ बीस हजार बत जैतून तेल दूहूं।"
11 तब सूर के राजा हीराम ह सुलेमान ला चिट्ठी लिखके जबाब दीस:
"काबरकि यहोवा ह अपन मनखेमन ले मया करथे, एकरसेति ओह तोला ओमन के राजा बनाय हवय।"
12 अऊ हीराम ह ओमा ये घलो जोड़िस:
"यहोवा, इसरायल के परमेसर के परसंसा होवय, जेह अकास अऊ धरती ला बनाईस! ओह राजा दाऊद
ला एक बुद्धिमान बेटा देय हवय, जऊन ह बुद्धि अऊ सूझ-बूझ ले भरे हवय, जऊन ह यहोवा बर एक मंदिर
अऊ अपन बर एक राजमहल बनवाही।
13 "मेंह तोर मेर हूराम-अबी ला भेजत हवंव, जऊन ह एक बढ़िया कारीगर अय,
14 जेकर दाई ह दान के गोत्र अऊ ददा ह सूर देस के रिहिस। ओह सोन अऊ चांदी, कांसा अऊ लोहा,
पथरा अऊ लकड़ी, अऊ बैंगनी अऊ नीला अऊ लाल रंग के सूंत अऊ सुघर मलमल म काम करे बर सिखोय गे
मनखे अय। ओह जम्मो किसम के नक्कासी के काम म अनुभवी अय अऊ ओला दिये गय कोनो भी बनावट ला
ओह तियार कर सकथे। ओह तोर अऊ तोर ददा, मोर मालिक दाऊद के कुसल कारीगरमन संग बुता करही।
15 "अब मोर मालिक ह अपन वायदा के मुताबिक अपन सेवकमन ला गहूं अऊ जौ अऊ जैतून तेल अऊ
अंगूर के मंद भेज देवय,

* **2:10** लगभग 3,600 टन † **2:10** लगभग 3,000 टन ‡ **2:10** लगभग 4,40,000 लीटर

16 अऊ हमन लबानोन ले ओ जम्मो लकरी ला काट लेबो, जेकर तोला जरूरत हवय अऊ ओला बेड़ा म
समुंदरी रसता ले यापा भेज देबो। तब तेंह ओमन ला यरूसलेम ले जा सकत हस।”
17 सुलेमान ह इसरायल म रहइया जम्मो परदेसीमन के गनती करवाईस, ये गनती ओकर ददा दाऊद के
गनती के पाछू करे गीस; अऊ ओमन 1,53,600 रिहिन।
18 ओह ओमा ले 70,000 मनखे ला बोझा ढोवइया अऊ 80,000 मनखे ला पहाड़ीमन म पथरा काटे बर,
अऊ संग म 3,600 मनखे ला बुता करइयामन ऊपर देखरेख करे बर ठहिराईस।

3

[illegible]

1 येकर बाद सुलेमान ह यरूसलेम म मोरियाह पहाड़ ऊपर यहोवा के मंदिर ला बनाय के सुरू करिस, जिहां
यहोवा ह ओकर ददा दाऊद ला दरसन देय रिहिस। येह यबूसी ओरनान* के कोठार रिहिस, जेला दाऊद ह देय
रिहिस।
2 सुलेमान ह अपन राज के चौथा बछर के दूसर महिना के दूसर दिन मंदिर ला बनाय के काम सुरू करिस।
3 परमेसर के मंदिर बनाय बर सुलेमान दुवारा रखे गय नीव ह साठ क्यूबीट लम्बा अऊ बीस क्यूबीट चौड़ा†
रिहिस (पुराना समय के क्यूबीट के उपयोग करे गीस)।
4 मंदिर के सामने के मंडप ह बीस क्यूबीट लम्बा अऊ येह मंदिर के पूरा चौड़ई म रिहिस अऊ येकर ऊंचई
बीस क्यूबीट रिहिस।
ओह ओकर भीतरी भाग ला सुध सोन ले मढ़वाईस।
5 ओह मुख्य सभा के मंडप के भीतरी भाग म सनोवर के लकड़ी लगवाईस अऊ खांटी सोन के परत ले मढ़वा
दीस अऊ येला खजूर रूख अऊ जंजीर के बनावट ले सजवाईस।
6 ओह मंदिर ला कीमती पथरामन ले सजवाईस। अऊ जऊन सोन के उपयोग ओह करिस, ओह परवैम के
सोन रिहिस।
7 ओह मंदिर के छत के कड़ीमन ला, कपाट के चौखटमन, दीवार अऊ कपाटमन ला सोन ले मढ़वाईस, अऊ
दीवारमन म करूब के नक्कासी करवाईस।
8 ओह महा पबितर स्थान ला बनाईस, येकर लम्बई ह मंदिर के चौड़ई के बरोबर रिहिस—बीस क्यूबीट लम्बा
अऊ बीस क्यूबीट चौड़ा। ओह येकर भीतरी भाग ला छै सौ टेलेन्ट‡ खांटी सोन ले मढ़वाईस।
9 सोन के खीलामन के वजन पचास सेकेल§ रिहिस। ओह ऊपरी भागमन ला घलो सोन ले मढ़वा दीस।
10 महा पबितर स्थान बर खुदवाके करूबमन के एक जोड़ा बनाईस अऊ ओमन ला सोन ले मढ़वाईस।
11 करूबमन के पूरा डेना ह बीस क्यूबीट रिहिस। पहिली करूब के एक ठन डेना ह पांच क्यूबीट लम्बा रिहिस
अऊ मंदिर के दीवार ला छूवत रिहिस, जबकि येकर दूसर डेना ह घलो पांच क्यूबीट लम्बा रिहिस, अऊ आने
करूब के डेना ला छूवत रिहिस।
12 वइसने ही आने करूब के डेना ह घलो पांच क्यूबीट लम्बा रिहिस अऊ मंदिर के दूसर दीवार ला छूवत
रिहिस, अऊ येकर आने डेना ह घलो पांच क्यूबीट लम्बा रिहिस, जऊन ह पहिली करूब के डेना ला छूवत
रिहिस।
13 ये करूबमन के डेनामन बीस क्यूबीट तक फईले रिहिन। येमन अपन गोड़ म खड़े रहंय अऊ येमन के मुहूं ह
मुख्य मंडप कोति रहय।
14 ओह नीला, बैंगनी अऊ लाली रंग के सूंत अऊ सुघर मलमल के परदा बनाईस, जेमा करूबमन के कढ़ई
करिस।
15 मंदिर के आघू बर ओह दू ठन खंभा बनाईस, जेमन पैंतीस क्यूबीट लम्बा रिहिन, हर एक के ऊपर के कंगनी
ह पांच क्यूबीट रिहिस।
16 ओह गुंथाय सांकल बनवाके खंभामन के ऊपर म लगवा दीस। ओह सौ ठन अनार घलो बनाईस अऊ
ओला सांकल म लटका दीस।

---

* **3:1** इबरानी म *[illegible]* जऊन ह *[illegible]* के आने नांव ए † **3:3** लगभग 90 फीट लम्बा अऊ 30 फीट चौड़ा ‡ **3:8** लगभग 23 टन
§ **3:9** लगभग 575 ग्राम

17 ओह मंदिर के आघू म खंभामन ला बनाईस, एक ठन दक्खिन अऊ एक ठन ला उत्तर कोति। दक्खिन कोति
के खंभा के नांव ओह याकीन* रखिस अऊ उत्तर कोति के खंभा के नांव बोअज† रखिस।

4

[illegible] [illegible]

1 राजा सुलेमान ह कांसा के एक बेदी बनाईस, जेह बीस क्यूबीट लम्बा, बीस क्यूबीट चौड़ा अऊ दस क्यूबीट
ऊंचहा रिहिस।*
2 ओह ढाले गय धातु ले एक बड़े हौज बनाईस, जऊन ह आकार म गोल रिहिस, ओकर बियास ह दस क्यूबीट
अऊ ऊंचई पांच क्यूबीट† रिहिस। येकर कुल घेरा के नाप तीस क्यूबीट‡ रिहिस।
3 गोल घेरा के खाल्हे म बईलामन के मूरती दस क्यूबीट के घेरा म रिहिस। बईलामन ला हौज के संग दू
कतार म एके ठन कुटा म ढालके बनाय गे रिहिस।
4 हौज ला बारह ठन बनाय गे बईलामन ऊपर रखे गे रिहिस, जेमा के तीन ठन के मुहूं उत्तर कोति, तीन ठन के
मुहूं पछिम कोति, तीन ठन के मुहूं दक्खिन कोति अऊ तीन ठन के मुहूं पूरब कोति रिहिस। हौज ला ओमन के
ऊपर मढ़ाय गे रिहिस, अऊ ओमन के पाछू के भागमन हौज के मांझा कोति रहंय।
5 येकर मोटई लगभग तीन ईंच रिहिस, अऊ ओकर किनारा ह कटोरा के किनारा असन, खिले कुमुदिनी फूल
सहीं रिहिस। ओमा तीन हजार बत पानी§ हमात रिहिस।
6 ओकर बाद ओह धोय बर दस ठन तसला बनाईस अऊ पांच ठन ला दक्खिन कोति अऊ पांच ठन ला उत्तर
कोति मढ़ाईस। ओमा होम-बलिदान चघाय म उपयोग के चीजमन ला धोय जावय, पर हौज के उपयोग
पुरोहितमन के दुवारा धोय बर करे जावय।
7 बिसेस निरदेस के मुताबिक ओह दस ठन सोन के दीवट ला बनाईस अऊ ओमन ला मंदिर म रख दीस, पांच
ठन ला दक्खिन कोति अऊ पांच ठन ला उत्तर म रखिस।
8 ओह दस ठन मेज बनाईस अऊ ओमन ला मंदिर म रख दीस, पांच ठन ला दक्खिन कोति अऊ पांच ठन ला
उत्तर म रखिस। ओह सौ ठन सोन के छिंचनेवाला कटोरा घलो बनाईस।
9 ओह पुरोहितमन के अंगना, अऊ बड़े अंगना अऊ अंगना के कपाटमन ला बनाईस, अऊ कपाटमन ला
कांसा ले मढ़वाईस।
10 ओह हौज ला दक्खिन कोति, दक्खिन-पूरब के कोनटा म रखिस।
11 अऊ हूराम ह बरतन अऊ बेलचा अऊ छिंचे बर कटोरामन ला घलो बनाईस।
ये किसम ले हूराम ह राजा सुलेमान के दुवारा दिये गय काम ला परमेसर के मंदिर म पूरा करिस:

12 दू ठन खंभामन;
खंभामन के टीप म कटोरा के आकार के दू ठन कंगनी;
खंभामन के टीप म कटोरा के आकार के दूनों कंगनीमन ला सजाय बर दू ठन जाली तियार करिस;
13 दूनों जाली बर चार सौ अनार (खंभामन के टीप म कटोरा के आकार के कंगनीमन ला सजाय बर हर एक
जाली म ये अनारमन दू ठन कतार म रहंय);
14 तसलामन के संग ओमन के खुरामन;
15 हौज अऊ ओकर खाल्हे म बारह ठन बईला;
16 बरतन, बेलचा, मांस निकाले बर कांटा अऊ येकर से जुड़े सामान।

ये जम्मो चीज, जेमन ला हूराम-अबी ह यहोवा के मंदिर बर राजा सुलेमान के हुकूम ले बनाईस, येमन
चमकदार कांसा के बने रिहिन।
17 राजा ह ओमन ला यरदन के मैदान म सुक्कोत अऊ सारतान* के बीच म चिक्कन माटी के सांचा ले
ढलवाय रिहिस।

---

* **3:17** *[illegible]* संभवत: येकर मतलब होथे *[illegible]* † **3:17** *[illegible]* संभवत: येकर मतलब होथे *[illegible]* * **4:1** लगभग 30 फीट लम्बा, 30 फीट चौड़ा अऊ 15 फीट ऊंचा † **4:2** लगभग साढ़े सात फीट ‡ **4:2** लगभग 45 फीट § **4:5** लगभग 66,000 लीटर * **4:17** इबरानी म *[illegible]* जऊन ह *[illegible]* के आने नांव ए

18 सुलेमान ह जतेक चीजमन ला बनवाय रिहिस, ओ जम्मो ह अतेक जादा रिहिस कि कांसा के वजन के
गनती नइं करे जा सकत रिहिस।
19 सुलेमान ह ओ जम्मो सजावट के चीजमन ला घलो बनवाईस, जेमन परमेसर के मंदिर म रिहिन:

सोन के बेदी;
ओ मेज जेमा भेंट के रोटी रखे जावय;
20 सुध सोन के दीवटमन के संग ओमन के दीयामन ला भीतरी पबितर-स्थान के आघू म जलाय बर जइसे कि
बताय गे रिहिस;
21 सोन के फूलवाला काम अऊ दीया अऊ चिमटामन (येमन ठोस सोन के रिहिन);
22 बाती ला काटे बर सुध सोन के कतरनी, छिंचे के कटोरामन, बरतन अऊ धूपदानीमन; अऊ मंदिर के सोन
के कपाटमन: महा पबितर स्थान के भीतरी कपाटमन अऊ मुख्य सभा मंडप के कपाटमन।

5

1 जब सुलेमान ह यहोवा के मंदिर के जम्मो बुता ला पूरा कर डारिस, तब ओह ओ चीजमन ला लानिस, जेमन
ला ओकर ददा दाऊद ह अरपन करे रिहिस—ओमा सोन अऊ चांदी अऊ जम्मो सजावट के चीजमन
रिहिन—अऊ ओह ओमन ला परमेसर के मंदिर के खजाना म रख दीस।

[illegible]

2 तब सुलेमान ह यरूसलेम म इसरायल के अगुवामन ला, गोत्रमन के जम्मो मुखियामन ला अऊ इसरायली
परिवारमन के मुखियामन ला बलाईस कि ओमन सियोन ले याने कि दाऊद के सहर ले यहोवा के करार के सन्दूक
ला लानंय।
3 अऊ जम्मो इसरायलीमन सातवां महिना म तिहार के बेरा राजा करा जूरिन।
4 जब इसरायल के जम्मो अगुवामन आ गीन, त लेवीमन सन्दूक* ला उठाईन,
5 अऊ ओमन करार के सन्दूक अऊ मिलापवाला तम्बू अऊ ओमा के जम्मो पबितर चीजमन ला ऊपर ले
आईन। लेवीय पुरोहितमन ओमन ला उठाके लानिन;
6 अऊ राजा सुलेमान अऊ जम्मो इसरायली सभा, जऊन मन ओकर करा जूरे रिहिन, ओमन सन्दूक के आघू
म होके अतेक भेड़ अऊ पसुमन ला बलि करत रिहिन कि ओमन के हिसाब या गनती नइं करे जा सकिस।
7 तब पुरोहितमन यहोवा के करार के सन्दूक ला ओकर जगह म याने कि मंदिर के भीतरी पबितर-स्थान, महा
पबितर स्थान म लानिन, अऊ ओला करूबमन के डेना के खाल्हे म मढ़ा दीन।
8 करूबमन अपन डेनामन ला सन्दूक के ऊपर फईलाय रिहिन अऊ सन्दूक अऊ ओकर बोहे के डंडामन ला
ढांपे रिहिन।
9 ये डंडामन अतेक लम्बा रिहिन कि ओमन के छोरमन सन्दूक ले निकले रिहिन अऊ येमन ला भीतरी
पबितर-स्थान के सामने ले देखे जा सकत रिहिस, पर ओमन ला पबितर स्थान के बाहिर ले नइं देखे जा सकत
रिहिस; अऊ ओमन आज भी उहेंच हवंय।
10 सन्दूक म सिरिप ओ दू ठन पथरा के पटिया के छोंड़ अऊ कुछू नइं रिहिस, जेला मूसा ह येमा होरेब पहाड़
ऊपर रखे रिहिस, जिहां इसरायलीमन के मिसर देस ले बाहिर निकले के बाद, यहोवा ह ओमन के संग एक करार
करे रिहिस।
11 तब पुरोहितमन पबितर स्थान ले हट गीन। जतेक भी पुरोहित उहां रिहिन, ओ जम्मो झन अपन दल म
भेद करे बिगर अपनआप ला सुध करे रिहिन।
12 जम्मो लेवी, जेमन संगीतकार रिहिन—आसाप, हेमान, यदूतून अऊ ओमन के लइका अऊ
रिस्तेदारमन—बेदी के पूरब कोति खड़े रिहिन, अऊ ओमन बढ़िया मलमल के ओनहा पहिरे मंजीरा, बीना अऊ
सारंगी बजात रिहिन। ओमन के संग तुरही बजात 120 पुरोहितमन रिहिन।
13 तुरही बजइया अऊ संगीतकारमन एक संग जूरके यहोवा के धनबाद अऊ परसंसा करत रिहिन। तुरही,
मंजीरा अऊ आने बाजामन के संग, गवइयामन यहोवा के परसंसा म अपन अवाज उठाईन अऊ गाईन:

* **5:4** या [illegible]

“ओह बने अय;
ओकर मया हमेसा बने रहिथे।”
तब यहोवा के मंदिर ह बादर ले भर गीस,
14 अऊ पुरोहितमन बादर के कारन अपन सेवा नइं देय सकिन, काबरकि यहोवा के महिमा ले परमेसर के मंदिर ह भर गे रिहिस।

6

1 तब सुलेमान ह कहिस, “यहोवा ह कहे हवय कि ओह करिया बादर म निवास करही;
2 मेंह तोर बर एक सानदार मंदिर बनाय हंव, तोर हमेसा रहे बर निवास के एक ठन जगह।”
3 जब इसरायल के जम्मो सभा ह उहां ठाढ़े रिहिस, त राजा ह ओमन कोति मुहूं करके ओमन ला आसीरबाद दीस।
4 तब ओह कहिस:
“यहोवा, इसरायल के परमेसर के महिमा होवय; जऊन ह अपन हांथ ले मोर ददा दाऊद के संग अपन मुहूं ले करे गय वायदा ला पूरा करे हवय। काबरकि ओह कहे रिहिस,
5 ‘जऊन दिन ले मेंह अपन मनखेमन ला मिसर ले निकालके लानंय, तब ले मेंह इसरायल के कोनो गोत्र के एको ठन सहर ला एक मंदिर बनाय बर नइं चुने हवंव कि उहां मोर नांव होवय, अऊ न ही मेंह कोनो ला अपन मनखे इसरायलीमन ऊपर राजा चुने हवंव।
6 पर अब मेंह यरूसलेम ला अपन नांव बर चुने हंव, अऊ मेंह दाऊद ला अपन इसरायली मनखेमन ऊपर राज करे बर चुने हवंव।’
7 “मोर ददा दाऊद के मन म ये बात रिहिस कि ओह इसरायल के परमेसर, यहोवा के नांव खातिर एक मंदिर बनावय।
8 पर यहोवा ह मोर ददा दाऊद ला कहिस, ‘मोर नांव खातिर अपन मन म, मंदिर बनवाय के ईछा करके, तेंह बने करे हवस।
9 तभो ले, तेंह ओ मनखे नो हस, जऊन ह ओ मंदिर ला बनाही, पर तोर बेटा, तोर खुद के मांस अऊ लहू—ओही ह मोर नांव बर मंदिर बनवाही।’
10 “यहोवा ह अपन करे गय वायदा ला पूरा करे हवय। मेंह अपन ददा दाऊद के जगह म राजा बने हंव अऊ अब यहोवा के वायदा के मुताबिक मेंह इसरायल के सिंघासन म बईठे हवंव, अऊ मेंह यहोवा, इसरायल के परमेसर के नांव खातिर मंदिर ला बनाय हवंव।
11 उहां मेंह सन्दूक ला रखे हंव, जेमा यहोवा के ओ करार हवय, जेला ओह इसरायल के मनखेमन संग करे रिहिस।”

[illegible]

12 तब सुलेमान ह इसरायल के जम्मो सभा के आघू म यहोवा के बेदी के आघू म ठाढ़ होईस अऊ अपन हांथ ला फैलाईस।
13 ओह पांच क्यूबीट लम्बा, पांच क्यूबीट चौड़ा अऊ तीन क्यूबीट ऊंच* कांसा के एक चबूतरा बनाय रिहिस, अऊ येला बाहिर के अंगना के बीचों-बीच रखिस। ओह चबूतरा म ठाढ़ होईस अऊ इसरायल के जम्मो सभा के आघू म माड़ी टेकिस अऊ अपन हांथ ला स्वरग कोति उठाईस।
14 ओह पराथना करत कहिस:
“हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, स्वरग अऊ धरती म तोर असन कोनो परमेसर नइं एं—तेंह अपन ओ सेवकमन संग करे मया के करार ला पूरा करथस, जेमन पूरा मन से तोर रसता म बने रहिथें।
15 तेंह अपन सेवक मोर ददा दाऊद ले करे ओ वायदा ला बनाय रखे हस; जेला तेंह अपन मुहूं ले बोलके करे रहय अऊ अपन हांथ ले ओला पूरा करे हस—जइसने कि येह आज हवय।
16 “अब, हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, अपन सेवक मोर ददा दाऊद ले करे गय वायदा ला बनाय रख, जब तेंह कहय, ‘मोर आघू म इसरायल के सिंघासन म बईठे बर तोला उत्तराधिकारी के कमी कभू नइं होवय,

* **6:13** लगभग 2.3 मीटर लम्बा अऊ चौड़ा अऊ 1.4 मीटर ऊंच

यदि सिरिप तोर संतानमन अपन जम्मो काम ला धियान देके मोर कानून के मुताबिक करंय, जइसे कि तेंह करे
हस।'
17 अऊ अब, हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, तोर ओ बचन, जेकर वायदा तेंह अपन सेवक दाऊद ले करे
रहय, ओला सच होवन दे।
18 "पर का सही म परमेसर ह मनखेमन संग धरती म निवास करही? स्वरगमन, अऊ त अऊ सबले ऊंच
स्वरगमन घलो तोला धारन नइं कर सकंय। फेर मोर बनाय ये मंदिर तो बहुंत छोटे हे!
19 तभो ले, हे यहोवा, मोर परमेसर, अपन सेवक के पराथना अऊ दया के ओकर बिनती ऊपर धियान दे।
मोर रोवई अऊ ओ पराथना ला सुन, जेला तोर सेवक ह तोर आघू म करत हवय।
20 तोर आंखीमन रात अऊ दिन ये मंदिर कोति लगे रहंय, ये जगह जेकर बारे म तेंह कहे हस कि तेंह अपन
नांव ला उहां रखबे। तेंह ओ पराथना ला सुन, जेला तोर सेवक ये जगह कोति मुहूं करके करथे।
21 अपन सेवक अऊ अपन मनखे इसरायलीमन के बिनती ला सुन, जब ओमन ये जगह कोति मुहूं करके
पराथना करथें। स्वरग ले, अपन निवास के जगह ले सुन; अऊ जब तें सुनथस, त ओमन ला छेमा कर।
22 "जब कोनो अपन परोसी के बिरूध कोनो अपराध करय अऊ ओला किरिया खाय के जरूरत पड़य अऊ
ओह आके ये मंदिर म तोर बेदी के आघू म किरिया खावय,
23 तब स्वरग ले सुनके, अपन सेवकमन के बीच म नियाय कर, अपराधी के काम ला ओकर मुड़ म लानके
ओला सजा दे, अऊ निरदोस के ओकर निरदोसता के मुताबिक नियाय कर।
24 "जब तोर इसरायली मनखेमन तोर बिरूध पाप करे के कारन अपन कोनो बईरी ले हार जावंय, अऊ जब
ओमन तोर कोति फेर लहुंटंय अऊ ये मंदिर म तोर आघू म पराथना अऊ बिनती करत तोर नांव के परसंसा
करंय,
25 तब स्वरग ले सुनबे अऊ अपन इसरायली मनखेमन के पाप ला छेमा करबे अऊ ओमन ला ओ देस म
लहुंटाके ले आबे, जेला तेंह ओमन ला अऊ ओमन के पुरखामन ला देय हस।
26 "तोर मनखेमन के तोर बिरूध पाप करे के कारन, जब अकास ह बंद हो जावय अऊ बरसा नइं होवय,
अइसने बेरा म जब ओमन ये जगह कोति होके पराथना करंय अऊ तोर नांव के परसंसा करंय अऊ अपन
पाप ले मन फिरावंय, काबरकि तेंह ओमन ला दुख म डाले हस,
27 तब स्वरग ले सुनके अपन सेवक, अपन इसरायली मनखेमन के पाप ला छेमा करबे। ओमन ला जीये के
सही रसता सिखाबे, अऊ ओ देस म बारिस भेजबे, जेला तेंह अपन मनखेमन ला उत्तराधिकार म देय हस।
28 "जब अकाल या महामारी देस म आवय, या फसल म रोग या फफूंदी, टिड्डी या फांफामन लगंय, या
जब बईरीमन ओमन ला ओमन के कोनो सहर म घेर लेवंय, याने कोनो भी बिपत्ति या बेमारी आवय,
29 अऊ जब तोर इसरायली मनखेमन के बीच म ले कोनो ओमन के दुख अऊ पीरा ला जानके, ये मंदिर
कोति अपन हांथ ला फईलाके पराथना या बिनती करय—
30 तब अपन निवास स्वरग ले सुनके छेमा करबे; हर एक के संग ओमन के काम के मुताबिक बरताव करबे,
तेंह ओमन के मन के बात ला जानथस (काबरकि सिरिप तेंहीच ह मनखे के मन ला जानथस),
31 ताकि जऊन देस ला तेंह हमर पुरखामन ला देय हवस, ओ देस म रहत ओमन तोर भय मानंय अऊ हर
समय तोर हुकूम म चलंय।
32 "जहां तक परदेसी के बात ए, जऊन ह तोर इसरायली मनखेमन के बीच म के नो हय, पर तोर बड़े नांव
अऊ बलवंत हांथ अऊ तोर बड़े काम के कारन दूरिहा देस ले आय हवय—जब ओमन आवंय अऊ ये मंदिर
कोति मुहूं करके पराथना करंय,
33 तब स्वरग, अपन निवास स्थान ले सुनबे। जऊन कुछू ओ परदेसी तोर ले मांगय, ओला पूरा करबे, ताकि
धरती के जम्मो मनखे तोर नांव ला जानंय अऊ तोर भय मानंय, जइसे कि तोर खुद के इसरायली मनखेमन
करथें, अऊ ओमन जानंय कि ये घर ला मेंह तोर नांव बर बनाय हवंव।
34 "जब तेंह अपन मनखेमन ला ओमन के बईरीमन के बिरूध लड़े बर जिहां कहीं भी पठोथस, अऊ जब
ओमन तोर ले तोर चुने ये सहर अऊ तोर नांव बर मोर बनाय ये मंदिर कोति होके पराथना करंय,
35 तब स्वरग ले ओमन के पराथना अऊ बिनती ला सुनबे, अऊ ओमन ला संभालबे।
36 "जब ओमन तोर बिरूध पाप करंय—काबरकि कोनो भी अइसन नइं ए जऊन ह पाप नइं करय—अऊ

तेंह ओमन ऊपर गुस्सा होके ओमन ला ओमन के बईरी के हांथ म कर देवस, जऊन ह ओमन ला बहुंत दूरिहा
या लकठा के देस म बंदी बनाके ले जावय;
37 अऊ यदि तोर मनखेमन ओ बंदी बनाय गे देस म अपन मन ला बदलंय, अऊ पछ्ताप करंय अऊ बंदी
बनाय गय देस म तोर ले बिनती करके कहंय, 'हमन पाप करे हवन, हमन गलती करे हवन, अऊ दुस्टता के काम
करे हवन';
38 अऊ यदि ओमन अपन ओ बंदी बनाय गय देस म जिहां ओमन ला ले जाय गे हवय, अपन पूरा मन
अऊ आतमा ले तोर कोति फिरंय, अऊ ओमन के पुरखामन ला तोर दिये देस कोति, तोर चुने सहर कोति अऊ
तोर नांव खातिर मोर बनाय ये मंदिर कोति होके तोर ले पराथना करंय;
39 त स्वरग, अपन निवास स्थान ले ओमन के पराथना अऊ बिनती ला सुनबे, अऊ ओमन ला संभालबे।
अऊ अपन मनखेमन ला छेमा करबे, जेमन कि तोर बिरूध पाप करे हवंय।
40 "अब हे मोर परमेसर, तोर आंखीमन खुले रहंय अऊ तोर कान ह ये जगह म करे गे पराथना ऊपर
धियान देवय।
41 "हे यहोवा परमेसर, अब उठ, अऊ अपन बिसराम के जगह म
अपन सक्ति के सन्दूक के संग आ।
हे यहोवा परमेसर, तोर पुरोहितमन उद्धार के कपड़ा पहिरंय।
तोर बिसवासयोग्य मनखेमन तोर अच्छ्ई म आनंद मनावंय।
42 हे यहोवा परमेसर, अपन अभिसिक्त जन ला झन तियाग।
अपन सेवक दाऊद ले करे गे बड़े मया के परतिगियां ला सुरता कर।"

7

[illegible]

1 जब सुलेमान के पराथना ह खतम होईस, त आगी ह स्वरग ले खाल्हे गिरिस अऊ होम-बलिदान अऊ
बलिदानमन ला जलाके भसम कर दीस, अऊ यहोवा के महिमा ले मंदिर ह भर गीस।
2 पुरोहितमन यहोवा के मंदिर म प्रवेस नइं कर सकिन, काबरकि यहोवा के महिमा ले ओह भर गीस।
3 जब जम्मो इसरायलीमन मंदिर के ऊपर आगी गिरत अऊ यहोवा के महिमा ला देखिन, त ओमन माड़ी
टेकके मुहूं-भरसा भुइयां म हो गीन, अऊ ओमन ये कहिके यहोवा के अराधना करिन अऊ धनबाद दीन,
"ओह बने अय;
ओकर मया सदा बने रहिथे।"
4 तब राजा अऊ जम्मो मनखेमन यहोवा के आघू म बलिदान चघाईन।
5 अऊ राजा सुलेमान ह बाईस हजार पसुमन के मुड़ी अऊ एक लाख बीस हजार भेड़ अऊ बकरामन के बलिदान
चघाईस। ये किसम ले राजा अऊ जम्मो मनखेमन परमेसर के मंदिर के समरपन करिन।
6 पुरोहितमन अपन-अपन जगह ला ले लीन, वइसे ही लेवीमन यहोवा के बाजामन संग अपन जगह लीन,
जेला राजा दाऊद ह यहोवा के परसंसा बर बनाय रिहिस अऊ जेमन के उपयोग तब होवय, जब ओह ये कहिके
धनबाद देवय, "ओकर मया हमेसा बने रहिथे।" लेवीमन के आघू म, पुरोहितमन अपन तुरही फूंकंय, अऊ जम्मो
इसरायलीमन खड़े रहंय।
7 सुलेमान ह यहोवा के मंदिर के आघू के अंगना के मांझा वाले भाग के अभिसेक करिस, अऊ उहां ओह
होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान के चरबी ला चघाईस, काबरकि जऊन कांसा के बेदी ओह बनाय रिहिस, ओमा
होम-बलिदान, अन्न-बलिदान अऊ चरबी के हिस्सामन नइं समात रिहिन।
8 ओ बेरा, सुलेमान ह सात दिन तक तिहार मनाईस, अऊ ओकर संग जम्मो इसरायलीमन घलो
मनाईन—येह एक बड़े सभा रिहिस, जेमा लेबो-हमात ले लेके मिसर के नरवा तक के मनखेमन रिहिन।
9 आठवां दिन ओमन एक सभा के आयोजन करिन, काबरकि ओमन बेदी के समरपन बर सात दिन के उत्सव
मनाय रिहिन अऊ सात दिन तिहार मनाय म बिताय रिहिन।
10 सातवां महिना के तेईसवां दिन म, सुलेमान ह ओ मनखेमन ला ओमन के घर भेजिस; यहोवा ह जऊन
भलई के काम दाऊद अऊ सुलेमान अऊ अपन इसरायली मनखेमन बर करे रिहिस, ओकर बर ओमन आनंदित
अऊ मगन होके लहुंट गीन।

[illegible]

11 जब सुलेमान ह यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल ला बना चुकिस, अऊ ओ सबो काम ला पूरा कर डारिस,
जेमन ला ओह अपन मन म यहोवा के मंदिर अऊ अपन खुद के महल म करे के ठाने रिहिस,
12 त यहोवा ह रथिया ओला दरसन दीस अऊ कहिस:
"मेंह तोर पराथना ला सुने हवंव अऊ ये जगह ला बलिदान बर मंदिर के रूप म अपन बर चुने हवंव।
13 "जब मेंह अकास ला अइसन बंद कर देवंव कि बरसा झन होवय, या फांफामन ला देस ला उजारे के
हुकूम देवंव, या अपन मनखेमन के बीच म महामारी भेजंव,
14 तब कहूं मोर मनखेमन, जेमन मोर कहाथें, अपनआप ला दीन करके पराथना करहीं अऊ मोर दरसन के
खोजी होहीं अऊ बुरई के रद्दा ले फिरहीं, तब मेंह स्वरग ले सुनके, ओमन के पाप ला छेमा करहूं अऊ ओमन के
देस ला चंगा करहूं।
15 अब मोर आंखी ह खुले रहिही, अऊ मोर कान ह ये जगह म करे गय पराथना ऊपर धियान दीही।
16 मेंह ये मंदिर ला एकरसेति चुने अऊ अभिसेक करे हंव ताकि मोर नांव ह हमेसा बर उहां रहय। मोर
आंखी अऊ मोर मन ह हमेसा उहां लगे रहिही।
17 "जहां तक तोर बात ए, यदि तेंह मोर आघू म अपन ददा दाऊद के सहीं बिसवासयोग्यता से चलबे, अऊ
मोर दिये जम्मो हुकूम ला मानबे, अऊ मोर बिधि अऊ कानूनमन के पालन करबे,
18 त मेंह तोर राज सिंघासन ला स्थिर करहूं, जइसन कि मेंह तोर ददा दाऊद ले करार करके कहे रहेंव,
'इसरायल ऊपर सासन करे बर, तोर बंस म उत्तराधिकारी के कमी कभू नइं होही।'
19 "पर यदि तेंह* मोर ले दूरिहा होके ओ बिधि अऊ हुकूममन ला तियाग देबे, जेला मेंह तोला देय हवंव
अऊ जाके आने देवतामन के सेवा अऊ ओमन के अराधना करबे,
20 तब मेंह अपन देस ले इसरायल ला उखान दूहूं, जेला मेंह ओमन ला देय हवंव, अऊ ये मंदिर ला तियाग
दूहूं, जेला मेंह अपन नांव बर संस्कार करे हवंव। मेंह येला जम्मो झन के बीच म एक कहावत अऊ ठट्ठा के चीज
बना दूहूं।
21 ये मंदिर ह पथरामन के कुढ़हा हो जाही। अऊ ओ जम्मो, जेमन इहां ले होके जाहीं, ओमन अचरज
करहीं अऊ कहिहीं, 'यहोवा ह ये देस अऊ ये मंदिर ला अइसने काबर करे हवय?'
22 त मनखेमन जबाब दीहीं, 'काबरकि ओमन यहोवा, अपन पुरखामन के ओ परमेसर ला तियाग दे हवंय,
जऊन ह ओमन ला मिसर देस ले निकालके लानिस, ओमन आने देवतामन ला अपनाके ओमन के अराधना अऊ
सेवा करत हवंय—एकरसेति ओह ये जम्मो बिपत्ति ओमन ऊपर लाने हवय।' "

8

[illegible]

1 बीसवां बछर के आखिर म, ये दौरान सुलेमान ह यहोवा के मंदिर अऊ अपन खुद के महल ला बनाईस,
2 तब सुलेमान ह ओ गांवमन ला फेर बनाईस, जेला हीराम* ह ओला देय रिहिस, अऊ ओमा इसरायलीमन
ला बसाईस।
3 तब सुलेमान ह हमात-सोबा नगर जाके ओला कब्जा कर लीस।
4 ओह सुनसान जगह म तदमोर नगर ला घलो बनाईस अऊ ओ जम्मो भंडार सहर, जेमन ला ओह हमात म
बनाय रिहिस, ओमन ला घलो फेर बनाईस।
5 ओह ऊपर के बेत-होरोन अऊ खाल्हे के बेत-होरोन ला गढ़वाला सहर के रूप म, दीवारमन के संग अऊ
कपाट अऊ सरिया के संग फेर बनाईस,
6 संगे-संग ओह बालात अऊ जम्मो भंडारवाले सहर, अऊ अपन रथ अऊ घोड़ामन† बर जम्मो सहर—ओह
यरूसलेम म, लबानोन म अऊ अपन जम्मो राज म, जऊन कुछू बनाय चाहत रिहिस, ओ जम्मो ला बनाईस।
7 उहां अभी तक ले हित्ती, अमोरी, परिज्जी, हिब्बी, अऊ यबूसीमन के कुछू मनखेमन बांच गे रिहिन (ये
मनखेमन इसरायली नइं रिहिन)।

---

* **7:19** इबरानी म बहुबचन * **8:2** इबरानी म *[illegible]*, जऊन ह *[illegible]* के आने नांव ए † **8:6** या *[illegible]*

8 सुलेमान ह देस म ये जम्मो मनखे के ओ बांचे संतानमन ला बंधुवा मजदूर के रूप म सेवा करे बर रखिस,
जेमन ला इसरायलीमन नास नइं करे रिहिन, ओमन आज तक वइसने ही हवंय।
9 पर सुलेमान ह अपन बुता बर इसरायलीमन ला गुलाम नइं बनाईस; ओमन ओकर सैनिक, ओकर
कप्तानमन के सेनापति, अऊ ओकर रथ अऊ सारथीमन के सेनापति रिहिन।
10 ओमन राजा सुलेमान के मुखिया अधिकारीमन घलो रिहिन—दू सौ पचास अधिकारी, आदमीमन के काम
ला देखंय।
11 सुलेमान ह फिरौन के बेटी ला दाऊद के सहर ले ओ महल म ले आईस, जेला सुलेमान ह ओकर बर बनाय
रिहिस, काबरकि ओह सोचिस, "मोर घरवाली ला इसरायल के राजा दाऊद के महल म नइं रहना चाही, काबरकि
यहोवा के सन्दूक ह जऊन-जऊन जगह म गे हवय ओ जगहमन पबितर अंय।"
12 यहोवा के बेदी म, जेला ओह मंडप के आघू म बनाय रिहिस, सुलेमान ह यहोवा ला होम-बलिदान चघाईस,
13 ये बलिदान ला मूसा के दुवारा दिये हुकूम म हर दिन के जरूरत के मुताबिक बिसराम दिन, नवां चंदा अऊ
तीन ठन सालाना तिहारमन बर चघाय जावय—याने कि अखमीरी रोटी के तिहार, हप्तामन के तिहार अऊ
पबितर-तम्बूमन के तिहार।
14 अपन ददा दाऊद के बिधि ला धियान म रखत, ओह पुरोहितमन ला ओमन के काम करे बर दल-दल म
बांट दीस, अऊ लेवीमन ला अराधना करे म अगुवई करे बर अऊ हर एक दिन के जरूरत के मुताबिक
पुरोहितमन के मदद करे बर ठहिराईस। ओह अलग-अलग दुवार बर दुवारपालमन के अलग-अलग दलमन ला
घलो ठहिराईस, काबरकि अइसने ही परमेसर के जन दाऊद ह हुकूम देय रिहिस।
15 ओमन राजा दुवारा पुरोहित या लेवीमन बर दिये गय कोनो भी हुकूम ले कोनो भी मामला म नइं हटिन,
येमा खजानामन के मामला घलो रिहिस।
16 सुलेमान के जम्मो बुता ला करे गे रिहिस, यहोवा के मंदिर के नींव रखे के दिन ले लेके मंदिर के पूरा होवत
तक। ये किसम ले यहोवा के मंदिर पूरा हो गीस।
17 तब सुलेमान ह एदोम देस के तट म एसियोन-गेबेर अऊ एलात नगर म गीस।
18 अऊ हीराम ह ओकर मेर पानी जहाज पठोईस, जेला ओकर खुद के मनखेमन चलावंय, ओमन नाविक
रिहिन अऊ समुंदर के जानकार रिहिन। येमन, सुलेमान के मनखेमन संग, ओपीर गीन अऊ उहां ले वापिस चार
सौ पचास टेलेन्ट‡ सोन लानके राजा सुलेमान ला दे दीन।

9

[illegible]

1 जब सेबा के रानी ह सुलेमान के जस ला सुनिस, तब ओह ओला परखे बर कठिन-कठिन सवाल लेके
यरूसलेम आईस। ओह एक बड़े दल के संग ऊंटमन म मसाला, बहुंत अकन सोन, अऊ कीमती रत्नमन ला लेके
आईस; ओह सुलेमान मेर आईस अऊ अपन मन म जऊन बात रिहिस, ओ जम्मो के बारे ओकर ले गोठियाईस।
2 सुलेमान ह ओकर जम्मो सवाल के जबाब दीस; कोनो भी बात ओकर बर अइसे कठिन नइं रिहिस कि ओह
ओला नइं समझा सकय।
3 जब सेबा के रानी ह सुलेमान के बुद्धि ला देखिस, संग म ओकर बनाय महल,
4 ओकर मेज के जेवन, ओकर करमचारीमन के बईठना, पोसाक पहिरे सेवकमन के सेवा करई, पोसाक पहिरे
पीयानेवालामन अऊ यहोवा के मंदिर म ओकर दुवारा चघाय गे होम-बलिदानमन ला देखिस, त ओह चकित हो
गीस।
5 ओह राजा ले कहिस, "जऊन बात, मेंह अपन देस म तोर काम अऊ तोर बुद्धि के बारे म सुने रहेंव, ओह सही
अय।
6 पर ओमन के कहे बात ऊपर मोला बिसवास नइं होईस, जब तक कि मेंह आके अपन आंखी ले नइं देख लेंव।
वास्तव म, तोर बुद्धि के आधा महानता ला घलो मोला नइं बताय गे रिहिस; जऊन बात मेंह सुने रहेंव, तेंह
ओकर ले बढ़के हस।
7 तोर मनखेमन कतेक खुस होहीं! तोर करमचारीमन कतेक खुस होहीं, जऊन मन लगातार तोर आघू म ठाढ़े
रहिके तोर बुद्धि के गोठ ला सुनथें!

‡ **8:18** लगभग 17 टन

8 यहोवा तोर परमेसर के परसंसा होवय, जऊन ह तोर ले खुस हवय अऊ तोला राजा के रूप म अपन
सिंघासन म बईठाय हवय, ताकि तें यहोवा अपन परमेसर कोति ले सासन कर सकस। इसरायल बर तोर परमेसर
के मया अऊ हमेसा बर ओमन ला ऊपर बनाय रखे के ओकर मनसा के कारन, ओह तोला ओमन ऊपर राजा
बनाय हवय, ताकि तेंह नियाय अऊ धरमीपन ला बनाय रख।"
9 तब ओह राजा ला 120 टेलेन्ट* सोन, अब्बड़ अकन मसाला, अऊ कीमती रत्न दीस। अइसन मसाला कभू
नइं देखे गे रिहिस, जइसन सेबा के रानी ह राजा सुलेमान ला दीस।
10 (हीराम के सेवक अऊ सुलेमान के सेवकमन ओपीर ले सोन लानिन; ओमन चंदन के लकरी अऊ कीमती
पथरा घलो लानिन।
11 राजा ह चंदन के लकरी ले यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल बर सीढ़ी अऊ संगीतकारमन बर बीना अऊ
सारंगी बनवाईस। ओकर असन कुछू भी कभू यहूदा म नइं देखे गे रिहिस।)
12 राजा सुलेमान ह सेबा के रानी ला ओ सब दीस, जेकर ईछा ओह करिस अऊ मांगिस; जतेक चीज सेबा के
रानी ह सुलेमान ला देय रिहिस, सुलेमान ह ओकर ले जादा ओला दीस। तब रानी ह अपन सेवकमन के संग
अपन देस लहुंट गीस।

[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible]

13 सुलेमान ला हर साल 666 टेलेन्ट† सोन मिलत रिहिस,
14 जेमा सौदागर अऊ बेपारीमन के दुवारा लाय गय लगान ह सामिल नइं रिहिस। संग म अरब देस के जम्मो
राजा अऊ राजमन के राजपालमन घलो सोन अऊ चांदी सुलेमान मेर लानंय।
15 राजा सुलेमान ह गढ़े गय सोन ले दू सौ बड़े ढाल बनवाईस; हर एक ढाल म छै-छै सौ सेकेल गढ़े गय सोन
लगिस।‡
16 ओह गढ़े गय सोन के तीन सौ छोटे ढाल घलो बनाईस, जेमा के हर एक ढाल म तीन-तीन सौ सेकेल§ सोन
लगिस। राजा ह ओमन ला लबानोन के जंगल के महल म रख दीस।
17 तब राजा ह हाथी-दांत ले ढंके एक बड़े सिंघासन बनवाईस अऊ ओला सुध सोन ले मढ़वाईस।
18 सिंघासन के छै ठन पायदान रिहिस, अऊ सोन के एक ठन पांवदानी ओमा जुड़े रिहिस। आसन के दूनों
कोति हांथ रखे के हत्था लगे रहय, अऊ दूनों हत्था के बाजू म एक-एक ठन सेर ठाढ़े स्थिति म बनाय गे रहंय।
19 बारह ठन सेर छै ठन पायदानमन म खड़े रिहिन, हर एक पायदान के दूनों छोर म एक-एक ठन। कोनो आने
राज म अइसने सिंघासन कभू नइं बनाय गे रिहिस।
20 राजा सुलेमान के पीये के जम्मो पियालामन सोन के रिहिन, अऊ लबानोन के जंगल के महल म जम्मो
बरतन सुध सोन के रिहिन। कुछू भी चीज चांदी के नइं बने रिहिस, काबरकि सुलेमान के समय म चांदी के जादा
कीमत नइं रिहिस।
21 राजा सुलेमान मेर हीराम के सेवकमन के दुवारा चलाय जानेवाला एक ब्यवसायिक जहाजी-बेड़ा रिहिस।
हर तीन बछर म ये जहाजी-बेड़ा ह एक बार सोन, चांदी अऊ हाथी-दांत ले बने सामान, अऊ बिगर पुंछीवाला
बेंदरा अऊ आने किसम के बेंदरामन ला लेके लहुंटय।
22 राजा सुलेमान ह धन अऊ बुद्धि म धरती के आने जम्मो राजामन ले बढ़के रिहिस।
23 धरती के जम्मो राजामन सुलेमान के बुद्धि के ओ बात ला सुने के ताक म रहंय, जेला परमेसर ह ओकर मन
म डाले रिहिस।
24 हर एक बछर, ओकर करा अवइयामन भेंट लेके आवंय—सोन अऊ चांदी के सामान, अऊ ओनहा,
हथियार अऊ मसाला, अऊ घोड़ा अऊ खच्चरमन।
25 सुलेमान मेर घोड़ा अऊ रथमन बर चार हजार घुड़साल रिहिस, अऊ बारह हजार घोड़ामन रिहिन, जेमन
ला ओह रथमन के सहर अऊ अपन संग यरूसलेम म भी रखे रिहिस।
26 ओह फरात नदी ले पलिस्तीमन के देस, याने कि मिसर देस के सीमना तक जम्मो राजामन ऊपर सासन
करिस।
27 राजा ह यरूसलेम म चांदी ला पथरा के असन सधारन कर दीस, अऊ देवदार ला खाल्हे पहाड़ी के डूमर
रूख असन बहुंत अकन कर दीस।

* **9:9** लगभग साढ़े चार टन † **9:13** लगभग 25 टन ‡ **9:15** लगभग 6.9 किलोग्राम § **9:16** लगभग 3.5 किलोग्राम

28 सुलेमान के घोड़ामन मिसर अऊ आने जम्मो देस ले मंगाय जावत रिहिन।

[illegible]

29 सुलेमान के राज के आने घटनामन सुरू ले आखिरी तक, नातान अगमजानी के किताब म, सीलोवासी
अहियाह के अगमबानी म, अऊ नबात के बेटा यरोबाम के बारे म इद्दो अगम-दरसी के दरसन म लिखे गे हवय।
30 सुलेमान ह यरूसलेम म जम्मो इसरायल ऊपर चालीस साल तक राज करिस।
31 तब ओह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओकर ददा दाऊद के सहर म माटी दिये
गीस। अऊ ओकर बेटा रहूबियाम ह ओकर जगह म राजा बनिस।

10

[illegible]

1 रहूबियाम ह सकेम सहर गीस, काबरकि जम्मो इसरायलीमन ओला राजा बनाय बर उहां गे रिहिन।
2 जब नबात के बेटा यरोबाम ह येला सुनिस (ओह मिसर देस म रिहिस, जिहां ओह राजा सुलेमान के डर म
भागके गे रिहिस), त ओह मिसर ले लहुंट आईस।
3 तब ओमन यरोबाम ला बलाय बर पठोईन, अऊ ओह अऊ जम्मो इसरायलीमन रहूबियाम मेर गीन अऊ
ओकर ले कहिन:
4 "तोर ददा ह हमर ऊपर एक भारी बोझा डाले रिहिस, पर अब तें हमर ऊपर डाले ओकर कठोर काम अऊ
भारी बोझा ला हल्का कर, अऊ हमन तोर सेवा करबो।"
5 रहूबियाम ह जबाब दीस, "तीन दिन के बाद मोर करा लहुंटके आवव।" तब मनखेमन चल दीन।
6 तब राजा रहूबियाम ह ओ अगुवामन ले सलाह लीस, जेमन ओकर ददा सुलेमान के जिनगी भर सेवा करे
रिहिन। ओह ओमन ले पुछिस, "तुम्हर का सलाह ए? ये मनखेमन ला का जबाब देना चाही।"
7 ओमन जबाब दीन, "यदि तें ये मनखेमन ऊपर दया करबे अऊ ओमन ला खुस रखबे अऊ अपन जबाब म
बने बात कहिबे, त ओमन हमेसा तोर सेवक बने रहिहीं।"
8 पर रहूबियाम ह अगुवामन के सलाह ला नइं मानिस, अऊ ओ जवानमन ले सलाह लीस, जेमन ओकर संग
बड़े होय रिहिन अऊ ओकर सेवा करत रिहिन।
9 ओह ओमन ले पुछिस, "तुम्हर का सलाह ए? हमन ला ये मनखेमन ला कइसे जबाब देना चाही, जेमन मोर
ले ये कहत हें, 'जऊन बोझा तोर ददा ह हमर ऊपर डाले हवय, ओला हल्का कर'?"
10 ओकर संग बाढ़े जवान मनखेमन ओला जबाब दीन, "जऊन मनखेमन तोला कहे हवंय, 'तोर ददा ह हमर
ऊपर भारी बोझा डाले हवय, पर तें हमर बोझा ला हल्का कर।' अब तें ओमन ला अइसने कह, 'मोर छोटे अंगरी
ह मोर ददा के कनिहां ले मोट हवय।
11 मोर ददा ह तुम्हर ऊपर जऊन भारी बोझा डाले हवय; ओला मेंह अऊ भारी करहूं। मोर ददा ह तो तुमन
ला कोर्रा म पीटवाईस; पर मेंह तुमन ला बिच्छूमन ले कटवाहूं।' "
12 तीन दिन के बाद यरोबाम अऊ जम्मो मनखेमन रहूबियाम करा वापिस आईन, जइसे कि राजा ह कहे
रिहिस, "तीन दिन म मोर मेर वापिस आवव।"
13 राजा ह ओमन ला कठोर जबाब दीस। अगुवामन के सलाह ला ठुकराके,
14 ओह जवानमन के सलाह ला मानिस अऊ कहिस, "मोर ददा ह तुम्हर बोझा ला भारी कर दीस; मेंह येला
अऊ भारी करहूं। मोर ददा ह तो तुमन ला कोर्रा म पीटवाईस; पर मेंह तुमन ला बिच्छूमन ले कटवाहूं।"
15 ये किसम ले राजा ह मनखेमन के बात ला नइं सुनिस, काबरकि ये घटना ह परमेसर कोति ले ओ बचन ला
पूरा करे बर होईस, जेला यहोवा ह सीलोवासी अहियाह अगमजानी के दुवारा नबात के बेटा यरोबाम ले कहे
रिहिस।
16 जब जम्मो इसरायलीमन देखिन कि राजा ह ओमन के बात ला सुने ले इनकार कर दीस, तब ओमन राजा
ला जबाब दीन:
"दाऊद म हमर का बांटा हवय,
यिसै के बेटा म का भाग हवय?
हे इसरायलीमन, अपन-अपन तम्बू म चले जावव!

हे दाऊद, अपन खुद के घर ला संभाल!”
तब जम्मो इसरायलीमन अपन-अपन घर चल दीन।
17 पर ओ इसरायली, जेमन यहूदा के नगरमन म रहत रिहिन, रहूबियाम ह ओमन ऊपर राज करते रिहिस।
18 राजा रहूबियाम ह अदोनीराम* ला भेजिस, जऊन ह बंधुवा मजदूरमन ऊपर मुखिया रिहिस, पर
इसरायलीमन ओकर ऊपर पथरवाह करके ओला मार डारिन। पर राजा रहूबियाम ह कोनो किसम ले अपन रथ
म चघिस अऊ बचके यरूसलेम भाग गीस।
19 ये किसम ले इसरायलीमन आज तक ले दाऊद के घराना के बिरूध बिदरोह करत हें।

11

1 जब रहूबियाम ह यरूसलेम हबरिस, त ओह यहूदा अऊ बिनयामीन के गोत्र ले एक लाख अस्सी हजार
काबिल जवानमन ला संकेलिस कि ओमन इसरायल के बिरूध लड़े बर जावंय अऊ ओ राज ला रहूबियाम के
अधीन फेर कर देवंय।
2 पर परमेसर के जन समायाह करा यहोवा के ये बचन आईस:
3 “यहूदा के राजा सुलेमान के बेटा रहूबियाम अऊ यहूदा अऊ बिनयामीन के जम्मो इसरायलीमन ले कह,
4 ‘यहोवा ह ये कहत हे: अपन संगी इसरायलीमन के बिरूध लड़ई करे बर झन जावव। तुमन जम्मो झन
अपन-अपन घर जावव, काबरकि येला मेंह करत हंव।’ ” ओमन यहोवा के बचन के पालन करिन अऊ यरोबाम
के बिरूध हमला करे बिगर वापिस लहुंट गीन।

[illegible]

5 रहूबियाम ह यरूसलेम म रहत रिहिस, अऊ यहूदा म सुरकछा बर सहर बनवाईस:
6 बैतलहम, एताम, तकोआ,
7 बेत-सूर, सोको, अदुल्लाम,
8 गत, मारेसा, जीप,
9 अदोरैम, लाकीस, अजेका,
10 सोरा, अय्यालोन अऊ हेबरोन। येमन यहूदा अऊ बिनयामीन के गढ़वाला सहर रिहिन।
11 ओह अपन सुरकछा ला मजबूत करिस अऊ ओमन म सेनापतिमन ला ठहिराईस, ओमन बर उहां जेवन,
जैतून तेल अऊ अंगूर के मंद के परबंध घलो कर दीस।
12 ओह जम्मो सहरमन म ढाल अऊ बरछीमन ला रखवा दीस, अऊ ओमन ला बहुंत मजबूत बना दीस। ये
किसम ले यहूदा अऊ बिनयामीन ओकर अधिकार म रिहिस।
13 इसरायल के जम्मो जिला के पुरोहित अऊ लेवीमन ओकर कोति हो गीन।
14 अऊ त अऊ लेवीमन अपन चरागन अऊ धन-दौलत ला तियाग दीन अऊ यहूदा अऊ यरूसलेम म
आईन, काबरकि यरोबाम अऊ ओकर बेटामन ओमन ला यहोवा के पुरोहित के रूप म ठुकरा दे रिहिन
15 जब ओह ऊंच जगह बर अऊ अपन बनाय बोकरा अऊ बछवा के मूरतीमन बर अपन खुद के पुरोहितमन
ला ठहिराईस।
16 इसरायल के जम्मो गोत्र के मनखेमन, जेमन अपन हिरदय ला यहोवा, इसरायल के परमेसर के खोज म
लगाईन, ओमन यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर ला बलिदान चघाय बर यरूसलेम म लेवीमन करा आईन।
17 ओमन यहूदा के राज ला मजबूत करिन अऊ सुलेमान के बेटा रहूबियाम ला तीन साल ले समरथन करिन,
अऊ ये समय के दौरान दाऊद अऊ सुलेमान के बताय रद्दा म चलिन।

[illegible]

18 रहूबियाम ह महलत ले बिहाव करिस, जऊन ह दाऊद के बेटा यरीमोत अऊ यिसै के बेटा एलीआब के
बेटी अबीहैल के बेटी रिहिस।
19 महलत के बेटामन यूस, समरयाह अऊ जाहम रिहिन।

---

* **10:18** इबरानी म [illegible], जऊन ह [illegible] के आने नांव ए

20 तब ओह अबसालोम के बेटी माका ले बिहाव करिस, जेकर ले अबियाह, अत्तै, जीजा, अऊ सलोमीत पईदा
होईन।
21 रहूबियाम ह अपन आने जम्मो घरवालीमन अऊ रखैलमन ले जादा अबसालोम के बेटी माका ले मया
करत रिहिस। सबो मिलाके ओकर अठारह घरवाली अऊ साठ रखैलमन रिहिन, अऊ अठाईस बेटा अऊ साठ
बेटीमन रिहिन।
22 रहूबियाम ह माका के बेटा अबियाह ला राजा बनाय बर, ओकर भाईमन के बीच म ओला राजकुमार के रूप
म ठहिराईस।
23 रहूबियाम ह समझदारी ले काम लीस, अपन कुछू बेटामन ला यहूदा अऊ बिनयामीन के जिलामन म अऊ
गढ़वाला सहरमन म जिम्मेदारी दे दीस। ओह ओमन ला बहुंत अकन खाय-पीये के चीज दीस अऊ ओमन बर
कतको घरवालीमन के परबंध करिस।

12

[illegible]

1 एकर बाद, जब राजा के रूप म रहूबियाम के पद ह स्थिर हो गीस अऊ ओह मजबूत हो गीस, त ओह अऊ
ओकर संग जम्मो इसरायल ह यहोवा के कानून ला छोंड़ दीस।
2 काबरकि ओमन यहोवा ले बिसवासघात करे रिहिन, मिसर के राजा सीसक ह राजा रहूबियाम के राज के
पांचवां साल म यरूसलेम ऊपर हमला करिस।
3 बारह सौ रथ अऊ साठ हजार घुड़सवार अऊ मिसर ले ओकर संग आय लिबियन, सुक्की अऊ कूसीमन* के
अनगिनत सेनामन के संग,
4 ओह यहूदा के गढ़वाला सहरमन म कब्जा कर लीस अऊ यरूसलेम तक पहुंच गीस।
5 तब अगमजानी समायाह ह रहूबियाम अऊ यहूदा के अगुवामन मेर आईस, जेमन सीसक ले डराके
यरूसलेम म जूरे रिहिन, अऊ ओह ओमन ले कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे, 'तुमन मोला छोंड़ दे हवव;
एकरसेति मेंह अब तुमन ला सीसक के हांथ म छोंड़ देवत हंव।' "
6 इसरायल के अगुवामन अऊ राजा ह अपनआप ला दीन करिन अऊ कहिन, "यहोवा धरमी अय।"
7 जब यहोवा ह देखिस कि ओमन अपनआप ला नम्र कर ले हवंय, त यहोवा के ये बचन ह समायाह मेर
आईस: "ओमन अब अपनआप ला नम्र कर ले हवंय, त मेंह ओमन ला नास नइं करंव, अऊ जल्दी ही ओमन ला
छुटकारा दूहूं। सीसक के जरिये मोर कोप यरूसलेम म नइं भड़कय।
8 तभो ले, ओमन ओकर अधीन रहिहीं, ताकि ओमन मोर सेवा करई अऊ आने देसमन के राजा के सेवा करई
म फरक ला समझ सकंय।"
9 जब मिसर के राजा सीसक ह यरूसलेम म हमला करिस, तब ओह यहोवा के मंदिर के खजाना अऊ
राजमहल के खजाना ला उठाके ले गीस। ओह सबो चीज ला ले गीस, जेमा सुलेमान के बनाय सोन के ढालमन
घलो रिहिन।
10 एकरसेति राजा रहूबियाम ह ओमन के बदला म कांसा के ढालमन ला बनवाईस अऊ ये ढालमन ला
पहरेदारमन के ओ सेनापतिमन ला सऊंप दीस, जेमन राजमहल के प्रवेस दुवार म पहरेदारी करत रिहिन।
11 जब भी राजा ह यहोवा के मंदिर म जावय, तब पहरेदारमन ढालमन ला धरके चलंय, अऊ ओकर बाद
ओमन ओ ढालमन ला पहरेदारमन के कमरा म लहुंटा देवंय।
12 काबरकि रहूबियाम ह अपनआप ला नम्र बना लीस, एकरसेति यहोवा के कोरोध ओकर ले हट गीस, अऊ
ओह पूरा नास नइं होईस। वास्तव म, यहूदा म कुछू अछई रिहिस।
13 राजा रहूबियाम ह अपनआप ला यरूसलेम सहर म मजबूती ले इस्थिर कर लीस अऊ राजा के रूप म ओह
सासन करते रिहिस। ओह इकतालीस बछर के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म सतरह
साल ले राज करिस, ओ सहर जेला यहोवा ह इसरायल के जम्मो गोत्र म ले अपन नांव रखे बर चुने रिहिस।
ओकर दाई के नांव नामा रिहिस; ओह एक अमोनी माईलोगन रिहिस।
14 रहूबियाम ह बुरई के काम करिस, काबरकि ओह अपन हिरदय ला यहोवा के खोज म नइं लगाईस।

* **12:3** नील नदी के ऊपरी इलाका के मनखेमन

15 रहूबियाम के राज के घटनामन सुरू ले आखिरी तक, समायाह अगमजानी के किताब अऊ इद्दो
अगम-दरसी के ओ किताबमन म लिखाय हवंय, जऊन ह बंसावली ले संबंध रखथे? रहूबियाम अऊ यरोबाम के
बीच म लड़ई हमेसा होते रिहिस।
16 रहूबियाम ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला दाऊद के सहर म माटी देय गीस। अऊ
ओकर बेटा अबियाह ओकर जगह म राजा बनिस।

13

[illegible]

1 यरोबाम के राज के अठारहवां साल म, अबियाह ह यहूदा के राजा बनिस,
2 अऊ ओह तीन साल तक यरूसलेम म राज करिस। ओकर दाई के नांव माका रिहिस, जऊन ह गिबा सहर के
उरीएल के एक बेटी* रिहिस।
अबियाह अऊ यरोबाम के बीच म लड़ई होईस।
3 अबियाह ह चार लाख योग्य लड़नेवाला मनखेमन संग लड़ई म गीस, अऊ यरोबाम ह आठ लाख योग्य
सैनिकमन संग ओकर बिरूध लड़ई करे बर पांति बांधिस।
4 अबियाह ह एपरैम के पहाड़ी देस म, समारैम पहाड़ म ठाढ़ होईस, अऊ कहिस, "यरोबाम अऊ जम्मो
इसरायलीमन, मोर बात ला सुनव!
5 का तुमन नइं जानव कि यहोवा, इसरायल के परमेसर ह इसरायल के राज ला दाऊद अऊ ओकर संतानमन
ला हमेसा बर नून के करार के दुवारा दे देय हवय?
6 तभो ले नबात के बेटा यरोबाम, जऊन ह दाऊद के बेटा सुलेमान के करमचारी रिहिस, अपन मालिक के
बिरूध बिदरोह करिस।
7 कुछू निकम्मा दुस्ट मनखेमन ओकर संग जूर गीन अऊ सुलेमान के बेटा रहूबियाम के बिरोध करिन, जब
ओह लड़का अऊ अलहड़ मन के रिहिस अऊ अतेक मजबूत नइं रिहिस कि ओमन के सामना कर सकय।
8 "अऊ अब तुमन यहोवा के राज के बिरोध करे के योजना बनात हव, जऊन ह कि दाऊद के संतानमन के
हांथ म हवय। तुमन वास्तव म एक बड़े सेना अव अऊ तुम्हर संग सोन के बछुवामन हवंय, जेमन ला यरोबाम ह
तुम्हर देवता होय बर बनाय हवय।
9 पर का तुमन यहोवा के पुरोहित, हारून के बेटामन ला अऊ लेवीमन ला भगाके, अपन खुद के मनखेमन ला
पुरोहित नइं बनाय हव, जइसे कि आने देस के मनखेमन करथें? जऊन ह भी अपन संग एक जवान बछुवा अऊ
सात ठन मेढ़ा लाके अपनआप ला पबितर करथे, ओह ओ चीजमन के पुरोहित बन जाथे, जेमन देवता नो हंय।
10 "जहां तक हमर बात ए, यहोवा ह हमर परमेसर ए, अऊ हमन ओला नइं तियागे हन। जऊन पुरोहितमन
यहोवा के सेवा करथें, ओमन हारून के संतान अंय, अऊ लेवीमन ओमन के मदद करथें।
11 रोज बिहनियां अऊ संझा के बेरा ओमन यहोवा ला होम-बलिदान अऊ खुसबूदार धूप चघाथें। ओमन
संस्कारिक रूप ले साफ मेज म रोटी ला रखथें अऊ रोज सांझकुन सोन के दीवट म दीयामन ला बारथें। हमन
यहोवा अपन परमेसर के आदेस के पालन करत हन। पर तुमन ओला तियाग दे हवव।
12 परमेसर ह हमर संग हवय; ओह हमर अगुवा अय। ओकर पुरोहितमन अपन तुरही के संग तुम्हर बिरूध
लड़ई के अवाज करहीं। हे इसरायल के मनखेमन, यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के बिरूध लड़ई झन करव,
काबरकि तुमन सफल नइं होहू।"
13 यरोबाम ह पाछू कोति सेनामन ला भेजे रिहिस, ताकि जब ओह यहूदा के आघू म रहय, त घात लगाके
सेना ह ओमन के पाछू कोति ले हमला करय।
14 यहूदा ह मुड़के देखिस कि ओमन ऊपर आघू अऊ पाछू दूनों कोति ले हमला होवत हे। तब ओमन यहोवा
ला पुकारिन। पुरोहितमन अपन तुरही ला फूंकिन
15 अऊ यहूदा के आदमीमन लड़ई बर ललकारिन, तब ओमन के लड़ई के ललकार ला सुनके, परमेसर ह
यरोबाम अऊ जम्मो इसरायली ला अबियाह अऊ यहूदा के दुवारा हरवा दीस।

---

* **13:2** या *[illegible]*

16 इसरायलीमन यहूदा के आघू ले भाग गीन, अऊ परमेसर ह ओमन ला यहूदा के हांथ म कर दीस।
17 अबियाह अऊ ओकर सेना ह ओमन के अब्बड़ नुकसान करिन, जेकर कारन इसरायल के योग्य आदमीमन
ले पांच लाख बीर सैनिक मारे गीन।
18 इसरायलीमन ओ समय बस म कर लिये गीन, अऊ यहूदा के मनखेमन बिजयी हो गीन, काबरकि ओमन
यहोवा अपन पुरखामन के परमेसर के ऊपर भरोसा करिन।
19 अबियाह ह यरोबाम के पीछा करिस अऊ बेतेल, यसाना, अऊ एपरोन सहर ला ओमन के आसपास के गांव
के संग ले लीस।
20 अबियाह के राजकाल म यरोबाम के ताकत फेर नइं बढ़ पाईस। अऊ यहोवा ह ओला अइसे मारिस कि
ओह मर गीस।
21 पर अबियाह ह ताकत म बढ़िस। ओह चौदह माईलोगन ले बिहाव करिस अऊ ओकर बीस झन बेटा अऊ
सोलह बेटीमन रिहिन।
22 अबियाह के राज के आने घटनामन, जऊन कुछू ओह करिस अऊ कहिस, ओ जम्मो बात अगमजानी इद्दो
के कथा म लिखे हवय।

14

* 1 अऊ अबियाह ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला दाऊद के सहर म माटी देय गीस।
ओकर बेटा आसा ह ओकर जगह म राजा बनिस, अऊ ओकर राजकाल म देस ह दस साल तक सांति म रिहिस।

[illegible]

2 आसा ह ओही काम करिस, जऊन ह यहोवा अपन परमेसर के नजर म बढ़िया अऊ सही रिहिस।
3 ओह परदेसी बेदीमन ला अऊ ऊंच जगहमन ला हटा दीस, पूजा के पथरामन ला कुटा-कुटा कर दीस अऊ
असेरा के खंभामन ला काटके गिरा दीस।
4 ओह यहूदा ला हुकूम दीस कि अपन पुरखा के यहोवा, परमेसर ला खोजव अऊ ओकर कानून अऊ हुकूम के
पालन करव।
5 ओह यहूदा के जम्मो सहर म ऊंच जगहमन ला अऊ धूप के बेदीमन ला हटा दीस, अऊ ओकर अधीन राज
म सांति रिहिस।
6 ओह यहूदा म गढ़वाला सहरमन ला बनाईस, काबरकि ओ देस म सांति रिहिस। ओ समय म कोनो भी
ओकर संग लड़ई नइं करिन, काबरकि यहोवा ह ओला अराम दीस।
7 आसा ह यहूदा ले कहिस, "आवव, हमन ये सहरमन ला बनावन, अऊ ओमन के चारों कोति मीनार, दुवार
अऊ बल्लीमन के संग दीवार घलो लगा देवन। देस ह अभी भी हमर अय, काबरकि हमन यहोवा अपन परमेसर
ला खोजे हवन; हमन ओला खोजेंन अऊ ओह हमन ला सबो कोति ले अराम दे हवय।" एकरसेति ओमन
सहरमन ला बनाईन अऊ उन्नति करिन।
8 आसा मेर यहूदा के तीन लाख आदमीमन के सेना रिहिस, जऊन मन बड़े-बड़े ढाल अऊ संग म बरछी घलो
धरे रिहिन, अऊ बिनयामीन म ले दू लाख अस्सी हजार आदमी रिहिन, जेमन छोटे ढाल अऊ तीर-कमान धरे
रिहिन। ये जम्मो झन बहादुर योद्धा रिहिन।
9 ओमन के बिरूध जेरह कूसी ह हजारों-हजार सेना अऊ तीन सौ रथमन ला लेके आईस, अऊ ओह मारेसा
नगर तक आ गीस।
10 आसा ह ओकर ले मिले बर निकलिस, अऊ ओमन मारेसा करा सापता के घाटी म लड़ई बर तियार होईन।
11 तब आसा ह यहोवा परमेसर ला दुहाई दीस अऊ कहिस, "हे यहोवा, बलसाली के बिरूध बलहीन के मदद
करे बर तोर असन कोनो नइं ए। हमर मदद कर, हे यहोवा हमर परमेसर, काबरकि हमन तोर ऊपर भरोसा करथन,
अऊ तोर नांव म हमन ये अब्बड़ अकन सेना के बिरूध आय हवन। हे यहोवा, तेंह हमर परमेसर अस; नासमान
मनखेमन ला तोर बिरूध झन आवन देय।"
12 यहोवा ह आसा अऊ यहूदा के आघू म कूसीमन ला मारिस। कूसीमन भागिन,

* **14:** इबरानी म 14:1 ला 13:23, अऊ 14:2-15 ला 14:1-14 गने गे हवय

13 अऊ आसा अऊ ओकर सेना गरार नगर तक ओमन के पीछा करिन। कूसी सेना के अतेक संखिया म
मनखेमन मारे गीन कि ओमन फेर उबर नइं सकिन; ओमन यहोवा अऊ ओकर सेना के आघू म कुचर दिये गीन।
यहूदा के आदमीमन अब्बड़ अकन सामान लूटके ले लीन।
14 ओमन गरार के आसपास के जम्मो गांवमन ला नास कर दीन, काबरकि यहोवा के डर ओमन ऊपर छा गे
रिहिस। ओमन ये जम्मो गांव ला लूट लीन, काबरकि उहां अब्बड़ लूट के सामान रिहिस।
15 ओमन चरवाहामन के डेरामन म घलो हमला करिन अऊ भेड़-बकरी अऊ ऊंट के झुंडमन ला ले गीन। तब
ओमन यरूसलेम लहुंट गीन।

15

[illegible]

1 परमेसर के आतमा ह ओदेद के बेटा अजरयाह म आईस।
2 अजरयाह ह राजा आसा ले मिले बर गीस अऊ ओला कहिस, "हे आसा अऊ जम्मो यहूदा अऊ बिनयामीन
के मनखेमन, मोर बात ला सुनव। यहोवा ह तुम्हर संग हवय, जब तुमन ओकर संग हवव। यदि तुमन ओला
खोजथव, त ओह तुमन ला मिलही, पर यदि तुमन ओला तियाग देथव, त ओह घलो तुमन ला तियाग दीही।
3 एक लम्बा समय तक, इसरायल ह बिगर सच्चा परमेसर के, बिगर सिखानेवाला पुरोहित के, अऊ बिगर
कानून के रिहिस।
4 पर जब ओमन अपन बिपत्ति म यहोवा, इसरायल के परमेसर करा लहुंटिन, अऊ ओला खोजिन, त ओह
ओमन ला मिलिस।
5 ओ दिन म, यातरा करई ह सुरकछित नइं रिहिस, काबरकि देस के जम्मो निवासीमन के बीच बहुंत उपदरव
होवत रिहिस।
6 एक जाति के मनखे आने जाति के मनखेमन ला अऊ एक सहर ह आने सहर दुवारा कुचरे जावत रिहिन,
काबरकि परमेसर ह ओमन ऊपर हर किसम के बिपत्ति लानके ओमन ला दुख देवत रिहिस।
7 पर जहां तक तुम्हर बात ए, तुमन मजबूत बनव अऊ हार झन मानव, काबरकि तुमन के काम के ईनाम तुमन
ला मिलही।"
8 जब आसा ह ये बातमन ला अऊ ओदेद के बेटा अगमजानी अजरयाह के अगमबानी ला सुनिस, त ओह
हिम्मत करिस। ओह यहूदा अऊ बिनयामीन के सबो जगह ले घिनौना मूरतीमन ला हटा दीस अऊ ओ नगरमन
ले घलो हटा दीस, जेमन ला ओह एपरैम के पहाड़ी इलाका म कब्जा करे रिहिस। ओह यहोवा के बेदी के मरम्मत
करिस, जऊन ह यहोवा के मंदिर के मंडप के आघू म रिहिस।
9 तब ओह जम्मो यहूदा अऊ बिनयामीन ला अऊ एपरैम, मनस्से अऊ सिमोन के मनखेमन ला संकेलिस,
जऊन मन ओमन के बीच बस गे रिहिन, काबरकि इसरायल ले ओमन के एक बड़े संखिया म मनखेमन ओकर करा
आ गे रिहिन, जब ओमन देखिन कि यहोवा ओकर परमेसर ह ओकर संग रहिथे।
10 ओमन आसा के राज के पंदरहवां साल के तीसरा महिना म यरूसलेम म जूरिन।
11 ओही बेरा म ओमन यहोवा ला सात सौ पसु अऊ सात हजार भेड़ अऊ बकरी, जेला ओमन लूटके लाय
रिहिन, बलिदान चघाईन।
12 ओमन अपन पूरा हिरदय अऊ आतमा ले यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के खोज म लगे रहे के एक
करार करिन।
13 ओ जम्मो मनखे, जेमन यहोवा, इसरायल के परमेसर के खोज नइं करहीं, ओमन मार डारे जाहीं, चाहे ओह
कोनो भी छोटे या बड़े, आदमी या माईलोगन होवय।
14 ओमन ऊंचहा अवाज म चिचियावत तुरही अऊ नरसिंगामन के अवाज के संग यहोवा ले एक सपथ खाईन।
15 जम्मो यहूदा ह ये सपथ ला लेके आनंदित होईस, काबरकि ओमन पूरा हिरदय ले सपथ लेय रिहिन।
ओमन उत्सुक होके परमेसर ला खोजिन, अऊ ओह ओमन ला मिलिस। तब यहोवा ह ओमन ला सबो तरफ ले
अराम दीस।

16 राजा आसा ह अपन दादी माका ला घलो राज-माता के पद ले हटा दीस, काबरकि माका ह असेरा के
अराधना करे बर एक घिनौना मूरती बनाय रिहिस। आसा ह ओला काटके कुटा-कुटा कर दीस अऊ ओला
किदरोन घाटी म जला दीस।
17 हालाकि ओह इसरायल ले ऊंचहा जगहमन ला नइं हटाईस, तभो ले आसा के मन ह पूरा जिनगी भर
यहोवा ला समरपित रिहिस।
18 जऊन सोन, चांदी अऊ सामानमन ला, ओ अऊ ओकर ददा अरपन करे रिहिन, ओ जम्मो ला ओह परमेसर
के मंदिर म ले आईस।
19 आसा के राजकाल के पैंतीसवां साल तक कोनो लड़ई नइं होईस।

16

[illegible]

1 आसा के राज के छत्तीसवां साल म, इसरायल के राजा बासा ह यहूदा के बिरूध गीस अऊ रामा नगर के
किलाबंदी करिस ताकि यहूदा के राजा आसा के इलाका ले न तो कोनो निकल सकंय अऊ न ही कोनो ओकर राज
म जा सकंय।
2 तब आसा ह सोन अऊ चांदी ला यहोवा के मंदिर अऊ अपन महल के खजानामन ले लीस अऊ अराम के
राजा बेन-हदद करा पठो दीस, जऊन ह दमिस्क सहर म सासन करत रिहिस।
3 अऊ ओह कहिस, "जइसने मोर ददा अऊ तोर ददा के बीच म करार होय रिहिस, वइसनेच मोर अऊ तोर
बीच म घलो करार होवय। देख, मेंह तोर मेर सोन अऊ चांदी पठोवत हंव। एकरसेति तें इसरायल के राजा बासा
के संग अपन करार ला टोर दे, ताकि ओह मोर करा ले पाछू हट जाय।"
4 बेन-हदद ह राजा आसा के बात ला मान लीस अऊ अपन सेना के सेनापतिमन ला इसरायल के नगरमन के
बिरूध भेजिस। ओमन इयोन, दान, आबेल-मैम अऊ नपताली के जम्मो भंडारवाले सहरमन ला जीत लीन।
5 जब बासा ह ये बात ला सुनिस, त ओह रामा सहर ला बनाय के काम ला रोक दीस अऊ ओह अपन ओ काम
ला ही छोंड़ दीस।
6 तब राजा आसा ह यहूदा के जम्मो मनखेमन ला संग म लीस अऊ ओमन रामा ले ओ पथरा अऊ इमारती
लकड़ीमन ला ले गीन, जेमन के उपयोग बासा ह करत रिहिस। येमन ले ओह गेबा अऊ मिसपा सहरमन ला
बनाईस।
7 ओही बेरा अगम-दरसी हनानी ह यहूदा के राजा आसा करा आके ओला कहिस: "काबरकि तेंह अराम के
राजा ऊपर भरोसा करय अऊ यहोवा अपन परमेसर के ऊपर नइं, एकरसेति अराम के राजा के सेना ह तोर हांथ
ले बचके निकल गीस।
8 का कूसी अऊ लिबियनमन के सेना एक बड़े सेना नइं रिहिस? अऊ का ओमन करा बहुंत अकन रथ अऊ
घुड़सवारमन* नइं रिहिन? तभो ले जब तेंह यहोवा ऊपर भरोसा करय, त ओह ओमन ला तोर हांथ म कर दीस।
9 काबरकि यहोवा के आंखी ह पूरा धरती म रहिथे अऊ ओमन ला मजबूत करथे, जेमन के हिरदय ओकर बर
पूरा समरपित रहिथे। तेंह एक मुरूखता के काम करे हस, एकरसेति अब ले तें लड़ई म फंसे रहिबे।"
10 आसा ह एकर कारन अगम-दरसी ऊपर गुस्सा होईस; ओह अतेक गुस्सा होईस कि ओह ओला जेल म
डलवा दीस। ओही बेरा म आसा ह कुछू मनखेमन ऊपर निरदयी होके अतियाचार करे लगिस।
11 आसा के सासन के घटनामन सुरू ले आखिरी तक, यहूदा अऊ इसरायल के राजामन के किताब म लिखाय
हवय।
12 अपन राज के उन्चालीसवां साल म, आसा ह अपन गोड़ के एक बेमारी ले रोगी हो गीस। ओकर बेमारी ह
गंभीर रिहिस, तभो ले ओह अपन बेमारी म घलो यहोवा ले मदद के मांग नइं करिस, पर ओह सिरिप बईदमन के
मदद लीस।
13 तब अपन राज के इकतालीसवां साल म, आसा ह मर गीस अऊ अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस।
14 ओमन ओला ओ कबर म माटी दीन, जेला ओह दाऊद के सहर म अपन बर काटके बनाय रिहिस। ओमन
ओला मसाला अऊ नाना किसम के इतर मिलाय पेटी म रखिन, अऊ ओमन ओकर आदर म एक बहुंत बड़े कुढ़ा
बनाके ओमा आगी लगाईन।

---

* **16:8** या *[illegible]*

17

??????? ????? ?? ????

1 आसा के जगह म ओकर बेटा यहोसापात ह राजा बनिस अऊ इसरायल के बिरूध अपनआप ला मजबूत
करिस।
2 ओह यहूदा के जम्मो गढ़वाला सहर म सेना के दलमन ला तैनात करिस अऊ यहूदा अऊ एपरैम के ओ
सहरमन म सेना के छावनी डार दीस, जेमन ला ओकर ददा आसा ह कब्जा करे रिहिस।
3 यहोवा ह यहोसापात के संग रिहिस काबरकि ओह अपन पहिले याने कि अपन पुरखा दाऊद के रसता म
चलिस। ओह बाल देवता ले कोनो सलाह नइं लीस
4 पर अपन ददा के परमेसर के खोज करिस अऊ इसरायल के रीति-रिवाज म चले के बजाय परमेसर के
हुकूममन के पालन करिस।
5 यहोवा ह ओकर अधीन म राज ला स्थापित करिस; अऊ यहूदा के जम्मो झन यहोसापात करा भेंट लानिन,
जेकर ले ओकर करा अब्बड़ धन-दौलत हो गीस अऊ ओकर आदरमान होईस।
6 ओकर हिरदय ह यहोवा के रसता बर समरपित रिहिस; एकर अलावा, ओह यहूदा के ऊंच स्थानमन ला अऊ
असेरा के खंभामन ला हटा दीस।
7 अपन राज के तीसर साल म, ओह अपन करमचारी बेन-हैल, ओबदयाह, जकरयाह, नतनेल अऊ मीकायाह
ला यहूदा के सहरमन म पढ़ाय बर भेजिस।
8 ओमन के संग कुछू लेवीमन—समायाह, नतनयाह, जबदयाह, असाहेल, समीरामोत, यहोनातान,
अदोनियाह, तोबियाह अऊ तोब-अदोनियाह अऊ पुरोहितमन ले एलीसामा अऊ यहोराम रिहिन।
9 अपन संग म यहोवा के कानून के किताब लेके ओमन पूरा यहूदा म सिकछा दीन; ओमन यहूदा के जम्मो
सहरमन म गीन अऊ मनखेमन ला सिखाईन।
10 यहोवा के डर ह यहूदा के आसपास के देस के जम्मो राज म फईल गीस, जेकर कारन ओमन यहोसापात के
बिरूध लड़ई म नइं गीन।
11 कुछू पलिस्तीमन यहोसापात करा भेंट अऊ चांदी के रूप म राजकर लानिन, अऊ अरब के मनखेमन सात
हजार सात सौ मेढ़ा अऊ सात हजार सात सौ बोकरामन के झुंड लानिन।
12 यहोसापात ह अऊ जादा ताकतवर होवत गीस; ओह गढ़मन ला अऊ यहूदा म भंडार सहरमन ला बनाईस
13 अऊ यहूदा के सहरमन म जरूरी चीजमन के अब्बड़ भंडारन करके रखिस। ओह यरूसलेम म अनुभवी
लड़ई करइया आदमीमन ला रखिस।
14 परिवार के हिसाब से ओमन के गनती अइसन रिहिस:

यहूदा के गोत्र ले, 1,000 के दल के सेनापतिमन:
सेनापति अदना संग 3,00,000 लड़ई करइया आदमीमन;
15 ओकर बाद, सेनापति यहोहानान संग 2,80,000;
16 ओकर बाद, जिकरी के बेटा अमसयाह, जऊन ह स्वेच्छा से अपनआप ला यहोवा के सेवा बर देय दे
रिहिस; ओकर संग 2,00,000 आदमी रिहिन।
17 बिनयामीन के गोत्र ले:
एलयादा, जऊन ह एक बीर सैनिक रिहिस, ओकर संग 2,00,000 हथियारबंद आदमी तीर-कमान अऊ
ढालमन ला धरके रिहिन;
18 ओकर बाद, यहोजाबाद के संग 1,80,000 हथियारबंद आदमी लड़ई बर रिहिन।

19 येमन ओ आदमीमन रिहिन, जेमन राजा के सेवा करत रिहिन, येमन ओमन के अलावा रिहिन, जेमन ला
राजा ह पूरा यहूदा के गढ़वाला सहरमन म तैनात करे रिहिस।

18

???? ?? ????? ???????? ?? ????????

1 यहोसापात करा अब्बड़ धन-दौलत अऊ मान-सम्मान हो गीस, अऊ ओह बिहाव करके अपन रिस्ता अहाब
संग बना लीस।
2 कुछू बछर के बाद, ओह सामरिया सहर म अहाब ला देखे बर गीस। अहाब ह ओकर अऊ ओकर संग के
मनखेमन बर अब्बड़ अकन भेड़ अऊ पसु मारिस अऊ ओकर ले रामोत-गिलाद म हमला करे बर बिनती करिस।
3 इसरायल के राजा अहाब ह यहूदा के राजा यहोसापात ले पुछिस, "का तेंह मोर संग रामोत-गिलाद के
बिरूध जाबे?"
यहोसापात ह जबाब दीस, "मेंह घलो तोर असन अंव, अऊ मोर मनखेमन तोर मनखेमन असन अंय; हमन
लड़ई म तोर संग देबो।"
4 पर यहोसापात ह इसरायल के राजा ला ये घलो कहिस, "पहिले यहोवा के ईछा ला मालूम कर ले।"
5 तब इसरायल के राजा ह अगमजानीमन ला इकट्ठा करिस—ओमन चार सौ आदमी रिहिन—अऊ राजा ह
ओमन ले पुछिस, "का हमन रामोत-गिलाद के बिरूध लड़ई करे बर जावन या नइं?"
ओमन जबाब दीन, "जावव, काबरकि परमेसर ह ओला राजा के हांथ म कर दीही।"
6 पर यहोसापात ह पुछिस, "का इहां यहोवा के कोनो अगमजानी नइं अंय, जेकर ले हमन पुछताछ कर
सकन?"
7 इसरायल के राजा ह यहोसापात ला जबाब दीस, "इहां अभी भी एक अगमजानी हवय, जेकर जरिये हमन
यहोवा ले पुछताछ कर सकत हन, पर मेंह ओकर ले घिन करथंव, काबरकि ओह कभू भी मोर बारे म कोनो बने
बात के अगमबानी नइं करय, पर हमेसा खराप बात ही कहिथे। ओह यिमला के बेटा मीकायाह ए।"
यहोसापात ह कहिस, "राजा ला अइसन बात नइं कहना चाही।"
8 तब इसरायल के राजा ह अपन एक करमचारी ला बलाके कहिस, "यिमला के बेटा मीकायाह ला अभीचे लेके
आवव।"
9 इसरायल के राजा अऊ यहूदा के राजा यहोसापात अपन राजसी कपड़ा पहिरे, सामरिया के प्रवेस दुवार के
बगल म एक कोठार म अपन सिंघासन म बईठे रहंय, अऊ जम्मो अगमजानीमन ओमन के आघू म अगमबानी
करत रहंय।
10 कनाना के बेटा सिदकियाह ह लोहा के सींग बनाय रिहिस अऊ ओह घोसना करिस, "यहोवा ह ये कहत हे:
'ये सींगमन ले तुमन अरामीमन ला अइसन मारहू कि ओमन नास हो जाहीं।' "
11 आने जम्मो अगमजानीमन घलो येहीच अगमबानी करत रिहिन। ओमन कहिन, "रामोत-गिलाद ऊपर
हमला करव अऊ जीत जावव, काबरकि यहोवा ह ओला राजा के हांथ म कर दीही।"
12 जऊन संदेसिया ह मीकायाह ला बलाय बर गे रिहिस, ओह ओकर ले कहिस, "देख, आने अगमजानीमन
बिगर कोनो आपत्ति के राजा बर सफलता के अगमबानी करत हवंय। तोर बात ह घलो ओमन के बात ले मेल
खावय, अऊ तें राजा के हित म गोठियाबे।"
13 पर मीकायाह ह कहिस, "यहोवा के जिनगी के सपथ, मेंह ओला सिरिप ओही बात बताहूं, जेला मोर
परमेसर ह कहिही।"
14 जब मीकायाह ह उहां हबरिस, त राजा ह ओकर ले पुछिस, "हे मीकायाह, का हमन रामोत-गिलाद के
बिरूध लड़ई करे बर जावन या नइं?"
ओह जबाब दीस, "हमला करव अऊ जीत जावव, काबरकि ओमन तोर हांथ म दे दिये जाहीं।"
15 राजा ह ओला कहिस, "मेंह तोला कतेक बार कसम खवावंव कि यहोवा के नांव म मोला सिरिप सच्चई के
छोंड़ अऊ कुछू बात झन बता?"
16 तब मीकायाह ह जबाब दीस, "मेंह जम्मो इसरायल ला पहाड़ीमन म बिगर चरवाहा के बगरे भेड़मन सहीं
देखेंव, अऊ यहोवा ह कहिस, 'ये मनखेमन के कोनो मालिक नइं एं। हर एक जन सांति से अपन घर जावय।' "
17 इसरायल के राजा ह यहोसापात ला कहिस, "का मेंह तोला नइं कहे रहेंव कि ओह मोर बारे म कभू बने
अगमबानी नइं करय, पर सिरिप खराप बात कहिथे?"
18 मीकायाह ह आगे कहिस, "एकरसेति यहोवा के बचन ला सुनव: मेंह यहोवा ला अपन सिंघासन म बईठे
अऊ ओकर संग स्वरग के जम्मो भीड़ ला ओकर जेवनी अऊ डेरी कोति खड़े देखेंव।
19 अऊ यहोवा ह कहिस, 'कोन ह इसरायल के राजा अहाब ला रामोत-गिलाद ऊपर हमला करे बर अऊ उहां
जाके मरे बर बहकाही?'

“कोनो ह कुछू सलाह दीस, त कोनो ह कुछू अऊ।
20 आखिर म, एक आतमा आघू म आके यहोवा के आघू म ठाढ़ होईस अऊ कहिस, ‘मेंह ओला बहकाहूं।’
“यहोवा ह पुछिस, ‘कोन तरीका ले?’
21 “ओ आतमा ह कहिस, ‘मेंह जाहूं अऊ ओकर जम्मो अगमजानीमन के मुहूं म एक धोखा देवइया आतमा बनहूं।’
“यहोवा ह कहिस, ‘तेंह ओला बहकाय म सफल होबे। जा अऊ येला कर।’
22 “एकरसेति अब यहोवा ह तोर ये अगमजानीमन के मुहूं म एक धोखा देवइया आतमा डाल दे हवय। यहोवा ह तोर बिनास के हुकूम दे हवय।”
23 तब कनाना के बेटा सिदकियाह ह ऊपर मीकायाह करा गीस अऊ ओकर गाल म थपरा मारके पुछिस, “कते रसता ले आतमा ह यहोवा करा ले गीस, जब ओह तोर ले गोठियाय बर मोर करा ले निकलके गीस?”
24 मीकायाह ह जबाब दीस, “तोला ओ दिन ये बात के पता चलही, जब तेंह लुकाय बर एक भीतरी कमरा म जाबे।”
25 तब इसरायल के राजा ह हुकूम दीस, “मीकायाह ला ले जावव अऊ ओला सहर के हाकिम आमोन अऊ राजा के बेटा योआस करा वापिस भेज दव,
26 अऊ कहव, ‘राजा ह ये कहत हे: ये मनखे ला जेल म डाल दव अऊ जब तक मेंह सही-सलामत वापिस नइं लहुंटंव, तब तक येला रोटी अऊ पानी के छोंड़ अऊ कुछू झन दव।’ ”
27 मीकायाह ह घोसना करिस, “यदि तेंह सही-सलामत लहुंटके आ जाबे, त फेर यहोवा ह मोर जरिये बात नइं करे हवय।” तब ओह ये घलो कहिस, “तुमन जम्मो मनखेमन, मोर बात ला धियान म रखव!”

[illegible]
28 इसरायल के राजा अऊ यहूदा के राजा यहोसापात, ऊपर रामोत-गिलाद गीन।
29 इसरायल के राजा ह यहोसापात ला कहिस, “मेंह भेस बदलके लड़ई म जाहूं, पर तें अपन राजसी पहिरावा पहिरबे।” तब इसरायल के राजा ह अपन भेस ला बदल लीस अऊ लड़ई म गीस।
30 अराम के राजा ह अपन रथ के सेनापतिमन ला हुकूम देय रिहिस, “इसरायल के राजा के छोंड़, अऊ कोनो छोटे या बड़े मनखे ले लड़ई झन करहू।”
31 जब रथ के सेनापतिमन यहोसापात ला देखिन, त ओमन सोचिन, “येह इसरायल के राजा अय।” एकरसेति ओमन ओकर ऊपर हमला करे बर मुड़िन, पर यहोसापात ह चिचियाईस, अऊ यहोवा ह ओकर मदद करिस। परमेसर ह ओमन ला ओकर से दूरिहा कर दीस,
32 काबरकि जब रथ के सेनापतिमन देखिन कि ओह इसरायल के राजा नो हय, तब ओमन ओकर पीछा करई छोंड़ दीन।
33 पर कोनो मनखे ह बिगर सोचे-बिचारे अपन तीर ला चला दीस अऊ ओ तीर ह इसरायल के राजा के छाती के कवच अऊ कमरबंध के बीच म लगिस। तब राजा ह रथ के सारथी ला कहिस, “मेंह घायल हो गे हवंव। रथ ला एती-ओती घुमाके मोला लड़ई ले बाहिर निकाल।”
34 पूरा दिन भयंकर लड़ई होते रिहिस, अऊ इसरायल के राजा ह अपन रथ के सहारा म संझा तक अरामीमन कोति मुहूं करके ठाढ़े रिहिस। तब बेर बुड़े के बेरा ओह मर गीस।

19

1 जब यहूदा के राजा यहोसापात ह यरूसलेम म अपन महल म सुरकछित लहुंट आईस,
2 हनानी के बेटा, येहू अगम-दरसी ह ओकर ले मिले बर बाहिर गीस अऊ राजा ले कहिस, “का तोला ओ दुस्टमन के मदद अऊ ओमन ले मया करना चाही, जेमन यहोवा ले घिन करथें? एकर कारन यहोवा के कोप ह तोर ऊपर हवय।
3 हालाकि, तोर म कुछू बने बात भी हवय, काबरकि तेंह असेरा के खंभामन ला देस ले हटा दे हस अऊ अपन हिरदय ला परमेसर के खोज म लगाय हस।”

[illegible]

4 यहोसापात ह यरूसलेम म रहत रिहिस, अऊ ओह फेर बेरसेबा सहर ले लेके एपरैम के पहाड़ी देस के
मनखेमन के बीच म गीस अऊ ओह ओमन ला फेर से वापिस यहोवा, ओमन के पुरखा के परमेसर कोति ले
आईस।
5 ओह देस म, यहूदा के हर एक गढ़वाला सहर म नियायधीसमन ला ठहिराईस।
6 यहोसापात ह ओमन ला कहिस, "धियान देवव कि तुमन का करथव, काबरकि तुमन मरनहार मनखेमन बर
नियाय नइं करत हव, पर यहोवा बर नियाय करत हव, जऊन ह तुम्हर संग हवय, जब भी तुमन कोनो फैसला
करथव।
7 अब यहोवा के भय तुमन ऊपर रहय। धियान से नियाय करव, काबरकि यहोवा हमर परमेसर के संग कोनो
अनियाय अऊ पखियपात या घूसखोरी के लेना-देना नइं ए।"
8 यरूसलेम म घलो, यहोसापात ह कुछू लेवी, पुरोहितमन अऊ इसरायली परिवारमन के मुखियामन ला
यहोवा के कानून के पालन करे बर अऊ बाद-बिबाद के निपटारा करे बर ठहिराईस। अऊ ओमन यरूसलेम म
रहत रिहिन।
9 ओह ओमन ला ये हुकूम दीस: "तुमन यहोवा के भय म रहिके पूरा बिसवासयोग्यता अऊ दिल से सेवा करव।
10 हर ओ मामला ला, जेला तुम्हर सहर के रहइया मनखेमन तुम्हर आघू म लाथें—चाहे ओह हतिया के हो या
ब्यवस्था, हुकूम, बिधि या नियममन के कोनो आने मामला हो—तुमन ओमन ला चेता देवव कि ओमन यहोवा के
बिरूध पाप झन करंय; नइं तो ओकर कोरोध तुम्हर अऊ तुम्हर मनखेमन ऊपर आही। अइसने करव, अऊ तुमन
पाप नइं करहू।
11 "यहोवा ले संबंधित कोनो भी बिसय म मुखिया पुरोहित अमरयाह ह तुम्हर ऊपर होही, अऊ राजा ले
संबंधित कोनो बिसय म यहूदा के गोत्र के अगुवा, इसमायल के बेटा जबदयाह ह तुम्हर ऊपर होही, अऊ
लेवीमन तुम्हर आघू म करमचारीमन के रूप म सेवा करहीं। हिम्मत के संग काम करव, अऊ यहोवा ह ओमन के
संग रहय, जेमन बने बुता करथें।"

20

[illegible]

1 एकर बाद, मोआबी अऊ अमोनीमन कुछू मूनीमन संग राजा यहोसापात के बिरूध लड़ई करे बर आईन।
2 कुछू मनखेमन यहोसापात करा आके बताईन, "एदोम ले, मिरतू सागर के ओ पार ले तोर बिरूध एक बड़े
सेना आवत हे। येमन पहिली ले हससोन-तामार म हवंय" (मतलब कि एन-गदी म हवंय)।
3 यहोसापात ह सचेत होके एकर बारे म यहोवा के ईछा जाने बर ठान लीस, अऊ जम्मो यहूदा म उपास रखे
के घोसना करिस।
4 यहूदा के मनखेमन यहोवा ले मदद के आसा करत एक संग जूरिन; वास्तव म, ओमन यहूदा के हर एक सहर
ले ओकर ईछा जाने बर आईन।
5 तब यहोसापात ह यहूदा अऊ यरूसलेम के सभा म यहोवा के मंदिर मेर नवां अंगना के आघू म ठाढ़ होईस।
6 अऊ पराथना करिस:
"हे यहोवा, हमर पुरखामन के परमेसर, का तें स्वरग म रहइया परमेसर नो हस? तेंह देस-देस के जम्मो
राज ऊपर सासन करथस। सामर्थ अऊ ताकत तोर हांथ म हवय, अऊ कोनो भी तोर सामना नइं कर सकंय।
7 हे हमर परमेसर, का तेंह अपन मनखे इसरायल के आघू ले ये देस के रहइयामन ला बाहिर निकालके
अपन संगवारी अब्राहम के संतानमन ला नइं देय दे हस?
8 ओमन येमा निवास करिन अऊ येमा तोर नांव बर ये कहत एक पबितर-स्थान बनाईन,
9 'यदि हमर ऊपर बिपत्ति आथे, चाहे नियाय के तलवार होवय, या महामारी या अकाल, हमन ये मंदिर के
आघू म ठाढ़ होबो, जऊन ह तोर नांव म बने हवय, अऊ अपन दुख म तोर आघू म रोबो, अऊ तेंह हमर रोवई ला
सुनके हमन ला बचाबे।'
10 "पर अब इहां अमोन, मोआबी अऊ सेईर पहाड़ के मनखेमन, जेमन के राज म तेंह इसरायल ला जब
ओमन मिसर ले आवत रिहिन, तेंह हमला करे के अनुमति नइं देय; एकरसेति ओमन उहां ले मुड़के चल दीन
अऊ ओमन ला नास नइं करिन।

11 देख कि ओमन कइसन हमन ला ओ जगह ले बाहिर निकाले बर आके बदला लेवत हवंय, जेला तेंह
हमन ला उत्तराधिकार म दे हस।
12 हे हमर परमेसर, का तेंह ओमन के काम के नियाय नइं करस? काबरकि हमर करा ये बड़े सेना के सामना
करे के कोनो सक्ति नइं ए, जऊन ह हमर ऊपर हमला करत हवय। हमन नइं जानन कि हमन ला का करना हे, पर
हमर आंखी तोर ऊपर लगे हवय।"
13 यहूदा के जम्मो मनखेमन, अपन घरवाली अऊ लइका अऊ कोरा के लइकामन संग, उहां यहोवा के आघू
म खड़े रिहिन।
14 ओही बेरा यहोवा के आतमा ह यहजीएल के ऊपर आईस, ओह सभा म ठाढ़ होईस। ओह जकरयाह के
बेटा, ओह बनायाह के बेटा, ओह येइल के बेटा, ओह मतनयाह के बेटा, जऊन ह एक लेवी अऊ आसाप के
संतान रिहिस।
15 यहजीएल ह कहिस: "सुनव, राजा यहोसापात अऊ ओ जम्मो, जेमन यहूदा अऊ यरूसलेम म रहिथें!
यहोवा ह तुमन ले ये कहत हे: 'ये बड़े सेना के कारन तुमन झन डरव या हतास झन होवव। काबरकि लड़ई
तुम्हर नइं, पर परमेसर के अय।
16 कल ओमन के बिरूध हमला करव। ओमन सीस के चढ़ई म चढ़हीं, अऊ तुमन ओमन ला यरूएल के
मरू-भुइयां के संकरी घाटी के आखिरी म पाहू।
17 तुमन ला ये लड़ई लड़े बर नइं पड़य। अपन-अपन जगह ले लव; मजबूती से खड़े रहव अऊ यहोवा ह
तुमन ला, यहूदा ला अऊ यरूसलेम ला जऊन छुटकारा दीही, ओला देखव। झन डरव; हतास झन होवव। कल
ओमन के सामना करे बर बाहिर निकलव, अऊ यहोवा ह तुम्हर संग रहिही।' "
18 यहोसापात ह अपन मुड़-भरसा हो गीस, अऊ यहूदा अऊ यरूसलेम के जम्मो मनखेमन यहोवा के आघू म
दंडवत करे बर मुड़-भरसा हो गीन।
19 तब कहाती अऊ कोरहीमन के कुछू लेवीमन ठाढ़ हो गीन अऊ ऊंचहा अवाज म यहोवा, इसरायल के
परमेसर के परसंसा करिन।
20 बड़े बिहनियां ओमन तकोआ के बंजर भुइयां करा जाय बर निकलिन। जब ओमन निकलिन, त यहोसापात
ह ठाढ़ होईस अऊ कहिस, "हे यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन, मोर बात ला सुनव! यहोवा अपन परमेसर
ऊपर भरोसा रखव अऊ तुमन बने रहिहू; ओकर अगमजानीमन ऊपर बिसवास रखव अऊ तुमन सफल होहू।"
21 यहोसापात ह मनखेमन ले सलाह लेय के बाद, पुरूसमन ला यहोवा के गीत गाय बर चुनिस, ताकि ओमन
ओकर पबितरता के सोभा बर सेना के आघू-आघू रेंगत ये कहिके परसंसा करंय:
"यहोवा के धनबाद करव,
काबरकि ओकर मया हमेसा बने रहिथे।"
22 जब ओमन गीत गाय के अऊ परसंसा करे के सुरू करिन, त यहोवा ह यहूदा ऊपर हमला करइया अमोनी
अऊ मोआबी अऊ सेईर पहाड़ के मनखेमन के बिरूध घात लगा दीस, अऊ ओमन हार गीन।
23 अमोनी अऊ मोआबीमन सेईर पहाड़ के मनखेमन ला नास करे बर ओमन के बिरूध खड़े हो गीन। सेईर के
आदमीमन ला मार डारे के बाद, ओमन एक-दूसर ला मारे बर मदद करिन।
24 जब यहूदा के मनखेमन ओ जगह म आईन, जिहां ले सुन्ना जगह ह दिखथे अऊ ओ बड़े सेना कोति देखिन,
त ओमन ला भुइयां म परे मनखेमन के सिरिप लास ही लास दिखिस; कोनो भी नइं बचे रिहिन।
25 तब यहोसापात अऊ ओकर मनखेमन ओमन के लूट के सामान लेय बर गीन, अऊ ओमन उहां अब्बड़
अकन साज-सामान अऊ कपड़ा अऊ कीमती चीजमन ला पाईन—अतेक जादा सामान कि ओमन ले जा नइं
सकत रिहिन। उहां अतेक जादा लूट के सामान रिहिस कि ओला संकेलत तीन दिन लग गीस।
26 चौथा दिन ओमन बराका के घाटी म जूरिन, अऊ उहां ओमन यहोवा के परसंसा करिन। एकरसेति येला
आज तक बराका* के घाटी कहे जाथे।
27 तब, यहोसापात के अगुवई म, यहूदा अऊ यरूसलेम के जम्मो आदमीमन अब्बड़ खुसी से यरूसलेम ला
लहुंट गीन, काबरकि यहोवा ह ओमन ला ओमन के बईरीमन ऊपर आनंदित होय के कारन देय रिहिस।

* **20:26** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

28 ओमन यरूसलेम म आईन अऊ बीना अऊ सारंगी अऊ तुरहीमन के संग यहोवा के मंदिर म गीन।
29 आसपास के जम्मो राजमन म परमेसर के भय छा गीस, जब ओमन सुनिन कि कइसे यहोवा ह इसरायल के
बईरीमन के बिरूध लड़ई लड़े हवय।
30 अऊ यहोसापात के राज म सांति रिहिस, काबरकि ओकर परमेसर ह ओला सबो डहार ले बिसराम देय
रिहिस।

[illegible]

31 यहोसापात ह यहूदा म सासन करिस। जब ओह यहूदा के राजा बनिस, त ओह पैंतीस साल के रिहिस अऊ
ओह पच्चीस साल तक यरूसलेम म राज करिस। ओकर दाई के नांव अजूबा रिहिस, जऊन ह सिलही के बेटी
रिहिस।
32 ओह अपन ददा आसा के रसता म चलिस अऊ ओमन ले नइं हटिस; ओह ओही काम करिस, जऊन ह
यहोवा के नजर म सही रिहिस।
33 तभो ले, ऊंचहा जगहमन हटाय नइं गीन, अऊ मनखेमन अभी घलो अपन पुरखामन के परमेसर म अपन
मन ला नइं लगाय रिहिन।
34 यहोसापात के सासन के आने घटनामन, सुरू ले आखिरी तक, हनानी के बेटा, येहू के इतिहास के किताब म
लिखे गे हवय, जेमन ला इसरायल के राजामन के किताब म अंकित करे गे हवय।
35 बाद म, यहूदा के राजा यहोसापात ह इसरायल के राजा अहजयाह के संग संधि कर लीस, जेकर काममन
दुस्टता के रिहिन।
36 ओह ओकर संग एक बेपारी जहाजी-बेड़ा बनाय बर राजी हो गीस। एसियोन-गेबेर नगर म येमन ला बनाय
के बाद,
37 मारेसा के दोदावाह के बेटा एलिएजेर ह यहोसापात के बिरूध ये कहिके अगमबानी करिस, "काबरकि तेंह
अहजयाह के संग संधि करे हस, यहोवा ह ओला नास कर दीही, जेला तेंह बनाय हस।" एकरसेति जहाजमन टूट
गीन अऊ बेपार बर पानी म चले के लईक नइं रिहिन।

21

1 तब यहोसापात ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओमन के संग, दाऊद के सहर म
माटी दिये गीस। अऊ ओकर बेटा यहोराम ओकर जगह म राजा बनिस।
2 यहोसापात के बेटा, यहोराम के भाईमन ये रिहिन, अजरयाह, यहीएल, जकरयाह, अजरयाहू, मिकाएल
अऊ सपतयाह। ये सबो झन इसरायल के राजा यहोसापात के बेटा रिहिन।
3 ओमन के ददा ह ओमन ला सोन अऊ चांदी अऊ कीमती सामान के बहुंत अकन भेंट अऊ येकर अलावा
यहूदा म गढ़वाला सहरमन ला देय रिहिस, पर ओह यहोराम ला राज ला देय रिहिस काबरकि ओह ओकर
पहिलांत बेटा रिहिस।

[illegible]

4 जब यहोराम ह अपन ददा के राज म अपनआप ला मजबूती ले स्थापित कर लीस, तब ओह अपन जम्मो
भाईमन ला अऊ संग म इसरायल के कुछू करमचारीमन ला तलवार ले मरवा दीस।
5 यहोराम ह बत्तीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस अऊ ओह आठ साल तक यरूसलेम म राज करिस।
6 ओह इसरायल के राजामन के रसता म चलिस, जइसने कि अहाब के घराना ह करे रिहिस, काबरकि ओह
अहाब के एक बेटी ले बिहाव करे रिहिस। ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस।
7 तभो ले, यहोवा ह दाऊद के घर ला नास करे बर नइं चाहिस। काबरकि यहोवा ह दाऊद के संग करार करे
रिहिस। ओह वायदा करे रिहिस कि ओह ओकर अऊ ओकर संतानमन बर एक दीया हमेसा बनाय रखही।
8 यहोराम के समय म, एदोम ह यहूदा के बिरूध बिदरोह करिस अऊ अपन खुद के एक राजा बना लीस।
9 एकरसेति यहोराम ह अपन अधिकारी अऊ अपन जम्मो रथमन ला लेके उहां गीस। एदोमीमन ओला अऊ
ओकर रथ के सेनापतिमन ला घेर लीन। पर रथिया उठके ओह निकल गीस।
10 आज तक ले एदोम ह यहूदा के बिरूध बिदरोह करत रहिथे।

ओही बेरा लिबना ह घलो बिदरोह कर दीस, काबरकि यहोराम ह यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर ला
तियाग देय रिहिस।
11 ओह यहूदा के पहाड़ीमन म ऊंच जगहमन ला बनाय रिहिस अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला ओ जगहमन
म अराधना करे बर उकसाके अपनआप ले बेभिचार करवाय रिहिस अऊ यहूदा ला भटका देय रिहिस।
12 यहोराम ला अगमजानी एलियाह ले एक चिट्ठी मिलिस, जेमा कहे गे रिहिस:
"यहोवा, तोर ददा दाऊद के परमेसर ह ये कहत हे: 'तेंह अपन ददा यहोसापात अऊ यहूदा के राजा आसा
के रसता म नइं चले हस।
13 पर तेंह इसरायल के राजामन के रसता म चले हस, अऊ तेंह यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ले
बेभिचार करवाय हस, जइसने कि अहाब के घराना ह करे रिहिस। तेंह अपन ही भाईमन के, अपन खुद के परिवार
के सदस्यमन के, ओ मनखेमन के हतिया करे हस, जऊन मन तोर ले बने रिहिन।
14 एकरसेति अब यहोवा ह तोर मनखे, तोर बेटा, तोर घरवाली अऊ तोर हर एक चीज ऊपर भारी बिपत्ति
लानही।
15 तेंह खुद लम्बा समय तक आंत के बेमारी ले बेमार हो जाबे, इहां तक कि बेमारी के कारन तोर आंत ह
बाहिर निकल आही।' "
16 यहोवा ह यहोराम के बिरूध पलिस्ती अऊ अरबीमन ला बईरी कर दीस, जऊन मन कूसीमन के लकठा म
रहत रिहिन।
17 ओमन यहूदा ऊपर हमला करिन, अऊ चढ़ई करके राजा के महल म मिले जम्मो सामान ला ले गीन, अऊ
संग म ओकर बेटा अऊ घरवालीमन ला घलो ले गीन। सबले छोटे बेटा अहजयाह* के छोंड़ कोनो बेटा नइं बचे
रिहिस।
18 ये सब होय के बाद, यहोवा ह यहोराम ला अंतड़ी के असाध्य बेमारी ले पीड़ित कर दीस।
19 समय के बीतत, दूसर साल के आखिरी म, बेमारी के कारन ओकर अंतड़ीमन बाहिर आ गीन, अऊ अब्बड़
पीरा म ओह मर गीस। ओकर मनखेमन ओकर आदर म माटी देय के बेरा कोनो किसम के आगी नइं बारिन,
जइसने कि ओमन पहिली ओकर पुरखामन के आदर म आगी बारत रिहिन।
20 यहोराम ह बत्तीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस अऊ आठ साल तक यरूसलेम म सासन करिस।
ओह मर गीस, अऊ ओकर बर कोनो दुखी नइं होईन, अऊ दाऊद के सहर म ओला माटी देय गीस, पर राजामन
के कबर म नइं।

22

[illegible]

1 यरूसलेम के मनखेमन यहोराम के सबले छोटे बेटा अहजयाह ला ओकर जगह म राजा बनाईन, काबरकि
ओ हमलावरमन, जेमन अरबीमन संग आय रिहिन, ओमन यहोराम के जम्मो बड़े बेटामन ला मार डारे रिहिन।
एकरसेति यहूदा के राजा यहोराम के बेटा अहजयाह ह राज करे लगिस।
2 जब अहजयाह ह राजा बनिस, तब ओह बाईस साल के रिहिस, अऊ ओह एक साल तक यरूसलेम म राज
करिस। ओकर दाई के नांव अतलयाह रिहिस, जऊन ह राजा ओमरी के पोती रिहिस।
3 ओह घलो अहाब के घराना के रसता म चलिस, काबरकि ओकर दाई ह ओला दुस्टता ले भरे काम करे बर
उकसाईस।
4 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसे कि अहाब के घराना ह करे रिहिस, काबरकि ओकर ददा के
मऊत के बाद, ओमन ओकर सलाहकार बन गीन, जेकर से ओकर नास हो गीस।
5 ओह घलो ओमन के सलाह म चलिस, जब ओह इसरायल के राजा अहाब के बेटा योराम के संग
रामोत-गिलाद सहर म अराम के राजा हजाएल के बिरूध लड़ई करे बर गीस। अरामीमन योराम ला घायल कर
दीन;
6 एकरसेति ओह ओ घावमन ले ठीक होय बर यिजरेल लहुंट गीस, जेमन ओला रामोत* म अराम के राजा
हजाएल के संग लड़ई करत बेरा लगे रिहिन।

* **21:17** इबरानी म [illegible], जऊन ह [illegible] के आने नांव ए * **22:6** इबरानी म [illegible]

तब यहूदा के राजा यहोराम के बेटा अहजयाह† ह अहाब के बेटा योराम ला देखे बर यिजरेल गीस, काबरकि
योराम ह घायल हो गे रिहिस।
7 अहजयाह के योराम ले मिले के कारन, परमेसर ह अहजयाह ला खाल्हे गिराईस। जब अहजयाह ह
पहुंचिस, त ओह योराम संग निमसी के बेटा येहू ले मिले बर निकलिस, जेला यहोवा ह अहाब के घर ला नास
करे बर अभिसेक करे रिहिस।
8 जब येहू ह अहाब के घराना ला मिले दंड ऊपर अमल करत रिहिस, तब ओला यहूदा के करमचारी अऊ
अहजयाह के रिस्तेदार के बेटामन मिलिन, जेमन अहजयाह के सेवा करत रिहिन, अऊ ओह ओमन ला मार
डारिस।
9 तब ओह अहजयाह ला खोजे बर गीस, अऊ ओकर मनखेमन ओला पकड़ लीन, जब ओह सामरिया म
लुकाय रिहिस। ओला येहू करा लाय गीस अऊ मार डारे गीस। ओमन ओला माटी दे दीन, काबरकि ओमन
कहिन, "ओह यहोसापात के एक बेटा रिहिस, जऊन ह पूरा हिरदय ले यहोवा ला खोजिस।" उहां अहजयाह के
घराना म कोनो अतेक ताकतवर नइं रिहिन कि ओ राज ला बनाय रखतिन।

[illegible]

10 जब अहजयाह के दाई अतलयाह ह देखिस कि ओकर बेटा ह मर गे हवय, त ओह यहूदा के घर के जम्मो
राज-घराना ला नास करे बर सुरू कर दीस।
11 पर राजा यहोराम के बेटी यहोसेबा ह अहजयाह के बेटा योआस ला धरिस अऊ ओला ओ साही
राजकुमारमन के बीच ले निकालके ले गीस, जेमन मार डारे जवइया रिहिन अऊ ओह ओला अऊ ओकर धाई
ला सोये के एक ठन कमरा म रख दीस। काबरकि राजा यहोराम के बेटी यहोसेबा अऊ पुरोहित यहोयादा के
घरवाली ह अहजयाह के बहिनी रिहिस, ओह अतलयाह ले लइका ला लुका दीस, जेकर कारन ओह ओ लइका
ला मार नइं सकिस।
12 योआस ह छै साल तक ओमन के संग परमेसर के मंदिर म लुकाय रिहिस, जब तक कि अतलयाह ह ओ देस
म राज करते रिहिस।

23

1 सातवां साल म यहोयादा पुरोहित ह अपन ताकत देखाईस। ओह सौ-सौ सैनिकमन ऊपर ठहिराय गे
सेनापतिमन संग एक करार करिस: यरोहाम के बेटा अजरयाह, यहोहानान के बेटा इसमायल, ओबेद के बेटा
अजरयाह, अदायाह के बेटा मासेयाह अऊ जिकरी के बेटा एलीसापात।
2 येमन पूरा यहूदा म जाके जम्मो सहर के लेवीमन ला अऊ इसरायली परिवारमन के मुखियामन ला
संकेलिन। तब ओमन यरूसलेम आईन,
3 त पूरा सभा ह परमेसर के मंदिर म राजा संग एक करार करिस।
यहोयादा ह ओमन ले कहिस, "राजा के बेटा ह सासन करही, जइसे कि यहोवा ह दाऊद के संतानमन के
बिसय म वायदा करे हवय।
4 अब तुमन ला ये काम करना हे: एक तिहाई पुरोहित अऊ लेवीमन, जऊन मन बिसराम दिन म काम म
जावत हवंय, ओमन कपाटमन करा पहरेदारी करंय,
5 तुमन के एक तिहाई राजमहल म अऊ एक तिहाई नींव के दुवार म, अऊ जम्मो आने मन यहोवा के मंदिर के
अंगना म रहिहीं।
6 सेवा करइया पुरोहित अऊ लेवीमन के छोंड़ अऊ कोनो यहोवा के मंदिर के भीतर झन जावन पावय;
पुरोहित अऊ लेवीमन जा सकत हें, काबरकि ओमन पबितर करे गे हवंय, पर जम्मो आने मन यहोवा के हुकूम के
पालन करंय अऊ भीतर झन जावंय।
7 लेवीमन राजा के चारों कोति रहंय, हर एक जन अपन हांथ म हथियार धरे रहय। जऊन कोनो मंदिर के
भीतर जावय, ओह मार डारे जावय। जिहां भी राजा ह जाथे, ओकर संगे-संग रहव।"
8 लेवीमन अऊ यहूदा के जम्मो आदमीमन वइसे ही करिन, जइसे यहोयादा पुरोहित ह हुकूम दीस। हर एक
जन अपन-अपन आदमीमन ला लीन—जऊन मन बिसराम दिन काम करे बर जानेवाला रिहिन अऊ जऊन मन
काम करके आवत रिहिन—काबरकि यहोयादा पुरोहित ह कोनो भी दल ला छुट्टी नइं देय रिहिस।

† **22:6** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible]

9 तब ओह सौ-सौ के ऊपर ठहिराय गे दल के सेनापतिमन ला बरछी अऊ बड़े अऊ छोटे ढालमन ला दीस,
जेमन राजा दाऊद के रिहिन अऊ परमेसर के मंदिर म रखे गे रिहिन।
10 ओह जम्मो आदमीमन ला, ओमन के हांथ म हथियार के संग, राजा के चारों कोति ठहिरा दीस—बेदी अऊ
मंदिर के लकठा म, मंदिर के दक्खिन दिग ले उत्तर दिग तक ठहिरा दीस।
11 यहोयादा अऊ ओकर बेटामन राजा के बेटा ला बाहिर लेके आईन अऊ ओला मुकुट पहिरा दीन; ओमन
ओला करार के एक नकल भेंट करिन अऊ ओला राजा घोसित करिन। ओमन ओकर अभिसेक करिन अऊ
चिचियाके कहिन, "राजा ह चिरंजीव रहय!"
12 जब अतलयाह ह मनखेमन के हल्ला अऊ राजा के जय-जयकार के अवाज ला सुनिस, त ओह यहोवा के
मंदिर म ओमन करा गीस।
13 अऊ ओह देखिस कि राजा ह प्रवेस दुवार के खंभा करा खड़े हवय। अधिकारी अऊ तुरही बजइयामन राजा
के बाजू म खड़े रहंय, अऊ देस के जम्मो मनखेमन आनंद मनात तुरही फूंकत रहंय, अऊ संगीतकारमन अपन
बाजामन संग परसंसा करत अगुवई करत रिहिन। तब अतलयाह ह अपन कपड़ा ला चीरिस अऊ चिचियाके
कहिस, "देस-द्रोह! देस-द्रोह!"
14 यहोयादा पुरोहित ह सौ-सौ सैनिक के दल के सेनापतिमन ला बाहिर भेज दीस, जऊन मन सेना के
अधिकारी रिहिन, अऊ ओमन ला कहिस: "अतलयाह ला कतार के बीच ले बाहिर लानव अऊ जऊन कोनो भी
ओकर पाछू चलथे, ओला तलवार ले मार डारव।" काबरकि पुरोहित ह कहे रिहिस, "यहोवा के मंदिर म ओकर
हतिया झन करे जावय।"
15 एकरसेति ओमन ओला पकड़ लीन, जब ओह महल के मैदान म घोड़ा फाटक के प्रवेस दुवार म हबरिस,
अऊ उहां ओमन ओला मार डारिन।
16 तब यहोयादा ह एक करार करिस कि ओह, मनखेमन अऊ राजा ह यहोवा के मनखे होहीं।
17 जम्मो मनखेमन बाल के मंदिर म गीन अऊ ओला गिरा दीन। ओमन बेदी अऊ मूरतीमन ला कुचर दीन
अऊ बेदी के आघू म बाल के पुरोहित मतान ला मार डारिन।
18 तब यहोयादा ह यहोवा के मंदिर के सेवा लेवीय पुरोहितमन के हांथ म दे दीस, जेमन ला दाऊद ह मंदिर म
काम सऊंपे रिहिस, ताकि ओमन आनंद मनात अऊ गीत गावत मूसा के कानून म लिखे मुताबिक यहोवा के
होम-बलिदान चघावंय, जइसे कि दाऊद ह हुकूम देय रिहिस।
19 ओह यहोवा के मंदिर के दुवारमन म घलो दुवारपालमन ला ठहिरा दीस ताकि कोनो भी असुध मनखे मंदिर
के भीतर झन जा सकंय।
20 ओह अपन संग सौ-सौ सैनिक के ऊपर ठहिराय सेनापति, परभावसाली मनखे, मनखेमन ऊपर सासन
करइया अऊ ओ देस के जम्मो मनखेमन ला लीस अऊ राजा ला यहोवा के मंदिर ले खाल्हे लानिस। ओमन
ऊपरी दुवार ले होके महल म गीन अऊ राजा ला राज सिंघासन म बईठाईन।
21 देस के जम्मो मनखेमन आनंद मनाईन, अऊ सहर म सांति रिहिस, काबरकि अतलयाह ह तलवार ले मार
डारे गे रिहिस।

24

[illegible]

1 योआस ह सात साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म चालीस साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव सिबयाह रिहिस, जऊन ह बेरसेबा के रिहिस।
2 योआस ह यहोयादा पुरोहित के जिनगी भर यहोवा के नजर म सही काम करिस।
3 यहोयादा ह ओकर बर दू झन घरवाली चुनिस, अऊ ओकर बेटा अऊ बेटीमन होईन।
4 कुछू समय के बाद, योआस ह यहोवा के मंदिर ला फेर स्थापित करे के फैसला करिस।
5 ओह पुरोहित अऊ लेवीमन ला एक संग बलाईस अऊ ओमन ले कहिस, "यहूदा के नगरमन म जावव अऊ
अपन परमेसर के मंदिर के मरम्मत बर जम्मो इसरायल ले हर साल धन इकट्ठा करव। येला तुरते करव।" पर
लेवीमन तुरते ये बुता ला नइं करिन।

6 एकरसेति राजा ह यहोयादा मुखिया पुरोहित ला बलाईस अऊ कहिस, “तेंह काबर लेवीमन ले यहूदा अऊ
यरूसलेम म यहोवा के सेवक मूसा अऊ इसरायल के सभा के दुवारा तम्बू बर करार के कानून के दुवारा लगाय गे
लगान ला लाय बर नइं कहे हस?”
7 ओ दुस्ट माईलोगन अतलयाह के बेटामन परमेसर के मंदिर ला टोरके घुस गीन अऊ बाल देवता बर यहोवा
के पबितर चीजमन के उपयोग करे रिहिन।
8 तब राजा के हुकूम ले, एक बड़े सन्दूक बनाय गीस अऊ बाहिर म, यहोवा के मंदिर के दुवार म रखवा दिये
गीस।
9 तब यहूदा अऊ यरूसलेम म घोसना करे गीस कि मनखेमन यहोवा करा ओ लगान ला लानंय, जेला
परमेसर के सेवक मूसा ह सुन्ना जगह म इसरायल ऊपर लगाय रिहिस।
10 जम्मो करमचारी अऊ जम्मो मनखेमन खुसी से अपन भाग के लगान ला तब तक सन्दूक म डालत गीन,
जब तक कि ओह भर नइं गीस।
11 जब भी लेवीमन के दुवारा राजा के करमचारीमन करा सन्दूक ला लाय जावय अऊ ओमन देखंय कि
अब्बड़ अकन पईसा हो गे हवय, त साही सचिव अऊ मुखिया पुरोहित के अधिकारी आवंय अऊ सन्दूक ला
खाली करके ओला फेर वापिस ओकर जगह म मढ़ा देवंय। ओमन हमेसा अइसने करंय अऊ ये किसम ले ओमन
अब्बड़ अकन पईसा जमा कर लीन।
12 राजा अऊ यहोयादा ह येला ओमन ला दे दीन, जऊन मन यहोवा के मंदिर के मरम्मत के काम ला करत
रिहिन। ओमन यहोवा के मंदिर के मरम्मत बर राज-मिसतिरी अऊ बढ़ईमन ला, अऊ मंदिर के मरम्मत बर
लोहा अऊ कांसा के काम करइयामन ला घलो ठहिराईन।
13 जऊन मन के ऊपर ओ काम के जिम्मेदारी रिहिस, ओमन मेहनती रिहिन, अऊ मरम्मत के काम ह ओमन
के अधीन बढ़त गीस। ओमन पहिली जइसे असली बनावट म परमेसर के मंदिर ला फेर बनाईन अऊ ओला
मजबूत करिन।
14 जब ओमन काम ला पूरा कर डारिन, त ओमन बाकि बचे पईसा ला राजा अऊ यहोयादा करा लेय आईन,
अऊ ये बाकि बचे पईसा ले यहोवा के मंदिर बर सामान बनाय गीस: सेवा बर सामान अऊ होम-बलिदान बर
सामान, अऊ बरतन घलो अऊ आने सोन-चांदी के सामान। जब तक यहोयादा ह जीयत रिहिस, तब तक यहोवा
के मंदिर म हमेसा होम-बलिदान चघाय जावत रिहिस।
15 अब यहोयादा ह डोकरा हो गे रिहिस अऊ ओह पूरा उमर के हो गे रिहिस, त ओह एक सौ तीस साल के
उमर म मर गीस।
16 ओला दाऊद के सहर म राजामन संग माटी देय गीस, काबरकि ओह इसरायल म परमेसर अऊ ओकर
मंदिर बर बढ़िया काम करे रिहिस।

[illegible]

17 यहोयादा के मऊत के बाद, यहूदा के करमचारीमन आईन अऊ राजा ला अपन राजभक्ति देखाईन, अऊ
ओह ओमन के बात ला सुनिस।
18 ओमन यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के मंदिर ला तियाग दीन, अऊ असेरा के खंभा अऊ मूरतीमन
के अराधना करिन। ओमन के अपराध के कारन, परमेसर के कोरोध ह यहूदा अऊ यरूसलेम म आईस।
19 हालाकि यहोवा ह ओ मनखेमन ला अपन करा लहुंटाके लाने बर अगमजानीमन ला भेजिस, अऊ हालाकि
ओमन ओ मनखेमन के बिरूध गवाही दीन, तभो ले ओमन नइं सुनिन।
20 तब परमेसर के आतमा ह यहोयादा पुरोहित के बेटा जकरयाह ऊपर उतरिस। ओह मनखेमन के आघू म
ठाढ़ होईस अऊ कहिस, “परमेसर ह ये कहत हे: ‘तुमन काबर यहोवा के हुकूम ला नइं मानत हव? तुम्हर उन्नति
नइं होवय। काबरकि तुमन यहोवा ला छोंड़ दे हवव, अऊ ओह तुमन ला छोंड़ दे हवय।’ ”
21 पर मनखेमन ओकर बिरूध साजिस करिन, अऊ राजा के हुकूम ले ओमन ओला यहोवा के मंदिर के अंगना
म पथरवाह करके मार डारिन।
22 राजा योआस ह ओ दया के बात ला सुरता नइं करिस, जेला जकरयाह के ददा यहोयादा ह ओला देखाय
रिहिस, पर ओह ओकर बेटा ला मार डारिस, जऊन ह मरत बेरा ये कहिस, “यहोवा ह येला देखय अऊ तोर ले
लेखा लेवय।”

23 साल के सुरूआत म,* अराम के सेना ह योआस के बिरूध आघू बढ़िस; ये सेना ह यहूदा अऊ यरूसलेम
ऊपर हमला करिस अऊ मनखेमन के जम्मो अगुवामन ला मार डारिस। ओमन दमिस्क म अपन राजा करा
जम्मो लूट के माल ला भेज दीन।
24 हालाकि अरामी सेना ह सिरिप थोरकन आदमीमन संग आय रिहिस, तभो ले यहोवा ह एक जादा बड़े
यहूदा के सेना ला ओमन के हांथ म कर दीस। काबरकि यहूदा ह यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर ला तियाग
देय रिहिस, एकरसेति योआस ला दंड देय गीस।
25 जब अरामीमन के सेना ह लहुंट गीस, त ओमन योआस ला बहुंत घायल करके छोंड़ दीन। ओकर
करमचारीमन ओकर बिरूध यहोयादा पुरोहित के बेटा के हतिया करे के कारन साजिस करिन, अऊ ओमन ओला
ओकर बिस्तर म मार डारिन। एकरसेति ओह मर गीस अऊ ओला दाऊद के सहर म माटी देय गीस, पर राजामन
के कबर म नइं।
26 ओकर बिरूध सडयंत्र करइया म एक अमोनी माईलोगन सिमात के बेटा जाबाद,† अऊ एक मोआबी
माईलोगन सिमरित के बेटा यहोजाबाद रिहिन।
27 योआस के बेटामन के लेखा-जोखा, ओकर बारे म बहुंत अकन अगमबानी के बातमन, अऊ परमेसर के
मंदिर के मरम्मत के लेखा-जोखा राजामन के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय। अऊ ओकर बेटा अमसयाह ह
ओकर जगह म राजा होईस।

25

[illegible]

1 जब अमसयाह ह राजा बनिस, त ओह पच्चीस साल के रिहिस, अऊ ओह यरूसलेम म उनतीस साल तक
राज करिस। ओकर दाई के नांव यहोअद्दीन रिहिस; जऊन ह यरूसलेम के रिहिस।
2 अमसयाह ह ओही काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस, पर पूरा हिरदय ले नइं करिस।
3 राज-सासन ह पूरा ओकर कब्जा म होय के बाद, ओह ओ करमचारीमन ला मार डारिस, जऊन मन ओकर
ददा राजा ला मार डारे रिहिन।
4 तभो ले ओमन के लइकामन ला नइं मारिस, पर ओह मूसा के किताब म लिखे कानून के मुताबिक काम
करिस, जिहां यहोवा ह हुकूम दे हवय: "दाई-ददा ला ओमन के लइकामन के कारन झन मार डारे जावय, अऊ न
ही लइकामन ला ओमन के दाई-ददा के कारन मार डारे जावय; हर एक ह अपन खुद के पाप के कारन मरही।"*
5 अमसयाह ह यहूदा के जम्मो मनखेमन ला एक संग बलाईस अऊ ओमन ला ओमन के परिवार के मुताबिक
जम्मो यहूदा अऊ बिनयामीन म हजार-हजार के ऊपर सेनापति अऊ सौ-सौ के ऊपर सेनापति ठहिराईस। तब
ओह ओमन ला इकट्ठा करिस, जेमन बीस साल या बीस साल ले जादा उमर के रिहिन अऊ ओला पता चलिस
कि उहां तीन लाख आदमी सेना के सेवा बर योग्य रिहिन, अऊ ओमन बरछी अऊ ढालमन ला चलाय म कुसल
रिहिन।
6 ओह इसरायल ले एक लाख सैनिकमन ला घलो चांदी के एक सौ टेलेन्ट† देके किराया म रखिस।
7 पर परमेसर के एक जन ह ओकर करा आईस अऊ कहिस, "हे महाराज, इसरायल के ये सेनामन तोर संग
आघू झन बढ़ंय, काबरकि यहोवा ह इसरायल के संग नइं ए—अऊ न ही एपरैम के कोनो मनखे के संग हवय।
8 अऊ त अऊ अगर तेंह लड़ई म जाबे अऊ हिम्मत करके लड़बे, तभो ले परमेसर ह तोला बईरी के आघू ले
उखान फेंकही, काबरकि परमेसर करा मदद करे के या उखान फेंके के ताकत हवय।"
9 अमसयाह ह परमेसर के जन ले पुछिस, "पर ओ सौ टेलेन्ट के का होही, जेला मेंह इसरायल के सेनामन बर
चुकाय हवंव?"
परमेसर के जन ह जबाब दीस, "यहोवा ह तोला एकर ले जादा देय सकत हे।"
10 एकरसेति अमसयाह ह ओ सैनिकमन ला वापिस ओमन के घर भेज दीस, जेमन एपरैम ले ओकर करा आय
रिहिन। ओमन यहूदा ऊपर बहुंत नराज होईन अऊ बहुंत गुस्सा होके अपन घर चल दीन।

---

* **24:23** संभवत: बसन्त के समय म † **24:26** *[illegible]* के आने नांव * **25:4** ब्यव 24:16 † **25:6** लगभग पौने चार टन

11 तब अमसयाह ह हिम्मत करिस अऊ अपन सेना ला नून के घाटी म ले गीस, जिहां ओह सेईर के दस हजार
मनखेमन ला मार डारिस।
12 यहूदा के सेनामन दस हजार मनखेमन ला घलो जीयत पकड़ लीन, अऊ ओमन ला एक टीला के ऊपर ले
गीन अऊ खाल्हे फेंक दीन, जेकर ले ओ जम्मो टकराके कुटा-कुटा हो गीन।
13 इही बीच, अमसयाह ह जऊन सेना ला वापिस भेज देय रिहिस अऊ ओमन ला लड़ई म सामिल करे ले
मना कर दे रिहिस, ओ सेना ह सामरिया ले लेके बेत-होरोन तक यहूदा के नगरमन ऊपर हमला कर दीस। ओमन
तीन हजार मनखेमन ला मार डारिन अऊ अब्बड़ अकन लूट के सामान ले गीन।
14 जब राजा अमसयाह ह एदोमीमन ला घात करके लहुंटिस, त ओह सेईर के मनखेमन के देवतामन ला
वापिस ले आईस। ओह ओमन ला अपन खुद के देवतामन के रूप म स्थापित करिस, ओमन ला दंडवत करिस
अऊ ओमन बर धूप जलाईस।
15 अमसयाह के बिरूध यहोवा के कोरोध ह भड़किस, अऊ ओह ओकर करा एक अगमजानी ला पठोईस,
जऊन ह ओला कहिस, "तेंह ओ मनखेमन के देवतामन ले सलाह काबर लेवत हस, जऊन मन अपन ही
मनखेमन ला तोर हांथ ले नइं बचा सकिन?"
16 जब ओह गोठियात रिहिस, तब राजा ह ओकर ले कहिस, "का हमन तोला राजा के सलाहकार ठहिराय
हन? बंद कर! काबर मरे बर चाहत हस?"
एकरसेति अगमजानी ह रूक गीस पर ओह कहिस, "मेंह जानत हंव कि परमेसर ह तोला नास करे बर ठान ले
हवय, काबरकि तेंह अइसे करे हस अऊ मोर सलाह ला नइं माने हस।"
17 जब यहूदा के राजा अमसयाह ह अपन सलाहकारमन ले सलाह कर लीस, त ओह इसरायल के राजा
यहोआस ला ये चुनौती दीस, जऊन ह येहू के पोता अऊ यहोआहाज के बेटा रिहिस: "आ, हमन लड़ई म
एक-दूसर के सामना करन।"
18 पर इसरायल के राजा यहोआस ह यहूदा के राजा अमसयाह ला जबाब भेजिस: "लबानोन के एक कंटिली
झाड़ी ह लबानोन के एक देवदार रूख मेर ये संदेस भेजिस, 'अपन बेटी के बिहाव मोर बेटा के संग कर दे।' तब
लबानोन म एक जंगली पसु आईस अऊ ओ कंटिली झाड़ी ला गोड़ खाल्हे कुचर दीस।
19 तेंह अपनआप ले कहिथस कि तेंह एदोम ला हराय हस, अऊ अब तेंह जिद्दी अऊ घमंडी हो गे हस। पर
अपन घर म रह! मुसीबत ला काबर नेवता देवत हस अऊ अपन खुद के अऊ यहूदा के घलो बिनास के कारन
बनत हस?"
20 पर अमसयाह ह ओकर बात ला नइं सुनिस, काबरकि परमेसर ह अइसन करे रिहिस कि ओला यहोआस के
हांथ म कर देवय, काबरकि ओमन एदोम के देवतामन के खोज म लगे रिहिन।
21 एकरसेति इसरायल के राजा यहोआस ह हमला कर दीस। ओकर अऊ यहूदा के राजा अमसयाह के
आमना-सामना यहूदा के बेत-सेमेस नगर म होईस।
22 यहूदा ह इसरायल ले हार गीस अऊ जम्मो मनखेमन अपन-अपन घर भाग गीन।
23 इसरायल के राजा यहोआस ह यहूदा के राजा अमसयाह ला, बेत-सेमेस करा बंदी बना लीस, जऊन ह
योआस के बेटा अऊ अहजयाह के पोता रिहिस। तब यहोआस ह ओला यरूसलेम ले आईस अऊ यरूसलेम के
दीवार ला एपरैम के दुवार ले लेके कोना के दुवार तक टोरके गिरा दीस—याने कि लगभग चार सौ क्यूबीट‡
लम्बा भाग ला गिरा दीस।
24 ओह जम्मो सोन अऊ चांदी अऊ परमेसर के मंदिर म रखे ओ जम्मो सामान ला ले लीस, जऊन ह
ओबेद-एदोम के देखरेख म रिहिस, संग म ओह महल के खजाना अऊ बंदी बनाय गे मनखेमन ला घलो लेके
वापिस सामरिया लहुंट गीस।
25 यहूदा के राजा, योआस के बेटा अमसयाह ह यहोआहाज के बेटा इसरायल के राजा यहोआस के मिरतू के
बाद पंदरह साल जिंदा रिहिस।
26 अमसयाह के सासन के आने घटनामन, सुरू ले लेके आखिरी तक यहूदा अऊ इसरायल के राजामन के
किताब म लिखे गे हवंय।

‡ **25:23** लगभग 600 फीट या 180 मीटर

27 जब अमसयाह ह यहोवा के पाछू चले बर बंद कर दीस, त ओ बेरा ले मनखेमन यरूसलेम म ओकर बिरूध
साजिस करिन अऊ ओह लाकीस सहर ला भाग गीस, पर ओमन ओकर पाछू आदमीमन ला लाकीस पठोईन
अऊ ओला उहां मार डारिन।
28 ओकर लास ला घोड़ा म लादके वापिस लाय गीस अऊ ओला यहूदा के सहर म ओकर पुरखामन संग माटी
देय गीस।§

26

[illegible]

1 तब यहूदा के जम्मो मनखेमन उजियाह ला लेके ओकर ददा अमसयाह के जगह म राजा बनाईन। उजियाह
ह ओ समय सोलह साल के रिहिस।
2 येह ओही मनखे अय, जऊन ह अमसयाह के ओकर पुरखामन संग हमेसा बर सुत जाय के बाद एलात नगर
ला फेर बनाईस अऊ यहूदा म सामिल कर लीस।
3 जब उजियाह ह राजा बनिस, तब ओह सोलह साल के रिहिस, अऊ ओह यरूसलेम म बावन साल तक राज
करिस। ओकर दाई के नांव यकोलियाह रिहिस, जऊन ह यरूसलेम के रिहिस।
4 उजियाह ह अपन ददा अमसयाह के सहीं ओहीच काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही अय।
5 ओह जकरयाह के दिन म परमेसर ला खोजिस, जऊन ह ओला परमेसर के डर म बढ़े के निरदेस दीस। जब
तक ओह यहोवा ला खोजिस, परमेसर ह ओला सफलता दीस।
6 उजियाह ह पलिस्तीमन के बिरूध लड़ई करे बर गीस अऊ गत, यबने अऊ असदोद के दीवारमन ला गिरा
दीस। ओकर बाद ओह असदोद के लकठा के अऊ पलिस्तीमन के बीच म सहरमन ला फेर बनाईस।
7 परमेसर ह पलिस्तीमन के बिरूध अऊ गुर-बाल नगर म रहइया अरबीमन के बिरूध अऊ मूनीमन के बिरूध
ओकर मदद करिस।
8 अमोनीमन उजियाह करा राजकर लानिन, अऊ ओकर बड़ई मिसर के सीमना तक फईल गीस, काबरकि
ओह अब्बड़ ताकतवर हो गे रिहिस।
9 उजियाह ह यरूसलेम म कोना के दुवार, घाटी के दुवार अऊ सहर के दीवार के कोर म मीनारमन ला बनाईस
अऊ ओला गढ़वाला करिस।
10 ओह सुन्ना जगह म घलो मीनारमन ला बनाईस अऊ कई ठन तरिया कोड़वाईस, काबरकि ओकर करा
पहाड़ी के खाल्हे म अऊ मैदान म अब्बड़ अकन मवेसी रिहिन। ओकर करा ओकर खेतमन म अऊ पहाड़ी के
अंगूर के बारी म अऊ उपजाऊ जमीन म बुता करइया मनखेमन रिहिन, काबरकि ओह खेती-बारी ले मया करय।
11 उजियाह करा बढ़िया कुसल सेना रिहिस, जऊन मन अपन संखिया के मुताबिक दल के दल एक राज
करमचारी हननयाह के अगुवई म येइल सचिव अऊ मासेयाह अधिकारी के दुवारा बाहिर जाय बर तियार
रिहिन।
12 लड़ई करइया आदमीमन के अलावा परिवार के अगुवामन के कुल संखिया 2,600 रिहिस।
13 ओमन के हुकूम के अधीन लड़ई बर 3,07,500 कुसल आदमीमन के सेना रिहिस, येह राजा ला ओकर
बईरीमन के बिरूध सहयोग करे बर एक ताकतवर सेना रिहिस।
14 उजियाह ह पूरा सेना बर ढाल, बरछी, लोहा के टोपी, छाती के कवच, तीर अऊ गोफन के परबंध करिस।
15 यरूसलेम म ओह मीनारमन म अऊ कोना म बचाव बर नवां-नवां किसम के औजारमन ला बनाईस, ताकि
सिपाहीमन तीर चला सकंय अऊ दीवार ले बड़े पथरामन ला तेजी से फेंक सकंय। ओकर बड़ई ह दूरिहा-दूरिहा
तक ले फईल गीस, काबरकि ओला अब्बड़ मदद मिलिस, जब तक कि ओह ताकतवर नइं हो गीस।
16 पर बाद म, जब उजियाह ह ताकतवर हो गीस, त ओकर घमंड के सेति ओकर पतन हो गीस। ओह यहोवा
अपन परमेसर बर बिसवासघाती हो गीस, अऊ धूप के बेदी म धूप जलाय बर यहोवा के मंदिर भीतर गीस।
17 अजरयाह पुरोहित ह यहोवा के अस्सी आने हिम्मती पुरोहितमन संग ओकर पाछू गीस।
18 ओमन राजा उजियाह के सामना करिन अऊ कहिन, "हे उजियाह, यहोवा बर धूप जलाना तोर बर सही नो
हय। ये काम ह हारून के संतान, पुरोहितमन के अय, जेमन ला धूप जलाय बर पबितर करे गे हवय।

§ **25:28** जादा इबरानी हस्तलिपि म *[illegible]* (देखव 2 राजा 14:20)

पबितर-स्थान ला छोंड़ दे, काबरकि तेंह बिसवासघाती हो गे हस; अऊ यहोवा परमेसर के दुवारा तोर आदर नइं करे जावय।”
19 उजियाह, जऊन ह अपन हांथ म धूपदान लेके धूप जलाय बर तियार रिहिस, गुस्सा हो गीस। जब ओह
यहोवा के मंदिर म धूप के बेदी के आघू म पुरोहितमन ऊपर गुस्सा करत रिहिस, त ओकर माथा म कोढ़ के
बेमारी हो गीस।
20 जब मुखिया पुरोहित अजरयाह अऊ आने जम्मो पुरोहितमन ओला देखिन, त पाईन कि ओकर माथा म
कोढ़ हो गे हवय, एकरसेति ओमन ओला जल्दी से बाहिर निकालिन। असल म, ओह खुद बाहिर निकले के
जल्दी म रिहिस, काबरकि यहोवा ह ओला कोढ़ ले पीड़ित कर दे रिहिस।
21 राजा उजियाह ह ओ दिन तक कोढ़ के रोगी रिहिस, जब तक कि ओकर मिरतू नइं हो गीस। ओह अलग घर
म रहत रिहिस—कोढ़ के सेति ओला यहोवा के मंदिर म जाय के मनाही रिहिस। ओकर बेटा योताम ह महल के
अधिकारी होके देस के मनखेमन ऊपर सासन करिस।
22 उजियाह के सासन के आने घटनामन, सुरू ले आखिरी तक, आमोस के बेटा अगमजानी यसायाह के दुवारा
लिखे गे हवंय।
23 उजियाह ह हमेसा बर अपन पुरखामन संग सुत गीस अऊ ओला ओमन के लकठा म एक कबर म माटी
दिये गीस, जऊन ह राजामन के रिहिस, काबरकि मनखेमन कहिन, “ओला कोढ़ के बेमारी रिहिस।” अऊ ओकर
बेटा योताम ह ओकर जगह म राजा बनिस।

27

[illegible]

1 जब योताम ह राजा बनिस, त ओह पच्चीस साल के रिहिस, अऊ ओह सोलह साल तक यरूसलेम म राज
करिस। ओकर दाई के नांव यरूसा रिहिस, जऊन ह सादोक के बेटी रिहिस।
2 ओह अपन ददा उजियाह के सहीं ओही काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस, पर ओकर सहीं
ओह यहोवा के मंदिर म प्रवेस नइं करिस। तभो ले, मनखेमन भ्रस्टाचार करते ही रिहिन।
3 योताम ह यहोवा के मंदिर के ऊपर के दुवार ला फेर बनाईस अऊ ओपेल के पहाड़ी के दीवार ला अऊ
बढ़ाईस।
4 ओह यहूदा के पहाड़ी देस म सहरमन ला अऊ जंगली जगहमन म किला अऊ मीनारमन ला बनाईस।
5 योताम ह अमोनीमन के राजा के बिरूध लड़ई करिस अऊ ओमन ला जीत लीस। ओ बछर अमोनीमन
ओला चांदी के एक सौ टेलेन्ट,* दस हजार कोर्स† गहूं अऊ दस हजार कोर्स‡ जौ दीन। अमोनीमन ओला दूसर
अऊ तीसर बछर म घलो ओतकेच मात्रा म सामान दीन।
6 योताम ह ताकतवर होवत गीस, काबरकि ओह यहोवा अपन परमेसर के आघू म सही चलत रिहिस।
7 योताम के राज के आने घटनामन, ओकर जम्मो लड़ईमन अऊ ओकर करे गय आने काममन इसरायल अऊ
यहूदा के राजामन के किताब म लिखे गे हवय।
8 जब ओह राजा बनिस, त ओह पच्चीस साल के रिहिस, अऊ ओह सोलह साल तक यरूसलेम म राज करिस।
9 योताम ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला दाऊद के सहर म माटी देय गीस। अऊ
ओकर बेटा आहाज ह ओकर जगह म राजा बनिस।

28

[illegible]

1 आहाज ह बीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस अऊ ओह यरूसलेम म सोलह साल तक सासन
करिस। अपन पुरखा दाऊद के सहीं, ओह ओ काम नइं करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस।
2 ओह इसरायल के राजामन के रसता म चलिस अऊ अराधना करे बर बाल के मूरतीमन ला घलो बनाईस।
3 ओह बेन-हिन्नोम के घाटी म धूप के बलिदान चघाईस अऊ अपन लइकामन ला आगी म बलिदान करिस,
अऊ ओ जाति-जाति के मनखेमन के घिनौना रीति-रिवाज म चलिस, जेमन ला यहोवा ह इसरायलीमन के आघू
ले भगा दे रिहिस।

* **27:5** लगभग पौने चार टन † **27:5** लगभग 1,800 टन ‡ **27:5** लगभग 1,500 टन

4 ओह ऊंच जगह म, पहाड़ीमन के टीप म अऊ हर फईले हुए रूख के खाल्हे म बलिदान चघाईस अऊ धूप
जलाईस।
5 एकरसेति यहोवा ओकर परमेसर ह ओला अराम के राजा के हांथ म कर दीस। अरामीमन ओमन ला हरा
दीन अऊ ओकर कतको मनखेमन ला बंदी बनाके दमिस्क ले आईन।
ओला इसरायल के राजा के हांथ म घलो दे दिये गीस, जऊन ह ओकर भारी नुकसान करिस।
6 एकेच दिन म रमलियाह के बेटा पेकह ह यहूदा म एक लाख बीस हजार सैनिकमन ला मार डारिस, काबरकि
यहूदा ह यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर ला तियाग दे रिहिस।
7 एक एपरैमी योद्धा, जिकरी ह राजा के बेटा मासेयाह, महल के प्रभारी अधिकारी अजरीकाम, अऊ राजा के
बाद दूसरा अधिकारी एलकाना ला मार डारिस।
8 इसरायल के मनखेमन यहूदा के अपन संगी इसरायलीमन ला बंदी बना लीन, जेमा दू लाख घरवाली, बेटा
अऊ बेटीमन रिहिन। ओमन अब्बड़ अकन लूट के सामान घलो ले लीन, जेला ओमन वापिस सामरिया ले गीन।
9 पर उहां ओदेद नांव के यहोवा के एक अगमजानी रिहिस, अऊ ओह सेना के मनखेमन ले मिले बर गीस, जब
ओमन सामरिया लहुंटिन। ओह ओमन ला कहिस, "काबरकि यहोवा, तुम्हर पुरखामन के परमेसर ह यहूदा ले
गुस्सा करिस, त ओह ओमन ला तुम्हर हांथ म दे दीस। पर तुमन ओमन ला गुस्सा म मार दे हवव, जऊन ह
स्वरग तक पहुंच गे हवय।
10 अऊ अब तुमन यहूदा अऊ यरूसलेम के आदमी अऊ माईलोगनमन ला अपन गुलाम बनाय चाहत
हवव। पर का तुमन घलो यहोवा अपन परमेसर के बिरूध पाप के दोसी नइं हवव?
11 अब मोर बात ला सुनव! अपन संगी इसरायलीमन ला वापिस भेज दव, जेला तुमन कैदी के रूप म ले आय
हवव, काबरकि यहोवा के भयंकर कोरोध तुम्हर ऊपर हवय।"
12 तब एपरैम के कुछू अगुवा—यहोहानान के बेटा अजरयाह, मसिल्लेमोत के बेटा बेरेकियाह, सल्लूम के
बेटा यहिजकियाह, अऊ हदले के बेटा अमासा—येमन ओमन के सामना करिन, जेमन लड़ई ले आवत रिहिन।
13 ओमन कहिन, "तुमन ओ कैदीमन ला इहां झन लानव, नइं तो हमन यहोवा के आघू म दोसी ठहिरबो। का
तुम्हर इरादा हमर पाप अऊ दोस ला अऊ बढ़ाय के हवय? काबरकि हमर दोस पहिले ले ही अब्बड़ हवय, अऊ
ओकर भयंकर कोरोध इसरायल ऊपर हवय।"
14 एकरसेति सैनिकमन, करमचारी अऊ जम्मो सभा के आघू म कैदीमन ला अऊ लूट के सामान ला दे दीन।
15 जेमन के नांव लिखके निरदेस दिये गीस, ओमन कैदीमन ला ले लीन, अऊ जेमन नंगरा रिहिन ओ जम्मो
ला ओमन लूट म के कपड़ा ला पहिराईन। ओमन ला कपड़ा अऊ चप्पल, खाना-पीना अऊ चंगा करे के मलहम
दिये गीस। ओ जम्मो, जेमन कमजोर रिहिन, ओमन ला गदहा म बईठाईन। ये किसम ले ओमन अपन संगी
इसरायलीमन ला वापिस यरीहो, खजूर के सहर म ले गीन, अऊ सामरिया लहुंट आईन।
16 ओही बेरा, राजा आहाज ह अस्सूर के राजामन ले मदद मांगिस।
17 एदोमीमन फेर आईन अऊ यहूदा ऊपर हमला करिन अऊ मनखेमन ला कैदी बनाके ले गीन,
18 जबकि पलिस्तीमन खाल्हे कोति के सहरमन म अऊ यहूदा के नेगेव म हमला करिन। ओमन बेत-सेमेस,
अय्यालोन अऊ गदेरोत, संग म सोको, तिमना अऊ गिमजो ऊपर ओमन के चारों कोति के गांवमन सहित
कब्जा कर लीन।
19 यहोवा ह इसरायल* के राजा आहाज के कारन यहूदा ला दीन-हीन कर दीस, काबरकि ओह यहूदा म
दुस्टता ला बढ़ावा देय रिहिस अऊ यहोवा के बिरूध सबले जादा बिसवासघात करे रिहिस।
20 अस्सूर के राजा तिगलत-पिलेसेर ह ओकर करा आईस, पर ओह ओला मदद देय के बदले ओकर बर
परेसानी खड़े करिस।
21 आहाज ह यहोवा के मंदिर अऊ राजमहल अऊ करमचारीमन ले कुछू चीजमन ला लीस अऊ ओ चीजमन
ला अस्सूर के राजा ला भेंट म दीस, पर येकर ले ओला कोनो फायदा नइं होईस।
22 अपन मुसीबत के ये बेरा म, राजा आहाज ह यहोवा बर अऊ बिसवासघाती हो गीस।

* **28:19** यहूदा

23 ओह दमिस्क के देवतामन ला बलिदान चघाईस, जऊन मन ओला हराय रिहिन; काबरकि ओह सोचिस,
"जब अराम के राजामन के देवतामन ओमन के मदद करे हवंय, एकरसेति मेंह ओमन ला बलिदान चघाहूं, त
ओमन मोर घलो मदद करहीं।" पर ओमन ओकर अऊ जम्मो इसरायल के पतन के कारन बनिन।
24 आहाज ह परमेसर के मंदिर के सामान ला संकेलिस अऊ ओमन ला कुटा-कुटा करके काट दीस। ओह
यहोवा के मंदिर के कपाटमन ला बंद करवा दीस अऊ यरूसलेम के हर एक गली के कोना म बेदी बनवाईस।
25 यहूदा के हर एक नगर म, ओह आने देवतामन ला बलिदान चघाय बर ऊंच जगहमन ला बनाईस अऊ
यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के कोरोध ला भड़काईस।
26 ओकर राज के आने घटनामन अऊ ओकर जम्मो चालचलन, सुरू ले आखिरी तक, यहूदा अऊ इसरायल के
राजामन के किताब म लिखे गे हवंय।
27 आहाज ह अपन पुरखामन संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला यरूसलेम सहर म माटी दिये गीस, पर
ओला इसरायल के राजामन के कबर म नइं रखे गीस। अऊ ओकर बेटा हिजकियाह ह ओकर जगह म राजा
बनिस।

29

[illegible]

1 हिजकियाह ह पच्चीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस अऊ ओह यरूसलेम म उनतीस साल तक
राज करिस। ओकर दाई के नांव अबियाह रिहिस, जऊन ह जकरयाह के बेटी रिहिस।
2 हिजकियाह ह ओही काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस, जइसे कि ओकर पुरखा दाऊद ह
करे रिहिस।
3 अपन सासनकाल के पहिला बछर के पहिला महिना म, ओह यहोवा के मंदिर के कपाटमन ला खोल दीस
अऊ ओमन के मरम्मत करवाईस।
4 ओह पुरोहित अऊ लेवीमन ला लेके, ओमन ला पूरब कोति चऊक म संकेलिस
5 अऊ कहिस: "हे लेवीमन! मोर बात ला सुनव! अब अपनआप ला पबितर करव अऊ यहोवा, अपन
पुरखामन के परमेसर के मंदिर ला पबितर करव। जम्मो असुधता ला पबितर-स्थान ले हटावव।
6 हमर दाई-ददामन बिसवासघाती रिहिन; ओमन यहोवा हमर परमेसर के नजर म बुरई करिन अऊ ओला
तियाग दीन। ओमन यहोवा के निवास ले अपन मुहूं फेर लीन अऊ ओला अपन पीठ देखा दीन।
7 ओमन मंडप के कपाटमन ला घलो बंद कर दीन अऊ दीयामन ला बुता दीन। ओमन इसरायल के परमेसर
बर पबितर-स्थान म न तो धूप जलाईन अऊ न ही कोनो किसम के होम-बलिदान चघाईन।
8 एकरसेति यहोवा के कोरोध ह यहूदा अऊ यरूसलेम म भड़के हवय; ओह ओमन ला डर अऊ आतंक अऊ
अपमान के चीज बना दे हवय, जइसन कि तुमन खुद अपन आंखी ले देख सकत हव।
9 एकर कारन हमर ददामन तलवार ले मारे गे हवंय अऊ हमर बेटा अऊ बेटी अऊ हमर घरवालीमन बंधुवई
म चल दीन।
10 अब मेंह यहोवा, इसरायल के परमेसर संग एक करार करे के इरादा करत हंव, ताकि ओकर भयंकर कोरोध
ह हमर ऊपर ले दूर हो जावय।
11 हे मोर बेटामन, अब लापरवाही झन करव, काबरकि यहोवा ह तुमन ला अपन आघू म खड़े होय बर अऊ
ओकर सेवा करे बर, अऊ ओकर आघू म सेवा करे अऊ धूप जलाय बर चुने हवय।"

12 तब ये लेवीमन बुता करे लगिन:

कहातीमन ले:
अमासै के बेटा महत अऊ अजरयाह के बेटा योएल;
मरारीमन ले:
अब्दी के बेटा कीस अऊ यहल्लेलेल के बेटा अजरयाह;
गेरसोनीमन ले:
जिम्मा के बेटा योआह अऊ योआह के बेटा एदेन;

13 एलीसापान के संतानमन ले:
सिमरी अऊ येइल;
आसाप के संतानमन ले:
जकरयाह अऊ मतनयाह;
14 हेमान के संतानमन ले:
यहीएल अऊ सिमी;
यदूतून के संतानमन ले:
समायाह अऊ उजीएल।

15 जब ओमन अपन संगी लेवीमन ला संकेल लीन अऊ अपनआप ला पबितर कर लीन, तब ओमन यहोवा के बचन ला मानके मंदिर ला सुध करे बर गीन, जइसन कि राजा ह हुकूम दे रिहिस।
16 पुरोहितमन यहोवा के पबितर-स्थान ला सुध करे बर गीन। ओमन यहोवा के मंदिर म जऊन भी असुध चीज पाईन, ओ जम्मो ला यहोवा के मंदिर के अंगना म बाहिर निकालिन। लेवीमन येला लेके किदरोन घाटी करा गीन।
17 ओमन पहिला महिना के पहिला दिन संस्कार करे के सुरू करिन, अऊ ओही महिना के आठवां दिन ओमन यहोवा के मंडप म पहुंच गीन। ओमन अऊ आठ दिन यहोवा के मंदिर के संस्कार करिन अऊ ये काम ला ओमन पहिला महिना के सोलहवां दिन पूरा करिन।
18 तब ओमन राजा हिजकियाह करा गीन अऊ ये खबर दीन: "हमन यहोवा के पूरा मंदिर ला सुध कर ले हन—होम-बलिदान के बेदी के संग ओकर जम्मो बरतन, अऊ पबितर रोटी ला रखे बर मेज के संग ओकर जम्मो बरतन ला।
19 हमन ओ जम्मो सामान ला तियार करके संस्कार करे हवन, जेमन ला आहाज ह जब ओह राजा रिहिस, त बिसवासघाती होके निकाल दे रिहिस। ओ चीजमन अब यहोवा के बेदी के आघू म हवंय।"
20 दूसर दिन बड़े बिहनियां राजा हिजकियाह ह सहर के करमचारीमन ला एक जगह म संकेलिस अऊ यहोवा के मंदिर म गीस।
21 ओमन राज बर, पबितर-स्थान बर अऊ यहूदा बर पाप-बलिदान* के रूप म सात ठन बईला, सात ठन मेढ़ा, सात ठन मेढ़ा-पीला अऊ सात ठन बोकरा लानिन। राजा ह हारून के संतान, पुरोहितमन ला हुकूम दीस कि ओमन येमन ला यहोवा के बेदी म चघावंय।
22 तब ओमन बईलामन ला बलि करिन, अऊ पुरोहितमन खून ला लेके बेदी म छिंच दीन; तब ओमन मेढ़ामन ला बलि करिन अऊ खून ला बेदी म छिंच दीन। तब ओमन मेढ़ा-पीलामन ला बलि करिन अऊ खून ला बेदी म छिंच दीन।
23 पाप-बलिदान बर बोकरामन ला राजा अऊ सभा के आघू म लाने गीस, अऊ ओमन अपन हांथ ओ बोकरामन ऊपर रखिन।
24 तब पुरोहितमन बोकरामन ला बलि करिन अऊ बेदी म खून ला जम्मो इसरायल के पछताप बर पाप-बलिदान के रूप म चघा दीन, काबरकि राजा हिजकियाह ह जम्मो इसरायल बर होम-बलिदान अऊ पाप-बलिदान के हुकूम देय रिहिस।
25 ओह यहोवा के मंदिर म लेवीमन ला मंजीरा, बीना अऊ सितार के संग दाऊद अऊ राजा के अगम-दरसी गाद अऊ अगमजानी नातान दुवारा बताय बिधि के मुताबिक तैनात करिस; येकर हुकूम यहोवा के दुवारा अगमजानीमन के जरिये देय गे रिहिस।
26 तब लेवीमन दाऊद के बताय बाजामन ला अऊ पुरोहितमन अपन तुरहीमन ला लेके तियार खड़े हो गीन।
27 हिजकियाह ह बेदी म होम-बलिदान चघाय के हुकूम दीस। जब बलिदान चघाय के काम सुरू होईस, त तुरही अऊ इसरायल के राजा दाऊद के बाजामन संग, यहोवा बर गाना गवई घलो सुरू होईस।
28 जम्मो सभा के मन अराधना म झुक गीन, जबकि संगीतकारमन बजाते रिहिन अऊ तुरहीमन बजते रिहिन। ये जम्मो ह तब तक चलते रिहिस, जब तक कि होम-बलिदान चघाय के काम ह पूरा नइं हो गीस।

* **29:21** या [illegible]

29 जब बलिदान चघई के काम खतम हो गीस, तब राजा अऊ उहां ओकर संग म जूरे जम्मो मनखेमन माड़ी
टेकके अराधना करिन।
30 राजा हिजकियाह अऊ ओकर करमचारीमन लेवीमन ला हुकूम दीन कि ओमन दाऊद अऊ आसाप
अगम-दरसी के सबदमन के संग यहोवा के परसंसा करंय। एकरसेति ओमन खुसी के संग भजन गाईन अऊ मुड़
नवाके अराधना करिन।
31 तब हिजकियाह ह कहिस, "तुमन अब अपनआप ला यहोवा ला समरपित कर देय हवव। आवव अऊ
बलिदान अऊ धनबाद-बलिदान यहोवा के मंदिर म लानव।" एकरसेति सभा के मनखेमन बलिदान अऊ
धनबाद-बलिदान लाईन, अऊ जेमन के मन होईस, ओ जम्मो झन होम-बलिदान लाईन।
32 सभा के दुवारा लाय गे होम-बलिदान म सत्तर ठन बईला, एक सौ मेढ़ा अऊ दू सौ मेढ़ा-पीला रिहिन—ये
जम्मो यहोवा के होम-बलिदान बर रिहिन।
33 सुध करे गय पसु, जेमन ला बलिदान के रूप म चघाना रिहिस, ओमन के गनती छै सौ बईला अऊ तीन
हजार भेड़ अऊ बोकरामन रिहिन।
34 पर होम-बलिदान के पसुमन के चमड़ी ला निकाले बर उहां बहुंत कम पुरोहितमन रिहिन; एकरसेति ओमन
के सगा-संबंधी लेवीमन तब तक ओमन के मदद करिन, जब तक कि काम ह पूरा नइं हो गीस अऊ जब तक कि
आने पुरोहितमन के संस्कार नइं करे गीस, काबरकि लेवीमन अपनआप ला पुरोहितमन के तुलना म जादा मन
लगाके संस्कार करत रिहिन।
35 उहां अब्बड़ अकन होम-बलिदान रिहिस, संग म मेल-बलिदान के चरबी अऊ होम-बलिदान के संग
पेय-बलिदान घलो रिहिस।
ये किसम ले यहोवा के मंदिर के सेवा ला फेर से स्थापित करे गीस।
36 परमेसर ह अपन मनखेमन बर जऊन कुछू करे रिहिस, ओकर बर राजा हिजकियाह अऊ जम्मो मनखेमन
आनंद मनाईन, काबरकि येला बहुंत जल्दी कर लेय गे रिहिस।

30

[illegible]

1 हिजकियाह ह जम्मो इसरायल अऊ यहूदा म खबर भेजिस अऊ एपरैम अऊ मनस्से ला घलो नेवता देवत
चिट्ठी लिखिस कि तुमन यरूसलेम म यहोवा के मंदिर म आवव अऊ यहोवा, इसरायल के परमेसर के फसह के
तिहार मनावव।
2 राजा अऊ ओकर करमचारी अऊ सभा के जम्मो मनखेमन यरूसलेम म दूसर महिना म फसह के तिहार
मनाय के फैसला करिन।
3 ओमन ये तिहार ला नियमित रूप म नइं मनाय पाय रिहिन, काबरकि परयाप्त पुरोहितमन अपन संस्कार
नइं करे रिहिन अऊ मनखेमन यरूसलेम म संकलाय नइं रिहिन।
4 ये योजना ह राजा अऊ जम्मो सभा ला सही लगिस।
5 ओमन पूरा इसरायल म बेरसेबा ले लेके दान तक एक घोसना करे के फैसला करिन कि मनखेमन यरूसलेम
आवंय अऊ यहोवा, इसरायल के परमेसर के फसह के तिहार मनावंय। काबरकि ओमन अतेक बड़े संखिया म
येला नइं मनाय रिहिन, जइसे कि किताब म लिखे गे रिहिस।
6 राजा के हुकूम ले, दूतमन राजा अऊ ओकर अधिकारीमन के चिट्ठी लेके इसरायल अऊ यहूदा के पूरा देस म
गीन, अऊ चिट्ठी म ये लिखाय रहय:

"हे इसरायल के मनखेमन, यहोवा करा लहुंट आवव, जऊन ह अब्राहम, इसहाक अऊ इसरायल के परमेसर
अय, ताकि ओह तुम्हर करा लहुंट आवय, जेमन बचे हवव, जेमन अस्सूर के राजामन के हांथ ले बांच गे हवव।
7 अपन दाई-ददा अऊ अपन संगी इसरायलीमन असन झन बनव, जेमन यहोवा, अपन पुरखामन के
परमेसर बर बिसवासघाती हो गीन, जेकर कारन ओह ओमन ला आतंक के चीज बना दीस, जइसे कि तुमन देखत
हवव।
8 अपन पुरखामन असन हठी झन बनव; यहोवा के अधीन होवव। ओकर पबितर-स्थान म आवव, जेला
ओह हमेसा बर संस्कार करे हवय। यहोवा अपन परमेसर के सेवा करव, ताकि ओकर भयंकर कोरोध ह तुम्हर ले
दूरिहा हो जावय।

9 यदि तुमन यहोवा करा लहुंट आहू, त तुम्हर संगी इसरायली अऊ तुम्हर लइकामन ऊपर ओमन के कैद
करइया दुवारा दया देखाय जाही अऊ ओमन ये देस म लहुंट आहीं, काबरकि यहोवा तुम्हर परमेसर ह अनुग्रह
करइया अऊ दयालु अय। यदि तुमन ओकर करा लहुंट आहू, त ओह तुम्हर ले अपन मुहूं नइं मोड़य।"
10 दूतमन एपरैम अऊ मनस्से म नगर-नगर ले होवत जबूलून के इलाका तक गीन, पर मनखेमन ओमन के
अपमान अऊ ठट्ठा करिन।
11 तभो ले, आसेर, मनस्से अऊ जबूलून के कुछू मनखेमन अपनआप ला नम्र करके यरूसलेम चले गीन।
12 यहूदा म घलो परमेसर के हांथ मनखेमन ऊपर रिहिस कि ओमन यहोवा के बचन म चलत राजा अऊ
ओकर अधिकारीमन के हुकूम ला पूरा करे बर एक मन हो गीन।
13 दूसर महिना म अखमीरी रोटी के तिहार मनाय बर यरूसलेम म मनखेमन के एक बड़े भीड़ जूर गीस।
14 ओमन यरूसलेम म बेदीमन ला हटा दीन अऊ धूप के बेदीमन ला हटाके ओमन ला किदरोन घाटी म फेंक
दीन।
15 ओमन दूसर महिना के चौदहवां दिन फसह के मेढ़ा-पीला बलिदान करिन। पुरोहित अऊ लेवीमन सरमिंदा
होईन अऊ ओमन अपनआप ला पबितर करिन अऊ यहोवा के मंदिर म होम-बलिदान लाईन।
16 तब ओमन परमेसर के जन मूसा के कानून के मुताबिक अपन नियमित जगह ला लीन। पुरोहितमन
लेवीमन के दुवारा देय गे खून ला बेदी म छिंच दीन।
17 काबरकि भीड़ म बहुंते अइसे मनखे रिहिन, जेमन अपनआप ला पबितर नइं करे रिहिन, तेकर खातिर
लेवीमन ला ओ जम्मो मनखेमन बर फसह के मेढ़ा-पीलामन ला मारे ला पड़िस, जेमन बिधि के मुताबिक सुध
नइं होय रिहिन अऊ अपन मेढ़ा-पीलामन* ला यहोवा बर संस्कार नइं कर सके रिहिन।
18 हालाकि एपरैम, मनस्से, इस्साकार अऊ जबूलून ले आय बहुंत अकन मनखेमन अपनआप ला सुध नइं करे
रिहिन, तभो ले कानून म लिखे बात के उल्टा ओमन फसह ला खा लीन। पर हिजकियाह ह ये कहिके ओमन बर
पराथना करिस, "यहोवा, जऊन ह बने अय, जम्मो ला छेमा करय
19 जऊन ह ओमन के मन ला अपन परमेसर के खोज म लगाथे—यहोवा, ओमन के पुरखामन के
परमेसर—भले ही ओमन पबितर-स्थान के नियम के मुताबिक सुध नइं अंय।"
20 अऊ यहोवा ह हिजकियाह के पराथना ला सुनिस अऊ मनखेमन ला चंगा करिस।
21 जऊन इसरायलीमन ओ समय यरूसलेम म रिहिन, ओमन सात दिन ले अखमीरी रोटी के तिहार अब्बड़
आनंद के संग मनाईन, जबकि लेवी अऊ पुरोहितमन हर दिन बाजामन के अवाज के संग यहोवा के परसंसा
करत रिहिन।
22 हिजकियाह ह ओ जम्मो लेवीमन ला उत्साह के बात कहिस, जेमन यहोवा के सेवा म बने समझदारी
देखाईन। काबरकि सात दिन तक ओमन अपन ठहिराय भाग ला खाईन अऊ मेल-बलिदान चघाईन अऊ
यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के परसंसा करिन।†
23 तब सभा के जम्मो मनखेमन तिहार ला अऊ सात दिन तक मनाय बर सहमत हो गीन; एकरसेति अऊ
सात दिन तक ओमन आनंद सहित तिहार मनाईन।
24 यहूदा के राजा हिजकियाह ह सभा बर एक हजार बईला अऊ सात हजार भेड़ अऊ बकरी दीस, अऊ
अधिकारीमन ओमन ला एक हजार बईला अऊ दस हजार भेड़ अऊ बकरी दीन। अब्बड़ संखिया म पुरोहितमन
अपनआप ला पबितर करिन।
25 यहूदा के जम्मो सभा ह पुरोहित अऊ लेवीमन संग आनंद मनाईस अऊ ओमन घलो जेमन इसरायल ले
जमा होय रिहिन, ओमा ओ परदेसीमन घलो रिहिन, जेमन इसरायल ले आय रिहिन अऊ ओमन घलो जेमन
यहूदा म रहत रिहिन।
26 यरूसलेम म बहुंत आनंद मनाय गीस, काबरकि इसरायल के राजा दाऊद के बेटा सुलेमान के दिन ले
यरूसलेम म अइसन उत्सव नइं मनाय गे रिहिस।
27 पुरोहित अऊ लेवीमन मनखेमन ला आसीरबाद देय बर ठाढ़ हो गीन, अऊ परमेसर ह ओमन के सुनिस,
काबरकि ओमन के पराथना ह स्वरग म, ओकर पबितर निवास म हबर गीस।

---

* **30:17** या [illegible] † **30:22** या [illegible]

31

1 जब ये सबो काम खतम हो गीस, तब जऊन इसरायलीमन उहां रिहिन, ओमन यहूदा के सहरमन म गीन
अऊ पबितर पथरामन ला कुटा-कुटा कर दीन अऊ असेरा देवी के खंभामन ला काटके गिरा दीन। ओमन पूरा
यहूदा अऊ बिनयामीन अऊ एपरैम अऊ मनस्से के ऊंच जगह अऊ बेदीमन ला नास कर दीन। ओ सब ला नास
करे के बाद, इसरायलीमन अपन-अपन सहर अऊ अपन जमीन-जायजाद म लहुंट गीन।

[illegible]

2 राजा हिजकियाह ह पुरोहित अऊ लेवीमन ला दल म बांट दीस—ओमा के हर एक ला ओमन के बुता के
मुताबिक पुरोहित या लेवी के रूप म—ताकि ओमन होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान चघावंय, सेवा करंय,
धनबाद देवंय अऊ यहोवा के निवास के दुवारमन म परसंसा के गीत गावंय।
3 राजा ह बिहनियां अऊ संझा के होम-बलिदान अऊ बिसराम दिन के होम-बलिदान, नवां चंदा म अऊ
यहोवा के कानून म लिखके ठहिराय तिहारमन बर अपन खुद के धन ले दान करिस।
4 ओह यरूसलेम म रहइया मनखेमन ला हुकूम दीस कि ओमन पुरोहित अऊ लेवीमन ला ओमन के भाग
देवंय, ताकि ओमन अपनआप ला यहोवा के कानून बर अरपित कर सकंय।
5 जइसे ही ये हुकूम दिये गीस, इसरायलीमन उदारता ले अपन अनाज के पहिला फर, नवां अंगूर के मंद,
जैतून तेल अऊ मंधरस अऊ खेत के जम्मो किसम के ऊपज ला दीन। ओमन अब्बड़ मात्रा म, सबो चीज के
दसमांस ला लेके आईन।
6 यहूदा के नगरमन म रहइया इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन घलो अपन गाय-बईला अऊ भेड़-बकरीमन
के झुंड ले दसमांस अऊ यहोवा ओमन के परमेसर ला समरपित पबितर चीजमन के दसमांस लेके आईन, अऊ
ओला कुढ़ोके ढेर कर दीन।
7 ओमन तीसर महिना म अइसने करे के सुरू करिन अऊ सातवां महिना म खतम करिन।
8 जब हिजकियाह अऊ ओकर करमचारीमन आके कुढ़ा के ये ढेर ला देखिन, तब ओमन यहोवा के परसंसा
करिन अऊ इसरायल के मनखेमन ला आसीस दीन।
9 हिजकियाह ह पुरोहित अऊ लेवीमन ले कुढ़ा के बारे म पुछिस;
10 सादोक के परिवार ले, अजरयाह मुखिया पुरोहित ह जबाब दीस, "जब ले मनखेमन यहोवा के मंदिर म
अपन भेंट ला देय के सुरू करे हवंय, तब ले हमर करा खाय बर परयाप्त जेवन हवय अऊ बहुंत बांच घलो जावत
हे, काबरकि यहोवा ह अपन मनखेमन ला आसीस देय हवय, अऊ अब्बड़ अकन बचे घलो हवय।"
11 हिजकियाह ह यहोवा के मंदिर म भंडारघरमन ला तियार करे के हुकूम दीस, अऊ ये काम ला करे गीस।
12 तब ओमन बिसवास सहित भेंट, दसमांस अऊ समरपित भेंट लाईन। एक लेवी कोनन्याह ह ये चीजमन के
अधिकारी रिहिस अऊ ओकर बाद ओकर भाई सिमी ह अधिकारी रिहिस।
13 यहीएल, अजजियाह, नहत, असाहेल, यरीमोत, योजाबाद, एलीएल, यिसमाकियाह, महत अऊ
बनायाह—येमन कोनन्याह अऊ ओकर भाई सिमी के सहायक रिहिन। ये जम्मो झन राजा हिजकियाह अऊ
परमेसर के मंदिर के अधिकारी अजरयाह के हुकूम ले सेवा करत रिहिन।
14 पूरब दुवार के रखवार यिमना लेवी के बेटा कोरे ऊपर परमेसर ला देय गे स्वेच्छा-बलिदान के जबाबदारी
रिहिस, जऊन ह यहोवा ला देय गे दान अऊ पबितर भेंट ला बांटय।
15 एदेन, मिनयामीन, येहोसू, समायाह, अमरयाह अऊ सेकनयाह, पुरोहितमन के नगरमन म बिसवास के
संग ओकर मदद करिन, अऊ ओमन के संगी पुरोहितमन ला ओमन के दल के मुताबिक दान अऊ भेंट ला बांट
दीन, डोकरा अऊ जवान जम्मो ला एक समान बांटिन।
16 येकर अलावा, ओमन तीन साल या ओकर ले जादा उमर के ओ पुरूसमन ला बांटिन जेमन के नांव
बंसावली म लिखे गे रिहिस—ओ जम्मो, जेमन अपन जबाबदारी अऊ अपन दल के मुताबिक, अपन
अलग-अलग किसम के रोज के बुता बर यहोवा के मंदिर म प्रवेस करहीं।
17 अऊ ओमन पुरोहितमन ला ओमन के परिवार के बंसावली के लेखा-जोखा के मुताबिक अऊ अइसने ही
बीस साल या ओकर ले जादा उमर के लेवीमन ला, ओमन के जिम्मेदारी अऊ दल के मुताबिक बांट दीन।

18 ओमन जम्मो छोटे लइका, घरवाली, अऊ ओ पूरा समाज के बेटा-बेटीमन ला सामिल करिन, जऊन मन
के नांव ये बंसावली के लेखा-जोखा म लिखाय रिहिस। काबरकि ओमन अपनआप ला पबितर करे म
बिसवासयोग्य रिहिन।
19 जहां तक हारून के संतान, पुरोहितमन के बात ए, जेमन अपन नगरमन के चारों कोति चराईवाले मैदान म
या कोनो आने नगर म रहत रिहिन, ओमन के पुरूसमन ला ओमन के नांव के मुताबिक ठहिराय गीस, ताकि
ओमन अपन बीच म ले हर एक पुरूस ला अऊ ओ जम्मो ला, जेमन के नांव लेवीमन के बंसावली म लिखे गे
रिहिस, ओमन के भाग ला बांट देवंय।
20 हिजकियाह ह ये काम ला पूरा यहूदा प्रदेस म करिस, ओह ओ काम करिस, जऊन ह यहोवा ओकर परमेसर
के नजर म बने अऊ सही अऊ बिसवास के लईक रिहिस।
21 हर ओ काम, जेला ओह परमेसर के मंदिर के सेवा म अऊ कानून अऊ हुकूम के पालन म करिस, ओह
हमेसा परमेसर के खोज म सबो काम ला पूरा मन से करिस। अऊ ये किसम ले ओह उन्नति करत गीस।

32

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 हिजकियाह के दुवारा ये जम्मो काम ला बिसवासयोग्यता से पूरा करे के बाद, अस्सूर के राजा सनहेरीब ह
आके यहूदा ऊपर हमला कर दीस। ओह गढ़वाला सहरमन ला घेर लीस, ये सोचके कि ये सहरमन ला ओह
अपन बर जीत लीही।
2 जब हिजकियाह ह देखिस कि सनहेरीब ह आय हवय अऊ ओह यरूसलेम के बिरूध लड़ई करे के इरादा
रखथे,
3 त हिजकियाह ह अपन करमचारी अऊ सेना के करमचारीमन ले सलाह लीस कि सहर के बाहिर पानी के
सोता ला रोके जावय, अऊ ओमन ओकर मदद करिन।
4 ओमन मनखेमन के एक बड़े दल ला संकेलिन, जऊन मन देस म होके बहत जम्मो सोता अऊ झरनामन ला
रोक दीन। ओमन कहिन, "अस्सूर के राजा ह काबर आवय अऊ ओला अब्बड़ अकन पानी मिलय?"
5 तब हिजकियाह ह दीवार के जम्मो टूटे भाग के मरम्मत अऊ येकर ऊपर मीनारमन ला बनाय के कठिन
बुता ला करिस। ओह ओकर बाहिर म एक अऊ दीवार बनाईस अऊ दाऊद के सहर के छतमन ला मजबूत
करिस। ओह अब्बड़ संखिया म हथियार अऊ ढालमन ला घलो बनाईस।
6 ओह मनखेमन ऊपर सेना के अधिकारीमन ला ठहिरा दीस अऊ ओमन ला अपन सामने चऊक म सहर के
दुवार करा संकेलिस अऊ ये बात कहिके ओमन ला उत्साहित करिस:
7 "मजबूत अऊ साहसी बनव। अस्सूर के राजा अऊ ओकर बड़े सेना के कारन झन डरव अऊ हतास झन
होवव, काबरकि ओकर ले बड़े ताकत हमर संग हवय।
8 ओकर संग सिरिप हाड़-मांस के हांथ हवय, पर हमर संग यहोवा हमर परमेसर हमर मदद करे बर अऊ हमर
लड़ई लड़े बर हवय।" अऊ यहूदा के राजा हिजकियाह के बात ले मनखेमन के भरोसा ह बढ़िस।

9 बाद म, जब अस्सूर के राजा सनहेरीब अऊ ओकर जम्मो सेनामन लाकीस नगर ला घेरे रिहिन, तब ओह
अपन अधिकारीमन ला यहूदा के राजा हिजकियाह अऊ उहां रहइया जम्मो यहूदा के मनखेमन करा ये संदेस के
संग यरूसलेम भेजिस:
10 "अस्सूर के राजा सनहेरीब ह ये कहत हे: तुमन का बात के ऊपर भरोसा करके यरूसलेम के भीतर म
घेराय बईठे हवव?
11 जब हिजकियाह ह कहिथे, 'यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला अस्सूर के राजा के हांथ ले बचाही,' त ओह
तुमन ला बहकावत हे, ताकि तुमन भूख अऊ पीयास म मर जावव।
12 का हिजकियाह ह खुद देवतामन के ये ऊंच जगह अऊ बेदीमन ला यहूदा अऊ यरूसलेम ले ये कहिके
नइं हटा दीस, 'तुमन एकेच बेदी के आघू म अराधना करव अऊ ओमा बलिदान चघावव'?
13 "का तुमन नइं जानव कि में अऊ मोर ले पहिले के राजामन आने देसमन के जम्मो मनखेमन संग का करे
हवंय? का ओ जातिमन के देवतामन कभू अपन देस ला मोर हांथ ले छुड़ाय पाईन?

14 ओ जातिमन के जम्मो देवता, जेमन ला मोर ले पहिले के राजामन नास कर दीन, ओमा के कोन ह अपन
मनखेमन ला मोर ले बचा सकिस? तब तुम्हर देवता ह तुमन ला मोर हांथ ले कइसे छुड़ा सकथे?
15 अब हिजकियाह ह तुमन ला धोखा झन देवय, अऊ तुमन ला अइसन झन बहकावय। ओकर ऊपर
बिसवास झन करव, काबरकि कोनो भी देस या राज के देवता ह अपन मनखेमन ला मोर हांथ ले या मोर
पुरखामन के हांथ ले नइं छुड़ा सके हवय। त फेर तुम्हर देवता ह तुमन ला मोर हांथ ले कइसे छुड़ाही!"
16 सनहेरीब के अधिकारीमन यहोवा परमेसर के बिरूध अऊ ओकर सेवक हिजकियाह के बिरूध अऊ बात
कहिन।
17 राजा ह घलो यहोवा, इसरायल के परमेसर के ठट्ठा करत अऊ ओकर बिरूध ये कहत चिट्ठी लिखिस:
"जइसे कि आने देसमन के मनखेमन के देवतामन अपन मनखेमन ला मोर हांथ ले नइं बचाईन, वइसे ही
हिजकियाह के देवता ह घलो ओकर मनखेमन ला मोर हांथ ले नइं बचा सकही।"
18 तब ओमन यरूसलेम के मनखेमन ला जेमन दीवार ऊपर रिहिन, इबरानी म ऊंचहा अवाज म कहिन, ताकि
ओमन आतंकित हो जावंय अऊ डर जावंय, अऊ सहर म सनहेरीब के अधिकारीमन कब्जा कर लेवंय।
19 ओमन यरूसलेम के परमेसर के बारे म वइसे कहिन, जइसे ओमन संसार के आने मनखेमन के देवतामन के
बारे म कहे रिहिन—जेमन मनखे के हांथ के काम अंय।
20 राजा हिजकियाह अऊ आमोस के बेटा अगमजानी यसायाह ह ये बारे म स्वरग के परमेसर ले चिल्लाके
पराथना करिन।
21 अऊ यहोवा ह एक स्वरगदूत ला भेजिस, जऊन ह अस्सूर के राजा के डेरा म जम्मो सैनिक अऊ सेनापति
अऊ अधिकारीमन के पूरा सतियानास कर दीस। तब सनहेरीब ह कलंकित होके अपन देस चल दीस। अऊ जब
ओह अपन देवता के मंदिर म गीस, तब ओकर कुछू बेटामन, जेमन ओकर खुद के मांस अऊ लहू रिहिन, ओला
तलवार ले मार डालिन।
22 ये किसम ले यहोवा ह हिजकियाह अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला अस्सूर के राजा सनहेरीब के हांथ ले
अऊ जम्मो आने मन के हांथ ले बचाईस। यहोवा ह हर कोति ले ओमन के खियाल रखिस।
23 बहुंत मनखेमन यरूसलेम म यहोवा बर भेंट अऊ यहूदा के राजा हिजकियाह बर कीमती उपहार लाईन।
तब ले जम्मो जाति के मनखेमन हिजकियाह के बहुंत आदर करे लगिन।

[illegible]

24 ओ समय म, हिजकियाह ह बेमार हो गीस अऊ मरइयाच रिहिस। ओह यहोवा ले पराथना करिस, अऊ
यहोवा ह ओला जबाब दीस अऊ ओला एक अद्भूत चिनहां दीस।
25 पर हिजकियाह के हिरदय ह घमंड ले भर गीस, अऊ ओह ओकर ऊपर करे गे दया के मुताबिक काम नइं
करिस; एकरसेति यहोवा के कोरोध ह ओकर ऊपर अऊ यहूदा अऊ यरूसलेम ऊपर भड़किस।
26 तब हिजकियाह ह अपन हिरदय के घमंड ले पछ्ताप करिस, अऊ वइसने ही यरूसलेम के मनखेमन घलो
पछ्ताप करिन; एकरसेति यहोवा के कोप ह ओमन के ऊपर हिजकियाह के दिन म नइं आईस।
27 हिजकियाह करा अब्बड़ अकन धन रिहिस अऊ ओकर मान-सम्मान रिहिस, अऊ ओह अपन सोन अऊ
चांदी बर अऊ अपन कीमती पथरा, मसाला, ढाल अऊ जम्मो किसम के कीमती सामान बर भंडार बनवाईस।
28 ओह अनाज के फसल, नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल ला रखे बर भवन घलो बनवाईस; अऊ ओह
आने-आने किसम के पसुमन बर कोठा, अऊ भेड़-बकरीमन बर बाड़ा बनवाईस।
29 ओह गांवमन ला बनाईस, अऊ अब्बड़ अकन भेड़-बकरी अऊ गाय-बईलामन ला संकेलिस, काबरकि
परमेसर ह ओला अब्बड़ अकन संपत्ति देय रिहिस।
30 येह हिजकियाह ही रिहिस, जऊन ह गीहोन सोता के ऊपर के नाली ला बंद कर दीस अऊ दाऊद के सहर
के पछिम कोति ओ पानी के बहाव ला कर दीस। ओह जऊन कुछू भी करिस, ओमा ओला सफलता मिलिस।
31 पर जब बेबिलोन के सासन करइयामन ओकर ले ओ देस म होय अद्भूत चिनहां के बारे म पुछे बर दूतमन
ला भेजिन, तब परमेसर ह ओला परखे बर अऊ जऊन कुछू ओकर हिरदय म रिहिस, ओ सबो ला जाने बर ओला
छोंड़ दीस।
32 हिजकियाह के राज के आने घटनामन अऊ ओकर भक्ति के काम आमोस के बेटा अगमजानी यसायाह के
दरसन म यहूदा अऊ इसरायल के राजामन के किताब म लिखे गे हवय।

33 हिजकियाह ह अपन पुरखामन के संग हमेसा बर सुत गीस अऊ ओला ओ पहाड़ी म माटी देय गीस, जिहां
दाऊद के संतानमन के कबरमन हवंय। जब ओह मरिस, त जम्मो यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ओकर
आदर करिन। अऊ ओकर बेटा मनस्से ह ओकर जगह म राजा बनिस।

33

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

1 मनस्से ह बारह साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म पचपन साल तक राज करिस।
2 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, ओह ओ जातिमन के घिनित काममन के पाछू चलिस, जेमन ला
यहोवा ह इसरायलीमन के आघू ले भगा दे रिहिस।
3 ओह ओ ऊंचहा जगहमन ला फेर बनाईस, जेमन ला ओकर ददा हिजकियाह ह गिरा दे रिहिस; ओह बाल
देवतामन बर बेदीमन ला अऊ असेरा देवी के खंभामन ला बनाईस। ओह जम्मो तारामन के समूह ला दंडवत
करके ओमन के अराधना करिस।
4 ओह यहोवा के मंदिर म बेदीमन ला बनाईस, जेकर बारे म यहोवा ह कहे रिहिस, "मोर नांव यरूसलेम म
हमेसा बने रहिही।"
5 यहोवा के मंदिर के दूनों अंगना म, ओह जम्मो तारामन के समूह बर बेदीमन ला बनाईस।
6 ओह बेन-हिन्नोम के घाटी म अपन लइकामन ला आगी म बलिदान कर दीस, ओह सकुन-बिचार अऊ
जादू-टोना करवाईस, सुभ-असुभ समय ला मानिस, अऊ बईगा अऊ भूत-परेत साधकमन ले सलाह लीस। ओह
यहोवा के नजर म बहुंत दुस्ट काम करिस अऊ ओकर कोरोध ला भड़काईस।
7 ओह अपन बनाय मूरती ला लीस अऊ ओला परमेसर के मंदिर म रखिस, जेकर बारे म परमेसर ह दाऊद
अऊ ओकर बेटा सुलेमान ला कहे रिहिस, "इसरायल के जम्मो गोत्र म ले, मेंह ये मंदिर अऊ यरूसलेम ला चुने
हंव अऊ इहां मेंह अपन नांव ला सदाकाल बर रखहूं।
8 मेंह इसरायलीमन ला ओ देस ले फेर नइं निकालहूं, जेला मेंह तोर पुरखामन ला देय हंव, पर ओमन ला
सिरिप ये करना हे कि मूसा के जरिये दिये गय मोर जम्मो कानून, बिधि अऊ नियम के ओमन धियान देके पालन
करंय।"
9 पर मनस्से ह यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला इहां तक भटका दीस, कि ओमन ओ जाति ले घलो
जादा दुस्ट काम करिन, जेमन ला यहोवा ह इसरायलीमन के आघू ले नास कर दे रिहिस।
10 यहोवा ह मनस्से अऊ ओकर मनखेमन ले गोठियाईस, पर ओमन धियान नइं दीन।
11 एकरसेति यहोवा ह ओमन के बिरूध अस्सूर के राजा के सेना के सेनापतिमन के दुवारा हमला करवाईस,
जेमन मनस्से ला बंदी बना लीन अऊ ओकर नाक म एक नकेल डाल दीन अऊ ओला कांसा के बेड़ी म जकड़के
बेबिलोन सहर ले गीन।
12 ये दुख के बेरा, मनस्से ह यहोवा अपन परमेसर ले दया के भीख मांगिस अऊ अपन पुरखामन के परमेसर के
आघू म अपनआप ला बहुंत दीन-हीन करिस।
13 अऊ जब ओह यहोवा ले पराथना करिस, त यहोवा ह ओकर बिनती ले पिघल गीस अऊ ओकर पराथना
ला सुनिस, अऊ ओह ओला वापिस यरूसलेम अऊ ओकर राज म लहुंटा ले आईस। तब मनस्से ह जानिस कि
यहोवा ह परमेसर ए।
14 ओकर बाद ओह दाऊद के सहर के बाहिरी दीवार ला फेर बनाईस, जऊन ह घाटी म गीहोन नाला के
पछिम कोति मछरी दुवार तक हवय अऊ ओह ओपेल के पहाड़ी तक घेरा लगा दीस; ओह येला अऊ जादा ऊंच
बनाईस। ओह यहूदा के जम्मो गढ़वाले सहर म सेना के सेनापतिमन ला ठहिराईस।
15 ओह पराया देवतामन ला अऊ यहोवा के मंदिर ले मूरती ला निकाल दीस, अऊ संग म ओ जम्मो बेदी,
जेमन ला ओह मंदिर के पहाड़ी अऊ यरूसलेम म बनाय रिहिस, ओ जम्मो ला घलो सहर के बाहिर फेंक दीस।
16 तब ओह यहोवा के बेदी ला फेर स्थापित करिस अऊ येमा मेल-बलिदान अऊ धनबाद-बलिदान चघाईस
अऊ यहूदीमन ला यहोवा इसरायल के परमेसर के सेवा करे बर कहिस।
17 तभो ले मनखेमन ऊंच जगहमन म बलिदान चघाना जारी रखिन, पर सिरिप यहोवा अपन परमेसर ला।

18 मनस्से के राज के आने घटनामन, परमेसर ले करे गय ओकर पराथना अऊ यहोवा, इसरायल के परमेसर के
नांव म अगम-दरसीमन के दुवारा ओला कहे गय बचन, ये जम्मो बातमन इसरायल के राजामन के इतिहास के
किताब म लिखे हवंय।
19 ओकर पराथना अऊ परमेसर ह कइसे ओकर बिनती ले पिघल गीस, येकर अलावा अपनआप ला नम्र करे
के पहिले ओकर जम्मो पाप अऊ बिसवासघात, अऊ ओ जगहमन जिहां ओह ऊंचहा जगहमन ला बनाईस अऊ
असेरा देवी के खंभा अऊ मूरतीमन ला स्थापित करिस—ये जम्मो बात अगमजानीमन के अभिलेख म लिखे
हवय।
20 मनस्से ह हमेसा बर अपन पुरखामन के संग सुत गीस अऊ ओला ओकर महल म माटी दिये गीस। अऊ
ओकर बेटा आमोन ह ओकर जगह म राजा बनिस।

[illegible]

21 आमोन ह बाईस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म दू साल तक राज करिस।
22 ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसे कि ओकर ददा मनस्से ह करे रिहिस। आमोन ह अपन ददा
मनस्से के बनाय जम्मो मूरतीमन के अराधना करिस अऊ ओमन ला बलिदान चघाईस।
23 पर अपन ददा मनस्से के सहीं, ओह अपनआप ला यहोवा के आघू म नम्र नइं करिस; आमोन ह अऊ जादा
अपराध करत गीस।
24 आमोन के करमचारीमन ओकर बिरूध साजिस करिन अऊ ओकर महल म ओला मार डारिन।
25 तब देस के मनखेमन ओ जम्मो झन ला मार डारिन, जेमन राजा आमोन के बिरूध साजिस करे रिहिन, अऊ
ओमन ओकर बेटा योसियाह ला ओकर जगह म राजा बनाईन।

34

[illegible]

1 योसियाह ह आठ साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म इकतीस साल तक राज
करिस।
2 ओह ओ काम करिस, जऊन ह यहोवा के नजर म सही रिहिस अऊ अपन पुरखा दाऊद के रसता म चलिस;
ओकर ले ओह न तो जेवनी कोति मुड़िस अऊ न ही डेरी कोति।
3 अपन राज के आठवां साल म, जब ओह जवान ही रिहिस, तभे ओह अपन पुरखा दाऊद के परमेसर के खोज
म लग गे रिहिस। अपन राज के बारहवां साल म, ओह पूजा के ऊंचहा जगह, असेरा के खंभा अऊ मूरतीमन ला
हटाके यहूदा अऊ यरूसलेम ला सुध करे लगिस।
4 ओकर हुकूम ले बाल देवता के बेदीमन ला टोरके गिरा दिये गीस; ओह ओमन के ऊपर के धूप के बेदीमन ला
कुटा-कुटा कर दीस, अऊ असेरा के खंभा अऊ मूरतीमन ला चूर-चूर कर दीस। येमन ला ओह कुटा-कुटा करके,
ओ कुटामन ला ओ मनखेमन के कबर ऊपर फेंकवा दीस, जेमन येकर ऊपर बलिदान चघांय।
5 ओह ओ बेदीमन म सेवा करइया पुरोहितमन के हाड़ा ला जला दीस, अऊ ये किसम ले ओह यहूदा अऊ
यरूसलेम ला सुध करिस।
6 मनस्से, एपरैम अऊ सिमोन, इहां तक कि नपताली तक के नगरमन म, अऊ ओमन के आसपास खंडहरमन
म,
7 ओह बेदी अऊ असेरा के खंभामन ला टोरके गिरा दीस अऊ मूरतीमन ला कुचरके चूरा बना दीस अऊ पूरा
इसरायल म जम्मो धूप के बेदीमन ला काटके कुटा-कुटा कर दीस। तब ओह वापिस यरूसलेम चल दीस।
8 अपन राज के अठारहवां साल म, योसियाह ह देस अऊ मंदिर ला सुध कर लीस। तब ओह असलियाह के
बेटा सापान अऊ सहर के हाकिम मासेयाह के संग योआहाज के बेटा इतिहास के लेखक योआह ला यहोवा
अपन परमेसर के मंदिर ला मरम्मत करे बर पठोईस।
9 तब ओमन हिलकियाह महा पुरोहित करा गीन अऊ परमेसर के मंदिर म लाने गय ओ पईसा ओला दीन,
जेला दुवारपाल के काम करइया लेवीमन मनस्से, एपरैम अऊ इसरायल के बांचे जम्मो मनखे अऊ यहूदा अऊ
बिनयामीन के जम्मो मनखे अऊ यरूसलेम म रहइया मनखेमन ले जमा करे रिहिन।
10 तब ओमन ओ पईसा ला ओ मनखेमन के हांथ म सऊंप दीन, जेमन ला यहोवा के मंदिर के काम के देखरेख
बर ठहिराय गे रिहिस। ये मनखेमन ओ पईसा मंदिर के मरम्मत अऊ सुधार करइयामन ला दीन।

11 ओमन बढ़ई अऊ भवन बनानेवालामन ला पईसा दीन, ताकि ओमन ओ भवन बर गढ़े पथरा, जोड़े बर
लकड़ी अऊ बल्ला बिसावंय, काबरकि भवन के गिरके नास होय म यहूदा के राजामन के सहमती रिहिस।
12 काम करइयामन बिसवासयोग्यता से काम करिन। येमन के काम के देखरेख करइयामन मरारी के संतान
लेवी—यहत अऊ ओबदयाह, कहात के संतान—जकरयाह अऊ मसुल्लाम रिहिन। ओ जम्मो लेवी, जेमन
अलग-अलग किसम के बाजा बजाय म कुसल रिहिन,
13 ओमन घलो बनिहारमन के अधिकारी रिहिन अऊ अलग-अलग काम के देखरेख करिन। कुछू लेवीमन
सचिव, लेखक अऊ दुवारपाल रिहिन।

[illegible]

14 जब ओमन ओ पईसा ला निकालत रिहिन, जेला यहोवा के मंदिर म लाने गे रिहिस, त हिलकियाह
पुरोहित ला यहोवा के कानून के किताब मिलिस, जेह मूसा के दुवारा दिये गे रिहिस।
15 हिलकियाह ह सचिव सापान ला कहिस, "यहोवा के मंदिर म, मोला कानून के किताब मिले हवय।" अऊ
ओह ओ किताब सापान ला दे दीस।
16 तब सापान ह ओ किताब ला राजा करा ले गीस अऊ ओला बताईस, "तोर करमचारीमन ओ सब करत हें,
जेकर जिम्मेदारी ओमन ला देय गे हवय।
17 ओमन यहोवा के मंदिर म ले पईसा के भुगतान कर दे हवंय अऊ येला देखरेख करइया अऊ काम
करइयामन के हांथ म सऊंप दे हवंय।"
18 तब सचिव सापान ह राजा ला ये बताईस, "हिलकियाह पुरोहित ह मोला एक किताब दे हवय।" अऊ
सापान ह राजा के आघू म ओ किताब ला पढ़िस।
19 जब राजा ह कानून के बचन ला सुनिस, त ओह दुख म अपन ओनहा ला चीरिस।
20 अऊ ओह हिलकियाह, सापान के बेटा अहीकाम, मीका के बेटा अबदोन, सचिव सापान अऊ राजा के
सेवक असायाह ला ये हुकूम दीस:
21 "जावव अऊ यहोवा ले पता लगावव कि मोर अऊ इसरायल अऊ यहूदा के बांचे मनखेमन के बारे म ओ
किताब म का लिखे हवय, जऊन ह मिले हे। काबरकि भयंकर ए यहोवा के कोरोध, जऊन ह हमर ऊपर भड़के हे,
काबरकि हमर पुरखामन यहोवा के बचन ला नइं मानिन; ओमन ये किताब म लिखे जम्मो बात के मुताबिक नइं
चलिन।"
22 हिलकियाह अऊ ओकर संग राजा के दुवारा पठोय गय मनखेमन हुलदा अगमजानीन करा बात करे बर
गीन, जऊन ह हसरा के नाती अऊ तोखत के बेटा सल्लूम के घरवाली रिहिस। ओह ओनहा रखे के कमरा के
रखवारीन रिहिस अऊ ओह यरूसलेम के नवां बने मकान म रहत रिहिस।
23 हुलदा ह ओमन ला कहिस, "यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: जऊन मनखे ह तुमन ला मोर
करा पठोय हवय, ओला ये कहव,
24 'यहोवा ह ये कहत हे: मेंह ये जगह अऊ इहां के मनखेमन ऊपर बिपत्ति लानेवाला हंव—ओ जम्मो सराप
जेकर बारे ओ किताब म लिखे गे हवय, जेला यहूदा के राजा के आघू म पढ़े गीस।
25 काबरकि ओमन मोला तियाग दे हवंय अऊ आने देवतामन बर धूप जलाय हवंय अऊ अपन हांथ के जम्मो
काम के दुवारा मोर कोरोध ला भड़काय हवंय, एकरसेति ये जगह ऊपर मोर कोरोध ह भड़कही अऊ येह सांत
नइं होही।'
26 यहूदा के राजा ले कहव, जऊन ह यहोवा ले पुछताछ करे बर तुमन ला पठोय हवय, 'जऊन बातमन ला
तेंह सुने हस, ओकर बारे म यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
27 काबरकि तोर मन ह उत्तरदायी होईस अऊ तेंह परमेसर के आघू म अपनआप ला नम्र करय, जब तेंह ये
जगह अऊ इहां के मनखेमन के बिरूध म ओकर बात ला सुनय, अऊ काबरकि तेंह मोर आघू म अपनआप ला
नम्र करय अऊ अपन ओनहा ला चीरके मोर आघू म रोवय, एकरसेति मेंह तोर बात ला सुने हंव, यहोवा ह
घोसना करत हे।
28 मेंह तोला तोर पुरखामन संग मिला दूहूं, अऊ तोला सांति म माटी दिये जाही। तोर आंखीमन ओ जम्मो
बिपत्ति ला नइं देखहीं, जेला मेंह ये जगह अऊ इहां रहइयामन ऊपर लानेवाला हंव।' "
तब ओमन वापिस जाके ओ माईलोगन के कहे बात राजा ला बताईन।

29 तब राजा ह यहूदा अऊ यरूसलेम के जम्मो अगुवामन ला बलाके इकट्ठा करिस।
30 ओह यहूदा के मनखे, यरूसलेम के निवासी, पुरोहित अऊ लेवीमन के संग यहोवा के मंदिर म गीस—ओमा
छोटे ले लेके बड़े जम्मो मनखे रिहिन। ओह ओमन ला करार के ओ किताब के जम्मो बचन ला पढ़के सुनाईस,
जऊन ह यहोवा के मंदिर म मिले रिहिस।
31 राजा ह अपन खंभा करा ठाढ़ होईस अऊ यहोवा के आघू म ये कहिके ओ करार ला नवां करिस कि ओह
यहोवा के पाछू चलही अऊ अपन पूरा मन अऊ पूरा परान से ओकर हुकूम, नियम अऊ बिधिमन ला मानही,
अऊ ओ किताब म लिखे करार के बचन के पालन करही।
32 तब ओह यरूसलेम अऊ बिनयामीन म के हर एक जन ले भी अइसने करे बर सपथ खवाईस; यरूसलेम के
मनखेमन परमेसर, अपन पुरखामन के परमेसर के करार के मुताबिक अइसने ही करिन।
33 योसियाह ह इसरायलीमन के अधीन जम्मो इलाका ले जम्मो घिनौना मूरतीमन ला हटा दीस, अऊ ओह
इसरायल म रहइया जम्मो झन ले यहोवा अपन परमेसर के सेवा करवाईस। जब तक ओह जीयत रिहिस,
ओमन यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के पाछू चले बर नइं छोंड़िन।

35

[illegible]

1 राजा योसियाह ह यहोवा बर यरूसलेम म फसह तिहार मनाईस, अऊ साल के पहिला महिना के चौदहवां
दिन फसह के मेढ़ा-पीला ला बध करे गीस।
2 ओह पुरोहितमन ला ओमन के काम बर ठहिराईस अऊ ओमन ला यहोवा के मंदिर के सेवा बर उत्साहित
करिस।
3 ओह लेवीमन ला कहिस, जेमन जम्मो इसरायलीमन ला निरदेस देवंय अऊ जेमन यहोवा बर पबितर करे गे
रिहिन: "ओ पबितर सन्दूक ला मंदिर म रखव, जेला इसरायल के राजा दाऊद के बेटा सुलेमान ह बनाईस। येला
तुम्हर कंधा म उठाके नइं ले जाना हे। अब यहोवा अपन परमेसर अऊ ओकर मनखे इसरायलीमन के सेवा करव।
4 अऊ इसरायल के राजा दाऊद अऊ ओकर बेटा सुलेमान के दुवारा दिये गय लिखित निरदेस के मुताबिक
अपनआप ला अपन-अपन दल म अपन-अपन परिवार के मुताबिक तियार करव।
5 "अपन संगी इसरायली, सधारन मनखे के परिवारमन के हर एक उप-दल बर लेवीमन के एक दल के संग
पबितर स्थान म ठाढ़ होवव।
6 अऊ फसह के मेढ़ा-पीलामन ला बध करव, अपनआप ला पबितर करव अऊ मूसा के जरिये यहोवा के दिये
हुकूम ला पूरा करत, अपन संगी इसरायलीमन बर मेढ़ा-पीलामन ला तियार करव।"
7 योसियाह ह उहां के जम्मो सधारन मनखे बर कुल तीस हजार मेढ़ा-पीला अऊ बोकरा फसह-बलिदान बर,
अऊ अलग से तीन हजार पसु अऊ दीस—ये जम्मो पसु राजा के खुद के संपत्ति म ले दिये गीन।
8 ओकर करमचारीमन घलो अपन मन से मनखेमन ला अऊ पुरोहित अऊ लेवीमन ला दीन। हिलकियाह,
जकरयाह अऊ यहीएल नांव के परमेसर के मंदिर के अधिकारीमन दू हजार छै सौ फसह-बलिदान अऊ तीन सौ
पसु दीन।
9 कोनन्याह के संग ओकर भाई समायाह अऊ नतनेल, अऊ लेवीमन के अगुवा हसबियाह, येइल अऊ
योजाबाद घलो लेवीमन बर पांच हजार फसह-बलिदान अऊ पांच सौ पसुमन के मुड़ी दीन।
10 अराधना के तियारी करे गीस अऊ पुरोहितमन अपन जगह म लेवीमन के दलमन के संग ठाढ़ होईन,
जइसे कि राजा ह हुकूम दे रिहिस।
11 फसह के मेढ़ा-पीलामन के बध करे गीस, अऊ जऊन लहू पुरोहितमन ला दिये गीस, ओला ओमन बेदी के
आघू म छिंचिन, अऊ लेवीमन बध करे गे पसुमन के खाल उतारिन।
12 ओमन मनखेमन के परिवार के उप-दलमन ला देय बर होम-बलिदान ला अलग रखिन, ताकि ओ मनखेमन
यहोवा ला बलिदान चघा सकंय, जइसे कि मूसा के किताब म लिखे हवय। ओमन पसुमन ला घलो वइसे करिन।
13 बिधि म लिखे मुताबिक लेवीमन फसह के पसुमन ला आगी ऊपर भुंजिन, अऊ पबितर बलिदान ला
बरतन, हांड़ी अऊ कढ़ाहीमन म उसनिन अऊ तुरते जम्मो मनखेमन ला परोस दीन।

14 येकर बाद, ओमन अपन बर अऊ पुरोहितमन बर तियारी करिन, काबरकि हारून के संतान, पुरोहितमन
होम-बलिदान अऊ चरबीवाला भाग ला रथिया होवत तक चघावत रिहिन। एकरसेति लेवीमन अपन बर अऊ
हारून के बंस के पुरोहितमन बर तियारी करिन।
15 दाऊद, आसाप, हेमान अऊ राजा के अगम-दरसी यदूतून के दिये गय निरदेस के मुताबिक आसाप के बंसज
संगीतकारमन अपन जगह लीन। हर एक दुवार म दुवारपालमन ला अपन-अपन जगह म रहे के हुकूम रिहिस,
काबरकि ओमन के संगी लेवीमन तियारी करत रिहिन।
16 तब ओ बेरा, फसह के उत्सव बर अऊ यहोवा के बेदी ऊपर होम-बलिदान चघाय बर यहोवा के पूरा
अराधना करे गीस, जइसे कि राजा योसियाह ह हुकूम देय रिहिस।
17 जऊन इसरायलीमन उहां रिहिन, ओमन ओ बेरा फसह तिहार मनाईन अऊ सात दिन तक अखमीरी रोटी
के तिहार मनाईन।
18 ये फसह तिहार सहीं समूएल अगमजानी के समय ले लेके अब तक कोनो फसह तिहार नइं मनाय गे रिहिस;
अऊ इसरायल के कोनो राजा अइसने फसह के तिहार नइं मनाय रिहिन, जइसने योसियाह ह पुरोहित, लेवी
अऊ यहूदा अऊ इसरायल के ओ जम्मो मनखेमन संग मनाईस, जेमन उहां यरूसलेम के मनखेमन संग रिहिन।
19 ये फसह तिहार योसियाह राजा के राज के अठारहवां साल म मनाय गीस।

[illegible]

20 ये जम्मो के बाद, जब योसियाह ह मंदिर ला ब्यवस्थित कर लीस, तब मिसर के राजा नको ह फरात नदी के
तीर म कर्कमीस नांव के सहर मेर लड़े बर चल दीस, अऊ योसियाह घलो ओकर ले लड़े बर आघू बढ़िस।
21 पर नको ह ये कहिके ओकर करा संदेसिया पठोईस, "हे यहूदा के राजा, तोर अऊ मोर बीच म कोनो झगरा
के बात नइं ए। ये समय मेंह तोर ऊपर हमला करे बर नइं आय हंव, पर मेंह ओ घराना के बिरूध लड़े बर आय
हंव, जेकर से मोर झगरा हवय। परमेसर ह मोला जल्दी करे बर कहे हवय; एकरसेति परमेसर के बिरोध करई बंद
कर, जऊन ह मोर संग हवय, नइं तो ओह तोला नास कर दीही।"
22 पर योसियाह ह ओकर ले पाछू नइं हटिस, बल्कि ओकर ले लड़े बर अपन भेस बदल लीस। ओह ओ बात
ला नइं सुनिस, जेला नको ह परमेसर के हुकूम ले कहे रिहिस, पर ओह नको ले लड़े बर मगिद्दो के मैदान म गीस।
23 धनुसधारीमन राजा योसियाह ऊपर तीर चलाईन, त ओह अपन अधिकारीमन ला कहिस, "मोला दूरिहा
ले जावव; मोला बहुंत चोट लगे हवय।"
24 तब ओमन ओला ओकर रथ म ले उतारके एक आने रथ म डालिन अऊ ओला यरूसलेम ले गीन, जिहां
ओह मर गीस। ओला ओकर पुरखामन के कबर म माटी दिये गीस, अऊ पूरा यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन
ओकर बर सोक मनाईन।
25 यरमियाह ह योसियाह बर एक बिलापगीत लिखिस, अऊ आज तक पुरूस अऊ महिला गवइयामन
योसियाह के सुरता म ओ बिलापगीत गाथें। येह इसरायल म एक परंपरा बन गीस अऊ येला बिलापगीत म
लिखे गे हवय।
26 योसियाह के राज के आने घटनामन अऊ यहोवा के कानून म लिखे मुताबिक ओकर भक्ति के काम—
27 सुरू ले लेके आखिरी तक, जम्मो घटनामन इसरायल अऊ यहूदा के राजामन के किताब म लिखे गे हवंय।

36

1 अऊ देस के मनखेमन योसियाह के बेटा यहोआहाज ला लीन अऊ ओला ओकर ददा के जगह म यरूसलेम
म राजा बनाईन।

[illegible]

2 यहोआहाज ह तेईस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म तीन महिना राज करिस।
3 मिसर के राजा ह ओला यरूसलेम के गद्दी ले हटा दीस अऊ यहूदा देस ऊपर एक सौ टेलेन्ट चांदी* अऊ
एक टेलेन्ट सोन† के कर लगा दीस।

* **36:3** लगभग 3.4 मिटरिक टन † **36:3** लगभग 34 किलोग्राम

4 मिसर के राजा ह यहोआहाज के एक भाई एलयाकीम ला यहूदा अऊ यरूसलेम ऊपर राजा बना दीस अऊ
एलयाकीम के नांव ला बदलके यहोयाकीम रख दीस। पर नको ह एलयाकीम के भाई यहोआहाज ला मिसर ले
गीस।

[illegible]

5 यहोयाकीम ह पच्चीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म गियारह साल तक
राज करिस। ओह यहोवा अपन परमेसर के नजर म दुस्ट काम करिस।
6 बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह ओकर ऊपर हमला करिस अऊ ओला कांसा के संकली म बांधके बेबिलोन
ले गीस।
7 नबूकदनेसर ह यहोवा के मंदिर ले कुछू चीजमन ला घलो बेबिलोन ले गीस अऊ ओ चीजमन ला उहां अपन
मंदिर‡ म रखिस।
8 यहोयाकीम के राज के आने घटनामन, जऊन घिनौना काम ओह करिस अऊ ओमा जऊन बुरई के बातमन
पाय गीस, ओ सब इसरायल अऊ यहूदा के राजामन के किताब म लिखे हवय। अऊ ओकर बेटा यहोयाकीन
ओकर जगह म राजा बनिस।

[illegible]

9 यहोयाकीन ह अठारह साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म तीन महिना अऊ दस
दिन राज करिस। ओह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस।
10 बसन्त के मौसम म, नबूकदनेसर राजा ह ओला बेबिलोन बुलवा लीस अऊ संग म यहोवा के मंदिर ले
कीमती चीजमन ला घलो बेबिलोन मंगवा लीस, अऊ ओह यहोयाकीन के कका§ सिदकियाह ला यहूदा अऊ
यरूसलेम ऊपर राजा बना दीस।

[illegible]

11 सिदकियाह ह इक्कीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म गियारह साल तक
राज करिस।
12 ओह यहोवा अपन परमेसर के नजर म दुस्ट काम करिस अऊ अपनआप ला यरमियाह अगमजानी के आघू
म नम्र नइं करिस, जऊन ह ओला यहोवा के बचन सुनाईस।
13 ओह राजा नबूकदनेसर के बिरूध म घलो बिदरोह करिस, जऊन ह ओला परमेसर के नांव म सपथ देवाय
रिहिस। ओह हठी हो गीस अऊ अपन मन ला कठोर करके यहोवा, इसरायल के परमेसर कोति नइं फिरिस।
14 येकर अलावा, पुरोहित अऊ मनखेमन के जम्मो अगुवामन अऊ जादा बिसवासघाती होवत गीन, अऊ
आनजातमन के घिनौना रीति-रिवाज के पाछू चलिन अऊ यहोवा के मंदिर ला असुध करिन, जेला ओह
यरूसलेम म पबितर करे रिहिस।

[illegible]

15 यहोवा, ओमन के पुरखामन के परमेसर ह अपन संदेसियामन के जरिये बार-बार ओमन करा अपन संदेस
भेजिस, काबरकि ओह अपन मनखे अऊ अपन निवास स्थान ऊपर दया देखात रिहिस।
16 पर ओमन परमेसर के संदेसियामन के हंसी उड़ाईन, ओकर बचन ला तुछ समझिन अऊ ओकर
अगमजानीमन के खिल्ली उड़ाईन, जब तक कि यहोवा के कोप ह ओमन ऊपर नइं भड़किस अऊ ओकर ले बचे
के कोनो उपाय नइं रिहिस।
17 परमेसर ह ओमन के बिरूध बेबिलोनीमन* के राजा ला ले आईस, जऊन ह ओमन के जवानमन ला
पबितर-स्थान म तलवार ले मार डारिस, अऊ जवान या जवान छोकरी, डोकरा या दुरबल मनखेमन ला घलो नइं
छोंड़िस। परमेसर ह ओ जम्मो ला नबूकदनेसर के हांथ म कर दीस।
18 ओह परमेसर के मंदिर के छोटे-बड़े जम्मो चीजमन ला, अऊ यहोवा के मंदिर के खजाना अऊ राजा अऊ
ओकर करमचारीमन के खजाना ला बेबिलोन ले गीस।
19 ओमन परमेसर के मंदिर म आगी लगा दीन अऊ यरूसलेम के दीवार ला टोर दीन; ओमन जम्मो महलमन
ला जला दीन अऊ उहां के जम्मो कीमती चीज ला नास कर दीन।

---

‡ **36:7** या [illegible] § **36:10** कका या भाई; (देखव 2 राजा 24:17) * **36:17** या [illegible]

20 जऊन मन तलवार ले बच गे रिहिन, ओमन ला ओह् बेबिलोन ले गीस, अऊ ओमन तब तक ओकर अऊ
ओकर संतानमन के सेवक बने रिहिन, जब तक कि फारस के राज ह् परबल नइं हो गीस।
21 देस ह् अपन बिसराम काल म आनंद उठाईस; अपन अलगाव के समय, ओ पूरा समय येह् तब तक अराम
करिस, जब तक कि ओ सत्तर साल पूरा नइं हो गीस, जेकर बारे म यरमियाह ह् यहोवा के बचन के पूरा होय के
बारे म कहे रिहिस।
22 फारस के राजा कुसरू के राज के पहिला बछर म यहोवा ह् फारस के राजा कुसरू के मन ला उभारिस कि
यहोवा के जऊन बचन यरमियाह् अगमजानी के दुवारा कहे गे रिहिस, ओह् पूरा हो जाय, एकरसेति राजा कुसरू
ह् अपन जम्मो राज म ये परचार करवाईस अऊ लिखवा भी दीस:
23 "फारस के राजा कुसरू ह् ये कहत हे:
" 'यहोवा, स्वरग के परमेसर ह्, धरती भर के जम्मो राज ला मोला दे हवय, अऊ यहूदा प्रदेस के यरूसलेम
म ओकर बर एक मंदिर बनाय बर, ओह् मोला ठहिराय हवय। तुम्हर बीच म ले, ओकर जऊन भी मनखे उहां
जाय चाहत हवंय, ओमन जा सकत हें, अऊ यहोवा ओमन के परमेसर ह् ओमन के संग रहय।' "

एजरा
के किताब

[illegible]
1 फारस के राजा कुसरू के राज के पहिला बछर म यहोवा ह फारस के राजा कुसरू के मन ला उभारिस कि
यहोवा के जऊन बचन यरमियाह अगमजानी के दुवारा कहे गे रिहिस, ओह पूरा हो जाय, एकरसेति राजा कुसरू
ह अपन जम्मो राज म ये परचार करवाईस अऊ लिखवा भी दीस:
2 "फारस के राजा कुसरू ह ये कहत हे:
" 'यहोवा, स्वरग के परमेसर ह धरती भर के जम्मो राज ला मोला दे हवय, अऊ ओह मोला यहूदा प्रदेस के
यरूसलेम म ओकर बर एक मंदिर बनाय बर ठहिराय हवय।
3 तुम्हर बीच म ले, ओकर जऊन भी मनखे यहूदा के यरूसलेम जाय चाहत हवंय, ओमन जा सकत हें अऊ
ओ यहोवा, इसरायल के परमेसर के मंदिर ला बनावंय, जऊन ह यरूसलेम म हवय, अऊ ओमन के परमेसर ह
ओमन के संग रहय।
4 अऊ कोनो भी जगह म जिहां बांचे मनखेमन रहत हवंय, ओ जगह के मनखेमन सोन अऊ चांदी, धन
अऊ पसु देके, ओमन के मदद करंय अऊ यरूसलेम म परमेसर के मंदिर बर स्वेच्छा-बलिदान देवंय।' "
5 तब यहूदा अऊ बिनयामीन के परिवार के मुखियामन, अऊ पुरोहितमन अऊ लेवीमन—जेमन के मन ला
परमेसर ह उभारे रिहिस, ओमन जाके यरूसलेम म यहोवा के भवन ला बनाय बर तियार हो गीन।
6 ओमन के जम्मो परोसीमन सोन अऊ चांदी, चीज-वस्तु अऊ पसु, अऊ अनमोल भेंट देके, ओमन के मदद
करिन; येकर अलावा ओमन स्वेच्छा-बलिदान घलो दीन।
7 फेर राजा कुसरू ह यहोवा के मंदिर के ओ चीजमन ला बाहिर ले आईस, जेला राजा नबूकदनेसर ह
यरूसलेम ले लानके अपन देवता* के मंदिर म रखे रिहिस,
8 ओमन ला फारस के राजा कुसरू ह मिथरदात खजांची के दुवारा निकलवाईस, जऊन ह ओमन ला गनके
यहूदीमन के परधान सेसबसर ला सऊंप दीस।

9 ओ चीजमन के गनती ये रिहिस:

सोन के बरतन 30;
चांदी के बरतन 1,000;
चांदी के परात 29;
10 सोन के कटोरा 30;
ओमन सहीं चांदी के कटोरा 410;
आने किसम के बरतन 1,000;

11 सोन अऊ चांदी के कुल 5,400 चीजमन रिहिन।

ये जम्मो ला सेसबसर ह बंधुवा मनखेमन के संग म लानिस, जब ओमन बेबिलोन ले यरूसलेम आईन।

2

[illegible]
1 जेमन ला बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह बंदी बनाके बेबिलोन ले गेय रिहिस, येमन प्रदेस के ओ मनखे अंय,
जेमन बंधुवई ले छूटके आईन (ओमन यरूसलेम अऊ यहूदा के अपन-अपन नगर म लहुंटिन,
2 येमन जरूब्बाबेल, यहोसू, नहेमियाह, सरायाह, रेलायाह, मोरदकै, बिलसान, मिसपार, बिगवै, रहूम, अऊ
बाना के संग आईन):

---

* **1:7** या [illegible]

इसरायली मनखेमन के आदमीमन के सूची:
3 परोस के संतान 2,172;
4 सपतयाह के संतान 372;
5 आरह के संतान 775;
6 पहत-मोआब के संतान (येहोसू अऊ योआब के बंस म ले) 2,812;
7 एलाम के संतान 1,254;
8 जत्तू के संतान 945;
9 जक्कई के संतान 760;
10 बानी के संतान 642;
11 बेबै के संतान 623;
12 अजगाद के संतान 1,222;
13 अदोनीकाम के संतान 666;
14 बिगवै के संतान 2,056;
15 आदीन के संतान 454;
16 आतेर के संतान (हिजकियाह के बंस म ले) 98;
17 बेसै के संतान 323;
18 योराह के संतान 112;
19 हासूम के संतान 223;
20 गिब्बार के संतान 95;
21 बैतलहम के आदमीमन 123;
22 नतोपा के आदमीमन 56;
23 अनातोत के आदमीमन 128;
24 अजमावेत के आदमीमन 42;
25 किरयत-यारीम, कपीरा अऊ बेरोत के आदमीमन 743;
26 रामा अऊ गेबा के आदमीमन 621;
27 मिकमास के आदमीमन 122;
28 बेतेल अऊ अई के आदमीमन 223;
29 नबो के आदमीमन 52;
30 मगबीस के आदमीमन 156;
31 दूसर एलाम के आदमीमन 1,254;
32 हारीम के आदमीमन 320;
33 लोद, हादीद अऊ ओनो के आदमीमन 725;
34 यरीहो के आदमीमन 345;
35 सना के आदमीमन 3,630।

36 पुरोहितमन:
यदायाह के संतान (येहोसू के परिवार के जरिये) 973;
37 इम्मेर के संतान 1,052;
38 पसहूर के संतान 1,247;
39 हारीम के संतान 1,017।

40 लेवीमन:
येहोसू अऊ कदमीएल के संतान (होदवियाह के बंस के जरिये) 74।

41 संगीतकारमन:
आसाप के संतान 128।

42 मंदिर के दुवारपालमन:

सल्लूम, आतेर, तलमोन, अक्कूब, हतीता अऊ सोबै के संतान 139।

43 मंदिर के सेवकमन:
खाल्हे लिखे मनखेमन के संतानमन—
सीहा, हसूपा, तब्बाओत,
44 केरोस, सीअहा, पादोन,
45 लबाना, हगाबा, अक्कूब,
46 हागाब, सल्मै, हानान,
47 गिद्दल, गहर, रायाह,
48 रसीन, नकोदा, गज्जाम,
49 उज्जा, पासेह, बेसै,
50 असना, मूनीम, नेफूसीम,
51 बकबूक, हकूपा, हरहूर,
52 बसलूत, महीदा, हरसा,
53 बरकोस, सीसरा, तेमह,
54 नसीह, अऊ हतीपा।
55 राजा सुलेमान के सेवकमन के संतान:
सोतै, हस्सोपेरेत, परूदा,
56 याला, दरकोन, गिद्देल,
57 सपतयाह, हत्तील,
पोकेरेत-हसेबायीम अऊ आमी के संतान।
58 मंदिर के सेवक अऊ सुलेमान के सेवकमन के संतान 392 रिहिन।

59 ये मनखेमन तेल-मेलह, तेल-हरसा, करूब, अदोन, अऊ इम्मेर ले आईन, पर येमन बता नइं सकिन कि येमन के परिवार के मनखेमन इसरायलीमन के संतान रिहिन:
60 संतानमन—
दलायाह, तोबियाह अऊ नकोदा के संतान 652।

61 अऊ पुरोहितमन के बीच म ले:
संतानमन—
होबायाह, हक्कोस अऊ बरजिलै (एक आदमी, जऊन ह गिलादी बरजिलै के एक बेटी ले बिहाव करे रिहिस अऊ ओकर नांव रख ले रिहिस) के संतान।
62 येमन अपन परिवार के लेखा-जोखा ला खोजिन, पर ओमन ला नइं मिलिस। एकरसेति येमन ला असुध ठहिराके पुरोहित के पद ले अलग रखे गीस।
63 राजपाल ह ओमन ला हुकूम दीस कि जब तक ऊरीम अऊ तुम्मीम धारन करइया कोनो पुरोहित सेवा नइं करत रहय, तब तक ओमन कोनो परम पबितर जेवन म ले कुछू चीज झन खावंय।

64 पूरा सभा के संखिया 42,360 रिहिस।
65 येमन के अलावा येमन के 7,337 पुरूस अऊ महिला गुलाम रिहिन; अऊ येमन के 200 पुरूस अऊ महिला गवइयामन घलो रिहिन।
66 ओमन करा 736 घोड़ा, 245 खच्चर,
67 435 ऊंट अऊ 6,720 गदहामन रिहिन।

68 जब ओमन यरूसलेम म यहोवा के घर मेर पहुंचिन, त परिवारमन के कुछू मुखियामन परमेसर के घर ला ओही जगह म फेर बनाय बर अपन ईछा ले दान दीन।

69 ओमन अपन योग्यता के मुताबिक 61,000 दरकमोन* सोन अऊ 5,000 मीना† चांदी अऊ पुरोहितमन के
100 अंगरखा ये काम बर खजाना म दीन।
70 तब पुरोहितमन, लेवीमन, संगीतकारमन, दुवारपालमन, अऊ मंदिर के सेवकमन अपन-अपन नगर म आने
कुछू अऊ मनखेमन संग बस गीन, अऊ बाकि इसरायलीमन अपन-अपन नगर म बस गीन।

3

[illegible]

1 बेबिलोन ले लहुंटे के बाद, जब सातवां महिना आईस, अऊ इसरायलीमन अपन-अपन नगर म बस गीन, त
मनखेमन यरूसलेम म एक मन होके जमा होईन।
2 तब योसादाक के बेटा यहोसू अऊ ओकर संगी पुरोहितमन अऊ सालतीएल के बेटा जरूब्बाबेल अऊ
ओकर सहायकमन इसरायल के परमेसर के बेदी ला बनाय के सुरू करिन ताकि ओमा परमेसर के जन मूसा के
कानून म लिखे मुताबिक होम-बलिदान चघाय जावय।
3 अपन आसपास के मनखेमन के डर के बावजूद, ओमन बेदी ला ओकरेच नीव म बनाईन अऊ येमा यहोवा
बर हर रोज बिहनियां अऊ सांझकुन होम-बलिदान चघाय लगिन।
4 तब कानून म लिखे मुताबिक, ओमन पबितर-तम्बूमन के तिहार ला मानिन, अऊ संग म हर दिन जरूरी
होम-बलिदानमन ला चघाईन।
5 ओकर बाद ओमन नियमित होम-बलिदान, नवां चंदा के बलिदान अऊ ठहिराय गय यहोवा के जम्मो
पबितर तिहारमन के बलिदान अऊ संग म लाय गय यहोवा बर स्वेच्छा-बलिदान घलो चघाईन।
6 सातवां महिना के पहिले दिन ले ओमन यहोवा ला होम-बलिदान चघाय लगिन, हालाकि यहोवा के मंदिर
के नीव तब तक नइं डारे गे रिहिस।

[illegible]

7 तब मनखेमन राज-मिसतिरीमन ला अऊ बढ़ईमन ला रूपिया, अऊ सीदोन अऊ सूर के मनखेमन ला
खाय-पीये के चीज अऊ तेल दीन, ताकि ओमन फारस के राजा कुसरू के अनुमति के मुताबिक देवदार के लकरी
लबानोन ले यापा तक समुंदर के जरिये अमरांय।
8 दूसर बरस के दूसर महिना म परमेसर के भवन यरूसलेम म ओमन के हबरे के पाछू, सालतीएल के बेटा
जरूब्बाबेल अऊ योसादाक के बेटा यहोसू अऊ बाकि मनखेमन (पुरोहित अऊ लेवी, अऊ जतेक बंधुवई ले
यरूसलेम लहुंटे रिहिन) काम ला सुरू करिन। ओमन बीस बरस अऊ ओकर ले जादा उमर के लेवीमन ला यहोवा
के भवन म काम के देखरेख करे बर नियुक्त करिन।
9 यहोसू अऊ ओकर बेटा अऊ भाईमन, अऊ कदमीएल अऊ ओकर बेटामन (होदवियाह के संतानमन) अऊ
हेनादाद के बेटामन अऊ ओमन के बेटा अऊ भाईमन—सबो लेवीमन—परमेसर के भवन म कारीगरमन के काम
के देखरेख करे बर एक संग जूरिन।
10 जब भवन के बनइयामन यहोवा के मंदिर के नीव डारिन, तब अपन ओनहा पहिरे, अऊ तुरहीमन ला धरे
पुरोहितमन, अऊ लेवीमन (आसाप के बेटामन) झांझमन ला धरके यहोवा के परसंसा करे बर अपन-अपन जगह
ले लीन, जइसे कि इसरायल के राजा दाऊद के दुवारा बताय गे रिहिस।
11 परसंसा अऊ धनबाद के संग यहोवा बर अइसने गीत गाईन:
"ओह बने अय;
ओकर मया ह इसरायल बर हमेसा बने रहिथे।"
तब जम्मो मनखेमन ये जानके कि यहोवा के भवन के नीव अब रखे जावत हे, अब्बड़ चिचियाके यहोवा के
परसंसा करे लगिन।
12 पर कतको सियान पुरोहित अऊ लेवी अऊ परिवार के मुखियामन, जेमन पहिले के मंदिर ला देखे रिहिन, जब
ये मंदिर के नीव ला रखत देखिन, त ओमन फूट-फूटके रोवन लगिन, अऊ कतको आने मनखेमन आनंद के मारे
जय-जयकार करे लगिन।

* **2:69** लगभग 500 किलोग्राम † **2:69** लगभग 3 टन

13 एकरसेति मनखेमन, आनंद के जय-जयकार के सबद ले मनखेमन के रोये के सबद ला अलग पहिचान नइं
सकिन, काबरकि मनखेमन बहुंत कोलाहल करत रिहिन। अऊ ओ अवाज ह दूरिहा तक सुनई देवत रिहिस।

4

[illegible]

1 जब यहूदा अऊ बिनयामीन के बईरीमन ये सुनिन कि बंधुवई ले लहुंटे मनखेमन यहोवा, इसरायल के
परमेसर बर एक मंदिर बनावत हवंय,
2 त ओमन जरूब्बाबेल अऊ परिवार के मुखिया मनखेमन करा आके ओमन ले कहन लगिन, "हमन ला घलो
तुम्हर संग बनाय म मदद करे बर देवव, काबरकि तुम्हर सहीं, हमन घलो तुम्हर परमेसर के खोज म लगे हवन,
अऊ अस्सूर के राजा एसरहदोन, जऊन ह हमन ला इहां अमराईस, ओकर दिन ले हमन ओ परमेसर ला
बलिदान घलो चघावत हवन।"
3 पर जरूब्बाबेल, यहोसू अऊ इसरायल के परिवारमन के मुखिया मनखेमन ओमन ला जबाब दीन, "हमर
परमेसर बर भवन बनाय म, तुम्हर हमर संग कोनो संबंध नइं ए। हमीचमन एक संग मिलके फारस के राजा कुसरू
के हुकूम के मुताबिक यहोवा, इसरायल के परमेसर बर येला बनाबो।"
4 तब ओ देस के मनखेमन यहूदीमन ला निरास करे लगिन अऊ ओमन ला डरवाके मंदिर बनाय म बाधा डारन
लगिन।
5 ओमन फारस के अधिकारीमन ला घूस दीन, ताकि ओमन ये काम म बाधा डालंय, फारस के राजा कुसरू के
पूरा सासनकाल ले लेके फारस के राजा दारा के सासनकाल तक ओमन अइसने करते रिहिन।

[illegible]

6 छयर्स के राज के सुरू के दिन म, ओ मनखेमन यहूदा अऊ यरूसलेम के निवासीमन के बिरूध एक दोस-पतर
लिखिन।
7 अऊ फारस के राजा अर्तछयर्स के दिन म, बिसलाम, मिथरदात, ताबेल अऊ ओकर सहयोगीमन अर्तछयर्स
ला एक ठन चिट्ठी लिखिन। चिट्ठी अरामिक अकछर अऊ अरामिक भासा म लिखे गीस।
8 हुकूम देवइया अधिकारी रहूम अऊ सचिव सिमसै ह यरूसलेम के बिरूध राजा अर्तछयर्स ला ये किसम के
चिट्ठी लिखिन:
9 हुकूम देवइया अधिकारी रहूम अऊ सचिव सिमसै अऊ ओमन के आने जम्मो सहयोगीमन—फारस,
ऊरूक अऊ बेबिलोन के मनखेमन ऊपर नियायधीस, अधिकारी अऊ सासन करइयामन, सूसन के एलामीमन,
10 अऊ आने मनखेमन, जेमन ला महान अऊ आदरनीय असूरबानीपाल ह बाहिर निकालके सामरिया
सहर म अऊ फरात नदी के पार के देस म बसाय रिहिस।
11 (जऊन चिट्ठी ओमन राजा ला भेजिन, ओकर येह नकल अय।)
राजा अर्तछयर्स के सेवा म,
तोर ओ सेवकमन ले, जेमन फरात नदी के ओ पार रहिथें:
12 राजा ला ये मालूम होवय कि जऊन यहूदीमन तोर करा ले हमर इहां आईन, ओमन यरूसलेम गे हवंय
अऊ ओमन ओ बिदरोही अऊ दुस्ट सहर ला फेर बनावत हवंय। ओमन दीवारमन ला फेर ठाढ़ करत हवंय
अऊ ओकर नीवमन ला मरम्मत करत हवंय।
13 राजा ला मालूम होवय कि कहूं ओ सहर ह बन गीस अऊ ओकर दीवारमन फेर बन गीन, तब ओमन कर,
लगान, अऊ चुंगी फेर नइं दीहीं, अऊ आखिर म राजकर के हानि होही।
14 काबरकि राजमहल बर हमर जिम्मेदारी हवय अऊ हमर बर येह उचित नो हय कि हमर देखत म राजा के
अनादर होवय, एकर खातिर हमन ये चिट्ठी पठोके राजा ला खबर देवत हन,
15 ताकि तोर पुरखामन के इतिहास के किताब म खोजे जावय। ये इतिहास के किताबमन म तोला मिलही
कि ओ सहर ह एक बिदरोही सहर, राजा अऊ राजमन बर दुख देवइया सहर ए, अऊ ये जगह के बिदरोह करे के
एक लम्बा इतिहास हवय। एकर खातिर ओ सहर ला नास कर देय गे रिहिस।
16 हमन राजा ला सूचना देवत हन कि यदि ओ सहर ला बनाय जाथे अऊ ओकर दीवारमन फेर ठाढ़ करे
जाथें, त फेर तोर बर फरात नदी के पार कुछू नइं बचही।

17 तब राजा ह ये जबाब भेजिस:
हुकूम देवइया अधिकारी रहूम अऊ सचिव सिमसै अऊ सामरिया अऊ फरात नदी के पार आने जगह म
रहइया ओमन के बाकि सहयोगीमन:
तुम्हर कल्यान होवय।
18 जऊन चिट्ठी तुमन हमर करा पठोय हवव, ओला मोर आघू म पढ़के ओकर अनुवाद करे गीस।
19 मोर हुकूम ले जब खोजे गीस, त पता चलिस कि राजामन के बिरूध ओ सहर के बिदरोह करे के एक
पुराना इतिहास हवय अऊ ये जगह म बिदरोह अऊ दंगा होवत आवत हे।
20 यरूसलेम म सामर्थी राजामन रिहिन, जेमन पूरा फरात नदी के पार तक राज करत रिहिन, अऊ कर,
लगान, अऊ चुंगी ओमन ला दिये जावत रिहिस।
21 एकरसेति अब एक हुकूम दिये जावय कि ओ आदमीमन काम ला बंद करंय अऊ जब तक मोर कोति ले
हुकूम नइं मिले, तब तक ओ सहर ला फेर झन बनाय जावय।
22 सचेत रहव, ये बात म ढिलई झन होवय। राज हित के हानि करे बर ये खतरा काबर बढ़न पाय?
23 जइसे ही राजा अर्तछ्यर्स के चिट्ठी रहूम अऊ सचिव सिमसै अऊ ओमन के सहयोगीमन ला पढ़के सुनाय
गीस, त ओमन तुरते यरूसलेम म यहूदीमन करा गीन अऊ ओमन ऊपर दबाव डालके काम ला रूकवा दीन।

24 ये किसम ले, यरूसलेम म परमेसर के भवन के काम ह रूक गीस, अऊ ये काम ह फारस के राजा दारा के
राज के दूसर बरस तक रूके रिहिस।

5

[illegible]

1 तब हाग्गै अगमजानी अऊ इद्दो के एक संतान, जकरयाह अगमजानी ह यहूदा अऊ यरूसलेम के यहूदीमन
बर इसरायल के परमेसर के नांव म अगमबानी करिन, जऊन ह ओमन के ऊपर रिहिस।
2 तब सालतीएल के बेटा जरूब्बाबेल अऊ योसादाक के बेटा यहोसू, यरूसलेम म परमेसर के भवन ला फेर
बनाय के सुरू करिन। अऊ परमेसर के ओ अगमजानीमन ओमन ला सहारा देवत, ओमन के संग रिहिन।
3 ओही बेरा, फरात नदी के पार के राजपाल ततनै, अऊ सतर-बोजनै अऊ ओमन के सहयोगीमन ओमन करा
जाके ये पुछ्न लगिन, "ये मंदिर ला फेर बनाय अऊ ये काम ला पूरा करे के अधिकार तुमन ला कोन दीस?"
4 ओमन ये घलो पुछिन, "जऊन मन ये भवन ला बनावत हें, ओमन के नांव का अंय?"
5 पर यहूदीमन के अगुवामन ऊपर परमेसर के नजर रिहिस, एकरसेति जब तक ये बात के चरचा दारा ले नइं
करे गीस अऊ ये बिसय म ओकर लिखित जबाब नइं मिलिस, तब तक ओमन ये काम ला नइं रोकिन।
6 जऊन चिट्ठी फरात नदी के पार के राजपाल ततनै अऊ सतर-बोजनै अऊ ओमन के सहयोगी, फरात नदी के
पार के अधिकारीमन राजा दारा करा पठोईन, ओकर नकल ये अय।
7 जऊन खबर ओमन भेजिन, ओमा ये लिखाय रिहिस:
सेवा म राजा दारा:
जय जोहार।
8 राजा ला मालूम होवय कि हमन यहूदा प्रदेस म महान परमेसर के मंदिर म गे रहेंन। मनखेमन ओला
बड़े-बड़े पथरा ले बनात हवंय, अऊ ओकर दीवारमन म इमारती लकरी मढ़ात हवंय। ये काम ला बड़े मेहनत
से करे जावत हे, अऊ ओमन के निरदेसन म ये काम तेजी से होवत हे।
9 हमन ओ अगुवामन ले सवाल करके पुछेंन, "ये मंदिर ला फेर बनाय के अऊ ये काम ला पूरा करे के
अधिकार तुमन ला कोन दीस?"
10 हमन ओमन के नांव घलो पुछेंन ताकि हमन ओमन के अगुवामन के नांव लिखके तोला बता सकन।
11 ओमन हमन ला ये जबाब दीन:

हमन तो अकास अऊ धरती के परमेसर के सेवक अन, अऊ ओ भवन ला बनात हन, जेह बहुंत साल पहिले
बने रिहिस, जेला इसरायल के एक बड़े राजा ह बनाके तियार करे रिहिस।

12 पर जब हमर पुरखामन स्वरग के परमेसर ला कोरोध दिलाईन, तब ओह ओमन ला बेबिलोन के कसदी
राजा नबूकदनेसर के हांथ म कर दीस, जऊन ह ये भवन ला नास कर दीस अऊ मनखेमन ला बंदी बनाके
बेबिलोन ले गीस।
13 तभो ले, बेबिलोन के राजा कुसरू के पहिले बरस म, ओही कुसरू राजा ह परमेसर के इही भवन ला
बनाय के हुकूम दीस।
14 परमेसर के भवन के जऊन सोन अऊ चांदी के बरतन नबूकदनेसर यरूसलेम के मंदिर म ले निकलवाके
बेबिलोन के मंदिर म ले गेय रिहिस, ओमन ला राजा कुसरू ह बेबिलोन के मंदिर* म ले निकलवाके सेसबसर नांव
के एक मनखे ला सऊंप दीस, जेला ओह राजपाल ठहिराय रिहिस।
15 राजा ह ओकर ले कहिस, ये बरतनमन ला ले अऊ जाके येमन ला यरूसलेम के मंदिर म जमा कर दे।
अऊ परमेसर के ओ भवन ला अपन जगह म फेर बना।
16 "तब सेसबसर ह आईस अऊ यरूसलेम म परमेसर के भवन के नीव डारिस। तब ले लेके अब तक येह
बनत हवय, पर अब तक येह पूरा नइं बने हवय।"

17 अब यदि राजा ला बने लगे, त बेबिलोन के राज-भंडार म ये बात के खोज करे जावय कि राजा कुसरू ह
सही म यरूसलेम म, परमेसर के भवन ला फेर बनाय के हुकूम देय रिहिस या नइं। तब राजा ह ये बिसय म
अपन निरनय हमन ला बतावय।

6

[illegible]

1 तब राजा दारा ह हुकूम दीस, अऊ ओमन बेबिलोन के खजाना म रखे राज-भंडार म खोज करिन।
2 मादै प्रदेस म एकबतना नगर के राजगढ़ म एक चामपट्टी* मिलिस, जेमा ये लिखाय रिहिस:
सुरता करइया चिट्ठी:
3 राजा कुसरू ह अपन राज के पहिली बरस म, यरूसलेम म परमेसर के मंदिर के बारे म ये हुकूम दीस:

बलिदान चघाय के जगह के रूप म मंदिर ला फेर बनाय जावय, अऊ ओकर नीव डाले जावय, ओकर
ऊंचई साठ क्यूबीट† अऊ चौड़ई साठ क्यूबीट के होवय,
4 ओमा बड़े-बड़े पथरा के तीन परत अऊ लकड़ीमन के एक परत होवय। अऊ एकर खरचा साही खजाना ले
दिये जावय।
5 अऊ परमेसर के भवन के जऊन सोन अऊ चांदी के चीजमन ला नबूकदनेसर ह यरूसलेम के मंदिर म ले
निकलवाके बेबिलोन ले गेय रिहिस, ओमन ला लहुंटाके यरूसलेम के मंदिर म ओमन के जगह म रख दिये
जावय; ओमन ला परमेसर के भवन म जमा करे जावय।

6 त अब हे फरात नदी के पार के राजपाल, ततनै, अऊ हे सतर-बोजनै अऊ ओ प्रदेस के आने
अधिकारीमन, तुमन उहां ले दूरिहा रहव।
7 परमेसर के ये मंदिर के काम म बाधा झन डालव। यहूदीमन के राजपाल अऊ यहूदीमन के अगुवामन ला
परमेसर के ओ भवन ला ओही जगह म बनावन दव।
8 येकर अलावा, मेंह हुकूम देवत हंव कि तुमन ला यहूदीमन के ओ अगुवामन बर परमेसर के मंदिर बनाय
म का करना हे:
ओमन के पूरा खरचा ह साही खजाना, फरात नदी के पार के मालगुजारी ले देय जावय, ताकि काम ह झन
रूकय।
9 जऊन भी चीज के जरूरत हवय—स्वरग के परमेसर ला होम-बलिदान चघाय बर बछुवा, मेढ़ा,
मेढ़ा-पीला, अऊ यरूसलेम म पुरोहितमन के दुवारा मांगे गय गहूं, नून, अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल—ये
जम्मो चीज ओमन ला बिगर भूले रोज दिये जावय,

* **5:14** या [illegible] * **6:2** [illegible] येह चाम या रूख के छाली ले बने पन्ना रहय, जेला लपेटके रखे जावय † **6:3** लगभग 90 फीट

10 ताकि ओमन स्वरग के परमेसर ला सुख-देवइया बलिदान चघा सकंय अऊ राजा अऊ ओकर बेटामन के
भलई बर पराथना कर सकंय।
11 मेंह ये हुकूम भी देवत हंव कि यदि कोनो ये हुकूम ला नइं मानही, त ओकर घर म ले एक बल्ला खींचके
निकाले जावय अऊ ओमा ओला टांग दिये जावय। अऊ ओकर ये अपराध के कारन ओकर घर ला कचरा के
घूरवा बना दिये जावय।
12 परमेसर, जेह उहां अपन नांव के निवास ठहिराय हवय, ओह ओ राजा या मनखे ला नास करय, जऊन ह
ये हुकूम ला बदले के कोसिस करथे या यरूसलेम म ये मंदिर ला नास करे बर हांथ बढ़ाथे।
में, दारा ह ये हुकूम देवत हंव। धियान से येकर पालन करे जावय।

[illegible]

13 तब, राजा दारा के हुकूम देय के कारन, ततनै, फरात नदी के पार के राजपाल, अऊ सतर-बोजनै अऊ
ओमन के सहयोगीमन धियान देके ओ हुकूम के पालन करिन।
14 तब यहूदीमन के अगुवामन मंदिर ला फेर बनाय के काम ला जारी रखिन अऊ हाग्गै अगमजानी अऊ इद्दो
के एक संतान जकरयाह के अधीन काम करत ओमन उन्नति करत गीन। ओमन इसरायल के परमेसर के हुकूम
मुताबिक अऊ फारस के राजा कुसरू, दारा, अऊ अर्तछ्यर्स के हुकूम के मुताबिक मंदिर बनाय के काम ला पूरा
करिन।
15 मंदिर के काम ह राजा दारा के राज के छठवां बछर के अदार महिना के तीसरा दिन म पूरा होईस।
16 तब इसरायल के मनखेमन—पुरोहित, लेवी अऊ आने जतेक बंधुवई ले आय रिहिन, ओ जम्मो आनंद के
साथ परमेसर के ओ भवन के समरपन के उत्सव मनाईन।
17 परमेसर के ये भवन के समरपन म, ओमन एक सौ बईला, दू सौ मेढ़ा, चार सौ मेढ़ा-पीला चघाईन अऊ
जम्मो इसरायल के हित बर पाप-बलिदान‡ के रूप म बारह ठन बोकरा याने कि इसरायल के हर एक गोत्र बर
एक-एक ठन बोकरा चघाईन।
18 तब जइसने मूसा के किताब म लिखाय हवय, वइसनेच ओमन यरूसलेम म परमेसर के सेवा बर
अपन-अपन बिभाग म पुरोहितमन ला अऊ अपन-अपन दल म लेवीमन ला नियुक्त करिन।

[illegible]

19 बंधुवई ले लहुंटे के बाद पहिला महिना के चौदहवां दिन, ओमन फसह तिहार मानिन।
20 पुरोहित अऊ लेवीमन अपन ला सुध करे रिहिन अऊ संस्कारिक रूप ले ओ जम्मो झन सुध रिहिन।
लेवीमन बंधुवई ले लहुंटे जम्मो झन बर, ओमन के रिस्तेदार पुरोहितमन बर अऊ अपनआप बर फसह के
मेढ़ा-पीला के बलि करिन।
21 तब बंधुवई ले लहुंटे इसरायलीमन ओ जम्मो झन के संग येला खाईन, जेमन अपनआप ला अपन
आनजात परोसी के असुध काम ले अलग कर ले रिहिन, ताकि ओमन यहोवा, इसरायल के परमेसर के खोज
करंय।
22 ओमन अखमीरी रोटी के तिहार ला सात दिन तक आनंद के साथ मनाईन, काबरकि यहोवा ह अस्सूर के
राजा के मन ला ओमन कोति करके ओमन ला आनंदित करे रिहिस, जेकर कारन राजा ह परमेसर, इसरायल के
परमेसर के भवन के काम म ओमन के मदद करिस।

7

[illegible]

1 ये घटनामन के बाद, फारस के राजा अर्तछ्यर्स के राज के समय, एज़रा ह आईस। एज़रा ह सरायाह के बेटा,
सरायाह ह अजरयाह के बेटा, अजरयाह ह हिलकियाह के बेटा,
2 हिलकियाह ह सल्लूम के, सल्लूम ह सादोक के, सादोक ह अहीतूब के,
3 अहीतूब ह अमरयाह के, अमरयाह ह अजरयाह के, अजरयाह ह मरायोत के,
4 मरायोत ह जरहयाह के, जरहयाह ह उज्जी के, उज्जी ह बुक्की के,

‡ **6:17** या [illegible]

5 बुक्की ह अबीसू के, अबीसू ह पीनहास के, पीनहास ह एलिआजर के अऊ एलिआजर ह हारून मुखिया
पुरोहित के बेटा रिहिस।
6 येहीच एजरा ह बेबिलोन ले आईस। ओह एक गुरूजी रिहिस अऊ मूसा के ओ कानून के बने जानकार
रिहिस, जेला यहोवा, इसरायल के परमेसर ह देय रिहिस। यहोवा ओकर परमेसर के हांथ ओकर ऊपर रिहिस,
जेकर कारन राजा ह ओला ओ जम्मो चीज देय रिहिस, जेकर मांग ओह करिस।
7 कुछू इसरायली अऊ संग म कुछू पुरोहित, लेवी, संगीतकार, दुवारपाल अऊ मंदिर के सेवकमन घलो राजा
अर्तछयर्स के राज के सातवां बरस म यरूसलेम आईन।
8 एजरा ह राजा के सासनकाल के सातवां बरस के पांचवां महिना म यरूसलेम हबरिस।
9 ओह बेबिलोन ले ओ सातवां बछर के पहिला महिना के पहिला दिन अपन यातरा सुरू करे रिहिस, अऊ
ओह पांचवां महिना के पहिला दिन यरूसलेम हबर गीस, काबरकि ओकर परमेसर के अनुग्रहकारी हांथ ओकर
ऊपर रिहिस।
10 एजरा ह यहोवा के कानून के अध्ययन करे बर अऊ ओकर अनुसार चले बर, अऊ इसरायल म ओकर बिधि
अऊ कानून ला सिखाय बर अपन मन ला लगाय रिहिस।

[illegible]

11 येह ओ चिट्ठी के नकल अय, जेला राजा अर्तछयर्स ह एजरा पुरोहित ला देय रिहिस, जऊन ह कानून के
एक गुरू, अऊ इसरायलीमन बर यहोवा के हुकूम अऊ बिधिमन के एक बने जानकार रिहिस:
12 महाराजाधिराज, अर्तछयर्स कोति ले
एजरा पुरोहित के नांव, जऊन ह स्वरग के परमेसर के कानून के गुरू अय:
तोर कल्यान होवय।
13 मेंह ये हुकूम देवत हंव कि मोर राज ले जतेक इसरायली अऊ ओमन के संग जतेक पुरोहित अऊ
लेवीमन अपन ईछा ले यरूसलेम जाय चाहत हें, ओमन तोर संग जा सकत हें।
14 तोला राजा अऊ ओकर सातों सलाहकारमन कोति ले एकरसेति पठोय जावत हे कि अपन परमेसर के
कानून के बात जऊन ह तोर करा हवय, यहूदा प्रदेस अऊ यरूसलेम सहर के बारे म मालूम कर,
15 अऊ तेंह ओ सोन अऊ चांदी ला ले जा, जेला राजा अऊ ओकर सलाहकारमन अपन ईछा से इसरायल
के परमेसर ला देय हवंय, जेकर निवास यरूसलेम म हवय,
16 अऊ जतेक सोन अऊ चांदी पूरा बेबिलोन प्रदेस म तोला मिलही, अऊ संग म ओ स्वेच्छा-बलिदानमन
ला घलो ले जा, जऊन ला मनखे अऊ पुरोहितमन यरूसलेम के ओमन के परमेसर के मंदिर बर देथें।
17 ये धन ले सावधानी के संग बईला, मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीलामन के संग ओमन के अन्न-बलिदान अऊ
पेय-बलिदान के चीजमन ला बिसा लेबे, अऊ ओमन ला यरूसलेम म तोर परमेसर के मंदिर के बेदी ऊपर चघाबे।
18 तब जऊन सोन अऊ चांदी बांच जाही, ओकर उपयोग तें अऊ तोर संगी इसरायलीमन जइसे उचित
जान पड़ही, अपन परमेसर के ईछा के मुताबिक कर सकत हव।
19 ओ जम्मो चीज यरूसलेम के परमेसर ला दे देवव, जेमन ला तोर परमेसर के मंदिर म अराधना करे बर
तोला सऊंपे जावत हवंय।
20 यदि तोर परमेसर के मंदिर बर अऊ कोनो चीज के जरूरत होही, जेकर पूरती करे के जिम्मेदारी तोर
अय, त ओला तेंह साही खजाना म ले देय सकत हस।
21 में, राजा अर्तछयर्स, ये हुकूम देवत हंव कि फरात नदी के पार के जम्मो खजांचीमन धियान देके ओ
जम्मो चीज ला देवंय, जेकर मांग एजरा पुरोहित, स्वरग के परमेसर के कानून के गुरू ह करथे—
22 याने सौ टेलेन्ट* तक चांदी, सौ कोर† तक गहूं, सौ बत‡ तक अंगूर के मंद, सौ बत§ तक जैतून तेल,
अऊ नून जतेक चाही ओतेक देय जावय।
23 जऊन भी हुकूम स्वरग के परमेसर कोति ले मिले हवय, ओला धियान देके स्वरग के परमेसर के मंदिर बर
पूरा करे जावय। राजा अऊ ओकर राजकुमारमन के राज ऊपर परमेसर के कोरोध काबर भड़कय?

---

* **7:22** लगभग पौने 4 टन † **7:22** लगभग 18 टन ‡ **7:22** लगभग 2,200 लीटर § **7:22** लगभग 2,200 लीटर

24 तुमन ला ये घलो मालूम होवय कि तुमन ला परमेसर के ओ भवन के कोनो पुरोहित, लेवी, संगीतकार,
दुवारपाल, मंदिर के सेवक या आने काम करइयामन ले कर, लगान, या चुंगी लेय के कोनो अधिकार नइं ए।
25 अऊ हे एजरा! तोर परमेसर के बुद्धि के मुताबिक, जऊन ह कि तोर म हवय, तें जिलाधीस अऊ
नियायधीसमन ला नियुक्त कर, जेमन फरात नदी के पार के जम्मो मनखेमन ऊपर नियाय के संग सासन
करंय—ओ जम्मो जेमन तोर परमेसर के कानून ला जानथें। अऊ यदि कोनो ये कानूनमन ला नइं जानत हे, त
तें ओला ये कानून सिखा।
26 जऊन कोनो तोर परमेसर के कानून अऊ राजा के कानून ला नइं मानही, त ओला खचित परानदंड, देस
निकाला, ओकर माल जपत करई, या कैद के सजा देय जावय।
27 यहोवा, हमर पुरखामन के परमेसर के परसंसा होवय, जऊन ह राजा के मन म ये बात डालिस कि ये किसम
ले यरूसलेम म यहोवा के भवन बर आदर के काम होवय
28 अऊ जऊन ह राजा अऊ ओकर सलाहकार अऊ राजा के जम्मो बड़े अधिकारीमन के आघू म मोर बर बड़े
दया देखाय हवय। काबरकि यहोवा मोर परमेसर के हांथ मोर ऊपर रिहिस, एकरसेति मेंह हिम्मत करंय, अऊ
इसरायल के अगुवामन ला मोर संग जाय बर इकट्ठा करंय।

8

[illegible]

1 येह परिवारमन के मुखिया अऊ ओमन के संग लिखे गय मनखेमन के नांव के सूची अय, जेमन राजा अर्तछ्यर्स
के राज म बेबिलोन ले मोर संग यरूसलेम गीन:

2 पीनहास के बंस म ले:
गेरसोम;
ईतामार के बंस म ले:
दानिएल;
दाऊद के बंस म ले:
हतूस
3 सेकनयाह के बंस के;
परोस के बंस म ले:
जकरयाह, अऊ ओकर संग 150 आदमीमन के नांव लिखे गे रिहिस;
4 पहत-मोआब के बंस म ले:
जरहयाह के बेटा एलिहोएनै, अऊ ओकर संग 200 आदमी;
5 जत्तू के बंस म ले:
यहजीएल के बेटा सेकनयाह, अऊ ओकर संग 300 आदमी;
6 आदीन के बंस म ले:
योनातन के बेटा एबेद, अऊ ओकर संग 50 आदमी;
7 एलाम के बंस म ले:
अतलयाह के बेटा येसायाह, अऊ ओकर संग 70 आदमी;
8 सपतयाह के बंस म ले:
मिकाएल के बेटा जबदयाह, अऊ ओकर संग 80 आदमी;
9 योआब के बंस म ले:
यहीएल के बेटा ओबदयाह, अऊ ओकर संग 218 आदमी;
10 बानी के बंस म ले:
योसिवियाह के बेटा सलोमीत, अऊ ओकर संग 160 आदमी;
11 बेबै के बंस म ले:
बेबै के बेटा जकरयाह, अऊ ओकर संग 28 आदमी;
12 अजगाद के बंस म ले:
हक्कातान के बेटा योहानान, अऊ ओकर संग 110 आदमी;
13 अदोनीकाम के बंस म ले:

आखिरी के मनखेमन, जेमन के नांव एलीपेलेत, यूएल, अऊ समायाह, अऊ ओमन के संग 60 आदमी;
14 बिगवै के बंस म ले:
ऊतै अऊ जक्कूर, अऊ ओमन के संग 70 आदमी।

[illegible]

15 मेंह येमन ला नहर मेर इकट्ठा कर लेंव, जऊन ह अहवा सहर कोति बहथे, अऊ उहां हमन तीन दिन तक
डेरा डाले रहेंन। अऊ मेंह मनखे अऊ पुरोहितमन के बीच जांच करेंव, त मोला उहां कोनो लेवी नइं मिलिन।
16 एकरसेति मेंह एलिएजेर, अरीएल, समायाह, एलनातान, यारीब, एलनातान, नातान, जकरयाह अऊ
मसुल्लाम ला जऊन मन अगुवा रिहिन, अऊ योयारीब अऊ एलनातान ला, जेमन गियानी रिहिन, बुलवा लेंव,
17 अऊ मेंह ओमन ला कासिपिया म अगुवा, इद्दो मेर जाय के हुकूम देंव। मेंह ओमन ला समझा देंव कि
कासिपिया म इद्दो अऊ ओकर संगी लेवी, मंदिर के सेवकमन ले का कहना हे, ताकि ओमन हमर करा हमर
परमेसर के भवन बर सेवकमन ला लेके आवंय।
18 काबरकि हमर परमेसर के अनुग्रहकारी हांथ हमर ऊपर रिहिस, ओमन सेरेबियाह, एक योग्य मनखे, महली
के संतान ला हमर करा लानिन; महली ह लेवी के बेटा अऊ लेवी ह इसरायल के बेटा रिहिस; सेरेबियाह के बेटा
अऊ भाईमन, सब मिलाके 18 झन;
19 अऊ हसबियाह, अऊ ओकर संग मरारी के संतान म ले येसायाह, अऊ ओकर भाई अऊ भतीजामन, सब
मिलाके 20 झन।
20 ओमन 220 मंदिर के सेवकमन ला घलो लानिन—एक समूह जेकर स्थापना दाऊद अऊ अधिकारीमन करे
रिहिन, ताकि ये समूह ह लेवीमन के मदद करय। ये जम्मो के नांव सूची म लिखाय रिहिस।
21 उहां, अहवा नहर के तीर म, मेंह उपास रखे के घोसना करेंव, ताकि हमन अपनआप ला हमर परमेसर के
आघू म दीन करन; अऊ ओकर ले यातरा के दौरान अपन अऊ अपन लइका अऊ अपन जम्मो संपत्ति बर
सुरकछा के पराथना करन।
22 रसता के बईरीमन ले सुरकछा पाय बर राजा ले सैनिक अऊ घुड़सवारमन के मांग करे म मोला संकोच
होवत रिहिस, काबरकि हमन राजा ले ये कहे रहेंन, "हमर परमेसर के अनुग्रहकारी हांथ ओ हर एक मनखे ऊपर
हवय, जऊन ह ओला खोजथे, पर ओकर भयंकर कोरोध ओ जम्मो ऊपर भड़कथे, जेमन ओला तियाग देथें।"
23 एकरसेति हमन उपास करेंन अऊ येकर बारे म हमन अपन परमेसर ले पराथना करेंन, अऊ ओह हमर
पराथना के जबाब दीस।
24 तब मेंह अगुवा पुरोहितमन म ले बारह झन ला अलग करेंव, अऊ येमन सेरेबियाह, हसबियाह अऊ येमन
के दस भाईमन रिहिन,
25 अऊ मेंह ओमन ला ओ सोन अऊ चांदी अऊ ओ जम्मो चीजमन ला तऊलके दे देंव, जेला राजा, ओकर
सलाहकार, ओकर अधिकारी अऊ उहां उपस्थित जम्मो इसरायलीमन हमर परमेसर के भवन बर भेंट म देय
रिहिन।
26 मेंह ओमन ला तऊलके 650 टेलेन्ट* चांदी, 100 टेलेन्ट† चांदी के सामान, 100 टेलेन्ट सोन,
27 सोन के 20 कटोरा, जेमन के कीमत 1,000 दरकमोन‡ रिहिस, अऊ सोन के सहीं कीमती चमकत कांसा के
दू ठन सुघर सामान देंव।
28 मेंह ओमन ले कहेंव, "तुमन अऊ संग म ये सामान घलो यहोवा बर पबितर करे गे हवंव। ये सोन अऊ
चांदी यहोवा, तुम्हर पुरखामन के परमेसर बर एक स्वेच्छा-बलिदान अंय।
29 एकरसेति धियान देके येमन के पहरेदारी करव, जब तक कि तुमन ये चीजमन ला यरूसलेम म अगुवा
पुरोहित अऊ लेवी अऊ इसरायल के परिवार के मुखियामन के आघू म यहोवा के भवन के कोठरीमन म तऊलके
नइं दे दव।"
30 तब पुरोहित अऊ लेवीमन सोन अऊ चांदी अऊ ओ पबितर सामान ला तऊलके ले लीन ताकि ओमन ला
यरूसलेम म हमर परमेसर के भवन म अमरा देवंय।
31 पहिला महिना के बारहवां दिन, हमन अहवा नहर ले यरूसलेम जाय बर निकलेंन। हमर परमेसर के हांथ
हमर ऊपर रिहिस, अऊ ओह रसता म हमन ला बईरी अऊ डाकूमन ले बचाईस।
32 आखिर म हमन यरूसलेम हबरेंन अऊ उहां तीन दिन अराम करेंन।

---

* **8:26** लगभग 24 टन † **8:26** लगभग पौने 4 टन ‡ **8:27** लगभग 8.4 किलोग्राम

33 उहां हबरे के चऊथा दिन, हमर परमेसर के भवन म, हमन ओ सोन अऊ चांदी अऊ पबितर चीजमन ला
तऊलके उरियाह के बेटा मरेमोत पुरोहित के हांथ म देंन। ओकर संग पीनहास के बेटा एलिआजर रिहिस, अऊ
वइसने ही ओमन के संग लेवीमन याने येहोसू के बेटा योजाबाद अऊ बिन्नूई के बेटा नोअदियाह घलो रिहिन।
34 ओ जम्मो चीजमन गने अऊ तऊले गीन, अऊ ओमन के पूरा वजन ओ बेरा लिख लिये गीस।
35 तब जेमन बंधुवई ले लहुंटके आय रिहिन, ओमन इसरायल के परमेसर बर होम-बलिदान चघाईन: जम्मो
इसरायल बर बारह ठन बछवा, छियानबे मेढ़ा अऊ सतहत्तर मेढ़ा-पीला, अऊ पाप-बलिदान बर बारह ठन
बोकरा। ये जम्मो यहोवा बर एक होम-बलिदान रिहिस।
36 ओमन राजा के हुकूम घलो फरात नदी के पार के साही हाकिम अऊ राजपालमन ला दीन, जेमन तब
इसरायली मनखेमन ला अऊ संग म परमेसर के भवन बर मदद करिन।

9

[illegible]

1 ये बातमन के पूरा होय के बाद, अगुवामन मोर करा आके कहिन, "इसरायल के मनखेमन, संग म पुरोहित
अऊ लेवीमन अपनआप ला परोसी मनखे कनानी, हित्ती, परिज्जी, यबूसी, अमोनी, मोआबी, मिसरी अऊ
अमोरीमन के घिनित काममन ले अलग नइं रखे हवंय।
2 येमन ओमन के कुछू बेटीमन ला अपन अऊ अपन बेटामन के घरवाली बना ले हवंय, अऊ पबितर जाति
ला अपन आसपास के मनखेमन संग मिला ले हवंय। अऊ अगुवा अऊ करमचारीमन ये बिसवासघात के काम म
अगुवई करे हवंय।"
3 जब मेंह ये बात ला सुनेंव, त मेंह निरासा म अपन कपड़ा अऊ बागा ला चीरेंव, अपन मुड़ के बाल अऊ
दाढ़ी ला चीथेंव अऊ निरास होके उहां खाल्हे बईठ गेंव।
4 तब बंधुवई म ले आय मनखेमन के ये बिसवासघात के कारन ओ मनखे जेमन इसरायल के परमेसर के बचन
ला सुनके कांप गे रिहिन, ओमन मोर चारों कोति जमा हो गीन। अऊ मेंह निरास होके सांझ के बलिदान के समय
तक उहां बईठे रहेंव।
5 तब, सांझ के बलिदान के बेरा, मेंह अपन खुद के बेजत्ती के दसा ले उठेंव, मोर कपड़ा अऊ बागा फटे रहंय,
अऊ मेंह माड़ी टेकके अपन हांथमन ला यहोवा अपन परमेसर कोति उठांय
6 अऊ ये पराथना करेंव:
"हे मोर परमेसर, मेंह अतेक अपमानित अऊ कलंकित महसूस करत हंव कि मेंह तोर कोति अपन चेहरा
नइं कर सकंव, काबरकि हमर पापमन हमर मुड़ के घलो ऊपर चले गे हवंय अऊ हमर अपराध ह अकास तक
हबर गे हवय।
7 हमर पुरखामन के समय ले लेके अब तक, हमन घोर अपराध करे हन। हमर पाप के कारन, हमन अऊ
हमर राजा अऊ हमर पुरोहितमन ला आने राजामन के तलवार, बंधुवई, लूट अऊ अपमान के सामना करे
पड़िस, जइसे कि आज घलो दिखत हे।
8 "पर अब, कुछू समय बर, यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला मनखेमन के एक बांचे भाग अऊ
पबितर-स्थान म एक इस्थिर जगह देय के दुवारा हमर ऊपर अनुग्रह करे हवय, अऊ ये किसम ले हमर
परमेसर ह हमर आंखी ला अंजोर अऊ हमर बंधुवई म हमन ला थोरकन मदद देय हवय।
9 हालाकि हमन गुलाम अन, पर हमर परमेसर ह हमन ला हमर बंधुवई म नइं तियागे हवय। ओह फारस के
राजामन के नजर म हमर ऊपर दया देखाय हवय: ओह हमन ला नवां जिनगी देय हवय कि हमन अपन परमेसर
के घर ला फेर बनावन अऊ येकर खंडहरमन ला सुधारन, अऊ ओह हमन ला यहूदा अऊ यरूसलेम म सुरकछा
के एक दीवार देय हवय।
10 "पर हे हमर परमेसर, अब हमन येकर बाद का कह सकथन? काबरकि हमन तोर ओ हुकूममन ला नइं
माने हन,
11 जेला तेंह अपन सेवक अगमजानीमन के जरिये देय रहय जब तेंह कहय: 'जऊन देस ला तुमन अपन
अधिकार म लेय बर जावत हव, ओ देस ह उहां के मनखेमन के भ्रस्टाचार के काम के कारन दूसित हो गे हवय।
ओमन घिनौना काम करके देस के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक अपन असुधता ले भर देय हवंय।

12 एकरसेति, अपन बेटीमन के बिहाव ओमन के बेटामन संग झन करव अऊ ओमन के बेटीमन ला अपन
बेटामन बर झन लानव। ओमन के संग कभू भी संगी-यारी के समझौता झन करव, ताकि तुमन बलवान बनव
अऊ ओ देस के बने-बने चीज तुमन ला खाय बर मिलय अऊ येला तुमन अपन लइकामन बर हमेसा के
उत्तराधिकार के रूप म छोंड़ सकव।'
13 "हमर ऊपर जऊन कुछू होय हवय, ओह हमर दुस्ट काम अऊ बड़े अपराध के परिनाम ए; पर तभो ले, हे
हमर परमेसर, तेंह हमन ला हमर पाप के मुताबिक कम सजा दे हस अऊ हमन ला ये किसम के एक बांचे भाग
दे हस।
14 त का हमन तोर हुकूममन ला फेर टोरन अऊ ओ मनखेमन संग अंतर-जात बिहाव करन, जऊन मन
अइसने घिनौना काम करथें? का तेंह बहुंत गुस्सा होके हमर बर बिगर बांचे भाग छोंड़े या बिगर जीयत मनखे
छोंड़े, हमन ला नास नइं कर देबे?
15 हे यहोवा, इसरायल के परमेसर, तेंह धरमी अस! हमन आज एक बांचे भाग के रूप म छोंड़ दिये गे हन।
इहां हमन अपन अपराध के संग तोर आघू म हन, हालाकि ये अपराध के कारन हमन ले कोनो तोर आघू म ठाढ़
नइं हो सकन।"

10

[illegible]

1 जब एजरा ह परमेसर के भवन के आघू म रोवत, मुहूं-भरसा गिरके पराथना करत अऊ पाप ला मानत
रिहिस, तब इसरायली आदमी, माईलोगन अऊ लइकामन के एक बड़े भीड़ ओकर चारों कोति जमा हो गीस,
अऊ मनखेमन घलो बिलख-बिलखके रोवन लगिन।
2 तब यहीएल के बेटा सेकनयाह, जऊन ह एलाम के संतान म ले रिहिस, एजरा ले कहिस, "हमन हमर
आसपास के मनखेमन ले परदेसी माईलोगनमन ले बिहाव करके अपन परमेसर के संग बिसवासघात करे हन। पर
अतेक होय के बाद घलो, अभी भी इसरायल बर आसा हवय।
3 अब हमन हमर परमेसर के आघू म ये करार बांधन कि हमन हमर मालिक अऊ जेमन हमर परमेसर के हुकूम
के भय मानथें, ओमन के सलाह मुताबिक ये जम्मो माईलोगन अऊ ओमन के लइकामन ला दूरिहा कर देवन। ये
काम कानून के मुताबिक करे जावय।
4 उठ; ये बात ह तोर हांथ म हवय। हमन तोर संग हवन, एकरसेति हिम्मत बांधके ये काम ला कर।"
5 तब एजरा ह उठिस, अऊ अगुवा पुरोहित अऊ लेवी अऊ जम्मो इसरायलीमन ला दिये गय सलाह के
मुताबिक काम करे बर सपथ खवाईस। अऊ ओमन सपथ खाईन।
6 तब एजरा ह परमेसर के भवन के आघू ले उठिस अऊ एलियासीब के बेटा यहोहानान के कमरा म गीस। जब
तक ओह उहां रिहिस, ओह न तो रोटी खाईस, अऊ न पानी पीईस, काबरकि ओह बंधुवई म ले आय मनखेमन के
बिसवासघात के कारन सोक मनात रिहिस।
7 तब ओमन यहूदा अऊ यरूसलेम म रहइया बंधुवई म ले आय जम्मो मनखेमन बर एक घोसना करवाईन कि
ओमन यरूसलेम म जूरंय।
8 जऊन कोनो तीन दिन के भीतर नइं आही, ओकर पूरा संपत्ति ला अधिकारी अऊ अगुवामन के फैसला के
मुताबिक जपत कर लिये जाही अऊ ओला बंधुवई ले आय सभा ले निकाल दिये जाही।

9 तब तीन दिन के भीतर, यहूदा अऊ बिनयामीन के जम्मो आदमीमन यरूसलेम म जूर गीन। अऊ नौवां
महिना के बीसवां दिन, जम्मो मनखेमन परमेसर के भवन के आघू, चऊक म ओ बिसय के कारन अऊ बारिस के
कारन बहुंत दुखी बईठे रिहिन।
10 तब एजरा पुरोहित ह ठाढ़ होके ओमन ले कहन लगिस, "तुमन बिसवासघात करे हवव; तुमन परदेसी
माईलोगनमन ले बिहाव करे हव, अऊ इसरायल के दोस ला बढ़ाय हव।
11 एकरसेति अब यहोवा, अपन पुरखामन के परमेसर के आदर करव,* अऊ ओकर ईछा ला पूरा करव। अपन
आसपास के आनजात मनखेमन ले अऊ अपन परदेसी घरवालीमन ले अपनआप ला अलग करव।"

* **10:11** या *[illegible]*

12 तब पूरा सभा के मनखेमन चिचियाके जबाब दीन: “तेंह सही कहत हस! तेंह जइसने कहत हस, हमन ला
वइसने करना जरूरी ए।
13 पर इहां बहुंत मनखेमन हवंय अऊ येह बारिस के बेरा अय; एकरसेति हमन बाहिर ठाढ़ नइं रह सकन।
एकर अलावा, ये काम ला एक या दू दिन म नइं करे जा सकय, काबरकि हमन ये बात म बड़े पाप करे हवन।
14 जम्मो सभा के सेति हमर अधिकारीमन काम करंय। तब हमर नगरमन के हर ओ आदमी, जऊन ह कोनो
परदेसी माईलोगन ले बिहाव करे हवय, हर नगर के अगुवा अऊ नियायीमन के संग ठहिराय गय समय म
आवय, जब तक हमर परमेसर के भड़के कोरोध ह ये बिसय म हमर ले दूरिहा नइं हो जावय।”
15 सिरिप असाहेल के बेटा योनातन अऊ तिकवा के बेटा यहजयाह अऊ संग म मसुल्लाम अऊ सब्बतै लेवी
ये बात के बिरोध करिन।
16 तब बंधुवई ले आय मनखेमन वइसे करिन, जइसे एजरा ह सलाह देय रिहिस। तब एजरा पुरोहित ह ओ
आदमीमन ला चुनिस, जेमन परिवार के मुखिया रिहिन, हर एक परिवार के दल ले एक झन, अऊ ओ जम्मो झन
ला नांव के दुवारा ठहिराय गीस। दसवां महिना के पहिला दिन, ओमन ये मामला के जांच-पड़ताल करे बर
बईठिन,
17 अऊ पहिला महिना के पहिला दिन तक, ओमन ओ जम्मो मनखेमन के जांच पूरा कर लीन, जेमन ह
परदेसी माईलोगनमन ले बिहाव करे रिहिन।

[illegible]
18 पुरोहितमन के संतानमन ले, येमन परदेसी माईलोगनमन ले बिहाव करे रिहिन:
योसादाक के बेटा यहोसू के संतानमन ले, अऊ ओकर भाईमन ले:
मासेयाह, एलिएजेर, यारीब अऊ गदलयाह।
19 (ओमन अपन हांथ देके अपन घरवालीमन ला छोंड़ देय के सपथ खाईन, अऊ अपन दोस बर ओमन
बरदी म ले एक-एक ठन मेढ़ा दोस-बलिदान के रूप म चघाईन।)
20 इम्मेर के संतान म ले:
हनानी अऊ जबदयाह।
21 हारीम के संतान म ले:
मासेयाह, एलियाह, समायाह, यहीएल अऊ उजियाह।
22 पसहूर के संतान म ले:
एलयोएनै, मासेयाह, इसमायल, नतनेल, योजाबाद अऊ एलासा।

23 लेवीमन म ले:
योजाबाद, सिमी, केलायाह (जऊन ह कलीता कहाथे), पतहियाह, यहूदा अऊ एलिएजेर।
24 संगीतकारमन ले:
एलियासीब।
दुवारपालमन ले:
सल्लूम, तेलेम अऊ ऊरी।

25 अऊ आने इसरायलीमन ले:
परोस के संतान म ले:
रमयाह, यिजियाह, मलकियाह, मियामीन, एलिआजर, मलकियाह अऊ बनायाह।
26 एलाम के संतान म ले:
मतनयाह, जकरयाह, यहीएल, अब्दी, यरेमोत अऊ एलियाह।
27 जत्तू के संतान म ले:
एलयोएनै, एलियासीब, मतनयाह, यरेमोत, जाबाद अऊ अजीजा।
28 बेबै के संतान म ले:
यहोहानान, हननयाह, जब्बै अऊ अतलै।
29 बानी के संतान म ले:

मसुल्लाम, मल्लूक, अदायाह, यासूब, साल अऊ यरेमोत।
30 पहत-मोआब के संतान म ले:
अदना, कलाल, बनायाह, मासेयाह, मतनयाह, बसलेल, बिन्नूई अऊ मनस्से।
31 हारीम के संतान म ले:
एलिएजेर, यिसियाह, मलकियाह, समायाह, सिमोन,
32 बिनयामीन, मल्लूक अऊ समरयाह।
33 हासूम के संतान म ले:
मत्तनै, मतता, जाबाद, एलीपेलेत, यरेमै, मनस्से अऊ सिमी।
34 बानी के संतान म ले:
मादै, अमराम, ऊएल,
35 बनायाह, बेदयाह, कलूही,
36 वनियाह, मरेमोत, एलियासीब,
37 मतनयाह, मत्तनै, यासू;
38 बानी बिन्नूई के संतान म ले:
सिमी,
39 सेलेमियाह, नातान, अदायाह,
40 मकनदबै, सासै, सारै,
41 अजरेल, सेलेमियाह, समरयाह,
42 सल्लूम, अमरयाह अऊ यूसुफ।
43 नबो के संतान म ले:
येइल, मत्तितियाह, जाबाद, जबीना, यद्दई, योएल अऊ बनायाह।

44 ये जम्मो झन परदेसी माईलोगनमन ले बिहाव करे रिहिन, अऊ ओमा के कुछू झन के ये घरवालीमन ले लइकामन घलो पईदा होय रिहिन।

नहेमियाह
के किताब

[illegible]
1 हकलयाह के बेटा नहेमियाह के बचन:

राजा अर्तछयर्स के राज के बीसवां बछर के किसलेव* नांव महिना म, जब मेंह सूसन नांव राजगढ़ म रहत
रहेंव,
2 तब हनानी नांव के मोर एक भाई ह यहूदा ले कुछू आने आदमीमन के संग आईस, अऊ मेंह ओमन ले ओ
बांचे यहूदीमन के बारे म पुछेंव, जेमन बंधुवई ले बच गे रिहिन, अऊ मेंह यरूसलेम के बारे म घलो पुछेंव।
3 ओमन मोर ले कहिन, "बांचे मनखेमन जेमन बंधुवई ले छूटके प्रदेस† म वापिस आ गे हवंय, ओमन बहुंत
दुरदसा अऊ अपमान म परे हवंय। यरूसलेम के चारों मुड़ा के दीवार ह टूट गे हवय, अऊ ओकर दुवारमन जर गे
हवंय।"
4 ये बात ला सुनके मेंह बईठके रोवन लगंय अऊ कुछू दिन तक सोक मनांय, अऊ स्वरग के परमेसर के आघू
म उपास अऊ पराथना करंय।
5 तब मेंह कहेंव:
"हे यहोवा, स्वरग के परमेसर, महान अऊ अद्भूत परमेसर, तें जऊन ह अपन मया रखइयामन अऊ हुकूम
मनइयामन के संग अपन मया के करार ला बनाय रखथस,
6 तोर कान ह धियान देवय अऊ आंखी ह खुले रहय कि जऊन पराथना में, तोर सेवक ह रात अऊ दिन तोर
सेवक, इसरायल के मनखेमन बर तोर आघू म करत हंव, ओला तें सुन ले। मेंह तोर बिरूध करे गय इसरायलीमन
के पाप अऊ मोर अऊ मोर ददा के घराना के पाप करई ला मानत हंव।
7 हमन तोर आघू म बहुंत बुरई करे हवन। जऊन हुकूम, बिधि अऊ कानूनमन ला तेंह अपन दास मूसा ला
देय रहय, ओला हमन नइं माने हन।
8 "ओ निरदेस ला सुरता कर, जेला तेंह अपन दास मूसा ला ये कहिके दे रहय, 'यदि तुमन बिसवासघात
करहू, त मेंह तुमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म तितिर-बितिर कर दूहूं।
9 पर यदि तुमन मोर करा लहुंटके आहू अऊ मोर हुकूम ला मानहू, त चाहे तुम्हर बंधुवई म गय मनखेमन
धरती के छोर म घलो होहीं, तब भी मेंह ओमन ला उहां ले संकेलके ओ जगह म ले आहूं, जेला मेंह अपन नांव
के निवास बर चुन लेय हंव।'
10 "ओमन तोर सेवक अऊ तोर मनखे अंय, जेमन ला तेंह अपन बहुंत ताकत अऊ बलवान हांथ के दुवारा
छोंड़ाय हस।
11 हे परभू, तोर ये सेवक के पराथना अऊ तोर ओ सेवकमन के पराथना ला कान लगाके सुन, जेमन तोर
नांव के भय माने म खुस होथें। ये आदमी के आघू म अनुग्रह देके आज तोर ये सेवक के काम ला सफल कर।"
मेंह तो राजा के पीयानेवाला रहेंव।

2

[illegible]
1 अर्तछयर्स राजा के राज के बीसवां बछर के नीसान महिना म, जब ओकर बर अंगूर के मंद लाने गीस, त मेंह
मंद ला लेके राजा ला देंय। एकर पहिले मेंह ओकर आघू म कभू उदास नइं होय रहंय,
2 एकरसेति राजा ह मोर ले पुछिस, "जब तेंह बेमार नइं अस, त फेर तोर मुहूं ह काबर उतरे हवय? येह मन के
उदासी के अलावा अऊ कुछू नइं हो सकय।"

---

* **1:1** बेबिलोनी कलेन्डर म नौवां महिना (आधा नवम्बर अऊ आधा दिसम्बर) † **1:3** या [illegible]

तब मेंह अब्बड़ डर गेंव,
3 पर मेंह राजा ले कहेंव, “राजा सदा जीयत रहय! जब ओ सहर जेमा मोर पुरखामन के कबरमन हवंय, उजाड़ परे हवय अऊ ओ सहर के दुवारमन जरके नास हो गे हवंय, त फेर मोर मुहूं ह काबर नइं उतरही?”
4 राजा ह मोर ले पुछिस, “त तेंह का चाहत हस?”
तब मेंह स्वरग के परमेसर ले पराथना करंय,
5 अऊ मेंह राजा ला जबाब देंय, “यदि राजा ला ये बात बने लगे, अऊ ओह अपन सेवक ले खुस हे, त ओह मोला यहूदा प्रदेस के ओ सहर म पठोवय, जिहां मोर पुरखामन ला माटी देय गे हवय, ताकि मेंह ओला फेर बनवा सकंव।”
6 तब राजा ह, जेकर बगल म रानी घलो बईठे रिहिस, मोर ले पुछिस, “तेंह कतेक दिन तक यातरा म रहिबे अऊ कब लहुंटके आबे?” ये बात ह राजा ला बने लगिस कि ओह मोला पठोवय; तब मेंह ओकर बर एक समय ठहिरांय।
7 मेंह राजा ले ये भी कहंय, “यदि राजा ला बने लगे, त फरात नदी के पार के राजपालमन बर इही बिसय के चिट्ठी मोला दिये जावय कि जब तक मेंह यहूदा प्रदेस म नइं हबरंव, तब तक ओमन मोला सुरकछित अपन देस म ले होके जावन देंय?
8 अऊ साही जंगल के चौकीदार आसाप बर घलो एक चिट्ठी मोला दिये जावय, ताकि ओह मोला मंदिर ले लगे गढ़ के दुवारमन के कड़ीमन ला बनाय बर, अऊ सहर के दीवार बर अऊ मोर रहे के घर बर इमारती लकरी देवय।” मोर परमेसर के किरपा मोर ऊपर रिहिस, एकरसेति राजा ह मोर बिनती ला मान लीस।
9 तब मेंह फरात नदी के पार के राजपालमन करा जाके ओमन ला राजा के चिट्ठीमन ला देंय। राजा ह मोर संग सेना के अधिकारीमन ला अऊ सेना ला घलो पठोय रिहिस।
10 ये सुनके कि एक मनखे ह इसरायलीमन के मदद करे बर आय हवय, दू झन मनखे सम्बल्लत नांव के होरोनी अऊ तोबियाह नांव के अमोनी बहुंत घबरा गीन। ये दूनों उहां करमचारी रिहिन।

[illegible]

11 मेंह यरूसलेम गेंव, अऊ उहां तीन दिन तक ठहिरे के बाद
12 मेंह कुछू मनखेमन के संग रथिया निकलेंव। मेंह कोनो ला नइं बताय रहेंव कि मोर परमेसर ह यरूसलेम के हित बर मोर मन म का योजना डारे हवय। उहां मोर सवारी के पसु ला छोंड़ कोनो आने पसु मोर संग नइं रिहिस।
13 मेंह रथिया घाटी के दुवार म ले होके सियार* कुआं अऊ गोबर दुवार कोति निकलेंव; मेंह यरूसलेम के टूटे दीवारमन के जांच करत गेंव, अऊ ओमन के दुवारमन के घलो जांच करंय, जेमन आगी म जरके नास हो गे रिहिन।
14 तब मेंह झरना दुवार अऊ राजा के कुंड कोति गेंव, पर मोर सवारी के पसु बर उहां ले होके जाय बर जगह नइं रिहिस;
15 एकरसेति मेंह रथियाच दीवार के जांच करत ऊपर घाटी कोति गेंव। आखिर म, मेंह वापिस मुड़ेंव अऊ फेर घाटी दुवार म ले होके गेंव।
16 अधिकारीमन नइं जानत रिहिन कि मेंह कहां गे रहंय या मेंह का करत रहंय, काबरकि मेंह तब तक यहूदीमन ला या पुरोहितमन ला या परभावसाली मनखेमन ला या अधिकारीमन ला या आने कोनो ला कुछू नइं बताय रहेंव, जेमन कि काम ला करनेवाला रिहिन।
17 तब मेंह ओमन ले कहंय, “तुमन खुद देखत हव कि हमन कइसन दुरदसा म हवन: यरूसलेम ह उजाड़ परे हवय अऊ ओकर दुवारमन आगी ले जर गे हवंय। आवव, हमन यरूसलेम के दीवार ला फेर बनावन, ताकि हमन फेर कलंकित झन होवन।”
18 मेंह ओमन ला ये घलो बतांय कि मोर परमेसर के किरपा-दिरिस्टी मोर ऊपर हवय अऊ राजा ह मोर ले का कहे रिहिस, ओ बात ला घलो बतांय।
तब ओमन कहिन, “आवव, हमन फेर बनाय के काम ला सुरू करन।” अऊ ओमन ये बने काम ला सुरू करिन।

---

* **2:13** या [illegible] या [illegible]

19 पर जब सम्बल्लत नांव के होरोनी अऊ तोबियाह नांव के एक अमोनी करमचारी अऊ गेसेम नांव के एक
अरबी मनखे ये बात ला सुनिन, त ओमन हमर हंसी उड़ाईन अऊ ठट्ठा करके पुछिन, "तुमन ये का करत हव? का
तुमन राजा के बिरूध म बिदरोह करत हव?"
20 तब मेंह ये कहिके ओमन ला जबाब देंव, "स्वरग के परमेसर ह हमर काम ला सफल करही। हमन ओकर
सेवकमन फेर बनाय बर सुरू करबो, पर जहां तक तुम्हर बात ए, यरूसलेम म तुम्हर न तो कोनो भाग, न ही कोनो
हक अऊ न ही कोनो इतिहासिक अधिकार हवय।"

3

[illegible]

1 तब एलियासीब महा पुरोहित ह अपन संगी पुरोहितमन संग गीस अऊ भेड़ दुवार ला फेर बनाईस। ओमन
ओकर परतिस्ठा करिन, अऊ ओकर कपाट ला ओकर जगह म लगाईन, अऊ ओमन सौ के मीनार तक अऊ संग
म हनानेल के मीनार तक बनाईन अऊ ओकर परतिस्ठा करिन।
2 ओकर ले जुड़े भाग ला यरीहो के मनखेमन बनाईन, अऊ ओकर बाद वाले भाग ला इमरी के बेटा जक्कूर ह
बनाईस।

3 मछुरी दुवार ला हस्सना के बेटामन बनाईन। ओमन ओकर बल्लीमन ला लगाईन, अऊ ओकर कपाट अऊ
चिटकनी अऊ बेड़ीमन ला ओमन के जगह म लगाईन।
4 मरेमोत, जऊन ह हक्कोस के पोता अऊ उरियाह के बेटा रिहिस, ओकर बाद के भाग के मरम्मत करिस।
ओकर बाद के भाग ला मसुल्लाम ह मरम्मत करिस, जऊन ह मेसेजाबेल के पोता, अऊ बेरेकियाह के बेटा
रिहिस। ओकर बाद के भाग ला बाना के बेटा सादोक ह मरम्मत करिस।
5 ओकर बाद के भाग ला तकोआ गांव के आदमीमन मरम्मत करिन, पर ओमन के परभावसाली मनखेमन
ओमन के देखरेख करइयामन के अधीन काम म कोनो मदद नइं करिन।

6 फेर यसाना* दुवार ला पासेह के बेटा योयादा अऊ बसोदयाह के बेटा मसुल्लाम के दुवारा मरम्मत करे
गीस। ओमन ओकर कड़ीमन ला लगाईन अऊ ओकर कपाट, चिटकनी अऊ बेड़ीमन ला ओमन के जगह म
लगाईन।
7 ओमन ले बाद के भाग के मरम्मत, गिबोन अऊ मिसपा के आदमीमन के दुवारा करे गीस—गिबोन के
मलतियाह अऊ मेरोनोत के यादोन—येमन फरात नदी के पार के राजपाल के अधीन मरम्मत के काम ला करिन।
8 ओमन के बाद के मरम्मत हरहयाह के बेटा उजीएल ह करिस, जऊन ह सुनारमन ले एक झन रिहिस; अऊ
ओकर बाद के भाग ला हननयाह ह मरम्मत करिस, जऊन ह एक अंतर तेल बनइया रिहिस। ओमन यरूसलेम
ला चाकर दीवार तक मरम्मत करके पहिले के सहीं कर दीन।
9 ओकर बाद के भाग ला हूर के बेटा रपायाह ह मरम्मत करिस, जऊन ह यरूसलेम के आधा जिला के सासक
रिहिस।
10 येला जोड़त, हरूमप के बेटा यदायाह ह अपन घर के सामने मंदिर ला मरम्मत करिस, अऊ ओकर बाद के
भाग ला हसबनयाह के बेटा हतूस ह मरम्मत करिस।
11 हारीम के बेटा मलकियाह अऊ पहत-मोआब के बेटा हस्सूब आने भाग ला अऊ भट्ठीमन के मीनार ला
मरम्मत करिन।
12 ओकर बाद के भाग ला यरूसलेम के आधा जिला के सासक हल्लोहेस के बेटा सल्लूम ह अपन बेटीमन के
संग मिलके मरम्मत करिस।

13 घाटी दुवार ला हानून अऊ जानोह के रहइयामन मरम्मत करिन। ओमन ओला फेर बनाईन, अऊ ओकर
कपाटमन ला ओमन के चिटकनीमन अऊ बेड़ीमन के संग ओमन के जगह म लगाईन। ओमन घलो दीवार ला
एक हजार क्यूबीट† लम्बा गोबर दुवार तक बनाईन।

---

* **3:6** या *[illegible]* † **3:13** लगभग 1,500 फीट या 450 मीटर

14 गोबर दुवार ला रेकाब के बेटा मलकियाह ह ठीक करिस, जऊन ह बेत-हकेरेम के जिला के सासक रिहिस।
ओह ओला फेर बनाईस, अऊ ओकर कपाटमन ला ओमन के चिटकनीमन अऊ बेड़ीमन के संग ओमन के जगह
म लगाईस।

15 झरना दुवार ला कोल-होजे के बेटा सल्लूम ह मरम्मत करिस, जऊन ह मिसपा जिला के सासक रिहिस।
ओह ओला फेर बनाईस; ओकर ऊपर छत लगाईस अऊ ओकर कपाटमन ला ओमन के चिटकनीमन अऊ
बेड़ीमन के संग ओमन के जगह म लगाईस। ओह राजा के बारी के लकठा के सीलोम‡ नांव कुंड के दीवार ला
घलो दाऊद के सहर ले खाल्हे उतरइया सीढ़ी तक बनाईस।
16 ओकर बाद अजबूक के बेटा नहेमियाह, जऊन ह बेत-सूर के आधा जिला के सासक रिहिस, दाऊद के
मरघटी के सामने के एक जगह तक, बनावटी कुंड अऊ सूरबीरमन के घर तक मरम्मत करिस।
17 ओकर बाद के भाग ला बानी के बेटा रहूम के देखरेख म लेवीमन मरम्मत करिन। ओकर बाजू के भाग ला
कीला के आधा जिला के सासक हसबियाह ह अपन जिला कोति ले मरम्मत करिस।
18 ओकर बाद के भाग ला ओमन के संगी लेवीमन कीला के आधा जिला के सासक हेनादाद के बेटा बिन्नूई§ के
देखरेख म मरम्मत करिन।
19 ओकर बाद आने भाग ला, हथियार के भंडार के चढ़ाव के सामने के एक भाग ले दीवार के मोड़ तक येहोसू
के बेटा एजेर ह मरम्मत करिस, जऊन ह मिसपा के सासक रिहिस।
20 ओकर बाद आने भाग ला याने कि ओ मोड़ ले लेके एलियासीब महा पुरोहित के घर के प्रवेस दुवार तक
जब्बै के बेटा बारूक ह बहुंत उत्साहित होके मरम्मत करिस।
21 एकर बाद एलियासीब के घर के प्रवेस दुवार ले आखिरी छोर तक मरेमोत ह ठीक करिस, जऊन ह हक्कोस
के पोता अऊ उरियाह के बेटा रिहिस।
22 ओकर बाद के भाग के मरम्मत आसपास के इलाका के पुरोहितमन करिन।
23 ओमन के बाद के भाग ला बिनयामीन अऊ हस्सूब मरम्मत करिन, जऊन ह ओमन के सामने रिहिस; ओकर
बाद के भाग के मरम्मत मासेयाह के बेटा अऊ अननियाह के पोता अजरयाह के दुवारा करे गीस, ये भाग ह
ओकर घर के बाजू म रिहिस।
24 ओकर बाद, अजरयाह के घर ले लेके मोड़ अऊ कोना तक हेनादाद के बेटा बिन्नूई ह मरम्मत करिस,
25 फेर ओही मोड़ के सामनेवाले भाग अऊ पहरेदारमन के अंगना के लकठा म ऊपरी महल ले बाहिर निकले
मीनार वाले भाग म ऊजै के बेटा पालाल ह काम करिस। ओकर बाद, परोस के बेटा पदायाह ह मरम्मत करिस
26 अऊ ओपेल के पहाड़ी म रहइया मंदिर के सेवकमन पूरब कोति जल-दुवार के सामने के जगह तक अऊ
बाहिर निकले हुये मीनार तक मरम्मत करिन।
27 ओमन के बाद, तकोआ के आदमीमन आने भाग ला याने कि बाहिर निकले बड़े मीनार ले ओपेल के दीवार
तक मरम्मत करिन।

28 फेर घोड़ा दुवार के ऊपर, पुरोहितमन अपन-अपन घर के सामने वाला भाग ला मरम्मत करिन।
29 ओमन के बाद, इम्मेर के बेटा सादोक ह अपन घर के सामने वाला भाग ला मरम्मत करिस। ओकर बाद,
पूरबी दुवार के पहरेदार, सेकनयाह के बेटा समायाह ह मरम्मत करिस।
30 ओकर बाद, सेलेमियाह के बेटा हननयाह अऊ सालाप के छठवां बेटा हानून आने भाग ला मरम्मत करिन।
ओमन के बाद, बेरेकियाह के बेटा मसुल्लाम ह अपन रहे के घर के सामने के भाग ला मरम्मत करिस।
31 ओकर बाद, मलकियाह, जऊन ह एक सुनार रिहिस, मंदिर के सेवक अऊ बेपारीमन के घर तक याने कि
मुआयना दुवार के सामने तक, अऊ कोना के ऊपर के कमरा तक मरम्मत करिस;
32 अऊ कोना के ऊपर वाले कमरा अऊ भेड़ दुवार के बीच के दीवार ला सुनारमन अऊ बेपारीमन मरम्मत
करिन।

4

[illegible]

‡ **3:15** इबरानी म [illegible] § **3:18** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible]

1 जब सम्बल्लत ह सुनिस कि हमन दीवार ला फेर बनावत हन, तब ओह गुस्सा करिस अऊ बहुंत उत्तेजित हो
गीस। ओह यहूदीमन के मजाक उड़ान लगिस,
2 अऊ अपन सहायकमन के अऊ सामरिया के सेना के आघू म, ओह कहिस, "ओ कमजोर यहूदीमन का करत
हवंय? का ओमन ओ दीवार ला फेर बना लीहीं? का ओमन बलिदान चघाहीं? का ओमन ये काम एकेच दिन म
पूरा कर लीहीं? का ओमन कंकड़ के ढेर म ले पथरामन ला फेर ठीक कर लीहीं—जबकि येमन जल चुके हवंय?"
3 अमोनी तोबियाह, जऊन ह ओकर बगल म रिहिस, ओह कहिस, "ओमन जऊन कुछू बनावत हवंय, यदि
कोनो कोलिहा घलो ओकर ऊपर चढ़ही, त ओकर भार ले, ओमन के बनाय पथरा के दीवार ह टूटके गिर जाही।"

4 हे हमर परमेसर, हमर बात ला सुन, काबरकि हमर अपमान होवत हे। ओमन के दुवारा करे गे बेजत्ती ला
ओमन के ही मुड़ म लहुंटा दे। ओमन ला बंधुवई के देस म लूट के सामान के रूप म देय दे।
5 ओमन के अपराध ला छेमा झन कर या अपन नजर ले ओमन के पाप ला झन मिटा, काबरकि ओमन दीवार
बनइयामन के अपमान करे हवंय।

6 ये किसम ले, हमन दीवार ला फेर बनायेंन, अऊ जम्मो दीवार ह आधा ऊंचई तक ठाढ़ हो गीस, काबरकि
मनखेमन अपन पूरा मन से ओ काम म लगे रिहिन।
7 पर जब सम्बल्लत, तोबियाह, अरबीमन, अमोनीमन अऊ असदोद सहर के मनखेमन सुनिन कि यरूसलेम के
दीवार के मरम्मत होवत जावत हे, अऊ ओमा के फटानमन बंद होवत जावत हें, तब ओमन बहुंत गुस्सा होईन।
8 ओमन जम्मो झन मिलके ये साजिस रचिन कि ओमन आके यरूसलेम के बिरूध लड़हीं अऊ ओकर बिरूध
समस्या खड़े करहीं।
9 पर हमन अपन परमेसर ले पराथना करेंन अऊ ओमन के ये साजिस के कारन दिन अऊ रात बर एक पहरेदार
ठहिरा देंन।
10 इही बीच म, यहूदा के मनखेमन कहन लगिन, "बनिहारमन के बल ह घटत हवय, अऊ अतेक जादा मलबा
हवय कि हमन दीवार ला फेर नइं बना सकन।"
11 हमर बईरीमन घलो कहन लगिन, "एकर पहिले कि ओमन येला जानंय या हमन ला देखंय, हमन ओमन के
बीच म हबर जाबो अऊ ओमन ला मार डारबो अऊ ओ काम ला बंद कर देबो।"
12 तब जऊन यहूदीमन ओमन के आसपास रहत रिहिन, ओमन दस बार आ आके हमन ले कहिन, "तुमन
जिहां भी जाहू, ओमन हमर ऊपर हमला करहीं।"
13 ये खातिर मेंह कुछू मनखेमन ला ओमन के परिवार सहित तलवार, बरछी अऊ धनुस के संग दीवार के
सबले खाल्हे जगह म पाछू कोति खुले जगहमन म ठहिरा देंव।
14 जब मेंह ये चीजमन ला देख लेंव, तब मेंह उठेंव अऊ परभावसाली मनखे, अधिकारीमन अऊ बाकि
मनखेमन ले कहंय, "ओमन ले झन डरव। परभू, जऊन ह महान अऊ अद्भूत अय, ओला सुरता करव, अऊ
अपन परिवारमन, अपन बेटा अऊ बेटीमन, अपन घरवालीमन अऊ अपन घरमन बर लड़व।"
15 जब हमर बईरीमन सुनिन कि ओमन के साजिस के बात हमन ला मालूम हो गे हवय अऊ परमेसर ह ओमन
के योजना ला बिफल कर दे हवय, तब हमन जम्मो के जम्मो दीवार मेर अपन-अपन काम करे बर लहुंटेंन।
16 ओ दिन ले, मोर आधा आदमीमन ओ काम म लगे रहंय अऊ आधा आदमीमन बरछी, ढाल, धनुस अऊ
हथियारमन ला धरके ठाढ़े रहंय। अऊ अधिकारीमन अपनआप ला यहूदा के ओ जम्मो मनखेमन के पाछू तैनात
कर लीन,
17 जेमन दीवार ला बनात रिहिन। जेमन सामानमन ला उठाके ले जावंय, ओमन एक हांथ ले अपन काम
करंय अऊ दूसर हांथ म एक ठन हथियार धरे रहंय,
18 अऊ हर राज-मिसतिरी ह काम करत बेरा अपन बाजू म अपन तलवार ला लटकाय रहय। पर तुरही
फूंकइयामन मोर संग रहंय।
19 तब मेंह परभावसाली मनखे, अधिकारी अऊ बाकि मनखेमन ले कहेंव, "काम ह बड़े अऊ बगरे हवय, अऊ
हमन दीवार म एक-दूसर ले अलग दूरिहा-दूरिहा म हवन।

20 एकरसेति जऊन तरफ ले तुरही के अवाज तुमन सुनव, ओही तरफ आके तुमन हमर संग जूर जावव। हमर
परमेसर ह हमर बर लड़ही!”
21 एकरसेति हमन काम म लगे रहेंन, अऊ ओमा आधा मनखेमन, बड़े बिहनियां ले तारामन के निकले तक
बरछीमन ला धरे रहंय।
22 फेर ओ बेरा मेंह मनखेमन ले ये घलो कहंय, “हर एक मनखे अपन सहायक संग यरूसलेम के भीतर म रात
बितावय, ताकि ओमन रथिया तो हमर रखवारी करंय, अऊ दिन म काम म लगे रहंय।”
23 न तो मेंह अपन कपड़ा उतारत रहंय, अऊ न ही मोर भाईमन, न मोर मनखेमन, न ओ पहरेदारमन, जेमन
मोर संग रिहिन, अपन कपड़ा उतारत रिहिन; हर एक झन अपन हथियार ला धरे रहंय, अऊ त अऊ जब ओमन
पानी लेय बर जावंय, तब भी हथियार धरे रहंय।

5

[illegible]

1 तब आदमीमन अऊ ओमन के घरवालीमन अपन संगी यहूदीमन के बिरूध म अब्बड़ चिचियाय लगिन।
2 कुछू मन कहत रिहिन, “हमन अऊ हमर बेटा अऊ बेटीमन बहुंत झन हवन; हमर खाय अऊ जीयत रहे बर,
हमन ला अनाज के बहुंत जरूरत हवय।”
3 आने मन कहत रिहिन, “हमन अपन खेतमन, अंगूर के बारीमन अऊ घरमन ला गिरवी रखत हन कि अकाल
के दौरान हमन ला अनाज मिलय।”
4 अऊ कुछू मन ये कहत रिहिन, “हमन अपन खेतमन अऊ अंगूर के बारीमन के ऊपर राजा के लगान पटाय
बर उधार म पईसा ले हवन।
5 हालाकि हमन अऊ संगी यहूदीमन ओहीच मांस अऊ लहू के अन अऊ हालाकि हमर लइकामन ओमन के
लइकामन सहीं ही बने हवंय, तभो ले हमन ला अपन बेटा अऊ बेटीमन ला गुलामी म देना पड़थे। हमर कुछू
बेटीमन पहिले से ही गुलामी म हवंय, पर हमन असहाय हन, काबरकि हमर खेत अऊ अंगूर के बारीमन आने
मन के हांथ म चले गे हवंय।”
6 जब मेंह ये कोलाहल अऊ ये सिकायत के बात ला सुनेंव, त मेंह अब्बड़ गुस्सा होंय।
7 मेंह अपन मन म सोच-बिचार करेंव अऊ तब परभावसाली मनखे अऊ अधिकारीमन ला घुड़कके कहंय,
“तुमन अपन खुद के मनखेमन ले बियाज लेवत हव!” तब मेंह ओमन के संग बात करे बर एक बड़े सभा करंय
8 अऊ मेंह कहेंव: “जतेक हो सकिस, हमन ओ अपन संगी यहूदीमन ला दाम देके वापिस बिसा ले हन, जेमन
ला आनजातमन के हांथ बेच दिये गे रिहिस। अब तुमन अपन खुद के मनखेमन ला बेचत हव, ताकि ओमन ला
हमर हांथ म फेर वापिस बेचे जावय!” ओमन चुपेचाप रिहिन, काबरकि अपन बचाव म कहे बर ओमन करा कुछू
नइं रिहिस।
9 मेंह ये घलो कहेंव, “जऊन काम तुमन करत हव, ओह सही नो हय। का तुमन ला हमर परमेसर के भय म नइं
चलना चाही, ताकि हमर आनजात बईरीमन के बीच हमर निन्दा झन होवय?
10 में अऊ मोर भाईमन अऊ मोर आदमीमन घलो मनखेमन ला पईसा अऊ अनाज उधार देवत हन। पर
आवव, हमन एकर बियाज लेना छोंड़ देवन!
11 ओमन ला तुरते ओमन के खेत, अंगूर के बारी, जैतून के बारी अऊ घरमन ला लहुंटा देवव, अऊ जऊन
बियाज तुमन ओमन ले लेवत हव, ओला घलो लहुंटा दव—पईसा, अनाज, नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल के
एक प्रतिसत।”
12 ओमन कहिन, “हमन ओला वापिस लहुंटा देबो, अऊ ओमन ले जादा कुछू चीज के मांग नइं करन। जइसने
तेंह कहत हस, वइसनेच हमन करबो।”
तब मेंह पुरोहितमन ला बलांय अऊ परभावसाली मनखे अऊ अधिकारीमन ले ये सपथ खवांय कि ओमन
अपन दिये बचन के अनुसार करहीं।

13 फेर मेंह अपन कपड़ा के छोर ला झर्राके कहंय, “जऊन कोनो ये वायदा ला पूरा नइं करही, इही रीति ले,
परमेसर ह ओला ओकर घर अऊ संपत्ति ले छुड़ा देवय। अऊ इही रीति ले ओ मनखे ह झर्राय जावय, अऊ
जुच्छा हो जावय!”
तब जम्मो सभा ह कहिस, “आमीन” अऊ यहोवा के इस्तुति करिन। अऊ मनखेमन अपन दिये बचन के
अनुसार करिन।
14 फेर राजा अर्तछयर्स के राज के बीसवां साल म जब मेंह यहूदा देस म ओमन के राजपाल बनाय गेंव, तब
ले लेके राजा के राज के बत्तीसवां साल तक—याने कि बारह साल तक न तो में अऊ न ही मोर भाईमन राजपाल
बर तय करे गय जेवन ला खायेंन।
15 पर पहिले के राजपालमन—जेमन मोर ले पहिले रिहिन—ओमन मनखेमन ऊपर बोझा डाल दे रिहिन अऊ
जेवन, अऊ अंगूर के मंद के अलावा ओमन ले चालीस सेकेल चांदी* लेवत रिहिन। ओमन के सहायकमन घलो
मनखेमन ऊपर अधिकार जतात रिहिन। पर मेंह वइसने नइं करंय, काबरकि मेंह परमेसर के भय मानत रहंय।
16 मेंह अपनआप ला दीवार बनाय के काम म लगा देंव। मोर जम्मो आदमीमन ला उहां काम करे बर इकट्ठा
करे गीस; हमन कोनो भुइयां नइं बिसायेंन।
17 येकर अलावा, एक सौ पचास यहूदीमन अऊ अधिकारीमन अऊ संग म ओ आनजात मनखेमन घलो मोर
मेज म जेवन करंय, जेमन आसपास ले आवंय।
18 हर दिन एक बईला, छै ठन बने भेड़ अऊ कुछू चिरईमन ला मोर जेवन बर तियार करे जावत रिहिस, अऊ
हर दस दिन के बाद बहुंत अकन किसम-किसम के अंगूर के मंद दिये जावय। ये सब के बावजूद, मेंह राजपाल बर
तय जेवन के मांग कभू नइं करंय, काबरकि मनखेमन ऊपर भारी बोझा रिहिस।
19 हे मोर परमेसर, जऊन कुछू मेंह ये मनखेमन बर करे हवंव, तेकर बर मोला किरपा करके सुरता रखबे।

6

[illegible]

1 जब सम्बल्लत, तोबियाह अऊ अरबी गेसेम अऊ हमर बाकि बईरीमन ला ये खबर मिलिस कि मेंह दीवार
ला बनवा डारे हंव अऊ ओमा अऊ कोनो फटान नइं ए—हालाकि ओ बेरा तक, मेंह दुवारमन म कपाटमन ला
नइं लगाय रहंय—
2 तब सम्बल्लत अऊ गेसेम मोर करा ये खबर पठोईन, “आ, हमन ओनो के मैदान के कोनो गांव म एक-दूसर
ले भेंट करन।”
पर ओमन मोर हानि करे के योजना बनात रिहिन;
3 एकरसेति मेंह ओमन करा संदेसियामन ले ये खबर पठोंय: “मेंह तो भारी काम म लगे हवंव, उहां खाल्हे नइं
जा सकंव। काम ह बंद हो जाही, जब मेंह येला छोंड़के तुम्हर संग भेंट करे बर आहूं?”
4 चार बार ओमन मोर करा वइसनेच खबर पठोईन, अऊ हर एक बार मेंह ओमन ला वइसनेच जबाब देंय।
5 तब, पांचवां बार, सम्बल्लत ह अपन सहायक के हांथ म ओहीच खबर पठोईस, अऊ ओकर हांथ म एक
खुला* चिट्ठी रिहिस,
6 जेमा ये लिखाय रिहिस:
“जाति-जाति के मनखेमन के बीच ये कहे जावत हे, अऊ गेसेम घलो येहीच बात कहत हे—कि तें अऊ
यहूदीमन बिदरोह करे के साजिस रचत हव, अऊ इही कारन ले तुमन ओ दीवार ला बनवात हव। अऊ ये घलो
कि ये सूचना के मुताबिक तें ओमन के राजा बननेवाला हस
7 अऊ तेंह अगमजानीमन ला नियुक्त कर चुके हस कि ओमन यरूसलेम म तोर बारे म ये घोसना करंय:
‘यहूदीमन म एक राजा हवय!’ अब ये खबर राजा ला दिये जाही; एकरसेति अब तें आ, अऊ हमन मिलके बात
करबो।”
8 मेंह ओला ये जबाब पठोंय: “जइसने तेंह कहत हवस, वइसने कुछू भी नइं होवत हे; येह सिरिप तोर मन के
गढ़े बात ए।”

* **5:15** लगभग 460 ग्राम * **6:5** या *[illegible]*

9 ओ जम्मो झन हमन ला डराय के कोसिस करत रिहिन, ओमन सोचत रिहिन, “ओमन के हांथमन अल्लर
पड़ जावंय अऊ काम ह पूरा झन होवय।”
पर मेंह पराथना करेंव, “मोर हांथमन म ताकत दे।”
10 एक दिन, मेंह महेतबेल के पोता, दलायाह के बेटा समायाह के घर गेंव, ओह अपन घर म बंद रिहिस। ओह
कहिस, “आ, हमन परमेसर के भवन, मंदिर के भीतर म भेंट करन, अऊ हमन मंदिर के कपाटमन ला बंद कर
देवन, काबरकि आदमीमन तोर हतिया करे बर आवत हें—रथिया ओमन तोला मार डारे बर आवत हें।”
11 पर मेंह कहंय, “का मोर सहीं आदमी ला भाग जाना चाही? या का मोर सहीं मनखे ला अपन परान ला
बचाय बर मंदिर के भीतर जाना चाही? मेंह नइं जावंव!”
12 मेंह समझ गेंव कि परमेसर ह ओला नइं पठोय रिहिस, पर ओह मोर बिरूध अगमबानी करिस, काबरकि
तोबियाह अऊ सम्बल्लत ओला पईसा देय रिहिन।
13 मोला डराय बर ओला पईसा देय गे रिहिस ताकि मेंह अइसने काम करके पाप करंव, अऊ तब ओमन
मोला बदनाम करके मोर निन्दा करंय।

14 हे मोर परमेसर! तोबियाह अऊ सम्बल्लत जऊन कुछू करे हवंय ओला सुरता रख; ये बात ला घलो सुरता
रख कि कइसे नोअदियाह अगमजानीन अऊ बाकि अगमजानीमन मोला डराय के कोसिस करत रिहिन।
15 एलूल महिना के पचीसवां दिन, बावन दिन म दीवार के काम ह पूरा होईस।

[illegible]
16 जब हमर जम्मो बईरीमन एकर बारे म सुनिन, त हमर चारों कोति के जम्मो जाति के मनखेमन डर गीन
अऊ बहुंत सरमिंदा होईन, काबरकि ओमन जान डारिन कि ये काम परमेसर के मदद ले होय हवय।
17 ओ दिन म यहूदा के परभावसाली मनखेमन अऊ तोबियाह एक-दूसर ला बहुंत चिट्ठी घलो लिखत रिहिन।
18 यहूदा के बहुंते झन तोबियाह के सपथ के अधीन रिहिन, काबरकि ओह आरह के बेटा सेकनयाह के दामाद
रिहिस, अऊ ओकर बेटा यहोहानान ह बेरेकियाह के बेटा मसुल्लाम के बेटी ले बिहाव करे रिहिस।
19 एकर अलावा, मनखेमन ओकर बने काममन के बारे मोला बताते रहंय अऊ तब ओमन जाके मोर कहे बात
ओला बतावंय। अऊ तोबियाह ह मोला डराय बर चिट्ठी भेजय।

7

1 जब दीवार ला फेर बनाय के काम ह पूरा हो गीस अऊ मेंह कपाटमन ला ओमन के जगह म लगा देंव, तब
दुवारपाल, संगीतकार अऊ लेवीमन ठहिराय गीन।
2 मेंह अपन भाई हनानी अऊ गढ़ के सेनापति हननयाह ला यरूसलेम के अधिकारी ठहिरांय, काबरकि ओह
एक ईमानदार मनखे रिहिस अऊ आने बहुंते झन ले ओह जादा परमेसर के भय मानय।
3 मेंह ओमन ले कहेंव, “जब तक घाम तेज नइं होवय, तब तक यरूसलेम के दुवारमन ला झन खोले जावय।
जब दुवारपालमन पहरा देवत रहंय, तभो ले कपाटमन ला बंद रखे जावय अऊ ओमन म चिटकनी लगे रहंय।
यरूसलेम के रहइयामन ला घलो पहरेदार ठहिरावव, कुछू झन ला ओमन बर ठहिराय जगह म अऊ कुछू झन
ला ओमन के खुद के घर के आघू म ठहिरा दव।”

[illegible]
4 यरूसलेम सहर ह बड़े अऊ ओमा बहुंत जगह रिहिस, पर ओमा थोरकन मनखेमन रहत रिहिन, अऊ घरमन
ला अभी तक ले फेर नइं बनाय गे रिहिस।
5 तब मोर परमेसर ह मोर मन म ये बिचार डालिस कि परभावसाली मनखे, अधिकारी अऊ सधारन मनखेमन
ला इकट्ठा करके परिवार के मुताबिक ओमन के नांव लिखे जावय। मोला ओमन के बंसावली के लेखा-जोखा
मिलिस, जेमन सबले पहिले लहुंटके आय रिहिन। ओमा ये लिखाय रिहिस:

6 येमन प्रदेस के ओ मनखे अंय, जेमन बंधुवई ले छूटके आईन; जेमन ला बेबिलोन के राजा, नबूकदनेसर ह बंदी
बनाके ले गेय रिहिस (ओमन यरूसलेम अऊ यहूदा के अपन-अपन नगर म

7 जरूब्बाबेल, यहोसू, नहेमियाह, अजरयाह, रामियाह, नहमानी, मोरदकै, बिलसान, मिसपेरेत, बिगवै, नहूम
अऊ बाना के संग लहुंटिन):

इसरायली मनखेमन के आदमीमन के सूची ये अय:
8 संतानमन—
परोस के संतान 2,172;
9 सपतयाह के संतान 372;
10 आरह के संतान 652;
11 पहत-मोआब (येहोसू अऊ योआब के बंस म ले) 2,818;
12 एलाम के संतान 1,254;
13 जत्तू के संतान 845;
14 जक्कई के संतान 760;
15 बिन्नूई के संतान 648;
16 बेबै के संतान 628;
17 अजगाद के संतान 2,322;
18 अदोनीकाम के संतान 667;
19 बिगवै के संतान 2,067;
20 आदीन के संतान 655;
21 आतेर के संतान (हिजकियाह के बंस म ले) 98;
22 हासूम के संतान 328;
23 बेसै के संतान 324;
24 हारीफ के संतान 112;
25 गिबोन के संतान 95।
26 आदमीमन—
बैतलहम अऊ नतोपा के आदमीमन 188;
27 अनातोत के आदमीमन 128;
28 बेत-अजमावेत के आदमीमन 42;
29 किरयत-यारीम, कपीरा अऊ बेरोत के आदमीमन 743;
30 रामा अऊ गेबा के आदमीमन 621;
31 मिकमास के आदमीमन 122;
32 बेतेल अऊ अई के आदमीमन 123;
33 दूसर नबो के आदमीमन 52;
34 दूसर एलाम के आदमीमन 1,254;
35 हारीम के आदमीमन 320;
36 यरीहो के आदमीमन 345;
37 लोद हादीद अऊ ओनो के आदमीमन 721;
38 सना के आदमीमन 3,930।

39 पुरोहितमन:
संतानमन—
यदायाह के संतान (येहोसू के परिवार के जरिये) 973;
40 इम्मेर के संतान 1,052;
41 पसहूर के संतान 1,247;
42 हारीम के संतान 1,017।

43 लेवीमन:
संतानमन—

येहोसू के संतान (होदवियाह के बंस म ले कदमीएल के जरिये) 74।

44 संगीतकारमन:
संतानमन—
आसाप के संतान 148।

45 मंदिर के दुवारपालमन:
संतानमन—
सल्लूम, आतेर, तलमोन, अक्कूब, हतीता, अऊ सोबै के संतान 138।

46 मंदिर के सेवकमन:
खाल्हे लिखे मनखेमन के संतानमन—
सीहा, हसूपा, तब्बाओत,
47 केरोस, सीआ, पादोन,
48 लबाना, हगाबा, सल्मै,
49 हानान, गिद्दल, गहर,
50 रायाह, रसीन, नकोदा,
51 गज्जाम, उज्जा, पासेह,
52 बेसै, मूनीम, नेफूसीम,
53 बकबूक, हकूपा, हरहूर,
54 बसलूत, महीदा, हरसा,
55 बरकोस, सीसरा, तेमह,
56 नसीह अऊ हतीपा।
57 सुलेमान के सेवकमन के संतान:
खाल्हे लिखे मनखेमन के संतानमन—
सोतै, सोपेरेत, परीदा,
58 याला, दरकोन, गिद्देल,
59 सपतयाह, हत्तील,
पोकेरेत-हसेबायीम, अऊ आमोन।
60 मंदिर के सेवक अऊ सुलेमान के सेवकमन के संतान 392,

61 ये मनखेमन तेल-मेलह, तेल-हरसा, करूब, अदोन, अऊ इम्मेर ले आईन, पर येमन बता नइं सकिन कि येमन के परिवार के मनखेमन इसरायलीमन के संतान रिहिन:
62 संतानमन—
दलायाह, तोबियाह, अऊ नकोदा के संतान 642।

63 अऊ पुरोहितमन के बीच म ले:
संतानमन—
होबायाह, हक्कोस अऊ बरजिलै (एक आदमी, जऊन ह गिलादी बरजिलै के एक बेटी ले बिहाव करे रिहिस अऊ ओकर नांव रख ले रिहिस)।
64 येमन अपन परिवार के लेखा-जोखा ला खोजिन, पर ओमन ला नइं मिलिस, एकरसेति येमन ला असुध ठहिराके पुरोहित के पद ले अलग रखे गीस;
65 एकर कारन राजपाल ह ओमन ला हुकूम दीस कि जब तक ऊरीम अऊ तुम्मीम धारन करइया कोनो पुरोहित सेवा नइं करत रहय, तब तक ओमन कोनो परम पबितर जेवन म ले कुछू चीज झन खावंय।

66 पूरा सभा के संखिया 42,360 रिहिस,

67 येमन के अलावा येमन के 7,337 पुरूस अऊ महिला गुलाम रिहिन, अऊ येमन के 245 पुरूस अऊ महिला
गवइयामन घलो रिहिन।
68 ओमन के 736 घोड़ा, 245 खच्चर,*
69 435 ऊंट अऊ 6,720 गदहा रिहिन।

70 परिवारमन के कुछू मुखियामन काम बर दान दीन। राजपाल ह तिजोरी म 1,000 सोन के दरकमोन,† 50
ठन कटोरा, अऊ पुरोहितमन बर 530 अंगरखा दीस।
71 परिवारमन के कुछू मुखियामन ओ काम बर तिजोरी म 20,000 सोन के दरकमोन‡ अऊ 2,200 चांदी के
मीना§ दीन।
72 बाकि मनखेमन 20,000 दरकमोन* सोन, 2,000 मीना† चांदी अऊ पुरोहितमन बर 67 अंगरखा दीन।
73 तब पुरोहितमन, लेवीमन, दुवारपालमन, संगीतकारमन अऊ मंदिर के सेवकमन कुछू मनखेमन के संग
अऊ बाकि इसरायलीमन अपन-अपन नगर म बस गीन।

[illegible]
जब सातवां महिना आईस अऊ इसरायलीमन अपन-अपन नगर म बस गे रिहिन,

8

1 तब ओ जम्मो इसरायली मनखेमन एक मन होके, जल-दुवार के आघू के चऊक म जमा होईन। ओमन कानून
के गुरू, एजरा ला मूसा के कानून के किताब ला बाहिर लाने बर कहिन, जेमा यहोवा ह इसरायल ला हुकूम देय
रिहिस।
2 तब एजरा पुरोहित सातवां महिना के पहिला दिन कानून के किताब ला सभा के आघू म लानिस; ओ सभा म
आदमी अऊ माईलोगन अऊ ओ जम्मो मनखेमन रिहिन, जेमन सुनके समझ सकत रिहिन।
3 ओह कानून के किताब ला बिहनियां ले लेके मंझनियां तक चऊक कोति मुहूं करके जल-दुवार के आघू म
आदमी, माईलोगन अऊ ओ जम्मो झन ला पढ़के सुनाईस, जेमन समझ सकत रिहिन। अऊ जम्मो मनखेमन
धियान लगाके कानून के किताब ला सुनिन।
4 कानून के गुरू, एजरा ह लकरी के एक ऊंच मंच म ठाढ़ होईस, जेला ओहीच मऊका बर बनाय गे रिहिस।
ओकर जेवनी कोति मत्तितियाह, सेमा, अनायाह, उरियाह, हिलकियाह अऊ मासेयाह; अऊ ओकर डेरी कोति
पदायाह, मिसाएल, मलकियाह, हासूम, हसबद्दानाह, जकरयाह अऊ मसुल्लाम ठाढ़े रिहिन।
5 एजरा ह किताब ला खोलिस। जम्मो झन ओला देख सकत रिहिन, काबरकि ओह ओमन ले ऊंचहा जगह म
ठाढ़े रिहिस; अऊ जब ओह किताब ला खोलिस, तब जम्मो मनखेमन उठके ठाढ़ हो गीन।
6 एजरा ह यहोवा, महान परमेसर के इस्तुति करिस; अऊ जम्मो मनखेमन हांथ उठाके कहिन, "आमीन!
आमीन!" तब ओमन मुड़ नवाके अपन माथा भुइयां म टेकाईन अऊ यहोवा के अराधना करिन।
7 जब मनखेमन उहां खड़े रिहिन, त लेवीमन—येहोसू, बानी, सेरेबियाह, यामीन, अक्कूब, सब्बतै, होदियाह,
मासेयाह, कलीता, अजरयाह, योजाबाद, हानान अऊ पलायाह—मनखेमन ला कानून के बातमन ला
समझाईन।
8 ओमन परमेसर के कानून के किताब ले पढ़िन अऊ ओकर अनुवाद करत मतलब घलो बतात गीन, जेकर ले
मनखेमन पढ़े गय भाग ला समझंय घलो।
9 तब राजपाल नहेमियाह, एजरा पुरोहित अऊ कानून के गुरू, अऊ ओ लेवी, जेमन मनखेमन ला समझावत
रिहिन, ओमन जम्मो मनखेमन ले कहिन, "आज के दिन ह यहोवा तुम्हर परमेसर बर पबितर दिन अय।
एकरसेति सोक झन मनावव या झन रोवव।" काबरकि जम्मो मनखेमन कानून के बचन ला सुनके रोवत रहंय।
10 नहेमियाह ह ओमन ले कहिस, "जावव अऊ अपन पसंद के खाना खावव अऊ मीठा रस पीके आनंद
मनावव, अऊ जेमन रांधे नइं हवंय, ओमन बर कुछू जेवन पठोवव। आज के दिन ह हमर परभू बर पबितर दिन
अय। दुखी झन होवव, काबरकि यहोवा के आनंद ह तुम्हर बल अय।"

---

* **7:68** जादातर इबरानी हस्तलिपिमन म ये पद नइं ए † **7:70** लगभग 8.4 किलोग्राम ‡ **7:71** लगभग 170 किलोग्राम § **7:71** लगभग 1.3 टन * **7:72** लगभग 170 किलोग्राम † **7:72** लगभग सवा टन

11 लेवीमन जम्मो मनखेमन ला ये कहिके चुप कराईन, “सांत रहव, काबरकि आज एक पबितर दिन अय।
दुखी झन होवव।”
12 तब जम्मो मनखेमन खाय-पीये बर, आने मन ला कुछू जेवन पठोय बर अऊ आनंद मनाय बर चले गीन,
काबरकि जऊन बचन ओमन ला बताय गे रिहिस, ओला ओमन समझ गे रिहिन।
13 सातवां महिना के दूसर दिन, परिवारमन के मुखियामन, पुरोहित अऊ लेवीमन के संग कानून के बचन
ऊपर धियान करे बर एजरा गुरू के चारों कोति फेर जूर गीन।
14 ओमन ला ओ कानून म लिखाय ये बात मिलिस, जेला यहोवा ह मूसा के जरिये हुकूम देय रिहिस कि
इसरायलीमन सातवां महिना के तिहार के बेरा कुंदरामन म रहंय*
15 अऊ ओमन अपन जम्मो नगरमन म अऊ यरूसलेम म ये बचन के घोसना करंय: “पहाड़ी इलाका म
जावव अऊ जैतून अऊ जंगली जैतून रूखमन ले, अऊ मेंहदी, खजूर अऊ घना रूखमन के डारामन ला लानके
ओमन ले कुंदरा बनावव” जइसने कि लिखाय हवय।†
16 एकरसेति मनखेमन बाहिर जाके डारामन ला ले आईन अऊ अपन घर के छानी म, अऊ अपन अंगनामन
म, अऊ परमेसर के भवन के अंगना म, अऊ जल-दुवार के लकठा के चऊक म कुंदरामन ला बनाईन अऊ एक
ठन कुंदरा एफ्रैम के दुवार के लकठा म घलो बनाईन।
17 ओ पूरा दल के मनखे, जेमन बंधुवई ले वापिस लहुंटके आय रिहिन, ओमन कुंदरामन ला बनाके ओमा
निवास करिन। नून के बेटा यहोसू के दिन ले लेके ओ दिन तक इसरायलीमन अइसने उत्सव नइं मनाय रिहिन।
अऊ ओमन बहुंत आनंदित होईन।
18 पहिले दिन ले लेके आखिरी दिन तक, एजरा ह हर दिन परमेसर के कानून के किताब ले पढ़-पढ़के सुनाईस।
ओमन सात दिन तक तिहार मानिन, अऊ आठवां दिन, नियम के मुताबिक एक महासभा होईस।

9

[illegible]

1 फेर ओहीच महिना के चौबीसवां दिन म, इसरायलीमन उपास करत अऊ बोरा के कपड़ा पहिरके अऊ अपन
मुड़ म धुर्रा डालके, जमा हो गीन।
2 तब इसरायल के बंस के ओ मनखे, जेमन जम्मो परदेसी मनखेमन ले अलग हो गे रिहिन, ओमन ठाढ़ होके,
अपन पाप अऊ अपन पुरखामन के पाप ला मान लीन।
3 ओमन अपन जगह म ठाढ़ हो गीन अऊ दिन के एक पहर तक यहोवा अपन परमेसर के कानून के किताब
पढ़ते रिहिन, अऊ दूसर पहर अपन पाप ला माने अऊ यहोवा अपन परमेसर के अराधना करे म बिताईन।
4 सीढ़ी म जऊन लेवीमन खड़े रिहिन, ओमन के नांव येहोसू, बानी, कदमीएल, सबनियाह, बुन्नी, सेरेबियाह,
बानी अऊ केनानी रिहिस। ओमन ऊंचहा अवाज म यहोवा अपन परमेसर ला गोहारिन।
5 अऊ येहोसू, कदमीएल, बानी, हसबनयाह, सेरेबियाह, होदियाह, सबनियाह, अऊ पतहियाह नांव के
लेवीमन मनखेमन ला कहिन, “ठाढ़ होवव अऊ यहोवा अपन परमेसर के परसंसा करव, जऊन ह अनादिकाल ले
अनंतकाल तक बने रहिथे।”
“तोर महिमामय नांव ला धइन कहे जावय, अऊ येला जम्मो आसीस अऊ परसंसा ले ऊंचहा करे जावय।
6 तें एके झन ही यहोवा अस। अकास, अऊ सबले ऊंच अकास अऊ ओमन के जम्मो तारा मंडल, धरती
अऊ ओमा के जम्मो चीज, समुंदर अऊ ओमा के जम्मो चीज, सब ला तेंहीच ह बनाय हस। तेंह हर एक चीज ला
जिनगी देथस, अऊ स्वरग के जम्मो झन तोर अराधना करथें।
7 “तें यहोवा परमेसर अस, जऊन ह अब्राम ला चुनके कसदीमन के ऊर नगर म ले निकाल लानय, अऊ
ओकर नांव अब्राहम रखय।
8 ओकर मन ला अपन बर बिसवासयोग्य पाके, ओकर ले करार करय कि ओकर संतानमन ला कनानी,
हित्ती, अमोरी, परिज्जी, यबूसी अऊ गिरगासीमन के देस ला देबे। तेंह अपन वायदा ला पूरा करे हस, काबरकि
तेंह धरमी अस।
9 “तेंह मिसर म हमर पुरखामन के दुख ला देखे; लाल-समुंदर के तीर म तेंह ओमन के गोहार ला सुने।

* **8:14** देखव लैव्य 23:42 † **8:15** देखव लैव्य 23:37-40

10 फिरौन* अऊ ओकर जम्मो करमचारी बरन ओकर देस के जम्मो मनखेमन के बिरूध तेंह चिनहां अऊ
अद्भूत काम करके देखाय, काबरकि तेंह जानत रहय कि मिसरीमन ओमन ले कड़ई से बरताव करत रिहिन। तेंह
अपन अइसने बड़े नांव करय, जऊन ह आज तक बने हवय।
11 तेंह ओमन के आघू म समुंदर ला दू भाग कर देय, जेकर ले ओमन समुंदर म ले होके सूखा भुइयां म पार
हो गीन। पर ओमन के पीछा करइयामन ला तेंह गहिरा पानी म अइसने डार देय, जइसने पथरा ला अब्बड़
पानी के बीच म डारे जाथे।
12 तेंह दिन म बादर के खंभा अऊ रथिया ओमन के रसता म अंजोर देय बर आगी के खंभा के दुवारा ओमन
के अगुवई करय।
13 "तेंह सीनय पहाड़ म उतरय; तेंह स्वरग ले ओमन ले बात करय। तेंह ओमन ला नियम अऊ कानूनमन
ला देय, जेमन ठीक अऊ सही अंय, अऊ तेंह बिधि अऊ हुकूममन ला देय, जेमन उचित अंय।
14 तेंह ओमन ला अपन पबितर बिसराम दिन के बारे म बताय अऊ अपन दास मूसा के जरिये ओमन ला
हुकूम, बिधि अऊ कानूनमन ला देय।
15 ओमन के भूख मिटाय बर अकास ले ओमन ला खाना देय अऊ ओमन के पीयास बुझाय बर चट्टान म ले
ओमन बर पानी निकालय; तेंह ओमन ला कहय कि जाके ओ देस ऊपर अधिकार कर लेवव, जेला ओमन ला देय
बर तेंह हांथ उठाके सपथ खाय रहय।
16 "पर ओ, हमर पुरखामन हठी अऊ जिद्दी हो गीन, अऊ ओमन तोर हुकूममन ला नइं मानिन।
17 ओमन तोर बात ला सुने नइं चाहिन अऊ ओ चमतकारमन ला सुरता नइं रखिन, जेला तेंह ओमन के
बीच म करे रहय। ओमन जिद्दी हो गीन अऊ बिदरोह करके अपन बर एक अगुवा ठहिराईन ताकि अपन गुलामी
के दसा म लहुंट जावंय। पर तेंह छेमा करइया, अनुग्रहकारी अऊ दयालु, कोरोध करे म धीमा अऊ मया ले भरे
परमेसर अस। एकरसेति तेंह ओमन ला अकेला नइं छोंड़य,
18 अऊ त अऊ जब ओमन अपन बर बछवा के एक मूरती बनाईन अऊ कहिन, 'येह तुम्हर देवता अय,
जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले बाहिर निकाल लानिस,' या जब ओमन तोर बहुंत तिरस्कार करिन, तब भी तें
ओमन ला अकेला नइं छोंड़य।†
19 "अपन बड़े दया के कारन, तें ओमन ला सुन्ना जगह म नइं छोंड़य। दिन म रसता देखाय बर, न तो बादर
के खंभा अऊ न रथिया रसता म अंजोर देय बर आगी के खंभा ह हटिस।
20 तेंह ओमन ला समझाय बर अपन बने आतमा ला देय। तेंह अपन मन्ना ओमन ला खवाय बर नइं
छोंड़य, अऊ ओमन के पीयास बुझाय बर पानी देवत रहय।
21 चालीस बरस तक तेंह ओमन ला सुन्ना जगह म संभाले रहय; ओमन ला कुछू कमी नइं होईस, ओमन के
कपड़ा नइं फटिस अऊ रेंगत-रेंगत न ही ओमन के गोड़ फूलिस।
22 "तेंह राज अऊ देस के मनखेमन ला ओमन के बस म कर देय, अऊ त अऊ सीमना के आखिरी म दूरिहा
के राज घलो ओमन ला देय। ओमन हेसबोन के राजा के सीहोन देस अऊ बासान के राजा के ओग देस के
ऊपर अधिकार कर लीन।
23 तेंह ओमन के संतानमन ला अकास के तारामन सहीं अनगिनत कर देय, अऊ तेंह ओमन ला ओ देस म
अमरा देय, जेकर बारे म तेंह ओमन के पुरखामन ले कहे रहय कि ओमन ओमा जाके ओकर ऊपर अधिकार कर
लेवंय।
24 ओमन के संतानमन जाके ओ देस ऊपर अधिकार कर लीन। तेंह ओमन के आघू म ओ देस म रहइया
कनानीमन ला ओमन के अधीन कर देय; तेंह कनानीमन ला ओमन के राजामन अऊ देस के मनखेमन सहित
ओमन के हांथ म कर देय, ताकि तोर मनखेमन ओ मनखेमन ले अपन मन मुताबिक बरताव करंय।
25 तोर मनखेमन गढ़वाले नगर अऊ उपजाऊ भुइयां ऊपर कब्जा कर लीन; ओमन जम्मो किसम के बने
चीजमन ले भरे घर, खोदे गय कुआं, अऊ अंगूर अऊ जैतून के बारी अऊ फरवाले बहुंते रूखमन ला अपन
अधिकार म ले लीन। ओमन भरपेट खाईन अऊ मोटहा तगड़ा हो गीन; ओमन तोर बड़े भलई के कारन आनंदित
होईन।
26 "पर ओमन तोर हुकूम नइं मानिन अऊ तोर बिरूध बिदरोह करिन; ओमन तोर कानून ला तियाग दीन।

* **9:10** या [illegible] † **9:18** देखव निर 32:1-8

ओमन तोर ओ अगमजानीमन ला मार डारिन, जेमन ओमन ला तोर कोति फिरे बर चेतात रिहिन; ओमन तोर
बहुंत निन्दा करिन।
27 एकरसेति तेंह ओमन ला ओमन के बईरीमन के हांथ म कर देय, जेमन ओमन ला सताईन। पर जब
ओमन ला सताय गीस, त ओमन तोर ले गोहारिन। तब तेंह स्वरग ले ओमन के गोहार ला सुनय, अऊ तेंह अपन
बड़े दया के कारन ओमन ला छुड़ानेवाला देय, जेमन ओमन ला ओमन के बईरीमन के हांथ ले बचाईन।
28 "पर जतेक जल्दी ओमन ला चैन मिलय, ओमन फेर तोर नजर म बुरई के काम करंय। तब तेंह ओमन
ला ओमन के बईरीमन के हांथ म कर देत रहय, जेकर से ओ बईरीमन ओमन ऊपर सासन करंय। अऊ जब
ओमन तोर ले फेर गोहारंय, त तेंह स्वरग ले ओमन के सुनय, अऊ अपन दया के कारन, तेंह ओमन ला
बार-बार छुड़ाय।
29 "तेंह ओमन ला चेतउनी देय ताकि ओमन तोर कानून कोति फिरंय, पर ओमन ढिठई करत रहंय अऊ
तोर हुकूममन ला नइं मानंय। ओमन तोर नियम के बिरूध पाप करंय, जेकर बारे म तेंह कहय, 'जऊन मनखे ह
ओमन ला मानथे, ओह ओमन के दुवारा ही जीयत रहिही।' जिद्दी होके ओमन तोर ले अपन मुहूं फेर लेवंय
अऊ हठी होके तोर बात ला नइं सुनंय।
30 बहुंत साल तक तेंह ओमन बर धीरज धरे रहय। अपन आतमा के दुवारा तेंह अगमजानीमन के जरिये
ओमन ला चेतावत रहय। तभो ले ओमन धियान नइं दीन, एकरसेति तेंह ओमन ला परोसी मनखेमन के हांथ म
कर देय।
31 पर अपन बड़े दया के कारन तेंह ओमन के नास नइं करय या ओमन ला नइं तियागय, काबरकि तेंह
अनुग्रहकारी अऊ दयालु परमेसर अस।
32 "एकरसेति अब, हे हमर परमेसर, महान परमेसर, सक्तिसाली अऊ अद्भूत परमेसर, जऊन ह अपन
मया के करार ला बनाय रखथस, तोर नजर म हमर ये दुख ह बेकार के बात झन जान पड़य—ओ दुख जऊन ह
हमर ऊपर, हमर राजा अऊ अगुवामन ऊपर, हमर पुरोहित अऊ अगमजानीमन ऊपर, हमर पुरखा अऊ तोर
जम्मो मनखेमन ऊपर अस्सूर के राजामन के समय ले आज तक पड़े हवय।
33 ओ जम्मो बात, जऊन ह हमर ऊपर बीते हवय, ओ सब म तेंह धरमी ठहिरे हस; तेंह बिसवासयोग्य काम
करे हस, जबकि हमन दुस्टता के काम करे हवन।
34 हमर राजामन, हमर अगुवामन, हमर पुरोहितमन अऊ हमर पुरखामन तोर कानून म नइं चलिन; ओमन
तोर हुकूम या ओ बिधिमन ऊपर धियान नइं दीन, जेमन ला माने के चेतउनी तेंह देय रहय।
35 इहां तक कि जब ओमन अपन राज म रिहिन अऊ तोर बड़े भलई के कारन तोर दिये बड़े अऊ उपजाऊ
भुइयां के आनंद उठात रिहिन, तब भी ओमन तोर सेवा नइं करिन या अपन दुस्ट काममन ला नइं छोंड़िन।
36 "पर देख, हमन आज गुलाम हन; ओ देस म गुलाम हन, जऊन देस तेंह हमर पुरखामन ला देय रहय
ताकि ओमन ओकर फर अऊ आने उत्तम ऊपज ला खा सकंय।
37 हमर पाप के कारन, ये भुइयां के बहुंतायत के फसल ओ राजामन करा चले जाथे, जेमन ला तेंह हमर
ऊपर ठहिराय हस। ओमन हमर देहें अऊ हमर पसुमन ऊपर अपन ईछा के मुताबिक राज करथें। हमन बड़े
संकट म पड़े हवन।

?????? ?? ?????

38 "ये सब के कारन, हमन सच्चई के संग लिखके एक करार करत हन, अऊ हमर अगुवामन, हमर लेवीमन
अऊ हमर पुरोहितमन ओमा अपन मुहर लगावत हें।"‡

10

1 जेमन करार म मुहर लगाईन, ओमन ये अंय:

राजपाल:
हकलयाह के बेटा नहेमियाह।

सिदकियाह,

‡ **9:38** इबरानी म ये पद (9:38) ला 10:1 म गने गे हवय

2 सरायाह, अजरयाह, यरमियाह,
3 पसहूर, अमरयाह, मलकियाह,
4 हतूस, सबनियाह, मल्लूक,
5 हारीम, मरेमोत, ओबदयाह,
6 दानिएल, गिन्नतोन, बारूक,
7 मसुल्लाम, अबियाह, मियामीन,
8 माजियाह, बिलगै, अऊ समायाह। येमन पुरोहित रिहिन।

9 लेवीमन:
अजानियाह के बेटा येहोसू, हेनादाद के संतान म ले बिन्नूई अऊ कदमीएल
10 अऊ ओमन के सहायकमन: सबनियाह,
होदियाह, कलीता, पलायाह, हानान,
11 मीका, रहोब, हसबियाह
12 जक्कूर, सेरेबियाह, सबनियाह;
13 होदियाह, बानी, अऊ बनीनू।

14 मनखेमन के अगुवामन:
परोस, पहत-मोआब, एलाम, जत्तू, बानी,
15 बुन्नी, अजगाद, बेबै,
16 अदोनियाह, बिगवै, आदीन,
17 आतेर, हिजकियाह, अज्जूर,
18 होदियाह, हासूम, बेसै,
19 हारीफ, अनातोत, नेबै,
20 मगपीआस, मसुल्लाम, हेजीर,
21 मेसेजाबेल, सादोक, यद्दुआ,
22 पलतयाह, हानान, अनायाह,
23 होसे, हननयाह, हस्सूब,
24 हल्लोहेस, पिलहा, सोबेक,
25 रहूम, हसबनाह, मासेयाह,
26 अहियाह, हानान, अनान,
27 मल्लूक, हारीम अऊ बाना।

28 "बांचे इसरायल के मनखेमन—पुरोहित, लेवी, दुवारपाल, संगीतकार, मंदिर के सेवक अऊ जतेक परमेसर के कानून के हित म आसपास के मनखेमन ले अलग होय रिहिन, ओ जम्मो झन अपन माईलोगन अऊ अपन जम्मो बेटा अऊ बेटीमन, जेमन समझदार रिहिन—
29 ये जम्मो झन अपन परभावसाली संगी इसरायलीमन संग मिलके अपनआप ला एक सराप अऊ सपथ के संग जोड़िन कि ओमन परमेसर के ओ कानून म चलहीं, जेला परमेसर के सेवक मूसा के जरिये देय गे रिहिस, अऊ यहोवा अपन परभू के जम्मो हुकूम, नियम अऊ बिधिमन ला धियान देके मानहीं।
30 "हमन वायदा करत हन कि न तो अपन बेटीमन ला हमर आसपास म रहइया परदेसीमन ला बिहाव म देबो, अऊ न अपन बेटामन बर ओमन के बेटीमन ला बिहाव बर लेबो।
31 "जब आसपास के देस के मनखेमन बिसराम दिन म कोनो बेचे के चीज या अनाज बेचे बर लानहीं, तब हमन ओमन ले न तो बिसराम दिन म, न कोनो पबितर दिन म कुछू बिसाबो; अऊ सातवां बछर म भुइयां ला पड़ती रहन देबो, अऊ अपन करजा के वसूली छोंड़ देबो।

32 “हमन अइसने नियम बांध लेवत हन कि हमन अपन परमेसर के भवन के सेवा बर हर एक बछर एक
तिहाई सेकेल* देबो:
33 येकर उपयोग मेज म के पबितर रोटी बर; नियमित अन्न-बलिदान अऊ होम-बलिदान बर; बिसराम दिन,
नवां चंदा के भोज अऊ ठहिराय गय तिहारमन बर; पबितर बलिदान बर; इसरायली मनखेमन के पछताप खातिर
पाप-बलिदान बर; अपन परमेसर के भवन के जम्मो काम बर होही।
34 “हमन—पुरोहित, लेवी अऊ मनखेमन ये बात ला निस्चित करे बर चिट्ठी डाले हन कि कब हमन म के
हर एक परिवार परमेसर के भवन म यहोवा हमर परमेसर के बेदी म जलाय बर अपन बांटा के लकरी लानही,
जइसे कि येह कानून म लिखे हवय।†
35 “हमन ये घलो अपन जिम्मेदारी मानत हन कि अपन ऊपज के पहिली-फसल अऊ हर एक फरवाले रूख
के पहिली फर हर साल यहोवा के भवन म ले आबो।
36 “जइसे कि कानून म ये घलो लिखे हवय, हमन अपन पहिलऊठा बेटा अऊ अपन पहिलऊठा पसु, अपन
बरदी अऊ झुंड के पहिलऊठा पसुमन ला हमर परमेसर के भवन म, उहां सेवा करत पुरोहितमन करा ले
आबो।
37 “येकर अलावा, हमन अपन गुंथे हुए पीसान के पहिली जेवन, हमर अन्न के दान, हमर जम्मो रूखमन के
फर अऊ हमर नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल, अपन परमेसर के भवन के भंडारघर म पुरोहितमन करा ले
आबो। अऊ हमन अपन भुइयां के फसल के दसवां अंस लेवीमन करा लानबो, काबरकि ये लेवीमन ही जम्मो
नगरमन म हमर कमई के दसवां अंस जमा करथें।
38 जब लेवीमन दसवां अंस ला लेवंय, तब ओमन के संग हारून के बंस के कोनो पुरोहित रहय; अऊ
लेवीमन ओ दसवां अंस के दसवां भाग हमर परमेसर के भवन म, याने कि खजाना के भंडारघर म लानंय।
39 इसरायल के मनखेमन के संग लेवीमन घलो अनाज, नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल के अपन बांटा
ला भंडारघर म लानंय, जिहां पबितर-स्थान बर अऊ सेवा-टहल करइया पुरोहित, दुवारपाल अऊ संगीतकारमन
बर सामान घलो रखे जाथे।
“हमन अपन परमेसर के भवन के अनदेखी नइं करन।”

11

[illegible]

1 मनखेमन के अगुवामन यरूसलेम म बस गीन। बाकि बचे मनखेमन चिट्ठी निकालके दस म ले एक मनखे ला
पबितर सहर यरूसलेम म रहे बर लानिन, जबकि बांचे नौ मनखे ओमन के खुद के नगर म रह गीन।
2 मनखेमन ओ जम्मो के परसंसा करिन, जऊन मन अपन ईछा ले यरूसलेम म रहे बर तियार होईन।

3 येमन राज के ओ अगुवामन अंय, जऊन मन यरूसलेम म बस गीन (कुछू इसरायली, पुरोहित, लेवी, मंदिर के
सेवक अऊ सुलेमान के सेवकमन के कुछू संतान, जेमन यहूदा के नगरमन म रहत रिहिन, हर एक झन
अलग-अलग नगर म अपन खुद के संपत्ति म रहत रिहिन,
4 जबकि यहूदा अऊ बिनयामीन के गोत्र के आने मनखेमन यरूसलेम म रहत रिहिन):

यहूदा के संतान म ले:
अतायाह, जेह उजियाह के बेटा रिहिस, जेह जकरयाह के बेटा, जेह अमरयाह के बेटा, जेह सपतयाह के
बेटा, जेह महललेल के बेटा, जेह पेरेस के एक संतान रिहिस;
5 अऊ मासेयाह, जेह बारूक के बेटा रिहिस, जेह कोल-होजे के बेटा, जेह हजायाह के बेटा, जेह अदायाह
के बेटा, जेह योयारीब के बेटा, जेह जकरयाह के बेटा, जेह सेलह के एक संतान रिहिस।
6 पेरेस के संतान, जेमन यरूसलेम म रहत रिहिन, ओमन जम्मो मिलाके 468 मरयादावाले आदमी रिहिन।
7 बिनयामीन के संतान म ले:
सल्लू, जेह मसुल्लाम के बेटा रिहिस, जेह योएद के बेटा, जेह पदायाह के बेटा, जेह कोलायाह के बेटा,
जेह मासेयाह के बेटा, जेह ईतीएल के बेटा अऊ जेह येसायाह के बेटा,

* **10:32** लगभग 4 ग्राम † **10:34** देखव लैव्य 6:12-13

8 अऊ ओकर पाछ्छू चलइया गब्बै अऊ सल्लै—कुल 928 आदमी।
9 येमन के मुखिया अधिकारी जिकरी के बेटा योएल रिहिस, अऊ हस्सनूआ के बेटा यहूदा ह सहर के नवां
चौथाई भाग के अधिकारी रिहिस।
10 पुरोहितमन ले:
योयारीब के बेटा यदायाह अऊ याकीन;
11 सरायाह, जऊन ह हिलकियाह के बेटा रिहिस, जेह मसुल्लाम के बेटा, जेह सादोक के बेटा, जेह
मरायोत के बेटा, जेह अहीतूब के बेटा अऊ अहीतूब ह परमेसर के घर के मुखिया अधिकारी रिहिस,
12 अऊ ओमन के सहयोगी, जेमन मंदिर के काम करंय—कुल 822 आदमी;
अदायाह, जेह यरोहाम के बेटा रिहिस, जेह पलेलियाह के बेटा, जेह आमजी के बेटा, जेह जकरयाह के
बेटा, जेह पसहूर के बेटा, जेह मलकियाह के बेटा रिहिस,
13 अऊ ओकर सहयोगी, जेमन परिवारमन के मुखियामन रिहिन—कुल 242 आदमी;
अमसै, जेह अजरेल के बेटा रिहिस, जेह अहजै के बेटा, जेह मसिल्लेमोत के बेटा, जेह इम्मेर के बेटा
रिहिस,
14 अऊ ओकर सहयोगी, जेमन मरयादावाले आदमी रिहिन—कुल 128 मनखे।
ओमन के मुखिया अधिकारी जबदीएल रिहिस, जऊन ह हगेदोलीम के बेटा रिहिस।
15 लेवीमन ले:
समायाह, जेह हस्सूब के बेटा रिहिस, जेह अजरीकाम के बेटा, जेह हसबियाह के बेटा, जेह बुन्नी के बेटा
रिहिस;
16 लेवीमन के मुखियामन ले दू झन सब्बतै अऊ योजाबाद रिहिन, जेमन परमेसर के घर के बाहिर के काम
बर जबाबदार रिहिन;
17 मतनयाह, जेह मीका के बेटा, जबदी के पोता अऊ आसाप के परपोता रिहिस। आसाप ह निरदेसक
रिहिस अऊ धनबाद अऊ पराथना म अगुवई करय;
बकबुकियाह, जेह अपन सहयोगीमन के बीच पद म दूसरा रिहिस;
अऊ अब्दा, जेह सम्मू के बेटा, गालाल के पोता अऊ यदूतून के परपोता रिहिस।
18 लेवीमन पबितर सहर* म कुल 284 झन रिहिन।
19 दुवारपालमन:
अक्कूब, अऊ तलमोन अऊ ओमन के सहयोगी, जेमन दुवार म पहरेदारी करंय—कुल 172 आदमी।

20 बाकि इसरायलीमन, पुरोहित अऊ लेवीमन के संग यहूदा के जम्मो नगर म रिहिन अऊ येमन
अपन-अपन पुरखा के संपत्ति म रहत रिहिन।
21 मंदिर के सेवकमन ओपेल के पहाड़ी म रहत रिहिन, अऊ सीहा अऊ गिसपा ओमन के अधिकारी रिहिन।
22 यरूसलेम म लेवीमन के मुखिया अधिकारी उज्जी रिहिस, जेह बानी के बेटा रिहिस, जेह हसबियाह के
बेटा, जेह मतनयाह के बेटा अऊ जेह मीका के बेटा रिहिस। उज्जी ह आसाप के संतानमन ले एक झन रिहिस,
जऊन मन संगीतकार रिहिन अऊ परमेसर के घर के सेवा के जिम्मेदारी ओमन के ऊपर रिहिस।
23 संगीतकारमन बर राजा के आदेस रिहिस, जेकर मुताबिक ओमन के हर दिन के काम रहय।
24 मेसेजाबेल के बेटा पतहियाह ह यहूदा के बेटा जेरह के संतान म ले एक झन रिहिस। पतहियाह ह
मनखेमन ले संबंधित जम्मो काम म राजा के परतिनिधि रिहिस।
25 गांवमन के बारे म ये कहे जा सकथे, जेमा खेत घलो रिहिन, यहूदा गोत्र के कुछ्छू मनखेमन किरयत-अरबा
अऊ ओकर आसपास के गांव म, दीबोन अऊ येकर गांवमन म, जेकबसील अऊ येकर गांवमन म,
26 येहोसू म, मोलादा म, बेत-पेलेत म,
27 हसर-सूआल म, बेरसेबा अऊ येकर गांवमन म,
28 सिकलग म, मकोना अऊ येकर गांवमन म,
29 एन-रिम्मोन म, सोरा म, यरमूत म,

* **11:18** या [illegible]

30 जानोह, अदुल्लाम अऊ ओमन के गांवमन म, लाकीस अऊ येकर खेतमन म, अऊ अजेका अऊ येकर
गांवमन म रहत रिहिन। ये किसम ले ओमन बेरसेबा ले लेके हिन्नोम के घाटी तक अपन निवास बनाके रहत
रिहिन।
31 गेबा के बिनयामीन के संतानमन मिकमास, अईजा, बेतेल अऊ येकर गांवमन म,
32 अनातोत, नोब अऊ अननियाह म,
33 हासोर, रामा अऊ गित्तैम म,
34 हादीद, सबोईम अऊ नबल्लत म,
35 लोद अऊ ओनो म, अऊ गे-हरासीम म रहत रिहिन।
36 यहूदा के लेवीमन के कुछू दलमन बिनयामीन म बस गे रिहिन।

12

[illegible]

1 जऊन पुरोहित अऊ लेवीमन सालतीएल के बेटा जरूब्बाबेल अऊ यहोसू के संग लहुंटिन, ओमन ये रिहिन:

सरायाह, यरमियाह, एजरा,
2 अमरयाह, मल्लूक, हतूस,
3 सेकनयाह, रहूम, मरेमोत,
4 इद्दो, गिन्नतोन,* अबियाह,
5 मियामीन, मादियाह, बिलगा,
6 समायाह, योयारीब, यदायाह,
7 सल्लू, आमोक, हिलकियाह अऊ यदायाह।

यहोसू के समय म, येमन पुरोहितमन के अऊ ओमन के सहयोगीमन के अगुवा रिहिन।

8 लेवीमन येहोसू, बिन्नूई, कदमीएल, सेरेबियाह, यहूदा रिहिन, अऊ मतनयाह घलो अपन सहयोगीमन संग
रिहिस; ये मतनयाह ह धनबाद के गीत गवइयामन के अधिकारी रिहिस।
9 ओमन के सहयोगी बकबुकियाह अऊ उन्नी सेवा म ओमन के दूसर तरफ ठाढ़ होवंय।

10 यहोसू ह योयाकीम के ददा रिहिस,
योयाकीम ह एलियासीब के ददा,
एलियासीब ह योयादा के ददा,
11 योयादा ह योनातन के ददा,
अऊ योनातन ह यद्दुआ के ददा रिहिस।

12 योयाकीम के समय म, येमन पुरोहिती परिवारमन के मुखिया रिहिन:

सरायाह के परिवार के मुखिया मरायाह;
यरमियाह के परिवार के मुखिया हननयाह;
13 एजरा के परिवार के मुखिया मसुल्लाम;
अमरयाह के परिवार के मुखिया यहोहानान;
14 मल्लूक के परिवार के मुखिया योनातन;
सेकनयाह† के परिवार के मुखिया यूसुफ;
15 हारीम के परिवार के मुखिया अदना;
मरेमोत के परिवार के मुखिया हेलकै;

* **12:4** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible] † **12:14** जादा इबरानी हस्तलिपि म [illegible]

16 इद्दो के परिवार के मुखिया जकरयाह;
गिन्नतोन के परिवार के मुखिया मसुल्लाम;
17 अबियाह के परिवार के मुखिया जिकरी;
मिनयामीन के अऊ मोअदियाह के परिवार के मुखिया पिलतै;
18 बिलगा के परिवार के मुखिया सम्मू;
समायाह के परिवार के मुखिया यहोनातान;
19 योयारीब के परिवार के मुखिया मत्तनै;
यदायाह के परिवार के मुखिया उज्जी;
20 सल्लू के परिवार के मुखिया कल्लै;
आमोक के परिवार के मुखिया एबेर;
21 हिलकियाह के परिवार के मुखिया हसबियाह;
अऊ यदायाह के परिवार के मुखिया नतनेल रिहिस।

22 एलियासीब, योयादा, योहानान अऊ यद्दुआ के समय म लेवीमन के परिवारमन के मुखियामन के नांव लिखे गे रिहिन, वइसने ही फारस के राजा दारा के राज म पुरोहितमन के नांव लिखे गे रिहिन।
23 लेवी के संतान म जऊन मन परिवार के मुखिया रिहिन, ओमन के नांव एलियासीब के बेटा योहानान के समय तक इतिहास के किताब म लिखे गीस।
24 अऊ लेवीमन के अगुवा येमन रिहिन: हसबियाह, सेरेबियाह अऊ कदमीएल के बेटा येहोसू, अऊ ओमन के सहयोगी, जऊन मन ओमन के आघू म खड़े रहंय अऊ परमेसर के जन दाऊद के दिये निरदेस के मुताबिक एक दल के उत्तर के रूप म दूसरा दल परसंसा अऊ धनबाद के गीत गावय।
25 मतनयाह, बकबुकियाह, ओबदयाह, मसुल्लाम, तलमोन अऊ अक्कूब दुवारपाल रिहिन, जेमन दुवारमन के पास के भंडारघरमन के पहरेदारी करंय।
26 येमन यहोसू के बेटा अऊ योसादाक के पोता योयाकीम के समय म, अऊ नहेमियाह राजपाल अऊ एजरा पुरोहित, कानून के गुरू के समय म सेवा करिन।

[illegible]

27 यरूसलेम के दीवार के समरपन बर लेवीमन ला ओमन के जगह म ले खोजे गीस अऊ ओमन ला यरूसलेम लाय गीस, ताकि आनंद सहित धनबाद के गीत गावत अऊ मंजीरा, बीना अऊ सारंगी बजावत समरपन के उत्सव ला मनाय जा सकय।
28 संगीतकारमन ला घलो यरूसलेम के आसपास के इलाका ले लाय गीस—नतोपातीमन के गांवमन ले,
29 बेत-गिलगाल ले, अऊ गेबा अऊ अजमावेत के इलाका ले, काबरकि संगीतकारमन यरूसलेम के आसपास अपन बर गांव बना ले रिहिन।
30 जब पुरोहित अऊ लेवीमन नियम के मुताबिक अपनआप ला सुध कर लीन, तब ओमन मनखेमन ला, दुवारमन ला अऊ दीवार ला सुध करिन।
31 मेंह यहूदा के अगुवामन ला दीवार के ऊपर चढ़े बर कहेंव। मेंह धनबाद देय बर गवइयामन के दू ठन बड़े दल घलो ठहिरांय। एक दल के काम रिहिस कि ओमन दीवार म चघके जेवनी कोति कुड़ा दुवार तरफ जावंय।
32 ओमन के पाछू-पाछू येमन गीन—होसायाह अऊ यहूदा के आधा अगुवामन,
33 संग म अजरयाह, एजरा, मसुल्लाम,
34 यहूदा, बिनयामीन, समायाह, यरमियाह,
35 संगे-संग कुछू पुरोहितमन तुरही फूंकत रिहिन, अऊ संग म जकरयाह घलो रिहिस, जऊन ह योनातन के बेटा रिहिस, जेह समायाह के बेटा, जेह मतनयाह के बेटा, जेह मीकायाह के बेटा, जेह जक्कूर के बेटा, जेह आसाप के बेटा रिहिस,
36 अऊ ओकर सहयोगी—समायाह, अजरेल, मिललै, गिललै, माई, नतनेल, यहूदा अऊ हनानी रिहिन अऊ येमन परमेसर के जन दाऊद के दिये निरदेस के मुताबिक बाजा धरे रिहिन। कानून के गुरू एजरा ह जुलूस के आघू-आघू चलिस।

37 सोता दुवार करा येमन सीधा दाऊद के सहर के सीढ़ी ले ऊपर दीवार म चघ गीन अऊ दाऊद के महल के
ऊपर ले होवत पूरब कोति जल-दुवार तक हबर गीन।
38 गवइयामन के दूसरा दल ह उल्टा दिग म गीस। मेंह ओमन के पाछू-पाछू आधा मनखेमन के संग दीवार के
ऊपर चलत रहेंव—भट्ठीमन के पास ले चाकर दीवार तक,
39 फेर एपरैम दुवार, यसाना दुवार, मछ्ररी दुवार, हनानेल के मीनार अऊ सौ के मीनार ले होवत भेड़ दुवार
तक गेंन। पहरेदार के दुवार करा ओमन रूक गीन।
40 गवइयामन के दूनों दल धनबाद दीन अऊ परमेसर के घर म अपन जगह म खड़े हो गीन, वइसने ही मेंह
घलो आधा करमचारीमन के संग खड़े हो गेंव,
41 संग म पुरोहितमन—एलयाकीम, मासेयाह, मिनयामीन, मीकायाह, एलयोएनै, जकरयाह अऊ हननयाह
अपन-अपन तुरही लेके रिहिन—
42 येमन के संग मासेयाह, समायाह, एलिआजर, उज्जी, यहोहानान, मलकियाह, एलाम अऊ एजेर घलो
रिहिन। गवइयामन जेज्रहियाह के निरदेसन म गीत गाईन।
43 अऊ ओ दिन, मनखेमन आनंद मनात बहुंत बलिदान चघाईन, काबरकि परमेसर ह ओमन ला बहुंत
आनंदित करे रिहिस। माईलोगन अऊ लइकामन घलो आनंद मनाईन। आनंद मनाय के अवाज ला यरूसलेम म
बहुंत दूरिहा तक सुने जा सकत रिहिस।
44 ओ समय, आदमीमन ला भंडारघरमन के अधिकारी ठहिराय गीस; ओमन के ऊपर भेंट, खेत के पहिला फर
अऊ दसमांस के जिम्मा रिहिस। नगरमन के आसपास के खेतमन ले ओमन कानून के मुताबिक ठहिराय गे भाग
ला भंडारघर म लानंय। ये भाग ह पुरोहित अऊ लेवीमन के बांटा रहय, काबरकि यहूदीमन पुरोहित अऊ
लेवीमन के सेवा ले खुस रिहिन।
45 ओमन अपन परमेसर के सेवा अऊ सुध करे के सेवा के काम ला करिन, वइसने ही संगीतकार अऊ
दुवारपालमन घलो दाऊद अऊ ओकर बेटा सुलेमान के हुकूम के मुताबिक सेवा करिन।
46 बहुंत पहिले, दाऊद अऊ आसाप के समय म, संगीतकारमन के निरदेसकमन रिहिन, जऊन मन परमेसर के
परसंसा अऊ धनबाद के गीत गाय म अगुवई करंय।
47 ये किसम ले जरूब्बाबेल के समय अऊ नहेमियाह के समय म, जम्मो इसरायलीमन संगीतकार अऊ
दुवारपालमन बर हर दिन के भाग देवत रिहिन। ओमन आने लेवीमन बर घलो एक भाग अलग रखंय, अऊ
लेवीमन हारून के संतानमन बर एक भाग अलग रखंय।

13

[illegible]

1 ओ दिन मूसा के किताब मनखेमन ला ऊंचहा अवाज म पढ़के सुनाय गीस अऊ उहां ये लिखे मिलिस कि
कोनो अमोनी या मोआबी परमेसर के सभा म कभू झन आवन पावय,
2 काबरकि ओमन जेवन अऊ पानी लेके इसरायलीमन ले भेंट नइं करिन पर ओमन ला सराप देय बर बिलाम
ला पईसा देके बलाय रिहिन। (पर हमर परमेसर ह सराप ला आसीस म बदल दीस।)
3 जब मनखेमन ये कानून ला सुनिन, त ओमन ओ जम्मो ला इसरायल ले बाहिर कर दीन, जऊन मन बिदेसी
मूल के रिहिन।
4 एकर पहिले, एलियासीब पुरोहित ला हमर परमेसर के घर के भंडारघरमन के अधिकारी बनाय गे रिहिस।
ओह तोबियाह के नजदीकी सहयोगी रिहिस,
5 ओह तोबियाह ला एक बड़े कमरा देय रिहिस, जिहां पहिले अन्न-बलिदान, धूप, मंदिर के चीज, अऊ
लेवीमन, संगीतकारमन अऊ दुवारपालमन बर ठहिराय अन्न के दसमांस, अंगूर के नवां मंद अऊ जैतून के तेल
रखे जावय, संग म पुरोहितमन के बांटा ला घलो उहां रखे जावय।
6 जब ये सब होवत रिहिस, त मेंह यरूसलेम म नइं रहेंव, काबरकि बेबिलोन के राजा अर्तछ्यर्स के राज के
बत्तीसवां साल म, मेंह राजा करा गेंव। कुछू समय के बाद, मेंह ओकर ले अनुमति मांगेंव
7 अऊ यरूसलेम वापिस आयेंव। इहां मेंह ओ बुरई के बारे म सुनेंव, जेला एलियासीब ह तोबियाह ला
परमेसर के घर के अंगना म एक कमरा देके करे रिहिस।

8 मेंह बहुंत नराज होयेंव अऊ तोबियाह के घर के जम्मो सामान ला कमरा के बाहिर फटिक देंव।
9 मेंह कमरामन ला सुध करे के हुकूम देंव, अऊ तब मेंह ओमा वापिस परमेसर के घर के साज-सामान ला
अन्न-बलिदान अऊ धूप के संग रखवा देंव।
10 मोला ये घलो पता चलिस कि लेवीमन बर ठहिराय भाग ओमन ला नइं दिये जावत रिहिस, अऊ ये घलो
कि ओ जम्मो लेवी अऊ संगीतकार, जेमन के ऊपर सेवा के जिम्मेदारी रिहिस, ओमन अपन-अपन खेत म काम
करे बर वापिस चल दे रिहिन।
11 एकरसेति मेंह करमचारीमन ला डांटेंव अऊ ओमन ले पुछेंव, "परमेसर के घर के धियान काबर नइं दिये
जावथे?" तब मेंह ओमन ला बलांय अऊ ओमन ला ओमन के पद म नियुक्त करेंव।
12 तब यहूदा के जम्मो मनखेमन अन्न, अंगूर के नवां मंद अऊ जैतून तेल के दसमांस भंडारघर म लाने लगिन।
13 मेंह सेलेमियाह पुरोहित, सादोक मुंसी, अऊ पदायाह नांव के एक लेवी ला भंडारघरमन के अधिकारी
ठहिरा देंव अऊ हानान ला ओमन के सहायक बना देंव, जऊन ह जक्कूर के बेटा अऊ मतनयाह के पोता रिहिस,
काबरकि येमन बिसवासयोग्य समझे जावंय। येमन के ऊपर अपन संगी लेवीमन ला सामान बांटे के जिम्मेदारी
रिहिस।

14 हे मोर परमेसर, ये काम बर तेंह मोला सुरता रखबे, अऊ जऊन काम मेंह ईमानदारी से अपन परमेसर के
घर अऊ येकर सेवा म करे हवंव, ओला झन मिटा देबे।

15 ओ समय म, मेंह देखेंव कि यहूदा म मनखेमन बिसराम के दिन हौदमन म अंगूर ला रऊंदंय अऊ गदहामन
ऊपर अनाज ला जोरके लानंय, वइसने ही ओमन अंगूर के मंद, अंगूर, अंजीर अऊ आने जम्मो किसम के
सामान जोरके लानंय। अऊ ओमन ये जम्मो चीज बिसराम के दिन यरूसलेम म लानंय। एकरसेति मेंह ओमन
ला बिसराम दिन म खाय के सामान बेचे बर मना करेंव।
16 सूर के मनखे, जेमन यरूसलेम म रहत रिहिन, ओमन मछरी अऊ जम्मो किसम के बेपार के चीज लानंय
अऊ ओला यरूसलेम म यहूदा के मनखेमन ला बिसराम के दिन बेचंय।
17 तब मेंह यहूदा के परभावसाली मनखेमन ला डांटेंव अऊ ओमन ला कहेंव, "तुमन ये गलत काम कइसे
करत हव—बिसराम दिन ला अपबितर करत हव?
18 का तुम्हर पुरखामन अइसनेच नइं करत रिहिन, जेकर कारन हमर परमेसर ह ये जम्मो बिपत्ति हमर ऊपर
अऊ ये सहर ऊपर लानिस? अब तुमन बिसराम दिन ला अपबितर करके इसरायल ऊपर परमेसर के कोप ला
अऊ भड़कावत हव।"
19 बिसराम दिन के पहिले, जब सांझ के छइहां ह यरूसलेम के दुवारमन ऊपर पड़िस, तब मेंह हुकूम देंव कि
कपाटमन ला बंद कर दिये जावय अऊ बिसराम दिन के खतम होवत तक येमन ला झन खोले जावय। मेंह अपन
कुछू आदमीमन ला दुवारमन म तैनात कर देंव, ताकि बिसराम दिन म, कोनो भी सामान भीतर झन लाने जा
सकय।
20 एक या दू बार बेपारी अऊ जम्मो किसम के सामान बेचइयामन यरूसलेम के बाहिर रात बिताईन।
21 पर मेंह ओमन ला चेतउनी देके कहेंव, "तुमन काबर दीवार करा रात बिताथव? यदि तुमन फेर अइसने
करहू, त मेंह तुमन ला गिरफतार कर लूहूं।" ओ समय के बाद, ओमन फेर कभू बिसराम दिन म नइं आईन।
22 तब मेंह लेवीमन ला हुकूम देंव कि ओमन अपनआप ला सुध करंय अऊ बिसराम दिन ला पबितर रखे बर,
जाके दुवारमन म पहरेदारी करंय।

हे मोर परमेसर, ये काम बर घलो मोला सुरता रखबे, अऊ अपन बड़े करूना के मुताबिक मोर ऊपर दया करबे।

23 ओ समय म, मेंह यहूदा के अइसे आदमीमन ला घलो देखेंव, जेमन असदोदी, अमोनी अऊ मोआबी
माईलोगनमन ले बिहाव कर ले रिहिन।
24 ओमन के आधा लइकामन असदोद के भासा या ओ आने मनखेमन के एक भासा बोलंय, अऊ ओमन
यहूदीमन के भासा नइं बोल सकत रिहिन।

25 मेंह ओमन ला डांटेंव अऊ ओमन ला सराप देंव। मेंह कुछू आदमीमन ला मारेंव-पीटेंव अऊ ओमन के
बाल खीचेंव। मेंह ओमन ला परमेसर के सपथ दिलाके कहेंव, “तुमन अपन बेटी बिहाव म ओमन के बेटामन ला
झन दव, न ही तुमन ओमन के बेटी बिहाव म अपन बेटामन बर या अपन बर लानव।
26 का ये किसम के बिहाव के कारन ही इसरायल के राजा सुलेमान ह पाप नइं करिस? बहुंते देस म ओकर सहीं
कोनो राजा नइं रिहिन। ओकर परमेसर ह ओकर ले मया करय, अऊ परमेसर ह ओला जम्मो इसरायल के ऊपर
राजा बनाईस, पर ओह घलो परदेसी माईलोगनमन के दुवारा पाप म पड़िस।
27 त का अब हमन तुम्हर बात ला सुनन, अऊ ये जम्मो भयंकर दुस्टता के काम करन अऊ बिदेसी
माईलोगनमन ले बिहाव करके हमर परमेसर के संग बिसवासघात करन?”
28 एलियासीब महा पुरोहित के बेटा योयादा के बेटामन ले एक झन ह होरोनी सम्बल्लत के दामाद रिहिस।
अऊ मेंह ओला अपन करा ले भगा देंव।

29 हे मोर परमेसर, ओमन ला सुरता रख, काबरकि ओमन पुरोहित के पद अऊ पुरोहित अऊ लेवीमन के
करार ला असुध करे हवंय।

30 ये किसम ले मेंह पुरोहित अऊ लेवीमन ला ओमन के हर परदेसी काम ले सुध करेंव, अऊ हर एक ला
ओमन के काम बांट देंव।
31 मेंह ठहिराय गे समय म लकरी के भेंट लाने अऊ ऊपज के पहिली-फसल देय के घलो परबंध करेंव।

हे मोर परमेसर, मोर ऊपर दया करत मोला सुरता रखबे।

एस्तर
के किताब

[illegible]

1 छ्यर्स राजा के समय म ये बात होईस, येह ओही छ्यर्स अय, जऊन ह 127 राजमन म, याने भारत ले लेके
कूस* देस तक राज करत रिहिस:
2 ओ समय छ्यर्स राजा ह सूसनगढ़ के किला म अपन राज सिंघासन म बईठके राज करत रिहिस,
3 अऊ अपन राज के तीसरा साल म, ओह अपन जम्मो परभावसाली मनखे अऊ करमचारीमन बर एक
जेवनार करिस। फारस अऊ मादै के सेनापतिमन, राजकुमारमन अऊ राज-राज के परभावसाली मनखेमन उहां
रिहिन।
4 पूरा 180 दिन तक, ओह ओमन ला अपन राज के बहुंत धन-संपत्ति अऊ अपन राजपद के सोभा अऊ
महिमा ला देखाईस।
5 जब ये दिनमन बीत गीन, त राजा ह का छोटे का बड़े अपन जम्मो मनखेमन बर, जऊन मन सूसनगढ़ के
किला म जूरे रिहिन, राजमहल के बाड़ा ले घिरे बारी म 7 दिन तक जेवनार करिस।
6 बारी म मलमल के बने सफेद अऊ नीला रंग के परदामन टंगाय रहंय, जेमन ला मलमल के बने सफेद डोरी
अऊ बैंगनी चीज ले संगमरमर के खंभामन म चांदी के छल्ला म बांधे गे रहय। उहां सोन अऊ चांदी के सोफामन
रिहिन, जेमन ला कारीगरी करे गे बड़े सफेद पथरा, संगमरमर, मोती अऊ कीमती पथरामन ले बने फर्स ऊपर
मढ़ाय गे रिहिस।
7 राजा के उदारता के कारन बहुंत अकन साही-मदिरा रिहिस, अऊ मंद ला सोन के पियाला म परोसे जावत
रिहिस, अऊ हर एक जन ला आने किसम के पियाला म मंद दिये जावत रिहिस।
8 राजा के हुकूम ले हर एक पहुना ह बिगर कोनो बाधा के मंद पी सकत रिहिस, काबरकि राजा ह जम्मो मदिरा
देवइयामन ला आदेस दे रिहिस कि जऊन मनखे जइसने चाहय, ओला वइसने देवव।
9 रानी वसती ह घलो राजा छ्यर्स के राजमहल म माईलोगनमन बर जेवनार करिस।
10 जेवनार के सातवां दिन, जब राजा छ्यर्स के मन ह मंद पीके मगन हो गे रिहिस, त ओह अपन सेवा करइया
सात झन खोजा—महूमान, बिजता, हरबोना, बिगता, अबगता, जेतेर अऊ करकस—ला हुकूम दीस
11 कि रानी वसती ला राज-मुकुट पहिरे हुये राजा के आघू म लाने जावव, ताकि मनखे अऊ परभावसाली
मनखेमन ओकर सुन्दरता ला देख सकंय, काबरकि ओह देखे म सुन्दर रिहिस।
12 पर जब सेवकमन जाके राजा के ये हुकूम दीन, त रानी वसती ह आय बर मना कर दीस। तब राजा ह बहुंत
नराज होईस अऊ गुस्सा के मारे जरे लगिस।
13 काबरकि येह राजा के रिवाज रिहिस कि कानून अऊ नियाय के बात म, ओह जानकार मनखेमन ले सलाह
लेवय, एकरसेति ओह ओ बुद्धिमान मनखेमन ले बात करिस, जऊन मन समय ला समझत रिहिन
14 अऊ राजा के बहुंत करीबी रिहिन—ओमन करसना, सेतार, अदमाता, तरसीस, मेरेस, मरसना अऊ
ममूकान नांव के फारस अऊ मादै के सात झन परभावसाली मनखे रिहिन; येमन के राजा करा बिसेस पहुंच
रिहिस अऊ येमन राज के बड़े-बड़े पद म रिहिन।
15 राजा ह पुछिस, "कानून के मुताबिक रानी वसती के संग का करना चाही? ओह राजा छ्यर्स के खोजामन
के दुवारा देय गे हुकूम ला नइं माने हे।"
16 तब ममूकान ह राजा अऊ परभावसाली मनखेमन के आघू म जबाब दीस, "रानी वसती सिरिप राजा के
बिरूध ही गलत काम नइं करे हवय, पर ओह जम्मो परभावसाली मनखे अऊ राजा छ्यर्स के जम्मो राज के
मनखेमन के बिरूध घलो गलत काम करे हवय।

---

* **1:1** नील नदी के ऊपरी इलाका

17 काबरकि जब जम्मो माईलोगनमन रानी के बरताव के बारे म जानहीं, त ओमन अपन घरवालामन ला तुछ
समझहीं अऊ कहिहीं, 'राजा छयर्स ह हुकूम दीस कि रानी वसती ला ओकर आघू म लाने जावय, पर ओह नइं
आईस।'
18 आज के दिन जऊन परभावसाली फारसी अऊ मादी माईलोगनमन रानी के बरताव के बारे म सुने हवंय,
ओमन घलो राजा के परभावसाली मनखेमन संग अइसने ही बरताव करहीं। अऊ अनादर अऊ बिरोध के कोनो
अन्त नइं होही।
19 "एकरसेति, यदि राजा ला बने लगय, त ओह एक राजकीय आदेस निकालय अऊ ओ आदेस ह फारस अऊ
मादै के कानून म लिखे जावय, जेला रद्द नइं करे जा सकय कि वसती ह राजा छयर्स के आघू म फेर कभू झन
जावय। अऊ ये घलो कि राजा ह ओकर पटरानी के पद कोनो आने ला दे देवय, जऊन ह ओकर ले घलो बने
होवय।
20 तब जब राजा के ये आदेस ला ओकर जम्मो राज म सुनाय जाही, त जम्मो माईलोगनमन, का छोटे का
बड़े, अपन-अपन घरवालामन के आदरमान करहीं।"
21 ये सलाह ह राजा अऊ ओकर परभावसाली मनखेमन ला बने लगिस, एकरसेति राजा ह ममूकान के सलाह
ला मान लीस।
22 ओह राज के जम्मो भाग म संदेस पठोईस; हर एक छेत्र म, उहां के लिपि अऊ उहां के मनखेमन के भासा म
संदेस पठोईस अऊ घोसना करवाईस कि हर एक आदमी ह अपन खुद के भासा के उपयोग करत, अपन घर म
हुकूम चलावय।

2

[illegible]

1 ये घटना के बाद, जब राजा छयर्स के गुस्सा ह सांत हो गीस, त ओह वसती अऊ ओकर बरताव अऊ जऊन
आदेस राजा ह वसती के बारे म देय रिहिस, ओ जम्मो बात ला सुरता करिस।
2 तब राजा के निजी सेवकमन सलाह दीन, "राजा बर सुन्दर अऊ कइनारी कुंवारीमन के खोज करे जावय।
3 राजा ह अपन राज के हर छेत्र म आयुक्तमन ला ठहिरावय, जऊन मन ये जम्मो कइनारी कुंवारीमन ला
सूसन के किला के रनवास म लानंय। अऊ ओमन ला राजा के खोजा हेगे के अधीन कर दिये जावय, जऊन ह कि
माईलोगनमन के देखरेख करइयामन के मुखिया ए; अऊ ओमन ला सुघर बने चीजमन दिये जावंय।
4 तब जऊन कइनारी माईलोगन ले राजा ह खुस होही, ओला वसती के जगह म रानी बनाय जावय।" ये
सलाह ह राजा ला बने लगिस, अऊ ओह वइसनेच करिस।
5 सूसनगढ़ के किला म मोरदकै नांव के बिनयामीन के गोत्र के एक झन यहूदी रिहिस, जऊन ह कीस के
परनाती, सिमी के नाती अऊ याईर के बेटा रिहिस
6 ओह ओ बंदीमन के संग यरूसलेम ले बंधुवई म आय रिहिस, जेमन ला बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह
यहूदा के राजा यहोयाकीन* के संग बंदी बनाके ले गे रिहिस।
7 मोरदकै के हदस्सा नांव के एक चचेरी बहिनी रिहिस, जेला ओह पाले-पोसे रिहिस, काबरकि हदस्सा के
दाई-ददा कोनो नइं रिहिन। ये कइनारी माईलोगन ला एस्तर घलो कहे जावय; ओकर देहें ह सुघर अऊ ओह
सुन्दर रिहिस। जब ओकर दाई-ददा मर गीन, त मोरदकै ह ओला लेके अपन खुद के बेटी सहीं पाले रिहिस।
8 जब राजा के आदेस अऊ नियम के घोसना करे गीस, त बहुंत अकन कइनारी कुंवारीमन ला सूसनगढ़ के
किला म लाने गीस अऊ ओमन ला हेगे के देखरेख म रखे गीस। एस्तर ला घलो राजा के महल म लाने गीस
अऊ ओला हेगे के अधीन सऊंप दिये गीस, जऊन ह कि रनवास के देखरेख करइयामन के मुखिया रिहिस।
9 एस्तर ला देखके हेगे ह खुस होईस अऊ ओ कइनारी माईलोगन ह ओला बने लगिस। तुरते ओह सुघर
बनाय के चीजमन ओला दीस अऊ ओकर बर खास जेवन के परबंध करिस। ओह ओला राजा के महल ले चुने
सात झन सेविका घलो दीस अऊ ओला अऊ ओकर सेविकामन ला रनवास म सबले बढ़िया जगह म रहे बर
दीस।

---

* **2:6** इबरानी म *[illegible]*, जऊन ह *[illegible]* के आने नांव ए

10 एस्तर ह न तो अपन जाति के बारे म अऊ न ही अपन परिवार के बारे म बताय रिहिस, काबरकि मोरदकै ह
ओला ये बातमन ला बताय बर मना करे रिहिस।
11 मोरदकै ह हर एक दिन रनवास के अंगना के आघू म ये जाने बर घुमय-फिरय कि एस्तर ह कइसे हवय अऊ
ओकर संग का होवत हे।
12 जब भी कोनो कइनारी माईलोगन के राजा छयर्स करा जाय के पारी आवय, त जाय के पहिली, ओ
माईलोगन ला सुघर बनाय के बारह महिना ला पूरा करना पड़य; याने कि ओला छै महिना तक गंधरस के तेल
लगाय जावय अऊ छै महिना तक खुसबूवाला तेल अऊ सुघर बनाय के चीजमन ला लगाय जावय।
13 अऊ ये किसम ले ओ कइनारी माईलोगन ह राजा करा जावय: जऊन कुछू चीज ओह अपन संग रनवास
म ले राजा के महल म ले जाय बर चाहय, ओ चीज ओला दिये जावय।
14 संझा के बेरा, ओह राजा के महल म जावय अऊ बिहनियां, ओह लहुंटके रनवास के आने भाग म सासगज
के देखरेख म रहे बर चले जावय; सासगज ह राजा के खोजा अऊ रखैलमन के देखरेख करइयामन के मुखिया
रिहिस। ओ माईलोगन ह फेर राजा करा नइं जावय; कहूं राजा ह ओकर ले खुस हो जावय, त ओकर नांव लेके
ओला फेर बलाय जावय।
15 जब मोरदकै के कका अबीहैल के बेटी एस्तर, जेला मोरदकै ह बेटी बनाके रखे रिहिस, ओकर पारी आईस,
कि ओह राजा करा जावय, त जऊन कुछू चीज रनवास के मुखिया, राजा के खोजा हेगे ह ओला ले जाय के
सलाह दीस, ओला छोंड़ एस्तर ह अपन संग ले जाय बर अऊ कुछू चीज के मांग नइं करिस। अऊ जऊन मन
एस्तर ला देखिन, ओ जम्मो झन ओकर ले खुस होईन।
16 एस्तर ला राजमहल म राजा छयर्स करा ओकर राज के सातवां साल के तेबेत नांव के दसवां महिना म
अमराय गीस।
17 राजा ह एस्तर ला अऊ जम्मो माईलोगनमन ले जादा मया करिस, अऊ राजा के ओकर ऊपर अऊ जम्मो
कइनारी कुंवारीमन ले जादा अनुग्रह अऊ किरपा होईस। एकरसेति ओह ओकर मुड़ म राज-मुकुट रखिस अऊ
ओला वसती के जगह म रानी बनाईस।
18 अऊ राजा ह अपन जम्मो परभावसाली मनखे अऊ करमचारीमन बर एक बड़े जेवनार करिस, जऊन ह
एस्तर के जेवनार रिहिस। ओह जम्मो राज म एक दिन के छुट्टी के घोसना करवाईस अऊ साही उदारता से
ईनाम घलो बांटिस।

[illegible]

19 जब कुंवारीमन ला दूसर बार संकेले गीस, त मोरदकै ह राजमहल के कपाट करा बईठे रिहिस।
20 पर एस्तर ह अपन परिवार अऊ जाति के बात ला गुपत रखे रिहिस जइसने कि मोरदकै ह ओला करे बर
कहे रिहिस, काबरकि एस्तर ह अभी घलो मोरदकै के बात ला वइसने ही मानय, जइसने ओह अपन पालन-पोसन
के समय ओकर बात ला मानय।
21 ओ दिनमन म, जब मोरदकै ह राजमहल के दुवार करा बईठे रहय, तब राजा के दू झन
अधिकारी—बिगताना अऊ तेरेस, जऊन मन दुवारपाल रिहिन, राजा छयर्स के कोनो बात ले गुस्सा होके राजा
के हतिया करे के साजिस रचिन।
22 पर मोरदकै ला ये साजिस के पता चल गीस अऊ ओह ये बात एस्तर रानी ला बताईस, अऊ एस्तर ह
मोरदकै के नांव लेके ये बात राजा ला बताईस।
23 अऊ जब जांच-पड़ताल होईस, त ये बात ह सही पाय गीस अऊ ओ दूनों अधिकारीमन ला खंभामन म
टांग दिये गीस। ये जम्मो बात ला राजा के आघू म इतिहास के किताब म लिख दिये गीस।

3

[illegible]

1 ये घटनामन के बाद, राजा छयर्स ह हम्मदाता अगागी के बेटा हामान ला ऊंचा उठाके अऊ ओला आने
जम्मो परभावसाली मनखेमन ले जादा ऊंच पद देके ओकर महत्व ला बढ़ाईस।
2 राजा के दुवार के जम्मो साही करमचारीमन हामान के आघू म माड़ी टेकंय अऊ ओकर आदर करंय, काबरकि
राजा ह ओकर बारे म ये हुकूम देय रिहिस। पर मोरदकै ह न तो माड़ी टेकय अऊ न ही ओकर आदर करय।

3 तब राजा के दुवार के साही करमचारीमन मोरदकै ले पुछिन, “तेंह राजा के हुकूम ला काबर नइं मानत हस?”
4 हर दिन ओमन ओकर ले ये बारे म गोठियाईन पर ओह हुकूम माने नइं चाहिस। एकरसेति ओमन येकर बारे
म हामान ला बताईन; ओमन ये देखे चाहत रिहिन कि मोरदकै के ये बरताव ला सहन करे जाही कि नइं, काबरकि
ओह ओमन ला बता देय रिहिस कि ओह एक यहूदी अय।
5 जब हामान ह देखिस कि मोरदकै ह न तो माड़ी टेकय अऊ न ही ओला आदर देवय, त हामान ह बहुंत गुस्सा
होईस।
6 मोरदकै के जाति के मनखेमन के बारे म जानके, हामान ह सिरिप मोरदकै ला मार डारे के योजना ला छोंड़
दीस। येकर बदले ओह छ्यर्स के जम्मो राज म रहइया मोरदकै के जम्मो मनखे—यहूदीमन ला नास करे के
उपाय खोजे लगिस।
7 राजा छ्यर्स के सासनकाल के बारहवां साल के नीसान नांव के पहिला महिना म, हामान के आघू म एक दिन
अऊ महिना ला चुने बर [illegible] (चिट्ठी) निकाले गीस। अऊ चिट्ठी ह अदार नांव के बारहवां महिना बर निकलिस।
8 तब हामान ह राजा छ्यर्स ला कहिस, “तोर राज के जम्मो छेत्र म मनखेमन के बीच म एक जाति के
मनखेमन तितिर-बितिर होके रहत हें, जऊन मन अपनआप ला अलग रखथें। ओमन के रीति-रिवाज ह आने
जम्मो मनखेमन ले अलग हवय, अऊ ओमन राजा के कानून ला नइं मानंय; एकरसेति ओमन ला अइसने रहन
देवई ह राजा के हित म नो हय।
9 यदि राजा ला ये बात बने लगय, त ओमन ला नास करे के एक आदेस निकाले जावय, अऊ मेंह राजा के
हाकिममन ला साही खजाना बर चांदी के दस हजार टेलेन्ट* दूहूं।”
10 त राजा ह अपन अंगरी ले मुहरवाला मुंदरी ला उतारिस अऊ हम्मदाता अगागी के बेटा हामान ला दे
दीस, जऊन ह कि यहूदीमन के बईरी रिहिस।
11 अऊ राजा ह हामान ला कहिस, “पईसा ला रख, अऊ जइसने तोला बने लगय, वइसने तें ओ मनखेमन
संग कर।”
12 तब पहिली महिना के तेरहवां दिन म राजा के सचिवमन ला बलाय गीस। अऊ ओमन हर इलाका के लिपि
अऊ हर मनखे के भासा म, हामान के आदेस ला राजा के जम्मो अधिपति, अलग-अलग इलाका के राजपाल
अऊ परभावसाली मनखेमन ला लिखिन। ये आदेस ला खुद राजा छ्यर्स के नांव म लिखे गीस अऊ ओमा राजा
के मुंदरी के मुहर लगाय गीस।
13 ये लिखित आदेस ला दूतमन के हांथ म राजा के जम्मो इलाका म ये आदेस के संग पठोय गीस कि का
जवान का डोकरा, का माईलोगन का लइका—जम्मो के जम्मो यहूदीमन ला मारके ओमन के पूरा बिनास कर
दिये जावय अऊ ओमन के संपत्ति ला लूट लिये जावय—अऊ ये काम ला एक ही दिन म, याने कि अदार नांव
के बारहवां महिना के तेरहवां दिन म करे जावय।
14 राजा के ये हुकूम के एक प्रति ला कानून के रूप म हर इलाका म पठोय जावय अऊ हर जाति के मनखेमन
ला येकर बारे म बताय जावय ताकि ओमन ओ दिन बर तियार रहंय।
15 राजा के हुकूम ले दूतमन निकलिन अऊ आघू बढ़ गीन, अऊ सूसनगढ़ म राजा के हुकूम निकाले गीस।
राजा अऊ हामान मंद पीये बर बईठ गीन, पर सूसनगढ़ सहर म घबराहट फईल गीस।

4

[illegible]
1 जब मोरदकै ला ओ जम्मो बात के पता चलिस कि का-का करे गे हवय, त ओह अपन ओनहा ला चीरिस,
बोरा के कपड़ा पहिरके अपन ऊपर राख डालिस, अऊ चिचियाके अऊ कलप-कलपके बिलाप करत सहर के
भीतर गीस।
2 पर ओह सिरिप राजा के दुवार तक गीस, काबरकि कोनो ला बोरा के ओनहा पहिरके ओकर भीतर जाय के
अनुमति नइं रिहिस।
3 ओ हर इलाका जिहां राजा के हुकूम अऊ राजा के आदेस पहुंचिस, उहां यहूदीमन उपास करत अऊ बहुंत
रोवत बिलाप करे लगिन। बहुंत झन बोरा के कपड़ा पहिरके राख ऊपर पड़े रहंय।

* **3:9** लगभग 375 टन

4 जब एस्तर रानी के खोजा अऊ सेविकामन आके ओला मोरदकै के बारे म बताईन, त ओह बहुंत दुखी होईस।
ओह मोरदकै बर कपड़ा भिजवाईस कि ओह बोरा के कपड़ा ला उतारके ओ कपड़ा ला पहिरय, पर मोरदकै ह ओ
कपड़ामन ला नइं लीस।
5 तब एस्तर ह हताक ला बुलवाईस, जऊन ह राजा के खोजामन ले एक झन रिहिस अऊ एस्तर के सेवा बर
ठहिराय गे रिहिस। ओह हताक ला हुकूम दीस कि ओह जाके पता लगावय कि मोरदकै ला का चीज के तकलीफ
हवय अऊ ओकर कारन का ए।
6 तब हताक ह राजा के दुवार के सामने, सहर के खुला चऊक म मोरदकै करा गीस।
7 मोरदकै ह ओला ओ जम्मो बात बता दीस, जऊन ह ओकर ऊपर होय रिहिस; ओह ये घलो बताईस कि
हामान ह यहूदीमन ला नास करे बर कतेक पईसा साही खजाना म देय के वायदा करे हवय।
8 सूसनगढ़ म यहूदीमन के पूरा बिनास के जऊन साही हुकूम लिखे गे रिहिस, ओकर एक प्रति घलो मोरदकै ह
हताक ला दीस, ताकि ओह ओ प्रति ला एस्तर ला देखावय अऊ ओकर बारे म समझा देवय, अऊ ओह हताक
ला ये घलो कहिस कि ओह जाके एस्तर ला कहय कि एस्तर ह राजा के आघू म जाके अपन मनखेमन बर बिनती
करय अऊ दया के भीख मांगय।
9 तब हताक ह वापिस गीस अऊ जऊन कुछू मोरदकै ह कहे रिहिस, ओ जम्मो बात एस्तर ला बताईस।
10 तब एस्तर ह हताक ला हुकूम दीस कि ओह जाके मोरदकै ला ये कहय,
11 "साही इलाका के राजा के जम्मो करमचारी अऊ मनखेमन जानत हें कि यदि कोनो आदमी या माईलोगन
बिगर बलाय राजमहल के भीतर राजा करा जाथे, त ओकर बर राजा के सिरिप एक कानून हवय: कि ओ आदमी
या माईलोगन ला मार डारे जावय, पर यदि राजा ह सोन के राजदंड ला ओकर कोति बढ़ाथे, त ओकर परान ह
बच जाथे। पर अब तीस दिन हो गे हवय, मोला राजा करा जाय के बुलावा नइं आय हवय।"
12 जब एस्तर के ये बात मोरदकै ला बताय गीस।
13 त ओह एस्तर करा ये जबाब भेजिस, "अइसने झन सोच कि तेंह राजा के घर म हवस, त तें एके झन जम्मो
यहूदीमन म बच जाबे।
14 काबरकि यदि तें ये बेरा म चुपेचाप रहिबे, त यहूदीमन के मदद अऊ छुटकारा कहीं अऊ जगह ले हो
जाही, पर तें अऊ तोर ददा के परिवार ह नास हो जाही। अऊ कोन जाने, सायद अइसने कठिन बेरा बर ही तोला
ये राजपद मिले हवय।"
15 तब एस्तर ह मोरदकै करा ये जबाब भेजिस:
16 "तें जा अऊ सूसनगढ़ के जम्मो यहूदीमन ला इकट्ठा कर, अऊ तुमन जम्मो मोर बर उपास करव। तीन दिन
तक, रात हो या दिन, कुछू झन खावव-पीयव। में अऊ मोर सेविकामन घलो तुम्हर सहीं उपास करबो। अऊ
ओकर बाद, मेंह राजा करा जाहूं, हालाकि येह कानून के बिरूध अय। अऊ कहूं मेंह नास हो जावंव, त हो
जावंव।"
17 त मोरदकै ह गीस अऊ जइसने एस्तर ह करे बर कहे रिहिस, वइसने करिस।

5

[illegible]

1 अपन उपास के तीसर दिन, एस्तर ह अपन राजकीय कपड़ा ला पहिरिस अऊ राजा के दरबार के आघू म
जाके, महल के भीतरी अंगना म ठाढ़ हो गीस। राजा ह दरबार म राज सिंघासन म बईठे रहय अऊ ओकर मुहूं ह
दुवारी कोति रहय।
2 जब ओह एस्तर रानी ला अंगना म ठाढ़े देखिस, त ओह खुस होईस अऊ अपन हांथ म धरे सोन के राजदंड
ला रानी कोति बढ़ाईस। तब एस्तर ह आघू बढ़िस अऊ राजदंड के छोर ला छुईस।
3 तब राजा ह पुछिस, "हे एस्तर रानी, का बात ए? तोर का मांग हे? मांग अऊ इहां तक कि आधा राज ला
घलो तोला दिये जाही।"
4 एस्तर ह जबाब दीस, "यदि राजा ला ये बात बने लगय, त आज राजा ह हामान के संग ओ जेवनार म
आवय, जेला मेंह राजा बर तियार करे हंव।"

5 तब राजा ह हुकूम दीस, “हामान ला तुरते ले आवव, ताकि हमन एस्तर के दिये नेवता म जावन।”
त राजा अऊ हामान ओ जेवनार खाय बर चल दीन, जेला एस्तर ह बनाय रिहिस।
6 जब ओमन मंद पीयत रिहिन, त राजा ह एस्तर ले पुछिस, “अब तोर का बिनती हे? ओ चीज तोला दिये
जाही। अऊ तोर का मांग हे? मांग अऊ इहां तक कि आधा राज ला घलो तोला दिये जाही।”
7 एस्तर ह जबाब दीस, “मोर बिनती अऊ मोर मांग ये अय:
8 यदि राजा के दया-दिरिस्टी मोर ऊपर हवय अऊ मोर बिनती ला सुने अऊ मोर मांग ला पूरा करे म, राजा
ला बने लगथे, त राजा अऊ हामान कल फेर ओ जेवनार म आवंय, जेला मेंह ओमन बर तियार करहूं। तब मेंह
राजा के सवाल के जबाब दूहूं।”

[illegible]

9 हामान ह ओ दिन खुस होके अऊ बड़े आनंद मन से बाहिर गीस। पर जब ओह राजा के दुवार करा गीस
जिहां मोरदकै ह रहय, त ओह देखिस कि मोरदकै ह न तो उठिस अऊ न ही ओमा हामान के उहां होय के कोनो
भय दिखिस, त ओह मोरदकै बर गुस्सा ले भर गीस।
10 तभो ले, हामान अपनआप ला रोकिस अऊ घर चल दीस।
अपन संगीमन ला अऊ अपन घरवाली जेरेस ला बलाके,
11 ओमन के आघू म हामान ह अपन बहुंत धन अऊ अपन बहुंते बेटामन ऊपर डींग मारिस, अऊ कहिस कि
राजा ह कइसे ओकर आदर करे हवय अऊ ओह कइसे ओला आने परभावसाली मनखे अऊ करमचारीमन ले
ऊंच पद दे हवय।
12 हामान ह ये घलो कहिस, “अतका ही नइं, एस्तर रानी ह मोला छोंड़ अऊ कोनो ला राजा के संग म अपन
तियार करे जेवनार म आय के नेवता नइं दीस। अऊ रानी ह कल बर घलो राजा के संग मोला नेवते हवय।
13 पर ये जम्मो बात ले मोर मन ह संतोस नइं होवय, जब तक कि मेंह यहूदी मोरदकै ला राजा के दुवार करा
बईठे देखत रहिहूं।”
14 ओकर घरवाली जेरेस अऊ ओकर जम्मो संगीमन ओला कहिन, “करीब 50 क्यूबीट* ऊंच एक ठन खंभा
गड़वा ले, अऊ बिहनियां राजा ले कहिबे कि ओमा मोरदकै ला टांग दिये जावय। तब राजा के संग जाके जेवनार
के आनंद उठा।” ये सलाह ह हामान ला बने लगिस, अऊ ओह एक खंभा गड़वाईस।

6

[illegible]

1 ओ रथिया राजा ला नींद नइं आईस; एकरसेति ओह हुकूम दीस कि इतिहास के ओ किताब ला लाय जावय,
जेमा ओकर सासन के बारे म लिखे गे हवय, अऊ ओह ये घलो हुकूम दीस कि ओला पढ़के सुनाय जावय।
2 ओ किताब म, ये लिखे हुए मिलिस कि राजा के दू झन अधिकारी—बिगताना अऊ तेरेस, जेमन दुवारपाल
रिहिन, राजा छयर्स के हतिया करे के साजिस रचे रिहिन, जेकर परदाफास मोरदकै ह करे रिहिस।
3 तब राजा ह पुछिस, “येकर बदले म, मोरदकै ला का आदरमान अऊ ईनाम दिये गीस?”
ओकर सेवकमन जबाब दीन, “ओकर बर कुछू नइं करे गे हवय।”
4 त राजा ह पुछिस, “अंगना म कोन हवय?” ओतकीच बेरा, हामान ह महल के बाहिरी अंगना म राजा ले ये
कहे बर हबरे रिहिस कि ओह जऊन खंभा गड़वाय हवय, ओमा राजा ह मोरदकै ला टंगवा दे।
5 राजा के सेवकमन जबाब दीन, “अंगना म तो हामान ह खड़े हवय।”
राजा ह हुकूम दीस, “ओला भीतर बलाके लानव।”
6 जब हामान ह भीतर आईस, त राजा ह ओकर ले पुछिस, “जऊन मनखे के आदरमान राजा ह खुसी से करना
चाहय, त ओ मनखे बर का करना उचित होही?”
हामान ह खुद अपन बारे म ये सोचिस, “मोला छोंड़ राजा ह अऊ काकर आदरमान करही?”
7 एकरसेति ओह राजा ला जबाब दीस, “जऊन मनखे के राजा खुसी से आदरमान करना चाहय,

* **5:14** लगभग 75 फीट

8 ओकर बर राजकीय कपड़ा लाने जावय, जेला राजा पहिर चुके हवय अऊ एक घोड़ा लाने जावय, जेमा
राजा सवारी कर चुके हवय अऊ ओकर मुड़ म राजकीय मुकुट धरे रहय।
9 तब ओ कपड़ा अऊ घोड़ा ला राजा के सबले बने परभावसाली अधिकारीमन ले एक झन ला दे दिये जावय।
अऊ राजा ह खुसी से जेकर आदरमान करे चाहत हे, ओला ओ कपड़ा ला पहिरा दिये जावय अऊ ओला घोड़ा
म बईठाके सहर के गलीमन घुमाय जावय, अऊ ओकर आघू म ये घोसना करत जावय, 'राजा ह खुसी से जेकर
आदरमान करे चाहथे, ओकर संग अइसने करे जाथे।' "
10 तब राजा ह हामान ला हुकूम दीस, "तुरते जा अऊ ओ कपड़ा अऊ घोड़ा ला ले आ अऊ अपन दिये सलाह
के मुताबिक ओ यहूदी मोरदकै के संग वइसने ही कर, जऊन ह राजा के दुवार मेर बईठे रहिथे। अऊ जऊन
सलाह तेंह दे हवस, ओमा कुछू भी कमी-घटी झन होवय।"
11 तब हामान ह राजकीय कपड़ा अऊ घोड़ा ला लीस। ओह मोरदकै ला ओ कपड़ा पहिराईस, अऊ ओला
घोड़ा म बईठाके सहर के गलीमन म घुमाईस, अऊ ओकर आघू म ये घोसना करत गीस, "राजा ह खुसी से जेकर
आदरमान करे चाहथे, ओकर संग अइसने करे जाथे।"
12 ओकर बाद, मोरदकै ह राजा के दुवार मेर लहुंट आईस। पर हामान ह दुख म अपन मुड़ ला ढांपके जल्दी से
अपन घर चल दीस,
13 अऊ ओह अपन घरवाली जेरेस अऊ अपन जम्मो संगीमन ला ओ जम्मो बात बताईस, जऊन ह ओकर
ऊपर बीते रिहिस।
त ओकर सलाहकारमन अऊ ओकर घरवाली जेरेस ओला कहिन, "मोरदकै के आघू म तोर गिरे के सुरूआत हो
चुके हवय, काबरकि ओह यहूदी जाति के अय, तेंह ओकर आघू म टिक नइं सकस—खचित, तेंह नास हो जाबे!"
14 जब ओमन ओकर ले गोठियावत रिहिन, तभे राजा के खोजामन आ गीन अऊ ओमन हामान ला जल्दी
करके एस्तर के बनाय जेवनार म ले गीन।

7

[illegible]

1 त राजा अऊ हामान, रानी एस्तर के जेवनार म गीन,
2 अऊ जब ओमन दूसर दिन घलो मंद पीयत रिहिन, त राजा ह रानी ले फेर पुछिस, "हे एस्तर रानी, तोर का
बिनती हे? ओला पूरा करे जाही। तोर का मांग हे? मांग, इहां तक कि आधा राज घलो तोला दे दिये जाही।"
3 तब एस्तर रानी ह जबाब दीस, "हे महाराज, यदि तोर दया-दिरिस्टी मोर ऊपर हवय, अऊ ये बात तोला बने
लगय, त मोला मोर जिनगी मिले—येह मोर बिनती ए। अऊ मोर मनखेमन के परान ला बचा ले—येह मोर मांग
ए।
4 काबरकि में अऊ मोर मनखेमन नास होय बर, मारे जाय बर अऊ पूरा बिनास होय बर बेचे गे हवन। यदि
हमन नर अऊ नारी गुलाम के रूप म बेचे गे रहितेंन, त मेंह चुप रहितंय, काबरकि वइसने बात बर राजा ला
तकलीफ देवई सही बात नइं होतिस।"
5 तब छयर्स राजा ह एस्तर रानी ले पुछिस, "ओह कोन ए? अऊ ओह कहां हवय—ओ मनखे, जऊन ह
अइसने काम करे के हिम्मत करे हवय?"
6 एस्तर रानी ह जबाब दीस, "एक बिरोधी अऊ बईरी ए! अऊ ओह ये दुस्ट हामान ए!"
तब हामान ह राजा अऊ रानी के आघू म डर गीस।
7 राजा ह बहुंत गुस्सा होके उठिस अऊ अपन मंद ला छोंड़के बाहिर महल के बारी म चल दीस। पर हामान ह
ये जानके कि राजा ह ओकर भाग्य के फैसला कर चुके हवय, ओह एस्तर रानी ले अपन परान के भीख मांगे बर
उहां रूक गीस।
8 जब राजा ह महल के बारी ले जेवनार के जगह म आईस, त देखिस कि जऊन सोफा म एस्तर ह बईठे हवय,
ओहीच म हामान ह झुके हवय।
त राजा ह चिचियाके कहिस, "अऊ त अऊ का येह रानी के संग छेड़खानी घलो करही, जबकि ओह मोर संग
घर म हवय?"
राजा के मुहूं ले ये बचन निकलतेच ही, राजा के सेवकमन हामान के मुहूं ला ढांप दीन।

9 तब राजा के सेवा करइया खोजामन ले एक झन, जेकर नांव हरबोना रिहिस, ओह कहिस, “हामान के घर म
पचास क्यूबीट* ऊंच एक ठन खंभा गड़वाय गे हवय। हामान ह ओला मोरदकै बर गड़वाय रिहिस, जऊन ह कि
राजा के भलई के बात कहे रिहिस।”
तब राजा ह हुकूम दीस, “हामान ला ओमा टांग दव!”
10 त ओमन हामान ला ओहीच खंभा म टांग दीन, जेला ओह मोरदकै बर गड़वाय रिहिस। तब राजा के गुस्सा
ह ठंडा होईस।

8

[illegible]

1 ओहीच दिन राजा छ्यर्स ह यहूदीमन के बईरी, हामान के घर-बार अऊ जमीन-बारी एस्तर रानी ला दे दीस।
अऊ मोरदकै ह राजा के आघू म आईस, काबरकि एस्तर ह मोरदकै के संग अपन रिस्तेदारी के बारे म राजा ला
बता दे रिहिस।
2 तब राजा ह अपन ओ राज मुहरवाला मुंदरी ला निकालिस, जऊन ला ओह हामान ले लेय ले रिहिस, अऊ
ओ मुंदरी ला मोरदकै ला दे दीस। अऊ एस्तर ह मोरदकै ला हामान के घर-बार अऊ जमीन-बारी के अधिकारी
ठहिराईस।
3 एस्तर ह राजा के गोड़ खाल्हे गिरके अऊ रोवत ओकर ले फेर बिनती करिस। ओह बिनती करके कहिस कि
अगागी हामान ह यहूदीमन के बिरूध म जऊन हानि करे के योजना बनाय रिहिस, ओला खतम कर दिये जावय।
4 तब राजा ह एस्तर कोति सोन के राजदंड ला बढ़ाईस अऊ एस्तर ह उठिस अऊ राजा के आघू म ठाढ़ हो
गीस।
5 ओह फेर बिनती करके कहिस, “यदि ये बात राजा ला बने लगथे, अऊ यदि ओकर दया-दिरिस्टी मोर ऊपर
हवय अऊ ओह सोचथे कि अइसने करई ह सही अय, अऊ यदि ओह मोर ले खुस हवय, त जऊन आदेस
हम्मदाता अगागी के बेटा हामान ह राजा के राज के जम्मो इलाका म यहूदीमन ला नास करे के खातिर लिखके
पठोय रिहिस, ओ आदेस ला खारिज कर दिये जावय।
6 काबरकि मोर मनखेमन ऊपर बिपत्ति आवय, येला मेंह देख नइं सकंव। मेंह अपन परिवार के बिनास ला
कइसे देख सकत हंव?”
7 तब राजा छ्यर्स ह एस्तर रानी ला अऊ यहूदी मोरदकै ला कहिस, “काबरकि हामान ह यहूदीमन ऊपर
हमला करिस, एकरसेति मेंह ओकर घर-बार अऊ जमीन-बारी एस्तर ला देय दे हंव, अऊ ओला ओकर गड़वाय
खंभा म टांग दिये गे हवय।
8 अब जइसने तुमन ला बने लगे, वइसने तुमन राजा के नांव म यहूदीमन बर लिखव, अऊ ओमा राजा के
मुंदरी के मुहर घलो लगावव—काबरकि जऊन कागजात ह राजा के नांव म लिखे जावय अऊ ओमा राजा के
मुंदरी के मुहर लगय, ओला कोनो खारिज नइं कर सकय।”
9 त ओहीच बेरा याने कि सीवान* नांव के तीसरा महिना के तेईसवां दिन, राजा के सचिवमन ला बलाय गीस
अऊ ओमन मोरदकै के दिये जम्मो हुकूम ला यहूदीमन ला, अऊ भारत ले लेके कूस तक के 127 राज के बड़े
हाकिममन, राजपालमन अऊ परभावसाली मनखेमन ला लिखिन। ये हुकूममन ला हर राज के लिपि अऊ हर
जाति के मनखेमन के भासा म लिखे गीस। ये जम्मो हुकूम ला यहूदीमन ला ओमन के लिपि अऊ भासा म घलो
लिखे गीस।
10 मोरदकै ह राजा छ्यर्स के नांव म लिखिस अऊ ओ कागजात म राजा के मुंदरी के मुहर लगाईस, अऊ ओ
कागजातमन ला ओ घुड़सवारी करइया दूतमन के हांथ म पठो दीस, जऊन मन बिसेस करके राजा बर तेज
घुड़सवारी करंय।
11 राजा के साही हुकूम ले हर सहर म यहूदीमन ला अधिकार मिलिस कि ओमन जूरंय अऊ अपनआप के
बचाव करंय; कोनो भी जाति या राज के हथियारबंद मनखेमन ओमन अऊ ओमन के माईलोगनमन अऊ
लइकामन ऊपर हमला करंय, त ओमन ओ हथियारबंद मनखेमन ला नास कर देवंय, मार डारंय अऊ ओमन के
नामोनिसान मिटा देवंय, अऊ अपन बईरीमन के संपत्ति ला लूट लेवंय।

---

* **7:9** लगभग 75 फीट * **8:9** बेबिलोनी कलेन्डर, जेह मई-जून ला दरसाथे

12 राजा छ्यर्स के जम्मो राज म, ये काम ला करे बर यहूदीमन खातिर एक दिन ठहिराय गीस, अऊ ओ दिन ह
अदार नांव के बारहवां महिना के तेरहवां दिन रिहिस।
13 ये साही हुकूम के एक-एक नकल कानून के रूप म जम्मो राज म पठोय गीस अऊ हर एक जाति के
मनखेमन ला बताय गीस, ताकि यहूदीमन ओ दिन अपन बईरीमन ले बदला लेय बर तियार रहंय।
14 राजा के हुकूम ले दूतमन साही घोड़ामन म सवार होके निकलिन अऊ आघू बढ़िन, अऊ साही हुकूम ह
सूसनगढ़ के किला म ले दिये गीस।

?????? ?? ????

15 जब मोरदकै ह राजा करा ले निकलके गीस, त ओह नीला अऊ सफेद रंग के राजकीय कपड़ा पहिरे रिहिस
अऊ ओकर मुड़ म सोन के मुकुट रहय अऊ ओह सुघर मलमल के बने बैंगनी रंग के बागा पहिरे रिहिस। अऊ
सूसनगढ़ सहर के मनखेमन आनंद के मारे जय-जयकार करिन।
16 यहूदीमन बर, येह खुसी, आनंद अऊ आदरमान के बेरा रिहिस।
17 ओ हर राज अऊ सहर, जिहां भी राजा के साही हुकूम आईस, उहां यहूदीमन आनंद अऊ खुसी ले भर गीन,
अऊ ओमन जेवनार करके उत्सव मनाईन। अऊ आने जाति के बहुंते मनखेमन यहूदी बन गीन, काबरकि ओमन
के मन म यहूदीमन के डर हमा गे रिहिस।

9

1 अदार नांव के बारहवां महिना के तेरहवां दिन, राजा के दुवारा दिये गे हुकूम ला पूरा करना रिहिस। ये दिन
यहूदीमन के बईरीमन ओमन के ऊपर जय पाय के आसा म रिहिन, पर अब येकर उल्टा हो गीस अऊ यहूदीमन
ओ बईरीमन ऊपर भारी पड़िन, जेमन ओमन ले घिन करत रिहिन।
2 यहूदी मनखेमन राजा छ्यर्स के जम्मो राजमन के अपन-अपन सहर म जूरिन, ताकि ओमन ओ मनखेमन
ऊपर हमला करंय, जेमन यहूदीमन ला नास करे के ठाने रिहिन। कोनो मनखे यहूदीमन के सामना नइं कर
सकिन, काबरकि आने जम्मो जाति के मनखेमन म यहूदीमन के डर हमा गे रिहिस।
3 अऊ राजमन के जम्मो परभावसाली मनखेमन, हाकिममन, राजपालमन अऊ राजा के अधिकारीमन
यहूदीमन के मदद करिन, काबरकि ओमन म मोरदकै के डर हमा गे रिहिस।
4 मोरदकै ह महल म एक बड़े मनखे हो गीस; ओकर नांव ह जम्मो राजमन म फईल गीस, अऊ ओह अऊ
सक्तिसाली होवत गीस।
5 यहूदीमन अपन जम्मो बईरीमन ऊपर तलवार चलाके मार डारिन अऊ ओमन ला नास कर दीन, अऊ
ओमन अपन घिन करइयामन ऊपर अपन मन मुताबिक बरताव करिन।
6 सूसनगढ़ के किला म, यहूदीमन पांच सौ मनखे ला मारके नास कर दीन।
7 ओमन परसनदाता, दलपोन, असपाता,
8 पोराता, अदलया, अरीदाता,
9 परमसता, अरीसै, अरीदै अऊ वैजाता ला घलो मार डारिन;
10 ये दस झन हम्मदाता के बेटा हामान के बेटा रिहिन, जऊन ह यहूदीमन के बईरी रिहिस। पर यहूदीमन
ओमन के संपत्ति ला नइं लूटिन।
11 ओ दिन सूसनगढ़ के किला म जतेक झन मारे गीन, ओमन के संखिया ला ओहीच दिन राजा ला बता दिये
गीस।
12 तब राजा ह एस्तर रानी ला कहिस, "यहूदीमन सूसनगढ़ के किला म पांच सौ मनखे अऊ हामान के दसों
बेटामन ला मारके नास कर दे हवंय। राजा के बाकि राजमन म, ओमन न जाने का-का करे हवंय? अब तोर अऊ
का निबेदन हे? ओला घलो पूरा करे जाही। तेंह अऊ का मांगत हस? ओ घलो तोला दिये जाही।"
13 एस्तर ह जबाब दीस, "यदि राजा ला ये बात बने लगय, त सूसनगढ़ म यहूदीमन ला अनुमति दिये जावय
कि ओमन आज के राजा के हुकूम ला कल घलो करंय, अऊ हामान के दसों बेटामन ला खंभामन म टांग दिये
जावय।"

14 राजा ह हुकूम दीस कि अइसने करे जावय। सूसनगढ़ म राजा के ये हुकूम दिये गीस, अऊ ओमन हामान के
दसों बेटा ला खंभामन म टांग दीन।
15 सूसनगढ़ म यहूदीमन अदार महिना के चौदहवां दिन जूरिन, अऊ ओमन सूसनगढ़ म तीन सौ मनखे ला
मार डारिन, पर यहूदीमन ओमन के संपत्ति ला नइं लूटिन।

16 इही बीच म, राजा के राजमन के बाकि यहूदीमन घलो जूरिन, ताकि ओमन अपनआप ला बचा सकंय अऊ
अपन बईरीमन के सतावा ले छुटकारा पा सकंय। ओमन अपन बईरीमन म ले पचहत्तर हजार मनखेमन ला मार
डारिन, पर ओमन ओमन के संपत्ति ला नइं लूटिन।
17 ये काम ला अदार महिना के तेरहवां दिन म करे गीस, अऊ चौदहवां दिन, ओमन अराम करिन अऊ ओ
दिन ओमन जेवनार करिन अऊ आनंद मनाईन।
18 पर सूसनगढ़ के यहूदीमन अदार महिना के तेरहवां अऊ चौदहवां दिन जूरिन, अऊ तब पंदरहवां दिन,
ओमन अराम करिन अऊ ओ दिन ओमन जेवनार करिन अऊ आनंद मनाईन।
19 येकरे कारन देहात के यहूदी—जऊन मन गांव म रहिथें, ओमन अदार के महिना के चौदहवां दिन ला
आनंद अऊ जेवनार के दिन के रूप म अऊ एक-दूसर ला उपहार देय के दिन के रूप म मनाथें।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

20 ये घटनामन ला मोरदकै ह लिखिस, अऊ ओह राजा छयर्स के जम्मो राजमन म, लकठा अऊ दूरिहा म
रहइया जम्मो यहूदीमन करा चिट्ठी भेजिस,
21 ताकि ओमन हर साल अदार महिना के चौदहवां अऊ पंदरहवां दिन उत्सव मनावंय,
22 काबरकि येह ओ समय रिहिस, जब यहूदीमन अपन बईरीमन ले छुटकारा पाईन, अऊ ये ओ महिना
रिहिस, जब ओमन के दुख ह आनंद म अऊ ओमन के सोक ह उत्सव म बदल गे रिहिस। ओह ओमन ला लिखिस
कि ओमन ओ दिनमन ला जेवनार अऊ आनंद अऊ एक-दूसर करा जेवन के उपहार भेजई अऊ गरीबमन ला
ईनाम देवई के दिन के रूप म मानंय।
23 तब यहूदीमन मोरदकै के लिखे चिट्ठी के मुताबिक हर साल ओ उत्सव ला मनाय बर सहमत हो गीन, जेला
कि ओमन ओ साल सुरू करे रिहिन।
24 काबरकि हम्मदाता अगागी के बेटा हामान, जऊन ह जम्मो यहूदीमन के बईरी रिहिस, ओह यहूदीमन ला
नास करे के उपाय रचे रिहिस अऊ ओमन के बरबादी अऊ बिनास बर [illegible] (चिट्ठी) डाले रिहिस।
25 पर जब ये साजिस के बारे म राजा ला बताय गीस, त ओह लिखित म ये हुकूम दीस कि जऊन दुस्ट योजना
हामान ह यहूदीमन के बिरोध म बनाय हवय, ओ योजना ला ओकर ही ऊपर पूरा करे जावय, अऊ ओला अऊ
ओकर बेटामन ला खंभा म टांग दिये जावय।
26 (एकरसेति ये दिनमन ला [illegible] सबद के कारन पुरीम कहे गीस।) ये चिट्ठी म लिखे जम्मो बात के कारन
अऊ जऊन कुछू यहूदीमन देखे रिहिन अऊ जऊन कुछू ओमन ऊपर होय रिहिस, ये जम्मो के कारन,
27 यहूदीमन अपन बर एक रिवाज बनाईन कि ओमन अऊ ओमन के संतानमन अऊ ओ जम्मो, जेमन ओमन
के संग मिल गे हवंय, ये जम्मो के जम्मो हर साल ये दू दिन बिगर भूले उत्सव मनावंय अऊ ये उत्सव चिट्ठी म
लिखे बात के मुताबिक ठहिराय गे समय म ही मनाय जावय।
28 ये दिनमन ला हर पीढ़ी म हर एक परिवार के दुवारा मनाय जावय, अऊ येला हर राज अऊ हर सहर म
मनाय जावय। अऊ पुरीम के ये दिनमन ला यहूदीमन के दुवारा बिगर कभू भूले मनाय जावय—अऊ न ही
ओमन के संतानमन ये दिनमन ला कभू भूलंय।

29 त फेर अबीहैल के बेटी एस्तर रानी, मोरदकै यहूदी के संग पूरा अधिकार से मजबूत करे बर पुरीम के बारे म
ये दूसर चिट्ठी लिखिस।
30 अऊ मोरदकै ह छयर्स राजा के 127 राज के जम्मो यहूदीमन ला सद्भावना अऊ भरोसा के चिट्ठी लिख
भेजिस,

31 ताकि ओमन मोरदकै यहूदी अऊ एस्तर रानी के दिये हुकूम के मुताबिक पुरीम के ये दिनमन ला अपन
ठहिराय गे समय म मानंय, अऊ जइसने कि ओमन अपन अऊ अपन संतानमन बर उपास अऊ सोक के समय
ठहिराय रिहिन।
32 एस्तर के हुकूम ह पुरीम के बारे म ये नियममन ला मजबूत करिस, अऊ येला किताब म लिखके रखे गीस।

10

[illegible]

1 राजा छयर्स ह पूरा देस म अऊ येकर दूरिहा के समुंदर तीर तक राजकर लगाईस।
2 अऊ ओकर सक्ति अऊ पराकरम के जम्मो काम अऊ मोरदकै के महानता के पूरा लेखा-जोखा, जेला राजा
ह ऊपर उठाय रिहिस, ओ जम्मो बात मादै अऊ फारस के राजामन के इतिहास के किताब म लिखे गे हवय।
3 मोरदकै यहूदी के पद ह छयर्स राजा के बाद दूसरा रिहिस; यहूदीमन के बीच म ओह सबले उत्तम रिहिस,
अऊ ओकर बहुंते यहूदी संगीमन ओकर बहुंत आदर करंय, काबरकि ओह अपन मनखेमन के भलई बर काम करय
अऊ जम्मो यहूदीमन के सुख-सांति बर गोठियावय।

अयूब
के किताब

[illegible]

1 ऊज नांव के देस म अयूब नांव के एक झन मनखे रिहिस। ओह निरदोस अऊ ईमानदार रिहिस; ओह
परमेसर के भय मानय अऊ बुरई ले दूरिहा रहय।
2 ओकर सात झन बेटा अऊ तीन झन बेटी रिहिन,
3 अऊ ओकर करा सात हजार भेड़, तीन हजार ऊंट, पांच सौ जोड़ी बईला, पांच सौ गदही, अऊ बहुंत अकन
नौकर-चाकर रिहिन। पूरब देस के मनखेमन के बीच म, ओह सबले धनवान मनखे रिहिस।
4 ओकर बेटामन अपन जनम दिन म अपन घर म एक-दूसर ला बलाके भोज के आयोजन करंय, अऊ ओमन
अपन तीनों बहिनीमन ला घलो अपन संग खाय-पीये बर नेवता देवंय।
5 जब भी भोज खाय के दिन ह बीत जावय, त अयूब ह ओमन ला सुध करे के परबंध करय। बड़े बिहनियां,
ओह ओमन के हर एक झन बर ये सोचके होम-बलिदान करय, "सायद मोर लइकामन पाप करे होहीं अऊ अपन
मन म परमेसर के बिरोध म काम करे होहीं।" अयूब ह हमेसा अइसने करय।
6 एक दिन स्वरगदूतमन* यहोवा करा आईन, अऊ सैतान† ह घलो ओमन के संग म आईस।
7 यहोवा ह सैतान ले पुछिस, "तें कहां ले आवत हस?"
सैतान ह यहोवा ला जबाब दीस, "जम्मो धरती म एती-ओती घुमत-फिरत आय हवंव।"
8 तब यहोवा ह सैतान ला कहिस, "का तेंह मोर सेवक, अयूब कोति धियान देय हवस? धरती म ओकर सहीं
कोनो नइं ए; ओह बिगर दोस के अऊ ईमानदार मनखे अय; ओह परमेसर के भय मानथे अऊ बुरई ले दूरिहा
रहिथे।"
9 सैतान ह यहोवा ला जबाब दीस, "का अयूब ह बिगर कोनो कारन के परमेसर के भय मानथे?
10 का तेंह ओकर अऊ ओकर घर-परिवार अऊ ओकर जम्मो जिनिस के चारों कोति अपन सुरकछा के बाड़ा
बांधके नइं रखे हस? तेंह ओकर काम म आसीस देय हवस, जेकर ले ओकर पसुमन के संखिया जम्मो देस म बढ़
गे हवय।
11 पर अब अपन हांथ ला बढ़ाके ओकर जम्मो जिनिस ला मार, अऊ ओह तोर मुहूं म तोर निन्दा करही।"
12 यहोवा ह सैतान ला कहिस, "ठीक हे! जऊन कुछू ओकर करा हवय, ओ जम्मो के अधिकार ला मेंह तोर
हांथ म देवत हंव, पर अयूब के ऊपर तें अपन हांथ झन लगाबे।"
तब सैतान ह यहोवा के आघू ले चल दीस।
13 एक दिन जब अयूब के बेटा-बेटीमन अपन बड़े भईया के घर म खावत रिहिन अऊ अंगूर के मंद पीयत
रिहिन,
14 तब एक संदेसिया ह अयूब करा आके कहिस, "हमर बईलामन खेत जोतत रिहिन अऊ गदहीमन लकठा म
चरत रिहिन
15 कि सबा के मनखेमन हमर ऊपर चढ़ई कर दीन अऊ पसुमन ला ले गीन। ओमन सेवकमन ला तलवार ले
मार डारिन अऊ मेंह एके झन बांचके तोला बताय बर आय हवंव!"
16 अभी ओह अइसने कहितेच रिहिस कि दूसरा संदेसिया ह आके कहिस, "परमेसर के आगी अकास ले
गिरिस अऊ ओकर ले भेड़मन अऊ चरवाहामन जरके भसम हो गीन अऊ मेंह एके झन बांचके तोला बताय बर
आय हवंव!"
17 ओह अभी अइसने कहितेच रिहिस कि एक झन अऊ संदेसिया आके कहे लगिस, "कसदी के मनखेमन तीन
दल बनाके आईन अऊ ऊंटमन ऊपर चढ़ई करके ओमन ला ले गीन अऊ ओमन सेवकमन ला तलवार ले मार
डारिन। मेंह एके झन बांचके तोला बताय बर आय हवंव!"

---

* **1:6** इबरानी म [illegible] † **1:6** इबरानी म [illegible] के मतलब होथे [illegible] या [illegible]

18 ओह अभी अइसने कहितेच रिहिस कि एक आने संदेसिया आके कहिस, “तोर बेटा-बेटीमन अपन बड़े
भईया के घर म खावत रिहिन अऊ अंगूर के मंद पीयत रिहिन
19 कि अचानक सुनसान जगह ले एक भयंकर आंधी आईस अऊ घर के चारों कोनटा ला अइसन मारिस कि
घर ह ओमन ऊपर गिर पड़िस अऊ ओमन मर गीन। मेंहीच ह एके झन बांचके तोला बताय बर आय हवंव!”
20 ये सुनके अयूब ह ठाढ़ होईस अऊ दुख म अपन ओनहा ला चीरिस अऊ मुड़ ला मुड़ाईस। तब ओह
परमेसर के भक्ति म भुइयां म गिरके दंडवत करिस
21 अऊ कहिस:
“नंगरा मेंह अपन दाई के कोख ले आय रहेंव,
अऊ नंगरा मेंह वापिस चले जाहूं।
यहोवा ह दीस अऊ यहोवा ह ले लीस;
यहोवा के नांव के परसंसा होवय।”
22 ये जम्मो बात म, अयूब ह न तो पाप करिस अऊ न ही परमेसर ऊपर अनियाय करे के दोस लगाईस।

2

1 फेर एक आने दिन स्वरगदूतमन* यहोवा करा आईन, अऊ सैतान घलो ओमन के संग म यहोवा करा आईस।
2 तब यहोवा ह सैतान ला पुछिस, “तें कहां ले आवत हस?”
सैतान ह यहोवा ला जबाब दीस, “जम्मो धरती म एती-ओती घुमत-फिरत आय हवंव।”
3 तब यहोवा ह सैतान ला कहिस, “का तेंह मोर दास अयूब के ऊपर धियान देय हवस? धरती म ओकर सहीं
कोनो नइं ए; ओह बिगर दोस के अऊ ईमानदार मनखे अय अऊ ओह परमेसर के भय आदर के साथ मानथे अऊ
बुरई ले दूरिहा रहिथे। हालाकि तेंह ओला बिगर कोनो कारन के नास करे बर मोला ओकर बिरोध म उकसाय
हस, तभो ले ओह अब तक ईमानदार बने हवय।”
4 सैतान ह जबाब दीस, “खाल के बलदा म खाल! परान के बलदा म मनखे ह अपन जम्मो कुछू ला दे देथे।
5 पर अब तेंह अपन हांथ बढ़ाके ओकर मांस अऊ हाड़ामन ला मार, अऊ ओह खचित तोर मुहूं म तोर निन्दा
करही।”
6 यहोवा ह सैतान ला कहिस, “ठीक हे, अब ओह तोर अधिकार म हवय, पर तें ओकर परान ला सुरकछित
रहन देबे।”
7 तब सैतान ह यहोवा करा ले चल दीस अऊ ओह अयूब के पांव के तरी ले लेके मुड़ के टीप तक पीरा देवइया
फोड़ा निकालके दुख दीस।
8 तब अयूब ह माटी के घघरी के एक ठन टुकड़ा लीस अऊ राख म बईठके ओ टुकड़ा ले अपनआप ला
खुजीयाय लगिस।
9 तब ओकर घरवाली ह ओला कहिस, “का तेंह अभी घलो अपन ईमानदारी ला धरे हस? परमेसर के निन्दा
कर अऊ मर जा!”
10 अयूब ह ओला जबाब दीस, “तेंह मुरूख माईलोगन सहीं गोठियावत हस। का हमन परमेसर ले सिरिप बने
चीजमन ला लेवन, अऊ समस्या ला नइं लेवन?”
ये जम्मो बात म, अयूब ह अपन गोठ के दुवारा कोनो पाप नइं करिस।

11 जब अयूब के तीन झन संगी तेमानी के रहइया एलीपज, सूही के रहइया बिलदद अऊ नामाती के रहइया
सोपर, अयूब के ऊपर आय ओ जम्मो समस्या के बारे म सुनिन, त ओमन अपन-अपन घर ले निकलिन अऊ एक
संग मिलके ये निरनय करिन कि हमन ओकर करा जाके ओला सहानुभूति अऊ सांतवना देबो।
12 जब ओमन थोरकन दूरिहा ले ओला देखिन, त ओला नइं चिन सकिन; ओमन चिचिया-चिचियाके रोय
लगिन, अऊ अपन दुख परगट करके ओनहा ला चीरिन अऊ ऊपर कोति धुर्रा उड़ियाके अपन-अपन मुड़ म डारे
लगिन।

---

* **2:1** इबरानी म [illegible]

13 तब ओमन सात दिन अऊ सात रात ले ओकर संग भुइयां म बईठिन। कोनो अयूब ला एक सबद घलो नइं
कहिन, काबरकि ओमन देखिन कि ओह अब्बड़ पीरा म रहय।

3

[illegible]

1 एकर बाद, अयूब ह अपन मुहूं खोलके अपन जनम दिन ला धिक्कारे लगिस।
2 ओह कहिस:
3 "नास हो जावय ओ दिन, जऊन दिन मोर जनम होईस,
अऊ ओ रात घलो जेह कहिस, 'पेट म बाबू हवय!'
4 ओ दिन ह अंधियार हो जावय;
परमेसर ह ऊपर ले ओकर सुधि झन लेवय;
ओकर ऊपर अंजोर झन होवय।
5 दुख अऊ मिरतू के छइहां ह ओ दिन के ऊपर अधिकार करय;
बादर ह ओकर ऊपर छाय रहय;
दिन के अंधियार ह ओला डरावय।
6 ओ रथिया ला घोर अंधियार ह जकड़ डारय,
बछर के दिनमन म ओ दिन ला सामिल झन करे जावय
अऊ कोनो महिना म ओ दिन के गनती झन होवय।
7 ओ रथिया ह ठड़गी हो जावय;
ओमा कोनो आनंद के धुन झन सुनई देवय।
8 जऊन मन दिनमन ला धिक्कारथें, ओमन ओ दिन ला धिक्कारंय,
जऊन मन लिबयातान* ला उत्तेजित करे बर तियार हवंय।
9 ओकर बिहनियां के तारामन अंधियार हो जावंय;
ओह दिन के अंजोर बर तरसय अऊ ओ अंजोर ह झन आवय
अऊ ओह बिहनियां के पहिली किरन ला झन देखे पावय,
10 काबरकि ओ दिन ह मोर दाई के कोख ला मोर बर बंद नइं करिस
कि मोर आंखीमन समस्या ला झन देखंय।

11 "जनम के बेरा ही मेंह काबर नास नइं हो गेंव,
अऊ गरभ ले निकलते ही मेंह काबर नइं मर गेंव?
12 मोला थामे बर उहां माड़ीमन काबर रिहिन
अऊ मोला दूध पीयाय बर ओ थनमन काबर रिहिन?
13 कहूं अइसने नइं होतिस, त मेंह सांति म चुपेचाप पड़े रहितेंव;
अऊ गहरी नींद म सुते अराम करतेंव,
14 मेंह धरती के ओ राजामन अऊ सासन करइयामन संग होतेंव
जऊन मन अपन बर ओ जगहमन ला बनाईन, जऊन मन अब खंडहर हो गे हवंय,
15 या ओ राजकुमारमन संग होतेंव, जेमन करा सोन रिहिस,
अऊ जऊन मन अपन घरमन ला चांदी ले भर ले रिहिन।
16 या बिगर समय के गिरे गरभ के लइका सहीं मोला भुइयां म काबर तोपे नइं गीस,
याने ओ लइका जऊन ह कभू दिन के अंजोर ला नइं देखिस?
17 उहां दुस्ट मनखे के दुख देवई ह खतम हो जाथे,
अऊ उहां थके-मांदे मनखेमन बिसराम पाथें।
18 उहां बंधक बनाय गे मनखेमन घलो अपन सुख के आनंद उठाथें;
ओमन ला बेगारी करवइयामन के ललकार ह सुनई नइं देवय।

---

* **3:8** *[illegible]* इहां येकर मतलब होथे एक पौरानिक पसु जऊन ह समुंदर म रहिथे अऊ जेकर उपयोग बिनास लाय बर करे जाथे; येह एक *"[illegible]"* एक *"[illegible]"* या *"[illegible]"* ए

19 उहां छोटे-बड़े जम्मो झन रहिथें,
अऊ गुलाममन अपन मालिक ले सुतंतर रहिथें।

20 "ओमन ला अंजोर काबर दिये जाथे, जऊन मन दुख म हवंय,
अऊ ओमन ला जिनगी काबर दिये जाथे, जऊन मन उदास हवंय?
21 जऊन मन मऊत के कामना करथें, पर मऊत ओमन ला आवय नइं,
जऊन मन गड़े खजाना ले घलो जादा मऊत के खोज करथें,
22 जऊन मन कि खुसी अऊ आनंद ले भरे रहिथें,
जब ओमन कबर म हबरथें?
23 ओ मनखे ला जिनगी काबर दिये जाथे
जेकर अगम के रद्दा ह लुकाय हवय,
जेकर चारों कोति परमेसर ह घेरा बांधे हवय?
24 काबरकि आह भरई ह हर दिन के मोर जेवन हो गे हवय;
मोर रोवई ह पानी के धारा कस बोहावत रहिथे।
25 जऊन बात ले मेंह डरावत रहेंव, ओही ह मोर ऊपर आ गे हवय;
जऊन बात के मोला भय रिहिस, ओही ह मोर संग घटे हवय।
26 मोला न तो सुख, न ही सांति हवय;
न ही मोला अराम मिलत हवय, पर सिरिप दुख ही दुख मोर ऊपर आ गे हवय।"

4

[illegible]
1 तब तेमान के रहइया एलीपज ह कहिस:
2 "कहूं कोनो तोर ले दू सबद कहय, त का तेंह तमक जाबे?
पर कहे बिना कोन रह सकत हे?
3 सोच, तेंह कतेक झन ला सिकछा दे हवस,
अऊ तेंह कइसने दुरबलमन ला बलवान करे हवस।
4 तोर बचन ह ओमन ला सहारा देय हवय, जऊन मन लड़खड़ावत रिहिन;
तेंह लड़खड़ावत माड़ीमन ला बलवान करे हस।
5 फेर अब दुख ह तोर ऊपर आवत हे, अऊ तेंह निरास होवत हस;
ओह तोर ऊपर आईस अऊ तेंह डरा गे।
6 का परमेसर के भक्ति ही तोर भरोसा
अऊ तोर निरदोस जिनगी ह तोर आसा नइं होना चाही?

7 "बिचार कर: कोन ह निरदोस होके कभू नास होय हवय?
कोनो मेर कोनो धरमी मनखे ह नास होय हवय?
8 जइसने कि मेंह देखे हंव, जऊन मन बुरई ला जोतथें
अऊ दुख ला बोथें, ओमन उही ला लूहीं।
9 परमेसर के सांस ले ही ओमन नास हो जाथें;
अऊ ओकर रिस के झोंका ले ओमन खतम हो जाथें।
10 सेरमन गरजथें अऊ गुर्राथें,
तभो ले जवान सेरमन के दांत टोरे जाथे।
11 सिकार के कमी के कारन सेर ह मर जाथे,
अऊ सेरनी के पीलामन एती-ओती बगर जाथें।

12 "एक ठन गोठ मोला गुपत म बताय गीस,
मेंह येकर कानाफूसी ला सुनेंव।

13 रथिया बियाकुल करइया सपनामन के बीच म,
जब मनखेमन गहिरा नींद म रहिथें,
14 तभे डर अऊ कंपकपी ह मोर म हमा गीस
अऊ मोर जम्मो हाड़ामन कांपे लगिन।
15 एक आतमा ह मोर चेहरा के सामने ले होके गीस,
अऊ मोर देहें के रूआंमन ठाढ़ हो गीन।
16 ओह रूक गीस,
पर मेंह नइं बता सकेंव कि ओह का रिहिस।
मोर आंखी के आघू म एक ठन रूप ठाढ़े रिहिस,
अऊ मेंह एक सांत अवाज सुनेंव:
17 'का नासमान मनखे ह परमेसर ले जादा धरमी हो सकथे?
का एक बलवान मनखे अपन सिरजनहार ले जादा सुध हो सकथे?
18 कहूं परमेसर ह अपन सेवकमन ऊपर भरोसा नइं करय,
अऊ ओह अपन स्वरगदूतमन ला दोसी ठहिराथे,
19 त फेर ओमन के का होही, जऊन मन माटी के घरमन म रहिथें,
जेमन के नीवमन धुर्रा म हवंय,
जऊन मन पतंगा के सहीं पीस जाथें!
20 बिहान अऊ संझा के बीच म ओमन ला कुटा-कुटा करे जाथे;
बिगर काकरो जाने, ओमन सदाकाल बर नास हो जाथें।
21 का ओमन के जिनगी के डेरा के डोरीमन ला नइं खींच दिये जावय,
जेकर ले ओमन बिगर बुद्धि के मर जाथें?'

5

1 "यदि तोर ईछा हवय, त पुकार, पर तोला कोन जबाब दीही?
पबितर जन म ले तेंह काकर कोति सहायता बर लहुंटबे?
2 तमकई ह तो मुरूख मनखे ला मार डारथे,
अऊ जलन ह सीधवा मनखे ला मार डारथे।
3 मेंह खुद मुरूख मनखे ला बढ़त देखे हंव,
पर अचानक ओकर घर ह सरापित हो गीस।
4 ओकर लइकामन सुरकछित नइं एं,
ओमन अदालत म कुचरे जाथें, अऊ ओमन के बचाव करइया कोनो नइं ए।
5 भूखहा मनखेमन ओकर फसल ला खा जाथें,
इहां तक कि ओमन कांटा-खूंटी के बीच ले घलो फसल ला ले लेथें,
अऊ पीयासा मनखेमन ओकर धन ला हड़प लेथें।
6 काबरकि बिपत्ति ह माटी ले नइं उपजय,
अऊ न ही समस्या ह भुइयां म ले उगय।
7 जइसे चिंगारीमन ऊपर कोति ही उड़थें,
वइसे ही मनखे ह दुख भोगे बर जनमे हवय।

8 "पर यदि मेंह तोर स्थिति म होतेंव, त में परमेसर ले पराथना करतेंव;
में अपन बात ओकर आघू म रखतेंव।
9 ओह अद्भूत काम करथे, जेला समझे नइं जा सकय
अऊ ओह चमतकार करथे, जेला गने नइं जा सकय।
10 ओह धरती म बारिस करथे;
ओह खेतमन म पानी पठोथे।

11 छोटे मनखेमन ला ओह ऊंचहा जगह म बईठारथे,
अऊ सोक करइया मनखेमन ला ओह सुरकछा देथे।
12 ओह चतुरामन के योजना ला बिफल कर देथे,
जेकर ले ओमन ला सफलता नइं मिलय।
13 ओह बुद्धिमानमन ला ओहीचमन के चतुरई म फंसो देथे,
अऊ चलाकमन के योजना ह बिफल हो जाथे।
14 दिन म ही ओमन के ऊपर अंधियार छा जाथे;
मंझन के बेरा ओमन रथिया कस टमड़े लगथें।
15 ओह जरूरतमंद मनखेमन ला ओमन के बोली के चोखा तलवार ले बचाथे;
ओह ओमन ला बलवानमन के हांथ ले बचाथे।
16 एकरसेति गरीबमन ला आसा होथे,
अऊ अनियायीमन अपन मुहूं बंद रखथें।

17 "धइन अय ओ मनखे, जऊन ला परमेसर ह सुधारथे;
एकरसेति सर्वसक्तिमान के ताड़ना ला तुछ झन जान।
18 काबरकि ओह चोट पहुंचाथे, पर ओहीच ह पट्टी घलो बांधथे;
ओह घायल करथे, पर ओकर हांथमन घायल ला बने घलो करथें।
19 छै बिपत्तिमन ले ओह तोला छोंड़ाही;
सातवां म घलो तोर कुछू हानि नइं होही।
20 दुकाल म ओह तोला मिरतू ले,
अऊ लड़ई म तलवार के वार ले बचाही।
21 तेंह जीभ ले निकले बचन के मार ले बचाय जाबे,
अऊ जब बिनास ह तोर ऊपर आवय, त तोला डरे के जरूरत नइं ए।
22 तेंह बिनास अऊ दुकाल के बेरा म हंसबे,
अऊ जंगली पसुमन ले तोला डर नइं होही।
23 काबरकि मैदान के पथरामन संग तोर एक करार होही,
अऊ जंगली पसुमन तोर मितान सहीं होहीं।
24 तेंह जानबे कि तोर डेरा ह कुसल हवय;
तेंह अपन संपत्ति के जांच करबे अऊ तोर कुछू चीज गंवाय नइं रहिही।
25 तेंह ये घलो जानबे कि तोर लइकामन अब्बड़ होहीं,
अऊ तोर संतानमन भुइयां के कांदी सहीं बहुंत होहीं।
26 जइसे कि समय म बीड़ा ला खरही गांजे जाथे,
वइसे ही तेंह तोर पूरा उमर होय के बाद ही मरबे।

27 "हमन येला परखके देख डारे हन, अऊ येह सच अय।
एकरसेति येला सुन, अऊ येला अपन जिनगी म लागू कर।"

6

????
1 तब अयूब ह कहिस:
2 "यदि मोर पीरा ला तऊले जातिस
अऊ मोर दुरगति ला तराजू म मढ़ाय जातिस!
3 त खचित येह समुंदर के बालू ले जादा भारी होतिस—
कोनो अचम्भो के बात नो हय कि मेंह अपन गोठ म उतावला हो गे हंव।
4 सर्वसक्तिमान परमेसर के बानमन मोला बेधे हवंय,

मोर आतमा ह ओमन के जहर ला पीयथे;
परमेसर के आतंक ह मोर बिरोध म ठाढ़े हवय।
5 का जंगली गदहा ह रेंकथे, जब ओकर करा खाय बर कांदी रहिथे,
या का बईला ह नरियाथे, जब ओकर करा चारा रहिथे?
6 का बिगर सुवादवाले जेवन ला बिगर नून के खाय जाथे,
या दवाई के पऊधा के रस म कोनो सुवाद होथे?
7 मेंह येला छुये बर घलो नइं चाहंव;
अइसने जेवन ह मोला बिमरहा कस घिन लगथे।

8 "बने होतिस, कि मोर बिनती ह सुने जातिस,
अऊ जऊन बात के मेंह आसा करथंव, परमेसर ह ओला पूरा करतिस,
9 कि परमेसर ह मोला कुचर डारे के ईच्छा करतिस,
अऊ ओह अपन हांथ ला बढ़ाके मोर परान ला ले लेतिस!
10 तब मोला ये बात म ढाढ़स होतिस—
अब्बड़ पीरा म मोला आनंद होतिस—
कि मेंह ओ पबितर परमेसर के बचन ला इनकार नइं करेंव।

11 "मोर म बल ही कहां हवय कि में अब भी आसा करंव?
मोर सोच-बिचार ही का अय कि में धीरज धरंव?
12 का मोर बल पथरा कस हवय?
का मोर देहें ह कांसा कस हवय?
13 का मोर करा अपनआप के मदद करे बर कोनो सक्ति हवय?
का सफलता ह मोर ले दूरिहा नइं हो गे हवय?

14 "जऊन ह अपन संगी ऊपर दया नइं करय,
ओह सर्वसक्तिमान के भय मानना छोंड़ देथे।
15 पर मोर भाईमन समय-समय म बोहावत ओ नरवामन कस दगाबाज अंय,
जऊन मन छलकत बहथें
16 जब पिघलत बरफ के दुवारा मतलहा हो जाथें
अऊ टघले बरफ ह ओमा मिल जाथे।
17 पर सूखा समय म ओमन के बहना बंद हो जाथे,
अऊ गरमी म ओमन अपन जगह ले गायब हो जाथें।
18 यातरा करइया दलमन अपन रसता ले भटक जाथें;
ओमन भटकके सुनसान जगह म चल देथें अऊ नास हो जाथें।
19 तेमा* के यातरा करइया दलमन पानी खोजथें,
सेबा नांव के जगह के यातरा करइया बेपारीमन ओकर आसा करत रहिथें।
20 ओमन ला निरासा होथे, काबरकि ओमन भरोसा रखे रिहिन;
ओमन उहां हबरिन, त ओमन ला निरासा होईस।
21 वइसने तुमन घलो साबित कर दे हव कि तुमन मोर कोनो मदद नइं कर सकव;
तुमन मोर बिपत्ति ला देखके डरा गे हवव।
22 का मेंह कभू कहेंव, 'मोर कोति ले कुछू देवव,
अपन संपत्ति म ले मोर बर एक छुड़ौती दव,
23 बईरी के हांथ ले मोला बचा लेवव,
निरदयी के पकड़ ले मोला छोंड़ावव?'

* **6:19** संभवत: अकाबा के खाड़ी के दक्खिन-पूरब म एक मरू-उदयान; देखव यसा 21:14 अऊ यर 25:23

24 “मोला सिखावव अऊ मेंह चुपेचाप रहिहूं;
मोला बतावव कि मेंह का गलती करे हंव।
25 खर्रा बोली ह कतेक पीरा देवइया होथे!
पर तुमन के बहस ह का साबित करथे?
26 का तुमन मोर कहे गोठ ला सुधारे चाहत हव,
अऊ मोर निरासा के गोठमन ला हवा के सहीं समझत हव?
27 तुमन तो अनाथमन ला गुलाम बनाय बर परची निकालहू,
अऊ अपन संगी ला घलो दाम लेके बदल डारहू।

28 “पर अब किरपा करके मोर कोति देखव।
का मेंह तुम्हर आघू म लबारी मारहूं?
29 नरम बनव, अनियायी झन होवव;
फेर बिचार करव, काबरकि मोर ईमानदारी ह संकट म हवय।
30 का मोर गोठ म कोनो बुरई के बात हवय?
का मेंह खराप भावना ला नइं चिन सकंव?

7

1 “का मनखेमन ला धरती म कठिन मेहनत नइं करे बर परय?
का ओमन के दिन ह बनी करइया बनिहार कस नइं होवय?
2 जइसने एक गुलाम ह संझा के छइहां के ईछा करथे,
या एक बनिहार ह अपन बनी के आसा म रहिथे,
3 वइसने ही मोला बेकार के महिनामन ला देय गे हवय,
अऊ मोर बर दुख भरे रथियामन ला ठहिराय गे हवय।
4 जब मेंह ढलंगथंव, त मेंह सोचथंव, ‘मेंह कब उठहूं?’
रथिया ह लाम होथे, अऊ मेंह बिहनियां होवत ले छटपटावत रहिथंव।
5 मोर देहें म कीरा अऊ घाव ह माटी के परत ले ढंकाय हवय,
मोर चमड़ी ह फट गे हवय अऊ घाव ह पाक गे हवय।

6 “मोर दिनमन कोसटा के ढरकी ले घलो जादा तेज चलत हवंय,
अऊ येमन बिगर कोनो आसा के बीत जाथें।
7 सुरता कर, हे परमेसर, मोर जिनगी ह सिरिप एक सांस अय;
मोर आंखीमन फेर कभू खुसी नइं देखहीं।
8 जऊन ह अभी मोला देखत हवय, ओकर आंखी ह मोला फेर नइं देखही;
तेंह मोला खोजबे, पर मेंह नइं मिलहूं।
9 जइसने बादर ह छरियाके गायब हो जाथे,
वइसने ही जऊन ला कबर म माटी दे दिये जाथे, ओह लहुंटके नइं आवय।
10 ओह अपन घर म फेर कभू नइं आही;
ओकर जगह ह ओला फेर कभू नइं चिनही।

11 “एकरसेति मेंह चुप नइं रहंव;
मेंह अपन आतमा के दुख म होके गोठियाहूं,
मेंह अपन जिनगी के करूवाहट म होके सिकायत करहूं।
12 का मेंह समुंदर अंव, या गहिरा पानी के बिकराल जन्तु,
कि तें मोला पहरेदारी म रखबे?
13 जब मेंह सोचथंव, मोर खटिया म मोला सांति मिलही

अऊ बिछौना म मोला मोर पीरा ले हरू लगही,
14 तब घलो तें मोला सपना म डरवाथस
अऊ दरसन देखाके मोला भयभीत करथस,
15 एकरसेति मोर गला घोंटे जावय अऊ मोला मिरतू मिलय,
एकर बदले कि मेंह ये देहें म बने रहंव।
16 मोला अपन जिनगी ले घिन आवथे; मेंह हमेसा जीयत नइं रहंव।
मोला अकेला छोंड़ दे; मोर जिनगी के दिनमन के कोनो मतलब नइं ए।

17 "मनखे ह का ए कि तेंह ओला बहुंत महत्व देथस,
अऊ तेंह ओकर ऊपर बहुंत धियान देथस,
18 अऊ तेंह रोज बिहनियां ओकर जांच करथस
अऊ छिन-छिन म ओला परखत रहिथस?
19 का तेंह कभू मोर देखभाल करई नइं छोंड़स,
या छिन भर के लागि घलो मोला अकेला नइं छोंड़स?
20 तेंह ओ अस, जऊन ह हमर हर एक काम ला देखत रहिथे,
अगर मेंह पाप करे हंव, त मेंह तोर का बिगाड़े हंव?
तेंह काबर मोला अपन निसाना बनाय हस?
का मेंह तोर बर बोझ बन गे हवंव?
21 तेंह काबर मोर अपराध
अऊ मोर पाप ला छेमा नइं करस?
काबरकि अब तो मेंह माटी म मिल जाहूं;
तेंह मोला खोजबे, फेर मोला नइं पाबे।"

8

?????

1 तब सूही के रहइया बिलदद ह जबाब दीस:
2 "तेंह कब तक अइसने बातमन ला कहत रहिबे?
तोर गोठमन गरजत गरेर सहीं अंय?
3 का परमेसर ह नियाय ला बिगाड़थे?
का सर्वसक्तिमान ह सही बात ला गलत कर देथे?
4 जब तोर लइकामन परमेसर के बिरूध पाप करिन,
त ओह ओमन ला ओमन के पाप के सजा दीस।
5 पर यदि तेंह ईमानदारी ले परमेसर ला सहायता बर खोजबे,
अऊ सर्वसक्तिमान ले बिनती करबे,
6 कहूं तेंह सुध अऊ धरमी अस,
त अभी घलो ओह तोर कोति ले ठाढ़ होही
अऊ तोला तोर पहिले के सम्पन्न दसा म ला दीही।
7 तोर सुरूआत ह छोटे जान पड़ही,
पर तोर भविस्य म बहुंत बढ़ती होही।

8 "पिछला पीढ़ी के मनखेमन ले पुछ
अऊ पता लगा कि ओमन के पुरखामन का सीखे रिहिन,
9 काबरकि हमन तो कल जनमे हन अऊ कुछू नइं जानन,
अऊ धरती म हमर दिन ह छइहां कस अय।
10 जऊन मन हमर ले पहिले आईन, का ओमन तोला नइं सिखाहीं अऊ नइं बताहीं?
का ओमन अपन समझ ले बात नइं करहीं?

11 जिहां दलदली भुइयां नइं ए, का उहां पपीरस पऊधा ह लम्बा बढ़ सकथे?
का पानी बिगर कछार के कांदी ह बढ़ सकथे?
12 ओमन बढ़ सकथें अऊ काटे घलो नइं गे रहंय,
पर ओमन कांदी ले घलो जल्दी सूख जाथें।
13 जऊन मन परमेसर ला बिसरा देथें, ओ जम्मो के हाल अइसने होथे;
अऊ अइसने भक्तिहीन मनखेमन के आसा ह टूट जाथे।
14 जेकर ऊपर ओमन भरोसा करथें, ओह कमजोर होथे;
अऊ जेला ओमन पतियाथें, ओह मेकरा के जाला सहीं अय।
15 ओमन जाला के ऊपर आसरा करथें, पर ओह टूट जाथे;
ओमन ओला थामथें, पर ओह थामे नइं रहय।
16 ओमन घाम म पानी पलोय गे पऊधा सहीं अंय,
जेकर डारामन बारी म चारों कोति बगरथें;
17 येह अपन जरीमन ला पथरा के कुढ़ा के चारों कोति लपेटथे
अऊ पथरामन के बीच म जगह खोजथे।
18 कहूं येला अपन जगह ले उखान दिये जाथे,
त ओ जगह ह ओकर इनकार करथे अऊ कहिथे, 'मेंह तोला कभू देखे घलो नइं अंव।'
19 खचित, इही ह येकर जिनगी के अन्त अय,
अऊ ओ माटी म ले आने पऊधामन जामथें।

20 "खचित, परमेसर ह निरदोस मनखे ला अस्वीकार नइं करय
या दुस्ट काम करइया मनखेमन के हांथ ला मजबूत नइं करय।
21 ओह अब भी तोर मुहूं ला हंसी ले
अऊ तोर ओंठमन ला आनंद के जयकार ले भर दीही।
22 तोर बईरीमन ला लज्जित करे जाही,
अऊ दुस्टमन के डेरा कहूं मेर नइं रहिही।"

9

2222
1 तब अयूब ह जबाब दीस:
2 "सही म मेंह जानथंव कि येह सच अय।
पर परमेसर के आघू म मनखेमन कइसे अपन निरदोस होय के बात ला साबित कर सकथें?
3 हालाकि ओमन ओकर ले बाद-बिबाद करे बर चाहिन,
पर हजार म ले ओकर एको ठन गोठ के घलो जबाब नइं दे सकिन।
4 परमेसर ह अति बुद्धिमान ए अऊ अति बलवान ए।
कोन ह ओकर बिरोध करके बिगर हानि के बांचे हवय?
5 ओह पहाड़मन ला बिगर ओमन के जानकारी के टार देथे
अऊ ओह अपन रिस म ओमन ला उलट-पलट देथे।
6 ओह धरती ला अपन जगह ले हला देथे
अऊ ओकर खंभामन ला कंपा देथे।
7 ओकर कहे ले सूरज ह घलो अंजोर नइं देवय;
ओह तारामन के अंजोर ला बंद कर देथे।
8 ओह एके झन अकास-मंडल ला तानथे
अऊ समुंदर के लहरामन ऊपर चलथे।
9 ओह सपतरसी अऊ सिकारी तारापुंज

किरतिका अऊ दक्खिन के नछत्रमन के रचइता अय।*
10 परमेसर ह अइसने अद्भूत काम करथे, जेला समझे नइं जा सकय,
अऊ ओह अतेक चमतकार करथे, जेला गने नइं जा सकय।
11 जब ओह मोर लकठा ले होके निकलथे, त मेंह ओला देख नइं सकंव;
जब ओह चलथे, त मेंह समझ नइं सकंव।
12 कहूं ओह कुछू झटकके ले जाथे, त कोन ह ओला रोक सकथे?
कोन ह ओला पुछ सकत हे, 'तें का करत हस?'
13 परमेसर ह अपन रिस ला नइं रोकय;
इहां तक कि राहाब† के मदद करइयामन ओकर पांव खाल्हे झुकिन।

14 "त मेंह ओकर संग कइसे झगरा कर सकत हंव?
ओकर संग बहस करे बर मेंह बचन कइसे पा सकथंव?
15 हालाकि मेंह निरदोस रहेंव, तभो ले ओला जबाब नइं दे सकेंव;
मेंह अपन नियाय करइया करा दया करे बर सिरिप बिनती कर सकहूं।
16 अऊ त अऊ कहूं मेंह ओकर ले गोहार पारतेंव अऊ ओह जबाब घलो देतिस,
पर मेंह बिसवास नइं करंव कि ओह मोर बात ला सुनही।
17 ओह आंधी चलाके मोला कुचर डारही
अऊ बिगर कोनो कारन के ओह मोला घाव के ऊपर घाव दीही।
18 ओह मोला सांस लेवन घलो नइं दीही
पर मोला दुख ले बियाकुल कर दीही।
19 कहूं येह बल के बात अय, त ओह बलसाली अय!
अऊ कहूं येह नियाय के बात अय, त कोन ह ओला ललकार सकथे?
20 चाहे मेंह बिना दोस के होवंव, पर मोर बात ह मोला गलत ठहिराही;
कहूं मेंह निरदोस होवंव, पर ओह मोला दोसी ठहिराही।

21 "हालाकि में निरदोस अंव,
मोला अपन बर चिंता नइं ए;
में अपन खुद के जिनगी ला तुछ समझथंव।
22 जम्मो बात ह एकेच अय; एकरसेति मेंह कहिथंव,
'ओह निरदोस अऊ दुस्ट दूनों ला नास करथे।'
23 जब कोनो बिपत्ति ह अचानक मिरतू लानथे,
त ओह निरदोस मनखे के निरासा के हंसी उड़ाथे।
24 जब कोनो भुइयां ला दुस्ट मनखे के हांथ म दिये जाथे,
त परमेसर ह येकर नियाय करइयामन के आंखी ला मुंद देथे।
अइसने करइया ओह नो हय, त कोन अय?

25 "मोर जिनगी के दिनमन दऊड़नेवाला ले घलो जादा तेजी ले बीतत हवंय;
येमन बिगर कोनो आनंद के बीतत जावत हंय।
26 येमन पपीरस पऊधा के डोंगीमन कस निकल जावत हंय,
येमन अइसने बीतत हवंय, जइसने गिधवामन अपन सिकार ऊपर झपटथें।
27 कहूं मेंह कहंव, 'मेंह अपन सिकायत ला भुला जाहूं
मेंह अपन पीरा ला छोंड़के मुस्कराहूं,'
28 तभो ले मेंह अपन जम्मो पीरा ले डरथंव,

* **9:9** या [illegible] † **9:13** [illegible] पुराना जमाना के काल्पनिक समुंदर के [illegible]

काबरकि मेंह जानत हंव कि तेंह मोला निरदोस नइं ठहिराबे।
29 जब मेंह पहिले ले ही दोसी पाय गे हंव,
त फेर मेंह बेकार म काबर मेहनत करंव?
30 चाहे मेंह अपनआप ला साबुन ले
अऊ अपन हांथमन ला सफई करइया पावडर ले धोवंव,
31 तभो ले तेंह मोला चीखला के खंचवा म डार देबे,
अऊ मोर ओनहामन घलो मोर ले घिन करे लगहीं।

32 "परमेसर ह मोर सहीं कोनो मरनहार मनखे नो हय कि मेंह ओला जबाब दे सकंव,
अऊ हमन अदालत म एक-दूसर के सामना करन।
33 यदि हमर बीच म कोनो समझौता करोइया होतिस,
जऊन ह हमन ला एक संग लानतिस,
34 जऊन ह मोर ऊपर ले परमेसर के छड़ी ला टारतिस,
ताकि मेंह ओकर आतंक ले कभू नइं डरतंय।
35 तब मेंह ओकर बिगर भय के गोठियातेंव,
पर मेंह अपनआप म वइसने नो हंव।

10

1 "मेंह अपन जिनगी ले घिन करथंव;
एकरसेति मेंह खुलके सिकायत करहूं
अऊ अपन मन के करूवाहट ले गोठियाहूं।
2 मेंह परमेसर ला कहिथंव: मोला दोसी झन ठहिरा,
पर मोला बता कि मेंह तोर बिरोध म का अपराध करे हंव।
3 का मोला सताना,
अपन हांथ के काम ला तुछ जानना तोला बने लगथे,
जबकि दुस्टमन के बनाय योजना ऊपर तेंह हांसथस?
4 का तोर आंखीमन मनखे के आंखी कस हवंय?
का तेंह वइसने देखथस, जइसने मनखेमन देखथें?
5 का तोर उमर के दिन ह मनखे के दिन कस छोटे अय
या का तोर बछर ह मनखे के बछर सहीं अय,
6 कि तेंह मोर गलतीमन ला खोजबे
अऊ मोर पाप के जांच-पड़ताल करबे—
7 हालाकि तेंह जानत हस कि मेंह दोसी नो हंव
अऊ ये घलो कि तोर हांथ ले मोला कोनो बचाय नइं सकय?

8 "तोर हांथमन मोला रूप देय हवंय अऊ मोला बनाय हवंय।
तभो ले का तेंह मोला नास कर देबे?
9 सुरता कर कि तेंह मोला माटी ले बनाय हवस।
का तेंह मोला फेर धुर्रा म मिला देबे?
10 का तेंह मोला दूध के सहीं नइं रितोय
अऊ दही के सहीं नइं जमाय?
11 का तेंह मोर ऊपर मांस अऊ चमड़ी नइं चघाय
अऊ हाड़ा अऊ नसमन ला एक संग बुनके मोला नइं बनाय?
12 तेंह मोला जिनगी देय अऊ मोर ऊपर दया करय,
अऊ तोर किरपा के कारन मोर आतमा के देखरेख होय हवय।

13 “पर तेंह अपन हिरदय म ये बातमन ला लुकाके राखे हवस,
अऊ मेंह जानथंव कि येह तोर मन म रिहिस:
14 कहूं मेंह कोनो पाप करेंव, त तेंह ओला देखत होबे
अऊ मोला बिगर सजा दिये नइं छोंड़बे।
15 कहूं मेंह दोसी अंव, त दुख-तकलीफ मोर ऊपर आवय,
अऊ कहूं मेंह निरदोस घलो होवंव, तभो ले मेंह अपन मुड़ उठा नइं सकंव,
काबरकि मेंह बहुंत लज्जित हंव
अऊ अपन पीरा म मरत हंव।
16 यदि मेंह अपन मुड़ ला उठावंव, त तेंह सेर के सिकार करे सहीं लुकाके मोर पीछा करथस
अऊ फेर तेंह मोर बिरोध म अपन अद्भूत बल देखाथस।
17 तेंह मोर बिरोध म नवां गवाहमन ले आथस
अऊ मोर ऊपर अपन रिस ला बढ़ाथस
अऊ बाधा के ऊपर बाधा मोर बिरोध म ले आथस।

18 “फेर तेंह मोला गरभ ले निकाले काबर?
बने होतिस, काकरो देखे के पहिली, मेंह मर गे रहितेंव,
19 मोर रचना नइं होय रहितिस,
या सीधा गरभ ले कबर म अमराय गे रहितेंव!
20 का मोर बांचे जिनगी के दिनमन थोरकून नइं ए?
मोला छोंड़ दे कि मेंह आनंद के कुछू समय बीता सकंव
21 येकर पहिली कि मेंह ओ जगह म जावंव, जिहां ले कोनो नइं लहुंटय,
ओ जगह, जिहां अंधियार अऊ भारी अंधियार हवय,
22 याने ओ जगह, जिहां घोर रथिया,
भारी अंधियार अऊ गड़बड़ हवय,
अऊ त अऊ जिहां अंजोर ह घलो अंधियार सहीं अय।”

11

????

1 तब नामात के रहइया सोपर ह जबाब दीस:
2 “का ये जम्मो गोठ के जबाब नइं देना चाही?
का ये गोठ कहइया के समरथन करे जावय?
3 का तोर बड़े बोल ले आने मन चुप रहंय?
का तोला कोनो झन डांटय, जब तेंह हंसी उड़ाथस?
4 तेंह परमेसर ले कहिथस, ‘मोर बिसवास म कोनो कमी नइं ए
अऊ मेंह तोर नजर म सुध हवंव।’
5 बने होतिस, परमेसर ह खुद गोठियातिस,
अऊ तोर बिरोध म अपन मुहूं ला खोलतिस
6 अऊ तोर ऊपर बुद्धि के गुपत गोठमन ला परगट करतिस,
काबरकि सत-बुद्धि के दू ठन पहलू हवय।
येला जान ले: परमेसर ह तोर कुछू पापमन ला भुला गे हवय।

7 “का तेंह परमेसर के भेद के बातमन ला समझ सकथस?
का तेंह सर्वसक्तिमान के सीमना के पता पा सकत हस?
8 ओमन स्वरगमन ले घलो ऊंच हवंय—तेंह का कर सकत हस?
ओह तो पाताल-लोक ले जादा गहिरा हवय—तेंह का जान सकत हस?

9 ओमन के नाप ह धरती ले लम्बा
अऊ समुंदर ले घलो जादा चाकर हवय।

10 "कहूं ओह आवय अऊ तोला जेल म डाल देवय
अऊ अदालत लगावय, त कोन ह ओला रोक सकथे?
11 खचित ओह धोखा देवइयामन ला चिन लेथे;
अऊ जब ओह बुरई देखथे, त का ओह ओला धियान नइं देवय?
12 पर मुरूख मनखे ह बुद्धिमान नइं बन सकय,
जइसे कि जंगली गदहा के पीला ह मनखे के रूप म नइं जनम सकय।

13 "तभो ले कहूं तेंह अपन मन ला ओकर कोति लगाथस
अऊ अपन हांथमन ला ओकर कोति पसारथस,
14 यदि तेंह अपन पापमन ला छोंड़ देथस
अऊ अपन डेरा म बुरई ला रहे बर नइं देवस,
15 तब, तेंह निरदोस होके अपन चेहरा ऊपर उठा सकबे;
अऊ तेंह बिगर भय के मजबूत ठाढ़े रहिबे।
16 तेंह खचित अपन दुख ला भुला जाबे,
ओह तोला सिरिप बहा दिये गय पानी कस सुरता रहिही।
17 तोर जिनगी ह मंझनियां ले घलो जादा चमकदार होही,
अऊ अंधियार ह बिहनियां कस हो जाही।
18 तेंह सुरकछित रहिबे, काबरकि तोला आसा होही;
तेंह अपनआप ला देखबे अऊ निरभय होके अराम करबे।
19 जब तेंह लेटबे, त तोला कोनो नइं डराहीं,
अऊ बहुंते झन तोर बर मया देखाहीं।
20 पर दुस्ट मनखेमन के आंखीमन अंधरा हो जाहीं,
अऊ ओमन ला बचके निकले के कोनो रसता नइं दिखही;
ओमन ये आसा करहीं कि ओमन मर जावंय।"

12

[illegible]
1 तब अयूब ह जबाब दीस:
2 "तुमन सोचथव कि सिरिप तुमन ही महत्व के मनखे अव
अऊ तुम्हर मरे ले तुम्हर संग बुद्धि ह घलो खतम हो जाही!
3 पर मोर म घलो तुम्हर सहीं समझ हवय;
मेंह तुमन ले कम नो हंव,
कोन ह ये जम्मो बातमन ला नइं जानय?

4 "मेंह अपन संगीमन बर ठिठोली के बिसय बन गे हवंव,
हालाकि मेंह परमेसर ले गोहारेंव अऊ ओह जबाब दीस—
हालाकि में धरमी अऊ निरदोस अंव, तभो ले एक ठिठोली के बिसय बन गे हवंव!
5 जऊन मन अराम के जिनगी जीयथें, ओमन दुखी मनखे ले घिन करथें
अऊ जेमन के गोड़ ह फिसलथे ओमन ला ढकेल देथें।
6 लुटेरामन के डेरा म कोनो समस्या नइं आवय,
अऊ जऊन मन परमेसर ला रिस देवाथें, ओमन सुरकछित हवंय—
ओमन के ईस्वर ह ओमन के मुठा म हवय।

7 “पर पसुमन ले पुछ, अऊ ओमन तोला सिखोहीं,
या अकास के चिरईमन ले पुछ, अऊ ओमन तोला बताहीं;
8 या धरती ले गोठिया, अऊ येह तोला सिखोही,
या समुंदर के मछरीमन तोला बतावंय।
9 ये जम्मो म ले कोन ह नइं जानय
कि यहोवा ह अपन हांथ ले येला करे हवय?
10 ओकर हांथ म जम्मो जीवमन के जिनगी
अऊ जम्मो मनखेमन के सांस हवय।
11 का कान ह सबदमन ला नइं परखय,
जइसे जीभ ह जेवन के सुवाद ला चखथे?
12 का सियान मनखेमन के बीच म बुद्धि नइं पाय जावय?
का जादा उमरवालामन म समझदारी नइं रहय?

13 “बुद्धि अऊ बल परमेसर के अय;
सलाह अऊ समझ ओकर करा हवय।
14 जऊन ला ओह टोर-फोर देथे, ओला फेर नइं बनाय जा सकय;
जऊन ला ओह बंदी बनाथे, ओला छोंड़ाय नइं जा सकय।
15 यदि ओह पानी ला रोक देथे, त उहां सूखा पड़थे;
यदि ओह पानी ला छोंड़ देथे, त भुइयां ह बरबाद हो जाथे।
16 बल अऊ बुद्धि परमेसर के अंय;
धोखा-खवइया अऊ धोखा देवइया दूनों ह ओकरेच अंय।
17 ओह सासन करइयामन ला ओमन के अधिकार ले अलग कर देथे
अऊ नियाय करइयामन ला मुरूख बना देथे।
18 ओह राजामन के दुवारा डारे गे बेड़ी ला निकाल देथे
अऊ ओमन के कनिहां ला कमरपट्टा ले जकड़ देथे।
19 ओह पुरोहितमन ला ओमन के अधिकार ले अलग कर देथे
अऊ जमे-जमाय अधिकारीमन ला उखान फेंकथे।
20 ओह भरोसावाले सलाहकारमन के बोलती बंद कर देथे
अऊ सियानमन के समझ ला छीन लेथे।
21 ओह उच्च घराना के मनखेमन के अपमान करथे
अऊ बलवानमन ला बलहीन कर देथे।
22 ओह अंधियार के गहिरा बातमन ला परगट कर देथे
अऊ घिटके अंधियार ला अंजोर म ले आथे।
23 ओह देसमन ला महान करथे, अऊ ओमन ला नास घलो करथे;
ओह देसमन के बिस्तार करथे, अऊ ओमन ला छितिर-बितिर घलो कर देथे।
24 ओह धरती के अगुवामन के बिबेक ला छीन लेथे;
अऊ ओमन ला बिगर रसतावाले बीरान जगह म भटकाथे।
25 ओमन अंजोर के बिगर अंधियार म टमड़त रहिथें;
ओह ओमन ला अइसे बना देथे कि ओमन मतवार सहीं लड़खड़ावत रेंगथें।

13

1 “मेंह ये जम्मो ला अपन आंखी ले देखे हवंव,
मेंह येला अपन कान ले सुने अऊ समझ गे हवंव।
2 जऊन कुछू तुमन जानत हव, ओला मेंह घलो जानत हंव;
मेंह तुमन ले कम नो हंव।

3 पर मेंह तो सर्वसक्तिमान परमेसर ले बात करे चाहत हंव
अऊ मोर हालत के बारे म परमेसर ले बहस करे चाहत हंव।
4 तुमन तो मोर ऊपर लबारी गोठ के धब्बा लगावत हव;
तुमन जम्मो झन बेकार के बईद अव।
5 कास! तुमन एकदम चुप रहितेव!
तुम्हर बर ओह बुद्धिमानी होतिस।
6 अब मोर बहस ला सुनव;
मोर तर्क के बात ला धियान देके सुनव।
7 का तुमन परमेसर बर खराप बात कहिहू?
का तुमन ओकर बर कपट ले भरे गोठ गोठियाहू?
8 का तुमन ओकर संग पखियपात करहू?
का तुमन परमेसर बर बहस करहू?
9 कहूं ओह तुमन ला जांचय, त का येह बने होही?
का तुमन ओला कोनो मनखे ला धोखा देय सहीं धोखा दे सकत हव?
10 कहूं तुमन गुपत म पखियपात करहू,
त ओह खचित तुम्हर ले लेखा लीही।
11 का ओकर सोभा तुमन ला भयभीत नइं करही?
का ओकर डर तुमन म नइं समाही?
12 तुम्हर कहावतमन राख के नीतिबचन अंय;
तुम्हर सुरकछा के गढ़मन माटी के गढ़ अंय।

13 "चुप रहव अऊ मोला गोठियावन दव;
फेर चाहे जऊन कुछू मोर ऊपर आवय, त आवय।
14 काबर मेंह अपनआप ला जोखिम म डारंव
अऊ अपन परान ला अपन हथेली म ले लंव?
15 चाहे परमेसर ह मोला मार घलो डारय, तभो ले मेंह ओकर ऊपर आसा रखहूं;
मेंह खचित ओकर आघू म अपन बात के बचाव करहूं।
16 वास्तव म, इही ह मोर छुटकारा के कारन होही,
काबरकि भक्तिहीन मनखे ह ओकर आघू म आय के हिम्मत नइं कर सकय!
17 मोर बात ला धियान देके सुनव;
मोर बचन ह तुम्हर कान म एकदम पड़य।
18 अब मेंह अपन मामला तियार कर लेय हंव,
मेंह जानत हंव कि मोला नियाय मिलही।
19 का कोनो मोर ऊपर दोस लगा सकथे?
कहूं कोनो मोला दोसी ठहिरा देवय, त मेंह चुप हो जाहूं अऊ मर जाहूं।

20 "हे परमेसर! सिरिप मोर दू ठन मांग ला पूरा कर दे,
अऊ तब मेंह तोर ले नइं लुकावंव:
21 तोर ताड़ना के हांथ ला मोर ऊपर ले हटा ले,
अऊ अपन आतंक ले मोला डराना बंद कर दे।
22 तब मोला बला अऊ मेंह जबाब दूहूं,
या फेर मोला गोठियावन दे, अऊ तें मोला ओकर जबाब दे।
23 मेंह कतेक गलती अऊ पाप करे हवंव?
मोला मोर अपराध अऊ मोर पाप ला बता।

24 तेंह अपन चेहरा ला काबर लुकावत हस
अऊ मोला अपन बईरी समझत हस?
25 का तेंह हवा म उड़ियावत रूख के पान ला दुख देबे?
या का तेंह सूखाय भूंसा के पाछू पड़बे?
26 तेंह मोर बिरोध म करू गोठमन ला लिखत हवस,
अऊ मोर जवानी के पाप के फल मोला भुगतात हवस।
27 तेंह मोर गोड़ म बेड़ी पहिरा दे हवस;
तेंह मोर गोड़ के तरवा म चिनहां देके
मोर जम्मो चालचलन ला धियान ले देखत रहिथस।

28 "अइसने मनखे ह तो सरे-गले चीज सहीं बेकार हो जाथे,
जइसने कि कोनो ओनहा ला कीरामन खा डारे हवंय।

14

1 "मनखेमन माईलोगन ले जनमथें,
ओमन थोरकन दिन के अंय अऊ ओमन के जिनगी ह दुख ले भरे रहिथे।
2 ओमन फूल कस फूलथें, अऊ फेर मुरझा जाथें;
ओमन तेजी ले ढरत छइहां कस अंय, अऊ टिके नइं रहंय।
3 का तेंह ओमन ऊपर अपन नजर डारबे?
का तेंह ओमन ला नियाय बर अपन आघू म लानबे?
4 कोन ह असुध चीज म ले सुध चीज ला निकाल सकत हे?
कोनो नइं!
5 मनखे के उमर के दिनमन ला निस्चित करे गे हवय;
तेंह ओकर महिनामन के संखिया के फैसला कर डारे हस
अऊ ओकर सिवाना ठहिराय हस जेकर आगे ओह नइं जा सकय।
6 एकरसेति जब तक ओह बनिहार कस अपन समय ला पूरा नइं कर लेवय,
ओकर ऊपर ले अपन नजर ला हटा ले अऊ ओला अकेला रहन दे।

7 "एक रूख बर कम से कम ये आसा रहिथे:
यदि येह काटे जावय, त येह फेर उलहोही,
अऊ येकर नवां पीका निकलई बंद नइं होही।
8 चाहे येकर जरीमन भुइयां म जुन्ना हो जावंय
अऊ येकर ठुड़गा ह माटी म सूखा जावय,
9 तभो ले पानी के गंध पाके येह उलहोही
अऊ एक पऊधा कस पीका निकालही।
10 पर मनखे ह मर जाथे अऊ खाल्हे म परे रहिथे;
ओकर परान निकल जाय के बाद ओह इहां नइं रहय।
11 जइसने झील के पानी ह घट जाथे
या नदी ह गरमी म सूखा जाथे,
12 वइसने ही मनखे ह लेटथे अऊ फेर नइं उठय;
जब तक अकासमन खतम नइं हो जाहीं, मनखे ह नइं जागही
या ओला नींद ले जगाय नइं जाही।

13 "कास! तेंह मोला कबर म लुकाके रखते
अऊ तब तक लुकाय रखते, जब तक कि तोर गुस्सा ह सांत नइं हो जातिस!
कास! तेंह मोर बर एक समय ठहिरा देते

अऊ तब मोला सुरता करते!
14 कहूं कोनो मनखे ह मर जावय, त का ओह फेर जीही?
अपन कठिन सेवा के जम्मो दिन म
जब तक मोर छुटकारा नइं हो जावय, मेंह अगोरत रहिहूं।
15 तेंह मोला बलाबे अऊ मेंह तोला जबाब दूहूं;
तेंह अपन हांथ ले रचे परानीमन के लालसा करबे।
16 खचित तब तेंह मोर कदम ला गनबे
पर मोर पाप के हिसाब नइं रखबे।
17 मोर अपराधमन थैली म मुहरबंद करे जाहीं;
तेंह मोर पाप ला ढांप देबे।

18 "पर जइसे पहाड़ ह गिरथे अऊ चूर-चूर हो जाथे
अऊ जइसे चट्टान ह अपन जगह ले हट जाथे,
19 जइसे पानी ह पथरामन ला घीस डारथे
अऊ पानी के धारा ह माटी ला बोहाके ले जाथे,
वइसे तेंह मनखे के आसा ला नास कर देथस।
20 तेंह ओमन ला हमेसा बर हरा देथस, अऊ ओमन चल देथें;
तेंह ओमन के चेहरा ला बदल देथस अऊ ओमन ला निकाल देथस।
21 यदि ओमन के लइकामन के सम्मान करे जाथे, त ओमन येला नइं जानंय;
यदि ओमन के संतानमन के बेजत्ती होथे, त ओमन येला नइं देख पावंय।
22 ओमन पीरा के अनुभव तो करथें पर सिरिप अपन देहें के पीरा,
अऊ ओमन सिरिप अपन बर सोक मनाथें।"

15

?????

1 तब तेमान के रहइया एलीपज ह जबाब दीस:
2 "का बुद्धिमान मनखे बिगर सोचे-बिचारे जबाब दीही
या गरम पूरबी पवन ले अपन पेट भरही?
3 का ओमन बेकार के गोठ ले बहस करहीं
या बेमतलब के बात संग बहस करहीं?
4 पर तेंह परमेसर के आदर ला कम करथस
अऊ परमेसर के भक्ति म बाधा डालथस।
5 तोर पाप ह तोर मुहूं ला गोठियाय बर उकसावत हे;
तेंह चतुरामन के भासा म बातचीत करथस।
6 मेंह नइं, पर तोर खुद के मुहूं के गोठ ह तोला दोसी ठहिरात हे;
तोर खुद के जीभ ह तोर बिरोध म गवाही देवत हे।

7 "का जम्मो मनखे म सबले पहिली तेंह जनमे?
का परबतमन ले पहिली तोला बनाय गीस?
8 का तें परमेसर के सभा म बईठके सुनथस?
का सिरिप तोरेच करा बुद्धि हवय?
9 तेंह अइसे का जानथस, जऊन ला हमन नइं जानन?
तोर म अइसे कोन समझ के बात हवय, जऊन ह हमन म नइं ए?
10 पाके चुंदीवाला अऊ सियानमन हमर तरफ हवंय,
अऊ त अऊ तोर ददा ले घलो जादा उमर के मनखेमन।
11 का परमेसर के ढाढ़स देवई,

अऊ कहे गे कोमल बचन तोर बर परयाप्त नो हंय?
12 तोर मन ह तोला काबर आने कोति लेगत हे,
अऊ रिस म तोर आंखीमन काबर चमकत हवंय,
13 कि तेंह अपन गुस्सा ला परमेसर के बिरोध म परगट कर
अऊ अपन मुहूं ले अइसने बचन निकलन देय?

14 "मरनहार मनखे ह का अय कि ओह सुध हो सकय
या माईलोगन ले जनमे मनखेमन कोन अंय कि ओमन धरमी हो सकंय?
15 यदि परमेसर ह अपन पबितर मनखेमन ऊपर भरोसा नइं करय,
अऊ यदि स्वरगमन घलो ओकर नजर म सुध नइं अंय,
16 त फेर मरनहार मनखेमन के का हिसाब, जऊन मन दुस्ट अऊ भ्रस्ट अंय,
अऊ अधरम के काम करे बर पीयासन रहिथें!

17 "मोर बात ला सुन अऊ मेंह तोला समझाहूं;
मेंह तोला बतात हंव कि मेंह का देखे हंव,
18 ओ बात जऊन ला बुद्धिमान मनखेमन अपन पुरखामन ले पाय रिहिन,
ओला बिगर छुपाय बताय हवंय,
19 (सिरिप पुरखामन ला देस दिये गे रिहिस
जब कोनो परदेसी के ओमन के बीच म आना-जाना नइं रिहिस):
20 दुस्ट मनखे ह अपन जिनगी भर पीरा सहथे,
अऊ निरदयी मनखे बर येह ओकर जिनगी भर बने रहिथे।
21 भयभीत करइया अवाज ओकर कान म गूंजत रहिथे;
जब सब सही जान पड़थे, तभे बिनास करइयामन ओकर ऊपर आ जाथें।
22 ओला अंधियार म ले बच निकले के बिसवास नइं रहय;
अऊ तलवार ले ओकर मारे जवई ह खचित ए।
23 ओह गिधवा के सहीं जेवन बर एती-ओती किंदरत रहिथे;
ओह जानथे कि अंधियार के दिन ह तीरेच म हवय।
24 पीरा अऊ बिपत्ति के भय ले ओह भरे रहिथे;
दुख-समस्या ले ओह बियाकुल रहिथे, जइसे कोनो राजा चढ़ई करे बर तियार हवय,
25 काबरकि ओह परमेसर के ऊपर मुक्का तानथे
अऊ सर्वसक्तिमान परमेसर के बिरोध म अपन डींग मारथे,
26 अऊ ओकर बिरोध म उतावला होके
एक मोटा अऊ मजबूत ढाल लेके ओकर ऊपर धावा बोलथे।

27 "हालाकि ओकर चेहरा म चरबी बड़ गे हवय
अऊ ओकर कनिहां ह मांस भरे ले मोटा हो गे हवय,
28 पर ओह उजरे नगरमन म अऊ ओ घरमन म रहिही
जिहां कोनो नइं रहंय,
अऊ जिहां घर के दीवारमन कुटा-कुटा होके गिरथें।
29 ओह अऊ धनवान नइं रहिही अऊ ओकर धन बने नइं रहय,
ओकर धन ह देस म नइं फईलही।
30 ओह अंधियार ले नइं बांच पाही;
आगी के जुवाला ले ओकर पीकामन झुलस जाहीं,
अऊ परमेसर के मुहूं के सांस ले ओह दूरिहा छिटक जाही।
31 ओह बेकार के बातमन म भरोसा करके अपनआप ला धोखा झन देवय,

काबरकि ओकर बलदा म ओला कुछू नइं मिलय।
32 अपन समय के पहिली ओह मुरझा जाही,
अऊ ओकर डारामन नइं बड़हीं।
33 ओह ओ अंगूर के नार सहीं होही जेकर कइंचा अंगूरमन झरके गिर जाथें,
या ओह ओ जैतून रूख सहीं होही जेकर फूलमन झरके गिरत हवंय।
34 काबरकि भक्तिहीन के संगति म रहइया बिगर फर के होही,
अऊ घूसखोरमन के डेरामन ला आगी ह भसम कर दीही।
35 ओमन समस्या खड़े करे के योजना बनाथें अऊ दुस्ट काम करथें;
ओमन के मन म धोखाधड़ी के बिचार रहिथे।"

16

?????

1 तब अयूब ह जबाब दीस:
2 "मेंह ये किसम के बहुंत गोठ सुन चुके हंव;
तुमन जम्मो के जम्मो दयनीय तसल्ली देवइया अव।
3 का तुम्हर बेकार के लम्बा भासन कभू खतम नइं होवय?
तुमन ला का तकलीफ हे कि तुमन बहस करतेच हव?
4 मेंह घलो तुम्हर सहीं गोठियातेंव,
कहूं तुमन मोर जगह म होतेव त;
मेंह तुम्हर बिरोध म सुघर भासन देतेंव
अऊ मुड़ डोलातेंव।
5 पर मोर बचन ह तुमन ला उत्साहित करतिस;
अऊ तसल्ली देवइया मोर गोठ ह तुम्हर दुख ला कम करतिस।

6 "कहूं मेंह गोठियावंव, तभो ले मोर पीरा ह कम नइं होवय;
अऊ चाहे मेंह चुप रहंव, तभो ले ये पीरा ह मोर ले दूरिहा नइं होवय।
7 सही म, हे परमेसर, तेंह मोला थको दे हस;
तेंह मोर जम्मो परिवार ला उजाड़ दे हस।
8 तेंह मोला सूखा डारे हस—अऊ येह एक गवाह बन गे हवय;
मोर दुबलापन ह बाढ़त हे अऊ मोर बिरोध म उठके गवाही देवत हे।
9 परमेसर ह मोर ऊपर वार करथे अऊ अपन रिस म मोला चीर डारथे
अऊ मोर बर अपन दांत किटकिटाथे;
मोर बईरी ह मोला हीनता के आंखी देखावत हे।
10 मनखेमन मोला ताना मारथें;
ओमन तिरस्कार म मोर गाल म थपरा मारथें
अऊ मोर बिरोध म एक जुट होवथें।
11 परमेसर ह मोला भक्तिहीन मनखेमन के बस म कर दे हवय
अऊ मोला दुस्टमन के हांथ म सऊंप दे हवय।
12 मोर संग सब ठीक रिहिस, पर ओह मोला चकनाचूर कर दीस;
ओह मोर घेंच ला धरके मोला कुचर डारे हवय।
ओह मोला अपन निसाना बनाय हवय;
13 ओकर धनुसधारीमन मोला चारों कोति ले घेरे हवंय।
ओह निरदयी होके मोर गुरदामन ला बेधथे
अऊ मोर पित्त ला भुइयां म बोहा देथे।
14 बार-बार ओकर गुस्सा ह मोर ऊपर फूटथे;

ओह सूरबीर सहीं मोर ऊपर झपटत हवय।

15 "मेंह दुख के सेति अपन खाल ऊपर बोरा ला सील ले हवंव
अऊ अपन बल ला धुर्रा म गड़िया दे हवंव।
16 रो-रोके मोर चेहरा ह लाल हो गे हवय,
अऊ मोर आंखी के पलकमन के तरी ह करिया गे हवय;
17 तभो ले मेंह कोनो हिंसा के काम नइं करे हवंव
अऊ मोर पराथना ह पबितर अय।

18 "हे धरती! मोर लहू ला झन ढांप;
मोर दुहाई ह कभू झन रूकय।
19 अभी घलो स्वरग म मोर गवाह हवय;
मोर वकील ह ऊपर म हवय।
20 मोर संगीमन मोर निन्दा करइया अंय;
अऊ मोर आंखी ह परमेसर के आघू म आंसू बोहावत हवय;
21 एक मनखे कोति ले ओह परमेसर ले बिनती करथे
जइसे कोनो अपन संगी बर बिनती करथे।

22 "सिरिप थोरकून बछर बीते के बाद
मेंह ओ रद्दा म चले जाहूं, जिहां ले कोनो लहुंटके नइं आवंय।

17

1 मोर मन ह टूट गे हवय,
मोर जीये के दिनमन ला कम कर दिये गे हवय,
कबर ह मोला अगोरत हे।
2 खचित ठट्ठा करइयामन मोर चारों कोति हवंय;
मोर आंखीमन ओमन के बईरता ला देखत हवंय।

3 "हे परमेसर, मोला छोंड़ाय बर जमानत दे।
अऊ कोन हवय, जऊन ह मोर बर ठाढ़ होही?
4 तेंह ओमन के समझ के सक्ति ला बंद कर दे हवस;
एकरसेति तेंह ओमन ला जीते बर नइं देवस।
5 कहूं कोनो अपन लाभ बर अपन संगीमन के चारी-चुगली करथे,
त ओकर लइकामन के आंखीमन फूट जाहीं।

6 "परमेसर ह मोला जम्मो झन बर एक कहावत बना दे हवय,
अऊ मेंह अइसे मनखे हो गे हवंव, जेकर चेहरा म मनखेमन थूकथें।
7 मोर आंखीमन दुख के कारन धुंधला गे हवंय;
मोर जम्मो देहें ह छइहां कस कमजोर हो गे हवय।
8 सीधवा मनखेमन येला देखके अचम्भो करथें;
अऊ निरदोस मनखेमन भक्तिहीन मनखेमन के बिरोध म भड़कथें।
9 तभो ले, धरमीमन अपन रद्दा ला धरे रहिहीं,
अऊ सुध काम करइया मनखेमन मजबूत होवत जाहीं।

10 "पर आवव, तुमन जम्मो झन, फेर कोसिस करव!
पर तुम्हर बीच म, मेंह एको झन ला बुद्धिमान नइं पाहूं।

11 मोर जीये के दिनमन तो बीत गीन, मोर योजनामन छितिर-बितिर हो गे हवंय।
मोर हिरदय के ईछामन चले गे हवंय
12 ओमन रथिया ला दिन म बदल देथें;*
अंजोर ह अंधियार के लकठा म हवय।
13 कहूं मेंह कोनो घर के आसा करंव, त ओह सिरिप कबर अय,
कहूं मेंह अंधियार के जगह म अपन बिस्तर ला बिछावंव,
14 कहूं मेंह भ्रस्ट काम ला कहंव, 'तें मोर ददा अस,'
अऊ कीरा ला कहंव, 'तें मोर दाई अस' या 'मोर बहिनी अस,'
15 त फेर मोर आसा कहां हवय—
कोन ह मोर आसा ला देख सकथे?
16 का मोर आसा ह मिरतू के कपाट करा खाल्हे चल दीही?
का हमन खाल्हे जाके एके संग धुर्रा म मिल जाबो?"

18

?????

1 तब सूही के रहइया बिलदद ह जबाब दीस:
2 "तेंह कब ये भासन ला खतम करबे?
समझदार बन, अऊ तभे हमन गोठियाय सकथन।
3 हमन काबर पसु सहीं समझे जावत हन
अऊ तोर नजर म मुरूख ठहिरे हन?
4 तें जऊन ह अपन रिस म अपनआप ला कुटा-कुटा करत हस,
का तोर कारन धरती ला तियाग दिये जावय?
या फेर चट्टानमन अपन जगह ले हट जावंय?

5 "दुस्ट मनखे के दीया ह बुता जाथे;
ओकर आगी के जुवाला निकलई ह बंद हो जाथे।
6 दुस्ट मनखे के डेरा म अंजोर ह अंधियार हो जाथे,
ओकर ऊपर म टांगे दीया ह बुता जाथे।
7 ओकर गोड़ के बल ह कमजोर हो जाथे;
ओकर खुद के युक्ति ह ओला ले बुड़थे।
8 ओकर पांव ह ओला जाल म फंसोथे;
ओह जाल म फंसके एती-ओती होथे।
9 फांदा ह ओकर एड़ी ला जकड़ लेथे;
जाल ह ओला कसके पकड़ लेथे।
10 भुइयां म ओकर बर एक फांदा छिपे हवय;
एक जाल ह ओकर रसता म हवय।
11 आतंक ह ओला जम्मो कोति ले चउंकाथे
अऊ ओला पकड़े बर ओकर हर कदम के पीछा करथे।
12 बिपत्ति ह ओकर बर भूखन हवय;
जब ओह गिरथे, त बिपत्ति ह ओकर बर तियार रहिथे।
13 येह ओकर चाम के भागमन ला खा जाथे;
मिरतू के रोग ह ओकर देहें के अंगमन ला खा लेथे।
14 ओह अपन डेरा के सुरकछा ले चीर डाले जाथे
अऊ आतंक के राजा करा लाने जाथे।

* **17:12** या *?? ?? ??? ? ??? ?????*

15 आगी ह ओकर डेरा म रहिथे;
बरत गंधक ला ओकर निवास म छितराय जाथे।
16 ओकर जरी ह खाल्हे ले सूखा जाथे
अऊ ऊपर म ओकर डारामन मुरझा जाथें।
17 धरती ले ओकर सुरता ह मिट जाथे;
देस म ओकर नांव नइं रहय।
18 ओला अंजोर ले अंधियार के जगह म भगाय जाथे
अऊ ओला संसार ले हटा दिये जाथे।
19 अपन मनखेमन के बीच म, ओकर कोनो संतान नइं रहंय,
जिहां ओह रहत रिहिस, उहां ओकर कोनो नइं बचंय।
20 पछिम के मनखेमन ओकर दुरदसा ला देखके डराथें;
पूरब के मनखेमन ऊपर भयंकर भय छा जाथे।
21 खचित, दुस्ट मनखे के निवास ह अइसने ही होथे;
जऊन ह परमेसर ला नइं जानय, ओकर जगह ह अइसने होथे।"

19

????

1 तब अयूब ह जबाब दीस:
2 "तुमन मोला कब तक दुख देवत रहिहू
अऊ ये गोठमन ले मोला कुचरत रहिहू?
3 दस बार अब तुमन मोर निन्दा कर चुके हव;
अऊ बिगर लाज-सरम के मोर बुरई करथव।
4 कहूं येह सच अय कि मेंह सही रसता ले भटक गे हवंव,
त फेर येह सिरिप मोर चिंता के बात ए।
5 कहूं तुमन सिरतों अपनआप ला मोर ले ऊपर करहू
अऊ मोर दुख ला मोर बिरोध म उपयोग करहू,
6 त येला जान लेवव कि परमेसर ह मोला गलत ठहिराय हवय
अऊ अपन जाल मोर चारों कोति बिछाय हवय।

7 "हालाकि मेंह चिचियाके कहिथंव, 'उपदरव!' पर मोला कोनो जबाब नइं मिलय;
हालाकि मेंह सहायता बर गोहार लगाथंव, पर कोनो नियाय नइं होवय।
8 परमेसर ह मोला रोके बर रद्दा ला रूंध देय हवय कि मेंह नाहकके झन जा सकंव;
ओह अंधियार म मोर रद्दा ला छुपा दे हवय।
9 ओह मोर आदरमान ला लेय ले हवय
अऊ मुकुट ला मोर मुड़ म ले हटा ले हवय।
10 ओह मोला चारों कोति ले चीर डारथे, जब तक कि मेंह खतम नइं हो जावंव;
ओह मोर आसा ला रूख के सहीं उखान देथे।
11 ओकर रिस ह मोर बिरोध म भड़कथे;
ओह मोला अपन एक बईरी समझथे।
12 ओकर सेनामन ताकत के संग आघू बढ़थें;
ओमन मोर बिरोध म घेरा बनाथें
अऊ मोर डेरा के चारों कोति डेरा डालथें।

13 "ओह मोर भाईमन ला मोर ले दूरिहा कर दे हवय;
मोर चिनहार मनखेमन मोर ले पूरा-पूरा अपन नाता टोर ले हवंय।

14 मोर रिस्तेदारमन मोला छोंड़ दे हवंय;
अऊ मोर सबले बने संगीमन मोला भुला गे हवंय।
15 मोर पहुना अऊ मोर दासीमन मोला परदेसी समझथें;
ओमन मोला एक अजनबी के सहीं देखथें।
16 मेंह अपन सेवक ला बलाथंव, पर ओह जबाब नइं देवय,
हालाकि मेंह ओकर ले बिनती करथंव।
17 मोर सांस ह मोर घरवाली ला बने नइं लगय;
मेंह अपन खुद के भाईमन बर घिनौना हो गे हवंव।
18 अऊ त अऊ नानकून लइकामन घलो मोर हंसी उड़ाथें;
जब मेंह उठके बाहिर निकलथंव, त ओमन मोर ठिठोली करथें।
19 मोर जम्मो नजदीकी संगी-साथीमन मोर ले घिन करथें;
जऊन मन ले मेंह मया करथंव, ओमन मोर बिरोध म हो गे हवंय।
20 मेंह सिरिप चमड़ी अऊ हाड़ा के छोंड़ अऊ कुछू नो हंव;
मेंह मरे ले लटपट बांचे हवंव।

21 "मोर ऊपर दया करव, हे मोर संगीमन, दया करव,
काबरकि परमेसर के कोप ह मोर ऊपर भड़के हवय।
22 तुमन परमेसर के सहीं काबर मोर पाछू पड़े हवव?
का मोला तड़फाय म तुमन ला कभू संतोस नइं होवय?

23 "कास, मोर गोठमन ला लिखे जातिस,
कास, ओमन ला एक किताब म लिखे जातिस,
24 कास, ओमन सीसा म लोहा के कलम ले लिखे जातिन,
या हमेसा बर चट्टान के ऊपर खने जातिन!
25 मेंह जानत हंव कि मोला कैद ले छुड़इया ह जीयत हवय,
अऊ आखिर म ओह धरती ऊपर ठाढ़ होही।
26 अऊ मोर चमड़ी के नास हो जाय के पाछू घलो,
मेंह अपन मांस म होके परमेसर ला देखहूं;
27 मेंह खुद ओला देखहूं
अपन खुद के आंखी ले—मेंह देखहूं, आने अऊ कोनो नइं।
मोर हिरदय ह भीतरे-भीतर ओकर बहुंत कामना करत हवय।

28 "कहूं तुमन कहत हव, 'हमन ओला कइसे सताबो,
जब समस्या के जरी ओकर ऊपर हवय,'
29 त तुमन ला खुद तलवार ले डरना चाही;
काबरकि कोरोध ह तलवार के दुवारा दंड लानही,
अऊ तब तुमन जानहू कि नियाय हवय।"

20

????

1 तब नामात के रहइया सोपर ह जबाब दीस:
2 "मोर बियाकुल बिचार ह मोला उकसावत हे कि मेंह जबाब दंव
काबरकि मेंह बहुंत असांत हंव।
3 मेंह एक डांट सुनेंव, जेकर ले मोर अपमान होथे,
अऊ मोर समझ ह जबाब देय बर मोला उकसावत हे।

4 “खचित तेंह जानत हस कि पुराना जमाना ले येह कइसे हवय,
याने जब ले धरती के ऊपर मनखे* के सिरिस्टी करे गीस,
5 दुस्टमन के खुसी ह थोरकून समय के अय,
अऊ भक्तिहीन मनखेमन के आनंद छिन भर के होथे।
6 हालाकि भक्तिहीन मनखे के घमंड ह अकास तक हबरथे
अऊ ओकर मुड़ ह बादरमन ला छूथे,
7 पर ओह अपन खुद के संडास सहीं सदाकाल बर नास हो जाही;
जऊन मन ओला देखे रिहिन, ओमन पुछहीं, ‘ओह कहां हवय?’
8 सपना कस ओह उड़ जाथे, अऊ फेर कभू नइं मिलय,
रात के एक दरसन कस ओह दूरिहा हो जाही।
9 जऊन आंखी ह ओला देखे रिहिस, ओह ओला फेर नइं देखही;
ओह अपन जगह म फेर नइं देखे जाही।
10 ओकर लइकामन गरीबमन ले दया के आसा करहीं;
ओकर खुद के हांथमन ओकर धन वापिस दीहीं।
11 जऊन जवानी के बल ह ओकर हाड़ामन म भरे रहिथे,
ओह ओकर संग धुर्रा म मिल जाही।

12 “हालाकि बुरई ह ओकर मुहूं म मीठ लगथे
अऊ ओह ओला अपन जीभ के तरी म लुकाके रखथे,
13 हालाकि ओह ओला छोंड़े बर नइं चाहय
अऊ ओला अपन मुहूं म रखे रहिथे,
14 तभो ले ओकर जेवन ह पेट म करू हो जाही;
येह ओकर भीतर म सांप के जहर हो जाही।
15 जऊन धन ला ओह लील ले रिहिस, ओह ओला निकाल दीही;
परमेसर ह ओला ओकर पेट म ले उल्टी करवा दीही।
16 ओह सांपमन के जहर ला चुहकही;
जहरिला सांप के दांतमन ओला मार डारहीं।
17 ओह ओ झरना अऊ नदियामन के आनंद नइं उठा सकही,
जेमा मंधरस अऊ दही के धार बोहावत हवय।
18 जेकर बर ओह कठोर मेहनत करिस, ओला बिगर खाय ओह वापिस करही;
ओह अपन धंधा ले मिले लाभ के आनंद नइं उठा सकही।
19 काबरकि ओह कंगालमन ऊपर अतियाचार करे हवय अऊ ओमन ला बेसहारा छोंड़ दे हवय;
ओह ओ घरमन ला हड़प ले हवय, जऊन ला ओह नइं बनाय रिहिस।

20 “खचित, ओकर लालसा के कभू अन्त नइं होवय;
ओह अपन धन के दुवारा अपनआप ला नइं बंचा सकय।
21 खाय बर ओकर लिये कुछू नइं बांचे हवय;
ओकर अमीरी ह बने नइं रहय।
22 ओकर धन अऊ सफलता के समय म ओला दुख ह घेर लीही;
दुरगति के जम्मो चीज ओकर ऊपर आ पड़ही।
23 जब ओह अपन पेट ला भर चुके होही,
तभे परमेसर ह अपन भारी रिस ला ओकर ऊपर देखाही
अऊ ओकर ऊपर दुख ही दुख लानही।
24 हालाकि ओह लोहा के हथियार ले बच निकलथे,

* **20:4** या [illegible]

फेर कांस के बान ह ओला छेद डारथे।
25 ओह ये बान ला तीरके ओकर पीठ ले निकालथे,
चिकचिकावत छोर ह ओकर करेजा ले बाहिर निकलथे।
ओकर ऊपर आतंक छा जाही;
26 ओकर धन-संपत्ति बर घिटके अंधियार ह बाट जोहथे।
बिगर हवा के बरत आगी ह ओला भसम कर दीही
अऊ ओकर डेरा म बांचे चीजमन ला नास कर दीही।
27 अकास ह ओकर अपराध ला परगट करही;
धरती ह ओकर बिरोध म ठाढ़ होही।
28 पानी के बाढ़ ह ओकर घर ला बोहाके ले जाही,
परमेसर के रिस के दिन ओकर पूंजी ह बोहा जाही।
29 परमेसर ह दुस्ट मनखे के हालत अइसने करथे,
परमेसर कोति ले ओमन बर ये किसम के उत्तराधिकार ठहिराय गे हवय।"

21

????

1 तब अयूब ह जबाब दीस:
2 "मोर गोठ ला धियान देके सुनव;
ये किसम ले तुमन मोला सांतवना दे सकत हव।
3 मोर गोठ के पूरा होवत ले धीरज धरव,
अऊ जब मेंह गोठिया लेवंव, त फेर मोर हंसी उड़ावव।

4 "का मोर सिकायत कोनो मनखे ले हवय?
फेर मेंह अधीर काबर नइं होवंव?
5 मोला देखव अऊ अचम्भो करव;
अपन मुहूं ला अपन हांथ ले छबकव।
6 जब में येकर बारे म सोचथंव, त मोर म भय छा जाथे;
मोर देहें ह थर-थर कांपे लगथे।
7 दुस्ट मनखेमन काबर जीयत रहिथें,
जबकि डोकरा होवत ओमन के ताकत ह बढ़त जाथे?
8 ओमन अपन लइकामन ला अपन चारों कोति बसत देखथें,
अऊ ओमन अपन नाती-पोतामन ला अपन आंखी ले बढ़त देखथें।
9 ओमन के घर सुरकछित रहिथे अऊ उहां डर नइं रहय;
परमेसर के सजा के छड़ी ओमन ऊपर नइं परय।
10 ओमन के सांड़मन गाभिन करे म कभू नइं चुकंय;
ओमन के गायमन बछरू जनमथें अऊ गरभ ला नइं गिरावंय।
11 ओमन अपन लइकामन ला बरदी के रूप म भेजथें;
ओमन के छोटे लइकामन नाचथें।
12 ओमन खंजरी अऊ बीना के धुन म गाथें;
ओमन बंसी के धुन म खुसी मनाथें।
13 ओमन अपन जिनगी के दिन सम्पन्नता म बिताथें
अऊ सांति म मरथें।
14 तभो ले ओमन परमेसर ला कहिथें, 'हमन ला अकेला छोंड़ दे!
हमन तोर रद्दा ला जाने के ईछा नइं रखन।
15 सर्वसक्तिमान कोन ए कि हमन ओकर सेवा करन?
ओकर ले पराथना करके हमन ला का मिलही?'

16 पर ओमन के सम्पन्नता ओमन के हांथ म नइं ए,
एकरसेति मेंह दुस्टमन के योजना ले दूरिहा रहिथंव।

17 "तभो ले दुस्टमन के दीया ह कतेक बार बुताथे?
ओमन ऊपर कतेक बार बिपत्ति पड़थे,
परमेसर ह अपन रिस म ओमन ला दुख देथे?
18 ओमन कतेक बार हवा के आघू म भूंसा कस होथें,
गरेर के दुवारा उड़ियाय भूंसा कस होथें?
19 ये कहे जाथे, 'परमेसर ह दुस्टमन के सजा ला ओमन के लइकामन बर कुढ़ोके रखथे।'
ओला दुस्टमन ले बदला लेवन दव, ताकि ओमन खुद अनुभव करंय!
20 ओमन अपनेच आंखी ले अपन बिनास ला देखंय;
ओमन सर्वसक्तिमान के कोरोध ला झेलंय।
21 काबरकि ओमन अपन बाद अपन परिवार के का फिकर करथें
जब ओमन ला दिये गय समय ह खतम हो जाथे?

22 "का कोनो मनखे परमेसर ला गियान दे सकथे,
ये जानत कि ओह सबले बड़े पदवाला के घलो नियाय करथे?
23 एक मनखे अपन पूरा बल सहित मरथे,
पूरा सुरकछित अऊ अराम से,
24 अपन देहें ला पुस्ट करके,
अऊ हाड़ामन ला मजबूत करके।
25 आने मनखे ह अपन जीव के करूवाहट म मरथे,
ओह कभू कोनो बने चीज के आनंद नइं उठावय।
26 एक के बाजू म एक, ओमन धुर्रा म लेटे रहिथें,*
अऊ कीरामन ओ दूनों ला ढांक लेथें।

27 "मेंह बने करके जानत हंव कि तुमन का सोचत हव,
ओ चलाकी, जेकर दुवारा तुमन मोला गलत ठहिराहू।
28 तुमन पुछथव, 'अब ओ बड़े मनखे के घर कहां हवय,
ओ डेरामन जिहां दुस्ट मनखेमन निवास करिन?'
29 का कभू तुमन ओमन ले सवाल करेव, जऊन मन डहार रेंगथें?
का तुमन ओमन के लेखा-जोखा ला धियान नइं दे हवव—
30 कि दुस्टमन बिपत्ति के दिन ले बचाय जावत हें,
कि ओमन परलय के दिन ले छुटकारा पावत हें?
31 कोन ह ओमन के मुहूं के आघू म ओमन के चालचलन के बुरई करही?
ओमन जऊन काम करे हवंय, ओकर बदला कोन लीही?
32 ओमन ला कबर म अमराय जाथे,
अऊ ओमन के कबर के रखवारी करे जाथे।
33 घाटी के माटी ह ओमन ला गुरतूर लगथे;
हर एक जन ओमन के पाछू-पाछू जाथें,
अऊ अनगिनत मनखेमन ओमन के आघू-आघू जाथें।

34 "एकरसेति तुमन अपन बेकार के बात ले मोला कइसे सांतवना दे सकत हव?
तुमन के जबाब म लबारी ही लबारी हवय!"

---

* **21:26** या [illegible]

22

?????

1 तब तेमान के रहइया एलीपज ह जबाब दीस:
2 “का कोनो मनखे ले परमेसर ला फायदा हो सकथे?
अऊ त अऊ का कोनो बुद्धिमान मनखे ले ओला फायदा हो सकथे?
3 यदि तेंह धरमी होते, त एकर ले सर्वसक्तिमान ला का खुसी मिलतिस?
यदि तोर चालचलन ह निरदोस होतिस, त ओला का फायदा होतिस?

4 “का ओह तोर भक्ति के कारन तोला दबकारथे
अऊ तोर बिरोध म दोस लगाथे?
5 का तोर दुस्टता बहुंत नइं हो गे हवय?
का तोर पापमन के कोनो अन्त हवय?
6 तेंह बिगर कोनो कारन के अपन रिस्तेदारमन ले सुरकछा मांगय;
तेंह मनखेमन के ओनहा ला उतारके ओमन ला नंगरा छोंड़ दे हस।
7 तेंह थके-मांदे मनखे ला पानी नइं पीयाय
अऊ भूखा मनखे ला जेवन देय बर इनकार करय,
8 हालाकि तेंह एक सामर्थी मनखे रहय अऊ तोर करा जमीन-बारी रिहिस—
एक सम्मानित मनखे के रूप म येमा रहत रहय।
9 अऊ तेंह बिधवामन ला खाली हांथ लहुंटा देय
अऊ अनाथमन के बल ला टोर देय।
10 एकरसेति तोर चारों कोति फांदामन हवंय,
अऊ बिपत्ति ह अचानक तोला भयभीत करथे,
11 अऊ अइसे अंधियार हवय कि तेंह देख नइं सकस,
अऊ पानी के बाढ़ ह तोला बुड़ो देथे।

12 “का परमेसर ह स्वरग के ऊंचई म नइं ए?
अऊ ओह देखथे कि तारामन कतेक ऊंच म हवंय!
13 तभो ले तेंह कहिथस, ‘परमेसर ह का जानथे?
का ओह अइसने अंधियार म ले नियाय करथे?
14 बादरमन ओकर आघू म परदा डार देथें, जेकर ले ओह हमन ला नइं देखय
जब ओह अकास-मंडल म रेंगथे-बुलथे।’
15 का तेंह ओ जुन्ना डहार ला धरे रहिबे
जऊन म दुस्ट मनखेमन चलिन?
16 ओमन ला ओमन के समय ले पहिली उठा लिये गीस,*
ओमन के नीवमन बाढ़ म बोहा गीन।
17 ओमन परमेसर ला कहिन, ‘हमन ला अकेला छोंड़ दे!
सर्वसक्तिमान हमर का कर सकथे?’
18 तभो ले ओही ह ओमन के घर ला बढ़िया चीजमन ले भर दीस,
एकरसेति मेंह ओ दुस्टमन के योजना ले दूरिहा रहिथंव।
19 धरमीमन ओमन के बिनास ला देखथें अऊ आनंद मनाथें;
निरदोस मनखेमन ओमन के ये कहिके हंसी उड़ाथें,
20 ‘खचित, हमर बिरोधीमन नास होवथें
अऊ आगी ह ओमन के धन-संपत्ति ला भसम कर देथे।’

21 “अपनआप ला परमेसर ला दे अऊ ओकर संग सांति बनाय रख;

* **22:16** या *??? ?? ????? ????? ?? ???*

ये किसम ले सम्पन्नता तोर करा आही।
22 ओकर निरदेस ला मान
अऊ ओकर बात ला अपन हिरदय म रख।
23 कहूं तेंह सर्वसक्तिमान करा लहुंटके आबे, त तेंह पहिली के सहीं हो जाबे:
कहूं तेंह अपन डेरा ले दुस्टता के काम ला हटा देबे
24 अऊ अपन सोन, धुर्रा ला,
अऊ ओपीर† के सोन ला घाटी के पथरामन ला दे देबे,
25 त सर्वसक्तिमान ह तोर बर सोन,
अऊ उत्तम चांदी होही।
26 खचित, तब तें सर्वसक्तिमान म खुसी पाबे
अऊ अपन चेहरा परमेसर कोति उठाबे।
27 तेंह ओकर ले पराथना करबे, अऊ ओह तोर सुनही,
अऊ तेंह अपन मन्नत ला पूरा करबे।
28 जऊन कुछू करे बर तेंह ठान लेबे, ओह तोर बर पूरा हो जाही,
अऊ तोर डहार म अंजोर रहिही।
29 जब मनखेमन के बेजत्ती करे जाथे अऊ तेंह कहिथस, 'ओमन के आदर करव!'
तब ओह दीन-हीन मनखेमन ला बचाही।
30 अऊ त अऊ जऊन ह निरदोस नो हय, ओह ओला घलो छोंड़ाही,
ओला ओह तोर हांथ के सुध काम के जरिये छोंड़ाही।"

23

????
1 तब अयूब ह जबाब दीस:
2 "आज घलो मोर सिकायत ह करू अय;
मोर कलहरई के बावजूद ओकर हांथ ह मोर ऊपर भारी हवय।
3 कहूं मेंह सिरिप ये जानतेंव कि ओह कहां मिलही;
कहूं मेंह सिरिप ओकर निवास करा जा सकतेंव!
4 मेंह अपन मामला ओकर आघू म रखतेंव
अऊ बहुंत बहस करतेंव।
5 मेंह पता लगातेंव कि ओह मोला का जबाब देतिस,
अऊ जऊन कुछू ओह मोर ले कहितिस, ओकर ऊपर बिचार करतेंव।
6 का ओह अपन पूरा बल ले मोर संग बहस करही?
नइं, ओह मोर बिरोध म दोस नइं लगाही।
7 उहां ईमानदार मनखे ह ओकर आघू म अपन निरदोस होय के बात ला साबित कर सकथे,
अऊ उहां मेंह अपन नियाय करइया ले हमेसा बर छुटकारा पा लेतेंव।

8 "पर कहूं मेंह पूरब दिग म जावंव, त ओह उहां नइं ए;
कहूं मेंह पछिम दिग म जावंव, त ओह मोला नइं मिलय।
9 जब ओह उत्तर दिग म काम करत रहिथे, त मेंह ओला नइं देखंव;
जब ओह दक्खिन कोति मुड़थे, त मेंह ओकर झलक घलो नइं देख पावंव।
10 पर ओह जानथे कि मेंह कते रद्दा म जावत हंव;
जब ओह मोला परखही, त मेंह सोन कस निकलहूं।
11 मेंह बहुंत नजदीकी ले ओकर पाछू म चले हंव;

† **22:24** *????* एक जगह के नांव रिहिस, जिहां बने किसम के सोन मिलत रिहिस

मेंह बिगर एती-ओती जाय ओकर रद्दा ला धरे हंव।
12 मेंह ओकर दिये मुहूं के हुकूम ले नइं हटे हंव;
मेंह ओकर मुहूं के गोठमन ला अपन रोज के जेवन ले घलो जादा अनमोल जानत हंव।

13 "पर ओह अपन बात म अडिग रहिथे, अऊ कोन ह ओकर बिरोध कर सकथे?
जऊन बात ओला बने लगथे, ओही ला ओह करथे।
14 ओह मोर बिरोध म अपन फैसला लेथे,
अऊ अइसने कतको योजना ओकर करा माढ़े हवय।
15 येकरे कारन मेंह ओकर आघू म भयभीत हंव;
जब में ये जम्मो के बारे म सोचथंव, त मेंह ओकर ले डरथंव।
16 परमेसर ह मोर मन ला हतास कर दे हवय;
सर्वसक्तिमान ह मोला भयभीत कर दे हवय।
17 तभो ले मेंह अंधियार के कारन चुप नइं अंव,
ओ गहिरा अंधियार जऊन ह मोर चेहरा ऊपर छाय हवय।

24

1 "सर्वसक्तिमान परमेसर ह नियाय के समय ला काबर नइं ठहिरात हे?
जऊन मन ओला जानथें, ओमन काबर बेकार म अइसने दिन बर अगोरंय?
2 कुछू मनखेमन भुइयां के सिवाना ला बढ़ा देथें;
ओमन चोराय भेड़मन के झुंड ला चराथें।
3 ओमन अनाथमन के गदहा ला खेदके ले जाथें
अऊ बिधवा के बईला ला गिरवी म रखथें।
4 ओमन जरूरतमंद मनखे ला रद्दा ले ढकेल देथें
अऊ देस के जम्मो गरीबमन ला छुपे बर बिबस कर देथें।
5 सुन्ना जगह म जंगली गदहामन कस,
गरीबमन जेवन के खोज म भटकत रहिथें;
सुन्ना जगह ले ओमन के लइकामन ला जेवन मिलथे।
6 ओमन खेत म फसल संकेलथें
अऊ दुस्टमन के अंगूर के बारी म सीला बिनथें।
7 ओमन बिगर ओनहा के नंगरा रथिया बिताथें;
जाड़ म ओढ़े बर ओमन करा कुछू नइं रहय।
8 ओमन परबत के बरसा ले भीग जाथें
अऊ सरन लेय के जगह नइं मिले के कारन ओमन चट्टान म सरन लेथें।
9 अनाथ लइका ला दूध पीयावत दाई के छाती ले छीन लेथें;
गरीब के नानकून लइका ला लागा बर धर लिये जाथे।
10 ओनहा के कमी के कारन, ओमन नंगरा रहिथें;
ओमन अनाज के करपा ला तो ले जाथें, तभो ले भूखन रहिथें।
11 ओमन चबूतरामन* म जैतून तेल पेरथें;
ओमन अंगूर के रसकुंडमन म अंगूर ला खुंदथें, तभो ले पीयासन रहिथें।
12 सहर ले मरइयामन के कलहरई ह सुनई देथे,
अऊ घायलमन के आतमा ह मदद बर पुकारथे।
पर परमेसर ह कोनो ला गलती के दोस नइं देवय।

13 "अइसने मनखे हवंय, जऊन मन अंजोर के बिरोध म बिदरोह करथें,

* **24:11** इबरानी म ये सबद के मतलब साफ नइं ए

ओमन येकर रद्दा ला नइं जानंय,
या येकर रद्दा म नइं रूकंय।
14 जब दिन के अंजोर ह चले जाथे, त हतियारा ह ठाढ़ होथे,
अऊ गरीब अऊ जरूरतमंद ला मार डारथे,
अऊ रथिया ओह चोर कस चोरी करथे।
15 बेभिचार करइया के आंखी ह संझाती के डहार देखथे;
ओह सोचथे, 'मोला कोनो नइं देखहीं,'
अऊ ओह अपन चेहरा ला छुपाके रखथे।
16 अंधियार म चोरमन घर म सेंध लगाथें,
पर दिन म अपनआप ला लुकाय रखथें;
अंजोर म ओमन कुछू करे बर नइं चाहंय।
17 ओ जम्मो बर, आधा रथिया ह ओमन के बिहनियां ए;
ओमन अंधियार के आतंक ला संगी बनाथें।

18 "तभो ले ओमन पानी के ऊपर झाग सहीं अंय;
ओमन के बांटा के भुइयां ह सरापित ए,
जेकर ले अंगूर के बारीमन म कोनो नइं जावंय।
19 जइसे कि गरमी अऊ सूखा ह पिघलत बरफ के पानी ला ले जाथे,
वइसनेच ही कबर ह ओमन ला ले जाथे जऊन मन पाप करे हवंय।
20 दाई ह ओमन ला भुला जाथे,
कीरामन ओमन ला मजा लेके खाथें;
दुस्टमन ला कोनो सुरता नइं करंय
पर ओमन ला रूख कस काट डारे जाथे।
21 ओमन ठड़गी अऊ बिगर लइका के माईलोगनमन ला लूटथें,
अऊ बिधवामन ऊपर कुछू दया नइं देखावंय।
22 पर परमेसर ह अपन सामर्थ ले सूरबीरमन ला घिल्लावत ले जाथे;
हालाकि ओमन स्थापित रहिथें, पर ओमन ला जिनगी के भरोसा नइं रहय।
23 परमेसर ह ओमन ला सुरकछा के अनुभव म अराम करा सकथे,
पर ओकर आंखी ह ओमन के रद्दा ऊपर लगे रहिथे।
24 ओमन थोरकून समय बर ऊपर उठाय जाथें, अऊ ओकर बाद ओमन के कुछू महत्व नइं रहय;
ओमन ला गिराय जाथे अऊ जम्मो आने मन कस संकेले जाथे;
ओमन ला अनाज के बालीमन कस काट डारे जाथे।

25 "कहूं येह अइसे नो हय, त कोन ह मोला गलत साबित कर सकथे
अऊ मोर गोठ ला बिना मतलब के ठहिरा सकथे?"

25

?????
1 तब सूही के रहइया बिलदद ह जबाब दीस:
2 "परभूता अऊ भय के अधिकारी परमेसर ही अय;
ओह ऊंच स्वरग म सांति स्थापित करथे।
3 का ओकर सेनामन के गनती करे जा सकथे?
अइसे कोन हवय, जेकर ऊपर ओकर अंजोर नइं परय?
4 तब एक मरनहार मनखे ह परमेसर के आघू म कइसे धरमी हो सकथे?
माईलोगन ले जनमे मनखे ह कइसे सुध हो सकथे?
5 कहूं ओकर नजर म चंदा ह घलो उजला

अऊ तारामन घलो ओकर नजर म सुध नइं अंय,
6 त फेर मरनहार मनखे के का गनती, जऊन ह सिरिप एक गेंगरूआ अय—
एक मनखे, जऊन ह सिरिप एक कीरा अय!”

26

[illegible]
1 तब अयूब ह जबाब दीस:
2 “तेंह कइसे निरबलमन के मदद करे हवस!
तेंह कइसे ओ मनखे ला संभाले हस, जऊन ह कमजोर हवय!
3 तेंह ओ मनखे ला का सलाह दे हवस, जेकर करा बुद्धि नइं ए!
अऊ तेंह का अंतर-गियान देखाय हवस!
4 कोन ह तोला ये गोठ कहे बर मदद करे हवय?
अऊ काकर आतमा ह तोर मुहूं ले गोठियाईस?

5 “मरे मनखेमन बहुंत पीरा म हवंय,
ओमन, जऊन मन पानी के खाल्हे अऊ ओ जम्मो, जऊन मन ओमा रहिथंय।
6 अधोलोक ह परमेसर के आघू म खुला हवय;
बिनास ह नइं तोपाय हवय।
7 ओह उत्तर दिग के अकासमन ला खाली जगह म बगराथे;
ओह धरती ला अधर म लटकाय हवय।
8 ओह बारिस के पानी ला अपन बादर म लपेटे हवय,
तभो ले बादरमन ओमन के बोझ म होके बरसंय नइं।
9 ओह पून्नी के चंदा ला ढांप देथे,
ओकर ऊपर अपन बादरमन ला बगराय के दुवारा।
10 अंजोर अऊ अंधियार के बीच म सिवाना बांधे बर
ओह समुंदर के सतह म छितिज ला ठहिराय हवय।
11 ओकर दबकारे ले
अकास के खंभामन डरके थर-थर कांपथें।
12 अपन सामर्थ ले ओह समुंदर ला सांत कर देथे;
अपन बुद्धि ले ओह राहाब* ला कुटा-कुटा कर देथे।
13 ओकर सांस ले अकास-मंडल साफ हो जाथे;
ओकर हांथ ह भागत सांप ला मार देथे।
14 अऊ येमन तो ओकर काम के सिरिप एक झलक अंय;
ओकर फुसफुसाहट हमन ला कतेक कम सुनई देथे!
त फेर ओकर सामर्थ के गरजन ला कोन ह समझ सकथे?”

27

[illegible]
1 अऊ अयूब ह अपन बात ला आगे कहिस:
2 “जीयत परमेसर के किरिया, जऊन ह मोला नियाय नइं दे हवय,
ओ सर्वसक्तिमान, जऊन ह मोर जिनगी ला करू कर दे हवय,
3 जब तक मोर म परान हवय,
परमेसर के सांस ह मोर नाक म चलत हवय,
4 तब तक मेंह मोर मुहूं ले कोनो खराप बात नइं गोठियावंव,
अऊ मोर जीभ ले लबारी बात नइं निकलय।

* **26:12** [illegible] के मतलब [illegible]

5 मेंह कभू नइं मानंव कि तुमन सही अव;
मेंह अपन मरत ले अपन ईमानदारी नइं छोड़ंव।
6 मेंह अपन धरमीपन ला बनाय रखहूं अऊ एकर ले बाहिर नइं जावंव;
जब तक मेंह जीयत हंव मोर बिबेक ह मोला नइं धिक्कारय।

7 "मोर बईरी ह दुस्ट मनखे कस,
अऊ मोर बिरोधी ह अनियायी कस ठहिरय!
8 जब भक्तिहीन मनखेमन मर जाथें, त ओमन करा का आसा रहिथे,
याने कि जब परमेसर ह ओमन के परान ला ले लेथे?
9 जब ओमन ऊपर संकट आथे,
त का परमेसर ह ओमन के गोहार ला सुनथे?
10 का ओमन ला सर्वसक्तिमान म खुसी मिलही?
का ओमन परमेसर ला हर समय गोहारहीं?

11 "मेंह तुमन ला परमेसर के सामर्थ के बारे म सिखाहूं;
सर्वसक्तिमान के रद्दा ला मेंह नइं छुपावंव।
12 तुमन जम्मो ये बात ला देख डारे हव।
त फेर ये बेकार के बात काबर करत हव?

13 "दुस्ट मनखे के बांटा म परमेसर ह ये चीज देथे,
निरदयी मनखे ला सर्वसक्तिमान ले पुरखा के ये पूंजी मिलथे:
14 चाहे ओकर कतको लइका रहंय, ओमन तलवार ले घात करे जाहीं;
ओकर संतानमन ला कभू पेट भर जेवन नइं मिलय।
15 ओकर जऊन मनखेमन बांच जाहीं, ओमन महामारी ले मर जाहीं,
अऊ ओमन के बिधवामन ओमन बर नइं रोहीं।
16 हालाकि ओह चांदी ला धुर्रा कस कुढ़ोथे
अऊ ओनहा ला माटी कस ढेर लगाथे,
17 पर जऊन ओनहा के ढेर ओह लगाथे, ओला धरमी मनखे ह पहिरही,
अऊ निरदोस मनखेमन ओकर चांदी ला बांट लीहीं।
18 जऊन घर ओह बनाथे, ओह कीरा के घरौंदा कस अय,
या ओह रखवार के बनाय एक झोपड़ी कस अय।
19 ओह धनी होके सुतथे, पर अब अइसने नइं कर सकही;
जब ओह सुतके उठथे, त जम्मो ह खतम हो गे रहिथे।
20 आतंक ह ओला बाढ़ कस घेर लेथे;
गरेर ह ओला रथिया उड़िया ले जाथे।
21 पुरवई हवा ह ओला उड़िया ले जाथे, अऊ ओह नइं रहय;
येह ओला ओकर घर ले झपटके ले जाथे।
22 ओ हवा ह बिगर दया के ओला ओकर बिरूध उठाके फटिकथे;
ओह ओ हवा के सक्ति ले तेजी से भागथे।
23 येह हंसी उड़ाय सहीं ताली बजाथे
अऊ फुफकारके ओला ओकर जगह ले हटा देथे।"

28

[illegible]
1 चांदी ह खदान म मिलथे
अऊ सोन ला सुध करे बर एक जगह होथे।

2 माटी म ले लोहा निकाले जाथे,
अऊ तांबा ह धातु ला गलाय ले मिलथे।
3 मरनहार मनखेमन अंधियार के अन्त कर देथें;
ओमन बहुंत दूर तक कोना-कोना म
घोर अंधियार म धातु के खोज करथें।
4 मनखेमन के बसेरा ले बहुंत दूरिहा ओमन खदान खनथें,
जिहां मनखेमन के गोड़ घलो नइं परे रहय;
आने मनखेमन ले बहुंत दूर ओमन ओरमे अऊ झूलत रहिथें।
5 धरती, जिहां ले फसल आथे,
ओकर खाल्हे के रूप ह आगी के दुवारा बदलत हवय।
6 येकर चट्टानमन म ले नीलमनि,
अऊ येकर धुर्रा म सोन के कन पाय जाथे।
7 ओ छुपे रद्दा ला कोनो सिकार करइया चिरई नइं जानय,
येकर ऊपर कोनो बाज चिरई के आंखी नइं परे हवय।
8 येमा जंगली पसुमन अपन गोड़ नइं रखंय,
अऊ कोनो सेर उहां छुपके घलो नइं जावय।
9 मनखेमन कठोर चट्टान ऊपर अपन हांथ ले ठोकर मारथें
अऊ पहाड़मन के नीव ला उखानके हटा देथें।
10 ओमन चट्टान म ले सुरंग* निकाल लेथें;
ओमन के आंखी ह येकर खजाना ला देखथे।
11 ओमन नदीमन के सोतमन ला खोजथें
अऊ छुपे चीजमन ला सब के आघू म लानथें।

12 पर बुद्धि ह कहां मिल सकथे?
ओ जगह कहां हवय, जिहां समझ ह रहिथे।
13 कोनो मरनहार मनखे येकर कीमत नइं जान सकय;
येह जीयत परानीमन के लोक म नइं मिलय।
14 समुंदर के गहरई ह कहिथे, "बुद्धि ह मोर म नइं ए";
समुंदर ह कहिथे, "बुद्धि ह मोर करा नइं ए।"
15 चोखा सोन ले येला बिसाय नइं जा सकय,
अऊ न ही येकर कीमत बर चांदी ला तऊले जा सकथे।
16 येला ओपीर के सोन ले बिसाय नइं जा सकय,
येला कीमती गोमेदक या नीलमनि ले घलो बिसाय नइं जा सकय।
17 न सोन, न कांच के तुलना येकर संग करे जा सकथे,
न ही सोन के जेवर के बलदा म येह मिल सकथे।
18 मूंगा अऊ मनि के येकर आघू म चरचा करई ह बेकार अय;
बुद्धि के कीमत ह मानिक ले घलो बढ़के अय।
19 कूस† के पुखराज के तुलना येकर संग करे नइं जा सकय;
येला चोखा सोन ले बिसाय नइं जा सकय।

20 त फेर बुद्धि ह कहां ले आथे?
समझ ह कहां रहिथे?
21 येह हर एक जीयत चीज के आंखी ले छुपे हवय,
अऊ त अऊ अकास के चिरईमन के आंखी घलो येला नइं देख सकंय।

---

* **28:10** या [illegible] † **28:19** या [illegible]

22 बिनास अऊ मिरतू कहिथें,
“सिरिप येकर अफवाह ला हमन सुने हवन।”
23 परमेसर ह येकर रद्दा ला समझथे
अऊ सिरिप ओही ह येकर रहे के जगह ला जानथे,
24 काबरकि ओह धरती के छोर तक नजर रखथे
अऊ अकास के खाल्हे के हर एक चीज ला देखथे।
25 जब ओह हवा के ताकत ला स्थापित करिस
अऊ पानी ला नापिस,
26 जब ओह बरसा होय के नियम
अऊ बादर के गरजन के रद्दा ठहिराईस,
27 तब ओह बुद्धि ला देखिस अऊ येकर दाम आंकिस;
ओह येकर पुस्टि करिस अऊ येला जांचिस।
28 अऊ परमेसर ह मनखे-जात ला कहिस,
“परभू के भय मनई ह बुद्धि अय,
अऊ बुरई ले दूरिहा रहई ह समझ अय।”

29

[illegible]
1 अयूब ह अपन बात ला आगे कहिस:
2 “कास मोर स्थिति ह पहिली के महिनामन सहीं हो जातिस,
ओ दिनमन म, जब परमेसर ह मोर देखभाल करत रिहिस,
3 जब ओकर दीया के अंजोर ह मोर मुड़ म परत रिहिस
अऊ ओकर अंजोर के जरिये मेंह अंधियार म रेंगत रहेंव!
4 ओ दिनमन मोर बढ़िया दिन* रिहिन,
जब परमेसर के संग घनिस्ट संगी के रिस्ता ह मोर घर ला आसीस देवत रिहिस,
5 जब सर्वसक्तिमान ह मोर संग म रिहिस
अऊ मोर लइकामन मोर चारों कोति रिहिन,
6 जब मोर रसता ह मलाई ले गीला होवत रिहिस
अऊ चट्टानमन मोर बर जैतून के तेल के धारा बहात रिहिन।

7 “जब मेंह सहर के कपाट करा जावंव
अऊ खुला चऊक† म अपन आसन म बईठंव,
8 त जवानमन मोला देखके डहार छोंड़ देवंय
अऊ डोकरामन आदर म उठके ठाढ़ हो जावंय;
9 मुखिया मनखेमन अपन गोठियाई बंद कर देवंय
अऊ अपन हांथ ले अपन मुहूं ला ढंक लेवंय;
10 आदरनीय मनखेमन चुप हो जावंय,
अऊ ओमन के जीभ ह ओमन के तालू म चपक जावय।
11 जऊन कोनो मोर बात ला सुनय, ओह मोला बने कहय,
अऊ जऊन मन मोला देखंय, ओमन मोर बड़ई करंय,
12 काबरकि मेंह मदद मंगइया गरीब
अऊ ओ अनाथ लइकामन, जेमन के मदद करइया कोनो नइं रहंय, ओमन ला छोंड़ावंव।
13 मिरतू के खटिया म परे मनखे ह मोला आसीरबाद देवय;
मोर कारन बिधवामन अपन हिरदय ले आनंद के गीत गावंय।

* **29:4** या [illegible] † **29:7** सहर के भीतर सहर के कपाट के लकठा म सहर के मनखेमन के बइसका करे के जगह

14 मेंह धरमीपन ला कपड़ा सहीं पहिर ले रहेंव;
नियाय ह मोर ओनहा अऊ मोर पागा रिहिस।
15 मेंह अंधरामन बर आंखी
अऊ खोरवामन बर गोड़ रहेंव।
16 में जरूरतमंद बर ददा सहीं रहेंव;
मेंह अनचिनहार मनखे के मामला ला निपटावंव।
17 मेंह दुस्टमन के दांत ला टोरंव
अऊ पीड़ित मनखे ला ओमन के पकड़ ले छोंड़ावंव।

18 "मेंह सोचेंव, 'में अपन घर म ही मरहूं,
मोर जिनगी के दिनमन बालू कस अनगिनत होहीं।
19 मोर जरी ह पानी तक हबरही,
अऊ ओस ह रात भर मोर डारामन म रहिही।
20 मोर महिमा ह नइं मुरझाही;
धनुस ह मोर हांथ म हमेसा नवां बने रहिही।'

21 "मनखेमन मोर बात ला मन लगाके सुनंय,
अऊ चुपेचाप मोर सलाह के इंतजार करंय।
22 मोर गोठियाय के बाद ओमन अऊ नइं गोठियांय;
मोर गोठ ह ओमन के कान म सरलता से उतर जावय।
23 ओमन बारिस के सहीं मोर बाट जोहंय
अऊ बसंतकाल के बरसा सहीं मोर गोठ ला गरहन करंय।
24 जब मेंह ओमन ऊपर मुस्करावंव, त ओमन मुसकुल से येला बिसवास करंय;
मोर चेहरा के अंजोर ह ओमन बर कीमती रिहिस।
25 मेंह ओमन बर रसता चुनेंव अऊ ओमन के मुखिया के रूप म बईठेंव;
मेंह ओकर सेना के बीच म राजा सहीं रहत रहेंव;
मेंह सोक करइयामन ला सांति देवइया सहीं रहेंव।

30

1 "पर अब ओमन ही मोर हंसी उड़ाथें,
ओ मनखे जऊन मन उमर म मोर ले छोटे हवंय,
जऊन मन के ददामन ला मेंह अपन भेड़मन के रखवार कुकुरमन संग
रखे के लईक घलो नइं समझत रहेंव।
2 ओमन के भुजा के बल ह मोर का काम के रिहिस,
जब ओमन के ताकत ह खतम हो गे रिहिस?
3 गरीबी अऊ भूख ले दुबर-पातर,
ओमन बीरान अऊ बेकार पड़े भुइयां म
रथिया के बेरा भटकत रिहिन।
4 ओमन झाड़ी के बीच म लोनिया साग* टोरिन,
अऊ ओमन के जेवन,† बहरी बनाय के झाड़ी के जरी रिहिस।
5 ओमन ला समाज ले निकाल देय गे रिहिस,
मनखेमन ओमन ऊपर अइसे चिचियावंय, जइसे चोर ऊपर चिचियाथें।
6 ओमन ला डरावनी घाटीमन म, चट्टानमन के बीच म
अऊ भुइयां के बिलमन म रहे ला परय।

* **30:4** या [illegible] (?) [illegible] [illegible]-[illegible] † **30:4** या [illegible] [illegible] [illegible]

7 ओमन झाड़ीमन के बीच म पसु सहीं चिचियावंय
अऊ रूख के खाल्हे उगे झाड़ीमन म भीड़ लगावंय।
8 ओमन नीच अऊ अनामी संतान रिहिन,
जेमन ला देस ले निकाल देय जावय।

9 "अब ओ जवानमन गीत गाके मोर हंसी उड़ाथें;
मेंह ओमन के बीच म एक नारा बन गे हवंव।
10 ओमन मोर ले घिन करथें अऊ मोर ले दूरिहा रहिथें;
ओमन मोर मुहूं ऊपर थूके म संकोच नइं करंय।
11 काबरकि परमेसर ह मोला सक्तिहीन कर दे हवय अऊ मोला पीरा दे हवय,
ओमन मोर आघू म बिगर लगाम के हो जाथंय।
12 मोर जेवनी कोति बरदी के बरदी चढ़ई करथें;
ओमन मोर गोड़ बर फांदा लगाथें,
ओमन मोर बिरोध म अपन घेराबंदी के ढलान बनाथें।
13 ओमन मोर डहार ला काटके बंद कर देथें;
ओमन मोला नास करे म सफल होथें।
ओमन कहिथें, 'ओकर मदद कोनो झन करंय।'
14 दरार म ले बुलकके आय सहीं ओमन आघू बढ़थें;
बिनास के बीच म ओमन उंडलत आथें।
15 आतंक ह मोर ऊपर छा गे हवय;
मोर मान-सम्मान ह हवा कस उड़िया गे हवय,
मोर सुरकछा ह बादर कस गायब हो गे हवय।

16 "अब मोर जिनगी ह घटत हवय;
दुख के दिनमन मोला जकड़ ले हवंय।
17 रथिया ह मोर हाड़ामन ला भेद देथे;
मोर अब्बड़ पीरा ह कभू बंद नइं होवय।
18 परमेसर ह अपन बड़े सामर्थ म मोर ओनहा ला पकड़थे‡;
ओह मोर कुरता के कालर कस मोला लपेटथे।
19 ओह मोला चीखला म फटिकथे,
अऊ मेंह धुर्रा अऊ राख कस हो गे हंव।

20 "हे परमेसर, में तोला पुकारथंव, पर तेंह जबाब नइं देवस;
मेंह ठाढ़ होथंव, पर तेंह सिरिप मोला देखथस।
21 तें मोर बर कठोर हो गे हस;
अपन भुजा के बल ले मोला सताथस।
22 तेंह मोला उठाके हवा म उड़िया देथस;
तेंह मोला आंधी म उछाल देथस।
23 मेंह जानत हंव तेंह मोला मिरतू करा ले आबे,
ओ जगह जऊन ह जम्मो जीयत परानीमन बर ठहिराय गे हवय।

24 "खचित कोनो टूटे मनखे कोति हांथ नइं बढ़ावय
जब ओह अपन बिपत्ति के समय मदद बर गोहारथे।
25 का मेंह ओमन बर नइं रोयेंव, जऊन मन समस्या म रिहिन?
का गरीबमन बर मोर आतमा ह दुखी नइं होईस?

‡ **30:18** या [illegible]

26 तभो ले जब मेंह भलई के आसा करेंव, त बुरई ह आईस;
जब मेंह अंजोर के बाट जोहत रहेंव, त अंधियार आईस।
27 मोर भीतर म उथल-पुथल कभू बंद नइं होवय;
दुख के दिनमन मोर ऊपर आ गे हवंय।
28 मेंह करिया होवत हंव, पर सूरज के दुवारा नइं;
मेंह सभा म ठाढ़ होके मदद बर गोहारथंव।
29 मेंह गीदड़मन के भाई,
अऊ उल्लू चिरईमन के संगी बन गे हवंव।
30 मोर चमड़ी ह करिया होके गिरत हवय;
मोर देहें ह जर-बुखार म जरत हवय।
31 मोर बीना ले बिलाप के सुर,
अऊ मोर बंसी ले रोये के अवाज निकलत हवय।

31

1 "मेंह अपन आंखीमन के संग करार करे हंव
कि मेंह कोनो जवान माईलोगन ला लालसा ले नइं देखंव।
2 स्वरग ले परमेसर के दुवारा हमन ला का बांटा मिले हे,
या ऊंच म बिराजे सर्वसक्तिमान ले हमन ला मिले संपत्ति का ए?
3 का येह दुस्टमन बर बिनास,
अऊ गलत करइयामन बर बिपत्ति नो हय?
4 का परमेसर ह मोर चालचलन ला नइं देखय
अऊ मोर कदम-कदम ला नइं गनय?

5 "कहूं मेंह लबारी आचरन करे हंव
या मोर गोड़ ह धोखा देय बर दऊड़े हे—
6 त परमेसर ह मोला सच के तराजू म तऊल लेवय
अऊ ओह जान लेवय कि मेंह निरदोस अंव—
7 कहूं मोर कदम ह ओकर डहार ले भटक गे हवय,
कहूं मोर मन ह मोर आंखी के मुताबिक चले हवय,
या कहूं मोर हांथमन असुध हो गे हवंय,
8 त जऊन कुछू मेंह बोये हंव, ओला आने मन खावंय,
अऊ मोर फसल ला उखान दिये जावय।

9 "कहूं मोर मन ह कोनो माईलोगन के दुवारा बहकाय गे हे,
या कहूं मेंह अपन परोसी के मुंहटा म घात लगाके बईठे हंव,
10 त मोर घरवाली ह आने आदमी के अनाज पीसय,
अऊ आने आदमीमन ओकर संग सुतंय।
11 काबरकि ओह दुस्ट काम होतिस,
अऊ नियायधीस के दुवारा पाप के दंड मिलतिस।
12 येह एक आगी ए, जऊन ह जलाके भसम कर देथे;
येह मोर कटनी के फसल ला जरी ले उखान देतिस।

13 "कहूं मेंह अपन कोनो सेवक के संग अनियाय करे हंव,
चाहे दास हो या दासी,
जब ओमन मोर बिरोध म मोर करा सिकायत करिन,

14 तब में का करहूं, जब परमेसर ह मोर ले जबाब मांगही?
मेंह का जबाब दूहूं, जब ओह मोर ले लेखा लीही?
15 जऊन ह मोला दाई के गरभ म बनाईस, का ओहीच ह ओमन ला नइं बनाईस?
का ओही ह हमन दूनों ला हमर दाईमन के गरभ म नइं रचिस?

16 "कहूं मेंह गरीबमन के ईछा ला पूरा नइं करे हंव
या मोर कारन बिधवामन म निरासा छा गीस,
17 कहूं मेंह खाना खाय म सुवारथी हो गे हंव,
अऊ खाना ला अनाथमन संग नइं बांटे हंव—
18 पर में तो ओमन ला अपन जवानी ले अइसे पालें-पोसें, जइसे एक ददा ह करथे,
अऊ मेंह अपन लइकापन ले ही बिधवा ला रसता देखावत हंव—
19 कहूं मेंह कोनो ला ओनहा के कमी के कारन नास होवत देखेंव,
या कोनो जरूरतमंद ला बिगर ओनहा के देखेंव,
20 त ओमन ला मेंह अपन भेड़ के ऊन ले गरम रखे के कारन
ओमन मोला हिरदय ले आसीरबाद नइं दे हवंय,
21 कहूं मेंह अनाथमन ऊपर अपन हांथ उठाय हंव,
ये जानके कि अदालत म मोर पहुंच हवय,
22 त मोर बाहां ह कंधा ले उखनके गिर जावय,
येह कोहनी ले टूटके अलग हो जावय।
23 काबरकि मेंह परमेसर कोति ले अवइया बिनास ले डरेंव,
अऊ ओकर सोभा के डर के कारन मेंह अइसे नइं कर सकेंव।

24 "कहूं मेंह अपन भरोसा सोन ऊपर रखे हंव
या चोखा सोन ले कहे हंव, 'तेंह मोर आसरा अस,'
25 कहूं मेंह अपन बहुंत धन,
या अपन हांथ के बहुंत कमई ऊपर आनंद मनाय हंव,
26 कहूं मेंह सूरज के चमकई,
या चंदा ला सोभा म चलत देखेंव,
27 ताकि मोर मन ह मोहा गीस
अऊ ओमन के भक्ति म मोर हांथ के चूमा लेय हंव,
28 त ये पापमन के घलो दंड मिलतिस,
काबरकि तब मेंह ऊपर म बिराजे परमेसर के इनकार करे रहितेंव।

29 "कहूं मेंह अपन बईरी के दुरभाग्य म आनंद मनाय हंव
या ओकर ऊपर आय बिपत्ति ला देखके खुस होय हंव—
30 मेंह ओमन ला मरे के सराप देय के दुवारा
अपन मुहूं ले पाप नइं करे हंव—
31 कहूं मोर घर म रहइया मनखेमन ये कभू नइं कहे हवंय,
'कोन ह अयूब के इहां खाके संतोस नइं होईस?'—
32 पर कोनो अजनबी ला गली म रथिया बिताना नइं परिस,
काबरकि मोर घर के मुंहटा ह बटोहीमन बर हमेसा खुला रिहिस—
33 अपन मन म अपन अपराध ला छुपाय के दुवारा
कहूं मेंह आने मनखेमन सहीं अपन पाप ला छुपाय हंव,
34 काबरकि मोला मनखेमन के भीड़ ले डर लगिस

अऊ अपन कुल के अपमान ले अइसे डर गेंव
कि मेंह चुप रहेंव अऊ घर ले बाहिर नइं निकलेंव—

35 (“आह, कि कोनो तो मोर बात के सुनइया रिहिस!
मेंह अब अपन बचाव के दसखत करत हंव—सर्वसक्तिमान ह मोला जबाब देवय;
मोर ऊपर दोस लगइया ह मोर दोस ला लिखित म देवय।
36 खचित मेंह येला अपन खांध म उठाहूं,
मेंह येला मुकुट कस पहिरहूं।
37 मेंह ओला अपन हर कदम के हिसाब दूहूं;
जइसे सासन करइया के आघू म मामला रखथें, वइसे मेंह येला ओकर आघू म रखहूं।)—

38 “कहूं मोर भुइयां ह मोर बिरोध म पुकारथे
अऊ नांगर ले बने येकर जम्मो घारीमन रोथें,
39 कहूं मेंह बिगर दाम चुकाय येकर ऊपज ला खा गे हंव
या येकर मालिक के मरे के कारन बने हंव,*
40 त गहूं के बलदा म कंटिली झाड़ी
अऊ जवांर के बलदा म खरपतवार उगय।”
अयूब के गोठ ह खतम होईस।

32

?????

1 तब अयूब के ये तीनों संगी अयूब ला जबाब देना बंद कर दीन, काबरकि अयूब ह खुद के नजर म धरमी रिहिस।
2 पर राम के परिवार के बूजवासी बारकेल के बेटा एलीहू ह अयूब के ऊपर बहुंत गुस्सा होईस काबरकि अयूब ह परमेसर के बदले अपनआप ला धरमी ठहिरात रिहिस।
3 एलीहू ह ये तीनो संगीमन ऊपर घलो गुस्सा होईस, काबरकि ओमन अयूब ला जबाब नइं दे सकिन, अऊ तभो ले ओमन ओला दोसी ठहिराईन।
4 एलीहू ह अयूब के आघू म गोठियाय बर इंतजार करत रिहिस, काबरकि ओह ओमन ले उमर म छोटे रिहिस।
5 पर जब ओह देखिस कि ओ तीनों झन करा कहे बर अऊ कुछू नइं ए, त ओकर रिस ह भड़किस।
6 तब बूजवासी बारकेल के बेटा एलीहू ह जबाब दीस:
“मेंह तो उमर म छोटे अंव,
अऊ तुमन सियान अव;
एकरसेति मेंह डरत रहेंव,
अऊ जऊन कुछू जानथंव, ओला कहे के हिम्मत नइं करत रहेंव।
7 मेंह सोचत रहेंव, ‘उमर म बड़ेमन ला गोठियाना चाही;
उमर म बड़ेमन ला बुद्धि के बात सिखाना चाही।’
8 पर मनखे म येह आतमा ए,
याने सर्वसक्तिमान के सांस ए, जऊन ह ओमन ला समझ देथे।
9 सिरिप सियान मनखेमन ही बुद्धिमान नइं होवंय,
अऊ सिरिप उमरवालामन ही सही बात के समझ नइं रखंय।

10 “एकरसेति मेंह कहत हंव: मोर बात ला सुनव;
मेंह घलो तुमन ला बताहूं, जऊन कुछू मेंह जानथंव।

* **31:39** अधरम करके दुख दे हंव

11 जब तुमन गोठियावत रहेव, त मेंह रूके रहेंव,
मेंह तुम्हर बिचार ला सुनेंव;
जब तुमन बोले बर सबद खोजत रहेव,
12 मेंह पूरा धियान देके तुम्हर बात सुनेंव।
पर तुमन म ले कोनो अयूब ला गलत साबित नइं करेव;
तुमन म ले एको झन घलो ओकर बात के जबाब नइं दे सकेव।
13 ये झन कहव, 'हमन बुद्धि पा गे हन;
कोनो मनखे नइं, पर परमेसर ह ओला लबरा साबित करय।'
14 पर अयूब ह मोर बिरोध म कुछू नइं कहिस,
अऊ मेंह ओला तुम्हर तर्क के संग जबाब नइं देवंव।

15 "ओमन अबक हो गे हवंय अऊ ओमन करा कहे बर कुछू नइं ए;
ओमन ला सबद ही नइं मिलिस।
16 ओमन चुप हवंय अऊ बिगर कोनो जबाब के ठाढ़े हवंय,
त का मेंह रूके रहंव?
17 मेंह घलो अपन बात कहिहूं;
जऊन कुछू मेंह जानथंव, मेंह घलो बताहूं।
18 काबरकि मेंह गोठमन ले भरे हवंव,
अऊ मोर भीतर के आतमा ह मोला बाध्य करत हवय;
19 भीतर म मेंह अंगूर के मंद के बोतल सहीं अंव,
नवां चाम के बोतल सहीं, जऊन ह फूटे बर तियार हवय।
20 मेंह जरूर बोलहूं अऊ येकर ले मोला अराम मिलही;
मेंह मुहूं खोलके जरूर जबाब दूहूं।
21 मेंह काकरो पखियपात नइं करंव,
अऊ न ही काकरो चापलूसी करहूं;
22 काबरकि कहूं मेंह चापलूसी करे म कुसल होतेंव,
त मोर सिरजनहार ह मोला जल्दी नास कर देतिस।

33

1 "पर अब, हे अयूब, मोर गोठ ला सुन;
अऊ मोर ओ जम्मो बात ऊपर धियान दे, जेला मेंह कहत हंव।
2 मेंह अपन मुहूं खोलनेचवाला हंव;
मोर जीभ ह गोठियाय बर चुलबुलावत हवय।
3 मोर गोठ ह सही मन ले आवत हे;
जऊन बात मेंह जानथंव, ओला मेंह ईमानदारी ले गोठियाथंव।
4 परमेसर के आतमा ह मोला बनाय हवय;
सर्वसक्तिमान के सांस ह मोला जिनगी देथे।
5 कहूं जबाब दे सकत हस, त दे;
ठाढ़ हो अऊ मोर आघू म अपन स्थिति बर जबाब दे।
6 परमेसर के नजर म तोरेच कस महूं घलो अंव;
महूं ह घलो माटी ले बनाय गे हंव।
7 मोर ले तोला कोनो किसम के डर झन होवय,
अऊ न ही मोर कोति ले तोर ऊपर कोनो किसम के दबाव होवय।

8 “पर तेंह मोर सुनत म कहे हस—
मेंह ओ बातमन ला सुने हंव—
9 ‘मेंह सुध हंव, मेंह कोनो अपराध नइं करे हंव;
मेंह सुध अऊ पाप ले मुक्त हंव।
10 तभो ले परमेसर ह मोर म गलती पाय हे;
ओह मोला अपन बईरी समझथे।
11 ओह मोर गोड़ ला बेड़ी म बांधथे;
ओह मोर जम्मो चालचलन ला धियान से देखथे।’

12 “पर मेंह तोला कहत हंव कि ये बात म तेंह सही नो हस,
काबरकि परमेसर ह कोनो भी मनखे ले बड़े अय।
13 तेंह ओकर करा काबर सिकायत करथस
कि ओह काकरो बात के जबाब नइं देवय?
14 काबरकि परमेसर ह गोठियाथे जरूर—कभू एक रीति ले, त कभू आने रीति ले—
हालाकि येला कोनो मनखे नइं समझंय।
15 कभू सपना म, कभू रथिया दरसन म,
जब मनखेमन बहुंत नींद म परे रहिथें
अपन बिस्तर म आलस के मारे झपकी लेवत रहिथें,
16 त परमेसर ह ओमन के कान म गोठियाथे
अऊ ओमन ला चेतउनी देके डराथे,
17 ताकि ओमन गलत काम झन करंय
अऊ घमंड ले दूरिहा रहंय,
18 ताकि ओमन खंचवा म गिरे ले बचंय,
अऊ ओमन के जिनगी ह तलवार ले नास झन होवय।

19 “या कोनो मनखे अपन बिस्तर म पीरा ले पीड़ित हे,
ओकर हाड़ामन म लगातार पीरा ले ओला सजा मिलत हे,
20 जेकर ले जेवन ह ओकर मन ला नइं रूचय
अऊ ओकर मन ह सुवादवाले जेवन ले घिन करे लगथे।
21 ओकर देहें के मांस ह बेकार म नास होथे,
अऊ ओकर नइं दिखइया हाड़ामन दिखे लगथें।
22 ओकर जीव खंचवा के लकठा म जाथे,
अऊ ओकर जिनगी ह मिरतू के दूतमन* करा जाथे।
23 कहूं एक स्वरगदूत ह ओकर कोति रहय
एक संदेसिया, जऊन ह हजार म ले एक अय
ओकर करा ये कहे बर भेजे जावय कि ईमानदार कइसे बनय,
24 अऊ ओह ओ मनखे ऊपर दयालु बनके परमेसर ले कहय,
‘ओला कबर म जाय ले बचा;
मोला ओकर छुड़ौती के कीमत मिल गे हवय—
25 ओकर मांस ह लइका के मांस सहीं कोमल हो जावय
ओला ओकर जवानी के दिन सहीं कर दिये जावय’—
26 तब ओ मनखे ह परमेसर ले पराथना करय अऊ परमेसर के अनुग्रह ला पावय,
ओह परमेसर के मुहूं ला देखही अऊ आनंद के मारे चिचियाही;
परमेसर ह ओला फेर पहिले सहीं बने स्थिति म ले आही।
27 अऊ ओह आने मनखेमन करा जाके कहिही,

* **33:22** या [illegible]

'मेंह पाप करे हंव, मेंह सही काम ला बिगाड़े हंव,
पर मोर गलती के सजा मोला नइं मिलिस।
28 परमेसर ह मोला कबर म जाय ले बचाय हवय,
अऊ मेंह अपन जिनगी के अंजोर के आनंद उठाय बर जीहूं।'

29 "परमेसर ह ये जम्मो चीज मनखे के संग करथे—
दू बार, तीन बार घलो करथे—
30 ताकि ओमन कबर ले लहुंटंय,
अऊ जिनगी के अंजोर ह ओमन ऊपर चमकय।

31 "हे अयूब, धियान दे, अऊ मोर बात ला सुन;
चुपे रह, अऊ मेंह गोठियाहूं।
32 कहूं तोला कुछू कहना हे, त मोला जबाब दे;
गोठिया, काबरकि मेंह तोला सही ठहिराय चाहत हंव।
33 पर कहूं नइं, त फेर मोर बात ला सुन;
चुपे रह, अऊ मेंह तोला बुद्धि के बात सिखोहूं।"

34

1 तब एलीहू ह आगे कहिस:
2 "हे बुद्धिमान मनखेमन, मोर बात ला सुनव;
हे गियानी मनखेमन, मोर बात म कान लगावव।
3 काबरकि जइसे जीभ ले जेवन चखे जाथे,
वइसनेच ही कान ह गोठमन ला परखथे।
4 सही का ए, आवव, हमन ओला समझन;
भलई का ए, आवव हमन ओला एक संग सीखन।

5 "काबरकि अयूब ह ये कहिथे, 'मेंह निरदोस अंव,
पर परमेसर ह मोर संग नियाय नइं करत हे।
6 हालाकि मेंह सही अंव,
पर मेंह लबरा समझे जावत हंव;
हालाकि मेंह अपराधी नो हंव,
पर ओकर तीर ह मोला असाध्य घाव देवत हे।'
7 का कोनो अयूब कस हवय,
जऊन ह अपमान ला पानी कस पी जाथे?
8 ओह कुकरमीमन के संग म रहिथे;
ओह दुस्ट मनखेमन के संगति करथे।
9 काबरकि ओह कहिथे, 'परमेसर ला खुस करे के
कोसिस करे म कोनो फायदा नइं ए।'

10 "एकरसेति, हे समझदार मनखेमन, मोर बात सुनव।
येह संभव नो हय कि परमेसर ह बुरई करय,
सर्वसक्तिमान ह गलत करय।
11 ओह हर कोनो ला ओमन के काम के मुताबिक फर देथे;
ओह ओमन के चालचलन के मुताबिक ओमन ले बरताव करथे।
12 ये सोचे घलो नइं जा सकय कि परमेसर ह गलत करही,
ये कि सर्वसक्तिमान ह नियाय ला बिगाड़ही।

13 कोन ह ओला धरती ऊपर नियुक्त करे हवय?
कोन ह ओला जम्मो संसार के जबाबदारी दे हवय।
14 कहूं येह ओकर इरादा होतिस
अऊ ओह अपन आतमा अऊ अपन सांस ला वापिस ले लेतिस,
15 त जम्मो मानव-जाति एक संग नास हो जातिस
अऊ मनखे ह फेर धुर्रा म मिल जातिस।

16 "कहूं तोर म समझ हवय, त सुन;
मेंह का कहत हंव, ओला सुन।
17 जऊन ह नियाय के बईरी ए, का ओह सासन कर सकथे?
का तेंह धरमी अऊ बलसाली ला दोसी ठहिराबे?
18 का येह ओ नो हय, जऊन ह राजामन ला कहिथे, 'तुमन निकम्मा अव,'
अऊ परधानमन ला कहिथे, 'तुमन दुस्ट अव,'
19 परमेसर ह राजकुमारमन के तरफदारी नइं करय
अऊ न ही धनवान ला गरीब ले जादा महत्व देथे,
काबरकि ओ जम्मो झन परमेसर के हांथ के कारीगरी अंय।
20 ओमन छिन भर म, आधा रथिया के मर जाथें;
मनखेमन कांपथें अऊ मर जाथें;
परतापी मनखेमन बिगर हांथ लगाय नास हो जाथें।

21 "परमेसर के आंखी ह मनखे के चालचलन के ऊपर लगे रहिथे;
ओह ओमन के पग-पग ला देखत रहिथे।
22 अइसे कोनो घोर अंधियार या घिटके अंधियार नइं ए,
जिहां दुराचारीमन लुका सकंय।
23 परमेसर बर मनखेमन ला अऊ परखना जरूरी नो हय,
कि ओमन नियाय बर ओकर आघू म ठाढ़ होवंय।
24 बिगर छानबीन करे ओह बलवानमन ला चूर-चूर करथे
अऊ ओमन के जगह म आने मनखे ला ठाढ़ कर देथे।
25 काबरकि ओह ओमन के करनी ला जानथे,
ओह ओमन ला रथिया फटिक देथे अऊ ओमन चकनाचूर हो जाथें।
26 ओह ओमन ला ओमन के दुस्टता के सजा उहां देथे
जिहां जम्मो झन ओमन ला देख सकंय,
27 काबरकि ओमन ओकर पाछू रेंगई ला छोंड़ दे हवंय
अऊ ओकर कोनो कानून के आदर नइं करंय।
28 ओमन के कारन गरीबमन के गोहार ह परमेसर करा हबरिस,
अऊ ओह जरूरतमंद मनखे के गोहार ला सुनिस।
29 पर कहूं ओह चुप रहय, त कोन ह ओला दोसी ठहिरा सकत हे?
कहूं ओह अपन चेहरा ला छुपाय, त कोन ह ओला देख सकत हे?
चाहे एक झन मनखे होवय या मनखेमन के जाति, ओह जम्मो के संग एक समान बरताव करथे,
30 ताकि भक्तिहीन मनखे ह राज झन करय
अऊ मनखेमन फांदा म झन फंसय।

31 "मान लव, कोनो मनखे परमेसर ला कहिथे,
'मेंह दोसी अंव पर अब कभू अपराध नइं करंव।
32 जऊन ला मेंह नइं देख सकंव, तेंह मोला ओ बात सिखा;

कहूं मेंह गलती करे हंव, त मेंह अइसे फेर नइं करंव।'
33 त का परमेसर ह तोर सर्त के मुताबिक तोला परतिफल दीही,
जबकि तेंह प्रायस्चित करे बर इनकार करथस?
तें फैसला कर, में नइं;
मोला बता कि तेंह का जानथस।

34 "समझदार मनखेमन बताथें,
बुद्धिमान मनखे जऊन मन मोर सुनथें, मोला कहिथें,
35 'अयूब ह बिगर गियान के गोठियाथे;
ओकर बात म समझ नइं दिखय।'
36 बने होतिस, कि अयूब ह आखिरी तक परखे जातिस
काबरकि ओह दुस्ट मनखे कस जबाब देथे!
37 ओह अपन पाप के संगे-संग बिदरोह घलो करथे;
तिरस्कार करके, ओह हमर बीच म ताली बजाथे
अऊ परमेसर के बिरोध म बहुंत बात कहिथे।"

35

1 तब एलीहू ह ये घलो कहिस:
2 "का तेंह येला नियाय-संगत मानथस?
तेंह कहिथस, 'मेंह सही अंव, परमेसर नइं।'
3 तभो ले तेंह ओकर ले पुछथस, 'मोला येकर ले का फायदा,
पाप नइं करे ले मोला का मिलत हे?'

4 "मेंह तोला अऊ तोर संगीमन ला
जबाब देय चाहत हंव।
5 अकासमन कोति निहार अऊ देख;
बादरमन कोति निहार, जऊन मन तोर बहुंत ऊपर हवंय।
6 कहूं तेंह पाप करथस, त परमेसर के का बिगड़थे?
कहूं तोर पापमन बहुंते हवंय, त येकर ले ओला का फरक पड़थे?
7 कहूं तेंह धरमी अस, त तेंह ओला का देथस?
या ओला तोर हांथ ले का मिल जाथे?
8 तोर दुस्टता ह सिरिप तोर सहीं मनखेमन ऊपर,
अऊ तोर धरमीपन ह आने मनखेमन ऊपर असर डालथे।

9 "अब्बड़ अतियाचार के कारन मनखेमन कलहरथें;
ओमन बलवान के बाहुबल ले छुटकारा पाय बर बिनती करथें।
10 पर कोनो नइं कहय, 'मोर सिरजनहार परमेसर कहां हवय,
जऊन ह रथिया गीत गाय बर देथे,
11 जऊन ह हमन ला धरती के जानवरमन ले जादा सिकछा देथे
अऊ हमन ला अकास के चिरईमन ले जादा बुद्धिमान बनाथे।'
12 दुस्ट मनखेमन के घमंड के कारन
परमेसर जबाब नइं देवय, जब मनखेमन गोहारथें।
13 वास्तव म, परमेसर ह ओमन के खाली निबेदन ला नइं सुनय;
सर्वसक्तिमान ह ओकर कोति धियान नइं देवय।
14 त ओह तोर का सुनही

जब तेंह कहिथस कि मेंह ओला नइं देखत हंव,
जबकि तोर मामला ओकर आघू म हवय,
अऊ तोला ओकर बाट जोहना जरूरी अय।
15 अऊ देख, ओह गुस्सा होके कभू दंड नइं देवय
अऊ ओह दुस्टता कोति कम धियान नइं देवय।
16 एकरसेति अयूब ह बेकार के बात कहे बर अपन मुहूं खोलथे;
बिगर गियान के, ओह बहुंत गोठियाथे।"

36

1 फेर एलीहू ह ये घलो कहिस:
2 "थोरकून अऊ धीरज धर, त मेंह तोला देखाहूं
कि परमेसर कोति ले अऊ घलो बहुंत अकन कहे जा सकत हे।
3 मेंह अपन गियान बहुंत दूरिहा ले पाथंव;
मेंह अपन सिरजनहार करा नियाय के बात करहूं।
4 खचित मोर गोठ ह लबारी नो हय;
तोर संग म जऊन ह हवय, ओकर करा सिद्ध गियान हवय।

5 "परमेसर ह सक्तिमान ए, पर ओह कोनो मनखे ला तुछ नइं जानय;
ओह सक्तिमान ए, अऊ अपन उदेस्य ले नइं डिगय।
6 ओह दुस्ट ला जीयत नइं रहन देवय
पर दुखी मनखेमन ला ओमन के अधिकार देथे।
7 ओह धरमीमन ले अपन नजर नइं हटावय;
ओह ओमन ला राजामन संग सिंघासन म बईठाथे
अऊ ओमन ला सदाकाल बर ऊंचा उठाथे।
8 पर कहूं मनखेमन बेड़ी म बंधाय हवंय,
दुख के डोरी म जोर से जकड़े हवंय,
9 त ओह ओमन ला बताथे कि ओमन का करे हवंय—
कि ओमन घमंडी होके पाप करे हवंय।
10 ओह ओमन ला सुधारे खातिर सुनाथे
अऊ अपन बुरई ले प्रायस्चित करे बर ओमन ला हुकूम देथे।
11 कहूं ओमन हुकूम मानंय अऊ ओकर सेवा करंय,
त ओमन के जिनगी के बाकि दिनमन उन्नति करे म
अऊ ओमन के जिनगी के बछरमन सुख म बीतहीं।
12 पर कहूं ओमन नइं सुनंय,
त ओमन तलवार ले नास हो जाहीं
अऊ बिगर गियान के मर जाहीं।

13 "भक्तिहीनमन अपन दिल म कोरोध पालथें;
अऊ त अऊ जब परमेसर ह ओमन ला बेड़ी म बांधथे, तभो ले ओमन मदद बर नइं गोहारंय।
14 ओमन देवालय के पुरूस बेस्यामन* के बीच
अपन जवानी के दिन म ही मर जाथें।
15 पर परमेसर ह दुखी मनखेमन ला ओमन के दुख ले छुड़ाथे;
ओह ओमन के दुख के बेरा म ओमन ले गोठियाथे।

* **36:14** धारमिक बेस्या के काम, जेला राजामन के किताब म गलत कहे गे हवय; येह कनानीमन के धारमिक काम रिहिस

16 “ओह तोला बिपत्ति के मुहूं ले निकालके
अइसे चाकर जगह म अमरा देवत हे जिहां कोनो बाधा नइं ए,
जिहां सुवादवाला जेवन तोर सुबिधा के मेज म परोसे जाथे।
17 पर अब तोला ओ दंड दिये जावत हे, जऊन ह दुस्टमन बर अय;
निरनय अऊ नियाय तोला पकड़ ले हवय।
18 सचेत रह कि कोनो तोला धन-संपत्ति के दुवारा झन बहकावय;
अऊ बहुंत घूस ह तोला डहार ले झन भटकावय।
19 का तोर जम्मो धन-संपत्ति अऊ तोर जम्मो बल
तोला तोर दुख ले छुटकारा दीही?
20 ओ रथिया के आसा झन कर,
जेमा मनखेमन ला ओमन के घर ले घसीटके निकाले जाथे।
21 सचेत रह अऊ बुरई कोति झन लहुंट,
जेला तेंह सायद दुख ले जादा पसंद करथस।

22 “परमेसर ह अपन सामर्थ म अति महान अय।
ओकर सहीं गुरू कोन हवय?
23 कोन ह ओकर बर डहार ठहिराय हवय,
या कोन ह ओला कह सकत हे, ‘तेंह गलती करे हस’?
24 ओकर काम के परसंसा करे बर झन भुला;
जेकर परसंसा मनखेमन गीत म करे हवंय।
25 जम्मो मानव-जाति ह येला देखे हवय;
मरनहार मनखेमन येला दूरिहा ले टकटकी लगाके देखथें।
26 परमेसर ह कतेक महान ए—हमर समझ के बाहिर ए!
ओकर उमर के गनई ह असंभव ए।

27 “ओह पानी के बूंदमन ला ऊपर खींच लेथे,
जऊन ह बारिस के बूंद के रूप म नदी म बहथे;
28 बादरमन अपन नमी ला खाल्हे उंडेलथें
अऊ मानव-जाति ऊपर बहुंत बारिस होथे।
29 कोन ह समझ सकथे कि ओह बादरमन ला कइसे बगराथे,
अऊ कइसे ओह अपन जगह ले बादरमन ला गरजाथे?
30 देखव, ओह कइसे चारों कोति अपन बिजली ला चमकाथे,
अऊ समुंदर के गहरई ला ढांप देथे।
31 ये किसम ले ओह देस-देस के मनखेमन ऊपर सासन करथे†
अऊ ओमन ला बहुंतायत ले जेवन देथे।
32 ओह बिजली ला अपन हांथ म ले लेथे
अऊ ओला हुकूम देथे कि सही जगह म गिरय।
33 ओकर गरजई ह अवइया आंधी के घोसना करथे;
अऊ त अऊ पसुमन घलो येकर आय के चिनहां बताथें।

37

1 “इही बात म मोर हिरदय ह कांपथे
अऊ अपन जगह ले उदकथे।
2 सुन! परमेसर के अवाज के गरजन,

† **36:31** या ⍰⍰⍰⍰⍰-⍰⍰⍰⍰⍰

ओकर मुहूं ले निकलत गड़गड़ाहट ला सुन।
3 ओह अपन बिजली ला जम्मो अकास के खाल्हे जावन देथे
अऊ ओला धरती के छोर तक पठोथे।
4 ओकर बाद ओकर गरजन के अवाज आथे;
ओह अपन परतापी अवाज ले गरजथे।
जब ओकर अवाज फेर सुनई देथे,
तब ओह अपन करा कुछू नइं रख छोंड़य।
5 परमेसर के अवाज ह अद्भूत रीति ले गरजथे;
ओह हमर समझ ले बाहिर बड़े-बड़े काम करथे।
6 ओह बरफ ला हुकूम देथे, 'धरती म गिर,'
अऊ बारिस के पानी ला हुकूम देथे, 'जमके बरस,'
7 ताकि हर एक मनखे, जऊन ला ओह बनाय हे, ओकर काम ला जानय,
ओह जम्मो मनखे ला ओमन के मेहनत करे ले रोक देथे।
8 तब बन के पसुमन अपन गुफा म खुसर जाथें;
ओमन अपन मांद म रहिथें।
9 अपन छेत्र* ले आंधी,
अऊ तेज बहत हवा ले जाड़ा आथे।
10 परमेसर के सांस फूंके ले बरफ बनथे,
अऊ बगरे पानी ह जम जाथे।
11 ओह बादरमन ला नमी ले लादथे;
अऊ अपन बिजली ला ओमन के जरिये बगराथे।
12 ओकर आदेस म येमन
धरती के चारों कोति ऊपर एती-ओती किंदरथें
अऊ ओकर हुकूम के मुताबिक काम करथें।
13 ओह मनखेमन ला दंड देय बर बादर लानथे,
या धरती ऊपर पानी लानके ओह अपन मया देखाथे।

14 "हे अयूब, येला सुन;
रूक अऊ परमेसर के अद्भूत काम ऊपर बिचार कर।
15 का तें जानथस कि परमेसर ह कइसे बादरमन ला अपन हुकूम ले चलाथे
अऊ अपन बिजली चमकाथे?
16 का तेंह जानथस कि बादरमन अधर म कइसे रहिथें,
ओकर ये अचरज के काम के बारे म कोन ला सिद्ध गियान हवय?
17 जब दक्खिन के हवा के कारन भुइयां ह सांत रहिथे,
अऊ तेंह अपन कपड़ा के गरमी म बियाकुल रहिथस,
18 त का तेंह ओकर संग म अकास-मंडल ला तान सकत हस,
जऊन ह ढरूवा कांसा के दरपन सहीं कठोर होथे?

19 "हमन ला बता कि हमन ओला का कहिबो;
हमर अंधियार के कारन, हमन अपन मामला नइं रख सकन।
20 का ओला बताय जावय कि मेंह गोठियाय चाहत हंव?
का कोनो मनखे चाहथे कि ओला लील डारे जावय?
21 अभी तो सूरज कोति कोनो नइं देख सकंय,
काबरकि हवा ह अकास ला साफ कर दे हे,
अऊ सूरज ह तेज चमकत हे।

* **37:9** याने कि, दक्खिन दिग

22 उत्तर कोति ले ओह सोन कस चमकत आथे;
परमेसर ह अद्भूत महिमा म आथे।
23 सर्वसक्तिमान ह हमर पहुंच के बाहिर ए अऊ बहुंत सामर्थी ए;
अपन नियाय अऊ बड़े धरमीपन म, ओह अतियाचार नइं करय।
24 एकरसेति, मनखेमन ओकर आदर करंय,
काबरकि ओह जम्मो बुद्धिमान मनखेमन के आदर करथे।†"

38

[illegible]

1 तब यहोवा ह अयूब ला गरेर म ले गोठियाईस। ओह कहिस:
2 "येह कोन ए जऊन ह अगियानता के बात करके
मोर युक्ति ला बिगाड़े चाहत हे?
3 एक आदमी सहीं अपन कनिहां कस ले;
मेंह तोर ले सवाल पुछहूं,
अऊ तेंह मोला जबाब देबे।

4 "जब मेंह धरती के नीव डारेंव, त तेंह कहां रहय?
कहूं तेंह समझत हस, त मोला बता।
5 कोन ह येकर बिस्तार करिस? खचित तेंह जानत हस!
कोन ह येकर ऊपर नापे के लाईन धरिस?
6 येकर नीव काकर ऊपर रखे गीस,
या कोन ह येकर कोना के पथरा ला मढ़ाईस—
7 जब बिहनियां के तारामन एक संग गाईन
अऊ जम्मो स्वरगदूतमन आनंद के मारे चिचियाईन?

8 "कोन ह कपाटमन के पाछू समुंदर ला रोकिस
जब येह अइसे फूटके निकलिस, मानो ओह गरभ ले फूट निकले हे,
9 जब मेंह बादर ला ओकर ओनहा बनांय
अऊ येला घिटके अंधियार म लपेटें,
10 जब मेंह येकर सीमना ठहिरांय
अऊ येकर कपाट अऊ बाड़ा ठहिरांय,
11 जब मेंह समुंदर ला कहेंव, 'तेंह इहां तक आ सकत हस अऊ आगे नइं;
येह ओ जगह ए, जिहां तोर उमड़इया लहरामन रूक जावंय'?

12 "का तेंह कभू बिहनियां ला हुकूम देय हवस,
या बिहान होय ला अपन जगह देखाय हवस,
13 कि येह धरती के छोर ला अपन बस म करय
अऊ दुस्ट मनखेमन ला येमा ले झर्रा देवय?
14 धरती ह अइसे आकार लेथे जइसे मुहर के खाल्हे के चिक्कन माटी के आकार बदलथे;
येकर रूप ह पोसाक के सहीं दिखे लगथे।
15 दुस्टमन ला ओमन के अंजोर ले रोक लिये जाथे,
अऊ ओमन के उठे बाहां ला टोर दिये जाथे।

16 "का तेंह कभू समुंदर के सोतमन करा हबरे हवस

† **37:24** या *[illegible]*

या गहिरा समुंदर के पेंदी म कभू रेंगे-बुले हवस?
17 का मिरतू के कपाट ला तोला देखाय गे हवय?
का तेंह घिटके अंधियार के कपाटमन ला देखे हस?
18 का तेंह धरती के बिस्तार ला समझे हस?
कहूं तेंह ये जम्मो ला जानथस, त मोला बता।

19 "अंजोर के निवास के रसता का ए?
अऊ अंधियार ह कहां रहिथे?
20 का तेंह ओमन ला ओमन के जगह म ले जा सकबे?
का तेंह ओमन के निवास के रसता ला जानथस?
21 तेंह तो जरूर जानथस, काबरकि पहिली ही तोर जनम हो गे रिहिस!
तेंह बहुंत साल तक जीये हस!

22 "का तेंह बरफ के भंडारघरमन म खुसरे हवस
या ओला के भंडारघरमन ला देखे हवस,
23 जऊन मन ला मेंह संकट के समय बर,
याने युद्ध अऊ लड़ई बर रखे हवंव?
24 ओ जगह के रसता का ए, जिहां ले अंजोर ला बगराय जाथे,
या ओ जगह कहां हवय, जिहां ले धरती ऊपर पुरवई हवा ह बहथे?
25 कोन ह भारी बारिस बर नरवा खनथे,
अऊ कोन ह बादर के गरजन बर रद्दा बनाथे;
26 ताकि निरजन भुइयां म,
मरू-भुइयां म, जिहां कोनो नइं रहंय, उहां पानी जा सकय,
27 जेकर ले उजरे अऊ बंजर भुइयां के पीयास बुझय
अऊ कांदी ह जामय?
28 का बरसा के कोनो ददा हवय?
ओस के बूंदी ला कोन ह पईदा करथे?
29 काकर गरभ ले बरफ ह निकलथे?
कोन ह अकास ले गिरे ओस ला जमाथे
30 जब पानी ह पथरा कस कठोर हो जाथे,
जब गहिरा पानी के सतह ह जम जाथे?

31 "का तेंह नछत्र के समूह* ला जंजीर म बांध सकथस?
का तेंह मिरगासिरा† के बंधना ला खोल सकथस?
32 का तेंह तारा मंडल ला ओमन के ठहिराय समय‡ म परगट कर सकथस?
या का तेंह सपतरसी ला ओकर लइकामन संग ले जा सकथस?
33 का तेंह अकासमन के कानून ला जानथस?
का तेंह धरती म परमेसर के सासन लागू कर सकथस?

34 "का तेंह बादरमन ला हुकूम दे सकथस
कि बहुंत बारिस होवय अऊ तोला छुपा लेवय
35 का तेंह बिजली ला गिरे के हुकूम दे सकथस?
का ओमन तोर करा आके कहिथें, 'हमन इहां हवन'?
36 कोन ह सारस चिरई ला बुद्धि देथे

---

* **38:31** इबरानी म [illegible] † **38:31** या [illegible] ‡ **38:32** या [illegible]

या कोन ह कुकरा ला समझे के सक्ति देथे?
37 बादरमन ला गने के बुद्धि काकर करा हवय?
कोन ह अकास के पानी के घघरी ला उलद सकत हे,
38 जब धुर्रा ह कठोर हो जाथे
अऊ धरती के ढेलामन एक संग संट जाथें?

39 "का तेंह सिंहनी बर सिकार करके लानथस
अऊ सिंहमन के भूख ला मिटाथस
40 जब ओमन अपन मांद म बईठे रहिथें
या झाड़ीमन के बीच म लेटके घात लगाय रहिथें?
41 कोन ह कऊआ ला भोजन देथे
जब ओकर पीलामन परमेसर ले गोहारथें
अऊ भोजन के खोज म भटकत रहिथें?

39

1 "का तेंह जानथस कि पहाड़ के जंगली छेरीमन कब पीला देथें?
का तेंह देखथस कि हिरनी ह कब पीला देथे?
2 का तेंह ओमन के गरभ धारन करे के महिनामन ला गनथस?
का तेंह ओमन के जनम देय के समय ला जानथस?
3 ओमन निहरके अपन पीला ला जनमथें;
अऊ ओमन के लइका जनमे के पीरा ह खतम हो जाथे।
4 ओमन के पीलामन जंगल म बाढ़थें अऊ मजबूत होवत जाथें;
ओमन चल देथें अऊ फेर लहुंटके नइं आवंय।

5 "कोन ह जंगली गदहामन ला खुला छोंड़ देथे?
कोन ह ओमन के बंधना ला खोल दीस?
6 ओमन ला मेंह ओमन के घर बर सुन्ना जगह,
अऊ ओमन के निवास बर नूनचूर ऊसर भुइयां देय हवंव।
7 ओमन तो सहर के कोलाहल ऊपर हांसथें;
ओमन गदहा खेदइया के हांका ला नइं सुनंय।
8 ओमन अपन चारा बर पहाड़मन म किंदरथें
अऊ हरियर-हरियर चारा खोजत रहिथें।

9 "का जंगली बईला ह तोर सेवा करे बर सहमती दीही?
का ओह तोर कोटना के तीर म रात बिताही?
10 का तेंह जंगली बईला ला डोरी ले बांधके नांगर जोत सकथस?
का ओह तोर पाछू घाटी म पाटा ला खींचही?
11 का तेंह ओकर बड़े बल के सेति ओकर ऊपर भरोसा करबे?
का तेंह अपन मेहनत के काम ला ओकर ऊपर छोंड़ देबे?
12 का तेंह ओकर ऊपर भरोसा करबे कि ओह तोर अनाज ला लानय
अऊ लानके तोर कोठार म रखय?

13 "सुतुरमुर्ग ह अपन डेनामन ला आनंद म फड़फड़ाथे,
हालाकि ओमन के तुलना
सारस के डेना अऊ पांखीमन ले नइं करे जा सकय।
14 सुतुरमुर्ग ह तो अपन अंडा भुइयां म देथे

अऊ ओमन ला धुर्रा के गरमी ह सेथे,
15 ओला धियान नइं रहय कि ओमन काकरो गोड़ ले कुचरे जा सकथें,
या कोनो जंगली पसु ओमन ला कुचर सकथे।
16 ओह अपन पीलामन ले कठोर बरताव करथे, मानो कि ओमन ओकर पीला नो हंय;
ओह फिकर नइं करय कि ओकर मेहनत ह बेकार रिहिस,
17 काबरकि परमेसर ह ओला बुद्धि नइं देय हवय
या ओला बने समझ नइं देय हवय।
18 तभो ले जब ओह दऊड़े बर अपन डेना ला बगराथे,
त ओह घोड़ा अऊ ओकर सवारी करइया ऊपर हांसथे।

19 "का तेंह घोड़ा ला ओकर बल देथस
या का तेंह ओकर घेंच म उड़त लम्बा बाल पहिराय हस?
20 का तेंह ओला फांफा कस उचके के बल देथस,
जेकर फुंफकारे के अवाज ह आतंक फईला देथे?
21 ओह अपन बल ऊपर आनंद मनात, अपन खुर ले भुइयां ला खुरचथे,
अऊ लड़ई के सामना करथे।
22 ओह बिगर कोनो भय के, डर के ऊपर हंसथे;
ओह तलवार ला देखके पाछू नइं घुंचय।
23 तरकस ह अपन किनारा के बिरूध
चमकत बरछी अऊ भाला के संग खड़खड़ाथे।
24 उत्तेजित होके रिस के मारे, ओह भुइयां ला छेदथे;
अऊ तुरही के अवाज सुनके ओह सीधा ठाढ़ नइं होवय।
25 तुरही के अवाज म ओह हिनहिनाथे, 'अहा!'
ओह दूरिहाच ले लड़ई के गंध ला सुंघ लेथे,
अऊ सेनापतिमन के ललकार अऊ लड़ई के गरजन ला सुन लेथे।

26 "का बाज चिरई ह तोर बुद्धि के दुवारा उड़थे
अऊ दक्खिन कोति उड़े बर अपन डेनामन ला बगराथे?
27 का गिधवा ह तोर हुकूम ले बहुंत ऊपर म उड़थे
अऊ अपन खोंधरा ला ऊंच जगह म बनाथे?
28 ओह निकले चट्टान के चोटी म रहिथे अऊ उहां रात बिताथे;
खड़े चट्टान ह ओकर घर अय।
29 उहां ले ओह अपन जेवन के ताक म रहिथे;
ओकर आंखी ह दूरिहा ले ही ओला देख लेथे।
30 ओकर पीलामन खून ला मजा लेके पीथें,
अऊ जिहां लास रहिथे, उहां ओह घलो होथे।"

40

1 यहोवा ह अयूब ला कहिस:
2 "जऊन ह सर्वसक्तिमान ऊपर दोस लगाथे, का ओह ओकर संग बहस करही?
जऊन ह परमेसर ऊपर दोस लगाथे, ओह ओला जबाब देवय!"
3 तब अयूब ह यहोवा ला जबाब दीस:
4 "मेंह तो तुछ मनखे अंव—मेंह तोला कइसे जबाब दे सकत हंव?
मेंह अपन मुहूं ऊपर अपन हांथ रख लेथंव।
5 एक बार मेंह गोठिया डारेंव, पर मोर करा जबाब नइं ए—
हव, दू बार घलो, पर अब मेंह नइं कहंव।"

6 तब यहोवा ह अयूब ला गरेर म ले गोठियाईस:
7 “एक आदमी कस अपन कनिहां कस ले;
मेंह तोर ले सवाल पुछहूं,
अऊ तेंह मोला जबाब देबे।

8 “का तेंह मोर नियाय ला बेकार ठहिराबे?
का तेंह अपनआप ला सही ठहिराय बर मोला दोस देबे?
9 का तोर करा परमेसर के सहीं भुजबल हवय,
अऊ का तेंह ओकर कस अवाज म गरज सकथस?
10 तब तेंह अपनआप ला महिमा अऊ परताप ले संवार ले,
अऊ अपनआप ला आदर अऊ गौरव के ओनहा पहिरा ले।
11 अपन उफनत रिस ला छोंड़ दे,
अऊ जऊन मन घमंडी अंय, ओमन ला देख अऊ ओमन ला झुकवा दे,
12 जऊन मन घमंडी अंय, ओमन ला देख अऊ ओमन ला नम्र बना,
दुस्टमन जिहां ठाढ़ होथें, उहां ओमन ला कुचर दे।
13 ओ जम्मो झन ला एके संग माटी म गाड़ दे;
अऊ कबर म ओमन के मुहूं ऊपर कफन ओढ़ा दे।
14 तब मेंह खुद मान लूहूं
कि तोरेच जेवनी हांथ ह तोला बचा सकत हे।

15 “जलहाथी* ला देख,
जेला मेंह तोर संग बनाय हवंव
अऊ जऊन ह बईला के सहीं कांदी खाथे।
16 ओकर कनिहां म कतेक बल होथे,
अऊ ओकर पेट के मांस-पेसी म कतेक सक्ति होथे!
17 ओकर पुंछी ह देवदार रूख कस झुमथे;
ओकर जांघ के नसमन एक-दूसर ले गुंथाय रहिथें।
18 ओकर हाड़ामन कांस के नलीमन कस अंय,
अऊ ओकर अंगमन लोहा के छड़ कस अंय।
19 परमेसर के रचना म ओह पहिला जगह पाथे,
तभो ले ओकर सिरजनहार ह ओकर करा तलवार लेके आ सकत हे।
20 पठारमन ले ओकर बर चारा मिलथे,
अऊ बन के जम्मो पसु ओकर लकठा म खेलथें।
21 ओह कमल फूल के नार के तरी म लेटथे,
चीखला म कांदी के बीच ओह छुपे रहिथे।
22 कमल फूल के नारमन ओला अपन छइहां म छुपाथें,
अऊ चिनार रूखमन नरवा के तीर म ओला घेरे रहिथें।
23 नदी म घुमड़त बाढ़ आय ले घलो ओह नइं घबरावय;
चाहे यरदन नदी के पानी ह ओकर मुहूं तक चघ जावय, तभो ले ओह सुरकछित रहिथे।
24 का कोनो ओला पकड़ सकथे जब ओह जागत रहिथे,
या फांदा म फंसाके ओकर नाक ला छेद सकथे?

* **40:15** [illegible] के मतलब एक [illegible] [illegible] जऊन ह पानी के लकठा म रहिथे, जइसे कि दरियाई घोड़ा

41

1 "का तेंह लिबयातान* ला मछरी धरे के गरी ले तीरके निकाल सकथस
या डोरी ले ओकर जीभ ला बांध सकत हस।
2 का तेंह ओकर नाक म नत्थी लगा सकथस
या ओकर जबड़ा ला लोहा के कांटा ले छेद सकथस?
3 का ओह तोर ले दया के भीख मांगही?
का ओह तोर ले गुरतूर बोली बोलही?
4 का ओह तोर ले करार करही
कि तेंह ओला जिनगी भर अपन गुलाम बना ले?
5 का तेंह ओला कोनो चिरई के सहीं पालतू बना सकथस
या अपन घर म जवान माईलोगनमन के खेले बर ओमा पट्टा बांधके रख सकबे?
6 का बेपारीमन ओकर बर मोलभाव करहीं?
का ओमन ओला बेपारीमन के बीच म बांट दीहीं?
7 का तेंह ओकर खाल ला भाला ले,
या ओकर मुड़ ला मछरी मारे के बरछी ले भर सकथस?
8 यदि तेंह ओकर ऊपर अपन हांथ रखथस,
त तोला ओकर संग लड़े के सुरता आही अऊ तेंह अइसने फेर कभू नइं करबे!
9 ये बेकार के आसा ए कि तेंह ओला अपन अधिकार म रखबे;
तेंह ओकर आघू म आवत ही हार जाबे।
10 काकरो हिम्मत नइं ए कि ओला भड़कावंय।
त फेर कोन ह मोर सामना कर सकथे?
11 कोन ह मोला देय हवय कि मेंह ओला लहुंटावंव?
स्वरग के खाल्हे के जम्मो चीज मोर अय।

12 "मेंह लिबयातान के अंग, ओकर बल
अऊ ओकर सोभायमान रूप के बारे म बताय बर चुप नइं रहंव।
13 कोन ह ओकर बाहिर के आवरन ला उतार सकत हे?
कोन ह ओकर दोहरा कवच ला भेद सकथे?
14 कोन ह ओकर मुहूं ला खोले के हिम्मत कर सकथे?
जेकर भयानक दांतमन एक-दूसर ले जुड़े रहिथें।
15 ओकर पीठ म तह के तह ढालमन हवंय,
जऊन म मजबूती से एक संग मुहर लगे हवय;
16 ओमन एक-दूसर ले अइसे संटे हवंय
कि ओमन के बीच म ले हवा घलो नइं निकल सकय।
17 ओमन एक-दूसर ले मजबूती ले जुड़े हवंय;
ओमन एक-दूसर ले लिपटे हवंय अऊ ओमन ला अलग नइं करे जा सकय।
18 ओकर छींक ले अंजोर चमकथे;
ओकर आंखीमन बिहनियां के किरन कस अंय।
19 ओकर मुहूं ले बरत जुवाला निकलथे;
अऊ आगी के चिनगारी निकलथे।
20 ओकर नाक के छेदा ले धुआं निकलथे
जइसे बरत सरकंडामन ऊपर रखे उबलत बरतन ले निकलथे।
21 ओकर सांस ले कोइला ह बरथे,
अऊ ओकर मुहूं ले आगी के जुवाला निकलथे।

---

* **41:1** देखव 3:8 ला

22 ओकर घेंच म ताकत रहिथे;
अऊ डर ह ओकर आघू-आघू जाथे।
23 ओकर मांस-पेसी के परतमन कसके जूरे हवंय;
ओमन मजबूत हवंय अऊ डोलंय नइं।
24 ओकर छाती ह पथरा कस कठोर हवय,
जांता के तरी के कुटा कस कठोर हवय।
25 जब ओह ठाढ़ होथे, त बलवालामन घलो डरा जाथें;
येकर मारे-कुटे के पहिले, ओमन पाछू हट जाथें।
26 ओकर ऊपर तलवार चलाय ले घलो ओला कुछू नइं होवय,
अऊ न ही भाला या बान या बरछी के परभाव पड़य।
27 ओह लोहा ला पैंरा सहीं
अऊ कांसा ला सरे लकरी सहीं जानथे।
28 बान ह ओला भगाय नइं सकय;
गुलेल के पथरा ह ओकर बर भूंसा सहीं अय।
29 लउठी घलो ओला पैंरा सहीं लगथे;
ओह बरछी के अवाज ऊपर हांसथे।
30 ओकर खाल्हे के भाग ह माटी के फटे बरतन के धार सहीं अय,
जऊन ह चीखला म अनाज कुटे के पट्टा सहीं चिनहां छोंड़थे।
31 ओह समुंदर के पानी ला खउलत हांड़ी के सहीं मथथे
अऊ समुंदर ला मलहम के बरतन सहीं हलाथे।
32 ओह अपन पाछू म एक चमकीला धारी छोंड़त जाथे;
मानो गहिरा पानी के सफेद बाल हवय।
33 धरती म ओकर बरोबर कोनो चीज नइं ए—
एक जीव जेला काकरो डर नइं ए।
34 ओह हर एक अभिमानी ला नीचा देखथे;
जम्मो घमंड करइयामन ऊपर ओह राजा अय।”

42

????

1 तब अयूब ह यहोवा ला जबाब दीस:
2 “मेंं जानत हंव कि तेंह जम्मो कुछू कर सकथस;
तोर कोनो योजना म बाधा नइं डाले जा सकय।
3 तेंह पुछय, ‘ये कोन ए, जऊन ह बिगर गियान के मोर योजना म परदा डालत हवय?’
सही म मेंह ओ चीजमन के बारे म गोठियांय, जेला मेंह नइं समझत रहेंव,
मोर जाने बर ओमन बहुंत अद्भूत चीजमन रिहिन।

4 “तेंह कहय, ‘अब सुन, मेंह गोठियाहूं;
मेंह तोर ले सवाल करहूं,
अऊ तेंह मोला जबाब देबे।’
5 मोर कानमन तोर बात ला सुने हवंय
पर अब मोर आंखीमन तोला देख डारिन।
6 एकरसेति मेंह अपनआप ला तुछ समझत हंव
अऊ धुर्रा अऊ राख म प्रायस्चित करत हंव।”*

* **42:6** अपन दुख ला बताय बर मनखेमन अपन मुड़ ऊपर धुर्रा अऊ राख छिंचंय

??????

7 यहोवा ह अयूब ला अपन बात कहे के बाद, ओह तेमान के एलीपज ला कहिस, “मेंह तोर अऊ तोर दूनों
संगीमन ऊपर गुस्सा हवंव, काबरकि तुमन मोर बिसय म सच बात नइं कहे हवव, जइसे कि मोर सेवक अयूब ह
कहिस।
8 एकरसेति, अब तुमन सात ठन बईला अऊ सात ठन मेढ़ा ला लेके मोर सेवक अयूब करा जावव अऊ अपन
बर होम-बलिदान करव। मोर सेवक अयूब ह तुम्हर बर पराथना करही, अऊ मेंह ओकर पराथना ला गरहन करहूं
अऊ मेंह तुम्हर संग तुम्हर मुरूखता के मुताबिक बेवहार नइं करहूं। तुमन मोर बारे म सच बात नइं कहे हवव,
जइसे कि मोर सेवक अयूब ह कहिस।”
9 एकरसेति तेमान के एलीपज, सूही के बिलदद अऊ नामात के सोपर वइसनेच करिन जइसने यहोवा ह
ओमन ला कहे रिहिस; अऊ यहोवा ह अयूब के पराथना ला गरहन करिस।
10 जब अयूब ह अपन संगीमन बर पराथना कर डारिस, तब यहोवा ह ओकर जम्मो दुख ला दूर करिस अऊ
जतेक संपत्ति अयूब करा पहिली रिहिस, ओकर दू गुना यहोवा ह ओला दीस।
11 तब ओकर जम्मो भाई-बहिनी अऊ जतेक झन पहिली ओला जानत रिहिन, ओ जम्मो झन आईन अऊ
अयूब के संग ओकर घर म जेवन करिन। अऊ जतेक बिपत्ति यहोवा ह अयूब ऊपर डाले रिहिस, ओ जम्मो के
बारे म ओमन ओला सहानुभूति देखाके सांतवना दीन, अऊ हर एक झन ओला एक-एक ठन चांदी के टुकड़ा†
अऊ सोन के बाली‡ दीन।
12 यहोवा ह अयूब के एकर बाद के जिनगी ला एकर पहिली के जिनगी ले जादा आसीस दीस। ओकर करा
चौदह हजार भेड़, छै हजार ऊंट, एक हजार जोड़ी बईला अऊ एक हजार गदहीमन रिहिन।
13 ओकर सात बेटा अऊ तीन बेटी रिहिन।
14 ओह बड़े बेटी के नांव यमीमा, मंझली के नांव कसीआ, अऊ छोटे बेटी के नांव केरेन-हपूक धरिस।
15 ओ जम्मो देस भर म अयूब के बेटीमन कस सुघर अऊ कोनो माईलोगन नइं रिहिन, अऊ ओमन के ददा
अयूब ह ओमन ला ओमन के भाईमन के संग म संपत्ति के एक बांटा दीस।
16 एकर बाद, अयूब ह एक सौ चालीस बछर तक जीयत रिहिस; ओह अपन लइका अऊ ओमन के लइकामन
के चार पीढ़ी तक देखे बर पाईस।
17 अऊ अयूब ह अपन पूरा उमर म डोकरा होके मर गीस।

† **42:11** सिक्का बने के पहिले येकर उपयोग खरिदी-बिकरी म करे जावय ‡ **42:11** माईलोगनमन नाक म पहिरंय (उत 24:47) अऊ आदमी अऊ माईलोगनमन कान म पहिरंय (निर 32:2-3)

भजन-संहिता
के किताब
भाग 1

1

[illegible] 1–41

1 धइन अय ओ मनखे,
जऊन ह दुस्टमन के चाल म नइं चलय
या पापीमन के रद्दा म ठाढ़ नइं होवय,
या ठट्ठा करइयामन के संग म नइं बईठय,
2 पर ओह यहोवा के कानून म खुस रहिथे,
अऊ ओह ओकर कानून म रात अऊ दिन मनन-चिंतन करत रहिथे।
3 ओ मनखे ह ओ रूख सहीं अय, जऊन ला बहत नरवा के तीर म लगाय गे हवय,
अऊ सही समय म फरथे,
अऊ जेकर पान ह कभू नइं अयलाय—
जऊन कुछू ओह करथे, ओह सफल होथे।

4 दुस्ट मनखेमन अइसे नइं होवंय,
ओमन बदरा जइसे होथें,
जऊन ला हवा ह उड़िया ले जाथे।
5 एकरसेति दुस्ट मनखेमन अदालत म ठहर नइं सकंय,
अऊ न ही पापीमन धरमीमन के सभा म ठहिरहीं।

6 काबरकि यहोवा के नजर ह धरमीमन के चालचलन ऊपर रहिथे,
पर दुस्टमन के चालचलन ह ओमन ला बिनास कोति ले जाथे।

भजन-संहिता 2

1 जाति-जाति के मनखेमन काबर हो-हल्ला मचाथें
अऊ मनखेमन काबर बेकार म सडयंत्र रचथें?
2 यहोवा अऊ ओकर अभिसिक्त जन के बिरूध
धरती के राजामन ठाढ़ होथें अऊ सासन करइयामन
ये कहिके एक संग जूरथें,
3 "आवव, हमन ओमन के बेड़ीमन ला टोर दन
अऊ ओमन के बंधना ला उतार फेंकन।"

4 जऊन ह स्वरग के सिंघासन म बिराजे हवय, ओह हंसथे;
परमेसर ह ओमन के ठट्ठा करथे।
5 ओह गुस्सा होके ओमन ला डांटथे
अऊ अपन कोप म ओमन ला ये कहिके डरवाथे,
6 "मेंह अपन राजा ला
अपन पबितर पहाड़ सियोन ऊपर बईठा दे हंव।"

7 मेंह यहोवा के बिधि-बिधान के घोसना करहूं:

ओह मोला कहिस, "तेंह मोर बेटा अस;

आज मेंह तोर ददा बन गे हवंव।
8 मोर ले मांग,
अऊ मेंह जम्मो देसमन ला तोर संपत्ति होय बर,
अऊ धरती के छोर तक के जगह ला तोर अधिकार म दे दूहूं।
9 तेंह ओमन ला लोहा के छड़ ले टोर-फोर देबे*;
तेंह ओमन ला माटी के बरतन सहीं फोरके कुटा-कुटा कर देबे।"

10 एकरसेति, हे राजामन, तुमन बुद्धिमान बनव;
हे धरती के सासन करइयामन, सचेत रहव।
11 भय के संग यहोवा के सेवा करव
अऊ कांपत-कांपत ओकर सासन के खुसी मनावव।
12 ओकर बेटा ला चूमव, नइं तो ओह गुस्सा हो जाही
अऊ तुम्हर जिनगी ह तुमन ला बिनास कोति ले जाही,
काबरकि छिन भर म ओकर कोप ह भड़क सकथे।
धइन अंय ओमन, जेमन ओकर करा सरन लेथें।
*

भजन-संहिता 3

दाऊद के एक भजन। जब ओह अपन बेटा अबसालोम करा ले भागत रिहिस।
1 हे यहोवा, कतेक जादा हवंय मोर बईरीमन!
कतेक मनखेमन मोर बिरोध म ठाढ़ होवत हें!
2 बहुंते झन मोर बारे म कहत हें,
"परमेसर ह ओला नइं बचाय।"

3 पर हे यहोवा, तेंह मोर चारों कोति एक ढाल अस,
तेंह मोर महिमा अस, अऊ तेंह मोर मुड़ ला ऊंचहा करथस।
4 मेंह यहोवा ला जोर से पुकारथंव,
अऊ ओह अपन पबितर पहाड़ ले मोला जबाब देथे।

5 मेंह लेटथंव अऊ सुत जाथंव;
मेंह फेर जागथंव, काबरकि यहोवा ह मोला संभालथे।
6 मेंह ओ हजारों-हजार मनखेमन ले नइं डरंव,
जेमन चारों कोति ले मोर ऊपर हमला करथें।

7 हे यहोवा, उठ!
हे मोर परमेसर, मोला बचा!
मोर जम्मो बईरीमन के जबड़ा म मार;
अऊ दुस्टमन के दांत ला टोर दे।

8 छुटकारा यहोवा ही देथे।
हे यहोवा, तोर आसीस तोर मनखेमन ऊपर होवय।
*

भजन-संहिता 4

संगीत के निरदेसक बर। तारवाले बाजामन के संग। दाऊद के एक भजन।

---

* **भजन-संहिता 2:9** या [illegible] * **भजन-संहिता 3:** इबरानी म 3:1-8 ला 3:2-9 गने गे हवय * **भजन-संहिता 4:** इबरानी म 4:1-8 ला 4:2-9 गने गे हवय

1 हे मोर धरमी परमेसर,
जब मेंह तोला बलावंव, त तेंह मोला जबाब दे।
मोला मोर बिपत्ति म सहारा दे;
मोर ऊपर दया कर अऊ मोर पराथना ला सुन।

2 हे मनखेमन! तुमन कब तक मोर महिमा के बेजत्ती करत रहिहू?
तुमन कब तक भरम ले मया करत रहिहू अऊ लबरा देवतामन के खोज म रहिहू?
3 तुमन जान लव कि यहोवा ह अपन बिसवासयोग्य सेवक ला अपन बर अलग रखे हवय;
जब मेंह यहोवा ला पुकारथंव, त ओह मोर बात ला सुनथे।

4 कांपत रहव अऊ† पाप झन करव;
जब तुमन अपन दसना म रहिथव,
त अपन मन ला जांचव अऊ चुप रहव।
5 धरमीपन के बलिदान चघावव
अऊ यहोवा ऊपर भरोसा रखव।

6 बहुंते जन पुछत हवंय, "कोन ह हमर उन्नति करही?"
हे यहोवा, तोर मुख के अंजोर हमर ऊपर चमका।
7 जब ओमन के अनाज अऊ नवां अंगूर के मंद बहुंत होथे,
त तेंह मोर मन ला आनंद ले भर दे।

8 सांति से मेंह लेटहूं अऊ सुतहूं,
काबरकि हे यहोवा, तेंहीच ह
मोला सुरकछा म रखथस।
*

भजन-संहिता 5

संगीत के निरदेसक बर। बांसुरी या नलीवाले बाजा बर। दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, मोर बात ला सुन,
मोर बिलाप करई ऊपर धियान दे।
2 हे मोर राजा अऊ मोर परमेसर,
मदद बर मोर गोहार ला सुन,
काबरकि तोरेच ले मेंह पराथना करत हंव।

3 हे यहोवा, बिहनियां के बेरा तेंह मोर गोठ ला सुनथस;
बिहनियां के बेरा मेंह तोर ले बिनती करथंव
अऊ तोर जबाब के बाट जोहथंव।
4 काबरकि तेंह अइसन परमेसर नो हस, जऊन ह दुस्टता ले खुस होथे;
दुस्ट मनखेमन तोर संग नइं रह सकंय।
5 घमंडी मनखे ह तोर आघू म
ठाढ़ नइं हो सकय।
तेंह जम्मो दुस्ट काम करइयामन ले घिन करथस;
6 तेंह ओमन ला नास कर देथस, जेमन लबारी मारथंय।
यहोवा ओमन ले घिन करथे,
जेमन खून करथें अऊ धोखा देथें।

---

† **भजन-संहिता 4:4** या [illegible] * **भजन-संहिता 5:** इबरानी म 5:1-12 ला 5:2-13 गने गे हवय

7 पर मेंह तोर बड़े मया के कारन
तोर घर म आ सकत हंव;
आदर म तोर पबितर मंदिर कोति
मेंह मुड़ नवाथंव।

8 हे यहोवा, अपन धरमीपन म मोर अगुवई कर,
मोर बईरीमन के कारन—
मोर आघू म तोर रद्दा ला सीधा देखा।
9 ओमन के मुहूं के एको ठन बात ऊपर भरोसा नइं करे जा सकय;
ओमन के मन ह डाह-बैर ले भरे हवय।
ओमन के टोंटा ह एक खुला कबर ए;
अपन जीभ ले ओमन लबारी मारथें।
10 हे परमेसर, ओमन ला दोसी ठहिरा!
ओमन के चालबाजी ह ओमन के गिरे के कारन होवय।
ओमन के बहुंते पाप के कारन ओमन ला बाहिर निकाल दे,
काबरकि ओमन तोर बिरूध बिदरोह करे हवंय।
11 पर जेमन तोर करा सरन लेथें, ओमन खुस होवंय;
ओमन हमेसा आनंद के गीत गावंय।
ओमन ला अपन सुरकछा म रख,
ताकि जऊन मन तोर नांव ले मया करथें, ओमन तोर म आनंद मनावंय।

12 हे यहोवा, सही म तेंह धरमी जन ला आसीस देथस;
तेंह एक ढाल के सहीं ओमन ला अपन अनुग्रह के घेरा म रखथस।
*

भजन-संहिता 6

संगीत के निरदेसक बर। तारवाले बाजामन के संग। ??????? † के मुताबिक। दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, अपन गुस्सा म मोला झन फटकार
या अपन कोप म मोर ताड़ना झन कर।
2 हे यहोवा मोर ऊपर दया कर, काबरकि मेंह दुरबल हो गे हंव;
हे यहोवा, मोर बेमारी ला बने कर दे, काबरकि मोर हाड़ामन म पीरा हवय।
3 मोर परान ह अब्बड़ पीरा म हवय।
हे यहोवा, कब तक, कब तक ठहिरे रहिबे?

4 हे यहोवा, किंदरके मोला छुड़ा;
अपन बहुंते मया के कारन मोला बचा।
5 मरे मनखेमन के बीच कोनो तोर नांव के परचार नइं करंय।
कबर ले कोन ह तोर इस्तुति करथे?

6 मेंह कराहत-कराहत थक गे हंव।

पूरा रथिया रोवत-रोवत मोर दसना ह भीग जाथे
अऊ मोर आंसू ले मोर पलंग ह भीग जाथे।
7 मोर आंखीमन दुख के मारे कमजोर होवत हें;
मोर जम्मो बईरीमन के कारन ओमन धुंधला गे हवंय।

* **भजन-संहिता 6:** इबरानी म 6:1-10 ला 6:2-11 गने गे हवय † **भजन-संहिता 6:** ??????? ?????? ?? ?? ???

8 हे जम्मो दुस्ट काम करइयामन, मोर ले दूरिहा हटव,
काबरकि यहोवा ह मोर रोये के अवाज ला सुने हवय।
9 यहोवा ह दया बर मोर रोवई ला सुने हवय;
यहोवा ह मोर पराथना ला गरहन करथे।
10 मोर जम्मो बईरीमन लाज अऊ पीरा के मारे घबराहीं;
ओमन पाछू मुड़ हीं अऊ अचानक लज्जित होहीं।
*

भजन-संहिता 7

दाऊद के ?????????† नांव के एक भजन, जेला ओह बिनयामीनी कूस के संबंध म यहोवा के आघू म गाईस।
1 हे यहोवा मोर परमेसर, मेंह तोर सरन लेथंव;
मोला ओ जम्मो झन ले बचा अऊ छुड़ा, जेमन मोर पीछा करत हें,
2 नइं तो ओमन सिंह के सहीं मोला चीरके कुटा-कुटा कर दीहीं
अऊ मोला बचानेवाला कोनो नइं होहीं।

3 हे यहोवा मोर परमेसर, कहूं मेंह ये काम करे हंव
अऊ मोर हांथमन दोसी अंय—
4 यदि मेंह मोर संग मेल रखइयामन के संग भलई के बदले बुरई करे हंव
या बिगर कारन के मेंह अपन बईरी ला लूटे हंव—
5 त फेर मोर बईरी ह मोर पीछा करके मोला धर लेवय;
ओह मोला भुइयां म कुचरके मार डारय
अऊ मोला माटी म मिला देवय।

6 हे यहोवा, अपन कोरोध म उठ;
मोर बईरीमन के कोरोध के बिरूध म उठ।
हे मोर परमेसर, जाग अऊ नियाय कर।
7 मनखेमन के भीड़ तोर चारों कोति जूरय,
अऊ तें ओमन ऊपर ऊंच जगह म बिराजमान हो जा।
8 यहोवा ह मनखेमन के नियाय करय।
हे यहोवा, हे सर्वोच्च परमेसर, मोर धरमीपन के मुताबिक,
मोर ईमानदारी के मुताबिक मोर नियाय कर।
9 हे धरमी परमेसर,
तें जऊन ह मन अऊ हिरदय ला जांचथस;
दुस्टमन के बुरई ला खतम कर दे
अऊ धरमीमन ला सुरकछित रख।

10 सर्वोच्च परमेसर ह मोर ढाल ए,
जऊन ह सीधवा मनखेमन ला बचाथे।
11 परमेसर ह धरमी नियायधीस अय,
अइसन परमेसर, जऊन ह हर दिन कोप करथे।
12 यदि मनखे ह पछताप नइं करही,
त परमेसर ह अपन तलवार ला धार करही;
ओह धनुस ला साधके ओमा तीर चघाही।
13 ओह मिरतू के हथियार तियार करे हवय;

---

* **भजन-संहिता 7:** इबरानी म 7:1-17 ला 7:2-18 गने गे हवय † **भजन-संहिता 7:** ??????? ????? ?? ?? ???

ओह अपन आगी बरत तीरमन ला तियार रखथे।

14 जऊन ह दुस्टता के बात सोचथे,
ओह समस्या खड़े करथे अऊ बईरता ला पईदा करथे।
15 जऊन ह माटी निकालके खंचवा कोड़थे,
ओह अपन कोड़े खंचवा म खुद गिरथे।
16 जऊन समस्या ओह खड़े करथे, ओह लहुंटके ओकरे ऊपर आ जाथे;
ओकर हिंसा के काम ओकरेच मुड़ ऊपर आ जाथे।

17 मेंह यहोवा ला ओकर धरमीपन बर धनबाद दूहूं;
मेंह यहोवा सर्वोच्च परमेसर के नांव म परसंसा के गीत गाहूं।
*

भजन-संहिता 8

संगीत के निरदेसक बर। [illegible]† के मुताबिक दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, हमर परभू,
तोर नांव ह जम्मो धरती म का ही परतापी ए!

तेंह अपन महिमा
स्वरग म ठहिराय हस।
2 लइका अऊ छोटे लइकामन के दुवारा परसंसा करवाके
तेंह बईरी अऊ पलटा लेवइयामन ला चुप कराय बर
ओमन के बिरूध एक गढ़ बनाय हस।
3 जब मेंह अकास ऊपर बिचार करथंव,
जऊन ह तोर हांथ के काम ए
चंदा अऊ तारामन,
जेमन ला तेंह अपन-अपन जगह म रखे हस,
4 त मनखे ह का ए कि तेंह ओकर ऊपर धियान देथस,
मानव-जाति‡ ह का ए कि तेंह ओकर खियाल रखथस?

5 तेंह ओला स्वरगदूतमन§ ले थोरकन कम करके बनाय हस
अऊ ओला महिमा अऊ आदर के मुकुट पहिराय हस।
6 तेंह ओला अपन हांथ के काममन के ऊपर राज-करइया बनाय हस;
तेंह हर एक चीज ला ओकर* गोड़ खाल्हे कर दे हस:
7 जम्मो भेड़-बकरी अऊ गाय-बईला,
अऊ जंगल के पसु,
8 अकास के चिरई,
अऊ समुंदर के मछरी,
अऊ ओ जम्मो जीव-जन्तु, जेमन समुंदर के पानी म रहिथें।

9 हे यहोवा हमर परभू,
तोर नांव ह जम्मो धरती म का ही वैभवसाली अय।
*

---

* **भजन-संहिता 8:** इबरानी म 8:1-9 ला 8:2-10 गने गे हवय † **भजन-संहिता 8:** [illegible] ‡ **भजन-संहिता 8:4** या [illegible] § **भजन-संहिता 8:5** या [illegible] * **भजन-संहिता 8:6** या [illegible] * **भजन-संहिता 9:** इबरानी म 9:1-20 ला 9:2-21 गने गे हवय

भजन-संहिता 9

संगीत के निरदेसक बर। "बेटा के मिरतू" के धुन म दाऊद के एक भजन।

1 हे यहोवा, मेंह अपन पूरा मन से तोर धनबाद करहूं;
मेंह तोर जम्मो अचरज के काम के बखान करहूं।
2 मेंह तोर कारन खुस होहूं अऊ आनंद मनाहूं;
हे सर्वोच्च परमेसर, मेंह तोर नांव के महिमा के गीत गाहूं।

3 मोर बईरीमन पीठ देखाके भागथें;
ओमन ठोकर खाके तोर आघू म नास हो जाथें।
4 काबरकि तेंह मोर सही नियाय अऊ फैसला करे हस,
तेंह एक धरमी नियायधीस के रूप म सिंघासन म बिराजमान होके नियाय करे हस।
5 तेंह जाति-जाति के मनखेमन ला फटकारे हस अऊ दुस्टमन के नास करे हस;
तेंह ओमन के नांव ला हमेसा-हमेसा बर मिटा दे हस।
6 कभू खतम नइं होवइया बिनास मोर बईरीमन ऊपर आ गे हवय,
तेंह ओमन के सहरमन ला गिरा दे हस;
अऊ त अऊ ओमन के सुरता घलो नइं ए।

7 यहोवा ह सदाकाल बर राज करथे;
ओह अपन सिंघासन ला नियाय बर स्थापित करे हवय।
8 ओह धरमीपन से संसार के नियाय करथे
अऊ बिगर पखियपात के मनखेमन के मामला निपटाथे।
9 यहोवा ह दबे-कुचरे मनखेमन बर सरन के जगह
अऊ संकट के बेरा म एक मजबूत गढ़ ए।
10 जेमन तोर नांव ला जानथें, ओमन तोर ऊपर भरोसा करथें,
काबरकि हे यहोवा, तेंह ओमन ला कभू नइं छोंड़स, जऊन मन तोला खोजथें।

11 सियोन म बिराजे, यहोवा के महिमा के गीत गावव;
जाति-जाति के मनखेमन के बीच ओकर काम के बखान करव।
12 काबरकि जऊन ह खून के बदला लेथे, ओह सुरता रखथे;
ओह दुखी मनखे के पुकार ला अनसुना नइं करय।

13 हे यहोवा, देख, मोर बईरीमन मोला कइसन सतात हवंय!
मोर ऊपर दया कर अऊ मोला मिरतू के दुवार ले हटा,
14 ताकि मेंह बेटी सियोन के दुवारमन म
तोर परसंसा के बखान करंव,
अऊ उहां तोर करे गय उद्धार ले आनंदित होवंव।

15 जाति-जाति के मनखेमन ओ खंचवा म गिरे हवंय, जेला ओमन कोड़े रिहिन;
ओमन के गोड़मन ओ फांदा म फंस गे हवंय, जेला ओमन लगाय रिहिन।
16 यहोवा ह अपन नियाय के काम बर जाने जाथे;
दुस्ट मनखेमन अपन करे गे काम के दुवारा ही फंस जाथें।
17 दुस्ट मनखेमन खाल्हे अधोलोक म चले जाथें,
अऊ ओ जम्मो जाति के मनखेमन घलो, जेमन परमेसर ला भुला जाथें।
18 पर परमेसर ह दीन-दुखी ला कभू नइं भूलय;
दुखीमन के आसा कभू नइं टूटय।

19 हे यहोवा, उठ, मरनहार मनखे ला जय झन पावन दे;
जाति-जाति के मनखेमन के नियाय तोर आघू म होवय।
20 हे यहोवा, तें ओमन ला डरवा;
जाति-जाति के मनखेमन जानंय कि ओमन सिरिप मरनहार मनखे अंय।
*

भजन-संहिता 10

1 हे यहोवा, तेंह दूरिहा म काबर ठाढ़े रहिथस?
संकट के बेरा म तेंह काबर अपनआप ला छिपा लेथस?

2 दुस्ट मनखे ह अपन घमंड म दुरबल मनखे के सिकार कर लेथे;
ओह दुस्ट के बिछाय जाल म फंस जाथे।
3 दुस्ट ह अपन मन के लालसा ऊपर घमंड करथे;
ओह लालची मनखे ला आसीस देथे अऊ यहोवा के तिरस्कार करथे।
4 अपन घमंड के कारन दुस्ट मनखे ह परमेसर के खोज नइं करय;
ओकर जम्मो सोच-बिचार म परमेसर बर कोनो जगह नइं रहय।
5 ओकर रसता ह हमेसा उन्नति के रहिथे;
तोर कानून ला ओह नइं मानय†;
ओह अपन जम्मो बईरीमन के ऊपर हंसके ओमन के ठट्ठा करथे।
6 ओह अपनआप ले कहिथे, "मोला कभू कोनो हला नइं सकंय।"
ओह कसम खाके कहिथे, "मेंह हमेसा दुख ले बचे रहिहूं।"

7 ओकर मुहूं ह लबारी अऊ धमकी के बात ले भरे हवय,
समस्या अऊ दुस्टता के बात ओकर जीभ म रहिथे।
8 ओह गांवमन के लकठा म घात लगाय बईठे रहिथे;
ओह छिपके निरदोस मनखे के हतिया करथे।
ओकर आंखी ह छुपके अपन सिकार ला देखत रहिथे।
9 छुपके बईठे सिंह के सहीं ओह घात म रहिथे।
ओह असहाय ला धरे बर घात म रहिथे;
ओह असहाय ला धरथे अऊ अपन जाल म घसीटके ले जाथे।
10 ओकर सिकारमन कुचरे जाथें, ओमन गिर जाथें;
ओमन ओकर ताकत के आघू म हार जाथें।
11 ओह अपनआप ले कहिथे, "परमेसर ह कभू धियान नइं दीही;
ओह अपन चेहरा ला ढांप लेथे अऊ कभू नइं देखय।"

12 हे यहोवा, उठ! हे परमेसर अपन हांथ ला उठा।
असहाय मनखेमन ला झन भुला।
13 दुस्ट मनखे ह काबर परमेसर ला तुछ समझथे?
ओह अपनआप ले काबर कहिथे,
"परमेसर ह मोर ले लेखा नइं लेवय?"
14 पर हे परमेसर, तेंह दुखी मनखे के समस्या ला देखथस;
तेंह ओमन के दुख ऊपर बिचार करके ओला अपन हांथ म ले लेथस।
पीड़ित मनखे ह अपनआप ला तोर हांथ म सऊंप देथे;

---

* **भजन-संहिता 10:** भजन-संहिता 9 अऊ 10 सायद मूल रूप म एक कविता के रूप म रिहिन। सेप्टाजिन्ट म ये दूनों एक भजन-संहिता के रूप म हवंय † **भजन-संहिता 10:5** इबरानी म ?? ????? ?? ?? ??? ????? ? ??? ?? ?????? ?????

तेंह अनाथमन के सहारा अस।
15 दुस्ट मनखे के बाहां ला टोर दे;
दुस्ट काम करइया मनखे ले ओकर दुस्टता के हिसाब ले
ताकि ओकर दुस्टता ह खतम हो जावय।

16 यहोवा ह सदाकाल बर राजा अय;
आने जाति के मनखेमन ओकर देस ले नास हो जाहीं।
17 हे यहोवा, तेंह दुखी मनखे के मन के बात‡ ला सुनथस;
तेंह ओमन ला उत्साहित करथस अऊ ओमन के गोहार ला सुनथस,
18 अऊ तेंह अनाथ अऊ दुखी-पीड़ित मनखेमन के बचाव करथस,
ताकि धरती म रहइया मरनहार मनखे ह
फेर कभू आतंक झन मचावय।

भजन-संहिता 11

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 मेंह यहोवा करा सरन लेथंव।
तब तेंह मोला कइसे कह सकत हस:
"चिरई के सहीं अपन पहाड़ करा उड़ जा।
2 काबरकि देख, दुस्ट मनखेमन अपन धनुस ला साधत हें;
ओमन तीर ला धनुस के डोरी म रखत हें
ताकि अंधियार म ले
सीधवा मनखे ऊपर तीर चलावंय।
3 जब नीव ला गिराय जावत हे,
त फेर धरमी ह का कर सकथे?"

4 यहोवा ह अपन पबितर मंदिर म हवय;
यहोवा ह अपन स्वरग के सिंघासन म बिराजे हवय।
ओह धरती ऊपर हर एक जन ला देखत रहिथे;
ओकर आंखी ह ओमन ला परखथे।
5 यहोवा ह धरमी ला परखथे,
पर ओह ओ दुस्टमन ले बहुंत घिन करथे,
जेमन हिंसा ले मया करथें।
6 दुस्ट मनखेमन ऊपर परमेसर ह
बरत कोइला अऊ बरत गंधक बरसाही;
लेसा देवइया हवा ह ओमन के भाग होही।

7 काबरकि यहोवा ह धरमी अय,
ओह नियाय ले मया करथे;
धरमी मनखे ह ओकर दरसन करही।
*

भजन-संहिता 12

संगीत के निरदेसक बर। ??????? के मुताबिक दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, मदद कर, काबरकि अऊ कोनो वफादार नइं अंय;
जऊन मन बिसवासयोग्य अंय, ओमन मनखेमन के बीच ले गायब हो गे हवंय।

‡ **भजन-संहिता 10:17** या ?????? * **भजन-संहिता 12:** इबरानी म 12:1-8 ला 12:2-9 गने गे हवय † **भजन-संहिता 12:** ?????? ????? ?? ?? ???

2 हर एक मनखे अपन परोसी ले लबारी मारथे;
ओमन अपन मुहूं ले चापलूसी करथें
पर अपन मन म धोखा के बात रखथें।

3 यहोवा ह जम्मो चापलूसी करइया मुहूं
अऊ हर ओ घमंड करइया जीभ ला बंद कर देवय—
4 जेमन कहिथें,
"हमन अपन जीभ के दुवारा जीत जाबो;
हमर खुद के ओंठ ह हमर बचाव करही—हमर मालिक कोन अय?"

5 यहोवा ह कहिथे, "मेंह अब उठहूं,
काबरकि गरीब मनखे ला लूटे जाथे अऊ जरूरतमंद ह कलहरथे।
मेंह ओमन ला ओ मनखेमन ले बचाहूं, जेमन ओमन ला कलंकित करत हें।"
6 यहोवा के बचन म कोनो कमी नइं ए,
येह भट्ठी म सुध करे गे चांदी के सहीं अय,
ये सात बार सुध करे गे सोन के सहीं अय।

7 हे यहोवा, तेंह जरूरतमंद ला सही-सलामत रखबे
अऊ हमन ला हमेसा बर ओ दुस्टमन ले बचाय रखबे,
8 जेमन अकड़के चलथें
जब दुस्टता ला मनखेमन के दुवारा आदर करे जाथे।
*

भजन-संहिता 13

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, कब तक? का तेंह मोला हमेसा बर भुला जाबे?
कब तक तेंह अपन चेहरा ला मोर ले छुपाय रहिबे?
2 कब तक मेंह अपन बिचार म फंसे रहिहूं
अऊ हर दिन अपन मन म दुखी होवत रहिहूं?
कब तक मोर बईरी ह मोर ऊपर जय पावत रहिही?

3 हे यहोवा मोर परमेसर, मोर कोति देख अऊ जबाब दे,
मोर आंखी ला देखे के सक्ति दे, नइं तो मेंह मिरतू के नींद म सो जाहूं,
4 नइं तो मोर बईरी ह कहिही, "मेंह ओला जीत डारे हंव,"
अऊ मोर बईरीमन आनंद मनाहीं, जब में गिर जाहूं।

5 पर मेंह तोर अब्बड़ मया ऊपर भरोसा रखथंव;
मोर हिरदय ह तोर उद्धार म आनंद मनाथे।
6 मेंह यहोवा के गीत गाहूं,
काबरकि ओह मोर भलई करे हवय।

भजन-संहिता 14

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 मुरूख ह अपन मन म कहिथे,

* **भजन-संहिता 13:** इबरानी म 13:1-6 ला 13:2-6 गने गे हवय

"परमेसर नइं ए।"
ओमन बिगड़ गे हवंय, ओमन दुस्टता के काम करथें;
अइसे कोनो नइं ए, जऊन ह भलई करथे।

2 यहोवा ह स्वरग ले
जम्मो मानव-जाति ला ये आसा म देखथे
कि कोनो समझदार हवय कि नइं,
कोनो परमेसर के खोज करथे कि नइं।
3 जम्मो झन भटक गे हवंय, जम्मो झन बिगड़ गे हवंय;
अइसे कोनो नइं ए, जऊन ह भलई करथे,
एको झन घलो नइं।

4 का ये जम्मो दुस्ट काम करइयामन कुछू नइं जानंय?

ओमन मोर मनखेमन ला अइसे खा जाथें, मानो कि रोटी खावत हें;
ओमन कभू यहोवा के नांव तक नइं लेवंय।
5 पर उहां, ओमन डर के मारे घबरा गे हवंय,
काबरकि परमेसर ह धरमीमन के संग हवय।
6 दुस्ट काम करइयामन, तुमन गरीबमन के योजना ला बेकार कर देथव,
पर यहोवा ह ओमन के सरन-स्थान अय।

7 बने होतिस कि इसरायल बर उद्धार ह सियोन ले बाहिर आतिस!
जब यहोवा ह अपन मनखेमन ला पहिले के सहीं कर देथे,
याकूब ह आनंद मनावय अऊ इसरायल ह खुस होवय!

भजन-संहिता 15

दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, तोर पबितर तम्बू म कोन निवास कर सकथे?
तोर पबितर पहाड़ म कोन रह सकथे?

2 ओ, जेकर चालचलन ह निरदोस हे,
जऊन ह धरमी काम करथे,
जऊन ह अपन हिरदय ले सच बोलथे;
3 जेकर मुहूं ले निन्दा के बात नइं निकलय,
जऊन ह अपन परोसी के बिरूध कोनो गलत काम नइं करय,
अऊ आने मन के निन्दा नइं करय;
4 जऊन ह दुस्ट मनखे ला तुछ समझथे
पर ओमन के आदर करथे, जेमन यहोवा ले डरथें;
जऊन ह हानि उठाके घलो अपन सपथ ला पूरा करथे,
अऊ अपन मन ला नइं बदलय;
5 जऊन ह बिगर बियाज के गरीब ला अपन पईसा उधार देथे;
जऊन ह निरदोस मनखे ले घूस नइं लेवय।

जऊन ह ये काममन ला करथे,
ओह कभू नइं डोलय।

भजन-संहिता 16

दाऊद के एक [illegible]* ।
1 हे मोर परमेसर, मोला सुरकछित रख,
काबरकि तोर करा मेंह सरन लेवत हंव।

2 मेंह यहोवा ले कहिथंव, "तेंह मोर परभू अस;
तोर छोंड़ मोर करा अऊ कोनो बने चीज नइं ए।"
3 ओ पबितर मनखे, जऊन मन देस म हवंय, ओमन के बारे मेंह कहिथंव,
"ओमन उत्तम मनखे अंय, जेमन म मोर जम्मो खुसी हवय।"
4 ओ मनखे, जऊन मन आने देवतामन के पाछू भागथें, ओमन के दुख बढ़ते ही जाही।
मेंह अइसन देवतामन ला लहू के अरपन नइं करंव
अऊ न ही मोर मुहूं ले ओमन के नांव लेवंव।

5 हे यहोवा, सिरिप तेंहीच ह मोर हिस्सा अऊ मोर कटोरा अस;
तेंह मोर हिस्सा ला सुरकछित रखथस।
6 सीमना रेखा ह मोर बर खुसी के जगह म पड़े हवय;
सही म मोर करा मनभावन बिरासत हवय।
7 मेंह यहोवा के परसंसा करहूं, जऊन ह मोला सलाह देथे;
अऊ त अऊ रथिया के बेरा घलो मोर मन ह मोला सिखोथे।
8 मोर आंखी ह हमेसा यहोवा ऊपर लगे रहिथे।
ओह मोर जेवनी हांथ कोति हवय, मेंह नइं डोलंव।

9 एकरसेति मोर मन ह खुस हवय अऊ मोर मुहूं ह आनंद मनाथे;
मोर देहें घलो चैन से अराम करही।
10 काबरकि तेंह मोला मरे मनखेमन के लोक म नइं छोंड़बे,
अऊ न ही अपन बिसवासयोग्य जन† ला तेंह सड़न देबे।
11 तेंह मोला जिनगी के रसता देखाथस;
तेंह अपन आघू म मोला आनंद ले भर देबे,
तोर जेवनी हांथ म अनंतकाल के खुसी रहिही।

भजन-संहिता 17

दाऊद के एक पराथना।
1 हे यहोवा, मोर सच्चई के बिनती ला सुन;
मोर गोहार ला सुन।
मोर पराथना ला सुन—
येह कपटरहित बात बोलइया मुहूं ले निकले हवय।
2 मोर नियाय तोरेच करा ले आथे;
तोर आंखी ह सही बात ला देखय।

3 हालाकि तेंह मोर मन ला जांचथस,
हालाकि रथिया तेंह मोला परखथस अऊ मोला जांचथस,
तभो ले तेंह पाबे कि मेंह कोनो दुस्टता के योजना नइं बनाय हंव;
मोर मुहूं ह कोनो पाप नइं करे हवय।

---

* **भजन-संहिता 16:** [illegible] † **भजन-संहिता 16:10** या [illegible]

4 हालाकि मनखेमन मोला घूस देय के कोसिस करिन,
पर तोर दिये गय हुकूम के जरिये
मेंह अपनआप ला गलत काम ले दूरिहा रखे हंव।
5 मोर पांव ह तोर रसता ला धरे हवय;
मोर गोड़ ह नइं लड़खड़ाय हवय।

6 हे परमेसर, मेंह तोला पुकारत हंव, काबरकि तेंह मोला जबाब देबे;
अपन कान ला मोर कोति लगा अऊ मोर पराथना ला सुन।
7 अपन बड़े मया के अद्भूत काममन ला मोला देखा,
तें जऊन ह अपन जेवनी हांथ के दुवारा
ओमन ला बचाथस, जऊन मन अपन बईरीमन ले तोर करा सरन लेथें।
8 मोला अपन आंखी के पुतली सहीं रख;
मोला अपन डेना के छइहां म छुपा ले
9 ओ दुस्ट मनखेमन ले, जेमन मोला नास करे बर निकले हवंय,
ओ मोर मरनहार बईरीमन ले, जेमन मोला घेर ले हवंय।

10 ओमन अपन कठोर हिरदय ला बंद कर लेथें,
अऊ ओमन के मुहूं ले घमंड के बात निकलथे।
11 ओमन मोर पता लगा ले हवंय, अऊ अब ओमन मोला घेरत हवंय,
मोला भुइयां म पटके बर ओमन के आंखीमन सचेत हवंय।
12 ओमन सिकार के भूखा एक सिंह सहीं अंय,
ओ भयंकर सिंह, जऊन ह ओधा लेके घात म बईठे रहिथे।

13 हे यहोवा, उठ, ओमन के सामना कर, ओमन ला पटक दे;
अपन तलवार के दुवारा मोला दुस्ट ले बचा।
14 हे यहोवा, अपन हांथ के दुवारा मोला अइसन मनखेमन ले बचा,
ये संसार के ओ मनखेमन ले, जेमन के ईनाम इही जिनगी म हवय।
ओमन के पेट ओमा ले भरय, जेला तेंह दुस्टमन बर रखे हस;
ओमन के लइकामन ओमा ले पेट भरके खावंय,
अऊ ओमा ले ओमन के छोटे लइकामन बर घलो बच जावय।

15 जहां तक मोर बात ए, मेंह बचाय जाहूं अऊ तोर चेहरा ला देखहूं;
जब मेंह जागहूं, त तोर सरूप ला देखके संतोस करहूं।
*

भजन-संहिता 18

संगीत के निरदेसक बर यहोवा के सेवक दाऊद के एक भजन। ओह यहोवा बर ये गीत ला तब गाईस, जब यहोवा ह ओला ओकर जम्मो बईरीमन के हांथ ले अऊ साऊल के हांथ ले बचाईस। ओह कहिस:
1 हे यहोवा, मोर बल, मेंह तोर ले मया करथंव।

2 यहोवा ह मोर चट्टान, मोर गढ़ अऊ मोर छुड़ानेवाला अय;
मोर परमेसर ह मोर चट्टान अय, जेमा मेंह सरन लेथंव,
ओह मोर ढाल अऊ मोर उद्धार के सींग, मोर मजबूत गढ़ अय।

3 मेंह यहोवा ला पुकारेंव, जऊन ह इस्तुति के योग्य अय,

* **भजन-संहिता 18:** इबरानी म 18:1-50 ला 18:2-51 गने गे हवय

अऊ मेंह अपन बईरीमन ले बचाय गे हवंव।
4 मिरतू के डोरीमन मोला फंसा लीन;
भयंकर बिनास के तेज धारा ह मोला घबरा दीस।
5 कबर के डोरीमन मोर चारों कोति रिहिन;
मिरतू के फांदा ह मोर आघू म रिहिस।

6 मेंह अपन बिपत्ति म यहोवा ला पुकारेंव;
मेंह अपन परमेसर ले मदद करे बर गोहार लगांय।
अपन मंदिर ले ओह मोर अवाज ला सुनिस;
मोर गोहार ह ओकर आघू म, ओकर कान म पड़िस।
7 धरती ह कांपिस अऊ डोलिस,
अऊ पहाड़मन के नींवमन डोल गीन;
ओमन कांपे लगिन, काबरकि ओह गुस्सा हो गे रिहिस।
8 ओकर नाक ले धुआं निकलिस;
ओकर मुहूं ले भसम करइया आगी निकलिस,
जेमा ले बरत कोइला के जुवाला निकलिस।
9 ओह अकास ला अलग करिस अऊ खाल्हे उतरिस;
करिया बादरमन ओकर गोड़ के खाल्हे रिहिन।
10 ओह करूब† ऊपर सवार होके उड़ गीस;
ओह हवा के डेनामन म सवार होके बहुंत ऊपर उड़िस।
11 ओह अंधियार ला अपन ओढ़ना बना लीस, ओह ओकर चारों कोति सुघर ओढ़ना रिहिस—
याने कि अकास के पानीवाले करिया बादरमन।
12 ओकर उपस्थिति के तेज ले बादरमन बढ़िन,
अऊ करा गिरिस अऊ बिजली कड़किस।
13 यहोवा ह स्वरग ले गरजिस;
सर्वोच्च परमेसर के अवाज ह गुंजिस।
14 ओह अपन तीरमन ला चलाईस अऊ बईरीमन ला तितिर-बितिर कर दीस,
बिजली के बड़े कड़क ले ओह ओमन ला हराके भगा दीस।
15 हे यहोवा, तोर घुड़की ले,
तोर नाक के सांस फूंके ले,
समुंदर के घाटीमन दिखे लगिन
अऊ धरती के नींवमन खाली पड़ गीन।

16 ओह ऊपर ले हांथ बढ़ाके मोला थाम लीस;
ओह मोला गहिरा पानी म ले बाहिर निकालिस।
17 ओह मोला मोर ओ ताकतवर बईरीमन ले, मोर बिरोधीमन ले छोंड़ाईस,
जेमन बहुंत बलवान रिहिन।
18 ओमन मोर बिपत्ति के दिन म मोर बिरोध करिन,
पर यहोवा ह मोर सहारा रिहिस।
19 ओह मोला एक ठन चाकर जगह म ले आईस;
ओह मोला बचाईस, काबरकि ओह मोर ले खुस रिहिस।

20 यहोवा ह मोर धरमीपन के मुताबिक मोर ले बरताव करे हवय;
मोर हांथ के सुधता के मुताबिक ओह मोला ईनाम दे हवय।
21 काबरकि मेंह यहोवा के रद्दा म चले हवंव;

† **भजन-संहिता 18:10** येह डेनावाला एक जीव अय, (देखव निर 25:17-20)

मेंह अपन परमेसर के रद्दा ले हट जाय के पाप नइं करे हंव।
22 ओकर जम्मो कानूनमन मोर आघू म हवंय;
मेंह ओकर बिधिमन ला माने ले नइं हटे हंव।
23 मेंह ओकर आघू म निरदोस रहे हंव
अऊ मेंह अपनआप ला पाप ले दूरिहा रखे हंव।
24 यहोवा ह मोर धरमीपन के मुताबिक मोला ईनाम दे हवय,
ओकर नजर म मोर हांथ के सुधता के मुताबिक, ओह मोला ईनाम दे हवय।

25 बिसवासयोग्य मनखे बर तेंह बिसवासयोग्य रहिथस,
निरदोस मनखे बर तेंह निरदोस रहिथस,
26 सुध मनखे बर तेंह सुध रहिथस,
पर भटके हुए मनखे बर तेंह चतुर बनथस।
27 तेंह नम्र सुभाव के मनखे ला बचाथस,
पर घमंड ले चढ़े आंखीवाले ला नीचा देखाथस।
28 हे यहोवा, तेंह मोर दीया ला बारे रखथस;
मोर परमेसर ह मोर अंधियार ला अंजोर कर देथे।
29 तोर मदद ले मेंह एक सेना के बिरूध जा सकत हंव;
मोर परमेसर के मदद ले मेंह एक दीवार ऊपर चढ़ सकत हंव।

30 जहां तक परमेसर के बात ए, ओकर रसता ह बिलकुल सही ए:
यहोवा के बचन म कोनो कमी नइं ए;
ओह ओ जम्मो झन ला बचाथे, जऊन मन ओकर सरन म आथें।
31 काबरकि यहोवा ला छोंड़ कोन ह परमेसर ए?
अऊ हमर परमेसर ला छोंड़ कोन ह चट्टान ए?
32 येह परमेसर ए, जऊन ह सामर्थ से मोला संभालथे
अऊ मोर रसता ला सुरकछित रखथे।
33 ओह मोर गोड़ ला हिरन के गोड़ सहीं कर देथे;
ओह मोला ऊंच जगह म ठाढ़ करथे।
34 ओह मोर हांथमन ला लड़ई करे बर सिखाथे;
मोर बाहां ह कांसा के धनुस ला मोड़ सकथे।
35 तेंह अपन बचाव के मदद ला मोर ढाल बनाथस,
अऊ तोर जेवनी हांथ ह मोला संभालथे;
तोर मदद ह मोला महान कर दे हवय।
36 तेंह मोर पांव बर चाकर रसता देथस,
जेकर ले मोर एड़ीमन नइं थकंय।

37 मेंह अपन बईरीमन के पीछा करके ओमन ला पकड़ लेंव;
मेंह तब तक नइं लहुंटंय, जब तक कि ओमन नास नइं हो गीन।
38 मेंह ओमन ला कुचर देंव, जेकर ले ओमन उठ नइं सकिन;
ओमन मोर गोड़ खाल्हे गिर गीन।
39 तेंह मोला लड़ई करे बर ताकत दे हस;
तेंह मोर बईरीमन ला मोर आघू म झुका दे हस।
40 तेंह मोर बईरीमन ला पीठ देखाके भागे बर बिबस कर दे हस,
अऊ मेंह मोर बईरीमन ला नास कर देंव।
41 ओमन मदद बर गोहारिन, पर ओमन ला बचानेवाला कोनो नइं रिहिस—

ओमन यहोवा ला पुकारिन, पर ओह ओमन ला जबाब नइं दीस।
42 मेंह ओमन ला मार-मारके हवा म उड़ियावत धुर्रा के सहीं कर देंव;
मेंह ओमन ला गली के चीखला सहीं रऊंदेंव।
43 तेंह मोला मनखेमन के हमला ले बचाय हस;
तेंह मोला जाति-जाति के मनखेमन के मुखिया बनाय हस।
ओ मनखे, जेमन ला मेंह नइं जानत रहेंव, ओमन अब मोर सेवा करथें,
44 परदेसीमन मोर आघू म डरथें;
मोर अवाज ला सुनतेच ही ओमन मोर हुकूम के पालन करथें।
45 ओ जम्मो झन घबरा जाथें;
ओमन कांपत अपन गढ़ ले बाहिर निकलथें।

46 यहोवा ह जीयत हवय! मोर चट्टान के परसंसा होवय!
परमेसर मोर उद्धारकर्ता के बहुंत परसंसा होवय!
47 ओह परमेसर ए, जऊन ह मोर बदला लेथे,
जऊन ह जाति-जाति के मनखेमन ला मोर अधीन कर देथे,
48 जऊन ह मोला मोर बईरीमन ले बचाथे।
तेंह मोला मोर बिरोधीमन ले ऊंच करे हस;
एक हिंसक आदमी ले तेंह मोला बचाय हस।
49 एकरसेति हे यहोवा, मेंह जाति-जाति के मनखेमन के बीच तोर परसंसा करहूं;
मेंह तोर नांव के परसंसा के गीत गाहूं।

50 ओह अपन राजा ला बड़े बिजय देथे;
ओह अपन अभिसिक्त जन,
दाऊद अऊ ओकर संतानमन ऊपर हमेसा अटूट मया देखाथे।
*

भजन-संहिता 19

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 स्वरग ह परमेसर के महिमा के बखान करत हे;
अकास ह ओकर हांथ के काम ला परगट करत हे।
2 हर दिन ओमन बखान करथें;
हर रथिया ओमन गियान परगट करथें।
3 ओमन के कोनो बोली नइं ए, ओमन कोनो सबद के उपयोग नइं करंय;
ओमन ले कोनो अवाज सुनई नइं देय।
4 तभो ले ओमन के अवाज जम्मो धरती म जाथे,
ओमन के सबद संसार के छोर तक हबरथे।
अकास म परमेसर ह सूरज बर एक तम्बू ताने हवय।
5 येह एक दूल्हा के अपन कमरा ले बाहिर निकलके आय सहीं ए,
येह एक बिजेता के सहीं अय, जऊन ह अपन दऊड़ ला दऊड़े बर आनंदित हे।
6 येह अकास के एक छोर ले निकलथे
अऊ दूसर छोर तक चक्कर लगाथे;
जम्मो चीज ला येकर गरमी मिलथे।

7 यहोवा के कानून ह बिलकुल सही ए,

* **भजन-संहिता 19:** इबरानी म 19:1-14 ला 19:2-15 गने गे हवय

अऊ येह आतमा ला ताजा कर देथे।
यहोवा के बिधिमन भरोसा के लईक अंय,
अऊ येमन सधारन मनखे ला बुद्धिमान बना देथें।
8 यहोवा के उपदेसमन सही अंय,
अऊ येमन हिरदय ला आनंदित करथें।
यहोवा के हुकूममन चमकीला एं,
अऊ येमन आंखी ला अंजोर देथें।
9 यहोवा के भय ह सुध ए,
अऊ येह सदाकाल तक बने रहिथे।
यहोवा के नियममन पक्का अंय,
अऊ ये जम्मो के जम्मो नियाय के अंय।

10 ओमन सोन ले घलो,
सुध सोन ले घलो कीमती अंय;
ओमन मंधरस ले घलो,
मधुमक्खी के छत्ता के मंधरस ले घलो जादा मीठ अंय।
11 ओमन के दुवारा तोर सेवक ला चेतउनी मिलथे;
ओमन के पालन करे ले बड़े ईनाम मिलथे।
12 पर अपन खुद के गलती ला कोन समझ सकथे?
मोर छिपे गलतीमन ला छेमा कर।
13 अपन सेवक ला जानबूझके करइया पाप ले दूरिहा रख;
ओमन के अधिकार मोर ऊपर झन होवय।
तब मेंह निरदोस होहूं,
अऊ बड़े अपराध के दोसी नइं होहूं।

14 हे यहोवा, मोर चट्टान अऊ मोर छुड़इया,
मोर मुहूं के ये बचन
अऊ मोर मन के ये बिचार तोला भावय।
*

भजन-संहिता 20

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 बिपत्ति के बेरा म यहोवा ह तोर बिनती के जबाब देवय;
याकूब के परमेसर के नांव ह तोला बचावय।
2 पबितर-स्थान ले ओह तोर बर मदद पठोवय
अऊ सियोन ले तोला मदद देवय।
3 ओह तोर जम्मो बलिदान ला सुरता करय;
अऊ तोर होम-बलिदान ला स्वीकार करय।
4 ओह तोर मन के ईछा ला पूरा करय
अऊ तोर जम्मो योजना ला सफल करय।
5 हमन तोर जय के कारन आनंद के मारे चिचियावन
अऊ अपन परमेसर के नांव के झंडा ला ऊंचा करन।

यहोवा ह तोर जम्मो बिनती ला पूरा करय।

6 अब ये बात मेंह जानत हंव:

* **भजन-संहिता 20:** इबरानी म 20:1-9 ला 20:2-10 गने गे हवय

यहोवा ह अपन अभिसिक्त जन ला बिजयी बनाथे।
ओह ओला अपन स्वरगीय पबितर-स्थान ले
अपन जेवनी हांथ के बिजयी सक्ति के संग जबाब देथे।
7 कुछू मनखेमन रथ ऊपर अऊ कुछू मनखेमन घोड़ामन ऊपर भरोसा करथें,
पर हमन तो यहोवा हमर परमेसर के नांव ऊपर भरोसा करथन।
8 ओमन ला ओमन के माड़ी म लाय जाथे अऊ ओमन गिरथें,
पर हमन उठके मजबूती से खड़े रहिथन।
9 हे यहोवा, राजा ला बिजयी बना!
जब हमन पुकारथन, त हमन ला जबाब दे!
*

भजन-संहिता 21

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, राजा ह तोर सामर्थ म आनंदित होथे।
तोर दिये गे बिजय म ओला बहुंत आनंद मिलथे!

2 तेंह ओकर हिरदय के ईछा ला पूरा करे हस
अऊ ओकर मुहूं के बिनती ला अस्वीकार नइं करे हस।
3 तेंह उत्तम आसीस के संग ओकर ले मिले बर आय
अऊ ओकर मुड़ म सुध सोन के मुकुट पहिराय हस।
4 ओह तोर ले जिनगी मांगिस, अऊ तेंह ओला जिनगी देय—
तेंह ओकर जिनगी ला सदाकाल बर बढ़ाय।
5 जऊन जय तेंह ओला दे हस, ओकर महिमा ह बड़े ए;
तेंह ओला सोभा अऊ महिमा दे हस।
6 सही म तेंह ओला खतम नइं होवइया आसीस दे हस
अऊ अपन उपस्थिति के आनंद ले ओला खुस कर दे हस।
7 काबरकि राजा ह यहोवा ऊपर भरोसा करथे;
सर्वोच्च परमेसर के बड़े मया के कारन
ओह अटल बने रहिही।

8 तोर हांथ ह तोर जम्मो बईरीमन के ऊपर पड़ही;
तोर जेवनी हांथ ह तोर बईरीमन ला धर लीही।
9 जब तेंह लड़ई करे बर परगट होबे,
त तेंह ओमन ला बरत भट्ठी म बारे सहीं बार देबे।
यहोवा ह अपन कोप म ओमन ला लील जाही,
अऊ ओकर आगी ह ओमन ला भसम कर दीही।
10 तेंह ओमन के संतानमन ला धरती ले नास कर देबे,
मानव-जाति ले ओमन के बंस ला मिटा देबे।
11 हालाकि ओमन तोर बिरूध सडयंत्र रचथें
अऊ दुस्ट योजना बनाथें, पर ओमन सफल नइं होवंय।
12 जब तेंह अपन धनुस ले ओमन ला अपन निसाना बनाबे।
त ओमन अपन पीठ देखाके भागहीं।

13 हे यहोवा, तोर सामर्थ ह अऊ बढ़य;
हमन तोर सक्ति के गीत गाबो अऊ परसंसा करबो।

* **भजन-संहिता 21:** इबरानी म 21:1-13 ला 21:2-14 गने गे हवय

*

भजन-संहिता 22

संगीत के निरदेसक बर। "बिहनियां के मादा हिरन" के धुन म दाऊद के एक भजन।
1 हे मोर परमेसर, हे मोर परमेसर, तेंह मोला काबर तियाग दे हस?
तेंह मोर बचाव काबर नइं करत हस?
मोर पीरा के गोहार ला काबर नइं सुनत हस?
2 हे मोर परमेसर, मेंह दिन म गोहारथंव, पर तेंह जबाब नइं देवस,
रथिया घलो, मोला अराम नइं मिलय।

3 पर तेंह पबितर परमेसर के रूप म बिराजमान हस;
तेंह ओ अस, जेकर परसंसा इसरायल करथे।
4 तोर ऊपर ही हमर पुरखामन भरोसा करिन;
ओमन भरोसा करिन अऊ तेंह ओमन ला छोंड़ाय।
5 तोर ले ओमन गोहारिन अऊ ओमन बचाय गीन;
तोर ऊपर ओमन भरोसा करिन अऊ ओमन लज्जा म नइं पड़िन।

6 पर में तो एक कीरा अंव, मनखे नइं,
हर एक जन मोला अपमानित करथें, मनखेमन मोला तुछ समझथें।
7 ओ जम्मो झन, जेमन मोला देखथें, ओमन मोर हंसी उड़ाथें;
ओमन अपन मुड़ हला-हलाके मोर बेजत्ती करथें।
8 ओमन कहिथें, "ओह यहोवा ऊपर भरोसा करथे,
यहोवा ह ओला बचावय।
जब ओह यहोवा म खुस रहिथे,
त ओही ह ओला छोंड़ावय।"

9 तभो ले तेंह मोला गरभ ले बाहिर लानय,
जब मेंह दूध पीयत लइका रहेंव, तब ले तेंह मोला तोर ऊपर भरोसा करे बर सिखोय हस।
10 जनम ले ही मोला तोर देखरेख म छोंड़ दिये गीस;
जब मेंह मोर दाई के गरभ म रहेंव, तब ले ही तेंह मोर परमेसर अस।

11 मोर ले दूरिहा झन रह,
काबरकि समस्या ह लकठा म हवय
अऊ कोनो मदद करइया नइं ए,

12 बहुंत अकन सांड़मन मोला घेरत हवंय;
बासान देस के बलवान सांड़मन मोला चारों कोति ले घेरत हवंय।
13 गरजत सिंह, जेमन अपन सिकार ला फाड़ डालथें,
ओमन मोर बिरोध म अपन मुहूं खोलत हवंय।
14 मेंह पानी कस ढारे जावत हंव,
अऊ मोर जम्मो हाड़ामन अपन जोड़ ले खिसक गे हवंय।
मोर हिरदय ह मोम कस हो गे हवय;
येह मोर भीतर म ही टघल गे हवय।
15 मोर मुहूं ह माटी के टूटे बरतन सहीं सूखा गे हवय,
अऊ मोर जीभ ह मोर तालू म चिपकत हे,

* **भजन-संहिता 22:** इबरानी म 22:1-31 ला 22:2-32 गने गे हवय

तेंह मोला मिरतू के माटी म लेटाथस।

16 कुकुरमन मोला घेरत हें,
दुस्ट मनखेमन के एक दल ह मोला चारों कोति ले घेरत हे;
ओमन मोर हांथ अऊ गोड़मन ला छेदत हवंय।
17 मोर जम्मो हाड़ामन दिखत हवंय;
मनखेमन मोला घूरथें अऊ गंदा नजर ले देखथें।
18 ओमन मोर ओनहा ला आपस म बांट लेथंय
अऊ मोर कुरता बर चिट्ठी निकालथें।

19 पर हे यहोवा, तेंह मोर ले दूरिहा झन रह।
तेंह मोर ताकत अस; मोर मदद करे बर जल्दी आ।
20 मोर जिनगी ला तलवार ले बचा,
मोर बहुमोल जिनगी ला कुकुरमन के सक्ति ले बचा।
21 सिंहमन के मुहूं ले मोला बचा;
जंगली बईलामन के सींग ले मोला बचा।

22 मेंह अपन भाईमन के आघू म तोर नांव के परचार करहूं;
सभा के बीच म, मेंह तोर परसंसा करहूं।
23 हे यहोवा के भय मनइयामन, ओकर परसंसा करव!
हे याकूब के जम्मो संतानमन, ओकर आदर करव!
हे इसरायल के जम्मो संतानमन, ओकर सम्मान करव!
24 काबरकि ओह दुख म परे मनखे ला तुछ नइं समझे हे
या ओला छोंड़ नइं दे हे;
ओह ओकर ले अपन मुहूं नइं छुपाय हवय
पर मदद बर ओकर गोहार ला सुने हवय।

25 बड़े सभा म तोर परसंसा के बिसय तोरेच करा ले आथे;
जऊन मन तोर भय मानथें, ओमन के आघू म मेंह अपन मन्नत ला पूरा करहूं।
26 गरीबमन खाहीं अऊ संतुस्ट हो जाहीं;
जऊन मन यहोवा ला खोजथें, ओमन ओकर परसंसा करहीं—
तुम्हर परान हमेसा जीयत रहय!

27 धरती के जम्मो छोर तक मनखेमन यहोवा ला
सुरता करहीं अऊ ओकर कोति फिरहीं,
अऊ जाति-जाति के जम्मो परिवारमन
ओकर आघू म दंडवत करहीं।
28 काबरकि राज ह यहोवा के ही अय
अऊ जाति-जाति के मनखेमन ऊपर ओहीच ह राज करथे।

29 धरती के जम्मो धनवानमन भोज खाहीं अऊ ओकर अराधना करहीं;
ओ जम्मो जऊन मन धुर्रा म मिल जाथें, ओमन ओकर आघू म माड़ी टेकहीं—
ओ मनखे, जऊन मन अपनआप ला जीयत नइं रख सकंय।
30 अवइया पीढ़ी के मनखेमन ओकर सेवा करहीं;
अवइया पीढ़ी के मनखेमन ला परभू के बारे बताय जाही।
31 ओमन ओकर धरमीपन के बखान करहीं,

ओ मनखेमन के आघू म बखान करहीं, जेमन अभी जनमे नइं अंय:
ओह येला करे हवय!

भजन-संहिता 23

दाऊद के एक भजन।
1 यहोवा ह मोर चरवाहा अय, मोला कुछू घटी नइं होवय।
2 ओह मोला हरियर-हरियर चरागन म अराम कराथे,
ओह मोला सांत पानी के तीर म ले जाथे,
3 ओह मोर जीव ला तरो-ताजा कर देथे।
अपन नांव के खातिर
ओह मोला धरमीपन के रसता म ले चलथे।
4 चाहे मेंह घिटके अंधियार के
घाटी* म ले होके जावंव,
तभो ले कोनो अहित होय ले नइं डरंव,
काबरकि तेंह मोर संग रहिथस;
तोर सुंटी अऊ तोर लउठी ले
मोला अराम मिलथे।

5 तेंह मोर बईरीमन के आघू म
मोर बर जेवन के मेज सजाथस।
तेंह मोर मुड़ ला तेल ले अभिसेक करथस;
मोर कटोरा ह छलकत हे।
6 खचित तोर भलई अऊ मया
मोर जिनगी भर मोर संग रहिही,
अऊ मेंह सदा-सर्वदा यहोवा के घर म
निवास करहूं।

भजन-संहिता 24

दाऊद के एक भजन।
1 धरती अऊ येमा के हर एक चीज यहोवा के अय,
संसार, अऊ ओ जम्मो जेमन येमा रहिथें;
2 काबरकि ओह एकर नींव समुंदरमन के ऊपर रखिस
अऊ पानी के ऊपर येला इस्थिर करिस।

3 यहोवा के पहाड़ ऊपर कोन चढ़ सकत हे?
ओकर पबितर स्थान म कोन ठाढ़ हो सकत हे?
4 ओह, जेकर काम सही अऊ हिरदय सुध हवय,
जऊन ह मूरती ऊपर भरोसा नइं करय
या लबरा ईस्वर के सपथ नइं खावय।

5 ओह यहोवा ले आसीस पाही
अऊ ओला अपन उद्धार करइया परमेसर ले सुरकछा मिलही।
6 अइसने ही होथे ओमन के पीढ़ी, जऊन मन परमेसर के खोज करथें,
हे याकूब के परमेसर, जऊन मन तोर दरसन के खोज म रहिथें।

---

* **भजन-संहिता 23:4** या [illegible]

7 हे दुवारमन, अपन मुड़ ला ऊंचा करव;
हे पुराना जमाना के कपाटमन, ऊपर उठव,
ताकि महिमा के राजा ह भीतर आवय।
8 ये महिमा के राजा कोन ए?
यहोवा, जऊन ह बलवान अऊ सक्तिसाली ए,
यहोवा, जऊन ह लड़ई म सक्तिसाली ए।
9 हे दुवारमन, अपन मुड़ ला ऊंचा करव;
हे पुराना जमाना के कपाटमन, ऊपर उठव,
ताकि महिमा के राजा ह भीतर आवय।
10 ये महिमा के राजा कोन ए?
सर्वसक्तिमान यहोवा—
ओह महिमा के राजा अय।

भजन-संहिता 25

दाऊद के भजन।
1 हे यहोवा, मोर परमेसर, तोर ऊपर
मेंह अपन भरोसा रखथंव।

2 मेंह तोर ऊपर भरोसा करथंव;
मोला सरमिंदा झन होवन दे,
न ही मोर बईरीमन ला मोर ऊपर जय पावन दे।
3 जऊन ह तोर ऊपर आसा रखथे
ओह कभू सरमिंदा नइं होही,
पर सरमिंदा ओमन होहीं
जऊन मन बिगर कारन के बिसवासघात करथें।

4 हे यहोवा, मोला अपन डहार देखा,
मोला अपन रसता के बात सिखा।
5 अपन सच्चई म मोर अगुवई कर अऊ मोला सिखा,
काबरकि तेंह परमेसर मोर उद्धारकर्ता अस,
अऊ दिन भर मोर आसा ह तोर ऊपर रहिथे।
6 हे यहोवा, अपन बड़े दया अऊ मया ला सुरता कर,
काबरकि ओमन पुराना जमाना ले हवंय।
7 मोर जवानी के पाप
अऊ मोर बिदरोही काममन ला सुरता झन कर;
अपन मया के मुताबिक मोला सुरता कर,
काबरकि हे यहोवा, तेंह बने अस।

8 यहोवा ह बने अऊ ईमानदार अय;
एकरसेति ओह पापीमन ला अपन तरीका ले सिखाथे।
9 जऊन बात ह सही अय, ओमा ओह नम्र मनखे के अगुवई करथे
अऊ ओमन ला अपन रसता के सिकछा देथे।
10 जऊन मन यहोवा के करार के बात ला मानथें
ओमन बर ओकर जम्मो रसतामन मया ले भरे अऊ बिसवासयोग्य अंय।
11 हे यहोवा, अपन नांव के खातिर,
मोर अपराध ला छेमा कर, हालाकि येह बहुंत बड़े हवय।

12 तब ओमन कोन अंय, जेमन यहोवा के भय मानथें?
ओह ओमन ला ओ रसता म ले जाही, जेला ओह ओमन बर चुनथे।
13 ओमन अमीरी म अपन दिन काटहीं,
अऊ ओमन के संतानमन देस के ऊपर अधिकार करहीं।
14 यहोवा ह ओमन ऊपर भरोसा रखथे, जेमन ओकर भय मानथें;
ओह ओमन ला अपन करार के बारे म बताथे।
15 मोर आंखी ह हमेसा यहोवा ऊपर लगे रहिथे,
काबरकि सिरिप ओहीच ह मोर गोड़ ला फांदा ले छुड़ाही।

16 हे यहोवा, मोर कोति लहुंट अऊ मोर ऊपर अनुग्रह कर,
काबरकि मेंह अकेला अऊ दुखित हंव।
17 मोर हिरदय के दुख ला दूरिहा कर दे
अऊ मोला तकलीफ ले छुड़ा ले।
18 मोर दुख अऊ तकलीफ ला देख
अऊ मोर जम्मो पाप ला दूरिहा कर दे।
19 देख मोर बईरीमन कतेक जादा हवंय
अऊ कतेक जादा ओमन मोर ले घिन करथें!

20 मोर जिनगी के रकछा कर अऊ मोला बचा ले;
मोला सरमिंदा झन होवन दे,
काबरकि मेंह तोर सरन ले हवंव।
21 मोर ईमानदारी अऊ सच्चई ह मोला बचावय,
काबरकि मोर आसा तोर ऊपर हवय।

22 हे परमेसर, इसरायल ला
ओकर जम्मो संकट ले छोंड़ा ले।

भजन-संहिता 26

दाऊद के भजन।
1 हे यहोवा, मोला नियाय दे,
काबरकि मेंह एक निरदोस जिनगी जीये हवंव;
मेंह यहोवा ऊपर भरोसा करे हंव
अऊ नइं डगमगाय हंव।
2 हे यहोवा, मोला परख अऊ मोला जांच,
मोर हिरदय अऊ मोर मन ला जांच ले;
3 काबरकि तोर अटूट मया के खियाल मोर मन म हमेसा रहिथे
अऊ मेंह तोर बिसवासयोग्यता के भरोसा म जीयत हंव।

4 मेंह धोखेबाजमन के संग म नइं बईठंव,
अऊ न ही पाखंडीमन के संगति करंव।
5 मेंह गलत काम करइयामन के संगति ले घिन करथंव
अऊ दुस्टमन के संग नइं बईठंव।
6 हे यहोवा, मेंह अपन हांथ ला निरदोस रखथंव,
अऊ तोर बेदी करा जाथंव,
7 अऊ ऊंचहा अवाज म तोर परसंसा करथंव
अऊ तोर जम्मो अद्भूत काममन ला बताथंव।

8 हे यहोवा, मेंह ओ घर ले मया करथंव, जिहां तेंह रहिथस,
ओ जगह जिहां तोर महिमा रहिथे।
9 मोर परान ला पापीमन के संग
अऊ मोर जिनगी ला खून के पीयासामन के संग झन ले,
10 जेमन के हांथमन दुस्टता के उपाय करथें,
अऊ जेमन के जेवनी हांथ ह घूसखोरी ले भरे हवय।
11 मेंह तो निरदोस जिनगी जीथंव;
मोला छोंड़ा ले अऊ मोर ऊपर दया कर।

12 मेंह समतल भुइयां म ठाढ़े हवंव;
सभामन म मेंह यहोवा के इस्तुति करहूं।

भजन-संहिता 27

दाऊद के भजन।
1 यहोवा ह मोर अंजोर अऊ मोर उद्धार अय—
त मेंह काकर ले डरहूं?
यहोवा ह मोर जिनगी के मजबूत किला अय—
त काकर ले मेंह भय खाहूं?

2 जब दुस्ट मनखेमन मोला नास* करे बर
मोर बिरूध आघू बढ़थें,
त ये मोर बईरी अऊ बिरोधीमन ही
ठोकर खाहीं अऊ गिरहीं।
3 यदि एक सेना घलो मोला घेर ले,
तभो ले मेंह नइं डरंव;
यदि मोर बिरोध म लड़ई घलो सुरू हो जावय,
तभो ले मोला भरोसा रहिही।

4 एक ठन चीज मेंह यहोवा ले मांगथंव,
सिरिप ये बात मेंह चाहथंव:
कि अपन जिनगी भर
मेंह यहोवा के घर म रहंव,
ताकि यहोवा के सुघरता ला देखंव
अऊ ओकर मंदिर म ओकर धियान करंव।
5 काबरकि बिपत्ति के दिन म
ओह मोला अपन निवास म सुरकछित रखही;
ओह अपन पबितर तम्बू के खाल्हे म मोला छिपा लीही
अऊ एक चट्टान के ऊपर ऊंचहा जगह म रखही।

6 तब मोर मुड़ ह ओ बईरीमन के आघू म ऊपर हो जाही
जऊन मन मोला चारों कोति ले घेरथें;
ओकर पबितर तम्बू म मेंह आनंद के मारे चिचियावत बलिदान चघाहूं;
मेंह यहोवा बर गीत गाहूं अऊ बाजा बजाहूं।

7 हे यहोवा, जब मेंह गोहारंव, त मोर अवाज ला सुन;

* **भजन-संहिता 27:2** या ?????

मोर ऊपर दया करके मोला जबाब दे।
8 मोर हिरदय ह तोर बारे कहिथे, "ओकर चेहरा के खोज म रह!"
हे यहोवा, मेंह तोरेच दरसन के खोज म रहिहूं।
9 तेंह मोर ले अपन चेहरा झन छिपा,
गुस्सा होके अपन सेवक ला दूरिहा झन कर दे;
तेंह मोर मदद करइया रहे हस।
हे परमेसर मोर उद्धारकर्ता,
मोला अस्वीकार झन कर या मोला झन तियाग।
10 भले ही मोर दाई-ददा मोला तियाग देवंय,
पर यहोवा ह मोला गरहन करही।
11 हे यहोवा, मोला अपन रसता के बात सिखा;
मोर ऊपर अतियाचार करइयामन के कारन
मोला सीधा रसता म ले चल।
12 मोर बईरीमन के ईछा ऊपर मोला झन छोंड़ दे,
काबरकि लबरा गवाहमन मोर बिरूध ठाढ़ होथें,
अऊ जलन से भरके मोर ऊपर दोस लगाथें।

13 मोला ये बात के भरोसा हवय:
कि जीयत परानीमन के देस म
मेंह यहोवा के भलई ला देखहूं।
14 यहोवा के बाट जोहत रहव;
मजबूत बनव अऊ हिम्मत रखव
अऊ यहोवा के बाट जोहत रहव।

भजन-संहिता 28

दाऊद के भजन।
1 हे यहोवा, मेंह तोहीच ला पुकारथंव;
तेंह मोर चट्टान अस,
मोर गोठ ला अनसुना झन कर।
काबरकि यदि तेंह चुपचाप रहिबे,
त मेंह ओ मरे मनखेमन सहीं हो जाहूं, जऊन मन कबर म चले जाथें।
2 जब मेंह मदद बर तोला पुकारंव,
जब मेंह तोर महा पबितर स्थान कोति
अपन हांथ उठावंव,
त दया के मोर गोहार ला सुन ले।

3 ओ दुस्ट मनखेमन संग मोला घसीटके अलग झन कर,
ओमन के संग, जऊन मन दुस्ट काम करथें,
जऊन मन अपन परोसी संग मया के गोठ करथें,
पर ओमन के मन म बुरई के बात रहिथे।
4 ओमन के काम अऊ बुरई के काम बर
ओमन ले बदला ले;
ओमन ले ओमन के काम के बदला ले
ओमन के दुस्ट काम के मुताबिक ओमन ला दंड दे।

5 काबरकि ओमन यहोवा के काम ऊपर
अऊ ओह जऊन कुछू करथे, ओकर ऊपर धियान नइं देवंय,

एकरसेति ओह ओमन ला नास कर दीही
अऊ ओमन ला फेर कभू नइं उठाही।

6 यहोवा के परसंसा होवय,
काबरकि ओह दया के मोर गोहार ला सुने हवय।
7 यहोवा ह मोर बल अऊ मोर ढाल अय;
मोर मन ह ओकर ऊपर भरोसा करथे, अऊ ओह मोर मदद करथे।
मोर मन ह आनंद ले भर गे हवय,
अऊ अपन गीत के दुवारा मेंह ओकर परसंसा करथंव।

8 यहोवा ह अपन मनखेमन के बल अय,
अऊ अपन अभिसिक्त जन बर उद्धार के एक गढ़ अय।
9 हे यहोवा, अपन मनखेमन ला बचा अऊ अपन निज भाग ला आसीस दे;
ओमन के चरवाहा बन अऊ ओमन ला हमेसा संभाले रह।

भजन-संहिता 29

दाऊद के एक भजन।
1 हे स्वरगीय जीवमन,* यहोवा के बखान करव,
यहोवा के महिमा अऊ बल के बखान करव।
2 यहोवा के नांव के मुताबिक ओकर बखान करव;
यहोवा के पबितरता के सोभा म ओकर अराधना करव।

3 यहोवा के अवाज समुंदर के ऊपर म हवय;
महिमा के परमेसर ह गरजथे,
यहोवा ह समुंदर के भयंकर लहरामन ऊपर गरजथे।
4 यहोवा के अवाज ह सक्तिसाली अय;
यहोवा के अवाज ह सानदार हवय।
5 यहोवा के अवाज ह देवदार के रूख ला टोर देथे;
यहोवा ह लबानोन के देवदार रूखमन ला कुटा-कुटा कर देथे।
6 ओह लबानोन ला एक बछरू के सहीं
अऊ सिरयोन† ला जंगली बईला के सहीं उछालथे।
7 यहोवा के अवाज ह
बिजली के चमक के संग चोट करथे।
8 यहोवा के अवाज ह बीरान भुइयां ला हला देथे;
यहोवा ह कादेस के बीरान भुइयां ला घलो हला देथे।
9 यहोवा के अवाज ह बांज के रूख ला मुरकेट देथे‡
अऊ जंगल म पतझड़ हो जाथे।
अऊ ओकर मंदिर म जम्मो झन चिचियाके कहिथें, "परमेसर के महिमा होवय!"

10 यहोवा ह बाढ़ के पानी ऊपर बिराजमान होथे;
यहोवा ह सदाकाल बर राजा के रूप म बिराजमान होथे।
11 यहोवा ह अपन मनखेमन ला ताकत देथे;
यहोवा ह अपन मनखेमन ला सांति के आसीस देथे।
*

* **भजन-संहिता 29:1** [illegible] के मतलब [illegible] हो सकथे † **भजन-संहिता 29:6** हेरमोन पहाड़ ‡ **भजन-संहिता 29:9** या [illegible] * **भजन-संहिता 30:** इबरानी म 30:1-12 ला 30:2-13 गने गे हवय

भजन-संहिता 30

मंदिर† के समरपन बर दाऊद के एक भजन। एक गीत।
1 हे यहोवा, मेंह तोर बहुंत परसंसा करहूं,
काबरकि तेंह मोला खंचवा ले ऊपर निकाले हस
अऊ मोर बईरीमन ला मोर ऊपर आनंद करे बर नइं दे हस।
2 हे यहोवा मोर परमेसर, मेंह तोला मदद बर पुकारेंव,
अऊ तेंह मोला चंगा करय।
3 हे यहोवा, तेंह मोला मिरतू-लोक ले निकाले हस;
तेंह मोला खाल्हे खंचवा म जाय ले बचाय हस।

4 हे यहोवा के बिसवासयोग्य मनखेमन, तुमन ओकर महिमा के गीत गावव;
ओकर पबितर नांव के परसंसा करव।
5 काबरकि ओकर गुस्सा छीन भर के होथे,
पर ओकर किरपा ह जिनगी भर रहिथे;
रोवई ह रथिया भर रह सकथे,
पर आनंद के समय ह बिहनियां आथे।

6 जब मेंह सुरकछित महसूस करेंव, त मेंह अपनआप ला कहेंव,
"मेंह कभूच नइं डोलंव।"
7 हे यहोवा, जब तेंह मोर ऊपर किरपा करय,
त तेंह मोर साही पहाड़‡ ला मजबूती से खड़े करय;
पर जब तेंह अपन चेहरा ला छिपा लेय,
त मेंह डर गेंव।

8 हे यहोवा, तोला मेंह पुकारेंव;
परभू ला मेंह दया बर गोहारेंव:
9 "का फायदा होही यदि मेंह मर जावंव त,
यदि मेंह खाल्हे कबर म चले जावंव त?
का माटी ह तोर महिमा करही?
का येह तोर बिसवासयोग्यता के बखान करही?
10 हे यहोवा, मोर बात ला सुन, अऊ मोर ऊपर दया कर;
हे यहोवा, मोर मदद कर।"

11 तेंह मोर बिलाप करई ला नचई म बदल दे हस;
तेंह मोर दुख के कपड़ा ला हटाके मोला आनंद के कपड़ा पहिराय हस,
12 ताकि मोर मन ह तोर महिमा के गीत गावय अऊ चुप झन रहय।
हे यहोवा मोर परमेसर, मेंह हमेसा तोर परसंसा करहूं।
*

भजन-संहिता 31

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, मेंह तोर सरन म हंव;
मोला कभू लज्जित झन होवन दे;
अपन धरमीपन के कारन मोला छुड़ा ले।

---

† **भजन-संहिता 30:** [illegible] ‡ **भजन-संहिता 30:7** सियोन पहाड़ * **भजन-संहिता 31:** इबरानी म 31:1-24 ला 31:2-25 गने गे हवय

2 मोर कोति अपन कान लगा,
अऊ मोला बचाय बर जल्दी आ;
मोर सरन के चट्टान बन,
अऊ मोला बचाय बर एक मजबूत गढ़ बन जा।
3 जब तेंह मोर चट्टान अऊ मोर गढ़ अस,
त अपन नांव के खातिर मोर अगुवई कर अऊ मोला डहार देखा।
4 मोर बर लगाय गे फांदा ले मोला बचा ले,
काबरकि तेंह मोर सरन लेय के जगह अस।
5 तोर हांथ म मेंह अपन आतमा ला सऊंपत हवंव;
हे यहोवा, मोर बिसवासयोग्य परमेसर, मोला छोंड़ा ले।

6 मेंह ओमन ले घिन करथंव, जऊन मन बेकार के मूरतीमन म मन लगाय रहिथें;
जहां तक मोर बात ए, मेंह यहोवा के ऊपर भरोसा करथंव।
7 मेंह खुस होहूं अऊ तोर मया म आनंद मनाहूं,
काबरकि तेंह मोर दुख ला देखे हस
अऊ मोर आतमा के पीरा ला जाने हस।
8 तेंह मोला बईरीमन के हांथ म नइं दे हस
पर मोर गोड़ ला चाकर जगह म मढ़ाय हस।

9 हे यहोवा, मोर ऊपर दया कर,
काबरकि मेंह दुख-तकलीफ म हवंव;
दुख के मारे मोर आंखी, मोर जीव
अऊ मोर देहें ह कमजोर होवत हे।
10 मोर जिनगी ह दुख-पीरा
अऊ जम्मो बछरमन कलहरत-कलहरत खतम होवथें;
मोर दुख† के कारन मोर ताकत ह कम होवथे,
अऊ मोर हाड़ामन कमजोर होवत हें।
11 मोर जम्मो बईरीमन के कारन,
मेंह मोर परोसीमन के बहुंत अपमान के बिसय
अऊ मोर नजदीकी संगवारीमन बर एक डर के बिसय हो गे हवंव—
जऊन मन मोला सड़क म देखथें, ओमन मोर ले दूरिहा भागथें।
12 मरे मनखे के सहीं मोला भुला दिये गे हवय;
मेंह माटी के टूटहा-फूटहा बरतन सहीं हो गे हवंव।
13 मेंह सुनत हंव कि बहुंते जन ये कानाफूसी करत हंय,
"आतंक ह जम्मो कोति हवय!"
ओमन मोर बिरूध गोस्टी करथें
अऊ मोर परान लेय के योजना बनाथें।

14 पर हे यहोवा, मेंह तोर ऊपर भरोसा करथंव;
मेंह कहिथंव, "तेंह मोर परमेसर अस।"
15 मोर जिनगी ह तोर हांथ म हवय;
मोला मोर बईरीमन के हांथ ले,
मोर पीछा करइयामन के हांथ ले छुड़ा।
16 तोर सेवक के ऊपर तोर मुहूं के अंजोर चमकय;
अपन बहुंत मया के कारन मोर उद्धार कर।

---

† **भजन-संहिता 31:10** या ⍰⍰⍰

17 हे यहोवा, मोला लज्जित झन होवन दे,
काबरकि मेंह तोर करा गोहारे हंव;
पर दुस्ट मनखे ह लज्जित होवय
अऊ मिरतू-लोक म चुप रहय।
18 ओमन के लबारी बात कहइया मुहूं ह बंद हो जावय,
काबरकि घमंड अऊ अपमान के संग
ओमन धरमीमन के बिरूध बड़े अभिमान से गोठियाथें।

19 कतेक जादा हवंय बने-बने चीजमन,
जेला तेंह ओमन बर कुढ़ोके रखे हस, जेमन तोर भय मानथें,
ताकि तेंह येला जम्मो के देखत म
ओमन ला दे, जेमन तोर सरन म आथें।
20 अपन उपस्थिति के आसरय म तेंह ओमन ला
मनखेमन के जम्मो सडयंत्र ले छुपा लेथस;
तेंह ओमन ला अपन निवास म
दोस लगइयामन ले बचाके रखथस।

21 यहोवा के परसंसा होवय,
काबरकि जब मेंह बईरीमन ले घेराय एक सहर म रहेंव,
त ओह मोला अपन अद्भूत मया देखाईस।
22 घबराहट म मेंह कहेंव,
"मेंह तोर नजर ले दूरिहा हो गे हवंव!"
तभो ले जब मेंह तोला मदद बर पुकारेंव,
त तेंह मोर दया के गोहार ला सुनय।

23 हे ओकर जम्मो बिसवासयोग्य मनखेमन, यहोवा ले मया करव!
यहोवा ह ओमन ला सुरकछित रखथे, जऊन मन ओकर बर ईमानदार रहिथें,
पर घमंडी मनखे ले ओह पूरा बदला लेथे।
24 हे यहोवा ऊपर आसा रखइया जम्मो मनखेमन,
मजबूत बनव अऊ धीरज धरे रहव।

भजन-संहिता 32

दाऊद के एक *[illegible]** ।
1 धइन अय ओ मनखे,
जेकर अपराध छेमा करे जाथे,
जेकर पाप तोपे जाथे।
2 धइन अय ओ मनखे,
जेकर पाप ला यहोवा ह ओकर बिरूध नइं गनय
अऊ जेकर आतमा म कोनो कपट के बात नइं ए।

3 जब मेंह कलेचुप रहंय,
त दिन भर कलहरत-कलहरत
मोर हाड़ामन बेकार होय लगिन।
4 काबरकि रात अऊ दिन
तोर हांथ ह मोर ऊपर भारी पड़िस;
अऊ जइसे घाम महिना के घाम म चीजमन सूखा जाथें

* **भजन-संहिता 32:** *[illegible]*

वइसे मोर बल ह कम हो गीस।

5 तब मेंह अपन पाप ला तोर आघू म मान लेंव
अऊ मोर अपराध ला नइं छुपांय।
मेंह कहेंव, "मेंह यहोवा के आघू म
अपन पाप ला मान लूहूं।"
अऊ तेंह मोर पाप के दोस ला
छेमा करय।

6 एकरसेति जम्मो बिसवासयोग्य मनखेमन तोर ले पराथना करंय
जब तेंह मिल सकत हस;
खचित संकट रूपी पानी के भयंकर लहरामन
ओमन करा नइं हबरहीं।
7 तेंह मोर छुपे के जगह अस;
तेंह मोला संकट ले बचाबे
अऊ छुटकारा के गीत म मोला घेर लेबे।

8 मेंह तोला निरदेस दूहूं अऊ ओ रसता के बात सिखाहूं, जेमा तोला जाना चाही;
मेंह तोर ऊपर अपन मया के नजर रखके तोला सलाह दूहूं।
9 तेंह घोड़ा अऊ खच्चर के सहीं झन बन,
जेमन करा कोनो समझ नइं रहय
पर ओमन ला काठी अऊ लगाम ले काबू म करे जाथे
नइं तो ओमन तुम्हर लकठा म नइं आवंय।
10 दुस्टमन के दुख-तकलीफ बहुंत हवय,
पर यहोवा के अब्बड़ मया ह
ओमन ला घेरे रहिथे, जऊन मन ओकर ऊपर भरोसा करथें।

11 हे धरमी मनखेमन, यहोवा म आनंद मनावव अऊ खुस रहव;
अऊ हे मन के जम्मो सीधवा मनखेमन, तुमन गीत गावव।

भजन-संहिता 33

1 हे धरमी मनखेमन, आनंद ले भर के यहोवा के गीत गावव;
ईमानदार मनखे बर ओकर परसंसा करई ह जंचथे।
2 बीना बजाके यहोवा के परसंसा करव;
दस तारवाले बीना बजाके ओकर परसंसा करव।
3 ओकर बर एक नवां गीत गावव;
कुसलता से बजावव, अऊ आनंद के मारे जय-जयकार करव।

4 काबरकि यहोवा के बचन ह सही अऊ सच अय;
ओह अपन हर काम म बिसवासयोग्य अय।
5 यहोवा ह धरमीपन अऊ नियाय ले मया करथे;
धरती ह ओकर अब्बड़ मया ले भरे हवय।

6 अकास-मंडल यहोवा के बचन के दुवारा
अऊ ओमन के तारागन ओकर मुहूं के सांस के दुवारा बनाय गीन।
7 ओह समुंदर के पानी ला एके ठऊर म रखथे;

अऊ गहिरा पानी ला भंडार म रखथे।
8 धरती के जम्मो मनखेमन यहोवा के भय मानंय;
संसार के जम्मो मनखेमन ओकर आदर करंय।
9 काबरकि ओकर कहे ले संसार ह बनिस;
ओह हुकूम दीस अऊ येह इस्थिर हो गीस।

10 यहोवा ह आनजात के मनखेमन के योजना ला बिगाड़ देथे;
ओह मनखेमन के उदेस्य म बाधा डाल देथे।
11 पर यहोवा के योजना ह हमेसा मजबूत बने रहिथे,
ओकर मन के उदेस्य ह पीढ़ी-पीढ़ी तक बने रहिथे।

12 धइन अंय ओ जाति के मनखेमन, जेमन के परमेसर यहोवा अय,
ओ मनखे, जेमन ला ओह अपन वारिस होय बर चुनिस।
13 स्वरग ले यहोवा ह खाल्हे निहारथे
अऊ जम्मो मानव-जाति ला देखथे;
14 अपन निवास स्थान ले ओह ओ जम्मो झन ला देखत रहिथे,
जऊन मन धरती म रहिथें—
15 ओ, जऊन ह जम्मो झन के हिरदय ला गढ़थे,
जऊन ह ओमन के करे गे जम्मो काम ऊपर बिचार करथे।

16 कोनो भी राजा अपन बड़े सेना होय के कारन नइं बचय;
कोनो भी योद्धा अपन बड़े बल के कारन बचके नइं जा सकय।
17 बचके निकले बर घोड़ा ऊपर आसा करई ह बेकार ए;
अपन अब्बड़ बल के बावजूद येह बचा नइं सकय।
18 पर यहोवा के नजर ह ओमन ऊपर लगे रहिथे, जऊन मन ओकर भय मानथें,
जऊन मन ओकर बड़े मया के कारन ये आसा लगाय रहिथें,
19 कि ओह ओमन ला मिरतू ले बचाही
अऊ अकाल के बेरा म घलो ओमन ला जीयत रखही।

20 हमन यहोवा के आस म बाट जोहत रहिथन;
ओहीच ह हमर मदद अऊ हमर ढाल ए।
21 ओहीच म ही हमर हिरदय ह आनंदित होथे,
काबरकि हमन ओकर पबितर नांव ऊपर भरोसा करथन।
22 हे यहोवा, जइसे हमन तोर ऊपर अपन आसा रखथन,
वइसे तोर बड़े मया ह हमर ऊपर बने रहय।
*

भजन-संहिता 34

दाऊद के एक भजन। जब ओह अबीमेलेक के आघू म पागल होय के नाटक करिस, जेकर से अबीमेलेक ह ओला भगा दीस, अऊ ओह उहां ले भाग गीस।
1 मेंह हर समय यहोवा के परसंसा करहूं;
ओकर परसंसा हमेसा मोर मुहूं ले होवत रहिही।
2 मेंह यहोवा ऊपर घमंड करहूं;
दुखित-पीड़ित मनखेमन सुनंय अऊ आनंद मनांय।
3 मोर संग यहोवा के महिमा करव;

* **भजन-संहिता 34:** इबरानी म 34:1-22 ला 34:2-23 गने गे हवय

आवव, हमन मिलके ओकर नांव के परसंसा करन।

4 मेंह यहोवा ले पराथना करेंव; अऊ ओह मोला जबाब दीस;
ओह मोला मोर जम्मो डर ले मुक्त करिस।
5 जऊन मन ओकर कोति देखथें, ओमन दीप्तिमान होथें;
ओमन कभू लज्जित नइं होवंय।
6 ये दीन-हीन मनखे ह पुकारिस, अऊ यहोवा ह ओकर बात ला सुनिस;
ओह ओला ओकर जम्मो दुख-तकलीफ ले बचाईस।
7 यहोवा के स्वरगदूत ह ओमन के चारों कोति डेरा डालथे, जऊन मन ओकर भय मानथें,
अऊ ओह ओमन ला छुड़ाथे।

8 परखके देखव कि यहोवा ह बने अय;
धइन अय ओ मनखे, जऊन ह ओकर करा सरन लेथे।
9 हे ओकर पबितर मनखेमन, तुमन यहोवा के भय मानव,
काबरकि जऊन मन ओकर भय मानथें, ओमन ला कुछू चीज के घटी नइं होवय।
10 भले ही सिंह ह कमजोर हो सकथे अऊ भूखा रह सकथे,
पर जऊन मन यहोवा के खोज म रहिथें, ओमन ला कोनो बने चीज के घटी नइं होवय।
11 हे मोर लइकामन, आवव, मोर बात ला सुनव;
मेंह तुमन ला यहोवा के भय मानना सिखोहूं।
12 तुमन म ले जऊन ह भी जिनगी ले मया करथे
अऊ बहुंते बने दिनमन ला देखे के ईछा करथे,
13 त ओह अपन जीभ ला खराप बात ले
अऊ अपन मुहूं ला लबारी बात ले दूरिहा रखय।
14 बुरई ला छोंड़के भलई करव;
सांति के खोज म रहव अऊ ओकर पाछू लगे रहव।

15 यहोवा के नजर ह धरमीमन ऊपर लगे रहिथे,
अऊ ओकर कान ह ओमन के गोहार के तरफ लगे रहिथे;
16 पर यहोवा ह बुरई करइयामन के बिरोध करथे,
ताकि ओह ओमन के नांव ला धरती ले मिटा देवय।

17 धरमीमन गोहारथें, अऊ यहोवा ह ओमन के सुनथे;
ओह ओमन ला ओमन के जम्मो समस्या ले बाहिर निकालथे।
18 यहोवा ह टूटे मनवाला के लकठा म रहिथे
अऊ ओमन के उद्धार करथे, जऊन मन आतमा म बहुंत दुखी होथें।

19 धरमी मनखे करा बहुंत समस्या हो सकथे,
पर यहोवा ह ओला ओकर जम्मो समस्या ले निकालथे;
20 ओह ओकर जम्मो हाड़ामन के रकछा करथे,
ओमा के एको ठन घलो नइं टूटय।

21 बुरई ही दुस्ट मनखे ला मार डालही;
धरमी जन के बईरीमन दोसी ठहिरहीं।
22 यहोवा ह अपन सेवकमन ला बचाही;
अऊ जऊन ह ओकर करा सरन लेथे, ओह दोसी नइं ठहिरही।

भजन-संहिता 35

दाऊद के भजन।
1 हे यहोवा, ओमन के बिरोध कर, जेमन मोर बिरोध करथें;
ओमन के बिरूध लड़, जेमन मोर बिरूध लड़थें।
2 ढाल अऊ कवच ला ले;
अऊ उठके मोर मदद करे बर आ।
3 जऊन मन मोर पीछा करथें,
ओमन के बिरूध बरछी अऊ भाला उठा।
अऊ मोर आतमा ला कह,
"मेंह तोर उद्धार अंव।"

4 जऊन मन मोर परान के पाछू पड़े हवंय,
ओमन कलंकित अऊ लज्जित होवंय;
जऊन मन मोर बिनास के गोस्टी करथें,
ओमन भयभीत होके वापिस लहुंटंय।
5 ओमन हवा म उड़ जानेवाला भूंसा के सहीं हो जावंय,
अऊ यहोवा के स्वरगदूत ह ओमन ला भगा देवय;
6 ओमन के डहार ह अंधियार हो जावय अऊ ओमा फिसलन होवय,
अऊ यहोवा के स्वरगदूत ह ओमन के पीछा करत रहय।

7 काबरकि ओमन बिगर कारन के मोर बर जाल बिछाईन
अऊ बिगर कारन के मोर बर खंचवा कोड़िन।
8 अचानक ओमन के बिनास हो जावय—
अपन बिछाय जाल म ओमन खुद फंस जावंय,
अपन खने खंचवा म ओमन खुद गिरंय, अऊ ओमन के बिनास हो जावय।
9 तब मोर आतमा ह यहोवा म आनंदित होही
अऊ ओकर करे गे उद्धार ले खुस होही।
10 मोर पूरा हिरदय ह कहिही,
"हे यहोवा, तोर सहीं कोन हवय?
तेंह गरीबमन ला ओमन ले बचाथस, जेमन बहुंत बलवान हवंय,
अऊ गरीब अऊ जरूरतमंद ला ओमन ले बचाथस, जेमन ओमन ला लूटथें।"

11 निरदयी गवाहमन ठाढ़ होथें;
अऊ ओमन मोर ले ओ बिसय म सवाल करथें, जेकर बारे म मेंह कुछू नइं जानंव।
12 ओमन मोर भलई के बदले मोर ले बुरई करथें
अऊ मोला एक सोकित मनखे के सहीं छोंड़ देथें।
13 तभो ले जब ओमन बेमार रिहिन, त मेंह ओमन ला दुख के ओनहा ओढ़ांय
अऊ मेंह अपनआप ला नम्र करके उपास करेंव।
जब मोर पराथनामन बिगर जबाब के मोर करा लहुंट आईन,
14 त मेंह सोक मनांय
मानो कि मेंह अपन संगी या भाई बर सोक मनात हंव।
मेंह दुख म अपन मुड़ ला तरी कर लेंव
मानो कि मेंह अपन दाई बर रोवत हंव।
15 पर जब मेंह ठोकर खांय, त ओमन खुसी से जूर गीन;
हमला करइयामन मोर बिगर जाने मोर बिरूध जूर गीन।
ओमन बिगर रूके मोर निन्दा करिन।

16 अधरमी मनखे सहीं ओमन जलन म मोर हंसी उड़ाईन;
ओमन मोर ऊपर दांत किटकिटाईन।

17 हे परभू, तेंह कब तक देखत रहिबे?
ओमन के बिनास के काम ले मोला बचा,
मोर अनमोल जिनगी ला सिंहमन के सहीं ये बईरीमन ले बचा।
18 मेंह बड़े सभा म तोला धनबाद दूहूं;
मनखेमन के भीड़ म मेंह तोर परसंसा करहूं।
19 जऊन मन बिगर कारन के मोर बईरी अंय,
ओमन बुरा नजर से मोला झन देखन पांय;
जऊन मन बिगर कारन के मोर ले घिन करथें
ओमन जलन से मोर ऊपर आंखी झन मारन पांय।
20 ओमन सांति के बात नइं करंय,
पर ओमन ओ मनखेमन के बिरूध लबारी बात कहिथें,
जेमन देस म सांति से रहिथें।
21 ओमन मोर हंसी उड़ाके कहिथें, "अहा! अहा!
हमन अपन आंखी ले देखे हवन।"

22 हे यहोवा, तेंह तो येला देखे हस; चुप झन रह।
हे परभू मोर ले दूरिहा झन रह।
23 जाग, अऊ मोर बचाव करे बर उठ!
हे मोर परमेसर अऊ हे मोर परभू, मोर बर लड़।
24 हे यहोवा मोर परमेसर, अपन धरमीपन म मोर रकछा कर;
ओमन ला मोर बिरूध आनंदित झन होवन दे।
25 ओमन ला ये सोचन झन दे, "अहा, इही बात तो हमन चाहत रहेंन!"
या ओमन ला ये झन कहन दे, "हमन ओला लील ले हन।"

26 ओ जम्मो, जऊन मन मोर दुख म खुस होथें,
ओमन लज्जित होवंय अऊ घबरावंय;
ओ जम्मो, जऊन मन मोला नीचा दिखाथें,
ओमन लज्जा अऊ निन्दा ले ढंक जावंय।
27 जऊन मन मोर सही साबित होय म खुस होथें,
ओमन आनंद अऊ खुसी के जय-जयकार करंय;
अऊ ओमन हमेसा कहंय, "यहोवा के बड़ई होवय,
जऊन ह अपन सेवक के कुसलता म खुस होथे।"

28 मोर मुहूं ह तोर धरमीपन के बखान करही,
अऊ दिन भर तोरेच परसंसा करही।
*

भजन-संहिता 36

संगीत के निरदेसक बर यहोवा के सेवक दाऊद के एक भजन।
1 दुस्ट मनखेमन के दुस्टता के बारे
मोर हिरदय म एक ठन संदेस हवय:
ओमन के आंखी के आघू म

* **भजन-संहिता 36:** इबरानी म 36:1-12 ला 36:2-13 गने गे हवय

परमेसर के कोनो डर नइं ए।

2 ओमन खुद ही अपनआप के अतेक बड़ई करथें
कि ओमन अपन पाप ला जानंय नइं या ओकर ले घिन नइं करंय।
3 ओमन के मुहूं ले बुरई अऊ धोखा के बात निकलथे;
ओमन बुद्धिमानी के काम या भलई के काम नइं करंय।
4 अऊ त अऊ ओमन अपन दसना म घलो सडयंत्र रचथें;
ओमन अपनआप ला पाप के काम करे बर सऊंप देथें
अऊ खराप काम करे बर मना नइं करंय।

5 हे यहोवा, तोर मया ह स्वरग तक,
अऊ तोर बिसवासयोग्यता ह अकास तक पहुंचथे।
6 तोर धरमीपन ह सबले ऊंच पहाड़ सहीं अय,
अऊ तोर नियाय ह समुंदर के गहरई सहीं अय।
हे यहोवा, तेंह मनखे अऊ पसु दूनों के देखरेख करथस।
7 हे परमेसर, तोर अब्बड़ मया ह अनमोल ए!
मनखेमन तोर डेना के छइहां म सरन लेथें।
8 ओमन तोर घर के भरे भंडार म ले जेवनार करथें;
तेंह अपन खुसी के नदी म ले ओमन ला पीये बर देथस।
9 काबरकि तोरेच करा जिनगी के पानी के सोत हवय;
तोरेच अंजोर म हमन अंजोर देखथन।

10 जऊन मन तोला जानथें, ओमन ऊपर अपन मया,
अऊ मन के सीधवा मनखे ऊपर अपन धरमीपन ला बनाय रख।
11 घमंडी ह मोर ऊपर लात झन उठाय,
अऊ न ही दुस्ट मनखे मोला अपन हांथ ले भगाय।
12 देखव, दुस्ट काम करइयामन कइसने गिरे-परे हवंय—
अइसने फटिक दिये गे हवंय कि ओमन अब उठ नइं सकत हवंय!

भजन-संहिता 37

दाऊद के भजन।
1 दुस्ट मनखेमन के कारन झन चिढ़व
या गलत काम करइयामन ले जलन झन करव;
2 काबरकि कांदी के सहीं ओमन अइला जाहीं,
हरियर पऊधा के सहीं ओमन जल्दी खतम हो जाहीं।

3 यहोवा ऊपर भरोसा रखव अऊ भलई करव;
देस म रहिके सुरकछित निवास के आनंद उठावव।
4 यहोवा के सेवा करे म खुस रहव,
अऊ ओह तुम्हर मन के ईछा ला पूरा करही।

5 यहोवा ला अपन जिनगी सऊंप दे;
ओकर ऊपर भरोसा रख अऊ ओह येला करही:
6 ओह तोर धरमीपन के ईनाम ला बिहान के अंजोर सहीं,
अऊ तोर काम के नियाय ला मंझनियां के सूरज सहीं चमकाही।

7 यहोवा के आघू म चुपेचाप रह

अऊ धीरज धरके ओकर इंतजार कर;
जब मनखेमन अपन योजना म सफल होथें
या अपन दुस्टता के काम ला करंय, त झन कुढ़बे।

8 गुस्सा झन करव अऊ कोप करई ले दूरिहा रहव;
झन चिढ़व—एकर ले सिरिप बुरई होथे।
9 काबरकि जऊन मन दुस्ट मनखे अंय, ओमन नास करे जाहीं,
पर जऊन मन यहोवा ऊपर भरोसा करथें, ओमन देस के वारिस होहीं।

10 थोरकन समय अऊ हे, तब दुस्ट मनखेमन खतम हो जाहीं;
हालाकि तेंह ओमन ला खोजबे, पर ओमन नइं मिलहीं।
11 पर नम्र मनखेमन देस के वारिस होहीं
अऊ सांति अऊ धन-संपत्ति के आनंद उठाहीं।

12 दुस्टमन धरमी मनखेमन के बिरूध साजिस रचथें
अऊ ओमन ऊपर अपन दांत पीसथें;
13 पर परभू ह दुस्टमन के ऊपर हंसथे,
काबरकि ओह जानथे कि ओमन के आखिरी दिन ह आवत हे।

14 दुस्टमन अपन तलवार खींचथें,
अऊ धनुस ला तानथें
ताकि ओमन गरीब अऊ जरूरतमंद ला नीचा दिखावंय,
अऊ सीधवा मनखेमन ला मार डारंय।
15 फेर ओमन के तलवार ह ओमन के खुद के हिरदय ला बेधही,
अऊ ओमन के धनुस ह टूट जाही।

16 धरमी के थोरकन चीज ह
दुस्टमन के अब्बड़ धन ले जादा बने अय;
17 काबरकि दुस्टमन के सक्ति ला खतम कर दिये जाही,
पर यहोवा ह धरमी जन ला संभालथे।

18 निरदोस मनखेमन यहोवा के देखरेख म दिन बिताथें,
अऊ ओमन के निज भाग ह हमेसा बने रहिही।
19 बिपत्ति के बेरा ओमन नइं मुरझांय;
अऊ अकाल के दिन म ओमन भरपूर चीज के आनंद उठाहीं।

20 पर दुस्टमन नास हो जाहीं:
हालाकि यहोवा के बईरीमन खेत के फूल सहीं अंय,
पर ओमन जलके खतम हो जाहीं, ओमन धुआं म समा जाहीं।

21 दुस्टमन उधार लेथें अऊ नइं पटांय,
पर धरमीमन हांथ खोलके देथें;
22 जेमन ला यहोवा ह आसीस देथे, ओमन देस के वारिस होहीं,
पर जेमन ला ओह सराप देथे, ओमन नास हो जाहीं।

23 यहोवा ह ओकर पांव ला मजबूत करथे,
जऊन ह यहोवा म खुस रहिथे;

24 हालाकि ओह लड़खड़ा सकथे, पर ओह गिरय नइं,
काबरकि यहोवा ह ओला अपन हांथ ले संभालथे।

25 मेंह जवान रहेंव अऊ अब डोकरा हो गे हंव,
पर मेंह ये बात कभू नइं देखेंव कि धरमीमन ला तियाग दिये गीस
या ओमन के लइकामन खाय बर भीख मांगिन।
26 ओमन हमेसा उदार दिल के होथें अऊ दिल खोलके उधार देथें;
ओमन के लइकामन एक आसीस के कारन बनहीं।*

27 बुरई ला छोंड़व अऊ भलई करव;
तब तुमन देस म हमेसा बने रहिहू।
28 काबरकि यहोवा ह सच्चई ले मया करथे
अऊ अपन बिसवासयोग्य मनखेमन ला नइं तियागे,

ओमन के हमेसा रकछा करे जाही;
पर दुस्टमन के संतानमन नास हो जाहीं।
29 धरमी मनखेमन देस के उत्तराधिकारी होहीं
अऊ ओमा हमेसा निवास करहीं।

30 धरमीमन के मुहूं ले बुद्धि के बात निकलथे,
अऊ ओमन के जीभ ओ बात कहिथे, जऊन ह सही अय।
31 ओमन के परमेसर के कानून ह ओमन के हिरदय म हवय;
ओमन के गोड़ ह नइं फिसलय।

32 दुस्ट मनखे ह ये इरादा से धरमीमन के घात म रहिथे
कि ओह ओमन ला मार डारय।
33 पर यहोवा ह धरमीमन ला दुस्ट मनखेमन के हांथ म नइं छोंड़य
या ओमन ला दोसी नइं ठहिराय, जब ओमन अदालत म लाय जाथें।

34 यहोवा ऊपर आसा रखव
अऊ ओकर रसता म चलव।
ओह तुमन ला बढ़ाही अऊ देस के उत्तराधिकारी बनाही;
जब दुस्ट मनखेमन के नास करे जाही, त तुमन येला देखहू।

35 मेंह एक दुस्ट अऊ निरदयी मनखे ला
बड़े देसी रूख के सहीं बाढ़त देखे हंव,
36 पर ओह जल्दी खतम हो गीस अऊ ओह फेर नइं दिखिस;
हालाकि मेंह ओला खोजेंव, पर ओह नइं मिलिस।

37 निरदोस मनखे ऊपर बिचार कर, अऊ ईमानदार मनखे ला देख;
ओमन के भविस्य उज्जवल होथे, जेमन सांति के खोज म रहिथें।†
38 पर जम्मो पापीमन ला नास करे जाही;
दुस्टमन के कुछू भविस्य नइं होही।

39 धरमीमन के उद्धार ह यहोवा कोति ले होथे;
संकट के बेरा म ओहीच ह ओमन के मजबूत गढ़ ए।

---

* **भजन-संहिता 37:26** या [illegible]

† **भजन-संहिता 37:37** या [illegible]

40 यहोवा ह ओमन के मदद करथे अऊ ओमन ला छुड़ाथे;
ओह ओमन ला दुस्ट मनखे ले छुड़ाथे अऊ ओमन ला बचाथे।
काबरकि ओमन यहोवा करा सरन लेथें।
*

भजन-संहिता 38

दाऊद के एक भजन। एक बिनती।
1 हे यहोवा, गुस्सा होके मोला झन फटकार
या अपन कोप म मोर ताड़ना झन कर।
2 तोर तीरमन मोला छेद डारे हवंय,
अऊ तोर हांथ ह मोर ऊपर पड़े हवय।
3 तोर कोप के कारन मोर देहें ह स्वस्थ नइं ए;
मोर पाप के कारन मोर हाड़ामन म कुछू बल नइं ए।
4 मोर अपराध ह मोला बियाकुल कर दे हवय,
येह भारी बोझा के सहीं सहन सक्ति ले बाहिर हो गे हवय।

5 मोर पाप के मुरूखता के कारन
मोर घावमन पाकके सड़ गे हवंय।
6 मोला लज्जित करे जाथे अऊ मोला झुकाय गे हवय;
दिन भर मेंह सोक मनात रहिथंव।
7 मोर पीठ ह चूभत पीरा ले भरे हवय;
अऊ मोर देहें ह स्वस्थ नइं ए।
8 मेंह कमजोर होके चूर-चूर हो गे हंव;
मेंह अपन हिरदय के पीरा म कलहरत हंव।

9 हे परभू, मोर जम्मो ईछा ला तेंह जानत हस;
मोर आह भरई ह तोर ले नइं छुपे हे।
10 मोर हिरदय ह कुटा-कुटा होवत हे, मोर म ताकत नइं ए;
अऊ त अऊ मोर आंखी के अंजोर ह खतम हो गे हवय।
11 मोर घावमन के कारन मोर संगी-साथीमन मोर ले अलग होवथें;
मोर पड़ोसीमन मोर ले बहुंत दूरिहा रहिथें।
12 जऊन मन मोला मार डारे चाहथें, ओमन अपन जाल बिछात हवंय,
जऊन मन मोर हानि करहीं, ओमन मोर बिनास के बात करत हवंय;
दिन भर ओमन साजिस करत पड़े रहिथें।

13 मेंह तो भैंरा मनखे सहीं अंव, जऊन ह सुन नइं सकय,
अऊ कोंदा सहीं अंव, जऊन ह गोठियाय नइं सकय;
14 हव, मेंह ओ मनखे सहीं हो गे हंव, जऊन ह नइं सुनय,
जेकर मुहूं ले कोनो जबाब नइं निकलय।
15 हे यहोवा, मेंह तोर इंतजार करत हंव;
हे परभू मोर परमेसर, तेंह मोला जबाब देबे।
16 काबरकि मेंह कहेंव, "जब मोर गोड़ ह फिसलथे,
त ओमन ला मोर ऊपर खुस होवन झन दे या ओमन अपनआप ला मोर ले ऊपर झन करंय।"

* **भजन-संहिता 38:** इबरानी म 38:1-22 ला 38:2-23 गने गे हवय

17 काबरकि मेंह गिरनेचवाला हंव,
अऊ मोर म हमेसा पीरा हवय।
18 मेंह अपन पाप ला मान लेवत हंव;
मेंह अपन पाप के कारन बियाकुल हंव।
19 बहुंते जन बिगर कारन के मोर बईरी हो गे हवंय;
जऊन मन बिगर कारन के मोर ले घिन करथें, ओमन के संखिया अनगिनत हवय।
20 जऊन मन मोर भलई करे के कारन मोर बुरई करथें
अऊ मोर बिरूध दोस लगाथें,
जबकि मेंह सिरिप भलई के काम करे चाहथंव।

21 हे यहोवा, मोला झन तियाग;
हे मोर परमेसर, मोर ले दूरिहा झन रह।
22 हे मोर परभू अऊ मोर उद्धारकर्ता,
मोर मदद करे बर जल्दी आ।
*

भजन-संहिता 39

संगीत निरदेसक बर। यदूतून बर। दाऊद के एक भजन।
1 मेंह अपन मन म कहेंव, "मेंह अपन चालचलन ऊपर धियान दूहूं
अऊ मोर जीभ ला पाप के बात ले दूरिहा रखहूं;
जब दुस्ट मनखेमन मोर आघू म होहीं,
त मेंह अपन मुहूं म लगाम लगाय रखहूं।"
2 एकरसेति मेंह एकदम चुप रहेंव,
इहां तक कि मेंह कोनो बने बात घलो नइं कहेंव।
पर मोर पीरा ह बढ़ गीस;
3 मोर हिरदय ह भीतरे-भीतर बरत रिहिस।
जब मेंह सोचत रहेंव, आगी ह भड़क उठिस;
तब मेंह अपन जीभ ले बोले लगेंव:

4 "हे यहोवा, मोला मोर जिनगी के अन्त ला देखा
अऊ मोर जिनगी के कतेक दिन बांचे हवय, मोला बता;
मोला बता कि मोर जिनगी कइसे तेजी से खतम होवथे।
5 तेंह मोर जिनगी के दिन ला सिरिप बीता भर कर दे हस;
मोर जिनगी के थोरकन बछरमन तोर आघू म कुछू नो हंय।
हर एक जन एक सांस के सहीं अय,
अऊ त अऊ ओमन घलो, जऊन मन सुरकछित जान पड़थें।

6 "खचित हर एक जन छइहां के सहीं एती-ओती फिरत रहिथें;
बेकार म ओमन भाग-दऊड़ करके धन जमा करत रहिथें,
ये जाने बिगर कि मरे के बाद ये धन ह काकर होही।

7 "पर अब, हे परभू, मेंह का चीज के डहार देखत हंव?
मोर आसा ह तोरेच ऊपर हवय।
8 मोला मोर जम्मो अपराध ले बचा ले;
मोला मुरूखमन के तिरस्कार के पात्र झन बना।

* **भजन-संहिता 39:** इबरानी म 39:1-13 ला 39:2-14 गने गे हवय

9 मेंह चुप रहेंव; अऊ अपन मुहूं नइं खोलेंव,
काबरकि तें अस ओ जन, जऊन ह येला करे हवय।
10 तेंह मोर ऊपर जऊन बिपत्ति डाले हस, ओला हटा ले;
तोर हांथ के मार ले मेंह कुछू करे के लईक नइं अंव।
11 जब तेंह कोनो मनखे ला ओकर पाप के कारन डांटथस अऊ दंड देथस,
त तेंह ओमन के धन-संपत्ति ला घूना खाय सहीं खतम कर देथस—
खचित हर एक जन जिनगी के एक सांस के सहीं अय।

12 "हे यहोवा, मोर पराथना ला सुन,
मदद बर मोर गोहार ला सुन;
मोर रोवई ला सुनके चुप झन रह।
मेंह एक परदेसी, एक अजनबी के सहीं तोर संग रहिथंव,
जइसे कि मोर जम्मो पुरखामन रिहिन।
13 एकर पहिले कि मेंह ये संसार ले चले जावंव अऊ खतम हो जावंव,
तेंह अपन कोप ला मोर ऊपर ले हटा ले, ताकि मेंह जिनगी के फेर आनंद उठा सकंव।"
*

भजन-संहिता 40

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 मेंह धीरज धरके यहोवा के डहार देखेंव;
ओह मोर तरफ धियान दीस अऊ मोर गोहार ला सुनिस।
2 ओह मोला चीखला ले भरे खंचवा ले,
चीखला अऊ दलदल ले बाहिर निकालिस;
अऊ मोला चट्टान ऊपर ठाढ़ करिस
अऊ ठाढ़ होय बर मोला एक मजबूत जगह दीस।
3 ओह मोला एक नवां गीत दीस,
हमर परमेसर के इस्तुति करे बर एक ठन भजन दीस।
बहुंते जन देखहीं अऊ यहोवा के भय मानहीं
अऊ ओकर ऊपर भरोसा करहीं।

4 धइन अय ओ मनखे,
जऊन ह यहोवा ऊपर भरोसा रखथे,
जऊन ह घमंडी मनखेमन कोति नइं देखय,
या ओमन कोति नइं देखय, जेमन लबरा देवतामन ऊपर अपन मन लगाथें।
5 हे यहोवा मोर परमेसर,
तेंह बहुंते अद्भूत काम करे हस,
अऊ हमर बर बहुंते चीजमन के योजना बनाय हस।
काकरो तुलना तोर से नइं करे जा सकय;
यदि मेंह तोर काममन के चरचा करंव अऊ ओमन के बारे बतावंव,
त ओमन अतेक जादा हवंय कि ओमन के गनती नइं करे जा सकय।

6 बलिदान अऊ भेंट तेंह नइं चाहय—
पर मोर कान ला तेंह खोल दे हस†—
होम-बलिदान अऊ पाप-बलिदान तेंह नइं चाहय।

* **भजन-संहिता 40:** इबरानी म 40:1-17 ला 40:2-18 गने गे हवय † **भजन-संहिता 40:6** इबरानी म [illegible]

7 तब मेंह कहेंव, “मेंह इहां हंव, मेंह आय हंव—
मोर बारे म ये बात ह किताब‡ म लिखे हवय।
8 हे मोर परमेसर, मेंह तोर ईछा ला पूरा करे चाहथंव;
तोर कानून ह मोर हिरदय म बसे हवय।”

9 मेंह तोर धरमीपन के काम के बखान बड़े सभा म करथंव;
हे यहोवा, जइसे कि तेंह जानत हस,
मेंह अपन मुहूं ला बंद नइं रखंव।
10 मेंह तोर धरमीपन ला अपन हिरदय म नइं छुपावंव;
मेंह तोर बिसवासयोग्यता अऊ तोर उद्धार के काम के बारे म गोठियाथंव।
मेंह बड़े सभा ले तोर मया अऊ तोर
बिसवासयोग्यता के बात ला नइं छुपावंव।

11 हे यहोवा, मोर ऊपर ले अपन दया ला झन हटा;
तोर मया अऊ बिसवासयोग्यता हमेसा मोर बचाव करय।
12 काबरकि अनगिनत समस्यामन मोला घेरे हवंय;
मोर पापमन मोला दबा ले हवंय, अऊ मेंह देख नइं सकत हंव।
ओमन के संखिया मोर मुड़ के चुंदी ले घलो जादा हवय,
एकरसेति मोर मन ह टूट गे हवय।
13 हे यहोवा, किरपा करके मोला बचा ले;
हे यहोवा, मोर मदद करे बर जल्दी आ।

14 जऊन मन मोर परान लेय चाहथें,
ओ जम्मो झन लज्जित होवंय अऊ घबरावंय;
ओ जम्मो, जऊन मन मोर बिनास के ईछा रखथें,
ओमन कलंकित होके पाछू हटंय।
15 जऊन मन मोला ये कहिथें, “अहा! अहा!”
ओमन अपन ही लज्जा म चकित होवंय।
16 पर ओ जम्मो, जऊन मन तोर खोज म रहिथें,
ओमन तोर कारन आनंद मनावंय अऊ खुस होवंय;
जऊन मन तोर उद्धार के मदद चाहथें, ओमन हमेसा कहंय,
“यहोवा महान ए!”

17 पर जहां तक मोर बात ए, मेंह गरीब अऊ जरूरतमंद अंव;
परभू ह मोर बारे म सोचय।
तेंह मोर मददगार अऊ मोर छुड़ानेवाला अस;
तेंह मोर परमेसर अस, मोर मदद करे म देरी झन कर।
*

भजन-संहिता 41

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 धइन अंय ओमन, जऊन मन कमजोर मनखे के सुधि लेथें;
यहोवा ह संकट के बेरा म ओमन ला बचाथे।
2 यहोवा ह ओमन ला बचाथे अऊ ओमन ला संभाले रखथे—

‡ **भजन-संहिता 40:7** या [illegible] * **भजन-संहिता 41:** इबरानी म 41:1-13 ला 41:2-14 गने गे हवय

देस म ओमन के गनती आसीसित मनखेमन के बीच होथे—
ओह ओमन ला ओमन के बईरीमन के ईछा म नइं छोंड़य।
3 जब ओमन बेमार होके बिस्तर म पड़े रहिथें, त यहोवा ह ओमन ला संभालथे
अऊ ओमन ला ठीक करके बेमारी के बिस्तर ले ठाढ़ करथे।

4 मेंह कहेंव, "हे यहोवा, मोर ऊपर दया कर;
मोला चंगा कर, काबरकि मेंह तोर बिरूध पाप करे हंव।"
5 मोर बईरीमन मोर बुरई करके कहिथें,
"ओह कब मरही अऊ ओकर नांव ह मिटाही?"
6 जब ओमन ले कोनो मोला देखे बर आथे,
त ओह लबारी बात कहिथे, अऊ अपन मन म बदनामी के बात ला रखथे;
तब ओह बाहिर जाथे अऊ ओ बात ला फईलाथे।

7 मोर जम्मो बईरीमन एक संग मोर बिरूध म कानाफूसी करथें;
ओमन ये कहिके मोर बिरूध खराप कल्पना करथें,
8 "ओला एक खराप बेमारी हो गे हवय;
ओह ओ जगह ले कभू उठ नइं सकय, जिहां ओह पड़े हवय।"
9 अऊ त अऊ मोर खास संगी,
जेकर ऊपर मेंह भरोसा करत रहंय,
जऊन ह मोर संग खाना खावत रिहिस,
ओह मोर बिरूध हो गे हवय।

10 पर हे यहोवा, तेंह मोर ऊपर दया कर;
मोला उठा कि मेंह ओमन ले बदला ले सकंव।
11 मेंह जानत हंव कि तेंह मोर ले खुस हवस,
काबरकि मोर बईरीमन मोर ऊपर जय नइं पावथें।
12 मोर ईमानदारी के कारन तेंह मोला संभाले रखथस
अऊ हमेसा बर मोला अपन आघू म रखथस।

13 यहोवा, इसरायल के परमेसर के परसंसा
आदि ले अनंतकाल तक होवत रहय।
आमीन अऊ आमीन।

किताब II

42

[illegible] 42–72
*

संगीत के निरदेसक बर कोरह के बेटामन के एक [illegible]†।
1 जइसे हिरन ह पानी के सोता बर हांफथे,
हे मोर परमेसर, वइसे ही मोर जीव ह तोर बर हांफथे।
2 मोर जीव ह परमेसर बर, जीयत परमेसर बर पीयासा हवय।
कब मेंह जाके परमेसर संग मिल सकत हंव?
3 रात अऊ दिन
मेंह अपन आंखी के आंसू ला पीयत हंव,
जबकि दिन भर मनखेमन मोला कहिथें,

* **भजन-संहिता 42:** इबरानी म 42:1-11 ला 42:2-12 गने गे हवय अऊ बहुंत इबरानी मूल अनुवाद म भजन-संहिता 42 अऊ 43 ला एक भजन कहे गे हवय † **भजन-संहिता 42:** [illegible]

“कहां हवय तोर परमेसर?”
4 जब मेंह अपन मन के बात ला रखथंव,
त मोला ये बातमन सुरता आथें:
मेंह कइसे उत्सव मनावत भीड़ के संग
परमेसर के सुरकछा म
आनंद अऊ परसंसा के जय-जयकार करत
परमेसर के घर म जाय के आदि रहेंव।

5 हे मोर मन, तेंह काबर उदास होवत हस?
तेंह भीतरे-भीतर काबर बियाकुल हस?
परमेसर ऊपर अपन आसा रख,
काबरकि मेंह अब भी
मोर उद्धारकर्ता अऊ मोर परमेसर के
परसंसा करहूं।

6 मोर मन ह भीतरे-भीतर उदास हवय;
एकरसेति यरदन के देस ले,
हेरमोन के ऊंचई—मिसार पहाड़ ले
मेंह तोला सुरता करहूं।
7 तोर जल-परपात के गरजन म
गहरई ह गहरई ला पुकारथे;
तोर जम्मो पानी के उफान अऊ लहरामन
मोर ऊपर ले निकले हवंय।

8 दिन के बेरा यहोवा ह अपन मया देखाथे,
अऊ रथिया मेंह ओकर गीत गाथंव—
मोर जिनगी के परमेसर बर पराथना के गीत।

9 मेंह परमेसर अपन चट्टान ला कहिथंव,
“तेंह काबर मोला भुला गे हस?
बईरीमन के दुवारा सताय जाके
मेंह काबर सोक मनावंव?”
10 जब मोर बईरीमन ये कहिके
दिन भर मोला ताना मारथें,
“कहां हे तोर परमेसर?”
त मोर हाड़ामन पीरा म चूर-चूर हो जाथें।

11 हे मोर मन, तेंह काबर उदास होवत हस?
मोर भीतरे-भीतर काबर अतेक बियाकुल हस?
परमेसर ऊपर अपन आसा रख,
काबरकि मेंह अब भी
मोर उद्धारकर्ता अऊ मोर परमेसर के परसंसा करहूं।

भजन-संहिता 43

1 हे मोर परमेसर, मोला निरदोस साबित कर,
बिसवासघाती जाति के मनखेमन के बिरूध
मोर मामला ला देख।

ओमन ले मोला बचा,
जऊन मन धोखेबाज अऊ दुस्ट अंय।
2 तेंह परमेसर अस अऊ मोर मजबूत गढ़ अस।
तेंह काबर मोला तिरस्कार करे हस?
बईरी के दुवारा दुख मिले के कारन
मेंह काबर सोक मनावंव?
3 अपन अंजोर अऊ सच्चई ला मोर करा पठो,
ओमन मोर अगुवई करंय;
ओमन मोला तोर पबितर पहाड़ करा लानंय,
ओ जगह म जिहां तेंह रहिथस।
4 तब मेंह परमेसर के बेदी करा जाहूं,
ओ परमेसर, जऊन ह मोर आनंद अऊ मोर खुसी अय।
हे परमेसर, मोर परमेसर,
मेंह बीना बजा-बजाके तोर इस्तुति करहूं।

5 हे मोर मन, तेंह काबर उदास होवत हस?
मोर भीतरे-भीतर काबर अतेक बियाकुल हस?
परमेसर ऊपर अपन आसा रख,
काबरकि मेंह अब भी
मोर उद्धारकर्ता अऊ मोर परमेसर के परसंसा करहूं।
*

भजन-संहिता 44

संगीत के निरदेसक बर कोरह के बेटामन के एक ?????†।
1 हे परमेसर, हमन अपन कान ले सुने हवन;
हमर पुरखामन हमन ला बताय हवंय
कि बहुंत समय पहिले
तेंह ओमन के समय म का-का काम करे हस।
2 अपन हांथ ले तेंह जाति-जाति के मनखेमन ला निकालके भगा देय
अऊ हमर पुरखामन ला बसाय;
तेंह मनखेमन ला कुचर डारय
अऊ हमर पुरखामन ला बढ़ाय।
3 ओमन अपन तलवार के ताकत ले देस ला नइं जीतिन,
न ही ओमन अपन बाहां के ताकत ले जय पाईन;
पर येह तोर जेवनी हांथ, तोर बाहां,
अऊ तोर चेहरा के अंजोर रिहिस जेकर दुवारा जीत मिलिस, काबरकि तेंह ओमन ले मया करय।

4 तेंह मोर राजा अऊ मोर परमेसर अस,
जऊन ह याकूब बर जीत के हुकूम देथे।
5 तोर जरिये ही हमन अपन बईरीमन ला पाछू ढकेल देथन;
तोर नांव ले ही हमन अपन बिरोधीमन ला कुचर देथन।
6 मेंह अपन धनुस ऊपर भरोसा नइं करंव,
मोर तलवार के दुवारा मोला जीत नइं मिलय;
7 पर तेंह हमन ला हमर बईरीमन ऊपर जीत देवाथस,

* **भजन-संहिता 44:** इबरानी म 44:1-26 ला 44:2-27 गने गे हवय † **भजन-संहिता 44:** ?????? ????? ?? ?? ???

तेंह हमर बईरीमन ला लज्जित करथस।
8 परमेसर ऊपर हमन दिन भर घमंड करत रहिथन,
अऊ हमन हमेसा तोर नांव के परसंसा करत रहिबो।

9 पर अब तेंह हमन ला तियाग दे हस अऊ हमर अनादर करे हस;
तेंह हमर सेना के संग अब नइं जावस।
10 तेंह हमन ला हमर बईरी के आघू ले भगा दे हस,
अऊ हमर बईरीमन हमन ला लूट ले हवंय।
11 तेंह हमन ला भेड़मन के सहीं मारे जाय बर देय दे हस
अऊ हमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच तितिर-बितिर कर दे हस।
12 तेंह अपन मनखेमन ला थोरकन दाम म बेच दे हस,
अऊ ओमन ला बेचे ले कुछू लाभ नइं होईस।

13 तेंह हमन ला हमर पड़ोसीमन बर निन्दा के कारन बना दे हस,
हमर चारों कोति के मनखे बर हंसी अऊ ठट्ठा के चीज बना दे हस।
14 तेंह हमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म एक कहावत बना दे हस;
ओमन हमर बर मुड़ झटक लेथें।
15 मेंह दिन भर कलंक म जीयत हंव,
अऊ मोर मुहूं ह लाज म ढंपा गे हवय,
16 ओमन के ताना मारे के कारन, जऊन मन मोर निन्दा करथें अऊ मोला गाली देथें,
ओ बईरी के कारन, जऊन ह मोर ले बदला लेय बर तियार हवय।

17 ये जम्मो कुछू हमर ऊपर होईस,
हालाकि हमन तोला नइं भुलाय रहेंन;
अऊ हमन तोर करार ला नइं टोरे रहेंन।
18 हमर मन ह तोर ले नइं हटे रिहिस;
हमर गोड़मन तोर रसता ले नइं भटके रिहिन।
19 पर तेंह हमन ला कुचर डारय अऊ हमन ला गीदड़मन के डेरा बना डारय;
तेंह हमन ला घोर अंधियार ले ढांप ले हस।

20 यदि हमन अपन परमेसर के नांव ला भुला गे रहेंन
या अपन हांथ ला आने देवता कोति बढ़ाय रहेंन,
21 त का परमेसर ला ये बात के पता नइं चल गे होतिस?
काबरकि ओह तो मन के गुपत बात ला घलो जानथे।
22 तभो ले तोर बर, हमन दिन भर मिरतू के जोखिम म रहिथन;
हमन ओ भेड़ सहीं समझे जाथन, जऊन मन के बध होवइया हवय।

23 हे परभू, जाग! तेंह काबर सुतत हस?
अपनआप ला जगा! हमन ला सदाकाल बर झन तियाग।
24 तेंह काबर अपन मुहूं ला छिपात हस
अऊ हमर अतियाचार अऊ दुरगति ला भुला देत हस?

25 हमन ला खाल्हे धुर्रा म पटक दिये गे हवय;
हमर देहें ह भुइयां म पड़े हवय।
26 उठ अऊ हमर मदद कर;
अपन अटूट मया के कारन हमन ला छोंड़ा ले।

*

भजन-संहिता 45

संगीत के निरदेसक बर कुमुदिनी के स्वर म कोरह के बेटामन के एक ?????।† एक बिहाव गीत।

1 मोर हिरदय म एक ठन उत्तम बिसय आवत हे
जइसे कि मेंह राजा बर अपन पदमन के पाठ करथंव;
त मोर जीभ ह एक कुसल लेखक के कलम बन जाथे।

2 तेंह मनखेमन म सबले उत्तम अस
अऊ तोर ओंठ ला अनुग्रह ले अभिसेक करे गे हवय,
काबरकि परमेसर ह तोला सदाकाल बर आसीस दे हवय।

3 हे बलसाली मनखे, तेंह अपन बाजू म तलवार ला धर ले;
सोभा अऊ महिमा देवइया कपड़ा पहिर ले।
4 सच्चई, नमरता अऊ नियाय के हित म
अपन महिमा के संग बिजयी होके निकल;
तोर जेवनी हांथ ले अद्भूत काम होवय।
5 तोर नुकीला तीरमन राजा के बईरीमन के हिरदय ला छेद डारंय;
जाति-जाति के मनखेमन तोर गोड़ खाल्हे गिरंय।
6 हे परमेसर, तोर सिंघासन ह सदाकाल तक बने रहिही;
अऊ धरमीपन के राजदंड ह तोर राज के राजदंड होही।
7 तेंह धरमीपन ले मया अऊ दुस्टता ले घिन करथस;
एकरसेति परमेसर, तोर परमेसर ह आनंद के तेल ले तोर अभिसेक करे के दुवारा
तोला तोर संगीमन ले ऊपर करे हवय।
8 तोर जम्मो ओनहामन लोहबान, मुसब्बर अऊ दालचीनी के सुगंध ले महकत हंय;
हाथी-दांत ले सजे महल ले
तारवाले बाजा के संगीत ह तोला खुसी देवत हे।
9 राजामन के बेटीमन तोर सम्मानित माईलोगनमन के बीच हवंय;
तोर जेवनी हांथ कोति ओपीर के सोन ले सजे राजसी दुलहिन हवय।

10 हे बेटी, सुन, अऊ बने करके ये बात ऊपर धियान दे:
तोर मनखेमन अऊ तोर ददा के घर ला भुला दे।
11 राजा ह तोर सुघरता ला देखके मोहित होवय;
ओकर आदर कर, काबरकि ओह तोर परभू अय।
12 सूर देस के सहर ह एक ठन भेंट लेके आही,‡
धनी मनखेमन तोर दया के कामना करहीं।
13 राजकुमारी ह अपन कमरा म पूरा सोभायमान हे;
ओकर ओढ़ना म सोन के कसीदा कढ़ाय हवय।
14 कसीदा करे कपड़ा पहिराके ओला राजा करा लाने जाथे;
ओकर कुंवारी सखीमन ओकर पाछू-पाछू चलथें—
ओ सखीमन, जेमन ला ओकर संग रहे बर लाने जाथे।
15 आनंद अऊ खुसी के संग ओमन ला लाने जाथे,
अऊ ओमन राजा के महल के भीतर जाथें।

---

* **भजन-संहिता 45:** इबरानी म 45:1-17 ला 45:2-18 गने गे हवय † **भजन-संहिता 45:** ?????? ????? ?? ?? ??? ‡ **भजन-संहिता 45:12** या ??? ?? ????? ???? ?? ??? ? ????

16 तोर ददामन के जगह ला तोर बेटामन लीहीं;
तेंह ओमन ला पूरा देस म राज करे बर ठहिराबे।

17 मेंह अइसे करहूं कि पीढ़ी-पीढ़ी तक तोर नांव के चरचा होवत रहय;
एकरसेति जाति-जाति के मनखेमन हमेसा-हमेसा बर तोर परसंसा करहीं।
*

भजन-संहिता 46

संगीत के निरदेसक बर। कोरह के बेटामन के ??????† के मुताबिक एक गीत।
1 परमेसर ह हमर सरन-स्थान अऊ बल अय,
बिपत के बेरा म ओह मदद करे बर हमेसा तियार रहिथे।
2 एकरसेति हमन नइं डरन, चाहे धरती ह पलट जावय
अऊ पहाड़ ह समुंदर के गरभ म जा गिरय।
3 चाहे समुंदर के पानी ह गरजय अऊ ओमा ले फेन निकलय
अऊ ओकर बड़े लहरामन ले पहाड़मन कांप उठंय।

4 एक नदी हवय, जेकर जल-धारामन परमेसर के सहर ला खुस कर देथें,
ये ओ पबितर स्थान अय, जिहां सर्वोच्च परमेसर ह रहिथे।
5 परमेसर ह ओ नगर‡ म हवय, ओ नगर ह नइं गिरय;
बड़े बिहनियां परमेसर ह ओकर मदद करही।
6 जाति-जाति के मनखेमन के बीच खलबली मचे हवय, कतको राजमन गिर जावत हें;
ओह अपन अवाज ऊंचा करथे, त धरती ह टघल जाथे।

7 यहोवा सर्वसक्तिमान ह हमर संग हवय;
याकूब के परमेसर ह हमर गढ़ अय।

8 आवव अऊ यहोवा के काम ला देखव
कि ओह धरती ला कइसे उजाड़ दे हवय।
9 ओह धरती के छोर तक
लड़ई ला रोक देथे।
ओह धनुस ला टोर देथे अऊ बरछी ला कुटा-कुटा कर देथे;
ओह ढालमन§ ला आगी म जला देथे।
10 ओह कहिथे, “सांत रहव, अऊ ये बात ला जान लव कि मेंह परमेसर अंव;
जाति-जाति के मनखेमन के बीच मोर नांव ला ऊंचा करे जाही,
धरती म मोर नांव ला ऊंचा करे जाही।”

11 यहोवा सर्वसक्तिमान ह हमर संग हवय;
याकूब के परमेसर ह हमर गढ़ अय।
*

भजन-संहिता 47

संगीत के निरदेसक बर कोरह के बेटामन के एक भजन।
1 हे देस-देस के जम्मो मनखेमन, ताली बजावव;
आनंद के जय-जयकार के संग परमेसर ला पुकारव।

---

* **भजन-संहिता 46:** इबरानी म 46:1-11 ला 46:2-12 गने गे हवय † **भजन-संहिता 46:** ?????? ????? ?? ?? ??? ‡ **भजन-संहिता 46:5** या ??????? § **भजन-संहिता 46:9** या ???? * **भजन-संहिता 47:** इबरानी म 47:1-9 ला 47:2-10 गने गे हवय

2 काबरकि यहोवा, सर्वोच्च परमेसर ह अद्भूत ए,
ओह जम्मो धरती ऊपर महाराजा अय।
3 ओह देस-देस के मनखेमन ला
हमर अधीन, हमर गोड़ खाल्हे कर दे हवय।
4 ओह हमर निज भाग ला हमर बर चुनिस,
जऊन ह ओकर मयारू याकूब के घमंड के कारन अय।

5 परमेसर ह आनंद के जय-जयकार के बीच ऊपर गे हवय,
यहोवा ह तुरही के अवाज के संग ऊपर गे हवय।
6 परमेसर के परसंसा के गीत गावव, परसंसा के गीत गावव;
हमर राजा के परसंसा के गीत गावव, परसंसा के गीत गावव।
7 काबरकि परमेसर ह जम्मो धरती के राजा अय;
ओकर परसंसा के भजन गावव।

8 परमेसर ह जाति-जाति के मनखेमन ऊपर राज करथे;
परमेसर ह अपन पबितर सिंघासन म बिराजे हवय।
9 राज-राज के परभावसाली मनखेमन
अब्राहम के परमेसर के मनखेमन के रूप म जूरथें,
काबरकि धरती के राजामन† परमेसर के अंय;
ओला बहुंत ऊपर करे जाथे।
*

भजन-संहिता 48

एक गीत। कोरह के बेटामन के एक भजन।
1 महान ए यहोवा, अऊ हमर परमेसर के सहर म,
ओकर पबितर पहाड़ म, ओह सबले जादा परसंसा के योग्य अय।

2 सुघर हे अपन ऊंचई म
अऊ येह जम्मो धरती के आनंद ए,
सपोन† के ऊंचई के सहीं हवय सियोन परबत,
जऊन ह महाराजा के सहर अय।
3 परमेसर ह उहां के किलामन म हवय;
ओह अपनआप ला ओकर गढ़ के रूप म देखाय हवय।

4 जब राजामन अपन सेना ला मिलाईन,
जब ओमन एक संग आघू बढ़िन,
5 त ओमन ओला देखिन अऊ चकित हो गीन;
अऊ ओमन डर के मारे भाग गीन।
6 ओमन उहां कांपे लगिन,
ओमन ला छेवारी होवत माईलोगन के सहीं पीरा होईस।
7 तेंह ओमन ला तरसीस के पानी जहाजमन सहीं नास कर देय
याने कि पुरवई हवा ले ओमन ला चकनाचूर कर देय।

8 सर्वसक्तिमान यहोवा के सहर म,
हमर परमेसर के सहर म

† **भजन-संहिता 47:9** या ????? * **भजन-संहिता 48:** इबरानी म 48:1-14 ला 48: 2-15 गने गे हवय † **भजन-संहिता 48:2** ???? ह कनानीमन के सबले पबितर परबत रिहिस

जइसे हमन सुने हन
जइसे हमन देखे हन:
परमेसर ह ओला सदाकाल बर
सुरकछित बनाथे।

9 हे परमेसर, तोर मंदिर के भीतर
हमन तोर अब्बड़ मया ऊपर चिंतन-मनन करथन।
10 हे परमेसर, तोर नांव के सहीं,
तोर परसंसा ह धरती के छोर तक हबरत हे;
तोर जेवनी हांथ ह धरमीपन ले भरे हवय।
11 तोर नियाय के काम के कारन
सियोन परबत आनंद मनावत हे,
अऊ यहूदा के बस्तीमन म खुसी हवय।

12 सियोन करा जावव, ओकर चारों कोति चक्कर लगावव,
ओकर गुम्मटमन के गनती करव।
13 ओकर मजबूत दीवारमन ऊपर बने करके बिचार करव,
ओकर महलमन ला धियान से देखव,
ताकि अवइया पीढ़ी के मनखेमन ला
तुमन ओमन के बारे म बता सकव।

14 काबरकि ये परमेसर ह हमर सदाकाल के परमेसर अय;
ओहीच ह आखिरी तक हमर अगुवई करही।
*

भजन-संहिता 49

संगीत के निरदेसक बर। कोरह के बेटामन के एक भजन।
1 हे जम्मो मनखेमन, तुमन ये बात ला सुनव;
ये संसार म रहइया जम्मो झन सुनव,
2 का ऊंच, का नीच,
का धनी, का गरीब, जम्मो कान लगाके सुनव:
3 मोर मुहूं ले बुद्धि के बात निकलही;
मोर हिरदय के मनन-चिंतन ह समझ ले भरे होही।
4 मेंह नीतिबचन कोति अपन कान लगाहूं;
बीना बजात मेंह जनऊला के बात समझाहूं:

5 जब बिपत्ति के दिन आथे, त मेंह काबर डरंव,
जब दुस्ट धोखेबाजमन मोला घेर लेथें—
6 ओ मनखे, जेमन अपन धन ऊपर भरोसा रखथें
अऊ अपन बहुंत संपत्ति ऊपर घमंड करथें?
7 कोनो भी मनखे कोनो आने मनखे के जिनगी के उद्धार नइं कर सकय
या कोनो भी मनखे परमेसर ला ओकर छुड़ौती के दाम नइं दे सकय—
8 जिनगी के छुड़ौती के दाम ह मंहगा होथे,
कोनो भी दाम ओकर बर परयाप्त नो हय—
9 कि ओह सदाकाल तक जीयत रहय

* **भजन-संहिता 49:** इबरानी म 49:1-20 ला 49:2-21 गने गे हवय

अऊ कबर ला झन देखय।
10 काबरकि जम्मो झन देख सकत हें कि बुद्धिमानमन मरथें,
अऊ मुरूख अऊ अगियानी मनखेमन घलो
अपन धन-संपत्ति ला आने बर छोंड़के मर जाथें।
11 ओमन सोचथें कि ओमन के कबर ह सदाकाल तक ओमन के घर बने रहिही,
पीढ़ी-पीढ़ी तक ओमन के निवास होही,
काबरकि ओमन अपन भुइयां के नांव अपन नांव म रखथें।

12 अपन धन-संपत्ति के बावजूद, मनखे ह हमेसा बने नइं रहय;
ओह पसु जइसन होथे, जऊन ह नास हो जाथे।

13 येह ओमन के दुरभाग्य ए, जेमन अपन ऊपर भरोसा रखथें,
अऊ ओमन के पाछू चलइया मनखेमन के घलो, जेमन ओमन के बात म सहमती देथें।
14 ओमन भेड़मन सहीं अंय अऊ ओमन के मरना निस्चित अय;
मिरतू ह ओमन के चरवाहा होही
(पर सीधवा मनखे ह बिहनियां ओमन ऊपर जय पाही)।
ओमन के सुघर महल ले दूरिहा,
ओमन के देहें ह कबर म सर जाही।
15 पर परमेसर ह मोला मिरतू-लोक ले छोंड़ाही;
खचित, ओह मोला अपन इहां ले जाही।
16 जब आने मन धनी होथें,
जब ओमन के घर के सोभा बढ़थे, त झन डरव;
17 काबरकि जब ओमन मरहीं, त अपन संग कुछू नइं ले जावंय,
ओमन के सोभा ह ओमन के संग कबर म नइं जावय।
18 हालाकि जब ओमन जीयत रहिथें, त अपनआप ला आसीसित समझथें—
अऊ मनखेमन तोर बड़ई करथें जब तेंह उन्नति करथस—
19 ओमन अपन पुरखामन संग मिल जाहीं,
जेमन फेर कभू जिनगी के अंजोर ला नइं देखंय।

20 ओ मनखे जेमन करा संपत्ति होथे, पर समझे के सक्ति नइं होवय,
ओमन ओ पसु सहीं होथें, जेमन नास हो जाथें।

भजन-संहिता 50

आसाप के एक भजन।
1 सक्तिसाली परमेसर, यहोवा ह
उदयाचल ले लेके अस्ताचल तक
धरती के मनखेमन ले गोठियाथे अऊ ओमन ला बलाथे।
2 सियोन ले, जेह अब्बड़ सुघर हे,
परमेसर के अंजोर चमकत हे।
3 हमर परमेसर ह आथे
अऊ ओह चुपेचाप नइं रहय;
ओकर आघू म एक भसम करइया आगी,
अऊ ओकर चारों कोति एक भयंकर आंधी हवय।
4 ओह अपन मनखेमन के नियाय करे बर
ऊपर ले अकास, अऊ धरती ला बलाथे:
5 "ये मोर भक्तमन ला मोर करा इकट्ठा करव,

जेमन बलिदान चघाके मोर संग करार करे हवंय।”
6 अऊ स्वरग ह ओकर धरमीपन के घोसना करत हे,
काबरकि ओह नियाय के परमेसर अय।

7 “हे मोर मनखेमन, सुनव, अऊ मेंह गोठियाहूं;
हे इसरायल, मेंह तोर बिरूध गवाही दूहूं:
मेंह परमेसर अंव, तोर परमेसर।
8 मेंह तोर बलिदान के बारे म या ओ होम-बलिदान के बारे म
तोर ऊपर दोस नइं लगावंव, जेला हमेसा मोला चढ़ाय जाथे।
9 मोला तोर घर ले बईला
या तोर बाड़ा ले बोकरा के जरूरत नइं ए,
10 काबरकि जंगल के हर एक पसु मोर अय,
अऊ हजारों पहाड़ीमन ऊपर चरत जानवर घलो मोरेच अंय।
11 मेंह पहाड़मन के जम्मो चिरईमन ला जानथंव,
अऊ मैदान के कीड़ा-मकोड़ामन मोरेच अंय।
12 यदि मेंह भूखा होतेंव, त मेंह तोला नइं कहितेंव,
काबरकि संसार अऊ ओमा के जम्मो चीजमन मोर अंय।
13 का मेंह सांड़मन के मांस खाथंव
या बोकरामन के लहू पीथंव?

14 “परमेसर ला धनबाद रूपी भेंट चघा,
सर्वोच्च परमेसर बर अपन मन्नतमन ला पूरा कर,
15 संकट के बेरा म मोला पुकार;
मेंह तोला छुड़ाहूं, अऊ तेंह मोर आदरमान करबे।”
16 पर दुस्ट मनखे ला परमेसर ह कहिथे:
“मोर कानूनमन के पाठ करे के
या मोर करारमन ला बताय के तोला का अधिकार हवय?
17 तेंह तो मोर सिकछा ले घिन करथस
अऊ मोर बचन ला तुछ समझथस।
18 जब तेंह कोनो चोर ला देखथस, त ओकर संग सामिल हो जाथस;
तेंह बेभिचारीमन के संग भागी होथस।
19 तोर मुहूं ले बुरई के बात निकलथे
अऊ तोर जीभ ह छल-कपट के बात करथे।
20 तेंह बईठके अपन भाई के बिरूध गोठियाथस
अऊ अपन ही सगा भाई के निन्दा करथस।
21 जब तेंह ये काममन ला करय अऊ मेंह चुप रहेंव,
त तेंह समझे कि मेंह घलो बिलकुल तोर सहीं अंव।
पर मेंह अब तोर गलतीमन ला बतात हंव
अऊ तोर आघू म तोर दोसमन ला रखत हंव।

22 “तुमन, जेमन परमेसर ला भुला जाथव, येकर बारे म बिचार करव,
नइं तो मेंह तुमन ला चीरके कुटा-कुटा कर दूहूं,
अऊ तुमन ला बचानेवाला कोनो नइं होही:
23 जऊन मन मोला धनबाद-बलिदान चघाथें, ओमन मोर आदर करथें,
अऊ निरदोस मनखे ला मेंह अपन उद्धार के अनुभव कराहूं।”

*

भजन-संहिता 51

संगीत के निरदेसक बर। दाऊद के एक भजन। दाऊद राजा के बतसेबा के संग बेभिचार करे के बाद जब नातान अगमजानी ह दाऊद करा आईस।

1 हे परमेसर, अपन बड़े मया के मुताबिक
मोर ऊपर दया कर;
अपन बड़े करूना के मुताबिक
मोर अपराधमन ला मिटा दे।
2 मोर जम्मो अधरम ला धो डार
अऊ मोर पाप ले मोला सुध कर।

3 काबरकि मेंह अपन अपराध ला जानत हंव,
अऊ मोर पाप ह हमेसा मोर आघू म रहिथे।
4 मेंह तोर, सिरिप तोर बिरूध म पाप करे हवंव
अऊ ओहीच काम करे हवंव, जऊन ह तोर नजर म पाप ए;
एकरसेति तेंह अपन फैसला म सही अस
अऊ जब नियाय करथस, त सही नियाय करथस।
5 खचित, मेंह जनम ले पापी अंव,
जब मोर दाई ह मोला गरभ म धरिस, तब ले मेंह पापी अंव।
6 तभो ले तेंह हिरदय के सच्चई ले खुस होथस;
तेंह मोला ओ गुपत जगह म बुद्धि सिखाय।

7 जूफा† पऊधा ले मोला साफ कर, अऊ मेंह साफ हो जाहूं;
मोला धो, अऊ मेंह बरफ ले घलो जादा सफेद हो जाहूं।
8 मोला आनंद अऊ खुसी सबद सुनन दे;
जऊन हाड़ामन ला तेंह कुचर दे हस, ओमन आनंद मनावंय।
9 मोर पापमन ले तेंह अपन मुहूं ला छुपा ले
अऊ मोर जम्मो अपराध ला मिटा दे।

10 हे परमेसर, मोर म एक सुध हिरदय बना,
अऊ मोर भीतर म नवां किसम ले एक अटल आतमा स्थापित कर।
11 मोला अपन आघू ले झन निकाल
या अपन पबितर आतमा ला मोर ले अलग झन कर।
12 अपन करे गय उद्धार के आनंद ले मोला फेर भर दे
मोला संभाले बर तोर बात माने के एक आतमा दे।

13 तब मेंह अपराधीमन ला तोर हुकूम के सिकछा दूहूं,
ताकि पापीमन तोर करा लहुंट आवंय।
14 हे परमेसर, मोला खून बहाय के अपराध ले छुड़ा ले,
तेंह परमेसर मोर उद्धारकर्ता अस,
अऊ मेंह तोर धरमीपन के गीत गाहूं।
15 हे परभू, मोर मुहूं ला खोल,
अऊ मोर मुहूं ह तोर महिमा करही।

---

* **भजन-संहिता 51:** इबरानी म 51:1-19 ला 51:3-21 गने गे हवय

† **भजन-संहिता 51:7** ???? ह एक छोटे पऊधा ए, जेकर उपयोग पानी छिंचे या खून छिंचे या मनखे ला संस्कारिक रूप म सुध करे म होथे

16 तेंह बलिदान चघाय ले खुस नइं होवस, नइं तो मेंह येला लानतेंव;
होम-बलिदान म तोला खुसी नइं होवय।
17 टूटे मन ह परमेसर बर योग्य बलिदान ए;
एक टूटे अऊ पछतापी मन
हे परमेसर, तेंह येला तुछ नइं समझस।

18 सियोन के उन्नति करे म,
यरूसलेम सहर के दीवारमन के बनाय जाय म तोला खुसी मिलय।
19 तब तेंह धरमी के बलिदान ले खुस होबे,
याने कि पूरा होम-बलिदान चघाय ले खुस होबे;
तब तोर बेदी म बईलामन ला चघाय जाही।
*

भजन-संहिता 52

संगीत के निरदेसक बर। दाऊद के एक ?????† । जब एदोमी दोएग ह साऊल करा जाके ओला कहिस: "दाऊद ह अहीमेलेक के घर गे हवय।"

1 हे बलवान बीर, बुरई ऊपर काबर घमंड करथस?
दिन भर काबर घमंड करत रहिथस,
जबकि तेंह तो परमेसर के नजर म एक कलंक अस?
2 तेंह धोखाधड़ी करथस,
तोर जीभ ह बिनास के योजना बनाथे;
येह तो धारवाले एक उस्तरा सहीं अय।
3 तेंह भलई के बदले बुरई ले मया करथस,
अऊ सच बोले के बदले लबारी मारे ला पसंद करथस।
4 हे धोखा देवइया जीभ!
तेंह हर हानि करइया बात ले मया करथस।

5 खचित परमेसर ह तोला हमेसा बर नास कर दीही:
ओह तोला धरके तोर डेरा ले निकाल दीही;
ओह तोला जीयत मनखेमन के लोक ले उखान डारही।
6 धरमी मनखेमन येला देखके डरहीं;
ओमन ये कहिके तोर ऊपर हंसहीं,
7 "इहां ये मनखे हवय
जऊन ह परमेसर ला अपन मजबूत गढ़ नइं बनाईस
पर अपन बहुंत धन-संपत्ति ऊपर भरोसा करिस
अऊ आने मन ला नास करे के दुवारा मजबूत होवत गीस!"

8 पर मेंह परमेसर के घर म बढ़त
एक जैतून के रूख सहीं अंव;
मेंह हमेसा-हमेसा बर
परमेसर के अटूट मया ऊपर भरोसा रखथंव।
9 जऊन कुछू तेंह करे हस, ओकर बर मेंह हमेसा
तोर बिसवासयोग्य मनखेमन के आघू म तोर परसंसा करहूं।
अऊ मेंह तोर नांव ऊपर आसा रखहूं,

* **भजन-संहिता 52:** इबरानी म 52:1-9 ला 52:3-11 गने गे हवय † **भजन-संहिता 52:** ??????? ??? ?????? ?? ?? ??? ?

काबरकि तोर नांव ह बने ए।
*

भजन-संहिता 53

संगीत के निरदेसक बर। ?????† के मुताबिक दाऊद के एक ?????।
1 मुरूख ह अपन मन म कहिथे,
“परमेसर नइं ए।”
ओमन बिगड़ गे हवंय, अऊ ओमन के चालचलन ह निकम्मा ए;
अइसे कोनो नइं ए, जऊन ह भलई करथे।

2 परमेसर ह स्वरग ले
जम्मो मानव-जाति ला ये आसा म देखथे
कि कोनो समझदार हवय कि नइं,
कोनो परमेसर के खोज करथे कि नइं।
3 हर मनखे ह भटक गे हवय, जम्मो झन बिगड़ गे हवंय;
अइसे कोनो नइं ए, जऊन ह भलई करथे,
एको झन घलो नइं।

4 का ये जम्मो दुस्ट काम करइयामन कुछू नइं जानंय?

ओमन मोर मनखेमन ला अइसे खा जाथें, मानो कि रोटी खावत हें;
ओमन कभू परमेसर के नांव नइं लेवंय।
5 जिहां डरे के कोनो बात नइं रहय,
उहां ओमन डर के मारे घबरा गे हवंय।
जऊन मन तोर ऊपर हमला करिन, परमेसर ह ओमन के हाड़ामन ला बिखेर दीस;
तेंह ओमन ला लज्जित करय, काबरकि परमेसर ह ओमन ला तुछ जानिस।

6 बने होतिस कि इसरायल बर उद्धार ह सियोन ले बाहिर आतिस!
जब परमेसर ह अपन मनखेमन ला पहिले के सहीं कर देथे,
त याकूब ह आनंद मनावय अऊ इसरायल ह खुस होवय!
*

भजन-संहिता 54

संगीत के निरदेसक बर। तारवाले बाजामन के संग। दाऊद के एक ?????†। जब जीपीमन साऊल करा जाके कहिन, “का दाऊद ह हमर बीच म नइं छिपे हे?”
1 हे परमेसर, अपन नांव के दुवारा मोर उद्धार कर;
अपन सक्ति के दुवारा मोला सही साबित कर।
2 हे परमेसर, मोर पराथना ला सुन;
मोर मुहूं के बात ऊपर धियान दे।

3 घमंडी बईरीमन मोर ऊपर हमला करत हवंय;
निरदयी मनखेमन मोला मार डारे के कोसिस करत हवंय—
ओ मनखे, जेमन के मन म परमेसर बर कोनो आदर नइं ए।

4 खचित परमेसर ह मोर मददगार ए;

---

* **भजन-संहिता 53:** इबरानी म 53:1-6 ला 53:2-7 गने गे हवय † **भजन-संहिता 53:** ?????? ????? ?? ?? ??? * **भजन-संहिता 54:** इबरानी म 54:1-7 ला 54:3-9 गने गे हवय † **भजन-संहिता 54:** ?????? ????? ?? ?? ???

परभू ही मोला संभालथे।

5 ओमन के निन्दा होवय, जऊन मन मोर निन्दा करथें;
हे परमेसर, अपन बिसवासयोग्यता म ओमन ला नास कर दे।

6 मेंह तोला एक स्वेच्छा-बलिदान चघाहूं;
हे यहोवा, मेंह तोर नांव के परसंसा करहूं, काबरकि येह बने ए।
7 तेंह मोला मोर जम्मो समस्या ले छुटकारा दे हस,
अऊ मोर आंखी ह मोर बईरीमन ऊपर बिजय ला देखे हवय।
*

भजन-संहिता 55

संगीत निरदेसक बर। तारवाले बाजामन के संग। दाऊद के एक ?????†।
1 हे परमेसर, मोर पराथना ला सुन,
मोर बिनती ला अनसुना झन कर;
2 मोर बात ला सुन अऊ मोला जबाब दे।
मोर बिचारमन मोला चिंता म डारत हें अऊ मेंह बियाकुल हंव
3 काबरकि मोर बईरी ह मोर बिरूध कहत हे,
अऊ दुस्टमन धमकी देवत हें;
काबरकि ओमन मोर ऊपर दुख-तकलीफ लानत हें
अऊ गुस्सा होके मोला उल्टा-सीधा कहत हें।

4 मोर हिरदय ह भीतरे-भीतर पीरा म हवय;
मिरतू के आतंक मोर ऊपर छा गे हवय।
5 डर अऊ कंपकपी मोला घेर ले हवय;
बहुंत भय के कारन मेंह बियाकुल हो गे हंव।
6 मेंह कहेंव, "कास, मोर एक पंड़की सहीं डेना होतिस!
त मेंह उड़ जातेंव अऊ अराम करतेंव।
7 मेंह उड़के दूरिहा चले जातेंव
अऊ निरजन जगह म रहितेंव;
8 मेंह आंधी अऊ तूफान ले दूरिहा
जल्दी से अपन सरन-स्थान म चले जातेंव।"

9 हे परभू, दुस्टमन ला बिचलित कर दे, ओमन के बात म गड़बड़ी कर दे,
काबरकि मेंह सहर म हिंसा अऊ झगरा देखत हंव।
10 रात अऊ दिन ओमन सहर के दीवार म चोरी-छुपे घुमथें;
सहर के भीतर दुस्टता अऊ गाली भरे हवय।
11 सहर म बिनास करइया ताकतमन काम करत हें;
धमकी अऊ लबारी बात येकर गलीमन ला कभू नइं छोंड़ंय।

12 कहूं कोनो बईरी ह मोर बेजत्ती करतिस,
त मेंह सह लेतेंव;
कहूं कोनो बईरी ह मोर बिरूध खड़े होतिस,
त मेंह ओकर ले छिप जातेंव।

* **भजन-संहिता 55:** इबरानी म 55:1-23 ला 55:2-24 गने गे हवय † **भजन-संहिता 55:** ???? ????? ?? ?? ???

13 पर येह तो तें अस, मोर सहीं एक मनखे,
मोर संगवारी, मोर लंगोटिया संगी,
14 जेकर संग परमेसर के घर म
एक समय मेंह संगति के आनंद उठात रहेंव,
जब अराधना करइयामन के बीच
हमन आवत-जावत रहेंन।

15 अचानक मोर बईरीमन के मिरतू हो जावय;
ओमन मिरतू-लोक म जीयत चले जावंय,
काबरकि दुस्टमन ला ओमन के बीच रहे बर मिलथे।

16 पर जहां तक मोर बात ए, मेंह परमेसर के नांव लेथंव,
अऊ यहोवा ह मोला बचाथे।
17 सांझ, बिहनियां अऊ मंझन के बेरा
मेंह ओला दुख म पुकारथंव,
अऊ ओह मोर बात ला सुनथे।
18 मोर बिरूध करे जावत लड़ई म
ओह मोला बिगर कोनो हानि के बचा लेथे,
हालाकि बहुंते जन मोर बिरोध करथें।
19 परमेसर, जऊन ह आदिकाल ले बिराजमान हे,
जऊन ह नइं बदलय—
ओह ओमन के सुनही अऊ ओमन ला नम्र करही,
काबरकि ओमन म परमेसर के भय नइं ए।

20 मोर संगवारी ह अपन संगीमन ऊपर हमला करथे;
ओह अपन करार ला टोरथे।
21 ओकर बातचीत ह मक्खन के सहीं चिक्कन हवय,
पर ओकर मन म लड़ई के बात रहिथे;
ओकर बचन ह तेल ले जादा नरम हवय,
पर ओमन तलवार निकाले सहीं अंय।

22 अपन जिम्मेदारी यहोवा ऊपर डार दे
अऊ ओह तोला संभालही;
ओह धरमी ला कभू
डगमगावन नइं देवय।
23 पर हे परमेसर, तें दुस्टमन ला
बिनास के खंचवा म गिराबे;
खून के पीयासा अऊ धोखेबाज मनखेमन
अपन आधा जिनगी घलो नइं जी सकहीं।

पर जहां तक मोर बात ए, मेंह तोर ऊपर भरोसा करथंव।
*

* **भजन-संहिता 56:** इबरानी म 56:1-13 ला 56:2-14 गने गे हवय

भजन-संहिता 56

संगीत निरदेसक बर। दूरिहा के बांज रूख म बईठे पंड़की के एक धुन। दाऊद के एक ??????।† जब पलिस्तीमन दाऊद ला गत म पकड़ ले रिहिन।

1 हे मोर परमेसर, मोर ऊपर दया कर,
काबरकि मोर बईरीमन बहुंत पीछा करत हें;
दिन भर ओमन अपन हमला करे के दबाव बनाथें।
2 मोर बिरोधीमन दिन भर मोर पीछा करथें;
अपन घमंड म बहुंते झन मोर ऊपर हमला करत हें।

3 जब मेंह डर जाथंव, त मेंह तोर ऊपर अपन भरोसा रखथंव।
4 परमेसर ऊपर, जेकर बचन के मेंह परसंसा करथंव—
परमेसर ऊपर मेंह भरोसा रखथंव अऊ मेंह नइं डरंव।
मरनहार मनखे ह मोर का कर सकत हे?

5 दिन भर ओमन मोर बचन ला तोड़थें-मरोड़थें;
ओमन के जम्मो उपाय मोला बरबाद करे बर रहिथे।
6 ओमन सडयंत्र करथें, ओमन घात म लगे रहिथें,
ओमन मोर अवई-जवई ऊपर ये आसा म नजर गड़ाय रहिथें,
कि ओमन मोर परान ले सकंय।
7 ओमन के दुस्टता के कारन, ओमन ला बचके झन जावन दे;
हे परमेसर, अपन कोरोध म, ये मनखेमन ला गिरा दे।

8 मोर दुरगति ला लिख ले;
मोर आंसूमन ला अपन कुप्पी म रख ले—
का ओमन तोर अभिलेख म नइं लिखे गे हवंय?
9 जब मेंह मदद बर पुकारहूं
त ओमन लहुंटके भागहीं।
येकर दुवारा जानहूं कि परमेसर ह मोर कोति हवय।

10 परमेसर ऊपर, जेकर बचन के मेंह परसंसा करथंव,
यहोवा ऊपर, जेकर बचन के मेंह परसंसा करथंव—
11 ओही परमेसर ऊपर, मेंह भरोसा रखथंव अऊ मेंह नइं डरंव।
मनखे ह मोर का कर सकथे?

12 हे मोर परमेसर, मेंह तोर बर सपथ खाय हंव;
मेंह तोला धनबाद-बलिदान चघाहूं।
13 काबरकि तेंह मोला मिरतू ले
अऊ मोर गोड़मन ला ठोकर खाय ले बचाय हस,
ताकि मेंह जिनगी के अंजोर म
परमेसर के आघू म चल सकंव।
*

† **भजन-संहिता 56:** ?????? ????? ?? ?? ??? * **भजन-संहिता 57:** इबरानी म 57:1-11 ला 57:2-12 गने गे हवय

भजन-संहिता 57

संगीत निरदेसक बर। “झन नास कर” धुन म दाऊद के एक ?????† । जब ओह साऊल ले भागके गुफा म छुपे रिहिस।

1 हे मोर परमेसर, मोर ऊपर दया कर, मोर ऊपर दया कर,
काबरकि मेंह तोर करा सरन लेथंव।
जब तक बिपत्ति ह टर नइं जाही
मेंह तोर डेनामन के छइहां म सरन लूहूं।

2 मेंह सर्वोच्च परमेसर ला पुकारथंव,
ओ परमेसर, जऊन ह मोर रकछा करथे।
3 ओह स्वरग ले पठोथे अऊ मोला बचा लेथे,
अऊ ओमन ला डांटथे, जऊन मन मोर बहुंत पीछा करथें—
परमेसर ह अपन मया अऊ अपन बिसवासयोग्यता देखाथे।

4 मेंह सिंहमन के बीच म हंव;
मेंह भूखा जानवरमन के बीच म रहे बर मजबूर हंव—
ओ मनखे, जेमन के दांतमन बरछी अऊ तीर सहीं अंय,
जेमन के जीभमन धारवाले तलवार सहीं अंय।

5 हे परमेसर, तोर महिमा ह स्वरगमन ले घलो ऊपर होवय;
जम्मो धरती ऊपर तोर महिमा होवय।

6 ओमन मोर गोड़ बर एक जाल बिछाथें—
दुख म मोर चेहरा ह झुक गे हवय।
ओमन मोर रसता म एक खंचवा खनिन—
पर ओमा ओमन खुद गिर गे हवंय।

7 हे परमेसर, मोर मन ह अटल हवय,
मोर मन ह अटल हवय;
मेंह गाहूं अऊ बाजा बजाहूं।
8 हे मोर आतमा, जाग!
हे बीना अऊ सारंगी, जागव!
मेंह बड़े बिहनियां ला जगाहूं।

9 हे परभू, मेंह जाति-जाति के मनखेमन के बीच म तोर परसंसा करहूं;
मेंह मनखेमन के बीच म तोर गीत गाहूं।
10 काबरकि तोर मया ह अतेक महान ए कि ओह स्वरग तक हबरत हे;
तोर बिसवासयोग्यता ह अकास तक हबरत हे।

11 हे परमेसर, तोर महिमा स्वरगमन ले घलो ऊपर होवय;
जम्मो धरती ऊपर तोर महिमा होवय।
*

† **भजन-संहिता 57:** ?????? ????? ?? ?? ??? * **भजन-संहिता 58:** इबरानी म 58:1-11 ला 58:2-12 गने गे हवय

भजन-संहिता 58

संगीत के निरदेसक बर। दाऊद के “नास झन कर” धुन म एक ?????? †।

1 हे सासन करइयामन, का तुमन सही म नियाय-संगत बात करथव?
का तुमन मनखेमन के सही नियाय करथव?
2 नइं, अपन मन म तुमन अनियाय करे के उपाय करथव,
अऊ अपन हांथ ले धरती म हिंसा फईलाथव।

3 अऊ त अऊ दुस्टमन जनम ले गलत रसता म चलथें;
गरभ ले ही ओमन लबारी बात फईलात भटक जाथें।
4 ओमन के जहर ह एक सांप के जहर सहीं अय,
एक नाग सांप के सहीं अय, जऊन ह कि नइं सुनय,
5 अऊ ओह संपेरा के धुन ऊपर धियान नइं देवय,
ओ संपेरा ह चाहे कतको मोहित करइया धुन देवय।

6 हे परमेसर, ओमन के मुहूं म ही ओमन के दांत ला टोर दे;
हे यहोवा, ओ सिंहमन के दांत ला जड़ ले ही उखान दे!
7 ओमन ओ पानी के सहीं गायब हो जावंय, जऊन ह बहत-बहत आघू निकल जाथे;
जब ओमन धनुस तानंय, त ओमन के तीर ह निसाना म झन लगय।
8 ओमन एक घोंघा के सहीं हो जावंय, जऊन ह सरकत-सरकत टघल जाथे,
ओमन एक मरे जनमे लइका सहीं होवंय, जऊन ह सूरज ला कभू नइं देखय।

9 येकर पहिले कि कंटिला-झाड़ी म लगे आगी के आंच ह तोर हांड़ी म लगय—
चाहे ओमन हरियर होवंय या सूख गे होवंय—ओमन ला बवंडर म उड़ा दिये जाही।
10 जब ओमन ले बदला लिये जाही, त धरमीमन खुस होहीं,
जब ओमन अपन पांव दुस्टमन के खून म डारहीं।
11 तब मनखेमन कहिहीं,
“खचित धरमीमन ला अभी घलो ईनाम दिये जाथे;
खचित एक परमेसर हवय, जऊन ह धरती के नियाय करथे।”
*

भजन-संहिता 59

संगीत के निरदेसक बर। दाऊद के “नास झन कर” धुन म एक ?????? †। जब साऊल ह दाऊद ला मार डारे बर ओकर घर म मनखेमन ला पठोके पहरा बईठाय रिहिस।

1 हे परमेसर, मोला मोर बईरीमन ले बचा;
जऊन मन मोर ऊपर हमला करत हें, ओमन ले मोर रकछा कर।
2 मोला दुस्ट काम करइया मनखेमन ले छोंड़ा
अऊ मोला ओमन ले बचा, जऊन मन मोर परान लेय बर चाहथें।

3 देख, ओमन कइसे मोर घात म लगे हवंय!
हे यहोवा, मेंह कोनो दोस या पाप नइं करे हंव,
तभो ले हिंसा करइया मनखेमन मोर बिरूध सडयंत्र करत हें।
4 मेंह कोनो गलती नइं करे हंव, तभो ले ओमन मोर ऊपर हमला करे बर तियार हवंय।
मोर मदद करे बर उठ; मोर दुरदसा ला देख!
5 हे यहोवा, सर्वसक्तिमान परमेसर,

---

† **भजन-संहिता 58:** ?????? ????? ?? ?? ??? * **भजन-संहिता 59:** इबरानी म 59:1-17 ला 59:2-18 गने गे हवय † **भजन-संहिता 59:** ?????? ????? ?? ?? ???

तेंह इसरायल के परमेसर अस,
जम्मो आनजातमन ला दंड देय बर जाग;
दुस्ट बिसवासघातीमन ऊपर कोनो दया झन देखा।

6 ओमन कुकुरमन सहीं गुर्रावत
सांझ के लहुंटथें,
अऊ छिपके सहर म घुमथें।
7 देख, ओमन अपन मुहूं ले का उछरथें—
ओमन के मुहूं ले निकले बात म तलवार सहीं धार हवय,
अऊ ओमन सोचथें, "हमर बात ला कोन सुन सकथे?"
8 पर हे यहोवा, तेंह ओमन ऊपर हांसथस;
तेंह ओ जम्मो आनजातमन के हंसी उड़ाथस।

9 तेंह मोर ताकत अस, मेंह तोर इंतजार म रहिथंव;
हे परमेसर, तेंह मोर गढ़ अस,
10 हे मोर परमेसर, तोर ऊपर मेंह भरोसा करथंव।

परमेसर ह मोर आघू-आघू जाही
अऊ जऊन मन मोर निन्दा करथें, ओमन ला घूरके देखे के मोला मऊका दीही।
11 पर हे परभू हमर ढाल,‡ ओमन के हतिया झन कर,
नइं तो मोर मनखेमन भुला जाहीं।
अपन सक्ति ले ओमन ला उखान दे
अऊ ओमन ला गिरा दे।
12 ओमन के मुहूं के पाप बर,
ओमन के ओंठ ले निकले बचन बर,
ओमन अपन घमंड म पकड़े जावंय।
ओमन जऊन सराप देथें अऊ लबारी मारथें, ओकर बर
13 ओमन ला अपन कोरोध म जलाके नास कर दे,
ओमन ला अइसे जलाके नास कर कि ओमन पूरा नास हो जावंय।
तब धरती के छोर तक पता चलही
कि परमेसर ह याकूब ऊपर सासन करथे।

14 ओमन कुकुरमन सहीं गुर्रावत,
सांझ के लहुंटथें,
अऊ छिपके सहर म घुमथें।
15 ओमन जेवन बर भटकथें
अऊ कहूं संतोस नइं होवंय, त कुकुर या भेड़िया सहीं रोथें।
16 पर मेंह तोर ताकत के गुन गाहूं,
बिहनियां मेंह तोर मया के गीत गाहूं;
काबरकि तेंह मोर गढ़ अस,
संकट के बेरा म मोर सरन-स्थान अस।

17 तेंह मोर बल अस, मेंह तोर परसंसा के गीत गाथंव;
हे परमेसर, तेंह मोर गढ़ अस,
मोर परमेसर, जेकर ऊपर मेंह भरोसा करथंव।

‡ **भजन-संहिता 59:11** या [illegible]

*

भजन-संहिता 60

संगीत के निरदेसक बर। “करार के कुमुदिनी” के धुन म दाऊद के एक [illegible]† । सिखाय बर। जब ओह अरम-नहरैम अऊ अरम-सोबा ले लड़िस, अऊ जब योआब ह लहुंटके नून के घाटी म बारह हजार एदोमीमन ला मार गिराईस।

1 हे परमेसर, तेंह हमन ला अस्वीकार कर दे हस, अऊ हमर ऊपर बरस पड़े हस:
तेंह हमर ऊपर गुस्सा करे हस—पर अब हमन ला पहिले सहीं कर दे!
2 तेंह भुइयां ला कंपाय हस अऊ येला फोर दे हस;
येकर दरारमन ला ठीक कर दे, काबरकि येह कांपत हे।
3 तेंह अपन मनखेमन ला निरासा के दिन देखाय हस;
तेंह हमन ला अंगूर के मंद दे हस, जेकर ले हमन लड़खड़ाथन।
4 पर जऊन मन तोर भय मानथें, ओमन बर तेंह एक झंडा उठाय हस
ताकि जहाज के आघू म फहराय जावय।

5 अपन जेवनी हांथ उठाके हमन ला बचा अऊ हमर मदद कर,
ताकि जऊन मन तोर ले मया करथें, ओमन छोंड़ाय जावंय।
6 परमेसर ह अपन पबितर-स्थान ले कहे हवय:
“जीत के खुसी म, मेंह सकेम ला बांट दूहूं
अऊ सुक्कोत के घाटी ला नापहूं।
7 गिलाद ह मोर ए, अऊ मनस्से ह घलो मोर ए;
एपरैम ह मोर मुड़ के टोप ए,
यहूदा ह मोर राजदंड ए।
8 मोआब ह मोर हांथ-मुहूं धोए के बरतन ए,
एदोम ऊपर मेंह अपन पनही ला उछालहूं;
पलिस्ती ऊपर मेंह जीत के खुसी म चिचियाहूं।”

9 कोन ह मोला गढ़वाले सहर म लानही?
कोन ह मोला एदोम देस ले जाही?
10 हे परमेसर, का ये तें नो हस, तें जऊन ह कि हमन ला अस्वीकार करे हस
अऊ अब हमर सेना के संग नइं जावस?
11 बईरीमन के बिरूध हमर मदद कर,
काबरकि मनखे के दिये मदद ह बेकार ए।
12 परमेसर के मदद ले ही हमन बिजयी होबो,
अऊ ओह हमर बईरीमन ला कुचर दीही।
*

भजन-संहिता 61

संगीत निरदेसक बर। तारवाले बाजामन के संग दाऊद के भजन।

1 हे परमेसर, मोर पुकार ला सुन;
मोर पराथना ला सुन।

2 धरती के छोर ले मेंह तोला पुकारत हंव,

---

* **भजन-संहिता 60:** इबरानी म 60:1-12 ला 60:3-14 गने गे हवय † **भजन-संहिता 60:** [illegible] * **भजन-संहिता 61:** इबरानी म 61:1-8 ला 61:2-9 गने गे हवय

तोला पुकारत-पुकारत मोर मन ह दुरबल होवथे;
मोला ओ चट्टान ऊपर ले जा, जऊन ह मोर ले ऊंच हे।
3 काबरकि तेंह मोर सरन-स्थान ठहिरे हस,
अऊ बईरीमन के बिरूध एक मजबूत दीवार अस।

4 मेंह लालसा करथंव कि तोर डेरा म हमेसा बर रहंव
अऊ तोर डेनामन के छइहां म सरन लेवंव।
5 हे परमेसर, तेंह मोर मन्नतमन ला सुने हस;
तेंह मोला ओमन के कुल-परंपरा ला दे हस; जऊन मन तोर नांव के भय मानथें।

6 राजा के उमर ला बढ़ा,
पीढ़ी-पीढ़ी तक ओकर उमर ला बढ़ा दे।
7 परमेसर के उपस्थिति म ओह हमेसा सिंघासन म बईठय;
ओकर रकछा म अपन मया अऊ बिसवासयोग्यता ला बनाय रख।

8 तब मेंह हमेसा तोर नांव के परसंसा करहूं
अऊ दिन-प्रतिदिन अपन मन्नतमन ला पूरा करहूं।
*

भजन-संहिता 62

संगीत निरदेसक बर। यदूतून राग म दाऊद के एक भजन।
1 सही म मोर जीव ला परमेसर म अराम मिलथे;
मोर उद्धार ओकर करा ले आथे।
2 सही म ओह मोर चट्टान अऊ मोर उद्धार ए;
ओह मोर गढ़ ए, मेंह कभू नइं डगमगाहूं।

3 कब तक तुमन मोर ऊपर हमला करत रहिहू?
का तुमन जम्मो झन मोला खाल्हे फटिक दूहू—
में तो झुके दीवार, गिरत बाड़ा के सहीं अंव?
4 खचित ओमन मोला
मोर ऊंच जगह ले गिराय के इरादा रखथें;
ओमन लबारी मारे म खुस होथें।
अपन मुहूं ले ओमन आसीस देथें,
पर अपन मन म सराप देथें।

5 हव, मोर जीव ला परमेसर म अराम मिलथे;
ओकर ऊपर मोर आसा हवय।
6 सही म ओह मोर चट्टान अऊ मोर उद्धार ए;
ओह मोर गढ़ ए, मेंह नइं डगमगाहूं।
7 मोर उद्धार अऊ मोर आदर परमेसर ऊपर निरभर हवय†;
ओह मोर मजबूत चट्टान, मोर सरन-स्थान ए।
8 हे मनखेमन, ओकर ऊपर हर समय भरोसा रखव;
ओकर आघू म अपन बात खुले मन से कहव,
काबरकि परमेसर ह हमर सरन-स्थान ए।

---

* **भजन-संहिता 62:** इबरानी म 62:1-12 ला 62:2-13 गने गे हवय † **भजन-संहिता 62:7** या [illegible]

9 सही म नीच कुल म जनमे मनखेमन सिरिप एक सांस अंय,
अऊ ऊंच कुल म जनमे मनखेमन सिरिप एक लबारी अंय।
कहूं ओमन ला तराजू म तऊले जावय, त ओमन के कुछू वजन नइं ए;
एक संग ओमन सिरिप एक सांस अंय।
10 अनुचित वसूली ऊपर भरोसा झन करव
या चोरी के चीज म आसा झन रखव;
हालाकि तुम्हर संपत्ति बढ़थे,
पर ओमा अपन मन झन लगावव।

11 परमेसर ह एक बात कहे हवय,
दू बात मेंह सुने हवंव:
"हे परमेसर, सामर्थ ह तोर अय,
12 अऊ हे परभू, तोर म अब्बड़ मया हवय";
अऊ, "तेंह हर एक जन ला
ओमन के काम के मुताबिक ईनाम देथस।"
*

भजन-संहिता 63

दाऊद के एक भजन। जब ओह यहूदा के निरजन जगह म रिहिस।
1 हे परमेसर, तेंह मोर परमेसर अस,
उत्सुक होके मेंह तोला खोजथंव;
सूखा अऊ झुलसत भुइयां म
जिहां पानी नइं ए,
मेंह तोर पीयासा हंव,
मोर पूरा सरीर तोर संगति के कामना करथे।

2 मेंह पबितर-स्थान म तोला देखे हवंव
अऊ तोर सामर्थ अऊ तोर महिमा ला निहारेंव।
3 काबरकि तोर मया ह जिनगी ले जादा बने अय,
मोर मुहूं ह तोर महिमा करही।
4 जब तक मेंह जीयत हंव, मेंह तोर परसंसा करहूं,
अऊ तोर नांव के महिमा म मेंह अपन हांथ उठाहूं।
5 मानो बने जेवन ले मेंह पूरा संतुस्ट होहूं,
अऊ मेंह मोर मुहूं ले गावत तोर परसंसा करहूं।

6 अपन दसना म मेंह तोला सुरता करथंव;
रथिया के बेरा मेंह तोर बारे म सोचथंव।
7 काबरकि तेंह मोर मददगार अस,
मेंह तोर डेना के छइहां म गाथंव।
8 मेंह तोर संग लगे रहिथंव;
तोर जेवनी हांथ ह मोला संभालथे।

9 जऊन मन मोला मार डारे चाहथें, ओमन नास हो जाहीं;
ओमन धरती के गहरई म दब जाहीं।

* **भजन-संहिता 63:** इबरानी म 63:1-11 ला 63:2-12 गने गे हवय

10 ओमन तलवार ले मारे जाहीं
अऊ सियारमन के जेवन बन जाहीं।

11 पर राजा ह परमेसर म आनंद मनाही;
ओ जम्मो जऊन मन परमेसर के सपथ खाथें, ओमन ओकर महिमा करहीं,
जबकि लबरामन के मुहूं ला बंद करे जाही।
*

भजन-संहिता 64

संगीत के निरदेसक बर। दाऊद के एक भजन।
1 हे मोर परमेसर, जब मेंह अपन सिकायत लेके आथंव, त मोर बात ला सुन;
बईरीमन के धमकी ले मोर जिनगी ला बचा।

2 दुस्टमन के सडयंत्र ले, दुस्ट काम करइयामन के
योजना ले मोला बचा।
3 ओमन तलवार के सहीं अपन जीभ ला तेज करथें
अऊ घातक तीर के सहीं करू बचन कहिथें।
4 ओमन घात लगाके निरदोस ऊपर तीर चलाथें;
ओमन बिगर डरे, अचानक तीर चलाथें।

5 ओमन दुस्ट योजना बनाय बर एक-दूसर ला उकसाथें,
ओमन अपन जाल ला छुपाय के बारे म गोठियाथें;
ओमन कहिथें, "कोन ह येला† देखही?"
6 ओमन अनियाय करे के सडयंत्र रचथें अऊ कहिथें,
"हमन एकदम सही योजना बनाय हन!"
सही म मनखे के मन अऊ हिरदय चालबाज अंय।

7 पर परमेसर ह ओमन ऊपर अपन तीर चलाही;
ओमन अचानक घात करे जाहीं।
8 परमेसर ह ओमन के खुद के जीभ ला ओमन के बिरूध कर दीही
अऊ ओमन के बिनास कर दीही;
जऊन मन ओमन ला देखहीं, ओ जम्मो झन ओमन ला तुछ जानके अपन मुड़ हलाहीं।
9 जम्मो मनखेमन डर जाहीं;
ओमन परमेसर के काम के बखान करहीं
अऊ जऊन कुछू ओह करे हवय, ओकर ऊपर बिचार करहीं।

10 धरमी जन ह यहोवा म आनंद मनाही
अऊ ओकर करा सरन लीही;
ओ जम्मो मनखे, जऊन मन हिरदय ले ईमानदार अंय, ओमन ओकर परसंसा करहीं!
*

भजन-संहिता 65

संगीत निरदेसक बर। दाऊद के एक भजन। एक गीत।
1 हे हमर परमेसर, सियोन म परसंसा ह तोर बाट जोहथे;
तोर बर हमर दुवारा करे गे मन्नतमन पूरा करे जाहीं।

---

* **भजन-संहिता 64:** इबरानी म 64:1-10 ला 64:2-11 गने गे हवय † **भजन-संहिता 64:5** या [illegible] * **भजन-संहिता 65:** इबरानी म 65:1-13 ला 65:2-14 गने गे हवय

2 तें, जऊन ह कि पराथना के जबाब देथस,
तोर करा जम्मो मनखेमन आहीं।
3 जब हमन बहुंत पाप ले बियाकुल हो जाथन,
त तेंह हमर अपराधमन ला छेमा करथस।
4 धइन अंय ओमन, जेमन ला तेंह चुनथस
अऊ अपन अंगना म रहे बर ओमन ला लकठा म लानथस!
हमन तोर घर के, तोर पबितर मंदिर के
बने चीजमन ले भर गे हवन।

5 हे परमेसर हमर उद्धार करइया,
तेंह धरती के छोर अऊ दूरिहा समुंदर म रहइया
जम्मो झन के आसा अस,
तेंह हमन ला अद्भूत अऊ धरमी काम करके हमन ला जबाब देथस,
6 तेंह अपनआप ला ताकत ले भरके,
पहाड़मन ला अपन सामर्थ ले बनाय हस,
7 तेंह समुंदर के गरजन ला,
समुंदर के लहर के गरजन ला,
अऊ देस-देस के कोलाहल ला सांत करथस।
8 जम्मो धरती ह भय अऊ तोर अद्भूत काम ले भर गे हवय;
जिहां तेंह बिहनियां के अंजोर अऊ सांझ के अंधियारा लानथस,
तेंह आनंद के गीत गवाथस।

9 तेंह भुइयां के खियाल रखथस अऊ ओला पानी ले पलोथस;
तेंह येला बहुंत उपजाऊ बनाथस।
परमेसर के पानी के सोतमन पानी ले भरे हवंय
ताकि मनखेमन ला अनाज मिलय,
काबरकि तेंह येला अइसे ठहिराय हस।
10 तेंह येकर घारीमन ला भीगोथस अऊ येकर उभारमन ला समतल करथस;
तेंह येला बारिस के पानी ले नरम करथस अऊ येकर फसल ला आसीस देथस।
11 तेंह बछर ला बहुंत फसल ले भर देथस,
अऊ बहुंत चीजमन के कारन तोर गाड़ीमन म जगह नइं रहय।
12 निरजन जगह के भुइयांमन कांदी ले भर गे हवंय;
पहाड़ीमन खुसी के चादर ओढ़े हवंय।
13 चरागनमन पसुमन के झुंड ले भर गे हवंय
अऊ घाटीमन अनाज ले ढंक गे हवंय;
ओमन आनंद के मारे जय-जयकार करथें अऊ गीत गाथें।

भजन-संहिता 66

संगीत निरदेसक बर। एक गीत। एक भजन।
1 हे जम्मो धरती के मनखेमन, परमेसर बर आनंद के जय-जयकार करव!
2 ओकर नांव के महिमा के गीत गावव;
महिमा के संग ओकर परसंसा करव।
3 परमेसर ला कहव, "का ही अद्भूत अंय तोर काममन!
तोर सामर्थ ह अइसे महान हे
कि तोर बईरीमन तोर आघू म चापलूसी करथें।

4 जम्मो धरती के मनखेमन तोर दंडवत करथें;
ओमन तोर परसंसा के गीत गाथें,
ओमन तोर नांव के परसंसा के गीत गाथें।”

5 आवव अऊ देखव कि परमेसर ह का करे हवय,
मानव-जाति बर ओकर अद्भूत काममन!
6 ओह समुंदर ला सूखा भुइयां कर दीस,
ओमन पैदल नदी के ओ पार चल दीन—
आवव, ओमा आनंदित होवव।
7 ओह अपन सामर्थ ले सदाकाल बर सासन करथे,
ओकर आंखीमन जाति-जाति के मनखेमन ला देखत रहिथें—
ओकर बिरूध बिदरोहीमन झन ठाढ़ होवंय।

8 हे जम्मो मनखेमन, हमर परमेसर के परसंसा करव,
ओकर परसंसा के अवाज सुनई देवय;
9 ओह हमर जिनगी ला बचाय हवय
अऊ हमर गोड़ ला फिसल जाय ले बचाय हवय।
10 हे परमेसर, तेंह हमन ला परखे हस;
तेंह हमन ला चांदी के सहीं साफ करे हस।
11 तेंह हमन ला जेल म ले आय
अऊ हमर पीठ म बोझा डार देय।
12 तेंह मनखेमन ला हमर मुड़ ऊपर सवारी करे बर दे हस;
हमन आगी अऊ पानी म ले होके गे हवन,
पर तेंह हमन ला ओ जगह म ले आय, जिहां चीजमन बहुंतायत म हवंय।

13 मेंह तोर मंदिर म होम-बलिदान लेके आहूं
अऊ तोर बर माने गय अपन मन्नतमन ला पूरा करहूं—
14 ओ मन्नत, जेकर परतिगियां मेंह अपन ओंठ ले करे रहंय अऊ अपन मुहूं ले माने रहंय
जब मेंह समस्या म पड़े रहंय।
15 मेंह तोला मोटा-ताजा पसु
अऊ मेढ़ामन के बलिदान चघाहूं;
मेंह तोला सांड़ अऊ बोकरा चघाहूं।

16 ओ जम्मो झन, जऊन मन परमेसर के भय मानथव, आवव अऊ सुनव;
मेंह तुमन ला बतावत हंव कि ओह मोर बर का करे हवय।
17 मेंह अपन मुहूं ले ओला पुकारेंव;
मोर ओंठ ले ओकर परसंसा करेंव।
18 कहूं मेंह अपन मन म पाप करे होतेंव,
त परभू ह मोर बात ला नइं सुनतिस;
19 पर खचित परमेसर ह धियान दे हवय
अऊ मोर पराथना ला सुने हवय।
20 परमेसर के परसंसा होवय,
जऊन ह मोर पराथना ला सुनिस
या अपन मया ला मोर ऊपर ले नइं हटाईस!

*

भजन-संहिता 67

संगीत निरदेसक बर। तारवाले बाजा के संग। एक भजन। एक गीत।
1 परमेसर ह हमर ऊपर अनुग्रह करय अऊ हमन ला आसीस देवय
अऊ अपन मुहूं के अंजोर हमर ऊपर चमकावय—
2 ताकि धरती म तोर ईछा,
अऊ जम्मो जाति म तोर उद्धार के पता चलय।

3 हे परमेसर, मनखेमन तोर परसंसा करंय;
जम्मो मनखेमन तोर परसंसा करंय।
4 देस-देस के मनखेमन खुसी मनांय अऊ आनंद के गीत गावंय,
काबरकि तें मनखेमन ऊपर बिगर पखियपात के सासन करथस
अऊ धरती के देस-देस के मनखेमन के अगुवई करथस।
5 हे परमेसर, मनखेमन तोर परसंसा करंय;
जम्मो मनखेमन तोर परसंसा करंय।

6 भुइयां ह अपन फसल देथे;
परमेसर, हमर परमेसर हमन ला आसीस देथे।
7 परमेसर हमन ला अऊ आसीस देवय,
ताकि धरती के जम्मो छोर तक मनखेमन ओकर भय मानंय।
*

भजन-संहिता 68

संगीत के निरदेसक बर। दाऊद के एक भजन। एक गीत।
1 परमेसर ह उठय, ओकर बईरीमन तितिर-बितिर हो जावंय;
ओकर बईरीमन ओकर आघू ले भाग जावंय।
2 तें ओमन ला धुआं के सहीं उड़ा दे—
जइसे मोम ह आगी के आंच ले टघलथे,
वइसे ही दुस्ट मनखेमन परमेसर के आघू म नास हो जावंय।
3 पर धरमी जन परमेसर के आघू म
खुस होवंय अऊ आनंद मनावंय;
ओमन खुसी मनावंय अऊ आनंदित होवंय।

4 परमेसर के गीत गावव, ओकर नांव के परसंसा के गीत गावव,
ओकर बहुंत परसंसा करव, जऊन ह बादर ऊपर सवारी करथे†;
ओकर आघू म आनंद मनावव—ओकर नांव यहोवा ए।
5 परमेसर ह अपन पबितर निवास म हवय,
ओह अनाथमन बर एक ददा अऊ बिधवामन बर एक रकछा करइया ए।
6 परमेसर ह अकेला मनखे ला परिवार म बसाथे,
ओह कैदीमन ला गीत गवात अगुवई करथे;
पर बिदरोहीमन सूरज के गरमी ले झुलसत भुइयां म रहिथें।

7 हे परमेसर, जब तेंह अपन मनखेमन के आघू ले निकलय,

---

* **भजन-संहिता 67:** इबरानी म 67:1-7 ला 67:2-8 गने गे हवय * **भजन-संहिता 68:** इबरानी म 68:1-35 ला 68:2-36 गने गे हवय
† **भजन-संहिता 68:4** या [illegible]

जब तेंह निरजन जगह ले होके चलय,
8 त धरती ह कांपिस, अकास ह बारिस भेजिस,
परमेसर, सीनय पहाड़ के परमेसर के आघू म,
परमेसर, इसरायल के परमेसर के आघू म।
9 हे परमेसर, तेंह बहुंत बारिस दे हस;
तेंह अपन थके-मांदे निज मनखेमन ला तरो-ताजा करे हस।
10 तोर मनखेमन येमा बस गे हवंय,
अऊ हे परमेसर, अपन उदारता से तेंह गरीबमन ला दे हस।

11 परभू ह बचन के घोसना करथे,
अऊ येला सुनानेवाली माईलोगनमन के एक बड़े सेना हो जाथे:
12 "राजा अऊ सेनामन जल्दबाजी म भागथें;
माईलोगनमन घर म लूट के सामान ला बांटथें।
13 अऊ त अऊ जब तुमन भेड़साला म सुतथव,
त मोर पंड़की के डेना म चांदी चढ़ाय जाथे,
अऊ येकर पांखीमन म चमकत सोन मढ़े जाथे।"
14 जब सर्वसक्तिमान परमेसर ह राजामन ला देस म तितिर-बितिर करिस,
त येह सलमोन पहाड़ म बरफ गिरे के सहीं रिहिस।

15 बासान पहाड़, सानदार पहाड़,
बासान पहाड़ उबड़-खाबड़ पहाड़,
16 हे उबड़-खाबड़ पहाड़, तेंह ओ पहाड़ ला
टकटकी लगाके काबर देखत हस, जेला परमेसर ह राज करे बर चुने हे,
जिहां यहोवा ह खुद सदाकाल बर निवास करही?
17 परमेसर के रथमन बीस हजार
अऊ हजारों-हजार हवंय;
परभू ह सीनय पहाड़ ले अपन पबितर-स्थान म आय हवय।‡
18 जब तेंह ऊंचहा जगह म गय,
त तेंह अपन संग बहुंत बंधुवामन ला ले गय;
तोला मनखेमन ले उपहार मिलिस,
अऊ त अऊ बिदरोहीमन ले घलो उपहार मिलिस—
कि हे यहोवा परमेसर, तें उहां निवास कर।

19 परभू, परमेसर हमर उद्धारकर्ता के परसंसा होवय,
जऊन ह हर दिन हमर बोझा ला उठाथे।
20 हमर परमेसर ह ओ परमेसर अय, जऊन ह हमन ला बचाथे;
मिरतू ले बचाव परमपरधान यहोवा ले ही आथे।
21 खचित परमेसर ह अपन बईरीमन के मुड़ ला कुचरही,
ओमन के बालवाले मुड़मन ला कुचरही, जऊन मन पाप करत रहिथें।
22 परभू ह कहिथे, "मेंह ओमन ला बासान ले लानहूं;
मेंह ओमन ला समुंदर के गहरई ले लानहूं,
23 कि तें अपन बईरीमन के खून म चलके जा सकस,
अऊ तोर कुकुरमन ला ओमन के बांटा खाय बर मिलय।"

24 हे परमेसर, तोर जुलूस ला देखे गे हवय,

‡ **भजन-संहिता 68:17** मूल इबरानी म [illegible]

ओ जुलूस, जऊन ह मोर परमेसर अऊ मोर राजा के अय अऊ जऊन ह पबितर-स्थान म जावत हे।
25 आघू-आघू गवइयामन अऊ ओमन के पाछू बाजावाले हवंय;
ओमन के संग जवान माईलोगनमन खंजरी बजात हवंय।
26 बड़े सभा म परमेसर के परसंसा करव;
इसरायल के सभा म यहोवा के परसंसा करव।
27 बिनयामीन के छोटे गोत्र ह ओमन के अगुवई करत हे,
उहां यहूदा के राजकुमारमन के बड़े झुंड हवय,
अऊ उहां जबूलून अऊ नपताली के राजकुमारमन हवंय।

28 हे परमेसर, अपन सामर्थ ला देखा;
हे हमर परमेसर, हमन ला अपन ताकत देखा, जइसे कि तेंह पहिले करे हस।
29 यरूसलेम म तोर मंदिर के कारन
राजामन तोर बर भेंट लेके आहीं।
30 नरकट म रहत जंगली पसुमन ला,
देस-देस के बछरूमन के बीच सांड़मन के झुंड ला डांट-फटकार।
नम्र होके, ओ जंगली पसुमन चांदी के छड़ लानंय।
देस-देस के ओ मनखेमन ला तितिर-बितिर कर दे, जऊन मन लड़ई ले खुस होथें।
31 दूतमन मिसर देस ले आहीं;
कूस§ ह अपनआप ला परमेसर के अधीन कर दीही।

32 हे धरती के राजमन, परमेसर के गीत गावव,
परभू के परसंसा के गीत गावव,
33 ओकर परसंसा करव, जऊन ह सनातन स्वरग, सबले ऊंच स्वरग म सवारी करथे,
जऊन ह तेज अवाज म गरजथे।
34 परमेसर के सामर्थ के घोसना करव,
जेकर वैभव इसरायल ऊपर हवय,
जेकर सामर्थ स्वरग म हवय।
35 हे परमेसर, तेंह अपन पबितर-स्थान म अद्भूत अस;
इसरायल के परमेसर ह अपन मनखेमन ला सामर्थ अऊ बल देथे।

परमेसर के परसंसा होवय!
*

भजन-संहिता 69

संगीत के निरदेसक बर। कुमुदिनी के धुन म दाऊद के गीत।
1 हे परमेसर, मोला बचा,
काबरकि पानी ह मोर घेंच तक आ गे हवय।
2 मेंह चीखला म धंसत जावत हंव,
जिहां मोर गोड़ टेकाय के जगह नइं ए।
मेंह गहिरा पानी म आ गे हवंव;
पानी के बाढ़ म मेंह बुड़त हंव।
3 मेंह मदद बर गोहारत थक गे हंव;
मोर गला ह सूख गे हवय।
मोर परमेसर के बाट जोहत,

§ **भजन-संहिता 68:31** नील के ऊपरी इलाका * **भजन-संहिता 69:** इबरानी म 69:1-36 ला 69:2-37 गने गे हवय

मोर आंखीमन कमजोर हो गे हवंय।
4 जऊन मन बिगर कारन के मोर ले घिन करथें,
ओमन के गनती मोर मुड़ के बाल ले घलो जादा हवय;
बहुंते जन बिगर कारन के मोर बईरी अंय,
जऊन मन कि मोला नास करे के फिराक म हवंय।
जऊन चीज के चोरी मेंह नइं करे हंव,
ओकर भरपई मोर ले करे जावत हे।

5 हे परमेसर, तेंह मोर मुरूखता ला जानत हस;
मोर अपराध ह तोर ले छिपे नइं हे।

6 हे परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा,
जऊन मन तोर ऊपर आसा रखे हवंय
ओमन ला मोर कारन कलंकित झन होना पड़य;
हे इसरायल के परमेसर,
जऊन मन तोर खोज म रहिथें,
ओमन ला मोर कारन लज्जित झन होना पड़य।
7 काबरकि तोर हित म मेंह अपमान सहत हंव,
अऊ मोर मुहूं ह सरम के मारे ढंक गे हवय।
8 मेंह अपन खुद के परिवार बर परदेसी हो गे हवंव,
अपन खुद के भाई-बहिनी बर अजनबी हो गे हवंव;
9 काबरकि तोर घर के धुन ह मोला खावत हे,
अऊ जऊन मन तोर बेजत्ती करथें, ओमन के बेजत्ती ह मोर ऊपर आवत हे।
10 जब मेंह रोथंव अऊ उपास करथंव,
त जरूरी ए कि मेंह अपमान सहंव;
11 जब मेंह बोरा के कपड़ा† पहिरथंव,
त मनखेमन मोला हंसी के पात्र बना लेथें।
12 जऊन मन सहर के कपाट म बईठथें, ओमन मोर हंसी उड़ाथें,
अऊ मेंह मतवारमन के गीत बन गे हवंव।

13 हे यहोवा, तोर अनुग्रह के बेरा म,
मेंह तोर ले पराथना करत हंव;
हे परमेसर, अपन बड़े मया के कारन,
अपन निस्चित उद्धार के संग मोला जबाब दे।
14 मोला दलदली चीखला ले बचा ले,
मोला ओमा झन बुड़न दे;
जऊन मन मोर ले घिन करथें, ओमन ले मोला छोंड़ा,
मोला गहिरा पानी ले बचा।
15 बाढ़ के पानी म मोला झन बुड़न दे
या पानी के गहरई म मेंह झन चले जावंव
या खंचवा म मेंह झन समा जावंव।

16 हे यहोवा, अपन मया के भलई के कारन मोला जबाब दे;
अपन बड़े दया के कारन मोर कोति देख।
17 अपन सेवक ले मुहूं झन मोड़;

---

† **भजन-संहिता 69:11** [illegible] के मतलब [illegible]

मोला जल्दी करके जबाब दे, काबरकि मेंह संकट म हवंव।
18 मोर लकठा म आके मोला बचा ले;
मोर बईरीमन के कारन मोला छोंड़ा ले।

19 तेंह जानत हस कि मोर कइसे अपमान करे जाथे,
मोला तुछ समझे जाथे अऊ मोला लज्जित करे जाथे;
मोर जम्मो बईरीमन तोर आघू म हवंय।
20 अपमान ह मोर हिरदय ला टोर दे हवय
अऊ मेंह बेसहारा छोंड़ देय गे हवंव;
मोला सहानुभूति के जरूरत हे, पर सहानुभूति देवइया कोनो नइं एं,
मोला सांति देवइया के जरूरत हे, पर मोला कोनो नइं मिलिस।
21 ओमन मोर जेवन म पित्त मिला दीन
अऊ मोर पीयास बुझाय बर मोला सिरका पीये बर दीन।

22 ओमन के जेवनार ह ओमन के बिनास के कारन बनय;
ओमन के संगति करई ह ओमन के फंसे के जाल बन जावय।
23 ओमन के आंखी म अंधियार छा जावय, ताकि ओमन झन देख सकंय,
अऊ ओमन के कनिहां ह हमेसा बर मुड़ जावय।
24 अपन कोप ला ओमन ऊपर ढार दे;
तोर भयंकर कोरोध ओमन ऊपर पड़य।
25 ओमन के जगह ह खाली हो जावय;
ओमन के डेरा म रहइया कोनो झन होवंय।
26 काबरकि ओमन ओ मनखेमन ला सताथें, जेमन ला तेंह घायल करथस
अऊ जेमन ला तेंह चोट पहुंचाथस, ओमन के पीरा के बारे म गोठियाथें।
27 ओमन के ऊपर भारी दोस लगा;
ओमन ला तोर उद्धार म भागी झन होवन दे।
28 ओमन के नांव जिनगी के किताब ले मिटा दिये जावंय
अऊ ओमन के नांव धरमीमन के संग झन लिखे जावय।

29 पर जहां तक मोर बात ए, मेंह दुखित अऊ पीड़ित हंव—
हे परमेसर, तोर उद्धार ह मोला बचावय।

30 मेंह गीत गाके परमेसर के नांव के परसंसा करहूं
अऊ धनबाद के संग ओकर महिमा करहूं।
31 ये बात ले यहोवा ह बईला के बलिदान ले जादा,
या सींग अऊ खुरवाले बईला के बलिदान ले जादा खुस होही।
32 गरीबमन देखहीं अऊ खुस होहीं—
तुमन, जेमन कि परमेसर के खोज म रहिथव, तुम्हर मन ह तरो-ताजा रहय!
33 यहोवा ह जरूरतमंद के बात ला सुनथे
अऊ अपन बंधुवा मनखेमन ला तुछ नइं समझे।

34 अकास अऊ धरती ओकर परसंसा करंय,
समुंदर अऊ ओमा के जम्मो चलत-फिरत जीव घलो परसंसा करंय,
35 काबरकि परमेसर ह सियोन ला बचाही
अऊ यहूदा के सहरमन ला फेर बनाही।
मनखेमन उहां बस जाहीं अऊ ओला अधिकार म ले लीहीं;
36 ओकर सेवकमन के लइकामन ओला उत्तराधिकार म पाहीं,

अऊ जऊन मन ओकर नांव ले मया रखथें, ओमन उहां निवास करहीं।
*

भजन-संहिता 70

संगीत के निरदेसक बर। दाऊद के एक बिनती।
1 हे परमेसर, जल्दी करके मोला बचा ले;
हे यहोवा, मोर मदद करे बर जल्दी आ।

2 जऊन मन मोर परान लेय चाहथें
ओमन लज्जित होवंय अऊ घबरावंय;
ओ जम्मो, जऊन मन मोर बिनास के ईच्छा रखथें
ओमन कलंकित होके पाछू हटंय।
3 जऊन मन मोला ये कहिथें, "अहा! अहा!"
ओमन लज्जा के मारे वापिस जावंय।
4 पर ओ जम्मो, जऊन मन तोर खोज म रहिथें
ओमन तोर कारन आनंद मनावंय अऊ खुस होवंय;
जऊन मन तोर उद्धार के मदद चाहथें, ओमन हमेसा कहंय,
"यहोवा महान ए!"

5 पर जहां तक मोर बात ए, मेंह गरीब अऊ जरूरतमंद अंव;
हे परमेसर, मोर करा जल्दी आ।
तेंह मोर मददगार अऊ मोर छुड़ानेवाला अस;
हे यहोवा, देरी झन कर।

भजन-संहिता 71

1 हे यहोवा, मेंह तोर सरन म हंव;
मोला कभू लज्जित झन होवन दे।
2 अपन धरमीपन म मोला बचा अऊ छोंड़ा;
मोर कोति अपन कान लगा अऊ मोर उद्धार कर।
3 मोर सरन के चट्टान बन,
जिहां में हमेसा जा सकंव;
मोर उद्धार के हुकूम दे,
काबरकि तेंह मोर चट्टान अऊ मोर गढ़ अस।
4 हे मोर परमेसर, दुस्टमन के हांथ ले मोला छोंड़ा ले,
अऊ ओमन के पकड़ ले मोला छुटकारा दे, जऊन मन दुस्ट अऊ निरदयी अंय।

5 काबरकि हे परमपरधान यहोवा, तेंह मोर आसा अस,
मोर लइकापन ले ही मेंह तोर ऊपर भरोसा रखे हंव।
6 जनम ले ही मेंह तोर ऊपर भरोसा रखे हंव;
तेंह मोला मोर दाई के गरभ ले बाहिर लानय।
मेंह हमेसा तोर परसंसा करहूं।
7 मेंह बहुंते जन बर एक उदाहरन बन गे हंव;
तेंह मोर मजबूत सरन-स्थान अस।
8 मोर मुहूं ह तोर परसंसा करत नइं थकय,

---

* **भजन-संहिता 70:** इबरानी म 70:1-5 ला 70:2-6 गने गे हवय

दिन भर तोर वैभव के गुनगान करत रहिथे।

9 जब मेंह डोकरा हो जाहूं, त मोला झन छोंड़बे;
जब मेंह निरबल हो जाहूं, त मोला झन तियागबे।
10 काबरकि मोर बईरीमन मोर बिरूध गोठियाथें;
जऊन मन मोला मार डारे चाहथें, ओमन एक संग सडयंत्र रचत हें।
11 ओमन कहिथें, "परमेसर ह ओला तियाग दे हवय;
ओकर पीछा करव अऊ ओला पकड़ लव,
काबरकि ओला कोनो नइं बचाही।"
12 हे मोर परमेसर, मोर ले दूरिहा झन रह;
हे परमेसर, मोर मदद करे बर जल्दी आ।
13 मोर ऊपर दोस लगइयामन सरम के मारे नास हो जावंय;
जऊन मन मोर हानि करे चाहथें,
ओमन अपमान अऊ कलंक ले भर जावंय।

14 जहां तक मोर बात ए, मेंह हमेसा आसा रखहूं;
मेंह तोर परसंसा जादा अऊ जादा करहूं।

15 मेंह अपन मुहूं ले तोर धरमी काम,
अऊ तोर उद्धार के काम के बखान दिन भर करत रहिहूं—
हालाकि मेंह नइं जानंव कि ये जम्मो म कइसे संबंध जोड़े जावय।
16 हे परमपरधान यहोवा, मेंह आके तोर बड़े काममन के घोसना करहूं;
मेंह तोर धरमी काम, सिरिप तोरेच धरमी काम के घोसना करहूं।
17 हे परमेसर, तेंह मोला मोर लइकापन ले सिखोवत आय हस,
अऊ आज तक मेंह तोर अद्भूत काम के घोसना करत हंव।
18 जब मेंह डोकरा हो जावंव अऊ मोर बालमन पक जावंय,
तब भी, हे मोर परमेसर, मोला झन छोंड़बे,
जब तक कि तोर सामर्थ के घोसना अवइया पीढ़ी
अऊ तोर बड़े काम के घोसना ओ जम्मो झन ला नइं कर दंव, जऊन मन अवइया हें।

19 हे परमेसर, तोर धरमीपन ह अकास तक हबरत हे,
तें, जऊन ह कि बड़े-बड़े काम करे हस।
हे परमेसर, तोर सहीं कोन हे?
20 हालाकि तेंह मोला बहुंत संकट
अऊ करू चीजमन ला देखाय हस,
पर तेंह मोर जिनगी ला फेर पहिले सहीं कर देबे;
धरती के गहरई ले
तेंह मोला फेर ऊपर ले आबे।
21 तेंह मोर आदरमान ला बढ़ाबे
अऊ एक बार फेर मोला अराम देबे।

22 हे मोर परमेसर, मेंह तोर बिसवासयोग्यता बर
बीना बजाके तोर परसंसा के गीत गाहूं;
हे इसरायल के पबितर परमेसर,
मेंह बीना बजाके तोर परसंसा के गीत गाहूं।

23 मोर मुहूं ह आनंद के मारे चिचियाही
जब मेंह तोर परसंसा के गीत गाहूं—
में, जऊन ला कि तेंह छोंड़ाय हस।
24 मेंह दिन भर
तोर धरमी काम के बखान करहूं,
काबरकि जऊन मन मोर हानि करे चाहत रिहिन
ओमन लज्जा अऊ घबराहट म पड़े हवंय।

भजन-संहिता 72

सुलेमान के गीत।
1 हे परमेसर, राजा ला नियाय के बात बता,
राजा के बेटा ला अपन धरमीपन दे।
2 ओह तोर मनखेमन के नियाय धरमीपन ले
अऊ दुख म परे तोर मनखेमन के नियाय सही-सही करे।

3 पहाड़मन ले मनखेमन के उन्नति होवय,
अऊ पहाड़ीमन ले धरमीपन के फर मिलय।
4 मनखेमन के बीच दुखियारीमन के ओह बचाव करे
अऊ जरूरतमंद मनखेमन के लइकामन ला बचावय;
सतानेवालामन ला ओह कुचर दे।
5 जब तक सूरज अऊ चंदा हवंय,
पीढ़ी-पीढ़ी तक ओह बने रहय*।
6 ओह कांदी कटे भुइयां म बारिस के होवई,
अऊ धरती म पानी के फुहार पड़े सहीं होवय।
7 ओकर समय म धरमीमन उन्नति करंय
अऊ चंदा के रहत तक बहुंतायत ले उन्नति होवय।

8 ओह समुंदर ले समुंदर तक
अऊ फरात नदी ले लेके धरती के छोर तक राज करे।
9 मरू-भुइयां के जन-जाति के मनखेमन ओकर आघू म माड़ी टेकंय
अऊ ओकर बईरीमन धुर्रा चाटंय।
10 तरसीस अऊ दूरिहा समुंदर तीर के राजामन
ओकर बर भेंट लेके आवंय।
सेबा अऊ सबा के राजामन
ओला उपहार देवंय।
11 जम्मो राजामन ओला दंडवत करंय
अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ओकर सेवा करंय।

12 काबरकि ओ जरूरतमंद, जऊन मन ओला पुकारथें,
अऊ ओ पीरा म परे मनखे, जऊन मन के मदद करइया कोनो नइं एं, ओमन ला ओह छोंड़ाही।
13 ओह दुरबल अऊ जरूरतमंद ऊपर दया करही
अऊ जरूरतमंद ला मिरतू ले बचाही।
14 ओह ओमन ला अतियाचार अऊ हिंसा ले बचाही,
काबरकि ओकर नजर म ओमन के खून† ह कीमती अय।

---

* **भजन-संहिता 72:5** सेप्टाजिन्ट; इबरानी म [illegible] † **भजन-संहिता 72:14** या [illegible]

15 ओकर लम्बा उमर होवय!
सेबा के सोन ओला दिये जावय।
मनखेमन ओकर बर हमेसा पराथना करंय
अऊ दिन भर ओला आसीस देवत रहंय।
16 पूरा देस म बहुंतायत से अनाज उपजे;
पहाड़ीमन के चोटी म येह लहलहावय।
लबानोन के सहीं फसल म उन्नति होवय
अऊ भुइयां के कांदी सहीं बढ़य।
17 ओकर नांव ह सदाकाल तक बने रहय;
जब तक सूरज हवय, तब तक येह बने रहय।

तब जम्मो जाति के मनखेमन ओकर जरिये आसीस पाहीं,‡
अऊ ओमन ओला धइन कहिहीं।

18 यहोवा परमेसर, इसरायल के परमेसर के परसंसा होवय,
सिरिप ओहीच ह अद्भूत काम करथे।
19 ओकर महिमामय नांव के सदाकाल तक परसंसा होवय;
जम्मो धरती ह ओकर महिमा ले भर जावय।
आमीन अऊ आमीन।

20 यिसै के बेटा दाऊद के पराथना इहां खतम होथे।

किताब III

73

[illegible] 73–89

आसाप के एक भजन।
1 सही म परमेसर ह इसरायल बर,
याने कि ओमन बर बने अय, जेमन के मन साफ हवय।

2 पर जहां तक मोर बात ए, मोर गोड़ ह लगभग फिसल गे रिहिस;
मेंह गिरनेचवाला रहेंव।
3 मेंह घमंडी मनखे ले डाह करेंव
जब मेंह दुस्टमन के उन्नति ला देखेंव।

4 ओमन करा कोनो समस्या नइं ए;
ओमन के सरीर ह स्वस्थ अऊ मजबूत हे।
5 ओमन के ऊपर समान्य मनखे सहीं बोझ नइं ए;
ओमन ला मनखेमन के बेमारी नइं होवय।
6 एकर कारन घमंड ह ओमन के गला के हार ए;
हिंसा ह ओमन के कपड़ा सहीं अय।
7 ओमन के कठोर हिरदय ले दुस्ट काम निकलथे*;
ओमन के दुस्ट कल्पना के कोनो सीमना नइं ए।
8 ओमन ठट्ठा करथें, अऊ बुरई करे के बात करथें;
घमंड करके ओमन अतियाचार करे के धमकी देथें।

‡ **भजन-संहिता 72:17** या *[illegible]* (देखव उत 48:20) * **भजन-संहिता 73:7** इबरानी म *[illegible]*

9 ओमन बड़े डींग मारथें,
अऊ ओमन धरती ला अधिकार म लेय के बात करथें।
10 एकरसेति ओमन के मनखेमन ओमन करा लहुंट आथें
अऊ बहुंत पानी पीथें।
11 ओमन कहिथें, "परमेसर ह कइसे जानही?
का सर्वोच्च परमेसर ह कुछू जानथे?"

12 दुस्ट मनखेमन अइसने अंय—
ओमन हमेसा बेपरवाह रहिथें, ओमन धन इकट्ठा करे म लगे रहिथें।

13 ये बात सही ए कि मेंह बेकार म अपन हिरदय ला सुध
अऊ अपन हांथमन ला निरदोस बनाय रखेंव।
14 दिन भर मेंह दुख सहत रहेंव,
अऊ हर दिन मोला नवां दंड मिलथे।

15 कहूं मेंह वइसने कहे होतेंव,
त मेंह तोर लइकामन ला धोखा दे होतेंव।
16 जब मेंह ये जम्मो बात ला समझे के कोसिस करेंव,
त येह मोला बहुंत परेसान करिस
17 जब तक कि मेंह परमेसर के पबितर-स्थान म नइं चले गेंव;
तब मेंह ओमन के आखिरी परिनाम ला समझेंव।

18 खचित तेंह ओमन ला फिसलनेवाला जगह म रखथस;
तेंह ओमन ला गिराके नास कर देथस।
19 कइसे अचानक ओमन नास हो जाथें,
आतंक ले पूरा खतम हो जाथें!
20 ओमन जागत मनखे के एक सपना देखे सहीं अंय;
हे परभू, जब तेंह उठबे,
त कल्पना के बात सहीं तेंह ओमन ला तुछ समझबे।

21 जब मोर हिरदय ह दुखित रिहिस
अऊ मोर आतमा ह करू हो गे रिहिस,
22 त मेंह निरबुद्धि अऊ अगियानी रहेंव;
मेंह तोर आघू म एक जंगली पसु रहेंव।

23 तभो ले मेंह हमेसा तोर संग हंव;
तेंह मोर जेवनी हांथ ला धरके मोला थामे रहिथस।
24 तेंह अपन सलाह देके मोर अगुवई करथस,
अऊ ओकर बाद तेंह मोला महिमा म अपन करा ले लेबे।
25 स्वरग म तोर छोंड़ मोर अऊ कोन हवय?
अऊ धरती म तोर अलावा मेंह अऊ काकरो ईछा नइं करंव।
26 मोर मांस अऊ मोर हिरदय असफल हो सकथें,
पर परमेसर ह हमेसा बर
मोर हिरदय के बल अऊ मोर भाग ए।

27 जऊन मन तोर ले दूरिहा हवंय, ओमन नास हो जाहीं;

तेंह ओ जम्मो झन ला नास कर देथस, जऊन मन तोर बर ईमानदार नइं एं।
28 पर जहां तक मोर बात ए, परमेसर के लकठा म रहई बने बात ए।
मेंह परमपरधान यहोवा ला अपन सरन-स्थान बनाय हंव;
मेंह तोर जम्मो काम के बखान करहूं।

भजन-संहिता 74

आसाप के एक *[illegible]*।
1 हे परमेसर, तेंह काबर हमन ला हमेसा बर छोंड़ दे हस?
तोर गुस्सा ह तोर चरागन के भेड़मन के बिरूध काबर सुलगत हे?
2 ओ जाति के मनखेमन ला सुरता कर, जेमन ला तेंह बहुंत पहिले बिसाय रहय,
तोर निज भाग के ओ मनखेमन, जेमन ला तेंह छोंड़ाय रहय—
सियोन पहाड़, जिहां तेंह निवास करय, ओ जम्मो ला सुरता कर।
3 अपन कदम ला ये अनंतकाल के बिनास के तरफ कर,
ये जम्मो बिनास, जेला बईरी ह पबितर-स्थान ऊपर लाने हवय।

4 तोर बिरोधीमन ओ जगह म गरजत हें, जिहां तेंह हमर ले मुलाकात करे रहय;
ओमन चिनहां के रूप म अपन झंडा गाड़े हवंय।
5 ओमन अइसने बरताव करिन, जइसने मनखेमन घोर जंगल म
कुसलता से रूखमन ला टंगिया ले काटथें।
6 ओमन अपन टांगा अऊ टंगिया ले
नक्कासी करे गे लकड़ी ला चूर-चूर कर दीन।
7 ओमन तोर पबितर-स्थान ला जलाके धुर्रा म मिला दीन;
जिहां तोर अराधना होथे, ओ जगह ला ओमन असुध कर दीन।
8 ओमन अपन मन म कहिन, "हमन ओमन ला पूरा कुचर देबो!"
ओमन ओ हर एक जगह ला जला दीन, जिहां देस म परमेसर के अराधना होवत रिहिस।

9 हमन ला परमेसर ले कोनो चिनहां नइं दिये जावत हे;
कोनो अगमजानी नइं बचे हें,
अऊ हमर म ले कोनो नइं जानय कि अइसने कब तक रहिही।
10 हे परमेसर, कब तक बईरी ह तोर ठट्ठा करत रहिही?
का बईरी ह हमेसा तोर नांव के निन्दा करत रहिही?
11 काबर तेंह अपन हांथ ला रोके रहिथस, अपन जेवनी हांथ ला?
ओला अपन कपड़ा ले बाहिर निकालके बईरीमन के नास कर दे!

12 पर परमेसर ह बहुंत पहिले से मोर राजा ए;
ओह धरती ऊपर उद्धार के काम करथे।

13 येह तें रहय, जऊन ह अपन सक्ति ले समुंदर ला दू भाग कर देय;
तेंह पानी म बिकराल जन्तु के मुड़ ला फोर डारय।
14 येह तें रहय, जऊन ह लिबयातान† के मुड़ ला कुचरके
ओला जंगली पसुमन ला खाय बर देय दे।
15 येह तें रहय, जऊन ह सोता अऊ झरनामन ला खोलके पानी के धारा बहाय;
तेंह नदी म हमेसा बहत पानी ला सूखा दे।
16 दिन ह तोर ए, अऊ रथिया ह घलो तोर ए;

* **भजन-संहिता 74:** *[illegible]* † **भजन-संहिता 74:14** *[illegible]* समुंदर के एक *[illegible]*

तेंह सूरज अऊ चंदा ला स्थापित करय।
17 येह तें रहय, जऊन ह धरती के जम्मो सीमना ला बांधय;
धूपकाल अऊ जड़काला ला तेंह ठहिराय।

18 हे यहोवा, सुरता कर कि बईरी ह कइसे तोर ठट्ठा करे हवय,
मुरूख मनखेमन कइसे तोर नांव के निन्दा करे हवंय।
19 अपन पंड़की के जिनगी ला जंगली पसुमन के हांथ म झन सऊंप दे;
दुख म पड़े तोर मनखेमन के जिनगी ला हमेसा बर झन भुला दे।
20 अपन करे गय करार के लाज ला रख,
काबरकि देस के अंधियार जगहमन म बहुंत हिंसा होवत हे।
21 अतियाचार सहनेवाला मनखे ला लज्जा म झन पड़न दे;
गरीब अऊ जरूरतमंद मनखेमन तोर नांव के परसंसा करंय।
22 हे परमेसर, उठ अऊ अपन मामला के बचाव कर;
सुरता कर कि मुरूखमन दिन भर कइसे तोर ठट्ठा करथें।
23 अपन बिरोधीमन के चिचियाई ला अनदेखा झन कर,
तोर बईरीमन के कोलाहल, जऊन ह लगातार बढ़त जावत हे।
*

भजन-संहिता 75

संगीत के निरदेसक बर। "नास झन कर" के धुन म आसाप के एक भजन। एक गीत।
1 हे परमेसर, हमन तोर परसंसा करथन,
हमन तोर परसंसा करथन, काबरकि तोर नांव ह लकठा म हवय;
मनखेमन तोर अद्भूत काम के बखान करथें।

2 तेंह कहिथस, "ठहिराय गय समय ला मेंह तय करथंव;
बिगर पखियपात के मेंहीच ह नियाय करथंव।
3 जब धरती अऊ येकर जम्मो मनखेमन कांपथें,
त मेंहीच येकर खंभामन ला मजबूती से थामे रहिथंव।
4 घमंडी ला मेंह कहिथंव, 'अऊ घमंड झन कर,'
अऊ दुस्टमन ला कहिथंव, 'अपन सींग† ला ऊंच झन करव।
5 स्वरग के बिरूध अपन सींग झन उठाववव;
बहुंत ढिठई के बात झन करव।' "

6 पूरब या पछिम ले या निरजन प्रदेस ले
कोनो भी मनखे अपनआप ला ऊपर नइं उठा सकय।
7 येह परमेसर ए, जऊन ह नियाय करथे:
ओह एक झन ला खाल्हे गिरा देथे, त दूसर झन ला ऊपर उठाथे।
8 यहोवा के हांथ म एक कटोरा हवय
जऊन ह मसाला मिले झागवाला अंगूर के मंद ले भरे हवय;
ओह येला ढारथे, अऊ धरती के जम्मो दुस्टमन
कटोरा के खाली होवत तक येला पीथें।

9 जहां तक मोर बात ए, मेंह हमेसा येकर घोसना करहूं;
मेंह याकूब के परमेसर के परसंसा के गीत गाहूं,

* **भजन-संहिता 75:** इबरानी म 75:1-10 ला 75:2-11 गने गे हवय † **भजन-संहिता 75:4** ⍰⍰⍰⍰ इहां सक्ति के प्रतीक ए; पद 5 अऊ 10म घलो

10 जऊन ह कहिथे, “मेंह जम्मो दुस्टमन के सींग ला काट डारहूं,
पर धरमीमन के सींग ला ऊपर करे जाही।”
*

भजन-संहिता 76

संगीत के निरदेसक बर। तारवाले बाजामन के संग आसाप के एक भजन। एक गीत।
1 यहूदा म परमेसर ह प्रसिद्ध हे;
इसरायल म ओकर नांव ह महान ए।
2 सालेम† म ओकर डेरा हवय,
अऊ सियोन म ओकर निवास स्थान।
3 उहां ओह चमचमात तीर, ढाल अऊ तलवार,
याने कि लड़ई के हथियारमन ला टोर दीस।‡

4 तेंह अंजोर ले चमकत हस,
सिकार ले भरे पहाड़मन ले जादा सानदार अस।
5 हिम्मती मनखेमन लूट लिये गीन,
ओमन अपन मिरतू के नींद म हवंय;
योद्धामन ले एको झन घलो
अपन हांथ नइं चला सकंय।
6 हे याकूब के परमेसर, तोर डांट के कारन,
घोड़ा अऊ रथ दूनों खड़े हवंय।

7 येह सिरिप तेंहीच अस, जेकर भय माने जावय।
जब तेंह गुस्सा करथस, त तोर आघू म कोन ह ठाढ़ हो सकथे?
8 स्वरग ले तेंह नियाय के घोसना करय,
अऊ देस के मनखेमन डरके चुप हो गीन—
9 हे परमेसर, जब तेंह देस के दुख म परे जम्मो मनखेमन के
नियाय करे बर अऊ ओमन ला बचाय बर उठय।
10 खचित मानव-जाति के बिरूध तोर कोप ह तोर परसंसा के कारन बनथे,
अऊ तोर कोप ले बचे मनखेमन काबू म रहिथें।

11 यहोवा अपन परमेसर बर मन्नत मानव अऊ ओला पूरा करव;
आसपास के जम्मो देस के मनखेमन परमेसर करा भेंट लेके आवंय
जऊन ह भय माने के योग्य अय।
12 ओह सासन करइयामन के उत्साह ला टोर देथे;
धरती के राजामन ओकर भय मानथें।
*

भजन-संहिता 77

संगीत के निरदेसक बर। यदूतून के राग म आसाप के एक भजन।
1 मेंह मदद बर परमेसर ला पुकारेंव;
मोर बात ला सुने बर मेंह परमेसर ले गोहार पारेंव।
2 जब मेंह तकलीफ म रहेंव, त मेंह परभू ला खोजेंव;
रथिया बिगर थके हांथ ला बढ़ांय,

---

* **भजन-संहिता 76:** इबरानी म 76:1-12 ला 76:2-13 गने गे हवय † **भजन-संहिता 76:2** या ▯▯▯▯▯▯▯ ‡ **भजन-संहिता 76:3** इहां अऊ पद 9 के आखिरी म इबरानी म सेला हवय, जेकर सही मतलब मालूम नइं ए * **भजन-संहिता 77:** इबरानी म 77:1-20 ला 77:2-21 गने गे हवय

अऊ मोला सांति नइं मिलिस।

3 हे परमेसर, मेंह तोला सुरता करेंव अऊ कलहरेंव;
मेंह चिंतन-मनन करेंव, अऊ मोर आतमा ह दुरबल हो गीस।
4 तेंह मोर आंखी ला बंद होवन नइं दे;
मोला गोठियाय म बहुंत तकलीफ होवत रिहिस।
5 मेंह तइहा जमाना के बारे म सोचेंव,
बहुंत साल पहिले के बारे म;
6 मेंह रथिया अपन गीतमन ला सुरता करेंव।
मोर मन ह चिंतन-मनन करिस अऊ मोर आतमा ह पुछिस:

7 "का परभू ह हमेसा बर तियाग दीही?
का ओह फेर कभू दया नइं देखाही?
8 का ओकर अटूट मया ह हमेसा बर खतम हो गीस?
का ओकर परतिगियां ह हमेसा बर खतम हो गीस?
9 का परमेसर ह दयालु होय के बात ला भुला गे हवय?
का ओह गुस्सा होके अपन करूना ला रोक ले हवय?"

10 तब मेंह सोचेंव, "मेंह ये अपील करहूं:
ओ सालमन म जब सर्वोच्च परमेसर ह अपन जेवनी हांथ ला बढ़ाईस।
11 मेंह यहोवा के काम ला सुरता करहूं;
हव, मेंह बहुंत पहिले के तोर चमतकार के काममन ला सुरता करहूं।
12 मेंह तोर जम्मो काम ऊपर बिचार करहूं
अऊ तोर जम्मो बड़े काम ऊपर चिंतन-मनन करहूं।"

13 हे परमेसर, तोर रसता ह पबितर ए।
कोन देवता ह हमर परमेसर के सहीं महान ए?
14 तेंह ओ परमेसर अस, जऊन ह चमतकार करथे;
तेंह मनखेमन के बीच म अपन सामर्थ देखाथस।
15 अपन सक्तिसाली हांथ ले तेंह अपन मनखे,
याकूब अऊ यूसुफ के संतानमन ला छोंड़ाय।

16 हे परमेसर, समुंदर ह तोला देखिस,
समुंदर ह तोला देखके छटपटाय लगिस;
समुंदर के गहरई तक उथल-पुथल हो गीस।
17 बादर ले बारिस होय लगिस,
अकास म गरजन होय लगिस;
तोर तीरमन आघू-पाछू चले लगिन।
18 तोर गरजन ह बवंडर म सुनई दीस,
तोर बिजली ह संसार ला अंजोर कर दीस;
धरती ह थरथराय अऊ कांपे लगिस।
19 तोर रसता ह समुंदर म ले होके गीस,
तोर डहार ह गहिरा पानी म ले होके गीस,
हालाकि तोर गोड़ के चिनहांमन नइं दिखिन।

20 तेंह मूसा अऊ हारून के दुवारा
अपन मनखेमन के अगुवई एक झुंड के रूप करे।

भजन-संहिता 78

आसाप के एक *[illegible]*।
1 हे मोर मनखेमन, मोर सिकछा ऊपर धियान देवव;
मोर मुहूं के बात ला सुनव।
2 मेंह अपन बात एक पटंतर म करहूं;
मेंह गुपत बात, पुराना जमाना के बात बताहूं—
3 ओ बात जेला हमन सुने हन अऊ जान ले हन,
ओ बात जेला हमर पुरखामन हमन ला बताय हवंय।
4 यहोवा के परसंसा के काम,
ओकर सामर्थ, अऊ ओकर करे गे अद्भूत काममन ला
हमन ओमन के संतानमन ले नइं छुपावन;
हमन अवइया पीढ़ी के मनखेमन ला बताबो।
5 ओह याकूब बर बिधिमन ला ठहिराईस
अऊ इसरायल म कानून स्थापित करिस,
जेकर बारे म ओह हमर पुरखामन ला हुकूम दीस
कि ओमन अपन लइकामन ला ओकर सिकछा देवंय,
6 ताकि अवइया पीढ़ी के मनखेमन ओला जानंय,
अऊ त अऊ ओ लइकामन घलो जेमन जनम लेवइया हें,
अऊ बाद म ओमन अपन लइकामन ला सिखोवंय।
7 तब ओमन परमेसर ऊपर अपन भरोसा रखहीं
अऊ ओमन ओकर काममन ला नइं भूलहीं
पर ओकर हुकूममन ला मानहीं।
8 ओमन अपन पुरखामन सहीं नइं होहीं—
जेमन हठीला अऊ बिदरोही रिहिन,
जेमन के मन म परमेसर के प्रति भक्ति नइं रिहिस,
जेमन के आतमा ह परमेसर बर बिसवासयोग्य नइं रिहिस।

9 एपरैम के मनखेमन हालाकि धनुस धरे रिहिन,
पर लड़ई के दिन ओमन वापिस भाग गीन;
10 ओमन परमेसर के करार ला नइं मानिन
अऊ ओकर कानून के मुताबिक चले बर इनकार करिन।
11 ओमन भुला गीन कि परमेसर ह ओमन बर का करे रिहिस,
ओ अद्भूत काम, जेला ओह ओमन ला देखाय रिहिस।
12 ओह ओमन के पुरखामन के आघू म मिसर देस के
सोअन के इलाका म चमतकार के काम करे रिहिस।
13 ओह समुंदर ला दू भाग करके ओमन ला उहां ले निकाले रिहिस;
ओह पानी ला दीवार सहीं खड़े करवा दे रिहिस।
14 ओह दिन के समय बादर के दुवारा
अऊ रात भर आगी के अंजोर के दुवारा ओमन के अगुवई करय।
15 ओह उजाड़ जगह म पथरामन ला फोरके

* **भजन-संहिता 78:** *[illegible]*

ओमन ला समुंदर के सहीं बहुंतायत से पानी दीस;
16 ओह उबड़-खाबड़ चट्टान म ले पानी के धारा निकालिस
अऊ पानी ला नदी के सहीं बहाईस।

17 पर ओमन निरजन जगह म सर्वोच्च परमेसर के बिरूध बिदरोह करत
लगातार पाप करते रिहिन।
18 ओमन लालायित होके जेवन मांगे के दुवारा
जानबूझके परमेसर ला परखिन।
19 ओमन परमेसर के बिरूध गोठियाईन;
ओमन कहिन, "का परमेसर ह सही म
निरजन जगह म हमन ला जेवन दे सकथे?
20 सही म, ओह चट्टान ला मारिस,
अऊ उहां ले पानी के तेज धारा फूट निकलिस,
अऊ पानी के धारा ह बहुंतायत ले बहे लगिस,
पर का ओह हमन ला रोटी घलो दे सकथे?
का ओह अपन मनखेमन ला मांस के पूरती कर सकथे?"
21 जब यहोवा ह ओमन के बात ला सुनिस, त ओह बहुंत नराज होईस;
याकूब के बिरूध ओकर आगी ह भड़किस,
अऊ इसरायल के बिरूध ओकर कोप ह भड़किस,
22 काबरकि ओमन परमेसर ऊपर बिसवास नइं करिन,
अऊ न ही ओकर छुटकारा देय के ऊपर भरोसा रखिन।
23 तभो ले ओह ऊपर अकास ला हुकूम दीस
अऊ स्वरग के कपाटमन ला खोल दीस;
24 ओह मनखेमन के खाय बर मन्ना के बारिस करिस,
ओह ओमन ला स्वरग के अनाज दीस।
25 मनखेमन स्वरगदूतमन के रोटी खावत रिहिन;
ओह ओमन ला भरपेट जेवन दीस।
26 ओह अकास ले पूरबी हवा चलाईस
अऊ अपन सामर्थ ले दक्खिनी हवा चलाईस।
27 ओह ओमन बर धुर्रा के सहीं मांस के बारिस करिस,
समुंदर के बालू सहीं चिरईमन ला पठोईस।
28 ओह ओ चिरईमन ला ओमन के तम्बू के चारों कोति
ओमन के डेरा के भीतर लानिस।
29 ओमन गला के आवत तक खाईन—
परमेसर ह ओमन ला ओ दीस, जेकर ओमन लालसा करिन।
30 पर येकर पहिले कि ओमन अपन लालसा करे चीज ले फिरतिन,
अऊ त अऊ जेवन ह ओमन के मुहूं म ही रिहिस,
31 कि परमेसर के कोरोध ह ओमन के बिरूध भड़किस;
ओह इसरायल के जवानमन ला काटके गिरावत
ओमन के बीच के हट्टा-कट्टा मनखेमन ला मार डारिस।

32 अतेक होय के बाद घलो ओमन पाप करते रिहिन;
ओकर अद्भूत काममन ला देखे के बाद घलो ओमन बिसवास नइं करिन।
33 एकरसेति ओह ओमन के जिनगी के दिनमन ला बेकार म
अऊ ओमन के सालमन ला आतंक म खतम कर दीस।

34 जब भी परमेसर ह ओमन के हतिया करय, ओमन ओकर खोज करंय;
ओमन उतावला होके ओकर कोति फेर लहुंटंय।
35 ओमन सुरता करंय कि परमेसर ह ओमन के चट्टान ए,
ओमन सुरता करंय कि सर्वोच्च परमेसर ह ओमन के छुड़इया ए।
36 पर तब ओमन अपन मुहूं ले ओकर चापलूसी करंय,
अऊ ओकर ले लबारी मारंय;
37 ओमन के मन ह ओकर बर ईमानदार नइं रिहिस,
ओमन ओकर करार के प्रति बिसवासयोग्य नइं रिहिन।
38 तभो ले ओह ओमन ऊपर दया करिस;
ओह ओमन के अपराध ला छेमा करिस
अऊ ओमन ला नास नइं करिस।
बार-बार ओह अपन गुस्सा ला रोकिस
अऊ अपन कोप ला पूरा नइं भड़काईस।
39 ओह सुरता रखिस कि ओमन सिरिप हाड़-मांस के मनखे अंय,
एक बहत हवा सहीं अंय, जऊन ह लहुंटके नइं आवय।

40 निरजन जगह म ओमन ओकर बिरूध कतेक बार ले बिदरोह करिन
अऊ उजाड़ जगह म ओला दुखी करिन!
41 बार-बार ओमन परमेसर ला परखिन;
ओमन इसरायल के पबितर परमेसर ला चिढ़ दिलाईन।
42 ओमन ओकर सामर्थ ला सुरता नइं करिन—
ओ दिन जब ओह ओमन ला अतियाचारी ले छोंड़ाय रिहिस,
43 ओ दिन जब ओह मिसर देस म अपन चिनहां,
सोअन के इलाका म अपन अद्भूत काम देखाईस।
44 ओह मिसरीमन के नदी के पानी ला खून म बदल दीस;
ओमन अपन पानी के सोता ले पानी नइं पी सकिन।
45 ओह ओमन ऊपर मधुमक्खीमन के झुंड पठोईस, जेमन ओमन ला खा गीन,
अऊ मेचकामन ला पठोईस, जेमन ओमन ला बरबाद कर दीन।
46 ओह ओमन के फसल ला कीरामन ला,
अऊ ओमन के ऊपज ला फांफामन ला दे दीस।
47 ओह ओमन के अंगूर के नारमन ला करा गिराके
अऊ ओमन के डूमर रूखमन ला बरफ के संग पानी गिराके नास कर दीस।
48 ओह ओमन के पालतू पसुमन ला करा गिराके,
अऊ पसु-धन ला बिजली गिराके नास कर दीस।
49 ओह ओमन के बिरूध अपन भारी गुस्सा,
अपन कोप, कोरोध अऊ बईरता देखाईस—
येमन नास करइया स्वरगदूतमन के एक दल रिहिन।
50 ओह अपन कोरोध बर एक रसता तियार करिस;
ओह ओमन ला मिरतू ले नइं बचाईस
पर ओमन ला महामारी के बस म कर दीस।
51 ओह मिसर देस के जम्मो पहिलांतमन ला मार डारिस,
जेमन हाम† के डेरामन म मरदानगी के पहिला फर रिहिन।
52 पर ओह अपन मनखेमन ला पसुमन के झुंड सहीं बाहिर निकालिस;
निरजन जगह म भेड़ के सहीं ओह ओमन के अगुवई करिस।

† **भजन-संहिता 78:51** हाम ह नूह के एक बेटा रिहिस, जेला मिसरीमन के पुरखा के रूप म जाने जाथे (उत 10:6)

53 ओह ओमन ला सुरकछित निकालिस, जेकर ले ओमन निडर रिहिन;
पर ओमन के बईरीमन समुंदर म बुड़ गीन।
54 अऊ ये किसम ले ओह ओमन ला अपन पबितर देस के सीमना,
ओ पहाड़ी देस म लानिस, जेला ओकर जेवनी हांथ ह लेय रिहिस।
55 ओह ओमन के आघू ले जाति-जाति के मनखेमन ला भगा दीस
अऊ ओमन के जमीन अपन मनखेमन ला निज भाग के रूप म दे दीस;
ओह इसरायल के गोत्रमन ला ओमन के घर म बसाईस।

56 पर ओमन परमेसर के परिछा लीन
अऊ सर्वोच्च परमेसर के बिरूध बिदरोह करिन;
ओमन ओकर कानून-बिधिमन ला नइं मानिन।
57 अपन पुरखामन के सहीं ओमन बिसवासघाती अऊ बेईमान निकलिन,
एक निकम्मा धनुस के सहीं धोखा दीन।
58 ओमन देवतामन बर ऊंच जगहमन ला बनाके ओला गुस्सा दिलाईन;
ओमन मूरतीमन ला बनाके ओमा जलन पईदा करिन।
59 जब परमेसर ह ओमन के सुनिस, त ओह बहुंत गुस्सा होईस;
ओह इसरायल ला पूरा तियाग दीस।
60 ओह सीलो सहर के ओ पबितर-तम्बू ला तियाग दीस,
जेला ओह मनखेमन के बीच खड़े करे रिहिस।
61 ओह अपन ताकत के सन्दूक ला बंधुवई म,
अऊ अपन सोभा ला बईरीमन के हांथ म दे दीस।
62 ओह अपन मनखेमन ला तलवार ले मरवा दीस;
ओह अपन निज भाग के मनखेमन ऊपर बहुंत गुस्सा होईस।
63 आगी ह ओमन के जवानमन ला भसम कर दीस,
अऊ ओमन के जवान छोकरीमन बर कोनो बिहाव के गीत गाय नइं गीस;
64 ओमन के पुरोहितमन तलवार ले मार डारे गीन,
अऊ ओमन के बिधवामन रोए नइं सकिन।

65 तब परभू ह मानो नींद ले जागिस,
जइसे कोनो योद्धा ह मंद के मूर्छा ले जागथे।
66 ओह अपन बईरीमन ला मार भगाईस;
ओह ओमन ला हमेसा बर लज्जित करिस।
67 तब ओह यूसुफ के तम्बू ला तियाग दीस,
अऊ एपरैम के गोत्र ला नइं चुनिस;
68 पर ओह यहूदा के गोत्र,
सियोन पहाड़ ला चुन लीस, जेला कि ओह मया करिस।
69 ओह अपन पबितर-स्थान ला ऊंचहा जगह सहीं बनाईस,
धरती के सहीं बनाईस, जेला ओह हमेसा बर रखिस।
70 ओह अपन सेवक दाऊद ला चुनिस
अऊ ओला भेड़मन के बाड़ा ले लेय लीस;
71 भेड़ चराय के काम ले दाऊद ला हटाके ओह ले आईस
ताकि दाऊद ह ओकर मनखे याकूब,
ओकर निज भाग इसरायल के चरवाहा बनय।
72 अऊ दाऊद ह पूरा ईमानदारी से ओमन के देखरेख करिस;
अपन कुसल हांथ ले ओह ओमन के अगुवई करिस।

भजन-संहिता 79

आसाप के एक भजन।
1 हे परमेसर, आनजातमन तोर निज भाग के ऊपर हमला कर दे हवंय;
ओमन हमर पबितर मंदिर ला असुध कर दे हवंय,
ओमन यरूसलेम ला खंडहर बना दे हवंय।
2 ओमन तोर सेवकमन के लासमन ला
अकास के चिरईमन के जेवन बर
अऊ तोर खुद के मनखेमन के मांस ला जंगली पसुमन बर छोंड़ दे हवंय।
3 ओमन यरूसलेम के चारों कोति
खून ला पानी सहीं बहाय हवंय,
अऊ मरे मनखेमन ला माटी देय बर कोनो नइं ए।
4 हमन हमर परोसीमन बर अनादर के पात्र,
अऊ हमर आसपास के मनखेमन बर तिरस्कार अऊ हंसी के पात्र बन गे हवन।

5 हे यहोवा, कब तक? का तेंह हमेसा बर कोरोध करते रहिबे?
कब तक तोर डाह ह आगी सहीं बरत रहिही?
6 ओ आनजातमन के ऊपर अपन कोप ला भड़का
जऊन मन तोला स्वीकार नइं करंय,
ओ राजमन ऊपर अपन कोप ला भड़का,
जेमन तोर नांव के गुन नइं गावंय;
7 काबरकि ओमन याकूब ला खा गे हवंय
अऊ ओकर खुद के देस ला तहस-नहस कर दे हवंय।

8 हमर पहिले के पीढ़ी के मनखेमन के पाप के लेखा हमर ले झन ले;
हमर ऊपर बिगर देरी के दया कर,
काबरकि हमन बहुंत दुरदसा म हवन।
9 हे परमेसर हमर उद्धारकर्ता,
अपन नांव के महिमा बर हमर मदद कर;
अपन नांव के हित म
हमन ला छोंड़ा अऊ हमर पाप ला छेमा कर।
10 आनजात के मनखेमन काबर कहंय,
"ओमन के परमेसर कहां हवय?"

हमर देखत म, आनजात के मनखेमन ला बता
कि तेंह अपन सेवकमन के बहे खून के बदला लेथस।
11 कैदीमन के कराहे के अवाज तोर करा हबरय;
मिरतू के सजा पाय मनखेमन ला अपन मजबूत हांथ ले संभाल।
12 हे परभू, हमर परोसीमन तोर जऊन अपमान करे हवंय,
ओकर तेंह ओमन ले सात गुना बदला ले।
13 तब हमन तोर मनखेमन, तोर चरागन के भेड़मन
हमेसा तोर परसंसा करबो;
पीढ़ी-पीढ़ी तक
हमन तोर परसंसा करबो।
*

* **भजन-संहिता 80:** इबरानी म 80:1-19 ला 8:2-20 गने गे हवय

भजन-संहिता 80

संगीत के निरदेसक बर। “करार के कुमुदिनी” के राग म आसाप के एक भजन।
1 हे इसरायल के चरवाहा, तें जऊन ह यूसुफ के अगुवई
भेड़ के झुंड के सहीं करथस, हमर बात ला सुन।
तें जऊन ह करूबमन के बीच म बिराजमान हस,
2 एपरैम, बिनयामीन अऊ मनस्से के आघू म अपन अंजोर ला चमका।
अपन ताकत ला जगा;
आ अऊ हमन ला बचा।

3 हे परमेसर, हमन ला फेर पहिले के सहीं कर दे;
अपन मुहूं के अंजोर हमर ऊपर चमका,
कि हमर उद्धार हो जावय।

4 हे यहोवा, सर्वसक्तिमान परमेसर,
तोर मनखेमन के पराथना के बिरूध
कब तक तोर गुस्सा ह सुलगत रहिही?
5 तेंह ओमन ला आंसू के रोटी खवाय हस;
तेंह ओमन ला कटोरा भर-भरके आंसू पीयाय हस।
6 तेंह हमन ला हमर परोसीमन बर हंसी† के पात्र बना दे हस,
अऊ हमर बईरीमन हमर हंसी उड़ाथें।

7 हे सर्वसक्तिमान परमेसर, हमन ला फेर पहिले सहीं कर दे;
अपन मुहूं के अंजोर हमर ऊपर चमका,
कि हमर उद्धार हो जावय।

8 तें मिसर देस ले अंगूर के एक नार लानके लगाय;
तें आनजातमन ला निकालके ओ अंगूर के नार ला लगाय।
9 येकर बर तेंह भुइयां ला तियार करय,
अऊ येह जरी पकड़िस अऊ देस म भर गीस।
10 येकर छइहां ले पहाड़मन,
अऊ येकर डारामन ले बड़े देवदारमन ढंक गीन।
11 येकर डारामन समुंदर तक बढ़ गीन,
अऊ येकर अंकुरमन नदी तक बगर गीन।

12 तेंह काबर येकर दीवार ला गिरा देय,
जेकर कारन जम्मो डहार रेंगइयामन येकर अंगूर ला टोरथें?
13 जंगली सुरामन येला नास करथें,
अऊ भुइयां के कीरामन येला खाथें।
14 हे सर्वसक्तिमान परमेसर, हमर करा लहुंट आ!
स्वरग ले निहरके देख!
ये अंगूर के नार ऊपर धियान दे,
15 ओ जरी जेला तोर जेवनी हांथ ह लगाय हवय,
ओ बेटा‡ जेला तेंह अपन बर बढ़ाय हस।

16 तोर अंगूर के नार ह कट गे हवय, येह आगी ले जर गे हवय;

---

† **भजन-संहिता 80:6** मूल इबरानी अनुवाद; मासोरेटिक म [illegible] या [illegible] ‡ **भजन-संहिता 80:15** या [illegible] ([illegible])

तोर डांट-फटकार ले तोर मनखेमन नास होथें।
17 तोर जेवनी हांथ कोति के मनखे ऊपर तोर हांथ रहय,
मनखे के ओ बेटा, जेला तेंह अपन बर बढ़ाय हस।
18 तब हमन तोर ले दूरिहा नइं जाबो;
हमन ला पहिले सहीं कर दे, अऊ हमन तोर नांव के गुन गाबो।

19 हे यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर, हमन ला फेर पहिले सहीं कर दे;
अपन मुहूं के अंजोर हमर ऊपर चमका,
कि हमर उद्धार होवय।
*

भजन-संहिता 81

संगीत के निरदेसक बर। आसाप के [illegible]† के मुताबिक।
1 परमेसर जऊन ह हमर ताकत ए, ओकर बर आनंद के गीत गावव;
याकूब के परमेसर बर चिचियाके जय-जयकार करव!
2 बाजा बजाय के सुरू करव, खंजरी बजावव,
सुरीला बीना अऊ सारंगी बजावव।

3 नवां चंदा के दिन, अऊ पून्नी के दिन,
जब हमर तिहार होथे, तब नरसिंगा फूंकव;
4 येह इसरायल बर एक बिधि,
अऊ याकूब के परमेसर के एक नियम अय।
5 जब परमेसर ह मिसर देस के बिरूध चलिस,
त ओह यूसुफ बर येला एक बिधि ठहिराईस।

मेंह एक अनजान अवाज ला ये कहत सुनेंव:

6 "मेंह ओमन के ऊपर ले बोझा ला हटा देंव;
टोकरी उठाय के काम ले ओमन ला मुक्त कर देंव।
7 तेंह संकट के बेरा पुकारय अऊ मेंह तोला बचांय,
मेंह तोला बादर के गरजन ले जबाब देंव;
मेंह मरीबा के सोता करा तोला परखेंव।
8 हे मोर मनखेमन, मोर बात ला सुनव, अऊ मेंह तुमन ला चेताहूं—
हे इसरायल, यदि तुमन सिरिप मोर सुनहू त!
9 तुमन अपन बीच म कोनो पराया देवता झन रखव;
तुमन मोला छोंड़ अऊ कोनो देवता के अराधना झन करव।
10 मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव,
जऊन ह तुमन ला मिसर देस ले निकाल लानिस।
तुमन अपन मुहूं ला पूरा खोलव अऊ मेंह ओला भर दूहूं।

11 "पर मोर मनखेमन मोर बात ला नइं सुनिन;
इसरायल ह मोर बात ला नइं मानिस।
12 एकरसेति मेंह ओमन ला ओमन के जिद्दी सुभाव म छोंड़ देंव
ताकि ओमन अपन मनमानी करंय।

* **भजन-संहिता 81:** इबरानी म 81:1-16 ला 81:2-17 गने गे हवय † **भजन-संहिता 81:** [illegible]

13 “कहूं मोर मनखेमन सिरिप मोर बात ला सुने होतिन,
कहूं इसरायल ह सिरिप मोर रसता म चले होतिस,
14 त बहुंत जल्दी मेंह ओमन के बईरीमन ला दबा दे रहितेंव
अऊ मोर हांथ ह ओमन के बिरोधीमन ऊपर चले होतिस!
15 जऊन मन यहोवा ले घिन करथें, ओमन ओकर आघू म चापलूसी करहीं,
अऊ ओमन के सजा ह हमेसा बने रहिही।
16 पर तोला सबले बने गहूं ले बने जेवन मिलही;
चट्टान के मंधरस ले मेंह तोला भरपूर खवाहूं।”

भजन-संहिता 82

आसाप के एक भजन।
1 परमेसर के सभा म परमेसर ही सभापति होथे;
ओह “देवतामन” के बीच म नियाय करथे:

2 “तुमन कब तक अनियायीमन के बचाव करते रहिहू
अऊ दुस्टमन के समरथन करत रहिहू?
3 दुरबल अऊ अनाथमन के बचाव करव;
गरीब अऊ दुखीमन के मामला के समरथन करव।
4 दुरबल अऊ जरूरतमंद के बचाव करव;
दुस्टमन के हांथ ले ओमन ला छोंड़ावव।

5 “ ‘देवतामन’ कुछू नइं जानंय, ओमन कुछू नइं समझंय।
ओमन अंधियार म चलथें-फिरथें;
धरती के जम्मो नीवमन हालत हें।

6 “मेंह कहेंव, ‘तुमन “ईस्वर” अव;
तुमन जम्मो सर्वोच्च परमेसर के बेटा अव।’
7 पर तुमन सिरिप मरनहार मनखे सहीं मरहू;
तुम्हर गिरई* ह आने सासन करइया सहीं होही।”

8 हे परमेसर, उठ, धरती के नियाय कर,
काबरकि जम्मो जाति के मनखेमन तोर भाग एं।
*

भजन-संहिता 83

एक गीत। आसाप के एक भजन।
1 हे परमेसर, तेंह चुप झन रह;
अपन कान ला बंद झन कर,
हे परमेसर, दूरिहा झन रह।
2 देख, तोर बईरीमन कइसे गुर्रावत हें,
तोर बिरोधीमन कइसे मुड़ उठावत हें।
3 चालबाजी के संग ओमन तोर मनखेमन के बिरूध सडयंत्र करथें;
ओमन ओ मनखेमन के बिरूध सडयंत्र रचथें, जेमन के बचाव तेंह करथस।
4 ओमन कहिथें, “आवव, हमन ओमन ला एक जाति के रूप म नास कर देवन,

* **भजन-संहिता 82:7** या ⍰⍰⍰⍰⍰ * **भजन-संहिता 83:** इबरानी म 83:1-18 ला 83:2-19 गने गे हवय

ताकि इसरायल के नांव ला झन सुरता करे जावय।”

5 ओमन एक संग एक मन होके सडयंत्र करथें;
ओमन तोर बिरूध म एक जुट होथें—
6 ओमन एदोम अऊ इसमायलीमन के तम्बूवाले,
मोआबी अऊ हगरी,
7 गबाली, अमोनी अऊ अमालेकी,
पलिस्ती अऊ सूर के मनखेमन संग हवंय।
8 अऊ त अऊ अस्सूरीमन लूत के संतानमन के सक्ति बढ़ाय बर
ओमन के संग मिल गे हवंय।

9 ओमन के संग वइसने कर, जइसने तेंह मिदयानीमन के संग,
अऊ कीसोन नदी म सीसरा अऊ याबीन के संग करे रहय,
10 जऊन मन एनदोर म नास हो गीन
अऊ भुइयां म गिरे गोबर सहीं हो गीन।
11 ओमन के परभावसाली मनखेमन ला ओरेब अऊ जेब सहीं,
अऊ ओमन के जम्मो राजकुमारमन ला जेबह अऊ सलमुन्ना सहीं कर दे,
12 जऊन मन कहिन, “आवव, हमन परमेसर के चरागनमन ला
अपन अधिकार म कर लेवन।”

13 हे मोर परमेसर, ओमन ला बवंडर म उड़त धुर्रा,
हवा म उड़त भूंसा सहीं कर दे।
14 जइसे आगी ह जंगल ला जलाके नास कर देथे
या एक चिनगारी ह पहाड़मन म आगी लगा देथे,
15 वइसे तेंह अपन आंधी ले ओमन के पीछा कर
अऊ अपन तूफान ले ओमन ला भयभीत कर।
16 हे यहोवा, ओमन ला अइसने सरमिंदा कर,
कि ओमन तोर नांव लेवंय।

17 ओमन हमेसा बर लज्जित अऊ भयभीत होवंय;
ओमन कलंकित होके नास हो जावंय।
18 ओमन तोला जानंय, जेकर नांव यहोवा ए—
ये घलो जानंय कि सिरिप तेंहीच ह जम्मो धरती ऊपर सर्वोच्च परमेसर अस।
*

भजन-संहिता 84

संगीत के निरदेसक बर। ??????? † के राग के मुताबिक कोरह के बेटामन के एक भजन।
1 हे सर्वसक्तिमान यहोवा,
तोर निवास ह बहुंत सुघर हे,
2 मोर जीव ह यहोवा के अंगनामन के लालसा करत
मूरछित तक हो जाथे;
मोर तन अऊ मन
जीयत परमेसर ला पुकारथे।
3 हे सर्वसक्तिमान यहोवा, मोर राजा अऊ मोर परमेसर,
तोर बेदी के लकठा म,

* **भजन-संहिता 84:** इबरानी म 84:1-12 ला 84:2-13 गने गे हवय † **भजन-संहिता 84:** ??????? ????? ?? ?? ???

अऊ त अऊ गौरइया चिरई ह बसेरा करे हवय,
अऊ अबाबील चिरई ह एक खोंधरा बनाय हवय—
कि उहां ओह अपन पीलामन ला रख सकय।
4 धइन अंय ओमन, जऊन मन तोर घर म रहिथें;
ओमन हमेसा तोर परसंसा करत रहिथें।

5 धइन अंय ओमन, जेमन ला तोर ले ताकत मिलथे,
जेमन के मन ह तीरथ-यातरा म लगे रहिथे।
6 जब ओमन बाका‡ के घाटी ले होके जाथें,
त ओमन ओला पानी के सोत के एक जगह बना देथें;
सरदकाल के बरसात के पानी घलो येकर तरियामन ला भर देथे।§
7 ओमन ताकत के ऊपर ताकत पाके तब तक आघू बढ़त रहिथें,
जब तक कि ओमा के हर एक जन सियोन म परमेसर करा नइं हबर जावय।

8 हे यहोवा, सर्वसक्तिमान परमेसर, मोर पराथना ला सुन;
हे याकूब के परमेसर, मोर बात ला सुन।
9 हे परमेसर, हमर ढाल ला देख;
अपन अभिसिक्त जन ऊपर किरपा कर।

10 तोर अंगना म के एक दिन ह
अऊ कहीं के हजार दिन ले जादा बने अय;
दुस्टमन के डेरा म रहे के बदले
मेंह मोर परमेसर के घर म दुवारपाल होवई जादा पसंद करहूं।
11 काबरकि यहोवा परमेसर ह सूरज अऊ ढाल ए;
यहोवा अनुग्रह अऊ सम्मान देथे;
जऊन मन निरदोस बने रहिथें, ओमन ले
ओह बने चीजमन ला अलग नइं रखय।

12 हे सर्वसक्तिमान यहोवा,
धइन अय ओ मनखे, जऊन ह तोर ऊपर भरोसा रखथे।
*

भजन-संहिता 85

संगीत के निरदेसक बर। कोरह के बेटामन के एक भजन।
1 हे यहोवा, तेंह अपन देस ऊपर दया देखाय हस;
तेंह याकूब के दिनमन ला पहिले सहीं बने कर दे हस।
2 तेंह अपन मनखेमन के अपराध ला छेमा करे हस
अऊ ओमन के पाप ला ढांप दे हस।
3 तेंह अपन जम्मो कोप ला एक तरफ रख दे हस
अऊ अपन भयंकर कोरोध ला छोंड़ दे हस।

4 हे परमेसर हमर उद्धारकर्ता, हमन ला फेर पहिले सहीं कर दे,
अऊ हमर बर तोर नराजगी ला हटा ले।
5 का तेंह सदाकाल बर हमर ऊपर गुस्सा करबे?
का तेंह अपन गुस्सा ला जम्मो पीढ़ी तक बनाय रखबे?

‡ **भजन-संहिता 84:6** [illegible] याने कि [illegible] या [illegible] § **भजन-संहिता 84:6** या [illegible] * **भजन-संहिता 85:** इबरानी म 85:1-13 ला 85:2-14 गने गे हवय

6 का तेंह हमन ला फेर पुनरजीवित नइं करबे,
कि तोर मनखेमन तोर म आनंद मनावंय?
7 हे यहोवा, हमन ला अपन सदा दिन के मया ला देखा,
अऊ हमन ला अपन उद्धार दे।

8 परमेसर यहोवा ह जऊन कुछू कहिथे, ओला मेंह सुनहूं;
ओह अपन मनखे, अपन बिसवासयोग्य सेवकमन ला सांति देय के वायदा करथे—
पर ओमन फेर मुरूखता झन करंय।
9 खचित ओकर उद्धार ह ओमन के लकठा म हवय, जऊन मन ओकर भय मानथें,
कि ओकर महिमा ह हमर देस म रहय।

10 मया अऊ ईमानदारी एक संग जूर जाथें;
धरमीपन अऊ सांति एक-दूसर ला चूमथें।
11 ईमानदारी ह धरती ले निकलथे,
अऊ धरमीपन ह स्वरग ले खाल्हे देखथे।
12 यहोवा ह वास्तव म ओ चीज ला दीही, जऊन ह बने अय,
अऊ हमर भुइयां ह येकर फसल दीही।
13 धरमीपन ह ओकर आघू-आघू चलथे
अऊ ओकर चले बर रसता तियार करथे।

भजन-संहिता 86

दाऊद के एक पराथना।
1 हे यहोवा, मोर बिनती ला सुन अऊ मोला जबाब दे,
काबरकि मेंह गरीब अऊ जरूरतमंद अंव।
2 मोर परान के रकछा कर, काबरकि मेंह तोर बर बिसवासयोग्य हंव;
अपन सेवक के उद्धार कर, जऊन ह कि तोर ऊपर भरोसा रखथे।
तेंह मोर परमेसर अस;
3 हे परभू, मोर ऊपर दया कर,
काबरकि मेंह दिन भर तोला पुकारथंव।
4 हे परभू, अपन सेवक ला आनंदित कर,
काबरकि मेंह तोर ऊपर भरोसा रखथंव।

5 हे परभू, तें छेमा करइया अऊ बने अस,
जऊन मन तोर नांव लेथें, ओ जम्मो ला तेंह बहुंत मया करथस।
6 हे यहोवा, मोर पराथना ला सुन;
मोर बात ला सुनके मोर ऊपर दया कर।
7 जब मेंह संकट म रहिथंव, त मेंह तोला पुकारथंव,
काबरकि तेंह मोला जबाब देथस।

8 हे परभू, देवतामन म तोर सहीं कोनो नइं एं;
कोनो भी काम के तुलना तोर काम से करे नइं जा सकय।
9 हे परभू, ओ जम्मो जाति के मनखे जेमन ला तेंह बनाय हस,
ओमन आहीं अऊ तोर आघू म अराधना करहीं;
ओमन तोर नांव के महिमा करहीं।
10 काबरकि तेंह महान अस अऊ अद्भूत काम करथस;
सिरिप तेंह परमेसर अस।

11 हे यहोवा, अपन रसता मोला देखा,
ताकि मेंह तोर बिसवासयोग्यता ऊपर भरोसा करंव;
मोला न भटकनेवाला मन दे,
ताकि मेंह तोर नांव के भय मानंव।
12 हे परभू मोर परमेसर, मेंह अपन पूरा मन से तोर परसंसा करहूं;
मेंह तोर नांव के महिमा हमेसा करहूं।
13 काबरकि तेंह मोला अब्बड़ मया करथस;
तेंह मोला गहरई ले,
मिरतू-लोक ले बचाय हस।

14 हे परमेसर, घमंडी बिरोधीमन मोर ऊपर हमला करत हें;
निरदयी मनखेमन मोला मार डारे के कोसिस करत हें—
ओमन के मन म तोर बर कोनो आदर नइं ए।
15 पर हे परभू, तेंह दयालु अऊ अनुग्रहकारी परमेसर अस,
देरी से कोप करइया अस, अऊ बहुंत मया अऊ बिसवासयोग्यता ले भरे हस।
16 मोर कोति देख अऊ मोर ऊपर दया कर;
अपन सेवक कोति ले अपन ताकत ला देखा;
मोर उद्धार कर, काबरकि मेंह तोर सेवा करथंव
जइसे कि मोर दाई घलो करिस।
17 अपन भलई के कोनो चिनहां देखा,
ताकि मोर बईरीमन ओला देखें अऊ सरमिंदा होवंय,
काबरकि हे यहोवा, तेंह मोर मदद करे हस अऊ मोला सांति दे हस।

भजन-संहिता 87

कोरह के बेटामन के एक भजन। एक गीत।
1 ओह पबितर पहाड़ म अपन सहर के नींव डारे हवय।
2 यहोवा ह सियोन के दुवारमन ला
याकूब के आने जम्मो निवासमन ले जादा मया करथे।

3 हे परमेसर के सहर,
तोर बारे म महिमामय बात कहे जाथे:
4 "जऊन मन मोला मानथें, ओमन के बीच
मेंह राहाब* अऊ बेबिलोन के बात ला लिखहूं—
पलिस्ती, अऊ सूर के संग कूस† के बात ला घलो लिखहूं—
अऊ मेंह कहिहूं, 'येह सियोन म जनमे रिहिस।' "
5 वास्तव म, सियोन के बारे म ये कहे जाही,
"येह अऊ ओह ओमा जनमे रिहिन,
अऊ सर्वोच्च परमेसर ह खुद ओला स्थापित करही।"
6 यहोवा ह मनखेमन के लेखा म लिखही:
"येह सियोन म जनमे रिहिस।"

7 बाजा बजाके ओमन गाहीं,
"मोर पानी के जम्मो सोतामन तोर म ले निकलथें।"
*

* **भजन-संहिता 87:4** कविता के भासा म मिसर के नांव † **भजन-संहिता 87:4** नील के ऊपरी इलाका * **भजन-संहिता 88:** इबरानी म 88:1-18 ला 88:2-19 गने गे हवय

भजन-संहिता 88

एक गीत। कोरह के बेटामन के एक भजन। संगीत के निरदेसक बर। [illegible]† के मुताबिक। एजरा के बंस के हेमान के एक [illegible]‡।

1 हे यहोवा, तेंह ओ परमेसर अस, जऊन ह मोर उद्धार करथे;
रात अऊ दिन मेंह तोला पुकारथंव।
2 मोर पराथना ह तोर करा हबरे;
मोर पुकार कोति अपन कान ला लगा।

3 मेंह बहुंत समस्या म पड़े हंव
अऊ मोर परान ह मिरतू के लकठा म हवय।
4 मोर गनती ओमन म होवथे, जऊन मन कबर म जावथें;
मेंह एक निरबल मनखे सहीं हो गे हवंव।
5 मोला मरे मनखेमन के संग अलग रखे जावथे,
जइसे कि मारे गय मनखेमन कबर म पड़े रहिथें,
जेमन ला तेंह फेर सुरता नइं करस,
जेमन के तेंह देखरेख नइं करस।

6 तेंह मोला सबले खाल्हे के खंचवा,
सबले जादा अंधियार वाले गहरई म रखे हस।
7 तोर कोप ह मोर ऊपर बहुंत भड़के हवय;
तेंह मोला अपन जम्मो लहरामन ले बियाकुल कर दे हस।
8 तेंह मोर सबले घनिस्ट संगीमन ला मोर ले दूरिहा कर दे हस
अऊ ओमन बर मोला घिनौना बना दे हस।
मेंह कैद हो गे हंव अऊ भाग नइं सकंव;
9 मोर आंखीमन दुख के मारे धुंधला गे हवंय।

हे यहोवा, मेंह तोला हर दिन पुकारथंव;
मेंह तोर कोति अपन हांथ पसारथंव।
10 का मरे मनखेमन ला तेंह अपन अद्भूत काम देखाथस?
का ओमन मरे म ले फेर जी जाथें अऊ तोर परसंसा करथें?
11 का कबर म तोर मया के,
अऊ बिनास म तोर बिसवासयोग्यता के घोसना करे जाथे?
12 का तोर अद्भूत काम अंधियार के जगह,
या तोर धरमी काम अपमान के जगह म जाने जाथे?

13 पर हे यहोवा, मेंह तोला मदद बर पुकारथंव;
बिहनियां मोर पराथना ह तोर करा हबरथे।
14 हे यहोवा, तेंह काबर मोला छोंड़ देथस
अऊ काबर अपन मुहूं ला मोर ले छुपा लेथस?

15 मेंह अपन जवानी के समय ले दुख भोगे हंव अऊ मिरतू के लकठा म रहे हंव;
मेंह तोर आतंक ला सहे हंव अऊ मेंह निरास हंव।
16 तोर कोप ह मोर ऊपर छा गे हवय;
तोर आतंक ह मोला नास कर दे हवय।

---

† **भजन-संहिता 88:** [illegible], "[illegible]" ‡ **भजन-संहिता 88:** [illegible]

17 दिन भर ओमन बाढ़ के पानी सहीं मोर चारों कोति रहिथें;
ओमन पूरा-पूरा मोला अपन म समा ले हवंय।
18 तेंह मोर ले मोर संगी अऊ परोसीमन ला लेय ले हस—
अंधियार ह मोर सबले नजदीकी संगी अय।
*

भजन-संहिता 89

एजरा के बंस के एतान के एक ?????†।
1 मेंह यहोवा के बड़े मया के हमेसा गीत गाहूं;
मेंह पीढ़ी-पीढ़ी तक तोर बिसवासयोग्यता के बखान
अपन मुहूं ले करहूं।
2 मेंह घोसना करहूं कि तोर मया ह हमेसा अटल बने रहिथे,
तेंह स्वरग म अपन बिसवासयोग्यता ला इस्थिर करे हस।
3 तेंह कहय, "मेंह अपन चुने जन के संग एक करार करे हंव,
मेंह अपन सेवक दाऊद ले कसम खाय हंव,
4 'मेंह तोर बंस ला हमेसा बर स्थापित करहूं
अऊ पीढ़ी-पीढ़ी तक तोर सिंघासन ला अटल बनाय रखहूं।' "

5 हे यहोवा, स्वरग म तोर अद्भूत काम के,
अऊ पबितर मनखेमन के सभा म तोर बिसवासयोग्यता के परसंसा होथे।
6 काबरकि ऊपर अकास-मंडल म कोन हवय, जेकर तुलना यहोवा ले करे जा सकथे?
स्वरगीय जीवमन के बीच म यहोवा के सहीं कोन हवय?
7 पबितर मनखेमन के परिसद म परमेसर के बहुंत भय माने जाथे;
ओह अपन चारों कोति रहइया जम्मो झन ले जादा अद्भूत ए।
8 हे यहोवा, सर्वसक्तिमान परमेसर, तोर सहीं कोन हवय?
हे यहोवा, तेंह सक्तिसाली अस, अऊ तोर बिसवासयोग्यता तोर चारों कोति रहिथे।

9 उमड़त समुंदर ऊपर तेंह सासन करथस;
जब येकर लहरामन उठथें, त तेंह ओमन ला सांत करथस।
10 तेंह राहाब‡ ला मारे गय मनखे सहीं कुचर डारय;
अपन सक्तिसाली हांथ ले तेंह बईरीमन ला तितिर-बितिर कर दे हस।
11 स्वरगमन तोर अंय, अऊ धरती घलो तोर अय;
संसार अऊ येमा के जम्मो चीज के नीव तेंह रखे हस।
12 उत्तर अऊ दक्खिन ला तेंह बनाय हस;
ताबोर अऊ हेरमोन पहाड़ तोर नांव के आनंद के गीत गाथें।
13 तोर बाहां म सक्ति हवय;
तोर हांथ ह मजबूत हवय, तोर जेवनी हांथ परबल हे।

14 धरमीपन अऊ नियाय तोर सिंघासन के नीव अंय;
मया अऊ बिसवासयोग्यता तोर आघू-आघू चलथें।
15 हे यहोवा, धइन अंय ओमन, जऊन मन तोर जय-जयकार करई सीख गे हवंय,
जऊन मन तोर उपस्थिति के अंजोर म चलथें।
16 ओमन दिन भर तोर नांव म आनंद मनाथें;
ओमन तोर धरमीपन के आनंद मनाथें।

---

* **भजन-संहिता 89:** इबरानी म 89:1-52 ला 89: 2-53 गने गे हवय † **भजन-संहिता 89:** ?????? ????? ?? ?? ??? ‡ **भजन-संहिता 89:10** देखव अयू 9:13; 26:12; यसा 51:9

17 काबरकि तेंह ओमन के महिमा अऊ बल अस,
अऊ अपन खुसी ले हमर सींग§ ला ऊपर उठाथस।
18 वास्तव म, हमर ढाल ह यहोवा के अय,
हमर राजा ह इसरायल के पबितर परमेसर के अय।

19 एक बार तें एक दरसन म गोठियाय,
अपन बिसवासयोग्य मनखेमन ला तेंह कहय:
"मेंह एक योद्धा ला बल दे हवंव;
मेंह मनखेमन के बीच ले एक जवान ला खड़े करे हवंव।
20 मोला मोर सेवक दाऊद मिल गे हवय;
अपन पबितर तेल ले मेंह ओकर अभिसेक करे हवंव।
21 मोर हांथ ह ओला बनाय रखही;
खचित मोर बाहां ह ओला बलवान बनाही।
22 बईरी ह ओला तंग नइं कर सकही;
दुस्ट ह ओला दुख नइं देय सकही।
23 मेंह ओकर बिरोधीमन ला ओकर आघू म कुचर दूहूं
अऊ ओकर बईरीमन ला मार डारहूं।
24 मोर न टूटनेवाला मया ओकर संग रहिही,
अऊ मोर नांव के जरिये ओकर सींग ह ऊपर होही।
25 मेंह समुंदर के ऊपर ओकर हांथ,
अऊ नदीमन के ऊपर ओकर जेवनी हांथ ला रखहूं।
26 ओह मोला पुकारके कहिही, 'तेंह मोर ददा,
मोर परमेसर, मोर उद्धारकर्ता चट्टान अस।'
27 मेंह ओला मोर पहिलांत होय बर ठहिराहूं,
ओह धरती के राजामन म सबले ऊपर होही।
28 मेंह अपन मया ओकर ऊपर हमेसा बनाय रखहूं,
अऊ ओकर संग मोर करार ह कभू नइं टूटही।
29 मेंह ओकर बंस ला हमेसा बर स्थापित करहूं,
अऊ जब तक स्वरग हवय, तब तक ओकर सिंघासन बने रहिही।

30 "कहूं ओकर बेटामन मोर कानून ला तियाग देथें
अऊ मोर बिधि-बिधान म नइं चलंय,
31 कहूं ओमन मोर नियम ला टोरथें,
अऊ मोर हुकूममन ला नइं मानंय,
32 त मेंह ओमन के पाप के दंड सोंटी ले,
अऊ ओमन के दुस्टता के दंड कोर्रा ले दूहूं;
33 पर मेंह अपन मया ला ओकर ऊपर ले नइं हटाहूं,
अऊ न ही कभू मेंह अपन बिसवासयोग्यता ला छोंड़हूं।
34 मेंह अपन करार ला नइं टोरहूं
या अपन कहे बात ला नइं बदलहूं।
35 जम्मो के सेति एक बार, मेंह अपन पबितरता के सपथ खाय हंव—
अऊ मेंह दाऊद ले लबारी नइं मारंव—

§ **भजन-संहिता 89:17** ह इहां बल के प्रतीक ए

36 कि ओकर बंस हमेसा चलते रहिही
अऊ ओकर सिंघासन ह सूरज के सहीं मोर आघू म बने रहिही;
37 येला अकास म बिसवासयोग्य गवाह के रूप म
चंदा के सहीं हमेसा बर स्थापित करे जाही।”

38 पर तेंह छोंड़ दे हस, तेंह तिरस्कार करे हस,
अपन अभिसिक्त जन ऊपर तेंह बहुंत गुस्सा करे हस।
39 तेंह अपन सेवक के संग करे करार ला तियाग दे हस
अऊ ओकर मुकुट ला धुर्रा म असुध कर दे हस।
40 तेंह ओकर जम्मो दीवार* ला गिरा दे हस
अऊ ओकर गढ़मन ला खंडहर बना दे हस।
41 ओ जम्मो, जऊन मन उहां ले होके जाथें, ओमन ओला लूट ले हवंय;
ओह अपन परोसीमन बर अपमान के चीज बन गे हवय।
42 तेंह ओकर बईरीमन के जेवनी हांथ ला उठाय हस;
तेंह ओकर जम्मो बईरीमन ला आनंदित करे हस।
43 वास्तव म, तेंह ओकर तलवार के धार ला मोड़ दे हस
अऊ ओकर लड़ई म ओकर मदद नइं करे हस।
44 तेंह ओकर सोभा के अन्त कर दे हस
अऊ ओकर सिंघासन ला भुइयां म गिरा दे हस।
45 तेंह ओकर जवानी के दिन ला कम कर दे हस;
तेंह ओला लज्जा के ओढ़नी ले ढांप दे हस।

46 हे यहोवा, कब तक? का तेंह हमेसा बर अपनआप ला छिपा लेबे?
तोर कोप ह कब तक आगी सहीं बरत रहिही?
47 सुरता कर, मोर जिनगी ह कतेक चंचल ए।
का बेकार म तेंह जम्मो मानव-जाति ला सिरजे हस!
48 अइसने कोन हे, जऊन ह जीयथे अऊ मिरतू ला नइं देखही,
या कोन ह कबर के सक्ति ले बच सकथे?
49 हे परभू, तोर पहिले के ओ बड़े मया कहां हवय,
जेकर संग अपन बिसवासयोग्यता म, तेंह दाऊद ले सपथ खाय रहय?
50 हे परभू, सुरता कर, तोर सेवक के कइसे हंसी उड़ाय गे हवय,
मेंह कइसे जम्मो आनजातमन के ताना ला अपन मन म सहत हंव,
51 हे यहोवा, ओ ताना जेकर दुवारा तोर बईरीमन हंसी उड़ाय हवंय,
जेकर दुवारा ओमन तोर अभिसिक्त जन के हर कदम म हंसी उड़ाय हवंय।

52 यहोवा के परसंसा सदा-सर्वदा होवत रहय!
आमीन अऊ आमीन।

किताब IV

90

[illegible] 90–106

परमेसर के जन मूसा के एक पराथना।
1 हे परभू, पीढ़ी-पीढ़ी ले
तेंह हमर निवास स्थान बने हस।
2 येकर पहिले कि पहाड़मन बनिन

* **भजन-संहिता 89:40** या *[illegible]*

या तेंह जम्मो संसार के रचना करय,
अनादि ले अनंतकाल तक तेंहीच ह परमेसर अस।

3 तेंह मनखेमन ला ये कहिके वापिस धुर्रा म मिला देथस,
"हे मरनहार मनखेमन, धुर्रा म लहुंट जावव।"
4 तोर नजर म हजार साल ह अइसन ए
जइसन कि एक दिन, जऊन ह अभी-अभी बीते हवय,
या रथिया के एक पहर।
5 तभो ले तेंह मनखेमन ला मिरतू के नींद म बहा ले जाथस—
ओमन बिहनियां के नवां कांदी सहीं अंय:
6 जऊन ह बिहनियां निकलथे,
पर सांझ के येह सूखके मुरझा जाथे।

7 हमन ला तोर गुस्सा ह खा जाथे
अऊ तोर कोरोध ह हमन ला भयभीत करथे।
8 तेंह हमर दुस्टता ला अपन आघू म,
अऊ हमर गुपत म करे पाप ला अपन अंजोर म रखे हस।
9 हमर जिनगी के जम्मो दिनमन तोर कोप सहत बीत जाथें;
हमर सालमन बिलाप करत बीतथें।
10 यदि हमर देहें म बल हवय,
त हमन सत्तर या अस्सी साल जीथन;
तभो ले हमन जादा समय समस्या अऊ दुख म पड़े रहिथन,
काबरकि ये समय ह जल्दी बीत जाथे, अऊ हमन खतम हो जाथन।
11 कहूं हमन सिरिप तोर कोरोध के सक्ति ला जानतेंन!
तोर कोप ह ओ भय के सहीं बड़े अय, जऊन ह मनखेमन के मन म तोर बर होथे।
12 हमर दिनमन ला हमन ला गने बर सिखा,
कि हमन बुद्धिमान हो जावन।

13 हे यहोवा, नरम हो जा! येह कब तक होही?
अपन सेवकमन ऊपर दया कर।
14 बिहनियां के बेरा, अपन बड़े मया ले हमन ला संतोस कर,
कि हमन जिनगी भर आनंद अऊ खुसी के गीत गावन।
15 जतेक दिन तक तेंह हमन ला दुख दे हस,
जतेक साल तक हमन समस्या म पड़े रहेंन, ओतेक समय तक हमन ला खुसी दे।
16 तोर काममन तोर सेवकमन ला,
अऊ तोर सोभा ह ओमन के लइकामन ऊपर दिखय।

17 परभू हमर परमेसर के अनुग्रह* हमर ऊपर बने रहय;
हमर बर हमर हांथ के काम ला बनाय रख—
हव, हमर हांथ के काम ला बनाय रख।

भजन-संहिता 91

1 जऊन ह सर्वोच्च परमेसर के सरन म रहिही,
ओह सर्वसक्तिमान के छइहां म अराम करही।
2 मेंह यहोवा के बारे म कहिहूं, "ओह मोर सरन-स्थान अऊ मोर गढ़ अय।

* **भजन-संहिता 90:17** या ⍰⍰⍰⍰⍰

मोर परमेसर, जेकर ऊपर मेंह भरोसा करथंव।”

3 खचित ओह तोला
चिड़ीमार के फंदा
अऊ घातक महामारी ले बचाही।
4 ओह अपन पांखी के खाल्हे म तोला ढांप लीही,
अऊ ओकर डेनामन के खाल्हे म तोला सरन मिलही;
ओकर बिसवासयोग्यता ह तोर ढाल अऊ झिलम होही।
5 रथिया के आतंक ले तोला डर नइं होही,
न ही ओ तीर ले डरबे, जेला दिनमान छोंड़े जाथे,
6 न ही ओ महामारी ले, जऊन ह छिपके पीछा करथे,
न ही ओ महारोग ले, जऊन ह दिन-दुपहरी म नास करथे।
7 तोर बाजू म एक हजार,
अऊ जेवनी हांथ कोति दस हजार गिर सकथें,
पर येह तोर लकठा म नइं आही।
8 तेंह अपन आंखी ले सिरिप देखत रहिबे
अऊ दुस्टमन के दंड ला देखबे।

9 कहूं तेंह कहिथस, “यहोवा ह मोर सरन-स्थान ए,”
अऊ तेंह सर्वोच्च परमेसर ला अपन निवास बनाथस,
10 त तोला कोनो हानि नइं होही,
अऊ तोर डेरा के लकठा म कोनो बिपत्ति नइं आही।
11 काबरकि ओह तोर बारे म अपन स्वरगदूतमन ला हुकूम दीही
कि ओमन हर काम म तोर रकछा करंय;
12 ओमन तोला अपन हांथ म उठा लीहीं,
ताकि तोर गोड़ म पथरा ले चोट झन लगय।
13 तेंह सिंह अऊ नाग सांप ला गोड़ ले कुचरबे;
तेंह बड़े सिंह अऊ बड़े सांप ला कुचरबे।

14 यहोवा ह कहिथे, “काबरकि ओह* मोर ले मया करथे, मेंह ओला छोंड़ाहूं;
मेंह ओला बचाहूं, काबरकि ओह मोर नांव ला मानथे।
15 ओह मोला पुकारही, अऊ मेंह ओला जबाब दूहूं;
संकट के बेरा म मेंह ओकर संग रहिहूं,
मेंह ओला छोंड़ाहूं अऊ ओला आदर दूहूं।
16 बहुंत उमर देके ओकर मन ला मेंह संतोस करहूं
अऊ ओला अपन उद्धार के दरसन कराहूं।”
*

भजन-संहिता 92

एक भजन। बिसराम दिन बर एक गीत।
1 यहोवा के परसंसा करई
अऊ हे सर्वोच्च परमेसर, तोर नांव म बाजा बजई बने बात ए,
2 बिहनियां तोर मया
अऊ रथिया तोर बिसवासयोग्यता के घोसना करई,

* **भजन-संहिता 91:14** संभवत: राजा * **भजन-संहिता 92:** इबरानी म 92:1-15 ला 92:2-16 गने गे हवय

3 दस तारवाला बाजा
अऊ बीना के सुघर राग बजई बने बात ए।

4 काबरकि हे यहोवा, तेंह अपन काम के दुवारा मोला खुस कर देथस;
तोर करे गय काम के कारन मेंह आनंद के गीत गाथंव।
5 हे यहोवा, तोर काममन कतेक बड़े हवंय,
तोर बिचारमन कतेक गंभीर हवंय!
6 अगियानी मनखे येला नइं जानंय,
मुरूखमन येला नइं समझंय,
7 हालाकि दुस्ट मनखे कांदी के सहीं निकलथें
अऊ जम्मो दुस्ट काम करइयामन उन्नति करथें,
पर ओमन हमेसा बर नास हो जाहीं।

8 पर हे यहोवा, तोर सदा-सर्वदा बड़ई होथे।

9 काबरकि हे यहोवा, खचित तोर बईरीमन,
खचित तोर बईरीमन नास हो जाहीं;
जम्मो दुस्ट काम करइयामन तितिर-बितिर हो जाहीं।
10 तेंह मोर सींग† ला जंगली सांड़ के सहीं ऊंच करे हस;
सुघर तेल ह मोर ऊपर रितोय गे हवय।
11 मोर आंखी ह मोर बईरीमन के पराजय ला देखे हवय,
मोर कान ह मोर दुस्ट बईरीमन के कोलाहल ला सुने हवय।

12 धरमी मनखे ह खजूर के रूख सहीं फूलही-फरही,
ओमन लबानोन के देवदार सहीं बढ़हीं;
13 यहोवा के घर म रोपे जाके,
ओमन हमर परमेसर के अंगना म फूलहीं-फरहीं।
14 ओमन बहुंत उमर होय के बाद घलो फर दीहीं,
ओमन तरो-ताजा अऊ हरियर रहिहीं,
15 अऊ ये घोसना करहीं, "यहोवा ह नियायी अय;
ओह मोर चट्टान ए, अऊ ओमा कोनो दुस्टता नइं ए।"

भजन-संहिता 93

1 यहोवा ह राज करथे, ओह वैभव के कपड़ा पहिरे हवय;
यहोवा ह वैभव के कपड़ा पहिरे हवय अऊ ताकत ले भरे हवय;
वास्तव म, संसार ला इस्थिर अऊ सुरकछित बनाय गे हवय।
2 तोर सिंघासन ला अनादिकाल ले स्थापित करे गीस;
तेंह अनंतकाल ले हस।

3 हे यहोवा, समुंदर के पानी उठे हवय,
समुंदर के अवाज ह उठे हवय,
समुंदर के भयंकर लहरामन उठे हवंय।
4 पानी के बड़े लहरामन के गरजन ले घलो सक्तिसाली,
समुंदर के बड़े लहरामन ले घलो सक्तिसाली—
ऊंचहा जगह म बिराजमान यहोवा ह सक्तिसाली ए।

† **भजन-संहिता 92:10** ह इहां ताकत के प्रतीक अय

5 हे यहोवा, तोर बिधिमन इस्थिर बने रहिथें,
पबितरता ह तोर घर ला
जुग-जुग तक सजाय रहिथे।

भजन-संहिता 94

1 यहोवा ह बदला लेवइया परमेसर ए।
हे बदला लेवइया परमेसर, अपन चमक ला देखा।
2 हे धरती के नियाय करइया, उठ;
घमंडीमन ले ओमन के काम के मुताबिक बदला ले।
3 हे यहोवा, दुस्टमन कब तक,
ओमन कब तक आनंद मनात रहिहीं?

4 ओमन हमेसा घमंड के बात करत रहिथें;
दुस्ट काम करइया जम्मो झन घमंड ले भरे हवंय।
5 हे यहोवा, ओमन तोर मनखेमन ला कुचरथें;
ओमन तोर निज भाग के मनखेमन ला सतात हवंय।
6 ओमन बिधवा अऊ परदेसी ला मार डारथें;
ओमन अनाथमन ला मार डारथें।
7 ओमन कहिथें, "यहोवा ह नइं देखय;
याकूब के परमेसर ह धियान नइं देवय।"

8 हे मनखेमन के बीच निरबुद्धि मनखेमन, तुमन धियान देवव;
हे मुरूख मनखेमन, तुमन कब बुद्धिमान बनहू?
9 जऊन ह कान ला बनाईस, का ओह खुद नइं सुनय?
जऊन ह आंखी ला बनाईस, का ओह खुद नइं देखय?
10 जऊन ह जाति-जाति के मनखेमन के ताड़ना करथे, का ओह दंड नइं देवय?
जऊन ह मानव-जाति ला सिखाथे, का ओकर करा गियान के कमी हवय?
11 यहोवा ह मनखेमन के जम्मो योजना ला जानथे;
ओह जानथे कि ओमन बेकार अंय।

12 हे यहोवा, धइन अय ओ, जेकर तेंह ताड़ना करथस,
जेला तेंह अपन कानून के बात सिखाथस;
13 समस्या के समय म तेंह ओमन ला तब तक मदद करत रहिथस,
जब तक कि दुस्टमन बर खंचवा नइं कोड़े जावय।
14 काबरकि यहोवा ह अपन मनखेमन ला नइं तियागही;
ओह अपन निज भाग ला कभू नइं छोंड़ही।
15 नियाय फेर धरमीपन के आधार म करे जाही,
अऊ हिरदय के जम्मो सीधवा मनखेमन येकर पाछू चलहीं।

16 दुस्टमन के बिरोध म, मोर बर कोन ठाढ़ होही?
दुस्ट काम करइयामन के बिरोध म, मोर कोति कोन होही?
17 यदि यहोवा ह मोर मदद नइं करे होतिस,
त मेंह बहुंत जल्दी मिरतू के अधीन म रहितेंव।
18 जब मेंह कहेंव, "मोर गोड़ ह फिसलत हे,"
त हे यहोवा, तोर अटूट मया ह मोला संभालिस।
19 जब भीतरे-भीतर मेंह बहुंत बियाकुल रहेंव,

त तोर ढाढ़स ह मोला आनंदित करिस।

20 का कोनो दुस्ट सासक ह तोर संग संधि कर सकथे—
एक अइसने सासक, जऊन ह अपन कानून के दुवारा दुख लानथे?
21 दुस्टमन धरमी जन के बिरूध एक संग जूरथें
अऊ निरदोस ला मिरतू-दंड देथें।
22 पर यहोवा ह मोर गढ़ बन गे हवय,
अऊ ओह मोर परमेसर, मोर चट्टान ए, जेमा मेंह सरन लेथंव।
23 ओह ओमन ले ओमन के पाप के बदला लीही
अऊ ओमन के दुस्टता बर ओमन ला नास कर दीही;
यहोवा हमर परमेसर ह ओमन ला नास करही।

भजन-संहिता 95

1 आवव, हमन यहोवा बर आनंद के गीत गावन;
हमन हमर उद्धार के चट्टान बर जोर से चिचियावन।
2 हमन ओकर आघू म धनबाद के संग आवन
अऊ बाजा बजाके अऊ गीत गाके ओकर बहुंत परसंसा करन।

3 काबरकि यहोवा ह महान परमेसर ए,
जम्मो देवतामन ऊपर महान राजा ए।
4 ओकर हांथ म धरती के गहरई हवय,
अऊ पहाड़ के चोटीमन ओकर अंय।
5 समुंदर ह ओकर अय, काबरकि ओह येला बनाय हवय,
अऊ ओकर हांथमन सूखा भुइयां ला रचे हवंय।

6 आवव, हमन मुड़ नवाके अराधना करन,
हमन यहोवा हमर सिरजनहार के आघू म माड़ी टेकन;
7 काबरकि ओह हमर परमेसर ए
अऊ हमन ओकर चरागन के मनखे अन,
अऊ ओकर देखरेख म रहइया एक झुंड अन।

यदि आज तुमन सिरिप ओकर ये अवाज ला सुनत हव,
8 "त अपन हिरदय ला कठोर झन करव, जइसे तुम्हर पुरखामन मरीबा* म करे रिहिन,
जइसे कि तुमन ओ दिन सुन्ना जगह के मस्सा† म करे रहेव,‡
9 जिहां ओमन मोला परखिन;
ओमन मोला जांचिन, हालाकि ओमन मोर काममन ला देखे रिहिन।
10 चालीस साल तक मेंह ओ पीढ़ी के मनखेमन ले नराज रहेंव;
मेंह कहेंव, 'येमन अइसे मनखे अंय, जेमन के मन ह एती-ओती होथे,
अऊ ओमन मोर रसता ला नइं जानंय।'
11 एकरसेति मेंह कोरोध म कसम खाके कहेंव,
'ओमन ओ ठऊर§ म कभू नइं जा सकहीं, जिहां मेंह ओमन ला अराम देवइया रहेंव।' "

---

* **भजन-संहिता 95:8** ?????? के मतलब होथे ?????? † **भजन-संहिता 95:8** ?????? के मतलब होथे ????? ‡ **भजन-संहिता 95:8** देखव निर 17:1-7; गन 20:1-13; ब्यव 6:16; 33:8 § **भजन-संहिता 95:11** परतिगियां के देस, कनान देस

भजन-संहिता 96

1 यहोवा बर एक नवां गीत गावव;
हे धरती के जम्मो मनखेमन, यहोवा बर गावव।
2 यहोवा बर गावव, ओकर नांव के परसंसा करव;
ओकर उद्धार के सुसमाचार हर दिन सुनात रहव।
3 जाति-जाति के मनखेमन के बीच म ओकर महिमा के,
अऊ जम्मो मनखेमन के बीच म ओकर अद्भूत काम के बखान करव।

4 काबरकि यहोवा ह महान अऊ अति परसंसा के योग्य अय;
ओह जम्मो देवतामन ले जादा भय के योग्य अय।
5 काबरकि जाति-जाति के जम्मो देवतामन सिरिप मूरती अंय,
पर यहोवा ह स्वरग ला बनाईस।
6 सोभा अऊ वैभव ओकर आघू म हवय;
ताकत अऊ महिमा ओकर पबितर-स्थान म हवय।

7 हे जाति-जाति के जम्मो परिवारमन, यहोवा के बखान करव,
यहोवा के महिमा अऊ बल के बखान करव।
8 यहोवा के नांव के मुताबिक ओकर बखान करव;
भेंट लेके ओकर अंगना म आवव।
9 पबितरता ले सोभायमान होके यहोवा के अराधना करव;
हे धरती के जम्मो मनखेमन, ओकर आघू म कांपव।
10 जाति-जाति के मनखेमन के बीच म कहव, "यहोवा ह सासन करथे।"
संसार ला मजबूती से स्थापित करे गे हवय, येला हटाय नइं जा सकय;
ओह समान रूप से मनखेमन के नियाय करही।

11 अकास ह आनंद मनावय, धरती ह खुस होवय;
समुंदर अऊ ओमा के जम्मो चीजमन गरजंय।
12 भुइयां अऊ ओमा के हर एक चीज बहुंत आनंदित होवंय;
जंगल के जम्मो रूखमन आनंदित होके गीत गावंय।
13 पूरा सिरिस्टी ह यहोवा के आघू म आनंद मनावय, काबरकि ओह आवथे,
ओह धरती के नियाय करे बर आवथे।
ओह धरमीपन ले संसार के
अऊ अपन बिसवासयोग्यता से मनखेमन के नियाय करही।

भजन-संहिता 97

1 यहोवा ह सासन करथे, धरती ह खुस होवय;
दूरिहा-दूरिहा के समुंदर-तटमन आनंद मनावंय।
2 बादर अऊ गहिरा अंधियार ओकर चारों कोति हवय;
धरमीपन अऊ नियाय ओकर सिंघासन के नीव अंय।
3 आगी ह ओकर आघू-आघू जाथे
अऊ ओकर बईरीमन ला चारों कोति ले भसम कर देथे।
4 ओकर बिजली ह संसार ला अंजोर कर देथे;
धरती ह येला देखके कांपथे।
5 पहाड़मन यहोवा के आघू म
याने कि जम्मो धरती के परभू के आघू म मोम के सहीं टघल जाथें।

6 अकास ह ओकर धरमीपन के बखान करथे,
अऊ जम्मो मनखेमन ओकर महिमा ला देखथें।

7 ओ जम्मो, जऊन मन बेकार के देवतामन के अराधना करथें,
अऊ जऊन मन मूरतीमन ऊपर घमंड करथें, ओमन लज्जा म पड़थें;
हे जम्मो देवतामन, परमेसर के अराधना करव!

8 हे यहोवा, तोर नियाय के बात ला सुनके
सियोन ह आनंदित होथे
अऊ यहूदा के गांवमन खुस होथें।
9 काबरकि हे यहोवा, तेंह जम्मो धरती के ऊपर सर्वोच्च परमेसर अस;
तेंह जम्मो देवतामन ले बहुंत ऊपर उठाय गे हस।
10 जऊन मन यहोवा ले मया करथें, ओमन बुरई ले घिन करंय,
काबरकि ओह अपन बिसवासयोग्य जन के परान के रकछा करथे
अऊ ओमन ला दुस्टमन के हांथ ले बचाथे।
11 अंजोर ह धरमी ऊपर चमकथे
अऊ ईमानदार मनखे के हिरदय म आनंद रहिथे।
12 हे धरमी मनखेमन, यहोवा म आनंद मनावव,
अऊ ओकर पबितर नांव के परसंसा करव।

भजन-संहिता 98

एक भजन।
1 यहोवा बर एक नवां गीत गावव,
काबरकि ओह अद्भूत काम करे हवय;
ओकर जेवनी हांथ अऊ ओकर पबितर बाहां ह
ओकर बर उद्धार के काम करे हवय।
2 यहोवा ह जाति-जाति के मनखेमन ला अपन करे गय उद्धार ला बताय हवय
अऊ ओमन ऊपर अपन धरमीपन ला परगट करे हवय।
3 ओह इसरायल बर अपन मया
अऊ अपन बिसवासयोग्यता ला सुरता करे हवय;
धरती के जम्मो छोर तक मनखेमन
हमर परमेसर के करे गय उद्धार ला देखे हवंय।

4 हे धरती के जम्मो मनखेमन, यहोवा बर आनंद के मारे चिचियावव,
बाजा बजाके आनंद के गीत जोर-जोर से गावव;
5 बीना बजाके यहोवा के इस्तुति करव,
बीना बजाके गीत गावत ओकर इस्तुति करव,
6 तुरही अऊ नरसिंगा के ऊंचहा अवाज के संग
यहोवा, हमर राजा के आघू म आनंद के मारे जय-जयकार करव।

7 समुंदर, अऊ येमा के जम्मो चीज,
संसार, अऊ येमा रहइया जम्मो चीज जय-जयकार करंय।
8 नदीमन ताली बजावंय,
पहाड़मन एक संग आनंद के गीत गावंय;
9 ओमन ला यहोवा के आघू म गावन दव,
काबरकि ओह धरती के नियाय करे बर आथे।

ओह संसार के नियाय धरमीपन के संग
अऊ मनखेमन के नियाय बरोबरी के अधार म करही।

भजन-संहिता 99

1 यहोवा ह सासन करथे,
देस-देस के मनखेमन कांपंय;
ओह करूबमन के बीच सिंघासन म बिराजमान होथे,
धरती ह डोलय।
2 सियोन म यहोवा ह महान ए;
ओह जम्मो देसमन के ऊपर उठाय गे हवय।
3 ओमन तोर महान अऊ अद्भूत नांव के परसंसा करंय—
ओह पबितर अय।

4 राजा ह सक्तिसाली हवय, ओह नियाय ले मया करथे—
तेंह समानता के इस्थापना करे हस;
याकूब* म तेंह ओ करे हस,
जऊन ह नियाय-संगत अऊ सही अय।
5 यहोवा हमर परमेसर के बहुंत परसंसा करव
अऊ ओकर पांव के चउकी करा अराधना करव;
ओह पबितर ए।

6 मूसा अऊ हारून ओकर पुरोहितमन म रिहिन,
समूएल ह ओमन के बीच म ले रिहिस, जऊन मन ओकर नांव लेवंय;
ओमन यहोवा ला पुकारंय
अऊ ओह ओमन ला जबाब देवय।
7 ओह ओमन ले बादर के खंभा म ले बात करय;
ओमन ओकर दिये गय नियम अऊ बिधिमन ला मानंय।

8 यहोवा हमर परमेसर,
तेंह ओमन ला जबाब देय;
इसरायल बर तेंह छेमा करइया परमेसर रहय,
हालाकि तेंह ओमन के गलत काम बर दंड देय।
9 परभू हमर परमेसर के बहुंत परसंसा करव
अऊ ओकर पबितर पहाड़ करा अराधना करव,
काबरकि यहोवा हमर परमेसर ह पबितर ए।

भजन-संहिता 100

धनबाद अऊ महिमा देय बर एक भजन।
1 हे धरती के जम्मो मनखेमन, यहोवा बर आनंद के मारे चिचियावव।
2 खुस होके यहोवा के अराधना करव;
आनंद के गीत गावत ओकर आघू म आवव।
3 ये बात ला जानव कि यहोवा ही परमेसर अय।
ओही ह हमन ला बनाय हवय, अऊ हमन ओकरेच अन*;
हमन ओकर मनखे, ओकर चरागन के भेड़ अन।

---

* **भजन-संहिता 99:4** या [illegible] * **भजन-संहिता 100:3** या [illegible]

4 धनबाद करत ओकर कपाट के भीतर
अऊ परसंसा करत ओकर अंगना म जावव;
ओला धनबाद देवव अऊ ओकर नांव के महिमा करव।
5 काबरकि यहोवा ह बने अय अऊ ओकर मया हमेसा बने रहिथे;
ओकर बिसवासयोग्यता ह जम्मो पीढ़ी म बने रहिथे।

भजन-संहिता 101

दाऊद के एक भजन।
1 मेंह तोर मया अऊ नियाय के गीत गाहूं;
हे यहोवा, मेंह तोर परसंसा के गीत गाहूं।
2 मेंह निरदोस जिनगी जीये बर धियान दूहूं—
तेंह मोर करा कब आबे?

मेंह निरदोस हिरदय से
अपन घर के मामला म बेवहार करहूं।
3 मेंह कोनो दुस्ट काम बर
मंजूरी नइं दूहूं।

मेंह बिसवासहीन मनखेमन के काम ले घिन करथंव;
अइसन काम ले मोर कोनो लेना-देना नइं होही।
4 जिद्दी सुभाव ले मेंह दूर रहिहूं;
दुस्ट काम ले मोर कोनो लेना-देना नइं होही।

5 जऊन कोनो अपन परोसी के पाछू ओकर निन्दा करथे,
मेंह ओला नास कर दूहूं;
अहंकार ले भरे आंखीवाले अऊ घमंड ले भरे मनखे ला
मेंह सहन नइं करहूं।

6 मोर आंखी ह देस म बिसवासयोग्य मनखेमन ऊपर लगे रहिही,
ताकि ओमन मोर संग रहंय;
जऊन ह निरदोस जिनगी जीथे,
ओह मोर सेवा करही।

7 धोखाधड़ी करइया कोनो भी मनखे
मोर घर म नइं रहिही;
जऊन ह लबारी मारथे,
ओह मोर आघू म ठाढ़ नइं हो सकही।

8 हर बिहनियां मेंह देस के
जम्मो दुस्टमन ला नास कर दूहूं;
यहोवा के सहर ले
मेंह हर दुस्ट मनखे ला नास कर दूहूं।
*

* **भजन-संहिता 102:** इबरानी म 102:1-28 ला 102:2-29 गने गे हवय

भजन-संहिता 102

एक दुखित मनखे के पराथना, जऊन ह कमजोर हो गे हवय अऊ यहोवा के आघू म खुलके अपन मन के दुख ला रखत हे।

1 हे यहोवा, मोर पराथना ला सुन;
मदद बर मोर गोहार ह तोर तक हबरय।
2 जब मेंह दुखित हंव,
त अपन मुहूं ला मोर ले झन छिपा।
अपन कान ला मोर कोति कर;
जब मेंह पुकारंव, जल्दी से मोला जबाब दे।

3 काबरकि मोर जिनगी के समय ह धुआं के सहीं खतम होवत हे;
मोर हाड़ामन दहकत अंगरा सहीं बरत हें।
4 मोर हिरदय म रोग लगे हे अऊ कांदी सहीं मुरझा गे हवय;
मेंह अपन जेवन जे बर भुला जाथंव।
5 अपन पीरा म मेंह जोर-जोर से कलहरत हंव
अऊ सूखके चमड़ी अऊ हाड़ा हो गे हवंव।
6 मेंह सुन्ना जगह के एक उल्लू अंव,
खंडहर म रहइया एक उल्लू सहीं अंव।
7 मेंह पड़े-पड़े जागत रहिथंव; मेंह छानी म
अकेला बईठे एक चिरई सहीं हो गे हवंव।
8 दिन भर मोर बईरीमन मोला ताना मारत रहिथें;
जऊन मन मोला ताना मारथें, ओमन मोर नांव के उपयोग सराप दे बर करथें।
9 काबरकि राख ला मेंह खाना के रूप म खाथंव
अऊ आंसू ला मिलाके पानी पीथंव
10 येह तोर बड़े कोप के कारन होय हवय,
काबरकि तेंह मोला उठाके अलग फटिक दे हस।
11 मोर उमर ह संझा के ढरत छइहां के सहीं अय;
मेंह कांदी के सहीं अइला जाथंव।

12 पर हे यहोवा, तेंह सदाकाल बर बिराजमान हस;
तोर खियाती जम्मो पीढ़ी तक बने रहिथे।
13 तेंह उठबे अऊ सियोन ऊपर दया करबे,
काबरकि येह ओकर ऊपर किरपा करे के समय ए;
ठहिराय गे समय ह आ गे हवय।
14 काबरकि ओकर पथरामन तोर सेवकमन बर मयारू अंय;
ओकर धुर्रा ला ही देखके ओमन के मन म दया के भाव आ जाथे।
15 जाति-जाति के मनखेमन यहोवा के नांव के भय मानहीं,
धरती के जम्मो राजामन तोर महिमा के आघू म मुड़ नवाहीं।
16 काबरकि यहोवा ह सियोन ला फेर बनाही
अऊ अपन महिमा म परगट होही।
17 ओह गरीब-लाचार के पराथना के जबाब दीही;
ओह ओमन के बिनती ला तुछ नइं समझय।

18 येला अवइया पीढ़ी के मनखेमन बर लिखे जावय,
ताकि ओ मनखे, जेमन अभी सिरजे नइं गे हवंय, ओमन यहोवा के इस्तुति करंय:

19 “यहोवा ह अपन ऊंच पबितर-स्थान ले खाल्हे देखिस,
स्वरग ले ओह धरती ला देखिस,
20 ताकि कैदीमन के कलहरई ला सुनय
अऊ मिरतू-दंड पाय मनखेमन ला छुड़ावय।”
21 ताकि जब देस-देस अऊ राज-राज के मनखेमन
यहोवा के अराधना करे बर जूरंय,
22 त सियोन म यहोवा के नांव के घोसना
अऊ यरूसलेम म ओकर परसंसा होवय।

23 मोर जिनगी के यातरा म, ओह मोर बल ला टोर दीस;
ओह मोर उमर ला घटा दीस।
24 एकरसेति मेंह कहेंव:
“हे मोर परमेसर, मोर जिनगी के बीच म ले मोला झन उठा ले;
तोर जिनगी ह तो जम्मो पीढ़ी तक बने रहिथे।
25 सुरूआत म तेंह धरती के नीव रखे,
अऊ अकास ह तोर हांथ के दुवारा बनाय गे हवय।
26 ओमन तो नास हो जाहीं, पर तेंह बने रहिबे;
ओमन जम्मो पहिरे के कपड़ा के सहीं जुन्ना हो जाहीं।
कपड़ा के सहीं तेंह ओमन ला बदल देबे
अऊ ओमन तियाग दिये जाहीं।
27 पर तेंह वइसनेच के वइसने रहिथस,
अऊ तोर उमर ह कभू खतम नइं होवय।
28 तोर सेवक के लइकामन तोर आघू म रहिहीं;
ओमन के संतान तोर आघू म स्थापित करे जाहीं।”

भजन-संहिता 103

दाऊद के भजन।
1 हे मोर मन, यहोवा के परसंसा कर;
अऊ जऊन कुछू मोर म हवय, ओकर पबितर नांव के परसंसा करय।
2 हे मोर मन, यहोवा के परसंसा कर,
अऊ ओकर कोनो उपकार ला झन भुलाबे—
3 ओह तोर जम्मो पाप ला छेमा करथे
अऊ तोर जम्मो बेमारी ला चंगा करथे,
4 ओह तोर जिनगी ला नास होय ले बचाथे
अऊ तोला मया अऊ करूना के मुकुट पहिराथे,
5 ओह बने-बने चीज के दुवारा तोर ईछा ला पूरा करथे
जेकर ले तोर जवानी ह गिधवा के जवानी सहीं नवां हो जाथे।

6 यहोवा ह जम्मो दुखी मनखेमन बर
धरमीपन अऊ नियाय के काम करथे।

7 ओह मूसा ला अपन रसता
अऊ इसरायल के मनखेमन ला अपन काम बताईस:
8 यहोवा ह दयालु अऊ अनुग्रहकारी,
कोरोध करे म धीमा अऊ मया ले भरे हवय।
9 ओह हमेसा दोस नइं लगाही,

न ही हमेसा बर गुस्सा करही;
10 ओह हमर पाप के मुताबिक हमर ले बरताव नइं करिस
अऊ न ही हमर अधरम के मुताबिक हमर ले बदला लीस।
11 काबरकि अकास ह धरती ले जतेक ऊपर हे,
ओतेक ही ओकर मया ह ओमन बर महान ए, जऊन मन ओकर भय मानथें;
12 पूरब ले पछिम ह जतेक दूरिहा हवय,
ओह हमर अपराध ला ओतेक दूरिहा हमर ले कर दे हवय।

13 जइसे एक ददा ह अपन लइकामन ऊपर दया करथे,
वइसे ही यहोवा ह ओमन ऊपर दया करथे, जऊन मन ओकर भय मानथें;
14 काबरकि ओह जानथे कि हमन कइसे बनाय जाथन,
ओला सुरता रहिथे कि हमन धुर्रा अन।
15 मनखे के जिनगी ह कांदी सहीं होथे,
ओमन खेत के फूल सहीं फूलथें;
16 अऊ जब ओकर ऊपर हवा चलथे, त ओह नइं ठहिरय,
अऊ ओकर जगह ह ओला फेर सुरता नइं रखय।
17 पर अनंतकाल ले अनंतकाल तक
यहोवा के मया ओकर भय मनइयामन ऊपर,
अऊ ओकर धरमीपन ओमन के लइकामन के लइकामन ऊपर बने रहिथे—
18 याने कि ओमन ऊपर जऊन मन ओकर करार के पालन करथें
अऊ ओकर नियम ला माने बर सुरता करथें।

19 यहोवा ह अपन सिंघासन ला स्वरग म स्थापित करे हवय,
अऊ ओकर राज ह जम्मो सिरिस्टी ऊपर चलथे।

20 हे ओकर स्वरगदूतमन, यहोवा के परसंसा करव,
तुमन, जऊन मन सक्तिसाली अव अऊ ओकर हुकूम ला मानथव,
तुमन, जऊन मन ओकर बात ला मानथव।
21 हे ओकर जम्मो स्वरग के जीवमन, हे ओकर सेवकमन,
तुमन जऊन मन ओकर ईछा ला पूरा करथव, यहोवा के परसंसा करव।
22 हे ओकर जम्मो सिरिस्टी, ओकर राज म हर जगह
यहोवा के परसंसा करव।

हे मोर मन, यहोवा के परसंसा कर।

भजन-संहिता 104

1 हे मोर मन, यहोवा के परसंसा कर।

हे यहोवा मोर परमेसर, तेंह बहुंत महान अस;
तेंह सोभा अऊ गौरव के कपड़ा पहिरे हस।

2 यहोवा ह अपनआप ला एक कपड़ा के सहीं अंजोर ले लपेटे रहिथे;
ओह अकास ला एक तम्बू के सहीं तानथे
3 अऊ अपन ऊपर के कमरा के मियारमन ला ओमन के पानी म रखथे।
ओह बादर ला अपन रथ बनाथे
अऊ हवा के डेना म सवारी करथे।

4 ओह हवा ला अपन संदेसिया*
अऊ आगी के जुवालामन ला अपन सेवक बनाथे।

5 ओह धरती ला ओकर नीव म इस्थिर करथे;
येला कभू भी हटाय नइं जा सकय।
6 तेंह येला एक कपड़ा ढांपे सहीं गहिरा समुंदर ले ढांप दे हस;
पानी ह पहाड़मन ले ऊपर ठहर गीस।
7 पर तोर डांटे ले पानी ह भाग गीस,
तोर गरजन के अवाज ले ओमन उड़िया गीन;
8 ओमन पहाड़मन के ऊपर बहे लगिन,
ओमन घाटीमन के खाल्हे म गीन,
ओ जगह जेला तेंह ओमन बर ठहिराय रहय।
9 तेंह एक सीमना तय करय, जेला ओमन लांघ नइं सकंय;
ओमन फेर कभू धरती ला नइं ढांपहीं।

10 तेंह घाटीमन ले पानी के धारा निकालथस;
अऊ ये पानी के धारा पहाड़मन के बीच ले बहथे।
11 ओमन भुइयां के जम्मो पसुमन ला पानी देथें;
जंगली गदहामन अपन पीयास बुझाथें।
12 अकास के चिरईमन पानी के तीर म अपन खोंधरा बनाथें;
ओमन रूख के डारामन के बीच म गाथें।
13 ओह अपन ऊपरी कमरा ले पहाड़मन ऊपर पानी गिराथे;
भुइयां ह ओकर काम के फर ले संतुस्ट होथे।
14 ओह पसुमन बर कांदी उगाथे,
अऊ मनखेमन के लुए-काटे बर पऊधा लगाथे—
जेकर से धरती ले जेवन के परबंध होथे:
15 अंगूर के मंद, जेह मनखे के मन ला खुसी देथे,
तेल, जेकर से ओमन के चेहरा ह चमकथे,
अऊ रोटी, जेह ओमन के जिनगी ला बनाय रखथे।
16 यहोवा के रूखमन ला
याने कि ओकर लगाय लबानोन के देवदारमन ला बहुंत पानी मिलथे।
17 उहां चिरईमन अपन खोंधरा बनाथें;
बगुला के घर सनोवर के रूख म होथे।
18 ऊंच पहाड़मन जंगली छेरीमन बर होथें;
करारदार चट्टानमन बिज्जूमन के सरन-स्थान होथें।

19 ओह अलग-अलग मौसम ला बताय बर चंदा ला बनाईस,
अऊ सूरज ह जानथे कि कब बुड़ना हे।
20 तेंह अंधियार लानथस, तब रथिया होथे,
अऊ जम्मो जंगली जानवरमन चुपेचाप निकलथें।
21 सिंहमन अपन सिकार बर गरजथें
अऊ परमेसर ले अपन आहार मांगथें।
22 सूरज ह निकलथे, अऊ ओमन चुपेचाप चले जाथें;
ओमन लहुंटके अपन मांद म लेट जाथें।
23 तब मनखेमन अपन-अपन काम म,

---

* **भजन-संहिता 104:4** या [illegible]

अऊ सांझ होवत तक मेहनत करे बर बाहिर निकलथें।

24 हे यहोवा, तोर काममन बहुंते हवंय!
अपन बुद्धि ले तेंह ओ जम्मो ला बनाय;
धरती ह तोर जीव-जन्तुमन ले भरे हवय।
25 समुंदर हवय, बहुंत बड़े अऊ लम्बा अऊ चौड़ा,
गनती के बाहिर जीवमन ले भरे—
छोटे अऊ बड़े दूनों जीयत चीजमन ले।
26 उहां पानी जहाजमन आथें-जाथें,
अऊ लिबयातान, जेला तेंह उहां खेले बर बनाय हस।

27 जम्मो जीवमन तोर कोति ताकथें
कि समय म ओमन ला ओमन के जेवन मिलय।
28 जब तेंह ओमन ला जेवन देथस,
त ओमन येला इकट्ठा कर लेथें;
जब तेंह अपन हांथ खोलथस,
त ओमन बने चीजमन के दुवारा संतुस्ट होथें।
29 जब तेंह अपन मुहूं ला छिपा लेथस,
त ओमन भयभीत हो जाथें;
जब तेंह ओमन के सांस बंद कर देथस,
त ओमन मर जाथें अऊ माटी म मिल जाथें।
30 जब तेंह अपन आतमा ला भेजथस,
त ओमन बनाय जाथें,
अऊ तेंह धरती के रूप ला पहिले सहीं कर देथस।

31 यहोवा के महिमा ह सदाकाल तक बने रहय;
यहोवा ह अपन काम म आनंदित होवय—
32 जब ओह धरती ला देखथे, त धरती ह कांपथे,
ओह पहाड़मन ला छूथे, त ओमन ले कुहरा निकलथे।

33 मेंह अपन जिनगी भर यहोवा के गीत गाहूं;
जब तक मेंह जीयत हंव, मेंह अपन परमेसर के परसंसा के गीत गाहूं।
34 जइसे कि मेंह यहोवा म आनंदित रहिथंव,
त मोर मनन-चिंतन ह ओला खुसी देवय।
35 पर पापीमन धरती ले मिट जावंय
अऊ दुस्ट मनखेमन खतम हो जावंय।

हे मोर मन, यहोवा के परसंसा कर।

यहोवा के परसंसा कर।

भजन-संहिता 105

1 यहोवा के परसंसा करव, ओकर नांव के घोसना करव;
जाति-जाति के मनखेमन के बीच म ओकर करे गे काम ला बतावव।
2 ओकर गीत गावव, ओकर परसंसा के गीत गावव;
ओकर जम्मो अद्भूत काम के बखान करव।
3 ओकर पबितर नांव के महिमा होवय;

जऊन मन यहोवा के खोज करथें, ओमन के मन आनंदित होवय।
4 यहोवा अऊ ओकर बल के खोज म रहव;
हमेसा ओकर दरसन के खोज म रहव।

5 ओकर करे गे अद्भूत काम,
ओकर चमतकार, अऊ ओकर दिये गय नियाय ला सुरता करव,
6 हे ओकर सेवक, अब्राहम के संतानमन,
हे ओकर चुने गय मनखे, याकूब के लइकामन।
7 ओह यहोवा हमर परमेसर ए;
जम्मो धरती म ओकर नियाय हवय।

8 ओह अपन करे गे करार,
हजार पीढ़ी के मनखेमन बर करे गे वायदा,
9 अब्राहम के संग करे गे करार,
अऊ इसहाक के संग खाय गे सपथ ला सदाकाल बर सुरता रखथे।
10 ओह येला याकूब के संग एक बिधि के रूप म,
इसरायल के संग हमेसा के एक करार के रूप म ये कहिके मजबूत करिस:
11 "तोला मेंह कनान देस दूहूं,
एक निज भाग के रूप म तोला ओह मिलही।"

12 जब ओमन गनती म थोरकन ही रिहिन,
वास्तव म थोरकन रिहिन, अऊ ओ देस म अजनबी रिहिन,
13 ओमन एक जाति ले आने जाति,
अऊ एक राज ले दूसर राज म भटकत रिहिन।
14 त ओह कोनो ला ओमन ला सताय नइं दीस;
ओमन के हित म, ओह राजामन ला दबकारिस:
15 "मोर अभिसिक्त मनखेमन ला झन छुवव;
मोर अगमजानीमन के कुछू हानि झन करव।"

16 ओह ओ देस म अकाल लानिस
अऊ ओमन के जम्मो भोजन के परबंध करई ला नास कर दीस;
17 अऊ ओह ओमन के आघू एक मनखे यूसुफ ला पठोईस,
जेला एक गुलाम के रूप म बेच दिये गे रिहिस।
18 ओमन बेड़ी डालके ओकर गोड़ ला चोट पहुंचाईन,
ओकर गरदन ला लोहा ले जकड़िन,
19 जब तक कि ओकर कहे गे बात पूरा नइं होईस,
जब तक कि यहोवा के बचन ह ओकर बात ला सही साबित नइं करिस।
20 राजा ह मनखे पठोके ओला छोंड़ दीस,
मनखेमन के सासक ह ओला मुक्त कर दीस।
21 ओह ओला अपन घर के परधान,
अऊ अपन जम्मो चीज के ऊपर सासक बनाईस,
22 ताकि ओह ओकर हाकिममन ला अपन ईछा के मुताबिक हुकूम देवय
अऊ ओकर अगुवामन ला बुद्धि के बात सिखावय।

23 तब इसरायल ह मिसर देस म आईस;

याकूब ह हाम* के देस म एक परदेसी के रूप म रहे लगिस।
24 यहोवा ह अपन मनखेमन ला गनती म बहुंत बढ़ाईस;
ओह ओमन ला ओमन के बईरीमन बर गनती म बहुंत कर दीस,
25 ओह मिसरीमन के मन ला अइसे कर दीस कि ओमन ओकर मनखेमन ले घिन करे लगिन,
अऊ ओकर सेवकमन के बिरूध सडयंत्र करे लगिन।
26 ओह अपन सेवक मूसा ला,
अऊ हारून ला पठोईस, जेमन ला ओह चुने रिहिस।
27 ओमन मिसरीमन के बीच म ओकर अद्भूत चिनहां,
अऊ हाम के देस म अद्भूत काम देखाईन।
28 ओह अंधियार पठोके देस ला अंधियार कर दीस
काबरकि ओमन ओकर बचन के पालन नइं करिन।
29 ओह ओमन के पानी ला लहू म बदल दीस,
जेकर से ओमन के मछरीमन मर गीन।
30 ओमन के देस ह मेचकामन ले भर गीस,
अऊ ये मेचकामन ओमन के सासकमन के सोए के कमरामन तक चल दीन।
31 ओह हुकूम दीस अऊ ओमन के देस म उड़नेवाला कीरामन के दल,
अऊ छोटे कीरामन आ गीन।
32 ओह ओमन के बारिस ला करा म बदल दीस,
अऊ पूरा देस म बिजली चमके लगिस;
33 ओह ओमन के अंगूर के नार अऊ अंजीर के रूखमन ला गिरा दीस
अऊ ओमन के देस के रूखमन ला चकनाचूर कर दीस।
34 ओह हुकूम दीस, अऊ फांफा,
अऊ अनगिनत कीरामन आ गीन;
35 ओमन मिसरीमन के देस के जम्मो हरियर चीज,
अऊ ओमन के भुइयां के ऊपज ला खा डारिन।
36 तब ओह ओमन के देस म जम्मो पहिलांत,
ओमन के मरदानगी के जम्मो पहिला फर ला मार डारिस।
37 ओह सोन अऊ चांदी ले लादके इसरायल ला बाहिर निकाल ले आईस,
अऊ ओमन के गोत्रमन ले कोनो नइं लड़खड़ाईन।
38 जब ओमन गीन, त मिसर देस के मनखेमन खुस होईन,
काबरकि ओमन ऊपर इसरायल के भय छा गे रिहिस।

39 ओह ढकना के रूप म एक बादर ला फईला दीस,
अऊ रथिया के बेरा अंजोर देय बर आगी दीस।
40 ओमन मांस के मांग करिन, अऊ ओह ओमन बर बटेर ले आईस;
ओह ओमन ला स्वरग के रोटी पेट भरके खवाईस।
41 ओह चट्टान ला खोलके ओमा ले पानी बहाईस;
अऊ येह निरजन भुइयां म नदी सहीं बहे लगिस।

42 काबरकि ओह अपन सेवक अब्राहम ला दिये गय
पबितर परतिगियां ला सुरता करिस।
43 ओह अपन मनखेमन ला आनंद के संग,
अपन चुने गय मनखेमन ला आनंद के जयकार के संग निकाल लानिस;
44 ओह जाति-जाति के मनखेमन के देस ओमन ला दे दीस,

---

* **भजन-संहिता 105:23** ह मिसर देस के एक आने नांव ए

अऊ जेकर बर आने मन मेहनत करे रिहिन, ओकर ओमन उत्तराधिकारी हो गीन—
45 ताकि ओमन ओकर नियममन के पालन करंय
अऊ ओकर कानून ला मानंय।

यहोवा के परसंसा होवय।†

भजन-संहिता 106

1 यहोवा के परसंसा होवय।

यहोवा ला धनबाद देवव, काबरकि ओह बने अय;
ओकर मया हमेसा बने रहिथे।

2 कोन ह यहोवा के महान काममन के घोसना कर सकथे
या कोन ह ओकर परसंसा के पूरा घोसना कर सकथे?
3 धइन अंय ओमन, जऊन मन नियाय के संग काम करथें,
जऊन मन हमेसा ओ काम करथें, जऊन ह सही अय।

4 हे यहोवा, जब तेंह अपन मनखेमन ऊपर किरपा करथस, त मोला सुरता रखबे,
जब तेंह ओमन के उद्धार करथस, त मोर मदद करबे,
5 ताकि मेंह तोर चुने गय मनखेमन के उन्नति के आनंद उठावंव,
ताकि तोर मनखेमन के आनंद म भागी हो सकंव
अऊ परसंसा देय म तोर निज भाग के संग सामिल हो सकंव।

6 हमन हमर पुरखामन सहीं पाप करे हन;
हमन गलत काम करे हन अऊ दुस्टता करे हन।
7 जब हमर पुरखामन मिसर देस म रिहिन,
तब ओमन तोर चमतकार के काम ऊपर धियान नइं दीन;
ओमन तोर बहुंत दया के काममन ला सुरता नइं करिन,
अऊ ओमन समुंदर, लाल-समुंदर के तीर म बिदरोह करिन।
8 तभो ले ओह अपन नांव के हित म ओमन ला बचाईस,
अऊ अपन बहुंत सामर्थ ला देखाईस।
9 ओह लाल-समुंदर ला डांटिस, अऊ ओह सूख गीस;
ओह् ओमन ला निरजन जगह म ले जावत सहीं गहरई म ले लेय गीस।
10 ओह ओमन ला बिरोधीमन के हांथ ले बचाईस;
अऊ ओमन ला बईरीमन के हांथ ले छुड़ाईस।
11 ओमन के बईरीमन पानी म बुड़ गीन;
ओमा ले एको झन घलो नइं बांचिन।
12 तब ओमन् ओकर परतिगियांमन ऊपर बिसवास करिन
अऊ ओकर परसंसा के गीत गाईन।

13 पर ओमन बहुंत जल्दी ओकर काममन ला भुला गीन
अऊ ओकर योजना ला जाने बर इंतजार नइं करिन।
14 निरजन जगह म ओमन अपन लालसा ला रखिन;
सुन्ना जगह म ओमन परमेसर ला परखिन।
15 तब ओह ओमन के मांगे गय चीज ला दीस,
पर ओमन के बीच म एक बिनास करइया बेमारी भेजिस।

† **भजन-संहिता 105:45** इबरानी म [illegible]

16 डेरा म ओमन मूसा अऊ ओ हारून ले जलन करिन,
जऊन ह यहोवा के दुवारा पबितर करे गे रिहिस।
17 धरती ह फटिस अऊ दातान ला लील लीस;
येह अबीराम के दल ला दफना दीस।*
18 आगी ह ओमन के पाछू चलइयामन के बीच गिरिस;
आगी ह दुस्टमन ला भसम कर दीस।
19 होरेब पहाड़ म ओमन एक बछवा के मूरती बनाईन
अऊ धातु ले गढ़े एक मूरती के अराधना करिन।
20 ओमन अपन महिमामय परमेसर के बदले
एक ठन बईला के मूरती ला रखिन, जऊन ह कि घांस चरथे।
21 ओमन ओ परमेसर ला बिसरा दीन, जऊन ह ओमन ला बचाय रिहिस,
जऊन ह मिसर देस म बड़े-बड़े काम करे रिहिस,
22 हाम के देस म चमतकार
अऊ लाल-समुंदर के तीर म अद्भूत काम करे रिहिस।†
23 एकरसेति परमेसर ह कहिस कि ओह ओमन ला नास कर दीही—
का ओकर चुने जन मूसा ह
ओकर कोप ला ठंडा करे बर अऊ ओमन ला नास होय ले बचाय बर
ओकर आघू दरार म ठाढ़ नइं होईस।

24 तब ओमन मनभावन देस ला तुछ समझिन;
ओमन ओकर परतिगियां ऊपर बिसवास नइं करिन।
25 ओमन अपन तम्बू म कुड़कुड़ाईन
अऊ यहोवा के बात नइं मानिन।
26 एकरसेति ओह हांथ उठाके कसम खाईस
कि ओह ओमन ला निरजन जगह म नास कर दीही,
27 ओमन के संतानमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म गिरा दीही
अऊ ओमन ला देसमन म तितिर-बितिर कर दीही।

28 ओमन बाल-पेओर देवता ला माने लगिन
अऊ निरजीव देवतामन ला चघाय गे बलिदानमन ला खाय लगिन;
29 ओमन अपन दुस्ट काममन के दुवारा यहोवा के कोरोध ला भड़काईन,
अऊ ओमन के बीच म एक महामारी फईल गीस।
30 पर पीनहास ह ठाढ़ होईस अऊ ओमन बर बिनती करिस,
अऊ महामारी ह खतम हो गीस।
31 येह ओकर बर अवइया पीढ़ी-पीढ़ी के मनखेमन बर
धरमीपन गने गीस।
32 मरीबा के पानी के तीर म घलो ओमन यहोवा के कोरोध ला भड़काईन,
अऊ ओमन के कारन मूसा ऊपर संकट आईस;
33 काबरकि ओमन परमेसर के आतमा के बिरूध बिदरोह करिन,
अऊ उतावलापन के बात मूसा के मुहूं ले निकलिस।

34 जइसे कि यहोवा ह ओमन ला हुकूम दे रिहिस
ओमन मनखेमन ला नास नइं करिन,
35 पर ओमन आने जाति के मनखेमन ले मिल गीन
अऊ ओमन के रीति-रिवाज ला अपना लीन।

* **भजन-संहिता 106:17** देखव गन 16:1-35 † **भजन-संहिता 106:22** देखव निर 32:1-14

36 ओमन आने जाति के मूरतीमन के पूजा करिन,
जऊन ह ओमन बर एक फांदा बन गीस।
37 ओमन अपन बेटा-बेटीमन ला
झूठ-मूठ के देवतामन ला बलिदान करिन।
38 ओमन अपन निरदोस बेटा-बेटीमन
के खून बहाईन,
जेमन ला ओमन कनान के मूरतीमन म बलि चघाईन,
अऊ ओमन के खून ले देस ह अपबितर हो गीस।
39 ओमन अपन काम के दुवारा अपनआप ला असुध करिन;
अपन काम के दुवारा अपनआप ले बेभिचार‡ करिन।

40 एकरसेति यहोवा ह अपन मनखेमन ले गुस्सा करिस
अऊ अपन निज भाग ले घिन करे लगिस।
41 ओह ओमन ला आने जाति के मनखेमन के हांथ म कर दीस,
अऊ ओमन के बईरीमन ओमन के ऊपर राज करिन।
42 ओमन के बईरीमन ओमन ऊपर अतियाचार करिन
अऊ ओमन ला अपन अधिकार म कर लीन।
43 कतको बार परमेसर ह ओमन ला छोंड़ाईस,
पर ओमन ओकर बिरूध बिदरोह करिन
अऊ ओमन पाप म नास होवत गीन।
44 तभो ले ओह ओमन के संकट म ओमन ऊपर धियान दीस
जब भी ओह ओमन के पुकार ला सुनिस;
45 ओमन के हित म ओह अपन करार ला सुरता करिस
अऊ अपन बड़े मया के कारन ओह नरम पड़ गीस।
46 जऊन मन ओमन ला बंधुवा बनाय रिहिन,
ओमन के मन म ओह ओमन बर दया पईदा करिस।

47 हे यहोवा हमर परमेसर, हमन ला बचा,
अऊ हमन ला जाति-जाति के मनखेमन ले इकट्ठा कर,
ताकि हमन तोर पबितर नांव ला धनबाद देवन
अऊ तोर परसंसा म बड़ई करन।

48 यहोवा, इसरायल के परमेसर के परसंसा
आदिकाल ले अनंतकाल तक होवय।

जम्मो मनखेमन कहंय, “आमीन!”

यहोवा के परसंसा होवय।

किताब V

107

[illegible] 107–150

1 यहोवा ला धनबाद देवव, काबरकि ओह बने अय;
ओकर मया हमेसा बने रहिथे।

2 यहोवा के दुवारा छोंड़ाय गय मनखेमन ये बात कहंय—

‡ **भजन-संहिता 106:39** या *[illegible]*

जेमन ला ओह बईरीमन के हांथ ले छोंड़ाय हवय,
3 जेमन ला ओह देस-देस ले,
पूरब अऊ पछिम ले, उत्तर अऊ दक्खिन ले इकट्ठा करे हवय।*

4 कुछू झन निरजन प्रदेस के बेकार जगह म भटकिन,
ओमन ला कोनो सहर जाय के रसता नइं मिलिस, जिहां ओमन बस जावंय।
5 ओमन भूखन अऊ पीयासन रिहिन,
अऊ ओमन के जिनगी कम होवत गीस।
6 तब ओमन अपन संकट के बेरा म यहोवा ला पुकारिन,
अऊ ओह ओमन ला ओमन के संकट ले बचाईस।
7 ओह ओमन ला एक सीधा रसता ले एक सहर म ले गीस
जिहां ओमन रह सकंय।
8 ओमन यहोवा के अटूट मया अऊ मानव-जाति बर करे गे अद्भूत काम बर
ओला धनबाद देवंय,
9 काबरकि ओह पीयासन के पीयास बुझाथे
अऊ भूखन ला बने चीजमन ले संतोस करथे।

10 कुछू मन अंधियार, घोर अंधियार म बईठिन,
कैदीमन लोहा के संकली म बंधे दुख झेलत रिहिन,
11 काबरकि ओमन परमेसर के हुकूम के बिरूध चलिन
अऊ सर्वोच्च परमेसर के योजनामन ला तुछ समझिन।
12 एकरसेति ओह ओमन ला बहुंत मेहनत के काम म लगाईस;
ओमन लड़खड़ाईन, अऊ ओमन के मदद करे बर कोनो नइं रिहिस।
13 तब ओमन अपन संकट के बेरा यहोवा ला पुकारिन,
अऊ ओह ओमन ला ओमन के संकट ले बचाईस।
14 ओह ओमन ला अंधियार, घिटके अंधियार ले बाहिर निकालिस,
अऊ ओमन के बेड़ीमन ला टोर डारिस।
15 ओमन यहोवा ला ओकर अटूट मया बर धनबाद देवंय
अऊ मानव-जाति बर करे गे ओकर अद्भूत काम बर धनबाद देवंय,
16 काबरकि ओह कांसा के दुवारमन ला टोर देथे
अऊ लोहा के छड़मन ला काट डारथे।

17 कुछू जन अपन बिदरोही काम के कारन मुरूख बन गीन
अऊ अपन अपराध के कारन दुख म पड़िन।
18 ओमन ला जम्मो किसम के जेवन ले अरूचि हो गीस
अऊ ओमन मिरतू के दुवार म हबर गीन।
19 तब ओमन अपन संकट म यहोवा ला पुकारिन,
अऊ ओह ओमन ला ओमन के संकट ले बचाईस।
20 ओह अपन बचन के दुवारा ओमन ला चंगा करिस;
ओह ओमन ला मरे ले बचाईस।
21 ओमन यहोवा के अटूट मया
अऊ मानव-जाति बर करे ओकर अद्भूत काम बर ओला धनबाद देवंय।
22 ओमन धनबाद के बलिदान चघावंय
अऊ आनंद के गीत गाय के दुवारा ओकर काममन ला बतावंय।

* **भजन-संहिता 107:3** इबरानी म [illegible]

23 कुछ्छू मनखेमन पानी जहाज म समुंदर म गीन;
ओमन समुंदर म होके बेपार करत रिहिन।
24 ओमन यहोवा के काममन ला,
गहिरा समुंदर म करे गय ओकर अद्भूत काममन ला देखिन।
25 काबरकि ओकर कहे ले आंधी चलिस
जेकर ले समुंदर म ऊंचहा-ऊंचहा लहरा उठिस।
26 ओमन अकास तक ऊपर उठिन अऊ खाल्हे गहरई तक गीन;
अपन जोखिम म ओमन के हिम्मत खतम होवत रिहिस।
27 ओमन मतवारमन सहीं चक्कर खावत रिहिन अऊ लड़खड़ावत रिहिन;
ओमन के बुद्धि काम नइं करत रिहिस।
28 तब ओमन अपन संकट म यहोवा ला पुकारिन,
अऊ ओह ओमन ला ओमन के संकट ले बाहिर निकालिस।
29 ओह आंधी ला सांत कर दीस;
समुंदर के लहरामन थम गीन।
30 लहरामन के सांत होय ले ओमन खुस होईन,
अऊ ओह ओमन ला ओमन के मनचाहा बंदरगाह म ले गीस।
31 ओमन यहोवा ला ओकर अटूट मया
अऊ मानव-जाति बर करे ओकर अद्भूत काम बर धनबाद देवंय।
32 ओमन मनखेमन के सभा म ओकर नांव ला ऊंचहा करंय
अऊ अगुवामन के सभा म ओकर परसंसा करंय।

33 उहां रहइया मनखेमन के दुस्टता के कारन
ओह नदीमन ला निरजन भुइयां,
34 पानी के सोतामन ला सूखा भुइयां,
अऊ फलदार भुइयां ला नूनवाले बंजर भुइयां म बदल दीस।
35 ओह निरजन भुइयां ला पानी के तरिया
अऊ सूखा भुइयां ला पानी के बहत सोतामन म बदल दीस;
36 उहां ओह भूखा मनखेमन ला रहे बर लानिस,
अऊ ओमन एक सहर बनाईन जिहां ओमन रह सकंय।
37 ओमन खेतमन ला बोईन अऊ अंगूर के बारी लगाईन
जेमा ले बने फसल मिलिस;
38 ओह ओमन ला आसीस दीस अऊ ओमन के संखिया बहुंत हो गीस,
अऊ ओह ओमन के पसुमन के संखिया ला घलो घटे नइं दीस।

39 तब ओमन के संखिया घटे लगिस, अऊ सतावा,
बिपत्ति अऊ दुख के दुवारा ओमन नम्र करे गीन;
40 जऊन ह परभावसाली मनखेमन के अपमान करथे,
ओह ओमन ला बिगर रसतावाले जंगली भुइयां म भटकाथे।
41 पर ओह जरूरतमंद मनखेमन ला ओमन के दुख ले निकालथे
अऊ ओमन के परिवार ला पसुमन के झुंड सहीं बढ़ाथे।
42 सीधवा मनखेमन देखके आनंद मनाथें,
पर जम्मो दुस्ट मनखेमन अपन मुहूं बंद रखथें।

43 जऊन ह बुद्धिमान ए, ओह ये बातमन ऊपर धियान देवय
अऊ यहोवा के मया के काममन ऊपर बिचार करय।

*

भजन-संहिता 108

एक गीत। दाऊद के एक भजन।
1 हे परमेसर, मोर मन ह अटल हवय;
मेंह अपन पूरा आतमा ले गीत गाहूं अऊ बाजा बजाहूं।
2 हे बीना अऊ सारंगी, जागव!
मेंह बड़े बिहनियां ला जगाहूं।
3 हे यहोवा, मेंह जाति-जाति के मनखेमन के बीच म तोर परसंसा करहूं;
मेंह मनखेमन के बीच म तोर गीत गाहूं।
4 काबरकि तोर मया ह अतेक महान ए कि ओह स्वरग ले घलो ऊंच हवय;
तोर बिसवासयोग्यता ह अकास तक हबरत हवय।
5 हे परमेसर, तोर महिमा ह स्वरगमन ले घलो ऊपर होवय;
तोर महिमा ह जम्मो धरती ऊपर होवय।

6 अपन जेवनी हांथ उठाके हमन ला बचा अऊ हमर मदद कर,
ताकि जऊन मन तोर ले मया करथें, ओमन छोंड़ाय जावंय।
7 परमेसर ह अपन पबितर-स्थान ले कहे हवय:
"जीत के खुसी म, मेंह सकेम ला बांट दूहूं
अऊ सुक्कोत के घाटी ला नापहूं।
8 गिलाद ह मोर ए, मनस्से ह घलो मोर ए;
एपरैम ह मोर मुड़ के टोप ए,
यहूदा ह मोर राजदंड ए।
9 मोआब ह मोर हांथ-मुहूं धोए के बरतन ए,
एदोम ऊपर मेंह अपन पनही ला उछालहूं;
पलिस्ती ऊपर मेंह जीत के खुसी म चिचियाहूं।"

10 कोन ह मोला गढ़वाले सहर म लानही?
कोन ह मोला एदोम देस ले जाही?
11 हे परमेसर, का ये तें नो हस, तें जऊन ह हमन ला अस्वीकार करे हस
अऊ अब हमर सेना के संग नइं जावस?
12 बईरीमन के बिरूध हमर मदद कर,
काबरकि मनखे के दिये मदद ह बेकार ए।
13 परमेसर के मदद ले ही हमन बिजयी होबो,
अऊ ओह हमर बईरीमन ला कुचर दीही।

भजन-संहिता 109

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 हे मोर परमेसर, तें जेकर मेंह परसंसा करथंव,
चुपेचाप झन रह,
2 काबरकि दुस्ट अऊ धोखा देवइया मनखेमन
मोर बिरूध म गोठियावत हवंय;
ओमन मोर बिरूध लबारी बात कहत हवंय।

* **भजन-संहिता 108:** इबरानी म 108:1-13 ला 108:2-14 गने गे हवय

3 घिनौना बचन ले ओमन मोला घेरत हवंय;
ओमन बिगर कारन के मोर ऊपर हमला करथें।
4 ओमन के संग मेंह संगी के बरताव करंय, पर बदला म ओमन मोर ऊपर दोस लगावत हें,
पर मेंह पराथना करत रहइया मनखे अंव।
5 ओमन मोर भलई के बदले मोर संग बुरई करथें,
अऊ संगी बरताव के बदले मोर ले घिन करथें।

6 मोर बईरी के बिरोध करे बर कोनो दुस्ट मनखे ला ठहिरा दे;
ओकर जेवनी हांथ कोति एक दोस लगइया ठाढ़ होवय।
7 जब ओकर नियाय करे जावय, त ओह अपराधी ठहिरय,
अऊ पराथनामन ओला दोसी ठहिरावंय।
8 ओकर उमर ह थोरकन दिन के होवय;
ओकर अगुवई के पद ला कोनो अऊ ले लेवय।
9 ओकर लइकामन अनाथ हो जावंय
अऊ ओकर घरवाली ह बिधवा हो जावय।
10 ओकर लइकामन एती-ओती घुमत भिखारी हो जावंय;
ओमन ला ओमन के उजाड़ घर ले भगा दिये जावय।
11 साहूकार ह ओकर जम्मो चीज ला जपत कर ले;
अजनबीमन ओकर मेहनत के फर ला लूट लेवंय।
12 ओकर ऊपर कोनो दया झन देखावय
या ओकर अनाथ लइकामन ऊपर तरस झन खावय।
13 ओकर संतानमन खतम हो जावंय,
अगला पीढ़ी ले ओमन के नामोनिसान मिट जावय।
14 यहोवा के आघू म ओकर पुरखामन के दुस्टता ला लाने जावय;
ओकर दाई के पाप ला कभू झन मिटाय जावय।
15 ओमन के पापमन यहोवा के आघू म हमेसा बने रहंय,
ताकि ओह ओमन के नांव धरती ले मिटा देवय।

16 काबरकि ओ दुस्ट ह कभू दया करे के बात नइं सोचिस,
पर गरीब अऊ जरूरतमंद अऊ दुखी मनखेमन ला
पीछा करके मार डारिस।
17 सराप देवई ओला बहुंत बने लगिस—
ओ सराप ह लहुंटके ओहीच ला लगय।
ओला आसीस म कोनो खुसी नइं मिलिस—
येह ओकर ले बहुंत दूरिहा रहय।
18 सराप देवई ओकर बर कपड़ा पहिरे सहीं हो गीस;
येह ओकर देहें म पानी हमाय सहीं,
अऊ ओकर हाड़ामन म तेल सहीं हो गीस।
19 येह ओकर देहें म ओढ़ना ओढ़े सहीं,
अऊ ओकर कनिहां म हमेसा एक कमरपट्टा बांधे सहीं होवय।
20 मोर ऊपर दोस लगइयामन ला, मोर बुरई करइयामन ला
यहोवा ले येहीच बदला मिलय।

21 पर हे परमपरधान यहोवा,
अपन नांव के हित म मोर मदद कर;
अपन मया के भलई के कारन मोला छुटकारा दे।

22 काबरकि मेंह गरीब अऊ जरूरतमंद अंव,
अऊ मोर भीतर म मोर हिरदय ला चोट लगे हवय।
23 मेंह सांझ के छइहां सहीं खतम होवत हंव;
मोला फांफा सहीं झटकार दिये गे हवय।
24 उपास करत मोर माड़ीमन दुरबल होवत हें;
मोर देहें ह पातर अऊ कमजोर हो गे हवय।
25 मेंह अपन दोस लगइयामन बर हंसी के पात्र हो गे हवंव;
जब ओमन मोला देखथें, त ओमन अपन मुड़ हलाथें।

26 हे यहोवा मोर परमेसर, मोर मदद कर;
अपन अटूट मया के मुताबिक मोर उद्धार कर।
27 ओमन जानंय कि एकर पाछू तोर हांथ हवय,
अऊ ये कि हे यहोवा, येला तेंह करे हस।
28 जब ओमन सराप देवंय, त तें आसीस दे;
जऊन मन मोर ऊपर हमला करथें, ओमन सरमिंदा होवंय,
पर तोर सेवक ह आनंद मनावय।
29 मोर ऊपर दोस लगइयामन ला कलंक के कपड़ा पहिराय जावय
अऊ ओढ़ना लपेटे सहीं ओमन लज्जा म लपेटे जावंय।

30 अपन मुहूं ले मेंह यहोवा के बहुंत धनबाद करहूं;
अराधना करइयामन के बड़े भीड़ म मेंह ओकर परसंसा करहूं।
31 काबरकि ओह जरूरतमंद के जेवनी हांथ कोति ठाढ़ होथे,
ताकि ओह ओमन के जिनगी ला ओमन ले बचावय, जेमन ओमन ला अपराधी ठहिराहीं।

भजन-संहिता 110

दाऊद के एक भजन।
1 यहोवा ह मोर परभू ले कहिथे:

"मोर जेवनी हांथ कोति बईठ
जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला
तोर गोड़ रखे के एक चउकी नइं बना देवंव।"

2 यहोवा ह तोर सक्तिसाली राजदंड ला सियोन ले ये कहिके बढ़ाही,
"अपन बईरीमन के बीच म सासन कर!"
3 तोर सेना ह तोर लड़ई के दिन म
अपन ईछा ले तोर संग चलही।
पबितर सोभा ले सजके तोर जवानमन,
बिहनियां के गरभ ले निकले ओस
के सहीं तोर करा आहीं।

4 यहोवा ह कसम खाय हवय
अऊ ओह अपन मन ला नइं बदलय:
"तेंह मलकिसिदक के रीति म,
सदाकाल बर एक पुरोहित अस।"

5 परभू ह तोर जेवनी हांथ कोति हवय;
ओह अपन कोप के दिन म राजामन ला कुचर दीही।

6 मरे मनखेमन के ढेर लगाके अऊ जम्मो धरती के सासन करइयामन ला कुचरके
ओह जाति-जाति के मनखेमन के नियाय करही।
7 डहार म रेंगत ओह* झरना के पानी पीही,
अऊ ये किसम ले अपन मुड़ ला ऊंच करही।

भजन-संहिता 111

1 यहोवा के परसंसा करव।*

मेंह सीधवा मनखेमन के मंडली म अऊ सभा म
अपन पूरा मन से यहोवा के परसंसा करहूं।

2 यहोवा के काममन महान एं;
जऊन मन ओ काममन ले खुस होथें, ओमन ओ काममन के ऊपर बिचार करथें।
3 ओकर काममन महिमामय अऊ सानदार अंय,
अऊ ओकर धरमीपन हमेसा बने रहिथे।
4 ओह अपन अद्भूत काममन के सुरता कराय हवय;
यहोवा ह अनुग्रहकारी अऊ दयालु अय।
5 ओह ओमन ला जेवन देथे, जेमन ओकर भय मानथें;
ओह अपन करार ला हमेसा सुरता रखथे।

6 ओह दिगर जाति के मनखेमन के भुइयां अपन मनखेमन ला देके
अपन काम के सक्ति ला देखाय हवय।
7 ओकर हांथ के काममन बिसवासयोग्य अऊ नियाय के अंय;
ओकर जम्मो नियममन बिसवासयोग्य अंय।
8 ओमन सदा-सर्वदा अटल रहिहीं,
ये कानूनमन बिसवासयोग्यता अऊ ईमानदारी से बनाय गे हवंय।
9 ओह अपन मनखेमन ला पाप ले छुटकारा दे हवय;
ओह अपन करार ला हमेसा बर ठहिराय हवय—
ओकर नांव पबितर अऊ अद्भूत अय।

10 यहोवा के भय मनई बुद्धि के सुरूआत ए;
ओ जम्मो, जऊन मन ओकर नियममन ला मानथें, ओमन अपन म सही समझ रखथें।
ओकर महिमा सदाकाल तक होवत रहय।

भजन-संहिता 112

1 यहोवा के परसंसा करव।

धइन अंय ओमन, जऊन मन यहोवा के भय मानथें,
जऊन मन ओकर हुकूम के पालन करे म बहुंत खुस होथें।

2 ओमन के लइकामन देस म सक्तिसाली होहीं;
ईमानदार मनखे के पीढ़ी ला आसीस मिलही।
3 ओमन के घर म धन अऊ सम्पन्नता होही,
अऊ ओमन के धरमीपन ह हमेसा बने रहिही।
4 ईमानदार मनखे बर अंधियार म घलो अंजोर निकलथे,

* **भजन-संहिता 110:7** संभवत: [illegible] * **भजन-संहिता 111:1** इबरानी म [illegible]

ओमन बर घलो, जऊन मन अनुग्रहकारी अऊ दयालु अऊ धरमी अंय।
5 ओमन के भलई होही, जऊन मन उदार मन के अंय अऊ खुले मन से उधार देथें,
जऊन मन अपन काम म नियाय के बरताव करथें।

6 खचित धरमी ह कभू नइं डगमगाही;
ओमन ला हमेसा सुरता करे जाही।
7 ओमन खराप संदेस सुनके भयभीत नइं होहीं;
यहोवा ऊपर भरोसा रखत ओमन के हिरदय ह इस्थिर रहिथे।
8 ओमन के हिरदय ह सुरकछित हवय, ओमन ला कोनो किसम के भय नइं होवय;
आखिरी म ओमन अपन बईरीमन ऊपर बिजयी होके देखहीं।
9 ओमन गरीबमन ला दिल खोलके दान दे हवंय,
ओमन के धरमीपन ह सदाकाल तक बने रहिथे;
ओमन के सींग ला* आदर म ऊंच करे जाही।

10 दुस्टमन येला देखके कुढ़हीं,
ओमन अपन दांत पीसहीं अऊ बरबाद हो जाहीं;
दुस्टमन के लालसा ह पूरा नइं होही।

भजन-संहिता 113

1 यहोवा के परसंसा करव।*

हे यहोवा के सेवकमन, तुमन ओकर परसंसा करव;
यहोवा के नांव के परसंसा करव।
2 यहोवा के नांव के परसंसा होवय,
अब अऊ हमेसा-हमेसा बर ओकर परसंसा होवय।
3 उदयाचल ले लेके अस्ताचल तक
यहोवा के परसंसा होवय।

4 यहोवा ला जम्मो जाति के ऊपर उठाय जाथे,
ओकर महिमा अकास ले घलो ऊंच हवय।
5 यहोवा हमर परमेसर सहीं कोन हे,
जऊन ह कि ऊंच म बिराजमान हवय,
6 जऊन ह झुकके
अकास अऊ धरती ला देखथे?

7 ओह गरीब ला धुर्रा ले उठाथे
अऊ राख के कुढ़ा ले जरूरतमंद ला ऊपर करथे;
8 ओह ओमन ला हाकिममन के संग,
अपन मनखेमन के हाकिममन संग बईठाथे।
9 ओह बांझ माईलोगन ला ओकर घर म अइसे बसाथे,
जइसे लइकामन के खुसी ले भरे एक दाई ला।

यहोवा के परसंसा होवय।

भजन-संहिता 114

1 जब इसरायलीमन मिसर देस ले बाहिर निकलिन,

* **भजन-संहिता 112:9** [illegible] ह इहां [illegible] या [illegible] के प्रतीक अय * **भजन-संहिता 113:1** इबरानी म [illegible]

जब याकूब के बंसजमन आने भासा के मनखेमन के बीच ले बाहिर आईन,
2 तब यहूदा ह परमेसर के पबितर-स्थान,
अऊ इसरायल ह ओकर राज बन गीस।

3 समुंदर ह देखके भाग गीस,
यरदन नदी उल्टा दिग म बहे लगिस;
4 पहाड़मन मेढ़ामन सहीं,
अऊ पहाड़ीमन मेढ़ा-पीलामन सहीं उछले-कूदे लगिन।

5 हे समुंदर, का होईस कि तेंह भाग गय?
अऊ हे यरदन, तेंह काबर उल्टा बहे लगय?
6 हे पहाड़मन, तुमन काबर मेढ़ामन सहीं,
अऊ हे पहाड़ीमन, तुमन काबर मेढ़ा-पीलामन सहीं उछले-कूदे लगेव?

7 हे धरती, परभू के आघू म,
याकूब के परमेसर के आघू म कांप,
8 जऊन ह चट्टान ला पानी के कुंड,
अऊ कठोर पथरा ला पानी के सोता म बदल दीस।

भजन-संहिता 115

1 हे यहोवा, हमर नइं, हमर नइं
पर तोर मया अऊ बिसवासयोग्यता के कारन,
तोर नांव के महिमा होवय।

2 जाति-जाति के मनखेमन काबर कहिथें,
"ओमन के परमेसर कहां हवय?"
3 हमर परमेसर ह स्वरग म हवय;
ओला जऊन काम बने लगथे, ओला ओह करथे।
4 पर ओमन के मूरतीमन मनखेमन के
हांथ के बनाय सोन अऊ चांदी अंय।
5 ओमन के मुहूं तो हवय, पर ओमन गोठियाय नइं सकंय,
ओमन के आंखी तो हवय, पर देख नइं सकंय।
6 ओमन के कान तो हवय, पर सुन नइं सकंय,
नाक तो हवय, पर सुंघ नइं सकंय।
7 ओमन के हांथ तो हवय, पर ओमन छू नइं सकंय,
गोड़ तो हवय, पर ओमन चल नइं सकंय,
अऊ न ही ओमन अपन गला ले कोनो अवाज निकाल सकंय।
8 येमन ला बनानेवालामन येमन के सहीं हो जाहीं,
अऊ येमन ऊपर भरोसा रखइया जम्मो झन घलो येमन सहीं हो जाहीं।

9 हे जम्मो इसरायलीमन, यहोवा ऊपर भरोसा रखव—
ओह तुम्हर मददगार अऊ ढाल ए।
10 हे हारून के घराना, यहोवा ऊपर भरोसा रखव—
ओह तुम्हर मददगार अऊ ढाल ए।
11 हे यहोवा के भय माननेवालामन, ओकर ऊपर भरोसा रखव—
ओह तुम्हर मददगार अऊ ढाल ए।

12 यहोवा ह हमन ला सुरता करथे अऊ हमन ला आसीस देथे:
ओह अपन मनखे इसरायलीमन ला आसीस दीही,
ओह हारून के घराना ला आसीस दीही,
13 यहोवा ह छोटे अऊ बड़े ओ जम्मो झन ला आसीस दीही,
जऊन मन ओकर भय मानथें।

14 यहोवा ह अइसे करय
कि तुमन अऊ तुम्हर लइकामन दूनों उन्नति करव।
15 यहोवा, जऊन ह स्वरग अऊ धरती के बनइया ए,
तुमन ला आसीस देवय।

16 सबले ऊंच स्वरग यहोवा के अय,
पर धरती ला ओह मनखेमन ला दे हवय।
17 ये ओ मरे मनखेमन नो हंय या येमन चुप रहइया जगह म खाल्हे जवइया ओ मनखे नो हंय,
जऊन मन यहोवा के परसंसा करथें;
18 पर ये हमन अन, जऊन मन यहोवा के परसंसा करथन,
अब अऊ सदाकाल बर।

यहोवा के परसंसा करव।

भजन-संहिता 116

1 मेंह यहोवा ले मया करथंव, काबरकि ओह मोर बात ला सुनिस;
ओह दया के मोर पुकार ला सुनिस।
2 काबरकि ओह मोर कोति अपन कान लगाईस,
एकरसेति मेंह अपन जिनगी भर ओला पुकारहूं।

3 मिरतू के डोर म मेंह फंस गेंव,
कबर के पीरा ह मोर ऊपर आ गीस;
मेंह दुख अऊ पीरा म पड़े रहेंव।
4 तब मेंह यहोवा के नांव ले पराथना करेंव:
"हे यहोवा, मोला बचा!"

5 यहोवा ह अनुग्रहकारी अऊ धरमी अय;
हमर परमेसर ह दया ले भरे हवय।
6 यहोवा ह सीधा-साधा मनखे के रकछा करथे;
जब मोर बेजत्ती करे गीस, त ओह मोला बचाईस।

7 हे मोर परान, अपन बिसराम-स्थान म लहुंट आ,
काबरकि यहोवा ह तोर भलई करे हवय।

8 हे यहोवा, तेंह मोला मिरतू ले,
मोर आंखीमन ला आंसू बहाय ले,
मोर गोड़मन ला ठोकर खाय ले बचाय हस,
9 ताकि मेंह यहोवा के आघू म
जीयत परानीमन के लोक म चलंव।

10 मेंह यहोवा ऊपर भरोसा रखेंव, जब मेंह ये कहेंव,
"मेंह बहुंत दुखित हंव";

11 मेंह अपन बेचैनी म कहेंव,
“जम्मो मनखेमन लबरा अंय।”

12 यहोवा ह जतेक भलई मोर बर करे हवय,
ओ जम्मो के बदले मेंह ओला का दंव?

13 मेंह उद्धार के कटोरा ला ऊपर उठाहूं
अऊ यहोवा के नांव ला पुकारहूं।
14 यहोवा के जम्मो मनखेमन के आघू म
मेंह ओकर बर करे गय अपन मन्नत ला पूरा करहूं।

15 यहोवा के बिसवासयोग्य सेवकमन के मिरतू ह
ओकर नजर म अनमोल अय।
16 हे यहोवा, सही म मेंह तोर सेवक अंव;
मेंह तोर सेवा वइसे करथंव, जइसे मोर दाई ह करिस;
तेंह मोला मोर बंधना ले छोंड़ाय हस।

17 मेंह तोला धनबाद-बलिदान चघाहूं
अऊ यहोवा के नांव ले पराथना करहूं।
18 यहोवा के जम्मो मनखेमन के आघू म
मेंह ओकर बर करे गय अपन मन्नत ला पूरा करहूं।
19 हे यरूसलेम, तोर बीच म,
यहोवा के घर के अंगनामन म अपन मन्नत ला पूरा करहूं।

यहोवा के परसंसा करव।*

भजन-संहिता 117

1 हे जाति-जाति के जम्मो मनखेमन, यहोवा के परसंसा करव;
हे जम्मो मनखेमन, ओकर बहुंत परसंसा करव।
2 काबरकि ओह हमन ला बहुंत मया करथे,
अऊ यहोवा के बिसवासयोग्यता सदाकाल बर बने रहिथे।

यहोवा के परसंसा करव।

भजन-संहिता 118

1 यहोवा ला धनबाद देवव, काबरकि ओह बने अय;
ओकर मया सदाकाल तक बने रहिथे।

2 इसरायल ह कहय:
“ओकर मया सदाकाल तक बने रहिथे।”
3 हारून के घराना ह कहय:
“ओकर मया सदाकाल तक बने रहिथे।”
4 जऊन मन यहोवा के भय मानथें, ओमन कहंय:
“ओकर मया सदाकाल तक बने रहिथे।”

---

* **भजन-संहिता 116:19** इबरानी म [illegible]

5 जब मेंह संकट म रहेंव, त मेंह यहोवा ला पुकारेंव; ओह मोर बात ला सुनिस
अऊ मोला चौरस जगह म लानके संकट ले उबारिस।
6 यहोवा ह मोर संग हवय; मेंह नइं डरंव।
मरनहार मनखे ह मोर का कर सकथे?
7 यहोवा ह मोर संग हवय; ओह मोर मददगार ए।
मेंह अपन बईरीमन ऊपर बिजयी नजर ले देखथंव।

8 मनखेमन ऊपर भरोसा रखे के बदले
यहोवा करा सरन लेवई जादा उत्तम ए।
9 परभावसाली मनखेमन ऊपर भरोसा रखे के बदले
यहोवा करा सरन लेवई जादा उत्तम ए।
10 जम्मो जाति के मनखेमन मोला घेर ले रिहिन,
पर यहोवा के नांव म मेंह ओमन ला नास कर देंव।
11 ओमन मोला चारों कोति ले घेर ले रिहिन,
पर यहोवा के नांव म मेंह ओमन ला नास कर देंव।
12 ओमन मधुमक्खीमन के झुंड सहीं मोर चारों कोति हो गे रिहिन,
पर जइसे बरत कंटिली झाड़ी ह तुरते खतम हो जाथे, वइसे ओमन खतम हो गीन;
यहोवा के नांव म मेंह ओमन ला नास कर देंव।
13 मोला पाछू कोति धकेले गीस अऊ मेंह गिरनेचवाला रहेंव,
पर यहोवा ह मोर मदद करिस।
14 यहोवा ह मोर बल अऊ मोर सुरकछा* ए;
ओह मोर उद्धार बन गे हवय।

15 धरमीमन के तम्बू म आनंद
अऊ जीत के जयघोस होवत हे:
"यहोवा के जेवनी हांथ ह बड़े-बड़े काम करे हवय!
16 यहोवा के जेवनी हांथ ह ऊपर उठे हवय;
यहोवा के जेवनी हांथ ह बड़े-बड़े काम करे हवय!"
17 मेंह नइं मरंव पर जीयत रहिहूं,
अऊ यहोवा ह जऊन कुछू करे हवय, ओकर घोसना करहूं।
18 यहोवा ह मोर कठोर ताड़ना करे हवय,
पर ओह मोला मिरतू के बस म नइं करे हवय।
19 मोर बर धरमीमन के दुवार ला खोल दव;
मेंह भीतर जाहूं अऊ यहोवा ला धनबाद दूहूं।
20 येह यहोवा के दुवार ए
जिहां ले धरमीमन भीतर जावंय।
21 मेंह तोला धनबाद दूहूं, काबरकि तेंह मोर पराथना ला सुने हस;
तेंह मोर उद्धार बन गे हस।

22 जऊन पथरा ला घर के बनइयामन बेकार समझे रिहिन;
ओह कोना के पथरा बन गे हवय;
23 येह यहोवा के दुवारा होईस,
अऊ येह हमर नजर म अद्भूत ए।
24 यहोवा ह आज ही के दिन येला करे हवय;

---

* **भजन-संहिता 118:14** या ???

आवव, आज हमन आनंद अऊ खुसी मनावन।

25 हे यहोवा, हमन ला बचा!
हे यहोवा, हमन ला सफलता दे!

26 धइन ए ओ, जऊन ह यहोवा के नांव म आथे।
यहोवा के घर ले हमन तोला† आसीस देथन।
27 यहोवा ह परमेसर ए,
अऊ ओह अपन अंजोर ला हमर ऊपर चमकाय हवय।
हांथ म रूख के डारामन ला लेके, आनंद के जुलूस म
बेदी के सींग तक सामिल हो जावव।

28 तेंह मोर परमेसर अस, अऊ मेंह तोर परसंसा करहूं;
तेंह मोर परमेसर अस, अऊ मेंह तोर बहुंत परसंसा करहूं।

29 यहोवा ला धनबाद देवव, काबरकि ओह बने अय;
ओकर मया सदाकाल तक बने रहिथे।
*

भजन-संहिता 119

א ????

1 धइन अंय ओमन, जेमन के चालचलन निरदोस हवय,
जेमन यहोवा के कानून के मुताबिक चलथें।
2 धइन अंय ओमन, जेमन ओकर बिधि-बिधान म चलथें
अऊ अपन पूरा मन से ओकर खोज म रहिथें—
3 ओमन कोनो गलत काम नइं करंय
पर ओकर रसता म चलथें।
4 तेंह नियममन ला बनाय हस
जेमन के पूरा पालन करे जावय।
5 तोर बिधि-बिधान ला माने म
मोर चालचलन ह अटल रिहिस!
6 जब मेंह तोर जम्मो हुकूममन ऊपर बिचार करहूं
त मोला सरमिंदा होय नइं पड़ही।
7 जब मेंह तोर धरमी कानूनमन ला सीखहूं,
त मेंह तोर सही मन से परसंसा करहूं।
8 मेंह तोर बिधिमन ला मानहूं;
मोला झन तियाग दे।

ב ???

9 जवान ह अपन चालचलन ला कइसे सुध रख सकथे?
तोर बचन के मुताबिक चले के दुवारा।
10 मेंह अपन पूरा मन से तोर खोज म रहिथंव,
मोला तोर हुकूममन ले भटकन झन दे।
11 मेंह तोर बचन ला अपन हिरदय म रखे हंव
ताकि मेंह तोर बिरूध पाप झन करंव।
12 हे यहोवा, तोर परसंसा होवय;

---

† **भजन-संहिता 118:26** इबरानी म बहुबचन

* **भजन-संहिता 119:** येह एक बिसेस भजन ए, जेकर पदमन के हर अनुछेद ह इबरानी भासा के ओहीच अकछर ले सुरू होथे।

मोला तोर बिधिमन ला सिखा।
13 तोर दिये गय जम्मो कानून ला
मेंह अपन मुहूं म दोहरात रहिथंव।
14 जइसे कोनो मनखे ह बहुंत धन पाके आनंदित होथे,
वइसे मेंह तोर नियममन ला पालन करके आनंदित होथंव।
15 मेंह तोर उपदेस ऊपर मनन करथंव
अऊ तोर बातमन ऊपर बिचार करथंव।
16 मोला तोर बिधि-बिधान ले खुसी होथे;
मेंह तोर बचन ऊपर धियान दूहूं।

ג ??????

17 अपन सेवक के भलई कर कि मेंह जीयत रहंव,
अऊ तोर बचन के पालन करंव।
18 मोर आंखी ला खोल कि मेंह
तोर कानून के अद्भूत चीजमन ला देख सकंव।
19 मेंह धरती म एक अजनबी अंव;
अपन हुकूममन ला मोर ले झन छिपा।
20 मोर परान ह तोर कानून के लालसा म
हर समय बियाकुल होवत हे।
21 तेंह ओ घमंडी मनखेमन ला डांटथस, जऊन मन सरापित अंय,
जऊन मन तोर हुकूममन ले भटक जाथें।
22 मोर ऊपर लगे ओमन के अपमान अऊ तिरस्कार ला हटा,
काबरकि मेंह तो नियममन के पालन करथंव।
23 हालाकि सासन करइयामन एक संग बईठके मोर निन्दा करथें,
पर तोर सेवक ह तोर बिधिमन ऊपर मनन करत रहिही।
24 तोर नियममन ऊपर मेंह खुस होथंव;
ओमन मोर सलाहकार एं।

ד ??????

25 मेंह खाल्हे धुर्रा म पड़े हंव;
अपन बचन के मुताबिक मोला बचाय रख।
26 मेंह तोला अपन चालचलन के लेखा-जोखा देंव अऊ तेंह मोला जबाब देय;
अपन बिधिमन ला मोला सिखा।
27 तोर उपदेसमन ला समझे के तरीका मोला बता,
ताकि मेंह तोर अद्भूत काम ऊपर मनन करंव।
28 मोर जीव ह दुख के मारे थक गे हवय;
अपन बचन के मुताबिक मोला मजबूत कर।
29 धोखा देवइया रसता ले मोला अलग रख;
मोर ऊपर अनुग्रह कर अऊ मोला तोर कानून सिखा।
30 मेंह सच्चई के रसता ला चुने हवंव;
मेंह तोर कानून ऊपर अपन मन ला लगाय हवंव।
31 हे यहोवा, मेंह तोर नियम ला मजबूती से थामे हवंव;
मोला लज्जा म झन पड़न दे।
32 मेंह तोर हुकूममन के रसता म दऊड़त हंव,
काबरकि तेंह मोर समझ ला बढ़ाय हस।

ה ??

33 हे यहोवा, तोर बिधिमन ला पालन करे के तरीका मोला सिखा,

ताकि आखिरी तक मेंह येकर पालन करंव।
34 मोला समझ दे ताकि मेंह तोर कानून के पालन करंव
अऊ पूरा हिरदय ले येला मानंव।
35 तोर हुकूममन के रसता म मोला ले चल,
काबरकि उहां मोला खुसी मिलथे।
36 मोर मन ला सुवारथ के लाभ कोति नइं,
पर अपन नियम कोति कर।
37 मोर आंखीमन ला बेकार के चीजमन ले हटा दे;
अपन बचन के मुताबिक मोर जिनगी ला बनाय रख।
38 अपन सेवक ले करे गे परतिगियां ला पूरा कर,
ताकि तोर भय माने जावय।
39 जऊन कलंक ले मेंह डरत हंव, ओला मोर ले दूरिहा कर दे।
काबरकि तोर कानूनमन उत्तम अंय।
40 मेंह तोर उपदेसमन के ईछा करथंव;
अपन धरमीपन म मोर जिनगी ला बनाय रख।

ו ???

41 हे यहोवा, तोर उत्तम मया मोर ऊपर होवय,
अऊ अपन करे गे वायदा के मुताबिक मोर उद्धार कर;
42 तब में हर ओ मनखे ला जबाब दे सकहूं, जऊन ह मोला ताना मारथे,
काबरकि मेंह तोर बचन ऊपर भरोसा करथंव।
43 अपन सच्चई के बचन ला मोर मुहूं ले कभू झन हटा,
काबरकि मेंह तोर कानून ऊपर भरोसा रखे हंव।
44 मेंह हमेसा तोर कानून ला मानहूं,
सदाकाल तक मानत रहिहूं।
45 मेंह सुतंतर होके चलहूं,
काबरकि मेंह तोर उपदेसमन ला पा गे हवंव।
46 मेंह राजामन के आघू म तोर नियममन के बारे म गोठियाहूं
अऊ मोला सरमिंदा होय नइं पड़ही,
47 मेंह तोर हुकूममन ला मानके खुस होथंव,
काबरकि मेंह ओमन ले मया रखथंव।
48 मेंह तोर हुकूममन कोति हांथ बढ़ाथंव, जेमन ले कि मेंह मया रखथंव,
ताकि मेंह तोर बिधिमन ऊपर मनन करंव।

ז ???

49 जऊन बात अपन सेवक ला कहे रहय, ओला सुरता रख,
काबरकि तेंह मोला आसा दे हस।
50 मोर दुख म मोला ये बात ले सांति मिलथे:
तोर वायदा ह मोर जिनगी ला बनाय रखथे।
51 घमंडी मनखेमन बिगर रोक-टोक के मोर हंसी उड़ाथें,
पर मेंह तोर कानून ले नइं हटंव।
52 हे यहोवा, मेंह तोर पुराना कानूनमन ला सुरता करथंव,
अऊ ओमन म मोला सांति मिलथे।
53 जऊन दुस्टमन तोर कानून ला तियाग दे हवंय,
ओमन के कारन मोला गुस्सा आथे।
54 जिहां भी मेंह रहिथंव,
तोर बिधिमन मोर गीत के बिसय होथें।

55 हे यहोवा, रथिया मेंह तोर नांव ला सुरता करथंव,
ताकि मेंह तोर कानून म चल सकंव।
56 येह मोर आदत हो गे हवय:
मेंह तोर उपदेस के पालन करथंव।

ח ???

57 हे यहोवा, तेंह मोर भाग अस;
मेंह तोर बचन ला पालन करे के वायदा करे हंव।
58 मेंह अपन पूरा मन से तोला खोजे हंव;
अपन वायदा के मुताबिक मोर ऊपर अनुग्रह कर।
59 मेंह अपन चालचलन ऊपर बिचार करे हंव
अऊ तोर नियममन ला पालन करे बर गोड़ ला आघू बढ़ाय हंव।
60 मेंह तोर हुकूममन ला पालन करे बर
जल्दी से आघू बढ़हूं, देरी नइं करंव।
61 हालाकि दुस्टमन मोला रस्सी ले बांधथें,
तभो ले मेंह तोर कानून ला नइं भूलंव।
62 तोर धरमी कानूनमन के सेति
तोला धनबाद दे बर मेंह आधा रथिया उठहूं।
63 मेंह ओ जम्मो के संगवारी अंव, जऊन मन तोर भय मानथें,
ओ जम्मो जऊन मन तोर नियम म चलथें।
64 हे यहोवा, धरती ह तोर मया ले भर गे हवय;
मोला तोर बिधिमन ला सिखा।

ט ???

65 हे यहोवा, अपन बचन के मुताबिक
अपन सेवक के भलई कर।
66 मोला गियान अऊ सही नियाय के बात सिखा,
काबरकि मेंह तोर हुकूममन ऊपर भरोसा करथंव।
67 दुख म पड़े के पहिले मेंह भटक गे रहेंव,
पर अब मेंह तोर बात ला मानथंव।
68 तेंह बने अस, अऊ जऊन कुछू तेंह करथस, ओह बने अय;
मोला अपन बिधिमन ला सिखा।
69 हालाकि घमंडी मनखेमन लबारी बात कहिके मोर ऊपर दाग लगाय हवंय,
पर मेंह अपन पूरा मन से तोर नियममन ला मानथंव।
70 ओमन के हिरदय कठोर अऊ भावनाहीन हो गे हवंय,
पर मोला तोर कानून म चलके खुसी मिलथे।
71 येह मोर बर बने बात होईस कि मेंह दुख म पड़ेंव
ताकि मेंह तोर बिधिमन ला सीख सकंव।
72 तोर मुहूं ले निकले कानून ह मोर बर
सोन अऊ चांदी के हजारों टुकड़ामन ले घलो जादा कीमती ए।

י ???

73 तोर हांथ ह मोला बनाईस अऊ मोला रचिस;
अपन हुकूममन ला सीखे के मोला समझ दे।
74 तोर भय मनइयामन मोला देखके आनंद मनावंय,
काबरकि मेंह तोर बचन ऊपर अपन आसा रखे हंव।
75 हे यहोवा, मेंह जानत हंव कि तोर कानूनमन धरमी अंय,
अऊ ये घलो कि सच्चई के मुताबिक तेंह मोला दुख दे हस।

76 अपन सेवक बर करे गे तोर वायदा के मुताबिक
तोर अटल मया ह मोला सांति देवय।
77 तोर दया मोर ऊपर होवय कि मेंह जीयत रहंव,
काबरकि तोर कानून ला माने म मोला खुसी मिलथे।
78 बिगर कोनो कारन के मोर संग गलत बरताव करे के कारन दुस्टमन लज्जित होवंय;
पर मेंह तोर उपदेसमन ऊपर मनन करत रहिहूं।
79 जऊन मन तोर भय मानथें, ओमन मोर कोति आवंय,
ओमन, जऊन मन तोर नियममन ला समझथें।
80 मेंह पूरा मन से तोर बिधिमन के पालन करंव
ताकि मोला लज्जित होना झन पड़य।

כ [illegible]

81 मोर परान ह तोर उद्धार के ईछा करत थक जावत हे,
पर मेंह तोर बचन म अपन आसा रखे हंव।
82 मोर आंखीमन तोर वायदा के पूरा होय के बाट जोहत थक जावत हें;
मेंह कहिथंव, "तेंह मोला कब सांति देबे?"
83 हालाकि मेंह कुहरा म अंगूर के मंद के एक कुप्पी सहीं अंव,
तभो ले मेंह तोर बिधिमन ला नइं भूलंव।
84 तोर सेवक ला अऊ कब तक इंतजार करे बर पड़ही?
तेंह मोला सतानेवालामन ला कब दंड देबे?
85 तोर कानून के उल्टा
घमंडीमन मोला फंसाय बर खंचवा कोड़थें।
86 तोर जम्मो हुकूममन बिसवासयोग्य अंय;
मोर मदद कर, काबरकि मेंह बिगर कारन के सताय जावत हंव।
87 ओमन मोला धरती ले लगभग मिटा डारे रिहिन,
पर मेंह तोर उपदेसमन ला नइं छोड़े हंव।
88 तोर अटल मया म मोर जिनगी ला बनाय रख,
ताकि मेंह तोर मुहूं ले दिये गय नियममन ला मानंव।

ל [illegible]

89 हे यहोवा, तोर बचन ह सदाकाल बर अय;
येह अकास म अटल बने रहिथे।
90 तोर बिसवासयोग्यता पीढ़ी दर पीढ़ी बने रहिथे;
तेंह धरती ला इस्थिर करय, अऊ येह बने रहिथे।
91 तोर कानूनमन आज तक बने हवंय,
काबरकि जम्मो चीजमन तोर सेवा करथें।
92 कहूं तोर कानून ह मोर खुसी के कारन नइं होतिस,
त मेंह अपन दुख म नास हो गे रहितेंव।
93 मेंह तोर उपदेसमन ला कभू नइं भूलंव,
काबरकि ओमन के दुवारा तेंह मोर जिनगी ला बनाय रखे हस।
94 मोला बचा, काबरकि मेंह तोर अंव;
मेंह तोर उपदेसमन ला खोज ले हंव।
95 दुस्टमन मोला नास करे बर बाट जोहत हें,
पर मेंह तोर बिधिमन ऊपर बिचार करत रहिहूं।
96 हर सिद्धता म मेंह एक सीमना ला देखथंव,
पर तोर हुकूममन के कोनो सीमना नइं ए।

מ [illegible]

97 अहा! तोर कानून ले मेंह कइसने मया करथंव!
दिन भर मेंह येकर ऊपर मनन करत रहिथंव।
98 तोर हुकूममन हमेसा मोर संग हवंय
अऊ मोर बईरीमन ले मोला जादा बुद्धिमान बनाथें।
99 मोर जम्मो गुरूमन ले मोर म जादा समझ हवय,
काबरकि मेंह तोर नियममन ऊपर चिंतन-मनन करत रहिथंव।
100 मोर म अगुवामन ले जादा समझ हवय,
काबरकि मेंह तोर नियममन के पालन करथंव।
101 मेंह अपन गोड़ ला हर एक बुरई के रसता म जाय ले रोके हंव
ताकि मेंह तोर बचन के पालन कर सकंव।
102 मेंह तोर कानून के पालन करे ले नइं हटे हंव,
काबरकि तेंह खुद मोला ये कानून ला सिखाय हस।
103 तोर बचनमन मोला बहुंत मीठ लगथें,
मोर मुहूं म येह मंधरस ले घलो जादा मीठ लगथे!
104 तोर उपदेसमन ले मोला समझ के बात मिलथे;
एकरसेति मेंह हर गलत रसता ले घिन करथंव।

נ ???

105 तोर बचन ह मोर पांव बर दीया,
अऊ मोर रसता बर अंजोर अय।
106 मेंह कसम खाय हंव अऊ ठान ले हंव,
कि मेंह तोर धरमी कानूनमन के पालन करहूं।
107 में बहुंत दुख झेले हंव;
हे यहोवा, अपन बचन के मुताबिक मोर जिनगी ला बनाय रख।
108 हे यहोवा, अपन मन से मोर मुहूं ले निकले परसंसा ला गरहन कर,
अऊ तोर कानून मोला सिखा।
109 हालाकि मेंह लगातार अपन परान ला अपन हथेली म लेके चलथंव,
तभो ले मेंह तोर कानून ला नइं भूलंव।
110 दुस्टमन मोर बर एक फंदा लगाय हवंय,
पर मेंह तोर उपदेसमन ले नइं भटके हंव।
111 तोर बिधिमन सदाकाल बर मोर कुल-परंपरा अंय,
ओमन मोर हिरदय के आनंद अंय।
112 मोर हिरदय ला आखिरी तक
तोर बिधि-बिधान म चले बर लगाय हवंव।

ס ??????

113 मेंह दोगला मनखेमन ले घिन करथंव,
पर मेंह तोर कानून ले मया करथंव।
114 तेंह मोर सरन-स्थान अऊ मोर ढाल अस;
मेंह तोर बचन म अपन आसा रखे हंव।
115 हे दुस्ट काम करइयामन, मोर ले दूर हटव,
ताकि मेंह अपन परमेसर के हुकूममन ला मान सकंव!
116 हे मोर परमेसर, अपन वायदा के मुताबिक मोला संभाले रख ताकि मेंह जीयत रहंव;
मोर आसा ला झन टूटन दे।
117 मोला थाम ले, अऊ मेंह बांचे रहिहूं;
मेंह हमेसा तोर बिधिमन के आदर करहूं।

118 तेंह ओमन ला गरहन नइं करस, जऊन मन तोर नियम ले भटक जाथें,
काबरकि ओमन के भरम म पड़े ले कोनो फायदा नइं होवय।
119 धरती के जम्मो दुस्टमन ला तेंह कुड़ा-करकट के सहीं छोंड़ देथस;
एकरसेति मेंह तोर नियममन ले मया करथंव।
120 तोर डर म मोर देहें ह कांपथे;
मेंह तोर कानून के भय म रहिथंव।

ע ????

121 मेंह ओही काम करे हंव, जऊन ह सही अऊ नियाय-संगत अय;
मोला मोर सतानेवालामन के हांथ म झन छोंड़ दे।
122 अपन सेवक के भलई के बात ला निस्चित कर ले;
घमंडीमन ला मोर ऊपर अतियाचार झन करन दे।
123 मोर आंखीमन तोर उद्धार के बाट जोहत,
तोर धरमी वायदा के बाट जोहत थक गे हवंय।
124 अपन मया के मुताबिक तोर सेवक ले बरताव कर
अऊ मोला तोर नियममन ला सिखा।
125 मेंह तोर सेवक अंव; मोला समझ के आतमा दे
ताकि मेंह तोर बिधिमन ला समझ सकंव।
126 हे यहोवा, तोर काम करे के समय आ गे हवय;
तोर कानून ला टोरे जावत हे।
127 काबरकि मेंह तोर हुकूममन ला
सोन ले जादा, सुध सोन ले घलो जादा मया करथंव,
128 अऊ काबरकि मेंह तोर जम्मो उपदेसमन ला सही मानथंव,
मेंह हर गलत रसता ले घिन करथंव।

פ ??

129 तोर नियममन अद्भूत अंय;
एकरसेति मेंह ओमन ला मानथंव।
130 तोर बचन के समझ ले अंजोर मिलथे;
येह सधारन मनखे ला समझ के आतमा देथे।
131 मेंह अपन मुहूं ला खोलथंव अऊ हांफथंव,
काबरकि मेंह तोर हुकूम बर पीयासन हंव।
132 मोर कोति देख अऊ मोर ऊपर दया कर,
जइसे कि तेंह हमेसा ओमन ऊपर करथस, जऊन मन तोर नांव ले मया करथें।
133 अपन बचन के मुताबिक मोर गोड़मन ला चले के निरदेस दे;
मोर ऊपर कोनो पाप के अधिकार झन होवन दे।
134 मोला मनखेमन के अतियाचार ले छोंड़ा ले,
ताकि मेंह तोर उपदेसमन के पालन करंव।
135 अपन दास ऊपर अपन मुहूं के अंजोर ला चमका
अऊ मोला अपन बिधिमन ला सिखा।
136 मोर आंखी ले आंसू के धारा बहत हे,
काबरकि मनखेमन तोर कानून के पालन नइं करत हंय।

צ ????

137 हे यहोवा तेंह धरमी अस,
अऊ तोर कानूनमन सही अंय।
138 जऊन नियम तेंह बनाय हस, ओमन धरमी अंय;
ओमन पूरा बिसवासयोग्य अंय।
139 मोर उत्साह ह मोला भसम करत हवय,

काबरकि मोर बईरीमन तोर बचन के अनदेखा करत हवंय।
140 तोर वायदामन पूरा परखे गे हवंय,
अऊ तोर सेवक ह ओमन ले मया करथे।
141 हालाकि मेंह नीचा अऊ तुछ समझे जावत हंव,
तभो ले मेंह तोर उपदेसमन ला नइं भूलंव।
142 तोर धरमीपन ह सदा बने रहिथे
अऊ तोर कानून ह सच ए।
143 समस्या अऊ दुख मोर ऊपर आय हवय,
पर तोर हुकूम ह मोला खुसी देथे।
144 तोर नियममन हमेसा सही अंय;
मोला समझ के आतमा दे कि मेंह जीयत रहंव।

ך [illegible]

145 हे यहोवा, मेंह अपन पूरा मन से तोला पुकारत हंव; मोला जबाब दे,
अऊ मेंह तोर बिधिमन ला मानहूं।
146 मेंह तोला पुकारत हंव; मोला बचा
अऊ मेंह तोर नियममन ला मानहूं।
147 मेंह बिहान होय के पहिले उठथंव अऊ मदद बर गोहारथंव;
मेंह तोर बचन ऊपर अपन आसा रखे हंव।
148 मोर आंखी ह रथिया के जम्मो पहर खुला रहिथे,
ताकि मेंह तोर वायदामन ऊपर मनन कर सकंव।
149 अपन मया के मुताबिक मोर बात ला सुन;
हे यहोवा, अपन कानून के मुताबिक मोर जिनगी ला बनाय रख।
150 जऊन मन दुस्ट योजना बनाथें, ओमन लकठा म हवंय,
पर ओमन तोर कानून ले बहुंत दूरिहा हवंय।
151 तभो ले हे यहोवा, तेंह मोर लकठा म हस,
अऊ तोर जम्मो हुकूममन सच अंय।
152 बहुंत पहिले मेंह तोर नियममन ले सीखे रहेंव
कि तेंह ओमन ला सदाकाल तक बने रहे बर बनाय हस।

ר [illegible]

153 मोर दुख ला देख अऊ येकर ले मोला छोंड़ा,
काबरकि मेंह तोर कानून ला नइं भूले हंव।
154 मोर मामला के बचाव कर अऊ मोला छोंड़ा;
अपन वायदा के मुताबिक मोर जिनगी ला बनाय रख।
155 दुस्ट मनखेमन ले उद्धार ह बहुंत दूरिहा हवय,
काबरकि ओमन तोर बिधिमन ऊपर धियान नइं देवंय।
156 हे यहोवा, तोर दया ह महान ए;
अपन कानून के मुताबिक मोर जिनगी ला बनाय रख।
157 बईरीमन बहुंत हवंय, जऊन मन मोला सताथें,
पर मेंह तोर नियममन ला माने ले नइं हटे हंव।
158 मेंह बिसवासहीन मनखेमन ला नफरत के नजर ले देखथंव,
काबरकि ओमन तोर बचन के पालन नइं करंय।
159 देख, मेंह तोर नियम ले कइसे मया रखथंव;
हे यहोवा, अपन मया के मुताबिक मोर जिनगी ला बनाय रख।
160 तोर जम्मो बचनमन सच अंय;

तोर जम्मो धरमी कानूनमन सदाकाल बर अंय।

ש ???

161 सासन करइयामन बिगर कोनो कारन के मोला सताथें,
पर मोर हिरदय ह तोर बचन के खियाल करके कांपथे।
162 जइसे कोनो बड़े लूट के माल मिले ले खुस होथे,
वइसे मेंह तोर करे गय वायदामन ले आनंदित होथंव।
163 लबारी बात ले मेंह घिन करथंव अऊ ओला तुछ समझथंव
पर मेंह तोर कानून ले मया करथंव।
164 तोर धरमी कानून बर
दिन म सात बार मेंह तोर परसंसा करथंव।
165 जऊन मन तोर कानून ले मया करथें, ओमन ला बहुंत सांति मिलथे,
अऊ कोनो भी चीज ले ओमन ला ठोकर नइं लगय।
166 हे यहोवा, मेंह तोर उद्धार के इंतजार करथंव,
अऊ मेंह तोर हुकूममन के पालन करथंव।
167 मेंह तोर नियममन ला मानथंव,
काबरकि मेंह ओमन ले बहुंत मया करथंव।
168 मेंह तोर नियम अऊ बिधिमन के पालन करथंव,
काबरकि मोर जम्मो चालचलन ला तेंह जानत हस।

ת ???

169 हे यहोवा, मोर गोहार ह तोर करा हबरे;
अपन बचन के मुताबिक मोला समझ के आतमा दे।
170 मोर बिनती ह तोर करा हबरे;
अपन वायदा के मुताबिक मोला छोंड़ा।
171 मोर मुहूं ले बहुंत परसंसा के बात निकले,
काबरकि तेंह मोला अपन बिधिमन ला सिखाथस।
172 मोर जीभ ह तोर बचन के गीत गावय,
काबरकि तोर जम्मो हुकूममन धरमी अंय।
173 तोर हांथ ह मोर मदद करे बर तियार रहय,
काबरकि मेंह तोर उपदेसमन ला अपना ले हंव।
174 हे यहोवा, मेंह तोर ले उद्धार के ईछा करथंव,
अऊ तोर कानून ला पालन करके मोला खुसी मिलथे।
175 मोला जीयत रहन दे कि मेंह तोर परसंसा करंव,
अऊ तोर कानूनमन मोला संभाले रहंय।
176 मेंह गंवाय भेड़ सहीं भटक गे हंव।
अपन सेवक ला खोज,
काबरकि मेंह तोर हुकूममन ला नइं भूले हंव।

भजन-संहिता 120

आरोहन के एक गीत।

1 मेंह अपन दुख म यहोवा ला पुकारथंव,
अऊ ओह मोला जबाब देथे।
2 हे यहोवा,
लबारी मरइया ओंठ
अऊ धोखा देवइया जीभ ले मोला बचा।

3 हे धोखा देवइया जीभ,
तोर संग परमेसर ह का करही,
अऊ येकर अलावा अऊ का होही?
4 ओह तोला एक योद्धा के नुकीला तीरमन ले,
बहरी बनइया झाड़ी के बरत कोइलामन ले सजा दीही।

5 धिक्कार ए मोर ऊपर कि मेंह मेसेक देस म निवास करथंव,
अऊ ये कि केदार के तम्बूमन के बीच रहिथंव!
6 बहुंत समय तक मेंह ओमन के बीच रहेंव,
जऊन मन सांति बिलकुल पसंद नइं करंय।
7 मोला सांति बने लगथे;
पर जब मेंह गोठियाथंव, त ओमन लड़ई करे चाहथें।

भजन-संहिता 121

आरोहन के एक गीत।
1 मेंह अपन आंखी ला पहाड़मन कोति लगाथंव—
मोर मदद कहां ले आथे?
2 मोर मदद ह यहोवा ले आथे,
जऊन ह अकास अऊ धरती के रचइया ए।

3 ओह तोर पांव ला फिसले बर नइं दीही—
जऊन ह तोर रखवारी करथे, ओह नइं ऊंघय;
4 वास्तव म, जऊन ह इसरायल के रखवारी करथे,
ओह न तो ऊंघय अऊ न ही सुतय।

5 यहोवा ह तोर रखवारी करथे—
यहोवा ह तोर जेवनी हांथ कोति बचाव के तोर छइहां ए;
6 न तो दिन के समय सूरज ले
अऊ न ही रथिया के बेरा चंदा ले तोला कोनो हानि होही।

7 यहोवा ह तोला जम्मो हानि ले बचाही—
ओह तोर जिनगी के रखवारी करही;
8 यहोवा ह तोर अवई-जवई म
तोर रकछा अब ले लेके सदाकाल तक करत रहिही।

भजन-संहिता 122

आरोहन के एक गीत। दाऊद के गीत।
1 मेंह ओमन के संग आनंद मनाथंव, जऊन मन मोला कहिन,
"आवव, यहोवा के घर चलबो।"
2 हे यरूसलेम, तोर दुवारमन म
हमन खड़े हवन।

3 यरूसलेम ला ओ सहर के सहीं बनाय गे हवय,
जेकर घरमन एक-दूसर ले एक संग जुड़े हवंय।
4 ओही ह ओ जगह ए, जिहां गोत्र-गोत्र के मनखे—
यहोवा के गोत्र के मनखे

यहोवा के नांव के परसंसा करे बर जाथें,
अऊ ये परसंसा के काम इसरायल ला दिये गय नियम के मुताबिक होथे।
5 उहां नियाय बर सिंघासनमन हवंय,
अऊ ओमन दाऊद के घराना के सिंघासन अंय।

6 यरूसलेम के सांति बर पराथना करव:
"जऊन मन तोर ले मया करथें, ओमन सुरकछित रहंय।
7 तोर दीवारमन* के भीतर म सांति
अऊ तोर गढ़मन म सुरकछा बने रहय।"
8 अपन परिवार अऊ संगवारीमन के हित म,
मेंह कहिहूं, "तुमन म सांति रहय।"
9 यहोवा, हमर परमेसर के घर के हित म
मेंह तुम्हर उन्नति के कोसिस म रहिहूं।

भजन-संहिता 123

आरोहन के एक गीत।
1 मेंह अपन नजर तोर कोति करथंव,
तोर कोति, जऊन ह स्वरग म बिराजमान हे।
2 जइसे कि दासमन के नजर ह अपन मालिक के हांथ कोति,
जइसे कि दासी के नजर ह अपन मालकिन के हांथ कोति लगे रहिथे,
वइसे ही हमर नजर ह यहोवा, हमर परमेसर कोति तब तक लगे रहिथे,
जब तक कि ओह हमर ऊपर अपन दया नइं देखावय।

3 हे यहोवा, हमर ऊपर दया कर, हमर ऊपर दया कर,
काबरकि हमन बहुंत अपमान सहे हन।
4 घमंडी मनखेमन हमर
बहुंत हंसी उड़ाय हवंय,
घमंडी मनखेमन के हमन घोर अपमान सहे हन।

भजन-संहिता 124

आरोहन के एक गीत। दाऊद के गीत।
1 कहूं यहोवा ह हमर कोति नइं होतिस—
त इसरायल ह कहय—
2 कहूं यहोवा ह हमर कोति नइं होतिस
जब मनखेमन हमर ऊपर हमला करिन,
3 त ओमन हमन ला जीयत लील ले रहितिन
जब ओमन के गुस्सा हमर ऊपर भड़किस;
4 बाढ़ के पानी म हमन बुड़ गे रहितेंन,
पानी के बहाव म हमन बह गे रहितेंन,
5 भयंकर पानी के धारा ह
हमन ला बहाके ले गे रहितिस।

6 यहोवा के परसंसा होवय,
जऊन ह हमन ला ओमन के दांत के दुवारा फाड़े जाय ले बचाय हवय।
7 हमन चिड़ीमार के जाल ले बचे

* **भजन-संहिता 122:7** या [illegible]

एक चिरई के सहीं अन;
जाल ह फट गे हवय,
अऊ हमन बच गे हवन।
8 हमर मदद यहोवा के नांव म होथे,
जऊन ह अकास अऊ धरती ला बनाय हवय।

भजन-संहिता 125

आरोहन के एक गीत।
1 जऊन मन यहोवा ऊपर भरोसा रखथें, ओमन सियोन पहाड़ सहीं अंय,
जेला हलाय नइं जा सकय पर येह सदा अटल बने रहिथे।
2 जइसे कि पहाड़मन यरूसलेम ला चारों कोति ले घेरे हवंय,
वइसे ही यहोवा ह अपन मनखेमन ला
अब अऊ सदाकाल तक घेरे रहिथे।

3 दुस्टमन के राजदंड ह धरमीमन ला
दिये गय भुइयां ऊपर हमेसा बने नइं रहिही,
काबरकि तब धरमीमन
अपन हांथ दुस्ट काम करे म लगा सकथें।

4 हे यहोवा, ओमन के भलई कर, जऊन मन सीधवा मनखे अंय,
ओमन के भलई कर, जेमन के मन ह ईमानदार अय।
5 पर जऊन मन बेईमानी के रसता ला धरथें
यहोवा ह ओमन ला दुस्टमन के संग निकाल दीही।

इसरायल ला सांति मिलय।

भजन-संहिता 126

आरोहन के एक गीत।
1 जब यहोवा ह सियोन के भाग्य ला फेर पलटिस,*
त हमन सपना देखइयामन सहीं हो गे रहेंन।
2 तब खुसी के मारे हमन बहुंत हंसेंन,
हमर मुहूं ले आनंद के गीत निकलत रिहिस।
तब जाति-जाति के मनखेमन के बीच ये कहे गीस,
"यहोवा ह ओमन बर बड़े-बड़े काम करे हवय।"
3 यहोवा ह हमर बर बड़े-बड़े काम करे हवय,
अऊ येकर कारन हमन बहुंत आनंदित हन।

4 हे यहोवा, नेगेव म पानी के सोता सहीं,
हमर भाग्य ला फेर पलट दे।†
5 जऊन मन आंसू बहात बोथें,
ओमन आनंद के गीत गावत फसल ला लूहीं।
6 जऊन मन बीजा ला बोए बर
रोवत बाहिर निकलथें,
ओमन फसल के बीड़ा लेके
आनंद के गीत गावत लहुंटहीं।

---

* **भजन-संहिता 126:1** या [illegible] † **भजन-संहिता 126:4** या [illegible]

भजन-संहिता 127

आरोहन के एक गीत। सुलेमान के गीत।
1 यदि घर ला यहोवा ह नइं बनावय,
त ओकर बनानेवालामन के मेहनत ह बेकार होथे।
यदि सहर के पहरेदारी यहोवा ह नइं करय,
त पहरेदारमन के पहरेदारी ह बेकार होथे।
2 तुमन बेकार म बड़े बिहनियां उठथव
अऊ देर रात तक जागके
जेवन बर मेहनत करथव—
काबरकि ओह ओमन ला नींद देथे, जेमन ले ओह मया करथे।

3 लइकामन यहोवा के दुवारा दिये गय भाग होथें,
लइका ह ओकर कोति ले दिये गय एक ईनाम ए।
4 जइसे एक योद्धा के हांथ म तीरमन होथें,
वइसे जवानी के समय म जनमे लइकामन होथें।
5 धइन अय ओ मनखे
जेकर तरकस ह ओमन ले भरे हवय।
जब ओमन अदालत म अपन बिरोधीमन के सामना करहीं
त ओमन ला लज्जित होना नइं पड़ही।

भजन-संहिता 128

आरोहन के एक गीत।
1 धइन अंय ओ जम्मो, जऊन मन यहोवा के भय मानथें,
जऊन मन ओकर हुकूम ला मानत चलथें।
2 तेंह अपन मेहनत के फल खाबे;
तोला आसीस मिलही अऊ तोर उन्नति होही।
3 तोर घरवाली ह तोर घर के भीतर
फल देवइया अंगूर के एक नार सहीं होही;
तोर लइकामन तोर मेज के चारों कोति
जैतून रूख के निकले अंकुर सहीं होहीं।
4 हव, येह ओ मनखे बर आसीस होही,
जऊन ह यहोवा के भय मानथे।

5 यहोवा ह सियोन ले तोला आसीस देवय;
तेंह अपन जिनगी भर
यरूसलेम के उन्नति देखत रह।
6 अपन लइकामन के लइकामन ला देखे बर जीयत रह—
इसरायल ला सांति मिलय।

भजन-संहिता 129

आरोहन के एक गीत।
1 इसरायल ह कहय,
“मोर जवानी के समय ले ओमन मोर ऊपर बहुंत अतियाचार करे हवंय,
2 मोर जवानी के समय ले ओमन मोर ऊपर बहुंत अतियाचार करे हवंय,
पर ओमन ला मोर ऊपर कभू जीत नइं मिलिस।

3 नांगर चलइयामन मोर पीठ म नांगर चलाय हवंय
अऊ लम्बा-लम्बा घारी बनाय हवंय।
4 पर यहोवा ह धरमी ए;
ओह दुस्टमन के डोरी के बंधना ला काटके मोला सुतंतर कर दे हवय।"

5 जऊन मन सियोन ले घिन करथें
ओमन सरम के मारे लहुंट जावंय।
6 ओमन छानी ऊपर जामे कांदी सहीं होवंय,
जऊन ह बढ़े के पहिले अइला जाथे;
7 जेला कोनो लुवइया अपन हांथ म नइं धर सकय,
न ही कोनो ओला अपन हांथ म कुढ़ो सकथे।
8 जऊन मन उहां ले होके जाथें, ओमन ये झन कहंय,
"यहोवा के आसीस तुम्हर ऊपर होवय;
हमन तुमन ला यहोवा के नांव म आसीस देवत हन।"

भजन-संहिता 130

आरोहन के एक गीत।
1 हे यहोवा, मेंह निरासा के गहरई म ले तोला पुकारत हंव;
2 हे परभू, मोर अवाज ला सुन।
तोर कानमन दया के मोर गोहार ला
धियान देके सुनंय।

3 हे यहोवा, यदि तेंह पाप के लेखा-जोखा रखते,
त हे परभू, कोन ह ठहर सकतिस?
4 पर तेंह छेमा करइया अस,
ताकि हमन आदर सहित तोर सेवा करन।

5 मेंह यहोवा के बाट जोहथंव, मोर जम्मो चीज ओकर बाट जोहत रहिथे,
अऊ ओकर बचन ऊपर मेंह अपन आसा रखथंव।
6 पहरेदारमन बिहनियां होय के जतेक बाट जोहथें,
हां, पहरेदारमन बिहनियां होय के जतेक बाट जोहथें,
ओकर ले जादा मेंह परभू के बाट जोहथंव।

7 हे इसरायल, यहोवा ऊपर अपन आसा रख,
काबरकि यहोवा म बहुंत मया हवय
अऊ ओहीच ह पूरा छुटकारा देथे।
8 ओह खुद इसरायलीमन ला
ओमन के जम्मो पाप ले छुटकारा दीही।

भजन-संहिता 131

आरोहन के एक गीत। दाऊद के गीत।
1 हे यहोवा, मोर मन ह घमंडी नो हय,
न ही मोर आंखीमन घमंड ले चढ़े हवंय;
जऊन ह बड़े बात ए, या ओ बात जऊन ह मोर बर बहुंत अद्भूत ए,
अइसन बातमन ले मेंह कोनो मतलब नइं रखंव।
2 पर मेंह अपनआप ला सांत अऊ चुप कर ले हंव,

मेंह दाई के कोरा म दूध पीके पड़े एक लइका सहीं अंव;
दूध पीये लइका सहीं मेंह संतुस्ट हंव।

3 हे इसरायल, अब ले लेके सदाकाल तक
यहोवा ऊपर अपन आसा बनाय रख।

भजन-संहिता 132

आरोहन के एक गीत।
1 हे यहोवा, दाऊद
अऊ ओकर जम्मो दुरदसा ला सुरता कर।

2 ओह यहोवा ले एक कसम खाईस,
ओह याकूब के सक्तिसाली जन ले वायदा करिस:
3 "मेंह तब तक अपन घर के भीतर नइं जावंव
या अपन बिस्तर म नइं जावंव,
4 मेंह अपन आंखी म नींद आवन नइं दंव
या अपन आंखी के पलक म झपकी नइं आवन दंव,
5 जब तक कि मोला यहोवा बर एक जगह,
याकूब के सक्तिसाली जन बर एक निवास स्थान नइं मिल जाही।"

6 हमन ये बात एपराता म सुने हवन,
हमन यार* के मैदान म घलो येला पाय हवन।
7 "आवव, ओकर निवास स्थान म चलन,
आवव, ओकर पांव के चउकी म ये कहिके अराधना करन,
8 'हे यहोवा, उठ अऊ अपन बिसराम के जगह म
अपन सक्ति के सन्दूक के संग आ।
9 तोर पुरोहितमन तोर धरमीपन के कपड़ा पहिरंय;
तोर बिसवासयोग्य मनखेमन आनंद के गीत गावंय।' "

10 अपन सेवक दाऊद के हित म,
अपन अभिसिक्त जन ला झन तियाग।

11 यहोवा ह दाऊद ले एक कसम खाईस,
एक सच्चा कसम, जेला ओह नइं टोरय:
"तोर खुद के संतानमन ले एक झन ला
तोर सिंघासन म बईठाहूं।
12 यदि तोर बेटामन मोर करार ला मानहीं
अऊ जऊन नियम मेंह सिखाथंव, ओमा चलहीं,
त ओमन के बेटामन तोर सिंघासन म
सदाकाल बर बईठत रहिहीं।"

13 काबरकि यहोवा ह सियोन ला चुने हवय,
ओह ये कहत येला अपन निवास बर पसंद करे हवय,
14 "येह सदाकाल बर मोर अराम के जगह ए;
इहां मेंह बिराजमान होहूं, काबरकि येला मेंह पसंद करे हवंव।
15 मेंह येकर खाय-पीये के चीजमन ला बहुंत आसीस दूहूं;

* **भजन-संहिता 132:6** देखव 1 इति 13:5, 6

येकर गरीब मनखेमन ला मेंह जेवन देके संतुस्ट करहूं।
16 मेंह येकर पुरोहितमन ला उद्धार के कपड़ा पहिराहूं,
अऊ येकर बिसवासयोग्य मनखेमन हमेसा आनंद के गीत गाहीं।

17 "इहां मेंह दाऊद बर एक सींग† ला बढ़ाहूं
अऊ अपन अभिसिक्त जन बर एक दीया ला मढ़ाहूं।
18 मेंह ओकर बईरीमन ला लज्जा के कपड़ा पहिराहूं,
पर ओकर मुड़ ला चमकत मुकुट ले सोभायमान करे जाही।"

भजन-संहिता 133

आरोहन के एक गीत। दाऊद के गीत।
1 येह कतेक बने अऊ खुसी के बात होथे
जब परमेसर के मनखेमन एकता बनाके एक संग रहिथें!

2 येह अइसने ए, मानो कीमती तेल ला मुड़ म डाले गीस,
जऊन ह दाढ़ी तक बहत हे,
हव, खाल्हे हारून के दाढ़ी म बहत,
ओकर कपड़ा के कालर तक पहुंच जाथे।
3 येह ओकर सहीं ए, मानो हेरमोन के ओस ह
सियोन पहाड़ ऊपर गिरत हे।
काबरकि ओह ओ जगह ए, जिहां यहोवा ह
हमेसा बर अपन आसीस अऊ जिनगी देथे।

भजन-संहिता 134

आरोहन के एक गीत।
1 हे यहोवा के जम्मो सेवकमन, तुमन जऊन मन रथिया यहोवा के घर म सेवा करथव
यहोवा के परसंसा करव।
2 पबितर-स्थान म अपन हांथ ला ऊपर उठाववव
अऊ यहोवा के परसंसा करव।

3 यहोवा, जऊन ह अकास अऊ धरती के रचइता ए,
ओह तुमन ला सियोन ले आसीस देवय।

भजन-संहिता 135

1 यहोवा के परसंसा करव।

यहोवा के नांव के परसंसा करव;
हे यहोवा के सेवकमन, ओकर परसंसा करव,
2 तुमन, जऊन मन यहोवा के घर म सेवा करथव,
तुमन, जऊन मन हमर परमेसर के घर के अंगना म सेवा करथव।

3 यहोवा के परसंसा करव, काबरकि यहोवा ह बने अय,
ओकर नांव के परसंसा करव, काबरकि येह मन ला भाथे।
4 यहोवा ह याकूब ला अपन खुद के होय बर चुन ले हवय,

† **भजन-संहिता 132:17** ▯▯▯▯ एक सक्तिसाली राजा

इसरायल ला अपन कीमती संपत्ति होय बर चुन ले हवय।

5 मेंह जानत हंव कि यहोवा ह महान ए,
ये घलो कि हमर परभू ह जम्मो देवतामन ले महान ए।
6 यहोवा ला जऊन बात बने लगथे,
ओह ओला अकास अऊ धरती म,
समुंदर अऊ ओकर जम्मो गहरई म करथे।
7 ओह धरती के छोर ले बादरमन ला उठाथे;
ओह बारिस के संग बिजली पठोथे
अऊ अपन भंडारघर ले हवा ला बाहिर लानथे।

8 ओह मिसर देस के पहिलांत,
मनखे अऊ पसुमन के पहिलांत ला मार डारिस।
9 हे मिसर देस, ओह तोर बीच म,
फिरौन अऊ ओकर जम्मो सेवकमन के बिरूध चिनहां अऊ चमतकार देखाईस।
10 ओह कतको जातिमन ला नास कर दीस
अऊ कतको सक्तिसाली राजामन ला मार डारिस—
11 याने कि अमोरीमन के राजा सीहोन,
बासान के राजा ओग,
अऊ कनान के जम्मो राजामन ला—
12 अऊ ओमन के देस ला
निज भाग के रूप म अपन मनखे इसरायलीमन ला दे दीस।

13 हे यहोवा, तोर नांव सदा बने रहिथे,
हे यहोवा, तोर खियाती जम्मो पीढ़ी म बने रहिथे।
14 काबरकि यहोवा ह अपन मनखेमन के नियाय करही
अऊ अपन सेवकमन ऊपर दया देखाही।

15 आनजात के मूरतीमन
मनखेमन के हांथ के बनाय सोन अऊ चांदी अंय।
16 ओमन के मुहूं तो हवय, पर ओमन गोठियाय नइं सकंय,
ओमन के आंखी तो हवय, पर देख नइं सकंय।
17 ओमन के कान तो हवय, पर सुन नइं सकंय,
अऊ न ही ओमन के मुहूं म सांस हवय।
18 येमन ला बनानेवालामन येमन के सहीं हो जाहीं,
अऊ येमन ऊपर भरोसा रखइया जम्मो झन घलो येमन सहीं हो जाहीं।

19 हे जम्मो इसरायलीमन, यहोवा के परसंसा करव;
हे हारून के घराना, यहोवा के परसंसा करव;
20 हे लेवी के घराना, यहोवा के परसंसा करव;
तुमन, जऊन मन ओकर भय मानथव, यहोवा के परसंसा करव।
21 सियोन ले यहोवा के परसंसा होवय,
ओकर परसंसा होवय, जऊन ह यरूसलेम म निवास करथे।

यहोवा के परसंसा होवय।

भजन-संहिता 136

1 यहोवा ला धनबाद देवव, काबरकि ओह बने अय।
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
2 ईस्वरमन के परमेसर ला धनबाद देवव।
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
3 परभूमन के परभू ला धनबाद देवव:
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

4 ओकर छोंड़ अऊ कोनो बड़े-बड़े अद्भूत काम नइं करंय,
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
5 जऊन ह अपन समझ से अकास ला बनाईस,
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
6 जऊन ह पानी के ऊपर धरती ला फईला दीस,
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
7 जऊन ह बड़े-बड़े अंजोरमन ला बनाईस—
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
8 जऊन ह दिन म परभूता करे बर सूरज ला बनाईस,
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
9 जऊन ह रथिया ऊपर परभूता करे बर चंदा अऊ तारामन ला बनाईस;
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

10 ओला धनबाद देवव, जऊन ह मिसर देस के पहिलऊठामन ला मार डारिस,
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
11 अऊ ओमन के बीच ले इसरायलीमन ला निकाल लानिस
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
12 सक्तिसाली हांथ अऊ बढ़े हुए बाहां के दुवारा निकाल लानिस;
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

13 ओला धनबाद देवव, जऊन ह लाल-समुंदर ला अलग-अलग कर दीस
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
14 अऊ इसरायलीमन ला येकर बीच म ले पार करवा दीस,
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
15 पर फिरौन अऊ ओकर सेना ला लाल-समुंदर म बुड़ा दीस;
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

16 ओला धनबाद देवव, जऊन ह निरजन प्रदेस म अपन मनखेमन के अगुवई करिस;
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

17 ओला धनबाद देवव, जऊन ह बड़े-बड़े राजामन ला मार डारिस,
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
18 अऊ सक्तिसाली राजामन ला घलो मार डारिस—
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
19 याने कि अमोरीमन के राजा सीहोन ला मार डारिस
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
20 अऊ बासान के राजा ओग ला मार डारिस—
ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।
21 अऊ ओमन के देस ला निज भाग के रूप म दे दीस,

ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

22 अपन सेवक इसरायलीमन ला निज भाग के रूप म दे दीस।

ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

23 ओह हमन ला हमर गिरत दसा म सुरता करिस

ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

24 अऊ हमन ला हमर बईरीमन ले छोंड़ाईस।

ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

25 ओह हर एक परानी ला जेवन देथे।

ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

26 स्वरग के परमेसर ला धनबाद देवव।

ओकर मया हमेसा बर बने रहिथे।

भजन-संहिता 137

1 बेबिलोन देस के नदीमन के तीर म हमन बईठेंन
अऊ सियोन ला सुरता करके रोए लगेंन।
2 उहां चिनार रूखमन म
हमन अपन बीना ला टांग देंन,
3 काबरकि जऊन मन हमन ला बंधुवा बनाके ले गे रिहिन,
ओमन उहां हमन ला गीत गाय बर कहिन,
हमन ला सतानेवालामन हमन ला आनंद के गीत गाय बर कहिन;
ओमन कहिन, “हमर बर सियोन के एक गीत गावव!”

4 एक आने देस म
हमन यहोवा के गीत कइसे गा सकत हन?
5 हे यरूसलेम, यदि मेंह तोला भूल जावंव,
त मोर जेवनी हांथ अपन योग्यता ला भूल जावय।
6 यदि मेंह तोला सुरता नइं करंव,
यदि मेंह यरूसलेम ला
अपन सबले बड़े आनंद नइं मानंव,
त मोर जीभ ह मोर तालू ले चपक जावय।

7 हे यहोवा, सुरता कर कि ओ दिन एदोमीमन का करिन,
जब यरूसलेम ला गिराय गीस।
ओमन चिचियाके कहिन, “येला फोरके गिरा दव,
येला येकर नीव ले गिरा दव!”*
8 हे बेटी बेबिलोन, तोर बिनास होवय,
ओ मनखे ह खुस रहय, जऊन ह ओ अतियाचार के मुताबिक
तोर ले बदला लेथे, जेला तेंह हमर ऊपर करे हस।
9 ओ मनखे ह खुस रहय, जऊन ह तोर लइकामन ला पकड़के
चट्टान ऊपर पटक देथे।

भजन-संहिता 138

दाऊद के गीत।
1 हे यहोवा, मेंह अपन पूरा मन से तोर परसंसा करहूं;

* **भजन-संहिता 137:7** देखव ओब 10-14; यहे 25:12-14; 35:5-9

देवतामन के आघू म मेंह तोर परसंसा के गीत गाहूं।
2 तोर बहुंत मया अऊ तोर बिसवासयोग्यता के कारन
मेंह तोर पबितर मंदिर कोति मुड़ नवाहूं
अऊ तोर नांव के परसंसा करहूं,
काबरकि तेंह अपन पबितर बचन ला
अऊ अपन महिमा ला सबले ऊपर करे हस।
3 जब मेंह तोला पुकारेंव, त तेंह मोर पराथना के उत्तर देय;
तेंह मोला बहुंत हिम्मत दे हस।

4 हे यहोवा, जब धरती के जम्मो राजामन तोर बचन ला सुनंय,
त ओमन तोर परसंसा करंय।
5 ओमन यहोवा के बिधिमन के गीत गावंय,
काबरकि यहोवा के महिमा ह महान ए।

6 हालाकि यहोवा के दरजा बहुंत ऊपर हे, पर ओह नम्र मनखेमन ऊपर दया देखाथे;
हालाकि ओह बहुंत ऊंचहा हे, पर ओह ओमन ला दूरिहा ले देखथे।
7 हालाकि मेंह समस्या म ले होके जाथंव,
पर तेंह मोर जिनगी ला बनाय रखथस।
तेंह मोर बईरीमन के कोरोध के बिरूध अपन हांथ बढ़ाथस;
अपन जेवनी हांथ के दुवारा तेंह मोला बचाथस।
8 यहोवा ह मोर रकछा करही,
हे यहोवा, तोर मया ह हमेसा बर बने रहिथे—
अपन हांथ के काममन ला झन तियाग दे।

भजन-संहिता 139

संगीत निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, तेंह मोला जांचे हस,
अऊ तेंह मोला जानथस।
2 मेंह कब उठथंव अऊ कब बईठथंव, तेंह जानथस,
तेंह मोर बिचारमन ला दूरिहा ले ही समझ लेथस।
3 तेंह मोर जवई अऊ मोर लेटई ला जानथस;
तोला मोर जम्मो बात के जानकारी हवय।
4 हे यहोवा, येकर पहिले कि कोनो बात मोर मुहूं म आवय
तेंह ओला पूरा जानथस।
5 तेंह मोला आघू-पाछू ले घेरे रहिथस,
अऊ तेंह मोर ऊपर अपन हांथ रखथस।
6 अइसने गियान ह मोर बर बहुंत अद्भूत ए,
येला पाना मोर बर बहुंत दूरिहा के बात ए।

7 तोर आतमा ले बचके मेंह कहां जा सकथंव?
तोर आघू ले बचके मेंह कहां भाग सकथंव?
8 कहूं मेंह अकास ऊपर जावंव, त तेंह उहां हस;
कहूं मेंह अपन दसना गहरई म दसावंव, त तेंह उहां हस।
9 कहूं मेंह उठके बड़े बिहनियां के डेना म बईठके दूरिहा चले जावंव,

कहूं मेंह दूरिहा समुंदर म बस जावंव,
10 त उहां घलो तोर हांथ ह मोर अगुवई करही,
तोर जेवनी हांथ ह मोला मजबूती से थामे रहिही।
11 कहूं मेंह कहंव, "खचित अंधियार ह मोला छुपा लीही
अऊ चारों कोति के अंजोर ह रथिया के अंधियार हो जाही,"
12 तभो ले अंधियार ह तोर बर अंधियार नइं होही;
रथिया ह दिन के सहीं चमकही,
काबरकि अंधियार ह तोर बर अंजोर सहीं अय।

13 काबरकि तेंह मोर भीतरी भाग ला बनाय हस;
तेंह मोर दाई के गरभ म मोला एक संग जोड़े हस।
14 मेंह तोर परसंसा करथंव काबरकि मेंह भयानक अऊ अद्भूत रीति से बनाय गे हवंव;
तोर काममन अद्भूत अंय,
मेंह ओला बने करके जानथंव।
15 जब मोला गुपत जगह म बनाय गीस,
जब मोला धरती के गहरई म एक संग बुने गीस,
त मोर ढांचा ह तोर ले छुपे नइं रिहिस।
16 तोर आंखी ह मोर बिगर आकार के देहें ला देखिस;
मोर देहें के अंग, जऊन मन बनत जावत रिहिन,
ओमन रचे जाय के पहिले तोर किताब म लिखाय रिहिन।
17 हे परमेसर, तोर बिचारमन मोर बर कतेक कीमती अंय!
कुल मिलाके ओमन के जोड़ ह कतेक बड़े हे!
18 कहूं मेंह ओमन के गनती करंव,
त ओमन के गनती बालू के कन ले घलो जादा होही—
जब मेंह जागथंव, तब भी मेंह तोर संग रहिथंव।

19 हे परमेसर, बने होतिस कि तेंह दुस्टमन ला मार डारते!
हे खून के पीयासा मनखेमन, मोर ले दूरिहा हटव!
20 ओमन तोर बारे म बुरई के इरादा से बात करथें;
तोर बिरोधीमन तोर नांव के गलत उपयोग करथें।
21 हे यहोवा, का मेंह ओमन ले घिन नइं करंव, जऊन मन तोर ले घिन करथें,
अऊ का ओमन ले घिन नइं करंव, जऊन मन तोर बिरूध बिदरोह करथें?
22 मोर करा ओमन बर घिन करे के अलावा अऊ कुछू नइं ए;
मेंह ओमन ला अपन बईरी समझथंव।
23 हे परमेसर, मोला जांचके मोर हिरदय ला जान ले;
मोला परखके मोर उत्सुक बिचारमन ला जान ले।
24 देख कि कहूं मोर म कोनो खराप चाल तो नइं ए,
अऊ अनंत के रसता म मोर अगुवई कर।
*

भजन-संहिता 140

संगीत के निरदेसक बर दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, मोला दुस्ट काम करइयामन ले छुड़ा;
हिंसा करइयामन ले मोला बचा,

* **भजन-संहिता 140:** इबरानी म 140:1-13 ला 140:2-14 गने गे हवय

2 जऊन मन अपन मन म दुस्ट काम करे के योजना बनाथें
अऊ हर दिन लड़े बर भड़कावत रहिथें।
3 ओमन के बोलई ह सांप के काटे सहीं अय;
ओमन के ओंठ म करैत सांप के जहर हवय।

4 हे यहोवा, दुस्ट मनखेमन के हांथ ले मोर रकछा कर;
हिंसक मनखेमन ले मोला बचा,
जऊन मन मोर पांव म चोट पहुंचाय के योजना बनाय हवंय।
5 घमंडी मनखेमन मोला फंसाय बर फांदा छुपाय हवंय;
ओमन अपन जाल के डोर ला बिछाय हवंय
अऊ मोर रसता म मोर बर फांदा लगाय हवंय।

6 मेंह यहोवा ले कहिथंव, "तेंह मोर परमेसर अस।"
हे यहोवा, दया के मोर पुकार ला सुन।
7 हे परमपरधान यहोवा, तेंह सामर्थी छुड़ानेवाला अस,
तेंह लड़ई के दिन म मोर मुड़ के ढाल बनथस।
8 हे यहोवा, दुस्टमन के ईछा ला पूरा झन कर;
ओमन के योजना ला सफल झन होवन दे।

9 जऊन मन मोला चारों कोति ले घेरे हवंय अऊ घमंड से मुड़ उठाय हवंय;
ओमन के मुहूं के दुस्टता के बात ओहीचमन ला खा जावय।
10 बरत कोइला ओमन ऊपर गिरय;
ओमन ला आगी म झोंके जावय,
ओमन चीखला ले भरे खंचवा म फटिक दिये जावंय, जिहां ले ओमन कभू उठ नइं सकंय।
11 निन्दा करइयामन देस म स्थापित झन होवंय;
हिंसा करइयामन ऊपर बिपत्ति पड़य।

12 मेंह जानथंव कि यहोवा ह गरीब-दुखीमन के नियाय करथे
अऊ जरूरतमंद के मामला ला संभालथे।
13 खचित धरमीमन तोर नांव के परसंसा करहीं
अऊ ईमानदारमन तोर आघू म रहिहीं।

भजन-संहिता 141

दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, मेंह तोला पुकारत हंव, मोर करा जल्दी आ;
जब मेंह तोला पुकारंव, त मोर बात ला सुन।
2 मोर पराथना ह तोर आघू म खुसबूदार धूप के सहीं होवय;
मोर हांथ के ऊपर उठई सांझ के बलिदान सहीं होवय।

3 हे यहोवा, मोर मुहूं म एक पहरेदार बईठा दे;
मोर ओंठ रूपी दुवार के रखवारी कर।
4 मोर मन ला दुस्टमन कोति झन लगा
ताकि मेंह ओ दुस्ट काम करइयामन संग
ओमन के दुस्ट काम म भाग झन लेवंव;
मोला ओमन के सुवादवाले जेवन ला झन खावन दे।

5 धरमी जन ह मोला मारय—मोर ऊपर येह एक दया के बात होही;
ओह मोला डांटय—येह मोर मुड़ म तेल चुपरे सहीं होही।
मोर मुड़ ह येला इनकार नइं करही,
काबरकि मोर पराथना ह तब भी दुस्ट काम करइयामन के बिरूध होही।

6 ओमन के सासन करइयामन ला खड़े चट्टान म ले फटिक दिये जाही,
अऊ दुस्ट मनखेमन जान जाहीं कि मोर बातमन सही अंय।
7 ओमन कहिहीं, "जइसे नांगर जोते के बाद माटी ह टूटके बिखर जाथे,
वइसे ही हमर हाड़ामन ला कबर के मुहूं म बगरा दिये गे हवय।"

8 पर हे परमपरधान यहोवा, मोर आंखी ह तोर ऊपर लगे हवय;
तोर करा मेंह सरन लेथंव—मोला मिरतू के हांथ म झन दे।
9 मोला दुस्टमन के लगाय गय फांदा ले बचा,
ओ फांदा जेला ओमन मोर बर लगाय हवंय।
10 दुस्टमन अपन लगाय गय जाल म खुद फंसंय,
अऊ मेंह सही-सलामत बचके निकल जावंव।
*

भजन-संहिता 142

दाऊद के एक [illegible]†, जब ओह गुफा म रिहिस। एक पराथना।
1 मेंह यहोवा ला ऊंचहा अवाज म पुकारथंव;
मेंह यहोवा ला दया करे बर जोर से गोहारथंव।
2 मेंह ओकर आघू म अपन सिकायत ला खुलके बताथंव;
ओकर आघू म मेंह अपन समस्या ला बताथंव।

3 जब मोर आतमा ह मोर भीतरे-भीतर बियाकुल होथे,
तब तेंहीच ह मोर दसा ला देखथस।
जऊन रसता म मेंह चलथंव, ओ रसता म
मनखेमन मोर बर फंदा लगाय हवंय।
4 देख, मोर जेवनी कोति कोनो नइं एं;
मोर कोनो चिंता नइं करंय।
मोर कोनो सरन-स्थान नइं ए;
कोनो मोर जिनगी ऊपर धियान नइं देवंय।

5 हे यहोवा, मेंह तोला पुकारत हंव;
मेंह कहिथंव, "तेंह मोर सरन-स्थान,
अऊ जीयत परानीमन के देस म मोर भाग अस।"

6 मोर पुकार ला सुन,
काबरकि मेंह बहुंत जरूरत म हवंव;
जऊन मन मोर पीछा करथें, ओमन ले मोला बचा,
काबरकि ओमन मोर ले बहुंत ताकतवर अंय।
7 मोला मोर जेल ले छोंड़ा ले,
ताकि मेंह तोर परसंसा करंव।
तब मोर ऊपर तोर भलई के कारन

* **भजन-संहिता 142:** इबरानी म 142:1-7 ला 142:2-8 गने गे हवय † **भजन-संहिता 142:** [illegible]

धरमी मनखेमन मोर चारों कोति जूरहीं।

भजन-संहिता 143

दाऊद के एक भजन।
1 हे यहोवा, मोर पराथना ला सुन,
दया के मोर गोहार ला सुन;
अपन बिसवासयोग्यता अऊ धरमीपन के कारन
मोर मदद करे बर आ।
2 अपन सेवक ला नियाय के आघू म झन लान,
काबरकि कोनो जीयत मनखे तोर आघू म धरमी नो हय।
3 बईरी ह मोर पीछा करथे,
ओह मोला कुचरके माटी म मिला देथे;
बहुंत पहिले मरे मनखेमन सहीं
ओह मोला अंधियार म डार देथे।
4 एकरसेति मोर आतमा ह भीतरे-भीतर बियाकुल होवत हे,
मोर मन ह भीतरे-भीतर भयभीत हवय।
5 मेंह बहुंत पहिले के दिनमन ला सुरता करथंव;
मेंह तोर जम्मो काम ऊपर मनन-चिंतन करथंव
अऊ जऊन कुछू तेंह करे हस, ओकर ऊपर बिचार करथंव।
6 मेंह तोर कोति अपन हांथ बढ़ावत हंव;
मेंह सूखा भुइयां सहीं तोर बर पीयासन हंव।

7 हे यहोवा, मोला जल्दी जबाब दे;
मोर आतमा ह दुरबल होवत हे।
अपन चेहरा ला मोर ले झन छिपा
नइं तो मेंह ओमन सहीं हो जाहूं, जऊन मन खाल्हे कबर म चले जाथें।
8 बिहनियां ह मोर बर तोर अटूट मया के खबर लानय,
काबरकि मेंह तोर ऊपर भरोसा करे हवंव।
मोला ओ डहार देखा, जेमा मोला चलना चाही,
काबरकि मेंह अपन जिनगी तोला सऊंपत हंव।
9 हे यहोवा, मोला मोर बईरीमन ले बचा,
काबरकि मेंह अपनआप ला तोर आड़ म छुपावत हंव।
10 तोर ईछा ला पूरा करे के बात मोला सिखा,
काबरकि तेंह मोर परमेसर अस;
तोर बने आतमा ह
मोला समतल भुइयां म ले चलय।

11 हे यहोवा, अपन नांव के हित म, मोर जिनगी ला बनाय रख;
अपन धरमीपन के कारन, मोला समस्या ले बाहिर निकाल।
12 अपन अटूट मया के कारन, मोर बईरीमन के मुहूं ला बंद कर दे;
मोर जम्मो बिरोधीमन ला नास कर दे,
काबरकि मेंह तोर सेवक अंव।

भजन-संहिता 144

दाऊद के भजन।

1 यहोवा, जऊन ह मोर चट्टान ए, ओकर परसंसा होवय,
जऊन ह मोर हांथ अऊ मोर अंगरीमन ला
लड़ई करे बर तियार करथे।
2 ओह मोर मयारू परमेसर अऊ मोर किला,
मोर मजबूत गढ़ अऊ मोर छुड़ानेवाला,
मोर ढाल ए, जेमा मेंह सरन लेथंव,
जऊन ह मनखेमन* ला मोर अधीन कर देथे।

3 हे यहोवा, मनखेमन का अंय कि तेंह ओमन के खियाल रखथस?
ओमन सिरिप मरनहार मनखे अंय, जेमन के बारे म तेंह सोचथस।
4 ओमन तो सांस के सहीं अंय;
ओमन के उमर ह ढरत छइहां सहीं अय।

5 हे यहोवा, अपन स्वरग ला खाल्हे करके उतर आ;
पहाड़मन ला छू, ताकि ओमन ले धुआं निकलय।
6 बिजली कड़काके बईरी ला तितिर-बितिर कर दे;
अपन तीर चला अऊ ओमन ला हराके भगा दे।
7 ऊंच स्थान ले अपन हांथ बढ़ा;
भयंकर पानी ले
अऊ ओ परदेसीमन के हांथ ले
मोला छोंड़ा अऊ मोला बचा,
8 जेमन के मुहूं ले बहुंत लबारी बात निकलथे,
जेमन के जेवनी हांथ ह धोखा के काम करथे।

9 हे मोर परमेसर, मेंह तोर बर एक नवां गीत गाहूं;
दस तारवाले बीना ला मेंह तोर बर बजाहूं,
10 तें, जऊन ह कि राजामन ला जय देथस,
जऊन ह कि अपन सेवक दाऊद ला छोंड़ाथस।

धारवाले तलवार ले मोला बचा;
11 परदेसीमन के हांथ ले मोला बचा
जेमन के मुहूं ले बहुंत लबारी बात निकलथे,
जेमन के जेवनी हांथ ह धोखा के काम करथे।

12 तब हमर बेटामन अपन जवानी म
बढ़िया बढ़े हुए पऊधामन सहीं होहीं,
अऊ हमर बेटीमन ओ खंभामन सहीं होहीं
जेला महल के सजावट म नक्कासी करे जाथे।
13 हमर कोठारमन हर किसम के
अनाज ले भरे रहिहीं।
हमर भेड़मन हमर मैदान म हजार के संखिया,
दस हजार के संखिया म बढ़हीं;
14 हमर बईलामन भारी सामान खींचके ले जाहीं।†
दीवार म कोनो किसम के सेंध नइं लगही,
कोनो बंधुवई म नइं जाही,

* **भजन-संहिता 144:2** जादा हस्तलिपि म [illegible] लिखाय हवय † **भजन-संहिता 144:14** या [illegible]

हमर गलीमन म दुख के कोनो अवाज नइं होही।
15 धइन अंय ओ मनखेमन, जेमन बर ये बात सही ए;
धइन अंय ओ मनखेमन, जेमन के परमेसर यहोवा ए।

भजन-संहिता 145

परसंसा के एक भजन। दाऊद के भजन।
1 हे मोर परमेसर, मोर राजा, मेंह तोर नांव ला ऊपर करहूं;
मेंह तोर नांव के परसंसा सदा-सर्वदा करहूं।
2 हर दिन मेंह तोर परसंसा करहूं
सदा-सर्वदा तोर नांव के इस्तुति करहूं।

3 यहोवा ह महान ए अऊ सबले जादा परसंसा के योग्य ए;
ओकर महानता ला कोनो समझ नइं सकंय।
4 एक पीढ़ी के मनखेमन तोर काम के बारे म आने पीढ़ी के मनखेमन ला बताथें;
ओमन तोर पराकरम के काम के बारे म बताथें।
5 ओमन तोर वैभव के महिमामय सोभा के बारे म गोठियाथें—
अऊ मेंह तोर अद्भूत काम ऊपर मनन-चिंतन करहूं।
6 ओमन तोर अद्भूत काममन के सक्ति के चरचा करथें—
अऊ मेंह तोर बड़े-बड़े काममन के घोसना करहूं।
7 ओमन तोर बहुंत भलई के काम के उत्सव मनाथें
अऊ आनंद सहित तोर धरमीपन के गीत गाथें।

8 यहोवा ह अनुग्रहकारी अऊ दयालु अय,
कोरोध करे म धीमा अऊ मया के धनी अय।

9 यहोवा ह जम्मो झन बर बने अय;
ओह अपन बनाय हर चीज ऊपर दया करथे।
10 हे यहोवा, तोर जम्मो काममन के दुवारा तोर परसंसा होथे;
तोर बिसवासयोग्य मनखेमन तोर बहुंत परसंसा करथें।
11 ओमन तोर राज के महिमा के बारे म बताथें
अऊ तोर सक्ति के बारे म गोठियाथें,
12 ताकि जम्मो मनखेमन तोर पराकरम के काम
अऊ तोर राज के महिमामय सोभा के बारे म जानंय।
13 तोर राज ह एक कभू खतम नइं होनेवाला राज ए,
अऊ तोर परभूता ह जम्मो पीढ़ी म बने रहिथे।

यहोवा ह अपन जम्मो परतिगियां ला पूरा करे म बिसवासयोग्य अय
अऊ अपन जम्मो काम म घलो बिसवासयोग्य अय।*
14 यहोवा ह ओ जम्मो ला संभालथे, जेमन खाल्हे गिरथें
अऊ जऊन मन खाल्हे झुकथें, ओमन ला ऊपर उठाथे।
15 जम्मो झन के आंखी ह तोर ऊपर लगे रहिथे,
अऊ तेंह ओमन ला सही समय म ओमन के जेवन देथस।
16 तेंह अपन हांथ खोलके
जम्मो जीयत परानी के ईछा ला पूरा करथस।

* **भजन-संहिता 145:13** मासोरेटिक मूल-ग्रंथ के बहुंत अकन हस्तलिपि म पद 13 के आखिरी के दू पंक्ति नइं ए

17 यहोवा ह अपन जम्मो बात म धरमी
अऊ अपन जम्मो काम म बिसवासयोग्य ए।
18 यहोवा ह ओ जम्मो के लकठा म रहिथे,
जऊन मन ओला पुकारथें याने कि जऊन मन ओला सच्चई से पुकारथें।
19 ओह ओमन के ईछा ला पूरा करथे, जऊन मन ओकर भय मानथें;
ओह ओमन के गोहार ला सुनथे अऊ ओमन ला बचाथे।
20 यहोवा ह ओ जम्मो के रखवारी करथे, जऊन मन ओकर ले मया करथें,
पर जम्मो दुस्टमन ला ओह नास कर दीही।

21 मोर मुहूं ह यहोवा के परसंसा के बात करही।
हर एक परानी ओकर पबितर नांव के
सदा-सर्वदा परसंसा करय।

भजन-संहिता 146

1 यहोवा के परसंसा करव।

हे मोर मन, यहोवा के परसंसा कर।

2 मेंह जिनगी भर यहोवा के परसंसा करहूं,
जब तक मेंह जीयत रहिहूं, मेंह अपन परमेसर के परसंसा के गीत गाहूं।
3 हाकिममन ऊपर भरोसा झन रखव,
न ही कोनो मनखे ऊपर, जऊन ह कि रकछा नइं कर सकय।
4 जब ओमन के परान चले जाथे, त ओमन माटी म मिल जाथें;
ओहीच दिन ओमन के योजना ह खतम हो जाथे।
5 धइन अंय ओमन, जेमन के मददगार याकूब के परमेसर ए,
जेमन के आसा ह यहोवा ओमन के परमेसर ऊपर रहिथे।

6 ओह अकास अऊ धरती, समुंदर,
अऊ ओमा के जम्मो चीजमन ला रचे हवय—
ओह हमेसा बिसवासयोग्य बने रहिथे।
7 ओह दुखित-पीड़ितमन के नियाय करथे
अऊ भूखन मनखेमन ला जेवन देथे।
यहोवा ह कैदीमन ला छुड़ाथे,
8 यहोवा ह अंधरा ला आंखी देथे,
यहोवा ह ओमन ला ऊपर उठाथे, जऊन मन खाल्हे झुकथें,
यहोवा ह धरमीमन ले मया करथे।
9 यहोवा ह परदेसीमन के रखवारी करथे
अऊ अनाथ अऊ बिधवामन ला संभालथे,
पर ओह दुस्टमन के योजना ला बिगाड़ देथे।

10 यहोवा ह सदा-सर्वदा राज करथे,
हे सियोन, तोर परमेसर ह पीढ़ी-पीढ़ी तक राज करथे।

यहोवा के परसंसा करव।

भजन-संहिता 147

1 यहोवा के परसंसा करव।

हमर परमेसर के परसंसा के गीत गवई ह उत्तम बात ए,
ओकर परसंसा करई ह उत्तम अऊ खुसी के बात ए!

2 यहोवा ह यरूसलेम ला बनाथे;
ओह इसरायल के बंधुवई म गय मनखेमन ला इकट्ठा करथे।
3 ओह निरास-हतास मनखेमन के दुख ला दूर करथे
अऊ ओमन के घाव म पट्टी बांधथे।
4 ओह तारामन के संखिया ला निरधारित करथे
अऊ ओमा के हर एक के नांव रखथे।
5 महान ए हमर परभू अऊ अति सामर्थी ए;
ओकर समझ के कोनो सीमना नइं ए।
6 यहोवा ह नम्र मनखे ला संभाले रखथे
पर दुस्ट मनखे ला भुइयां म गिरा देथे।

7 धनबाद के संग यहोवा के परसंसा के गीत गावव;
हमर परमेसर बर बीना बजावव।

8 ओह अकास ला बादरमन ले ढांपथे;
ओह धरती ऊपर बारिस भेजथे
अऊ पहाड़ीमन म कांदी उगाथे।
9 ओह पसुमन ला आहार देथे
अऊ जब कऊआ चिरई के पीलामन चिचियाथें, त ओमन ला चारा खवाथे।

10 ओह घोड़ा के सक्ति ले खुस नइं होवय,
न ही ओह योद्धा के गोड़मन ले खुस होथे;
11 यहोवा ह ओमन ले खुस होथे, जऊन मन ओकर भय मानथें,
जऊन मन ओकर अटूट मया ऊपर अपन आसा रखथें।

12 हे यरूसलेम, यहोवा के महिमा कर;
हे सियोन, अपन परमेसर के परसंसा कर।

13 ओह तोर दुवार के खंभामन ला मजबूत करथे
अऊ तोर भीतर तोर मनखेमन ला आसीस देथे।
14 ओह तोर सीमना म सांति बनाय रखथे
अऊ सबले उत्तम गहूं के रोटी ले संतुस्ट करथे।

15 ओह धरती ऊपर अपन हुकूम भेजथे;
ओकर बचन बहुंत तेजी से जाथे।
16 ओह बरफ ला ऊन के सहीं फईलाथे
अऊ पाला ला राख के सहीं बगराथे।
17 ओह पथरा के सहीं करा गिराथे।
कोन ह ओकर सीत-लहर ला सह सकथे?
18 ओह हुकूम देके ओमन ला टघला देथे;

ओह ठंडा हवा चलाथे, अऊ पानी बहे लगथे।

19 ओह याकूब ला अपन बात,
अऊ इसरायल ला अपन कानून अऊ नियम बताय हवय।
20 कोनो आने जाति के मनखेमन बर ओह ये काम नइं करे हवय;
ओमन ओकर कानून ला नइं जानंय।

यहोवा के परसंसा करव।

भजन-संहिता 148

1 यहोवा के परसंसा करव।

स्वरग ले यहोवा के परसंसा करव;
ऊपर ऊंचहा जगह म ओकर परसंसा करव।
2 हे ओकर जम्मो स्वरगदूतमन ओकर परसंसा करव;
हे ओकर जम्मो स्वरगीय सेनामन, ओकर परसंसा करव।
3 हे सूरज अऊ चंदा, ओकर परसंसा करव;
हे जम्मो चमकत तारामन, ओकर परसंसा करव।
4 हे सबले ऊंच अकास,
अऊ हे अकास के ऊपर के पानी, तुमन ओकर परसंसा करव।

5 ओमन यहोवा के नांव के परसंसा करंय,
काबरकि ओकर हुकूम ले ओमन बनाय गीन,
6 अऊ ओह ओमन ला सदाकाल बर इस्थिर करिस—
ओह एक आदेस निकालिस, जऊन ह कभू खतम नइं होवय।

7 धरती ले यहोवा के परसंसा करव,
हे समुंदर के बड़े-बड़े जीव-जन्तुमन अऊ जम्मो समुंदर के गहरई,
8 हे बिजली अऊ करा, बरफ अऊ बादरमन,
हे ओकर हुकूम मनइया गरेर,
9 हे पहाड़ अऊ जम्मो पहाड़ीमन,
हे फरवाले रूख अऊ जम्मो देवदार रूखमन,
10 हे जंगली पसु अऊ जम्मो घरेलू-पसुमन,
हे पेट के बल रेंगइया जीव अऊ उड़इया चिरईमन,
11 हे धरती के राजामन अऊ जाति-जाति के जम्मो मनखेमन,
हे हाकिम अऊ धरती ऊपर जम्मो सासन करइया मनखेमन,
12 हे जवान मनखे अऊ माईलोगनमन,
हे सियान मनखे अऊ लइकामन।

13 तुमन जम्मो यहोवा के नांव के परसंसा करव,
काबरकि सिरिप ओकर नांव ही ऊपर करे जाथे;
ओकर सोभा ह धरती अऊ अकास के ऊपर हवय।
14 अऊ ओह अपन मनखेमन बर एक सींग* खड़े करे हवय,
जऊन ह कि ओकर जम्मो बिसवासयोग्य सेवकमन के,
इसरायल के अऊ ओकर दिल के करीब के मनखेमन के परसंसा के बिसय ए।

* **भजन-संहिता 148:14** ▯▯▯▯ इहां येह ताकत के प्रतीक ए

यहोवा के परसंसा करव।

भजन-संहिता 149

1 यहोवा के परसंसा करव।*

यहोवा बर एक नवां गीत गावव,
ओकर बिसवासयोग्य मनखेमन के सभा म ओकर परसंसा करव।

2 इसरायल ह अपन सिरिस्टीकर्ता म आनंदित होवय;
सियोन के मनखेमन अपन राजा म खुस होवंय।
3 ओमन नाचत ओकर नांव के परसंसा करंय
अऊ ओकर बर खंजरी अऊ बीना बजावंय।
4 काबरकि यहोवा ह अपन मनखेमन ले खुस रहिथे;
ओह नम्र मनखेमन ला जीत के मुकुट पहिराथे।
5 ओकर बिसवासयोग्य मनखेमन ये आदर पाके आनंद मनावंय
अऊ अपन दसना म आनंद के गीत गावंय।

6 ओमन के मुहूं ले परमेसर के परसंसा होवय
अऊ ओमन के हांथ म दूधारी तलवार रहय,
7 ताकि जाति-जाति के मनखेमन ले ओमन बदला लेवंय
अऊ मनखेमन ला दंड देवंय,
8 अऊ ओमन के राजामन ला बेड़ी म,
अऊ ओमन के परभावसाली मनखेमन ला लोहा के संकली म बांधंय,
9 अऊ ओमन के बिरूध दंड के हुकूम ले जावंय—
येह ओकर जम्मो बिसवासयोग्य मनखेमन के महिमा ए।

यहोवा के परसंसा करव।

भजन-संहिता 150

1 यहोवा के परसंसा करव।*

परमेसर के ओकर पबितर-स्थान म परसंसा करव;
ओकर सक्तिसाली अकास-मंडल म ओकर परसंसा करव।
2 ओकर पराकरम के काम बर ओकर परसंसा करव;
ओकर अति महानता बर ओकर परसंसा करव।
3 तुरही बजाके ओकर परसंसा करव,
बीना अऊ सारंगी बजाके ओकर परसंसा करव,
4 खंजरी बजात अऊ नाचत ओकर परसंसा करव,
तारवाला बाजा अऊ बांसुरी बजात ओकर परसंसा करव,
5 जोर से झांझ बजाके ओकर परसंसा करव,
मंजीरा के झंकार ले ओकर परसंसा करव।

6 हर एक जीयत परानी ह यहोवा के परसंसा करय।

यहोवा के परसंसा करव।

---

* **भजन-संहिता 149:1** इबरानी म [illegible]; पद 9 म घलो * **भजन-संहिता 150:1** इबरानी म [illegible] पद 6 म घलो

नीतिबचन
के किताब
उदेस्य अऊ बिसय

1 दाऊद के बेटा इसरायल के राजा सुलेमान के नीतिबचन:
2 येमन ला पढ़नेवाला ह बुद्धि अऊ सिकछा पावय;
अऊ अंतस के बात ला समझय,
3 अऊ बुद्धि के काम, धरमीपन, नियाय,
अऊ जम्मो झन ला एके नजर ले देखे के सिकछा पावय;
4 येमन ला पढ़नेवाला भोला-भाला मनखे ला बुद्धि,
अऊ जवान मनखेमन ला गियान अऊ बिबेक मिलय—
5 बुद्धिमान मनखे ह येला सुनके अपन सिकछा ला बढ़ाय,
अऊ समझदार मनखे अगुवई पावय—
6 ताकि ओमन नीतिबचन अऊ पटंतर ला,
अऊ बुद्धिमान मनखे के बात अऊ पहेली ला समझंय।

7 यहोवा के भय मनई गियान के सुरूआत ए,
पर मुरूखमन बुद्धि अऊ सिकछा के बात ला तुछ समझथें।

प्रस्तावना: बुद्धि ला पोटारे बर प्रोत्साहन

[illegible]
8 हे मोर बेटा, अपन ददा के सिकछा ला सुन,
अऊ अपन दाई के सिकछा ला झन छोंड़,
9 काबरकि ओमन तोर मुड़ म सोभा देवइया मुकुट
अऊ तोर गला म कन्ठमाला सहीं अंय।

10 हे मोर बेटा, यदि पापी मनखेमन तोला बहकाथें,
त ओमन के बात झन मानबे।
11 यदि ओमन ये कहंय, "हमर संग आ
कि हमन खून करे के ताक म रहन;
आ, निरदोसमन ऊपर छुपके घात लगावन;
12 आ, हमन ओमन ला अइसन जीयत अऊ सइघो लील लेवन,
जइसन कि कबर ह मनखेमन ला लीलथे;
13 हमन ला जम्मो किसम के कीमती चीज मिलही
अऊ हमन अपन घर ला लूट के सामान ले भर लेबो;
14 हमर संग चिट्ठी डाल;
हमन जम्मो झन लूट के सामान ला बांटबो"—
15 हे मोर बेटा, ओमन के संग झन जा,
ओमन के रसता म चले बर अपन गोड़ ला रोक;
16 काबरकि ओमन खराप काम करे बर दऊड़थें,
अऊ हतिया करे बर उतावला रहिथें।
17 जब जम्मो चिरईमन देखत रहिथें,
तब ओमन ला फंसाय बर जाल डालना बेकार ए!
18 ये मनखेमन अपनेच हतिया करे के ताक म रहिथें;
ओमन अपनेच परान के घात म रहिथें!

19 जम्मो लालची मनखेमन के चाल ह अइसनेच होथे;
ओमन के जिनगी ह लालच के कारन ही खतम हो जाथे।

[illegible]
20 बुद्धि ह बाहिर म जोर से पुकारत हे,
ओह सड़क के चौराहा म जोर से कहिथे;
21 दीवार के ऊपर ले ओह चिचियाथे,
सहर के दुवार* म ओह ये कहिथे:

22 "हे भोला-भाला मनखेमन, तुमन कब तक अपन भोलापन ले मया करहू?
ठट्ठा करइयामन ठट्ठा करई म कब तक खुस रहिहीं
अऊ मुरूखमन कब तक गियान ले घिन करहीं?
23 यदि तुमन मोर दबकार ला सुनके मन फिराहू,
त मेंह अपन आतमा तुमन ला बहुंतायत से दूहूं;
मेंह तुमन ला अपन गियान बताहूं।
24 पर जब में तुमन ला बलाएंव, त तुमन नइं सुने चाहेव,
अऊ जब मेंह अपन हांथ तुम्हर कोति पसारेंव, त कोनो धियान नइं दीन,
25 काबरकि तुमन मोर जम्मो सलाह ला अनसुना करेव
अऊ मोर डांट ले घलो तुमन ला कुछू फरक नइं पड़िस;
26 एकरसेति, जब तुम्हर ऊपर बिपत्ति पड़ही, त मेंह हंसहूं,
अऊ जब तुमन संकट म होहू, त मेंह हंसी उड़ाहूं—
27 जब संकट ह गरेर के सहीं तुम्हर ऊपर आही,
अऊ बिपत्ति ह बवंडर के सहीं आही,
अऊ दुख अऊ समस्या म तुमन पड़े होहू, त मेंह ठट्ठा करहूं।

28 "तब ओमन मोला बलाहीं, पर में ओमन ला जबाब नइं दूहूं;
ओमन मोला खोजहीं, पर मोला नइं पाहीं।
29 काबरकि ओमन गियान के बात ले घिन करिन
अऊ यहोवा के भय माने बर नइं चाहिन।
30 ओमन मोर सलाह ला अनसुना करिन
अऊ मोर डांट ला तुछ समझिन;
31 एकरसेति, ओमन अपन करनी के फर भोगहीं
अऊ अपन गोस्टी के कारन दुख ले भर जाहीं।
32 काबरकि सीधा-साधा मनखेमन के मनमानी ले ओहीचमन के नुकसान होही,
अऊ मुरूखमन के आत्म-संतोस होवई ह ओहीचमन ला नास करही;
33 पर जऊन ह मोर बात ला सुनही, ओह सुरकछित रहिही
अऊ अराम से रहिही अऊ ओला हानि होय के कोनो डर नइं रहिही।"

2

[illegible]
1 हे मोर बेटा, यदि तेंह मोर बचन ला गरहन करथस
अऊ मोर हुकूममन ला अपन हिरदय म रखथस,
2 अऊ बुद्धि के बात ला धियान से सुनथस
अऊ समझदारी के बात म मन लगाथस—

* **1:21** [illegible] याने कि [illegible]

3 वास्तव म, यदि तेंह अंतर-गियान मांगथस
अऊ समझदारी बर ऊंच अवाज म पुकारथस,
4 अऊ तेंह येला अइसने खोजथस, जइसने कोनो चांदी ला खोजथे
अऊ तेंह येला अइसने खोजथस, जइसने कोनो छुपे खजाना ला खोजथे,
5 त तेंह यहोवा के भय ला समझबे
अऊ परमेसर के गियान ला पाबे।
6 काबरकि यहोवा ह बुद्धि देथे;
ओह गियान अऊ समझ के बात कहिथे।
7 ओह ईमानदार मनखे ला सफल बनाथे,
अऊ निरदोस मनखेमन बर ओह ढाल सहीं अय।
8 काबरकि ओह नियाय के रसता म चलइया के पहरेदारी करथे
अऊ अपन बिसवासयोग्य मनखे के रकछा करथे।

9 तब तेंह समझबे कि कते बात ह सही अऊ नियाय
अऊ उचित ए—याने कि जम्मो बने बात ला समझबे।
10 काबरकि बुद्धि ह तोर हिरदय म आही,
अऊ गियान के बात ले तोला सुख मिलही।
11 तोर बिबेक के बात ह तोर रकछा करही,
अऊ समझदारी के बात ह तोर पहरेदारी करही।

12 बुद्धि ह तोला ओ दुस्ट मनखेमन के चाल ले,
अऊ दोगला मनखेमन ले बचाही,
13 जऊन मन सही रसता ला छोंड़ दे हवंय
ताकि अंधियार के रसता म चलंय,
14 जऊन मन गलत काम म खुस होथें
अऊ बुरई के काम म आनंद मनाथें,
15 जऊन मन टेढ़ा चाल चलथें
अऊ जऊन मन अपन रसता ले भटक गे हवंय।

16 बुद्धि ह तुमन ला ओ छिनारी माईलोगन,
अऊ जिद्दी माईलोगन के गुरतूर बोली ले घलो बचाही,
17 जऊन ह अपन जवानी के संगी ला छोंड़ दे हवय
अऊ परमेसर के आघू म करे गे करार ऊपर धियान नइं दे हवय।
18 खचित ओकर घर ह खाल्हे मिरतू कोति ले जाथे
अऊ ओकर रसता ह मुरदामन के आतमामन करा जाथे।
19 जऊन मन ओकर करा जाथें, ओमा के कोनो लहुंटके नइं आवंय
या ओमा के कोनो जिनगी के रसता ला नइं पावंय।

20 ये किसम ले, तेंह भलई के डहार म चलबे
अऊ धरमीमन के रसता ला पकड़े रहिबे।
21 काबरकि धरमी मनखेमन धरती म बसे रहिहीं,
अऊ सच्चई के रसता म चलइयामन येमा बने रहिहीं;
22 पर दुस्ट मनखेमन ला धरती ले निकाल दिये जाही,
अऊ बिसवासघातीमन ला येमा ले उखान दिये जाही।

3

1 हे मोर बेटा, मोर सिकछा ला झन भुलाबे,
पर मोर हुकूममन ला अपन हिरदय म रखे रह,
2 काबरकि अइसने करे ले तोर उमर ह बढ़ही
अऊ तोर जिनगी म सांति आही अऊ तोर उन्नति होही।

3 मया अऊ ईमानदारी तोला कभू झन छोंड़ंय;
ओमन ला अपन घेंच म बांध ले,
अऊ ओमन ला अपन हिरदय रूपी पटिया म लिख ले।
4 तब तोर ऊपर परमेसर अऊ मनखे दूनों के अनुग्रह होही
अऊ दूनों के नजर म बने नांव कमाबे।

5 तें अपन समझ के ऊपर भरोसा झन कर,
पर अपन जम्मो हिरदय ले यहोवा ऊपर भरोसा रख;
6 अपन जम्मो काम ओकर ईछा के मुताबिक कर,
तब ओह तोर बर सीधा रसता निकालही।

7 अपन नजर म बुद्धिमान झन बन;
यहोवा के भय मान अऊ बुरई ले दूरिहा रह।
8 अइसने करे ले तोर देहें ह भला-चंगा
अऊ हाड़ामन मजबूत बने रहिहीं।

9 अपन संपत्ति के दुवारा अऊ अपन भुइयां के
जम्मो पहिली-फसल देय के दुवारा यहोवा के आदरमान कर;
10 तब तोर कोठार ह फसल ले भरे रहिही,
अऊ तोर टंकीमन नवां अंगूर के मंद ले छलकत रहिहीं।

11 हे मोर बेटा, यहोवा के ताड़ना ला तुछ झन जान,
अऊ जब ओह तोला डांटय, त ओकर बुरा झन मान,
12 काबरकि यहोवा ह ओमन के ताड़ना करथे, जेमन ले ओह मया करथे,
जइसने कि ददा ह ओ बेटा ला डांटथे, जेकर ले ओह खुस रहिथे।

13 धइन अंय ओ मनखेमन, जऊन मन बुद्धि पाथें,
अऊ धइन अंय ओ मनखेमन, जऊन मन समझ पाथें,
14 काबरकि बुद्धि पाना चांदी के पाय ले जादा बने अय
अऊ ओकर लाभ सोन के लाभ ले घलो जादा होथे।
15 बुद्धि ह मनि ले जादा कीमती अय;
जेकर तेंह लालसा करथस, ओमा के कोनो चीज के तुलना ओकर संग नइं करे जा सकय।
16 लम्बा उमर ओकर जेवनी हांथ म हवय;
अऊ ओकर डेरी हांथ म धन अऊ आदरमान हवय।
17 ओकर रसतामन खुसी के रसता अंय,
अऊ ओकर जम्मो डहारमन सांति के डहार अंय।
18 जऊन मन बुद्धि ला धरे रहिथें, ओमन बर ओह जिनगी के एक रूख अय;
अऊ जऊन मन ओला मजबूती से धरे रहिथें, ओमन आसीस पाहीं।

19 बुद्धि के दुवारा यहोवा ह धरती ला बनाईस,
अऊ समझ के दुवारा ओह स्वरगमन ला ओमन के जगह म रखिस;

20 ओकर गियान के दुवारा गहिरा समुंदरमन बंट गीन,
अऊ बादर ले ओस टपकथे।

21 हे मोर बेटा, बुद्धि अऊ समझ तोर नजर ले झन हटंय,
सही नियाय अऊ समझदारी ला धरे रह;
22 येमन तोर बर जिनगी होहीं,
अऊ तोर घेंच के हार बनहीं।
23 तब तेंह अपन डहार म निडर होके चलबे,
अऊ तोर गोड़ म ठोकर नइं लगही।
24 जब तेंह लेटबे, त तोला डर नइं होही;
जब तेंह सुतबे, त तोला सुख के नींद आही।
25 अचानक अवइया बिपत्ति ले झन डरबे
या जब दुस्ट मनखे के नास होथे, त झन डरबे,
26 काबरकि यहोवा ह तोर सहारा होही
अऊ तोर गोड़ ला फांदा म फंसे ले बचाही।

27 जेमन के भलई करना हे, अऊ यदि तोला ओकर मऊका मिलथे,
त ओमन के भलई करे ले अपन ला झन रोक।
28 यदि तोर करा देय बर हवय,
त अपन परोसी ले झन कह कि अभी जा,
कल फेर आबे, त तोला दूहूं।
29 जब तोर परोसी ह तोर लकठा म भरोसा सहित रहिथे,
त ओला नुकसान पहुंचाय के युक्ति झन कर।
30 जब कोनो मनखे ह तोर कुछू नुकसान नइं करे हवय,
त ओकर ऊपर बिगर कोनो कारन के दोस झन लगा।

31 उपदरवी मनखे ले जलन झन रखबे
अऊ न ही ओकर सहीं चाल चलबे।

32 काबरकि कुटिल मनखे ले यहोवा ह बहुंत घिन करथे,
पर ईमानदार मनखे ऊपर ओह भरोसा करथे।
33 दुस्ट मनखे के घर म यहोवा के सराप,
पर धरमीमन के घर म ओकर आसीस होथे।
34 घमंडी हंसी उड़इयामन के ओह हंसी उड़ाथे,
पर नम्र अऊ दुखी मनखेमन ऊपर अनुग्रह करथे।
35 बुद्धिमान मनखेमन आदरमान पाथें,
पर मुरूखमन के सिरिप अपमान होथे।

4

[illegible]
1 हे मोर बेटामन, अपन ददा के सिकछा ला सुनव,
अऊ समझ के बात ला जाने बर मन लगावव।
2 मेंह तुमन ला उत्तम सिकछा देथंव,
एकरसेति मोर सिकछा ला झन छोंड़व।
3 जब मेंह घलो अपन ददा के बेटा रहेंव,
सुकुमार, अऊ अपन दाई के दुलारा रहेंव;
4 त मोर ददा ह ये कहिके मोला सिखावय,

“तोर पूरा मन मोर बचन म लगे रहय;
मोर हुकूममन ला मान अऊ जीयत रह।
5 तोला बुद्धि मिलय अऊ समझ घलो मिलय;
मोर बातमन ला झन भुलाबे या ओमन ला झन छोंड़बे।
6 बुद्धि ला झन छोंड़बे, अऊ ओह तोर रकछा करही;
ओकर ले मया कर, अऊ ओह तोर रखवारी करही।
7 बुद्धि ह सबले उत्तम ए, एकरसेति येला पाय के कोसिस कर,
अऊ समझ ला पाय बर जम्मो कुछू कर।
8 ओकर बात मान, त ओह तोला ऊपर उठाही;
ओला धरे रह, अऊ ओह तोर आदर करही।
9 ओह तोर मुड़ ला सोभा देवइया एक माला पहिराही
अऊ तोला सुघर मुकुट दीही।”

10 हे मोर बेटा, मोर बात ला सुन अऊ ओला मान,
तब तेंह बहुंत बछर जीयबे।
11 मेंह तोला बुद्धि के रसता बतात हंव,
अऊ सीधई के डहार म ले जावत हंव।
12 जब तेंह रेंगबे, त कोनो बाधा नइं होही,
अऊ जब तेंह दऊड़बे, त तोला ठोकर नइं लगही।
13 सिकछा ला मान, ओला झन छोंड़;
येकर रखवारी कर, काबरकि येह तोर जिनगी अय।
14 दुस्टमन के डहार म झन जाबे,
अऊ न ही खराप मनखेमन के रसता म चलबे।
15 ओ रसता ले अलग रह, ओमा झन जा;
ओमा ले हटके अपन रसता म जा।
16 काबरकि दुस्ट मनखेमन जब तक बुरई नइं कर लीहीं, तब तक ओमन ला चैन नइं मिलय;
जब तक ओमन काकरो ठोकर खाय के कारन नइं बनंय, तब तक ओमन ला नींद नइं आवय।
17 ओमन दुस्टता ले कमाय रोटी ला खाथें
अऊ लड़ई-झगरा करके लाने अंगूर के मंद ला पीथें।

18 धरमीमन के चाल ह बिहनियां निकलत सूरज सहीं अय,
जेकर अंजोर ह मंझन होवत तक बढ़त ही रहिथे।
19 पर दुस्टमन के रसता ह भयंकर अंधियार सहीं अय;
ओमन नइं जानंय कि ओमन का चीज ले ठोकर खाथें।

20 हे मोर बेटा, जऊन बात मेंह कहत हंव, ओकर ऊपर धियान दे,
अऊ मोर बात ला सुन।
21 ये बातमन ला हर समय सुरता रख;
येमन ला अपन हिरदय म रख।
22 काबरकि जऊन मन येमन ला पाथें, ओमन ला येमन जिनगी,
अऊ ओमन के जम्मो सरीर ला चंगई देथें।
23 सबले जादा अपन मन के रखवारी कर,
काबरकि तोर हर काम तोर मन ले ही निकलके आथे।
24 बेईमानी के बात तोर मुहूं ले झन निकलय,
अऊ चालबाजी के बात ले दूरिहा रह।

25 तेंह सीधा आघू ला देख,
अऊ अपन सामने के बात म सीधा धियान लगा।
26 अपन पांव धरे बर डहार ला समतल कर,
अऊ अपन जम्मो रसता म अटल बने रह।
27 न तो जेवनी, अऊ न ही डेरी अंग मुड़,
अऊ न ही बुरई के रसता म रेंग।

5

[illegible]
1 हे मोर बेटा, मोर बुद्धि के बात ऊपर धियान लगा,
अऊ मोर समझ के बात ला सुन,
2 ताकि तोर बिबेक ह सही रहय
अऊ तोर मुहूं ले गियान के बात निकलय।
3 काबरकि छिनारी माईलोगन के मुहूं ले गुरतूर बात निकलथे,
अऊ ओकर बात ह तेल ले घलो जादा चिकना होथे;
4 पर आखिर म, ओह पित्त के सहीं करू,
अऊ दूधारी तलवार सहीं चोख होथे।
5 ओकर गोड़मन मिरतू कोति जाथें;
अऊ ओकर पांवमन सीधा कबर करा ले जाथें।
6 ओह जिनगी के रसता के बारे म बिचार नइं करय;
ओह एती-ओती भटकथे, पर ओह ये बात ला नइं जानय।

7 एकरसेति, हे मोर बेटामन, मोर बात ला सुनव,
अऊ जऊन कुछू मेंह कहिथंव, ओला मानव।
8 अइसने छिनारी माईलोगन ले दूरिहा रहव,
अऊ ओकर घर के लकठा म घलो झन जावव,
9 नइं तो तुम्हर मान-सम्मान दूसरमन करा चल दीही
अऊ निरदयी मनखे ह तुम्हर परतिस्ठा* ला ले लीही।
10 या अजनबीमन तुम्हर संपत्ति म मजा उड़ाहीं
अऊ तुम्हर मेहनत ह दूसरमन ला धनवान बनाही;
11 अऊ अपन जिनगी के आखिरी बेरा म,
जब तुम्हर देहें ह कमजोर हो जाही, त तुमन कलहरहू;
12 अऊ ये कहिहू, "मेंह अनुसासन म काबर नइं रहेंव,
अऊ दूसर के डांट ला काबर तुछ जानेंव!
13 मेंह अपन गुरूमन के बात ला नइं मानेंव
अऊ अपन सिखोइयामन के बात ला नइं सुनेंव।
14 मेंह तुरते परमेसर के मनखेमन के सभा म
गंभीर समस्या म रहेंव।"

15 तें अपन ही जलासय,
अऊ अपन ही कुआं के सोत के पानी पीये कर।
16 का तोर झरना के पानी गलीमन म,
अऊ पानी के धारा गली के चऊकमन म बहय?
17 ओह सिरिप तोरेच रहय,

---

* **5:9** या *[illegible]*

अऊ अजनबीमन संग बांटे बर नइं।
18 तोर पानी के सोता आसीसित रहय,
अऊ तें अपन जवानी के घरवाली संग आनंद मना।
19 ओह तोर बर एक मयारू हिरनी, एक सुघर सांबरनी सहीं होवय—
ओकर छाती ह तोला हमेसा खुस रखय,
अऊ तेंह ओकर मया म हमेसा बंधे रह।
20 हे मोर बेटा, आने मनखे के घरवाली के मया म तेंह काबर मोहित होबे?
अऊ एक छिनार ला अपन छाती ले काबर लगाबे?

21 काबरकि तोर चालचलन ला यहोवा ह देखत हवय,
अऊ ओह तोर जम्मो चालचलन ला परखथे।
22 दुस्ट मनखेमन अपनेच अधरम के काम म फंसथें;
ओमन अपनेच पाप के बंधन म कसके बंधे रहिथें।
23 ओमन सिकछा के कमी के कारन मर जाहीं,
अऊ अपनेच मुरूखता के कारन भटक जाहीं।

6

[illegible]
1 हे मोर बेटा, यदि तेंह अपन परोसी बर जमानत ले हस,
या कोनो अजनबी बर अपन चीज गिरवी म दे हस,
2 तेंह अपन ही बात म फंस गे हस,
अऊ अपन ही बात म पकड़े गे हस।
3 त हे मोर बेटा, अपनआप ला बंचाय बर अइसे कर,
जब तेंह अपन परोसी के हांथ म पड़ गे हस:
त, जा, जल्दी कर,*
अऊ तुरते अपन परोसी ले बिनती कर।
4 जागत रह;
अपन आंखी म झपकी घलो झन आवन दे।
5 अपनआप ला छुड़ा, जइसे हिरन ह सिकारी के हांथ ले,
अऊ चिरई ह चिड़ीमार के जाल ले अपनआप ला छुड़ाथे।

6 हे अलाल मनखे, चांटीमन करा जा;
ओमन के काम ला देख, अऊ बुद्धिमान बन।
7 ओमन ला न तो कोनो हुकूम देवइया होथे,
न देखरेख करइया, अऊ न ही ओमन ऊपर सासन करइया,
8 तभो ले ओमन धूपकाला म अपन खाना संकेलथें
अऊ लुवई के बेरा अपन जेवन कुढ़ोथें।

9 हे अलाल मनखे, तेंह कब तक सोवत रहिबे?
तोर नींद ह कब टूटही?
10 थोरकन अऊ नींद, थोरकन अऊ ऊंघासी,
हांथ म हांथ धरके अऊ थोरकन देर बईठे रहई—
11 अऊ गरीबी ह चोर सहीं,
अऊ घटी ह हथियार धरे मनखे सहीं तोर ऊपर आ जाही।

12 समस्या खड़े करइया अऊ दुस्ट मनखे ह

* **6:3** या [illegible]

बेईमानी के बात करथे;
13 ओह खराप इरादा से आंखी मारथे,
अपन पांव ले इसारा करथे
अऊ अपन अंगरी ले घलो इसारा करथे।
14 ये काम ओह अपन खराप मन ले बुरई के बात ला सोचके करथे;
ओह हमेसा झगरा करे म लगे रहिथे।
15 एकरसेति, बिपत्ति ह ओकर ऊपर अचानक आ जाही;
पल भर म, बिगर कोनो बचाव के ओह नास हो जाही।

16 छै ठन चीज ला यहोवा ह नापसंद करथे,
अऊ सात ठन चीज ले ओह घिन करथे:
17 घमंड ले भरे आंखी,
लबारी बात कहइया जीभ,
निरदोस मनखे के खून बहानेवाला हांथ,
18 दुस्टता के बात सोचनेवाला हिरदय,
खराप काम करे बर तियार रहइया पांव,
19 लबरा गवाह, जऊन ह लबारी के ऊपर लबारी मारथे
अऊ ओ मनखे जऊन ह मनखेमन के बीच म फूट डारथे।

[illegible]
20 हे मोर बेटा, अपन ददा के हुकूम ला मान
अऊ अपन दाई के सिकछा ला झन छोंड़।
21 ये बातमन ला हमेसा अपन हिरदय म रख;
येमन ला अपन घेंच म माला सहीं पहिर ले।
22 जब तेंह रेंगबे, त येमन तोर अगुवई करहीं;
जब तेंह सुतबे, त येमन तोर रखवारी करहीं;
अऊ जब तेंह जागबे, त येमन तोर ले गोठियाहीं।
23 काबरकि ये हुकूम ह एक दीया सहीं अय;
ये सिकछा ह अंजोर सहीं अय,
अऊ सुधार अऊ निरदेस
जिनगी के रसता सहीं अंय;
24 येमन तोला परोसी के घरवाली,
अऊ छिनार माईलोगन के गुरतूर बोली ले बचाथें।

25 ओकर सुघरता ला देखके अपन मन म ओकर लालसा झन कर
अऊ ओकर आंखी के जादू तोला झन मोहय।

26 काबरकि एक बेस्या के कीमत एक रोटी हो सकथे,
पर आने मनखे के घरवाली ह तोर खुद के जिनगी ला लूट लेथे।
27 का अइसे हो सकथे कि कोनो मनखे आगी ला अपन कोरा म रखे
अऊ ओकर ओनहा ह नइं जरय?
28 या का अइसे हो सकथे कि कोनो मनखे आगी म रेंगे
अऊ ओकर पांव ह नइं झुलसय?
29 अइसे ओ मनखे के दसा होथे, जऊन ह आने के घरवाली संग सुतथे;
जऊन ह अइसे माईलोगन ला छूथे, ओह दंड के भागी होही।

30 जऊन चोर ह अपन पेट के भूख ला मिटाय बर चोरी करथे,

ओला मनखेमन तुछ नइं समझंय।
31 तभो ले यदि ओह पकड़े जाथे, त ओला सात गुना भरना पड़ही;
चाहे ओला अपन घर के जम्मो चीज देना पड़य।
32 जऊन ह बेभिचार करथे, ओकर करा बुद्धि नइं ए;
जऊन ह अइसे करथे, ओह अपनआप ला नास करथे।
33 ओह मार खाथे अऊ अपमानित होथे,
अऊ ओकर कलंक ह कभू नइं मिटय।

34 काबरकि जलन ह घरवाला ला बहुंत गुस्सा देवाथे,
अऊ बदला लेवत बेरा ओह दया नइं करय।
35 ओह नुकसान के भरपई नइं चाहय;
ओला जतका भी घूस दे दव, ओह नइं मानय।

7

[illegible]
1 हे मोर बेटा, मोर बातमन ला मान
अऊ मोर हुकूममन ला अपन मन म रखे रह।
2 मोर हुकूममन ला मान, त तेंह जीयत रहिबे;
मोर सिकछा के मुताबिक अपन जिनगी जी।
3 ओमन ला अपन अंगरीमन म बांध ले,
अऊ ओमन ला अपन हिरदय के पटिया म लिख ले।
4 बुद्धि ले कह, "तेंह मोर बहिनी अस,"
अऊ समझ ले कह, "तेंह मोर रिस्तेदार अस।"
5 येमन तोला छिनार माईलोगन ले दूरिहा रखहीं,
अऊ जिद्दी माईलोगन के गुरतूर बोली ले बचाहीं।

6 मेंह अपन घर के खिड़की के
जाली म ले खाल्हे देखेंव।
7 मेंह भोला-भाला मनखेमन ला देखेंव,
अऊ मोर धियान ह जवानमन के बीच म,
एक निरबुद्धि जवान कोति गीस।
8 ओह ओ माईलोगन के घर के कोना के गली ले होवत,
ओकर घर डहार जावत रिहिस।
9 ओ बेरा दिन ढर गे रहय अऊ सांझ हो गे रहय,
अऊ रथिया के अंधियार छा गे रहय।

10 तब एक माईलोगन ओकर ले मिले बर घर ले निकलिस;
ओकर भेस ह छिनार माईलोगन सहीं रिहिस अऊ ओकर मन म कपट रिहिस।
11 (ओह उदंड अऊ हुकूम नइं माननेवाली रिहिस;
ओह बहुंत कम अपन घर म रहय;
12 कभू गली म, कभू बजार म,
त कभू गली के कोना म, ओह मनखेमन के बाट जोहय।)
13 तब ओह ओ जवान ला धरके चूमिस,
अऊ बिगर लाज-सरम के ओला कहिस,

14 "आज में अपन मन्नत ला पूरा करेंव,

अऊ मोर करा घर म मेल-बलिदान म चघाय खाना हवय।
15 एकरसेति मेंह तोर ले मिले बर आय हवंव;
मेंह तोला खोजेंव अऊ तोला पा गेंव!
16 मेंह अपन पलंग म
मिसर देस म बने सन के रंग-बिरंगी चादर दसाय हंव।
17 मेंह अपन पलंग ला
लोहबान, मुसब्बर अऊ दालचीनी ले सुगंधित करे हवंव।
18 आ, हमन बिहान होवत ले एक-दूसर ले मया करन;
अऊ मया म हमन आनंद मनावन!
19 काबरकि मोर घरवाला ह घर म नइं ए;
ओह दूरिहा देस चले गे हवय।
20 ओह अपन संग रूपिया ले भरे थैली ले गे हवय
अऊ ओह पून्नी के दिन घर लहुंटही।"

21 अइसने बात कहिके, ओह ओ जवान ला बहका लीस;
अऊ अपन गुरतूर बोली ले ओला मोह लीस।
22 ओ जवान ह तुरते ओकर पाछू हो लीस
जइसने कि कोनो पसु ह कसाईखाना जाथे,
या जइसने कि कोनो हिरन* फांदा म फंसे बर जाथे
23 अऊ ओकर करेजा ला तीर ले बेधे जाथे;
या ओ जवान ह ओ चिरई सहीं अय, जऊन ह जाल म जाके फंसथे,
अऊ नइं जानय कि ओमा ओकर परान जाही।

24 अब, हे मोर बेटामन, मोर बात ला सुनव;
अऊ मोर बात ऊपर धियान दव।
25 तुम्हर मन ह अइसने माईलोगन ऊपर झन लगय,
या ओकर डहार म तुमन झन भटकव।
26 ओकर फांदा म फंसके बहुंते झन नास हो गे हवंय;
ओकर दुवारा मारे गे मनखेमन के संखिया बहुंत बड़े हवय।
27 ओकर घर ह मरघटी के रसता ए,
जऊन ह खाल्हे मिरतू के काल-कोठरी ला जाथे।

8

[illegible]
1 का बुद्धि ह नइं पुकारय?
का समझ ह ऊंचहा अवाज म नइं बोलय?
2 ओह डहार के तीर, ऊंचहा ठऊर म,
सड़क के चऊक म खड़े होथे;
3 सहर जाय के रसता, दुवार के बाजू म,
प्रवेस दुवार करा, ओह चिचियाके कहिथे:
4 "हे मनखेमन, मेंह तुमन ला पुकारत हंव;
मोर बात ह जम्मो मनखेमन बर अय।
5 तुमन, जऊन मन भोला-भाला अव, बुद्धिमान बनव;
जऊन मन मुरूख अव, ओमन समझदार बनव।

* **7:22** इबरानी म [illegible]

6 सुनव, मोर करा कहे बर उत्तम बात हवय;
मेंह सही बात ला कहिथंव।
7 मोर मुहूं ले सच बात निकलथे,
काबरकि दुस्टता के बात ले मेंह घिन करथंव।
8 मोर मुहूं के जम्मो बात धरमीपन के होथे;
ओमा कोनो उल्टा या खराप बात नइं रहय।
9 समझनेवाला बर येमन सही अंय;
अऊ जऊन मन गियान पा गे हवंय, ओमन बर येमन सीधा अंय।
10 चांदी के बदले मोर सिकछा ला चुनव,
अऊ सुध सोन के बदले मोर गियान ला लव,
11 काबरकि बुद्धि ह मनि ले जादा कीमती अय,
अऊ कोनो भी मनभावन चीज के तुलना येकर ले नइं करे जा सकय।

12 "मेंं बुद्धि अंव अऊ समझदारी के संग रहिथंव;
गियान अऊ बिबेक मोर म हवय।
13 यहोवा के भय मनई के मतलब बुरई ले घिन करई अय।
मेंह घमंड अऊ जिद्दीपन,
खराप बरताव अऊ बुरई के बात ले घिन करथंव।
14 उत्तम सलाह अऊ सही नियाय मेंह करथंव;
मोर करा समझ के बात अऊ सामर्थ हवय।
15 मोर दुवारा राजामन राज करथें
अऊ सासन करइयामन सही फैसला करथें।
16 मोर दुवारा ही सासन करइया,
अऊ जम्मो हाकिममन सासन करथें।
17 मेंह ओमन ला मया करथंव, जऊन मन मोला मया करथें,
अऊ जऊन मन मोला खोजथें, ओमन मोला पाथें।
18 धन अऊ आदरमान मोर करा हवय,
ठहरइया धन अऊ उन्नति घलो मोर करा हवय।
19 मोर फर ह चोखा सोन ले घलो जादा बने अय,
अऊ जऊन चीज मेंह उतपन करथंव, ओह उत्तम चांदी ले बढ़के होथे।
20 मेंह धरमीपन,
अऊ नियाय के रसता म चलथंव,
21 ताकि जऊन मन मोर ले मया करथें, ओमन ला उत्तम उत्तराधिकार दंव,
अऊ ओमन के भंडार ला भर दंव।

22 "यहोवा ह अपन काम के सुरूआत ले,
अपन पुराना काम के पहिले मोला लानिस;
23 मेंह आदिकाल ले,
सिरिस्टी ला रचे के पहिले ठहिराय गे हवंव।
24 जब न तो गहिरा समुंदर रिहिस,
अऊ न ही उमड़त पानी के झरना रिहिस, तब ले मेंह जनमे हवंव।
25 पहाड़ अऊ पहाड़ीमन ला बनाय के पहिले,
मेंह जनमेंव;
26 येकर पहिले कि परमेसर ह संसार या येकर इलाका,
या धरती के धुर्रा ला बनातिस।
27 जब ओह अकासमन ला स्थापित करिस, त मेंह उहां रहेंव,

जब ओह समुंदर अऊ अकास के बीच म सीमना बांधिस,
28 जब ओह ऊपर म बादर ला ठहिराईस
अऊ गहरई म पानी के सोत बनाईस,
29 जब ओह समुंदर के सीमना ला ठहिराईस,
ताकि पानी ह ओकर हुकूम ला झन टारय,
अऊ जब ओह धरती के नींव रखिस।
30 तब मेंह हमेसा ओकर संग रहेंव।
मेंह हर दिन खुसी म मगन रहेंव,
अऊ हमेसा ओकर आघू म आनंदित रहेंव।
31 मेंह ओकर बसाय जम्मो संसार ले आनंदित रहेंव
अऊ मनखेमन म रहिके खुस होवत रहेंव।

32 "एकरसेति, अब हे मोर लइकामन, मोर बात ला सुनव;
धइन अंय ओमन, जऊन मन मोर बताय रसता म चलथें।
33 मोर सिकछा ला सुनव अऊ बुद्धिमान बनव;
येला तुछ झन जानव।
34 धइन अंय ओमन, जऊन मन मोर गोठ ला सुनथें,
अऊ मोर कपाट करा हर दिन रखवारी करथें,
अऊ मोर कपाट के रसता म अगोरत रहिथें।
35 काबरकि जऊन मन मोला पाथें, ओमन जिनगी पाथें
अऊ यहोवा ओमन ऊपर किरपा करथे।
36 पर जऊन मन मोला पाय म असफल होथें, ओमन अपन के हानि करथें;
ओ जम्मो जऊन मन मोर ले घिन करथें, ओमन मिरतू ले मया करथें।"

9

[illegible]
1 बुद्धि ह अपन घर बनाईस;
ओह येकर सात ठन खंभा बनाय हवय।
2 ओह अपन पसु के मांस रांधे हवय अऊ अंगूर के मंद तियार करे हवय;
अऊ खाना खाय बर अपन मेज म रखे हवय।
3 ओह अपन सेवकमन ला पठोय हवय,
अऊ ओह सहर के सबले ऊंच जगह ले, ये कहिके बलाथे,
4 "जऊन मन सीधा-साधा अंय, ओमन मोर घर म आवंय!"
जऊन मन निरबुद्धि अंय, ओमन ला ओह कहिथे,
5 "आवव, मोर खाना खावव
अऊ मोर तियार करे गे अंगूर के मंद ला पीयव।
6 अपन सीधा-साधा रसता ला छोंड़व, त तुमन जीयत रहिहू;
समझवाले रसता म चलव।"

7 जऊन ह ठट्ठा करइया ला सिकछा देथे, ओकर बेजत्ती होथे;
जऊन ह दुस्ट मनखे ला डांटथे, ओह गारी खाथे।
8 ठट्ठा करइयामन ला झन डांट, नइं तो ओमन तोर ले घिन करहीं;
बुद्धिमान मनखेमन ला डांट, त ओमन तोर ले मया करहीं।
9 बुद्धिमान मनखे ला सिकछा दे, त ओमन अऊ बुद्धिमान होहीं;
धरमीमन ला सिखा, त ओमन अपन गियान ला अऊ बढ़ाहीं।

10 यहोवा के भय मनई बुद्धि के सुरूआत अय,
पबितर परमेसर ला जानई समझ के बात अय।
11 काबरकि परमेसर के दुवारा तोर उमर बढ़ही,
अऊ तोर जिनगी म अऊ बछर जोड़े जाही।
12 कहूं तेंह बुद्धिमान अस, त तोर बुद्धि के कारन तोला ईनाम मिलही;
यदि तेंह ठट्ठा करइया अस, त सिरिप तेंहीच ह दुख भोगबे।

13 मुरूखता ह एक ब्यवस्थाहीन माईलोगन सहीं अय;
ओह सीधी-साधी अय अऊ कुछू नइं जानय।
14 ओह अपन घर के कपाट करा बईठथे;
ओह सहर के सबले ऊंच जगह म आसन जमाथे
15 अऊ जऊन मन उहां ले होवत, अपन रसता म सीधा जावत रहिथें,
ओमन ला ओह चिचियाके कहिथे,
16 "जऊन मन सीधा-साधा अंय, ओमन मोर घर म आवंय!"
जऊन मन निरबुद्धि अंय, ओमन ला ओह कहिथे,
17 "चोराय पानी ह मीठ लगथे;
चोरी-छुपे खाय खाना ह सुवादिस्ट होथे!"
18 पर ओमन नइं जानंय कि उहां मरे मनखेमन हवंय,
अऊ ये घलो कि ओकर पहुनामन गहिरा, मिरतू-लोक म हवंय।

सुलेमान राजा के नीतिबचन

10

1 सुलेमान के नीतिबचन:
बुद्धिमान बेटा ले ओकर ददा ह खुस होथे,
पर मुरूख बेटा ह अपन दाई ऊपर दुख लानथे।

2 बेईमानी ले कमाय धन ले लाभ नइं होवय,
पर मनखे के धरमीपन ह ओला मिरतू ले बचाथे।

3 यहोवा ह धरमी मनखे ला भूखा रहन नइं देवय,
पर ओह दुस्ट मनखे के ईछा ला पूरा होवन नइं देवय।

4 काम म ढिलई करइया मनखे गरीब हो जाथे,
पर मेहनती मनखे धनी होथे।

5 गरमी के महिना म जऊन ह फसल ला संकेलथे, ओह बुद्धिमान बेटा ए,
पर जऊन ह फसल लुवई के बेरा सुतत रहिथे, ओह कलंकित बेटा ए।

6 धरमी मनखे ला बहुंत आसीस मिलथे,
पर दुस्ट मनखे के मुहूं ले बहुंत हिंसा के बात निकलथे।

7 धरमी के नांव ह आसीस देय म उपयोग होथे,*
पर दुस्ट के नांव ह मिट जाथे।

8 बुद्धिमान ह हिरदय म हुकूम ला गरहन करथे,

* **10:7** देखव उत 48:20

पर बकवास करइया मुरूख ह नास हो जाथे।

9 जऊन ह ईमानदारी से चलथे, ओह निडर रहिथे,
पर जऊन ह बेईमानी के रसता म चलथे, ओकर पोल खुल जाथे।

10 जऊन ह गलत इरादा से आंखी मारथे, ओकर ले दुख मिलथे,
अऊ बकवास करइया मुरूख ह नास हो जाथे।

11 धरमी मनखे के मुहूं ले जिनगी के बात निकलथे,
पर दुस्ट मनखे के मुहूं ले हिंसा के बात निकलथे।

12 काकरो ले घिन करई ह झगरा ला सुरू करथे,
पर मया ह जम्मो गलती ला ढांप देथे।

13 समझदार मनखे के बातचीत म बुद्धि पाय जाथे,
पर निरबुद्धि ला लउठी के मार पड़थे।

14 बुद्धिमान ह गियान ला इकट्ठा करथे,
पर मुरूख ह अपन बात के जरिये बिनास लानथे।

15 धनवानमन के धन ह ओमन के गढ़वाला सहर होथे,
पर गरीब के गरीबी ह ओकर बिनास के कारन ए।

16 धरमी मनखे के मजदूरी जिनगी अय,
पर दुस्ट मनखे के कमई पाप अऊ मिरतू अय।

17 जऊन ह अनुसासन ला मानथे, ओह जिनगी के रसता ला देखाथे,
पर जऊन ह अनुसासन ला नइं मानय, ओह दूसरमन ला गलत रसता म ले जाथे।

18 जऊन ह लबारी मारके बईरता ला छुपाथे
अऊ दूसर के निन्दा करथे, ओह मुरूख ए।

19 जिहां जादा बात होथे, उहां पाप घलो होथे,
पर जऊन ह अपन मुहूं म लगाम लगाथे, ओह बुद्धिमान ए।

20 धरमी मनखे के बचन ह उत्तम चांदी सहीं अय,
पर दुस्ट मनखे के बात बहुंत हल्का होथे।

21 धरमी मनखे के बात ले बहुंते जन के भलई होथे,
पर मुरूखमन बुद्धि के कमी के कारन मर जाथें।

22 यहोवा के आसीस ले धन मिलथे,
ओकर संग ओह दुख नइं देवय।

23 मुरूख ला खराप काम करई म खुसी मिलथे,
पर समझदार मनखे बुद्धि के बात म खुस होथे।

24 जऊन बात ले दुस्ट मनखे ह डरथे, ओहीच बात ओकर संग होही,

पर धरमी जन के ईछा ला पूरा करे जाही।

25 जब बिपत्ति चले जाथे, त ओकर संग दुस्टमन के घलो अन्त हो जाथे,
पर धरमीमन सदा इस्थिर बने रहिथें।

26 जइसे दांत बर खट्टई अऊ आंखी बर धुआं होथे,
वइसे आलसी मनखेमन ओमन बर होथें, जऊन मन ओमन ला पठोथें।

27 यहोवा के भय माने ले मनखे के उमर ह बढ़थे,
पर दुस्ट मनखे जादा साल तक नइं जीयय।

28 धरमी जन ला आसा रखई म आनंद मिलथे,
पर दुस्ट मनखे के आसा टूट जाथे।

29 यहोवा के रसता ह निरदोसीमन बर सरन-स्थान ए,
पर जऊन मन दुस्टता करथें, ओमन बर बिनास के जगह ए।

30 धरमी जन सदा अटल बने रहिही,
पर दुस्ट मनखे धरती म बने नइं रह सकय।

31 धरमी के मुहूं ले बुद्धि के बात निकलथे,
पर बेकार बात करइया के मुहूं ला बंद करे जाही।

32 धरमी के मुहूं ले समझदारी के बात निकलथे,
पर दुस्ट मनखे के मुहूं ले सिरिप बेकार के बात निकलथे।

11

1 यहोवा ह बेईमानी के तौल ले बहुंत घिन करथे,
पर सही तौल ले ओह खुस होथे।

2 जब घमंड आथे, त अपमान घलो आथे,
पर नमरता के संग बुद्धि आथे।

3 ईमानदार मनखेमन ला ओमन के ईमानदारी ह अगुवई करथे,
पर बिसवासघाती मनखेमन अपन छल-कपट म नास हो जाथें।

4 कोप के बेरा म धन ले कोनो लाभ नइं होवय,
पर धरमीपन ह मिरतू ले बचाथे।

5 निरदोस मनखेमन के धरमीपन ह ओमन के रसता ला सीधा करथे,
पर दुस्ट मनखेमन अपन ही दुस्टता म गिर जाथें।

6 ईमानदार मनखेमन के धरमीपन ह ओमन ला बचाथे,
पर बिसवासघाती मनखेमन अपन ही दुस्ट ईछा म फंसथें।

7 दुस्ट मनखेमन के संग ओमन के आसा घलो टूट जाथे;
ओमन के सक्ति के जम्मो परतिगियां बेकार हो जाथे।

8 धरमी मनखेमन बिपत्ति ले बचाय जाथें,
पर ओहीच बिपत्ति दुस्ट मनखे ऊपर पड़थे।

9 भक्तिहीन मनखेमन अपन बात ले अपन परोसी ला नास करथें,
पर गियान के दुवारा धरमी मनखेमन बच जाथें।

10 जब धरमी मनखेमन उन्नति करथें, त सहर के मनखेमन आनंद मनाथें;
जब दुस्ट मनखेमन नास होथें, त आनंद के कारन जयकार होथे।

11 धरमी मनखेमन के आसीस ले सहर के उन्नति होथे।
पर दुस्ट मनखेमन के गोठ ले येह नास होथे।

12 जऊन ह अपन परोसी के हंसी उड़ाथे, ओह निरबुद्धि ए,
पर समझदार मनखे अपन मुहूं म लगाम लगाथे।

13 लबारी बात ह बिसवास ला टोरथे,
पर बिसवासयोग्य मनखे ह गुपत के बात ला बनाय रखथे।

14 मार्ग-दरसन के अभाव म देस ह बिपत्ति म पड़थे,
पर जीत ह बहुंत सलाहकारमन के जरिये मिलथे।

15 जऊन ह अजनबी के जमानत लेथे, ओह दुख उठाथे,
पर जऊन ह जमानत लेय बर मना करथे, ओह सुखी रहिथे।

16 दयालु माईलोगन ह आदरमान पाथे,
पर निरदयी आदमी सिरिप धन कमाथे।

17 दयालु मनखेमन अपन बर लाभ कमाथें,
पर निरदयीमन अपन ऊपर बिनास लानथें।

18 दुस्ट मनखे ह छल-कपट के कमई करथे,
पर जऊन ह धरमीपन देखाथे, ओह सही म ईनाम पाथे।

19 धरमीमन सही म जिनगी पाथें,
पर जऊन ह बुरई के पाछू चलथे, ओह मरथे।

20 यहोवा ह हठी मनखे ले घिन करथे,
पर ओह निरदोस चालचलनवाला मनखे ले खुस होथे।

21 ये बात बर निस्चित रहव: दुस्ट ह जरूर दंड पाही,
पर जऊन मन धरमी अंय, ओमन छोंड़ दिये जाहीं।

22 जऊन सुघर माईलोगन ह समझदारी नइं देखाय,
ओह थोथना म सोन के नथ पहिरे सूरा के सहीं अय।

23 धरमीमन के ईछा के अन्त सिरिप भलई म होथे,
पर दुस्टमन के आसा के अन्त सिरिप कोरोध म होथे।

24 एक मनखे ह दिल खोलके देथे, तभो ले ओकर बढ़ती होथे;

दूसर मनखे ह देय म कंजूसी करथे, पर ओह गरीब हो जाथे।

25 उदार मनखे के उन्नति होही,
अऊ जऊन ह दूसर के खियाल रखथे, ओकर खियाल रखे जाही।

26 मनखेमन ओ मनखे ला सराप देथें, जऊन ह अनाज ला दबाके रखे रहिथे,
पर जऊन ह बेचे के ईछा रखथे, ओकर बर मनखेमन आसीस मांगथें।

27 जऊन ह भलई करे चाहथे, ओकर ऊपर किरपा करे जाथे,
पर जऊन ह बुरई करे के ईछा रखथे, ओकर ऊपर बुरई आ जाथे।

28 जऊन मन अपन धन ऊपर भरोसा रखथें, ओमन गिरहीं,
पर धरमी मनखेमन हरियर पान सहीं बढ़हीं।

29 जऊन ह अपन परिवार ला दुख देथे, ओला बांटा म कुछू नइं मिलय,
अऊ मुरूख ह बुद्धिमान के दास होही।

30 धरमी के परतिफल जिनगी के रूख होथे,
अऊ जऊन ह बुद्धिमान ए, ओह जिनगी बचाथे।

31 यदि धरमी मनखे ला ये धरती म ओकर फर मिलथे,
त भक्तिहीन अऊ पापी ला ओकर परतिफल काबर नइं मिलही!

12

1 जऊन ह अनुसासन ले मया करथे, ओह गियान ले मया करथे,
पर जऊन ह सुधरे बर नइं चाहय, ओह मुरूख अय।

2 बने मनखेमन ऊपर यहोवा के किरपा होथे,
पर दुस्ट उपाय करइयामन ला ओह दोसी ठहिराथे।

3 कोनो दुस्ट काम करे के दुवारा इस्थिर नइं रह सकय,
पर धरमी मनखे ला कोनो डिगा नइं सकंय।

4 बने चालचलनवाली माईलोगन ह अपन घरवाला के मुकुट ए,
पर कलंकित माईलोगन ह अपन घरवाला के सरे हाड़ा सहीं अय।

5 धरमीमन के योजना ह सही होथे,
पर दुस्टमन के सलाह धोखा देवइया होथे।

6 दुस्टमन के बातचीत ह हतिया करे बर घात लगाय के बारे म होथे,
पर सीधा-साधा मनखे के बातचीत ह ओमन ला बचाथे।

7 दुस्टमन ला नास करे जाथे अऊ ओमन बचे नइं रहंय,
पर धरमी के घर ह मजबूत बने रहिथे।

8 मनखे के परसंसा ओकर बुद्धि के अनुसार होथे,
पर बिगड़े बुद्धि के मनखे ह तुछ समझे जाथे।

9 जेकर करा खाय बर खाना तक नइं रहय अऊ अपन बड़ई मारथे

ओकर ले सेवक रखइया छोटे मनखे ह बने अय।

10 धरमी मनखे अपन पसुमन के घलो चिंता करथे,
पर दुस्ट मनखे के दया के काम ह घलो निरदयी होथे।

11 जऊन मन अपन खेत ला कमाथें, ओमन करा बहुंत जेवन होही,
पर जऊन मन सिरिप कल्पना करत रहिथें, ओमन निरबुद्धि अंय।

12 दुस्ट मनखेमन, खराप काम करइया मनखेमन ले सुरकछा के मनसा करथें।
पर धरमीमन के जरी ह बने रहिथे।

13 खराप मनखेमन अपन खराप गोठ के कारन फंसथें,
अऊ निरदोस मनखेमन समस्या ले बच जाथें।

14 मनखेमन अपन सुघर गोठ के कारन बने चीज ले भर जाथें,
अऊ ओमन के हांथ के मेहनत ह ओमन ला ईनाम देवाथे।

15 मुरूखमन ला अपनेच रसता ह सही लगथे,
पर बुद्धिमान मनखेमन दूसरमन के सलाह ला सुनथें।

16 मुरूखमन तुरते अपन रिस देखाथें,
पर समझदार मनखेमन अपन बेजत्ती ला धियान नइं देवंय।

17 एक ईमानदार गवाह ह सच बोलथे,
पर लबरा गवाह ह लबारी मारथे।

18 बिगर सोचे-बिचारे बोलनेवाला के गोठ ह तलवार सहीं चूभथे,
पर बुद्धिमान मनखे के बात ह दवाई के सहीं बने काम करथे।

19 सच बात ह हमेसा बने रहिथे,
पर लबरा गोठ सिरिप पल भर के होथे।

20 खराप काम करइयामन के मन म छल-कपट होथे,
पर जऊन मन सांति के बात करथें, ओमन ला आनंद मिलथे।

21 धरमी ला कोनो हानि नइं होवय,
पर दुस्ट मनखे ह समस्या ले भरे रहिथे।

22 लबारी बात ले यहोवा बहुंत घिन करथे,
पर ओह बिसवासयोग्य मनखे ले बहुंत खुस होथे।

23 समझदार मनखेमन अपन गियान ला अपन म रखथें,
पर मुरूख मनखे ह बिगर सोचे अपन मुरूखता ला बक देथे।

24 मेहनती मनखेमन सासन करथें,
पर आलसी मनखे ह मजदूरी करे बर बाध्य होथे।

25 मनखे के उतावलापन ह ओकर मन ला उदास कर देथे,
पर बने बात ले ओह खुस होथे।

26 धरमी मनखे ह धियान देके अपन संगवारी चुनथे,
पर दुस्ट मनखे के चालचलन ह ओला भटका देथे।

27 आलसी मनखे कोनो काम करे नइं चाहय,
पर मेहनती मनखे ला अपन मेहनत ले कीमती चीज मिलथे।

28 धरमीपन के रसता म जिनगी हवय,
अऊ ओ रसता म मिरतू नइं ए।

13

1 बुद्धिमान बेटा ह अपन ददा के सिकछा म धियान लगाथे,
पर ठट्ठा करइया ह डांट ला घलो नइं सुनय।

2 मनखेमन अपन बने बात के कारन बने चीजमन के आनंद उठाथें,
पर बिसवासघाती मनखे के भूख हिंसा करे म मिटथे।

3 जऊन मन अपन मुहूं म लगाम लगाथें, ओमन अपन परान के रकछा करथें,
पर जऊन मन बिगर सोचे गोठियाथें, ओमन नास हो जाथें।

4 आलसी मनखे के भूख कभू नइं मिटय,
पर मेहनती मनखे के ईछा पूरा होथे।

5 धरमी मनखे लबरा बात ले घिन करथे,
पर दुस्ट मनखे अपनआप ला एक दुरगंध के चीज सहीं बना लेथे
अऊ अपन ऊपर कलंक लगाथे।

6 धरमीपन ह ईमानदार मनखे के रकछा करथे
पर दुस्टता ह पापी मनखे ला नास कर देथे।

7 एक मनखे अपन ला धनवान जताथे, पर ओकर करा कुछू नइं रहय;
दूसर ह अपन ला गरीब जताथे, पर ओकर करा बहुंत धन होथे।

8 मनखे के धन ह ओकर जिनगी ला छुड़ा सकथे,
पर गरीब मनखे ह धमकी भरे डांट के जबाब घलो नइं दे सकय।

9 धरमी मनखे के अंजोर ह बहुंत चमकथे,
पर दुस्ट मनखे के दीया ह बुता जाथे।

10 घमंड के कारन झगरा होथे,
पर जऊन मन सलाह लेथें, ओमन म बुद्धि होथे।

11 बेईमानी के पईसा ह खतम हो जाथे,
पर जऊन ह थोर-थोर करके पईसा जमा करथे, ओ पईसा ह बढ़थे।

12 जब आसा के पूरा होय म देरी होथे, त मन ह बिचलित होथे,
पर मनसा के पूरा होवई ह जिनगी के रूख सहीं अय।

13 जऊन ह हुकूम ला तुछ समझथे, ओह येकर दाम चुकाही,

पर जऊन ह हुकूम ला मानथे, ओला ईनाम मिलथे।

14 बुद्धिमान मनखे के सिकछा ह जिनगी के झरना ए,
जऊन ह मनखे ला मिरतू के फांदा ले बचाथे।

15 सुबुद्धि ले अनुग्रह मिलथे,
पर बिसवासघातीमन के रसता ह ओमन के बिनास कोति जाथे।

16 जम्मो समझदार मनखे गियान के संग काम करथें।
पर मुरूखमन अपन मुरूखता देखाथें।

17 दुस्ट संदेसिया ह समस्या म पड़थे,
पर बिसवासयोग्य संदेसिया ह बने संदेस लेके आथे।

18 जऊन ह अनुसासन ला तुछ समझथे, ओह गरीबी अऊ लज्जा म पड़थे,
पर जऊन ह डांट ऊपर धियान देथे, ओह आदर पाथे।

19 ईछा के पूरा होवई ह मन ला गुरतूर लगथे,
पर मुरूख मनखे ह दुस्ट काम ला बिलकुल ही छोंड़े नइं चाहय।

20 बुद्धिमान के संगति कर, त तें घलो बुद्धिमान हो जाबे,
काबरकि मुरूख के संगी ला हानि उठाना पड़थे।

21 समस्या ह पापीमन के पाछू लगे रहिथे,
पर धरमीमन ला बने चीज के ईनाम मिलथे।

22 बने मनखे ह अपन नाती-पोतामन बर धन-संपत्ति छोंड़ जाथे,
पर पापी के संपत्ति धरमी बर रखे जाथे।

23 बंजर भुइयां ह गरीब बर फसल पईदा करथे,
पर अनियाय ह येला छीन लेथे।

24 जऊन ह अपन लइकामन ला छड़ी ले अनुसासित नइं करय, ओह ओकर बईरी अय।
पर जऊन ह अपन लइकामन ले मया करथे, ओह ओमन ला अनुसासित घलो करथे।

25 धरमी ह पेट भर खाय ला पाथे,
पर दुस्ट मनखे ह भूखन ही रहिथे।

14

1 बुद्धिमान माईलोगन ह अपन घर ला बनाथे,
पर मुरूख माईलोगन ह अपन खुद के हांथ ले ओला गिरा देथे।

2 जऊन ह यहोवा के भय मानथे, ओह ईमानदारी से चलथे,
पर जऊन मन ओला तुछ जानथें, ओमन अपन डहार ले भटक गे हवंय।

3 मुरूख ला ओकर घमंड के बात के कारन दंड मिलथे,
पर बुद्धिमान मनखेमन के बात ह ओमन ला बचाथे।

4 जिहां बईलामन नइं रहंय, त उहां कोटना ह खाली रहिथे,
पर बईला के ताकत ले बहुंत फसल होथे।

5 ईमानदार गवाह ह धोखा नइं देवय,
पर लबरा गवाह ह अब्बड़ लबारी मारथे।

6 ठट्ठा करइया ह बुद्धि ला खोजथे, पर नइं पावय,
पर समझदार मनखे ला आसानी से गियान मिलथे।

7 मुरूख मनखे ले दूरिहा रहव,
काबरकि तुमन ला ओकर ले गियान के बात नइं मिलय।

8 बुद्धिमान के बुद्धि ह ओला समझ देथे,
पर मुरूख के मुरूखता ह धोखा ए।

9 मुरूख मनखेमन पाप स्वीकार करई ला ठट्ठा के बात समझथें
पर समझदार मनखेमन के बीच म सही बिचार पाय जाथे।

10 मन ह अपन खुद के दुख ला जानथे,
अऊ कोनो आने ह येकर आनंद ला बांट नइं सकय।

11 दुस्ट के घर ह नास करे जाही,
पर धरमी के घर ह बढ़ही।

12 एक डहार हवय, जऊन ह मनखे ला सही जान पड़थे,
पर आखिर म येह मिरतू करा ले जाथे।

13 अइसे हो सकथे कि हंसी के बेरा घलो मन उदास होवय,
अऊ आनंद मनई के अन्त दुख म होवय।

14 बिसवासहीन मनखे ह अपन काम के पूरा फल भोगही,
अऊ बने मनखे ह अपन बने काम के ईनाम पाही।

15 सीधवा मनखे ह कोनो भी बात के बिसवास करथे,
पर समझदार मनखे ह सोच-समझके चलथे।

16 बुद्धिमान मनखे ह यहोवा ले डरथे अऊ बुरई ले दूरिहा रहिथे,
पर मुरूख ह कोरोधी सुभाव के होथे अऊ तभो ले निडर रहिथे।

17 जऊन ह तुरते गुस्सा होथे, ओह मुरूखता के काम करथे,
अऊ जऊन ह खराप चाल चलथे, ओकर ले मनखेमन घिन करथें।

18 सीधा-साधा मनखे के भाग म मुरूखता होथे,
पर समझदार मनखे ला गियान के मुकुट पहिराय जाथे।

19 खराप मनखेमन, बने मनखे के आघू म,
अऊ दुस्ट मनखेमन धरमी के कपाट म झुकथें।

20 गरीब मनखे ला ओकर परोसीमन घलो छोंड़ देथें,

पर धनी मनखे के बहुंत संगवारी होथें।

21 जऊन ह अपन परोसी ला तुच्छ समझथे, ओह पाप करथे,
पर जऊन ह गरीब ऊपर दया करथे, ओह धइन ए।

22 का जऊन मन दुस्ट युक्ति करथें, ओमन अपन रसता ले नइं भटकंय?
पर जऊन मन भलई के युक्ति करथें, ओमन ला मया मिलथे अऊ ओमन बिसवासयोग्य होथें।

23 कठिन मेहनत करे ले लाभ होथे,
पर सिरिप बात करइया ह गरीब हो जाथे।

24 बुद्धिमान के धन ह ओकर मुकुट ए,
पर मुरूख के मुरूखता ह मुरूखता ही लानथे।

25 एक सच्चा गवाह ह जिनगी बचाथे,
पर एक लबरा गवाह ह धोखेबाज होथे।

26 जऊन ह यहोवा के भय मानथे, ओकर भरोसा ह मजबूत होथे,
अऊ ओमन के लइकामन बर येह एक आसरय होही।

27 यहोवा के डर ह जिनगी के झरना ए,
जऊन ह मनखे ला मिरतू के फांदा ले बचाथे।

28 मनखेमन के बहुंत संखिया ह राजा के महिमा अय,
पर अधीन म रहइया मनखेमन के बिगर एक राजकुमार ह नास हो जाथे।

29 जऊन ह धीरज धरथे, ओह समझदार अय,
पर जऊन ह तुरते गुस्सा होथे, ओह मुरूखता करथे।

30 मन म सांति ह देहें ला जिनगी देथे,
पर मन म जलन रखई ह हाड़ा ला सढ़ा देथे।

31 जऊन ह गरीब ला सताथे, ओह ओकर बनानेवाला* के अनादर करथे,
पर जऊन ह गरीब ऊपर दया करथे, ओह परमेसर के आदर करथे।

32 जब बिपत्ति आथे, त दुस्टमन नास हो जाथें,
पर मिरतू के बेरा घलो धरमी ला परमेसर म सरन मिलथे।

33 समझदार मनखे के मन म बुद्धि ह निवास करथे
अऊ त अऊ मुरूखमन के बीच म घलो ओह अपनआप ला परगट करथे।

34 धरमीपन ले मनखे के जाति† के बढ़ती होथे,
पर पाप ले कोनो भी मनखे‡ के अपमान होथे।

35 राजा ह बुद्धिमान सेवक ले खुस होथे,
पर लज्जा के काम करइया सेवक ह राजा के कोरोध ला बढ़ाथे।

---

* **14:31** याने कि [illegible] † **14:34** याने कि [illegible] ‡ **14:34** या [illegible]

15

1 कोमल जबाब ह गुस्सा ला दूर करथे,
पर करू बात ह गुस्सा ला बढ़ाथे।

2 बुद्धिमान के बात ह गियान ला बढ़ाथे,
पर मुरूख के मुहूं ले मुरूखता के ही बात निकलथे।

3 यहोवा ह जम्मो कोति देखथे,
दुस्ट अऊ बने दूनों मनखे ऊपर ओकर नजर लगे रहिथे।

4 सांति देवइया बात ह जिनगी के रूख ए,
पर उल्टा-सीधा बात ले आतमा ह दुखी होथे।

5 मुरूख ह दाई-ददा के अनुसासन के तिरस्कार करथे,
पर जऊन ह अनुसासन ला मानथे, ओह समझदारी देखाथे।

6 धरमी के घर म बड़े धन रहिथे,
पर दुस्ट के कमई ह बिनास लाथे।

7 बुद्धिमान के मुहूं ले गियान बगरथे,
पर मुरूखमन के मन ह सही नइं रहय।

8 यहोवा ह दुस्ट के बलिदान ले घिन करथे,
पर ईमानदार मनखे के पराथना ले परमेसर ह खुस होथे।

9 यहोवा दुस्ट के काम ले घिन करथे,
पर ओह ओमन ले मया करथे, जऊन मन धरमीपन के काम करथें।

10 जऊन ह सही रसता ला छोंड़ देथे, ओह कठोर अनुसासन के सामना करथे;
जऊन ह अनुसासन ले घिन करथे, ओह मरही।

11 मिरतू अऊ बिनास यहोवा के आघू म खुले रहिथें—
त मनखेमन के मन ला कोन पुछय!

12 ठट्ठा करइयामन डांट खाय ले खुस नइं होवंय,
एकरसेति ओमन बुद्धिमान मनखे ले अलग रहिथें।

13 मन ह खुस रहे ले चेहरा ह घलो खुस दिखथे,
पर दुखित मन ह आतमा ला निरास करथे।

14 समझदार मनखे ह गियान के खोज म रहिथे,
पर मुरूख मनखे ह मुरूखता के बात करथे।

15 दुखी मनखे के जम्मो दिनमन दुख ले भरे रहिथें,
पर जेकर मन ह खुस रहिथे, ओकर बर जम्मो दिन भोज खाय सहीं अय।

16 यहोवा के भय के संग थोरकन धन होवई ह
समस्या के संग बहुंत धन होवई ले बने अय।

17 मया के घर म थोरकन साग-भाजी के जेवन करई
बईरता वाले घर म मोटा-ताजा पसु के मांस खवई ले बने अय।

18 तुरते गुस्सा होवइया मनखे ह झगरा करथे,
पर धीरज वाले मनखे ह झगरा ला सांत करथे।

19 आलसी मनखे के रसता ह कांटा ले रूंधे रहिथे,
पर सीधा मनखे के रसता ह सुघर सड़क सहीं होथे।

20 बुद्धिमान बेटा ले ददा ह आनंदित होथे,
पर मुरूख मनखे ह अपन दाई ला तुछ समझथे।

21 मुरूख ला मुरूखता के बात ले आनंद होथे,
पर समझदार मनखे ह सीधा चाल चलथे।

22 बिगर सलाह के योजना ह सफल नइं होवय,
पर बहुंत सलाहकारमन के मदद ले ओमन सफल होथें।

23 सही उत्तर देय म मनखे ला आनंद मिलथे—
अऊ सही समय म कहे गे बात ह बने होथे।

24 बुद्धिमान बर जिनगी के रसता ह ऊपर कोति जाथे,
अऊ ओला खाल्हे मिरतू के राज म जाय ले बचाथे।

25 यहोवा ह घमंडी के घर ला गिरा देथे,
पर ओह बिधवा के सीमना ला सही-सलामत रखथे।

26 यहोवा ह दुस्ट के सोच-बिचार ले घिन करथे,
पर ओकर नजर म अनुग्रह के बचनमन सुखद होथें।

27 लालची मनखेमन अपन परिवार के नास करथें,
पर जऊन ह घूसखोरी ले घिन करथे, ओह जीयत रहिही।

28 धरमी ह अपन मन म सोच-बिचार करके जबाब देथे,
पर दुस्ट के मुहूं ले बुरई के बात ही निकलथे।

29 यहोवा ह दुस्ट मनखे ले दूरिहा रहिथे,
पर ओह धरमी के पराथना ला सुनथे।

30 संदेसिया के आंखी म चमक ह मन ला आनंदित करथे,
अऊ सुघर संदेस ले हाड़ामन मजबूत होथें।

31 जऊन ह जिनगी देवइया ताड़ना ऊपर धियान देथे,
ओह बुद्धिमानमन के बीच म निवास करथे।

32 जऊन मन अनुसासन ला नइं मानंय, ओमन अपनआप ला तुछ समझथें,
पर जऊन ह अनुसासन ऊपर धियान देथे, ओह समझ के बात ला पाथे।

33 बुद्धि के निरदेस ह यहोवा के भय मानना ए,

अऊ आदर के पहिली नमरता आथे।

16

1 मनखे ह अपन मन के योजना के बस म रहिथे,
पर मुहूं के सही जबाब यहोवा करा ले आथे।

2 मनखे के जम्मो चालचलन ओकर नजर म सही जान पड़थे,
पर मन के उदेस्य ला यहोवा ह जांचथे।

3 अपन जम्मो काम ला यहोवा ला सऊंप दव,
अऊ ओह तुम्हर योजना ला स्थापित करही।

4 यहोवा ह जम्मो काम एक उदेस्य के संग करथे—
इहां तक कि दुस्ट ला बिपत्ति के दिन बर रखथे।

5 यहोवा ह मन के जम्मो घमंड के बात ले घिन करथे।
ये बात निस्चित ए: ओमन दंड पाय बिगर नइं बचंय।

6 मया अऊ बिसवासयोग्यता के दुवारा पाप के पछ्ताप होथे;
यहोवा के भय माने के दुवारा बुरई ले बचे जाथे।

7 जब यहोवा ह काकरो काम ले खुस होथे,
त ओह ओकर बईरीमन के घलो ओकर ले मेल-मिलाप कराथे।

8 अनियाय करके बहुंत कमाय ले
धरमीपन के दुवारा थोरकन कमई ह बने अय।

9 मनखेमन अपन मन म अपन जिनगी जीये के योजना बनाथें,
पर यहोवा ह ओमन के जिनगी के कदम ला इस्थिर करथे।

10 राजा के मुहूं ले गियान के बात निकलथे,
अऊ ओह अनियाय के बात नइं करय।

11 ईमानदारी के नाप अऊ तराजू यहोवा के अय;
थैली के जम्मो वजन ओकर दुवारा बनाय गे हवंय।

12 राजामन गलत काम ले घिन करथें,
काबरकि सिंघासन ह धरमीपन के जरिये इस्थिर रहिथे।

13 राजामन ईमानदारी के बात म खुस होथें;
ओमन ओकर बात ऊपर धियान देथें, जऊन ह सही बात गोठियाथे।

14 राजा के गुस्सा ह मिरतू के दूत के सहीं अय,
पर बुद्धिमान मनखे ह ओला मना लेथे।

15 जब राजा के चेहरा ह खुस दिखथे, येकर मतलब जिनगी अय;
ओकर किरपा बसन्त समय के बारिस के बादर सहीं अय।

16 बुद्धि ला पाना सोन के पाय ले जादा बने अय,
अऊ समझ के बात ला जानना, चांदी के पाय ले जादा बने अय।

17 ईमानदार मनखे के रसता ह बुरई ले दूरिहा रहिथे;
जऊन मन अपन चालचलन ऊपर धियान देथें, ओमन अपन परान ला बचाथें।

18 बिनास के पहिली घमंड,
अऊ ठोकर खाय के पहिली जिद्दी सुभाव आथे।

19 घमंडी मनखेमन संग लूट के बांटा लेय के बदले
दुखी मनखेमन के संग नरम सुभाव से रहई बने अय।

20 जऊन ह निरदेस ऊपर धियान देथे, ओह बढ़थे,*
अऊ जऊन ह यहोवा ऊपर भरोसा रखथे, ओह आसीसित होथे।

21 जेकर हिरदय म बुद्धि हवय, ओला समझदार मनखे कहे जाथे,
अऊ मधुर बचन ह मनखेमन ले बात मनवाथे।

22 समझदार मनखे बर समझदारी ह जिनगी के झरना ए,
पर मुरूखता ह मुरूख मनखेमन बर दंड लाथे।

23 बुद्धिमान के मन ह ओकर बात ला समझदार बनाथे,
अऊ ओमन के बात ला मनखेमन मानथें।

24 गुरतूर बोली ह मधुमक्खी के छत्ता सहीं अय,
जऊन ह मन ला सांति अऊ देहें के हाड़ामन ला मजबूत करथे।

25 एक डहार हवय, जऊन ह मनखे ला सही जान पड़थे,
पर आखिर म येह मिरतू करा ले जाथे।

26 मेहनती मनखेमन के लालसा ओमन बर काम करथे;
ओमन के भूख ह ओमन ला उभारथे।

27 दुस्ट मनखे ह बुरई करे के बात सोचथे,
अऊ ओकर बात ह झुलसा देवई आगी सहीं होथे।

28 जिद्दी मनखे ह झगरा ला बढ़ाथे,
अऊ कानाफूसी करई या अफवाह फईलई ह नजदीकी संगीमन के बीच फूट डाल देथे।

29 हिंसक मनखे ह अपन परोसी ला बहकाथे
अऊ ओला बुरई के रसता म ले चलथे।

30 जऊन ह बार-बार आंखी के पलक झपकाथे, ओह सडयंत्र रचथे;
जऊन ह ओंठ दबाथे, ओह बुरई करथे।

31 पाके चुंदी ह सोभा देवइया मुकुट सहीं अय;
येह धरमीपन के रसता म चले के दुवारा मिलथे।

---

* **16:20** या [illegible]

32 धीरजवाला मनखे ह एक योद्धा ले बने होथे,
अऊ मन ला बस म रखई ह सहर ला जीत लेवई ले उत्तम अय।

33 परची ह कोरा म डाले जाथे,
पर येकर हर एक निरनय ह यहोवा कोति ले होथे।

17

1 सुख अऊ सांति के संग रोटी के एक कुटा खवई ह
ओ घर ले बने अय, जिहां जेवनार के संग झगरा होथे।

2 बुद्धिमान सेवक ह कलंक लानेवाला बेटा ऊपर राज करही
अऊ परिवार के एक झन सहीं पुरखामन के संपत्ति म बांटा पाही।

3 चांदी ला परखे बर कुठाली अऊ सोन ला परखे बर भट्ठी होथे,
पर मन ला यहोवा परखथे।

4 दुस्ट मनखे ह धोखा देवइया के बात ला सुनथे;
लबरा मनखे ह नुकसान करइया मनखे के बात ऊपर धियान देथे।

5 जऊन ह गरीब के हंसी उड़ाथे, ओह ओकर बनानेवाला के अपमान करथे;
जऊन ह काकरो बिपत्ति ऊपर हंसथे, ओह सजा पाही।

6 डोकरा-डोकरीमन के सोभा ओमन के नाती-पोता अंय,
अऊ लइकामन के घमंड ओमन के दाई-ददा अंय।

7 भक्तिहीन मुरूख के मुहूं ले उत्तम बात ह नइं फबे—
येकर ले घलो खराप बात ये अय कि सासन करइया ला लबरा बात नइं फबे।

8 घूस देवई ह देवइया के नजर म कोनो ला मोहित करे सहीं अय;
ओह सोचथे कि ओला हर जगह सफलता मिलही।

9 जऊन ह मया ला बढ़ाथे, ओह अपराध ला भुलाथे,
पर जऊन ह बात ला दोहराथे, ओह नजदीकी संगीमन के बीच फूट डाल देथे।

10 एक डांट ह समझदार मनखे ऊपर जतेक परभाव डालथे
एक मुरूख ला सौ कोड़ा मारना घलो ओतेक परभाव नइं डालय।

11 दुस्ट मनखेमन परमेसर के बिरोध म बिदरोह ला बढ़ाथें;
एकरसेति मिरतू के दूत ला ओमन के बिरूध पठोय जाही।

12 लइका ले बिछुड़े कोनो माई भालू ले भेंट होवई ह जादा बने अय,
येकर बदले कि मुरूखता ले भरे कोनो मुरूख ले मिलई।

13 जऊन ह भलई के बदले बुरई करथे,
ओकर घर ले बुरई ह कभू नइं जावय।

14 झगरा सुरू करई ह पानी के बांध म छेद करे सहीं अय;
एकरसेति झगरा बढ़े के पहिली ओ बात ला छोंड़ दव।

15 दोसी ला छोंड़ देवई अऊ निरदोस ला दोसी ठहिरई—
ये दूनों बात ले यहोवा ह बहुंत घिन करथे।

16 बुद्धि बिसाय बर मुरूखमन के हांथ म काबर पईसा होवय,
जब ओमन येला नइं समझंय?

17 संगवारी ह हर समय मया करथे,
अऊ एक भाई ह बिपत्ति के बेरा म काम आथे।

18 जेकर करा बुद्धि नइं ए, ओह सामान ला गिरवी रख देथे
अऊ परोसी के जमानत लेथे।

19 जऊन ह झगरा ले मया करथे, ओह पाप ले मया करथे;
जऊन ह ऊंचहा कपाट बनाथे, ओह बिनास ला नेवता देथे।

20 जेकर मन ह टेढ़ा हे, ओह उन्नति नइं करय;
अऊ गलत बात करइया ह समस्या म पड़थे।

21 मुरूख लइका के होवई ह दुख के कारन होथे;
भक्तिहीन मुरूख के दाई या ददा ला आनंद नइं मिलय।

22 खुसी ले भरे मन ह बढ़िया दवाई ए,
पर टूटे मन ह हाड़ा ला सूखा देथे।

23 दुस्ट मनखे ह नियाय ला बिगाड़े बर
गुपत म घूस लेथे।

24 समझदार मनखे ह बुद्धि ला धियान म रखथे,
पर मुरूख मनखे के आंखी ह धरती के छोर तक भटकत रहिथे।

25 मुरूख बेटा ले ओकर ददा ह दुखी होथे
अऊ ओकर जनम देवइया दाई ला तकलीफ होथे।

26 निरदोस ऊपर जुरबाना लगई बने नो हय,
अऊ खचित ईमानदार करमचारी ला कोर्रा म पीटवाना सही नो हय।

27 जेकर करा गियान होथे, ओह संभलके गोठियाथे,
अऊ जेकर करा समझ होथे, ओह सांत सुभाव के होथे।

28 अऊ त अऊ यदि मुरूखमन सांत रहंय, त ओमन बुद्धिमान समझे जाथें,
अऊ यदि ओमन चुप रहंय, त समझदार समझे जाथें।

18

1 जऊन ह अपनआप ला आने मन ले अलग कर लेथे, ओह अपन खुद के ईछा पूरा करे बर अइसने करथे
अऊ जम्मो सही नियाय के बिरूध झगरा सुरू करथे।

2 मुरूख के मन ह समझ के बात म नइं लगय
पर ओला अपन खुद के बात कहे म खुसी मिलथे।

3 जब दुस्टता आथे, त अपमान घलो आथे,
अऊ लज्जा के संग कलंक आथे।

4 मुहूं के बचन ह गहिरा पानी सहीं अय,
पर बुद्धि के झरना ह तेज बहत नरवा के सहीं अय।

5 दुस्ट ला बचई
अऊ निरदोस के नियाय बिगड़ई बने नो हय।

6 मुरूखमन के गोठ ह ओमन ला झगरा म डालथे,
अऊ ओमन के बात ह ओमन ला मार खाय के लईक बनाथे।

7 मुरूखमन के बिनास ओमन के बात ले होथे,
अऊ ओमन के गोठ ह ओमन के खुद के जिनगी के फांदा बन जाथे।

8 बकवास करई ह सुवादवाले जेवन सहीं होथे;
येमन मनखे के भीतर तक चले जाथें।

9 जऊन ह अपन काम म ढीला होथे,
ओह नास करइया के भाई होथे।

10 यहोवा के नांव ह गढ़वाला महल ए;
धरमी जन उहां भागके जाथें अऊ सुरकछित रहिथें।

11 धनवानमन के धन ह ओमन के गढ़वाला सहर होथे;
ओमन के कल्पना म येह नाप के बाहिर बहुंत ऊंच दीवार ए।

12 नास होय के पहिली मनखे के मन ह घमंडी हो जाथे,
पर आदर पाय के पहिली ओमा नमरता आथे।

13 जऊन ह बात ला सुने के पहिली जबाब देथे,
ओह मुरूख होथे अऊ ओकर बेजत्ती होथे।

14 मनखे के आतमा ह बेमारी ला सह सकथे,
पर टूटे मन ला कोन सह सकथे?

15 समझदार मनखे के मन ह गियान पाथे,
काबरकि बुद्धिमान ह गियान के बात ला खोज लेथे।

16 उपहार ह मनखे बर रसता खोलथे
अऊ देवइया ला बड़े मनखेमन करा पहुंचाथे।

17 अदालत के मामला म जऊन ह पहिली बोलथे, ओह सही जान पड़थे,
जब तक कि दूसर ह आके ओकर बात ला जांच नइं लेथे।

18 परची डारे ले झगरा के निपटारा होथे
अऊ बलवाले बिरोधीमन ला अलग रखथे।

19 गलती करे भाई ला मनाई ह एक गढ़वाले सहर ला जीत लेवई ले कठिन ए;

झगरा ह महल के छड़ लगे दुवार के सहीं अय।

20 मनखे के पेट ह ओकर मुहूं के बात ले भरथे;
अपन मुहूं के बने बात के दुवारा ओकर मन ला संतोस मिलथे।

21 मनखे के गोठ म जिनगी अऊ मिरतू के ताकत होथे,
अऊ जऊन मन येकर ले मया करथें, ओमन येकर फर खाहीं।

22 जऊन ह माईलोगन ले बिहाव करथे, ओह बने चीज पाथे
अऊ यहोवा के अनुग्रह ओकर ऊपर होथे।

23 गरीब ह दया पाय बर बिनती करथे,
पर धनी मनखे कठोरता से जबाब देथे।

24 जेकर संगीमन भरोसा के लईक नो हंय, ओह जल्दी नास हो जाथे,
पर अइसे घलो संगी होथे, जऊन ह भाई ले घलो जादा नजदीक होथे।

19

1 जऊन गरीब के चालचलन ह सही रहिथे
ओह ओ मुरूख ले बने अय, जऊन ह उल्टा-सीधा बात कहिथे।

2 बिगर गियान के ईच्छा करई ह बने नो हय—
जऊन ह उतावली करथे, ओह रसता ले भटक जाथे।

3 मनखे ला ओकर मुरूखता ह बिनास कोति ले जाथे,
तभो ले ओकर मन ह यहोवा ऊपर गुस्सा करथे।

4 धनी मनखे के बहुंत संगी बन जाथें,
पर गरीब मनखे के खास संगी घलो ओला छोंड़ देथे।

5 लबरा गवाह ह दंड पाही,
अऊ जऊन ह लबारी ऊपर लबारी मारथे, ओह बच नइं सकय।

6 नाना किसम के भोजन ले सासन करइया ह खुस होथे,
अऊ जऊन ह उपहार देथे, ओकर हर मनखे ह संगी बन जाथे।

7 गरीब मनखे ला ओकर जम्मो रिस्तेदार नापसंद करथें,
अऊ ओकर संगीमन घलो ओला छोंड़ देथें।
हालाकि गरीब ह बिनती करत ओमन के पीछा करथे,
पर ओमन कहीं नइं मिलंय।

8 जऊन ह बुद्धि पाथे, ओह जिनगी ले मया करथे;
जऊन ह समझ के बात करथे, ओह जल्दी बढ़थे।

9 लबरा गवाह ह दंड पाही,
अऊ जऊन ह लबारी ऊपर लबारी मारथे, ओह नास होही।

10 मुरूख मनखे ला सुबिधा के जिनगी जीना नइं फबे—

वइसे ही एक गुलाम के हाकिममन ऊपर राज करई ह अऊ भी नइं फबे।

11 मनखे के बुद्धि ले धीरज आथे;
अऊ दूसर के गलती ला धियान नइं देवई ओकर सोभा होथे।

12 राजा के गुस्सा ह सिंह के गरजन सहीं होथे,
पर ओकर किरपा ह कांदी ऊपर ओस के सहीं होथे।

13 मुरूख लइका ह अपन ददा के बिनास के कारन होथे,
अऊ झगरा करइया घरवाली ह
लगातार छानी ले चूहत पानी सहीं अय।

14 घर अऊ संपत्ति दाई-ददा ले उत्तराधिकार म मिलथे,
पर एक बुद्धिमान घरवाली यहोवा करा ले मिलथे।

15 आलसीपन ले भारी नींद आथे,
अऊ साधनहीन मनखे ह भूखा रहिथे।

16 जऊन ह हुकूम ला मानथे, ओह अपन जिनगी ला बचाथे,
पर जऊन ह अपन चालचलन के अपमान करथे, ओह मरही।

17 जऊन ह गरीब ऊपर दया करथे, ओह यहोवा ला उधार देथे,
अऊ यहोवा ह ओला ओकर काम के ईनाम दीही।

18 अपन लइकामन के ताड़ना कर, काबरकि येमा आसा हवय;
अपन मन म ओमन ला मार डारे के निरनय झन कर।

19 जऊन ह बहुंत गुस्सावाला ए, ओह जरूर दंड पावय;
काबरकि यदि तेंह ओला बचाथस, त ओला फेर बचाना पड़ही।

20 सलाह ला मान अऊ ताड़ना ला गरहन कर,
अऊ आखिरी म तोर गनती बुद्धिमानमन के संग होही।

21 मनखे ह अपन मन म बहुंत योजना बनाथे,
पर येह सिरिप यहोवा के ही उदेस्य अय, जऊन ह पूरा होथे।

22 मनखे ह जेकर ईछा करथे, ओह अटूट मया ए;
गरीब मनखे ह एक लबरा मनखे ले जादा बने अय।

23 यहोवा के भय मनई ह जिनगी के तरफ ले जाथे;
तब ओकर भय माननेवाला सुखी रहिथे अऊ ओकर ऊपर समस्या नइं आवय।

24 आलसी मनखे ह अपन हांथ जेवन के थाली म तो डालथे;
पर ओह हांथ के कऊंरा ला मुहूं तक नइं लानय।

25 ठट्ठा करइया ला कोर्रा म मार, अऊ सीधा मनखे ह समझदारी के बात सीखही;
समझदार मनखे ला डांट, अऊ ओह गियान पाही।

26 जऊन ह अपन ददा ला लूटथे अऊ अपन दाई ला निकाल देथे,

ओह ओ लइका अय, जऊन ह लज्जा अऊ कलंक लानथे।

27 हे मोर बेटा, यदि तें सिकछा के बात सुने बर बंद कर देबे,
त तेंह गियान के बात ले भटक जाबे।

28 भ्रस्ट गवाह ह नियाय ला ठट्ठा म उड़ाथे,
अऊ दुस्ट के मुहूं ह बुरई के समरथन करथे।

29 ठट्ठा करइयामन ला दंड मिलथे,
अऊ मुरूखमन के पीठ म मार पड़थे।

20

1 अंगूर के मंद ह ठट्ठा करवाथे अऊ आने मंद ह झगरा करवाथे;
जऊन ह येमन ला पीके बहकथे, ओह बुद्धिमान नो हय।

2 एक राजा के गुस्सा ह सेर के गरजन सहीं भय पईदा करथे;
जऊन मन राजा ऊपर गुस्सा करथें, ओमन अपन परान गंवाथें।

3 जऊन ह झगरा करे ले बचथे, येह ओकर बर आदर के बात अय,
पर जम्मो मुरूख मनखेमन तुरते झगरा करथें।

4 आलसी मनखेमन समय म खेत नइं जोतंय;
एकरसेति कटनी के बेरा म ओमन खोजथें, पर ओमन ला कुछू नइं मिलय।

5 मनखे के मन के उदेस्य ह गहिरा पानी के सहीं अय,
पर समझदार मनखे ओला बाहिर निकाल लेथे।

6 बहुंते जन सही मया करे के दावा करथें,
पर एक बिसवासयोग्य मनखे कोन पा सकथे?

7 धरमी जन निरदोस जिनगी जीथें;
ओमन के पाछू ओमन के लइकामन आसीसित होथें।

8 जब राजा ह नियाय करे बर अपन सिंघासन म बईठथे,
त ओह अपन नजर ले पछरके जम्मो बुरई ला तुरते जान लेथे।

9 कोन ह कह सकथे, "मेंह अपन हिरदय ला सुध करे हंव;
मेंह साफ अऊ बिगर पाप के हंव?"

10 गलत वजन अऊ गलत नाप—
ये दूनों ले यहोवा घिन करथे।

11 छोटे लइकामन घलो अपन काम के दुवारा जाने जाथें,
कि ओमन के चालचलन ह सुध अऊ ठीक हवय कि नइं?

12 सुने बर कान अऊ देखे बर आंखी—
ये दूनों ला यहोवा ह बनाय हवय।

13 नींद ले मया झन कर, नइं तो गरीब हो जाबे;
जागत रह, त तोर करा खाय बर बहुंत जेवन होही।

14 बिसात बेरा बिसइया ह कहिथे, "येह बने नो हय, येह बने नो हय!"
पर जब ओह चले जाथे, तब ओह ओ सामान के बड़ई करे लगथे।

15 सोन अऊ बहुंत मंहगी रत्न तो हवंय
पर गियान के बात कहइया मुहूं ह दुरलभ गहना होथे।

16 ओ मनखे के कपड़ा ला लेय ले, जऊन ह कोनो अजनबी के जिम्मेदारी लेथे;
यदि ये काम कोनो बाहिरी मनखे बर करे जाथे, त ओ कपड़ा ला गिरवी के रूप म रख।

17 बेईमानी करके कमाय जेवन ह मनखे ला मीठ लगथे,
पर आखिरी म, ओकर मुहूं ह गोटी ले भर जाथे।

18 सलाह लेय के दुवारा योजना ह सफल होथे;
एकरसेति यदि तें लड़ई म जाथस, त सलाह लेय कर।

19 बकवास करे ले भरोसा ह टूटथे;
एकरसेति ओकर ले बचके रह, जऊन ह बहुंत जादा गोठियाथे।

20 यदि कोनो अपन दाई या ददा ला सराप देथे,
त घोर अंधियार म ओकर दीया ह बुता जाही।

21 जऊन ह अपन उत्तराधिकार ला जल्दबाजी म ले लेथे
ओह आखिरी म आसीस नइं पावय।

22 अइसे झन कह, "मेंह तोर ये बुरई के बदला लूहूं!"
यहोवा के बाट जोह, अऊ ओह तोर बर बदला लीही।

23 यहोवा ह गलत वजन ले घिन करथे,
अऊ बेईमानी के नाप ले ओह खुस नइं होवय।

24 मनखे के पांव ला यहोवा ह रसता देखाथे।
तब कोनो मनखे अपन रसता ला कइसे समझ सकथे?

25 जऊन ह बिगर सोचे-बिचारे कोनो चीज ला समरपित करथे
अऊ पाछू अपन मन्नत के बारे म बिचार करथे, ओह फांदा म फंसथे।

26 बुद्धिमान राजा ह दुस्टमन ला पछरके निकालथे,
अऊ ओमन ऊपर दंवरी के चक्का चलाथे।

27 मनखे के आतमा ह* यहोवा के दीया ए
जऊन ह मनखे के अंतस के बात ला देखाथे।

28 मया अऊ सच्चई राजा ला बनाय रखथे;
मया के जरिये ओकर सिंघासन ह सुरकछित रहिथे।

---

* **20:27** या [illegible]

29 जवानमन के गौरव ओमन के ताकत ए,
पर सियानमन के सोभा ओमन के पाके चुंदी ए।

30 मुक्का अऊ चोट खाय ले बुरई ह दूर होथे,
अऊ मार खाय ले अंतस ह सुध होथे।

21

1 यहोवा के हांथ म राजा के मन ह पानी के नरवा सहीं अय
जऊन ला ओह ओ जम्मो मनखे कोति मोड़ देथे, जेमन ले ओह खुस होथे।

2 मनखे ह सोचथे कि ओकर खुद के चालचलन ह सही अय,
पर यहोवा ह मनखे के मन ला जांचथे।

3 सही अऊ नियाय के काम करई ह
यहोवा ला बलिदान ले जादा बने लगथे।

4 घमंड ले चढ़े आंखी अऊ घमंडीमन—
अऊ दुस्ट मनखे के बिगर जोते खेत—ये तीनों ले पाप होथे।

5 मेहनती मनखे के योजना ले लाभ होथे
पर जल्दबाजी करइया ह गरीब हो जाथे।

6 लबारी मारके कमाय गे धन ह
तुरते उड़ जानेवाला भाप अऊ मिरतू के फांदा सहीं अय।

7 दुस्टमन के हिंसक काम ह ओमन ला नास कर दीही,
काबरकि ओमन सही काम करे बर नइं चाहंय।

8 दोसी मनखे के काम ह टेढ़ा होथे,
पर निरदोस मनखे के आचरन ह सीधा होथे।

9 झगड़ालू घरवाली के संग घर म रहई के बदले
छानी के कोनटा म रहई ह बने अय।

10 दुस्ट मनखेमन बुरई करे के लालसा करथें;
ओमन अपन परोसी ऊपर कोनो दया नइं करंय।

11 जब ठट्ठा करइया ला दंड मिलथे, त सधारन मनखे ह बुद्धि पाथे;
बुद्धिमान मनखे के बात ला सुनके ओमन गियान पाथें।

12 धरमी जन ह दुस्ट मनखे के घर ऊपर नजर रखथे
अऊ ओला बिनास म पहुंचा देथे।

13 जऊन ह गरीब के गोहार ला नइं सुनय,
ओह खुद घलो गोहार पारही, पर ओकर कोनो जबाब नइं मिलही।

14 गुपत म दिये गे भेंट ले गुस्सा ह सांत होथे,
अऊ छुपाके दिये गे घूस ह भयंकर गुस्सा ला घलो सांत करथे।

15 जब नियाय मिलथे, त येकर से धरमी ह आनंदित होथे
पर दुस्टमन ऊपर आतंक छा जाथे।

16 जऊन ह समझदारी के रसता ले भटक जाथे,
ओह मरे मनखेमन के संग ठिकाना पाथे।

17 जऊन ह मऊज-मस्ती ले मया करथे, ओह गरीब हो जाही;
जऊन ह अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल ले मया करथे, ओह कभू धनी नइं होवय।

18 दुस्ट मनखे ह धरमी जन बर छुड़ौती ठहिरथे,
अऊ बिसवासघाती ह ईमानदार मनखे बर छुड़ौती होथे।

19 झगरा करइया अऊ चिढ़ देवइया घरवाली के संग रहे के बदले
सुनसान जगह म रहई ह बने ए।

20 बुद्धिमान मनखे ह मनभावन जेवन अऊ जैतून तेल जमा करथे,
पर मुरूख मनखे ह ओमन ला गटागट खा जाथे।

21 जऊन ह धरमीपन अऊ मया करे म लगे रहिथे,
ओह जिनगी, धन* अऊ आदर पाथे।

22 बुद्धिमान मनखे ह सूरबीरमन के सहर म चढ़ई करके
ओमन के गढ़ ला गिरा सकथे, जेमा ओमन भरोसा करथें।

23 जऊन मन अपन मुहूं अऊ जीभ ला बस म रखथें,
ओमन अपनआप ला बिपत्ति ले बचाथें।

24 घमंडी अऊ जिद्दी मनखे ला "ठट्ठा करइया" कहिथें—
ओकर बरताव ह घमंड अऊ गुस्सा ले भरे रहिथे।

25 आलसी मनखे के ईछा ह ओला मार डालथे,
काबरकि ओकर हांथमन काम करे बर नइं चाहंय।
26 दिन भर ओह ईछा करते रहिथे,
पर धरमी मनखे ह अपन बर बिगर रखे दे देथे।

27 दुस्ट के बलिदान ह घिन के चीज होथे—
त ओह अऊ कतेक घिन के लईक होही, जब ओह बुरई करे के ईछा से लाथे!

28 लबरा गवाह ह नास होही,
पर धियान से सुनइया ह सही गवाही दीही।

29 दुस्ट मनखे के मुहूं ह कठोर होथे,
पर सीधवा मनखे ह अपन चालचलन ऊपर बिचार करथे।

30 अइसे कोनो बुद्धि, समझ या योजना नइं ए,
जऊन ह यहोवा के बिरोध म सफल होवय।

31 लड़ई के दिन बर घोड़ा ला तो तियार करे जाथे,

* **21:21** या ??????

पर जीत यहोवा के दुवारा ही मिलथे।

22

1 बहुंत संपत्ति होवई ले बने नांव होवई ह उत्तम ए;
अऊ सोन-चांदी ले आदरमान पाना जादा बने ए।

2 धनी अऊ गरीब म समान्य बात ये अय:
यहोवा ह दूनों ला बनाय हवय।

3 समझदार मनखे खतरा ला देखके सरन ले लेथे,
पर सीधा-साधा मनखे ह चलते रहिथे अऊ हानि उठाथे।

4 नमरता ह यहोवा के भय ए;
येकर मजदूरी धन, आदर अऊ जिनगी होथे।

5 दुस्टमन के रसता म फांदा अऊ संकट होथे,
पर जऊन मन अपन परान के रकछा करथें, ओमन येमन ले दूरिहा रहिथें।

6 लइकामन ला ओ बात के सिकछा दव, जेमा ओमन ला चलना चाही,
त बुढ़त काल म घलो ओ रसता ले नइं हटहीं।

7 धनी मनखे ह गरीब मनखे ऊपर राज करथे,
अऊ उधार लेवइया ह उधार देवइया के गुलाम होथे।

8 जऊन ह अनियाय करथे, ओकर ऊपर बिपत्ति आथे,
अऊ जऊन लउठी के उपयोग ओह कोरोध म करथे, ओह टोरे जाही।

9 उदार मनखे ह आसीस पाही,
काबरकि ओह गरीबमन ला अपन जेवन म ले देथे।

10 ठट्ठा करइया ला निकाल दे, त झगरा ह खतम हो जाही;
बाद-बिबाद अऊ बेजत्ती होवई घलो खतम हो जाही।

11 जऊन ह मन के सुधता ले मया रखथे अऊ जऊन ह अनुग्रह ले भरे बचन कहिथे
ओकर संगी राजा होथे।

12 यहोवा ह गियानी ऊपर नजर रखके ओकर रकछा करथे,
पर ओह बिसवासघाती के गोठ ला बिफल कर देथे।

13 आलसी मनखे ह कहिथे, "उहां बाहिर म एक सेर हवय!
मेंह चऊक म मारे जाहूं!"

14 छिनारी माईलोगन के मुहूं ह एक गहिरा खंचवा सहीं अय;
ओ मनखे जेकर ले यहोवा ह गुस्सा करथे, ओही ह ओमा गिरथे।

15 मुरूखता ह लइका के मन म गांठ सहीं बंधे रहिथे,
पर अनुसासन के छड़ी ह येला दूरिहा कर देथे।

16 जऊन ह अपन धन-संपत्ति बढ़ाय बर गरीब ऊपर अतियाचार करथे
अऊ जऊन ह धनी मनखे ला ईनाम देथे—ओ दूनों गरीब हो जाथें।

बुद्धिमान मनखे के तीस कहावत

[illegible] 1

17 बुद्धिमान मनखे के बात ऊपर धियान दे अऊ ओमा कान लगा;
जऊन बात मेंह सिखावत हंव ओला अपन मन म रख,
18 काबरकि जब तेंह येमन ला अपन मन म रखथस
अऊ ये जम्मो तोर मुहूं ले निकलथें, त येकर ले खुसी होथे।
19 मेंह आज ये बातमन एकरसेति तोला सिखावत हंव,
ताकि तोर भरोसा यहोवा ऊपर होवय।
20 का मेंह तोर बर तीस कहावतमन ला नइं लिखे हंव,
सलाह अऊ गियान के कहावत,
21 ये सिखावत कि तें ईमानदार बन अऊ सच बात गोठिया,
ताकि तेंह वापिस आके ओमन ला सही बात बता सकस,
जेमन के तेंह सेवा करथस?

[illegible] 2

22 गरीब ऊपर ये कारन से अंधेर झन करव कि ओह गरीब अय
अऊ जरूरतमंद ला कचहरी म झन घसीटव,
23 काबरकि यहोवा ह ओमन के मुकदमा लड़ही
अऊ जिनगी के बलदा जिनगी लीही।

[illegible] 3

24 गुस्सैल मनखे ला संगी झन बनाबे,
अऊ जल्दी गुस्सा होवइया के संग संगति झन करबे,
25 नइं तो तेंह ओमन के चालचलन ला सीख जाबे
अऊ अपनआप ला फांदा म फंसा लेबे।

[illegible] 4

26 अइसने मनखे झन बनबे, जऊन मन गिरवी रखे बर हांथ मिलाथें
या करजा पटाय बर जमानत लेथें;
27 यदि पटाय बर तोर करा कुछू नइं होही,
त तोर खाल्हे ले तोर बिस्तर ला छीन लिये जाही।

[illegible] 5

28 जऊन सीमना ला तोर पुरखामन बांधे हवंय
ओ पुराना सीमना के पथरा ला झन हटाबे।

[illegible] 6

29 का तेंह अइसने मनखे ला देखथस, जऊन ह अपन काम म कुसल हवय?
ओह राजा के आघू म सेवा करही;
ओह छोटे पदवाले के आघू म सेवा नइं करय।

23

[illegible] 7

1 जब तेंह कोनो हाकिम के संग खाय बर बईठबे,
त ये बात के धियान रखबे कि तोर आघू म का* हवय,
2 यदि तेंह पेटू अस,

---

* **23:1** या [illegible]

त थोरकन खाके उठ जाबे।
3 ओकर सुवादवाले जेवन के लालसा झन करबे,
काबरकि ओह धोखा के जेवन अय।

[illegible] 8
4 धनी होय बर मेहनत झन करबे;
अपन होसियारी के ऊपर भरोसा झन करबे।
5 एक नजर उठाके धन ला देख, ओह तुरते गायब हो जाथे,
काबरकि ओमा पंख निकल आथे
अऊ ओह गिधवा के सहीं अकास म उड़ जाथे।

[illegible] 9
6 कंजूस मनखे के जेवन झन करबे,
ओकर सुवादवाले जेवन के लालसा झन करबे
7 काबरकि ओह अइसने मनखे अय
जऊन ह हमेसा खरचा के बारे म सोचत रहिथे।
ओह तोला तो कहिथे, "खा अऊ पी,"
पर ओकर मन तोर म लगे नइं रहय।
8 जऊन थोरकन तेंह खाय हवस, ओला उछर देबे
अऊ तोर कहे परसंसा के बात ह बेकार होही।

[illegible] 10
9 मुरूखमन के आघू म झन गोठिया,
नइं तो ओमन तोर बुद्धि के बात ला तुछ समझहीं।

[illegible] 11
10 पुराना सीमना के पथरा ला झन हटाबे
या अनाथ मनखे के खेत ला झन चपलबे,
11 काबरकि ओमन के बचाव करइया† ह सामर्थी ए;
ओह तोर बिरूध म ओकर मुकदमा लड़ही।

[illegible] 12
12 अपन मन ला हुकूम माने बर
अऊ अपन कान ला गियान के बात सुने म लगा।

[illegible] 13
13 लइका के ताड़ना करे बर झन छोंड़;
यदि तेंह ओला छड़ी ले मारबे, त ओह नइं मरय।
14 ओला छड़ी ले मार
अऊ तेंह ओकर आतमा ला अधोलोक जाय ले बचाबे।

[illegible] 14
15 हे मोर बेटा, यदि तेंह बुद्धिमान अस,
त मोर मन ला सही म खुसी होही;
16 जब तेंह सही बात गोठियाबे,
त मोर अंतर-आतमा ह आनंदित होही।

[illegible] 15
17 पापी मनखेमन के बारे म जलन झन रखबे,
पर हमेसा यहोवा के भय मानत रहिबे।
18 खचित तोर बर भविस्य के एक आसा हवय,
अऊ तोर आसा ह नइं टूटही।

---

† **23:11** या *[illegible]*

[illegible] 16
19 हे मोर बेटा, सुन, अऊ बुद्धिमान बन,
अऊ अपन मन ला सही रसता म लगा:
20 जऊन मन बहुंत जादा मंद पीथें
या जऊन मन ठूंस-ठूंसके मांस खाथें, ओमन के संग झन जा,
21 काबरकि मतवार अऊ भुक्खड़मन गरीब हो जाथें,
अऊ नसा म रहे या उंघत रहे के कारन ओमन फटहा-चीरहा कपड़ा म आ जाथें।

[illegible] 17
22 अपन जनम देवइया ददा के बात ला सुने कर,
अऊ जब तोर दाई ह डोकरी हो जाथे, त ओला तुछ झन समझबे।
23 सच्चई ला बिसा अऊ येला बेचबे झन—
बुद्धि, सिकछा अऊ अंतर-गियान ला घलो बिसा ले।
24 धरमी लइका के ददा ह बहुंत आनंदित होथे;
बुद्धिमान बेटा ला जनम देवइया ददा ह अपन बेटा के कारन आनंदित होथे।
25 तोर ददा अऊ दाई आनंदित होवंय;
जऊन दाई ह तोला जनम दीस, ओह आनंदित होवय!

[illegible] 18
26 हे मोर बेटा, अपन हिरदय मोला दे
अऊ तोर आंखी ह मोर बताय रसता म लगे रहय,
27 काबरकि छिनार माईलोगन ह एक गहिरा खंचवा सहीं अय,
अऊ जिद्दी घरवाली ह एक संकरा कुआं सहीं अय।
28 ओह एक डाकू के सहीं घात लगाय रहिथे
अऊ बहुंत मनखेमन ला बिसवासघाती कर देथे।

[illegible] 19
29 कोन ला हाय लगथे? कोन ह दुख म होथे?
कोन ह झगरा म फंसे होथे? कोन ह सिकायत करथे?
कोन ला बिगर कारन के घाव होथे? काकर लाल-लाल आंखी होथे?
30 ओमन, जऊन मन बहुंत देर तक मंद पीयत रहिथें,
जऊन मन मसाला मिले मंद के सुवाद लेथें।
31 जब मंद ह लाल होथे,
जब येह कटोरा म चमकथे,
जब येला ढारे जाथे, त येला टकटकी लगाके झन देखबे!
32 आखिरी म येह सांप के सहीं चाबथे
अऊ येकर जहर ह करैत सांप के सहीं होथे।
33 तेंह अजीब चीजमन ला देखबे,
अऊ तोर मन ह उल्टा-सीधा बातमन के कल्पना करही।
34 तेंह समुंदर म उठत लहरामन ऊपर सोवइया,
या पानी जहाज के रस्सी के टीप म लेटनेवाला सहीं होबे।
35 तेंह कहिबे, "ओमन मोला मारथें-पीटथें, पर मोला चोट नइं लगय!
ओमन मोला मारथें, पर मोला येकर पता नइं चलय!
मेंह कब जागहूं
कि में फेर मंद पी सकंव?"

24

[illegible] 20

1 दुस्ट मनखे के बारे म जलन झन रखबे,
ओमन के संगति के ईछा झन करबे;
2 काबरकि ओमन हिंसा के बात सोचथें,
अऊ ओमन समस्या खड़े करे के बात करथें।

[illegible] 21

3 बुद्धि के दुवारा घर ह बनथे,
अऊ समझ के जरिये येह इस्थिर होथे;
4 गियान के जरिये येकर कमरामन्
दुरलभ अऊ सुघर खजाना ले भर जाथें।

[illegible] 22

5 बुद्धिमान ह अपन बड़े सक्ति के जरिये जय पाथे,
अऊ जेकर करा गियान होथे, ओह अपन ताकत बढ़ाथे।
6 खचित, लड़ई बर तोला सही युक्ति के जरूरत हवय,
अऊ बिजय बहुंत सलाहकारमन के जरिये मिलथे।

[illegible] 23

7 बुद्धि ह अतेक ऊपर म हवय कि मुरूख ह ओला पा नइं सकय;
ओह सभा के दुवार* म कुछू गोठिया नइं सकय।

[illegible] 24

8 जऊन ह दुस्टता के सडयंत्र रचथे,
ओह सडयंत्र रचइया के रूप म जाने जाथे।
9 मुरूखता के योजना बनई ह पाप ए,
अऊ मनखेमन ठट्ठा करइया ले घिन करथें।

[illegible] 25

10 यदि बिपत्ति के बेरा तेंह लड़खड़ाथस,
त तोर सक्ति बहुंत कम हवय!
11 जऊन मन ला मार डाले बर ले जावथें, ओमन ला छुड़ा;
जऊन मन मरे बर लड़खड़ावत जावथें, ओमन ला रोक ले।
12 यदि तेंह कहिथस, "पर हमन येकर बारे म कुछू नइं जानत रहेंन,"
त का मन के जांचनेवाला† ह येला नइं समझय?
जऊन ह तोर जिनगी के रखवारी करथे, ओह का येला नइं जानय?
का ओह हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबिक ओकर परतिफल नइं दीही?

[illegible] 26

13 हे मोर बेटा, मंधरस ला खा, काबरकि येह बने अय;
मधु-छत्ता के मंधरस ह सुवाद म मीठ लगथे।
14 ये बात ला घलो जान ले कि बुद्धि ह तोर बर मंधरस के सहीं अय:
यदि येह तोला मिलथे, त भविस्य म तोर बर एक आसा हवय,
अऊ तोर आसा ह नइं टूटही।

[illegible] 27

15 धरमी मनखे के घर के लकठा म एक चोर के सहीं घात झन लगा,
ओकर निवास ला झन लूट;
16 काबरकि धरमी जन चाहे सात बार ले गिरे, पर ओह फेर उठही,
पर दुस्ट मनखेमन बिपत्ति आय ले लड़खड़ाथें।

---

* **24:7** या [illegible] † **24:12** या [illegible]

[illegible] 28
17 जब तोर बईरी ह गिरथे, त खुस झन होबे;
जब ओह लड़खड़ाथे, त अपन मन म आनंदित झन हो,
18 नइं तो यहोवा ह येला देखही अऊ खुस नइं होही
अऊ ओह तोर बईरी ऊपर ले अपन कोप ला हटा लीही।

[illegible] 29
19 कुकरमीमन के कारन झन कुढ़
या दुस्ट मनखे ले जलन झन रख,
20 काबरकि कुकरमी के कोनो भविस्य नइं ए,
अऊ दुस्ट मनखे के दीया ह बुता जाही।

[illegible] 30
21 हे मोर बेटा, यहोवा अऊ राजा के भय मान,
अऊ बिदरोही करमचारीमन के संग झन जा,
22 काबरकि ओ दूनों ओमन के अचानक बिनास कर दीहीं,
अऊ कोन जानथे कि ओमन अऊ का बिपत्ति ला सकथें?

बुद्धिमान मनखे के कुछू अऊ कहावत

23 बुद्धिमान मनखे के कहावत ये घलो अंय:
नियाय म पखियपात करई ह बने नो हय:
24 जऊन ह दोसी मनखे ला कहिथे, "तेंह निरदोस अस,"
ओला मनखेमन सराप देथें अऊ जाति-जाति के मनखेमन ओकर ले घिन करथें।
25 पर जऊन मन दोसी ला दोसी ठहिराथें, ओमन के भलई होही,
अऊ ओमन ऊपर बहुंत आसीस होही।

26 एक ईमानदार जबाब ह
ओंठ ला चूमा देय सहीं अय।

27 अपन बाहिर के काम ला ठीक कर ले
अऊ अपन खेत ला तियार रख;
ओकर बाद, अपन घर ला बना।

28 बिगर कारन के, अपन परोसी के बिरूध गवाही झन देबे,
अऊ अपन बात के दुवारा ओला झन बहकाबे।
29 ये झन कहिबे, "जइसने ओमन मोर संग करे हवंय, वइसने मेंह ओमन के संग करहूं;
जइसने ओमन करे हवंय, मेंह ओमन ले ओकर बदला लूहूं।"

30 मेंह एक आलसी के खेत ले
अऊ एक अगियानी के अंगूर के बारी ले होवत गेंव;
31 त देखेंव कि उहां हर जगह कंटिला पऊधामन भर गे हवंय,
भुइयां ह कांदी ले भर गे हवय,
अऊ पथरा के बाड़ा ह टूट गे हवय।
32 ओमन ला धियान से देखके, मन म बिचार करेंव
अऊ जऊन कुछू मेंह देखेंव, ओकर ले एक बात सीखेंव:
33 थोरकन अऊ नींद, थोरकन अऊ ऊंघासी,
हांथ म हांथ धरके अऊ थोरकन देर बईठे रहई—
34 अऊ गरीबी ह चोर सहीं

अऊ घटी ह हथियार धरे मनखे सहीं तोर ऊपर आ जाही।

सुलेमान के अऊ नीतिबचन

25

1 येमन सुलेमान के अऊ नीतिबचन अंय, जऊन ला यहूदा के राजा हिजकियाह के मनखेमन संकेलके रखे
हवंय:
2 परमेसर के महिमा कोनो बात ला छुपाके रखे म होथे;
राजामन के महिमा कोनो बात के पता लगाय म होथे।
3 जइसने अकासमन ऊंच अऊ धरती ह गहिरा हवय,
वइसने राजा के मन के थाह ला नइं पाय जा सकय।

4 चांदी ले मईल ला हटावव,
अऊ सुनार ह ओकर ले बने चीज बना सकथे;
5 राजा के आघू ले दुस्ट करमचारीमन ला निकाल दव,
अऊ ओकर सिंघासन ह धरमीपन के दुवारा बने रहिही।

6 राजा के आघू म अपन बड़ई झन करबे,
अऊ ओकर बड़े मनखेमन के बीच म अपन जगह के दावा झन करबे;
7 येह जादा बने बात होही कि ओह तोला कहय, "इहां ऊपर आ,"
येकर बदले कि ओह अपन बड़े मनखेमन के आघू म तोर अपमान करय।

जऊन कुछू तेंह अपन आंखी ले देखे हस
8 ओला जल्दबाजी म अदालत झन ले जाबे,
नइं तो आखिरी म, तेंह का करबे
जब तोर परोसी ह तोर बेजत्ती करही?

9 यदि तेंह अपन परोसी ला अदालत म ले जाथस,
त दूसर के भरोसा ला झन टोरबे,
10 नइं तो जऊन ह येला सुनही, ओह तोर निन्दा करही
अऊ तेंह दोसी गने जाबे।

11 सही बात ला कहई ह
चांदी के टुकनी म सोन के सेव फर सहीं अय।
12 जइसने कि सोन के कनफूली या सुध सोन के जेवर होथे
वइसने ही बुद्धिमान नियायधीस के डांट ह सुनइया ला बने लगथे।

13 जइसने फसल लुवई के बेरा बरफ के ठंडा पानी होथे
वइसने ही बिसवासयोग्य दूत ह अपन भेजइया बर होथे;
ओह अपन मालिक के आतमा ला ताजा करथे।
14 जइसने बिगर बारिस के बादर अऊ हवा होथे
वइसने ओह होथे, जऊन ह ओ ईनाम के बड़ई करथे, जेला ओह कभू नइं दीस।

15 धीरज के जरिये एक सासन करइया ला मनाय जा सकथे,
अऊ नरम बचन ह कठोर मनखे ला घलो नरम कर सकथे।

16 यदि तोला मंधरस मिलथे, त जतेक जरूरत हे, ओतेक खाबे—
जादा खाबे, त तोला उछरना पड़ही।

17 अपन परोसी के घर म कभू-कभू जाबे—
ओकर इहां बहुंत जादा जाबे, त ओमन तोर ले घिन करहीं।

18 जऊन ह अपन परोसी के बिरूध म लबरा गवाही देथे,
ओह गदा या तलवार या नुकीला तीर सहीं अय।
19 बिपत्ति के बेरा बिसवासघाती ऊपर भरोसा करई ह
टूटहा दांत या खोरवा गोड़ सहीं अय।
20 जइसने जाड़ा के दिन म काकरो कपड़ा ला ले लेवई,
या काकरो घाव म सिरका रितोई,
वइसने ही कोनो दुखी मनखे के आघू म गीत गवई होथे।

21 यदि तोर बईरी ह भूखा हवय, त ओला खाय बर जेवन दे;
यदि ओह पीयासन हवय, त ओला पीये बर पानी दे।
22 अइसने करे ले, ओह लज्जित होही*
अऊ यहोवा ह तोला ईनाम दीही।

23 जइसने कि उत्तरी हवा ह बिगर आसा के बारिस लानथे,
वइसने ही चुगली करई ह मनखे के गुस्सा ला बढ़ाथे।

24 झगरा करइया घरवाली के संग घर म रहई के बदले
छानी के कोनटा म रहई ह बने अय।

25 जइसने कि थके-हारे मनखे बर ठंडा पानी होथे,
वइसने ही दूरिहा देस ले आय सुघर संदेस होथे।
26 जइसने कि चीखलावाले झरना या गंदा कुआं होथे,
वइसने ही ओ धरमी होथे, जऊन ह दुस्ट मनखे के बात मानथे।

27 जादा मंधरस खवई ह बने नो हय,
जादा गहिरा बात के खोज करई घलो आदर के बात नो हय।

28 जऊन मनखे म संयम के कमी होथे,
ओह ओ सहर के सहीं होथे, जेकर सुरकछा के दीवारमन ला टोर दिये गे हवय।

26

1 जइसने कि गरमी के महिना म बरफ गिरई अऊ फसल लुवई के बेरा बारिस होवई ह बने नो हय
वइसने ही मुरूख मनखे के आदर करई ह बने नो हय।
2 जइसने कि डेना फड़फड़ावत गौरइया या उड़त अबाबील चिरई नइं बईठ सकय,
वइसने ही बेकार के दिये गे सराप ह नइं लगय।
3 घोड़ा बर चाबुक, गदहा बर लगाम,
अऊ मुरूखमन के पीठ बर छड़ी अय!
4 कोनो मुरूख ला ओकर मुरूखता के मुताबिक जबाब झन देबे,
नइं तो तें खुद घलो ओकर सहीं ठहिरबे।
5 मुरूख ला ओकर मुढ़ता के मुताबिक जबाब देबे,
नइं तो ओह अपन खुद के नजर म बुद्धिमान ठहिरही।
6 कोनो मुरूख के हांथ ले खबर पठोई ह
अपन गोड़ म टांगा मारई या जहर पीयई सहीं अय।

* **25:22** या [illegible]

7 जइसने कि कोनो लंगड़ा के बेकार गोड़ ह होथे
वइसने ही कोनो मुरूख के मुहूं ले कहावत निकलई होथे।
8 जइसने कि कोनो पट्टा म बंधई पथरा होथे
वइसने ही कोनो मुरूख ला आदर देवई होथे।
9 जइसने कि कोनो मतवार के हांथ म कंटिली झाड़ी होथे
वइसने ही कोनो मुरूख के मुहूं ले कहावत निकलई होथे।
10 जइसने कि कोनो धनुसधारी ह बिगर सोचे-समझे चोट पहुंचाथे
वइसने ही ओह अय, जऊन ह कोनो मुरूख या डहार-रेंगइया ला काम म रखथे।
11 जइसने कि कुकुर ह अपन उछरे चीज ला खाय बर फेर लहुंटके आथे,
वइसने ही मुरूखमन अपन मुरूखता ला दोहराथें।
12 का तेंह अइसे मनखे ला देखथस, जऊन ह अपन खुद के नजर म बुद्धिमान ए?
त फेर ओकर ले जादा आसा मुरूख ऊपर रख।

13 आलसी मनखे ह कहिथे, "डहार म सेर हवय,
एक भयंकर सेर गली म घुमत हवय!"
14 जइसने कि कपाट ह अपन कब्जा म घुमथे,
वइसने ही आलसी मनखे ह अपन खटिया म करवट लेथे।
15 आलसी मनखे ह अपन हांथ जेवन के थाली म तो डालथे;
पर आलस के मारे, ओह कऊंरा ला मुहूं तक नइं लानय।
16 आलसी मनखे ह अपनआप ला ओ सात मनखे ले घलो बुद्धिमान समझथे,
जऊन मन समझदारी से जबाब देथें।

17 जइसने कि कोनो मनखे ह भटकत कुकुर ला कान ले धरथे
वइसने ही ओह अय, जऊन ह आने के झगरा म झंपई होथे।

18 जइसने कि पागल मनखे ह
मिरतू के बरत तीरमन ला छोंड़थे
19 वइसने ही ओह अय, जऊन ह अपन परोसी ला धोखा देथे
अऊ कहिथे, "मेंह तो मजाक करत रहेंव!"

20 जइसने कि बिगर लकरी के आगी ह बुता जाथे;
वइसने ही बक-बक नइं करे ले झगरा ह खतम हो जाथे।
21 जइसने कि कोइला ह आगी ला बनाय रखथे अऊ लकरी ले आगी बरथे
वइसने ही झगड़ालू मनखे ह समस्या खड़े करथे।
22 बकवास करई ह सुवादवाले जेवन सहीं होथे;
येमन मनखे के भीतर तक चले जाथें।

23 जइसने कि चांदी के परत चढ़ाय माटी के बरतन होथे
वइसने ही बुरई ले भरे मनखे के मयारू बचन होथे।
24 बईरीमन अपन बात के दुवारा सीधवा बनथें,
पर अपन मन म छल-कपट के बात छुपाके रखथें।
25 हालाकि ओमन खुसी देवइया बात कहिथें, पर ओमन ऊपर बिसवास झन करबे,
काबरकि ओमन के मन ह सात ठन घिनौना चीज ले भरे रहिथे।
26 ओमन के बईरता ह छल-कपट के कारन छुप जाथे,
पर ओमन के दुस्टता ह भरे सभा म परगट हो जाही।

27 जऊन ह आने बर खंचवा कोड़थे, ओह खुद ओमा गिरही;
जऊन ह आने ऊपर पथरा ला ढलंगाथे, ओ पथरा ह वापिस ओकरेच ऊपर ढलंगही।
28 जऊन ह लबारी मारके आने मन ला चोट पहुंचाथे, ओह ओमन ले घिन करथे,
अऊ चापलूसी करइया ह बिनास के काम करथे।

27

1 कल के दिन बर घमंड झन कर,
काबरकि तें नइं जानस कि कल का होही।

2 आने मन तोर बड़ई करंय तो करंय, पर तें अपन बड़ई झन करबे;
बाहिरी मनखेमन तोर बड़ई करंय, पर तें खुद झन करबे।

3 पथरा ह भारी अऊ बालू ह एक बोझ होथे,
पर मुरूख के उकसई ह ये दूनों ले भारी होथे।

4 गुस्सा ह निरदयी ए अऊ उत्तेजना ह बियाकुल कर देथे,
पर ईरसा के आघू म कोन ठहर सकथे?

5 खुला डांट ह
छुपे मया ले बने अय।

6 कोनो संगी के चोट पहुंचई के भरोसा करे जा सकथे,
पर कोनो बईरी के बहुंत चूमा ला घलो भरोसा नइं करे जा सकय।

7 जेकर पेट भरे होथे, ओला मधु-छत्ता के मंधरस घलो बने नइं लगय,
पर भूखा मनखे ला करू चीज घलो मीठ लगथे।

8 अपन घर ला छोंड़के भागनेवाला ह
ओ चिरई सहीं होथे, जऊन ह अपन खोंधरा छोंड़के भाग जाथे।

9 इतर अऊ खुसबूदार धूप ह मन ला आनंदित करथे,
अऊ कोनो संगी के हिरदय ले निकले सलाह ह
ओकर खुसी ला देखाथे।

10 अपन संगी या अपन परिवारिक संगी ला झन छोंड़बे,
अऊ अपन बिपत्ति के बेरा अपन रिस्तेदार के घर झन जाबे—
लकठा म रहइया परोसी ह दूरिहा म रहइया रिस्तेदार ले बने अय।

11 हे मोर बेटा, बुद्धिमान बन अऊ मोर मन ला आनंदित कर;
तब मेंह ओला जबाब दे सकहूं, जऊन ह मोर अपमान करथे।

12 समझदार मनखे ह खतरा ला देखके सरन ले लेथे,
पर सीधवा मनखे ह चलते रहिथे अऊ हानि उठाथे।

13 ओ मनखे के कपड़ा ला लेय ले, जऊन ह कोनो अजनबी मनखे के जिम्मेदारी लेथे;
यदि ये काम कोनो बाहिरी मनखे बर करे जाथे, त ओ कपड़ा ला गिरवी के रूप म रख।

14 यदि कोनो मनखे ह बड़े बिहनियां अपन परोसी ला ऊंचहा अवाज म आसीस देथे,

त येला एक सराप समझे जाही।

15 झगरा करइया घरवाली ह बारिस के दिन म
छानी ले लगातार चूहत पानी सहीं अय;
16 ओला रोकई, हवा ला रोकई सहीं
या हांथ म तेल ला पकड़ई सहीं अय।

17 जइसने कि लोहा ह लोहा ला तेज करथे,
वइसने ही एक मनखे ह दूसर मनखे ला तेज बनाथे।

18 जऊन ह अंजीर रूख के रखवारी करथे, ओह ओकर फर खाही,
अऊ जऊन ह अपन मालिक के रकछा करथे, ओकर आदर होही।

19 जइसने कि पानी ह चेहरा के परछाई ला देखाथे,
वइसने ही मनखे के मन ह ओकर जिनगी ला परगट करथे।

20 मिरतू अऊ बिनास कभू संतोस नइं होवंय,
अऊ न ही मनखे के आंखी ह संतोस होवय।

21 चांदी ला परखे बर कुठाली अऊ सोन ला परखे बर भट्ठी होथे,
पर मनखे के परख ओकर परसंसा के दुवारा होथे।

22 चाहे तेंह मुरूख ला ओखली म पीस,
या ओला लोढ़ा म अनाज सहीं पीस,
तभो ले तेंह ओकर मुरूखता ला ओकर ले अलग नइं कर सकस।

23 अपन भेड़-बकरी के झुंड के दसा ला बने करके जान ले,
अपन पसु के झुंड के बने करके धियान रख;
24 काबरकि धन ह हमेसा बर नइं रहय,
अऊ राज-मुकुट ह पीढ़ी-पीढ़ी तक बने नइं रहय।
25 जब कांदी ला काटके हटाय जाथे, त नवां कांदी निकलथे
अऊ पहाड़ ले कांदी ला संकेले जाथे,
26 भेड़ के पीलामन तोर बर कपड़ा दीहीं,
अऊ बोकरामन खेत बिसाय बर कीमत दीहीं।
27 तोर करा अपन परिवार के मनखेमन ला पीयाय बर बकरी के बहुंत दूध होही
अऊ येकर ले तोर सेविकामन के घलो पालन-पोसन होही।

28

1 दुस्ट मनखेमन तब भी भागथें जब ओमन के पीछा कोनो नइं करत रहय,
पर धरमी मनखेमन सेर के सहीं साहसी होथें।

2 जब कोनो देस ह बिदरोह करथे, त ओकर ऊपर सासन करइया बहुंत होथें,
पर समझदार अऊ गियानी सासन करइया ह कानून-ब्यवस्था बनाय रखथे।

3 जऊन सासन करइया ह गरीबमन ऊपर अतियाचार करथे,
ओह ओ भारी बारिस सहीं अय, जऊन ह फसल ला नास कर देथे।

4 जऊन मन सिकछा ला नइं मानंय, ओमन दुस्ट मनखे के परसंसा करथें,
पर जऊन मन सिकछा ला मानथें, ओमन दुस्ट मनखे के बिरोध करथें।

5 दुस्ट मनखेमन सही बात ला नइं समझंय,
पर जऊन मन यहोवा ला खोजथें, ओमन येला पूरा समझथें।

6 उल्टा-सीधा काम करइया धनी मनखे ले
निरदोस रहइया गरीब मनखे ह बने अय।

7 समझदार बेटा ह सिकछा ऊपर धियान देथे,
पर पेटू के संगी ह अपन ददा ऊपर कलंक लगाथे।

8 जऊन ह गरीबमन ले लाभ लेके या बियाज लेके अपन धन ला बढ़ाथे
ओह ओमन बर धन जमा करथे, जऊन मन गरीबमन ऊपर दया करथें।

9 यदि कोनो मनखे ह मोर सिकछा ला अनसुनी करथे,
त ओकर पराथना घलो घिन समझे जाथे।

10 जऊन ह ईमानदार मनखे ला बुरई के रसता म ले जाथे,
ओह खुद अपन फांदा म फंसही,
पर निरदोस मनखे ला बने उत्तराधिकार मिलही।

11 धनी मनखेमन अपन खुद के आंखी म बुद्धिमान होथें;
पर गरीब अऊ समझदार मनखे ह देखथे कि धनी मनखेमन कतेक बहक गे हवंय।

12 जब धरमी मनखेमन बिजयी होथें, त बहुंत खुसी होथे;
पर जब दुस्ट मनखेमन सक्तिसाली होय लगथें, त मनखेमन छुप जाथें।

13 जऊन ह अपन पाप ला छुपाथे, ओह नइं बढ़य,
पर जऊन ह अपन पाप ला मान लेथे अऊ ओमन ला छोंड़ देथे, ओकर ऊपर दया करे जाथे।

14 धइन ए ओ मनखे, जऊन ह हमेसा परमेसर के भय मानथे,
पर जऊन ह अपन मन ला कठोर कर लेथे, ओह बिपत्ति म पड़थे।

15 जइसने कि गरजत सेर या हमला करइया भालू होथे
वइसने ही असहाय मनखेमन ऊपर दुस्ट सासन करइया होथे।

16 अतियाचारी सासन करइया ह बलपूर्वक छीन लेथे,
पर जऊन ह बुरई से कमाय लाभ ले घिन करथे, ओह लम्बा समय तक राज करे के आनंद लीही।

17 जऊन ह हतिया के दोस के पीरा म रहिथे
ओह कबर म सरन पाही;
कोनो ओला झन रोकय।

18 जेकर चालचलन ह निरदोस रहिथे, ओह बचाय जाथे,
पर उल्टा-सीधा काम करइया ह खंचवा म गिरही।

19 जऊन मन अपन खेत ला कमाथें, ओमन करा बहुंत जेवन होही,
पर जऊन मन सिरिप कल्पना करत रहिथें, ओमन बहुंत गरीब हो जाहीं।

20 बिसवासयोग्य मनखे ला बहुंत आसीस मिलही,
पर जऊन ह धनी बने बर उतावली करथे, ओह दंड ले नइं बचय।

21 पखियपात करई ह बने नो हय—
तभो ले रोटी के एक कुटा बर मनखे ह गलती करही।

22 कंजूस मनखे ह धनी बने बर उतावली करथे
अऊ नइं जानय कि गरीबी ह ओकर बाट जोहत हे।

23 जऊन ह कोनो मनखे ला डांटथे, ओह आखिरी म
चापलूसी करइया ले जादा मयारू होथे।

24 जऊन ह अपन दाई या ददा ला लूटथे
अऊ कहिथे, "मेंह गलत नइं करत हंव,"
ओह नास करइया के सहभागी होथे।

25 लालची मनखे ह झगरा ला बढ़ाथे,
पर जऊन मन यहोवा ऊपर भरोसा रखथें, ओमन उन्नति करहीं।

26 जऊन मन अपन ऊपर भरोसा रखथें, ओमन मुरूख होथें,
पर जऊन मन बुद्धि से चलथें, ओमन सुरकछित रहिथें।

27 जऊन मन गरीबमन ला देथें, ओमन ला कुछू चीज के कमी नइं होवय,
पर जऊन मन गरीबमन ले नजर फेर लेथें, ओमन ला बहुंत सराप मिलथे।

28 जब दुस्ट मनखेमन सक्तिसाली हो जाथें, त मनखेमन छुपे लगथें;
पर जब दुस्ट मनखेमन नास होथें, त धरमी मनखेमन उन्नति करथें।

29

1 जऊन ह बार-बार डांटे ले घलो हठी बने रहिथे
ओह बिगर कोनो उपाय के अचानक नास हो जाही।

2 जब धरमीमन उन्नति करथें, त मनखेमन आनंदित होथें;
जब दुस्टमन राज करथें, त मनखेमन कलहरथें।

3 जऊन मनखे ह बुद्धि ले मया करथे, ओह अपन ददा ला आनंदित करथे,
पर बेस्यामन के संगति करइया ह अपन संपत्ति ला उड़ा देथे।

4 नियाय के दुवारा राजा ह देस ला इस्थिर करथे,
पर जऊन मन घूसखोरी करते रहिथें, ओमन देस ला टोर देथें।

5 जऊन मन अपन परोसीमन के चापलूसी करथें
ओमन अपन परोसी के गोड़ बर फांदा लगाथें।

6 दुस्ट मनखेमन अपन खुद के पाप म फंसथें,
पर धरमी मनखेमन आनंद के जय-जयकार करके खुसी मनाथें।

7 धरमी मनखे ह गरीब मनखे के नियाय ऊपर धियान देथे,

पर दुस्ट मनखे ह ये किसम के चिंता नइं करय।

8 ठट्ठा करइयामन सहर ला उत्तेजित करथें,
पर बुद्धिमान मनखेमन गुस्सा ला दूर करथें।

9 यदि कोनो बुद्धिमान मनखे ह कोनो मुरूख मनखे के संग अदालत जाथे,
त मुरूख मनखे ह गुस्सा करथे अऊ मजाक उड़ाथे, अऊ उहां सांति नइं रहय।

10 खून करइया मनखेमन ईमानदार मनखे ले घिन करथें
अऊ ओमन सीधवा मनखे के परान के खोज म रहिथें।

11 मुरूख मनखेमन अपन गुस्सा ला पूरा परगट करथें,
पर बुद्धिमान मनखेमन आखिरी म सांति लाथें।

12 यदि कोनो सासन करइया ह लबारी बात ऊपर कान लगाथे,
त ओकर जम्मो करमचारीमन दुस्ट हो जाथें।

13 गरीब अऊ अतियाचारी मनखे म एक बात समान्य हवय:
यहोवा ह दूनों के आंखी म रोसनी देथे।

14 यदि कोनो राजा ह गरीब के सही नियाय करथे,
त ओकर सिंघासन ह सदा बने रहिही।

15 छड़ी अऊ डांट खाय ले बुद्धि मिलथे,
पर जऊन लइका ला अनुसासित नइं करे जावय, ओह अपन दाई के बेजत्ती के कारन होथे।

16 जब दुस्टमन बढ़थें, त पाप ह घलो बढ़थे,
पर धरमीमन ओमन के गिरे दसा ला देखहीं।

17 अपन लइकामन ला अनुसासित करव, अऊ ओमन तुमन ला सांति दीहीं;
ओमन तुम्हर ईछा मुताबिक तुमन ला खुसी दीहीं।

18 जिहां अगम के बारे म दरसन के बात नइं होवय, उहां मनखेमन निरंकुस हो जाथें;
पर धइन ए ओ, जऊन ह बुद्धि के बात* ऊपर धियान देथे।

19 सेवकमन ला सिरिप बात के दुवारा सुधारे नइं जा सकय;
हालाकि ओमन समझथें, पर ओमन जबाब नइं देवंय।

20 का तेंह अइसने मनखे ला देखथस, जऊन ह उतावली म गोठियाथे?
ओकर ले जादा कोनो मुरूख ले आसा करे जा सकथे।

21 जऊन सेवक ला ओकर लइकापन ले बहुंत खवाय-पीयाय जाथे,
ओह आखिरी म ढीठ हो जाथे।

22 गुस्सा करइया मनखे ह झगरा ला बढ़ाथे,
अऊ तुरते गुस्सा होवइया मनखे ह बहुंत पाप करथे।

23 घमंड ह मनखे ला नीचा देखाथे,

---

* **29:18** या ?????

पर नम्र आतमावाला ह आदर पाथे।

24 चोरमन के सहभागीमन अपन खुद के बईरी होथें;
ओमन किरिया खाके घलो गवाही नइं देवंय।

25 मनखे के भय ह एक फांदा साबित होथे,
पर जऊन ह यहोवा ऊपर भरोसा रखथे, ओह सुरकछित रहिथे।

26 बहुंत जन सासन करइया ले भेंट करे बर चाहथें,
पर मनखे ला नियाय यहोवा ले ही मिलथे।

27 धरमी मनखे ह बेईमान मनखे ले घिन करथे;
अऊ दुस्ट मनखे ह ईमानदार मनखे ले घिन करथे।

आगूर के कहावत

30

1 याके के बेटा आगूर के कहावत—एक परभावसाली बचन।
ये मनखे के बचन ईतीएल अऊ उकाल ला:

हे परमेसर, मेंह थक गे हंव,
पर मेंह जय पा सकत हंव।
2 खचित मेंह मनखे नइं, सिरिप एक पसु के सहीं अंव;
मोर करा मनखे के समझ नइं ए।
3 मेंह बुद्धि के बात नइं सीखे हंव,
अऊ न ही पबितर परमेसर के गियान ला मेंह पाय हंव।
4 कोन ह स्वरग ऊपर जाके खाल्हे उतरिस?
कोन ह अपन हांथ म हवा ला संकेले हवय?
कोन ह पानी ला कपड़ा म लपेटे हवय?
कोन ह धरती के जम्मो छोरमन ला कायम करे हवय?
ओकर का नांव ए, अऊ ओकर बेटा के का नांव ए?
खचित तेंह जानत हस!

5 "परमेसर के हर एक बचन बिगर गलती के हवय;
ओह ओमन बर एक ढाल सहीं अय, जऊन मन ओकर करा सरन लेथें।
6 ओकर बचन म कुछू झन जोड़व,
नइं तो ओह तोला डांटही अऊ तोला लबरा ठहिराही।

7 "हे यहोवा, मेंह तोर ले दू ठन चीज मांगत हंव;
मोर मरे के पहिली मोला मना झन कर:
8 लबरापन अऊ लबरा गोठ ला मोर ले दूरिहा रख;
मोला न तो गरीब बना अऊ न ही धनी,
पर मोला सिरिप हर दिन के जेवन दे।
9 अइसने झन होवय कि मोर करा जादा हो जावय अऊ मेंह तोर अनादर करंव
अऊ कहंव, 'यहोवा ह कोन ए?'
या मेंह गरीब हो जावंव अऊ चोरी करंव,
अऊ ये किसम ले अपन परमेसर के नांव के अनादर करंव।

10 “कोनो सेवक के निन्दा ओकर मालिक के आघू म झन करबे,
नइं तो ओह तोला सराप दीही, अऊ तोला येकर कीमत चुकाना पड़ही।

11 “अइसने मनखे हवंय, जऊन मन अपन ददा ला सराप देथें
अऊ अपन दाई ला आसीस नइं देवंय;
12 अइसने मनखे हवंय, जऊन मन अपन ही नजर म सुध अंय
पर ओमन के गंदगी साफ नइं होय हवय;
13 अइसने मनखे हवंय, जऊन मन के आंखी ह घमंड ले भरे हवय,
जऊन मन आने मन ला तुछ नजर ले देखथें;
14 अइसने मनखे हवंय, जऊन मन के दांतमन तलवार सहीं
अऊ जबड़ामन छुरी सहीं हवंय
ताकि ओमन गरीबमन ला धरती ले
अऊ जरूरतमंद मनखेमन ला मानव-जाति ले नास कर देवंय।

15 “जोंक के दू झन बेटी हवंय।
ओमन चिचियाके कहिथें, ‘दे! दे!’

“तीन ठन चीज हवंय, जऊन मन कभू संतोस नइं होवंय,
अऊ चार ठन चीज हवंय, जऊन मन कभू नइं कहंय, ‘बस कर!’:
16 कबर,
ठड़गी के कोख,
भुइयां, जऊन ह पानी ले कभू संतोस नइं होवय,
अऊ आगी, जऊन ह कभू नइं कहय, ‘परयाप्त!’

17 “ओ आंखी जऊन ह अपन ददा के मजाक उड़ाथे,
अऊ अपन डोकरी दाई के तिरस्कार करथे,
ओ आंखी ला घाटी के कऊआमन फोरके निकाल दीहीं,
अऊ गिधवामन ओला खा लीहीं।

18 “तीन चीज हवंय, जेमन मोला बहुंत अद्भूत लगथें,
अऊ चार चीज हवंय, जेमन ला मेंह नइं समझंव:
19 अकास म गिधवा के रसता,
पथरा म सांप के रसता,
समुंदर म पानी जहाज के रसता,
अऊ एक जवान माईलोगन के संग एक मनखे के रसता।

20 “एक छिनार माईलोगन के रसता ये अय:
ओह खाथे अऊ अपन मुहूं ला पोंछथे
अऊ कहिथे, ‘मेंह कुछू गलत नइं करे हंव।’

21 “तीन चीज के कारन धरती ह कांपथे,
पर चार चीज हवंय, जेला सहन नइं करे जा सकय:
22 एक सेवक, जऊन ह राजा बन जाथे,
एक भक्तिहीन मुरूख, जऊन ह बहुंत खाय बर पाथे,
23 एक तुछ माईलोगन, जऊन ह बिहाव करथे,
अऊ एक सेविका, जऊन ह अपन मालकिन के जगह ले लेथे।

24 “धरती म चार चीज छोटे हवंय,
तभो ले ओमन बहुंत जादा बुद्धिमान होथें:
25 चांटीमन कम ताकतवाले जीव होथें,
तभो ले ओमन अपन जेवन गरमी के महिना म कुढ़ोथें;
26 बिज्जूमन कम सक्तिवाले जन्तु होथें,
तभो ले ओमन पथरा के चट्टान म अपन घर बनाथें;
27 फांफामन के राजा नइं होवय,
तभो ले ओमन सेना के सहीं कतार बनाके एक संग आघू बढ़थें;
28 एक छिपकली ला हांथ ले धरे जा सकथे,
तभो ले येह राजा के महल म पाय जाथे।

29 “तीन चीज हवंय, जेमन के चाल ह परभावसाली होथे,
पर चार चीज हवंय, जेमन के बरताव ह परभावसाली होथे:
30 एक सेर, जऊन ह पसुमन म बलवान होथे, ओह काकरो आघू ले डरके नइं हटय;
31 एक अकड़के चलइया मुरगा,
एक बोकरा,
अऊ एक राजा, जऊन ह बिदरोह ले सुरकछित रहिथे।

32 “यदि तेंह मुरूखता करके अपन बड़ई करथस,
या यदि तेंह दुस्ट काम करे के योजना बनाय हस,
त अपन मुहूं ऊपर हांथ रख!
33 काबरकि जइसने दूध ला मथे ले मक्खन बनथे,
अऊ जइसने नाक ला मरोड़े ले खून निकलथे,
वइसने ही गुस्सा के भड़के ले झगरा होथे।”

लेमूएल राजा के कहावत

31

1 लेमूएल राजा के कहावत—एक परभावसाली बचन, जऊन ला ओकर दाई ह ओला सिखोईस।
2 सुन, हे मोर बेटा! सुन, हे मोर कोख के बेटा!
सुन, हे मोर बेटा, तेंह मोर पराथना के जबाब अस!
3 अपन ताकत* ला माईलोगन ऊपर झन लगा,
अऊ न ही अपन बल के उपयोग ओमन बर करबे, जऊन मन राजामन ला नास करथें।

4 हे लेमूएल, येह राजामन बर नो हय,
अंगूर के मंद पीयई राजामन बर ठीक नो हय,
अऊ न ही सासन करइयामन बर मंद के लालसा करना बने अय,
5 नइं तो ओमन पीके कानून ला भुला जाहीं,
अऊ जम्मो दुखी मनखेमन के हक ला मारहीं।
6 मंद ह ओमन बर होवय, जऊन मन नास होवथें,
अऊ अंगूर के मंद ओमन बर अय, जेमन के मन ह उदास हवय!
7 ओमन पीयंय अऊ अपन गरीबी ला भुला जावंय
अऊ अपन दुख ला सुरता झन करंय।

8 जऊन मन अपन बर नइं गोठिया सकंय, ओमन बर गोठिया,
ओमन के अधिकार बर, जऊन मन गरीब-अनाथ अंय।

* **31:3** या ??

9 गोठिया अऊ सही नियाय कर;
गरीब अऊ जरूरतमंद मनखेमन के अधिकार के बचाव कर।

उपसंहार: उत्तम चालचलनवाली घरवाली

10 उत्तम चालचलन के घरवाली कोन पा सकथे?
ओकर कीमत मनि ले घलो बहुंत जादा होथे।
11 ओकर घरवाला ला ओकर ऊपर पूरा भरोसा रहिथे
अऊ ओला कोनो बने चीज के घटी नइं होवय।
12 ओह अपन जिनगी भर अपन घरवाला बर
भलई के काम करथे, बुरई के नइं।
13 ओह ऊन अऊ सन छांटथे
अऊ खुस होके अपन हांथ ले काम करथे।
14 ओह बेपारी जहाज के सहीं
अपन जेवन दूरिहा ले लानथे।
15 ओह रथिया के रहत उठ जाथे;
ओह अपन परिवार के जेवन के परबंध करथे
अऊ अपन सेविकामन ला घलो ओमन के हिस्सा देथे।
16 ओह कोनो खेत ला सोच-बिचार करके बिसाथे;
ओह अपन कमई ले अंगूर के बारी लगाथे।
17 ओह मेहनत से अपन काम ला जमाथे;
ओकर हांथमन ओकर काम बर मजबूत होथें।
18 ओह ये बात के धियान रखथे कि ओला ओकर काम-धंधा म लाभ मिलय,
अऊ रथिया ओकर दीया ह झन बुतावय।
19 ओह अटेरन ला अपन हांथ म धरथे
अऊ चरखा के धुरा ला अपन अंगरी म पकड़थे।
20 ओह गरीबमन के मदद करे बर अपन हांथ खोलथे
अऊ जरूरतमंद मनखे बर अपन हांथ बढ़ाथे।
21 जब बरफ गिरथे, त ओला अपन परिवार के चिंता करे के जरूरत नइं रहय;
काबरकि परिवार के जम्मो झन गरम कपड़ा पहिरे रहिथें।
22 ओह अपन बिस्तर बर चादर बनाथे;
ओह सुघर सन के बने अऊ बैंगनी कपड़ा पहिरथे।
23 सहर के दुवार† म ओकर घरवाला के आदर होथे,
जिहां ओह देस‡ के अगुवामन के बीच म बईठथे।
24 ओह सन के कपड़ा बनाके बेचथे,
अऊ बेपारीमन ला बेचे बर दुपट्टा देथे।
25 ओह बल अऊ सम्मान के पहिरावा पहिरे रहिथे;
ओह अवइया समय ऊपर हंस सकथे।
26 ओह बुद्धि के संग गोठियाथे,
अऊ ओकर मुहूं ले सच्चई के सिकछा निकलथे।
27 ओह अपन घर के कामकाज ऊपर नजर रखथे
अऊ बिगर मेहनत के रोटी नइं खावय।
28 ओकर लइकामन उठके ओला धइन कहिथें;
ओकर घरवाला घलो ओला आसीसित कहिथे, अऊ ये कहिके ओकर परसंसा करथे:
29 "कतको माईलोगनमन उत्तम काम करथें,
पर तेंह ओ जम्मो ले बढ़के करथस।"

---

† **31:23** या [illegible] ‡ **31:23** या [illegible]

30 आकरसन ह धोखा देवइया ए अऊ सुन्दरता ह गायब हो जाथे;
पर जऊन माईलोगन ह यहोवा के भय मानथे, ओकर परसंसा होथे।
31 ओह जऊन काम करे हवय, ओ जम्मो बर ओकर आदर करव,
अऊ ओकर काम के कारन सहर के दुवार म ओकर परसंसा होवय।

सभोपदेसक
के किताब

[illegible]

1 दाऊद के बेटा, यरूसलेम म राजा, गुरू* के बचन:
2 “बेकार! बेकार!”
गुरू ह कहिथे।
“एकदम बेकार!
हर चीज ह बेकार अय।”

3 धरती ऊपर† मनखे के दुवारा
करे गे ओकर जम्मो मेहनत के का मिलथे?
4 पीढ़ी-पीढ़ी ले मनखेमन आथें अऊ ओमन चले जाथें,
पर धरती ह सदाकाल बर बने रहिथे।
5 सूरज निकलथे अऊ सूरज बुड़थे,
अऊ बिगर देरी करे येह फेर अपन निकले के जगह म वापिस चले जाथे।
6 हवा ह दक्खिन कोति बहथे
अऊ येह उत्तर कोति मुड़थे;
गोल-गोल येह घुमथे,
अऊ येह अपन घेरा म लहुंट आथे।
7 हालाकि जम्मो नदीमन बहके समुंदर म मिल जाथें,
तभो ले समुंदर ह कभू पूरा नइं भरय।
जऊन जगह ले नदीमन निकलके आथें,
ओ जगह ला ओमन फेर लहुंट जाथें।
8 जम्मो चीजमन थका देनेवाला अंय,
कोनो मनखे येकर बखान नइं कर सकय।
आंखी ह देखके कभू संतोस नइं होवय,
अऊ न ही कान ह सुनके संतोस होवय।
9 जऊन ह हो चुके हे ओहीच ह फेर होही,
जेला करे जा चुके हवय, ओला फेर करे जाही;
धरती म कुछू घलो नवां नइं ए।
10 का अइसन कुछू हवय, जेकर बारे म कोनो ये कह सकय,
“देखव! येह कुछू नवां ए?”
येह इहां पहिले ले रिहिस, बहुंत पहिले ले;
येह इहां हमर समय के पहिले ले रिहिस।
11 पहिले के पीढ़ीमन ला कोनो सुरता नइं करय,
अऊ त अऊ अवइया पीढ़ीमन ला
घलो ओमन के दुवारा सुरता नइं करे जाही
जऊन मन ओमन के पाछू आहीं।

[illegible]

12 मैं, गुरू ह यरूसलेम म इसरायल के राजा रहेंव।

---

* **1:1** या *[illegible]* पद 2 अऊ 12 म घलो † **1:3** इबरानी म *[illegible]*

13 धरती म जऊन जम्मो काम करे जाथे, मेंह बुद्धि के दुवारा ओ जम्मो काममन ला जांचंय अऊ परखे बर
अपन मन लगांय। येह एक भारी बोझ के काम ए, जेला परमेसर ह मानव-जाति ऊपर डार दे हवय!
14 मेंह ओ काम ला देखे हवंव, जेमन ला ये धरती म करे जाथे; ये जम्मो के जम्मो बेकार अंय अऊ हवा के
पाछू भगई सहीं अय।
15 जऊन ह टेड़गा हे, ओला सीधा नइं करे जा सकय;
जऊन ह हवय ही नइं, ओकर गनती नइं करे जा सकय।
16 मेंह अपनआप ले कहेंव, "देख, मोर पहिली यरूसलेम म जतेक भी राजा होईन, ओ जम्मो झन ले मेंह
जादा बुद्धिमान अंव; मेंह जादा बुद्धि अऊ गियान के अनुभव करे हवंव।"
17 तब मेंह अपनआप ला बुद्धि के समझ, अऊ पागलपन अऊ मुरूखता ला जाने बर लगांय, पर मेंह समझ
गेंव कि येह घलो हवा के पाछू भागे सहीं अय।
18 काबरकि जादा बुद्धि के संग जादा दुख आथे;
जादा गियान बढ़े ले, दुख घलो जादा बढ़थे।

2

[illegible] [illegible]

1 मेंह अपनआप ला कहेंव, "अब आ, मेंह तोला सुख-सुबिधा के दुवारा परखहूं अऊ येकर दुवारा ये पता
लगाहूं कि का ह बने अय।" पर ये भी बेकार साबित होईस।
2 मेंह कहेंव, "हंसई ह पागलपन ए। अऊ सुख-सुबिधा ले का मिलथे?"
3 मेंह अंगूर के मंद पीके अऊ मुरूखता ला अपनाके खुस रहे के कोसिस करेंव—मोर मन ह अभी घलो बुद्धि के
अगुवई म रहय। मेंह देखे चाहत रहेंव कि धरती म मनखे बर ओकर जिनगी के थोरकन दिन म का ह बने अय।
4 मेंह बड़े-बड़े काम करेंव: मेंह अपन बर घरमन ला बनांय अऊ अंगूर के बारी लगांय।
5 मेंह बारी-बगीचा अऊ सार्वजनिक उदयान लगांय अऊ ओमन म जम्मो किसम के फलदार रूखमन ला
लगांय
6 मेंह ओ रूखमन म पानी पलोय बर बड़े-बड़े तरिया बनांय।
7 मेंह पुरूस अऊ महिला गुलाममन ला बिसांय अऊ मोर करा आने गुलाममन घलो रिहिन, जऊन मन मोर
घर म जनमे रिहिन। यरूसलेम म मोर ले पहिले रहइयामन ले मोर करा जादा गाय-बईला अऊ भेड़-बकरी के
झुंड रिहिस।
8 मेंह अपन बर सोन, चांदी अऊ राजा अऊ राजमन ले धन इकट्ठा करेंव। मेंह गायक-गायिका अऊ संग म
रखैल घलो रखेंव—जेकर ले मनखे ला खुसी मिलथे।
9 मोर ले पहिले यरूसलेम म जऊन मन रिहिन, ओ सबले मेंह बहुंत महान हो गेंव। ये जम्मो बात म, मोर
बुद्धि ह मोर संग रिहिस।
10 मोर आंखीमन जऊन चीज के ईच्छा करिन, ओ चीज ला मेंह लानेंव;
सुख-सुबिधा ले मेंह अपन मन ला दूरिहा नइं रखेंव।
मोर जम्मो काम म मोर मन ह खुस होईस,
अऊ येह मोर मेहनत के ईनाम रिहिस।
11 तभो ले जब मेंह अपन हांथ ले करे जम्मो काम
अऊ मेहनत ले पाय चीजमन के जांच-पड़ताल करेंव,
त हर चीज ह बेकार लगिस अऊ हवा के पाछू भागे सहीं लगिस,
धरती म येकर कोनो फायदा नइं।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

12 तब मेंह अपन सोच-बिचार ला बुद्धि,
अऊ पागलपन अऊ मुरूखता के तरफ लगांय।
राजा के उत्तराधिकारी ह ओकर ले जादा का कर सकथे
जो पहिले ले करे जा चुके हवय?

13 मेंह देखेंव कि बुद्धि ह मुरूखता ले बने अय,
जइसे कि अंजोर ह अंधियार ले बने होथे।
14 बुद्धिमान के आंखी ह ओकर मुड़ म होथे,
जबकि मुरूख ह अंधियार म चलथे;
पर मेंह ये बात ला समझ गेंव
कि आखिरी म दूनों के हालत एक समान होथे।
15 तब मेंह अपनआप ले कहेंव,
"आखिर म मुरूख के हालत सहीं मोर हालत घलो होही।
तब बुद्धिमान बनके मोला का फायदा होथे?"
मेंह अपनआप ले कहेंव,
"येह घलो बेकार ए।"
16 काबरकि मुरूख के सहीं बुद्धिमान ला जादा समय तक सुरता नइं करे जाही;
समय ह पहिले ही आ चुके हवय जब दूनों भुला देय गे हवंय।
मुरूख के सहीं, बुद्धिमान घलो जरूर मरथे!

[illegible]

17 एकरसेति मोला जिनगी ले घिन हो गीस, काबरकि धरती म जऊन काम करे गीस, ओह मोर बर दुखदाई रिहिस। ये जम्मो ह बेकार ए, हवा के पाछू भागे सहीं अय।
18 मोला ओ जम्मो चीज ले नफरत हो गीस, जेकर बर मेंह धरती म मेहनत करे रहेंव, काबरकि मोला येमन ला ओकर बर छोंड़ना पड़ही, जऊन ह मोर बाद आही।
19 अऊ कोन जानथे कि ओ मनखे ह बुद्धिमान होही कि मुरूख? तभो ले मोर मेहनत के ओ जम्मो कमई ह ओकर अधिकार म हो जाही, जेकर बर मेंह धरती म पूरा मेहनत अऊ कुसलता देखाय रहेंव। येह घलो बेकार ए।
20 एकरसेति धरती म करे गय मोर जम्मो कठोर मेहनत ऊपर मोर मन ह निरास होय लगिस।
21 काबरकि एक मनखे ह बुद्धि, गियान अऊ कुसलता के संग मेहनत करथे, अऊ तब ओह अपन ओ जम्मो चीज ला ओ मनखे बर छोंड़ देथे, जऊन ह येकर बर मेहनत नइं करे हवय। येह घलो बेकार ए अऊ बड़े दुख के बात ए।
22 मनखे ह धरती म जऊन कठोर मेहनत अऊ काम करथे, ओकर बदले ओला का मिलथे?
23 जिनगी भर ओकर काम ह दुख अऊ दरद ले भरे होथे; अऊ त अऊ रथिया घलो ओकर दिमाग ला अराम नइं मिलय। येह घलो बेकार ए।
24 एक मनखे बर येकर ले बने अऊ कुछू नो हय कि ओह खावय, पीयय अऊ अपन मेहनत म संतोस करय। मेंह देखथंव कि येह घलो परमेसर कोति ले मिलथे,
25 काबरकि ओकर बिगर, कोन ह खा सकथे या आनंद उठा सकथे?
26 जऊन मनखे ले परमेसर ह खुस होथे, ओला ओह बुद्धि, गियान अऊ खुसी देथे, पर पापी मनखे ला परमेसर ह धन इकट्ठा करे अऊ बटोरे के काम देथे कि ओह ओ धन ला ओ मनखे के हांथ म देय दे, जेकर ले परमेसर खुस रहिथे। येह घलो बेकार ए, हवा के पाछू भागे सहीं अय।

3

[illegible]

1 हर एक काम बर एक तय समय हवय,
अऊ धरती म हर काम करे के एक समय होथे:

2 जनम लेय के एक समय अऊ मरे के एक समय,
बीजा या पऊधा लगाय के एक समय अऊ लगाय ला उखाने के एक समय,
3 मार डारे के एक समय अऊ चंगा करे के एक समय,
टोर-फोरके गिराय के एक समय अऊ बनाय के एक समय;
4 रोए के एक समय अऊ हंसे के एक समय,

सोक मनाय के एक समय अऊ नाचे के एक समय,
5 पथरामन ला बगराय के एक समय अऊ ओमन ला संकेले के एक समय,
कोनो ला पोटारे के एक समय अऊ नइं पोटारे के एक समय,
6 खोजे के एक समय अऊ छोंड़ देय के एक समय,
बचाके रखे के एक समय अऊ फटिक देय के एक समय,
7 चीरे के एक समय अऊ सीले के एक समय,
चुप रहे के एक समय अऊ गोठियाय के एक समय,
8 मया करे के एक समय अऊ नफरत करे के एक समय,
लड़ई करे के एक समय अऊ सांति के एक समय।
9 काम करइया ला ओकर मेहनत करे ले का मिलथे?
10 मेंह ओ बोझा ला देखे हंव, जेला परमेसर ह मानव-जाति ऊपर रखे हवय।
11 ओह हर एक चीज ला ओकर समय म सुघर बनाय हवय। ओह मनखे के मन म अनंतकाल ला घलो बसाय हवय; तभो ले परमेसर ह सुरू ले लेके आखिरी तक जऊन काम करे हवय, ओला कोनो मनखे समझ नइं सकय।
12 मेंह जानत हंव कि मनखे बर येकर ले बने बात अऊ कुछू नइं हो सकय कि ओह जिनगी म खुस रहय अऊ भलई के काम करय।
13 ये घलो कि हर एक जन खावय-पीयय, अऊ अपन मेहनत के कमई म ओला संतोस मिलय—येह परमेसर के बरदान अय।
14 मेंह जानत हंव कि हर ओ काम जेला परमेसर करथे, हमेसा बर बने रहिही, येमा कुछू घलो जोड़े नइं जा सकय अऊ न ही येमा ले कुछू हटाय जा सकय। परमेसर ह अइसे करथे ताकि मनखेमन ओकर भय मानंय।
15 जऊन कुछू हवय, ओह पहिली ले हवय,
अऊ जऊन कुछू होही, ओह पहिले हो चुके हवय;
अऊ परमेसर ह बीते बातमन के लेखा लीही।*
16 अऊ मेंह धरती म अऊ कुछू घलो देखेंव:
फैसला करई के जगह म—दुस्टता रिहिस,
अऊ नियाय के जगह म घलो—दुस्टता रिहिस।
17 मेंह अपनआप ले कहेंव,
"परमेसर ह धरमी अऊ दुस्ट
दूनों के नियाय करही,
काबरकि हर एक काम के एक समय होही,
हर काम के नियाय करे के एक समय होही।"
18 मेंह अपनआप ला ये घलो कहेंव, "जहां तक मनखेमन के बात ए, परमेसर ह ओमन ला परखथे ताकि ओमन देखंय कि ओमन पसुमन सहीं अंय।
19 खचित मानव-जाति के तकदीर ह पसुमन सहीं अय; ओहीच तकदीर ह दूनों के इंतजार करथे: जइसे एक झन ह मरथे, त वइसे ही दूसर झन घलो मरथे। जम्मो करा ओहीच सांस† हवय; मनखे ला पसुमन के तुलना म कोनो फायदा नइं ए। हर चीज ह बेकार ए।
20 जम्मो के जम्मो ओहीच जगह म जाथें; जम्मो के जम्मो धुर्रा ले आथें, अऊ ओ जम्मो धुर्रा म लहुंट जाथें।
21 कोन जानथे कि मनखे के परान ह ऊपर जाथे अऊ पसु के परान ह धरती के खाल्हे म जाथे?"
22 मेंह देखेंव कि मनखे बर येकर ले बने बात कुछू नो हय कि ओह अपन काम म आनंद उठाय, काबरकि ओह ओकर भाग ए। काबरकि कोन ह ओला ये देखे बर ला सकथे कि ओकर मरे के बाद का होही?

4

[illegible]
1 मेंह फेर ये देखेंव कि धरती म जम्मो किसम के अतियाचार होवत हे:

* **3:15** या *[illegible]* † **3:19** या *[illegible]*

मेंह अतियाचार सहनेवालामन के आंसू ला देखेंव—
अऊ ओमन ला सांति देवइया कोनो नइं एं;
ओमन के अतियाचार करइयामन करा सक्ति रिहिस—
अऊ अतियाचार सहनेवालामन करा सांति देवइया कोनो नइं एं।
2 अऊ मेंह घोसना करेंव कि ओ मरे मनखे,
जऊन मन मर गे हवंय,
ओमन अभी के जीयत मनखेमन ले
जादा खुस हवंय।
3 पर ये दूनों ले बेहतर ओह अय,
जेकर कभू जनम ही नइं होय हवय,
अऊ जऊन ह ये धरती म होवत
दुस्टता ला नइं देखे हवय।
4 अऊ मेंह देखेंव कि जम्मो मेहनत अऊ जम्मो सफलता ह एक मनखे के संग दूसर मनखे के बईरता ले
निकलके आथे। येह घलो बेकार ए, हवा के पाछू भगई ए।
5 मुरूख ह अपन हांथ म हांथ धरे बईठे रहिथे,
अऊ अपनआप ला नास करथे।
6 मेहनत के संग दू मुठा भर रहई
अऊ हवा के पाछू भगई ले
अपन करा सांति के संग एक मुठा भर रहई ह जादा बने अय।
7 मेंह फेर धरती म कुछू बेकार के चीज देखेंव:
8 एक मनखे ह अकेला रिहिस;
ओकर न बेटा, न भाई रिहिन।
ओकर मेहनत के कोनो अन्त नइं रिहिस,
तभो ले ओकर आंखीमन ला ओकर धन ले संतोस नइं मिलत रिहिस।
ओह पुछिस, "मेंह काकर बर मेहनत करत हंव,
अऊ काबर मेंह अपनआप ला आनंद उठाय ले दूर रखत हंव?"
येह घलो बेकार ए—
येह बहुंत दुख भरे काम अय।

9 एक ले दू झन बेहतर होथें,
काबरकि ओमन ला ओमन के मेहनत के बेहतर परतिफल मिलथे।
10 कहूं ओमन ले एक झन ह गिर जावय,
त दूसर ह ओला उठे म मदद करथे।
पर ओकर ऊपर तरस आथे, जऊन ह गिरथे
अऊ ओला उठे म मदद करे बर कोनो नइं रहंय।
11 कहूं दू झन संग म सुतथें, त ओमन एक-दूसर ला गरम रखथें।
पर एक झन अकेला अपनआप ला कइसे गरम रख सकथे?
12 अकेला मनखे ला हराय जा सकथे,
पर दू झन अपन बचाव कर सकथें।
तीन ठन डोरी ले बने रस्सी ह आसानी से नइं टूटय।

?????? ? ????? ?

13 एक गरीब बुद्धिमान जवान ह ओ डोकरा मुरूख राजा ले बेहतर अय, जऊन ला चेतउनी के ऊपर धियान
देय के समझ नइं रहय।
14 जवान ह जेल ले निकलके राजा के पद ला पाय हो, या ओह अपन राज म ही गरीबी म जनमे हो सकथे।

15 मेंह देखेंव कि ओ जम्मो झन, जऊन मन धरती म रहत रिहिन अऊ चलत-फिरत रिहिन, ओमन ओ जवान
के पाछू चलिन, जऊन ह राजा के उत्तराधिकारी रिहिस।
16 उहां ओकर आघू म अनगिनत मनखे रिहिन। पर ओकर बाद के पीढ़ी के मनखेमन ओ उत्तराधिकारी ले खुस
नइं होईन। येह घलो बेकार ए, हवा के पाछू भगई ए।

5

[illegible]

* 1 परमेसर के घर म जाय के बेरा अपन बरताव म सावधानी रखव। लकठा म जा अऊ सुन, येकर बदले कि
ओ मुरूखमन सहीं बलिदान चघा, जऊन मन नइं जानंय कि ओमन का गलत करत हवंय।
2 अपन कोनो बात कहे म जल्दबाजी झन कर,
न ही अपन मन म परमेसर के आघू म
कोनो बात कहे म जल्दबाजी कर।
परमेसर ह स्वरग म हवय
अऊ तेंह धरती म हस,
एकरसेति तोर बात ह थोरकन होवय।
3 बहुंत अकन काम म धियान देय के कारन सपना आथे,
अऊ बहुंत अकन बात कहे के कारन मुरूख ह पहिचाने जाथे।
4 जब तेंह कोनो मन्नत मानथस, त ओला पूरा करे म देरी झन कर। काबरकि परमेसर ह मुरूख ले खुस नइं
होवय, एकरसेति अपन मन्नत ला पूरा कर।
5 मन्नत मानके ओला पूरा नइं करई ले जादा बने ये अय कि तें मन्नत ही नइं मान।
6 अइसन बात झन कह, जऊन ह तोर पाप म पड़े के कारन होही। अऊ मंदिर के दूत ला ये झन कह, "मोर
मन्नत मनई ह एक गलती रिहिस।" तोर कहे बात के कारन परमेसर ला काबर गुस्सा होना पड़य अऊ ओह तोर
करे काम ला नास कर डारय?
7 जादा सपना देखई अऊ बहुंत बात कहई ह बेकार अय। एकरसेति परमेसर के भय मान।

[illegible]

8 कहूं तेंह ये देखथस कि कोनो छेत्र म गरीब ऊपर अतियाचार होवत हे, अऊ नियाय अऊ अधिकार नइं
मिलत हे, त अइसन बात ऊपर हैरान झन होबे, काबरकि एक अधिकारी के ऊपर दूसर अधिकारी होथे अऊ ओ
दूनों के ऊपर घलो अऊ बड़े अधिकारी होथें।
9 जब भुइयां म जादा फसल होथे, त ओकर ले सब ला फायदा होथे, राजा ला खुद खेत ले फायदा होथे।
10 जऊन ह रूपिया-पईसा ले मया करथे, ओकर करा कभू परयाप्त नइं रहय;
जऊन ह धन ले मया करथे, ओला कभू अपन कमई ले संतोस नइं होवय।
येह घलो बेकार ए।

11 जइसे चीज-वस्तुमन बढ़थें,
वइसे ही ओ चीजमन के उपयोग करनेवालामन के संखिया घलो बढ़थे।
अऊ मालिक ला ओमन ले का फायदा होथे
सिरिप ये कि ओह ओमन ला देखके संतोस होथे?

12 मेहनत करइया ला बने नींद आथे,
चाहे ओह जादा खावय या कम,
पर जहां तक धनी के बात ए,
ओकर धन के बहुंतायत ह ओला सोये बर नइं देय।
13 मेंह धरती म एक बहुंत खराप बात देखे हंव:

---

* **5:** इबरानी म 5:1 ला 4:17, अऊ 5:2-20 ला 5:1-19 गने गे हवय

मालिक ह अपन नुकसान बर धन इकट्ठा करिस,
14 या धन ह कुछू बिपत्ति म खतम हो गीस,
अऊ जब ओकर लइकामन होईन
त उत्तराधिकार म लइकामन बर कुछू नइं बांचिस।
15 हर एक ह अपन दाई के गरभ ले नंगरा आथे,
अऊ जइसे हर एक जन आथे, वइसे ओह चले जाथे।
ओह अपन हांथ म
अपन मेहनत के कुछू नइं ले जावय।
16 येह घलो बहुंत खराप बात ए:
जइसे एक मनखे ह आथे, वइसे ओह चले जाथे,
त ओला का फायदा होथे,
जबकि ओह बेकार म मेहनत करथे?
17 ओह अपन पूरा जिनगी बहुंत निरासा, दुख
अऊ कोरोध के संग अंधियार म खाना खाथे।
18 जऊन बने बात मेंह देखे हंव, ओह ये अय: धरती म परमेसर के दिये जिनगी के थोरकन दिन म, मनखे बर येह उचित अय कि ओह खावय, पीयय अऊ अपन कठोर मेहनत म संतुस्ट रहय—काबरकि येह ओकर भाग ए।
19 येकर अलावा, जब परमेसर ह कोनो ला धन-संपत्ति अऊ अधिकार देथे, अऊ येमन के आनंद उठाय के योग्यता देथे, त ओह अपन भाग ला स्वीकार करय अऊ अपन मेहनत म खुस रहय—येह परमेसर के एक बरदान ए।
20 ओह कभू-कभू ही अपन जिनगी के दिन ऊपर बिचार करथे, काबरकि परमेसर ह ओला ओकर मन के खुसी म लगाय रखथे।

6

1 मेंह एक आने खराप बात धरती म देखे हंव, अऊ येह मानव-जाति ऊपर बहुंत परभाव डालथे:
2 परमेसर ह कुछू मनखे ला धन-संपत्ति, अधिकार अऊ आदर देथे, जेकर कारन ओकर करा ओकर मनचाहे चीजमन रहिथें, पर परमेसर ह ओमन ला ओ चीजमन के आनंद उठाय के योग्यता नइं देवय, अऊ अजनबीमन ओ चीजमन के आनंद उठाथें। येह बेकार ए, एक बहुंत खराप बात ए।
3 एक मनखे के एक सौ लइका हो सकथें अऊ ओह बहुंत साल तक जी सकथे; चाहे ओह कतको साल जी ले, कहूं ओह अपन धन-संपत्ति के आनंद नइं उठा सकय अऊ मरे के बाद ओला सही ढंग ले माटी नइं मिलय, त मेंह कहिथंव कि एक मरे हुए जनमे लइका ह ओ मनखे ले बेहतर ए,
4 ओह बेकार म आथे, ओह अंधियार म चले जाथे, अऊ अंधियार म ओकर नांव छिप जाथे।
5 हालाकि ओह सूरज ला कभू नइं देखिस या कुछू भी चीज ला नइं जानिस, तभो ले ओला ओ मनखे ले जादा अराम मिलिस—
6 अऊ त अऊ यदि ओ मनखे ह दू बार ले एक-एक हजार साल जीयय, पर अपन धन-संपत्ति के मजा नइं लेवय। का जम्मो झन एक ही जगह म नइं जावंय?
7 मनखे के जम्मो मेहनत ओकर जेवन बर होथे,
पर ओकर मन ह कभू नइं भरय।
8 बुद्धिमान ह कोन बात म मुरूख ले बढ़के अय?
गरीब ला ये जानके का मिलथे
कि ओला दूसरमन के आघू म कइसे बरताव करना चाही?
9 जऊन चीज ला आंखी ह देखथे,
ओह मन के एती-ओती भटकई ले बेहतर अय।
येह घलो बेकार ए,
हवा के पाछू भगई ए।

10 जऊन ह पहिले से हवय, ओकर नांव रखे जा चुके हवय,
अऊ ये पता चल चुके हवय कि मनखे ह का सुभाव के अय;
कोनो भी अपन ले जादा सक्तिसाली मनखे ले
लड़ई नइं कर सकय।
11 जहां जादा बात होथे
उहां मतलब कम निकलथे,
अऊ ओकर ले कोनो ला का फायदा होथे?
12 काबरकि मनखे के जिनगी के ये थोरकन अऊ बेकार दिन, जऊन ह एक छइहां के सहीं निकल जाथे, कोन ह जानथे कि मनखे बर ये जिनगी म का ह बने ए? ओला कोन ह बता सकथे कि संसार ले ओकर जाय के बाद धरती म का होही?

7

??????

1 एक बने नांव ह बढ़िया इतर ले कहीं जादा बने होथे,
अऊ मिरतू के दिन ह जनम के दिन ले जादा बने होथे।
2 सोकित घर म जवई ह
भोज के घर म जवई ले जादा बने अय,
काबरकि हर एक मनखे के अन्त मिरतू अय;
जीयत मनखेमन ला येकर ऊपर धियान देना चाही।
3 निरास होवई ह हंसई ले बने अय,
काबरकि दुख के अनुभव ले मन के बिचार म सुधार होथे।
4 बुद्धिमान के हिरदय ह सोक मनइयामन के घर म होथे,
पर मुरूख के हिरदय ह मऊज-मस्ती के घर म होथे।
5 एक बुद्धिमान मनखे के डांट-फटकार ऊपर धियान देवई ह
मुरूखमन के गीत ला सुनई ले जादा बने अय।
6 जइसे बरतन के तरी म कांटामन के जरे सहीं अवाज होथे,
वइसे मुरूखमन के हंसी होथे।
येह घलो बेकार ए।

7 अनुचित मांग एक बुद्धिमान मनखे ला मुरूख बना देथे,
अऊ घूसखोरी ह हिरदय ला भ्रस्ट कर देथे।

8 कोनो बात के अन्त ह ओकर सुरूआत ले जादा बने होथे,
अऊ धीरज ह घमंड ले बने होथे।
9 अपन आतमा म जल्दी से गुस्सा झन होवव,
काबरकि कोरोध ह मुरूखमन के कोरा म रहिथे।

10 ये झन कहव, "बीते जमाना ह आज के समय ले काबर जादा बने रिहिस?"
काबरकि अइसे सवाल करई ह बुद्धिमानी नो हय।

11 बुद्धि ह एक उत्तराधिकार के सहीं बने बात ए
अऊ येकर ले धरती के जम्मो मनखेमन ला फायदा होथे।
12 बुद्धि ह एक आसरय ए
जइसे कि पईसा ह एक आसरय ए,
पर गियान के फायदा ये अय:
बुद्धि ह बुद्धिमान ला बचाथे।

13 परमेसर के काम ऊपर बिचार करव:
जेला ओह टेढ़ा कर दे हवय
ओला कोन ह सीधा कर सकथे?
14 जब समय ह बने हवय, त खुस रहव;
पर जब समय ह खराप चलथे, त येकर ऊपर बिचार करव:
परमेसर ह एक के संग
दूसर ला घलो बनाय हवय।
एकरसेति, कोनो मनखे अपन अगम
के बारे म कोनो बात नइं जान सकय।
15 मोर ये बेकार के जिनगी म मेंह ये दूनों ला देखे हवंव:
धरमी ह अपन धरमीपन म नास हो जाथे,
अऊ दुस्ट ह अपन दुस्टता म बहुंत दिन जीथे।
16 हद ले जादा धरमी झन बनव,
अऊ न ही हद ले जादा बुद्धिमान बनव—
अइसन करके अपनआप ला काबर नास करई?
17 हद ले जादा दुस्ट झन बनव,
अऊ न ही मुरूख बनव—
अइसन करके ठहिराय गय समय ले पहिली काबर मरई?
18 एक ला पकड़ई
अऊ दूसर ला जावन नइं देवई ह बने अय।
जऊन ह परमेसर के भय मानथे, ओह ये जम्मो अति ले बचथे।*

19 बुद्धि ह एक बुद्धिमान मनखे ला
एक सहर के दस सासन करइयामन ले घलो जादा बलवान बनाथे।

20 वास्तव म, धरती म एको जन भी धरमी नइं एं,
कोनो भी अइसन नइं, जऊन ह बने काम करथे अऊ कभू पाप नइं करय।

21 मनखेमन के कहे हर बात के ऊपर धियान झन देवव,
या अइसन होही कि तेंह अपन सेवक ला तोला सराप देवत सुनबे—
22 काबरकि तेंह अपन मन म जानत हस
कि तेंह खुद कतको बार आने मन ला सराप दे हस।
23 ये जम्मो ला मेंह बुद्धि के दुवारा जांचेंव अऊ कहेंव,
"मेंह बुद्धिमान बने के ठान ले हंव"—
पर येह मोर ले बाहिर के बात रिहिस।
24 जऊन कुछू हवय, ओह समझ ले परे अय अऊ सबले गहिरा बात ए—
येकर थाह कोन पा सकथे?
25 एकरसेति मेंह अपन मन ला समझे बर,
छानबीन करे बर, अऊ बुद्धि अऊ चीजमन के परबंध के खोज म
अऊ दुस्ट के मुरूखता
अऊ मुरूख के पागलपन ला समझे बर लगांय।

26 मेंह मिरतू ले घलो जादा करू चीज ला पाथंव
माईलोगन, जऊन ह कि एक फांदा ए,
जेकर हिरदय ह एक फांदा ए

* **7:18** या [illegible]

अऊ जेकर हांथमन बेड़ी अंय।
ओ मनखे, जऊन ह परमेसर ला खुस रखथे, ओही ह ओ माईलोगन ले बचके निकलथे,
पर पापी मनखे ला ओ माईलोगन ह फांस लेथे।
27 गुरू ह कहिथे, "देखव, मेंह ये पता लगाय हंव:
"चीजमन के बारे म पता लगाय बर मेंह एक चीज म आने ला मिलायेंव—
28 जेकर मेंह अब तक खोज करत रहेंव
ओह मोला नइं मिलिस—
मोला एक हजार मनखे म एक ईमानदार मनखे मिलिस,
पर ओ जम्मो म एको झन ईमानदार माईलोगन नइं मिलिस।
29 मोला सिरिप ये मिलिस:
परमेसर ह मनखे-जाति ला ईमानदार बनाईस,
पर ओमन बहुंते उपाय के खोज म लगे हवंय।"

8

1 बुद्धिमान के सहीं कोन हे?
चीजमन के मतलब ला कोन ह जानथे?
मनखे के बुद्धि ले ओकर चेहरा ह चमकथे
अऊ येकर कठोर रूप ह बदल जाथे।

[illegible]
2 मेंह सलाह देवत हंव, "राजा के हुकूम ला मान, काबरकि तेंह परमेसर के आघू म सपथ खाय हस।
3 राजा ला छोंड़के जाय म जल्दबाजी झन करबे। गलत बात के तरफदारी झन करबे, काबरकि राजा ह ओही काम ला करही, जऊन ह ओला बने लगथे।"
4 राजा के बात ह सबले बड़के होथे, त ओला कोन ह कह सकथे, "तेंह का करत हस?"
5 जऊन ह ओकर हुकूम ला मानथे, ओकर नुकसान नइं होवय,
अऊ बुद्धिमान हिरदय ह सही समय अऊ सही तरीका ला जानथे।
6 काबरकि हर एक बात बर एक सही समय अऊ तरीका होथे,
हालाकि एक मनखे के ऊपर संकट आ सकथे।

7 जब कोनो मनखे अगम के बात ला नइं जानय,
त कोन ह दूसर ला बता सकथे कि का होवइया हे?
8 हवा ला एक जगह म रखे के सक्ति काकरो करा नइं ए,
वइसे ही अपन मिरतू ऊपर काकरो अधिकार नइं रहय।
जइसे कि लड़ई के बेरा कोनो ला छुट्टी नइं मिलय,
वइसे ही दुस्टता करइयामन ला दुस्टता ह नइं छोंड़य।
9 ये जम्मो ला मेंह देखेंव, जब धरती ऊपर करे जावत हर एक काम ऊपर मेंह अपन मन ला लगांय। अइसन घलो समय होथे, जब मनखे ह दूसर ऊपर अधिकार करके अपन ही हानि करथे।
10 तब मेंह दुस्टमन ला गाड़े जावत घलो देखेंव—जऊन मन पबितर स्थान ले आवत-जावत रिहिन अऊ सहर म महिमा पावत रिहिन जिहां ओमन दुस्टता करिन। येह घलो बेकार ए।
11 जब अपराध के सजा जल्दी नइं दिये जावय, तब मनखेमन के हिरदय ह बुरई करे के योजना ले भर जाथे।
12 हालाकि एक दुस्ट मनखे ह सौ अपराध करथे अऊ लम्बा समय तक जीयत रहिथे, पर मेंह जानत हंव कि ओमन ऊपर भलई होही, जऊन मन परमेसर के भय मानथें अऊ ओकर बर आदर के भाव रखथें।
13 तभो ले काबरकि दुस्टमन परमेसर के भय नइं मानंय, एकरसेति ओमन के संग बने नइं होवय, अऊ ओमन के जिनगी ह छइहां के सहीं नइं बढ़य।

14 एक अऊ बेकार बात हे, जऊन ह धरती ऊपर होथे: धरमी के संग अइसने बात होथे, जइसने कोनो दुस्ट के
संग होना चाही, अऊ दुस्ट के संग अइसने बात होथे, जइसने कोनो धरमी के संग होना चाही। मेंह कहिथंव, येह
घलो बेकार ए।
15 एकरसेति मेंह जिनगी के आनंद ला उठाय के सराहना करथंव, काबरकि धरती म एक मनखे बर येकर ले
अऊ कोनो बात बने नो हय कि ओह खावय-पीयय अऊ खुस रहय। तब आनंद ह ओमन के ओ जम्मो जिनगी के
मेहनत म ओमन के संग रहिही, जेला परमेसर ह ओमन ला धरती म देय हवय।
16 जब मेंह अपन मन बुद्धि ला जाने बर अऊ धरती ऊपर करे गय मेहनत ला समझे बर लगांय—मनखेमन
ला दिन अऊ रात नींद नइं आवत रिहिस—
17 तब मेंह ओ जम्मो काम ला देखेंव, जेला परमेसर ह करे हवय। धरती म जऊन कुछू होवत हे, ओला कोनो
समझ नइं सकंय। अपन जांच-पड़ताल करे के जम्मो कोसिस के बावजूद, कोनो येला समझ नइं सकंय। चाहे
कहूं बुद्धिमान मनखे घलो दावा करे कि ओह जानथे, पर सही म ओह येला समझ नइं सकय।

9

[illegible]

1 मेंह ये जम्मो बात ऊपर बिचार करेंव अऊ ये निरनय म पहुंचंय कि धरमी अऊ बुद्धिमान अऊ जऊन कुछू
ओमन करथें, ओ सब परमेसर के हांथ म होथे, पर ये बात ला कोनो नइं जानय कि अवइया समय म ओला मया
या नफरत मिलही।
2 जम्मो के संग एक समान्य बात रहिथे—धरमी अऊ दुस्ट, बने अऊ खराप, सुध अऊ असुध, जऊन मन
बलिदान चघाथें अऊ जऊन मन बलिदान नइं चघावंय, जम्मो के दसा एक सहीं होथे।
जइसे बने मनखे के संग होथे,
वइसे पापी मनखे संग घलो होथे;
जइसे सपथ खवइयामन के संग होथे,
वइसे ओमन के संग घलो होथे, जऊन मन सपथ खाय बर डरथें।
3 धरती म हर बात म एक बुरई हवय: जम्मो झन के एकेच दसा होथे। मनखेमन के हिरदय ह बुरई ले भरे हवय
अऊ जब ओमन जीयत रहिथें, त ओमन के हिरदय म पागलपन रहिथे, अऊ ओकर बाद ओमन मर जाथें।
4 जऊन ह जीयतमन के बीच म हवय, ओकर करा आसा हवय—अऊ त अऊ एक जीयत कुकुर ह मरे सिंह ले
जादा बने अय!
5 काबरकि जीयतमन जानथें कि ओमन मरहीं,
पर मरे मन कुछू नइं जानंय;
ओमन के अऊ कोनो ईनाम नइं रहय,
अऊ त अऊ ओमन के नांव घलो सुरता म नइं रहय।
6 ओमन के मया, ओमन के घिन
अऊ ओमन के डाह बहुंत पहिले खतम हो गीस;
धरती म जऊन कुछू होथे
ओमा ओमन के फेर कभू कुछू भाग नइं होही।
7 जावव अऊ खुसी से अपन खाना खावव, अऊ आनंद मन से अपन अंगूर के मंद पीयव, काबरकि परमेसर ह
पहिले ही तुम्हर काम ला मंजूरी देय दे हवय।
8 हमेसा सफेद कपड़ा पहिरव, अऊ हमेसा अपन मुड़ म तेल लगावव।
9 धरती म परमेसर ह तुमन ला जऊन बेकार के जिनगी देय हवय, ओमा अपन घरवाली के संग आनंद
मनावव, जेला कि तुमन मया करथव—तुम्हर जम्मो बेकार के दिन। काबरकि धरती म येह तुम्हर जिनगी अऊ
तुम्हर मेहनत के बांटा ए।
10 तुमन ला जऊन कुछू भी काम मिलथे, ओला पूरा लगन से करव, काबरकि मिरतू-लोक म, जिहां तुमन
जावत हव, उहां न तो कोनो काम, न कोनो योजना अऊ न ही गियान अऊ बुद्धि हवय।
11 मेंह धरती म अऊ कुछू घलो देखे हंव:

दऊड़ म न तो तेज दऊड़इया
अऊ न ही लड़ई म ताकतवाला ह जीतथे,
न बुद्धिमान ला खाना मिलथे
अऊ न ही अति बुद्धिमान ला संपत्ति
अऊ न ही गियानी मनखे ऊपर किरपा करे जाथे;
पर ये जम्मो बात समय अऊ मऊका ऊपर निरभर होथें।
12 तभो ले, कोनो नइं जानय कि ओकर समय कब आही:
जइसे कि मछरीमन ला निरदयी जाल म,
अऊ चिरईमन ला फांदा म फंसाय जाथे,
वइसने ही मनखेमन खराप समय के दुवारा फंसथें
जऊन ह कि ओमन ऊपर अचानक आ जाथे।

[illegible]

13 मेंह धरती म बुद्धि के ये उदाहरन घलो देखेंव, जऊन ह मोला बहुंत परभावित करिस:
14 एक ठन छोटे सहर रिहिस, जेमा सिरिप कुछू मनखे रहत रिहिन। अऊ एक सक्तिसाली राजा येकर बिरूध आईस, अऊ ओ सहर ला घेर लीस अऊ येकर बिरूध बहुंत बड़े सेना के घेरा डालिस।
15 पर ओ सहर म एक गरीब, पर बुद्धिमान मनखे रहत रिहिस, अऊ ओह अपन बुद्धि के दुवारा ओ सहर ला बचा लीस। पर ओ गरीब मनखे ला कोनो सुरता नइं करिन।
16 एकरसेति मेंह कहेंव, "बुद्धि ह ताकत ले जादा बने अय।" पर गरीब मनखे के बुद्धि ह तुछ समझे जाथे, अऊ ओकर बात ऊपर फेर धियान नइं दिये जावय।
17 मुरूखमन के राजा के चिचियाई ऊपर धियान देय के बदले
बुद्धिमान के सांत बातमन ऊपर जादा धियान देना चाही।
18 बुद्धि ह लड़ई के हथियारमन ले जादा बने अय,
पर एक पापी मनखे ह बहुंत अकन भलई के नास करथे।

10

1 जइसे मरे माछीमन खुसबू ला बदबू म बदल देथें,
वइसे ही थोरकन मुरूखता ह बुद्धि अऊ आदर ऊपर भारी पड़थे।
2 बुद्धिमान के हिरदय ह ओला सही रसता म ले जाथे,
पर मुरूख के हिरदय ह ओला गलत रसता म ले जाथे।
3 जब मुरूखमन रसता म चलत रहिथें,
त ओमन म समझ के कमी होथे
अऊ हर एक जन ला देखाथें कि ओमन कतेक मुरूख अंय।
4 यदि एक हाकिम के कोरोध ह तोर ऊपर भड़कथे,
त अपन पद ला झन छोंड़बे;
चुप रहई ह बड़े-बड़े अपराध ला सांत कर सकथे।

5 धरती म मेंह एक बुरई देखे हंव,
एक किसम के गलती, जऊन ह हाकिम के दुवारा होथे:
6 मुरूखमन ला बहुंत ऊंच पद दिये जाथे,
जबकि धनीमन छोटे पद म होथें।
7 मेंह गुलाममन ला घोड़ा के सवारी करत,
पर राजकुमारमन ला गुलाममन सहीं रेंगत देखे हंव।

8 जऊन ह खंचवा कोड़थे, ओह ओमा गिर सकथे;

जऊन ह दीवार म सेंध लगाथे, ओला सांप ह चाब सकथे।
9 जऊन ह खदान ले पथरा निकालथे, ओला पथरा से चोट लग सकथे;
जऊन ह लकरी चीरथे, ओला लकरी ले खतरा हो सकथे।

10 यदि टांगा म धार नइं ए
अऊ येकर किनारे ला तेज नइं करे गे हवय,
त जादा ताकत के जरूरत पड़थे,
पर कोनो काम म कुसलता ह सफलता देवाथे।

11 यदि सांप ह बस म करे के पहिले कोनो ला काट लेथे,
त बस म करइया ला कोनो फायदा नइं होवय।

12 बुद्धिमान मनखे के बात म अनुग्रह होथे,
पर मुरूखमन अपन खुद के बात के दुवारा नास हो जाथें।
13 सुरू म ओमन के बातमन मुरूखता के होथें;
अन्त म ओमन दुस्ट पागलपन होथें—
14 अऊ मुरूखमन बहुंत बात करथें।

कोनो नइं जानय कि का होवइया हे—
कोन ह कोनो अऊ ला बता सकथे कि ओमन के बाद का होवइया हे?

15 मुरूखमन के मेहनत ह ओमन ला थका देथे;
ओमन नगर के रसता ला घलो नइं जानंय।

16 ओ देस के ऊपर हाय, जेकर राजा ह एक सेवक रिहिस*
अऊ जेकर हाकिममन बिहनियां मऊज-मस्ती म लग जाथें।
17 धइन अय ओ देस, जेकर राजा ह उत्तम बंस के होथे
अऊ जेकर हाकिममन सही समय म जेवन करथें—
ओमन के जेवन ह ताकत बर होथे, मतवारपन बर नइं।

18 आलसीपन ले छत के कड़ीमन झुक जाथें;
निठल्लापन के कारन घर के छत ले पानी चूहथे।

19 जेवनार ला हंसी-खुसी बर तियार करे जाथे,
अंगूर के मंद ह जिनगी ला आनंदित कर देथे,
अऊ पईसा के दुवारा हर चीज हो सकथे।

20 अपन मन के बिचार म घलो राजा ला गाली झन देबे,
या न ही अपन सोये के कमरा म कोनो धनी मनखे ला सराप देबे,
काबरकि अकास के कोनो चिरई ह तोर बातमन ला ले जा सकथे,
अऊ कोनो उड़नेवाला चिरई ह तोर कहे बात ला बता सकथे।

11

[illegible]
1 अपन अनाज ला पानी जहाज ले समुंदर के ओ पार भेजव;
बहुंत दिन के बाद तुमन ला येकर लाभ मिल सकथे।
2 अपन पूंजी सात ठन जोखिम के काम म लगावव, हव, बल्कि आठ ठन म लगावव;

* **10:16** या [illegible]

तुमन नइं जानव कि देस म का बिपत्ति आ सकथे।

3 अगर बादरमन पानी ले भरे हवंय,
त ओमन ले धरती म बारिस होथे।
एक रूख ह चाहे दक्खिन म गिरय या उत्तर म गिरय,
जिहां येह गिरथे, उहां येह पड़े रहिही।
4 जऊन मनखे ह हवा ला देखत रहिथे, ओह बीजा नइं बोए;
अऊ जऊन ह बादरमन ला देखत रहिथे, ओह फसल नइं लुए।

5 जइसे कि तुमन हवा के रसता ला नइं जानव,
या ये नइं जानव कि दाई के गरभ म लइका के देहें ह कइसे बनथे,*
ओही किसम ले तुमन परमेसर के काम ला नइं समझ सकव,
जऊन ह कि जम्मो चीज के बनानेवाला ए।

6 अपन बीजा ला बिहनियां ही बो देवव,
अऊ सांझ के आलसी बनके बईठे झन रहव,
काबरकि तुमन नइं जानव
कि कते ह फर दीही, येह या ओह,
या फेर दूनों बराबर बने फर दीहीं।

[illegible]
7 अंजोर ह मन ला भाथे,
अऊ येह सूरज ला देखे म आंखी ला बने लगथे।
8 एक मनखे ह बहुंत साल तक जी सकथे,
त ओह जम्मो चीज के आनंद उठाय।
पर ओह अपन अंधियार भरे दिनमन ला सुरता रखय,
काबरकि येमन बहुंते होहीं।
अवइया हर एक चीज ह बेकार ए।

9 हे जवान, तेंह खुस रह, जब तेंह जवान हस,
अऊ तोर हिरदय ह तोला तोर जवानी के दिन म आनंदित करय।
अपन हिरदय के ईछा
अऊ जऊन कुछू तुम्हर आंखी देखथे, ओकर पाछू चलव,
पर ये बात ला जानव कि ये जम्मो चीज बर
परमेसर ह तुम्हर नियाय करही।
10 एकरसेति अपन हिरदय ले दुख ला दूर करव
अऊ अपन देहें के समस्या ला निकाल दव,
काबरकि जवानी अऊ ताकत बेकार अंय।

12

1 अपन जवानी के दिन म
अपन सिरिस्टीकर्ता ला सुरता रख,
येकर पहिले कि दुख के दिन आवय
अऊ ओ बछरमन आवंय, जब तेंह कहिबे,
"येमन म मोला थोरकन भी खुसी नइं मिलय"—
2 येकर पहिले कि सूरज अऊ अंजोर

* **11:5** या [illegible]

अऊ चंदा अऊ तारामन अंधियार हो जावंय,
अऊ बारिस के बाद बादरमन लहुंट जावंय;
3 जब घर के रखवारमन कांपे लगंय,
अऊ बलवान मनखे के देहें ह झुक जावय,
जब पीसनेवालामन रूक जावंय काबरकि ओमन थोरकन हवंय,
अऊ खिड़की म ले देखइयामन के आंखी ह कमजोर हो जावय;
4 जब गली तरफ के कपाटमन बंद हो जावंय
अऊ चक्की के अवाज ह धीमा हो जावय;
जब मनखेमन चिरई के अवाज सुनके उठंय,
पर ओ जम्मो के गीतमन के अवाज सुनई नइं देवय;
5 जब मनखेमन ऊंचहा जगह
अऊ गली के खतरा ले डरंय;
जब बादाम के रूख ह फूलय
अऊ फांफा ह ओकर संग घसीटके चलय
अऊ ईछा ह फेर नइं जागय।
तब मनखेमन अपन सदाकाल के घर म चल देथें
अऊ सोक मनइयामन गलीमन म फिरत रहिथें।

6 ओला सुरता करव—येकर पहिले कि चांदी के डोर ह कठोर हो जावय,
अऊ सोन के कटोरा ह टूट जावय;
येकर पहिले कि घघरी ह बसन्त के समय टूटके चकनाचूर हो जावय,
अऊ कुआं म पहिया ह टूट जावय,
7 अऊ धुर्रा ह भुइयां म लहुंट जावय, जिहां ले येह आय रिहिस,
अऊ आतमा ह परमेसर करा लहुंट जावय, जऊन ह येला देय रिहिस।

8 "बेकार अय! बेकार अय!" गुरू* ह कहिथे।
"हर चीज ह बेकार ए!"

[illegible]

9 गुरू ह सिरिप बुद्धिमान ही नइं रिहिस, पर ओह मनखेमन ला गियान घलो दीस। ओह बिचार करिस अऊ खोजबीन करिस अऊ बहुंते नीतिबचनमन ला सही ढंग ले रखिस।
10 गुरू ह सिरिप सही सबद पाय बर खोजबीन करिस, अऊ जऊन बात ओह लिखिस, ओ बातमन सही अऊ सच अंय।
11 बुद्धिमान के बातमन लउठी के धार सहीं होथें, ओमन के सांत मन के कहावतमन बने ढंग ले ठोंके गय खीलामन सहीं होथें—मानो येला एकेच चरवाहा के दुवारा दिये गे हवय
12 हे मोर बेटा, येकर अलावा अऊ आने बातमन के बारे म सावधान रहिबे।
बहुंत अकन किताब के लिखे अऊ ओमन के रखे के अन्त नइं ए, अऊ जादा किताब पढ़ई ह देहें ला थका देथे।
13 अब जम्मो बात सुने जा चुके हवय;
बात के अन्त ये अय:
परमेसर के भय मानव अऊ ओकर हुकूममन ला मानव,
काबरकि येह जम्मो मानव-जाति के फर्ज अय।
14 काबरकि परमेसर ह हर काम के नियाय करही,
ओमा हर छिपे बातमन घलो होहीं,
चाहे ओमन भलई के काम होवंय या बुरई के।

---

* **12:8** या *[illegible]* पद 9 अऊ 10 म घलो

उत्तम गीत
सुलेमान के

1 सुलेमान के उत्तम गीत।

??????
2 ओह अपन मुहूं ले मोर चूमा लेवय—
काबरकि तोर मया ह अंगूर के मंद ले जादा खुसी देथे।
3 तोर इतर के खुसबू ह बने लगथे;
तोर नांव ह ढारे गय इतर के सहीं अय।
एकरसेति जवान माईलोगनमन तोर ले मया करथें!
4 मोला अपन संग ले चल—आ हमन भाग जावन!
राजा ह मोला अपन कमरा म ले जावय।
???????
हमन तोर म आनंद अऊ खुसी मनाथन;
हमन अंगूर के मंद ले जादा तोर मया के गुनगान करबो।
??????
ओमन तोर ले मया करके सही करथें!

5 हे यरूसलेम के बेटीमन,
मेंह कारी तो हंव, फेर सुघर हंव,
केदार* के तम्बूमन सहीं कारी,
सुलेमान के तम्बू के परदामन सहीं।
6 मोला एकटक झन देख, काबरकि मेंह कारी हंव।
काबरकि मेंह सूरज ले झोला गे हंव।
मोर भाईमन मोर ले गुस्सा करिन
अऊ ओमन मोला अंगूर के बारीमन के रखवारीन बना दीन;
मेंह अपन खुद के अंगूर के बारी के रखवारी नइं करेंव।
7 मोला बता, तें मोर मयारू,
अपन भेड़-बकरीमन ला कहां चराथस?
अऊ मंझनियां तेंह ओमन ला कहां सुरताय बर रखथस?
तोर संगीमन के भेड़-बकरीमन के बाजू म,
मेंह काबर घूंघट ढांके माईलोगन सहीं होवंव?
????????
8 हे सबले सुघर माईलोगन, कहूं तेंह नइं जानत हस,
त भेड़मन के खुर के चिनहां ला देखत चल
अऊ चरवाहामन के तम्बूमन के तीर म
अपन छेरी-पीलामन ला चरा।
??????
9 हे मोर मयारू, मेंह तोर तुलना
फिरौन के रथमन म फंदाय घोड़ामन के बीच एक घोड़ी ले करथंव।
10 तोर गाल ह कनफूली के संग,

---

* **1:5** केदार ह इसमायल के एक गोत्र रिहिस; देखव (उत 25:13; यसा 21:16-17-17; भजन 120:5); येमन खास करके करिया तम्बू म निवास करंय

अऊ तोर घेंच ह जेवर ले पीरोय हार के संग सुघर लगथे।
11 हमन तोर बर चांदी के जड़े
सोन के कनफूली बनवाबो।
[illegible]
12 राजा ह जब अपन मेज करा बईठे रिहिस,
त मोर इतर ह अपन खुसबू फईलाईस।
13 मोर मयारू ह मोर बर लोहबान के छोटे खुसबू के थैली सहीं अय,
जऊन ह मोर छाती के बीच म रहिथे।
14 मोर मयारू ह मोर बर मेंहदी के फूलमन के गुच्छा सहीं अय,
जऊन ह एन-गदी† के अंगूर के बारीमन म मिलथे।
[illegible]
15 हे मोर मयारू, तें कतेक सुघर हस!
सिरतों म, कतेक सुघर हस!
तोर आंखीमन पंड़की के सहीं हवंय।
[illegible]
16 हे मोर मयारू, तें कतेक सुघर हस!
सिरतों म, कतेक मोह लेनेवाला हस!
अऊ हमर दसना ह ताजा हवय।
[illegible]
17 हमर घरमन के कड़ीमन देवदार के,
अऊ हमर छानी के लकड़ीमन घलो देवदार के अंय।

2

[illegible]
1 में सारोन* के गुलाब,
अऊ घाटीमन के कुमुदिनी फूल अंव।
[illegible]
2 मोर मयारू ह जवान माईलोगन के बीच म,
कांटामन के बीच म कुमुदिनी फूल सहीं अय।
[illegible]
3 जइसने कि जंगल के रूखमन के बीच म एक सेव के रूख,
वइसने ही मोर मयारू ह जवानमन के बीच म अय।
मोला ओकर छइहां म बईठके खुसी मिलथे,
अऊ ओकर फर के सुवाद ह मोला मीठ लगथे।
4 ओह मोला भोज के घर म ले जावय,
अऊ ओकर मया के धजा ह मोर ऊपर होवय।
5 मोला किसमिस के दाना ले ताकत देवव,
अऊ सेव के फर ले मोला तरो-ताजा करव,
काबरकि मेंह मया म दुरबल हो गे हवंव।
6 ओकर डेरी हांथ ह मोर मुड़ के तरी म हवय,
अऊ ओकर जेवनी हांथ ह मोला पोटारथे।
7 हे यरूसलेम के बेटीमन, मेंह तुमन ला
सुघर छोटे हिरन अऊ भांठा के हिरनीमन के किरिया खवाके कहत हंव:
जब तक मया ह खुदे नइं जाग उठय,
तब तक तुमन ओला झन भड़कावव या जगावव।

---

† **1:14** [illegible] ह मिरतू सागर के दक्खिन-पछिम किनारा म छइहांवाले एक उपजाऊ जगह अय, जिहां पानी के सोत हवय

* **2:1** [illegible] इसरायल के भूमध्य सागर के किनारा के इलाका (देखव यसा 35:2 अऊ 65:10)

8 सुन! हे मोर मयारू!
देख! ओह आवत हे,
ओह पहाड़मन ला पार करके,
पहाड़ीमन ले उछलत-कूदत आवत हे।
9 मोर मयारू ह सुघर छोटे हिरन या जवान बारासींगा सहीं अय।
देखव! ओह हमर दीवार के पाछू म ठाढ़े हवय,
ओह खिड़की म ले देखत हे,
ओह जालीमन म ले झांकत हे।
10 मोर मयारू ह मोर ले गोठियाईस अऊ कहिस,
"हे मोर मयारू, उठ!
हे मोर सुघर जन, मोर संग चल।
11 देख, जड़काला ह बीत गे;
अऊ बारिस ह घलो खतम हो गीस अऊ चल दीस।
12 धरती म फूलमन फूलथें;
गाना गाय के समय आ गे हवय,
हमर भुइयां म पंड़कीमन के
गुटरे के बोली सुनई देवत हे।
13 अंजीर के रूख म ओकर छोटे फर लगे के सुरू हो गे हवय;
अंगूर के नारमन म फूले फूल के खुसबू बगरत हवय।
हे मोर मयारू! उठ, आ;
मोर सुघर जन, मोर संग चल।"
[illegible]
14 हे मोर पंड़की! चट्टानमन के दरार म,
पहाड़मन के छुपे के जगह म,
मोला अपन चेहरा देखा,
मोला अपन बोली सुना;
काबरकि तोर बोली ह गुरतूर हवय,
अऊ तोर चेहरा ह सुघर हवय।
15 हमर बर कोलिहामन ला पकड़व,
ओ नान-नान कोलिहामन ला
जऊन मन अंगूर के बारीमन ला उजारथें,
काबरकि हमर अंगूर के बारीमन म फूल आवत हवंय।
[illegible]
16 मोर मयारू ह मोर अय अऊ मेंह ओकर अंव;
ओह भेड़-बकरी ला कुमुदिनी फूलमन के बीच म चराथे।
17 संझा के होवत ले
अऊ जब तक छइहां ह लम्बा होके मिटा नइं जावय,
लहुंट आ, हे मोर मयारू,
अऊ सुघर छोटे हिरन सहीं हो जा
या बेतेर के पहाड़ीमन के
जवान बारासींगा सहीं हो जा।

3

1 में रोज रात भर ओला अपन बिस्तर म खोजेंव,
जऊन ला मोर हिरदय ह मया करथे।

मेंह ओला खोजेंव, फेर ओला नइं पायेंव।
2 अब मेंह उठहूं अऊ सहर म,
येकर गली अऊ चऊकमन म ओला खोजहूं;
मेंह ओला खोजहूं, जेला मेंह दिल से मया करथंव।
एकरसेति मेंह ओला खोजेंव, पर ओह नइं मिलिस।
3 जऊन पहरा देवइयामन सहर के पहरा देवत किंदरत रहिथें,
ओमन ला मेंह भेंटेंव,
अऊ मेंह ओमन ला पुछेंव "का तुमन ओला देखे हव, जेला मेंह दिल से मया करथंव?"
4 मेंह ओमन ले थोरकून दूरिहा गे रहेंव
कि मोला ओह मिलिस, जेला मेंह अपन दिल से मया करथंव।
मेंह ओला पोटार लेंव अऊ ओला जावन नइं देंव
जब तक कि मेंह ओला अपन दाई के घर म नइं ले गेंव,
याने अपन दाई के घर म, जऊन ह मोला अपन गरभ म रखे रिहिस।
5 हे यरूसलेम के बेटीमन, मेंह तुमन ला सुघर छोटे हिरन
अऊ भांठा के हिरनीमन के किरिया खवाके कहत हंव:
जब तक मया ह खुदे नइं जाग उठय
तब तक तुमन ओला झन भड़कावव या जगावव।

6 येह का ए, जऊन ह कुहरा के खंभा सहीं
सुन्ना जगह ले आवत हे;
येह गंधरस अऊ लोहबान के खुसबू ले भरे हवय
अऊ बेपारीमन के जम्मो मसाला ले बने हवय?
7 देखव, येह तो सुलेमान के पालकी अय,
साठ जन योद्धा ओला पहरा देवत चलत हें,
अऊ येमन इसरायल के सूरबीर अंय,
8 ओ जम्मो के जम्मो तलवार धरे हवंय
अऊ लड़ई म अनुभवी अंय,
हर एक के बाजू म तलवार बंधाय हवय,
अऊ ओमन रथिया के खतरा के सामना करे बर तियार हवंय।
9 राजा सुलेमान ह अपन बर पालकी बनवाय हवय;
ओह लबानोन के लकड़ी ले येला बनवाय हवय।
10 ओह येकर खंभामन ला चांदी ले,
अऊ ओकर आधार ला सोन ले बनवाय हवय।
ओकर बईठे के जगह ला बैंगनी ओनहा ले बनवाय हवय,
ओकर भीतर के जगह ला मया ले सजाय गे रहय।
हे यरूसलेम के बेटीमन,
11 बाहिर निकलव,
अऊ तुमन देखव, हे सियोन के बेटीमन।
मुकुट पहिरे सुलेमान राजा ला देखव,
ओ मुकुट, जेला ओकर दाई ह
ओला ओकर बिहाव के दिन पहिराईस,
ओ दिन, जब ओकर मन ह आनंदित रिहिस।

4

1 हे मोर मयारू, तेंह कतेक सुघर हस!
सच म, कतेक सुघर हस!
तोर घूंघट के भीतर तोर आंखी ह पंड़की के सहीं अय।
तोर चुंदी ह गिलाद के पहाड़ीमन ले उतरत
छेरीमन के बरदी सहीं अय।
2 तोर दांतमन अभीच ऊन कतरे भेड़मन के बरदी सहीं अंय,
जऊन ह नहा-खोरके ऊपर आवत हवय।
जेमा ले हर एक के जुड़वां हवय;
ओमा के कोनो अकेला नइं ए।
3 तोर ओंठ ह सिन्दूरी रंग के फीता सहीं अय;
तोर मुहूं ह मनमोहना अय।
घूंघट के भीतर तोर कनपटी ह
अनार के आधा कुटा के सहीं दिखथे।
4 तोर घेंच ह दाऊद के मीनार सहीं अय,
जऊन ह पथरा ला रचके बनाय गे हवय;
जेकर ऊपर हजार ढालमन टंगाय हवंय,
अऊ ओ जम्मो ढालमन सूरबीरमन के अंय।
5 तोर दूनों स्तन हिरन के दू ठन पीलामन के सहीं अंय,
हिरन के दू ठन जुड़वां पीला सहीं,
जऊन मन कुमुदिनी फूलमन के बीच म चरथें।
6 जब तक दिन जुड़ा नइं जावय
अऊ छइहां ह लम्बा होके मिटा नइं जावय,
तब तक में लोहबान के पहाड़
अऊ धूप के पहाड़ी ऊपर जाहूं।
7 हे मोर मयारू, तेंह एकदम सुघर हस;
तोर म कोनो कमी नइं ए।

8 हे मोर दुलहिन, लबानोन ले मोर संग आ,
लबानोन ले मोर संग आ।
अमाना के टीप ले,
सनीर, याने कि हेरमोन के टीप ले खाल्हे उतर,
सेरमन के मांद ले
अऊ चीतवामन के पहाड़ी डेरामन ले चले आ।
9 हे मोर बहिनी, मोर दुलहिन, तेंह तो मोर मन ला मोही डारे;
अपन आंखी के एक नजर ले,
अपन माला के एक ही हीरा ले,
मोर मन ला मोही डारे।
10 हे मोर बहिनी, मोर दुलहिन, तोर मया ह कतेक खुसी देवत हे!
तोर मया ह अंगूर के मंद ले घलो बढ़के खुसी देवत हे,
अऊ तोर इतर के खुसबू ह
कोनो मसाला के खुसबू ले घलो जादा बने अय!
11 हे मोर दुलहिन, तोर ओंठ ले मधु-छत्ता के सहीं मिठास ह चूहथे,
तोर जीभ के तरी म मंधरस अऊ दूध के मिठास हवय।
तोर ओनहा के खुसबू ह
लबानोन के खुसबू सहीं अय।

12 हे मोर बहिनी, मोर दुलहिन, तेंह एक ताला लगे बारी के सहीं अस;
तेंह बंद करे गय एक झरना अऊ मुहर लगे सोता अस।
13 तोर पऊधामन अनार के एक बारी अंय,
जेमा सबले बढ़िया फर,
मेंहदी अऊ गुलमेंहदी,
14 गुलमेंहदी अऊ केसर,
तेजपान अऊ दालचीनी,
खुसबूवाला जम्मो किसम के रूख,
लोहबान अऊ मुसब्बर
अऊ जम्मो किसम के बढ़िया मसाला के रूख हवंय।
15 तेंह फव्वारा के बारी अस,
तेंह बहत पानी के कुआं
अऊ लबानोन ले बोहावत पानी के धार अस।
??????
16 हे उत्तर कोति के पवन, जाग,
अऊ हे दक्खिन कोति के पवन, आ!
मोर बारी म बह
ताकि येकर खुसबू ह हर जगह बगरय।
मोर मयारू ह ओकर बारी म आवय
अऊ येकर मनचाहे फरमन ला खावय।

5

??????
1 हे मोर बहिनी, मोर दुलहिन, मेंह अपन बारी म आ गे हंव;
मेंह अपन लोहबान ला अपन मसाला संग संकेल ले हंव।
मेंह मंधरस सहित अपन मधु-छत्ता ला खा ले हंव;
मेंह अपन अंगूर के मंद अऊ दूध पी ले हंव।
???????
हे सहेलीमन खावव अऊ पीयव;
अपन बड़े मया से पीयव।

??????
2 मेंं तो सुते रहेंव, पर मोर मन ह जागत रिहिस।
सुन! मोर मयारू ह कपाट ला खटखटावत हे अऊ कहत हे,
"हे मोर बहिनी, मोर मयारू,
मोर पंड़की, मोर उत्तम जन! मोर बर कपाट ला खोल।
मोर मुड़ ह ओस म,
अऊ मोर चुंदी ह रथिया के नमी म भीग गे हवय।"
3 मेंह अपन ओनहा ला उतार चुके हंव—
का ओला फेर पहिर लंव?
मेंह अपन गोड़ ला धो डारे हंव—
का ओला फेर मईला करंव?
4 मोर मयारू ह अपन हांथ ले कपाट के सिटकिनी ला धक्का देवथे;
मोर हिरदय ह ओकर मया बर छलकत हे।
5 मेंह अपन मयारू बर कपाट ला खोले बर उठेंव,
अऊ मोर हांथ ले लोहबान चूहत रिहिस,
मोर अंगठीमन ले लोहबान ह

बेड़ी के मुठ म बह गीस।
6 मेंह अपन मयारू बर कपाट ला खोलेंव,
पर मोर मयारू ह वापिस चल देय रिहिस; ओह चले गीस।
ओकर जाय ले मोर मन ह बियाकुल होईस।
मेंह ओला खोजेंव, पर नइं पायेंव।
मेंह ओला बलाएंव, पर ओह जबाब नइं दीस।
7 जब पहरेदारमन सहर म पहरा देवत रिहिन,
त ओमन मोला भेंटिन।
ओमन मोला मारिन अऊ मोला घायल कर दीन;
ओ सहर के दीवारमन के पहरेदारमन,
मोर ओढ़ना ला लूटके ले गीन।
8 हे यरूसलेम के बेटीमन, तुमन मोर ले वायदा करव—
कहूं तुमन ला मोर मयारू ह मिल जावय,
त तुमन ओला बताहू
कि मोला मया के रोग हो गे हवय।

[illegible]
9 हे माईलोगन म परम सुन्दरी,
तोर मयारू ह आने मन ले कोन बात म उत्तम हवय?
तोर मयारू ह कोन बात म आने मन ले बने अय,
कि तेंह हमन ला अइसने वायदा करवात हस?
[illegible]
10 मोर मयारू ह हंसमुख अऊ चमकीला ए,
ओह दस हजार मनखे म उत्तम अय।
11 ओकर मुड़ ह सुध सोन के सहीं अय;
ओकर चुंदी ह लहर सहीं
अऊ कऊआ सहीं करिया हवय।
12 ओकर आंखीमन पंड़कीमन सहीं अंय
जऊन मन बोहावत पानी के तीर म,
दूध म धोवाके,
माला म पीरोय जेवर सहीं कतार म हवंय।
13 ओकर गालमन खुसबू देवत
मसाला के दसना सहीं अंय।
ओकर ओंठ ह कुमुदिनी फूल सहीं अय
जेमा ले लोहबान चूहत रहिथे।
14 ओकर बाहांमन पुखराज ले सजे
सोन के छड़ सहीं अंय।
ओकर देहें ह नीलमनि ले सजे
चमकत हाथी-दांत सहीं अय।
15 ओकर गोड़मन सुध सोन के नीव म बईठाय
संगमरमर के खंभामन सहीं अंय।
ओकर रूप ह लबानोन के सहीं हवय,
अऊ देवदार के सहीं मनोहर हवय।
16 ओकर मुहूं* के अपन मिठास हवय;
ओह हर किसम ले मयारू ए।

* **5:16** या [illegible]

हे यरूसलेम के बेटीमन,
येह मोर मयारू ए अऊ येह मोर संगी अय।

6

[illegible]
1 हे माईलोगन म परम सुन्दरी,
तोर मयारू ह कहां चल दीस?
तोर मयारू ह कते अंग चल दीस,
बता कि हमन घलो तोर संग ओला खोजन?
[illegible]
2 मोर मयारू ह खाल्हे अपन बारी कोति गे हवय
जिहां मसाला के पऊधामन के क्यारी हवय,
ओह बारी म भेड़-बकरी चराय बर
अऊ कुमुदिनी फूल बटोरे बर गे हवय।
3 मेंह अपन मयारू के अंव अऊ मोर मयारू ह मोर अय;
ओह भेड़-बकरी ला कुमुदिनी फूलमन के बीच म चराथे।
[illegible]
4 हे मोर मयारू, तें तिरसा* के सहीं सुघर,
यरूसलेम के सहीं मनभावन,
अऊ धजा फहरावत सेना सहीं सानदार हस।
5 अपन नजर ला मोर कोति ले हटा ले;
काबरकि ओमन मोला अभिभूत कर देथें।
तोर चुंदी ह गिलाद पहाड़ ले उतरत
छेरीमन के बरदी सहीं अय।
6 तोर दांतमन नहा-खोरके ऊपर आवत
भेड़मन के बरदी सहीं अंय,
जेमा ले हर एक के जुड़वां हवय,
अऊ ओमा के कोनो नइं गंवाय हवय।
7 तोर घूंघट के भीतर तोर कनपटी ह
अनार के आधा फर के सहीं अय।
8 उहां साठ झन रानी,
अऊ अस्सी झन रखैल,
अऊ अब्बड़ अकन कुंवारी नोनीमन हो सकथें;
9 पर मोर पंड़की, मोर सिद्ध जन ह तो अनोखा अय,
ओह तो अपन दाई के एकलऊती बेटी अय,
अऊ अपन जनम देवइया दाई के दुलारी अय।
जवान माईलोगनमन ओला देखिन अऊ ओला धइन कहिन;
रानीमन अऊ रखैलमन ओकर बड़ई करिन।
[illegible]
10 येह कोन ए, जेकर सोभा बिहान पाय के सोभा सहीं हवय,
चंदा के सहीं साफ-सुघर, सूरज के सहीं चमकीला,
अऊ धजा धरे सेनामन सहीं सोभायमान हवय?
[illegible]
11 मेंह अखरोट के बारी म गेंव
कि घाटी म नवां बढ़त रूख-रई ला देखंव,
अऊ देखंव कि अंगूर के नारमन म पीका आवत हे कि नइं

* **6:4** तिरसा ह उत्तरी इसरायल के पहिले के राजधानी रिहिस; देखव 1 राजा 14:17 अऊ 15:33

या अनार के रूख म फूल फूलत हे कि नइं।
12 एकर पहिली कि में ये बात ला समझतेंव,
मोर मन ह मोला मोर मनखेमन के राजसी रथमन म लगा दीस।
??????
13 लहुंट आ, लहुंट आ, हे सुलाम के माईलोगन;
लहुंट आ, लहुंट आ, कि हमन तोला एकटक देखन!
??????
दू ठन दलमन† के नाचा ला देखे सहीं,
तुमन सुलाम के माईलोगन ला एकटक काबर देखहू?

7

1 हे राजकुमारी, कतेक सुघर लगत हें,
पनही पहिरे तोर पांवमन!
तोर सुघर गोड़मन अइसे जेवर के सहीं अंय,
जऊन ला कोनो कारीगर ह अपन हांथ ले बनाय हवय।
2 तोर पेट के बोर्री ह गोल कटोरा के सहीं अय,
जेमा मसाला मिले मंद के कमी कभू नइं होवय;
तोर पेट ह गहूं के कुढ़ा के सहीं अय,
जऊन ह चारों कोति कुमुदिनी फूल ले सजे हवय।
3 तोर दूनों स्तन हिरन के दू ठन पीलामन के सहीं अंय,
हिरन के दू ठन जुड़वां पीला सहीं।
4 तोर घेंच ह हाथी-दांत के मीनार के सहीं अय।
तोर आंखी ह हेसबोन* के ओ कुंड के सहीं अय
जऊन ह बेथ-रब्बीम के कपाट के लकठा म हवय।
तोर नाक ह लबानोन के ओ मीनार के सहीं अय
जेकर मुंहटा ह दमिस्क कोति हवय।
5 तोर मुड़ ह करमेल पहाड़ के सहीं तोला सोभा देवत हे।
तोर मुड़ के घुंघराली चुंदी ह राजसी कपड़ा के सूंत सहीं हवय;
राजा तो तोर बेनीमन म मोहा गे हवय।
6 हे मोर मयारू, तेंह कतेक सुघर
अऊ अपन खुसी के संग कतेक मनमोहनी अस!
7 तोर डीलडौल ह खजूर के रूख के सही अय,
अऊ तोर स्तन ह खजूर के झोंथामन सहीं अय।
8 मेंह कहेंव, "में खजूर के रूख म चघहूं;
मेंह ओकर फर ला धर लूहूं।"
तोर स्तन ह अंगूर के झोंथामन सहीं होवय,
तोर सांस के महक ह सेव फर के सहीं होवय,
9 अऊ तोर मुहूं ह खांटी अंगूर के मंद सहीं होवय।

??????
अंगूर के मंद ह सीधा जाके
मोर मयारू के ओंठ अऊ दांत ऊपर धीरे-धीरे बोहावय।
10 मेंह अपन मयारू के अंव,

---

† **6:13** महनैम, देखव उत 32:2 * **7:4** *??????* ह यरदन घाटी के पूरब कोति मोआब देस म एक सहर अय

अऊ ओह मोर लालसा करत रहिथे।
11 हे मोर मयारू, आ, हमन गांव के खेत कोति जावन,
आ, गांव म हमन अपन रात बितावन।
12 आ, हमन बिहनियां उठके अंगूर के बारी म जावन
अऊ ये देखन कि अंगूर के नार म फूल धरत हे कि नइं,
ओमन के कलीमन खिलत हें कि नइं,
अऊ अनार फूल खिलत हें कि नइं—
उहां मेंह तोला अपन मया दूहूं।
13 दूदा फर† ह अपन खुसबू बगरावत हे,
अऊ हमर मुंहटामन म जम्मो किसम के उत्तम फर हवंय,
नवां अऊ जुन्ना दूनों,
हे मोर मयारू, मेंह येला तोर बर कुढ़ोके रखे हंव।

8

1 कास, तेंह मोर भाई के सहीं होते,
जऊन ह मोर दाई के छाती ले दूध पीये रिहिस।
तब, कहूं मेंह तोला बाहिर म भेंटतेंव,
त में तोला चूमतेंव,
अऊ कोनो मोला तुछ नइं समझतिन।
2 मेंह तोला डहार देखातेंव
अऊ तोला अपन दाई के घर म ले आतेंव—
जऊन ह मोला सिखोय हवय।
मेंह तोला पीये बर मसाला मिले अंगूर के मंद देतेंव,
अऊ अपन अनार के रस घलो देतेंव।
3 ओकर डेरी हांथ मोर मुड़ के तरी म हवय
अऊ ओकर जेवनी हांथ ह मोला पोटारथे।
4 हे यरूसलेम के बेटीमन, मेंह तुमन ला किरिया खवाके कहत हंव:
जब तक मया ह खुदे नइं जाग उठय,
तब तक तुमन ओला झन भड़कावव या जगावव।

[illegible]
5 येह कोन ए जऊन ह अपन मयारू ऊपर मुड़ टेके
सुनसान जगह ले चले आवत हे?
[illegible]
सेव रूख के तरी म मेंह तोला जगांय;
उहां तोर दाई ह तोला गरभ म धरिस,
उहां ओह पीरा सहके तोला जनम दीस।
6 तें मोला मुहर के सहीं अपन हिरदय म लगा ले,
अऊ मुहर के सहीं अपन बाहां म लगा ले;
काबरकि मया ह मिरतू के सहीं बलवान ए,
येकर जलन ह कबर के सहीं निरदयी अय।
येह धधकत आगी सहीं बरथे,
येह एक बड़े जुवाला सहीं बरथे।
7 पानी के बाढ़ ह घलो मया ला नइं बुता सकय;

† **7:13** अइसे बिसवास करे जाथे कि ये फर ला खाय ले सारीरिक संबंध अऊ जननसक्ति बढ़थे; उत 30:14-16

नदीमन येला बहाके नइं ले जा सकंय।
यदि कोनो अपन घर के जम्मो संपत्ति ला
मया के बदला म दे देवय,
तभो ले ओ संपत्ति ला बहुंत तुच्छ समझे जाही।

??????

8 हमर एक छोटे बहिनी हवय,
ओकर छाती ह अभी नइं बढ़े हवय।
जऊन दिन हमर बहिनी के बारे म गोठियाय जाही,
ओ दिन हमन ओकर बर का करबो?
9 कहूं ओह दीवार होतिस,
त हमन ओकर ऊपर चांदी के मीनार बनातेंन।
कहूं ओह कपाट होतिस,
त हमन देवदार रूख के पल्ला ले ओला बंद करतेंन।

??????

10 मेंह एक दीवार अंव,
अऊ मोर छातीमन मीनार के सहीं अंय।
ये किसम ले मेंह ओकर आंखी म
संतोस देवई सहीं हो गे हंव।
11 बाल-हामोन म सुलेमान के एक ठन अंगूर के बारी रिहिस;
ओह अपन अंगूर के बारी ला किरायादारमन ला दे दीस।
ये ठहिराय गीस कि हर किरायादार ह फर के बदले
चांदी के एक हजार सेकेल* दीही।
12 पर मोर खुद के अंगूर के बारी ह तो मोर अय अऊ मेंह येला कोनो ला भी दे सकत हंव;
हे सुलेमान, एक हजार सेकेल तो तोर बर अय,
अऊ दू सौ सेकेल ओमन बर अय, जऊन मन येकर फर के देखरेख करथें।

??????

13 तें जो बारीमन म,
अपन सहेलीमन संग रहिथस,
मोला तोर अवाज सुनन दे!

??????

14 हे मोर मयारू, जल्दी आ,
अऊ छोटे सुघर हिरन सहीं हो जा
या मसाला ले भरे पहाड़मन ऊपर
जवान बारासींगा सहीं हो जा।

---

* **8:11** लगभग 12 किलोग्राम; पद 12 म घलो; एक सेकेल याने कि एक दिन के बनी

यसायाह
के किताब

1 आमोस के बेटा यसायाह के दरसन, जऊन ला ओह यहूदा अऊ यरूसलेम के बारे म उजियाह, योताम,
आहाज, अऊ हिजकियाह नांव यहूदा के राजामन के सासन के दौरान देखिस।

?? ?????? ????

2 हे स्वरग, तें मोर बात ला सुन! अऊ हे धरती सुन!
काबरकि यहोवा ह कहे हवय:
"मेंह लइकामन ला पालेंव-पोसेंव अऊ ओमन ला बढ़ांय,
पर ओमन मोर ले बिदरोह करिन।
3 बईला ह तो अपन मालिक ला,
अऊ गदहा ह अपन मालिक के कोटना ला चिन्हथे,
पर इसरायल ह मोला नइं जानय,
मोर मनखेमन नइं समझंय।"

4 हाय लगे ये पापी जाति के मनखेमन ऊपर,
जेमन के अपराध ह बहुंत भारी हवय,
जेमन कुकरमीमन के पीला अंय,
जेमन के लइकामन भ्रस्टाचार करे बर दे दिये जाथें!
ओमन यहोवा ला छोंड़ देय हवंय;
ओमन इसरायल के पबितर परमेसर के अपमान करे हवंय
अऊ ओकर कोति अपन पीठ कर ले हवंय।

5 तुमन काबर अऊ मार खावव?
तुमन काबर बिदरोह करते रहिथव?
तुम्हर मुड़ म चोट लगे हवय,
अऊ तुम्हर पूरा हिरदय ह दुख ले भरे हवय।
6 तुम्हर गोड़ के तलवा ले लेके मुड़ के ऊपर तक
कुछू घलो ठीक नइं ए—
सिरिप घाव ही घाव
अऊ खुला पीरा देवइया फोड़ामन हवंय,
जेमन ला न साफ करे गे हवय अऊ न ही पट्टी बांधे गे हवय
अऊ न ही जैतून तेल लगाके नरम करे गे हवय।

7 तुम्हर देस ह उजार परे हवय,
तुम्हर नगरमन आगी ले जर गे हवंय;
तुम्हर खेतमन ला परदेसीमन
तुम्हर देखते-देखत ले लेवत हवंय,
ओमन उजार परे हवंय, मानो अजनबीमन ओला नास कर दे हवंय।
8 बेटी सियोन ला
अंगूर के बारी के आसरय सहीं,
खीरा-बारी के झोपड़ी सहीं,
या घेराबंदी करे गय एक नगर के सहीं छोंड़ दिये गे हवय।

9 यदि सर्वसक्तिमान यहोवा ह
हमर बर कुछू बांचेमन ला नइं छोंड़े होतिस,
त हमन घलो सदोम
अऊ अमोरा सहरमन सहीं पूरा नास हो गे रहितेंन।

10 हे सदोम के सासन करइयामन,
यहोवा के बचन ला सुनव;
हे अमोरा के मनखेमन,
परमेसर के हुकूम ऊपर धियान देवव!
11 यहोवा ह कहत हे,
"तुम्हर बहुत अकन बलिदानमन
मोर का काम के अंय?
मोर करा मेढ़ा अऊ मोटा-ताजा पसुमन के चरबी के
जरूरत ले जादा होम-बलिदान हवय;
मेंह बछवा अऊ मेढ़ा-पीला अऊ बोकरामन के
लहू ले खुस नइं होवंव।
12 जब तुमन मोर मेर भेंट करे बर आथव,
त कोन ह कहिथे
कि तुमन मोर अंगना ला गोड़ ले खुंदव?
13 बेकार के बलिदान लाय बर बंद करव!
तुम्हर धूप ले मोला घिन होथे।
नवां चंदा, बिसराम दिन अऊ समारोहमन—
तुम्हर बेकार के ये सभामन ला मेंह सहन नइं कर सकंव।
14 तुम्हर नवां चंदा के जेवनार अऊ तुम्हर ठहिराय गय तिहारमन ले
मेंह अपन पूरा मन से घिन करथंव।
येमन मोर बर एक बोझ बन गे हवंय;
मेंह येमन के बोझ उठावत थक गे हंव।
15 जब तुमन पराथना म अपन हांथ फईलाथव,
त मेंह तुम्हर ले अपन आंखी मुंद लेथंव;
अऊ तुम्हर कतको पराथना करे ले घलो
मेंह तुम्हर नइं सुनंव।

"काबरकि तुम्हर हांथमन खून ले भरे हवंय!

16 "अपनआप ला धोके सुध करव।
मोर आंखी के आघू ले अपन दुस्ट काममन ला हटावव;
बुरई करई बर छोंड़ दव।
17 भलई करे बर सीखव; नियाय के खोज म रहव।
जेमन ऊपर अतियाचार होथे, ओमन के मदद करव।*
अनाथमन के नियाय करव;
बिधवामन के मुकदमा लड़व।"

18 यहोवा ह कहत हे,
"अब आवव, हमन मामला ला निपटावन;
चाहे तुम्हर पापमन बैंगनी रंग के सहीं होवंय,

* **1:17** या [illegible]

तभो ले ओमन बरफ के सहीं सफेद हो जाहीं;
चाहे तुम्हर पापमन गाढ़ा लाल रंग के होवंय,
तभो ले ओमन ऊन कस सादा हो जाहीं।
19 यदि तुम्हर ईच्छा हवय अऊ मोर हुकूम ला मानव,
त तुमन ला देस के बढ़िया-बढ़िया चीज खाय बर मिलही;
20 पर यदि तुमन नइं मानहू अऊ बिदरोह करहू,
त तुमन तलवार ले मारे जाहू।"
काबरकि यहोवा के मुहूं ले ये बचन निकले हवय।

21 देखव, ओ बिसवासयोग्य नगर ह
कइसे एक बेस्या के सहीं हो गे हवय!
एक समय रिहिस कि ओह नियाय ले भरे रिहिस;
धरमीपन उहां पाय जावत रिहिस—
पर अब उहां हतियारामन रहिथें!
22 तुम्हर चांदी ह मईला गे हवय,
तुम्हर खांटी अंगूर के मंद म पानी मिला दिये गे हवय।
23 तुम्हर सासन करइयामन बिदरोही अंय,
अऊ चोरमन संग मिले हवंय;
ओ जम्मो झन ला घूस लेवई बने लगथे
अऊ भेंट के लालची अंय।
ओमन अनाथमन के नियाय नइं करंय;
अऊ ओमन बिधवामन के मामला अपन करा आवन नइं देवंय।

24 येकर कारन परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा,
इसरायल के सक्तिसाली परमेसर ह घोसना करत हे:
"आह! मेंह अपन बईरीमन ला अपन कोप देखाहूं
अऊ अपन बईरीमन ले बदला लूहूं।
25 में तुम्हर बिरूध† अपन हांथ उठाहूं;
मेंह तुम्हर जम्मो मईल ला साफ कर दूहूं
अऊ तुम्हर जम्मो असुधता ला दूर कर दूहूं।
26 मेंह पहिली के सहीं अगुवा
अऊ सुरूआत के सहीं सासन करइया ठहिराहूं।
ओकर बाद तेंह धरमीपन के नगर,
बिसवासयोग्य नगर कहाबे।"

27 सियोन ला नियाय के दुवारा,
अऊ ओमा के पछतापी मनखेमन ला धरमीपन ले छोंड़ाय जाही।
28 पर बिदरोही अऊ पापीमन नास कर दिये जाहीं,
अऊ जेमन यहोवा ला तियाग देथें, ओमन नास हो जाहीं।

29 "जऊन पबितर बलूत रूखमन के कारन तुमन खुस होवत रहेव,
ओमन के कारन तुमन लज्जित होहू;
अऊ जऊन बारीमन ला तुमन चुने हव,
ओमन के कारन तुमन कलंकित होहू।

† **1:25** यरूसलेम के बिरूध

30 तुमन ओ बलूत रूख जइसन होहू, जेकर पानमन सूखावत हवंय,
अऊ तुमन बिन पानी के एक बारी सहीं हो जाहू।
31 बलवान मनखे चिनगारी ले जरोइया चीज हो जाही
अऊ ओकर काम ह एक चिनगारी;
दूनों एक संग जरहीं,
अऊ आगी बुतइया कोनो नइं होहीं।”

2

[illegible]

1 आमोस के बेटा यसायाह ह यहूदा अऊ यरूसलेम के बारे म ये दरसन देखिस:

2 आखिरी के दिनमन म,
यहोवा के मंदिर के पहाड़ ह
सबले ऊंच पहाड़ के रूप म स्थापित करे जाही;
येला जम्मो पहाड़ीमन ले ऊंचहा करे जाही,
अऊ जम्मो जाति के मनखेमन पानी के धारा सहीं येकर करा आहीं।
3 बहुंते मनखेमन आके कहिहीं,
“आवव, हमन यहोवा के पहाड़ ऊपर,
याकूब के परमेसर के मंदिर म चलन।
ओह हमन ला अपन नियम-कानून सिखोही,
ताकि हमन ओकर रसता म चलन।”
कानून ह सियोन ले,
यहोवा के बचन ह यरूसलेम ले निकलही।
4 ओह जाति-जाति के नियाय करही,
अऊ बहुंते मनखेमन के झगरा के निपटारा करही।
ओमन अपन तलवारमन ला पीट-पीटके नांगर के फाल
अऊ अपन बरछीमन ला हंसिया बना डारहीं।
एक जाति ह आने जाति के बिरूध लड़ई नइं करही,
अऊ न ही ओमन फेर लड़ई करे के सिकछा दीहीं।

5 हे याकूब के संतानमन, आवव,
हमन यहोवा के अंजोर म चलन।

[illegible]

6 हे यहोवा, तेंह अपन मनखे,
याकूब के संतानमन ला तियाग दे हवस।
ओमन पूरब के मनखेमन सहीं पूरा अंधबिसवास ले भरे हवंय;
ओमन पलिस्तीमन सहीं टोनहा करथें
अऊ मूरती-पूजकमन के रीति-रिवाज म चलथें।
7 ओमन के देस ह सोन अऊ चांदी ले भरे हवय;
ओमन के दुवारा जमा करे गय धन के कोनो सीमा नइं ए।
ओमन के देस ह घोड़ामन ले भरे हवय;
अऊ ओमन करा अनगिनत रथमन हवंय।
8 ओमन के देस ह मूरतीमन ले भरे हवय;
ओमन अपन हांथ के काम,
अपन अंगरी ले बनाय चीजमन ला दंडवत करथें।

9 एकरसेति मनखेमन ला झुकाय जाही
अऊ हर एक जन नम्र करे जाहीं—
ओमन ला छेमा झन कर।*

10 यहोवा के भययुक्त उपस्थिति
अऊ ओकर गौरव के सोभा के कारन
चट्टान म घुसर जावव अऊ भुइयां म लुका जावव!
11 घमंडी के आंखी ला झुकाय जाही
अऊ मनखे के घमंड ला टोरे जाही;
ओ दिन सिरिप यहोवा ला ही ऊपर करे जाही।

12 काबरकि यहोवा ह एक दिन ला ठहिराय हवय
जब सबो घमंडी अऊ अहंकारी,
अऊ जऊन मन अपनआप ला ऊपर उठाय हवंय,
(ओमन के घमंड ला टोरे जाही),
13 काबरकि लबानोन के जम्मो ऊंच अऊ बड़े देवदार रूख,
अऊ बासान के जम्मो बलूत रूख,
14 जम्मो ऊंच पहाड़
अऊ जम्मो ऊंच पहाड़ीमन,
15 हर एक ऊंच मीनार
अऊ हर एक किलाबंदीवाला दीवार,
16 हर एक बेपारी पानी जहाज†
अऊ हर एक महत्व के चीजमन ला गिराय जाही।
17 मनखे के घमंड
अऊ मनखे के अहंकार ला टोरे जाही;
ओ दिन सिरिप यहोवा ला ही ऊपर करे जाही,
18 अऊ मूरतीमन सब के सब नास हो जाहीं।

19 जब यहोवा ह धरती ला कंपवाय बर उठही,
तब ओकर भययुक्त उपस्थिति
अऊ ओकर गौरव के सोभा ले डरके
मनखेमन भागहीं अऊ चट्टान के गुफा
अऊ भुइयां के बिल म जाके लुका जाहीं।
20 ओ दिन मनखेमन
छूछू अऊ चमगीदड़मन के आघू म
अपन सोन अऊ चांदी के मूरतीमन ला फेंक दीहीं,
जेमन ला ओमन दंडवत करे बर बनाय रिहिन।
21 जब यहोवा ह धरती ला कंपवाय बर उठही,
त ओकर भययुक्त उपस्थिति
अऊ ओकर गौरव के सोभा ले डरके
ओमन भागहीं अऊ चट्टानमन के गुफा
अऊ चट्टानमन के दरार म लुका जाहीं।

22 मनखेमन ऊपर भरोसा करई छोंड़ दव,
जेमन करा सिरिप एक सांस ओमन के नथुना म हवय।

---

* **2:9** या [illegible] † **2:16** इबरानी म [illegible]

ओमन के काबर आदर करे जावय?

3

[illegible]

1 देखव अब, परभू,
सर्वसक्तिमान यहोवा ह
यरूसलेम सहर अऊ यहूदा प्रदेस बर
जरूरी चीज अऊ मदद देवई ला बंद करइया हवय:
जम्मो जेवन के चीज अऊ जम्मो पानी के पूरती,
2 बीर अऊ योद्धा,
नियायधीस अऊ अगमजानी,
सकुन-बिचार करइया अऊ अगुवा,
3 पचास सैनिकमन के मुखिया अऊ उच्च पदवाला मनखे,
सलाहकार अऊ कुसल कारीगर अऊ चतुर जादूगर, जम्मो के जम्मो ला हटा लीही।

4 "मेंह सिरिप जवानमन ला ओमन के अधिकारी बनाहूं;
लइकामन ओमन ऊपर सासन करहीं।"

5 मनखेमन एक-दूसर के ऊपर अतियाचार करहीं—
मनखे के बिरूध मनखे, परोसी के बिरूध परोसी होहीं।
जवानमन डोकरामन के बिरूध
अऊ तुच्छ मनखेमन आदरनीय मनखेमन के बिरूध ठाढ़ होहीं।

6 ओ समय एक मनखे ह अपन ददा के घर म
अपन भाई ला पकड़के कहिही,
"तोर करा एक बने ओनहा हवय, तेंह हमर अगुवा बन जा;
अऊ ये देस, जऊन ह उजर गे हवय, ओला अपन अधीन कर ले!"
7 पर ओ दिन ओह चिचियाके कहिही,
"मोर करा येकर कोनो ईलाज नइं ए।
मोर घर म न तो जेवन हवय अऊ न ही ओनहा;
एकरसेति तुमन मोला मनखेमन के अगुवा झन बनावव।"

8 यरूसलेम तो डगमगावथे,
अऊ यहूदा गिरत हे;
काबरकि ओमन के बचन अऊ काम यहोवा के बिरूध हवंय,
ओमन ओकर महिमामय उपस्थिति के परवाह नइं करत हवंय।
9 ओमन के चेहरा ओमन के बिरूध गवाही देथे;
ओमन सदोमीमन के सहीं अपन पाप ला बताथें;
ओमन ओला नइं लुकावंय।
ओमन ऊपर हाय!
ओमन अपन ऊपर बिपत्ति लाय हवंय।

10 धरमीमन ला बतावव कि ओमन के भलई होही,
काबरकि ओमन अपन काम के फर के आनंद उठाहीं।
11 दुस्टमन ऊपर हाय!
ओमन ऊपर घोर बिपत्ति हवय!
काबरकि जऊन दुस्ट काम ओमन करे हवंय,

ओकर फर ओमन ला मिलही।

12 जवानमन मोर मनखेमन ऊपर अतियाचार करथें,
अऊ माईलोगनमन ओमन ऊपर सासन करथें।
हे मोर मनखेमन, तुम्हर रसता बतइयामन तुमन ला भटका देथें;
ओमन तुमन ला डहार ले आने कोति ले जाथें।

13 यहोवा ह अदालत म अपन जगह बईठथे;
ओह मनखेमन के नियाय करे बर ठाढ़ होथे।
14 यहोवा ह अपन मनखेमन के सियान
अऊ अगुवामन के बिरूध नियाय सुरू करथे:
"येह तुमन अव, जेमन मोर अंगूर के बारी ला नास कर दे हव;
अऊ गरीबमन ले लूटे गय चीजमन तुम्हर घर म हवंय।
15 मोर मनखेमन ला कुचरे
अऊ गरीब मनखेमन के चेहरा ला पीसे के तुम्हर का मतलब अय?"
परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।

16 यहोवा ह कहिथे,
"सियोन के माईलोगनमन घमंडी अंय,
ओमन अपन मुड़ उठाके
आंखी ले नकली मया देखावत,
अपन गोड़ म घुंघरू के अवाज के संग
अकड़के एड़ी मटकावत चलथें।
17 एकरसेति परभू ह सियोन के माईलोगनमन के मुड़ ला फोड़ामन ले भर दीही;
यहोवा ह ओमन के मुड़ ला चंदवा कर दीही।"
18 ओ दिन परभू ह ओमन के दिखावटी बेसभूसा ला छीन लीही: याने कि ओमन के चूड़ी अऊ मुड़ के फीता,
आधा चंदा सहीं हार,
19 कान के फूली अऊ कंगन अऊ ओढ़नी,
20 पगड़ी अऊ पायल अऊ करधनी, इतर के सीसी अऊ बाजूबंद,
21 मुहरवाला मुंदरी अऊ नथनी,
22 सुघर ओनहा अऊ बिगर बाहां के बंडी अऊ कुरतामन, बटुवा,
23 अऊ दरपन, अऊ मलमल के ओनहा अऊ मुकुट अऊ दुसालामन ला छीन लीही।
24 खुसबू के जगह बदबू;
करधनी के जगह म रस्सी;
सुघर गांथे बाल के जगह म ठेकली मुड़;
सुघर ओनहा के जगह म बोरा के ओनहा;
अऊ सुन्दरता के जगह म बदसूरती होही।
25 तुम्हर मनखेमन तलवार ले,
अऊ तुम्हर योद्धामन लड़ई म मारे जाहीं।
26 सियोन के दुवारमन रोहीं अऊ बिलाप करहीं;
गरीबी म, ओह भुइयां म बईठे रहिही।

4

1 ओ दिन सात माईलोगनमन
एक पुरूस ला धरके कहिहीं,
"रोटी तो हमन अपन खुद के खाबो

अऊ ओनहा घलो अपन खुद के पहिरबो;
सिरिप तेंह हमन ला अपन नांव देय दे।
हमर कलंक ला दूर कर दे!”

[illegible]

2 ओ दिन यहोवा के डंगाली ह सुघर अऊ महिमामय होही, अऊ देस के फर ह इसरायल के बांचे मनखेमन बर
घमंड अऊ महिमा के बात होही।
3 जऊन मन सियोन म बांचे रहिहीं, जऊन मन यरूसलेम म रहिहीं, याने कि ओ जम्मो जेमन के नांव
यरूसलेम म जीयतमन के बीच म लिखे गे हवय, ओमन पबितर कहे जाहीं।
4 परभू ह सियोन के माईलोगनमन के गंदगी ला धो दीही; ओह नियाय के आतमा अऊ आगी के आतमा के
दुवारा यरूसलेम ले खून के दागमन ला साफ कर दीही।
5 तब यहोवा ह जम्मो सियोन पहाड़ ऊपर अऊ ओ जम्मो जऊन मन उहां जूरहीं, ओमन ऊपर दिन के बेरा
धुआं के एक बादर अऊ रथिया के बेरा धधकत आगी के एक अंजोर देखाही; अऊ जम्मो के ऊपर परमेसर के
महिमा के एक मंडप छाय रहिही।
6 येह दिन के गरमी बर एक आसरय अऊ छइहां, अऊ आंधी अऊ पानी ले बचे बर एक सरन-स्थान अऊ
लुकाय के जगह होही।

5

[illegible]

1 मेंह अपन मयारू बर गीत गाहूं
ओकर अंगूर के बारी के बारे म एक ठन गीत गाहूं:
एक बहुंत उपजाऊ पहाड़ी ऊपर
मोर मयारू के एक ठन अंगूर के बारी रिहिस।
2 ओह ओकर माटी खनिस अऊ ओमा के पथरामन ला हटाईस
अऊ ओमा सबले उत्तम अंगूर के नारमन ला लगाईस।
पहरा देय बर ओह ओमा एक गुम्मट बनाईस
अऊ एक ठन अंगूर के रसकुंड घलो बनाईस।
तब ओह उत्तम अंगूर के फसल के इंतजार करिस,
पर ओमा सिरिप खराप अंगूर ही फरिस।

3 “अब हे यरूसलेम के रहइया अऊ यहूदा के मनखेमन,
मोर अऊ मोर अंगूर के बारी के बीच नियाय करव।
4 मोर अंगूर के बारी बर अऊ का खंग गीस
जऊन ला मेंह नइं करेंव?
जब मेंह उत्तम अंगूर के आसा करेंव,
त ओमा सिरिप खराप अंगूर ही काबर फरिस?
5 अब मेंह तुमन ला बताहूं
कि मेंह अपन अंगूर के बारी के का करइया हंव:
मेंह येकर कांटा के रूंधान ला हटा दूहूं,
ताकि येह नास हो जावय;
मेंह येकर चारों कोति के बाड़ा ला गिरा दूहूं,
ताकि ये बारी ला कुचर दिये जावय।
6 मेंह येला उजार दूहूं,
येला न तो काटे जाही अऊ न ही जोते जाही,

अऊ ओमा नाना किसम के कंटिला रूख अऊ पऊधा जामहीं।
मेंह बादरमन ला हुकूम दूहूं
कि ओकर ऊपर पानी झन बरसावंय।”

7 सर्वसक्तिमान यहोवा के
अंगूर के बारी ह इसरायली जाति अय,
अऊ यहूदा के मनखेमन
ओकर मनभावन अंगूर के नार अंय।
अऊ ओह ओमा नियाय के आसा करिस, पर ओला अनियाय ही दिखाई दीस;
ओह धरमीपन के आसा करिस, पर ओला रोवई अऊ दुख ही दिखाई दीस।

???? ?? ?????

8 ओमन ऊपर हाय, जेमन घर ले घर,
अऊ खेत ले खेत ला इहां तक मिलात जाथें
कि कुछू जगह नइं बांचय
अऊ ओमन देस म अकेला रहिथें।
9 सर्वसक्तिमान यहोवा ह मोर सुनत म घोसना करे हवय:
“खचित बड़े-बड़े घरमन सुनसान हो जाहीं,
सुघर हवेलीमन बिगर मनखे के खाली पड़े होहीं।
10 दस एकड़ के अंगूर के बारी ले सिरिप एक बत* अंगूर के मंद मिलही;
अऊ होमेर† भर के बीज ले सिरिप एक एपा‡ अनाज पईदा होही।”

11 ओमन ऊपर हाय, जेमन मंद पीये बर
बड़े बिहनियां उठथें,
अऊ बहुंत रथिया तक पीयत रहिथें
जब तक कि ओमन पूरा मात नइं जावंय।
12 ओमन के जेवनारमन म बीना, सारंगी,
डफ, बांसुरी अऊ अंगूर के मंद होथे,
पर ओमन यहोवा के काम कोति धियान नइं देवंय,
अऊ न ही ओकर हांथ के काम बर ओमन के मन म कोनो आदर होथे।
13 एकरसेति समझ के कमी के कारन
मोर मनखेमन बंधुवई म चल दीहीं;
ऊंच पदवाले मनखेमन भूख म मर जाहीं
अऊ सधारन मनखेमन पीयास म बियाकुल होहीं।
14 एकरसेति मिरतू ह अपन जबड़ा ला
फारके अपन मुहूं ला खोलथे;
ओमन के परभावसाली मनखे अऊ मनखेमन के भीड़ ह
ओमन के जम्मो झगरा करइया अऊ आनंद मनइयामन के संग ओ मुहूं म चल दीहीं।
15 सधारन मनखेमन दबाय जाहीं
अऊ हर एक जन नम्र करे जाही,
घमंडीमन के आंखी ला झुकाय जाही।
16 पर सर्वसक्तिमान यहोवा ह अपन नियाय के दुवारा ऊपर उठही,
अऊ पबितर परमेसर ह अपन धरमी काममन के दुवारा पबितर ठहिरही।
17 तब भेड़मन अपन चरागन म चरहीं;

---

* **5:10** लगभग 22 लीटर † **5:10** लगभग 160 किलोग्राम ‡ **5:10** लगभग 16 किलोग्राम

मेढ़ा-पीलामन§ ला धनवानमन के उजरे जगह म खाय बर मिलही।

18 ओमन ऊपर हाय, जेमन पाप ला धोखा के डोरी,
अऊ दुस्टता ला गाड़ी के रस्सी ले खींचथें,
19 जेमन कहिथें, "परमेसर ह जल्दी करय;
ओह अपन काम ला जल्दी करय
ताकि हमन ओला देखन।
इसरायल के पबितर परमेसर के योजना—
येह आवय, येह नजर म आवय,
ताकि हमन ओला जानन।"

20 ओमन ऊपर हाय, जेमन बुरा ला भला
अऊ भला ला बुरा कहिथें,
जेमन अंधियार ला अंजोर
अऊ अंजोर ला अंधियार कहिथें,
जेमन करू ला मीठ
अऊ मीठ ला करू कर देथें।

21 ओमन ऊपर हाय, जेमन अपन खुद के आंखी म बुद्धिमान
अऊ अपन खुद के नजर म होसियार अंय।

22 ओमन ऊपर हाय, जेमन अंगूर के मंद पीये म बीर
अऊ मंद ला कड़ा बनाय म माहिर अंय,
23 जऊन मन घूस लेके दोसी मनखे ला छोंड़ देथें,
अऊ निरदोस मनखे ला दोसी ठहिराथें।
24 एकरसेति, जइसने आगी के जुवाला ले पैंरा ह भसम हो जाथे
अऊ सूखा घांस ह जलके राख हो जाथे,
वइसने ही ओमन के जरी ह सर जाही
अऊ ओमन के फूलमन धुर्रा सहीं उड़िया जाहीं;
काबरकि ओमन सर्वसक्तिमान यहोवा के कानून ला स्वीकार नइं करिन
अऊ इसरायल के पबितर जन के बचन ला तुछ समझिन।
25 एकरसेति यहोवा के रिस ह अपन मनखेमन ऊपर भड़कथे;
ओह अपन हांथ ले ओमन ला मारथे।
पहाड़मन कांपथें,
अऊ मनखेमन के लास ह गलीमन म कचरा सहीं परे हवंय।

एकर बाद घलो ओकर रिस नइं थमिस,
ओकर हांथ ह अभी घलो उठे हवय।

26 ओह दूरिहा-दूरिहा के जाति के मनखेमन बर एक झंडा ठाढ़ करथे,
ओह धरती के छोर के मनखेमन ला सीटी बजाके बलाथे।
ओमन आथें,
ओमन तेजी से अऊ दऊड़त आथें!
27 ओमा के कोनो घलो न तो थकंय अऊ न ही कोनो हपटंय,
न कोनो ओंघावंय अऊ न ही सुतंय;
न तो काकरो कमरपट्टा ह ढीला होथे,

§ **5:17** इबरानी म [illegible]

अऊ न ही काकरो पनही के बंधना ह टूटथे।
28 ओमन के तीरमन चोख होथें,
अऊ ओमन के जम्मो धनुसमन तनाय रहिथें;
ओमन के घोड़ामन के खुरमन पथरा कस,
अऊ ओमन के रथमन के चक्कामन बवंडर सहीं लगथें।
29 ओमन के गरजन ह सिंह के गरजन सहीं होथे,
ओमन जवान सिंह के सही गरजथें;
ओमन गुर्राके अपन सिकार ऊपर झपटथें
अऊ ओला उठाके ले जाथें, जेला कोनो छोंड़ाय नइं सकंय।
30 ओ दिन ओमन येकर ऊपर
समुंदर के गरजन सहीं गरजहीं।
अऊ यदि कोनो ओ देस कोति देखही,
त ओला सिरिप अंधियार अऊ संकट ही दिखाई दीही;
अऊ त अऊ सूरज घलो बादरमन म लुकाके अंधियार हो जाही।

6

[illegible]

1 जऊन बछर उजियाह राजा ह मरिस, मेंह परभू ला ऊंचहा अऊ महिमा के संग एक सिंघासन म बिराजमान देखेंव; अऊ ओकर ओनहा के घेरा ले मंदिर ढंपा गे रिहिस।
2 ओकर ऊपर म सारापमन* रहंय, अऊ हर एक के छै-छै ठन डेना रहंय: दू ठन डेना ले ओमन अपन मुहूं ला अऊ दू ठन डेना ले अपन गोड़मन ला ढांपे रहंय, अऊ दू ठन डेना ले ओमन उड़त रहंय।
3 अऊ ओमन एक-दूसर ला नरिया-नरियाके कहत रिहिन:
"सर्वसक्तिमान यहोवा ह पबितर, पबितर, पबितर ए;
पूरा धरती ह ओकर महिमा ले भरे हवय।"
4 ओमन के अवाज ले दुवार अऊ चौखटमन डोल गीन, अऊ मंदिर ह धुआं ले भर गीस।
5 तब मेंह चिचियाके कहेंव, "मोर ऊपर हाय! मेंह नास हो गेंव! काबरकि मेंह असुध ओंठवाला मनखे अंव, अऊ मेंह असुध ओंठवाले मनखेमन के बीच म रहिथंव, अऊ मोर आंखीमन राजा, सर्वसक्तिमान यहोवा ला देखे हवंय।"
6 तब एक ठन साराप ह हांथ म एक ठन बरत अंगरा ला धरके मोर करा उड़ियाके आईस; ओह ओ अंगरा ला बेदी म ले चिमटा ले उठाय रिहिस।
7 ओह ओ अंगरा ले मोर मुहूं ला छूके कहिस, "देख, येह तोर ओंठ ला छुये हवय; तोर अपराध ह दूर हो गे हवय अऊ तोर पाप ला छेमा कर दिये गे हवय।"
8 तब मेंह परभू के अवाज ला ये कहत सुनेंव, "मेंह कोन ला पठोवंव? अऊ कोन ह हमर बर जाही?"
त मेंह कहेंव, "मेंह इहां हंव। मोला पठो।"
9 ओह कहिस, "जा, अऊ ये मनखेमन ला कह:
" 'सुनत ही रहव, पर कभू झन समझव;
देखत ही रहव, पर कभू झन बुझव।'
10 ये मनखेमन के मन ला कठोर,
ओमन के कान ला भारी
अऊ ओमन के आंखीमन ला बंद कर दे।
अइसन झन होवय कि ओमन अपन आंखी ले देखंय,
अपन कान ले सुनंय,
अपन मन म समझंय
अऊ मन फिराके चंगा हो जावंय।"
11 तब मेंह पुछेंव, "हे परभू, कब तक?"

* **6:2** या [illegible]

ओह जबाब दीस:
“जब तक नगरमन उजड़ नइं जावंय
अऊ उहां कोनो झन बचंय,
जब तक घरमन ला खाली नइं छोंड़ दिये जावय
अऊ खेतमन बरबाद होके नास नइं हो जावंय,
12 जब तक यहोवा ह हर एक जन ला उहां ले दूरिहा नइं कर देवय
अऊ देस ला पूरा तियाग नइं दिये जावय।
13 अऊ हालाकि मनखेमन के दसवां हिस्सा उहां रही जाथे,
तभो ले येला फेर नास करे जाही।
पर जइसे छोटे अऊ बड़े बलूत रूख ला काटे के बाद घलो
ओकर ठूंठ ह बांच जाथे,
वइसे ही पबितर बीजा ह ओ देस के ठूंठ होही।”

7

[illegible]

1 यहूदा के राजा आहाज, जऊन ह योताम के बेटा अऊ उजियाह के पोता रिहिस, ओकर समय म अराम के राजा रसीन अऊ इसरायल के राजा रमलियाह के बेटा पेकह ह यरूसलेम ले लड़े बर हमला करिन, पर ओमन ओला हरा नइं सकिन।
2 जब दाऊद के घराना ला ये बताय गीस कि अराम ह एपरैम के संग संधि* करे हवय, त आहाज अऊ ओकर मनखेमन डर के मारे अइसन कांपे लगिन, जइसन जंगल के रूखमन हवा चले ले कांपथें।
3 तब यहोवा ह यसायाह ला कहिस, “तें अऊ तोर बेटा सार-यासूब† ऊपरवाला कुंड के नहर के आखिरी छोर करा जावव, जऊन ह धोबीमन के खेत कोति जवइया सड़क म हवय अऊ उहां जाके आहाज ले भेंट करव।
4 अऊ ओला कहव, ‘सचेत अऊ सांत रह अऊ झन डर। ये दू ठन धुआं निकलत बारे के लकड़ी के ठूंठमन के कारन याने कि अराम के राजा रसीन अऊ रमलियाह के बेटा के भड़के कोप ले तोर मन ह बियाकुल झन होवय।
5 अराम, एपरैम अऊ रमलियाह के बेटा ये कहिके तोर बिरूध युक्ति करे हवंय,
6 “आवव, हमन यहूदा ऊपर हमला करन; आवव, हमन ओला चीरके कुटा-कुटा कर देवन अऊ अपन बीच म बांट लेवन, अऊ ताबेल के बेटा ला ओकर ऊपर राजा बना देवन।”
7 पर परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
“ ‘ये चाल न तो सफल होही,
अऊ न ही ओमन के बात पूरा होही,
8 काबरकि अराम के मुड़ दमिस्क,
अऊ दमिस्क के मुड़ सिरिप रसीन ए।
पैंसठ बछर के भीतर एपरैम ह अइसे टूट जाही
कि ओह एक जाति के रूप म नइं रहय।
9 एपरैम के मुड़ सामरिया,
अऊ सामरिया के मुड़ सिरिप रमलियाह के बेटा अय।
यदि तुमन अपन बिसवास म बने नइं रहव,
त तुमन बिलकुल ही स्थिर नइं रह सकव।’ ”
10 यहोवा ह आहाज ला फेर कहिस,
11 “तेंह यहोवा अपन परमेसर ले कोनो चिनहां मांग, चाहे ओ गहिरा जगह के हो या ऊपर अकास के।”
12 पर आहाज ह कहिस, “मेंह नइं मांगंव, न ही मेंह यहोवा ला परखंव।”
13 तब यसायाह ह कहिस, “हे दाऊद के घराना के मन, सुनव! मनखेमन के धीरज के परखई ह काफी नो हय कि तुमन मोर परमेसर के धीरज ला घलो परखहू?

---

* **7:2** या [illegible] † **7:3** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible]

14 येकर कारन, परभू ह खुद तुमन ला एक चिनहां दीही: सुनव, एक कुंवारी ह गरभवती होही अऊ एक बेटा
जनमही, अऊ‡ ओकर नांव इमानुएल§ रखही।
15 अऊ जब तक ओह बुरा ला छोंड़े अऊ भला ला गरहन करे बर नइं जानही, तब तक ओह दही अऊ मंधरस
खाही,
16 काबरकि एकर पहिली कि ओ लड़का ह बुरई ला छोंड़े अऊ भलई ला धरे बर जानय, ओ देस, जेकर दूनों
राजा ले तेंह घबराथस, निरजन हो जाही।
17 यहोवा ह तोर ऊपर, तोर मनखेमन ऊपर अऊ तोर ददा के घराना ऊपर अइसे समय ला लानही कि जब ले
एपरैम ह यहूदा ले अलग होय हवय, तब ले वइसे दिन कभू नइं आय हवय—याने कि ओह अस्सूर के राजा ला ले
आही।"

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

18 ओ दिन यहोवा ह मिसर म नील के मुहाना ले माछीमन ला अऊ अस्सूर देस ले मधुमक्खीमन ला सीटी
बजाके बलाही।
19 ओमन सब के सब आहीं अऊ ये देस के पहाड़ी नरवामन म अऊ चट्टानमन के दरारमन म, जम्मो कंटिली
झाड़ी म अऊ जम्मो पानी के सोत के लकठा म बईठ जाहीं।
20 ओ दिन परभू ह फरात नदी के ओ पार अस्सूर के राजा ले भाड़ा म उस्तरा लीही अऊ तुम्हर मुड़ अऊ गुपत
भाग के रूआंमन ला मुड़ही, अऊ तुम्हर दाढ़ी ला घलो काटही।
21 ओ दिन एक मनखे ह सिरिप एक ठन बछिया अऊ दू ठन बकरी पोसही।
22 ओमन अतेक दूध दीहीं कि खाय बर दही मिलही। ओ जम्मो, जेमन देस म बांचे होहीं, ओमन दही अऊ
मंधरस खाहीं।
23 ओ दिन, हर ओ जगह, जिहां एक हजार चांदी के सेकेल* म एक हजार अंगूर के नारमन मिलत रिहिन, उहां
सिरिप कंटिली झाड़ी अऊ कांटामन होहीं।
24 सिकारीमन उहां तीर-धनुस लेके जाहीं, काबरकि ओ देस ह कंटिली झाड़ी अऊ कांटामन ले भरे होही।
25 जहां तक जम्मो पहाड़ीमन के बात ए, एक बार जब उहां कुदारी ले खेती हो जाही, त तुमन ला उहां जाय म
कंटिली झाड़ी अऊ कांटामन के भय नइं होही; ओमन अइसन जगह हो जाहीं, जिहां पसुमन ला चरे बर खुला
छोंड़ दिये जाही अऊ भेड़-बकरीमन एती-ओती कूदहीं-फांदहीं।

8

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 यहोवा ह मोला कहिस, "एक ठन बड़खा चामपट्टी ले अऊ ओमा एक सधारन कलम ले ये लिख:
महेर-सालाल-हास-बज।"*
2 मेंह उरियाह पुरोहित अऊ जेबेरेकियाह के बेटा जकरयाह ला मोर भरोसा के लईक गवाह के रूप म
बलाएंव।
3 तब मेंह अपन घरवाली† करा गेंव, अऊ ओह गरभ म होईस अऊ एक बेटा ला जनम दीस। अऊ यहोवा ह
मोला कहिस, "ओकर नांव महेर-सालाल-हास-बज रख।
4 काबरकि एकर पहिली कि ओ लड़का ह दाई अऊ ददा कहे बर सीखय, दमिस्क अऊ सामरिया दूनों के
धन-दौलत ला अस्सूर के राजा ह लूटके ले जाही।"
5 यहोवा ह फेर मोला कहिस:
6 "काबरकि मनखेमन सीलोह के
धीरे-धीरे बोहावत पानी ला अस्वीकार करे हवंय
अऊ रसीन अऊ रमलियाह के बेटा के संग
एका करके आनंद मनावत हें,
7 एकरसेति परभू ओमन ऊपर

‡ **7:14** या [illegible] § **7:14** [illegible] के मतलब होथे [illegible] * **7:23** लगभग 12 किलो * **8:1** [illegible]-[illegible]-[illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible]; पद 3 म घलो † **8:3** या [illegible]

फरात नदी के भयंकर बाढ़ के पानी लानेचवाला हे—
याने कि अस्सूर के राजा ला ओकर पूरा परताप के संग ले आही।
येकर जम्मो नहर म पूरा आ जाही,
अऊ ओमन के किनारा म पानी चढ़ जाही
8 अऊ यहूदा ऊपर पानी चढ़ जाही, ओकर ऊपर बढ़त जाही,
येकर ऊपर ले जावत घेंच तक आ जाही।
येकर बाहिर फईले डेनामन तुम्हर देस के चौड़ई ला ढांप दीहीं,
इमानुएल‡!"

9 हे जाति-जाति के मनखेमन, लड़ई बर चिचियावव,§ अऊ कुटा-कुटा हो जावव!
हे दूरिहा-दूरिहा के जम्मो देसमन, सुनव।
लड़ई बर तियारी करव, अऊ कुटा-कुटा हो जावव!
लड़ई बर तियारी करव, अऊ कुटा-कुटा हो जावव!
10 तुमन लड़ई के योजना बनावव, पर ओह बेकार हो जाही;
तुमन कुछू घलो कहव, पर तुम्हर कहे ह नइं ठहिरय,
काबरकि परमेसर ह हमर संग हवय।*
11 अपन मजबूत हांथ मोर ऊपर रखके यहोवा ह मोला ये मनखेमन के रसता म नइं चले के चेतउनी देवत कहत हे:
12 "हर ओ चीज ला सडयंत्र झन कहव
जेला ये मनखेमन एक सडयंत्र कहिथें;
ओ चीज ले झन डरव, जऊन चीज ले ओमन डराथें,
अऊ ओकर ले भयभीत झन होवव।
13 सर्वसक्तिमान यहोवा ही ओ अय, जेकर एक पबितर परमेसर के रूप म तें आदर कर।
ओकरेच ले ही तेंह डर,
अऊ ओकरेच भय मान।
14 ओह एक पबितर जगह होही;
इसरायल अऊ यहूदा दूनों घराना बर ओह एक ठन पथरा होही,
जऊन ह मनखेमन के लड़खड़ाय के
अऊ एक चट्टान, जऊन ह ओमन के गिरे के कारन बनही।
अऊ यरूसलेम के मनखेमन बर
ओह एक फंदा अऊ एक जाल होही।
15 ओमा के कतको झन ठोकर खाहीं;
ओमन गिरहीं अऊ चकनाचूर हो जाहीं,
ओमन फंदा म फंसहीं अऊ धरे जाहीं।"

16 चेतउनी के ये गवाही ला बंद कर देवव
अऊ मोर चेलामन के बीच परमेसर के सिकछा म मुहर लगा देवव।
17 मेंह ओ यहोवा के रसता देखहूं,
जऊन ह याकूब के संतानमन ले अपन मुहूं ला लुकाय हवय।
मेंह ओकर ऊपर अपन भरोसा रखहूं।
18 देख, मेंह इहां हवंव अऊ जऊन लइकामन ला यहोवा ह मोला देय हवय, ओमन घलो हवंय।
सर्वसक्तिमान यहोवा, जऊन ह सियोन पहाड़ म निवास करथे, ओकर कोति ले हमन इसरायलीमन बर चिनहां अऊ प्रतीक अन।

‡ **8:8** [illegible] के मतलब होथे [illegible] § **8:9** या [illegible] * **8:10** इबरानी म [illegible]

[illegible]

19 जब कोनो मनखे तुमन ला ओ ओझा अऊ टोनहामन करा जाके पुछे बर कहय, जेमन फुसफुसाथें अऊ
बड़बड़ाथें, तब तुमन अइसन मनखे ले कहव, “का मनखेमन ला अपन परमेसर करा जाके नइं पुछना चाही?
जीयत मनखेमन बर मुरदामन ले काबर पुछन?”
20 परमेसर के सिकछा अऊ चेतउनी के गवाही ऊपर धियान देवव। यदि कोनो मनखे ये बचन के मुताबिक नइं
बोलय, त ओकर करा बिहान के अंजोर नइं ए।
21 दुख-तकलीफ अऊ भूख म, ओमन देस म एती-ओती फिरत रहिहीं; अऊ जब ओमन भूखन मरहीं, त ओमन
गुस्सा करहीं अऊ, ऊपर कोति देखके अपन राजा अऊ अपन परमेसर ला सराप दीहीं।
22 तब ओमन धरती कोति नजर करहीं अऊ ओमन ला सिरिप दुख अऊ अंधियार अऊ भयानक अंधियार
दिखाई दीही, अऊ ओमन ला घोर अंधियार म ढकेल दिये जाही।

9

* 1 तभो ले, ओमन बर संकट भरे अंधियार खतम हो जाही, जेमन दुख-तकलीफ म रिहिन। बीते समय म तो
ओह जबूलून के देस अऊ नपताली के देस के अपमान करिस, पर भविस्य म ओह समुंदर के तरफ जाय के रसता
के दुवारा, यरदन नदी के ओ पार, आनजातमन के गलील प्रदेस के आदर करही—
2 जऊन मनखेमन अंधियार म चलत रिहिन
ओमन एक बड़े अंजोर ला देखिन;
अऊ घोर अंधियार के देस म रहइया मनखेमन के ऊपर
एक अंजोर चमकिस।
3 तेंह जाति ला बढ़ाय हवस
अऊ ओमन ला बहुंत आनंदित करे हवस;
ओमन तोर आघू म वइसने आनंदित होथें,
जइसने मनखेमन कटनी के समय आनंदित होथें,
ओमन वइसने आनंदित होथें
जइसने योद्धामन लूट के सामान ला बांटे के बेरा आनंदित होथें।
4 काबरकि तेंह ओमन के घेंच के भारी जुड़ा
ओमन के खांध के बहिंगा,
अऊ ओमन ऊपर अंधेर करइयामन के लउठी,
ये सबो ला अइसन टोर दे हवस,
जइसन मिदयानीमन के हार के दिन करे रहय।
5 लड़ई म उपयोग होवइया हर एक सैनिक के पनही
अऊ लहू म लपटे हर एक ओनहा,
सब आगी के कौंरा हो जाहीं,
सब आगी म बारे के काम आहीं।
6 काबरकि हमर बर एक बालक ह जनमे हे,
हमन ला एक बेटा दिये गे हवय,
अऊ परभूता ओकर खांध ऊपर होही।
अऊ ओकर नांव
अद्भूत युक्ति करइया, पराकरमी परमेसर,
अनंतकाल के ददा, अऊ सांति के राजकुमार रखे जाही।
7 ओकर परभूता सदा बाढ़त जाही,
अऊ ओकर सांति के अन्त नइं होही।
ओह दाऊद के सिंघासन
अऊ ओकर राज ऊपर सासन करही,

* **9:** इबरानी म 9:1 ला 8:23 अऊ 9:2-21 ला 9:1-20 गने गे हवय

ओ समय ले लेके सदाकाल बर
नियाय अऊ धरमीपन के संग
ओकर राज ह स्थिर रहिही अऊ संभले रहिही।
सर्वसक्तिमान यहोवा के धुन ह
येला पूरा करही।

[illegible]

8 परभू ह याकूब के बिरूध एक संदेस पठोय हवय;
येह इसरायल ऊपर पूरा होही।
9 जम्मो मनखेमन येला जानहीं—
एपरैम अऊ सामरिया के रहइया मनखेमन—
जेमन घमंड अऊ मन के
कठोरता ले गोठियाथें,
10 "ईंटामन तो गिर गे हवंय,
पर हमन गढ़े गय पथरा ले फेर बनाबो;
डूमर† रूखमन ला काटके गिरा देय गे हवय,
पर ओमन के बदले हमन देवदार के रूख लगाबो।"
11 पर यहोवा ह रसीन के बईरीमन ला ओमन के बिरूध मजबूत करे हवय
अऊ ओमन के बईरीमन ला उकसाय हवय।
12 पूरब ले अरामीमन अऊ पछिम ले पलिस्तीमन
मुहूं खोलके इसरायल ला लील ले हवंय।

ये जम्मो होय के बाद घलो, ओकर रिस ह सांत नइं होईस,
अऊ ओकर हांथ अब तक उठे हवय।

13 तभो ले मनखेमन‡ ओकर मेर लहुंटके नइं गे हवंय, जऊन ह ओमन ला मारिस,
अऊ न ही ओमन सर्वसक्तिमान यहोवा के खोज करे हवंय।
14 एकरसेति यहोवा ह इसरायल म ले मुड़ अऊ पुंछी दूनों ला काट डारही,
खजूर के डंगाली अऊ सरकंडामन ला एके दिन म काट डारही;
15 अगुवा अऊ नामी मनखेमन तो मुड़ अंय,
अऊ लबारी बात सिखोइया अगमजानीमन पुंछी अंय।
16 जेमन ये मनखेमन के अगुवई करथें ओमन येमन ला भटका देथें,
अऊ जेमन के अगुवई होथे, ओमन भटक जाथें।
17 एकर कारन परभू ह जवानमन ले खुस नइं होही,
अऊ न ही अनाथ अऊ बिधवामन ऊपर दया करही,
काबरकि जम्मो झन भक्तिहीन अऊ कुकरमी अंय,
अऊ हर एक के मुहूं ले मुरूखता के बात निकलथे।

ये जम्मो होय के बाद घलो, ओकर रिस सांत नइं होईस,
अऊ ओकर हांथ ह अब तक उठे हवय।

18 खचित दुस्टता ह आगी के सहीं बरथे;
येह कंटिली झाड़ी अऊ कांटामन ला भसम कर देथे,
येह जंगल के झाड़ीमन म आगी लगा देथे,
अऊ येह धुआं के एक खंभा सहीं किंदर-किंदरके ऊपर उठथे।
19 सर्वसक्तिमान यहोवा के कोरोध ले

† **9:10** या [illegible] ‡ **9:13** या [illegible]

देस ह जलाय जाही
अऊ मनखेमन आगी बर लकरी के सहीं होहीं;
ओमन एक-दूसर ला नइं छोड़हीं।
20 जेवनी कोति ले ओमन छीन-झपटके खाहीं,
पर तभो ले ओमन भूखन रहिहीं;
डेरी कोति ले ओमन खाहीं,
पर ओमन के पेट नइं भरही।
हर एक जन अपन खुद के संतान§ के मांस ला खाही:
21 मनस्से ह एपरैम ला अऊ एपरैम ह मनस्से ला खाही;
एक संग ओमन यहूदा के बिरूध हो जाहीं।

ये जम्मो होय के बाद घलो, ओकर रिस ह सांत नइं होईस,
अऊ ओकर हांथ अब तक उठे हवय।

10

1 ओमन ऊपर हाय, जेमन अनियायी कानून बनाथें,
जेमन अतियाचारी फैसला सुनाथें,
2 जेकर ले गरीबमन के नियाय बिगड़थे
अऊ मोर मनखेमन ला अतियाचार ले नियाय नइं मिलय,
जेकर ले ओमन बिधवामन ला अपन सिकार बनाथें
अऊ अनाथमन ला लूटथें।
3 ओ दिन तुमन का करहू, जब हिसाब लिये जाही,
जब दूरिहा ले बिपत्ति आ जाही?
मदद मांगे बर तुमन काकर करा भागके जाहू?
तुमन अपन धन-दौलत ला कहां रखहू?
4 कैदीमन के बीच चापलूसी अऊ मुरदामन के बीच पड़े रहई
एकर अलावा अऊ कुछू नइं बचही।

ये जम्मो होय के बाद घलो, ओकर रिस ह सांत नइं होईस,
अऊ ओकर हांथ अब तक उठे हवय।

[illegible]

5 "अस्सूर ऊपर हाय, जऊन ह मोर रिस के लउठी,
अऊ मोर कोप के डंडा अय!
6 मेंह ओला एक भक्तिहीन जाति के बिरूध भेजत हंव,
मेंह ओला एक अइसन मनखेमन के बिरूध पठोवत हवंव, जेमन मोला रिस दिलाथें,
ताकि ओह ओमन के चीजमन ला लूटय अऊ छीनय,
अऊ ओमन ला गलीमन के चीखला सहीं खुंदय।
7 पर येह ओकर इरादा नो हय,
अऊ न ही ओकर मन म अइसन बिचार हवय;
ओकर उदेस्य ये अय कि बहुंते जातिमन ला
नास कर देवय अऊ ओमन ला खतम कर देवय।
8 काबरकि ओह कहिथे, 'का मोर जम्मो सेनापतिमन राजा सहीं नो हंय?
9 का कलनो ह कर्कमीस सहीं नो हय?

§ **9:20** या [illegible]

का हमात ह अरपाद के सहीं,
सामरिया ह दमिस्क के सहीं नो हय?
10 जइसन मोर हांथ मूरतीमन ले भरे ओ राजमन ऊपर पहुंचिस,
जेकर मूरतीमन यरूसलेम अऊ सामरिया के मूरतीमन ले बढ़के रिहिन—
11 का मेंह यरूसलेम अऊ ओकर मूरतीमन ले वइसे नइं करंव
जइसे मेंह सामरिया अऊ ओकर मूरतीमन ले करेंव?' "
12 जब परभू ह सियोन पहाड़ अऊ यरूसलेम के बिरूध अपन सब काम ला कर डारही, तब ओह कहिही, "मेंह
अस्सूर के राजा ला ओकर घमंड ले भरे बात अऊ घमंड ले चढ़े ओकर आंखी के दंड दूहूं।
13 काबरकि अस्सूर के राजा ह कहिथे:
" 'अपन ही बाहुबल ले मेंह येला करे हंव,
अऊ अपन बुद्धि ले घलो करे हंव, काबरकि मोर करा समझ हवय।
मेंह देस-देस के सीमना ला हटा देंव,
अऊ ओमन के रखे गय धन ला लूट लेंव;
एक बलसाली जन के सहीं मेंह ओमन के राजामन ला अपन अधीन कर लेंव।
14 जइसे कोनो मनखे चिरई के खोंधरा करा हबरथे,
वइसे देस-देस के मनखेमन के धन-संपत्ति करा मोर हांथ ह पहुंचे हवय;
जइसन छोंड़ दिये गय अंडामन ला मनखेमन बटोरथें,
वइसन ही मेंह जम्मो देसमन ला बटोर ले हंव;
कोनो घलो अपन डेना नइं फड़फड़ाईन,
अऊ न ही कोनो अपन मुहूं खोलके चीं-चीं करिन।' "

15 का टंगिया ह अपनआप ला ओकर ले जादा ऊपर करथे, जऊन ह येला चलाथे,
या आरी ह ओकर बिरूध बड़ई करथे, जऊन ह येकर उपयोग करथे?
येह तो वइसने अय, जइसने सोंटा ह ओ मनखे ला चलाय, जऊन ह येला उठाथे,
या छड़ी ह ओला उठाय, जऊन ह लकरी नो हय!
16 एकर कारन परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह
ओकर हट्टा-कट्टा योद्धामन ऊपर एक दुरबल करइया बेमारी पठोही;
अऊ ओकर ठाट-बाट के खाल्हे
धधकत जुवाला के सहीं आगी जलाय जाही।
17 इसरायल के अंजोर ह एक आगी,
अऊ ओमन के पबितर जन ह एक जुवाला हो जाही;
एकेच दिन म ओकर कांटा अऊ कंटिली झाड़ीमन
जलके भसम हो जाहीं।
18 जइसन कोनो बेमार मनखे ह दुरबल होके बेकार हो जाथे,
वइसन ही ओकर जंगल अऊ उपजाऊ खेतमन के सोभा ला
पूरा नास कर दिये जाही।
19 अऊ ओकर जंगल के बांचे रूखमन अतेक कम हो जाहीं
कि कोनो लइका घलो ओमन ला गनके लिख लीही।

[illegible]
20 ओ दिन इसरायल के बांचे मनखेमन,
याकूब के बांचे मनखेमन
ओकर ऊपर फेर कभू भरोसा नइं करहीं
जऊन ह ओमन ला मारिस
पर सही म ओमन यहोवा,

इसरायल के पबितर परमेसर ऊपर भरोसा करहीं।
21 एक बांचे भाग ह लहुंट आही,*
याकूब के एक बांचे भाग ह सक्तिसाली परमेसर करा लहुंट आही।
22 हे इसरायल, चाहे तोर मनखेमन समुंदर के बालू सहीं होहीं,
पर सिरिप एक बांचे भाग ही लहुंटही।
बिनास के फैसला करे जा चुके हवय
ये अभिभूत करइया फैसला नियाय के संग करे गे हवय।
23 परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह पूरा देस म
बिनास के फैसला ला पूरा करही।
24 एकरसेति परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
"हे सियोन म रहइया मोर मनखेमन,
अस्सूरीमन ले झन डरव,
जेमन तुमन ला सोंटा ले मारथें
अऊ मिसर के मनखेमन सहीं तुम्हर ऊपर छड़ी उठाथें।
25 बहुंत जल्दी तुम्हर ऊपर मोर रिस ह सांत हो जाही
अऊ मोर कोप ह ओमन के बिनास बर भड़कही।"

26 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ओमन ला कोर्रा म अइसन मारही,
जइसन ओह ओरेब नांव के चट्टान करा मिदयानीमन ला मारे रिहिस;
अऊ ओह समुंदर ऊपर अपन लउठी ला उठाही,
जइसे कि ओह मिसर देस म करे रिहिस।
27 ओ दिन ओमन के बोझा तुम्हर खांध ले
अऊ ओमन के जुड़ा तुम्हर घेंच ले उतार दिये जाही;
ये जुड़ा ला टोर दिये जाही
काबरकि तुमन बहुंत मोटा हो गे हव।

28 ओमन अय्यात सहर के भीतर आथें;
अऊ मिगरोन नगर म ले होके जाथें;
मिकमास नगर म ओमन अपन सामान रखथें।
29 ओमन घाटी ला नाहकके कहिथें,
"हमन गेबा नगर म रथिया डेरा डालबो।"
रामा नगर ह कांपथे;
साऊल के गिबा नगर ह भाग जाथे।
30 हे बेटी गल्लीम, चिचिया!
हे लैसा, सुन!
बिचारा अनातोत!
31 मदमेना नगर ह भागत हवय;
गेबीम नगर के मनखेमन भागे बर अपन सामान ला इकट्ठा करत हवंय।
32 आज ओमन नोब नगर म रूकहीं;
बेटी सियोन के पहाड़ ऊपर,
यरूसलेम के पहाड़ी ऊपर,
ओमन हांथ उठाके धमकाहीं।

33 देखव, परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह

* **10:21** सार-यासूब (देखव 7:3 ला); पद 22 म घलो

बड़े सक्ति ले डारामन ला काट डारही।
बड़े-बड़े रूखमन ला काटके गिराय जाही,
अऊ ऊंच-ऊंच रूखमन ला खाल्हे करे जाही।
34 ओह घना जंगल ला टंगिया ले काट डारही;
अऊ लबानोन ह परतापी परमेसर के आघू म गिरही।

11

[illegible]

1 यिसै के ठूंठ म ले एक डंगाल फूट निकलही;
ओकर जरी म ले एक ठन डंगाल ह फरही।
2 यहोवा के आतमा ओकर ऊपर ठहिरही—
येह बुद्धि अऊ समझ के आतमा,
युक्ति अऊ पराकरम के आतमा,
गियान के आतमा अऊ यहोवा के डर होही—
3 अऊ ओह यहोवा के डर म खुस होही।

ओह मुहूं देखके नियाय नइं करही,
या अपन कान ले सुनके निरनय नइं करही;
4 पर धरमीपन ले ओह जरूरतमंद के नियाय करही,
अऊ धरती के गरीबमन के निरनय सच्चई से करही।
ओह धरती ला अपन बचन के छड़ी ले मारही;
अऊ अपन फूंक के झोंका ले ओह दुस्टमन ला मिटा दीही।
5 धरमीपन ह ओकर पट्टा
अऊ बिसवासयोग्यता ह ओकर कनिहां के पट्टी होही।

6 भेड़िया ह मेढ़ा-पीला के संग रहिही,
अऊ चीतवा ह छेरी संग बईठही,
बछवा अऊ सेर अऊ पसु के पीला एक संग रहिहीं;
अऊ एक छोटे लड़का ह ओमन के अगुवई करही।
7 गाय अऊ भालू एके संग चरहीं,
ओमन के पीलामन एक संग बईठहीं,
अऊ सिंह ह बईला सहीं भूंसा खाही।
8 दूध पीयत लइका ह नाग सांप के बिल मेर खेलही,
अऊ छोटे लइका ह करैत के बिल म हांथ डालही।
9 मोर जम्मो पबितर पहाड़ ऊपर
न तो ओमन चोट पहुंचाहीं अऊ न ही नास करहीं,
काबरकि धरती ह यहोवा के गियान ले अइसन भर जाही
जइसन पानी समुंदर म भरे रहिथे।
10 ओ दिन यिसै के जरी ह मनखेमन बर एक झंडा होही; जाति-जाति के मनखेमन ओकर करा जूरहीं, अऊ ओकर अराम करे के जगह ह महिमामय होही।
11 ओ दिन परभू ह दूसर बेर अपन बांचे मनखेमन ला सुधारे बर अस्सूर ले, मिसर के खाल्हे भाग ले, ऊपरी मिसर ले, कूस ले, एलाम ले, बेबिलोनिया* ले, हमात ले, अऊ भूमध्य सागर के द्वीपमन ले हांथ बढ़ाके लानही।
12 ओह जाति-जाति के मनखे बर एक ठन झंडा ठाढ़ करही
अऊ इसरायल के बंधुवामन ला इकट्ठा करही;

* **11:11** इबरानी म [illegible]

ओह यहूदा के सब बगर गय मनखेमन ला
धरती के चारों कोना ले इकट्ठा करही।
13 फेर एपरैम के डाह करई ह खतम हो जाही,
अऊ यहूदा के बईरीमन ला नास करे जाही;
एपरैम ह यहूदा ले डाह नइं करही,
अऊ न ही यहूदा ह एपरैम ला तंग करही।
14 ओमन पछिम कोति ढाल म पलिस्तीमन ऊपर टूट पड़हीं;
एक संग मिलके ओमन पूरब कोति के मनखेमन ला लूटहीं।
ओमन एदोम अऊ मोआब ला जीत लीहीं,
अऊ अमोनीमन ओमन के अधीन हो जाहीं।
15 यहोवा ह मिसर के
समुंदर के खाड़ी ला सूखा दीही;
झुलसा देवइया हवा के संग ओह
फरात नदी ऊपर अपन हांथ बढ़ाही।
ओह येला सात ठन धारा म बांट दीही
ताकि मनखेमन रेंगत ओ पार हो जावंय।
16 ओकर बांचे मनखेमन बर अस्सूर ले
एक अइसन राजमार्ग होही,
जइसन इसरायलीमन बर रिहिस,
जब ओमन मिसर देस ले निकलके आईन।

12

[illegible]
1 ओ दिन तें कहिबे:
"हे यहोवा, मेंह तोर परसंसा करहूं।
हालाकि तें मोर ऊपर रिस करत रहे,
पर तोर रिस ह सांत हो गीस
अऊ तेंह मोला सांति देय हवस।
2 खचित परमेसर ह मोर उद्धार अय;
मेंह भरोसा रखहूं अऊ नइं डरहूं।
काबरकि यहोवा, यहोवा खुद मोर बल अऊ मोर सुरकछा* अय;
ओह मोर उद्धारकर्ता हो गे हवय।"
3 आनंद समेत तुमन उद्धार के
कुआंमन ले पानी भरहू।
4 ओ दिन तुमन कहिहू:
"यहोवा के परसंसा करव, ओकर नांव के घोसना करव;
जाति-जाति के मनखेमन के बीच ओकर काममन के परचार करव,
अऊ घोसना करव कि ओकर नांव महान अय।
5 यहोवा के भजन गावव, काबरकि ओह परतापी काम करे हवय;
ये बात जम्मो संसार म बतावव।
6 हे सियोन के मनखेमन, जोर से चिचियावव अऊ आनंद के मारे गावव,
काबरकि इसरायल के पबितर परमेसर ह तुम्हर बीच महान अय।"

* **12:2** या *[illegible]*

13

[illegible]

1 बेबिलोन के बिरूध अगमबानी, जऊन ला आमोस के बेटा यसायाह ह दरसन म पाईस:
2 खाली पहाड़ी के टीप म एक ठन झंडा ठाढ़ करव,
ओमन ला पुकारव;
ओमन ला हांथ ले इसारा करव
कि ओमन परभावसाली मनखेमन के दुवारमन म प्रवेस करंय।
3 मेंह ओमन ला हुकूम दे हंव, जेमन ला मेंह लड़ई बर तियार करे हंव;
मेंह अपन कोप ला पूरा करे बर अपन ओ योद्धामन ला बलाय हंव—
जेमन मोर जीत म आनंद मनाथें।

4 सुनव, पहाड़मन के ऊपर ले
एक बड़े भीड़ सहीं हल्ला-गुल्ला सुनई देवत हवय!
सुनव, राज-राजमन के बीच एक कोलाहल होवत हवय,
मानो जाति-जाति के मनखेमन इकट्ठा होवत हवंय!
सर्वसक्तिमान यहोवा ह युद्ध बर
अपन सेना ला इकट्ठा करत हे।
5 ओमन दूर देस म ले,
अकास के छोर म ले आथें—
हव, यहोवा ह अपन कोप के हथियार के संग
पूरा देस ला नास करे बर आवत हवय।

6 बिलाप करव, काबरकि यहोवा के दिन ह लकठा म हवय;
येह सर्वसक्तिमान परमेसर करा ले सतियानास करे बर आही।
7 एकर कारन सब के हांथमन कमजोर हो जाहीं,
हर मनखे के मन म डर हमा जाही।
8 आतंक ह ओमन ला जकड़ लीही,
ओमन के पीरा अऊ सोक ह बढ़ जाही;
ओमन छेवारी होवत माईलोगन सहीं छटपटाहीं।
ओमन चकित होके एक-दूसर ला ताकहीं, अऊ ओमन के मुहूंमन जल जाहीं।

9 देखव, यहोवा के दिन ह आवत हवय
—देस ला उजारे
अऊ पापीमन ला ओमा नास करे बर कोप
अऊ भयंकर कोरोध के संग एक निरदयता के दिन आवत हवय।
10 अकास के तारामन अऊ ओमन के तारा मंडल
अपन अंजोर नइं दीहीं।
सूरज ह निकलत-निकलत अंधियार हो जाही
अऊ चंदा अपन अंजोर नइं दीही।
11 मेंह संसार ला ओकर दुस्टता बर
दुस्ट मनखे ला ओकर पाप बर दंड दूहूं।
मेंह घमंडी के घमंड ला खतम कर दूहूं
अऊ निरदयी मनखे के घमंड ला टोर दूहूं।
12 मेंह मनखेमन के गनती ला सुध सोन ले घलो कम,
ओपीर के सोन ले घलो जादा दुरलभ कर दूहूं।

13 एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा के कोप म,
ओकर भड़के भयंकर कोरोध के दिन
मेंह अकास ला कंपवाहूं;
अऊ धरती ह अपन जगह ले डोलही।

14 सिकार करे गय हिरन के सहीं,
बिन चरवाहा के भेड़मन के सहीं,
ओमन अपन खुद के मनखेमन करा लहुंटहीं,
ओमन भागके अपन-अपन देस चल दीहीं।
15 जऊन ह बंदी बनाय जाही, ओला छुरा भोंग दिये जाही;
जऊन मन पकड़े जाहीं, ओ जम्मो के जम्मो तलवार ले मारे जाहीं।
16 ओमन के छोटे लइकामन ला ओमन के आघू म पटकके कुटा-कुटा कर दिये जाही;
ओमन के घरमन लूट लिये जाहीं अऊ ओमन के घरवालीमन के संग कुकरम करे जाही।

17 देखव, मेंह ओमन के बिरूध मादीमन ला भड़काहूं,
जेमन के मन म चांदी बर न तो कुछू मोह रहय
अऊ न ही सोन के कोनो लालच।
18 ओमन के तीरमन जवानमन ला मार गिराहीं;
ओमन छोटे लइकामन ऊपर कुछू दया नइं करहीं,
अऊ न ही लइकामन ऊपर कुछू तरस खाहीं।
19 बेबिलोन, जऊन ह् सब राजमन के मनि,
बेबिलोनीमन* के सोभा अऊ घमंड अय,
ओला परमेसर ह सदोम
अऊ अमोरा सहर के सहीं उखानके फेंक दीही।
20 पीढ़ी-पीढ़ी तक उहां न तो कोनो निवास करहीं
अऊ न ही उहां कोनो रहिहीं;
घुमंतू जाति के मनखेमन न तो उहां डेरा डालहीं,
अऊ न ही चरवाहामन अपन पसुमन ला उहां बईठाहीं।
21 पर मरू-भुइयां के पसुमन उहां रहिहीं,
सियारमन ओकर घरमन म भर जाहीं;
उहां उल्लूमन के बसेरा होही,
अऊ उहां जंगली बोकरामन एती-ओती कूदहीं।
22 उहां के गढ़मन म हुंर्रामन के
अऊ सुख-बिलास के महलमन म सियारमन के बसेरा होही।
ओकर समय ह लकठा म हवय,
अऊ ओकर दिनमन ला अऊ बढ़ाय नइं जावय।

14

1 यहोवा ह याकूब* ऊपर दया करही;
एक बार फेर ओह इसरायल ला अपनाही
अऊ ओमन ला ओमन के खुद के देस म बसाही।
परदेसीमन ओमन के संग जुड़ जाहीं
अऊ याकूब के संतानमन के संग मिल जाहीं।

* **13:19** या ?????? * **14:1** या ??? ???? ??????

2 जाति-जाति के मनखेमन ओमन ला
ओमन के खुद के जगह म पहुंचाहीं।
अऊ इसरायल ह जाति-जाति के मनखेमन ऊपर अधिकार कर लीही
अऊ ओमन ला यहोवा के देस म दास अऊ दासी बना लीही।
इसरायलीमन ओमन ला बंदी बना लीहीं, जेमन इसरायलीमन ला बंदी बनाय रिहिन
अऊ इसरायलीमन अपन ऊपर अतियाचार करइयामन ऊपर सासन करहीं।
3 ओ दिन यहोवा ह तुमन ला तुम्हर दुख अऊ घबराहट अऊ ओ कठोर मेहनत ले अराम दीही, जेला तुम्हर ले जबरदस्ती करवाय जावत रिहिस,
4 तुमन बेबिलोन के राजा ऊपर ये ताना मारहू:
सतइयामन कइसन नास हो गे हवंय!
ओकर कोरोध ह कइसन खतम हो गीस!
5 यहोवा ह दुस्टमन के सोंटा,
अऊ सासन करइयामन के राजदंड ला टोर दे हवय,
6 जेकर ले ओमन गुस्सा होके
मनखेमन ला लगातार मारत रहंय,
अऊ जाति-जाति के मनखेमन ऊपर हमेसा कोरोध करत परभूता करंय।
7 अब पूरा धरती ला अराम अऊ सांति मिले हवय;
मनखेमन खुसी म गीत गावत हवंय।
8 अऊ त अऊ सनोवर अऊ लबानोन के देवदार रूख घलो
तुम्हर ऊपर खुस होके कहिथें,
"जब ले तुमन ला गिराय गे हवय,
तब ले कोनो हमन ला काटे बर नइं आवंय।"

9 खाल्हे मिरतू-लोक म तुम्हर आय ले
तुम्हर ले मिले बर हलचल होवत हे;
येह मुरदामन के आतमामन ला तुम्हर ले भेंट करे बर जगाथे—
ओ जम्मो ला, जेमन संसार म अगुवा रिहिन;
येह ओमन ला ओमन के सिंघासन ले ठाढ़ कराथे—
ओ जम्मो ला, जेमन जाति-जाति के मनखेमन ऊपर राजा रिहिन।
10 ओ जम्मो झन जबाब दीहीं,
ओमन तुमन ले कहिहीं,
"तुमन घलो हमर सहीं कमजोर हो गे हवव;
तुमन हमर सहीं बन गे हवव।"
11 तुम्हर जम्मो ठाट-बाट अऊ तुम्हर बीना के अवाज ला
मिरतू-लोक म कर देय गे हवय;
कीरामन तोर खाल्हे दसना म
अऊ गेंगरूआमन तोला ऊपर ले ढांप लेथें।

12 हे बिहान के तारा, बड़े बिहनियां के बेटा,
तें कइसे अकास ले गिरे हवस!
एक समय रिहिस, जब तें जाति-जाति के मनखेमन ला गिराय रहे,
पर अब तेंह खाल्हे धरती म गिराय गे हवस!
13 तेंह अपन मन म कहय,
"मेंह स्वरग ऊपर चघहूं;
मेंह अपन सिंघासन ला

परमेसर के तारागन ले अधिक ऊंचहा करहूं;
मेंह सभा के पहाड़ ऊपर, सापोन† पहाड़ ऊपर
सबले दूरिहा जगह म बिराजहूं।
14 मेंह बादर ले घलो ऊपर ऊंच जगह म चघहूं;
मेंह अपनआप ला सर्वोच्च परमेसर के सहीं बनाहूं।"
15 पर तेंह मिरतू-लोक म
खंचवा के गहरई म लाने गे हवस।

16 जेमन के नजर तोर ऊपर जाथे, ओमन टकटकी लगाके तोला देखथें,
अऊ तोर बारे म सोचथें अऊ कहिथें:
"का येह ओही मनखे अय, जऊन ह धरती ला कंपा देवय
अऊ राजमन ला डोला देवय,
17 का येह ओ मनखे अय, जऊन ह संसार ला निरजन प्रदेस बना देवय,
अऊ सहरमन ला गिरा देवय
अऊ अपन बंधुवा मनखेमन ला ओमन के घर नइं जावन देवय?"

18 जाति-जाति के सब राजामन
अपन-अपन कबर म चैन से परे हवंय।
19 पर तेंह कंटिली डाली के सहीं
अपन कबर ले फेंक दिये गे हवस;
तें मारे गय मनखेमन के लास ले पाट दिये गे हवस,
ओ मनखेमन के लास ले, जेमन तलवार ले मारे गीन,
ओमन के लास, जेमन ला खंचवा के पथरामन म डारे गीस।
गोड़ खाल्हे कुचरे कोनो लास के सहीं,
20 तोला ओमन के संग कबर म नइं गाड़े जावय,
काबरकि तेंह अपन देस ला नास कर दे हवस,
अऊ अपन मनखेमन ला घात करे हवस।

दुस्टमन के संतान के चरचा
फेर कभू झन करे जावय।
21 ओमन के पुरखामन के पाप के कारन
ओमन के बेटामन ला घात करे बर एक जगह तियार करव;
अइसन झन होवय कि ओमन उठके देस के ऊपर अधिकार कर लेवंय
अऊ धरती ला अपन सहरमन ले भर देवंय।

22 सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे,
"मेंह ओमन के बिरूध ठाढ़ होहूं।
मेंह बेबिलोन के नांव अऊ ओकर बांचे मनखे,
ओकर बंस अऊ संतानमन ला मिटा दूहूं।"
यहोवा ह घोसना करत हे,
23 "मेंह ओला उल्लूमन के जगह
अऊ चीखला ले भरे भुइयां बना दूहूं;
मेंह ओला सतियानास के बहरी ले बहार दूहूं।"
सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।

† **14:13** सापोन ह कनानीमन के सबले पबितर पहाड़ रिहिस

24 सर्वसक्तिमान यहोवा ह सपथ खाके कहे हवय,
“बेसक जइसने मेंह ठाने हंव, वइसने ही होही,
अऊ जइसने मोर उदेस्य हवय, वइसने ही होही।
25 में अस्सूर ला अपन देस म कुटा-कुटा कर दूहूं;
अपन पहाड़मन ऊपर मेंह ओला कुचर डारहूं।
ओकर जुड़ा मोर मनखेमन के घेंच ले
अऊ ओकर बोझा ओमन के खांधा ऊपर ले हटा लिये जाही।”

26 येह ओ योजना ए, जऊन ह जम्मो संसार बर ठहिराय गे हवय;
येह ओ हांथ ए, जऊन ह जम्मो जाति के मनखेमन ऊपर उठे हवय।
27 काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा ह योजना बनाय हवय, त कोन ह ओकर बिरोध कर सकथे?
ओकर हांथ ह बढ़े हवय, अऊ कोन ह ओला रोक सकत हे?

[illegible]
28 जऊन बछर आहाज राजा मरिस, ओही बछर ये अगमबानी होईस:
29 हे जम्मो पलिस्तीमन, एकर बर आनंदित झन होवव
कि ओ लउठी ह टूट गीस, जेमा ले तुमन ला मार पड़े रिहिस;
काबरकि ओ सांप के जरी ले एक करैत सांप ह जनमही,
अऊ ओकर फर ह एक उड़इया, जहरिला सांप होही।
30 तब गरीब ले गरीब मनखे घलो खाय बर पाही,
अऊ जरूरतमंद ह सुरकछित अराम करही।
पर तोर बंस ला मेंह अकाल के दुवारा नास कर दूहूं;
येह तोर बांचे मनखेमन ला मार डारही।

31 हे दुवार, तेंह हाय-हाय कर! हे नगर, तें नरिया!
हे पलिस्तीमन, तुमन सब के सब पिघल जावव!
काबरकि उत्तर दिग ले एक धुआं उठत हे,
अऊ ओकर दल म छितरानेवाला कोनो नइं एं।
32 ओ जाति के दूतमन ला
का जबाब देय जाही?
“यहोवा ह सियोन ला स्थापित करे हवय,
अऊ ओमा ओकर दुखी मनखेमन सरन पाहीं।”

15

[illegible]
1 मोआब देस के बिरूध एक अगमबानी:
मोआब के आर नगर ह बरबाद हो गीस,
एकेच रात म नास हो गीस!
मोआब के कीर नगर ह बरबाद हो गीस,
एकेच रात म नास हो गीस!
2 दीबोन ह रोए बर ऊपर अपन मंदिर म,
अपन ऊंचहा जगहमन म जाथे;
नबो अऊ मेदबा नगर बर मोआब के मनखेमन बिलाप करथें।
हर एक झन मुड़ मुड़ाय हवंय,
अऊ हर एक झन दाढ़ी कटाय हवंय।
3 सड़कमन म ओमन बोरा के ओनहा पहिरे हवंय;
छत ऊपर अऊ चऊकमन म

ओमन जम्मो भुइयां म गिरके,
रोवत बिलाप करत हें।
4 हेसबोन अऊ एलाले सहर के मनखेमन चिचियावत हें,
ओमन के अवाज ह यहस नगर तक सुनई देवत हे।
एकरसेति मोआब के हथियारधारी मनखेमन चिचियावत हें,
अऊ ओमन के मन बहुंत उदास हवय।

5 मोर हिरदय ह मोआब बर बिनती करत हे;
ओकर सोअर नगर तक भगई,
ओकर एगलत-सलीसिया नगर तक भगई।
ओमन ऊपर पहाड़ी म लूहीत नगर करा जाथें,
ओमन रोवत-रोवत जाथें;
होरोनैम नगर के रसता म अपन बिनास बर
ओमन बिलाप करथें।
6 निमरीम घाटी के पानी ह सूखा गीस
अऊ कांदी ह कुम्हला गीस;
साग-पात, रूख-रई सब खतम हो गीस
अऊ कोनो हरियाली नइं बांचिस।
7 एकर कारन जऊन धन-संपत्ति ओमन बनाय हवंय अऊ संकेले हवंय
ओला ओमन चिनार रूखमन के घाटी करा ले जावत हें।
8 ओमन के रोए के अवाज मोआब के सीमना तक सुनई देवत हे;
ओमन के सोक मनाय के अवाज एगलैम नगर,
अऊ ओमन के बिलाप करे के अवाज बेर-एलीम नगर तक सुनई देवत हे।
9 काबरकि दीमोन* के सोतामन लहू ले भर गे हवंय,
तभो ले मेंह दीमोन नगर ऊपर अऊ दुख-तकलीफ लानहूं—
मेंह मोआब के भागे मनखेमन ऊपर
अऊ ओ देस म बांचे मनखेमन ऊपर एक सिंह भेजहूं।

16

1 भेंट के रूप म मेढ़ा-पीलामन ला
देस के सासन करइया करा भेजव,
बंजर भुइयां के ओ पार, ओमन ला सेला नगर ले
बेटी सियोन के पहाड़ ऊपर भेजव।
2 जइसन डेना फड़फड़ावत चिरई पीला ला उड़े बर खोंधरा ले धकेले जाथे,
वइसन मोआब के माईलोगनमन के दसा अरनोन नदी के घाट म हो गे हवय।

3 मोआब ह कहिथे, "अपन मन ला तियार करव,
एक निरनय लेवव।
भरे मंझनियां के बेरा
अपन-अपन छइहां ला रात सहीं करव।
घर ले निकाले गय मनखेमन ला छुपा देवव,
सरन लेवइयामन ला झन पकड़वावव।
4 भागके आय मोआबीमन ला अपन संग रहन दव;

* **15:9** [illegible] के मतलब सायद [illegible]

नास करइयामन ले ओमन ला बचावव।”

अतियाचार करइया के अन्त हो जाही,
अऊ बिनास ह रूक जाही;
देस म अंधेर करइया ह नास हो जाही।
5 मया के संग एक सिंघासन ला स्थापित करे जाही;
अऊ दाऊद के घराना* ले एक झन
बिसवासयोग्यता के संग ओमा बईठही—
एक अइसन जन, जऊन ह नियाय करत बेरा सच्चई ला देखथे
अऊ धरमीपन के मामला ला तेजी से निपटाथे।

6 हमन मोआब के घमंड के बारे म सुने हवन—
ओह अति घमंडी अय!—
ओकर अभिमान अऊ घमंड अऊ ओकर अहंकार;
पर ओकर डींग मरई ह बेकार अय।
7 एकरसेति मोआबीमन बिलाप करथें,
ओमन एक संग मोआब बर बिलाप करथें।
कीर-हरेसेत सहर के किसमिस के केक बर
बिलाप करव अऊ दुख मनावव।
8 हेसबोन के खेत अऊ सिबमा नगर के
अंगूर के नारमन मुरझा गे हवंय।
जाति-जाति के सासन करइयामन
उत्तम-उत्तम नारमन ला कुचर डारे हवंय,
ये नारमन एक समय याजेर नगर तक पहुंचत रिहिन
अऊ मरू-भुइयां कोति बगरत रिहिन।
ओमन के नार बगरके
समुंदर† तक चले जावत रिहिन।
9 एकरसेति सिबमा के अंगूर के नार बर
मेंह वइसने रोथंव, जइसने याजेर ह रोथे।
हे हेसबोन अऊ एलाले,
मेंह तुमन ला अपन आंसू ले भिगो दूहूं!
तुम्हर पाके फरमन अऊ अनाज के कटई के बेरा, खुसी के
जऊन ललकार होथे, ओह थम गे हवय।
10 फरवाले बारीमन ले आनंद अऊ खुसी ला ले लिये गे हवय;
अंगूर के बारीमन म कोनो न तो गीत गावंय, अऊ न ही खुसी ले चिचियावंय;
अऊ अंगूर के रसकुंडमन म कोनो अंगूर नइं खुंदय,
काबरकि मेंह ओमन के खुसी के मारे चिचियाई ला खतम कर दे हंव।
11 मोर मन ह मोआब बर अऊ मोर अंतर मन ह
कीर-हरेसेत बर बीना के सहीं बिलाप करत हे।
12 जब मोआब ह अपन ऊंचहा जगह म जाथे,
त ओह सिरिप अपनआप ला थकाय बर जाथे;
अऊ जब ओह पराथना करे बर अपन देव-स्थल म जाथे,
त ओला कुछू फायदा नइं होवय।
13 येह यहोवा के ओ बचन अय, जेला ओह पहिली ले ही मोआब के बारे म कहे रिहिस।

* **16:5** इबरानी म [illegible] † **16:8** संभवत: मिरतू सागर

14 पर अब यहोवा ह कहिथे: “ठेका म लिये गय एक सेवक के गनती के मुताबिक, तीन बछर के भीतर मोआब
के वैभव अऊ ओकर बहुंते मनखेमन तुछ समझे जाहीं, अऊ ओकर बांचे मनखेमन बहुंत कम अऊ कमजोर हो
जाहीं।”

17

??????? ?? ????? ????????

1 दमिस्क सहर के बिरूध एक अगमबानी:
“देखव, दमिस्क फेर एक नगर नइं रहिही
पर ओह पूरा खंडहर हो जाही।
2 अरोएर के नगरमन निरजन हो जाहीं
अऊ पसुमन के चरागन अऊ बईठे के जगह हो जाहीं,
अऊ ओमन ला डरवइया कोनो नइं होहीं।
3 एपरैम के गढ़वाला नगर
अऊ दमिस्क के राजकीय सक्ति खतम हो जाही;
अराम के बांचे भाग ह
इसरायलीमन के महिमा के सहीं हो जाही,”
सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।

4 “ओ दिन याकूब के महिमा ह घट जाही;
अऊ ओकर मोटहा देहें ह पातर हो जाही।
5 येह अइसन होही, मानो खड़े फसल ला मनखेमन लुवत हें,
करपा ला अपन हांथ म संकेलत हें—
या येह अइसन होही मानो रपाईम के घाटी म
कोनो सीला बीनत हे।
6 तभो ले कुछू सीला ह छूट जाही,
जइसे जैतून रूख ला झर्रावत समय
दू तीन ठन फर टीप के डंगाल म छूट जाथें,
चार पांच ठन, फरवाले डंगाल म रह जाथें,”
यहोवा, इसरायल के परमेसर ह घोसना करत हे।

7 ओ दिन मनखेमन अपन सिरिस्टीकर्ता कोति देखहीं
अऊ ओमन के आंखी इसरायल के पबितर परमेसर कोति लगे रहिही।
8 ओमन अपन हांथ के बनाय
बेदी ला नइं देखहीं,
अऊ असेरा के खंभामन* अऊ अपन बनाय धूप के बेदीमन बर
ओमन के मन म कोनो आदर नइं होही।
9 ओ दिन ओमन के गढ़वाले नगरमन, जेमन ला ओमन इसरायलीमन के डर के मारे छोंड़ देय रिहिन, अइसन
होहीं, जइसन झाड़ी-झंखाड़ अऊ घांस-पूस बर जगहमन ला छोंड़े जाथे। ओ जम्मो उजार परे होहीं।
10 काबरकि तुमन अपन उद्धारकर्ता परमेसर ला भुला गे हव;
अऊ अपन चट्टान, अपन गढ़ ला सुरता नइं राखे हव।
एकरसेति, हालाकि तुमन सुघर पऊधा
अऊ बाहिर ले मंगाय अंगूर के नारमन ला लगाथव,
11 हालाकि तुमन ओ पऊधामन ला बढ़ाय बर बाड़ा लगाथव
अऊ बिहनियां जब तुमन ओमन ला लगाथव अऊ ओमा पीका निकलथे,

* **17:8** असेरा देवी के लकड़ी के खंभा

तभो ले बेमारी अऊ असाध्य पीरा के दिन
ओमा कुछू फसल नइं होही।

12 ओ बहुंते जाति के मनखेमन ऊपर हाय, जेमन गरजथें—
ओमन समुंदर के लहरामन सहीं गरजथें!
ओ मनखेमन ऊपर हाय, जेमन गरजथें—
ओमन भयंकर पानी के धारा सहीं गरजथें!
13 हालाकि मनखेमन पानी के उमड़त लहरामन सहीं गरजथें,
पर जब ओह† ओमन ला घुड़कथे, त ओमन अइसे दूरिहा भागथें,
जइसे पहाड़ ऊपर के भूंसी ह हवा ले
अऊ गरेर आय ले धुर्रा उड़ियाथे।
14 सांझ के बेरा, अचानक आतंक!
बिहान होय के पहिली ओमन लापता हो जाथें!
येह ओमन के भाग ए जेमन हमन ला लूटथें,
अऊ हमन ला सताथें, ओमन के ये दसा होही।

18

[illegible]
1 सन-सन करत डेना* के फड़फड़ाहट के ओ देस ऊपर हाय,
जऊन ह कूस† के नदीमन के संग-संग फईले हवय,
2 अऊ जऊन ह समुंदर के रसता ले
पानी म नरकट के डोंगामन के दुवारा दूतमन ला ये कहिके पठोथे।

हे तेज चलइया दूतमन,
ओ मनखेमन करा जावव, जेमन ऊंच अऊ चिकना चमड़ी के अंय,
जेमन के भय मनखेमन के मन म दूरिहा-दूरिहा तक हवय,
ओमन अजीब भासा बोलइया एक हमलावर जाति अंय,
अऊ ओमन के देस ह नदीमन के दुवारा बंटे हवय।

3 हे संसार के जम्मो मनखेमन,
तुमन जेमन धरती म रहिथव,
जब एक झंडा ह पहाड़ ऊपर खड़े करे जाही,
त तुमन ओला देखहू,
अऊ जब तुरही ह फूंके जाही,
त तुमन ओकर अवाज सुनहू।
4 यहोवा ह मोला ये कहत हे:
"घाम के तेज गरमी अऊ कटनी के गरमी म
ओस के बादर सहीं
मेंह चुपचाप रहिहूं अऊ अपन निवास ले देखहूं।"
5 काबरकि कटनी के पहिले, जब फूलमन खतम हो जाथें
अऊ फूल ह पके अंगूर बन जाथे,
तब ओह अंकुरमन ला चाकू ले काट डारही,
अऊ काटके फईले डालीमन ला अलग कर दीही।
6 ओमन ला सिकार करइया पहाड़ी चिरईमन बर

† **17:13** या [illegible] * **18:1** या [illegible] † **18:1** नील के ऊपर के इलाका

अऊ जंगल के पसुमन बर छोंड़ दिये जाही;
चिरईमन पूरा घाम के महिना म
अऊ जंगली पसुमन पूरा जाड़ के महिना म ओमन ला खाहीं।
7 ओ समय सर्वसक्तिमान यहोवा बर ओ मनखेमन के दुवारा भेंट लाने जाही
जेमन ऊंच अऊ चिकना चाम के होहीं,
जेमन ले पास अऊ दूरिहा के मनखेमन डरथें,
जेमन अजीब भासा बोलइया हमलावर जाति के होहीं,
जेमन के देस ह नदीमन के दुवारा बंटे होही—
ओ भेंटमन ला सियोन पहाड़, सर्वसक्तिमान यहोवा के नांव के जगह म लाने जाही।

19

[illegible]

1 मिसर के बिरूध अगमबानी:
देखव, यहोवा तेज उड़इया बादर म चघके
मिसर म अवइया हवय।
ओकर आघू म मिसर के मूरतीमन कांपहीं,
अऊ मिसरीमन के मन ह डर के मारे पिघल जाही।

2 "मेंह मिसरीमन ला मिसरीमन के बिरूध भड़काहूं—
भाई ह भाई के बिरूध लड़ही,
परोसी ह परोसी के बिरूध,
नगर ह नगर के बिरूध,
अऊ राज ह राज के बिरूध लड़ही।
3 तब मिसरीमन के हिम्मत टूट जाही,
अऊ मेंह ओमन के उपाय ला बिफल कर दूहूं;
ओमन अपन मूरतीमन ले अऊ मरे आतमामन ले,
बईगा अऊ झाड़-फूंक करइयामन ले पुछहीं।
4 मेंह मिसरीमन ला एक निरदयी
हाकिम के हांथ म सऊंप दूहूं,
अऊ एक भयंकर राजा ह ओमन ऊपर सासन करही,"
परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।

5 तब नदी के पानी सूखा जाही,
अऊ नदी के तला तक सूखा जाही।
6 नरवामन ले बदबू आही,
अऊ मिसर के सोतामन घलो सूखके खाली हो जाहीं।
नरकट अऊ हरियर चीजमन मुरझा जाहीं,
7 नील नदी के तीर के पऊधामन घलो,
नदी के मुंहाटी म जामे पऊधामन सूखके नास हो जाहीं।
नील नदी के तीर के खेतमन म बोये गय बीजा
सूखा जाही, ओह उड़िहा जाही अऊ ओकर पता नइं चलही।
8 ओ जम्मो जेमन नील नदी म गरी खेलथें,
ओ मछुआरमन रोहीं अऊ बिलाप करहीं;
जेमन मछरी धरे बर पानी म जाल डालथें
ओमन सोक मनाहीं।

9 जेमन सन के सूंत बनाथें, ओमन निरास होहीं,
सुघर मलमल के ओनहा बुनइयामन के आसा टूट जाही।
10 ओनहा के धंधा करइयामन उदास होहीं,
अऊ जम्मो मजदूरमन दुखित हो जाहीं।

11 सोअन सहर के हाकिममन तो एकदम मुरूख अंय;
फिरौन के बुद्धिमान सलाहकारमन के सलाह बिलकुल बेकार अय।
तें फिरौन ले कइसे कह सकत हस,
"मेंह एक बुद्धिमान आदमी अंव,
पुराना जमाना के राजामन के एक चेला अंव"?

12 अब तोर बुद्धिमान आदमीमन कहां हवंय?
सर्वसक्तिमान यहोवा ह
मिसर देस के बिरूध जऊन योजना बनाय हवय
ओला ओ बुद्धिमान मनखेमन दिखावंय अऊ तोला बतावंय।
13 सोअन के हाकिममन मुरूख हो गे हवंय,
मेमफीस के अगुवामन धोखा खाय हवंय;
ओकर मनखेमन के मुखियामन
मिसर ला भरमा दे हवंय।
14 यहोवा ह ओमन म
एक चक्कर देवइया आतमा डार दे हवय;
ओमन मिसर ला ओकर जम्मो काम म भटका देवत हें,
जइसे मतवार ह अपन उछरे चीज के चारों कोति डगमगावत रहिथे।
15 मिसर ह कुछू नइं कर सकय—
मुड़ी या पुंछी, खजूर के डंगाली या सरकंडा।
16 ओ समय मिसरीमन दुरबल परानी हो जाहीं। सर्वसक्तिमान यहोवा ओमन के बिरूध जऊन हांथ उठाही, ओकर कारन, डर के मारे ओमन कांपे लगहीं।
17 अऊ यहूदा के देस ह मिसरीमन ला आतंकित करही; जेकर ले घलो यहूदा के चरचा करे जाही, ओह भयभीत होही, ये सब ओ योजना के कारन होही, जेला सर्वसक्तिमान यहोवा ह मिसरीमन के बिरूध करत हे।
18 ओ दन म मिसर देस म पांच सहर होहीं, जेकर मनखेमन कनान देस के भासा बोलहीं अऊ सर्वसक्तिमान यहोवा के भक्ति बर किरिया खाहीं। ओमा से एक ठन सहर के नांव सूरज* होही।
19 ओ दिन म मिसर देस के बीच म यहोवा बर एक बेदी होही, अऊ ओकर सीमना म यहोवा बर एक स्मारक होही।
20 मिसर देस म येह यहोवा बर एक चिनहां अऊ गवाही होही। अपन ऊपर अंधेर करइयामन के कारन, जब ओमन यहोवा ला पुकारहीं, तब ओह ओमन बर एक उद्धारकर्ता अऊ ओमन के रकछा करइया ला भेजही, अऊ ओह ओमन ला छोंड़ाही।
21 ये किसम ले यहोवा अपनआप ला मिसरीमन ऊपर परगट करही, अऊ ओ दिन ओमन यहोवा ला चिनहीं। ओमन बलिदान अऊ अन्न-बलिदान चघाके ओकर उपासना करहीं; ओमन यहोवा बर मन्नत रखहीं अऊ ओला पूरा घलो करहीं।
22 यहोवा ह मिसर देस ऊपर एक महामारी लानही; ओह ओमन ला मारही अऊ ओमन ला चंगा घलो करही। ओमन यहोवा कोति फिरहीं, अऊ ओह ओमन के बिनती सुनके ओमन ला चंगा करही।
23 ओ दिन म मिसर ले अस्सूर तक एक राजमार्ग होही। अस्सूरीमन मिसर देस जाहीं अऊ मिसरीमन अस्सूर देस जाहीं। अऊ मिसरीमन अस्सूरीमन के संग मिलके अराधना करहीं।

* **19:18** मासोरेटिक ग्रंथ के जादा हस्तलिपि म [illegible]

24 ओ दिन म धरती ऊपर इसरायल ह तीसरा देस होही, जेकर नांव मिसर अऊ अस्सूर के संग आसीसित देस
के रूप म लिये जाही।
25 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहिके ओमन ला आसीस दीही, "धइन होवंय मिसर म मोर मनखेमन, मोर हांथ
के बनाय अस्सूर अऊ मोर उत्तराधिकार इसरायल।"

20

[illegible]

1 जऊन बछर अस्सूर के राजा सरगोन अपन परधान सेनापति ला भेजिस अऊ ओह असदोद म आके ओकर
ऊपर हमला करिस अऊ असदोद ला अपन अधिकार म ले लीस—
2 ओही बछर यहोवा ह आमोस के बेटा यसायाह के दुवारा कहिस, "जा अऊ अपन कनिहां ले टाट के ओनहा
ला उतार अऊ अपन गोड़ ले जूता ला उतार।" अऊ ओह वइसने ही करिस, ओह नंगरा अऊ खाली गोड़
घुमे-फिरे लगिस।
3 तब यहोवा ह कहिस, "जइसन मोर दास यसायाह ह तीन बछर ले नंगरा होके खाली गोड़ रेंगत रिहिस, कि
मिसर अऊ कूस बर एक चिनहां अऊ अपसकुन होवय,
4 वइसन अस्सूर के राजा ह मिसर अऊ कूस के मनखेमन ला कैदी बनाके देस निकाला करही; का जवान का
सियान, सबो ला कैदी बनाके नंगरा अऊ खाली गोड़ अऊ कुल्हा खुल्ला करके कैद म ले जाही, ताकि मिसर के
बेजत्ती होवय।
5 जेमन कूस ऊपर भरोसा करिन अऊ मिसर ऊपर घमंड करिन, ओमन भयभीत होहीं अऊ ओमन के बेजत्ती
होही।
6 ओ दिन म ये समुंदर तीर म रहइया मनखेमन कहिहीं, 'देखव, जेमन ऊपर हमन भरोसा करत रहेंन अऊ
जेमन करा हमन मदद बर अऊ अस्सूर के राजा ले बांचे बर भागके गेंन, ओमन के का होय हवय! त फेर हमन
कइसे बच सकत हन?' "

21

[illegible]

1 समुंदर तीर के मरू-भुइयां के बिरूध अगमबानी:
जइसन दक्खिन के भुइयां ले आंधी आथे,
वइसन ही मरू-भुइयां ले,
आतंक के देस ले एक हमला करइया आवत हवय।

2 एक भयानक दरसन मोला देखाय गीस:
बिसवासघाती ह बिसवासघात करथे अऊ लूटनेवाला ह लूटथे।
हे एलाम, हमला कर! हे मादै, घेराबंदी कर!
मेंह ओ सब कराहना ला खतम कर दूहूं, जऊन ह ओकर कारन आय हवय।

3 एकर कारन मोर देहें म भारी पीरा हे,
छेवारी होवत माईलोगन के पीरा सहीं मोला पीरा होवत हे;
जऊन बात मेंह सुनत हंव, ओकर ले मेंह डर गे हंव,
जऊन चीज ला मेंह देखत हंव, ओकर ले घबरा गे हंव।
4 मोर हिरदय ह कांपत हे,
डर के मारे मेंह कांपत हंव;
जऊन संझा के मेंह रसता देखत रहेंव
ओह मोर बर आतंक के बात हो गे हवय।

5 जेवन के तियारी होवत हे,
ओमन ओनहा बिछावत हें,

ओमन खावथें, ओमन पीयथें!
हे हाकिममन, उठव,
ढालमन म तेल लगावव!
6 परभू ह मोला ये कहत हे:
“जाके एक पहरेदार ठहिरा दे
अऊ जऊन कुछू ओह देखथे, ओला आके बतावय।
7 जब ओह रथमन ला
घोड़ामन के दल के संग देखथे,
जब ओह गदहामन के सवार
या ऊंटमन के सवारमन ला देखथे,
त ओह सावधान हो जावय,
पूरा सावधान हो जावय।”
8 अऊ ओ पहरेदार* ह चिचियाके कहिस,
“हे मालिक, हर दिन मेंह ठाढ़ होके पहरा देथंव;
हर रात मेंह पहरा म काटथंव।
9 देखव, एक आदमी एक रथ म
घोड़ामन के एक दल के संग आवथे।
अऊ ओह जबाब देथे:
‘गिर परिस, बेबिलोन गिर परिस!
येकर देवतामन के जम्मो मूरतीमन
गिरके भुइयां म चकनाचूर हो गीन।’ ”

10 कोठार म कुचरे गय हे मोर मनखेमन,
जऊन बात मेंह सर्वसक्तिमान यहोवा,
इसरायल के परमेसर ले सुने हंव,
ओला मेंह तुमन ला बतात हंव।

[illegible]

11 दूमा† के बिरूध अगमबानी:
सेईर म ले कोनो मोला बलावत हवय,
“हे चौकीदार, रथिया के का खबर हे?
हे चौकीदार, रथिया के का खबर हे?”
12 चौकीदार ह कहिस,
“बिहान पहाथे, पर रथिया घलो होथे।
यदि तेंह पुछे चाहत हस, त पुछ;
अऊ फेर लहुंटके आ।”

[illegible]

13 अरब के बिरूध अगमबानी:
हे ददानीमन के रसता रेंगइया दलमन,
जेमन अरब के झाड़ीमन म डेरा डालथव,
14 पीयासन करा पानी लानव;
तुमन, जेमन तेमा नगर म रहिथव,
भगोड़ामन बर जेवन लेके आवव।
15 ओमन तलवार के डर ले भागत हें,
मियान ले खींचे तलवार ले,

---

* **21:8** कुछू हस्तलिपि म [illegible] † **21:11** [illegible] येह [illegible] के दूसर नांव, जेकर मतलब होथे चुपचाप

ताने गय धनुस ले
अऊ भारी लड़ई ले भागत हवंय।
16 परभू ह मोला ये कहत हे: “जइसे ठेका म बंधे बनिहार ह येला गनथे, एकेच बछर के भीतर, केदार गोत्र के
जम्मो सोभा खतम हो जाही।
17 केदार के धनुसधारी, सूरबीरमन ले थोरकन ही रह जाहीं।” यहोवा, इसरायल के परमेसर ह कहे हवय।

22

[illegible]

1 दरसन के घाटी* के बिरूध अगमबानी:
तुम्हर अब का समस्या हे
कि तुमन जम्मो के जम्मो छानी ऊपर चढ़ गे हव,
2 हे हाहाकार अऊ उधम ले भरे नगर,
हे कोलाहल अऊ उपदरव के सहर?
तुम्हर मारे गय मनखेमन तलवार ले नइं मारे गे हवंय,
न ही ओमन लड़ई म मारे गे हवंय।
3 तुम्हर जम्मो अगुवामन एक संग भाग गे हवंय;
बिगर धनुस के उपयोग करे ही ओमन ला बंदी बना लिये गे हवय।
ओ जम्मो जेमन पकड़े गीन, ओमन ला एक संग बंदी बना लिये गीस,
जबकि ओमन के भागत बेरा बईरी ह दूरिहा म रिहिस।
4 एकरसेति मेंह कहेंव, “मोर ले मुहूं फेर लव;
मोला फूट-फूटके रोवन दव।
मोर मनखेमन के बिनास ऊपर
मोला सांति देय के कोसिस झन करव।”

5 काबरकि परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा के एक दिन हवय,
जब दरसन के घाटी म हाहाकार
अऊ रऊंदई अऊ आतंक होही,
दीवारमन ला टोरके गिराय जाही
अऊ पहाड़मन करा रोये जाही।
6 एलाम ह अपन सारथी अऊ घोड़ामन के संग
तरकस ला लेथे;
कीर सहर ह ढाल ला खोलथे।
7 तोर मनपसंद घाटीमन रथमन ले भरे हवंय,
अऊ घुड़सवारमन सहर के दुवारमन म ठहिराय गे हवंय।

8 परभू ह यहूदा के सुरकछा ला हटा दीस,
अऊ ओ दिन तेंह जंगल के महल के
हथियारमन ला देखे।
9 तेंह देखे कि दाऊद के सहर के दीवारमन
बहुंत जगह टूट गे रिहिन;
तेंह खाल्हे के पोखरी म
पानी ला इकट्ठा करे।
10 तेंह यरूसलेम म भवनमन के गनती करे
अऊ दीवार ला मजबूत करे बर घरमन ला टोरके गिरा देय।
11 जुन्ना पोखरी के पानी बर

* **22:1** संभवत: [illegible]

तेंह दू ठन दीवार के बीच एक बांध बनवाय,
पर तें ओकर ऊपर धियान नइं देय, जऊन ह येला बनाईस,
या ओकर आदर नइं करे, जऊन ह बहुत पहिले येकर योजना बनाय रिहिस।

12 परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह
ओ दिन तोला रोये अऊ बिलाप करे बर,
अपन बाल नोचे बर
अऊ बोरा के ओनहा पहिरे बर बलाईस।
13 पर देख, उहां आनंद अऊ खुसी मनाय जावत हे,
गरूवा-बईलामन ला काटे अऊ भेड़-बकरी के बध करे जावत हे,
मांस खाय अऊ अंगूर के मंद पीये जावत हे!
तेंह कहिथस, "आवव, हमन खावन अऊ पीयन,
काबरकि कल तो हमन ला मरना हे!"
14 सर्वसक्तिमान यहोवा ह मोर सुनत म ये परगट करे हवय: "तुम्हर मिरतू के दिन तक ये पाप ह छेमा नइं करे जावय," परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे।

15 परभू सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
"जावव, ये परबंधक,
महल के अधिकारी सेबना ला कहव:
16 तेंह इहां का करत हस अऊ तोला कोन ह अनुमति दीस
कि तेंह इहां अपन बर एक कबर खनवात हस,
ऊंचहा जगह म अपन कबर बनवात हस
अऊ चट्टान ला काटके अपन अराम के जगह ला बनवात हस?

17 "हे बलवान मनखे, सावधान रह,
यहोवा तोला जोर से धरके दूरिहा फेंकनेचवाला हे।
18 ओह तोला गेंद कस बने करके लपेटही
अऊ एक बड़े देस म फेंक दीही।
उहां तें मर जाबे
अऊ जऊन रथमन ऊपर तोला बहुत घमंड रिहिस
उहां ओ रथमन तोर मालिक के घर बर एक कलंक हो जाहीं।
19 मेंह तोला तोर जगह ले हटा दूहूं,
अऊ तोला तोर पद ले निकाल दिये जाही।
20 "ओ दिन मेंह हिलकियाह के बेटा अपन दास, एलयाकीम ला बुलवाहूं।
21 मेंह ओला तोर अंगरखा पहिराहूं अऊ ओकर कनिहां म तोर कटिबंध ला बांधहूं अऊ तोर अधिकार ओकर हांथ म कर दूहूं। ओह यरूसलेम म रहइया अऊ यहूदा के मनखेमन बर एक ददा के सहीं ठहिरही।
22 में दाऊद के घराना के कुची ओकर कंधा म मढ़ाहूं; ओह जेला खोलही, ओला कोनो बंद नइं कर सकहीं, अऊ जेला ओह बंद करही, ओला कोनो खोल नइं सकहीं।
23 में ओला ठोस जगह म खूंटी सहीं गड़ियाहूं; ओह अपन ददा के घराना बर आदर के एक आसन† बन जाही।
24 ओकर परिवार के पूरा महिमा ओकर ऊपर होही: येकर बंस अऊ संतानमन—येकर जम्मो छोटे-छोटे बरतन, कटोरामन ले लेके जम्मो सुराहीमन ओकर ऊपर टंगाहीं।
25 "ओ दिन म," सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे, "जऊन खूंटी ला ठोस जगह म गड़ियाय गे रिहिस, ओह ढीला हो जाही; येला काटके गिरा दिये जाही, अऊ ओकर ऊपर टंगे बोझा ला काटके गिरा दिये जाही।" यहोवा ह कहे हवय।

† **22:23** या [illegible]

23

[illegible]

1 सूर सहर के बिरूध म अगमबानी:
हे तरसीस के जहाजमन, बिलाप करव!
काबरकि सूर ह नास हो गीस
उहां न तो कोनो घर अऊ न ही कोनो बंदरगाह हवय।
ये खबर ओमन ला
कित्तीमन के देस ले मिले हवय।

2 हे समुंदर के टापू म रहइयामन
अऊ सीदोनी बेपारीमन,
जेमन ला नाविकमन धनी कर दे हवंय, चुप रहव।
3 महासागर ले होके
सीहोर* के अनाज आईस;
नील नदी के ऊपज ह सूर के आमदनी रिहिस,
अऊ ओह जाति-जाति के मनखेमन के बेपार के जगह हो गीस।

4 हे सीदोन, सरम कर, अऊ तें समुंदर के किला,
काबरकि समुंदर ह कहे हवय:
"न तो मोला कभू छेवारी के पीरा होईस अऊ न ही मेंह कोनो लइका जनमांय;
मेंह न तो बेटामन ला पालें-पोसें अऊ न ही बेटीमन ला पोसके बड़े करेंव।"
5 जब खबर ह मिसर देस म आही,
त सूर ले आय खबर ला सुनके ओमन ला पीरा होही।

6 तुमन पार होके तरसीस म जावव;
हे टापू म रहइयामन, बिलाप करव।
7 का येह खुसी ले भरे तुम्हर सहर अय,
पुरानी, पुराना सहर,
जेकर गोड़मन ओला
दूरिहा देस म बसे बर ले गे हवंय?
8 सूर के बिरूध कोन ह ये योजना बनाईस,
जऊन ह राजामन ला गद्दी म बईठावय,
जेकर बेपारीमन हाकिम रिहिन,
जेकर साहूकारमन धरती म नामी मनखे रिहिन?
9 सर्वसक्तिमान यहोवा ह येकर योजना बनाईस,
ताकि ओकर सब गौरव के घमंड ला टोर देय
अऊ धरती के जम्मो नामी मनखेमन ला नम्र करे।

10 हे बेटी तरसीस,
जइसे ओमन नील नदी के संग करथें, वइसे अपन देस म होके जा,
काबरकि तोर मेर अऊ कोनो बंदरगाह नइं ए।
11 यहोवा ह अपन हांथ ला समुंदर ऊपर बढ़ाय हवय
राजमन ला हला दे हवय।
यहोवा ह फीनीके† के बारे म आदेस दे हवय
कि ओकर किलामन ला नास करे जावय।
12 यहोवा ह कहिस, "हे कुंवारी बेटी सीदोन, अब तें कुचरे गे हस!

---

* **23:3** या [illegible] † **23:11** या [illegible]

तेंह अब खुस नइं हो सकस;

“उठ, पार नाहकके कित्तीमन के देस‡ म जा;
पर उहां घलो तोला चैन नइं मिलय।”
13 बेबिलोनीमन§ के देस ला देखव,
ये मनखेमन के अब लेखा-जोखा नइं ए!
अस्सूर के मनखेमन येला
मरू-भुइयां के पसुमन के एक जगह बना दे हवंय;
ओमन अपन घेराबंदी के किला बनाय हवंय,
ओमन येकर किलामन ला लूट ले हवंय
अऊ येला खंडहर कर दे हवंय।

14 हे तरसीस के पानी जहाजमन, बिलाप करव;
तुम्हर गढ़ ह नास हो गे हवय!
15 ओ समय सूर ला सत्तर बछर तक भुला दिये जाही, जऊन ह एक राजा के पूरा जिनगी के समय होथे। पर सत्तर बछर के बीते के बाद, येह सूर के संग होही, जइसे कि बेस्या के गीत हवय:
16 “हे बिसरा दिये गय बेस्या,
एक ठन बीना लेके सहर म घुम;
बने करके बीना ला बजा, बहुंत गीत गा,
ताकि तोला सुरता करे जावय।”
17 सत्तर बछर बीते के बाद, यहोवा ह सूर ऊपर धियान दीही। ओह फेर अपन छिनारी के कमई म मन लगाके धरती भर के सब राजमन के संग अपन धंधा करही।
18 तभो ले ओकर लाभ अऊ ओकर कमई यहोवा बर अलग रखे जाही; ओला न तो भंडार म रखे जाही, न ही जमा करे जाही। ओकर आमदनी ह ओमन करा जाही, जेमन यहोवा के आघू म रहिथें, ताकि ओमन ला भरपूर जेवन अऊ सुघर ओनहा मिलय।

24

[illegible]
1 देखव, यहोवा ह धरती ला निरजन
अऊ नास करइया हवय;
ओह येकर सतह ला बरबाद कर दीही
अऊ येमा निवास करइयामन ला तितिर-बितिर कर दीही—
2 जइसन मनखेमन के,
वइसन पुरोहित के दसा होही,
जइसन दास के, वइसन मालिक के,
जइसन दासी के, वइसन मालकिन के,
जइसन बिसोइया के, वइसन बेचइया के,
जइसन उधार देवइया के, वइसन उधार लेवइया के,
जइसन करजा देवइया के, वइसन करजा लेवइया के दसा होही।
3 धरती ह पूरा सुनसान पड़े होही
अऊ पूरा लूट लेय जाही।
काबरकि यहोवा ह ये बचन कहे हवय।

4 धरती सूख जाथे अऊ मुरझा जाथे,
संसार ह दुरबल हो जाथे अऊ अइला जाथे,

‡ **23:12** या *[illegible]* § **23:13** या *[illegible]*

अकासमन घलो धरती के संग दुरबल हो जाथें।
5 धरती अपन मनखेमन के दुवारा असुध हो जाथे;
काबरकि ओमन परमेसर के कानून
अऊ बिधिमन ला नइं माने हवंय
अऊ परमेसर के सदाकाल के करार ला टोर देय हवंय।
6 येकर कारन धरती ऊपर एक सराप पड़ही;
अऊ येमा रहइयामन अपन दोस के फर भोगहीं।
एकरसेति धरती के रहइयामन ला जलाय जाथे,
अऊ बहुंत कम झन बांचे हवंय।
7 नवां अंगूर के मंद सूखा जाथे अऊ अंगूर के नार मुरझा जाथे;
जम्मो आनंद मनइयामन कराहथें।
8 आनंद के डफली के अवाज ह बंद हो गीस,
खुसी मनाय के कोलाहल ह बंद हो गे हवय,
आनंदित बीना के अवाज सांत हो गे हवय।
9 ओमन गीत गावत फेर अंगूर के मंद नइं पीयंय;
मंद ह येकर पीनेवालामन बर करू हो गे हवय।
10 उजरे सहर ह निरजन परे हवय;
हर घर के कपाट ह बंद हो गे हवय।
11 गलीमन म मनखेमन अंगूर के मंद बर हल्ला करत हें;
जम्मो खुसी ह दुख म बदल जावत हे,
धरती म जम्मो आनंद के अवाज ह खतम हो गे हवय।
12 सहर ह उजाड़ पड़े हे,
येकर दुवार ला टोरके कुटा-कुटा कर दे गे हवय।
13 जइसने जब जैतून रूख ला झारे जाथे,
या जब अंगूर टोरे के बाद घलो कुछू अंगूरमन नार म बच जाथें,
वइसने ही येह धरती ऊपर
अऊ जाति-जाति के मनखेमन के बीच होही।

14 ओमन ऊंचहा अवाज म आनंद के मारे जय-जयकार करहीं;
पछिम कोति ले ओमन यहोवा के महानता के जय-जयकार करहीं।
15 एकर कारन पूरब म यहोवा के महिमा करव;
समुंदर के द्वीपमन म
यहोवा, इसरायल के परमेसर के नांव ला ऊंचहा करव।
16 धरती के छोर ले हमन ला अइसन गीत के अवाज सुनई देवत हे:
"धरमी जन के महिमा होवय।"

पर मेंह कहेंव, "मेंह बेकार हो गेंव, मेंह बेकार हो गेंव!
मोर ऊपर हाय!
बिसवासघाती धोखा!
बिसवासघात के संग बिसवासघाती धोखा!"
17 हे धरती के मनखेमन,
तुम्हर बर आतंक अऊ खंचवा अऊ फांदा हवय।
18 जऊन ह घलो आतंक के अवाज ले भागही
ओह खंचवा म गिरही;
जऊन ह खंचवा म ले निकलही
ओह फांदा म फंसही।

काबरकि अकास के झरोखामन खुल गे हवंय,
अऊ धरती के नीवमन डोलत हें।
19 धरती ह टूट गे हवय,
धरती ह टूटके अलग हो गे हवय,
धरती ह बहुंत डोलत हे।
20 धरती ह मतवार सहीं लड़खड़ाथे,
येह हवा म एक झोपड़ी के सहीं डोलथे;
येकर बिदरोह के दोस ह येकर ऊपर बहुंत भारी हवय
कि येह गिरथे, अऊ फेर कभू नइं उठय।

21 ओ दिन यहोवा ह
ऊपर अकास के सक्ति
अऊ खाल्हे धरती के राजामन ला दंड दीही।
22 एक काल-कोठरी म बांधे गय कैदीमन सहीं
ओमन ला एक संग संकेले जाही;
ओमन ला जेल म बंद कर दिये जाही
अऊ बहुंत दिन के बाद ओमन ला दंड दिये जाही।*
23 चंदा ला डराय जाही,
अऊ सूरज ह लज्जित होही;
काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा ह
सियोन पहाड़ ऊपर अऊ यरूसलेम म,
अऊ येकर अगुवामन के आघू म बड़े महिमा के संग राज करही।

25

[illegible]
1 हे यहोवा, तें मोर परमेसर अस;
मेंह तोर महिमा करत तोला ऊपर उठाहूं अऊ तोर नांव के परसंसा करहूं,
काबरकि पूरा बिसवासयोग्यता म
तेंह अद्भूत काम करे हस,
ओ काम जेकर योजना बहुंत पहिले बनाय गे रिहिस।
2 तेंह सहर ला कचरा के एक ढेर बना दे हस,
गढ़वाले नगर ला खंडहर बना दे हस,
परदेसीमन के मजबूत गढ़वाला सहर अब नइं ए;
येला फेर कभू बसाय नइं जावय।
3 एकरसेति बलवान मनखेमन तोर आदर करहीं;
निरदयी जातिमन के नगरमन तोर आदर करहीं।
4 तेंह गरीबमन बर एक सरन-स्थान,
जरूरतमंद बर ओमन के बिपत्ति म एक सरन-स्थान,
आंधी म एक आसरय,
अऊ घाम म एक छइहां के जगह रहे हस।
काबरकि निरदयी के सांस ह
दीवार म टकरावत एक आंधी के सहीं
5 अऊ मरू-भुइयां के गरमी सहीं अय।
तेंह परदेसीमन के कोलाहल ला वइसने सांत करथस;

* **24:22** या *[illegible]*

जइसने बादर के छइहां के दुवारा गरमी ह सांत होथे,
ओही किसम ले निरदयी के गीत ह सांत हो जाथे।

6 ये पहाड़ ऊपर सर्वसक्तिमान यहोवा ह
जम्मो मनखेमन बर बढ़िया जेवन के एक भोज तियार करही,
पुराना अंगूर के मंद के एक जेवनार—
सबले बढ़िया मांस अऊ सबले बढ़िया अंगूर के मंद होही।
7 ये पहाड़ ऊपर, ओह ओ परदा ला नास करही
जऊन ह जम्मो मनखेमन ला लपेटके रखथे,
ओ चादर, जऊन ह सब जातिमन ला ढांपे हवय;
8 ओह मऊत ला हमेसा बर नास कर दीही।
परमपरधान यहोवा ह सबो के चेहरा ले
आंसू ला पोंछ दीही;
ओह पूरा धरती ले
अपन मनखेमन के कलंक ला हटा दीही।
यहोवा ह कहे हवय।
9 ओ दिन ओमन कहिहीं,
"खचित येह हमर परमेसर अय;
हमन ओकर ऊपर भरोसा करेंन, अऊ ओह हमर उद्धार करिस।
येह यहोवा अय, हमन ओकर भरोसा करे हवन;
आवव, हमन ओकर उद्धार म आनंद अऊ खुसी मनावन।"

10 यहोवा के हांथ ह ये पहाड़ ऊपर बने रहिही;
पर मोआब ह ओमन के देस म अइसन रऊंदे जाही
जइसन पैंरा ह खातू म रऊंदे जाथे।
11 ओमन* येमा अपन हांथ अइसन फईलाहीं,
जइसन तउंरइयामन तउंरे बर अपन हांथ फईलाथें।
पर ओमन के हांथ के चतुरई के बावजूद
परमेसर ह ओमन के घमंड ला टोर दीही।
12 ओह तुम्हर ऊंच गढ़वाले दीवारमन ला खाल्हे ले आही
अऊ खाल्हे गिरा दीही;
ओह ओमन ला भुइयां म ले आही,
अऊ माटी म मिला दीही।

26

[illegible]
1 ओ दिन* यहूदा देस म ये गीत गाय जाही:
हमर एक ठन मजबूत सहर हवय;
परमेसर उद्धार ला बनाथे
येकर दीवार अऊ गढ़ के घेरामन ला बनाथे।
2 सहर के दुवारमन ला खोलव
ताकि धरमी जाति ह भीतर आवय,
ओ जाति जऊन ह बिसवास ला बनाय रखथे।
3 जेमन के मन ह तोर बर अटल बने रहिथे,
ओमन ला तें पूरा सांति म रखथस,

* **25:11** या *[illegible]* * **26:1** या *[illegible]*

काबरकि ओमन तोर ऊपर भरोसा करथें।
4 यहोवा ऊपर हमेसा बर भरोसा रखव,
काबरकि यहोवा, यहोवा खुद सदाकाल के चट्टान अय।
5 ओह ओमन ला नम्र करथे, जेमन डींग मारथें,
ओह ऊंच सहर ला खाल्हे ले आथे;
ओह येला भुइयां म समतल कर देथे
अऊ येला धुर्रा म मिला देथे।
6 गोड़मन येला कुचर देथें—
सताय गय मनखेमन के गोड़मन,
गरीबमन के गोड़मन येला कुचर देथें।

7 धरमी के डहार ह समतल होथे;
तें, धरमी जन अस अऊ धरमी के डहार ला सरल बनाथस।
8 हे यहोवा, हव, तोर कानून के रसता म चलत,
हमन तोर बाट जोहत हन;
तोर नांव अऊ खियाती के
हमर मन ह लालसा करथे।
9 रथिया मोर परान ह तोर लालसा करथे;
बिहनियां मोर मन ह तोर लालसा करथे।
जब तोर नियाय के काम धरती ऊपर होथे,
तब संसार के मनखेमन, धरमीपन सीखथें।
10 पर जब दुस्ट ऊपर दया घलो करे जाथे,
तभो ले ओह धरमीपन के बात ला नइं सीखय;
सीधवा मनखेमन के देस म घलो ओमन दुस्टता करते रहिथें
अऊ यहोवा के महानता के आदर नइं करंय।
11 हे यहोवा तोर हांथ ह उठे हवय,
पर ओमन येला नइं देखंय।
ओमन तोर मनखेमन बर तोर उत्साह ला देखंय अऊ लज्जित होवंय;
तोर बईरीमन बर रखे आगी ह ओमन ला भसम कर देवय।

12 हे यहोवा, तें हमर बर सांति लानथस;
हमर करा जऊन कुछू घलो हवय, ओला तेंह हमर बर करे हवस।
13 हे यहोवा हमर परमेसर, तोर अलावा अऊ मालिकमन हमर ऊपर सासन करे हवंय,
पर सिरिप तोरेच नांव ला हमन आदर देथन।
14 ओमन मर गीन, ओमन अब जीयत नइं एं;
ओमन के आतमा जी नइं उठय
तेंह ओमन ला दंड देय अऊ ओमन ला नास कर देय;
तें ओमन के सुरता ला घलो मेटा देय।
15 हे यहोवा, तेंह जाति† ला बढ़ाय हस;
तेंह जाति ला बढ़ाय हस।
तेंह अपन बर महिमा देखाय हस;
तेंह देस के सब सीमना ला बढ़ाय हस।

16 हे यहोवा, दुख म ओमन तोला सुरता करिन;
जब तें ओमन के ताड़ना करे,
तब ओमन मुसकिल से फुसफुसाके पराथना कर सकत रिहिन।

† **26:15** या [illegible]

17 जइसन गरभवती माईलोगन ह लइका जनमावत बेरा
पीरा म छटपटाथे अऊ चिचियाथे,
हे यहोवा, हमर स्थिति घलो तोर आघू म वइसन हो गे रिहिस।
18 हमन गरभवती रहेंन, हमन पीरा म छटपटायेंन,
पर हमन मानो हवा ला ही जनमेंन।
हमन धरती बर कोनो उद्धार के काम नइं करेंन,
अऊ न ही संसार के मनखेमन जिनगी पाईन।

19 पर हे यहोवा, तोर मरे मनखेमन जी जाहीं;
ओमन के देहेंमन उठके ठाढ़ होहीं—
जेमन माटी म निवास करथें,
ओमन जागंय अऊ आनंद के मारे जय-जयकार करंय—
तोर ओस ह बिहनियां के ओस सहीं अय;
धरती ह अपन मुरदामन ला लहुंटा दीही।

20 हे मोर मनखेमन, जावव, अपन खोलीमन म जावव
अऊ कपाटमन ला बंद कर लेवव;
थोरकन देर बर अपनआप ला छुपाके रखव
जब तक कि गुस्सा ह सांत नइं हो जावय।
21 देखव, यहोवा ह अपन निवास ले बाहिर निकलत हे
ताकि धरती के मनखेमन ला ओमन के पाप के दंड देवय।
धरती ह अपन ऊपर बहे खून ला परगट कर दीही;
धरती ह घात करे गय मनखेमन ला अऊ छुपाके नइं रखही।

27

[illegible]
1 ओ दिन,*
यहोवा ह अपन तलवार ले—
अपन भयंकर, बड़े अऊ मजबूत तलवार ले—
लिबयातान नांव के टेड़गा रेंगइया सांप,
लिबयातान नांव के कुंडली मरइया सांप ला दंड दीही;
ओह समुंदर के बड़े अऊ बिकराल जन्तु ला मार डारही।
2 ओ दिन—
"फर देवइया एक अंगूर के बारी के बारे म गीत गाहू:
3 में, यहोवा ह येकर रकछा करथंव;
मेंह लगातार येमा पानी पलोथंव।
मेंह रात-दिन येकर पहरेदारी करथंव,
ताकि कोनो येकर हानि झन करंय।
4 मेंह गुस्सा नइं करत हंव।
यदि मोर आघू म उहां सिरिप झाड़ी अऊ कांटामन होतिन!
त मेंह ओमन के बिरूध लड़े बर आघू बढ़तेंव;
मेंह ओ जम्मो म आगी लगा देतेंव।
5 या फेर ओमन मोर मेर सरन लेय बर आवंय;
ओमन मोर संग म मेल-मिलाप कर लेवंय,
हव, ओमन मोर संग मेल-मिलाप कर लेवंय।"

* **27:1** या [illegible]

6 अवइया दिनमन म याकूब ह जरी धरही,
इसरायल ह बढ़ही अऊ ओमा फूल धरही
अऊ पूरा संसार ला फर ले भर दीही।

7 का यहोवा ह ओला वइसने मारिस
जइसने ओह ओमन ला मारिस, जेमन ओला मारिन?
का ओह वइसने मार डारे गीस
जइसने ओमन मार डारे गीन, जेमन ओला मार डारिन?
8 लड़ई अऊ बंधुवई के दुवारा तें ओकर संग लड़—
अपन भयंकर आंधी ले ओह ओला भगा देथे।
जइसे एक दिन पुरवाही हवा चलथे।
9 तब एकर दुवारा, याकूब के अधरम के पछ्ताप करे जाही,
अऊ ओकर पाप दूर होय के फर ये होही:
जब ओह बेदी के जम्मो पथरामन ला
चूना के पथरा सहीं कुचरके कुटा-कुटा कर देथे,
तब कोनो असेरा के खंभा† या धूप के बेदी ला
सही-सलामत नइं छोंड़े जाही।
10 काबरकि गढ़वाला नगर निरजन हो गे हवय,
एक छोंड़े गय बस्ती ला निरजन जगह सहीं तियाग दिये गे हवय;
उहां बछ्वामन चरथें,
उहां ओमन बईठथें;
अऊ येकर डंगालीमन ला खाके ठुठवा कर देथें।
11 जब येकर छोटे डंगालीमन सूख जाथें, त ओमन टूट जाथें
अऊ माईलोगनमन आके ओमन ला जला देथें।
काबरकि येमन बिगर समझवाले मनखे अंय;
एकरसेति ओमन के बनानेवाला ओमन ऊपर दया नइं करय,
अऊ ओमन के सिरिस्टी करइया ह ओमन ऊपर किरपा नइं करय।
12 ओ दिन यहोवा ह फरात नदी ले लेके मिसर के नरवा तक अपन अनाज ला पछिनही, अऊ हे
इसरायलीमन, तुमन एक-एक करके इकट्ठा करे जाहू।
13 अऊ ओ दिन एक बड़े तुरही फूंके जाही। जेमन अस्सूर देस म नास होवत रिहिन अऊ जेमन मिसर देस म
बंधुवई म रिहिन, ओमन आहीं अऊ यरूसलेम म पबितर पहाड़ ऊपर यहोवा के अराधना करहीं।

28

[illegible]

1 ओ मुकुट ऊपर हाय, जऊन ह एपरैम के मतवारमन के घमंड अय,
ओ मुरझावत फूल ऊपर हाय, ओकर महिमामय सुघरता,
जऊन ह एक उपजाऊ घाटी के टीप म रखे हवय—
ओ सहर ऊपर हाय, जेकर घमंड ला अंगूर के मंद के दुवारा खतम करे गे हवय!
2 देखव, परभू करा एक झन हवय, जऊन ह बलवान अऊ मजबूत हे।
करा के आंधी या नास करइया गरेर के सहीं,
तेज बारिस अऊ मूसलाधार बारिस के सहीं,
ओह येला बहुंत जोर से भुइयां म फटिक दीही।
3 एपरैम के मतवारमन के घमंड के ओ मुकुट ला
गोड़ खाल्हे रऊंदे जाही।

† **27:9** असेरा देवी के लकड़ी के खंभा

4 ओ मुरझावत फूल, ओकर महिमामय सुघरता,
जऊन ह एक उपजाऊ घाटी के टीप म रखे हवय,
ओह कटनी के पहिले पाके अंजीर के सहीं होही—
जेमन ला मनखेमन देखते ही अपन हांथ म लेथें,
अऊ ओमन ला लील जाथें।

5 ओ दिन सर्वसक्तिमान यहोवा ह
एक महिमामय मुकुट होही,
अपन बांचे मनखेमन बर
एक सुघर मुकुट ठहिरही।
6 ओह ओकर बर नियाय के एक आतमा होही
जऊन ह नियाय के आसन म बईठथे,
ओह ओमन बर ताकत के मूल होही
जेमन बईरीमन ला वापिस दुवार कोति ढकेल देथें।

7 अऊ येमन घलो अंगूर के मंद पीके डगमगाथें
अऊ मंद ले लड़खड़ाथें:
पुरोहित अऊ अगमजानीमन मंद पीके डगमगाथें
अऊ अंगूर के मंद पीके गिर जाथें;
ओमन मंद पीके लड़खड़ाथें,
ओमन डगमगाथें, जब ओमन दरसन देखथें,
ओमन लड़खड़ाथें, जब ओमन फैसला सुनाथें।
8 जम्मो मेजमन उल्टी ले भरे हवंय
अऊ अइसे कोनो जगह नइं बांचे हवय, जिहां गंदगी नइं ए।

9 "येह कोन ए, जेला ओह सिखाय के कोसिस करत हे?
कोन ला ओह अपन संदेस के अर्थ समझावत हे?
का ओ लइकामन ला, जेमन के दूध छोंड़ाय गे हवय,
का ओमन, जेमन ला अभी-अभी दाई के थन ले अलग करे गे हवय?
10 काबरकि येह अय:
येला करव, ओला करव,
एक नियम येकर बर, एक नियम ओकर बर;
थोरकन इहां, थोरकन उहां।"

11 तब बहुंत अच्छा, परदेसी भासा अऊ अनजान बोली के संग
परमेसर ह ये मनखेमन ले गोठियाही,
12 जऊन मन ला ओह कहिस,
"येह अराम करे के जगह अय, थके मनखेमन अराम करंय";
अऊ, "येह अराम करे के जगह अय"—
पर ओमन सुने नइं चाहिन।
13 एकरसेति, यहोवा के बचन ह ओमन बर बन जाही:
येला करव, ओला करव,
एक नियम येकर बर, एक नियम ओकर बर;
थोरकन इहां, थोरकन उहां—
ताकि जब ओमन जावंय, त ओमन पाछू के भार गिरंय;
अऊ घायल हो जावंय अऊ फांदा म फंसके पकड़े जावंय।

14 येकर कारन, हे ठट्ठा करइयामन,
जेमन यरूसलेम म ये मनखेमन ऊपर सासन करथव, यहोवा के बचन ला सुनव।
15 तुमन ये डींग मारथव, "हमन मऊत के संग करार करे हन,
मिरतू-लोक के संग हमन एक समझौता करे हन।
एकर कारन जब बिपत्ति बाढ़ सहीं आथे,
त येह हमन ला छू नइं सकय,
काबरकि हमन झूठ के सरन लेय हवन
अऊ लबारी* के आड़ म लुकाय हवन।"
16 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
"देखव, मेंह सियोन म एक ठन पथरा, एक परखे पथरा,
एक ठन कीमती कोना के पथरा, एक मजबूत नीव बर रखे हंव;
अऊ जऊन कोनो येकर ऊपर बिसवास करही
ओह कभू आतंकित नइं होही।
17 मेंह नियाय ला नापे के डोरी
अऊ धरमीपन ला साहुल ठहिराहूं;
करा ह तुम्हर झूठ के सरन-स्थान ला बोहाके ले जाही,
अऊ तुम्हर लुकाय के जगह ह पानी म बुड़ जाही।
18 मऊत के संग तुम्हर करार ह टूट जाही;
अऊ मिरतू-लोक के संग तुम्हर समझौता ह नइं ठहिरही।
जब बाढ़ सहीं बिपत्ति ह आही,
तब तुमन ओमा कुचरे जाहू।
19 जब-जब भी येह आही, येह तुमन ला दूरिहा ले जाही;
बिहनियां के बाद बिहनियां, रात अऊ दिन,
येह आके नुकसान करही।"

ये संदेस के समझ ह
भयंकर आतंक लानही।
20 बिछौना ह हांथ-गोड़ फईलाय बर बहुंत छोटे हे,
अऊ ओढ़ना ह ओढ़े बर सांकुर हवय।
21 काबरकि यहोवा ह वइसन उठके ठाढ़ होही,
जइसन ओह परासीम नांव पहाड़ म ठाढ़ होय रिहिस,
ओह अपनआप ला वइसन देखाही, जइसन ओह गिबोन के घाटी म देखाय रिहिस—
ताकि ओह अपन काम, अपन अद्भूत काम ला करय,
अऊ अपन काम, अपन अलग किसम ला देखावय।
22 एकरसेति अब तुमन ठट्ठा झन करव,
नइं तो तुम्हर बेड़ीमन ला अऊ भारी कर दिये जाही;
परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह मोला बताय हवय
कि पूरा देस के बिरूध बिनास के फैसला करे गे हवय।

23 धियान दव अऊ मोर अवाज ला सुनव,
धियान दव अऊ मोर बात ला सुनव।
24 का कोनो किसान बीज बोय बर नांगर जोतथे, त का लगातार जोतत रहिथे?
का ओह लगातार माटी ला फोरथे अऊ काम करत रहिथे?

* **28:15** या [illegible]

25 जब ओह भुइयां ला समतल कर लेथे,
त का ओह अजवाईन ला नइं बोवय अऊ जीरा ला नइं छिंचय?
का ओह गहूं ला येकर जगह म,
जौ ला येकर भाग म
अऊ कठिया गहूं ला येकर खेत के मुड़ा म नइं बोवय?
26 ओकर परमेसर ह ओला
सही तरीका सिखोथे अऊ बताथे।

27 अजवाईन ला बेलन चलाके नइं मिंजे जावय,
न ही जीरा ऊपर गाड़ी के चक्का चलाय जावय;
अजवाईन ला छड़ी ले
अऊ जीरा ला लउठी ले पीटके झर्राय जाथे।
28 रोटी बनाय बर अनाज ला पीसना जरूरी अय;
पर ओला कोनो हमेसा मिंजत नइं रहय।
मिंजई करे के गाड़ी के चक्का ह येकर ऊपर चल सकत हे,
पर कोनो मनखे अनाज ला पीसे बर घोड़ामन के उपयोग नइं करय।
29 ये जम्मो चीज घलो सर्वसक्तिमान यहोवा करा ले आथे,
जेकर योजना ह अद्भूत अय,
जेकर बुद्धि ह उत्तम अय।

29

[illegible]
1 तोर ऊपर हाय, अरीएल, अरीएल,
ओ नगर जेमा दाऊद निवास करत रिहिस!
बछर ऊपर बछर जोड़त जावव
अऊ अपन तिहारमन ला मनाते जावव।
2 तभो ले मेंह तो अरीएल ला संकट म डारहूं;
ओह रोही अऊ बिलाप करही,
अऊ ओह मोर नजर म एक अरीएल* सहीं ठहिरही।
3 मेंह तोर बिरूध चारों कोति डेरा डालहूं;
मेंह मीनार बनाके तोला घेर लूहूं
अऊ तोर बिरूध सैनिक घेरा डालहूं।
4 तोला खाल्हे लाने जाही, तेंह भुइयां ले गोठियाबे;
तेंह धुर्रा म ले बड़बड़ाबे।
एक भूत सहीं तोर अवाज धरती ले आही;
धुर्रा म ले तोर कानाफूसी के अवाज आही।

5 पर तोर बहुंते बईरीमन बारिक धुर्रा सहीं हो जाहीं,
निरदयी उपदरवी भीड़ ह उड़ियाय भूंसा सहीं।
अचानक, पल भर म,
6 सर्वसक्तिमान यहोवा ह गरजत
अऊ भुइंडोल अऊ बड़े अवाज के संग,
बवंडर अऊ आंधी अऊ भसम करइया आगी के संग आही।
7 तब जम्मो जाति के उपदरवी भीड़, जेमन अरीएल के बिरूध लड़थें,
जेमन ओकर अऊ ओकर किला ऊपर हमला करके ओला घेर लेथें,

* **29:2** या [illegible]

येह रथिया देखे गय एक सपना,
एक दरसन के सहीं होही—
8 येह अइसन होही, जइसे कोनो भूखा मनखे जेवन करे के सपना देखथे,
पर जब ओह जागथे, त भूखन ही रहिथे;
या कोनो पीयासन मनखे पानी पीये के सपना देखथे,
पर जब जागथे, त दुरबल अऊ पीयासन ही रहिथे।
अइसन ही ओ जम्मो जातिमन के उपदरवी भीड़ के दसा होही
जेमन सियोन पहाड़ के बिरूध लड़थें।

9 ठहर जावव अऊ अचम्भो करव,
अपनआप ला अंधरा कर लव अऊ झन देखव;
मतवार बन जावव, पर अंगूर के मंद पीके नइं,
लड़खड़ावव, पर मंद पीके नइं।
10 यहोवा ह तुमन ला भारी नींद म डाल देय हवय:
ओह तुम्हर आंखीमन (अगमजानीमन) म मुहर लगा दे हवय;
ओह तुम्हर मुड़मन (अगम-दरसीमन) ला ढांप दे हवय।
11 तुम्हर बर ये पूरा दरसन कुछू नइं, पर एक किताब म लिखे मुहरबंद बचन अय। अऊ कहूं तुमन ये किताब
कोनो मनखे ला देथव, जऊन ह पढ़ सकथे, अऊ तुमन कहिथव, "येला पढ़," अऊ ओह कहिथे, "मेंह नइं पढ़े
सकंव, काबरकि येमा मुहर लगे हवय।"
12 या कहूं तुमन ये किताब कोनो अइसने मनखे ला देथव जऊन ह पढ़ नइं सकय, अऊ तुमन कहिथव, "येला
पढ़," त ओह जबाब दीही, "मेंह तो पढ़े बर नइं जानंव।"

13 परभू ह कहिथे:
"ये मनखेमन अपन बचन के संग मोर लकठा म आथें
अऊ अपन ओंठ ले मोर आदर करथें,
पर ओमन के हिरदय ह मोर ले दूरिहा हवय।
ओमन के मोर अराधना करई
मनखेमन के बनाय नियममन ऊपर अधारित हे, जेला ओमन ला सिखाय गे हवय।
14 एकरसेति, मेंह ये मनखेमन ला एक बार फेर
अद्भूत काम ऊपर अद्भूत काम करके चकित करहूं;
बुद्धिमान के बुद्धि ह नास होही,
होसियारमन के होसियारी ह जावत रहिही।"
15 हाय ओमन ऊपर, जेमन अपन चलाकी ला यहोवा ले
लुकाय बर अब्बड़ कोसिस करथें,
अऊ अपन काम अंधियार म करके कहिथें अऊ सोचथें,
"हमन ला कोन देखत हे? येला कोन ह जानही?"
16 तुमन चीजमन ला उल्टा पुलटा कर देथव,
मानो कुम्हार ह माटी के सहीं समझे गीस!
का बनाय गय चीज ह अपन बनानेवाला ला कहिथे,
"तेंह मोला नइं बनाय हस"?
का बरतन ह कुम्हार ले कह सकथे,
"तेंह कुछू नइं जानस"?

17 का थोरकन समय म ही, लबानोन ह उपजाऊ भुइयां म नइं बदले जाही
अऊ उपजाऊ भुइयां जंगल सहीं जान पड़थे?

18 ओ दिन भैंरामन किताब के बात ला सुनहीं,
धुंधलापन ले अऊ अंधियार म ले
अंधरामन के आंखीमन देखन लगहीं।
19 एक बार फेर नम्र मनखे ह यहोवा म आनंदित होही;
अऊ जरूरतमंद ह इसरायल के पबितर परमेसर म आनंदित होही।
20 निरदयी ह गायब हो जाही,
ठट्ठा करइयामन के अन्त हो जाही,
अऊ जेमन बुरई करे के नजर रखथें, ओमन काट डारे जाहीं—
21 जेमन अपन बात से आने मनखे ला दोसी ठहिराथें,
जेमन अदालत म बचाव करइया ला फंसा लेथें
अपन लबारी गवाही के दुवारा निरदोस के नियाय ला बिगाड़थें।
22 एकरसेति यहोवा, जऊन ह अब्राहम ला छोंड़ाईस, याकूब के संतानमन ले ये कहत हे:
"याकूब ह अब लज्जित नइं होही;
ओमन के चेहरा अब उदास नइं होही।
23 जब याकूब के संतानमन अपन बीच
मोर हांथ के काममन ला देखहीं,
तब ओमन मोर आदर करहीं,
ओमन याकूब के पबितर परमेसर के पबितरता ला मानहीं,
अऊ इसरायल के परमेसर के भय म ठाढ़ होहीं।
24 जेमन आतमा म जिद्दी† अंय, ओमन समझदार होहीं;
जेमन कुड़कुड़ाथें, ओमन सिकछा ला गरहन करहीं।"

30

[illegible]
1 "जिद्दी लइकामन ऊपर हाय,"
यहोवा ह घोसना करत हे,
"हाय ओमन ऊपर, जेमन ओ योजना ऊपर काम करथें, जऊन ह मोर नो हय,
करार तो करथें, पर मोर आतमा के दुवारा नइं,
अऊ अइसन करके पाप ऊपर पाप करत जाथें;
2 जेमन बिगर मोर ले पुछे
खाल्हे मिसर देस जाथें;
जेमन आसा करथें कि फिरौन ह ओमन के बचाव करे,
अऊ ओमन मिसर के छइहां म सरन लेवंय।
3 पर फिरौन के बचाव ले तुमन लज्जित होहू,
अऊ मिसर के छइहां ह तुमन ला कलंकित करही।
4 हालाकि ओमन के करमचारीमन सोअन सहर म हवंय
अऊ ओमन के दूतमन अब हानेस सहर म हबर गे हवंय।
5 पर हर एक ला लज्जित होय बर पड़ही
काबरकि एक किसम के मनखेमन ओमन बर बेकार साबित होहीं,
जेमन ले न तो कोनो मदद मिलही अऊ न ही ओमन ले कोनो फायदा होही,
पर ओमन सिरिप लज्जा अऊ कलंक के कारन बनहीं।"
6 नेगेव के पसुमन के बारे म एक अगमबानी:
कठिनई अऊ दुख ले भरे देस ले होवत,
सेर अऊ सेरनीमन ले होवत,

† **29:24** या [illegible]

बिसैला अऊ फुफकारत सांपमन ले होवत,
दूतमन अपन धन-दौलत गदहामन के पीठ ऊपर,
अऊ अपन खजानामन ला ऊंटमन के पीठ म लादके
ओ देस म लाथें, जिहां ओमन ला कोनो फायदा नइं होवय,
7 याने कि मिसर देस म लाथें, जेकर मदद ह एकदम बेकार अय।
एकरसेति मेंह ओकर नांव
राहाब, कुछू नइं करइया रखे हंव।

8 अब जा, येला ओमन बर एक ठन पटिया म खोदके लिख,
एक किताब म लिख,
ताकि अवइया दिनमन बर
येह सदाकाल के एक गवाही होवय।
9 काबरकि येमन बिदरोही मनखे, धोखा देवइया लइकामन अंय,
अइसन लइकामन अंय, जेमन यहोवा के सिकछा ला सुने नइं चाहत हें।
10 ओमन अगम-दरसीमन ला कहिथें,
"अऊ दरसन झन देखव!"
अऊ अगमजानीमन ला कहिथें,
"हमन ला ओ दरसन के बात झन बतावव, जऊन ह सही अय!
हमन ले खुसी देवइया बात कहव,
मोह लेवइया बात के अगमबानी करव।
11 ये डहार ला छोंड़व
ये रद्दा ले हट जावव,
अऊ इसरायल के पबितर परमेसर के संग
हमर बिरोध करई बंद करव!"
12 एकर कारन इसरायल के पबितर परमेसर ह ये कहत हे:
"काबरकि तुमन ये संदेस ला अस्वीकार करे हव,
अतियाचार ऊपर बिसवास करे हव
अऊ धोखा ऊपर भरोसा करे हव,
13 एकरसेति ये पाप ह तुम्हर बर अइसन हो जाही
जइसन कोनो ऊंचहा दीवार म दरार पड़थे अऊ टूटे लगथे,
ओह अचानक पल भर म टूटके गिर जाथे।
14 येह माटी के बरतन सहीं फूटके कुटा-कुटा हो जाही,
चकनाचूर होके अइसन बिखर जाही
कि ओकर टुकड़ा के एक ठिकरा घलो नइं मिलही
जेकर ले अंगीठी म ले आगी निकाले जावय
या टांकी म ले पानी निकाले जाय।"
15 परमपरधान यहोवा, इसरायल के पबितर परमेसर ह ये कहत हे:
"पछताप करके चुप रहे म तुम्हर उद्धार हवय,
सांत रहिके भरोसा करे म तुम्हर ताकत हवय,
पर तुमन येमा के एको ठन चीज नइं करेव।
16 तुमन कहेव, 'नइं, हमन तो घोड़ा म चघके भाग जाबो।'
एकरसेति तुमन भागहू!
तुमन कहेव, 'हमन तेज भगइया घोड़ामन म सवारी करबो।'
एकरसेति तुम्हर पीछा करइयामन तुम्हर ले तेज होहीं!
17 एके जन के धमकी ले

एक हजार भागहीं;
पांच जन के धमकी ले
तुमन जम्मो के जम्मो भागहू,
जब तक तुमन कोनो पहाड़ के टीप म झंडा के एक लउठी
या पहाड़ी के ऊपर एक झंडा सहीं नइं छोंड़ दिये जावव।”

18 तभो ले यहोवा ह तुम्हर ऊपर अनुग्रह करे के ईछा रखथे;
एकरसेति ओह तुम्हर ऊपर दया देखाय बर ठाढ़ होही।
काबरकि यहोवा ह नियाय के परमेसर अय
धइन अंय ओ जम्मो, जेमन ओकर ऊपर आसा लगाय रहिथें!
19 हे सियोन के मनखेमन, जेमन यरूसलेम म रहिथव, तुमन ला अऊ रोना नइं पड़य। जब तुमन ओला मदद बर पुकारहू, त ओह तुम्हर ऊपर अनुग्रह करही! ओह तुम्हर बात सुनते ही तुमन ला जबाब दीही।
20 हालाकि परभू ह तुमन ला बिपत्ति के रोटी अऊ दुख के पानी देथे, तभो ले तुम्हर गुरूमन अब लुकाय नइं रहंय; तुमन अपन आंखी ले ओमन ला देखहू।
21 चाहे तुमन जेवनी मुड़व या डेरी कोति मुड़व, तुमन ला अपन पाछू म एक अवाज ये कहत सुनई दीही, “येह ओ डहार अय; इही म रेंगव।”
22 तब तुमन ओ मूरतीमन ला अपबितर करहू, जेमन म चांदी मढ़े गे हवय अऊ जेमन ला सोन ले मढ़े गे हवय; तुमन ओमन ला माहवारी के ओनहा सहीं फेंक दूहू अऊ ओमन ला कहिहू, “दूरिहा होवव!”

23 यहोवा ह तुम्हर ओ बीजा बर पानी बरसाही, जेला तुमन भुइयां म बोथव, अऊ भुइयां के ऊपज याने कि जेवन घलो बढ़िया अऊ भरपूर होही। ओ दिन तुम्हर पसुमन बड़े-बड़े चरागन म चरहीं।
24 खेत म काम करइया बईला अऊ गदहामन रांपा अऊ बेलचा ले फईलाय भूंसा अऊ चारा खाहीं।
25 बड़े महा संहार के दिन, जब खंभामन गिरहीं, त पानी के झरनामन हर एक ऊंच पहाड़ अऊ ऊंच पहाड़ी ले बहत आहीं।
26 जब यहोवा ह अपन मनखेमन ला लगे चोट म पट्टी बांधही अऊ ओमन ला दिये घावमन ला चंगा करही, तब चंदा के अंजोर सूरज सहीं, अऊ सूरज के अंजोर सात गुना अऊ अंजोर हो जाही, याने कि पूरा सात दिन के अंजोर सहीं होही।
27 देखव, यहोवा ह दूरिहा ले
भड़के गुस्सा अऊ धुआं के घना बादल के संग आवत हे;
ओकर ओंठमन कोप ले भरे हवंय,
अऊ ओकर जीभ ह भसम करइया आगी सहीं अय।
28 ओकर सांस ह उमड़त पानी के धारा सहीं अय,
जऊन ह घेंच तक हबरत हे।
ओह सब जातिमन ला बिनास के छननी ले छानथे;
ओह मनखेमन के जबड़ा म ओ लगाम लगाथे,
जऊन ह ओमन ला रसता ले भटका देथे।
29 तब तुमन अइसन गाहू
जइसन तुमन कोनो पबितर तिहार ला मनाय के बेरा रथिया गाथव;
तुम्हर मन ह अइसन आनंदित होही
जइसन मनखेमन यहोवा के पहाड़,
इसरायल के चट्टान मेर ऊपर जाय के बेरा
बंसी बजात जाथें।
30 यहोवा अपन परतापी बचन मनखेमन ला सुनाही
अऊ भयंकर कोरोध अऊ भसम करइया आगी के संग,
भारी बारिस, बादर के गरजन अऊ करा के संग,

मनखेमन ला अपन भुजबल देखाही।
31 यहोवा के अवाज ह अस्सूर ला कुटा-कुटा कर दीही;
अपन सुंटी ले ओह ओमन ला मार गिराही।
32 अपन दंड देवइया गदा ले ओमन ऊपर
जब यहोवा ह चोट करथे
त हर एक चोट ह डफली अऊ बीना के संगीत म होही,
जब ओह अपन हांथ ले मुक्का मारत ओमन ले लड़ई करथे।
33 बहुंत समय ले तोपेत* ला तियार करे गे हवय;
येला राजा बर तियार करे गे हवय।
येकर आगी के खंचवा ला गहिला अऊ चौड़ा बनाय गे हवय,
येमा बहुंत अकन आगी अऊ लकरी हवय;
यहोवा के सांस ह
बरत गंधक के धारा सहीं
ओमा आगी लगा देथे।

31

[illegible]

1 ओमन ऊपर हाय, जेमन मदद पाय बर खाल्हे मिसर देस म जाथें,
जेमन घोड़ामन के आसरा करथें,
जेमन अपन भारी संखिया के रथमन ऊपर भरोसा रखथें
अऊ अपन घुड़सवारमन के बड़े ताकत ऊपर भरोसा करथें,
पर इसरायल के पबितर परमेसर कोति नइं देखंय,
अऊ न ही यहोवा ले मदद मांगंय।
2 पर ओह घलो बुद्धिमान अय अऊ बिपत्ति ला सकथे;
ओह अपन बचन ला वापिस नइं लेवय।
ओह ओ दुस्ट जाति के बिरूध ठाढ़ होही,
ओह ओमन के बिरूध ठाढ़ होही, जेमन कुकरमीमन के मदद करथें।
3 पर मिसरीमन सिरिप मरनहार मनखे अंय। परमेसर नइं;
ओमन के घोड़ामन आतमा नो हंय, पर मांस ही अंय।
जब यहोवा ह अपन हांथ ला बढ़ाही,
त जेमन मदद करथें ओमन लड़खड़ाहीं,
अऊ जेमन मदद पाथें ओमन गिरहीं;
जम्मो के जम्मो एक संग नास होहीं।
4 यहोवा ह मोला ये कहत हे:
"जइसन सिंह ह
एक बड़े सिंह ह अपन सिकार ऊपर गुर्राथे—
अऊ चरवाहामन के पूरा दल
येकर बिरूध आय ले घलो
येह ओमन के अवाज ले नइं डरावय
या ओमन के हल्ला-गुल्ला से येला कोनो फरक नइं पड़य—
वइसने ही सर्वसक्तिमान यहोवा ह खाल्हे आके
सियोन पहाड़ ऊपर अऊ येकर ऊंचई म लड़ई करही।
5 जइसे चिरईमन मुड़ ऊपर मंडराथें,
वइसे सर्वसक्तिमान यहोवा ह यरूसलेम के रकछा करही;

* **30:33** [illegible] याने कि [illegible]

ओह ओकर रकछा करही अऊ ओला छोंड़ाही,
ओह ओमा ले होके जाही अऊ ओला बचाही।”
6 हे इसरायलीमन, जेकर बिरूध म तुमन भारी बिदरोह करे हवव, ओकर मेर लहुंटके आवव।
7 काबरकि ओ दिन, तुमन म ले हर एक जन ओ सोन अऊ चांदी के मूरतीमन ला अस्वीकार करहू, जेमन ला
तुम्हर पापी हांथमन बनाय हवंय।
8 “अस्सूरीमन मनखे के तलवार ले मारे नइं जाहीं;
एक अइसन तलवार ह ओमन ला खा जाही, जऊन ह मरनहार मनखेमन के नो हय।
ओमन तलवार के सामने ले भागहीं
अऊ ओकर जवानमन ले बेगारी कराय जाही।
9 आतंक के मारे ओमन के गढ़ ह गिर जाही;
लड़ई के झंडा ला देखके ओमन के सेनापतिमन डर जाहीं,”
यहोवा ह घोसना करत हे,
जेकर आगी ह सियोन म,
अऊ जेकर भट्ठी ह यरूसलेम म हवय।

32

?????? ?? ????

1 देखव, एक राजा ह धरमीपन से राज करही
अऊ सासन करइयामन नियाय के संग सासन करहीं।
2 हर एक झन आंधी ले लुकाय के जगह,
अऊ तूफान ले आड़ लेय के जगह सहीं होही,
मरू-भुइयां म पानी के झरना,
अऊ तपत भुइयां म बड़े चट्टान के छइहां सहीं होही।

3 ओ समय देखइयामन के आंखी ह नइं धुंधलाही,
अऊ सुनइयामन के कान ह सुनही।
4 भय माननेवाला मनखे के मन ह जानही अऊ समझही,
अऊ तोतरामन के जीभ ह सही अऊ साफ हो जाही।
5 मुरूख ला फेर कभू उत्तम मनखे नइं कहे जाही
अऊ न ही दुस्ट मनखे ला बहुंत आदर दिये जाही।
6 काबरकि मुरूखमन तो मुरूखता के ही बात करथें,
अऊ ओमन के मन ह दुस्टता के बात म लगे रहिथे:
ओमन अधरम के काम करथें
अऊ यहोवा के बारे म लबारी बात फईलाथें;
भूखा ला भूखन ही रहन देथें
अऊ पीयासा ला पानी नइं देवंय।
7 दुस्टमन दुस्ट तरीका अपनाथें,
ओमन दुस्ट उपाय निकालत रहिथें
ताकि गरीबमन ला लबारी बात कहिके लूटंय,
जब जरूरतमंद के बिनती ह सही होथे, तब घलो येमन अइसे ही करथें।
8 पर बने मनखे ह उत्तम उपाय करथे,
अऊ ओमन अपन उत्तम काममन के दुवारा बने रहिथें।

??????? ?? ??????????

9 हे माईलोगनमन, जेमन बहुंत आत्म-संतुस्ट हवव,
उठव अऊ मोर बात ला सुनव;

हे बेटीमन, जेमन सुरकछित महसूस करथव,
मोर बात कोति कान लगावव!
10 एक बछर पूरा होय के थोरकन बाद
जेमन सुरकछित महसूस करत हवंय, ओमन कांपहीं;
काबरकि अंगूर के फसल ह नइं होही,
अऊ न ही कोनो किसम के फर धरही।
11 हे आत्म-संतुस्ट माईलोगनमन, कांपव;
हे बेटीमन, जेमन सुरकछित महसूस करथव, तुमन कांपव!
अपन सुघर ओनहामन ला उतार दव
अऊ फटहा-चीरहा ओनहा ला लपेट लव।
12 बने खेतमन बर अऊ फरवाले अंगूर के नारमन बर
छाती पीट-पीटके रोवव
13 अऊ मोर मनखेमन के भुइयां बर,
अइसन भुइयां जेमा कांटा अऊ कंटिली झाड़ीमन बढ़ गे हवंय, रोवव—
हव, खुसी मनइया जम्मो घरमन बर
अऊ चहल-पहल वाले ये सहर बर बिलाप करव।
14 किला ला छोंड़ दिये जाही,
हल्ला-गुल्ला ले भरे सहर ला तियाग दिये जाही;
किला अऊ पहरेदारी के ऊंचहा जगहमन हमेसा बर सुनसान हो जाहीं
येमन गदहामन बर घुमे-फिरे के जगह अऊ पसुमन के चरागन ओ समय तक बने रहिहीं,
15 जब तक कि आतमा ला ऊपर ले हमर ऊपर ढारे नइं जाही,
अऊ मरू-भुइयां ह उपजाऊ खेत नइं बन जाही
अऊ उपजाऊ भुइयां एक जंगल सहीं नइं जान पड़ही।
16 यहोवा के नियाय ओ मरू-भुइयां म बसही,
ओकर धरमीपन ह ओ उपजाऊ भुइयां म रहिही।
17 ओ धरमीपन के फर ह सांति होही;
अऊ येकर नतीजा सबो दिन के सांति अऊ बिसवास होही।
18 मोर मनखेमन सांति के जगह म,
सुरकछित घरमन म,
अराम के जगहमन म निस्चिंत रहिहीं।
19 हालाकि करा ह जंगल ला चौरस कर देथे
अऊ सहर ह पूरा समतल हवय,
20 पर कतेक आसीसित होहू तुमन,
जब तुमन सोतामन के तीर म बीजा बोहू,
अऊ अपन पसु अऊ गदहामन ला चरे बर खुला छोंड़ दूहू।

33

[illegible]
1 हे नास करइया, तोर ऊपर हाय,
तें, जेला नास नइं करे गे हवय!
हे बिसवासघात करइया, तोर ऊपर हाय,
तें, जेकर संग बिसवासघात नइं करे गे हवय!
जब तें नास करई बंद करबे,
तब तोला नास करे जाही;
जब तें बिसवासघात करई बंद करबे,

तब तोर संग बिसवासघात करे जाही।

2 हे यहोवा, हमर ऊपर अनुग्रह कर;
हमन तोर ही रसता देखत हवन।
हर बिहनियां तें हमर ताकत,
संकट के समय तें हमर उद्धारकर्ता बन जा।
3 तोर सेना के हुल्लड़ करे ले मनखेमन भाग जाथें;
जब तेंह उठथस, त जाति-जाति के मनखेमन तितिर-बितिर हो जाथें।
4 जइसन जवान फांफामन खेत ला चट कर डारथें;
वइसन ही तुम्हर लूट ऊपर मनखेमन फांफामन के झुंड सहीं टूट पड़थें।

5 यहोवा ह ऊपर उठाय जाथे, काबरकि ओह ऊंच जगह* म रहिथे;
ओह सियोन ला अपन नियाय अऊ धरमीपन ले भर दीही।
6 यहोवा ह तुम्हर समय बर जरूरी आधार,
उद्धार अऊ बुद्धि अऊ गियान के एक उत्तम भंडार होही;
यहोवा के भय ह ये खजाना के चाबी अय।

7 देख, ओमन के सूरबीरमन गलीमन म जोर-जोर से रोवत हवंय;
सांति के दूतमन बिलख-बिलखके रोवत हवंय।
8 राजमार्गमन सुनसान परे हवंय,
सड़कमन म कोनो यातरी नइं एं।
करार ला टोर दिये गे हवय,
येकर गवाहमन† ला तुछ समझे जावत हे,
कोनो मनखे के आदर नइं होवत हे।
9 भुइयां ह सूखत हे अऊ बेकार होवत हे,
लबानोन ह लज्जित होके मुरझावत हे;
सारोन ह अराबा के सहीं हो गे हवय,
अऊ बासान अऊ करमेल पहाड़ म पतझड़ होवत हवय।

10 यहोवा ह कहिथे, "अब मेंह उठहूं,
अब मेंह ऊपर उठाय जाहूं;
अब में ऊपर करे जाहूं।
11 तुमन भूंसा ला गरभ म धरथव,
तुमन पैंरा ला जनम देथव;
तुम्हर सांस ह एक आगी अय, जऊन ह तुमन ला भसम कर देथे।
12 मनखेमन जरके राख हो जाहीं;
कटाय कंटिला झाड़ीमन सहीं ओमन ला आगी म जलाय जाही।"

13 तुमन, जेमन बहुंत दूरिहा म हवव, सुनव कि मेंह का करे हंव;
तुमन, जेमन लकठा म हवव, मोर ताकत ला जान लव!
14 सियोन के पापीमन डर गे हवंय;
भक्तिहीनमन ला कंपकपी होवत हवय:
"हमन म ले कोन ह भसम करइया आगी म रह सकत हे?
हमन म ले कोन ह सदा बरत रहइया आगी म निवास कर सकत हे?"
15 ओमन, जेमन धरमीपन म चलथें

* **33:5** या [illegible] † **33:8** या [illegible]

अऊ सही बात बोलथें,
जेमन अंधेर के लाभ ले घिन करथें,
जेमन घूस नइं लेवंय,
जेमन हतिया करे के बात ला नइं सुनंय
अऊ बुरई करे के बात ले आंखी मुंद लेथें—
16 ओहीचमन ही ऊंचहा जगह म निवास करहीं,
जेमन के सरन-स्थान पहाड़ के किला होही।
ओमन ला रोटी दिये जाही,
अऊ ओमन ला पानी के कमी नइं होही।

17 तेंह अपन आंखी ले राजा ला ओकर सोभा समेत देखबे
अऊ लम्बा-चौड़ा देस ला देखबे।
18 अपन मन म तेंह पहिले के आतंक के दिन ला सुरता करबे:
"ओ मुखिया अधिकारी कहां हे?
ओह कहां हवय, जऊन ह मालगुजारी लेवय?
ऊंचहा महलमन के अधिकारी कहां हवय?"
19 तेंह ओ जिद्दी मनखेमन ला फेर नइं देखबे,
ओ मनखे, जेमन के बात साफ नइं ए,
जेमन के भासा अजीब अऊ समझ म नइं आवय।

20 सियोन कोति देख, हमर तिहारमन के सहर;
तें अपन आंखी ले यरूसलेम ला देखबे,
एक सांतिवाला डेरा, एक ठन तम्बू जेला हटाय नइं जावय;
येकर खूंटामन ला कभू निकाले नइं जावय,
अऊ न ही येकर कोनो रस्सी ला टोरे जावय।
21 उहां यहोवा ह हमर सक्तिसाली जन होही।
येह चौड़ा-चौड़ा नदीमन अऊ सोतामन के एक जगह होही।
पतवार वाला डोंगा ह ओमन म नइं जा सकही,
अऊ न ही बड़े जहाज ह उहां ले होके जाही।
22 काबरकि यहोवा ह हमर नियायी ए,
यहोवा ह हमर कानून-देवइया ए,
यहोवा ह हमर राजा ए;
ओही ह हमर उद्धार करही।

23 तोर जहाज के रस्सीमन ढीला हो गे हवंय:
मसतूल के जरी ला मजबूत नइं रखे गे हवय,
अऊ न ही पाल ला ताने गे हवय।
तब लूट के बहुंत सामान ला बांटे जाही
अऊ लंगड़ामन घलो लूटे गय सामान ला ले जाहीं।
24 सियोन म रहइया कोनो घलो ये नइं कहिहीं, "मेंह बेमार हंव";
अऊ जेमन उहां रहिथें, ओमन के पाप छेमा करे जाही।

34

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
1 हे जाति-जाति के मनखेमन, लकठा म आवव अऊ सुनव;
हे मनखेमन, धियान देके सुनव!

धरती अऊ जऊन कुछ्छू ओमा हवय,
संसार अऊ जऊन कुछ्छू ओमा ले निकलके आथे, जम्मो के जम्मो सुनव!
2 यहोवा सब जाति के मनखेमन ऊपर रिस करत हवय,
ओकर कोप ह ओमन के जम्मो सेना ऊपर हवय।
ओह ओमन ला पूरा नास कर दीही,
ओह ओमन के हतिया करे बर दे दीही।
3 ओमन के मारे गय मनखेमन ला बाहिर फेंक दिये जाही,
ओमन के लास ले दुरगंध आही;
पहाड़मन ओमन के लहू ले गीला हो जाहीं।
4 अकास के जम्मो तारामन खतम हो जाहीं
अऊ अकास ला कागज सहीं लपेटे जाही;
जइसन अंगूर के नार के पानमन मुरझाके
अऊ अंजीर रूख ले अंजीरमन सिकुड़के गिर जाथें,
वइसन ही जम्मो तारा मंडल गिर जाहीं।

5 मोर तलवार ह अकास म पीके छक गे हवय;
देखव, येह नियाय बर एदोम ऊपर उतरत हे,
ओ मनखे, जेमन ला मेंह पूरा नास कर दे हंव।
6 यहोवा के तलवार लहू ले भर गे हे,
येह चरबी ले ढंक गे हवय—
मेढ़ा-पीला अऊ बोकरामन के लहू ले,
मेढ़ामन के गुरदा के चरबी ले भरे हवय।
काबरकि बोसरा नगर म यहोवा बर एक बलिदान
अऊ एदोम देस म बड़े मारकाट करे गे हवय।
7 ओमन के संग जंगली बईलामन,
बछुवामन अऊ बड़े सांड़मन ला काटे जाही।
ओमन के देस ह खून ले भीग जाही,
अऊ धुर्रा ह चरबी ले भर जाही।

8 काबरकि पलटा लेय बर यहोवा मेर एक दिन हवय,
सियोन के मामला ला उठाय बर, पलटा लेय के एक बछर हवय।
9 एदोम के सोतामन ढलान म बदल जाहीं,
अऊ ओकर धुर्रा ह बरत गंधक म;
ओकर भुइयां ह बरत ढलान बन जाही!
10 येह रात अऊ दिन नइं बुताही;
येकर धुआं हर समय उठत रहिही।
पीढ़ी-पीढ़ी तक येह उजाड़ परे रहिही;
कोनो ओमा ले होके फेर कभू नइं जाहीं।
11 मरू-भुइयां के उल्लू अऊ चीखनेवाला उल्लू ओमा निवास करहीं;
उहां बड़े उल्लू अऊ कऊआ बसेरा करहीं।
परमेसर ह एदोम ऊपर
गड़बड़ी के नापे के डोरी
अऊ सुन्नापन के नापे के बाट ला तानही।
12 ओकर परभावसाली मनखेमन करा उहां अइसे कुछ्छू नइं होही, जेला राजा के राज कहे जा सकय,

ओकर सब हाकिममन के अन्त हो जाही।
13 ओकर महलमन म कंटिला रूख,
अऊ ओकर गढ़मन म बिच्छू पऊधा अऊ झाड़ीमन उगहीं।
ओह सियारमन के डेरा,
अऊ उल्लूमन के घर हो जाही।
14 उहां मरू-भुइयां के जन्तुमन हुर्रामन संग बसहीं,
अऊ जंगली बोकरामन एक-दूसर ला बलाहीं;
उहां रथिया के जीवमन घलो अराम करहीं
अऊ अपन बर अराम करे के जगह बना लीहीं।
15 उहां घुघवा ह खोंधरा बनाही अऊ अंडा दीही,
अंडा ले पीलामन निकलहीं, अऊ ओह अपन डेनामन के आड़ म
ओ पीलामन के देखभाल करही;
उहां बाज चिरईमन घलो
अपन-अपन जोड़ीदार के संग जूरहीं।
16 यहोवा के किताब म देखव अऊ पढ़व:
येमा के एको ठन घलो बात पूरा होय बिगर नइं रहय,
कोनो ला अपन जोड़ीदार के कमी नइं होही।
काबरकि येह यहोवा के मुहूं अय, जऊन ह हुकूम देय हवय,
अऊ ओकर आतमा ह ओमन ला इकट्ठा करे हवय।
17 ओही ह ओमन के भाग ला बांटथे;
ओह अपन हांथ ले नापके ओमन ला बांट देथे।
ओमन येला हमेसा बर अपन अधिकार म ले लीहीं
अऊ पीढ़ी-पीढ़ी तक उहां निवास करहीं।

35

[illegible]
1 मरू-भुइयां अऊ सूखा भुइयां खुस होहीं;
निरजन भुइयां ह आनंद मनाही अऊ उहां फूल धरही।
मरू-भुइयां ह मगन होके,
2 केसर के सहीं फूल धरही;
येह बहुंत आनंदित होही अऊ आनंद के मारे जय-जयकार करही।
लबानोन के महिमा येला दिये जाही,
अऊ येकर सोभा करमेल अऊ सारोन के सहीं होही;
ओमन यहोवा के महिमा,
हमर परमेसर के सोभा ला देखहीं।

3 ढीला हांथमन ला मजबूत करव,
कमजोर माड़ीमन ला मजबूत करव;
4 घबरानेवाला मनखेमन ला कहव,
"मजबूत बनव, झन डरव;
तुम्हर परमेसर ह आही
ओह बदला लेय बर आही;
ईस्वरीय बदला के संग
ओह तुम्हर उद्धार करे बर आही।"

5 अंधरामन के आंखी खोले जाही
अऊ भैंरामन के कान घलो खोले जाही;
6 तब खोरवा ह हिरन सहीं कूदही
अऊ कोंदामन अपन जीभ ले आनंद के मारे जय-जयकार करहीं।
काबरकि बंजर भुइयां म पानी के सोता फूट निकलही
अऊ मरू-भुइयां म नदी बोहाय लगही;
7 घाम ले बरत भुइयां ह तरिया बन जाही
अऊ सूखा भुइयां म सोतामन फूटहीं।
अऊ एक समय जिहां सियारमन रहत रिहिन
उहां घांस अऊ नरकट अऊ सरकंडा जामही।

8 अऊ उहां एक राजमार्ग होही;
येला पबितरता के रद्दा कहे जाही;
ये रद्दा ह ओमन बर होही, जेमन ओ रद्दा म रेंगथें।
कोनो असुध जन ओमा ले होके नइं जा सकही;
दुस्ट मुरूख मनखेमन येमा ले होके नइं जा सकहीं।
9 उहां कोनो सिंह नइं होही,
अऊ न ही कोनो हिंसक पसु;
ये पसुमन उहां नइं मिलहीं।
पर सिरिप छोंड़ाय गय मन ओमा रेंगहीं,
10 अऊ जेमन ला यहोवा ह बचाय हवय, ओमन लहुंटके आहीं।
ओमन गीत गावत सियोन म आहीं;
सदाकाल के आनंद ह ओमन के मुड़ के मुकुट होही।
खुसी अऊ आनंद ले ओमन भर जाहीं,
अऊ दुख अऊ पीरा के अन्त हो जाही।

36

[illegible]

1 हिजकियाह राजा के राज के चौदहवां साल म, अस्सूर के राजा सनहेरीब ह यहूदा के जम्मो गढ़वाले सहर ऊपर हमला करिस अऊ ओमन ला अपन अधिकार म कर लीस।
2 अस्सूर के राजा ह अपन मैदान के सेनापति ला एक बड़े सेना के संग लाकीस नगर ले यरूसलेम म हिजकियाह राजा के बिरूध भेजिस। जब सेनापति ह ऊपरी तरिया के नहर करा धोबीमन के खेत के सड़क म जाके रूकिस।
3 तब हिलकियाह के बेटा एलयाकीम, जऊन ह महल के अधिकारी रिहिस, अऊ सेबना, जऊन ह सचिव रिहिस, अऊ आसाप के बेटा योआह, जऊन ह अभिलेखक रिहिस, ये तीनों झन निकलके ओकर करा गीन।
4 मैदान के सेनापति ह ओमन ला कहिस, "हिजकियाह ला बतावव:
" 'महाराजा, अस्सूर के राजा ह ये कहत हे: तोर ये भरोसा के आधार का ए?
5 तेंह कहिथस कि तोर करा लड़ई बर नीति अऊ ताकत हवय—पर तेंह सिरिप खोखला बात करथस। काकर ऊपर भरोसा करके, तेंह मोर बिरूध बिदरोह करत हस?
6 देख, मेंह जानत हंव कि तेंह मिसर देस ऊपर भरोसा करत हस, ओ एक लउठी के चीरे नरकट ऊपर, जऊन ह ओ मनखे के हांथ म चूभथे, जऊन ह येकर सहारा लेथे। फिरौन, मिसर के राजा ह ओ जम्मो झन बर अइसने ही अय, जेमन ओकर ऊपर भरोसा करथें।
7 पर कहूं तें मोला ये कहिथस, "हमर भरोसा यहोवा, हमर परमेसर ऊपर हवय"—का येह ओ नो हय, जेकर ऊंचहा जगह अऊ बेदीमन ला हिजकियाह ह हटाके यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला कहिस, "ये जरूरी अय कि तुमन ये बेदी के आघू म उपासना करव"?

8 “ ‘एकरसेति अब आ, अऊ मोर मालिक अस्सूर के राजा के संग मोलभाव कर: मेंह तोला दू हजार घोड़ा
दूहूं—यदि तें ओमन बर घुड़सवारमन के परबंध कर सकबे त!
9 हालाकि तेंह रथ अऊ घुड़सवारमन* बर मिसर देस ऊपर भरोसा करत हस, पर मोर मालिक के छोटे ले
छोटे अधिकारी ला घलो कइसे भगा सकत हस?
10 का मेंह यहोवा के बिगर कहे ये देस ऊपर हमला करेंव अऊ येला नास करे बर आय हवंव? यहोवा ह खुद
मोला कहे हवय कि ये देस ऊपर हमला कर अऊ येला नास कर दे।’ ”
11 तब एलयाकीम, सेबना अऊ योआह, मैदान के सेनापति ला कहिन, “अपन सेवकमन ले अरामिक भासा म
गोठिया, काबरकि हमन ये भासा ला समझथन। भीथी ऊपर बईठे मनखेमन के सुनत म हमर ले इबरानी म झन
गोठिया।”
12 पर सेनापति ह जबाब दीस, “का मोर मालिक ह मोला सिरिप तुम्हर मालिक अऊ तुमन ला ये बात कहे बर
पठोय हवय, अऊ दीवार ऊपर बईठे ओ मनखेमन ला नइं, जेमन ला तुम्हर सहीं, अपन खुद के मल ला खाना
अऊ अपन खुद के पेसाब ला पीना पड़ही।”
13 तब सेनापति ह ठाढ़ होईस अऊ इबरानी म जोर से कहिस, “महाराजा अस्सूर के राजा के बात ला सुनव!
14 राजा ह ये कहत हे, हिजकियाह तुमन ला धोखा झन देवय। ओह तुमन ला छुड़ा नइं सकय।
15 हिजकियाह के मनाय म झन आवव, जब ओह यहोवा ऊपर भरोसा रखे बर ये कहिथे, ‘खचित यहोवा ह
हमन ला छुड़ाही; ये सहर† ला अस्सूर के राजा के हांथ म नइं दिये जावय।’
16 “हिजकियाह के बात ला झन सुनव। अस्सूर के राजा ह ये कहिथे: मोर संग मेल-मिलाप करव अऊ बाहिर
निकलके मोर करा आवव। तब तुमन म ले हर एक ह अपन खुद के अंगूर के नार के अऊ अंजीर के रूख के फर
खाही अऊ अपन खुद के कुंड के पानी पीही,
17 जब तक कि मेंह आके तुमन ला एक अइसन देस म नइं ले जाहूं, जऊन ह तुम्हर खुद के सहीं
होही—अनाज अऊ नवां अंगूर के मंद के देस, रोटी अऊ अंगूर के बारीमन के देस।
18 “हिजकियाह ह तुमन ला बहकावन झन पावय, जब ओह कहिथे, ‘यहोवा ह हमन ला छुड़ाही।’ का अऊ
जातिमन के देवतामन कभू अपन देसमन ला अस्सूर के राजा के हांथ ले छुड़ाय हवंय?
19 हमात अऊ अरपाद के देवतामन कहां हवंय? सपरवैम के देवतामन कहां हवंय? का ओमन सामरिया ला
मोर हांथ ले बचाय हवंय?
20 ये देसमन के जम्मो देवतामन ले कोन ह अपन देस ला मोर हांथ ले बचाय हवय? तब यहोवा ह कइसे
यरूसलेम ला मोर हांथ ले छुड़ा सकथे?”
21 पर मनखेमन चुपेचाप रिहिन अऊ जबाब म कुछू नइं कहिन, काबरकि राजा ह ये हुकूम दे रिहिस, “ओला
जबाब झन दव।”
22 तब हिलकियाह के बेटा एलयाकीम, जऊन ह महल के अधिकारी रिहिस; सेबना जऊन ह सचिव रिहिस;
अऊ आसाप के बेटा योआह, जऊन ह इतिहास के अभिलेखक रिहिस; ये तीनों अपन फटे कपड़ा के संग
हिजकियाह मेर गीन, अऊ ओला मैदान के सेनापति के कहे बात ला बताईन।

37

[illegible]

1 जब हिजकियाह राजा ह ये बात ला सुनिस, त ओह दुख म अपन ओनहा ला चीरिस अऊ बोरा के ओनहा
पहिरिस अऊ यहोवा के मंदिर म गीस।
2 ओह महल के अधिकारी एलयाकीम, सचिव सेबना अऊ अगुवा पुरोहितमन ला, जेमन बोरा के कपड़ा पहिरे
रहंय, येमन ला आमोस के बेटा यसायाह अगमजानी करा पठोईस।
3 ओमन ओला कहिन, “हिजकियाह ह ये कहत हे: ये दिन ह दुख अऊ फटकार अऊ निन्दा के दिन अय, येह
अइसने अय, मानो लइकामन के जनमे के समय आ गे, पर दाई म ओमन ला जनम देय के ताकत नइं ए।

* **36:9** या [illegible] † **36:15** या [illegible]

4 ये हो सकत हे कि यहोवा तोर परमेसर ह ओ मैदान के सेनापति के बात ला सुनय, जेला ओकर मालिक,
अस्सूर के राजा ह जीयत परमेसर के हंसी उड़ाय बर पठोय हवय, अऊ ये कि यहोवा तोर परमेसर ह ओकर बात
ला सुनके ओला डांटय। एकरसेति ओ बांचे भाग बर पराथना कर, जेमन अभी जीयत हें।"
5 जब हिजकियाह राजा के अधिकारीमन यसायाह करा आईन।
6 तब यसायाह ह ओमन ला कहिस, "अपन मालिक ला बतावव, 'यहोवा ह ये कहत हे: ओ बात ले झन डर,
जेला तेंह सुने हस—ओ बात, जेला अस्सूर के राजा के सेवकमन मोर निन्दा करत कहे हवंय।
7 सुन! जब ओह कोनो बिसेस खबर सुनही, त मेंह अइसे करहूं कि ओह अपन खुद के देस ला लहुंट जाही,
अऊ उहां मेंह ओला तलवार ले मरवा दूहूं।' "
8 जब मैदान के सेनापति ह ये सुनिस कि अस्सूर के राजा ह लाकीस नगर ला छोंड़के चले गे हवय, त ओह
लहुंट गीस अऊ देखिस कि राजा ह लिबना के बिरूध लड़त हवय।
9 सनहेरीब ला ये खबर मिलिस कि कूस के राजा तिरहाका ह ओकर बिरूध लड़ई करे बर सेना लेके आवत हे।
जब ओह ये बात सुनिस, त ओह हिजकियाह मेर संदेसियामन के हांथ म ये खबर पठोईस:
10 "यहूदा के राजा हिजकियाह ला कहव: तोर परमेसर जेकर ऊपर तेंह भरोसा करथस, ओह तोला ये कहिके
धोखा झन देवय, 'यरूसलेम ला अस्सूर के राजा के हांथ म नइं दिये जावय।'
11 तेंह ये जरूर सुने होबे कि अस्सूर के राजामन जम्मो देसमन ला पूरा नास कर दे हवंय। त का तेंह बच
सकबे?
12 मोर ले पहिले के राजामन गोजान, हारान, रेसेप सहरमन के देवता अऊ तेल-अस्सार म रहइया एदेन के
मनखेमन ला नास करिन, त का ओ जाति के देवतामन ओमन ला बचा सकिन?
13 हमात के राजा या अरपाद के राजा कहां हवंय? लायर, सपरवैम, हेना अऊ इव्वा के राजामन कहां हवंय?"

[illegible]

14 हिजकियाह ला संदेसियामन ले चिट्ठी मिलिस अऊ ओह ओला पढ़िस। तब ओह यहोवा के मंदिर म गीस
अऊ ओ चिट्ठी ला यहोवा के आघू म बगरा दीस,
15 अऊ हिजकियाह ह यहोवा ले पराथना करिस,
16 "हे सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर, तेंह करूबमन के बीच म बिराजे हस, सिरिप तें ही धरती के
जम्मो राजमन के ऊपर परमेसर अस। तें ही स्वरग अऊ धरती ला बनाय हस।
17 हे यहोवा, कान लगाके सुन; हे यहोवा, अपन आंखी ला खोलके देख; सनहेरीब के ओ जम्मो बात ला सुन,
जेला ओह जीयत परमेसर के हंसी उड़ाय बर लिखके भेजे हवय।
18 "हे यहोवा, ये बात सच ए कि अस्सूर के राजामन ये जम्मो मनखे अऊ ओमन के देसमन ला उजाड़ दे हवंय।
19 अऊ ओमन के देवतामन ला आगी म फटिकके नास कर दे हवंय, काबरकि ओमन देवता नइं रिहिन; पर
मनखेमन के हांथ के बनाय सिरिप लकरी अऊ पथरा ही रिहिन।
20 अब हे यहोवा, हमर परमेसर, हमन ला ओकर हांथ ले बचा, ताकि धरती के जम्मो राजमन जानंय कि
सिरिप तें यहोवा ही परमेसर अस।"

[illegible]

21 तब आमोस के बेटा यसायाह ह हिजकियाह करा ये खबर पठोईस: "यहोवा इसरायल के परमेसर ह ये
कहत हे: काबरकि तेंह अस्सूर के राजा सनहेरीब के बारे म मोर ले पराथना करे हस,
22 यहोवा ह ओकर बिरूध म ये बात कहे हवय:
"कुंवारी बेटी सियोन ह
तोला तुछ समझथे अऊ तोर हंसी उड़ाथे।
बेटी यरूसलेम ह
अपन मुड़ हलाथे, जब तेंह भागथस।
23 तेंह काकर हंसी उड़ाय हस अऊ निन्दा करे हस?
काकर बिरूध म, तेंह अपन अवाज उठाय हस
अऊ घमंड ले अपन आंखी उठाय हस?
इसरायल के पबितर परमेसर के बिरूध!

24 अपन संदेसियामन के दुवारा
तेंह परभू के हंसी उड़ाय हस।
अऊ तेंह कहे हस,
'अपन बहुंते रथमन के संग
मेंह पहाड़मन के ऊंचई म चघे हंव,
लबानोन के टीप तक।
मेंह ओकर सबले ऊंच देवदार रूखमन ला
अऊ सबले बने सनोवर रूखमन ला काट डारे हंव।
मेंह ओकर सबले दुरगम ऊंचई,
ओकर जंगल के सबले सुघर भाग म हबर गे हवंव।
25 मेंह परदेस म कुआं खने हंव
अऊ उहां पानी पीये हंव।
अपन गोड़ के तलवा ले
मेंह मिसर के जम्मो झरना ला सूखा दे हंव।'

26 "का तेंह नइं सुने?
बहुंत पहिले मेंह ओला ठहिराय रहेंव।
बहुंत पहिले ओकर योजना बनाय रहेंव;
अब मेंह ओला पूरा करत हंव,
कि तेंह गढ़वाले सहरमन ला
पथरा के कुढ़ा बना दे।
27 एकरे बर ओमन के ताकत ह चले गे हवय,
ओमन डर गे हवंय अऊ ओमन के बेजत्ती होय हवय।
ओमन खेत के पऊधा सहीं अंय,
हरियर कोअंर पऊधा के पीका सहीं,
छानी म उगत कांदी सहीं, जऊन ह बाढ़े के पहिली सूख जाथे।

28 "पर मेंह जानत हंव कि तेंह कहां हस
अऊ तें कब आथस अऊ जाथस
अऊ कइसे तेंह मोर ऊपर गुस्सा करथस।
29 काबरकि तें मोर ऊपर गुस्सा करथस
अऊ तोर घमंड के बात मेंह सुने हवंव,
एकरसेति मेंह तोर नाक म नकेल डालहूं
अऊ तोर मुहूं म अपन लगाम लगाहूं,
अऊ जऊन रसता ले तेंह आय रहे,
ओही रसता ले तोला लहुंटा दूहूं।
30 "हे हिजकियाह, तोर बर ये चिनहां होही:
"ये बछर तेंह ओला खाबे, जऊन ह अपनआप जामही,
अऊ दूसरा बछर ओला खाबे, जऊन ह ओकर ले पईदा होही
पर तीसरा बछर तेंह बोबे अऊ फसल लूबे,
अंगूर के बारी लगाबे अऊ ओकर फर खाबे।
31 एक बार फेर यहूदा के राज के बांचे भाग ह खाल्हे जरी धरही
अऊ ऊपर फर लगही।
32 काबरकि यरूसलेम ले एक बांचे भाग निकलही,
अऊ सियोन पहाड़ ले बांचे मनखेमन के एक दल आही।

सर्वसक्तिमान यहोवा के उत्साह ह
येला पूरा करही।
33 "एकरसेति अस्सूर के राजा के बारे म यहोवा ह ये कहिथे:
"ओह ये सहर म न तो घुसही
अऊ न ही इहां एको ठन तीर चलाही।
ओह येकर आघू म न तो ढाल लेके आही
अऊ न ही येकर बिरूध घेराबंदी के कोनो ढलान बनाही।
34 जऊन रसता ले ओह आय हवय, ओही रसता ले
ओह लहुंट जाही; ओह ये सहर म नइं घुसही,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
35 "मेंह अपन हित अऊ अपन सेवक दाऊद के हित म,
ये सहर के रकछा करहूं अऊ येला बचाहूं।"
36 तब यहोवा के स्वरगदूत ह निकलके गीस अऊ अस्सूरीमन के सिविर म एक लाख पचयासी हजार मनखेमन ला मार डारिस। जब मनखेमन बिहनियां उठिन, त देखिन कि उहां मनखेमन के लास ही लास पड़े हवय!
37 एकरसेति अस्सूर के राजा सनहेरीब ह सिविर ला उखानके वापिस चल दीस। ओह नीनवे सहर लहुंटिस अऊ उहां रहे लगिस।
38 एक दिन, जब ओह अपन देवता निसरोक के मंदिर म उपासना करत रिहिस, त ओकर बेटा अद्रमेलेक अऊ सरेसेर ह ओला तलवार ले मार डारिन अऊ ओमन अरारात देस भाग गीन। अऊ ओकर बेटा एसरहदोन ह ओकर जगह म राजा बनिस।

38

[illegible] [illegible] [illegible]
1 ओ समय म हिजकियाह ह बेमार हो गीस अऊ मरइयाच रिहिस। तब आमोस के बेटा यसायाह अगमजानी ह ओकर मेर गीस अऊ कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे: अपन घर-परिवार ला ठीक कर, काबरकि तेंह मरइयाच हस; तोर बेमारी ह ठीक नइं होवय।"
2 तब हिजकियाह ह भीथी कोति अपन मुहूं करके यहोवा ले पराथना करिस,
3 "हे यहोवा, सुरता कर कि मेंह कइसे सच्चई अऊ पूरा मन लगाके तोर आघू म चलत आय हंव अऊ ओ काम करे हंव, जऊन ह तोर नजर म सही अय।" अऊ हिजकियाह ह फूट-फूटके रोए लगिस।
4 तब यहोवा के ये बचन यसायाह करा आईस:
5 "जा अऊ हिजकियाह ला कह, 'यहोवा, तोर पुरखा दाऊद के परमेसर ये कहत हे: मेंह तोर पराथना ला सुने हंव अऊ तोर आंसू ला देखे हंव; मेंह तोर उमर पंदरह बछर अऊ बढ़ा दूहूं।
6 अऊ मेंह तोला अऊ ये सहर ला अस्सूर के राजा के हांथ ले छोंड़ाहूं। मेंह ये सहर के रकछा करहूं।
7 " 'तोर बर यहोवा के ये चिनहां होही कि यहोवा ह अपन कहे बात ला पूरा करही,
8 धूप के छइहां, जऊन ह आहाज के सीढ़ी के रसता म ढर गे हवय, मेंह दस कदम पाछू कोति लहुंटा दूहूं।' " तब ओ छइहां, जऊन ह ढर गे रिहिस, दस कदम पाछू हट गीस।

9 यहूदा के राजा हिजकियाह के लेख जऊन ला ओह रोगी होके चंगा होय के बाद लिखिस, ओह ये अय:
10 मेंह कहेंव, "अपन उमर के उत्तम समय म
जरूरी अय कि मेंह मिरतू के दुवारमन म ले होके जावंव
अऊ मोर बाकि उमर ह खतम हो जावय।"
11 मेंह कहेंव, "मेंह यहोवा ला
जीयतमन के भुइयां म फेर नइं देखहूं;
मेंह अपन संगी मनखे ला फेर नइं देखहूं,
या ओमन संग नइं रहिहूं, जेमन ये संसार म रहिथें।

12 मोर घर ला चरवाहामन के तम्बू सहीं
हटाके मोर ले लेय लिये गे हवय।
एक बुनकर सहीं मेंह अपन जिनगी ला लपेट ले हंव,
अऊ ओह मोला करघा ले काटके अलग कर दे हवय;
एकेच दिन म तेंह मोर अन्त कर डारय।
13 मेंह धीरज धरके बिहान तक इंतजार करेंव,
पर एक सिंह के सहीं ओह* मोर जम्मो हाड़ा ला टोर दीस;
एकेच दिन म तेंह मोर अन्त कर डारय।
14 मेंह सूपाबेनी या तूती चिरई सहीं रोयेंव,
मेंह बिलाप करइया पंड़की सहीं बिलाप करेंव।
मोर आंखीमन ऊपर देखत-देखत कमजोर हो गीन।
हे परभू, मोला धमकाय जावत हे; मोर मदद करे बर आ!"

15 पर मेंह का कह सकत हंव?
ओह मोला कहे हवय, अऊ ओह खुद येला करे हवय।
मेंह मन के ये पीरा के कारन
जिनगी भर नम्र होके चलहूं।
16 हे परभू, अइसन चीज के दुवारा मनखेमन जीयत रहिथें;
अऊ मोर आतमा ला घलो ओमन म जिनगी मिलथे।
तें मोला चंगा करय
अऊ मोला जीयत रखय।
17 खचित येह मोर फायदा बर रिहिस
कि मेंह अइसन पीरा भोगंय।
तेंह मोला मया करके
बिनास के खंचवा ले बचाय हवस;
मोर सब पाप ला तेंह
अपन पीठ के पाछू म कर दे हवस।
18 काबरकि कबर ह तोर परसंसा नइं कर सकय,
न ही मऊत ह तोर इस्तुति कर सकय;
जेमन खाल्हे कबर म परे हवंय
ओमन तोर बिसवासयोग्यता के आसा नइं कर सकंय।
19 जीयत मनखे, जीयत मनखे—ओमन तोर परसंसा करथें,
जइसन मेंह आज करत हंव;
दाई-ददामन अपन लइकामन ला
तोर बिसवासयोग्यता के बारे बताथें।

20 यहोवा ह मोर उद्धार करही,
अऊ हमन जिनगी भर
यहोवा के मंदिर म
तारवाला बाजा के संग गीत गावत रहिबो।
21 यसायाह ह कहे रिहिस, "अंजीर के एक लेप बनावव अऊ हिजकियाह के फोड़ा म लगावव, अऊ ओह ठीक हो जाही।"
22 हिजकियाह ह पुछे रिहिस, "येकर का चिनहां होही कि मेंह यहोवा के मंदिर म जाहूं?"

* **38:13** या ⍰⍰⍰⍰⍰⍰

39

[illegible]

1 ओ समय बलदान के बेटा बेबिलोन के राजा मरोदक-बलदान ह हिजकियाह करा दूतमन के दुवारा चिट्ठी अऊ
उपहार पठोईस, काबरकि ओह ओकर बेमारी अऊ ओकर चंगई के बारे म सुने रिहिस।
2 एकर ले हिजकियाह ह खुस होके दूतमन के सुवागत करिस अऊ ओमन ला अपन भंडारघर के चीजमन ला
देखाईस—सोन, चांदी, मसाला, उत्तम किसम के जैतून तेल—अपन पूरा हथियार-घर अऊ अपन खजाना म रखे
जम्मो चीज ला देखाईस। उहां ओकर महल या ओकर जम्मो राज म अइसन कोनो चीज नइं बांचिस, जेला
हिजकियाह ह ओमन ला नइं देखाय होही।
3 तब यसायाह अगमजानी ह हिजकियाह राजा मेर जाके पुछिस, "ओ आदमीमन का कहिन अऊ ओमन कहां
ले आय रिहिन?" हिजकियाह ह जबाब दीस, "ओमन एक दूरिहा के देस, बेबिलोन ले मोर मेर आय रिहिन।"
4 अगमजानी ह पुछिस, "ओमन तोर महल म का देखिन?"
हिजकियाह ह कहिस, "ओमन मोर महल के हर चीज ला देखिन, मोर खजाना म अइसन कोनो चीज नइं ए,
जेला मेंह ओमन ला नइं देखाय होहूं।"
5 तब यसायाह ह हिजकियाह ला कहिस, "सर्वसक्तिमान यहोवा के बचन ला सुन:
6 अइसन समय जरूर आही, जब तोर महल के हर एक चीज, अऊ ओ जम्मो चीज, जेला तोर पुरखामन के
दुवारा आज तक इकट्ठा करे गे हवय, ओ जम्मो ला बेबिलोन ले जाय जाही। कुछू भी चीज नइं बांचही, यहोवा ह
कहत हे।
7 अऊ तोर कुछू संतानमन ला, तोर खुद के मांस अऊ लहू, जऊन मन तोर ले पईदा होहीं, ओमन ला घलो ले
जाय जाही, अऊ ओमन बेबिलोन के राजा के महल म खोजा बन जाहीं।"
8 हिजकियाह ह जबाब दीस, "यहोवा के जऊन बात तेंह कहे हस, ओह बने बात ए।" काबरकि ओह सोचिस,
"मोर जिनगी भर सांति अऊ सुरकछा बने रहिही।"

40

[illegible]

1 तुम्हर परमेसर ह कहिथे,
मोर मनखेमन ला सांति देवव, सांति!
2 यरूसलेम ला सांत मन से कहव,
अऊ घोसना करत ओला कहव
कि ओकर कठिन सेवा ह पूरा होईस,
ओकर पाप के दाम दे दिये गे हवय,
यहोवा के हांथ ले ओह अपन सब पाप के
दू गुना दंड पा गे हवय।

3 एक झन के बलाय के अवाज आवत हे:
"सुनसान जगह म
यहोवा बर डहार तियार करव;
हमर परमेसर बर मरू-भुइयां म
एक राजमार्ग ला सीधा करव।
4 हर एक घाटी ला पाट दिये जाही,
अऊ हर एक पहाड़ अऊ पहाड़ी ला नीचे करे जाही;
उबड़-खाबड़ भुइयां ह समतल होही,
अऊ ऊंच-नीच जगहमन चौरस हो जाहीं।
5 तब यहोवा के महिमा ह परगट होही,
अऊ जम्मो मनखेमन येला एक संग देखहीं।
काबरकि यहोवा के मुहूं ले ये बात निकले हवय।"

6 एक अवाज ह कहिथे, “चिचियाके कह!”
अऊ मेंह कहेंव, “मेंह चिचियाके का कहंव?”

“जम्मो मनखेमन कांदी के सहीं अंय,
अऊ ओमन के जम्मो बिसवासयोग्यता ह मैदान के फूल सहीं अंय।
7 कांदी ह मुरझा जाथे अऊ फूलमन झर जाथें,
जब यहोवा के सांस ह ओमन ऊपर चलथे।
बेसक मनखेमन कांदी अंय।
8 कांदी ह मुरझा जाथे अऊ फूलमन झर जाथें,
पर हमर परमेसर के बचन सदाकाल तक बने रहिथे।”

9 तें, जऊन ह सियोन म सुघर संदेस लाथस,
एक ठन ऊंचहा पहाड़ ऊपर चढ़ जा।
तें, जऊन ह यरूसलेम म सुघर संदेस लाथस,
चिचियाके अपन अवाज ला ऊंचा कर,
अवाज ला ऊंचा कर, झन डर;
यहूदा के नगरमन ले कह,
“इहां तुम्हर परमेसर हवय!”
10 देखव, सर्वसक्तिमान यहोवा सामर्थ के संग आवत हे,
अऊ ओह अपन भुजबल ले सासन करथे।
देखव, ओकर ईनाम ह ओकर मेर हवय,
अऊ ओकर परतिफल देवइया ह ओकर संग हवय।
11 ओह एक चरवाहा सहीं अपन झुंड ला चराथे:
ओह मेढ़ा-पीलामन ला अपन गोद म लेके संकेलथे
अऊ ओमन ला अपन दिल म लगाके चलथे;
ओह ओमन ला धीरे-धीरे ले चलथे, जेमन करा पीलामन होथें।

12 कोन ह अपन हांथ के हथेली ले महासागर के पानी ला नापे हवय,
या कोन ह अपन हांथ के बित्ता ले अकास ला नापिस?
कोन ह धरती के धुर्रा ला एक ठन टुकनी म रखे हवय
या कोन ह पहाड़ अऊ पहाड़ीमन ला
तराजू म तऊले हवय?
13 कोन ह यहोवा के आतमा* के गहरई ला समझ सकत हे,
या कोन ह यहोवा ला ओकर सलाहकार के रूप म निरदेस दे सकत हे?
14 यहोवा ह अपन गियान बढ़ाय बर काकर ले सलाह लीस,
अऊ कोन ह ओला सही रसता बताईस?
कोन ह ओला गियान के बात सिखाईस,
या कोन ह ओला समझ के डहार देखाईस?

15 खचित जाति-जाति के मनखेमन बाल्टी म पानी के एक बूंद सहीं अंय;
ओमन तराजू म के धुर्रा सहीं अंय;
यहोवा ह द्वीपमन ला धुर्रा के कन सहीं उठाथे।
16 लबानोन के रूखमन बेदी के आगी बर परयाप्त नो हंय,
अऊ न ही ओमा के पसुमन होम-बलिदान बर परयाप्त होहीं।
17 जम्मो जाति के मनखेमन ओकर आघू म कुछू नो हंय;

* **40:13** या ⍰⍰

ओमन ओकर नजर म बेकार समझे जाथें
अऊ ओमन कुछू घलो नो हंय।

18 तब तुमन परमेसर के तुलना काकर संग करहू?
या ओकर का रूप तुमन बताहू?
19 जहां तक एक मूरती के बात ए, एक मूरतीकार ह येला ढालके बनाथे,
अऊ सुनार ह ओला सोन ले मढ़थे
अऊ ओकर बर चांदी के संकली गढ़के बनाथे।
20 गरीब मनखे, जऊन ह अइसन भेंट नइं चघा सकय,
ओह अइसन रूख ला चुनथे, जऊन ह नइं सरय;
ओमन एक कुसल कारीगर खोजथें
ताकि ओह मूरती ला अइसन स्थिर करय कि ओह झन हालय।

21 का तुमन नइं जानव?
का तुमन नइं सुने हव?
का तुमन ला सुरू ले ये नइं बताय गे हवय?
का तुमन धरती के नीव रखे के समय ले ही नइं समझे हव?
22 येह ओ अय, जऊन ह् धरती के घेरा के ऊपर बिराजमान होथे,
अऊ धरती के मनखेमन टिड्डी के सहीं अंय।
ओह अकास ला तम्बू के सहीं बगराथे,
अऊ ओमन ला रहे के एक तम्बू सहीं तानथे।
23 ओह हाकिममन ला तुछ कर देथे
अऊ धरती के अधिकारीमन ला बेकार बना देथे।
24 ओमन ला रोपे जावत ही,
ओमन ला बोये जावत ही,
भुइयां म ओमन के जरी धरत ही,
ओह ओमन ऊपर हवा चलाथे अऊ ओमन सूखा जाथें,
अऊ आंधी ह ओमन ला भूंसा सहीं उड़ियाके ले जाथे।

25 "तुमन काकर संग मोर तुलना करहू?
या कोन ह मोर बरोबर हवय?" पबितर परमेसर ह कहिथे।
26 अपन आंखी उठाके अकास कोति देखव:
ये जम्मो ला कोन ह सिरजिस?
ओह अकास-मंडल ला एक के बाद एक बाहिर लानथे
अऊ ओमा के हर एक ला नांव लेके बलाथे।
ओकर बड़े सक्ति अऊ ताकत के कारन
ओमा के एको ठन घलो नइं छूटय।

27 हे याकूब, तेंह काबर सिकायत करथस?
हे इसरायल, तेंह काबर बोलथस,
"मोर डहार ह यहोवा ले लुकाय हवय;
मोर मामला ऊपर परमेसर ह धियान नइं देवत हे?"
28 का तुमन नइं जानव?
का तुमन नइं सुने हव?
यहोवा ह अनंतकाल के परमेसर,

अऊ धरती के सिरजनहार अय।
ओह न तो थकय न ही ओला उबासी आवय,
ओकर समझ के बात ला कोनो नइं जान सकंय।
29 ओह थके मनखे ला बल देथे
अऊ कमजोर मनखेमन के सक्ति ला बढ़ाथे।
30 जवानमन तो थकथें अऊ ओमन ला उबासी आथे,
अऊ जवान मनखेमन लड़खड़ाथें अऊ गिर जाथें;
31 पर जेमन यहोवा ऊपर आसा रखथें
ओमन नवां बल पावत जाहीं,
ओमन गिधवामन सहीं उड़हीं,
ओमन दऊड़हीं अऊ नइं थकहीं,
ओमन रेंगहीं अऊ नइं हांफहीं।

41

[illegible]

1 "हे द्वीपमन, मोर आघू म चुप रहव!
देस-देस के मनखेमन नवां बल पावंय!
ओमन आघू म आके बोलंय;
आवव, नियाय के जगह म एक संग जूरन।

2 "कोन ह पूरब दिग ले एक झन ला उभारे हे,
अऊ धरमीपन म ओला अपन सेवा बर बलाय हे?
ओह जातिमन ला ओकर हांथ म कर देथे
अऊ राजामन ला ओकर अधीन कर देथे।
ओह अपन तलवार ले ओमन ला धुर्रा,
अऊ अपन धनुस ले उड़ियाय भूंसा सहीं कर देथे।
3 ओह ओमन के पीछा करथे अऊ बिगर हानि के,
ओह एक अइसन रसता म आघू बढ़थे, जेमा ओह पहिले कभू नइं गे रिहिस।
4 कोन ह ये काम करे हवय अऊ येला इहां तक लाने हवय
अऊ सुरू ले पीढ़ी-पीढ़ी के मनखेमन ला बलात आय हवय?
में, यहोवा—जऊन ह ओमन के सबले पहिली के संग
अऊ आखिरी के संग हंव—में ओही अंव।"

5 द्वीपमन येला देखे हवंय अऊ डरथें;
धरती के छोरमन कांपथें।
ओमन लकठा म आथें अऊ आघू म आथें;
6 ओमन एक-दूसर के सहायता करथें
अऊ अपन संगीमन ला कहिथें, "मजबूत बनव!"
7 लोहार ह सुनार ला
अऊ जऊन ह हथौड़ा ले समतल करथे
ओह लोहा ऊपर हथौड़ा मरइया ला उत्साहित करथे।
जोड़नेवाला एक झन ह कहिथे, "येह बढ़िया हे।"
आने ह मूरती म खीला ठोंकथे ताकि येह झन गिरय।

8 "पर हे मोर सेवक, इसरायल,
हे मोर चुने गय, याकूब,
हे मोर संगी अब्राहम के संतानमन,

9 मेंह तोला धरती के छोर ले लेंव,
मेंह तोला धरती के सबले दूरिहा जगहमन ले बलांय।
मेंह कहेंव, 'तेंह मोर सेवक अस';
मेंह तोला चुने हंव अऊ तोला छोंड़े नइं हंव।
10 झन डर, काबरकि में तोर संग हवंव;
भयभीत झन हो, काबरकि में तोर परमेसर अंव।
में तोला मजबूत करहूं अऊ तोर मदद करहूं;
अपन धरमी जेवनी हांथ ले में तोला संभाले रहिहूं।

11 "देख, ओ जम्मो जेमन तोर ले गुस्सा होथें
ओमन जरूर लज्जित अऊ कलंकित होहीं;
जेमन तोर बिरोध करथें
ओमन बेकार अऊ नास हो जाहीं।
12 तेंह अपन बईरीमन ला खोजबे घलो
पर ओमन तोला नइं मिलहीं।
जेमन तोर ले लड़ई करथें
ओमन नास होके मेटा जाहीं।
13 काबरकि में यहोवा तोर परमेसर अंव
जऊन ह तोर जेवनी हांथ ला धरथे
अऊ तोला कहिथे, झन डर;
में तोर सहायता करहूं।
14 हे कीरा सहीं याकूब, झन डर,
हे छोटकन इसरायल, झन डर,
काबरकि में खुद तोर मदद करहूं," यहोवा ह घोसना करत हे,
तोर छुड़इया, इसरायल के पबितर परमेसर।
15 देख, मेंह तोला बहुंत दांतमन के संग नवां
अऊ तेज कुटनेवाला एक बेलन बनाहूं।
तेंह पहाड़मन ला कुटबे अऊ ओमन ला चूर-चूर कर देबे,
अऊ पहाड़ीमन ला तें भूंसा सहीं कर देबे।
16 तें ओमन ला फटकबे, अऊ हवा ओमन ला उड़ियाके ले जाही,
अऊ आंधी ओमन ला तितिर-बितिर कर दीही।
पर तें यहोवा म आनंदित होबे
अऊ इसरायल के पबितर परमेसर म बड़ई मारबे।

17 "गरीब अऊ जरूरतमंद मनखेमन पानी के खोज करथें,
पर पानी कहीं नइं मिलय,
ओमन के जीभ ह पीयास के मारे सूखा जाथे।
पर में यहोवा ह ओमन ला जबाब दूहूं;
में, इसरायल के परमेसर ह ओमन ला छोंड़ नइं देवंव।
18 में सूखा पहाड़ीमन ले नदीमन ला
अऊ घाटीमन के बीच म सोतामन ला बहा दूहूं।
मेंह मरू-भुइयां ला तरिया म
अऊ सूखा भुइयां ला सोतामन म बदल दूहूं।
19 मेंह मरू-भुइयां म देवदार, बंबरी, मेंहदी,
अऊ जैतून उगाहूं।

मेंह उजाड़ जगह म सनोवर,
चिनार अऊ गोपेर के रूख इकट्ठा लगाहूं,
20 ताकि मनखेमन देखंय अऊ जानंय,
ओमन बिचार करंय अऊ समझंय,
कि येह यहोवा के हांथ के काम अय,
अऊ इसरायल के पबितर परमेसर ह येला बनाय हवय।"

21 "अपन मामला ला लानव,"
यहोवा ह कहिथे।
"अपन तर्क ला सामने रखव,"
याकूब के राजा कहिथे।
22 "हे मूरतीमन, हमन ला बतावव,
कि भविस्य म का होवइया हे।
हमन ला पहिले के चीजमन के बारे बतावव
ताकि हमन ओमन ऊपर सोच-बिचार करन
अऊ अंतिम बात ला समझन।
या होवइया चीजमन के बारे म हमन ला बतावव,
23 भविस्य म जऊन कुछू होवइया हे, तेला बतावव,
तभे हमन जानबो कि तुमन देवता अव।
भला या बुरा, कुछू घलो करव
ताकि हमन भयभीत होवन अऊ डर जावन।
24 पर तुमन कुछू घलो नो हव,
अऊ तुम्हर काममन एकदम बेकार अंय;
जऊन ह तुमन ला चाहथे, ओह घिनौना मनखे अय।

25 "मेंह उत्तर दिग ले एक झन ला उकसाय हंव, अऊ ओह आवत हे—
ओह पूरब दिग के अय अऊ मोर नांव के दुहाई देथे।
जइसन एक कुम्हार ह माटी ला खुंदथे,
वइसन ही ओह हाकिममन ला खुंदही, मानो ओमन गारा अंय।
26 कोन ह ये बात ला सुरूआत ले बताईस कि हमन ये जानतेंन,
या पहिले से कोन ह बताईस कि हमन कहितेंन, 'ओह सही रिहिस'?
ये बात कोनो नइं बताईन,
पहिले से येला कोनो नइं बताईस,
तोर ले कोनो भी कुछू बात नइं सुनिस।
27 सबले पहिली मेंह सियोन ला बताएंव, 'देख, ओमन इहां हवंय!'
मेंह यरूसलेम ला सुघर संदेस सुनानेवाला एक संदेसिया देंव।
28 मेंह खोजथंव, पर उहां कोनो नइं एं—
देवतामन के बीच म कोनो सलाह देवइया नइं एं,
जब मेंह ओमन ले पुछथंव, त जबाब देवइया कोनो नइं एं।
29 देखव, ओमन जम्मो के जम्मो गलत अंय!
ओमन के काम बेकार अंय;
ओमन के ढारे गय मूरतीमन हवा अऊ गड़बड़ी के अलावा अऊ कुछू नो हंय।

42

1 “येह मोर सेवक ए, जऊन ला में संभालथंव,
मोर चुने हुए जन, जेकर ले मेंह खुस रहिथंव;
मेंह येकर ऊपर अपन आतमा डालहूं,
अऊ येह जाति-जाति के मनखेमन बर नियाय लानही।
2 न ओह चिचियाही अऊ न ऊंचहा सबद म बोलही,
न ही गलीमन म अपन अवाज ऊंचहा करही।
3 कुचरे सरकंडा ला न तो ओह टोरही,
अऊ न ही सुलगत दीया के बाती ला बुताही।
बिसवासयोग्यता से ओह नियाय करही;
4 ओह नइं डगमगाही अऊ न ही हिम्मत हारही
जब तक कि ओह नियाय ला धरती ऊपर स्थापित नइं कर दीही।
ओकर सिकछा म द्वीपमन के मनखेमन अपन आसा रखहीं।”

5 परमेसर यहोवा ह ये कहत हे—
अकासमन ला बनानेवाला, जऊन ह ओमन ला तानथे,
जऊन ह धरती ला ओकर जम्मो चीजमन के संग फईलाथे,
जऊन ह येमा के मनखेमन ला सांस
अऊ येमा चलनेवालामन ला जिनगी देथे:
6 “में, यहोवा ह तोला धरमीपन म बलाय हंव;
में तोर हांथ ला धरके तोर रकछा करहूं।
में तोला संभाले रखहूं अऊ मनखेमन बर
तोला एक करार
अऊ आने जाति के मनखेमन बर एक अंजोर ठहिराहूं,
7 ताकि तें अंधरामन के आंखी ला खोल दे,
कैदीमन ला कैदखाना ले बाहिर ले आ
अऊ जेमन अंधियार म बईठे हवंय, ओमन ला काल-कोठरी ले मुक्त कर दे।

8 “मेंह यहोवा अंव; येह मोर नांव अय!
मेंह आने ला अपन महिमा नइं देवंव
या अपन परसंसा मूरतीमन ला नइं देवंव।
9 देखव, पहिली के चीजमन हो गे हवंय,
अब नवां चीजमन के में घोसना करत हंव;
ओमन के होय के पहिली
मेंह तुमन ला ओमन के घोसना करत हंव।”

[illegible]
10 हे समुंदर म चलइया, अऊ ओमा जम्मो रहइयामन,
हे द्वीपमन, अऊ ओमन म जम्मो रहइयामन,
यहोवा बर एक नवां गीत गावव,
अऊ धरती के छोर ले ओकर इस्तुति करव।
11 सुनसान जगह अऊ ओमा के नगरमन अपन अवाज ऊंच करव;
केदार के बसे जगहमन आनंदित होवंय।
सेला सहर के मनखेमन आनंद के मारे गावंय;
ओमन पहाड़मन के टीपमन ले चिचियावंय।
12 ओमन यहोवा के महिमा परगट करंय
अऊ द्वीपमन म ओकर परसंसा करंय।

13 यहोवा ह एक बिजेता के सहीं निकलही,
एक योद्धा सहीं ओह अपन उत्साह ला भड़काही;
ओह चिचियाके लड़ई बर ललकारही
अऊ अपन बईरीमन ऊपर जयवंत होही।

14 “बहुंत समय तक मेंह चुप रहेंव,
मेंह सांत रहेंव अऊ अपनआप ला रोकके रखे रहेंव।
पर अब, लइका जनमावत माईलोगन सहीं,
में कलहरत हंव, में जोर-जोर से सांस लेवत हंव अऊ हांफत हंव।
15 मेंह पहाड़ अऊ पहाड़ीमन ला उजार दूहूं
अऊ ओमन के सब हरियाली ला सूखा दूहूं;
में नदीमन ला द्वीप बना दूहूं
अऊ तरियामन ला सूखा डारहूं।
16 मेंह अंधरामन ला ओ रसता म ले जाहूं जऊन ला ओमन नइं जानंय,
अनजान रसता म में ओमन के अगुवई करहूं;
ओमन के आघू म मेंह अंधियार ला अंजोर कर दूहूं
अऊ उबड़-खाबड़ जगहमन ला समतल कर दूहूं।
ये सब काम में करहूं;
में ओमन ला नइं तियागंव।
17 पर जेमन मूरतीमन ऊपर भरोसा करथें,
अऊ मूरतीमन ले कहिथें, ‘तुमन हमर देवता अव,’
ओमन ला लज्जित होके पाछू लहुंटे बर पड़ही।

[illegible]
18 “हे भैंरामन, सुनव;
हे अंधरामन, आंखी खोलव अऊ देखव!
19 मोर सेवक के छोंड़ कोन अंधरा अय,
अऊ मोर पठोय दूत सहीं कोन भैंरा अय?
जऊन ह मोर संग करार करे हवय, ओकर सहीं कोन अंधरा अय,
या यहोवा के सेवक सहीं कोन अंधरा अय?
20 तेंह बहुंते चीजमन ला देखे हस, पर तें धियान नइं देवस;
तोर कानमन तो खुले हवंय, पर तें सुनस नइं।”
21 यहोवा ला अपन धरमीपन बर
ये बने लगिस
कि अपन कानून ला ओह बड़े अऊ महिमामय करय।
22 पर येमन एक लूटे अऊ छीने गय मनखे अंय,
सब के सब खंचवा म फंसे
या जेल म बंद हवंय।
येमन लूट के चीज बन गे हवंय,
अऊ येमन ला कोनो बचानेवाला नइं एं;
येमन लूट लिये गे हवंय,
अऊ कोनो ये कहइया नइं एं, “येमन ला वापिस भेज दव।”

23 तुमन म ले कोन ह येला सुनही
या अवइया समय म बिसेस धियान दीही?

24 कोन ह याकूब ला लूट के चीज होय बर दे दीस,
अऊ इसरायल ला लुटेरामन के हांथ म कर दीस?
का येह यहोवा नइं रिहिस,
जेकर बिरूध हमन पाप करेंन?
काबरकि ओमन ओकर रसता म नइं चलिन;
ओमन ओकर कानून ला नइं मानिन।
25 एकरसेति ओमन ऊपर ओकर कोरोध ह भड़किस,
ओमन ऊपर लड़ई के हिंसा होईस।
येह आगी सहीं ओमन ला घेर लीस, तभो ले ओमन नइं समझिन;
येह ओमन ला भसम कर दीस, पर ओमन नइं चेतिन।

43

[illegible]
1 हे याकूब, जऊन ह तोला बनाईस,
हे इसरायल, जऊन ह तोला रचिस,
अब ओ यहोवा ह ये कहत हे:
"झन डर, काबरकि मेंह तोला छोंड़ाय हंव;
मेंह तोला नांव लेके बलाय हंव, तेंह मोरेच अस।
2 जब तेंह पानी म ले होके जाबे,
त मेंह तोर संगे-संग रहिहूं;
अऊ जब तेंह नदीमन ले होके जाबे,
तब ओमन तोला नइं बुड़ो सकंय।
जब तेंह आगी म रेंगबे,
तब तोला आंच नइं लगय;
अऊ ओकर जुवाला ह तोला नइं जला सकय।
3 काबरकि में यहोवा तोर परमेसर अंव,
इसरायल के पबितर परमेसर, तोर उद्धार करइया अंव;
तोर छुड़ौती म मेंह मिसर देस ला
अऊ तोर बदला कूस अऊ सबा देसमन ला देथंव।
4 मोर नजर म तेंह अनमोल अऊ आदर के योग्य अस,
अऊ काबरकि मेंह तोर ले मया करथंव,
एकर कारन में तोर बदला म मनखेमन ला
अऊ तोर परान के बदला म जाति-जाति के मनखेमन ला दे दूहूं।
5 झन डर, काबरकि में तोर संग हवंव;
मेंह तोर लइकामन ला पूरब ले लानहूं
अऊ पछिम ले घलो तोला इकट्ठा करहूं।
6 मेंह उत्तर ले कहिहूं, 'ओमन ला देय दे!'
अऊ दक्खिन ले कहिहूं, 'ओमन ला रोकके झन रख।'
मोर बेटामन ला दूरिहा ले
अऊ मोर बेटीमन ला धरती के छोर ले लेय आवव—
7 हर एक जन, जऊन ह मोर नांव ले जाने जाथे,
जेला मेंह अपन महिमा बर सिरजेंव,
जेला मेंह रचेंव अऊ बनाएंव।"

8 ओमन ला ले आवव, जेमन आंखी के रहत अंधवा अंय,

अऊ कान के रहत भैंरा अंय।
9 जाति-जाति के मनखेमन एक संग जूरंय
अऊ मनखेमन जमा होवंय।
ओमन के कोन देवता ह ये बात ला पहिले ले बताय रिहिस
अऊ हमन ला पहिली के चीजमन के घोसना करे रिहिस?
ओमन अपन गवाहमन ला लानके साबित करंय कि ओमन सही अंय,
ताकि आने मन सुनंय अऊ कहंय, "येह सच अय।"
10 यहोवा ह घोसना करत हे, "तुमन मोर गवाह अव,
अऊ मोर सेवक अव, जेमन ला मेंह चुने हंव,
ताकि तुमन जानव अऊ मोर ऊपर बिसवास करव
अऊ ये बात ला समझव कि में ओही अंव।
मोर ले पहिली कोनो देवता के रचना नइं होईस,
अऊ न ही कोनो मोर बाद होहीं।
11 में ही यहोवा अंव,
अऊ मोला छोंड़ कोनो अऊ उद्धारकर्ता नइं एं।
12 मेंह परगट करे हंव अऊ उद्धार करेंव अऊ घोसना करेंव—
में, अऊ तुम्हर बीच म कोनो अऊ पराया देवता नइं।
तुमन ही मोर गवाह अव," यहोवा ह घोसना करत हे, "कि में परमेसर अंव।
13 हव, अऊ प्राचीन समय ले मेंह ओही अंव।
मोर हांथ ले कोनो छोंड़ा नइं सकंय।
जब मेंह काम करथंव, त कोन ह ओला पलट सकथे?"

[illegible]
14 तुम्हर छुड़इया, इसरायल के पबितर परमेसर,
यहोवा ह ये कहत हे:
"तुम्हर बर मेंह बेबिलोन ला भेजहूं
अऊ जम्मो बेबिलोनीमन* ला भगोड़ा के सहीं ले आहूं,
ओमन ला पानी जहाज म ले आहूं, जेकर ऊपर ओमन घमंड करथें।
15 में, यहोवा, तुम्हर पबितर परमेसर,
इसरायल के सिरजइया, तुम्हर राजा अंव।"

16 यहोवा ह ये कहत हे—
जऊन ह समुंदर म एक रसता,
पानी के तेज लहरा म एक डहार बनाईस,
17 जऊन ह रथ अऊ घोड़ामन ला,
सेना अऊ सैनिक ताकत ला एक संग निकाल लेथे,
अऊ ओमन उहां पड़े रहिथें, अऊ फेर कभू नइं उठंय,
ओमन खतम हो गीन, एक ठन बाती के सहीं बुता गीन:
18 "पहिली के चीजमन ला सुरता झन करव;
भूतकाल म झन जीयव।
19 देखव, में एक नवां चीज करत हंव!
येह परगट होवत हे; का तुमन येला नइं समझत हव?
मेंह सुनसान जगह म एक रसता
अऊ निरजल देस म सोतामन ला बनात हंव।

* **43:14** या [illegible]

20 जंगल के पसु,
गीदड़ अऊ उल्लूमन मोर आदर करथें,
काबरकि में सुनसान जगह म पानी
अऊ निरजल जगह म सोतामन ला निकालथंव,
ताकि मोर मनखे, मोर चुने मनखेमन पानी पीयंय,
21 ये मनखे, जेमन ला मेंह अपन बर बनाय हंव
ताकि ओमन मोर परसंसा करंय।

22 "तभो ले, हे याकूब, तेंह मोला नइं पुकारे हस,
हे इसरायल, तेंह अपनआप ला मोर बर नइं थकाय हस।
23 तेंह होम-बलिदान करे बर मोर मेर भेड़ नइं लाने हस,
अऊ न ही अपन बलिदानमन ला चघाके मोर आदर करे हस।
मेंह अन्न-बलिदान चघाय के बोझ तोर ऊपर नइं डाले हंव,
न ही धूप के मांग करके तोला थकाय हंव।
24 तेंह मोर बर कोनो खुसबूवाला तेजपान नइं लाने हस,
अऊ न ही मोला अपन बलिदान के चरबी चघाय हस।
पर तेंह अपन पापमन के दुवारा मोर ऊपर बोझा डाले हस
अऊ अपन अधरम के काम ले मोला थका दे हस।

25 "में, में ही ओ अंव, जऊन ह अपन नांव बर
तोर पापमन ला मेटा देथंव,
अऊ तोर पापमन ला फेर सुरता नइं करंव।
26 मोर खातिर पहिले के चीजमन ला सुरता कर,
आ, हमन ओ बात ऊपर आपस म बहस करन;
तें अपन मामला ला बता, जऊन ह तोला निरदोस ठहिराथे।
27 तोर पहिली पुरखा ह पाप करिस;
जेमन ला मेंह तोर मेर सिखाय बर पठोंय, ओमन मोर ले बिदरोह करिन।
28 एकर कारन मेंह तोर मंदिर के सम्मानीय मनखेमन ला कलंकित करेंव;
मेंह याकूब ला बिनास बर
अऊ इसरायल ला अपमानित होय बर सऊंप देंव।

44

[illegible]

1 "पर अब, हे मोर दास याकूब,
हे मोर चुने इसरायल, सुन।
2 यहोवा ह ये कहत हे—
ओ, जऊन ह तोला बनाईस, जऊन ह तोला गरभ म रचिस,
अऊ जऊन ह तोर सहायता करही:
हे मोर दास याकूब, हे मोर चुने यसूरून,*
झन डर।
3 काबरकि में पीयासन भुइयां म पानी
अऊ सूखा जमीन ऊपर पानी के धारा बोहाहूं;
में तोर बंस ऊपर अपन आतमा,
अऊ तोर संतानमन ऊपर अपन आसीस ढारहूं।
4 ओमन चरागन म कांदी सहीं,

* **44:2** [illegible] के मतलब होथे [illegible], याने कि इसरायल

पानी के धारामन के तीर म चिनार रूखमन सहीं बाढ़हीं।
5 कोनो कहिही, 'में यहोवा के अंव';
आने मन अपनआप ला याकूब के नांव म बलाहीं;
अऊ कुछू आने मन अपन हांथ म लिखहीं, 'में यहोवा के अंव,'
अऊ इसरायल के नांव ले लीहीं।

[illegible], [illegible] [illegible]

6 "सर्वसक्तिमान यहोवा, जऊन ह इसरायल के राजा अऊ छुड़इया अय,
ओ यहोवा ह ये कहत हे:
में ही पहिला अंव अऊ में ही अन्त अंव;
मोला छोंड़ अऊ कोनो परमेसर नइं एं।
7 मोर सहीं कोन हे? ओह येला बतावय।
ओह घोसना करय अऊ मोर आघू म रखय
कि जब ले मेंह पुराना जमाना म मनखेमन ला ठहिरांय, तब ले का होय हवय
अऊ का होवइया हे—
हव, पहिले से बतावय कि का होवइया हे।
8 झन कांपव, झन डरव।
का मेंह येकर घोसना नइं करेंव अऊ बहुंत पहिले ही येला नइं बताय रहेंव?
तुमन मोर गवाह अव। का मोला छोंड़ अऊ कोनो परमेसर हवय?
नइं, मोला छोंड़ अऊ कोनो चट्टान नइं ए; में कोनो अऊ ला नइं जानंव।"

9 ओ जम्मो जेमन मूरतीमन ला बनाथें, ओमन कुछू नो हंय,
अऊ जऊन चीजमन ला ओमन जतन के रखथें, ओमन बेकार अंय।
जऊन मन ओमन बर गोठियाथें, ओमन अंधरा अंय;
ओमन अपन खुद के लज्जा के बारे म अनजान हवंय।
10 कोन ह एक देवता ला आकार देथे अऊ मूरती ला बनाथे,
जेकर से कोनो लाभ नइं होवय?
11 ओ मनखे, जेमन ओ काम करथें, ओमन लज्जा म पड़हीं;
अइसन कारीगरमन तो मनखे ही अंय।
ओ जम्मो एक संग आवंय अऊ अपन बात ला साबित करंय;
ओमन आतंकित होहीं अऊ लज्जा म पड़हीं।

12 लोहार ह एक ठन औजार ला लेथे
अऊ धातु ला कोइला म गरम करके ये औजार ले काम करथे;
ओह हथौड़ा ले मूरती ला रूप देथे,
ओह अपन भुजबल ले येला गढ़थे।
ओला भूख लगथे अऊ ओकर ताकत कम हो जाथे;
ओह पानी नइं पीयय अऊ दुरबल हो जाथे।
13 बढ़ई ह अपन नाप ले नापथे
अऊ तब ओ चीज के पेन्सिल से रूप-रेखा बनाथे;
अऊ बंसुला ले काम करके चिकना करथे
अऊ परकार ले लकीर खींचथे।
ओह येला मनखे के रूप देथे,
पूरा महिमा म येला मनखे के रूप देथे,
ताकि येह कोनो देवालय म रहय।
14 ओह देवदार रूख ला काटथे,

या ओह आने कोनो रूख या बलूत रूख लेथे।
ओह जंगल के रूखमन के बीच येला बढ़े बर देथे,
या देवदार के रूख लगाथे, बरसा के पानी ले येह बाढ़थे।
15 तब ओह आगी बारे के काम आथे;
ओह ओमा के कुछू ला सुलगाके आगी तापथे,
ओह आगी बारके रोटी बनाथे।
पर ओह येला एक देवता के रूप देके येकर अराधना घलो करथे;
ओह एक मूरती बनाके येकर आघू म मुड़ नवाथे।
16 आधा लकरी ला तो ओह आगी बारथे;
अऊ येमा अपन खाना पकाथे,
ओह मांस ला भुंजके भरपेट खाथे।
ओह आगी घलो तापथे अऊ कहिथे,
"अहा! मेंह गरम हो गेंव; मेंह आगी ला देखत हंव!"
17 अऊ बाकि बांचे लकरी ले ओह एक देवता, अपन बर मूरती बनाथे;
ओह ओकर दंडवत करथे अऊ ओकर अराधना करथे।
ओह ओकर ले पराथना करके कहिथे,
"मोला बचा ले! तेंह मोर देवता अस!"
18 ओमन कुछू नइं जानंय, ओमन कुछू नइं समझंय;
ओमन के आंखीमन अइसन बंद रहिथें कि ओमन देख नइं सकंय,
अऊ ओमन के दिमाग ह अइसन बंद रहिथे कि ओमन समझ नइं सकंय।
19 सोच-बिचार करे बर कोनो नइं रूकंय,
काकरो मेर ये कहे बर गियान अऊ समझ नइं ए,
"आधा लकरी के उपयोग मेंह आगी बारे बर करेंव;
येकर कोइला म रोटी बनांय,
मेंह मांस ला भुंजके खांय।
त जऊन लकरी बांच गीस, का ओकर ले में एक घिनौना चीज बनावंव?
का मेंह कठवा के एक भाग ला दंडवत करंव?"
20 अइसन मनखे ह राख ला खाथे; ओकर मन ह भटक गे हे अऊ ओला गलत रसता म ले जाथे;
ओह अपनआप ला बचा नइं सकय अऊ ये नइं कह सकय,
"जऊन चीज ह मोर जेवनी हांथ म हवय, का ओह एक झूठ नो हय?"

21 "हे याकूब, हे इसरायल, ये बातमन ला सुरता कर,
काबरकि तेंह मोर सेवक अस।
मेंह तोला रचे हंव, तेंह मोर सेवक अस;
हे इसरायल, मेंह तोला नइं भुलावंव।
22 मेंह तोर अपराधमन ला बादर सहीं,
अऊ तोर पापमन ला बिहनियां के कुहरा सहीं मिटा देय हंव।
मोर मेर लहुंट आ,
काबरकि मेंह तोला छोंड़ाय हंव।"

23 हे अकासमन, आनंद के मारे गावव, काबरकि यहोवा ह ये काम करे हवय;
हे धरती के गहिला जगहमन, जोर-जोर से जय-जयकार करव।
हे पहाड़मन, हे जंगलमन अऊ तुमन के जम्मो रूखमन,
गला खोलके जोर से गावव,
काबरकि यहोवा ह याकूब ला छोंड़ाय हवय,

ओह इसरायल म अपन महिमा परगट करथे।

[illegible]
24 यहोवा, तोर छुड़इया,
जऊन ह तोला गरभ म रचिस, ओह ये कहत हे:

"में ही ओ यहोवा,
जम्मो चीज के बनइया अंव,
जऊन ह अकास ला तानिस,
जऊन ह खुद होके धरती ला फईलाईस,
25 जऊन ह लबरा अगमजानीमन के चिनहां ला बेकार कर देथे
अऊ सकुन-बिचार करइयामन ला मुरूख बना देथे।
जऊन ह बुद्धिमान के सिकछा ला दूरिहा फटिक देथे
अऊ येला बेमतलब के बात बना देथे,
26 जऊन ह अपन सेवक के बचन ला पूरा करथे
अऊ अपन दूतमन के बात ला सफल करथे,

"जऊन ह यरूसलेम के बारे म कहिथे, 'येला फेर बसाय जाही,'
अऊ यहूदा के नगरमन के बारे कहिथे, 'ओमन फेर बनाय जाहीं,'
अऊ ओमन के खंडहरमन के बारे कहिथे, 'मेंह येमन ला सुधारहूं,'
27 जऊन ह गहिला पानी ला कहिथे, 'सूखा जा,
अऊ मेंह तोर सोतामन ला सूखा दूहूं,'
28 में ही ओ अंव, जऊन ह कुसरू के बारे म कहिथे, 'ओह मोर चरवाहा अय,
अऊ ओह मोर ईछा ला पूरा करही;
ओह यरूसलेम के बारे म कहिही, "येला फेर बनाय जावय,"
अऊ मंदिर के बारे म कहिही, "येकर नीवमन ला डारे जावय।" ' "

45

1 यहोवा ह अपन अभिसिक्त, कुसरू ला ये कहत हे,
ओकर जेवनी हांथ ला मेंह थामे रहिथंव
कि ओकर सामने ही जाति-जाति के मनखे ला ओकर अधीन कर देवंव
अऊ राजामन ला बिगर हथियार के कर दंव,
ओकर सामने म ही कपाटमन ला अइसन खोल देवंव
कि ओ दुवारमन बंद झन हो सकंय:
2 मेंह तोर आघू-आघू जाहूं
अऊ पहाड़मन ला समतल कर दूहूं;
मेंह कांसा के दुवारमन ला टोर दूहूं
अऊ लोहा के बेड़ीमन ला काट दूहूं।
3 मेंह तोला छुपे खजाना दूहूं,
अऊ गुपत जगह म रखे धन दूहूं,
ताकि तेंह जान सकस कि मेंह यहोवा,
इसरायल के परमेसर अंव, जऊन ह तोला नांव लेके बलाथे।
4 मोर अपन सेवक याकूब,
मोर चुने इसरायल के हित म,

मेंह तोला नांव लेके बलात हंव
अऊ तोला आदर के एक पदवी देवत हंव,
हालाकि तेंह मोला नइं मानस।
5 मेंह यहोवा अंव, अऊ दूसर कोनो नइं;
मोला छोंड़ अऊ कोनो परमेसर नइं एं।
हालाकि तेंह मोला नइं माने हस
तभो ले मेंह तोला मजबूत करहूं,
6 ताकि बेर के उगती ले लेके
बुड़ती तक के जगह के
मनखेमन ये जान लेवंय कि मोर छोंड़ आने अऊ कोनो नइं एं।
मेंह यहोवा अंव, अऊ आने कोनो नइं एं।
7 मेंह अंजोर के बनइया अऊ अंधियार के सिरजनहार अंव,
मेंह सुख-सांति के दाता अऊ में ही बिपत्ति ला बनाथंव;
में, यहोवा ही ये जम्मो चीज ला करथंव।

8 हे ऊपर के अकास, मोर धरमीपन के बारिस कर;
बादरमन येकर बारिस करंय।
धरती ह बहुंत खुल जावय,
उद्धार ह निकल आवय,
अऊ धरमीपन ह येकर संग बढ़त जावय;
में, यहोवा ही येकर सिरिस्टी करे हवंव।

9 "ओमन ऊपर हाय, जेमन अपन रचइया ले झगरा करथें,
ओमन कुछू नो हंय, पर भुइयां म
माटी के बरतन के कुटामन के बीच बरतन के कुटा अंय।
का माटी ह कुम्हार ले कहिथे,
'तें का बनात हस?'
का कारीगर के बनाय चीज ह कहिथे,
'कुम्हार के तो हांथमन नइं एं'?
10 हाय ओकर ऊपर, जऊन ह अपन ददा ला कहिथे,
'तेंह का जनमाय हस?'
या अपन दाई ला कहिथे,
'तेंह का ला जनम दे हस?'

11 "यहोवा, इसरायल के पबितर परमेसर,
अऊ ओकर बनइया ह ये कहत हे:
अवइया चीजमन के बारे म,
का तेंह मोर लइकामन के बारे पुछबे,
या मोर हांथ के काम के बारे म मोला हुकूम देबे?
12 येह में अंव, जऊन ह धरती ला बनाईस
अऊ येकर ऊपर मानव-जाति ला सिरजिस।
मोर खुद के हांथमन अकास ला ताने हवंय;
मेंह ओकर तारा मंडल ला सही जगह म रखे हंव।
13 मेंह कुसरू* ला अपन धरमीपन म उठाय हंव:
मेंह ओकर सबो डहार ला सीधा करहूं।

* **45:13** इबरानी म [illegible]

ओह मोर नगर ला फेर बनाही
अऊ मोर बंदीमन ला
बिगर दाम या बिगर भेंट लिये छोंड़ दीही,
सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे।”
14 यहोवा ह ये कहत हे:
“मिसर देस के कमई अऊ कूस देस† के बेपार,
अऊ ओ ऊंच सबायीमन—
ओमन तोर मेर चले आहीं
अऊ तोर हो जाहीं;
ओमन थकके तोर पाछू-पाछू आहीं,
ओमन सांकल म बंधाय तोर मेर चले आहीं।
ओमन तोर आघू म मुड़ नवाहीं
अऊ ये कहिके तोर ले बिनती करहीं,
‘निस्चय परमेसर ह तोर संग हवय, अऊ दूसर कोनो नइं ए;
कोनो अऊ देवता नइं एं।’ ”

15 सही म तेंह परमेसर अस, जऊन ह अपनआप ला छुपाय रिहिस,
परमेसर अऊ इसरायल के उद्धारकर्ता।
16 मूरतीमन के बनइयामन सब के सब लज्जित अऊ कलंकित होहीं;
ओमन एक संग अपमानित होहीं।
17 पर इसरायल ह यहोवा के दुवारा
सदाकाल के उद्धार के संग बचाय जाही;
तेंह अनंतकाल तक न तो कभू लज्जित होबे,
अऊ न ही कभू कलंकित होबे।

18 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे—
ओ, जऊन ह अकास के सिरिस्टी करिस,
ओह परमेसर अय;
ओ, जऊन ह धरती ला आकार दीस अऊ बनाईस,
ओह येकर नीव रखिस;
ओह येला खाली रहे बर नइं,
पर येला बसे बर रचिस—
ओह कहिथे:
“मेंह यहोवा अंव,
अऊ आने कोनो परमेसर नइं एं।
19 मेंह गुपत म,
कोनो अंधियार देस के कोनो जगह ले नइं कहे हंव;
मेंह याकूब के संतानमन ले नइं कहे हंव,
‘मोला बेकार म खोजव।’
में, यहोवा, सच कहिथंव;
मेंह सही बात के घोसना करथंव।

20 “हे जाति-जाति के भगोड़ा मनखेमन, एक संग जूरव,
आवव अऊ इकट्ठा होवव।
अगियानी ओमन अंय, जेमन लकरी के मूरतीमन ला धरके चलथें,

† **45:14** ऊपरी नील नदी के इलाका

जेमन अइसन देवतामन ले पराथना करथें, जेमन उद्धार नइं कर सकंय।
21 घोसना करव कि का होना हे, ओला सामने लानव—
ओमन एक संग सलाह लेवंय।
बहुंत पहिले ये बात कोन ह बताईस,
बहुंत पहिले ले कोन ह येकर घोसना करिस?
का में यहोवा ही नइं करेंव?
अऊ मोला छोंड़ कोनो अऊ दूसर परमेसर हय ही नइं,
एक धरमी परमेसर अऊ उद्धारकर्ता;
मोला छोंड़ अऊ कोनो नइं एं।

22 "हे जम्मो धरती के मनखेमन,
मोर कोति फिरव अऊ उद्धार पावव;
काबरकि में ही परमेसर अंव, अऊ दूसर कोनो अऊ परमेसर नइं एं।
23 मेंह अपन ही किरिया खाय हंव,
पूरा ईमानदारी से मोर मुहूं ले ये बचन निकले हवय
अऊ ये बात ह नइं टरय:
हर एक मनखे ह मोर आघू म माड़ी टेकही;
हर एक मनखे ह मोर किरिया खाही।
24 मनखेमन मोर बारे म कहिहीं,
'सिरिप यहोवा ही म छुटकारा अऊ ताकत हवय।' "
ओ जम्मो जेमन ओकर ले गुस्सा होय रिहिन,
ओमन आहीं अऊ लज्जित होहीं।
25 पर इसरायल के जम्मो संतानमन
यहोवा म छुटकारा पाहीं
अऊ ओमा अपन घमंड करहीं।

46

[illegible]
1 बेल देवता ह झुकथे, नबो देवता ह घलो खाल्हे झुकथे;
ओमन के मूरतीमन ला पसुमन ऊपर लादके ले जाय जाथे।
जऊन मूरतीमन ला ले जाय जावत हे, ओमन भारी हवंय,
थके पसु बर एक बोझा।
2 ओमन एक संग मुड़ नवाके झुक गीन;
बोझा ला उठा नइं सकिन,
ओमन खुद बंधुवई म चले गीन।

3 "हे याकूब के संतानमन,
हे इसरायल के जम्मो बांचे मनखेमन, मोर बात ला सुनव,
तुमन, जेमन ला मेंह तुम्हर जनम ले ही ऊपर उठाय हंव,
अऊ तुम्हर जनम ही ले तुमन ला धरके चलत हंव।
4 तुम्हर बुढ़ापा अऊ तुम्हर पाके चुंदी के बेरा घलो
मेंह वइसन ही बने रहिहूं, मेंह ओही अंव, जऊन ह तुमन ला संभाले रखही।
मेंह तुमन ला बनाय हंव अऊ तुमन ला धरके ले चलहूं;
मेंह तुमन ला संभालहूं अऊ तुमन ला बचाहूं।

5 “काकर संग तुमन मोर तुलना करहू या काकर सहीं मोला बताहू?
काकर संग मोर मिलान करहू कि हमर तुलना करे जा सकय?
6 कुछू जन अपन थैली ले सोन उंडेलथें
अऊ तराजू म चांदी तऊलथें;
ओमन सुनार ला बनी देके ये चीजमन ले देवता बनवाथें,
अऊ ओमन येला दंडवत करथें अऊ येकर अराधना करथें।
7 ओमन येला अपन कंधा म उठाके ले चलथें,
ओमन येला ओकर जगह म रखथें अऊ ओह उहां ठाढ़े रहिथे।
ओ जगह ले येह हट नइं सकय।
यदि कोनो ओकर मेर जोर से गोहार पारके कहिही, तभो ले येह जबाब नइं दे सकय;
येह ओमन ला ओमन के समस्या ले नइं बचा सकय।

8 “येला सुरता रखव, येला मन म रखव,
हे बिदरोहीमन, ये बात तुम्हर मन म रहय।
9 पहिले के बातमन ला सुरता करव, बहुंत पहिले के बातमन ला;
काबरकि में परमेसर अंव, अऊ दूसर कोनो नइं एं;
में ही परमेसर अंव अऊ मोर सहीं अऊ कोना नइं एं।
10 में तो अन्त के बात सुरू ले ही बतात आय हंव,
अऊ पुराना जमाना ले बतात आय हंव कि अभी घलो का अवइया हे।
में कहिथंव, ‘मोर उपाय स्थिर रहिही,
अऊ जऊन बात मोला बने लगथे, ओला मेंह करहूं।’
11 मेंह पूरब ले एक सिकार करइया चिरई,
दूरिहा देस ले, अपन उदेस्य ला पूरा करे बर एक मनखे ला बलावत हंव।
जऊन बात मेंह कहे हंव, ओला पूरा करहूं;
जऊन बात के मेंह योजना बनाय हंव, ओला में करहूं।
12 हे कठोर मन वाले, तुमन मोर बात ला सुनव,
तुमन, जऊन मन अब मोर धरमीपन ले दूरिहा हव।
13 मेंह अपन धरमीपन ला लकठा म लावत हंव,
येह दूरिहा म नइं ए;
अऊ मोर उद्धार करे म देरी नइं होवय।
मेंह सियोन के उद्धार करहूं,
अऊ इसरायल ला मोर सोभा दूहूं।

47

[illegible] [illegible] [illegible]
1 “हे कुंवारी बेटी बेबिलोन,
खाल्हे जा अऊ धुर्रा म बईठ;
हे बेबिलोनीमन* के रानी सहर,
बिगर सिंघासन के भुइयां ऊपर बईठ।
तोला अब फेर कभू कोमल
या सुकुमार नइं कहे जाही।
2 जांता ला लेके पीसान पीस;
अपन घूंघट ला हटा दे।

* **47:1** या [illegible]

अपन लंहगा ला उठाके उघारे टांग
सोतामन के पानी म ले होके जा।
3 तोर नंगई ह उघारे जाही
अऊ तोर लाज ह परगट होही।
मेंह बदला लूहूं;
मेंह कोनो मनखे ला नइं छोड़ंव।”

4 हमर छुड़इया के नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय,
ओह इसरायल के पबितर परमेसर अय।

5 “हे बेबिलोनीमन के रानी सहर,
चुपेचाप बईठे रह अऊ अंधियार म जा;
तोला अऊ फेर राजमन के रानी
नइं कहे जाही।
6 मेंह अपन मनखेमन ले नराज रहेंव
अऊ अपन निज भाग ला अपबितर करेंव;
मेंह ओमन ला तोर बस म कर देंव,
अऊ तेंह ओमन ऊपर कुछू दया नइं करे।
डोकरामन ऊपर घलो
तेंह एक ठन भारी जुड़ा मढ़ा देय।
7 तेंह कहे, ‘मेंह हमेसा बर
रानी अंव!’
पर तेंह ये बातमन ऊपर बिचार नइं करे
या येकर ऊपर धियान नइं देय कि का हो सकत हे।

8 “तब हे मऊज-मस्ती ले मया करइया, ये बात ला सुन,
तेंह जो अपन सुरकछा म निडर रहिके
अपनआप ले कहिथस,
‘मेंं ही अंव, अऊ मोला छोंड़ कोनो दूसर नइं एं।
मेंह कभू बिधवा नइं होवंव
अऊ न ही मोर लइकामन मरहीं।’
9 पर, ये दूनों दुख, लइकामन के मरई
अऊ बिधवा होवई अचानक
एके दिन तोर ऊपर आ पड़ही।
तोर बहुंत जादूगरी
अऊ भारी जादू टोनहा करे के बावजूद
ये दुखमन तोर ऊपर पूरा ताकत से आ जाहीं।
10 तेंह अपन दुस्टता ऊपर भरोसा करे हस
अऊ कहे हस, ‘मोला कोनो नइं देखत हवंय।’
तोर बुद्धि अऊ गियान तोला बहकाथें
जब तेंह अपनआप ला कहिथस,
‘मेंं ही अंव, अऊ मोर छोंड़ अऊ कोनो नइं एं।’
11 बिपत्ति ह तोर ऊपर आ जाही,
अऊ तेंह नइं जानबे कि येकर ले बाहिर कइसे निकले जाय।
तोर ऊपर अइसन संकट आ जाही
कि तेंह छुड़ौती देके येकर ले बच नइं सकबे;

एक बड़े बिपत्ति, जेकर बारे म तोला मालूम नइं होही,
ओह अचानक तोर ऊपर आ पड़ही।

12 "तब, अपन जादू टोनहा
अऊ अपन बहुंत जादूगरी के ओ काममन ला करते रह,
जेला तेंह अपन लइकापन ले ही सीखे हस।
सायद तेंह सफल हो जाबे,
सायद तेंह आतंकित कर सकबे।
13 जऊन सलाहमन ला तेंह ले हस, ओकर ले तोला सिरिप थकावट मिले हवय!
तोर जोतिसीमन आघू आवंय,
ओ तारा देखइयामन, जेमन महिना दर महिना अगम के बात कहिथें,
ओमन तोला तोर ऊपर अवइया बिपत्ति ले बचावंय।
14 देख, ओमन भूंसा के सहीं अंय;
आगी ह ओमन ला जला दीही।
ओमन अपनआप ला
आगी के जुवाला ले नइं बचा सकंय।
येमन गरम करे कोइला नो हंय,
येह ओ आगी नो हय, जिहां बईठके आगी तापथें।
15 जम्मो तोर बर वइसने ही अंय—
जेमन के संग तेंह लेन-देन करे हस
अऊ लइकापन ले जेमन के संग मेहनत करे हस।
ओ जम्मो के जम्मो अपन गलत रद्दा म चले जाथें;
अइसे कोनो नइं ए, जऊन ह तोला बचा सकय।

48

??? ??????

1 "हे याकूब के संतानमन, ये बात ला सुनव,
तुमन जेमन ला इसरायल के नांव ले बलाय जाथे
अऊ यहूदा के कतार म ले आथव,
तुमन जऊन मन यहोवा के नांव के सपथ लेथव
अऊ इसरायल के परमेसर के दुहाई देथव—
पर सच्चई या धरमीपन म नइं—
2 तुमन जेमन अपनआप ला पबितर सहर के नागरिक बताथव
अऊ इसरायल के परमेसर ऊपर भरोसा रखे के घोसना करथव—
सर्वसक्तिमान यहोवा ओकर नांव अय:
3 बहुंत पहिले मेंह पहिले के बातमन ला बताय हंव,
मोर मुहूं ह ओमन के घोसना करिस अऊ मेंह ओमन ला परगट करेंव;
तब अचानक मेंह काम करेंव, अऊ ओ बातमन सच म होईन।
4 काबरकि मेंह जानत रहेंव कि तुमन कतेक ढीठ रहेव;
अऊ तुम्हर घेंच के मांस-पेसीमन लोहा सहीं रिहिन,
अऊ तुम्हर माथा ह कांसा के सहीं रिहिस।
5 एकर कारन बहुंत पहिले, मेंह ये बातमन ला तुमन ला बताएंव;
ओमन के होय के पहिली, मेंह तुमन ला ओमन के घोसना कर दे रहेंव
ताकि तुमन ये झन कह सकव,
'येह हमर देवता के काम अय;

मोर लकरी के मूरती अऊ धातु के देवता के हुकूम ले येह होईस।'
6 तुमन ये बातमन ला सुने हवव; ओ जम्मो चीज ला देखव।
का तुमन ओमन ला स्वीकार नइं करहू?

"अब ले मेंह तोला नवां-नवां बात
अऊ गुपत के बातमन ला बताहूं, जेमन ला तेंह नइं जानस।
7 ओमन अभी सिरजे गे हवंय, बहुंत पहिले ले नइं;
आज ले पहिली तेंह ओमन के बारे सुने घलो नइं रहे।
एकरसेति तें ये नइं कह सकस,
'हव, में ओमन के बारे म जानत रहेंव।'
8 तेंह ओमन के बारे न तो सुने, अऊ न ही समझे हस;
पुराना समय ले, तोर कानमन ला नइं खोले गे रिहिस।
काबरकि मेंह जानत रहेंव कि तेंह कतेक बिसवासघाती अस;
तोला जनम ले ही बिदरोही कहे गे रिहिस।
9 अपन नांव बर मेंह कोप करे म देरी करथंव;
अपन महिमा बर मेंह येला तोर ले रोके रखथंव,
अइसन झन होवय कि मेंह तोला पूरा मेटा डारंव।
10 देख, मेंह तोला साफ करे हंव, हालाकि चांदी के सहीं नइं;
मेंह दुख के भट्ठी म तोला परखे हंव।
11 अपन हित म, हव, अपनेच हित म, मेंह ये करत हंव।
मेंह अपनआप ला बदनाम कइसे कर सकत हंव?
में अपन महिमा दूसर ला नइं देवंव।

[illegible]
12 "हे याकूब, हे इसरायल,
जेला मेंह बलाय हंव, मोर बात सुन:
मेंह ओही अंव;
मेंह ही सुरू अऊ में ही आखिरी अंव।
13 मोर खुद के हांथ ह धरती के नीव डारिस,
अऊ मोर जेवनी हांथ ह अकास ला बगराईस;
जब में ओमन ला बलाथंव,
त ओमन एक संग ठाढ़ हो जाथें।

14 "तुमन सब के सब एक संग आवव, अऊ सुनव:
मूरतीमन ले कोन ह ये बातमन ला पहिले ले बताईस?
यहोवा के चुने संगी ह
बेबिलोन के बिरूध ओकर उदेस्य ला पूरा करही;
ओकर हांथ ह बेबिलोनीमन* के बिरूध उठही।
15 में, हव, मेंह कहे हंव;
हव, मेंह ओला बलाय हंव।
मेंह ओला लानहूं,
अऊ ओह अपन उदेस्य म सफल होही।
16 "मोर लकठा म आके ये बात ला सुनव:
"सुरू ले लेके अब तक के घोसना म कोनो बात मेंह गुपत म नइं कहेंव;

* **48:14** या [illegible]; पद 20 म घलो

जब येह होथे, तब में उहां हंव।”

अऊ अब परमपरधान यहोवा ह मोला पठोय हवय,
अऊ अपन आतमा ले मोला भर दे हवय।

17 यहोवा, तोर छुड़इया,
इसरायल के पबितर परमेसर ह ये कहत हे:
“मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव,
जऊन ह तोला ओ बात सिखोथे, जऊन ह तोर बर सबले बने अय,
अऊ तोला ओ डहार दिखाथे, जेमा तोला जाना चाही।
18 कहूं तें मोर हुकूम ला धियान देय रहिते,
तब तोर सांति ह नदी सहीं,
अऊ तोर अच्छाई ह समुंदर के लहरा सहीं होतिस।
19 तोर संतानमन बालू के सहीं होतिन,
अऊ तोर लइकामन येकर अनगिनत दाना सहीं होतिन;
ओमन के नांव मोर आघू ले न कभू मिटाय जातिस
न कभू नास करे जातिस।”

20 बेबिलोन ला छोंड़ दव,
बेबिलोनीमन ले भाग जावव!
आनंद के जय-जयकार करत ये बात के घोसना करव,
अऊ येकर परचार करव।
धरती के छोर तक येला भेजव,
अऊ कहव, “यहोवा ह अपन सेवक याकूब ला छोंड़ाय हवय।”
21 जब यहोवा ह अपन मनखेमन ला मरू-भुइयां म ले होके ले गीस,
तब ओमन ला पीयास नइं लगिस;
ओह ओमन बर चट्टान म ले पानी निकालिस;
ओह चट्टान ला फोर दीस
अऊ पानी के तेज धारा निकलिस।

22 “दुस्टमन बर कुछू सांति नइं ए,” यहोवा ह कहिथे।

49

[illegible]
1 हे द्वीपमन, मोर बात ला सुनव;
हे दूरिहा-दूरिहा के जातिमन येला सुनव:
मोर जनमे के पहिली, यहोवा ह मोला बलाईस,
मोर दाई के गरभ ले ही ओह मोर नांव ला रखिस।
2 ओह मोर मुहूं ला चोख तलवार सहीं बनाईस,
अऊ अपन हांथ के आड़ म मोला छुपा लीस;
ओह मोला एक चमकीला तीर बनाके
अपन तरकस म छुपाके रखिस।
3 ओह मोला कहिस, “तेंह मोर सेवक इसरायल अस,
जेमा मेंह अपन महिमा परगट करहूं।”
4 तब मेंह कहेंव, “में तो बेकार म मेहनत करें;
मेंह बेकार म अपन ताकत लगांय।

तभो ले येह यहोवा के हांथ म हवय कि मोला का मिलही,
अऊ मोर ईनाम ह मोर परमेसर के हांथ म हवय।”

5 अऊ अब यहोवा ह कहिथे—
जऊन ह मोला गरभ म एकरसेति रचिस कि मेंह ओकर सेवक बनंव
अऊ याकूब ला ओकर मेर लहुंटाके ले आवंव
अऊ इसरायल ला ओकर मेर इकट्ठा करंव,
काबरकि यहोवा के नजर म मोर आदर होय हवय
अऊ मोर परमेसर ह मोर ताकत अय—
6 यहोवा ह कहिथे:
“येह तोर बर बहुंत छोटे बात ए कि मोर सेवक बनके
तें याकूब के गोत्र ला फेर पहिले के सहीं कर दे
अऊ इसरायल के ओ बांचे मनखेमन ला वापिस ले आ, जेमन ला मेंह बचाके रखे हंव।
में तोला आनजातमन बर एक अंजोर घलो ठहिराहूं,
ताकि मोर उद्धार ह धरती के छोर तक हबरे।”

7 जऊन ह मनखेमन म तुछ जाने जाथे, जेकर ले जाति ह घिन करथे,
जऊन ह सासन करइयामन के सेवक अय,
ओकर ले यहोवा, इसरायल के छुड़इया
अऊ पबितर परमेसर ह ये कहत हे:
“राजा ह तोला देखके ठाढ़ हो जाही,
हाकिममन देखके दंडवत करहीं,
येह यहोवा के कारन होही, जऊन ह बिसवासयोग्य,
इसरायल के पबितर परमेसर अय अऊ जऊन ह तोला चुने हवय।”

[illegible]
8 यहोवा ह ये कहत हे:
“मोर दया के समय म मेंह तोला जबाब दूहूं,
अऊ उद्धार के दिन म मेंह तोर सहायता करहूं;
में तोर रकछा करके तोला
मनखेमन बर एक करार ठहिराहूं,
ताकि देस ह स्थिर होवय
अऊ उजाड़ पड़े उत्तराधिकार ला फेर सऊंपे जावय,
9 अऊ बंधुवई म गय मनखेमन ला कहे जावय, ‘बाहिर आवव,’
अऊ जेमन अंधियार म हवंय ओमन ला कहे जावय, ‘सुतंतर हो जावव।’

“ओमन रद्दा के तीरे-तीर जेवन पाहीं
अऊ हर बंजर पहाड़ी म ओमन ला चरागन मिलही।
10 ओमन न तो भूखन होहीं, न ही पीयासन,
अऊ न ही मरू-भुइयां के गरमी अऊ सूरज के घाम ओमन ला लगही।
जऊन ह ओमन ऊपर दया करथे, ओह ओमन के अगुवई करही
अऊ ओमन ला पानी के सोतामन के तीर म ले जाही।
11 मेंह अपन सब पहाड़मन ला सड़क बना दूहूं,
अऊ मोर राजमार्गमन ऊंचहा करे जाहीं।
12 देखव, ओमन दूरिहा ले आहीं—
कुछू झन उत्तर ले, कुछू झन पछिम ले,

कुछू झन असवान* के इलाका ले आहीं।”

13 हे अकास, आनंद के मारे जय-जयकार कर;
हे धरती, आनंदित हो;
हे पहाड़मन, गला खोलके गीत गावव!
काबरकि यहोवा ह अपन मनखेमन ला सांति देथे
अऊ अपन दुखित मनखेमन ऊपर दया करही।

14 पर सियोन ह कहिस, “यहोवा ह मोला तियाग दे हवय,
परभू ह मोला भुला गे हवय।”

15 “का कोनो दाई अपन दूध पीयत लइका ला भुला सकत हे
अऊ अपन जनमाय लइका ऊपर कुछू दया नइं करय?
हां, ओह तो भुला सकत हे,
पर में तोला नइं भुलावंव!
16 देख, मेंह अपन हथेली म खोदके तोर तसबीर बनाय हंव;
तोर दीवारमन हरदम मोर आघू म बने रहिथें।
17 तोर लइकामन जल्दी करके वापिस आवत हें,
अऊ जेमन तोला उजाड़ दीन, ओमन तोर करा ले चले जावथें।
18 अपन आंखी उठाके चारों कोति देख;
तोर जम्मो लइकामन जूरत हें अऊ तोर मेर आवत हें।
मोर जिनगी के कसम,” यहोवा ह घोसना करत हे,
“तेंह ओ जम्मो झन ला जेवर सहीं पहिरबे;
तें एक दुलहिन के सहीं ओमन ला पहिरबे।

19 “हालाकि तेंह नास होके उजाड़ पड़े रहय
अऊ तोर देस ह उजाड़ पड़े रिहिस,
पर अब तें अपन मनखेमन बर बहुंत छोटे पड़बे,
अऊ जेमन तोला नास करे रिहिन, ओमन दूरिहा हो जाहीं।
20 तोर दुख के समय जनमे लइकामन
तोर सुनत म कहिहीं,
‘ये जगह ह हमर बर छोटे हे;
हमन ला रहे बर अऊ जगह दे।’
21 तब तें अपन मन म कहिबे,
‘कोन ह येमन ला मोर बर जनमाईस?
में तो दुखी अऊ बिगर लइका के रहेंव,
मेंह बंधुवई म रहेंव अऊ छोंड़ दिये गे रहेंव।
येमन के पालन-पोसन कोन करिस?
मेंह एके झन छोंड़ दिये गे रहेंव,
पर येमन कहां ले आय हवंय?’ ”
22 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
“देख, में जाति-जाति के मनखेमन ला इसारा करके बलाहूं,
मेंह देस-देस के मनखेमन के आघू म अपन झंडा ठाढ़ करहूं;
ओमन तोर बेटामन ला अपन गोदी म धरके लानहीं

* **49:12** कुछू हस्तलिपि म [illegible]

अऊ तोर बेटीमन ला अपन पीठ म बईठाके लानहीं।
23 राजामन तोर पालक ददा
अऊ ओमन के रानीमन तोला दूध पीयानेवाली दाई होहीं।
ओमन भुइयां म झुकके तोला दंडवत करहीं;
ओमन तोर गोड़ के धुर्रा ला चाटहीं।
तब तेंह ये जानबे कि मेंह यहोवा अंव;
जेमन मोर ऊपर आसा रखथें, ओमन निरास नइं होवंय।"

24 का बीर के हांथ ले सामान लूटे जा सकथे,
या का दुस्ट† ले कैदीमन ला छोंड़ाय जा सकथे?
25 पर यहोवा ह ये कहत हे:
"हव, बीर ले कैदीमन ला छीने जा सकथे,
अऊ दुस्ट ले लूट के सामान लिये जा सकथे;
में ओमन ले लड़हूं, जेमन तोर संग लड़थें,
अऊ तोर लइकामन ला मेंह बचाहूं।
26 में तोर ऊपर अतियाचार करइयामन ला ओहीचमन के मांस खवाहूं;
अऊ ओमन अपन खुद के लहू पीहीं, जइसे मंद पीथें।
तब जम्मो मानव-जाति ह जानही
कि में, यहोवा ह तोर उद्धारकर्ता,
तोर छुड़इया, याकूब के सक्तिमान परमेसर अंव।"

50

[illegible]
1 यहोवा ह ये कहत हे:
"तोर दाई के तियाग पतर कहां हे,
जेला मेंह ओला छोंड़त समय देय रहंय?
या अपन कोन साहूकार के हांथ म
मेंह तोला बेचेंव?
सुन, तेंह अपन पाप के कारन बेचे गे रहय;
तोर अपराधमन के कारन तोर दाई ला छोंड़ दिये गीस।
2 जब मेंह आयेंव, त काबर उहां कोनो नइं रिहिन?
जब मेंह बलांय, त जबाब देय बर उहां काबर कोनो नइं रिहिन?
तोला छोंड़ाय बर का मोर हांथ ह बहुंत छोटे हो गीस?
तोला बचाय बर का मोर म ताकत के कमी हवय?
सिरिप एक डांट के दुवारा मेंह समुंदर ला सूखा देथंव,
में नदीमन ला मरू-भुइयां बना देथंव;
उहां के मछरीमन पानी बिगर मर जाथें
अऊ पीयास म मरके बस्साथें।
3 में अकास ला अंधियार रूपी ओनहा पहिराथंव,
अऊ बोरा के ओनहा ला ओकर ओढ़ना बना देथंव।"

4 परमपरधान यहोवा ह मोला एक बने सिखानेवाला के जीभ देय हवय,
ताकि मेंह थके-हारे मनखे ला अपन बचन के दुवारा संभाले बर जानंव।
ओह मोला हर बिहनियां जगाथे,

† **49:24** कुछू हस्तलिपि म *[illegible]*

ओह मोर कान ला खोलथे कि मेंह एक सेवक के सहीं सुनंव।
5 परमपरधान यहोवा ह मोर कानमन ला खोल दे हवय;
मेंह बिदरोह नइं करे हंव,
अऊ न ही पाछू हटे हंव।
6 जेमन मोला मारिन, ओमन कोति अपन पीठ,
अऊ जेमन मोर दाढ़ी नोचिन, ओमन कोति अपन गाल ला कर देंव;
मोर हंसी उड़ाय अऊ मोर ऊपर थूके ले घलो
मेंह अपन चेहरा ला नइं छुपांय।
7 काबरकि परमपरधान यहोवा ह मोर सहायता करथे,
मेंह कलंकित नइं होवंव।
एकरसेति मेंह अपन चेहरा ला चकमक पथरा के सहीं कड़ा कर ले हंव,
अऊ मेंह जानत हंव कि मोला लजाय बर नइं पड़य।
8 जऊन ह मोर रकछा करथे, ओह मोर लकठा म हवय।
तब कोन ह मोर ऊपर दोस लगाही?
आवव, हमन एक-दूसर के सामना करन!
मोर ऊपर दोस लगइया कोन ए?
ओह मोर सामना करय!
9 सुनव, येह परमपरधान यहोवा ए, जऊन ह मोर सहायता करथे।
मोला कोन ह दोसी ठहिराही?
मोर ऊपर दोस लगानेवाले जम्मो झन ओनहा सहीं जुन्ना हो जाहीं;
अऊ ओमन ला कीरामन खा जाहीं।

10 तुम्हर बीच म ले कोन ह यहोवा के भय मानथे
अऊ ओकर सेवक के बात ला मानथे?
जऊन ह अंधियार म रेंगथे,
जेकर मेर अंजोर नइं ए,
ओह यहोवा के नांव ऊपर भरोसा रखय
अऊ अपन परमेसर ऊपर बिसवास करय।
11 पर अब, तुमन जम्मो झन, जेमन आगी बारथव
अऊ अपनआप ला बरत मसाल देथव,
जावव, अपन आगी के अंजोर म
अऊ अपन बारे गय मसाल के अंजोर म रेंगव।
मोर हांथ ले तुमन ला ये चीज ही मिलही:
तुमन पीरा म परे रहिहू।

51

[illegible]
1 "तुमन, जेमन धरमीपन म चलथव
अऊ यहोवा के खोज करथव, मोर बात ला सुनव:
ओ चट्टान ला देखव, जेमा ले तुमन ला काटे गे हवय
अऊ पथरा के ओ खदान ला देखव, जेमा ले तुमन ला निकाले गे हवय;
2 अपन पुरखा अब्राहम
अऊ सारा ला देखव, जेकर तुमन संतान अव।
जब में ओला बलांय, तब ओह सिरिप एके झन आदमी रिहिस,
अऊ मेंह ओला आसीस देंव अऊ ओला बहुंते झन कर देंव।
3 यहोवा ह सियोन ला जरूर सांति दीही

ओह ओकर सब खंडहरमन ऊपर दया देखाही;
ओह ओकर बंजर जगह ला अदन के बारी सहीं
अऊ ओकर उजाड़ जगह ला यहोवा के बारी सहीं बना दीही।
ओमा खुसी अऊ आनंद
धनबाद अऊ गीत गाय के सबद सुनई पड़ही।

4 "हे मोर मनखेमन, मोर बात ला सुनव;
हे मोर जाति के मनखेमन, मोर बात ला सुनव:
कानून ह मोर ले निकलके जाही;
मोर नियाय ह देस-देस के मनखेमन बर एक अंजोर बन जाही।
5 मोर धरमीपन ह तेजी से लकठा म आथे,
मोर उद्धार ह डहार म हवय,
अऊ मोर भुजा ह देस-देस के मनखेमन बर नियाय लानही।
द्वीपमन मोर कोति देखहीं
अऊ मोर भुजा म आसा रखहीं।
6 अकास कोति आंखी उठाके देखव,
खाल्हे धरती ला देखव;
अकास ह धुआं के सहीं लोप हो जाही,
धरती ह ओनहा के सहीं जुन्ना हो जाही
अऊ येमा रहइयामन माछीमन कस मर जाहीं।
पर मोर उद्धार ह सदाकाल तक बने रहिही,
अऊ मोर धरमीपन के कभू अन्त नइं होही।

7 "तुमन, जेमन सही बात ला जानथव,
तुमन, जेमन मोर कानून ला अपन मन म रखे हव, मोर बात ला सुनव:
मरनहार मनखेमन के निन्दा करई ले झन डरव
या ओमन के दुवारा बेजत्ती करे ले भयभीत झन होवव।
8 काबरकि घूना ह ओमन ला ओनहा सहीं
अऊ कीरा ह ओमन ला ऊन सहीं खा जाही।
पर मोर धरमीपन ह अनंतकाल तक
अऊ मोर उद्धार ह पीढ़ी-पीढ़ी तक बने रहिही।"

9 हे यहोवा के भुजा, जाग, जाग,
अऊ बल धारन कर!
जाग, जब दिनमन बीतत हें,
जाग, पुराना पीढ़ी के मनखेमन सहीं।
का ये तें नइं रहय, जऊन ह राहाब ला कुटा-कुटा कर देय,
जऊन ह ओ बिकराल जन्तु ला छेद दीस?
10 का ये तें नइं रहय, जऊन ह समुंदर ला,
गहिला सागर के पानी ला सूखा दीस,
जऊन ह समुंदर के गहरई म एक सड़क बना दीस
ताकि छोंड़ाय गय मनखेमन ओ पार जा सकंय?
11 जेमन ला यहोवा ह बचाय हवय, ओमन लहुंटके आहीं।
ओमन गीत गावत सियोन म आहीं;
सदाकाल के आनंद ह ओमन के मुड़ के मुकुट होही।
खुसी अऊ आनंद ले ओमन भर जाहीं,

अऊ दुख अऊ पीरा के अन्त हो जाही।

12 “में, हव, में ही तो तोला सांति देथंव।
तें कोन अस कि तें मरनहार मनखे ले डरथस,
ओ मानव-जाति, जेमन घांस के सहीं अंय,
13 तें, यहोवा अपन सिरजनहार ला भुला जाथस
जऊन ह अकास ला तानथे
अऊ जऊन ह धरती के नींव धरथे,
अऊ तें हर दिन लगातार आतंक म जीथस,
ओ अतियाचारी के कोप के कारन,
जऊन ह बिनास करे म लगे रहिथे।
पर ओ अतियाचारी के कोप ह कहां हवय?
14 भयभीत कैदीमन जल्दी ही सुतंतर करे जाहीं;
ओमन अपन काल-कोठरी म नइं मरंय,
अऊ न ही ओमन ला रोटी के कमी होही।
15 काबरकि मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव,
जऊन ह समुंदर ला उथल-पुथल करथे, जेकर ले ओकर लहरामन म गरजन होथे,
सर्वसक्तिमान यहोवा ओकर नांव ए।
16 मेंह तोर मुहूं म अपन बचन ला डाले हंव
अऊ तोला अपन हांथ के छइहां म ढांपे हंव—
में, जऊन ह अकास ला तानथंव,
जऊन ह धरती के नींव डारेंव,
अऊ जऊन ह सियोन ले कहिथे, ‘तुमन मोर मनखे अव।’ ”

[illegible]
17 हे यरूसलेम, जाग, जाग!
जाग उठ!
तें, जऊन ह यहोवा के हांथ ले
ओकर कोप के कटोरा म ले पीये हस,
तेंह कटोरा के पूरा मंद ला पी गे हस
जेकर से मनखे ह लड़खड़ाथे।
18 ओकर जनमे जम्मो लइका म
अइसे कोनो घलो नइं एं, जऊन ह ओकर अगुवई करे;
ओकर पाले जम्मो लइका म
अइसे कोनो नइं एं, जऊन ह ओकर हांथ ला थामके ले चलय।
19 तोर ऊपर ये दू ठन बिपत्ति आय हवंय—
कोन ह तोला सांति दे सकत हे?—
उजाड़ अऊ बिनास, अकाल अऊ तलवार आ परे हवय—
कोन ह तोला सांति दे सकत हे?
20 तोर लइकामन मूरछित होके
हर गली के कोनटा म पड़े हवंय,
जइसे हिरन ह जाल म फंसके परे रहिथे।
ओमन यहोवा के कोप
तुम्हर परमेसर के डांट ले भर गे हवंय।

21 एकर कारन हे दुखियारी मनखे, सुन,
तें मतवार तो हवस, पर अंगूर के मंद पीके नइं।

22 तोर परमपरधान यहोवा, तोर परमेसर,
जऊन ह अपन मनखेमन के रकछा करथे, ओह ये कहत हे:
“देख, मेंह तोर हांथ ले ओ कटोरा ला लेय ले हंव,
जेकर मंद ला पीके तें लड़खड़ाथस;
ओ कटोरा ले, मोर कोप के कटोरा ले,
तेंह फेर कभू नइं पीबे।
23 में येला तोर दुख देवइयामन के हांथ म दे दूहूं,
जेमन तोला कहिन,
‘पेट के भार गिर जा, ताकि हमन तोर ऊपर रेंगन।’
अऊ तेंह अपन पीठ ला भुइयां सहीं कर ले हस,
एक गली सहीं, जेमा ले रेंगके जाथें।”

52

1 हे सियोन, जाग, जाग,
अपन ताकत ला धर!
हे पबितर नगर, यरूसलेम,
अपन सोभा के ओनहा ला पहिर ले।
काबरकि तोर भीतर खतनारहित
अऊ असुध मनखेमन फेर नइं आय पाहीं।
2 अपन ऊपर ले धुर्रा ला झर्रा दे;
हे यरूसलेम, उठ, बिराजमान हो।
हे बेटी सियोन, अभी तें एक बंदी अस,
अपन घेंच के बंधन ला खोल दे।
3 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे:
“तोला मुफत म बेच दिये गे रिहिस,
अऊ बिगर पईसा के तेंह छोंड़ाय जाबे।”
4 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
“पहिली मोर मनखेमन मिसर देस म रहे बर गीन;
बाद म, अस्सूरीमन ओमन ऊपर अतियाचार करिन।
5 “अऊ अब, इहां मोर करा का हवय?” यहोवा ह घोसना करत हे।
“काबरकि मोर मनखेमन ला मुफत म ले जाय गे हवय,
अऊ जेमन ओमन ऊपर सासन करथें, ओमन ठट्ठा करथें,*”
यहोवा ह घोसना करत हे।
“अऊ दिन भर
लगातार मोर नांव के निन्दा होवत हे।
6 एकर कारन मोर मनखेमन मोर नांव ला जानहीं;
एकर कारन ओ दिन ओमन जानहीं
कि येह में अंव, जऊन ह पहिले ले ये बात बताय रहेंव।
हव, येह में अंव।”

7 पहाड़ ऊपर कतेक सुघर होथे ओमन के अवई ह,
जऊन मन के पांव सुघर संदेस लेके आथें,
जेमन सांति के बात सुनाथें
जेमन सुघर संदेस लेके आथें,

* **52:5** कुछू हस्तलिपि म [illegible]

जेमन उद्धार के घोसना करथें,
जेमन सियोन ले कहिथें,
“तोर परमेसर ह राज करथे!”
8 सुन! तोर पहरेदारमन ऊंच अवाज म कहत हें;
एक संग ओमन आनंद के मारे जय-जयकार करत हें।
जब यहोवा ह सियोन म लहुंटके आही
त ओमन येला अपन आंखी ले देखहीं।
9 हे यरूसलेम के खंडहरमन,
एक संग आनंद के मारे जय-जयकार के गीत गावव,
काबरकि यहोवा ह अपन मनखेमन ला सांति देय हवय,
ओह यरूसलेम ला छोंड़ाय हवय।
10 यहोवा ह सब जातिमन के आघू म
अपन पबितर भुजा परगट करे हवय
अऊ धरती के छोर तक के सब मनखेमन
हमर परमेसर के करे गय उद्धार ला देखहीं।

11 चले जावव, चले जावव, उहां† ले निकल जावव!
कोनो असुध चीज ला झन छुववव!
येमा ले बाहिर आवव अऊ सुध होववव,
तुमन, जेमन यहोवा के घर के चीजमन ला उठाके ले चलथव।
12 पर तुमन ला जल्दबाजी म नइं जाना हे
या दऊड़त नइं जाना हे;
काबरकि यहोवा ह तुम्हर आघू-आघू जाही,
इसरायल के परमेसर ह तुम्हर पाछू कोति के पहरेदार होही।

[illegible]
13 देखव, मोर सेवक ह बुद्धिमानी से काम करही;
ओला खड़े करके ऊपर करे जाही अऊ ओला बहुंत उठाय जाही।
14 जइसन बहुंते झन ओला देखके भयभीत होईन—
ओकर रूप ह कोनो मनखे के रूप ले बहुंत जादा बिगड़ गे रिहिस
ओकर आकार ह मनखे के आकार सहीं नइं जान पड़त रिहिस—
15 वइसन ही ओह बहुंते जातिमन ला छिंचही,‡
अऊ ओकर कारन राजामन अपन मुहूं ला बंद कर लीहीं।
काबरकि जऊन बात ओमन ला नइं बताय गीस, ओला ओमन देखहीं,
अऊ जऊन बात ओमन नइं सुने रिहिन, ओला ओमन समझहीं।

53

1 कोन ह हमर संदेस ऊपर बिसवास करिस
अऊ काकर ऊपर यहोवा के भुजबल परगट होईस?
2 ओह ओकर आघू म एक कोअंर अंकुर सहीं,
अऊ सूखा भुइयां म एक जरी सहीं निकलिस।
ओमा कोनो सुन्दरता या महानता नइं रिहिस कि हमर धियान ओकर कोति जातिस,
अऊ ओकर रूप म अइसन कोनो चीज नइं रिहिस, जेला हमन देखे के ईछा करतेंन।

† **52:11** याने कि [illegible] ‡ **52:15** या [illegible]

3 ओह मानव-जाति के दुवारा तुछ समझे गीस अऊ अस्वीकार करे गीस,
ओह दुखी मनखे रिहिस, अऊ पीरा ले ओकर जान-पहिचान रिहिस।
जइसे कोनो मनखे ले आने मनखेमन अपन चेहरा छुपाथें।
वइसे ओह तुछ समझे गीस अऊ हमन ओकर आदरमान नइं करेंन।

4 सही म ओह हमर पीरा ला ले लीस
अऊ हमर दुख ला सहिस,
तभो ले हमन ओला परमेसर के दुवारा दंड,
ओकर दुवारा मारे-कूटे अऊ दुख देय लईक समझेंन।
5 पर ओह हमर अपराधमन के कारन घायल करे गीस,
ओह हमर अधरम के काममन के कारन कुचरे गीस;
ओला दिये गय दंड ह हमर बर सांति लानिस,
अऊ ओला मिले घावमन के दुवारा हमन ला चंगई मिलथे।
6 हमन सब के सब भेड़मन कस भटक गे रहेंन,
हमन म ले हर एक झन अपन-अपन रद्दा धर ले रहेंन;
अऊ यहोवा ह हमर सब के अधरम के बोझा ला
ओकरे ऊपर लदक दीस।

7 ओह सताय गीस अऊ ओला पीरा दिये गीस,
तभो ले ओह कुछू नइं कहिस;
ओला बध करे बर ले जाय भेड़ सहीं ले गीन,
अऊ जइसने ऊन कतरइयामन के आघू म भेड़ ह चुपेचाप रहिथे,
वइसने ओह घलो अपन मुहूं ला नइं खोलिस।
8 अतियाचार करके अऊ दोस लगाके ओमन ओला ले गीन।
तभो ले ओकर पीढ़ी के कोन ह ये सब बात के बिरोध करिस?
ओह जीयतमन के बीच म ले उठा लिये गीस;
मोर मनखेमन के अपराध के कारन ओला दंड मिलिस।
9 ओकर कबर दुस्टमन के संग रखे गीस,
अऊ मऊत के समय ओह धनवानमन के संगी होईस,
हालाकि ओह कोनो हिंसा के काम नइं करे रिहिस,
अऊ न ही ओकर मुहूं ले कोनो छल के बात निकले रिहिस।

10 तभो ले यहोवा ला ये बने लगिस कि ओला कुचरय अऊ ओला दुख देवय,
अऊ हालाकि यहोवा ह ओकर जिनगी ला पाप के एक बलिदान बना देथे,
तभो ले ओह अपन बंस देखे बर पाही अऊ ओह बहुंत दिन तक जीयत रहिही,
ओकर हांथ म यहोवा के ईछा पूरा होही।
11 दुख सहे के बाद,
ओह जिनगी के अंजोर ला देखही अऊ संतुस्ट होही;
अपन गियान के दुवारा मोर धरमी सेवक ह बहुंते झन ला धरमी ठहिराही,
अऊ ओमन के अधरम के बोझा ला उठाही।
12 एकर कारन मेंह ओला महान मनखेमन संग एक भाग दूहूं,
अऊ ओह ताकतवर मनखेमन के संग लूटे चीजमन ला बांट दीही,
काबरकि ओह अपन जिनगी ला मऊत म ढार दीस,
अऊ ओह अपराधीमन संग गने गीस।
काबरकि ओह बहुंत झन के पाप के बोझा ला उठाईस,

अऊ अपराधीमन बर बिनती करिस।

54

[illegible]

1 यहोवा ह कहिथे, "हे ठड़गी माईलोगन, गीत गा,
तें, जऊन ह कभू लइका नइं जनमाय;
तोला लइका जनमे के पीरा कभू नइं होईस,
जोर से गीत गा अऊ आनंद के मारे चिचिया;
काबरकि तियागे माईलोगन के लइकामन
बिहाता माईलोगन के लइकामन ले जादा हवंय,"
यहोवा ह कहत हे।
2 "अपन तम्बू के जगह ला चाकर कर,
अऊ तम्बू के परदा ला चौड़ा कर,
अपन हांथ ला झन रोक;
अपन डोरीमन ला लम्बा कर,
अऊ खूंटीमन ला मजबूत कर।
3 काबरकि तेंह जेवनी कोति अऊ डेरी कोति बगरबे;
तोर संतानमन जाति-जाति के मनखेमन ला बेदखल कर दीहीं
अऊ ओमन के उजरे नगरमन म बस जाहीं।

4 "झन डर; तोला लज्जित होना नइं पड़य।
कलंक के बात ले झन डर; तेंह अपमानित नइं होवस।
तें अपन जवानी के लज्जा ला भुला जाबे
अऊ अपन बिधवापन के अपमान ला फेर सुरता नइं करबे।
5 काबरकि तोर रचइया ह तोर घरवाला ए—
सर्वसक्तिमान यहोवा ओकर नांव ए—
इसरायल के पबितर परमेसर तोर छुड़इया ए;
ओला जम्मो धरती के परमेसर कहे जाथे।
6 यहोवा ह तोला वापिस बलाही
मानो तेंह एक छोंड़ दिये गय घरवाली रहय अऊ मन म दुखी हस—
एक अइसन घरवाली, जेकर बिहाव जवानी म ये कारन होय रिहिस
ताकि ओला छोंड़ दिये जावय," तोर परमेसर ह कहत हे।
7 "पल भर बर ही मेंह तोला छोंड़ दे रहंय,
पर अब बड़े दया करके में तोला वापिस लानहूं।
8 रिस म आके पल भर बर
मेंह तोर ले अपन मुहूं छुपा ले रहेंव,
पर अब अनंत करूना ले
में तोर ऊपर दया करहूं,"
तोर छुड़इया यहोवा ह कहत हे।

9 "मोर नजर म येह नूह के समय के सहीं अय,
जब मेंह किरिया खाय रहेंव कि नूह के समय के सहीं जल-परलय करके मेंह धरती ला फेर कभू नइं बुड़ोवंव।
एकरसेति अब मेंह ये किरिया खाय हंव कि फेर कभू तोर ऊपर रिस नइं करंव,
तोला फेर कभू नइं डांटंव।
10 चाहे पहाड़मन कांपंय
अऊ पहाड़ीमन हट जावंय,

पर तोर बर मोर अटल मया ह नइं टलय
अऊ न ही सांति के मोर करार ह टलही,”
ओ यहोवा ह कहत हे, जऊन ह तोर ऊपर दया करथे।

11 “हे दुखियारी सहर, तें जऊन ह आंधी ले सताय गय अऊ जऊन ला सांति नइं मिलिस,
में तोला बहुंत कीमती पथरामन ले फेर बनाहूं,
अऊ तोर नींवमन ला नीलमनि ले बनाहूं।
12 में तोर दीवारमन के कलस ला मूंगा ले,
तोर दुवारमन ला चमकत मनि ले
अऊ तोर जम्मो दीवारमन ला कीमती पथरामन ले बनाहूं।
13 तोर जम्मो लइकामन यहोवा के दुवारा सिखोय जाहीं,
अऊ ओमन ला बड़े सांति मिलही।
14 तोला धरमीपन म स्थिर करे जाही:
अतियाचार ह तोर ले दूरिहा होही;
तोला कोनो डर-भय नइं होही।
आतंक ला तोर ले बहुंत दूरिहा कर दिये जाही;
येह तोर लकठा म नइं आही।
15 कहूं कोनो तोर ऊपर हमला करथे, त जान ले, येह मोर काम नइं होही;
जऊन ह घलो तोर ऊपर हमला करथे, ओह तोर सरन म आही।

16 “देख, येह में अंव, जऊन ह लोहार ला बनाईस
जऊन ह धुकके कोइला म आगी लगाथे
अऊ सही काम करे बर गढ़के एक हथियार बनाथे।
अऊ येह में अंव, जऊन ह नास करइया ला बनाथे कि ओह बिनास के बदला लेवय;
17 तोर बिरूध बनाय गे कोनो घलो हथियार जय नइं पा सकय,
अऊ तें हर ओ मनखे ला लबरा साबित करबे, जऊन ह तोर ऊपर दोस लगाही।
येह यहोवा के सेवकमन ला मिले भाग ए,
अऊ येह मोर कोति ले ओमन बर नियाय के बात ए,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

55

[illegible]
1 “हे सब पीयासन मनखेमन,
पानी के तीर म आवव;
अऊ जेमन करा रूपिया नइं ए,
ओमन घलो आवंय, बिसावंय अऊ खावंय!
आवव, अंगूर के मंद अऊ दूध
बिगर रूपिया अऊ बिगर दाम के ले जावव।
2 जऊन ह खाय के चीज नो हय, ओकर बर काबर रूपिया खरच करन,
अऊ जेकर ले पेट नइं भरय, ओकर बर काबर मेहनत करन?
सुनव, मोर बात ला सुनव, अऊ ओ चीज ला खावव जऊन ह बने अय,
अऊ तुमन खाय के सबले बढ़िया चीजमन के आनंद उठाहू।
3 कान लगावव, अऊ मोर करा आवव;
सुनव, ताकि तुमन जीयत रहव।
में तुम्हर संग एक सदाकाल के करार करहूं,

याने कि मोर बिसवासयोग्य मया, जेकर वायदा मेंह दाऊद ले करे रहेंव।
4 सुनव, मेंह ओला राज-राज के मनखेमन बर एक गवाह,
एक सासन करइया अऊ हुकूम देवइया ठहिराय हंव।
5 खचित तें अइसन जातिमन ला बलाबे, जेमन ला तें नइं जानस,
अऊ जऊन जातिमन ला तें नइं जानस, ओमन तोर करा दऊड़त आहीं,
येह यहोवा तोर परमेसर,
इसरायल के पबितर परमेसर के कारन होही,
काबरकि ओह तोला सोभायमान करे हवय।"

6 जब तक यहोवा मिल सकथे, तब तक ओकर खोज म रहव;
जब तक ओह लकठा म हवय, तब तक ओला पुकारव।
7 दुस्ट ह अपन चालचलन
अऊ अधरमी ह अपन सोच-बिचार छोंड़य।
ओमन यहोवा कोति फिरंय, अऊ ओह ओमन ऊपर दया करही,
अऊ हमर परमेसर कोति फिरंय, काबरकि ओह बिगर कोनो दाम के छेमा करही।

8 "काबरकि मोर बिचार अऊ तुम्हर बिचार एक सहीं नो हंय,
न ही तुम्हर चाल अऊ मोर चाल एक सहीं अंय,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
9 "जइसे अकास ह धरती ले ऊंच हवय,
वइसे मोर चाल ह तुम्हर चाल ले
अऊ मोर सोच-बिचार ह तुम्हर सोच-बिचार ले बहुंत ऊंच हवय।
10 जइसे बरसा अऊ बरफ
अकास ले गिरथें,
अऊ धरती म बिगर पानी पलोय
अऊ येमा बिगर बीजा के जामय अऊ बढ़य,
अकास म वापिस नइं लहुंटय,
जेकर ले बोवइया ला बीजा अऊ खवइया ला रोटी मिलथे,
11 वइसे ही मोर बचन घलो अय, जऊन ह मोर मुहूं ले निकलथे:
येह मोर करा खाली नइं लहुंटय,
पर जो मोर ईछा हे, ओला पूरा करही
अऊ जऊन काम बर मेंह येला पठोय रहेंव, ओला येह पूरा करही।
12 काबरकि तुमन आनंद के संग निकलहू,
अऊ सांति के संग अमराय जाहू;
पहाड़ अऊ पहाड़ीमन तुम्हर आघू म
जय-जयकार के गीत गाहीं,
अऊ मैदान के जम्मो रूखमन
आनंद के मारे ताली बजाहीं।
13 कंटिली झाड़ी के बदले सनोवर रूख उगही,
अऊ जंगली पऊधा के बदले मेंहदी के रूख बढ़ही।
येह यहोवा के नांव बर होही,
सदाकाल के एक चिनहां बर होही,
जऊन ह सदाकाल तक बने रहिही।"

56

1 यहोवा ह ये कहत हे:
“नियाय ला बनाय रखव
अऊ ओ काम करव, जऊन ह सही ए,
काबरकि में जल्दी ही तुम्हर उद्धार करहूं,
अऊ मोर धरमीपन ह जल्दी परगट होही।
2 धइन ए ओ मनखे, जऊन ह ये करथे—
ओ मनखे, जऊन ह येमा अटल रहिथे,
जऊन ह येकर धियान रखथे कि बिसराम दिन ह अपबितर झन होवय,
अऊ अपन हांथ ला कोनो घलो बुरई के काम करे ले रोकथे।”

3 जऊन परदेसी ह यहोवा ले जुड़े हवय, ओह ये झन कहय,
“यहोवा ह मोला अपन मनखेमन ले जरूर अलग कर दीही।”
अऊ कोनो कोचिया* ये सिकायत झन करय,
“मेंह तो सिरिप एक सूखा रूख अंव।”
4 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे:
“ओ कोचियामन, जेमन मोर बिसराम दिन ला मानथें,
जेमन ओ चीज ला चुनथें, जऊन ह मोला बने लगथे
अऊ मोर करार म मजबूती से बने रहिथें—
5 ओमन ला में अपन मंदिर अऊ येकर भीथीमन के भीतर
एक स्मारक अऊ एक नांव दूहूं
जऊन ह बेटा अऊ बेटीमन ले कहीं उत्तम होही;
मेंह ओमन ला सदाकाल के एक नांव दूहूं
जऊन ह हमेसा बने रहिही।
6 अऊ परदेसी, जेमन अपनआप ला यहोवा ले जोड़े रखथें
ताकि ओकर सेवा-टहल करंय,
यहोवा के नांव ले मया रखंय,
अऊ ओकर सेवक बनंय,
ओ जम्मो जेमन धियान रखथें कि बिसराम दिन ह अपबितर झन होवय
अऊ जेमन मोर करार म मजबूती से बने रहिथें—
7 ओमन ला में अपन पबितर पहाड़ म लानहूं
अऊ ओमन ला पराथना के मोर घर म आनंदित करहूं।
ओमन के होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान
मोर बेदी ऊपर गरहन करे जाहीं;
काबरकि मोर भवन ह जम्मो जाति के मनखेमन बर
पराथना के घर कहे जाही।”
8 परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे—
जऊन ह इसरायल ले निकाले गय मनखेमन ला इकट्ठा करथे:
“जेमन इकट्ठा करे गे हवंय
ओमन के संग मेंह आने मन ला घलो इकट्ठा करके मिला दूहूं।”

[illegible]
9 हे मैदान के जम्मो पसुमन, आवव,
हे जंगल के जम्मो पसुमन, आवव अऊ खावव!
10 इसरायल के पहरेदारमन अंधवा अंय,
ओ जम्मो म गियान के कमी हवय;

* **56:3** या [illegible]

ओमन सब के सब कोंदा कुकुर अंय,
जेमन भूंके नइं सकंय;
ओमन पड़े रहिथें अऊ सपना देखथें,
ओमन ला नींद बहुंत बने लगथे।
11 ओमन बहुंत खानेवाला कुकुर अंय;
ओमन के पेट कभू नइं भरय।
ओमन अइसन चरवाहा अंय, जेमन म समझ नइं ए;
ओमन जम्मो अपन खुद के डहार म चलथें,
ओमन अपन खुद के फायदा ला देखथें।
12 ओमा के हर एक ह चिचियाके कहिथे, "आवव, में अंगूर के मंद लेके आवत हंव!
आवव, हमन छककके मंद पीयन!
अऊ कल के दिन घलो आज के सहीं होही,
या येकर ले घलो बेहतर होही।"

57

1 धरमी जन नास हो जाथें,
अऊ कोनो ये बात के चिंता नइं करंय;
भक्त जनमन उठा लिये जाथें,
अऊ कोनो नइं समझंय
धरमी जन एकर बर उठा लिये जाथें
ताकि अवइया बिपत्ति ले बांच जावंय।
2 जेमन सीधा चाल चलथें
ओमन सांति पाथें;
ओमन आराम पाथें, जब ओमन के मऊत होथे।

3 "पर तुमन—इहां आवव, हे जादूगरनी के लइकामन,
हे बेभिचारी अऊ बेस्यामन के संतान!
4 तुमन काकर हंसी उड़ात हव?
काकर ऊपर तुमन हंसत हव
अऊ कोन ला तुमन अपन जीभ देखात हव?
का तुमन बिदरोही
अऊ लबरामन के संतान नो हव?
5 तुमन बलूत रूखमन के बीच
अऊ हर फईले रूखमन के खाल्हे म कामातुर होथव;
तुमन अपन लइकामन ला घाटी म
अऊ बाहिर निकले चट्टानमन के खाल्हे म बलिदान चघाथव।
6 घाटी के चिकना पथरामन के बीच मूरतीमन तुम्हर हिस्सा अंय;
वास्तव म, ओमन तुम्हर भाग अंय।
हव, ओमन बर तुमन पेय-बलिदान
अऊ अन्न-बलिदान चघाय हव।
ये सब ला देखके घलो, का में सांत हो जावंव?
7 तुमन एक ठन ऊंचहा अऊ उठे हुए पहाड़ी ऊपर अपन बिस्तर बिछाय हवव;
उहां तुमन अपन बलिदान चघाय बर गे रहेव।
8 अपन कपाट अऊ अपन चौखटमन के पाछू म

तुमन अपन मूरती-पूजा के चीजमन ला रखे हव।
मोला छोंड़के, तुमन अपन बिस्तर ला खुला रखे हव,
तुमन येकर ऊपर चघके येला चौड़ा कर ले हव;
तुमन ओमन ले एक समझौता कर ले हव, जेमन के बिस्तर तुमन ला बने लगथे,
अऊ तुमन ओमन के नंगरा देहें ला काम-वासना से देखे हव।
9 तें जैतून तेल लेके मोलेक* करा गे रहे
अऊ अपन खुसबू ला बढ़ाय।
तेंह अपन दूतमन† ला बहुंत दूरिहा तक पठोय;
तें खाल्हे अधोलोक तक चले गेय!
10 तें यातरा के दुवारा अपनआप ला थका लेय,
पर तेंह ये नइं कहे, 'येह बेकार अय।'
तोर म नवां बल के संचार होईस,
एकर कारन तेंह नइं थके।

11 "तेंह काकर डर ले अतेक भय खाय हस अऊ डर गे हस
कि तेंह मोर ले सच नइं बोलय,
अऊ मोला सुरता नइं राखे,
न ही येकर ऊपर धियान देय?
येकर कारन ये नो हय कि में बहुंत समय ले चुपेचाप हंव
जेकर ले तें मोला नइं डरस?
12 मेंह तोर धरमीपन अऊ तोर करम ला परगट कर दूहूं,
पर ओमन ले तोला कुछू फायदा नइं होवय।
13 जब तें मदद बर पुकारथस,
त तोर जमा करे गय मूरतीमन तोला बचावंय!
हवा ह ओ जम्मो ला दूरिहा ले जाही,
सिरिप एक सांस ह ओमन ला उड़िहा ले जाही।
पर जऊन ह मोर सरन लीही
ओह देस के उत्तराधिकारी होही
अऊ मोर पबितर पहाड़ ह ओकर अधिकार म रहिही।"

[illegible]

14 अऊ ये कहे जाही:
"बनावव, बनावव, सड़क ला तियार करव!
मोर मनखेमन के रद्दा ले बाधामन ला हटावव।"
15 काबरकि ऊंच अऊ उठाय गय परमेसर ह ये कहत हे—
ओ जऊन ह सदा जीयत हे, जेकर नांव पबितर ए:
"मेंह एक ऊंच अऊ पबितर स्थान म रहिथंव,
पर ओकर संग घलो रहिथंव, जऊन ह टूटे मन के अऊ आतमा म नम्र ए,
कि नम्र मन के आतमा
अऊ टूटे मन वाले के हिरदय ला खुस करंव।
16 में हमेसा ओमन ऊपर दोस नइं लगावंव,
न ही हमेसा मेंह गुस्सा करहूं,
काबरकि तब ओ मोर बनाय मनखेमन
मोर कारन मूरछित हो जाहीं।
17 ओमन के पापी लालची सुभाव के कारन मेंह बहुंत गुस्सा करेंव;

* **57:9** या [illegible] † **57:9** या [illegible]

में ओमन ला दंड देंय, अऊ गुस्सा म अपन चेहरा छुपांय;
तभो ले ओमन अपन मन के रद्दा म चलते रिहिन।
18 में ओमन के चालचलन ला देखे हंव, तभो ले ओमन ला चंगा करहूं;
मेंह ओमन ला ले चलहूं अऊ इसरायल के सोक करइयामन ला सांति दूहूं,
19 मेंह ओमन के ओंठ म परसंसा के बात लानहूं।
सांति, जेमन दूरिहा अऊ लकठा म हवंय, दूनों ला सांति मिलय,"
यहोवा ह कहत हे।
"अऊ में ओमन ला चंगा करहूं।"
20 पर दुस्टमन लहरावत समुंदर सहीं अंय,
जऊन ह आराम नइं कर सकय,
अऊ जेकर लहरामन मईला अऊ चीखला उछालथें।
21 "दुस्टमन बर सांति नइं ए," मोर परमेसर ह कहत हे।

58

[illegible] [illegible]
1 "गला फारके चिचियावव, दबाके झन रखव।
तुरही के सहीं अपन अवाज ला ऊंचहा करव।
मोर मनखेमन* ला ओमन के बिदरोह के काम बतावव
अऊ याकूब के संतानमन ला ओमन के पाप जता दव।
2 काबरकि ओमन रोज-रोज मोर मेर आथें;
अइसे लगथे कि ओमन मोर रसता ला जाने बर उत्सुक हवंय,
मानो ओमन एक अइसे जाति अंय, जऊन ह सही काम ला करथे
अऊ अपन परमेसर के हुकूममन ला नइं छोंड़े हवय।
ओमन मोला सिरिप फैसला के बारे म पुछथें
अऊ परमेसर बर उत्सुक जान पड़थें कि ओह ओमन के लकठा म आवय।
3 ओमन कहिथें, 'का कारन ए कि हमन तो उपास राखेंन,
पर तेंह येला नइं देखे?
का कारन ए कि हमन अपनआप ला नम्र करे हन,
पर तेंह धियान नइं दे हस?'

"काबरकि उपास के दिन म तुमन अपन मन मुताबिक करथव
अऊ अपन बनिहारमन के सोसन करथव।
4 तुम्हर उपास ह लड़ई-झगरा
अऊ एक-दूसर ला मुक्का मारके झगरा करे म खतम होथे।
जइसन उपास तुमन आजकल रखथव, वइसन झन रखव,
अइसन उपास रखके तुमन आसा करथव कि तुम्हर अवाज ला ऊपर म सुने जाही।
5 का ये किसम के उपास ले में खुस होथंव,
कि सिरिप एके दिन बर मनखेमन अपनआप ला दीन करंय?
का येह, नरकट पऊधा सहीं कोनो मनखे के सिरिप अपन मुड़ ला झुकाना ए?
अऊ सिरिप बोरा के ओनहा अऊ राख म लेटना ए?
का येला तुमन उपास कहिथव,
एक अइसन दिन, जेला यहोवा स्वीकार करथे?

6 "का येह ओ किसम के उपास नो हय, जेकर ले में खुस होथंव:

* **58:1** या [illegible]

कि अनियाय के बंधना ला टोर दिये जावय
अऊ जुड़ा के बंधना ला खोलके
अतियाचार सहइयामन ला सुतंतर कर दिये जावय
अऊ हर एक जुड़ा ला टोर दिये जावय?
7 का येह ओ किसम के उपास नो हय, कि भूखन मन के संग खाना बांटे जावय
अऊ गरीब घुमंतू ला आसरय दिये जावय—
जब तुमन नंगरामन ला देखथव, त ओमन ला ओनहा पहिरावव,
अऊ अपन खुद के रिस्तेदारमन ले मुहूं झन मोड़व?
8 तब तुम्हर अंजोर ह बिहान पहाय सहीं चमकही,
अऊ तुम्हर चंगई ह जल्दी दिखही;
तब तुम्हर धरमीपन† ह तुम्हर आघू-आघू जाही,
अऊ यहोवा के तेज ह तुम्हर पाछू तुम्हर रकछा करही।
9 तब तुमन पुकारहू, अऊ यहोवा जबाब दीही;
तुमन मदद बर बिनती करहू, अऊ ओह कहिही: में इहां हंव।

"यदि तें अंधेर करई के जुड़ा के संग
अंगरी उठई अऊ दुस्ट बात करई के आदत ला छोंड़ देबे,
10 अऊ यदि तें भूखन मनखे के सहायता करबे
अऊ दीन दुखीमन के दुख ला दूर करबे,
तब अंधियार म तोर अंजोर ह चमकही,
अऊ तोर रथिया ह मंझनियां सहीं अंजोर हो जाही।
11 यहोवा हमेसा तोर अगुवई करही;
ओह सूखा भुइयां म तोर जरूरत ला पूरा करही
अऊ तोर हाड़ामन ला मजबूत करही।
तें बने पानी पलोय एक बारी सहीं होबे,
अऊ अइसन सोता सहीं होबे, जेकर पानी कभू नइं सूखावय।
12 तोर मनखेमन पुराना उजरे जगहमन ला फेर बसाहीं
अऊ पीढ़ी-पीढ़ी ले माढ़े नीवमन म घर बनाहीं;
तोला टूटहा दीवारमन ला फेर बनानेवाला,
अऊ घरमन के संग गलीमन ला ठीक करनेवाला कहे जाही।

13 "यदि तें बिसराम दिन ला असुध नइं करबे
अऊ मोर ओ पबितर दिन म अपन ईछा पूरा करे के कोसिस नइं करबे,
यदि बिसराम दिन ला आनंद के दिन
अऊ यहोवा के पबितर दिन मानके आदर करबे,
अऊ यदि तें येकर आदर करके ओ दिन अपन मुताबिक नइं चलबे
अऊ अपन ईछा पूरा नइं करबे या बेकार बात नइं बोलबे,
14 त तोला यहोवा के कारन आनंद मिलही,
अऊ में तोला देस के ऊंचहा जगह म बिजयी मनखे सहीं चलाहूं
अऊ तोर पुरखा याकूब के निज भाग के ऊपज ले तोला भोज खवाहूं।"
यहोवा ह ये बात ला कहे हवय।

---

† **58:8** या [illegible]

59

[illegible]
1 खचित, यहोवा के हांथ अइसन छोटे नइं हो गे हवय कि तुम्हर उद्धार नइं कर सकय,
न ही ओह अइसन भैंरा हो गे हवय कि सुन नइं सकय।
2 पर तुम्हर अधरम के काममन
तुमन ला तुम्हर परमेसर ले अलग कर दे हवंय;
तुम्हर पापमन ओकर मुहूं ला तुम्हर ले छुपा रखे हें,
जेकर कारन ओह नइं सुनय।
3 काबरकि तुम्हर हांथमन म खून,
अऊ तुम्हर अंगठीमन म अधरम के धब्बा लगे हवय।
तुम्हर मुहूं ह लबारी बात कहे हवय,
अऊ तुम्हर जीभ ले खराप बात निकलथे।
4 कोनो नियाय के बात नइं करंय;
न कोनो सच्चई ले मुकदमा लड़ंय।
ओमन लबारी बात ऊपर भरोसा रखथें; ओमन लबारी बात कहिथें;
ओमन समस्या ला गरभ म धरथें अऊ पाप ला जनम देथें।
5 ओमन करैत सांप के अंडा ला सेथें
अऊ मेकरा के जाली बनाथें।
जऊन कोनो ओमन के अंडा ला खाथे, ओह मर जाथे,
अऊ जब कोनो एक ठन ला फोरे जाथे, त ओमा ले बिसैला सांप के पीला निकलथे।
6 ओमन के बुने जालीमन ओनहा के काम नइं आवंय;
अऊ ओमन जऊन कुछू बनाथें, ओकर ले अपनआप ला ढांप नइं सकंय।
ओमन के काममन दुस्टता के काम अंय,
अऊ ओमन के हांथ ले हिंसा के काम होथे।
7 ओमन के गोड़मन बुरई करे बर दऊड़थें;
ओमन निरदोस के हतिया करे बर तियार रहिथें।
ओमन दुस्ट साजिस करे म लगे रहिथें;
हिंसा के काममन ले ओमन के डहार भरे हवय।
8 सांति के डहार ला ओमन नइं जानंय;
ओमन के सुभाव म नियाय के बात नइं ए।
ओमन अपन डहारमन ला बेईमानी के सड़क बना ले हवंय;
ओमन के संग रेंगइया कोनो भी मनखे सांति के बात नइं जानंय।

9 एकर कारन ले नियाय ह हमन ले दूरिहा हवय,
अऊ धरमीपन हमर मेर नइं आवय।
हमन अंजोर के डहार तो देखथन, पर देखव अंधियार ही बने रहिथे;
हमन अंजोर के आसा तो लगाय हवन, पर घोर अंधियार म रेंगथन।
10 हमन अंधरा सहीं दीवार पकड़के टमड़त रहिथन,
हमन बिन आंखी के मनखे सहीं महसूस करथन।
गोधूलि के बेरा सहीं, हमन दिन-दुपहरी म हपटत रहिथन,
हट्टा-कट्टामन के बीच म हमन मुरदा सहीं हवन।
11 हमन सब के सब भालू सहीं गुर्राथन;
अऊ पंड़की सहीं सोक करत बिलाप करथन।
हमन नियाय के डहार तो देखथन, पर नियाय नइं मिलय;
हमन छुटकारा के तो डहार देखथन, पर ओह हमन ले दूरिहा ही रहिथे।

12 काबरकि हमर अपराध तोर नजर म बहुंत हो गे हवय,
हमर पापमन हमर बिरूध म साखी देथें।
हमर अपराधमन हमेसा हमर संग हवंय,
अऊ हमन अपन अधरम के काम ला मान लेथन:
13 यहोवा के बिरूध बिदरोह अऊ धोखा,
अपन परमेसर कोति अपन पीठ देखई,
बिदरोह अऊ अतियाचार करई,
अपन मन म रखे लबरा बात कहई।
14 एकरसेति नियाय ह पाछू हट जावत हे,
अऊ धरमीपन ह दूरिहा म ठाढ़ रहिथे;
सच्चई ह गलीमन म गिर गे हवय,
ईमानदारी आ नइं सकय।
15 सच्चई कहूं नइं ए,
अऊ जऊन ह बुरई ले भागथे, ओह खुद सिकार हो जाथे।

यहोवा ह देखिस अऊ ओला ये बात बने नइं लगिस
कि उहां नियाय नइं रिहिस।
16 ओह देखिस कि उहां कोनो नइं एं,
अऊ ओह अचम्भो करिस कि कोनो बिचवई करइया नइं एं;
तब ओह अपन ही भुजबल ले ओकर बर उद्धार के काम ला करिस,
अऊ अपन ही धरमीपन म ओला संभालिस।
17 ओह धरमीपन ला झिलम के सहीं पहिर लीस,
अऊ ओकर मुड़ म उद्धार के टोप राखे गीस;
ओह बदला लेय के ओनहा पहिरिस
अऊ उत्साह के पहिरावा ला अपन म लपेट लीस।
18 ओमन के करम के मुताबिक
ओह ओमन ला फर दीही,
ओकर बईरीमन ऊपर कोप भड़कही
अऊ अपन बिरोधीमन ले बदला लीही;
ओह द्वीप म रहइयामन ला ओमन के काम के परतिफल दीही।
19 तब पछिम कोति मनखेमन यहोवा के नांव के भय मानहीं,
अऊ पूरब कोति ओकर महिमा के आदर होही।
काबरकि ओह बाढ़ के पानी सहीं आही
तब यहोवा के आतमा ह ओला भगाही।

20 "छुड़इया ह सियोन मेर ओमन करा आही, जेमन याकूब म हवंय
अऊ अपन पाप ले मन फिराथें,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
21 "जहां तक मोर बात ए, येह ओमन के संग मोर करार ए," यहोवा ह कहत हे। "मोर आतमा, जऊन ह तोर ऊपर हवय, ओह तोर ले अलग नइं होवय, अऊ मोर जऊन बचन, मेंह तोर मुहूं म डारे हंव, ओह तोर मुहूं म, तोर लइकामन के मुहूं म अऊ ओमन के संतानमन के मुहूं म अब ले लेके हमेसा रहिही," यहोवा ह कहत हे।

60

[illegible]
1 "उठ, चमकदार हो; काबरकि तोर अंजोर ह आय हवय,
अऊ यहोवा के महिमा तोर ऊपर उदय होवत हे।

2 देख, धरती ऊपर अंधियार
अऊ राज-राज के मनखेमन ऊपर बिरबिट अंधियार छावत हे,
पर तोर ऊपर यहोवा उदय होवत हे
अऊ ओकर तेज तोर ऊपर परगट होवत हे।
3 जाति-जाति के मनखेमन तोर मेर अंजोर बर,
अऊ राजामन तोर बिहान के अंजोर कोति आहीं।

4 "अपन चारों कोति आंखी उठाके देख:
सब के सब इकट्ठा होके तोर मेर आवत हें;
तोर बेटामन दूरिहा ले आवत हें,
अऊ तोर बेटीमन ला गोद म उठाके लाय जावत हे।
5 तब तें देखबे अऊ तें चमकबे,
तोर हिरदय ह धड़कही अऊ आनंद ले भर जाही;
समुंदर के धन-संपत्ति तोर मेर लाय जाही,
तोर मेर देस-देस के धन-संपत्ति आही।
6 तोर देस ह ऊंटमन के झुंड ले भर जाही,
मिदयान अऊ एपा देसमन के जवान ऊंटमन आहीं।
अऊ सेबा के जम्मो झन
सोन अऊ खुसबू बर धूप लेके आहीं
अऊ यहोवा के गुन गावत आहीं।
7 केदार छेत्र के पसुमन के झुंड ला तोर मेर इकट्ठा करे जाही,
नबायोत छेत्र के मेढ़ामन तोर सेवा-टहल के काम म आहीं;
ओमन ला मोर बेदी म भेंट के रूप म गरहन करे जाही,
अऊ में अपन सोभायमान मंदिर ला सजाहूं।

8 "येमन कोन अंय, जेमन बादर सहीं,
अपन खोड़रा कोति पंड़की सहीं उड़त आवत हें?
9 सच म द्वीपमन मोर रसता देखथें;
आघू म तरसीस के पानी जहाजमन हवंय,
ओमन तोर लइकामन ला दूरिहा ले
ओमन के सोन अऊ चांदी समेत लेके आवत हें,
ताकि यहोवा तोर परमेसर,
इसरायल के पबितर परमेसर के आदर होवय,
काबरकि ओह तोला सोभायमान करे हवय।

10 "परदेसीमन तोर सहर के दीवार ला फेर बनाहीं,
अऊ ओमन के राजामन तोर सेवा-टहल करहीं।
हालाकि मेंह रिस म आके तोला दुख देय रहेंव,
पर अब खुस होके मेंह तोर ऊपर दया करहूं।
11 तोर दुवारमन हरदम खुला रहिहीं,
दिन अऊ रात ओमन कभू बंद नइं होहीं,
ताकि मनखेमन जाति-जाति के मनखेमन के धन-संपत्ति तोर मेर लानंय—
ओमन के राजामन ला बंदी बनाके बिजयी जुलूस म लाने जावय।
12 काबरकि जऊन जाति या राज के मन तोर सेवा नइं करहीं, ओमन नास हो जाहीं;
हां, अइसन जाति के पूरा सतियानास हो जाही।

13 “लबानोन के वैभव तोर मेर आही,
सनोवर, देवदार अऊ गोपेर के रूखमन ला
मोर पबितर-स्थान ला सजाय बर लाय जाही;
अऊ में अपन पांव बर ओ जगह ला महिमा दूहूं।
14 तोला दुख देवइयामन के लइकामन मुड़ नवाके तोर मेर आहीं;
ओ जम्मो जेमन तोला तुछ जानथें, ओमन तोर गोड़ तरी गिरके तोला दंडवत करहीं
अऊ ओमन तोला यहोवा के नगर,
इसरायल के पबितर परमेसर के सियोन कहिके बलाहीं।

15 “हालाकि तोला छोंड़ दिये गे हवय अऊ तोर ले घिन करे जाथे,
अऊ कोनो तोर म ले होके नइं जावंय,
पर मेंह तोला सदा के घमंड के चीज
अऊ पीढ़ी-पीढ़ी के मनखेमन बर आनंद के चीज ठहिराहूं।
16 तें जाति-जाति के मनखेमन के दूध पीबे
अऊ साही माईलोगनमन तोला दूध पीयाहीं।
तब तें जानबे कि में, यहोवा ह तोर उद्धारकर्ता,
तोर छुड़इया, याकूब के सक्तिसाली परमेसर अंव।
17 में कांसा के बदला सोन,
लोहा के बदला चांदी,
लकरी के बदला कांसा,
अऊ पथरा के बदला लोहा लानहूं।
में सांति ला तोर हाकिम
अऊ अच्छइ ला तोर सासन करइया ठहिराहूं।
18 तोर देस म फेर कभू हिंसा के बात
अऊ तोर सीमना के भीतर उतपात या बिनास के चरचा नइं सुनई पड़ही,
पर तें अपन सहर के दीवारमन के नांव उद्धार
अऊ अपन सहर के दुवारमन के नांव परसंसा रखबे।
19 दिन म सूरज ह फेर तोर अंजोर नइं होही,
अऊ न ही चंदा के अंजोर तोर ऊपर फेर चमकही,
काबरकि यहोवा ह तोर सदा के अंजोर,
अऊ तोर परमेसर ह तोर सोभा ठहिरही।
20 तोर सूरज फेर कभू नइं बुड़ही,
अऊ न ही तोर चंदा के अंजोर फेर कभू कम होही;
यहोवा ह तोर सदा के अंजोर होही,
अऊ तोर दुख के दिनमन खतम हो जाहीं।
21 तब तोर मनखेमन सब के सब धरमी होहीं
अऊ देस ह हमेसा बर ओमन के अधिकार म होही।
ओमन मोर लगाय पऊधा
अऊ मोर हांथ के काम अंय,
येकर ले मोर महिमा परगट होही।
22 तुमन म छोटे ले छोटे ह एक हजार हो जाही,
अऊ सबले कमजोर ह एक बलवान जाति बन जाही।
मेंह यहोवा अंव;
सही समय म, मेंह येला तेजी से पूरा करहूं।”

61

[illegible]

1 परमपरधान यहोवा के आतमा मोर ऊपर हवय,
काबरकि यहोवा ह गरीबमन ला
सुघर संदेस के परचार करे बर मोर अभिसेक करे हवय।
ओह मोला एकर बर पठोय हवय कि दुखित मनखेमन ला सांति दंव,
बंधुवा मनखेमन के सुतंतरता के
अऊ कैदीमन* ला अंधियार ले छुटकारा के परचार करंव,
2 यहोवा के किरपा-दिरिस्टी के बछुर के
अऊ हमर परमेसर के पलटा लेय के दिन के परचार करंव,
जम्मो सोक करइयामन ला सांति दंव,
3 अऊ सियोन म दुखित मनखेमन के जरूरत ला पूरा करंव—
राख के बदले ओमन ला
सुघरता के मुकुट पहिरावंव,
सोक के बदले
आनंद के तेल चुपरंव,
अऊ उदासी के आतमा के बदले
परसंसा के ओढ़ना ओढ़ावंव।
ओमन ला यहोवा के लगाय
धरमीपन के बलूत रूख कहे जाही
अऊ येकर ले यहोवा के महिमा परगट होही।

4 तब ओमन पुराना उजरे जगहमन ला फेर बनाहीं
अऊ बहुंत पहिले बरबाद हो गय जगहमन ला फेर ठीक करहीं;
ओमन ओ नगरमन ला फेर बसाहीं
जेमन पीढ़ी-पीढ़ी ले उजरे परे हवंय।
5 अजनबीमन तुम्हर भेड़-बकरीमन ला चराहीं;
परदेसीमन तुम्हर खेत अऊ अंगूर के बारी म काम करहीं।
6 पर तुमन ला यहोवा के पुरोहित कहे जाही,
तुमन ला हमर परमेसर के सेवक नांव दिये जाही।
तुमन जाति-जाति के मनखेमन के धन-दौलत ला खाहू,
अऊ ओमन के संपत्ति ऊपर तुमन घमंड करहू।

7 तुम्हर बदनामी के बदला
तुमन ला दू गुना हिस्सा मिलही,
अऊ कलंक के बदला म
तुमन अपन भाग के कारन आनंदित होहू।
अऊ ये किसम ले तुमन ला अपन देस म दू गुना हिस्सा मिलही,
अऊ तुमन सदा आनंदित बने रहिहू।

8 "काबरकि में, यहोवा, नियाय ले मया रखथंव;
मेंह डकैती अऊ अनियाय ले घिन करथंव।
अपन बिसवासयोग्यता म, में अपन मनखेमन ला ईनाम दूहूं,
अऊ ओमन के संग सदाकाल के एक करार करहूं।

---

* **61:1** इबरानी; सेप्टाजिन्ट म [illegible]

9 ओमन के संतानमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच
अऊ ओमन के बंसज मनखेमन के बीच जाने-माने मनखे होहीं।
जऊन मन ओमन ला देखहीं, ओ जम्मो स्वीकार करहीं
कि येमन ओ मनखे अंय, जेमन ला यहोवा ह आसीस देय हवय।"

10 में यहोवा म अति आनंदित हंव;
मोर जीव ह मोर परमेसर म आनंदित होथे।
काबरकि ओह मोला उद्धार के ओनहा पहिराय हवय
अऊ अपन धरमीपन के पहिरावा ले अइसन सजाय हवय,
जइसन कोनो दूल्हा ह अपन मुड़ी ला एक पुरोहित के सहीं सजाथे,
अऊ जइसन कोनो दुलहिन अपनआप ला अपन जेवर ले सिंगार करथे।
11 काबरकि जइसन भुइयां म ले बीजा के अंकुर निकलथे
अऊ बारी म पऊधामन बढ़थें,
वइसन ही परमपरधान यहोवा ह
सब जातिमन के सामने धरमीपन अऊ परसंसा ला बढ़ाही।

62

[illegible]
1 सियोन के हित म, में चुप नइं रहंव,
अऊ यरूसलेम के हित म, में सांत नइं रहंव,
जब तक कि ओकर धरमीपन बिहान के अंजोर सहीं
अऊ ओकर उद्धार* ह बरत मसाल सहीं नइं चमकही।
2 तब जाति-जाति के मनखेमन तोर धरमीपन,
अऊ सब राजामन तोर महिमा ला देखहीं;
तोर एक नवां नांव रखे जाही
जऊन ह यहोवा के मुहूं ले निकलही।
3 तें यहोवा के हांथ म एक सोभायमान मुकुट
अऊ अपन परमेसर के हथेली म एक राज-मुकुट ठहिरबे।
4 ओमन फेर तोला तियागे गय नइं कहिहीं,
या तोर भुइयां के नांव उजरे भुइयां नइं होही।
पर तोला हेपसीबा,†
अऊ तोर भुइयां ला ब्यूला‡ कहे जाही,
काबरकि यहोवा तोर ले खुस होही,
अऊ तोर भुइयां ह सुहागिन होही।
5 जइसन एक जवान पुरूस एक जवान छोकरी ले बिहाव करथे,
वइसन ही तोर बनइया ह तोर ले बिहाव करही;
जइसन दूल्हा ह अपन दुलहिन ऊपर आनंदित होथे,
वइसन ही तोर परमेसर तोर ऊपर आनंदित होही।

6 हे यरूसलेम, मेंह तोर भीथी म पहरेदार ठहिराय हंव;
ओमन दिन-रात कभू चुप नइं रहिहीं।
तुमन, जेमन यहोवा ला पुकारथव,
अराम झन करव,
7 अऊ जब तक ओह§ यरूसलेम ला स्थिर करके
ओकर परसंसा धरती ऊपर नइं करवाय, तब तक ओला घलो अराम झन करन दव।

* **62:1** या [illegible] † **62:4** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **62:4** [illegible] के मतलब होथे [illegible] § **62:7** या [illegible]

8 यहोवा ह अपन जेवनी हांथ के
अऊ अपन बलवंत भुजा के किरिया खाय हवय:
“मेंह फेर कभू तोर अनाज ला
तोर बईरीमन ला खाय बर नइं दंव,
अऊ फेर कभू परदेसीमन ओ नवां अंगूर के मंद ला पीये नइं पाहीं
जेकर बर तेंह मेहनत करे हवस;
9 पर जेमन येकर पैदावार करथें, ओमन येला खाहीं
अऊ यहोवा के इस्तुति करहीं,
अऊ जेमन अंगूर के मंद ला भंडार म इकट्ठा करथें,
ओमन येला मोर पबितर-स्थान के अंगना म पीये पाहीं।”

10 जावव, दुवारमन म ले होके जावव!
मनखेमन बर डहार तियार करव।
बनावव, राजमार्ग ला बनावव!
पथरामन ला हटावव।
जाति-जाति के मनखेमन बर झंडा ठाढ़ करव।

11 देखव, यहोवा ह धरती के छोर तक
ये घोसना करे हवय:
“बेटी सियोन ला कहव,
‘देख, तोर उद्धारकर्ता आवत हे!
देख, ओकर ईनाम ओकर मेर हवय,
अऊ जऊन कुछू देना हे, ओह ओला लेके आवत हे।’ ”
12 ओमन ला पबितर मनखे कहे जाही,
यहोवा के छोंड़ाय गय;
अऊ तोला खोजे गय, कहे जाही,
ओ सहर जऊन ह अब तियागे गय नो हय।

63

[illegible]

1 येह कोन ए, जऊन ह एदोम देस के बोसरा नगर ले आवत हे
जेकर ओनहा म गहिरा लाल रंग के धब्बामन लगे हवंय?
येह कोन ए, जऊन ह सोभायमान ओनहा पहिरे,
अपन बड़े ताकत म, लम्बा कदम डालत चले आवत हे?

“येह में अंव, जऊन ह जय के घोसना करत हंव,
अऊ मेंह उद्धार करे के सक्ति रखथंव।”

2 तुम्हर ओनहा ह काबर लाल हवय,
जइसन रसकुंड म अंगूर खुंदत बेरा मनखेमन के होथे?

3 “मेंह अकेला रसकुंड म अंगूर रऊंदे हंव;
अऊ कोनो मनखे मोर संग नइं रिहिन।
मेंह अपन रिस म आके ही ओमन ला खुंदेंव
अऊ अपन कोप म मेंह ओमन ला कुचरेंव;
ओमन के लहू के छींटा मोर ओनहा म पड़िस,
अऊ मोर पूरा पहिरावा म दाग लग गीस।

4 येह मोर बर बदला लेय के दिन रिहिस;
मोर बर छोंड़ाय के बछर ह आ गे रिहिस।
5 मेंह खोजेंव पर कोनो मदद करइया नइं रिहिन,
मेंह डरा गेंव कि कोनो मोर मदद नइं करिन;
तब मेंह अपनेच भुजबल ले उद्धार करेंव
अऊ मोर खुद के कोरोध ह मोला संभालिस।
6 हां, अपन रिस म आके देस-देस के मनखेमन ला कुचरेंव;
अपन रिस म, मेंह ओमन ला मतवाला कर देंव,
अऊ ओमन के लहू ला भुइयां म बोहा देंव।”

[illegible]

7 मेंह यहोवा के दया के काम के बखान करहूं,
ओ काम जेकर कारन ओकर गुनगान होना चाही,
हमर बर यहोवा के करे गय ओ जम्मो काम के मुताबिक ओकर गुनगान होवय—
हव, अपन बहुंते दया अऊ करूना के कारन
ओह इसरायल बर
बहुंते भलई के काम करे हवय।
8 यहोवा ह कहिस, “सही म ओमन मोर मनखे अंय,
अइसन लइका, जेमन मोर बर ईमानदार रहिहीं”;
अऊ ओह ओमन के उद्धारकर्ता हो गीस।
9 ओमन के सबो दुख म ओह घलो दुख उठाईस,
अऊ ओकर उपस्थिति के स्वरगदूत ह ओमन के उद्धार करिस।
अपन मया अऊ दया के कारन ओह ओमन ला छोंड़ाईस;
ओह ओमन ला उठाईस अऊ पुराना समय ले ओमन ला उठाके चलिस।
10 तभो ले ओमन बिदरोह करिन
अऊ ओकर पबितर आतमा ला दुखित करिन।
एकर कारन ओह पलटके ओमन के बईरी हो गीस
अऊ ओह खुद ओमन ले लड़े लगिस।

11 तब ओकर मनखेमन पुराना दिनमन ला,
याने कि मूसा अऊ ओकर मनखेमन के दिनमन ला सुरता करके कहिन—
ओह कहां हवय, जऊन ह ओमन ला समुंदर म ले होवत
अपन झुंड के चरवाहा के संग ले आईस?
ओह कहां हवय, जऊन ह ओमन के बीच म
अपन पबितर आतमा डारिस,
12 जऊन ह अपन परतापी भुजबल ला
मूसा के जेवनी हांथ म कर दीस,
जऊन ह ओमन के आघू म पानी* ला दू भाग करके
अपन बर सदाकाल के जस कमाईस,
13 जऊन ह ओमन ला गहिला समुंदर म ले होके ले गीस?
जइसन घोड़ा ला खुला मैदान म ठोकर नइं लगय,
वइसन ही ओमन ला घलो ठोकर नइं लगिस;
14 जइसन घरेलू-पसुमन खाल्हे मैदान म चले जाथें,
वइसन ही यहोवा के आतमा ह ओमन ला आराम दीस।

* **63:12** समुंदर के पानी

अपन एक महिमामय नांव बनाय बर
ये किसम ले तेंह अपन मनखेमन के अगुवई करे।

15 स्वरग ले, अपन ऊंच सिंघासन ले, जऊन ह पबितर
अऊ महिमा ले भरे हवय, उहां ले खाल्हे देख।
तोर जलन अऊ पराकरम कहां हवय?
तोर दया अऊ करूना हमर ऊपर ले हट गे हवय।
16 पर तें हमर ददा अस,
हालाकि अब्राहम हमन ला नइं जानय
या इसरायल हमन ला गरहन नइं करय;
तभो ले, हे यहोवा, तें हमर ददा
अऊ हमर छुड़इया अस; पुराना जमाना ले ये तोर नांव अय।
17 हे यहोवा, तें काबर हमन ला अपन रद्दा ले भटका देथस
अऊ हमर मन ला कठोर कर देथस कि हमन तोर भय नइं मानन?
अपन दासमन के हित म, ओ गोत्रमन, जेमन तोर निज भाग अंय,
ओमन के हित म लहुंट आ।
18 थोरकन समय तक तोर मनखेमन तोर पबितर जगह ऊपर अधिकार रखिन,
पर हमर बईरीमन तोर पबितर-स्थान ला कुचर दे हवंय।
19 पुराना जमाना ले हमन तोर अन;
पर हमन† तो अइसे हो गे हन मानो तेंह हमर ऊपर कभू परभूता नइं करे,
अऊ हमन‡ तोर नांव ले कभू बलाय नइं गे हवन।

64

* 1 बने होतिस कि तें अकास ला चीरके खाल्हे उतर आते,
कि पहाड़मन तोर आघू म कांप उठतिन!
2 जइसन आगी ह डारामन ला जला देथे
अऊ पानी ला डपकाथे,
वइसन तें अपन बईरीमन ऊपर अपन नांव परगट करे बर
अऊ जाति-जाति के मनखेमन ला अपन आघू म कंपाय बर खाल्हे उतर!
3 काबरकि जब तेंह अद्भूत काम करे, जेकर हमन आसा नइं करत रहेंन,
तब तें खाल्हे उतरे, अऊ पहाड़मन तोर आघू म कांप उठिन।
4 पुराना जमाना ले तोला छोंड़ कोनो अऊ परमेसर के बारे म न तो सुने गीस,
न कोनो मनखे ओला जानिन,
अऊ न कोनो कभू ओला देखिन,
तेंह अइसन परमेसर अस, जऊन ह अपन बाट जोहइया कोति ले काम करथस।
5 तें ओमन के मदद करे बर आथस, जेमन खुसी से भलई के काम करथें,
जेमन तोर डहारमन ला सुरता म रखथें।
पर जब हमन लगातार तोर बिरूध म पाप करेंन,
त तें गुस्सा करे।
तब हमर उद्धार कइसे हो सकथे?
6 हमन सब के सब असुध मनखे सहीं हो गे हवन,
अऊ हमर जम्मो धरमी काममन मईला चेंदरा सहीं अंय;

† **63:19** या [illegible] ‡ **63:19** ओमन सहीं, जेमन ला तोर नांव ले कभू बलाय नइं गीस * **64:** इबरानी म 64:1 ला 63:19, अऊ 64:2-12 ला 64:1-11 गने गे हवय

हमन सब के सब पान सहीं मुरझा जाथन,
अऊ हवा सहीं हमर पापमन हमन ला उड़ियाके ले जाथे।
7 कोनो तोर नांव नइं लेवंय
या तोला धरे रहे के कोसिस कोनो नइं करंय;
काबरकि तेंह हमन ले अपन मुहूं ला छुपा ले हस,
अऊ हमन ला हमर पाप के बस म कर दे हस।

8 तभो ले, हे यहोवा, तेंह हमर ददा अस।
हमन माटी अन, अऊ तें हमर कुम्हार अस;
हमन सब के सब तोर हांथ के रचना अन।
9 एकरसेति हे यहोवा, जादा रिस झन कर;
अनंतकाल तक हमर पाप ला सुरता झन रख।
हमर तरफ धियान दे, हमन पराथना करत हन,
काबरकि हमन सब तोर मनखे अन।
10 देख, तोर पबितर नगरमन बंजर भुइयां हो गे हवंय;
अऊ त अऊ सियोन ह बंजर भुइयां हो गे हवय, यरूसलेम ह उजरे परे हवय।
11 हमर पबितर अऊ सोभायमान मंदिर, जेमा हमर पुरखामन तोर इस्तुति करत रिहिन,
आगी ले जला दे गे हवय,
अऊ हमर कीमती चीजमन नास हो गीन।
12 ये सब होय के बाद घलो, हे यहोवा, का तें अपनआप ला रोके रहिबे?
का तें चुप रहिबे अऊ हमन ला सीमना के बाहिर सजा देबे?

65

[illegible]
1 "मेंह अपनआप ला ओमन ऊपर परगट करेंव, जऊन मन मोर बारे म नइं पुछिन;
ओमन मोला पा गीन, जऊन मन मोला नइं खोजत रिहिन।
ओ जाति के मनखे, जेमन मोर नांव ला नइं पुकारिन,
ओमन ला मेंह कहेंव, 'देखव, में इहां हंव, में इहां हंव।'
2 मेंह एक हठी जाति के मनखेमन कोति
दिन भर अपन हांथ ला पसारे रहेंव,
जेमन अपन खुद के कल्पना के मुताबिक
बुरई के रद्दा म रेंगथें—
3 अइसन मनखे, जेमन मोर आंखी के आघू म ही
बारीमन म बलिदान चघाके
अऊ ईंटा के बेदीमन म धूप जलाके,
मोला लगातार रिस देवाथें।
4 येमन कबरमन के बीच बईठथें
अऊ अपन रातमन ला गुपत रतजगा करके काटथें;
जेमन सूरा के मांस खाथें,
अऊ जेमन के बरतन म असुध मांस के रसा रहिथे;
5 जेमन आने मन ला कहिथें, 'हट जा; मोर तीर म झन आ,
काबरकि में तोर ले बहुंत पबितर हंव!'
अइसन मनखे मोर नाक म धुआं,
अऊ ओ आगी सहीं अंय, जऊन ह दिन भर बरत रहिथे।

6 "देखव, ये बात मोर आघू म लिखाय हे:

में चुप नइं रहंव, पर येकर पूरा बदला लूहूं;
मेंह ओमन के गलत काममन के बदला ओमन के गोदी म डाल दूहूं—
7 तुम्हर पाप अऊ तुम्हर पुरखामन के पाप ला,”
यहोवा ह कहिथे।
“काबरकि ओमन पहाड़मन ऊपर धूप जलाईन
अऊ पहाड़ीमन ऊपर मोर निन्दा करिन,
में ओमन के पहिले के काममन के पूरा बदला
ओमन के गोदी म तऊलके दूहूं।”
8 यहोवा ह ये कहत हे:
“जइसन जब अंगूर के गुच्छा म अंगूर के रस भराय रहिथे,
तब मनखेमन कहिथें, ‘येला बरबाद झन करव,
येमा अभी भी आसीस हवय,’
वइसन ही में अपन सेवकमन बर करहूं;
में ओ सब झन ला नास नइं करंव।
9 में याकूब म ले संतान लानहूं,
अऊ यहूदा ले ओमन ला, जेमन मोर पहाड़मन ऊपर अधिकार रखहीं;
मोर चुने मनखेमन ओमन के वारिस होहीं,
अऊ मोर दासमन उहां निवास करहीं।
10 मोर मनखे, जऊन मन मोला खोजथें,
ओमन के भेड़-बकरीमन बर सारोन ह एक चरागन होही,
अऊ आकोर के घाटी ह ओमन के गरूवा-बईलामन के अराम करे के जगह होही।

11 “पर जहां तक तुम्हर बात ए, जऊन मन यहोवा ला छोंड़ देथव
अऊ मोर पबितर पहाड़ ला भुला जाथव,
जऊन मन भाग्य देवता बर मेज ऊपर खाय के चीज सजाथें
अऊ तकदीर बर मसाला मिलाय अंगूर के मंद कटोरामन म भरथें,
12 में तुमन ला तलवार के कौंरा बनाहूं,
अऊ तुमन जम्मो झन के मुड़ काटे जाही;
काबरकि मेंह तुमन ला बलांय, पर तुमन जबाब नइं देव,
मेंह बोलेंव, पर तुमन नइं सुनेव।
तुमन मोर नजर म दुस्ट काम करेव
अऊ जेकर ले में नाखुस होथंव, ओही ला तुमन चुनेव।”
13 एकर कारन परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
“देखव, मोर सेवकमन तो खाहीं,
पर तुमन भूखन रहिहू;
मोर सेवकमन पीहीं,
पर तुमन पीयासन रहिहू;
मोर सेवकमन आनंद मनाहीं,
पर तुमन लज्जा म पड़हू।
14 मोर सेवकमन अपन मन के
खुसी के मारे गीत गाहीं,
पर मन म दुख के कारन
तुमन रोहू
अऊ टूटे मन के कारन बिलाप करहू।

15 तुमन अपन नांव ला छोंड़हू
काबरकि मोर चुने मनखेमन तुम्हर नांव ले लेके सराप दीहीं;
परमपरधान यहोवा ह तुमन ला नास कर दीही,
पर अपन सेवकमन के ओह दूसर नांव रखही।
16 जऊन कोनो देस म आसीस मांगथे
ओह सच्चा परमेसर के नांव लेके अइसने करही;
जऊन कोनो देस म किरिया खाथे
ओह सच्चा परमेसर के नांव म किरिया खाही।
काबरकि पहिली के दुखमन भुला दिये जाहीं
अऊ मोर आंखी ले लुका जाहीं।

[illegible]

17 "देखव, मेंह नवां अकास
अऊ नवां धरती के सिरिस्टी करहूं।
अऊ पहिली के चीजमन ला सुरता नइं करे जाही,
अऊ न ही ओमन मनखे के मन म आहीं।
18 एकर कारन जऊन कुछू के मेंह सिरिस्टी करथंव,
ओमा सदा खुस रहव अऊ आनंदित रहव,
काबरकि देखव, में यरूसलेम ला खुसी बर
अऊ येकर मनखेमन ला आनंद बर बनाहूं।
19 में यरूसलेम ऊपर आनंदित होहूं
अऊ अपन मनखेमन ले खुस होहूं;
येमा रोय अऊ नरियाय के अवाज
फेर सुनाई नइं पड़ही।

20 "ओमा फेर न तो कुछू दिन के लइका,
अऊ न अइसन बुढ़वा मरही
जऊन ह अपन उमर पूरा नइं करे होही;
काबरकि जऊन ह लड़कपन म मरइया हे
ओह सौ बछर के होके मरही,
पर जऊन ह सौ बछर के पहिले मरही,
ओह सापित समझे जाही।
21 ओमन घर बनाके ओमा बसहीं;
ओमन अंगूर के बारी लगाके ओकर फर खाहीं।
22 अइसन नइं होवय कि ओमन बनावंय अऊ दूसरमन ओमा बसंय,
या ओमन रूख लगांय, अऊ दूसरमन खावंय।
काबरकि जतका उमर रूख के होही,
ओतका मोर मनखेमन के उमर होही;
मोर चुने गय मनखेमन अपन हांथ के काम के
लम्बा समय तक आनंद उठाहीं।
23 ओमन के मेहनत ह बेकार नइं होवय,
न ओमन के लइकामन दुख झेले बर पईदा होहीं;
काबरकि ओमन यहोवा के दुवारा आसीसित मनखे होहीं,
ओमन अऊ ओमन के लइकामन घलो आसीसित होहीं।
24 ओमन के पुकारे के पहिली ही में ओमन ला उत्तर दूहूं;

ओमन के गोठियावत बेरा ही, में ओमन के सुन लूहूं।
25 भेड़िया अऊ मेढ़ा-पीला एके संग चरहीं,
अऊ सिंह ह बईला सहीं भूंसा खाही,
अऊ सांप के जेवन धुर्रा होही।
मोर जम्मो पबितर पहाड़ ऊपर
न तो कोनो चोट पहुंचाहीं अऊ न ही नुकसान करहीं,"
यहोवा ह कहत हे।

66

??????? ?? ?????? ?? ???

1 यहोवा ह ये कहत हे:
"स्वरग ह मोर सिंघासन,
अऊ धरती ह मोर गोड़ मढ़ाय के चौकी अय।
तुमन मोर बर कइसने घर बनाहू?
मोर बिसराम के ठऊर कहां होही?
2 का ये जम्मो चीज ला मोर हांथ ह नइं बनाय हे,
अऊ ये किसम ले येमन आकार लीन?"
यहोवा ह घोसना करत हे।

"येमन ऊपर मोर दया-दिरिस्टी रहिथे:
जऊन मन नम्र अऊ पछतापी मन के होथें,
अऊ जेमन मोर बचन सुनके कांपथें।
3 पर जऊन ह बईला के बलि चघाथे
ओह मनखे ला मार डारे के बरोबर अय,
अऊ जऊन ह मेढ़ा-पीला के बलि चघाथे
ओह कुकुर के घेंच ला काटे के बरोबर अय;
जऊन ह अन्न-बलिदान चघाथे
ओह सूरा के लहू चघाय सहीं अय,
अऊ जऊन ह धूप जलाथे
ओह मूरती-पूजा करे सहीं अय।
ये जम्मो झन अपन-अपन रद्दा चुन ले हवंय,
अऊ ओमन अपन घिनौना चीजमन म खुस रहिथें;
4 एकर कारन में घलो ओमन बर कठोर बात चुनहूं
अऊ जऊन बात ले ओमन डराथें, ओही ला ओमन ऊपर लानहूं।
काबरकि जब मेंह बलांय तब कोनो जबाब नइं दीन,
अऊ जब में ओमन ले बात करेंव, तब कोनो मोर बात ला नइं सुनिन।
ओमन मोर नजर म दुस्ट काम करिन
अऊ जेकर ले में नाखुस होथंव, ओही काम ला ओमन चुनिन।"

5 तुमन, जेमन यहोवा के बचन सुनके कांपथव,
ओकर बचन ला सुनव:
"तुम्हर खुद के मनखे, जेमन तुम्हर ले बईर रखथें,
अऊ मोर नांव के कारन तुमन ला अलगिया देथें, ओमन कहे हवंय,
'यहोवा के महिमा होवय,
जेकर ले हमन तुम्हर आनंद ला देखन!'

पर ओही मन ला लजाय बर पड़ही।
6 सहर* म होवत हल्ला-गुल्ला ला सुनव,
मंदिर म होवत ओ कोलाहल ला सुनव!
येह यहोवा के अवाज अय,
ओह अपन बईरीमन ला ओमन के करनी के फल देवत हे।

7 "छेवारी पीरा सुरू होय के पहिली ही
ओह जनम देथे;
ओला पीरा होय के पहिली ही
ओह एक बेटा ला जनम देथे।
8 अइसन बात कोनो कभू सुने हवंय?
अइसन बात कोनो कभू देखे हवंय?
का कोनो देस एके दिन म उतपन हो सकथे
या कोनो जाति ला छिन भर म उतपन करे जा सकथे?
पर सियोन ला छेवारी पीरा उठते ही
ओह अपन लइकामन ला जनम देथे।
9 का में लइका जनमाय के समय ला लाथंव
अऊ लइका ला पईदा होवन नइं दंव?"
यहोवा ह कहत हे।
"जब में लइका जनमाय के समय ला लाथंव
त का में कोख ला बंद कर देथंव?"
तुम्हर परमेसर ह कहत हे।
10 "तुमन जम्मो, जेमन यरूसलेम ले मया करथव,
ओकर संग आनंद मनावव अऊ ओकर बर खुसी मनावव;
तुमन जम्मो, जेमन ओकर बर सोक करथव,
ओकर संग बहुंत आनंदित होवव।
11 काबरकि तुमन ला दूध पिलाय जाही
अऊ तुमन ओकर सांति देवइया थन ले संतुस्ट होहू;
तुमन बहुंत दूध पीहू
अऊ ओकर अधिकता ले तुमन खुस होहू।"
12 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे:
"देखव, मेंह ओला नदी के सहीं सांति,
अऊ नरवा म पूरा आय सहीं जाति-जाति के धन ओला दूहूं;
तुमन दूध पीहू अऊ तुमन ला ओह अपन गोदी म लीही
अऊ अपन माड़ी म रखके तुमन ला लाड़ करही।
13 जइसन एक दाई ह अपन लइका ला दुलारथे,
वइसन ही में घलो तुमन ला दुलारहूं;
अऊ तुमन ला यरूसलेम म ही सांति मिलही।"

14 जब तुमन ये देखहू, त तुम्हर मन ह आनंदित होही
अऊ तुमन घांस सहीं बाढ़हू;
यहोवा के हांथ ओकर सेवकमन ऊपर परगट होही,
पर ओकर बईरीमन ऊपर ओकर रिस ह भड़कही।
15 देखव, यहोवा ह आगी के संग आवत हे,

* **66:6** ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ सहर

अऊ ओकर रथमन बवंडर सहीं अंय;
ओह अपन रिस ला जलजलाहट के संग
अऊ अपन डांट ला आगी के लपट के संग लानही।
16 काबरकि यहोवा ह जम्मो मनखेमन के नियाय
आगी ले अऊ अपन तलवार ले करही,
अऊ यहोवा के दुवारा मारे गय मनखेमन अब्बड़ होहीं।
17 यहोवा ह कहिथे, "जेमन अपनआप ला एकर बर पबितर अऊ सुध करथें कि ओमन ओकर पाछू-पाछू
बारीमन म जावंय, जऊन ह ओ मनखेमन के बीच हवय, जेमन सूरा अऊ मुसवा के मांस अऊ आने असुध
चीजमन ला खाथें—ओमन जेकर पाछू-पाछू जावत हें, ओमन आखिरी म एके संग नास हो जाहीं," यहोवा ह
घोसना करत हे।
18 "ओमन जऊन योजना बनाके काम करे हवंय, ओकर कारन मेंह आनेचवाला हंव अऊ मेंह जाति-जाति
अऊ भासा-भासा के मनखेमन ला इकट्ठा करहूं अऊ ओमन आके मोर महिमा देखहीं।
19 "में ओमन म एक चिनहां परगट करहूं, अऊ ओमन के बांचे कुछू मनखेमन ला में ओ जातिमन करा पठोहूं,
जेमन न तो मोर बारे म सुने हवंय अऊ न ही मोर महिमा देखे हवंय, याने कि मेंह ओमन ला तरसीसीमन करा,
लिबियन† अऊ लूदीमन करा (धनुसधारी के रूप म माहिर), तूबली अऊ यूनानीमन करा अऊ दूरिहा के
द्वीपवासीमन करा पठोहूं। ओमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच मोर महिमा के बखान करहीं।
20 अऊ ओमन जम्मो जातिमन ले तुम्हर जम्मो मनखेमन ला यहोवा बर एक भेंट के रूप म यरूसलेम म मोर
पबितर पहाड़ मेर लानहीं—ओमन ला घोड़ा, रथ, गाड़ी, खच्चर अऊ ऊंटमन म बईठाके लानहीं," यहोवा ह
कहत हे। "ओमन ला अइसे लाय जाही, जइसे इसरायलीमन यहोवा के मंदिर म सुध बरतन म अन्न-बलिदान
लानथें।
21 अऊ मेंह ओमन के कुछू मनखे ला पुरोहित अऊ लेवी के रूप म काम करे बर अलग करहूं," यहोवा ह कहत
हे।

22 "जइसन नवां अकास अऊ नवां धरती, जेमन ला मेंह बनाहूं, मोर आघू म बने रहिहीं," यहोवा ह घोसना
करत हे, "वइसन तुम्हर नांव अऊ तुम्हर संतानमन घलो बने रहिहीं।
23 एक नवां चंदा ले दूसर नवां चंदा तक अऊ एक बिसराम दिन ले दूसर बिसराम दिन तक, जम्मो मनखेमन
आहीं अऊ मोर आघू म मुड़ नवाहीं," यहोवा ह कहत हे।
24 "अऊ ओमन बाहिर निकलहीं अऊ ओ मनखेमन के लास ला देखहीं, जेमन मोर ले बिदरोह करे रिहिन;
जऊन कीरामन ओ लासमन ला खाथें, ओमन नइं मरंय, अऊ जऊन आगी ले ओमन ला जलाय जाथे, ओह नइं
बुतावय, अऊ ओमन जम्मो मानव-जाति बर घिनौना हो जाहीं।"

† **66:19** कुछू सेप्टाजिन्ट हस्तलिपि म [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible]

यरमियाह
के किताब

1 हिलकियाह के बेटा यरमियाह, जऊन ह बिनयामीन के देस म अनातोत छेत्र के पुरोहितमन ले एक झन
रिहिस ओकर ये बचन अय।
2 यहोवा के बचन ह यरमियाह करा आमोन के बेटा, यहूदा के राजा योसियाह के सासन के तेरहवां साल म
आईस,
3 अऊ एकर बाद योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के सासन के जरिये, येह योसियाह के बेटा
यहूदा के राजा सिदकियाह के सासन के गियारहवां साल के पांचवां महिना तक आईस, जब यरूसलेम के
मनखेमन बंधुवई म गीन।

[illegible]

4 यहोवा के ये बचन मोर करा, ये कहत आईस,
5 "गरभ म रचे के पहिले ही मेंह तोला जानत रहेंव*,
तोर जनम के पहिले ही मेंह तोला अलग करे हंव;
मेंह तोला देस-देसमन बर अगमजानी ठहिराय हंव।"
6 तब मेंह कहेंव, "आह, हे परमपरधान यहोवा, मेंह नइं जानंव कि कइसे गोठियावंव; मेंह अभी बहुंत छोटे
हंव।"
7 पर यहोवा ह मोला कहिस, "झन कह, 'मेंह उमर म बहुंत छोटे हंव।' तोला ओ जम्मो झन करा जाना हे,
जेमन करा मेंह तोला पठोहूं अऊ जऊन हुकूम मेंह तोला दूहूं, ओला बता।
8 ओमन ले झन डरबे, काबरकि मेंह तोर संग हवंव अऊ मेंह तोला बचाहूं," यहोवा ह ये घोसना करत हे।
9 तब यहोवा ह अपन हांथ ला बढ़ाके मोर मुहूं ला छुईस अऊ मोला कहिस, "मेंह अपन बचन ला तोर मुहूं म
डाल दे हंव।
10 सुन, मेंह आज तोला देसमन अऊ राजमन ऊपर ठहिरावत हंव कि तें ओमन ला उखानके गिरा दे, ओमन
ला नास करके फटिक दे, ओमन ला बना अऊ बसा दे।"
11 तब यहोवा के ये बचन मोर करा आईस: "हे यरमियाह, तोला का दिखत हवय?"
मेंह कहेंव, "मोला बादाम के एक रूख के डारा ह दिखत हवय।"
12 तब यहोवा ह मोला कहिस, "तोला सही दिखत हवय, काबरकि मेंह ये देखे बर धियान लगाय हंव कि मोर
बचन ह पूरा होवय।"
13 तब यहोवा के बचन ह मोर करा फेर आईस: "तोला का दिखत हवय?"
मेंह जबाब देंव, "मोला डबकत एक बरतन दिखत हवय, जेह उत्तर दिग ले हमर कोति झुकत हवय।"
14 तब यहोवा ह मोला कहिस, "ये देस म रहइया जम्मो झन ऊपर उत्तर दिग ले बिपत्ति डाले जाही।
15 मेंह उत्तर दिग के राजमन के मनखेमन ला बलानेचवाला हंव," यहोवा ह ये घोसना करत हे।
"ओमन के राजामन आहीं अऊ यरूसलेम के कपाट के प्रवेस दुवार म
अपन सिंघासन लगाहीं;
ओमन ओकर चारों कोति के जम्मो दीवारमन के बिरूध
अऊ यहूदा के जम्मो नगरमन के बिरूध आहीं।
16 मेंह अपन मनखेमन ऊपर नियाय के हुकूम दूहूं
काबरकि ओमन मोला तियागके,
आने देवतामन बर धूप जलाके
अऊ अपन हांथ ले बनाय मूरतीमन के अराधना करके दुस्टता करे हवंय।

---

* **1:5** या [illegible]

17 “एकरसेति तेंह तियार हो जा! उठ अऊ जऊन बात के हुकूम मेंह तोला देवत हंव, ओला ओमन ला सुना।
ओमन ले झन डर, नइं तो मेंह तोला ओमन के आघू म डरवा दूहूं।
18 आज मेंह तोला ये जम्मो देस के बिरूध—यहूदा के राजामन, येकर करमचारी, येकर पुरोहित अऊ देस के
मनखेमन के बिरूध ठाढ़ होय बर एक किलाबंद सहर, एक लोहा के खंभा, अऊ एक कांसा के दीवार बनाय हवंव।
19 देस के मनखेमन तोर बिरूध म लड़हीं, पर तोला जीत नइं सकहीं, काबरकि मेंह तोर संग हवंव अऊ मेंह
तोला बचाहूं,” यहोवा ह ये घोसना करत हे।

2

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर करा आईस:
2 “जा अऊ यरूसलेम के सुनत म घोसना कर:

“यहोवा ह ये कहत हे:
“ ‘तोर जवानी के समरपन ला मेंह सुरता करथंव,
कि कइसे तेंह एक दुलहिन सहीं मोला मया करे
अऊ सुनसान जगह ले,
ओ भुइयां तक मोर पाछू आय, जिहां बीजा नइं बोय गे रिहिस।
3 इसरायल ह यहोवा बर पबितर,
अऊ ओकर लुवई के पहिली ऊपज रिहिस;
ओ जम्मो जऊन मन ओला नास करिन, ओमन दोसी ठहिराय गीन,
अऊ ओमन ऊपर बिपत्ति पड़िस,’ ”
यहोवा ह घोसना करत हे।

4 हे याकूब के संतानमन, हे इसरायल के बंस के मनखेमन,
यहोवा के बचन ला सुनव।
5 यहोवा ह ये कहत हे:
“तुम्हर पुरखामन मोर म का गलती पाईन,
कि ओमन मोर ले बहुंत दूरिहा चल दीन?
ओमन बेकार के मूरतीमन के पाछू हो लीन
अऊ खुद ही बेकार हो गीन।
6 ओमन ये नइं पुछिन, ‘यहोवा ह कहां हवय,
जऊन ह हमन ला बंजर सुनसान जगह म ले होवत,
मरू-भुइयां अऊ पहाड़ी देस म ले होवत,
एक सूखा अऊ बिरबिट अंधियार के देस म ले होवत,
एक अइसने देस जिहां कोनो नइं जावंय अऊ जिहां कोनो नइं रहंय,
उहां ले होवत, मिसर देस ले निकाल ले आईस?’
7 मेंह तुमन ला ये उपजाऊ देस म ले आनेंव
ताकि तुमन येकर फर अऊ बने चीजमन के आनंद उठाववव।
पर तुमन आके मोर देस ला असुध करेव
अऊ मोर ये निज भाग ला घिनित कर दे हव।
8 पुरोहितमन घलो नइं पुछिन,
‘यहोवा कहां हवय?’
जऊन मन मोर कानून ला सिखाथें, ओमन मोला नइं जानंय;
अगुवामन मोर बिरोध म बिदरोह करिन।

अगमजानीमन बेकार के मूरतीमन के पाछू चलत,
बाल देवता के नांव ले अगमबानी करिन।

9 "एकरसेति मेंह तुम्हर ऊपर फेर दोस लगाथंव,"
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
"अऊ मेंह तुम्हर लइकामन के लइकामन ऊपर दोस लगाहूं।
10 कित्ती के समुंदर तीर के ओ पार जावव अऊ देखव,
केदार देस म दूत पठोवव अऊ धियान से देखव;
देखव, यदि अइसने काम कभू उहां होय हवय:
11 का कोनो देस ह अपन देवतामन ला बदले हवय?
(जबकि ओमन देवता ही नो हें।)
पर मोर मनखेमन अपन महिमामय परमेसर ला
बेकार के मूरतीमन ले बदल ले हवंय।
12 हे अकासमन, येला देखके डरव,
अऊ अब्बड़ डर से कांपव,"
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
13 "मोर मनखेमन दू ठन पाप करे हवंय:
ओमन मोला, जीयत पानी के सोता ला,
तियाग दे हवंय,
अऊ अपन खुद के कुंडमन ला खन ले हवंय,
अइसने टूटे कुंडमन, जेमा पानी नइं ठहिरय।
14 का इसरायल एक सेवक अय, जनम ले एक गुलाम अय?
त फेर ओह काबर लूट के सामान बन गे हवय?
15 सिंहमन गरजे हवंय;
ओमन ओकर ऊपर गुर्राय हवंय।
ओमन ओकर देस ला उजाड़ दे हवंय;
ओकर नगरमन ला जलाय अऊ तियागे गे हवय।
16 मेमफीस अऊ तहपनहेस सहर के मनखेमन घलो
तोर खोपड़ी ला फोर दे हवंय।
17 जब यहोवा तोर परमेसर ह तोला रसता म ले चलिस,
त ओला तियागके,
का तें ये बिपत्ति अपन ऊपर खुद नइं लाने हस?
18 अब नील* नदी के पानी पीये बर
मिसर देस ला काबर जाना?
अऊ फरात नदी के पानी पीये बर
अस्सूर देस म काबर जाना?
19 तोर दुस्टता ह तोला दंड दीही;
तोर पुराना जिनगी म वापिस जवई ह तोला दबकारही।
सोच-बिचार कर अऊ जान ले
कि ये कतेक दुस्ट अऊ करू बात अय
जब तेंह यहोवा अपन परमेसर ला तियाग देवत हस
अऊ मोर भय नइं मानस,"
परभू यहोवा सर्वसक्तिमान ह ये घोसना करत हे।

20 "बहुंत पहिले तेंह अपन जुड़ा ला टोर डारे

* **2:18** इबरानी म ; येह नील नदी के एक साखा ए

अऊ अपन बंधन ला टोर डारे;
तेंह कहय, 'मेंह तोर सेवा नइं करंव!'
वास्तव म, जम्मो ऊंच पहाड़ ऊपर
अऊ जम्मो छइहांवाले रूख के खाल्हे म
तेंह एक बेस्या जइसे लेटे रहय।
21 मेंह तोला अपन पसंद के अंगूर,
बने अऊ मजबूत डंगाली म ले लगाय रहेंव।
त फेर तेंह मोर बिरूध होके
एक खराप अऊ जंगली अंगूर के नार म कइसे बदल गय?
22 हालाकि तेंह अपनआप ला साबुन ले धोथस
अऊ बहुंत अकन सफई के पाउडर के उपयोग करथस,
तभो ले तोर पाप के दाग ह मोर आघू म हवय,"
परमपरधान यहोवा ह ये घोसना करत हे।
23 "तेंह कइसे कह सकथस, 'मेंह असुध नइं होय हंव;
मेंह बाल देवतामन के पाछू नइं गे हंव'?
देख, घाटी म तेंह कइसने बरताव करे हस;
सोच-बिचार कर कि तेंह का करे हस।
तेंह एक तेज भगइया ऊंटनी अस
अऊ एती-ओती भागत रहिथस,
24 तेंह सुन्ना जगह म जाय के आदि एक जंगली गदही अस,
जऊन ह अपन लालसा म हवा ला सुंघत रहिथे—
ओकर गरमी के बेरा, ओला कोन ह काबू म कर सकथे?
जऊन गदहामन ओकर पीछा करथें, ओमन अपनआप ला झन थकावंय;
काबरकि मिलन के बेरा, ओमन ओला पा जाहीं।
25 जब तक तेंह खाली गोड़ नइं अस अऊ तोर गला ह नइं सूखाय हे,
तब तक झन दऊड़।
पर तेंह कहय, 'येह बेकार अय!
मेंह परदेसी देवतामन ले मया करथंव,
अऊ मेंह ओमन के पाछू जरूर जाहूं।'

26 "जइसने कि चोर ह पकड़े जाय ले कलंकित होथे,
वइसने ही इसरायल के मनखेमन कलंकित होवत हें—
ओमन, ओमन के राजामन अऊ ओमन के हाकिममन,
ओमन के पुरोहितमन अऊ ओमन के अगमजानीमन।
27 ओमन कठवा ला कहिथें, 'तेंह मोर ददा अस,'
अऊ पथरा ला कहिथें, 'तेंह मोला जनमाय हस।'
ओमन मोर कोति ले अपन मुहूं नइं,
पर पीठ ला फेर ले हवंय;
तभो ले, जब ओमन समस्या म पड़थें, त ओमन कहिथें,
'आ अऊ हमन ला बचा!'
28 त ओ देवतामन कहां हवंय, जेमन ला तुमन अपन बर बनाय हवव?
जब तुमन समस्या म पड़े हव,
यदि ओमन तुमन ला बचा सकथें, त आवंय अऊ बचावंय!
काबरकि, हे यहूदा, तोर करा अतेक देवतामन हवंय,
जतेक कि तोर नगरमन हवंय।

29 “तुमन मोर ऊपर काबर दोस लगाथव?
तुमन जम्मो झन मोर बिरोध म बिदरोह करे हवव,”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
30 “मेंह बेकार म तुम्हर मनखेमन ला दंड देंव;
दंड देय के बाद घलो ओमन नइं सुधरिन।
एक भूखा सिंह सहीं
तुमन अपन अगमजानीमन ला अपन तलवार ले फार डाले हव।
31 “ये पीढ़ी के मनखेमन, तुमन यहोवा के बचन म धियान देवव:
“का मेंह इसरायल बर एक सुन्ना जगह
या एक बिरबिट अंधियार के देस हो गे हवंव?
मोर मनखेमन काबर कहिथें, ‘हमन एती-ओती जाय बर सुतंतर हन;
हमन तोर करा अऊ नइं आवन’?
32 का एक जवान माईलोगन ह अपन जेवर,
या एक दुलहिन ह अपन बिहाव के सिंगार ला भुलाथे?
तभो ले, मोर मनखेमन मोला
बहुंत समय ले भुला गे हवंय।
33 मया लगाय बर तेंह कइसे बने चाल चलथस!
इहां तक कि खराप ले खराप माईलोगन घलो तोर चाल ले सीख सकत हें।
34 तोर कपड़ा म,
निरदोस अऊ गरीब मनखेमन के खून के चिनहां पाय जाथे,
हालाकि तें ओमन ला सेंध लगात नइं पकड़े।
तभो ले ये जम्मो के होवत घलो
35 तेंह कहिथस, ‘मेंह निरदोस अंव;
ओह मोर ऊपर गुस्सा नइं ए।’
पर, मेंह तोला दंड दूहूं
काबरकि तेंह कहिथस, ‘मेंह पाप नइं करे हंव।’
36 अपन चालचलन ला बदलके,
अतेक दूरिहा काबर जावत हस?
जइसने तेंह अस्सूरी मनखेमन ले निरास होय रहय,
वइसने मिसर के मनखेमन ले घलो होबे।
37 निरासा म अपन मुड़ ला हांथ म धरे
तेंह घलो ओ जगह ला छोंड़ देबे,
काबरकि जेमन ऊपर तेंह भरोसा करथस, ओमन ला यहोवा ह अस्वीकार करे हवय;
ओमन ले तोला मदद नइं मिलय।”

3

1 “यदि कोनो मनखे ह अपन घरवाली ला तियाग देथे
अऊ ओ माईलोगन ह ओला छोंड़के आने आदमी ले बिहाव कर लेथे,
त का ओ पहिला आदमी ला ओ माईलोगन करा फेर वापिस जाना चाही?
का ओ देस ह पूरा असुध नइं हो जाही?
पर तेंह कतको मयारूमन संग एक बेस्या सहीं रहे हस—
त फेर, का अब तेंह मोर करा लहुंटके आबे?”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
2 “बंजर टीलामन कोति आंखी उठाके देख।

कोनो अइसने जगह हवय, जिहां तेंह कुकरम नइं करे हस?
तेंह सड़क-तीर म अइसने बईठके मयारूमन के बाट जोहय,
जइसने एक घुमंतू मनखे ह सुन्ना जगह म बईठे रहिथे।
तेंह अपन बेभिचार अऊ दुस्टता के काम ले
देस ला असुध कर दे हस।
3 एकरसेति, बरसात ला रोक दे गे हवय,
अऊ बसन्त रितु के बारिस नइं होईस।
तभो ले, तेंह एक बेस्या सहीं दिखत हस;
तोर म सरम नांव के चीज ही नइं ए।
4 का तेंह अभी मोला ये कहिके नइं बलाय:
'हे मोर ददा, हे मोर जवानी के संगी,
5 का तेंह हमेसा गुस्सा करत रहिबे?
का तोर कोरोध ह सदाकाल तक बने रहिही?'
तेंह अइसने गोठियाथस,
पर तेंह ओ जम्मो दुस्ट काम करथस, जेला तेंह कर सकथस।"

[illegible] [illegible]

6 योसियाह राजा के सासन के समय, यहोवा ह मोला कहिस, "का तेंह देखे हस कि बिसवासहीन इसरायल ह का करे हवय? ओह जम्मो ऊंच पहाड़ अऊ जम्मो छायादार रूखमन के खाल्हे म जाके बेभिचार करे हवय।
7 मेंह सोचत रहेंव कि ये जम्मो काम करे बाद, ओह मोर करा लहुंटके आ जाही पर ओह नइं आईस, अऊ ओकर बेईमान बहिनी यहूदा ह येला देखिस हे।
8 मेंह बिसवासहीन इसरायल ला ओकर जम्मो बेभिचार के कारन, ओला तियाग पतर देके भगा दे हंव। तभो ले, मेंह देखेंव कि ओकर बेईमान बहिनी यहूदा म कोनो डर नइं रिहिस; ओह घलो बाहिर जाके बेभिचार करिस।
9 काबरकि इसरायल के छिनारीपन ह ओकर बर नानकून बात रिहिस, एकरसेति ओह देस ला असुध करिस अऊ पथरा अऊ कठवा के संग बेभिचार करिस।
10 ये जम्मो होय के बावजूद, ओकर बेईमान बहिनी यहूदा ह अपन पूरा मन से मोर करा नइं लहुंटिस, पर लहुंटे के सिरिप दिखावा करिस," यहोवा ह ये घोसना करत हे।
11 यहोवा ह मोला कहिस, "बिसवासहीन इसरायल ह बिसवासघाती यहूदा ले जादा धरमी अय।
12 जा अऊ उत्तर दिग म ये संदेस के घोसना कर:
" 'हे बिसवासहीन इसरायल, लहुंट आ,' यहोवा ह ये घोसना करत हे,
'मेंह तोर ऊपर अब गुस्सा नइं करंव,
काबरकि मेंह बिसवासयोग्य अंव,' यहोवा ह ये घोसना करत हे,
'मेंह सदाकाल बर गुस्सा नइं होवंव।
13 सिरिप अपन दोस ला मान ले—
तेंह यहोवा अपन परमेसर के बिरूध बिदरोह करे हस,
तेंह जम्मो छायादार रूखमन के खाल्हे
बिदेसी देवतामन बर अपन मया देखाय हस,
अऊ मोर बात ला नइं माने हस,' "
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
14 "हे बिसवासहीन मनखेमन मोर करा लहुंट आवव," यहोवा ह ये घोसना करत हे, "काबरकि मेंह तुम्हर घरवाला अंव। मेंह तुमन ला चुनहूं—एक नगर ले एक झन अऊ एक बंस ले दू झन—अऊ तुमन ला सियोन म लानहूं।
15 तब मेंह अपन मन मुताबिक तुमन ला चरवाहा दूहूं, जऊन मन गियान अऊ समझ के संग तुम्हर अगुवई करहीं।

16 ओ दिनमन म, जब तुम्हर गनती ह देस म बढ़ जाही," यहोवा ह ये घोसना करत हे, "मनखेमन फेर ये नइं
कहिहीं, 'यहोवा के करार के सन्दूक।' ये बात ह ओमन के मन म कभू नइं आही या येला ओमन कभू सुरता नइं
करहीं; ओकर कमी महसूस नइं होही, अऊ न ही दूसरा बनाय जाही।
17 ओ बेरा म, ओमन यरूसलेम ला यहोवा के सिंघासन कहिहीं, अऊ जम्मो जाति के मनखेमन यहोवा के
नांव ला आदर देय बर यरूसलेम म जूरहीं। ओमन अपन पापी हिरदय के ढीठपन के पाछू फेर नइं चलहीं।
18 ओ दिनमन म, यहूदा के मनखेमन इसरायल के मनखेमन संग मिल जाहीं, अऊ ओमन एक संग उत्तर दिग
के एक देस ले ओ देस म आहीं, जेला मेंह तुम्हर पुरखामन ला एक उत्तराधिकार के रूप म देय रहेंव।
19 "मेंह खुद कहेंव,
" 'कतेक खुसी से मेंह तोला अपन लइकामन सहीं समझके
तोला एक मनभावन देस दे हंव,
जऊन ह कि कोनो भी देस के सबले सुघर उत्तराधिकार अय।'
मेंह सोचेंव कि तेंह मोला 'ददा' कहिबे
अऊ मुहूं फेरके दूरिहा नइं जाबे।
20 पर जइसने ओ माईलोगन, जऊन ह अपन घरवाला संग बिसवासघात करथे,
वइसने ही, हे इसरायल, तेंह घलो मोर संग बिसवासघात करे हस,"
यहोवा ह ये घोसना करत हे।

21 बंजर टीलामन ले एक अवाज आवथे,
इसरायली मनखेमन के रोये अऊ गोहारे के अवाज सुनई देवत हे,
काबरकि ओमन अपन सही रसता ला छोंड़ दे हवंय
अऊ यहोवा अपन परमेसर ला भुला गे हवंय।

22 "हे बिसवासहीन मनखेमन, लहुंट आवव;
मेंह तुम्हर भटकई ला सुधार दूहूं।"

"हव, हमन तोर करा आबो,
काबरकि तेंह यहोवा हमर परमेसर अस।
23 सच म पहाड़ी अऊ पहाड़मन म
मूरती-पूजा के कोलाहल ह एक धोखा अय;
निस्चय ही यहोवा हमर परमेसर म
इसरायल के उद्धार हवय।
24 हमर जवानी के समय ले ओ कलंकित देवतामन
हमर पुरखामन के कमई के फर ला—
ओमन के भेड़-बकरी, गाय-बईला,
अऊ बेटा-बेटीमन ला खा डारे हवंय।
25 आवव, हमन लज्जित होके लेट जावन,
अऊ हमर कलंक ह हमन ला ढांप लेवय।
काबरकि हमर पुरखामन अऊ हमन घलो
यहोवा हमर परमेसर के बिरूध पाप करे हन;
हमर जवानी के समय ले लेके आज तक
हमन यहोवा हमर परमेसर के बात ला नइं माने हन।"

4

1 "हे इसरायल, यदि तें लहुंटके आबे,
त मोर करा लहुंटके आ,"

यहोवा ह ये घोसना करत हे।
“यदि तेंह अपन घिनौना मूरतीमन ला मोर नजर ले दूरिहा हटाबे
अऊ सही रसता ले नइं भटकबे,
2 अऊ यदि सच्चई, नियाय अऊ धरमीपन म
तें ये किरिया खाबे, ‘यहोवा के जिनगी के सपथ,’
त देस-देस के मनखेमन ओकर दुवारा आसीस पाहीं
अऊ यहोवा म ओमन घमंड करहीं।”
3 यहोवा ह यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला ये कहत हे:
“अपन बंजर भुइयां ला जोतव
अऊ कंटिली झाड़ीमन के बीच बीजा झन बोवव।
4 हे यहूदा के मनखे अऊ यरूसलेम के निवासीमन,
यहोवा बर अपन खतना करव,
अपन मन के खतना करव,
नइं तो तुम्हर दुस्ट काममन के कारन
मोर गुस्सा ह भड़कही अऊ आगी सहीं बरही—
अइसने बरही कि ओला कोनो बुता नइं सकहीं।

[illegible]

5 “यहूदा अऊ यरूसलेम म घोसना करके कहव:
‘देस के जम्मो अंग तुरही बजावव!’
चिचियाके ये कहव:
‘एक संग जूरव!
आवव, हमन गढ़वाले सहरमन म भाग जावन!’
6 सियोन जाय बर झंडा ला ऊंचा करव!
बिगर देरी करे सुरकछित जगह म भाग जावव!
काबरकि मेंह उत्तर दिग ले बिपत्ति,
अऊ भयंकर सतियानास लानेवाला हंव।”

7 एक सिंह ह अपन मांद ले निकले हवय;
देस-देस के मनखेमन ला नास करइया ह निकले हवय।
ओह तुम्हर देस ला बरबाद करे बर
अपन जगह ले निकले हवय।
तुम्हर नगरमन नास हो जाहीं
अऊ उहां कोनो रहनेवाला नइं होहीं।
8 एकरसेति बोरा के ओनहा ला पहिर लव,
रोवव अऊ बिलाप करव,
काबरकि यहोवा के भयंकर कोरोध ह
हमर ऊपर ले नइं टरे हे।

9 यहोवा ह ये घोसना करत हे,
“ओ दिन म, राजा अऊ करमचारीमन हतास हो जाहीं,
पुरोहितमन अब्बड़ डरा जाहीं,
अऊ अगमजानीमन भयभीत होहीं।”
10 तब मेंह कहेंव, “हाय, हे परमपरधान यहोवा! तेंह ये मनखेमन अऊ यरूसलेम ला ये कहिके कइसे पूरा धोखा देय हवस, ‘तुमन ला सांति मिलही,’ जबकि तलवार ह हमर घेंच म रखे हवय!”

11 ओ बखत ये मनखेमन ला अऊ यरूसलेम ला बताय जाही, “सुन्ना जगह के बंजर टीलामन ले मोर
मनखेमन कोति एक झुलसा देवइया हवा चलही, पर येह पछुरे बर या साफ करे बर नइं होही;
12 ये हवा ह जादा सक्तिसाली होही, जेह मोर करा ले आथे। अब मेंह ओमन के बिरूध दंड के घोसना करत
हंव।”
13 देखव! ओह बादरमन सहीं आघू बढ़थे,
ओकर रथमन बवंडर सहीं आथें,
ओकर घोड़ामन गिधवा चिरईमन ले घलो जादा तेज भागथें।
हमर ऊपर हाय! हमन नास होवत हन!
14 हे यरूसलेम, अपन हिरदय ले बुरई ला धो अऊ तोर उद्धार होवय।
तेंह कब तक अपन मन म खराप बिचार रखे रहिबे?
15 दान सहर ले एक अवाज सुनई देवत हे,
एपरैम के पहाड़मन ले बिपत्ति के घोसना होवत हे।
16 “जाति-जाति के मनखेमन ला ये बताव,
यरूसलेम के बारे म घोसना करव:
‘यहूदा के सहरमन के बिरूध लड़ई बर ललकारत,
दूरिहा देस ले हमला करइया एक सेना आवत हे।
17 ओमन खेत के रखवारमन सहीं यहूदा ला घेरत हवंय,
काबरकि ओह मोर बिरूध बिदरोह करे हवय,’ ”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
18 “तोर बरताव अऊ तोर काममन के कारन
ये बिपत्ति तोर ऊपर आय हवय।
येह तोर सजा ए।
येह कतेक दुखदाई ए!
येह कइसे हिरदय ला छेदत हवय!”

19 आह, मोर पीरा, मोर पीरा!
मेंह पीरा म तड़फत हंव।
आह, मोर मन के पीरा!
मोर हिरदय ह भीतरे-भीतर कुटा-कुटा होवथे,
मेंह चुप नइं रह सकंव।
काबरकि मेंह तुरही के अवाज ला सुने हंव;
मेंह लड़ई के ललकार ला सुने हंव।
20 बिपत्ति ऊपर बिपत्ति आवत हे;
जम्मो देस ह नास हो गे हवय।
मोर तम्बूमन अऊ मोर डेरामन
एक पल म नास हो गीन।
21 कब तक ले, मोला लड़ई के झंडा ला देखना पड़ही
अऊ तुरही के अवाज ला सुनना पड़ही?

22 “मोर मनखेमन मुरूख अंय;
ओमन मोला नइं जानंय।
ओमन निरबुद्धि लइका अंय;
ओमन करा समझ नइं ए।
ओमन बुरई के काम करे म निपुन अंय;
ओमन भलई करे नइं जानंय।”

23 मेंह धरती ला देखेंव,
अऊ येह बेडौल अऊ सुनसान परे रिहिस;
अऊ अकास ला देखेंव,
अऊ ओमा अंजोर नइं रिहिस।
24 मेंह पहाड़मन ला देखेंव,
अऊ ओमन कांपत रिहिन;
अऊ जम्मो पहाड़ीमन डोलत रिहिन।
25 मेंह देखेंव, अऊ उहां कोनो मनखे नइं रिहिन;
अकास के जम्मो चिरईमन उड़िहा गे रिहिन।
26 मेंह देखेंव, यहोवा के आघू, ओकर भयंकर कोरोध के कारन,
फलदार देस ह सुन्ना हो गे हवय;
येकर जम्मो नगरमन खंडहर हो गे हवंय।
27 यहोवा ह ये कहत हे:
"जम्मो देस ह उजर जाही,
हालाकि मेंह येला पूरा नास नइं करहूं।
28 एकरसेति धरती ह बिलाप करही
अऊ ऊपर अकासमन अंधियार हो जाहीं,
काबरकि मेंह कहे हवंव अऊ दया नइं देखावंव,
मेंह फैसला कर ले हंव अऊ अपन बात ले नइं फिरंव।"

29 घुड़सवार अऊ धनुसधारीमन के अवाज ला सुनके
हर नगर के मनखेमन भाग जाथें।
कुछू मनखे झाड़ीमन म चले जाथें;
अऊ कुछू मनखेमन, ऊपर चट्टानमन के बीच म चल देथें।
जम्मो नगरमन निरजन हो जाथें;
ओमन म कोनो नइं रहंय।

30 हे नास होय जन, तेंह का करत हस?
चमकीला लाल रंग के कपड़ा
अऊ सोन के जेवर काबर पहिरे हस?
अपन आंखी म काजर काबर आंजे हस?
तेंह बेकार म अपनआप ला सजाय हस।
तोर मयारूमन तोला तुछ समझथें;
ओमन तोला मार डारे चाहत हें।

31 मेंह एक अइसने कराहे के अवाज सुनत हंव, जइसे कोनो माईलोगन ह लइका जनमत हे
जइसे कोनो माईलोगन ह अपन पहिलांत लइका ला जनमे के बेरा कराहथे—
येह सियोन के बेटी के अवाज ए, जेकर सांस ह फूलत हे,
अऊ अपन हांथमन ला फईलाके ये कहत हे,
"हाय! मेंह बेहोस होवत हंव;
मोर जिनगी ला हतियारामन के हांथ म दे दिये गे हवय।"

5

[illegible]

1 "ऊपर अऊ खाल्हे यरूसलेम के गलीमन म जावव,
चारों कोति देखव अऊ बिचार करव,

ओकर चऊकमन म खोजव।
यदि एक जन भी तुमन ला अइसने मिल जाय,
जऊन ह ईमानदारी से काम करथे अऊ सच्चई के खोजी अय,
त मेंह ये सहर ला छेमा कर दूहूं।
2 हालाकि ओमन कहिथें, 'यहोवा के जिनगी के कसम,'
अभी भी ओमन झूठा कसम खावत हंय।"

3 हे यहोवा, का तोर नजर सच्चई ऊपर नइं रहय?
तेंह ओमन ला मारे, पर ओमन ला पीरा नइं होईस;
तेंह ओमन ला कुचरे, पर ओमन नइं सुधरिन।
ओमन अपन चेहरा ला पथरा ले घलो जादा कठोर कर लीन
अऊ पछ्ताप करे ले इनकार करिन।
4 मेंह सोचेंव, "येमन सिरिप गरीब अंय;
येमन मुरूख अंय,
काबरकि येमन यहोवा के रद्दा ला,
अऊ अपन परमेसर के जरूरत ला नइं जानंय।
5 एकरसेति मेंह अगुवामन करा जाके
ओमन ले बात करहूं;
खचित ओमन यहोवा के रद्दा
अऊ अपन परमेसर के जरूरत ला जानथें।"
पर एक मन होके, ओमन घलो जुड़ा ला
अऊ करार ला टोर दे रिहिन।
6 येकरे कारन जंगल के सिंह ह ओमन ऊपर हमला करही,
निरजन जगह के एक भेड़िया ह ओमन के नास कर दीही,
एक चीतवा ह ओमन के नगरमन के लकठा म घात लगाय रहिही
ताकि यदि कोनो जोखिम उठाके बाहिर निकले, त फारके ओला कुटा-कुटा कर दे,
काबरकि ओमन के बिदरोह ह बहुंत अय
अऊ ओमन के पाछू पलटई भी बहुंत।

7 "मेंह तुमन ला काबर छेमा करंव?
तुम्हर लइकामन मोला तियाग दे हवंय
अऊ ओ देवतामन के किरिया खाय हवंय, जेमन देवता नो हंय।
मेंह ओमन के जम्मो जरूरत ला पूरा करेंव,
तभो ले, ओमन बेभिचार करिन
अऊ बेस्यामन के घरमन म भीड़ के भीड़ जावत रिहिन।
8 ओमन बने खवाय-पीयाय, वासना से भरे घोड़ामन सहीं अंय,
ओमा के हर एक जन आने मनखे के घरवाली बर हिनहिनावत रहिथें।
9 का मेंह ये काम बर ओमन ला सजा नइं देवंव?"
यहोवा ह घोसना करत हे।
का मेंह अइसने जाति ले
खुद बदला नइं लंव?

10 "ओमन के अंगूर के बारीमन म जा अऊ ओमन ला नास कर दे,
पर ओमन ला पूरा नास झन कर।
ओकर डालीमन ला काटके अलग कर दे,
काबरकि ये मनखेमन यहोवा के नो हंय।

11 इसरायल के मनखे अऊ यहूदा के मनखेमन
मोर संग बहुंत बिसवासघात करे हवंय,"
यहोवा ह ये घोसना करत हे।

12 ओमन यहोवा के बारे म लबारी बात कहे हवंय;
ओमन कहिन, "ओह कुछू नइं करही!
हमर कुछू हानि नइं होही;
हमन न तो कभू तलवार ले मारे जाबो अऊ न ही हमर इहां अकाल पड़ही।
13 अगमजानीमन हवा सहीं अंय
अऊ ओमन म परमेसर के बचन नइं ए;
ओमन जो बात कहिथें, ओमन संग वइसने करे जावय।"
14 एकरसेति यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर ह ये कहत हे:
"काबरकि ये मनखेमन ये बचन कहे हवंय,
मेंह अपन बचन ला तोर मुहूं म आगी
अऊ ये मनखेमन ला कठवा सहीं बना दूहूं, अऊ येह ओमन ला भसम कर दीही।"
15 यहोवा ह ये घोसना करत हे, "हे इसरायल के मनखेमन,
मेंह तुम्हर बिरूध म दूरिहा ले एक अइसने देस ला लानत हंव—
जऊन ह एक पुराना अऊ बने रहनेवाला देस ए,
अइसने मनखे, जेमन के भासा ला तुमन नइं जानव,
अऊ ओमन के बोली ला तुमन नइं समझव।
16 ओमन के तरकसमन एक खुला कबर सहीं अंय;
ओमा के जम्मो झन सूरबीर अंय।
17 ओमन तुम्हर फसल अऊ तुम्हर जेवन ला खा जाहीं,
ओमन तुम्हर बेटा-बेटीमन ला खा जाहीं;
ओमन तुम्हर भेंड़-बकरी अऊ गाय-बईलामन ला खा जाहीं,
ओमन तुम्हर अंगूर के नार अऊ अंजीर के रूखमन ला खा जाहीं।
ओमन तलवार ले ओ गढ़वाले सहरमन ला नास कर दीहीं,
जेमा तुमन भरोसा रखथव।"
18 यहोवा ह ये घोसना करत हे, "तभो ले ओ दिनमन म घलो, मेंह तुमन ला पूरा नास नइं करंव।
19 अऊ जब मनखेमन पुछहीं, 'यहोवा हमर परमेसर ह हमन ले ये जम्मो काम काबर करे हवय?' तब तें ओमन ला बताबे, 'जइसने कि तुमन मोला तियाग दे हवव अऊ अपन खुद के देस म आने देवतामन के सेवा करे हवव, वइसने ही अब तुमन परदेस म परदेसीमन के सेवा करहू।'
20 "येला याकूब के संतानमन ला घोसना करके बतावव
अऊ यहूदा म ये परचार करव:
21 हे मुरूख अऊ निरबुद्धि मनखेमन, ये बात ला सुनव,
तुमन करा आंखी हवय पर नइं देखव,
तुमन करा कान हवय पर नइं सुनव:
22 का तुमन ला मोर डर नइं ए?"
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
"का तुमन मोर आघू म नइं थरथरावव?
मेंह बालू ला समुंदर के सीमना ठहिरांय,
येह सदाकाल बर एक सीमना अय, जेला समुंदर ह नाहक नइं सकय।
पानी के लहरामन ओकर ऊपर आ सकत हें, पर ओमन ओला जीत नइं सकंय;

ओमन गरज सकत हें, पर ओमन ओला पार नइं कर सकंय।
23 पर ये मनखेमन करा जिद्दी अऊ बिदरोही हिरदय हवय;
ओमन अलग होके दूरिहा चल दे हवंय।
24 ओमन अपनआप ला ये नइं कहंय,
'आवव, हमन ओ यहोवा हमर परमेसर के भय मानन,
जऊन ह समय म, सरद अऊ बसन्त रितु के बारिस देथे,
जऊन ह फसल कटई के नियमित हप्तामन के भरोसा देवाथे।'
25 तुमन के गलत काममन, येमन ला दूरिहा कर दे हवंय;
तुमन के पाप ही के कारन, तुम्हर भलई नइं होवय।

26 "मोर मनखेमन के बीच म दुस्ट मनखेमन हवंय
जऊन मन अइसने ताक म रहिथें जइसने चिरई मरइयामन रहिथें
अऊ येमन ओमन सहीं अंय, जऊन मन मनखेमन ला पकड़े बर फांदा लगाथें।
27 चिरईमन ले भरे पिंजरामन सहीं,
ओमन के घर ह छल-कपट ले भरे रहिथे;
ओमन धनवान अऊ बलवान हो गे हवंय
28 अऊ ओमन मोटहा अऊ चिकना हो गे हवंय।
ओमन के दुस्ट काममन के कोनो सीमना नइं ए;
ओमन नियाय के परवाह नइं करंय।
ओमन अनाथमन के नियाय नइं चुकावंय;
ओमन गरीबमन के हक के बचाव नइं करंय।
29 का मेंह ओमन ला ये बातमन के सजा नइं दंव?"
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
"का मेंह अइसने जाति ले
खुद बदला नइं लंव?"

30 एक भयंकर अऊ चोट देवइया बात
देस म होय हवय:
31 अगमजानीमन झूठ-मूठ के अगमबानी करथें,
पुरोहितमन अपन खुद के अधिकार ले हुकूम चलाथें,
अऊ मोर मनखेमन ला ये बात बहुंत बने लगथे।
पर अन्त के बेरा म तुमन का करहू?

6

[illegible]
1 "हे बिनयामीन गोत्र के मनखेमन, अपन सुरकछा बर भागव!
यरूसलेम ले भागव!
तकोआ सहर म तुरही फूंकव!
बेत-हकेरेम नगर म संकेत देवव!
काबरकि उत्तर दिग ले बिपत्ति,
बल्कि भयंकर बिनास आही सहीं लगत हे।
2 मेंह सियोन के, बहुंत सुघर
अऊ नाजुक बेटी ला नास कर दूहूं।
3 चरवाहामन अपन भेड़-बकरीमन संग ओकर बिरूध आहीं;
ओमन अपन तम्बू ओकर चारों कोति गड़ियाहीं,

अऊ हर एक झन अपन खुद के भाग म चराहीं।”

4 “ओकर बिरूध लड़ई के तियारी करव!
उठव, हमन मंझन के बेरा हमला करबो!
पर, हाय, दिन के अंजोर ह कम होवत जावत हे,
अऊ संझा के परछाई ह लम्बा होवत जावत हे।
5 एकरसेति उठव, हमन रथिया के बेरा हमला करबो
अऊ ओकर किलामन ला गिरा देबो!”
6 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
“रूखमन ला काटव
अऊ यरूसलेम के बिरूध घेराबंदी के टीला बनावव।
ये सहर ला सजा जरूर मिलना चाही;
येह अतियाचार ले भर गे हवय।
7 जइसने कुआं म ले पानी निकलथे,
वइसने ही यरूसलेम ले बुरई निकलथे।
हिंसा अऊ बिनास के बात ओमा सुनई देवत रहिथे;
ओकर बेमारी अऊ घावमन हमेसा मोर आघू म हवंय।
8 हे यरूसलेम, चेत जा,
नइं तो, मेंह तोर ले मुहूं मोड़के दूरिहा चल दूहूं
अऊ तोर भुइयां ला उजाड़ दूहूं
ताकि येमा कोनो झन रह सकंय।”
9 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
“ओमन ला इसरायल के बचे भाग ला
अंगूर के नार म बांचे अंगूर सहीं बटोरन दव;
जइसने कोनो अंगूरमन ला संकेलथे,
वइसने अपन हांथ ला डारामन ऊपर फेर बढ़ा।”

10 मेंह काकर ले बात करंव अऊ चेतावंव?
कोन ह मोर बात ला सुनही?
ओमन के कान ह बंद हो गे हवय
एकरसेति ओमन सुन नइं सकंय।
यहोवा के बचन ह ओमन ला बने नइं लगय;
येमा ओमन ला खुसी नइं मिलय।
11 पर मेंह यहोवा के कोरोध ले भर गे हवंव,
अऊ मेंह येला भीतर नइं धरे सकंव।

“गली म येला लइकामन ऊपर
अऊ एक संग जूरे जवानमन ऊपर ढार दे;
घरवाला अऊ घरवाली दूनों अऊ डोकरामन
जेमन के उमर हो गे हवय, ओमन येमा धरे जाहीं।
12 ओ मनखेमन के खेत-खार अऊ ओमन के घरवाली सहित
ओमन के घर ला आने मन ला दे दिये जाही,
जब मेंह अपन हांथ ला ओमन के बिरूध बढ़ाहूं
जऊन मन ये देस म रहिथें,”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
13 “छोटे ले लेके बड़े तक,

जम्मो के जम्मो अनाज के लालची अंय;
अगमजानी अऊ पुरोहितमन घलो वइसने
जम्मो के जम्मो धोखाधड़ी करथें।
14 ओमन मोर मनखेमन के घावमन म अइसे पट्टी बांधथें
मानो ओमा जादा चोट नइं लगे रिहिस।
ओमन कहिथें, 'सांति हे, सांति हे,'
जबकि उहां सांति नइं ए।
15 का ओमन अपन घिनौना बरताव बर सरमिंदा हवंय?
नइं, ओमन बिलकुल ही सरमिंदा नइं एं;
ओमन सरमिंदा होवई जानंय ही नइं।
एकरसेति ओमन गिरे मनखेमन के बीच म गिरहीं;
ओमन गिराय जाहीं, जब मेंह ओमन ला सजा दूहूं,"
यहोवा ह कहत हे।
16 यहोवा ह ये कहत हे:
"सड़क के चऊकमन म ठाढ़ होवव अऊ देखव;
पुराना रसता के बारे म पुछव,
पुछव कि बने रसता कहां हवय, अऊ ओही म रेंगव,
अऊ तुमन ला अपन मन म सांति मिलही।
पर तुमन कहेव, 'हमन येमा नइं रेंगन।'
17 मेंह तुम्हर बर पहरेदारमन ला बईठाके कहेंव,
'तुरही के अवाज ला सुनव!'
पर तुमन कहेव, 'हमन नइं सुनन।'
18 एकरसेति, हे जाति-जाति के मनखेमन, सुनव;
तुमन, जऊन मन गवाह अव,
धियान देवव कि ओमन के का होही।
19 हे धरती, सुन:
मेंह ये मनखेमन ऊपर ओ बिपत्ति लानत हंव,
जऊन ह ओमन के योजना के फर अय,
काबरकि येमन मोर बात ला नइं सुनिन
अऊ मोर कानून के इनकार करिन।
20 सेबा के सुगंध या दूरिहा देस ले आय मीठ तेजपान ऊपर
मेंह का धियान दंव?
तुम्हर होम-बलिदानमन गरहन करे लईक नो हंय;
तुम्हर बलिदानमन ले मोला खुसी नइं होवय।"
21 येकर कारन यहोवा ह ये कहत हे:
"मेंह ये मनखेमन के आघू म बाधा डालहूं।
दाई-ददा अऊ लइकामन, परोसी अऊ संगवारीमन,
ओकर ऊपर ठोकर खाके नास होहीं।"
22 यहोवा ह ये कहत हे:
"देखव, उत्तर दिग के देस ले
एक सेना आवत हे;
धरती के छोर ले
एक बड़े जाति ला उभारे जावत हे।
23 ओमन धनुस अऊ बरछी धरे हवंय;
ओमन कठोर अंय अऊ दया नइं देखावंय।

जब ओमन अपन घोड़ामन ऊपर सवार होथें
त ओमन गरजत समुंदर सहीं अवाज करथें;
हे बेटी सियोन,* ओमन तोर ऊपर हमला करे बर
लड़ई म कतार बांधे मनखेमन सहीं आथें।"

24 हमन ओमन के बारे म खबर सुने हन,
अऊ हमर हांथमन ढीला पड़ गे हवंय।
पीरा ह हमन ला अइसने जकड़े हवय,
जइसने छेवारी होवत माईलोगन ला पीरा होथे।
25 बाहिर मैदान कोति झन जावव,
या सड़कमन म झन रेंगव,
काबरकि बईरी करा तलवार हवय,
अऊ चारों कोति आतंक छाय हवय।
26 हे मोर मनखेमन, बोरा के कपड़ा पहिरव,
अऊ राख म लोटव;
जइसने एकलऊता बेटा के मरे ले बिलाप होथे
वइसने कलप-कलपके बिलाप करव,
काबरकि नास करइया ह
अचानक हमर ऊपर आ जाही।

27 "मेंह तोला धातु के परखनेवाला
अऊ मोर मनखेमन ला खदान के धातु बनाय हंव,
ताकि तें धियान दे
अऊ ओमन के चालचलन ला परख।
28 ओमन जम्मो कठोर बिदरोही हो गे हवंय,
अऊ निन्दा करत हवंय।
ओमन कांसा अऊ लोहा सहीं हो गे हवंय;
ओमन जम्मो झन खराप आचरन करथें।
29 धूकनी ह सीसा ला आगी म जलाय बर
जोर से धूकथे,
पर सुध करई ह बेकार हो जावत हे;
काबरकि दुस्ट मनखेमन पछ्ताप नइं करिन।
30 ओमन ला नकली चांदी कहे जाथे,
काबरकि यहोवा ह ओमन ला अस्वीकार करे हवय।"

7

[illegible]

1 यहोवा कोति ले ये बचन यरमियाह करा आईस:
2 "यहोवा के घर के दुवार म ठाढ़ हो जा अऊ उहां ये संदेस के घोसना कर:
" 'हे यहूदा के जम्मो मनखेमन, जऊन मन यहोवा के अराधना करे बर ये दुवारमन ले आथव, यहोवा के ये बचन ला सुनव।
3 सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: अपन चालचलन अऊ अपन काममन ला सुधारव, तब मेंह तुमन ला ये जगह म रहे बर दूहूं।
4 धोखा देवइया बचन म भरोसा करके ये झन कहव, "येह यहोवा के मंदिर अय, यहोवा के मंदिर, यहोवा के मंदिर!"
5 यदि तुमन सही म अपन चालचलन अऊ काममन ला बदलथव अऊ एक-दूसर के संग सही बरताव करथव,

* **6:23** या [illegible]

6 यदि तुमन परदेसी, अनाथ या बिधवा ऊपर अतियाचार नइं करव अऊ ये जगह म निरदोस के हतिया नइं
करव, अऊ यदि अपन खुद के हानि करे बर आने देवतामन के पाछू नइं चलव,
7 त मेंह तुमन ला ये जगह म, ये देस म रहे बर दूहूं, जऊन ला कि मेंह तुम्हर पुरखामन ला सदाकाल बर दे
हवंव।
8 पर देखव, तुमन ओ धोखा देवइया बचन ऊपर भरोसा करत हव, जेकर कोनो मतलब नइं ए।
9 " 'का तुमन चोरी अऊ हतिया करहू, बेभिचार अऊ लबारी गवाही दूहू, बाल देवता बर धूप जलाहू अऊ
आने देवतामन के पाछू चलहू, जेमन ला तुमन नइं जानव,
10 अऊ तब ये घर, जऊन म कि मोर नांव हवय, तुमन येमा आके मोर आघू म ठाढ़ होहू अऊ ये कहिहू, "हमन
सुरकछित हवन"—ये जम्मो घिनौना काम करे बर सुरकछित हवन?
11 ये घर, जेमा मोर नांव हवय, का येह तुम्हर बर डाकूमन के गुफा हो गे हवय? पर मेंह देखत आवत हंव!
यहोवा ह घोसना करत हे।
12 " 'अब सीलो नगर म ओ जगह म जावव, जिहां पहिली मेंह मोर नांव बर एक निवास बनाय रहेंव, अऊ
देखव कि मेंह अपन मनखे इसरायल के दुस्टता के कारन ओ निवास के का दसा कर दे हंव।
13 यहोवा ह घोसना करत हे, जब तुमन ये जम्मो काम करत रहेव, त मेंह तुमन ला बार-बार कहेंव, पर तुमन
नइं सुनेव; मेंह तुमन ला बलांय, पर तुमन जबाब नइं देव।
14 एकरसेति ये घर, जेमा मोर नांव हवय, ये मंदिर, जेमा तुमन भरोसा करथव, ये जगह, जेला मेंह तुमन ला
अऊ तुम्हर पुरखामन ला देय रहेंव, येकर दसा घलो मेंह सीलो के सहीं कर दूहूं।
15 जइसने कि मेंह तुम्हर जम्मो संगी इसरायली, एपरैम के मनखेमन संग करे रहेंव, वइसने ही मेंह तुमन ला
अपन आघू ले धक्का देके निकाल दूहूं।'
16 "एकरसेति ये मनखेमन बर तेंह पराथना झन कर अऊ न ही येमन बर कोनो बिनती या निबेदन कर; मोर
करा येमन के तरफ ले झन गोठिया, काबरकि मेंह तोर बात ला नइं सुनंव।
17 का तेंह नइं देखत हस कि ये मनखेमन यहूदा के नगरमन म अऊ यरूसलेम के गलीमन म का करत हवंय?
18 लइकामन कठवा संकेलथें, ददामन आगी सुलगाथें, अऊ माईलोगनमन पीसान गुंथके स्वरग के रानी ला
चघाय बर रोटी बनाथें। ओमन मोर गुस्सा ला भड़काय बर आने देवतामन बर पेय-बलिदान देथें।
19 पर का ओमन मोला ही भड़कावथें? यहोवा ह घोसना करत हे। का ओमन बेसरम होके अपनआप के ही
हानि नइं करत हें?
20 " 'एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मोर गुस्सा अऊ मोर कोप ह ये जगह के ऊपर
भड़कही—मनखे अऊ पसु ऊपर, मैदान के रूखमन ऊपर अऊ तुम्हर भुइयां के फसल ऊपर—अऊ ये गुस्सा अऊ
कोप के आगी ह जलते रहिही अऊ नइं बुताही।
21 " 'सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: जावव अऊ अपन होम-बलिदानमन ला
अपन आने बलिदानमन संग मिलावव अऊ मांस ला खुद खावव!
22 काबरकि जब मेंह तुम्हर पुरखामन ला मिसर देस ले बाहिर लानेंव अऊ ओमन ले बात करेंव, त मेंह ओमन
ला होम-बलिदान अऊ बलिदानमन के बारे म हुकूम नइं दे रहेंव,
23 पर मेंह ओमन ला ये हुकूम देय रहेंव: मोर बात ला मानव, तब मेंह तुम्हर परमेसर होहूं अऊ तुमन मोर
मनखे होहू। मोर दिये गय जम्मो हुकूम के पालन करव, ताकि तुम्हर भलई होवय।
24 पर ओमन मोर बात ला नइं सुनिन अऊ धियान नइं दीन; येकर बदले, ओमन अपन दुस्ट हिरदय के जिद्दी
सुभाव म चलिन। ओमन पाछू हट गीन अऊ आघू नइं बढ़िन।
25 जऊन समय ले तुम्हर पुरखामन मिसर देस ला छोंड़िन, बार-बार मेंह अपन सेवक अगमजानीमन ला
तुम्हर करा पठोंय।
26 पर ओमन मोर बात ला नइं सुनिन अऊ धियान नइं दीन। ओमन हठी रिहिन अऊ अपन पुरखामन ले बढ़के
दुस्ट काम करिन।'
27 "जब तेंह ओमन ला ये जम्मो बात बताबे, त ओमन तोर बात ला नइं सुनहीं; जब तेंह ओमन ला बलाबे, त
ओमन जबाब नइं दीहीं।

28 एकरसेति ओमन ले कह, 'येह ओ जाति ए, जऊन ह यहोवा अपन परमेसर के बात ला नइं माने हे या अपन
गलत काममन ला नइं छोंड़े हे। सच्चई ह मर गे हवय; येह ओमन के मुहूं ले गायब हो गे हवय।
29 " 'अपन चुंदी ला काट अऊ दूरिहा म फटिक दे; बंजर टीला म चघके बिलाप कर, काबरकि यहोवा ह ये
पीढ़ी के मनखेमन ला अस्वीकार करे हवय, ओमन ला तियाग दे हवय; ओमन ओकर कोप के भागी अंय।

[illegible]

30 " 'यहूदा के मनखेमन मोर नजर म दुस्ट काम करे हवंय, यहोवा ह घोसना करत हे। ओमन ओ घर म
घिनौना मूरतीमन ला रखे हवंय, जेमा मोर नांव हवय; अइसने करके ओमन ओ घर ला असुध कर दे हवंय।
31 ओमन बेन-हिन्नोम के घाटी म अपन बेटा अऊ बेटीमन ला आगी म जलाय बर तोपेत के ऊंचहा जगहमन
ला बनाय हवंय—जेकर हुकूम मेंह कभू नइं दे रहेंव अऊ न ही ये बात कभू मोर मन म आईस।
32 एकरसेति सचेत रहव, ओ दिनमन आवत हें, यहोवा ह ये घोसना करत हे, जब मनखेमन येला तोपेत या
बेन-हिन्नोम के घाटी नइं कहिहीं, पर येला हतिया के घाटी कहिहीं, काबरकि ओमन तोपेत म अतेक मनखेमन ला
माटी दीहीं कि उहां जगह ही नइं बचही।
33 तब ये मनखेमन के लासमन चिरई अऊ जंगली पसुमन के जेवन होहीं, अऊ ओमन ला भगानेवाला कोनो
नइं होहीं।
34 मेंह यहूदा के नगरमन म अऊ यरूसलेम के गलीमन म आनंद अऊ खुसी के अवाज अऊ दूल्हा अऊ
दुलहिन के अवाज ला खतम कर दूहूं, काबरकि देस ह उजाड़ हो जाही।

8

1 " 'यहोवा ह ये घोसना करत हे: ओ बेरा, यहूदा के राजा अऊ करमचारीमन के हाड़ा, पुरोहित अऊ
अगमजानीमन के हाड़ा, अऊ यरूसलेम के मनखेमन के हाड़ा ला ओमन के कबरमन ले निकाले जाही।
2 ओमन ला सूरज, चंदा अऊ अकास के जम्मो तारामन के आघू म रखे जाही; काबरकि ओ मनखेमन ये
चीजमन ले मया करिन, येमन के सेवा करिन, येमन के पाछू चलिन, येमन के सलाह लीन अऊ येमन के अराधना
करिन। ये हाड़ामन ला न तो संकेले जाही, न तो येमन ला गाड़े जाही, पर येमन भुइयां म सूखा गोबर सहीं पड़े
रहिहीं।
3 जिहां कहूं भी मेंह येमन ला भगाहूं, उहां ये दुस्ट जाति के बांचे जम्मो मनखेमन जीयत रहे के बदले मरना
पसंद करहीं, सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।'

[illegible]

4 "ओमन ला कह, 'यहोवा ह ये कहत हे:
" 'जब मनखेमन गिरथें, त का ओमन फेर नइं उठंय?
जब कोनो मुहूं मोड़के चल देथे, त का ओह फेर नइं लहुंटय?
5 त फेर ये मनखेमन काबर मुहूं मोड़के चल दे हवंय?
काबर यरूसलेम ह हमेसा मुहूं मोड़के चल देथे?
ओमन धोखा देते रहिथें;
ओमन लहुंटे नइं चाहंय।
6 मेंह धियान देके ओमन के बात ला सुने हंव,
पर ओमन सही बात ला नइं कहंय।
ओमा के कोनो भी अपन दुस्टता ले नइं पछतांय,
पर ये कहिथें, "मेंह का करे हंव?"
जइसने घोड़ा ह लड़ई म हमला करथे,
वइसने ही येमा के हर एक झन अपन हिसाब से चलथे।
7 इहां तक कि अकास के सारस चिरई ह
अपन ठहिराय समय ला जानथे,
अऊ पंड़की, सूपाबेनी अऊ तूती चिरई घलो
आने जगह जाय के सही बेरा ला जानथें।

पर मोर मनखेमन यहोवा के
नियममन ला नइं जानंय।

8 " 'तुमन कइसे कह सकत हव, "हमन बुद्धिमान अन,
काबरकि हमर करा यहोवा के कानून हवय,"
जबकि असल म, कानून के गुरूमन लबारी बात लिखके
येकर गलत तरीका से उपयोग करे हवंय?
9 बुद्धिमान मनखेमन लज्जित होहीं;
ओमन डराहीं अऊ पकड़े जाहीं।
जब ओमन यहोवा के बचन ला नइं माने हवंय,
त ओमन करा का किसम के बुद्धि हवय?
10 ये कारन से मेंह ओमन के घरवालीमन ला आने मनखेमन ला
अऊ ओमन के खेतमन ला नवां मालिकमन ला दे दूहूं।
छोटे ले लेके बड़े तक,
जम्मो के जम्मो अनाज के लालची अंय;
अगमजानी अऊ पुरोहितमन घलो वइसने
जम्मो के जम्मो धोखाधड़ी करथें।
11 ओमन मोर मनखेमन के घावमन म अइसे पट्टी बांधथें
मानो ओमा जादा चोट नइं लगे रिहिस।
ओमन कहिथें, "सांति हे, सांति हे,"
जबकि उहां सांति नइं ए।
12 का ओमन अपन घिनौना बरताव बर सरमिंदा हवंय?
नइं, ओमन बिलकुल ही सरमिंदा नइं एं।
ओमन सरमिंदा होवई जानंय ही नइं।
एकरसेति ओमन गिरे मनखेमन के बीच म गिरहीं;
ओमन गिराय जाहीं, जब ओमन ला सजा मिलही,
यहोवा ह कहत हे।

13 " 'मेंह ओमन के फसल ला ले लूहूं,
यहोवा ह घोसना करत हे।
अंगूर के नार म अंगूर नइं होही।
अंजीर के रूख म अंजीर नइं होही,
अऊ ओमन के पानमन सूखा जाहीं।
जऊन कुछू मेंह ओमन ला देय हवंव,
ओह ओमन ले, लेय लिये जाही।' "

14 हमन इहां काबर बईठे हवन?
इकट्ठा हो जावव!
आवव, हमन किलाबंदीवाले सहरमन म भाग चलन
अऊ उहां नास हो जावन!
काबरकि यहोवा हमर परमेसर ह हमन ला नास करे बर ठाने हे
अऊ हमन ला जहर-पानी पीये बर दे हवय,
काबरकि हमन यहोवा के बिरूध पाप करे हवन।
15 हमन सांति के आसा करत रहेंन
पर कुछू बने बात नइं होईस,
हमन चंगई के आसा करत रहेंन

पर उहां सिरिप आतंक ही आतंक हवय।
16 बईरी के घोड़ामन के हिनहिनाय के अवाज
दान सहर ले सुनई पड़त हे;
ओमन के बिगर बधिया करे गे घोड़ामन के हिनहिनाय के अवाज ले
जम्मो देस ह कांपत हे।
ओमन देस अऊ येमा के हर चीज,
सहर अऊ उहां रहइया जम्मो झन ला
नास करे बर आय हवंय।

17 "देखव, मेंह तुम्हर बीच म अइसने जहरिला सांपमन ला पठोहूं,
ओ जहरिला सांपमन, जऊन मन ला बस म नइं करे जा सकय,
अऊ ओमन तुमन ला डसहीं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।

18 तेंह दुख म मोला सांति देवइया अस,
मोर हिरदय ह मोर भीतर म दुरबल हो गे हवय।
19 मोर मनखेमन के चिचियाय के अवाज ला
दूरिहा के देस ले सुनव:
"का यहोवा ह सियोन म नइं ए?
का सियोन के राजा ह अब उहां नइं ए?"

"ओमन काबर मोर गुस्सा ला अपन मूरती
अऊ परदेस के बेकार मूरतीमन के दुवारा भड़काय हवंय?"

20 "फसल लुये के समय ह बीत गीस,
गरमी ह खतम हो गीस,
अऊ हमर उद्धार नइं होईस।"

21 जब मोर मनखेमन कुचरे जाथें, त महूं घलो कुचरे जाथंव;
मेंह सोकित हंव, अऊ मोर मन म डर हमा गे हवय।
22 का गिलाद देस म कुछू मलहम नइं ए?
का उहां कोनो बईद नइं एं?
त फेर मोर मनखेमन के घाव ह
काबर चंगा नइं होवत हे?

9

1 आह, बने होतिस कि मोर मुड़ ह पानी के सोता
अऊ मोर आंखीमन आंसूमन के सोता होतिन!
मेंह रात अऊ दिन
अपन मारे गय मनखेमन बर रोतेंव।
2 आह, बने होतिस कि डहार रेंगइयामन बर
मोर करा मरू-भुइयां म ठहिरे के एक जगह होतिस,
ताकि मेंह अपन मनखेमन ला छोंड़के
ओमन ले दूरिहा चल देतेंव;
काबरकि ओमन जम्मो बेभिचारी अंय,
बिसवासघाती मनखेमन के एक भीड़ अंय।

3 “ओमन अपन जीभ ला धनुस म चघाय तीर सहीं
लबारी मारे बर तियार रहिथें;
ओमन सच्चई के दुवारा
देस म जय नइं पावंय।
ओमन एक पाप ले दूसर पाप करते रहिथें;
ओमन मोला नइं चिनहंय,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
4 “अपन संगीमन ले सचेत रहव;
अपन बंस के कोनो मनखे ऊपर भरोसा झन करव।
काबरकि ओमा के हर एक झन एक धोखा देवइया,
अऊ हर एक परोसी एक निंदा-करइया ए।
5 संगी ह संगी ला धोखा देथे,
अऊ सच बात कोनो नइं कहंय।
ओमन अपन जीभ ला लबारी मारे बर सिखोय हवंय;
ओमन पाप कर-करके अपनआप ला थकात हें।
6 तेंह* छल-कपट के बीच म रहिथस;
अपन छल-कपट म, ओमन मोला चिनहे बर इनकार करथें,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
7 एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
“देखव, मेंह ओमन ला तिपोके सुध करहूं अऊ परखहूं,
काबरकि मोर मनखेमन के पाप के कारन
मेंह अऊ का कर सकत हंव?
8 ओमन के जीभ ह मिरतू के तीर सहीं अय;
येह छल-कपट के बात करथे।
अपन मुहूं ले ओमन अपन परोसीमन ले बड़े मया के संग गोठियाथें,
पर ओमन अपन मन म अपन परोसीमन ला फंसाय के बात सोचथें।
9 का मेंह अइसने बात बर ओमन ला सजा नइं दंव?”
यहोवा ह घोसना करत हे।
“का मेंह अइसने जाति ले
खुद बदला नइं लंव?”

10 मेंह पहाड़मन बर रोहूं अऊ बिलाप करहूं
अऊ जंगल के चरागनमन के बारे म बिलाप के गीत गाहूं।
ओमन उजाड़ पड़े हवंय अऊ उहां कोनो नइं जावंय,
अऊ उहां गरूवा-बईलामन के नरियाय के अवाज सुनई नइं पड़य।
जम्मो चिरईमन भाग गे हवंय
अऊ पसुमन चले गे हवंय।

11 “मेंह यरूसलेम ला एक खंडहर,
सियारमन के एक डेरा बना दूहूं;
अऊ मेंह यहूदा के नगरमन ला अइसने उजाड़ दूहूं
कि उहां कोनो नइं रह सकहीं।”
12 कोन ह अतेक बुद्धिमान ए कि येला समझय? यहोवा ह कोन ला बताय हवय कि ओह येला समझा सकय?
देस के काबर बिनास हो गे हवय अऊ मरू-भुइयां सहीं उजाड़ पड़े हवय कि येला कोनो पार नइं कर सकंय?

* **9:6** याने कि [illegible]

13 यहोवा ह कहिस, “येह एकर कारन होईस काबरकि ओमन मोर ओ कानून ला तियाग दे हवंय, जऊन ला
मेंह ओमन के आघू रखे रहेंव; ओमन न तो मोर बात मानिन अऊ न ही मोर कानून के मुताबिक चलिन।
14 एकर बदला, ओमन अपन मन के जिद्दी सुभाव के मुताबिक चलिन; ओमन बाल देवतामन के पाछू चलिन,
जइसने कि ओमन के पुरखामन ओमन ला सिखाय रिहिन।”
15 एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: “सुनव, मेंह ये मनखेमन ला करू
जेवन खवाहूं अऊ जहरिला पानी पीयाहूं।
16 मेंह ओमन ला अइसने देसमन के बीच म तितिर-बितिर कर दूहूं, जेला न तो ओमन अऊ न ही ओमन के
पुरखामन जानत रिहिन, अऊ जब तक मेंह ओमन के अन्त नइं कर दूहूं, तब तक मेंह तलवार लेके ओमन के पाछू
पड़े रहिहूं।”

17 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
“अब सोच-बिचार करव! बिलाप करइया माईलोगनमन ला बलावव;
ओमा के सबले जादा कुसल माईलोगन ला बलावव।
18 ओमन जल्दी आवंय
अऊ हमर बर तब तक बिलाप करंय
जब तक कि हमर आंखीमन ले आंसू नइं निकलय
अऊ हमर आंखी के पलकमन ले पानी बहे नइं लगय।
19 सियोन ले बिलाप करे के अवाज सुनई देवत हे:
‘हमन कतेक नास हो गेंन!
हमन कतेक बड़े लज्जा म पड़ेंन!
जरूरी ए कि हमन हमर देस ला छोंड़ देवन
काबरकि हमर घरमन ला गिरा दिये गे हवय।’ ”

20 एकरसेति, हे माईलोगनमन, यहोवा के ये बचन ला सुनव;
ओकर मुहूं के बचन ला कान लगाके सुनव।
अपन बेटीमन ला बिलाप करे बर सिखावव;
एक-दूसर ला एक बिलाप के गीत सिखावव।
21 मिरतू ह हमर खिड़कीमन ले होके भीतर आ गे हवय
अऊ हमर गढ़मन म घुस गे हवय;
येह लइकामन ला गलीमन ले
अऊ जवानमन ला चऊक ले मिटा दे हवय।
22 तेंह कह, “यहोवा ह ये घोसना करत हे:
“ ‘मनखेमन के लासमन अइसने पड़े रहिहीं,
जइसने खुला मैदान म गोबर,
अऊ फसल लुवइया के पाछू लुये गय फसल,
जेला कोनो संकेलनेवाला नइं रहंय।’ ”
23 यहोवा ह ये कहत हे:
“बुद्धिमान ह अपन बुद्धि ऊपर घमंड झन करय
या बलवान ह अपन बल ऊपर घमंड झन करय
या धनवान ह अपन धन ऊपर घमंड झन करय,
24 पर जऊन ह घमंड करथे, ओह ये बात म घमंड करय:
कि ओमन करा मोला जाने के समझ हवय,
कि में ही ओ यहोवा अंव, जऊन ह धरती म
दया, नियाय अऊ धरमीपन के काम करथंव,
काबरकि इही बातमन म मेंह खुस होथंव,”

यहोवा ह घोसना करत हे।
25 “ओ दिनमन आवत हें,” यहोवा ह घोसना करत हे, “जब मेंह ओ जम्मो झन ला सजा दूहूं, जेमन के खतना
सिरिप देहें म होय हवय—
26 याने कि मिसर, यहूदा, एदोम, अमोन, मोआब के मनखे अऊ ओ जम्मो जऊन मन दूरिहा म सुनसान जगह
म रहिथें। काबरकि ये जम्मो जातिमन सही म खतनारहित अंय, अऊ त अऊ इसरायल के जम्मो घराना ह घलो
मन म खतनारहित अय।”

10

[illegible]

1 हे इसरायल के मनखेमन, यहोवा ह तुमन ले का कहत हे, ओला सुनव।
2 यहोवा ह ये कहत हे:
“आने देसमन के चालचलन ला झन सीखव
या अकास म चिनहांमन ला देखके आतंकित झन होवव,
हालाकि आने देस के मनखेमन ओमन के दुवारा आतंकित होथें।
3 काबरकि मनखेमन के रीति-रिवाजमन बेकार अंय;
ओमन जंगल ले एक रूख ला काटथें,
अऊ कारीगर ह बिंधना ले ओला आकार देथे।
4 ओमन ओला सोन अऊ चांदी ले सजाथें;
ओमन ओला हथौड़ी ले खीला ठोंकके मजबूत करथें
ताकि ओह झन हालय-डोलय।
5 खीरा के खेत म ठाढ़े पुतला* सहीं,
ओमन के मूरतीमन गोठियाय नइं सकंय;
ओमन ला उठाके ले जाय ला पड़थे
काबरकि ओमन रेंग नइं सकंय।
ओमन ले झन डरव;
ओमन कोनो हानि नइं कर सकंय
न ही ओमन कोनो भलई कर सकंय।”

6 हे यहोवा, तोर सहीं कोनो नइं एं;
तेंह महान अस,
अऊ तोर नांव ह ताकत म बहुंत बड़े अय।
7 हे जम्मो जातिमन के राजा,
तोर ले कोन नइं डरही?
तें ही येकर लईक अस।
जातिमन के जम्मो बुद्धिमान अगुवामन के बीच म
अऊ ओमन के जम्मो राजमन म,
तोर सहीं कोनो नइं एं।

8 ओमन जम्मो निरबुद्धि अऊ मुरूख अंय;
ओमन बेकार के कठवा के मूरतीमन के दुवारा सिखाय जाथें।
9 पीटे गय चांदी ह तरसीस ले
अऊ उफाज ले सोन लाय जाथे।
जऊन चीज ला कारीगर अऊ सुनार बनाथें,
ओला नीला अऊ बैंगनी रंग के ओनहा पहिराय जाथे—
जम्मो चीजमन कुसल कारीगरमन के दुवारा बनाय गे रहिथें।

* **10:5** चिरईमन ला डराय के पुतला

10 पर यहोवा ही सच्चा परमेसर अय;
ओह जीयत परमेसर अऊ सदाकाल के राजा अय।
जब ओह गुस्सा करथे, त धरती ह कांपथे;
जाति-जाति के मनखेमन ओकर कोप ला सह नइं सकंय।
11 "ओमन ला ये कह: 'ये देवता, जेमन धरती अऊ अकासमन ला नइं बनाईन, येमन धरती ले अऊ
अकासमन के खाल्हे ले नास हो जाहीं।' "
12 पर परमेसर ह धरती ला अपन सामर्थ ले बनाईस;
ओह अपन बुद्धि ले संसार के नीव रखिस
अऊ अपन समझ के दुवारा अकासमन ला तानिस।
13 जब ओह गरजथे, त अकासमन म पानी ह गरजथे,
ओह धरती के छोर ले बादरमन ला उठाथे।
ओह बारिस के संग बिजली चमकाथे
अऊ अपन भंडारघर ले हवा चलाथे।

14 हर एक जन निरबुद्धि अऊ बिगर गियान के हवय;
हर एक सुनार ह अपन बनाय मूरतीमन के कारन लज्जित हवय।
जऊन मूरतीमन ला ओह बनाथे, ओमन एक धोखा अंय;
ओमन म सांस ही नइं ए।
15 ओ मूरतीमन बेकार अऊ हंसी उड़ाय के चीज अंय;
जब ओमन के फैसला होही, त ओमन नास हो जाहीं।
16 ओ, जऊन ह याकूब के भाग ए, ओह तो येमन सहीं नो हय,
काबरकि ओह जम्मो चीजमन के बनानेवाला अय,
इसरायल, ओकर उत्तराधिकार के मनखेमन घलो ओमा आथें—
ओकर नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय।

[illegible]
17 तुमन, जेमन बईरी के घेराबंदी म रहत हव,
ये देस ला छोंड़के जाय के तियारी म अपन सामानमन ला संकेल लव।
18 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे:
"अब, मेंह ओमन ला जोर से फटिकहूं
जऊन मन ये देस म रहिथें;
मेंह ओमन ऊपर संकट लानहूं
ताकि ओमन पकड़े जावंय।"

19 मोला लगे चोट के कारन मोर ऊपर हाय!
मोर घाव ह ठीक नइं होवय!
तभो ले मेंह अपनआप ला कहेंव,
"येह तो मोर बेमारी अय, अऊ येला मोला सहना पड़ही।"
20 मोर तम्बू ह नास हो गीस;
येकर जम्मो रस्सीमन टूट गीन।
मोर लइकामन मोर करा ले चल दीन अऊ ओमन अब नइं अंय;
अब मोर तम्बू ला गाड़े बर
या मोर निवास ला ठीक करे बर कोनो नइं बचे हवंय।
21 चरवाहामन निरबुद्धि अंय
अऊ ओमन यहोवा ले नइं पुछंय;
एकरसेति ओमन के उन्नति नइं होवय

अऊ ओमन के जम्मो पसुमन तितिर-बितिर हो जाथें।
22 सुन! समाचार ह आवत हे—
उत्तर दिग के देस ले एक बड़े कोलाहल सुनई देवत हे!
येह यहूदा के नगरमन ला उजाड़ दीही
ओमन ला सियारमन के डेरा बना दीही।

[illegible]

23 हे यहोवा, मेंह जानत हंव कि मनखे के जिनगी ह ओमन के खुद के नो हय;
येह ओमन के काम नो हय कि ओमन अपन मन के मुताबिक चलंय।
24 हे यहोवा, मोर ताड़ना कर, पर सिरिप नियाय से—
गुस्सा होके नइं,
नइं तो, तेंह मोर नास कर देबे।
25 ओ देसमन ऊपर अपन गुस्सा उतार
जऊन मन तोला गरहन नइं करंय,
अऊ जऊन मनखेमन तोर नांव के महिमा नइं करंय।
काबरकि ओमन याकूब ला खतम कर दे हवंय;
ओमन ओला पूरा खतम कर दे हवंय
अऊ ओकर देस ला नास कर दे हवंय।

11

[illegible]

1 यहोवा कोति ले ये बचन यरमियाह करा आईस:
2 "ये करार के नियममन ला सुन अऊ येमन ला यहूदा के मनखे अऊ यरूसलेम म रहइया मनखेमन ला बता।
3 ओमन ला बता कि यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'सरापित ए ओ मनखे, जऊन ह ये करार के नियममन ला नइं मानय—
4 जेला माने के हुकूम मेंह तुम्हर पुरखामन ला दे रहेंव, जब मेंह ओमन ला मिसर देस ले, लोहा पीघलाय के भट्ठी ले निकालके लाने रहेंव।' मेंह कहेंव, 'मोर बात मानव अऊ ओ जम्मो काम करव, जेकर हुकूम मेंह देवत हंव, अऊ तुमन मोर मनखे होहू, अऊ मेंह तुम्हर परमेसर होहूं।
5 तब मेंह ओ किरिया ला पूरा करहूं, जऊन ला मेंह तुम्हर पुरखामन ले खाय रहेंव कि मेंह ओमन ला एक अइसने देस* दूहूं, जेमा दूध अऊ मंधरस के धारा बोहाथे'—येह ओ देस अय, जेमा आज तुम्हर अधिकार हे।"
मेंह जबाब देंव, "हे यहोवा, अइसने ही होवय।"
6 तब यहोवा ह मोला कहिस, "यहूदा के नगरमन म अऊ यरूसलेम के गलीमन म ये जम्मो बात के परचार कर: 'ये करार के नियममन ला सुनव अऊ ओकर मुताबिक चलव।
7 जब ले मेंह तुम्हर पुरखामन ला मिसर देस ले निकालके लानेंव, तब ले लेके आज तक, मेंह ओमन ला घेरी-बेरी चेतउनी देके कहेंव, "मोर बात ला मानव।"
8 पर ओमन मोर बात ला नइं सुनिन अऊ धियान नइं दीन; ओकर बदले, ओमन अपन दुस्ट हिरदय के जिद्दी सुभाव म चलिन। एकरसेति मेंह ओमन के ऊपर ओ करार के जम्मो सराप ला लानेंव, जेला माने के हुकूम मेंह ओमन ला देय रहेंव, पर ओमन नइं मानिन।' "
9 तब यहोवा ह मोला ये घलो कहिस, "यहूदा के अऊ यरूसलेम म रहइया मनखेमन के बीच म एक साजिस चलत हे।
10 ओमन अपन ओ पुरखामन के पाप कोति लहुंट गे हवंय, जऊन मन मोर बात ला सुने ले इनकार करिन। ओमन आने देवतामन के सेवा करे बर ओमन के पाछू चले गे हवंय। इसरायल अऊ यहूदा दूनों मोर ओ करार ला टोर दे हवंय, जेला मेंह ओमन के पुरखामन के संग करे रहेंव।

* **11:5** बहुंत उपजाऊ देस

11 एकरसेति, यहोवा ह ये कहत हे: 'मेंह ओमन ऊपर अइसने बिपत्ति लानहूं, जेकर ले ओमन बच नइं सकंय।
हालाकि ओमन आके मोर करा रोहीं, पर मेंह ओमन के नइं सुनहूं।
12 यहूदा के नगरमन के मनखे अऊ यरूसलेम के मनखेमन जाके ओ देवतामन करा रोहीं, जेमन बर ओमन
धूप जलाथें, पर ओ देवतामन बिपत्ति के बेरा ओमन के कुछू मदद नइं करहीं।
13 हे यहूदा के मनखेमन, जतेक तुम्हर नगरमन हवंय, ओतेक ही तुम्हर देवतामन हवंय; अऊ जतेक यरूसलेम
के गलीमन हवंय, ओतेक तुमन ओ कलंकित बाल देवता के आघू म धूप जलाय बर बेदीमन ला बनाय हवव।'
14 "एकरसेति, हे यरमियाह, ये मनखेमन बर पराथना झन कर या येमन बर कोनो बिनती या निबेदन झन कर,
काबरकि अपन दुख के बेरा म, जब येमन मोला पुकारहीं, त मेंह येमन के नइं सुनंव।
15 "मोर मयारू ह मोर मंदिर म का करत हे
ओह कतको आने मन संग मिलके अपन दुस्ट योजना ला पूरा करत हे?
का पबितर करे गे मांस ह तोर सजा ला दूरिहा कर सकथे?
जब तेंह दुस्टता करे म लगे रहिथस,
तभे तेंह खुस होथस।"

16 यहोवा ह तोला
एक हरियर, सुघर फरवाला जैतून रूख कहे रिहिस।
पर एक भयंकर आंधी के गरजन के संग,
ओह येमा आगी लगा दीही,
अऊ येकर डारामन ला टोर दिये जाही।
17 सर्वसक्तिमान यहोवा, जऊन ह तोला लगाईस, ओह तोर ऊपर बिपत्ति लाने के फैसला करे हवय, काबरकि
इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन दुस्ट काम करे हवंय अऊ बाल देवता बर धूप जलाके मोर गुस्सा ला भड़काय
हवंय।

[illegible]
18 यहोवा ह ओमन के साजिस ला मोर करा परगट करिस, एकरसेति मेंह येला जान डारेंव, काबरकि ओ बेरा,
ओह मोला देखाईस कि ओमन का करत रिहिन।
19 मेंह बध होवइया एक सीधा-साधा मेढ़ा-पीला सहीं रहेंव; मेंह नइं जानत रहेंव कि ओमन ये कहिके मोर
बिरूध म साजिस करे रिहिन,
"आवव, हमन ओ रूख ला ओकर फर समेत नास कर देवन;
आवव, हमन ओला जीयतमन के बीच ले काट देवन,
ताकि ओकर नांव ला अऊ सुरता झन करे जावय।"
20 पर, हे सर्वसक्तिमान यहोवा, तें, जऊन ह सच्चई से नियाय करथस
अऊ हिरदय अऊ मन ला परखथस,
तेंह मोला देखा कि तेंह ओमन ले बदला लेथस,
काबरकि मेंह अपन मामला ला तोर हांथ म छोंड़ दे हवंव।
21 एकरसेति यहोवा ह अनातोत नगर के ओ मनखेमन के बारे म कहत हे, जऊन मन ये कहिके तोला मार डारे
के धमकी देवत हें, "यहोवा के नांव म अगमबानी झन कर, नइं तो तेंह हमर हांथ ले मारे जाबे"—
22 एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "मेंह ओमन ला सजा दूहूं। ओमन के जवान मनखेमन
तलवार ले मारे जाहीं, अऊ ओमन के बेटा-बेटीमन अकाल के कारन मरहीं।
23 ओमा के एको झन घलो नइं बांचहीं, काबरकि मेंह ओमन के सजा के बछर म अनातोत के मनखेमन ऊपर
बिपत्ति लानहूं।"

12

[illegible]
1 हे यहोवा, जब भी मेंह अपन मामला तोर आघू म लानथंव;

तेंह हमेसा धरमी ठहिरथस।
तभो ले मेंह तोर संग तोर नियाय के बारे म गोठियाहूं:
दुस्टमन के काम ह काबर बढ़थे?
काबर बेईमान मनखेमन सुख म रहिथें?
2 तेंह ओमन ला रोपे हस, ओमन जरी धरे हवंय;
ओमन बढ़थें अऊ फरथें।
ओमन के मुहूं म हमेसा तोर नांव हवय
पर तेंह ओमन के मन ले दूरिहा हस।
3 तभो ले, हे यहोवा, तेंह मोला जानत हस;
तेंह मोला देखथस अऊ तोर बारे म मोर बिचार ला परखथस।
जइसने भेड़ ला काटे बर ले जाथें, वइसने ओमन ला खींचके ले जा!
बध के दिन बर ओमन ला अलग रख!
4 कब तक देस म सूखा पड़े रहिही
अऊ जम्मो मैदान के घांस ह सूखाय रहिही?
काबरकि जऊन मन येमा रहिथें, ओमन दुस्ट अंय,
एकरसेति पसु अऊ चिरईमन नास हो गीन।
तभो ले मनखेमन कहत हें,
"हमर का होही, ओह* येला नइं देखही।"

[illegible] [illegible] [illegible]

5 "यदि तेंह मनखेमन के संग दऊड़े हस
अऊ ओमन तोला थका दे हवंय,
त फेर तेंह घोड़ामन के संग कइसे मुकाबला करबे?
यदि तेंह सांति के ये देस म लड़खड़ावत हस,
त फेर यरदन नदी के झाड़ीमन के बीच म कइसे करबे?
6 तोर रिस्तेदार, तोर खुद के परिवार के मनखेमन घलो
तोला धोखा देय हवंय;
ओमन तोर बिरूध म बहुंत चिचियाय हवंय।
एकरसेति यदि ओमन तोर बारे म बने गोठियाथें,
तभो ले ओमन ऊपर भरोसा झन करबे।

7 "मेंह अपन घर ला तियाग दूहूं,
अपन उत्तराधिकार† ला छोंड़ दूहूं;
मेंह जऊन ला मया करथंव
ओला ओकर बईरीमन के हांथ म कर दूहूं।
8 मोर उत्तराधिकार ह मोर बर
जंगल के एक सेर सहीं हो गे हवय।
ओह मोर ऊपर गरजथे;
एकरसेति मेंह ओकर ले घिन करथंव।
9 का मोर उत्तराधिकार ह मोर बर
धब्बावाले सिकार के चिरई सहीं नइं हो गे हवय
जऊन ला आने सिकारी चिरईमन घेरके हमला करथें?
जावव अऊ जम्मो जंगली पसुमन ला इकट्ठा करव;
ओमन ला लानव कि खा जावंय।
10 बहुंत चरवाहामन मोर अंगूर के बारी ला नास कर दीहीं

* **12:4** या [illegible] † **12:7** या [illegible]

अऊ मोर बारी ला कुचर दीहीं;
ओमन मोर बने बारी ला
उजारके बेकार कर दीहीं।
11 ओला मोर आघू म
बेकार, सूखा अऊ उजाड़ कर दिये जाही;
जम्मो देस ह बेकार पड़े रहिही
काबरकि ओकर देखरेख करइया कोनो नइं एं।
12 सुन्ना जगह के जम्मो बेकार टीलामन ऊपर
नास करइयामन जूरहीं,
काबरकि यहोवा के तलवार ह
देस के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक मारही;
कोनो सुरकछित नइं रहिहीं।
13 ओमन गहूं तो बोहीं पर कांटामन ला लूहीं;
ओमन काम करके अपनआप ला थकाहीं, पर ओमन ला कुछू नइं मिलही।
यहोवा के भयंकर गुस्सा के कारन
ओमन अपन कटनी के बिसय म लज्जित होहीं।"
14 यहोवा ह ये कहत हे: "जहां तक मोर ओ जम्मो दुस्ट परोसीमन के बात ए, जऊन मन मोर इसरायली मनखेमन ला दिये उत्तराधिकार ऊपर कब्जा करत हें, ओमन ला मेंह ओमन के देस ले उखान दूहूं अऊ मेंह यहूदा के मनखेमन ला घलो ओमन के बीच म ले उखान दूहूं।
15 पर ओमन ला उखाने के बाद, मेंह ओमन ऊपर दया करहूं अऊ ओमा ले हर एक झन ला ओमन के उत्तराधिकार के जगह अऊ ओमन के देस म फेर वापिस लानहूं।
16 अऊ यदि ओमन मोर मनखेमन के चाल ला बने करके सीखंय अऊ ये कहिके मोर ही नांव के किरिया खावंय, 'यहोवा के जिनगी के कसम'—जइसे कि एक बार, ओमन मोर मनखेमन ला बाल देवता के किरिया खाय बर सिखोय रिहिन—तब ओमन ला मोर मनखेमन के बीच म बसाय जाही।
17 पर यदि ओमा के कोनो जाति ह नइं सुनही, त फेर मेंह ओला पूरा उखानके नास कर दूहूं," यहोवा ह ये घोसना करत हे।

13

[illegible]

1 यहोवा ह मोर ले ये कहिस: "जा अऊ सन के एक पट्टा बिसा अऊ ओला अपन कनिहां म बांध ले, पर ओला पानी म झन छुआबे।"
2 तब यहोवा के कहे मुताबिक मेंह एक पट्टा बिसोंय अऊ ओला अपन कनिहां म बांध लेंव।
3 तब यहोवा के ये बचन दूसर बार मोर मेर आईस:
4 "जऊन पट्टा ला तेंह बिसाके अपन कनिहां म बांधे हस, ओला ले अऊ फरात नदी म जाके उहां चट्टानमन के दरार म लुका दे।"
5 तब यहोवा के कहे मुताबिक मेंह जाके ओला फरात नदी म लुका देंव।
6 बहुंत दिन के बाद, यहोवा ह मोला कहिस, "अब फरात नदी म जा अऊ ओ पट्टा ला लेय ले, जऊन ला मेंह तोला उहां लुकाय बर कहे रहेंव।"
7 तब मेंह फरात नदी करा गेंव अऊ पट्टा ला खनके उहां ले निकाल लेंव, जिहां मेंह ओला लुकाय रहेंव, पर अब ओह खराप होके पूरा बेकार हो गे रहय।
8 तब यहोवा के ये बचन मोर करा आईस:
9 "यहोवा ह ये कहत हे: 'इही किसम ले, मेंह यहूदीमन के घमंड अऊ यरूसलेम के बड़े घमंड ला नास कर दूहूं।
10 ये दुस्ट मनखे, जेमन मोर बात ला सुने ले इनकार करथें, जेमन अपन मन के जिद्दी सुभाव म चलथें अऊ आने देवतामन के सेवा अऊ अराधना करे बर ओमन के पाछू चलथें; ओमन ये पट्टा सहीं हो जाहीं—पूरा बेकार!

11 काबरकि जइसने एक पट्टा ह कनिहां के चारों कोति बांधे जाथे, वइसने ही मेंह इसरायल के जम्मो मनखे
अऊ यहूदा के जम्मो मनखेमन ला अपन म बांधेंव कि ओमन मोर कीरति अऊ परसंसा अऊ आदर बर मोर
मनखे होवंय। पर ओमन नइं सुनिन,' यहोवा ह ये घोसना करत हे।

[illegible]

12 "एकरसेति तें ओमन ला कह: 'यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: अंगूर के मंद रखे के हर एक
चाम के थैली ह अंगूर के मंद ले भरे जावय।' अऊ यदि ओमन तोर ले कहंय, 'का हमन नइं जानन कि अंगूर के
मंद रखे के हर एक चाम के थैली ला अंगूर के मंद ले भर दिये जाना चाही?'
13 तब ओमन ला कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: ये देस म रहइया जम्मो झन ला, मेंह मतवारपन ले भर
देनेवाला हंव—येमा दाऊद के सिंघासन म बईठइया राजामन, पुरोहितमन, अगमजानीमन अऊ यरूसलेम म
रहइया जम्मो मनखेमन होहीं।
14 मेंह ओमन ला एक-दूसर ले टकराके कुटा-कुटा कर दूहूं; दाई-ददा अऊ लइकामन ला एक समान, यहोवा ह
घोसना करत हे। ओमन ला नास करे म, मेंह कोनो दया या किरपा या सहानुभूति नइं देखाहूं।' "

[illegible]

15 सुनव अऊ धियान देवव,
जिद्दी झन बनव,
काबरकि यहोवा ह कहे हवय।
16 यहोवा अपन परमेसर ला महिमा देवव,
एकर पहिली कि ओह अंधियार ला लानय,
एकर पहिली कि तुम्हर गोड़ ह
अंधियार वाले पहाड़ी म ठोकर खावय।
तुमन अंजोर के आसा करथव,
पर ओह ओला बिरबिट अंधियार कर दीही
अऊ ओला घोर अंधियार म बदल दीही।
17 यदि तुमन नइं सुनहू,
त तुम्हर घमंड के कारन
मेंह मने-मन रोहूं;
मेंह अतेक जादा रोहूं
कि मोर आंखीमन ले आंसू बहे लगही,
काबरकि यहोवा के झुंड ला बंधुवई म ले जाय जाही।

18 राजा अऊ राज-माता ला कह,
"अपन सिंघासनमन ले खाल्हे उतरव,
काबरकि तुम्हर सोभा देवइया मुकुटमन
तुम्हर मुड़ीमन ले गिर जाहीं।"
19 नेगेव के सहरमन बंद हो जाहीं,
अऊ ओमन ला खोले बर कोनो नइं होहीं।
जम्मो यहूदा ला बंधुवई म ले जाय जाही,
ओमन पूरा बंधुवई म चल दीहीं।

20 आंखी उठाके ओमन ला देख
जऊन मन उत्तर दिग ले आवत हें।
ओ झुंड कहां हवय, जऊन ह तोला सऊंपे गे रिहिस,
ओ भेड़मन, जेमन ऊपर तेंह घमंड करत रहय?
21 तेंह का कहिबे, जब यहोवा ह तोर ऊपर ओमन ला मुखिया ठहिरा दीही,

जऊन मन ला तेंह अपन बिसेस संगवारी बनाय रहय?
त का पीरा ह एक छेवारी माईलोगन के पीरा सहीं
तोला नइं जकड़ लीही?
22 यदि तेंह अपनआप ले पुछथस,
“अइसने मोर संग काबर होईस?”—
काबरकि तोर बहुंत पाप के कारन
तोर लंहगा ला चीरे गे हवय
अऊ तोर देहें के दुरगति करे गे हवय।
23 का कोनो इथोपीयन* अपन चाम ला
या कोनो चीतवा ह अपन धब्बामन ला बदल सकत हे?
वइसने तेंह घलो भलई के काम नइं कर सकस
काबरकि बुरई के काम करे के तोर आदत हो गे हवय।

24 “मेंह भूंसा सहीं तोला बगरा दूहूं
जऊन ह कि सुन्ना जगह के हवा ले उड़ियाथे।
25 येह तोर हिस्सा ए,
ओ भाग, जेला मेंह तोर बर ठहिराय हंव,” यहोवा ह ये घोसना करत हे,
“काबरकि तेंह मोला भुला गे हवस
अऊ लबरा देवतामन ऊपर भरोसा करे हवस।
26 एकरसेति मेंह तोर लंहगा ला तोर मुहूं तक उठा दूहूं
ताकि तोर लज्जा ला देखे जा सकय—
27 तोर बेभिचार अऊ वासना के अवाज,
तोर निरलज बेस्यापन ला देखे जा सकय!
मेंह पहाड़ीमन ऊपर अऊ मैदानमन म
तोर घिनित काममन ला देखे हंव।
हे यरूसलेम, तोर ऊपर हाय!
तेंह कब तक असुध रहिबे?”

14

[illegible], [illegible], [illegible]
1 सूखा पड़े के बिसय म, यहोवा के ये बचन यरमियाह करा आईस:
2 “यहूदा ह बिलाप करत हे,
ओकर नगरमन तड़फत हें;
ओमन देस बर सोक मनावत हें,
अऊ यरूसलेम ले चिचियाय के अवाज उठत हे।
3 बड़े मनखेमन अपन सेवकमन ला पानी बर पठोथें;
ओमन तरिया म जाथें
ओमन ला पानी नइं मिलय।
ओमन अपन खाली बरतन लेके लहुंटथें;
डराके अऊ निरास होके,
ओमन अपन मुड़ ला ढांप लेथें।
4 भुइयां ह फाट गे हवय
काबरकि देस म पानी नइं बरसत हे;
किसानमन डरा गे हवंय
अऊ अपन मुड़मन ला ढांप लेवत हें।

* **13:23** इबरानी म *[illegible]* (संभवत: ऊपरी नील नदी के इलाका के एक मनखे)

5 अऊ त अऊ हिरनी ह मैदान म
अपन नवां जनमे लइका ला छोंड़ देवत हे
काबरकि उहां कांदी नइं ए।
6 जंगली गदहामन बंजर टीलामन म ठाढ़े हवंय
अऊ सियार सहीं हांफत हवंय;
जेवन के कमी के कारन
ओमन के आंखी ले नइं दिखत हे।"

7 हालाकि हमर पापमन हमर बिरूध म गवाही देवत हवंय,
तभो ले, हे यहोवा, अपन नांव के हित म कुछू कर।
काबरकि हमन अकसर बिदरोह करे हवन;
हमन तोर बिरूध म पाप करे हवन।
8 तें, जऊन ह कि इसरायल के आसा अस,
संकट के बेरा म ओकर बचानेवाला अस,
तेंह काबर ये देस म अजनबी सहीं हवस,
एक राहगीर सहीं जऊन ह सिरिप एक रात रूकथे?
9 तेंह काबर एक अचम्भो करे मनखे सहीं हो गे हस,
एक अइसने योद्धा, जऊन म कोनो ला बचाय बर सक्ति नइं ए?
हे यहोवा, तेंह हमर बीच म हवस,
अऊ हमर करा तोर नांव हवय;
एकरसेति हमन ला झन तियाग दे!
10 यहोवा ह ये मनखेमन के बारे म ये कहत हे:
"येमन ला एती-ओती भटकई बने लगथे;
येमन कुकरम करे बर अपन गोड़ ला नइं रोकंय।
एकरसेति यहोवा ह येमन ला गरहन नइं करय;
ओह अब येमन के दुस्टता ला सुरता करही
अऊ ओमन के पाप के सजा ओमन ला दीही।"
11 तब यहोवा ह मोला कहिस, "ये मनखेमन के भलई बर पराथना झन कर।
12 चाहे ओमन उपास घलो करंय, तभो ले मेंह ओमन के पुकार ला नइं सुनहूं; चाहे ओमन होम-बलिदान अऊ अन्न-बलिदान चघावंय, तभो ले मेंह ओमन ला गरहन नइं करहूं। पर मेंह ओमन ला तलवार, अकाल अऊ महामारी ले नास करहूं।"
13 पर मेंह कहेंव, "हाय, हे परमपरधान यहोवा! अगमजानीमन ओमन ला कहत रहिथें, 'तुम्हर ऊपर न तो तलवार चलही अऊ न ही अकाल पड़ही। वास्तव म, मेंह तुमन ला ये जगह म सदा के सांति दूहूं।' "
14 तब यहोवा ह मोला कहिस, "ये अगमजानीमन मोर नांव म लबारी अगमबानी करत हवंय। मेंह ओमन ला नइं पठोय हंव अऊ न तो ओमन ला ठहिराय हंव अऊ न ही ओमन ले गोठियाय हंव। ओमन तुमन ले अपन खुद के मन के लबारी दरसन, सकुन, मूरती-पूजा अऊ भरम के अगमबानी करत हवंय।
15 एकरसेति, जऊन अगमजानीमन मोर नांव म अगमबानी करत हवंय, ओमन के बारे म यहोवा ह ये कहत हे: मेंह ओमन ला नइं पठोय हवंव, तभो ले ओमन कहत हवंय, 'ये देस म न तो तलवार चलही, अऊ न ही अकाल पड़ही।' ओही अगमजानीमन ही तलवार अऊ अकाल के दुवारा नास होहीं।
16 अऊ जऊन मनखेमन बर ओमन अगमबानी करत हवंय, ओमन ला अकाल अऊ तलवार के कारन बाहिर यरूसलेम के गलीमन म फटिक दिये जाही। ओमन ला, ओमन के घरवालीमन ला अऊ ओमन के बेटा-बेटीमन ला उहां माटी देय बर कोनो नइं होहीं। ओमन के बुरई के मुताबिक, मेंह ओमन ऊपर बिपत्ति लानहूं।

17 "तें ओमन ले ये बात कह:
" 'मोर आंखीमन ले रात अऊ दिन

बिगर रूके आंसू बहते रहय;
काबरकि कुंवारी बेटी, मोर मनखेमन ला
भारी चोट लगे हवय,
ओमन कुचरे गे हवंय।
18 यदि मेंह मैदानी भाग म जाथंव,
त मेंह ओमन ला देखथंव, जऊन मन तलवार ले मारे गे हवंय;
यदि मेंह सहर म जाथंव,
त अकाल ले नास होय चीजमन ला देखथंव।
अगमजानी अऊ पुरोहित दूनों
एक अइसने देस म चले गे हवंय, जेला ओमन नइं जानंय।' "

19 हे यहोवा, का तेंह यहूदा ला पूरा इनकार कर दे हस?
का तेंह सियोन ला तुछ समझथस?
तेंह काबर हमन ला अइसने पीरा दे हवस
कि हमन चंगा नइं हो सकन?
हमन सांति के आसा करेंन
पर हमर कुछू भलई नइं होईस,
हमन बने समय के आसा करत रहेंन
पर सिरिप आतंक ही मिलिस।
20 हे यहोवा, हमन अपन दुस्टता,
अऊ अपन पुरखामन के अपराध ला मान लेवत हन;
हमन सही म, तोर बिरूध म पाप करे हन।
21 अपन नांव के हित म, हमन ला तुछ झन जान;
अपन महिमामय सिंघासन के अपमान झन कर।
हमर संग करे अपन करार ला सुरता कर
अऊ ओला झन टोर।
22 का जातिमन के बेकार मूरतीमन बरसात कर सकत हें?
का अकास ह खुद पानी के झड़ी लगा सकत हे?
नइं, पर हे यहोवा, हमर परमेसर, सिरिप तेंह ये सब करथस?
एकरसेति तोर ऊपर हमर आसा हवय,
काबरकि ये जम्मो काम, सिरिप तें ही करथस।

15

1 तब यहोवा ह मोला कहिस: "अऊ त अऊ यदि मूसा अऊ समूएल घलो मोर आघू म बिनती करत ठाढ़ होतिन, तब भी मोर मन ह ये मनखेमन कोति नइं फिरतिस। येमन ला मोर आघू ले निकाल दे! ओमन ला जावन दे!
2 अऊ यदि ओमन तोर ले पुछथें, 'हमन कहां जाबो?' त ओमन ला बता, 'यहोवा ह ये कहत हे:
" 'जेमन बर मरना लिखे हवय, ओमन मर जावंय;
जऊन मन ला तलवार ले मरना हे, ओमन तलवार ले मरंय;
जऊन मन ला भूख ले मरना हे, ओमन भूख ले मरंय;
जऊन मन ला बंधुवई म जाना हे, ओमन बंधुवई म चले जावंय।'
3 "मेंह ओमन के बिरूध म चार किसम के बिनास करइयामन ला पठोहूं," यहोवा ह ये घोसना करत हे, "मार डारे बर तलवार, घिल्लाके ले जाय बर कुकुर, अऊ चीथ खाय बर अऊ नास करे बर चिरई अऊ जंगली पसु।
4 हिजकियाह के बेटा, यहूदा के राजा मनस्से ह जऊन दुस्ट काम यरूसलेम म करे हवय, ओकर कारन मेंह ओमन ला धरती के जम्मो राजमन म घिनौना कर दूहूं।

5 “हे यरूसलेम, तोर ऊपर कोन ह दया करही?
तोर बर कोन ह सोक मनाही?
कोन ह रूकके तोर हालचाल पुछही?
6 तेंह मोला अस्वीकार करे हस,”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
“तेंह मोर ले अऊ पाछू हटत जावत हस।
एकरसेति मेंह हांथ बढ़ाके तोला नास कर दूहूं;
मेंह तरस खा-खाके थक गे हंव।
7 मेंह ओमन ला देस के सहर के दुवारमन म
सूपा ले पछरहूं।
मेंह अपन मनखेमन ऊपर मिरतू-सोक अऊ बिनास लानहूं,
काबरकि ओमन अपन चालचलन ला नइं बदले हवंय।
8 मेंह ओमन के बिधवामन के गनती ला
समुंदर के बालू ले घलो जादा कर दूहूं।
दिन के मंझन के बेरा, मेंह एक नास करइया ला
जवानमन के दाईमन के बिरूध लानहूं;
अचानक मेंह ओमन ऊपर
पीरा अऊ आतंक लानहूं।
9 सात झन के दाई ह दुरबल हो जाही
अऊ अपन आखिरी सांस लीही।
दिन के रहत ही ओकर सूरज ह बुड़ जाही;
ओह कलंकित अऊ अपमानित होही।
जऊन मनखेमन बच गे होहीं, ओमन ला
मेंह ओमन के बईरीमन के आघू म तलवार ले मरवाहूं,”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।

10 हाय, हे मोर दाई, कि तेंह मोला जनमाय,
एक अइसने मनखे, जेकर संग पूरा देस बिबाद अऊ झगरा करत हे!
मेंह न तो उधार दे हंव अऊ न ही उधार ले हंव,
तभो ले जम्मो झन मोला कोसत हवंय।
11 यहोवा ह कहिस,
“खचित मेंह तोला भलई बर छोंड़ दूहूं;
खचित मेंह बिपत्ति अऊ दुख के बेरा म
तोर बईरीमन ला तोर ले बिनती करवाहूं।

12 “का कोनो मनखे ह लोहा ला टोर सकत हे—
उत्तर दिग के लोहा—या तांबा ला?

13 “अपन जम्मो देस म
तोर जम्मो पाप के कारन,
मेंह तोर धन-संपत्ति अऊ खजाना ला
बिगर कोनो दाम के लूट म दे दूहूं।
14 एक अइसने देस म, जेला तेंह नइं जानस
मेंह तोला तोर बईरीमन के गुलाम बना दूहूं,
काबरकि मोर गुस्सा के आगी ह भड़कही

अऊ येह तोला जलाही।”

15 हे यहोवा, तेंह समझथस;
मोला सुरता कर अऊ मोर खियाल रख।
मोर सतानेवालामन ले मोर बदला ले।
तेंह धीरज धरइया अस—मोला दूरिहा झन कर;
सोच कि तोर खातिर मेंह कइसे निन्दा सहे हवंव।
16 जब तोर बचन ह आईस, त मेंह ओला अपन मन म रखेंव;
अऊ ओकर ले आनंदित अऊ खुस रहेंव,
काबरकि, हे यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर,
मेंह तोर नांव ले जाने जाथंव।
17 मेंह कभू मऊज-मस्ती करइयामन संग नइं बईठेंव,
अऊ ओमन संग कभू खुसी नइं मनायेंव;
मेंह अकेला बईठेंव, काबरकि तोर हांथ मोर ऊपर रिहिस
अऊ तेंह मोला गुस्सा ले भर दे रहय।
18 मोर पीरा ह काबर खतम नइं होवय
अऊ मोर घाव ह काबर दुख देवत हे अऊ बने नइं होवय?
तेंह मोर बर एक धोखा देवइया छोटे झरना सहीं अस,
ओ झरना जऊन ह सूखा जाथे।
19 एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे:
“यदि तेंह पछ्ताप करबे, त मेंह तोला पहिले सहीं बने कर दूहूं
ताकि तें मोर सेवा कर सकस;
यदि तेंह बेकार के बात नइं, पर सही बात कहिबे,
त तेंह मोर तरफ ले गोठियानेवाला होबे।
ये मनखेमन तोर कोति फिरंय,
पर तें ओमन कोति बिलकुल झन फिरबे।
20 मेंह तोला ये मनखेमन बर एक दीवार बना दूहूं,
कांसा के एक गढ़वाला दीवार;
ओमन तोर बिरूध म लड़हीं
पर तोला जीत नइं सकहीं,
काबरकि तोला छोंड़ाय अऊ बचाय बर
मेंह तोर संग हवंव,”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
21 “मेंह तोला दुस्ट मनखेमन के हांथ ले बचाहूं
अऊ निरदयी मनखेमन के पकड़ ले छोंड़ाहूं।”

16

[illegible]

1 तब यहोवा के ये बचन फेर मोर करा आईस:
2 “ये जगह म, तेंह बिहाव झन करबे अऊ इहां तोर बेटा-बेटी झन जनमाबे।”
3 काबरकि जऊन बेटा-बेटीमन ये देस म जनमहीं अऊ जऊन दाई-ददामन ओमन ला जनमाहीं, ओमन के बारे म यहोवा ह ये कहत हे:
4 “ओमन जान-लेवा बेमारीमन ले मरहीं। ओमन बर कोनो सोक नइं मनाहीं अऊ न ही ओमन ला माटी दिये जाही, पर ओमन सूखाय गोबर सहीं भुइयां म पड़े रहिहीं। ओमन तलवार अऊ अकाल ले मारे जाहीं, अऊ ओमन के लासमन चिरई अऊ जंगली पसुमन के जेवन होहीं।”

5 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे: "जऊन घर म मिरतू-भोज होवत हे, ओ घर म झन जा; उहां सोक मनाय बर
या सहानुभूति देखाय बर झन जा, काबरकि मेंह ये मनखेमन ले अपन आसीस, अपन मया अऊ अपन दया ला
लेय ले हंव," यहोवा ह ये घोसना करत हे।
6 "छोटे अऊ बड़े दूनों मनखे ये देस म मरहीं। ओमन ला न तो माटी दिये जाही अऊ न ही ओमन बर सोक
मनाय जाही, अऊ मरे मनखे बर दुख परगट करे बर कोनो अपनआप ला नइं काटहीं अऊ न ही मुड़ मुड़ाहीं।
7 मरे मनखे बर जऊन ह सोक मनाही, ओला अराम देय बर कोनो जेवन नइं दीहीं—अऊ त अऊ काकरो दाई
या ददा के मरे म घलो—अऊ न ही सोक मनइयामन ला सांति देय बर, कोनो कुछू पीये बर दीहीं।
8 "अऊ जऊन घर म भोज होवथे, उहां झन जाबे अऊ उहां बईठके झन खाबे-पीबे।
9 काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: तोर देखत म अऊ तोर दिन म ही, मेंह
आनंद अऊ खुसी के अवाज अऊ दूल्हा अऊ दुलहिन के अवाज ला ये जगह म खतम कर दूहूं।
10 "जब तेंह ये मनखेमन ला ये जम्मो बात कहिबे अऊ ओमन तोर ले पुछहीं, 'यहोवा ह हमर ऊपर अइसने
बड़े बिपत्ति के हुकूम काबर देय हवय? हमन का गलत करे हवन? हमन यहोवा हमर परमेसर के बिरूध म का
पाप करे हन?'
11 तब तें ओमन ला कह, यहोवा ह ये घोसना करत हे: 'काबरकि तुम्हर पुरखामन मोला तियाग दीन, अऊ
आने देवतामन के पाछू चलिन अऊ ओमन के सेवा अऊ अराधना करिन। ओमन मोला तियाग दीन अऊ मोर
कानून के पालन नइं करिन।
12 पर तुमन तुम्हर पुरखामन ले घलो जादा दुस्टता के काम करे हवव। देखव, तुमन मोर हुकूम माने के बदले,
कइसे अपन दुस्टता के जिद्दी सुभाव म चलत हवव।
13 एकरसेति मेंह तुमन ला ये देस ले उखानके एक अइसने देस म फेंक दूहूं, जेला न तो तुमन जानत हव अऊ
न ही तुम्हर पुरखामन जानत रिहिन, अऊ उहां तुमन रात अऊ दिन आने देवतामन के सेवा करहू, काबरकि मेंह
तुम्हर ऊपर कुछू किरपा नइं करहूं।'
14 "जइसन भी हो, अइसने दिनमन आवत हें," यहोवा ह घोसना करत हे, "जब ये फेर नइं कहे जाही, 'ओ
यहोवा के जिनगी के कसम, जऊन ह इसरायलीमन ला मिसर देस ले निकालके ले आईस,'
15 पर ये कहे जाही, 'ओ यहोवा के जिनगी के कसम, जऊन ह इसरायलीमन ला उत्तर के देस ले अऊ ओ
जम्मो देसमन ले निकालके ले आईस, जिहां ओह ओमन ला बंधुवा कर दे रिहिस।' काबरकि मेंह ओमन ला ओ
देस म लहुंटाके ले आहूं, जऊन ला मेंह ओमन के पुरखामन ला देय रहेंव।
16 "यहोवा ह ये घोसना करत हे: पर अब मेंह बहुंत मछुआरमन ला बुलवाहूं, अऊ ओमन ये मनखेमन ला
पकड़ लीहीं। ओकर बाद मेंह बहुंत सिकारीमन ला बुलवाहूं, अऊ ओमन ये मनखेमन ला हर पहाड़ अऊ पठार
अऊ चट्टानमन के दरारमन म खोजहीं।
17 मोर आंखीमन ओमन के जम्मो चालचलन ला देखत हवंय; ओमन मोर ले लुकाय नइं एं, अऊ न ही ओमन
के पाप ह मोर नजर ले लुकाय हवय।
18 मेंह ओमन के अधरम अऊ पाप के दू गुना सजा दूहूं, काबरकि ओमन मोर देस ला अपन निरजीव बेकार
चीजमन ले असुध कर दे हवंय अऊ मोर निज भाग ला अपन घिनौना मूरतीमन ले भर दे हवंय।"
19 हे यहोवा, हे मोर ताकत अऊ मजबूत गढ़,
संकट के बेरा म मोला सरन देवइया,
जाति-जाति के मनखेमन धरती के छोर ले
तोर करा आहीं अऊ कहिहीं,
"हमर पुरखामन जुच्छा के देवतामन ला रखे रिहिन,
ओमन बेकार के मूरतीमन रिहिन अऊ ओमन के दुवारा हमर पुरखामन के कुछू भलई नइं होईस।
20 का मनखेमन अपन खुद के देवतामन ला बनाथें?
हव, पर ओमन देवता नो हंय!"

21 "एकरसेति मेंह ओमन ला सिखाहूं—

ये बेरा मेंह ओमन ला
अपन बल अऊ ताकत ला देखाहूं।
तब ओमन जानहीं
कि मोर नांव यहोवा अय।”

17

1 “यहूदा के पाप ह लोहा के कलम,
अऊ चकमक पथरा के छोर ले,
ओमन के हिरदय रूपी पटिया
अऊ ओमन के बेदीमन के सींगमन म लिखे गे हवय।
2 अऊ त अऊ ओमन के लइकामन
ओमन के ओ बेदीमन ला अऊ असेरा देवी के खंभामन ला सुरता करथें
जऊन मन फईले हुए रूखमन के बाजू
अऊ ऊंचहा पठारमन ऊपर हवंय।
3 जम्मो जगह म तोर पाप के कारन,
देस म मोर पहाड़,
अऊ तोर धन-संपत्ति अऊ तोर जम्मो खजाना ला,
तोर ऊंचहा जगहमन सहित,
मेंह लूट म तोर बईरीमन ला दे दूहूं।
4 अपन खुद के गलती के कारन
तेंह ओ उत्तराधिकार ला गंवा देबे, जऊन ला मेंह तोला देय रहेंव।
मेंह एक अनजान देस म
तोला तोर बईरीमन के गुलाम बना दूहूं,
काबरकि तेंह मोर गुस्सा रूपी आगी ला भड़काय हस,
अऊ येह हमेसा बरत रहिही।”
5 यहोवा ह ये कहत हे:
“सरापित ए ओ मनखे, जऊन ह मनखे ऊपर भरोसा करथे,
जऊन ह मनखे के सहारा लेथे
अऊ जेकर मन ह यहोवा ले भटक जाथे।
6 ओ मनखे ह बंजर भुइयां के झाड़ी सहीं होही;
अऊ जब उन्नति के समय आही, त ओह ओला नइं देख सकही।
ओह सुन्ना जगह म गरमी ले झुलसत भुइयां म निवास करही,
अइसने नूनचूर भुइयां म निवास करही, जिहां कोनो नइं रहंय।

7 “धइन ए ओ मनखे, जऊन ह यहोवा ऊपर भरोसा करथे,
जेकर भरोसा परमेसर ऊपर हवय।
8 ओह पानी के तीर म लगे रूख के सहीं होही
जेकर जरीमन पानी के सोत म फईले रहिथें।
जब घाम होथे, त येह नइं डरय;
येकर पानमन हमेसा हरियर रहिथें।
साल भर के दुकाल म घलो येह चिंता नइं करय
अऊ समय म फरे ले नइं चुकय।”

9 मन ह जम्मो चीजमन ले जादा धोखा देवइया अय
अऊ येकर ईलाज नइं ए।

येला कोन समझ सकथे?

10 “में यहोवा ह मन ला खोजथंव
अऊ दिमाग ला जांचथंव,
ताकि हर एक मनखे ला ओकर चालचलन के मुताबिक,
अऊ ओकर काम के मुताबिक ईनाम देवंव।”

11 जइसने तीतर ह आने चिरई के देय गार ला सेथे
वइसने ओमन होथें, जऊन मन अनियाय करके धन कमाथें।
जब ओमन के आधा जिनगी खतम हो जाथे, त ओमन के धन ह ओमन ला छोंड़ देथे,
अऊ आखिरी म ओमन मुरूख साबित होथें।

12 सुरू ले ऊपर उठाय गे एक महिमामय सिंघासन ह,
हमर पबितर-स्थान के जगह अय।
13 हे यहोवा, तेंह इसरायल के आसा अस;
जऊन मन तोला तियाग देथें, ओमन लज्जित होहीं।
जऊन मन तोर ले मुहूं फेर लेथें, ओमन के नांव धुर्रा म लिखे जाही
काबरकि ओमन ओ यहोवा ला तियाग दे हवंय,
जऊन ह जीयत पानी के सोता अय।

14 हे यहोवा, मोला चंगा कर, त मेंह चंगा हो जाहूं;
मोला बचा, त मेंह बच जाहूं,
काबरकि मेंह सिरिप तोर ही महिमा करथंव।
15 ओमन मोला कहिते रहिथें,
“यहोवा के बचन कहां हवय?
ओह अभी पूरा होवय!”
16 तोर चरवाहा बने ले मेंह मुहूं नइं मोड़े हंव;
तेंह जानत हस कि मेंह निरासा के दिन के ईछा नइं करे हंव।
मोर मुहूं ले जऊन बात निकलथे, ओला तेंह जानत हस।
17 मोर बर एक आतंक झन बन;
बिपत्ति के दिन म तेंह मोला सरन देवइया अस।
18 मोला सतानेवालामन लज्जित होवंय,
पर मोला लज्जित होय ले बचा;
मोला सतानेवालामन भयभीत होवंय,
पर मोला भयभीत होय ले बचा।
ओमन ऊपर दू गुना बिपत्ति लान;
ओमन ला चकनाचूर कर दे।

[illegible]

19 यहोवा ह मोला ये कहिस: “जा अऊ मनखेमन* के प्रवेस बर जऊन दुवार हे, उहां ठाढ़ हो जा, जिहां ले
यहूदा के राजामन भीतर-बाहिर आथें-जाथें; यरूसलेम के आने जम्मो दुवारमन करा घलो ठाढ़ हो जा,
20 अऊ ओमन ले कह, ‘हे यहूदा के राजामन अऊ जम्मो यहूदीमन अऊ यरूसलेम के जम्मो रहइयामन,
जऊन मन ये दुवारमन ले आथव, यहोवा के बचन ला सुनव।
21 यहोवा ह ये कहत हे: सावधान रहव, बिसराम के दिन कोनो बोझा ला झन उठाववव या कोनो बोझा
यरूसलेम के दुवारमन ले झन लानव।

---

* **17:19** या [illegible]

22 बिसराम के दिन अपन घर ले कोनो बोझा ला बाहिर झन लानव या कोनो काम झन करव, पर जइसने कि
मेंह तुम्हर पुरखामन ला हुकूम देय रहेंव, बिसराम के दिन ला पबितर माने करव।
23 तभो ले ओमन नइं सुनिन या धियान नइं दीन; ओमन हठी रिहिन अऊ ताड़ना देय ले घलो बात ला नइं
सुनिन या नइं मानिन।
24 पर यदि तुमन सावधानी से मोर बात ला मानव, यहोवा ह ये घोसना करत हे, अऊ बिसराम के दिन ये सहर
के दुवारमन ले कोनो बोझा ला झन लानव, पर बिसराम के दिन ला कोनो काम नइं करे के दुवारा पबितर मानव,
25 तब ओ राजा, जऊन मन दाऊद के सिंघासन म बईठहीं, ओमन अपन करमचारीमन संग ये सहर के
दुवारमन ले आहीं। ओमन अऊ ओमन के करमचारीमन रथ अऊ घोड़ामन म सवार होके आहीं, अऊ ओमन के
संग यहूदा के मनखे अऊ यरूसलेम के रहइया मनखेमन घलो आहीं, अऊ ये यरूसलेम सहर म मनखेमन हमेसा
बसे रहिहीं।
26 मनखेमन यहूदा के नगरमन ले अऊ यरूसलेम के आसपास के गांवमन ले, बिनयामीन के छेत्र अऊ पछिम
के पहाड़ी छेत्र ले, पहाड़ी देस अऊ नेगेव† ले, होम-बलिदान अऊ बलिदान, अन्न-बलिदान अऊ लोहबान, अऊ
धनबाद-बलिदान लेके यहोवा के घर म आहीं।
27 पर यदि तुमन मोर बात ला नइं मानहू अऊ बिसराम के दिन यरूसलेम के दुवारमन ले कोनो बोझा उठाके
आय के दुवारा बिसराम के दिन ला अपबितर करहू, त फेर मेंह यरूसलेम के कपाटमन म अइसने आगी लगाहूं,
जऊन ह नइं बुताही अऊ यरूसलेम के महलमन ला जलाके भसम कर दीही।' "

18

[illegible]

1 यहोवा कोति ले ये बचन यरमियाह करा आईस:
2 "खाल्हे कुम्हार के घर म जा, अऊ उहां मेंह तोला अपन संदेस दूहूं।"
3 एकरसेति मेंह कुम्हार के घर गेंव, अऊ मेंह ओला चाक म काम करत देखेंव।
4 पर जऊन माटी के बरतन ओह बनावत रिहिस, ओह ओकर हांथ म बिगड़ गीस; त ओला जइसने बने
लगिस, वइसने ओह ओ माटी ला आने बरतन के आकार दे दीस।
5 तब यहोवा के ये बचन मोर करा आईस।
6 ओह कहिस, "हे इसरायल के मनखेमन, जइसने ये कुम्हार ह करत हे, का मेंह घलो तुम्हर संग वइसने नइं
कर सकत हंव?" यहोवा ह घोसना करत हे। "हे इसरायल, जइसने कुम्हार के हांथ म माटी हवय, वइसने तेंह
घलो मोर हांथ म हस।
7 यदि कोनो भी समय, मेंह घोसना करथंव कि कोनो जाति या राज ला उखान दिये जावय, गिरा दिये जावय
अऊ नास कर दिये जावय,
8 अऊ यदि ओ देस के मनखेमन पाप ले पछताप करथें, जेला मेंह चेतउनी दे रहेंव, तब मेंह धीरज धरहूं अऊ
जऊन बिपत्ति मेंह ओमन ऊपर लाने के ठाने रहेंव, ओला नइं लानहूं,
9 अऊ यदि आने समय म, मेंह घोसना करथंव कि कोनो जाति या राज ला बनाय जावय अऊ जगाय जावय,
10 अऊ यदि ओ जाति मोर नजर म पाप करथे अऊ मोर बात ला नइं मानय, तब मेंह जऊन भलई करे के
इरादा ओमन बर करे रहेंव, ओकर बारे म फेर बिचार करहूं।
11 "एकरसेति अब तें यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: देखव! मेंह तुम्हर बर
एक बिपत्ति तियार करत हंव अऊ तुम्हर बिरूध म एक योजना बनात हंव। एकरसेति तुमन ले हर एक जन अपन
खराप चालचलन ले फिरव अऊ अपन चालचलन अऊ काममन ला सुधारव।'
12 पर ओमन जबाब दीहीं, 'अइसने नइं होवय। हमन अपन ही चालचलन म चलते रहिबो; हमन जम्मो अपन
पापी हिरदय के जिद म बने रहिबो।' "

13 ये खातिर यहोवा ह ये कहत हे:
"जाति-जाति के मनखेमन ले पुछव:

† **17:26** या [illegible]

अइसने बात कोनो कभू सुने हवय?
एक सबले खराप काम
कुंवारी इसरायल* ह करे हवय।
14 का लबानोन के बरफ ह
कभू येकर पथरीला-ढालमन ले गायब होथे?
दूरिहा के सोतमन ले येकर ठंडा पानी
के बहना कभू बंद होथे?
15 तभो ले मोर मनखेमन मोला भुला गे हवंय;
ओमन ओ बेकार के मूरतीमन बर धूप जलाथें,
जऊन मन ओ पुराना जमाना के रसतामन म,
ओमन के ठोकर के कारन बनथें।
ओ मूरतीमन ओमन ला ओ आने रसतामन म चले बर मजबूर करथें,
जऊन रसता ह बने नइं ए।
16 ओमन के देस ह निरजन हो जाही,
अऊ ओकर ले हमेसा घिन करे जाही;
ओ जम्मो, जऊन मन उहां ले होके जाहीं, ओमन डराहीं,
अऊ अचम्भो करके अपन मुड़ ला हलाहीं।
17 पूरब के हवा सहीं,
मेंह ओमन ला ओमन के बईरीमन के आघू म तितिर-बितिर कर दूहूं;
ओमन के बिपत्ति के दिन म,
मेंह ओमन ला अपन मुहूं नइं, पर अपन पीठ देखाहूं।"
18 तब मनखेमन एक-दूसर ला कहिन, "आवव, यरमियाह के बिरूध उपाय करन; काबरकि न तो पुरोहित के दुवारा कानून के सिकछा, न ही बुद्धिमान के सलाह, न ही अगमजानीमन ले बचन ह बंद होही। एकरसेति आवव, हमन अपन बात के दुवारा ओकर ऊपर हमला करन अऊ ओकर कोनो बात ऊपर धियान झन देवन।"
19 हे यहोवा, मोर बात ला सुन;
मोर ऊपर दोस लगानेवालामन का कहत हें, ओला सुन!
20 का भलई के बदले बुरई करे जावय?
तभो ले ओमन मोर बर खंचवा कोड़े हवंय।
सुरता कर कि मेंह तोर आघू म ठाढ़ होके
ओमन बर गोठियाय हंव
ताकि तोर गुस्सा ह ओमन ऊपर ले उतर जावय।
21 एकरसेति ओमन के लइकामन ला अकाल ला देय दे;
ओमन ला तलवार ले कटके मरे बर देय दे।
ओमन के घरवालीमन बिगर लइका के रहंय अऊ बिधवा हो जावंय;
ओमन के मनखेमन मर जावंय,
ओमन के जवानमन लड़ई म तलवार ले मारे जावंय।
22 जब तें ओमन ऊपर अचानक हमला करइयामन ला लानबे,
त ओमन के घरमन ले रोये के अवाज सुनई देवय,
काबरकि ओमन मोला पकड़े बर एक खंचवा कोड़े हवंय
अऊ मोला फंसाय बर फांदा लगाय हवंय।
23 पर हे यहोवा, ओमन मोला मार डारे बर
जऊन उपायमन ला करे हवंय, ओ जम्मो ला तेंह जानत हस।
ओमन के अपराध ला छेमा झन करबे
या ओमन के पाप ला अपन नजर ले झन हटाबे।

* **18:13** याने कि [illegible]

ओमन ला तोर आघू ले उखानके फटिक दिये जावय;
अपन गुस्सा के बेरा म ओमन के लेखा ले।

19

1 यहोवा ह ये कहत हे: "जा अऊ कुम्हार ले माटी के एक ठन सुराही बिसा ले। अपन संग म मनखेमन के अऊ
पुरोहितमन के कुछू अगुवामन ला लेय ले
2 अऊ पोटसर्ड दुवार के लकठा म बेन-हिन्नोम के घाटी करा जा अऊ जऊन बचन मेंह तोला कहत हंव,
ओकर परचार कर,
3 अऊ कह, 'हे यहूदा के राजामन अऊ यरूसलेम के मनखेमन, यहोवा के बचन ला सुनव, सर्वसक्तिमान
यहोवा, इसरायल के परमेसर, ये कहत हे: सुनव! ये जगह म मेंह एक बिपत्ति लानेवाला हंव, जेला सुनके
मनखेमन म सनसनी फईल जाही।
4 काबरकि ओमन मोला तियाग दे हवंय अऊ येला आने देवतामन के जगह बना दे हवंय; ओमन येमा ओ
देवतामन बर धूप जलाय हवंय, जेला न तो ओमन, न ही ओमन के पुरखामन अऊ न ही यहूदा के राजामन कभू
जानत रिहिन, अऊ ओमन ये जगह ला निरदोसमन के खून ले भर दे हवंय।
5 ओमन बाल देवता के ऊंचहा जगहमन ला बनाय हवंय, ताकि ओमन अपन लइकामन ला बाल देवता बर
बलिदान के रूप म आगी म जलावंय—जेकर हुकूम मेंह नइं दे रहेंव या ओकर चरचा नइं करे रहेंव अऊ न ही ये
बात मोर मन म कभू आईस।
6 एकरसेति यहोवा ह ये घोसना करत हे, सचेत रहव, ओ दिनमन आवत हें, जब मनखेमन ये जगह ला तोपेत
या बेन-हिन्नोम के घाटी नइं कहिहीं, पर हतिया के घाटी कहिहीं।
7 " 'ये जगह म मेंह यहूदा अऊ यरूसलेम के योजनामन ला बेकार कर दूहूं। मेंह ओमन ला ओमन के
बईरीमन के आघू म ओ मनखेमन के हांथ ले तलवार ले मरवाहूं, जऊन मन ओमन ला मार डारे चाहत हें, अऊ
मेंह ओमन के लासमन ला जेवन के रूप म चिरई अऊ जंगली पसुमन ला दे दूहूं।
8 मेंह ये सहर ला बरबाद कर दूहूं अऊ येला डर अऊ ठट्ठा के चीज बना दूहूं; ओ जम्मो, जऊन मन इहां ले
होके जाहीं, ओमन येकर बिपत्ति ला देखके डरहीं अऊ येकर हंसी उड़ाहीं।
9 मेंह ओमन ला ओमन के बेटा अऊ बेटीमन के मांस खवाहूं, अऊ ओमन एक-दूसर के मांस खाहीं, काबरकि
ओमन के बईरीमन ओमन ला नास करे बर ओमन के बिरूध सैनिकमन के दुवारा घेराबंदी करवाहीं।'
10 "तब तें ओ सुराही ला ओ मनखेमन के देखत म फोर देबे, जऊन मन तोर संग म जाहीं,
11 अऊ ओमन ले कहिबे, 'सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: जइसने ये कुम्हार के सुराही अऊ येला फेर
बनाय नइं जा सकय, वइसने मेंह ये देस अऊ ये सहर ला कुटा-कुटा कर दूहूं। तोपेत म ओमन अतेक मनखेमन
ला माटी दीहीं कि उहां माटी देय बर अऊ जगह ही नइं बचही।
12 ये जगह के संग अऊ जऊन मन इहां रहिथें, ओमन के संग मेंह अइसने ही करहूं, यहोवा ह ये घोसना करत
हे। मेंह ये सहर ला तोपेत के सहीं कर दूहूं।
13 यरूसलेम के घर अऊ यहूदा के राजामन के महलमन ला, ये जगह तोपेत के सहीं असुध करे जाही—ओ
जम्मो घर जिहां मनखेमन छानी म अकास के जम्मो देवतामन बर धूप जलाय रिहिन अऊ आने देवतामन बर
पेय-बलिदान देय रिहिन।' "
14 तब यरमियाह ह तोपेत ले लहुंटिस, जिहां यहोवा ह ओला अगमबानी करे बर पठोय रिहिस, अऊ यहोवा
के मंदिर के अंगना म ठाढ़ हो गीस अऊ जम्मो मनखेमन ला कहिस,
15 "सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'सुनव! मेंह ये सहर अऊ येकर चारों कोति के
जम्मो गांवमन म हर ओ बिपत्ति लानहूं, जेकर घोसना मेंह ओमन के बिरूध म करे हवंव, काबरकि ओमन हठी
अंय अऊ मोर बचन ला नइं सुनंय।' "

20

1 इम्मेर के बेटा पसहूर पुरोहित ह यहोवा के मंदिर के परधान अधिकारी रिहिस, जब ओह यरमियाह ला ये
अगमबानी करत सुनिस,
2 त पसहूर ह यरमियाह अगमजानी ला पीटवाईस अऊ ओकर गोड़ म बेड़ी लगाके ओला यहोवा के मंदिर म
बिनयामीन के ऊपरी दुवार मेर रख दीस।
3 ओकर दूसर दिन, जब पसहूर ह यरमियाह ला बेड़ी म ले छोंड़िस, त यरमियाह ह ओला कहिस, "यहोवा ह
तोर नांव पसहूर नइं, पर जम्मो कोति के आतंक रखे हे।
4 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे: 'मेंह तोला तोर बर अऊ तोर जम्मो संगवारीमन बर आतंक के कारन बनाहूं;
तेंह खुद अपन आंखी ले देखबे कि ओमन ला ओमन के बईरीमन तलवार ले मार डारहीं। मेंह जम्मो यहूदीमन ला
बेबिलोन के राजा के हांथ म कर दूहूं; ओह ओमन ला बंदी बनाके बेबिलोन ले जाही या ओमन ला तलवार ले मार
डारही।
5 मेंह ये सहर यरूसलेम के जम्मो धन-संपत्ति ला ओमन के बईरीमन के हांथ म कर दूहूं—येकर जम्मो कमई,
येकर जम्मो कीमती सामान अऊ यहूदा के राजामन के जम्मो खजाना। ओमन ये जम्मो चीज ला लूट लीहीं
अऊ येमन ला बेबिलोन ले जाहीं।
6 अऊ हे पसहूर, तें अऊ, जऊन मन तोर घर म रहिथें, जम्मो के जम्मो बेबिलोन ला बंधुवई म चले जाहीं। तें
अऊ तोर जम्मो संगवारी, जेमन ले तेंह झूठा अगमबानी करे हस, तुमन जम्मो के जम्मो उहां मरहू अऊ उहां
तुमन ला माटी दिये जाही।' "

[illegible]

7 हे यहोवा, तेंह मोला धोखा दे हस,* अऊ मेंह धोखा खा गेंव;†
तेंह मोला हराय अऊ मोर ऊपर जय पाय हस।
दिन भर मोर हंसी उड़ाय जावत हे;
जम्मो झन मोर ठट्ठा करत हें।
8 जब भी मेंह गोठियाथंव,
मेंह चिचियाके हिंसा अऊ बिनास के घोसना करथंव।
एकरसेति यहोवा के बचन ह दिन भर
मोर ऊपर निन्दा अऊ कलंक लाने हवय।
9 पर यदि में कहंव, "मेंह ओकर बचन के चरचा नइं करंव
या ओकर नांव म अऊ नइं गोठियावंव,"
त ओकर बचन ह मोर हिरदय म एक आगी सहीं अय,
अइसने आगी जऊन ह मोर हाड़ामन म बंद हवय।
मेंह येला अपन म रोकत-रोकत थक गे हंव;
वास्तव म, में अब येला रोक नइं सकंव।
10 मेंह बहुंत कानाफूसी के बात सुनत हंव,
"हर तरफ आतंक!
ओकर निन्दा करव! आवव, हमन ओकर निन्दा करन!"
मोर जम्मो संगवारीमन ये कहत
मोर ठोकर खाय के इंतजार करत हें,
"सायद ओह धोखा खाही;
तब हमन ओकर ऊपर जय पाबो
अऊ ओकर ले अपन बदला लेबो।"

11 पर यहोवा ह मोर संग एक सक्तिसाली योद्धा सहीं हवय;
एकरसेति मोला सतानेवालामन गिर जाहीं अऊ जय नइं पावंय।
ओमन असफल होहीं अऊ बहुंत लज्जित होहीं;

---

* **20:7** या [illegible] † **20:7** या [illegible]

ओमन के अपमान ह कभू भुलाय नइं जाही।
12 हे सर्वसक्तिमान यहोवा, हे धरमीमन ला परखनेवाला
अऊ हिरदय अऊ मन ला जांचनेवाला,
ओमन ले जऊन बदला तेंह लेबे, ओला मोला देखन दे,
काबरकि मेंह अपन मामला तोर ऊपर छोंड़ दे हंव।

13 यहोवा बर गावव!
यहोवा के परसंसा करव!
ओह जरूरतमंद मनखे के जिनगी ला
दुस्टमन के हांथ ले बचाथे।

14 सरापित होवय ओ दिन, जऊन दिन मेंह जनमें!
ओ दिन ह आसीसित झन होवय, जऊन दिन मोर दाई ह मोला जनम दीस!
15 सरापित होवय ओ मनखे, जऊन ह ये कहिके
मोर ददा ला खुसी के खबर दीस,
"तोर एक लइका जनमे हे—एक बेटा!"
16 ओ मनखे के दसा ह ओ नगर के सहीं होवय,
जऊन ला यहोवा ह बिगर दया के नास कर दीस।
ओला बिहनियां बिलाप करे के
अऊ मंझनियां लड़ई के ललकार के अवाज सुनई देवय।
17 काबरकि ओह मोला गरभ ही म नइं मार डारिस,
मोर दाई के गरभ ह मोर कबर सहीं होतिस,
अऊ ओकर गरभ ह हमेसा बर फईले रहितिस।
18 मेंह काबर समस्या अऊ दुख देखे बर
अऊ अपन जिनगी के दिनमन ला
लज्जा म बिताय बर जनमेंव?

21

[illegible]

1 ये बचन यहोवा करा ले यरमियाह करा तब आईस, जब सिदकियाह राजा ह ओकर करा मलकियाह के बेटा
पसहूर अऊ मासेयाह पुरोहित के बेटा सपनयाह ला पठोईस। ओमन कहिन:
2 "हमर बर यहोवा ले पुछ, काबरकि बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह हमर ऊपर हमला करत हवय। सायद
यहोवा ह पहिले के सहीं हमर बर अचरज के काम करय अऊ नबूकदनेसर ह हमर करा ले चले जावय।"
3 पर यरमियाह ह ओमन ला जबाब दीस, "तुमन सिदकियाह ला कहव,
4 'यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: लड़ई के जऊन हथियार तुम्हर हांथ म हवय, जेकर उपयोग
तुमन बेबिलोन के राजा अऊ सहर के दीवार के बाहिर घेरा डाले बेबिलोन के मनखेमन के बिरूध करत हव, ओही
हथियारमन ला मेंह तुम्हर बिरूध करनेवाला हंव। अऊ मेंह ओ मनखेमन ला ये सहर के भीतर इकट्ठा करहूं।
5 मेंह खुद हांथ बढ़ाके अऊ सक्तिसाली ताकतवर भुजा ले भयंकर गुस्सा अऊ कोरोध म तुम्हर बिरूध लड़हूं।
6 मेंह ये सहर म रहइया जम्मो मनखे अऊ पसुमन ला मार डारहूं; ओमन एक भयंकर महामारी म मरहीं।
7 ओकर बाद, यहोवा ह घोसना करत हे, यहूदा के राजा सिदकियाह, ओकर करमचारीमन अऊ ओ मनखे,
जऊन मन ये सहर म महामारी, तलवार अऊ अकाल ले बांच जाहीं, ओ जम्मो ला में बेबिलोन के राजा
नबूकदनेसर अऊ ओमन के बईरीमन के हांथ म कर दूहूं, जऊन मन कि ओमन ला मार डारे चाहत हें। ओह
ओमन ला तलवार ले मार डारही; ओह ओमन ऊपर कोनो दया या किरपा या सहानुभूति नइं देखाही।'
8 "मनखेमन ला ये घलो कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: देखव, मेंह तुम्हर आघू म जिनगी के रद्दा अऊ मिरतू के
रद्दा घलो बतावत हंव।

9 जऊन कोनो भी ये सहर म रहिही, ओह तलवार, अकाल या महामारी ले मरही। पर जऊन कोनो भी जाके
ओ बेबिलोन के रहइयामन करा समरपन कर दीही, जऊन मन कि तुमन ला घेरे हवंय, त ओकर परान ह बच
जाही अऊ ओह जीयत रहिही।
10 मेंह ये सहर के भलई नइं पर हानि करे के ठान ले हंव, यहोवा ह घोसना करत हे। येला बेबिलोन के राजा के
हांथ म कर दिये जाही, अऊ ओह येला आगी लगाके नास कर दीही।'
11 "तभो ले यहूदा के राज-परिवार के मनखेमन ला कह, 'यहोवा के बचन ला सुनव।
12 हे दाऊद के संतानमन, यहोवा ह तुमन ला ये कहत हे:
" 'हर बिहनियां नियाय करव;
जऊन ला लूटे गे हवय, ओला
दुख देवइया के हांथ ले बचावव,
नइं तो जऊन दुस्ट काम तुमन करे हवव, ओकर कारन
मोर गुस्सा ह भड़कही अऊ आगी सहीं बरही—
अइसने आगी, जऊन ला कोनो बुता नइं सकंय।
13 हे यरूसलेम के मनखेमन, जेमन ये घाटी के ऊपर
चट्टान के पठार म रहिथव,
मेंह तुम्हर बिरूध हंव, यहोवा ह घोसना करत हे—
तुमन ये कहिथव, "हमर बिरूध कोन आ सकथे?
हमर निवास के भीतर कोन जा सकथे?"
14 मेंह तुम्हर काम के मुताबिक तुमन ला सजा दूहूं,
यहोवा ह घोसना करत हे।
मेंह तुम्हर जंगलमन म आगी लगा दूहूं
जऊन ह तुम्हर चारों कोति के जम्मो चीज ला भसम कर दीही।' "

22

[illegible]

1 यहोवा ह ये कहत हे: "खाल्हे म यहूदा के राजा के महल करा जा अऊ उहां ये संदेस के घोसना कर:
2 'दाऊद के सिंघासन म बईठनेवाला, हे यहूदा के राजा, तें, तोर करमचारी अऊ तोर मनखे, जऊन मन ये
दुवारमन ले होके आथें, यहोवा के बचन ला सुनव।
3 यहोवा ह ये कहत हे: जऊन काम सही अऊ बने अय, ओला करव। जऊन ला लूट लिये गे हवय, ओला दुख
देवइया के हांथ ले बचावव। कोनो परदेसी, अनाथ या बिधवा के बिरूध कोनो गलत काम या हिंसा झन करव,
अऊ ये जगह म निरदोस के खून झन बहावव।
4 काबरकि यदि तुमन धियान से ये हुकूममन ला मानहू, त दाऊद के सिंघासन म बईठइया राजामन रथ अऊ
घोड़ामन म सवार होके ये महल के दुवारमन म होके आहीं अऊ ओमन के करमचारी अऊ मनखेमन घलो ओमन
के संग होहीं।
5 पर यदि तुमन ये हुकूममन ला नइं मानहू, त यहोवा ह घोसना करत हे, मेंह खुद के कसम खाके कहत हंव कि
ये महल ह उजड़ जाही।' "
6 काबरकि यहोवा ह यहूदा के राजा के महल के बारे म ये कहत हे:
"हालाकि तेंह मोर बर गिलाद देस सहीं,
अऊ लबानोन के चोटी सहीं अस,
पर मेंह तोला बंजर भुइयां सहीं,
अऊ निरजन नगरमन सहीं कर दूहूं।
7 मेंह तोर बिरूध म नास करइयामन ला पठोहूं,
ओमा के हर एक जन करा हथियार होही,
अऊ ओमन तोर सुघर देवदार रूख के गोलामन ला काटहीं

अऊ ओमन ला आगी म झोंक दीहीं।
8 "जाति-जाति के मनखेमन ये सहर म ले होके जाहीं अऊ एक-दूसर ले पुछहीं, 'यहोवा ह ये महान सहर ला
अइसने काबर कर दे हवय?'
9 तब ओकर ये जबाब दिये जाही: 'काबरकि ओमन यहोवा अपन परमेसर के करार ला टोर दे हवंय अऊ आने
देवतामन के अराधना अऊ सेवा करे हवंय।' "
10 मरे राजा बर झन रोवव या ओकर मरे ले सोकित झन होवव;
पर येकर बदले, ओकर बर फूट-फूटके रोवव, जऊन ह बंधुवई म चल दे हवय,
काबरकि ओह फेर लहुंटके कभू नइं आही
अऊ न ही अपन जनम भुइयां ला फेर देखही।
11 यहूदा के राजा योसियाह के बेटा सल्लूम, जऊन ह अपन ददा योसियाह के जगह म राजा बनिस अऊ ये
जगह ले चल दे हवय, ओकर बारे म यहोवा ह ये कहत हे: "ओह फेर कभू लहुंटके नइं आही।
12 ओह ओ जगह म मरही, जिहां ओला कैदी बनाके ले गे हवंय; ओह ये देस ला फेर कभू देखन नइं पाही।"
13 "ओकर ऊपर हाय, जऊन ह अपन महल ला अधरम,
अऊ अपन ऊपर के कमरामन ला अनियाय करके बनाथे,
अऊ अपन खुद के मनखेमन ले बेगारी म काम कराथे,
अऊ ओमन ला ओमन के बनी नइं देवय।
14 ओह कहिथे, 'मेंह अपन बर एक बड़े महल बनाहूं,
जेकर ऊपर म बड़े-बड़े कमरामन होहीं।'
एकरसेति ओह येमा बड़े-बड़े खिड़की लगाथे,
अऊ येमा देवदार रूख के तखतामन ला लगाथे
अऊ येला लाल रंग ले सजाथे।

15 "का तोर करा जादा से जादा देवदार के कठवा होवई ह
तोला एक राजा बनाथे?
का तोर ददा करा खाय-पीये के चीज नइं रिहिस?
ओह धरम अऊ नियाय के काम करिस,
एकरसेति ओह सुख से जिनगी बिताईस।
16 ओह गरीब अऊ दीन-हीन मनखेमन के बचाव करिस,
एकरसेति ओकर संग जम्मो चीज सही होईस।
का येह मोर गियान म रखे के बात नो हय?"
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
17 "पर तोर आंखी अऊ तोर मन ह
सिरिप अधरम के कमई,
निरदोसमन के खून बहई
अऊ अतियाचार अऊ लूट-पाट करई म लगे रहिथे।"
18 एकरसेति योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के बारे म यहोवा ह ये कहत हे:
"मनखेमन ओकर बर ये कहिके बिलाप नइं करहीं:
'हाय, हे मोर भाई! हाय, हे मोर बहिनी!'
मनखेमन ओकर बर ये कहिके बिलाप नइं करहीं:
'हाय, हे मोर मालिक! हाय, हे ओकर सोभा!'
19 ओला एक गदहा के सहीं माटी दिये जाही—
ओला यरूसलेम के दुवारमन के बाहिर
घसीटके फटिक दिये जाही।"

20 "ऊपर लबानोन म जा अऊ रो,

तोर अवाज ह बासान म सुनई देवय,
अबारीम पहाड़ म जाके रो,
काबरकि तोर जम्मो संगीमन नास हो गे हवंय।
21 तोर सुख के बेरा म, मेंह तोला चेताय रहेंव,
पर तेंह कहय, 'मेंह नइं सुनंव!'
तोर जवानी के समय ले तोर चालचलन अइसनेच हवय;
तेंह मोर बात नइं माने हस।
22 हवा ह तोर जम्मो चरवाहामन ला उड़ाके ले जाही,
अऊ तोर संगीमन बंधुवई म चल दीहीं।
तब तेंह अपन जम्मो दुस्ट काम के कारन
लज्जित अऊ अपमानित होबे।
23 तें, जऊन ह लबानोन* म रहिथस,
जेमन देवदार के भवनमन म रहिथव,
जब तोर ऊपर दुख आही,
लइका जनमे के सहीं पीरा होही, त तेंह कइसने कराहबे!"
24 यहोवा ह ये घोसना करत हे, "मोर जिनगी के कसम, हे यहूदा के राजा, यहोयाकीम के बेटा यहोयाकीन! चाहे यदि तेंह मोर जेवनी हांथ के मुहरवाला मुंदरी घलो होते, तभो ले मेंह तोला उतारके फटिक देतेंव।
25 जऊन मन तोला मार डारे चाहत हें, मेंह तोला ओमन के हांथ म कर दूहूं, जेमन ले तेंह डरथस—याने कि बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर अऊ बेबिलोन के रहइयामन के हांथ म कर दूहूं।
26 मेंह तोला अऊ तोला जनम देवइया दाई ला एक आने देस म फटिक दूहूं, जिहां न तो तें जनमे रहय अऊ न ही तोर दाई, अऊ उहां तुमन दूनों मर जाहू।
27 जऊन देस म तुमन लहुंटे के ईछा करत हव, ओ देस म तुमन कभू लहुंटे नइं पाहू।"
28 का ये मनखे यहोयाकीन ह एक तुछ, टूटहा बरतन अय,
एक अइसने चीज, जेला कोनो पसंद नइं करंय?
ओ अऊ ओकर लइकामन, काबर एक अइसने देस म
फटिक दिये जाहीं, जेला ओमन नइं जानंय?
29 हे देस के मनखे, देस के मनखे, देस के मनखे,
यहोवा के बचन ला सुनव!
30 यहोवा ह ये कहत हे:
"ये मनखे ला एक निरबंस के रूप म लिखव,
एक अइसने मनखे, जऊन ह अपन जिनगी भर उन्नति नइं करही,
काबरकि ओकर कोनो भी संतान उन्नति नइं करहीं,
ओकर कोनो भी संतान दाऊद के सिंघासन म नइं बईठहीं
या कभू यहूदा म राज नइं करहीं।"

23

???? ??????

1 "ओ चरवाहामन* ऊपर हाय, जऊन मन मोर चराई के भेड़मन ला नास करत हें अऊ तितिर-बितिर करत हें!" यहोवा ह ये घोसना करत हे।
2 एकरसेति यहोवा, इसरायल के परमेसर ह मोर मनखेमन के देखरेख करइया चरवाहामन ला ये कहत हे: "तुमन मोर झुंड ला तितिर-बितिर कर दे हव अऊ ओमन ला भगा दे हव अऊ ओमन के देखरेख नइं करे हव, एकरसेति तुम्हर दुस्ट काम के कारन, मेंह तुमन ला सजा दूहूं," यहोवा ह ये घोसना करत हे।

* **22:23** यरूसलेम के महल (see 1 राजा 7:2) * **23:1** संभवत: इसरायल के अगुवामन

3 “ओ जम्मो देस, जिहां मेंह अपन झुंड ला भगा दे रहेंव, ओ देसमन ले मेंह खुद ओमन के बांचे भाग ला
इकट्ठा करहूं अऊ ओमन ला ओमन के चराई म वापिस लानहूं, जिहां ओमन फूलहीं-फरहीं अऊ गनती म बढ़हीं।
4 मेंह ओमन बर चरवाहामन ला ठहिराहूं, जेमन ओमन के देखरेख करहीं अऊ ओमन न तो फेर डरहीं या भय
खाहीं अऊ न ही ओमा ले कोनो गंवाही,” यहोवा ह ये घोसना करत हे।
5 “ओ दिनमन आवत हें,” यहोवा ह घोसना करत हे,
“जब मेंह दाऊद बर एक धरमी मनखे ला बढ़ाहूं,
ओह एक राजा होही, जऊन ह बुद्धिमानी से राज करही
अऊ देस म नियाय अऊ धरम के काम ला करही।
6 ओकर दिनमन म यहूदा के मनखेमन ला बंचाय जाही
अऊ इसरायली मनखेमन सुरकछित बसे रहिहीं।
ओला ये नांव के दुवारा पुकारे जाही:
यहोवा हमर धरमी उद्धारकर्ता।

7 “एकरसेति देखव, ओ दिनमन आवत हें,” यहोवा ह घोसना करत हे, “जब मनखेमन फेर नइं कहिहीं, ‘यहोवा के
जिनगी के कसम, जऊन ह इसरायलीमन ला मिसर देस ले निकाल लानिस,’
8 पर ओमन ये कहिहीं, ‘यहोवा के जिनगी के कसम, जऊन ह उत्तर के देस ले अऊ ओ जम्मो देस ले इसरायल के
संतानमन ला ले आईस, जिहां ओमन ला भगा दे रिहिस।’ तब ओमन अपन खुद के देस म रहिहीं।”

[illegible]
9 अगमजानीमन के बारे म:
मोर हिरदय ह मोर भीतरे-भीतर टूटत हे;
मोर जम्मो हाड़ामन कांपत हें।
मेंह एक मतवार मनखे सहीं अंव,
एक बलवान मनखे सहीं, जेकर ऊपर मंद के नसा छा गे हवय।
एकर कारन ए यहोवा
अऊ ओकर पबितर बचन।
10 ये देस ह बेभिचारीमन ले भरे हवय;
सराप पड़े के कारन,† ये देस ह सूखा पड़े हे
अऊ सुन्ना जगह के चराईमन सूख गे हवंय।
अगमजानीमन दुस्टता के जिनगी जीयथें
अऊ अपन ताकत के उपयोग अनियाय के काम म करत हें।

11 “अगमजानी अऊ पुरोहित दूनों परमेसर ला छोंड़ दे हवंय;
अऊ त अऊ मेंह अपन मंदिर म ओमन के दुस्टता ला देखथंव,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
12 “ये खातिर ओमन के रसता म फिसलन होही;
ओमन ला अंधियार म डाल दिये जाही
अऊ उहां ओमन गिरहीं।
जऊन बछर ओमन ला सजा दिये जाही
ओ बछर, मेंह ओमन ऊपर बिपत्ति लानहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

13 “सामरिया के अगमजानीमन के बीच म
मेंह ये खराप चीज देखेंव:
ओमन बाल देवता के नांव म अगमबानी करिन
अऊ मोर इसरायली मनखेमन ला डहार ले भटका दीन।

† **23:10** या [illegible]

14 अऊ यरूसलेम के अगमजानीमन के बीच म
मेंह कुछू भयंकर चीज देखे हंव:
ओमन बेभिचार करथें अऊ पाखंडी जिनगी जीथें।
ओमन दुस्टमन के हांथ ला मजबूत करथें,
जेकर कारन ओमा के एको जन भी अपन दुस्टता ला नइं छोंड़य।
ओमन मोर बर सदोम के मनखे सहीं अंय;
अऊ यरूसलेम के मनखेमन अमोरा के मनखेमन सहीं अंय।"‡
15 ये खातिर सर्वसक्तिमान यहोवा ह अगमजानीमन के बारे म ये कहत हे:
"मेंह ओमन ला करू जेवन खवाहूं
अऊ जहरवाला पानी पीयाहूं,
काबरकि यरूसलेम के अगमजानीमन ले
अभक्ति ह जम्मो देस म फईल गे हवय।"
16 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
"अगमजानीमन तुमन ले जऊन अगमबानी करत हें, ओला झन सुनव;
ओमन तुमन ला लबारी के बात ले भर दीहीं।
ओमन यहोवा के मुहूं ले नइं,
पर अपन ही मन से दरसन के बात ला गोठियाथें।
17 जऊन मनखेमन मोला तुछ समझथें, ओमन ला येमन कहत रहिथें,
'यहोवा ह कहत हे: तुमन ला सांति मिलही।'
अऊ ओ जम्मो, जऊन मन अपन हठी मन के मुताबिक चलथें
ओमन ला येमन कहिथें, 'तुम्हर कोनो हानि नइं होवय।'
18 पर येमा के कोन ह यहोवा के बचन ला देखे या सुने बर
ओकर सभा म ठाढ़ होय हवय?
कोन ह ओकर बचन ला सुने अऊ धियान दे हवय?
19 देखव, यहोवा के आंधी ह
कोरोध म फट जाही,
एक बवंडर ह दुस्टमन के मुड़ ऊपर
घुमत आवत हे।
20 जब तक यहोवा ह
अपन हिरदय के उदेस्य ला पूरा नइं कर लीही,
तब तक ओकर गुस्सा ह सांत नइं होवय।
अवइया दिनमन म
तेंह ये बात ला साफ-साफ समझबे।
21 मेंह ये अगमजानीमन ला नइं पठोय हंव,
तभो ले ओमन अपन संदेस बताय बर दऊड़त गे हवंय;
मेंह ओमन ले नइं गोठियाय हंव,
तभो ले ओमन अगमबानी करे हवंय।
22 पर यदि ओमन मोर सिकछा म चले होतिन,
त ओमन मोर मनखेमन ला मोर बचन सुनाय रहितिन
अऊ मोर मनखेमन ला ओमन के खराप चालचलन
अऊ ओमन के दुस्ट काममन ले बंचा ले होतिन।

23 "का मेंह सिरिप लकठा रहे म ही परमेसर अंव,"
यहोवा ह घोसना करत हे,

‡ **23:14** (देखव उत 19:24-25)

“अऊ दूरिहा रहे म परमेसर नो हंव?
24 गुपत जगह म कोन ह छुप सकथे
कि मेंह ओला नइं देख सकंव?”
यहोवा ह ये घोसना करत हे।
“का मेंह स्वरग अऊ धरती ला भरा-पूरा नइं रखंव?”
यहोवा ह घोसना करत हे।
25 “मेंह अगमजानीमन के गोठ ला सुने हंव, जऊन मन मोर नांव म ये कहिके लबारी अगमबानी करथें, ‘मेंह
एक सपना देखे हंव! मेंह एक सपना देखे हंव!’
26 ये लबरा अगमजानीमन अपन ही मन के भरम ला अगमबानी करके कहिथें; येमन के मन म येह कब तक
चलत रहिही?
27 ओमन सोचथें कि ओमन जऊन सपना के बात एक-दूसर ला बताथें, ओला सुनके मोर मनखेमन मोर नांव
ला भुला जाहीं, जइसने कि ओमन के पुरखामन बाल देवता के अराधना करके मोर नांव ला भुला गे रिहिन।
28 जऊन अगमजानी ह सपना देखे हवय, ओह अपन सपना ला बतावय, पर जेकर करा मोर बचन हवय, ओह
ओ बचन ला ईमानदारी से सुनावय। काबरकि भूंसा अऊ अनाज के दाना के का मेल?” यहोवा ह ये घोसना करत
हे।
29 “का मोर बचन ह आगी सहीं नो हय,” यहोवा ह घोसना करत हे, “अऊ का ओह हथौड़ा सहीं नो हय,
जऊन ह चट्टान ला कुटा-कुटा कर देथे?
30 “एकरसेति” यहोवा ह घोसना करत हे, “मेंह ओ अगमजानीमन के बिरूध हंव, जऊन मन मोर बचन
समझके एक-दूसर के बचन ला चोरा लेथें।”
31 यहोवा ह घोसना करत हे, “हव, मेंह ओ अगमजानीमन के बिरूध हंव, जऊन मन अपन खुद के बात कहिथें
अऊ तभो ले ये बताथें, ‘यहोवा ह घोसना करत हे।’
32 सच म, मेंह ओमन के बिरूध हंव, जऊन मन झूठा सपना के अगमबानी करथें,” यहोवा ह ये घोसना करत
हे। “मेंह ओमन ला न तो पठोय हंव अऊ न ही ठहिराय हंव, तभो ले ओमन मोर मनखेमन के आघू म अगमबानी
करथें अऊ बेकार के अपन लबारी बात ले मोर मनखेमन ला भरमाथें। ओमन ले मोर मनखेमन ला कोनो फायदा
नइं होवय,” यहोवा ह घोसना करत हे।

[illegible]

33 “जब ये मनखे, या कोनो अगमजानी या कोनो पुरोहित तुम्हर ले पुछथे, ‘यहोवा ले का संदेस मिले हवय?’
त ओमन ला कह, ‘का संदेस?’ यहोवा ह ये घोसना करत हे, ‘मेंह तुमन ला तियाग दूहूं।’
34 यदि कोनो अगमजानी या कोनो पुरोहित या कोनो अऊ दावा करथे, ‘यहोवा ले ये संदेस आय हवय,’ त
मेंह ओमन ला अऊ ओमन के घराना ला सजा दूहूं।
35 तुमन ले हर एक जन अपन संगी अऊ आने इसरायलीमन ले ये बात कहिते रहिथे: ‘यहोवा ह का जबाब दे
हवय?’ या ‘यहोवा ह का कहे हवय?’
36 पर तुमन ये झन कहव ‘यहोवा करा ले आय एक संदेस,’ काबरकि हर एक के बचन ह ओकर खुद के संदेस
होथे। ये किसम ले तुमन जीयत परमेसर, यहोवा, हमर सर्वसक्तिमान परमेसर के बचन ला तोड़-मरोड़ के
कहिथव।
37 तुमन अगमजानी ले अइसने पुछत रहव: ‘यहोवा ह तोला का जबाब दे हवय?’ या ‘यहोवा ह का कहे
हवय?’
38 हालाकि तुमन दावा करथव, ‘यहोवा ले ये संदेस आय हवय,’ यहोवा ह ये कहत हे: तुमन ये बचनमन के
उपयोग करेव, ‘यहोवा ले ये संदेस आय हवय,’ हालाकि मेंह तुमन ला कहे हंव कि तुमन अइसने दावा झन करव,
‘यहोवा ले ये संदेस आय हवय।’
39 एकरसेति, मेंह ये सहर सहित तुमन ला बिलकुल ही भुला जाहूं अऊ अपन आघू ले निकाल दूहूं, जेला कि
मेंह तुमन अऊ तुम्हर पुरखामन ला देय हंव।
40 मेंह तुम्हर ऊपर कभू खतम न होनेवाला कलंक लानहूं—कभू खतम न होनेवाला लज्जा, जेला कभू भुलाय
नइं जाही।”

24

[illegible]

1 जब बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह यहोयाकीम के बेटा, यहूदा के राजा यहोयाकीन* ला अऊ यहूदा के
करमचारी, कुसल बनिहार अऊ कारीगरमन ला यरूसलेम ले बेबिलोन बंधुवई म ले गीस, त ओकर बाद यहोवा
ह मोला ओकर मंदिर के आघू म रखे अंजीर फर ले भरे दू ठन टुकना देखाईस।
2 एक टुकना म तो पहिले से पके बने अंजीर रहय; पर दूसर टुकना म बहुंत खराप अंजीर रहय, अतेक खराप
कि ओमन खाय के लईक नइं रिहिन।
3 तब यहोवा ह मोर ले पुछिस, "हे यरमियाह, तोला का दिखत हे?"
मेंह जबाब देंव, "अंजीर, बने अंजीरमन बहुंत बढ़िया हवंय, पर खराप अंजीरमन अतेक खराप कि ओमन ला
खाय नइं जा सकय।"
4 तब यहोवा के ये बचन मोर करा आईस:
5 "यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'ये बने अंजीरमन सहीं, मेंह यहूदा ले बंधुवई म गय ओ
मनखेमन ला बने समझथंव, जेमन ला मेंह ये जगह ले बेबिलोन देस पठोय हंव।
6 मेंह देखहूं कि ओमन के भलई होवय, अऊ ओमन ला ये देस म वापिस ले आहूं। मेंह ओमन ला बढ़ाहूं अऊ
ओमन ला नास नइं करहूं; मेंह ओमन ला लगाहूं अऊ ओमन ला नइं उखानहूं।
7 मेंह ओमन के मन ला अइसने कर दूहूं कि ओमन मोला जानहीं कि मेंह यहोवा अंव। ओमन मोर मनखे होहीं
अऊ मेंह ओमन के परमेसर होहूं, काबरकि ओमन मोर करा अपन पूरा मन ले लहुंटहीं।
8 " 'पर यहोवा ह कहत हे, ओ खराप अंजीरमन सहीं, जेमन अतेक खराप हवंय कि खाय नइं जा सकंय, मेंह
यहूदा के राजा सिदकियाह, ओकर करमचारी अऊ यरूसलेम के बांचे मनखेमन ले बरताव करहूं, चाहे ओमन ये
देस म रहंय या मिसर देस म रहंय।
9 जिहां भी मेंह ओमन ला भगाहूं, उहां ओमन ला घिनित अऊ धरती के जम्मो राज बर अप्रिय, एक अपमान
अऊ एक कहावत, एक सराप अऊ हंसी के एक चीज बना दूहूं।
10 जऊन देस मेंह ओमन ला अऊ ओमन के पुरखामन ला देय हंव, जब तक ओमन ओ देस ले नास नइं हो
जाहीं, तब तक मेंह ओमन के बिरूध तलवार चलाहूं, अऊ ओमन ऊपर अकाल अऊ महामारी लानहूं।' "

25

[illegible]

1 योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज के चौथा साल म, जऊन ह बेबिलोन के राजा
नबूकदनेसर के राज के पहिला साल रिहिस, यहोवा के जऊन बचन यरमियाह अगमजानी करा आईस,
2 ओला यरमियाह अगमजानी ह यहूदा के जम्मो मनखे अऊ यरूसलेम म रहइया जम्मो मनखे ला बताईस:
3 आमोन के बेटा यहूदा के राजा योसियाह के राज के तेरहवां साल ले लेके आज तक—याने कि तेईस साल ले
यहोवा के बचन ह मोर करा आय हवय अऊ मेंह ओ बचन तुमन ला बार-बार बताय हंव, पर तुमन नइं सुनेव।
4 अऊ हालाकि यहोवा ह तुम्हर करा अपन जम्मो सेवक अगमजानीमन ला बार-बार पठोय हवय, पर तुमन
ओमन के नइं सुनेव या कोनो धियान नइं दे हव।
5 ओमन कहिन, "तुमन ले हर एक जन अपन खराप चालचलन अऊ अपन दुस्ट काममन ला छोंड़व, तब
तुमन ये देस म रह सकत हव, जेला कि यहोवा ह तुमन ला अऊ तुम्हर पुरखामन ला सदाकाल बर देय हवय।
6 आने देवतामन के सेवा अऊ अराधना करे बर ओमन के पाछू झन जावव; अऊ अपन हांथ के बनाय
चीजमन के दुवारा मोर गुस्सा ला झन भड़कावव। तब मेंह तुम्हर कुछू हानि नइं करहूं।"
7 यहोवा ह घोसना करत हे, "पर तुमन मोर बात ला नइं सुनेव, अऊ अपन हांथ के बनाय चीजमन के दुवारा
मोर गुस्सा ला भड़काय हव, अऊ तुमन अपन हानि करे हव।"
8 एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "काबरकि तुमन मोर बचन ला नइं सुनेव,

---

* **24:1** इबरानी म *[illegible]*, जऊन ह *[illegible]* के एक आने नांव ए

9 मेंह उत्तर दिग के जम्मो मनखे अऊ अपन सेवक बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ला बुलवाहूं,” यहोवा ह
घोसना करत हे, “अऊ मेंह ओमन ला ये देस अऊ येमा रहइया मनखे अऊ येकर आसपास के जम्मो जाति के
मनखेमन के बिरूध म लानहूं। मेंह ओमन के सतियानास करके ओमन ला आतंक अऊ हंसी के चीज बना दूहूं,
अऊ सदाकाल बर उजाड़ दूहूं।
10 मेंह ओमन के खुसी अऊ आनंद के अवाज, दूल्हा अऊ दुलहिन के अवाज, चक्की के अवाज ला छीन लूहूं
अऊ ओमन के दीया के अंजोर ला घलो छीन लूहूं।
11 ये जम्मो देस उजाड़ अऊ बेकार हो जाही, अऊ ये जाति के मनखे अऊ आसपास के जाति के मनखेमन
सत्तर साल तक बेबिलोन के राजा के सेवा करहीं।
12 “पर जब सत्तर साल पूरा हो जाही, तब मेंह बेबिलोन के राजा अऊ ओकर देस अऊ उहां रहइया मनखेमन
ला ओमन के अपराध के सजा दूहूं,” यहोवा ह घोसना करत हे, “अऊ ओ देस ला सदाकाल बर उजाड़ दूहूं।
13 मेंह ओ देस ऊपर ओ जम्मो चीज ला लानहूं, जेला मेंह ओकर बिरूध म कहे हवंव, ओ जम्मो बात, जऊन
ह ये किताब म लिखे हवय अऊ यरमियाह के दुवारा जम्मो जातिमन के बिरूध अगमबानी करे गे हवय।
14 बेबिलोनीमन खुद कतको जाति के मनखे अऊ बड़े राजामन के गुलामी करहीं; मेंह ओमन के बरताव अऊ
ओमन के हांथ के काम के मुताबिक ओमन ले बदला लूहूं।”

?????? ?? ????? ?? ?????

15 यहोवा, इसरायल के परमेसर ह मोर ले ये कहिस: “मोर कोरोध के मंद ले भरे ये कटोरा ला मोर हांथ ले
लेय ले अऊ ओ जम्मो जाति के मनखेमन ला येला पीया, जेमन करा मेंह तोला पठोवत हंव।
16 जब ओमन ओला पीहीं, त ओ तलवार के कारन, जेला मेंह ओमन के बीच म पठोहूं, ओमन लड़खड़ाहीं
अऊ पागल हो जाहीं।”
17 एकरसेति मेंह यहोवा के हांथ ले ओ कटोरा ला लेंव अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ला पीया देंव, जेमन
करा यहोवा ह मोला पठोईस:

18 यरूसलेम अऊ यहूदा के नगरमन ला, येकर राजामन अऊ अधिकारीमन ला पीयांय, ताकि ओमन उजड़
जावंय अऊ ओमन आतंक अऊ हंसी के चीज बन जावंय, अऊ ओमन सरापित हो जावंय—जइसने कि
ओमन आज तक हवंय;
19 फिरौन मिसर देस के राजा, ओकर सेवक, ओकर अधिकारी अऊ ओकर जम्मो मनखेमन,
20 अऊ उहां के जम्मो परदेसी मनखेमन ला;
ऊज देस के जम्मो राजामन ला;
पलिस्तीमन के जम्मो राजामन ला (अस्कलोन, गाजा, एकरोन के राजामन अऊ असदोद म बचे मनखेमन);
21 एदोमी, मोआबी अऊ अमोनीमन ला;
22 सूर अऊ सीदोन के जम्मो राजामन ला;
समुंदर के पार समुंदर तीर के राजामन ला;
23 ददानी, तेमाई, बूजीमन अऊ ओ जम्मो ला, जऊन मन दूरिहा जगह म रिहिन*;
24 अरब के जम्मो राजामन अऊ सुन्ना जगह म रहइया परदेसी मनखेमन के जम्मो राजामन ला;
25 जिमरी, एलाम अऊ मादै के जम्मो राजामन ला;
26 अऊ उत्तर दिग के जम्मो राजामन ला, का लकठा अऊ का दूरिहा, एक के बाद एक—धरती के ऊपर जम्मो
राज के मनखेमन ला पीया देंव।
अऊ ये जम्मो के बाद, सेसक के राजा घलो येला पीही।

27 “तब ओमन ला कह, ‘सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: पीयव, मतवार हो जावव
अऊ उछर डारव, अऊ अइसने गिरव कि फेर कभू झन उठव, काबरकि मेंह तुम्हर बीच म तलवार चलाहूं।’
28 पर यदि ओमन तोर हांथ ले ये कटोरा लेके पीये ले इनकार करहीं, त ओमन ला कह, ‘सर्वसक्तिमान यहोवा
ह ये कहत हे: तुमन ला पीना जरूरी अय!

* **25:23** या ??? ?? ??? ????? ?? ??? ?? ??? ?????

29 देखव, जऊन सहर† ह मोर नांव ले जाने जाथे, ओ सहर म, मेंह बिपत्ति लाने के सुरू करत हंव, त का तुमन
सचमुच सजा ले बच जाहू? तुमन सजा ले नइं बचव, काबरकि मेंह धरती म रहइया जम्मो के ऊपर तलवार
चलानेवाला हंव, सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।'
30 "अब ये जम्मो बात के अगमबानी ओमन के बिरूध म कर अऊ ओमन ला कह:
" 'यहोवा ह ऊंच जगह ले गरजही;
ओह अपन पबितर निवास ले अपन बात ला कहिही
अऊ अपन भुइयां के बिरूध जोर से गरजही।
ओह ओमन सहीं चिचियाही, जेमन अंगूर ला गोड़ ले रऊंदथें,
ओह धरती ऊपर रहइया जम्मो मनखेमन के बिरूध चिचियाही।
31 कोलाहल के अवाज धरती के छोर तक सुनई दीही,
काबरकि यहोवा ह जम्मो जाति के मनखेमन के बिरूध दोस लगाही;
ओह जम्मो मनखेमन के नियाय करही
अऊ दुस्ट मनखेमन ला तलवार ले मारही।' "
यहोवा ह घोसना करत हे।
32 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
"देखव! बिपत्ति ह
एक जात ले दूसर जात म फईलत हे;
एक भयंकर तूफान ह
धरती के छोर ले उठत हे।"
33 ओ बेरा, हर एक जगह म मनखेमन यहोवा के दुवारा मारे जाहीं—धरती के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक।
ओमन बर कोनो बिलाप नइं करहीं, अऊ न ही ओमन के लास ला संकेले जाही अऊ न ही माटी दिये जाही, पर
ओमन के लासमन भुइयां म खातू सहीं पड़े रहिहीं।
34 हे चरवाहामन, रोवव अऊ बिलाप करव;
हे झुंड के अगुवामन, धुर्रा म लोटव।
काबरकि तुम्हर कतल होय के बेरा ह आ गे हवय;
जइसने सुघर बरतनमन गिरके टूट जाथें, वइसने तुमन गिरके टूट जाहू।
35 चरवाहामन ला भागे के कोनो जगह नइं मिलही,
झुंड के अगुवामन बर बचके जाय बर कोनो जगह नइं होही।
36 चरवाहामन के रोवई,
अऊ झुंड के अगुवामन के बिलाप करई ला सुनव,
काबरकि यहोवा ह ओमन के चराई के जगह ला नास करत हे।
37 यहोवा के भयंकर कोरोध के कारन
सांत चराई के जगह ह बेकार हो जाही।
38 एक सेर के सहीं यहोवा ह अपन मांद ला छोंड़ दीही,
अतियाचार करइया के तलवार के कारन
अऊ यहोवा के भयंकर कोरोध के कारन
ओमन के देस ह उजड़ जाही।

26

[illegible]

1 योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज के सुरू म, यहोवा ले ये बचन आईस:
2 "यहोवा ह ये कहत हे: यहोवा के घर के अंगना म ठाढ़ हो अऊ यहूदा के नगरमन के ओ जम्मो मनखे,
जऊन मन यहोवा के घर म अराधना करे बर आथें, ओमन ला कह। ओमन ला ओ बात कह, जेकर हुकूम मेंह
तोला देवत हंव; एको ठन बात ला घलो झन छोंड़बे।

† **25:29** या [illegible]

3 सायद ओमन तोर बात ला सुनंय अऊ हर एक जन अपन दुस्ट चालचलन ला छोंड़ दे। तब मेंह सांत होहूं
अऊ ओमन ऊपर ओ बिपत्ति नइं लानहूं, जेकर योजना मेंह ओमन के दुस्ट काममन के कारन बनात रहेंव।
4 ओमन ला कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: यदि तुमन मोर बात ला नइं सुनहू अऊ मोर कानून म नइं चलहू,
जेला मेंह तुम्हर आघू म रखे हवंव,
5 अऊ यदि तुमन मोर ओ सेवक अगमजानीमन के बचन ला नइं सुनहू, जेमन ला मेंह तुम्हर करा बार-बार
पठोय हंव (हालाकि तुमन नइं सुने हव),
6 त फेर मेंह ये घर ला सीलो नगर के सहीं उजाड़ दूहूं अऊ ये सहर ला धरती के जम्मो जाति के मनखेमन के
बीच म सरापित कर दूहूं।' "
7 जब यरमियाह ह यहोवा के घर म ये बातमन ला कहिस, त पुरोहित, अगमजानी अऊ जम्मो मनखेमन
सुनिन।
8 जब यरमियाह ह मनखेमन ला ओ जम्मो बात बता चुकिस, जेला कहे के हुकूम यहोवा ह ओला देय रिहिस,
ओकर बाद तुरते पुरोहित, अगमजानी अऊ जम्मो मनखेमन ओला पकड़ लीन अऊ कहिन, "तोर मरना जरूरी
अय!
9 तेंह काबर यहोवा के नांव म ये अगमबानी करत हस कि ये घर ह सीलो के सहीं हो जाही अऊ ये सहर ह
उजड़ जाही अऊ येला तियाग दिये जाही?" अऊ यहोवा के घर म, यरमियाह के चारों कोति जम्मो मनखेमन के
भीड़ लग गीस।
10 जब यहूदा के करमचारीमन ये बात सुनिन, त ओमन राजमहल ले यहोवा के घर म गीन अऊ यहोवा के घर
के नवां दुवार के मुंहटा म अपन-अपन जगह ले लीन।
11 तब पुरोहित अऊ अगमजानीमन करमचारी अऊ जम्मो मनखेमन ला कहिन, "ये मनखे ला मिरतू-दंड के
सजा मिलना चाही, काबरकि ये मनखे ह ये सहर के बिरूध अगमबानी करे हवय, अऊ ये बात ला तुमन घलो
अपन कान ले सुने हवव।"
12 तब यरमियाह ह जम्मो करमचारी अऊ जम्मो मनखेमन ला कहिस: "जऊन बात तुमन सुनेव, ओला
यहोवा ही मोला ये भवन अऊ ये सहर के बिरूध अगमबानी के रूप म कहे बर पठोय हवय।
13 एकरसेति अब तुमन अपन चालचलन अऊ अपन काम ला सुधारव अऊ यहोवा अपन परमेसर के बात ला
मानव। तब यहोवा ह नरम होही अऊ ओ बिपत्ति नइं लानही, जेकर घोसना ओह तुम्हर बिरूध करे हवय।
14 जहां तक मोर बात ए, मेंह तुम्हर हांथ म हवंव; जऊन कुछू तुमन ला सही अऊ बने लगय, मोर संग ओही
करव।
15 पर ये बात जरूर जान लव कि यदि तुमन मोला मार डारहू, त फेर तुमन अऊ ये सहर अऊ येमा रहइया
मनखेमन एक निरदोस मनखे के खून करे के दोसी ठहिरहू; काबरकि सही म यहोवा ह मोला तुम्हर करा पठोय
हवय कि मेंह ये जम्मो बात तुमन ला सुनावंव।"
16 तब करमचारीमन अऊ जम्मो मनखेमन पुरोहित अऊ अगमजानीमन ले कहिन, "ये मनखे ला मिरतू-दंड
नइं मिलना चाही, काबरकि ओह यहोवा हमर परमेसर के नांव म हमन ले गोठियाय हवय।"
17 तब देस के कुछू अगुवामन आघू आईन अऊ मनखेमन के जम्मो सभा ला कहिन,
18 "यहूदा के राजा हिजकियाह के समय म मोरेसेत नगर के मीका ह अगमबानी करिस। ओह यहूदा के जम्मो
मनखेमन ले कहिस, 'सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'सियोन ला कोनो खेत के सहीं जोते जाही,
यरूसलेम ह गोटी-पथरामन के कुढ़ा हो जाही,
अऊ मंदिर के पहाड़ी ह झाड़ीमन ले भरके एक टीला बन जाही।'*
19 का यहूदा के राजा हिजकियाह या यहूदा के कोनो अऊ ओला मरवा दीन? का हिजकियाह ह यहोवा ले नइं
डरिस अऊ ओकर ले दया के आसा नइं करिस? अऊ का यहोवा ह दया नइं देखाईस अऊ ओ बिपत्ति, जेला ओह
ओमन ऊपर लाने के घोसना करे रिहिस, ओला लानिस? हमन अपन ऊपर एक भयंकर बिपत्ति लानेवाला हन!"

* **26:18** मीका 3:12

20 (फेर किरयत-यारीम नगर के समायाह के बेटा उरियाह एक आने मनखे रिहिस, जऊन ह यहोवा के नांव म
अगमबानी करिस; ओह घलो ये सहर अऊ ये देस के बिरूध म वइसने ही अगमबानी करिस, जइसने यरमियाह
ह करे हवय।
21 जब यहोयाकीम राजा अऊ ओकर जम्मो अधिकारी अऊ करमचारीमन ओकर बचन ला सुनिन, त राजा ह
ओला मरवाय बर ठान लीस। पर उरियाह ह ये बात ला सुनके डर के मारे मिसर देस भाग गीस।
22 तब यहोयाकीम राजा ह अकबोर के बेटा एलनातान ला कुछू अऊ मनखेमन के संग मिसर देस पठोईस।
23 ओमन उरियाह ला मिसर देस ले निकालके यहोयाकीम राजा करा ले आईन, अऊ ओह उरियाह ला
तलवार ले मरवाके ओकर लास ला सधारन मनखेमन के मरघटी म फेंकवा दीस।)
24 पर, सापान के बेटा अहीकाम ह यरमियाह के मदद करिस, अऊ एकरसेति ओला मार डारे बर मनखेमन के
हांथ म नइं दिये गीस।

27

[illegible]

1 योसियाह के बेटा, यहूदा के राजा सिदकियाह के राज के सुरू म, यहोवा ले ये बचन यरमियाह करा आईस।
2 यहोवा ह मोला ये कहिस: "डोरी अऊ लकरी के एक जुड़ा बना अऊ ओला अपन घेंच म रख।
3 तब एदोम, मोआब, अमोन, सूर अऊ सीदोन के राजामन करा, ओ दूतमन के जरिये खबर पठो, जऊन मन
यहूदा के राजा सिदकियाह करा यरूसलेम आय हवंय।
4 ओ दूतमन ला ओमन के मालिकमन बर ये कहिके एक संदेस दे, 'सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर
ह ये कहत हे: अपन-अपन मालिक ले ये कहव:
5 मेंह अपन बड़े सामर्थ अऊ लमाय भुजा ले धरती अऊ येकर मनखे अऊ येमा रहइया पसुमन ला बनाय
हंव, अऊ जेकर ले में खुस होथंव, ओला मेंह येमन ला देथंव।
6 अब मेंह तुम्हर जम्मो देसमन ला अपन सेवक, बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के हांथ म दे दूहूं; अऊ त अऊ
मेंह जंगली पसुमन ला घलो ओकर अधीन कर दूहूं।
7 जम्मो जाति के मनखेमन ओकर अऊ ओकर बेटा अऊ ओकर पोता के सेवा तब तक करहीं, जब तक कि
ओकर खुद के देस के समय नइं आ जाही; तब बहुंते जाति के मनखेमन अऊ बड़े राजामन ओला अपन अधीन
कर लीहीं।
8 " ' "पर यदि कोनो जाति या राज ह बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के सेवा नइं करही या ओकर जुड़ा ला
अपन गरदन म नइं लीही, त मेंह ओ जाति ला तलवार, अकाल अऊ महामारी के सजा तब तक देवत रहिहूं,
जब तक कि मेंह ओ जाति ला ओकर हांथ के दुवारा नास नइं कर दूहूं, यहोवा ह घोसना करत हे।
9 एकरसेति तुमन अपन अगमजानीमन अऊ अपन सकुन-बिचार करइयामन, तुम्हर सपना के अर्थ
बतइयामन, अपन टोनहामन या अपन जादूगरमन के बात ला झन सुनव, जऊन मन तुमन ला कहिथें, 'तुमन
ला बेबिलोन के राजा के सेवा करना नइं पड़य।'
10 ओमन तुमन ले लबारी अगमबानी करथें, जेकर ले तुमन अपन-अपन देस ले दूरिहा हटा दिये जाहू; मेंह
तुमन ला निकाल दूहूं अऊ तुमन नास हो जाहू।
11 पर जऊन जाति के मनखेमन बेबिलोन के राजा के जुड़ा ला अपन गरदन म लीहीं अऊ ओकर सेवा करहीं,
त मेंह ओ जाति के मनखेमन ला ओहीचमन के देस म रहन दूहूं, ताकि ओमन उहां खेती करंय अऊ उहां बसे
रहंय, यहोवा ह घोसना करत हे।" ' "
12 यहूदा के राजा सिदकियाह ला घलो मेंह येहीच संदेस दे हंव। मेंह कहेंव, "बेबिलोन के राजा के जुड़ा ला
अपन गरदन म लेय ले; ओकर अऊ ओकर मनखेमन के सेवा कर, त तेंह जीयत रहिबे।
13 जऊन जाति के मनखेमन बेबिलोन के राजा के सेवा नइं करहीं, ओमन ला यहोवा ह धमकी दे हवय कि
ओमन तलवार, अकाल अऊ महामारी ले मारे जाहीं; त फेर तें अऊ तोर मनखेमन काबर मरे चाहथव?
14 ओ अगमजानीमन के बात ला झन सुन, जऊन मन तोला ये कहिथें, 'तोला बेबिलोन के राजा के सेवा
करना नइं पड़य,' काबरकि ओमन तोर ले लबारी गोठ कहत हवंय।

15 'मेंह ओमन ला नइं पठोय हवंव,' यहोवा ह घोसना करत हे। 'ओमन मोर नांव म लबारी अगमबानी करत
हवंय। एकरसेति, मेंह तोला देस ले निकाल दूहूं अऊ तें अऊ ओ अगमजानी, जऊन मन तोर करा अगमबानी
करथें, तुमन जम्मो के जम्मो नास हो जाहू।' "
16 तब मेंह पुरोहितमन ला अऊ ये जम्मो मनखेमन ला कहेंव, "यहोवा ह ये कहत हे: ओ अगमजानीमन के
बात ला झन सुनव, जऊन मन ये कहिथें, 'अब बहुंत जल्दी, बेबिलोन ले यहोवा के भवन के सामानमन ला
वापिस लाने जाही।' ओमन तुम्हर ले लबारी अगमबानी करत हवंय।
17 ओमन के बात ला झन सुनव। बेबिलोन के राजा के सेवा करव, त तुमन जीयत रहिहू। ये सहर ह काबर
बरबाद होवय?
18 यदि ओमन अगमजानी अंय अऊ ओमन करा यहोवा के बचन हवय, त ओमन सर्वसक्तिमान यहोवा ले
बिनती करंय कि जऊन सामान यहोवा के भवन म अऊ यहूदा के राजा के महल म अऊ यरूसलेम म बांचे हवय,
ओमन ला बेबिलोन झन ले जाय जावय।
19 काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हवय कि जऊन खंभामन, कांसा के टंकी, खसकानेवाला गोड़ा
अऊ आने सामान ये सहर म बांचे हवंय,
20 जेमन ला बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह ओ बेरा नइं ले गीस, जब ओह यहोयाकीम के बेटा, यहूदा के
राजा यहोयाकीन ला अऊ यहूदा अऊ यरूसलेम के जम्मो परभावसाली मनखेमन ला बंदी बनाके यरूसलेम ले
बेबिलोन ले गे रिहिस—हव,
21 जऊन चीजमन यहोवा के भवन म अऊ यहूदा के राजा के महल म अऊ यरूसलेम म बांचे हवंय, ओमन के
बारे म सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
22 'ओ चीजमन ला बेबिलोन पहुंचाय जाही अऊ ओमन उहां तब तक रहिहीं, जब तक कि मेंह ओमन के सुधि
लेय बर नइं आ जावंव,' यहोवा ह घोसना करत हे। 'तब मेंह ओमन ला वापिस लानहूं अऊ ये जगह म फेर रख
दूहूं।' "

28

[illegible] [illegible] [illegible]

1 ओहीच साल, यहूदा के राजा सिदकियाह के राज के चौथा साल के पांचवां महिना म, अजूर के बेटा
हननयाह अगमजानी, जऊन ह गिबोन नगर के रहइया रिहिस, ओह यहोवा के भवन म पुरोहितमन अऊ जम्मो
मनखेमन के आघू म मोर ले कहिस:
2 "सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'मेंह बेबिलोन के राजा के जुड़ा* ला टोर दूहूं।
3 यहोवा के भवन के जतेक सामान बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ये जगह ले हटाके बेबिलोन ले गे रिहिस, ओ
जम्मो ला मेंह दू साल के भीतर ये जगह म वापिस ले आहूं।
4 मेंह यहोयाकीम के बेटा, यहूदा के राजा यहोयाकीन अऊ यहूदा के ओ आने जम्मो बंदीमन ला घलो ये
जगह म वापिस ले आहूं, जऊन मन बेबिलोन चले गे हवंय, काबरकि मेंह बेबिलोन के राजा के जुड़ा ला टोर
दूहूं,' " यहोवा ह घोसना करत हे।
5 तब यरमियाह अगमजानी ह हननयाह अगमजानी ला पुरोहितमन अऊ ओ जम्मो मनखेमन के आघू म
जबाब दीस, जऊन मन यहोवा के भवन म ठाढ़े रिहिन।
6 यरमियाह ह कहिस, "आमीन! यहोवा ह अइसने ही करय! यहोवा के भवन के चीजमन ला अऊ जम्मो
बंदीमन ला बेबिलोन ले ये जगह म वापिस लानके, यहोवा ह तोर अगमबानी के कहे बात ला पूरा करय।
7 तभो ले, जऊन बात मेंह तोर सुनत अऊ जम्मो मनखेमन के सुनत म कहत हंव, ओला सुन:
8 सुरू ले, जऊन अगमजानीमन तोर अऊ मोर ले पहिले होवत आय हवंय, ओमन कतको देस अऊ बड़े-बड़े
राजमन के बिरूध म लड़ई, बिपत्ति अऊ महामारी के अगमबानी करे हवंय।
9 पर जऊन अगमजानी ह सांति के बिसय म अगमबानी करथे, त ओकर पहिचान यहोवा के दुवारा पठोय
सही अगमजानी के रूप म तभे होही, जब ओकर अगमबानी के बचन ह पूरा होही।"

* **28:2** या [illegible]

10 तब हननयाह अगमजानी ह यरमियाह अगमजानी के गरदन म रखे जुड़ा ला लीस अऊ ओला टोर दीस,
11 अऊ ओह जम्मो मनखेमन के आघू म कहिस, "यहोवा ह ये कहत हे: 'येही किसम ले मेंह दू साल के भीतर
बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के जम्मो जाति के मनखेमन के गरदन म रखे जुड़ा ला लेके टोर दूहूं।' " तब
यरमियाह अगमजानी ह अपन डहार चल दीस।
12 जब हननयाह अगमजानी ह यरमियाह अगमजानी के गरदन ले जुड़ा ला लेके टोर दीस, त ओकर बाद
यहोवा के ये बचन यरमियाह करा आईस:
13 "जाके हननयाह ला कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: तेंह कठवा के जुड़ा ला तो टोर देय, पर येकर जगह म
तोला लोहा के एक जुड़ा मिलही।
14 सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: मेंह ये जम्मो जाति के मनखेमन के गरदन म
लोहा के एक जुड़ा रखहूं, ताकि ओमन बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के सेवा करंय, अऊ ओमन ओकर सेवा
करहीं। अऊ त अऊ मेंह ओला जंगली पसुमन ऊपर घलो अधिकार दूहूं।' "
15 तब यरमियाह अगमजानी ह हननयाह अगमजानी ला ये घलो कहिस, "हे हननयाह, सुन! यहोवा ह तोला
नइं पठोय हवय, तभो ले तेंह ये मनखेमन ला अपन लबारी बात ऊपर भरोसा करवा दे हस।
16 एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे: 'मेंह तोला ये धरती ले मिटानेवाला हंव। येहीच साल, तेंह मर जाबे,
काबरकि तेंह यहोवा के बिरूध बिदरोह के बात करे हस।' "
17 अऊ ओहीच साल के सातवां महिना म, हननयाह अगमजानी ह मर गीस।

29

[illegible]

1 यरमियाह अगमजानी ह यरूसलेम ले ये किसम के चिट्ठी बंदीमन म बांचे अगुवामन ला अऊ पुरोहितमन,
अगमजानीमन अऊ आने ओ जम्मो मनखेमन ला पठोईस, जेमन ला नबूकदनेसर ह यरूसलेम ले बेबिलोन बंदी
बनाके ले गे रिहिस।
2 (ये चिट्ठी तब पठोय गे रिहिस, जब यहोयाकीन राजा अऊ राज-माता, दरबार के करमचारी, अऊ यहूदा
अऊ यरूसलेम के अगुवा, कुसल बनिहार अऊ कारीगरमन यरूसलेम ले बंधुवई म चले गे रिहिन।)
3 ये चिट्ठी सापान के बेटा एलासा अऊ हिलकियाह के बेटा गमरयाह के हांथ म पठोय गीस, जेमन ला यहूदा
के राजा सिदकियाह ह नबूकदनेसर राजा करा बेबिलोन पठोईस। चिट्ठी म ये लिखाय रिहिस:
4 ओ जम्मो मनखे, जेमन ला यहोवा ह यरूसलेम ले बेबिलोन बंदी बनाके ले गे हवय, ओमन ला
सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
5 "घर बनाके ओमा बस जावव; बारी लगावव अऊ ओमा जऊन कुछू उपजथे, ओला खावव।
6 सादी-बिहाव करके बेटा-बेटी जनमावव; अपन बेटामन के बिहाव करके ओमन बर घरवाली लानव अऊ
अपन बेटीमन के बिहाव करव, ताकि ओमन के घलो बेटा-बेटी होवंय। उहां गनती म घटव झन, पर बढ़त
जावव।
7 जऊन सहर म, मेंह तुमन ला बंदी बनाके ले गे हवंव, ओ सहर म सांति अऊ ओकर उन्नति के कोसिस
करव। ओकर बर यहोवा ले पराथना करव, काबरकि यदि ओ सहर के उन्नति होही, त तुम्हर घलो उन्नति होही।"
8 हव, सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: "तुम्हर बीच के अगमजानी अऊ
सकुन-बिचार करइयामन तुमन ला धोखा झन देवंय। ओमन जऊन सपना देखथें, ओ सपना के बातमन ला झन
सुनव।
9 ओमन मोर नांव म तुम्हर ले लबारी अगमबानी करथें। मेंह ओमन ला नइं पठोय हंव," यहोवा ह घोसना
करत हे।
10 यहोवा ह ये कहत हे: "जब बेबिलोन के सत्तर साल पूरा हो जाही, त मेंह तुम्हर करा आहूं अऊ तुमन
ला ये जगह म लहुंटा लाने के अपन करे गय बने वायदा ला पूरा करहूं।
11 काबरकि तुम्हर बर मोर जऊन योजना हवय, ओला मेंह जानत हंव," यहोवा ह घोसना करत हे, "तुम्हर
नुकसान करे के नइं पर तुम्हर उन्नति के योजना, तुमन ला आसा अऊ एक भविस्य देय के योजना।
12 तब तुमन मोला बलाहू अऊ आके मोर ले पराथना करहू, अऊ मेंह तुम्हर सुनहूं।

13 तुमन मोला खोजहू अऊ मोला पाहू, जब तुमन मोला अपन पूरा मन से खोजहू।
14 मेंह तुमन ला मिल जाहूं," यहोवा ह घोसना करत हे, "अऊ तुमन ला बंधुवई ले लहुंटा लानहूं। मेंह
तुमन ला ओ जम्मो जाति अऊ जगहमन ले इकट्ठा करहूं, जिहां मेंह तुमन ला निकाल दे हवंव," यहोवा ह
घोसना करत हे, "अऊ तुमन ला ओ जगह म लहुंटाके ले आहूं, जिहां ले मेंह तुमन ला बंधुवई म ले गे रहेंव।"
15 तुमन कह सकत हव, "यहोवा ह हमर बर बेबिलोन म अगमजानी खड़े करे हवय,"
16 पर ओ राजा, जऊन ह दाऊद के सिंघासन म बईठथे अऊ ओ जम्मो मनखे, जऊन मन ये सहर म हवंय,
तुम्हर संगी मनखे, जऊन मन तुम्हर संग बंधुवई म नइं गीन, ओ जम्मो ले यहोवा ह ये कहत हे—
17 हव, सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "मेंह ओमन के बिरूध तलवार, अकाल अऊ महामारी पठोहूं
अऊ मेंह ओमन ला अइसने खराप अंजीर फर सहीं कर दूहूं, जेमन ला खाय नइं जा सकय।
18 मेंह तलवार, अकाल अऊ महामारी लेके ओमन के पीछा करहूं अऊ ओमन ला धरती के जम्मो राज बर
घिन करे के चीज बना दूहूं अऊ ओ जम्मो जातिमन के बीच म, जिहां मेंह ओमन ला खदेड़हूं, ओमन एक सरापित
अऊ भय करे के चीज, कलंकित अऊ तिरस्कार करे के चीज होहीं।
19 काबरकि ओमन मोर बात ला नइं सुने हवंय," यहोवा ह घोसना करत हे, "ओ बात जेला मेंह अपन सेवक
अगमजानीमन के दुवारा ओमन ला बार-बार कहेंव। अऊ तुमन बंधुवई म गे मनखेमन घलो नइं सुनेव," यहोवा
ह घोसना करत हे।
20 "एकरसेति हे जम्मो बंधुवई म गे मनखेमन, जेमन ला मेंह यरूसलेम ले बेबिलोन पठो देय हंव, तुमन
यहोवा के बचन ला सुनव।
21 कोलायाह के बेटा अहाब अऊ मासेयाह के बेटा सिदकियाह, जेमन मोर नांव म तुम्हर ले लबारी
अगमबानी करत हवंय, ओमन के बारे म सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: मेंह ओमन
ला बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के हांथ म कर दूहूं, अऊ ओह ओमन ला तुम्हर आंखी के आघू म मार डारही।
22 ओमन के कारन, यहूदा ले बंधुवई म बेबिलोन गय जम्मो मनखेमन ये सराप के उपयोग करहीं: 'यहोवा
ह तोर संग ओ सिदकियाह अऊ अहाब सहीं बरताव करय, जेमन ला बेबिलोन के राजा ह आगी म जला दीस।'
23 काबरकि ओमन इसरायलीमन के बीच म बहुंते खराप काम करे हवंय; ओमन अपन परोसीमन के
घरवाली संग बेभिचार करे हवंय, अऊ मोर नांव म, ओमन लबारी मारे हवंय—जेकर अधिकार मेंह नइं देय
रहेंव। मेंह येला जानत हंव अऊ मेंह येकर गवाह अंव," यहोवा ह घोसना करत हे।

[illegible]

24 नेहेलामी समायाह ला ये कह,
25 "सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: यरूसलेम म रहइया जम्मो मनखेमन ला,
मासेयाह के बेटा सपनयाह पुरोहित ला, अऊ आने जम्मो पुरोहितमन ला, तेंह अपन ही नांव म चिट्ठी पठोय
हस। तेंह सपनयाह ला कहय,
26 'यहोवा ह यहोयादा पुरोहित के जगह म तोला यहोवा के भवन के अधिकारी होय बर पुरोहित ठहिराय हे
ताकि तें हर ओ पागल मनखे, जऊन ह अगमजानी के सहीं बरताव करथे, ओकर गोड़ म बेड़ी अऊ गरदन म
लोहा के पट्टा डार।
27 एकरसेति अनातोत नगर के यरमियाह, जऊन ह तुम्हर बीच म एक अगमजानी जइसन रहिथे, ओला तेंह
काबर नइं दबकारे?
28 ओह हमर करा बेबिलोन म ये संदेस पठोय हवय: तुमन बंधुवई म बहुंत समय तक रहिहू। एकरसेति घर
बनावव अऊ बस जावव; बारी लगावव अऊ ओमा जऊन कुछू उपजथे, ओला खावव।' "
29 ये चिट्ठी ला सपनयाह पुरोहित ह यरमियाह अगमजानी ला पढ़के सुनाईस।
30 तब यहोवा के ये बचन यरमियाह करा आईस:
31 "जम्मो बंधुवा मनखेमन करा ये संदेस पठो: 'यहोवा ह नेहेलामी समायाह के बारे म ये कहत हे: काबरकि
समायाह ह तुमन ले अगमबानी करे हवय हालाकि मेंह ओला नइं पठोय रहेंव, अऊ तुमन ला लबारी बात ऊपर
भरोसा करे बर उकसाय हवय,

32 एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे: खचित मेंह नेहेलामी समायाह अऊ ओकर संतानमन ला सजा दूहूं। ये
मनखेमन के बीच म, ओकर घर के कोनो नइं बचहीं, अऊ न ही ओह ओ बने चीजमन ला देखन पाही, जेला मेंह
अपन मनखेमन बर करहूं, यहोवा ह घोसना करत हे, काबरकि ओह मोर बिरूध बिदरोह के परचार करे हवय।' "

30

[illegible]

1 यहोवा कोति ले ये बचन यरमियाह करा आईस:
2 "यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'जऊन बात मेंह तोर ले कहे हवंव, ओ जम्मो ला एक ठन
किताब म लिख ले।
3 ओ दिनमन आवत हें,' यहोवा ह घोसना करत हे, 'जब मेंह अपन इसरायली अऊ यहूदी मनखेमन ला
बंधुवई ले वापिस लानहूं अऊ जऊन देस मेंह ओमन के पुरखामन ला अधिकार करे बर देय रहेंव, ओ देस म, मेंह
ओमन ला फेर बसाहूं,' यहोवा ह कहत हे।"
4 जऊन बचन यहोवा ह इसरायली अऊ यहूदीमन के बारे म कहिस, ओमन ये अंय:
5 "यहोवा ह ये कहत हे:
" 'भय के मारे रोये के अवाज सुनई देवत हे—
सांति नइं, पर आतंक के अवाज।
6 पुछव अऊ देखव:
का कोनो आदमी ह लइका ला जनम दे सकथे?
त फेर मेंह काबर देखत हंव कि हर एक बलवान मनखे ह
छेवारी होवइया माईलोगन सहीं अपन हांथ ला अपन पेट म रखे हवय,
हर एक चेहरा मरे सहीं पीला हो गे हवय?
7 ओह दिन ह कतेक भयंकर होही!
ओ दिन सहीं अऊ कोनो दिन नइं होही।
याकूब बर, ओह संकट के बेरा होही,
पर ओला ओमा ले बचाय जाही।

8 " 'ओ दिन,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे,
'मेंह ओमन के गरदन के जुड़ा ला उतारके टोर दूहूं
अऊ ओमन के बंधना ला कुटा-कुटा कर दूहूं;
अऊ परदेसीमन ओमन ला फेर गुलाम नइं बनाहीं।
9 पर ओमन यहोवा अपन परमेसर
अऊ अपन राजा दाऊद के सेवा करहीं,
जेला मेंह ओमन बर ठाढ़ करहूं।

10 " 'एकरसेति, हे मोर सेवक याकूब, झन डर;
हे इसरायल, भयभीत झन हो,'
यहोवा ह घोसना करत हे।
'खचित, मेंह तोला दूरिहा जगह ले,
अऊ तोर संतानमन ला बंधुवई के देस ले छुड़ाके लानहूं।
याकूब ह फेर सांति अऊ सुरकछा म रहिही,
अऊ कोनो ओला डरा नइं सकहीं।
11 मेंह तोर संग हवंव अऊ मेंह तोला बचाहूं,'
यहोवा ह घोसना करत हे।
'हालाकि जऊन जातिमन के बीच म, मेंह तुमन ला तितिर-बितिर कर दे हवंव

ओ जम्मो जाति ला मेंह पूरा नास कर दूहूं,
पर मेंह तुमन ला पूरा नास नइं करंव।
मेंह तुम्हर ताड़ना करहूं, पर सिरिप एक सीमना के भीतर;
मेंह तुमन ला बिगर ताड़ना के पूरा नइं छोड़ंव।'
12 "यहोवा ह ये कहत हे:
" 'तोर घाव ह नइं भरय,
अऊ तोला लगे चोट ह ठीक नइं होवय।
13 तोर मामला ला लड़े बर कोनो नइं ए,
तोर घाव के कोनो ईलाज नइं ए,
तोर बर कोनो चंगई नइं ए।
14 तोर जम्मो संगवारीमन तोला भुला गे हवंय;
ओमन तोर कोनो चिंता नइं करंय।
एक बईरी ह जइसने मारथे, वइसने मेंह तोला मारे हंव
अऊ एक निरदयी ह जइसने सजा देथे, वइसने मेंह तोला सजा दे हंव,
काबरकि तोर अपराध ह बहुंत बड़े हे
अऊ तोर पापमन बहुंत अकन हवंय।
15 अपन घाव अऊ ओ पीरा ऊपर काबर रोवत हस,
जेकर कोनो ईलाज नइं ए?
तोर बड़े अपराध अऊ बहुंते पाप के कारन
मेंह तोर संग अइसने करे हवंव।

16 " 'पर ओ जम्मो, जऊन मन तोला खावत हें, ओमन खुद खा लिये जाहीं;
तोर जम्मो बईरीमन बंधुवई म चल दीहीं।
जऊन मन तोला लूटत हें, ओमन खुद लूटे जाहीं;
ओ जम्मो, जऊन मन तोला लूटत हें, ओमन ला मेंह लूटहूं।
17 पर मेंह तोला फेर भला-चंगा करहूं
अऊ तोर घावमन ला ठीक कर दूहूं,' यहोवा ह घोसना करत हे,
'काबरकि तोला जाति ले निकाले गे मनखे कहे जाथे,
येह सियोन ए, जेकर चिंता कोनो नइं करंय।'
18 "यहोवा ह ये कहत हे:
" 'मेंह याकूब के तम्बूमन ला फेर बसाहूं
अऊ ओकर निवासमन ऊपर दया देखाहूं;
सहर ला अपन ही खंडहर ऊपर फेर बनाय जाही,
अऊ महल ह अपन ही जगह म फेर ठाढ़ होही।
19 ओमन ले धनबाद के गीत
अऊ आनंद मनाय के अवाज आही।
मेंह ओमन के गनती ला बढ़ाहूं,
अऊ ओमन नइं घटहीं;
मेंह ओमन के आदरमान बढ़ाहूं,
अऊ ओमन तुछ्-नीच नइं समझे जाहीं।
20 ओमन के लइकामन पुराना जमाना के सहीं होहीं,
अऊ ओमन के समाज ह मोर आघू म स्थापित होही;
जऊन मन ओमन ला सताथें, ओ जम्मो ला मेंह सजा दूहूं।

21 ओमन के अगुवा ओमन के बीच म ले ही एक झन होही;
ओमन ऊपर राज-करइया घलो ओमन के बीच ले ही होही।
मेंह ओला लकठा म लानहूं अऊ ओह मोर लकठा म आही—
काबरकि कोन ए ओ, जऊन ह मोर लकठा म
आय बर अपनआप ला दे दीही?'
यहोवा ह घोसना करत हे।
22 'ये किसम ले तुमन मोर मनखे होहू,
अऊ मेंह तुम्हर परमेसर ठहिरहूं।' "

23 देखव, यहोवा के कहर ह
गुस्सा के कारन भड़क जाही,
एक भयंकर आंधी ह दुस्टमन के
मुड़ ऊपर किंदरत हवय।
24 जब तक यहोवा ह
अपन हिरदय के उदेस्य ला पूरा नइं कर लीही
तब तक ओकर भड़के गुस्सा ह सांत नइं होही।
अवइया दिन म
तुमन ये बात ला समझहू।

31

1 यहोवा ह घोसना करत हे, "ओ समय म, मेंह जम्मो इसरायली परिवारमन के परमेसर होहूं, अऊ ओमन मोर मनखे होहीं।"
2 यहोवा ह ये कहत हे:
"जऊन मनखेमन तलवार ले बच जाथें
ओमन ऊपर सुन्ना जगह म दया करे जाही;
मेंह इसरायल ला अराम देय बर आहूं।"
3 यहोवा ह बहुंत पहिले हमर करा परगट होके कहिस:
"मेंह तुमन ला सदा बने रहइया मया करे हवंव;
मेंह तुमन ऊपर हमेसा दया देखाय हवंव।
4 मेंह तुमन ला फेर बनाहूं,
अऊ हे कुंवारी इसरायल! तेंह फेर से बनाय जाबे।
तेंह फेर अपन डफली ला लेबे
अऊ आनंद सहित नाचे बर बाहिर निकलबे।
5 तेंह सामरिया के पहाड़ीमन म
अंगूर के बारीमन ला फेर लगाबे;
किसानमन ओमन ला लगाहीं
अऊ ओमन के फर के आनंद उठाहीं।
6 एक अइसने दिन आही, जब रखवारमन
एपरैम के पठारमन ले चिचियाके कहिहीं,
'आवव, हमन सियोन ऊपर,
यहोवा हमर परमेसर करा जाबो।' "
7 यहोवा ह ये कहत हे:
"याकूब बर आनंद के गीत गावव;
सबले ऊंच जाति बर चिचियावव।
परसंसा के बातमन सुनावव, अऊ कहव,

‘हे यहोवा, अपन मनखे,
इसरायल के बांचे भाग ला बचा।’
8 देखव, मेंह ओमन ला उत्तर दिग के देस ले लेय आहूं
अऊ धरती के छोर ले ओमन ला संकेलहूं।
ओमन के बीच म अंधरा, खोरवा,
देहें बोहे दाई अऊ लइका जनमइया माईलोगनमन होहीं;
मनखेमन के एक बड़े भीड़ ह लहुंटके आही।
9 ओमन रोवत आहीं;
जब मेंह ओमन ला लानहूं, त ओमन पराथना करहीं।
मेंह ओमन ला पानी के सोता के तीर म ले
समतल रसता म ले जाहूं, जिहां ओमन ठोकर नइं खाहीं,
काबरकि मेंह इसरायल के ददा अंव
अऊ एपरैम ह मोर पहिली जनमे बेटा अय।

10 “हे जाति-जाति के मनखेमन, यहोवा के बचन ला सुनव;
दूरिहा-दूरिहा के समुंदर तीर के देसमन म येकर परचार करव:
कहव, ‘जऊन ह इसरायलीमन ला तितिर-बितिर करे हवय, ओहीच ह ओमन ला संकेलही
अऊ ओमन के अइसने खियाल रखही, जइसने एक चरवाहा ह अपन झुंड के खियाल रखथे।’
11 काबरकि यहोवा ह याकूब ला छुड़ा लीही
अऊ ओमन ला ओ बईरीमन के हांथ ले छुटकारा दीही, जऊन मन ओमन ले जादा बलवान हवंय।
12 ओमन आहीं अऊ सियोन के ऊंचहा जगहमन म आनंद के मारे चिचियाहीं;
ओमन यहोवा के उदारता ला देखके आनंद मनाहीं—
ओमन करा अनाज, नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून तेल,
भेड़-बकरी अऊ गाय-बईलामन के बछरूमन होहीं।
ओमन बने करके पानी पलोय बारी सहीं होहीं,
अऊ ओमन फेर कभू उदास नइं होहीं।
13 तब जवान माईलोगनमन नाचहीं अऊ खुसी मनाहीं,
जवान मनखे अऊ डोकरामन घलो।
मेंह ओमन के सोक ला खुसी म बदल दूहूं;
मेंह सोक के बदले ओमन ला सांति अऊ आनंद दूहूं।
14 मेंह पुरोहितमन ला बहुंतायत से देके ओमन ला संतोस कर दूहूं,
अऊ मोर मनखेमन मोर उदारता से दिये चीजमन ले भर जाहीं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
15 यहोवा ह ये कहत हे:
“रामा सहर म रोये
अऊ बहुंते बिलाप करे के अवाज सुनई देवथे।
राहेल ह अपन लइकामन खातिर रोवत हे
अऊ ओह नइं चाहत रिहिस कि कोनो ओला सांतवना देवंय,
काबरकि ओकर लइकामन मर गे हवंय।”
16 यहोवा ह ये कहत हे:
“तेंह रोना बंद कर
अऊ अपन आंसू झन बहा,
काबरकि तोला मेहनत के फर मिलही,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

“ओमन बईरीमन के देस ले लहुंट आहीं।
17 एकरसेति तोर संतानमन बर आसा हवय,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
“तोर लइकामन अपन देस म लहुंट आहीं।

18 “मेंह सही म एपरैम ला ये बिलाप करत सुने हवंव:
‘तेंह एक उदंड बछरू के सहीं मोर ताड़ना करे हस,
अऊ मोला सजा मिले हवय।
मोला पहिले के सहीं कर दे, अऊ मेंह वापिस आहूं,
काबरकि तेंह यहोवा मोर परमेसर अस।
19 भटक जाय के बाद,
मेंह पछताप करेंव;
समझ म आय के बाद,
मेंह अपन छाती पीटेंव।
मेंह सरमिंदा होयेंव अऊ दीन-हीन करे गेंव
काबरकि मोर म अपन जवानी के कलंक रिहिस।’
20 का एपरैम ह मोर मयारू बेटा नो हय,
जेला देखके मेंह खुसी ले भर जाथंव?
हालाकि मेंह अकसर ओकर बिरूध गोठियाथंव,
तभो ले मेंह ओला अभी घलो सुरता करथंव।
एकरसेति मोर मन ह ओकर ऊपर लगे रहिथे;
मोर मन म ओकर बर बहुंत दया हवय,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

21 “हे कुंवारी इसरायल, सड़क के चिनहांमन ला ठीक कर;
डहार देखइया खंभामन ला गाड़।
जऊन सड़क म तेंह जाथस,
ओ राजमार्ग ला धियान म रख।
तेंह लहुंट आ,
अपन नगरमन म लहुंट आ।
22 हे बेईमान बेटी इसरायल,
तेंह कब तक भटकत रहिबे?
यहोवा ह धरती म एक नवां चीज बनाही—
माईलोगन ह आदमी करा लहुंट आही।”*
23 सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: “जब मेंह ओमन ला बंधुवई ले वापिस लानहूं, तब यहूदा देस अऊ येकर नगरमन के मनखेमन एक बार फेर ये बात कहिहीं: ‘हे सम्पन्न सहर, हे पबितर पहाड़, यहोवा ह तोला आसीस देवय।’
24 यहूदा अऊ येकर जम्मो नगरमन म मनखेमन एक संग रहिहीं—किसानमन अऊ ओ मनखे, जऊन मन अपन पसु के झुंड के संग एक जगह ले आने जगह जावत रहिथें।
25 मेंह थके मनखेमन ला ताजा अऊ दुरबल मनखेमन ला संतुस्ट करहूं।”
26 अतका म मेंह जाग गेंव अऊ चारों कोति देखेंव। मोर नींद ह मोला बने लगिस।
27 यहोवा ह घोसना करत हे, “ओ दिनमन आवत हें, जब मेंह इसरायल अऊ यहूदा के राजमन ला मनखे अऊ पसु दूनों के संतान सहित बढ़ाहूं।

* **31:22** या [illegible]

28 जइसने कि मेंह ओमन ला उखाने म अऊ गिराय म, अऊ फटिकके नास करे म अऊ बिपत्ति लाने म नजर
रखेंव, वइसने ही मेंह ओमन ला बनाय म अऊ बढ़ाय म नजर रखहूं," यहोवा ह घोसना करत हे।
29 "ओ दिनमन म मनखेमन ये नइं कहिहीं,
" 'दाई-ददामन तो खट्टा अंगूर खाईन,
अऊ दांत खट्टा होईस लइकामन के।'
30 येकर उल्टा, हर एक मनखे ह ओकर खुद के पाप के कारन मरही; जऊन ह खट्टा अंगूर खाही—ओकर खुद के
दांत ह खट्टा होही।
31 "ओ दिनमन आवत हें," यहोवा ह घोसना करत हे,
"जब मेंह इसरायल के मनखेमन संग
अऊ यहूदा के मनखेमन संग
एक नवां करार करहूं।
32 येह ओ करार सहीं नइं होही,
जेला मेंह ओमन के पुरखामन संग करे रहेंव
जब मेंह ओमन के हांथ धरके
ओमन ला मिसर देस ले निकाल लानेंव,
काबरकि ओमन मोर करार ला टोर दीन,
हालाकि मेंह ओमन के घरवाला रहेंव,"†
यहोवा ह घोसना करत हे।
33 "ओ समय के बाद, मेंह इसरायल के मनखेमन संग
ये करार करहूं," यहोवा ह घोसना करत हे।
"मेंह अपन कानून ला ओमन के मन म डालहूं
अऊ येला ओमन के हिरदय म लिखहूं।
मेंह ओमन के परमेसर होहूं,
अऊ ओमन मोर मनखे होहीं।
34 ओमन अपन परोसी ला फेर ये कभू नइं सिखोहीं,
या एक-दूसर ला ये नइं कहिहीं, 'यहोवा ला जानव,'
काबरकि छोटे ले लेके बड़े तक,
ओ जम्मो झन मोला जानहीं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
"काबरकि मेंह ओमन के अधरम ला छेमा करहूं
अऊ ओमन के पाप ला फेर सुरता नइं करहूं।"
35 यहोवा ह ये कहत हे,
जऊन ह दिन म अंजोर देय बर
सूरज ला ठहिराथे,
जऊन ह रथिया अंजोर देय बर
चंदा अऊ तारामन ला ठहिराथे,
जऊन ह समुंदर ला हलाथे
ताकि येकर लहरामन गरजें—
ओकर नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय:
36 "यदि ये नियममन मोर आघू ले हट जावंय,"
यहोवा ह घोसना करत हे,
"त का इसरायल ह कभू एक देस के रूप म
मोर आघू ले मिट जाही।"

† **31:32** या [illegible]

37 यहोवा ह ये कहत हे:
“यदि ऊपर अकास ला नापे जा सकतिस
अऊ खाल्हे धरती के नीव के पता लगाय जा सकतिस
त मेंह इसरायल के जम्मो संतान ला
ओमन के जम्मो पापमन के कारन तियाग देतेंव,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
38 “ओ दिनमन आवत हें,” यहोवा ह घोसना करत हे, “जब ये सहर ह हनानेल के ऊंच महल ले लेके कोना के
दीवार तक मोर बर फेर बनाय जाही।
39 नापे के लकीर ह उहां ले आघू बढ़के सीधा गारेब के पहाड़ी तक जाही अऊ तब मुड़के गोआ तक आही।
40 ओ जम्मो घाटी जिहां लासमन ला अऊ राख ला फटिक दिये जाथे, अऊ पूरब म घोड़ा दुवार के कोना तक
किदरोन घाटी के जम्मो समतल भुइयां यहोवा बर पबितर ठहिरही। ओ सहर ला फेर कभू उखाने या गिराय नइं
जाही।”

32

[illegible]

1 यहूदा के राजा सिदकियाह के राज के दसवां साल म, जऊन ह नबूकदनेसर के राज के अठारहवां साल
रिहिस, यहोवा के ये बचन यरमियाह करा आईस।
2 ओ समय, बेबिलोन के राजा के सेना ह यरूसलेम ला घेर ले रिहिस, अऊ यरमियाह अगमजानी ला यहूदा
के राजमहल म पहरेदार के अंगना म बंदी बनाय गे रिहिस।
3 यहूदा के राजा सिदकियाह ह ये कहिके ओला बंदी बनाय रिहिस, “तेंह अइसने अगमबानी काबर करथस?
तेंह कहिथस, ‘यहोवा ह ये कहत हे: मेंह ये सहर ला बेबिलोन के राजा के हांथ म देवइया हंव, अऊ ओह येकर
ऊपर कब्जा कर लीही।
4 यहूदा के राजा सिदकियाह ह बेबिलोन के मनखेमन के हांथ ले नइं बचही, पर खचित ओला बेबिलोन के
राजा के हांथ म दे दिये जाही, अऊ बेबिलोन के राजा ह ओकर संग आमने-सामने गोठियाही अऊ ओला अपन
खुद के आंखी ले देखही।
5 ओह सिदकियाह ला बेबिलोन ले जाही, जिहां ओह तब तक रहिही, जब तक कि मेंह ओकर सुधि नइं लूहूं,
यहोवा ह घोसना करत हे। यदि तुमन बेबिलोन के मनखेमन ले लड़हू, त तुमन ओमन ला जीत नइं सकहू।’ ”
6 यरमियाह ह कहिस, “यहोवा के बचन ह मोर करा आईस:
7 देख, तोर कका सल्लूम के बेटा हनमेल तोर करा आही अऊ ये कहिही, ‘मोर जऊन खेत अनातोत नगर म
हवय, ओला बिसा ले, काबरकि नजदीकी रिस्तेदार के रूप म येला बिसाय के अधिकार अऊ जिम्मेदारी तोर अय।’
8 “तब यहोवा के कहे मुताबिक मोर कका के बेटा हनमेल ह पहरेदार के अंगना म मोर करा आईस अऊ
कहिस, ‘मोर जऊन खेत बिनयामीन के देस के अनातोत म हवय, ओला बिसा ले, काबरकि येला छुड़ाय अऊ
येकर ऊपर कब्जा करे के अधिकार तोर अय, एकरसेति येला अपन बर बिसा ले।’
“मेंह जानत रहेंव कि येह यहोवा के बचन रिहिस;
9 एकरसेति मेंह ओ अनातोत म के खेत ला अपन चचेरा-भाई हनमेल ले बिसा लेंव अऊ ओकर कीमत के रूप
म ओला चांदी के सतरह सेकेल* तऊलके दे देंव।
10 मेंह ओ खेत के खरीदीनामा म दसखत करके मुहर लगांय; गवाहमन के दसखत करवांय, अऊ चांदी ला
तराजू म तऊलके ओला दे देंव।
11 तब मेंह खरीदीनामा के ओ कागज ला लेंव, जेमा नियम अऊ सर्त लिखाय रिहिन अऊ मुहर लगे रिहिस
अऊ संग म ओला घलो लेंव, जेमा मुहर नइं लगे रिहिस—
12 अऊ ये कागजमन ला अपन चचेरा-भाई हनमेल अऊ ओ गवाह, जेमन कागज म दसखत करे रिहिन अऊ
ओ जम्मो यहूदी, जेमन पहरेदार के अंगना म बईठे रिहिन, ओ जम्मो के आघू म महसेयाह के पोता, नेरियाह के
बेटा बारूक ला सऊंप देंव।
13 “ओ जम्मो के आघू म मेंह बारूक ला ये निरदेस देंव:

* **32:9** लगभग 200 ग्राम

14 'सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: खरीदीनामा के मुहर लगे अऊ मुहर नइं
लगे—ये दूनों कागजमन ला ले अऊ माटी के बरतन म रख, ताकि येमन बहुंत समय तक सही-सलामत रहंय।
15 काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: ये देस म घर, खेत अऊ अंगूर के
बारीमन फेर बिसाय जाहीं।'
16 "खरीदीनामा के कागजमन ला नेरियाह के बेटा बारूक ला देय के बाद, मेंह यहोवा ले ये पराथना करेंव:
17 "हे परमपरधान यहोवा, तेंह अपन बड़े सामर्थ अऊ बढ़ाय भुजा के दुवारा अकास अऊ धरती ला बनाय
हस। तोर बर कोनो भी काम कठिन नो हय।
18 तेंह हजारों मनखे ला अपन मया देखाथस, पर दाई-ददामन के पाप के दंड ओमन के बाद ओमन के
लइकामन ला घलो देथस। महान अऊ सक्तिमान परमेसर, जेकर नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय,
19 तोर उदेस्यमन महान अंय अऊ तोर काममन बड़े अंय। तोर आंखीमन मानव-जाति के चालचलन ऊपर
लगे रहिथे; तेंह हर एक मनखे ला ओकर चालचलन अऊ ओकर करम के मुताबिक ईनाम देथस।
20 तेंह मिसर देस म चिनहां अऊ चमतकार देखाय अऊ आज तक इसरायल म अऊ जम्मो मानव-जाति के
बीच म चिनहां अऊ चमतकार देखावत हस, अऊ तोर कीरति आज तक फईले हवय।
21 तेंह अपन मनखे इसरायलीमन ला चिनहां अऊ चमतकार के संग, एक सक्तिसाली हांथ अऊ बढ़े भुजा
के दुवारा अऊ बड़े आतंक के संग मिसर देस ले निकाल लानय।
22 तेंह ये देस ओमन ला देय, जेला देय के किरिया तेंह ओमन के पुरखामन के संग खाय रहय, एक देस
जिहां दूध अऊ मंधरस के धारा बहथे।
23 ओमन आईन अऊ येला अपन अधिकार म ले लीन, पर ओमन तोर बात नइं मानिन या तोर कानून के
मुताबिक नइं चलिन; ओमन ओ काम नइं करिन, जेला करे के हुकूम तेंह ओमन ला दे रहय। एकरसेति तेंह
ओमन ऊपर ये जम्मो बिपत्ति लानय।
24 "देख, सहर ऊपर कब्जा करे बर कइसे घेराबंदी के ढलानमन बनाय गे हवंय। तलवार, अकाल अऊ
महामारी के कारन, सहर ला बेबिलोन के ओ मनखेमन के हांथ म दे दिये जाही, जऊन मन हमला करत हवंय।
जऊन बात तेंह कहे रहय, ओह होवत हे, जइसे कि तेंह देखत हस।
25 अऊ हालाकि सहर ला बेबिलोन के मनखेमन के हांथ म दे दिये जाही, तभो ले, हे परमपरधान यहोवा,
तेंह मोला कहिथस, 'चांदी देके खेत ला बिसा ले अऊ कागज म गवाहमन के दसखत लेय ले।' "
26 तब यहोवा के ये बचन यरमियाह करा आईस:
27 "मेंह जम्मो मानव-जाति के परमेसर, यहोवा अंव। का कोनो घलो काम मोर बर बहुंत कठिन अय?
28 एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे: मेंह ये सहर ला बेबिलोन के मनखे अऊ बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के
हांथ म देवइया हंव, जऊन ह येमा कब्जा कर लीही।
29 बेबिलोन के जऊन मनखेमन ये सहर ऊपर हमला करत हवंय, ओमन ये सहर म आहीं अऊ येमा आगी
लगा दीहीं; ओमन सहर ला अऊ सहर के ओ घरमन ला जला दीहीं, जिहां मनखेमन छानी म बाल देवता बर
धूप जलाके अऊ आने देवतामन बर पेय-बलिदान चढ़ाके मोर गुस्सा ला भड़काय हवंय।
30 "इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन अपन जवानी के समय ले मोर नजर म सिरिप दुस्टता के काम करे
हवंय; वास्तव म, इसरायल के मनखेमन अपन हांथ ले बनाय चीजमन के दुवारा मोर गुस्सा ला भड़काय के छोंड़
अऊ कुछू नइं करे हवंय, यहोवा ह घोसना करत हे।
31 जऊन दिन ये सहर बसाय गीस, तब ले लेके आज तक, ये सहर ह मोर गुस्सा अऊ कोप ला भड़काय के
काम करे हवय, एकरसेति मेंह येला अपन आघू ले हटा दूहूं।
32 इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन ओमन के राजा अऊ करमचारीमन, ओमन के पुरोहित अऊ
अगमजानीमन, यहूदा के मनखे अऊ यरूसलेम म रहइया मनखे, जम्मो के जम्मो दुस्टता के काम करके मोर
गुस्सा ला भड़काय हवंय।
33 ओमन मोर कोति अपन मुहूं नइं, पर अपन पीठ ला कर दे हवंय; हालाकि मेंह ओमन ला बार-बार सिखांय,
पर ओमन मोर बात ला नइं सुनिन या ओकर मुताबिक नइं चलिन।
34 ओ घर जऊन ह मोर कहाथे, ओमा ओमन अपन बेकार के मूरतीमन ला मढ़ाईन अऊ मोर घर ला असुध
करिन।

35 ओमन अपन बेटा अऊ बेटीमन ला मोलेक देवता ला बलिदान करे बर बेन-हिन्नोम के घाटी म बाल देवता
बर ऊंच-ऊंच जगहमन ला बनाईन, हालाकि येकर हुकूम मेंह कभू नइं देय रहेंव—अऊ न ही ये बात कभू मोर
मन म आईस—कि ओमन अइसने घिनौना काम करंय अऊ ये किसम ले यहूदी मनखेमन ले पाप करावंय।

36 "तेंह ये सहर के बारे म कहत हस, 'तलवार, अकाल अऊ महामारी के दुवारा येला बेबिलोन के राजा के हांथ
म दे दिये जाही'; पर यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
37 खचित, मेंह ओमन ला ओ जम्मो देस ले इकट्ठा करहूं, जिहां मेंह अपन बहुंत गुस्सा अऊ भयंकर कोप के
कारन ओमन ला निकाल दे रहेंव; मेंह ओमन ला ये जगह म लहुंटाके ले आहूं अऊ ओमन निडर होके रहिहीं।
38 ओमन मोर मनखे होहीं, अऊ मेंह ओमन के परमेसर होहूं।

39 मेंह ओमन ला एक ही मन अऊ एक ही चालचलन दूहूं, ताकि ओमन हमेसा मोर भय मानंय अऊ ओमन के
जिनगी अऊ ओमन के बाद ओमन के लइकामन के जिनगी घलो सही-सलामत बितय।
40 मेंह ओमन के संग सदा बने रहइया एक करार करहूं; मेंह ओमन के भलई करई कभू नइं छोंड़हूं, अऊ मेंह
ओमन ला मोर भय माने बर उत्साहित करहूं, ताकि ओमन कभू मोर ले अलग झन होवंय।
41 मेंह ओमन के भलई करके आनंदित होहूं, अऊ सही म, मेंह अपन पूरा मन अऊ आतमा सहित ओमन ला
ये देस म बसाहूं।

42 "यहोवा ह ये कहत हे: जइसने मेंह ये मनखेमन ऊपर ये जम्मो बड़े बिपत्ति लाने हवंव, वइसने ही मेंह
ओमन ला ओ जम्मो खुसी दूहूं, जेकर वायदा मेंह ओमन ले करे रहेंव।
43 एक बार फेर ये देस के भुइयां के दसा ह सुधरही, जेकर बारे म तुमन कहिथव, 'येह बिगर मनखे या पसु के
एक उजाड़ भुइयां ए, काबरकि येला बेबिलोन के मनखेमन के हांथ म दे दिये गे हवय।'
44 बिनयामीन के इलाका म, यरूसलेम के चारों कोति के गांवमन म, यहूदा के नगरमन म अऊ पहाड़ी देस,
पछिम के खाल्हे के देस अऊ नेगेव के नगरमन म खेतमन ला चांदी देके फेर बिसाय जाही, अऊ लेन-देन के
कागज म दसखत करे जाही, ओमा मुहर लगाय जाही अऊ गवाहमन होहीं, काबरकि मेंह ओमन के दिन ला
बदलहूं, यहोवा ह घोसना करत हे।"

33

[illegible]

1 जब यरमियाह ह पहरेदार के अंगना म बंद रिहिस, त यहोवा के बचन दूसर बार ओकर मेर आईस:
2 "जऊन ह धरती ला बनाईस, यहोवा जऊन ह येला रूप दीस अऊ येला इस्थिर करिस—ओकर नांव यहोवा
अय; ओह ये कहत हे:
3 'मोर ले पराथना कर अऊ मेंह तोला जबाब दूहूं अऊ तोला बड़े-बड़े अऊ कठिन बात बताहूं, जेमन ला तेंह
नइं जानस।'
4 ये सहर के घर अऊ यहूदा के राजमहलमन एकरसेति गिराय गे हवंय ताकि बेबिलोन के मनखेमन के संग
लड़ई म, येमन के उपयोग सैनिकमन के घेरा अऊ तलवार के बिरूध करे जा सकय; ये घर अऊ राजमहलमन के
बारे म यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
5 'मेंह अपन गुस्सा अऊ कोप म आके ये सहर के मनखेमन ला मारहूं, अऊ सहर ह मनखेमन के लास ले भर
जाही। काबरकि ये सहर के मनखेमन के दुस्टता के कारन, मेंह ये सहर ले अपन मुहूं ला फेर लूहूं।

6 " 'तभो ले, मेंह ये सहर के ईलाज करहूं अऊ येमा चंगई लानहूं; मेंह अपन मनखेमन ला चंगा करहूं अऊ
ओमन अपार सांति अऊ सुरकछा के आनंद उठाहीं।
7 मेंह यहूदा अऊ इसरायल के मनखेमन ला बंधुवई ले वापिस लानहूं अऊ ओमन ला पहिले के सहीं फेर बसा
दूहूं।
8 ओमन जतेक पाप मोर बिरूध करे हवंय, ओ जम्मो पाप ले मेंह ओमन ला सुध करहूं अऊ मोर बिरूध म करे
गे बिदरोह के ओमन के जम्मो पाप ला छेमा करहूं।

9 तब धरती के देसमन, ये सहर बर करे गे मोर भलई के काम के बारे म सुनहीं अऊ मेंह ओ जम्मो देस के आघू
म ये सहर म खियाती, आनंद, परसंसा अऊ आदर लानहूं; अऊ जऊन बढ़ती अऊ सांति मेंह ये सहर ला दूहूं,
ओला देखके ओ देस के मनखेमन डरहीं अऊ डर के मारे कांपहीं।'
10 "यहोवा ह ये कहत हे: 'तेंह ये जगह के बारे म कहिथस, "येह बिगर मनखे या पसु के एक उजाड़ जगह
अय।" हालाकि यहूदा देस के नगर अऊ यरूसलेम के गलीमन सुनसान पड़े हवंय, अऊ येमा न तो कोनो मनखे
अऊ न ही कोनो पसु रहत हें, तभो ले उहां एक बार फेर
11 आनंद अऊ खुसी के अवाज, दूल्हा अऊ दुलहिन के अवाज, अऊ जऊन मन यहोवा के घर म धनबाद के
बलिदान लानथें, ओमन के अवाज ये कहत सुनई दीही,
"सर्वसक्तिमान यहोवा ला धनबाद देवव,
काबरकि यहोवा ह बने अय;
ओकर मया सदाकाल तक बने रहिथे।"
काबरकि मेंह ये देस के दसा ला पहिले के सहीं बने कर दूहूं, यहोवा ह कहत हे।
12 "सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'ये जगह, जऊन ह उजाड़ अऊ बिगर मनखे या पसु के हवय—येकर
जम्मो नगर म चरवाहामन के भेड़-बकरी के झुंड बर अराम करे के फेर चरागनमन होहीं।
13 पहाड़ी देस, पछिम के खाल्हे पहाड़ी देस अऊ नेगेव के नगरमन म, बिनयामीन के इलाका म, यरूसलेम के
चारों कोति के गांवमन म अऊ यहूदा के नगरमन म भेड़-बकरी के झुंडमन फेर ओकर करा आहीं, जऊन ह ओमन
के गनती करथे,' यहोवा ह कहत हे।
14 " 'ओ दिनमन आवत हें,' यहोवा ह घोसना करत हे, 'जब मेंह इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन ले करे गे
बने वायदा ला पूरा करहूं।
15 " 'ओ दिनमन म अऊ ओ बेरा म
मेंह दाऊद के बंस म एक धरमी डंगाल* के पीका ला ठाढ़ करहूं;
ओह ये देस म नियाय के काम अऊ सही काम करही।
16 ओ दिनमन म यहूदा के मनखेमन ला बंचाय जाही
अऊ यरूसलेम के मनखेमन सुरकछित बसे रहिहीं।
ओला ये नांव के दुवारा पुकारे जाही:
यहोवा हमर धरमी उद्धारकर्ता।'
17 काबरकि यहोवा ह ये कहत हे: 'दाऊद के बंस म ले इसरायल के सिंघासन म बईठनेवाला हर समय कोनो न
कोनो होहीं,
18 अऊ लेवीय पुरोहितमन के बंस म ले मोर आघू म होम-बलिदान, अन्न-बलिदान अऊ आने बलिदान चघाय
बर हर समय कोनो न कोनो होहीं।' "
19 यहोवा के ये बचन यरमियाह मेर आईस:
20 "यहोवा ह ये कहत हे: 'मेंह दिन अऊ रात के बारे म करार करे हंव; यदि तुमन ये करार ला टोर दे हव,
ताकि दिन अऊ रात अपन ठहिराय समय म झन होवंय,
21 त फेर मोर सेवक दाऊद के संग करे मोर करार—अऊ मोर आघू म सेवा करइया लेवी पुरोहितमन के संग
करे मोर करार ला टोरे जा सकत हे अऊ दाऊद ले ओकर सिंघासन म राज-करइया फेर ओकर कोनो संतान नइं
होहीं।
22 जइसने अकास के तारामन ला गने नइं जा सकय अऊ न ही समुंदर तीर के बालू ला नापे जा सकय,
वइसने ही मेंह अपन सेवक दाऊद के संतान अऊ मोर आघू म सेवा करइया ओ लेवीमन ला बढ़ाहूं कि ओमन
गने नइं जा सकहीं।' "
23 यहोवा के ये बचन यरमियाह मेर आईस:

* **33:15** या [illegible]

24 “का तेंह धियान नइं देय कि ये मनखेमन का कहत हवंय, ‘जऊन दू ठन राज† ला यहोवा ह चुने रिहिस, ओ
दूनों राज ला ओह अब तियाग दे हवय’? एकरसेति ओमन मोर मनखेमन ला तुछ समझथें अऊ ओमन के एक
जाति के रूप म आदर नइं करंय।
25 यहोवा ह ये कहत हे: ‘यदि दिन अऊ रात के बारे म मेंह अपन करार नइं करे हंव अऊ अकास अऊ धरती
के नियममन ला मेंह नइं ठहिराय हंव,
26 तब मेंह याकूब के संतानमन ला अऊ मोर सेवक दाऊद ला तियाग दूहूं अऊ ओकर कोनो बेटा ला
अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब के संतानमन ऊपर राज करे बर नइं चुनहूं। पर मेंह ओमन के तकदीर ला फेर
बदलहूं अऊ ओमन ऊपर दया देखाहूं।’ ”

34

[illegible]

1 जब बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर अऊ ओकर जम्मो सेना अऊ ओ जम्मो राज अऊ मनखे, जेमन ऊपर
ओह सासन करत रिहिस, ओ जम्मो के जम्मो यरूसलेम अऊ येकर चारों कोति के नगरमन ले लड़त रिहिन, त
यहोवा के ये बचन यरमियाह मेर आईस:
2 “यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: यहूदा के राजा सिदकियाह करा जा अऊ ओला कह, ‘यहोवा ह
ये कहत हे: मेंह ये सहर ला बेबिलोन के राजा के हांथ म देनेचवाला हंव, अऊ ओह येला जला दीही।
3 तेंह ओकर हांथ ले नइं बच सकस पर येह पक्का ए कि तेंह पकड़े जाबे अऊ तोला ओकर हांथ म कर दिये
जाही। तेंह खुद अपन आंखी ले बेबिलोन के राजा ला देखबे, अऊ ओह तोर ले आमने-सामने गोठियाही। अऊ
तेंह बंधुवई म बेबिलोन जाबे।
4 “ ‘तभो ले, हे यहूदा के राजा सिदकियाह, यहोवा ह जऊन वायदा तोर ले करत हे, ओला सुन। यहोवा ह तोर
बारे म ये कहत हे: तेंह तलवार ले मारे नइं जावस।
5 तेंह सांति से मरबे। अऊ जइसने मनखेमन तोर पहिले सासन करइया राजामन के आदर म ओमन के चिता
म आगी बारे रिहिन, वइसने ही मनखेमन तोर आदर म आगी बारहीं अऊ ये कहिके सोक मनाहीं, “हाय हे मोर
मालिक!” मेंह खुद ये वायदा करत हंव, यहोवा ह घोसना करत हे।’ ”
6 तब यरमियाह अगमजानी ह ये जम्मो बात यहूदा के राजा सिदकियाह ला यरूसलेम म ओ बेरा कहिस,
7 जब बेबिलोन के राजा के सेना ह यरूसलेम ले अऊ यहूदा के आने बांचे सहर—लाकीस अऊ अजेका ले
लड़त रिहिस। यहूदा प्रदेस म सिरिप ये दूनों ही गढ़वाले सहर बांचे रिहिन।

[illegible]

8 यहोवा के ये बचन यरमियाह करा ओ बेरा आईस, जब सिदकियाह राजा ह यरूसलेम म जम्मो मनखेमन
संग ये करार कर लीस कि गुलाममन ला सुतंतर करे के घोसना करे जावय।
9 हर एक जन अपन-अपन इबरानी गुलाम, चाहे आदमी हो या माईलोगन दूनों ला सुतंतर कर देवय; अपन
कोनो इबरानी संगी ला बंधुवा के रूप म नइं रखना हे।
10 तब जम्मो करमचारी अऊ मनखेमन ये करार ऊपर सहमती देखाईन कि ओमन अपन-अपन गुलाम, चाहे
आदमी हो या माईलोगन दूनों ला सुतंतर कर दीहीं अऊ ओमन ला फेर बंधुवा के रूप म नइं रखहीं। ओमन
राजी होईन, अऊ ओमन ला सुतंतर कर दीन।
11 पर येकर बाद ओमन मुकर गीन अऊ जऊन गुलाममन ला ओमन सुतंतर कर दे रिहिन, ओमन ला वापिस
लेके फेर गुलाम बना लीन।
12 तब यहोवा के ये बचन यरमियाह मेर आईस:
13 “यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: जब मेंह तुम्हर पुरखामन ला गुलामी के देस याने कि मिसर
देस ले निकालके लानेंव, त मेंह ओमन के संग ये कहिके एक करार करेंव,

† **33:24** या [illegible]

14 'हर सातवां साल म, तुमन ओ संगी इबरीमन ला सुतंतर कर देवव, जऊन मन अपनआप ला तुम्हर हांथ म
बेच दे हवंय। जब ओमन तुम्हर छै साल तक सेवा कर लेथें, त तुमन ओमन ला सुतंतर करके जावन देवव।'* पर
तुम्हर पुरखामन मोर बात ला नइं सुनिन या मोर बात ला धियान नइं दीन।
15 हाल ही म, तुमन पछ्ताप करे रहेव अऊ ओ काम ला करेव, जऊन ह मोर नजर म बने अय: तुमन ले हर
एक जन अपन खुद के मनखेमन के सुतंतरता के घोसना करेव। अऊ त अऊ जऊन घर ला मोर कहे जाथे, ओ घर
म मोर आघू म तुमन एक करार घलो करेव।
16 पर अब तुमन ओ बात ले मुकर गे हव अऊ मोर नांव ला अपबितर करे हव; तुमन ले हर एक जन ओ नर
अऊ नारी गुलाममन ला वापिस लेय ले हव, जेमन ला तुमन सुतंतर कर दे रहेव कि ओमन अपन-अपन ईछा के
मुताबिक जिहां चाहंय, उहां जावंय। तुमन ओमन ला फेर तुम्हर गुलाम बने बर दबाव डाले हवव।
17 "एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे: तुमन मोर बात नइं माने हव; तुमन अपन खुद के मनखेमन के सुतंतरता
के घोसना नइं करे हव, एकरसेति मेंह अब तुम्हर बर 'सुतंतरता' के घोसना करत हंव, यहोवा के ये बचन
अय—अइसने 'सुतंतरता' कि तुमन तलवार, महामारी अऊ अकाल के सामना करहू। मेंह तुमन ला अइसने कर
दूहूं कि धरती के जम्मो राजमन तुम्हर ले घिन करहीं।
18 जऊन मनखेमन मोर करार ला टोर दे हवंय अऊ मोर आघू म करे गे करार के बात ला पूरा नइं करे हवंय,
ओमन के संग, मेंह ओ बछरू सहीं बरताव करहूं, जेला मनखेमन दू भाग कर दीन अऊ तब ओकर दूनों कुटा के
बीच म ले रेंगिन।
19 यहूदा अऊ यरूसलेम के अगुवा, अदालत के करमचारी, पुरोहित अऊ देस के ओ जम्मो मनखे, जऊन मन
बछरू के कुटा के बीच म ले रेंगिन,
20 ओमन ला मेंह ओमन के बईरीमन के हांथ म कर दूहूं, जेमन ओमन ला मार डारे चाहत हें। ओमन के
लासमन चिरई अऊ जंगली पसुमन के जेवन हो जाहीं।
21 "मेंह यहूदा के राजा सिदकियाह अऊ ओकर करमचारीमन ला ओमन के बईरीमन के हांथ म कर दूहूं,
जेमन ओमन ला मार डारे चाहत हें, याने कि मेंह ओमन ला बेबिलोन के ओ राजा के सेना के हांथ म कर दूहूं,
जऊन ह तुम्हर करा ले हट गे हवय।
22 यहोवा ह घोसना करत हे, मेंह हुकूम देवइया हंव अऊ मेंह ओमन ला ये सहर म वापिस ले आहूं। ओमन
येकर बिरूध लड़हीं, अऊ येला लेके येमा आगी लगा दीहीं। अऊ मेंह यहूदा के नगरमन ला अइसने उजाड़ दूहूं
कि उहां कोनो नइं रह सकहीं।"

35

[illegible]

1 योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज म यहोवा के ये बचन यरमियाह करा आईस:
2 "रेकाबी परिवार म जा अऊ ओमन ला यहोवा के घर के बाजू के एक कमरा म आय बर नेवता दे अऊ ओमन
ला पीये बर अंगूर के मंद दे।"
3 तब मेंह हबसिनयाह के पोता यरमियाह के बेटा याजनयाह ला, अऊ ओकर भाईमन ला अऊ जम्मो
बेटामन ला, याने कि रेकाबीमन के जम्मो परिवार ला बलाय बर गेंव।
4 मेंह ओमन ला यहोवा के घर म, परमेसर के जन यिगदलयाह के बेटा हानान, जऊन ह परमेसर के एक जन
रिहिस, ओकर बेटामन के कमरा म ले आनेंव। येह करमचारीमन के कमरा के बाजू म अऊ सल्लूम के बेटा,
दुवारपाल मासेयाह के कमरा के ऊपर रिहिस।
5 तब मेंह रेकाबीमन के आघू म अंगूर के मंद ले भरे घघरी अऊ कटोरामन ला रखके कहेंव, "थोरकन मंद पी
लव।"
6 पर ओमन कहिन, "हमन मंद नइं पीयन, काबरकि रेकाब के बेटा, हमर पुरखा यहोनादाब* ह हमन ला ये
हुकूम देय रिहिस, 'न तो तुमन अऊ न ही तुम्हर संतानमन कभू मंद पीहू।

* **34:14** ब्यव 15:12 * **35:6** या [illegible]

7 तुमन कभू घर घलो झन बनाहू, न बीज बोवव अऊ न ही अंगूर के बारी लगावव, तुम्हर करा ये चीजमन
कभू झन होवय, पर तुमन हमेसा तम्बूमन म रहव। तब तुमन ओ देस म लम्बा समय तक रहन पाहू, जिहां तुमन
घुमंतू जाति के रूप म रहत हवव।'
8 हमन रेकाब के बेटा हमर पुरखा यहोनादाब के ओ जम्मो बात ला माने हवन, जेकर हुकूम ओह देय रिहिस।
न तो हमन, न ही हमर घरवाली अऊ न ही हमर बेटा-बेटीमन कभू मंद पीये हवन,
9 अऊ न ही कभू घर बनाय हवन अऊ न ही अंगूर के बारी, खेत या अनाज बोये हवन।
10 हमन तम्बूमन म रहे हवन अऊ हमन हमर पुरखा यहोनादाब के दिये हुकूम के हर एक बात ला माने हवन।
11 पर जब बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ये देस ऊपर चढ़ई करिस, त हमन कहेंन, 'आवव, बेबिलोनी† अऊ
अरामीमन के सेना ले बांचे बर, हमन यरूसलेम जावन।' ये खातिर हमन यरूसलेम म रहत हन।"
12 तब यहोवा के बचन ये कहत यरमियाह मेर आईस:
13 "सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: जा अऊ यहूदा देस के मनखे अऊ यरूसलेम
सहर म रहइया मनखेमन ला कह, 'का तुमन सबक नइं सीखहू अऊ मोर बात ला नइं मानहू?' यहोवा ह घोसना
करत हे।
14 'रेकाब के बेटा यहोनादाब ह अपन संतानमन ला हुकूम दीस कि ओमन मंद झन पीयंय अऊ ओमन ये
हुकूम ला मानिन। आज तक ओमन मंद नइं पीयंय, काबरकि ओमन अपन पुरखा के हुकूम ला मानत हें; पर मेंह
तुमन ला बार-बार कहे हंव, तभो ले तुमन मोर बात नइं माने हव।
15 बार-बार मेंह अपन जम्मो सेवक अऊ अगमजानीमन ला तुम्हर करा पठोंय। ओमन कहिन, "तुमन ले हर
एक जन अपन दुस्ट चालचलन ले फिरव, अऊ अपन चालचलन ला सुधारव; आने देवतामन के सेवा करे बर
ओमन के पाछू झन जावव। तब तुमन ये देस म रहे बर पाहू, जेला मेंह तुमन अऊ तुम्हर पुरखामन ला देय
हवंव।" पर तुमन मोर बात ला धियान नइं देव अऊ न ही मोर बात ला सुनेव।
16 रेकाब के बेटा यहोनादाब के संतानमन अपन पुरखा के दिये हुकूम ला मानिन, पर ये मनखेमन मोर बात नइं
मानिन।'
17 "एकरसेति यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'सुनव! यहूदा ऊपर अऊ
यरूसलेम सहर म रहइया जम्मो मनखे ऊपर, मेंह ओ जम्मो बिपत्ति लानेवाला हंव, जेकर घोसना मेंह ओमन के
बिरूध करे हवंव। काबरकि मेंह ओमन ले बात करेंव, पर ओमन नइं सुनिन; मेंह ओमन ला बलांय, पर ओमन
जबाब नइं दीन।' "
18 तब यरमियाह ह रेकाबीमन के परिवार ला कहिस, "सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत
हे: 'तुमन अपन पुरखा यहोनादाब के हुकूम ला माने हव अऊ ओकर जम्मो निरदेस के पालन करे हव अऊ हर ओ
काम करे हव, जेकर हुकूम ओह देय रिहिस।'
19 एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'रेकाब के बेटा यहोनादाब के संतान म
हमेसा कोनो न कोनो अइसने आदमी होही, जऊन ह मोर सेवा करही।' "

36

[illegible]

1 योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज के चौथा साल म यहोवा के ये बचन यरमियाह मेर
आईस:
2 "चामपट्टी के एक खाली किताब ले अऊ इसरायल, यहूदा अऊ आने जम्मो जातिमन के बारे म, जतेक बात
मेंह तोर ले योसियाह के राज के समय ले लेके आज तक कहे हवंव, ओ जम्मो ला ओ किताब म लिख ले।
3 हो सकथे, जब यहूदा के मनखेमन ओ जम्मो बिपत्ति के बारे म सुनंय, जेला मेंह ओमन ऊपर लाने के योजना
बनात हंव, त ओमन अपन खराप चालचलन ले मन फिरांय; तब मेंह ओमन के अधरम अऊ पाप ला छेमा
करहूं।"

† **35:11** या [illegible]

4 एकरसेति यरमियाह ह नेरियाह के बेटा बारूक ला बलाईस, अऊ यरमियाह ह यहोवा के कहे जम्मो बात
बारूक ला बतात गीस अऊ बारूक ह ओ बातमन ला ओ खाली किताब म लिख लीस।
5 तब यरमियाह ह बारूक ला कहिस, "मोर ऊपर तो परतिबंध लगे हवय; मोला यहोवा के मंदिर म जाय के
अनुमति नइं ए।
6 एकरसेति एक उपास के दिन, तें यहोवा के घर म जा अऊ ये किताब म लिखे यहोवा के ओ बचन मनखेमन
ला सुना, जेला तेंह मोर कहे मुताबिक लिखे हवस। यहूदा के ओ जम्मो मनखे, जऊन मन अपन-अपन नगर ले
उहां आथें, ओमन ला ये किताब के बात ला पढ़के सुना।
7 हो सकथे, ओमन यहोवा के आघू म बिनती करंय अऊ हर एक जन अपन-अपन खराप चालचलन ले मन
फिरांय। काबरकि जऊन गुस्सा अऊ कोप के घोसना यहोवा ह ये मनखेमन के बिरूध म करे हवय, ओह बहुंत
जादा अय।"
8 नेरियाह के बेटा बारूक ह ओ जम्मो काम करिस, जेला यरमियाह अगमजानी ह ओला करे बर कहे रिहिस;
यहोवा के मंदिर म, ओह ओ किताब म लिखे यहोवा के बचन ला पढ़के सुनाईस।
9 योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज के पांचवां साल के नौवां महिना म, यरूसलेम के
जम्मो मनखे अऊ यहूदा के नगरमन ले आय मनखेमन बर यहोवा के आघू म उपास करे के घोसना करे गीस।
10 सापान के बेटा गमरयाह ह सचिव रिहिस; ओकर कमरा ह मंदिर के नवां कपाट के प्रवेस दुवार करा ऊपर के
अंगना म रिहिस; बारूक ह ओ कमरा ले यहोवा के मंदिर म जम्मो मनखेमन ला किताब म लिखे यरमियाह के
बचन ला पढ़के सुनाईस।
11 जब सापान के नाती, गमरयाह के बेटा मीकायाह ह किताब म लिखे यहोवा के जम्मो बचन ला सुनिस,
12 त ओह राजमहल म खाल्हे सचिव के कमरा म गीस, जिहां जम्मो करमचारीमन बईठे रहंय: एलीसामा
सचिव, समायाह के बेटा दलायाह, अकबोर के बेटा एलनातान, सापान के बेटा गमरयाह, हननयाह के बेटा
सिदकियाह अऊ आने जम्मो करमचारी।
13 मीकायाह ह ओ जम्मो बात ओमन ला बताईस, जेला ओह सुने रिहिस, जब बारूक ह किताब म ले पढ़के
मनखेमन ला सुनाईस।
14 ये बात ला सुनके, जम्मो करमचारीमन येहूदी ला, जऊन ह नतनयाह के बेटा, सेलेमियाह के पोता अऊ
कूसी के परपोता रिहिस, बारूक करा ये कहे बर पठोईन, "जऊन किताब म ले तेंह मनखेमन ला पढ़के सुनाय
हस, ओ किताब ला लेके आ जा।" एकरसेति नेरियाह के बेटा बारूक ह ओ किताब ला अपन हांथ म धरके ओमन
करा आईस।
15 तब ओमन ओला कहिन, "बईठ जा अऊ हमन ला ये किताब म ले पढ़के सुना।"

तब बारूक ह ओमन ला किताब ला पढ़के सुना दीस।
16 जब ओमन ये जम्मो बात ला सुनिन, त ओमन डर म, एक-दूसर ला देखिन अऊ बारूक ला कहिन, "हमर
बर जरूरी अय कि हमन ये जम्मो बात राजा ला बतावन।"
17 तब ओमन बारूक ले पुछिन, "हमन ला बता कि तेंह ये जम्मो बात ला कइसे लिखय? का यरमियाह ह ये
बातमन ला कहत गीस?"
18 बारूक ह जबाब दीस, "हव, ओह ये जम्मो बात मोला कहत गीस, अऊ मेंह येला चाम के किताब म
सियाही ले लिखत गेंव।"
19 तब अधिकारीमन बारूक ला कहिन, "तें अऊ यरमियाह जावव अऊ छिप जावव। कोनो ला झन बतावव
कि तुमन कहां हव।"
20 तब अधिकारीमन चाम के किताब ला एलीसामा सचिव के कमरा म रख दीन अऊ राजा करा अंगना म
जाके ओ जम्मो बात ओला बताईन।
21 तब राजा ह येहूदी ला चाम के किताब लाने बर पठोईस, अऊ येहूदी ह किताब ला एलीसामा सचिव के
कमरा ले लानिस अऊ ओला राजा अऊ ओकर बाजू म खड़े जम्मो अधिकारीमन ला पढ़के सुनाईस।
22 येह नौवां महिना रिहिस अऊ राजा ह जड़काला के घर म बईठे रहय अऊ ओकर आघू म आगी तापे के
चूल्हा बरत रहय।

23 जब भी येहूदी ह तीन या चार पन्ना पढ़ डारय, त राजा ह ओ पन्नामन ला एक लेखक के चाकू ले काट देय
अऊ ओमन ला आगी तापे के चूल्हा म फटिक देय; ओह तब तक अइसने करिस, जब तक कि जम्मो किताब ह
चूल्हा के आगी म जर नइं गीस।
24 पर राजा अऊ ओकर जम्मो सेवक, जऊन मन ये बात ला सुनिन, ओमन म न तो कोनो डर के बात दिखिस
अऊ न ही ओमन दुखित होके अपन ओनहा ला चीरिन।
25 हालाकि एलनातान, दलायाह अऊ गमरयाह, राजा ले बिनती करिन कि किताब ला झन जलावय, पर ओह
ओमन के एको ठन बात नइं सुनिस।
26 येकर उल्टा, राजा ह अपन एक बेटा यरहमेल अऊ अजरीएल के बेटा सरायाह अऊ अबदेल के बेटा
सेलेमियाह ला हुकूम दीस कि ओमन बारूक लेखक अऊ यरमियाह अगमजानी ला बंदी बना लेवंय। पर यहोवा
ह ओमन ला छिपा दे रिहिस।
27 जब राजा ह ओ किताब ला जला दीस, जेमा बारूक ह यरमियाह के बताय बात ला लिखे रिहिस, तब
यहोवा के ये बचन यरमियाह मेर आईस:
28 "एक ठन अऊ चामपट्टी ले अऊ ओमा ओ जम्मो बात ला लिख, जऊन ह पहिली चाम के किताब म रिहिस
अऊ जेला यहूदा के राजा यहोयाकीम ह जला दीस।
29 अऊ यहूदा के राजा यहोयाकीम ला ये घलो कह, 'यहोवा ह ये कहत हे: तेंह ओ किताब ला जला देय अऊ
कहय, "तेंह ओमा काबर लिखे कि बेबिलोन के राजा जरूर आही अऊ ये देस ला नास कर दीही अऊ इहां ले
मनखे अऊ पसु दूनों के नामोनिसान मिटा दीही?"
30 एकरसेति यहोवा ह यहूदा के राजा यहोयाकीम के बारे म ये कहत हे: दाऊद के सिंघासन म बईठे बर ओकर
कोनो संतान नइं होहीं; ओकर लास ला बाहिर अइसे फटिक दिये जाही कि ओह दिन के घाम अऊ रथिया के
सीत म पड़े रहिही।
31 मेंह ओला अऊ ओकर लइकामन ला अऊ ओकर सेवकमन ला ओमन के अधरम के सजा दूहूं; मेंह ओमन
ऊपर अऊ यरूसलेम म रहइया मनखेमन ऊपर अऊ यहूदा के मनखेमन ऊपर ओ जम्मो बिपत्ति लानहूं, जेकर
घोसना मेंह ओमन के बिरूध करे हवंव, काबरकि ओमन मोर बात ला नइं सुनिन।' "
32 तब यरमियाह ह एक आने चाम के खाली किताब लीस अऊ ओला नेरियाह के बेटा बारूक लेखक ला दीस,
अऊ यरमियाह के कहे मुताबिक बारूक ह येमा ओ पहिली चाम के किताब के जम्मो बात ला फेर लिखिस, जेला
यहूदा के राजा यहोयाकीम ह आगी म जला दे रिहिस। अऊ येमा पहिले के सहीं अऊ कतको बातमन ला जोड़
दिये गीस।

37

[illegible]
1 यहोयाकीम के बेटा यहोयाकीन के जगह म योसियाह के बेटा सिदकियाह ह राज करन लगिस, काबरकि
बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह सिदकियाह ला यहूदा देस के राजा बनाईस।
2 पर न तो ओह, न ही ओकर करमचारीमन अऊ न ही देस के मनखेमन यहोवा के ओ बचन ऊपर धियान दीन,
जेला ओह यरमियाह अगमजानी के जरिये कहे रिहिस।
3 तभो ले, सिदकियाह राजा ह सेलेमियाह के बेटा यहूकल अऊ मासेयाह के बेटा सपनयाह पुरोहित ला
यरमियाह अगमजानी करा ये कहे बर पठोईस, "यहोवा हमर परमेसर ले हमर बर पराथना कर।"
4 ओ बेरा म यरमियाह ला जेल म नइं डारे गे रिहिस, अऊ ओह मनखेमन के बीच म बिगर रोक-टोक के
आवत-जावत रिहिस।
5 ओ समय फिरौन के सेना ह मिसर ले निकले रिहिस, अऊ बेबिलोन के सेना* ह यरूसलेम ला घेरत रिहिस,
पर जब ओमन फिरौन के सेना के बारे म सुनिन, त ओमन यरूसलेम ले हट गीन।
6 तब यहोवा के ये बचन यरमियाह अगमजानी मेर आईस:
7 "यहोवा इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: यहूदा के राजा जऊन ह तोला मोर करा पठोय हे ओला कह,
'फिरौन के जऊन सेना तोर मदद करे बर निकले हवय, ओह अपन देस मिसर ला वापिस चल दीही।

* **37:5** या [illegible] पद 8, 9, 13 अऊ 14 म घलो

8 तब बेबिलोन के मनखेमन वापिस आके ये सहर ऊपर हमला करहीं; ओमन येकर ऊपर कब्जा कर लीहीं अऊ
येला जलाके फूंक दीहीं।'
9 "यहोवा ह ये कहत हे: ये सोचके अपनआप ला धोखा झन देवव, 'बेबिलोन के मनखेमन हमन ला जरूर
छोंड़ दीहीं।' पर ओमन नइं छोंड़ंय!
10 अऊ त अऊ यदि तुमन बेबिलोन के ओ जम्मो सेना ला हरा घलो देथव, जऊन ह तुम्हर ऊपर हमला करत
हे अऊ ओमन के सिरिप घायल मनखेमन ओमन के तम्बू म बांचे होहीं, त ओमन बाहिर निकलहीं अऊ ये सहर
ला जलाके फूंक दीहीं।"
11 जब बेबिलोन के सेना ह फिरौन के सेना के कारन यरूसलेम ले वापिस चल दीस,
12 तब यरमियाह ह सहर ला छोंड़के बिनयामीन के राज म जाय बर निकलिस, ताकि ओह उहां मनखेमन के
बीच म संपत्ति के अपन बांटा लेवय।
13 पर जब ओह बिनयामीन दुवार करा हबरिस, त उहां इरियाह नांव के पहरेदारमन के मुखिया रिहिस, जऊन
ह सेलेमियाह के बेटा अऊ हननयाह के पोता रिहिस; ओह यरमियाह अगमजानी ला बंदी बनाके कहिस, "तेंह
बेबिलोन के मनखेमन करा जावत हस!"
14 तब यरमियाह ह कहिस, "येह सच नो हय! मेंह बेबिलोन के मनखेमन करा नइं जावत हंव।" पर इरियाह ह
ओकर बात ला बिसवास नइं करिस; अऊ ओह यरमियाह ला बंदी बनाके करमचारीमन करा ले आईस।
15 ओमन यरमियाह ऊपर गुस्सा होईन अऊ ओला पीटवाके योनातन सचिव के ओ घर म बंदी बनाके डलवा
दीन, जेला ओमन जेल बना दे रिहिन।
16 यरमियाह ला तलघर के एक गुम्मट सहीं कमरा म रखे गीस, जिहां ओह बहुंत समय तक रिहिस।
17 तब सिदकियाह राजा ह ओकर करा मनखे पठोके ओला महल म ले आईस अऊ ओला एकांत म पुछिस,
"का यहोवा ले कोनो संदेस हवय?"
यरमियाह ह कहिस, "हव," "तोला बेबिलोन के राजा के हांथ म सऊंप दिये जाही।"
18 तब यरमियाह ह सिदकियाह राजा ला कहिस, "मेंह तोर या तोर करमचारीमन के या ये मनखेमन के बिरूध
म का अपराध करे हंव कि तेंह मोला जेल म डाल दे हस?
19 तोर ओ अगमजानीमन कहां हवंय, जऊन मन तोर ले ये अगमबानी करे रिहिन, 'बेबिलोन के राजा ह तोर
ऊपर या ये देस ऊपर हमला नइं करही'?
20 पर अब, हे मोर मालिक, हे राजा, मोर बात ला सुन। मेंह तोर ले बिनती करत हंव: मोला योनातन सचिव
के घर म वापिस झन भेज, नइं तो मेंह उहां मर जाहूं।"
21 तब राजा सिदकियाह ह हुकूम दीस कि यरमियाह ला पहरेदार के अंगना म रखे जावय अऊ ओला हर दिन
रोटीवालामन के गली ले एक रोटी तब तक दिये जावय, जब तक कि सहर के जम्मो रोटी सिरा नइं जावय। तब
ले यरमियाह ह पहरेदार के अंगना म रहे लगिस।

38

[illegible]

1 एक दिन मतान के बेटा सपतयाह, पसहूर के बेटा गदलयाह, सेलेमियाह के बेटा यूकल अऊ मलकियाह के
बेटा पसहूर, यरमियाह के ये बात ला सुनिन, जेला ओह जम्मो मनखेमन ला कहत रिहिस,
2 "यहोवा ह ये कहत हे: 'जऊन कोनो ये सहर म रहिही, ओह तलवार, अकाल या महामारी ले मारे जाही; पर
जऊन ह बेबिलोन के मनखेमन करा जाही, ओह जीयत रहिही। ओकर परान ह बांच जाही, अऊ जीयत रहिही।'
3 अऊ यहोवा ह ये कहत हे: 'खचित ये सहर ला बेबिलोन के राजा के सेना के हांथ म कर दिये जाही अऊ
राजा ह येकर ऊपर कब्जा कर लीही।' "
4 तब करमचारीमन राजा ले कहिन, "ये मनखे ला मार डालना चाही, काबरकि ये मनखे ह ये सहर म बांचे
सैनिक अऊ जम्मो मनखेमन ला जऊन बात कहत हे, ओकर ले ओमन निरास होवत हें। ये मनखे ह मनखेमन के
भलई नइं पर बुरई चाहत हे।"
5 राजा सिदकियाह ह जबाब दीस, "ओह तुम्हर हांथ म हवय; राजा तुम्हर बिरोध म कुछू नइं करय।"

6 एकरसेति ओमन यरमियाह ला लीन अऊ ओला राजा के बेटा मलकियाह के कुआं म डाल दीन, जऊन ह
पहरेदार के अंगना म रहय। ओमन यरमियाह ला रस्सी के दुवारा कुआं म उतार दीन; ओ कुआं म पानी नइं
रिहिस, सिरिप चीखला रिहिस, अऊ यरमियाह ह चीखला म बुड़े लगिस।
7 पर एबेद-मेलेक, एक कूसी मनखे, जऊन ह राजमहल म एक करमचारी* रिहिस, ये सुनिस कि ओमन
यरमियाह ला कुआं म डाल दे हवंय। जब राजा ह बिनयामीन दुवार मेर बईठे रिहिस,
8 त एबेद-मेलेक ह महल ले निकलके राजा करा गीस, अऊ ओला कहिस,
9 "हे मोर मालिक, हे राजा, ओ मनखेमन यरमियाह अगमजानी के संग जऊन कुछू भी करे हवंय, बहुंत
दुस्टता के काम करे हवंय। ओमन ओला एक कुआं म फटिक दे हवंय, जिहां ओह भूख के मारे मर जाही, काबरकि
सहर म खाय बर कोनो रोटी नइं बचे हवय।"
10 तब राजा ह एबेद-मेलेक कूसी ला हुकूम दीस, "इहां ले तीस मनखे अपन संग ले अऊ यरमियाह
अगमजानी ला ओ कुआं ले निकाल ले, येकर पहिले कि ओह मर जावय।"
11 एकरसेति एबेद-मेलेक मनखेमन ला अपन संग लीस अऊ महल म खजाना के खाल्हे एक कमरा म गीस।
ओह उहां ले कुछू फटा-पुराना कपड़ा अऊ चेंदरी लीस अऊ ओमन ला रस्सीमन के दुवारा कुआं म यरमियाह
करा उतार दीस।
12 तब एबेद-मेलेक कूसी ह यरमियाह ले कहिस, "ये फटा-पुराना कपड़ा अऊ चेंदरीमन ला अपन खंखोरीमन
म गद्दी के सहीं रस्सी के ऊपर रख ले।" यरमियाह ह वइसने करिस,
13 अऊ ओमन यरमियाह ला रस्सी ले ऊपर खींचिन अऊ ओला कुआं ले बाहिर निकाल लीन। अऊ
यरमियाह ह पहरेदार के अंगना म रहे लगिस।

[illegible]

14 तब राजा सिदकियाह ह यरमियाह अगमजानी ला बलाय बर मनखे पठोईस अऊ ओला यहोवा के मंदिर के
तीसर प्रवेस दुवार करा लानके ओकर ले कहिस, "मेंह तोर ले कुछू पुछे चाहत हंव," "मोर ले कोनो बात झन
छुपाबे।"
15 यरमियाह ह सिदकियाह ला कहिस, "यदि मेंह तोला कोनो जबाब दूहूं, त का तेंह मोला मार नइं डारबे?
यदि मेंह तोला सलाह दूहूं घलो, तभो ले तेंह मोर बात ला नइं मानबे।"
16 पर राजा सिदकियाह ह अकेला म यरमियाह ले ये कसम खाईस, "यहोवा, जऊन ह हमन ला सांस दे हवय,
ओकर जिनगी के कसम, न तो मेंह तोला मरवा डालहूं अऊ न ही मेंह तोला ओ मनखेमन के हांथ म सऊंपहूं,
जऊन मन तोला मार डाले चाहत हें।"
17 तब यरमियाह ह सिदकियाह ले कहिस, "यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर, इसरायल के परमेसर ह ये कहत
हे: 'यदि तेंह अपनआप ला बेबिलोन के राजा के अधिकारीमन के हांथ म कर देबे, त तोर परान ह बच जाही अऊ
ये सहर ला जलाय नइं जाही; अऊ तें अऊ तोर परिवार जीयत रहिही।
18 पर कहूं तेंह अपनआप ला बेबिलोन के राजा के अधिकारीमन के हांथ म नइं करबे, त ये सहर ला बेबिलोन
के मनखेमन के हांथ म कर दिये जाही अऊ ओमन येला जला दीहीं; अऊ तेंह खुद ओमन के हांथ ले बच नइं
सकबे।' "
19 राजा सिदकियाह ह यरमियाह ले कहिस, "जऊन यहूदी मनखेमन बेबिलोन के मनखेमन करा गे हवंय,
ओमन ले मेंह डरावत हंव, काबरकि बेबिलोन के मनखेमन मोला ओमन के हांथ म दे सकत हें अऊ ओमन मोर ले
गलत बरताव करहीं।"
20 यरमियाह ह कहिस, "बेबिलोन के मनखेमन तोला ओमन के हांथ म नइं देवंय; जऊन कुछू मेंह तोर ले
कहत हंव, वइसने करके यहोवा के बात ला मान। तब तोर भलई होही, अऊ तोर परान ह बच जाही।
21 पर यदि तेंह अपनआप ला ओमन ला नइं सऊंपबे, त जऊन बात यहोवा ह मोला बताय हवय, ओह ये अय:
22 यहूदा के राजा के महल म, जतेक माईलोगन बचे हवंय, ओमन ला बेबिलोन के राजा के करमचारीमन करा
लाने जाही, अऊ ओ माईलोगनमन तोर ले कहिहीं:
" 'तोर भरोसा के संगवारीमन
तोला बहकाईन अऊ ओमन सफल होईन।

* **38:7** या [illegible] या [illegible]

तोर गोड़मन चीखला म धंस गीन;
तोर संगवारीमन तोला छोंड़ दे हवंय।'
23 "तोर जम्मो घरवाली अऊ लइकामन ला बेबिलोन के मनखेमन करा लाने जाही। तेंह खुद ओमन के हांथ ले
नइं बांचबे अऊ तेंह बेबिलोन के राजा के दुवारा बंदी बना लिये जाबे; अऊ ये सहर ला जला दिये जाही।"
24 तब सिदकियाह ह यरमियाह ला कहिस, "कोनो ला हमर ये बातचीत के बारे म झन बताबे, नइं तो तेंह मार
डाले जाबे।
25 यदि करमचारीमन ये पता पाथें कि मेंह तोर ले बातचीत करे हंव, अऊ ओमन तोर करा आके पुछथें, 'हमन
ला बता कि तेंह राजा ला का कहय अऊ राजा ह तोला का कहिस; हमन ले कोनो बात झन छिपा, नइं तो हमन
तोला मार डालबो,'
26 तब तेंह ओमन ले कहिबे, 'मेंह राजा ले बिनती करत रहेंव कि मोला योनातन के घर म मरे बर वापिस झन
पठो।' "
27 तब जम्मो करमचारीमन यरमियाह करा आईन अऊ ओकर ले पुछिन, अऊ जइसने राजा ह ओला हुकूम
देय रिहिस, वइसने ही ओह ओमन ला जबाब दीस। एकरसेति ओमन ओला अऊ कुछू नइं कहिन, काबरकि राजा
के संग ओकर बातचीत ला कोनो नइं सुने रिहिन।
28 अऊ यरमियाह ह पहरेदार के अंगना म तब तक रिहिस, जब तक कि यरूसलेम सहर ऊपर कब्जा नइं कर
लिये गीस।

[illegible]

ये किसम ले यरूसलेम ला ले लिये गीस:

39

1 यहूदा के राजा सिदकियाह के राज के नौवां साल के दसवां महिना म, बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह अपन
जम्मो सेना के संग यरूसलेम के बिरूध लड़ई करे बर निकलिस अऊ ओला घेर लीस।
2 अऊ सिदकियाह के राज के गियारहवां साल के चौथा महिना के नौवां दिन सहर के दीवार ला टोर दिये
गीस।
3 तब बेबिलोन के जम्मो अधिकारी अऊ करमचारीमन आईन अऊ मांझा दुवार म अपन-अपन जगह म बईठ
गीन। ओमा नेरगल-सरेसेर जऊन ह समगर के रिहिस, अऊ नबो-सरसकीम जऊन ह एक मुखिया अधिकारी
रिहिस, नेरगल-सरेसेर जऊन ह एक उच्च अधिकारी रिहिस अऊ बेबिलोन के राजा के आने जम्मो करमचारीमन
रिहिन।
4 जब यहूदा के राजा सिदकियाह अऊ जम्मो सैनिकमन ओमन ला देखिन, त ओमन भाग गीन; ओमन
रथियाच राजा के बारी के रद्दा ले, दूनों दीवार के बीच बने दुवार म ले होके सहर ले निकल गीन, अऊ अराबा* के
रसता ला धरिन।
5 पर बेबिलोन के सेना ह ओमन के पीछा करिस अऊ सिदकियाह ला यरीहो के मैदान म पकड़ लीस। ओमन
ओला बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर करा हमात देस के रिबला सहर म ले गीन, जिहां ओह सिदकियाह ला सजा
के हुकूम दीस।
6 उहां रिबला म, बेबिलोन के राजा ह सिदकियाह के बेटामन ला ओकर आंखी के आघू म मार डारिस अऊ
यहूदा के जम्मो परभावसाली मनखेमन ला घलो मार डारिस।
7 तब ओह सिदकियाह के आंखी ला निकाल दीस अऊ ओला बेबिलोन ले जाय बर कांसा के बेड़ीमन म
जकड़वा दीस।
8 बेबिलोन के मनखेमन† राजमहल अऊ मनखेमन के घरमन म आगी लगाके जला दीन अऊ यरूसलेम के
दीवार ला टोरके गिरा दीन।
9 तब महाराजा के पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह सहर म बांचे मनखे अऊ जऊन मन ओकर करा
भागके आ गे रिहिन ओमन ला, अऊ बाकि मनखेमन ला बंदी बनाके बेबिलोन ले गीस।
10 पर अइसने गरीब मनखे, जेमन करा कुछू नइं रिहिस, ओमन ला पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह
यहूदा देस म छोंड़ दीस; अऊ ओ बेरा, ओह ओमन ला अंगूर के बारी अऊ खेतमन ला दे दीस।

---

* **39:4** या [illegible] † **39:8** या [illegible]

11 बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह महाराजा के पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ला यरमियाह के बारे म
ये हुकूम देय रिहिस:
12 “ओला ले जा अऊ ओकर देखभाल कर; ओकर कुछू हानि झन करबे, पर जइसने ओह तोर ले कहिथे,
वइसने ही ओकर संग बरताव करबे।”
13 एकरसेति पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान, एक मुखिया अधिकारी नबूसजबान, एक उच्च अधिकारी
नेरगल-सरेसेर अऊ बेबिलोन के राजा के आने जम्मो अधिकारीमन,
14 मनखेमन ला पठोके यरमियाह ला पहरेदार के अंगना ले लेय आईन अऊ ओमन यरमियाह ला गदलयाह,
जऊन ह अहीकाम के बेटा अऊ सापान के पोता रिहिस, ओकर हांथ म सऊंप दीन, ताकि ओह यरमियाह ला
ओकर घर वापिस ले जावय। तब ओह अपन मनखेमन के बीच रहे लगिस।
15 जब यरमियाह ह पहरेदार के अंगना म कैद रिहिस, तब यहोवा के ये बचन ओकर करा आईस:
16 “जा अऊ एबेद-मेलेक कूसी‡ ले कह, ‘सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: मेंह ये
सहर के बिरूध कहे मोर बात ला पूरा करनेवाला हंव—बिपत्ति के बात, उन्नति के नइं। ओ बेरा, ओमन तोर आंखी
के आघू म पूरा होहीं।
17 पर ओ बेरा, मेंह तोला बचाहूं, यहोवा ह घोसना करत हे; जऊन मनखेमन ले तेंह डरथस, ओमन के हांथ म
तोला नइं सऊंपे जाही।
18 मेंह तोला बचाहूं; तेंह तलवार ले नइं मारे जाबे पर तोर परान ह बच जाही, काबरकि तेंह मोर ऊपर भरोसा
करे हस, यहोवा ह घोसना करत हे।’ ”

40

[illegible]

1 जब महाराजा के पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह यरमियाह ला यरूसलेम अऊ यहूदा के ओ जम्मो
बंदीमन के बीच हथकड़ी म बंधे पाईस, जेमन ला बंधुवई म बेबिलोन लिये जावत रिहिस, त ओह यरमियाह ला
रामा नगर म छोंड़ दीस। ओ समय यहोवा के बचन यरमियाह करा आईस।
2 जब पहरेदारमन के सेनापति ला यरमियाह मिलिस, त ओह यरमियाह ला कहिस, “यहोवा तोर परमेसर ह
ये जगह म ये बिपत्ति लाने के फैसला करे रिहिस।
3 अऊ अब यहोवा ह ओ बिपत्ति ला लाने हवय; ओह वइसने ही करे हवय, जइसने कि ओह कहे रिहिस। ये
जम्मो बात होईस, काबरकि तुमन यहोवा के बिरूध म पाप करेव अऊ ओकर हुकूम ला नइं मानेव।
4 पर आज मेंह तोला तोर ये हथकड़ी ले सुतंतर करत हंव। यदि तोला बने लगे, त आ मोर संग बेबिलोन चल,
अऊ मेंह तोर देखभाल करहूं; पर यदि तेंह नइं चाहत हस, त झन आ। देख, पूरा देस तोर आघू म पड़े हवय;
जिहां भी तोला बने लगथे, उहां चले जा।”
5 पर येकर पहिले कि यरमियाह ह जाय बर मुड़तिस, नबूजरदान ह ये घलो कहिस, “अहीकाम के बेटा अऊ
सापान के पोता गदलयाह करा वापिस चले जा, जेला बेबिलोन के राजा ह यहूदा के नगरमन ऊपर अधिकारी
ठहिराय हवय, अऊ ओकर संग मनखेमन के बीच म रह, या जिहां कहूं तोला बने लगथे, उहां चले जा।”

तब सेनापति ह ओला जेवन के सामान अऊ एक उपहार दीस अऊ ओला बिदा करिस।
6 तब यरमियाह ह मिसपा म अहीकाम के बेटा गदलयाह करा गीस अऊ उहां ओकर संग ओ मनखेमन के बीच
रहे लगिस, जेमन ला ओ देस म छोंड़ दिये गे रिहिस।

[illegible]

7 जब सेना के जम्मो अधिकारी अऊ ओमन के मनखे, जऊन मन अभी घलो खुला देहात म रहत रिहिन,
ओमन सुनिन कि बेबिलोन के राजा ह अहीकाम के बेटा गदलयाह ला देस के राजपाल ठहिराय हवय अऊ ओला
ओ आदमी, माईलोगन अऊ लइकामन ऊपर अधिकारी ठहिराय गे हवय, जऊन मन देस म सबले गरीब अंय
अऊ जेमन ला बंधुवा के रूप म बेबिलोन नइं ले जाय गीस,

‡ **39:16** या [illegible]

8 त ओमन मिसपा म गदलयाह करा आईन—ओमा नतनयाह के बेटा इसमायल, कारेह के बेटा योहानान
अऊ योनातन, तनहूमेत के बेटा सरायाह, नतोपाती एपै के बेटामन, अऊ माकाती के बेटा याजनयाह, अऊ
ओमन के मनखेमन रिहिन।
9 अहीकाम के बेटा अऊ सापान के पोता गदलयाह ह ओमन अऊ ओमन के मनखेमन ला बिसवास दिलाय बर
कसम खाके कहिस, "बेबिलोन के मनखेमन के सेवा करे बर झन डरव; देस म बस जावव अऊ बेबिलोन के राजा
के सेवा करव, तब तुम्हर भलई होही।
10 मेंह खुद मिसपा म रहिके ओ बेबिलोन के मनखेमन के आघू म तुम्हर बात रखहूं, जऊन मन हमर इहां
आहीं; पर तुमन अंगूर के मंद, घाम महिना के फर अऊ जैतून तेल के फसल उपजावव, अऊ ओमन ला संकेलके
अपन बरतनमन म रखव, अऊ जऊन नगरमन ला तुमन लेय ले हव, ओमा बसे रहव।"
11 जब मोआब, अमोन, एदोम अऊ आने जम्मो देस म रहइया जम्मो झन सुनिन कि बेबिलोन के राजा ह
यहूदा म कुछू मनखेमन ला छोंड़ दे हवय अऊ ओमन ऊपर अहीकाम के बेटा अऊ सापान के पोता गदलयाह
ला राजपाल ठहिराय हवय,
12 त तितिर-बितिर होके रहइया ओ जम्मो देस ले जम्मो यहूदीमन लहुंटके यहूदा देस के मिसपा नगर म
गदलयाह करा आईन। अऊ अब्बड़ अकन अंगूर के मंद अऊ घाम महिना के फर उपजाईन।
13 तब कारेह के बेटा योहानान अऊ अभी घलो खुला देहात म रहइया जम्मो सेना के अधिकारीमन मिसपा म
गदलयाह करा आईन
14 अऊ ओला कहिन, "का तेंह नइं जानत हस कि अमोनीमन के राजा बालीस ह नतनयाह के बेटा इसमायल
ला तोला मार डारे बर पठोय हवय?" पर अहीकाम के बेटा गदलयाह ह ओमन के बात के बिसवास नइं करिस।
15 तब कारेह के बेटा योहानान ह गदलयाह ला मिसपा म चुपेचाप कहिस, "मोला जाके नतनयाह के बेटा
इसमायल ला मार डारन दे, अऊ कोनो ये बात ला नइं जानही। ओह काबर तोर परान लेवय अऊ तोर चारों
कोति जूरे जम्मो यहूदीमन तितिर-बितिर हो जावंय अऊ यहूदा के बांचे मनखेमन काबर नास हो जावंय?"
16 पर अहीकाम के बेटा गदलयाह ह कारेह के बेटा योहानान ला कहिस, "अइसने काम झन कर! तेंह जऊन
बात, इसमायल के बारे म कहत हस, ओह सच नो हय।"

41

1 ओ साल के सातवां महिना म अइसने होईस कि नतनयाह के बेटा अऊ एलीसामा के पोता इसमायल,
जऊन ह राजबंस के रिहिस अऊ राजा के अधिकारीमन ले एक झन रिहिस; ओह दस झन मनखे ला संग म लेके
अहीकाम के बेटा गदलयाह करा मिसपा म आईस। जब ओमन उहां एक संग जेवन करत रिहिन,
2 तब नतनयाह के बेटा इसमायल अऊ ओकर संग के दस झन उठिन अऊ अहीकाम के बेटा अऊ सापान के
पोता गदलयाह ला तलवार ले मार डारिन, जेला बेबिलोन के राजा ह देस के राजपाल ठहिराय रिहिस।
3 इसमायल ह गदलयाह के संग जतेक यहूदी मिसपा म रिहिन, ओ जम्मो ला मार डारिस, संगे-संग ओह
बेबिलोन के ओ सैनिकमन ला घलो मार डारिस, जऊन मन उहां रिहिन।
4 गदलयाह के मार डारे जाय के दूसर दिन, ये बात ला कोनो मनखे के जाने के पहिली,
5 सकेम, सीलो अऊ सामरिया सहर ले अस्सी मनखे दाढ़ी मुड़ाके, अपन कपड़ा चीरके अऊ अपन देहें म चोट
लगाके संग म अन्न-बलिदान अऊ धूप लेके यहोवा के घर म आईन।
6 तब नतनयाह के बेटा इसमायल ह ओमन ले मिले बर मिसपा ले बाहिर निकलिस, अऊ ओह जावत बेरा
रोवत रिहिस। जब ओह ओमन ले मिलिस, त कहिस, "अहीकाम के बेटा गदलयाह करा चलव।"
7 जब ओमन नगर म आईन, त नतनयाह के बेटा इसमायल अऊ ओकर संग के मनखेमन ओमन ला मार
डारिन अऊ ओमन ला एक कुआं म फटिक दीन।
8 पर ओमन ले बांचे दस झन इसमायल ला कहिन, "हमर हतिया झन कर! हमर करा गहूं, जौ, जैतून तेल
अऊ मंधरस हवय, जेला हमन एक ठन खेत म छिपा दे हन।" एकरसेति इसमायल ह ओमन ला छोंड़ दीस अऊ
आने मन के संग ओमन ला नइं मारिस।

9 जऊन कुआं म इसमायल ह मनखेमन ला मारके ओमन के जम्मो लास अऊ संग म गदलयाह के लास ला
घलो फटिक देय रिहिस, ओ कुआं ला राजा आसा ह इसरायल के राजा बासा के बिरूध सुरकछा के एक भाग के
रूप म खनवाय रिहिस। ओ कुआं ला नतनयाह के बेटा इसमायल ह लासमन ले भर दीस।
10 तब इसमायल ह मिसपा म बांचे जम्मो मनखेमन ला बंदी बना लीस—ओमा राजा के बेटीमन अऊ उहां
छोंड़ दिये गय ओ जम्मो मनखे रिहिन, जेमन के ऊपर महाराजा के पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह
अहीकाम के बेटा गदलयाह ला राजपाल ठहिराय रिहिस। ओ जम्मो ला नतनयाह के बेटा इसमायल ह बंदी
बना लीस अऊ अमोनीमन करा जाय बर निकलिस।
11 जब कारेह के बेटा योहानान अऊ ओकर संग के सेना के जम्मो अधिकारीमन नतनयाह के बेटा इसमायल
के जम्मो अपराध के बारे म सुनिन,
12 त ओमन अपन जम्मो मनखेमन ला लीन अऊ नतनयाह के बेटा इसमायल ले लड़े बर गीन। अऊ ओमन
ओला गिबोन के बड़े तरिया करा पाईन।
13 जब कारेह के बेटा योहानान अऊ ओकर संग के सेना के जम्मो अधिकारीमन ला, इसमायल के संग के
जम्मो मनखेमन देखिन, त ओमन खुस होईन।
14 ओ जम्मो मनखे, जेमन ला इसमायल ह मिसपा ले बंदी बनाके लानत रिहिस, ओ जम्मो झन पलटके
कारेह के बेटा योहानान करा चल दीन।
15 पर नतनयाह के बेटा इसमायल अऊ ओकर आठ झन मनखे योहानान के हांथ ले बांचके अमोनीमन करा
भाग गीन।

[illegible]

16 तब कारेह के बेटा योहानान अऊ ओकर संग के सेना के जम्मो अधिकारीमन मिसपा के बांचे ओ जम्मो
मनखेमन ला लेके चल दीन, जेमन ला योहानान ह नतनयाह के बेटा इसमायल के हांथ ले बंचाय रिहिस, जब
इसमायल ह अहीकाम के बेटा गदलयाह के हतिया कर दे रिहिस—ओमा गिबोन म बंचाय सैनिक, माईलोगन,
लइका अऊ अदालत के करमचारीमन रिहिन।
17 ओमन मिसर देस जाय बर चलत गीन, पर ओमन बेबिलोनीमन ले बचे बर बैतलहम के लकठा म
गेरूत-किमहाम करा रूक गीन।
18 ओमन बेबिलोन के मनखेमन ले डरत रिहिन, काबरकि नतनयाह के बेटा इसमायल ह अहीकाम के बेटा
गदलयाह ला मार डारे रिहिस, जेला बेबिलोन के राजा ह देस के ऊपर राजपाल ठहिराय रिहिस।

42

1 तब कारेह के बेटा योहानान, होसायाह के बेटा याजनयाह अऊ आने जम्मो सैनिक अधिकारीमन, अऊ
छोटे ले लेके बड़े परभावसाली जम्मो मनखेमन
2 यरमियाह अगमजानी करा आके ओला कहिन, "हमर बिनती ला सुन अऊ यहोवा अपन परमेसर ले ये
जम्मो बांचे मनखेमन बर पराथना कर। काबरकि जइसे कि अब तेंह देखत हस, हालाकि एक समय म हमन
अब्बड़ झन रहेंन, पर अब थोरकन झन बांचे हन।
3 पराथना कर कि यहोवा तोर परमेसर ह हमन ला बतावय कि हमन कहां जावन अऊ का करन?"
4 यरमियाह अगमजानी ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुम्हर बात ला सुन ले हंव; तुम्हर बिनती के मुताबिक
जरूर, मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर ले पराथना करहूं; अऊ जऊन कुछू भी यहोवा ह कहिथे, ओ जम्मो बात मेंह
तुमन ला बताहूं अऊ मेंह तुमन ले कोनो बात नइं छुपावंव।"
5 तब ओमन यरमियाह ले कहिन, "यदि यहोवा तोर परमेसर ह तोर दुवारा हमन ला कुछू कहिथे अऊ हमन
ओकर मुताबिक नइं करबो, त यहोवा ह हमर बिरूध सच्चा अऊ बिसवासयोग्य गवाह ठहिरय।
6 चाहे ओह हमर हित म होवय या अहित म, हमन यहोवा हमर परमेसर के बात ला मानबो, जेकर करा हमन
तोला पठोवत हन, ताकि हमर संग भलई होवय, काबरकि हमन यहोवा हमर परमेसर के बात ला मानबो।"
7 दस दिन के बाद, यहोवा के बचन यरमियाह करा आईस।
8 तब ओह कारेह के बेटा योहानान अऊ ओकर संग के आने जम्मो सैनिक अधिकारी अऊ छोटे ले लेके बड़े
जम्मो मनखेमन ला एक संग बलाईस,
9 अऊ ओह ओमन ला कहिस, "यहोवा, इसरायल के परमेसर, जेकर करा तुमन मोला अपन बिनती करे बर
पठोय रहेव, ओह ये कहत हे:

10 'यदि तुमन ये देस म रहिहू, त मेंह तुमन ला बनाहूं, नास नइं करंव, तुमन ला बसाहूं, उसालंव नइं, काबरकि
जऊन बिपत्ति मेंह तुम्हर ऊपर लाने हवंव, ओकर बारे म मेंह नरम पड़त हंव।
11 बेबिलोन के राजा ले तुमन झन डरव, जेकर ले अभी तुमन डरत हव। ओकर ले झन डरव, यहोवा ह घोसना
करत हे, काबरकि मेंह तुम्हर संग हवंव अऊ तुमन ला बचाहूं अऊ तुमन ला ओकर हांथ ले छोंड़ाहू।
12 मेंह तुम्हर ऊपर दया करहूं, त ओह घलो तुम्हर ऊपर दया करही अऊ तुमन ला तुम्हर देस म फेर बसा
दीही।'
13 "तभो ले यदि तुमन ये कहव, 'हमन ये देस म नइं रहन,' अऊ ये किसम ले यहोवा अपन परमेसर के बात ला
नइं मानव,
14 अऊ यदि तुमन कहव, 'नइं, हमन तो मिसर देस जाके उहां रहिबो, जिहां हमन न तो लड़ई देखबो, न ही
तुरही के अवाज सुनबो अऊ न ही हमन ला जेवन के कमी होही,'
15 त फेर हे बांचे यहूदीमन, यहोवा के बचन ला सुनव। सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये
कहत हे: 'यदि तुमन मिसर देस जाय बर ठान ले हव अऊ उहां जाके रहे बर चाहत हव,
16 त फेर अइसने होही कि जऊन तलवार ले तुमन डरत हव, ओही ह उहां तुम्हर ऊपर आ जाही, अऊ जऊन
अकाल के डर तुमन ला हवय, ओह मिसर म तुम्हर पीछा नइं छोंड़ही, अऊ उहां तुमन मर जाहू।
17 वास्तव म, ओ जम्मो मनखे, जऊन मन मिसर देस जाके उहां रहे के ठान ले हवंय, ओमन तलवार, अकाल
अऊ महामारी ले मरहीं; जऊन बिपत्ति मेंह ओमन ऊपर लानहूं, ओमा ले एको झन घलो नइं बांचहीं।'
18 सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: 'जइसने मोर गुस्सा अऊ कोप ह ओमन ऊपर
भड़किस, जऊन मन यरूसलेम म रहत रिहिन, वइसने ही मोर कोप ह तुमन ऊपर भड़कही, जऊन मन मिसर
देस जाहू। तुमन एक सराप के पात्र, बहुंत घिन करे के, एक सराप के पात्र अऊ निन्दा करे के चीज होहू; तुमन ये
जगह ला फेर कभू नइं देखहू।'
19 "हे यहूदा के बांचे मनखेमन, यहोवा ह तुमन ला कहे हवय, 'मिसर देस झन जावव।' येला जरूर जान लव:
मेंह आज तुमन ला चेतावत हंव
20 काबरकि तुमन एक बड़े गलती करेव, जब तुमन मोला ये कहिके यहोवा अपन परमेसर करा पठोय रहेव,
'हमर बर यहोवा हमर परमेसर ले पराथना कर; अऊ जऊन कुछू ओह कहिथे, ओ जम्मो बात हमन ला बता
अऊ हमन वइसने करबो।'
21 मेंह आज तुमन ला बता चुके हंव, पर जऊन कुछू यहोवा तुम्हर परमेसर ह तुमन ला कहे बर मोला पठोय
हवय, ओला तुमन नइं माने हव।
22 एकरसेति अब, तुमन ये जरूर जान लव: जऊन जगह म जाके तुमन रहे चाहत हव, उहां तुमन तलवार,
अकाल अऊ महामारी ले मारे जाहू।"

43

1 जब यरमियाह ह मनखेमन ला ओमन के परमेसर यहोवा के ओ जम्मो बात कह चुकिस, जेला कहे बर
यहोवा ह ओला ओमन करा पठोय रिहिस,
2 तब होसायाह के बेटा अजरयाह अऊ कारेह के बेटा योहानान अऊ जम्मो घमंडी मनखेमन यरमियाह ला
कहिन, "तेंह झूठ बोलत हस! यहोवा हमर परमेसर ह तोला ये कहे बर नइं पठोय हवय, 'तुमन मिसर देस म रहे
बर झन जावव।'
3 पर नेरियाह के बेटा बारूक ह तोला हमर बिरूध म उकसावत हे कि हमन बेबिलोन के मनखेमन के हांथ म
कर दिये जावन, ताकि ओमन हमन ला मार डारंय या हमन ला बंदी बनाके बेबिलोन ले जावंय।"
4 एकरसेति कारेह के बेटा योहानान अऊ सेना के जम्मो अधिकारी अऊ जम्मो मनखेमन यहोवा के ये हुकूम
ला नइं मानिन कि ओमन यहूदा के देस म ही रहंय।
5 येकर बदले कारेह के बेटा योहानान अऊ सेना के जम्मो अधिकारीमन यहूदा के बांचे ओ जम्मो मनखेमन
ला ले गीन, जऊन मन पहिली आनजात के बीच म बगर गे रिहिन, पर बाद म लहुंटके आईन अऊ यहूदा देस म
रहत रिहिन।

6 ओमन ओ जम्मो मनखे, माईलोगन, लइका अऊ राजा के बेटीमन ला घलो ले गीन, जेमन ला महाराजा के
पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह अहीकाम के बेटा अऊ सापान के पोता गदलयाह संग छोंड़ दे रिहिस।
अऊ ओमन यरमियाह अगमजानी अऊ नेरियाह के बेटा बारूक ला घलो अपन संग म ले गीन,
7 अऊ ओमन यहोवा के हुकूम ला नइं मानके मिसर देस म तहपनहेस नगर तक चल दीन।
8 तब तहपनहेस म, यहोवा के ये बचन यरमियाह करा आईस:
9 "यहूदीमन के देखत म, कुछू बड़े पथरामन ला ले अऊ ओ पथरामन ला ईंटा के बने पैदल चले के ओ रसता
म माटी म गाड़ दे, जऊन ह तहपनहेस म फिरौन के महल के प्रवेस दुवार करा हवय,
10 अऊ तब यहूदीमन ला कह, 'सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: देखव, मेंह अपन
सेवक बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ला बुलवाहूं, अऊ मेंह ओकर सिंघासन ला ये पथरामन के ऊपर म लगाहूं,
जऊन ला मेंह इहां गाड़े हंव; अऊ ओह अपन राज-मंडप ला ओमन ऊपर तानही।
11 ओह आही अऊ मिसर देस ऊपर हमला करही, अऊ जेमन ला मरना होही, ओमन मारे जाहीं, जेमन ला
बंधुवई म जाना होही, ओमन बंधुवई म जाहीं, अऊ जेमन ला तलवार ले मरना होही, ओमन तलवार ले मारे
जाहीं।
12 ओह मिसर देस के देवतामन के मंदिर म आगी लगा दीही; ओह ओमन के मंदिरमन ला जला दीही अऊ
ओमन के देवतामन ला बंधुवई म ले जाही। जइसने एक चरवाहा ह अपन ओनहा ला जूहां ले साफ करके धरथे,
वइसने ही ओह मिसर देस ला साफ करके चले जाही।
13 उहां मिसर देस के सूरज* के मंदिर म, ओह पबितर खंभामन ला गिरा दीही अऊ मिसर के देवतामन के
मंदिरमन म आगी लगाके जला दीही।' "

44

[illegible]

1 मिसर देस के खाल्हे भाग—मिगदोल, तहपनहेस अऊ मेमफीस नगर—अऊ ऊपरी मिसर देस म जऊन
यहूदीमन रहत रिहिन, ओ जम्मो के बारे म यरमियाह करा ये बचन आईस:
2 "सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: तुमन ओ बड़े बिपत्ति ला देखेव, जेला मेंह
यरूसलेम अऊ यहूदा के जम्मो नगरमन म लानेंव। आज ओमन निरजन अऊ खंडहर हो गे हवंय
3 काबरकि ओमन दुस्टता के काम करिन। ओमन मोर गुस्सा भड़काय बर आने देवतामन के आघू म धूप
जलाईन अऊ ओमन के अराधना करिन, जेमन ला न तो ओमन, न ही तुमन अऊ न ही तुम्हर पुरखामन जानत
रिहिन।
4 बार-बार मेंह अपन सेवक अगमजानीमन ला ये कहे बर ओमन करा पठोंय, 'ये घिनित काम झन करव, जेकर
ले मेंह घिन करथंव!'
5 पर ओमन नइं सुनिन अऊ धियान नइं दीन; ओमन अपन दुस्टता के काम ला नइं छोंड़िन या आने देवतामन
के आघू म धूप जलाय बर बंद नइं करिन।
6 ये खातिर मोर भयंकर कोरोध ह यहूदा के नगरमन म अऊ यरूसलेम के गलीमन म भड़किस अऊ ओमन ला
उजाड़के नास कर दीस, जइसने कि ओमन आज हवंय।
7 "अब यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: मनखे, माईलोगन, लइका अऊ
दूध पीयत लइका, तुमन जम्मो के जम्मो यहूदा ले अलग होके काबर अइसने भयंकर बिपत्ति अपन ऊपर लानत
हव, अऊ ये किसम ले तुम्हर कोनो बंस नइं बचही?
8 मिसर देस, जिहां तुमन रहे बर आय हवव, काबर इहां तुमन अपन काम के दुवारा, याने कि आने देवतामन
बर धूप जलाके मोर गुस्सा ला भड़कावत हव? तुमन अपनआप ला नास कर डारहू अऊ धरती म जम्मो
जातिमन के बीच म अपनआप ला सरापित अऊ एक कलंक के पात्र बनाहू।
9 का तुमन ओ दुस्टता के काममन ला भुला गे हव, जेला तुम्हर पुरखामन अऊ यहूदा के राजा अऊ रानीमन
करे रिहिन, अऊ ओ दुस्टता के काम, जेला तुमन अऊ तुम्हर घरवालीमन यहूदा देस अऊ यरूसलेम के गलीमन
म करत रिहिन?

---

* **43:13** या [illegible]

10 आज के दिन तक ओमन अपनआप ला नम्र नइं करे हवंय या आदर नइं देखावत हें, अऊ न ही ओमन ओ
कानून अऊ बिधिमन ऊपर चलत हवंय, जेला मेंह तुम्हर अऊ तुम्हर पुरखामन बर ठहिराय हंव।
11 "एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: मेंह ठान ले हंव कि मेंह तुम्हर ऊपर
बिपत्ति लानहूं अऊ जम्मो यहूदा ला नास कर दूहूं।
12 मेंह यहूदा के ओ बांचे मनखेमन ला ले लूहूं, जऊन मन मिसर देस जाके उहां रहे बर ठान ले रिहिन। ओ
जम्मो झन मिसर देस म नास हो जाहीं; ओमन तलवार ले मारे जाहीं या फेर अकाल के कारन मर जाहीं। छोटे
ले लेके बड़े तक, ओमन जम्मो के जम्मो तलवार या अकाल ले मारे जाहीं। ओमन सरापित अऊ बहुंत घिन के
पात्र हो जाहीं, एक सराप अऊ कलंक के पात्र।
13 जइसने मेंह यरूसलेम ला दंड देय रहेंव, वइसने ही मेंह ओमन ला तलवार, अकाल अऊ महामारी ले दंड
दूहूं, जेमन मिसर देस म रहत हवंय।
14 यहूदा के ओ बांचे मनखे, जऊन मन मिसर देस म रहे बर गे हवंय, ओमा के कोनो घलो यहूदा देस ला लहुंटे
बर नइं बांचहीं, जिहां ओमन लहुंटके आके रहे के ईछा करथें; सिरिप कुछू भगोड़ामन के छोंड़ एको झन भी
लहुंटन नइं पाहीं।"
15 तब ओ जम्मो यहूदी, जऊन मन जानत रिहिन कि ओमन के घरवालीमन आने देवतामन बर धूप जलाथें,
अऊ ओ जम्मो माईलोगन, जऊन मन उहां रिहिन—एक बड़े सभा—अऊ ओ जम्मो मनखे, जऊन मन खाल्हे
अऊ ऊपरी मिसर म रहत रिहिन, ओ जम्मो यरमियाह ला कहिन,
16 "जऊन बचन तेंह हमन ला यहोवा के नांव म कहे हवस, ओला हमन नइं सुनन!
17 हमन ओ हर एक काम ला जरूर करबो, जेला हमन कहे हवन कि हमन करबो: हमन स्वरग के रानी नांव के
देवी बर धूप जलाबो अऊ ओला पेय-बलिदान चघाबो जइसने कि हमन अऊ हमर पुरखामन, हमर राजामन
अऊ हमर करमचारीमन यहूदा के नगरमन म अऊ यरूसलेम के गलीमन म करत रिहिन। ओ बेरा हमर करा
बहुंत जेवन रिहिस अऊ बने रहत रहेंन अऊ हमर कुछू नुकसान नइं होवत रिहिस।
18 पर जब ले हमन स्वरग के रानी बर धूप जलाना अऊ ओकर बर पेय-बलिदान चघाना बंद कर दे हवन, तब
ले हमर करा कुछू नइं ए अऊ हमन तलवार अऊ अकाल ले नास होवत हन।"
19 माईलोगनमन ये घलो कहिन, "जब हमन स्वरग के रानी बर धूप जलात रहेंन अऊ ओला पेय-बलिदान
चघावत रहेंन, त का हमर घरवालामन के बिगर जानत हमन स्वरग के रानी के मूरती के परभाव म होके रोटी
बनात रहेंन अऊ ओला पेय-बलिदान चघावत रहेंन?"
20 तब यरमियाह ह आदमी अऊ माईलोगन, जऊन मन ओला जबाब देवत रिहिन, ओ जम्मो मनखे ला
कहिस,
21 "तुमन अऊ तुम्हर पुरखामन, तुम्हर राजामन अऊ तुम्हर करमचारीमन अऊ देस के मनखेमन यहूदा देस
के नगरमन म अऊ यरूसलेम के गलीमन म जऊन धूप जलावत रिहिन, का ओला यहोवा ह सुरता नइं करिस
अऊ ओ बात ह ओकर धियान म नइं आईस?
22 जब यहोवा ह तुम्हर दुस्ट अऊ घिनित काममन ला सहन नइं कर सकिस, त तुम्हर देस ह सरापित हो गीस
अऊ येह उजड़के निरजन हो गीस, जइसने कि येह आज हवय।
23 काबरकि तुमन धूप जलाय हव अऊ यहोवा के बिरूध म पाप करे हव अऊ ओकर बात ला नइं माने हव या
ओकर कानून या बिधि या ओकर सर्त के पालन नइं करे हव, येकर खातिर ये बिपत्ति ह तुम्हर ऊपर पड़े हवय,
जइसने कि तुमन अब देखत हव।"
24 तब यरमियाह ह जम्मो मनखे अऊ माईलोगनमन ला कहिस, "हे मिसर देस म रहइया यहूदा के जम्मो
मनखेमन, यहोवा के बचन ला सुनव।
25 सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे: तुमन अऊ तुम्हर घरवालीमन ओ काम ला करे
हवव, जेला करे के तुमन वायदा करे रहेव, 'स्वरग के रानी बर धूप जलाय अऊ ओला पेय-बलिदान चघाय के
जऊन वायदा हमन करे हवन, ओला हमन जरूर पूरा करबो।'
"तब तुमन जावव, अपन वायदा के मुताबिक करव! अपन सपथ ला पूरा करव!

26 पर हे मिसर देस म रहइया जम्मो यहूदीमन, तुमन यहोवा के बचन ला सुनव: 'मेंह अपन बड़े नांव के
किरिया खावत हंव,' यहोवा ह कहत हे, 'मिसर देस म कहीं भी रहइया कोनो भी यहूदी फेर कभू मोर नांव नइं
लीहीं या ये किरिया नइं खाहीं, "परमपरधान यहोवा के जिनगी के कसम।"
27 काबरकि मेंह ओमन के भलई नइं, पर नुकसान करे के फिराक म हवंव; मिसर देस म रहइया यहूदीमन
तलवार अऊ अकाल के दुवारा मारे जाहीं, जब तक कि ओमन के पूरा सतियानास नइं हो जाही।
28 जऊन मन तलवार ले बांचके मिसर देस ले लहुंटके यहूदा देस म आहीं, ओमन बहुंत थोरकन ही होहीं। तब
मिसर देस म रहे बर आय यहूदा के बांचे ओ जम्मो मनखेमन जान लीहीं कि काकर बात ह सच होही—मोर या
ओमन के।
29 " 'तुम्हर बर ये चिनहां होही कि मेंह तुमन ला ये जगह म सजा दूहूं,' यहोवा ह घोसना करत हे, 'ताकि तुमन
जान लूहू कि तुम्हर नुकसान करे के मोर धमकी ह सही म सच होही।'
30 यहोवा ह ये कहत हे: 'जइसने मेंह यहूदा के राजा सिदकियाह ला ओकर बईरी बेबिलोन के राजा
नबूकदनेसर के हांथ म कर दे रहेंव, जऊन ह ओला मार डारे चाहत रिहिस, वइसने ही मेंह मिसर के राजा फिरौन
होपरा ला ओकर बईरीमन के हांथ म कर दूहूं, जऊन मन ओला मार डारे चाहत हें।' "

45

[illegible]

1 योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज के चौथा साल म, जब नेरियाह के बेटा बारूक ह
यरमियाह अगमजानी के कहे बातमन ला किताब म लिख लीस, त यरमियाह ह बारूक ला ये कहिस:
2 "हे बारूक, यहोवा, इसरायल के परमेसर ह तोला ये कहत हे:
3 तेंह कहय, 'हाय मोर ऊपर! यहोवा ह मोर दुख म अऊ दुख दे हवय; मेंह कराहत-कराहत टूट गे हंव अऊ
मोला कुछू अराम नइं ए।'
4 पर यहोवा ह मोला कहे हवय कि मेंह तोला कहंव, 'यहोवा ह ये कहत हे: पूरा देस म, जेमन ला मेंह बनाय
हंव, ओमन ला गिरा दूहूं अऊ जेमन ला मेंह लगाय हंव, ओमन ला उखान दूहूं।
5 त फेर का तें अपन बर बड़े चीजमन के खोज म रहिबे? ओमन के खोज म झन रह। काबरकि मेंह जम्मो मनखे
ऊपर बिपत्ति लानहूं, यहोवा ह घोसना करत हे, पर जिहां कहीं भी तेंह जाबे, मेंह तोर परान ला बचाहूं।' "

46

[illegible]

1 जाति-जाति के मनखेमन के बारे म, यहोवा के ये बचन यरमियाह अगमजानी करा आईस:

2 मिसर के बिसय:

येह मिसर के राजा फिरौन नको के सेना के बिरूध म संदेस ए, जेला बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह
योसियाह के बेटा यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज के चौथा साल म फरात नदी करा कर्कमीस सहर म हराईस:
3 "अपन बड़े अऊ छोटे दूनों ढालमन ला तियार करव,
अऊ लड़ई बर आघू बढ़व।
4 घोड़ामन ला तियार करव,
बने घोड़ामन ऊपर सवार होवव!
टोपा पहिरके
अपन जगह म ठाढ़ हो जावव!
भालामन ला धार करव,
अपन हथियारमन ला बांध लव!
5 मेंह का देखत हंव?
ओमन डर गे हवंय,
ओमन पाछू हटत हें,

ओमन के सैनिकमन हारत हें।
ओमन बिगर पाछू देखे
जल्दबाजी म भागत हें,
अऊ चारों कोति आतंक छा गे हवय," यहोवा ह घोसना करत हे।
6 "तेज भागनेवाला ह भाग नइं सकय
न ही बलवान मनखे ह बच सकय।
उत्तर दिग म, फरात नदी के तीर म
ओमन ठोकर खाथें अऊ गिर जाथें।

7 "येह कोन ए, जऊन ह नील नदी सहीं,
उमड़त पानी के नदीमन सहीं बढ़त हे?
8 मिसर देस ह नील नदी सहीं,
उमड़त पानी के नदीमन सहीं बढ़त हे।
ओह कहिथे, 'मेंह बढ़हूं अऊ धरती ऊपर छा जाहूं;
मेंह सहरमन ला ओमन म रहइया मनखेमन सहित नास कर दूहूं।'
9 हे घुड़सवारमन, हमला करव!
हे सारथीमन, तेजी से रथ चलावव!
हे ढाल धरइया कूस* अऊ पूत के सैनिकमन,
हे धनुसधारी लूदी के सैनिकमन, आघू बढ़व।
10 पर ओ दिन ह परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा के अय—
एक बदला लेय के दिन, जेमा ओह ओकर बिरूध लड़त बईरीमन ले बदला लीही।
तलवार ह अपन संतोस होवत तक,
अऊ खून ले अपन पीयास बुझावत तक मनखेमन ला मारही।
काबरकि उत्तर के देस म फरात नदी के तीर म,
परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह बलिदान करही।

11 "हे कुंवारी बेटी मिसर,
गिलाद ला जाके मलहम लेय ले।
तेंह फालतू म कतको किसम के दवाई लेथस;
ओमा तेंह बने नइं होवस।
12 जाति-जाति के मनखेमन तोर बेजत्ती के बारे म सुनहीं;
तोर रोवई ह धरती म जम्मो कोति सुनई दीही।
एक सैनिक ह दूसर सैनिक ऊपर ठोकर खाही;
अऊ ओ दूनों एक संग गिरहीं।"
13 बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के आय के अऊ मिसर देस ऊपर हमला करे के बारे म यहोवा ह यरमियाह अगमजानी ला ये बात कहिस:
14 "मिसर देस म ये घोसना कर, अऊ मिगदोल सहर म ये बात के घोसना कर;
मेमफीस अऊ तहपनहेस सहर म घलो ये बात के घोसना कर:
'अपन जगह लेवव अऊ तियार हो जावव,
काबरकि तुम्हर चारों कोति के मनखेमन तलवार ले मारे जाहीं।'
15 तुम्हर सैनिकमन काबर नीचा करे जावंय?
ओमन सामना नइं कर सकंय, काबरकि यहोवा ह ओमन ला नीचा देखाही।
16 ओमन बार-बार ठोकर खाहीं;
ओमन एक-दूसर ऊपर गिरहीं।

* **46:9** नील नदी के ऊपरी इलाका

ओमन कहिहीं, 'उठव, हमन अतियाचार करइया के तलवार ले दूरिहा,
अपन मनखेमन करा अऊ अपन जनम भुइयां म
वापिस लहुंट जावन।'
17 उहां ओमन चिचियाके कहिहीं,
'मिसर के राजा फिरौन ह सिरिप एक भारी कोलाहल ए;
ओह अपन मऊका ला गंवा दे हवय।'

18 "राजा, जेकर नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय,
ओह घोसना करत हे, मोर जिनगी के कसम,
एक जन आही, जऊन ह पहाड़मन के बीच म ताबोर सहीं,
अऊ समुंदर के तीर म करमेल सहीं अय।
19 हे मिसर म रहइयामन,
बंधुवई म जाय बर अपन सामानमन ला बांध लेवव,
काबरकि मेमफीस ह उजाड़ हो जाही
अऊ बिगर कोनो निवासी के बेकार हो जाही।

20 "मिसर ह एक सुघर बछिया सहीं अय,
पर उत्तर दिग ले ओकर बिरूध म
पसुमन ला काटनेवाला एक कीरा आवत हे।
21 ओकर संग के धन के लालची मनखेमन
मोटा-ताजा बछवा सहीं अंय।
ओमन घलो मुहूं मोड़के भागहीं,
ओमन सामना नइं कर सकहीं,
काबरकि ओमन के बिपत्ति के दिन,
अऊ सजा पाय के बेरा ह आवत हे।
22 मिसर देस ह भागत सांप के सहीं फुफकारही
जइसे कि बईरी ह बल के संग आघू बढ़थे;
ओमन ओकर बिरूध म टंगिया धरके आहीं,
जइसने कि मनखेमन रूख ला काटे बर आथें।
23 ओमन ओकर जंगल ला काट डारहीं," यहोवा ह घोसना करत हे,
"हालाकि ओह घना जंगल होही।
ओमन फांफामन ले घलो जादा संखिया म हवंय।
ओमन के गनती नइं करे जा सकय।
24 बेटी मिसर के बेजत्ती होही,
ओला उत्तर दिग के मनखेमन के हांथ म दे दिये जाही।"
25 सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह कहत हे: "मेंह थेबेस के देवता आमोन, फिरौन, मिसर देस
अऊ ओकर जम्मो देवता अऊ राजा, अऊ फिरौन ऊपर भरोसा करइयामन ला दंड देनेचवाला हंव।
26 मेंह ओमन ला बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर अऊ ओकर अधिकारीमन के हांथ म कर दूहूं, जऊन मन
ओमन ला मार डारे चाहत हें। तभो ले बाद म, जब समय ह गुजरही, त मनखेमन ला फेर मिसर म बसाय जाही,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
27 "हे मोर सेवक याकूब, झन डर;
हे इसरायल, भयभीत झन हो।
मेंह तोला दूरिहा जगह ले
अऊ तोर संतानमन ला ओमन के बंधुवई के देस ले जरूर बचाहूं।
याकूब ला फेर सांति अऊ सुरकछा मिलही,
अऊ कोनो ओला नइं डराय सकहीं।

28 हे मोर सेवक याकूब, झन डर,
काबरकि मेंह तोर संग हवंव,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
“हालाकि मेंह ओ जम्मो जाति के मनखेमन ला पूरा नास कर दूहूं,
जेमन के बीच म मेंह तुमन ला तितिर-बितिर कर दे हवंव,
पर मेंह तुमन ला पूरा नास नइं करंव।
मेंह तुमन ला सजा दूहूं, पर सिरिप एक सीमना के भीतर;
मेंह तुमन ला बिगर सजा के पूरा नइं छोंड़ दंव।”

47

[illegible]
1 फिरौन* दुवारा गाजा सहर ऊपर हमला करे के पहिली, यरमियाह अगमजानी करा पलिस्तीमन के बारे म
यहोवा के ये बचन आईस:

2 यहोवा ह ये कहत हे:
“देख, उत्तर दिग म पानी ह कइसे बढ़त हे;
ओह उछरत बोहाय लगही।
ओह देस अऊ ओमा के जम्मो चीज ला डुबो दीही,
नगरमन ला अऊ ओमा रहइया जम्मो झन ला डुबो दीही।
मनखेमन चिचियाहीं;
देस म रहइया जम्मो झन बिलाप करहीं
3 सरपट भागत मजबूत घोड़ामन के खुर के अवाज सुनके,
बईरी के रथमन के अवाज सुनके
अऊ ओमन के चक्का के गड़गड़ाहट के अवाज सुनके।
दाई-ददामन अपन लइकामन के मदद करे बर नइं मुड़हीं;
ओमन के हांथमन अपंग हो जाहीं।
4 काबरकि जम्मो पलिस्तीमन ला नास करे के
अऊ ओ जम्मो बांचे मनखे
जऊन मन सूर अऊ सीदोन सहर के मदद कर सकत रिहिन,
ओमन ला हटाय के दिन आ गे हवय।
काबरकि यहोवा ह कपतोर† के समुंदर तीर के
बांचे पलिस्तीमन ला नास करनेचवाला हे।
5 गाजा सहर के मनखेमन सोक म अपन मुड़ मुड़ाहीं;
अस्कलोन के मनखेमन ला चुप करा दिये जाही।
हे समतल जगह म बांचे मनखेमन,
तुमन कब तक अपनआप ला चीरत रहिहू?

6 “ ‘आह, हे यहोवा के तलवार,
तेंह कब सांत होबे?
अपन मियान म लहुंट जा;
सांत हो अऊ थम जा।’
7 पर येह कइसे सांत हो सकथे
जब यहोवा ह येला हुकूम दे हवय,
जब ओह अस्कलोन अऊ समुंदर तीर ऊपर

* **47:1** या [illegible] † **47:4** याने कि, क्रेते

हमला करे के हुकूम दे हवय?”

48

[illegible]
1 मोआब देस के बारे म:

सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
“नबो ऊपर हाय, काबरकि येह नास हो जाही।
किरयातैम ह कलंकित होही अऊ ओकर ऊपर कब्जा कर लिये जाही;
मजबूत गढ़ ह कलंकित होही अऊ बिखर जाही।
2 अब मोआब के परसंसा नइं होही;
हेसबोन सहर म मनखेमन ओकर नुकसान करे के योजना बनाहीं:
‘आवव, हमन ओ देस के अन्त कर देवन।’
हे मदमेन* के मनखेमन, तुमन ला घलो सांत कर दिये जाही;
तलवार ह तुम्हर पीछा करही।
3 होरोनैम ले दुख के कारन रोये के अवाज आही,
बड़े बिनास अऊ दुख के अवाज सुनई दीही।
4 मोआब के सतियानास हो जाही;
ओकर छोटे लइकामन चिचियाहीं।
5 ओमन लूहीत करा पहाड़ी ऊपर चघहीं,
अऊ ओमन अब्बड़ रोवत ऊपर जाहीं;
होरोनैम के खाल्हे के रसता म बिनास के कारन दुख के चिचियाहट सुनई देवत हे।
6 भागव! अपन परान बचाय बर भागव;
सुनसान जगह म एक झाड़ी के सहीं हो जावव।
7 काबरकि तुमन अपन काम अऊ धन ऊपर भरोसा रखथव,
ये खातिर तुमन ला घलो बंदी बना लिये जाही,
कमोस देवता ह अपन पुरोहितमन
अऊ अधिकारीमन के संग बंधुवई म जाही।
8 बिनास करइया ह हर एक नगर ऊपर चढ़ई करही,
अऊ कोनो नगर नइं बांचही।
घाटी ह नास हो जाही
अऊ पहाड़ी ह सतियानास हो जाही,
काबरकि यहोवा ह कहे हवय।
9 मोआब के ऊपर नून डाल दे,
काबरकि ओह उजाड़ हो जाही;
ओकर नगरमन निरजन हो जाहीं,
ओमन म कोनो नइं रहिहीं।

10 “सरापित होवय ओह, जऊन ह यहोवा के काम ला अलाली म करथे!
सरापित होवय ओह, जऊन ह अपन तलवार ला खून बहाय ले रोकथे!

11 “जइसने अंगूर के मंद ह एक बरतन ले दूसर बरतन म ढारे नइं जाय ले
ओह लद्दी होके खाल्हे म जमके अराम से रहिथे,
वइसने मोआब ह जवानी ले अराम से रहत हवय,
ओह बंधुवई म नइं गे हवय।

* **48:2** या *[illegible]*

एकरसेति ओकर सुवाद ह जस के तस हवय,
अऊ ओकर खुसबू ह नइं बदले हवय।
12 पर समय आवत हे," यहोवा ह घोसना करत हे,
"जब मेंह मनखेमन ला पठोहूं, जऊन मन घघरीमन ले ढारथें,
अऊ ओमन ओला ढार दीहीं;
ओमन ओकर घघरीमन ला खाली कर दीहीं
अऊ ओकर बरतनमन ला फोर दीहीं।
13 तब मोआब के मनखेमन अपन कमोस देवता ले लज्जित होहीं,
जइसने इसरायल के मनखेमन लज्जित होईन
जब ओमन बेतेल ऊपर भरोसा करिन।

14 "तुमन कइसे कह सकत हव, 'हमन योद्धा,
लड़ई म बीर मनखे अन'?
15 मोआब ह नास करे जाही अऊ ओकर नगरमन ऊपर चढ़ई करे जाही;
ओकर सबले बने जवानमन मारे जाय बर खाल्हे जाहीं,"
राजा ह घोसना करत हे, जेकर नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय।
16 "मोआब के गिरई ह लकठा म हवय;
ओकर ऊपर संकट बहुंत जल्दी आही।
17 ओकर आसपास के जम्मो रहइया,
अऊ ओकर कीरति ला जाननेवाले जम्मो झन ओकर बर बिलाप करव;
कहव, 'सक्तिसाली राजदंड ह कइसे टूट गीस,
महिमामय लउठी ह कइसे टूट गीस!'

18 "हे दीबोन बेटी के रहइयामन,
अपन महिमा ला छोंड़व
अऊ सूखा भुइयां म बईठव,
काबरकि जऊन ह मोआब ला नास करथे
ओह तुम्हर बिरूध आही
अऊ तुम्हर किलाबंदीवाले सहरमन ला नास कर दीही।
19 हे अरोएर नगर के रहइयामन,
सड़क-तीर म ठाढ़ होके देखव।
जऊन मनखेमन भागत हें अऊ जऊन माईलोगनमन बचके निकलत हें,
ओमन ले पुछव, 'का होय हवय?'
20 मोआब ह कलंकित होईस, काबरकि ओह कुटा-कुटा हो गीस।
सोक मनावव अऊ चिचियाके रोवव!
अरनोन म घोसना करव
कि मोआब ह नास हो गीस।
21 पठारी भुइयां ऊपर नियाय आ गे हवय—
होलोन, यहस अऊ मेपात ऊपर,
22 दीबोन, नबो अऊ बेत-दिबलातैम ऊपर,
23 किरयातैम, बेत-गामूल अऊ बेत-मोन ऊपर,
24 करियोत, बोसरा ऊपर—
लकठा अऊ दूरिहा, मोआब के जम्मो नगरमन ऊपर नियाय आ गे हवय।
25 मोआब के सींग† ह कटके अलग हो गीस;
ओकर बाहां ह टूट गीस,"

† **48:25** ????? इहां ताकत के प्रतीक अय

यहोवा ह घोसना करत हे।

26 “ओला मतवार कर दव,
काबरकि ओह यहोवा के परवाह नइं करे हवय।
मोआब ला अपन उल्टी म लोटन दव;
ओला हंसी के चीज होवन दव।
27 का इसरायल ह तुम्हर हंसी उड़ाय के चीज नइं रिहिस?
का ओह चोरमन के बीच म पकड़े गे रिहिस,
कि जब भी तेंह ओकर चरचा करथस
त अपमान म, तेंह अपन मुड़ हलाथस?
28 हे मोआब के रहइयामन,
अपन नगरमन ला छोंड़के चट्टानमन के बीच म रहव।
ओ पंड़की चिरई सहीं बनव
जऊन ह गुफा के मुहूं म अपन खोंधरा बनाथे।

29 “हमन मोआब के घमंड के बारे म सुने हन—
कतेक जादा ओह घमंडी ए!
हमन ओकर तिरस्कार, ओकर घमंड, ओकर अभिमान
अऊ ओकर मन के अहंकार के बारे म सुने हन।
30 मेंह ओकर तिरस्कार ला जानत हंव, पर येह बेकार ए,” यहोवा ह घोसना करत हे,
“अऊ ओकर अहंकार से कुछू नइं मिलय।
31 ये खातिर मेंह मोआब बर बिलाप करथंव,
जम्मो मोआब बर मेंह रोवत हंव,
कीर-हरेसेत सहर के मनखेमन बर मेंह बिलाप करथंव।
32 हे सिबमा सहर के अंगूर के नारमन,
मेंह तुम्हर बर रोथंव, जइसने कि याजेर ह रोथे।
तोर डारामन समुंदर‡ तक बगर गे हवंय;
ओमन याजेर सहर तक हबर गे हवंय।
नास करइया ह तोर पाके फर
अऊ अंगूरमन ऊपर गिर गे हवय।
33 मोआब के फर के बारी अऊ खेतमन ले
आनंद अऊ खुसी ह चले गे हवय।
मेंह अंगूर के रसकुंडमन ले अंगूर के मंद बहे ला बंद कर दे हंव;
कोनो ओमन ला आनंद के अवाज सहित अपन गोड़ ले नइं कुचरंय।
हालाकि उहां अवाज होवथे,
पर ओह आनंद के अवाज नो हय।

34 “ओमन के रोये के अवाज ह
हेसबोन ले एलाले अऊ यहस नगर तक,
अऊ सोअर नगर ले होरोनैम अऊ एगलत-सलीसिया तक सुनई देवत हे,
काबरकि निमरीम सोता के पानी घलो सुख गे हवय।
35 जऊन मन ऊंच जगहमन म बलिदान चघाथें
अऊ अपन देवतामन बर धूप जलाथें”
ओमन के मेंह मोआब म अन्त कर दूहूं, यहोवा ह घोसना करत हे।
36 “एकरसेति मोआब बर मोर मन ह बांसुरी के अवाज सहीं सोक करत हे;

‡ **48:32** संभवत: मिरतू समुंदर

येह कीर-हरेसेत के मनखेमन बर बांसुरी के अवाज सहीं सोक करत हे।
जऊन धन ओमन कमाय रिहिन, ओह खतम हो गीस।
37 हर एक मुड़ ह मुड़ाय हवय
अऊ हर एक दाढ़ी कटा ले हवय;
हर हांथ म तलवार के चोट हवय
अऊ हर कनिहां म बोरा के कपड़ा लपटाय हवय।
38 मोआब के जम्मो घर के छानीमन म
अऊ चौराहामन म
सिरिप रोवई-पीटई होवत हे,
काबरकि मेंह मोआब ला ओ बरतन सहीं टोर दे हंव,
जेला कोनो पसंद नइं करंय," यहोवा ह घोसना करत हे।
39 "ओह कइसे चकनाचूर हो गीस! ओमन कइसे बिलाप करत हें!
मोआब ह लज्जा म, कइसे अपन पीठ दिखावत हवय!
मोआब ह अपन चारों कोति के जम्मो मनखे बर
एक हंसी के चीज, अऊ बहुंत भय के कारन हो गे हवय।"
40 यहोवा ह ये कहत हे:
"देखव! एक गिधवा ह मोआब ऊपर अपन डेना फईलाके
खाल्हे कोति झपट्टा मारत हे।
41 करियोत सहर ऊपर कब्जा कर लिये जाही
अऊ मजबूत गढ़मन ला ले लिये जाही।
ओ दिन मोआब के योद्धामन के मन ह
छेवारी होवत माईलोगन के मन सहीं हो जाही।
42 मोआब ह एक देस के रूप म नास हो जाही
काबरकि ओह यहोवा के परवाह नइं करे हवय।
43 हे मोआब के मनखेमन,
आतंक अऊ खंचवा अऊ फांदा तुम्हर डहार देखत हें,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
44 "जऊन कोनो डराके भागही
ओह खंचवा म गिरही,
जऊन कोनो खंचवा म ले निकलके आही
ओह फांदा म फंसही;
काबरकि मेंह मोआब ऊपर
ओकर दंड के समय ला लानहूं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।

45 "हेसबोन सहर के सरन म आके
भगोड़ा मनखेमन कोनो मदद नइं पावंय,
काबरकि हेसबोन ले आगी,
अऊ सीहोन के बीच ले आगी के एक जुवाला निकले हवय;
येह मोआब के माथामन ला,
अऊ बक-बक करइया घमंडीमन के खोपड़ी ला जला दीही।
46 हे मोआब, तोर ऊपर हाय!
कमोस के मनखेमन नास होवथें;
तोर बेटामन बंधुवई म जावत हें,
अऊ तोर बेटीमन कैद करे जावत हें।

47 “तभो ले अवइया समय म,
मेंह मोआब के बने दिनमन ला फेर लानहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
मोआब के दंड ह इहां खतम होईस।

49

[illegible]
1 अमोनीमन के बारे म:

यहोवा ह ये कहत हे:
“का इसरायल के बेटामन* नइं एं?
का इसरायल के कोनो वारिस नइं एं?
त फेर काबर मोलेक† ह गाद देस ऊपर अधिकार कर ले हवय?
ओकर मनखेमन येकर नगरमन म काबर रहत हें?
2 पर ओ दिनमन आवत हें,” यहोवा ह घोसना करत हे,
“जब मेंह अमोनीमन के रब्बा नगर के बिरूध
लड़ई के ललकार करहूं;
येह उजड़के खंडहर हो जाही,
अऊ येकर आसपास के गांवमन म आगी लगा दिये जाही।
तब इसरायलीमन ओमन ला निकाल दीहीं,
जऊन मन ओमन ला निकाले रिहिन,”
यहोवा ह कहत हे।
3 “हे हेसबोन, बिलाप कर, काबरकि अई नगर ह नास हो गीस!
हे रब्बा के रहइयामन, रोवव!
बोरा के कपड़ा पहिरव अऊ सोक मनावव;
दीवार के भीतर एती-ओती भागव,
काबरकि मोलेक ह अपन पुरोहित
अऊ करमचारीमन संग बंधुवई म जाही।
4 तेंह अपन घाटीमन ऊपर,
ओ बहुंत फर देवइया घाटीमन ऊपर काबर घमंड करत हस?
हे बेईमान बेटी अमोन,
तेंह अपन धन ऊपर भरोसा करके कहिथस,
‘कोन ह मोर ऊपर हमला करही?’
5 तोर चारों कोति रहइया मनखेमन ले
मेंह तोर ऊपर आतंक लानहूं,”
परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।
तुमन के हर एक जन ला निकाल दिये जाही,
अऊ कोनो ओ निकाले गय मनखेमन ला जगह नइं दीही।

6 “तभो ले बाद म, मेंह अमोनीमन के दिन ला लहुंटाके लानहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

[illegible]
7 एदोम के बारे म:

---

* **49:1** या *[illegible]* † **49:1** या *[illegible]*; पद 3 म घलो

सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
“का तेमान म अब कुछू बुद्धि नइं ए?
का बुद्धिमानमन के सलाह ह खतम हो गीस?
का ओमन के बुद्धि ह नास हो गीस?
8 हे ददान के रहइयामन,
लहुंटके भागव, गुफा के भीतरी भागमन म छुप जावव,
काबरकि जब मेंह एसाव ला सजा दूहूं,
तब मेंह ओकर ऊपर बिपत्ति लानहूं।
9 यदि अंगूर टोरइयामन तोर करा आतिन,
त का ओमन कुछू अंगूर ला नइं छोंड़ जातिन?
यदि चोरमन रथिया आतिन,
त का ओमन जतेक चाहतिन, ओतेक चोराके नइं ले जातिन?
10 पर मेंह एसाव ला नंगरा कर दूहूं;
मेंह ओकर छुपे के जगहमन ला उघरा कर दूहूं,
ताकि ओह अपनआप ला छुपा झन सकय।
ओकर हथियार धरे मनखेमन नास हो गीन,
ओकर संग के मन अऊ परोसीमन घलो नास हो गीन,
एकरसेति ये कहे बर कोनो नइं एं,
11 ‘अपन अनाथ लइकामन ला छोंड़ जावव; मेंह ओमन ला जीयत रखहूं।
तुम्हर बिधवामन घलो मोर ऊपर भरोसा कर सकथें।’ ”
12 यहोवा ह ये कहत हे: “यदि जऊन मन कटोरा म ले पीये के लईक नो हंय, त ओमन येला जरूर पीयें, तेंह बिगर दंड पाय काबर जाबे? तेंह बिगर दंड पाय नइं जा सकबे, पर तोला येला पीना पड़ही।
13 यहोवा ह घोसना करत हे, मेंह अपन कसम खावत हंव,” “कि बोसरा सहर ह एक उजाड़ अऊ एक सराप, एक आतंक अऊ निन्दा के चीज हो जाही; अऊ येकर जम्मो नगरमन सदाकाल बर उजाड़ हो जाहीं।”
14 मेंह यहोवा ले एक संदेस सुने हंव;
जाति-जाति के मनखेमन ला ये कहे बर एक दूत पठोय गीस,
“येकर ऊपर हमला करे बर तुमन एक संग जूरव!
लड़ई करे बर उठव!”

15 “अब मेंह जाति-जाति के बीच म तोला छोटे बना दूहूं,
अऊ मनखेमन तोला तुछ जानहीं।
16 हे चट्टानमन के दरार म रहइयामन,
हे पहाड़ी के चोटी ऊपर अधिकार करइयामन,
तुम्हर बढ़े हुए आतंक अऊ तुम्हर मन के घमंड ह
तुमन ला धोखा देय हवय।
चाहे तुमन अपन खोंधरा गिधवा के सहीं ऊंच जगह म बनावव,
तभो ले मेंह तुमन ला उहां ले खाल्हे ले आहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
17 “एदोम ह एक बहुंत घिन करे के चीज हो जाही;
ओकर जम्मो घाव के कारन
जऊन मन ओकर लकठा ले जाहीं, ओमन डरहीं अऊ येकर हंसी उड़ाहीं।
18 यहोवा ह कहत हे, जइसने सदोम अऊ अमोरा ला
ओमन के आसपास के नगरमन सहित नास कर दिये गे रिहिस,”
“वइसने ही उहां कोनो नइं रहिहीं;

येमा कोनो मनखे निवास नइं करहीं।

19 “जइसने यरदन के झाड़ीमन ले
कोनो सिंह ह निकलके बने चरागन म आथे,
वइसने ही मेंह एदोम के मनखेमन ला ओमन के देस ले तुरते भगा दूहूं।
ओ चुने हुए कोन ए, जेला मेंह ये काम बर ठहिरावंव?
मोर सहीं कोन हे अऊ कोन ह मोला चुनौती दे सकथे?
अऊ कोन चरवाहा ह मोर सामना कर सकथे?”

20 एकरसेति, सुनव कि यहोवा ह एदोम के बिरूध का योजना बनाय हवय,
अऊ तेमान म रहइयामन के बिरूध ओह का करे के ठाने हवय:
पसु के झुंड के पीलामन ला घसीटके अलग करे जाही;
ओमन के चरागन ह ओमन के डर के कारन होही।
21 ओमन के गिरे के अवाज ले धरती ह कांपही;
ओमन के रोये के अवाज ह लाल-समुंदर तक सुनई दीही।
22 देखव! एक गिधवा ह ऊपर उड़के खाल्हे झपट्टा मारही,
अऊ बोसरा ऊपर अपन डेनामन ला फईलाही।
ओ दिन एदोम के सूरबीरमन के मन ह
छेवारी होवत माईलोगन के मन सहीं होही।

[illegible]

23 दमिस्क के बारे म:
“हमात अऊ अरपाद सहर डर गीन,
काबरकि ओमन खराप समाचार सुने हवंय।
ओमन के मन ह टूट गे हवय,
अऊ ओमन के मन अस्थिर समुंदर सहीं असांत हवय।
24 दमिस्क ह दुरबल हो गे हवय,
ओह भागे बर मुड़े हवय
अऊ डर ह ओला जकड़ ले हवय;
मन के असांति अऊ पीरा ह ओला जकड़े हवय,
ओ पीरा ह छेवारी होवत माईलोगन के पीरा सहीं अय।
25 ओ नगर, जेमा मेंह खुस होथंव,
ओ खियातीवाला सहर ला काबर तियागे नइं गे हवय?
26 सचमुच, ओकर जवानमन गलीमन म गिरहीं;
ओ दिन ओकर जम्मो सैनिकमन के बोलती बंद हो जाही,”
सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।
27 “मेंह दमिस्क के दीवारमन म आगी लगा दूहूं;
येह बेन-हदद के किलामन ला भसम कर दीही।”

[illegible]

28 केदार गोत्र अऊ हासोर के राजमन के बारे म, जेकर ऊपर बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह हमला करिस:

यहोवा ह ये कहत हे:
“उठव, अऊ केदार ऊपर हमला करव
अऊ पूरब के मनखेमन के नास कर देवव।
29 ओमन के तम्बू अऊ ओमन के पसु के झुंडमन ला ले लिये जाही;
ओमन के डेरा ला ओमन के जम्मो सामान

अऊ ऊंटमन सहित ले लिये जाही।
मनखेमन ओमन ऊपर चिचियाहीं,
'चारों कोति आतंक ही आतंक!'

30 "हे हासोर के रहइयामन, तुरते भागव!
गुफामन के भीतर म रहव,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
"बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह तुम्हर बिरूध साजिस करे हवय;
ओह तुम्हर बिरूध एक योजना बनाय हवय।

31 "उठव अऊ अराम से रहइया ओ जाति के ऊपर हमला करव,
जऊन ह निडर रहत हे,"
यहोवा ह घोसना करत हे,
"ओ जाति जेकर न कपाट हवय न घेरा;
येकर मनखेमन खतरा ले दूरिहा रहिथें।
32 ओमन के ऊंटमन ला लूट लिये जाही,
अऊ ओमन के बड़े पसु के झुंड ह लड़ई म नास हो जाही।
जऊन मन दूरिहा जगह म रहिथें, मेंह ओमन ला उड़ाके तितिर-बितिर कर दूहूं
अऊ चारों कोति ले ओमन ऊपर बिपत्ति लानहूं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
33 "हासोर ह सियारमन के डेरा बनके,
हमेसा बर उजाड़ हो जाही।
उहां कोनो नइं रहिहीं;
ओमा कोनो मनखे निवास नइं करहीं।"

?????? ?? ????? ? ?????

34 यहूदा के राजा सिदकियाह के राज के सुरूआत म, यहोवा के ये बचन यरमियाह अगमजानी करा एलाम देस के बारे म आईस:

35 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
"देख, मेंह एलाम के धनुस ला टोरहूं,
जऊन ह कि ओकर सक्ति के खास चीज अय।
36 मेंह अकास के चारों दिग ले
एलाम के बिरूध म चार ठन आंधी लानहूं;
मेंह ओमन ला चारों आंधी म तितिर-बितिर कर दूहूं,
अऊ अइसने कोनो जाति के मनखे नइं होहीं
जिहां एलामी मनखेमन भाग के नइं जाहीं।
37 मेंह एलाम ला ओमन के बईरीमन के आघू म,
अऊ ओमन के परान के खोजीमन के आघू म चकनाचूर कर दूहूं;
मेंह अपन भयंकर गुस्सा म,
ओमन ऊपर बिपत्ति लानहूं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
"मेंह तलवार लेके ओमन के पीछा तब तक करहूं
जब तक कि मेंह ओमन के अन्त नइं कर दूहूं।
38 मेंह एलाम म अपन सिंघासन रखहूं

अऊ ओकर राजा अऊ करमचारीमन ला नास कर दूहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

39 “तभो ले अवइया समय म,
एलाम के बने दिनमन ला फेर लानहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

50

[illegible]

1 बेबिलोन सहर अऊ बेबिलोनीमन* के देस के बारे म यहोवा ह यरमियाह अगमजानी के जरिये ये बचन
कहिस:
2 “जाति-जाति के मनखेमन के बीच म बतावव अऊ घोसना करव,
झंडा उठाके येकर घोसना करव;
कुछू झन छुपावव, पर कहव,
‘बेबिलोन ला ले लिये जाही;
बेल के बेजत्ती होही,
मरोदक ह आतंकित होईस।
ओकर मूरतीमन के बेजत्ती होही
अऊ ओकर मूरतीमन आतंकित होईन।’
3 उत्तर दिग ले एक जाति ह ओकर ऊपर हमला करही
अऊ ओकर देस ला उजाड़ दीही।
ओमा कोनो नइं रहिहीं;
मनखे अऊ पसु दूनों भाग जाहीं।

4 “ओ दिनमन म, ओ समय म,” यहोवा ह घोसना करत हे,
“इसरायल के मनखेमन अऊ यहूदा के मनखेमन एक संग
रोवत यहोवा अपन परमेसर के खोज म जाहीं।
5 ओमन सियोन के रसता ला पुछहीं
अऊ ओ रसता कोति अपन मुहूं कर लीहीं।
ओमन आहीं अऊ अपनआप ला यहोवा के संग
सदाकाल के करार म बांध लीहीं
जऊन ला बिसराय नइं जाही।

6 “मोर मनखेमन गंवाय भेड़ अंय;
ओमन के चरवाहामन ओमन ला रसता ले भटका दे हवंय
जेकर कारन ओमन पहाड़मन म एती-ओती घुमत हें।
ओमन पहाड़ अऊ पठार ऊपर घुमत हवंय
अऊ अपन अराम करे के जगह ला भुला गे हवंय।
7 जऊन कोनो भी ओमन ला पाईस, ओह ओमन ला खा लीस;
ओमन के बईरीमन कहिन, ‘हमन दोसी नो हन,
काबरकि ओमन यहोवा के बिरूध म पाप करिन, जऊन ह कि ओमन के हरा-भरा चरागन ए,
यहोवा, ओमन के पुरखामन के आसा ए।’

8 “बेबिलोन ले बाहिर भागव;
बेबिलोनी मनखेमन के देस ला छोंड़व,

* **50:1** या *[illegible]*

अऊ ओ बोकरामन सहीं बनव, जऊन मन झुंड के अगुवई करथें।
9 काबरकि मेंह उत्तर के देस ले बड़े जातिमन के एक दल ला उभारहूं
अऊ ओ दल ला बेबिलोन के बिरूध लानहूं।
ओमन बेबिलोन के बिरूध म कतार बांधहीं,
अऊ उत्तर दिग ले ओकर ऊपर कब्जा करे जाही।
ओमन के तीरमन कुसल योद्धामन सहीं होहीं,
जेमन कि खाली नइं लहुंटंय।
10 ये किसम ले बेबिलोनिया† ला लूटे जाही;
ओ जम्मो जऊन मन ओला लूटहीं, ओमन संतुस्ट हो जाहीं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।

11 "हे मोर भाग ला लूटनेवालामन,
काबरकि तुमन आनंद मनाथव अऊ खुस हव,
अऊ एक अनाज कुटत बछिया के सहीं उदकत
अऊ ताकतवर घोड़ामन के सहीं हिनहिनावत हव,
12 तुम्हर दाई ह बहुंत लज्जित होही;
जऊन ह तुमन ला जनम दीस, ओह कलंकित होही।
ओह जम्मो जाति म सबले छोटे होही—
ओह एक निरजन, सूखा देस अऊ मरू-भुइयां सहीं होही।
13 यहोवा के गुस्सा के कारन, ओमा कोनो नइं बसहीं
पर ओह पूरा उजाड़ हो जाही।
जऊन मन बेबिलोन ले होवत जाहीं, ओमन भयभीत होहीं;
ओकर जम्मो दुख के कारन ओकर हंसी उड़ाहीं।

14 "हे जम्मो धनुसधारीमन,
बेबिलोन के चारों कोति ओकर बिरूध म कतार बांध लव।
ओकर ऊपर तीर चलावव! कोनो तीर ला बचाके झन रखव,
काबरकि ओह यहोवा के बिरूध म पाप करे हवय।
15 चारों कोति ले ओकर ऊपर तीर चलावव!
ओह हार मानत हे, ओकर मीनारमन गिरत हें,
ओकर दीवारमन गिराय जावत हें।
काबरकि यहोवा ह ओकर ले बदला लेवत हे,
त तुमन घलो ओकर ले बदला लेवव;
ओकर संग वइसने करव, जइसने ओह आने मन संग करे हवय।
16 बेबिलोन ले बीज बोवइया ला अलग कर दव,
अऊ लुवई के बेरा फसल लुवइया ला ओकर हंसिया ले अलग कर दव।
अतियाचारी के तलवार के डर के कारन
हर एक जन अपन-अपन मनखेमन करा लहुंट जावय,
अऊ हर एक जन अपन-अपन देस ला भाग जावय।

17 "इसरायल ह तितिर-बितिर करे गे एक झुंड ए,
जेला सिंहमन भगा दे हवंय।
सबले पहिले ओमन ला खानेवाला
अस्सूर के राजा ए;

† **50:10** या [illegible]

सबले आखिरी म ओमन के हाड़ामन ला टोरनेवाला
बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ए।”
18 ये खातिर सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
“जइसने मेंह अस्सूर के राजा ला सजा दे हंव,
वइसने मेंह बेबिलोन के राजा अऊ ओकर देस ला सजा दूहूं।
19 पर मेंह इसरायल के मनखेमन ला फेर ओमन के चराई म लहुंटाके लानहूं,
अऊ ओमन करमेल पहाड़ अऊ बासान के इलाका म चरहीं;
एपरैम अऊ गिलाद के पहाड़ीमन म
ओमन भरपेट खाय बर पाहीं।
20 ओ दिनमन म, ओ समय म,” यहोवा ह घोसना करत हे,
“इसरायल के अपराध ला खोजे जाही,
पर ओमा कोनो अपराध नइं मिलही,
अऊ यहूदा के पाप ला घलो खोजे जाही,
पर ओमा कोनो अपराध नइं मिलही,
काबरकि जेमन ला मेंह बचाहूं, ओमन के पाप ला छेमा कर दूहूं।

21 “मरातैम देस अऊ पकोद म रहइया मनखेमन ऊपर
तेंह हमला कर।
ओमन के पीछा कर, मार डार अऊ ओमन ला पूरा नास कर दे,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
“हर ओ काम कर, जेकर हुकूम मेंह तोला दे हवंव।
22 ओ देस म लड़ई के अवाज,
बड़े बिनास के अवाज होवत हे!
23 जम्मो धरती के हथौड़ा ह
कइसे टूटके कुटा-कुटा हो गे हवय!
बेबिलोन ह जाति-जाति के मनखेमन के बीच म
कइसे उजाड़ हो गे हवय!
24 हे बेबिलोन, मेंह तोर बर एक फांदा लगाय हंव,
अऊ येकर पहिली कि तें ओला जानते, तेंह ओमा फंस गेय;
तोला खोजके पकड़ लिये गीस,
काबरकि तें यहोवा के बिरोध करे।
25 यहोवा ह अपन हथियारमन के घर ला खोल दे हवय,
अऊ अपन कोरोध के हथियारमन ला बाहिर निकाले हवय,
काबरकि परमपरधान यहोवा सर्वसक्तिमान ला
बेबिलोनीमन के देस म एक काम करना हे।
26 दूरिहा ले ओकर बिरूध म आवव।
ओकर अन्न के भंडारमन ला टोरके खोल दव;
अनाज के ढेर सहीं ओला कुढ़ो दव।
ओकर पूरा सतियानास कर दव,
अऊ ओकर कुछू ला घलो बचाके झन रखव।
27 ओकर जम्मो जवान बईलामन ला मार डारव;
ओमन ला काटे बर खाल्हे जावन दव!
ओमन ऊपर हाय! काबरकि ओमन के दिन ह आ गे हवय,
ओमन के सजा पाय के समय ह आ गे हवय।
28 सियोन म घोसना होवत हे;

बेबिलोन के भगोड़ा अऊ सरनार्थीमन के बात ला सुनव
यहोवा हमर परमेसर ह
कइसे अपन मंदिर के बदला ले हवय।

29 "धनुसधारीमन ला बेबिलोन के बिरूध म लड़े बर बलावव,
ओ जम्मो झन ला बलावव, जऊन मन धनुस चलाथें।
ओकर चारों कोति डेरा डालव;
कोनो बचके झन भागन पावंय।
ओकर काममन के बदला ओला देवव;
ओकर संग वइसने करव, जइसने ओह करे हवय।
काबरकि ओह यहोवा,
इसरायल के पबितर परमेसर ला ललकारे हवय।
30 ये खातिर ओकर जवानमन गलीमन म गिरहीं;
ओ दिन ओकर जम्मो सैनिकमन के बोलती बंद हो जाही,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
31 "हे ढीठ देख, मेंह तोर बिरूध हंव,"
परभू सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे,
"काबरकि तोर दिन ह आ गे हवय,
तोर सजा पाय के समय ह आ गे हवय।
32 ढीठ ह ठोकर खाके गिरही
अऊ कोनो ओला उठे म मदद नइं करहीं;
मेंह ओकर नगरमन म आगी लगाहूं,
जऊन ह ओकर चारों कोति के जम्मो झन ला भसम कर दीही।"
33 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
"इसरायल के मनखेमन सताय जावत हें,
अऊ यहूदा के मनखेमन घलो सताय जावत हें।
ओमन के जम्मो पकड़नेवालामन ओमन ला कसके पकड़े हवंय,
अऊ ओमन ला जावन नइं देवत हें।
34 पर ओमन के छुड़इया ह बलवान ए;
सर्वसक्तिमान यहोवा ओकर नांव ए।
ओह ओमन के मुकदमा ला बने करके लड़ही
ताकि ओह ओमन के देस म सांति लानय
पर बेबिलोन म रहइयामन ऊपर असांति।

35 "बेबिलोन के मनखेमन के बिरूध म तलवार चलही!"
यहोवा ह घोसना करत हे—
"जऊन मन बेबिलोन म रहिथें, ओमन के बिरूध म
अऊ ओकर करमचारी अऊ बुद्धिमान मनखेमन के बिरूध म तलवार चलही!
36 ओकर लबरा अगमजानीमन के बिरूध म तलवार चलही!
ओमन मुरूख बन जाहीं।
ओकर योद्धामन के बिरूध म तलवार चलही!
ओमन आतंक ले भर जाहीं।
37 ओकर घोड़ा अऊ रथमन के बिरूध म
अऊ ओकरे दरजा के जम्मो बिदेसीमन के बिरूध म तलवार चलही!
ओमन दुरबल हो जाहीं।
ओकर खजानामन के बिरूध म तलवार चलही!

ओमन ला लूट लिये जाही।
38 ओकर तरियामन म सूखा पड़ही!
ओमन सूखा जाहीं।
काबरकि येह मूरतीमन ले भरे देस अय,
अऊ मूरतीमन आतंक ले पगला जाहीं।

39 "एकरसेति मरू-भुइयां के जन्तु अऊ हुंर्रामन उहां रहिहीं,
अऊ उहां उल्लू घलो निवास करही।
उहां फेर कोनो मनखे निवास नइं करहीं
या पीढ़ी-पीढ़ी तक उहां कोनो नइं रहिहीं।
40 यहोवा ह घोसना करत हे,
जइसने मेंह सदोम अऊ अमोरा ला
ओमन के आसपास के नगरमन सहित उखान फेंकें,"
"वइसने ही उहां कोनो नइं रहिहीं;
येमा कोनो मनखे निवास नइं करहीं।

41 "देखव! उत्तर दिग ले एक सेना आवत हे;
धरती के छोर ले एक बड़े जाति
अऊ बहुंते राजामन ला उभारे जावत हे।
42 ओमन धनुस अऊ बरछी धरे हवंय;
ओमन कठोर अऊ निरदयी अंय।
जब ओमन अपन घोड़ामन ऊपर सवार होथें,
त ओमन गरजत समुंदर सहीं अवाज करथें;
हे बेटी बेबिलोन, ओमन तोर ऊपर हमला करे बर
लड़ई म कतार बांधे मनखेमन सहीं आथें।
43 बेबिलोन के राजा ह ओमन के बारे म खबर सुने हवय,
अऊ ओकर हांथमन ढीला पड़ गे हवंय।
पीरा ह ओला अइसने जकड़े हवय,
जइसने छेवारी होवत माईलोगन ला पीरा होथे
44 जइसने यरदन के झाड़ीमन ले कोनो सिंह ह
निकलके बने चरागन म आथे,
वइसने ही मेंह बेबिलोन के मनखेमन ला ओमन के देस ले तुरते भगा दूहूं।
ओ चुने हुए कोन ए, जेला मेंह ये काम बर ठहिरावंव?
मोर सहीं कोन हे अऊ कोन ह मोला चुनौती दे सकथे?
अऊ कोन चरवाहा ह मोर सामना कर सकथे?"

45 एकरसेति, सुनव कि यहोवा ह बेबिलोन के बिरूध का योजना बनाय हवय,
अऊ बेबिलोनीमन के देस के बिरूध ओह का करे के ठाने हवय:
पसु के झुंड के पीलामन ला घसीटके अलग करे जाही;
ओमन के चरागन ह ओमन के डर के कारन होही।
46 बेबिलोन ला कब्जा करे के अवाज ले धरती ह कांपही;
येकर रोये के अवाज जाति-जाति के मनखेमन के बीच म सुनई पड़ही।

51

1 यहोवा ह ये कहत हे:
"देखव, मेंह बेबिलोन अऊ लेब-कामै के मनखेमन के बिरूध म

एक नास करइया आतमा ला भड़काहूं।
2 मेंह बेबिलोन म परदेसीमन ला पठोहूं ओला पछुरे बर
ताकि ओमन ओला पछुरें अऊ ओ देस ला बरबाद करें;
ओकर बिपत्ति के दिन म
ओमन चारों कोति ले ओकर बिरोध करहीं।
3 धनुसधारी ला ओकर धनुस तियार करन झन दव,
अऊ न ही ओला अपन हथियार ला बांधन दव।
ओकर जवानमन ला झन छोंड़व;
ओकर सेना ला पूरा नास कर दव।
4 ओमन बेबिलोन के गलीमन म,
भयंकर रूप से घायल मरे परे होहीं।
5 काबरकि इसरायल अऊ यहूदा के देस ह
ओमन के परमेसर, सर्वसक्तिमान यहोवा के दुवारा तियागे नइं गे हवय,
हालाकि ओमन के देस* ह
इसरायल के पबितर परमेसर के नजर म अपराध ले भरे हवय।

6 "बेबिलोन ले भागव!
अपन परान बचाय बर भागव!
ओकर पाप के कारन नास झन होवव।
येह यहोवा के बदला लेय के बेरा अय;
ओकर अधरम के मुताबिक ओला बदला दीही।
7 बेबिलोन ह यहोवा के हांथ म एक सोन के कटोरा रिहिस;
ओ कटोरा म ले पीके जम्मो धरती के मनखेमन मतवाला होवत रिहिन।
जाति-जाति के मनखेमन ओकर मंद ला पीईन;
ये खातिर ओमन अब पगला गे हवंय।
8 बेबिलोन ह अचानक गिरही अऊ टूट जाही।
ओकर बर बिलाप करव!
ओकर घाव बर मलहम लानव;
सायद ओह बने हो जावय।

9 " 'हमन बेबिलोन ला बने करतेंन,
पर ओह बने नइं हो सकय।
आवव, हमन ओला छोंड़के अपन-अपन देस ला चले जावन,
काबरकि ओला दंड देय के फैसला अकास तक हबरत हे,
येह ऊंच स्वरग तक चले गे हवय।'

10 " 'यहोवा ह हमन ला सही ठहिराय हे;
एकरसेति आवव, हमन सियोन म बतावन
कि यहोवा हमर परमेसर ह का करे हवय।'

11 "तीरमन ला धार करव,
ढालमन ला ले लव!
यहोवा ह मादी के राजामन ला उभारे हवय,
काबरकि ओकर उदेस्य ह बेबिलोन ला नास करे के हवय।
यहोवा ह बदला लीही,
ओह अपन मंदिर के बदला लीही।

---

* **51:5** या [illegible]

12 बेबिलोन के दीवार के बिरूध म एक झंडा ठाढ़ करव!
पहरेदार के सक्ति बढ़ावव,
पहरेदारमन ला पहरा देय बर बईठावव,
घात लगाय के तियारी करव!
काबरकि यहोवा ह बेबिलोन के बिरूध म फैसला देके,
अपन उदेस्य ला पूरा करही।
13 हे पानी के तीर म बसे
अऊ धन-संपत्ति बनाके धनवान हो गय मनखेमन,
तुम्हर अन्त ह आ गे हवय,
तुम्हर नास होय के समय आ गे हवय।
14 सर्वसक्तिमान यहोवा ह अपन खुद के कसम खाय हवय:
फांफामन के दल सहीं, मेंह खचित तोला सैनिक दलमन ले भर दूहूं,
अऊ ओमन तोर ऊपर बिजय के नारा लगाहीं।

15 "ओह अपन सामर्थ ले धरती ला बनाईस;
ओह अपन बुद्धि ले संसार के नीव रखिस
अऊ अपन समझ के दुवारा अकासमन ला तानिस।
16 जब ओह गरजथे, त अकासमन म पानी ह गरजथे;
ओह धरती के छोर ले बादरमन ला उठाथे।
ओह बारिस के संग बिजली चमकाथे
अऊ अपन भंडारघर ले हवा चलाथे।

17 "हर एक जन निरबुद्धि अऊ बिगर गियान के हवय;
हर एक सुनार ह अपन बनाय मूरतीमन के कारन लज्जित हवय।
जऊन मूरतीमन ला ओह बनाथे, ओमन एक धोखा अंय;
ओमन म सांस ही नइं ए।
18 ओ मूरतीमन बेकार अऊ हंसी उड़ाय के चीज अंय;
जब ओमन के फैसला होही, त ओमन नास हो जाहीं।
19 पर ओ, जऊन ह याकूब के भाग ए, ओह येमन सहीं नो हय,
काबरकि ओह तो जम्मो चीजमन के बनानेवाला अय,
ओकर उत्तराधिकार के मनखेमन घलो ओमा आथें—
ओकर नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय।

20 "तेंह मोर लड़ई के गदा,
अऊ लड़ई करे बर मोर हथियार अस—
तोर दुवारा मेंह जाति-जाति के मनखेमन ला कुटा-कुटा कर देथंव,
तोर दुवारा राजमन ला नास कर देथंव,
21 तोर दुवारा मेंह घोड़ा अऊ ओकर सवार ला कुटा-कुटा कर देथंव,
तोर दुवारा मेंह रथ अऊ ओकर सारथी ला कुटा-कुटा कर देथंव,
22 तोर दुवारा मेंह आदमी अऊ माईलोगन ला कुटा-कुटा कर देथंव,
तोर दुवारा मेंह सियान अऊ लइका ला कुटा-कुटा कर देथंव,
तोर दुवारा मेंह जवान मनखे अऊ जवान छोकरी ला कुटा-कुटा कर देथंव,
23 तोर दुवारा मेंह चरवाहा अऊ ओकर झुंड ला कुटा-कुटा कर देथंव,
तोर दुवारा मेंह किसान अऊ ओकर बईलामन ला कुटा-कुटा कर देथंव,
तोर दुवारा ही मेंह राजपाल अऊ करमचारीमन ला घलो कुटा-कुटा कर देथंव।

24 “तुम्हर आंखी के आघू म मेंह बेबिलोन अऊ बेबिलोनिया† म रहइया जम्मो झन ला, ओमन के ओ जम्मो
गलत काम के बदला दूहूं, जेला ओमन सियोन म करे हवंय,” यहोवा ह घोसना करत हे।
25 “हे नास करइया पहाड़, तें जऊन ह जम्मो धरती ला
नास करथस, मेंह तोर बिरूध म हंव,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
“मेंह तोर बिरूध म अपन हांथ बढ़ाहूं,
अऊ तोला खड़े चट्टान म ले लुड़का दूहूं,
अऊ तोला एक जले हुए पहाड़ बना दूहूं।
26 घर के कोना के पथरा बनाय बर तोर म ले कोनो पथरा नइं लिये जाही,
न ही घर के नीव डाले बर तोर म ले कोनो पथरा लिये जाही,
काबरकि तेंह हमेसा बर उजाड़ हो जाबे,” यहोवा ह घोसना करत हे।

27 “देस म चेतउनी के एक झंडा ठाढ़ करव!
जाति-जाति के मनखेमन के बीच म तुरही बजावव!
ओकर बिरूध म जाति-जाति के मनखेमन ला लड़ई बर तियार करव;
ओकर बिरूध म ये राजमन ला बलावव:
अरारात, मिन्नी अऊ असकनज।
ओकर बिरूध म एक सेनापति ठहिरावव;
फांफामन के दल सहीं घोड़ामन ला ऊपर पठोवव।
28 ओकर बिरूध म जाति-जाति के मनखेमन ला तियार करव—
मादी के राजामन ला,
ओमन के राजपाल अऊ ओमन के जम्मो करमचारी,
अऊ ओ जम्मो देस के मनखेमन ला बलावव, जिहां ओमन सासन करथें।
29 देस ह कांपत अऊ पीरा के मारे छटपटावत हे,
काबरकि बेबिलोन के बिरूध यहोवा के उदेस्य ह पूरा होवत हे—
बेबिलोन के देस ला उजाड़े जावत हे
ताकि उहां कोनो झन रहंय।
30 बेबिलोन के योद्धामन लड़े बर बंद कर दे हवंय;
ओमन अपन गढ़मन के भीतर रहत हें।
ओमन म अऊ ताकत नइं ए;
ओमन दुरबल हो गे हवंय।
ओकर निवासमन म आगी लगे हवय;
ओकर कपाटमन के बेड़ीमन टूट गे हवंय।
31 एक दूत ह दूसर दूत के पाछू
अऊ एक संदेसिया ह दूसर संदेसिया के पाछू
बेबिलोन के राजा ला ये समाचार देय बर जाथें
कि ओकर पूरा सहर ला कब्जा कर लिये गे हवय,
32 नदी पार करे के जगहमन ऊपर कब्जा कर लिये गे हवय,
कछार-भुइयां म आगी लगा दिये गे हवय,
अऊ सैनिकमन आतंकित हवंय।”
33 सर्वसक्तिमान यहोवा, इसरायल के परमेसर ह ये कहत हे:
“बेटी बेबिलोन ह कुचरे जाय के बेरा म
एक कोठार सहीं अय;
ओकर कटई के बेरा ह जल्दी आही।”

† **51:24** या [illegible]

34 “बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह हमन ला खा डारे हवय,
ओह हमन ला असमंजस म डार दे हवय,
ओह हमन ला एक खाली बरतन सहीं कर दे हवय।
सांप सहीं ओह हमन ला लील डारे हवय
अऊ हमन ला खाके अपन पेट भर ले हवय,
अऊ तब ओह हमन ला उछर दे हवय।
35 जऊन चोट हमर देहें म देय गे हवय, ओ चोट बेबिलोन ला मिलय,”
सियोन के रहइयामन कहिथें।
“हमर खून के दोस ओमन ऊपर लगे, जऊन मन बेबिलोनिया म रहिथें,”
यरूसलेम ह कहिथे।
36 एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे:
“देख, मेंह तोर मुकदमा लड़हूं
अऊ तोर बदला लूहूं;
मेंह ओकर समुंदर
अऊ ओकर सोतामन ला सूखा दूहूं।
37 बेबिलोन ह एक खंडहर,
अऊ सियारमन के एक डेरा,
डर अऊ अपमान करे के चीज,
अऊ एक अइसने जगह हो जाही, जिहां कोनो नइं रहिहीं।
38 जम्मो बेबिलोनीमन जवान सिंहमन सहीं गरजथें,
ओमन सिंह के पीलामन सहीं गुर्राथें।
39 पर जब ओमन उतावला होथें,
तब मेंह ओमन बर एक भोज तियार करके दूहूं
अऊ ओमन ला मतवाला कर दूहूं,
ताकि ओमन हंसके चिचियावंय—
अऊ तब हमेसा बर सो जावंय अऊ कभू झन उठंय,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
40 “जइसे मेढ़ा-पीलामन ला,
मेढ़ामन अऊ बोकरामन ला मारे बर लाय जाथे,
वइसे मेंह ओमन ला खाल्हे लानहूं।

41 “सेसक‡ ह कइसे पकड़े जाही,
जम्मो धरती के घमंड ह खतम हो जाही!
बेबिलोन ह जाति-जाति के बीच ले
कइसे उजड़ जाही!
42 समुंदर ह बेबिलोन ऊपर आ जाही;
येकर गरजत लहरामन म ओह बुड़ जाही।
43 ओकर नगरमन उजड़ जाहीं,
एक सूखा अऊ मरू-भुइयां हो जाहीं,
एक अइसने देस, जिहां कोनो नइं रहंय,
अऊ जेमा ले होके कोनो बाट नइं रेंगय।
44 मेंह बेबिलोन म बेल देवता ला दंड दूहूं
अऊ जऊन कुछू ओह निगल गे हवय, ओला ओकर ले उछरवाहूं।

‡ **51:41** [illegible] येह [illegible] के नांव घलो अय

जाति-जाति के मनखेमन ओकर कोति अऊ नइं जाहीं।
अऊ बेबिलोन के दीवार ह गिर जाही।

45 "हे मोर मनखेमन, उहां ले बाहिर निकलव!
अपन परान बचाके भागव!
यहोवा के भयंकर कोरोध ले भागव।
46 जब देस म झूठा खबर फईलथे,
त झन घबरावव या झन डरव;
एक साल एक झूठा खबर आथे, त आने साल दूसरा झूठा खबर,
देस म हिंसा के झूठा खबर
अऊ एक सासक के बिरूध दूसर सासक के झूठा खबर उड़ही।
47 काबरकि ओ समय ह जरूर आही
जब मेंह बेबिलोन के मूरतीमन ला सजा दूहूं;
ओकर पूरा देस ह कलंकित होही
अऊ ओकर जम्मो मारे गय मनखेमन ओकरे भीतर म परे होहीं।
48 तब स्वरग अऊ धरती अऊ जऊन कुछू ओमा हवंय,
ओमन आनंद के मारे बेबिलोन ऊपर चिचियाहीं,
काबरकि उत्तर दिग ले
नास करइया ह ओकर ऊपर हमला करही,"
यहोवा ह घोसना करत हे।

49 "जइसने बेबिलोन के कारन
जम्मो धरती म मनखेमन मारके गिराय गीन,
वइसने ही इसरायल के मनखेमन के हतिया के कारन,
जरूरी अय कि बेबिलोन के मनखेमन मारके गिराय जावंय।
50 हे तलवार ले बांचे मनखेमन,
भागव अऊ उहां ठहिरे झन रहव!
दूरिहा देस म यहोवा ला सुरता करव,
अऊ यरूसलेम ला घलो सुरता करव।"

51 "हमन कलंकित होवत हन,
काबरकि हमर बेजत्ती करे गे हवय
अऊ लज्जा से हमर चेहरामन ढंक गे हवंय,
काबरकि परदेसीमन यहोवा के घर के
पबितर जगहमन म घुस गे हवंय।"

52 "पर अइसन दिनमन आवत हें," यहोवा ह घोसना करत हे,
"जब मेंह ओकर मूरतीमन ला दंड दूहूं,
अऊ ओकर जम्मो देस म
मनखेमन घायल होके कराहत रहिहीं।
53 चाहे बेबिलोन ह अकास तक ऊंचहा हो जावय
अऊ अपन ऊंचहा गढ़ ला किलाबंदी कर लेवय,
तभो ले मेंह ओकर बिरूध म नास करइयामन ला पठोहूं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।

54 "बेबिलोन ले रोये के अवाज आवत हे,
बेबिलोनीमन के देस ले बड़े बिनास के अवाज आवत हे।

55 यहोवा ह बेबिलोन ला नास कर दीही;
ओह ओकर बड़े कोलाहल ला बंद कर दीही।
बईरीमन के लहरामन, समुंदर सहीं भयंकर होहीं;
ओमन के अवाज के गरजन ह फेर सुनई दीही।
56 एक नास करइया ह बेबिलोन के बिरूध आही;
ओकर योद्धामन पकड़ लिये जाहीं,
अऊ ओमन के धनुसमन ला टोर दिये जाही।
काबरकि यहोवा ह बदला लेवइया परमेसर अय;
ओह पूरा बदला लीही।
57 मेंह ओकर करमचारी अऊ बुद्धिमान मनखेमन ला,
अऊ संग म ओकर राजपाल, अधिकारी अऊ योद्धामन ला अइसन मतवार कर दूहूं
कि ओमन हमेसा बर सो जाहीं अऊ फेर नइं जागहीं,"
राजा ह घोसना करत हे, जेकर नांव सर्वसक्तिमान यहोवा अय।
58 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे:
"बेबिलोन के मोटा दीवार ला नीव ले गिराय जाही
अऊ ओकर ऊंचहा दुवारमन म आगी लगाय जाही;
मनखेमन बेकार म अपनआप ला थकाहीं,
जाति-जाति के मनखेमन के मेहनत ह आगी बर सिरिप लकरी के सहीं होही।"
59 यहूदा के राजा सिदकियाह के राज के चौथा साल म, जब ओकर संग सरायाह ह बेबिलोन गीस, जऊन ह नेरियाह के बेटा महसेयाह के पोता अऊ राजभवन के अधिकारी घलो रिहिस, तब ओला यरमियाह अगमजानी ह ये संदेस दीस।
60 यरमियाह ह ओ जम्मो बिपत्तिमन ला एक किताब म लिख ले रिहिस, जऊन ह बेबिलोन ऊपर पड़नेवाला रिहिस—बेबिलोन के बारे म ओ जम्मो बात लिखे गे रिहिस।
61 यरमियाह ह सरायाह ला कहिस, "जब तें बेबिलोन म हबरबे, त जरूरी अय कि तें ये जम्मो बचन ला जोर से पढ़बे।
62 तब कहिबे, 'हे यहोवा, तेंह कहे हस कि तें ये जगह ला अइसने नास कर देबे कि येमा न तो मनखे अऊ न ही पसुमन रहिहीं; येह हमेसा बर उजाड़ हो जाही।'
63 जब तें ये किताब ला पढ़ लेबे, तब येमा एक पथरा ला बांधके येला फरात नदी म फटिक देबे,
64 अऊ तब कहिबे, 'जऊन बिपत्ति मेंह बेबिलोन ऊपर लानहूं, ओकर कारन येही किसम ले बेबिलोन ह बुड़ जाही अऊ फेर कभू नइं उठही। अऊ ओकर मनखेमन गिरहीं।' "

यरमियाह के बचन इहां खतम होथे।

52

[illegible]

1 सिदकियाह ह इक्कीस साल के रिहिस, जब ओह राजा बनिस, अऊ ओह यरूसलेम म गियारह साल तक राज करिस। ओकर दाई के नांव हमूतल रिहिस, जऊन ह यरमियाह के बेटी रिहिस; हमूतल ह लिबना सहर के रिहिस।
2 सिदकियाह ह यहोवा के नजर म दुस्ट काम करिस, जइसने यहोयाकीम ह करे रिहिस।
3 यहोवा के गुस्सा के कारन यरूसलेम अऊ यहूदा ऊपर ये जम्मो बात होईस, अऊ आखिर म यहोवा ह ओमन ला अपन आघू ले भगा दीस।
सिदकियाह ह बेबिलोन के राजा के बिरूध बिदरोह करिस।

4 एकरसेति सिदकियाह के राज के नौवां साल के दसवां महिना के दसवां दिन, बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर
ह अपन जम्मो सेना के संग यरूसलेम के बिरूध लड़ई करे बर निकलिस। ओमन सहर के बाहिर डेरा डालिन
अऊ सहर ला चारों कोति ले घेर लीन।
5 सहर म ये घेराबंदी सिदकियाह राजा के गियारहवां साल तक रिहिस।
6 चौथा महिना के नौवां दिन ले सहर म अकाल के असर अतेक भयंकर हो गीस कि मनखेमन बर खाय बर
कुछू नइं रिहिस।
7 तब सहर के दीवार ला टोर दिये गीस, अऊ पूरा सेना ह रथिया राजा के बारी के लकठा म, दू ठन दीवार के
बीच बने दुवार ले भाग गीस, हालाकि बेबिलोनीमन सहर ला घेरे रिहिन। ओमन अराबा* कोति भागिन,
8 पर बेबिलोनी सेना ह सिदकियाह राजा के पीछा करिस अऊ यरीहो के मैदान म ओकर करा हबर गीस।
राजा के जम्मो सैनिकमन ओकर ले अलग होके तितिर-बितिर हो गीन,
9 अऊ राजा ला पकड़ लिये गीस।
ओला हमात देस के रिबला सहर म बेबिलोन के राजा करा लाने गीस, जिहां ओला सजा सुनाय गीस।
10 उहां रिबला म, बेबिलोन के राजा ह सिदकियाह के बेटामन ला ओकर आंखी के आघू म मार डारिस; ओह
यहूदा के जम्मो करमचारीमन ला घलो मार डारिस।
11 तब बेबिलोन के राजा ह सिदकियाह के आंखीमन ला निकाल दीस अऊ ओला कांसा के बेड़ीमन म जकड़के
बेबिलोन ले गीस, जिहां ओह सिदकियाह ला ओकर मिरतू के दिन तक जेल म रखिस।
12 नबूजरदान ह बेबिलोन के राजा के सेवा करय अऊ ओह साही पहरेदारमन के सेनापति रिहिस; ओह
बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के राज के उन्नीसवां साल के पांचवां महिना के दसवां दिन यरूसलेम आईस।
13 नबूजरदान ह यहोवा के मंदिर, राजमहल अऊ यरूसलेम के जम्मो घरमन म आगी लगा दीस। हर एक बड़े
भवन ला ओह जला दीस।
14 साही पहरेदारमन के सेनापति के अगुवई म, बेबिलोनीमन के जम्मो सेना ह यरूसलेम के चारों कोति के
जम्मो दीवारमन ला गिरा दीस।
15 पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह सबले गरीब कुछू मनखे अऊ सहर म बचे मनखेमन ला, बाकि बचे
कारीगरमन अऊ जऊन मनखेमन बेबिलोन के राजा ला छोंड़ दे रिहिन, ओ जम्मो ला बंधुवा करके ले गीस।
16 पर नबूजरदान ह देस म बाकि बचे बहुंत गरीब मनखेमन ला अंगूर के बारी अऊ खेतमन म काम करे बर
छोंड़ दीस।
17 बेबिलोनीमन यहोवा के मंदिर के कांसा के खंभामन ला, सरकनेवाला सहारामन ला अऊ कांसा के हौज ला
टोर दीन अऊ ओमन जम्मो कांसा ला बेबिलोन ले गीन।
18 ओमन हंड़िया, बेलचा, दीया के बाती ला कतरे के कतरनी, छिंचनेवाला कटोरा, बरतन अऊ मंदिर के सेवा
म उपयोग होवइया जम्मो कांसा के चीजमन ला ले गीन।
19 घमेला, धूपदान, छिंचे के कटोरा, हंड़िया, दीवट, बरतन अऊ पेय-बलिदान म उपयोग होइवया
कटोरामन—ओ चीज, जेमन सुध सोन या चांदी के बने रिहिन, ओ जम्मो ला साही पहरेदारमन के सेनापति ह ले
गीस।
20 दू ठन खंभा के कांसा, हौज अऊ येकर खाल्हे के कांसा के बारह बईला, अऊ सरकनेवाला सहारामन, जेमन
ला सुलेमान राजा ह यहोवा के मंदिर बर बनवाय रिहिस, ओ जम्मो ह अतेक जादा रिहिस कि ओमन ला तऊले
नइं जा सकिस।
21 हर एक खंभा के ऊंचई अठारह क्यूबीट अऊ बारह क्यूबीट के गोलई† म रिहिस; हर एक के मोटई ह चार
अंगरी‡ के रिहिस, अऊ ओमन खोखला रिहिन।
22 एक खंभा के ऊपर कांसा के बने सिरा ह पांच क्यूबीट ऊंच रिहिस अऊ ओकर ऊपर चारों कोति कांसा के
जाली अऊ अनार बनाके सजाय गे रिहिस। आने खंभा घलो अनारमन सहित वइसने ही बने रिहिस।
23 बाजूमन म छियानबे ठन अनार बने रिहिन; जाली के ऊपर चारों कोति कुल एक सौ अनार बने रिहिन।
24 पहरेदारमन के सेनापति ह मुखिया पुरोहित सरायाह, पद म ओकर बाद वाला पुरोहित सपनयाह अऊ
तीन झन दुवारपाल ला कैदी के रूप म ले गीस।

---

* **52:7** या [illegible] [illegible] † **52:21** लगभग 27 फीट ऊंचा अऊ 18 फीट गोलई ‡ **52:21** लगभग 3 ईंच

25 अऊ सहर म जऊन मन बांचे रिहिन, ओमा के सैनिकमन के मुखिया, अऊ सात साही सलाहकार ला ओह
ले गीस। ओह ओ सचिव ला घलो ले गीस, जऊन ह देस के मनखेमन के जरूरी सैनिक सेवा भरती के मुखिया
अधिकारी रिहिस, ओमा के साठ झन सहर म मिलिन।
26 पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ओ जम्मो झन ला लीस अऊ ओमन ला रिबला म बेबिलोन के राजा
करा लानिस।
27 उहां हमात देस के रिबला म, राजा ह ओमन ला मरवा दीस।
ये किसम ले यहूदा ह अपन देस ले दूर बंधुवई म चल दीस।

28 येह ओ मनखेमन के गनती ए, जेमन ला नबूकदनेसर ह बंधुवई म ले गीस:

ओकर राज के सातवां साल म,
3,023 यहूदी;
29 अपन राज के अठारहवां साल म,
नबूकदनेसर ह यरूसलेम ले 832 मनखेमन ला बंधुवा करके ले गीस;
30 फेर नबूकदनेसर के राज के तेईसवां साल म,
राजा के पहरेदारमन के सेनापति नबूजरदान ह 745 यहूदी मनखे ला बंधुवई म ले गीस।

जम्मो ला मिलाके 4,600 मनखे होईन।

[illegible]

31 यहूदा के राजा यहोयाकीन के बंधुवई के सैंतीसवां साल म, जब एवील-मरोदक ह बेबिलोन के राजा बनिस,
त बारहवां महिना के पच्चीसवां दिन, ओह यहूदा के राजा यहोयाकीन ला छोंड़ दीस अऊ ओला जेल ले मुक्त
कर दीस।
32 अऊ ओह ओकर संग मया ले बात करिस अऊ ओला ओ राजामन ले एक ऊंच आदर के पद दीस, जेमन
ओकर संग बेबिलोन म रिहिन।
33 एकरसेति यहोयाकीन ह अपन जेल के कपड़ा ला उतार लीस अऊ जिनगी भर हर दिन राजा के मेज म
जेवन करिस।
34 अऊ हर दिन के खरचा बर बेबिलोन के राजा ह यहोयाकीन बर एक भत्ता ठहिराय रिहिस, जऊन ह ओला
ओकर मिरतू के दिन तक जिनगी भर मिलिस।

बिलापगीत
के किताब
1

1 सहर* ह कइसे निरजन हो गे हवय,
एक समय रिहिस जब येह मनखेमन ले भरे रहय!
कइसे बिधवा के सहीं हो गे हवय,
जऊन ह एक समय देस-देस के मनखेमन के बीच म महान रिहिस!
ओ जऊन ह राजमन के बीच म रानी रिहिस
अब गुलाम बन गे हवय।

2 रथिया ओह फूट-फूटके रोथे,
ओकर गाल म आंसू बहत रहिथे।
ओकर जम्मो मयारूमन के बीच म
ओला कोनो सांतवना देवइया नइं एं।
ओकर जम्मो संगीमन ओला धोखा दे हवंय;
ओमन ओकर बईरी बन गे हवंय।

3 दुख अऊ कठोर मेहनत के बाद,
यहूदा ह बंधुवई म चले गे हवय।
ओह जाति-जाति के मनखेमन के बीच म रहिथे;
ओला अराम के जगह नइं मिलय।
ओकर दुख के बेरा म, ओकर पीछा करइयामन
ओला पकड़ ले हवंय।

4 सियोन के रसतामन बिलाप के अंय,
काबरकि ठहिराय गे तिहारमन म ओकर करा कोनो नइं आवंय।
ओकर जम्मो प्रवेस दुवारमन सुन्ना परे हवंय,
ओकर पुरोहितमन कराहथें,
ओकर जवान माईलोगनमन दुख मनाथें,
अऊ ओह खुद बहुंत पीरा म हवय।

5 ओकर बईरीमन ओकर मालिक बन गे हवंय;
ओकर बईरीमन अराम म हवंय।
यहोवा ह ओकर ऊपर दुख लाने हवय
काबरकि ओह बहुंत पाप करे हवय।
ओकर लइकामन ला बईरीमन
अपन बंधुवई म ले गे हवंय।

6 बेटी सियोन के पूरा वैभव ह
चले गे हवय।
ओकर हाकिममन ओ हिरन सहीं हो गे हवंय
जेला चरागन नइं मिलय;
कमजोरी म ओमन

---

* **1:1** या [illegible]

अपन पीछा करइया के आघू ले भाग जाथें।

7 अपन पीरा अऊ एती-ओती भटके के दिन म
यरूसलेम ह ओ जम्मो खजाना ला सुरता करथे
जऊन ह पुराना जमाना म ओकर रिहिस।
जब ओकर मनखेमन बईरीमन के हांथ म पड़िन,
त ओकर मदद करइया कोनो नइं रिहिन।
ओकर बईरीमन ओला देखिन
अऊ ओकर बिनास ऊपर हंसिन।

8 यरूसलेम ह बहुंत पाप करे हवय
अऊ एकरसेति ओह असुध हो गे हवय।
ओ जम्मो जऊन मन ओकर आदर करंय, ओमन अब ओला तुछ समझथें,
काबरकि ओ जम्मो झन ओला नंगरी देखे हवंय;
ओह खुदे कराहथे
अऊ मुहूं ला आने कोति कर लेथे।

9 ओकर गंदगी ह ओकर लंहगा म रहिथे;
ओह अपन भविस्य ऊपर बिचार नइं करिस।
ओकर पतन ह चकित करनेवाला रिहिस;
ओला सांतवना देवइया कोनो नइं रिहिन।
"हे यहोवा, मोर पीरा ला देख,
काबरकि बईरी ह जय पाय हवय।"

10 बईरी ह ओकर जम्मो खजाना ऊपर
हांथ डाले हवय;
ओह मूरती-पूजा करइया जातिमन ला
ओकर पबितर-स्थान म घुसत देखिस—
ओमन जेमन ला तेंह अपन सभा म
आय बर मना करे रहय।

11 ओकर जम्मो मनखेमन कराहथें
जइसे ओमन जेवन के खोज म हवंय;
ओमन जेवन के बदले अपन खजाना के चीजमन ला दे देथें
ताकि अपनआप ला जिंदा रख सकंय।
"हे यहोवा, देख अऊ बिचार कर,
काबरकि मोला तुछ समझे जावत हे।"

12 "तुमन जम्मो, जऊन मन ये रसता ले होके निकलथव, का तुमन बर येह कुछू नो हय?
अपन आसपास धियान से देखव।
का मोर दुख सहीं कोनो दुख हवय
अइसन दुख, जऊन ह मोर ऊपर पड़े हवय,
जेला यहोवा ह अपन भयंकर कोप के दिन म
मोर ऊपर लानिस?

13 "ऊंच जगह ले यहोवा ह
मोर हाड़ामन म आगी लगाईस।

ओह मोर गोड़ बर एक जाल बिछाईस
अऊ मोला वापिस लहुंटा दीस।
ओह मोला पूरा दिन बर
अकेला अऊ दुरबल कर दीस।

14 "मोर पापमन ला एक जुड़ा म बांध दिये गे हवय;
यहोवा ह अपन हांथ ले ओमन ला एक संग गांथे हवय।
ओमन ला मोर घेंच म टांग दिये गे हवय,
अऊ परभू ह मोर बल ला घटा दे हवय।
ओह मोला ओमन के हांथ म देय दे हवय
जेमन के मेंह सामना नइं कर सकंव।

15 "परभू ह मोर बीच म
जम्मो सूरबीरमन ला अयोग्य कर दे हवय;
ओह मोर जवानमन ला कुचरे बर
मोर बिरूध एक सेना पठोय हवय।
परभू ह रसकुंड म अंगूर ला कुचरे सहीं
कुंवारी बेटी यहूदा ला कुचरे हवय।

16 "येकरे कारन मेंह रोथंव
अऊ मोर आंखीमन ले आंसू ढरत रहिथे।
मोला सांतवना देय बर लकठा म कोनो नइं एं,
मोर आतमा ला सांत करइया कोनो नइं एं।
मोर लइकामन निसहाय हो गे हवंय
काबरकि बईरी ह जय पाय हवय।"

17 सियोन ह अपन हांथमन ला फईलाथे,
पर ओला सांतवना देवइया कोनो नइं एं।
यहोवा ह याकूब बर हुकूम दे हवय
कि ओकर परोसीमन ओकर बईरी बन जावंय;
यरूसलेम ह ओमन के बीच म
एक असुध चीज बन गे हवय।

18 "यहोवा ह धरमी अय,
तभो ले मेंह ओकर हुकूम के बिरूध बिदरोह करेंव।
हे जम्मो मनखेमन, तुमन सुनव;
मोर पीरा ला देखव।
मोर जवान मनखे अऊ जवान माईलोगनमन
बंधुवई म चले गे हवंय।

19 "मेंह अपन संगीमन ला बलांय
पर ओमन मोला धोखा दीन।
मोर पुरोहित अऊ मोर अगुवामन
सहर म नास हो गीन
जब ओमन अपनआप ला जिंदा रखे बर
जेवन के खोज म रिहिन।

20 “हे यहोवा, देख, मेंह कतेक पीरा म हंव!
मेंह भीतरे-भीतर तकलीफ म हंव,
अऊ मेंह अपन हिरदय म बिचलित हंव,
काबरकि मेंह सबले जादा बिदरोह करे हंव।
बाहिर तो, तलवार ह सोकित करथे;
भीतर म, सिरिप मिरतू हवय।

21 “मनखेमन मोर कलहरई ला सुने हवंय,
पर मोला सांतवना देवइया कोनो नइं एं।
मोर जम्मो बईरीमन मोर दुख के बारे म सुने हवंय;
तेंह जऊन काम करे हस, ओकर ऊपर ओमन आनंद मनाथें।
बने होतिस, यदि तेंह ओ दिन ला लानते, जेकर घोसना तेंह करे हवस
ताकि ओमन मोर सहीं हो जावंय।

22 “ओमन के जम्मो दुस्टता तोर आघू म आ जावय;
ओमन के संग वइसे बरताव कर
जइसे तेंह मोर संग
मोर जम्मो पाप के कारन करे हवस।
मेंह बहुंत कलहरत हंव
अऊ मोर मन ह दुरबल हवय।”

2

1 परभू ह कइसे अपन कोरोध के बादर म
बेटी सियोन ला ढांप ले हवय!
ओह इसरायल के वैभव ला
स्वरग ले खाल्हे धरती म जोर से फटिक दे हवय;
ओह अपन कोरोध के दिन म
अपन पांव के चौकी ला सुरता नइं करिस।

2 परभू ह बिगर दया के याकूब के
जम्मो निवासमन ला लील डारे हवय;
अपन कोप म ओह बेटी यहूदा के
गढ़मन ला टोर-फोर दे हवय।
ओह ओकर राज अऊ येकर हाकिममन ला
अपमानित करके भुइयां म ले आय हवय।

3 भयंकर कोरोध म ओह इसरायल के
हर एक सींग* ला काट दे हवय।
जब बईरी ह ओमन के लकठा म आथे
त ओह अपन जेवनी हांथ ले ओमन के रकछा नइं करय।
ओह एक भयंकर आगी सहीं याकूब म बरे हवय
जऊन ह आसपास के जम्मो चीज ला भसम कर देथे।

4 एक बईरी सहीं ओह अपन धनुस ला ताने हवय;

* **2:3** ???? इहां ताकत के प्रतीक अय

ओकर जेवनी हांथ ह तियार हवय।
एक बईरी सहीं ओह ओ जम्मो झन ला मार डारे हे
जऊन मन हमर नजर म बने रिहिन;
ओह बेटी सियोन के तम्बू म
अपन कोप ला आगी सहीं उंडेल दे हवय।

5 परभू ह एक बईरी सहीं अय;
ओह इसरायल ला लील डारे हवय।
ओह ओकर जम्मो महलमन ला लील ले हवय
अऊ ओकर गढ़मन ला नास कर दे हवय।
ओह बेटी यहूदा बर
सोक अऊ बिलाप ला बहुंत बढ़ा दे हवय।

6 ओह अपन निवास ला एक बगीचा सहीं उजार दे हवय;
ओह अपन मिले-जुले के जगह ला नास कर दे हवय।
यहोवा ह सियोन बर अइसे कर दे हवय
कि ओह अपन ठहिराय तिहार अऊ बिसराम दिनमन ला भुला जावय;
अपन भयंकर कोरोध म ओह
राजा अऊ पुरोहित दूनों के तिरस्कार करे हवय।

7 परभू ह अपन बेदी ला अस्वीकार करे हवय
अऊ अपन पबितर-स्थान ला तियाग दे हवय।
ओह राजमहल के दीवारमन ला
बईरी के हांथ म कर दे हवय;
एक ठहिराय गे तिहार के दिन सहीं
ओमन यहोवा के घर म एक कोलाहल करे हवंय।

8 यहोवा ह बेटी सियोन के चारों कोति के दीवार ला
टोरे-फोरे बर ठान ले हवय।
ओह नापे के डोर ला निकाले हवय
अऊ नास करे बर अपन हांथ ला नइं रोकिस।
ओह किला के सुरकछा दीवार अऊ दीवारमन ले बिलाप करवाईस;
एक संग ओमन उजड़ गीन।

9 ओकर दुवारमन भुइयां म धंस गे हवंय;
ओमन के छड़मन ला ओह टोरके नास कर दे हवय।
ओकर राजा अऊ ओकर हाकिममन आनजातमन के बीच म बंधुवई म हवंय,
उहां कानून नइं ए,
अऊ ओकर अगमजानीमन ला यहोवा ले
अब कोनो दरसन नइं मिलय।

10 बेटी सियोन के अगुवामन
भुइयां म चुपचाप बईठथें;
ओमन अपन मुड़ म धुर्रा छिंचे हवंय
अऊ ओमन बोरा के कपड़ा पहिरे हवंय।
यरूसलेम के जवान माईलोगनमन

भुइयां कोति अपन मुड़ नवाय हवंय।

11 रो-रोके मोर आंखी नइं दिखत हे,
मेंह भीतरे-भीतर पीरा म हंव;
मोर हिरदय ला भुइयां म ढारे जावत हे
काबरकि मोर मनखेमन नास होवत हवंय,
काबरकि लइकामन अऊ दूध पीयइया लइकामन
सहर के गलीमन म मूर्छा खाके पड़े हवंय।

12 जब ओमन घायल मनखे सहीं
सहर के गलीमन म मूर्छा खाथें,
जब ओमन अपन दाई के बाहां म
परान छोड़त रहिथें।
त ओमन अपन-अपन दाई ला कहिथें,
"रोटी अऊ अंगूर के मंद कहां हवय?"

13 हे बेटी यरूसलेम,
मेंह तोला का कहंव?
मेंह तोर तुलना काकर संग करंव?
हे कुंवारी बेटी सियोन,
मेंह तोर तुलना काकर संग करके
तोला सांतवना देवंव?
तोर घाव ह समुंदर सहीं गहिला हवय।
तोला कोन चंगा कर सकथे?

14 तोर अगमजानीमन के दरसनमन
लबारी बात अऊ बेकार अंय;
ओमन तोर पाप ला उजागर नइं करिन
नइं तो तोर बंधुवई नइं होतिस।
जऊन अगमबानी, ओमन तोर बर करिन
ओमन लबारी अऊ बहकानेवाला रिहिन।

15 ओ जम्मो जऊन मन तोर रसता ले होके जाथें
ओमन ताली बजाके तोर ठट्ठा करथें;
ओमन बेटी यरूसलेम के ये कहिके
हंसी उड़ाथें अऊ अपन मुड़ ला हलाथें:
"का येह ओ सहर अय
जेला सुघरता म भरपूर कहे जावय,
जऊन ह जम्मो धरती के आनंद रिहिस?"

16 तोर जम्मो बईरीमन तोर बिरूध म
अपन मुहूं खोलथें;
ओमन हंसी उड़ाथें अऊ दांत किटकिटात कहिथें,
"हमन ओला लील डारे हन।
येहीच ह ओ दिन ए, जेकर डहार हमन देखत रहेंन;
येला देखे बर हमन जीयत रहेंन।"

17 यहोवा ह अपन योजना ला पूरा करे हवय;
ओह अपन बचन ला पूरा करे हवय,
जेकर आदेस ओह बहुंत पहिले देय रिहिस।
ओह बिगर दया के तोला उठाके फटिक दे हवय,
ओह तोर ऊपर बईरी ला खराप नजर ले देखे के अनुमति देय हवय,
ओह तोर बईरीमन के सींग ला ऊपर करे हवय।

18 मनखेमन के हिरदय ह
परभू ला पुकारथे।
हे बेटी सियोन के दीवारमन
तुम्हर आंसू ह नदी सहीं
दिन अऊ रात बहय;
अपनआप ला अराम झन दे,
तोर आंखीमन ला अराम झन मिलय।

19 उठ, रथिया के बेरा पुकार,
जब रथिया के पहरमन सुरू होथें;
परभू के आघू म अपन हिरदय ला
पानी सहीं ढार दे।
अपन ओ लइकामन के जिनगी खातिर
ओकर कोति अपन हांथ ला उठा,
जेमन गली के हर कोना म
भूख के मारे बेहोस होवथें।

20 "हे यहोवा, देख अऊ बिचार कर:
तेंह काकर संग अइसने बरताव करे हस?
का माईलोगनमन अपन लइकामन ला खावंय,
ओ लइका जेमन के ओमन पालन-पोसन करे हवंय?
का पुरोहित अऊ अगमजानीमन
परभू के पबितर-स्थान म मारे जावंय?

21 "गली के धुर्रा म
जवान अऊ डोकरा दूनों एक संग पड़े रहिथें;
मोर जवान छोकरा अऊ जवान छोकरीमन
तलवार से मारे गे हवंय।
तेंह अपन कोरोध के दिन म ओमन ला मार डारे हस;
तेंह बिगर दया के ओमन के बध करे हस।

22 "जइसे तेंह भोज के दिन के नेवता देथस,
वइसे तेंह मोर बिरूध म आतंक ला हर तरफ ले बलाय हस।
यहोवा के कोरोध के दिन म
कोनो भाग नइं सकिन या जिंदा नइं बचिन;
जऊन मन के मेंह देखभाल करेंव अऊ पालन-पोसन करेंव,
मोर बईरी ह ओमन ला नास कर दे हवय।"

3

1 मेंह ओ मनखे अंव, जऊन ह यहोवा के कोप के
छड़ी के दुवारा पीरा ला देखे हवंव।
2 ओह मोला भगा दे हवय
अऊ मोला अंजोर के बदले अंधियार म चलाय हवय;
3 वास्तव म, ओह बार-बार, दिन भर
अपन हांथ ला मोर बिरूध उठाय हवय।

4 ओह मोर चमड़ी अऊ मोर मांस ला झुर्रीदार कर दे हवय
अऊ मोर हाड़ामन ला टोर दे हवय।
5 ओह करूवाहट अऊ कठिन समय के संग
मोर ऊपर टूट पड़े हे अऊ मोला घेर ले हवय।
6 ओह बहुंत पहिले मरे मनखे सहीं
मोला अंधियार म रहे बर छोंड़ दे हवय।

7 ओह मोला दीवार ले घेर दे हवय ताकि में भाग झन सकंव;
ओह मोला भारी बेड़ी ले बांध रखे हे।
8 अऊ त अऊ जब मेंह मदद बर पुकारथंव या गोहारथंव,
त ओह मोर पराथना ला नइं सुनय।
9 ओह गढ़े गय पथरामन ले मोर रसता ला रोक दे हवय;
ओह मोर रसतामन ला टेढ़ा-मेड़ा कर दे हवय।

10 जइसे भालू ह सिकार के इंतजार म लेटे रहिथे,
जइसे सिंह ह सिकार के इंतजार म छुपे रहिथे,
11 ओह मोला रसता ले घसीटके कुटा-कुटा कर दे हवय
अऊ मोला बिगर मदद के छोंड़ दे हवय।
12 ओह अपन धनुस ला ताने हवय
अऊ मोला अपन तीर के निसाना बनाय हवय।

13 अपन तरकस के तीरमन ले
ओह मोर हिरदय ला छेद दीस।
14 मेंह अपन जम्मो मनखेमन बर हंसी के पात्र बन गे हंव;
ओमन गीत के दुवारा दिन भर मोर हंसी उड़ाथें।
15 ओह मोला करू पान ले भर दे हवय
ओह मोला पीये बर पित्त दे हवय।

16 ओह कंकड़ ले मोर दांतमन ला टोर दे हवय;
ओह धुर्रा म मोला कुचर दे हवय।
17 मोर जिनगी ले सांति छीन लेय गे हवय;
मेंह भुला गे हंव कि उन्नति का ए।
18 एकरसेति मेंह कहिथंव, "मोर सोभा ह
अऊ यहोवा ले मेंह जऊन आसा करत रहेंव, ओह चले गीस।"

19 मेंह अपन पीरा अऊ एती-ओती भटके के बात,
करूवाहट अऊ पित्त ला सुरता करथंव।
20 मेंह ओमन ला बने करके सुरता करथंव,
अऊ मोर मनोबल ह मोर भीतर म ही गिरत जात हे।

21 तभो ले मेंह ये सुरता करथंव
अऊ एकरे कारन मोला आसा हवय:

22 यहोवा के महान मया के कारन हमन खतम नइं होयेंन,
काबरकि ओकर दया हमेसा बने रहिथे।
23 हर बिहनियां ओमन नवां होथें;
महान ए तोर बिसवासयोग्यता।
24 मेंह अपनआप ले कहिथंव, "यहोवा ह मोर भाग ए;
एकरे कारन मेंह ओकर ऊपर आसा रखहूं।"

25 यहोवा ह ओमन बर बने अय, जऊन मन ओकर ऊपर आसा रखथें,
जऊन मन ओकर खोज म रहिथें;
26 यहोवा के उद्धार बर
चुपेचाप इंतजार करई ह बने बात ए।
27 एक मनखे बर अपन जवानी के समय
जुड़ा उठाना बने बात ए।

28 ओह चुपेचाप अकेला बईठे रहय,
काबरकि यहोवा ह ये जुड़ा ला ओकर ऊपर डाले हवय।
29 ओह अपन चेहरा ला धुर्रा म तोपय—
येमा अभी भी आसा हो सकथे।
30 ओह अपन गाल ला ओकर कोति करय, जऊन ह ओला तमाचा मारे चाहथे,
अऊ ओह बहुंत कलंकित होवय।

31 काबरकि परभू ह कोनो ला
हमेसा बर नइं तियागे।
32 हालाकि ओह दुख लानथे, पर ओह करूना करही,
अइसे महान ए, ओकर न टूटनेवाला मया।
33 काबरकि ओह मन से काकरो ऊपर
दुख या पीरा नइं लानय।

34 देस के जम्मो कैदीमन ला
गोड़ तरी कुचरई,
35 सर्वोच्च परमेसर के आघू म
मनखेमन ला ओमन के अधिकार ले वंचित करई,
36 अऊ ओमन ला नियाय ले वंचित करई—
अइसन चीजमन ला परभू ह नइं देख सकय?

37 यदि परभू ह हुकूम नइं दे हवय,
त कोन ए ओ, जऊन ह अपन कहे बात ला पूरा कर सकथे?
38 बिपत्ति अऊ बने बात,
का ये दूनों सर्वोच्च परमेसर के हुकूम ले नइं आवंय?
39 जीयत मनखे ला काबर सिकायत करना चाही
जब ओला ओकर पाप के सजा मिलथे?

40 आवव, हमन अपन चालचलन ला जांचन अऊ परखन,
अऊ आवव, हमन यहोवा करा लहुंट आवन।

41 आवव, हमन अपन हिरदय अऊ अपन हांथमन ला
स्वरग के परमेसर कोति उठावन अऊ ये कहन:
42 “हमन पाप अऊ बिदरोह करे हन
अऊ तेंह हमन ला छेमा नइं करे हस।

43 “तेंह कोरोध ले भरके हमर पीछा करय;
तेंह बिगर दया के मनखेमन ला जान से मारे हस।
44 तेंह अपनआप ला बादर ले ढांप ले हस
ताकि कोनो पराथना तोर करा झन हबरे।
45 तेंह हमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म
मईला अऊ अनाथ बना दे हस।

46 “हमर जम्मो बईरीमन हमर बिरूध म
बहुंत कुछू कहत हें।
47 हमन आतंक अऊ संकट,
बिनास अऊ बरबादी झेलत हन।”
48 मोर आंखीमन ले आंसू के धार बहत हे
काबरकि मोर मनखेमन नास होवत हें।

49 मोर आंखीमन ले आंसू ह
बिगर कोनो अराम के लगातार बहते रहिही,
50 जब तक कि स्वरग ले यहोवा ह
खाल्हे नइं देखही।
51 मोर सहर के जम्मो माईलोगनमन के कारन
जऊन कुछू मेंह देखथंव, ओकर से मोर मन ला दुख लगथे।

52 जऊन मन बिगर कारन के मोर बईरी हो गे रिहिन
ओमन चिरई सहीं मोर सिकार करिन।
53 ओमन मोला खंचवा म डारके मोर परान लेय के कोसिस करिन
अऊ मोर ऊपर पथरा फेंकिन;
54 पानी ह मोर मुड़ ऊपर तक आ गीस,
अऊ मेंह सोचेंव कि में नास होनेचवाला हंव।

55 हे यहोवा, गहिला खंचवा ले,
मेंह तोर नांव ला पुकारेंव।
56 तेंह मोर बिनती ला सुने: “मदद बर मोर पुकार के सेति
अपन कान ला बंद झन कर।”
57 जब मेंह तोला बलांय, त तेंह मोर लकठा म आय,
अऊ तेंह कहे, “झन डर।”

58 हे परभू, तेंह मोर मामला ला अपन हांथ म लेय;
अऊ तेंह मोर जिनगी ला बचाय।
59 हे यहोवा, जऊन अनियाय मोर ऊपर करे गीस, ओला तेंह देखे हस।
मोर मामला ला संभाल!
60 ओमन जऊन बदला लीन अऊ मोर बिरूध करे गे
ओमन के जम्मो सडयंत्र ला तेंह देखे हस।

61 हे यहोवा, ओमन के दुवारा करे गे बेजत्ती

अऊ मोर बिरूध करे गे जम्मो सडयंत्र के बारे तेंह सुने हस—
62 मोर बईरीमन मोर बिरूध म दिन भर,
का कानाफूसी करथें अऊ बड़बड़ाथें।
63 ओमन ला देख! उठत या बईठत,
ओमन अपन गीत म मोर हंसी उड़ाथें।

64 हे यहोवा, ओमन के काम के मुताबिक,
जऊन दुस्ट काम ओमन अपन हांथ ले करे हवंय, ओकर बदला ले।
65 ओमन के हिरदय ऊपर एक परदा डाल दे,
अऊ तोर सराप ओमन ला लगे!
66 हे यहोवा, अकास के खाल्हे ले
कोरोध म ओमन के पीछा कर अऊ ओमन ला नास कर दे।

4

1 सोन ह कइसे अपन चमक गंवा दे हवय,
सुध सोन ह खोटा हो गीस!
हर एक गली के कोना म
पबितर रत्न बगरे परे हवंय।

2 सियोन के कीमती लइकामन,
एक समय ओमन के कीमत सोन सहीं रिहिन,
पर अब माटी के बरतन सहीं समझे जावत हें,
कुम्हार के हांथ के बनाय चीज सहीं!

3 अऊ त अऊ सियार ह
अपन लइकामन ला अपन दूध पीयाथे,
पर मोर मनखेमन मरू-भुइयां के
सुतुरमुर्ग सहीं निरदयी हो गे हवंय।

4 पीयास के मारे दूध पीनेवाला लइका के जीभ ह
ओकर तालू म चपक जाथे;
लइकामन रोटी मांगथें,
पर ओमन ला कोनो रोटी नइं दें।

5 ओ मनखे जऊन मन एक समय सुवादवाला भोजन करत रिहिन
ओमन अब गली म अनाथ हो गे हवंय।
ओ मनखे जऊन मन राजकीय कपड़ा पहिरे पलिन-बढ़िन
ओमन अब राख के कुढ़ा म परे हवंय।

6 मोर मनखेमन के दंड ह
सदोम ले कहीं बढ़के हवय,
कोनो मदद के हांथ भी नइं उठिस
अऊ देखते-देखत ओकर सर्वनास हो गीस।

7 ओमन के राजकुमारमन बरफ ले जादा चमकवाले
अऊ दूध ले जादा सफेद रिहिन,

ओमन के देहें ह गुलाबी रत्न ले भी जादा चमकीला,
अऊ ओमन के रूप ह नीलमनि सहीं रिहिस।

8 पर अब ओमन कालिख ले घलो जादा करिया हो गे हवंय;
गली म ओमन ला कोनो नइं चिनहें।
ओमन के चमड़ी ह हाड़ामन म चिपक गे हवय,
येह छड़ी सहीं सूख गे हवय।

9 जऊन मन तलवार ले मारे गीन, ओमन बेहतर अंय
येकर बनिस्पत कि जऊन मन अकाल ले मरथें;
खेत म अन्न के कमी के कारन
भूख ले मरथें अऊ बेकार होथें।

10 करूना ले भरपूर दाईमन अपन खुद के हांथ ले
अपन खुद के लइकामन ला रांधे हवंय,
अऊ येह ओमन के जेवन होय हे
जब मोर मनखेमन ला नास करे गीस।

11 यहोवा ह अपन कोप ला पूरा भड़काय हवय;
ओह अपन भयंकर कोरोध परगट करे हवय।
ओह सियोन म एक आगी लगाय हवय
जऊन ह ओकर नीव ला जलाके भसम कर दीस।

12 धरती के राजामन बिसवास नइं करिन
न ही संसार के कोनो मनखे बिसवास करिन
कि बईरी अऊ बिरोधीमन यरूसलेम के
दुवारमन के भीतर जा सकहीं।

13 पर ओकर अगमजानीमन के पाप
अऊ पुरोहितमन के अपराधमन के कारन अइसने होईस,
जऊन मन ओकर भीतर
धरमी के खून बहाईन।

14 अब ओमन गलीमन म टटोलत हवंय
मानो ओमन अंधरा हो गे हवंय।
ओमन खून ले अइसने असुध हो गे हवंय
कि कोनो ओमन के कपड़ा ला छुए के हिम्मत नइं करंय।

15 मनखेमन ओमन ले चिचियाके कहिथें, "दूर हटव, तुमन असुध हव।
दूरिहा रहव! दूरिहा! हमन ला झन छुववव!"
जब ओमन भागथें अऊ भटकथें,
त जाति-जाति के मनखेमन कहिथें,
"ओमन अब इहां नइं रह सकंय।"

16 यहोवा ह खुद ओमन ला तितिर-बितिर कर दे हवय;
ओह अब ओमन के धियान नइं देवय।
पुरोहितमन ला आदर नइं दिये जावय,
अऊ अगुवामन ऊपर किरपा नइं करे जावय।

17 अऊ ये घलो कि हमर आंखीमन
मदद बर बेकार के रसता देखत कमजोर हो गे हवंय;
हमन अपन किलामन ले एक जाति कोति देखत रहेंन
जऊन ह हमर बचाव नइं कर सकिस।

18 मनखेमन हर कदम म हमर पीछा करिन,
जेकर से हमर गलीमन म हमन चल नइं सकेंन।
हमर आखिरी समय लकठा म रिहिस, हमर दिनमन गनती के रिहिन,
काबरकि हमर अन्त आ गे रिहिस।

19 हमर पीछा करइयामन अकास के
गिधवामन ले घलो तेज रिहिन;
ओमन पहाड़ ऊपर हमर पीछा करिन
अऊ निरजन जगह म हमर घात म रिहिन।

20 यहोवा के अभिसिक्त, हमर खुद के जिनगी के सांस ह
ओमन के फांदा म फंस गीस।
हमन सोचेंन कि ओकर छइहां म
हमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच रहिबो।

21 हे बेटी एदोम,* तें जो ऊज देस म रहिथस,
आनंद मना अऊ खुसी रह।
पर ओ कटोरा ह तोर मेर घलो हबरही;
तेंह मंद पीके नंगरी हो जाबे।

22 हे बेटी सियोन, तोर सजा ह खतम हो जाही;
ओह तोर बंधुवई के समय ला अऊ नइं बढ़ावय।
पर हे बेटी एदोम, ओह तोर पाप के दंड दीही,
अऊ तोर दुस्टता ला परगट कर दीही।

5

1 हे यहोवा, हमर ऊपर जऊन बीते हवय, ओला सुरता कर;
हमर ऊपर धियान दे, अऊ हमर बेजत्ती ला देख।
2 हमर उत्तराधिकार ह अजनबीमन ला,
अऊ हमर घर परदेसीमन ला दे दिये गे हवय।
3 हमन बिगर ददा के हो गे हवन,
हमर दाईमन बिधवा हो गे हवंय।
4 पीये के पानी बिसोना जरूरी हो गे हवय;
हमन ला लकरी तभे मिलथे, जब हमन ओकर दाम देथन।
5 जऊन मन हमर पीछा करत हें, ओमन हमर गोड़ मेर आ गे हवंय;
हमन थक गे हन अऊ हमन ला अराम नइं मिलत हे।
6 हमन भरपूर जेवन पाय बर
मिसर अऊ अस्सूर के अधीन हो गेंन।
7 हमर पुरखामन पाप करिन अऊ ओमन खतम हो गीन,
अऊ हमन ओमन के दंड भोगत हन।

* **4:21** या [illegible]

8 गुलाममन हमर ऊपर सासन करत हें,
अऊ हमन ला ओमन के हांथ ले छोंड़ाय बर कोनो नइं एं।
9 निरजन जगह म तलवार के कारन
जब हमन अपन जान ला जोखिम म डालथन, त हमन ला जेवन मिलथे।
10 हमर चमड़ी ह भट्ठी सहीं गरम हो गे हवय,
भूख के मारे जर आवत हे।
11 सियोन म माईलोगनमन अऊ यहूदा के नगरमन म
कुंवारीमन ला भ्रस्ट कर देय गे हवय।
12 हाकिममन ला हांथ के बल लटका देय गे हवय;
अगुवामन के आदर नइं करे जावय।
13 जवानमन चक्की चलाय म मेहनत करथें;
लड़कामन लकरी के बोझा उठात लड़खड़ाथें।
14 अगुवामन सहर के दुवार ला छोंड़के चले गे हवंय;
जवानमन अपन संगीत ला छोंड़ दे हवंय।
15 आनंद ह हमर हिरदय ले चले गे हवय;
हमर नचई ह सोक म बदल गे हवय।
16 मुकुट ह हमर मुड़ ले गिर गे हवय।
हमन ला धिक्कार ए, काबरकि हमन पाप करे हन!
17 येकर कारन हमर हिरदय ह कमजोर हो गे हवय,
ये बातमन के कारन हमर नजर ह कमजोर हो गे हवय
18 काबरकि सियोन पहाड़ उजाड़ पड़े हे,
अऊ सियारमन येकर ऊपर घुमत हें।

19 हे यहोवा, तेंह सदाकाल तक राज करथस;
तोर सिंघासन ह पीढ़ी-पीढ़ी तक बने रहिथे।
20 तेंह काबर हमन ला हमेसा भुला जाथस?
तेंह काबर हमन ला अतेक लम्बा समय तक छोंड़ देथस?
21 हे यहोवा, तोर संग हमर संबंध ला फेर ठीक कर दे, कि हमन लहुंटके आवन;
हमर दिनमन ला फेर पुराना समय सहीं कर दे
22 यदि तेंह हमन ला पूरा तियाग नइं दे हस
अऊ हमर ऊपर बहुंत नराज नइं अस त।

यहेजकेल
के किताब

[illegible]

1 जब मोर उमर ह तीस साल, चार महिना अऊ पांच दिन रिहिस, अऊ मेंह बंधुवामन के बीच कबार नदी के
तीर म रहेंव, त अकास खुल गीस अऊ मेंह परमेसर के दरसनमन ला देखेंव।
2 यहोयाकीन राजा के बंधुवई म जाय के पांचवां साल के पांचवां महिना के पांचवां दिन—
3 बेबिलोन देस म कबार नदी के तीर म, यहोवा के बचन ह बूजी के बेटा यहेजकेल पुरोहित करा आईस, अऊ
यहोवा के हांथ ह ओकर ऊपर रिहिस।
4 मेंह देखेंव कि उत्तर कोति ले एक बड़े आंधी आवत रिहिस—कड़कत बिजली के संग एक बड़े बादर अऊ
चारों कोति बहुंत अंजोर रिहिस। आगी के बीच ह चमकत धातु के सहीं दिखत रिहिस,
5 अऊ आगी म चार जीयत जीवधारी सहीं दिखत रिहिन। देखे म ओमन के रूप ह मनखे असन रिहिस,
6 पर ओमन म ले हर एक के चार ठन मुहूं अऊ चार ठन डेना रिहिस।
7 ओमन के गोड़ सीधा रिहिस; अऊ ओमन के गोड़ के तलवा ह बछरू के खुरमन असन रिहिस अऊ चिक्कन
कांसा असन चमकत रिहिस।
8 ओमन के चारों कोति डेनामन के खाल्हे म मनखे सहीं हांथमन रिहिन। ओ चारों के मुहूं अऊ डेनामन रिहिन,
9 अऊ ओमन के डेनामन एक-दूसर के डेना ला छूवत रिहिन। हर एक ह आघू सीधा जावय; अऊ ओमन
बिगर मुड़े आघू बढ़त रिहिन।
10 ओमन के मुहूं ह अइसने रिहिस: चारों म ले हर एक के एक मुहूं ह मनखे असन रिहिस, अऊ ओ चारों के
जेवनी कोति के मुहूं ह सिंह सहीं, डेरी कोति के मुहूं ह बईला सहीं; अऊ हर एक के गिधवा असन घलो एक मुहूं
रिहिस।
11 ओमन के मुहूंमन अइसने ही रिहिन। ओमन के हर एक के दू ठन डेना ऊपर कोति फईले रिहिन, अऊ ये
डेनामन अपन दूनों तरफ के जीवधारीमन ला छूवत रिहिन, अऊ हर एक ह दू ठन डेनामन ले अपन देहें ला तोपे
रिहिस।
12 ओमन सीधा आघू जावत रिहिन, जेति आतमा जावय, ओमन बिगर मुड़े ओती जावत रिहिन।
13 ओ जीवधारीमन के रूप ह आगी के बरत कोइला या मसाल सहीं रिहिस। ओ आगी ह जीवधारीमन के
बीच एती-ओती खसकत रिहिस; येह चमकत रिहिस, अऊ येकर ले बिजली चमकत रिहिस।
14 ओ जीवधारीमन बिजली के चमक सहीं तेजी से एती-ओती होवत रिहिन।
15 जब मेंह जीवधारीमन ला देखत रहेंव, त का देखेंव कि ओ चार मुहूंवाले हर एक जीवधारी के बाजू म भुइयां
म एक-एक चक्का रहय।
16 ओ चक्कामन के रूप अऊ बनावट ये किसम ले रहय: ओमन पुखराज असन चमकत रिहिन, अऊ चारों एक
समान दिखत रिहिन। ओमन अइसे बनाय गे दिखत रिहिन मानो एक पहिया के भीतर म दूसर पहिया हो।
17 जब ओमन आघू बढ़ंय, त ओमन ओ दिसा म जावंय, जऊन दिसा कोति जीवधारीमन के चेहरा रहय; जब
जीवधारीमन चलंय, त पहियामन अपन दिसा नइं बदलंय।
18 ओ चक्कामन के घेरा ह ऊंचा अऊ अद्भूत रिहिस, अऊ चारों पहिया के घेरामन म जम्मो कोति आंखी ही
आंखी रिहिस।
19 जब ओ जीवधारीमन आघू बढ़ंय, तब ओमन के बाजू के पहियामन घलो आघू बढ़ंय; अऊ जब ओ
जीवधारीमन भुइयां ले ऊपर उठंय, तब पहियामन घलो ऊपर उठंय।
20 जऊन कोति आतमा ह जावय, ओती ओमन घलो जावंय, अऊ ओ पहियामन जीवधारीमन के संग ऊपर
उठंय; काबरकि ओमन के आतमा ह ओ पहियामन म रिहिस।

21 जब ओ जीवधारीमन आघू बढ़ंय, त येमन घलो आघू बढ़ंय; अऊ जब ओ जीवधारीमन ठाढ़ होवंय, त
येमन घलो ठाढ़ हो जावंय; अऊ जब ओमन भुइयां ले ऊपर उठंय, त ये पहियामन घलो ओमन के संग ऊपर
उठंय; काबरकि जीवधारीमन के आतमा ह ये पहियामन म रिहिस।
22 जीवधारीमन के मुड़ के ऊपर जऊन चीज ह फईले रिहिस, ओह अकास-मंडल सहीं दिखत रिहिस, अऊ
बरफ असन चमकत रिहिस, अऊ अद्भूत रिहिस।
23 अकास-मंडल के खाल्हे, ओमन के डेनामन एक-दूसर कोति फईले रिहिन; अऊ हर एक जीवधारी ह दू ठन
डेना ले अपन देहें ला ढांपे रिहिस।
24 जब ओ जीवधारीमन आघू बढ़ंय, त मेंह सुनंय, ओमन के डेना ले बहत पानी के गरजन सहीं,
सर्वसक्तिमान परमेसर के अवाज सहीं, सेना के कोलाहल असन अवाज आवय। जब ओमन ठाढ़ होवंय, तब
ओमन अपन डेना ला खाल्हे कर लेवंय।
25 फेर ओमन के मुड़ीमन के ऊपर जऊन अकास-मंडल रिहिस, ओकरे ऊपर ले एक सबद सुनई पड़य जब
ओमन डेना ला लटकाके ठाढ़ होवंय।
26 जऊन ह अकास-मंडल अऊ ओमन के मुड़ के ऊपर म रिहिस, ओह नीलमनि के सिंघासन असन दिखत
रिहिस; ये सिंघासन के ऊपर एक मनखे असन कोनो दिखई देवत रिहिस।
27 ओकर कनिहां ले लेके ऊपर कोति मोला चमकत धातु असन दिखई पड़त रिहिस, मानो आगी ले भरे हवय,
अऊ ओकर कनिहां ले लेके खाल्हे कोति आगी असन दिखई पड़त रिहिस; अऊ ओकर चारों कोति चमकत
अंजोर रिहिस।
28 जइसने बरसात के दिन बादर म धनुस दिखई पड़थे, वइसने ही चारों कोति के अंजोर के चमक दिखत
रिहिस।
यहोवा के महिमा के समानता म ये रूप रिहिस। ओला देखके, मेंह मुहूं के बल गिरेंव,* अऊ मेंह एक झन के
गोठियाय के अवाज सुनेंव।

2

[illegible]

1 ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, अपन गोड़ म ठाढ़ हो जा, अऊ मेंह तोर ले गोठियाहूं।"
2 जइसने ही ओह मोर ले ये कहिस, वइसने ही आतमा ह मोर म हमाके मोला मोर गोड़ के बल म ठाढ़ कर
दीस; अऊ मेंह ओला मोर ले गोठियावत सुनेंव।
3 ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, मेंह तोला इसरायलीमन करा याने कि बलवा करइया जाति मेर
पठोवत हंव, जेमन मोर बिरूध म बलवा करे हवंय; ओमन अऊ ओमन के पुरखामन आज के दिन तक मोर बिरूध
म बिदरोह करत आवत हवंय।
4 जऊन मनखेमन करा मेंह तोला पठोवत हंव, ओमन हठी अऊ जिद्दी अंय। तेंह ओमन ले कहिबे,
'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे।'
5 अऊ चाहे ओमन सुनंय या झन सुनंय—काबरकि ओमन बलवा करइया मनखे अंय—ओमन अतका जान
लीहीं कि ओमन के बीच म एक अगमजानी हवय।
6 अऊ तें, हे मनखे के बेटा, ओमन ले या ओमन के बात ले झन डरबे। झन डरबे, हालाकि कंटिली झाड़ी अऊ
कांटामन तोर चारों कोति हवंय अऊ तेंह बिच्छूमन के बीच म रहिथस। ओमन के बात ले झन डरबे अऊ ओमन
ले भयभीत झन होबे, हालाकि ओमन बिदरोही मनखे अंय।
7 तेंह ओमन ला मोर बात ला जरूर बताबे, चाहे ओमन सुनंय या झन सुनंय, काबरकि ओमन बिदरोही मनखे
अंय।
8 पर तें, हे मनखे के बेटा, मेंह जऊन बात कहत हंव, ओला सुन। ओ बिदरोही मनखेमन असन तेंह बिदरोह
झन करबे; जऊन कुछू मेंह तोला देवत हंव, ओला मुहूं खोलके खा ले।"
9 तब मेंह देखेंव कि मोर कोति एक हांथ बढ़िस। ओ हांथ म एक ठन किताब रिहिस,
10 जेला ओह मोर आघू म खोलिस। ओ किताब के दूनों कोति बिलाप अऊ सोक अऊ दुख के बातमन लिखाय
रिहिन।

---

* **1:28** या [illegible]

3

1 अऊ ओह मोर ले कहिस, “हे मनखे के बेटा, तोर आघू म जऊन कुछू हवय, ओला खा ले; याने कि ये किताब
ला खा, तब जाके इसरायल के मनखेमन ले गोठिया।”
2 एकरसेति मेंह मुहूं खोलेंव, अऊ ओह ओ किताब ला मोला खाय बर दीस।
3 तब ओह मोर ले कहिस, “हे मनखे के बेटा, ये किताब, जेला मेंह तोला देवत हंव, येला खा अऊ येकर से
अपन पेट भर ले।” त मेंह ओला खा लेंव, अऊ ओह मोर मुहूं म मंधरस सहीं मीठ लगिस।
4 तब ओह मोर ले कहिस: “हे मनखे के बेटा, अब तें इसरायल के मनखेमन करा जाके ओमन ला मोर बात
सुना।
5 तोला कोनो कठिन बोली या अनजान भासा वाले मनखेमन करा भेजे नइं जावत हे, पर तोला इसरायल के
मनखेमन करा पठोय जावत हे—
6 कठिन बोली या अनजान भासा वाले बहुंते मनखेमन करा नइं, जेमन के गोठ ला तें नइं समझ सकस।
खचित यदि मेंह तोला ओमन करा पठोय रहितेंव, त ओमन तोर बात ला सुनतिन।
7 पर इसरायल के मनखेमन तोर बात ला सुने नइं चाहत हें, काबरकि ओमन मोर बात ला सुने नइं चाहत हें;
जम्मो इसरायलीमन अपन मन ला कठोर कर ले हवंय अऊ जिद्दी हो गे हवंय।
8 पर मेंह तोला ओमन सहीं न झुकनेवाला अऊ कठोर बना दूहूं।
9 मेंह तोर माथा ला सबले कठोर पथरा सहीं कर दूहूं, चकमक पथरा ले घलो कठोर। ओमन ले झन डरबे या
ओमन ले भयभीत झन होबे, हालाकि ओमन बिदरोही मनखे अंय।”
10 अऊ ओह मोर ले कहिस, “हे मनखे के बेटा, धियान देके सुन अऊ जऊन बात मेंह तोर ले कहत हंव, ओ
जम्मो ला अपन हिरदय म धर।
11 अब बंधुवई म गय अपन ओ मनखेमन करा जाके ओमन ले बातचीत कर। ओमन ले कह, ‘परमपरधान
यहोवा ह ये कहत हे,’ चाहे ओमन सुनंय या झन सुनंय।”
12 तब आतमा ह मोला ऊपर उठाईस, अऊ मेंह अपन पाछू बड़े घरघराहट के अवाज सुनेंव, जब यहोवा के
तेज ह ओ जगह ले उठिस, जिहां ओह रिहिस।
13 येह जीवधारीमन के ओ डेनामन के अवाज रिहिस, जेमन एक-दूसर ले रगड़ात रिहिन, अऊ येह ओमन के
बाजू के पहियामन के अवाज रिहिस, एक बड़े घरघराहट के अवाज।
14 आतमा ह तब मोला उठाके दूरिहा ले गीस, अऊ मोर मन ह करू हो गे अऊ मेंह कोरोध ले भर गेंव, अऊ
यहोवा के मजबूत हांथ ह मोर ऊपर रिहिस।
15 मेंह ओ बंधुवा मनखेमन करा आयेंव, जेमन कबार नदी के लकठा म तेल-अबीब म रहत रिहिन। अऊ उहां,
जिहां ओमन रहत रिहिन, मेंह सात दिन तक ओमन के बीच म दुखी होके बईठे रहेंव।

[illegible]

16 सात दिन के आखिरी म यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
17 “हे मनखे के बेटा, मेंह तोला इसरायल के मनखेमन बर एक पहरेदार ठहिराय हंव; एकरसेति जऊन बात
मेंह कहत हंव, ओला सुन अऊ ओमन ला मोर कोति ले चेता दे।
18 जब मेंह एक दुस्ट मनखे ला कहिथंव, ‘तेंह जरूर मरबे,’ अऊ यदि तें ओकर जिनगी बचाय बर ओकर दुस्ट
चालचलन ला बदले बर नइं चेतावस या नइं कहस, त ओ दुस्ट मनखे ह अपन पाप के कारन मरही, अऊ मेंह
तोला ओकर खून बर जिम्मेदार ठहिराहूं।
19 पर यदि तेंह दुस्ट मनखे ला चेताथस अऊ ओह अपन दुस्टता ला या अपन बुरई के काम ला नइं छोंड़य,
त ओह अपन पाप के कारन मरही; पर तें अपनआप ला बचा लेबे।
20 “जब कोनो धरमी जन अपन धरमीपन ले फिरके दुस्ट काम करथे, अऊ मेंह ओकर आघू म ठोकर खाय के
चीज धर देथंव, त ओह मरही, काबरकि तेंह ओला नइं चेताय, एकरसेति ओह अपन पाप म मरही। अऊ जऊन
धरमी काम ओह करे होही, ओला सुरता नइं करे जावय, अऊ मेंह तोला ओकर खून बर जिम्मेदार ठहिराहूं।
21 पर यदि तें धरमी जन ला पाप नइं करे बर चेताथस अऊ ओह पाप नइं करय, त ओह जरूर जीयत रहिही,
काबरकि ओह चेतउनी ऊपर धियान दीस, अऊ तें अपनआप ला बचा लेबे।”

22 यहोवा के हांथ ह उहां मोर ऊपर रिहिस, अऊ ओह मोर ले कहिस, “उठ अऊ मैदान म जा, अऊ उहां मेंह
तोर ले गोठियाहूं।”
23 तब मेंह उठके मैदान म गेंव, अऊ मेंह देखेंव कि यहोवा के तेज ह उहां रिहिस, ये तेज ह वइसने ही रिहिस,
जइसने मेंह कबार नदी के तीर म देखे रहेंव, अऊ मेंह मुहूं के बल गिर पड़ेंव।
24 तब आतमा ह मोर म हमाईस अऊ मोला मोर गोड़मन म ठाढ़ कर दीस। ओह मोर ले गोठियाईस अऊ
कहिस: “जा, अपनआप ला अपन घर के भीतरी बंद कर ले।
25 अऊ हे मनखे के बेटा, ओमन तोला रस्सी म बांध दीहीं; तोला बांध दिये जाही, जेकर कारन तेंह निकलके
मनखेमन के बीच म नइं जा सकबे।
26 मेंह तोर जीभ ला तोर मुहूं के तालू ले चपका दूहूं; जेकर ले तेंह चुपेचाप रहिबे अऊ ओमन ला डांट नइं
सकबे, काबरकि ओमन बिदरोही मनखे अंय।
27 पर जब मेंह तोर ले गोठियाहूं, तब मेंह तोर मुहूं ला खोल दूहूं अऊ तें ओमन ला कहिबे, ‘परमपरधान
यहोवा ह ये कहत हे।’ जऊन ह सुने चाहथे, ओह सुनय, अऊ जऊन ह नइं सुने चाहय, ओह झन सुनय;
काबरकि ओमन बिदरोही मनखे अंय।

4

[illegible]

1 “अब, हे मनखे के बेटा, तें माटी के एक ईंटा ला ले अऊ येला अपन आघू म रखके ओकर ऊपर यरूसलेम
सहर के तसबीर बना।
2 तब येकर घेराबंदी कर: येकर बिरूध घेराबंदी के काम कर, येमा एक ठन उतारू जगह बना, येकर बिरूध
छावनीमन ला देखा अऊ येकर चारों कोति बार-बार पीटके अवाज करइया मसीन लगा।
3 तब तेंह लोहा के एक कढ़ाही ले, अऊ ओला अपन अऊ सहर के बीच लोहा के एक दीवार सहीं रख अऊ
अपन मुहूं ला ओकर कोति कर। त ओकर घेराबंदी हो जाही, अऊ तें ओकर घेराबंदी कर लेबे। येह इसरायल के
मनखेमन बर एक चिनहां ठहिरही।
4 “फेर तें डेरी करवट लेके लेट जा अऊ इसरायल के मनखेमन के पाप ला अपन ऊपर रख।* तोला बहुंत दिन
तक अइसने करवट म लेटके ओमन के पाप के बोझा ला सहना हे।
5 ओमन जतेक साल पाप म लगाय हवंय, मेंह ओही संखिया म तोर बर दिन ठहिराय हवंव; याने कि 390 दिन
तक तें इसरायल के मनखेमन के पाप के भार ला सहत रहिबे।
6 “जब तें येला पूरा कर लेबे, तब तें फेर लेट जाबे, ये बेरा जेवनी करवट म लेटबे, अऊ यहूदा के मनखेमन के
पाप ला सहिबे। मेंह तोर बर 40 दिन ठहिराय हंव, हर साल बर एक दिन।
7 तब तें अपन मुहूं ला यरूसलेम के घेराबंदी कोति कर लेबे अऊ उघरे बाहां ओकर बिरूध अगमबानी करबे।
8 मेंह तोला रस्सीमन ले बांध दूहूं, ताकि तेंह करवट नइं बदल सकबे, जब तक कि तेंह अपन घेराबंदी के
दिनमन ला पूरा नइं कर लेबे।
9 “तें गहूं अऊ जौ, सेमी अऊ दाल, बाजरा अऊ कठिया गहूं ला ले; येमन ला एक ठन बड़े बरतन म रख अऊ
ओमन ले अपन बर रोटी बनाय करबे। तेंह येला ओ 390 दिन के दौरान खाय करबे, जब तें अपन करवट म लेटे
रहिबे।
10 हर दिन तोला तऊलके बीस सेकेल† जेवन करना हे अऊ ये जेवन ला ठहिराय गे समय म करना हे।
11 पानी ला घलो तें नापके; हर दिन एक हीन‡ के छठवां भाग ला ठहिराय गय समय म पीबे।
12 तोर जेवन जौ के बने एक रोटी बरोबर होही; येला मनखेमन के देखत म बनाबे अऊ येला बनाय बर मनखे
के मल के उपयोग आगी बारे बर करबे।”
13 फेर यहोवा ह कहिस, “ये किसम ले इसरायल के मनखेमन ओ जातिमन के बीच म असुध जेवन खाय
करहीं, जिहां मेंह ओमन ला भगा दूहूं।”

---

* **4:4** या [illegible] † **4:10** लगभग 230 ग्राम ‡ **4:11** लगभग 0.6 लीटर

14 तब मेंह कहेंव, “हे परमपरधान यहोवा, अइसन झन होवय। मेंह अपनआप ला कभू असुध नइं करे हवंव।
अपन जवानी ले लेके अब तक मेंह कोनो मरे पसु अऊ जंगली पसु के दुवारा मारे गय मांस नइं खाय हंव। कोनो
भी असुध मांस मोर मुहूं म कभू नइं गे हवय।”
15 तब ओह मोला कहिस, “ठीक हे, मेंह तोला रोटी बनाय बर मनखे के मल के बदले आगी बर गाय के गोबर
के उपयोग करे बर देवत हंव।”
16 फेर ओह मोर ले कहिस, “हे मनखे के बेटा, मेंह यरूसलेम म जेवन-पानी देना बंद कर दूहूं। ये खातिर
मनखेमन हर दिन तऊल-तऊलके चिंता करत जेवन करहीं अऊ नाप-नापके निरास मन से पानी पीहीं,
17 काबरकि जेवन अऊ पानी के कमी हो जाही। ओमन एक-दूसर ला देखके डर जाहीं अऊ अपन पाप के
कारन बरबाद हो जाहीं।

5

[illegible]

1 “अब, हे मनखे के बेटा, एक धारदार तलवार ला ले, अऊ ओकर उपयोग अपन मुड़ अऊ दाढ़ी के चुंदी ला
मुड़ाय बर उस्तरा के रूप म कर। तब तराजू लेके चुंदीमन के भाग कर ले।
2 जब तोर घेराबंदी के दिनमन खतम हो जावंय, तब सहर के भीतर एक तिहाई चुंदी ला जला देबे। तब एक
तिहाई चुंदी ला लेके सहर के चारों कोति जाके तलवार ले मारबे। अऊ एक तिहाई चुंदी ला हवा म उड़ा देबे।
काबरकि मेंह तलवार खींचके ओमन के पीछा करहूं।
3 पर कुछू चुंदी ला लेके अपन ओनहा के छोर के मोड़ान म खोंच देबे।
4 फेर ये चुंदी म ले कुछू ला लेबे अऊ ओमन ला आगी म फेंकके जला देबे। उहां ले एक ठन जुवाला ह पूरा
इसरायल म फईल जाही।
5 “परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: येह यरूसलेम अय, जेला मेंह जाति-जाति के मनखेमन के एकदम
मांझा म बसाय हंव, अऊ येह चारों कोति ले देसमन ले घिरे हवय।
6 तभो ले ओह मोर कानून अऊ बिधिमन के बिरूध अपन चारों कोति के जाति अऊ देसमन ले जादा बिदरोह
करे हवय। ओह मोर कानूनमन ला नइं माने हे अऊ मोर बिधिमन के पाछू नइं चले हे।
7 “एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: तुमन अपन चारों कोति के जातिमन ले जादा उदंड हो गे हव
अऊ मोर बिधिमन म नइं चले हव या मोर कानून ला नइं माने हव। अऊ त अऊ तुमन अपन चारों कोति के
जातिमन के बराबरी के भी नइं बने हवव।
8 “ये खातिर परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे यरूसलेम, मेंह खुद तोर बिरूध म हवंव, अऊ जाति-जाति
के मनखेमन के देखत म ही मेंह तोला दंड दूहूं।
9 तोर जम्मो घिनौना मूरतीमन के कारन, मेंह तोर बीच म अइसन करहूं, जइसन मेंह पहिले कभू नइं करे हंव
अऊ न ही भविस्य म कभू करहूं।
10 ये खातिर तोर बीच म दाई-ददामन अपन लइकामन के, अऊ लइकामन अपन दाई-ददामन के मांस ला
खाहीं। मेंह तोला सजा दूहूं अऊ तोर जम्मो बांचे मनखेमन ला चारों कोति तितिर-बितिर कर दूहूं।
11 ये खातिर मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, काबरकि तेंह मोर पबितर-स्थान ला
अपन जम्मो दुस्ट मूरती अऊ घिनौना काममन ले असुध कर दे हस, मेंह खुद तोला छोलहूं; मेंह तोर ऊपर
दया-दिरिस्टी नइं करंव अऊ तोला नइं बचावंव।
12 तोर एक तिहाई मनखेमन महामारी ले मरहीं या तोर बीच म ही अकाल ले मर जाहीं; एक तिहाई मनखेमन
तोर दीवारमन के बाहिर तलवार ले मारे जाहीं; अऊ एक तिहाई मनखेमन ला मेंह चारों कोति तितिर-बितिर कर
दूहूं अऊ तलवार खींचके ओमन के पीछा करहूं।
13 “तब मोर कोरोध ह बंद होही अऊ ओमन के बिरूध मोर कोप ह सांत होही, अऊ मोर बदला लेवई ह पूरा
होही। अऊ जब ओमन ऊपर मोर कोप ह भड़कके सांत हो जाही, तब ओमन जानहीं कि में यहोवा ह अपन
उत्साह म आके ये कहे हवंव।

14 “मेंह तोला तोर चारों कोति के जातिमन के बीच, जम्मो अवइया-जवइयामन के देखत म उजाड़ दूहूं अऊ
तोला कलंकित करहूं।
15 जब मेंह तोला कोरोध म अऊ कोप म पीरा देवइया डांट के संग सजा दूहूं, तब तेंह तोर चारों कोति के
जातिमन के मनखेमन बर एक कलंक अऊ एक ठट्ठा, एक चेतउनी अऊ एक आतंक के चीज बन जाबे। में यहोवा
ह ये कहे हवंव।
16 जब मेंह अपन घातक अऊ बिनासकारी अकाल के तीरमन ला तोर ऊपर छोंड़हूं, त मेंह तोला नास करे बर
येमन ला छोंड़हूं। मेंह तोर ऊपर बार-बार अकाल लानहूं अऊ तोर जेवन-पानी ला बंद कर दूहूं।
17 मेंह तुम्हर बिरूध अकाल अऊ जंगली पसुमन ला पठोहूं, अऊ ओमन तुम्हर लइकामन ला मार डारहीं।
महामारी अऊ खून बहई तुम्हर बीच म चलत रहिही, अऊ मेंह तुम्हर ऊपर तलवार चलवाहूं। में यहोवा ह ये
कहे हवंव।”

6

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 “हे मनखे के बेटा, अपन मुहूं ला इसरायल के पहाड़मन कोति करके; ओमन के बिरूध म अगमबानी कर
3 अऊ कह: हे इसरायल के पहाड़मन, तुमन परमपरधान यहोवा के बचन ला सुनव। परमपरधान यहोवा ह
पहाड़ अऊ पहाड़ीमन ले, तराई अऊ घाटीमन ले ये कहत हे: मेंह तुम्हर ऊपर एक तलवार चलइया हंव, अऊ
मेंह तुम्हर पूजा-पाठ के ऊंचहा जगहमन ला नास कर दूहूं।
4 तुम्हर बेदीमन ला गिरा दिये जाही अऊ तुम्हर धूप के बेदीमन ला कुचर दिये जाही; अऊ मेंह तुम्हर
मनखेमन ला तुम्हर मूरतीमन के आघू म मार डारहूं।
5 मेंह इसरायलीमन के लासमन ला ओमन के मूरतीमन के आघू म मढ़ा दूहूं, अऊ मेंह तुम्हर हाड़ामन ला
तुम्हर बेदीमन के चारों कोति बगरा दूहूं।
6 जिहां भी तुमन रहिहू, उहां नगरमन उजड़ जाहीं अऊ पूजा के ऊंचहा जगहमन गिर जाहीं, जेकर से तुम्हर
बेदीमन उजड़ जाहीं अऊ नास हो जाहीं, तुम्हर मूरतीमन कुचराके नास हो जाहीं, तुम्हर धूप के बेदीमन टूटके
गिर जाहीं, अऊ तुम्हर बनाय चीजमन खतम हो जाहीं।
7 तुम्हर मनखेमन तुम्हर बीच म ही मरके गिरहीं, अऊ तुमन जान लूहू कि मेंह यहोवा अंव।
8 “ ‘तभो ले मेंह कतेक झन ला बचाके रखहूं, तुमन म ले कुछू झन तलवार ले बच जाहू जब तुमन देस-देस म
अऊ जाति-जाति के मनखेमन के बीच तितिर-बितिर हो जाहू।
9 तब ओ जातिमन के बीच जिहां ओमन बंधुवई म जाहीं, अऊ जेमन बांचे रहिहीं, ओमन मोला सुरता
करहीं—ओमन के ओ बेभिचारी हिरदय ले मेंह कतेक दुखी होय हवंव, जऊन ह मोर ले दूरिहा हो गे हवय, अऊ
ओमन के ओ आंखीमन ले मेंह कतेक दुखी हंव, जेमन ओमन के मूरतीमन के लालसा करथें। ओमन अपन करे
गय बुरई के काम अऊ अपन जम्मो घिनौना बुता के कारन अपनआप ले घिन करहीं।
10 अऊ ओमन जान लीहीं कि मेंह यहोवा अंव; ओमन ऊपर ये बिपत्ति लाने बर, मेंह ओमन ला बेकार म नइं
धमकाय रहेंव।
11 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: अपन हांथमन ला एक संग मारके अऊ अपन गोड़मन ला पटकके
जोर से कहव, “हाय-हाय!” इसरायल के मनखेमन के जम्मो दुस्ट अऊ घिनौना बुतामन के कारन ओमन तलवार,
अकाल अऊ महामारी ले नास हो जाहीं।
12 जऊन ह दूरिहा म हवय, ओह महामारी ले मरही, अऊ जऊन ह लकठा म हवय, ओह तलवार ले मारे
जाही, अऊ जऊन ह बांचे हे अऊ छोंड़ दिये जाथे, ओह अकाल ले मरही। ये किसम ले मेंह अपन कोप ओमन
ऊपर डालहूं।
13 अऊ ओमन जान लीहीं कि मेंह यहोवा अंव, जब हर एक ऊंचा पहाड़ी अऊ जम्मो पहाड़मन के टीप म, हर
एक फईले रूख अऊ हर एक पानवाले बलूत रूख के खाल्हे म—ओ जगह जिहां ओमन अपन जम्मो मूरतीमन

ला खुसबूवाला धूप चघाथें, उहां ओमन के मारे गय मनखेमन ओमन के मूरतीमन के बीच ओमन के बेदीमन के
चारों कोति पड़े होहीं।
14 अऊ मेंह अपन हांथ ओमन के बिरूध बढ़ाहूं अऊ ओ देस ला मरू-भुइयां ले लेके दिबलाह* तक उजाड़
दूहूं—ओ सब जगह, जिहां ओमन रहिथें। तब ओमन जान लीहीं कि मेंह यहोवा अंव।' "

7

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, परमपरधान यहोवा ह इसरायल देस ला ये कहत हे:
" 'अन्त! देस के चारों कोना म
आखिरी समय आ गे हवय!
3 तोर आखिरी समय आ गे हवय,
अऊ मोर कोप ह तोर ऊपर भड़कही।
तोर चालचलन के मुताबिक मेंह तोर नियाय करहूं
अऊ तोर जम्मो घिनौना काममन के फर तोला दूहूं।
4 मेंह तोर ऊपर दया-दिरिस्टी नइं करंव;
मेंह तोला नइं छोड़ंव।
खचित मेंह तोर चालचलन के
अऊ तुम्हर बीच के घिनौना काममन के बदला लूहूं।
तब तेंह जान लेबे कि मेंह यहोवा अंव।'

5 "परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'घोर बिपत्ति! नइं सुने गय घोर बिपत्ति!
देखव, येह आवत हे!
6 अन्त आ गे हवय!
अन्त आ गे हवय!
येह खुद तोर बिरूध जाग गे हवय।
देखव, येह आवत हे!
7 बिनास ह तुम्हर ऊपर आ गे हवय,
तुम्हर ऊपर, जेमन देस म रहिथव।
समय ह आ गे हवय! दिन ह लकठा म हवय!
पहाड़मन म आनंद नइं, पर आतंक हवय।
8 तोर ऊपर मोर कोप भड़कनेच वाला हे
अऊ तोर ऊपर मेंह अपन कोरोध परगट करहूं।
मेंह तोर चालचलन के मुताबिक तोर नियाय करहूं
अऊ तोर जम्मो घिनौना काममन के फर तोला दूहूं।
9 मेंह तोर ऊपर दया-दिरिस्टी नइं करहूं;
मेंह तोला नइं छोंड़हूं।
मेंह तोर चालचलन
अऊ तुम्हर बीच के घिनौना काममन के फर तोला दूहूं।

" 'तब तेंह जान लेबे कि येह में यहोवा अंव, जऊन ह तोला सजा देथे।
10 " 'देखव, ओ दिन ला!
देखव, येह आवत हे!

* **6:14** कुछू इबरानी हस्तलिपि म *[illegible]*

बिनास ह फट गे हवय,
लउठी म पीका निकल गे हवय,
घमंड के फूल फूले हवय!
11 हिंसा ह ठाढ़ हो गे हवय,
दुस्ट ला सजा देय बर एक ठन लउठी बन गे हवय।
मनखेमन ले कोनो भी नइं बचंय,
ओ भीड़ म के कोनो भी नइं—
ओमन के कोनो धन-संपत्ति भी नइं,
अऊ न ही कोनो कीमती सामान।
12 समय ह आ गे हवय!
ओ दिन ह आ गे हवय!
बिसोइया ह आनंद झन मनावय
अऊ न ही बेचइया ह सोक करय,
काबरकि मोर कोप ह जम्मो भीड़ ऊपर भड़के हवय।
13 बेचइया ला ओ संपत्ति फेर नइं मिलय
जेला बेचे जा चुके हवय
जब तक कि बिसोइया अऊ बेचइया दूनों जीयत हें।
काबरकि जम्मो भीड़ के बारे म ओ दरसन ला
पलटे नइं जा सकय।
ओमन के पाप के कारन, ओमा के कोनो भी
अपन जिनगी ला बचा नइं सकंय।

14 " 'ओमन तुरही ला फूंके हवंय,
ओमन जम्मो चीजमन ला तियार कर ले हवंय,
पर कोनो भी लड़ई म नइं जावंय,
काबरकि मोर कोप ह जम्मो भीड़ ऊपर हवय।
15 बाहिर म तलवार हवय;
अऊ भीतर म महामारी अऊ अकाल।
जेमन गांव-गंवई म हवंय
ओमन तलवार ले मरहीं;
जेमन सहर म हवंय
ओमन अकाल अऊ महामारी ले मारे जाहीं।
16 ओ भागनेवालामन, जेमन बांच निकलहीं
ओमन पहाड़मन ऊपर भाग जाहीं।
हर एक ह अपन खुद के पाप बर,
घाटीमन के पंड़कीमन सहीं,
ओमन जम्मो बिलाप करहीं।
17 हर एक के हांथ ह लचक जाही;
हर एक के गोड़ ह पेसाब ले गीला हो जाही।
18 ओमन बोरा के कपड़ा पहिरहीं
अऊ आतंक ले भर जाहीं।
हर एक के मुहूं ह सरम के मारे ढंके रहिही,
अऊ हर एक के मुड़ के मुंडन करे जाही।

19 " 'ओमन अपन चांदी ला गलीमन म फटिक दीहीं,
अऊ ओमन के सोन ला असुध चीज समझे जाही।

ओमन के सोन अऊ चांदी ह
यहोवा के कोप के दिन म
ओमन ला बचा नइं सकही।
येह ओमन के भूख ला नइं मिटाही
या ओमन के पेट ला नइं भरही,
काबरकि येह ओमन के पाप म गिरे के कारन होय हवय।
20 ओमन अपन सुघर जेवर ऊपर घमंड करिन
अऊ येकर उपयोग अपन घिनौना मूरतीमन ला बनाय म करिन।
ओमन येकर ले नीच मूरतीमन ला बनाईन;
एकरसेति मेंह येला ओमन बर एक असुध चीज बना दूहूं।
21 मेंह ओमन के धन-संपत्ति ला लूट के सामान के रूप म
ओ परदेसीमन ला अऊ धरती के ओ दुस्टमन ला दे दूहूं,
जेमन येला असुध कर दीहीं।
22 मेंह ओमन ले अपन मुहूं मोड़ लूहूं,
अऊ लुटेरामन मोर कीमती जगह* ला अपबितर करहीं।
ओमन येकर भीतर घुसहीं
अऊ येला असुध करहीं।

23 " 'बेड़ीमन ला तियार करव!
काबरकि देस ह खून ले,
अऊ सहर ह हिंसा ले भर गे हवय।
24 मेंह जाति-जाति के सबले दुस्ट मनखेमन ला
ओमन के घरमन ऊपर कब्जा करे बर लानहूं।
मेंह बलवान के घमंड ला टोर दूहूं,
अऊ ओमन के पबितर-स्थानमन अपबितर करे जाहीं।
25 जब आतंक आही,
तब ओमन बेकार म सांति के खोज करहीं।
26 बिपत्ति के ऊपर बिपत्ति आही,
अऊ अफवाह के ऊपर अफवाह फईलही।
ओमन अगमजानी ले दरसन के खोज म निकलहीं,
कानून म पुरोहिती निरदेस बंद हो जाही,
अगुवामन के सलाह देवई ह खतम हो जाही।
27 राजा ह सोक करही,
अऊ हाकिम ह उदासी के ओनहा पहिरही,
अऊ देस के मनखेमन के हांथमन कांपहीं।
मेंह ओमन संग ओमन के चालचलन के मुताबिक बरताव करहूं,
अऊ ओमन के खुद के हैसियत के मुताबिक ओमन के नियाय करहूं।

" 'तब ओमन जान लीहीं कि मेंह यहोवा अंव।' "

8

[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible]

1 हमर बंधुवई के छठवां साल के छठवां महिना के पांचवां दिन म, जब मेंह अपन घर म बईठे रहेंव अऊ यहूदा के अगुवामन मोर आघू म बईठे रिहिन, तब परमपरधान यहोवा के हांथ* उहां मोर ऊपर आईस।

* **7:22** संभवत: मंदिर * **8:1** या [illegible]

2 तब मेंह देखेंव, अऊ मोला आदमी सहीं एक रूप दिखिस।† ओकर कनिहां के तरी कोति आगी सहीं रिहिस,
अऊ ओकर कनिहां ले ऊपर कोति लाल धातु सहीं चमकत रिहिस।
3 ओह अपन हांथ असन चीज ला बढ़ाके मोर मुड़ के चुंदी ला पकड़िस। तब परमेसर के आतमा ह मोला धरती
अऊ अकास के बीच उठा लीस अऊ परमेसर के दरसन म मोला यरूसलेम ले गीस, याने कि भीतरी अंगना के
उत्तर कोति के प्रवेस दुवार करा ले गीस, जिहां जलन के भावना ला भड़कानेवाला मूरती ह रिहिस।
4 अऊ उहां मोर आघू म इसरायल के परमेसर के तेज वइसने ही रिहिस, जइसने मेंह मैदान म दरसन म देखे
रहेंव।
5 तब ओह मोला कहिस, "हे मनखे के बेटा, उत्तर कोति देख।" त मेंह आंखी उठाके देखेंव, अऊ बेदी के उत्तर
कोति के प्रवेस दुवार म, मेंह ये जलन उपजइया मूरती ला देखेंव।
6 अऊ ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, का तेंह देखे कि ओमन का करत हें—इसरायलीमन इहां बहुंत ही
घिनौना काम करत हें, अइसन काम, जऊन ह मोला मोर पबितर-स्थान ले दूरिहा ले जाही? पर तें येकर ले घलो
जादा घिनौना चीजमन ला देखबे।"
7 तब ओह मोला अंगना के प्रवेस दुवार मेर ले आईस। अऊ मेंह देखेंव कि दीवार म एक छेदा रिहिस।
8 ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, दीवार ला फोर।" त मेंह दीवार ला फोरेंव अऊ उहां मोला एक दुवार
दिखिस।
9 अऊ ओह मोर ले कहिस, "भीतर जा अऊ देख कि ओमन इहां कइसे दुस्ट अऊ घिनौना काममन ला करत
हवंय।"
10 त मेंह भीतर गेंव अऊ देखेंव कि पूरा दीवारमन म जम्मो किसम के रेंगइया जन्तु अऊ असुध पसु अऊ
इसरायल के जम्मो मूरतीमन के चित्र बनाय गे हवय।
11 ओमन के आघू म, इसरायल के सत्तर अगुवामन ठाढ़े रहंय, अऊ ओमन के बीच म सापान के बेटा
याजनयाह ह ठाढ़े रहय। हर एक मनखे ह अपन हांथ म एक धूपदान धरे रहय, अऊ कहरत धूप के धुआं ह ऊपर
उठत रहय।
12 तब ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, का तेंह देखे कि इसरायल के अगुवामन अंधियार म,
अपन-अपन मूरती के जगह म का करत हवंय? ओमन कहत हें, 'यहोवा ह हमन ला नइं देखय; यहोवा ह देस ला
तियाग दे हवय।' "
13 फेर, ओह कहिस, "तें ओमन ला अऊ जादा घिनौना काम करत देखबे।"
14 तब ओह मोला यहोवा के भवन के उत्तर के प्रवेस दुवार मेर ले आईस, अऊ उहां मेंह माईलोगनमन ला
बईठे देखेंव अऊ ओमन तम्मूज देवता बर सोक मनात रिहिन।
15 ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, का तेंह देखत हस? तेंह येकर ले घलो जादा घिनौना चीजमन ला
देखबे।"
16 तब ओह मोला यहोवा के भवन के भीतरी अंगना म ले आईस, अऊ उहां मंदिर के प्रवेस दुवार म, मंडप
अऊ बेदी के बीच लगभग पच्चीस आदमीमन रहंय। ओमन के पीठ ह यहोवा के मंदिर कोति अऊ ओमन के मुहूं
ह पूरब कोति रहय, ओमन पूरब म सूरज ला दंडवत करत रिहिन।
17 ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, का तेंह येला देखे हस? का यहूदा के मनखेमन बर घिनौना काम
करई छोटे बात ए, जेला ओमन इहां करत हवंय? खचित ओमन देस ला हिंसा ले घलो भर देवत हें अऊ मोर
कोरोध ला लगातार भड़कावत हें। ओमन ला देख, ओमन डारा ला अपन नाक म डारे हवंय!‡
18 ये खातिर मेंह कोरोध करके ओमन के संग बरताव करहूं, मेंह ओमन ऊपर दया-दिरिस्टी नइं करंव या
ओमन ला नइं छोड़ंव। चाहे ओमन मोर कान म चिचियावंय, तभो ले मेंह ओमन के बात ला नइं सुनंव।"

9

[illegible]

1 तब मेंह ओला ऊंचहा अवाज म ये कहत सुनंय, "ओमन ला लकठा म लानव, जेमन ला सहर के मनखेमन के
नियाय करे बर ठहिराय गे हवय, ओमन के हर एक के हांथ म एक हथियार रहय।"

† **8:2** या [illegible] ‡ **8:17** या [illegible]

2 अऊ मेंह छै आदमी ला ऊपरी दुवार के तरफ ले आवत देखेंव, जऊन ह उत्तर कोति खुलथे, ओमन के हर एक
के हांथ म एक घातक हथियार रहय। ओमन के संग मलमल के कपड़ा पहिरे एक आदमी रहय, जऊन ह अपन
बगल म लिखे के सामान के एक झोला धरे रहय। ओमन आईन अऊ कांसा के बेदी के बगल म ठाढ़ हो गीन।
3 तब इसरायल के परमेसर के तेज, जऊन ह करूबमन के ऊपर रिहिस, उहां ले ऊपर उठिस, अऊ मंदिर के
दुवार मेर आ गीस। तब यहोवा ह ओ मलमल के ओनहा पहिरे आदमी ला बलाईस, जऊन ह अपन बगल म
लिखे के सामान के झोला धरे रिहिस
4 अऊ ओला कहिस, "पूरा यरूसलेम सहर म होवत जा अऊ ओ जम्मो झन के माथा म एक चिनहां लगा,
जेमन दुखी हवंय अऊ ओ जम्मो घिनौना काम बर बिलाप करत हें, जेमन ला यरूसलेम म करे जावत हे।"
5 जइसे कि मेंह सुनेंव, ओह आने मन ला कहिस, "पूरा सहर म ओकर पाछू-पाछू जावव, अऊ बिगर दया या
सहानुभूति देखाय मनखेमन ला मारत जावव।
6 डोकरा, जवान अऊ जवान छोकरी, दाई अऊ लइकामन ला मार डालव, पर अइसन मनखे ला झन छुवव,
जेकर माथा म चिनहां हवय। मोर पबितर-स्थान ले सुरू करव।" तब ओमन ओ डोकरा मनखेमन ले सुरू करिन,
जेमन मंदिर के आघू म रिहिन।
7 तब ओह ओमन ले कहिस, "मंदिर ला असुध कर दव अऊ अंगनामन ला लासमन ले भर दव। जावव!" तब
ओमन निकलके पूरा सहर म मनखेमन ला मारे के सुरू करिन।
8 जब ओमन मारत रिहिन अऊ मेंह अकेला रह गेंव, तब मेंह मुहूं के बल गिरेंव, अऊ चिचियाके कहेंव, "हाय,
हे परमपरधान यहोवा! का तें यरूसलेम ऊपर अपन भयंकर कोप के कारन इसरायल के जम्मो बांचे मनखे ला
नास कर देबे?"
9 तब ओह मोला जबाब दीस, "इसरायल अऊ यहूदा के मनखेमन के पाप बहुंत ही जादा हे; देस ह खून बहाय
ले अऊ सहर ह अनियाय ले भर गे हवय। ओमन कहिथें, 'यहोवा ह देस ला तियाग दे हवय; यहोवा ह नइं देखय।'
10 ये खातिर में ओमन ऊपर दया-दिरिस्टी नइं करंव या ओमन ला नइं छोड़ंव, पर मेंह ओमन के काम ला
ओहीचमन के मुड़ ऊपर डाल दूहूं।"
11 तब ओ आदमी, जऊन ह मलमल के ओनहा पहिरे रिहिस अऊ अपन बगल म लिखे के सामान धरे के पेटी
रखे रिहिस, वापिस आके ये समाचार दीस, "जइसने तेंह हुकूम देय रहय, मेंह वइसने ही करे हवंव।"

10

[illegible]

1 एकर बाद, मेंह देखेंव कि करूबमन के मुड़ी ऊपर जऊन अकास-मंडल हवय, ओकर ऊपर नीलमनि के
सिंघासन असन कुछू दिखत रिहिस।
2 तब यहोवा ह मलमल के ओनहा पहिरे ओ मनखे ला कहिस, "करूबमन के खाल्हे चक्कामन के बीच म जा
अऊ अपन दूनों हथेली ला करूबमन के बीच बरत कोइला ले भर ले अऊ ओला सहर के ऊपर बगरा दे।" अऊ
ओह मोर देखत म भीतर चल दीस।
3 जब ओ आदमी ह भीतर गीस, तब करूबमन मंदिर के दक्खिन कोति ठाढ़े रिहिन, अऊ भीतरी अंगना ह एक
बादर ले भर गे रिहिस।
4 तब यहोवा के तेज ह करूबमन के ऊपर ले उठिस अऊ मंदिर के दुवार मेर आ गीस। मंदिर ह बादर ले भर
गीस, अऊ ओ अंगना ह यहोवा के तेज के चमक ले पूरा भर गीस।
5 करूबमन के डेनामन के अवाज ह बाहिर के अंगना तक सुनाई देवत रिहिस, अऊ येह सर्वसक्तिमान
परमेसर के गोठियाय असन अवाज रिहिस।
6 जब यहोवा ह मलमल के ओनहा पहिरे आदमी ला हुकूम दीस, "चक्कामन के बीच ले, करूबमन के बीच म
ले आगी ला ले," त ओ आदमी ह भीतर गीस अऊ एक चक्का के बाजू म ठाढ़ हो गीस।
7 तब करूबमन के बीच म ले एक करूब ह अपन बीच के आगी कोति अपन हांथ ला लमाईस अऊ ओमा ले
कुछू आगी ला लेके मलमल के ओनहा पहिरे ओ आदमी के हांथ म रख दीस, अऊ ओ आदमी ह ओला धरके
बाहिर चल दीस।
8 (करूबमन के डेनामन के खाल्हे म मनखे के हांथमन असन कुछू दिखत रिहिस।)

9 तब मेंह करूबमन के बाजू म चार ठन चक्का देखेंव, याने कि हर करूब के बाजू म एक चक्का; ओ चक्कामन
पुखराज के सहीं चमकत रिहिन।
10 जहां तक ओमन के बनावट के बात ए, ओ चारों चक्का के बनावट ह एके सहीं रिहिस, मानो हर चक्का ह
आने चक्का म हमाय रिहिस।
11 जब ओमन चलंय, त ओमन चारों दिग म ले ओ दिग कोति चलंय, जऊन कोति करूबमन के मुहूं रहय;
चक्कामन एती-ओती नइं मुड़ंय, जब करूबमन चलंय। करूबमन बिगर एती-ओती मुड़े ओ दिग म जावंय,
जऊन कोति ओमन के मुहूं रहय।
12 ओमन के पीठ, ओमन के हांथ अऊ ओमन के डेनामन समेत ओमन के जम्मो देहें ह पूरा आंखीमन ले भरे
रिहिस, अऊ वइसने ही ओमन के चारों चक्का म आंखी ही आंखी रिहिस।
13 मेंह सुनेंव, ओ चक्कामन ला "तेजी से घुमइया चक्का" कहे गीस।
14 हर एक करूब के चार-चार मुहूं रिहिस: एक मुहूं करूब असन, दूसर मुहूं मनखे असन, तीसर मुहूं सिंह
असन, अऊ चौथा मुहूं गिधवा असन।
15 तब करूबमन भुइयां म ले ऊपर उठिन। येमन ओही जीवधारी अंय, जेमन ला मेंह कबार नदी के तीर म
देखे रहेंव।
16 जब करूबमन चलंय, तब ओमन के बाजू के चक्कामन घलो चलंय; अऊ जब करूबमन भुइयां ले उठे बर
अपन डेनामन ला फईलावंय, तब चक्कामन ओमन के बाजू ला नइं छोंड़ंय।
17 जब करूबमन ठाढ़ हो जावंय, तब चक्कामन घलो ठाढ़ हो जावंय; अऊ जब करूबमन उठंय, तब
चक्कामन घलो ओमन के संग उठंय, काबरकि जीवधारीमन के आतमा ह ओमन म रिहिस।
18 तब यहोवा के तेज ह मंदिर के दुवार के ऊपर ले चल दीस अऊ करूबमन के ऊपर आके ठहर गीस।
19 जब मेंह देखत रहेंव, त करूबमन अपन डेनामन ला फईलाके भुइयां ले ऊपर उठिन, अऊ जब ओमन
जावत रिहिन, त चक्कामन घलो ओमन के संगे-संग गीन। ओमन जाके यहोवा के भवन के पूरबी दुवार के कपाट
मेर रूक गीन, अऊ इसरायल के परमेसर के तेज ह ओमन के ऊपर रिहिस।
20 येमन ओ जीवधारी रिहिन, जेमन ला मेंह कबार नदी के तीर इसरायल के परमेसर के खाल्हे म देखे रहेंव,
अऊ मेंह जान गेंव कि ओमन करूब रिहिन।
21 हर एक के चार मुहूं अऊ चार ठन डेना रिहिस, अऊ ओमन के डेनामन के खाल्हे म मनखे के हांथमन असन
कुछू दिखत रहंय।
22 ओमन के चेहरा ह ओ जीवधारीमन असन ही रिहिस, जेमन ला मेंह कबार नदी के तीर म देखे रहेंव। हर
एक ह आघू सीधा ही चलत रिहिस।

11

[illegible]

1 तब परमेसर के आतमा ह मोला उठाके यहोवा के भवन के ओ दुवार मेर ले आईस, जेकर मुहूं पूरब कोति
हवय। उहां दुवार के कपाट मेर पच्चीस आदमी रिहिन, अऊ मेंह ओमन के बीच अज्जूर के बेटा याजनयाह अऊ
बनायाह के बेटा पलतयाह ला देखेंव, जेमन मनखेमन के अगुवा रिहिन।
2 यहोवा ह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, येमन ओ आदमीमन अंय, जेमन खराप साजिस रचत हें अऊ ये
सहर म खराप सलाह देवत हें।
3 ओमन कहिथें, 'का हमर घरमन ला अभी हालेच म नइं बनाय गे हवय? ये सहर ह एक बरतन, अऊ हमन
ओमा रखे मांस अन।'
4 ये खातिर, हे मनखे के बेटा, ओमन के बिरूध म अगमबानी कर; अगमबानी कर।"
5 तब यहोवा के आतमा मोर ऊपर आईस, अऊ ओह मोला ये कहे बर कहिस: "यहोवा ह ये कहत हे: हे
इसरायल के अगुवामन, तुमन येहीच कहत हव, पर तुम्हर मन म का चलत हे, ओला में जानत हंव।
6 तुमन ये सहर म बहुंते झन ला मार डारे हव अऊ येकर गलीमन ला लासमन ले भर दे हव।
7 "एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जऊन देहेंमन ला तुमन उहां फेंक दे हव, ओमन मांस अंय
अऊ ये सहर ह बरतन, पर मेंह तुमन ला इहां ले भगा दूहूं।

8 तुमन तलवार ले डरथव, अऊ मेंह तलवार के उपयोग तुम्हर बिरूध करहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना
करत हे।
9 मेंह तुमन ला सहर ले भगा दूहूं अऊ तुमन ला परदेसीमन के हांथ म दे दूहूं अऊ तुमन ला सजा दूहूं।
10 तुमन तलवार ले मारे जाहू, अऊ मेंह इसरायल के सीमनामन म तुमन ला दंड दूहूं। तब तुमन जानहू कि
मेंह यहोवा अंव।
11 ये सहर ह तुम्हर बर एक बरतन नइं होही, अऊ न ही तुमन येमा के मांस होहू; मेंह इसरायल के सीमनामन
म तुमन ला दंड दूहूं।
12 अऊ तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव, काबरकि तुमन मोर बिधिमन म नइं चले हव या मोर कानूनमन ला
नइं माने हव पर अपन चारों कोति के जातिमन के रीतिमन म चले हव।"
13 जब मेंह अगमबानी करत रहेंव कि बनायाह के बेटा पलतयाह ह मर गीस। तब मेंह मुहूं के बल गिरेंव अऊ
ऊंचहा अवाज म चिचियाके कहेंव, "हाय, हे परमपरधान यहोवा! का तें इसरायल के बांचे मनखेमन ला पूरा नास
कर देबे?"

[illegible]

14 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
15 "हे मनखे के बेटा, यरूसलेम के मनखेमन, तोर संगी बंधुवा मनखे अऊ आने जम्मो इसरायलीमन के बारे म
कहे हवंय, 'ओमन यहोवा ले बहुंत दूरिहा हवंय; ये देस ह हमन ला हमर अधिकार म देय गे रिहिस।'
16 "एकरसेति ये कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हालाकि मेंह ओमन ला बहुंत दूरिहा जाति-जाति के
मनखेमन के बीच भेज देंव अऊ ओमन ला देस-देस म तितिर-बितिर कर देंव, तभो ले जऊन भी देस म ओमन
गीन, ओ देसमन म, थोरकन समय बर मेंह ओमन बर एक पबितर-स्थान ठहिरे हंव।'
17 "एकरसेति ओमन ले कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तुमन ला ओ जाति-जाति के मनखेमन
के बीच म ले संकेलहूं अऊ जऊन देसमन म तुमन तितिर-बितिर करे गे हवव, उहां ले मेंह तुमन ला वापिस
लानहूं, अऊ मेंह फेर तुमन ला इसरायल देस वापिस दे दूहूं।'
18 "ओमन उहां लहुंट आहीं अऊ येकर जम्मो असुध अऊ घिनौना मूरतीमन ला हटा दीहीं।
19 मेंह ओमन के मन ला एक कर दूहूं अऊ ओमन म एक नवां आतमा डालहूं; मेंह ओमन ले ओमन के पथरा
सहीं हिरदय ला निकाल दूहूं अऊ ओमन ला मांस के एक हिरदय दूहूं।
20 तब ओमन मोर बिधिमन ला मानहीं अऊ धियान देके मोर कानूनमन म चलहीं। ओमन मोर मनखे होहीं,
अऊ मेंह ओमन के परमेसर ठहिरहूं।
21 पर ओ मनखे, जेमन के मन ह ओमन के असुध अऊ घिनौना मूरतीमन म लगे हवय, मेंह ओमन के काम ला
ओहीचमन के मुड़ म ले आहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।"
22 तब करूबमन अपन डेना ला फईलाईन, अऊ चक्कामन ओमन के बाजू म रहंय, अऊ इसरायल के परमेसर
के तेज ओमन ऊपर रिहिस।
23 तब यहोवा के तेज सहर के भीतर ले ऊपर उठिस अऊ सहर के पूरब कोति के पहाड़ ऊपर जाके ठहर गीस।
24 फेर परमेसर के आतमा ह मोला ऊपर उठाईस अऊ परमेसर के आतमा के दुवारा दिये गय दरसन म मोला
बेबिलोनिया देस* म बंधुवामन करा ले आईस।
तब ओ दरसन जेला मेंह देखे रहेंव, ओह गायब हो गीस,
25 अऊ हर ओ बात, जेला यहोवा ह मोला देखाय रिहिस, ओ जम्मो ला मेंह बंधुवामन ला बता देंव।

12

[illegible]

1 यहोवा के बचन फेर मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, तें एक बिदरोही मनखेमन के बीच म रहत हस। ओमन करा देखे बर आंखी तो हवय पर नइं
देखंय अऊ सुने बर कान तो हवय पर नइं सुनंय, काबरकि ओमन बिदरोही मनखे अंय।

* **11:24** या [illegible]

3 “एकरसेति, हे मनखे के बेटा, बंधुवई म जाय बर अपन सामान ला तियार कर अऊ दिन के बेरा, ओमन के
देखत म चले जा अऊ जिहां तें हस, उहां ले आने जगह चले जा। हालाकि ओमन बिदरोही मनखे अंय, तभो ले,
सायद ओमन समझ जांय।
4 दिन के बेरा, ओमन के देखत म, बंधुवई बर तियार अपन सामान ला बाहिर ले आ। तब संझा के बेरा, जब
ओमन देखत होहीं, तब तें अइसन बाहिर जाबे, जइसन मनखेमन बंधुवई म जाथें।
5 जब ओमन देखत होहीं, तभे दीवार ला फोरबे अऊ ओही म ले अपन सामान ला बाहिर ले जाबे।
6 ओमन के देखत म ही सामान ला अपन खांध म रखबे अऊ बेर बुड़े के बेरा ओमन ला उठाके बाहिर ले जाबे।
अपन चेहरा ला ढांप लेबे ताकि तें भुइयां ला झन देख सकस, काबरकि मेंह तोला इसरायलीमन बर एक चिनहां
ठहिराय हंव।”
7 त मेंह वइसने करेंव, जइसने मोला हुकूम देय गे रिहिस। दिन के समय, बंधुवई बर तियार अपन सामान ला
मेंह बाहिर ले आंय। तब संझा के बेरा, मेंह अपन हांथ ले दीवार ला फोरेंव। सूरज डुबे के बेरा, में अपन सामान
ला बाहिर ले गेंव, अऊ ओला ओमन के देखत म अपन कंधा म उठांय अऊ चले गेंव।
8 बिहनियां यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
9 “हे मनखे के बेटा, ओ इसरायली, बिदरोही मनखेमन का तोर ले नइं पुछिन, ‘तें का करत हस?’
10 “ओमन ले कह, ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ये अगमबानी यरूसलेम के हाकिम अऊ उहां के जम्मो
इसरायलीमन के बारे म अय।’
11 ओमन ले कह, ‘मेंह तुम्हर बर एक चिनहां अंव।’
“जइसने मेंह करे हवंव, वइसने ही इसरायली मनखेमन संग करे जाही। ओमन बंदी होके बंधुवई म चले जाहीं।
12 “ओमन के बीच जऊन हाकिम हवय, ओह सांझ के बेरा अपन सामान ला अपन कंधा म उठाके चले जाही,
अऊ दीवार म एक बड़े छेदा करे जाही, ताकि ओह ओमा ले निकलके जा सकय। ओह अपन मुहूं ला ढांप लीही,
ताकि ओला भुइयां झन दिखय।
13 मेंह ओकर बर अपन जाल फईलाहूं, अऊ ओह मोर फांदा म फंसही; मेंह ओला बेबिलोनिया, कसदीमन के
देस म ले आहूं, पर ओह ओला नइं देखही, अऊ उहां ओह मर जाही।
14 मेंह ओकर आसपास के जम्मो मनखेमन ला तितिर-बितिर कर दूहूं—ओकर करमचारी अऊ ओकर जम्मो
सेना ला—अऊ तलवार खींचके मेंह ओमन के पीछा करहूं।
15 “जब मेंह ओमन ला जाति-जाति अऊ देस-देस के बीच तितिर-बितिर कर दूहूं, तब ओमन जानहीं कि मेंह
यहोवा अंव।
16 पर मेंह ओमन ले कुछू झन ला तलवार के मार, अकाल अऊ महामारी ले बचाके रखहूं, ताकि ओ
जाति-जाति के बीच, जिहां ओमन जावंय, उहां ओमन अपन जम्मो घिनौना काममन ला मान लेवंय। तब ओमन
जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।”
17 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
18 “हे मनखे के बेटा, तें कांपत-कांपत अपन जेवन करबे, अऊ भय म कांपत अपन पानी ला पीबे।
19 देस के मनखेमन ले ये कह: ‘परमपरधान यहोवा ह यरूसलेम अऊ इसरायल देस म रहइया मनखेमन के
बारे म ये कहत हे: ओमन चिंतित होके अपन जेवन करहीं, अऊ निरास होके अपन पानी पीहीं, काबरकि देस म
रहइया जम्मो मनखेमन के हिंसा के कारन, ओमन के देस के जम्मो चीज ले लिये जाही।
20 बसे हुए नगरमन उजड़ जाहीं अऊ देस ह घलो उजाड़ हो जाही। तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।’ ”

[illegible]

21 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
22 “हे मनखे के बेटा, इसरायल देस म ये का कहावत कहे जाथे: ‘दिनमन बीतत जावत हें अऊ कोनो भी
दरसन पूरा नइं होवत हे’?
23 ये खातिर ओमन ले कह, ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह ये कहावत ला खतम करइया हंव, अऊ
ओमन फेर कभू इसरायल म ये कहावत के उपयोग नइं करहीं।’ ओमन ले कह, ‘ओ दिनमन लकठा म हवंय, जब
हर एक दरसन ह पूरा होही।
24 काबरकि तब इसरायल के मनखेमन के बीच कोनो झूठा दरसन या चापलूसी ले भरे सकुन-बिचार नइं होही।

25 पर जऊन भी बात बोलहूं, में यहोवा ही बोलहूं, अऊ ओ बात ह बिगर देरी के पूरा होही। काबरकि हे
बिदरोही मनखेमन, तुम्हर ही दिनमन म, मेंह ओ बातमन ला पूरा करहूं, जेला मेंह कहत हंव, परमपरधान यहोवा
ह घोसना करत हे।' "
26 फेर यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
27 "हे मनखे के बेटा, इसरायलीमन कहत हें, 'जऊन दरसन ओह देखत हे, ओह बहुंत साल के बाद पूरा होही,
अऊ जऊन अगमबानी ओह करत हे, ओह भविस्य म बहुंत समय बाद के बातमन ला करत हे।'
28 "ये खातिर तें ओमन ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मोर कोनो भी बचन के पूरा होय म अऊ
देरी नइं होवय; जऊन कुछू मेंह कहत हंव, ओह पूरा होही, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।' "

13

[illegible]
1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस,
2 "हे मनखे के बेटा, इसरायल के जऊन अगमजानीमन अभी अगमबानी करत हें। ओमन के बिरूध
अगमबानी कर। ओमन ला कह, जेमन अपन मन के बिचार ले अगमबानी करथें: 'यहोवा के बचन ला सुनव!
3 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हाय, ओ मुरूख* अगमजानीमन ऊपर, जेमन अपन ही मन के मुताबिक
चलथें, अऊ ओमन कुछू दरसन नइं देखे रहंय!
4 हे इसरायल, तोर अगमजानीमन खंडहरमन म सियार सहीं अंय।
5 तुमन इसरायल के मनखेमन बर दीवार के फटानमन ला सुधारे बर ऊपर नइं चघे हव, ताकि यहोवा के दिन
लड़ई म येह मजबूत बने रहय।
6 ओमन के दरसन अऊ अगम के बात एक लबारी बात ए। हालाकि यहोवा ह ओमन ला नइं पठोय हे, तभो ले
ओमन कहिथें, "यहोवा ह घोसना करत हे," अऊ आसा करथें कि यहोवा ह ओमन के अगमबानी ला पूरा करही।
7 का तुमन झूठा दरसन नइं देखेव अऊ लबारी सकुन-बिचार के बात नइं कहे हव, जब तुमन ये कहिथव,
"यहोवा ह घोसना करत हे," हालाकि मेंह नइं कहे हंव?
8 " 'ये खातिर परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: तुम्हर लबारी बात अऊ झूठा दरसन के कारन, मेंह तुम्हर
बिरूध म हंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
9 मोर हांथ ह ओ अगमजानीमन के बिरूध होही, जेमन झूठा दरसन देखथें अऊ लबारी सकुन-बिचार करथें।
ओमन मोर मनखेमन के सभा के नइं होहीं या इसरायल के सूची म ओमन के नांव नइं लिखे जावय, अऊ न ही
ओमन इसरायल देस म जा सकहीं। तब तुमन जानहू कि मेंह परमपरधान यहोवा अंव।
10 " 'काबरकि ओमन मोर मनखेमन ला ये कहिके बहकाथें, "सांति हे," जबकि उहां सांति नइं हे, अऊ ये
खातिर कि जब एक कमजोर दीवार बनाय जाथे, त ओमन ओमा पोताई करके ओला ढांप देथें,
11 एकरसेति जेमन पोताई करके येला ढांप देथें, ओमन ले कह कि येह गिर जाही। बहुंत जोर से बरसात होही,
अऊ मेंह बड़े-बड़े करा गिराहूं, जेमन दीवार ले टकराहीं, अऊ भारी आंधी चलही।
12 जब दीवार ह गिर जाही, तब का मनखेमन तुमन ले ये नइं पुछहीं, "जऊन पोताई करके तुमन ढांपे रहेव,
ओह कहां गीस?"
13 " 'ये खातिर परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह अपन कोप म एक भारी आंधी चलाहूं, अऊ अपन
कोरोध म भयंकर बिनास के संग बड़े-बड़े करा गिराहूं अऊ भारी बारिस भेजहूं।
14 मेंह ओ दीवार ला टोरके गिरा दूहूं, जेला तुमन पोताई करके ढांप दे हवव अऊ मेंह ओला माटी म मिला
दूहूं ताकि येकर नीव ह खाली पड़े रहय। जब ओह† गिरही, त तुमन ओकर खाल्हे दबके नास हो जाहू; अऊ
तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।
15 ये किसम ले मोर कोप ह ओ दीवार ऊपर अऊ ओ मनखेमन ऊपर भड़कही, जेमन ओकर ऊपर पोताई करे
रिहिन। फेर मेंह तुमन ले कहिहूं, "दीवार ह नास हो गीस, अऊ ओमन घलो नास हो गीन, जेमन येमा पोताई करे
रिहिन,

---

* **13:3** या *[illegible]* † **13:14** या *[illegible]*

16 इसरायल के ओ अगमजानीमन, जेमन यरूसलेम के बारे म अगमबानी करंय अऊ ओकर सांति के दरसन
देखंय, जबकि उहां कोनो सांति नइं रिहिस, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।" '
17 "हे मनखे के बेटा, अब, तें अपन मुहूं अपन मनखेमन के ओ बेटीमन के बिरूध खोल, जेमन अपन ही मन ले
अगमबानी करथें। ओमन के बिरूध अगमबानी कर
18 अऊ कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हाय, ओ माईलोगनमन ला, जेमन अपन कलईमन म जादू
के ताबीज बांधथें अऊ मनखेमन ला फंसाय बर अपन मुड़ी बर अलग-अलग लम्बई के घूंघट बनाथें। का तुमन
मोर मनखेमन के परान ला खतरा म डालहू पर अपन खुद के परान ला बचाय रखहू?
19 तुमन थोरकन मुट्ठी भर जौ अऊ रोटी के कुटामन बर मोर मनखेमन के बीच मोला अपबितर करे हव। मोर
ओ मनखे, जेमन लबारी बात सुनथें, ओमन ले लबारी बात करके तुमन ओमन ला मार डारे हव, जेमन ला जिंदा
रहना रिहिस अऊ तुमन ओमन ला छोंड़ देव, जेमन ला जिंदा नइं रहना रिहिस।
20 " 'ये खातिर परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तुम्हर ओ जादू के ताबीजमन के बिरूध हवंव, जेकर ले
तुमन मनखेमन ला चिरई सहीं फंसाथव; मेंह तुम्हर बाहांमन के ओ ताबीजमन ला टोर दूहूं; मेंह ओ मनखेमन ला
छोंड़ दूहूं, जेमन ला तुमन चिरई सहीं फंसाथव।
21 मेंह तुम्हर घूंघट ला चीर दूहूं अऊ अपन मनखेमन ला तुम्हर हांथ ले बचाहूं, अऊ ओमन फेर कभू तुम्हर
बस म नइं होहीं। तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।
22 काबरकि तुमन अपन लबारी बात ले धरमी जन ला निरास करे हवव, जबकि मेंह ओमन ऊपर कोनो दुख नइं
लाने रहेंव, अऊ काबरकि तुमन दुस्ट मनखे ला ओमन के दुस्ट काम नइं छोंड़े बर उत्साहित करे हव, अऊ
अइसने करके ओमन के परान बचाय हव,
23 ये खातिर अब तुमन न तो फेर झूठा दरसन देखहू, अऊ न ही लबारी सकुन-बिचार कर सकहू। मेंह अपन
मनखेमन ला तुम्हर हांथ ले बचाहूं। अऊ तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।' "

14

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 इसरायल के कुछू अगुवामन मोर मेर आके मोर आघू म बईठ गीन।
2 तब यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
3 "हे मनखे के बेटा, ये मनखेमन अपन हिरदय म मूरतीमन ला बसाय हवंय अऊ अपन चेहरा के आघू म
अधरम के ठोकर के चीजमन ला रखे हवंय। त का में ओमन ला मोर ले कुछू जानकारी लेवन दंव?
4 एकरसेति तें ओमन ले बात कर अऊ ओमन ला बता, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जब कोनो
इसरायली अपन हिरदय म मूरतीमन ला बसाय रखथे अऊ अपन चेहरा के आघू म अधरम के ठोकर के चीजमन
ला रखथे अऊ तब ओह कोनो अगमजानी मेर जाथे, त में यहोवा ह ओकर बड़े मूरती-पूजा के बात ला धियान म
रखत ओला जबाब दूहूं।
5 मेंह अइसे करहूं ताकि में इसरायल के ओ मनखेमन के हिरदय ला फेर अपन कोति कर सकंव, जेमन अपन
मूरतीमन बर मोला तियाग दे हवंय।'
6 "एकरसेति इसरायल के मनखेमन ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: पछताप करव! अपन
मूरतीमन ले दूरिहा हो जावव अऊ अपन जम्मो घिनौना काममन ला तियाग देवव!
7 " 'जब इसरायलीमन के कोनो मनखे या इसरायल म रहइया कोनो परदेसी अपनआप ला मोर ले अलग कर
लेथे अऊ अपन हिरदय म मूरतीमन ला बसा लेथे अऊ अपन चेहरा के आघू म अधरम के ठोकर के चीज ला
रखथे अऊ तब ओह मोर ले जानकारी लेय बर कोनो अगमजानी मेर जाथे, त में यहोवा खुद ओला जबाब दूहूं।
8 में ओ मनखे के बिरूध अपन मुहूं कर लूहूं अऊ ओला आने मन बर एक चेतउनी अऊ एक कहावत बना दूहूं।
मेंह ओला अपन मनखेमन के बीच ले हटा दूहूं। तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।
9 " 'यदि अगमजानी ह अगमबानी करे बर बहकाय जाथे, त ये जानव कि में यहोवा ह ओ अगमजानी ला
बहकाय हंव, अऊ मेंह ओकर बिरूध अपन हांथ बढ़ाहूं अऊ ओला अपन मनखे इसरायलीमन के बीच ले नास
कर दूहूं।

10 ओमन अपन अपराध के बोझा ला उठाहीं—अगमजानी ह भी ओतकेच दोसी ठहिरही, जतेक ओकर ले
सलाह लेवइया मनखे ह ठहिरही।
11 तब इसरायल के मनखेमन फेर कभू मोर ले नइं भटकहीं अऊ न ही फेर कभू ओमन अपन जम्मो पाप के
दुवारा अपनआप ला असुध करहीं। ओमन मोर मनखे होहीं, अऊ मेंह ओमन के परमेसर ठहिरहूं, परमपरधान
यहोवा ह घोसना करत हे।' "

[illegible]

12 तब यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
13 "हे मनखे के बेटा, यदि कोनो देस बिसवासघात करके मोर बिरूध पाप करथे अऊ मेंह ओकर बिरूध अपन
हांथ बढ़ाके ओकर जेवन-पानी ला बंद कर देथंव अऊ ओकर ऊपर अकाल भेजके ओकर मनखे अऊ पसुमन ला
मार डालथंव,
14 अऊ चाहे यदि ये तीन मनखे—नूह, दानिएल* अऊ अयूब—ओमा होतिन, त ओमन अपन धरमीपन के
दुवारा सिरिप अपनआप ला ही बचा सकतिन, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
15 "या यदि मेंह ओ देस म जंगली पसुमन ला भेजंव अऊ ओमन ओ देस ला निरजन करके उजाड़ देवंय ताकि
ओ जंगली पसुमन के कारन कोनो ओ देस म ले होके झन जावंय,
16 त मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, चाहे ये तीनों मनखे भी उहां होतिन, त
ओमन अपन खुद के बेटा-बेटीमन ला घलो नइं बचा पातिन। ओमन अकेला ही बचतिन, पर ओ देस ह उजड़
जातिस।
17 "या यदि मेंह ओ देस के बिरूध तलवार उठांव अऊ कहंव, 'पूरा देस म तलवार चलय,' अऊ मेंह ओमा के
मनखे अऊ पसुमन ला मार डारंव,
18 त मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, चाहे ये तीनों मनखे भी उहां होतिन, त
ओमन अपन खुद के बेटा-बेटीमन ला घलो बचा नइं पातिन। ओमन अकेला ही बचतिन।
19 "या यदि में ओ देस म महामारी भेजंव अऊ ओ देस के मनखे अऊ ओमन के पसुमन ला मारत, खून बहाय
के दुवारा ओकर ऊपर अपन कोप देखातेंव,
20 त मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, चाहे नूह, दानिएल अऊ अयूब भी उहां
होतिन, त ओमन न तो अपन बेटा ला बचा पातिन, अऊ न ही अपन बेटी ला। ओमन अपन धरमीपन के कारन
सिरिप अपनआप ला बचा पातिन।
21 "काबरकि परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: कतेक खराप दसा होही जब मेंह यरूसलेम म ये चार किसम
के भयंकर दंड पठोहूं—तलवार अऊ अकाल अऊ जंगली पसु अऊ महामारी, ताकि येकर आदमी अऊ पसुमन
मारे जावंय।
22 तभो ले कुछू मनखेमन बांच जाहीं—बेटा अऊ बेटीमन, जेमन इहां ले बाहिर लाय जाहीं। ओमन तुमन
करा आहीं, अऊ जब तुमन ओमन के चालचलन अऊ काममन ला देखहू, त तुमन ला ओ बिपत्ति के बारे म सांति
मिलही, जेला मेंह यरूसलेम म डाले हंव—हर एक बिपत्ति जेला मेंह येकर ऊपर लाय हंव।
23 तुमन ला सांति मिलही, जब तुमन ओमन के चालचलन अऊ काममन ला देखहू, काबरकि तब तुमन जानहू
कि मेंह यरूसलेम म जऊन कुछू करे हंव, ओला बिगर कारन के नइं करे हंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत
हे।"

15

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, कोनो अंगूर के नार के लकरी अऊ जंगल के रूखमन के कोनो लकरी म का फरक होथे?
3 का कोनो उपयोगी चीज बनाय बर अंगूर के नार के लकरी लेय जाथे? का कोनो चीज ला टांगे बर ओमा ले
खूंटी बनाय जाथे?
4 अऊ जब येला जलाय बर आगी म डारे जाथे अऊ येकर दूनों छोर आगी म जर जाथें, अऊ बीच के भाग ह
झुरा जाथे, तब का कोनो काम म ओकर उपयोग होथे?

---

* **14:14** पुराना लेख म [illegible]

5 जब येह सइघो रिहिस, तब येह कोनो काम के नइं रिहिस, त जब येह आगी म जर गीस अऊ झुरा गीस, त
फेर येकर का उपयोग हो सकथे?
6 “एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जइसने जंगल के रूखमन म ले मेंह अंगूर के नार के लकरी ला
आगी बर ईंधन के रूप म देय हंव, वइसने ही मेंह यरूसलेम म रहइया मनखेमन के संग बरताव करहूं।
7 मेंह अपन मुहूं ओमन के बिरूध करहूं। हालाकि ओमन आगी म ले निकल आय हवंय, तभो ले आगी ही
ओमन ला जलाके नास कर दीही। अऊ जब मेंह अपन मुहूं ओमन के बिरूध करहूं, तब तुमन जानहू कि मेंह
यहोवा अंव।
8 मेंह देस ला उजाड़ दूहूं, काबरकि ओमन बिसवासघात करे हवंय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।”

16

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 “हे मनखे के बेटा, यरूसलेम के जम्मो घिनौना काम बर ओकर बिरोध कर
3 अऊ कह, ‘परमपरधान यहोवा ह यरूसलेम ले ये कहत हे: तोर पुरखा अऊ तोर जनम कनानीमन के देस म
होईस; तोर ददा एक अमोरी अऊ तोर दाई एक हित्ती रिहिस।
4 जऊन दिन तें जनमे, न तो तोर नाल काटे गीस, न ही तोला पानी ले धोके साफ करे गीस, अऊ न तो तोला
नून ले रगड़े गीस, अऊ न ही तोला ओनहा म लपेटे गीस।
5 तोर खातिर येमा के कोनो भी काम करे बर न तो कोनो तोर ऊपर दया-दिरिस्टी करिन, अऊ न ही तरस
खाईन। बल्कि तोला बाहिर खुला मैदान म फटिक दिये गीस, काबरकि तोर जनम के दिन ले ही तोला तुछ
समझे गीस।
6 “ ‘तब मेंह उहां ले होके गेंव अऊ तोला अपन खून म लोटत देखेंव, अऊ जब तेंह उहां अपन खून म पड़े
रहय, त मेंह तोला कहेंव, “जीयत रह!”
7 मेंह तोला खेत के एक पऊधा सहीं बढ़ांय। तेंह बढ़य अऊ बढ़के जवान हो गय। तोर थन ह बाढ़ गीस, अऊ
तोर चुंदी ह बाढ़िस, तब भी तें एकदम नंगरी रहय।
8 “ ‘बाद म, में फेर उहां ले होके गेंव, अऊ जब तोला देखेंव, त तेंह मया करे लईक बड़े हो गे रहय, तब मेंह
अपन ओनहा के छोर ला तोर ऊपर ओढ़ाके तोर उघरा देहें ला ढांक देंय। तब में तोर ले सच्चई के संग सपथ
खांय अऊ तोर संग एक करार करेंव, अऊ तें मोर हो गेय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
9 “ ‘तब मेंह तोला पानी म नहवाके तोर ऊपर लगे खून ला धोयेंव, अऊ तोर देहें म तेल लगांय।
10 मेंह तोला कसीदावाला ओनहा अऊ बढ़िया खाल के पनही पहिरांय। मेंह तोला सुघर मलमल के ओनहा
पहिरांय अऊ तोला मंहगा ओनहा ओढ़ांय।
11 मेंह जेवर पहिराके तोर सिंगार करेंव: मेंह तोर बाहां म बहुंटा अऊ गला म हार पहिरांय,
12 अऊ मेंह तोर नाक म नथनी, कानमन म बाली अऊ मुड़ म सुघर मुकुट पहिरांय।
13 ये किसम ले सोन अऊ चांदी ले तोर सिंगार करे गीस; तोर ओनहामन सुघर मलमल, मंहगा अऊ
कसीदावाला कपड़ा के बनिस। तोर जेवन म मंधरस, जैतून तेल अऊ सुघर आंटा रिहिस। तेंह बहुंत सुघर अऊ
रानी होय के लईक हो गेय।
14 तोर सुघरता के कारन तोर कीरति जाति-जाति के मनखेमन के बीच फईल गीस, काबरकि मेंह तोला जऊन
सोभा देय रहेंव, ओह तोर सुघरता ला पूरा कर दीस, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
15 “ ‘पर तेंह अपन सुघरता ऊपर भरोसा करय अऊ अपन कीरति के उपयोग बेभिचारिन बने बर करय। जऊन
ह भी तोर लकठा म ले होके गीस, तेंह ओकर ऊपर बहुंत किरपा करय अऊ तोर सुघरता ह ओला मोह लीस।
16 तेंह अपन कुछू ओनहा ला लेके भड़कीला ऊंचहा जगहमन* ला बनाय, अऊ उहां बेभिचार के काम करय।
तें ओकर मेर गेय, अऊ ओह तोर सुघरता ऊपर अधिकार कर लीस।†

---

* **16:16** या *[illegible]* † **16:16** इबरानी म ये वाक्य के मतलब स्पस्ट नइं ए

17 तेंह मोर दिये सुघर जेवरमन ला घलो लेय, ओ जेवर जेमन मोर सोन अऊ चांदी ले बने रिहिन, अऊ ओमन
ले तेंह नर मूरतीमन ला बना लेय अऊ ओ मूरतीमन के संग बेभिचार करन लगय।
18 अऊ तें अपन कसीदावाले ओनहा ला लेके ओ मूरतीमन ला पहिराय, अऊ मोर तेल अऊ धूप ओमन के
आघू म चघाय।
19 जऊन जेवन मेंह तोर बर देय रहेंव—आंटा, जैतून तेल अऊ मंधरस मेंह तोर खाय बर देय रहेंव—तेंह
येमन ला खुसबूवाला धूप के रूप म ओ मूरतीमन के आघू म चघाय। अइसने ही होय हवय, परमपरधान यहोवा
ह घोसना करत हे।
20 " 'अऊ तेंह अपन बेटा-बेटीमन ला लेय, जेमन ला तेंह मोर बर जनम देय रहय, अऊ ओमन ला ओ
मूरतीमन बर भोग करके चघा देय। का तोर बेभिचार ह परयाप्त नइं रिहिस?
21 तेंह मोर लइकामन ला बध करके ओमन ला मूरतीमन ला चघा दे हस।
22 अपन ये जम्मो घिनौना काम अऊ बेभिचार के बीच, तेंह अपन लइकापन के ओ दिनमन ला सुरता नइं
करय, जब तेंह नंगरी अऊ उघरा अपन खून म लोटत रहय।
23 " 'हाय! तोर ऊपर हाय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे। तोर आने जम्मो दुस्टता के अलावा,
24 तेंह अपन बर एक गुम्मट बना लेय अऊ हर एक चऊक म एक ऊंचहा पूजा के जगह बनवा लेय।
25 हर एक गली के कोनटा म तेंह अपन ऊंचहा पूजा के जगह बनवा लेय अऊ उहां ले जावत मनखे के आघू म
अपन बढ़त दुराचार काम के संग अपन गोड़मन ला पसारके अपन सुघरता के अपमान करय।
26 तेंह बड़े जनन अंगवाले अपन परोसी मिसरी मनखेमन के संग बेभिचार करय, अऊ अपन बढ़त दुराचार
काम ले तेंह मोर कोरोध ला भड़काय हस।
27 एकरसेति मेंह अपन हांथ तोर बिरूध उठाय हंव अऊ तोर इलाका ला कम कर दे हंव; मेंह तोला तोर
बईरीमन के किरपा ऊपर छोंड़ दे हंव, याने कि पलिस्तीमन के बेटीमन के किरपा ऊपर, जेमन ला तोर बेभिचारी
चालचलन के कारन धक्का लगे हे।
28 तेंह अस्सूरी मनखेमन संग घलो बेभिचार करय, काबरकि तोला संतोस नइं होवत रिहिस; अऊ ओकर बाद
घलो तोला संतोस नइं होईस।
29 तब तेंह अपन दुराचार काम ला बढ़ाके ओमा बेबिलोनिया‡ देस ला घलो सामिल कर लेय, जऊन ह
बेपारीमन के एक देस अय, पर येकर ले घलो तोला संतोस नइं होईस।
30 " 'जब तेंह एक निरलज बेस्या के सहीं ये जम्मो चीज करथस, त मेंह तोर बिरूध कोरोध ले भर जाथंव,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे!
31 जब तेंह हर एक गली के कोनटा म अपन गुम्मट अऊ हर एक चऊक म अपन ऊंचहा पूजा के जगह
बनवाय, त तेंह एक बेस्या सहीं ठहिरय, काबरकि तेंह दिये गय रकम के अपमान करय।
32 " 'हे बेभिचारिन घरवाली! तें अपन खुद के घरवाला के बदले पराया मनखेमन ला जादा पसंद करथस।
33 जम्मो बेस्यामन भेंट के रूप म कुछू लेथें, पर तें अपन जम्मो मयारूमन ला घूस के रूप म भेंट म कुछू
देथस ताकि ओमन हर जगह ले तोर अवैध किरपा बर आवंय।
34 ये किसम ले तोर बेभिचार ह आने मन के बेभिचार ले उल्टा अय; तोर किरपा बर तोर पाछू कोनो नइं
जावंय। तें एकदम उल्टा अस, काबरकि तेंह दाम देथस अऊ तोला कुछू नइं देय जावय।
35 " 'ये खातिर, हे बेस्या, यहोवा के बचन ला सुन!
36 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: काबरकि तेंह अपन काम-वासना ला उंडेले हस अऊ अपन मयारूमन के
संग अपन दुराचारी काम म अपन उघरा देहें ला देखाय हस, अऊ तोर जम्मो घिनौना मूरतीमन के कारन, अऊ
काबरकि तेंह ओ मूरतीमन ला अपन लइकामन के खून दे हस,
37 ये खातिर मेंह तोर ओ जम्मो मयारूमन ला इकट्ठा करइया हंव, जेमन के संग तोला खुसी मिले हे, जेमन ले
तेंह मया करे हस अऊ जेमन ले तेंह घिन करे हस। मेंह ओमन ला चारों कोति ले तोर बिरूध म इकट्ठा करहूं अऊ
ओमन के आघू म तोर ओनहा उतारहूं, अऊ ओमन तोर एकदम उघरा देहें ला देखहीं।
38 तब में तोला ओ माईलोगनमन के सजा दूहूं, जेमन बेभिचार करथें अऊ जेमन खून बहाथें; मेंह अपन कोप
अऊ जलन के कोरोध के संग तोर ले खून के बदला लूहूं।

‡ **16:29** या [illegible]

39 तब में तोला तोर मयारूमन के हांथ म सऊंप दूहूं, अऊ ओमन तोर गुम्मटमन ला टोरके गिरा दीहीं अऊ
तोर ऊंचहा पूजा के जगहमन ला नास कर दीहीं। ओमन तोर ओनहा ला उतार लीहीं अऊ तोर सुघर जेवर ला
लूट लीहीं अऊ तोला अबगा नंगरी करके छोंड़ दीहीं।
40 ओमन तोर बिरूध एक उपदरवी भीड़ ले आहीं, जेमन तोर ऊपर पथरवाह करहीं अऊ तोला अपन तलवार
ले कुटा-कुटा कर डालहीं।
41 तब ओमन तोर घरमन ला जला दीहीं अऊ बहुंत माईलोगनमन के देखत म सजा दीहीं। मेंह तोर बेभिचार
के काम ला बंद कर दूहूं, अऊ तेंह फेर तोर मयारूमन ला दाम नइं देबे।
42 तब तोर बिरूध मोर कोप ह सांत होही अऊ तोर ऊपर ले मोर जलन के कोरोध ह हट जाही; में सांत हो
जाहूं अऊ फेर गुस्सा नइं करहूं।
43 " 'काबरकि तें अपन जवानी के दिनमन ला सुरता नइं रखय, पर ये जम्मो काममन के दुवारा मोला नराज
करय, एकरसेति तें जऊन कुछू करे हस, खचित मेंह ओ बातमन ला तोर ही मुड़ ऊपर ले आहूं, परमपरधान
यहोवा ह घोसना करत हे। का तेंह अपन आने जम्मो घिनौना काम के अलावा, फूहड़ काम घलो नइं करय?
44 " 'हर ओ मनखे, जऊन ह कहावतमन के उपयोग करथे, ओह तोर बारे म ये कहावत के उपयोग करही:
"जइसने दाई, वइसने बेटी।"
45 तेंह अपन दाई के सही बेटी अस, जऊन ह अपन घरवाला अऊ अपन लइकामन ला तुछ समझिस; अऊ
तेंह अपन ओ बहिनीमन के सही बहिनी अस, जेमन अपन घरवाला अऊ अपन लइकामन ला तुछ समझिन।
तोर दाई ह एक हित्ती अऊ तोर ददा एक अमोरी रिहिस।
46 सामरिया ह तोर बड़े बहिनी रिहिस, जऊन ह अपन बेटीमन के संग तोर उत्तर कोति रहत रिहिस; अऊ तोर
छोटे बहिनी सदोम रिहिस, जऊन ह अपन बेटीमन के संग तोर दक्खिन कोति रहत रिहिस।
47 तें न सिरिप ओमन के रसता म चलके ओमन के घिनौना काममन के नकल करय, पर बहुंत जल्दी, तें अपन
जम्मो काम म ओमन ले घलो जादा बिगड़ गेय।
48 परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, मोर जिनगी के कसम, तोर बहिनी सदोम अऊ ओकर बेटीमन
अइसने घिनौना काम कभू नइं करिन, जइसने तें अऊ तोर बेटीमन करे हवंय।
49 " 'तोर बहिनी सदोम के पाप ये रिहिस: ओह अऊ ओकर बेटीमन घमंडी, खधरी अऊ बेफिकर जिनगी
जीनेवाली रिहिन; ओमन गरीब अऊ जरूरतमंद के मदद नइं करिन।
50 ओमन घमंडी रिहिन अऊ ओमन मोर आघू म घिनौना काम करिन। एकरसेति मेंह ओमन ला दूरिहा म कर
देंव, जइसे कि तेंह देखे हस।
51 सामरिया ह तोर पापमन के आधा घलो पाप नइं करिस। तेंह ओमन ले जादा घिनौना काम करे हस, अऊ
तोर दुवारा करे गय ये जम्मो काम ले तेंह अपन बहिनी ला धरमी देखाय के कोसिस करे हस।
52 अपन कलंक के बोझा उठात रह, काबरकि तेंह अपन बहिनीमन बर कुछू नियाय दे हस। काबरकि तोर
पापमन ओमन के पाप ले जादा दुस्टता ले भरे रिहिन, ओमन तोर ले जादा धरमी दिखत हें। एकरसेति तें लज्जित
होके अपन कलंक के बोझा ला उठात रह, काबरकि तेंह अपन बहिनीमन ला धरमी देखाय के कोसिस करे हस।
53 " 'तभो ले, में सदोम अऊ ओकर बेटीमन के जिनगी, सामरिया अऊ ओकर बेटीमन के जिनगी, अऊ संग
म तोर जिनगी ला घलो बदलहूं,
54 ताकि तें अपन कलंक के बोझा ला उठा सकस अऊ ओमन ला सांति देय म जऊन काम करे हस, ओ जम्मो
ले लज्जित हो।
55 अऊ तोर बहिनी, सदोम अऊ सामरिया अपन-अपन बेटीमन समेत अपन पहिली दसा म फेर आ जाहीं;
अऊ तें अऊ तोर बेटीमन घलो अपन पहिली दसा म फेर आ जाहू।
56 अपन घमंड के दिन म, तें अपन बहिनी सदोम के नांव तक नइं लेवत रहय,
57 जब तोर दुस्टता परगट नइं होय रिहिस। ओही किसम ले, अब एदोम§ के बेटी अऊ ओकर जम्मो परोसी
अऊ पलिस्तीमन के बेटीमन तोला अपमानित करथें—तोर चारों कोति के जम्मो मनखेमन तोला तुछ समझथें।
58 तोला अपन नंगई अऊ अपन घिनौना काममन के परिनाम भुगते बर पड़ही, यहोवा ह घोसना करत हे।

§ **16:57** कतको इबरानी हस्तलिपि म ????

59 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोर संग म वइसनेच बरताव करहूं, जइसने तोर संग होना चाही,
काबरकि तेंह करार ला टोरे के दुवारा मोर सपथ ला तुछ समझे हस।
60 तभो ले मेंह ओ करार ला सुरता रखहूं, जेला मेंह तोर संग तोर जवानी के दिन म करे रहेंव, अऊ मेंह तोर
संग सदाकाल तक बने रहइया एक करार करहूं।
61 जब तें अपन चालचलन ला सुरता करके सरमिंदा होबे, जब तें अपन बहिनीमन ले मिलबे, याने कि बड़े
अऊ छोटे बहिनीमन ले मिलबे। मेंह ओमन ला तोला तोर बेटीमन के रूप म दूहूं, पर येह तोर संग करे गय करार
के आधार म नइं होवय।
62 ये किसम ले, मेंह तोर संग अपन करार करहूं, अऊ तेंह जानबे कि मेंह यहोवा अंव।
63 जब मेंह तोर करे गय जम्मो गलत काम ला छेमा करहूं, तब तेंह सुरता करबे अऊ लज्जित होबे अऊ
अपमानित होय के कारन फेर कभू अपन मुहूं नइं खोलबे, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।’ ”

17

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 “हे मनखे के बेटा, एक पहेली बना अऊ येला इसरायलीमन ला एक पटंतर के रूप सुना।
3 ओमन ले कह, ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: एक बड़े गिधवा लबानोन म आईस, जेकर सक्तिसाली
डेना अऊ लम्बा पांखीमन रिहिन अऊ पूरा पांखीमन रंग-बिरंगा रिहिन। एक देवदार के रूख के चोटी के डारा ला
धरके,
4 ओह सबले ऊपर के एक कोअंर डारा ला टोर लीस अऊ ओला बेपारीमन के एक देस म ले गीस, अऊ ओ
डारा ला ओह उहां बेपारीमन के एक सहर म जगा दीस।
5 “ ‘ओह इसरायल देस के छोटे बीजामन ले एक ठन बीजा लेके ओला उपजाऊ भुइयां म जगा दीस। ओह
ओला बहुंत पानीवाले जगह के तीर म एक सरई असन लगाईस,
6 अऊ ओ बीजा ह जामिस अऊ खाल्हे म फईलके एक ठन अंगूर के नार हो गीस। येकर डारामन ओकर कोति
मुड़िन, पर ओकर जरीमन ओकर खाल्हे म रिहिन। ये किसम ले, ओह एक अंगूर के नार हो गीस अऊ ओमा ले
डारामन निकलिन अऊ ये डारामन पानमन ले भर गीन।
7 “ ‘पर उहां एक अऊ बड़े गिधवा रिहिस, जेकर सक्तिसाली डेनामन रिहिन अऊ ओह पांखीमन ले भरे
रिहिस। ओ अंगूर के नार जिहां ओला लगाय गे रिहिस, उहां ले ओकर जरीमन ओ दूसर गिधवा कोति बढ़े
लगिन अऊ ओकर डारामन पानी बर ओकर कोति फईले लगिन।
8 येला बने भुइयां म बहुंत पानीवाले जगह के तीर म लगाय गे रिहिस ताकि ओमा डारामन निकलंय, ओमा
फर लगय अऊ ओह एक बहुंत बढ़िया अंगूर के नार होवय।’
9 “तें ओमन ले कह, ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: का येह बाढ़ही? का येला जरी ले उखानके येकर
फरमन ला नइं गिरा दिये जाही ताकि येह सूखा जावय? येकर जम्मो नवां पानमन सूखा जाहीं। येला जड़ ले
उखाने बर कोनो मजबूत हांथ या जादा मनखेमन के जरूरत नइं होही।
10 येला लगाय गे हवय, पर का येह बाढ़ही? जब पूरबी हवा येकर ऊपर चलही, तब का येह पूरा सूखा नइं
जाही? ओ भुइयां म ही सूखा जाही, जिहां येह रिहिस।’ ”
11 तब यहोवा के बचन मोर मेर आईस:
12 “ये बिदरोही मनखेमन ले कह, ‘का तुमन नइं जानव कि ये बातमन के का मतलब अय?’ ओमन ले कह:
‘बेबिलोन के राजा यरूसलेम गीस अऊ ओकर राजा अऊ ओकर परभावसाली मनखेमन ला अपन संग वापिस
बेबिलोन ले आईस।
13 तब राज-परिवार के एक सदस्य ला लीस अऊ ओला सपथ खवाके ओकर संग एक करार करिस। ओह अपन
संग देस के मुखिया आदमीमन ला घलो ले गीस,
14 ताकि ओ राज ह कमजोर हो जावय, अऊ फेर उन्नति झन कर सकय, अऊ सिरिप ओकर करार के मुताबिक
चले के दुवारा ही बचे रहय।

15 पर ओ राज के राजा ह अपन दूतमन ला घोड़ा अऊ एक बड़े सेना लाय बर मिसर देस पठोईस अऊ ये
किसम ले ओह बेबिलोन के राजा ले बिदरोह करिस। का ओह सफल होही? का अइसने काम करइया ह बांच
जाही? का ओह करार टोरके घलो बांच जाही?
16 " 'मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह कहत हे: ओह बेबिलोन म, ओ राजा के देस म मर जाही,
जऊन ह ओला सिंघासन म बईठाय रिहिस, जेकर कसम ला ओह तुछ जानिस अऊ जेकर करार ला ओह
टोरिस।
17 जब ढलानमन बनाय जाहीं अऊ बहुंते मनखेमन ला नास करे बर घेराबंदी के काम करे जाही, तब फिरौन,
ओकर सक्तिसाली सेना अऊ बड़े उपदरवी झुंड घलो लड़ई म ओकर कोनो मदद नइं कर सकहीं।
18 ओह करार ला टोरके कसम ला तुछ जानिस। काबरकि ओह हांथ देके कसम खाय रिहिस अऊ तभो ले ये
सब काम करिस, एकरसेति ओह बांचे नइं पाही।
19 " 'एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मोर जिनगी के कसम, मेंह ओकर ले मोर कसम ला तुछ
समझे के अऊ मोर करार ला टोरे के बदला लूहूं।
20 मेंह ओकर बर अपन जाल फईलाहूं अऊ ओह मोर फांदा म फंसही। मेंह ओला बेबिलोन ले आहूं अऊ उहां
ओला दंड दूहूं काबरकि ओह मोर संग बिसवासघात करिस।
21 ओकर चुने गय सेना के दलमन तलवार ले मारे जाहीं, अऊ बांचे मनखेमन चारों कोति तितिर-बितिर हो
जाहीं। तब तुमन जानहू कि में यहोवा ह ये कहे हंव।
22 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: में खुद एक ठन देवदार रूख के सबले ऊंच डारा के अंकुर ला लेके
लगाहूं; में ओकर सबले ऊंच डारामन ले एक ठन कोअंर अंकुर ला टोरहूं अऊ ओला एक ऊंच पहाड़ म लगाहूं।
23 मेंह ओला इसरायल के पहाड़ के ऊंचई म लगाहूं; येमा डारामन निकलहीं अऊ फर लगही अऊ येह एक
सानदार देवदार के रूख हो जाही। हर किसम के चिरईमन ओमा अपन खोंधरा बनाहीं; ओमन ओकर डारामन के
छइहां म बसेरा करहीं।
24 जंगल के जम्मो रूखमन जान लीहीं कि में यहोवा ही ऊंचहा रूख ला खाल्हे अऊ छोटे रूख ला बढ़ाके
ऊंचहा करथंव। मेंह हरियर रूख ला सूखा देथंव अऊ सूखा रूख ला हरियर करके बढ़ाथंव।
" 'में यहोवा ह ये कहे हंव, अऊ मेंह येला पूरा करहूं।' "

18

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 "इसरायल देस के बारे म ये कहावत कहे के तुमन के का मतलब ए:
" 'खट्टा अंगूर त खाईन दाई-ददामन,
अऊ दांत खट्टा होईस लइकामन के'?
3 "मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह कहत हे, तुमन ला इसरायल म फेर ये कहावत कहे के अवसर
नइं मिलही।
4 काबरकि हरेक जन मोर अंय, दाई-ददा के संग लइका घलो—दूनों एके सहीं मोर अंय। एकरसेति जऊन ह
पाप करथे, ओही ह मरही।
5 "मानलो, एक धरमी मनखे हवय,
जऊन ह ओ काम करथे, जेह उचित अऊ सही अय।
6 ओह पहाड़ के पूजा के जगह म नइं खावय
या इसरायल के मूरतीमन कोति नइं देखय।
ओह अपन परोसी के घरवाली ला असुध नइं करय
या कोनो माईलोगन के संग ओकर महिना के बेरा सारीरिक संबंध नइं बनाय।
7 ओह काकरो ऊपर अतियाचार नइं करय,
पर गिरवी रखे चीज के करजा ला लहुंटा देथे।
ओह डाका नइं डालय

पर अपन जेवन भूखा मनखे ला देथे
अऊ नंगरा ला ओनहा देथे।
8 ओह बिगर बियाज के पईसा उधार देथे,
या ओमन ले फायदा नइं उठाय।
ओह गलत काम करे ले अपन हांथ ला रोकथे
अऊ मनखेमन के बीच सही नियाय करथे।
9 ओह मोर बिधिमन म चलथे
अऊ बिसवासयोग्यता के संग मोर कानूनमन के पालन करथे।
ओ मनखे ह धरमी अय;
ओह जरूर जीयत रहिही,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
10 "मानलो, ओकर एक हिंसा करइया बेटा हे, जऊन ह हतिया करथे या येमा के कोनो अऊ काम करथे
11 (हालाकि ओकर ददा ह येमा के कोनो भी काम नइं करे हवय):
"ओह पहाड़ के पूजा के जगह म खाथे।
ओह अपन परोसी के घरवाली ला असुध करथे।
12 ओह गरीब अऊ जरूरतमंद ऊपर अतियाचार करथे।
ओह लूट-पाट करथे।
ओह गिरवी म रखे चीज ला नइं लहुंटाय।
ओह मूरतीमन कोति देखथे।
ओह घिनौना काम करथे।
13 ओह बियाज म रूपिया देथे अऊ लाभ उठाथे।
का अइसने आदमी जीयत रहिही? ओह नइं जीयय! काबरकि ओह ये सब घिनौना काम करे हवय, ओह जरूर मार डारे जावय; ओकर खून के दोस ओकरे मुड़ ऊपर पड़ही।
14 "पर मानलो, ये मनखे के एक बेटा हवय, जऊन ह अपन ददा के ये जम्मो पाप ला देखथे, अऊ हालाकि ओह ओ पापमन ला देखथे, पर ओह अइसने कोनो पाप नइं करय:
15 "ओह पहाड़ के पूजा के जगह म नइं खावय
या इसरायल के मूरतीमन ला नइं देखय।
ओह अपन परोसी के घरवाली ला असुध नइं करय।
16 ओह काकरो ऊपर अतियाचार नइं करय
या करजा देय बर कोनो चीज ला गिरवी नइं रखय।
ओह लूट-पाट नइं करय
पर अपन जेवन भूखा मनखे ला देथे
अऊ नंगरा ला ओनहा देथे।
17 ओह गरीबमन ला सताय ले अपन हांथ रोके रहिथे
अऊ ओमन ले कोनो बियाज या फायदा नइं उठाय।
ओह मोर कानूनमन ला मानथे अऊ मोर बिधिमन म चलथे।
ओह अपन ददा के पाप के कारन नइं मरय; ओह जरूर जीयत रहिही।
18 पर ओकर ददा ह अपन खुद के पाप के कारन मरही, काबरकि ओह अवैध वसूली करिस, अपन भाई ला लूटिस अऊ ओ काम करिस, जऊन ह ओकर मनखेमन के बीच गलत अय।
19 "तभो ले, तुमन पुछथव, 'बेटा ह अपन ददा के दोस के भागीदार काबर नइं होवय?' जब बेटा ह उचित अऊ सही काम करे हवय अऊ धियान देके मोर जम्मो बिधिमन के पालन करे हवय, त ओह जरूर जीयत रहिही।
20 जऊन ह पाप करथे, ओही ह मरही। कोनो लइका ह अपन दाई-ददा के दोस के भागीदार नइं होही, अऊ न ही दाई-ददा अपन लइका के दोस के भागीदार होहीं। धरमी के धरमीपन के फर ओ धरमी ला ही मिलही, अऊ दुस्ट के दुस्टता के फर ओ दुस्ट ला ही मिलही।

21 “पर यदि कोनो दुस्ट मनखे अपन जम्मो पाप ला छोंड़ देथे अऊ मोर जम्मो बिधिमन के पालन करथे अऊ
ओ काम करथे जऊन ह उचित अऊ सही अय, त ओ मनखे ह जरूर जीयत रहिही; ओह नइं मरय।
22 ओह जतेक पाप करे हवय, ओमन फेर सुरता नइं करे जावंय। जऊन धरमी काम ओह करे हवय, ओकर
कारन ओह जीयत रहिही।
23 का मेंह कोनो दुस्ट के मिरतू ले खुस होथंव? परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे। बल्कि, का मेंह खुस
नइं होवंव, जब ओह खराप काम ला छोंड़के जीयत रहिथे?
24 “पर यदि कोनो धरमी मनखे अपन धरमीपन ला छोंड़के पाप करथे अऊ ओही घिनौना काम करे लगथे,
जेला एक दुस्ट मनखे करथे, त का ओह जीयत रहिही? ओकर दुवारा करे गय कोनो भी धरमी काम ला सुरता
नइं करे जाही। जऊन बिसवासघात ओह करे हवय, ओकर खातिर ओह दोसी अय अऊ जऊन पाप ओह करे
हवय, ओकर कारन ओह मरही।
25 “तभो ले तुमन कहिथव, ‘परभू के नीति ह उचित नो हय।’ हे इसरायलीमन, तुमन सुनव: का मोर नीति ह
अनुचित अय? का ये तुम्हर नीतिमन नो हंय, जेमन अनुचित अंय?
26 यदि कोनो धरमी मनखे अपन धरमीपन ला छोंड़के पाप करथे, त ओह अपन दुस्ट काम के कारन मरही;
अपन करे गय पाप के कारन ओह मरही।
27 पर यदि कोनो दुस्ट मनखे अपन दुस्ट काममन ला छोंड़ देथे अऊ ओ काम करथे, जऊन ह उचित अऊ
सही अय, त ओह अपन जिनगी ला बचाही।
28 काबरकि ओह अपन करे गय जम्मो पाप ऊपर सोच-बिचार करथे अऊ ओमन ला छोंड़ देथे, ये खातिर ओ
मनखे ह जरूर जीयत रहिही; ओह नइं मरय।
29 तभो ले इसरायलीमन कहिथंय, ‘परभू के नीति ह उचित नो हय।’ हे इसरायल के मनखेमन, का मोर
नीतिमन अनुचित अंय? का येमन तुम्हर नीति नो हंय, जेमन अनुचित अंय?
30 “एकरसेति, हे इसरायलीमन, मेंह तुमन म ले हर एक मनखे के नियाय ओकर खुद के चालचलन के मुताबिक
करहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे। पछताप करव! अपन जम्मो पाप ला छोंड़ दव; तब पाप ह तुम्हर
पतन होय के कारन नइं होही।
31 अपन करे गय जम्मो अपराध ले दूरिहा हो जावव अऊ एक नवां हिरदय अऊ एक नवां आतमा ले लव। हे
इसरायल के मनखेमन, तुम्हर मिरतू काबर होवय?
32 काबरकि मोला काकरो मिरतू ले खुसी नइं होवय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे। एकरसेति
पछताप करव अऊ जीयत रहव!

19

[illegible]

1 “इसरायल के हाकिममन के संबंध म एक बिलापगीत लेय ले
2 अऊ कह:
“ ‘सिंहमन के बीच
तोर दाई ह एक अद्भूत सिंहनी रिहिस!
ओह ओमन के बीच म लेटय
अऊ अपन पीलामन के पालन-पोसन करय।
3 ओह अपन पीलामन ले एक ठन ला पालके बड़े करिस,
अऊ ओह एक बलवान सिंह हो गीस।
ओह सिकार करे बर सीख गीस
अऊ ओह आदमी के मांस खानेवाला हो गीस।
4 जाति-जाति के मनखेमन ओकर बारे म सुनिन,
अऊ ओह ओमन के दुवारा खोदे गय खंचवा म गिरके फंस गीस।
ओमन ओकर ऊपर नकेल डालके
ओला मिसर देस ले गीन।

5 “ ‘जब सिंहनी ह देखिस कि ओकर आसा ह पूरा नइं होईस,

ओकर आसा ह टूट गीस,
तब ओह अपन एक ठन अऊ पीला ला लीस
अऊ ओला एक बलवान सिंह बनाईस।
6 ओह आने सिंहमन के बीच म चले-फिरे लगिस,
काबरकि अब ओह एक बलवान सिंह हो गे रिहिस।
ओह सिकार करे बर सीख गीस
अऊ ओह एक आदमी के मांस खानेवाला बन गीस।
7 ओह ओमन के गढ़मन ला टोर दीस
अऊ ओमन के नगरमन ला उजाड़ दीस।
पूरा देस अऊ ओमा रहइया जम्मो झन
ओकर गरजे ले डरात रिहिन।
8 तब ओकर चारों कोति के
जाति-जाति के मनखेमन ओकर बिरूध हो गीन।
ओमन ओकर बर जाल बिछाईन,
अऊ ओह ओमन के कोड़े गय खंचवा म फंस गीस।
9 ओमन नकेल डालके ओला ऊपर खींचिन अऊ ओला एक ठन पिंजरा म डाल दीन
अऊ ओला बेबिलोन के राजा करा ले गीन।
ओमन ओला जेल म डाल दीन,
जेकर कारन ओकर गरजन
इसरायल के पहाड़मन म फेर कभू सुनई नइं दीस।

10 " 'तोर दाई ह पानी के तीर म लगाय गय
तोर अंगूर के बारी म अंगूर के एक नार सहीं रिहिस;
बहुंत पानी होय के कारन
ओमा फर लगत रिहिस अऊ ओह डारामन ले भरे रिहिस।
11 ओकर डारामन मजबूत रिहिन,
अऊ एक सासन करइया के राजदंड सहीं रिहिन।
बहुंत पानमन के ऊपर
येह ऊंच बाढ़े रिहिस,
अपन ऊंचई के कारन
बहुंत डारामन के बीच येह साफ दिखत रिहिस।
12 पर ओ अंगूर के नार ला कोरोध म उखान दिये गीस
अऊ भुइयां म फटिक दिये गीस।
पूरबी हवा ह ओला सूखा दीस,
ओकर फरमन गिर गीन;
ओकर मजबूत डालीमन सूख गीन
अऊ आगी ले जलके ओमन नास हो गीन।
13 अब ओला निरजन जगह म लगाय गे हवय,
एक सूखा अऊ निरजल भुइयां म।
14 ओकर एक ठन मुख्य डारा ले आगी ह फईलिस
अऊ ओकर फरमन ला जलाके नास कर दीस।
ओमा अऊ कोनो मजबूत डाली नइं बचिस
जऊन ह सासन करइया के राजदंड बर सही होतिस।'
येह एक बिलापगीत अय अऊ येकर उपयोग एक बिलापगीत के रूप म करे जावय।"

20

??????? ??????? ?? ???????

1 हमर बंधुवई के सातवां साल के पांचवां महिना के दसवां दिन इसरायल के कुछू अगुवामन यहोवा ले पुछे
बर आईन, अऊ ओमन मोर आघू म बईठ गीन।
2 तब यहोवा के बचन मोर मेर आईस:
3 "हे मनखे के बेटा, इसरायल के अगुवामन ले बात कर अऊ ओमन ला कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत
हे: का तुमन मोर ले पुछे बर आय हवव? मोर जिनगी के कसम, मेंह तुमन ला मोर ले पुछे बर नइं दंव,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।'
4 "का तें ओमन के नियाय करबे? हे मनखे के बेटा, का तें ओमन के नियाय करबे? तब ओमन के पुरखामन के
घिनौना काम ओमन ला बता
5 अऊ ओमन ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जऊन दिन मेंह इसरायल ला चुने रहेंव, मेंह अपन
हांथ उठाके याकूब के संतानमन ले सपथ खाय रहेंव अऊ मिसर देस म अपनआप ला ओमन ऊपर परगट करेंव।
हांथ उठाके मेंह ओमन ले कहेंव, "मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।"
6 ओही दिन मेंह ओमन ले सपथ खायेंव कि मेंह ओमन ला मिसर देस ले निकालके एक अइसे देस म ले आहूं,
जेला मेंह ओमन बर खोजे रहेंव; एक अइसे देस जेमा दूध अऊ मंधरस के धारा बहिथे, अऊ जऊन ह जम्मो
देसमन ले सुघर हवय।
7 अऊ मेंह ओमन ले कहेंव, "तुमन म ले हर एक जन ओ निकम्मा मूरतीमन ला निकाल फेंकव, जेमन ऊपर
तुम्हर आंखी लगे हवय, अऊ मिसर के मूरतीमन ले अपनआप ला असुध झन करव। मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर
अंव।"
8 " 'पर ओमन मोर बिरूध बिदरोह करिन अऊ मोर बात ला नइं सुनिन; ओमन ओ निकम्मा मूरतीमन ला नइं
फेंकिन, जेमा ओमन के आंखी लगे रिहिस, अऊ न ही ओमन मिसर के मूरतीमन ला छोंड़िन। एकरसेति मेंह
कहेंव कि में ओमन ऊपर अपन कोप भड़काहू अऊ मिसर देस म ओमन के बिरूध अपन कोरोध देखाहूं।
9 पर अपन नांव के खातिर, में ओमन ला मिसर देस ले निकाल लानेंव। मेंह अइसने एकरसेति करेंव ताकि मोर
नांव ओ जाति-जाति के मनखेमन के नजर म अपबितर झन ठहिरय, जेमन के बीच ओमन रहत रिहिन अऊ
जेमन के देखत म मेंह अपनआप ला इसरायलीमन ऊपर परगट करे रहेंव।
10 एकरसेति मेंह ओमन ला मिसर देस ले निकालके सुन्ना जगह म ले आयेंव।
11 मेंह ओमन ला अपन बिधिमन ला देंव अऊ ओमन ला अपन कानूनमन ला बतांय, जेकर यदि कोनो मनखे
पालन करथे, त ओह जीयत रहिही।
12 मेंह ओमन बर अपन बिसराम दिन घलो ठहिरांय, जऊन ह मोर अऊ ओमन के बीच म एक चिनहां ए,
ताकि ओमन जानंय कि में यहोवा ह ओमन ला पबितर बनाय हंव।
13 " 'तभो ले इसरायल के मनखेमन सुन्ना जगह म मोर ले बिदरोह करिन। ओमन मोर बिधिमन म नइं चलिन
अऊ मोर कानूनमन ला नइं मानिन—जेकर पालन यदि कोनो मनखे करथे, त ओह ओमन के दुवारा जीयत
रहिही—अऊ ओमन मोर बिसराम दिनमन ला बहुंत अपबितर करिन। एकरसेति मेंह कहेंव कि ओमन ऊपर मोर
कोप भड़कही अऊ सुन्ना जगह म ओमन ला नास कर दूहूं।
14 पर अपन नांव के खातिर मेंह ओ करेंव जेकर ले मोर नांव ओ जाति-जाति के मनखेमन के नजर म
अपबितर झन ठहिरे, जेमन के देखत मेंह ओमन ला निकालके लाय रहेंव।
15 हांथ उठाके मेंह ओमन ले सुन्ना जगह म कसम घलो खायेंव कि जऊन देस मेंह ओमन ला दे रहेंव, ओ देस
म ओमन ला नइं लानंव—एक अइसने देस जिहां दूध अऊ मंधरस के धारा बोहात हे, जऊन ह जम्मो देसमन ले
सुघर हवय—
16 काबरकि ओमन मोर कानूनमन ला नइं मानिन अऊ मोर बिधिमन म नइं चलिन अऊ मोर बिसराम दिन ला
अपबितर करिन। काबरकि ओमन के मन ह ओमन के मूरतीमन ऊपर लगे रिहिस।
17 तभो ले मेंह ओमन ऊपर दया-दिरिस्टी करेंव अऊ ओमन ला नास नइं करेंव या निरजन जगह म ओमन के
अन्त नइं करेंव।

18 मेंह निरजन जगह म ओमन के लइकामन ले कहेंव, “अपन दाई-ददा के बिधिमन म या ओमन के कानूनमन
म झन चलव या ओमन के मूरतीमन ले अपनआप ला असुध झन करव।
19 मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव; मोर बिधिमन म चलव अऊ धियान देके मोर कानूनमन के पालन करव।
20 मोर बिसराम दिन ला पबितर मानव कि ओमन मोर अऊ तुम्हर बीच एक चिनहां ठहिरंय। तब तुमन जानहू
कि मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव।”
21 “ ‘पर ओमन के लइकामन मोर ले बिदरोह करिन: ओमन मोर बिधिमन म नइं चलिन, ओमन मोर कानूनमन
के पालन नइं करिन, जेमन के बारे म मेंह कहे रहेंव, “ओ मनखे जऊन ह ओमन के पालन करही, ओह ओमन के
दुवारा जीयत रहिही,” अऊ ओमन मोर बिसराम दिन ला अपबितर करिन। एकरसेति मेंह कहेंव ओमन ऊपर
मोर कोप भड़कही अऊ निरजन जगह म मेंह अपन कोरोध ओमन ला देखाहूं।
22 पर मेंह अपन हांथ ला रोके रखेंव, अऊ अपन नांव के खातिर मेंह ओ करेंव, जेकर कारन मोर नांव ओ
जाति-जाति के मनखेमन के नजर म अपबितर झन ठहिरय, जेमन के देखत म मेंह इसरायलीमन ला निकाल
लानेंव।
23 अपन हांथ उठाके सुन्ना जगह म मेंह ओमन ले सपथ घलो खायेंव कि मेंह ओमन ला जाति-जाति के
मनखेमन के बीच बगरा दूहूं अऊ देस-देस म ओमन ला तितिर-बितिर कर दूहूं,
24 काबरकि ओमन मोर कानूनमन के पालन नइं करिन पर मोर बिधिमन ला अस्वीकार करिन अऊ मोर
बिसराम दिनमन ला अपबितर करिन, अऊ ओमन के आंखी ओमन के दाई-ददा के मूरतीमन म लगे रिहिस।
25 एकरसेति मेंह ओमन ला आने बिधि-बिधान देंव, जेमन ठीक नइं रिहिन अऊ ओमन ला अइसे कानून देंव
जेकर दुवारा ओमन जीयत नइं रह सकत रिहिन;
26 मेंह ओमन ला ओमन के ही भेंटमन के जरिये असुध करेंव—हर एक पहिलऊठा के बलिदान—ताकि मेंह
ओमन ला भयभीत करंव अऊ ओमन जानंय कि मेंह यहोवा अंव।’
27 “एकरसेति, हे मनखे के बेटा, इसरायल के मनखेमन ले बात कर अऊ ओमन ले कह, ‘परमपरधान यहोवा ह
ये कहत हे: येमा घलो तुम्हर पुरखामन मोर ले बिसवासघात करके मोर निन्दा करिन:
28 जब मेंह ओमन ला ओ देस म ले आंय, जेला मेंह ओमन ला देय के कसम खाय रहेंव, त ओमन कोनो
ऊंचहा पहाड़ी या कोनो पानवाले रूख ला देखके उहां अपन बलिदान अऊ भेंट चघाय लगिन, अऊ अपन
खुसबूवाला धूप जलाके पेय-बलिदान चघाय लगिन, जेकर कारन मोर कोरोध ह भड़किस।
29 तब मेंह ओमन ले कहेंव: ये ऊंचहा जगह का ए कि तुमन उहां जाथव?’ ” (येला आज तक बामाह* कहे
जाथे।)

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

30 “एकरसेति इसरायलीमन ले कह: ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: का तुमन अपन पुरखामन सहीं
अपनआप ला असुध करहू अऊ ओमन के निकम्मा मूरतीमन बर कामुक होहू?
31 जब तुमन अपन भेंट चघाथव—अपन लइकामन ला आगी म बलिदान करथव—त अइसने करे के दुवारा
तुमन आज तक अपनआप ला अपन जम्मो मूरतीमन के दुवारा असुध करत आवत हव। त हे इसरायलीमन, का
में तुमन ला मोर ले पुछताछ करन दूहूं? मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, में तुमन
ला मोर ले पुछताछ करे बर नइं दंव।
32 “ ‘तुमन कहिथव, “हमन ओ जाति-जाति अऊ संसार के मनखेमन सहीं होय चाहथन, जेमन कठवा अऊ
पथरा के सेवा करथें।” पर तुम्हर मन म जऊन बात हवय, ओह कभू पूरा नइं होवय।
33 मोर जिनगी के कसम, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, में सक्तिसाली हांथ अऊ बढ़ाय हुए बाहां
अऊ भड़के हुए कोप के संग तुम्हर ऊपर सासन करहूं।
34 मेंह तुमन ला ओ जाति-जाति के मनखेमन के बीच म ले लानहूं अऊ ओ देसमन ले लानके तुमन ला इकट्ठा
करहूं, जिहां तुमन तितिर-बितिर हो गे हव—मेंह तुमन ला सक्तिसाली हांथ अऊ बढ़ाय हुए बाहां अऊ भड़के
हुए कोप के संग इकट्ठा करहूं।

---

* **20:29** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

35 मेंह तुमन ला जाति-जाति के मनखेमन के निरजन जगह म ले आहूं अऊ उहां, आमने-सामने मेंह तुम्हर
नियाय करहूं।
36 जऊन किसम ले, मेंह मिसर देस के सुन्ना जगह म तुम्हर पुरखामन के नियाय करे रहेंव, ओही किसम ले,
मेंह तुम्हर नियाय करहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
37 जब तुमन मोर लउठी के अधीन होके चलहू, त मोर धियान तुम्हर ऊपर रहिही, अऊ में तुमन ला करार के
बंधना म बांधहू।
38 मेंह तुमन ला ओमन ले हटाके सुध करहूं, जेमन मोर बिरूध बिदरोह अऊ अपराध करथें। हालाकि मेंह
ओमन ला ओ देस ले निकालके लानहूं, जिहां ओमन रहत हवंय, तभो ले ओमन इसरायल देस म नइं जाय
सकहीं। तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।
39 " 'हे इसरायल के मनखेमन, जहां तक तुम्हर बात ए, परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: तुमन म ले हर एक
जन जावव अऊ अपन-अपन मूरतीमन के सेवा करव! पर बाद म तुमन मोर बात ला जरूर सुनहू अऊ मोर
पबितर नांव ला अपन भेंट अऊ मूरतीमन के दुवारा फेर अपबितर नइं करहू।
40 काबरकि परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, मोर पबितर पहाड़, इसरायल के ऊंचहा पहाड़ ऊपर, उहां
देस म, इसरायल के जम्मो मनखेमन मोर सेवा करहीं, अऊ उहां में ओमन ला स्वीकार करहूं। उहां मेंह तुम्हर भेंट
अऊ तुम्हर उत्तम चीजमन ला तुम्हर जम्मो पबितर बलिदानमन संग लूहूं।
41 मेंह तुमन ला एक खुसबूवाला धूप के रूप म स्वीकार करहूं, जब में तुमन ला जाति-जाति के मनखेमन के
बीच ले निकाल लानहूं अऊ ओ देसमन ले तुमन ला इकट्ठा करहूं, जिहां तुमन तितिर-बितिर हो गे हवव, अऊ में
जाति-जाति के मनखेमन के नजर म तुम्हर जरिये पबितर ठहिराय जाहूं।
42 तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव, जब में तुमन ला इसरायल देस म ले आहूं, ओ देस जेला मेंह तुम्हर
पुरखामन ला देय बर हांथ उठाके सपथ खाय रहेंव।
43 उहां तुमन अपन चालचलन अऊ अपन जम्मो काममन ला सुरता करहू, जेमन के दुवारा तुमन अपनआप
ला असुध करे हव, अऊ अपन दुवारा करे गय जम्मो दुस्ट काममन के कारन, तुमन अपनआप ले घिन करहू।
44 हे इसरायल के मनखेमन, जब मेंह तुम्हर दुस्ट काम अऊ तुम्हर खराप चालचलन के मुताबिक नइं, पर
अपन नांव के हित म तुमन ले बरताव करहूं, तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना
करत हे।' "

[illegible]

45 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
46 "हे मनखे के बेटा, अपन मुहूं ला दक्खिन कोति कर; दक्खिन के बिरोध म परचार कर, अऊ दक्खिन देस के
जंगल के बिरूध अगमबानी कर।
47 दक्खिन के जंगल ला कह: 'यहोवा के बचन ला सुनव। परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोर म आगी
लगानेचवाला हंव, अऊ येह तोर हरियर अऊ सूखा जम्मो रूखमन ला जलाके नास कर दीही। धधकत जुवाला
ह नइं बुताही, अऊ दक्खिन ले लेके उत्तर तक हर चेहरा येकर कारन झुलस जाही।
48 हर एक जन ह देखही कि में यहोवा ह येमा आगी लगाय हंव; येह नइं बुताही।' "
49 तब मेंह कहेंव, "हे परमपरधान यहोवा, ओ मनखेमन मोर बारे म कहत हें, 'का ओह सिरिप पटंतर ही नइं
कहत हे?' "†

21

[illegible]

1 यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, अपन चेहरा ला यरूसलेम के बिरूध कर अऊ पबितर-स्थान के बिरूध परचार कर।
इसरायल देस के बिरूध अगमबानी कर

† **20:49** इबरानी म 20:45-49 ला 21:1-5 गने गे हवय

3 अऊ ओला कह: 'यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोर बिरूध म हंव। मेंह अपन तलवार मियान ले खींचके तोर म
ले धरमी अऊ दुस्ट दूनों ला नास करहूं।
4 काबरकि मेंह धरमी अऊ दुस्टमन ला मार डालनेवाला हंव, एकरसेति मोर तलवार ह दक्खिन ले लेके उत्तर
तक जम्मो मनखेमन के बिरूध मियान ले निकलही।
5 तब जम्मो मनखेमन जानहीं कि में यहोवा ह मियान म ले अपन तलवार ला निकाले हंव; येह फेर मियान म
नइं रखे जाही।'
6 "एकरसेति हे मनखे के बेटा! तेंह कलहर! टूटे हिरदय अऊ बहुंत दुखी होके ओमन के आघू म कलहर।
7 अऊ जब ओमन तोर ले पुछंय, 'तेंह काबर कलहरत हस?' त तेंह कहिबे, 'ओ खबर के कारन, जऊन ह मोला
मिले हवय। हर एक के हिरदय ह डर ले भर जाही अऊ हर एक के हांथ ढीला पड़ जाही; हर एक के आतमा ह
दुखी होही अऊ हर एक के टांग ह पेसाब के कारन गीला हो जाही।' येह आवत हे! येह जरूर होही, परमपरधान
यहोवा ह घोसना करत हे।"
8 यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
9 "हे मनखे के बेटा, अगमबानी करके कह, 'परभू ह ये कहत हे:
" 'एक तलवार, एक तलवार,
धारवाला अऊ चमकत—
10 मार डारे बर धारदार,
बिजली के अंजोर असन चमकत!
" 'का हमन मोर राजसी बेटा के राजदंड ऊपर आनंद मनावन? तलवार ह अइसने हर एक लउठी ला तुछ
समझथे।
11 " 'तलवार ला चमकाय बर,
अऊ हांथ ले पकड़े बर देय गे हवय;
येला धारदार बनाय अऊ चमकाय गे हवय,
अऊ मार डालनेवाला के हांथ म देय बर तियार करे गे हवय।
12 हे मनखे के बेटा, रो अऊ बिलाप कर,
काबरकि ये तलवार मोर मनखेमन के बिरूध हवय;
येह इसरायल के जम्मो हाकिममन के बिरूध हवय।
ओमन ला मोर मनखेमन के संग
तलवार के आघू म फटिक देय गे हवय।
एकरसेति अपन छाती ला पीट।
13 " 'परखे के समय ह जरूर आही। अऊ यदि राजदंड ह नइं रहिही, जेला तलवार ह तुछ समझथे, त का
होही? परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।'
14 "एकरसेति, हे मनखे के बेटा, अगमबानी कर
अऊ हांथ ऊपर हांथ मार।
तलवार ह दू बार,
बरन तीन बार घात करय।
ये तलवार ह घात करे बर अय—
मनखेमन ला जम्मो कोति ले घेरके
ये तलवार ह बहुंत घात करे बर अय।
15 ताकि ओमन के हिरदय ह डर ले भर जावय
अऊ बहुंत जन भुइयां म गिरंय,
मेंह ओमन के जम्मो दुवारमन म
घात करे बर तलवार ठहिराय हंव।
देखव! बिजली सहीं चोट करे बर येला गढ़े गे हवय,
येला घात करे बर उठाय जाथे।
16 हे तलवार, जेवनी कोति काट,
फेर डेरी कोति,
जेति घलो तोर धार ह मुड़य, ओती काट।

17 मेंह घलो अपन हांथमन ला एक संग मारहूं,
अऊ मोर कोप ह सांत हो जाही।
में यहोवा ह ये कहे हवंव।”
18 यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
19 “हे मनखे के बेटा, बेबिलोन के राजा के तलवार ला ले जाय बर दू ठन रसता ला चुन ले; दूनों रसता एकेच
देस ले सुरू होवंय। जिहां ले भी एक अलग रसता सहर कोति निकलथे, उहां एक डहार बतइया चिनहां लगावव।
20 एक ठन रसता ला अमोनीमन के रब्बा के बिरूध तलवार के आय बर अऊ दूसर रसता ला यहूदा अऊ
गढ़वाला सहर यरूसलेम के बिरूध चुन ले।
21 काबरकि बेबिलोन के राजा ह दुबट्टा म याने कि दूनों रसता के संगम के जगह म सकुन जाने बर रूकही:
ओह तीरमन के संग चिट्ठी डालही, ओह अपन मूरतीमन ले सलाह लीही, ओह करेजा के जांच करही।
22 ओकर जेवनी हांथ म यरूसलेम बर चिट्ठी निकलही कि कहां ओह लड़ई के मसीन लगावय, ताकि घात करे
के हुकूम देवय, लड़ई के अवाज के ललकार करवाय, दुवारमन करा लड़ई के मसीन लगावय, लड़ई बर ढलान
बनावय अऊ घेराबंदी के काम करवाय।
23 येह ओ मनखेमन बर एक गलत सकुन जान पड़ही, जेमन ओकर ले राजभक्ति के सपथ खाय हवंय, पर
ओह ओमन ला ओमन के अपराध ला सुरता कराही अऊ ओमन ला बंदी बनाके ले जाही।
24 “एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ‘काबरकि तुमन अपन करे गय जम्मो पाप ला परगट करके,
अपन खुलेआम बिदरोह के दुवारा अपन अपराध ला सुरता करे हवव—काबरकि तुमन ये करे हवव, एकरसेति
तुमन ला बंदी बना लिये जाही।
25 “ ‘हे इसरायल के असुध अऊ दुस्ट हाकिम, तोर दिन ह आ गे हवय, तोला दंड देय के आखिरी बेरा आ गे
हवय,
26 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: अपन पगड़ी ला उतार, मुकुट ला घलो उतार। जइसने पहिले रिहिस,
वइसने अब नइं रहय: छोटे दरजा के मनखेमन ऊंचहा करे जाहीं अऊ ऊंचहा दरजा के मनखेमन खाल्हे करे
जाहीं।
27 बिनास! बिनास! मेंह येकर बिनास कर दूहूं! मुकुट ला वापिस नइं दिये जावय, जब तक कि ओह नइं आ
जाही, जऊन ह येकर सही म हकदार ए; तब येला में ओला दे दूहूं।’
28 “अऊ तें, हे मनखे के बेटा, अगमबानी करके कह, ‘परमपरधान यहोवा ह अमोनी अऊ ओमन के बेजत्ती के
बारे म ये कहत हे:
“ ‘एक तलवार, एक तलवार,
घात करे बर निकाले गे हवय,
नास करे बर चमकाय गे हवय
अऊ बिजली असन चमकय!
29 तुम्हर बारे म लबरा दरसन
अऊ लबरा सकुन-बिचार के बावजूद,
तलवार ह ओ दुस्टमन के घेंच म रखे जाही,
जेमन ला घात करे जाना हे,
जेमन के दिन ह आ गे हवय,
जेमन ला दंड देय के आखिरी समय आ गे हवय।

30 “ ‘तलवार ला ओकर मियान म रखे जावय।
ओ जगह जिहां तुमन सिरजे गेव,
तुम्हर पुरखामन के देस म,
मेंह तुम्हर नियाय करहूं।
31 तुम्हर ऊपर मोर कोप ह भड़कही
अऊ मोर भयंकर कोरोध तुम्हर ऊपर आही;
मेंह तुमन ला अइसने निरदयी मनखेमन के हांथ म दे दूहूं,

जेमन बिनास करे म माहिर अंय।
32 तुमन आगी ला जलाय के चीज हो जाहू,
तुम्हर खून ह तुम्हर देस म गिरही,
तुमन ला फेर सुरता नइं करे जाही;
काबरकि में यहोवा ह कहे हवंव।' "

22

[illegible]

1 यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:

2 "हे मनखे के बेटा, का तेंह ओकर नियाय करबे? का तेंह ये खून बहानेवाला सहर के नियाय करबे? तब ओकर जम्मो घिनौना काममन ला ओला बता
3 अऊ कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे सहर, तें अपन बीच खून बहाय के दुवारा अपनआप ला दंड के भागी बनाथस अऊ मूरतीमन ला बनाके अपनआप ला असुध करथस,
4 तेंह दोसी ठहिरे हस काबरकि तेंह खून बहाय हस अऊ तें मूरतीमन ला बनाय के दुवारा असुध हो गे हस। तेंह अपन दिनमन के आखिरी कर ले हस, अऊ तोर बछरमन के अन्त आ गे हवय। एकरसेति मेंह तोला जाति-जाति के मनखेमन बर तिरस्कार के चीज अऊ जम्मो देसमन बर ठट्ठा के चीज बना दूहूं।
5 हे बदनाम सहर, तें उपदरव ले भरे हस। ओ मनखे, जेमन तोर लकठा म हवंय अऊ ओ मनखे, जेमन तोर ले दूरिहा म हवंय, ओ जम्मो झन तोर ठट्ठा करहीं।
6 " 'देख, तोर म रहइया इसरायल के हर एक हाकिम ह कइसे अपन सक्ति के उपयोग खून बहाय म करत हे।
7 तोर म रहिके ओमन अपन दाई अऊ ददा ले अपमान के बरताव करे हवंय; तोर म रहिके ओमन परदेसीमन ला सताईन अऊ अनाथ अऊ बिधवा के संग गलत बरताव करे हवंय।
8 तेंह मोर पबितर चीजमन ला तुछ समझे हस अऊ मोर बिसराम दिनमन ला अपबितर करे हस।
9 तोर म निन्दा करइयामन हवंय, जेमन के झुकाव खून बहाय कोति रहिथे; तोर म ओ मनखेमन हवंय, जेमन पहाड़ के पूजा के जगह म खाथें अऊ बेभिचार के काम करथें।
10 तोर म ओ मनखेमन हवंय, जेमन अपन ददा के बिस्तर के अपमान करथें; तोर म ओ मनखेमन हवंय, जेमन माईलोगनमन ले ओमन के महिना के बेरा सारीरिक संबंध बनाथें, जब ओमन असुध रहिथें।
11 तोर म रहिके एक मनखे अपन परोसी के घरवाली के संग घिनौना काम करथे, त दूसर मनखे बेसरम होके अपन बेटा के घरवाली ला असुध करथे, अऊ एक आने मनखे अपन बहिनी, अपन खुद के ददा के बेटी ला भ्रस्ट करथे।
12 तोर म अइसने मनखे हवंय, जेमन हतिया करे बर घूस लेथें; तेंह बियाज लेथस अऊ गरीब मनखे ले लाभ कमाथस। तेंह अपन परोसीमन ले जबरदस्ती छीनके अनियाय के कमई करथस। अऊ तेंह मोला भुला गे हस, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
13 " 'तेंह अनियाय ले जऊन कमई करे हस अऊ अपन बीच म तेंह जऊन खून बहाय हस, ओकर कारन मेंह अपन दूनों हांथ एक संग चलाहूं।
14 ओ दिन का तोर म हिम्मत होही या तोर हांथमन मजबूत होहीं, जब में तोर ले लेखा लूहूं? में यहोवा ह ये कहे हवंव, अऊ में येला करके ही रहिहूं।
15 मेंह तोर मनखेमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच तितिर-बितिर कर दूहूं, अऊ देस-देस म बगरा दूहूं; अऊ मेंह तोर असुधता ला खतम कर दूहूं।
16 जब तें जाति-जाति के मनखेमन के नजर म असुध हो जाबे; तब तें जानबे कि मेंह यहोवा अंव।' "
17 तब यहोवा के बचन मोर मेर आईस:
18 "हे मनखे के बेटा, इसरायल के मनखेमन मोर बर मईल हो गे हवंय; ओ जम्मो झन भट्ठी के भीतर छोंड़े गय तांबा, टीन, लोहा अऊ सीसा अंय। ओमन चांदी के मईल असन हो गे हवंय।

19 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: 'काबरकि तुमन जम्मो के जम्मो धातु के मईल असन हो गे
हवव, एकरसेति मेंह तुमन ला यरूसलेम म इकट्ठा करहूं।
20 जइसने चांदी, तांबा, लोहा, सीसा अऊ टीन ला भट्ठी म इकट्ठा करके धधकत आगी म टघलाय जाथे,
वइसने ही मेंह तुमन ला अपन कोरोध अऊ कोप म आके इकट्ठा करहूं अऊ तुमन ला सहर के भीतर डालके
टघलाहूं।
21 मेंह तुमन ला संकेलहूं अऊ बहुंत कोप म आके तुम्हर ऊपर फूंक मारहूं, अऊ तुमन ओकर भीतर टघल
जाहू।
22 जइसने चांदी ह भट्ठी म टघल जाथे, वइसने ही तुमन ओकर भीतर टघल जाहू, अऊ तब तुमन जानहू कि
में यहोवा ह तुम्हर ऊपर कोप उंडेले हंव।' "
23 यहोवा के बचन ह फेर मोर मेर आईस:
24 "हे मनखे के बेटा, ओ देस ले कह, 'तेंह एक अइसन देस अस, जेला सुध नइं करे गे हवय या कोप के दिन म
जेकर ऊपर बारिस नइं होय हवय।'
25 जइसे गरजत सेर ह अपन सिकार ला चीरथे, वइसे ही ओकर भीतर ओकर राजकुमारमन* एक साजिस
करत हें; ओमन मनखेमन ला मार डालथें, अऊ ओमन खजाना अऊ कीमती चीजमन ला ले लेथें अऊ ओकरे
भीतर बहुंते माईलोगन ला बिधवा बना देथें।
26 ओ देस के पुरोहितमन मोर कानून ला टोरथें अऊ मोर पबितर चीजमन ला अपबितर करथें; ओमन पबितर
अऊ सधारन चीजमन के बीच कोनो भेद नइं करंय; ओमन सिखाथें कि सुध अऊ असुध म कोनो भेद नइं ए; अऊ
ओमन मोर बिसराम दिनमन ला माने बर ढिलई करथें, जेकर कारन मेंह ओमन के बीच अपबितर ठहिरथंव।
27 ओकर भीतर ओकर करमचारीमन ओ भेड़ियामन सहीं अंय, जेमन अपन सिकार ला फार खाथें; ओमन खून
बहाथें अऊ अनियाय करके फायदा उठाय बर मनखेमन ला मार डालथें।
28 ओकर अगमजानीमन लबरा दरसन अऊ लबरा सकुन बिचारे के दुवारा ओमन बर ये काममन ऊपर
लीपा-पोती करथें। ओमन कहिथें, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे'—जबकि यहोवा ह नइं कहे रहय।
29 देस के मनखेमन जबरदस्ती छीन लेथें अऊ लूट-पाट करथें; ओमन गरीब अऊ जरूरतमंद मनखेमन ऊपर
अतियाचार करथें अऊ परदेसी के संग अनियाय करके ओमन ले गलत बरताव करथें।
30 "मेंह ओमन के बीच एक अइसने मनखे ला खोजत रहेंव, जऊन ह दीवार ला बनावय अऊ ओ देस कोति ले
दरार म मोर आघू ठाढ़ होवय, ताकि मोला ओकर नास झन करना पड़य, पर मोला अइसने कोनो मनखे नइं
मिलिस।
31 एकरसेति ओमन ऊपर मोर कोप ह भड़कही अऊ मोर भयंकर कोरोध ले ओमन नास हो जाहीं, अऊ ओमन
के करे गय जम्मो काम ओहीचमन के मुड़ ऊपर आही, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।"

23

[illegible]

1 यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, दू झन माईलोगन रिहिन, जेमन एकेच दाई के बेटी रिहिन।
3 ओमन मिसर देस म बेस्या बन गीन अऊ अपन जवानी के समय ले बेस्या के काम करत रिहिन। ओ देस म
ओमन के छाती मिंजे गीस अऊ ओमन के कुंवारी छातीमन ले मया करे गीस।
4 बड़े बहिनी के नांव ओहोला अऊ छोटे बहिनी के नांव ओहोलीबा रिहिस। ओमन मोर रिहिन अऊ ओमन
बेटा-बेटीमन ला जनम दीन। ओहोला ह सामरिया अय, अऊ ओहोलीबा ह यरूसलेम अय।
5 "ओहोला ह मोर रिहिस, तभे बेस्या के काम करे लगिस; अऊ ओह अपन मया करइया अस्सूरीमन ऊपर
मोहित रिहिस—जेमन सैनिक रिहिन,
6 जेमन नीला कपड़ा पहिरे रहंय, राजपाल अऊ सेनापतिमन, ये जम्मो के जम्मो सुघर जवान, अऊ
घुड़सवार रिहिन।

* **22:25** सेप्टाजिन्ट; इबरानी म [illegible]

7 ओह अपनआप ला बेस्या के रूप म सबले बने अस्सूरीमन ला दे दीस अऊ ओ हर एक मूरतीमन ले
अपनआप ला असुध करिस, जेकर पाछू ओह मोहित रहय।
8 जऊन बेस्या के काम ओह मिसर देस म सुरू करे रिहिस, ओला ओह नइं छोंड़िस, जब ओकर जवानी के
समय म आदमीमन ओकर संग सुतंय, ओकर कुंवारी छाती ला दुलारंय अऊ अपन काम-वासना ओकर ऊपर
लुटावंय।
9 "एकरसेति मेंह ओला ओकर मयारू, अस्सूरीमन के हांथ म सऊंप देंव, जेमन ऊपर ओह मोहा गे रिहिस।
10 ओमन ओला नंगरी कर दीन, ओकर बेटा-बेटीमन ला ले लीन अऊ ओला तलवार ले मार डालिन। ओह
माईलोगनमन के बीच एक कहावत बन गीस अऊ ओला दंड दिये गीस।
11 "ओकर बहिनी ओहोलीबा ह येला देखिस, तभो ले ओह काम-वासना अऊ बेस्या के काम म अपन बहिनी
ले घलो जादा गिर गे रिहिस।
12 ओह घलो अस्सूरीमन के पाछू मोहा गे रिहिस—जेमा राजपाल अऊ सेनापति, पूरा पोसाक पहिरे योद्धा,
घुड़सवार अऊ जम्मो सुघर जवान आदमीमन रिहिन।
13 मेंह देखेंव कि ओह घलो अपनआप ला असुध कर ले रिहिस; ओ दूनों बहिनी के चालचलन एक सहीं
रिहिस।
14 "पर ओहोलीबा जादा बेभिचार करत गीस। ओह दीवारमन म आदमीमन के चित्र बने हुए देखिस,
कसदीमन* के चित्र लाल रंग म बने रहय,
15 चित्र म मनखेमन के कनिहां म पट्टा बंधे रहय अऊ ओमन के मुड़ म लहरावत पगड़ी रहय; ओ जम्मो के
जम्मो कसदीया के रहइया बेबिलोनी रथ के अधिकारीमन सहीं दिखत रहंय।
16 ओह ओमन ला देखत ही ओमन के पाछू लालायित हो गीस अऊ कसदीया म ओमन करा संदेसियामन ला
पठोईस।
17 तब बेबिलोनीमन मया म ओकर संग सुते बर आईन, अऊ अपन काम-वासना म ओला असुध करिन।
ओमन के दुवारा असुध होय के बाद, ओह घिन म ओमन ले अलग हो गीस।
18 जब ओह खुलेआम बेस्या के काम करे लगिस अऊ अपन नंगरी देहें ला देखाय लगिस, त मेंह घिन करके
ओकर ले दूरिहा हो गेंव, जइसे कि मेंह ओकर बहिनी ले दूरिहा हो गे रहेंव।
19 तभो ले ओह अऊ जादा दुराचारी होवत गीस, अपन जवानी के दिनमन ला सुरता करत, जब ओह मिसर
देस म एक बेस्या रिहिस।
20 उहां ओह अपन ओ यारमन के पाछू काम-वासना बर लगे रहय, जेमन के जननांग गदहामन के जननांग
सहीं अऊ ओमन के बीर्य घोड़ामन कस रहय।
21 ये किसम ले, तें अपन जवानी के कामुकता के लालसा करत रहय, जब मिसर म तोर छाती ला दुलारे
जावय अऊ तोर जवान थन ले लाड़ करे जावय।
22 "एकरसेति हे ओहोलीबा, परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोर मयारूमन ला तोर बिरूध भड़काहूं,
जेमन ले तें घिन करत दूरिहा हो गे रहय, अऊ में चारों कोति ले ओमन ला तोर बिरूध लानहूं—
23 बेबिलोनीमन अऊ जम्मो कसदीमन, पकोद, सोआ अऊ कोआ के आदमीमन, अऊ ओमन के संग जम्मो
अस्सूरी सुघर जवान, ओमा जम्मो के जम्मो राजपाल अऊ सेनापति, रथ के अधिकारी अऊ बड़े अधिकारी,
जम्मो के जम्मो घोड़ा म सवार हवंय।
24 ओमन तोर बिरूध हथियार, रथ अऊ चार पहिया गाड़ी लेके मनखेमन के भीड़ के संग आहीं; ओमन चारों
कोति ले छोटे अऊ बड़े ढाल के संग मुड़ म टोपा पहिरके तोर बिरूध मोरचा बांधहीं। मेंह तोला सजा देय बर
ओमन के हांथ म सऊंप दूहूं, अऊ ओमन अपन हिसाब से तोला सजा दीहीं।
25 मेंह तोर ऊपर अपन जलन ले भरे कोरोध देखाहूं, ओमन कोरोध म आके तोर ले बरताव करहीं। ओमन तोर
नाक अऊ कान ला काट डारहीं, अऊ तुमन म जेमन बांच जाहीं, ओमन तलवार ले मारे जाहीं। ओमन तोर बेटा
अऊ बेटीमन ला ले जाहीं, अऊ तोर म जेमन बांच जाहीं, ओमन आगी ले जलके नास हो जाहीं।
26 ओमन तोर ओनहा ला घलो उतार लीहीं अऊ तोर सुघर जेवर ला छीनके ले जाहीं।

* **23:14** या [illegible]

27 ये किसम ले मेंह ओ काम-वासना अऊ बेस्या के काम ला बंद कर दूहूं, जेला तेंह मिसर देस म सुरू करे
रहय। तेंह ये चीजमन के ईछा नइं करबे या मिसर देस ला फेर सुरता नइं करबे।
28 "काबरकि परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोला ओमन के हांथ म सऊंपनेच वाला हंव, जेमन ले
तेंह घिन करथस अऊ घिन करे के कारन जेमन ले दूरिहा हो गे रहय।
29 ओमन तोर संग घिनौना बरताव करहीं अऊ तोर कमाय जम्मो चीज ला ले लीहीं। ओमन तोला एकदम
नंगरी करके छोंड़ दीहीं, अऊ तोर बेस्या के काम के पाप ह परगट हो जाही। तोर नंगरीपन अऊ दुराचार के कारन
30 ये सब तोर संग होय हवय, काबरकि तेंह जाति-जाति के मनखेमन के पाछू काम-वासना बर भागे अऊ
ओमन के मूरतीमन ले तेंह अपनआप ला असुध करे।
31 तेंह अपन बहिनी के चाल म चले हस; एकरसेति मेंह ओकर कटोरा† ला तोर हांथ म दूहूं।

32 "परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
"तेंह अपन बहिनी के कटोरा ले पीबे,
जऊन ह बड़े अऊ गहिला हवय;
येह तोर ऊपर हंसी अऊ ठट्ठा के बात लानही
काबरकि ये कटोरा म बहुंत कुछू धरे जाथे।
33 तेंह मतवारपन अऊ दुख ले भर जाबे,
येह बिनास अऊ सुनापन के कटोरा ए,
येह तोर बहिनी सामरिया के कटोरा ए।
34 तेंह येमा ले पीबे अऊ येला खाली कर देबे
अऊ येकर टुकड़ामन ला चाबबे—
अऊ अपन छाती ला घायल करबे।
मेंह ये कहे हवंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

35 "एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जब तेंह मोला भुला गे हस अऊ मोर ले अपन मुहूं ला मोड़
ले हस, त जरूरी अय कि तेंह अपन काम-वासना अऊ बेस्या के काम के परतिफल ला भुगतबे।"
36 यहोवा ह मोर ले कहिस: "हे मनखे के बेटा, का तें ओहोला अऊ ओहोलीबा के नियाय करबे? त फेर ओमन
के घिनौना काम ओमन ला बता दे,
37 काबरकि ओमन बेभिचार करे हवंय, अऊ ओमन के हांथ म खून लगे हवय। ओमन अपन मूरतीमन के संग
म बेभिचार करिन; अऊ त अऊ ओमन अपन लइकामन ला जेवन के रूप म मूरतीमन बर बलिदान करिन, जेमन
ला ओमन मोर बर जनमाय रिहिन।
38 ओमन मोर संग अइसने घलो करे हवंय: ओही समय म ओमन मोर पबितर-स्थान ला असुध करिन अऊ
मोर बिसराम दिनमन ला अपबितर करे हवंय।
39 जऊन दिन ओमन अपन लइकामन ला अपन मूरतीमन के आघू म बलिदान करिन, ओहीच दिन ओमन मोर
पबितर-स्थान म घुसरके ओला अपबितर करिन। ओमन ये किसम के काम मोर भवन म करिन।
40 "अऊ त अऊ ओमन आदमीमन ला बलाय बर दूतमन ला पठोईन, अऊ जब ओमन आ गीन, त तें
नहा-धोके अपनआप ला ओमन बर साफ करय, आंखीमन म काजर आंजय अऊ जेवर पहिरय।
41 तें एक सुघर सोफा म बईठेय; जेकर आघू म एक मेज रखे रहय अऊ ओ मेज म तेंह धूप अऊ जैतून तेल
ला धरे रहय, जऊन ह मोर रिहिस।
42 "ओकर चारों कोति बेफिकर मनखेमन के भीड़ के कोलाहल होवत रिहिस; मतवारमन के संग निरजन जगह
के कोलाहल करइया भीड़ ले आदमीमन ला लाने गे रिहिस, अऊ ओमन ओ माईलोगन अऊ ओकर बहिनी के
कलई म कंगन अऊ ओमन के मुड़ म सुघर मुकुट पहिराईन।
43 तब मेंह ओकर बारे म कहेंव, जऊन ह बेभिचार करत-करत बेहाल हो गे रिहिस, 'ओमन ओ माईलोगन के
उपयोग एक बेस्या के रूप म करंय, काबरकि ओह एक बेस्या ही तो अय।'

† **23:31** या [illegible]

44 अऊ ओमन ओकर संग सुतिन। जइसने आदमीमन एक बेस्या के संग सुतथें, वइसने ओमन ओ बेभिचारी
माईलोगन ओहोला अऊ ओहोलीबा के संग सुतिन।
45 पर धरमी नियायधीसमन ओमन ला ओ माईलोगनमन के दंड दीहीं, जेमन बेभिचार करथें अऊ खून बहाथें,
काबरकि ओमन बेभिचारिन अंय अऊ ओमन के हांथ म खून लगे हवय।"
46 "परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ओमन के बिरूध मनखेमन के एक भीड़ ला ले आवव अऊ ओमन ला
आतंकित होय अऊ लूटे जाय बर भीड़ के हांथ म सऊंप दव।
47 ओ भीड़ के मनखेमन ओमन ऊपर पथरवाह करहीं अऊ ओमन ला अपन तलवार ले काट डारहीं; मनखेमन
ओमन के बेटा-बेटीमन ला मार डारहीं अऊ ओमन के घरमन ला जला दीहीं।
48 "ये किसम ले मेंह बेभिचार के काम ला देस ले खतम कर दूहूं, ताकि जम्मो माईलोगनमन बर एक चेतउनी
होवय अऊ ओमन तोर सहीं काम झन करंय।
49 तुमन ला तुम्हर बेभिचार के सजा मिलही अऊ तुमन ला मूरती-पूजा के पाप के परतिफल भुगतना पड़ही।
तब तुमन जानहू कि मेंह परमपरधान यहोवा अंव।"

24

[illegible]

1 हमर बंधुवई म रहे के नौवां बछर के दसवां महिना के दसवां दिन, यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, आज के दिन, आज के तारिख ला लिख ले, काबरकि आजेच के दिन बेबिलोन के राजा ह
यरूसलेम के घेराबंदी करे हवय।
3 ये बिदरोही मनखेमन ला एक पटंतर सुनाके कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'रांधे के बरतन ला मढ़ा; येला चूल्हा म मढ़ा
अऊ येमा पानी डाल दे।
4 तब येमा मांस के कुटामन ला डाल,
जम्मो बने-बने कुटामन ला—जांघ अऊ कंधा।
ये हाड़ामन के बढ़िया भाग ले येला भर दे;
5 झुंड म के सबले बने पसु ला ले।
ओ हाड़ामन बर बरतन के तरी म लकरी ला बार;
ओला डबकन दे
अऊ येमा हाड़ामन ला चुरन दे।

6 " 'काबरकि परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'खून बहइया सहर ऊपर हाय,
मुर्चा लगे ओ बरतन ऊपर हाय,
जेकर मुर्चा ह नइं छूटही!
मांस ला एक-एक कुटा करके निकालव
कोनो भी क्रम म कुटामन निकलथें, ओमन ला निकालव।

7 " 'काबरकि ओ नगर ह अपन ही बीच म खून बहाय हवय:
ओह खाली चट्टान म येला रितोय हवय;
ओह येला भुइयां म नइं रितोय हवय,
जिहां धुर्रा ह येला तोप लेतिस।
8 कोप ला भड़काय अऊ बदला लेय बर
मेंह ओकर खून ला खाली चट्टान ऊपर रखें,
ताकि येला झन तोपे जावय।

9 " 'एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'खून बहइया सहर ऊपर हाय!

मेंह घलो लकरी के कुढ़ा ला बड़े करहूं।
10 एकरसेति लकरी के कुढ़ा लगावव,
अऊ ओमा आगी लगावव।
मांस म मसाला मिलाके,
ओला बने करके पकावव;
अऊ हाड़ामन ला हल्का जलन दव।
11 तब खाली बरतन ला अंगरामन ऊपर मढ़ावव
जब तक कि येह गरम होके येकर तांबा ह लाल नइं हो जावय,
ताकि येकर असुधता ह गलके निकल जावय
अऊ ओकर मुर्चा ह जल जावय।
12 येह जम्मो मेहनत ला बेकार कर दीस;
येमा लगे भारी मुर्चा ह नइं छूटे हवय,
आगी ले घलो नइं छूटे हवय।
13 " 'तोर असुधता ह काम-वासना ए। मेंह तोला साफ करे के कोसिस करेंव, पर तेंह अपन असुधता ले साफ नइं होय, अब तोला तब तक साफ करे नइं जावय, जब तक कि तोर बिरूध मोर कोप ह सांत नइं हो जाही।

14 " 'में यहोवा ह कहे हवंव। मोर बर काम करे के बेरा आ गे हवय। मेंह नइं छोड़ंव; मेंह तोर ऊपर दया नइं करंव, अऊ न ही नरम पड़ंव। तोर चालचलन अऊ तोर काम के मुताबिक तोर नियाय करे जाही, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।' "

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

15 यहोवा के ये बचन ह मोर मेर आईस:
16 "हे मनखे के बेटा, मेंह एकेच चोट म तोर आंखी के खुसी ला छीननेवाला हंव। तभो ले तें न तो सोक मनाबे, न रोबे अऊ न ही आंसू बोहाबे।
17 चुपेचाप कलहरबे; मरे मनखे बर बिलाप झन करबे। अपन पगड़ी ला बांधे रख अऊ गोड़मन म पनही ला पहिरे रह; अपन दाढ़ी अऊ मूंछ ला झन ढांपबे या सोक करइयामन बर ठहिराय जेवन झन करबे।"
18 एकरसेति बिहनियां मेंह मनखेमन ले बात करेंव, अऊ सांझ के बेरा मोर घरवाली ह मर गीस। ओकर दूसर दिन बिहनियां, मेंह वइसने करंय, जइसने मोला हुकूम देय गे रिहिस।
19 तब मनखेमन मोर ले पुछिन, "का तेंह हमन ला नइं बतावस कि ये चीजमन के हमर से का लेना-देना हे? तेंह काबर अइसने करत हस?"
20 तब मेंह ओमन ला जबाब देंव, "यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
21 इसरायल के मनखेमन ले कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह अपन पबितर-स्थान ला अपबितर करनेचवाला हंव—ओ गढ़ जेकर ऊपर तुमन घमंड करथव, जेकर ले तुमन ला खुसी मिलथे, जेह तुम्हर मया के चीज अय। जऊन बेटा-बेटीमन ला तुमन अपन पाछू छोंड़ गे हव, ओमन तलवार ले मारे जाहीं।
22 अऊ तुमन वइसनेच करहू, जइसने मेंह करे हवंव। तुमन अपन दाढ़ी अऊ मूंछ ला नइं ढांपहू या सोक करइयामन बर ठहिराय गे जेवन नइं खाहू।
23 तुमन अपन मुड़ म अपन पगड़ी ला बांधे रखहू अऊ गोड़ म अपन पनही ला पहिरे रहिहू। तुमन न तो सोक मनाहू अऊ न ही रोहू, बरन अपन पाप अऊ अपनेच बीच म कलहरे के कारन, तुमन बेकार हो जाहू।
24 यहेजकेल ह तुम्हर बर एक चिनहां ठहिरही; तुमन वइसने ही करहू, जइसने ओह करे हवय। जब येह होही, तब तुमन जानहू कि मेंह परमपरधान यहोवा अंव।' "
25 "अऊ हे मनखे के बेटा, जऊन दिन मेंह ओमन के मजबूत गढ़, ओमन के आनंद अऊ महिमा, ओमन के आंखी के खुसी, ओमन के हिरदय के ईछा, अऊ संग म ओमन के बेटा-बेटीमन ला लूट लूहूं—
26 ओही दिन एक भगोड़ा मनखे ह आके तोला खबर दीही।
27 ओ बेरा तोर मुहूं ह खुल जाही; तेंह ओ मनखे ले गोठियाबे अऊ फेर तें चुप नइं रहिबे। ये किसम ले तें ओमन बर एक चिनहां ठहिरबे, अऊ ओमन जानहीं के मेंह यहोवा अंव।"

25

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 “हे मनखे के बेटा, अमोनीमन कोति अपन मुहूं करके ओमन के बिरूध अगमबानी कर।
3 ओमन ले कह, ‘परमपरधान यहोवा के बचन ला सुनव। परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: काबरकि तुमन
मोर पबितर-स्थान ऊपर “अहा!” कहेव, जब ओह अपबितर करे गीस अऊ जब इसरायल ह उजड़ गीस अऊ
यहूदा के मनखेमन बंधुवई म गीन,
4 ये खातिर मेंह तुमन ला पूरब देस के मनखेमन के अधीन करनेवाला हंव। ओमन तुम्हर बीच म अपन डेरा
डालहीं अऊ अपन तम्बूमन ला गाड़हीं; ओमन तुम्हर फर ला खाहीं अऊ तुम्हर पसुमन के दूध ला पीहीं।
5 मेंह रब्बा सहर ला ऊंटमन के चरागन अऊ अमोन ला भेड़मन के अराम करे के जगह बना दूहूं। तब तुमन
जानहू कि मेंह यहोवा अंव।
6 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: काबरकि तुमन इसरायल देस के बिरूध अपन हिरदय के जम्मो
जलन भावना के कारन ताली बजाय हव अऊ अपन गोड़मन ला पटके हव अऊ आनंद मनाय हव,
7 एकरसेति, मेंह अपन हांथ ला तुम्हर बिरूध लमाहूं; अऊ तुमन ला लूट के सामान के रूप म जाति-जाति के
मनखेमन ला दे दूहूं। मेंह जाति-जाति के मनखेमन के बीच म ले तुम्हर नामोनिसान मिटा दूहूं अऊ देसमन म
मेंह तुमन ला पूरा नास कर दूहूं। मेंह तुमन ला नास कर दूहूं, अऊ तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।’ ”

[illegible]

8 “परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ‘काबरकि मोआब अऊ सेईर कहे हवंय, “देखव, यहूदा ह जम्मो आने
जातिमन असन हो गे हवय,”
9 ये खातिर मेंह मोआब देस के किनारा ला खुला छोंड़हूं, येकर सीमना के नगरमन ले सुरू
करहूं—बेत-यसीमोत, बाल-मेओन अऊ किरयातैम—जेमन ओ देस के महिमा अंय।
10 मेंह अमोनीमन के संग मोआब ला पूरब देस के मनखेमन के अधीन कर दूहूं, जेकर कारन जाति-जाति के
बीच म कोनो भी अमोनीमन ला सुरता नइं करहीं;
11 अऊ मेंह मोआब ला दंड दूहूं। तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।’ ”

[illegible]

12 “परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ‘काबरकि एदोम ह यहूदा ले बदला लीस अऊ अइसने करके ओह बहुंत
दोसी हो गीस,
13 ये खातिर परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह एदोम देस के बिरूध अपन हांथ ला लमाहूं अऊ ओमा के
आदमी अऊ पसु दूनों ला मार डारहूं। मेंह ओला उजाड़ दूहूं; अऊ तेमान सहर ले लेके ददान सहर तक ओमन
तलवार ले मारे जाहीं।
14 मेंह अपन मनखे इसरायलीमन के दुवारा एदोम ले बदला लूहूं, अऊ ओमन एदोम के संग मोर कोरोध अऊ
कोप के अनुसार बरताव करहीं; तब ओमन मोर बदला लेवई ला जानहीं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत
हे।’ ”

[illegible]

15 “परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ‘काबरकि पलिस्ती मनखेमन बदला लेवई के भावना से काम करिन अऊ
अपन मन म बईरता के कारन बदला लीन, अऊ पुराना बईरता के कारन यहूदा ला नास करे के कोसिस करिन,
16 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह पलिस्तीमन के बिरूध अपन हांथ बढ़ानेचवाला हंव, अऊ
मेंह करेतीमन ला मिटा दूहूं अऊ समुंदर तीर के बांचे मनखेमन ला नास कर दूहूं।
17 मेंह ओमन ले भयंकर बदला लूहूं अऊ अपन कोप म आके ओमन ला दंड दूहूं। तब ओमन जानहीं कि मेंह
यहोवा अंव, जब मेंह ओमन ले बदला लूहूं।’ ”

26

[illegible]

1 हमर बंधुवई म रहे के बारहवां बछर के गियारहवां महिना के पहिला दिन, यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 “हे मनखे के बेटा, काबरकि सूर सहर ह यरूसलेम के बिसय म ये कहे हवय, ‘अहा! जाति-जाति के मनखेमन
के दुवार टूट गे हवय, अऊ ओकर कपाटमन मोर कोति खुल गे हवंय; अब ओह उजड़ गे हवय, त मेंह उन्नति
करहूं,’
3 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे सूर, मेंह तोर बिरूध म हवंव, अऊ मेंह बहुंते जाति के
मनखेमन ला तोर बिरूध समुंदर के लहरामन सहीं ले आहूं।
4 ओमन सूर के दीवारमन ला नास कर दीहीं अऊ ओकर मीनारमन ला टोरके गिरा दीहीं; मेंह ओकर माटी ला
खुरचके ओला एक खाली चट्टान कर दूहूं।
5 बाहिर समुंदर म, ओह मछरी के जाल डाले के एक जगह हो जाही, काबरकि मेंह कहे हवंव, परमपरधान
यहोवा ह घोसना करत हे। ओह जाति-जाति के मनखेमन बर लूट के सामान हो जाही,
6 अऊ महाद्वीप म बसे ओकर बस्ती ला तलवार के दुवारा नास करे जाही। तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा
अंव।
7 “काबरकि परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह सूर के बिरूध उत्तर दिग ले राजाधिराज बेबिलोन के राजा
नबूकदनेसर ला घोड़ा, रथ, घुड़सवार अऊ बड़े सेना के संग लानेवाला हंव।
8 ओह महाद्वीप म तोर बस्ती ला तलवार ले नास कर दीही; ओह तोर बिरूध घेराबंदी करही, तोर दीवारमन ले
ढलान बनाही अऊ तोर बिरूध अपन ढाल ला उठाही।
9 ओह तोर दीवारमन के बिरूध लड़ई के हथियार चलाही अऊ तोर मीनारमन ला हथियारमन ले गिरा दीही।
10 ओकर घोड़ामन अतेक होहीं कि तेंह ओमन के धुर्रा ले तोपा जाबे। तोर दीवारमन लड़ई के घोड़ा, चार
पहिया गाड़ी अऊ रथमन के अवाज ले कांप जाहीं, जब ओह तोर दुवारमन ले अइसने घुसही, जइसने
आदमीमन टूटे दीवारमन ले कोनो सहर म घुसथें।
11 ओकर घोड़ामन के खुर ले तोर जम्मो गलीमन खुंदे जाहीं; ओह तोर मनखेमन ला तलवार ले मार डारही,
अऊ तोर मजबूत खंभामन भुइयां म गिराय जाहीं।
12 ओमन तोर धन-संपत्ति ला लूटहीं अऊ तोर बेपार के चीजमन ला छीन लीहीं; ओमन तोर दीवारमन ला
टोरके गिरा दीहीं अऊ तोर सुघर घरमन ला टोर दीहीं अऊ तोर पथरा, इमारती लकरी अऊ कचरा ला पानी म
फटिक दीहीं।
13 मेंह तोर कंझट करइया गीतमन ला खतम कर दूहूं, अऊ तोर बीनामन के संगीत ह फेर सुनई नइं दीही।
14 मेंह तोला एक खाली चट्टान बना दूहूं, अऊ तेंह मछरी के जाल बगराय के एक जगह बन जाबे। तोला फेर
बनाय नइं जाही, काबरकि में यहोवा ह कहे हवंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
15 “परमपरधान यहोवा ह सूर ले ये कहत हे: का तोर गिरे के अवाज ले समुंदर तीर के भुइयां ह कांप नइं
उठही, जब घायल मनखेमन कलहरहीं अऊ तोर बीच म मारकाट होही?
16 तब समुंदर तीर के जम्मो राजकुमारमन अपन-अपन सिंघासन ले उतरहीं अऊ अपन बागा ला अलग रख
दीहीं अऊ अपन कसीदावाला ओनहा ला उतार दीहीं। आतंक के ओनहा पहिरके, हर पल कांपत अऊ तोर ले
डराके भुइयां म बईठे रहिहीं।
17 तब ओमन तोर बिसय म एक बिलापगीत लीहीं अऊ तोला कहिहीं:
“ ‘हे खियाती पाय सहर, तेंह कइसे नास हो गे,
समुंदर तीर के मनखेमन तोर म बसे रिहिन!
तेंह समुंदर म एक सक्ति रहय,
तें अऊ तोर निवासीमन;
तेंह ओ जम्मो झन ला आतंकित करय
जेमन उहां रहत रिहिन।
18 अब समुंदर तीर के भुइयां ह
तोर गिरे के दिन म कांपथे;

समुंदर के द्वीपमन
तोर गिरे ले भयभीत होवत हें।'
19 "परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जब मेंह तोला उजड़े सहर बना दूहूं, ओ सहरमन सहीं जिहां कोनो नइं
रहंय, अऊ जब मेंह तोर ऊपर समुंदर के गहरई ला ले आहूं, अऊ ओकर बहुंते पानी म तेंह बुड़ जाबे,
20 तब में तोला ओमन के संग खाल्हे ले आहूं, जेमन खाल्हे खंचवा म बहुंत पहिले के मनखेमन करा जाथें।
पुराना जमाना के बिनास सहीं, मेंह तोला धरती के खाल्हे ओमन के संग निवास करवाहूं, जेमन खाल्हे खंचवा म
जाथें, अऊ तेंह जीयत मनखेमन के भुइयां म रहे बर फेर लहुंटके नइं आबे।
21 मेंह तोर एक भयंकर अन्त कर दूहूं अऊ तेंह खतम हो जाबे। तोला खोजे तो जाही, पर तेंह फेर कभू नइं
मिलबे, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।"

27

[illegible]
1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, सूर सहर के बिसय म एक ठन बिलापगीत ले।
3 सूर ले कह, जऊन ह समुंदर के मुंहटा म बसे हवय, अऊ बहुंत अकन समुंदर तीर के मनखेमन के बेपारी अय,
'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'हे सूर, तेंह कहिथस,
"मेंह बहुंत सुघर हंव।"
4 तोर इलाका ह ऊंच समुंदर म रिहिस;
तोर बनइयामन तोला एकदम सुघर बनाईन।
5 ओमन तोर जम्मो इमारती लकरी
सनीर* के सनोवर के लकरी ले लीन;
तोर बर पतवार बनाय बर
ओमन लबानोन के देवदार के लकरी लीन।
6 ओमन तोर पतवारमन ला
बासान के बलूत रूखमन ले बनाईन;
कित्ती के समुंदर तीर के गोपेर लकरी ले
ओमन तोर पानी जहाज के छत ला बनाईन अऊ हाथी-दांत ले सजाईन।
7 तोर जहाज के तिरपाल ह मिसर देस के कसीदा करे गय मलमल कपड़ा ले बने रिहिस
अऊ येह तोर बर झंडा के काम करय;
तोर तिरपालमन एलीसाह† के समुंदर तीर के
नीला अऊ बैंगनी कपड़ा के बने रिहिन।
8 तोर पतवार चलानेवालामन सीदोन अऊ अरवद सहरमन के आदमी रिहिन;
हे सूर, तोर कुसल आदमीमन नाविक के रूप म जहाज म रिहिन।
9 गबाल के अनुभवी कारीगरमन
जहाज के मरम्मत करे बर जहाज म रिहिन।
समुंदर के जम्मो जहाज अऊ ओमन के चलइयामन
तोर बेपार के सामान के लेन-देन करे बर संग-संग आ गे रिहिन।

10 " 'फारसी, लूदी अऊ पूती मनखेमन
तोर सेना म सैनिक के रूप म रिहिन।
ओमन अपन ढाल अऊ टोप ला
तोर सोभा बढ़ात तोर दीवारमन म टांग दीन।
11 अरवद सहर अऊ हेलेक इलाका के आदमीमन

* **27:5** हेरमोन पहाड़ † **27:7** साइप्रस के द्वीप

चारों कोति ले तोर दीवारमन के पहरेदारी करिन;
गमाद नगर के आदमीमन
तोर मीनारमन म रिहिन।
ओमन अपन ढाल चारों कोति तोर दीवारमन म टांग दीन;
ओमन तोर सुघरता बहुंत बढ़ाईन।
12 “ ‘जम्मो किसम के सामान के बहुंतायत के कारन तरसीस सहर के मनखेमन तोर संग बेपार करिन; ओमन
चांदी, लोहा, टीन अऊ सीसा ला देके तोर माल ला बिसाईन।
13 “ ‘यूनान, तूबल अऊ मेसेक देस के मनखेमन तोर संग बेपार करिन; ओमन तोर बेपारी सामान के बदला म
दास-दासी अऊ कांसा के चीजमन ला दीन।
14 “ ‘बेत-तोगरमा इलाका के आदमीमन तोर बेपार के सामान के बदला म रथवाला घोड़ा, सेना के घोड़ा अऊ
खच्चरमन ला दीन।
15 “ ‘रूदुस‡ के आदमीमन तोर संग बेपार करिन, अऊ बहुंत अकन समुंदर तीर के मनखेमन तोर खरीददार
रिहिन; ओमन तोर सामान के बदले हाथी-दांत अऊ तेंदू के कठवा देवत रिहिन।
16 “ ‘तोर मेर बहुंत सामान होय के कारन अराम के मनखेमन तोर ले बेपार करिन; ओमन तोर सामान के बदले
हरा लालमनि, बैंगनी रंग के ओनहा, कसीदाकारी करे गय ओनहा, बढ़िया मलमल के ओनहा, मूंगा अऊ
लालमनि देवत रिहिन।
17 “ ‘यहूदा अऊ इसरायल घलो तोर ले बेपार करत रिहिन; ओमन तोर सामान के बदले मिन्नीत के गहूं,
मिठई, मंधरस, जैतून तेल, अऊ मलहम देवत रिहिन।
18 “ ‘तोर बहुंत अकन सामान अऊ बहुंत धन-संपत्ति के कारन दमिस्क ह तोर संग बेपार करिस। ओमन तोला
हेलबोन नगर के अंगूर के मंद, अऊ जाहर नगर के ऊन दीन।
19 अऊ ईजाल ले लकरी के पीपा म भरे अंगूर के मंद के बदला बनाय गय लोहा, दालचीनी अऊ तेजपान
दीन।
20 “ ‘घोड़ा के पीठ म बिछाय के कम्बल बर ददान ह तोर संग बेपार करिस।
21 “ ‘अरब के मनखे अऊ केदार के जम्मो राजकुमारमन तोर सामान के खरीददार रिहिन; ओमन मेढ़ा-पीला,
मेढ़ा, अऊ बोकरा देके तोर संग लेन-देन करत रिहिन।
22 “ ‘सेबा राज अऊ रामा सहर के बेपारीमन तोर संग बेपार करिन; तोर सामान के बदले म ओमन तोला
सबले बने किसम के मसाला अऊ कीमती रत्न, अऊ सोन देवत रिहिन।
23 “ ‘हारान, कन्ने, अऊ एदेन अऊ सेबा, अस्सूर अऊ किलमद सहरमन के बेपारीमन तोर संग बेपार करिन।
24 तोर बजार के जगह म ओमन तोर सामान के बदले सुघर ओनहा, नीला कपड़ा, बूटावाले ओनहा अऊ बंटे
अऊ कसके बंधे डोरी वाले रंग-बिरंगा गलीचा देवत रिहिन।
25 “ ‘तोर बेपारी सामान के ढोवई
तरसीस के पानी जहाजमन ले होथे।
जब तें समुंदर के यातरा म जाथस
त जहाज म भारी सामान भरे रहिथे।
26 तोर जहाज के खेवइयामन
तोला गहिला समुंदर म ले जाथें।
पर पूरब के हवा ह दूरिहा समुंदर म
तोर जहाज के कुटा-कुटा कर दीही।
27 तोर संपत्ति, बेपारी सामान अऊ आने सामान,
तोर नाविकमन, जहाज खेवइयामन अऊ जहाज ला मरम्मत करइयामन,
तोर बेपारी अऊ तोर सैनिकमन,
अऊ जहाज म के हर एक चीज
ओ दिन समुंदर के बीच डूब जाहीं
जब तोर जहाज ह टूट जाही।

‡ **27:15** सेप्टाजिन्ट; इबरानी म [illegible]

28 जब तोर जहाज खेवइयामन चिचियाहीं
त समुंदर तीर के भुइयां ह कांप उठही।
29 पतवार चलइया जम्मो झन
अपन जहाजमन ला छोंड़ दीहीं;
नाविक अऊ जहाज खेवइया जम्मो झन
जहाज ले उतरके समुंदर तीर म ठाढ़ हो जाहीं।
30 ओमन तोर ऊपर चिचियाहीं
अऊ फूट-फूटके रोहीं;
ओमन अपन मुड़ म धुर्रा छिंचके
राख म घुंडलहीं।
31 ओमन तोर कारन अपन मुड़ ला मुड़ा लीहीं
अऊ बोरा के कपड़ा पहिरहीं।
ओमन अपन मन म भारी दुख
अऊ भारी सोक ले तोर बर रोहीं।
32 जब ओमन तोर बिसय म रोहीं अऊ सोक मनाहीं,
त ओमन तोर बारे म एक बिलापगीत गाहीं:
"कोन ह समुंदर ले घिरे के बाद घलो
सूर के सहीं चुपेचाप रिहिस?"
33 जब तोर बेपार के माल ह समुंदर म जावय,
त तेंह बहुंते जाति के मनखेमन ला संतुस्ट करय;
अपन बहुंत धन अऊ बेपार के माल ले
तेंह धरती के राजामन ला धनी कर देय।
34 अब तें गहिला पानी म
समुंदर के दुवारा चकनाचूर हो गे हस;
तोर जहाज के माल अऊ तोर पूरा झुंड
तोर संग डूब गे हवय।
35 समुंदर तीर म रहइया जम्मो झन
तोर दसा देखके डर गे हवंय;
ओमन के राजामन डर के मारे कांपथें
अऊ डर के मारे ओमन के चेहरा के रंग उड़ गे हवय।
36 जाति-जाति के बीच बेपारीमन तोर हंसी उड़ाथें;
तोर एक भयंकर अन्त हो गे हवय
अऊ तोर नामोनिसान नइं रहय।' "

28

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, सूर के सासन करइया ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'अपन मन म घमंड करके
तेंह कहिथस, "मेंह एक ईस्वर अंव;
मेंह समुंदर के बीच
ईस्वर के सिंघासन म बईठथंव।"
पर तेंह सिरिप एक मरनहार जीव अस, ईस्वर नो हस,
हालाकि तेंह सोचथस कि तेंह ईस्वर के सहीं बुद्धिमान अस।
3 का तेंह दानिएल ले जादा होसियार अस?

का तोर ले कोनो भेद के बात छुपे नइं ए?
4 अपन बुद्धि अऊ समझ के दुवारा
तेंह अपन बर धन कमाय हस
अऊ अपन खजाना म
सोन अऊ चांदी जमा करे हस।
5 बेपार म अपन बड़े कुसलता के दुवारा
तेंह अपन संपत्ति बढ़ाय हस,
अऊ तोर धन के कारन
तोर मन ह घमंडी हो गे हवय।
6 " 'एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'काबरकि तें सोचथस
कि तें ईस्वर सहीं बुद्धिमान अस,
7 एकरसेति मेंह परदेसीमन ले तोर बिरोध करवाहूं,
जेमन जम्मो जातिमन म सबले जादा निरदयी अंय;
ओमन तोर सुघरता अऊ बुद्धिमानी ऊपर अपन तलवार चलाहीं
अऊ तोर चमकत सोभा ला नास कर दीहीं।
8 ओमन तोला खाल्हे खंचवा म ले आहीं,
अऊ समुंदर के बीच म
तें भयंकर मिरतू ले मरबे।
9 जेमन तोला मार डालहीं, ओमन के आघू म
तब का तें कहिबे, "मेंह ईस्वर अंव?"
जेमन तोला मार डालथें, ओमन के हांथ म
तें एक मरनहार अस, ईस्वर नइं।
10 तेंह परदेसीमन के हांथ म
खतनारहित मनखेमन असन मारे जाबे।
मेंह कहे हंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।' "

11 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
12 "हे मनखे के बेटा, सूर के राजा के बिसय म एक बिलापगीत ले अऊ ओला कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'तें बुद्धि ले भरे अऊ बहुंत सुघर,
उत्तमता के मुहर रहय।
13 तेंह परमेसर के बगीचा,
अदन म रहय;
हर एक कीमती रत्न ले तोला सजाय गे रिहिस:
मानिक, हीरा अऊ पन्ना,
पुखराज, गोमेदक अऊ मनि,
नीलमनि, फिरोजा अऊ मरकत।
तोर बईठे के जगह अऊ बईठकमन सोन के बने रिहिन;
जऊन दिन तोला बनाय गीस, ओहीच दिन ओमन ला तियार करे गीस।
14 एक अविभावक करूब के रूप म तोर राजतिलक होईस,
इही काम बर मेंह तोर अभिसेक करेंव।
तें परमेसर के पबितर पहाड़ म रहय;
तेंह आगी कस चमकनेवाला पथरामन के बीच चलत-फिरत रहय।
15 अपन सिरजे गय दिन ले
तेंह अपन चालचलन म निरदोस रहय

जब तक कि तोर दुस्टता नइं पाय गीस।
16 तोर बेपार के फईले होय के कारन
तेंह हिंसा ले भर गे रहय,
अऊ तेंह पाप करय।
एकरसेति मेंह तोला कलंक म परमेसर के पहाड़ ले भगा देंव,
अऊ हे अविभावक करूब, मेंह तोला
आगी कस चमकत पथरामन के बीच ले निकाल देंव।
17 तोर सुघरता के कारन
तोर मन ह घमंडी हो गीस,
अऊ तोर सोभा के कारन
तोर बुद्धि ह बिगड़ गीस।
एकरसेति मेंह तोला भुइयां म फटिक देंव;
मेंह तोला राजामन के आघू म एक तमासा बना देंव।
18 अपन बहुंत पाप अऊ बेईमानी के बेपार ले
तेंह अपन पबितर-स्थानमन ला अपबितर कर दे हस।
एकरसेति मेंह तोर म ले ही एक अइसन आगी ला बनांय,
जऊन ह तोला जलाके नास कर दीस,
अऊ जेमन तोला देखत रिहिन, ओ जम्मो के आघू म
मेंह तोला भुइयां म राख बना देंव।
19 ओ जम्मो जाति के मनखे जेमन तोला जानत रिहिन
तोर हालत ले डरा गीन;
तोर एक भयानक अन्त होय हवय
अऊ अब तोर नामोनिसान नइं रहय।' "

[illegible]

20 यहोवा के ये बचन ह मोर मेर आईस:
21 "हे मनखे के बेटा, अपन मुहूं ला सीदोन सहर कोति कर; ओकर बिरूध म अगमबानी कर
22 अऊ कह: 'परमपरधान यहोवा ये कहत हे:
" 'हे सीदोन, मेंह तोर बिरूध हवंव,
अऊ तोर बीच म मेंह अपन महिमा परगट करहूं।
जब मेंह तोला दंड दूहूं
तब तेंह जानबे कि मेंह यहोवा अंव,
अऊ तोर ही बीच म मेंह पबितर ठहिरहूं।
23 मेंह तोर बीच म महामारी पठोहूं
अऊ तोर गलीमन म खून बहाहूं।
चारों कोति ले तोर बिरूध तलवार चलही,
अऊ मारे गय मनखेमन तोरेच बीच म गिरहीं।
तब तेंह जानबे कि मेंह यहोवा अंव।
24 " 'तब इसरायली मनखेमन के अइसे पड़ोसी नइं होहीं, जेमन पीरा देवइया कंटिली झाड़ी अऊ तेज गड़नेवाला कांटा सहीं अंय। तब ओमन जानहीं कि मेंह परमपरधान यहोवा अंव।
25 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जब मेंह इसरायल के मनखेमन ला ओ जातिमन ले इकट्ठा करहूं, जेमन के बीच म ओमन तितिर-बितिर हो गे हवंय, त में ओमन के जरिये ओ जातिमन के मनखे के नजर म पबितर ठहिरहूं। तब ओमन अपन खुद के देस म रहिहीं, जेला मेंह अपन सेवक याकूब ला देय रहेंव।

26 ओमन उहां सुरकछित रहिहीं अऊ घर बनाहीं अऊ अंगूर के बारी लगाहीं; ओमन सुरकछित रहिहीं जब में
ओमन के ओ जम्मो परोसीमन ला दंड दूहूं, जेमन ओमन ले बईरता रखत रिहिन। तब ओमन जानहीं कि में
यहोवा ओमन के परमेसर अंव।' "

29

[illegible]

[illegible]

1 बंधुवई के दसवां बछर के, दसवां महिना के बारहवां दिन, यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, अपन मुहूं ला मिसर के राजा फिरौन कोति करके ओकर अऊ जम्मो मिसर के बिरूध
अगमबानी कर।
3 ओकर ले बात कर अऊ कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'हे मिसर के राजा फिरौन, मेंह तोर बिरूध हंव,
तें एक बहुंत बड़े जन्तु अस, जऊन ह अपन पानी के सोतामन के बीच पड़े रहिथस।
तेंह कहिथस, "नील नदी ह मोर ए;
मेंह ओला अपन बर बनाय हवंव।"
4 पर मेंह तोर जबड़ामन म गरी डालहूं
अऊ तोर सोता के मछरीमन ला तोर खाल म चिपका दूहूं।
मेंह तोला तोर सोतामन ले बाहिर ले आहूं,
अऊ जम्मो मछरीमन तोर खाल म चिपके रहिहीं।
5 मेंह तोला अऊ तोर सोतामन के जम्मो मछरीमन ला
मरू-भुइयां म छोंड़ दूहूं।
तेंह खुला मैदान म पड़े रहिबे
अऊ तोला न तो संकेले जाही अऊ न उठाय जाही।
मेंह तोला जेवन के रूप म
धरती के पसु अऊ अकास के चिरईमन ला दे दूहूं।
6 तब मिसर देस म रहइया जम्मो झन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।

" 'तेंह इसरायल के मनखेमन बर सरकंडा के एक लउठी हो गे हस।
7 जब ओमन तोला अपन हांथ म धरिन, त तेंह चीरा गेय अऊ ओमन के कंधामन ला फार डारय; जब ओमन
तोर ऊपर टेक लगाईन, त तेंह टूट गेय अऊ ओमन के पीठ के मंझरेटामन लचक गीन।
8 " 'एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह तोर ऊपर तलवार चलाहूं अऊ आदमी अऊ पसु दूनों ला
मार डालहूं।
9 मिसर देस ह निरजन अऊ उजाड़ हो जाही। तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।
" 'काबरकि तेंह कहय, "नील नदी ह मोर अय; मेंह ओला बनाय हंव,"
10 एकरसेति मेंह तोर अऊ तोर पानी के सोतामन के बिरूध हवंव, अऊ मिसर देस ला मिगदोल ले लेके
असवान तक, बरन कूस देस के सीमना तक खंडहर कर दूहूं अऊ उजाड़ दूहूं।
11 न तो कोनो मनखे अऊ न ही कोनो पसु उहां ले होके जाहीं; उहां चालीस बछर तक कोनो नइं रहिहीं।
12 मेंह बरबाद हो गय देसमन के बीच मिसर देस ला उजाड़ दूहूं, अऊ ओकर सहरमन नास हो गय सहरमन के
बीच चालीस बछर तक उजाड़ पड़े रहिहीं। अऊ मेंह मिसरीमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच एती-ओती
कर दूहूं अऊ देस-देस म तितिर-बितिर कर दूहूं।
13 " 'तभो ले परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: चालीस बछर के आखिरी म मेंह मिसरीमन ला ओ जातिमन
के बीच ले इकट्ठा करहूं, जिहां ओमन तितिर-बितिर हो गे रिहिन।

14 मेंह ओमन ला बंधुवई ले वापिस ले आहूं अऊ ओमन ला ऊपरी मिसर म लहुंटा ले आहूं, जऊन ह ओमन
के पुरखामन के देस अय। उहां ओमन एक निचला दरजा के राज के रूप म होहीं।
15 येह जम्मो राजमन म सबले निचला दरजा के राज होही अऊ येह अपनआप ला फेर कभू आने जातिमन ले
ऊपर नइं उठा सकही। मेंह येला अतेक कमजोर कर दूहूं कि येह फेर कभू जाति-जाति के मनखेमन ऊपर सासन
नइं कर पाही।
16 मिसर ह फेर इसरायल के मनखेमन के भरोसा के कारन नइं होही, पर येह इसरायल ला ओमन के ओ पाप
के सुरता करात रहिही, जब ओमन मदद बर मिसर कोति देखिन। तब ओमन जानहीं कि मेंह परमपरधान यहोवा
अंव।' "

[illegible]

17 फेर सत्ताईसवां बछर के पहिला महिना के पहिला दिन, यहोवा के बचन मोर मेर आईस:
18 "हे मनखे के बेटा, बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह सूर के बिरूध एक कठोर सैनिक अभियान करवाय हवय;
हर एक के मुड़ ह चंदवा हो गीस अऊ हर एक के कंधा के चमड़ी ह निकल गीस। तभो ले ओला अऊ ओकर सेना
ला सूर के बिरूध करे गय अभियान ले कोनो फायदा नइं होईस।
19 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ला मिसर देस देनेवाला
हंव, अऊ ओह मिसर के संपत्ति ला ले जाही। ओह अपन सेना के जरूरत ला पूरा करे बर मिसर देस के चीजमन
ला लूटही अऊ छीन लीही।
20 मेंह ओकर मेहनत के बदला म ओला मिसर देस एक ईनाम के रूप म देय हवंव, काबरकि ओ अऊ ओकर
सेना ह ये काम मोर बर करिन, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
21 "ओहीच दिन मेंह इसरायलीमन बर एक सींग* उगाहूं, अऊ मेंह ओमन के बीच तोर मुहूं ला खोलहूं। तब
ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।"

30

[illegible]

1 यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, अगमबानी करके कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'बिलाप करव अऊ कहव,
"हाय ओ दिन बर!"
3 काबरकि ओ दिन ह लकठा म हवय,
यहोवा के दिन ह लकठा म हवय—
बादरमन के दिन,
जाति-जाति के मनखेमन बर दंड के दिन होही।
4 मिसर के बिरूध एक तलवार उठही,
अऊ कूस* ऊपर पीरा के समय आही।
जब मिसर म हतिया करे जाही,
तब ओकर धन-संपत्ति ले लिये जाही
अऊ ओकर नीवमन ला टोरके गिरा दिये जाही।
5 कूस अऊ लिबिया, लूदी अऊ जम्मो अरब, कूब अऊ करार करे देस के मनखेमन, मिसरीमन के संग म तलवार
ले मारे जाहीं।
6 " 'यहोवा ह ये कहत हे:
" 'मिसर के संगी देसमन नास हो जाहीं
अऊ ओकर घमंड ले भरे बल ह खतम हो जाही।
मिगदोल ले लेके असवान तक
ओमन ओकर भीतर ही तलवार ले मारे जाहीं,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

* **29:21** [illegible] इहां येह ताकत के प्रतीक अय * **30:4** ऊपरी नील नदी के इलाका

7 ओमन निरजन देसमन के बीच
निरजन हो जाहीं,
अऊ नास हो गय सहरमन के बीच
ओमन के सहरमन नास होके पड़े रहिहीं।
8 जब मेंह मिसर म आगी लगाहूं,
अऊ ओकर जम्मो मददगारमन कुचरे जाहीं,
तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।
9 “ ‘ओ दिन मोर करा ले संदेसियामन जहाजमन म निकलके जाहीं अऊ कूस के मनखेमन ला ओमन के
आत्म-संतोस होय ले डराहीं। मिसर के बिनास के दिन ओमन पीरा ले भर जाहीं, काबरकि अइसने जरूर होही।

10 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
“ ‘मेंह बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर के हांथ ले
मिसर के उपदरवी मनखेमन के अन्त कर दूहूं।
11 ओ अऊ ओकर सेना ला जऊन मन जम्मो जातिमन म बहुंत निरदयी अंय
ओ देस ला नास करे बर लाय जाही।
ओमन मिसर के ऊपर तलवार चलाहीं
अऊ देस ला हतिया करे गय मनखेमन ले भर दीहीं।
12 मेंह नील नदी के पानी ला सूखा दूहूं
अऊ देस ला एक दुस्ट जाति के हांथ म बेच दूहूं;
परदेसीमन के दुवारा
मेंह देस अऊ ओमा के हर एक चीज ला उजाड़ दूहूं।
में यहोवा ह कहे हवंव।

13 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
“ ‘मेंह मूरतीमन ला नास कर दूहूं
अऊ मेमफीस सहर म मूरतीमन के अन्त कर दूहूं।
मिसर देस म फेर कोनो राजकुमार नइं होहीं,
अऊ मेंह पूरा देस म डर फईला दूहूं।
14 मेंह ऊपरी मिसर ला उजाड़ दूहूं,
सोअन सहर म आगी लगा दूहूं
अऊ थेबेस सहर ला सजा दूहूं।
15 पेलुसियम, जऊन ह मिसर के मजबूत नगर अय,
ओकरे ऊपर मोर कोप ह भड़कही,
अऊ मेंह थेबेस के उपदरवी मनखेमन ला नास कर दूहूं।
16 मेंह मिसर म आगी लगा दूहूं;
पेलुसियम ह पीरा म तड़पही।
थेबेस नगर गरेर म उड़ जाही;
मेमफीस म लगातार दुख-पीरा बने रहिही।
17 ओन† अऊ पीवेसेत‡ सहर के जवानमन
तलवार ले मारे जाहीं,
अऊ ये सहरमन बंधुवई म चले जाहीं।
18 जब मेंह मिसर के जुड़ा ला टोरहूं,

---

† **30:17** या [illegible] ‡ **30:17** या [illegible]

तब तहपनहेस नगर म दिन म ही अंधियार हो जाही;
तब उहां ओकर घमंड ले भरे बल के अन्त हो जाही।
ओकर ऊपर बादर छा जाही,
अऊ ओकर गांवमन बंधुवई म चले जाहीं।
19 ये किसम ले मेंह मिसर देस ला सजा दूहूं,
अऊ ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।' "

[illegible]

20 हमर बंधुवई के गियारहवां बछर के, पहिला महिना के सातवां दिन, यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
21 "हे मनखे के बेटा, मेंह मिसर के राजा फिरौन के बाहां ला टोर देय हंव। ओकर ईलाज बर ओला बांधे नइं गे हवय या ओमा पलस्तर नइं चघाय गे हवय ताकि ओह मजबूत होके तलवार ला धर सकय।
22 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह मिसर के राजा फिरौन के बिरूध म हवंव। मेंह ओकर दूनों बाहांमन ला टोर दूहूं, बने बाहां के संगे-संग टूटे बाहां ला घलो, अऊ तलवार ला ओकर हांथ ले गिरवा दूहूं।
23 मेंह मिसरीमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच एती-ओती फईला दूहूं अऊ देस-देस म ओमन ला तितिर-बितिर कर दूहूं।
24 मेंह बेबिलोन के राजा के बाहांमन ला मजबूत करहूं अऊ अपन तलवार ला ओकर हांथ म दे दूहूं, पर मेंह फिरौन के बाहांमन ला टोर दूहूं, अऊ ओह बेबिलोन के राजा के आघू म अइसन कलहरही, जइसन मरनेवाला एक घायल मनखे कलहरथे।
25 मेंह बेबिलोन के राजा के बाहांमन ला मजबूत करहूं, पर फिरौन के बाहांमन ढीला पड़ जाहीं। तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव, जब मेंह अपन तलवार बेबिलोन के राजा के हांथ म दे दूहूं अऊ ओह येकर उपयोग मिसर देस के बिरूध करही।
26 मेंह मिसरीमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच फईला दूहूं अऊ ओमन ला देस-देस म तितिर-बितिर कर दूहूं। तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।"

31

[illegible]

1 गियारहवां बछर के, तीसरा महिना के पहिला दिन, यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, मिसर के राजा फिरौन अऊ ओकर उपदरवी मनखेमन ले कह:
" 'तोर गौरव के तुलना काकर संग करे जाय?
3 अस्सूर ऊपर बिचार कर, जऊन ह एक समय लबानोन के एक देवदार रिहिस,
ओकर डारामन सुघर अऊ जंगल ला छइहां देवंय;
येह बहुंत ऊंच रिहिस,
अऊ ओकर टीप ह घना पानमन ऊपर रिहिस।
4 पानी ले येकर सिंचई होवत रिहिस,
गहिला सोतामन येला ऊपर बढ़ाईन;
ओकर सोतामन येकर अधार के
चारों कोति बहत रिहिन
अऊ ओमन के धारामन मैदान के
जम्मो रूखमन तक जावंय।
5 एकरसेति मैदान के जम्मो रूखमन ले
येह ऊंच हो गीस;
येकर डारामन बहुंत होय लगिन
अऊ येकर डारामन बढ़के लम्बा हो गीन,
काबरकि उहां बहुंत पानी रिहिस।
6 अकास के जम्मो चिरई

ओकर डारामन म बसेरा करत रिहिन,
ओकर डारामन के खाल्हे म
जम्मो जंगली पसुमन पीला जनमात रिहिन;
जम्मो बड़े जातिमन
ओकर छइहां म रहत रिहिन।
7 येह अपन फईले डारामन के संग,
सुघरता म सोभायमान रिहिस,
काबरकि येकर जरीमन खाल्हे
भरपूर पानी के सोतामन तक गे रिहिन।
8 परमेसर के बारी के देवदार रूखमन
येकर तुलना म कुछू नइं रिहिन,
न ही सनोवरमन येकर
डारामन के बरोबरी कर सकत रिहिन,
न ही अरमोन रूखमन के तुलना
येकर डारामन ले करे जा सकत रिहिस—
परमेसर के बारी के कोनो भी रूख
येकर सुघरता के बरोबरी नइं कर सकत रिहिन।
9 मेंह बहुंत डारामन के संग
येला सुघर बनांय,
परमेसर के बारी, अदन के जम्मो रूख
येकर ले जलन करत रिहिन।
10 " 'एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: काबरकि बड़े देवदार ह घना पानमन के ऊपर बाढ़िस, अऊ
काबरकि येला अपन ऊंचई के घमंड रिहिस,
11 एकरसेति मेंह ओला जाति-जाति के मनखेमन ऊपर सासन करइयामन के हांथ म कर देंव, ताकि ओकर
संग ओकर दुस्टता के मुताबिक बरताव करे जावय। मेंह ओला अलग फटिक देंव,
12 अऊ परदेस के जाति-जाति के बीच म, जेमन सबले जादा निरदयी अंय, ओमन ओला काटके छोंड़ दीन।
ओकर डारामन पहाड़मन म, अऊ सबो घाटीमन म गिरिन; ओकर साखामन देस के सबो घाटीमन म टूटे पड़े
रिहिन। अऊ जाति-जाति के जम्मो मनखेमन ओकर छइहां ले निकल आईन अऊ ओला छोंड़ दीन।
13 ओ गिरे रूख म जम्मो चिरई बसेरा करे लगिन, अऊ जम्मो पसुमन ओकर डारामन के बीच रहे लगिन।
14 एकरसेति पानी के लकठा म आने कोनो रूख घना पानमन के बीच अपन टीप ला ऊपर करत घमंड से ऊंच
झन होवय। भरपूर पानी के लकठा के कोनो आने रूख अइसन ऊंच झन होवय; ओ जम्मो के मरना जरूरी अय,
काबरकि ओमन के जगह धरती के खाल्हे ओ मरनहार मनखेमन के बीच हवय, जेमन मिरतू-लोक म खाल्हे जाथें।
15 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जऊन दिन येला मिरतू-लोक म खाल्हे उतारे गीस, ओ दिन मेंह येकर
बर सोक के संग गहिला सोतामन ला ढांप देंव, अऊ येकर सोतामन ला रोक देंव, अऊ येकर भरपूर पानी के
सोतामन बंद हो गीन। येकर कारन मेंह लबानोन म उदासी ले आंय, अऊ मैदान के सबो रूखमन मुरझा गीन।
16 मेंह येकर गिरे के अवाज ले जाति-जाति के मनखेमन ला कंपा देंव, जब मेंह येला मिरतू-लोक म खाल्हे
लानेंव, ताकि येह ओमन के संग रहय, जेमन खाल्हे कबर म जाथें। तब अदन के बारी के जम्मो रूख, लबानोन के
चुने अऊ सबले बने, भरपूर पानी ले पलोय गय रूखमन ला धरती के खाल्हे म सांतवना मिलिस।
17 बड़े देवदार के रूख सहीं, ओमन घलो ओ मिरतू-लोक म खाल्हे गीन, जेमन तलवार ले मारे गे रिहिन; संग
म ओ हथियारबंद आदमीमन घलो रिहिन, जेमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच येकर छइहां म रहत रिहिन।
18 " 'सोभा अऊ गौरव म, अदन के कोन रूख के तुलना तोर ले करे जा सकत हे? तभो ले तोला भी अदन के
रूखमन के संग धरती के खाल्हे लाय जाही; तें ओ खतनारहित मनखेमन के बीच पड़े रहिबे, जेमन तलवार ले
मारे गे हवंय।
" 'अइसने फिरौन अऊ ओकर जम्मो उपदरवी मनखेमन के संग होही, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत
हे।' "

32

[illegible]

1 हमर बंधुवई के बारहवां बछर के, बारहवां महिना के पहिला दिन, यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, मिसर के राजा फिरौन के बिसय म एक बिलापगीत ले अऊ ओला कह:
" 'जाति-जाति के मनखेमन के बीच तेंह एक सिंह सहीं अस;
समुंदर म तें एक बहुंत बड़े जन्तु सहीं अस
तें अपन सोतामन म मजा लेथस,
अपन पांव ले पानी ला एती-ओती करथस
अऊ सोतामन ला चीखला ले भर देथस।
3 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'मनखेमन के एक बड़े भीड़ के संग
में तोर ऊपर अपन जाल ला फईलाहूं,
अऊ ओमन तोला मोर जाल म ऊपर खींच लीहीं।
4 मेंह तोला भुइयां म फटिक दूहूं
अऊ खुला मैदान म जोर से पटक दूहूं।
मेंह अकास के जम्मो चिरईमन ला तोर ऊपर बसेरा करवाहूं
अऊ जंगल के जम्मो पसु तोर मांस ला ठूंस-ठूंसके खाहीं।
5 मेंह तोर मांस ला पहाड़मन म फईला दूहूं
अऊ घाटीमन ला तोर बांचे भागमन ले भर दूहूं।
6 मेंह तोर बहत खून ले
पहाड़मन तक के भुइयां ला भिगो दूहूं,
अऊ घाटीमन तोर मांस ले भर जाहीं।
7 जब मेंह तोला सुंघके निकालहूं, तब मेंह अकास ला ढांप दूहूं
अऊ ओकर तारामन ला अंधियार कर दूहूं;
मेंह सूरज ला बादर ले ढांप दूहूं,
अऊ चंदा ह अपन अंजोर नइं दीही।
8 अकास म चमकत जम्मो अंजोरमन ला
मेंह तोर बर अंधियार कर दूहूं;
मेंह तोर देस म अंधियार ले आहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
9 जब जाति-जाति के मनखेमन के बीच
अऊ ओ देसमन के बीच, जेला तेंह नइं जानस,
मेंह तोर बिनास के बात लाहूं, तब मेंह बहुंते मनखेमन के मन ला बियाकुल करहूं।
10 जब में ओमन के आघू म अपन तलवार चलाहूं,
तब में बहुंते मनखेमन ला तोर ले भयभीत करवाहूं,
अऊ ओमन के राजामन तोर कारन बहुंते भयभीत होके कांपहीं।
तोर पतन के दिन
ओमा के हर एक झन
अपन जिनगी बर हर पल कांपही।
11 " 'काबरकि परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
" 'बेबिलोन के राजा के तलवार
तोर ऊपर चलही।
12 मेंह तोर उपदरवी मनखेमन ला
सक्तिसाली आदमीमन के तलवार ले मरवाहूं—

ये सक्तिसाली आदमीमन जम्मो जाति म सबले जादा निरदयी अंय।
ओमन मिसर के घमंड ला चकनाचूर कर दीहीं,
अऊ ओकर जम्मो उपदरवी मनखेमन नास कर दिये जाहीं।
13 में ओकर जम्मो पसुमन ला
पानीवाले तरियामन के तीर ले नास कर दूहूं
जेकर ले पानी ह मनखे के गोड़ ले मईला नइं होही
अऊ न ही पसुमन के खुर ले उहां गंदा चीखला होही।
14 तब मेंह ओमा के पानी ला निरमल कर दूहूं
अऊ ओकर सोतामन ले पानी ला तेल असन बहाहूं,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
15 जब मेंह मिसर देस ला उजाड़हूं
अऊ देस के जम्मो चीज ला छीन लूहूं,
जब में उहां रहइया जम्मो झन ला मार डारहूं,
तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।'
16 "येह ओ बिलापगीत अय, जेला ओमन ओकर बर गाहीं। जाति-जाति के बेटीमन येला गाहीं; मिसर अऊ ओकर जम्मो उपदरवी मनखेमन बर ओमन येला गाहीं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।"

[illegible]

17 हमर बंधुवई के बारहवां बछर के, पहिला महिना के पंदरहवां दिन, यहोवा के बचन मोर मेर आईस:
18 "हे मनखे के बेटा, मिसर देस के उपदरवी मनखेमन बर सोक मना अऊ ओला अऊ सक्तिसाली जातिमन के बेटीमन ला ओ मनखेमन के संग धरती ला सऊंप दे, जेमन खाल्हे कबर म जाथें।
19 ओमन ले कह, 'का तुम्हर ऊपर आने मन ले जादा किरपा होथे? खाल्हे जाके खतनारहित मनखेमन के बीच लेट जावव।'
20 ओमन ओहीच मनखेमन के बीच गिरहीं, जेमन तलवार ले मारे गे हवंय। तलवार ला मियान ले निकाले गे हवय; ओला ओकर जम्मो उपदरवी मनखेमन के संग घसीटके ले जावव।
21 मिरतू-लोक के भीतर के ही सक्तिसाली अगुवामन मिसर अऊ ओकर संग के मनखेमन के बारे म कहिहीं, 'ओमन खाल्हे आ गे हवंय अऊ ओमन ओ खतनारहित मनखेमन के संग पड़े हवंय, जेमन तलवार ले मारे गे हवंय।'
22 "अपन जम्मो सेना समेत अस्सूर घलो उहां हवय; ओकर मारे गय जम्मो मनखेमन के कबर ओकर चारों खूंट म हवय, ओ जम्मो जेमन तलवार ले मारे गे हवंय।
23 ओमन के कबरमन खंचवामन के गहरई म हवंय अऊ ओकर सेना ओकर कबर के चारों खूंट लेटे हवय। ओ जम्मो जेमन जीयतमन के देस म आतंक फईलाय रिहिन, मार डारे गे हवंय, ओमन तलवार ले मारे गे हवंय।
24 "एलाम उहां हवय, अऊ ओकर जम्मो उपदरवी मनखेमन ओकर कबर के चारों खूंट हवंय। ओ जम्मो तलवार ले मारे गे हवंय। ओ जम्मो जेमन जीयत मनखेमन के देस म आतंक फईलाय रिहिन, ओमन खाल्हे धरती म खतनारहित दसा म चले गे हवंय। ओमन ओ मनखेमन के संग सरमिंदा हवंय, जेमन खाल्हे कबर म जाथें।
25 मारे गय मनखेमन के बीच ओकर बर एक बिस्तर बनाय गे हवय, अऊ ओकर जम्मो उपदरवी मनखेमन ओकर कबर के चारों कोति हवंय। ओ जम्मो के जम्मो खतनारहित मनखे अंय अऊ तलवार ले मारे गे हवंय। काबरकि ओमन के आतंक जीयतमन के देस म फईले रिहिस, एकरसेति ओमन ओ मनखेमन के संग सरमिंदा हवंय, जेमन खाल्हे कबर म जाथें; ओमन ला मारे गय मनखेमन के बीच रखे गे हवय।
26 "मेसेक अऊ तूबल उहां हवंय, अऊ ओमन के जम्मो उपदरवी मनखे ओमन के कबर के चारों खूंट हवंय। ओ जम्मो के जम्मो खतनारहित मनखे अंय अऊ तलवार ले मारे गे हवंय काबरकि जीयत मनखेमन के देस म ओमन आतंक फईलाय रिहिन।
27 पर ओमन ओ मर गय पुराना योद्धामन* के संग नइं पड़े हवंय, जेमन अपन लड़ई के हथियार के संग मिरतू-लोक म खाल्हे चले गीन—ओमन के तलवारमन ओमन के मुड़ी के खाल्हे म माढ़े रिहिन अऊ ओमन के

* **32:27** इबरानी म [illegible]

ढालमन ओमन के हाड़ामन म पड़े रिहिन—हालाकि ये योद्धामन घलो जीयत मनखेमन के देस ला आतंकित करके रखे रिहिन।

28 “हे फिरौन, तोला घलो कुटा-कुटा कर दिये जाही अऊ तेंह घलो ओ खतनारहित मनखेमन के बीच पड़े रहिबे, जेमन तलवार ले मारे गे हवंय।

29 “एदोम, ओकर राजामन अऊ ओकर जम्मो राजकुमारमन उहां हवंय; अपन सक्ति के बावजूद, ओमन ओ मनखेमन के संग पड़े हवंय, जेमन तलवार ले मारे गे हवंय। ओमन ओ खतनारहित मनखेमन के संग पड़े हवंय, जेमन खाल्हे कबर म जाथें।

30 “उत्तर दिग के जम्मो हाकिम अऊ जम्मो सीदोनीमन घलो उहां हवंय; अपन सक्ति ले आतंक फईलाय के बावजूद, ओमन कलंकित होके मारे गय मनखेमन के संग कबर म चले गीन। ओमन खतनारहित दसा म ओमन के संग पड़े हवंय, जेमन तलवार ले मारे गे हवंय अऊ ओमन के संग सरमिंदा हवंय, जेमन खाल्हे कबर म जाथें।

31 “फिरौन—ओ अऊ ओकर जम्मो सेना—येमन ला देखहीं अऊ ओला अपन ओ जम्मो उपदरवी मनखेमन के बारे म सांतवना मिलही, जेमन तलवार ले मारे गे रिहिन, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

32 हालाकि मेंह जीयत मनखेमन के देस म फिरौन के आतंक फईला देय रहेंव, तभो ले ओह अऊ ओकर जम्मो उपदरवी मनखे ओ खतनारहित मनखेमन के बीच पड़े रहिहीं, जेमन तलवार ले मारे गे हवंय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।”

33

[illegible]

1 यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:

2 “हे मनखे के बेटा, अपन मनखेमन ले गोठिया अऊ ओमन ला कह: ‘जब में कोनो देस ऊपर तलवार चलाथंव, अऊ ओ देस के मनखेमन अपन कोनो आदमी ला चुनके पहरेदार बनाथें,

3 अऊ ओ पहरेदार ह देखथे कि देस के बिरूध तलवार चलइया हे अऊ ओह तुरही फूंकके मनखेमन ला चेताथे,

4 तब कहूं कोनो मनखे तुरही के अवाज ला सुनके चेतउनी ऊपर धियान नइं देवय अऊ तलवार ह आके ओकर परान ले लेथे, त ओकर खून के दोस ओकरेच मुड़ ऊपर होही।

5 ओह तुरही के अवाज ला सुनिस, पर चेतउनी ऊपर धियान नइं दीस, एकरसेति ओकर खून के दोस ओकरेच मुड़ ऊपर होही। यदि ओह चेतउनी ऊपर धियान देय रहितिस, त ओह अपन परान ला बचा लेतिस।

6 पर यदि पहरेदार ह बईरी के तलवार ला आवत देखथे अऊ मनखेमन ला चेतउनी देय बर तुरही नइं फूंकय अऊ तलवार ह आके कोनो मनखे के परान ले लेथे, त ओकर पाप के कारन ओ मनखे के परान ले लिये जाही, पर में ओकर खून बर ओ पहरेदार ला जिम्मेदार ठहिराहूं।’

7 “हे मनखे के बेटा, मेंह तोला इसरायल के मनखेमन बर एक पहरेदार ठहिराय हंव; एकरसेति जऊन बात मेंह कहत हंव, ओला सुन अऊ ओमन ला मोर कोति ले चेता दे।

8 जब मेंह दुस्ट मनखे ला कहिथंव, ‘हे दुस्ट मनखे, तेंह जरूर मरबे,’ अऊ तें ओ मनखे ला ओकर चालचलन बदले बर नइं कहस, त ओ दुस्ट मनखे ह अपन पाप के कारन मरही, अऊ मेंह तोला ओकर खून बर जिम्मेदार ठहिराहूं।

9 पर यदि तेंह दुस्ट मनखे ला ओकर चालचलन बदले बर चेताथस अऊ ओह अपन चालचलन ला नइं बदलय, त ओह अपन पाप के कारन मरही, पर तेंह खुद बच जाबे।

10 “हे मनखे के बेटा, इसरायलीमन ले कह, ‘तुमन ये कहत हव: “हमर पाप अऊ अपराध हमन ला खाल्हे गिराथें, अऊ हमन ओमन के कारन बेकार होवत हन। तब हमन कइसे जीयत रह सकत हन?” ’

11 ओमन ले कह, ‘मोर जिनगी के सपथ, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, में दुस्ट मनखे के मरे ले खुस नइं होवंव, पर बने ये होही कि ओह अपन चालचलन ला बदले अऊ जीयत रहय। बदलव! अपन खराप चालचलन ला बदलव! हे इसरायल के मनखेमन, तुमन काबर मरहू?’

12 “एकरसेति, हे मनखे के बेटा, अपन मनखेमन ले कह, ‘यदि कोनो धरमी मनखे हुकूम ला नइं माने, तब ओकर पहिले के धरमीपन के कोनो मतलब नइं होवय। पर यदि दुस्ट मनखे ह पछ्ताप करथे, त ओ मनखे के

पहिले के दुस्टता के कारन ओला दंड नइं मिलय। जऊन धरमी मनखे ह पाप करथे, त ओह जीयत नइं रहय,
हालाकि पहिले ओह धरमी रिहिस।'
13 यदि मेंह एक धरमी ले कहंव कि ओह जरूर जीयत रहिही, पर तब ओह अपन धरमीपन म भरोसा करके
दुस्ट काम करे लगथे, तब ओकर दुवारा करे गय कोनो भी धरमी काम ला सुरता नइं करे जाही; ओह अपन करे
गय दुस्ट काम के कारन मरही।
14 अऊ यदि में कोनो दुस्ट मनखे ले ये कहिथंव, 'तेंह जरूर मरबे,' पर तब ओह अपन पाप ले मन फिराथे अऊ
ओ काम करथे, जऊन ह उचित अऊ सही अय—
15 यदि ओह गिरवी रखे चीज ला लहुंटा देथे, चोरी करे गय चीज ला लहुंटा देथे, जिनगी देवइया नियममन के
पालन करथे, अऊ कोनो दुस्टता नइं करय—त ओ मनखे ह जरूर जीयत रहिही; ओह नइं मरय।
16 ओकर दुवारा करे गय कोनो भी पाप ला फेर सुरता नइं करे जाही। ओह उचित अऊ सही काम करे हवय;
ओह जरूर जीयत रहिही।
17 "तभो ले तुम्हर मनखेमन कहिथें, 'परभू के नीति ह उचित नो हय।' पर येह ओमन के नीति अय, जऊन ह
नियाय-संगत नो हय।
18 यदि कोनो धरमी मनखे अपन धरमीपन ला छोंड़के दुस्ट काम करथे, त ओह अपन दुस्ट काम के कारन
मरही।
19 अऊ यदि कोनो दुस्ट मनखे अपन दुस्टता ला छोंड़ देथे, अऊ ओ काम करथे, जऊन ह उचित अऊ सही
अय, त ओह अपन ये काममन के कारन जीयत रहिही।
20 तभो ले तुम इसरायलीमन कहिथव, 'परभू के नीति ह उचित नो हय।' पर में तुमन म ले हर एक के नियाय
ओकर काम के मुताबिक करहूं।"

[illegible]

21 हमर बंधुवई के बारहवां बछर के दसवां महिना के पांचवां दिन, एक मनखे, जऊन ह यरूसलेम ले भागके
बांच गेय रिहिस, ओह मोर मेर आके कहिस, "सहर* के पतन हो गे हवय!"
22 ओ मनखे के आय के पहिली के सांझ के बेरा यहोवा के किरपा मोर ऊपर होईस, अऊ ओह मोर मुहूं ला ओ
मनखे के आघू म खोलिस, जेह बिहनियां मोर मेर आईस। ये किसम ले मोर मुहूं ह खुल गीस अऊ फेर मेंह चुप
नइं रहेंव।
23 तब यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
24 "हे मनखे के बेटा, ओ मनखे, जेमन इसरायल देस के खंडहरमन म रहत हवंय, ओमन कहत हें, 'अब्राहम ह
सिरिप एकेच झन रिहिस, तभो ले ओह देस ऊपर अधिकार कर लीस; पर हमन तो अब्बड़ झन हवन; खचित ये
देस हमन ला हमर अधिकार म दिये गे हवय।'
25 एकरसेति ओमन ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जब तुमन मांस ला खून समेत खाथव, अऊ
अपन मूरतीमन कोति देखके खून करथव, तब का तुमन ला ओ देस ऊपर अधिकार करना चाही?
26 तुमन अपन तलवार ऊपर निरभर रहिथव, तुमन घिनौना काम करथव, अऊ तुमन म ले हर एक अपन
परोसी के घरवाली ला असुध करथव। तब का तुमन ला ओ देस ऊपर अधिकार करना चाही?'
27 "तें ओमन ले ये कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मोर जिनगी के कसम, जेमन ये खंडहरमन म रहत
हवंय ओमन तलवार ले मारे जाहीं, जऊन मन खुले मैदान म हवंय, ओमन ला मेंह जंगली पसुमन के आहार होय
बर दे दूहूं, अऊ जऊन मन गढ़मन अऊ गुफामन म हवंय, ओमन महामारी ले मारे जाहीं।
28 मेंह ओ देस ला उजाड़ अऊ निरजन बना दूहूं, अऊ ओकर घमंड ले भरे ताकत के अन्त हो जाही, अऊ
इसरायल के पहाड़मन सुनसान हो जाहीं, जेकर कारन उहां ले होवत कोनो भी नइं जाहीं।
29 ओ मनखेमन के दुवारा करे गय जम्मो घिनौना काममन के कारन जब में ओ देस ला उजाड़ अऊ निरजन
बना दूहूं, तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।'
30 "हे मनखे के बेटा, जहां तक तोर बात ए, तोर मनखेमन तोर बारे म भीथीमन के तीर अऊ घरमन के
कपाटमन म एक संग गोठियावत हें अऊ एक-दूसर ले ये कहत हें, 'आवव अऊ ओ संदेस ला सुनव, जऊन ह
यहोवा कोति ले आय हवय।'

---

* **33:21** या [illegible]

31 मोर मनखेमन तोर मेर आथें, जइसे कि ओमन सधारन रूप म करथें, अऊ ओमन तोर बचन सुने बर तोर
आघू म बईठथें, पर ओमन ओ बचन के मुताबिक नइं चलंय। ओमन मुहूं ले मया के बात तो करथें, पर ओमन के
मन ह अनियाय के कमई म लगे रहिथे।
32 वास्तव म, तेंह ओमन के नजर म सिरिप एक अइसने मनखे अस, जऊन ह मीठा अवाज म मया के गीत
गाथे अऊ बढ़िया बाजा बजाथे, काबरकि ओमन तोर बचन ला तो सुनथें, पर ओ बचन के मुताबिक नइं चलंय।
33 "जब ये जम्मो बातमन घटहीं—अऊ येमन जरूर होहीं—तब ओमन जानहीं कि ओमन के बीच एक
अगमजानी रिहिस।"

34

[illegible]

1 यहोवा के बचन ह मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, इसरायल के चरवाहामन के बिरूध म अगमबानी कर; अगमबानी कर अऊ ओमन ले कह:
'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे इसरायल के चरवाहामन, तुम्हर ऊपर धिक्कार ए, जेमन सिरिप अपनेच
खियाल रखथव! का चरवाहामन ला झुंड के देखरेख नइं करना चाही?
3 तुमन दही खाथव, ऊन के ओनहा पहिरथव अऊ खाय बर छांटके पसुमन ला काटथव, पर तुमन झुंड के
खियाल नइं रखव।
4 तुमन बिमरहामन ला बलवान नइं करेव, न ही रोगीमन ला चंगा करेव, अऊ न ही घायलमन ला मरहम पट्टी
करेव। तुमन भटके मन ला सही रसता म नइं लानेव या गंवायमन ला नइं खोजेव। तुमन ओमन ऊपर कठोरता
अऊ निरदयता से सासन करे हव।
5 कोनो चरवाहा नइं होय के कारन ओमन तितिर-बितिर हो गीन, अऊ जब ओमन तितिर-बितिर हो गीन, त
ओमन जम्मो जंगली पसुमन के खाना हो गीन।
6 मोर भेड़मन जम्मो पहाड़मन अऊ ऊंच-ऊंच पहाड़ीमन ऊपर भटकत रिहिन। ओमन जम्मो धरती ऊपर
तितिर-बितिर हो गीन, अऊ कोनो भी ओमन ला नइं खोजिन या ओमन के खियाल नइं रखिन।
7 " 'एकरसेति हे चरवाहामन, यहोवा के बचन ला सुनव:
8 परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, मोर जिनगी के कसम, काबरकि मोर झुंड के कोनो चरवाहा नइं एं
अऊ एकरसेति ओला लूटे गे हवय अऊ ओह जम्मो जंगली पसुमन के आहार बन गे हवय, अऊ काबरकि मोर
चरवाहामन मोर झुंड के खोज नइं करिन अऊ मोर झुंड ऊपर धियान देय के बदले अपनआप के ही धियान रखिन,
9 एकरसेति, हे चरवाहामन, यहोवा के बचन ला सुनव:
10 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह चरवाहामन के बिरूध हवंव अऊ मेंह ओमन ले अपन झुंड के लेखा
लूहूं। मेंह ओमन ला झुंड ला चराय के काम ले हटा दूहूं ताकि चरवाहामन फेर अपन भरन-पोसन झन कर
सकंय। मेंह ओमन के मुहूं ले अपन झुंड ला छोंड़ाहूं, अऊ ओमन फेर चरवाहामन के जेवन नइं होहीं।
11 " 'काबरकि परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह खुद अपन भेड़मन ला खोजहूं अऊ ओमन के देखभाल
करहूं।
12 जइसने एक चरवाहा अपन बगरे झुंड के देखभाल करथे, जब ओह ओमन के संग होथे, वइसनेच मेंह घलो
अपन भेड़मन के देखभाल करहूं। मेंह ओमन ला ओ जम्मो ठऊरमन ले निकालके ले आहूं, जिहां ओमन बादर
अऊ अंधियार के दिन म तितिर-बितिर हो गे रिहिन।
13 मेंह ओमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच ले निकाल लानहूं अऊ ओमन ला देस-देस ले इकट्ठा करहूं,
अऊ मेंह ओमन ला ओमन के खुद के देस म ले आहूं। मेंह ओमन ला इसरायल के पहाड़मन ऊपर, घाटीमन म
अऊ देस के ओ जम्मो जगह म चराहूं, जिहां मनखेमन बस गे हवंय।
14 मेंह ओमन ला बने चरागन म चराहूं, अऊ इसरायल के पहाड़ के ऊंच-ऊंच जगहमन ओमन के चरे के
भुइयां होहीं। उहां ओमन चरे के बने जगह म बईठहीं, अऊ उहां ओमन इसरायल के पहाड़मन ऊपर एक ठन बने
चरागन म चरहीं।
15 मेंह खुद अपन भेड़मन ला चराहूं अऊ ओमन ला अराम करवाहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

16 मेंह गंवायमन ला खोजहूं अऊ भटकेमन ला वापिस ले आहूं। मेंह घायलमन ला मरहम पट्टी करहूं अऊ
जेमन कमजोर हवंय, ओमन ला ताकतवर बनाहूं, पर जेमन चिकना अऊ मोटा-ताजा हवंय, ओमन ला नास
करहूं। मेंह नियाय के संग झुंड के देखभाल करहूं।
17 " 'जहां तक तुम्हर बात ए, हे मोर झुंड, परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह एक भेड़ अऊ दूसर भेड़ के
बीच, अऊ मेढ़ा अऊ बोकरामन के बीच नियाय करहूं।
18 का येह तुम्हर बर परयाप्त नो हय कि तुमन बने चरागन म चरव? का जरूरी अय कि अपन बाकि बचे
चरागन ला अपन गोड़ ले कुचर दव? का निरमल पानी पीयई तुम्हर बर परयाप्त नो हय? का जरूरी अय कि
बाकि पानी ला अपन गोड़ ले गंदा कर दव?
19 का जरूरी अय कि मोर झुंड ह ओमा ले खावय, जेला तुमन कुचर दे हव अऊ ओमा ले पीयय, जेला तुमन
अपन गोड़ ले मतला दे हव?
20 " 'एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ओमन ले ये कहत हे: देखव, मेंह खुद मोटहा भेड़ अऊ पातर भेड़मन के
बीच नियाय करहूं।
21 काबरकि तुमन जम्मो दुरबल भेड़मन ला अपन बाजू अऊ अपन कंधा ले तब तक ढकेलत अऊ सींग मारत
रहिहू, जब तक कि ओमन दूरिहा नइं चले जावंय,
22 मेंह अपन झुंड ला बचाहूं, अऊ ओमन ला फेर नइं लूटे जाही। मेंह एक भेड़ अऊ दूसर भेड़ के बीच नियाय
करहूं।
23 मेंह ओमन ऊपर एक चरवाहा, अपन सेवक दाऊद ला ठहिराहूं, अऊ ओह ओमन ला चराही; ओह ओमन
ला चराही अऊ ओमन के चरवाहा होही।
24 में यहोवा ह ओमन के परमेसर ठहिरहूं, अऊ मोर सेवक दाऊद ह ओमन के बीच हाकिम होही। में यहोवा ह
ये कहे हवंव।
25 " 'में ओमन के संग सांति के एक करार करहूं अऊ देस ला दुस्ट पसुमन ले छुटकारा दूहूं, ताकि ओमन
निरजन प्रदेस म सुरकछित रहंय अऊ जंगल म बिगर डरके सोवंय।
26 मेंह ओमन ला अऊ अपन पहाड़ी के आसपास के ठऊरमन ला आसीस के कारन बना दूहूं।* मेंह सही बेरा
म बारिस भेजहूं; उहां आसीस के बारिस होही।
27 रूखमन म फर लगहीं अऊ भुइयां ह अपन ऊपज दीही; मनखेमन अपन देस म सुरकछित होहीं। जब में
ओमन के जुड़ा ला टोरके ओमन ला ओ मनखेमन के हांथ ले छोंड़ाहूं, जेमन ओमन ला गुलाम बना ले हवंय, तब
ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।
28 ओमन जाति-जाति के मनखेमन के दुवारा फेर लूटे नइं जाहीं, अऊ न ही जंगली पसुमन ओमन ला फाड़के
खाहीं। ओमन सुरकछित रहिहीं, अऊ ओमन ला कोनो नइं डरवाहीं।
29 मेंह ओमन ला एक अइसन देस दूहूं, जऊन ह अपन फसल बर जाने जाथे, अऊ ओमन देस म फेर अकाल
ले पीड़ित नइं होहीं या जाति-जाति के मनखेमन ओमन ला अपमानित नइं करहीं।
30 तब ओमन जानहीं कि में, यहोवा ओमन के परमेसर ओमन के संग हवंव अऊ ये कि ओ, इसरायलीमन, मोर
मनखे अंय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
31 तुमन मोर भेड़ अव, मोर चरागन के भेड़, अऊ मेंह तुम्हर परमेसर अंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत
हे।' "

35

[illegible]

1 यहोवा के बचन मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, अपन मुहूं ला सेईर पहाड़ कोति करके; ओकर बिरूध अगमबानी कर
3 अऊ कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे सेईर पहाड़, मेंह तोर बिरूध हवंव, अऊ में अपन हांथ तोर
बिरूध बढ़ाहूं अऊ मेंह तोला निरजन अऊ उजाड़ कर दूहूं।

* **34:26** उत 48:20

4 मेंह तोर नगरमन ला खंडहर कर दूहूं अऊ तेंह निरजन हो जाबे। तब तेंह जान लेबे कि मेंह यहोवा अंव।
5 " 'काबरकि तेंह पुराना जमाना ले बईरता रखत रहय अऊ इसरायलीमन के संकट के बेरा म तेंह ओमन ला
तलवार के अधीन कर देय, येह ओ समय रिहिस जब ओमन के दंड ह चरम सीमा म रिहिस,
6 एकरसेति मेंह अपन जिनगी के सपथ खाके कहत हंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, मेंह तोला तोर
खून बहाय बर दे दूहूं अऊ खून बहई ह तोर पीछा करही। काबरकि तें खून बहई ले घिन नइं करस, एकरसेति खून
बहई ह तोर पीछा करही।
7 मेंह सेईर पहाड़ ला निरजन अऊ उजाड़ कर दूहूं अऊ ओ जम्मो ला नास कर दूहूं, जेमन येमा ले होके
आथें-जाथें।
8 मेंह तोर पहाड़मन ला मारे गय मनखेमन ले भर दूहूं; जेमन तलवार ले मारे जाहीं, ओमन तोर पहाड़ीमन
ऊपर अऊ तोर घाटीमन म अऊ तोर जम्मो पहाड़ी दर्रामन म गिरहीं।
9 मेंह तोला सदाकाल बर उजाड़ कर दूहूं; तोर नगरमन म फेर कोनो नइं बसहीं। तब तेंह जानबे कि मेंह यहोवा
अंव।
10 " 'काबरकि तेंह कहे हस, "ये दूनों जाति अऊ ये दूनों देस हमर होहीं अऊ हमन ओमन ला अपन अधिकार
म ले लेबो," हालाकि में यहोवा ह उहां रहेंव,
11 एकरसेति मोर जिनगी के सपथ, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, ओमन ले जब तें घिन करत रहय,
ओ समय तेंह जऊन कोरोध अऊ जलन देखाय, ओकरे मुताबिक मेंह तोर ले बरताव करहूं अऊ जब मेंह तोर
नियाय करहूं, तब में अपनआप ला ओमन के बीच परगट करहूं।
12 तब तेंह जानबे कि में यहोवा ह ओ जम्मो तुछ बातमन ला सुने हवंव, जेला तेंह इसरायल के पहाड़मन के
बिरूध कहे हस। तेंह कहय, "ओमन उजाड़ पड़े हवंय अऊ ओमन ला हमर जेवन बर देय गे हवय कि हमन ओमन
ला खा डारन।"
13 तेंह मोर बिरूध म डींग मारत रहय अऊ मोर बिरूध म बिगर रूके कहत रहय, अऊ मेंह ओ जम्मो बात ला
सुने हंव।
14 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जब पूरा धरती ह आनंदित होही, तब मेंह तोला उजाड़ दूहूं।
15 काबरकि जब इसरायल के उत्तराधिकार ह उजड़ गीस, तब तें आनंद मनाय, एकरसेति मेंह वइसने ही
बरताव तोर संग करहूं। हे सेईर पहाड़, तें उजड़ जाबे, तें अऊ पूरा एदोम। तब ओमन जान लीहीं कि मेंह यहोवा
अंव।' "

36

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 "हे मनखे के बेटा, इसरायल के पहाड़मन बर अगमबानी कर अऊ कह, 'हे इसरायल के पहाड़मन, यहोवा के
बचन ला सुनव।
2 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: बईरी ह तुम्हर बिसय म कहिस, "अहा! पुराना जमाना के ऊंच ठऊरमन
हमर अधिकार म आ गे हवंय।" '
3 एकरसेति अगमबानी करके कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: काबरकि ओमन तुमन ला जम्मो कोति
ले लूटिन अऊ कुचरिन, जेकर कारन तुमन बाकि जातिमन के अधीन हो गेव अऊ मनखेमन तुम्हर बारे म खराप
बात कहिके तुम्हर निन्दा करे लगिन,
4 एकरसेति, हे इसरायल के पहाड़मन, परमपरधान यहोवा के बात ला सुनव: परमपरधान यहोवा ह पहाड़
अऊ पहाड़ीमन ले, तराई अऊ घाटीमन ले, उजड़े खंडहर अऊ तियाग दिये गय नगरमन ले, जेमन ला लूट लिये
गीस अऊ जेमन के चारों कोति के बाकि जातिमन ओमन के हंसी उड़ाथें, ओ जम्मो ले कहत हे—
5 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: बहुंत उत्साह म आके, मेंह बाकि जातिमन के बिरूध अऊ जम्मो एदोम
के बिरूध कहे हंव, खुसी अऊ अपन मन म जलन के कारन, ओमन मोर देस ला अपन अधिकार म कर लीन
ताकि ओमन येकर चरागन ला लूट सकंय।'
6 एकरसेति इसरायल देस के बिसय म अगमबानी कर अऊ पहाड़ अऊ पहाड़ीमन ले, तराई अऊ घाटीमन ले
कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह अपन जलन अऊ कोप म आके कहिथंव, काबरकि तुमन
जाति-जाति के मनखेमन के निन्दा ला सहे हवव।

7 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह हांथ उठाके कसम खावत हंव कि तुम्हर चारों कोति के
जातिमन घलो निन्दा के चीज बनहीं।
8 " 'पर हे इसरायल के पहाड़मन, तुमन म मोर इसरायली मनखेमन बर डारामन पनपहीं अऊ ओमा फर
धरहीं, काबरकि ओमन जल्दी घर लहुंट आहीं।
9 मेंह तुम्हर बर चिंता करत हंव अऊ तुम्हर ऊपर किरपा-दिरिस्टी करहूं; तुमन ला जोते अऊ बोये जाही,
10 अऊ मेंह तुमन म बहुंत मनखेमन ला बसाहूं—हव, पूरा इसरायल ला। नगरमन ला बसाय जाही अऊ
टूटे-फूटे घरमन ला फेर बनाय जाही।
11 मेंह तुमन म रहइया मनखे अऊ पसुमन के संखिया ला बढ़ाहूं, अऊ ओमन फरहीं अऊ बहुंत हो जाहीं। मेंह
पहिले सहीं तुमन म मनखेमन ला बसाहूं अऊ मेंह तुम्हर पहिले से जादा उन्नति करहूं। तब तुमन जानहू कि मेंह
यहोवा अंव।
12 मेंह अइसे करहूं कि मनखे याने कि मोर मनखे इसरायलीमन तुमन म बसहीं। ओमन तुमन ऊपर अधिकार
कर लीहीं, अऊ तुमन ओमन के निज भाग होहू; तुमन फेर कभू ओमन के लइकामन ला छीनके अलग नइं करहू।
13 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: काबरकि कुछू मनखेमन तुम्हर ले कहिथंय, "तुमन मनखेमन ला खा
जाथव अऊ अपन जाति के मनखेमन ले ओमन के लइकामन ला छीनके अलग कर देथव,"
14 एकरसेति तुमन फेर मनखेमन ला नइं खाहू या अपन जाति ला संतानहीन नइं करहू, परमपरधान यहोवा ह
घोसना करत हे।
15 मेंह अइसे करहूं कि जाति-जाति के मनखेमन तुमन ला फेर ताना नइं मारहीं, अऊ फेर तुमन ला मनखेमन
के अपमान सहे बर नइं पड़ही या तुमन अपन जाति के गिरे के कारन नइं बनहू, परमपरधान यहोवा ह घोसना
करत हे।' "

[illegible]

16 यहोवा के बचन फेर मोर मेर आईस:
17 "हे मनखे के बेटा, जब इसरायल के मनखेमन अपन देस म रहत रिहिन, तब ओमन देस ला अपन
चालचलन अऊ काममन के दुवारा असुध करिन। मोर नजर म ओमन के चालचलन ह कोनो माईलोगन के
महिना होय के असुधता सहीं रिहिस।
18 एकरसेति मोर कोप ह ओमन ऊपर भड़किस काबरकि ओमन देस म खून बहाय रिहिन अऊ येला अपन
मूरतीमन के दुवारा असुध करे रिहिन।
19 मेंह ओमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच तितिर-बितिर कर देंव, अऊ ओमन देस-देस म बगर गीन;
मेंह ओमन के चालचलन अऊ ओमन के काममन के अनुसार ओमन के नियाय करेंव।
20 अऊ जिहां भी ओमन ओ जातिमन के बीच गीन, ओमन मोर नांव ला अपबितर करिन, काबरकि ओमन के
बारे म ये कहे गे रिहिस, 'येमन यहोवा के मनखे अंय, तभो ले ओमन ला ओकर देस ला छोंड़े बर पड़िस।'
21 मोला मोर पबितर नांव के चिंता रिहिस, जेला इसरायल के मनखे जिहां भी गीन, उहां जाति-जाति के
मनखेमन के बीच अपबितर करिन।
22 "ये खातिर इसरायलीमन ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे इसरायल के मनखेमन, जऊन कुछू
मेंह करे बर जावत हंव, ओह तुम्हर कारन नइं, पर अपन पबितर नांव के कारन करे बर जावत हंव, जेला तुमन
जिहां भी गेव, उहां तुमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच अपबितर करेव।
23 मेंह अपन बड़े नांव के पबितरता ला देखाहूं, जेह जाति-जाति के मनखेमन के बीच अपबितर होईस हे, ओ
नांव जेला तुमन ओमन के बीच अपबितर करे हव। तब मनखेमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव, परमपरधान
यहोवा ह घोसना करत हे, जब में ओमन के आंखी के आघू म तुम्हर जरिये पबितर ठहिरहूं।
24 " 'काबरकि मेंह तुमन ला जातिमन ले बाहिर निकाल लूहूं; मेंह तुमन ला सब देसमन ले इकट्ठा करहूं अऊ
तुमन ला तुम्हर खुद के देस म ले आहूं।
25 मेंह तुमन ऊपर सुध पानी छिंचहूं, अऊ तुमन सुध हो जाहू; मेंह तुमन ला तुम्हर जम्मो असुधता अऊ
तुम्हर जम्मो मूरतीमन ले सुध करहूं।

26 मेंह तुमन ला नवां हिरदय दूहूं अऊ तुमन म एक नवां आतमा डालहूं; मेंह तुमन ले तुम्हर पथरा के हिरदय
हटा दूहूं अऊ तुमन ला मांस के एक हिरदय दूहूं।
27 मेंह अपन आतमा तुमन म डालहूं अऊ अइसन करहूं कि तुमन मोर नियम म चलहू अऊ धियान देके मोर
कानूनमन के पालन करहू।
28 तब तुमन ओ देस म रहिहू, जेला मेंह तुम्हर पुरखामन ला देय रहेंव; तुमन मोर मनखे होहू, अऊ मेंह तुम्हर
परमेसर होहूं।
29 मेंह तुमन ला तुम्हर जम्मो असुधता ले छोंड़ाहूं। मेंह अनाज ला हुकूम दूहूं अऊ येला बहुंत कर दूहूं अऊ
तुम्हर ऊपर अकाल नइं लानहूं।
30 मेंह रूखमन के फर के संखिया ला बढ़ाहूं अऊ खेत के फसल ला जादा उपजाहूं, ताकि अकाल के कारन,
तुमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच कलंकित झन होवव।
31 तब तुमन अपन खराप चालचलन अऊ दुस्टता के काममन ला सुरता करहू, तब तुमन अपन पाप अऊ
घिनौना काममन के कारन अपनआप ले घिन करहू।
32 मेंह तुमन ला बताय चाहत हंव कि में ये सब तुम्हर बर नइं करत हंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत
हे। हे इसरायल के मनखेमन, अपन बरताव के कारन लज्जित अऊ कलंकित होवव!
33 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जऊन दिन मेंह तुमन ला तुम्हर जम्मो पाप ले सुध करहूं, मेंह तुम्हर
नगरमन ला फेर बसाहूं, अऊ खंडहरमन फेर बनाय जाहीं।
34 उजाड़ भुइयां म फसल उगाय जाही, एकर बदले कि ओह उहां ले अवइया-जवइया जम्मो मनखेमन के
नजर म उजाड़ पड़े रहय।
35 ओमन कहिहीं, "ये भुइयां, जऊन ह उजाड़ पड़े रिहिस, अब अदन के बगीचा असन हो गे हवय, ओ सहर
जेमन खंडहर अऊ उजाड़ होके नास हो गे रिहिन, ओमन अब गढ़वाले सहर हो गे हवंय, मनखेमन उहां रहे के
सुरू कर दे हवंय।"
36 तब तुम्हर आसपास के बांचे जातिमन के मनखेमन जानहीं कि में, यहोवा ह नास हो गय जगहमन ला फेर
बनाय हंव अऊ उजड़े जगहमन ला फेर बसाय हंव। में यहोवा ह ये कहे हंव, अऊ मेंह येला पूरा करहूं।'
37 "परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: एक बार फेर में इसरायल के बिनती ला स्वीकार करहूं अऊ येला ओमन
बर करहूं: मेंह ओमन के मनखेमन के गनती ला भेड़-बकरीमन असन बहुंत बढ़ाहूं,
38 ओमन ला पसुमन के ओ झुंड सहीं बहुंत बढ़ाहूं, जेमन यरूसलेम म ठहिराय गय तिहारमन के बेरा
बलिदान चघाय बर होथें। ये किसम ले ओ नास हो गय सहरमन मनखेमन के झुंड ले भर जाहीं। तब ओमन
जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।"

37

[illegible]

1 यहोवा के हांथ मोर ऊपर रिहिस, अऊ ओह मोला अपन आतमा के दुवारा बाहिर ले आईस अऊ एक घाटी
के मांझा म ठाढ़ कर दीस; ओ घाटी ह हाड़ामन ले भरे पड़े रिहिस।
2 ओह मोला ओ हाड़ामन के बीच अवई-जवई म मोर अगुवई करिस, अऊ मेंह घाटी के तल म बहुंत अकन
हाड़ा देखेंव, जेमन बहुंत सूखा रिहिन।
3 तब ओह मोर ले पुछिस, "हे मनखे के बेटा, का ये हाड़ामन जी सकत हें?"
मेंह कहेंव, "हे परमपरधान यहोवा, येला सिरिप तेंहीच ह जानथस।"
4 तब ओह मोर ले कहिस, "ये हाड़ामन ले अगमबानी करके कह, 'हे सूखा हाड़ामन, यहोवा के बचन ला सुनव!
5 परमपरधान यहोवा ह ये हाड़ामन ले ये कहत हे: मेंह तुमन म सांस* डाल दूहूं, अऊ तुमन जी उठहू।
6 मेंह तुम्हर नसमन ला लगाहूं अऊ तुम्हर ऊपर मांस ले आहूं अऊ तुमन ला चाम ले ढांप दूहूं; अऊ तुमन म
सांस फूंक दूहूं, अऊ तुमन जीयत मनखे हो जाहू। तब तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव।' "

* **37:5** इबरानी म येकर मतलब हो सकथे *[illegible]* या *[illegible]*

7 तब मेंह ये हुकूम के मुताबिक अगमबानी करेंव। अऊ जब मेंह अगमबानी करत रहेंव, त उहां एक अवाज
होईस, एक खड़खड़ाहट के अवाज, अऊ हाड़ामन इकट्ठा होके एक-दूसर ले जुड़ गीन।
8 मेंह देखेंव कि ओमन म नस अऊ मांस-पेसी आ गीन अऊ ओमन चाम ले ढंक गीन, पर ओमन म सांस नइं
रिहिस।
9 तब ओह मोर ले कहिस, "सांस ले अगमबानी कर; अगमबानी कर, हे मनखे के बेटा, अऊ ओला कह,
'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे सांस, चारों खूंट ले आके ये घात करे गय मनखेमन म हमा जा ताकि येमन
जी उठंय।' "
10 यहोवा के ये हुकूम के अनुसार मेंह अगमबानी करेंव, अऊ सांस ह ओमन म हमा गीस; ओमन जीके
अपन-अपन गोड़ म ठाढ़ हो गीन—एक बहुंत बड़े सेना।
11 फेर यहोवा ह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, ये हाड़ामन इसरायल के मनखेमन अंय। ओमन कहिथंय,
'हमर हाड़ामन सूख गे हवंय अऊ हमन कोनो आसा नइं करत हन; हमन अलग हो गे हन।'
12 ये खातिर अगमबानी करके ओमन ले कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे मोर मनखेमन, मेंह तुम्हर
कबरमन ला खोले बर जावत हंव अऊ तुमन ला उहां ले निकालहूं; मेंह तुमन ला वापिस इसरायल देस म ले
आहूं।
13 तब हे मोर मनखेमन, तुमन जानहू कि मेंह यहोवा अंव, जब में तुम्हर कबरमन ला खोल दूहूं अऊ तुमन ला
उहां ले बाहिर निकालहूं।
14 मेंह अपन आतमा तुमन म डालहूं अऊ तुमन जीयत मनखे हो जाहू, अऊ मेंह तुमन ला तुम्हर खुद के देस
म बसाहूं। तब तुमन जानहू कि में यहोवा ह कहे हंव, अऊ मेंह येला करे हवंव, यहोवा ह घोसना करत हे।' "

[illegible]

15 फेर यहोवा के ये बचन मोर मेर आईस:
16 "हे मनखे के बेटा, लकरी के एक ठन लउठी ले अऊ ओमा ये लिख, 'यहूदा अऊ ओकर संग के
इसरायलीमन।' तब लकरी के एक ठन अऊ लउठी ले अऊ ओमा लिख, 'यूसुफ (याने कि एपरैम) अऊ ओकर
संग के जम्मो इसरायलीमन।'
17 ओ लउठीमन ला जोड़के एके ठन लउठी बना ले ताकि ओमन तोर हांथ म एके ठन हो जावंय।
18 "जब तोर मनखेमन तोर ले पुछहीं, 'का तेंह हमन ला नइं बताबे कि येमन से तोर का मतलब अय?'
19 तब ओमन ले कहिबे, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह यूसुफ के लउठी ला लूहूं—जऊन ह एपरैम के
हांथ म हवय—अऊ इसरायल के जऊन गोत्रमन ओकर संग जुड़े हवंय, ओमन ला लेके मेंह यहूदा के लउठी ले
जोड़ दूहूं। मेंह ओमन ला लकरी के एके ठन लउठी बना दूहूं, अऊ ओमन मोर हांथ म एकेच लउठी हो जाहीं।'
20 जऊन लउठीमन म तेंह लिखे हस, ओमन ला ओमन के आंखी के आघू म धर
21 अऊ ओमन ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मेंह इसरायलीमन ला ओ जातिमन ले बाहिर
निकाल लूहूं, जिहां ओमन गे हवंय। मेंह ओमन ला चारों कोति ले इकट्ठा करहूं अऊ ओमन ला ओमन के खुद के
देस म वापिस ले आहूं।
22 मेंह ओमन ला इसरायल के पहाड़मन ऊपर एके ठन जाति बना दूहूं। ओ जम्मो के ऊपर एकेच राजा होही
अऊ ओमन फेर कभू दू ठन जाति नइं होहीं या दू ठन राज म नइं बंटहीं।
23 ओमन फेर अपन मूरती अऊ बेकार के चीजमन या अपन कोनो अधरम के दुवारा अपनआप ला असुध नइं
करहीं, काबरकि मेंह ओमन ला ओमन के पहिले के जम्मो पाप ले भरे काममन ले बचाहूं, अऊ मेंह ओमन ला सुध
करहूं। ओमन मोर मनखे होहीं, अऊ मेंह ओमन के परमेसर होहूं।
24 " 'मोर सेवक दाऊद ह ओमन के राजा होही, अऊ ओ जम्मो के एकेच चरवाहा होही। ओमन मोर कानून के
पालन करहीं अऊ धियान देके मोर बिधिमन ला मानहीं।
25 ओमन ओ देस म रहिहीं, जेला मेंह अपन सेवक याकूब ला देय रहेंव, ओ देस जिहां तुम्हर पुरखामन रहत
रिहिन। ओमन अऊ ओमन के लइकामन अऊ ओमन के लइका के लइकामन सदाकाल तक उहां रहिहीं, अऊ
मोर सेवक दाऊद ह सदाकाल बर ओमन के हाकिम होही।

26 मेंह ओमन के संग म सांति के एक करार करहूं; येह हमेसा बने रहइया एक करार ठहिरही। मेंह ओमन ला
बसाहूं अऊ ओमन के संखिया ला बढ़ाहूं, अऊ मेंह अपन पबितर-स्थान ला ओमन के बीच सदा बनाय रखहूं।
27 मोर निवास स्थान ओमन के संग होही; मेंह ओमन के परमेसर होहूं, अऊ ओमन मोर मनखे होहीं।
28 जब मोर पबितर-स्थान हमेसा बर ओमन के बीच होही, तब जाति-जाति के मनखेमन जानहीं कि में यहोवा
ह इसरायल ला पबितर करथंव।' "

38

[illegible]

1 यहोवा के बचन मोर मेर आईस:
2 "हे मनखे के बेटा, मागोग देस के गोग कोति अपन मुहूं ला कर, जऊन ह रोस, मेसेक अऊ तूबल के मुखिया
हाकिम ए; ओकर बिरूध म अगमबानी कर,
3 अऊ कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे गोग! रोस, मेसेक अऊ तूबल के मुखिया हाकिम, मेंह तोर
बिरूध हवंव।
4 मेंह तोला उल्टा दिग म मोड़ दूहूं अऊ तोर जबड़ामन म कांटा डालके तोला तोर पूरा सेना के संग बाहिर ले
आहूं—तोर घोड़ामन, पूरा हथियार धरे तोर घुड़सवारमन, अऊ छोटे अऊ बड़े ढाल धरे बड़े उपदरवी झुंड,
जम्मो के जम्मो तलवार धरे हवंय।
5 फारस, कूस* अऊ पूत अपन-अपन ढाल लेके अऊ टोप पहिरे ओमन के संग होहीं,
6 गोमेर अपन पूरा सेना के संग, दूरिहा उत्तर दिसा ले बेत-तोगरमा अपन पूरा सेना के संग—बहुंत अकन
जातिमन ला तोर संग बाहिर ले आहूं।
7 " 'तियार हो जावव; तियारी कर लव, तें अऊ पूरा उपदरवी भीड़, जऊन ह तोर मेर इकट्ठा होय हवय, ओ
जम्मो ला अपन अधीन कर ले।
8 बहुंत समय के बाद तोला हथियार धरे बर बलाय जाही। अवइया सालमन म तेंह एक देस ऊपर हमला
करबे, जऊन ह लड़ई के बाद संभल गे होही, जेकर मनखेमन बहुंते जातिमन ले आके इसरायल के ओ पहाड़मन
म इकट्ठा होहीं, जऊन ह बहुंत समय ले उजाड़ पड़े रिहिस। ओमन ला बहुंत जातिमन ले बाहिर लाय गे रिहिस,
अऊ अब ओमन जम्मो सुरकछित रहिथें।
9 तें अऊ तोर पूरा सेना अऊ तोर संग बहुंते जाति के मनखेमन आंधी असन आघू बढ़हीं; तेंह ओ बादर असन
होबे, जऊन ह देस के ऊपर छा जाथे।
10 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ओ दिन तोर मन म अइसन बिचारमन आहीं कि तेंह एक दुस्ट योजना
बनाबे।
11 तेंह कहिबे, "मेंह बिगर दीवारवाले गांवमन के एक देस ऊपर हमला करहूं; मेंह ओ मनखेमन ऊपर हमला
करहूं, जेमन सांति म अऊ निडर रहिथें—ओमा के जम्मो झन बिगर कोनो दीवार अऊ बिगर दुवार अऊ
पल्लामन के रहत हवंय।
12 मेंह ओमन ला लूटहूं अऊ ओमन ले छीन लूहूं अऊ मोर हांथ ह फेर बसाय गय खंडहरमन अऊ
जाति-जाति ले इकट्ठा हो गय ओ मनखेमन के बिरूध उठही, जेमन करा बहुंत जादा पसु अऊ संपत्ति हवय अऊ
जेमन देस के मांझा म रहिथें।"
13 सेबा अऊ ददान के मनखेमन अऊ तरसीस के बेपारीमन अऊ ओकर जम्मो गांवमन† तोर ले कहिहीं, "का
तेंह लूटे बर आय हस? का तेंह अपन उपदरवी भीड़ ला लूटे बर, सोन अऊ चांदी ले जाय बर, पसु अऊ सामान
ले जाय बर अऊ लूट के सामान ऊपर कब्जा करे बर इकट्ठा करे हस?" '
14 "एकरसेति, हे मनखे के बेटा, अगमबानी करके गोग ला कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: ओ समय,
जब मोर इसरायली मनखेमन सुरकछित रहत होहीं, त का तोर धियान ये तरफ नइं जाही?
15 तेंह अपन जगह बहुंत दूरिहा उत्तर दिग ले आबे, तोर संग बहुंत जाति के मनखेमन होहीं, ओ जम्मो
घोड़ामन म चघके आहीं; येह एक बड़े उपदरवी भीड़, एक सक्तिसाली सेना होही।

---

* **38:5** नील नदी के ऊपरी इलाका † **38:13** या [illegible]

16 तेंह मोर मनखेमन के बिरूध ओ बादर असन आघू बढ़बे, जऊन ह देस ऊपर छा जाथे। हे गोग, अवइया
दिनमन म, मेंह तोर ले मोरेच देस के बिरूध हमला करवाहूं, ताकि जब में तोर जरिये जाति-जाति के मनखेमन के
आंखी के आघू म पबितर साबित होवंव, त ओमन मोला जानंय।
17 " 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: तेंह ओ अस, जेकर चरचा मेंह पहिले के समय म अपन सेवक याने कि
इसरायल के अगमजानीमन के दुवारा करे रहेंव। ओ समय ओमन कतको साल तक अगमबानी करते रिहिन कि
मेंह तोला ओमन के बिरूध लानहूं।
18 ओ दिन ये बात होही: जब गोग ह इसरायल देस ऊपर हमला करही, तब मोर गुस्सा ह बहुंत भड़कही,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
19 में अपन उत्साह अऊ भयंकर कोप म घोसना करत हंव कि ओ समय इसरायल देस म एक बड़े भुइंडोल
होही।
20 समुंदर के मछरी, अकास के चिरई, भुइयां म रेंगइया जम्मो जीव-जन्तु अऊ धरती म रहइया जम्मो मनखे
मोर आघू म कांप उठहीं। पहाड़मन पलटा दिये जाहीं, ठाढ़ चट्टानमन कुटा-कुटा हो जाहीं अऊ हरेक भीथी ह
भुइयां म गिर जाही।
21 मेंह गोग के बिरूध अपन जम्मो पहाड़मन म तलवार चलवाहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे। हर
एक झन के तलवार ओकर भाई के बिरूध म उठही।
22 मेंह ओकर ऊपर महामारी लानके अऊ खून बहाय के दुवारा नियाय करहूं; मेंह ओकर ऊपर, ओकर सेना
ऊपर अऊ ओकर संग के बहुंते जातिमन ऊपर भारी बारिस करवाहूं अऊ ओमन ऊपर बड़े-बड़े करा अऊ बरत
गंधक बरसाहूं।
23 अऊ ये किसम ले मेंह अपन महानता अऊ पबितरता देखाहूं, अऊ मेंह बहुंते जाति के मनखेमन के नजर म
अपनआप ला परगट करहूं। तब ओमन जानहीं कि मेंह यहोवा अंव।'

39

1 "हे मनखे के बेटा, गोग के बिरूध अगमबानी करके कह: 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे गोग, मेसेक
अऊ तूबल के मुखिया हाकिम, मेंह तोर बिरूध हवंव।
2 मेंह तोला गोल घुमा दूहूं अऊ संग म घसीटहूं घलो। मेंह तोला बहुंत दूरिहा उत्तर दिग ले लानहूं अऊ
तोला इसरायल के पहाड़मन के बिरूध भेजहूं।
3 तब में तोर डेरी हांथ के धनुस ला मारहूं अऊ तोर जेवनी हांथ के तीरमन ला गिरा दूहूं।
4 इसरायल के पहाड़मन म तेंह गिरबे, तोर संग तोर जम्मो सेना अऊ तोर संग के जातिमन घलो गिरहीं। मेंह
तोला जेवन के रूप म सड़े मांस खवइया जम्मो किसम के चिरई अऊ जंगली पसुमन ला दे दूहूं।
5 तेंह खुला मैदान म गिरके मरबे, काबरकि मेंह कहे हवंव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
6 मेंह मागोग अऊ ओमन ऊपर आगी पठोहूं, जेमन समुंदर तीर म सुरकछित रहिथें, अऊ ओमन जानहीं कि
मेंह यहोवा अंव।
7 " 'मेंह अपन इसरायली मनखेमन के बीच अपन पबितर नांव ला परगट करहूं। मेंह अपन पबितर नांव ला
फेर अपबितर होवन नइं दंव, अऊ जाति-जाति के मनखेमन जानहीं कि में यहोवा ही इसरायल म पबितर अंव।
8 ये घटना होवइया हे! येह जरूर होही, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे। येह ओही दिन अय, जेकर
चरचा मेंह करे हंव।
9 " 'तब जेमन इसरायल के नगरमन म रहिथें ओमन बाहिर निकलहीं अऊ हथियारमन के उपयोग आगी बारे
बर करहीं अऊ ओमन ला जला दीहीं—छोटे अऊ बड़े ढाल, तीर अऊ धनुस, लड़ई के गदा अऊ बरछी। सात
बछर तक ओमन येमन के उपयोग आगी बारे बर करहीं।
10 ओमन ला मैदान ले लकरी इकट्ठा करे के या जंगल ले लकरी काटे के जरूरत नइं होही, काबरकि ओमन
हथियारमन के उपयोग आगी बारे बर करहीं। अऊ ओमन ओ मनखेमन ला लूटहीं, जेमन ओमन ला लूटे रिहिन
अऊ ओमन ले सामान छीनहीं, जेमन ओमन ले छीन ले रिहिन, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

11 “ ‘ओ दिन मेंह गोग ला इसरायल म मरघटी बर एक जगह दूहूं, ये जगह ओ मनखेमन के घाटी म होही,
जेमन समुंदर के पूरब कोति जाथें। ये मरघटी ह उहां ले होके जवइयामन के रसता ला रोकही, काबरकि गोग अऊ
ओकर जम्मो उपदरवी भीड़ ला उहां माटी देय जाही। एकरसेति ओ जगह ला हामोन-गोग* के घाटी कहे जाही।
12 “ ‘देस ला सुध करे बर इसरायलीमन ओमन ला सात महिना तक माटी देवत रहिहीं।
13 देस के सबो मनखेमन ओमन ला माटी दीहीं, अऊ जऊन दिन मेंह अपन महिमा परगट करहूं, ओह ओमन
बर एक सुरता करइया दिन होही, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
14 देस ला सुध करे बर मनखेमन ला लगातार ठहिराय जाही। ओमन पूरा देस म फईल जाहीं अऊ आने मन
के संग मिलके ओमन ओ लासमन ला माटी दीहीं, जेमन भुइयां म पड़े मिलहीं।
“ ‘सात महिना के बाद, ओमन अऊ बिस्तार से खोज करहीं।
15 जब ओमन देस म ले होके जाहीं अऊ यदि कोनो ला कोनो मनखे के हाड़ा ह दिखही, त ओह ओ हाड़ा के
बाजू म एक चिनहां छोंड़ दीही, अऊ ओ चिनहां ह तब तक रहिही, जब तक कि माटी देवइयामन आके ओ लास
ला हामोन-गोग के ओ घाटी म माटी नइं दे दीहीं,
16 जऊन ह हामोना† नांव के नगर के लकठा म हवय। अऊ ये किसम ले ओमन देस ला सुध करहीं।’
17 “हे मनखे के बेटा, परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जम्मो किसम के चिरई अऊ जम्मो जंगली पसुमन ला
बला: ‘चारों कोति ले आवव अऊ ओ बलिदान बर इकट्ठा हो जावव, जेला मेंह तुम्हर बर तियार करत हंव; येह
इसरायल के पहाड़मन के एक बड़े बलिदान होही। उहां तुमन मांस खाहू अऊ खून पीहू।
18 तुमन सक्तिसाली आदमीमन के मांस खाहू अऊ धरती के हाकिममन के खून ला अइसे पीहू, मानो ओमन
मेढ़ा अऊ मेढ़ा-पीला, बोकरा अऊ बईलामन अंय—जम्मो के जम्मो बासान के मोटा-ताजा पसु होहीं।
19 जऊन बलिदान मेंह तुम्हर बर तियार करत हंव, ओला खावत-खावत तुमन अघा जाहू अऊ खून ला
पीयत-पीयत तुमन छक जाहू।
20 तुमन मोर मेज म घोड़ा अऊ सवारमन, सक्तिसाली आदमी अऊ हर किसम के सैनिकमन ला खाके अघा
जाहू,’ परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
21 “मेंह जाति-जाति के मनखेमन के बीच अपन महिमा परगट करहूं, अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ओमन
ला दिये मोर दंड अऊ ओमन ऊपर उठे मोर हांथ ला देखहीं।
22 ओ दिन ले लेके आघू तक इसरायल के मनखेमन जानहीं कि में यहोवा ओमन के परमेसर अंव।
23 अऊ जाति-जाति के मनखेमन जानहीं कि इसरायली मनखेमन अपन पाप के कारन बंधुवई म गेय रिहिन,
काबरकि ओमन मोर संग बिसवासघात करिन। एकरसेति मेंह अपन मुहूं ओमन से मोड़ लेंव अऊ ओमन ला
ओमन के बईरीमन के अधीन कर देंव, अऊ ओमन जम्मो तलवार ले मारे गीन।
24 मेंह ओमन के असुधता अऊ ओमन के अपराध के मुताबिक ओमन ले बरताव करेंव, अऊ मेंह ओमन ले
अपन मुहूं मोड़ लेंव।
25 “एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: अब मेंह याकूब ला बंधुवई ले लहुंटा ले आहूं, अऊ इसरायल
के जम्मो मनखेमन ऊपर दया करहूं, अऊ अपन पबितर नांव बर मेंह उत्साही होहूं।
26 जब ओमन अपन देस म सुरकछित रिहिन अऊ ओमन ला कोनो डरवइया नइं रिहिस, तब ओमन जऊन
लज्जा अऊ मोर संग बिसवासघात के काम करे रिहिन, ओ जम्मो ला भुला जाहीं।
27 जब मेंह ओमन ला जाति-जाति के बीच ले वापिस ले आहूं, अऊ ओमन के बईरीमन के देसमन ले ओमन
ला इकट्ठा करहूं, तब ओमन के जरिये मेंह बहुंते जातिमन के नजर म पबितर ठहिरहूं।
28 तब ओमन जानहीं कि में यहोवा ओमन के परमेसर अंव, हालाकि मेंह ओमन ला जाति-जाति के मनखेमन
के बीच बंधुवई म भेज दे रहेंव, पर में ओमन ला ओमन के खुद के देस म इकट्ठा करहूं, अऊ एको झन ला भी
परदेस म नइं छोड़ंव।
29 में ओमन ले फेर कभू अपन मुहूं नइं मोड़ंव, काबरकि में इसरायल के मनखेमन ऊपर अपन आतमा उंडेलहूं,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।”

---

* **39:11** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible] † **39:16** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

40

[illegible]

1 हमर बंधुवई के पच्चीसवां बछर के सुरू म, महिना के दसवां दिन, जऊन ह यरूसलेम नगर के पतन के बाद
के चौदहवां बछर रिहिस, ओहीच दिन यहोवा के हांथ मोर ऊपर रिहिस अऊ ओह मोला उहां ले गीस।
2 परमेसर के दरसन म ओह मोला इसरायल के देस म ले गीस अऊ मोला एक बहुंत ऊंचहा पहाड़ म ठाढ़ कर
दीस, जेकर दक्खिन कोति कुछू भवनमन रिहिन, जऊन ह एक सहर सहीं दिखय।
3 ओह मोला उहां ले गीस, अऊ मेंह एक आदमी ला देखेंव, जेकर रूप ह कांसा असन रिहिस; ओह अपन हांथ
म सन के रस्सी अऊ नापे के एक लउठी लेके खड़े रिहिस।
4 ओ आदमी ह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, धियान से देख, अऊ लकठा म जाके सुन अऊ जऊन कुछू
मेंह तोला देखाहूं, ओ जम्मो ऊपर धियान दे, काबरकि इही काम बर तोला इहां लाय गे हवय। जऊन कुछू तेंह
देखथस, ओ जम्मो चीज इसरायल के मनखेमन ला बता।"

[illegible]

5 मेंह एक दीवार देखेंव, जऊन ह मंदिर के इलाका ला पूरा घेरे रहय, ओ मनखे के हांथ म नापे के जऊन
लउठी रिहिस, ओकर लम्बई छै क्यूबीट* रिहिस, जेमा के हर एक ह एक क्यूबीट अऊ एक हांथ चौड़ा रिहिस।
ओह दीवार ला नापिस; ओह एक लउठी मोटा अऊ एक लउठी ऊंचहा रिहिस।
6 तब ओह पूरब के दुवार मेर आईस। ओह ओकर सीढ़ी चघके दुवार के चौखट ला नापिस, जेकर चौड़ई एक
लउठी भर रिहिस।
7 पहरेदारमन के खोलीमन एक लउठी भर लम्बा अऊ एक लउठी भर चौड़ा रिहिन, अऊ पहरेदारमन के
खोलीमन के बीच के दीवारमन पांच क्यूबीट रिहिन। मंडप के बाद के दीवार, जऊन ह मंदिर कोति रिहिस, ओकर
ऊंचई एक लउठी भर रिहिस।
8 तब ओह दुवार के मंडप ला नापिस;
9 ओकर ऊंचई आठ क्यूबीट† रिहिस अऊ येकर खंभामन दू क्यूबीट‡ मोटा रिहिन। दुवार के मंडप ह मंदिर
कोति रिहिस।
10 पूरबी दुवार के भीतर दूनों कोति तीन-तीन ठन पहरावाली खोलीमन रिहिन; तीनों के नाप एक समान
रिहिस, अऊ दूनों कोति के दीवारमन घलो एकेच नाप के रिहिन।
11 तब ओह प्रवेस दुवार के चौड़ई ला नापिस, जऊन ह दस क्यूबीट§ रिहिस अऊ येकर लम्बई तेरह क्यूबीट*
रिहिस।
12 हर एक पहरावाली खोली के आघू म एक क्यूबीट ऊंचहा दीवार रिहिस, अऊ पहरावाली खोलीमन छै-छै
क्यूबीट के रिहिन अऊ वर्गाकार रिहिन।
13 तब ओह एक पहरावाली खोली के पाछू के दीवार के टीप ले दूसर कोति के टीप तक दुवार ला नापिस; एक
तरफ के ऊंचहा दीवार ले लेके दूसर तरफ के ऊंचहा दीवार तक, ओकर दूरी पच्चीस क्यूबीट† रिहिस।
14 ओह दुवार के भीतर चारों कोति के निकले दीवारमन ला नापिस, जऊन ह साठ क्यूबीट‡ रिहिस। मंडप तक
नापे गीस, जेकर मुहूं ह अंगना कोति रिहिस।
15 प्रवेस दुवार ले लेके येकर मंडप के आखिरी छोर तक के दूरी पचास क्यूबीट§ रिहिस।
16 पहरावाली खोलीमन म अऊ दुवार के भीतर चारों खूंट दीवारमन म छोटे खिड़कीमन रिहिन, वइसने ही
मंडप घलो रिहिस; ये खिड़कीमन भीतर कोति खुलंय। निकले दीवारमन के सामनेवाले भाग म खजूर के रूख
बनाके सजाय गे रिहिस।

[illegible]

17 तब ओह मोला बाहिर के अंगना म ले आईस। उहां मेंह कुछू खोली अऊ पक्का बने एक पैदल रसता ला
देखेंव, जेला अंगना के चारों कोति बनाय गे रिहिस; ओ रसता के संग तीस ठन खोलीमन बनाय गे रिहिन।

---

* **40:5** लगभग 11 फीट † **40:9** लगभग 14 फीट ‡ **40:9** लगभग साढ़े तीन फीट § **40:11** लगभग 18 फीट * **40:11** लगभग 23 फीट † **40:13** लगभग 44 फीट ‡ **40:14** लगभग 105 फीट § **40:15** लगभग 88 फीट

18 येह दुवार के तीर ले मिले हुए रिहिस अऊ येमन के लम्बई अऊ चौड़ई एक बरोबर रिहिस; येह खाल्हे के
पैदल रसता रिहिस।
19 तब ओह खाल्हे के दुवार के भीतर ले लेके भीतरी अंगना के बाहिर तक के दूरी ला नापिस; ये दूरी पूरब
कोति अऊ संग म उत्तर कोति एक सौ क्यूबीट* रिहिस।

[illegible]

20 तब ओह उत्तरी दुवार के लम्बई अऊ चौड़ई ला नापिस, जऊन ह बाहिरी अंगना मेर जावत रिहिस।
21 दुवार के दूनों कोति तीन-तीन ठन पहरावाली खोलीमन रिहिन, येकर ले लगे दीवारमन अऊ येकर मंडप के
नाप ठीक पहिला दुवार सहीं रिहिस। येह पचास क्यूबीट लम्बा अऊ पच्चीस क्यूबीट चौड़ा रिहिस।
22 येकर खिड़कीमन, येकर मंडप अऊ येकर खजूर के रूखमन के सजावट के नाप ओ दुवार सहीं रिहिस, जेकर
मुहूं पूरब कोति रिहिस। येकर ऊपर जाय बर सीढ़ी म सात ठन पांवदान रिहिन, अऊ येकर मंडप ओमन के
सामने म रिहिस।
23 भीतरी अंगना म एक दुवार रिहिस, जऊन ह उत्तर कोति खुलय, जइसे कि उहां पूरब कोति घलो रिहिस।
ओह एक दुवार ले लेके सामने के दुवार के दूरी ला नापिस; येह एक सौ क्यूबीट रिहिस।

[illegible]

24 तब ओह मोला दक्खिन कोति ले गीस अऊ मेंह दक्खिन के दुवार ला देखेंव। ओह येकर चौखटमन ला
अऊ मंडप ला नापिस, अऊ येमन के नाप घलो आने मन सहीं रिहिस।
25 दुवार अऊ येकर मंडप के चारों कोति छोटे खिड़कीमन रिहिन, जेमन आने खिड़कीमन सहीं रिहिन। येकर
लम्बई पचास क्यूबीट अऊ चौड़ई पच्चीस क्यूबीट रिहिस।
26 येकर ऊपर जाय बर सीढ़ी के पांच पांवदान रिहिन, अऊ येकर मंडप ओमन के आघू म रिहिस; येकर दूनों
कोति दीवारमन म खजूर के रूख बनाके सजाय गे रिहिस।
27 भीतरी अंगना के घलो एक दुवार रिहिस, जऊन ह दक्खिन कोति खुलत रिहिस, अऊ ओह ये दुवार ले लेके
दक्खिन के बाहिरी दुवार तक नापिस, येह एक सौ क्यूबीट रिहिस।

[illegible]

28 तब ओह मोला दक्खिनी दुवार ले होके भीतरी अंगना म ले आईस, अऊ ओह दक्खिनी दुवार ला नापिस;
येकर नाप घलो आने मन सहीं ही रिहिस।
29 येकर पहरावाली खोलीमन, येकर ले जुड़े दीवारमन अऊ येकर मंडप के नाप घलो आने मन सहीं रिहिस।
दुवार अऊ येकर मंडप के चारों खूंट खिड़कीमन रिहिन। येह पचास क्यूबीट लम्बा अऊ पच्चीस क्यूबीट चौड़ा
रिहिस।
30 (भीतरी अंगना के चारों खूंट के दुवारमन के मंडपमन पच्चीस क्यूबीट चौड़ा अऊ पांच क्यूबीट गहरा
रिहिन।)
31 येकर मंडप के मुहूं ह बाहिरी अंगना कोति रिहिस; येकर चौखटमन म खजूर के रूखमन ला बनाके सजाय
गे रिहिस, अऊ येकर ऊपर जाय बर सीढ़ी के आठ ठन पांवदान रिहिन।
32 तब ओह मोला पूरब कोति भीतरी अंगना म ले आईस, अऊ ओह दुवार ला नापिस; येकर नाप घलो आने
मन सहीं रिहिस।
33 येकर पहरावाली खोलीमन, येकर ले जुड़े दीवारमन अऊ येकर मंडप के नाप घलो आने मन सहीं रिहिस।
दुवार अऊ येकर मंडप के चारों खूंट खिड़कीमन रिहिन। येह पचास क्यूबीट लम्बा अऊ पच्चीस क्यूबीट चौड़ा
रिहिस।
34 येकर मंडप के मुहूं बाहिरी अंगना कोति रिहिस; दूनों कोति येकर चौखट म खजूर के रूखमन ला बनाके
सजाय गे रिहिस, अऊ येकर ऊपर जाय बर सीढ़ी के आठ ठन पांवदान रिहिन।
35 तब ओह मोला उत्तरी दुवार मेर ले आईस अऊ ओला नापिस। येकर नाप घलो आने मन सहीं रिहिस,
36 वइसे ही येकर पहरावाली खोलीमन, येकर से लगे दीवारमन अऊ मंडप रिहिस, अऊ येकर चारों खूंट
खिड़कीमन रिहिन। येह पचास क्यूबीट लम्बा अऊ पच्चीस क्यूबीट चौड़ा रिहिस।

---

* **40:19** लगभग 175 फीट

37 येकर मंडप के मुहूं ह बाहिरी अंगना कोति रिहिस; येकर चौखट म दूनों कोति खजूर के रूखमन ला बनाके
सजाय गे रिहिस, अऊ येकर ऊपर जाय बर सीढ़ी के आठ ठन पांवदान रिहिन।

[illegible]

38 हर एक भीतरी दुवार के मंडप के बाजू म एक कपाट के संग एक खोली रिहिस, जिहां होम-बलिदान ला धोय
जावत रिहिस।
39 दुवार के मंडप म दूनों कोति दू-दू ठन मेज रिहिन, जेमा होम-बलिदान, पाप-बलिदान अऊ दोस-बलिदान
के पसुमन ला बध करे जावत रिहिस।
40 दुवार के मंडप के बाहिरी दीवार के बाजू म, उत्तरी प्रवेस दुवार के लकठा म दू ठन मेज रिहिन, अऊ सीढ़ी
के दूसर कोति भी दू ठन मेज रिहिन।
41 ये किसम ले दुवार के एक तरफ चार ठन मेज अऊ दूसर कोति चार ठन मेज रिहिन—कुल आठ ठन मेज
रिहिन, जेमा बलिदान के पसुमन के बध करे जावय।
42 होम-बलिदान बर गढ़े गय पथरा ले बने चार ठन मेज रिहिन, येमा के हर एक ह डेड़ क्यूबीट लम्बा, डेड़
क्यूबीट चौड़ा अऊ एक क्यूबीट ऊंचहा रिहिस।† येमन म ओ बरतनमन रखे रिहिन, जेमन के उपयोग
होम-बलिदान अऊ आने बलिदान के पसुमन ला बध करे म होवय।
43 दीवार के चारों खूंट दोहरा दांतवाले कांटामन ला लगाय गे रिहिस, जेमा के हर एक के लम्बई हथेली‡ भर
रिहिस। ये मेजमन बलिदान करे गय पसुमन के मांस रखे बर रिहिन।

[illegible]

44 भीतरी दुवार के बाहिर, भीतरी अंगना के भीतर दू ठन कमरा रिहिन, एक ठन उत्तरी दुवार कोति रिहिस,
जऊन ह दक्खिन कोति खुलय, अऊ दूसर ह दक्खिन दुवार कोति रिहिस, जऊन ह उत्तर कोति खुलय।
45 ओह मोर ले कहिस, "जऊन कमरा ह दक्खिन कोति खुलथे, ओह ओ पुरोहितमन बर अय, जेमन मंदिर के
पहरेदारी करथें,
46 अऊ ओ कमरा जऊन ह उत्तर कोति खुलथे, ओह ओ पुरोहितमन बर अय, जेमन बेदी के पहरेदारी करथें।
येमन सादोक के बेटामन अंय, अऊ येमन ही सिरिप ओ लेवी अंय, जेमन यहोवा के लकठा म जाके ओकर आघू
म सेवा-टहल करंय।"
47 तब ओह अंगना ला नापिस: येह वर्गाकार रिहिस—एक सौ क्यूबीट लम्बा अऊ एक सौ क्यूबीट चौड़ा।
अऊ बेदी ह मंदिर के सामने म रिहिस।

[illegible]

48 तब ओह मोला मंदिर के मंडप म ले आईस अऊ ओह मंडप के चौखटमन ला नापिस; येमन दूनों कोति
पांच-पांच क्यूबीट चौड़ा रिहिन। प्रवेस दुवार के चौड़ई चौदह क्यूबीट§ अऊ येकर ले लगे दीवारमन के चौड़ई
दूनों कोति तीन-तीन क्यूबीट* रिहिस।
49 मंडप ह बीस क्यूबीट† चौड़ा रिहिस, अऊ सामने ले लेके पाछू तक बारह क्यूबीट‡ रिहिस। ओमा चघे बर
सीढ़ीमन रिहिन, अऊ दूनों कोति के चौखट के बाजू म खंभामन रिहिन।

41

1 तब ओह मोला मुख्य बड़े कमरा म ले आईस अऊ चौखटमन ला नापिस; दूनों कोति के चौखटमन के चौड़ई
छै-छै क्यूबीट* रिहिस।
2 प्रवेस दुवार के चौड़ई दस क्यूबीट†, अऊ येकर ले लगे दूनों कोति के दीवारमन के चौड़ई पांच-पांच क्यूबीट‡
रिहिस। ओह मुख्य बड़े कमरा ला घलो नापिस; येह चालीस क्यूबीट लम्बा अऊ बीस क्यूबीट चौड़ा रिहिस।§
3 तब ओह भीतरी पबितर-स्थान म गीस अऊ प्रवेस दुवार के चौखटमन ला नापिस; हर एक ह दू-दू क्यूबीट
चौड़ा रिहिस। प्रवेस दुवार ह छै क्यूबीट चौड़ा रिहिस, अऊ येकर ले लगे दूनों कोति के दीवारमन सात-सात
क्यूबीट* चौड़ा रिहिन।

---

† **40:42** लगभग 2 2/3 फीट लम्बा अऊ चौड़ा अऊ 21 ईंच ऊंचहा ‡ **40:43** लगभग 3 1/2 ईंच § **40:48** लगभग 25 फीट * **40:48** लगभग 5 1/4 फीट † **40:49** लगभग 35 फीट ‡ **40:49** लगभग 21 फीट * **41:1** लगभग 11 फीट † **41:2** लगभग 18 फीट ‡ **41:2** लगभग 8 3/4 फीट § **41:2** लगभग 70 फीट लम्बा अऊ 35 फीट चौड़ा * **41:3** लगभग 12 फीट

4 तब ओह भीतरी पबितर-स्थान के लम्बई ला नापिस; येह बीस क्यूबीट रिहिस, अऊ येकर चौड़ई मुख्य बड़े
कमरा के आखिरी तक बीस क्यूबीट रिहिस। ओह मोला कहिस, "येह महा पबितर स्थान ए।"
5 तब ओह मंदिर के दीवार ला नापिस; येह छै क्यूबीट मोटा रिहिस, अऊ हर तरफ मंदिर के चारों कोति कमरा
के चौड़ई चार-चार क्यूबीट† रिहिस।
6 बाजू के कमरामन तीन मंजिला रिहिन, एक के ऊपर दूसरा, हर एक मंजिल म तीस-तीस ठन कमरा रिहिन।
बाजू के कमरामन ला सहारा देय बर मंदिर के दीवार के चारों कोति निकले भागमन रिहिन, जेकर कारन सहारा
देवइया भागमन ला मंदिर के दीवार म घुसाय नइं गे रिहिस।
7 मंदिर के चारों कोति बाजू के कमरामन हर मंजिल म चौड़ा होवत गे रिहिन। मंदिर के चारों कोति के बनावट
हर मंजिल म बड़े होवत गे रिहिस, जेकर कारन ऊपर जाय ले कमरामन चौड़ा होवत गे रिहिन। खाल्हे के मंजिल
ले एक सीढ़ी बीच के मंजिल ले होवत ऊपर के मंजिल तक गे रिहिस।
8 मेंह देखेंव कि मंदिर के चारों कोति एक उठे हुए आधार रिहिस, जऊन ह बाजू के कमरामन के नीव बने
रिहिस। येह लउठी के लम्बई के रिहिस, छै क्यूबीट लम्बा।
9 बाजू के कमरामन के बाहिरी दीवार पांच क्यूबीट मोटा रिहिस। मंदिर के बाजू के कमरामन के बीच म खुला
जगह रिहिस
10 अऊ पुरोहितमन के कमरामन के बीच के खुला भाग ह मंदिर के चारों कोति बीस क्यूबीट चौड़ा रिहिस।
11 खुले भाग ले बाजू के कमरामन म जाय बर प्रवेस दुवारमन रिहिन, एक ठन उत्तर म अऊ एक ठन दक्खिन
म रिहिस; अऊ चारों कोति खुले हुए भाग ले जुड़े आधार के चौड़ई पांच क्यूबीट रिहिस।
12 ओ भवन, जेकर मुहूं मंदिर के अंगना कोति पछिम भाग म रिहिस, ओकर चौड़ई सत्तर क्यूबीट रिहिस।
चारों कोति ये भवन के दीवार के मोटई पांच क्यूबीट रिहिस, अऊ येकर लम्बई नब्बे क्यूबीट‡ रिहिस।
13 तब ओह मंदिर ला नापिस; येह एक सौ क्यूबीट§ लम्बा रिहिस, अऊ मंदिर के अंगना अऊ अपन
दीवारमन के संग भवन ह घलो एक सौ क्यूबीट लम्बा रिहिस।
14 मंदिर के आघू के भाग ला मिलाके मंदिर के अंगना के चौड़ई पूरब कोति एक सौ क्यूबीट रिहिस।
15 तब ओह मंदिर के पाछू कोति ओ भवन के लम्बई ला नापिस, जेकर मुहूं अंगना कोति रिहिस, येकर दूनों
कोति के गैलरी ला मिलाके येकर लम्बई एक सौ क्यूबीट रिहिस।
मुख्य बड़े कमरा, भीतरी पबितर-स्थान अऊ अंगना के सामने के मंडप,
16 संगे-संग दुवारमन अऊ संकरा खिड़कीमन अऊ ओ तीनों के चारों कोति के गैलरीमन—हर एक चीज के
अलावा अऊ दुवार ला मिलाके जम्मो चीज लकरी ले मढ़े गे रिहिस। फर्स, खिड़की तक के दीवार, अऊ
खिड़कीमन घलो मढ़े गे रिहिन।
17 भीतरी पबितर-स्थान के प्रवेस दुवार के ऊपर के जगह अऊ भीतरी अऊ बाहिरी पबितर-स्थान के चारों
कोति दीवारमन म बरोबर जगह छोंड़-छोंड़के
18 करूब अऊ खजूर के रूखमन के नक्कासी करे गे रिहिस। खजूर के रूख अऊ करूबमन ला एक के बाद एक
बनाय गे रिहिस। हर करूब के दू-दू ठन मुहूं रिहिस:
19 करूब के एक मुहूं ह एक तरफ के खजूर के रूख कोति मनखे के मुहूं सहीं अऊ करूब के दूसरा मुहूं ह दूसर
कोति के खजूर के रूख कोति सिंह के मुहूं सहीं रिहिस। ये नक्कासी चारों खूंट पूरा मंदिर म करे गे रिहिस।
20 मुख्य बड़े कमरा के दीवार म फर्स ले लेके प्रवेस दुवार के ऊपरी भाग तक, करूब अऊ खजूर के रूखमन के
नक्कासी करे गे रिहिस।
21 मुख्य बड़े कमरा के एक चौकोर चौखट रिहिस, अऊ महा पबितर स्थान के सामने म घलो अइसने ही एक
चौखट रिहिस।
22 उहां लकरी के एक बेदी रिहिस, जऊन ह तीन क्यूबीट* ऊंचहा रिहिस, अऊ येकर लम्बई अऊ चौड़ई दू-दू
क्यूबीट रिहिस; येकर कोना, येकर आधार अऊ येकर किनारामन लकरी के बने रिहिन। ओ आदमी ह मोर ले
कहिस, "येह ओ मेज अय, जऊन ह यहोवा के आघू म हवय।"

† **41:5** लगभग 7 फीट ‡ **41:12** लगभग 158 फीट § **41:13** लगभग 175 फीट * **41:22** लगभग 5 1/4 फीट

23 मुख्य बड़े कमरा अऊ महा पबितर स्थान के दू-दू ठन कपाट रिहिन।
24 हर एक कपाट के दू-दू ठन पल्ला रिहिन—हर एक कपाट के पल्ला म दू-दू ठन कब्जा लगे रिहिन।
25 अऊ मुख्य बड़े कमरा के कपाटमन म दीवारमन सहीं करूब अऊ खजूर के रूखमन के नक्कासी करे गे रिहिस, अऊ मंडप के सामने म कठवा के मोटा-मोटा बल्ली रिहिस।
26 मंडप के बाजू के दीवारमन म संकरा खिड़कीमन रिहिन अऊ खिड़कीमन म दूनों कोति खजूर के रूखमन के नक्कासी करे गे रिहिस। मंदिर के बाजू के कमरामन म घलो मोट-मोट बल्लीमन रिहिन।

42

[illegible]

1 तब ओ आदमी मोला उत्तर कोति बाहिरी अंगना म ले गीस अऊ मंदिर के अंगना के सामने के कमरामन म ले आईस, जऊन ह उत्तर दिग के बाहिरी दीवार के सामने रिहिस।
2 ओ भवन जेकर कपाट उत्तर कोति रिहिस, ओकर लम्बई एक सौ क्यूबीट अऊ चौड़ई पचास क्यूबीट रिहिस।
3 भीतरी अंगना ले दूनों भाग म बीस क्यूबीट अऊ बाहिरी अंगना के पैदल रसता के सामने के भाग म, तीनों मंजिल म गैलरी के सामने गैलरी रिहिस।
4 कमरामन के सामने म एक भीतरी रसता रिहिस, जऊन ह दस क्यूबीट चौड़ा अऊ एक सौ क्यूबीट लम्बा रिहिस।* ओमन के कपाटमन उत्तर कोति रिहिन।
5 ऊपर के कमरामन सांकुर रिहिन, काबरकि भवन के पहिला अऊ दूसरा मंजिल के कमरामन के तुलना म ऊपर के मंजिल के कमरामन के कुछू जगह ला गैलरीमन ले लेय रिहिन।
6 अंगनामन सहीं ऊपरी मंजिल के कमरामन म खंभा नइं रिहिन; एकरसेति पहिला अऊ दूसरा मंजिल के कमरामन के फर्स के जगह के तुलना म ऊपरी मंजिल के कमरामन के फर्स के जगह ह कम रिहिस।
7 कमरामन अऊ बाहिरी अंगना के समानांतर एक बाहिरी दीवार रिहिस; येह कमरामन के सामने पचास क्यूबीट तक आघू बढ़े रिहिस।
8 बाहिरी अंगना के बाद, तीर म कमरामन के कतार के लम्बई पचास क्यूबीट रिहिस, पबितर-स्थान के सबले नजदीक, तीर म कतार के लम्बई एक सौ क्यूबीट रिहिस।
9 बाहिरी अंगना ले खाल्हे कमरामन म जाय बर पूरब कोति एक प्रवेस दुवार रिहिस।
10 दक्खिन कोति बाहिरी अंगना के दीवार के लम्बई के संग, मंदिर के अंगना ले जुड़के अऊ बाहिरी दीवार के सामने म कमरामन रिहिन,
11 अऊ ओमन के सामने म एक रसता रिहिस। ये कमरामन उत्तर कोति के कमरामन सहीं रिहिन; ओमन के लम्बई अऊ चौड़ई घलो वइसने ही रिहिस, अऊ ओमन के निकासी अऊ बनावट म घलो समानता रिहिस। उत्तर कोति के कपाटमन सहीं
12 दक्खिन कोति के कमरामन के कपाटमन रिहिन। कमरामन म जाय बर, रसता के सुरूआत म एक ठन कपाट रिहिस, ये रसता पूरब कोति बढ़े दीवार के समानांतर रिहिस, जेकर दुवारा कमरामन के भीतर कोनो मनखे जा सकत रिहिस।
13 तब ओह मोर ले कहिस, "मंदिर के उत्तर अऊ दक्खिन के कमरामन पुरोहितमन के अंय, जिहां यहोवा के सेवा करइया पुरोहितमन महा पबितर बलिदानमन ला खाथें। उहां ओमन महा पबितर बलिदानमन—अन्न-बलिदान, पाप-बलिदान अऊ दोस-बलिदान ला रखंय काबरकि ये जगह ह पबितर अय।
14 जब भी पुरोहितमन पबितर जगह म जावंय, ओमन तब तक बाहिरी अंगना म नइं जावंय, जब तक कि ओमन ओ कपड़ामन ला उतारके पबितर स्थान म रख नइं देवंय, जेमन ला पहिरके ओमन सेवा करथें, काबरकि ओ कपड़ामन पबितर अंय। सधारन मनखेमन बर ठहिराय जगह के लकठा म जाय के पहिले पुरोहितमन आने कपड़ा ला पहिर लेवंय।"
15 जब ओह मंदिर के इलाका के भीतरी भाग ला नाप लीस, तब ओह मोला पूरब के दुवार ले बाहिर ले गीस अऊ चारों कोति के इलाका ला नापिस:
16 ओह नापे के लउठी ले पूरबी भाग ला नापिस; येह पांच सौ क्यूबीट† रिहिस।

---

* **42:4** लगभग 18 फीट चौड़ा अऊ 175 फीट लम्बा † **42:16** लगभग 875 फीट

17 तब ओह उत्तरी भाग ला नापिस; येह घलो नापे के लउठी म पांच सौ क्यूबीट रिहिस।
18 तब ओह दक्खिनी भाग ला नापिस; येह घलो नापे के लउठी म पांच सौ क्यूबीट रिहिस।
19 तब ओह पछिम भाग कोति मुड़िस अऊ ओला नापिस; येह घलो नापे के लउठी म पांच सौ क्यूबीट रिहिस।
20 ये किसम ले ओह चारों कोति के भाग ला नापिस। येकर चारों मुड़ा एक ठन दीवार रिहिस, जऊन ह पांच सौ क्यूबीट लम्बा अऊ पांच सौ क्यूबीट चौड़ा रिहिस, येह पबितर जगह ला सार्वजनिक जगह ले अलग करय।

43

[illegible]

1 तब ओ मनखे ह मोला ओ दुवार मेर ले आईस, जेकर मुहूं पूरब कोति रिहिस,
2 अऊ मेंह इसरायल के परमेसर के महिमा ला पूरब दिग ले आवत देखेंव। ओकर अवाज ह तेज बहत पानी के गरजन सहीं रिहिस, अऊ ओकर महिमा ले धरती ह जगमगावत रिहिस।
3 जऊन दरसन मेंह देखेंव येह ओ दरसन सहीं रिहिस, जेला मेंह तब देखे रहेंव जब ओह सहर ला नास करे बर आय रिहिस अऊ ओ दरसन असन रिहिस, जेला मेंह कबार नदी के तीर म देखे रहेंव, अऊ मेंह मुहूं के भार गिर पड़ेंव।
4 यहोवा के महिमा ह पूरब के दुवार ले मंदिर भीतर आईस।
5 तब आतमा ह मोला उठाके भीतरी अंगना म ले आईस, अऊ यहोवा के महिमा ले मंदिर ह भर गीस।
6 जब ओ मनखे ह मोर बाजू म खड़े रिहिस, त मेंह सुनेंव कि कोनो मंदिर के भीतर ले मोर ले गोठियावत हे।
7 ओह कहिस: "हे मनखे के बेटा, येह मोर सिंघासन के जगह अऊ मोर पांव के तलवा रखे के जगह अय। येह ओ जगह अय जिहां में इसरायलीमन के बीच सदा निवास करहूं। इसरायल के मनखेमन फेर कभू मोर पबितर नांव ला अपबितर नइं करहीं—न तो ओमन अऊ न ही ओमन के राजामन अपन बेभिचार के दुवारा अऊ अपन राजामन के मिरतू के बेरा ओमन बर बलिदान चघाय के दुवारा अपबितर करहीं।
8 जब ओमन अपन दुवार ला मोर दुवार के लकठा म अऊ अपन चौखट ला मोर चौखट के बाजू म रखिन, अऊ मोर अऊ ओमन के बीच सिरिप एक दीवार रिहिस, त ओमन मोर पबितर नांव ला अपन घिनौना काममन के दुवारा असुध करिन। एकरसेति मेंह अपन कोरोध म ओमन ला नास कर देंव।
9 अब ओमन अपन बेभिचार अऊ अपन राजामन बर माटी देय के बेरा करे जानेवाला बलिदान ला छोंड़ देवंय, तब मेंह ओमन के बीच सदा निवास करहूं।
10 "हे मनखे के बेटा, तेंह इसरायल के मनखेमन ला ये मंदिर के बखान कर, कि ओमन अपन पाप के काम ले लज्जित होवंय। ओमन येकर उत्तमता ऊपर बिचार करंय,
11 अऊ यदि ओमन अपन करे गय जम्मो काममन ले लज्जित होथंय, त ओमन ला मंदिर के बनावट के बारे म बता—येकर रचना, येकर निकास अऊ प्रवेस दुवार—येकर पूरा बनावट अऊ येकर पूरा नियम अऊ कानून। ओमन के आघू म ये बातमन ला लिख ले, ताकि ओमन येकर बनावट बर बिसवासयोग्य रहंय अऊ येकर नियममन ला मानंय।
12 "येह मंदिर के कानून अय: पहाड़ के टीप के चारों खूंट के जम्मो भाग ह महा पबितर होही। येहीच ह ये मंदिर के कानून अय।

[illegible]

13 "क्यूबीट* म बेदी के नाप अइसने हवंय, एक क्यूबीट अऊ एक हथेली के नाप: येकर नाली ह एक क्यूबीट गहरा अऊ एक क्यूबीट चौड़ा, अऊ किनारा के चारों कोति एक स्पान† के गोट रिहिस। अऊ येह बेदी के ऊंचई ए:
14 भुइयां म नाली ले लेके खाल्हे निकले भाग तक, जऊन ह बेदी के चारों कोति जाथे, येह दू क्यूबीट ऊंचहा हवय, अऊ निकले भाग ह एक क्यूबीट चौड़ा हवय।‡ ये खाल्हे निकले भाग ले लेके ऊपर निकले भाग तक, जऊन ह बेदी के चारों कोति जाथे, येह चार क्यूबीट ऊंचहा हवय, अऊ ओ निकले भाग घलो एक क्यूबीट चौड़ा हवय।§
15 ओकर ऊपर, बेदी के चूल्हा ह चार क्यूबीट ऊंचहा हवय, अऊ बेदी के चूल्हा ले ऊपर कोति चार ठन सींग निकले हवंय।

---

* **43:13** लगभग 21 ईंच † **43:13** लगभग 11 ईंच ‡ **43:14** लगभग 3 1/2 फीट ऊंचहा अऊ 1 3/4 फीट चौड़ा § **43:14** लगभग 7 फीट लम्बा अऊ 1 3/4 फीट चौड़ा

16 बेदी के चूल्हा ह वर्गाकार हवय, जऊन ह बारह क्यूबीट* लम्बा अऊ बारह क्यूबीट चौड़ा हवय।
17 ऊपर के निकले भाग ह घलो वर्गाकार हवय, जऊन ह चौदह क्यूबीट† लम्बा अऊ चौदह क्यूबीट चौड़ा
हवय। बेदी के चारों कोति एक क्यूबीट के एक नाली हवय, जेमा आधा क्यूबीट के एक गोट हवय। बेदी के सीढ़ी
ह पूरब कोति हवय।"
18 तब ओह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: जब बेदी ह बन जाही, त
होम-बलिदान चघाय अऊ बेदी म लहू छिंचे बर ये बिधिमन होहीं:
19 पाप-बलिदान के रूप म तोला सादोक के परिवार के ओ लेवीय पुरोहितमन ला एक ठन बछवा देना होही,
जऊन मन मोर सेवा करे बर मोर लकठा म आथें, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
20 तब तेंह ओकर कुछू खून ला लेबे अऊ ओ खून ला चारों सींग अऊ निकले हुए भाग के चारों कोना अऊ
किनारा म चारों कोति लगा देबे, अऊ ये किसम ले बेदी ला सुध करबे अऊ येकर बर प्रायस्चित करबे।
21 तें पाप-बलिदान के बछवा ला लेबे अऊ ओला पबितर-स्थान के बाहिर मंदिर छेत्र म ठहिराय गय भाग म
जला देबे।
22 "दूसर दिन, तेंह पाप-बलिदान बर एक ठन निरदोस बोकरा ला चघाबे, अऊ बेदी ला वइसने ही सुध करे
जावय, जइसने बछवा ला लेके करे गे रिहिस।
23 जब तेंह ओला सुध कर डारबे, तब तें झुंड ले एक निरदोस बछवा अऊ एक निरदोस मेढ़ा लेके चघाबे।
24 तोला यहोवा के आघू म ओमन ला अरपन करना हे, अऊ पुरोहितमन ओमन ऊपर नून ला छिंचंय अऊ
ओमन ला होम-बलिदान के रूप म यहोवा ला चघावंय।
25 "सात दिन तक एक-एक ठन बोकरा तोला हर एक दिन पाप-बलिदान बर देना हे; झुंड म ले तोला एक-एक
ठन निरदोस बछवा अऊ मेढ़ा घलो देना हे।
26 सात दिन तक, ओमन बेदी बर प्रायस्चित करंय अऊ सुध करंय; ये किसम ले ओमन येकर संस्कार करहीं।
27 जब ओ सात दिन खतम हो जाहीं, त आठवां दिन ले, पुरोहितमन तुम्हर होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान
ला बेदी म चघांय। तब मेंह तुमन ला स्वीकार करहूं, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।"

44

[illegible]

1 तब ओ मनखे ह मोला पबितर-स्थान के ओ बाहिरी दुवार मेर वापिस ले आईस, जेकर मुहूं पूरब कोति
रिहिस, अऊ ओह बंद रिहिस।
2 तब यहोवा ह मोर ले कहिस, "ये दुवार ह बंद रहय। येला खोले झन जावय; कोनो भी येमा ले होके भीतर
झन जावंय। येह बंद रहय काबरकि यहोवा, इसरायल के परमेसर ह येमा ले भीतर गे हवय।
3 हाकिम ह खुद एके झन दुवार के भीतर यहोवा के आघू म जेवन करे बर बईठ सकत हे। ओह दुवार के मंडप
के रसता ले भीतर आवय अऊ ओहीच रसता ले होके बाहिर निकलय।"
4 तब ओ मनखे ह मोला मंदिर के सामने उत्तरी दुवार के रसता मेर ले आईस। तब मेंह यहोवा के मंदिर ला
यहोवा के महिमा ले भरत देखेंव, अऊ मेंह मुहूं के भार गिरेंव।
5 यहोवा ह मोर ले कहिस, "हे मनखे के बेटा, धियान से देख, लकठा जाके सुन अऊ यहोवा के मंदिर के बारे,
जऊन बिधि अऊ नियममन ला मेंह तोला बतावत हंव, ओ जम्मो बात ऊपर धियान लगा। मंदिर के प्रवेस अऊ
पबितर-स्थान के जम्मो निकास दुवारमन म धियान दे।
6 बिदरोही इसरायलीमन ले कह, 'परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे इसरायल के मनखेमन! बहुंत हो गे
तुम्हर घिनौना काम।
7 तुम्हर आने जम्मो घिनौना काम के अलावा, तुमन मोर पबितर-स्थान म मन अऊ देहें ले खतनारहित
परदेसीमन ला ले आयेव, अऊ मोर मंदिर ला अपबितर करेव जब तुमन मोला जेवन, चरबी अऊ खून चघावत
रहेव, अऊ तुमन मोर करार ला टोर देव।
8 मोर पबितर चीजमन के बारे म अपन काम करे के बदले, तुमन आने मन ला मोर पबितर-स्थान के जिम्मेदारी
दे देव।

* **43:16** लगभग 21 फीट † **43:17** लगभग 25 फीट

9 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: मन अऊ देहें ले खतनारहित कोनो भी परदेसी मोर पबितर-स्थान के
भीतर झन आवय, अऊ त अऊ इसरायलीमन के बीच रहइया परदेसीमन घलो झन आवंय।
10 " 'ओ लेवी, जेमन मोर ले ओ समय दूरिहा हो गीन, जब इसरायली मनखेमन आने कोति चल दीन अऊ
जेमन मोर ले भटकके अपन मूरतीमन के पाछू चल दीन, जरूरी अय कि ओमन अपन पाप के फर ला भोगंय।
11 ओमन मोर पबितर-स्थान म सेवा कर सकत हें; मंदिर के दुवारमन के जिम्मेदारी लेके येमा सेवा कर सकत
हें; ओमन मनखेमन बर होम-बलिदान अऊ चढ़ावा के पसुमन के बध करंय, अऊ मनखेमन के आघू म ठाढ़ होके
ओमन के सेवा करंय।
12 पर काबरकि लेवीमन ओमन के मूरतीमन के आघू म ओमन के सेवा करिन अऊ इसरायल के मनखेमन ला
पाप म गिराईन, एकरसेति मेंह हांथ उठाके कसम खाय हंव कि ओमन अपन पाप के फर जरूर भोगंय,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
13 ओमन पुरोहित के रूप म मोर सेवा करे बर मोर लकठा म झन आवंय या मोर कोनो पबितर चीज के लकठा
म झन आवंय या मोर परम पबितर बलिदानमन करा झन आवंय; जरूरी ए कि ओमन अपन घिनौना काम बर
सरमिंदा होवंय।
14 अऊ मेंह ओमन ला मंदिर के पहरेदारी बर ठहिराहू, ताकि येमा के जम्मो काम हो सकय।
15 " 'पर ओ लेवीय पुरोहित, जेमन सादोक के संतान अंय अऊ जेमन ओ बेरा म मोर पबितर-स्थान के
पहरेदारी करिन, जब इसरायलीमन मोर ले दूरिहा हो गे रिहिन, ओमन मोर आघू म सेवा करे बर मोर लकठा म
आवंय; ओमन चरबी अऊ लहू चघाय बर मोर आघू म ठाढ़ होवंय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
16 सिरिप ओमन ही मोर पबितर-स्थान म प्रवेस करंय; सिरिप ओमन ही मोर सेवा करे बर मोर मेज के लकठा
म आवंय अऊ पहरेदार के रूप म मोर सेवा करंय।
17 " 'जब ओमन भीतरी अंगना के दुवारमन ले भीतर आवंय, तब ओमन सन के ओनहा पहिरंय; येह जरूरी
अय कि ओमन कोनो भी किसम के ऊन के ओनहा झन पहिरंय, जब ओमन भीतरी अंगना के दुवारमन म या
मंदिर के भीतर सेवा करत रहिथें।
18 ओमन अपन मुड़ म सन के ओनहा के पगड़ी पहिरंय अऊ कनिहां म सन के कच्छा पहिरंय। ओमन अइसने
कोनो भी चीज झन पहिरंय, जेकर से ओमन ला पसीना आवय।
19 जब ओमन बाहिरी अंगना म मनखेमन करा जावंय, तब ओमन ओ ओनहा ला उतार देवंय, जेला पहिरके
ओमन सेवा करत रिहिन अऊ ओमन ओ ओनहा ला पबितर कमरामन म छोंड़ देवंय, अऊ आने कपड़ा पहिर लें,
ताकि ओमन के ओनहा ला छुये के दुवारा मनखेमन पबितर झन ठहिरंय।
20 " 'ओमन अपन मुड़ के चुंदी ला झन मुड़ावंय या ओमन के चुंदी लम्बा झन होवंय, पर ओमन अपन मुड़ के
चुंदी ला कटवांय।
21 कोनो भी पुरोहित अंगूर के मंद झन पीयय, जब ओह भीतरी अंगना म जाथे।
22 ओमन कोनो बिधवा या तलाकसुदा माईलोगन ले बिहाव झन करंय; ओमन सिरिप इसरायली बंस के
कुंवारी ले या पुरोहित के बिधवा ले बिहाव करंय।
23 ओमन मोर मनखेमन ला पबितर अऊ सधारन के भेद ला सिखोवंय अऊ ओमन ला देखावंय कि सुध अऊ
असुध के बीच कइसे भेद करे जाथे।
24 " 'कोनो झगरा म, पुरोहितमन नियायधीस के रूप म काम करंय अऊ झगरा के फैसला मोर नियममन के
मुताबिक करंय। मोर ठहिराय गय जम्मो तिहार म, ओमन मोर कानून अऊ बिधिमन के पालन करंय, अऊ
ओमन मोर बिसराम दिन ला पबितर मानंय।
25 " 'कोनो पुरोहित ह कोनो मनखे के लास के लकठा म जाके अपनआप ला असुध झन करय, पर यदि मरे
मनखे ह ओकर दाई या ददा, बेटा या बेटी, भाई या अबिहाता बहिनी होवय, त ओह अपनआप ला असुध कर
सकथे।
26 सुध होय के बाद, ओह सात दिन तक इंतजार करय।
27 जऊन दिन ओह पबितर-स्थान के भीतरी अंगना म सेवा करे बर जावय, त ओह अपन बर एक
पाप-बलिदान* चघावय, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

* **44:27** सुधिकरन-बलिदान पद 29म घलो

28 “ ‘पुरोहितमन के सिरिप एकेच उत्तराधिकार हवय अऊ ओह में अंव। तुमन ओमन ला इसरायल म कोनो
भी चीज ओमन के अधिकार म झन देवव; ओमन के संपत्ति में अंव।
29 ओमन अन्न-बलिदान, पाप-बलिदान अऊ दोस-बलिदान ला खाहीं; अऊ इसरायल म हर ओ चीज, जऊन
ह यहोवा ला चघाय जाथे, ओह ओमन के होही।
30 जम्मो पहिली-फसल के सबले बने चीजमन अऊ तुम्हर जम्मो बिसेस भेंटमन पुरोहितमन के होहीं। तुमन
अपन गूंधे पीसान ले बने जेवन के पहिली भाग ओमन ला देवव, ताकि तुम्हर घर-परिवार म आसीस होवय।
31 पुरोहितमन अइसने कोनो चिरई या पसु के मांस ला झन खावंय, जऊन ह मरे पाय गीस या जऊन ह कोनो
जंगली पसु के दुवारा फार डाले गे हवय।

45

[illegible]

1 “ ‘जब तेंह उत्तराधिकार के रूप म भुइयां ला बांटबे, त तेंह भुइयां के एक भाग यहोवा ला पबितर भाग के रूप
म देबे, जऊन ह 25,000 क्यूबीट* लम्बा अऊ 20,000 क्यूबीट† चौड़ा होवय; ये पूरा इलाका ह पबितर होही।
2 इहीच इलाका म 500 क्यूबीट‡ के एक वर्गाकार भाग पबितर-स्थान बर होवय, अऊ येकर चारों कोति 50
क्यूबीट§ खुला भुइयां रहय।
3 ये पबितर भाग म 25,000 क्यूबीट लम्बा अऊ 10,000 क्यूबीट* चौड़ा भाग ला नाप लेबे। येमा
पबितर-स्थान याने कि महा पबितर स्थान होही।
4 येह ओ पुरोहितमन बर भुइयां के पबितर भाग होही, जेमन पबितर-स्थान म सेवा करथें अऊ जेमन यहोवा
के आघू म सेवा करे बर लकठा म आथें। येह ओ जगह अय, जिहां पुरोहितमन बर घर होही अऊ संग म
पबितर-स्थान बर पबितर जगह होही।
5 25,000 क्यूबीट लम्बा अऊ 10,000 क्यूबीट चौड़ा एक भाग ओ लेवीमन के होही, जेमन मंदिर म सेवा
करथें, ये भाग म ओमन के अधिकार होही, जेमा ओमन के रहे बर नगरमन होहीं।†
6 “ ‘तेंह येकर संपत्ति के रूप म पबितर भाग ले लगे 5,000 क्यूबीट चौड़ा‡ अऊ 25,000 क्यूबीट लम्बा एक
भाग सहर बर देबे; येह पूरा इसरायल के होही।
7 “ ‘हाकिम के भुइयां के सीमना ओ इलाका के दूनों कोति होही, अऊ ये इलाका म पबितर जिला अऊ सहर के
संपत्ति होही। येकर बिस्तार पछिम म पछिम कोति अऊ पूरब म पूरब कोति होही, जऊन ह लम्बई म पछिम ले
लेके पूरबी सीमना तक जवइया गोत्र के भागमन के एक भाग के समानांतर होही।
8 इसरायल म ये भुइयां ऊपर ओ हाकिम के अधिकार होही। अऊ मोर ठहिराय हाकिममन मोर मनखेमन ला
फेर नइं सताहीं पर ओमन इसरायल के मनखेमन ला ओकर गोत्र के मुताबिक भुइयां ला ओमन के अधिकार म दे
दीहीं।
9 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: हे इसरायल के हाकिममन! तुमन अति कर दे हवव, हिंसा करई अऊ
सतावा ला छोंड़ दव अऊ ओ काम करव जऊन ह नियाय के काम ए अऊ सही ए। मोर मनखेमन ला बेदखल
करना बंद करव, परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
10 तुमन सही नाप के उपयोग करव, सही एपा§ अऊ सही बत* के उपयोग करव।
11 एपा अऊ बत दूनों एकेच नाप के होवंय, बत म होमेर के दसवां अंस समावय अऊ एपा म घलो होमेर के
दसवां अंस समावय; होमेर ह दूनों के माने गय नाप होवय।
12 सेकेल† म बीस गेरा आवय। बीस सेकेल अऊ पच्चीस सेकेल अऊ पंदरह सेकेल बराबर एक मीना‡ होवय।
13 “ ‘येह बिसेस भेंट ए, जेला तुमन ला चघाना हे: गहूं के हर होमेर म ले एक एपा के छठवां अंस§ अऊ जौ
के हर होमेर म ले एक एपा के छठवां अंस।

---

* **45:1** लगभग 13 किलोमीटर † **45:1** लगभग 11 किलोमीटर ‡ **45:2** लगभग 875 फीट § **45:2** लगभग 88 फीट * **45:3** लगभग 5.3 किलोमीटर † **45:5** या [illegible] ‡ **45:6** 2.7 किलोमीटर § **45:10** एक टन सूखा नापे के चीज, जेमा लगभग 22 लीटर पानी आवय * **45:10** एक नापे के चीज, जेमा लगभग 22 लीटर आवय † **45:12** लगभग 12 ग्राम ‡ **45:12** याने कि 60 सेकेल; लगभग 690 ग्राम § **45:13** लगभग 2.7 किलोग्राम

14 बत ले नापे, जैतून तेल के ठहिराय अंस, जऊन ह कोर म ले एक बत के दसवां अंस अय (कोर म दस बत
या एक होमेर समाथे, काबरकि दस बत बराबर एक होमेर होथे)।
15 इसरायल के बने पानीवाले चरागन ले हर दू सौ भेड़ वाले झुंड ले एक-एक ठन भेड़ लिये जावय। येमन के
उपयोग मनखेमन के प्रायस्चित करे बर अन्न-बलिदान, होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान के रूप म करे जावय,
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।
16 देस के जम्मो मनखेमन ला इसरायल म हाकिम ला ये बिसेस भेंट देना जरूरी अय।
17 येह हाकिम के जिम्मेदारी होही कि ओह तिहारमन म, नवां चंदा के दिनमन म अऊ बिसराम दिन म
होम-बलिदान, अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान देवय—याने कि इसरायल के ठहिराय जम्मो तिहारमन म।
ओह इसरायलीमन के पछताप करे बर पाप-बलिदान,* अन्न-बलिदान, होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान दीही।
18 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: साल के पहिला महिना के पहिला दिन तें एक निरदोस बछवा ला लेबे
अऊ पबितर-स्थान ला सुध करबे।
19 पुरोहित ह पाप-बलिदान के कुछू खून ला लेवय अऊ ओला मंदिर के चौखटमन म, बेदी के ऊपरी निकले
भाग के चारों कोना म अऊ भीतरी अंगना के दुवार के चौखटमन म लगावय।
20 तोला महिना के सातवां दिन ओ मनखे बर अइसने ही करना हे, जऊन ह अनजाने म या अगियानता म
पाप करथे; ये किसम ले तोला मंदिर बर प्रायस्चित करना हे।
21 “ ‘पहिला महिना के चौदहवां दिन तुमन फसह के तिहार मनावव; ये तिहार ह सात दिन के होवय, अऊ ये
दौरान तुमन बिगर खमीर के बने रोटी ला खावव।
22 ओ दिन हाकिम ह अपन बर अऊ देस के जम्मो मनखेमन बर एक बछवा पाप-बलिदान के रूप म देवय।
23 तिहार के ओ सात दिन तक हर एक दिन ओह यहोवा ला होम-बलिदान के रूप म सात-सात ठन निरदोस
बछवा अऊ सात-सात ठन निरदोस मेढ़ा देवय, अऊ पाप-बलिदान बर हर एक दिन एक-एक ठन बोकरा देवय।
24 ओह हर एक बछवा बर एक एपा अऊ हर एक मेढ़ा बर एक एपा अन्न-बलिदान के रूप म देवय, संग म हर
एक एपा बर एक हीन† जैतून तेल घलो देवय।
25 “ ‘तिहार के सात दिन के दौरान, जऊन ह सातवां महिना के पंदरहवां दिन सुरू होथे, ओह हर दिन
पाप-बलिदान, होम-बलिदान, अन्न-बलिदान अऊ तेल के अइसने ही परबंध करय।

46

1 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: भीतरी अंगना के पूरबमुखी दुवार ह काम-बुता के छै दिन बंद रहय, पर
बिसराम दिन अऊ नवां चंदा के दिन येह खुला रहय।
2 हाकिम ह बाहिर ले दुवार के मंडप म ले होके प्रवेस करय अऊ दुवार के चौखट मेर खड़े रहय। पुरोहितमन
ओकर होम-बलिदान अऊ मेल-बलिदान ला चघावंय। हाकिम ह दुवार के चौखट मेर भक्ति म मुड़ नवाय अऊ
तब बाहिर चले जावय, अऊ दुवार ला संझा होवत तक झन बंद करे जावय।
3 देस के मनखेमन बिसराम दिन अऊ नवां चंदा के दिन ओही दुवार के फाटक मेर यहोवा के आघू म अराधना
करंय।
4 हाकिम ह बिसराम दिन म यहोवा बर जऊन होम-बलिदान लाथे, ओमा छै ठन निरदोस मेढ़ा-पीला अऊ
एक ठन निरदोस मेढ़ा होवय।
5 मेढ़ा के संग दिये जानेवाला अन्न-बलिदान एक एपा* होवय, अऊ मेढ़ा-पीलामन के संग दिये जानेवाला
अन्न-बलिदान अपन खुसी से जतेक जादा दे सकत हे, देवय; येकर संग हर एपा के पाछू एक हीन† जैतून तेल
घलो देवय।
6 नवां चंदा के दिन ओह एक ठन निरदोस बछवा, छै ठन निरदोस मेढ़ा-पीला अऊ एक ठन निरदोस मेढ़ा
चघावय, ये जम्मो निरदोस होवंय।
7 ओह अन्न-बलिदान के रूप म बछवा के संग एक एपा,‡ मेढ़ा के संग एक एपा अऊ मेढ़ा-पीलामन के संग
जतेक जादा ओह चाहथे, देवय, येकर संग हर एपा के पाछू एक हीन§ तेल घलो देवय।
8 जब हाकिम ह भीतर जावय, त ओह दुवार के मंडप ले होके जावय, अऊ ओह ओही रद्दा ले बाहिर आवय।

---

* **45:17** या [illegible] † **45:24** लगभग 3.8 लीटर * **46:5** लगभग 16 किलोग्राम; पद 7 अऊ 11 म घलो † **46:5** लगभग 3.8 लीटर; पद 7 अऊ 11 म घलो ‡ **46:7** लगभग 9 किलोग्राम § **46:7** लगभग 3 लीटर

9 “ ‘जब देस के मनखेमन ठहिराय गय तिहार म यहोवा के आघू म आवंय, त जऊन ह अराधना करे बर उत्तरी
दुवार ले होके आवय, ओह दक्खिनी दुवार ले होके बाहिर निकलय; अऊ जऊन ह दक्खिनी दुवार ले होके भीतर
आवय, ओह उत्तरी दुवार ले होके बाहिर निकलय। कोनो भी ओहीच दुवार ले बाहिर झन निकलय, जेमा ले होके
ओह भीतर आय रिहिस, पर हर एक ह बिरूध दिग के दुवार ले बाहिर निकलय।
10 जब ओमन भीतर जावंय, तब हाकिम ह ओमन के बीच म रहिके जावय, अऊ जब ओमन बाहिर निकलंय,
तब ओह घलो ओमन के संग बाहिर निकलय।
11 जेवनार अऊ ठहिराय गय तिहारमन म, अन्न-बलिदान एक बछवा के पाछू एक एपा, एक मेढ़ा के पाछू एक
एपा, अऊ मेढ़ा-पीलामन के संग अपन खुसी से जतेक जादा ओह दे सकथे, देवय; येकर संग हर एपा के पाछू
हीन भर तेल घलो देवय।
12 “ ‘जब हाकिम ह यहोवा ला स्वेच्छा-बलिदान देवय—चाहे येह एक होम-बलिदान या मेल-बलिदान हो,
तब पूरबमुखी दुवार ला ओकर बर खोल दिये जावय। ओह अपन होम-बलिदान या मेल-बलिदान ला वइसनेच
ही चघावय, जइसने ओह बिसराम दिन म चघाथे। तब ओह बाहिर चले जावय, अऊ ओकर जाय के बाद, दुवार
ला बंद कर दिये जावय।
13 “ ‘हर दिन तें यहोवा ला एक साल के एक निरदोस मेढ़ा-पीला होम-बलिदान बर देबे; हर बिहनियां तें येला
देय करबे।
14 येकर संग तोला हर बिहनियां एक अन्न-बलिदान घलो देना हे, जेमा एक एपा के छठवां अंस* अऊ पीसान
म मिलाय बर एक हीन तेल के तिहाई भाग† होवय। यहोवा ला ये अन्न-बलिदान देवई ह एक हमेसा के आदेस ए।
15 एकरसेति नियमित होम-बलिदान बर हर बिहनियां मेढ़ा-पीला, अन्न-बलिदान अऊ तेल दिये जावय।
16 “ ‘परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: यदि हाकिम ह अपन उत्तराधिकार म पाय संपत्ति म ले अपन कोनो
बेटा ला कुछू ईनाम देथे, त ओह ओकर संतानमन के घलो होही; येह उत्तराधिकार म मिले ओमन के संपत्ति
होवय।
17 पर यदि, ओह अपन उत्तराधिकार के संपत्ति म ले कुछू ईनाम अपन कोनो सेवक ला देथे, त सेवक ह ओ
ईनाम ला अपन सुतंतर होय के बछर तक रखय, ओकर बाद ओ ईनाम हाकिम ला लहुंटा देय जावय। हाकिम के
उत्तराधिकार के संपत्ति सिरिप ओकर बेटामन ला मिलय; येह ओमन के अय।
18 हाकिम ह मनखेमन के उत्तराधिकार के कोनो संपत्ति ला झन लेवय, ओह ओमन ला ओमन के संपत्ति ले
बेदखल झन करय। ओह अपन बेटामन ला अपन ही संपत्ति ले उत्तराधिकार देवय, ताकि मोर मनखेमन ले कोनो
ला भी ओकर संपत्ति ले अलग झन करे जावय।’ ”
19 तब ओ मनखे मोला दुवार के बाजू म ले पुरोहितमन के पबितर कमरामन म ले आईस, जेमन उत्तर कोति
खुलंय, अऊ ओह मोला पछिम छोर म एक जगह देखाईस।
20 तब ओह मोर ले कहिस, “येह ओ जगह अय, जिहां पुरोहितमन दोस-बलिदान अऊ पाप-बलिदान के मांस
ला रांधंय अऊ अन्न-बलिदान ला पकावंय, जेकर कारन येमन ला बाहिरी अंगना म लाय के जरूरत नइं होवय
अऊ मनखेमन ला पबितर करे के जरूरत घलो नइं होवय।”
21 तब ओह मोला बाहिरी अंगना म ले जाके येकर चारों कोति चारों कोनटा म ले गीस, अऊ मेंह हर एक
कोनटा म एक-एक ठन अऊ अंगना देखेंव।
22 बाहिरी अंगना के चारों कोनटा म, चालीस क्यूबीट लम्बा अऊ तीस क्यूबीट चौड़ा‡ घिरे हुए अंगनामन
रिहिन; चारों कोनटा म हर एक अंगना एकेच नाप के रिहिन।
23 चारों अंगना के हर एक के भीतर चारों कोति पथरा के एक निकले भाग रिहिस, ओ निकले भाग के खाल्हे
चारों कोति आगी बारे के जगह बनाय गे रिहिस।
24 ओ मनखे ह मोला कहिस, “येमन रंधनी खोली अंय, जिहां मंदिर म सेवा करइया लेवीमन, मनखेमन के
चघाय बलिदानमन ला रांधंय।”

47

[illegible]

* **46:14** लगभग 2.7 किलोग्राम † **46:14** लगभग 1.3 लीटर ‡ **46:22** लगभग 21 मीटर लम्बा अऊ 16 मीटर चौड़ा

1 फेर ओ मनखे ह मोला मंदिर के प्रवेस दुवार मेर वापिस ले आईस, अऊ मेंह देखेंव कि मंदिर के चौखट के
खाल्हे ले पानी बाहिर निकलके पूरब कोति बोहावत हे (काबरकि मंदिर के मुहूं ह पूरब कोति रिहिस)। मंदिर के
दक्खिन भाग के खाल्हे ले, बेदी के दक्खिन ले पानी ह खाल्हे निकलत रिहिस।
2 तब ओह मोला उत्तरी दुवार ले बाहिर ले आईस अऊ मोला बाहिर कोति घुमाके बाहिरी दुवार मेर ले
आईस, जेकर मुहूं पूरब कोति रिहिस, अऊ दक्खिन कोति ले पानी ह चूहत रिहिस।
3 तब ओ मनखे ह अपन हांथ म नापे के डोरी ला धरके पूरब कोति गीस, अऊ ओह एक हजार क्यूबीट*
नापिस, तब ओह मोला पानी म ले रेंगाके ले गीस, अऊ पानी एड़ी तक रिहिस।
4 ओह फेर एक हजार क्यूबीट नापिस अऊ मोला पानी म ले होके ले गीस, जऊन ह माड़ीमन तक गहिरा
रिहिस। ओह फेर एक हजार क्यूबीट नापिस अऊ मोला पानी म ले रेंगाके ले गीस, जऊन ह कनिहां तक गहिरा
रिहिस।
5 ओह फेर एक हजार क्यूबीट नापिस, पर अब ओह एक नदी हो गीस, अऊ में ओ पार नइं जा सकेंव, काबरकि
पानी ह बाढ़ गे रिहिस अऊ अतेक गहिरा रिहिस कि तउंरे जा सकत रिहिस—एक अइसने नदी, जेला कोनो पार
नइं कर सकत रिहिन।
6 ओह मोर ले पुछिस, "हे मनखे के बेटा, का तेंह येला देखत हस?"
तब ओह मोला वापिस नदी के तीर म ले आईस।
7 जब में उहां हबरेंव, तब मेंह नदी के दूनों कोति अब्बड़ अकन रूखमन ला देखेंव।
8 तब ओह मोर ले कहिस, "ये पानी ह पूरबी इलाका कोति बोहात हे अऊ खाल्हे अराबा† म जावत हे, जिहां
येह मिरतू सागर म मिल जाथे। जब येह सागर म मिल जाथे, त उहां नूनचूर पानी ह मीठा हो जाथे।
9 जिहां-जिहां नदी ह बोहाथे, उहां-उहां जीवमन के झुंडमन रहिहीं। उहां अब्बड़ अकन मछरीमन होहीं,
काबरकि ये पानी ह उहां बोहाथे अऊ नूनचूर पानी ला मीठा बनाथे; एकरसेति जिहां-जिहां नदी ह बोहाथे, उहां
हर चीज जीयत रहिहीं।
10 नदी के तीर म मछुआरमन ठाढ़ होहीं; एन-गदी ले लेके एन-एगलेम तक उहां जाल डारे के जगह होही।
उहां कतको किसम के मछरी होहीं—भूमध्य सागर के मछरीमन सहीं।
11 पर चीखला भरे खंचवा अऊ पानी के खंचवामन मीठा नइं होहीं, ओमन ला नून बर छोंड़ दिये जाही।
12 जम्मो किसम के फर के रूखमन नदी के दूनों तीर म जामहीं। ओमन के पानमन नइं मुरझाहीं, अऊ न ही
ओमन म फर धरई कभू बंद होही। हर महिना ओमन म फर लगही, काबरकि पबितर-स्थान ले पानी बहके ओमन
म आथे। ओमन के फर खाय के काम आहीं अऊ ओमन के पान दवाई के काम म आहीं।"

[illegible]

13 परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे: "देस के ये सीमनामन अंय, जेला तें इसरायल के बारह गोत्रमन के बीच
ओमन के उत्तराधिकार के रूप म बांटबे, अऊ येमा यूसुफ ला दू भाग मिलय।
14 तें येला ओमन के बीच बरोबर-बरोबर बांटबे। काबरकि मेंह हांथ उठाके कसम खाय रहेंव कि मेंह येला
तुम्हर पुरखामन ला दूहूं। ये देस तुम्हर उत्तराधिकार म हो जाही।

15 "देस के सीमना ये होवय:

"उत्तर कोति के सीमना भूमध्य सागर ले हेतलोन सड़क के बाद लेबो-हमात ले होवत सेदाद सहर तक,
16 बेरोता अऊ सिबरैम (जऊन ह दमिस्क अऊ हमात के बीच सीमना म पड़थे), अऊ हसर-हत्तीकोन सहर
तक, जऊन ह हौरान जिला के सीमना म हवय।
17 ये सीमना ह समुंदर ले लेके दमिस्क के उत्तरी सीमना के संगे-संग हसर-एनान सहर तक फईलही, अऊ संग
म उत्तर कोति हमात के सीमना होही। येह उत्तरी सीमना होही।
18 पूरब कोति के सीमना हौरान अऊ दमिस्क के बीच होवत, यरदन नदी के संग गिलाद अऊ इसरायल देस के
बीच, मिरतू सागर तक होही अऊ तामार नगर तक फईलही। येह पूरबी सीमना होही।

---

* **47:3** लगभग 1,700 फीट † **47:8** या [illegible]

19 दक्खिन कोति के सीमना तामार ले लेके मरीबा-कादेस के पानी के सोता तक होही, तब मिसर के नरवा ले
होवत भूमध्य सागर तक। येह दक्खिन के सीमना होही।
20 पछिम कोति के सीमना भूमध्य सागर म लेबो-हमात के सामने के एक जगह तक होही। येह पछिम के
सीमना होही।

21 "तोला ये देस ला अपन बीच म इसरायल के गोत्रमन के मुताबिक बांटना हे।
22 तोला ये देस ला एक उत्तराधिकार के रूप म अपन बर अऊ तुम्हर बीच रहइया परदेसी, जेमन के
लइकामन हवंय, ओमन बर बांटना हे। ओमन ला तें देस म जनमे इसरायलीमन सहीं ही समझबे; अपन संग,
ओमन ला घलो इसरायल के गोत्रमन के बीच एक उत्तराधिकार दिये जावय।
23 जऊन भी गोत्र म कोनो परदेसी रहिथे, उहां तें ओला ओकर भाग ला देबे," परमपरधान यहोवा ह घोसना
करत हे।

48

[illegible]
1 "सूची म लिखे गय गोत्र के नांव ये अंय:

"उत्तरी सीमना म, दान के एक भाग होही; येह हेतलोन सहर के रद्दा के पाछू लेबो-हमात तक जाही;
हसर-एनान सहर अऊ हमात ले लगे दमिस्क के उत्तरी सीमना येकर सीमना के भाग होही, जऊन ह पूरब
कोति ले पछिम तक होही।
2 आसेर के एक भाग होही; येकर सीमना पूरब ले पछिम तक दान के सीमना ले लगे होही।
3 आसेर के सीमना ले लगके, पूरब ले पछिम तक नपताली के एक भाग होही।
4 नपताली के सीमना ले लगके, पूरब ले पछिम तक मनस्से के एक भाग होही।
5 मनस्से के सीमना ले लगके, पूरब ले पछिम तक एपरैम के एक भाग होही।
6 एपरैम के सीमना ले लगके, पूरब ले पछिम तक रूबेन के एक भाग होही।
7 रूबेन के सीमना ले लगके, पूरब ले पछिम तक यहूदा के एक भाग होही।

8 "यहूदा के सीमना ले लगके, पूरब ले पछिम तक एक भाग होही, जेला तें एक बिसेस भेंट के रूप म अरपन
करबे। येकर चौड़ई 25,000 क्यूबीट,* अऊ पूरब ले लेके पछिम तक येकर लम्बई कोनो एक गोत्र ला दिये गय
भाग के बरोबर होही; ये भाग के बीच म पबितर-स्थान होही।
9 "जऊन बिसेस भाग, तेंह यहोवा ला अरपन करबे, ओकर लम्बई 25,000 क्यूबीट अऊ चौड़ई 10,000
क्यूबीट† होही।
10 येह पुरोहितमन बर पबितर भाग होही। उत्तर कोति येकर लम्बई 25,000 क्यूबीट, पछिम कोति येकर
चौड़ई 10,000 क्यूबीट, पूरब कोति येकर चौड़ई 10,000 क्यूबीट अऊ दक्खिन कोति येकर लम्बई 25,000
क्यूबीट होही। येकर मांझा म यहोवा के पबितर-स्थान होही।
11 ये भाग ह सादोक के बंस के ओ पबितर करे गय पुरोहितमन बर होही, जेमन मोर सेवा करे म
बिसवासयोग्य रिहिन अऊ ओ लेवीमन सहीं नइं भटकिन, जेमन इसरायलीमन के भटके के बेरा, भटक गे रिहिन।
12 देस के पबितर भाग ले येह ओमन बर एक बिसेस भेंट होही, एक महा पबितर भाग, जऊन ह लेवीमन के
सीमना ले लगे होही।
13 "पुरोहितमन के इलाका ले लगे एक भाग लेवीमन बर होही, जऊन ह 25,000 क्यूबीट लम्बा अऊ
10,000 क्यूबीट चौड़ा होही। येकर पूरा लम्बई 25,000 क्यूबीट अऊ चौड़ई 10,000 क्यूबीट होही।
14 ओमन येला न तो बेचंय अऊ न ही येकर कोनो भाग ला अदला-बदली करंय। येह देस के सबले बने भाग
ए अऊ कोनो भी हालत म येला आने मन के हांथ म झन देय जावय, काबरकि येह यहोवा बर पबितर अय।

---

* **48:8** लगभग 13 किलोमीटर † **48:9** लगभग 5.3 किलोमीटर

15 “बचे 5,000 क्यूबीट‡ चौड़ा अऊ 25,000 क्यूबीट लम्बा भाग ह सहर के सधारन उपयोग बर, घर अऊ
चरागन बर होही। सहर ह येकर मांझा म होही
16 अऊ येकर नाप अइसने होही: उत्तर कोति 4,500 क्यूबीट,§ दक्खिन कोति 4,500 क्यूबीट, पूरब कोति
4,500 क्यूबीट अऊ पछिम कोति 4,500 क्यूबीट।
17 सहर के चरागन बर भुइयां ह उत्तर कोति 250 क्यूबीट,* दक्खिन कोति 250 क्यूबीट, पूरब कोति 250
क्यूबीट, अऊ पछिम कोति 250 क्यूबीट होही।
18 पबितर भाग के सीमना ले लगे जऊन बचे भाग होही अऊ पबितर भाग के लम्बई म होही, ओह पूरब
कोति 10,000 क्यूबीट अऊ पछिम कोति 10,000 क्यूबीट होही। येकर ऊपज ले सहर के काम करइयामन ला
जेवन मिलही।
19 सहर के जऊन काम करइयामन येमा खेती-बारी करहीं, ओमन इसरायल के जम्मो गोत्रमन ले आहीं।
20 ये पूरा भाग ह वर्गाकार होही, हर एक कोति 25,000 क्यूबीट। एक बिसेस भेंट के रूप म, तें पबितर भाग
ला, सहर के संपत्ति के संग अलग रखबे।
21 “पबितर भाग ले बने इलाका के दूनों कोति जऊन भाग बच जाथे, ओह अऊ सहर के संपत्ति हाकिम के
होही। येह पबितर भाग ले 25,000 क्यूबीट पूरब के सीमना कोति अऊ 25,000 क्यूबीट पछिम के सीमना
कोति फईले होही। ये दूनों भाग हाकिम के होहीं, जेमन गोत्र के भागमन के लम्बई म होहीं, अऊ येमन के मांझा
म पबितर भाग के संग मंदिर के पबितर-स्थान होही।
22 ये किसम ले लेवीमन के संपत्ति अऊ सहर के संपत्ति ओ इलाका म होही, जऊन ह हाकिम के होही।
हाकिम के भाग यहूदा के सीमना अऊ बिनयामीन के सीमना के बीच म होही।

23 “बाकि गोत्रमन के भाग ह ये किसम ले होही:

“पूरब कोति ले लेके पछिम तक फईले एक भाग बिनयामीन के होही।
24 बिनयामीन के इलाका के सीमना ले लगके पूरब ले पछिम कोति एक भाग सिमोन के होही।
25 सिमोन के भाग के सीमना ले लगके पूरब ले पछिम कोति एक भाग इस्साकार के होही।
26 इस्साकार के भाग के सीमना ले लगके पूरब ले पछिम कोति एक भाग जबूलून के होही।
27 जबूलून के भाग के सीमना ले लगके पूरब ले पछिम कोति एक भाग गाद के होही।
28 गाद के दक्खिनी सीमना दक्खिन कोति तामार ले लेके मरीबा-कादेस के पानी के सोता तक जाही, तब
मिसर के नरवा ले होवत भूमध्य सागर तक होही।

29 “येह ओ देस ए, जेला तें इसरायल के गोत्रमन ला एक उत्तराधिकार के रूप म बांट देबे, अऊ येमन ओमन के
भाग होहीं,” परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

[illegible]
30 “येमन सहर ले बाहिर निकले के दुवारमन होहीं:

“उत्तर कोति ले सुरू होके, जेकर लम्बई 4,500 क्यूबीट हवय,
31 सहर के दुवारमन ला इसरायल के गोत्रमन के नांव दिये जाही। उत्तर कोति तीन ठन दुवारमन के नांव
रूबेन के दुवार, यहूदा के दुवार अऊ लेवी के दुवार होही।
32 पूरब कोति, जेकर लम्बई 4,500 क्यूबीट हवय, तीन ठन दुवार होहीं: यूसुफ के दुवार, बिनयामीन के दुवार
अऊ दान के दुवार।
33 दक्खिन कोति, जेकर नाप 4,500 क्यूबीट हवय, तीन ठन दुवार होहीं: सिमोन के दुवार, इस्साकार के दुवार
अऊ जबूलून के दुवार।
34 पछिम कोति, जेकर लम्बई 4,500 क्यूबीट हवय, तीन ठन दुवार होहीं: गाद के दुवार, आसेर के दुवार अऊ
नपताली के दुवार।

‡ **48:15** लगभग 2.7 किलोमीटर § **48:16** लगभग 2.4 किलोमीटर; पद 30, 32, 33 अऊ 34 म घलो * **48:17** लगभग 440 फीट

35 “चारों कोति के दूरी 18,000 क्यूबीट† होही।

“अऊ ओ समय ले सहर के नांव होही, ‘यहोवा‡ उहां हवय।’ ”

† **48:35** लगभग 9.5 किलोमीटर ‡ **48:35** याने कि ?????? ??????

दानिएल
के किताब

[illegible]

1 यहूदा प्रदेस के राजा यहोयाकीम के राज के तीसरा बछर म बेबिलोन के राजा नबूकदनेसर ह आईस अऊ
यरूसलेम सहर ला घेर लीस।
2 अऊ परभू ह यहूदा के राजा यहोयाकीम ला परमेसर के मंदिर के कुछू चीजमन के संग नबूकदनेसर के अधीन
कर दीस। ये चीजमन ला ओह बेबिलोनिया* देस म अपन देवता के मंदिर म ले गीस अऊ ओमन ला अपन
देवता के खजाना घर म रख दीस।†
3 तब राजा ह अपन दरबार के मुखिया अधिकारी असपनाज ला हुकूम दीस कि राज-परिवार अऊ उच्च कुल के
कुछू इसरायलीमन ला राजा के सेवा म लाने जावय—
4 येमन अइसन जवान होवंय, जेमन के देहें निरदोस, सुन्दर होवय; ओमन म हर किसम के बात सीखे के
योग्यता दिखय; बने जानकार होवंय; बात ला तुरते समझंय, अऊ ओमन म राजा के महल म सेवा करे के
योग्यता होवय। राजा ह मुखिया ला हुकूम दीस कि ओह येमन ला बेबिलोनीमन के भासा अऊ साहित्य
सिखावय।
5 राजा ह हुकूम दीस कि ओकर खुद के जेवन अऊ मंद म ले ओमन ला हर दिन खाय-पीये बर दिये जावय।
ओमन ला तीन बछर तक ट्रेनिंग दिये जावय, अऊ ओकर बाद ओमन ला राजा के सेवा म लाने जावय।
6 जऊन मन चुने गे रिहिन, ओमन म कुछू यहूदा के बंस के रिहिन: दानिएल, हननयाह, मिसाएल अऊ
अजरयाह।
7 मुखिया अधिकारी ह ओमन ला नवां नांव दीस: दानिएल ला बेलतसस्सर, हननयाह ला सदरक, मिसाएल
ला मेसक अऊ अजरयाह ला अबेदनगो नांव दीस।
8 पर दानिएल ह ठान लीस कि ओह राजसाही जेवन अऊ मंद के दुवारा अपनआप ला असुध नइं करही, अऊ
ये किसम ले अपनआप ला असुध नइं करे बर ओह मुखिया अधिकारी ले अनुमति मांगिस।
9 परमेसर ह अधिकारी के मन ला अइसने कर दीस कि ओह दानिएल ऊपर दया अऊ सहानुभूति दिखावय,
10 पर अधिकारी ह दानिएल ला कहिस, "मोला अपन परभू राजा के डर हवय, जऊन ह तुम्हर खाय-पीये के
चीजमन ला ठहिराय हवय। अइसने झन होवय कि ओह तुमन ला तुम्हर उमर के आने जवानमन ले कमजोर
देखय, अऊ तब तुम्हर कारन, राजा ह मोला मार डारय।"
11 तब दानिएल ह ओ पहरेदार ले कहिस, जऊन ला मुखिया अधिकारी ह दानिएल, हननयाह, मिसाएल अऊ
अजरयाह के देखभाल करे बर ठहिराय रिहिस,
12 "किरपा करके तेंह दस दिन तक अपन सेवकमन ला परखके देख: हमन ला खाय-पीये बर सिरिप साकाहारी
भोजन अऊ पानी के अलावा कुछू अऊ झन दे।
13 तब हमर देहें ले ओ जवानमन के तुलना करे जावय, जऊन मन राजसाही भोजन खाथें, अऊ ओकर बाद
जऊन कुछू तोला दिखय, ओकर मुताबिक अपन सेवकमन संग बरताव कर।"
14 पहरेदार ह ओकर बात ला मान लीस अऊ ओह दस दिन तक ओमन ला परखके देखिस।
15 दस दिन के बाद, ओमन ओ जवानमन ले जादा स्वस्थ अऊ पुस्ट दिखिन, जऊन मन राजसाही भोजन
खावत रिहिन।
16 एकरसेति पहरेदार ह ओमन बर ठहिराय उत्तम भोजन अऊ मंद ला हटा लीस अऊ बदले म, ओमन ला
साकाहारी भोजन दीस।
17 ये चारों जवान ला परमेसर ह जम्मो किसम के साहित्य अऊ विद्या के गियान अऊ समझ दीस। अऊ
दानिएल ह जम्मो किसम के दरसन अऊ सपना ला समझ लेवत रिहिस।

---

* **1:2** इबरानी म *[illegible]* † **1:2** देखव 2 इति 36:7

18 तब जतेक समय बाद, राजा ह ओ जवानमन ला अपन सेवा म लाने बर कहे रिहिस, ओ समय पूरा होय के
बाद, मुखिया अधिकारी ह ओमन ला नबूकदनेसर के आघू म लानिस।
19 राजा ह ओ जवानमन ले बातचीत करिस अऊ ओह दानिएल, हननयाह, मिसाएल अऊ अजरयाह के
बराबर अऊ कोनो जवान ला नइं पाईस; एकरसेति ओमन राजा के सेवा म चुन लिये गीन।
20 बुद्धि अऊ समझ के हर बात म, राजा ह ओमन ले जतेक सवाल करिस, ओमा ओमन राजा के जम्मो राज
के सब जादूगर अऊ टोनहामन ले दस गुना जादा बने पाय गीन।
21 अऊ दानिएल ह कुसरू राजा के राज के पहिले बछर तक उहां सेवा करते रिहिस।

2

[illegible]

1 नबूकदनेसर ह अपन राज के दूसरा बछर म सपना देखिस; जेकर ले ओकर मन ह बियाकुल हो गीस अऊ
ओह सुते नइं सकिस।
2 एकरसेति राजा ह जादूगर, टोनहा, तांत्रिक अऊ जोतिसीमन* ला बलाईस ताकि ओमन आके बतावंय कि
राजा ह का सपना देखे हवय। जब ओमन आईन अऊ राजा के आघू म ठाढ़ होईन,
3 त राजा ह ओमन ले कहिस, "मेंह एक सपना देखे हंव, जेह मोला बियाकुल करत हे अऊ मेंह जाने चाहत
हंव कि येकर का मतलब ए।"
4 तब जोतिसीमन राजा ला जबाब दीन, "राजा चिरंजीवी होवय! तेंह अपन सपना अपन सेवकमन ला बता,
अऊ हमन ओकर अर्थ बताबो।"
5 राजा ह जोतिसीमन ला जबाब दीस, "मेंह ये ठान ले हंव: यदि तुमन मोला मोर सपना समेत ओकर अर्थ
नइं बताहू, त मेंह तुम्हर कुटा-कुटा कर दूहूं अऊ तुम्हर घरमन ला कचरा के कुढ़ा म बदल दूहूं
6 पर यदि तुमन मोला सपना ला बताके ओकर अर्थ घलो बताथव, त तुमन मोर ले उपहार अऊ ईनाम अऊ
बहुंत आदरमान पाहू। एकरसेति तुमन मोला सपना बतावव अऊ ओकर अर्थ घलो बतावव।"
7 एक बार फेर ओमन कहिन, "राजा ह अपन सपना अपन सेवकमन ला बतावय, अऊ हमन ओकर अर्थ
बताबो।"
8 तब राजा ह जबाब दीस, "मोला निस्चय हो गे हवय कि तुमन समय ला टारे के कोसिस करत हव, काबरकि
तुमन समझ गे हव कि मेंह ये ठान ले हंव:
9 यदि तुमन मोला सपना नइं बतात हव, त फेर तुम्हर बर सिरिप एकेच दंड हवय। ये आसा करत कि
परिस्थिति ह बदलही, तुमन मोर ले गलत अऊ खराप बात कहे के सडयंत्र रचे हव। एकरसेति अब, तुमन मोला
मोर सपना बतावव, अऊ तब मेंह जानहूं कि तुमन मोला ओ सपना के अर्थ घलो बता सकत हव।"
10 जोतिसीमन राजा ला जबाब दीन, "धरती म अइसने कोनो मनखे नइं ए, जऊन ह राजा के दुवारा कहे गय
काम ला कर सकय! पर तभो ले, न तो कोनो बड़े अऊ सक्तिसाली राजा ह कोनो जादूगर या टोनहा या जोतिसी
ले कभू ये किसम के कोनो बात पुछे हवय।
11 जऊन बात राजा ह पुछत हे, ओह बहुंत कठिन ए। देवतामन ला छोंड़ अऊ कोनो, राजा ला ये बात नइं
बता सकंय, अऊ देवतामन मनखेमन के बीच म नइं रहंय।"
12 ये बात ला सुनके राजा ह अतेक गुस्सा होईस अऊ कोरोध करिस कि ओह बेबिलोन के जम्मो बुद्धिमान
मनखेमन ला मार डारे के हुकूम दे दीस।
13 एकरसेति बुद्धिमान मनखेमन ला मार डारे के आदेस निकाले गीस, अऊ मनखेमन ला दानिएल अऊ ओकर
संगीमन के खोज म पठोय गीस ताकि ओमन घलो मार डारे जावंय।
14 जब राजा के अंगरछकमन के सेनापति अरयोक, बेबिलोन के बुद्धिमान मनखेमन ला मार डारे बर निकले
रिहिस, त दानिएल ह ओकर ले बुद्धिमानी अऊ बने बरताव के संग बात करिस।
15 ओह राजा के अधिकारी ले पुछिस, "राजा ह अइसे कठोर आदेस काबर निकाले हवय?" तब अरयोक ह
दानिएल ला जम्मो बात बताईस।

---

* **2:2** या [illegible]

16 ये जानके, दानिएल ह राजा करा गीस अऊ कुछू समय देय के मांग करिस, ताकि ओह राजा ला ओकर
सपना के अर्थ बता सकय।
17 तब दानिएल ह अपन घर आईस अऊ ओह अपन संगी हननयाह, मिसाएल अऊ अजरयाह ला ओ जम्मो
बात बताईस।
18 ओह ओमन ला उत्साहित करिस कि ओमन स्वरग के परमेसर ले ये रहस्य के बारे म किरपा करे बर बिनती
करंय, ताकि ओह अऊ ओकर संगीमन बेबिलोन के बाकि बुद्धिमान मनखेमन के संग झन मार डारे जावंय।
19 रात के बेरा, ओ रहस्य ह एक दरसन के रूप म दानिएल ऊपर परगट होईस। तब दानिएल ह स्वरग के
परमेसर के महिमा करिस
20 अऊ कहिस:
"परमेसर के नांव के महिमा सदाकाल तक होवत रहय;
काबरकि बुद्धि अऊ सक्ति ओकर अय।
21 ओह समय अऊ मौसम ला बदलथे;
ओह राजामन ला गद्दी ले हटाथे अऊ आने मन ला गद्दी म बईठाथे।
ओह बुद्धिमान ला बुद्धि
अऊ समझदार ला गियान देथे।
22 ओह गूढ़ अऊ लुकाय बातमन ला परगट करथे;
ओह जानथे कि अंधियार म का रखे हवय,
अऊ अंजोर ह ओकर संग रहिथे।
23 हे मोर पुरखामन के परमेसर, मेंह तोला धनबाद देथंव अऊ तोर परसंसा करथंव:
तेंह मोला बुद्धि अऊ सक्ति दे हवस,
तेंह मोला ओ बात बताय हवस, जऊन ला हमन तोर ले पुछे रहेंन,
तेंह हमन ला राजा के सपना ला बताय हस।"

[illegible]

24 तब दानिएल ह अरयोक करा गीस, जऊन ला राजा ह बेबिलोन के बुद्धिमान मनखेमन ला मार डारे बर
ठहिराय रिहिस, अऊ ओह अरयोक ले कहिस, "बेबिलोन के बुद्धिमान मनखेमन ला मार डारे के काम ला रोक दे।
मोला राजा करा ले चल, अऊ मेंह राजा ला ओकर सपना के अर्थ बताहूं।"
25 अरयोक ह तुरते दानिएल ला राजा करा ले गीस अऊ राजा ले कहिस, "यहूदा प्रदेस ले बंधुवई म आय
मनखेमन के बीच मोला एक मनखे मिले हवय, जेह राजा ला ओकर सपना के अर्थ बता सकथे।"
26 राजा ह दानिएल ले पुछिस (जऊन ला बेलतसस्सर घलो कहे जावय), "का तेंह मोला बता सकत हस कि
मेंह सपना म का देखे हंव अऊ ओकर अर्थ का ए?"
27 दानिएल ह जबाब दीस, "राजा ह जऊन रहस्य के बारे म पुछत हे, ओकर बारे म कोनो घलो बुद्धिमान
मनखे, जोतिसी, जादूगर या अगम के बात बतानेवाला राजा ला कुछू नइं बता सकंय,
28 पर स्वरग म एक परमेसर हवय, जऊन ह रहस्यमन ला परगट करथे। ओहीच ह राजा नबूकदनेसर ला
देखाय हवय कि अवइया दिन म का होवइया हे। जब तेंह अपन बिस्तर म लेटे रहे, तब तेंह जऊन सपना अऊ
दरसन देखे, ओमन ये अंय:
29 "हे महाराज, जब तेंह अपन पलंग म ढलंगे रहे, त तोर मन ह भविस्य म होवइया चीजमन कोति गीस,
अऊ रहस्य के परगट करइया ह तोला देखाईस कि भविस्य म का होवइया हे।
30 जहां तक मोर बात ए, त ये रहस्य ह मोर ऊपर एकरसेति परगट नइं करे गीस कि मोर करा कोनो अऊ
जीयत मनखे ले जादा बुद्धि हवय, पर एकरसेति परगट करे गीस कि महाराज ला ये रहस्य के अर्थ मालूम होवय
अऊ तेंह समझ जा कि तोर मन म का आय रिहिस।
31 "हे महाराज, तेंह देखे कि तोर आघू म एक ठन बड़े मूरती ठाढ़े रिहिस—एक बहुंत बड़े, चकित करइया
मूरती, जऊन ह दिखे म अद्भूत रिहिस।
32 ओ मूरती के मुड़ ह सुध सोन के बने रिहिस, ओकर छाती अऊ बाहांमन चांदी के, ओकर पेट अऊ जांघमन
कांसा के,

33 ओकर गोड़मन लोहा के, ओकर पांवमन कुछू लोहा अऊ कुछू पकोय गय माटी के रिहिन।
34 जब तेंह देखत रहे, त एक चट्टान ह बिगर कोनो मनखे के कोसिस के अपनआप कटके अलग हो गीस अऊ
ओ मूरती के लोहा अऊ माटी के बने पांवमन ला अइसने ठोकर मारिस कि ओमन चकनाचूर हो गीन।
35 तब लोहा, माटी, कांसा, चांदी अऊ सोन—जम्मो टूटके कुटा-कुटा हो गीन अऊ गरमी महिना म कोठार के
भूंसा सहीं हो गीन। हवा ह ओमन ला अइसे उड़ाके ले गीस कि ओमन के कोनो छोटे टुकड़ा घलो नइं बचिस। पर
जऊन चट्टान ह मूरती ला ठोकर मारे रिहिस, ओ चट्टान ह एक बहुंत बड़े पहाड़ बन गीस अऊ जम्मो धरती म
फईल गीस।
36 "येह रिहिस तोर सपना, अऊ अब हमन राजा ला ओकर अर्थ बताबो।
37 हे महाराज, तेंह तो राजामन के राजा अस। स्वरग के परमेसर ह तोला राज अऊ सक्ति अऊ बल अऊ
महिमा दे हवय;
38 ओह जम्मो मानव-जाति अऊ धरती के पसु अऊ अकास के चिरईमन ला तोर हांथ म कर दे हवय। ओमन
जिहां घलो रहिथें, ओह तोला ओ जम्मो के ऊपर सासन करइया बनाय हवय। मूरती के सोन के ओ मुड़ तेंह अस।
39 "तोर बाद, एक आने राज ठाढ़ होही, जऊन ह तोर राज ले कम स्तर के होही। ओकर बाद, एक तीसरा राज
के उदय होही, जऊन ह कांसा के सहीं होही, जेकर सासन जम्मो धरती ऊपर होही।
40 आखिरी म, एक चौथा राज होही, जऊन ह लोहा के सहीं मजबूत होही—काबरकि लोहा जम्मो चीज ला
टोर देथे अऊ चूर-चूर कर देथे—अऊ जइसे कि लोहा चीजमन ला टोरके कुटा-कुटा कर देथे, वइसे ही ये राज
घलो आने जम्मो राजमन ला कुचरके कुटा-कुटा कर दीही।
41 जइसे कि तेंह देखे कि पांव अऊ अंगरीमन कुछू सेंके गय माटी अऊ कुछू लोहा के रिहिन, एकरसेति येह
हिस्सा म बंटे राज होही, तभो ले येमा कुछू लोहा के सहीं बल होही, जइसे कि तेंह लोहा ला माटी के संग मिले
देखे।
42 जइसे कि पांव के अंगरीमन कुछू लोहा अऊ कुछू माटी के रिहिन, एकरसेति ये राज ह कुछू तो मजबूत
अऊ कुछू कमजोर होही।
43 अऊ जइसे कि तेंह लोहा ला सेंके गय माटी के संग मिले देखे, वइसे ही मनखेमन के एक मिलावट होही
अऊ ओमन म एकता नइं होही, काबरकि लोहा के माटी के संग मेल नइं होवय।
44 "ओ राजामन के समय म, स्वरग के परमेसर ह एक अइसने राज ला स्थापित करही, जऊन ह कभू नास नइं
होही, अऊ न ही येकर ऊपर कोनो आने ह सासन करही। ये राज ह ओ जम्मो राजमन ला चूर-चूर कर दीही
अऊ ओमन के अन्त कर दीही, पर येह खुद सदाकाल तक बने रहिही।
45 येह ओ चट्टान के दरसन के अर्थ अय, जऊन ह मनखेमन के दुवारा नइं, पर अपनआप एक पहाड़ ले कटके
अलग होय रिहिस—एक चट्टान, जऊन ह लोहा, कांसा, माटी, चांदी अऊ सोन ला कुटा-कुटा कर दे रिहिस।
"महान परमेसर ह राजा ला देखाय हवय कि भविस्य म का होवइया हे। ये सपना ह सच ए अऊ येकर अर्थ
बिसवासयोग्य अय।"
46 तब राजा नबूकदनेसर ह दानिएल के गोड़ खाल्हे गिरके ओला दंडवत करिस अऊ ओला आदर दीस अऊ
हुकूम दीस कि दानिएल ला भेंट अऊ खुसबूदार चीज उपहार म दिये जावय।
47 राजा ह दानिएल ला कहिस, "सही म तोर परमेसर ह देवतामन के परमेसर अऊ राजामन के परभू अऊ
रहस्यमन ला परगट करइया ए, काबरकि तेंह ये रहस्य ला बताय म योग्य ठहिरे।"
48 तब राजा ह दानिएल ला एक ऊंच पद म ठहिराईस अऊ ओला खुले हांथ ले बहुंत अकन ईनाम दीस।
राजा ह ओला पूरा बेबिलोन राज के सासक बना दीस अऊ बेबिलोन के जम्मो बुद्धिमान मनखेमन ऊपर ओला
अधिकारी ठहिराईस।
49 येकर अलावा, दानिएल के बिनती ले, राजा ह सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो ला बेबिलोन राज ऊपर
प्रसासक ठहिराईस, पर दानिएल ह खुद राज दरबार म बने रिहिस।

3

1 राजा नबूकदनेसर ह सोन के एक मूरती बनवाईस, जेकर ऊंचई साठ क्यूबीट अऊ चौड़ई छै क्यूबीट
रिहिस,* अऊ ये मूरती ला ओह बेबिलोन राज के दूरा नांव के मैदान म स्थापित करिस।
2 तब ओह हाकिम, परधान, राजपाल, सलाहकार, खजांची, नियायधीस, जिलाधीस अऊ राज के आने जम्मो
अधिकारीमन ला बलाईस कि ओमन ओ मूरती के समरपन समारोह म सामिल होवंय जऊन ला ओह स्थापित
करे रिहिस।
3 एकरसेति हाकिम, परधान राजपाल, सलाहकार, खजांची, नियायधीस, जिलाधीस अऊ राज के आने जम्मो
अधिकारी ओ मूरती के समरपन समारोह बर जूरिन, जऊन ला राजा नबूकदनेसर ह स्थापित करे रिहिस, अऊ
ओ जम्मो झन ओ मूरती के आघू म ठाढ़ होईन।
4 तब घोसना करइया ह ऊंचहा अवाज म ये घोसना करिस, "हे जाति-जाति अऊ हर भासा के मनखेमन,
तुमन ला ये करे के हुकूम दिये जावत हे:
5 जतेक बेरा तुमन नरसिंगा, बांसुरी, सितार, सारंगी, बीना, सहनई अऊ जम्मो किसम के बाजा के अवाज
सुनव, त ओहीच बेरा तुमन सीधा गिरके सोन के ओ मूरती के अराधना करव, जऊन ला राजा नबूकदनेसर ह
स्थापित करे हवय।
6 जऊन कोनो सीधा गिरके अराधना नइं करही, ओला तुरते धधकत आगी के भट्ठी म डार दिये जाही।"
7 एकरसेति जब ओमन नरसिंगा, बांसुरी, सितार, सारंगी, बीना अऊ जम्मो किसम के बाजा के अवाज सुनिन,
त जम्मो जाति अऊ हर भासा के मनखेमन सीधा गिरके ओ सोन के मूरती के अराधना करिन, जऊन ला राजा
नबूकदनेसर ह स्थापित करे रिहिस।
8 येहीच बेरा कुछू जोतिसीमन† आघू आईन अऊ यहूदीमन ऊपर दोस लगाय लगिन।
9 ओमन राजा नबूकदनेसर ला कहिन, "राजा ह चिरंजीवी होवय!
10 तें राजा ह एक हुकूम निकाले हवस कि नरसिंगा, बांसुरी, सितार, सारंगी, बीना, सहनई अऊ जम्मो किसम
के बाजा के अवाज सुनते ही हर मनखे सीधा गिरके सोन के मूरती के अराधना करंय,
11 अऊ जऊन कोनो सीधा गिरके अराधना नइं करय, ओला धधकत आगी के भट्ठी म झोंक दिये जावय।
12 पर कुछू यहूदीमन हवंय, जेमन ला तेंह बेबिलोन राज के कामकाज बर ठहिराय हस—सदरक, मेसक अऊ
अबेदनगो। हे महाराज, ओमन तोर हुकूम ला नइं माने हें। ओमन न तो तोर देवतामन के सेवा करथें अऊ न ही
तोर दुवारा स्थापित सोन के मूरती के अराधना करथें।"
13 भयंकर गुस्सा होके नबूकदनेसर ह सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो ला बलाईस। तब ये तीनों ला राजा करा
लाने गीस,
14 अऊ नबूकदनेसर ह ओमन ला कहिस, "हे सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो, का येह सच ए कि तुमन मोर
देवतामन के सेवा नइं करव या मोर दुवारा स्थापित सोन के मूरती के अराधना नइं करत हव?
15 अब जब तुमन नरसिंगा, बांसुरी, सितार, सारंगी, बीना, सहनई अऊ जम्मो किसम के बाजा के अवाज
सुनव, अऊ यदि तुमन सीधा गिरके मोर दुवारा बनाय गय मूरती के अराधना करे बर तियार हव, त बने बात ए।
पर यदि तुमन ओकर अराधना नइं करव, त तुमन ला तुरते एक धधकत आगी के भट्ठी म झोंक दिये जाही। तब
कोन देवता ह तुमन ला मोर हांथ ले बचाही?"
16 सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो राजा ला जबाब दीन, "हे राजा नबूकदनेसर, ये बिसय म हमन ला तोर आघू
म अपनआप के बचाव करे के जरूरत नइं ए।
17 यदि हमन ला धधकत आगी के भट्ठी म फटिक दिये जाथे, त हमर परमेसर, जेकर सेवा हमन करथन, हमन
ला येकर ले बचाय के सक्ति रखथे, अऊ हे महाराज, ओह हमन ला तोर हांथ ले घलो बचाही।
18 पर यदि ओह हमन ला नइं घलो बचाय, तभो ले, हे महाराज, हमन तोला बता देय चाहत हन कि हमन तोर
देवतामन के सेवा नइं करन या तोर दुवारा स्थापित सोन के मूरती के अराधना नइं करन।"
19 तब नबूकदनेसर ह सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो ऊपर बहुंत गुस्सा होईस, अऊ ओकर भावना ओमन के
प्रति बदल गीस। ओह हुकूम दीस कि भट्ठी ला सधारन ले सात गुना जादा धधकाय जावय,

* **3:1** लगभग 90 फीट ऊंचहा अऊ 9 फीट चौड़ा † **3:8** या [illegible]

20 अऊ ओह अपन सेना के सबले बलवान कुछू सैनिकमन ला हुकूम दीस कि सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो
ला बांधके धधकत भट्ठी म फटिक दिये जाय।
21 एकरसेति ये तीनों ला ओमन के पहिरे लबादा, पजामा, पगड़ी अऊ आने ओनहामन समेत बांधके धधकत
भट्ठी म फटिक दिये गीस।
22 राजा के हुकूम ह बहुंत जरूरी रिहिस अऊ भट्ठी ह अतेक गरम रिहिस कि आगी के जुवाला ले ओ
सैनिकमन मारे गीन, जऊन मन सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो ला भट्ठी करा लेय गे रिहिन,
23 अऊ ये तीनों मनखे कसके बंधाय धधकत आगी के भट्ठी म डार दिये गीन।
24 तब राजा नबूकदनेसर ह चकित होवत कूदके ठाढ़ हो गीस अऊ अपन सलाहकारमन ले पुछिस, "का
ओमन तीन झन मनखे नइं रिहिन, जेमन ला हमन बांधके आगी म फटिके रहेंन?"
ओमन जबाब दीन, "हव, महाराज।"
25 राजा ह कहिस, "देखव! मेंह आगी के बीच म चार झन मनखे ला चलत देखत हंव; ओमन बंधाय नइं एं
अऊ ओमन ला कुछू हानि नइं होय हवय, अऊ चौथा मनखे ह देवतामन के बेटा सहीं दिखत हे।"
26 तब नबूकदनेसर ह धधकत भट्ठी के मुहूं करा गीस अऊ ऊंचहा अवाज म कहिस, "हे सदरक, मेसक अऊ
अबेदनगो, सर्वोच्च परमेसर के सेवकमन, बाहिर आ जावव! इहां आवव!"
ये सुनके सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो आगी ले बाहिर निकल आईन,
27 अऊ ओमन के चारों कोति हाकिम, परधान, राजपाल अऊ राज सलाहकारमन के भीड़ लग गीस। ओमन
देखिन कि ओ तीनों के देहें ला आगी ले कुछू नुकसान नइं होय रिहिस, न ही ओमन के मुड़ के कोनो बाल झुलसे
रिहिस; ओमन के ओनहामन घलो नइं जले रिहिन, अऊ ओमन ले जले के कोनो गंध नइं आवत रिहिस।
28 तब नबूकदनेसर ह कहिस, "सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो के परमेसर के महिमा होवय, जऊन ह अपन
स्वरगदूत ला पठोके अपन सेवकमन ला बचाईस! ओमन ओकर ऊपर भरोसा करिन अऊ राजा के हुकूम के
परवाह नइं करिन अऊ अपन परान देय बर घलो तियार रिहिन, येकर बनिस्पत कि अपन परमेसर ला छोंड़के
कोनो अऊ देवता के सेवा या अराधना करंय।
29 एकरसेति मेंह ये हुकूम देवत हंव कि कोनो घलो जाति या भासा के मनखे, यदि सदरक, मेसक अऊ
अबेदनगो के परमेसर के बिरूध कुछू कहिथें, त ओमन ला काटके कुटा-कुटा कर दिये जाय अऊ ओमन के घरमन
ला कचरा के कुढ़ा बना दिये जाय, काबरकि अइसन कोनो देवता नइं ए, जऊन ह ये किसम ले बचा सकय।"
30 तब राजा ह सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो ला बेबिलोन राज म अऊ ऊंच पद दीस।

4

[illegible]

1 राजा नबूकदनेसर के तरफ ले,
जम्मो धरती म रहइया जाति-जाति अऊ हर भासा के मनखेमन ला ये बचन:
तुमन जम्मो के बहुंत उन्नति होवय!
2 सर्वोच्च परमेसर के दुवारा मोर बर करे गय ओ अद्भूत चिनहां अऊ अचरज के काम के बारे म तुमन ला
बताके मोला खुसी होवत हे।
3 कइसे बड़े हवंय ओकर चिनहांमन,
कइसे महान हवंय ओकर अद्भूत काम!
ओकर राज ह एक सदाकाल के राज अय;
ओकर परभूता पीढ़ी-पीढ़ी तक बने रहिथे।
4 में, नबूकदनेसर ह अपन महल म संतुस्ट अऊ सम्पन्न रहेंव।
5 मेंह एक सपना देखेंव, जेकर ले मेंह डर्रा गेंव। जब मेंह अपन पलंग म लेटे रहेंव, त जऊन परतिरूप अऊ
दरसन मोर मन म आईन, ओमन ले मेंह भयभीत हो गेंव।
6 एकरसेति मेंह हुकूम देंव कि मोर सपना के अर्थ बताय बर बेबिलोन के जम्मो बुद्धिमान मनखेमन ला मोर
आघू म लाने जावय।

7 जब जादूगर, टोनहा, जोतिसी* अऊ देवीय सक्तिवालामन मोर करा आईन, त मेंह ओमन ला अपन
सपना बतांय, पर ओमन मोला ओकर अर्थ नइं बता सकिन।
8 आखिरी म, दानिएल मोर आघू म आईस अऊ मेंह ओला अपन सपना बतांय। (ओकर नांव मोर देवता के
नांव ले बेलतसस्सर रखे गे हवय, अऊ पबितर देवतामन के आतमा ओमा हवय।)
9 मेंह कहेंव, "हे बेलतसस्सर, जादूगरमन के मुखिया, मेंह जानत हंव कि पबितर देवतामन के आतमा ह तोर
म हवय, अऊ कोनो घलो रहस्य तोर बर कठिन नो हय। येह मोर सपना अय; मोला येकर अर्थ बता।
10 जब मेंह पलंग म लेटे रहेंव, त जऊन दरसनमन ला मेंह देखेंव, ओमन ये अंय: मेंह देखेंव कि धरती के
बीच म एक रूख लगे रहय अऊ ओह बहुंत ऊंचा रहय।
11 ओ रूख ह बड़े होके मजबूत हो गीस अऊ ओकर टीप ह अकास ला छुए लगिस; येला धरती के छोर ले
घलो देखे जा सकत रिहिस।
12 येकर पानमन सुघर रिहिन, येमा बहुंत अकन फर लगे रिहिस, अऊ येमा जम्मो झन बर जेवन रिहिस।
येकर खाल्हे म जंगली पसुमन रहत रिहिन, अऊ चिरईमन येकर डारामन म बसेरा करत रिहिन; येमा ले हर एक
जीव-जन्तु ला जेवन मिलत रिहिस।
13 "पलंग म लेटे मेंह दरसन म देखेंव कि स्वरग ले एक पबितर जन, एक संदेसिया खाल्हे आवत रिहिस।
14 ओह ऊंचहा अवाज म कहिस, 'रूख ला काट डारव अऊ येकर डारामन ला अलग कर दव; येकर पानमन
ला गिरा दव अऊ येकर फर ला बगरा दव। पसुमन येकर खाल्हे ले भाग जावंय अऊ चिरईमन येकर डारामन ले
उड़ जावंय।
15 पर रूख के ठूंठ अऊ येकर जरीमन ला लोहा अऊ कांसा ले बंधे रहिके जमीन के कांदी ऊपर, भुइयां म
रहन दव।
" 'ओला अकास के ओस ले भीगन दव, अऊ ओला धरती के पऊधामन के बीच पसुमन के संग रहन दव।
16 ओकर मन ला बदल दिये जावय अऊ एक मनखे के सहीं ओकर मन झन रहय अऊ सात कालखंड† के
खतम होवत तक ओला एक पसु के मन दिये जावय।
17 " 'ये निरनय के घोसना संदेसियामन के दुवारा करे जावत हे, पबितर जनमन ये निरनय के घोसना करथें,
ताकि जीयत मनखेमन ये बात ला जानंय कि ओ, जऊन ह सर्वोच्च परमेसर ए, ओही ह धरती ऊपर जम्मो
राज म परमपरधान ए अऊ ओह जऊन ला चाहथे, ओला ओ राजमन ला दे देथे अऊ छोटे ले छोटे मनखे ला
ओमन के ऊपर ठहिरा देथे।'
18 "येह अय ओ सपना, जऊन ला में, राजा नबूकदनेसर ह देखेंव। अब, हे बेलतसस्सर, मोला बता कि
येकर अर्थ का ए, काबरकि मोर राज के कोनो घलो बुद्धिमान मनखे मोला येकर अर्थ नइं बता सकंय। पर तेंह
बता सकत हस, काबरकि तोर म पबितर देवतामन के आतमा हवय।"

[illegible]

19 तब दानिएल (जऊन ला बेलतसस्सर घलो कहे जावय) कुछू समय बर बहुंत बियाकुल हो गीस, अऊ
ओकर बिचारमन ओला भयभीत करिन। एकरसेति राजा ह कहिस, "हे बेलतसस्सर, मोर सपना या येकर अर्थ
ले भयभीत झन हो।"
बेलतसस्सर ह जबाब दीस, "हे मोर परभू, कास, ये सपना सिरिप तोर बईरी अऊ येकर अर्थ तोर बिरोधीमन
ऊपर लागू होतिस!
20 ओ रूख जऊन ला तेंह देखे, जऊन ह बड़े होके मजबूत हो गीस, जेकर टीप ह अकास ला छुए लगिस,
अऊ जऊन ला जम्मो धरती ले देखे जा सकत रिहिस,
21 जेकर पानमन सुघर अऊ जेमा बहुंत अकन फर लगे रिहिस, जऊन ह जंगली पसुमन ला आसरय देवत
रिहिस, अऊ चिरईमन जेकर डारामन म खोंधरा बनात रिहिन—
22 हे महाराज, तेंह ओ रूख अस! तेंह बड़े अऊ मजबूत हो गे हवस; तोर महानता अतेक हो गे हवय कि येह
अकास ला छुए लगत हे, अऊ तोर राज ह धरती म बहुंत दूर तक फईले हवय।
23 "हे महाराज, तेंह एक पबितर जन, एक संदेसिया ला स्वरग ले खाल्हे उतरत देखे, जऊन ह ये कहत
रिहिस, 'ये रूख ला काट डारव अऊ येला नास कर दव, पर येकर ठूंठ ला लोहा अऊ कांसा ले बंधाय जमीन

* **4:7** या [illegible] † **4:16** या [illegible]

के कांदी म रहन दव, अऊ येकर जरीमन ला भुइयां म रहन दव। ओला अकास के ओस ले भीगन दव; ओला
जंगली पसुमन के संग रहन दव, जब तक कि ओकर बर सात कालखंड पूरा नइं हो जावय।'
24 "हे महाराज, येह ओकर अर्थ ए, अऊ येह ओ फैसला ए, जऊन ला सर्वोच्च परमेसर ह मोर मालिक
राजा के बिरूध म दिये हवय:
25 तोला मनखेमन के बीच ले भगा दिये जाही अऊ तेंह जंगली पसुमन के संग रहिबे; तेंह बईला के सहीं
कांदी खाबे अऊ अकास के ओस ले भीजबे। सात कालखंड के खतम होवत तक तेंह इही हालत म रहिबे, अऊ
तब तेंह ये मान लेबे कि धरती म जम्मो राज ऊपर सर्वोच्च परमेसर ही परमपरधान अय अऊ ओह जऊन ला
चाहथे, ओला ये राज दे देथे।
26 रूख के ठूंठ ला ओकर जरी समेत छोंड़े के जऊन हुकूम दिये गे हवय, ओकर अर्थ ये अय कि तोला तोर
राज लहुंटा दिये जाही, जब तेंह मान लेबे कि स्वरग‡ ही सासन करथे।
27 एकरसेति, हे महाराज, खुसी-खुसी मोर सलाह ला मान ले: अपन पापमन ला छोंड़के भलई के काम कर,
अऊ दुस्टता ला छोंड़के सताय गय मनखेमन ऊपर दया कर। तब ये हो सकथे कि तोर उन्नति होय लगे।"

[illegible] [illegible] [illegible]

28 ये जम्मो बात राजा नबूकदनेसर के संग होईस।
29 बारह महिना के बाद, जब राजा ह बेबिलोन के राजमहल के छत म टहलत रिहिस,
30 त ओह कहिस, "का येह ओ बड़े बेबिलोन नो हय, जऊन ला मेंह अपन बड़े सक्ति ले साही निवास के
रूप म अपन वैभव के महिमा बर बनाय हवंव?"
31 अभी राजा के मुहूं ले ये बात निकले घलो नइं रिहिस कि स्वरग ले एक अवाज आईस, "हे राजा
नबूकदनेसर, तोर बर ये फैसला करे जावत हे। तोर राजकीय अधिकार तोर ले छीन लिये गे हवय।
32 तोला मनखेमन के बीच ले भगा दिये जाही अऊ तेंह जंगली पसुमन के संग रहिबे; तेंह बईला के सहीं
कांदी खाबे। तोर इही हालत म, सात कालखंड बीतही अऊ तब तेंह ये मान लेबे कि सर्वोच्च परमेसर ही धरती म
जम्मो राज ऊपर परमपरधान अय अऊ ओह जऊन ला चाहथे, ओला ये राजमन ला दे देथे।"
33 नबूकदनेसर के बारे म जऊन बात कहे गीस, ओह ओहीच बेरा पूरा हो गीस। ओला मनखेमन के बीच ले
भगा दिये गीस अऊ ओह बईला सहीं कांदी खाय लगिस। ओकर देहें ह अकास के ओस ले भीजय, इहां तक
कि ओकर चुंदी बढ़के गिधवा के पांखी सहीं अऊ ओकर नख चिरई के पंजामन सहीं हो गीन।

34 ठहिराय समय के आखिरी म, में, नबूकदनेसर ह स्वरग कोति अपन नजर उठांय, अऊ मोर मानसिक
हालत फेर पहिले सहीं हो गीस। तब मेंह सर्वोच्च परमेसर के महिमा करेंव; मेंह ओकर आदर अऊ परसंसा
करेंव, जऊन ह सदाकाल तक रहिथे।
ओकर परभूता ह सदाकाल के परभूता अय;
ओकर राज ह पीढ़ी-पीढ़ी तक बने रहिथे।
35 धरती के जम्मो मनखेमन के
कोनो महत्व नइं ए।
ओह जइसे चाहथे
वइसे स्वरग के सक्तिमन
अऊ धरती के मनखेमन के संग करथे।
ओला कोनो रोक नइं सकंय
या ओला ये नइं कह सकंय: "तेंह ये का कर डारे?"
36 जऊन बेरा मोर मानसिक हालत पहिली सहीं होईस, ओहीच बेरा मोर सम्मान अऊ वैभव घलो मोर
राज के महिमा बर मोर करा लहुंट आईस। मोर सलाहकार अऊ ऊंच कुल के मनखेमन मोला खोज निकालिन,
अऊ मोला फेर मोर सिंघासन म बईठाय गीस अऊ मेंह पहिले ले घलो जादा महान हो गेंव।
37 अब में, नबूकदनेसर, स्वरग के राजा के इस्तुति, महिमा अऊ परसंसा करत हंव, काबरकि ओह जऊन
कुछू घलो करथे, सही करथे अऊ ओकर जम्मो काम नियाय-संगत होथें। अऊ जऊन मन घमंडी होके चलथें,
ओमन ला ओह नम्र बनाय म समर्थ हे।

‡ **4:26** या [illegible]

5

[illegible]

1 एक दिन राजा बेलसस्सर ह अपन एक हजार परभावसाली मनखेमन ला एक बड़े जेवनार दीस अऊ ओमन
के संग मंद पीईस।
2 जब बेलसस्सर ह मंद पीयत रिहिस, तब ओह हुकूम दीस कि जऊन सोन अऊ चांदी के पियाला ओकर
ददा* नबूकदनेसर ह यरूसलेम के मंदिर ले लाने रिहिस, ओ पियालामन ला लाने जावय, ताकि राजा अऊ
ओकर परभावसाली मनखे, ओकर घरवाली, अऊ ओकर रखैलमन मंद पीये बर ओमन के उपयोग करंय।
3 एकरसेति यरूसलेम म परमेसर के मंदिर ले निकालके लाने गय सोन के पियालामन लाने गीन, अऊ राजा
अऊ ओकर परभावसाली मनखे, ओकर घरवाली अऊ ओकर रखैलमन ओमा मंद पीईन।
4 जब ओमन मंद पीईन, त ओमन सोन अऊ चांदी, कांसा, लोहा, लकड़ी अऊ पथरा के देवतामन के परसंसा
करे लगिन।
5 तब अचानक एक मनखे के हांथ के अंगरीमन परगट होईन अऊ राजमहल म दीवट के लकठा म दीवार के
पलस्तर म कुछू लिखे लगिन। लिखत रहय ओ हांथ ऊपर राजा के नजर पड़िस।
6 ओला देखके राजा के चेहरा के रंग उड़ गीस अऊ ओह अतेक डर्रा गीस कि ओकर माड़ीमन ढीला पड़ गीन
अऊ कंपई के मारे ओकर माड़ीमन एक-दूसर ले टकराय लगिन।
7 तब राजा ह तांत्रिक, जोतिसी अऊ देवीय सक्तिवालेमन ला बलाईस अऊ ओह बेबिलोन के ओ बुद्धिमान
मनखेमन ले कहिस, "जऊन कोनो ये लिखावट ला पढ़ही अऊ ओकर अर्थ मोला बताही, ओला राजसी ओनहा
पहिराय जाही अऊ ओकर घेंच म सोन के माला पहिराय जाही, अऊ ओला राज म तीसरा नम्बर के ऊंच पद के
सासक बनाय जाही।"
8 तब राजा के जम्मो बुद्धिमान मनखेमन आईन, पर ओमन ओ दीवार म लिखे बात ला नइं पढ़ सकिन अऊ न
ही ओमन राजा ला ओकर अर्थ बता सकिन।
9 येकर ले राजा बेलसस्सर ह अऊ भयभीत हो गीस अऊ ओकर चेहरा के रंग अऊ उड़ गीस। ओकर
परभावसाली मनखेमन परेसान हो गीन।
10 राजा अऊ ओकर परभावसाली मनखेमन के अवाज ला सुनके, रानी ह भोज के बड़े कमरा म आईस अऊ
कहिस, "राजा ह चिरंजीवी होवय! तेंह चिंता झन कर! अऊ तोर चेहरा के रंग झन उड़य!
11 तोर राज म एक अइसने मनखे हवय, जेमा पबितर देवतामन के आतमा रहिथे। तोर ददा के समय म ये
मनखे म देवतामन के सहीं समझ-बुझ, बुद्धि अऊ गियान पाय गे रिहिस। तोर ददा, नबूकदनेसर ह ओला
जादूगर, तांत्रिक, जोतिसी अऊ देवीय सक्तिवालामन के मुखिया ठहिराय रिहिस।
12 ओह अइसे करिस काबरकि दानिएल नांव के ये मनखे करा, जऊन ला राजा ह बेलतसस्सर नांव ले
बलावय, तेज दिमाग अऊ गियान अऊ समझ रिहिस, अऊ ओमा सपनामन के अर्थ बताय के, पहेलीमन ला
समझाय के अऊ कठिन समस्यामन के हल निकाले के योग्यता पाय गे रिहिस। एकरसेति दानिएल ला बुलवा
ले, अऊ ओह तोला बताही कि लिखावट के का अर्थ अय।"
13 तब दानिएल ला राजा के आघू म लाने गीस, अऊ राजा ह ओला कहिस, "का तेंह दानिएल अस, अऊ
ओमन ले एक झन अस, जेमन ला मोर ददा, राजा ह यहूदा प्रदेस ले बंधुवई म लाय रिहिस?
14 मेंह सुने हंव कि तोर म देवतामन के आतमा हवय अऊ ये घलो कि तोर म समझ-बुझ, बुद्धि अऊ असधारन
गियान हवय।
15 बुद्धिमान मनखे अऊ तांत्रिकमन ला ये लिखावट ला पढ़े अऊ येकर अर्थ बताय बर मोर करा लाय गे
रिहिस, पर ओमन येला समझाय नइं सकिन।
16 मेंह सुने हंव कि तोर म अर्थ बताय अऊ कठिन समस्यामन के हल निकाले के योग्यता हवय। यदि तेंह ये
लिखावट ला पढ़के येकर अर्थ मोला बता सकबे, त तोला राजसी ओनहा पहिराके तोर घेंच म सोन के माला
पहिराय जाही, अऊ तोला राज म तीसरा ऊंच पद के सासक बनाय जाही।"
17 तब दानिएल ह राजा ला जबाब दीस, "तेंह अपन ईनाममन ला अपन करा रख अऊ अपन पुरस्कार कोनो
अऊ ला देय दे। तभो ले, मेंह ये लिखावट ला राजा बर पढ़हूं अऊ ओला येकर अर्थ घलो बताहूं।

---

* **5:2** या [illegible] या [illegible]

18 “हे महाराज, सर्वोच्च परमेसर ह तोर ददा नबूकदनेसर ला राजपाट, महानता, महिमा अऊ वैभव दीस।
19 काबरकि परमेसर ह ओला ऊंच पद दे रिहिस, एकरसेति जम्मो जाति अऊ हर भासा के मनखेमन तोर ददा
ले डरत रिहिन अऊ ओकर भय मानत रिहिन। जेमन ला ओह मार डारे चाहय, ओमन ला ओह मार डारय; जेमन
ला ओह छोंड़ देय चाहय, ओमन ला ओह छोंड़ देवय; जेमन ला ओह ऊंच पद देय चाहय, ओमन ला ओह ऊंच
पद देवय; अऊ जेमन ला ओह नीचा देखाय चाहय, ओमन ला ओह नीचा देखावय।
20 पर जब ओह घमंडी हो गीस अऊ ओकर हिरदय ह घमंड ले कठोर हो गीस, त ओला ओकर राज सिंघासन
ले हटा दिये गीस अऊ ओकर मान-सम्मान ले लिये गीस।
21 ओला मनखेमन के बीच ले भगा दिये गीस अऊ ओला एक पसु के मन दिये गीस; ओह जंगली गदहामन के
संग रहत रिहिस अऊ बईला के सहीं कांदी खावत रिहिस; अऊ ओकर देहें अकास के ओस ले भीगय; येह तब
तक होते रिहिस, जब तक कि ओह ये नइं मान लीस कि धरती म जम्मो राजमन ऊपर सर्वोच्च परमेसर ही
परमपरधान अय अऊ ओह जऊन ला चाहथे ओला ओ राजमन ऊपर सासक ठहिराथे।
22 “पर हे बेलसस्सर, तेंह ओकर बेटा† अस अऊ अपनआप ला नम्र नइं करे, हालाकि तेंह ये जम्मो बात ला
जानत रहे।
23 पर तेंह अपनआप ला स्वरग के परभू ले घलो बड़े बना ले हवस। ओकर मंदिर ले लाने गय पियालामन ला
तेंह अपन करा मंगा ले हवस, अऊ तें अऊ तोर परभावसाली मनखेमन, तोर घरवाली अऊ तोर रखैलमन ओमा
मंद पीये हव। तेंह चांदी अऊ सोन, कांसा, लोहा, लकड़ी अऊ पथरा के देवतामन के महिमा करे हस, जेमन न
तो देख सकंय, न सुन सकंय, अऊ न ही समझ सकंय। पर तेंह ओ परमेसर के आदर नइं करे, जेकर हांथ म तोर
जिनगी अऊ तोर जम्मो काम-धाम हवय।
24 एकरसेति परमेसर ह ये हांथ ला पठोईस, जेह ये लेख लिखिस।
25 “येह ओ लेख अय, जऊन ला लिखे गे हवय:

मने, मने, तकेल, परसीन।

26 “ये सबदमन के अर्थ ये किसम ले अय:
“[illegible]: परमेसर ह तोर राज करे के दिन के गनती कर ले हवय अऊ येकर अन्त आ गे हवय।
27 “[illegible]: तेंह तराजू म तऊले जा चुके हवस अऊ तोला हल्का पाय गीस।
28 “[illegible]: तोर राज ला बांट देय गे हवय अऊ मादी अऊ फारसीमन ला दे दिये गे हवय।”
29 तब बेलसस्सर के हुकूम ले, दानिएल ला राजसी ओनहा पहिराय गीस, अऊ ओकर घेंच म सोन के एक
माला पहिराय गीस, अऊ राज म तीसरा ऊंच पदवाले सासक के रूप म ओकर घोसना करे गीस।
30 ओहीच रथिया, बेबिलोनीमन‡ के राजा बेलसस्सर ह मार डारे गीस,
31 अऊ येकर बाद दारा, जऊन ह मादी रिहिस, बासठ बछर के उमर म ओ राज के राजा बनिस।

6

[illegible]

1 दारा ला ये बने लगिस कि ओह 120 परधानमन ला ठहिराय, जऊन मन ओकर जम्मो राज म सासन करंय,
2 अऊ ये जम्मो के ऊपर तीन प्रसासक होवंय, जेमा ले एक झन दानिएल रिहिस। ओ परधानमन ला
प्रसासकमन के प्रति जबाबदार बनाय गीस ताकि राजा ला कोनो किसम के हानि झन होवय।
3 दानिएल ह अपन असधारन गुन के कारन प्रसासक अऊ परधानमन के बीच म बहुंत मसहूर रिहिस,
एकरसेति राजा ह ओला जम्मो राज के ऊपर सासक बनाय के योजना बनाईस।
4 ये कारन, आने प्रसासक अऊ परधानमन सरकारी काम म दानिएल के कामकाज के बिरूध दोस लगाय के
अधार खोजे लगिन, पर ओमन अइसे नइं कर सकिन। ओमन ला ओमा कोनो भ्रस्टाचार के बात नइं मिलिस,
काबरकि दानिएल ह बिसवासयोग्य रिहिस अऊ ओह न तो भ्रस्टाचारी रिहिस अऊ न ही ओह कोनो काम म
असावधानी बरतय।
5 आखिर म, ये मनखेमन कहिन, “ओकर परमेसर के कानून के बिसय ला छोंड़, हमन ला अऊ कोनो घलो
बिसय म दानिएल के बिरूध दोस लगाय के अधार नइं मिलय।”

† **5:22** या [illegible]; या [illegible] ‡ **5:30** या [illegible]

6 एकरसेति ये प्रसासक अऊ परधानमन एक दल के रूप म राजा करा गीन अऊ ओमन कहिन: "राजा दारा
चिरंजीवी हो!
7 राज के जम्मो साही प्रसासक, मुखिया, परधान, सलाहकार अऊ राजपालमन ये बात ऊपर सहमत होईन कि
राजा ह एक राज हुकूम निकालय अऊ ओ हुकूम ला माने बर कहय कि अगले तीस दिन तक कोनो घलो मनखे
महाराजा के छोंड़ कोनो अऊ देवता या मनखे-परानी ले पराथना करय, त ओला सिंहमन के मांद म डाल दिये
जावय।
8 हे महाराज, अब अइसे हुकूम दे अऊ ओला लिखित म घलो देय ताकि येला बदले झन जा सकय—मादी
अऊ फारसीमन के कानून के मुताबिक जऊन ला रद्द नइं करे जा सकय।"
9 तब राजा दारा ह ओ हुकूम ला लिखित म कर दीस।
10 जब दानिएल ला पता चलिस कि अइसे हुकूम निकाले गे हवय, त ओह अपन घर जाके ऊपर के कमरा म
गीस, जिहां खिड़कीमन यरूसलेम कोति खुले रहंय। दिन म तीन बार माड़ी टेकके ओह अपन परमेसर ला
धनबाद देवत पराथना करिस, जइसे कि ओह पहिले घलो करय।
11 तब ये मनखेमन एक दल के रूप म उहां गीन अऊ ओमन दानिएल ला परमेसर ले पराथना करत अऊ मदद
मांगत पाईन।
12 एकरसेति ओमन राजा करा गीन अऊ ओला ओकर राज हुकूम के बारे म कहे लगिन: "का तेंह अइसे हुकूम
नइं निकाले हवस कि अगले तीस दिन तक कोनो घलो मनखे महाराजा के छोंड़ कोनो अऊ देवता या
मनखे-परानी ले पराथना करय, त ओला सिंहमन के मांद म डार दिये जाही?"
राजा ह जबाब दीस, "ये हुकूम त हवय—जऊन ला मादी अऊ फारसीमन के कानून के मुताबिक रद्द नइं करे
जा सकय।"
13 तब ओमन राजा ला कहिन, "दानिएल, जऊन ह यहूदा प्रदेस ले लाने गय बंधुवा मनखेमन ले एक जन
अय, हे महाराज, ओह तोर या तोर दुवारा निकाले गय लिखित हुकूम के परवाह नइं करत हे। ओह अभी घलो
दिन म तीन बार पराथना करथे।"
14 ये बात ला सुनके राजा ह बहुंत उदास होईस; ओह दानिएल ला बचाय बर ठान ले रिहिस अऊ बेर के बुड़त
तक ओह दानिएल ला बचाय के हर किसम के कोसिस करिस।
15 तब मनखेमन एक दल के रूप म राजा दारा करा गीन अऊ ओला कहिन, "हे महाराज, सुरता रख कि मादी
अऊ फारसीमन के कानून के मुताबिक राजा के दुवारा दिये गय कोनो घलो फैसला या राज हुकूम बदले नइं जा
सकय।"
16 तब राजा ह हुकूम दीस, अऊ ओमन दानिएल ला लानिन अऊ ओला सिंहमन के मांद म डार दीन। राजा ह
दानिएल ले कहिस, "तोर परमेसर, जेकर सेवा तेंह ईमानदारी ले करथस, ओह तोला बचावय!"
17 एक पथरा ला लानके मांद के मुंहाटी म रख दिये गीस, अऊ राजा अपन खुद के मुहरवाला मुंदरी अऊ
अपन परभावसाली मनखेमन के मुंदरी ले ओकर ऊपर मुहर लगा दीस, ताकि दानिएल के हालत म कोनो
बदलाव झन करे जा सकय।
18 तब राजा ह अपन महल म लहुंट आईस अऊ ओह पूरा रथिया बिगर कुछू खाय अऊ बिगर कुछू मनोरंजन
के बिताईस। अऊ ओह सुते नइं सकिस।
19 बड़े बिहनियां, राजा ह उठिस अऊ जल्दी करके सिंह के मांद करा गीस।
20 जब ओह मांद के लकठा म आईस, त ओह दुख भरे अवाज म दानिएल ला पुकारिस, "हे दानिएल, जीयत
परमेसर के सेवक, का तोर ओ परमेसर ह तोला सिंहमन ले बचाय म समर्थ होईस, जेकर तेंह हमेसा सेवा
करथस?"
21 तब दानिएल ह जबाब दीस, "राजा चिरंजीवी होवय!
22 मोर परमेसर ह अपन स्वरगदूतमन ला पठोके सिंहमन के मुहूं ला बंद कर दीस। ओमन मोर कुछू हानि नइं
करिन, काबरकि मेंह ओकर नजर म निरदोस पाय गेंव। अऊ हे महाराज, न ही मेंह तोर आघू म कोनो गलत काम
करे हंव।"
23 तब राजा ह बहुंत खुस होईस अऊ ओह हुकूम दीस कि दानिएल ला मांद ले निकाले जावय। अऊ जब
दानिएल ला मांद ले तीरके बाहिर निकाले गीस, त ओमा कोनो किसम के चोट के निसान नइं मिलिस, काबरकि
ओह अपन परमेसर ऊपर भरोसा रखे रिहिस।

24 ओ मनखे, जऊन मन दानिएल ऊपर गलत रूप से दोस लगाय रिहिन, ओमन ला राजा के हुकूम ले लाने
गीस, अऊ ओमन ला ओमन के घरवाली अऊ लइकामन सहित सिंह के मांद म डार दिये गीस। अऊ येकर
पहिले कि ओमन मांद के तल म हबरतिन, सिंहमन झपटके ओमन ला धर लीन अऊ हाड़ा समेत ओमन ला चबा
डारिन।
25 तब राजा दारा ह जम्मो धरती म जम्मो जाति अऊ भासा के मनखेमन ला ये लिख भिजवाईस:
"तुमन जम्मो बहुंत उन्नति करव!
26 "मेंह ये हुकूम देवत हंव कि मोर राज के हर भाग म, मनखेमन दानिएल के परमेसर के भय मानंय अऊ
ओकर भक्ति करंय।
"काबरकि ओह जीयत परमेसर अय
अऊ ओह सदाकाल तक बने रहिथे;
ओकर राज के नास नइं होही,
अऊ ओकर परभूता कभू खतम नइं होही।
27 ओह छुड़ाथे अऊ ओह बचाथे;
ओह स्वरग अऊ धरती म
चिनहां अऊ चमतकार देखाथे।
ओह दानिएल ला
सिंहमन के सक्ति ले बचाय हवय।"
28 ये किसम ले दानिएल ह दारा अऊ फारस देस के राजा कुसरू* के सासनकाल म उन्नति करिस।

7

[illegible]

1 बेबिलोन के राजा बेलसस्सर के राज के पहिले बछर म, दानिएल जब अपन पलंग म लेटे रिहिस, त ओह
एक सपना अऊ मन म दरसन देखिस। ओह अपन सपना के सार बातमन ला लिख लीस।
2 दानिएल ह कहिस: "रथिया मेंह अपन दरसन म देखेंव कि अकास के चारों दिग ले महासागर ऊपर हवा चले
लगिस।
3 तब चार बड़े-बड़े पसु समुंदर ले निकलिन, अऊ येमन दिखे म एक-दूसर ले अलग रिहिन।
4 "पहिली पसु ह सिंह के सहीं रिहिस, जेकर गिधवा के सहीं डेना रिहिन, मोर देखत म ही ओकर डेनामन ला
चीथ डारे गीस अऊ येला भुइयां ले उठाय गीस, जेकर ले येह मनखे के सहीं दू ठन गोड़ म ठाढ़ हो गीस, अऊ
ओला एक मनखे के मन दिये गीस।
5 "अऊ ओकर बाद मेंह दूसरा पसु ला देखेंव, जऊन ह भालू के सहीं दिखत रिहिस। ओला ओकर एक कोति ले
उठाय गीस, अऊ ओकर मुहूं म ओकर दांतमन के बीच म तीन ठन पसलीमन रिहिन। ओला कहे गीस, 'उठ अऊ
पेट के भरत ले मांस खा!'
6 "ओकर बाद, मेंह अपन आघू म एक आने पसु ला देखेंव, जऊन ह चीतवा के सहीं दिखत रिहिस। अऊ
ओकर पीठ म चिरई के सहीं चार ठन डेना रिहिन। ये पसु के चार ठन मुड़ रिहिन, अऊ येला सासन करे के
अधिकार दिये गीस।
7 "ओकर बाद, रथिया मेंह अपन दरसन म एक चौथा पसु ला अपन आघू म देखेंव, जऊन ह भयंकर, डरावना
अऊ बहुंत सक्तिसाली रिहिस। येकर बड़े-बड़े लोहा के दांत रिहिन; येह कुचरके अपन सिकार ला खा जावय
अऊ बांचे-खुचे ला अपन पांव खाल्हे कुचर डारय। येह पहिली के जम्मो पसुमन ले अलग रिहिस, अऊ येकर
दस ठन सींग रिहिन।
8 "जब मेंह ये सींगमन के बारे म सोचत रहेंव, तभे मेंह देखेंव कि ओ सींगमन के बीच म ले एक ठन अऊ
छोटकन सींग निकलिस; अऊ ये सींग के निकले ले उहां पहिली के तीन ठन सींग अपन जड़ ले उखन गीन। ये
छोटे सींग के एक मनखे के सहीं आंखीमन रहंय अऊ एक मुहूं रिहिस जऊन ह घमंड ले भरे बात करत रिहिस।
9 "जइसे कि मेंह देखेंव,
"उहां सिंघासनमन ला रखे गीस,

* **6:28** या [illegible]

अऊ ओ अति प्राचीन* ह अपन आसन म बईठिस।
ओकर ओनहा ह बरफ के सहीं सफेद रिहिस;
ओकर मुड़ के चुंदी ह ऊन के सहीं सफेद रिहिस।
ओकर सिंघासन ह आगी ले जुवालामय रिहिस,
अऊ सिंघासन के चक्कामन ले जुवाला निकलत रिहिस।
10 ओकर आघू ले एक आगी के नदी
निकलके बोहावत रिहिस।
हजारों-हजार मनखेमन† ओकर सेवा म लगे रिहिन;
लाखों-करोड़ों मनखेमन‡ ओकर आघू म ठाढ़े रिहिन।
नियायधीस ह बईठ गीस,
अऊ किताबमन खोले गीन।
11 "ओ सींग ह घमंड ले भरे बात करत रिहिस, एकरसेति मेंह ओती लगातार देखत रहेंव। मेंह तब तक देखते रहेंव जब तक कि ओ पसु के बध करके ओकर देहें ला नास नइं कर दिये गीस अऊ धधकत आगी म नइं फटिक दिये गीस।
12 (आने पसुमन के अधिकार ला छीन लिये गे रिहिस, पर एक निरधारित समय तक ओमन ला जीयत रहे के अधिकार दिये गीस।)
13 "रथिया मेंह अपन दरसन म देखेंव कि मनखे के बेटा सहीं एक झन अकास के बादरमन के संग आवत रिहिस। ओह बहुंत प्राचीन करा आईस अऊ ओला ओकर आघू म लाने गीस।
14 ओला अधिकार, महिमा अऊ सर्वोच्च सक्ति दिये गीस; जम्मो जाति अऊ हर भासा के मनखेमन ओकर अराधना करिन। ओकर परभूता सदाकाल बर अय, जेकर अन्त कभू नइं होही, अऊ ओकर राज ह अइसन राज अय, जऊन ह कभू नास नइं होही।

[illegible]

15 "में, दानिएल ह मन म बहुंत बियाकुल होयेंव, अऊ जऊन दरसन मेंह अपन मन म देखेंव, ओह मोर मन ला बिचलित कर दीस।
16 उहां खड़े मनखेमन म ले एक झन करा मेंह गेंव अऊ ओकर ले ये जम्मो बात के अर्थ पुछेंव।
"ओह ये कहिके मोला ये बातमन के अर्थ बताईस:
17 'चार बड़े पसुमन चार राजा अंय, जेमन धरती म ठाढ़ होहीं।
18 पर सर्वोच्च परमेसर के पबितर मनखेमन ला ही राज मिलही अऊ ओमन ओला अपन अधिकार म सदाकाल तक रखहीं—हव, सदाकाल तक।'
19 "तब मोर मन म ओ चौथा पसु के अर्थ ला जाने के ईछा होईस, जऊन ह आने जम्मो पसुमन ले अलग रिहिस अऊ जऊन ह अपन लोहा के दांत अऊ कांसा के पंजामन के संग बहुंत डरावना रिहिस—ओ पसु जऊन ह अपन सिकार ला कुचरके खा जावय अऊ बचे भाग ला अपन पांव ले कुचर डारय।
20 मोला ये बातमन के घलो अर्थ जाने के ईछा होईस—ओकर मुड़ के दस ठन सींग अऊ ओ आने सींग, जेकर निकल आय ले, उहां के पहिली के तीन सींग गिर गीन—ये सींग जऊन ह आने सींगमन ले जादा रोबदार दिखत रिहिस अऊ जेकर आंखीमन रिहिन अऊ एक मुहूं घलो रिहिस, जेकर ले ओह घमंड ले भरे बात करय।
21 जइसे कि मेंह देखेंव, ये सींग ह पबितर मनखेमन ले लड़ई करत रिहिस अऊ ओमन ला तब तक हरातेच रिहिस,
22 जब तक कि अति प्राचीन ह आके सर्वोच्च परमेसर के पबितर मनखेमन के हित म फैसला नइं दे दीस, अऊ ओ समय आईस, जब ओमन राज ऊपर अधिकार कर लीन।
23 "ओह मोला ये अर्थ बताईस: 'ओ चौथा पसु ह एक चौथा राज अय, जऊन ह धरती म परगट होही। येह आने जम्मो राजमन ले अलग होही अऊ येह जम्मो धरती ला रऊंदत अऊ कुचरत नास कर दीही।
24 ओ दस ठन सींग दस राजा अंय, जऊन मन ये राज ले आहीं। ओमन के बाद, एक आने राजा आही, जऊन ह पहिली के राजामन ले अलग होही; ओह तीन राजामन ला अपन अधीन म कर लीही।

---

* **7:9** या [illegible] † **7:10** या [illegible] ‡ **7:10** या [illegible]

25 ओह सर्वोच्च परमेसर के बिरूध बोलही अऊ ओकर पबितर मनखेमन ला सताही अऊ ठहिराय गय समय
अऊ कानूनमन ला बदले के कोसिस करही। पबितर मनखेमन ला एक समय, समयमन अऊ आधा समय बर
ओकर अधीन करे जाही।
26 " 'पर नियायधीस ह बईठही, अऊ ओकर सक्ति ओकर ले लेय लिये जाही अऊ ओला हमेसा बर पूरा नास
कर दिये जाही।
27 तब सर्वोच्च परमेसर के पबितर मनखेमन ला धरती के जम्मो राज के परभूता, सक्ति अऊ महानता दे दिये
जाही। ओकर राज ह सदाकाल तक बने रहइया राज होही, अऊ जम्मो सासकमन ओकर अराधना करहीं अऊ
ओकर बात मानहीं।'
28 "इहां ओ बिसय के अन्त होथे। में, दानिएल ह अपन बिचारमन ले बहुंत बियाकुल हो गेंव, अऊ मोर चेहरा
ह पिंवरा पड़ गीस, पर ये बात ला मेंह अपन मन म ही रखेंव।"

8

[illegible]

1 राजा बेलसस्सर के सासन के तीसरा बछर म, में दानिएल ह पहिले के दरसन के बाद एक अऊ दरसन देखेंव।
2 अपन दरसन म, मेंह अपनआप ला एलाम प्रदेस के सूसन सहर के किला म देखेंव, दरसन म, मेंह ऊलई नहर
के तीर म रहेंव।
3 मेंह आंखी उठाके देखेंव कि नहर के तीर म एक ठन मेढ़ा खड़े रहय, जेकर दू ठन सींग रिहिन, अऊ ये
सींगमन लम्बा रिहिन। येमा ले एक सींग ह दूसर सींग ले बड़े रिहिस अऊ ये बड़े सींग ह बाद म निकले रिहिस।
4 मेंह देखेंव कि ये मेढ़ा ह पछिम अऊ उत्तर अऊ दक्खिन कोति मुड़ ले टक्कर मारत रहय। कोनो घलो पसु
ओकर आघू म टिक नइं सकिन, अऊ अइसे कोनो नइं रिहिस, जऊन ह ओकर सक्ति ले बचा सकतिस। ओह
जइसे चाहिस, वइसे करिस अऊ बहुंत बड़े हो गीस।
5 जब मेंह येकर बारे म सोचत रहेंव, तब मेंह देखेंव कि अचानक एक बोकरा पछिम दिग ले आईस, जेकर
आंखीमन के बीच म एक बिसेस सींग रिहिस, अऊ ये बोकरा ह जम्मो धरती ला पार करके भुइयां ला बिगर छुए
आय रिहिस
6 ये बोकरा ह ओ दू ठन सींगवाले मेढ़ा कोति आईस, जऊन ला मेंह नहर के तीर म खड़े देखे रहेंव अऊ बहुंत
रिस म होके ओ मेढ़ा ला टक्कर मारिस।
7 मेंह देखेंव कि ये बोकरा ह बहुंत गुस्सा होके ओ मेढ़ा ऊपर हमला करिस, अऊ ओला टक्कर मारत ओकर
दूनों सींग ला टोर दीस। मेढ़ा म अतेक ताकत नइं रिहिस कि ओह ओ बोकरा के सामना कर सकय; बोकरा ह
मेढ़ा ला भुइयां म गिराके ओला कुचर डारिस, अऊ ओकर सक्ति ले मेढ़ा ला कोनो बचा नइं सकिन।
8 बोकरा ह बहुंत सक्तिसाली हो गीस, पर ओकर सक्ति के ऊंचई म, ओकर बड़े सींग ह टूट गीस, अऊ ओकर
जगह म चार बिसेस सींग निकलके चारों दिग म बढ़न लगिन।
9 ओमा के एक ले एक ठन अऊ सींग निकलिस, जेकर सुरूआत छोटकन रूप म होईस पर सक्ति म येह
दक्खिन, पूरब अऊ सुघर देस कोति बाढ़ गीस।
10 ओह तब तक बाढ़तेच रिहिस जब तक कि अकास के सेनामन करा नइं हबर गीस, अऊ ओह तारामन के
कुछू सेना ला खाल्हे धरती ऊपर फटिक दीस अऊ ओमन ला कुचर डारिस।
11 ओह अपनआप ला यहोवा के सेना के सेनापति के सहीं बड़े बना लीस; ओह यहोवा ला चघाय जवइया
रोज के बलिदान ला लूट लीस, अऊ ओकर पबितर-स्थान ला खाल्हे फेंकवा दीस।
12 बिदरोह के कारन, यहोवा के मनखेमन* अऊ हर दिन के बलिदान ओला दे दिये गीन। ओह जऊन कुछू
घलो करिस, ओमा ओकर बढ़ती होवत गीस, अऊ सच्चई ला भुइयां ऊपर फटिक दिये गीस।
13 तब मेंह एक पबितर जन ला बोलत सुनेंव, फेर एक आने पबितर जन ह पहिलेवाले ले पुछिस, "दरसन ला
पूरा होय बर कतेक समय लगही—ओ दरसन, जेमा हर दिन के बलिदान, बिदरोह जऊन ह उजाड़ के कारन
बनथे, पबितर-स्थान के समरपन अऊ यहोवा के मनखेमन ला गोड़ खाल्हे रऊंदे जवई देखाय गे हवय?"

* **8:12** या [illegible]

14 ओह मोला कहिस, “येला पूरा होय म 2,300 बिहान अऊ सांझ लगही; तब पबितर-स्थान ला फेर सुध करे
जाही।”

[illegible]

15 जब में, दानिएल ह दरसन ला देखके, येला समझे के कोसिस करत रहेंव, तभे मेंह देखेंव कि मोर आघू म
एक जन खड़े होईस, जऊन ह एक मनखे के सहीं दिखत रहय।
16 अऊ मेंह ऊलई नहर ले एक झन मनखे के अवाज ला सुनेंव, जऊन ह पुकारके कहत रहय, “हे जिब्राएल, ये
मनखे ला ओ दरसन के अर्थ बता।”
17 जब ओह ओ जगह के लकठा म आईस, जिहां मेंह खड़े रहेंव, त मेंह डर गेंव अऊ मुहूं के भार गिरेंव। तब
ओ मनखे ह मोला कहिस, “हे मनखे के बेटा, ये बात ला समझ ले कि ये दरसन ह अन्त के समय के बारे म अय।”
18 जब ओह मोर ले गोठियावत रिहिस, तब मेंह भुइयां कोति अपन चेहरा करे पड़े रहेंव अऊ गहिरा नींद म
रहेंव। तब ओह मोला छुईस अऊ मोला मोर गोड़ म ठाढ़ कर दीस।
19 ओह कहिस, “मेंह तोला ओ बातमन ला बतइया हंव, जऊन ह बाद म कोप† के समय होही, काबरकि ये
दरसन ह ठहिराय गय अन्त के समय के बारे म अय।
20 जऊन दू सींगवाला मेढ़ा तेंह देखे, ओह मादै अऊ फारसी राजामन ला देखाथे।
21 ओ रूखा बालवाला बोकरा ह यूनान के राजा ए, अऊ ओकर आंखीमन के बीच के ओ बड़े सींग ह पहिला
राजा ए।
22 ओ चार ठन सींग, जऊन मन एक टूटे सींग के जगह म निकलिन, ओमन ओ चार राजमन ला देखाथें,
जऊन मन ओहीच देस ले निकलहीं, पर ओमन के सक्ति पहिले के राज सहीं नइं होही।
23 “ओमन के सासन के बाद के समय म, जब बिदरोहीमन अपन पूरा बुरई के काम म होहीं, तब भयानक
दिखइया एक राजा के उदय होही, जऊन ह सडयंत्र करे म माहिर होही।
24 ओह बहुंत सक्तिसाली हो जाही, पर अपन खुद के सक्ति ले नइं। ओह भयंकर बिनास करही अऊ जऊन
कुछू घलो ओह करही, ओमा ओह सफल होही। ओह ओमन ला नास करही, जऊन मन सक्तिसाली, पबितर
मनखे अंय।
25 ओह बढ़े बर छल-परपंच करही, अऊ ओह अपनआप ला बहुंत बड़े समझही। जब ओमन सुरकछित
महसूस करत होहीं, तभे ओह बहुंते जन ला नास कर दीही अऊ राजकुमारमन के राजकुमार के बिरूध ठाढ़
होही। तभो ले ओह नास करे जाही, पर कोनो मानव सक्ति के दुवारा नइं।
26 “सांझ अऊ बिहनियां के जऊन दरसन तोला दिये गे हवय, ओह सच अय, पर तेंह ये दरसन ला गुपत म
रख, काबरकि येह बहुंत आघू के अगम के बारे म अय।”
27 में, दानिएल ह लस्त पड़ गे रहेंव। मेंह थकके बहुंत दिन तक पड़े रहेंव। फेर मेंह उठेंव अऊ राजा के
कामकाज म लग गेंव। मेंह दरसन ले डरा गे रहेंव; येह समझ के बाहिर के बात रिहिस।

9

[illegible]

1 (मादी बंस के) छयर्स के बेटा दारा ला बेबिलोनीमन* के राज के सासक बनाय गे रिहिस।
2 ओकर राज के पहिला बछर म, में, दानिएल ह यरमियाह अगमजानी ला दिये गय यहोवा के बचन के
मुताबिक ओकर पबितर बचन ले ये समझ गेंव कि यरूसलेम ह सत्तर बछर तक निरजन बने रहिही।
3 एकरसेति मेंह बोरा के ओनहा पहिरे, राख चुपरे, उपास करत परभू परमेसर ले गिड़गिड़ाके पराथना अऊ
बिनती करेंव।
4 मेंह यहोवा, अपन परमेसर ले ये किसम ले पराथना करेंव अऊ अपन पापमन ला मान लेंव:
“हे परभू, महान अऊ अद्भूत परमेसर, तेंह ओमन के संग अपन मया के करार ला बनाय रखथस, जऊन
मन तोर ले मया करथें अऊ तोर हुकूममन ला मानथें,
5 हमन पाप करे हन अऊ गलत काम करे हन। हमन दुस्ट काम करके बिदरोह करे हन; हमन तोर हुकूम
अऊ कानूनमन ले दूरिहा चल दे हन।

---

† **8:19** या [illegible] * **9:1** या [illegible]

6 हमन तोर ओ सेवक अगमजानीमन के बात ला नइं सुनेंन, जेमन तोर नांव ले हमर राजा, हमर हाकिम
अऊ हमर पुरखा, अऊ देस के जम्मो मनखेमन ले बात करिन।
7 "हे परभू, तेंह धरमी अस, पर आज हमन बहुंत सरमिंदा हवन—यहूदा के मनखे अऊ यरूसलेम के रहइया
अऊ जम्मो इसरायली, जऊन मन लकठा या दूरिहा म हवंय, तोर बर बिसवासयोग्य नइं ठहिरे के कारन तेंह
ओमन ला जम्मो देस म तितिर-बितिर कर दे हस।
8 हे यहोवा, हमन अऊ हमर राजा, हमर हाकिम अऊ हमर पुरखामन बहुंत सरमिंदा हवंय, काबरकि हमन
तोर बिरूध म पाप करे हन।
9 हालाकि हमन तोर बिरूध बिदरोह करे हन, तभो ले हे परभू हमर परमेसर, तेंह दयालु अऊ छेमा करइया
अस;
10 हमन यहोवा हमर परमेसर के बात ला नइं माने हन या ओ कानूनमन के पालन नइं करे हन, जऊन ला
ओह अपन सेवक अगमजानीमन के जरिये हमन ला देय रिहिस।
11 जम्मो इसरायल ह तोर कानून के उलंघन करे हवय अऊ तोर बातमन ला माने के बदले, ओमन ले दूरिहा
हो गे हवय।
"एकरसेति परमेसर के सेवक, मूसा के कानून म लिखे सराप अऊ ठहिराय गे दंड हमर ऊपर डार देय गे
हवय, काबरकि हमन तोर बिरूध पाप करे हवन।
12 तेंह हमर ऊपर बड़े बिपत्ति लानके हमर अऊ हमर सासकमन के बिरूध कहे गय बचन ला पूरा करे हस।
जम्मो धरती म अइसने बिपत्ति अऊ कहूं नइं पड़िस, जइसने बिपत्ति यरूसलेम म पड़े हवय।
13 जइसे कि मूसा के कानून म लिखे हवय, ये जम्मो बिपत्ति हमर ऊपर आय हवय, तभो ले हमन न तो
यहोवा हमर परमेसर के अनुग्रह पाय के कोसिस करेंन, अऊ न ही अपन पापमन ला छोंड़के तोर सच्चई ऊपर
धियान दे हवन।
14 एकरसेति यहोवा हमर ऊपर बिपत्ति लाय म नइं हिचकिचाईस, काबरकि यहोवा हमर परमेसर जऊन
कुछू घलो करथे, ओ जम्मो बात म ओह धरमीपन देखाथे; तभो ले हमन ओकर बात ला नइं मानेंन।
15 "अब, हे परभू हमर परमेसर, जऊन ह अपन सक्तिसाली हांथ ले अपन मनखेमन ला मिसर देस ले
निकाल लाने अऊ अपन बर एक नांव बनाय, जऊन ह आज तक बने हवय, पर हमन पाप करे हवन, हमन
गलत काम करे हवन।
16 हे परभू, तें अपन जम्मो धरमी काम ला धियान म रखत, अपन कोरोध अऊ कोप ला यरूसलेम सहर ले
दूरिहा रख, जऊन ह कि तोर सहर अऊ तोर पबितर पहाड़ी ए। हमर पाप अऊ हमर पुरखामन के अपराध ह
यरूसलेम अऊ तोर मनखेमन ला ओ जम्मो झन के आघू म अनादर के चीज बना दे हवय, जऊन मन हमर
आसपास म रहिथें।
17 "अब, हे हमर परमेसर, अपन सेवक के पराथना अऊ बिनती ला सुन। हे परभू, अपन हित म, अपन
सुनसान पड़े पबितर-स्थान ऊपर किरपा कर।
18 हे हमर परमेसर, कान लगाके सुन अऊ आंखी उघारके ओ सहर† के सुन्नापन ला देख, जऊन ह तोर नांव
ले जाने जाथे। हमन एकरसेति बिनती नइं करत हवन कि हमन धरमी अन, पर एकरसेति कि तेंह बड़े दयालु अस।
19 हे परभू, सुन! हे परभू, छेमा कर! हे परभू, सुन अऊ जऊन कुछू करना हे, ओला कर! अपन ही हित म,
हे मोर परमेसर, देरी झन कर, काबरकि तोर सहर अऊ तोर मनखेमन तोर नांव ले जाने जाथें।"

[illegible] "[illegible]"

20 जब मेंह अपन पाप अऊ अपन इसरायली मनखेमन के पाप ला मानत गोठियावत रहेंव अऊ पराथना
करत रहेंव अऊ यहोवा मोर परमेसर करा ओकर पबितर पहाड़ी बर बिनती करत रहेंव—
21 जब मेंह पराथना म ही रहेंव, त ओ मनखे जिब्राएल, जऊन ला मेंह पहिले दरसन म देखे रहेंव, सांझ के
बलिदान के बेरा तेजी से उड़ियावत मोर करा आईस।
22 ओह निरदेस देके मोला कहिस, "हे दानिएल, अब मेंह तोला अन्तर-दिरिस्टी अऊ समझे के सक्ति देय बर
आय हंव।

† **9:18** या [illegible]

23 जतेक जल्दी तेंह पराथना करे के सुरू करे, तभे एक हुकूम दिये गीस, जऊन ला मेंह तोला बताय बर आय
हंव, काबरकि तेंह बहुंत आदरनीय मनखे अस। एकरसेति ये बातमन ऊपर बिचार कर अऊ दरसन ला समझ ले:
24 "तुम्हर मनखे अऊ तुम्हर पबितर सहर‡ बर सत्तर 'सात' के आदेस देय गे हवय कि ओमन अपराध करई
छोंड़ देवंय, पाप ला खतम कर देवंय, बुरई बर पछ्ताप करंय, अपनआप म धरमीपन लानंय, दरसन अऊ
अगमबानी के बात म मुहर लगाय जावय अऊ महा पबितर स्थान के अभिसेक करे जावय।
25 "ये बात ला जानव अऊ समझ लव: यरूसलेम के फेर स्थापना अऊ पुनरनिरमान बर बचन के निकले के
समय ले लेके अभिसिक्त जन तक, याने कि सासक के आवत तक सात§ 'सात' अऊ बासठ* 'सात' के समय
ठहिराय गे हवय। येकर पुनरनिरमान, गलीमन अऊ एक खाई के संग होही, पर येह कठिन समय म होही।
26 बासठ 'सात' के बाद अभिसिक्त जन ह मार डारे जाही अऊ कुछू नइं होही। सासन करइया के मनखेमन
आहीं अऊ सहर अऊ पबितर-स्थान ला नास कर दीहीं। एक बाढ़ के सहीं अन्त आ जाही: आखिरी तक लड़ई
होवत रहिही, अऊ उजाड़ करे के निरनय करे जा चुके हवय।
27 ओह बहुंते जन के संग एक 'सात'† बर एक करार के पुस्टि करही। 'सात' के बीच म ही, ओह बलिदान अऊ
भेंट चघाय के अन्त कर दीही। अऊ मंदिर म एक नफरत के चीज ला स्थापित करही, जऊन ह उजाड़ के कारन
बनही। येह तब तक होवत रहिही, जब तक कि ठहिराय गे समय के आखिरी म ओकर ऊपर बिनास ला नइं उंडेल
दिये जाही।"

10

[illegible]

1 फारस के राजा कुसरू के सासनकाल के तीसरा बछर म दानिएल (जऊन ला बेलतसस्सर कहे जावय) ऊपर
एक संदेस परगट करे गीस। ये संदेस ह सच रिहिस अऊ येकर संबंध एक बड़े लड़ई ले रिहिस। संदेस के समझ ह
ओकर करा एक दरसन म आईस।
2 ओ समय, में, दानिएल ह तीन हप्ता तक दुख मनावत रहेंव।
3 जब तक तीन हप्ता पूरा नइं हो गीस, तब तक में कोनो मनपसंद जेवन नइं करेंव; न मांस खांय, न मंद ला
मुहूं म लगांय, अऊ न ही कोनो किसम के सुघरता के मलहम लगांय।
4 साल के पहिला महिना के चौबीसवां दिन, जब मेंह महान नदी तिगरीस के तीर म खड़े रहेंव,
5 त मेंह देखेंव कि उहां एक मनखे मलमल के ओनहा पहिरे, अपन कनिहां म उफाज देस के सुध सोन के पट्टा
बांधे खड़े रहय।
6 ओकर देहें ह फिरोजा के सहीं, ओकर चेहरा बिजली सहीं, ओकर आंखीमन बरत मसाल सहीं, ओकर बाहां
अऊ गोड़मन चमकत कांसा के किरन सहीं, अऊ ओकर अवाज मनखेमन के एक भीड़ के अवाज सहीं रहय।
7 सिरिप में, दानिएल ह ओ दरसन ला देखेंव; जऊन मन मोर संग रिहिन, ओमन येला नइं देखिन, पर ओमन
ऊपर अइसे भय छा गीस कि ओमन भागके लुका गीन।
8 एकरसेति मेंह एके झन बांचे रहेंव, अऊ ये बड़े दरसन ला एकटक देखतेच रहेंव; मोर म कुछू ताकत नइं
रिहिस, मोर चेहरा ह एकदम उदास हो गीस अऊ मेंह निसहाय हो गेंव।
9 तब मेंह ओला कहत सुनेंव, अऊ जब में ओकर बात ला सुनेंव, त मेंह मुहूं के भार गिरके भारी नींद म पड़
गेंव।
10 तब एक झन के हांथ ह मोला छुईस अऊ मोर कांपत देहें ला मोर हांथ अऊ माड़ीमन म ठाढ़ कर दीस।
11 ओह कहिस, "हे दानिएल, तें जो बहुंत आदरनीय मनखे अस, ओ बातमन ऊपर धियान देके बिचार कर,
जऊन ला मेंह तोला बतानेचवाला हंव, अऊ अब तेंह ठाढ़ हो जा, काबरकि मोला तोर करा पठोय गे हवय।"
अऊ जब ओह मोला ये बात कहिस, त मेंह कांपत ठाढ़ हो गेंव।
12 तब ओह मोला ये घलो कहिस, "हे दानिएल, झन डर। पहिली ही दिन ले, जब तेंह अपन मन ला समझ के
बात ऊपर अऊ अपन परमेसर के आघू म अपनआप ला नम्र करे म लगाय, तब ले तोर बातमन ला सुने गीस,
अऊ ओकरे जबाब के रूप म, मेंह इहां आय हवंव।

‡ **9:24** यरूसलेम § **9:25** या *[illegible]* * **9:25** या *[illegible]* † **9:27** या *[illegible]*

13 तब फारसी राज के राजकुमार ह इक्कीस दिन तक मोर सामना करिस। तब मुखिया राजकुमारमन ले एक,
मिकाएल ह मोर मदद करे बर आईस, काबरकि मोला उहां फारस के राजा करा रोक लिये गे रिहिस।
14 अब मेंह तोला ओ बातमन ला बताय बर आय हवंव, जऊन ह अवइया समय म तुम्हर मनखेमन के संग
होवइया हवय, काबरकि ये दरसन के संबंध अवइया एक समय ले हवय।"
15 जब ओह मोला ये कहत रिहिस, त मेंह भुइयां कोति चेहरा झुकाके खड़े रहेंव अऊ मुक्का हो गेंव।
16 तब एक झन, जऊन ह एक मनखे* के सहीं दिखत रहय, मोर ओंठ ला छुईस, अऊ मोर मुहूं ह खुल गीस
अऊ मेंह बात करे लगेंव। मेंह ओला कहेंव, जऊन ह मोर आघू म खड़े रिहिस, "हे मोर परभू, ओ दरसन के कारन
मेंह पीरा ले भर गे हंव, अऊ मोला बहुंत कमजोरी लगत हे।
17 हे मोर परभू, में, तोर सेवक, तोर ले कइसे बात कर सकत हंव? मोर म कुछू ताकत नइं ए अऊ मेंह बड़े
मुसकिल से सांस ले सकत हंव।"
18 तब ओ, जऊन ह एक मनखे के सहीं दिखत रिहिस, मोला फेर छुईस अऊ मोला ताकत दीस।
19 ओह कहिस, "झन डर, तेंह बहुंत आदरनीय मनखे अस, तोला सांति मिलय! अब मजबूत रह; मजबूत रह।"
जब ओह मोर ले गोठियाईस, त मोला ताकत मिलिस अऊ मेंह ओला कहेंव, "हे मोर परभू, गोठिया, काबरकि
तेंह मोला ताकत दे हस।"
20 एकरसेति ओह कहिस, "का तेंह जानत हस कि मेंह तोर करा काबर आय हंव? बहुंत जल्दी मेंह फारस के
राजकुमार के बिरूध लड़ई करे बर लहुंटके चल दूहूं, अऊ जब मेंह जाहूं, तब यूनान के राजकुमार ह आही;
21 पर पहिली मेंह तोला बताहूं कि सच्चई के किताब म का लिखे हवय। (तुम्हर राजकुमार, मिकाएल ला
छोंड़ अऊ कोनो घलो येमन ले लड़े बर मोर मदद नइं करंय।

11

1 अऊ मादी बंस के राजा दारा के सासनकाल के पहिले बछर म, मेंह ओकर मदद करे बर अऊ ओकर बचाव
करे बर ठाढ़ होंय।)

[illegible]

2 "अब, मेंह तोला सच बात बतावत हंव: फारस म तीन अऊ राजामन होहीं, अऊ ओकर बाद एक चौथा
राजा घलो होही, जऊन ह आने जम्मो राजामन ले बहुंत अधिक धनी होही। जब ओह अपन धन ले सक्ति पा
लीही, तब ओह जम्मो झन ला यूनान के राज के बिरूध भड़काही।
3 तब एक सक्तिसाली राजा के उदय होही, जऊन ह बड़े सक्ति ले राज करही अऊ ओह अपन मन मुताबिक
करही।
4 ओकर उदय होय के बाद, ओकर राज ह टूट जाही अऊ चारों दिग म बंट जाही। येह ओकर संतानमन करा
नइं जाही, अऊ न ही ओकर सक्ति ओ राज के ऊपर होही, काबरकि ओकर राज ला ओकर ले लूटके आने मन ला
दे दिये जाही।
5 "दक्खिन के राजा ह सक्तिसाली हो जाही, पर ओकर ही एक सेनापति ह ओकर ले घलो जादा सक्तिसाली
हो जाही अऊ अपन खुद के राज ऊपर बड़े सक्ति ले सासन करही।
6 कुछू बछर के बाद, ओमन सहयोगी हो जाहीं। दक्खिन के राजा के बेटी ह उत्तर के राजा करा एक संधि करे
बर जाही, पर ओकर करा ओकर राज के सक्ति नइं रहिही, अऊ उत्तर के राजा अऊ ओकर सक्ति घलो नइं
बांचही। ओ दिनमन म, दक्खिन के राजा के बेटी ला अऊ संग म ओकर साही रकछक अऊ ओकर ददा* अऊ
ओकर मदद करइया ला धोखा दिये जाही।
7 "ओकर परिवार के एक जन ह ओकर जगह लेय बर ठाढ़ होही। ओह उत्तर के राजा के सेना ऊपर चढ़ई करही
अऊ ओकर किला म घुसर जाही; ओह ओमन ले लड़ही अऊ बिजयी होही।
8 ओह ओमन के देवतामन ला, ओमन के धातु के मूरतीमन ला अऊ ओमन के सोन अऊ चांदी के कीमती
चीजमन ला घलो जपत कर लीही अऊ अपन संग मिसर देस ले जाही। कुछू बछर तक, ओह उत्तर के राजा ला
एके झन छोंड़ दीही।

---

* **10:16** या [illegible] * **11:6** या [illegible]

9 तब उत्तर के राजा ह दक्खिन के राजा के राज ऊपर चढ़ई करही, पर अपन ही देस ला फेर लहुंट जाही।
10 ओकर बेटामन लड़ई के तियारी करहीं अऊ एक बड़े सेना इकट्ठा करहीं, जऊन ह न रोके जा सकनेवाला
बाढ़ सहीं तेजी ले आघू बढ़ही अऊ लड़ई ला ओकर किला तक ले जाहीं।

11 "तब दक्खिन के राजा कोरोधित होके आघू बढ़ही अऊ उत्तर के राजा ले लड़ई करही; उत्तर के राजा ह एक
बड़े सेना खड़े करही, पर ओह हार जाही।
12 जब ये बड़े सेना ला ले लिये जाही, तब दक्खिन के राजा ह घमंड ले भर जाही अऊ कतको हजार मनखेमन
ला मार डारही, तभो ले ओह बिजयी बने नइं रह सकही।
13 काबरकि उत्तर के राजा ह एक आने सेना खड़े कर लीही, जऊन ह ओकर पहिले के सेना ले बड़े होही; अऊ
बहुंत बछर के बाद, पूरा तियारी करके, ओह एक बड़े सेना ला लेके आघू बढ़ही।

14 "ओ दिनमन म, बहुंते झन दक्खिन के राजा के बिरूध खड़े होहीं। तुम्हर अपन मनखेमन के बीच म, जऊन
मन हिंसक सुभाव के अंय, ओमन बिदरोह करहीं, ताकि दरसन ह पूरा होवय, पर ओमन ला सफलता नइं
मिलही।
15 तब उत्तर के राजा ह आके सैनिकमन के घेरा डालही अऊ एक किलावाले सहर ऊपर कब्जा कर लीही।
दक्खिन के सेना म बिरोध करे के सक्ति नइं होही; अऊ त अऊ ओमन के सबले बने सैनिक दल करा घलो
सामना करे के सक्ति नइं होही।
16 हमला करइया ह जइसे चाहही, वइसे करही; ओकर सामना कोनो नइं कर सकहीं। ओह अपनआप ला ओ
सुघर देस म स्थापित करही अऊ ओकर करा ओला नास करे के सक्ति होही।
17 ओह अपन जम्मो राज के सक्ति के संग आय के ठान लीही अऊ ओह दक्खिन के राजा के संग एक संधि
करही। अऊ ओकर राज ला जीते बर ओ राजा ला अपन एक बेटी बिहाव म दीही, पर ओकर योजना ह सफल
नइं होही या ओकर ले ओला कोनो मदद नइं मिलही।
18 तब ओह अपन धियान समुंदर तीर म लगाही अऊ ओमा ले कतको ला अपन अधिकार म ले लीही, पर
एक सेनापति ह ओकर अहंकार के अन्त कर दीही अऊ ओकर अहंकार के मुताबिक ओकर ले बदला लीही।
19 येकर बाद, ओह अपन ही देस के किलामन कोति लहुंटही, पर ओह लड़खड़ाके गिर जाही अऊ ओकर
नामोनिसान मिट जाही।

20 "तब जऊन ह ओकर जगह लीही, ओह राज वैभव ला बनाय रखे बर एक लगान इकट्ठा करइया ला
पठोही। पर कुछू बछर के भीतर, ओह नास हो जाही, पर ओकर बिनास कोरोध या लड़ई म नइं होही।

21 "ओकर जगह ला लेवइया ह एक तुछ मनखे होही, जऊन ला राजबंस ले आदर नइं मिले होही। जब
मनखेमन अपनआप ला सुरकछित महसूस करत होहीं, तभे ओह राज ऊपर हमला करही, अऊ ओह सडयंत्र
करके ओला अपन कब्जा म कर लीही।
22 तब एक बड़े सेना ओकर आघू म खतम हो जाही; येला अऊ करार के एक राजकुमार दूनों ला नास कर दिये
जाही।
23 ओ राजकुमार के संग एक समझौता करे के बाद, ओह छल-कपट के संग काम करही, अऊ सिरिप थोरकन
मनखेमन के संग ओह सक्तिसाली हो जाही।
24 जब सबले धनी राजमन सुरकछित महसूस करत होहीं, तभे ओह ओमन ऊपर हमला करही अऊ अइसन
सफल होही, जइसन न तो ओकर बाप-ददा अऊ न ही ओकर पुरखामन कभू होईन। ओह लूटे अऊ छीने गय
चीज अऊ संपत्ति ला अपन अनुयायीमन के बीच बांट दीही। ओह किलामन ला जीते बर सडयंत्र करही—पर
सिरिप कुछू समय बर।

25 "एक बड़े सेना लेके ओह दक्खिन के राजा के बिरूध अपन सक्ति अऊ साहस के उपयोग करही। दक्खिन के
राजा घलो एक बड़े अऊ बहुंत सक्तिसाली सेना लेके लड़ई करही, पर ओकर बिरूध रचे गय सडयंत्र के कारन,
ओह ठहर नइं सकही।
26 जऊन मन राजा के दुवारा दिये जेवन करंय, ओमन ही ओला नास करे के कोसिस करहीं; ओकर सेना ला
भगा दिये जाही, अऊ बहुंते जन लड़ई म मारे जाहीं।

27 दूनों राजा खराप मनसा ले एक ही मेज म बईठहीं अऊ एक-दूसर ले झूठ बोलहीं, जेकर ले कोनो फायदा
नइं होही, काबरकि ठहिराय गे समय म अन्त आ जाही।
28 उत्तर के राजा ह बहुंत संपत्ति के संग अपन देस ला लहुंट जाही, पर ओकर मन ह पबितर करार के बिरूध
लगे रहिही। ओह येकर बिरूध कार्यवाही करही अऊ तब ओह अपन देस लहुंट जाही।
29 "ठहिराय गे समय म, ओह फेर दक्खिन ऊपर हमला करही, पर ये समय परिनाम ह पहिले ले अलग होही।
30 पछिमी समुंदर तीर के पानी जहाजमन ओकर बिरोध करहीं, अऊ ओह हिम्मत हार जाही। तब ओह
लहुंटही अऊ पबितर करार के बिरूध अपन गुस्सा निकालही। ओह लहुंटही अऊ ओमन ऊपर किरपा करही,
जऊन मन पबितर करार ला छोंड़ दीहीं।
31 "हथियार धरे ओकर सेनामन मंदिर के किला ला अपबितर करे बर आघू बढ़हीं अऊ हर दिन चढ़ाय जवइया
बलिदान ला बंद कर दीहीं। तब ओमन घिन जिनिस के स्थापना करहीं, जऊन ह उजाड़ के कारन बनथे।
32 चापलूसी करके ओह ओमन ला भ्रस्ट करही, जऊन मन करार ला टोर दिये होहीं, पर जऊन मनखेमन
अपन परमेसर ला जानथें, ओमन ओकर जोरदार बिरोध करहीं।
33 "जऊन मन बुद्धिमान अंय, ओमन बहुंते ला समझाहीं, हालाकि कुछू समय बर, ओमन तलवार ले मारे
जाहीं या जला दिये जाहीं या पकड़ लिये जाहीं या लूट लिये जाहीं।
34 जब ओमन गिरहीं, त ओमन ला बहुंत कम मदद मिलही, अऊ बहुंत मनखे, जऊन मन ईमानदार नो हंय,
ओमन संग सामिल हो जाहीं।
35 बुद्धिमान मनखेमन ले कुछू झन लड़खड़ाहीं, ताकि अन्त के बेरा आवत तक ओमन ला साफ, सुध अऊ
दाग रहित करे जा सकय, काबरकि ठहिराय गे समय म ही अन्त होही।

[illegible]

36 "राजा ह अपन मन मुताबिक करही। ओह अपनआप ला जम्मो देवतामन ले ऊंच अऊ बड़े बनाही अऊ
देवतामन के परमेसर के बिरूध अइसन बात कहिही, जऊन ह कभू नइं सुने गे होही। ओह तब तक सफल होही,
जब तक कि कोप के समय ह पूरा नइं हो जाही, काबरकि जऊन बात ठहिराय गे हवय, ओह जरूर पूरा होही।
37 ओह न तो अपन पुरखामन के देवतामन के कुछू आदर करही अऊ न ही ओह माईलोगनमन के ईछा के
चिंता करही, अऊ न ही ओह कोनो देवता के आदर करही, पर ओह अपनआप ला ओ जम्मो ले ऊपर करही।
38 ओमन के बदले, ओह किलामन के एक देवता के आदर करही; एक अइसन देवता, जऊन ला ओकर
पुरखामन घलो नइं जानत रिहिन। ओह ओ देवता के आदर सोन, चांदी, कीमती रत्न अऊ मंहगा उपहारमन के
दुवारा करही।
39 ओह एक परदेसी देवता के मदद ले सबले सक्तिसाली गढ़मन ऊपर हमला करही अऊ ओमन के बहुंत
आदर करही, जऊन मन ओला स्वीकार करहीं। ओह ओमन ला बहुंते मनखेमन ऊपर सासक ठहिराही अऊ एक
दाम लेके भुइयां ला बांट दीही।
40 "अन्त के बेरा म, दक्खिन के राजा ह ओला लड़ई म लगाय रखही, अऊ उत्तर के राजा घलो रथ, घुड़सवार
अऊ पानी जहाजमन के एक बड़े बेड़ा के संग ओकर ऊपर हमला करही। ओह बहुंते देस ऊपर हमला करही अऊ
बाढ़ के पानी के सहीं ओमन ले होवत निकल जाही।
41 ओह सुघर देस ऊपर घलो हमला करही। बहुंत देसमन के अन्त हो जाही, पर एदोम अऊ मोआब देस ला
अऊ अमोन के अगुवामन ला ओकर हांथ ले बचाय जाही।
42 ओह बहुंते देस म अपन सक्ति ला फईलाही; मिसर देस घलो नइं बचही।
43 ओह मिसर देस के सोन अऊ चांदी के खजाना अऊ जम्मो कीमती चीजमन ला अपन बस म कर लीही,
अऊ लिबिया अऊ कूस देस के मनखेमन ओकर अधीन हो जाहीं।
44 पर पूरब अऊ उत्तर दिग ले अवइया खबर ला सुनके ओह चिंतित हो जाही, अऊ बहुंत गुस्सा होके ओह
बहुंते जन ला नास करे अऊ ओमन के नामोनिसान मिटाय बर निकल जाही।
45 ओह अपन राजकीय तम्बू समुंदर के बीच सुघर पबितर पहाड़ ऊपर ठाढ़ करही। तभो ले ओकर अन्त हो
जाही, अऊ कोनो ओकर मदद नइं करहीं।

12

[illegible]

1 “ओ बेरा मिकाएल, महान राजकुमार के उदय होही, जऊन ह तुम्हर मनखेमन ला बचाथे। तब अइसन
बिपत्ति के समय होही, जइसन कि जातिमन के सुरू होय के समय ले लेके अब तक कभू नइं होय होही। पर ओ
समय तुम्हर मनखेमन ले हर ओ मनखे ह बचाय जाही, जेकर नांव ह किताब* म लिखे पाय जाही।
2 मरे मन के जनसमूह, जेमन ला भुइयां म दफनाय गे हवय, ओमन जी उठहीं: कुछू तो सदाकाल के जिनगी
बर, अऊ आने मन सरमिंदा होय अऊ सदाकाल के अपमान बर।
3 जऊन मन बुद्धिमान अंय, ओमन अकास के अंजोर सहीं चमकहीं, अऊ जऊन मन बहुंते जन ला धरमीपन
कोति ले जाथें, ओमन तारामन सहीं हमेसा चमकत रहिहीं।
4 पर हे दानिएल, तें अन्त के बेरा के आवत तक ये किताब के बातमन ऊपर मुहर लगाके येला बंद रख। बहुंते
जन गियान बढ़ाय बर एती-ओती जाहीं।”

5 तब में, दानिएल ह देखेंव कि उहां अऊ दू झन मनखे खड़े रहंय, एक झन ह नदी के ये तीर म अऊ दूसर ह
नदी के ओ तीर म।
6 ओमा ले एक झन ह मलमल के ओनहा पहिरे ओ मनखे ला कहिस, जऊन ह नदी के पानी के ऊपर रिहिस,
“येकर पहिले कि ये चकित करइया बातमन पूरा होवंय, अऊ कतेक समय लगही?”
7 ओ मनखे जऊन ह मलमल के ओनहा पहिरे रिहिस अऊ नदी के पानी के ऊपर रिहिस, ओह अपन जेवनी
हांथ अऊ अपन डेरी हांथ अकास कोति उठाईस अऊ मेंह सुनेंव कि ओह हमेसा जीयत रहइया के कसम खाके
कहत रहय, “येह एक समय, समयमन अऊ आधा समय बर होही।† जब आखिर म पबितर मनखेमन के सक्ति ह
खतम कर दिये जाही, तब ये जम्मो बात पूरा हो जाही।”
8 मेंह ये बात ला सुनेंव, पर नइं समझेंव। एकरसेति मेंह पुछेंव, “हे मोर मालिक, ये जम्मो बात के परिनाम का
होही?”
9 ओह जबाब दीस, “हे दानिएल, तेंह जा, काबरकि अन्त के बेरा के आवत तक, ये बातमन ऊपर मुहर लगाके
येमन ला बंद कर दिये गे हवय।
10 बहुंत मनखेमन सुध, दाग रहित अऊ साफ करे जाहीं; पर जऊन मन दुस्ट अंय, ओमन दुस्टता करत
रहिहीं। दुस्टमन ले कोनो ये बातमन ला नइं समझहीं, पर जऊन मन बुद्धिमान अंय, ओमन समझहीं।
11 “जब ले हर दिन के बलिदान ला बंद कर दिये जाही अऊ उजाड़ करइया घिनित चीज ला स्थापित करे
जाही, तब ले 1,290 दिन के समय होही।
12 धइन ए ओ, जऊन ह इंतजार करथे अऊ 1,335 दिन के आखिरी तक पहुंचथे।
13 “जहां तक तोर सवाल ए, तें अन्त के आवत तक अपन रसता म जा। तेंह अराम करबे, अऊ तब दिनमन के
अन्त के बेरा, तेंह अपन बर ठहिराय उत्तराधिकार ला पाय बर ठाढ़ होबे।”

---

* **12:1** देखव निर 32:32-33; भजन 69:28 † **12:7** या *[illegible]*

होसे
के किताब

1 यहूदा के राजा उजियाह, योताम, आहाज, अऊ हिजकियाह के सासन के समय, अऊ इसरायल के राजा
यहोआस के बेटा यरोबाम के सासन के समय, यहोवा के बचन बेरी के बेटा होसे करा आईस।

[illegible]

2 जब यहोवा ह होसे के जरिये गोठियाय के सुरू करिस, त ओह होसे ले कहिस, "जाके एक बेस्या ले बिहाव
कर ले, अऊ ओकर ले लइका जनमा, काबरकि एक बेभिचारी घरवाली के सहीं ये देस ह यहोवा ले बिसवासघात
करके अपराधी हो गे हवय।"
3 एकरसेति होसे ह जाके दिबलैम के बेटी गोमेर ले बिहाव कर लीस, अऊ ओह होसे कोति ले देहें म होईस
अऊ ओह एक बेटा जनमिस।
4 तब यहोवा ह होसे ले कहिस, "ओकर नांव यिजरेल रख, काबरकि बहुंत जल्दी, मेंह येहू के घराना ला
यिजरेल म करे गे मारकाट बर दंड दूहूं, अऊ मेंह इसरायल राज के अन्त कर दूहूं।
5 ओ दिन मेंह यिजरेल के घाटी म इसरायल के धनुस ला टोरहूं।"
6 गोमेर ह फेर देहें म होईस अऊ एक बेटी ला जनम दीस। तब यहोवा ह होसे ले कहिस, "ओकर नांव
लो-रूहामा* रख, काबरकि मेंह अब इसरायल के घराना ला मया नइं देखावंव, अऊ ओमन ला कोनो किसम ले
छेमा नइं करंव।
7 पर मेंह यहूदा के घराना ला मया देखाहूं; अऊ ओमन ला बचाहूं—ये बचाव न तो धनुस, तलवार या लड़ई के
दुवारा, या घोड़ामन अऊ घुड़सवारमन के दुवारा होही, पर में, यहोवा ओमन के परमेसर ओमन ला बचाहूं।"
8 जब गोमेर ह लो-रूहामा के दूध ला छुड़ाईस, तब ओह देहें म होके एक अऊ बेटा ला जनम दीस।
9 तब यहोवा ह कहिस, "एकर नांव लो-अम्मी† रख, काबरकि तुमन मोर मनखे नो हव, अऊ मेंह तुम्हर
परमेसर नो हंव।
10 "तभो ले इसरायलीमन के संखिया समुंदर तीर के बालू असन होही, जेमन ला नापे या गने नइं जा सकय।
ओ ठऊर जिहां ओमन ला ये कहे गे रिहिस, 'तुमन मोर मनखे नो हव, ओही जगह म, ओमन ला जीयत परमेसर
के संतान कहे जाही।'
11 यहूदी अऊ इसरायलीमन एक संग जूरहीं; ओमन इकट्ठा होके अपन बर एक अगुवा ठहिराहीं अऊ देस ले
निकल आहीं, काबरकि यिजरेल के ओ दिन ह महान दिन होही।‡

2

* 1 "अपन भाईमन ले कहव, 'मोर मनखे,' अऊ अपन बहिनीमन ले कहव, 'मोर मयारू।'

[illegible]

2 "अपन दाई ला दबकार, ओला दबकार,
काबरकि ओह मोर घरवाली नो हय,
अऊ मेंह ओकर घरवाला नो हंव।
ओह अपन चेहरा ले छिनारीपन
अऊ अपन छातीमन के बीच ले बिसवासघात ला हटा लेवय।
3 नइं तो मेंह ओकर ओनहा ला उतारके अइसने नंगरी कर दूहूं
जइसने ओह अपन जनम के बेरा म रिहिस;
में ओला मरू-भुइयां असन बना दूहूं,

---

* **1:6** [illegible] के मतलब होथे [illegible] † **1:9** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **1:11** इबरानी म 1:10, 11 ला 2:1,2 गने गे हवय * **2:** इबरानी म 2:1-23 ला 2:3-25 गने गे हवय

ओला सूखा भुइयां म बदल दूहूं
अऊ ओला पीयास ले मार डारहूं।
4 ओकर लइकामन बर मेंह अपन मया नइं देखाहूं,
काबरकि ओमन बेभिचार ले जनमे लइका अंय।
5 ओमन के दाई ह छिनारी करे हवय
अऊ ओह ओमन ला कलंक ले अपन गरभ म धारन करिस।
ओह कहिस, 'मेंह अपन मया करइयामन के पाछू जाहूं,
जऊन मन मोला रोटी-पानी,
मोर ऊन अऊ सन के कपड़ा, मोर जैतून तेल अऊ मोर मंद देथें।'
6 एकरसेति, मेंह ओकर रद्दा ला कंटिली झाड़ीमन ले घेर दूहूं,
मेंह ओकर आघू म बाड़ा ठाढ़ कर दूहूं ताकि ओला रसता झन मिलय।
7 ओह अपन मया करइयामन के पीछा करही पर ओमन ला पकड़ नइं सकही;
ओह ओमन ला खोजही पर ओमन नइं मिलहीं।
तब ओह कहिही,
'मेंह पहिले के सहीं अपन घरवाला करा लहुंट जाहूं,
काबरकि मोर तब के दसा ह अभी के दसा ले बने रिहिस।'
8 ओह ये बात ला नइं माने हे कि ओह मेंहीच रहेंव
जऊन ह ओला अनाज, नवां अंगूर के मंद अऊ तेल दीस,
जऊन ह ओकर ऊपर खुले मन ले सोन अऊ चांदी लुटाईस—
जेकर उपयोग ओमन बाल देवता बर करिन।

9 "एकरसेति मेंह अपन अनाज ला ले लूहूं जब ओह पाक जाही,
अऊ अपन नवां अंगूर के मंद ला ले लूहूं जब ओह तियार हो जाही।
मेंह अपन ऊन अऊ सन के कपड़ा ला वापिस ले लूहूं,
जऊन ला मेंह ओकर देहें ला ढांपे बर दे रहेंव।
10 एकरसेति अब मेंह ओकर फूहड़पन ला
ओकर मया करइयामन के आघू म उघारहूं;
अऊ कोनो ओला मोर हांथ ले छोंड़ाय नइं सकहीं।
11 मेंह ओकर जम्मो उत्सव मनई ला बंद कर दूहूं:
ओकर हर बछर के तिहार, ओकर नवां चंदा के उत्सव,
ओकर बिसराम दिनमन ला—ओकर जम्मो ठहिराय तिहारमन ला बंद कर दूहूं।
12 मेंह ओकर अंगूर के नार अऊ ओकर अंजीर के रूखमन ला बरबाद कर दूहूं
जेकर बारे म ओह कहिथे कि येह मोर मया करइयामन के दुवारा दिये गे मजदूरी अय;
मेंह ओमन ला झाड़-झंखाड़ बना दूहूं,
अऊ जंगली पसुमन ओमन ला चर डारहीं।
13 मेंह ओला ओ बातमन बर सजा दूहूं
कि ओह बाल देवतामन बर धूप जलाईस;
ओह अपनआप ला नथनी अऊ गहनामन ले सजाईस,
अऊ अपन मया करइयामन के पाछू गीस,
पर मोला ओह भुला गीस," यहोवा ह घोसना करत हे।

14 "एकरसेति, अब मेंह ओला ललचाहूं;
मेंह ओला सुनसान जगह म ले जाहूं

अऊ ओकर ले कोमल मन ले गोठियाहूं।
15 उहां मेंह ओला ओकर अंगूर के बारीमन ला लहुंटा दूहूं,
अऊ आकोर† के घाटी ला आसा के दुवार बना दूहूं।
उहां ओह अइसने जबाब दीही, जइसने ओह अपन जवानी के दिन म देवत रिहिस,
याने कि जइसने ओह मिसर देस ले निकलके आय के बेरा देवत रिहिस।"

16 यहोवा ह घोसना करत हे,
"ओ दिन, तेंह मोला 'मोर घरवाला' कहिबे;
तेंह मोला फेर कभू 'अपन मालिक' नइं कहिबे।
17 मेंह ओकर मुहूं ले बाल देवतामन के नांव ला मिटा दूहूं;
ओमन के नांव फेर कभू नइं लिये जाही।
18 ओ दिन मेंह ओमन बर
जंगली जानवर, अकास के चिरई
अऊ भुइयां म रेंगइया जन्तुमन के संग एक करार करहूं।
धनुस अऊ तलवार अऊ लड़ई ला
मेंह देस ले खतम कर दूहूं,
ताकि मनखेमन निडर होके अराम करंय।
19 मेंह तोला हमेसा के खातिर बिहाव के बचन दूहूं;
मेंह तोला धरमीपन अऊ नियाय,
मया अऊ करूना के संग बिहाव के बचन दूहूं।
20 में तोला सच्चई के संग बिहाव के बचन दूहूं,
अऊ तेंह यहोवा ला जान लेबे।"

21 यहोवा ह घोसना करत हे—
"ओ दिन मेंह जबाब दूहूं,
मेंह अकास-मंडल ला जबाब दूहूं,
अऊ ओमन धरती ला जबाब दीहीं;
22 अऊ धरती ह अनाज,
नवां अंगूर के मंद अऊ जैतून के तेल ला जबाब दीही,
अऊ ओमन यिजरेल‡ ला जबाब दीहीं।
23 मेंह ओला अपन बर देस म लगाहूं;
मेंह ओकर ऊपर अपन मया देखाहूं, जऊन ला मेंह अपन मयारू नइं कहंव।
ओ मनखे जऊन मन मोर नइं कहे जावंय, ओमन ला मेंह कहिहूं, 'तुमन मोर मनखे अव';
अऊ ओमन कहिहीं, 'तेंह हमर परमेसर अस।' "

3

[illegible]

1 यहोवा ह मोर ले कहिस, "जा अऊ अपन मया अपन घरवाली ला फेर देखा, हालाकि ओला कोनो अऊ मनखे ह मया करथे अऊ ओह एक छिनार अय। ओकर ले अइसन मया कर, जइसन यहोवा ह इसरायलीमन ले करथे, हालाकि इसरायलीमन आने देवतामन कोति जाके पबितर किसमिस के टिकियामन ले मया करथें।"
2 एकरसेति मेंह ओला चांदी के पंदरह सेकेल* अऊ लगभग एक होमेर अऊ एक लेथेक† जौ देके बिसा लेंव।

---

† **2:15** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **2:22** [illegible] के मतलब होथे [illegible] * **3:2** लगभग 170 ग्राम † **3:2** एक होमेर अऊ एक लेथेक लगभग 195 किलोग्राम होथे

3 तब मेंह ओला कहेंव, “तोला मोर संग बहुंत दिन तक रहना हे; तोला बेस्या नइं बनना हे या कोनो मनखे के
संग सारीरिक संबंध नइं बनाना हे, अऊ मेंह घलो तोर संग अइसनेच बरताव करहूं।”
4 काबरकि इसरायलीमन बहुंत दिन तक बिगर राजा या हाकिम, बिगर बलि या पबितर पथरा, बिगर एपोद
या घर-देवता के रहिहीं।
5 ओकर बाद इसरायलीमन लहुंटहीं अऊ यहोवा, अपन परमेसर अऊ अपन राजा, दाऊद ला खोजहीं। ओमन
आखिरी के दिनमन म कांपत यहोवा करा अऊ ओकर आसीस पाय बर आहीं।

4

[illegible]

1 हे इसरायलीमन, यहोवा के बचन ला सुनव,
काबरकि तुमन, जऊन मन ये देस म रहिथव
तुम्हर ऊपर यहोवा ह एक आरोप लगइया हवय:
ये देस के रहइयामन म परमेसर बर
न तो कुछू बिसवासयोग्यता, न कुछू मया अऊ न ही परमेसर ला माने के कुछू बात हवय।
2 इहां सिरिप सराप देवई, लबारी बात, हतिया करई,
चोरी-चकारी अऊ बेभिचार हवय;
ओमन जम्मो कानून ला टोरथें,
अऊ खून के ऊपर खून करत रहिथें।
3 एही कारन अय कि ये देस ह सूखा जाथे,
अऊ येमा जम्मो रहइयामन बेकार हो जाथें;
भुइयां के पसु, अकास के चिरई
अऊ समुंदर के मछरीमन नास हो जाथें।

4 “पर कोनो मनखे दोस झन लगावय,
न ही कोनो मनखे आने ऊपर आरोप लगावय,
काबरकि तोर मनखेमन ओमन के सहीं अंय
जऊन मन पुरोहितमन ऊपर दोस लगाथें।
5 तेंह रात-दिन ठोकर खाथस,
अऊ तोर संग अगमजानीमन घलो ठोकर खाथें।
एकरसेति मेंह तोर दाई ला नास कर दूहूं—
6 मोर मनखेमन गियान के कमी के कारन नास होथें।

“काबरकि तेंह गियान ला अस्वीकार करे हस,
एकरसेति मेंह घलो तोला अपन पुरोहित के रूप म अस्वीकार करत हंव;
काबरकि तेंह अपन परमेसर के कानून ऊपर धियान नइं दे हवस,
त मेंह घलो तोर लइकामन ऊपर धियान नइं दूहूं।
7 जतेक जादा पुरोहित रिहिन,
ओतेक जादा ओमन मोर बिरूध म पाप करिन;
ओमन अपन महिमामय परमेसर के बदला म कलंकित चीज ला अपना लीन।
8 पुरोहितमन मोर मनखेमन के पाप के कमई ला खाथें
अऊ ओमन मोर मनखेमन के दुस्टता के मजा लेथें।
9 अऊ येह अइसने होही: जइसने मनखेमन के दसा, वइसने पुरोहितमन के दसा।
मेंह ओ दूनों ला ओमन के चालचलन के सजा दूहूं,
अऊ ओमन ला ओमन के काम के बदला दूहूं।

10 “ओमन खाना तो खाहीं, पर ओमन करा परयाप्त खाना नइं होही;
ओमन बेस्यागमन करहीं, पर बाढ़हीं नइं,
काबरकि ओमन यहोवा ला छोंड़ दे हवंय
11 ताकि ओमन बेस्यागमन कर सकंय;
पुराना मंद अऊ नवां मंद
ओमन के समझ ला भ्रस्ट कर देथे।
12 मोर मनखेमन कठवा के एक मूरती ले सलाह लेथें,
अऊ अगम बतइया के लउठी ओमन के अगम के बात ला बताथे।
बेभिचार के एक आतमा ह ओमन ला बहका देथे;
ओमन अपन परमेसर के संग बिसवासघात करथें।
13 ओमन पहाड़ के टीप म बलिदान चघाथें
अऊ पहाड़ीमन ऊपर,
बलूत रूख, चिनार रूख अऊ एला रूखमन के खाल्हे म, जिहां बने छइहां होथे,
उहां होम-बलिदान चघाथें।
ये खातिर तुम्हर बेटीमन छिनारी करे बर जाथें
अऊ तुम्हर बहुमन बेभिचार करथें।

14 “जब तुम्हर बेटीमन छिनारी करे बर जाहीं
त में ओमन ला सजा नइं दूहूं,
अऊ न ही तुम्हर बहुमन ला सजा दूहूं,
जब ओमन बेभिचार करहीं,
काबरकि आदमीमन खुद बेस्यामन के संग रहिथें
अऊ देवालय के बेस्यामन संग बलि चघाथें—
नासमझ मनखेमन नास हो जाहीं!

15 “हे इसरायल, हालाकि तेंह बेभिचार करथस,
पर यहूदा ला दोसी झन होवन दे।

“न तो गिलगाल जावव;
अऊ न ही ऊपर बेत-आवेन* ला जावव।
अऊ न ही ये कसम खावव, ‘यहोवा के जिनगी के कसम।’
16 इसरायलीमन जिद्दी बछरू
असन जिद्दी अंय।
तब यहोवा ह ओमन ला चरागन म
मेढ़ा-पीलामन सहीं कइसे चरा सकत हे?
17 एपरैम ह मूरतीमन के संगवारी हो गे हवय;
ओला अकेला छोंड़ दव!
18 अऊ त अऊ जब ओमन के मंद ह खतम हो जाथे,
तब घलो ओमन बेस्यागमन करत रहिथें;
ओमन के सासन करइयामन लज्जा के काम ले मया करथें।
19 बवंडर ह ओमन ला उड़ाके ले जाही,
अऊ ओमन के बलिदानमन के खातिर ओमन ला सरमिंदा होना पड़ही।

5

[illegible]

* **4:15** [illegible]-[illegible] के मतलब होथे [illegible]; ([illegible])

1 “हे पुरोहितमन, ये बात ला सुनव!
हे इसरायलीमन, धियान देवव!
हे राज-घराना, सुनव!
ये नियाय ह तुम्हर बिरूध हवय:
तुमन मिसपा म एक फांदा बन गे हवव,
तुमन ताबोर पहाड़ म बिछाय एक जाल अव।
2 बिदरोहीमन घोर हतिया करे हवंय।
में ओ जम्मो झन के ताड़ना करहूं।
3 मेंह एपरैम के जम्मो बात ला जानत हंव;
इसरायल के बात मोर ले छिपे नइं ए।
हे एपरैम, तेंह अब बेस्यागमन म लग गे हवस;
इसरायल ह भ्रस्ट हो गे हवय।

4 “ओमन के काम ओमन ला
ओमन के परमेसर कोति फिरन नइं देवय।
बेस्यागमन के आतमा ओमन के दिल म हवय;
ओमन यहोवा ला नइं मानंय।
5 इसरायल के घमंड ह ओमन के बिरूध म गवाही देवत हे;
इसरायलीमन, अऊ त अऊ एपरैम घलो अपन पाप म लड़खड़ावत हवंय;
यहूदा घलो ओमन के संग लड़खड़ावत हे।
6 जब ओमन अपन भेड़-बकरी अऊ गाय-बईलामन के झुंड ला लेके
यहोवा के खोज म जाथें,
त यहोवा ह ओमन ला नइं मिलय;
काबरकि ओह अपनआप ला ओमन ले अलग कर ले हवय।
7 ओमन यहोवा के संग बिसवासघात करे हवंय;
ओमन अवैध लइका जनमाथें।
जब ओमन नवां चंदा के भोज के उत्सव मनाहीं,
त ओह ओमन के खेतमन ला नास कर दीही।*

8 “गिबा नगर म तुरही ला बजावव,
अऊ रामा नगर म नरसिंगा फूंकव।
बेत-आवेन नगर म लड़ई बर ऊंचहा अवाज म ललकारव;
हे बिनयामीन, हमर अगुवई कर।
9 हिसाब करे के दिन
एपरैम ह उजड़ जाही।
इसरायल के गोत्रमन के बीच
मेंह ओही बात के घोसना करहूं, जेकर होना निस्चित ए।
10 यहूदा के अगुवामन ओमन के जइसे अंय
जऊन मन सीमना के पथरामन ला हटाथें।
मोर कोरोध ह ओमन ऊपर
पानी के बाढ़ सहीं भड़कही।
11 एपरैम ला सताय जाथे,
ओला नियाय म कुचरे गे हवय,
काबरकि ओह मूरतीमन के पाछू जाय बर ठान ले हवय।

* **5:7** या [illegible]

12 मेंह एपरैम बर एक कीरा के असन,
अऊ यहूदा के मनखेमन बर सड़ाहट के असन अंव।

13 "जब एपरैम ह अपन रोग,
अऊ यहूदा ह अपन घाव ला देखिस,
तब एपरैम ह अस्सूर कोति गीस,
अऊ बड़े राजा ले मदद बर बिनती करिस।
पर ओह तुमन ला न तो चंगा कर सकथे,
अऊ न ही तुम्हर घावमन ला ठीक कर सकथे।
14 काबरकि मेंह एपरैम बर एक सिंह,
अऊ यहूदा बर एक बड़े सिंह सहीं हो जाहूं।
मेंह ओमन ला चीरके कुटा-कुटा कर दूहूं अऊ चले जाहूं;
मेंह ओमन ला उठाके ले जाहूं, अऊ ओमन ला बचानेवाला कोनो नइं होहीं।
15 जब तक ओमन अपन अपराध ला मान नइं लीहीं
अऊ मोर करा लहुंटके नइं आहीं
मेंह अपन ठऊर म नइं लहुंटहूं—
अपन दुरगति के बेरा
ओमन मन लगाके मोर खोज करहीं।"

6

[illegible]

1 "आवव, हमन यहोवा कोति लहुंटन।
ओह हमन ला चीरके कुटा-कुटा कर दे हवय
पर ओह हमन ला चंगा करही;
ओह हमन ला चोट पहुंचाय हवय
पर ओहीच ह हमर घावमन म मरहम पट्टी करही।
2 दू दिन के बाद ओह हमन म सुधार लानही;
अऊ तीसर दिन ओह हमन ला पहिले सहीं कर दीही,
ताकि हमन ओकर आघू म बने रहन।
3 आवव, हमन यहोवा ला मान लेवन;
आवव, हमन ओला जाने बर कोसिस करन।
जइसन कि सूरज के निकलई ह निस्चित अय,
वइसने ही ओह घलो निस्चय परगट होही;
ओह हमर करा ठंड के बरसात सहीं,
बसन्त रितु के ओ बरसात सहीं आही, जऊन ह धरती ला पलोथे।"

4 "हे एपरैम, मेंह तोर बर का कर सकत हंव?
हे यहूदा, मेंह तोर बर का कर सकत हंव?
तुम्हर मया ह बिहनियां के कुहरा के असन,
बड़े बिहनियां पड़नेवाला ओ ओस असन अय, जऊन ह गायब हो जाथे।
5 ये खातिर मेंह तुमन ला अपन अगमजानीमन के दुवारा काटके कुटा-कुटा कर डारेंव,
मेंह अपन मुहूं के बात ले तुमन ला मार डारेंव—
तब मोर नियाय ह सूरज के सहीं आघू बढ़थे।
6 काबरकि मेंह बलिदान ले नइं, पर दया ले,

अऊ होम-बलिदान के बदला परमेसर ला माने ले खुस होथंव।
7 पर आदम* असन, ओमन करार ला टोर दे हवंय;
ओमन उहां मोर संग बिसवासघात करे रिहिन।
8 गिलाद दुस्ट काम करइयामन के एक सहर अय,
उहां लहू ले भरे मनखेमन के चले के निसान हवय।
9 जइसने लुटेरामन अपन सिकार बर लुकाके घात म रहिथें,
वइसनेच पुरोहितमन के दल ह करथे;
ओमन अपन दुस्ट योजना ला पूरा करत
सकेम सहर के रद्दा म हतिया करथें।
10 इसरायल म मेंह एक भयानक चीज देखे हंव:
उहां एपरैम ला बेस्यागमन बर दिये जाथे,
अऊ इसरायल ह असुध होथे।

11 "हे यहूदा, तोर बर घलो
कटनी के एक समय ठहिराय गे हवय।

"जब मेंह अपन मनखेमन के बने दिनमन ला लहुंटा लाहूं,

7

1 जब भी मेंह इसरायल ला चंगा करहूं,
त एपरैम के पापमन ला बताय जाही
अऊ सामरिया के अपराधमन परगट होहीं।
ओमन धोखा देय के काम करथें,
चोरमन घरमन म चोरी करथें,
लुटेरामन गलीमन म लूटमार करथें;
2 पर ओमन ये नइं समझंय
कि में ओमन के जम्मो दुस्ट काममन ला सुरता रखथंव।
ओमन के पापमन ओमन ला पूरा खा जाथें;
ओमन के काम हमेसा मोर नजर म बने रहिथें।

3 "ओमन राजा ला अपन दुस्टता,
अऊ हाकिममन ला अपन लबारी बातमन ले खुस रखथें।
4 ओमन जम्मो के जम्मो बेभिचारी अंय,
एक बरत चूल्हा के सहीं
जेकर आगी ला रोटी बनइया ह तब तक तेज नइं करय
जब तक कि ओह पीसान ला सानके पकाय बर तियार नइं कर लेवय।
5 हमर राजा के तिहार के दिन
हाकिममन मंद पीके चूर हो जाथें,
अऊ ओह ठट्ठा करइयामन संग सामिल हो जाथे।
6 ओमन के मन ह चूल्हा सहीं अय;
ओमन ओकर करा सडयंत्र रचके जाथें।
ओमन के लालसा रात भर सुलगत रहिथे;
अऊ बिहनियां आगी के लपट सहीं धधकथे।
7 ओमन जम्मो के जम्मो चूल्हा असन गरम हवंय;
ओमन अपन सासन करइयामन ला भसम कर देथें।

* **6:7** या [illegible]

ओमन के जम्मो राजामन मारे जाथें,
अऊ ओमा के कोनो घलो मोला नइं पुकारंय।

8 “एपरैम ह देस-देस के मनखेमन संग घुल-मिल जाथे;
एपरैम एक सपाट रोटी सहीं अय, जऊन ला पलटे नइं गे हवय।
9 परदेसीमन ओकर ताकत के सोसन करथें,
पर ओह ये बात ला नइं समझय।
ओकर चुंदी ह पाकत हवय,
पर ओह येला धियान नइं देवय।
10 इसरायल के अहंकार ह ओकर बिरूध म गवाही देथे,
पर ये जम्मो बात के बावजूद
ओह यहोवा अपन परमेसर करा लहुंटके नइं आवय
या ओला नइं खोजय।

11 “एपरैम ह एक पंड़की चिरई असन अय,
जऊन ह आसानी से धोखा खाथे अऊ निरबुद्धि अय—
ओमन मदद बर मिसर ला बलात हें,
अब अस्सूर कोति जावत हें।
12 जब ओमन जाहीं, त मेंह ओमन ऊपर अपन जाल डारहूं;
मेंह ओमन ला अकास के चिरईमन ला गिराय सहीं खाल्हे म गिरा दूहूं।
जब मेंह सुनहूं कि ओमन एक संग झुंड म जूरथें, त मेंह ओमन ला पकड़ लूहूं।
13 ओमन ऊपर हाय,
काबरकि ओमन मोर ले अलग हो गे हवंय!
ओमन के सतियानास होवय,
काबरकि ओमन मोर बिरूध बिदरोह करे हवंय!
मेंह ओमन ला छोंड़ाय के ईछा करथंव
पर ओमन मोर बारे म झूठ बोलथें।
14 ओमन मोला अपन पूरा मन ले नइं पुकारंय
पर अपन बिस्तर म पड़े बिलाप करथें।
अनाज अऊ नवां अंगूर के मंद बर
ओमन अपन देवतामन ले बिनती करत अपनआप ला घायल करथें,
पर ओमन मोर ले दूरिहा रहिथें।
15 मेंह ओमन ला सिकछा देंव अऊ ओमन के हांथ ला मजबूत करेंव,
पर ओमन मोर बिरूध सडयंत्र करथें।
16 ओमन सर्वोच्च परमेसर कोति नइं फिरंय;
ओमन अइसन धनुस असन अंय, जऊन म दोस हवय।
ओमन के अगुवामन घमंड ले भरे बात के कारन
तलवार ले मारे जाहीं।
एकरे कारन ओमन ला मिसर देस म
ठट्ठा म उड़ाय जाही।

8

[illegible]
1 “तुरही ला अपन ओंठ म रखव!
एक गिधवा ह यहोवा के घर ऊपर हवय

काबरकि मोर मनखेमन मोर करार ला टोरे हवंय
अऊ मोर कानून के बिरूध बिदरोह करे हवंय।
2 इसरायल ह मोला पुकारके कहत हे,
'हे हमर परमेसर, हमन तोला मानथन!'
3 पर इसरायल ह भलई ला अस्वीकार करे हवय;
एक बईरी ह ओकर पीछा करही।
4 ओमन मोर बिगर सहमती के राजामन ला ठहिराथें,
ओमन बिगर मोर सहमती के हाकिममन ला चुनथें।
ओमन अपन सोन अऊ चांदी ले
अपन बिनास बर
मूरतीमन ला बनाथें।
5 हे सामरिया, अपन बछवा के मूरती ला बाहिर फटिक दे!
मोर गुस्सा ओमन ऊपर भड़कत हे।
ओमन कब तक सुध होय के काबिल नइं होहीं?
6 ओमन इसरायल के अंय!
ये बछवा—एक कारीगर ह येला बनाय हवय;
येह परमेसर नो हय।
सामरिया के ओ बछवा ला
कुटा-कुटा कर दिये जाही।

7 "ओमन हवा ला बोथें,
अऊ बवंडर रूपी फसल लूथें।
फसल के डंठल म बाली नइं ए;
येमा ले पीसान नइं मिलय।
कहूं येकर ले अनाज पईदा होतिस,
त परदेसीमन ओला खा जातिन।
8 इसरायल ला लील लिये गे हवय;
अब ओह जाति-जाति के मनखेमन के बीच म अइसन हवय
जऊन ला कोनो पसंद नइं करंय।
9 काबरकि ओमन एक भटके जंगली गदहा सहीं
अस्सूर देस चले गे हवंय।
एपरैम ह अपनआप ला मयारूमन के हांथ म बेच दे हवय।
10 हालाकि ओमन अपनआप ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म बेच दे हवंय,
तभो ले मेंह अब ओमन ला एक संग इकट्ठा करहूं।
सक्तिसाली राजा के सताव के कारन
ओमन नास होय लगहीं।

11 "हालाकि एपरैम ह पाप-बलिदान बर बहुंत अकन बेदीमन ला बनाईस,
पर ये बेदीमन ओकर पाप करे के कारन बन गे हवंय।
12 मेंह ओमन बर अपन कानून के बहुंत बात लिखेंव,
पर ओमन ओ बातमन ला बाहिर के समझिन।
13 हालाकि ओमन भेंट के रूप म बलिदान चघाथें,
अऊ हालाकि ओमन मांस खाथें,
पर यहोवा ह ओमन ले खुस नइं ए।
अब ओह ओमन के दुस्टता के काममन ला सुरता करही
अऊ ओमन के पाप खातिर सजा दीही:

ओमन मिसर देस ला लहुंटहीं।
14 इसरायल ह अपन बनानेवाला ला भुला गे हवय
अऊ महलमन ला बनाय हवय;
यहूदा ह बहुंते नगरमन ला किलाबंदी करे हवय।
पर मेंह ओमन के सहरमन म आगी लगा दूहूं
जेकर ले ओमन के गढ़मन जलके भसम हो जाहीं।”

9

[illegible]
1 हे इसरायल, आनंद झन मना;
आने देसमन सहीं आनंद म मगन झन हो।
काबरकि तेंह अपन परमेसर के संग बिसवासघात करे हवस;
तेंह हर एक कोठार म
बेस्यागमन के कमई ला पसंद करथस।
2 कोठार अऊ अंगूर के रसकुंडमन ले मनखेमन ला खाना नइं मिलय;
नवां अंगूर के मंद घलो ओमन ला नइं मिलही।
3 ओमन* यहोवा के देस म रहे बर नइं पाहीं;
एपरैम ह मिसर देस ला लहुंट जाही
अऊ अस्सूर म ओमन असुध चीजमन ला खाहीं।
4 ओमन यहोवा ला अंगूर के मंद के भेंट नइं चघाहीं,
अऊ न ही ओमन के बलिदान ले परमेसर ह खुस होही।
ओ किसम के बलिदान ओमन बर सोक करइयामन के रोटी सहीं अय;
ओला खवइया जम्मो झन असुध हो जाहीं।
ये जेवन ह ओमन के खुद बर होही;
येला यहोवा के मंदिर म नइं लाय जाही।

5 तुमन अपन ठहिराय तिहारमन के दिन,
यहोवा के भोजमन के दिन म का करहू?
6 कहूं ओमन बिनास के दिन बच निकलथें,
त मिसर देस ह ओमन ला इकट्ठा करही,
अऊ मेमफीस† के निवासीमन ओमन ला माटी दीहीं।
कंटिली झाड़ीमन ओमन के चांदी के चीजमन ला ले लीहीं,
अऊ ओमन के तम्बूमन म कांटामन उगहीं।
7 सजा के दिनमन आवत हवंय,
बदला लेय के दिनमन लकठा म हवंय।
ये बात ला इसरायल जान लेवय।
काबरकि तुम्हर पापमन बहुंत हवंय
अऊ तुम्हर बईरता बहुंत जादा हवय,
अगमजानी ला मुरूख,
अऊ आतमा ले उकसाय मनखे ला बइहा समझे जाथे।
8 अगमजानी ह मोर परमेसर के संग
एपरैम के ऊपर पहरेदार हवय,
तभो ले ओकर जम्मो रद्दा म फांदा लगे हवय,

* **9:3** या *[illegible]* † **9:6** *[illegible]* येह पुराना मिसर देस के उत्तरी राजधानी रिहिस

अऊ ओकर परमेसर के घर म बईरता हवय।
9 ओमन गिबा के समय के सहीं
बहुंत भ्रस्टाचार म पड़े हवंय।
परमेसर ह ओमन के दुस्ट काममन ला सुरता करही
अऊ ओमन के पाप बर ओमन ला सजा दीही।

10 "मेंह इसरायल ला अइसने पायेंव,
जइसने कोनो ला निरजन जगह म अंगूर मिलथे;
जब मेंह तुम्हर पुरखामन ला देखेंव,
त येह अंजीर के रूख म लगे सुरूआती फर ला देखे सहीं रिहिस।
पर जब ओमन बाल-पेओर पहाड़ म आईन,
त ओमन ओ लज्जा के मूरती बर अपनआप ला पबितर करिन
अऊ ओमन ओतेक दुस्ट हो गीन, जतेक ओमन ओ चीजमन‡ ले मया करत रिहिन।
11 एपरैम के गौरव ह चिरई असन उड़ जाही—
न तो काकरो जनम होही, न कोनो देहें म होही, अऊ न ही कोनो ला गरभ ठहिरही।
12 चाहे ओमन अपन लइकामन के पालन-पोसन करंय, त घलो,
मेंह हर एक ला ओमन ले लेय लूहूं।
ओमन ऊपर हाय
जब मेंह ओमन ले दूरिहा हो जावंव!
13 मेंह एपरैम ला सूर के सहीं
मनभावन जगह म बसे हुए देखे हंव।
पर एपरैम ह अपन लइकामन ला
बध करइया करा ले आही।"

14 हे यहोवा, ओमन ला दे—
तेंह ओमन ला का देबे?
ओमन ला अइसन गरभ दे, जेकर ले गरभपात हो जाथे
अऊ अइसन थन दे, जेकर ले दूध नइं आवय।

15 "गिलगाल सहर म ओमन के जम्मो दुस्ट काम के कारन,
उहां मेंह ओमन ले घिन करेंव।
ओमन के पापमय काममन के खातिर,
मेंह ओमन ला अपन घर ले निकाल दूहूं।
मेंह ओमन ले अब मया नइं रखहूं;
ओमन के जम्मो अगुवामन बिदरोही अंय।
16 एपरैम ला बेमारी लग गे हवय,
ओमन के जरी ह सूखा गीस,
ओमन म फर नइं लगय।
चाहे ओमन लइकामन ला जनमांय घलो,
तभो ले मेंह ओमन के पाले-पोसे लइकामन ला मार डारहूं।"

17 मोर परमेसर ह ओमन ला स्वीकार नइं करही
काबरकि ओमन ओकर बात ला नइं माने हवंय;
ओमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच म भटकत फिरहीं।

‡ **9:10** या [illegible]

10

1 इसरायल ह एक ठन बढ़त अंगूर के नार रिहिस;
ओह अपन बर फर देवत रिहिस।
जइसन-जइसन ओकर फरमन बढ़त गीन,
ओह अऊ जादा बेदीमन* ला बनाईस;
जइसन-जइसन ओकर देस उन्नति करत गीस,
ओह अपन पबितर पथरामन ला सजाईस।
2 ओमन के मन ह धोखेबाज ए,
अऊ अब ओमन अपन अपराध के सजा जरूर पाहीं।
यहोवा ह ओमन के बेदीमन ला गिरा दीही
अऊ ओमन के पबितर पथरामन ला नास कर दीही।

3 तब ओमन कहिहीं, "हमर कोनो राजा नइं एं
काबरकि हमन यहोवा के आदर नइं करेंन।
पर कहूं हमर कोनो राजा होतिस घलो,
त ओह हमर बर का करतिस?"
4 ओमन बहुंत अकन वायदा करथें,
झूठा किरिया खाथें
अऊ करार करथें;
ये खातिर नांगर जोते खेत म उगे
जहरिला कांदी सहीं मुकदमामन होय लगथें।
5 जऊन मनखेमन सामरिया सहर म रहिथें
ओमन बेत-आवेन के बछुवा के मूरती के कारन डरात हवंय।
एकर मनखेमन एकर बर बिलाप करहीं,
अऊ अइसने ही एकर मूरती-पूजा करइया पुरोहितमन घलो करहीं,
जऊन मन कि पहिले एकर वैभव ऊपर आनंद मनात रिहिन,
काबरकि येला ओमन ले छीनके बंधुवई म ले लिये गे हवय।
6 येला बड़े राजा ला भेंट के रूप म देय बर
अस्सूर देस ला ले जाय जाही।
एपरैम ला लज्जित करे जाही;
इसरायल घलो बाहिरी मनखेमन संग अपन नाता के कारन लज्जित होही।
7 सामरिया के राजा ला अइसन नास करे जाही,
जइसन रूख के एक छोटे डारा ह पानी के बहाव म नास हो जाथे।
8 बुरई के ऊंच ठऊरमन नास करे जाहीं—
येह इसरायल के पाप अय।
कांटावाले पऊधा अऊ झाड़ीमन उगहीं
अऊ ओमन के बेदीमन ला ढांप लीहीं।
तब ओमन पहाड़मन ले कहिहीं, "हमन ला ढांप लेवव!"
अऊ पहाड़ीमन ले कहिहीं, "हमर ऊपर गिर जावव!"

9 "हे इसरायल, तेंह गिबा के समय ले पाप करत आय हवस,
अऊ तेंह अभी घलो ओहीच म बने हवस।
का दुस्ट काम करइयामन गिबा म
फेर लड़ई म नइं फंसहीं?
10 जब मोर ईछा होही, तब मेंह ओमन ला दंड दूहूं;

* **10:1** या [illegible]

आनजातमन, ओमन के दू गुना पाप के कारन
ओमन ला बंधन म डारे बर ओमन के बिरूध म इकट्ठा होहीं।
11 एपरैम ह एक सिखोय गय बछिया अय
जऊन ला अनाज मिंजई बने लगथे;
एकरसेति मेंह ओकर सुघर घेंच म
एक ठन जुड़ा ला रखहूं।
मेंह एपरैम ला चलाहूं,
यहूदा ला नांगर जोतना जरूरी अय,
अऊ जरूरी अय कि याकूब ह ढेला फोरय।
12 अपन बर धरमीपन के बीजा ला बोवव,
निस्कपट मया के फसल काटव,
अऊ बिगर जोताय खेत के माटी ला फोरव;
काबरकि येह यहोवा के खोज म रहे के समय ए,
जब तक कि ओह आके
तुम्हर ऊपर धरमीपन के बारिस नइं करय।
13 पर तुमन दुस्टता के बीजा लगाय हवव,
अऊ बुरई के फसल काटे हवव,
तुमन धोखा के फर ला खाय हवव।
काबरकि तुमन अपन खुद के सक्ति
अऊ अपन बहुंत अकन योद्धामन ऊपर भरोसा रखे रहेव।
14 तुम्हर मनखेमन के बिरूध लड़ई के ललकार होही,
ताकि तुम्हर जम्मो गढ़मन ला नास कर दिये जावय—
जइसन कि लड़ई के दिन, सलमन ह बेथ-आरबेल ला नास करिस,
जब दाईमन ला ओमन के लइकामन के संग भुइयां म पटकके मार डारे गे रिहिस।
15 हे बेतेल, तोर संग घलो अइसनेच होही,
काबरकि तेंह बहुंत दुस्ट काम करे हवस।
जब बिहनियां होही,
इसरायल के राजा ला पूरा नास कर दिये जाही।

11

[illegible]
1 "जब इसरायल ह लइका रिहिस, त मेंह ओला मया करेंव,
अऊ मिसर देस ले मेंह अपन बेटा ला बलांय।
2 पर जतेक जादा ओमन ला बलाय गीस,
ओतेक जादा ओमन मोर ले दूरिहा होवत गीन।
ओमन बाल देवतामन बर बलि चघाईन
अऊ ओमन मूरतीमन के आघू म धूप जलाईन।
3 ओह में रहेंव, जऊन ह एपरैम ला
हांथ धरके रेंगे बर सिखोईस;
पर ओमन ये बात ला नइं जानिन
कि ओह मेंहीच रहेंव, जऊन ह ओमन ला चंगा करिस।
4 मेंह मानव रूपी दया के डोरी ला,
मया के बंधन म गुंथके ओमन के अगुवई करेंव।
ओमन बर मेंह अइसने रहेंव,
जइसने कोनो छोटे लइका ला गाल तक ऊपर उठाथे,

अऊ मेंह खाल्हे निहरके ओमन ला जेवन करायेंव।

5 “का ओमन मिसर देस नइं लहुंटहीं
अऊ का अस्सूर के राजा ओमन ऊपर राज नइं करही
काबरकि ओमन पछ्ताप करे नइं चाहुंय?
6 ओमन के सहरमन म एक तलवार चमकही;
ओह ओमन के लबरा अगमजानीमन ला मार डारही
अऊ ओमन के योजनामन ला खतम कर दीही।
7 मोर मनखेमन मोर ले दूरिहा होय के ठान ले हवंय।
हालाकि ओमन मोला सर्वोच्च परमेसर कहिथें,
तभो ले मेंह ओमन के कोनो किसम ले परसंसा नइं करहूं।

8 “हे एपरैम, मेंह तोला कइसे छोंड़ सकत हंव?
हे इसरायल, मेंह तोला कोनो अऊ ला कइसे सऊंप दंव?
मेंह तोर संग अदमा नगर असन बरताव कइसे कर सकत हंव?
मेंह तोला सबोईम नगर के असन कइसे बना सकत हंव?
मोर हिरदय ह मोर भीतर म बदल गे हवय;
मोर जम्मो करूना जाग गे हवय।
9 मेंह अपन भयंकर कोरोध ला भड़कन नइं दंव,
न ही मेंह एपरैम ला फेर नास करहूं।
काबरकि मेंह मनखे नइं, परमेसर अंव—
तुम्हर बीच एक पबितर जन।
मेंह ओमन के सहरमन के बिरूध नइं आवंव।
10 ओमन यहोवा के पाछू चलहीं;
ओह एक सिंह सहीं गरजही।
जब ओह गरजही,
त ओकर लइकामन कांपत पछिम दिग ले आहीं।
11 ओमन मिसर देस ले,
गौरइया चिरईमन सहीं कांपत,
अऊ अस्सूर देस ले पंड़की असन पांखी फड़फड़ावत आहीं।
मेंह ओमन ला ओमन के घरमन म बसाहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

[illegible]
12 एपरैम ह मोर चारों कोति लबारी के,
अऊ इसरायल ह धोखा के कुढ़ा लगा दे हवय।
अऊ यहूदा ह उदंड होके परमेसर के बिरूध हवय,
अऊ त अऊ ओह बिसवासयोग्य पबितर जन के बिरूध हवय।*

12

1 एपरैम* ह हवा ला खाथे;
ओह पूरा दिन पूरब के हवा के पीछा करथे
अऊ अपन लबारी गोठ अऊ हिंसा ला बढ़ावत रहिथे।
ओह अस्सूर देस के संग करार करथे
अऊ मिसर देस ला जैतून के तेल पठोथे।

* **11:12** इबरानी म ये पद (11:12) ला 12:1 म गने गे हवय * **12:1** इसरायली मनखे

2 यहूदा के बिरूध यहोवा के आरोप हे;
ओह याकूब† ला ओकर चालचलन के मुताबिक सजा दीही
अऊ ओकर काममन के मुताबिक ओला बदला दीही।
3 अपन दाई के कोख ही म, ओह अपन भाई के एड़ी ला पकड़ ले रिहिस;
एक मनखे के रूप म ओह परमेसर के संग लड़िस।‡
4 ओह स्वरगदूत के संग लड़िस अऊ स्वरगदूत ऊपर जय पाईस;
ओह रोईस अऊ ओकर ले किरपा करे बर बिनती करिस।
बेतेल म ओह परमेसर ले मिलिस
अऊ उहां ओह ओकर ले गोठियाईस—
5 यहोवा, सर्वसक्तिमान परमेसर,
यहोवा ओकर नांव अय।
6 पर ये जरूरी अय कि तें अपन परमेसर करा लहुंट आ;
मया अऊ नियाय के काम करते रह,
अऊ हमेसा अपन परमेसर ऊपर भरोसा रख।

7 बेपारी ह नाप-तौल म बेईमानी करथे
अऊ छल-कपट करई ओला बने लगथे।
8 एपरैम ह ये घमंड करथे,
"मेंह बहुंत धनवान अंव, मेंह धनी हो गे हवंव।
मोर जम्मो संपत्ति के संग ओमन
मोर म कोनो अपराध या पाप नइं पाहीं।"

9 "जब ले तेंह मिसर देस ले निकलके आय
में यहोवा तोर परमेसर अंव;
मेंह फेर तोला तम्बूमन म बसाहूं,
जइसन कि तुम्हर ठहिराय तिहार के दिनमन म होवत रिहिस।
10 मेंह अगमजानीमन ले गोठियांय,
ओमन ला कतको दरसन देखांय
अऊ ओमन के जरिये पटंतर कहेंव।"

11 का गिलाद सहर ह दुस्ट ए?
येकर मनखेमन बेकार अंय!
का ओमन गिलगाल म बईलामन के बलिदान करथें?
ओमन के बेदीमन जोते गय खेत म
पथरामन के ढेर सहीं होहीं।
12 याकूब ह अराम देस ला भाग गीस;
इसरायल ह एक घरवाली पाय बर सेवा करिस,
अऊ ओकर दाम चुकाय बर ओह भेड़मन ला चराईस।
13 यहोवा ह इसरायल ला मिसर ले निकाले बर एक अगमजानी के उपयोग करिस,
एक अगमजानी के दुवारा ओह ओकर खियाल रखिस।
14 पर एपरैम ह यहोवा के कोरोध ला बहुंत भड़काय हवय;
ओकर परभू ह ओकर दुवारा करे गय खून के दोस ओकरे ऊपर रहन दीही
अऊ ओकर अनादर करे के कारन ओकर ले बदला लीही।

---

† **12:2** ??????? के मतलब होथे ?? ???? ?? ????, या ?? ????? ?????? या ?? ???? ???? ‡ **12:3** देखव उत 25:26; 32:24

13

[illegible]

1 जब एपरैम ह गोठियावय, त मनखेमन कांपंय;
ओह इसरायल म बड़े आदमी रिहिस।
पर ओह बाल देवता के अराधना करे के दोसी होईस अऊ मर गीस।
2 अब ओमन अऊ जादा पाप करत हें;
ओमन अपन चांदी ले अपन बर मूरती बनाथें,
मूरतीमन म बुद्धिमानी से कारीगरी करे गे हवय,
ये जम्मो सिल्पकारमन के काम अय।
ये मनखेमन के बारे म कहे जाथे,
"ओमन मानव बलि चघाथें!
ओमन बछवा के मूरतीमन ला चूमथें!"
3 ये खातिर ओमन बिहनियां के कुहरा,
बड़े बिहनियां पड़े ओस सहीं अंय, जऊन ह अइसन गायब होथे,
जइसन कोठार ले भूंसी ह हवा म उड़ियाथे,
जइसन खिड़की ले धुआं बाहिर निकल जाथे।

4 "पर मेंह तब ले यहोवा तोर परमेसर अंव,
जब ले तें मिसर देस ले निकलके आय।
तें मोर छोंड़ कोनो अऊ ला परमेसर करके झन मानबे,
मोला छोंड़ कोनो अऊ उद्धार करइया नइं ए।
5 मेंह उजाड़ निरजन जगह म,
गरमी ले तपत देस म तोर खियाल रखेंव।
6 जब मेंह ओमन ला जेवन करांय, त ओमन खाके अघा गीन;
जब ओमन खाके अघा गीन, त ओमन घमंडी हो गीन;
तब ओमन मोला बिसरा दीन।
7 एकरसेति मेंह ओमन बर एक सिंह असन होहूं;
एक चीतवा के असन मेंह ओमन के रद्दा म घात म रहिहूं।
8 मेंह ओ माई भालू सहीं बनहूं, जेकर लइकामन ला छीन लिये गे हवय,
मेंह ओमन ऊपर हमला करहूं अऊ ओमन ला फाड़ डालहूं;
एक सिंह असन ओमन ला फाड़ डालहूं—
एक जंगली पसु ह ओमन ला फाड़के अलग-अलग कर दीही।

9 "हे इसरायल, तोर बिनास होईस,
काबरकि तेंह मोर बिरूध, अपन मददगार के बिरूध हवस।
10 तोर राजा कहां हवय, कि ओह तोला बचावय?
कहां हवंय तोर जम्मो नगरमन के सासन करइयामन,
जेमन के बारे म तेंह कहे रहे,
'मोला एक राजा अऊ हाकिम दे'?
11 एकरसेति कोरोध म आके मेंह तोला एक राजा देंव,
अऊ अपन कोरोध म ही मेंह ओला हटा देंव।
12 एपरैम के अपराध बहुंत हो गे हवय,
ओकर पाप के हिसाब-किताब रखाय हवय।
13 ओला एक माईलोगन के लइका जनमाय सहीं पीरा होही,
पर ओह बिगर बुद्धि के एक लइका ए;

जब जनमे के बेरा होथे,
त ओला गरभ ले बाहिर आय के गियान नइं रहय।

14 “मेंह ये मनखेमन ला कबर के सक्ति ले छुटकारा दूहूं;
मेंह ओमन ला मिरतू ले बचाहूं।
हे मिरतू, कहां हवय तोर महामारीमन?
हे कबर, कहां हवय तोर बिनास?

“मेंह कुछू करूना नइं करंव,
15 चाहे एपरैम ह अपन भाईमन के बीच म उन्नति करे।
एक पूरब के हवा यहोवा कोति ले
मरू-भुइयां ले आही;
ओकर सोता ले पानी निकलई बंद हो जाही
अऊ ओकर कुआं ह सूखा जाही।
ओकर गोदाम म रखे
जम्मो कीमती चीजमन ला लूट लिये जाही।
16 जरूरी अय कि सामरिया के मनखेमन अपन अपराध के दंड भोगंय,
काबरकि ओमन अपन परमेसर ले बिदरोह करे हवंय।
ओमन तलवार ले मारे जाहीं;
ओमन के छोटे लइकामन ला भुइयां म पटक दिये जाही,
अऊ ओमन के गरभवती माईलोगनमन के पेट ला चीर दिये जाही।”*

14

[illegible]

* 1 हे इसरायल, यहोवा अपन परमेसर करा लहुंट आ।
तोर पापमन तोर पतन होय के कारन अंय!
2 यहोवा के बातमन ला मान
अऊ ओकर मेर लहुंट आ।
ओकर ले बिनती करके कह:
“हमर जम्मो पापमन ला छेमा कर
अऊ अनुग्रह के संग हमन ला गरहन कर,
कि हमन अपन मुहूं ले धनबाद रूपी भेंट चघा सकन।
3 अस्सूर ह हमर उद्धार नइं कर सकय;
हमन लड़ई के घोड़ामन ऊपर सवार नइं होवन।
हमन अपन हांथ ले बनाय मूरतीमन ला
फेर कभू नइं कहन ‘हमर देवता’,
काबरकि अनाथ ला तोर ले ही करूना मिलथे।”

4 यहोवा ह कहिथे, “मेंह ओमन के हठी सुभाव ला ठीक करहूं
अऊ खुला रूप ले ओमन ले मया करहूं,
काबरकि मोर कोरोध ह ओमन के ऊपर ले हट गे हवय।
5 मेंह इसरायल बर ओस असन होहूं;
ओह कुमुदिनी फूल असन खिलही।

* **13:16** इबरानी म ये पद (13:16) ला 14:1 म गने गे हवय * **14:** इबरानी म 14:1-9 ला 14:2-10 गने गे हवय

लबानोन के देवदार रूख असन
ओकर जरीमन खाल्हे गहिरा म जाहीं;
6 ओकर कोअंर पीकामन बाढ़हीं।
ओकर सोभा एक जैतून रूख सहीं होही,
अऊ ओकर खुसबू लबानोन के देवदार रूख सहीं होही।
7 मनखेमन फेर ओकर छइहां म निवास करहीं;
ओमन अनाज के असन बाढ़हीं,
ओमन अंगूर के नार असन फूलहीं-फरहीं—
इसरायल के खियाती ह लबानोन के अंगूर के मंद कस होही।
8 हे एपरैम, मूरतीमन ले अब मोर का काम?
मेंह ओला जबाब दूहूं अऊ ओकर खियाल रखहूं।
मेंह बाढ़त सनोवर के रूख असन अंव;
तोर म फर धरई ह मोर कारन होथे।”

9 बुद्धिमान कोन ए? ओमन ला ये बातमन के अनुभव करन दव।
समझदार कोन ए? ओमन ला समझन दव।
यहोवा के रद्दामन सही अंय;
धरमीमन ओमा चलथें,
पर बिदरोही मनखेमन ओमा ठोकर खाके गिरथें।

योएल
के किताब

1 यहोवा के ओ बचन जऊन ह पतूएल के बेटा योएल मेर आईस।

[illegible]

2 हे अगुवामन, ये बात ला सुनव;
हे यहूदा देस म रहइया जम्मो मनखेमन, सुनव।
का तुम्हर समय म
या तुम्हर पुरखामन के समय म अइसन कोनो बात कभू होईस?
3 अपन लइकामन ला ये बात बतावव,
अऊ तुम्हर लइकामन ये बात ला अपन लइकामन ला बतावंय,
अऊ ओ लइकामन ओमन के आघू के पीढ़ी ला बतावंय।
4 टिड्डीमन के दल ह जऊन ला छोंड़ दे रिहिन
ओला बड़े टिड्डीमन खा ले हवंय;
जऊन ला बड़े टिड्डीमन छोंड़ दे रिहिन
ओला छोटे टिड्डीमन खा ले हवंय;
जऊन ला छोटे टिड्डीमन छोंड़ दे रिहिन
ओला आने टिड्डीमन खा ले हवंय।

5 हे मतवारमन जागव, अऊ रोवव!
हे जम्मो मंद पीनेवालामन, बिलाप करव;
नवां मंद के कारन बिलाप करव,
काबरकि येला तुम्हर मुहूं ले छीन ले गे हवय।
6 मोर देस ऊपर एक जाति ह चढ़ई कर दे हवय,
ओह एक सक्तिसाली सेना ए अऊ ओमन के संखिया अनगिनत हे,
ओकर दांत सिंह के दांत सहीं,
ओकर जबड़ा सिंहनी के जबड़ा सहीं हवय।
7 ओह मोर अंगूर के नारमन ला उजाड़ दे हवय
अऊ मोर अंजीर के रूखमन ला नास कर दे हवय।
ओह ओमन के छाली ला निकाल दे हवय
अऊ ओमन के साखामन ला सफेद छोंड़के
ओमन के छाली ला फटिक दे हवय।

8 अइसन बिलाप करव, जइसन एक कुंवारी ह बोरा के कपड़ा पहिरे
अपन जवानी म मंगेतर बर सोक करथे।
9 यहोवा के घर म
न तो अन्न-बलिदान अऊ न ही पेय-बलिदान चघाय जाथे।
यहोवा के सेवा करइया पुरोहितमन
बिलाप करत हवंय।
10 खेतमन नास हो गे हवंय,
भुइयां ह सूखा गे हवय;
अनाज ह नास हो गे हवय,
नवां अंगूर के मंद ह सूखा गे हवय,

जैतून के तेल खतम होवथे।

11 हे किसानमन, निरास होवव,
हे अंगूर के नार लगानेवालामन, बिलाप करव;
गहूं अऊ जौ के अनाज बर दुखी होवव,
काबरकि खेत के फसल ह नास हो गे हवय।
12 अंगूर के नार ह सूखा गे हवय
अऊ अंजीर के रूख ह मुरझा गे हवय;
अनार, खजूर अऊ सेव के रूख—
मैदान के जम्मो रूख—सूखा गे हवंय।
सही म मनखे के आनंद ह
खतम हो गे हवय।

[illegible]

13 हे पुरोहितमन, बोरा के कपड़ा पहिरके बिलाप करव;
तुमन जऊन मन बेदी करा सेवा करथव, बिलाप करव।
तुमन जऊन मन मोर परमेसर के आघू म सेवा करथव
आवव, अऊ बोरा के कपड़ा पहिरके रथिया बितावव;
काबरकि तुम्हर परमेसर के घर म
अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान चघाय बर बंद कर दिये गे हवय।
14 एक पबितर उपास के घोसना करव;
एक पबितर सभा के आयोजन करव।
अगुवामन ला अऊ ओ जम्मो
जऊन मन देस म रहिथें ओमन ला
यहोवा तुम्हर परमेसर के घर म बलावव,
अऊ यहोवा के आघू म गिड़गिड़ाके बिनती करव।

15 ओ दिन बर हाय!
काबरकि यहोवा के दिन ह लकठा म हवय;
येह सर्वसक्तिमान* कोति ले बिनास के दिन बनके आही।

16 का हमर देखत म
दाना-पानी बंद नइं हो गीस—
अऊ एही किसम ले हमर परमेसर के घर ले
आनंद अऊ खुसी खतम नइं हो गीस?
17 माटी के ढेलामन के खाल्हे
बीजामन झुलस गे हवंय।
गोदाममन खंडहर होवत हें,
अन्न-भंडारमन ला गिरा दिये गे हवय,
काबरकि फसल नइं होईस।
18 पसुमन कइसे कराहत हवंय!
पसुमन के झुंडमन बियाकुल होके भटकत हवंय
काबरकि ओमन बर चरागन नइं ए;
इहां तक कि भेड़मन के झुंड घलो तकलीफ म हवंय।

* **1:15** इबरानी म [illegible]

19 हे यहोवा, मेंह तोला पुकारत हंव,
काबरकि सुनसान जगह के चरागनमन ला आगी ह नास कर दे हवय
अऊ आगी के लपटा ले मैदान के जम्मो रूखमन जर गे हवंय।
20 अऊ त अऊ जंगली पसुमन तोर कामना करथें;
पानी के सोतमन सूखा गे हवंय
अऊ सुन्ना जगह के चरागनमन ला आगी ह नास कर दे हवय।

2

[illegible]
1 सियोन म तुरही फूंकव;
मोर पबितर पहाड़ी म खतरा के घंटी बजावव।

देस म रहइया जम्मो झन कांपंय,
काबरकि यहोवा के दिन आवत हे।
ओह लकठा म आ गे हवय—
2 ओ दिन ह अंधियार अऊ धुंधलापन के दिन अय,
ओह बादर ले भरे अंधियार के दिन अय।
जइसने पहाड़ ऊपर बिहनियां के अंजोर बगरथे
वइसने ही एक बड़े अऊ सक्तिसाली सेना आथे,
अइसने बात जऊन ह कि पुराना जमाना म कभू नइं होईस
अऊ न ही अवइया समय म कभू अइसने होही।

3 ओमन के आघू म आगी ह बिनास के काम करथे,
ओमन के पाछू कोति आगी के लपटा उठथे।
ओमन के आघू म देस ह अदन के बगीचा सहीं हवय,
अऊ ओमन के पाछू, एक उजाड़ मरू-भुइयां—
कोनो चीज ओमन ले नइं बचय।
4 ओमन घोड़ामन सहीं दिखथें;
ओमन घुड़सवार सेना सहीं सरपट भागथें।
5 रथमन सहीं अवाज के संग
ओमन पहाड़ के चोटीमन ऊपर कूद जाथें,
धधकत आगी सहीं ओमन ठूंठमन ला भसम करत जाथें,
ओमन लड़ई बर तियार सक्तिसाली सेना सहीं अंय।

6 ओमन के नजर पड़त ही जाति-जाति के मनखेमन पीरा म पड़ जाथें;
हर एक के चेहरा ह डर ले पिंवरा पड़ जाथे।
7 ओमन योद्धा सहीं हमला करथें;
ओमन सैनिकमन सहीं सहर के दीवारमन ऊपर चढ़ जाथें।
ओमन जम्मो कतार म होके आघू बढ़थें,
ओमन अपन क्रम ले नइं हटंय।
8 ओमन एक-दूसर ला नइं ढकेलंय;
हर एक ह सीधा आघू बढ़थे।
ओमन अपन क्रम ला बिगर टोरे
समस्या ले होके निकल जाथें।
9 ओमन तेजी ले सहर म घुसरथें;
ओमन दीवारमन के तीरे-तीर दऊड़थें।

ओमन घरमन म चघ जाथें;
ओमन चोरमन सहीं खिड़कीमन ले भीतर घुसरथें।

10 ओमन के आघू म धरती ह डोल जाथे,
अकास ह कांपथे,
सूरज अऊ चंदा धुंधला हो जाथें,
अऊ तारामन फेर नइं चमकंय।
11 यहोवा ह अपन सेना के आघू म होके
ऊंचहा अवाज म आदेस करथे;
ओकर सेना के संखिया अनगिनत हे,
अऊ ओ सेना ह सक्तिसाली ए, जऊन ह ओकर आदेस ला मानथे।
यहोवा के दिन ह महान ए;
येह भयानक ए।
येला कोन ह सह सकथे?

??? ?? ?? ????

12 "तभो ले अब," यहोवा ह घोसना करत हे,
"तुमन अपन पूरा मन से उपास करत
अऊ रोवत अऊ बिलाप करत मोर करा लहुंट आवव।"

13 अपन कपड़ामन ला नइं,
पर अपन मन ला चीरव।
यहोवा अपन परमेसर करा लहुंट आवव,
काबरकि ओह अनुग्रहकारी अऊ करूनामय,
गुस्सा करे म धीमा अऊ बहुंत मया करइया ए,
अऊ बिपत्ति भेजे म नमरता देखाथे।
14 कोन जाने? ओह अपन बिचार ला बदलके नमरता देखाय
अऊ अपन पाछू एक आसीस छोंड़ जाय—
यहोवा तुम्हर परमेसर बर
अन्न-बलिदान अऊ पेय-बलिदान।

15 सियोन म तुरही फूंकव,
एक पबितर उपास के घोसना करव,
एक पबितर सभा करव।
16 मनखेमन ला इकट्ठा करव,
सभा ला पबितर करव;
अगुवामन ला एक संग लानव,
लइकामन ला, दूध पीयइया छोटे लइकामन ला
इकट्ठा करव।
दूल्हा अपन कमरा ला
अऊ दुलहिन अपन कोठरी ला छोंड़के बाहिर आवंय।
17 पुरोहित, जेमन यहोवा के आघू म सेवा करथें,
मंडप अऊ बेदी के बीच म रोवंय।
ओमन कहंय, "हे यहोवा, अपन मनखेमन ला बचा।
अपन खुद के मनखेमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म
ठट्ठा के बिसय, एक कहावत झन बना।
ओमन मनखेमन के बीच म काबर कहंय,

‘कहां हवय ओमन के परमेसर?’ ”

?????? ?? ????

18 तब यहोवा ला अपन देस बर जलन होईस
अऊ ओह अपन मनखेमन ऊपर तरस खाईस।
19 यहोवा ह ओमन ला जबाब दीस:
“मेंह तुम्हर बर अनाज, नवां अंगूर के मंद
अऊ जैतून के तेल भरपूर मात्रा म पठोवत हवंव,
ताकि तुमन पूरा संतुस्ट हो जावव;
मेंह तुमन ला आनजातमन बर
फेर कभू हंसी के पात्र नइं बनावंव।

20 “मेंह उत्तर के उपदरवी दल ला तुम्हर ले दूरिहा भगा दूहूं,
अऊ ओला एक सूखा अऊ बंजर देस कर दूहूं;
ओकर पूरब के भाग मिरतू सागर
अऊ पछिमी भाग भूमध्य सागर म डूब जाही।
अऊ येकर दुरगंध ह ऊपर जाही;
येकर गंध ह उठते रहिही।”

सही म ओह बड़े-बड़े काम करे हवय!
21 हे यहूदा देस, झन डर;
खुस अऊ आनंदित हो।
सही म यहोवा ह बड़े-बड़े काम करे हवय!
22 हे जंगली पसुमन, झन डरव,
काबरकि निरजन जगह के चरागनमन हरा-भरा होवत हें।
रूखमन म फर लगत हवंय;
अंजीर के रूख अऊ अंगूर के नार भरपूर फसल देवत हें।
23 हे सियोन के मनखेमन, खुस रहव,
यहोवा अपन परमेसर म आनंदित रहव,
काबरकि ओह तुमन ला सरद महिना के बारिस दे हवय
काबरकि ओह बिसवासयोग्य अय।
ओह तुमन ला बहुंत बारिस दे हवय,
पहिले सहीं सरद अऊ बसन्त महिना के बारिस दे हवय।
24 कोठार ह अनाज ले भर जाही;
कुंडमन नवां अंगूर के मंद अऊ तेल के बहुंतायत के कारन छलके लगहीं।

25 “मेंह तुमन ला ओ जम्मो बछर के फसल के भरपई कर दूहूं, जऊन ला फांफामन खा ले हवंय—
बड़े फांफा अऊ छोटे फांफा,
आने फांफा अऊ फांफामन के दल—
मोर बड़े सेना जऊन ला मेंह तुम्हर बीच म पठोय रहेंव।
26 तुम्हर करा खाय बर बहुंत जेवन होही अऊ तुमन पेट भर खाहू,
अऊ तुमन यहोवा अपन परमेसर के नांव के इस्तुति करहू,
जऊन ह तुम्हर बर अद्भूत काम करे हवय;
मोर मनखेमन फेर कभू लज्जा म नइं पड़हीं।
27 तब तुमन जानहू कि मेंह इसरायल म हवंव,

अऊ ये कि मेंह यहोवा तुम्हर परमेसर अंव,
अऊ ये कि मोर अलावा अऊ कोनो परमेसर नइं ए;
मोर मनखेमन फेर कभू लज्जा म नइं पड़हीं।

[illegible]

28 "अऊ ओकर बाद,
मेंह अपन आतमा ला जम्मो मनखेमन ऊपर उंडेलहूं।
तुम्हर बेटा अऊ बेटीमन अगमबानी करहीं,
अऊ तुम्हर सियानमन सपना देखहीं,
तुम्हर जवानमन दरसन देखहीं।
29 मेंह अपन दास अऊ अपन दासीमन ऊपर घलो
ओ दिन म अपन आतमा उंडेलहूं।
30 मेंह ऊपर अकास म
अऊ खाल्हे धरती म अद्भूत काम,
याने कि लहू, आगी अऊ धुआं के बादर देखाहूं।
31 यहोवा के महान अऊ भयानक दिन के आय के पहिली
सूरज ह अंधियार
अऊ चंदा ह लहू सहीं हो जाही।
32 अऊ हर एक, जऊन ह यहोवा के नांव लीही,
ओह उद्धार पाही;
काबरकि छुटकारा सियोन पहाड़
अऊ यरूसलेम म होही,
जइसने कि यहोवा ह कहे हवय,
अऊ त अऊ बचनेवालामन म ओ मनखेमन घलो होहीं
जेमन ला यहोवा ह बलाही।

3

[illegible]

* 1 "ओ दिनमन म अऊ ओ समय म,
जब में यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन के जिनगी ला फेर ठीक कर दूहूं,
2 त में जम्मो जाति के मनखेमन ला इकट्ठा करहूं
अऊ ओमन ला खाल्हे यहोसापात† के घाटी म ले आहूं।
उहां मेंह ओमन के ओ काम बर परिछा करहूं
जऊन काम ओमन मोर निज भाग, मोर मनखे इसरायलीमन संग करे हवंय,
काबरकि ओमन मोर मनखेमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म तितिर-बितिर कर दे हवंय
अऊ मोर देस के बंटवारा कर दे हवंय।
3 ओमन मोर मनखेमन बर चिट्ठी निकालथें
अऊ बेस्यामन के बदला म लड़कामन ला देय दे हवंय;
ओमन मंद पीये बर नोनीमन ला बेच दे हवंय।
4 "हे सूर अऊ सीदोन अऊ पलिस्ती के जम्मो इलाका के मनखेमन, अब तुम्हर करा मोर बिरूध म का हवय? जऊन काम मेंह करे हवंव, का तुमन ओकर बदला चुकावत हव? यदि तुमन मोला वापिस बदला चुकावत हव, त में तुरते, जल्दी करत, तुम्हर दुवारा करे गे काममन ला वापिस तुम्हरेच मुड़ म डार दूहूं।

---

* **3:** इबरानी म 3:1-21 ला 4:1-21 गने गे हवय † **3:2** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

5 काबरकि तुमन मोर सोन अऊ मोर चांदी ला लेय ले हव अऊ मोर कीमती खजानामन ला अपन मंदिर‡ म ले
गेय हव।
6 तुमन यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन ला यूनानीमन के हांथ म बेच दे हवव, ताकि तुमन ओमन ला
ओमन के देस ले दूरिहा पठो सकव।
7 "देखव, मेंह ओमन ला ओ जगहमन ले लहुंटाके लानेवाला हंव, जिहां तुमन ओमन ला बेच दे रहेव, अऊ
तुम्हर करे गे काममन ला वापिस तुम्हरेच मुड़ ऊपर डाल दूहूं।
8 मेंह तुम्हर बेटा अऊ बेटीमन ला यहूदा के मनखेमन के हांथ म बेच दूहूं, अऊ यहूदा के मनखेमन ओमन ला
बहुंत दूर रहइया एक जाति सबायीमन के हांथ म बेच दीहीं।" यहोवा ह कहे हवय।
9 जाति-जाति के मनखेमन के बीच म ये घोसना करव:
लड़ई के तियारी करव!
योद्धामन ला उत्तेजित करव!
लड़इया जम्मो मनखेमन लकठा म आवंय अऊ हमला करंय।
10 अपन नांगर के फाल ला पीटके तलवार बना लव
अऊ अपन हंसियामन ला पीटके ओमन के बरछी बना लव।
जऊन ह दुरबल हवय, ओह कहय,
"मेंह बलवान अंव!"
11 हे चारों कोति के जाति-जाति के जम्मो मनखेमन, जल्दी आवव,
अऊ उहां तुमन जूरव।

हे यहोवा, अपन योद्धामन ला खाल्हे ले आ!

12 "जाति-जाति के मनखेमन उत्तेजित होवंय;
अऊ ओमन यहोसापात के घाटी म जावंय,
काबरकि मेंह उहां चारों कोति के जाति-जाति के
जम्मो मनखेमन के नियाय करे बर बईठहूं।
13 हंसिया चलाय के सुरू करव,
काबरकि फसल ह पाक गे हवय।
आवव, अंगूर ला रऊंदव,
काबरकि अंगूर-रस के कुंड ह भर गे हवय
अऊ कुंडमन छलकत हवंय—
ओमन के दुस्टता बहुंत जादा हो गे हवय!"

14 निरनय के घाटी म
मनखेमन के भीड़ ही भीड़ हवय!
काबरकि निरनय के घाटी म
यहोवा के दिन ह लकठा म हवय।
15 सूरज अऊ चंदा म अंधियार छा जाही,
अऊ तारामन के चमकई ह बंद हो जाही।
16 यहोवा ह सियोन ले गरजही
अऊ यरूसलेम ले गरजन सुनई दीही;
अकास अऊ धरती कांप उठहीं।
पर यहोवा ह अपन मनखेमन बर एक सरन-स्थान,
अऊ इसरायल के मनखेमन बर एक सुरकछा गढ़ होही।

[illegible]
17 "तब तुमन जानहू कि मेंं, यहोवा ही तुम्हर परमेसर अंव,

‡ **3:5** या [illegible]

अऊ अपन पबितर पहाड़ी, सियोन म निवास करथंव।
यरूसलेम ह एक पबितर सहर होही;
परदेसीमन फेर कभू ओकर ऊपर हमला नइं करहीं।

18 “ओ दिन पहाड़मन ले नवां अंगूर के मंद टपकही,
अऊ पहाड़ीमन ले दूध के धारा बोहाही;
यहूदा के जम्मो टीलामन म पानी बोहाही।
यहोवा के घर ले पानी के एक सोता फूट निकलही
अऊ सित्तीम घाटी§ के सिंचई करही।
19 पर मिसर देस उजाड़ हो जाही,
अऊ एदोम ह एक बेकार निरजन देस हो जाही,
काबरकि येमन यहूदा के मनखेमन ऊपर अतियाचार करिन,
अऊ येमन ओमन के देस म निरदोस मनखेमन के खून बोहाईन।
20 यहूदा म मनखेमन हमेसा निवास करत रहिहीं
अऊ यरूसलेम म मनखेमन पीढ़ी-पीढ़ी तक रहिहीं।
21 का में ओ निरदोस मनखेमन के खून के बदला लिये बिगर छोंड़ दंव?
नइं, बिलकुल नइं।”

यहोवा ह सियोन म निवास करथे!

§ **3:18** या [illegible]

आमोस
के किताब

1 येह आमोस के बचन अय। ओह तकोआ नगर के चरवाहामन म ले एक झन रिहिस; अऊ भुइंडोल के दू
बछर पहिली इसरायल के बारे म ये दरसन देखिस, जब यहूदा प्रदेस के राजा उजियाह रिहिस अऊ इसरायल
प्रदेस के राजा यहोआस के बेटा यरोबाम रिहिस।

2 आमोस ह कहिस:
"यहोवा ह सियोन ले गरजथे,
अऊ यरूसलेम ले ओकर सबद ह गूंजथे;
चरवाहामन के चरागनमन सूखा जाथें।
अऊ करमेल पहाड़ के टीप ह अइला जाथे।"

[illegible]

3 यहोवा ह ये कहत हे:
"दमिस्क सहर के तीन पाप,
बल्कि चार पापमन के कारन मेंह ओमन ला सजा देय बिगर नइं छोड़ंव।
काबरकि ओह गिलाद ला
लोहा के दांतवाला हथियार ले दुख दे हवय,
4 मेंह हजाएल के परिवार ऊपर आगी बरसाहूं,
अऊ ओ आगी ह बेन-हदद के गढ़मन ला भसम कर दीही।
5 मेंह दमिस्क के दुवार ला टोर दूहूं,
मेंह आवेन* घाटी के राजा
अऊ बेत-एदेन सहर के राजदंडधारी ला नास कर दूहूं।
अऊ अराम के मनखेमन कीर देस के बंधुवई म जाहीं,"
यहोवा ह कहत हे।
6 यहोवा ह ये कहत हे:
"गाजा सहर के तीन पाप,
बल्कि चार पापमन के कारन मेंह ओला सजा देय बर नइं छोड़ंव,
काबरकि ओह पूरा समाज ला कैदी बनाके
एदोम देस के मनखेमन करा बेच दे हवय,
7 मेंह गाजा के दीवारमन म आगी बरसाहूं,
जऊन ह ओकर किलामन ला भसम कर दीही।
8 मेंह असदोद के राजा अऊ अस्कलोन के राजदंडधारी ला नास करहूं।
मेंह एकरोन ऊपर अपन हांथ चलाहूं,
जब तक कि आखिरी पलिस्ती मनखे घलो नइं मार डारे जाही,"
परमपरधान यहोवा ह कहत हे।
9 यहोवा ह ये कहत हे:
"सूर सहर के तीन पाप,
बल्कि चार पाप के कारन मेंह ओला सजा देय बिगर नइं छोड़ंव।
काबरकि ओह पूरा समाज ला बंधुवा बनाके एदोम करा बेच दीस,
अऊ भाई-चारा के करार ला नइं मानिस।

---

* **1:5** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

10 मेंह सूर के दीवारमन म आगी बरसाहूं
जऊन ह ओकर किलामन ला भसम कर दीही।”
11 यहोवा ह ये कहत हे:
“एदोम के तीन पाप,
बल्कि चार पाप के कारन मेंह ओला सजा देय बिगर नइं छोड़ंव।
काबरकि ओह तलवार लेके अपन भाईमन के पीछा करिस
अऊ देस के माईलोगनमन ला काट डारिस,
काबरकि ओकर रिस ह लगातार बढ़त गीस
अऊ ओकर कोरोध ह रूकबे नइं करिस
12 एकरसेति मेंह तेमान सहर म आगी लगाहूं,
जऊन ह बोसरा नगर के किलामन ला भसम कर दीही।”
13 यहोवा ह ये कहत हे:
“अमोन के तीन पाप,
बल्कि चार पाप के कारन मेंह ओमन ला सजा देय बिगर नइं छोड़ंव।
काबरकि ओह अपन सिवाना ला बढ़ाय बर
गिलाद देस के गरभवती माईलोगन के पेट ला चीर डारिस
14 एकरसेति मेंह रब्बा के दीवारमन म आगी लगाहूं
जऊन ह लड़ई के दिन लड़ई के ललकार के बीच,
अऊ आंधी चले के दिन हिंसक गरेर के बीच
ओकर किलामन ला भसम कर दीही।
15 ओकर राजा† ह बंधुवई म जाही,
ओ अऊ ओकर करमचारीमन एक संग बंधुवई म जाहीं,”
यहोवा ह कहत हे।

2

1 यहोवा ह ये कहत हे:
“मोआब के तीन पाप
बल्कि चार पापमन के कारन
मेंह ओला सजा देय बिगर नइं छोड़ंव।
काबरकि ओह एदोम के राजा के हाड़ामन ला
जलाके राख कर दीस,
2 मेंह मोआब म आगी लगाहूं
जऊन ह करियोत सहर के किलामन ला जलाके भसम कर दीही।
मोआब ह बड़े हुल्लड़ म
लड़ई के ललकार अऊ तुरही के अवाज के बीच नास हो जाही।
3 मेंह मोआब के सासन करइया ला अऊ ओकर संग जम्मो अधिकारीमन ला मार डारहूं,”
यहोवा ह कहत हे।
4 यहोवा ह ये कहत हे:
“यहूदा के तीन पाप,
बल्कि चार पापमन के कारन, मेंह ओला सजा देय बिगर नइं छोड़ंव।
काबरकि ओमन यहोवा के कानून ला नइं मानिन
अऊ ओकर नियममन के पालन नइं करिन,
काबरकि ओमन लबरा देवतामन के पाछू चल दीन,
ओ देवता, जऊन मन के पाछू म ओमन के पुरखामन रेंगंय,

† **1:15** या [illegible]

5 एकरसेति मेंह यहूदा म आगी लगाहूं
जऊन ह यरूसलेम के किलामन ला भसम कर दीही।”

[illegible]

6 यहोवा ह ये कहत हे:
“इसरायल के तीन पाप,
बल्कि चार पापमन के कारन, मेंह ओला सजा देय बिगर नइं छोड़ंव।
ओमन निरदोस ला चांदी बर
अऊ गरीबमन ला एक जोड़ी जूता खातिर बेच देथें।
7 ओमन गरीबमन के मुड़ ला अइसन कुचरथें
जइसन भुइयां के धुर्रा
अऊ दुखी मनखे के नियाय ला बिगाड़थें।
ददा अऊ बेटा दूनों एके छोकरी ले संबंध बनाथें
अऊ मोर पबितर नांव ला अपबितर करथें।
8 ओमन हर बेदी के बाजू म
गिरवी म रखे ओनहा ऊपर लेटथें।
ओमन अपन देवता के घर म
जुरबाना म लिये गय अंगूर के मंद ला पीथें।

9 “तभो ले मेंह अमोरीमन ला ओमन के आघू ले नास करेंव,
हालाकि ओमन देवदार रूख सहीं ऊंचहा
अऊ बलूत रूख सहीं मजबूत रिहिन।
मेंह ऊपर ले ओमन के फर
अऊ खाल्हे ओमन के जरी ला नास कर देंव।
10 मेंह तुमन ला मिसर देस ले निकाल लानेंव
अऊ चालीस बछर ले सुनसान जगह म तुम्हर अगुवई करेंव
ताकि तुमन ला अमोरीमन के देस ला दे दंव।

11 “मेंह तुम्हर लइकामन के बीच ले अगमजानीमन ला
अऊ तुम्हर जवानमन के बीच ले नाजीरमन* ला घलो चुनेंव।
हे इसरायल के मनखेमन, का येह सच नो हय?”
यहोवा ह घोसना करत हे।
12 “पर तुमन नाजीरमन ला अंगूर के मंद पीयाएव
अऊ अगमजानीमन ला हुकूम देव कि ओमन अगमबानी झन करंय।

13 “त अब, मेंह तुमन ला अइसन कुचरहूं
जइसन करपा ले भराय गाड़ी ले दाना ह कुचरे जाथे।
14 तेजी ले भगोइया घलो नइं बांच पाही,
अऊ बलवान के ताकत ह कोनो काम नइं आही,
अऊ सूरबीर ह अपन जिनगी ला नइं बचाय सकही।
15 धनुसधारी ह मैदान म ठाढ़ नइं हो सकही,
तेजी ले दऊड़इया सैनिक ह भाग नइं सकही,
अऊ घुड़सवार ह अपन जिनगी ला नइं बचाय सकही।
16 इहां तक कि सबले ताकतवर सूरबीरमन घलो
ओ दिन नंगरा भागहीं,”

---

* **2:11** [illegible] ओ मनखे जऊन ह परमेसर ला बिसेस बचन देवय। जेकर मतलब होथे “कोनो ले अलग होवई।”

यहोवा ह घोसना करत हे।

3

[illegible]

1 हे इसरायलीमन, ये बचन ला सुनव, यहोवा के बचन ह तुम्हर बिरूध कहे हवय—तुम्हर पूरा बंस के बिरूध,
जेला मेंह मिसर देस ले निकाल लानेंव:
2 "सिरिप तुमन अव, जेला मेंह
धरती के सब बंसमन ले चुने हंव;
एकरसेति मेंह तुम्हर जम्मो
पाप के सजा दूहूं।"

3 का दू झन एक संग रेंगथें
जब तक ओमन अइसन करे बर राजी नइं हो जावंय?
4 का सिंह ह बिगर सिकार देखे
झाड़ी म ले गरजथे?
का ओह बिगर कुछू धरे
अपन मांद म गुर्राथे?
5 का कोनो चिरई भुइयां ऊपर बिगर चारा देखे
फांदा कोति झपटथे?
का फांदा ह भुइयां ले अपनआप उचकथे
जब ओमा कुछू नइं फंसे रहय?
6 जब कोनो सहर म लड़ई के तुरही बजथे,
त का मनखेमन डर के मारे नइं कांपंय?
जब कोनो सहर म बिपत परथे,
त का येह यहोवा कोति ले नइं होवय?

7 सही म, परमपरधान यहोवा ह
अपन सेवक अगमजानीमन ऊपर
अपन योजना ला परगट करे बिगर कुछू नइं करय।

8 जब सिंह ह गरजथे—
त कोन ए, जऊन ह नइं डरावय?
परमपरधान यहोवा ह कहे हवय—
कोन ए, जऊन ह अगमबानी नइं करही?

9 असदोद नगर के किलामन म
अऊ मिसर देस के किलामन म हांका पारव:
"सामरिया के पहाड़मन म जूर जावव;
अऊ देखव कि ओकर भीतर म कइसन असांति
अऊ ओकर मनखेमन के बीच म कइसन अतियाचार होवत हवय।"

10 "ओमन सही काम करे बर नइं जानंय," यहोवा ह घोसना करत हे,
"ओमन के लूटे अऊ छीने गय धन ला
कोन ह ओमन के किलामन म संकेलके रखथे।"
11 एकरसेति परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे:
"एक बईरी ह तुम्हर देस ला घेर लीही,
तुम्हर गढ़मन ला गिरा दीही,

अऊ किलामन ला लूट लीही।”
12 यहोवा ह ये कहत हे:
“जइसन चरवाहा ह सिंह के मुहूं ले
सिरिप दू ठन टांग या कान के एक ठन कुटा ला छोंड़ाय पाथे,
वइसन सामरिया म रहइया इसरायलीमन बचाय जाहीं,
सिरिप दसना के मुड़सरिया,
अऊ खटिया के बिछौना के एक कुटा के संग बचाय जाहीं।”
13 “येला सुनव अऊ याकूब के संतानमन के बिरूध गवाही दव,” परभू, यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर ह घोसना करत हे।
14 “जऊन दिन मेंह इसरायल ला ओकर पापमन के सजा दूहूं,
ओ दिन बेतेल नगर के बेदीमन ला नास कर दूहूं;
बेदी के सींगमन ला काट डारे जाही
अऊ भुइयां म गिरा दिये जाही।
15 मेंह जड़काला के भवन के संग
घमनी के भवन ला टोरके गिरा दूहूं;
हाथी-दांत ले सजाय घरमन ला नास करे जाही
अऊ महलमन ला गिरा दिये जाही,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

4

[illegible]
1 हे सामरिया के पहाड़ ऊपर रहइया बासान के गायमन*, ये बचन ला सुनव,
हे माईलोगनमन, तुमन जऊन गरीब ला सताथव अऊ जरूरतमंद ला कुचर देथव
अऊ अपन घरवाला ला कहिथव, “हमर पीये बर कुछू लेके आ!”
2 परमपरधान यहोवा ह अपन पबितरता के किरिया खाके कहत हवय:
“अइसन समय जरूर अवइया हवय,
जब तुमन ला गरी ले,
आखिरी तक बांचे ला घलो मछरी फंसाय के गरी ले फंसाके ले जाय जाही।
3 तुमन म के जम्मो झन
सहर के दीवार के फाटे म ले सीधा बाहिर निकलहू।
तुमन ला हरमोन कोति फटिक दिये जाही,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
4 “बेतेल नगर म जाके पाप करव;
अऊ गिलगाल नगर म जाके अऊ जादा पाप करव।
अपन बलिदान ला रोज बड़े बिहनियां
अऊ अपन दसमांस ला हर तीसरा साल† लाने करव।
5 धनबाद-बलिदान के रूप म खमीर मिले रोटी ला जरोवव
अऊ अपन स्वेच्छा-बलिदान के बारे डींग मारव—
हे इसरायलीमन, ओमन के बारे म घमंड करव,
काबरकि तुमन ला अइसने करई ह बने लगथे,”
परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे।

6 “मेंह हर सहर म तुमन ला भूखन पेट रखेंव
अऊ हर नगर म जेवन के घटी करेंव,

* **4:1** [illegible] सामरिया के अगुवा [illegible] † **4:4** या [illegible]

तभो ले तुमन मोर कोति नइं लहुंटेव।”
यहोवा ह घोसना करत हे।

7 “जब फसल लुवई ह तीन महिना बांचे रिहिस
तब मेंह बरसा ला रोक दे रहेंव।
में एक नगर म पानी गिरांय,
पर दूसर नगर म नइं गिरांय।
एक खेत म बारिस होईस;
अऊ दूसर म नइं होईस अऊ ओह सूखा गीस।
8 मनखेमन एक सहर ले दूसर सहर म पानी बर भटकिन
पर पीये बर भरपूर पानी नइं पाईन,
तभो ले तुमन मोर कोति नइं लहुंटेव,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

9 “कई बार मेंह तुम्हर बारी अऊ अंगूर के बारी म फसल नइं होवन दें,
ओमन ला रोग अऊ फफूंदी ले बरबाद कर देंव।
फांफामन तुम्हर अंजीर अऊ जैतून के रूख ला खा डारिन,
तभो ले तुमन मोर कोति नइं लहुंटेव,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

10 “मेंह तुम्हर बीच म महामारी पठोंय
जइसन मेंह मिसर देस म पठोय रहेंव।
मेंह लूटे गय घोड़ामन के संग
तुम्हर जवानमन ला तलवार ले मार डारेंव।
मेंह तुम्हर छावनी के बदबू ले तुम्हर नाक ला भर देंव,
तभो ले तुमन मोर कोति नइं फिरेव।
यहोवा ह घोसना करत हे।

11 “मेंह जइसन सदोम अऊ अमोरा सहरमन ला नास करेंव
वइसन ही मेंह तुमन म ले कुछू झन ला नास कर देंव।
तुमन आगी ले निकाले बरत लकरी कस रहेव,
तभो ले तुमन मोर कोति नइं फिरेव,”
यहोवा ह घोसना करत हे।

12 “एकरसेति हे इसरायल, मेंह तोर संग अइसन करहूं,
हे इसरायल, काबरकि मेंह तोर संग अइसन करहूं,
त तेंह अपन परमेसर ले भेंट करे बर तियार हो जा।”

13 ओ, जऊन ह पहाड़मन ला बनाथे,
जऊन ह हवा ला सिरजथे,
अऊ जऊन ह मानव-जाति ऊपर अपन बिचार ला परगट करथे,
जऊन ह बिहान ला अंधियार कर देथे,
अऊ जऊन ह धरती के ऊंचहा ठऊरमन म रेंगथे—
ओकर नांव यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर अय।

5

[illegible]

1 हे इसरायल, ये बचन ला सुन, तोर बारे म मेंह ये बिलापगीत सुनावत हंव:
2 “कुंवारी इसरायल ह गिर गे हे,
ओह फेर कभू नइं उठय,
ओला ओकर खुद के देस म तियाग दिये गे हे,
अऊ ओला उठइया कोनो नइं एं।”
3 परमपरधान यहोवा ह इसरायल ले ये कहत हे:
“तोर सहर, जेमा ले एक हजार बीर योद्धा निकलथें
ओमा सिरिप एक सौ ही बांचहीं;
तोर नगर, जेमा ले एक सौ बीर निकलथें
ओमा सिरिप दस झन ही बांचहीं।”
4 यहोवा ह इसरायल ले ये कहत हे:
“मोला खोजव अऊ जीयत रहव;
5 बेतेल ला झन खोजव,
गिलगाल झन जावव,
बेरसेबा के यातरा झन करव;
काबरकि गिलगाल ह जरूर बंधुवई म जाही,
अऊ बेतेल ह सुनसान हो जाही,”
6 यहोवा ला खोजव अऊ जीयत रहव,
नइं तो ओह यूसुफ के गोत्र ऊपर आगी सहीं भड़कही;
येह ओमन ला भसम कर दीही,
अऊ बेतेल म ओ आगी ला बुतइया कोनो नइं होहीं।

7 अइसन मनखेमन हवंय, जेमन नियाय ला करूवाहट म बदल देथें,
अऊ धरमीपन ला माटी म मिला देथें।

8 जऊन ह नछत्र-पुंज अऊ मिरगासिरा ला बनाईस,
जऊन ह मंझ रथिया ला बिहनियां म
अऊ दिन ला रथिया म बदल देथे,
जऊन ह महासागर के पानी ला बलाथे
अऊ ओला भुइयां ऊपर गिरा देथे—
ओकर नांव यहोवा अय।
9 ओह किला ला मिटकी मारते ही नास कर देथे
अऊ गढ़वाले सहर ला खंडहर कर देथे।

10 अइसन मनखेमन हवंय, जेमन अदालत म नियाय पसंद करइयामन ले घिन करथें
अऊ सच बात कहइयामन ले घलो घिन करथें।

11 तुमन गरीबमन ले भूंसा बर घलो चुंगी लेथव
अऊ ओमन के अनाज ऊपर घलो कर लगाथव।
एकरसेति, हालाकि तुमन पथरा के महल बनाय हव,
पर तुमन ओमा नइं रहे बर पाहू;
हालाकि तुमन रसीला अंगूर के बारी लगाय हव,
पर तुमन ओमन के मंद नइं पीये सकहू।
12 काबरकि मेंह जानत हंव कि तुम्हर अपराध कतेक जादा हवय

अऊ तुम्हर पापमन कतेक बड़े हवंय।

अइसन मनखे हवंय, जेमन निरदोस ऊपर अतियाचार करथें अऊ घूस लेथें
अऊ अदालत म गरीबमन के नियाय ला बिगाड़थें।
13 एकरसेति, अइसन समय म समझदार ह चुप रहय,
काबरकि समय ह खराप हवय।

14 बुरई के नइं, पर भलई के खोज करव,
ताकि तुमन जीयत रहव।
तभे यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर ह तुम्हर संग रहिही,
जइसन कि तुमन कहिथव कि ओह तुम्हर संग हवय।
15 बुरई ले घिन करव, अऊ भलई ले मया;
कचहरी म नियाय ला बनाय रखव।
सायद यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर ह
यूसुफ के बांचे मनखेमन ऊपर दया करय।
16 एकरे बर परभू, यहोवा, सर्वसक्तिमान परमेसर ह ये कहत हे:
"सब गलीमन म बिलाप करे जाही
अऊ सबो चऊकमन म दुख अऊ पीरा के अवाज सुनई दीही।
किसानमन ला रोय बर
अऊ बिलाप करइयामन ला बिलाप करे बर बलाय जाही।
17 अंगूर के सब बारीमन म बिलाप होही,
काबरकि ओ बेरा मेंह तुम्हर बीच ले होके जाहूं,"
यहोवा ह कहत हे।

[illegible]

18 हाय तुम्हर ऊपर,
जऊन मन यहोवा के दिन* के ईछा करथव!
तुमन काबर यहोवा के दिन के ईछा करथव?
ओह अंधियार के दिन होही, अंजोर के नइं।
19 ओ दिन ह अइसन होही मानो कोनो मनखे ह सिंह ले बांचे बर भागथे
अऊ ओकर सामना भालू ले हो जाथे,
या ओह घर के भीतर जाथे
अऊ अराम बर भीथी ऊपर हांथ मढ़ाथे अऊ सांप ह ओला चाब देथे।
20 का यहोवा के दिन ह अंजोर के बदले अंधियार के नइं होही—
बिरबिट अंधियार, एकोकनी अंजोर नइं?

21 "मेंह घिन करथंव, मेंह तुम्हर धारमिक तिहारमन ला तुछ समझथंव;
तुम्हर सभामन मोर बर बदबू सहीं अंय।
22 भले ही तुमन मोर बर होम-बलिदान अऊ अन्न-बलिदान लानव,
पर मेंह ओमन ला गरहन नइं करंव।
भले ही तुमन मनपसंद मेल-बलिदान लानव,
पर मेंह ओमन के आदर नइं करंव।
23 अपन गीतमन के कंझट ला मोर ले दूरिहा रखव!
मेंह तुम्हर बीना के संगीत ला नइं सुनंव।
24 पर नियाय ला नदी कस,
अऊ धरमीपन ला कभू नइं सूखइया सोता सहीं बोहावन दव!

---

* **5:18** या [illegible]

25 “हे इसरायल के मनखेमन, निरजन जगह म चालीस साल तक
का तुमन मोर बर बलिदान अऊ भेंट लानेव?
26 तुमन अपन राजा के देव-स्थल,
अपन मूरतीमन के गोड़ के पीढ़ा,
अपन देवता के तारा ला हांथ म उठाय हव—
जऊन मन ला तुमन खुद अपन बर बनाय हवव।
27 एकरसेति मेंह तुमन ला दमिस्क नगर ले बाहिर बंधुवई म पठो दूहूं,”
यहोवा ह ये कहत हे, जेकर नांव सर्वसक्तिमान परमेसर अय।

6

[illegible]
1 हाय तुमन ऊपर, जेमन सियोन म संतुस्ट हवव,
हाय तुमन ऊपर, जेमन सामरिया नगर के पहाड़ म अपनआप ला सुरकछित मानथव,
तुमन, जेमन सबले उत्तम देस के नामी आदमी अव,
जेमन करा इसरायल के मनखेमन आथें!
2 कलने नगर जाके ओला देखव;
उहां ले हमात नांव के बड़े सहर म जावव,
अऊ तब खाल्हे पलिस्ती के गत नांव के सहर म जावव।
का येमन तुम्हर दूनों राजमन ले जादा बढ़िया हवंय?
का तुम्हर देस ले ओमन के देस ह बड़खा हवय?
3 तुमन संकट के दिन ला दूरिहा कर देथव,
अऊ आतंक के राज ला लकठा म ले आथव।
4 तुमन हाथी-दांत ले सजे पलंग ऊपर लेटथव
अऊ अपन सोफा म अराम करथव।
तुमन मनपसंद भेड़
अऊ चरबीदार बछवामन ला खाथव।
5 तुमन दाऊद सहीं अपन बीना ला बजाथव
अऊ बाजामन ला तुरते बजाथव।
6 तुमन कटोरा भरके अंगूर के मंद पीथव
अऊ सबले बढ़िया तेल ला देहें म चुपरथव,
पर तुमन यूसुफ के बरबादी बर दुखी नइं होवव।
7 एकरसेति तुमन सबले पहिली बंधुवई म जाहू;
तुम्हर भोज खवई अऊ मऊज करई ह बंद हो जाही।

[illegible]
8 परमपरधान यहोवा ह अपनेच कसम खाय हवय—यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर ह घोसना करत हे:
“मेंह याकूब के घमंड ले घिन करथंव
अऊ ओकर किलामन ले घलो घिन करथंव;
मेंह सहर अऊ ओमा के जम्मो चीज ला
बईरी के हांथ म कर दूहूं।”
9 कहूं एक घर म दस मनखे घलो बांचे रहिहीं, त ओमन घलो मर जाहीं।
10 कहूं कोनो रिस्तेदार ह ओमन के देहें ला जराय खातिर घर ले बाहिर ले जाय बर आथे अऊ उहां कोनो लुकाय मनखे ले पुछथे, “इहां तोर संग म कोनो अऊ हवंय?” अऊ ओह कहिथे, “नइं,” तब ओह ये कहिही, “चुपे रह! हमन ला यहोवा के नांव नइं लेना हवय।”
11 काबरकि यहोवा ह हुकूम देय हवय,
अऊ ओह बड़े घर ला फोरके कुटा-कुटा

अऊ छोटे घर ला चूर-चूर कर दीही।

12 का घोड़ामन ठाढ़ चट्टान म दऊड़थें?
का कोनो मनखे बईलामन ले समुंदर म नांगर जोतथे?
पर तुमन नियाय ला जहर म
अऊ धरमीपन के फर ला करूवाहट म बदल दे हवव—
13 तुमन, जेमन लो-देबार* ला अपन बस म करके आनंदित होथव
अऊ कहिथव, "हमन का अपन बल म करनेम† ला नइं जीत ले हन?"

14 काबरकि यहोवा सर्वसक्तिमान परमेसर ह घोसना करत हे,
"हे इसरायल, मेंह तोर बिरूध म एक जाति ला भड़काहूं,
जऊन ह तुम्हर ऊपर लेबो-हमात ले लेके
अराबा के घाटी तक अतियाचार करही।"

7

[illegible]

1 परमपरधान यहोवा ह मोला ये देखाईस: जब राजा के हिस्सा के फसल ह लुआ गे रिहिस अऊ बाद के फसल ह आवत रिहिस, तब ओह फांफामन के दल ला तियार करत रिहिस।
2 जब फांफामन सब फसल ला खाके खेत ला साफ कर दीन, तब मेंह पराथना म पुकारेंव, "हे परमपरधान यहोवा, छेमा कर! याकूब ह कइसे जीयत रह सकत हे? ओह बहुंत छोटे हवय!"
3 तब यहोवा ह नरम पड़िस अऊ कहिस, "अब अइसन नइं होवय।"
4 परमपरधान यहोवा ह मोला ये देखाईस: परमपरधान यहोवा ह आगी के दुवारा नियाय करे बर बलावत रिहिस; ओ आगी ह महासागर ला सूखा दीस अऊ भुइयां ला नास कर दीस।
5 तब मेंह पुकारके कहेंव, "हे परमपरधान यहोवा, मेंह तोर ले बिनती करत हंव, येला रोक दे! याकूब ह कइसे जीयत रह सकत हे? ओह बहुंत छोटे हवय!"
6 तब यहोवा ह नरम पड़िस।
"अब येह घलो नइं होवय," परमपरधान यहोवा ह कहिस।

7 ओह मोला ये देखाईस: परभू ह एक ठन भीथी के तीर म ठाढ़े रिहिस, जऊन ह साहुल के भार सहीं बनाय गे रिहिस, अऊ ओकर हांथ म एक ठन साहुल रिहिस।
8 अऊ यहोवा ह मोर ले पुछिस, "हे आमोस, तोला का दिखत हवय?"
मेंह जबाब देंव, "एक ठन साहुल।"
तब परभू ह कहिस, "देख, मेंह अपन मनखे इसरायलीमन के बीच एक साहुल लगावत हंव; मेंह ओमन ला अब नइं छोड़ंव।
9 "इसहाक के ऊंचहा ठऊरमन ला नास करे जाही
अऊ इसरायल के पबितर-स्थानमन खंडहर करे जाहीं;
मेंह अपन तलवार लेके राजा यरोबाम के घराना के बिरूध ठाढ़ होहूं।"

[illegible]

10 तब बेतेल के पुरोहित अमसयाह ह इसरायल के राजा यरोबाम करा एक संदेस पठोईस: "आमोस ह इसरायल के बीच म तोर बिरूध एक सडयंत्र करत हे। ये देस ह ओकर बातमन ला सहे नइं सकय।
11 काबरकि आमोस ह ये कहत हे:
" 'यरोबाम ह तलवार ले मारे जाही,
अऊ इसरायल ह अपन जनम भुइयां ले दूरिहा,

* **6:13** [illegible] के मतलब होथे [illegible]
† **6:13** [illegible] के मतलब होथे [illegible] जऊन ह इहां ताकत के प्रतीक के रूप म आय हवय

जरूर बंधुवई म चले जाही।' "
12 तब अमसयाह ह आमोस ले कहिस, "हे अगम-दरसी, इहां ले निकल जा! यहूदा प्रदेस ला वापिस चले जा।
उहां कमाके खा अऊ उहां अपन अगमबानी कर।
13 बेतेल म फेर कभू अगमबानी झन करबे, काबरकि येह राजा के पबितर-स्थान अऊ राज के मंदिर अय।"
14 आमोस ह अमसयाह ला उत्तर दीस, "मेंह न तो अगमजानी रहेंव अऊ न ही कोनो अगमजानी के बेटा, पर
मेंह तो एक चरवाहा रहेंव, अऊ मेंह डूमर रूखमन के देखरेख घलो करेंव।
15 पर यहोवा ह मोला पसुमन ला चराय के काम बर बलाईस अऊ मोला कहिस, 'जा, मोर मनखे
इसरायलीमन ला अगमबानी कर।'
16 एकरसेति अब यहोवा के बचन ला सुन। तेंह कहिथस,
" 'इसरायल के बिरूध म अगमबानी झन कर,
अऊ इसहाक के संतानमन के बिरूध म परचार करई ला बंद कर।'
17 "एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे:
" 'तोर घरवाली ह सहर म एक बेस्या हो जाही,
अऊ तोर बेटा अऊ बेटीमन तलवार ले मारे जाहीं।
तोर भुइयां ला नापे जाही अऊ बांट दिये जाही,
अऊ तेंह खुद मूरती-पूजा करइयामन* के एक देस म मरबे।
अऊ इसरायल ह अपन जनम भुइयां वाले देस ले दूरिहा,
जरूर बंधुवई म चले जाही।' "

8

[illegible]

1 तब परमपरधान यहोवा ह मोला पाके फरमन के एक ठन टुकनी देखाईस,
2 अऊ ओह मोर ले पुछिस, "हे आमोस, तोला का दिखत हे?"
मेंह जबाब देंव, "पाके फरमन के एक ठन टुकनी।"
तब यहोवा ह मोला कहिस, "मोर मनखे इसरायलीमन के अन्त के समय आ गे हवय; मेंह ओमन ला अब नइं
छोड़ंव।"
3 परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, "ओ दिन, मंदिर के गीतमन बिलाप म बदल जाहीं। कतको लासमन
एती-ओती पड़े होहीं! अऊ सुनसान हो जाही!"
4 ये बात ला सुनव, तुमन, जऊन मन जरूरतमंदमन ला कुचरथव
अऊ गरीबमन ला देस ले नास करत,
5 ये कहिथव,
"नवां चंदा के उत्सव कब खतम होही
कि हमन अनाज बेच सकन,
अऊ बिसराम दिन ह कब सिराही
कि हमन गहूं बेच अऊ बिसो सकन?"—
कम चीजमन ला तराजू म तऊलके,
दाम ला बढ़ा देवन
अऊ लेवइयामन ला बेईमानी के तराजू ले ठगन,
6 अऊ गरीबमन ला चांदी के सिक्का ले,
अऊ जरूरतमंदमन ला एक जोड़ी चप्पल म बिसोवन,
अऊ त अऊ कचरा-कुढ़ा ला घलो गहूं म मिलाके बेच देवन।
7 यहोवा जऊन ह याकूब के घमंड अय, ओह खुद के सपथ खाके कहे हवय: "ओमन जऊन कुछू घलो करे
हवंय, ओला में कभू नइं भुलावंव।
8 "का येकर बर भुइयां ह नइं कांपही,

* **7:17** इबरानी म [illegible]

अऊ जेमन येमा रहिथें, ओमन सोक नइं करहीं?
पूरा देस ह नील नदी कस उफनही;
येह मिसर देस के नदी सहीं उफनही
अऊ तब सांत हो जाही।"
9 परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे,
"ओ दिन, मेंह सूरज ला मंझन के बेरा बुड़ो दूहूं
अऊ मंझन के बेरा धरती ला अंधियार कर दूहूं।
10 मेंह तुम्हर धारमिक तिहारमन ला सोक म
अऊ तुम्हर जम्मो गीतमन ला रोवई म बदल दूहूं।
मेंह तुमन जम्मो झन ला बोरा के ओनहा* पहिराहूं
अऊ तुम्हर मुड़मन ला मुड़ा दूहूं।
मेंह ओ समय ला अइसन सोकित कर दूहूं, जइसन कि एकलऊता बेटा मरे ले होथे
अऊ ओकर अन्त ला एक दुख के दिन कस करू कर दूहूं।"

11 परमपरधान यहोवा ह घोसना करत हे, "ओ दिनमन आवत हवंय,
जब मेंह देस भर म दुकाल पठोहूं—
ये दुकाल ह जेवन-पानी के नइं,
पर येह यहोवा के बचन सुने के दुकाल होही।
12 मनखेमन ये समुंदर ले ओ समुंदर तक
अऊ उत्तर ले लेके पूरब तक भटकत
यहोवा के बचन ला खोजहीं,
पर ओमन ओला नइं पाहीं।
13 "ओ दिन,
"सुघर मुटियारी छोकरीमन अऊ मजबूत जवान छोकरामन
पीयास के मारे बेहोस हो जाहीं।
14 जऊन मन सामरिया के पाप के कसम खाके कहिथें—
'हे दान, तोर देवता के जिनगी के कसम,'
या, 'बेरसेबा के देवता के कसम'—
ओमन अइसन गिरहीं कि फेर कभू नइं उठहीं।"

9

[illegible]
1 मेंह दरसन म परभू ला बेदी के तीर म ठाढ़े देखेंव, अऊ ओह कहिस:
"खंभामन के टीप ला मार
कि दुवारमन डोल जावंय।
ओमन ला जम्मो मनखेमन के मुड़ म गिरा दे;
जऊन मन बांच जाहीं, ओमन ला मेंह तलवार ले मार डारहूं।
ओमन म के एको झन घलो भाग नइं सकंय,
कोनो घलो बच नइं सकंय।
2 चाहे ओमन खंचवा खनके बहुंत गहरई म चले जावंय,
उहां ले मोर हांथ ह ओमन ला ले आही।
चाहे ओमन अकास के ऊपर घलो चघ जावंय,
उहां ले मेंह ओमन ला खाल्हे ले आहूं।

* **8:10** या [illegible]

3 चाहे ओमन करमेल पहाड़ के टीप म लुका जावंय,
मेंह उहां ले ओमन ला खोजके खाल्हे ले आहूं अऊ बंदी बना लूहूं।
चाहे ओमन मोर ले नजर बचाके समुंदर के पेंदी म लुका जावंय,
उहां मेंह सांप ला ओमन ला डसे के हुकूम दूहूं।
4 चाहे ओमन बईरीमन के दुवारा बंधुवई म ले जाय जाहीं,
उहां मेंह तलवार ला हुकूम देके ओमन ला कटवा दूहूं।

"मेंह ओमन ऊपर अपन नजर
ओमन के भलई करे बर नइं, पर ओमन के हानि करे बर रखहूं।"

5 परभू, सर्वसक्तिमान यहोवा—
ओह धरती ला छूथे अऊ ओह टघल जाथे,
अऊ ओमा रहइया जम्मो झन बिलाप करथें;
जम्मो देस ह नील नदी कस उफनथे,
अऊ तब मिसर के नदी कस सूखा जाथे;
6 ओह अकास म अपन ऊंचहा महल ला बनाथे,
अऊ ओकर नीव धरती म रखथे;
ओह समुंदर के पानी ला बलाथे
अऊ ओला भुइयां ऊपर ढार देथे—
यहोवा ओकर नांव ए।

7 "का तुमन इसरायली नो हव
का मोर बर कूसीमन* सहीं नो हव?"
यहोवा ह घोसना करत हे।
"का मेंह इसरायलीमन ला मिसर ले,
पलिस्तीमन ला कपतोर ले
अऊ अरामीमन ला कीर ले निकालके नइं लानेंव?

8 "सही म परमपरधान यहोवा के नजर ह
पाप ले भरे राज ऊपर लगे हवय।
मेंह येला धरती के ऊपर ले
नास कर दूहूं।
तभो ले मेंह याकूब के संतानमन ला
पूरा नास नइं करंव,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
9 "काबरकि मेंह हुकूम दूहूं,
अऊ मेंह इसरायल के मनखेमन ला
जम्मो जाति के मनखेमन के बीच म अइसन हलाहूं
जइसन छननी म अन्न ला हलाय जाथे,
अऊ भुइयां म एको ठन गोटी नइं गिरय।
10 मोर मनखेमन के बीच ले जम्मो पापीमन
तलवार ले मारे जाहीं,
ओ जम्मो, जेमन ये कहिथें,
'न तो हमर ऊपर बिपत्ति आही अऊ न ही बिपत्ति ले हमर सामना होही।'

* **9:7** या [illegible]

[illegible]

11 “ओ दिन म,
“मेंह दाऊद के गिरे आसरय ला फेर ठीक कर दूहूं—
मेंह येकर टूटे भीथीमन के मरम्मत करहूं,
अऊ येकर खंडहरमन ला फेर बनाहूं—
अऊ येला पहिले के सहीं फेर बना दूहूं,
12 ताकि ओमन एदोम के बांचे मनखेमन ला
अऊ मोर नांव लेवइया जम्मो जातिमन ला अपन अधीन कर लेवंय,”
ओ यहोवा ह घोसना करत हे, जऊन ह ये चीजमन ला करही।
13 “अइसन दिनमन आवत हवंय।” यहोवा ह घोसना करत हे,
“जब नांगर जोतइया ह लुवइया ले,
अऊ अंगूर खुंदइया ह अंगूर के नार लगइया ले आघू बढ़ जाही।
नवां अंगूर के रस ह पहाड़मन ले थिपही
अऊ जम्मो पहाड़ीमन ले बोहा जाही,
14 अऊ मेंह अपन मनखे इसरायलीमन ला बंधुवई ले वापिस ले आहूं।

“ओमन उजड़े सहरमन ला फेर बनाहीं अऊ ओमा रहे लगहीं।
ओमन अंगूर के बारी लगाहीं अऊ ओमा के मंद ला पीहीं;
ओमन बारी लगाहीं अऊ ओकर फर ला खाहीं।
15 मेंह इसरायलीमन ला ओमन के निज देस म बसाहूं,
अऊ ओमन फेर कभू ओ देस ले निकाले नइं जाहीं,
जऊन ला मेंह ओमन ला देय हवंव,”
यहोवा तुम्हर परमेसर ह कहत हे।

ओबदयाह
के किताब

[illegible]
1 ओबदयाह के दरसन।

एदोम देस के बारे म परमपरधान यहोवा ह ये कहत हे—
हमन यहोवा ले एक संदेस सुने हन:
जाति-जाति के मनखेमन ला ये कहे बर एक दूत पठोय गीस,
“उठव, आवव, हमन ओकर ले लड़ई करे बर जावन।”

2 “देख, मेंह जाति-जाति के बीच म तोला छोटे बना दूहूं;
तेंह बहुंते तुछ समझे जाबे।
3 तोर मन के घमंड ह तोला धोखा दे हवय,
तें, जऊन ह चट्टानमन के दरार म रहिथस
अऊ अपन घर ऊंचहा जगह म बनाथस,
तें, जऊन ह अपनआप ले कहिथस,
‘कोन ह मोला खाल्हे भुइयां म ला सकत हे?’
4 हालाकि तें गिधवा के सहीं ऊंचई म उड़ियाथस
अऊ तारामन के बीच म अपन खोंधरा बनाथस,
पर उहां ले मेंह तोला खाल्हे ले आहूं,”
यहोवा ह घोसना करत हे।
5 “यदि चोरमन तोर करा आतिन,
यदि डाकूमन रथिया आतिन—
ओहो, तोर कतेक बिनास होनेवाला हे!—
त का ओमन जतेक चाहतिन ओतेक चोराके नइं ले जातिन?
यदि अंगूर टोरइयामन तोर करा आतिन,
त का ओमन कुछू अंगूर ला नइं छोंड़ जातिन?
6 पर एसाव ला कइसे लूटे जाही,
ओकर लुकाय खजाना ला कइसे खोज निकाले गीस!
7 तोर सबो संगी राज के मन तोला सीमना तक भगा दीहीं;
तोर संगीमन तोला धोखा दीहीं अऊ तोर ऊपर अपन अधिकार कर लीहीं;
जेमन तोर रोटी खाथें, ओमन तोर बर फांदा लगाहीं,
पर तेंह ओकर पता नइं पाबे।”

8 यहोवा ह घोसना करत हे, “ओ दिन,
का मेंह एदोम के बुद्धिमान मनखेमन ला,
जऊन मन एसाव के पहाड़मन म समझदार अंय, ओमन ला नास नइं करहूं?
9 हे तेमान,* तोर सूरबीरमन डरा जाहीं,
अऊ एसाव के पहाड़मन म हर एक झन ला
घात करके काट डारे जाही।
10 तोर भाई याकूब के बिरूध हिंसा के कारन,

* **1:9** [illegible] इहां येह पूरा देस ला देखाथे

तेंह सरम से भर जाबे;
तेंह हमेसा बर नास हो जाबे।
11 ओ दिन तें अलग खड़े होके देखत रहय
जब अजनबीमन ओकर धन-संपत्ति ला छीनके ले गीन
अऊ परदेसीमन ओकर दुवारी ले घुसरके
यरूसलेम बर चिट्ठी डारिन,
तेंह ओमा के एक झन सहीं रहय।
12 तेंह अपन भाई के दुरदसा के समय म
ओकर ऊपर आनंद झन मनाबे,
न ही यहूदा के मनखेमन के बिनास के समय म
ओमन ऊपर आनंदित होबे,
न ही ओमन के संकट के समय म,
बहुंत घमंड करबे।
13 मोर मनखेमन के संकट के समय म
तें ओमन के दुवारमन† ले होके आघू झन बढ़बे,
न ही ओमन के बिपत्ति के समय
या ओमन के मुसीबत के बेरा ओमन ला खराप नजर से देखबे,
न ही ओमन के बिपत्ति के समय
ओमन के संपत्ति ऊपर कब्जा करबे।
14 ओमन के भगोड़ामन ला मार डारे बर
तेंह चऊकमन म झन अगोरबे
न ही संकट के समय म ओमन के बांचे मनखेमन ला
बईरीमन के हांथ म पकड़वाबे।

15 "सबो जाति के मनखेमन बर
यहोवा के दिन ह लकठा म हवय।
जइसन तेंह करे हस, वइसन तोर संग घलो करे जाही;
तोर करे गय दुस्ट काममन तोरेच मुड़ ऊपर आ जाहीं।
16 जइसने तेंह मोर पबितर पहाड़ ऊपर पीये,
वइसनेच सबो जाति के मनखेमन लगातार पीयत रहिहीं;
ओमन पीते अऊ पीते रहिहीं
अऊ अइसन हो जाहीं, जइसन ओमन कभू नइं होय रिहिन।
17 पर सियोन पहाड़ ऊपर छुटकारा होही;
ओह पबितर होही,
अऊ याकूब के बंसजमन अपन निज भाग ऊपर अधिकार करहीं।
18 अऊ याकूब के घराना ह एक आगी
अऊ यूसुफ के घराना ह एक जुवाला सहीं होही;
एसाव के घराना ह भूंसा सहीं होही,
अऊ ओमन ओमा आगी लगाके ओला नास कर दीहीं।
एसाव के घराना के
कोनो नइं बांचहीं।"
यहोवा ह कहे हवय।

19 नेगेव के मनखेमन आके
एसाव के पहाड़मन ऊपर अधिकार कर लीहीं,

† **1:13** सहर के दुवारमन

अऊ खाल्हे राज के मनखेमन
पलिस्तीमन के देस ऊपर अधिकार कर लीहीं।
ओमन एपरैम अऊ सामरिया के खेतमन ऊपर अधिकार कर लीहीं,
अऊ बिनयामीनीमन गिलाद ऊपर अधिकार कर लीहीं।
20 कनान म रहइया इसरायली बंधुवामन के ये दल ह
देस ऊपर सारपत नगर तक अधिकार कर लीही;
सपाराद म रहइया यरूसलेम के बंधुवामन
नेगेव के नगरमन ऊपर अधिकार कर लीहीं।
21 छुड़ानेवालामन एसाव के पहाड़मन ऊपर सासन करे बर
सियोन पहाड़ ऊपर चघहीं।
अऊ राज ह यहोवा के हो जाही।

योना
के किताब

[illegible]

1 एक दिन, यहोवा के ये बचन अमित्तै के बेटा योना करा आईस:
2 “उठके ओ बड़े नगर नीनवे ला जा, अऊ ओकर बिरूध परचार कर, काबरकि येकर बुरई ह मोर नजर म आ गे
हवय।”
3 पर योना ह यहोवा के आघू ले भाग गीस अऊ तरसीस सहर ला जाय बर निकलिस। ओह खाल्हे कोति यापा
नगर म गीस; उहां बंदरगाह म एक पानी जहाज जवइया रिहिस। भाड़ा देके ओह जहाज म चघ गीस ताकि
यहोवा मेर ले भागके तरसीस जा सकय।
4 तब यहोवा ह समुंदर म भयानक आंधी चलाईस, अऊ जोरदार तूफान उठिस जेकर कारन जहाज के टूटे के
नौबत आ गीस।
5 तब जम्मो डोंगहारमन डराके अपन-अपन देवता ला पुकारे लगिन। अऊ जहाज म लदे सामान ला ओमन
समुंदर म फेंके लगिन ताकि जहाज ह हल्का हो जावय।
पर योना ह जहाज के खाल्हे भाग म जाके सुत गे रिहिस, अऊ ओह भारी नींद म रिहिस।
6 तब जहाज के कप्तान ह ओकर मेर जाके कहिस, “तेंह कइसे सुतत हस? उठ अऊ अपन देवता ला पुकार!
सायद ओह हमर कोति धियान देवय कि हमन नास झन होवन।”
7 तब डोंगहारमन एक-दूसर ला कहिन, “आवव, हमन चिट्ठी डालके पता लगावन कि काकर कारन से ये
बिपत्ति आय हवय।” ओमन चिट्ठी डारिन अऊ चिट्ठी ह योना के नांव म निकलिस।
8 तब ओमन योना ले पुछिन, “हमन ला बता कि काकर कारन ये बिपत्ति हमर ऊपर आय हवय? तेंह का बुता
करथस? तें कहां ले आवत हस? कोन देस के अस? कोन जाति के मनखे अस?”
9 योना ह जबाब दीस, “मेंह एक इबरी अंव अऊ मेंह यहोवा, स्वरग के परमेसर के उपासना करथंव, जऊन ह
समुंदर अऊ जमीन दूनों ला बनाय हवय।”
10 ये सुनके ओमन डरा गीन अऊ ओमन पुछिन, “तेंह का करे हस?” (ओमन जान डारे रिहिन कि ओह यहोवा
मेर ले भाग के आय हे, काबरकि ओह ये बात ओमन ला बता डारे रिहिस।)
11 समुंदर के लहरामन बढ़तेच जावत रिहिन। तब ओमन ओला पुछिन, “हमन तोर संग का करन, जेकर से
समुंदर ह हमर बर सांत हो जाय?”
12 ओह ओमन ला कहिस, “मोला उठाके समुंदर म फेंक दव, तब समुंदर ह सांत हो जाही, काबरकि मेंह जानत
हंव कि मोर कारन ही ये भारी तूफान तुम्हर ऊपर आय हवय?”
13 तभो ले, डोंगहारमन जहाज ला समुंदर तीर म ले जाय के बहुंत कोसिस करिन। पर ओमन नइं ले जा
सकिन, काबरकि समुंदर के लहरामन पहिली ले अऊ भयंकर हो गे रिहिन।
14 तब ओमन यहोवा ला पुकारके कहिन, “हे यहोवा, किरपा करके ये आदमी के परान लेय के कारन हमन ला
नास झन होवन दे। हमन ला एक निरदोस आदमी ला मारे के दोसी झन ठहिरा, काबरकि हे यहोवा, जऊन बात
तोला बने लगिस, वइसन तेंह करे हस।”
15 तब ओमन योना ला उठाके समुंदर म फेंक दीन, अऊ समुंदर के भारी लहरामन थम गीन।
16 येला देखके ओमन यहोवा के बहुंतेच भय मानिन, अऊ ओमन यहोवा ला भेंट चघाईन अऊ मन्नत मानिन।

[illegible]

17 जब योना ला समुंदर म डार दिये गीस, त यहोवा ह एक बड़े मछरी ला ठहिराय रिहिस, जऊन ह योना ला
लील डारिस, अऊ योना ह ओ मछरी के पेट म तीन दिन अऊ तीन रात रिहिस।

2

* 1 योना ह मछरी के पेट ले यहोवा अपन परमेसर ले पराथना करिस।

---

* **2:** इबरानी म 2:1 ला 1:17, अऊ 2:1-10 ला 2:2-11गने गे हवय

2 ओह कहिस:
“अपन संकट म मेंह यहोवा ला पुकारें,
अऊ ओह मोला जबाब दीस।
मिरतू-लोक के गहरई ले मेंह मदद बर पुकारें,
अऊ तेंह मोर पुकार ला सुन लेय।
3 तेंह मोला गहिला म,
समुंदर के गहरई म डाल देय,
अऊ मेंह धारामन के मांझा म पड़े रहेंव;
तोर भड़के धारा अऊ लहरामन
मोर ऊपर ले बोहा गीन।
4 तब मेंह कहेंव, ‘मोला तोर आघू ले
निकाल दिये गे हवय;
तभो ले मेंह फेर
तोर पबितर मंदिर कोति देखहूं।’
5 बुड़ोइया पानी ह मोला डरवात रिहिस,
गहिला पानी मोला घेरे रिहिस;
समुंदरी घांस ह मोर मुड़ म लपटाय रिहिस।
6 मेंह पहाड़ के जरी तक चल दे रहेंव;
मेंह हमेसा बर भुइयां म गड़ गे रहेंव।
पर हे यहोवा मोर परमेसर,
तेंह मोला खंचवा म ले निकाले हस।

7 “जब मेंह बेहोस होवत रहेंव,
तब हे यहोवा, मेंह तोला सुरता करेंव,
अऊ मोर पराथना तोर मेर,
तोर पबितर मंदिर म पहुंचिस।

8 “जऊन मनखेमन बेकार के मूरतीमन म मन लगाथें
ओमन अपनआप ला परमेसर के मया ले दूरिहा कर लेथें।
9 पर मेंह, ऊंचहा सबद ले परसंसा करके
तोला बलिदान चघाहूं।
जऊन मन्नत मेंह माने हंव, ओला मेंह पूरा करहूं।
मेंह कहिहूं, ‘उद्धार सिरिप यहोवा ही से होथे।’ ”
10 तब यहोवा ह ओ बड़े मछरी ला हुकूम दीस, अऊ ओह योना ला सूखा भुइयां म उगल दीस।

3

[illegible]
1 तब यहोवा के बचन दूसर बार योना करा आईस:
2 “ओ बड़े नगर नीनवे म जा अऊ जऊन संदेस मेंह तोला दूहूं, ओकर तें उहां परचार कर।”
3 तब योना ह यहोवा के हुकूम ला मानके नीनवे ला गीस। नीनवे ह एक बहुंत बड़े सहर रिहिस; येमा ले चलके जाय म तीन दिन लगय।
4 योना ह एक दिन तक सहर के भीतर चलिस, अऊ ये परचार करत गीस, “अब ले चालीस दिन के बाद नीनवे ला नास कर दिये जाही।”

5 नीनवे के मनखेमन परमेसर ऊपर बिसवास करिन। उपास रखे के घोसना करे गीस अऊ छोटे ले लेके बड़े
मनखे, सबो झन बोरा* पहिरिन।
6 जब योना के चेतउनी ह नीनवे के राजा के कान म पहुंचिस, त ओह सिंघासन ले उठिस, अपन राज पोसाक
ला उतारिस अऊ बोरा ला ओढ़के राख ऊपर बईठ गीस।
7 ओह नीनवे म ये घोसना करवाईस:
"राजा अऊ ओकर परधानमन के फैसला के मुताबिक:
"कोनो मनखे या पसु, गरूवा-बईला या भेड़-बकरी, कुछू भी चीज झन खावंय; ओमन ला कुछू खाय या
पीये बर झन दिये जावय।
8 पर मनखे अऊ पसु दूनों बोरा ओढ़ंय। हर एक झन तुरते परमेसर ला पुकारय। ओमन अपन गलत काम
अऊ हिंसा ला छोंड़ंय।
9 कोन जाने? सायद परमेसर ह अपन मन ला बदल ले अऊ अपन भयंकर कोरोध ला छोंड़के हमर ऊपर
दया करे अऊ हमन नास होय ले बच जावन।"
10 जब परमेसर ह ओमन के काम ला देखिस कि कइसे ओमन अपन गलत काम ला छोंड़त हवंय, त परमेसर ह
अपन ईछा ला बदल दीस अऊ ओमन के ऊपर ओ बिनास नइं लानिस, जेला लाने के ओह ठाने रिहिस।

4

[illegible]

1 परमेसर के ये बात ह योना ला बहुंतेच गलत लगिस अऊ ओह गुस्सा हो गीस।
2 ओह यहोवा ले पराथना करिस, "हे यहोवा, का मेंह ये नइं कहे रहेंव, जब मेंह अपन घर म रहेंव? एकरे
कारन तरसीस कोति भागे के दुवारा मेंह अन्दाजा लगाय के कोसिस करेंव। मेंह जानत रहेंव कि तेंह अनुग्रहकारी
अऊ दयालु परमेसर अस; तेंह देरी से कोरोध करइया अऊ मया ले भरे हवस; तें अइसे परमेसर अस, जऊन ह
बिपत्ति डाले नइं चाहय।
3 हे यहोवा, अब तें मोर परान लेय ले, काबरकि मोर जीयत रहई ले मर जवई ह बने बात अय।"
4 पर यहोवा ह जबाब दीस, "का तोर कोरोध करई ह सही अय?"
5 तब योना ह निकलके ओ सहर के पूरब कोति एक जगह म बईठ गीस। उहां ओह अपन बर एक छाजन
बनाईस अऊ ओकर छइहां म बईठके इंतजार करे लगिस कि अब सहर के का होही?
6 तब यहोवा परमेसर ह पान-पतईवाला एक पऊधा* ला उगाईस अऊ अइसन बढ़ा दीस कि ओकर ले योना
के मुड़ म छइहां हो जाय अऊ ओला असुबिधा झन होवय, अऊ योना ह ओ पऊधा के कारन बहुंत खुस हो गीस।
7 पर ओकर दूसर दिन, बिहनियां परमेसर ह एक ठन कीरा ला भेजिस, जऊन ह ओ पऊधा ला कुतर दीस,
जेकर से ओ पऊधा ह सूखा गीस।
8 जब सूरज निकलिस, त परमेसर ह झुलसा देवइया पुरवई हवा चलाईस, अऊ घाम ह योना के मुड़ म पड़े
लगिस, जेकर से ओह बेहोस होय लगिस। योना ह मर जाय के ईछा करत कहिस, "बने होतिस कि मेंह जीयत
रहे के बदले मर जातेंव।"
9 पर परमेसर ह योना ला कहिस, "का ओ पऊधा बर कोरोध करई तोर बर उचित अय?"
ओह कहिस, "हव, उचित अय। मेंह अतेक गुस्सा म हंव कि मरे के मन होवत हे।"
10 पर यहोवा ह कहिस, "तेंह ये पऊधा बर चिंता करत हस, जेकर तेंह न तो देखभाल करे रहय अऊ न ही तें
ओला बढ़ाय रहय। येह रथिया भर म निकलिस अऊ रथिया भर म मर घलो गीस।
11 त फेर का में ये बड़े सहर नीनवे के चिंता नइं करंव, जेमा एक लाख बीस हजार ले जादा मनखे हवंय अऊ
जेमन अपन डेरी-जेवनी हांथ के भेद ला नइं जानंय—अऊ ये सहर म बहुंत पसु भी हवंय?"

---

* **3:5** [illegible] याने कि [illegible]
* **4:6** ये पऊधा के एकदम सही जानकारी नइं ए

मीका
के किताब

1 यहूदा के राजा योताम, आहाज अऊ हिजकियाह के सासनकाल म मोरेसेत नगर के रहइया मीका करा
यहोवा के ये बचन आईस, जेला ओह सामरिया अऊ यरूसलेम सहर के बारे म दरसन म देखिस।

2 हे जम्मो मनखेमन, सुनव,
हे धरती अऊ येमा रहइया जम्मो झन, सुनव,
कि परभू ह अपन पबितर मंदिर ले,
परमपरधान यहोवा ह तुम्हर बिरूध म गवाही देवय।

[illegible]
3 देखव! यहोवा अपन निवास ले निकलके आवत हवय;
ओह खाल्हे उतरके धरती के ऊंचहा जगहमन ला कुचरथे।
4 ओकर गोड़ के तरी पहाड़मन पिघल जाथें
अऊ घाटीमन तड़कके फट जाथें,
जइसने कि आगी के आघू मोम पिघलथे,
जइसने कि ढलान ले पानी गिरथे।
5 ये जम्मो ह याकूब के अपराध,
अऊ इसरायल के मनखेमन के पाप के परिनाम अय।
याकूब के अपराध का ए?
का सामरिया नो हय?
यहूदा के ऊंचहा जगह का ए?
का यरूसलेम नो हय?

6 एकरसेति मेंह सामरिया ला कचरा के कुढ़ा सहीं कर दूहूं,
एक अइसन जगह जिहां अंगूर के बारी लगाय जाथे।
मेंह ओकर पथरामन ला खाल्हे घाटी म लुड़का दूहूं
अऊ ओकर नीवमन ला खुला कर दूहूं।
7 ओकर जम्मो मूरतीमन ला कुटा-कुटा कर दिये जाही;
ओकर मंदिर के जम्मो चढ़ावा ला आगी म जरो दिये जाही;
मेंह ओकर जम्मो मूरतीमन ला नास कर दूहूं।
काबरकि ओह अपन भेंटमन ला बेस्यागमन करके कमाय हवय,
अऊ बेस्यागमन के बनी के रूप म ओमन ला फेर उपयोग म लाय जाही।

[illegible]
8 एकरसेति मेंह रोहूं अऊ सोक मनाहूं;
में खाली गोड़ अऊ नंगरा चलहूं-फिरहूं।
मेंह सियार सहीं नरियाहूं
अऊ उल्लू चिरई सहीं कलरहूं।
9 काबरकि सामरिया के महामारी ह ठीक नइं होवय;
येह यहूदा तक बगर गे हवय।
येह मोर मनखेमन के फाटक तक,

अऊ त अऊ येह यरूसलेम तक हबर गे हवय।
10 गत* सहर म येकर चरचा झन करव;
बिलकुल झन रोवव।
बेत-ओपरा† म जाके
धुर्रा म लोटव।
11 तुमन जऊन मन सापीर‡ सहर म रहिथव,
नंगरा अऊ निरलज होके आघू बढ़व।
जऊन मन सानान§ सहर म रहिथें
ओमन बाहिर नइं निकलहीं।
बेतेसेल नगर सोक मनात हवय;
येह तुम्हर कोनो अऊ बचाव नइं कर सकय।
12 जऊन मन मारोत* म रहिथें, ओमन पीरा म छटपटावत हवंय,
अऊ मदद पाय के इंतजार म हवंय,
काबरकि यहोवा कोति ले भेजे गय बिपत्ति
यरूसलेम के कपाट तक हबर गे हवय।
13 तुमन जऊन मन लाकीस नगर म रहिथव,
रथ म तेज दऊड़इया घोड़ामन ला साज पहिराव।
तुम्हर ले ही सियोन के बेटी के पाप के सुरूआत होईस,
काबरकि तुमन म ही इसरायल के अपराध पाय गीस।
14 एकरसेति तुमन ला ही
मोरेसेत गत ला बिदाई के उपहार देय बर पड़ही।
अकजीब† सहर के रहइयामन
इसरायल के राजामन बर धोखेबाज सिद्ध होहीं।
15 हे मारेसा‡ नगर के रहइयामन,
मेंह तुम्हर बिरूध एक बिजेता ला पठोहूं।
इसरायल के जाने-माने मनखेमन
अदुल्लाम ला भाग जाहीं।
16 अपन मयारू लइकामन बर सोक म अपन मुड़ के चुंदी ला मुड़ावव;
गिधवा कस अपन मुड़ ला चंदवा कर लेवव,
काबरकि तुम्हर लइकामन तुम्हर करा ले बंधुवई म चले जाहीं।

2

[illegible]
1 धिक्कार अय ओमन ला, जऊन मन दुस्ट काम करे के योजना बनाथें,
अऊ जऊन मन अपन दसना म पड़े-पड़े सडयंत्र करथें!
बिहनियां होवत ही ओमन अपन योजना ला पूरा करथें
काबरकि येला करे बर ओमन करा सत्ता होथे।
2 ओमन आने के खेत के लोभ करके ओला हड़प लेथें,
अऊ आने मन के घर ला घलो छीन लेथें।
ओमन मनखेमन के घरमन ला छल करके ले लेथें,
अऊ ओमन के पुरखा के संपत्ति ला लूट लेथें।
3 एकरसेति, यहोवा ह कहिथे:
"में ये मनखेमन के बिरूध बिपत्ति लाने के योजना बनावत हंव,

---

* **1:10** [illegible] इबरानी म [illegible] सहीं लगथे † **1:10** [illegible]-[illegible] एकर मतलब होथे [illegible] ‡ **1:11** [illegible] के मतलब होथे [illegible]
§ **1:11** [illegible] इबरानी म [illegible] सहीं लगथे * **1:12** [illegible] इबरानी म [illegible] सहीं लगथे † **1:14** [illegible] के मतलब होथे [illegible] ‡ **1:15** [illegible] इबरानी म [illegible] सहीं लगथे

जेकर ले तुमन अपनआप ला बचा नइं सकव।
तुमन घमंड ले मुड़ उठाके फेर कभू नइं चल सकव,
काबरकि येह बिपत्ति के घरी होही।
4 ओ दिन मनखेमन तुम्हर हंसी उड़ाहीं;
ओमन ये सोक गीत के संग तुमन ला ताना मारहीं:
'हमन पूरा बरबाद हो गेंन;
हमर मनखेमन के संपत्ति ला बांट दे गे हवय।
परमेसर येला मोर ले लेय लेथे!
ओह हमर खेतमन ला बिसवासघातीमन ला देय देथे।' "

5 एकरसेति यहोवा के सभा म भुइयां ला चिट्ठी दुवारा बांटे बर
तुम्हर करा कोनो नइं होही।

[illegible]

6 ओमन के अगमजानीमन कहिथें, "अगमबानी झन करव;
ये बिसय म अगमबानी झन करव;
हमर ऊपर कलंक नइं लगही।"
7 हे याकूब के संतानमन, का अइसे कहे जावय,
"का यहोवा ह धीरज नइं धरय?
का ओह अइसने काम करथे?"

"का मोर बचन ले ओकर भलई नइं होवय,
जऊन ह नियाय के रद्दा म चलथे?
8 कुछू समय पहिले ही मोर मनखेमन
एक बईरी कस उठ खड़े होय हवंय।
तुमन ओ मनखेमन के मंहगा कपड़ा ला छीन लेथव
जऊन मन बेफिकर होके जावत रहिथें,
मानो ओ मनखेमन लड़ई ले लहुंटत हवंय।
9 तुमन मोर मनखेमन के माईलोगनमन ला
ओमन के सुखमय घर ले निकाल देथव।
तुमन ओमन के लइकामन ले मोर आसीस ला
हमेसा बर छीन लेथव।
10 उठव, इहां ले चले जावव!
येह तुम्हर अराम करे के जगह नो हय,
काबरकि येह असुध हो गे हवय,
येह नास हो गे हवय, अऊ येकर कोनो ईलाज नइं ए।
11 कहूं कोनो लबरा अऊ धोखा देवइया मनखे आथे अऊ ये कहिथे,
'मेंह अगमबानी करहूं कि तुम्हर करा बहुंत अंगूर के मंद अऊ जौ के मंद होवय,'
त अइसने मनखे ह ये मनखेमन बर सही अगमजानी होही!

[illegible]

12 "हे याकूब के संतानमन, खचित मेंह तुमन जम्मो झन ला इकट्ठा करहूं;
खचित मेंह इसरायल के बांचे मनखेमन ला इकट्ठा करहूं।
जइसे भेड़मन ला कोठा म ओलियाय जाथे,
जइसे चरागन म बरदी ला संकेले जाथे, वइसे ही मेंह ओमन ला इकट्ठा करहूं;
ओ जगह म मनखेमन के भीड़ लग जाही।

13 ओ जऊन ह बाड़ा टोरके रद्दा बनाथे, ओह ओमन के आघू-आघू जाही;
ओमन दुवार ला टोरके बाहिर निकल जाहीं।
ओमन के राजा ह ओमन के आघू-आघू निकलही,
यहोवा ह ओमन के अगुवई करही।”

3

[illegible]
1 तब मेंह कहेंव,
“हे याकूब के अगुवामन, सुनव,
हे इसरायल के सासन करइयामन, सुनव।
का तुमन ला नियाय के काम नइं करना चाही,
2 तुमन जऊन मन भलई ले घिन करथव अऊ बुरई ले मया करथव;
तुमन, जऊन मन मोर मनखेमन के चमड़ी
अऊ ओमन के हाड़ा म ले मांस ला चीथ लेथव;
3 तुमन, जऊन मन मोर मनखेमन के मांस खाथव,
ओमन के खाल खींच लेथव
अऊ ओमन के हाड़ामन के कुटा-कुटा कर देथव;
तुमन, जऊन मन ओमन ला कराही म रंधइया मांस
या बरतन म रखे मांस के सहीं काट डारथव?”

4 तब ओमन यहोवा ला पुकारहीं,
पर ओह ओमन के नइं सुनही।
ओमन के दुस्ट काम के कारन
ओ बेरा ओह अपन मुहूं ला ओमन ले छुपा लीही।
5 यहोवा ह ये कहिथे:
“ओ अगमजानी
जऊन मन मोर मनखेमन ला भटका देथें,
कहूं ओमन ला खाय बर कुछू मिलथे,
तब ओमन सांति के घोसना करथें,
पर जऊन मनखे ह ओमन ला खवाय बर मना करथे,
ओकर बिरूध म लड़ई करे बर तियार हो जाथें।
6 एकरसेति बिगर दरसन के तुम्हर ऊपर रथिया आ जाही
अऊ बिगर सकुन-बिचार के तुम्हर ऊपर अंधियार छा जाही।
अगमजानीमन बर बेर ह बुड़ जाही,
अऊ दिन रहत ओमन ऊपर अंधियार छा जाही।
7 अगम के बात ला देखइयामन लज्जित होहीं
अऊ सकुन-बिचार करइयामन कलंकित होहीं।
ओमन जम्मो लाज के मारे अपन मुहूं ढांप लीहीं
काबरकि ओमन ला परमेसर ले कोनो जबाब नइं मिलही।”
8 पर जहां तक मोर बात ए,
मेंह यहोवा के आतमा के संग सक्ति ले
अऊ नियाय अऊ बल ले भरे हंव,
ताकि याकूब ला ओकर अपराध,
अऊ इसरायल ला ओकर पाप बता सकंव।

9 हे याकूब के अगुवामन, ये बात ला सुनव,

हे इसरायल के सासन करइयामन, सुनव,
तुमन जऊन मन नियाय ला तुछ समझथव
अऊ जम्मो सही बातमन ला बिगाड़थव;
10 तुमन जऊन मन सियोन ला खून-खराबा ले,
अऊ यरूसलेम ला दुस्टता ले भरथव।
11 ओकर* अगुवामन घूस लेके नियाय करथें,
ओकर पुरोहितमन दाम लेके सिकछा देथें,
अऊ ओकर अगमजानीमन पईसा बर सकुन-बिचार करथें।
तभो ले ओमन यहोवा के मदद के आसा करत कहिथें,
"का यहोवा हमर बीच म नइं ए?
कोनो बिपत्ति हमर ऊपर नइं आही।"
12 एकरसेति तुम्हर कारन,
सियोन ला कोनो खेत के सहीं जोते जाही,
यरूसलेम ह गोटी-पथरामन के कुढ़ा हो जाही,
अऊ मंदिर के पहाड़ी ह झाड़ीमन ले भरके एक टीला बन जाही।

4

[illegible]
1 आखिरी के दिनमन म,
यहोवा के मंदिर के पहाड़ ह
सबले ऊंच पहाड़ के रूप म स्थापित करे जाही;
येला जम्मो पहाड़ीमन ले ऊंचहा करे जाही,
अऊ मनखेमन पानी के धारा सहीं येकर करा आहीं।
2 बहुंत जाति के मनखेमन आके कहिहीं,
"आवव, हमन यहोवा के पहाड़ ऊपर,
याकूब के परमेसर के मंदिर म चलन।
ओह हमन ला अपन नियम-कानून सिखोही,
ताकि हमन ओकर रसता म चलन।"
कानून ह सियोन ले,
यहोवा के बचन ह यरूसलेम ले निकलही।
3 ओह बहुंते मनखेमन के नियाय करही
अऊ दूरिहा तक फईले ताकतवर जातिमन के झगरा के निपटारा करही।
ओमन अपन तलवारमन ला पीट-पीटके नांगर के फाल
अऊ अपन बरछीमन ला हंसिया बना डारहीं।
एक जाति ह आने जाति के बिरूध लड़ई नइं करही,
अऊ न ही ओमन फेर लड़ई करे के सिकछा दीहीं।
4 हर एक जन अपन ही अंगूर के नार
अऊ अपन ही अंजीर के रूख के खाल्हे बईठही,
अऊ ओमन ला कोनो नइं डराही,
काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहे हवय।
5 जम्मो जातिमन अपन-अपन
देवतामन के नांव लेके चलंय त चलंय,
पर हमन सदा-सर्वदा यहोवा
अपन परमेसर के नांव लेके चलबो।

---

* **3:11** या [illegible]

[illegible]
6 यहोवा ह घोसना करत हे,
“ओ दिन मेंह लंगड़ामन ला इकट्ठा करहूं;
मेंह बंधुवा मनखेमन ला
अऊ ओमन ला इकट्ठा करहूं, जेमन ला मेंह दुख दे हवंव।
7 मेंह लंगड़ामन ला अपन बांचे भाग,
अऊ भगाय गय मन ला एक ताकतवर जाति बनाहूं।
तब ओ दिन ले लेके सदा-सर्वदा तक
यहोवा ह सियोन पहाड़ म ओमन ऊपर सासन करही।
8 जहां तक तुम्हर बात ए, हे झुंड के पहरेदारी करे के मचान,
हे सियोन के बेटी के सुरकछा गढ़*,
तुमन ला तुम्हर पहिली के राज दे दिये जाही;
बेटी यरूसलेम ला राजपद दिये जाही।”

9 तेंह अब ऊंचहा अवाज म काबर चिचियावत हवस—
का तोर कोनो राजा नइं ए?
का तोर सासन करइया नास हो गे हवय,
कि तोला लइका जनमइया माईलोगन सहीं पीरा होवत हे?
10 हे बेटी सियोन लइका जनमइया माईलोगन सहीं
पीरा म छटपटा,
काबरकि अब तोला सहर ला छोंड़के
खुला मैदान म डेरा डालना जरूरी अय।
तेंह बेबिलोन जाबे;
उहां तोला बचाय जाही।
उहां यहोवा ह तोला
तोर बईरीमन के हांथ ले छोंड़ाही।

11 पर अब तोर बिरूध म
बहुंत जातिमन जूरत हें।
ओमन कहिथें, “ओला असुध होवन दव,
सियोन के दुरगति हमर आनंद के बिसय होवय!”
12 पर ओमन यहोवा के
बिचार ला नइं जानंय;
ओमन ओकर योजना ला नइं समझंय,
कि ओह ओमन ला फसल के बीड़ा के सहीं कोठार म कुढ़ोय हवय।
13 “हे बेटी सियोन, उठ अऊ मिंजई कर,
काबरकि मेंह तोला लोहा के सींग दूहूं;
मेंह तोला कांसा के खुर दूहूं,
अऊ तेंह बहुंत जातिमन ला कुटा-कुटा कर देबे।”
तेंह ओमन के लूटे गय चीजमन ला यहोवा ला,
अऊ ओमन के संपत्ति ला पूरा धरती के परभू ला अरपित करबे।

5

[illegible]

---

* **4:8** या [illegible]

* 1 हे सैनिक दलमन के सहर, अपन सैनिकमन ला कतार म कर ले,
काबरकि हमर बिरूध एक घेरा डाले गे हवय।
ओमन इसरायल के सासक के गाल म
लउठी ले मारहीं।

2 "पर तेंह, हे बैतलहम एपराता,
हालाकि तेंह यहूदा के बंसमन† म छोटे अस,
तभो ले तोर म ले ही मोर बर एक झन निकलके आही
जऊन ह इसरायल ऊपर सासन करही,
जेकर आरंभ पुराना समय ले,
प्राचीन समय ले होय हवय।"

3 एकरसेति इसरायल ला ओ समय तक तियाग दिये जाही,
जब तक ओ जऊन ह छेवारी होय के पीरा म हवय, एक बेटा ला नइं जनमे,
अऊ ओकर बाकि भाईमन
इसरायलीमन संग मिल जाय बर लहुंटके नइं आ जावंय।

4 यहोवा के सक्ति ले,
यहोवा अपन परमेसर के नांव के परताप ले
ओह ठाढ़ होही अऊ अपन झुंड के देखरेख करही।
अऊ ओमन निरभय रहिहीं, काबरकि तब
धरती के छोर तक मनखेमन ओकर महानता ला जानहीं।

5 अऊ ओह हमर सांति होही
जब अस्सूरीमन हमर देस ऊपर हमला करहीं
अऊ हमर गढ़मन म हमाहीं।
हमन ओमन के बिरूध सात चरवाहा,
बरन आठ सेनापति ठाढ़ कर देबो,
6 जऊन मन अस्सूर देस ऊपर,
निमरोद के देस ऊपर तलवार ले सासन करहीं।
ओह हमन ला अस्सूर के निवासीमन ले छोंड़ाही
जब ओमन हमर देस ऊपर हमला करहीं
अऊ हमर सिवाना ला पार करहीं।

7 याकूब के बांचे भाग
बहुंत मनखेमन के बीच म होही।
ओह यहोवा के पठोय ओस सहीं,
कांदी ऊपर पड़ोइया बारिस सहीं होही,
ओह काकरो इंतजार नइं करय
या कोनो मनखे ऊपर निरभर नइं रहय।
8 याकूब के बांचे भाग ह जाति-जाति के बीच
अऊ मनखेमन के बीच म अइसने होही,
जइसने एक सिंह ह जंगल के पसुमन के बीच म होथे,
अऊ एक जवान सिंह भेड़मन के झुंड के बीच होथे,
अऊ ओह ओमन के बीच ले जावत ओमन ऊपर झपटके ओमन ला चीर देथे,

* **5:** इबरानी म 5:1 ला 4:14, अऊ 5:2-15 ला 5:1-14 गने गे हवय † **5:2** या ?????

अऊ कोनो ओमन ला बचा नइं सकंय।
9 तुम्हर हांथ ह अपन बईरीमन ऊपर जय पाय के खुसी म ऊपर उठही,
अऊ तुम्हर जम्मो बईरीमन नास करे जाहीं।
10 यहोवा ह घोसना करत हे,
“ओ दिन मेंह तुम्हर घोड़ामन ला तुम्हर बीच म ले नास कर दूहूं
अऊ तुम्हर रथमन ला घलो नास कर दूहूं।
11 मेंह तुम्हर देस के सहरमन ला नास कर दूहूं
अऊ तुम्हर जम्मो गढ़मन ला टोर दूहूं।
12 मेंह तुम्हर जादू-टोना ला खतम कर दूहूं
अऊ तुमन फेर कभू जादू-टोना के बात नइं करहू।
13 मेंह तुम्हर मूरतीमन ला
अऊ तुम्हर बीच ले तुम्हर पबितर पथरामन ला नास कर दूहूं;
तुमन फेर कभू अपन हांथ ले बनाय
चीजमन के अराधना नइं करहू।
14 जब मेंह तुम्हर सहरमन ला बिनास करहूं
त मेंह तुम्हर बीच ले तुम्हर असेरा नांव के खंभामन‡ ला उखान फेंकहूं।
15 मेंह गुस्सा अऊ कोरोध म ओ जातिमन ले बदला लूहूं
जऊन मन मोर बात ला नइं माने हवंय।”

6

[illegible]
1 सुनव कि यहोवा ह का कहत हे:
“उठव, अऊ पहाड़मन के आघू म मोर मामला ला रखव;
पहाड़ीमन सुनंय कि तुम्हर का कहना हे।

2 “हे पहाड़मन, यहोवा के दुवारा लगाय आरोप ला सुनव;
हे धरती के अटल नींव, तुमन घलो सुनव।
काबरकि यहोवा के अपन मनखेमन के बिरूध एक मामला हवय;
ओह इसरायल के बिरूध एक मामला दायर करत हवय।

3 “हे मोर मनखेमन, मेंह तुम्हर संग का अनियाय करे हवंव?
मोला बतावव कि मेंह तुम्हर ऊपर का बोझ डारे हवंव?
4 मेंह तुमन ला मिसर देस ले बाहिर निकालेंव
अऊ तुमन ला गुलामी के देस ले छोंड़ांय।
मेंह तुम्हर अगुवई करे बर मूसा ला पठोंय,
हारून अऊ मिरियम ला घलो पठोंय।
5 हे मोर मनखेमन, सुरता करव
मोआब के राजा बालाक ह का सडयंत्र करे रिहिस
अऊ बेओर के बेटा बिलाम ह का जबाब दीस।
सित्तीम ले गिलगाल तक अपन यातरा ला सुरता करव,
ताकि तुमन यहोवा के धरमी काममन ला जान सकव।”

6 में यहोवा के आघू म का लेके आवंव

‡ **5:14** असेरा देवी के लकरी के प्रतीक

अऊ महिमामय परमेसर के आघू म दंडवत करंव?
का में होम-बलिदान बर एक-एक साल के बछरू लेके
ओकर आघू म आवंव?
7 का यहोवा ह हजारों मेढ़ा,
अऊ जैतून तेल के दस हजार नदीमन ले खुस होही?
का में अपन अपराध के पछतावा करे बर अपन पहिलांत बेटा ला बलिदान करंव
या अपन आतमा के पाप बर अपन जनमाय कोनो ला बलिदान करंव?
8 हे मरनहार मनखे, ओह तोला देखाय हवय कि का ह बने अय।
अऊ यहोवा ह तोर ले का चाहथे?
नियाय के काम करव अऊ दया करे बर झन छोंड़व
अऊ अपन परमेसर संग नमरता से चलव।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

9 सुनव! यहोवा ह सहर* ला बलावत हे—
अऊ तोर नांव के भय मनई ही बुद्धिमानी ए—
"लउठी अऊ येला ठहिरानेवाला के बात ला धियान देके सुनव।
10 हे दुस्ट घर, का में अब घलो तोर दुस्टता ले कमाय धन,
अऊ ओ छोटे नाप ला बिसरा दंव, जऊन ह सरापित अय?
11 का में कोनो ला बेईमानी के नाप,
अऊ गलत वजन के थैली के संग छोंड़ दंव?
12 तोर धनी मनखेमन हिंसा करथें;
तोर निवासीमन लबरा अंय
अऊ ओमन धोखा देवइया बात करथें।
13 एकरसेति, मेंह तुम्हर पाप के कारन
तुमन ला नास करई, तुम्हर पतन करई सुरू कर चुके हंव।
14 तुमन जेवन तो करहू पर मन ह नइं भरही;
खाय के बाद घलो तुम्हर पेट ह खाली रहिही।
तुमन जमा तो करहू पर कुछू घलो नइं बांचही,
काबरकि तुम्हर जमा-पूंजी ला मेंह तलवार ले लुटवा दूहूं।
15 तुमन अनाज के बोवई तो करहू, पर फसल नइं काटहू;
तुमन जैतून के तेल तो निकालहू, पर ओ तेल के उपयोग नइं कर सकहू,
तुमन अंगूर ला तो कुचरहू, पर ओकर मंद ला पी नइं सकहू।
16 तुमन ओमरी राजा के बिधि-बिधान
अऊ अहाब राजा के घर के जम्मो रीति-रिवाजमन ला पालन करे हव;
तुमन ओमन के परंपरा के घलो पालन करे हव।
एकरसेति मेंह तुम्हर बिनास कर दूहूं
अऊ तुम्हर मनखेमन के ठट्ठा करे जाही;
तुमन जाति-जाति के मनखेमन के अपमान सहिहू।"

7

[illegible] [illegible] [illegible]

1 मोर का दुरगति हवय!
में ओ मनखे जइसे अंव, जऊन ह
धूपकाला के फर ला अंगूर के बारी के बिनई म बटोरथे;

---

* **6:9** या [illegible]

खाय बर अंगूर के कोनो गुच्छा नइं बांचे हे,
मेंह सुरू के अंजीर के फर के जऊन ईछा करे रहेंव, ओमन घलो नइं एं।
2 बिसवास लईक मनखेमन देस ले नास हो गे हवंय;
एको झन ईमानदार मनखे नइं बांचे हवंय।
हर एक जन लहू बोहाय के घात म लगे रहिथे;
ओमन जाल फईलाके एक-दूसर ला फंसाय के चक्कर म रहिथें।
3 ओमन के दूनों हांथ दुस्ट काम करे म माहिर हवंय;
सासन करइयामन ईनाम के मांग करथें,
नियायधीसमन घूस लेथें,
सक्तिसाली मनखेमन अपन ईछा ला पूरा करे बर मनमानी करथें—
ओमन जम्मो मिलके सडयंत्र रचथें।
4 ओमन म जऊन ह सबले बने माने जाथे, ओह एक कांटावाले झाड़ी के सहीं अय,
जऊन ह सबले जादा ईमानदार समझे जाथे, ओह एक कांटावाले बाड़ा ले घलो खराप होथे।
तुम्हर करा, परमेसर के आय के दिन हो गे हवय,
याने कि तुम्हर पहरेदार के खतरा के घंटी बजाय के दिन आ गे हवय।
अब तुम्हर घबराय के बेरा ए।
5 कोनो परोसी ऊपर बिसवास झन करबे,
अऊ न ही कोनो संगी ऊपर भरोसा करबे।
अऊ त अऊ अपन घरवाली, जऊन ह तोला धरके लेटथे,
ओकर ले घलो संभलके बात करबे।
6 काबरकि बेटा ह अपन ददा के अनादर करथे,
बेटी ह अपन दाई के बिरूध,
अऊ बहू ह अपन सास के बिरूध ठाढ़ होथे—
मनखे के बईरी ओकर खुद के परिवार के मनखेमन होथें।

7 पर जहां तक मोर बात ए, मोर आसा ह यहोवा ऊपर लगे रहिथे,
में अपन उद्धार करइया परमेसर के बाट जोहथंव;
मोर परमेसर ह मोर बात ला सुनही।

?????? ? ????

8 हे मोर बईरी, मोर दसा ऊपर आनंद झन मना!
हालाकि मेंह गिर गे हंव, पर मेंह ठाढ़ होहूं।
हालाकि मेंह अंधियार म बईठे हंव,
पर यहोवा ह मोर अंजोर होही।
9 काबरकि मेंह ओकर बिरूध पाप करे हंव,
एकरसेति मेंह तब तक यहोवा के कोरोध ला सहत रहिहूं,
जब तक कि ओह मोर मामला ला सुनके
मोला नियाय नइं देवय।
ओह मोला अंजोर म ले आही;
मेंह ओकर धरमीपन ला देखहूं।
10 तब मोर बईरी ह येला देखही
अऊ सरम के मारे अपन मुहूं ला ढांप लीही,
ये बईरी ओही अय, जऊन ह मोला कहिस,
"कहां हवय यहोवा तोर परमेसर?"
मेंह ओ बईरी के पतन ला देखहूं;

इहां तक कि ओह् गली के चीखला सहीं
गोड़ खाल्हे रऊंदे जाही।

11 तुम्हर भीथीमन ला बनाय के दिन,
अऊ तुम्हर सीमनामन ला बढ़ाय के दिन ह आही।
12 ओ दिन मनखेमन तुम्हर करा
अस्सूर ले अऊ मिसर देस के सहरमन ले आहीं,
इहां तक कि मिसर देस ले लेके फरात नदी तक ले,
अऊ समुंदर ले लेके समुंदर के बीच के
अऊ पहाड़ ले लेके पहाड़ के बीच के देसमन ले मनखेमन तुम्हर करा आहीं।
13 धरती के निवासीमन के कारन, ओमन के काम के परिनाम स्वरूप,
धरती ह उजड़ जाही।

[illegible]

14 अपन मनखेमन के रखवारी,
अपन उत्तराधिकार म पाय झुंड के रखवारी अपन लउठी ले करव,
जऊन ह जंगल म,
अऊ उपजाऊ चरागन म अपन भरोसा म रहिथे।
ओमन ला बहुंत पहिले के सहीं
बासान अऊ गिलाद म चरन दव।

15 "जब तुमन मिसर देस ले निकलके आयेव, ओ दिनमन सहीं,
मेंह ओमन ला अचरज के काम देखाहूं।"

16 जाति-जाति के मनखेमन येला देखहीं
अऊ अपन सक्ति ले बंचित होके सरमिंदा होहीं।
ओमन सरम के मारे अपन मुहूं अपन हांथ ले ढांप लीहीं
अऊ ओमन के कानमन भैंरा हो जाहीं।
17 ओमन सांप सहीं,
अऊ भुइयां म रेंगइया जन्तु सहीं धुर्रा चाटहीं।
ओमन अपन मांद ले कांपत निकलहीं;
ओमन यहोवा हमर परमेसर ले डरहीं
अऊ तोर ले भयभीत होहीं।
18 तोर सहीं अऊ कोन परमेसर हवय,
जऊन ह अपन निज भाग के बांचे मनखेमन के
पाप अऊ अपराधमन ला छेमा करथे?
तोर कोरोध ह हमेसा बर नइं रहय
पर दया देखाय म तोला खुसी होथे।
19 तेंह हमर ऊपर फेर दया करबे;
तेंह अपन गोड़ खाल्हे हमर पापमन ला कुचर देबे
अऊ हमर दुस्टता के जम्मो काम ला गहिरा समुंदर म फटिक देबे।
20 जइसे कि बहुंत पहिले हमर पुरखामन ले किरिया खाके,
तेंह परतिगियां करे रहे, ओकरे मुताबिक
तेंह याकूब के मनखेमन बर बिसवासयोग्य बने रहिबे,
अऊ अब्राहम के बंस के मनखेमन ला मया देखाबे।

नहूम
के किताब

1 नीनवे सहर के बारे म अगमबानी। एलकोस के रहइया नहूम के दरसन के किताब।

[illegible]
2 यहोवा जलन रखइया अऊ बदला लेवइया परमेसर अय;
यहोवा बदला लेथे अऊ कोरोध ले भरे हवय।
यहोवा अपन बईरीमन ले बदला लेथे
अऊ अपन कोरोध अपन बईरीमन के बिरूध देखाथे।
3 यहोवा ह कोरोध करे म धीमा, पर सामर्थ म बड़े अय;
यहोवा दुस्टमन ला दंड देय बिगर नइं छोंड़ही।
ओकर रद्दा ह बवंडर अऊ आंधी म ले होके जाथे,
अऊ बादरमन ओकर गोड़ के धुर्रा अंय।
4 ओह समुंदर ला दबकारथे अऊ ओला सूखा देथे;
ओह जम्मो नदीमन ला सूखा देथे।
बासान के खेत अऊ करमेल पहाड़ के बगीचा कुम्हला जाथें
अऊ लबानोन के फूल मुरझा जाथें।
5 यहोवा के आघू म पहाड़मन कांपथें
अऊ पहाड़ीमन टघल जाथें।
ओकर आघू म धरती,
पूरा संसार अऊ ओमा रहइया जम्मो कांपथें।
6 ओकर कोरोध के सामना कोन कर सकथे?
ओकर भयंकर कोरोध ला कोन सह सकथे?
ओकर कोप ह आगी सहीं भड़कथे;
ओकर आघू म चट्टानमन चूर-चूर हो जाथें।

7 यहोवा बने अय,
अऊ संकट के बेरा म मजबूत गढ़ अय।
ओह ओमन के खियाल रखथे, जऊन मन ओकर ऊपर भरोसा रखथें,
8 पर एक भयंकर बाढ़ के दुवारा
ओह नीनवे सहर ला खतम कर दीही;
ओह अपन बईरीमन ला अंधियार के राज म भगा दीही।

9 ओमन जऊन भी सडयंत्र यहोवा के बिरूध करहीं
ओह ओला असफल कर दीही;
संकट ह दूबारा नइं आही।
10 ओकर बईरीमन कंटिला झाड़ीमन म फंस जाहीं
अऊ मंद पीके मतवार होहीं;
ओमन ला खेत म सूखाय नर्रा सहीं जलाके नास कर दिये जाही।
11 हे नीनवे, तोर ले ही एक जन निकले हवय
जऊन ह यहोवा के बिरूध दुस्टता के सडयंत्र करथे,
अऊ दुस्ट योजना बनाथे।
12 यहोवा ह ये कहिथे:

“हालाकि ओमन संग ओमन ला मदद करइयामन हवंय अऊ ओमन अनगिनत हवंय,
पर ओमन नास करे जाहीं अऊ मिट जाहीं।
हे यहूदा, हालाकि मेंह तोला पीरा दे हवंव,
पर अब मेंह तोला पीरा नइं दंव।
13 अब मेंह तोर गरदन म रखे ओमन के जुड़ा ला टोर दूहूं
अऊ तोर बेड़ीमन ला टोर दूहूं।”

14 हे नीनवे, यहोवा ह तोर बारे म एक हुकूम दे हवय:
“तोर बंस ला बढ़ाय बर तोर कोनो संतान नइं होहीं।
मेंह तोर देवतामन के मंदिर म रखे
तोर पूजा के चीज अऊ मूरतीमन ला नास कर दूहूं।
में तोर बर कबर कोड़हूं,
काबरकि तेंह दुस्ट अस।”

15 देख, उहां पहाड़मन ऊपर,
ओकर गोड़मन ला देख, जऊन ह सुघर संदेस लाथे,
जऊन ह सांति के घोसना करथे!
हे यहूदा, अपन तिहारमन ला मना,
अऊ अपन मन्नतमन ला पूरा कर।
काबरकि दुस्ट मनखेमन अब तोर ऊपर हमला नइं करंय;
ओमन ला पूरा नास करे जाही।*

2

[illegible]
* 1 हे नीनवे, एक हमला करइया ह तोर बिरूध म आवत हे,
एकरसेति गढ़मन के सुरकछा कर,
सड़क के रखवारी कर,
अपनआप ला मजबूत कर,
अपन पूरा सैनिक बल ला तियार कर ले!

2 यहोवा ह याकूब के सोभा ला
इसरायल के सोभा सहीं कर दीही,
हालाकि नास करइयामन ओमन ला उजाड़ दे हवंय
अऊ ओमन के अंगूर के नारमन ला नास कर दे हवंय।

3 ओमन के सैनिकमन के ढाल के रंग ह लाल हे;
ओकर योद्धामन भड़कीला लाल कपड़ा पहिरे हवंय।
जऊन दिन ओमन ला लड़ई बर तियार करे जाथे,
ओमन के रथ के धातु ह चमकथे;
सनोवर के बरछीमन ला घुमाय जाथे।
4 गलीमन म रथमन तेजी से दऊड़थें,
अऊ चऊक म एती ले ओती भागत रहिथें।
ओमन बरत मसाल सहीं दिखथें;
ओमन बिजली सहीं भागथें।

* **1:15** इबरानी म पद (1:15) ला 2:1 गने गे हवय * **2:** इबरानी म 2:1-13 ला 2:2-14 गने गे हवय

5 नीनवे अपन छांटे गय सैनिक दलमन ला आय के आदेस देथे,
पर ओमन अपन रद्दा म लड़खड़ाथें।
ओमन सहर के दीवार ले टकराथें;
सुरकछा के ढाल अपन जगह म खड़े करे गे हवय।
6 नदी के दुवारमन ला खोल दिये गे हवय
अऊ महल ह गिरत हे।
7 ये निरनय हो गे हवय कि
नीनवे ला बंधुवा बनाके ले जाय जावय।
ओकर गुलाम माईलोगनमन पंड़की चिरई सहीं बिलाप करहीं
अऊ अपन छाती पीटहीं।
8 नीनवे ह पानी के एक पोखरी सहीं अय,
जेकर पानी सूखात जावत हे।
ओमन चिचियाके कहिथें, "रूकव! रूकव!"
पर कोनो मुड़के नइं देखंय।
9 चांदी ला लूटव!
सोन ला लूटव!
येकर जम्मो खजानामन ले
धन अवई ह खतम नइं होवय!
10 ओला लूट लिये, छीन लिये अऊ ओकर कपड़ा उतार लिये गे हवय!
हिम्मत ही नइं ए, माड़ीमन म ताकत नइं ए,
देहेंमन कांपत हें, अऊ हर एक के चेहरा के रंग उड़ गे हवय।

11 अब कहां हवय सिंहमन के मांद,
ओ जगह जिहां ओमन अपन छोटे सिंहमन ला खाना खवात रिहिन,
जिहां सिंह अऊ सिंहनी जावत रिहिन,
अऊ ओमन के लइकामन निडर होके रहत रिहिन?
12 सिंह अपन लइकामन बर भरपूर सिकार करत रिहिस
अऊ अपन संगी सिंहनी बर सिकार ला गला घोंटके मारत रिहिस,
अऊ अपन मांद ला मारे गे पसु ले
अऊ अपन गुफा ला सिकार ले भर लेवत रिहिस।

13 सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे,
"मेंह तुम्हर बिरूध हवंव।
मेंह तुम्हर रथमन ला आगी ले जला दूहूं,
अऊ तुम्हर जवान सिंह सहीं सैनिकमन तलवार ले मारे जाहीं।
मेंह धरती ऊपर तुम्हर सिकार करे बर कुछू नइं छोड़ंव।
तुम्हर संदेसियामन के अवाज
फेर कभू सुनई नइं दीही।"

3

[illegible]
1 धिक्कार ए ओ खून के सहर* ला,
जऊन ह लबारी बात ले भरे हवय,
जऊन ह लूट-पाट ले भरे हवय,

* **3:1** या [illegible]

अऊ जऊन ह दुखित-पीड़ित मनखेमन ले कभू नइं छूटय!
2 कोर्रा के चटके के अवाज,
चक्कामन के खड़खड़ई,
घोड़ामन के सरपट भगई
अऊ रथमन के हालई-डोलई!
3 घुड़सवार सेना के हमला करई,
तलवारमन के चमकई
बरछीमन के चमकई!
मार डारे गय बहुंत मनखे,
लासमन के ढेर,
अनगिनत मरे मनखेमन के देहें,
लासमन के ऊपर लड़खड़ावत मनखे—
4 ये जम्मो एक बेस्या के लम्पट वासना के कारन अय,
जऊन ह ललचाथे अऊ जादू-टोना के मालकिन अय,
जऊन ह जाति-जाति के मनखेमन ला अपन बेस्यागमन ले
अऊ अपन जादू-टोना ले गुलाम बना लेथे।

5 यहोवा ह घोसना करत हे, "मेंह तुम्हर बिरूध हवंव।
मेंह तुम्हर लंहगा ला तुम्हर चेहरा ऊपर तक उठा दूहूं।
मेंह जाति-जाति के मनखेमन ला तुम्हर नंगई ला देखाहूं
अऊ राज-राज म तुमन ला लज्जित करहूं।
6 मेंह तुम्हर ऊपर कचरा-कूटा फटिकहूं,
मेंह तुमन ला अपमानित करहूं
अऊ तुम्हर तमासा बनाहूं।
7 ओ जम्मो जऊन मन तुमन ला देखहीं, ओमन तुम्हर ले दूरिहा भागहीं अऊ कहिहीं,
'नीनवे नास हो गीस—कोन ओकर बर बिलाप करही?'
तुमन ला सांति देय बर मोला कोनो कहां मिल सकत हे?"

8 का तुमन ओ थेबेस सहर ले जादा बने अव,
जऊन ह नील नदी म बसे हवय,
जेकर चारों कोति ह पानी ले घेराय हवय?
नदी ह ओकर सुरकछा रिहिस,
अऊ पानी ह ओकर बर दीवार रिहिस।
9 कूस अऊ मिसर देस ओकर बर असीमित बल रिहिन,
पूत अऊ लिबिया ओकर संगी देसमन रिहिन।
10 तभो ले ओला बंधुवा बनाके
बंधुवई म ले जाय गीस।
हर गली के मोड़ म ओकर छोटे लइकामन ला
पटक-पटकके मार डारे गीस।
ओकर परभावसाली मनखेमन बर चिट्ठी निकाले गीस,
अऊ ओकर जम्मो बड़े मनखेमन ला बेड़ीमन म बांध दिये गीस।
11 हे नीनवे सहर, तेंह घलो नसा म मतवार हो जाबे;
तेंह लुकाय बर चले जाबे
अऊ बईरीमन ले बांचे बर आसरय खोजबे।

12 तोर जम्मो गढ़मन ओ अंजीर रूखमन सहीं अंय
जेमन म पहिली-फसल के पाके फर होथें;
जब ओमन ला हलाय जाथे,
त अंजीर के फरमन खानेवाला के मुहूं म गिरथें।
13 अपन सैनिक दलमन ला देख—
ओ जम्मो दुरबल हो गे हवंय।
तोर देस के दुवारमन
तोर बईरीमन बर खुले हवंय;
आगी ह तोर दुवारमन के छड़मन ला जलाके नास कर दे हवय।

14 अपन सैनिक घेरा बर पानी भर ले,
अपन सुरकछा ला मजबूत कर!
माटी ला तियार कर,
गोड़ ले खुंदके गारा बना ले,
ईंटा बनाय के काम ला सुधार!
15 उहां आगी ह तोला जलाके नास कर दीही;
तलवार ह तोला काट डारही—
ओमन तोला फांफामन के दल सहीं खा जाहीं।
फांफामन सहीं अपन संखिया ला बढ़ावव,
टिड्डीमन सहीं अपन संखिया ला बढ़ावव!
16 तुमन अपन बेपारीमन के संखिया
अकास के तारामन के संखिया ले घलो जादा बढ़ा ले हवव,
पर ओमन टिड्डीमन सहीं
देस ला नास करके भाग जाथें।
17 तोर पहरेदारमन टिड्डीमन सहीं अंय,
तोर करमचारीमन टिड्डीमन के दल सहीं अंय
जऊन मन ठंड के दिन म दीवारमन म रहिथें—
पर जब सूरज निकलथे त ओमन उड़ जाथें,
अऊ कोनो नइं जानंय कि ओमन कहां जाथें।

18 हे अस्सूर के राजा, तोर चरवाहामन† ओंघाथें;
तोर परभावसाली मनखेमन अराम करे बर लेट जाथें।
तोर मनखेमन पहाड़ ऊपर तितिर-बितिर हो गे हवंय
अऊ ओमन ला इकट्ठा करइया कोनो नइं अंय।
19 तोर चंगई नइं हो सकय;
तोर घाव ह बहुंत घातक ए।
ओ जम्मो, जऊन मन तोर बारे म सुनथें,
ओमन तोर पतन ऊपर ताली बजाथें,
काबरकि अइसने कोन हे
जऊन ह तोर खतम नइं होवइया निरदयता ले बच सके हे?

† **3:18** याने कि, सासकमन

हबक्कूक
के किताब

1 अगमबानी, जेला हबक्कूक अगमजानी ह पाईस।

[illegible]
2 हे यहोवा, मेंह कब तक मदद बर तोर ले गोहार लगावत रहंव,
पर तेंह नइं सुनत हस?
या मेंह कब तक चिल्लावत रहंव, "हिंसा!"
पर तेंह नइं बचात हस?
3 तेंह काबर मोला अनियाय ला देखे बर मजबूर करथस?
काबर तेंह गलत काम ला सहत हस?
मोर आघू म बरबादी अऊ हिंसा होवथे;
झगड़ा अऊ बिबाद बहुंत होवत हे।
4 येकर कारन नियम-कानून ह ढीला पर गे हवय,
नियाय मिलत नइं ए।
दुस्टमन धरमीमन ला घेर डारे हवंय,
जेकर से सही नियाय नइं मिलत हवय।

[illegible]
5 "जाति-जाति के मनखेमन कोति धियान से देखव—
अऊ बहुंतेच चकित होवव।
काबरकि मेंह तुम्हर समय म कुछू अइसन करे बर जावत हंव
यदि ओकर बारे म कोनो तुमन ला बतावय,
तभो ले तुमन कभू बिसवास नइं करहू।
6 मेंह बेबिलोनीमन* ला उभारत हंव,
ओमन निरदयी अऊ दुस्साहसी मनखे अंय,
जेमन पूरा धरती ऊपर फईलत हवंय
ताकि ओ निवासमन ऊपर कब्जा कर लेवंय, जेमन ओमन के नो हंय।
7 ओमन डरावना अऊ भयानक मनखे अंय;
ओमन खुद अपनआप म कानून अंय
अऊ ओमन अपन खुद के आदरमान ला बढ़ावा देथें।
8 ओमन के घोड़ामन चीतवामन ले भी जादा तेज दऊड़थें,
अऊ संझा समय के भेड़ियामन ले भी जादा घातक होथें।
ओमन म सवार सैनिक अपन घोड़ामन ला बिगर सोचे-बिचारे दऊड़ाथें;
ओमन के घुड़सवारमन बहुंत दूरिहा ले आथें।
झपटके अपन सिकार ला खा जानेवाला गिधवा सहीं ओमन उड़थें;
9 ओमन सब के सब हतिया करे के मनसा से ही आथें।
ओमन के उपदरवी झुंडमन मरू-भुइयां के आंधी सहीं आघू बढ़थें
अऊ कैदीमन ला बालू कस संकेलथें।
10 ओमन राजामन के ठट्ठा करथें
अऊ हाकिममन के हंसी उड़ाथें।
ओमन गढ़वाले सहरमन ऊपर हंसथें;

---

* **1:6** या *[illegible]*

माटी के ढलान बनाके ओमन ओ सहरमन ऊपर कब्जा करथें।
11 तब ओमन हवा सहीं निकल जाथें अऊ आघू बढ़त रहिथें—
ओमन दोसी मनखे अंय, जेमन के खुद के बल ही ओमन के देवता अय।”

[illegible]
12 हे यहोवा, का तेंह अनादिकाल ले नइं अस?
हे मोर परमेसर, मोर पबितर परमेसर, तेंह कभू नइं मरस।
हे यहोवा, तेंह ओमन ला नियाय करे बर ठहिराय हस;
हे मोर चट्टान, तेंहीच ह ओमन ला दंड देय बर अभिसेक करे हस।
13 तोर आंखीमन अइसन सुध हें कि बुरई ला नइं देख सकंय;
तेंह अधरम ला सहे नइं सकस।
त फेर तेंह काबर बिसवासघातीमन के सहन करथस?
तेंह काबर चुप रहिथस, जब दुस्टमन
अपन ले जादा धरमीमन ला लील डारथें?
14 तेंह मनखेमन ला समुंदर के मछरी सहीं,
अऊ समुंदर के जीव-जन्तु सहीं बनाय हस, जेमन ऊपर कोनो हाकिम नइं रहय।
15 दुस्ट बईरी ह ओ जम्मो ला गरी म फंसाके खींच लेथे,
ओह ओमन ला अपन जाल म पकड़ लेथे,
ओह ओमन ला अपन मछरी के जाल म इकट्ठा करथे;
अऊ ये किसम ले ओह आनंद अऊ खुसी मनाथे।
16 एकरसेति ओह अपन जाल बर बलि चघाथे,
अऊ अपन मछरी के जाल के आघू म धूप जलाथे,
काबरकि अपन जाल के कारन ही ओह अराम के जिनगी जीथे
अऊ मनपसंद भोजन के मजा लेथे।
17 पर का ओह अपन जाल ला खाली करत,
बिगर दया के जाति-जाति के मनखेमन ला नास करते रहिही?

2

1 मेंह अपन पहरा म ठाढ़े रहिहूं
अऊ गढ़ के ऊंच दीवार ऊपर चढ़के ठाढ़े रहिहूं;
मेंह देखत रहिहूं कि ओह मोला का कहिही,
अऊ में ये सिकायत के का जबाब दंव।

[illegible]
2 तब यहोवा ह मोला जबाब दीस:
“दरसन के बात ला
पटियामन ऊपर साफ-साफ लिख दे
ताकि घोसना करइया ह दऊड़त-दऊड़त येमा लिखे बात पढ़के घोसना करय।
3 काबरकि ये दरसन के बात ह एक ठहिराय समय म पूरा होही;
येह आखिरी समय के बारे म बताथे
अऊ येह गलत साबित नइं होवय।
भले ही येमा देरी होवय, पर ये बात के इंतजार करव;
येह जरूर पूरा होही
अऊ येमा देरी नइं होवय।

4 “देख, बईरी के मन ह फुल गे हवय;

ओह बुरई के ईछा करथे—
पर धरमी मनखे ह अपन बिसवासयोग्यता* के दुवारा जीयत रहिही—
5 वास्तव म, अंगूर के मंद ह ओला धोखा देथे;
ओह घमंडी अय अऊ कभू अराम से नइं रहय।
काबरकि ओह कबर सहीं लोभी अय
अऊ मिरतू सहीं कभू संतोस नइं होवय,
ओह जम्मो जाति के मनखेमन ला अपन करा संकेलथे,
अऊ जम्मो मनखेमन ला अपन बंधुवा बनाके ले जाथे।
6 "का ओ जम्मो झन ये कहिके ओकर हंसी नइं उड़ाहीं अऊ बेजत्ती करके ताना नइं मारहीं,
" 'ओकर ऊपर हाय, जऊन ह चोरी के सामान के ढेर लगाथे
लूट के धन ले धनवान बन जाथे!
येह कब तक चलत रहिही?'
7 का तुमन ला करजा देवइयामन अचानक तुम्हर मेर नइं आ जाहीं?
का ओमन जागके तुमन ला नइं डरवाहीं?
तब तुमन ओमन के सिकार बन जाहू।
8 काबरकि तुमन बहुंते जाति के मनखेमन ला लूटे हव,
बांचे मनखेमन अब तुमन ला लूटहीं।
काबरकि तुमन मनखेमन के लहू बहाय हव;
तुमन देस अऊ सहरमन ला उहां रहइया मनखेमन सहित बरबाद कर दे हवव।

9 "ओकर ऊपर हाय, जऊन ह अनियाय के कमई ले अपन घर ला बनाथे,
अऊ बरबादी ले बांचे बर
अपन खोंधरा ऊंचहा जगह म बनाथे!
10 अपन ही घर ला लज्जित करके अऊ अपन ही परान ला जोखिम म डालके
तेंह बहुंते मनखेमन के बिनास के उपाय करे हस।
11 दीवार के पथरामन चिचियाहीं,
अऊ लकरी के बल्लीमन येकर जबाब दीहीं।

12 "ओकर ऊपर हाय, जऊन ह लहू बोहाके एक सहर ला बनाथे
अऊ अनियाय करके नगर ला बसाथे।
13 का सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये बात ला नइं ठान ले हवय
कि मनखेमन के मेहनत ह सिरिप आगी बारे के लकरी सहीं अय,
अऊ जाति-जाति के मनखेमन बेकार म मेहनत करथें?
14 काबरकि धरती ह यहोवा के महिमा के गियान ले अइसन भर जाही
जइसन पानी समुंदर म भरे रहिथे।

15 "ओकर ऊपर हाय, जऊन ह अपन परोसीमन ला मंद पीयाथे,
अऊ ओमन ला चाम के थैली ले तब तक ढारके देवत रहिथे,
जब तक कि ओमन पीके मतवाला नइं हो जावंय,
ताकि ओह ओमन के नंगरा देहें ला निहार सकय!
16 तेंह महिमा के बदले लाज ले भर जाबे।
अब तोर पारी ए! तेंह पी अऊ तोर नंगई ह दिखय!
यहोवा के जेवनी हांथ के कटोरा तोर मेर आवत हे,
अऊ कलंक ह तोर महिमा ला ढांप दीही।
17 तेंह जऊन हिंसा के काम लबानोन म करे हस, ओमन तोला बियाकुल करहीं,

* **2:4** या [illegible]

अऊ पसुमन के जऊन बिनास तेंह करे हस, ओह तोला भयभीत करही।
काबरकि तेंह मनखेमन के लहू बहाय हस;
तेंह देस, सहर अऊ उहां के सब निवासीमन ला नास करे हस।

18 "एक कारीगर के दुवारा बनाय गे मूरती के का महत्व?
या ओ मूरती ले का लाभ, जऊन ह झूठ बोले बर सिखोथे?
काबरकि जऊन ह येला बनाथे, ओह अपनेच बनाय चीज ऊपर भरोसा करथे;
ओह मूरतीमन ला बनाथे, जेमन गोठियाय नइं सकंय।
19 ओकर ऊपर हाय, जऊन ह कठवा ले कहिथे, 'जी उठ!'
या निरजीव पथरा ले कहिथे, 'उठ!'
का येह सिखो सकथे?
येला सोन अऊ चांदी ले मढ़े जाथे;
ओमा सांस नइं ए।"

20 यहोवा ह अपन पबितर मंदिर म हवय;
पूरा धरती ह ओकर आघू म सांत रहे।

3

[illegible]
1 *[illegible]* के रीति म, हबक्कूक अगमजानी के एक पराथना।
2 हे यहोवा, मेंह तोर बड़ई ला सुने हंव;
हे यहोवा, मेंह तोर काममन ला देखके भयभीत होथंव।
हमर दिन म ओमन ला फेर दोहरा,
हमर समय म ओ काममन ला बता;
अपन कोप म भी अपन दया ला सुरता रख।

3 परमेसर ह तेमान देस ले आईस,
पबितर परमेसर ह पारान पहाड़ ले आईस।
ओकर महिमा ह अकास ला ढांप दीस
अऊ ओकर इस्तुति ले धरती ह भर गीस।
4 ओकर सोभा ह सूरज निकले सहीं रिहिस;
ओकर हांथ ले किरन निकलत रिहिस,
जिहां ओकर सामर्थ ह छिपे रिहिस।
5 ओकर आघू-आघू महामारी फईलत जात रिहिस;
महारोग ओकर पाछू-पाछू चलत रिहिस।
6 ओह ठाढ़ होके धरती ला कंपा दीस;
ओह देखिस, अऊ जाति-जाति के मनखेमन ला कंपा दीस।
पुराना पहाड़मन कुटा-कुटा हो गीन
अऊ पुराना पहाड़ीमन गिर गीन—
पर ओह हमेसा ही आघू बढ़त रहिथे।
7 मेंह कूसान के तम्बू म रहइयामन ला दुख म,
अऊ मिदयान देस के रहइयामन ला पीरा म पड़े देखेंव।

8 हे यहोवा, का तेंह नदीमन ऊपर गुस्सा करे?
का तोर कोप ह पानी के सोतामन ऊपर रिहिस?
का तेंह समुंदर ऊपर कोरोध करे

जब तेंह जय पाय बर अपन घोड़ामन ऊपर
अऊ अपन रथमन ऊपर सवारी करे?
9 तेंह अपन धनुस ला ओकर खोल ले निकाले,
तेंह बहुंत अकन तीर ला मंगाय।
तेंह नदीमन ले धरती ला बांट देय;
10 पहाड़मन तोला देखके कांप गीन।
भारी पानी तेजी से बहे लगिस;
गहिला समुंदर गरज उठिस
अऊ ओमा बड़े-बड़े लहरामन उठे लगिन।

11 तोर उड़त तीरमन के चमक ले,
तोर चमचमात भाला के तेज ले
सूरज अऊ चंदा अकास म ठहर गीन।
12 तेंह कोरोध म आके धरती ऊपर तेजी से रेंगय
अऊ रिस म आके जाति-जाति के मनखेमन ला रऊंद देय।
13 तेंह अपन मनखेमन के छुटकारा,
अऊ अपन अभिसिक्त जन ला बचाय बर बाहिर निकले।
तेंह दुस्ट देस के अगुवा ला कुचर देय,
ओला मुड़ ले लेके गोड़ तक नंगरा कर देय।
14 तेंह ओकरेच भाला ले ओकर मुड़ ला छेद देय
जब ओकर सैनिकमन हमन ला तितिर-बितिर करे बर हमर ऊपर टूट पड़िन,
ओमन अइसन देखत रिहिन,
मानो लुकाय दुस्ट मनखेमन ला नास करइया हवंय।
15 तेंह अपन घोड़ामन के दुवारा समुंदर ला खदमदात,
ओकर भयंकर पानी ला मथ डारे।

16 मेंह सुनेंव अऊ मोर मन ह टूट गीस,
ओ अवाज सुनके मोर ओंठ ह कांपे लगिस;
मोर हाड़ामन सरे लगिन,
अऊ मोर गोड़मन कांपे लगिन।
तभो ले, मेंह धीरज धरके ओ जाति के मनखेमन ऊपर
अवइया बिपत्ति के दिन के बाट जोहत रहिहूं, जेमन हमर ऊपर हमला करत हवंय।
17 चाहे अंजीर के रूख म अंकुर झन निकलय
अऊ अंगूर के नार म अंगूर झन फरय,
चाहे जैतून के रूख म फर झन लगंय
अऊ खेत म अनाज झन होवय।
चाहे बाड़ा म कोनो भेड़ झन रहंय
अऊ कोठा म कोनो पसु झन होवंय,
18 तभो ले मेंह यहोवा म आनंद मनाहूं,
मेंह परमेसर अपन उद्धारकर्ता म आनंदित होहूं।

19 परमपरधान यहोवा ह मोर बल अय;
ओह मोर पांव ला हिरन के पांव सहीं बना देथे,
ओह मोला ऊंच जगह म चले के लईक बनाथे।
संगीत निरदेसक बर। मोर तारवाले बाजामन के संग।

सपनयाह
के किताब

1 आमोन के बेटा, यहूदा प्रदेस के राजा योसियाह के सासनकाल म यहोवा के बचन ह सपनयाह करा आईस;
सपनयाह ह कूसी के बेटा, कूसी ह गदलयाह के बेटा, गदलयाह ह अमरयाह के बेटा अऊ अमरयाह ह
हिजकियाह के बेटा रिहिस:

[illegible]

2 "मेंह धरती के
जम्मो चीज ला नास करहूं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।
3 "मेंह मनखे अऊ पसु दूनों ला नास कर दूहूं;
मेंह अकास के चिरई
अऊ समुंदर के मछरीमन ला नास कर दूहूं—
अऊ मूरतीमन ला नास कर दूहूं, जेमन दुस्ट मनखे के गिरे के कारन बनथें।"

"जब में जम्मो मानव-जाति ला
धरती ले मिटा दूहूं,"
यहोवा ह घोसना करत हे,
4 "तब मेंह यहूदा के बिरूध
अऊ यरूसलेम के जम्मो रहइयामन के बिरूध अपन हांथ बढ़ाहूं।
मेंह ये ठऊर ले बाल देवता के उपासना करइया जम्मो बांचे मनखेमन ला,
अऊ मूरती-पूजा करइया जम्मो पुरोहितमन के नांव ला घलो मेटा दूहूं—
5 जऊन मन अपन घर के छानीमन म
अकास के तारामन ला गिरके दंडवत करथें,
जऊन मन झुकके यहोवा के कसम खाथें
अऊ जऊन मन मोलेक* देवता के घलो कसम खाथें,
6 जेमन यहोवा के पाछू चले बर छोंड़ देथें
अऊ न तो यहोवा के खोज करथें अऊ न ही ओकर ईछा जाने के कोसिस करथें,
ओ जम्मो ला मेटा दूहूं।"

7 परमपरधान यहोवा के आघू म चुपे रहव,
काबरकि यहोवा के दिन ह लकठा म हवय।
यहोवा ह एक बलिदान तियार करे हवय;
ओह ओमन ला पबितर करे हवय, जेमन ला ओह नेवता देय हवय।

8 "यहोवा के ठहिराय बलिदान के दिन
मेंह अधिकारीमन ला
अऊ राजामन के बेटामन ला
अऊ ओ जम्मो जेमन बिदेसी ओनहा पहिरथें
ओ जम्मो झन ला सजा दूहूं।
9 ओ दिन मेंह ओमन ला सजा दूहूं

---

* **1:5** इबरानी म [illegible]

जऊन मन मंदिर के दुवार म आय ले बचथें,†
जऊन मन अपन देवतामन के मंदिर ला
हिंसा अऊ छल ले भर देथें।

10 "ओ दिन"
यहोवा ह घोसना करत हे,
"मछरी दुवार ले पुकारे के
अऊ नवां निवास ले बिलाप के
अऊ पहाड़ीमन ले बहुंत जोर से धमाका के अवाज सुनई दीही।
11 तुमन, जेमन बजारवाले‡ इलाका म रहिथव, बिलाप करव;
तुम्हर सबो बेपारीमन ला,
ओ जम्मो ला, जेमन चांदी के बेपार करथें, नास कर दिये जाही।
12 ओ समय, मेंह दीया धरके यरूसलेम म खोजहूं,
अऊ ओमन ला दंड दूहूं, जेमन अपनआप म खुस हवंय,
जेमन पेंदी म छोंड़े गय अंगूर के मंद के मईल कस अंय,
जेमन ये सोचथें, 'यहोवा ह कुछू नइं करही,
न भलई करही अऊ न ही बुरई।'
13 ओमन के धन-दौलत लूट लिये जाही,
ओमन के घरमन गिर जाहीं।
हालाकि ओमन घर बनाहीं,
पर ओमन ओमा रहे बर नइं पाहीं;
हालाकि ओमन अंगूर के बारी लगाहीं,
पर ओमन ओकर ले अंगूर के मंद पीये बर नइं पाहीं।"

14 यहोवा के भयानक दिन ह लकठा म हवय—
येह लकठा म हवय अऊ जल्दी आवत हे।
यहोवा के दिन के रोवई ह भयंकर ए;
बड़े बीर घलो दुख के मारे चिचियाथे।
15 ओ दिन ह कोप के दिन होही—
संकट अऊ पीरा के दिन,
समस्या अऊ बिनास के दिन,
अंधियार अऊ उदासी के दिन,
करिया बादर अऊ अंधियार के दिन होही—
16 गढ़वाले सहरमन के बिरूध
अऊ कोनटा के मीनारमन के बिरूध
ओह तुरही फूंके अऊ लड़ई के ललकार के दिन होही।

17 "मेंह जम्मो मनखेमन ऊपर अइसन बिपत्ति लानहूं
कि ओमन अंधरा मनखे कस टमड़हीं,
काबरकि ओमन यहोवा के बिरोध म पाप करे हवंय।
ओमन के लहू ला धुर्रा कस
अऊ ओमन के अंतड़ी ला गोबर कस फटिक दिये जाही।
18 यहोवा के कोप के दिन
न तो ओमन के सोन
अऊ न ही ओमन के चांदी ओमन ला बचा सकही।"

† **1:9** देखव 1 समू 5:5 ‡ **1:11** बेपारीमन के मुख्य ठऊर, जिहां सामान बिसाय अऊ बेचे जावय

ओकर जलन के आगी म
जम्मो धरती ह भसम हो जाही,
काबरकि ओह ओ जम्मो के अचानक अन्त कर दीही
जेमन धरती म रहिथें।

2

[illegible]

[illegible]

1 हे बेसरम जाति के मनखेमन,
एक संग जूरव, तुमन एक संग जूरव,
2 एकर पहिली कि हुकूम ह लागू होवय
अऊ दिन ह भूंसा कस निकल जावय,
एकर पहिली कि यहोवा के भयंकर कोरोध ह तुम्हर ऊपर भड़कय,
एकर पहिली कि यहोवा के कोप के दिन ह
तुम्हर ऊपर आ जावय।
3 तुमन जम्मो, जेमन देस के नम्र मनखे अव,
तुमन जेमन यहोवा के हुकूम ला मानथव, यहोवा के खोज म रहव।
धरमीपन के खोज म रहव, नम्र बनव;
सायद यहोवा के कोप के दिन म
तुमन ला आसरय मिल जावय।

[illegible]

4 गाजा सहर ला तियाग देय जाही,
अऊ अस्कलोन सहर ह बरबाद हो जाही
असदोद सहर ला मंझनियां खाली कर देय जाही,
अऊ एकरोन सहर ला उखान देय जाही।
5 तुमन ऊपर हाय, जेमन समुंदर तीर म रहिथव,
हे करेती मनखेमन, तुमन ऊपर हाय;
हे कनान, पलिस्तीमन के देस,
यहोवा के बचन ह तोर बिरूध हवय।
ओह कहिथे, "मेंह तुमन ला नास कर दूहूं,
कोनो नइं बांचय।"
6 समुंदर तीर के भुइयां ह चरागन हो जाही,
जिहां चरवाहामन बर कुआं
अऊ पसु के झुंड बर बाड़ा होही।
7 ओ देस ह यहूदा के घराना के
बांचे मनखेमन के देस होही;
उहां ओमन ला चरागन मिलही।
सांझ के बेरा, ओमन अस्कलोन के
घरमन म लेटके अराम करहीं।
यहोवा ओमन के परमेसर ह उहां ओमन के देखरेख करही;
ओह ओमन के धन-दौलत ला घलो लहुंटाही।*

[illegible]

8 "मेंह मोआबीमन के बेजत्ती के बात
अऊ अमोनीमन के ताना ला सुने हंव,

* **2:7** या [illegible]

ओमन मोर मनखेमन के बेजत्ती करिन
अऊ ओमन के देस ला छीन लेय के धमकी दीन।
9 एकरसेति, मोर जिनगी के सपथ,”
सर्वसक्तिमान यहोवा,
इसरायल के परमेसर ह घोसना करत हे,
“सही म मोआब ह सदोम कस,
अऊ अमोनीमन अमोरा कस हो जाहीं—
येमन कांदी-कचरा के ठऊर अऊ नून के खंचवामन हो जाहीं,
येमन हमेसा बर उजड़ जाहीं।
मोर बांचे मनखेमन ओमन ला लूट लीहीं;
मोर जाति के बांचे मनखेमन ओमन के देस ऊपर अधिकार कर लीहीं।”

10 ओमन के घमंड करे अऊ सर्वसक्तिमान यहोवा के मनखेमन के
अपमान करे अऊ हंसी उड़ाय के
ओमन ला ये परतिफल मिलही।
11 यहोवा के भय ओमन म पईदा होही
जब यहोवा ह धरती के जम्मो देवतामन ला नास कर दीही।
दूरिहा-दूरिहा के जाति-जाति के जम्मो मनखेमन अपन-अपन देस म
यहोवा ला झुकके दंडवत करहीं।

???
12 “हे कूसी मनखेमन,† तुमन घलो
मोर तलवार ले मारे जाहू।”

??????
13 यहोवा ह उत्तर दिग के बिरूध अपन हांथ बढ़ाही
अऊ अस्सूर देस ला नास कर दीही,
अऊ नीनवे सहर ला पूरा उजारके
मरू-भुइयां सहीं सूखा छोंड़ दीही।
14 गरूवा-बईला अऊ भेड़-बकरीमन
अऊ जम्मो किसम के जीव-जन्तुमन उहां अराम करहीं।
ओकर खंभामन म मरू-भुइयां के उल्लू
अऊ चिचियानेवाला उल्लूमन बसेरा करहीं।
खिड़कीमन ले ओ उल्लूमन के अवाज सुनई दीही,
पथरा के कुटामन ले कपाट के रसतामन भर जाहीं,
देवदार लकरी के बल्लामन उघर जाहीं।
15 येह ओ चहल-पहल वाले सहर के स्थिति अय
जऊन ह एक समय सुरकछित रिहिस।
ओह अपनआप ला कहय,
“मेंह अकेला अंव! मोला छोंड़ अऊ कोनो दूसरा नइं ए।”
अब ओह कइसन उजर गे हवय,
जंगली पसुमन के एक मांद बन गे हवय!
ओ जम्मो, जेमन उहां ले होके जाथें,
ओमन एकर हंसी उड़ाथें अऊ अपन हांथ ला झटकारथें।

† **2:12** नील नदी के ऊपरी इलाका के मनखेमन

3

[illegible]
1 दुख देवइया, बिदरोही
अऊ असुध मनखेमन के सहर ऊपर हाय!
2 ओह काकरो बात ला नइं मानय,
अऊ न ही काकरो सलाह ला स्वीकार करय।
ओह यहोवा ऊपर भरोसा नइं करय,
ओह अपन परमेसर के लकठा म नइं आवय।
3 ओकर अधिकारीमन ओकर भीतर
दहाड़त सेर कस,
अऊ ओकर सासन करइयामन सांझ के बेरा सिकार करइया ओ भेड़ियामन कस अंय,
जेमन बिहनियां बर कुछू ला नइं बचांय।
4 ओकर अगमजानीमन सही मनखे नो हंय;
ओमन बिसवासघाती अंय।
ओकर पुरोहितमन पबितर-स्थान ला अपबितर करथें
अऊ ओमन कानून ला टोरथें।
5 यहोवा, जऊन ह ओकर भीतर हवय, ओह धरमी अय;
ओह कोनो गलत काम नइं करय।
रोज बिहनियां ओह अपन नियाय ला परगट करथे,
अऊ कोनो दिन ओह कोनो बात म नइं चुकय,
तभो ले अधरमीमन ला लाज नइं आवय।
[illegible]
6 "मेंह जाति-जाति के मनखेमन ला नास करे हंव;
अऊ ओमन के गढ़मन ला गिरा देय गे हवय।
मेंह ओमन के गलीमन ला सुन्ना कर दे हंव,
अऊ ओ गलीमन ले होके कोनो नइं जावंय।
ओमन के सहरमन उजर गे हवंय;
ओमन ला छोंड़ देय गे हवय अऊ ओमन खाली हवंय।
7 यरूसलेम के बारे म मोर ये बिचार रिहिस,
'तेंह जरूर मोर भय मानबे
अऊ मोर सलाह ला मानबे!'
तब ओकर सरन-स्थान ला न तो नास करे जातिस,
अऊ न ही मोर कोनो दंड ओमन ऊपर आतिस,
पर ओमन तब भी अपन जम्मो काम म
उत्सुक होके बुरई के काम करे लगिन।
8 एकर कारन मोर बर ओ दिन के इंतजार करव," यहोवा ह घोसना करत हे,
"जब मेंह गवाही देय बर ठाढ़ होहूं।
मेंह ठान ले हंव कि मेंह जाति-जाति के मनखे,
अऊ राज-राज के मनखेमन ला इकट्ठा करहूं
अऊ ओमन ऊपर अपन कोप परगट करहूं—
मोर पूरा भयानक गुस्सा।
मोर जलन के कोरोध के आगी ले
पूरा संसार ह जलके नास हो जाही।
[illegible]
9 "तब मेंह मनखेमन के ओंठ ला सुध करहूं,

ताकि ओमन जम्मो झन यहोवा के नांव ला पुकारंय
अऊ कंधा ले कंधा मिलाके ओकर सेवा करंय।
10 कूस के नदीमन के ओ पार ले
मोर अराधना करइया, मोर तितिर-बितिर होय मनखेमन
मोर बर चढ़ावा लानहीं।
11 हे यरूसलेम, ओ दिन, तोला मोर बिरूध करे गय
खराप काम के कारन लज्जित होय बर नइं पड़य,
काबरकि मेंह तोर बीच ले
तोर जिद्दी घमंडी मनखेमन ला निकाल दूहूं।
अऊ तेंह मोर पबितर पहाड़ी ऊपर
फेर कभू घमंड नइं करबे।
12 पर मेंह तुम्हर बीच म
सिरिप नम्र अऊ दीन मनखेमन ला रहन दूहूं।
इसरायल के बांचे मनखेमन
यहोवा के नांव म भरोसा करहीं।
13 ओमन कोनो गलत काम नइं करहीं;
ओमन लबारी नइं मारहीं।
ओमन के मुहूं ले
कोनो छल के बात नइं निकलही।
ओमन खाहीं अऊ अराम करहीं
अऊ कोनो ओमन ला नइं डराहीं।"

14 हे बेटी सियोन, गा;
हे इसरायल, जय-जयकार कर!
हे बेटी यरूसलेम,
खुसी रह अऊ अपन पूरा मन से आनंद मना!
15 यहोवा ह तोर दंड ला दूरिहा कर दे हवय,
ओह तोर बईरीमन ला हटा दे हवय।
यहोवा, इसरायल के राजा ह तोर संग हवय;
फेर कभू तोला कोनो हानि के डर नइं होही।
16 ओ दिन
ओमन यरूसलेम ले कहिहीं,
"हे सियोन, झन डर;
तोर हांथ ह दुरबल झन होवय।
17 यहोवा, तोर परमेसर ह तोर संग हवय,
ओह बड़े सूरबीर अय, जऊन ह तोला बचाथे।
ओह तोर कारन बहुंत आनंदित होही;
अपन मया म ओह तोला फेर कभू नइं डांटही,
पर तोर कारन ओह गीत गावत आनंदित होही।"

18 "मेंह ओ सबो झन ला तोर बीच ले हटा दूहूं
जऊन मन तोर ठहिराय तिहारमन के हट जाय के कारन दुखी हवंय,
जऊन ह तोर बर एक बोझा अऊ कलंक अय।
19 ओ समय मेंह ओ जम्मो झन ले लेखा लूहूं
जेमन तोला दुख देय रिहिन।

मेंह खोरवा मनखे ला बचाहूं;
अऊ बंधुवामन ला संकेलहूं।
मेंह ओमन ला हर ओ देस म महिमा अऊ आदर दूहूं
जिहां ओमन लज्जित होवत रिहिन।
20 ओ समय मेंह तुमन ला संकेलहूं;
ओ समय मेंह तुमन ला घर ले आनहूं।
मेंह धरती के जम्मो मनखेमन के बीच
तुमन ला आदर अऊ महिमा दूहूं
जब मेंह तुम्हर आंखी के आघू म
तुम्हर खुसहाली जिनगी ला लहुंटा लानहूं,"*
यहोवा ह कहत हे।

* **3:20** या [illegible]

हाग्गै
के किताब

[illegible]

1 दारा राजा के सासनकाल के दूसर साल के छठवां महिना के पहिली दिन, यहोवा के ये बचन, हाग्गै
अगमजानी के दुवारा, सालतीएल के बेटा जरूब्बाबेल करा, जऊन ह यहूदा के राजपाल रिहिस, अऊ योसादाक
के बेटा यहोसू महा पुरोहित करा पहुंचिस:
2 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "ये मनखेमन कहिथें, 'यहोवा के भवन ला फेर बनाय के समय अभी नइं
आय हवय।' "
3 तब यहोवा के बचन हाग्गै अगमजानी के दुवारा आईस:
4 "का ये समय ए कि तुमन खुद अपन बढ़िया घर म रहव, अऊ ये घर ह उजार परे रहय?"
5 अब सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "अपन चालचलन ऊपर सही धियान देवव।
6 तुमन बहुंते बोय रहेव, पर कम फसल मिलिस। तुमन खाथव, पर तुम्हर पेट कभू नइं भरय। तुमन पीथव, पर
तुम्हर पीयास कभू नइं बुझय। तुमन ओनहा पहिरथव, पर ओकर ले तुमन ला गरमी नइं मिलय। तुमन मजदूरी
कमाथव, पर येह कइसन खरचा हो जाथे, तुमन ला पता नइं चलय।"
7 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "अपन चालचलन ऊपर सही धियान देवव।
8 ऊपर पहाड़मन म जावव अऊ इमारती लकरी खाल्हे लानके मोर भवन ला बनावव, ताकि येकर से मोला
खुसी मिलय अऊ मोर आदर होवय," यहोवा ह कहत हे।
9 "तुमन बहुंत फसल पाय के आसा करत रहेव, पर थोरकन ही मिलिस। अऊ जब तुमन ओला घर लेके
आयेव, त मेंह ओला उड़ा देंव। काबर?" सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे। "काबरकि मोर भवन ह उजार
परे हवय, अऊ तुमन म ले हर एक झन अपन-अपन घर म ब्यस्त हवव।
10 एकरसेति, तुम्हर कारन ही अकास ह ओस गिरई अऊ धरती ह अनाज उपजई ला बंद कर दे हवय।
11 मेंह हुकूम दे हंव कि खेत अऊ पहाड़मन म, अनाज, नवां अंगूर के मंद, जैतून तेल म अऊ भुइयां के हर एक
ऊपज म, मनखे अऊ घरेलू-पसुमन म, अऊ तुम्हर हांथ के जम्मो मेहनत म अकाल पड़य।"

12 तब सालतीएल के बेटा जरूब्बाबेल, योसादाक के बेटा यहोसू महा पुरोहित, अऊ जम्मो बांचे मनखेमन*
यहोवा, अपन परमेसर के गोठ अऊ हाग्गै अगमजानी के संदेस के पालन करिन, काबरकि यहोवा ओमन के
परमेसर ह ओला भेजे रिहिस। अऊ मनखेमन यहोवा के भय मानिन।
13 तब यहोवा के संदेसिया, हाग्गै ह मनखेमन ला यहोवा के ये संदेस दीस: "मेंह तुम्हर संग हवंव," यहोवा ह
घोसना करत हे।
14 तब यहोवा ह सालतीएल के बेटा जरूब्बाबेल के आतमा ला, जऊन ह यहूदा के राजपाल रिहिस, अऊ
योसादाक के बेटा यहोसू महा पुरोहित के आतमा ला, अऊ जम्मो बांचे मनखेमन के आतमा ला उभारिस।
ओमन आईन अऊ सर्वसक्तिमान यहोवा, अपन परमेसर के भवन ला फेर बनाय के सुरू करिन,
15 ये काम छठवां महिना के चौबीसवां दिन सुरू होईस।

[illegible]

राजा दारा के सासनकाल के दूसर बछर म,

2

1 सातवां महिना के इक्कीसवां दिन, यहोवा के बचन ह हाग्गै अगमजानी के दुवारा पहुंचिस:
2 "सालतीएल के बेटा, यहूदा के राजपाल जरूब्बाबेल, अऊ योसादाक* के बेटा यहोसू महा पुरोहित, अऊ
जम्मो बांचे मनखेमन ले गोठिया। ओमन ले पुछ,

---

* **1:12** या [illegible]
* **2:2** इबरानी म [illegible] जऊन ह [illegible] के एक आने नांव ए

3 'तुमन म ले अब कोन बांचे हवय, जऊन ह ये भवन ला येकर पहिली के महिमा म देखे हवय? अब येह तुमन
ला का दसा म दिखत हवय? का तुमन ला ये नइं लगत हे कि येमा अब कुछू नइं रही गे हवय?
4 पर अब, हे जरूब्बाबेल, मजबूत बन,' यहोवा ह घोसना करत हे। 'हे योसादाक के बेटा यहोसू महा पुरोहित,
मजबूत बन। हे देस के जम्मो मनखेमन, मजबूत बनव,' यहोवा ह घोसना करत हे, 'अऊ काम करव। काबरकि
मेंह तुम्हर संग हवंव,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।
5 'जब मिसर देस ले तुमन निकले रहेव, तब मेंह तुमन ले ये करार करे रहेंव। अऊ मोर आतमा ह तुम्हर बीच
म हवय। तुमन झन डरव।'
6 "सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'थोरकन समय बाद, एक बार फेर मेंह अकास अऊ धरती, समुंदर अऊ
सूखा भुइयां ला कंपाहूं।
7 मेंह जम्मो देसमन ला कंपाहूं, अऊ जम्मो जाति के मनखेमन के ईछा ह पूरा होही, अऊ मेंह ये भवन ला
महिमा ले भर दूहूं,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे।
8 'चांदी ह मोर अय अऊ सोन ह घलो मोर अय,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।
9 'ये अभी के भवन के महिमा ह पहिले भवन के महिमा ले बढ़के होही,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे।
'अऊ ये जगह म मेंह सांति दूहूं,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।"

[illegible]

10 राजा दारा के सासनकाल के दूसर साल के नौवां महिना के चौबीसवां दिन, यहोवा के बचन हाग्गै
अगमजानी करा पहुंचिस:
11 "सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'पुरोहितमन ले पुछ कि कानून ह का कहिथे:
12 यदि कोनो मनखे अपन ओढ़ना म लपेटके पबितर मांस ले जाथे, अऊ ओ ओढ़ना ले कोनो रोटी या खाना,
कुछू अंगूर के मंद, जैतून तेल या कोनो आने जेवन छू जाथे, त का ओ चीज घलो पबितर हो जाही?' "
पुरोहितमन जबाब दीन, "नइं।"
13 तब हाग्गै ह पुछिस, "कोनो लास ला छुए के सेति यदि कोनो मनखे ह असुध हवय, अऊ ओह येमा के
कोनो चीज ला छू लेथे, त का ओ चीज घलो असुध हो जाही?"
पुरोहितमन जबाब दीन, "हव, ओह असुध हो जाही।"
14 तब हाग्गै ह कहिस, " 'मोर नजर म ये मनखेमन अऊ ये जाति घलो अइसनेच अंय,' यहोवा ह घोसना
करत हे। 'जऊन कुछू ओमन करथें अऊ जऊन कुछू ओमन उहां चघाथें, ओह असुध अय।
15 " 'अब धियान देके आज ले ये बात ऊपर बिचार करव—सोच-बिचार करव कि पहिले चीजमन कइसे रिहिन,
जब यहोवा के मंदिर म एक पथरा ऊपर दूसर पथरा नइं रखे गे रिहिस।
16 ओ समय, जब कोनो बीस नाप† अनाज के ढेर के आसा म आवय, त ओला सिरिप दस नाप‡ ही मिले। जब
कोनो अंगूर के मंद के कुंड ले पचास नाप§ मंद लेय बर जावय, त उहां ओला सिरिप बीस* ही मिले।
17 मेंह तुम्हर जम्मो खेती के काम म सूखा अऊ गेरूई रोग लानेंव अऊ फसल ऊपर करा गिरायेंव, तभो ले
तुमन मोर मेर लहुंटके नइं आयेव,' यहोवा ह घोसना करत हे।
18 'आज ले, नौवां महिना के ये चौबीसवां दिन ले ओ दिन के बारे म धियान देके सोच-बिचार करव, जब
यहोवा के मंदिर के नीव डारे गे रिहिस। धियान देके सोच-बिचार करव:
19 का अभी तक ले कोनो बीजा ह कोठार म परे हवय? अभी तक ले अंगूर के नार, अंजीर के रूख, अनार के
रूख अऊ जैतून के रूख म फर नइं लगे हवंय।
" 'पर आज ले में तुमन ला आसीस दूहूं।' "

[illegible]

20 ओही महिना के चौबीसवां दिन, दूसर बार यहोवा के बचन हाग्गै करा आईस:
21 "यहूदा के राजपाल जरूब्बाबेल ला कह कि मेंह अकास अऊ धरती ला कंपाहूं।

† **2:16** लगभग 200 किलोग्राम ‡ **2:16** लगभग 100 किलोग्राम § **2:16** लगभग 100 लीटर * **2:16** लगभग 40 लीटर

22 मेंह राज सिंघासनमन ला उलट दूहूं अऊ बिदेसी राजमन के सक्ति ला चकनाचूर कर दूहूं। मेंह रथ अऊ
ओमन के सारथीमन ला पटक दूहूं; घोड़ामन सहित ओमन के घुड़सवारमन एक-दूसर के तलवार ले मारे जाहीं।
23 " 'ओ दिन,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे, 'हे सालतीएल के बेटा मोर सेवक जरूब्बाबेल, मेंह
तोला लूहूं,' यहोवा ह घोसना करत हे, 'अऊ मेंह तोला अपन मुहरवाला मुंदरी सहीं बना दूहूं, काबरकि मेंह
तोला चुने हवंव,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।"

जकरयाह
के किताब

[illegible]

1 राजा दारा के राज के दूसर बछर के आठवां महिना म यहोवा के ये बचन बेरेकियाह के बेटा अऊ इद्दो के
पोता जकरयाह अगमजानी करा आईस:*
2 "यहोवा ह तोर पुरखामन ले बहुंत कोरोधित रिहिस।
3 एकरसेति मनखेमन ला बता: सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'मोर करा लहुंट आवव,' सर्वसक्तिमान
यहोवा ह घोसना करत हे, 'त मेंह घलो तुम्हर करा लहुंट आहूं,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे।
4 अपन पुरखामन कस झन बनव, जेमन ला पहिले के अगमजानीमन घोसना करके बताय रिहिन:
सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'अपन खराप चालचलन अऊ अपन खराप काममन ला छोंड़ देवव।' पर
ओमन न तो मोर बात ला सुनिन अऊ न ही मोर कोति धियान दीन, यहोवा ह घोसना करत हे।
5 तुम्हर पुरखामन अब कहां हवंय? अऊ अगमजानीमन, का ओमन सदाकाल बर जीयत हवंय?
6 पर मोर बचन अऊ मोर कानून, जेला मेंह अपन सेवक अगमजानीमन ला दे रहेंव, का ओमन तुम्हर
पुरखामन के मिरतू के बाद घलो बने नइं हवंय?
"तब ओमन पछताप करिन अऊ कहिन, 'सर्वसक्तिमान यहोवा ह ठीक वइसने ही करे हवय जइसने कि हमर
चालचलन अऊ हमर काममन के कारन हमर संग करे जाना चाही, जइसे कि ओह करे के ठाने रिहिस।' "

[illegible]

7 राजा दारा के राज के दूसरा साल के गियारहवां महिना याने कि सेबात महिना के चौबीसवां दिन यहोवा के
ये बचन बेरेकियाह के बेटा अऊ इद्दो के पोता जकरयाह अगमजानी करा पहुंचिस।
8 रथिया मेंह एक दरसन देखेंव कि मोर आघू म लाल घोड़ा म बईठे एक मनखे रिहिस। ओह घाटी म मेंहदी के
रूखमन के बीच म खड़े रिहिस, अऊ ओकर पाछू लाल, भुरवा अऊ सादा रंग के घोड़ामन रिहिन।
9 तब मेंह पुछेंव, "हे मोर परभू, येमन का अंय?"
जऊन स्वरगदूत ह मोर ले गोठियावत रिहिस, ओह जबाब दीस, "मेंह तोला देखाहूं कि येमन का अंय।"
10 तब जऊन मनखे ह मेंहदी के रूखमन के बीच खड़े रिहिस, ओह कहिस, "येमन ओ अंय, जेमन ला यहोवा ह
जम्मो धरती म पठोय हवय।"
11 अऊ ओमन यहोवा के ओ स्वरगदूत ला बताईन जऊन ह मेंहदी के रूखमन के बीच म खड़े रिहिस, "हमन
जम्मो धरती म गे रहेंन अऊ देखेंन कि जम्मो धरती म अराम अऊ सांति हवय।"
12 तब यहोवा के स्वरगदूत ह कहिस, "हे सर्वसक्तिमान यहोवा, तेंह यरूसलेम अऊ यहूदा के सहरमन ऊपर
पिछले सत्तर साल ले कोरोधित हवस, कब तक तेंह येमन ऊपर दया नइं करबे?"
13 तब यहोवा ह ओ स्वरगदूत ला, जऊन ह मोर ले गोठियावत रिहिस, दया अऊ सांति के बचन कहिस।
14 तब ओ स्वरगदूत जऊन ह मोर ले गोठियावत रिहिस, ओह कहिस, "ये बातमन के घोसना कर:
सर्वसक्तिमान यहोवा ये कहत हे: 'यरूसलेम अऊ सियोन बर मोर अब्बड़ जलन हवय,
15 अऊ में ओ जातिमन ले बहुंत कोरोधित हवंव, जऊन मन अराम म हवंय। पहिली मेंह थोरकन कोरोधित
रहेंव, पर ओमन खुदे अपन सजा ला बढ़ा ले हवंय।'
16 "एकरसेति यहोवा ह ये कहत हे: 'मेंह दया करे बर यरूसलेम लहुंटहूं, अऊ उहां मोर घर ला फेर बनाय
जाही। अऊ यरूसलेम के ऊपर नापे के डोरी ला खींचे जाही,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।"
17 "ये घलो घोसना कर: सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'मोर नगरमन फेर उत्तम चीजमन ले भर जाहीं,
अऊ यहोवा ह फेर सियोन ला सांति दीही अऊ यरूसलेम ला चुन लीही।' "

[illegible]

18 तब मेंह देखेंव, अऊ उहां मोर आघू म पसु के चार ठन सींग रिहिन।

---

* **1:1** देखव एज 4:24, 5:1 ला

19 त मेंह ओ स्वरगदूत जऊन ह मोर ले गोठियावत रिहिस, ओकर ले पुछेंव, “येमन का अंय?”
ओह मोला जबाब दीस, “येमन ओ सींग अंय, जेमन यहूदा, इसरायल अऊ यरूसलेम ला तितिर-बितिर कर
दे हवंय।”
20 तब यहोवा ह मोला चार सिल्पकारमन ला देखाईस।
21 त मेंह पुछेंव, “येमन का करे बर आय हवंय?”
ओह जबाब दीस, “येमन ओ सींग अंय जेमन यहूदा ला तितिर-बितिर कर दे हवंय ताकि कोनो अपन मुड़ झन
उठा सकय, पर ये सिल्पकारमन ओमन ला डराय बर अऊ ओ जातिमन के ये सींगमन ला काट डारे बर आय
हवंय, जेमन यहूदा देस के बिरोध म ओकर मनखेमन ला तितिर-बितिर करे बर अपन सींग उठाय हवंय।”†

2

[illegible]

* 1 तब मेंह अपन आघू म एक मनखे ला देखेंव, जऊन ह अपन हांथ म नापे के डोरी ला धरे रिहिस।
2 तब मेंह ओकर ले पुछेंव, “तेंह कहां जावत हस?”
ओह मोला जबाब दीस, “मेंह यरूसलेम ला नापे बर जावत हंव ताकि पता चलय कि ओकर लम्बई अऊ
चौड़ई कतेक हवय।”
3 जब मोर ले बात करइया स्वरगदूत ह जाय लगिस, त एक आने स्वरगदूत ओकर ले मिले बर आईस
4 अऊ ओकर ले कहिस: “दऊड़के जा अऊ ओ जवान ले कह, ‘मनखे अऊ पसुमन के बहुंतायत के कारन,
यरूसलेम ह बिगर दीवार के सहर हो जाही।
5 अऊ मेंह खुद येकर चारों कोति आगी के दीवार बन जाहूं,’ यहोवा ह घोसना करत हे, ‘अऊ ओकर भीतर म
मेंह ओकर महिमा होहूं।’
6 “आवव! आवव! उत्तर के देस ले भाग जावव,” यहोवा ह घोसना करत हे, “काबरकि मेंह तुमन ला अकास के
चारों दिग के हवा म तितिर-बितिर कर दे हंव,” यहोवा ह घोसना करत हे।
7 “हे सियोन! आ, तें जऊन ह बेटी बेबिलोन म रहिथस, बचके भाग निकल!”
8 काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: “महिमामय परमेसर ह मोला ओ जातिमन के बिरूध म पठोय
हवय, जऊन मन तुमन ला लूट ले हवंय—काबरकि जऊन ह तुमन ला छूथे, ओह ओकर† आंखी के पुतली ला
छूथे—
9 मेंह खचित ओमन के बिरूध अपन हांथ उठाहूं ताकि ओमन के गुलाममन ओमन ला लूटंय। तब तुमन
जानहू कि सर्वसक्तिमान यहोवा ह मोला पठोय हवय।
10 “हे बेटी सियोन, चिचिया अऊ आनंद मना। काबरकि मेंह आके तोर बीच म निवास करहूं,” यहोवा ह
घोसना करत हे।
11 “ओ दिन बहुंत अकन जातिमन यहोवा के संग मिल जाहीं अऊ मोर मनखे बन जाहीं। मेंह तोर बीच म
निवास करहूं अऊ तेंह जान जाबे कि सर्वसक्तिमान यहोवा ह मोला तोर करा पठोय हवय।
12 यहोवा ह पबितर देस म यहूदा ला अपन भाग के रूप म ले लीही अऊ यरूसलेम ला फेर चुन लीही।
13 हे जम्मो मनखेमन, यहोवा के आघू म सांत रहव, काबरकि ओह खुद अपन पबितर निवास ले ठाढ़ होय
हवय।”

3

[illegible]

1 तब ओह मोला देखाईस कि महा पुरोहित यहोसू ह यहोवा के स्वरगदूत के आघू म ठाढ़े हवय, अऊ सैतान*
ह स्वरगदूत के जेवनी कोति यहोसू ऊपर दोस लगाय बर खड़े हवय।
2 यहोवा ह सैतान ले कहिस, “हे सैतान, यहोवा ह तोला घुड़के! यहोवा, जऊन ह यरूसलेम ला चुन ले हवय,
तोला घुड़के! का ये मनखे ह आगी ले निकाले गय बरत लुठी सहीं नो हय?”

---

† **1:21** इबरानी म 1:18-21 ला 2:1-4 गने गे हवय * **2:** इबरानी म 2:1-13 ला 2:5-17 गने गे हवय † **2:8** या *[illegible]* * **3:1** इबरानी म *[illegible]* सबद के मतलब होथे *[illegible]*

3 ओ समय यहोसू ह स्वरगदूत के आघू म मईला कपड़ा पहिरे खड़े रिहिस।
4 तब स्वरगदूत ह ओमन ले कहिस, जेमन ओकर आघू म खड़े रिहिन, "ओकर मईला कपड़ामन ला उतार दव।"
तब ओह यहोसू ला कहिस, "देख, मेंह तोर पाप ला दूरिहा कर दे हवंव, अऊ मेंह तोला सुघर कपड़ा पहिराहूं।"
5 तब मेंह कहेंव, "ओकर मुड़ ऊपर एक ठन साफ पागा रखव।" त ओमन ओकर मुड़ म एक ठन साफ पागा रखिन अऊ ओला ओनहा पहिराईन, अऊ यहोवा के स्वरगदूत ह ओकर करा ठाढ़े रिहिस।
6 ओकर बाद यहोवा के स्वरगदूत ह यहोसू ला ये जिम्मेदारी दीस:
7 "सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'यदि तेंह मोर हुकूममन ला मानबे अऊ मोर बिधिमन म चलबे, त तेंह मोर भवन ऊपर राज करबे अऊ मोर अंगनामन म तोर अधिकार होही, अऊ मेंह तोला ये मनखेमन के बीच म जगह दूहूं, जऊन मन इहां खड़े हवंय।
8 " 'हे महा पुरोहित यहोसू, सुन, तें अऊ तोर आघू म बईठे तोर सहकरमीमन, तुमन जम्मो, अवइया चीजमन के प्रतीक अव: मेंह अपन सेवक, मोर डंगाली ला लानेवाला हंव।
9 ओ पथरा ला देखव, जेला मेंह यहोसू के आघू म रखे हंव! ओ एके ठन पथरा म सात ठन आंखी हवंय, अऊ मेंह ओमा खोदके एक लेख लिखहूं,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे, 'अऊ मेंह एकेच दिन म ये देस के पाप ला हटा दूहूं।
10 " 'ओ दिन, तुमन म ले हर एक झन अपन परोसी ला अपन अंगूर के नार अऊ अंजीर रूख के खाल्हे म बईठे बर बलाहू,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।"

4

[illegible]
1 तब ओ स्वरगदूत जऊन ह मोर ले बात करे रिहिस, लहुंट आईस अऊ मोला अइसने जगाईस, जइसने कोनो ला नींद ले जगाय जाथे।
2 ओह मोर ले पुछिस, "तोला का दिखत हे?"
मेंह जबाब देंव, "मोला एक ठन सुध सोन के दीवट दिखत हे, जेकर टीप म एक ठन कटोरा हवय, जेमा सात ठन दीया हवंय, अऊ दीयामन ऊपर बाती बर सात-सात ठन नाली हवंय।
3 दीवट करा दू ठन जैतून के रूख घलो हवंय, एक ठन रूख कटोरा के जेवनी कोति अऊ दूसर रूख ओकर डेरी कोति।"
4 जऊन स्वरगदूत ह मोर ले गोठियावत रिहिस, मेंह ओकर ले पुछेंव, "हे मोर परभू, येमन का अंय?"
5 ओह जबाब दीस, "का तेंह नइं जानस कि येमन का अंय?"
मेंह कहेंव, "हे मोर परभू, नइं।"
6 त फेर ओह मोला कहिस, "येह जरूब्बाबेल बर यहोवा के बचन अय: 'न तो बल ले, न सक्ति ले, पर मोर आतमा के दुवारा,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे।
7 "हे बड़े पहाड़, तेंह का अस? जरूब्बाबेल के आघू म तेंह समतल मैदान बन जाबे। तब ओह चोटी के पथरा ला ये चिचियाय बर ले आही, 'परमेसर येला आसीस देवय! परमेसर येला आसीस देवय!' "
8 तब यहोवा के बचन मोर करा आईस:
9 "जरूब्बाबेल ह अपन हांथ ले ये मंदिर के नीव डारे हे; अऊ ओकरे हांथमन ये काम ला पूरा घलो करहीं। तब तेंह जान लेबे कि सर्वसक्तिमान यहोवा ह मोला तोर करा पठोय हवय।
10 "छोटे बातमन के दिन ला कोन ह तुच्छ समझे के हिम्मत करथे, जबकि यहोवा के सात ठन आंखी, जऊन मन धरती के जम्मो कोति देखत रहिथें, आनंद मनाहीं, जब ओमन ये देखहीं कि चुने गय चोटी के पथरा ह जरूब्बाबेल के हांथ म हवय?"
11 तब मेंह स्वरगदूत ले पुछेंव, "ये जैतून के दू ठन रूख के का मतलब अय, जऊन मन दीवट के जेवनी अऊ डेरी कोति हवंय?"
12 मेंह ओकर ले फेर पुछेंव, "जैतून के ये दू ठन डंगालीमन का अंय, जऊन मन सोन के दू ठन ओ नलीमन के बाजू म हवंय जेमन सुनहरा तेल ढारथें?"
13 स्वरगदूत ह जबाब दीस, "का तेंह नइं जानस कि येमन का अंय?"

मेंह कहेंव, “हे मोर परभू, नइं।”
14 तब ओह कहिस, “ये दूनों ओ अंय, जेमन ला पूरा धरती के परभू के सेवा करे बर अभिसेक करे गे हवय।”

5

[illegible]

1 मेंह फेर देखेंव, अऊ मोर आघू म उड़त एक चामपट्टी रिहिस।
2 स्वरगदूत ह मोर ले पुछिस, “तोला का दिखत हे?”
मेंह जबाब देंव, “मोला उड़त एक चामपट्टी दिखत हवय, जऊन ह बीस क्यूबीट लम्बा अऊ दस क्यूबीट चौड़ा हवय।*”
3 तब ओह मोला कहिस, “ये चामपट्टी म ओ सराप लिखे हवय, जऊन ह जम्मो देस ऊपर लगही; काबरकि ये चामपट्टी के एक तरफ जऊन बात लिखे हवय, ओकर मुताबिक हर एक चोर ला निकाल दिये जाही, अऊ ये चामपट्टी के दूसर तरफ जऊन बात लिखे हवय, ओकर मुताबिक हर ओ मनखे जऊन ह लबारी कसम खाथे, ओला घलो निकाल दिये जाही।
4 सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे, ‘मेंह ये सराप ला भेजहूं, अऊ येह हर चोर के घर म अऊ मोर नांव म लबारी कसम खवइया हर मनखे के घर म जाही। येह ओ घर म बने रहिही अऊ ओला ओकर लकरी अऊ पथरामन समेत पूरा नास कर दीही।’ ”

[illegible]

5 तब ओ स्वरगदूत जऊन ह मोर ले गोठियावत रिहिस, आघू आके मोर ले कहे लगिस, “ऊपर देख कि उहां का परगट होवत हे।”
6 मेंह पुछेंव, “येह का अय?”
ओह जबाब दीस, “येह एक टुकनी अय।” अऊ ओह ये घलो कहिस, “येह पूरा देस के मनखेमन के पाप अय।”
7 तब सीसा के ढकना ला उठाय गीस, अऊ उहां टुकनी म एक माईलोगन बईठे रिहिस!
8 तब स्वरगदूत ह कहिस, “येह दुस्टता अय,” अऊ ओह ओ माईलोगन ला टुकनी म वापिस ढकेल दीस अऊ सीसा के ढकना ला टुकनी ऊपर ढांप दीस।
9 तब मेंह ऊपर देखेंव—अऊ उहां मोर आघू म दू झन माईलोगन रिहिन, जेमन अपन डेनामन ले हवा म उड़ियात रिहिन! ओमन के डेना ह एक सारस चिरई सहीं रहय, अऊ ओमन ओ टुकनी ला अकास अऊ धरती के बीच म उठा लीन।
10 तब ओ स्वरगदूत जऊन ह मोर ले गोठियावत रिहिस, ओकर ले मेंह पुछेंव, “ओमन ओ टुकनी ला कहां ले जावत हें?”
11 ओह जबाब दीस, “बेबिलोनिया† देस ला, जिहां ओमन येकर बर एक घर बनाहीं। जब घर ह बन जाही, त टुकनी ला उहां ओकर जगह म रख दिये जाही।”

6

[illegible]

1 तब मेंह फेर ऊपर देखेंव, अऊ मोर आघू म चार ठन रथ दू पहाड़मन के बीच म ले निकलके आवत रिहिन, अऊ ये पहाड़मन कांसा धातु के रिहिन।
2 पहिला रथ म लाल घोड़ा, दूसर म करिया,
3 तीसर म सफेद अऊ चऊथा म चितकबरा घोड़ामन रिहिन—जम्मो के जम्मो ताकतवर रिहिन।
4 मोर ले जऊन स्वरगदूत ह गोठियावत रिहिस, ओकर ले मेंह पुछेंव, “हे मोर परभू, येमन का अंय?”
5 स्वरगदूत ह मोला जबाब दीस, “येमन स्वरग के ओ चार आतमा अंय, जऊन मन जम्मो संसार के परभू के आघू म ठाढ़ रहिथें अऊ अब ओकर आघू ले बाहिर जावत हें।
6 जऊन रथ म करिया रंग के घोड़ामन हवंय, ओह उत्तर दिग के देस ला जावत हे अऊ जऊन म सफेद रंग के घोड़ामन हवंय, ओह पछिम कोति, अऊ जऊन म चितकबरा घोड़ामन हवंय, ओह दक्खिन कोति जावत हे।”

---

* **5:2** लगभग 30 फीट लम्बा अऊ 15 फीट चौड़ा † **5:11** इबरानी म [illegible]

7 जब ये ताकतवर घोड़ामन बाहिर निकलिन, त ओमन जम्मो धरती म जाय बर अधीर होवत रिहिन। अऊ
ओह कहिस, "जम्मो धरती म जावव!" एकरसेति ओमन धरती के जम्मो अंग गीन।
8 तब ओह मोला बलाके कहिस, "देख, जऊन मन उत्तर के देस कोति गे हवंय, ओमन उत्तर के देस म मोर
आतमा ला सांति दे हवंय।"

[illegible]

9 यहोवा के बचन ह मोर करा आईस:
10 "बेबिलोन ले बंधुवई ले लहुंटे ये मनखे हेल्दै, तोबियाह अऊ यदायाह ले सोन अऊ चांदी लेय ले अऊ
ओहीच दिन सपनयाह के बेटा योसियाह के घर जा।
11 सोन अऊ चांदी ला लेके एक मुकुट बना, अऊ ओ मुकुट ला योसादाक के बेटा महा पुरोहित यहोसू के मुड़
म रख।
12 ओला बता कि सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: 'येह ओ मनखे ए, जेकर नांव डंगाली अय, अऊ ओह
अपन ही जगह ले डंगाली निकालके यहोवा के मंदिर ला बनाही।*
13 येह ओ अय, जऊन ह यहोवा के मंदिर ला बनाही, अऊ ओला महिमा दिये जाही अऊ अपन सिंघासन म
बईठके राज करही। अऊ ओह† अपन सिंघासन म एक पुरोहित होही अऊ ओ दूनों के बीच आपस म समझ-बुझ
होही।'
14 यहोवा के मंदिर म मुकुट ला यादगारी के एक चिनहां के रूप म हेल्दै,‡ तोबियाह, यदायाह अऊ सपनयाह
के बेटा हेन§ ला दिये जाही।
15 जेमन दूरिहा म हवंय, ओमन आहीं अऊ यहोवा के मंदिर बनाय म मदद करहीं, अऊ तेंह जानबे कि
सर्वसक्तिमान यहोवा ह मोला तोर करा पठोय हवय। अऊ येह तभे होही, जब तेंह यहोवा अपन परमेसर के
हुकूममन ला मन लगाके मानबे।"

7

[illegible], [illegible]

1 दारा राजा के राज के चऊथा साल के नवां महिना याने कि किसलेव महिना के चऊथा दिन यहोवा के ये
बचन जकरयाह करा आईस।
2 बेतेल के मनखेमन यहोवा ले बिनती करे बर अऊ ये पुछे बर सरेसेर अऊ रेगेम-मेलेक अऊ ओमन के
संगीमन ला
3 सर्वसक्तिमान यहोवा के घर के पुरोहित अऊ अगमजानीमन करा पठोईन, "का हमन पांचवां महिना म
सोक अऊ उपास करन, जइसने कि हमन कतको साल ले करत आवत हन?"
4 तब सर्वसक्तिमान यहोवा के ये बचन मोर करा आईस:
5 "देस के जम्मो मनखे अऊ पुरोहितमन ले पुछ, 'जब तुमन पांचवां अऊ सातवां महिना म पिछले सत्तर
साल तक उपास अऊ बिलाप करत रहेव, त का सही म तुमन मोर बर ही उपास करेव?
6 अऊ जब तुमन खावत-पीयत रहेव, त का ये सब सिरिप अपन खाय-पीये बर नइं करत रहेव?
7 का येमन यहोवा के बचन नो हंय, जेकर घोसना ओह पहिले के अगमजानीमन के जरिये करे रिहिस, जब
यरूसलेम अऊ ओकर आसपास के नगरमन सांति म रिहिन अऊ उन्नत रिहिन, अऊ नेगेव* अऊ पछिम के
खाल्हे के देसमन बस गे रिहिन?' "
8 अऊ यहोवा के ये बचन ह जकरयाह करा फेर आईस:
9 "सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहिस: 'सही के नियाय करव; एक-दूसर के ऊपर दया देखावव अऊ तरस
खावव।
10 बिधवा या अनाथ, परदेसी या गरीब ऊपर अतियाचार झन करव। एक-दूसर के बिरूध सडयंत्र झन करव।'
11 "पर ओमन ये बात ऊपर कोनो धियान नइं दीन; ढीठ होके ओमन अपन मुहूं फेर लीन अऊ अपन कानमन
ला बंद कर लीन।

---

* **6:12** देखव यसा 4:2 † **6:13** या [illegible] ‡ **6:14** इबरानी म [illegible] § **6:14** या [illegible] * **7:7** या [illegible]

12 ओमन अपन हिरदय ला चकमक पथरा सहीं कठोर बना लीन अऊ कानून के बात या सर्वसक्तिमान यहोवा
के ओ बचन ला नइं सुनिन, जेला ओह अपन आतमा के दुवारा पहिले के अगमजानीमन के जरिये पठोय रिहिस।
एकरसेति सर्वसक्तिमान यहोवा बहुंत गुस्सा होईस।
13 " 'जब मेंह पुकारेंव, त ओमन नइं सुनिन; एकरसेति जब ओमन मोला पुकारहीं, त मेंह घलो ओमन के नइं
सुनंव,' सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे।
14 'मेंह एक बवंडर ले ओमन ला जाति-जाति के मनखेमन के बीच म तितिर-बितिर कर देंव, जिहां ओमन
अजनबी रिहिन। जऊन देस ला ओमन अपन पाछू छोंड़ आईन, ओह अइसे उजाड़ पड़े रिहिस कि ओमा ले होके
कोनो नइं जावंय। ये किसम ले ओमन ओ खुसहाल देस ला उजाड़ दीन।' "

8

[illegible]

1 सर्वसक्तिमान यहोवा के बचन ह मोर करा आईस।
2 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "सियोन बर मोला अब्बड़ जलन होवत हे; मेंह ओकर बर जलन ले
जरत हंव।"
3 यहोवा ह ये कहत हे: "मेंह वापिस सियोन जाहूं अऊ यरूसलेम म निवास करहूं। तब यरूसलेम ला
बिसवासयोग्य सहर कहे जाही, अऊ सर्वसक्तिमान यहोवा के पहाड़ ला पबितर पहाड़ कहे जाही।"
4 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "एक बार फेर यरूसलेम के गलीमन म डोकरा अऊ डोकरीमन बईठहीं
अऊ बहुंत उमर होय के कारन हर एक के हांथ म लउठी होही।
5 सहर के गलीमन उहां खेलत बाबू-नोनीमन ले भरे होहीं।"
6 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "ओ समय मनखेमन के बांचेमन ला ये अद्भूत लग सकथे, पर का येह
मोला अद्भूत लगही?" सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।
7 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "मेंह अपन मनखेमन ला पूरब अऊ पछिम के देसमन ले बचाहूं।
8 मेंह ओमन ला यरूसलेम म रहे बर वापिस ले आहूं; ओमन मोर मनखे होहीं, अऊ मेंह ओमन के परमेसर के
रूप म ओमन बर बिसवासयोग्य अऊ धरमी ठहिरहूं।"
9 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "अब तुमन ये बात ला सुनव, 'तुम्हर हांथमन मजबूत रहंय ताकि मंदिर
ला बनाय जा सकय।' ये बात ओ अगमजानीमन के दुवारा घलो कहे गे हवय, जऊन मन सर्वसक्तिमान यहोवा
के घर के नीव डाले के बेरा उहां रिहिन।
10 ओ समय के पहिले न तो मनखेमन ला बनी मिलत रिहिस अऊ न ही पसुमन बर भाड़ा। अपन बईरीमन के
कारन, कोनो घलो अपन काम-धंधा म सांत मन से नइं जाय सकत रिहिन, काबरकि मेंह ओमन ला एक-दूसर के
बिरूध कर दे रहेंव।
11 पर अब मेंह येमन के बांचे मनखेमन ले वइसने बरताव नइं करंव, जइसने कि पहिले करत रहेंव,"
सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।
12 "बीजा ह बने ढंग ले बढ़ही, अंगूर के नार म फर लगही, भुइयां म फसल होही, अऊ अकास ले ओस*
पड़ही। मेंह ये जम्मो चीज येमन के बांचे मनखेमन ला एक उत्तराधिकार के रूप म दूहूं।
13 जइसे कि हे यहूदा अऊ इसरायल, तुमन जाति-जाति के मनखेमन के बीच एक सराप बन गे हवव, त मेंह
तुमन ला बचाहूं, अऊ तुमन एक आसीस के कारन बनहू। झन डरव, पर तुम्हर हांथ मजबूत बने रहय।"
14 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "जब तुम्हर पुरखामन मोला कोरोधित करे रिहिन, त जइसने मेंह
तुम्हर ऊपर बिपत्ति लाने अऊ दया नइं करे बर ठान ले रहेंव," सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहत हे,
15 "वइसने ही अब मेंह यरूसलेम अऊ यहूदा ऊपर फेर भलई करे बर ठान ले हवंव। झन डरव।
16 येमन ओ बात अंय, जेला तुमन ला करना हे: एक-दूसर के संग सच बोलव, अऊ अपन अदालतमन म सच
अऊ सही निरनय लेय करव;

---

* **8:12** या [illegible]

17 एक-दूसर के बिरूध दुस्ट चाल झन चलव, अऊ लबरा कसम झन खावव। काबरकि मेंह ये जम्मो बात ले
घिन करथंव," यहोवा ह घोसना करत हे।
18 सर्वसक्तिमान यहोवा के ये बचन ह मोर करा आईस।
19 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "चऊथा, पांचवां, सातवां अऊ दसवां महिना के उपास ह यहूदा के
मनखेमन बर आनंद अऊ खुसी के समय अऊ खुसी के तिहार हो जाही। एकरसेति सच अऊ सांति ले मया
करव।"
20 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "बहुंते मनखे अऊ कतको सहरमन के रहइयामन आहीं,
21 अऊ एक सहर के रहइयामन दूसर सहर म जाके कहिहीं, 'आवव, यहोवा ले बिनती करे बर तुरते चलन
अऊ सर्वसक्तिमान यहोवा के खोज करन। मेंह खुद जावत हंव।'
22 अऊ बहुंते मनखे अऊ सक्तिसाली जातिमन के मनखेमन सर्वसक्तिमान यहोवा ला खोजे अऊ ओकर ले
बिनती करे बर यरूसलेम आहीं।"
23 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "ओ दिनमन म जम्मो भासा अऊ जातिमन ले दस मनखेमन एक
यहूदी मनखे ला ओकर कपड़ा के छोर ला पकड़के कहिहीं, 'हमन तोर संग जाबो, काबरकि हमन ये सुने हन कि
परमेसर ह तोर संग हवय।' "

9

??????? ?? ??????? ?? ???

1 एक अगमबानी:
हद्राक देस के बिरूध यहोवा के ये बचन अय
अऊ येकर परभाव दमिस्क सहर ऊपर पड़ही—
काबरकि जम्मो मनखे अऊ इसरायल के जम्मो गोत्र के नजर
यहोवा ऊपर हवय—
2 अऊ येकर सीमना ले लगे देस हमात ऊपर लगे हवय,
अऊ सूर अऊ सीदोन ऊपर घलो लगे हवय, हालाकि ओमन बहुंत जानकार अंय।
3 सूर ह अपन बर एक मजबूत गढ़ बनाय हवय;
ओह चांदी ला धुर्रा सहीं,
अऊ सोन ला गली के चीखला सहीं कुढ़ोय हवय।
4 पर परभू ह ओकर जम्मो चीजमन ला ले लीही
अऊ ओकर सक्ति ला समुंदर म नास कर दीही,
अऊ सहर ह आगी म जलके नास हो जाही।
5 अस्कलोन सहर ह येला देखके डरही;
गाजा सहर ह बहुंत तकलीफ म पड़के छटपटाही,
अऊ एहीच हालत एकरोन सहर के घलो होही, काबरकि ओकर आसा ह खतम हो जाही।
गाजा ह अपन राजा ला गंवा दीही
अऊ अस्कलोन ला तियाग दिये जाही।
6 एक दोगला जाति के मनखेमन असदोद सहर ऊपर अधिकार कर लीहीं,
अऊ मेंह पलिस्तीमन के घमंड ला टोर दूहूं।
7 मेंह ओमन के मुहूं ले खून,
अऊ ओमन के दांतमन के बीच म छोंड़े गय जेवन ला ले लूहूं।
तब ओमन, जऊन मन बच जाहीं, ओमन हमर परमेसर के हो जाहीं
अऊ यहूदा म एक गोत्र बन जाहीं,
अऊ एकरोन ह यबूसीमन सहीं हो जाही।
8 पर मेंह अपन मंदिर ला लुटेरामन ले बचाय बर
ओकर पहरेदारी म डेरा डालहूं।

कोनो घलो अतियाचारी फेर कभू मोर मनखेमन ऊपर अधिकार नइं कर सकहीं,
काबरकि अब मेंह पहरेदारी करत हंव।

[illegible]

9 हे बेटी सियोन, बहुंत आनंद मना!
हे बेटी यरूसलेम, जय-जयकार कर!
देखव, तुम्हर राजा ह तुम्हर करा आवत हे,
ओह धरमी अऊ बिजयी होके,
बिनम्र अऊ एक गदहा ऊपर,
एक बछेड़ा ऊपर, गदही के एक बछेड़ा ऊपर सवारी करे हवय।
10 मेंह एपरैम ले रथमन ला
अऊ यरूसलेम ले लड़ई के घोड़ामन ला ले लूहूं,
अऊ लड़ई के धनुसमन ला टोर दिये जाही।
तब ओह जाति-जाति के मनखेमन के बीच म सांति के घोसना करही।
ओकर राज ह एक समुंदर ले लेके दूसर समुंदर तक
अऊ नदी* ले लेके धरती के छोर तक बगरही।
11 जहां तक तुम्हर बात अय, तुम्हर संग मोर करार के लहू के कारन,
मेंह तुम्हर कैदीमन ला ओ सूखा खंचवा ले बाहिर निकाल दूहूं।
12 हे आसा लगाय कैदीमन, अपन गढ़ म लहुंट आवव;
अभी घलो मेंह घोसना करत हंव कि मेंह तुमन ला दू गुना लहुंटा दूहूं।
13 मेंह यहूदा ला अपन धनुस सहीं मोड़हूं
अऊ एपरैम ले येला भर दूहूं।
हे सियोन, मेंह तोर बेटामन ला
यूनान के बेटामन के बिरूध भड़काहूं,
अऊ तोला योद्धा के तलवार सहीं कर दूहूं।

[illegible]

14 तब यहोवा ह ओमन ऊपर परगट होही;
अऊ ओकर तीर ह बिजली सहीं चमकही।
परमपरधान यहोवा ह तुरही फूंकही;
ओह दक्खिन के आंधी म होके चलही,
15 अऊ सर्वसक्तिमान यहोवा ओमन के रकछा करही।
ओमन नास कर दीहीं
अऊ गोफन के पथरामन के दुवारा जयवंत होहीं।
ओमन पीहीं अऊ अइसने हल्ला करहीं जइसने मनखे मंद पीके करथें;
ओमन ओ कटोरा सहीं भर जाहीं
जेकर उपयोग बेदी के कोनटामन म छिंचे बर करे जाथे।
16 जइसन एक चरवाहा ह अपन झुंड ला बचाथे
वइसन ही यहोवा ओमन के परमेसर ह ओ दिन अपन मनखेमन ला बचाही।
ओमन ओकर देस म अइसने चमकहीं
जइसने मुकुट म लगे रत्नमन चमकथें।
17 कतेक जादा मन ला भानेवाला अऊ सुघर होहीं ओमन!
जवान छोकरामन अनाज खाके,
अऊ मुटियारी छोकरीमन नवां अंगूर के मंद पीके मजबूत हो जाहीं।

---

* **9:10** या [illegible]

10

[illegible]

1 यहोवा ले बिनती करव कि ओह बसन्त रितु म बारिस पठोवय;
येह यहोवा ही अय, जऊन ह बादर गरजाथे अऊ गरेर लाथे।
ओह जम्मो मनखे ला बारिस देथे,
अऊ हर एक झन बर खेत म पऊधा उपजाथे।
2 मूरतीमन धोखा देवइया बात कहिथें,
अऊ सकुन-बिचार करइयामन लबारी दरसन देखथें;
ओमन लबारी सपना के बारे म बताथें,
अऊ ओमन बेकार म सांतवना देथें।
एकरसेति चरवाहा के कमी के कारन दुखी होके
मनखेमन भेड़ सहीं भटकथें।

3 "मोर कोरोध ह चरवाहामन ऊपर भड़कथे,
अऊ मेंह अगुवामन ला दंड दूहूं;
काबरकि सर्वसक्तिमान यहोवा ह अपन झुंड
यहूदा के मनखेमन के देखरेख करही,
अऊ ओह ओमन ला लड़ई म घमंड करइया घोड़ा सहीं बनाही।
4 यहूदा ले कोना के पथरा आही,
ओकर ले तम्बू के खूंटी,
ओकर ले लड़ई के धनुस,
अऊ ओकर ले ही हर एक सासन करइया आहीं।
5 ओमन एक संग लड़ई म ओ योद्धामन सहीं होहीं,
जऊन मन गली के चीखला म अपन बईरीमन ला गोड़ ले कुचरथें।
ओमन लड़हीं काबरकि यहोवा ओमन के संग हवय,
अऊ ओमन बईरीमन के घुड़सवारमन ला सरमिंदा करहीं।

6 "मेंह यहूदा के मनखेमन ला मजबूत करहूं
अऊ यूसुफ के गोत्र ला बचाहूं।
ओमन बर अपन करूना के कारन
मेंह ओमन ला पहिले के सहीं बने स्थिति म ले आहूं।
ओमन अइसे हो जाहीं
मानो मेंह ओमन ला कभू तियागे ही नइं रहेंव,
काबरकि मेंह ओमन के परमेसर यहोवा अंव
अऊ मेंह ओमन ला जबाब दूहूं।
7 एपरैमीमन योद्धा सहीं हो जाहीं,
अऊ ओमन के मन ह अइसे खुस होही, जइसे मंद पीये ले होथे।
ओमन के लइकामन येला देखके आनंदित होहीं;
अऊ ओमन के मन ह यहोवा म आनंदित होही।
8 मेंह ओमन ला इसारा करहूं
अऊ भीतर इकट्ठा करहूं।
खचित मेंह ओमन ला छोंड़ाहूं;
ओमन पहिली सहीं अनगिनत हो जाहीं।
9 हालाकि मेंह ओमन ला मनखेमन के बीच म तितिर-बितिर कर दे हंव,

तभो ले ओ दूरिहा के देसमन म ओमन मोला सुरता करहीं।
उहां ओमन अऊ ओमन के संतान बांचे रहिहीं,
अऊ ओमन लहुंट आहीं।
10 मेंह ओमन ला मिसर देस ले वापिस लहुंटा लाहूं
अऊ ओमन ला अस्सूर देस ले इकट्ठा करहूं।
मेंह ओमन ला गिलाद अऊ लबानोन के इलाका म ले आहूं,
अऊ ओमन ला अतेक बढ़ाहूं कि उहां ओमन बर परयाप्त जगह नइं होही।
11 ओमन समस्या के समुंदर म ले होके जाहीं,
उमड़त समुंदर ला सांत कर दिये जाही
अऊ नील नदी के जम्मो गहिरा पानी ह सूखा जाही।
अस्सूर देस के मनखेमन के घमंड ला टोर दिये जाही
अऊ मिसर देस के राजदंड ह चले जाही।
12 मेंह ओमन के बिसवास ला यहोवा ऊपर मजबूत करहूं
अऊ ओकर नांव म ओमन सुरकछित रहिहीं,"
यहोवा ह घोसना करत हे।

11

1 हे लबानोन, अपन कपाटमन ला खोल,
ताकि आगी ह तोर देवदार के रूखमन ला नास कर देवय!
2 हे सनोवर के रूखमन, बिलाप करव, काबरकि देवदार के रूख ह गिर गे हवय;
सानदार रूखमन नास हो गे हवंय!
हे बासान के बलूत रूखमन, बिलाप करव;
काबरकि घना जंगल ला काट डारे गे हवय!
3 चरवाहामन के बिलाप ला सुनव;
ओमन के हरियर चरागनमन नास हो गे हवंय!
सिंहमन के गरजई ला सुनव;
यरदन नदी के रसवाला झाड़ीमन नास हो गीन!

[illegible]

4 यहोवा, मोर परमेसर ह ये कहत हे: "काटे बर चिनहां करे गे पसुमन के झुंड के रखवारी करव।
5 ओमन ला बिसोईयामन काटथें अऊ ओमन ला कोनो सजा नइं मिलय। जऊन मन ओमन ला बेचथें, ओमन कहिथें, 'यहोवा के इस्तुति होवय, मेंह धनी हो गे हंव!' ओमन के खुद के चरवाहामन ओमन ऊपर दया नइं करंय।
6 मेंह अब ये देस के मनखेमन ऊपर दया नइं करंव," यहोवा ह घोसना करत हे। "मेंह हर एक ला ओमन के परोसी अऊ ओमन के राजा के बस म कर दूहूं। ओमन ये देस ला नास कर दीहीं, अऊ मेंह कोनो ला ओमन के हांथ ले नइं बचावंव।"
7 एकरसेति मेंह काटे बर चिनहां करे गे पसुमन के झुंड के रखवारी करेंव, खास करके झुंड के ओ पसुमन के जेमन ऊपर अतियाचार करे जावत रिहिस। तब मेंह दू ठन लउठी लेंव अऊ ओमा ले एक ठन के नांव अनुग्रह अऊ दूसर के नांव एकता रखेंव, अऊ में झुंड के देखरेख करे लगेंव।
8 ओकर बाद मेंह एक महिना म ही तीन झन चरवाहामन ला काम ले हटा देंव।
ओ झुंड ह मोर ले बहुंत घिन करे लगिस, अऊ मेंह ओमन ले असकटा गेंव
9 अऊ कहेंव, "मेंह अब तुम्हर चरवाहा नइं रहंव। जऊन मन मरत हें ओमन मरंय, अऊ जऊन मन नास होवत हें ओमन नास होवंय, अऊ जऊन मन बच जाथें ओमन एक-दूसर के मांस खावंय।"
10 तब ओ करार जेला मेंह जम्मो जाति के मनखेमन के संग बांधे रहेंव, ओला टोरत मेंह अपन अनुग्रह नांव के लउठी ला टोर देंव।

11 ओ करार ला ओहीच दिन टोर दिये गीस, अऊ झुंड के सताय गे जऊन पसुमन मोर कोति देखत रिहिन,
ओमन जान डारिन कि येह यहोवा के बचन रिहिस।
12 तब मेंह ओमन ले कहेंव, "कहूं तुमन ला ये बने लगे, त मोला मोर बनी दे दव; पर कहूं नइं देय चाहत हव,
त झन दव।" तब ओमन मोर बनी के तीस चांदी के टुकड़ा मोला दीन।
13 अऊ यहोवा ह मोला कहिस, "ये बनी ला कुम्हार के आघू म फटिक दे"—ओ बढ़िया दाम जेला ओमन मोर
बर ठहिराय हवंय! एकरसेति मेंह चांदी के ओ तीस टुकड़ामन ला लेंव अऊ यहोवा के घर म कुम्हार के आघू म
फटिक देंव।
14 तब मेंह यहूदा अऊ इसरायल के बीच परिवार के संबंध ला टोरत, एकता नांव के अपन दूसर लउठी ला
टोर देंव।
15 तब यहोवा ह मोला कहिस, "एक मुरूख चरवाहा के चीजमन ला फेर लेय ले।
16 काबरकि मेंह ये देस म एक अइसन चरवाहा ठहिरानेवाला हंव, जऊन ह गंवायमन के चिंता नइं करही, न
जवानमन ला खोजही, न घायलमन ला चंगा करही, न ही तंदरूस्तमन ला खवाही, पर ओह बने भेड़मन के मांस
ला खाही अऊ ओमन के खुरमन ला फोर दीही।
17 "ओ बेकार चरवाहा ऊपर हाय,
जऊन ह पसु के झुंड ला छोंड़के भाग जाथे!
अइसन होवय कि ओकर बाहां अऊ ओकर जेवनी आंखी म तलवार चले!
ओकर बाहां ह पूरा सूख जावय,
अऊ ओह अपन जेवनी आंखी ले पूरा अंधरा हो जावय!"

12

[illegible]

1 एक अगमबानी: इसरायल के बारे म यहोवा के बचन।

यहोवा, जऊन ह अकास ला फईलाथे, जऊन ह धरती के नीव रखथे, अऊ जऊन ह मनखे के भीतर मनखे के
आतमा ला बनाथे, ओह ये घोसना करत हे:
2 "मेंह यरूसलेम ला एक अइसन कटोरा बनइया हंव, जऊन ह यरूसलेम सहर के आसपास के मनखेमन ला
लड़खड़ा दीही। यहूदा अऊ संगे-संग यरूसलेम ला घलो घेर लिये जाही।
3 ओ दिन, जब धरती के जम्मो जातिमन यरूसलेम के बिरूध म जूरहीं, त मेंह ओला जम्मो जातिमन बर एक
ठन न हटनेवाला चट्टान बना दूहूं। ओ जम्मो जऊन मन ओला हटाय के कोसिस करहीं, ओमन अपनआप ला
घायल करहीं।
4 ओ दिन, मेंह हर एक घोड़ा ला आतंकित करहूं अऊ ओमा सवार मनखे के मति ला भ्रस्ट कर दूहूं," यहोवा ह
घोसना करत हे। "मेंह यहूदा के मनखेमन ऊपर किरपा-दिरिस्टी रखहूं, पर मेंह आनजातमन के जम्मो घोड़ामन
ला अंधरा कर दूहूं।
5 तब यहूदा के बंस के मनखेमन अपन मन म कहिहीं, 'यरूसलेम के मनखेमन बलवान अंय, काबरकि
सर्वसक्तिमान यहोवा ह ओमन के परमेसर अय।'
6 "ओ दिन, मेंह यहूदा के बंस ला लकरी के कुढ़ा म आगी के एक भट्ठा सहीं, बीड़ामन के बीच बरत एक मसाल
सहीं बना दूहूं। ओमन अपन जेवनी अऊ डेरी, आसपास के जम्मो कोति के मनखेमन ला भसम कर दीहीं, पर
यरूसलेम ह अपन जगह म अडिग बने रहिही।
7 "यहोवा ह पहिली यहूदा म रहइयामन ला बचाही, ताकि दाऊद के घराना अऊ यरूसलेम के निवासीमन के
आदरमान यहूदा ले बढ़के झन होवय।
8 ओ दिन खुद यहोवा यरूसलेम म रहइयामन के रकछा करही, जेकर ले ओमा के सबले दुरबल घलो दाऊद
सहीं सक्तिसाली हो जाही, अऊ दाऊद के घराना ह परमेसर सहीं, ओमन के आघू-आघू चलइया यहोवा के
स्वरगदूत सहीं हो जाही।
9 ओ दिन, मेंह ओ जम्मो जातिमन ला नास करे बर निकलहूं, जऊन मन यरूसलेम ऊपर हमला करथें।

[illegible]

10 “अऊ मेंह दाऊद के घराना अऊ यरूसलेम के निवासीमन ऊपर किरपा अऊ बिनती करइया एक आतमा
उंडेलहूं। ओमन मोर कोति देखहीं, जेला ओमन छेदे-बेधे हवंय, अऊ ओमन ओकर बर वइसने बिलाप करहीं,
जइसने कोनो अपन एके झन लइका बर करथे, अऊ ओमन ओकर बर अइसने दुखी होहीं, जइसने कोनो अपन
पहिलांत के मरे म दुखी होथे।
11 ओ दिन यरूसलेम म अइसे भयंकर बिलाप होही, जइसे हदद-रिम्मोन ह मगिद्दो के मैदान म बिलाप करे
रिहिस।
12 जम्मो देस ह सोक मनाही, हर एक गोत्र खुद, हर एक जन अपन घरवाली संग: दाऊद के घराना के गोत्र के
मनखे अऊ ओमन के घरवालीमन, नातान के घराना के गोत्र के मनखे अऊ ओमन के घरवालीमन,
13 लेवी के घराना के गोत्र के मनखे अऊ ओमन के घरवालीमन, सिमी के गोत्र के मनखे अऊ ओमन के
घरवालीमन,
14 अऊ बांचे जम्मो गोत्र के मनखे अऊ ओमन के घरवालीमन सोक मनाहीं।

13

[illegible]

1 “ओ दिन दाऊद के घराना अऊ यरूसलेम के निवासीमन ला ओमन के पाप अऊ असुधता ले सुध करे बर
एक सोता फूटही।
2 “ओ दिन, मेंह देस ले जम्मो मूरतीमन के नांव ला मिटा दूहूं, अऊ ओमन ला फेर कभू सुरता नइं करे
जाही।” सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये घोसना करत हे। “मेंह देस ले अगमजानीमन ला अऊ असुधता के आतमा
ला निकाल दूहूं।
3 अऊ तभो ले कहूं कोनो अगमबानी करे, त ओला जनम देवइया ओकर दाई-ददा ओला कहिहीं, ‘जरूरी अय
कि तें मर जा, काबरकि तेंह यहोवा के नांव म लबरा बात कहे हस।’ तब ओकर खुद के दाई-ददामन ओ
अगमबानी करइया ला तलवार ले मार डारहीं।
4 “ओ दिन हर एक अगमजानी ह अपन अगम के दरसन बर सरमिंदा होही। ओमन मनखेमन ला धोखा देय
बर चुंदी ले बने अगमजानीमन के कपड़ा नइं पहिरहीं।
5 पर हर एक ह कहिही, ‘मेंह अगमजानी नो हंव। मेंह एक किसान अंव; मेंह अपन जवानी ले ही खेत-खार ले
अपन जिनगी चलात आय हंव।’
6 कहूं कोनो ओकर ले पुछय, ‘तोर देहें म ये घावमन कइसे हवंय?’ त ओह जबाब दीही, ‘मोर संगीमन के घर म
मोला ये चोट लगे हवय।’ ”

[illegible]

7 यहोवा ह कहिथे, “हे तलवार, उठ, मोर चरवाहा के बिरूध चल,
ओ मनखे के बिरूध जऊन ह मोर घनिस्ट मनखे अय!”
सर्वसक्तिमान यहोवा ह घोसना करत हे।
“चरवाहा ऊपर तलवार चला,
अऊ भेड़मन तितिर-बितिर हो जाहीं,
अऊ मेंह लइकामन के बिरूध अपन हांथ उठाहूं।”
8 यहोवा ह घोसना करत हे,
“जम्मो देस म दू-तिहाई मनखेमन ला तलवार चलाके मार डारे जाही;
तभो ले एक तिहाई मनखेमन ओमा बांचे रहिहीं।
9 ये एक तिहाई मनखेमन ला मेंह आगी म डार दूहूं;
मेंह ओमन ला चांदी सहीं सुध करहूं
अऊ ओमन ला अइसे परखहूं, जइसे सोन ला परखे जाथे।
ओमन मोर नांव लेके पुकारहीं
अऊ मेंह ओमन के सुनहूं;

मेंह कहिहूं, 'ओमन मोर मनखे अंय,'
अऊ ओमन कहिहीं, 'यहोवा ह हमर परमेसर अय।' "

14

[illegible]

1 हे यरूसलेम, यहोवा के एक अइसने दिन अवइया हे, जब तुम्हर संपत्ति ला लूट लिये जाही अऊ तुम्हर
अपन घेरा के भीतर ही बांट लिये जाही।
2 मेंह जम्मो जाति के मनखेमन ला यरूसलेम के बिरूध लड़ई करे बर इकट्ठा करहूं; सहर ऊपर अधिकार कर
लिये जाही, घर-दुवारमन लूट लिये जाहीं, अऊ माईलोगनमन के इज्जत लूट लिये जाही। सहर के आधा
मनखेमन बंधुवई म चल दीहीं, पर बांचे मनखेमन सहर म ही रहिहीं।
3 तब यहोवा ह निकलके ओ जातिमन के बिरूध अइसे लड़ही, जइसे ओह लड़ई के दिन लड़थे।
4 ओ दिन यहोवा ह यरूसलेम के पूरब म जैतून पहाड़ ऊपर जाके ठाढ़ होही, अऊ जैतून पहाड़ ह पूरब अऊ
पछिम दू भाग म बंट जाही अऊ मांझा म एक बड़े घाटी बन जाही, जेकर ले आधा पहाड़ उत्तर कोति अऊ
आधा पहाड़ दक्खिन कोति हट जाही।
5 तब तेंह मोर ये पहाड़ के घाटी ले होके भागबे, काबरकि ये घाटी ह आसेल तक फईले होही। तेंह अइसे
भागबे, जइसे तेंह यहूदा के राजा उजियाह के दिन म आय भुइंडोल के समय म भागे रहय।* तब यहोवा मोर
परमेसर ह जम्मो पबितर मनखेमन संग आही।
6 ओ दिन न तो सूरज के अंजोर होही अऊ न ही ठंडा, पर कुहरा ले भरे अंधियार होही।
7 ओह एक अलग दिन होही—एक अइसे दिन जेला सिरिप यहोवा ही जानथे—दिन अऊ रथिया के बीच
कोनो अंतर नइं होही। जब सांझ होही, तब अंजोर होही।
8 ओ दिन जिनगी के पानी ह यरूसलेम ले बहके निकलही, येमा के आधा पानी पूरब के मिरतू सागर कोति
अऊ आधा पानी पछिम के भूमध्य सागर कोति बहही, अऊ येह धूपकाला अऊ संगे-संग जड़काला म घलो
बहते रहिही।
9 जम्मो धरती ऊपर यहोवा ही राजा होही। ओ दिन एक ही यहोवा होही, अऊ सिरिप ओकरे ही नांव होही।
10 जम्मो भुइयां, गेबा सहर ले लेके यरूसलेम के दक्खिन म रिम्मोन नगर तक अराबाह के सहीं हो जाही। पर
बिनयामीन दुवार ले लेके पहिले दुवार के जगह तक, कोना के दुवार तक, अऊ हनानेल के मीनार ले लेके
राजसाही अंगूर के रसकुंडमन तक यरूसलेम ला ऊंचा करे जाही, अऊ येह अपन जगह म बने रहिही।
11 मनखेमन आके उहां बसहीं; अऊ येला फेर कभू नास नइं करे जाही। यरूसलेम सुरकछित रहिही।
12 ओ जातिमन, जऊन मन यरूसलेम ले लड़ई करिन, ओ जम्मो ऊपर यहोवा अइसन महामारी लानही कि
जब ओमन अपन गोड़ म ठाढ़े रहिहीं, त ओमन के मांस ह सड़ जाही, ओमन के आंखीमन ओमन के गोलक म ही
सड़ जाहीं, अऊ ओमन के जीभमन ओमन के मुहूं म ही सड़ जाहीं।
13 ओ दिन यहोवा के दुवारा मनखेमन म बड़े आतंक के संग घबराहट फईलही। ओमन एक-दूसर ला हांथ से
पकड़ लीहीं अऊ एक-दूसर ऊपर हमला करहीं।
14 यहूदा घलो आके यरूसलेम म लड़ही। आसपास के जम्मो जाति के संपत्ति ला इकट्ठा करे जाही—जेमा
बहुंत अकन सोन, चांदी अऊ कपड़ा होही।
15 अइसने ही किसम के एक महामारी घोड़ा, खच्चर, ऊंट, गदहा अऊ ओ डेरामन के जम्मो पसुमन ऊपर
आही।
16 तब ओ जम्मो जाति के मनखे, जेमन यरूसलेम ऊपर हमला करे रिहिन, ओमा के बांचे मनखेमन हर साल
यरूसलेम जाके राजा, सर्वसक्तिमान यहोवा के अराधना करहीं, अऊ पबितर-तम्बूमन के तिहार मनाहीं।
17 यदि धरती के मनखेमन ले कोनो मनखे राजा, सर्वसक्तिमान यहोवा के अराधना करे बर यरूसलेम नइं
जाही, त ओमन के इहां बारिस नइं होही।

---

* **14:5** देखव आमो 1:1

18 कहूं मिसर के मनखेमन अराधना म भाग लेय बर नइं जाहीं, त ओमन के इहां घलो बारिस नइं होही।
यहोवा ओमन ऊपर ओ महामारी लानही, जेला ओह ओ जातिमन ऊपर लानथे, जऊन मन पबितर-तम्बूमन के
तिहार मनाय बर नइं जावंय।
19 येह मिसर देस के मनखेमन के सजा अऊ ओ जम्मो जातिमन के सजा होही, जेमन पबितर-तम्बूमन के
तिहार मनाय बर नइं जावंय।
20 ओ दिन घोड़ामन के गरदन म लटके घंटीमन म ये सबद खोदके लिखाय होही, "यहोवा बर पबितर," अऊ
यहोवा के घर म खाना पकाय के बरतनमन बेदी के आघू म रखे पबितर कटोरामन सहीं होहीं।
21 यरूसलेम अऊ यहूदा म हर एक बरतन सर्वसक्तिमान यहोवा बर पबितर होही, अऊ ओ जम्मो जऊन मन
बलि चघाय बर आहीं, ओमन ओ बरतनमन ले कुछू बरतन ला लीहीं अऊ ओमा खाना पकाहीं। अऊ ओ दिन
सर्वसक्तिमान यहोवा के घर म फेर कभू कोनो कनानी† नइं होही।

† **14:21** या [illegible]

मलाकी
के किताब

1 एक अगमबानी: मलाकी* के जरिये इसरायलीमन ला यहोवा के दिये गे बचन।

[illegible]

2 यहोवा ह कहत हे, “मेंह तोर ले मया करे हवंव,”
पर तुमन पुछथव, “तेंह कइसे हमन ले मया करे हस?”
यहोवा ह ये कहिथे, “का एसाव ह याकूब के भाई नइं रिहिस? तभो ले मेंह याकूब ले मया करेंव,
3 पर मेंह एसाव ले घिन करेंव अऊ ओकर पहाड़ी भागमन ला उजारके निरजन बना देंव अऊ ओकर बपौती भुइयां ला बंजर भुइयां के सियारमन के जगह बना देंव।”
4 एदोम ह कह सकत हे, “हालाकि हमन उजर तो गे हवन, तभो ले हमन टूटे-फूटे ला फेर बनाबो।”
पर सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: “ओमन फेर बनाहीं, पर मेंह गिरा दूहूं, अऊ ओमन दुस्ट के गढ़, अऊ अइसने मनखे कहाहीं, जेमन के ऊपर यहोवा के रिस ह हमेसा भड़के रहिथे।
5 तुम्हर आंखी ह येला देखही अऊ तुमन कहिहू, ‘यहोवा ह महान ए—अऊ त अऊ ओह इसरायल के सिवाना के बाहिर घलो महान ए!’ ”

[illegible]

6 सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, “बेटा ह अपन ददा के, अऊ गुलाम ह अपन मालिक के आदर करथे। यदि मेंह ददा अंव, त मोर आदर कहां हवय? अऊ यदि मेंह मालिक अंव, त मोर इज्जत कहां हवय, जेकर हकदार मेंह अंव?
“ये तुम पुरोहितमन अव, जेमन मोर नांव के आदर नइं करव।
“पर तुमन पुछथव, ‘हमन कइसे तोर नांव के आदर नइं करेंन?’
7 “मोर बेदी म असुध जेवन चघाय के दुवारा।
“पर तुमन पुछथव, ‘हमन कइसे तोला असुध करे हवन?’
“ये कहे के दुवारा कि यहोवा के मेज ह तुछ ए।
8 जब तुमन अंधरा पसु के बलि चघाथव, त का येह गलत नो हय? अऊ जब तुमन खोरवा अऊ बिमरहा पसु के बलि चघाथव, त का येह गलत नो हय? अइसने भेंट अपन राजपाल ला देय के कोसिस करव! का ओह तुमन ले खुस होही? का ओह तुमन ला गरहन करही?” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
9 “पर अब तुमन परमेसर ले बिनती करव कि ओह हमर ऊपर किरपा करय। तुम्हर हांथ के चघाय अइसने भेंट ले, का ओह तुमन ला गरहन करही?” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
10 “बने होतिस कि तुमन म ले कोनो मंदिर के कपाट ला बंद कर देतिस, ताकि तुमन मोर बेदी म बेकार के आगी झन बारतेव! मेंह तुमन ले खुस नइं अंव,” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, “अऊ मेंह तुम्हर हांथ ले कोनो चढ़ावा गरहन नइं करंव।
11 धरती के ये छोर ले लेके ओ छोर तक, जिहां सूरज ह उगथे अऊ जिहां सूरज बुड़थे, उहां जाति-जाति के मनखेमन के बीच मोर नांव ह महान होही। जम्मो जगह म मोर करा धूप अऊ सुध चढ़ावा लाने जाही, काबरकि जाति-जाति के मनखेमन के बीच मोर नांव ह महान होही,” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
12 “पर तुमन ये कहिके येला अपबितर करथव, ‘परभू के मेज ह असुध ए,’ अऊ, ‘येकर जेवन ह तुछ अय।’
13 अऊ तुमन ये घलो कहिथव, ‘ये कइसे बोझा अय!’ अऊ ओला तुछ समझके, तुमन ओकर ऊपर नाक सिकोड़थव,” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
“जब तुमन घायल, खोरवा या बिमरहा पसुमन ला लानथव अऊ ओमन ला बलिदान के रूप म चघाथव, त का मोला अइसने बलिदान ला तुम्हर हांथ ले गरहन करना चाही?” यहोवा ह कहिथे।

---

* **1:1** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

14 “ओ ठग ह सरापित ए, जेकर झुंड म बने नर पसु हवय अऊ ओह येला देय बर बदना बदे हवय, पर ओह
दोसयुक्त पसु के बलि परभू ला चघाथे। मोर नांव के भय जाति-जाति के मनखेमन म होवय, काबरकि मेंह एक
महान राजा अंव,” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।

2

[illegible]

1 सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, “अब हे पुरोहितमन, येह तुम्हर बर चेतउनी अय।
2 कहूं तुमन नइं सुनव, अऊ कहूं मोर नांव के आदर करे के नइं ठानव, त मेंह तुमन ला एक सराप दूहूं, अऊ
मेंह तुम्हर आसीसमन ला सरापित करहूं। हव, मेंह ओमन ला पहिले ही सरापित कर चुके हंव, काबरकि तुमन
मोर आदर करे बर नइं ठाने हव।
3 “तुम्हर कारन मेंह तुम्हर संतानमन ला डांटहूं; मेंह तुम्हर तिहार म बलिदान करे गे पसुमन के गोबर ला
तुम्हर मुहूं म चुपराहूं, अऊ तुमन ला अइसने ही ले जाय जाही।
4 तब तुमन जानहू कि मेंह ये चेतउनी दे हंव, ताकि लेवीमन के संग मोर बांधे करार ह बने रहय,”
सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
5 “मोर करार ह ओकर संग रिहिस अऊ येह जिनगी अऊ सांति के करार रिहिस अऊ मेंह ये करार ओला देंव;
येह आदर-सम्मान बर रिहिस अऊ ओह मोर आदर-सम्मान करिस अऊ मोर नांव के भय मानिस।
6 ओ सही निरदेस ह ओला कंठस्थ रिहिस, अऊ ओकर मुहूं ले कोनो लबारी बात नइं निकलिस। ओह सांति
अऊ सीधई ले मोर संग चलत रिहिस अऊ ओह बहुंत झन ला पाप के रद्दा ले लहुंटा लानिस।
7 “काबरकि एक पुरोहित ला अपन बात के दुवारा गियान ला बनाय रखना चाही, काबरकि ओह
सर्वसक्तिमान यहोवा के संदेसिया ए अऊ मनखेमन ओकर मुहूं ले सिकछा पाय के लालसा रखथें।
8 पर तुमन सही रद्दा ले भटक गे हवव अऊ तुम्हर सिकछा ह बहुंत झन के ठोकर खाय के कारन बने हवय;
तुमन तो लेवी के संग बांधे करार ला टोर दे हवव,” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
9 “एकरसेति मेंह तुमन ला जम्मो झन के आघू म अनादर अऊ अपमानित करे हवंव, काबरकि तुमन मोर रद्दा
म नइं रेंगे हवव, पर कानून के मामला म मुहूं देखके नियाय करे हवव।”

[illegible]

10 का हमन जम्मो झन के एकेच ददा नइं ए? का एकेच परमेसर ह हमन ला नइं बनाय हवय? हमन काबर
एक-दूसर ले बिसवासघात करके अपन पुरखामन के करार के अपमान करत हन?
11 यहूदा ह बिसवासघात करे हवय। इसरायल अऊ यरूसलेम म घिन काम करे गे हवय: यहूदा ह ओ
माईलोगनमन ले बिहाव करे हवय, जऊन मन आने देवता के अराधना करथें अऊ अइसने करके ओह यहोवा के
ओ पबितर-स्थान ला अपबितर करे हवय, जऊन ला ओह मया करथे।
12 जऊन मनखे ह अइसने करथे, चाहे ओह कोनो घलो होवय, यहोवा ह ओला याकूब के तम्बूमन ले निकाल
देवय—भले ही ओह सर्वसक्तिमान यहोवा ला चघाय बर एक बलिदान लानय।
13 दूसर काम तुमन ये करथव: यहोवा के बेदी ला तुमन अपन आंसू ले भिजो देथव। तुमन रोथव अऊ सोक
मनाथव काबरकि ओह अब तुम्हर चढ़ावामन कोति नइं देखय या खुस होके तुम्हर हांथ ले ओमन ला गरहन नइं
करय।
14 तुमन पुछथव, “अइसने काबर होथे?” काबरकि यहोवा ह तोर अऊ तोर जवानी के घरवाली के बीच म
गवाह हवय। हालाकि ओह तोर जिनगी भरके संगी, बिहाव म करे गे करार के तोर घरवाली अय, तभो ले तेंह
ओकर संग बिसवासघात करे हवस।
15 का एके परमेसर ह तुमन ला नइं बनाईस? तोर देहें अऊ आतमा ओकर अय? अऊ परमेसर ह का चाहथे?
परमेसर के भक्ति करइया संतान। एकरसेति सावधान रह, अऊ अपन जवानी के घरवाली के संग बिसवासघात
झन कर।
16 यहोवा, इसरायल के परमेसर ह कहिथे, “जऊन मनखे ह अपन घरवाली ले घिन करथे अऊ ओला तलाक
देथे, ओह ओकर ऊपर हिंसा करथे, जेकर कि ओला रकछा करना चाही,” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
एकरसेति सावधान रहव अऊ बिसवासघात झन करव।

[illegible]

17 तुमन अपन गोठ ले यहोवा ला निरास कर दे हवव।
अऊ तुमन पुछथव, "हमन ओला कइसे निरास करे हवन?"
ये कहे के दुवारा, "ओ जम्मो जेमन दुस्ट काम करथें, ओमन यहोवा के नजर म बने मनखे अंय, अऊ यहोवा ह ओमन ले खुस हवय" या "नियायी परमेसर कहां हवय?"

3

1 सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, "मेंह अपन संदेसिया ला पठोहूं, जऊन ह मोर आय के पहिली रद्दा तियार करही। तब परभू, जऊन ला तुमन खोजत हव, अचानक अपन मंदिर म आ जाही; अऊ करार के ओ संदेसिया जेकर तुमन ईछा रखथव, ओह आ जाही।"
2 पर ओकर आय के दिन ला कोन ह सहे सकही? अऊ जब ओह परगट होही, त ओकर आघू म कोन ठाढ़ हो सकही? काबरकि ओह सुनार के आगी या धोबी के साबुन सहीं होही।
3 ओह चांदी ला साफ करइया अऊ सुध करइया के रूप म बईठही; ओह लेवीमन ला सुध करही अऊ ओमन ला सोन अऊ चांदी सहीं साफ करही। तब यहोवा करा मनखेमन होहीं, जऊन मन धरमीपन म भेंट चघाहीं,
4 तब यहूदा अऊ यरूसलेम के मनखेमन के भेंट ला यहोवा ह अइसे गरहन करही, जइसे कि तइहा के दिनमन म, पहिले के बछरमन म गरहन करत रिहिस।
5 सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, "तब मेंह तुमन ला परखे बर आहूं। मेंह जादू-टोना करइया, बेभिचारी अऊ लबरा गवाही देवइया के बिरोध म, अऊ जऊन मन बनिहार के बनी ला दबाथें, जऊन मन बिधवा अऊ मुरहामन के ऊपर अंधेर करथें, अऊ तुम्हर बीच रहइया परदेसीमन के नियाय ला बिगाड़थें, अऊ मोर भय नइं मानंय, ओ जम्मो झन के बिरोध म तुरते गवाही दूहूं।"

[illegible]

6 सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, "में यहोवा ह नइं बदलंव। एकरसेति, हे याकूब के संतानमन, तुमन नास नइं होय हवव।
7 अपन पुरखामन के समय ले, तुमन मोर हुकूम ले हटत आय हवव अऊ ओकर पालन नइं करे हव। तुमन मोर करा लहुंटके आवव, अऊ मेंह तुम्हर करा लहुंटके आहूं।
"पर तुमन पुछथव, 'हमन कइसे लहुंटके आवन?'
8 "का मरनहार मनखे ह परमेसर ला लूट सकथे? तभो ले तुमन मोला लूटथव।
"पर तुमन पुछथव, 'हमन तोला कइसे लूटत हन?' "
सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, "दसमांस अऊ भेंटमन म।
9 तुमन एक सराप के बस म हवव—तुम्हर जम्मो जाति ह—काबरकि तुमन मोला लूटत हव।
10 जम्मो दसमांस ला भंडारघर म ले आवव कि मोर घर म जेवन रहय। अइसने करके मोला परखव अऊ देखव कि मेंह स्वरग के झरोखामन ला खोलके तुम्हर ऊपर अइसन अपरमपार आसीस के बरसा करहूं कि तुम्हर करा येला रखे बर परयाप्त जगह नइं होही।
11 मेंह तुम्हर फसल ला नास करइया कीरामन ले बचाहूं, अऊ तुम्हर अंगूर के नारमन के फर ह पाके के पहिली कइंचा नइं गिरही," सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
12 "तब जम्मो जाति के मनखेमन तुमन ला धइन कहिहीं, काबरकि तुम्हर देस ह खुसी ले भरे देस होही," सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।

[illegible]

13 यहोवा ह कहिथे, "तुमन मोर बिरोध म घमंड ले गोठियाय हवव।"
"तभो ले तुमन पुछथव, 'हमन तोर बिरोध म का कहे हन?'
14 "तुमन कहे हवव, 'परमेसर के सेवा करई ह बेकार अय। ओकर बताय काममन ला पूरा करे ले अऊ सर्वसक्तिमान यहोवा के आघू म दुखियारी सहीं जाय ले हमन ला का फायदा होथे।
15 पर अब हमन घमंडी मनखेमन ला धइन कहत हन। खचित दुस्ट मनखेमन उन्नति करथें, अऊ इहां तक कि जब ओमन परमेसर के परिछा करथें, तभो ले बांच जाथें।' "

[illegible]

16 तब जऊन मन यहोवा के भय मानिन, ओमन एक-दूसर ले गोठियाईन, अऊ यहोवा ह धियान देके सुनिस।
जऊन मन यहोवा के भय मानिन अऊ ओकर नांव के आदर करिन, ओमन के बारे म परमेसर के आघू म सुरता के
एक किताब लिखे गीस।
17 सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, "ठहिराय दिन म जब मेंह अपन काम करहूं, त ओमन मोर कीमती भाग
होहीं। मेंह ओमन ला बचाहूं जइसने कि एक ददा ह अपन सेवा करइया बेटा ऊपर करूना करथे अऊ ओला
बचाथे।
18 तब तुमन फेर धरमी अऊ दुस्ट के बीच म, अऊ जऊन मन परमेसर के सेवा करथें अऊ जऊन मन सेवा नइं
करंय ओमन के बीच म फरक ला देखहू।"

4

[illegible]

* 1 सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे, "सही म, ओ धधकत भट्ठी सहीं बरत दिन† ह आवत हे। जम्मो घमंडी
अऊ दुस्ट मनखेमन भूंसा कस हो जाहीं, अऊ ओ अवइया दिन म ओमन ला आगी म डारे जाही, न तो ओमन के
कोनो जरी अऊ न ही ओमन के कोनो डारा बांचही।
2 पर तुमन जऊन मन मोर नांव के आदर करथव, धरमीपन के सूरज ह चंगई देवइया अपन किरन के संग उदय
होही। अऊ तुमन बाहिर निकलहू अऊ मोटा-ताजा बछवा कस उछल-कूद करहू।
3 तब तुमन दुस्टमन ला कुचरहू; ओमन मोर ठहिराय दिन म तुम्हर गोड़ के खाल्हे के राख हो जाहीं,"
सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।
4 "मोर सेवक मूसा के कानून ला सुरता करव, ओ हुकूम अऊ कानून, जऊन ला मेंह ओला जम्मो
इसरायलीमन बर होरेब पहाड़ म दे रहेंव।
5 "देखव, यहोवा के ओ बड़े अऊ भयानक दिन के आय के पहिली, मेंह तुम्हर करा एलियाह अगमजानी ला
पठोहूं।
6 ओह दाई-ददा के हिरदय ला ओमन के लइकामन कोति, अऊ लइकामन के हिरदय ला ओमन के दाई-ददा
कोति करही; नइं तो मेंह आके देस के पूरा सतियानास कर दूहूं।"

---

* **4:** इबरानी म 4:1-6 ला 3:19-24 गने गे हवय † **4:1** या [illegible]

मत्ती
के लिखे सुघर संदेस

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 3:23-38)

1 येह यीसू मसीह के बंसावली अय—यीसू ह दाऊद के बंस के रिहिस अऊ दाऊद ह अब्राहम के बंस के रिहिस।

2 अब्राहम के बेटा इसहाक रिहिस;
इसहाक के बेटा याकूब रिहिस;
याकूब ह यहूदा अऊ ओकर भाईमन के ददा रिहिस;
3 यहूदा के बेटा पेरेस अऊ जेरह रिहिन; जेमन के दाई के नांव तामार रिहिस;
पेरेस के बेटा हेसरोन रिहिस,
अऊ हेसरोन के बेटा एराम रिहिस;
4 एराम के बेटा अम्मीनादाब रिहिस;
अम्मीनादाब के बेटा नहसोन,
नहसोन के बेटा सलमोन रिहिस;
5 सलमोन के बेटा बोअज रिहिस; बोअज के दाई के नांव राहाब रिहिस;
बोअज के बेटा ओबेद रिहिस; अऊ ओबेद के दाई के नांव रूत रिहिस;
ओबेद के बेटा यिसै रिहिस;
6 यिसै के बेटा राजा दाऊद रिहिस।

दाऊद के बेटा सुलेमान रिहिस; सुलेमान ह ओ माईलोगन ले जनमिस, जऊन ह पहिली उरियाह के घरवाली रिहिस;
7 सुलेमान के बेटा रहूबियाम रिहिस;
रहूबियाम के बेटा अबियाह रिहिस;
अऊ अबियाह के बेटा आसा रिहिस;
8 आसा के बेटा यहोसापात रिहिस;
यहोसापात के बेटा योराम रिहिस;
अऊ योराम के बेटा उजियाह रिहिस;
9 उजियाह के बेटा योताम रिहिस;
योताम के बेटा आहाज रिहिस;
अऊ आहाज के बेटा हिजकियाह रिहिस;
10 हिजकियाह के बेटा मनस्से रिहिस;
मनस्से के बेटा आमोन रिहिस;
अऊ आमोन के बेटा योसियाह रिहिस;
11 बंधुवा होके बेबिलोन देस ले जाय के बेरा म योसियाह के बेटा यकुन्याह, अऊ ओकर भाईमन रिहिन।

12 बंधुवा होके बेबिलोन जाय के पाछू:
यकुन्याह के बेटा सालतीएल रिहिस;
अऊ सालतीएल के बेटा जरूब्बाबेल रिहिस;
13 जरूब्बाबेल के बेटा अबीहूद रिहिस;
अबीहूद के बेटा एलयाकीम रिहिस;
अऊ एलयाकीम के बेटा आजोर रिहिस;

14 आजोर के बेटा सादोक रिहिस;
सादोक के बेटा अखीम रिहिस;
अऊ अखीम के बेटा इलीहूद रिहिस;
15 इलीहूद के बेटा एलिआजर रिहिस;
एलिआजर के बेटा मतान रिहिस;
अऊ मतान के बेटा याकूब रिहिस;
16 याकूब के बेटा यूसुफ रिहिस; यूसुफ ह मरियम के घरवाला रिहिस, अऊ मरियम ले यीसू जनमिस, जऊन
ला मसीह कहे जाथे।

17 ये किसम ले अब्राहम ले लेके दाऊद तक जम्मो चौदह पीढ़ी होईस, अऊ दाऊद ले लेके बेबिलोन म बंधुवई म
जावत तक चौदह पीढ़ी, अऊ बंधुवई ले लेके मसीह* तक चौदह पीढ़ी होईस।

[illegible]
([illegible] 2:1-7)

18 यीसू मसीह के जनम ये किसम ले होईस। यीसू के दाई मरियम के मंगनी यूसुफ के संग होय रिहिस, पर
एकर पहिली कि ओमन दूनों घरवाला-घरवाली के रूप म एक संग होतिन, मरियम ह पबितर आतमा के जरिये
पेट म पाय गीस।
19 काबरकि मरियम के होवइया घरवाला यूसुफ ह एक धरमी मनखे रिहिस अऊ ओह मरियम ला मनखेमन के
आघू म बदनाम करे नइं चाहत रिहिस, एकर खातिर ओह ओला चुपेचाप छोंड़ देय के बिचार करिस।
20 पर ओकर ये बिचार करे के पाछू, परभू के एक स्वरगदूत ह ओला सपना म दिखिस अऊ ओ स्वरगदूत ह
ओला कहिस, "हे यूसुफ, दाऊद के संतान, तेंह मरियम ला अपन घरवाली के रूप म घर लाय बर झन डर,
काबरकि जऊन ह ओकर गरभ म हवय, ओह पबितर आतमा के तरफ ले अय।
21 ओह एक बेटा ला जनम दीही अऊ तें ओकर नांव यीसू† रखबे, काबरकि ओह अपन मनखेमन ला ओमन के
पाप ले छुटकारा दीही।"
22 ये जम्मो बात एकर खातिर होईस कि जऊन बात, परभू ह अगमजानी के जरिये कहे रिहिस, ओह पूरा
होवय:
23 "देखव, एक कुंवारी ह गरभवती होही, अऊ ओह एक बेटा जनमही, अऊ ओकर नांव इमानुएल रखे
जाही"‡ (जेकर मतलब होथे "परमेसर हमर संग")।
24 जब यूसुफ ह नींद ले जागिस, त ओह वइसनेच करिस जइसने परभू के स्वरगदूत ह ओला हुकूम दे रिहिस
अऊ ओह मरियम ला अपन घरवाली के रूप म अपन घर ले गीस।
25 पर जब तक मरियम ह बेटा ला जनम नइं दीस, तब तक यूसुफ ह ओकर करा नइं गीस। अऊ ओह ओकर
नांव यीसू रखिस।

2

[illegible]

1 जब हेरोदेस राजा ह राज करत रिहिस, त यहूदिया प्रदेस के बैतलहम गांव म यीसू के जनम होईस, तब पूरब
दिग के देस म ले कुछू जोतिसीमन यरूसलेम* सहर म आईन,
2 अऊ मनखेमन ले पुछिन, "ओ लइका के जनम कहां होईस हवय, जऊन ह यहूदीमन के राजा अय? हमन
पूरब दिग म ओकर तारा देखे हवन अऊ ओकर अराधना करे बर आय हवन।"†
3 ये सुनके हेरोदेस राजा अऊ यरूसलेम सहर के जम्मो मनखेमन घबरा गीन।
4 राजा ह मनखेमन के जम्मो मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन ला एक जगह म बलाईस अऊ ओमन
ले पुछिस, "मसीह के जनम कहां होना चाही?"

---

* **1:17** *[illegible]* इबरानी म अऊ *[illegible]* यूनानी म, दूनों सबद के मतलब *[illegible]* होथे। † **1:21** *[illegible]* ला यूनानी भासा म *[illegible]* कहिथें, जेकर मतलब होथे *[illegible]* या *[illegible]* ‡ **1:23** यसा 7:14 * **2:1** *[illegible]* ह यहूदी मनखेमन के *[illegible]* अय। † **2:2** गन 24:17

5 ओमन कहिन, “यहूदिया प्रदेस के बैतलहम गांव म, काबरकि अगमजानी ह अइसने लिखे हवय:
6 “ ‘हे यहूदा प्रदेस के बैतलहम गांव,
तेंह यहूदा प्रदेस के बड़े सहरमन ले कोनो भी किसम ले छोटे नो हस,
काबरकि तोर म ले एक झन सासन करइया निकलही,
जऊन ह मोर मनखे इसरायलीमन के रखवारी करही।’‡”
7 तब हेरोदेस राजा ह जोतिसीमन ला चुपेचाप बलाईस अऊ ओमन ले पता लगाईस कि तारा ह ठऊका का बेरा म दिखे रिहिस।
8 तब ओह ओमन ला ये कहिके बैतलहम पठोईस, “जावव अऊ ओ लइका के बारे म सही-सही पता मालूम करव। अऊ जब ओह तुमन ला मिल जावय, त मोला खबर भिजवाव, ताकि महूं घलो जाके ओकर अराधना करंव।”
9 जोतिसीमन राजा के बात ला सुने के पाछू अपन डहार म चल दीन, अऊ जऊन तारा ला ओमन पूरब दिग म देखे रिहिन, ओह ओमन के आघू-आघू गीस अऊ ओ ठऊर के ऊपर जाके ठहर गीस, जिहां लइका ह रहय।
10 जब ओमन ओ तारा ला देखिन, त अब्बड़ आनंदित होईन।
11 घर भीतरी जाके, ओमन लइका ला ओकर दाई मरियम के संग देखिन अऊ भुइयां म गिरके ओला दंडवत करिन। तब ओमन अपन-अपन झोला ला खोलके ओला सोन, लोबान अऊ गंधरस के भेंट चघाईन।
12 अऊ परमेसर ह ओमन ला सपना म चेतउनी दीस कि ओमन हेरोदेस करा झन जावंय, एकरसेति, ओमन आने डहार ले अपन देस लहुंट गीन।

[illegible]

13 जब जोतिसीमन चले गीन, त परभू के एक स्वरगदूत ह सपना म यूसुफ ला दिखाई दीस अऊ ओला कहिस, “उठ, लइका अऊ ओकर दाई ला लेके मिसर देस भाग जा। अऊ जब तक मेंह नइं कहंव, तब तक तें उहेंच रह, काबरकि हेरोदेस राजा ह ये लइका ला मरवाय खातिर खोजवइया हवय।”
14 तब यूसुफ ह उठिस अऊ रथियाच, ओह लइका अऊ ओकर दाई ला लेके, मिसर देस चल दीस,
15 अऊ ओह उहां हेरोदेस के मिरतू तक रिहिस, ताकि जऊन बात परभू ह अगमजानी के दुवारा कहे रिहिस, ओह पूरा होवय: “मिसर देस ले मेंह अपन बेटा ला बलांय।”§
16 जब हेरोदेस राजा ला मालूम होईस कि जोतिसीमन ओकर संग धोखा करे हवंय, त ओह बहुंत नराज होईस, अऊ ओह ये हुकूम दीस कि बैतलहम अऊ ओकर आसपास के गांव के दू बछर या ओकर ले छोटे जम्मो लइकामन ला मार डारे जावय। काबरकि येह जोतिसीमन के बताय गय समय के मुताबिक रिहिस।
17 तब जऊन बात यरमियाह अगमजानी कहे रिहिस, ओह पूरा होईस:
18 “रामाह सहर म रोये अऊ बहुंते बिलाप करे के अवाज सुनई दीस,
राहेल ह अपन लइकामन खातिर रोवत रिहिस,
अऊ ओह नइं चाहत रिहिस कि कोनो ओला सांतवना देवंय,
काबरकि ओकर लइकामन मर गे रिहिन* ।”†

[illegible]

19 हेरोदेस राजा के मरे के पाछू, परभू के एक स्वरगदूत ह मिसर देस म यूसुफ ला सपना म दिखाई दीस,
20 अऊ यूसुफ ले कहिस, “उठ! लइका अऊ ओकर दाई ला लेके इसरायल देस चले जा, काबरकि जऊन मन ये लइका के परान लेय के कोसिस करत रिहिन, ओमन मर गे हवंय।”
21 तब यूसुफ ह उठिस, अऊ लइका अऊ ओकर दाई ला लेके इसरायल देस चल दीस।
22 पर जब ओह ये सुनिस कि अरखिलाउस ह अपन ददा हेरोदेस के जगह म यहूदिया प्रदेस म राज करत हवय, त ओह उहां जाय बर डराईस। सपना म चेतउनी पाके, ओह गलील प्रदेस चले गीस,
23 अऊ ओह उहां जाके नासरत नांव के एक नगर म निवास करिस। तब अगमजानीमन के दुवारा कहे गे ये बात ह पूरा होईस: “ओला नासरी कहे जाही‡।”

---

‡ **2:6** मीका 5:2 § **2:15** होसे 11:1; निर 4:22-23 * **2:18** [illegible] ह इहां [illegible] ला दरसाथे, जऊन मन बहुंत दुख सहिन।
† **2:18** यर 31:15 ‡ **2:23** नासरत ह यूसुफ अऊ मरियम के गांव रिहिस। लूका 1:26-27; 2:4, 39

3

[illegible]
([illegible] 1:1-8; [illegible] 3:1-18; [illegible] 1:6-8, 15-34)

1 ओ दिनमन म यूहन्ना बतिसमा देवइया आईस अऊ यहूदिया प्रदेस के सुनसान जगह म ये परचार करे
लगिस,
2 "पछ्ताप करव, काबरकि स्वरग के राज ह लकठा आ गे हवय।"
3 ये यूहन्ना ओ मनखे अय, जेकर बारे म यसायाह अगमजानी ह ये कहे रिहिस:
"सुनसान जगह म एक झन अवाज देवत रिहिस,
'परभू बर डहार ला तियार करव,
अऊ ओकर डहार ला सीधा करव।' "*
4 यूहन्ना ह ऊंट के रूआं के बने कपड़ा पहिरय अऊ अपन कनिहां म चमड़ा के बने पट्टा बांधय। ओह फांफा
अऊ जंगली मंधरस खावय।
5 फेर यरूसलेम, अऊ जम्मो यहूदिया प्रदेस अऊ यरदन नदी के जम्मो छेत्र के मनखेमन ओकर करा गीन,
6 अऊ अपन-अपन पाप ला मानके, ओमन यरदन नदी म यूहन्ना ले बतिसमा लीन।
7 जब यूहन्ना बतिसमा देवइया ह देखिस कि अब्बड़ फरीसी अऊ सदूकीमन ओकर करा बतिसमा लेय बर
आवत हवंय, त ओह ओमन ला कहिस, "हे जहरिला सांप के पीलामन हो! तुमन ला कोन ह चेता दीस कि तुमन
परमेसर के अवइया कोरोध ले भागव?
8 अपन काम के दुवारा देखावव कि पाप ले पछ्तावा करे हवव।
9 अऊ अपन मन म ये बात झन सोचव कि तुमन अब्राहम के संतान अव। मेंह तुमन ला बतावत हंव कि ये
पथरामन ले परमेसर ह अब्राहम बर संतान पईदा कर सकथे।
10 टंगिया ला पहिले ही रूखमन के जरी म रखे जा चुके हवय, अऊ जऊन रूख म बने फर नइं फरय, ओह
काटे अऊ आगी म झोंके जाही।
11 "जऊन मन अपन पाप ले पछ्ताप करथें, मेंह ओमन ला पानी ले बतिसमा देवत हंव। पर मोर बाद, एक
झन आही, जऊन ह मोर ले जादा सक्तिसाली ए। मेंह ओकर पनही ला उठाय के लईक घलो नो हंव। ओह तुमन
ला पबितर आतमा अऊ आगी ले बतिसमा दीही।
12 ओकर सूपा ह ओकर हांथ म हवय अऊ ओह अपन कोठार ला साफ करही, अऊ अपन गहूं ला कोठा म
कुढ़ोही। पर ओह भूंसा ला ओ आगी म बारही, जऊन ह कभू नइं बुतावय।"

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:9-11; [illegible] 3:21-22; [illegible] 1:31-34)

13 तब यीसू ह गलील प्रदेस ले यरदन नदी करा यूहन्ना ले बतिसमा लेय बर आईस।
14 पर यूहन्ना ह ये कहिके ओला रोके के कोसिस करिस, "मोला तोर ले बतिसमा लेय के जरूरत हवय, अऊ
तेंह मोर करा आय हवस?"
15 पर यीसू ह ओला ये जबाब दीस, "अभी तो अइसने होवन दे; काबरकि जम्मो धरमीपन ला पूरा करे बर
अइसने करई, हमर बर उचित ए।" तब यूहन्ना ह यीसू के बात ला मान लीस।
16 बतिसमा लेय के बाद यीसू ह तुरते पानी ले बाहिर निकलिस। ओहीच समय अकास ह खुल गीस, अऊ ओह
परमेसर के आतमा ला पंड़की के सहीं अपन ऊपर उतरत देखिस।
17 अऊ अकास ले ये अवाज आईस, "येह मोर मयारू बेटा अय, जेकर ले मेंह बहुंत खुस हवंव।"

4

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:12-13; [illegible] 4:1-13)

1 तब पबितर आतमा ह यीसू ला निरजन जगह म ले गीस कि सैतान के दुवारा ओकर परिछा होवय।
2 यीसू ह चालीस दिन अऊ चालीस रात उपास रिहिस, ओकर पाछू ओला भूख लगिस।

---

* **3:3** यसा 40:3

3 तब सैतान ह ओकर करा आईस अऊ कहिस, “यदि तेंह परमेसर के बेटा अस, त ये पथरामन ले कह कि
येमन रोटी बन जावंय।”*
4 यीसू ह जबाब दीस, “परमेसर के बचन म लिखे हवय, ‘मनखे ह सिरिप रोटी ले ही जीयत नइं रहय, फेर हर
ओ बचन, जऊन ह परमेसर के मुहूं ले निकलथे जीयत रहिही।’†”
5 तब सैतान ह यीसू ला पबितर सहर‡ म ले गीस अऊ ओला मंदिर के टीप म ठाढ़ करके कहिस,
6 “कहूं तेंह परमेसर के बेटा अस, त उहां ले खाल्हे कूद जा, काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय,
“परमेसर ह तोर बारे म अपन स्वरगदूतमन ला हुकूम दीही,
अऊ ओमन तोला अपन हांथ म उठा लीहीं,
ताकि तोर गोड़ म पथरा ले चोट झन लगय।§”
7 यीसू ह ओला कहिस, “परमेसर के बचन म ये घलो लिखे हवय, ‘परभू अपन परमेसर के परिछा झन कर।’*”
8 तब फेर सैतान ह यीसू ला एक ठन बहुंत ऊंच पहाड़ ऊपर ले गीस अऊ ओला संसार के जम्मो राजपाट
अऊ ओकर सोभा ला देखाके कहिस,
9 “यदि तेंह झुकके मोर अराधना करबे, त मेंह तोला ये जम्मो ला दे दूहूं।”
10 फेर यीसू ह ओला कहिस, “हे सैतान! मोर ले दूरिहा हट; काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय, तेंह
परभू अपन परमेसर के अराधना कर अऊ सिरिप ओकरेच सेवा कर।”†
11 तब सैतान ह ओकर करा ले चले गीस, अऊ स्वरगदूतमन आके ओकर सेवा करे लगिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:14-15; [illegible] 4:14-15, 31)

12 जब यीसू ह ये सुनिस कि यूहन्ना ला जेल म डार दे गे हवय, त ओह गलील प्रदेस ला चल दीस।
13 यीसू ह, नासरत ला छोंड़ दीस अऊ कफरनहूम सहर म जाके बस गीस, ये सहर ह जबूलून अऊ नपताली
के सीमना म झील के तीर म रिहिस।
14 येह एकर खातिर होईस ताकि यसायाह अगमजानी के दुवारा कहे गय ये बात ह पूरा होवय:
15 “जबूलून के देस अऊ नपताली के देस,
समुंदर के तरफ जाय के रसता म,
यरदन नदी के ओ पार, आनजातमन के गलील प्रदेस,
16 जऊन मनखेमन अंधियार म रहत रिहिन,
ओमन एक बड़े अंजोर ला देखिन;
अऊ जऊन मन मिरतू के छइहां के प्रदेस म रहत रिहिन,
ओमन के ऊपर एक अंजोर चमकिस।”‡
17 ओ समय ले यीसू ह परचार करन लगिस अऊ कहिस, “अपन पाप ले पछताप करव, काबरकि स्वरग के राज
ह लकठा आ गे हवय।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:16-20; [illegible] 5:1-11; [illegible] 1:35-42)

18 जब यीसू ह गलील झील के तीरे-तीर जावत रिहिस, त ओह दू झन भाईमन ला देखिस; ओमन के नांव
सिमोन जऊन ला पतरस कहे जाथे अऊ ओकर भाई अन्द्रियास रिहिस। ये दूनों भाई झील म जाल डारत
रिहिन, काबरकि ओमन मछुआर रिहिन।
19 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर पाछू आवव; मेंह तुमन ला मनखे पकड़इया मछुआर बनाहूं।”
20 ओमन तुरते अपन जाल ला छोंड़के ओकर पाछू हो लीन।
21 उहां ले आघू जाय के बाद, यीसू ह दू झन अऊ भाईमन ला देखिस—याकूब अऊ ओकर भाई यूहन्ना ला,
जऊन मन जबदी के बेटा रिहिन। ओमन अपन ददा जबदी के संग एक ठन डोंगा म रहंय अऊ अपन जाल ला
सुधारत रहंय। यीसू ह ओमन ला बलाईस,

---

* **4:3** इब 2:17-18; 4:15 † **4:4** इब 8:3 ‡ **4:5** इहां [illegible] [illegible] के मतलब [illegible] [illegible] अय। § **4:6** भजन 91:11-12 * **4:7** ब्यव 6:16; निर 17:2-7 † **4:10** ब्यव 6:13 ‡ **4:16** यसा 9:1-2

22 अऊ ओमन तुरते डोंगा अऊ अपन ददा ला छोंड़के यीसू के पाछू हो लीन।

[illegible]
([illegible] 6:17-19)

23 यीसू ह जम्मो गलील प्रदेस म जाके, यहूदीमन के सभा-घर म उपदेस दीस, अऊ परमेसर के राज के सुघर
संदेस के परचार करिस, अऊ मनखेमन के हर किसम के रोग अऊ बेमारी ला बने करिस।
24 यीसू के खबर ह जम्मो सीरिया देस म फईल गीस, अऊ मनखेमन ओ जम्मो झन ला ओकर करा लाने
लगिन, जऊन मन कतको किसम के रोग ले बेमार रहंय, जऊन मन असहनीय पीरा म रहंय, जऊन मन ला परेत
आतमा धरे रहय, जऊन मन ला मिरगी के बेमारी रहय, अऊ जऊन मन ला लकवा मारे रहय; यीसू ह ओ जम्मो
झन ला चंगा करिस।
25 गलील प्रदेस, दिकापुलिस,§ यरूसलेम, यहूदिया, अऊ यरदन नदी के ओ पार के मनखेमन के एक बड़े भीड़
ओकर पाछू हो लीस।

5

[illegible]

1 जब यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला देखिस, त ओह पहाड़ ऊपर चघके उहां बईठ गीस। तब ओकर चेलामन
ओकर करा आईन,
2 अऊ ओह ओमन ला उपदेस देवन लगिस।

[illegible]

ओह कहिस:
3 "धइन अंय ओमन, जऊन मन आतमा म दीन अंय,
काबरकि स्वरग के राज ओमन के अय।
4 धइन अंय ओमन, जऊन मन सोक करथें,
काबरकि ओमन ला सांति दिये जाही।
5 धइन अंय ओमन, जऊन मन नरम सुभाव के अंय,
काबरकि ओमन धरती के उत्तराधिकारी होहीं।
6 धइन अंय ओमन, जऊन मन धरमीपन बर भूखन अऊ पीयासन हवंय,
काबरकि परमेसर ह ओमन ला संतोस करही।
7 धइन अंय ओमन, जऊन मन दयालु अंय,
काबरकि ओमन के ऊपर दया करे जाही।
8 धइन अंय ओमन, जऊन मन के हिरदय निरमल हवय,
काबरकि ओमन परमेसर के दरसन करहीं।
9 धइन अंय ओमन, जऊन मन मेल-मिलाप कराथें,
काबरकि ओमन ला परमेसर के बेटा कहे जाही।
10 धइन अंय ओमन, जऊन मन धरमीपन के कारन सताय जाथें,
काबरकि स्वरग के राज ओमन के अय।
11 "धइन अव तुमन, जब मनखेमन मोर कारन तुम्हर बेजत्ती करथें, तुमन ला सताथें अऊ झूठ-मूठ के, तुम्हर
बिरोध म किसम-किसम के खराप बात कहिथें।
12 आनंद मनावव अऊ खुस रहव, काबरकि स्वरग म तुम्हर बर बड़े ईनाम रखे हवय। तुम्हर ले पहिली
अगमजानीमन ला मनखेमन अइसनेच सताय रिहिन।

[illegible]
([illegible] 9:50; [illegible] 14:34-35)

13 "तुमन धरती के नून अव। पर कहूं नून ह अपन सुवाद ला गंवा देथे, त कोनो किसम ले येला फेर नूनचूर
नइं करे जा सकय। येह कोनो काम के नइं रह जावय। येला बाहिर फटिक दिये जाथे अऊ येह मनखेमन के गोड़
तरी रऊंदे जाथे।
14 "तुमन संसार के अंजोर अव। पहाड़ ऊपर बसे सहर ह छिपे नइं रह सकय।

§ **4:25** दस सहर

15 अऊ न तो मनखेमन दीया ला बारके बड़े कटोरा के खाल्हे म रखथें, पर दीया ला दीवट ऊपर मढ़ाथें, जिहां
ले येह घर के हर एक जन ला अंजोर देथे।
16 ओही किसम ले, तुम्हर अंजोर ह मनखेमन के आघू म चमकय, ताकि ओमन तुम्हर बने काम ला देखंय अऊ
स्वरग म रहइया तुम्हर ददा के बड़ई करंय।

[illegible]

17 "ये झन सोचव कि मेंह मूसा के कानून या अगमजानीमन के बातमन ला खतम करे बर आय हवंव। मेंह
ओमन ला खतम करे खातिर नइं, पर ओमन ला पूरा करे खातिर आय हवंव।
18 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जब तक स्वरग अऊ धरती हवय, तब तक मूसा के कानून के एक छोटे
अकछर या बिन्दू घलो पूरा होय बिगर खतम नइं होवय।
19 जऊन ह ये हुकूममन के छोटे ले छोटे बात ला घलो नइं मानय अऊ आने मन ला घलो अइसने करे बर
सिखोथे, ओह स्वरग के राज म सबले छोटे समझे जाही, पर जऊन ह ये हुकूममन ला मानथे अऊ आने मन ला
माने बर सिखोथे, ओह स्वरग के राज म बड़े समझे जाही।
20 काबरकि मेंह तुमन ला कहत हवंव कि जब तक तुम्हर धरमीपन ह फरीसी अऊ कानून के गुरूमन के
धरमीपन ले बढ़के नइं होवय, तब तक तुमन स्वरग के राज म नइं जा सकव।

[illegible]

21 "तुमन सुने हवव कि बहुंत पहिले मनखेमन ला ये कहे गे रिहिस, 'हतिया झन करव, अऊ यदि कोनो हतिया
करथे, त ओह कचहरी म दंड के भागी होही।'
22 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि यदि कोनो अपन भाई ऊपर गुस्सा करथे, त ओह दंड के भागी होही। जऊन
कोनो अपन भाई के बेजत्ती करथे, त ओला धरम महासभा के आघू म जबाब देना पड़ही। पर जऊन कोनो अपन
भाई ला कहिथे, 'ए मुरूख!' ओह नरक के आगी म पड़े के खतरा म होही।
23 "एकरसेति, यदि तेंह बेदी म अपन भेंट चघावत हस अऊ उहां तोला सुरता आथे कि तोर भाई के मन म
तोर बिरोध म कुछू हवय,
24 त उहां बेदी के आघू म अपन भेंट ला छोंड़ दे अऊ पहिली अपन भाई करा जा अऊ ओकर संग
मेल-मिलाप कर, तब आ अऊ अपन भेंट ला चघा।
25 "ओ मनखे जऊन ह तोर बिरोध म अदालत जावत हे, ओकर संग जल्दी करके मामला के निपटारा कर ले।
कचहरी जावत बेरा डहार म ही ओकर संग मेल-मिलाप कर ले, नइं तो ओह तोला नियायधीस ला सऊंप दीही,
अऊ नियायधीस ह तोला पुलिस अधिकारी ला सऊंप दीही, अऊ तेंह जेल म डाल दिये जाबे।
26 मेंह तोला सच कहत हंव कि जब तक तुमन कौड़ी-कौड़ी नइं चुका दूहू, तब तक उहां ले नइं छूट सकव।

[illegible]

27 "तुमन सुने हवव कि ये कहे गे रिहिस, 'छिनारी झन करव।'
28 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन कोनो माईलोगन ला खराप नजर ले देखथे, त ओह अपन मन म
ओकर संग पहिली ले छिनारी कर चुकिस।
29 कहूं तोर जेवनी आंखी ह तोर पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओला निकालके फटिक दे। तोर बर येह बने
अय कि अपन देहें के एक ठन अंग ला गंवा दे, पर तोर जम्मो देहें ह नरक म झन डारे जावय।
30 अऊ कहूं तोर जेवनी हांथ ह तोर पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओला काटके फटिक दे। तोर बर येह बने
अय कि अपन देहें के एक ठन अंग ला गंवा दे, पर तोर जम्मो देहें ह नरक म झन चले जावय।

[illegible]
([illegible] 19:9; [illegible] 10:11-12; [illegible] 16:18)

31 "ये घलो कहे गे रिहिस, 'जऊन कोनो अपन घरवाली ला छोंड़ देथे, त ओह ओला तियाग पतर जरूर
देवय।'*

---

* **5:31** ब्यव 24:1; मत्ती 19:3-9

32 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन कोनो बेभिचार के छोंड़ कोनो आने कारन ले अपन घरवाली ला
छोंड़ देथे, त ओह ओकर छिनारी करे के कारन बनथे, अऊ जऊन ह ओ तियागे गय माईलोगन ले बिहाव करथे,
त ओह घलो छिनारी करथे।

[illegible]

33 "तुमन ये घलो सुने हवव कि बहुंत पहिले मनखेमन ला ये कहे गे रिहिस, 'तुमन झूठ-मूठ के किरिया झन
खावव, पर परभू के आघू म करे गे किरिया ला पूरा करव।'
34 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि किरिया कभू झन खावव: न तो स्वरग के, काबरकि ओह परमेसर के
सिंघासन अय;
35 न तो धरती के, काबरकि येह परमेसर के गोड़ रखे के चउकी अय; न तो यरूसलेम के, काबरकि ओह
महाराजा के सहर अय।
36 अऊ अपन मुड़ के घलो किरिया झन खावव, काबरकि तुमन एको ठन चुंदी ला घलो पंर्रा या करिया नइं कर
सकव।
37 साफ-साफ तुम्हर गोठ ह हां के हां अऊ नइं के नइं होवय। एकर ले जादा जऊन कुछू होथे, ओह सैतान के
तरफ ले होथे।†

[illegible]
(*[illegible] 6:29-30*)

38 "तुमन सुने हवव कि ये कहे गे रिहिस, 'आंखी के बलदा आंखी अऊ दांत के बलदा दांत।'‡
39 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि दुस्ट मनखे के सामना झन करव। यदि कोनो तुम्हर जेवनी गाल म थपरा
मारथे, त अपन डेरी गाल ला घलो ओकर अंग कर देवव।
40 अऊ यदि कोनो तुम्हर ऊपर मुकदमा चलाके तुम्हर कुरता ला लेय चाहथे, त तुमन ओला अपन कोटी ला
घलो लेवन दव।
41 यदि कोनो तुमन ला जबरन एक मील§ ले जाथे, त तुमन ओकर संग दू मील चले जावव।
42 जऊन ह तुम्हर ले मांगथे, ओला देवव, अऊ जऊन ह तुम्हर ले उधार मांगथे, ओला उधार देवव।

[illegible]
(*[illegible] 6:27-28, 32-36*)

43 "तुमन सुने हवव कि ये कहे गे रिहिस, 'अपन परोसी ले मया अऊ बईरीमन ले नफरत करव।'
44 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि अपन बईरीमन ले मया करव, अऊ जऊन मन तुम्हर ऊपर अतियाचार
करथें, ओमन बर पराथना करव।*
45 ताकि तुमन अपन स्वरगीय ददा के संतान हो जावव। ओह खराप अऊ बने दूनों मनखेमन ऊपर अपन
सूरज चमकाथे, अऊ धरमी अऊ अधरमी दूनों के ऊपर पानी बरसाथे।
46 यदि तुमन ओमन ले मया करथव, जऊन मन तुम्हर ले मया करथें, त तुमन ला का ईनाम मिलही? का
लगान लेवइया पापीमन घलो अइसने ही नइं करंय?
47 यदि तुमन सिरिप अपन भाईमन ला ही जोहार करथव, त आने मन ले तुमन का बड़े बुता करथव? का
आनजातमन घलो अइसने नइं करंय?
48 एकरसेति, तुमन सिद्ध बनव, जइसने स्वरग म रहइया तुम्हर ददा ह सिद्ध अय।

6

[illegible]

1 "सचेत रहव! तुमन मनखेमन के आघू म ओमन ला देखाय बर अपन धरमीपन के काम झन करव। नइं तो
तुमन ला अपन स्वरगीय ददा ले कुछू ईनाम नइं मिलय।
2 "एकरसेति, जब तुमन जरूरतमंद मनखे ला देथव, त डुगडुगी झन पीटवाव, जइसने कि ढोंगी मनखेमन
यहूदीमन के सभा-घर अऊ गलीमन म करथें, ताकि मनखेमन ओमन के बड़ई करंय। मेंह तुमन ला सच कहत
हंव कि ओमन अपन जम्मो ईनाम पा गीन।

---

† **5:37** याकू 5:12 ‡ **5:38** निर 21:23-24 § **5:41** लगभग डेड़ किलोमीटर * **5:44** निर 23:4-5

3 पर जब तुमन जरूरतमंद मनखे ला देथव, त तुम्हर डेरी हांथ ये बात ला झन जानय कि तुम्हर जेवनी हांथ
का करत हवय।
4 तुम्हर दान ह गुपत म रहय। तब तुम्हर स्वरगीय ददा, जऊन ह गुपत म करे गय काम ला घलो देखथे, तुमन
ला ईनाम दीही।

??????
(???? 11:2-4)

5 "जब तुमन पराथना करथव, त ढोंगी मनखेमन सहीं झन करव, काबरकि मनखेमन ला देखाय बर, यहूदीमन
के सभा-घर अऊ गली के चऊकमन म ठाढ़ होके पराथना करई, ओमन ला बने लगथे। मेंह तुमन ला सच कहत
हंव कि ओमन अपन जम्मो ईनाम पा गीन।
6 जब तुमन पराथना करथव, त अपन खोली म जावव, अऊ कपाट ला बंद करके, अपन ददा ले पराथना करव,
जऊन ह नइं दिखय। तब तुम्हर ददा, जऊन ह गुपत म करे गय काम ला घलो देखथे, तुमन ला ईनाम दीही।
7 अऊ जब तुमन पराथना करथव, त आनजातमन सहीं बेमतलब के बातमन ला घेरी-बेरी झन दुहराव,
काबरकि ओमन ये सोचथें कि ओमन के बहुंत बात बोले के कारन, परमेसर ह ओमन के सुनही।
8 ओमन सहीं झन बनव, काबरकि तुम्हर मांगे के पहिली, तुम्हर ददा ह जानथे कि तुमन ला का चीज के
जरूरत हवय।
9 "तुमन ला ये किसम ले पराथना करना चाही:
" 'हे हमर ददा, तें जो स्वरग म हवस,
तोर नांव ह पबितर माने जावय,
10 तोर राज आवय,
जइसने तोर ईछा स्वरग म पूरा होथे,
वइसने धरती म घलो पूरा होवय।
11 हमन ला हर दिन के सहीं आज के भोजन दे।
12 हमर पापमन ला छेमा कर,
जइसने हमन ओमन ला छेमा करे हवन,
जऊन मन हमर बिरोध म पाप करे हवंय।
13 अऊ हमन ला परिछा म झन पड़न दे,
पर हमन ला बुरई ले बचा,
काबरकि राज, अऊ पराकरम अऊ महिमा सदाकाल तक तोर अय। आमीन।'
14 यदि तुमन ओ मनखेमन ला छेमा करथव, जऊन मन तुम्हर बिरोध म पाप करे हवंय, त तुम्हर स्वरगीय ददा
घलो तुमन ला छेमा करही।
15 पर यदि तुमन ओ मनखेमन के पाप ला छेमा नइं करव, त तुम्हर ददा घलो तुम्हर पाप ला छेमा नइं करही।

????
16 "जब तुमन उपास करथव, त तुमन अपन चेहरा ला उदास झन बनावव, जइसने कि ढोंगीमन करथें; ओमन
अपन चेहरा ला ओरमाय रहिथें, ताकि मनखेमन देखंय कि ओमन उपास करत हवंय। मेंह तुमन ला सच कहत
हंव कि ओमन अपन जम्मो ईनाम पा चुकिन।
17 पर जब तुमन उपास करथव, त अपन मुड़ म तेल चुपरव अऊ मुहूं ला धोवव,
18 ताकि मनखेमन ये झन जानंय कि तुमन उपास करत हवव, पर सिरिप तुम्हर ददा परमेसर ह जानय, जऊन
ह नइं दिखय। अऊ तुम्हर ददा, जऊन ह हर गुपत के काम ला देखथे, तुमन ला ईनाम दीही।

????? ? ??
(???? 12:33-34)

19 "अपन खातिर ये धरती म धन जमा झन करव, जिहां कीरा अऊ मुर्चा येला नास करथें, अऊ चोरमन सेंध
मारके चोरा लेथें।
20 पर अपन खातिर स्वरग म धन जमा करव, जिहां कीरा अऊ मुर्चा येला नास नइं कर सकंय, अऊ न ही
चोरमन सेंध मारके चोरी कर सकंय।
21 काबरकि जिहां तुम्हर धन हवय, उहां तुम्हर मन घलो लगे रहिही।

22 “आंखी ह देहें के दीया अय। यदि तुम्हर आंखीमन ठीक हवंय, त तुम्हर जम्मो देहें ह अंजोर ले भर जाही।
23 पर यदि तुम्हर आंखीमन खराप हवंय, त तुम्हर जम्मो देहें ह अंधियार ले भर जाही। एकरसेति, ओ अंजोर
जऊन ह तुमन म हवय, यदि अंधियार हो जाथे, त ओह कतेक भयंकर अंधियार होही।*
24 “कोनो भी मनखे दू झन मालिक के सेवा नइं कर सकय। या तो ओह एक झन ले नफरत करही अऊ दूसर
झन ले मया; या फेर ओह एक झन बर समरपित रहिही अऊ दूसर झन ला तुछ जानही। तुमन परमेसर अऊ
धन दूनों के सेवा नइं कर सकव।

[illegible] [illegible] [illegible]
(लूका 12:22-34)

25 “एकरसेति, मेंह तुमन ला कहत हंव कि तुमन अपन जिनगी के बारे म चिंता झन करव कि तुमन का खाहू
या का पीहू, अऊ न अपन देहें के बारे म चिंता करव कि तुमन का पहिरहू। का जिनगी ह भोजन ले जादा महत्व
के नो हय? अऊ देहें ह ओनहा ले बढ़के नो हय?
26 अकास के चिरईमन ला देखव; ओमन न कुछू बोवंय, न लुवंय अऊ न कोठार म जमा करंय; तभो ले तुम्हर
स्वरगीय ददा ह ओमन ला खवाथे। का तुमन चिरईमन ले जादा महत्व के नो हव?
27 तुमन म ले कोन ह चिंता करे के दुवारा अपन जिनगी के एको घरी ला घलो बढ़ा सकथे?
28 “तुमन ओनहा बर काबर चिंता करथव? खेत के जंगली फूलमन ला देखव कि ओमन कइसने बाढ़थें। ओमन
न तो मेहनत करंय अऊ न ही ओनहा बिनंय।
29 तभो ले मेंह तुमन ला बतावत हंव कि राजा सुलेमान घलो अपन जम्मो सोभा म येमन ले एको झन सहीं
नइं सजे-धजे रिहिस।
30 यदि परमेसर ह भुइयां के कांदी ला, जऊन ह आज इहां हवय अऊ कल आगी म झोंक दिये जाही, अइसने
ओनहा पहिराथे, त हे अल्प बिसवासीमन ओह तुमन ला अऊ बने ओनहा काबर नइं पहिराही?
31 एकरसेति तुमन चिंता झन करव अऊ ये झन कहव कि हमन का खाबो? या का पीबो? या का पहिरबो?
32 आनजातमन ये जम्मो चीज के खोज म रहिथें। तुम्हर स्वरगीय ददा ह जानथे कि तुमन ला ये जम्मो
चीजमन के जरूरत हवय।
33 पहिली परमेसर के राज अऊ ओकर धरमीपन के खोज करव, त ये जम्मो चीजमन घलो संग म तुमन ला
दिये जाही।
34 एकरसेति, कल के चिंता झन करव, काबरकि कल के दिन ह अपन चिंता खुद कर लीही। आज के दुख ह
आज खातिर बहुंते हवय।

7

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(लूका 6:37-38, 41-42)

1 “आने मन के गलती झन निकालव, ताकि तुम्हर घलो गलती झन निकाले जावय।
2 काबरकि जऊन किसम ले तुमन आने ऊपर दोस लगाथव, ओही किसम ले तुम्हर ऊपर घलो दोस लगाय
जाही, अऊ जऊन नाप ले तुमन नापथव, ओही नाप ले तुम्हर बर नापे जाही।
3 “तुमन काबर अपन भाई के आंखी के छोटे कचरा ला देखथव, जबकि अपन खुद के आंखी के बड़े कचरा ला
धियान नइं देवव?
4 जब तुम्हर खुद के आंखी म लकरी के लट्ठा हवय, त तुमन अपन भाई ला कइसने कह सकथव, ‘लान मेंह तोर
आंखी के छोटे कचरा ला निकाल दंव?’
5 हे ढोंगीमन हो, पहिली अपन खुद के आंखी के लट्ठा ला निकालव, तभे तुमन अपन भाई के आंखी के छोटे
कचरा ला साफ-साफ देखहू अऊ ओला निकाल सकहू।
6 “पबितर चीज कुकुरमन ला झन देवव, अऊ अपन मोती ला सुरामन के आघू म झन डालव, नइं तो ओमन
ओला अपन गोड़ तरी कुचरहीं अऊ तब लहुंटके तुम्हर ऊपर चढ़ बईठहीं।

---

* **6:23** लूका 11:34-36; यूह 9:39-41; मत्ती 15:14

[illegible], [illegible], [illegible]
([illegible] 11:9-13)

7 "मांगव, त तुमन ला दिये जाही; खोजव, त तुमन पाहू; खटखटावव, त तुम्हर बर कपाट ह खोले जाही।
8 काबरकि जऊन ह मांगथे, ओला मिलथे; जऊन ह खोजथे, ओह पाथे; अऊ जऊन ह खटखटाथे, ओकर
खातिर कपाट ला खोले जाथे।
9 "तुमन म अइसने कोन मनखे अय कि यदि ओकर बेटा ह ओकर ले रोटी मांगथे, त ओह ओला पथरा देथे?
10 या यदि ओह एक ठन मछ्ररी मांगथे, त ओला सांप देथे?
11 जब तुम्हर सहीं खराप मनखेमन अपन लइकामन ला बने चीज के भेंट देय बर जानथव, त स्वरग म रहइया
तुम्हर ददा ह ओमन ला अऊ जादा बने चीज काबर नइं दीही, जऊन मन ओकर ले मांगथें।
12 आने मन संग वइसने बरताव करव, जइसने तुमन चाहथव कि ओमन तुम्हर संग करंय, काबरकि मूसा के
कानून अऊ अगमजानीमन के एहीच सिकछा अय।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 13:24)

13 "संकरा कपाट ले घुसरव। काबरकि चाकर हवय ओ कपाट अऊ सरल हवय ओ रसता, जऊन ह बिनास
कोति ले जाथे अऊ बहुंते झन ओमा ले होके जाथें।
14 पर छोटे हवय ओ कपाट अऊ कठिन हवय ओ रसता, जऊन ह जिनगी कोति ले जाथे, अऊ सिरिप थोरकन
झन येला पाथें।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 6:43-44, 46; 13:25-27)

15 "लबरा अगमजानीमन ले सचेत रहव। ओमन भेड़ के भेस म तुम्हर करा आथें, पर भीतर ले ओमन भयंकर
भेड़िया अंय।
16 ओमन के काम के दुवारा ओमन ला तुमन चिन डारहू। का मनखेमन कंटिली झाड़ी ले अंगूर या ऊंटकटारा
झाड़ी ले अंजीर के फर टोरथें?
17 ओही किसम ले बने रूख ह बने फर देथे, अऊ खराप रूख ह खराप फर देथे।
18 बने रूख ह खराप फर नइं दे सकय अऊ न ही खराप रूख बने फर दे सकथे।
19 हर ओ रूख जऊन ह बने फर नइं देवय, काटे अऊ आगी म झोंके जाथे।
20 ये किसम ले, ओमन के फर के दुवारा, तुमन ओमन ला चिन डारहू।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

21 "जऊन मन मोला, 'हे परभू! हे परभू!' कहिथें, ओमन म ले जम्मो झन स्वरग के राज म नइं जा सकंय, पर
जऊन ह स्वरग म रहइया मोर ददा के ईछा ला पूरा करथे, सिरिप ओहीच ह स्वरग के राज म जाही।
22 नियाय के दिन म कतको मनखेमन मोला कहिहीं, 'हे परभू! हे परभू! का हमन तोर नांव म अगमबानी नइं
करेंन? का हमन तोर नांव म परेत आतमामन ला नइं निकालेंन? अऊ तोर नांव म कतको अचरज के काम नइं
करेंन?'
23 तब मेंह ओमन ला साफ-साफ बता दूहूं, 'मेंह तुमन ला कभू नइं जानेंव। हे कुकरमीमन हो, मोर ले दूरिहा
हटव।'

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 6:47-49)

24 "एकरसेति, जऊन ह मोर ये गोठमन ला सुनथे अऊ ओकर पालन करथे, ओह ओ बुद्धिमान मनखे सहीं
अय, जऊन ह चट्टान ऊपर अपन घर बनाईस।
25 पानी बरसिस, नदीमन म पूरा आईस, गरेर चलिस, अऊ ओ घर ले टकराईस, तभो ले ओ घर ह नइं
गिरिस, काबरकि ओकर नीव ह चट्टान ऊपर डारे गे रिहिस।
26 पर जऊन ह मोर ये गोठमन ला सुनथे अऊ ओकर पालन नइं करय, ओह ओ मुरूख मनखे सहीं अय,
जऊन ह बालू ऊपर अपन घर बनाईस।
27 पानी बरसिस, नदीमन म पूरा आईस, गरेर चलिस अऊ ओ घर ले टकराईस अऊ ओ घर ह भरभरा के गिर
गीस।"

28 जब यीसू ह ये बातमन ला कह चुकिस, त मनखेमन के भीड़ ह ओकर उपदेस ला सुनके चकित हो गीस।
29 काबरकि यीसू ह ओमन के कानून के गुरूमन सहीं नइं, पर अधिकार के संग ओमन ला उपदेस देवत रिहिस।

8

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:40-45; [illegible] 5:12-16)

1 जब यीसू ह पहाड़ ले उतरिस, त एक बड़े भीड़ ओकर पाछू हो लीस।
2 तब एक झन मनखे जऊन ला कोढ़ के बेमारी रहय, ओकर करा आईस, अऊ ओह यीसू ला दंडवत करके
कहिस, "हे परभू, यदि तेंह चाहस, त मोला सुध कर सकथस।"
3 यीसू ह अपन हांथ ला ओ मनखे अंग बढ़ाईस अऊ ओला छूके कहिस, "मेंह चाहत हंव; तेंह सुध हो जा!"
अऊ तुरते ओ मनखे ह कोढ़ के बेमारी ले सुध हो गीस।
4 तब यीसू ह ओला कहिस, "देख, तें कोनो ला कुछू झन कहिबे। पर जा अऊ अपनआप ला पुरोहित ला देखा,
अऊ जइसने मूसा ह हुकूम दे हवय, वइसने भेंट चघा, ताकि मनखेमन म सबूत होवय कि तेंह बेमारी ले ठीक हो
गे हवस।*"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 7:1-10)

5 जब यीसू ह कफरनहूम सहर म आईस, त एक झन रोमी सेना के अधिकारी ओकर करा आईस अऊ ओकर
ले बिनती करके कहिस,
6 "हे परभू, मोर सेवक ह घर म पड़े हवय; ओला लकवा मार दे हवय, अऊ ओह अब्बड़ दुख भोगत हवय।"
7 यीसू ह ओला कहिस, "मेंह जाहूं अऊ ओला चंगा करहूं।"
8 तब रोमी सेना के अधिकारी ह ये जबाब दीस, "हे परभू, मेंह एकर लईक नो हंव कि तेंह मोर घर म आ। पर
सिरिप अपन मुहूं ले कहि दे, त मोर सेवक ह ठीक हो जाही।
9 काबरकि मेंह खुद हाकिम के अधीन म हवंव अऊ सैनिकमन मोर अधीन म हवंय। मेंह एक झन ला कहिथंव,
'जा', त ओह जाथे अऊ दूसर ला कहिथंव, 'आ', त ओह आथे। मेंह अपन सेवक ला कहिथंव, येला कर, त ओला
करथे।"
10 येला सुनके यीसू ह चकित हो गीस, अऊ जऊन मन ओकर पाछू-पाछू आवत रिहिन, ओमन ला ओह
कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि मेंह इसरायली मनखेमन म घलो अइसने बड़े बिसवास नइं देखेंव।
11 मेंह तुमन ला कहत हंव कि कतको मनखेमन पूरब अऊ पछिम दिग ले आहीं अऊ अब्राहम, इसहाक अऊ
याकूब के संग स्वरग के राज के भोज म सामिल होहीं।
12 पर जऊन मन ला स्वरग राज म होना चाही, ओमन ला बाहिर अंधियार म डार दिये जाही, जिहां ओमन
रोहीं अऊ अपन दांत पीसहीं।"
13 तब यीसू ह रोमी सेना के अधिकारी ले कहिस, "जा, जइसने तेंह बिसवास करे हवस वइसने तोर बर होही।"
अऊ ओकर सेवक ह ओहीच घरी चंगा हो गीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:29-34; [illegible] 4:38-41)

14 जब यीसू ह पतरस के घर म आईस, त ओह देखिस कि पतरस के सास ह जर के मारे खटिया म पड़े रहय।
15 यीसू ह ओकर हांथ ला छुईस अऊ ओकर जर ह उतर गीस, अऊ ओह उठके यीसू के सेवा-टहल करे
लगिस।
16 जब सांझ होईस, त मनखेमन परेत आतमा ले जकड़े बहुंते मनखेमन ला यीसू करा लानिन। यीसू ह सिरिप
गोठ के दुवारा ओ परेत आतमामन ला निकाल दीस अऊ जम्मो बिमरहामन ला चंगा करिस।
17 ये किसम ले, यसायाह अगमजानी के दुवारा कहे गय ये बचन ह पूरा होईस:
"ओह हमर कमजोरी ला ले लीस,
अऊ हमर रोगमन ला दूर करिस।"†

---

* **8:4** मर 1:45 † **8:17** यसा 53:4

[illegible]
([illegible] 9:57-62)

18 जब यीसू ह अपन चारों कोति मनखेमन के भीड़ ला देखिस, त ओह अपन चेलामन ला झील के ओ पार
जाय के हुकूम दीस।
19 तब मूसा के कानून के एक गुरू ह यीसू करा आके कहिस, "हे गुरू, तेंह जिहां कहूं घलो जाबे, मेंह तोर
पाछू-पाछू चलहूं।"
20 यीसू ह ओला कहिस, "कोलिहामन बर रहे के बिल हवय अऊ अकास के चिरईमन के बसेरा हवय, पर मनखे
के बेटा के मुड़ ला थेबे बर घलो कोनो जगह नइं ए।"
21 एक आने चेला ह ओकर ले कहिस, "हे परभू, पहिली मोला जावन दे कि मेंह अपन मरे ददा ला माटी दे
दंव।"
22 पर यीसू ह ओला कहिस, "तेंह मोर पाछू हो ले, अऊ मुरदामन ला अपन मुरदा गाड़न दे।"

[illegible]
([illegible] 4:35-41; [illegible] 8:22-25)

23 तब यीसू ह डोंगा म चघिस अऊ ओकर चेलामन घलो ओकर संग गीन।
24 अचानक झील म एक भयंकर गर्रा उठिस अऊ डोंगा ह पानी के लहरामन ले भरे लगिस। पर यीसू ह सोवत
रहय।
25 चेलामन यीसू करा गीन अऊ ओला उठाके कहिन, "हे परभू, हमन ला बचा। हमन पानी म बुड़त हवन।"
26 यीसू ह ओमन ला कहिस, "हे अल्प बिसवासी मनखेमन हो, तुमन काबर डरावत हवव?" तब ओह उठिस
अऊ आंधी अऊ पानी के लहरामन ला दबकारिस अऊ जम्मो ह एकदम सांत हो गीस।
27 ओ मनखेमन अचम्भो म पड़ गीन अऊ कहिन, "येह का किसम के मनखे अय? अऊ त अऊ आंधी अऊ
पानी के लहरामन घलो एकर हुकूम मानथें।"

[illegible]
([illegible] 5:1-20; [illegible] 8:26-39)

28 जब यीसू ह झील के ओ पार गदरेनीमन के इलाका‡ म आईस, त दू झन मनखे, जेमन म परेत आतमा
रहंय, मरघटी ले निकलके ओकर करा आईन। ओमन अतेक उदंड रिहिन कि कोनो ओ रसता म आय-जाय नइं
सकत रिहिन।
29 ओमन चिचियाके कहिन, "हे परमेसर के बेटा, हमर ले तोला का काम? का तेंह ठहिराय गय समय ले
पहिली हमन ला इहां सताय बर आय हवस?"
30 उहां ले कुछू दूरिहा म, सुरामन के एक बड़े झुंड ह चरत रहय।
31 ओ परेत आतमामन यीसू ले बिनती करके कहिन, "यदि तेंह हमन ला निकालत हवस, त हमन ला ओ
सुरामन के झुंड म पठो दे।"
32 यीसू ह ओमन ला कहिस, "जावव।" तब परेत आतमामन ओ मनखेमन ले निकलके सुरामन म हमा गीन
अऊ सुरामन के जम्मो झुंड ह तीर म निकले पथरा ले झील म झपटके कूदिस, अऊ बुड़ मरिस।
33 सूरा चरइयामन भाग गीन अऊ सहर म जाके जम्मो बात ला बताईन। ओमन ओ परेत आतमा ले बाधित
मनखेमन के बारे म घलो बताईन।
34 तब सहर के जम्मो मनखेमन यीसू करा भेंट करे बर आईन, अऊ जब ओमन ओला देखिन, त ओकर ले
बिनती करिन कि ओह ओमन के इलाका ले चले जावय।

9

[illegible]
([illegible] 2:1-12; [illegible] 5:17-26)

1 यीसू ह डोंगा म चघिस अऊ झील ला पार करके अपन सहर म आईस*।

‡ **8:28** [illegible] ह आनजातमन के इलाका रिहिस। * **9:1** इहां [illegible] के मतलब [illegible] ए। यीसू ह नासरत ला छोंड़े के बाद कफरनहूम म रिहिस।

2 कुछू मनखेमन लकवा के मारे एक मनखे ला ओकर करा लानिन; ओ मनखे ह खटिया म पड़े रहय। जब यीसू
ह ओमन के बिसवास ला देखिस, त ओह लकवा के मारे मनखे ला कहिस, "बेटा, खुसी मना! तोर पाप ह छेमा हो
गे।"
3 येला सुनके, मूसा के कानून के कुछू गुरूमन अपन मन म कहिन, "ये मनखे ह परमेसर के निन्दा करत हवय!"
4 ओमन के मन के बात ला जानके यीसू ह कहिस, "तुमन अपन मन म काबर अइसने खराप बात सोचत हवव?
5 कते बात ह सरल ए? ये कहई, 'तोर पाप ह छेमा हो गीस,' या फेर ये कहई, 'उठ, अऊ चल फिर।'
6 मेंह तुमन ला देखाहूं कि मनखे के बेटा ला धरती म पाप छेमा करे के अधिकार हवय।" तब ओह लकवा के
मारे ला कहिस, "उठ, अपन खटिया ला उठा अऊ घर जा।"
7 अऊ ओ मनखे ह उठिस अऊ अपन घर चल दीस।
8 जब भीड़ के मनखेमन येला देखिन, त ओमन डरा गीन, अऊ ओमन परमेसर के महिमा करे लगिन, जऊन ह
मनखेमन ला अइसने अधिकार दे हवय।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 2:13-17; [illegible] 5:27-32)

9 जब यीसू ह उहां ले आघू बढ़िस, त ओह मत्ती नांव के एक झन मनखे ला लगान पटाय के नाका म बईठे
देखिस, त ओह ओला कहिस, "मोर पाछू आ।" अऊ मत्ती ह उठके ओकर पाछू हो लीस।
10 जब यीसू ह मत्ती के घर म खाना खाय बर बईठिस, त कतको लगान लेवइया अधिकारी अऊ पापी
मनखेमन आईन अऊ ओमन घलो यीसू अऊ ओकर चेलामन संग खाना खाय बर बईठिन।
11 येला देखके फरीसीमन यीसू के चेलामन ले पुछिन, "तुम्हर गुरू ह लगान लेवइया अऊ पापीमन संग काबर
खावत हवय?"
12 येला सुनके, यीसू ह कहिस, "भला-चंगा मनखेमन ला डाक्टर के जरूरत नइं होवय, पर बिमरहामन ला
होथे।
13 जावव अऊ सीखव कि परमेसर के ये बचन के का मतलब होथे: 'मेंह बलिदान नइं, पर दया चाहथंव।'†
काबरकि मेंह धरमीमन ला नइं, पर पापीमन ला बलाय बर आय हवंव।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 2:18-22; [illegible] 5:33-39)

14 तब यूहन्ना के चेलामन यीसू करा आईन अऊ पुछिन, "का कारन ए कि हमन अऊ फरीसीमन उपास
करथन, पर तोर चेलामन उपास नइं करंय?"
15 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, "का बरातीमन दुख मनाथें, जब दूल्हा ह ओमन के संग म रहिथे? पर ओ
समय आही जब दूल्हा ह ओमन ले अलग करे जाही; तब ओमन उपास करहीं।
16 "जुन्ना कपड़ा म नवां कपड़ा के खाप कोनो नइं लगावंय, काबरकि ओ खाप ह जुन्ना कपड़ा ला तीरके अऊ
चीर दीही।
17 वइसने ही मनखेमन जुन्ना चमड़ा के थैली म नवां अंगूर के मंद ला नइं भरंय। यदि ओमन अइसने करथें, त
ओ चमड़ा के थैली फट जाही, अऊ अंगूर के मंद ह बोहा जाही अऊ ओ थैली ह बरबाद हो जाही। एकरे बर
ओमन नवां मंद ला नवां चमड़ा के थैली म भरथें, अऊ ये किसम ले दूनों चीज सही-सलामत रहिथे।"‡

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 5:21-43; [illegible] 8:40-56)

18 जब यीसू ह ओमन ला ये कहत रिहिस, तभे यहूदीमन के सभा-घर के एक अधिकारी आईस अऊ यीसू के
आघू म माड़ी टेकके कहिस, "मोर बेटी ह अभीच मरे हवय। पर तेंह चल अऊ अपन हांथ ला ओकर ऊपर रख,
अऊ ओह जी जाही।"
19 यीसू ह उठिस अऊ ओकर संग गीस। यीसू के चेलामन घलो ओकर संग गीन।
20 तभे एक झन माईलोगन रहय, जऊन ला बारह बछर ले लहू बोहाय के बेमारी रिहिस, ओह यीसू के पाछू
ले आईस अऊ ओकर कपड़ा के छोर ला छू लीस।
21 काबरकि ओह अपन मन म कहत रिहिस, "यदि मेंह ओकर कपड़ा ला ही छू लूहूं, त चंगा हो जाहूं।"

† **9:13** होसे 6:6; लूका 5:32 ‡ **9:17** मत्ती 12:6, 41-42

22 यीसू ह पाछू कोति मुड़के ओला देखिस अऊ कहिस, “हिम्मत रख, बेटी। तोर बिसवास ह तोला चंगा करे
हवय।” अऊ ओहीच घरी ओ माईलोगन ह बने हो गीस।
23 जब यीसू ह ओ अधिकारी के घर के भीतर गीस अऊ बांसुरी बजइयामन ला अऊ मनखेमन ला
रोवत-पीटत देखिस,§
24 त ओह कहिस, “घुंच जावव! ये छोकरी ह मरे नइं ए, पर सुतत हवय।” पर ओमन ओकर हंसी उड़ाय
लगिन।
25 जब मनखेमन ला घर के बाहिर कर दिये गीस, त यीसू ह भीतर गीस अऊ छोकरी के हांथ ला धरके
उठाईस, अऊ ओ छोकरी ह उठ बईठिस।
26 ये बात के चरचा ओ जम्मो इलाका म फईल गीस।

[illegible]

27 यीसू ह उहां ले आघू बढ़िस, त दू झन अंधरा मनखे ये गोहार पारत ओकर पाछू हो लीन, “हे दाऊद के
संतान, हमर ऊपर दया कर।”
28 जब यीसू ह घर के भीतर गीस, त ओ अंधरा मनखेमन ओकर करा आईन। यीसू ह ओमन ले पुछिस, “का
तुमन ला बिसवास हवय कि मेंह ये काम कर सकत हंव?”
ओमन ओला कहिन, “हव परभू।”
29 तब यीसू ह ओमन के आंखी ला छुईस अऊ कहिस, “तुम्हर बिसवास के मुताबिक तुम्हर बर होवय।”
30 अऊ ओमन के आंखीमन देखे लगिन। यीसू ह ओमन ला बहुंत चेताके कहिस, “देखव, ये बात ला अऊ
कोनो ला झन बतावव।”
31 पर बाहिर निकलके, ओमन ओ जम्मो इलाका म यीसू के जस ला फईला दीन।
32 जब ओमन बाहिर निकलत रिहिन, त कुछू मनखेमन भूत धरे एक कोंदा मनखे ला यीसू करा लानिन।
33 अऊ जब यीसू ह भूत ला निकाल दीस, त ओ कोंदा मनखे ह गोठियाय लगिस। मनखेमन अचम्भो करत
कहे लगिन, “हमन इसरायल देस म अइसने बात कभू नइं देखे रहेंन।”
34 पर फरीसीमन कहिन, “येह परेत आतमामन के सरदार के मदद ले परेत आतमामन ला निकालथे।”

[illegible]

35 यीसू ह जम्मो नगर अऊ गांव म ले होवत गीस, अऊ ओह यहूदीमन के सभा-घरमन म उपदेस देवत,
परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करत अऊ जम्मो किसम के रोग अऊ बेमारी ला बने करत गीस।
36 जब यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला देखिस, त ओला ओमन के ऊपर तरस आईस, काबरकि ओमन परेसान
अऊ बिन सहारा के रिहिन। ओमन बिन चरवाहा के भेड़ सहीं रिहिन।*
37 तब ओह अपन चेलामन ला कहिस, “खेत म फसल तो बहुंते हवय, पर बनिहारमन थोरकन हवंय।
38 एकरसेति, फसल के मालिक ले बिनती करव कि ओह अपन फसल ला लुए बर बनिहार पठोवय।”

10

[illegible]
([illegible] 3:13-19; [illegible] 6:12-16)

1 यीसू ह अपन बारह चेलामन ला अपन करा बलाईस अऊ ओमन ला असुध आतमामन ला निकाले अऊ हर
एक किसम के रोग अऊ बेमारी ला बने करे के अधिकार दीस।

2 बारह प्रेरितमन के नांव ये अय:

पहिला सिमोन, जऊन ला पतरस कहे जाथे अऊ ओकर भाई अन्द्रियास;
जबदी के बेटा याकूब अऊ ओकर भाई यूहन्ना;
3 फिलिप्पुस अऊ बरतुलमै;
थोमा अऊ लगान लेवइया मत्ती;
हलफई के बेटा याकूब, अऊ तद्दै;

§ **9:23** ओ समय जब कोनो मर जावय, त माटी देय के बेरा बांसुरी बजावंय। * **9:36** गन 27:16-17

4 सिमोन कनानी अऊ यहूदा इस्करियोती जऊन ह यीसू के संग बिसवासघात करिस।

5 ये बारहों झन ला, यीसू ह ये हुकूम देके पठोईस, "आनजातमन इहां झन जावव अऊ न ही सामरीमन के
कोनो सहर म जावव।
6 एकर बदले, इसरायल के घराना के गंवाय भेड़मन करा जावव।*
7 जब तुमन जावव, त ये संदेस के परचार करव: 'स्वरग के राज ह लकठा म आ गे हवय।'
8 बिमरहामन ला चंगा करव, मरे मनखेमन ला जियावव, कोढ़ी मनखेमन ला सुध करव, परेत आतमामन ला
निकालव। मुफत म तुमन ला मिले हवय, एकरसेति मुफत म देवव।
9 "अपन पटका म सोन या चांदी या तांबा झन रखव।
10 रसता बर झोला या अतकिहा कुरता या पनही या लउठी झन रखव, काबरकि बनिहार ला ओकर जरूरत
के चीज दिये जाना चाही।†
11 जऊन कोनो सहर या गांव म तुमन जावव, त उहां कोनो काबिल मनखे के पता लगावव अऊ उहां ले बिदा
होवत तक ओकरे घर म ठहिरव।
12 जऊन घर म तुमन जावव, त ओ घर ला आसीस देवव।
13 यदि ओ घर के मनखेमन काबिल होहीं, त तुम्हर सांति ह उहां ठहिरही, पर यदि ओमन काबिल नो हंय, त
तुम्हर सांति ह तुम्हर करा लहुंट आही।
14 यदि कोनो तुमन ला गरहन नइं करय या तुम्हर गोठ ला नइं सुनय, त ओ घर या सहर ले निकलत बेरा
अपन गोड़ के धुर्रा ला झर्रा देवव।
15 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि नियाय के दिन म, ये सहर के मनखेमन ले सदोम अऊ अमोरा सहर के
मनखेमन के दसा ह जादा सहे के लईक होही।
16 "देखव! मेंह तुमन ला भेड़ियामन के बीच म भेड़मन सहीं पठोवत हंव। एकरसेति, सांप के सहीं चतुरा अऊ
पंड़की के सहीं निरदोस बनव।
17 मनखेमन ले सचेत रहव। ओमन तुमन ला धरम-सभा ला सऊंप दीहीं अऊ यहूदीमन के सभा-घर म तुमन
ला कोर्रा म मारहीं।
18 मोर कारन, तुमन ला हाकिम अऊ राजामन के आघू म लाने जाही कि तुमन मोर बिसय म ओमन ला अऊ
आनजातमन ला गवाही देवव।
19 जब ओमन तुमन ला पकड़थें, त एकर चिंता झन करव कि तुमन ला का कहना हे या कइसने कहना हे,
काबरकि ओहीच बखत तुमन ला बताय जाही कि का कहना हे।
20 काबरकि बोलइया तुमन नइं, पर तुम्हर ददा परमेसर के आतमा ह तुमन म होके बोलही।
21 "भाई ह अपन भाई ला अऊ ददा ह अपन लइका ला मार डारे बर सऊंप दीही। लइकामन अपन दाई-ददा
के बिरोध म खड़े होहीं अऊ ओमन ला मरवा डारहीं।
22 मोर कारन, जम्मो मनखेमन तुम्हर ले नफरत करहीं, पर जऊन ह आखिरी तक अडिग बने रहिही, ओकरेच
उद्धार होही।
23 जब ओमन तुमन ला एक सहर म सताथें, त तुमन आने सहर म भाग जावव। मेंह तुमन ला सच कहत हंव
कि मनखे के बेटा के आय के पहिली, तुमन इसरायल के जम्मो सहर म नइं जा सके होहू।‡
24 "चेला ह अपन गुरू ले बड़े नइं होवय अऊ न ही सेवक ह अपन मालिक ले बड़े होथे।
25 चेला ह अपन गुरू सहीं अऊ सेवक ह अपन मालिक सहीं बन जाना ही बहुंत अय। जब ओमन घर के
मुखिया ला बालजबूल§ कहिन, त फेर ओमन ओकर घर के सदस्यमन ला का कुछू नइं कहिहीं।
26 "एकरसेति, ओमन ले झन डरव। काबरकि कुछू घलो बात ढंके नइं ए, जऊन ला उघारे नइं जाही या कुछू
भी बात छिपे नइं ए, जऊन ला बताय नइं जाही।
27 जऊन बात मेंह तुमन ला अंधियार म कहत हंव, ओला तुमन अंजोर म कहव। जऊन बात, तुमन ला कान
म फुसफुसाके कहे जाथे, ओला तुमन घर के छानी ऊपर ले चिचिया-चिचियाके बतावव।

---

* **10:6** मत्ती 15:24 † **10:10** मत्ती 9:37 ‡ **10:23** दानि 7:13 § **10:25** याने कि सैतान

28 ओमन ले झन डरव, जऊन मन सरीर ला मार डारथें, पर आतमा ला नइं मार सकंय। पर ओकर ले डरव,
जऊन ह आतमा अऊ सरीर दूनों ला नरक म नास कर सकथे।
29 एक पईसा म दू ठन गौरइया चिरई बिकथे, तभो ले तुम्हर ददा परमेसर के बिगर ईच्छा के ओमा ले एको ठन
घलो धरती ऊपर नइं गिरय।
30 अऊ त अऊ तुम्हर मुड़ के जम्मो चुंदीमन गने गे हवंय।
31 झन डरव; तुमन गौरइया चिरईमन ले जादा कीमत के अव।
32 "जऊन कोनो मोला मनखेमन के आघू म स्वीकार करथे, ओला मेंह घलो स्वरग म अपन ददा के आघू म
स्वीकार करहूं।
33 पर जऊन कोनो मोला मनखेमन के आघू म इनकार करथे, त ओला मेंह घलो स्वरग म अपन ददा के आघू
म इनकार करहूं।
34 "ये झन सोचव कि मेंह धरती म सांति इस्थापना करे बर आय हवंव। मेंह सांति इस्थापना करे बर नइं, पर
तलवार चलवाय बर आय हवंव।
35 "मेंह बेटा ला ओकर ददा के बिरूध,
बेटी ला ओकर दाई के बिरूध
अऊ बहू ला ओकर सास के बिरूध करे बर आय हवंव।
36 मनखे के बईरी ओकर खुद के परिवार के मनखेमन होहीं।
37 "जऊन ह अपन ददा या दाई ला मोर ले जादा मया करथे, ओह मोर लईक नो हय। जऊन ह अपन बेटा
या बेटी ला मोर ले जादा मया करथे, ओह मोर लईक नो हय;
38 अऊ जऊन ह अपन कुरूस ला उठाके मोर पाछू नइं आवय, ओह मोर लईक नो हय।
39 जऊन ह अपन परान ला बचाथे, ओह ओला गंवाही, अऊ जऊन ह मोर कारन अपन परान ला गंवाथे,
ओह ओला बचाही।
40 "जऊन ह तुमन ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे, अऊ जऊन ह मोला गरहन करथे, ओह ओला
गरहन करथे जऊन ह मोला पठोय हवय।
41 जऊन ह एक अगमजानी ला अगमजानी जानके गरहन करथे, त ओह एक अगमजानी के ईनाम पाही,
अऊ जऊन ह धरमी मनखे ला धरमी मनखे जानके गरहन करथे, ओह एक धरमी मनखे के ईनाम पाही।
42 अऊ जऊन ह ये छोटे मन म ले कोनो ला मोर चेला जानके एक गिलास ठंडा पानी पीये बर देथे, त मेंह
तुमन ला सच कहत हंव कि ओह एकर ईनाम जरूर पाही।"

11

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 7:18-35)

1 अपन बारह चेलामन ला ये हुकूम देय के बाद, यीसू ह उहां ले चल दीस। ओह गलील प्रदेस के सहरमन म
सिकछा दे बर अऊ परचार करे बर गीस।
2 जब यूहन्ना ह जेल म मसीह के काम के चरचा ला सुनिस, त ओह अपन चेलामन ला ओकर करा ये पुछे बर
पठोईस,
3 "का तेंह ओही अस, जऊन ह अवइया रिहिस या फेर हमन कोनो आने के बाट जोहन।"
4 यीसू ह ओमन ला ये जबाब दीस, "तुमन जावव, अऊ जऊन कुछू तुमन सुनत अऊ देखत हवव, ओला
यूहन्ना ला बतावव—
5 अंधरामन देखथें, खोरवामन रेंगथें, कोढ़ीमन सुध करे जावथें, भैंरा मनखेमन सुनथें, मुरदामन जी उठथें, अऊ
गरीबमन ला सुघर संदेस के परचार करे जाथे।*
6 धइन ए ओह जऊन ह मोर ऊपर संदेह नइं करय।"
7 जब यूहन्ना के चेलामन जावत रिहिन, त यीसू ह मनखेमन ला यूहन्ना के बारे म कहन लगिस, "जब तुमन
सुनसान जगह म यूहन्ना करा गेव, त तुमन का देखे के आसा करत रहेव? का हवा म डोलत बड़े घांस के पऊधा
ला?

* **11:5** यसा 61:1; लूका 4:18-19

8 यदि नइं! त फेर तुमन का देखे बर गे रहेव? का सुघर कपड़ा पहिरे एक मनखे ला देखे बर? जऊन मन सुघर
कपड़ा पहिरथें, ओमन राजा के महल म रहिथें।
9 त तुमन का देखे बर गे रहेव? एक अगमजानी ला देखे बर? हव, मेंह तुमन ला कहथंव कि तुमन एक
अगमजानी ले घलो बड़े मनखे ला देखेव।
10 येह ओ मनखे अय, जेकर बारे म परमेसर के बचन म लिखे हवय:
" 'मेंह अपन संदेसिया ला तोर आघू पठोवत हंव,
जऊन ह तोर आघू तोर रसता तियार करही।'†
11 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि अभी तक जऊन मनखेमन संसार म माईलोगन ले जनमे हवंय, ओमन म
कोनो घलो यूहन्ना बतिसमा देवइया ले बड़े नो हय। पर जऊन ह स्वरग के राज म सबले छोटे अय, ओह यूहन्ना
ले घलो बड़े अय।
12 यूहन्ना बतिसमा देवइया के समय ले अभी तक स्वरग के राज ऊपर सतावा होय हवय अऊ सतानेवालामन
ताकत के दुवारा येला अपन अधिकार म कर लेथें।
13 काबरकि जम्मो अगमजानी अऊ मूसा के कानून, यूहन्ना के समय तक अगमबानी करत रिहिन।
14 अऊ यदि तुमन ये बात ला मानत हव, त जान लेवव कि ओह एलियाह अय, जऊन ह अवइया रिहिस।
15 जेकर कान हवय, ओह सुन ले।
16 "मेंह ये पीढ़ी के मनखेमन के तुलना काकर ले करंव? ओमन बजार म बईठे लइकामन सहीं अंय, जऊन मन
अपन दूसर संगीमन ला पुकारके कहिथंय:
17 " 'हमन तुम्हर बर बांसुरी बजाएंन,
पर तुमन नइं नाचेव;
हमन बिलाप करेंन,
अऊ तुमन ला दुख नइं होईस।'
18 काबरकि यूहन्ना आईस, पर ओह सधारन मनखे सहीं, न तो खाईस अऊ न ही पीईस, अऊ मनखेमन कहिथें,
'ओमा परेत आतमा हवय।'
19 मनखे के बेटा ह आईस, जऊन ह खाथे अऊ पीथे, अऊ मनखेमन कहिथें, 'देखव, ओह पेटहा अऊ पियक्कड़
अय, अऊ लगान लेवइया अऊ पापीमन के संगवारी अय।' पर बुद्धि ह अपन काम के दुवारा सही ठहिरथे।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 10:13-15)

20 तब यीसू ह ओ सहरमन ला धिक्कारे लगिस, जिहां ओह सबले जादा चमतकार करे रिहिस, पर ओ सहरमन
पछ्ताप नइं करिन।
21 यीसू ह कहिस, "धिक्कार ए तोला, खुराजीन! धिक्कार ए तोला, बैतसैदा। जऊन चमतकार के काम तुमन
म करे गीस, यदि ओ काम सूर अऊ सीदोन सहर म करे गे होतिस, त ओमन बहुंत पहिली टाट के कपड़ा ओढ़के
अऊ राख म बईठके पछ्ताप कर चुके होतिन।
22 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि नियाय के दिन म सूर अऊ सीदोन के दसा ह तुम्हर दसा ले कहूं जादा सहे
के लईक होही।
23 अऊ तें कफरनहूम! का तेंह अकास तक ऊंचा उठाय जाबे! नइं! तेंह खाल्हे पाताल-लोक ला चले जाबे।
काबरकि जऊन चमतकार के काम तोर म करे गीस, यदि ओ काम सदोम सहर म करे गे होतिस, त ओ सहर ह
आज तक ले बने रहितिस।
24 पर मेंह तोला कहत हंव कि नियाय के दिन म सदोम सहर के दसा ह तोर दसा ले कहूं जादा सहे के लईक
होही।"

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 10:21-22)

25 ओही बेरा यीसू ह कहिस, "हे ददा! स्वरग अऊ धरती के परभू! मेंह तोर धनबाद करत हंव, काबरकि तेंह ये
बातमन ला बुद्धिमान अऊ गियानी मनखेमन ले छुपाय रखय, पर येला छोटे लइकामन ऊपर परगट करय।

---

† **11:10** मला 3:1

26 हव, ददा, ये काम करे म तोला खुसी होईस।
27 “मोर ददा ह मोला जम्मो चीज ला सऊंप दे हवय। ददा के छोंड़ अऊ कोनो, बेटा ला नइं जानंय, अऊ ददा
ला कोनो नइं जानंय, सिरिप बेटा ह जानथे अऊ ओमन घलो जानथें, जऊन मन ला बेटा ह चुनथे कि ओमन
ऊपर ददा ला उजागर करे।
28 “हे जम्मो थके-मांदे अऊ बोझ ले दबे मनखेमन, मोर करा आवव, मेंह तुमन ला बिसराम दूहूं।
29 मोर जुआड़ी ला अपन ऊपर रखव अऊ मोर ले सीखव, काबरकि मेंह हिरदय म दयालु अऊ नम्र अंव, अऊ
तुमन अपन आतमा म बिसराम पाहू।
30 काबरकि मोर जुआड़ी ह सरल अऊ मोर बोझा ह हरू हवय।”

12

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 2:23-28; [illegible] 6:1-5)

1 ओ समय यीसू ह बिसराम के दिन अनाज के खेत म ले होके जावत रिहिस। ओकर चेलामन ला भूख लगिस,
त ओमन अनाज के कुछू दाना ला टोर-टोरके खावन लगिन।
2 येला देखके फरीसीमन यीसू ले कहिन, “देख! तोर चेलामन ओ काम करत हवंय, जेला बिसराम के दिन करई
कानून के बिरूध अय।”
3 यीसू ह कहिस, “का तुमन परमेसर के बचन म नइं पढ़ेव कि दाऊद ह का करिस, जब ओला अऊ ओकर
संगीमन ला भूख लगिस?
4 ओह परमेसर के घर म गीस, अऊ ओह अऊ ओकर संगवारीमन परमेसर ला भेंट चघाय रोटी ला खाईन,
जऊन ला खवई, ओमन बर कानून के बिरूध रिहिस। ओ रोटी ला सिरिप पुरोहितमन खा सकत रिहिन।*
5 या का तुमन मूसा के कानून म नइं पढ़े हवव कि पुरोहितमन बिसराम के दिन मंदिर म बिसराम के कानून ला
टोरथें, तभो ले ओमन दोसी नइं ठहिरंय?
6 मेंह तुमन ला कहथंव कि इहां एक झन हवय, जऊन ह मंदिर ले घलो बड़े अय।
7 मेंह बलिदान नइं पर दया चाहथंव। परमेसर के बचन म लिखे ये बात ला यदि तुमन समझतेव,† त तुमन
निरदोसीमन ला दोसी नइं ठहिरातेव।
8 काबरकि मनखे के बेटा ह बिसराम दिन के परभू अय।”‡
9 उहां ले चलके, यीसू ह यहूदीमन के सभा-घर म आईस।
10 उहां एक झन मनखे रहय, जेकर एक हांथ ह सूख गे रहय। उहां कुछू मनखेमन यीसू ऊपर दोस लगाय बर
बहाना खोजत रिहिन, एकरसेति ओमन यीसू ले पुछिन, “का बिसराम के दिन कोनो बिमरहा ला चंगा करई
कानून के मुताबिक सही अय?”
11 यीसू ह ओमन ला कहिस, “यदि तुमन के काकरो एक ठन भेड़ हवय अऊ ओह बिसराम के दिन खंचवा म
गिर जावय, त का तुमन ओला पकड़के बाहिर नइं निकालहू?
12 मनखे के कीमत ह एक ठन भेड़ ले बहुंत बढ़के होथे। एकरसेति बिसराम के दिन म भलई करई कानून के
मुताबिक सही अय।”
13 तब यीसू ह ओ सूखा हांथवाले मनखे ले कहिस, “अपन हांथ ला लमा।” ओह अपन हांथ ला लमाईस अऊ
ओ हांथ ह दूसर हांथ सहीं पूरा बने हो गीस।
14 पर फरीसीमन बाहिर निकलिन अऊ ओमन यीसू ला मार डारे के योजना बनाईन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

15 येला जानके यीसू ह उहां ले चल दीस, अऊ बहुंत मनखेमन यीसू के पाछू हो लीन। ओह जम्मो बिमरहा
मनखेमन ला चंगा करिस,
16 अऊ ओमन ला चेताके कहिस, “कोनो ला झन बतावव कि मेंह कोन अंव।”
17 ये किसम ले यसायाह अगमजानी के दुवारा कहे गे ये बचन ह पूरा होईस:

---

* **12:4** लैव्य 24:9 † **12:7** होसे 6:6 ‡ **12:8** भजन 8:4-8; मर 2:28

18 “देखव, येह मोर सेवक ए, जऊन ला मेंह चुने हवंव,
येला मेंह मया करथंव, अऊ येकर ले मेंह बहुंत खुस हवंव।
मेंह येकर ऊपर अपन आतमा डालहूं,
अऊ येह जाति-जाति के मनखेमन ला नियाय के संदेस दीही।
19 येह न तो झगरा करही अऊ न ऊंचहा सबद म बोलही,
अऊ न ही गलीमन म कोनो एकर अवाज सुनहीं।
20 कुचरे सरकंडा ला न तो ओह टोरही,
अऊ न ही सुलगत दीया के बाती ला बुताही,
जब तक कि येह नियाय ला जीत नइं देवा दीही।
21 जाति-जाति के मनखेमन एकर नांव म अपन आसा रखहीं।”§

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 3:20-30; [illegible] 11:14-23)

22 तब मनखेमन एक भूत धरे मनखे ला यीसू करा लानिन, जऊन ह अंधरा अऊ कोंदा रिहिस। यीसू ह ओला चंगा करिस अऊ ओ मनखे ह बोलन अऊ देखन लगिस।
23 जम्मो मनखेमन चकित होके कहे लगिन, “कहूं येह दाऊद के संतान तो नो हय?”
24 पर जब फरीसीमन ये बात ला सुनिन, त ओमन कहिन, “ये मनखे ह परेत आतमामन के सरदार बालजबूल के मदद ले परेत आतमामन ला निकालथे।”
25 यीसू ह ओमन के मन के बात ला जानके ओमन ला कहिस, “जऊन राज म फूट पड़ जाथे, ओह उजर जाथे, अऊ जऊन सहर या घराना म फूट पड़ जाथे, ओह टिके नइं रहय।
26 यदि सैतान ह सैतान ला निकालथे, त ओह अपन खुद के बिरोधी हो गे हवय। तब ओकर राज ह कइसने टिके रह सकथे?
27 यदि मेंह बालजबूल के मदद ले परेत आतमामन ला निकालथंव, त फेर तुम्हर मनखेमन काकर मदद ले ओमन ला निकालथें? एकरसेति, ओही मन तुम्हर नियाय करहीं।
28 पर यदि मेंह परमेसर के आतमा के मदद ले परेत आतमामन ला निकालथंव, त फेर परमेसर के राज ह तुम्हर करा आ गे हवय।
29 “या कोन ह कोनो बलवान मनखे के घर म घुसरके ओकर संपत्ति ला लूट सकथे, जब तक कि पहिली ओह ओ बलवान मनखे ला नइं बांध लेवय? एकर बाद ही ओह ओकर घर ला लूट सकही।
30 “जऊन ह मोर संग नइं ए, ओह मोर बिरोध म हवय, अऊ जऊन ह मोर संग नइं संकेलय, ओह बगराथे।
31 एकरसेति, मेंह तुमन ला कहत हंव कि मनखेमन के हर एक पाप अऊ निन्दा ला छेमा करे जाही, पर पबितर आतमा के निन्दा ला छेमा नइं करे जावय।
32 जऊन ह मनखे के बेटा के बिरोध म कोनो बात कहिथे, त ओला छेमा करे जाही, पर जऊन ह पबितर आतमा के बिरोध म कहिथे, ओला छेमा नइं करे जावय, न तो ये समय म अऊ न ही अवइया समय म।*
33 “बने रूख ला लगाहू, त ओमा सुघर फर धरही; यदि खराप रूख लगाहू, त ओमा खराप फर धरही; काबरकि रूख ह अपन फर ले चिनहे जाथे।
34 हे जहरिला सांप के पीलामन हो! तुमन खराप मनखे अव अऊ सुघर गोठ कइसने कह सकथव? काबरकि जऊन बात ले दिल ह भरे रहिथे, ओहीच ह मुहूं ले निकलथे।
35 बने मनखे ह अपन दिल के बने भंडार ले बने बातमन ला निकालथे, अऊ खराप मनखे ह अपन हिरदय म भरे खराप भंडार ले खराप बात निकालथे।
36 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि नियाय के दिन मनखेमन ला ओमन के मुहूं ले निकले हर एक बेकार बात के हिसाब देय पड़ही।
37 काबरकि तुमन अपन गोठ के दुवारा निरदोस ठहिरहू अऊ अपन गोठ के दुवारा ही दोसी ठहिरहू।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 8:11-12; [illegible] 11:29-32)

§ **12:21** यसा 42:1-4 * **12:32** मर 3:29

38 तब कुछू फरीसी अऊ कानून के गुरूमन यीसू ले कहिन, “हे गुरू! हमन तोर ले कोनो अचरज के चिनहां देखे
चाहत हन।”
39 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “ये दुस्ट अऊ बेभिचारी पीढ़ी के मनखेमन चिनहां देखाय बर कहत हवंय!
पर योना अगमजानी के चिनहां ला छोंड़ येमन ला अऊ कोनो चिनहां नइं दिये जावय।
40 जइसने योना ह तीन दिन अऊ तीन रात एक ठन बड़े मछुरी के पेट म रिहिस, वइसने मनखे के बेटा ह घलो
तीन दिन अऊ तीन रात धरती के भीतर म रहिही।†
41 नियाय के दिन नीनवे सहर के मनखेमन, ये पीढ़ी के मनखेमन संग ठाढ़ होहीं, अऊ येमन ऊपर दोस
लगाहीं, काबरकि ओमन योना के संदेस ला सुनके मन फिराईन। पर देखव! इहां एक झन हवय, जऊन ह योना
ले घलो बड़के अय।
42 नियाय के दिन दक्खिन दिग के रानी ह ये पीढ़ी के मनखेमन संग ठाढ़ होही अऊ येमन ऊपर दोस लगाही,
काबरकि ओ रानी ह राजा सुलेमान के गियान के बात ला सुने बर धरती के छोर ले आय रिहिस। पर देखव! इहां
एक झन हवय, जऊन ह राजा सुलेमान ले घलो बड़के अय।
43 “जब एक असुध आतमा ह कोनो मनखे म ले बाहिर निकलथे, त ओह सुरताय के ठिकाना खोजत सूखा
ठऊरमन म जाथे, पर ओला कोनो जगह नइं मिलय।
44 तब ओह कहिथे, ‘जऊन घर ला मेंह छोंड़के आय रहेंव, मेंह ओहीच घर म लहुंट जाहूं।’ अऊ जब ओह
लहुंटके आथे, त ओह ओ घर ला सूना, झाड़े-बहारे अऊ सजे-धजे पाथे।
45 तब ओह जाथे अऊ अपन ले घलो जादा खराप सात ठन आने आतमामन ला ले आथे, अऊ ओमन ओ
मनखे म जाथें अऊ उहां बस जाथें। अऊ ओ मनखे के आखिरी दसा ह पहिली ले अऊ खराप हो जाथे। अइसनेच
ये दुस्ट पीढ़ी के मनखेमन के दसा घलो होही।”

[illegible]
(मत्ती 3:31-35; मरकुस 8:19-21)

46 जब यीसू ह मनखेमन ले गोठियावत रिहिस, त ओकर दाई अऊ भाईमन आके बाहिर खड़े रिहिन अऊ
ओमन ओकर ले बात करे चाहत रिहिन।
47 एक झन ह यीसू ला कहिस, “तोर दाई अऊ भाईमन बाहिर म ठाढ़े हवंय अऊ तोर ले बात करे चाहत
हवंय।”
48 पर यीसू ह ओ मनखे ला कहिस, “कोन ह मोर दाई अय, अऊ कोन मन मोर भाई अंय?”
49 अऊ यीसू ह अपन चेलामन कोति अपन हांथ ला लमाके कहिस, “येमन अंय मोर दाई अऊ मोर भाई।
50 काबरकि जऊन ह मोर स्वरग के ददा के ईछा मुताबिक चलथे, ओहीच ह मोर भाई, मोर बहिनी अऊ मोर
दाई अय।”

13

[illegible]
(मरकुस 4:1-9; लूका 8:4-8)

1 ओहीच दिन, यीसू ह घर ले निकलिस, अऊ जाके झील के तीर म बईठ गीस।
2 तब ओकर चारों कोति अतेक बड़े भीड़ जूर गीस कि ओला एक ठन डोंगा ऊपर चघके बईठे पड़िस, अऊ
जम्मो मनखेमन झील के तीर म ठाढ़े रहंय।
3 तब यीसू ह ओमन ला पटंतर म बहुंत अकन बात बताईस। ओह कहिस, “एक किसान ह बीज बोय बर
निकलिस।
4 जब ओह बोवत रिहिस, त कुछू बीजामन रसता के तीर म गिरिन अऊ चिरईमन आके ओला खा लीन।
5 कुछू बीजामन पथरी भुइयां म गिरिन, जिहां ओमन ला जादा माटी नइं मिलिस। ओ बीजामन जल्दी जाम
गीन काबरकि उहां माटी ह गहिरा नइं रिहिस।
6 पर जब सूरज निकलिस, त ओमन मुरझा गीन अऊ जरी नइं धरे रहय के कारन ओमन सूख गीन।
7 कुछू बीजामन कंटिली झाड़ीमन के बीच म गिरिन अऊ ओ झाड़ीमन बढ़के ओमन ला दबा दीन।

† **12:40** योना 1:17; 1 कुरि 15:4

8 पर कुछू बीजामन बने भुइयां ऊपर गिरिन अऊ जादा फर लानिन; कोनो सौ गुना, कोनो साठ गुना अऊ
कोनो तीस गुना।
9 जेकर कान हवय, ओह सुन ले।"
10 चेलामन यीसू करा आके ओकर ले पुछिन, "तेंह मनखेमन संग पटंतर म काबर गोठियाथस?"
11 ओह जबाब दीस, "स्वरग राज के भेद के गियान तुमन ला देय गे हवय, पर ओमन ला नइं।*
12 काबरकि जेकर करा हवय, ओला अऊ दिये जाही अऊ ओकर करा बहुंत जादा हो जाही। पर जेकर करा
नइं ए, ओकर करा ले ओला घलो ले लिये जाही, जऊन थोर बहुंत ओकर करा हवय।
13 मेंह ओमन ले एकर कारन पटंतर म गोठियाथंव:
"ताकि देखत ले घलो ओमन झन देख सकंय,
अऊ सुनत ले घलो ओमन झन सुन सकंय या समझ सकंय।
14 ओमन के बारे म यसायाह अगमजानी के ये अगमबानी ह पूरा होथे:
" 'तुमन सुनहू जरूर, पर कभू नइं समझहू,
अऊ तुमन देखहू जरूर, पर कभू नइं सुझही।
15 काबरकि ये मनखेमन के हिरदय ह कठोर हो गे हवय;
अऊ येमन अपन कान ला बंद कर ले हवंय,
अऊ येमन अपन आंखी ला मुंद ले हवंय।
नइं तो येमन अपन आंखीमन ले देखतिन,
अपन कानमन ले सुनतिन,
अपन हिरदय ले समझतिन अऊ मोर कोति फिरतिन,
अऊ मेंह येमन ला चंगा कर देतेंव।'
16 पर धइन अंय तुम्हर आंखीमन, काबरकि ओमन देखथें, अऊ धइन अंय तुम्हर कानमन, काबरकि ओमन सुनथें।
17 मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन चीज ला तुमन देखत हव, ओला कतको अगमजानी अऊ धरमी
मनखेमन देखे चाहत रिहिन, पर देख नइं सकिन; अऊ जऊन बात ला तुमन सुनत हवव, ओला ओमन सुने
चाहत रिहिन, पर सुन नइं सकिन।†
18 "अब तुमन किसान के पटंतर के मतलब ला सुनव।
19 जब कोनो मनखे स्वरग राज के बचन ला सुनथे अऊ ओला नइं समझय, त जऊन बचन ओकर हिरदय म
बोय गे रहिथे, ओला दुस्ट सैतान ह आके छीन लेथे। येह ओ बीजा ए, जऊन ह रसता के तीर म बोय गे रिहिस।
20 जऊन बीजा ह पथर्री भुइयां म बोय गे रिहिस, येह ओ मनखे अय, जऊन ह बचन ला सुनके तुरते ओला
आनंद सहित गरहन करथे।
21 पर अपन म जरी नइं धरे रहय के कारन, ओकर बिसवास ह कुछू समय तक ही रहिथे। जब बचन के सेति
समस्या अऊ सतावा आथे, त ओह तुरते बचन के मुताबिक चले बर बंद कर देथे।
22 जऊन बीजा ह कंटिली झाड़ीमन के बीच म बोय गे रिहिस, येह ओ मनखे अय, जऊन ह बचन ला सुनथे,
पर ये जिनगी के चिंता अऊ धन के लोभ ह बचन ला दबा देथे अऊ ओह फर नइं लानय।
23 पर जऊन बीजा ह बने भुइयां म बोय गे रिहिस, येह ओ मनखे अय, जऊन ह बचन ला सुनथे अऊ ओला
समझथे। ओह फर लानथे; कोनो सौ गुना, कोनो साठ गुना अऊ कोनो तीस गुना।"

?????? ????? ?? ?????

24 यीसू ह ओमन ला एक अऊ पटंतर सुनाईस: "स्वरग के राज ह ओ मनखे के सहीं अय, जऊन ह अपन खेत
म बने बीजा ला बोईस।
25 पर जब मनखेमन सुतत रिहिन, त ओ मनखे के बईरी ह आईस अऊ गहूं के बीच म जंगली बीजा ला बोके
चल दीस।
26 जब गहूं ह जामिस अऊ एकर बाली दिखे लगिस, त फेर जंगली पऊधामन घलो दिखे लगिन।
27 "तब ओ खेत के मालिक के सेवकमन ओकर करा आईन अऊ कहिन, 'मालिक, का तेंह अपन खेत म बने
बीजा नइं बोय रहय? तब ओमा ये जंगली पऊधामन कहां ले आ गीन?'

* **13:11** मर 4:11 † **13:17** 1 यूह 1:1, 2

28 “ओह ओमन ला कहिस, ‘येह कोनो बईरी के काम अय।’
“तब सेवकमन ओकर ले पुछिन, ‘का तेंह चाहथस कि हमन जाके ओ जंगली पऊधामन ला उखान दन?’
29 “खेत के मालिक ह कहिस, ‘नइं, काबरकि जंगली पऊधा ला उखानत बखत, हो सकथे कि तुमन ओमन के संग म गहूं ला घलो उखान डारव।
30 लुवई के समय तक दूनों ला संगे-संग बढ़न देवव। लुवई के समय, मेंह लुवइयामन ला कहिहूं; पहिली जंगली पऊधामन ला संकेलव अऊ जलाय बर ओमन के बोझा बांध लेवव। तब गहूं ला जमा करके मोर कोठार म ले आवव।’ ”

[illegible]
([illegible] 4:30-32; [illegible] 13:18-19)

31 यीसू ह ओमन ला एक अऊ पटंतर सुनाईस: “स्वरग के राज ह सरसों के एक बीजा के सहीं अय, जऊन ला लेके एक मनखे ह अपन खेत म बोईस।
32 सरसों के बीजा ह तो जम्मो बीजामन ले छोटे होथे, पर जब येह बाढ़थे, त जम्मो साग-भाजी ले बड़े हो जाथे अऊ अइसने रूख बन जाथे कि अकास के चिरईमन आके एकर डारामन म बसेरा करथें।‡”
33 यीसू ह ओमन ला एक ठन अऊ पटंतर सुनाईस: “स्वरग के राज ह खमीर सहीं अय, जऊन ला एक माईलोगन ह लीस अऊ ओला तीन पसेरी पीसान म मिलाके तब तक गुंथिस जब तक कि ओ जम्मो पीसान ह खमीर नइं हो गीस§।”
34 यीसू ह मनखेमन ला ये जम्मो बात पटंतर म कहिस, अऊ बिगर पटंतर के ओह ओमन ला कुछू नइं कहत रिहिस।
35 अइसने करे के दुवारा ओह अगमजानी के दुवारा कहे गय ये बात ला पूरा करिस:
“मेंह अपन बात पटंतर म करहूं।
मेंह ओ बातमन ला उजागर करहूं, जऊन ह संसार के सिरजे के समय ले गुपत म हवय।”*

[illegible]

36 तब यीसू ह भीड़ ला छोंड़के घर के भीतर गीस। ओकर चेलामन ओकर करा आके कहिन, “खेत म जंगली बीजा के पटंतर के बारे म हमन ला समझा दे।”
37 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन मनखे ह बने बीजा ला बोईस, ओह मनखे के बेटा अय।
38 खेत ह संसार अय, अऊ बने बीजा ह स्वरग राज के संतान अंय। जंगली बीजामन दुस्ट सैतान के संतान अंय,
39 अऊ जऊन बईरी ह येमन ला बोथे, ओह सैतान अय। लुवई ह संसार के अन्त अय, अऊ लुवइयामन स्वरगदूत अंय।
40 “जइसने जंगली पऊधामन ला जमा करके आगी म बार दिये जाथे, वइसने संसार के अन्त समय म होही।
41 मनखे के बेटा ह अपन स्वरगदूतमन ला पठोही, अऊ ओमन ओकर राज के ओ जम्मो झन ला निकालहीं, जऊन मन मनखेमन के पाप के कारन बनथें अऊ जऊन मन कुकरम करथें।
42 स्वरगदूतमन ओमन ला आगी के भट्ठी म झोंक दीहीं, जिहां ओमन रोहीं अऊ अपन दांत पीसहीं।
43 तब धरमी मनखेमन अपन परमेसर ददा के राज म सूरज सहीं चमकहीं। जेकर कान हवय, ओह सुन ले।

[illegible]

44 “स्वरग के राज ह एक खेत म छिपे खजाना के सहीं अय, जऊन ला एक मनखे ह पाईस, अऊ ओह ओला फेर लुका दीस। तब ओह खुसी म गीस अऊ अपन जम्मो कुछू ला बेचके ओ खेत ला बिसा लीस।
45 “फेर, स्वरग के राज ह एक सौदागर के सहीं अय, जऊन ह सुघर मोती के खोज म रहिथे।
46 जब ओला एक ठन मंहगा मोती मिलथे, त ओह जाथे अऊ अपन जम्मो कुछू ला बेचके ओ मोती ला बिसा लेथे।

[illegible]

‡ **13:32** ए किसम के सरसों के पऊधा ह करीब तीन मीटर तक बढ़य। § **13:33** खमीर के उपयोग पीसान ला फूलोय बर करे जावत रिहिस।
* **13:35** भजन 78:2

47 “फेर स्वरग के राज ह एक जाल के सहीं अय, जऊन ला समुंदर म डारे गीस, अऊ ओमा जम्मो किसम के
मछ्ररी फंसिन।
48 जब जाल ह भर गीस त मछुआरमन ओला खींचके तीर म ले आईन। तब ओमन बईठ गीन अऊ बने
मछ्ररीमन ला निमारके टुकना म संकेलिन, अऊ खराप मछ्ररीमन ला फटिक दीन।
49 संसार के अन्त समय म अइसनेच होही। स्वरगदूतमन आहीं, अऊ दुस्ट मनखेमन ला धरमीमन के बीच ले
अलग करहीं,
50 अऊ ओमन ला आगी के भट्ठी म झोंक दीहीं, जिहां ओमन रोहीं अऊ अपन दांत पीसहीं।
51 “का तुमन ये जम्मो गोठ ला समझेव?” यीसू ह अपन चेलामन ले पुछ्छिस।
“हव जी।” ओमन जबाब दीन।
52 यीसू ह ओमन ला कहिस, “एकरसेति, मूसा के कानून के हर ओ गुरू, जऊन ह स्वरग राज के चेला बन चुके
हवय, ओह एक घर के मालिक सहीं अय, जऊन ह अपन भंडार ले नवां के संग-संग जुन्ना चीजमन ला
निकालथे।”

[illegible]
(मरकुस 6:1-6; लूका 4:16-30)

53 यीसू ह ये पटंतरमन ला सुनाय के बाद उहां ले चल दीस।
54 ओह अपन नगर म आईस, अऊ मनखेमन ला ओमन के सभा-घर म सिकछा देवन लगिस। मनखेमन
ओकर उपदेस ला सुनके चकित होईन अऊ कहिन, “ये मनखे ला, ये बुद्धि अऊ ये अचरज के काम करे के सामर्थ
कहां ले मिलिस?
55 का येह बढ़ई के बेटा नो हय? का एकर दाई के नांव मरियम नो हय? का याकूब, यूसुफ, सिमोन अऊ यहूदा
एकर भाई नो हंय?
56 का एकर जम्मो बहिनीमन हमर बीच म नइं रहंय? तब ये मनखे ला ये जम्मो चीज कहां ले मिलिस?”
57 अऊ ओमन ओकर ऊपर नराज होईन।
पर यीसू ह ओमन ला कहिस, “अगमजानी ह अपन नगर अऊ अपन घर के छोंड़ जम्मो जगह म आदरमान
पाथे।”†
58 मनखेमन के अबिसवास के कारन, ओह उहां जादा अचरज के काम नइं करिस।

14

[illegible]
(मरकुस 6:14-29; लूका 9:7-9)

1 ओ समय चौथाई भाग के राजा हेरोदेस ह यीसू के बारे म सुनिस,
2 अऊ ओह अपन सेवकमन ला कहिस, “येह यूहन्ना बतिसमा देवइया अय। ओह मरे म ले जी उठे हवय।
एकर कारन ओकर दुवारा चमतकार के काममन होवत हवंय।”
3 हेरोदेस ह अपन भाई फिलिप्पुस के घरवाली हेरोदियास के कारन यूहन्ना ला पकड़वाके बंदी बनवाय रिहिस
अऊ ओला जेल म डलवा दे रिहिस।
4 काबरकि यूहन्ना ह हेरोदेस ला कहे रिहिस, “अपन भाई के घरवाली ला रखई तोर बर कानून के मुताबिक
उचित नो हय।”
5 हेरोदेस ह यूहन्ना ला मार डारे चाहत रिहिस, पर ओह मनखेमन ले डरावत रिहिस काबरकि मनखेमन यूहन्ना
ला एक अगमजानी मानत रिहिन।
6 हेरोदेस के जनम दिन म हेरोदियास के बेटी ह नेवताहारीमन के आघू म नाचिस अऊ हेरोदेस ला खुस कर
दीस।
7 तब हेरोदेस ह किरिया खाके ओला ये बचन दीस, “जऊन कुछू तेंह मांगबे, मेंह तोला दूहूं।”
8 ओह अपन दाई के सिखोय म आके कहिस, “यूहन्ना बतिसमा देवइया के मुड़ ला एक ठन थाली म इहां मोर
करा मंगवा दे।”

† **13:57** लूका 4:28-29

9 राजा ह दुखी होईस, पर अपन किरिया अऊ जेवनार म आय पहुनामन के सेति ओह हुकूम दीस, “येला
यूहन्ना के मुड़ दे दिये जावय।”
10 ओह सिपाहीमन ला पठोके, जेल म यूहन्ना के मुड़ ला कटवा दीस।
11 ओकर मुड़ ला एक ठन थाली म लाय गीस अऊ ओ छोकरी ला दे दिये गीस, अऊ ओह मुड़ ला अपन दाई
करा ले गीस।
12 यूहन्ना के चेलामन आईन अऊ ओकर लास ला ले जाके, ओला माटी दे दीन। तब ओमन जाके यीसू ला ये
खबर दीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 6:30-44; [illegible] 9:10-17; [illegible] 6:1-14)

13 जब यीसू ह ये खबर ला सुनिस, त एक ठन डोंगा म चघके, ओह एके झन उहां ले एक सुनसान जगह म चल
दीस। जब मनखेमन ला ये बात के पता चलिस, त ओमन सहरमन ले निकलके पैदलेच ओकर खोज म गीन।
14 जब यीसू ह डोंगा ले उतरिस अऊ मनखेमन के एक बड़े भीड़ ला देखिस, त ओला ओमन के ऊपर तरस
आईस अऊ ओह ओमन के बिमरहामन ला बने करिस।
15 जब सांझ होय लगिस, तब चेलामन ओकर करा आईन अऊ कहिन, “येह एक सुनसान जगह ए, अऊ बेरा
ह ढरक गे हवय। भीड़ के मनखेमन ला भेज, ताकि ओमन गांवमन म जाके अपन बर कुछू जेवन बिसो सकंय।”
16 यीसू ह कहिस, “येमन ला कहीं जाय के जरूरत नइं ए। तुमन येमन ला कुछू खाय बर देवव।”
17 ओमन यीसू ला कहिन, “इहां हमर करा सिरिप पांच ठन रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय।”
18 यीसू ह कहिस, “ओमन ला इहां मोर करा लानव।”
19 तब यीसू ह मनखेमन ला कांदी म बईठे के हुकूम दीस। ओह पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी ला लीस अऊ
स्वरग कोति देखके, ओह परमेसर ला धनबाद दीस, अऊ रोटीमन ला टोर-टोरके अपन चेलामन ला दीस अऊ
चेलामन मनखेमन ला दीन।
20 ओ जम्मो झन खाईन अऊ खाके अघा गीन। चेलामन बांचे-खुचे टुकड़ा के बारह टुकना भर के उठाईन।
21 जऊन मन भोजन करिन, ओमा माईलोगन अऊ लइकामन ला छोंड़के, करीब पांच हजार आदमीमन
रिहिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 6:45-52; [illegible] 6:15-21)

22 एकर बाद, यीसू ह तुरते चेलामन ला डोंगा म चघाईस कि ओमन ओकर ले आघू झील के ओ पार जावंय,
तब तक ओह मनखेमन ला बिदा करिस।
23 मनखेमन ला बिदा करे पाछू, यीसू ह एके झन पराथना करे बर पहाड़ ऊपर गीस। जब सांझ होईस, त ओह
उहां एके झन रिहिस।
24 ओ समय डोंगा ह भुइयां ले बहुंत दूरिहा म रिहिस, अऊ पानी के लहरा म डगमगावत रिहिस, काबरकि
हवा ह ओकर उल्टा बोहावत रहय।
25 झूलझूलहा यीसू ह समुंदर ऊपर रेंगत चेलामन करा आईस।
26 जब चेलामन यीसू ला समुंदर ऊपर रेंगत देखिन, त ओमन डरा गीन अऊ कहिन, “येह भूत अय।” अऊ
ओमन डर के मारे चिचियाय लगिन।
27 तब यीसू ह तुरते ओमन ला कहिस, “हिम्मत रखव। येह में अंव। झन डरव।”*
28 पतरस ह कहिस, “हे परभू, यदि तें अस, त मोला पानी ऊपर तोर करा आय के हुकूम दे।”
29 यीसू ह कहिस, “आ।”
तब पतरस ह डोंगा ले उतरिस अऊ पानी ऊपर रेंगत यीसू कोति आय लगिस।
30 पर जब ओह हवा ला बहत देखिस, त ओह डरा गीस अऊ पानी म बुड़न लगिस, त चिचियाके कहिस, “हे
परभू! मोला बचा।”
31 यीसू ह तुरते अपन हांथ बढ़ाके ओला थाम लीस अऊ कहिस, “हे अल्प बिसवासी, तेंह संका काबर करय?”
32 जब ओ दूनों डोंगा म चघ गीन, त हवा ह सांत हो गीस।

---

* **14:27** निर 3:14

33 तब जऊन मन डोंगा म रिहिन, ओमन यीसू ला दंडवत करिन अऊ कहिन, “सही म तेंह परमेसर के बेटा अस।”
34 ओमन झील के ओ पार गन्नेसरत सहर म हबरिन।
35 उहां के मनखेमन यीसू ला चिन डारिन अऊ ओमन आसपास के जम्मो गांव म खबर भिजवा दीन।
मनखेमन जम्मो बिमरहामन ला यीसू करा लानिन,
36 अऊ ओकर ले बिनती करिन, “ये बिमरहामन ला तोर ओनहा के छोर ला सिरिप छुवन दे।” अऊ जतेक
झन ओला छुईन, ओ जम्मो झन चंगा हो गीन।

15

[illegible]
(मत्ती 7:1-13)

1 तब यरूसलेम सहर ले कुछू फरीसी अऊ कानून के गुरूमन यीसू करा आईन,
2 अऊ ओकर ले पुछिन, “तोर चेलामन काबर पुरखामन के रीति-रिवाज ला नइं मानंय? खाना खाय के
पहिली, ओमन अपन हांथ ला नइं धोवंय।”
3 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “अऊ तुमन अपन रीति-रिवाज के हित म परमेसर के हुकूम ला काबर नइं
मानव?
4 काबरकि परमेसर ह हुकूम दे हवय, ‘अपन दाई अऊ ददा के आदरमान करव,* अऊ जऊन ह अपन दाई या
ददा के बुरई करथे, ओह मार डारे जावय।’†
5 पर तुमन कहिथव कि यदि कोनो अपन दाई या ददा ले कहय कि जऊन मदद तुमन ला मोर कोति ले हो
सकत रिहिस, मेंह ओला परमेसर ला भेंट के रूप म चघा दे हवंव।
6 तब ओला अपन ददा या दाई के आदरमान करे के जरूरत नइं अय। ये किसम ले तुमन अपन रीति-रिवाज के
हित म परमेसर के बचन ला टार देथव।
7 हे ढोंगी मनखेमन! यसायाह अगमजानी ह तुम्हर बारे म ये कहिके बिलकुल सही अगमबानी करे हवय:
8 “ये मनखेमन अपन ओंठ ले मोर आदर करथें,
पर ओमन के हिरदय ह मोर ले दूरिहा हवय,
9 येमन बेकार म मोर अराधना करथें;
काबरकि येमन मनखे के बनाय नियममन ला सिखाथें।”
10 यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला अपन करा बलाईस अऊ कहिस, “तुमन सुनव अऊ समझव।
11 जऊन चीज ह मुहूं म जाथे, ओह मनखे ला असुध नइं करय, पर जऊन ह मुहूं ले बाहिर निकलथे, ओह
मनखे ला असुध करथे।”
12 तब चेलामन यीसू करा आके पुछिन, “का तेंह जानथस कि तोर ये बात ले फरीसीमन ला ठेस लगे हवय?”
13 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन पऊधा ला, स्वरग म रहइया मोर ददा ह नइं लगाय हवय, ओला जरी ले
उखान दिये जाही।
14 ओमन ला रहन दव। ओमन अंधरा अगुवा अंय। यदि एक अंधरा ह दूसर अंधरा ला रसता देखाही, त
ओमन दूनों खंचवा म गिरहीं।”
15 येला सुनके पतरस ह ओला कहिस, “ये पटंतर ला हमन ला समझा दे।”
16 यीसू ह कहिस, “का तुमन अभी तक ले नासमझ हवव?
17 का तुमन नइं जानव कि जऊन चीज ह मुहूं म जाथे, ओह पेट म ले होके संडास ले बाहिर निकल जाथे?
18 पर जऊन चीज ह मुहूं ले निकलथे, ओह हिरदय ले आथे अऊ ओह मनखे ला असुध करथे।
19 काबरकि खराप बिचार, हतिया, बेभिचार, छिनारीपन, चोरी, लबारी गवाही अऊ निन्दा—ये जम्मो बात
हिरदय ले निकलथे,
20 अऊ ये बातमन मनखे ला असुध करथें, पर बिगर हांथ धोय भोजन करई, मनखे ला असुध नइं करय।”

[illegible]
(मत्ती 7:24-30)

---

* **15:4** निर 20:12;ब्यव 5:16 † **15:4** निर 21:17;लैव्य 20:9

21 ओ जगह ला छोंड़के, यीसू ह सूर अऊ सीदोन के सीमना म चले गीस।
22 ओ इलाका के एक कनानी माईलोगन ह ओकर करा आईस अऊ चिचियाके कहिस, "हे परभू, दाऊद के
संतान, मोर ऊपर दया कर! मोर बेटी ला भूत धरे हवय अऊ ओला भयंकर सतावत हवय।"
23 पर यीसू ह ओला कुछू जबाब नइं दीस। तब ओकर चेलामन आईन अऊ ओकर ले बिनती करिन, "ओ
माईलोगन ला बिदा कर, काबरकि ओह चिचियावत हमर पाछू-पाछू आवत हवय।"
24 यीसू ह कहिस, "मेंह सिरिप इसरायल के गंवाय भेड़मन करा पठोय गे हवंव।"
25 तब ओ माईलोगन ह आईस अऊ यीसू के आघू म माड़ी टेकके कहिस, "हे परभू, मोर मदद कर।"
26 यीसू ह जबाब दीस, "लइकामन के रोटी ला लेके कुकुरमन ला देवई ठीक नो हय।"
27 ओह कहिस, "हव परभू, पर कुकुरमन घलो ओमन के मालिक के मेज ले गिरे जूठा-काठा ला खा लेथें।"
28 तब यीसू ह ओला कहिस, "हे माईलोगन, तोर बिसवास ह बहुंत बड़े अय। जइसने तेंह चाहथस, वइसनेच
तोर बर होवय।" अऊ ओकर बेटी ह ओहीच बखत चंगा हो गीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 8:1-10)

29 यीसू ह ओ जगह ला छोंड़ दीस अऊ गलील के झील के तीरे-तीर गीस। तब ओह पहाड़ी ऊपर चघिस अऊ
उहां बईठ गीस।
30 भीड़ के भीड़ मनखेमन ओकर करा आईन अऊ ओमन खोरवा, अंधरा, लूलवा, कोंदा अऊ बहुंते आने
बिमरहामन ला लानके यीसू के गोड़ करा रख दीन, अऊ यीसू ह ओमन ला चंगा करिस।
31 मनखेमन अब्बड़ अचरज करिन, जब ओमन ये देखिन कि कोंदा ह गोठियावत हवय, लूलवा ह ठीक हो गे
हवय, खोरवा ह रेंगत हवय अऊ अंधरा ह देखत हवय। अऊ ओमन इसरायल के परमेसर के महिमा करिन।
32 यीसू ह अपन चेलामन ला अपन करा बलाके कहिस, "मोला ये मनखेमन ऊपर तरस आथे। येमन तीन दिन
ले मोर संग म हवंय, अऊ येमन करा खाय बर कुछू नइं ए। मेंह येमन ला भूखन पेट बिदा करे नइं चाहथंव, नइं
तो येमन डहार म ही थकके गिर सकथें।"
33 ओकर चेलामन कहिन, "अतेक बड़े भीड़ ला खवाय बर, ये सुनसान जगह म हमन कहां ले अतेक रोटी
पाबो?"
34 यीसू ह पुछिस, "तुम्हर करा के ठन रोटी हवय?"
ओमन कहिन, "सात ठन, अऊ कुछू छोटे-छोटे मछरी घलो।"
35 यीसू ह मनखेमन ला भुइयां म बईठे बर कहिस।
36 तब ओह ओ सात ठन रोटी अऊ मछरीमन ला लीस, अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओमन ला टोरिस अऊ
अपन चेलामन ला देवत गीस अऊ चेलामन ओला मनखेमन ला बांट दीन।
37 ओ जम्मो झन खाईन अऊ खाके अघा गीन। ओकर बाद चेलामन बांचे-खुचे टुकड़ा के सात ठन टुकना
भरके उठाईन।
38 जऊन मन उहां खाना खाईन, ओमा माईलोगन अऊ लइकामन ला छोंड़के, चार हजार आदमीमन रिहिन।
39 तब यीसू ह भीड़ ला बिदा करिस अऊ डोंगा म चघके ओह मगदन छेत्र म चल दीस।

16

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 8:11-13; [illegible] 12:54-56)

1 फरीसी अऊ सदूकीमन यीसू करा आईन अऊ ओला परखे खातिर ओकर ले पुछिन, "हमन ला स्वरग ले
कोनो चिनहां देखा।"
2 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, "जब संझा होथे, त तुमन कहिथव कि मौसम ह साफ रहिही, काबरकि
अकास म लाली हवय,
3 अऊ बड़े बिहनियां के बखत तुमन कहिथव कि आज आंधी चलही, काबरकि अकास म लाली हवय अऊ
बादर छाय हवय। तुमन ह अकास के चिनहां ला देखके, मौसम के बारे म बता देथव, पर तुमन समय के चिनहां के
बारे नइं बता सकव।

4 ये दुस्ट अऊ बेभिचारी पीढ़ी के मनखेमन अचरज के चिनहां खोजथें, पर योना अगमजानी के चिनहां के
छोंड़, येमन ला अऊ कुछू चिनहां नइं दिये जावय।" तब यीसू ह ओमन ला छोंड़के चल दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 8:14-21)

5 जब ओमन झील के ओ पार गीन, त चेलामन अपन संग रोटी लाने बर भुला गे रिहिन।
6 यीसू ह ओमन ला कहिस, "फरीसी अऊ सदूकीमन के खमीर ले सचेत रहव।"
7 ओमन आपस म एकर बारे म बिचार करिन अऊ कहिन, "हमन रोटी नइं लाने हवन, एकरसेति ओह अइसने
कहत हवय।"
8 ओमन के सोच-बिचार ला जानके, यीसू ह ओमन ला कहिस, "हे अल्प बिसवासीमन हो! तुमन काबर अपन
बीच म अइसने गोठियावत हव कि तुम्हर करा रोटी नइं ए?
9 का तुमन अभी तक ले नइं समझत हवव? पांच हजार मनखेमन बर पांच ठन रोटी के बात, का तुमन सुरता
नइं करत हव, अऊ कतेक ठन टुकना भरके तुमन संकेले रहेव?
10 या फेर ओ चार हजार मनखेमन बर सात ठन रोटी के बात, का तुमन ला सुरता नइं ए, अऊ कतेक ठन
टुकना भरके तुमन संकेले रहेव?
11 तुमन ये काबर नइं समझव कि मेंह तुमन ला रोटी के बारे म नइं कहत रहेंव? पर तुमन ला फरीसी अऊ
सदूकीमन के खमीर ले सचेत रहे बर कहत रहेंव।"
12 तब ओमन समझिन कि यीसू ह ओमन ला रोटी के खमीर के बारे म नइं गोठियावत रिहिस, पर ओह ओमन
ला फरीसी अऊ सदूकीमन के सिकछा ले सचेत रहे बर कहत रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 8:27-30; [illegible] 9:18-21)

13 जब यीसू ह कैसरिया-फिलिप्पी के इलाका म आईस, त ओह अपन चेलामन ले पुछिस, "मनखेमन मनखे के
बेटा ला कोन ए, कहिथें?"
14 ओमन कहिन, "कुछू मनखेमन कहिथें कि ओह यूहन्ना बतिसमा देवइया अय; कुछू मन एलियाह अय,
कहिथें; अऊ कुछू मनखेमन कहिथें कि ओह यरमियाह या अगमजानीमन ले एक झन अय।"
15 यीसू ह ओमन ले पुछिस, "पर तुमन मोला कोन ए, कहत हव?"
16 सिमोन पतरस ह जबाब दीस, "तेंह जीयत परमेसर के बेटा—मसीह अस।"
17 यीसू ह ओला कहिस, "सिमोन, योना के बेटा! धइन अस तेंह, काबरकि ये बात तोला कोनो मनखे ह नइं
बताय हवय, पर मोर ददा जऊन ह स्वरग म हवय, ये बात तोर ऊपर उजागर करे हवय।
18 अऊ मेंह तोला कहत हंव कि तेंह पतरस* अस, अऊ ये चट्टान ऊपर मेंह अपन कलीसिया बनाहूं, अऊ
पाताल-लोक† के कपाटमन एकर ऊपर जय नइं पा सकंय।
19 मेंह तोला स्वरग राज के कुचीमन ला दूहूं। जऊन कुछू तेंह धरती ऊपर बांधबे, ओह स्वरग म बंधाही, अऊ
जऊन कुछू तेंह धरती ऊपर खोलबे, ओह स्वरग म खुलही।"
20 तब यीसू ह अपन चेलामन ला ये चेतउनी दीस, "तुमन कोनो ला, ये झन बतावव कि मेंह मसीह अंव।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 8:31-33; [illegible] 9:22)

21 ओ समय ले यीसू ह अपन चेलामन ला ये बताय लगिस, "येह जरूरी अय कि मेंह यरूसलेम जावंव अऊ
यहूदीमन के अगुवा, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन के हांथ ले बहुंते दुख भोगंव; अऊ मार डारे जावंव;
अऊ तीसरा दिन जी उठंव।"
22 पतरस ह यीसू ला अलग ले गीस अऊ ओला ये कहिके डांटे लगिस, "परमेसर ह अइसने झन करय, परभू!
तोर संग ये बात कभू झन होवय।"
23 यीसू ह पतरस कोति मुड़के कहिस, "मोर नजर ले दूर हट, सैतान! तेंह मोर रसता म एक बाधा अस। तोर
मन म परमेसर के बात नइं, पर मनखेमन के बात हवय।"

---

* **16:18** [illegible] के मतलब [illegible] † **16:18** या [illegible]-[illegible]

24 तब यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, “जऊन कोनो मोर चेला बने चाहत हे, त येह जरूरी ए कि ओह
अपन ईछा ला मारय, अऊ दुख उठाय बर तियार रहय अऊ तब मोर पाछू हो लेवय।
25 काबरकि जऊन ह अपन परान ला बचाय चाहथे, ओह ओला गंवाही; पर जऊन ह मोर खातिर अपन परान
ला गंवाथे, ओह ओला बचाही।
26 यदि मनखे ह जम्मो संसार ला पा जावय, पर अपन परान ला गंवा दे, त ओला का फायदा? या कोनो मनखे
अपन परान के बदले का दे सकथे?
27 काबरकि मनखे के बेटा ह अपन स्वरगदूतमन के संग अपन ददा के महिमा म अवइया हवय, अऊ तब ओह
हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबिक ईनाम दीही।
28 “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि कुछू झन, जऊन मन इहां ठाढ़े हवंय, तब तक नइं मरंय, जब तक कि
ओमन मनखे के बेटा ला ओकर राज म आवत नइं देख लीहीं।”

17

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 9:2-13; [illegible] 9:28-36)

1 छै दिन के बाद यीसू ह पतरस, याकूब अऊ याकूब के भाई यूहन्ना ला अपन संग लीस अऊ ओमन ला
अकेला एक ऊंचहा पहाड़ म ले गीस।
2 उहां ओमन के आघू म यीसू के रूप ह बदल गीस। ओकर चेहरा ह सूरज सहीं चमकत रहय अऊ ओकर
कपड़ा ह अंजोर सहीं पंर्रा हो गीस।
3 तब उहां चेलामन के आघू म मूसा अऊ एलियाह परगट होईन अऊ ओमन यीसू के संग गोठियावत रिहिन।
4 पतरस ह यीसू ला कहिस, “हे परभू, हमन के इहां रहई बने अय। यदि तोर ईछा हवय, त मेंह इहां तीन ठन
मंडप बनावत हंव—एक ठन तोर बर, एक मूसा बर अऊ एक एलियाह बर।”
5 जब ओह गोठियावत रिहिस, त एक चमकीला बादर ह ओमन के ऊपर छा गीस, अऊ ओ बादर ले ये
अवाज आईस, “येह मोर मयारू बेटा ए। एकर ले मेंह बहुंत खुस हवंव। एकर बात ला सुनव।”
6 येला सुनके चेलामन मुहूं के भार भुइयां म गिरिन अऊ ओमन बहुंत डरा गीन।
7 पर यीसू ह आईस अऊ ओमन ला छूके कहिस, “उठव, झन डरव।”
8 जब ओमन ऊपर देखिन, त ओमन ला यीसू के छोंड़ अऊ कोनो नइं दिखिस।
9 जब ओमन पहाड़ ले उतरत रिहिन, त यीसू ह ओमन ला हुकूम दीस, “जब तक मनखे के बेटा ह मरे म ले नइं
जी उठय, तब तक तुमन जऊन कुछू देखे हवव, ओ बात कोनो ला झन बतावव।”
10 तब चेलामन ओकर ले पुछिन, “त फेर कानून के गुरूमन काबर कहिथें कि पहिली एलियाह के अवई जरूरी
अय।”
11 यीसू ह जबाब दीस, “ये बात सही अय कि एलियाह ह आवत हवय अऊ ओह जम्मो चीज ला ठीक करही।
12 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि एलियाह ह आ चुके हवय अऊ मनखेमन ओला नइं चिन्हिन। पर ओमन
जइसने चाहिन, वइसने ओकर संग बरताव करिन। इही किसम ले मनखे के बेटा घलो ओमन के हांथ ले दुख
उठाही।”
13 तब चेलामन समझिन कि यीसू ह ओमन ले यूहन्ना बतिसमा देवइया के बारे म कहत रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 9:14-29; [illegible] 9:37-43)

14 जब ओमन भीड़ करा आईन, त एक मनखे ह यीसू करा आईस अऊ ओकर आघू म माड़ी टेकके कहिस,
15 “हे परभू! मोर बेटा ऊपर दया कर। ओला मिरगी आथे अऊ ओकर कारन बहुंत दुख झेलथे। ओह अकसर
आगी या पानी म गिर जाथे।
16 मेंह ओला तोर चेलामन करा लानेंव, पर ओमन ओला ठीक नइं कर सकिन।”
17 यीसू ह कहिस, “हे अबिसवासी अऊ ढीठ पीढ़ी के मनखेमन! कब तक मेंह तुम्हर संग रहिहूं? कब तक मेंह
तुम्हर सहत रहिहूं? ओ छोकरा ला इहां मोर करा लानव।”

18 यीसू ह परेत आतमा ला दबकारिस अऊ ओह ओमा ले निकल गीस, अऊ ओ छोकरा ह ओहीच बखत ठीक
हो गीस।
19 तब चेलामन यीसू करा अकेला म आईन अऊ पुछिन, "हमन ओला काबर नइं निकाल सकेंन?"
20 यीसू ह ओमन ला कहिस, "काबरकि तुम्हर बहुंत कम बिसवास हवय। मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि यदि
तुम्हर बिसवास ह सरसों के दाना के बरोबर घलो हवय, अऊ तुमन ये पहाड़ ले कहव, 'इहां ले घुंचके उहां चले
जा,' त ओह घुंच जाही। तुम्हर बर कोनो घलो बात असंभव नइं होही।
21 पर ये किसम के परेत आतमा ह सिरिप पराथना अऊ उपास के दुवारा निकलथे।*"

[illegible]

22 जब चेलामन गलील प्रदेस म जूरिन, त यीसू ह ओमन ला कहिस, "मनखे के बेटा ह मनखेमन के हांथ म
पकड़वाय जाही।
23 ओमन ओला मार डारहीं, पर तीसरा दिन ओह जी उठही।" येला सुनके चेलामन बहुंत उदास होईन।

[illegible]

24 जब यीसू अऊ ओकर चेलामन कफरनहूम म आईन, त मंदिर के लगान लेवइयामन पतरस करा आईन
अऊ पुछिन, "का तुम्हर गुरू ह मंदिर के लगान नइं पटावय?"
25 ओह कहिस, "हव, ओह पटाथे।"
जब पतरस ह घर के भीतर आईस, त ओकर पुछे के पहिली यीसू ह कहिस, "हे सिमोन, तेंह का सोचथस? ये
धरती के राजामन काकर ले लगान लेथें? अपन खुद के बेटामन ले या आने मन ले?"
26 पतरस ह कहिस, "आने मन ले।"
यीसू ह ओला कहिस, "तब तो बेटामन ला लगान पटाय बर नइं पड़य।
27 पर हमन ओमन ला ठेस पहुंचाय नइं चाहथन, एकरसेति तेंह झील म जा अऊ अपन गरी ला खेल। जऊन
मछरी पहिली फंसही, ओला पकड़बे अऊ ओकर मुहूं ला खोलबे, त तोला उहां एक ठन सिक्का मिलही। ओला
लेके मोर अऊ तुम्हर तरफ ले ओमन ला लगान पटा देबे।"

18

[illegible]
([illegible] 9:33-37; [illegible] 9:46-48)

1 ओ समय चेलामन यीसू करा आईन अऊ पुछिन, "स्वरग के राज म सबले बड़े कोन ए?"
2 यीसू ह एक छोटे लइका ला बलाईस अऊ ओला ओमन के बीच म ठाढ़ करके कहिस,
3 "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जब तक तुमन नइं बदलव अऊ छोटे लइकामन सहीं नइं बनव, तब तक
तुमन स्वरग के राज म जाय नइं सकव।
4 एकरसेति जऊन ह अपनआप ला ये लइका के सहीं नम्र करथे, ओह स्वरग के राज म सबले बड़े अय।
5 अऊ जऊन ह मोर नांव म अइसने छोटे लइका ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे।
6 "पर कोनो मनखे मोर ऊपर बिसवास करइया ये छोटे मन ले कोनो के पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओकर
बर बने होतिस कि ओकर घेंच म एक ठन बड़े जांता के पथरा ला बांधे जातिस अऊ ओला गहिरा समुंदर म बुड़ो
दिये जातिस।
7 संसार ला ओ चीजमन बर धिक्कार अय, जऊन मन मनखेमन के पाप म पड़े के कारन बनथें। अइसने
चीजमन के अवई जरूरी अय। पर धिक्कार अय ओ मनखे ला, जेकर दुवारा ओमन आथें।
8 यदि तुम्हर हांथ या तुम्हर गोड़ ह तुम्हर पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओला काटके फटिक दव। तुम्हर बर
येह बने अय कि तुमन लूलवा या खोरवा होके जिनगी म प्रवेस करव, एकर बनिस्पत कि दूनों हांथ या दूनों गोड़
के रहत, तुमन ला सदाकाल के आगी म डार दिये जावय।
9 अऊ यदि तुम्हर आंखी ह तुम्हर पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओला निकालके फटिक दव। तुम्हर बर येह
बने अय कि तुमन एक आंखी ले कनवां होके जिनगी म प्रवेस करव, एकर बनिस्पत कि दूनों आंखी के रहत तुमन
ला नरक के आगी म डार दिये जावय।"

---

* **17:21** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

[illegible]
([illegible] 15:3-7)

10 "देखव! तुमन ये छोटे मन ले कोनो ला घलो तुछ झन समझव। काबरकि मेंह तुमन ला कहत हंव कि येमन
के दूतमन स्वरग म मोर ददा के आघू म हमेसा रहिथें।
11 काबरकि मनखे के बेटा ह गंवायमन ला बंचाय बर आईस।*
12 "तुमन का सोचथव? यदि कोनो मनखे करा सौ ठन भेड़ हवंय, अऊ ओमा के एक ठन भेड़ ह भटक जाथे, त
का ओह निनानबे भेड़मन ला पहाड़ी ऊपर छोंड़के ओ एक ठन भटके भेड़ ला खोजे बर नइं जावय?
13 अऊ यदि ओ भेड़ ह ओला मिल जावय, त मेंह तुमन ला सच कहत हंव, ओह ओ भेड़ खातिर जादा आनंद
मनाही, एकर बनिस्पत कि ओ निनानबे भेड़ जऊन मन भटके नइं रिहिन।
14 अइसनेच स्वरग म तुम्हर ददा ह नइं चाहत हवय कि ये छोटे मन ले एको झन घलो नास होवंय।"

[illegible]

15 "यदि तोर भाई ह तोर बिरोध म पाप करथे, त जा अऊ ओकर गलती ला बता, अऊ ये बात ह सिरिप तुमन
दूनों के बीच म होवय। यदि ओह तोर बात ला मान लेथे, त तेंह अपन भाई ला वापिस पा लेय।
16 यदि ओह तोर बात ला नइं मानय, त अपन संग म एक या दू झन मनखे ला ले, ताकि दू या तीन झन के
गवाही ले हर एक बात के पुस्टि करे जावय।†
17 यदि ओह ओमन के बात ला घलो नइं सुनय, त ये बात कलीसिया ला बता दे, अऊ यदि ओह कलीसिया के
बात ला घलो नइं सुनय, त तेंह ओला एक आनजात या एक लगान लेवइया के सहीं समझ।
18 "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन कुछू तुमन धरती ऊपर बांधहू, ओह स्वरग म बंधाही, अऊ जऊन
कुछू तुमन धरती ऊपर खोलहू, ओह स्वरग म खोले जाही।
19 "मेंह तुम्हर ले फेर सच-सच कहत हंव, यदि तुमन म ले दू झन मनखे एक मन होके धरती ऊपर कोनो बात
बर पराथना करहू, त मोर ददा जऊन ह स्वरग म हवय, ओ काम ला तुम्हर बर कर दीही।
20 काबरकि जिहां दू या तीन मनखे मोर नांव म जूरथें, उहां मेंह ओमन के बीच म रहिथंव।"‡

[illegible]

21 तब पतरस ह यीसू करा आईस अऊ पुछिस, "हे परभू, यदि मोर भाई ह मोर बिरोध म पाप करथे, त मेंह
कतेक बार ओला छेमा करंव? का सात बार?"
22 यीसू ह ओला कहिस, "मेंह तोला नइं कहत हंव कि सात बार, पर सात बार के सत्तर गुना तक।
23 "एकरसेति, स्वरग के राज ह ओ राजा के सहीं अय, जऊन ह अपन सेवकमन ले हिसाब लेय बर चाहिस।
24 जब ओह हिसाब लेवन लगिस, त ओकर आघू म एक झन मनखे ला लाने गीस, जऊन ह ओकर दस हजार§
सोन ले भरे झोलामन के करजा लागत रिहिस।
25 काबरकि ओह करजा चुकाय नइं सकत रिहिस, एकरसेति मालिक ह हुकूम दीस कि ओला अऊ ओकर
घरवाली ला अऊ ओकर लइकामन ला अऊ जऊन कुछू ओकर करा हवय, ओ जम्मो ला बेच दिये जावय अऊ
करजा के चुकता करे जावय।
26 "येला सुनके ओ सेवक ह मालिक के आघू म अपन माड़ी के भार गिरिस अऊ बिनती करिस, 'हे परभू, मोर
ऊपर धीरज धर। मेंह तोर जम्मो करजा ला चुकता कर दूहूं।'
27 तब ओ सेवक के मालिक ला ओकर ऊपर तरस आईस। ओह ओकर करजा ला माफ कर दीस अऊ ओला
छोंड़ दीस।
28 "पर जब ओ सेवक ह बाहिर निकलिस, त ओला ओकर एक संगी सेवक मिलिस, जेकर ऊपर ओकर एक सौ
चांदी के सिक्का के करजा रिहिस। ओह ओला पकड़िस अऊ ओकर टोंटा ला दबाके कहिस, 'तोर ऊपर मोर
जऊन करजा हवय, ओला चुकता कर।'
29 "ओकर संगी सेवक ह अपन माड़ी के भार गिरके ओकर ले बिनती करिस, 'मोला कुछू समय दे। मेंह तोर
करजा ला चुकता कर दूहूं।'

---

* **18:11** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय। † **18:16** ब्यव 19:15 ‡ **18:20** मत्ती 16:19 § **18:24** *[illegible]*; एक टेलेन्ट ह लगभग बीस साल के कमई के बरोबर होथे

30 “पर ओह नइं मानिस अऊ जाके ओ मनखे ला तब तक जेल म डलवा दीस, जब तक कि ओह करजा के
चुकता नइं कर दीस।
31 जब आने सेवकमन ये जम्मो ला देखिन, त ओमन अब्बड़ उदास होईन, अऊ अपन मालिक करा जाके,
ओमन जम्मो बात ला बता दीन।
32 “तब ओकर मालिक ह ओ सेवक ला बलाईस अऊ कहिस, ‘हे दुस्ट सेवक! मेंह तोर जम्मो करजा ला माफ
करेंव, काबरकि तेंह मोर ले बिनती करय।
33 जइसने मेंह तोर ऊपर दया करे रहेंव, वइसने का तोला अपन संगी सेवक ऊपर दया नइं करना चाही?’
34 गुस्सा होके ओकर मालिक ह ओला सजा देवइयामन के हांथ म सऊंप दीस कि ओह तब तक ओमन के
हांथ म रहय, जब तक कि ओह जम्मो करजा ला नइं पटा देवय।
35 “यदि तुमन अपन भाई ला अपन हिरदय ले छेमा नइं करहूं, त स्वरग म रहइया मोर ददा ह घलो तुमन म
के हर एक के संग अइसनेच करही।”

19

[illegible]
([illegible] 10:1-12)

1 ये बातमन ला कहे के बाद, यीसू ह गलील प्रदेस ले चल दीस, अऊ यरदन नदी के ओ पार यहूदिया प्रदेस के
इलाका म आईस।
2 मनखेमन के एक बड़े भीड़ ह ओकर पाछू हो लीस, अऊ यीसू ह उहां बिमरहामन ला चंगा करिस।
3 कुछू फरीसीमन यीसू ला परखे बर ओकर करा आईन अऊ ओमन यीसू ले पुछिन, “कहूं कोनो आदमी कोनो
भी कारन ले अपन घरवाली ला तियाग देथे,* त का येह कानून के मुताबिक सही अय?”
4 यीसू ह जबाब दीस, “का तुमन परमेसर के बचन म नइं पढ़े हवव कि संसार के रचइया ह ओमन ला सुरूआत
ले नर अऊ नारी करके बनाईस,†
5 अऊ कहिस, ‘एकरे कारन मरद ह अपन दाई-ददा ले अलग होके अपन घरवाली संग मिले रहिही। अऊ ओ
दूनों एक तन होहीं।’
6 ओमन अब दू नइं, पर एक अंय। एकरसेति, जऊन ला परमेसर ह जोड़े हवय, ओला कोनो मनखे अलग झन
करय।”
7 ओमन यीसू ला कहिन, “त फेर मूसा ह ये हुकूम काबर देय हवय कि मनखे ह अपन घरवाली ला तियाग
पतर देके ओला छोंड़ दे।”
8 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “तुम्हर हिरदय के कठोरता के कारन, मूसा ह तुमन ला अपन घरवाली ला
तियागे के अनुमति दीस। पर सुरू ले अइसने नइं रिहिस।
9 मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन मनखे ह बेभिचार के छोंड़ कोनो आने कारन ले अपन घरवाली ला छोंड़
देथे, अऊ आने माईलोगन ले बिहाव करथे, त ओह छिनारी करथे।”
10 चेलामन यीसू ला कहिन, “यदि मनखे के संबंध ह अपन घरवाली के संग अइसने अय, तब बिहाव नइं करई
ठीक अय।”
11 यीसू ह ओमन ला कहिस, “जम्मो मनखे ये सिकछा ला माने नइं सकंय, पर सिरिप ओहीचमन मान सकथें,
जऊन मन ला ये बरदान दिये गे हवय।
12 काबरकि कुछू हिजड़ामन हवंय, जऊन मन अपन दाई के पेट ले अइसने जनमे हवंय। कुछू झन ला
मनखेमन हिजड़ा बना देय हवंय, पर कुछू मनखेमन स्वरग राज के खातिर बिहाव नइं करे हवंय। जऊन ह ये बात
ला मान सकथे, ओला मानना चाही।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 10:13-16; [illegible] 18:15-17)

13 तब मनखेमन लइकामन ला यीसू करा लानिन ताकि यीसू ह ओमन ऊपर अपन हांथ रखय अऊ ओमन बर
पराथना करय। पर चेलामन मनखेमन ला डांटिन।

---

* **19:3** या [illegible] [illegible] † **19:4** उत 1:27

14 यीसू ह कहिस, “छोटे लइकामन ला मोर करा आवन दव, अऊ ओमन ला झन रोकव काबरकि स्वरग के
राज ह अइसने मन बर अय।”
15 अऊ ओह लइकामन ऊपर अपन हांथ रखिस अऊ उहां ले चल दीस।

[illegible]
(*[illegible] 10:17-31; [illegible] 18:18-30*)

16 एक मनखे ह यीसू करा आईस अऊ पुछिस, “हे गुरू, मेंह का भलई के काम करंव कि मोला परमेसर के संग
सदाकाल के जिनगी मिलय?”
17 यीसू ह ओला जबाब दीस, “तेंह मोर ले भलई के बारे म काबर पुछथस? सिरिप एके झन ह बने अय। यदि
तेंह जिनगी म जाय चाहथस, त हुकूममन ला माने कर।”
18 ओ मनखे ह पुछिस, “कोन हुकूममन ला?”
यीसू ह जबाब दीस, “हतिया झन करव, छिनारी झन करव, चोरी झन करव, लबारी गवाही झन देवव,
19 अपन दाई अऊ ददा के आदर करव, अऊ अपन परोसी ला अपन सहीं मया करव।”‡
20 ओ जवान ह यीसू ला कहिस, “ये जम्मो बात ला मेंह मानत आवत हंव। तभो ले मोर म अऊ कोन बात के
कमी हवय?”
21 यीसू ह ओला कहिस, “यदि तेंह सिद्ध बने चाहत हस, त जा, अपन जायदाद ला बेचके गरीबमन ला देय दे,
अऊ तोला स्वरग म धन मिलही। तब आ अऊ मोर पाछू हो ले।”
22 जब ये बात ला ओ जवान ह सुनिस, त ओह उदास होके उहां ले चल दीस, काबरकि ओकर मेर अब्बड़
संपत्ति रिहिस।
23 तब यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, धनवान मनखे के स्वरग राज म जवई
कठिन अय।
24 मेंह तुमन ला फेर कहत हंव कि परमेसर के राज म धनवान मनखे के जाय के बनिस्पत सूजी के छेदा म ले
ऊंट के निकल जवई सरल अय।”
25 ये बात ला सुनके चेलामन अब्बड़ चकित होईन अऊ पुछिन, “त फेर कोन ह उद्धार पा सकथे?”
26 यीसू ह ओमन कोति देखिस अऊ कहिस, “ये बात ह मनखे के दुवारा संभव नो हय, पर परमेसर के दुवारा
जम्मो बात ह संभव अय।”
27 तब पतरस ह यीसू ला कहिस, “देख, हमन तो जम्मो कुछू ला छोंड़के तोर पाछू हो ले हवन। त हमन ला
का मिलही?”
28 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि नवां संसार म, जब मनखे के बेटा ह महिमा के
अपन सिंघासन म बईठही, त तुमन जऊन मन मोर पाछू चलत हव, बारह सिंघासन म बईठहू अऊ इसरायल के
बारह गोत्र के नियाय करहू।
29 अऊ जऊन कोनो मोर खातिर अपन घर-दुवार या भाई या बहिनी या ददा या दाई या लइका या खेत-खार
ला छोंड़ देय हवय, ओह सौ गुना पाही अऊ ओह सदाकाल के जिनगी के अधिकारी होही।
30 पर कतको झन जऊन मन अभी आघू म हवंय, ओमन आखिरी म हो जाहीं अऊ जऊन मन आखिरी म
हवंय, ओमन आघू हो जाहीं।

20

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 “स्वरग के राज ह ओ घर के मालिक सहीं अय, जऊन ह बड़े बिहनियां घर ले निकलिस ताकि अपन अंगूर के
बारी म बनिहारमन ला काम म लगावय।
2 ओह बनिहारमन ला रोजी एक दीनार* देय बर तय करिस अऊ ओमन ला अपन अंगूर के बारी म पठोईस।
3 “करीब नौ बजे ओह बाहिर निकलिस अऊ कुछू अऊ बनिहारमन ला बजार के ठऊर म ठलहा खड़े देखिस,
4 त ओह ओमन ला कहिस, ‘तुमन घलो जावव अऊ मोर अंगूर के बारी म काम करव अऊ जऊन कुछू सही
मजदूरी होही, मेंह तुमन ला दूहूं।’

‡ **19:19** लैव्य 19:18 * **20:2** एक दीनार ह एक दिन के बनी के बरोबर होथे।

5 तब ओमन घलो गीन।
“करीब बारह बजे अऊ तीन बजे दूसरइया घलो ओह फेर बाहिर निकलिस अऊ अइसनेच करिस।
6 ओह संझा करीब पांच बजे फेर बाहिर निकलिस अऊ उहां कुछू अऊ बनिहारमन ला ठाढ़े देखिस, त ओह
ओमन ला कहिस, ‘तुमन काबर इहां दिन भर ले ठलहा ठाढ़े हवव?’
7 “ओमन जबाब दीन, ‘काबरकि कोनो हमन ला मजदूरी करे बर नइं ले गीस।’
“ओह ओमन ला कहिस, ‘तुमन घलो जावव अऊ मोर अंगूर के बारी म काम करव।’
8 “जब सांझ होईस, त अंगूर के बारी के मालिक ह अपन संपत्ति के देखरेख करइया ला कहिस, ‘बनिहारमन
ला बला अऊ आखिरी म अवइया बनिहारमन ले सुरू करके पहिली अवइया बनिहारमन तक जम्मो ला ओमन
के बनी देय दे।’
9 “जऊन बनिहारमन संझा करीब पांच बजे काम म लगाय गे रिहिन, ओमन आईन अऊ ओमा के हर एक ला
एक-एक दीनार मिलिस।
10 जऊन बनिहारमन पहिली काम म लगाय गे रिहिन, जब ओमन आईन, त सोचिन कि ओमन ला जादा
मिलही। पर ओमन ला घलो एक-एक दीनार मिलिस।
11 जब ओमन ला बनी मिलिस, त ओमन मालिक ऊपर कुड़कुड़ाय लगिन
12 अऊ कहिन, ‘ये मनखेमन ला आखिरी म काम म लगाय गे रिहिस अऊ येमन सिरिप एक घंटा काम करे
हवंय, तभो ले तेंह येमन ला हमर बरोबर बनी दे हवस। जबकि हमन दिन भर काम के भार उठायेंन अऊ घाम सहे
हवन।’
13 “पर ओह ओमन के एक झन ला जबाब दीस, ‘संगी, मेंह तोर संग अनियाय नइं करत हवंव। का तेंह एक
दीनार म काम करे बर राजी नइं होय रहय?
14 अपन बनी ला ले अऊ जा। ये मोर ईछा अय कि आखिरी के मनखे ला घलो ओतकीच देवंव जतकी कि
तोला दे हवंव।
15 का मोला ये अधिकार नइं अय कि अपन पईसा ला मेंह जइसने चाहंव वइसने करंव? या फेर मोर उदार
हिरदय के कारन तोला जलन होवत हवय?’
16 “ए किसम ले जऊन मन आखिरी म हवंय, ओमन पहिली हो जाहीं अऊ जऊन मन पहिली हवंय, ओमन
आखिरी म हो जाहीं।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 10:32-34; [illegible] 18:31-34)

17 यरूसलेम सहर ला जावत बेरा यीसू ह अपन बारह चेलामन ला अलग ले गीस अऊ ओमन ला कहिस,
18 “देखव, हमन यरूसलेम जावत हन अऊ उहां मनखे के बेटा ला पकड़के मुखिया पुरोहितमन अऊ कानून के
गुरूमन के हांथ म सऊंपे जाही, अऊ ओमन ओला मार डारे के सजा दीहीं,
19 अऊ ओला आनजातमन के हांथ म सऊंप दीहीं, जऊन मन ओकर हंसी उड़ाहीं, ओला कोर्रा म मारहीं अऊ
कुरूस ऊपर चघाहीं। पर तीसरा दिन ओह जी उठही।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 10:35-45)

20 तब जबदी के बेटामन के दाई ह अपन बेटामन के संग यीसू करा आईस अऊ ओकर आघू म माड़ी टेकके
कुछू मांगे लगिस।
21 यीसू ह ओकर ले पुछिस, “तेंह का चाहथस?”
ओह कहिस, “तेंह हुकूम दे कि तोर राज म मोर ये दूनों बेटामन म ले एक झन तोर जेवनी कोति अऊ दूसर ह
तोर डेरी कोति बईठे।”
22 यीसू ह ओमन ला कहिस, “तुमन नइं जानत हव कि तुमन का मांगत हव। जऊन कटोरा म ले मेंह पीवइया
हवंव, का तुमन ओला पी सकथव?”
ओमन कहिन, “हमन पी सकथन।”
23 यीसू ह ओमन ला कहिस, “तुमन मोर कटोरा ले पी सकथव, पर कोनो ला मोर जेवनी या डेरी कोति
बईठाय के मोला अधिकार नइं ए। ये जगह ओमन के अय, जेमन बर मोर ददा ह येला तियार करे हवय।”
24 जब आने दस चेलामन ये बात ला सुनिन, त ओमन ओ दूनों भाई ऊपर गुस्सा करिन।

25 यीसू ह ओमन ला एक संग अपन करा बलाईस अऊ कहिस, “तुमन जानथव कि आनजातमन के सासकमन
ओमन ऊपर परभूता रखथंय अऊ ओमन के बड़े अधिकारीमन ओमन ऊपर अधिकार जताथंय।
26 तुमन के संग अइसने नइं होवय। पर जऊन ह तुमन म बड़े होय चाहथे, ओह तुम्हर सेवक बनय,
27 अऊ जऊन ह तुमन म पहिली होय चाहथे, ओह तुम्हर गुलाम बनय।
28 जइसे कि मनखे के बेटा ह अपन सेवा करवाय बर नइं आईस, पर एकर खातिर आईस कि ओह आने मन के
सेवा करय अऊ बहुंत झन के छुड़ौती बर अपन परान ला देवय।”

[illegible]
(मत्ती 10:46-52; लूका 18:35-43)

29 जब यीसू अऊ ओकर चेलामन यरीहो सहर ले निकलत रिहिन, त एक बड़े भीड़ यीसू के पाछू हो लीस।
30 सड़क के तीर म दू झन अंधरा मनखे बईठे रिहिन, अऊ जब ओमन सुनिन कि यीसू ह ओ सड़क म जावत
हवय, त ओमन चिचियाके कहिन, “हे परभू, दाऊद के संतान, हमर ऊपर दया कर।”
31 भीड़ के मनखेमन ओमन ला दबकारिन अऊ ओमन ला चुपेचाप रहे बर कहिन, पर ओमन अऊ चिचियाके
कहिन, “हे परभू, दाऊद के संतान, हमर ऊपर दया कर।”
32 तब यीसू ह रूक गीस अऊ ओह ओमन ला बलाके पुछिस, “तुमन का चाहथव कि मेंह तुम्हर बर करंव?”
33 ओमन कहिन, “हे परभू, हमन चाहथन कि हमर आंखीमन देखे लगंय।”
34 ओमन ऊपर तरस खाके यीसू ह ओमन के आंखीमन ला छुईस। तुरते ओमन देखन लगिन अऊ ओमन यीसू
के पाछू हो लीन।

21

[illegible]
(मत्ती 11:1-11; लूका 19:28-40; यूहन्ना 12:12-19)

1 जब ओमन यरूसलेम के लकठा म हबरिन अऊ जैतून पहाड़ के बैतफगे गांव करा आईन, त यीसू ह दू झन
चेलामन ला ये कहिके पठोईस,
2 “आघू के गांव म जावव। जइसने ही तुमन उहां हबरहू, तुमन ला एक ठन गदही बंधाय मिलही अऊ ओकर
संग म ओकर बछेड़ा घलो होही। ओमन ला ढीलके मोर करा ले आवव।
3 यदि कोनो तुमन ला कुछू कहिथे, त ओला कहव कि परभू ला येमन के जरूरत हवय। तब ओह तुरते ओमन
ला पठो दीही।”
4 येह एकरसेति होईस ताकि अगमजानी के दुवारा कहे गय ये बात ह पूरा होवय:
5 “बेटी सियोन ले कहव,
‘देख, तोर राजा ह तोर करा आवत हवय।
ओह नम्र अय अऊ एक गदही ऊपर,
अऊ एक बछेड़ा ऊपर, गदही के एक बछेड़ा ऊपर सवारी करे हवय* ।’ ”†
6 तब दूनों चेलामन गीन, अऊ जइसने यीसू ह ओमन ला करे बर कहे रिहिस, वइसनेच करिन।
7 ओमन गदही अऊ ओकर बछेड़ा ला लानिन अऊ ओमन के ऊपर अपन ओनहामन ला दसा दीन; तब यीसू
ह ओमन ऊपर बईठ गीस।
8 भीड़ के बहुंत मनखेमन अपन ओनहा ला डहार म दसा दीन अऊ दूसर मनखेमन रूख के डारामन ला काटके
डहार म दसा दीन।
9 भीड़ के मनखेमन यीसू के आघू-आघू अऊ पाछू-पाछू घलो चलत रहंय अऊ ओमन चिचिया-चिचियाके
कहत रहंय,
“दाऊद के संतान के होसाना!”

“धइन ए ओ, जऊन ह परभू के नांव म आथे!”‡

---

* **21:5** *[illegible]* के मतलब *[illegible]*
† **21:5** जकर 9:9
‡ **21:9** भजन 118:25-26

“सबले ऊंच स्वरग म होसाना!§”
10 जब यीसू ह यरूसलेम म आईस, त जम्मो सहर म हलचल मच गीस अऊ मनखेमन पुछ्न लगिन, “येह
कोन ए?”
11 भीड़ के मनखेमन कहिन, “येह अगमजानी यीसू ए, अऊ गलील प्रदेस के नासरत के रहइया ए।”

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 11:15-19; [illegible] 19:45-48; [illegible] 2:13-22)

12 यीसू ह मंदिर म गीस, अऊ ओ जम्मो मनखेमन ला निकाल दीस, जऊन मन मंदिर म लेन-देन करत
रिहिन। ओह रूपिया-पईसा के अदला-बदली करइयामन के मेज अऊ पंड़की बेचइयामन के बेंचमन ला खपल
दीस।
13 अऊ ओह ओमन ला कहिस, “परमेसर के बचन म ये लिखे हवय कि मोर घर ह पराथना के घर कहे जाही,
पर तुमन येला डाकूमन के अड्डा बनावत हवव।”
14 अंधरा अऊ खोरवामन यीसू करा मंदिर म आईन अऊ ओह ओमन ला चंगा करिस।
15 पर जब मुखिया पुरोहित अऊ मूसा के कानून के गुरूमन ओकर अद्भूत काम ला देखिन अऊ लइकामन
ला मंदिर के इलाका म चिचियाके ये कहत सुनिन, “दाऊद के संतान के होसाना,” त ओमन नराज होईन।
16 ओमन यीसू ला कहिन, “का तेंह सुनत हवस कि ये लइकामन का कहत हवंय?”
यीसू ह कहिस, “हव, का तुमन परमेसर के बचन म ये कभू नइं पढ़ेव,
“ ‘लइका अऊ छोटे लइकामन के मुहूं ले
हे परभू, तें अपन इस्तुति करवाय।’*”
17 तब यीसू ह ओमन ला छोंड़के सहर के बाहिर बैतनियाह गांव म गीस अऊ उहां रात बिताईस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 11:12-14, 20-24)

18 बड़े बिहनियां, जब यीसू ह सहर ला वापिस जावत रिहिस, त ओला भूख लगिस।
19 सड़क के तीर म एक ठन अंजीर के रूख ला देखके, ओह उहां गीस, पर ओला पान के छोंड़ ओमा अऊ कुछू
नइं मिलिस। तब यीसू ह ओ रूख ला कहिस, “अब ले तोर म फेर कभू फर झन लगय।” अऊ तुरते ओ अंजीर के
रूख ह सूख गीस।
20 जब चेलामन येला देखिन, त ओमन अचम्भो करिन अऊ कहिन, “अंजीर के रूख ह तुरते कइसने सूख
गीस?”
21 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, यदि तुमन बिसवास करव अऊ संका झन
करव, त तुमन न सिरिप अइसने करहू, जइसने मेंह ये अंजीर के रूख के संग करे हवंव, पर यदि तुमन ये पहाड़ ले
कहिहू, ‘जा अऊ समुंदर म गिर जा।’ अऊ येह हो जाही।
22 यदि तुमन बिसवास करथव, त जऊन कुछू तुमन पराथना म मांगव, ओह तुमन ला मिल जाही।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 11:27-33; [illegible] 20:1-8)

23 यीसू ह मंदिर म गीस, अऊ जब ओह उपदेस देवत रिहिस, त मुखिया पुरोहितमन अऊ मनखेमन के
अगुवामन ओकर करा आईन अऊ पुछिन, “तेंह कोन अधिकार ले ये चीजमन ला करत हवस? अऊ कोन ह
तोला ये अधिकार दे हवय?”
24 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “मेंह घलो तुमन ले एक सवाल पुछत हंव, यदि तुमन मोला जबाब दूहू, त
मेंह घलो तुमन ला बताहूं कि कोन अधिकार ले मेंह ये काममन ला करत हवंव।
25 यूहन्ना के बतिसमा देवई ह कहां ले रिहिस? स्वरग ले रिहिस या मनखे कोति ले?”
ओमन आपस म सोच-बिचार करिन अऊ कहिन, “यदि हमन कहन, ‘स्वरग ले’ त ओह कहिही, ‘तब तुमन
ओकर ऊपर बिसवास काबर नइं करेव?’

---

§ **21:9** [illegible] ये इबरानी सबद के मतलब होथे [illegible] या [illegible] [illegible], पर बाद म ये सबद के उपयोग [illegible] या [illegible] के रूप म करे गीस। * **21:16** भजन 8:2

26 पर यदि हमन कहन, 'मनखे कोति ले,' त हमन ला मनखेमन के डर हवय, काबरकि ओ जम्मो झन बिसवास
करथें कि यूहन्ना ह एक अगमजानी रिहिस।"
27 एकरसेति ओमन यीसू ला जबाब दीन, "हमन नइं जानन।"
तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "त मेंह घलो नइं बतावंव कि कोन अधिकार ले मेंह ये काममन ला करत हवंव।

[illegible]

28 "तुमन का सोचथव? एक मनखे रिहिस, जेकर दू झन बेटा रिहिन। ओह पहिला बेटा करा गीस अऊ कहिस,
'बेटा, जा अऊ आज अंगूर के बारी म काम कर।'
29 "ओह जबाब दीस, 'मेंह नइं जावंव।' पर बाद म ओह पछताईस अऊ गीस।
30 "तब ददा ह दूसर बेटा करा गीस अऊ ओहीच बात कहिस। ओह जबाब दीस, 'हव ददा, मेंह जावत हंव।'
पर ओह नइं गीस।
31 "ये दूनों बेटा म ले कोन ह अपन ददा के ईछा ला पूरा करिस?"
ओमन कहिन, "पहिला ह।"
यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि लगान लेवइया अऊ बेस्यामन तुम्हर ले आघू
परमेसर के राज म जावत हवंय।
32 काबरकि यूहन्ना ह तुमन ला धरमीपन के रसता देखाय बर आईस, अऊ तुमन ओकर ऊपर बिसवास नइं
करेव, पर लगान लेवइया अऊ बेस्यामन ओकर ऊपर बिसवास करिन। येला देखे के बाद घलो, तुमन पछताप
नइं करेव अऊ न ही ओकर ऊपर बिसवास करेव।

[illegible]
([illegible] 12:1-12; [illegible] 20:9-19)

33 "एक अऊ पटंतर सुनव: एक जमींदार रिहिस, जऊन ह एक अंगूर के बारी लगाईस। ओह बारी के चारों
खूंट बाड़ा बांधिस। ओह ओमा एक ठन रस के कुन्ड खनवाईस अऊ एक ठन मचान बनाईस। तब ओह ओ अंगूर
के बारी ला कुछू किसानमन ला रेगहा म देके आने देस चल दीस।
34 जब फर के समय ह आईस, त ओह अपन सेवकमन ला किसानमन करा पठोईस ताकि ओमन ओकर बांटा
के फर ला लानंय।
35 "पर किसानमन ओकर सेवकमन ला पकड़ लीन, अऊ ओमन कोनो ला मारिन-पीटिन, कोनो ला जान
सहित मार डारिन अऊ काकरो ऊपर पथरा फेंकिन।
36 तब जमींदार ह आने सेवकमन ला पठोईस, जऊन मन संखिया म पहिली ले जादा रिहिन; पर किसानमन
ओमन के संग घलो वइसनेच करिन।
37 आखिरी म, ओह ये सोचके अपन बेटा ला पठोईस कि ओमन मोर बेटा के आदर करहीं।
38 "पर जब किसानमन जमींदार के बेटा ला देखिन, त एक-दूसर ला कहिन, 'येह तो अंगूर के बारी के वारिस
ए। आवव, हमन येला मार डालन अऊ एकर संपत्ति ला ले लेवन।'
39 ओमन ओला पकड़िन अऊ अंगूर के बारी के बाहिर फटिक दीन अऊ ओला मार डारिन।
40 "एकरसेति जब अंगूर के बारी के मालिक ह आही, त ओह ओ किसानमन के संग का करही?"
41 ओमन यीसू ला कहिन, "ओह ओ दुस्टमन ला पूरा नास कर दीही, अऊ अंगूर के बारी के रेगहा आने
किसानमन ला दे दीही, जऊन मन समय म ओकर बांटा के फसल ओला दीहीं।"
42 यीसू ह ओमन ला कहिस, "का तुमन पबितर बचन म कभू नइं पढ़ेव:
" 'जऊन पथरा ला घर के बनइयामन बेकार समझे रिहिन,
ओहीच ह कोना के मुख पथरा हो गीस।
येह परभू के दुवारा होईस,
अऊ येह हमर नजर म अद्भूत ए।'†
43 "एकरसेति मेंह तुमन ला कहत हंव कि परमेसर के राज ह तुम्हर ले लेय लिये जाही, अऊ ओ मनखेमन ला
दिये जाही, जऊन मन परमेसर बर फर पईदा करहीं।
44 जऊन ह ये पथरा ऊपर गिरही, ओह कुटा-कुटा हो जाही, पर जेकर ऊपर ये पथरा ह गिरही, ओह पीसा
जाही।"

---

† **21:42** भजन 118:22-23

45 यीसू के पटंतर ला सुनके मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन समझ गीन कि ओह ओमन के बारे म
गोठियावत हवय।
46 ओमन ओला पकड़े के उपाय सोचत रिहिन, पर ओमन मनखेमन के भीड़ ले डरावत रिहिन, काबरकि
मनखेमन यीसू ला एक अगमजानी मानत रिहिन।

22

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:15-24)

1 यीसू ह फेर ओमन ले पटंतर म गोठियाय लगिस। ओह कहिस,
2 "स्वरग के राज ह एक राजा के सहीं अय, जऊन ह अपन बेटा के बिहाव म एक जेवनार करिस।
3 ओह अपन सेवकमन ला पठोईस कि ओमन नेवताहारीमन ला भोज बर बलाके लानंय, पर नेवताहारीमन
आय बर नइं चाहिन।
4 "तब फेर ओह कुछू अऊ सेवकमन ला ये कहिके पठोईस, 'नेवताहारीमन ला कहव कि मेंह भोज तियार कर
चुके हवंव। मोर बईला अऊ मोटहा-मोटहा पसुमन मारे गे हवंय, अऊ जम्मो चीज ह तियार हवय। बिहाव के
भोज म आवव।'
5 "पर नेवताहारीमन राजा के नेवता ला धियान नइं दीन अऊ एती-ओती चल दीन—कोनो अपन खेत ला, त
कोनो अपन धंधा म।
6 बाकि बचे नेवताहारीमन राजा के सेवकमन ला पकड़िन अऊ ओमन के संग गलत बरताव करिन अऊ
ओमन ला मार डारिन।
7 राजा ह बहुंत गुस्सा करिस। ओह अपन सेना ला पठोईस अऊ ओ हतियारामन ला नास कर दीस अऊ
ओमन के सहर ला जरा दीस।
8 "तब राजा ह अपन सेवकमन ला कहिस, 'बिहाव भोज तो तियार हवय, पर नेवताहारीमन एकर लईक नो
हंय।
9 एकरसेति गली के चऊक म जावव अऊ तुमन ला जऊन मन घलो मिलथें, ओ जम्मो ला बिहाव भोज के
नेवता देवव।'
10 ओ सेवकमन गलीमन म गीन अऊ ओमन ला बने या खराप जऊन ह घलो मिलिस, ओ जम्मो ला संकेलके
ले आईन अऊ बिहाव के मड़वा ह पहुनामन ले भर गीस।
11 "पर जब राजा ह पहुनामन ला देखे बर भीतर आईस, त ओह उहां एक मनखे ला देखिस, जऊन ह बिहाव के
पोसाक नइं पहिरे रहय।
12 राजा ह ओकर ले पुछिस, 'संगी, बिहाव के पोसाक पहिरे बिगर तेंह इहां कइसने आ गे।' ओ मनखे ह कुछू
कहे नइं सकिस।
13 "तब राजा ह सेवकमन ला कहिस, 'एकर हांथ-गोड़ ला बांधव अऊ येला बाहिर अंधियार म फटिक दव,
जिहां येह रोही अऊ अपन दांत पीसही।'
14 "काबरकि बलाय गय मनखे तो बहुंत हवंय, पर चुने गय मनखेमन थोरकन हवंय।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 12:13-17; [illegible] 20:20-26)

15 तब फरीसीमन बाहिर जाके योजना बनाईन कि ओमन कइसने यीसू ला ओकरेच गोठ म फंसावंय।
16 ओमन अपन चेलामन ला हेरोदीमन के संग यीसू करा ये पुछे बर पठोईन, "हे गुरू, हमन जानत हवन कि
तेंह सच्चा अस अऊ तेंह सच्चई के संग परमेसर के रसता के सिकछा देथस। तेंह मनखेमन के बहकावा म नइं
आवस, काबरकि तेंह मनखे के मुहूं देखके नइं गोठियावस।
17 त हमन ला बता, तोर का बिचार हवय? रोमी महाराजा ला लगान देवई कानून के मुताबिक ठीक अय कि
नइं?"
18 ओमन के दुस्टता ला जानके यीसू ह कहिस, "हे ढोंगी मनखेमन हो! तुमन काबर मोला फंसाय के कोसिस
करत हव?

19 मोला ओ सिक्का ला देखावव, जेकर उपयोग तुमन लगान पटाय बर करथव।” ओमन ओकर करा एक
सिक्का लानिन।
20 यीसू ह ओमन ले पुछिस, “येमा काकर मूरती अऊ काकर नांव लिखाय हवय?”
21 ओमन कहिन, “महाराजा के।”
तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “जऊन ह महाराजा के अय, ओला महाराजा ला देवव अऊ जऊन ह परमेसर
के अय, ओला परमेसर ला देवव।”
22 येला सुनके, ओमन चकित हो गीन अऊ यीसू ला छोंड़के चल दीन।

[illegible]
([illegible] 12:18-27; [illegible] 20:27-40)

23 ओहीच दिन सदूकीमन यीसू करा आईन, जऊन मन ये कहिथंय कि मरे मनखेमन के जी उठई नइं होवय।
ओमन यीसू ले पुछिन,
24 “हे गुरू, मूसा ह कहे हवय कि यदि कोनो मनखे ह बिगर संतान के मर जावय, त ओकर भाई ह ओ बिधवा
ले बिहाव करय अऊ अपन भाई बर संतान पईदा करय*।
25 हमर बीच म सात झन भाई रिहिन। पहिला भाई ह बिहाव करिस, पर ओह बिगर संतान के मर गीस अऊ
अपन घरवाली ला अपन भाई बर छोंड़ गीस।
26 दूसरा अऊ तीसरा भाई ले लेके जम्मो सातों भाई के संग अइसनेच होईस। सातों के सातों भाई मर गीन।
27 आखिरी म, ओ माईलोगन घलो मर गीस।
28 तब मरे मनखेमन के जी उठे के बाद, ओह ओ सातों भाई म के काकर घरवाली होही? काबरकि ओ सातों
झन ओकर ले बिहाव करे रिहिन।”
29 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “तुमन गलत समझत हव, काबरकि तुमन परमेसर के बचन या परमेसर के
सामर्थ ला नइं जानत हव।
30 मरे मनखेमन के जी उठे के बाद, मनखेमन न तो बिहाव करहीं अऊ न ही ओमन ला बिहाव म दिये जाही;
ओमन स्वरग म स्वरगदूतमन सहीं होहीं।
31 मरे मनखेमन के जी उठे के बारे म परमेसर ह तुमन ला का कहे हवय—का तुमन नइं पढ़े हवव,
32 ‘मेंह अब्राहम के परमेसर, इसहाक के परमेसर अऊ याकूब के परमेसर अंव’? ओह मरे मन के नइं, पर
जीयतमन के परमेसर अय।”
33 येला सुनके, भीड़ के मनखेमन यीसू के उपदेस ले चकित होईन।

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 12:28-34; [illegible] 10:25-28)

34 जब फरीसीमन सुनिन कि यीसू ह सदूकीमन के मुहूं बंद कर दे हवय, त ओमन जूरिन।
35 ओमा ले एक झन, जऊन ह कानून के एक जानकार रिहिस, यीसू ला परखे बर ये सवाल करिस,
36 “हे गुरू, मूसा के कानून के मुताबिक सबले बड़े हुकूम कते ह अय?”
37 यीसू ह ओला जबाब दीस: “ ‘परभू अपन परमेसर ले अपन पूरा हिरदय अऊ अपन पूरा परान अऊ अपन
पूरा मन ले मया करव।’†
38 येह पहिली अऊ सबले बड़े हुकूम अय।
39 अऊ दूसरा हुकूम ये किसम ले अय: ‘तेंह अपन परोसी ले अपन सहीं मया कर।’‡
40 ये दूनों हुकूम जम्मो कानून अऊ अगमजानीमन के सिकछा के सार अंय।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?
([illegible] 12:35-37; [illegible] 20:41-44)

41 जब फरीसीमन उहां जूरे रिहिन, त यीसू ह ओमन ले पुछिस,
42 “मसीह के बारे म, तुमन का सोचथव? ओह काकर बेटा अय?”
“ओमन कहिन,” “दाऊद के बेटा!”

---

* **22:24** ब्यव 25:5-6 † **22:37** ब्यव 6:5 ‡ **22:39** लैव्य 19:18

43 यीसू ह ओमन ला कहिस, “त फेर दाऊद ह पबितर आतमा म होके ओला ‘परभू’ काबर कहिथे? दाऊद ह
कहिथे,
44 “ ‘परभू ह मोर परभू ले कहिस:
“मोर जेवनी हांथ कोति बईठ,
जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला तोर
गोड़ खाल्हे नइं कर देवंव।” ’
45 जब दाऊद ह ओला परभू कहिथे, त फेर ओह दाऊद के बेटा कइसने हो सकथे?”
46 कोनो ओला कुछू जबाब नइं दे सकिन, अऊ ओ दिन ले, कोनो ओकर ले अऊ कुछू सवाल पुछे के हिम्मत नइं
करिन।

23

[illegible]
(*[illegible] 12:38-39; [illegible] 11:43, 46; 20:45-46)*

1 तब यीसू ह भीड़ के मनखे अऊ अपन चेलामन ला कहिस:
2 “मूसा के कानून के गुरू अऊ फरीसीमन मूसा के कानून ला सिखाथें।
3 एकरसेति, ओमन जऊन कुछू कहिथें ओला मानव अऊ करव। पर ओमन सहीं काम झन करव, काबरकि
ओमन जइसने कहिथें वइसने नइं करंय।
4 ओमन कानून के भारी बोझा ला बांधथे, अऊ ओला मनखेमन के खांधा ऊपर लदक देथें, पर ओमन खुदे
ओला टारे बर अपन अंगरी घलो उठाय नइं चाहंय।
5 “ओमन अपन जम्मो काम मनखेमन ला देखाय बर करथें। ओमन देखाय बर चाकर-चाकर ताबीज* बनाके
अपन बाहां अऊ माथा म पहिरथें अऊ अपन कपड़ा म लम्बा झालर लगवाथें।
6 जेवनारमन म आदर के ठऊर अऊ यहूदीमन के सभा-घर म सबले बने आसन म बईठई ओमन ला बने
लगथे।
7 बजार के जगह म आदर के संग जोहार झोंकई अऊ मनखेमन के दुवारा गुरूजी कहई ओमन ला बने लगथे।
8 “पर तुमन अपन ला गुरू झन कहावव, काबरकि तुम्हर सिरिप एक गुरू हवय, अऊ तुमन जम्मो झन
भाई-भाई अव।
9 धरती म कोनो ला अपन ददा झन कहव, काबरकि तुम्हर एके ददा हवय, जऊन ह स्वरग म हवय।
10 तुमन अपन ला मालिक घलो झन कहावव, काबरकि तुम्हर एके मालिक हवय याने कि मसीह।
11 जऊन ह तुमन जम्मो म बड़े अय, ओह तुम्हर सेवक बनय।
12 काबरकि जऊन ह अपनआप ला बड़े समझथे, ओला दीन-हीन करे जाही, अऊ जऊन ह अपनआप ला
दीन-हीन करथे, ओला बड़े करे जाही।

[illegible]

13 “हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसीमन, तुम्हर ऊपर धिक्कार! तुमन मनखेमन बर स्वरग राज के दुवारी
ला बंद कर देथव। न तो तुमन खुदे ओमा जावव अऊ न ही ओमन ला जावन देवव, जऊन मन ओमा जाय के
कोसिस करथें।
14 “हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसीमन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन बिधवामन के घर ला लूटथव अऊ
देखाय बर लम्बा-लम्बा पराथना करथव। एकरसेति, तुमन ला जादा कठोर सजा मिलही।†
15 “हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसीमन, तुम्हर ऊपर धिक्कार! तुमन एक झन ला अपन यहूदी बिसवास
म लाने बर समुंदर अऊ धरती ऊपर फिरथव, अऊ जब ओह तुम्हर बिसवास म आ जाथे, त तुमन ओला अपन
ले दू गुना नरक के लइका सहीं बना देथव।
16 “हे अंधरा अगुवामन, तुम्हर ऊपर धिक्कार! तुमन कहिथव, ‘यदि कोनो मंदिर के कसम खाथे, त ओकर
कुछू मतलब नइं होवय, पर यदि कोनो मंदिर के सोन के कसम खाथे, त ओह अपन कसम म बंध जाथे।’
17 हे अंधरा मुरूख मनखेमन! कते ह बड़े अय—सोन या फेर मंदिर जऊन ह ओ सोन ला पबितर बनाथे?‡

---

* **23:5** ताबीज याने एक किसम के डिब्बा, जऊन म परमेसर के बचन के पद रहिथे। † **23:14** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।
‡ **23:17** निर 40:9-11

18 तुमन ये घलो कहिथव, 'यदि कोनो बेदी के कसम खाथे, त ओकर कुछू मतलब नइं होवय, पर यदि कोनो
बेदी म चघाय भेंट के कसम खाथे, त ओह अपन कसम म बंध जाथे।'
19 हे अंधरा मनखेमन! कते ह बड़े अय—भेंट, या फेर बेदी जऊन ह ओ भेंट ला पबितर बनाथे?
20 एकरसेति जऊन ह बेदी के कसम खाथे, ओह ओकर अऊ ओकर ऊपर रखे जम्मो चीज के कसम खाथे।
21 अऊ जऊन ह मंदिर के कसम खाथे, ओह ओकर अऊ ओमा रहइया के घलो कसम खाथे।
22 अऊ जऊन ह स्वरग के कसम खाथे, ओह परमेसर के सिंघासन अऊ ओकर ऊपर बईठइया के घलो कसम
खाथे।
23 "हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसीमन, तुम्हर ऊपर धिक्कार ए! तुमन अपन मसाला जइसने कि
पोदीना, सौंफ अऊ जीरा के दसवां भाग ला देथव,§ पर तुमन मूसा के कानून के जादा महत्व के बात जइसने कि
नियाय, दया अऊ बिसवास के अनदेखी करथव।* तुम्हर बर उचित अय कि ये काममन ला करव अऊ ओ दूसर
काम के अनदेखी घलो झन करव।
24 हे अंधरा अगुवामन! तुमन उड़इया छोटे कीरा ला तो छान लेथव, पर ऊंट ला लील लेथव।†
25 "हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसीमन, तुम्हर ऊपर धिक्कार! तुमन कटोरा अऊ थाली के बाहिर ला तो
मांजथव, पर भीतर ले, ओमन लोभ अऊ लूट-खसोट ले छीने गय चीजमन ले भरे हवंय।
26 हे अंधरा फरीसीमन हो! पहिली कटोरा अऊ थाली के भीतरी ला मांजव, तब ओमन के बाहिरी भाग घलो
साफ होही।
27 "हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसीमन, तुमन ला धिक्कार ए! तुमन चूना पोताय कबर के सहीं अव,
जऊन ह बाहिर ले तो सुघर दिखथे, पर भीतर ह मुरदा मनखेमन के हाड़ा अऊ जम्मो असुध चीज ले भरे रहिथे।
28 ओही किसम ले, तुमन मनखेमन ला बाहिर ले धरमी दिखथव, पर भीतर ले तुमन ढोंग अऊ अधरम ले भरे
हवव।
29 "हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसीमन, तुम्हर ऊपर धिक्कार! तुमन अगमजानीमन के कबर ला बनाथव
अऊ धरमीमन के कबर ला सजाथव,
30 अऊ तुमन ये कहिथव, 'यदि हमन अपन पुरखामन के जुग म होतेंन, त हमन अगमजानीमन के हतिया
करई म ओमन संग भागी नइं होतेंन।'
31 ये किसम ले, तुमन खुदे मान लेथव कि तुमन ओमन के संतान अव, जऊन मन अगमजानीमन ला मार
डारिन।
32 तब तुमन अपन पुरखामन के छोंड़े पाप के घघरी ला भर देथव।
33 "हे सांपमन हो! हे जहरिला सांप के पीलामन हो! तुमन नरक के सजा ले कइसने बचहू?
34 एकरसेति, मेंह तुम्हर करा अगमजानी, अऊ बुद्धिमान अऊ गुरूजी मन ला पठोवत हंव। ओमा ले कतेक
झन ला तुमन मार डारहू अऊ कुरूस ऊपर चघाहू; कतेक झन ला तुमन अपन सभा-घर म कोर्रा म मारहू अऊ
सहर-सहर म ओमन ला सताहू।
35 ये किसम ले, जम्मो धरमीमन के लहू, जऊन ह धरती ऊपर बोहाय हवय—धरमी हाबिल के लहू ले लेके
बेरेकियाह के बेटा जकरयाह के लहू तक, जऊन ला तुमन मंदिर अऊ बेदी के बीच म मार डारेव; ये जम्मो के
दोस तुम्हर ऊपर आही।
36 मेंह तुमन ला सच कहत हंव, ये जम्मो बात, ये पीढ़ी के मनखेमन ऊपर होही।
37 "हे यरूसलेम सहर! हे यरूसलेम सहर! तेंह अगमजानीमन ला मार डारथस अऊ जेमन ला तोर करा
पठोय जाथे, ओमन ला तेंह पथरा ले मारथस। मेंह कतेक बार चाहेंव कि तोर लइकामन ला वइसने संकेलंव,
जइसने कुकरी ह अपन चियांमन ला अपन डेना खाल्हे संकेलथे, पर तेंह ये नइं चाहय।
38 देख, तोर घर ह उजाड़ पड़े हवय।
39 मेंह तोला कहत हंव कि तेंह मोला तब तक फेर नइं देख सकस, जब तक कि तेंह ये नइं कहस, 'धइन ए
ओह, जऊन ह परभू के नांव म आथे।' "

§ **23:23** लैव्य 27:30 * **23:23** होसे 6:6; यर 9:23 † **23:24** लैव्य 11:20-23, 40

24

[illegible]
(मरकुस 13:1-2; लूका 21:5-6)

1 जब यीसू ह मंदिर म ले निकलके जावत रिहिस, त ओकर चेलामन ओकर करा आईन अऊ ओला मंदिर के
बनावट ला देखाईन।
2 यीसू ह ओमन ला कहिस, "तुमन ये जम्मो चीज ला देखत हवव?" मेंह तुमन ला सच कहत हंव, "इहां एको
ठन पथरा अपन जगह म नइं बांचय। जम्मो ला गिरा दिये जाही।"
3 जब यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर बईठे रिहिस, त ओकर चेलामन अकेला ओकर करा आईन अऊ पुछिन,
"हमन ला बता कि येह कब होही? तोर आय के समय अऊ ये जुग के अन्त के का चिनहां होही।"
4 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, "सचेत रहव। कोनो तुमन ला धोखा झन देवय।
5 काबरकि कतको झन मोर नांव म आहीं अऊ कहिहीं, 'मेंह मसीह अंव,' अऊ बहुंते झन ला भरमाहीं
6 तुमन लड़ई अऊ लड़ई होय के अफवाह सुनहू, पर धियान रहय कि एकर ले तुमन झन घबरावव। अइसने
बात के होवई जरूरी अय, पर ओ बखत अन्त नइं होवय।
7 एक देस ह दूसर देस ऊपर अऊ एक राज ह दूसर राज ऊपर चढ़ई करही। कतको जगह म दुकाल पड़ही
अऊ भुइंडोल होही।
8 ये जम्मो ह छेवारी होय के पीरा के सुरूआत के सहीं अय।
9 "तब ओमन तुमन ला सताय बर पकड़वाहीं अऊ तुमन ला मार डारहीं। मोर कारन जम्मो जाति के मनखेमन
तुम्हर ले घिन करहीं।
10 ओ समय कतको झन अपन बिसवास ला छोंड़ दीहीं। ओमन एक-दूसर के संग बिसवासघात करहीं अऊ
एक-दूसर ले घिन करहीं।
11 अऊ कतको लबरा अगमजानीमन आहीं अऊ कतको झन ला धोखा दीहीं।
12 अधरम के बढ़े के कारन, बहुंत झन के मया ह कम हो जाही।
13 पर जऊन ह आखिरी तक अडिग बने रहिही, ओकरेच उद्धार होही।
14 परमेसर के राज के ये सुघर संदेस के परचार जम्मो संसार म करे जाही, ताकि जम्मो जाति के मनखेमन बर
एक गवाही होवय, अऊ तब अन्त के बेरा आ जाही।
15 "एकरसेति जब तुमन 'ओ बिनासकारी घिन चीज' ला पबितर स्थान म ठाढ़े देखव,* जेकर बारे म
अगमजानी दानिएल ह कहे हवय, त पढ़इया ह समझ जावय।
16 तब जऊन मन यहूदिया प्रदेस म हवंय, ओमन पहाड़ ऊपर भाग जावंय।
17 जऊन ह अपन घर के छानी ऊपर होवय, ओह अपन घर के चीजमन ला लेय बर खाल्हे झन उतरय।
18 जऊन ह खेत म होवय, ओह अपन कपड़ा ला लेय बर पाछू झन लहुंटय।
19 ओ माईलोगनमन बर कतेक भयानक बात होही, जऊन मन ओ दिन म देहें म होहीं अऊ जऊन दाईमन
लइकामन ला दूध पीयावत होहीं!
20 पराथना करव कि तुमन ला जड़काला म या बिसराम के दिन म भागे ला झन पड़य।
21 काबरकि ओ समय अइसने भयंकर बिपत्ति आही, जइसने संसार के सुरू ले लेके अब तक न तो अइसने होय
हवय अऊ न कभू फेर होही।
22 "यदि ओ दिनमन ला कम नइं करे जातिस, त कोनो मनखे नइं बांचतिन; पर चुने गय मनखेमन के कारन,
परमेसर ह ओ दिनमन ला कम कर दीही।
23 ओ बखत, कहूं कोनो तुमन ला ये कहय, 'देखव, मसीह ह इहां हवय' या 'ओह उहां हवय।' त बिसवास झन
करव।
24 काबरकि लबरा मसीह अऊ लबरा अगमजानीमन परगट होहीं अऊ अइसने बड़े-बड़े चिनहां अऊ
चमतकार देखाहीं कि कहूं हो सकय त चुने गय मनखेमन ला घलो भरमा देवंय।
25 देखव, मेंह तुमन ला पहिली ले बता चुके हवंव।

---

* **24:15** दानि 9:27; 11:31; 12:11

26 “एकरसेति, यदि ओमन तुमन ला ये कहंय, ‘देखव, मसीह ह उहां सुनसान जगह म हवय।’ त उहां झन
जावव; या यदि ओमन कहंय, ‘मसीह ह इहां भीतर के खोली म हवय।’ त ओमन के बात ला बिसवास झन करव।
27 काबरकि जइसने बिजली ह पूरब ले निकलथे अऊ पछिम तक चमकथे, वइसने मनखे के बेटा के अवई
होही।
28 जिहां लास होथे, उहां गिधवामन जूरथें।
29 “ओ दिनमन म, बिपत पड़े के तुरते बाद,
“ ‘सूरज ह अंधियार हो जाही,
अऊ चंदा ह अपन अंजोर नइं दीही;
तारामन अकास ले गिर जाहीं,
अऊ अकास के सक्तिमन हलाय जाहीं।’†
30 “तब ओ समय, मनखे के बेटा के चिनहां ह अकास म दिखही अऊ धरती के जम्मो जाति के मनखेमन सोक
मनाहीं। ओमन मनखे के बेटा ला सामर्थ अऊ बड़े महिमा के संग अकास के बादर म आवत देखहीं।
31 अऊ ओह तुरही के बड़े अवाज के संग अपन स्वरगदूतमन ला पठोही, अऊ ओमन अकास के एक छोर ले
लेके दूसर छोर तक, चारों दिग के हवा ले ओकर चुने मनखेमन ला संकेलहीं।
32 “अब अंजीर के रूख ले ये बात ला सीखव: जब एकर छोटे डारामन कोअंर बन जाथें अऊ ओमा पान
निकले लगथें, त तुमन जान लेथव कि घाम के महिना ह अवइया हवय।
33 ओहीच किसम ले, जब तुमन ये जम्मो घटनामन ला देखव, त जान लेवव कि ओ समय ह लकठा म हवय,
पर दुवारी म आ गे हवय।
34 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जब तक ये जम्मो बातमन नइं हो जाहीं, तब तक ये पीढ़ी के मनखेमन नइं
मरंय।
35 अकास अऊ धरती ह टर जाही, पर मोर बचन ह कभू नइं टरय।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 13:32-37; [illegible] 17:26-30, 34-36)

36 “ओ दिन या समय के बारे म कोनो नइं जानंय; न तो स्वरग के दूत अऊ न ही बेटा, पर सिरिप ददा ह येला
जानथे।
37 जइसने नूह के समय म होय रिहिस, वइसनेच मनखे के बेटा के अवई के समय म घलो होही।
38 ओ समय जल-परलय होय के पहिली, नूह के पानी जहाज म चघे के दिन तक, मनखेमन खावत-पीयत
रिहिन अऊ ओमन के बीच म सादी-बिहाव होवत रिहिस;
39 जब तक जल-परलय नइं आईस अऊ ओ जम्मो ला बोहाके नइं ले गीस, तब तक ओमन कुछू नइं जानत
रिहिन। वइसनेच मनखे के बेटा के अवई ह घलो होही।
40 ओ बखत दू झन मनखे खेत म होहीं; एक झन ला ले लिये जाही, अऊ दूसर ला छोंड़ दिये जाही।
41 दू झन माईलोगनमन जांता म पीसान पीसत होहीं; ओमा ले एक झन ला ले लिये जाही, अऊ दूसर ला
छोंड़ दिये जाही।
42 “एकरसेति, सचेत रहव, काबरकि तुमन नइं जानव कि तुम्हर परभू ह कोन दिन आही।
43 पर ये बात ला समझ लेवव: यदि घर के मालिक ला मालूम होतिस कि चोर ह रात के कतेक बेरा आही, त
ओह सचेत रहितिस अऊ अपन घर म सेंध नइं लगन देतिस।
44 एकरसेति तुमन घलो तियार रहव, काबरकि मनखे के बेटा ह ओ समय आ जाही, जब तुमन ओकर आय के
आसा नइं करत होहू।
45 “तब ओ बिसवासयोग्य अऊ बुद्धिमान सेवक कोन ए, जऊन ला मालिक ह अपन घर के आने सेवकमन
ऊपर मुखिया ठहिराय हवय ताकि ओह ओमन ला सही समय म खाना देवय।
46 धइन अय ओ सेवक, जऊन ला ओकर मालिक ह लहुंटके आय के पाछू, अइसने करत पाथे।
47 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि मालिक ह ओ सेवक ला अपन जम्मो संपत्ति के जिम्मेदारी दे दीही।
48 पर यदि ओ सेवक ह दुस्ट अय अऊ अपन मन म ये कहय, ‘मोर मालिक के अवई म देरी हवय’,

† **24:29** यसा 13:10; 34:4; हाग्गै 2:21

49 अऊ तब ओह अपन संगी सेवकमन ला मारन-पीटन लगय अऊ मतवारमन के संग खावय-पीयय,
50 तब ओ सेवक के मालिक ह अइसने दिन म आ जाही, जब ओह ओकर आय के आसा नइं करत होही अऊ
अइसने समय, जऊन ला ओह नइं जानत होही।
51 तब मालिक ह ओला सजा दीही, अऊ ओला ढोंगीमन के संग ठऊर दीही, जिहां ओह रोही अऊ अपन
दांत पीसही।"

25

[illegible]

1 "ओ समय स्वरग के राज ह ओ दस कुंवारीमन सहीं होही, जऊन मन अपन-अपन दीया ला लेके दूल्हा के
संग भेंट करे बर गीन।
2 ओमन म पांच झन मुरूख अऊ पांच झन बुद्धिमान रिहिन।
3 मुरूख कुंवारीमन दीयामन ला तो लीन, पर अपन संग तेल नइं ले गीन।
4 पर बुद्धिमान कुंवारीमन अपन-अपन दीया के संग बोतल म तेल घलो ले गीन।
5 दूल्हा के आय म देरी होईस, त ओमन ला ऊंघासी आईस अऊ ओमन सुत गीन।
6 "आधा रथिया ये चिचियाय के अवाज आईस, 'देखव, दूल्हा ह आवत हवय। ओकर संग भेंट करे बर आवव।'
7 "तब जम्मो कुंवारीमन जाग गीन अऊ अपन-अपन दीया ला ठीक करे लगिन।
8 मुरूख कुंवारीमन बुद्धिमान कुंवारीमन ला कहिन, 'अपन तेल म ले थोरकन हमन ला घलो देवव, काबरकि
हमर दीयामन बुतावत हवंय।'
9 "पर बुद्धिमान कुंवारीमन जबाब दीन, 'सायद, हमर बर अऊ तुम्हर बर तेल ह नइं पूरही, एकरसेति तुमन
तेल बेचइयामन करा जावव अऊ अपन बर तेल बिसा लेवव।'
10 "पर जब ओमन तेल बिसाय बर गे रिहिन, त दूल्हा ह आ गीस। जऊन कुंवारीमन तियार रिहिन, ओमन
ओकर संग बिहाव के भोज म भीतर गीन। अऊ कपाट ह बंद हो गीस।
11 "बाद म ओ आने कुंवारीमन घलो आईन अऊ कहिन, 'हे मालिक, हे मालिक! हमर बर कपाट ला खोल दे।'
12 "पर ओह जबाब दीस, 'मेंह तुमन ला सच कहत हंव, मेंह तुमन ला नइं जानंव।'
13 "एकरसेति, सचेत रहव, काबरकि तुमन न तो ओ दिन ला जानत हव अऊ न ही ओ समय ला।"

[illegible]
([illegible] 19:11-27)

14 "स्वरग के राज ह ओ मनखे के सहीं अय, जऊन ह परदेस जावत बेरा अपन सेवकमन ला बलाईस अऊ
ओमन ला अपन संपत्ति सऊंप दीस।
15 हर एक ला ओह ओमन के योग्यता के मुताबिक दीस; एक सेवक ला ओह पांच सिक्का, दूसर ला दू सिक्का
अऊ तीसरा ला एक सिक्का दीस।* अऊ तब ओह परदेस चल दीस।
16 जऊन सेवक ला पांच सिक्का मिले रिहिस, ओह तुरते गीस अऊ ओ सिक्का ले लेन-देन करके पांच सिक्का
अऊ कमा लीस।
17 वइसने जऊन सेवक ला दू सिक्का मिले रिहिस, ओह घलो दू सिक्का अऊ कमाईस।
18 पर जऊन सेवक ला एक ठन सिक्का मिले रिहिस, ओह गीस अऊ भुइयां ला खनके अपन मालिक के पईसा
ला उहां लुका दीस।
19 "बहुंत समय के बाद, ओ सेवकमन के मालिक ह लहुंटिस अऊ ओमन ले हिसाब मांगिस।
20 जऊन सेवक ला पांच सिक्का मिले रिहिस, ओह पांच सिक्का अऊ लेके आईस अऊ कहिस, 'मालिक, तेंह
मोला पांच सिक्का देय रहय। देख, मेंह पांच सिक्का अऊ कमाय हवंव।'
21 "ओकर मालिक ह ओला कहिस, 'बहुंत अच्छा करय। तेंह बने अऊ ईमानदार सेवक अस। तेंह थोरकन म
ईमानदार रहय। मेंह तोला बहुंत चीजमन ऊपर अधिकार दूहूं। आ अऊ अपन मालिक के खुसी म सामिल हो
जा।'
22 "जऊन सेवक ला दू ठन सिक्का मिले रिहिस, ओह घलो आईस अऊ कहिस, 'मालिक, तेंह मोला दू ठन
सिक्का देय रहय। देख, मेंह दू ठन सिक्का अऊ कमाय हवंव।'

---

* **25:15** एक *[illegible]* के मतलब इहां कतको *[illegible]* अय।

23 “ओकर मालिक ह ओला कहिस, ‘बहुंत अच्छा करय। तेंह बने अऊ ईमानदार सेवक अस। तेंह थोरकन म
ईमानदार रहय। मेंह तोला बहुंत चीजमन ऊपर अधिकार दूहूं। आ अऊ अपन मालिक के खुसी म सामिल हो
जा।’
24 “तब जऊन सेवक ला एक सिक्का मिले रिहिस, ओह आईस अऊ कहिस, ‘मालिक, मेंह जानत रहेंव कि तेंह
एक कठोर मनखे अस। तेंह जिहां नइं बोए रहस, उहां ले लूथस, अऊ जिहां बीजा नइं बगराय रहस, उहां ले
संकेलथस।
25 एकरसेति मेंह डरा गेंव अऊ बाहिर जाके मेंह तोर सिक्का ला भुइयां म गड़िया देंव; ये हवय तोर सिक्का।’
26 “ओकर मालिक ह ओला कहिस, ‘दुस्ट अऊ अलाल सेवक! जब तेंह जानत रहय कि जिहां मेंह नइं बोए
रहंव, उहां ले लूथंव, अऊ जिहां बीजा नइं बगराय रहंव, उहां ले संकेलथंव।
27 त तोला मोर पईसा ला बैंक म जमा कर देना रिहिस, ताकि जब मेंह वापिस आयेंव, त ओला बियाज सहित
ले लेतेंव।
28 “ ‘एकरसेति ये सिक्का ला एकर ले लेय लव, अऊ ओला दे दव, जेकर करा दस ठन सिक्का हवय।
29 काबरकि जेकर करा हवय, ओला अऊ दिये जाही अऊ ओकर करा बहुंत जादा हो जाही। पर जेकर करा
नइं ए, ओकर करा ले ओला घलो ले लिये जाही, जऊन थोर बहुंत ओकर करा हवय।
30 ये बेकार सेवक ला बाहिर अंधियार म फटिक दव, जिहां ओह रोही अऊ अपन दांत पीसही।’

[illegible] [illegible] [illegible]

31 “जब मनखे के बेटा ह अपन महिमा म आही अऊ जम्मो स्वरगदूतमन ओकर संग आहीं, त ओह अपन
महिमा के सिंघासन म बिराजही।
32 अऊ ओकर आघू म संसार के जम्मो मनखेमन ला लाने जाही। जइसने चरवाहा ह भेड़मन ला बोकरामन ले
अलग करथे, वइसने ओह मनखेमन ला एक-दूसर ले अलग करही।
33 ओह भेड़मन ला अपन जेवनी अंग अऊ बोकरामन ला अपन डेरी अंग ठाढ़ करही।
34 “तब राजा ह अपन जेवनी अंग के मनखेमन ला कहिही, ‘तुमन मोर ददा के आसीसित मनखे अव। आवव,
अऊ ओ राज के उत्तराधिकारी बन जावव, जऊन ला तुम्हर खातिर संसार के सिरजे के समय ले तियार करे गे
हवय।
35 काबरकि मेंह भूखा रहेंव अऊ तुमन मोला खाना खवाएव; मेंह पीयासा रहेंव अऊ तुमन मोला पानी
पीयाएव; मेंह परदेसी रहेंव अऊ तुमन मोला अपन घर म रखेव;
36 मोर करा कपड़ा नइं रिहिस अऊ तुमन मोला कपड़ा पहिराएव; मेंह बेमार रहेंव अऊ तुमन मोर देखरेख
करेव, मेंह जेल म रहेंव अऊ तुमन मोर ले मिले बर आयेव।’
37 “तब धरमीमन ओला कहिहीं, ‘हे परभू, हमन कब तोला भूखा देखेंन अऊ खाना खवाएंन या कब पीयासा
देखेंन अऊ तोला पानी पीयाएंन?
38 हमन कब तोला एक परदेसी के रूप म देखेंन अऊ अपन घर म ठहिराएंन, या कब तोर करा कपड़ा नइं
रिहिस अऊ हमन तोला कपड़ा पहिराएंन?
39 हमन कब तोला बेमार या जेल म देखेंन अऊ तोर ले मिले बर आयेंन?’
40 “तब राजा ह ओमन ला ये जबाब दीही, ‘मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन कुछू तुमन मोर ये छोटे ले
छोटे भाईमन के कोनो एक झन खातिर करेव, त तुमन ओ मोर बर करेव।†’
41 “तब राजा ह अपन डेरी अंग के मनखेमन ला कहिही, ‘तुमन सरापित मनखे अव। मोर ले दूरिहा हटव अऊ
ओ सदाकाल के आगी म चले जावव, जऊन ला सैतान अऊ ओकर दूतमन बर तियार करे गे हवय।
42 काबरकि मेंह भूखा रहेंव, अऊ तुमन मोला खाना नइं खवाएव; मेंह पीयासा रहेंव अऊ तुमन मोला पानी
नइं पीयाएव।
43 मेंह परदेसी रहेंव अऊ तुमन मोला अपन घर म नइं रखेव; मोर करा कपड़ा नइं रिहिस अऊ तुमन मोला
कपड़ा नइं पहिराएव; मेंह बेमार रहेंव अऊ जेल म रहेंव अऊ तुमन मोर देखरेख नइं करेव।’
44 “तब ओमन कहिहीं, ‘हे परभू! हमन कब तोला भूखा या पीयासा या परदेसी या बिगर कपड़ा या बेमार या
जेल म देखेंन अऊ तोर मदद नइं करेंन?’

† **25:40** मत्ती 10:40-42

45 “तब राजा ह ओमन ला ये जबाब दीही, ‘मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जब भी तुमन ये छोटे मन के कोनो
एक झन के मदद नइं करेव, त तुमन मोर घलो मदद नइं करेव।’
46 “तब ओमन सदाकाल के दंड भोगहीं, पर धरमीमन परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाहीं।”‡

26

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:1-2; [illegible] 22:1-2; [illegible] 11:45-53)
1 ये जम्मो बात ला कहे के बाद, यीसू ह चेलामन ला कहिस,
2 “जइसने कि तुमन जानत हव कि दू दिन के बाद फसह के तिहार मनाय जाही। तब कुरूस ऊपर चघाय बर
मनखे के बेटा ह पकड़वाय जाही।”
3 तब काइफा नांव के महा पुरोहित के महल म मुखिया पुरोहितमन अऊ मनखेमन के अगुवामन जूरिन।
4 अऊ ओमन ये बिचार करिन कि कइसने ओमन छल-कपट करके यीसू ला पकड़ंय अऊ ओला मार डारंय।
5 ओमन कहिन, “तिहार के समय नइं। कहूं अइसने झन होवय कि मनखेमन म दंगा हो जावय।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:3-9; [illegible] 12:1-8)
6 जब यीसू ह बैतनियाह गांव म सिमोन कोढ़ी के घर म रिहिस,
7 त एक झन माईलोगन संगमरमर के बरतन म बहुंत मंहगा इतर तेल लेके आईस, अऊ जब यीसू ह खाना
खावत रहय, त ओ माईलोगन ह यीसू के मुड़ ऊपर इतर ला ढार दीस।
8 येला देखके चेलामन नराज होईन अऊ कहिन, “येला काबर बरबाद करिस?
9 ये इतर ला बने दाम म बेचके, ओ रूपिया ला गरीबमन म बांटे जा सकत रिहिस।”
10 येला जानके यीसू ह ओमन ला कहिस, “तुमन ये माईलोगन ला काबर परेसान करत हवव? ओह मोर बर
सुघर काम करे हवय।
11 गरीब मनखेमन तुम्हर संग हमेसा रहिहीं, पर मेंह तुम्हर संग हमेसा नइं रहंव।
12 ओह मोर देहें ऊपर जऊन इतर ढारिस, त ओह येला मोर गड़ियाय जाय के तियारी म करिस।
13 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जम्मो संसार म जिहां-जिहां मोर सुघर संदेस के परचार करे जाही, उहां
ओकर ये काम के चरचा घलो ओकर सुरता म करे जाही।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:10-11; [illegible] 22:3-6)
14 तब यहूदा इस्करियोती जऊन ह बारह चेलामन ले एक झन रिहिस, मुखिया पुरोहितमन करा गीस,
15 अऊ ओमन ला कहिस, “यदि मेंह यीसू ला तुम्हर हांथ म पकड़वा दूहूं, त तुमन मोला का दूहू?” अऊ
ओमन यहूदा ला चांदी के तीस ठन सिक्का दीन।
16 ओ समय ले यहूदा ह यीसू ला पकड़वाय बर मऊका खोजे लगिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:12-21; [illegible] 22:7-13, 21-23; [illegible] 13:21-30)
17 बिन खमीर के रोटी के तिहार के पहिली दिन चेलामन यीसू करा आईन अऊ पुछिन, “तेंह कहां चाहथस कि
हमन जाके तोर बर फसह के भोज खाय के तियारी करन?”
18 यीसू ह कहिस, “सहर म ओ मनखे करा जावव अऊ ओला कहव, ‘गुरू ह कहिथे: मोर समय ह लकठा आ गे
हवय। मेंह फसह के तिहार ला अपन चेलामन संग तोर घर म मनाय चाहथंव।’ ”
19 जइसने यीसू ह हुकूम दे रिहिस, चेलामन वइसनेच करिन अऊ ओमन फसह तिहार के भोज तियार करिन।
20 जब सांझ होईस, त यीसू अपन बारह चेलामन संग खाना खाय बर बईठिस।
21 अऊ जब ओमन खावत रिहिन, त यीसू ह कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, तुमन म ले एक झन मोर
संग बिसवासघात करही।”

‡ **25:46** मत्ती 18:4-6

22 येला सुनके चेलामन बहुंत उदास होईन अऊ एक-एक करके ओकर ले पुछन लगिन, “का ओह में अंव,
परभू?”
23 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन ह मोर संग कटोरा म अपन हांथ ला डारे हवय, ओहीच ह मोर संग
बिसवासघात करही।
24 मनखे के बेटा ह मरही, जइसने ओकर बारे म परमेसर के बचन म लिखे हवय। पर धिक्कार ए, ओ मनखे
ऊपर, जऊन ह मनखे के बेटा संग बिसवासघात करत हे। ओ मनखे बर बने होतिस, यदि ओकर जनम ही नइं
होय रहितिस।”
25 तब यहूदा जऊन ह यीसू के संग बिसवासघात करइया रिहिस, यीसू ले कहिस, “हे गुरू! का ओह में अंव?”
यीसू ह ओला कहिस, “हव, ओ मनखे तेंह अस।”
26 जब ओमन खावत रिहिन, तब यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओला टोरिस अऊ
अपन चेलामन ला देके कहिस, “लेवव अऊ खावव; येह मोर देहें अय।”
27 तब ओह कटोरा ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद दीस अऊ ओमन ला ये कहिके कटोरा ला दीस, “येमा
ले तुमन जम्मो झन पीयव।
28 येह करार के मोर लहू ए, जऊन ह बहुंते जन बर पाप के छेमा खातिर ढारे जावत हे।
29 मेंह तुमन ला कहथंव कि मेंह ये अंगूर के मंद ला ओ दिन तक नइं पीयंव, जब तक कि मेंह तुम्हर संग मोर
ददा के राज म नवां अंगूर के मंद ला नइं पी लंव।”
30 तब ओमन एक भजन गाय के बाद, जैतून पहाड़ ऊपर चल दीन।

[illegible]
(मत्ती 14:27-31; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

31 तब यीसू ह चेलामन ला कहिस, “आज रात के तुमन जम्मो झन मोला छोंड़के भाग जाहू, काबरकि
परमेसर के बचन म ये लिखे हवय,
“ ‘मेंह चरवाहा ला मारहूं।
अऊ झुंड के भेड़मन तितिर-बितिर हो जाहीं।’*
32 पर मेंह जी उठे के बाद, तुम्हर ले पहिली गलील प्रदेस जाहूं।”
33 तब पतरस ह यीसू ला कहिस, “चाहे जम्मो झन तोला छोंड़के भाग जावंय त भाग जावंय, पर मेंह तोला
कभू नइं छोड़ंव।”
34 यीसू ह ओला जबाब दीस, “मेंह तोला सच कहथंव, आजेच रात के, कुकरा के बासे के पहिली तेंह तीन बार
मोर इनकार करबे।”
35 पर पतरस ह कहिस, “चाहे मोला तोर संग मरना घलो पड़य, तभो ले मेंह तोर कभू इनकार नइं करंव।”
अऊ आने जम्मो चेलामन घलो अइसनेच कहिन।

[illegible]
(मत्ती 14:32-42; लूका 22:39-46)

36 तब यीसू ह अपन चेलामन संग गतसमनी नांव के एक ठऊर म गीस अऊ ओह ओमन ला कहिस, “तुमन
इहां बईठव, जब तक कि मेंह उहां जाके पराथना करथंव।”
37 ओह पतरस अऊ जबदी के दू झन बेटा ला अपन संग म लीस, अऊ यीसू के मन ह दुखी अऊ बियाकुल
होय लगिस।
38 तब ओह ओमन ला कहिस, “मोर परान ह अतकी उदास हवय कि मेंह मर जावंव सहीं लगत हवय। तुमन
इहां ठहिरव अऊ मोर संग जागत रहव।”
39 थोरकन आघू जाके, यीसू ह मुहूं के भार भुइयां म गिरिस अऊ ये पराथना करिस, “हे मोर ददा! कहूं हो
सकय, त दुख के ये कटोरा ला मोर म ले टार दे। तभो ले मोर नइं, फेर तोर ईछा पूरा होवय।”
40 तब ओह अपन चेलामन करा आईस अऊ ओमन ला सुतत देखिस, त ओह पतरस ला कहिस, “का तुमन
मोर संग एक घंटा घलो नइं जाग सकव?

---

* **26:31** जकर 13:7

41 जागत रहव अऊ पराथना करव, ताकि तुमन परिछा म झन पड़व। आतमा त तियार हवय, फेर देहें ह
दुरबल अय।”
42 यीसू ह दूसर बार गीस अऊ ये पराथना करिस, “हे मोर ददा! कहूं दुख के ये कटोरा ह मोर पीये बिगर नइं
टर सकय, त फेर तोर ईछा पूरा होवय।”
43 जब यीसू ह वापिस आईस, त ओह अपन चेलामन ला फेर सुतत पाईस, काबरकि ओमन के आंखीमन नींद
ले भारी हो गे रहंय।
44 एकरसेति ओह ओमन ला छोंड़के फेर एक बार गीस अऊ ओहीच बात ला कहिके, तीसरा बार पराथना
करिस।
45 तब ओह चेलामन करा आईस अऊ ओमन ला कहिस, “का तुमन अभी तक ले सुतत हव अऊ सुरतावत
हव? देखव, ओ घरी ह लकठा आ गे हवय, अऊ मनखे के बेटा ह पापीमन के हांथ म पकड़वाय जवइया हे।
46 उठव! आवव, हमन चलन! देखव, मोर संग बिसवासघात करइया ह लकठा आ गे हवय!”

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:43-50; [illegible] 22:47-53; [illegible] 18:3-12)

47 जब यीसू ह ये बात कहितेच रिहिस, तभे यहूदा जऊन ह बारह चेलामन ले एक झन रहय, आईस। ओकर
संग म मनखेमन के एक बड़े भीड़ रहय अऊ मनखेमन तलवार अऊ लउठी धरे रहंय। येमन ला मुखिया पुरोहित
अऊ मनखेमन के अगुवामन पठोय रिहिन।
48 बिसवासघात करइया ह ओमन ला पहिली ले ये संकेत बता दे रिहिस, “जऊन ला मेंह चूमहूं, ओहीच मनखे
अय; ओला पकड़ लूहू।”
49 यहूदा ह तुरते यीसू करा आईस अऊ कहिस, “हे गुरू, जोहार!” अऊ ओह यीसू ला चूमिस।
50 यीसू ह ओला कहिस, “संगवारी! जऊन काम बर तेंह आय हवस, ओला कर।”
तब मनखेमन आघू म आईन अऊ यीसू ला पकड़के गिरफतार कर लीन।
51 तब यीसू के संगवारीमन ले एक झन तलवार ला खींचके निकालिस अऊ महा पुरोहित के सेवक ऊपर
चलाके ओकर कान ला काट दीस।
52 यीसू ह ओला कहिस, “अपन तलवार ला मियान म रख, काबरकि जऊन मन तलवार चलाथें, ओमन
तलवार ले मारे जाहीं।
53 का तेंह नइं जानस कि मेंह अपन ददा ले बिनती कर सकथंव अऊ ओह मोर बर तुरते स्वरगदूतमन के बारह
ठन बड़े-बड़े सैनिक दल ले घलो जादा पठो दीही।
54 पर तब परमेसर के ओ बचन ह कइसे पूरा होही, जऊन ह ये कहिथे कि ये बात ला ये किसम ले होना जरूरी
अय।”†
55 ओतकीच बेरा यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला कहिस, “का तुमन मोला डाकू समझथव कि तलवार अऊ
लउठी लेके मोला पकड़े बर आय हवव? मेंह हर दिन मंदिर म बईठके उपदेस देवत रहेंव अऊ तुमन मोला नइं
पकड़ेव।
56 पर ये जम्मो बात एकरसेति होईस कि अगमजानीमन के लिखे बचन ह पूरा होवय।” तब जम्मो चेलामन
यीसू ला छोंड़के भाग गीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:53-65; [illegible] 22:54-55, 63-71; [illegible] 18:13-14, 19-24)

57 जऊन मन यीसू ला गिरफतार करे रिहिन, ओमन ओला महा पुरोहित काइफा करा ले गीन, जिहां कानून के
गुरू अऊ अगुवामन जूरे रहंय।
58 पर पतरस ह कुछू दूरिहा म रहत ओकर पाछू-पाछू गीस। ओह महा पुरोहित के घर के अंगना तक गीस
अऊ ये देखे बर कि का होवइया हे—ओह भीतर जाके पहरेदारमन के संग बईठ गीस।
59 मुखिया पुरोहितमन अऊ धरम महासभा के जम्मो मनखेमन यीसू के बिरूध म लबरा गवाही खोजत रहंय
ताकि ओमन ओला मार डारंय।
60 पर ओमन ला एको झन नइं मिलिन, हालाकि कतको लबरा गवाहमन आईन।
आखिर म दू झन गवाह आईन

† **26:54** यसा 53:12

61 अऊ कहिन, “ये मनखे ह कहे हवय, ‘मेंह परमेसर के मंदिर ला गिराके ओला तीन दिन म फेर बना सकत
हंव।’ ”
62 तब महा पुरोहित ह ठाढ़ होईस अऊ यीसू ला कहिस, “ये मनखेमन तोर बिरूध जऊन गवाही देवत हवंय,
का तेंह ओकर कोनो जबाब नइं देवस?”
63 पर यीसू ह चुपेचाप रिहिस।
महा पुरोहित ह यीसू ला कहिस, “मेंह तोला जीयत परमेसर के कसम देवत हंव: कहूं तेंह परमेसर के बेटा
मसीह अस, त हमन ला बता।”
64 यीसू ह ओला कहिस, “हव जी। जइसने कि तेंह कहय। पर मेंह तुमन जम्मो झन ला कहत हंव कि एकर
बाद तुमन मनखे के बेटा ला सर्वसक्तिमान परमेसर के जेवनी हांथ कोति बईठे अऊ अकास के बादरमन ऊपर
आवत देखहू।”‡
65 तब महा पुरोहित ह अपन कपड़ा ला चीरिस अऊ कहिस, “येह परमेसर के निन्दा करे हवय। हमन ला अऊ
कोनो गवाह के जरूरत नइं ए। देखव! अभीच तुमन ये निन्दा ला सुने हवव।
66 तुम्हर का बिचार हवय?”
ओमन जबाब दीन, “येह मिरतू-दंड के लईक अय।”
67 तब ओमन यीसू के मुहूं ऊपर थूकिन अऊ ओला मुक्का मारिन। आने मनखेमन ओला थपरा मारके कहिन,
68 “हे मसीह, अगमबानी करके हमन ला बता कि तोला कोन मारिस?”

[illegible] ने [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:66-72; [illegible] 22:56-62; [illegible] 18:15-18, 25-27)
69 ओ बखत पतरस ह बाहिर अंगना म बईठे रिहिस, तब एक नौकरानी छोकरी ओकर करा आईस अऊ
कहिस, “तेंह घलो गलील के रहइया यीसू के संग रहय।”
70 पर ओह ओ जम्मो झन के आघू म इनकार करिस अऊ कहिस, “मेंह नइं जानंव कि तेंह का कहत हवस?”
71 तब पतरस ह बाहिर दुवारी करा गीस, उहां एक आने नौकरानी छोकरी ओला देखिस अऊ उहां मनखेमन
ला कहिस, “ये मनखे ह नासरत के यीसू संग रिहिस।”
72 पतरस ह कसम खाके फेर इनकार करिस अऊ कहिस, “मेंह ओ मनखे ला नइं जानंव।”
73 एकर थोरकन देर बाद, जऊन मन उहां ठाढ़े रहंय, ओमन पतरस करा आईन अऊ कहिन, “सही म तेंह घलो
ओमन ले एक झन अस, काबरकि तोर बोली ले, ये बात के पता चलत हे।”
74 तब पतरस ह अपनआप ला कोसन लगिस अऊ किरिया खाके कहिस, “मेंह ओ मनखे ला नइं जानंव।”
अऊ तुरते कुकरा ह बासिस।
75 तब पतरस ह यीसू के कहे ये बात ला सुरता करिस: “कुकरा बासे के पहिली, तेंह तीन बार मोर इनकार
करबे।” अऊ ओह बाहिर गीस अऊ फूट-फूटके रोय लगिस।

27

[illegible] ने [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] [illegible] [illegible] 1:18-19)
1 जब बिहनियां होईस, त जम्मो मुखिया पुरोहित अऊ मनखेमन के अगुवामन यीसू ला मार डारे के फैसला
करिन।
2 ओमन यीसू ला बांधिन अऊ ओला ले जाके राजपाल पीलातुस* के हांथ म सऊंप दीन।
3 यीसू के संग बिसवासघात करइया यहूदा ह जब देखिस कि यीसू ला दोसी ठहिराय गे हवय, त ओह
पछताईस अऊ ओह मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन ला चांदी के तीस सिक्का वापिस कर दीस,
4 अऊ कहिस, “मेंह पाप करे हवंव काबरकि मेंह एक निरदोस मनखे ला मरवाय बर ओकर संग बिसवासघात
करेंव।”
ओमन कहिन, “हमन ला एकर ले का मतलब! येला तें जान।”

‡ **26:64** देखव भजन 110:1; दानि 7:13 * **27:2** पीलातुस ह रोमी राजपाल रिहिस।

5 तब यहूदा ह ओ चांदी के सिक्कामन ला मंदिर म फटिक दीस अऊ उहां ले चले गीस अऊ जाके फांसी लगा
लीस।
6 मुखिया पुरोहितमन ओ सिक्कामन ला उठाईन अऊ कहिन, "ये पईसा ला खजाना म रखना कानून के
मुताबिक सही नो हय, काबरकि येह लहू के कीमत अय।"
7 एकरसेति ओमन ओ पईसा ले कुम्हार के खेत ला बिसाय के फैसला करिन ताकि ओ जगह ह परदेसीमन बर
मरघटी के रूप म काम आवय।
8 एकरे कारन, ओ खेत ला आज तक ले लहू के खेत कहे जाथे।
9 ये किसम ले यरमियाह अगमजानी के दुवारा कहे गय ये बचन ह पूरा होईस: "ओमन चांदी के तीस
टुकड़ामन ला ले लीन, जऊन ला इसरायली मनखेमन ओकर कीमत ठहिराय रिहिन,
10 अऊ ओमन ओ पईसा के उपयोग कुम्हार के खेत बिसाय म करिन जइसने परभू ह मोला हुकूम दे रिहिस।"†

[illegible] (मत्ती 15:2-5; [illegible] 23:3-5; [illegible] 18:33-38)

11 जब यीसू ह राजपाल के आघू म ठाढ़ होईस, त राजपाल ह ओकर ले पुछिस, "का तेंह यहूदीमन के राजा
अस?"
यीसू ह ओला जबाब दीस, "हव जी, जइसने तेंह कहत हवस।"
12 जब मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन यीसू ऊपर दोस लगाईन, त ओह कुछू जबाब नइं दीस।
13 तब पीलातुस ह यीसू ला कहिस, "का तेंह नइं सुनत हवस कि ओमन तोर ऊपर कइसने दोस लगावत
हवंय।"
14 पर यीसू ह आरोप के जबाब म एको सबद नइं कहिस। जेकर ले राजपाल ला बहुंत अचरज होईस।
15 राजपाल के ये रिवाज रिहिस कि फसह तिहार के मऊका म, ओह एक झन कैदी ला छोंड़ देवय, जऊन ला
मनखेमन चाहंय।
16 ओ समय म बरब्बा नांव के एक बदनाम कैदी जेल म रिहिस।
17 जब भीड़ ह जूरे रिहिस, त पीलातुस ह भीड़ के मनखेमन ले पुछिस, "तुमन कोन ला चाहत हव कि मेंह
ओला तुम्हर बर छोंड़ देवंव—बरब्बा ला या यीसू ला, जऊन ला मसीह कहे जाथे?"
18 काबरकि पीलातुस ह जानत रिहिस कि ओमन जलन के कारन यीसू ला ओकर हांथ म सऊंपे रिहिन।
19 जब पीलातुस ह नियाय आसन म बईठे रिहिस, त ओकर घरवाली ह ओकर करा ये संदेस पठोईस, "ओ
धरमी मनखे संग कुछू झन कर, काबरकि मेंह आज सपना म ओकर कारन बहुंत दुख उठाय हवंव।"
20 पर मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन भीड़ के मनखेमन ला राजी कर लीन कि ओमन बरब्बा ला छोंड़े के
अऊ यीसू ला मार डारे के मांग करंय।
21 राजपाल ह ओमन ला फेर पुछिस, "ये दूनों म ले तुमन कोन ला चाहथव कि मेंह तुम्हर खातिर छोंड़
देवंव?"
ओमन कहिन, "बरब्बा ला।"
22 पीलातुस ह ओमन ले पुछिस, "तब मेंह यीसू के का करंव, जऊन ला मसीह कहे जाथे।"
ओ जम्मो झन जबाब दीन, "येला कुरूस ऊपर चघाय जावय।"
23 पीलातुस ह पुछिस, "काबर? ओह का अपराध करे हवय?"
पर ओमन अऊ जादा चिचियाके कहिन, "येला कुरूस ऊपर चघाय जावय।"
24 जब पीलातुस ह देखिस कि ओकर दुवारा कुछू नइं हो सकत हे, पर हुल्लड़ होवत हवय, त ओह पानी लीस
अऊ भीड़ के आघू म अपन हांथ ला धोके कहिस, "मेंह ये मनखे के मिरतू के दोसी नो हंव। एकर जिम्मेदार तुमन
अव।"
25 जम्मो मनखेमन जबाब दीन, "एकर मिरतू के दोस हमर अऊ हमर संतान ऊपर होवय।"
26 तब पीलातुस ह ओमन खातिर बरब्बा ला छोंड़ दीस अऊ यीसू ला कोर्रा म पीटवाईस, अऊ ओला कुरूस
ऊपर चघाय बर सऊंप दीस।

† **27:10** जकर 11:12-13;यर 32:6-8

[illegible]
([illegible] 15:16-20; [illegible] 19:2-3)

27 तब राजपाल के सैनिकमन यीसू ला राजपाल के महल म ले गीन अऊ सैनिकमन के पूरा दल ला यीसू करा
संकेलिन।
28 ओमन यीसू के कपड़ा ला उतारिन अऊ ओला सिन्दूरी लाल रंग के चोगा पहिराईन,
29 अऊ तब कांटा के एक मुकुट गुंथके ओकर मुड़ ऊपर रखिन, अऊ ओकर जेवनी हांथ म एक ठन लउठी धरा
दीन अऊ ओकर आघू म माड़ी टेकिन अऊ ये कहिके ओकर हंसी उड़ाईन, "हे यहूदीमन के राजा, तोला जोहार।"
30 ओमन ओकर ऊपर थूकिन अऊ लउठी लेके ओकर मुड़ म मारे लगिन।
31 जब ओमन ओकर हंसी उड़ा चुकिन, त चोगा ला ओकर ऊपर ले उतारके ओला ओकरेच कपड़ा ला
पहिराईन अऊ तब ओमन कुरूस ऊपर चघाय बर ओला बाहिर ले गीन।

[illegible]
([illegible] 15:21-32; [illegible] 23:26-43; [illegible] 19:17-27)

32 जब ओमन सहर ले बाहिर निकलत रिहिन, त ओमन ला कुरेन‡ के सिमोन नांव के एक झन मनखे मिलिस।
ओमन ओकर ले जबरन कुरूस ला उठवाके ले गीन।
33 ओमन "गुलगुता" नांव के ठऊर म आईन (गुलगुता के मतलब होथे—खोपड़ी के ठऊर)।
34 उहां ओमन यीसू ला पित्त मिले अंगूर के मंद पीये बर दीन। यीसू ह ओला चिखिस, पर ओला पीये बर नइं
चाहिस।
35 जब ओमन यीसू ला कुरूस ऊपर चघा लीन, त ओमन चिट्ठी डालके ओकर मुताबिक कपड़ा ला अपन म
बांट लीन।
36 तब ओमन उहां बईठके ओकर पहरा देवन लगिन।
37 अऊ ओकर मुड़ ऊपर ओकर दोस-पतर टांग दीन, जऊन म ये लिखाय रहय—

येह यहूदीमन के राजा यीसू अय।

38 ओ समय यीसू के संग दू झन डाकूमन घलो कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिन, एक झन ओकर जेवनी कोति
अऊ दूसर झन ओकर डेरी कोति।
39 उहां ले अवइया-जवइयामन यीसू के बेजत्ती करंय अऊ अपन मुड़ ला डोला-डोला के ये कहंय,
40 "तेंह तो मंदिर ला गिराके ओला तीन दिन म बनइया अस, अपनआप ला बचा ले। कहूं तेंह परमेसर के बेटा
अस, त फेर कुरूस ऊपर ले उतर आ।"
41 अइसनेच मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ अगुवामन घलो ये कहिके ओकर ठट्ठा करत रिहिन,
42 "येह आने मन ला बचाईस, पर येह अपनआप ला नइं बचा सकय! येह तो इसरायल के राजा अय! अब
येह कुरूस ऊपर ले उतर आवय, त हमन एकर ऊपर बिसवास करबो।
43 येह परमेसर ऊपर भरोसा रखथे। यदि परमेसर येला चाहथे, त ओह येला छुड़ा ले, काबरकि येह कहे
रिहिस, 'मेंह परमेसर के बेटा अंव।' "
44 अइसनेच ओ डाकूमन घलो जऊन मन ओकर संग कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिन, ओकर ठट्ठा करिन।

[illegible]
([illegible] 15:33-41; [illegible] 23:44-49; [illegible] 19:28-30)

45 ओ मंझनियां बारह बजे ले लेके तीन बजे तक जम्मो देस ऊपर अंधियार छाय रिहिस।
46 करीब तीन बजे यीसू ह जोर से नरियाके कहिस, *"[illegible], [illegible], [illegible] [illegible]?"* (जेकर मतलब होथे, "हे
मोर परमेसर, हे मोर परमेसर, तेंह मोला काबर छोंड़ देय?)"§
47 जब उहां ठाढ़े मनखेमन ले कुछू झन येला सुनिन, त ओमन कहिन, "येह एलियाह ला बलावत हवय।"
48 ओमन ले एक झन तुरते दऊड़के एक पनसोखवा रबर ला लानिस, अऊ ओह ओला सिरका म बोरिस अऊ
एक ठन लउठी म रखके यीसू ला पीये बर दीस।
49 पर बाकि मनखेमन कहिन, "अब ओला रहन दे। आवव, हमन देखन, एलियाह ह येला बचाय बर आथे कि
नइं।"

‡ **27:32** *[illegible]*ह आफ्रिका देस म एक सहर रिहिस। § **27:46** भजन 22:1

50 अऊ यीसू ह फेर जोर से गोहार पारिस अऊ अपन परान ला तियाग दीस।
51 ओतकीच बेरा मंदिर के परदा ह ऊपर ले खाल्हे तक चीराके दू कुटा हो गीस। धरती ह कांप उठिस अऊ चट्टानमन तड़क गीन
52 अऊ कबरमन उघर गीन अऊ कतको मरे पबितर मनखे के देहेंमन फेर जी उठिन।
53 ओमन कबर म ले बाहिर निकलिन, अऊ यीसू के जी उठे के बाद, ओमन पबितर सहर म गीन अऊ कतको मनखेमन ला दिखिन।
54 जब सिपाहीमन के अधिकारी* अऊ ओकर संग के सैनिक, जऊन मन यीसू के पहरा देवत रिहिन, भुइंडोल अऊ ओ जम्मो घटना ला देखिन, त अब्बड़ डरा गीन अऊ ओमन कहिन, "सही म येह परमेसर के बेटा रिहिस।"
55 उहां कतको माईलोगन घलो रिहिन, जऊन मन दूरिहा ले यीसू ला देखत रिहिन। ओमन यीसू के सेवा करत गलील प्रदेस ले ओकर संगे-संग आय रिहिन।
56 ओमन म मरियम मगदलिनी, याकूब अऊ यूसुफ के दाई मरियम अऊ जबदी के बेटामन के दाई रिहिन।

[illegible]
([illegible] 15:42-47; [illegible] 23:50-56; [illegible] 19:38-42)
57 जब संझा होईस, त अरमतिया सहर ले एक धनवान मनखे आईस। ओकर नांव यूसुफ रिहिस अऊ ओह खुदे यीसू के चेला बन गे रिहिस।
58 ओ बेरा ओह पीलातुस करा जाके यीसू के लास ला मांगिस अऊ पीलातुस ह यीसू के लास ला ओला सऊंप देय के हुकूम दीस।
59 यूसुफ ह लास ला लीस अऊ ओला एक ठन साफ मलमल के कपड़ा म लपेटिस,
60 अऊ ओला अपन खुद के नवां कबर म रखिस, जऊन ला ओह चट्टान ला काटके बनवाय रिहिस। तब ओह एक ठन बड़े पथरा ला कबर के मुंहाटी म टेका दीस अऊ उहां ले चले गीस।
61 मरियम मगदलिनी अऊ दूसर मरियम उहां कबर के आघू म बईठे रिहिन।

[illegible]
62 ओकर दूसर दिन, जऊन ह तियारी के दिन के बाद के दिन रिहिस, मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन पीलातुस करा जूरिन†
63 अऊ कहिन, "महाराज, हमन ला सुरता हवय कि ओ धोखेबाज ह जब जीयत रिहिस, त कहे रिहिस, 'तीन दिन के बाद मेंह फेर जी उठहूं।'
64 एकरसेति हुकूम दे कि तीसरा दिन तक ओ कबर के रखवारी करे जावय। अइसने झन होवय कि ओकर चेलामन आवंय अऊ ओकर लास ला चोराके ले जावंय अऊ मनखेमन ला कहंय कि ओह मरे म ले जी उठे हवय। तब ये आखिरी धोखा ह पहिली ले घलो अऊ खराप होही।"
65 पीलातुस ह ओमन ला कहिस, "तुम्हर करा पहरेदारमन हवंय। जावव, अऊ जइसने तुमन उचित समझथव, कबर के रखवारी के परबंध करव।"
66 तब ओमन गीन अऊ कबर के पथरा ऊपर मुहर लगाईन अऊ उहां पहरेदार बईठाके ओमन कबर के रखवारी के परबंध करिन।

28

[illegible]
([illegible] 16:1-10; [illegible] 24:1-12; [illegible] 20:1-10)
1 बिसराम दिन के बाद, हप्ता के पहिली दिन बड़े बिहनियां मरियम मगदलिनी अऊ दूसर मरियम कबर ला देखे बर गीन।
2 ओ समय एक भयंकर भुइंडोल होईस, काबरकि परभू के एक स्वरगदूत ह स्वरग ले उतरिस अऊ कबर करा आईस अऊ पथरा ला ढुनगाके ओकर ऊपर बईठ गीस।
3 ओकर रूप ह बिजली सहीं चमकत रहय अऊ ओकर कपड़ा ह झक पंर्रा रिहिस।
4 पहरेदारमन ओकर ले डरके थर-थर कांपे लगिन अऊ मुरदा के सहीं हो गीन।

* **27:54** एक सूबेदार के अधीन एक सौ सैनिक रहंय। † **27:62** बिसराम दिन के पहिली के दिन ला तियारी के दिन कहे जावय।

5 स्वरगदूत ह माईलोगनमन ला कहिस, “झन डरव, काबरकि मेंह जानत हंव कि तुमन यीसू ला खोजत हव,
जऊन ला कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिस।
6 ओह इहां नइं ए; ओह जी उठे हवय, जइसने ओह कहे रिहिस। आवव अऊ ओ ठऊर ला देखव, जिहां ओला
रखे गे रिहिस।
7 अब तुमन तुरते जाके ओकर चेलामन ला ये बतावव: ‘ओह मरे म ले जी उठे हवय अऊ ओह तुम्हर ले आघू
गलील प्रदेस जावत हवय। उहां तुमन ओला देखहू।’ देखव! मेंह तुमन ला बता दे हंव।”
8 एकरसेति ओ माईलोगनमन जल्दी कबर ले चले गीन। ओमन डरा गे रिहिन, पर बड़े आनंद सहित चेलामन
ला बताय बर दऊड़के गीन।
9 अचानक यीसू ह ओमन ले मिलिस अऊ कहिस, “खुस रहव।” ओमन ओकर करा आईन अऊ ओकर गोड़ ला
धरके ओकर दंडवत करिन।
10 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “झन डरव। जावव अऊ मोर भाईमन ला कहव कि ओमन गलील प्रदेस
जावंय। उहां ओमन मोला देखहीं।”

[illegible]

11 जब माईलोगनमन डहार म रिहिन, त कुछू पहरेदारमन सहर म गीन अऊ जऊन कुछू होय रिहिस, ओ
जम्मो बात मुखिया पुरोहितमन ला बताईन।
12 तब मुखिया पुरोहितमन अगुवामन संग मिलके एक योजना बनाईन। ओमन सैनिकमन ला बहुंत अकन
पईसा देके कहिन,
13 “तुमन मनखेमन ला ये कहव, ‘जब हमन रथिया सुते रहेंन, त ओकर चेलामन आईन अऊ ओला चोराके ले
गीन।’
14 यदि ये बात राजपाल के कान म पड़ही, त हमन ओला समझा देबो अऊ तुमन ला मुसीबत ले बचा लेबो।”
15 सैनिकमन पईसा ला लीन अऊ वइसने करिन, जइसने ओमन ला सिखाय गे रिहिस। अऊ ये बात
यहूदीमन के बीच म आज तक फईले हवय।

[illegible]
([illegible] 16:14-18; [illegible] 24:36-49; [illegible] 20:19-23; [illegible] 1:6-8)

16 तब गियारह चेलामन गलील प्रदेस के ओ पहाड़ ऊपर गीन, जिहां जाय बर यीसू ह ओमन ला कहे रिहिस।
17 अऊ जब ओमन यीसू ला देखिन, त ओला दंडवत करिन, पर कोनो-कोनो ला संका होईस।
18 तब यीसू ह ओमन करा आईस अऊ कहिस, “स्वरग अऊ धरती ऊपर मोला पूरा अधिकार देय गे हवय।
19 एकरसेति जावव अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ला मोर चेला बनावव अऊ ओमन ला ददा, बेटा अऊ
पबितर आतमा के नांव म बतिसमा देवव,
20 अऊ ओमन ला ओ जम्मो बात मानना सिखोवव, जेकर हुकूम मेंह तुमन ला देय हवंव। अऊ देखव, मेंह
संसार के अन्त होवत तक हमेसा तुम्हर संग हवंव।”

मरकुस
के लिखे सुघर संदेस

[illegible]
1 परमेसर के बेटा यीसू मसीह के सुघर संदेस के सुरूआत।
2 जइसने यसायाह अगमजानी के किताब म लिखे हवय:
“देख, मेंह अपन संदेसिया ला तोर आघू पठोवत हंव,
जऊन ह तोर रसता तियार करही।”*
3 “सुनसान जगह म एक झन अवाज देवत रिहिस,
‘परभू बर डहार ला तियार करव,
ओकर डहार ला सीधा करव।’ ”†
4 यूहन्ना बतिसमा देवइया, जऊन ह सुनसान जगह म रहत रिहिस, अऊ पाप के छेमा खातिर मन-फिराय के बतिसमा के परचार करत रिहिस।
5 यरूसलेम, अऊ यहूदिया प्रदेस के जम्मो झन निकलके ओकर करा गीन, अऊ अपन-अपन पाप ला मानके, ओमन यरदन नदी म यूहन्ना ले बतिसमा लीन।
6 यूहन्ना ह ऊंट के रूआं के बने कपड़ा पहिरय अऊ अपन कनिहां म चमड़ा के बने पट्टा बांधय, ओह फांफा अऊ जंगली मंधरस खावय।
7 अऊ ओह ये बतात फिरत रिहिस कि मोर बाद एक झन अवइया हवय, जऊन ह मोर ले अऊ सक्तिसाली ए। मेंह एकर लईक घलो नो हंव कि निहरके ओकर पनही के बंधना ला खोलंव।
8 मेंह तुमन ला पानी म बतिसमा देवत हंव, पर ओह तुमन ला पबितर आतमा म बतिसमा दीही।

[illegible]
(मत्ती 3:13–4:11; लूका 3:21-22; 4:1-13)
9 ओ समय म, यीसू ह गलील के नासरत नगर ले आईस अऊ यरदन नदी म यूहन्ना ले बतिसमा लीस।
10 जब यीसू ह पानी ले निकलके ऊपर आईस, तभे ओह स्वरग ला खुलत अऊ परमेसर के आतमा ला पंड़की सहीं अपन ऊपर उतरत देखिस।
11 अऊ स्वरग ले ये अवाज आईस: “तेंह मोर मयारू बेटा अस, तोर ले मेंह बहुंत खुस हवंव।”
12 तब आतमा ह तुरते ओला सुनसान ठऊर म पठोईस।
13 अऊ निरजन जगह म चालीस दिन तक सैतान ह ओकर परिछा लीस। ओह जंगली पसुमन संग रहत रिहिस अऊ स्वरगदूतमन ओकर सेवा करत रिहिन।

[illegible]
14 पाछू जब यूहन्ना ला जेल म डाले गीस, त यीसू ह परमेसर के सुघर संदेस के परचार करत गलील प्रदेस म गीस।
15 ओह कहिस, “समय ह पूरा हो चुके हवय; परमेसर के राज ह लकठा आ गे हवय। मन फिरावव अऊ सुघर संदेस म बिसवास करव।”

[illegible]
(मत्ती 4:18-22; लूका 5:1-11)
16 गलील के झील के तीरे-तीर जावत, ओह सिमोन अऊ ओकर भाई अन्द्रियास ला झील म जाल डारत देखिस, काबरकि ओमन मछुआर रिहिन।
17 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर पाछू आवव, मेंह तुमन ला मनखे पकड़इया मछुआर बनाहूं।”
18 ओमन तुरते अपन जाल ला छोंड़के ओकर पाछू हो लीन।

---

* **1:2** मला 3:1 † **1:3** यसा 40:3

19 थोरकन आघू जाय के बाद, ओह जबदी के बेटा याकूब अऊ ओकर भाई यूहन्ना ला डोंगा म जाल सिलत
देखिस।
20 यीसू ह तुरते ओमन ला बलाईस, अऊ ओमन अपन ददा जबदी ला बनिहारमन संग डोंगा म छोंड़के
ओकर पाछू चल दीन।

[illegible]
([illegible] 4:31-37)

21 ओमन कफरनहूम सहर म गीन अऊ यीसू ह बिसराम के दिन, यहूदीमन के सभा-घर म जाके उपदेस देवन
लगिस।
22 मनखेमन ओकर उपदेस ला सुनके चकित होवत रहंय, काबरकि ओह कानून के गुरूमन सहीं नइं, पर
अधिकार के संग उपदेस देवत रिहिस।
23 ओही बेरा ओमन के सभा-घर म, एक मनखे रिहिस, जऊन म एक असुध आतमा रहय, ओह चिचियाके
कहिस,
24 "हे नासरत के यीसू! हमर ले तोर का काम? का तेंह हमन ला नास करे बर आय हवस? मेंह जानत हंव, तेंह
कोन अस—तेंह परमेसर के पबितर जन अस।"
25 यीसू ह ओला दबकारके कहिस, "चुपे रह! अऊ ओमा ले निकल आ।"
26 तब असुध आतमा ह ओला अइंठके, अब्बड़ चिचियावत ओमा ले निकल गीस।
27 येला देखके, जम्मो मनखेमन चकित होवत, एक-दूसर ले पुछन लगिन, "येह का बात ए? येह कोनो नवां
उपदेस ए, जऊन ह अधिकार के संग हवय! ओह असुध आतमामन ला हुकूम देथे, अऊ ओमन ओकर बात ला
मानथें।"
28 तुरते गलील के जम्मो इलाका म ओकर समाचार फईल गीस।

[illegible]
([illegible] 8:14-17; [illegible] 4:38-41)

29 तब ओह सभा-घर ले निकलके, याकूब अऊ यूहन्ना संग सिमोन अऊ अन्द्रियास के घर गीस।
30 उहां सिमोन के सास ह जर-बुखार म पड़े रहय, अऊ ओमन तुरते यीसू ला ओकर बारे म बताईन।
31 ओह ओकर मेर गीस अऊ ओकर हांथ ला धरके उठाईस, ओतकीच म ओकर जर ह उतर गीस अऊ ओह
उठके, ओमन के सेवा-टहल करे लगिस।
32 संझा के बेरा, जब बेर बुड़ गे, त मनखेमन जम्मो बिमरहा अऊ जऊन मन ला भूत धरे रहय, ओमन ला
यीसू करा लानिन।
33 अऊ उहां कफरनहूम सहर के एक बड़े भीड़ घर के दुवारी के आघू म जूर गीस।
34 यीसू ह कतको बिमरहामन ला बने करिस अऊ बहुंत परेत आतमामन ला निकाल दीस, पर ओह परेत
आतमामन ला बोलन नइं दीस, काबरकि ओमन ओला जानत रिहिन।

[illegible]
([illegible] 4:42-44)

35 बड़े बिहनियां, बेर निकले के पहिली, यीसू ह उठके एक सुनसान ठऊर म गीस अऊ उहां पराथना करन
लगिस।
36 सिमोन अऊ ओकर संग के मन ओला खोजत रिहिन।
37 जब ओह मिलिस, त ओला कहिन, "जम्मो झन तोला खोजत हवंय।"
38 यीसू ह कहिस, "आवव, कहूं अऊ लकठा के गांवमन म घलो जावन कि मेंह उहां घलो परचार कर सकंव,
काबरकि मेंह एकरे खातिर आय हवंव।"
39 अऊ ओह जम्मो गलील प्रदेस म, ओमन के सभा-घर म जा-जाके परचार करिस अऊ परेत आतमामन ला
निकालिस।

[illegible]
([illegible] 8:1-4; [illegible] 5:12-16)

40 एक कोढ़ी मनखे ओकर करा आईस अऊ ओकर आघू म माथा टेकके बिनती करिस, "यदि तें चाहबे, त
मोला बने कर सकथस।"

41 यीसू ह ओकर ऊपर तरस खाके अपन हांथ ला बढ़ाईस अऊ ओला छूके कहिस, “मेंह चाहत हंव कि तेंह
सुध हो जा!”
42 ओतकीच बेरा ओकर कोढ़ ह खतम हो गीस अऊ ओह बने हो गीस।
43 यीसू ह ओला चेताके तुरते बिदा करिस अऊ ओला कहिस,
44 “एकर बारे म कोनो ला कुछू झन कहिबे, पर खुदे जाके पुरोहित ला देखा, अऊ कोढ़ीमन के बने होय के बारे
म जइसने मूसा ह ठहिराय हवय, वइसने बलिदान चघा, तब मनखेमन के आघू म तोर बने होय के गवाही होही।”
45 पर ओह बाहिर जाके अपन चंगा होय के बारे म खुलके बताय लगिस, जेकर कारन, यीसू ह फेर नगर म
खुल्लम-खुल्ला नइं जा सकिस; ओला नगर के बाहिर एकांत जगह म रहे पड़िस। तभो ले चारों कोति ले
मनखेमन ओकर करा आवत रिहिन।

2

[illegible]
([illegible] 9:1-8; [illegible] 5:17-26)

1 कुछू दिन के बाद, यीसू फेर कफरनहूम म आईस, अऊ ये समाचार ह जम्मो नगर म फईल गीस।
2 ओ घर जिहां ओह ठहिरे रहय, उहां अतका झन झूम गीन कि अऊ एको झन बर ठऊर नइं रहय; इहां तक
कि कपाट के बाहिर म घलो ठऊर नइं रिहिस। अऊ यीसू ह ओमन ला परमेसर के बचन सुनाईस।
3 उहां, लकवा के मारे एक मनखे ला, चार झन उठाके लानिन।
4 भीड़ के मारे ओमन यीसू के लकठा म नइं जा सकिन, एकर खातिर घर के छानी ला, जेकर तरी म यीसू रहय,
उघार दीन, अऊ खटिया ला जेमा लकवा के मारे बिमरहा ह रहय, यीसू के आघू म उतार दीन।
5 यीसू ह ओमन के बिसवास ला देखिस, त ओह लकवा के मारे मनखे ला कहिस, “बेटा! तोर पाप ह छेमा हो
गे।”
6 तब कानून के कुछू गुरू, जऊन मन उहां बईठे रिहिन, अपन मन म सोचे लगिन,
7 “ये मनखे ह काबर अइसने कहत हवय। येह तो परमेसर के निन्दा करत हवय, काबरकि परमेसर के छोंड़
अऊ कोन ह पाप ला छेमा कर सकथे?”
8 यीसू ह तुरते अपन आतमा म जान डारिस कि ओमन अपन मन म का गुनत रिहिन, अऊ ओह ओमन ला
कहिस, “तुमन ये बात अपन मन म काबर सोचत हवव?
9 सरल का ए? लकवा के मारे ला ये कहई कि तोर पाप ह छेमा हो गे या फेर ये कहई कि अपन खटिया ला
उठा अऊ रेंग।
10 मेंह तुमन ला देखाहूं कि मनखे के बेटा ला धरती म पाप छेमा करे के अधिकार हवय।” तब ओह लकवा के
मारे ला कहिस,
11 “उठ, अपन खटिया ला उठा अऊ घर जा।”
12 ओह उठिस अऊ खटिया ला लेके जम्मो मनखे के देखत चले गीस। येला देखके जम्मो झन चकित हो गीन
अऊ ये कहिके परमेसर के महिमा करिन कि हमन अइसने कभू नइं देखे रहेंन।

[illegible] ([illegible]) [illegible]
([illegible] 9:9-13; [illegible] 5:27-32)

13 यीसू ह फेर झील के तीर म गीस, अऊ ओ भीड़ जऊन ह ओकर करा आईस, ओमन ला उपदेस देवन
लगिस।
14 जब ओह जावत रिहिस, त ओह हलफई के बेटा लेवी ला लगान पटाय के नाका म बईठे देखिस। यीसू ह
ओला कहिस, “मोर पाछू हो ले।” अऊ लेवी ह उठिस अऊ ओकर पाछू हो लीस।
15 जब यीसू ह लेवी के घर म खाना खावत रिहिस, त उहां ओकर अऊ ओकर चेलामन संग कतको लगान
लेवइया अऊ पापी मनखेमन घलो खाना खावत रिहिन, काबरकि उहां बहुंत झन ओकर पाछू हो ले रिहिन।
16 जब कानून के गुरूमन, जऊन मन फरीसी रिहिन, यीसू ला पापी अऊ लगान लेवइयामन संग खावत
देखिन, त ओमन ओकर चेलामन ले पुछिन, “ओह लगान लेवइया अऊ पापीमन संग काबर खावत हवय?”

17 यीसू ह येला सुनके ओमन ला कहिस, “भला-चंगा मनखेमन ला डाक्टर के जरूरत नइं होवय, पर
बिमरहामन ला होथे। मेंह धरमीमन ला नइं, पर पापीमन ला बलाय बर आय हवंव।”

[illegible]
([illegible] 9:14-17; [illegible] 5:33-39)

18 यूहन्ना के चेला अऊ फरीसीमन उपास करत रिहिन। कुछू मनखेमन आके यीसू ले पुछिन, “यूहन्ना के चेला
अऊ फरीसीमन के चेलामन उपास रखथें, पर तोर चेलामन काबर उपास नइं रखंय?”
19 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “का बरातीमन उपास रखथें, जब दूल्हा ह ओमन के संग म रहिथे? जब तक
दूल्हा ह ओमन के संग हवय, ओमन उपास नइं रखंय।
20 पर एक समय अइसने आही, जब दूल्हा ह ओमन ले अलग करे जाही, तब ओ दिन ओमन उपास करहीं।
21 “नवां कपड़ा के खाप जुन्ना कपड़ा म कोनो नइं लगावंय, कहूं कोनो अइसने करथे, त ओ खाप ह जुन्ना
कपड़ा ला तीरके अऊ चीर देथे।
22 कोनो मनखे नवां अंगूर के मंद ला जुन्ना चमड़ा के थैली म नइं भरय। कहूं कोनो अइसने करथे, त अंगूर के
मंद ह ओ थैली ला चीर दीही, अऊ मंद अऊ थैली दूनों बरबाद हो जाही। एकरे बर नवां अंगूर के मंद ला नवां
चमड़ा के थैली म भरथें।*”

[illegible]
([illegible] 12:1-8; [illegible] 6:1-5)

23 यीसू ह एक बिसराम के दिन खेत म ले होके जावत रिहिस अऊ ओकर चेलामन रेंगत-रेंगत दाना ला टोरत
रिहिन,
24 त फरीसीमन ओला कहिन, “देख, येमन अइसने काबर करत हवंय, जेला बिसराम के दिन करई कानून के
बिरूध अय।”
25 यीसू ह ओमन ला कहिस, “का तुमन कभू नइं पढ़ेव कि दाऊद ह का करिस, जब ओला अऊ ओकर संगीमन
ला भूख लगिस अऊ ओमन जरूरत म रिहिन?
26 अबियातार महा पुरोहित के समय म, दाऊद ह परमेसर के घर म गीस, अऊ परमेसर ला भेंट चघाय रोटी
ला खाईस अऊ अपन संगवारीमन ला घलो खाय बर दीस, जऊन ला कानून के मुताबिक सिरिप पुरोहितमन खा
सकत रिहिन।”
27 यीसू ह ओमन ला ये घलो कहिस, “बिसराम दिन ह मनखे बर बनाय गे हवय, न कि मनखे ह बिसराम दिन
बर।
28 एकरसेति, मनखे के बेटा ह बिसराम दिन के घलो परभू अय।”

3

[illegible]
([illegible] 12:9-14; [illegible] 6:6-11)

1 यीसू ह सभा-घर म फेर गीस अऊ उहां एक मनखे रहय, जेकर एक हांथ ला लकवा मार दे रिहिस।
2 उहां कुछू झन ओकर ऊपर दोस लगाय बर मऊका खोजत रहंय। एकरे बर ओमन ये देखत रिहिन कि ओह
बिसराम के दिन म ओला बने करथे कि नइं।
3 यीसू ह जेकर हांथ ला लकवा मारे रिहिस ओला कहिस, “जम्मो के आघू म ठाढ़ हो जा।”
4 तब ओह मनखेमन ले पुछिस, “बिसराम के दिन म कानून के मुताबिक का ठीक ए? भलई करई या फेर बुरई
करई? काकरो परान बचई या हतिया करई?” पर ओमन चुपेचाप रिहिन।
5 यीसू ह ओमन के हिरदय के कठोरता ला जानके उदास होईस, अऊ ओमन ऊपर गुस्सा होके चारों खूंट
देखिस अऊ ओ मनखे ला कहिस, “अपन हांथ ला लमा।” ओह अपन हांथ ला लमाईस अऊ ओकर हांथ ह पूरा
बने हो गीस।
6 तब फरीसीमन बाहिर निकलके हेरोदीमन संग ओकर बिरोध म सडयंत्र करन लगिन कि ओला कइसने मार
डारंय।

[illegible]

---

* **2:22** ओ समय म मनखेमन अंगूर के मंद ला चमड़ा के थैली म रखंय।

7 यीसू ह अपन चेलामन संग झील कोति गीस अऊ गलील ले मनखेमन के एक बड़े भीड़ ओकर पाछू हो
लीस।
8 ओकर अचरज के काम के बारे म सुनके अब्बड़ मनखेमन यहूदिया, यरूसलेम, इदूमिया, यरदन के पार अऊ
सूर अऊ सीदोन के आसपास ले ओकर करा आईन।
9 भीड़ के खातिर, ओह अपन चेलामन ला कहिस कि ओकर बर ओमन एक ठन छोटे डोंगा तियार रखंय ताकि
अइसने झन होवय कि मनखेमन ओला दबा डारंय।
10 ओह बहुंत झन ला चंगा करे रिहिस, एकर खातिर बिमरहा मनखेमन ओला छुए बर गिरे परत रहंय।
11 अऊ जब भी असुध आतमामन ओला देखंय, ओकर आघू म गिर परंय अऊ चिचियाके कहंय, "तेंह परमेसर
के बेटा अस।"
12 पर ओह ओमन ला चेताके कहय, "कोनो ला झन बतावव कि मेंह कोन अंव।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 10:1-4; [illegible] 6:12-16*)

13 तब यीसू ह पहाड़ ऊपर चघ गीस अऊ जऊन मन ला ओह चाहत रिहिस, ओमन ला बलाईस अऊ ओमन
ओकर करा आईन।
14 ओह बारह झन ला प्रेरित करके चुनिस कि ओमन ओकर संग रहंय अऊ ओह ओमन ला परचार करे बर पठो
सकय,
15 अऊ ओमन परेत आतमामन ला निकाले के अधिकार रखंय।

16 ओ बारह झन ये रिहिन:

सिमोन जेकर नांव ओह पतरस रखे रिहिस।
17 जबदी के बेटा—याकूब, अऊ याकूब के भाई यूहन्ना (जेमन के नांव ओह बुअनरगिस रखे रिहिस, जेकर
मतलब होथे "गरजन के बेटामन"),
18 अन्द्रियास,
फिलिप्पुस,
बरतुलमै,
मत्ती,
थोमा,
हलफई के बेटा याकूब,
तद्दै,
सिमोन कनानी,
19 अऊ यहूदा इस्करियोती जऊन ह यीसू के संग बिसवासघात करिस।

[illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 12:22-32; [illegible] 11:14-23; 12:10*)

20 जब यीसू ह एक घर म आईस, त फेर अइसने भीड़ जूर गीस कि ओह अऊ ओकर चेलामन खाना तक नइं
खा सकिन।
21 जब ओकर परिवार के मन ये सुनिन, त ओला घर ले जाय बर आईन, काबरकि ओमन कहत रिहिन कि
ओकर चित ह ठीक नइं ए।
22 अऊ कानून के गुरू, जऊन मन यरूसलेम ले आय रिहिन, अइसने कहंय कि ओमा बालजबूल* हवय अऊ
ओह परेत आतमामन के सरदार के मदद ले परेत आतमामन ला निकालत हवय।
23 यीसू ह ओमन ला लकठा म बलाके पटंतर म कहिस, "सैतान ह सैतान ला कइसने निकाल सकथे?
24 कहूं कोनो राज म फूट पड़ जावय, त ओ राज ह खुद बने नइं रह सकय।
25 वइसनेच कहूं कोनो घर म फूट पड़ जावय, त ओ घर ह बने नइं रह सकय।
26 कहूं सैतान ह अपनेच बिरोध म होके अपनेच म फूट डारही, त ओह कइसने बने रह सकथे? ओकर बिनास
हो जाही।

---

* **3:22** परेत आतमामन के सरदार

27 कोनो मनखे कोनो बलवान मनखे के घर म घुसरके ओकर घर संपत्ति ला लूट नइं सकय, जब तक कि ओह
पहिली ओ बलवान मनखे ला नइं बांध लीही, तभे ओह ओकर घर ला लूट सकथे।
28 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि मनखेमन के जम्मो पाप अऊ निन्दा करई ह माफ करे जाही,
29 पर जऊन ह पबितर आतमा के बिरोध म निन्दा करथे, ओला कभू माफ नइं करे जावय; ओह अनंत पाप के
दोसी ठहिरही।"
30 यीसू ह ये जम्मो बात एकर खातिर कहिस काबरकि ओमन ये कहत रिहिन कि ओमा असुध आतमा हवय।

[illegible]
([illegible] 12:46-50; [illegible] 8:19-21)

31 तब यीसू के दाई अऊ भाईमन उहां आईन अऊ बाहिर म खड़े होके, एक झन ला ओला बलाय बर पठोईन।
32 एक बड़े भीड़ यीसू के चारों खूंट बईठे रिहिस, अऊ ओमन ओला कहिन, "देख, तोर दाई अऊ भाईमन
बाहिर म तोला खोजत हवंय।"
33 ओह ओमन ले पुछिस, "मोर दाई अऊ भाईमन कोन अंय?"
34 तब ओह अपन चारों खूंट बईठे भीड़ ला देखके कहिस, "येमन मोर दाई अऊ भाई अंय।
35 जऊन कोनो परमेसर के ईछा ला पूरा करथे, ओह मोर भाई, बहिनी अऊ दाई अय।"

4

[illegible]
([illegible] 13:1-9; [illegible] 8:4-8)

1 यीसू ह फेर झील के तीर म उपदेस करन लगिस अऊ उहां अइसने भीड़ जूर गीस कि ओह झील म एक ठन
डोंगा ऊपर चघके बईठ गीस अऊ जम्मो मनखेमन झील के तीर म रहंय।
2 ओह ओमन ला पटंतर म बहुंत अकन बात सिखोवन लगिस अऊ अपन उपदेस म कहिस:
3 "सुनव, एक किसान ह बीज बोय बर निकलिस।
4 जब ओह बोवत रिहिस, त कुछू बीजामन रसता के तीर म गिरिन अऊ चिरईमन आके ओला खा लीन।
5 कुछू बीजामन पथरी भुइयां म गिरिन, जिहां ओमन ला जादा माटी नइं मिलिस। ओ बीजामन जल्दी जाम
गीन काबरकि उहां माटी ह गहिरा नइं रिहिस।
6 पर जब सूरज निकलिस, त ओमन मुरझा गीन अऊ जरी नइं धरे रहय के कारन ओमन सूख गीन।
7 कुछू बीजामन कंटिली झाड़ीमन के बीच म गिरिन अऊ ओ झाड़ीमन बढ़के ओमन ला दबा दीन, जेकर
कारन ओमन म फर नइं धरिन।
8 पर कुछू बीजामन बने भुइयां ऊपर गिरिन; ओमन जामिन अऊ बाढ़के जादा फर लानिन; कोनो तीस गुना,
कोनो साठ गुना अऊ कोनो सौ गुना।"
9 तब यीसू ह कहिस, "जेकर सुने के कान हवय, ओह सुन ले।"

[illegible]
([illegible] 13:10-17; [illegible] 8:9-10)

10 जब यीसू ह अकेला रिहिस, तब ओकर बारह चेला अऊ ओकर संग के मन ओकर ले पटंतर के बारे म
पुछिन।
11 ओह ओमन ला कहिस, "परमेसर के राज के भेद के गियान तुमन ला देय गे हवय, पर बाहिर वाले मन ला
सब गोठ पटंतर म बोले जाथे।
12 ताकि,
" 'भले ही ओमन देखंय पर कभू झन जानंय,
अऊ भले ही ओमन सुनंय, पर कभू झन समझ सकंय;
अइसने झन होवय कि ओमन पछताप करंय
अऊ ओमन ला छेमा करे जावय।'*"
13 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "का तुमन ये पटंतर ला नइं समझेव, तब आने पटंतरमन ला कइसने
समझहू?

---

* **4:12** यसा 6:9, 10

14 बोवइया ह परमेसर के बचन ला बोथे।
15 कुछू मनखेमन डहार के तीर म परे बीजा सहीं अंय; जब बचन ह बोय जाथे, तब तुरते सैतान ह आके ओमन
म बोय गे बचन ला ले जाथे।
16 आने मन ओ बीजा के सहीं अंय, जऊन ला पथरीं भुइयां ऊपर बोय जाथे; ओमन बचन ला सुनके तुरते
ओला आनंद सहित गरहन करथें।
17 पर अपन म जरी नइं धरे रहय के कारन, ओमन के बिसवास ह कुछू समय तक ही रहिथे, जब बचन के सेति
समस्या अऊ सतावा आथे, त ओमन तुरते बचन के मुताबिक चले बर बंद कर देथें।
18 जऊन ला कंटिली झाड़ीमन म बोय गीस, ओमन ये अंय—ओमन बचन ला सुनथें,
19 पर ये जिनगी के चिंता, धन के लोभ अऊ आने चीजमन के ईछा ओमन म हमाके बचन ला दबा देथें अऊ
ओमन फर नइं लानंय।
20 पर जऊन ला बने भुइयां म बोय जाथे, ओमन ये अंय—ओमन बचन ला सुनके गरहन करथें अऊ फर
लानथें—कोनो तीस गुना, कोनो साठ गुना अऊ कोनो सौ गुना।"

[illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 8:16-18)

21 यीसू ह ओमन ला कहिस, "का दीया ला ये खातिर लानथें कि बड़े कटोरा या खटिया के खाल्हे म मढ़ाय
जावय? का ये खातिर नइं कि दीया ला दीवट ऊपर मढ़ाय जावय?
22 काबरकि जऊन कुछू छिपे हवय, ओला उघारे जाही, अऊ जऊन कुछू घलो ढंके हवय, ओकर खुलासा करे
जाही।
23 कहूं काकरो कान हवय, त ओह सुन ले।"
24 "जऊन कुछू तुमन सुनथव, ओकर ऊपर बने करके बिचार करव। जऊन नाप ले तुमन नापथव, ओही नाप
ले तुम्हर बर घलो नापे जाही, बल्कि अऊ जादा।
25 जेकर करा हवय, ओला अऊ दिये जाही, अऊ जेकर करा नइं ए, ओकर ले, जऊन कुछू बांचे हवय, ओला
घलो ले लिये जाही।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

26 यीसू ह ये घलो कहिस, "परमेसर के राज ह अइसने अय—एक मनखे ह बीजा ला भुइयां म बोथे।
27 रात अऊ दिन, चाहे ओह सुतय या जागय, बीजा ह अपनआप जामथे अऊ बाढ़थे अऊ ओह नइं जानय
कि येह कइसने होईस?
28 माटी ह आपे-आप फसल उपजाथे—पहिली पीका निकलथे, तब बाली, अऊ तब बालीमन म पूरा दाना
तियार होथे।
29 जतकी जल्दी दाना पाकथे, मनखे ह हंसिया लेके लुए के सुरू कर देथे, काबरकि येह लुवई के समय होथे।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 13:31-32; [illegible] 13:18-19)

30 फेर यीसू ह कहिस, "हमन परमेसर के राज ला काकर सहीं ठहिरावन या कोन पटंतर म ओकर बखान करन?
31 ओह सरसों के बीजा सहीं अय, जब येह बोए जाथे, त येह भुइयां म जम्मो बीजामन ले छोटे होथे।
32 तभो ले लगाय के बाद येह बाढ़के, बारी म जम्मो साग-भाजी ले बड़े हो जाथे, अऊ ओकर अइसने बड़े-बड़े
डारामन निकलथें कि अकास के चिरईमन ओकर छइहां म बसेरा कर सकथें।"
33 बचन ला समझाय खातिर, यीसू ह अइसने कतको पटंतर ओमन ला कहिस।
34 बिगर पटंतर के ओह ओमन ला कुछू नइं कहत रिहिस। पर जब ओह अपन चेलामन संग अकेला रहय, त
ओमन ला जम्मो गोठमन के मतलब ला साफ-साफ समझावय।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 8:23-27; [illegible] 8:22-25)

35 ओहीच दिन संझा के बखत, ओह अपन चेलामन ला कहिस, "आवव, हमन झील के ओ पार चलन।"
36 भीड़ ला पाछू छोंड़के, ओमन जइसने यीसू रिहिस, वइसने ओला अपन संग डोंगा म ले गीन। उहां ओकर
संग अऊ डोंगामन घलो रहंय।

37 तब एक बड़े भारी आंधी आईस अऊ पानी के बड़े-बड़े लहरा उठिस, जेकर कारन पानी ह डोंगा म हमाय
लगिस अऊ डोंगा ह बुड़े बर होवत रहय।
38 यीसू ह डोंगा के पाछू म गद्दी ऊपर सोवत रहय। तब चेलामन ओला उठाके कहिन, "हे गुरू, का तोला
कोनो फिकर नइं ए कि हमन पानी म बुड़त हवन?"
39 ओह उठके आंधी ला दबकारिस अऊ पानी के लहरामन ला कहिस, "सांत हो जावव, थम जावव।" तब
आंधी ह थम गीस अऊ एकदम सांत हो गीस।
40 ओह अपन चेलामन ला कहिस, "तुमन काबर डरावत हवव? का तुमन ला अब घलो मोर ऊपर बिसवास
नइं ए?"
41 ओमन अब्बड़ डरा गे रिहिन अऊ एक-दूसर ला पुछन लगिन, "येह कोन ए? अऊ त अऊ आंधी अऊ पानी
के लहरामन घलो एकर हुकूम मानथें।"

5

[illegible]
([illegible]* 8:28-34; *[illegible]* 8:26-39)*

1 ओमन झील के ओ पार गिरासेनीमन के इलाका म गीन।
2 जब यीसू ह डोंगा ले उतरिस, तब एक झन मनखे जऊन म असुध आतमा रहय, मरघटी ले निकलके ओकर
करा आईस।
3 ये मनखे ह मरघटी म रहत रहय अऊ ओमा अतकी ताकत रहय कि कोनो ओला सांकर म घलो नइं बांधे
सकत रिहिन।
4 कतको बार ले ओकर हांथ ला संकली म बांधके गोड़ म बेड़ी पहिराय गे रिहिस, पर हर बार ओह संकली
अऊ बेड़ी ला टोर देवय। कोनो ओला काबू म नइं कर सकत रिहिन।
5 रात अऊ दिन, ओह मरघटी अऊ पहाड़ीमन म चिचियावय अऊ अपनआप ला चोख पथरा ले घायल करत
रहय।
6 ओह दूरिहाच ले यीसू ला देखके ओकर अंग दऊड़िस अऊ ओकर गोड़ खाल्हे गिरिस,
7 अऊ अब्बड़ चिचियाके कहिस, "हे यीसू, सर्वोच्च परमेसर के बेटा, मोर ले तोला का काम? परमेसर के
कसम, तेंह मोला पीरा झन दे।"
8 काबरकि यीसू ह ओला कहत रहय, "हे असुध आतमा, ये मनखे म ले निकल आ।"
9 तब यीसू ह ओकर ले पुछिस, "तोर का नांव ए?"
ओह कहिस, "मोर नांव सेना ए, काबरकि हमन अब्बड़ झन हवन।"
10 अऊ ओह यीसू ले बार-बार बिनती करिस कि ओमन ला ओ इलाका ले बाहिर झन पठोवय।
11 उहां लकठा म पहाड़ी कोति सुरामन के एक बड़े झुंड ह चरत रहय।
12 परेत आतमामन यीसू ले बिनती करके कहिन कि हमन ला ओ सुरामन म पठो दे कि हमन ओमन म हमा
जावन।
13 ओह ओमन ला हुकूम दीस अऊ असुध आतमामन निकलके सुरामन म हमा गीन। अऊ सुरामन के झुंड ह
जेमा करीब दू हजार सूरा रिहिन, तीर म निकले पथरा ले झील म झपटके गिरिन अऊ बुड़ मरिन।
14 सूरा चरइयामन भाग गीन अऊ सहर अऊ गांव-गंवई म ये बात ला बताईन अऊ ओला सुनके, जऊन बात
होय रिहिस, ओला देखे बर मनखेमन आईन।
15 जब ओमन यीसू करा आईन, त जऊन म परेत आतमामन के एक सेना रिहिस, ओला कपड़ा पहिरे अऊ
सही हालत म बईठे देखिन अऊ ओमन डरा गीन।
16 जऊन मन येला अपन आंखी ले देखे रिहिन, ओमन मनखेमन ला ओ मनखे जऊन म परेत आतमामन
रिहिन, ओकर बारे अऊ सुरामन के बारे म जम्मो बात बताईन।
17 तब मनखेमन यीसू ले बिनती करे लगिन कि ओह ओमन के इलाका ले चले जावय।
18 जब यीसू ह डोंगा ऊपर चघन लगिस, तब ओ मनखे जऊन म पहिली परेत आतमामन रिहिन, ओकर ले
बिनती करन लगिस, "मोला तोर संग जावन दे।"

19 पर यीसू ह इनकार करके ओला कहिस, “अपन घर जाके अपन मनखेमन ला बता कि दया करके परभू ह
तोर बर कइसने बड़े काम करे हवय।”
20 ओ मनखे ह उहां ले चल दीस अऊ दिकापुलिस* म बताय लगिस कि यीसू ह ओकर बर कइसने बड़े काम
करे हवय। येला सुनके जम्मो मनखेमन अचम्भो करिन।

[illegible]
([illegible] 9:18-26; [illegible] 8:40-56)

21 जब यीसू ह फेर डोंगा म झील के ओ पार गीस, त बहुंते मनखेमन ओकर चारों खूंट जूर गीन। जब ओह
झील के तीरेच म रिहिस,
22 तभे याईर नांव के एक सभा-घर के अधिकारी आईस अऊ यीसू ला देखके ओकर गोड़ खाल्हे गिरिस,
23 अऊ ओकर ले बहुंत बिनती करके कहिस, “मोर नानकून बेटी ह मरइया हवय, तेंह आके ओकर ऊपर अपन
हांथ ला रख कि ओह बने होके जीयत रहय।”
24 तब यीसू ह ओकर संग गीस अऊ एक बड़े भीड़ ह ओकर पाछू हो लीस।
भीड़ के कारन मनखेमन ओकर ऊपर गिरे परत रिहिन।
25 ओ भीड़ म एक झन माईलोगन रहय, जऊन ला बारह बछर ले लहू बहे के बेमारी रहय।
26 ओह बहुंत डाक्टरमन के ईलाज ले भारी दुख झेले रिहिस। इहां तक कि अपन जम्मो पूंजी ला खरचा कर
डारे रिहिस, पर ओला कुछू फायदा नइं होईस, बल्कि ओकर बेमारी ह अऊ बढ़ गे रहय।
27 यीसू के चरचा ला सुनके, ओह भीड़ म ओकर पाछू आईस अऊ ओकर कपड़ा ला छुईस।
28 काबरकि ओह सोचत रहय कि कहूं मेंह ओकर कपड़ाच ला छू लेवंव, त बने हो जाहूं।
29 जतका जल्दी ओह यीसू के कपड़ा ला छुईस, ओकर लहू बहे के बंद हो गीस अऊ ओह अपन देहें म जान
डारिस कि ओह बेमारी ले बने हो गे हवय।
30 यीसू ह तुरते जान डारिस कि ओकर म ले सामर्थ निकले हवय। ओह भीड़ म पाछू मुड़के पुछिस, “मोर
कपड़ा ला कोन छुईस?”
31 ओकर चेलामन कहिन, “तेंह देखत हवस कि भीड़ ह तोर ऊपर गिरे परत हवय, तभो ले पुछत हवस कि कोन
ह तोला छुईस?”
32 पर यीसू ह ये जाने खातिर कि कोन ह अइसने करे हवय, चारों कोति देखे लगिस।
33 तब ओ माईलोगन ह ये जानके कि ओकर कइसने भलई होय हवय, आईस अऊ यीसू के गोड़ तरी गिरके
डरत अऊ कांपत ओला जम्मो बात ला सही-सही बता दीस।
34 यीसू ह ओला कहिस, “बेटी! तोर बिसवास ह तोला बने करे हवय। सांति म जा अऊ अपन दुख ले बांचे
रह।”
35 जब यीसू ह ये बात कहत रिहिस, तभे सभा-घर के अधिकारी याईर के घर ले कुछू मनखेमन आईन अऊ
कहिन, “तोर बेटी ह तो मर गीस; अब गुरू ला काबर तकलीफ देबो।”
36 ओमन के गोठ ला धियान नइं देवत, यीसू ह सभा-घर के अधिकारी ला कहिस, “झन डर, सिरिप बिसवास
रख।”
37 ओह पतरस, याकूब अऊ याकूब के भाई यूहन्ना ला छोंड़के अऊ कोनो ला अपन संग नइं आवन दीस।
38 जब ओमन सभा-घर के अधिकारी के घर आईन, त यीसू ह देखिस कि उहां हल्ला मचे हवय अऊ मनखेमन
उहां ऊंचहा अवाज म बहुंत रोवत अऊ गोहारत रहंय।
39 ओह भीतर जाके ओमन ला कहिस, “तुमन काबर रोवत अऊ हल्ला मचावत हवव? लइका ह मरे नइं,
सुतत हवय।”
40 पर ओमन ओकर हंसी उड़ाय लगिन।
तब ओह जम्मो झन ला बाहिर निकालके, अपन संग म छोकरी के दाई-ददा अऊ अपन चेलामन ला लेके
भीतर गीस, जिहां लइका ह रहय।
41 ओह छोकरी के हांथ ला धरके ओला कहिस, *“[illegible]!”* जेकर मतलब होथे—“ए छोकरी, मेंह
तोला कहत हंव, उठ।”

---

* **5:20** दस सहर

42 अऊ ओ छोकरी ह तुरते उठके चले-फिरे लगिस; (ओ छोकरी ह बारह बछर के रिहिस)। येला देखके ओमन
बहुंत अचरज करिन।
43 यीसू ह ओमन ला चेताके कहिस कि ये बात कोनो ला झन बतावव; अऊ ओमन ला कहिस कि ओला कुछू
खाय बर देवव।

6

[illegible]
([illegible] 13:53-58; [illegible] 4:16-30)

1 ओ जगह ला छोंड़के, यीसू ह अपन चेलामन संग अपन नगर नासरत म आईस।
2 बिसराम के दिन, ओह सभा-घर म सिकछा देवन लगिस अऊ अब्बड़ मनखेमन ओकर बात ला सुनके चकित
होईन।
ओमन पुछन लगिन, "ये मनखे ला ये बात कहां ले मिलिस? येला का किसम के बुद्धि मिले हवय? का किसम
के चमतकार येह करत हवय?
3 का येह ओ बढ़ई नो हय? का येह मरियम के बेटा अऊ याकूब, योसेस,* यहूदा अऊ सिमोन के भाई नो हय?
का एकर बहिनीमन हमर संग म इहां नइं अंय?" अऊ ओमन ओकर ऊपर नराज होईन।
4 यीसू ह ओमन ला कहिस, "अगमजानी ह अपन नगर, अपन कुटुम्ब अऊ अपन घर के छोंड़ जम्मो जगह
आदरमान पाथे।"
5 ओह उहां एको चमतकार के काम नइं कर सकिस। सिरिप कुछू बिमरहामन ऊपर हांथ रखके ओमन ला बने
करिस।
6 अऊ ओह ओमन के कम बिसवास ला देखके अचम्भो करिस।

[illegible]
([illegible] 10:5-15; [illegible] 9:1-6)

तब यीसू चारों खूंट के गांवमन म उपदेस करत फिरिस।
7 ओह अपन बारहों चेलामन ला बलाके ओमन ला दू-दू झन करके पठोईस अऊ ओमन ला असुध आतमामन
के ऊपर अधिकार दीस।
8 ओकर हुकूम ये रिहिस, "डहार बर सिरिप लउठी के छोंड़ अऊ कुछू झन लेवव, न रोटी, न झोला अऊ न
पटका म पईसा।
9 पनही ला पहिरव, पर अपन संग म एक ठन घलो अतकिहा कुरता झन लेवव।
10 जब भी तुमन कोनो घर म जावव, त ओ सहर ला छोंड़त तक ओहीच घर म ठहिरव।
11 अऊ कहूं कोनो ठऊर के मनखेमन तुमन ला गरहन नइं करंय अऊ तुम्हर बात ला नइं सुनंय, त उहां ले
निकलत बेरा अपन गोड़ के धुर्रा ला झर्रा देवव ताकि येह ओमन के बिरूध एक गवाही होवय।"
12 तब चेलामन जाके परचार करिन कि मनखेमन पाप ले पछताप करंय।
13 ओमन कतको परेत आतमामन ला निकालिन अऊ कतको बिमरहामन ला तेल म अभिसेक करके ओमन
ला बने करिन।

[illegible]
([illegible] 14:1-12; [illegible] 9:7-9)

14 हेरोदेस राजा एकर बारे म सुनिस, काबरकि यीसू के नांव ह जम्मो अंग फईल गे रहय। कुछू मनखेमन
कहत रिहिन, "यूहन्ना बतिसमा देवइया ह मरे म ले जी उठे हवय अऊ एकर कारन ओकर दुवारा चमतकार के
काममन होवत हवंय।"
15 आने मन कहिन, "ओह एलियाह अय।"
अऊ कतको मन कहत रिहिन, "ओह पहिली के अगमजानीमन सहीं एक झन अगमजानी अय।"
16 पर जब हेरोदेस ह येला सुनिस, त ओह कहिस, "येह यूहन्ना बतिसमा देवइया ए, जेकर मुड़ ला मेंह कटवा
दे रहेंव, ओहीच ह जी उठे हवय!"

---

* **6:3** यूनानी म *[illegible]* यूसुफ के आने नांव

17 काबरकि हेरोदेस ह खुद हुकूम दे रिहिस कि यूहन्ना ला बंदी बना लव अऊ ओला बांधके जेल म डाल दव।
ओह अपन भाई फिलिप्पुस के घरवाली हेरोदियास के कारन अइसने करे रिहिस। ओह हेरोदियास ले बिहाव कर
ले रिहिस।
18 काबरकि यूहन्ना ह हेरोदेस ला कहे रिहिस, "अपन भाई के घरवाली ला रखई तोर बर कानून के मुताबिक
उचित नो हय।"
19 एकरसेति हेरोदियास ह अपन मन म यूहन्ना बर बईरता रखय अऊ ओला मरवाय बर चाहत रहय। पर
ओला मऊका नइं मिलत रिहिस।
20 काबरकि हेरोदेस ह यूहन्ना ला धरमी अऊ पबितर मनखे जानके ओकर ले डराय अऊ ओला बंचाके रखे
रहय। हेरोदेस ह यूहन्ना के बात ला सुनके घबरावय, तभो ले ओकर बात ला सुने के ईछा रखय।
21 आखिर म ओ समय आईस, जब हेरोदेस ह अपन जनम दिन म एक बड़े जेवनार करिस। ओह राज के बड़े
अधिकारी, पलटन के सेनापति अऊ गलील के बड़े मनखेमन ला नेवता दीस।
22 तब हेरोदियास के बेटी ह आके उहां जम्मो झन के आघू म नाचिस। ओकर नचई ला देखके हेरोदेस अऊ
ओकर नेवताहारीमन खुस हो गीन।
तब राजा ह छोकरी ला कहिस, "तेंह कोनो घलो चीज मोर ले मांग, अऊ मेंह तोला दूहूं।"
23 ओह किरिया खाके कहिस, "कोनो घलो चीज तेंह मांग, अऊ मेंह तोला दूहूं। इहां तक कि मोर आधा राज
घलो।"
24 छोकरी ह बाहिर जाके अपन दाई ले पुछिस, "मेंह का मांगंव?"
ओकर दाई ह कहिस, "यूहन्ना बतिसमा देवइया के मुड़।"
25 छोकरी ह तुरते भीतर राजा करा गीस अऊ बिनती करके कहिस, "मेंह चाहथंव कि तेंह यूहन्ना बतिसमा
देवइया के मुड़ ला एक ठन थाली म मोर करा मंगवा दे।"
26 तब राजा ह बहुंत दुखी होईस, पर अपन किरिया अऊ जेवनार म आय पहुनामन के सेति ओला इनकार करे
नइं चाहिस।
27 एकरसेति, राजा ह तुरते एक सिपाही ला हुकूम देके, यूहन्ना के मुड़ ला लाने बर पठोईस। सिपाही ह जेल म
जाके यूहन्ना के मुड़ ला काटिस,
28 अऊ ओ मुड़ ला एक ठन थाली म लानके छोकरी ला दीस अऊ ओ छोकरी ह येला अपन दाई ला दे दीस।
29 येला सुनके यूहन्ना के चेलामन आईन अऊ ओकर लास ला उठाके ले गीन अऊ कबर म रख दीन।

[illegible] 5 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:15-21; [illegible] 9:11-17; [illegible] 6:1-14)

30 प्रेरितमन लहुंटके यीसू करा जूरिन अऊ जऊन कुछू ओमन करे अऊ सिखोय रिहिन, ओ जम्मो बात ओला
बताईन।
31 तब ओह ओमन ला कहिस, "चलव, कोनो सुनसान ठऊर म चलके थोरकन सुरता लेवव।" काबरकि अब्बड़
मनखेमन आवत-जावत रिहिन, अऊ ओमन ला खाय के मऊका घलो नइं मिलत रिहिस।
32 एकरसेति ओमन डोंगा म चघके एक ठन सुनसान जगह म चल दीन।
33 ओमन ला जावत देखके, कतको झन ओमन ला चिन डारिन अऊ झील के तीरे-तीर दऊड़िन अऊ आघू
हबरके उहां ओमन ले मिलिन।
34 जब यीसू डोंगा ले उतरिस अऊ मनखेमन के एक बड़े भीड़ ला देखिस, त ओला ओमन के ऊपर तरस आईस,
काबरकि ओमन बिगर चरवाहा के भेड़मन सहीं रिहिन अऊ ओह ओमन ला बहुंत अकन बात सिखोवन लगिस।
35 जब बेरा ह ढरक गीस, तब ओकर चेलामन ओकर करा आके कहिन, "येह एक सुनसान जगह ए अऊ बेरा
ह बहुंत ढरक गे हवय।
36 मनखेमन ला भेज ताकि ओमन आसपास के गांव अऊ बस्तीमन म जाके अपन खाय बर कुछू बिसा सकंय।"
37 पर यीसू ह जबाब दीस, "तुमन ओमन ला कुछू खाय बर देवव।"

ओमन ओला कहिन, “अतेक मनखे ला खवाय बर, एक मनखे के छै महिना ले जादा के बनी† लगही। का हमन
जाके, येमन के खाय बर अतेक जादा पईसा खरचा करन?”
38 ओह ओमन ला कहिस, “जाके देखव कि तुम्हर करा कतेक रोटी हवय?”
ओमन पता लगाके कहिन, “पांच ठन रोटी अऊ दू ठन मछरी।”
39 तब यीसू ह ओमन ला हुकूम दीस कि जम्मो झन ला हरियर कांदी ऊपर ओरी-ओरी करके बईठा देवव।
40 ओमन सौ-सौ अऊ पचास-पचास के ओरी-ओरी करके बईठ गीन।
41 तब ओह पांचों रोटी अऊ दूनों मछरी ला लीस अऊ स्वरग कोति देखके परमेसर ला धनबाद दीस अऊ
रोटी ला टोर-टोरके अपन चेलामन ला देवत गीस कि ओमन मनखेमन ला परोसंय अऊ दूनों मछरी ला घलो
मनखेमन म बांट दीस।
42 ओ जम्मो झन खाईन अऊ खाके अघा गीन।
43 चेलामन बांचे-खुचे रोटी अऊ मछरी के टुकड़ा के बारह टुकना भर के उठाईन।
44 खवइयामन म उहां पांच हजार आदमीमन रिहिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:22-33; [illegible] 6:15-21)

45 एकर बाद, यीसू ह तुरते अपन चेलामन ला डोंगा म चघाईस कि ओमन ओकर आघू बैतसैदा ला जावंय,
जब तक ओह भीड़ के मनखेमन ला बिदा करय।
46 ओमन ला बिदा करके ओह पहाड़ी ऊपर पराथना करे बर गीस।
47 जब संझा होईस, त डोंगा ह झील के मांझा म रहय अऊ यीसू ह एके झन भांठा म रिहिस।
48 ओह देखिस कि चेलामन डोंगा ला खेवत-खेवत थक गे रहंय, काबरकि हवा ह ओमन के उल्टा दिग म बहत
रहय। झूलझूलहा, ओह झील ऊपर रेंगत चेलामन करा गीस, अऊ ओमन ले आघू निकले चाहत रिहिस।
49 पर ओमन ओला जब झील ऊपर रेंगत देखिन, त ओमन ओला भूत समझिन, अऊ ओमन चिचियाय
लगिन।
50 काबरकि जम्मो चेलामन ओला देखके डरा गे रहंय।
यीसू ह तुरते ओमन ले गोठियाईस अऊ कहिस, “हिम्मत रखव, मेंह अंव, झन डरव।”
51 तब ओह ओमन करा डोंगा म चढ़ गीस, अऊ हवा ह सांत हो गीस। ओमन अब्बड़ अचम्भो करन लगिन।
52 काबरकि पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी ले पांच हजार मनखेमन ला खवाय के बाद घलो, ओमन नइं समझे
रिहिन कि यीसू ह कोन ए। ओमन के मन ह कठोर हो गे रहय।
53 ओमन झील के ओ पार गन्नेसरत सहर म हबरिन, त डोंगा ला उहां रखके उतरिन।
54 ओमन के डोंगा ले उतरतेच ही, मनखेमन तुरते यीसू ला चिन डारिन।
55 मनखेमन आसपास के जम्मो गांव-गंवई म दऊड़के गीन अऊ बिमरहामन ला चटई अऊ खटिया म
उठा-उठाके यीसू करा लाने लगिन।
56 अऊ ओह जिहां कहूं भी गांव, नगर या देहात म गीस, मनखेमन बिमरहामन ला सड़क, गली अऊ बजार
मन म रखके ओकर ले बिनती करंय कि येमन ला कम से कम तोर ओनहा के छोर ला छुवन दे; अऊ जतेक झन
ओला छुईन, ओ जम्मो झन चंगा हो गीन।

7

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 15:1-9)

1 तब फरीसी अऊ कुछू कानून के गुरू, जऊन मन यरूसलेम ले आय रिहिन, यीसू करा जूरिन
2 अऊ ओमन ओकर कुछू चेलामन ला बिगर हांथ धोय खाना खावत देखिन।
3 (फरीसी अऊ जम्मो यहूदीमन, अपन पुरखा के रीति-रिवाज के मुताबिक जब तक अपन हांथ ला नइं धो
लेवंय तब तक खाना नइं खावंय।

† **6:37** यूनानी म लगभग [illegible]

4 जब बजार ले घलो आवंय, त जब तक अइसने अपन हांथ ला नइं धो लेवंय, तब तक खाना नइं खावंय।
अऊ ओमन अइसने कतेक अऊ रीति-रिवाज ला मानंय, जइसने कटोरी, लोटा अऊ तांबा के बरतन ला
धोवई-मंजई।)
5 एकरसेति ओ फरीसी अऊ कानून के गुरूमन यीसू ले पुछिन, "काबर तोर चेलामन, पुरखामन के
रीति-रिवाज के मुताबिक नइं चलंय अऊ बिगर हांथ धोवय खाना खावत हवंय?"
6 ओह जबाब देके कहिस, "यसायाह अगमजानी ह तुम ढोंगीमन के बारे म बिलकुल सही अगमबानी करे
हवय, जइसने कि बचन म लिखे हवय:
" 'ये मनखेमन अपन ओंठ ले मोर आदर करथें
पर ओमन के हिरदय ह मोर ले दूरिहा हवय।
7 येमन बेकार म मोर अराधना करथें; काबरकि येमन मनखे के बनाय नियममन ला सिखाथें।'*
8 तुमन परमेसर के हुकूम ला टारके मनखेमन के रीति-रिवाज ला मानथव।"
9 अऊ यीसू ह ओमन ला कहिस, "परमेसर के हुकूम ला टारके, अपन रीति-रिवाज ला माने के, तुम्हर करा
बहुंत बढ़िया तरीका हवय।
10 काबरकि मूसा ह कहे हवय, 'अपन दाई अऊ ददा के आदरमान करव अऊ जऊन कोनो अपन दाई या ददा
के बुरई करथे, ओह मार डारे जावय।'†
11 पर तुमन कहिथव कि यदि कोनो अपन ददा या दाई ले कहय कि जऊन मदद तुमन ला मोर कोति ले हो
सकत रिहिस, मेंह ओला कुरबान कर दे हवंव (ओला परमेसर ला भेंट के रूप म चघा दे हवंव)।
12 तब तुमन ओला अपन ददा या दाई खातिर अऊ कुछू करन नइं देवव।
13 ये किसम ले तुमन अपन बनाय रीति-रिवाज के दुवारा परमेसर के बचन ला टार देथव अऊ तुमन
अइसने-अइसने कतको अऊ काम करथव।"
14 तब फेर यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला अपन करा बलाईस अऊ कहिस, "जम्मो झन मोर गोठ ला सुनव
अऊ समझव।
15 अइसने कोनो चीज नइं ए, जऊन ह मनखे म बाहिर ले हमाके असुध करय, पर जऊन चीज मनखे के भीतर
ले निकलथे, ओहीच ह ओला असुध करथे।
16 जेकर सुने के कान हवय, ओह सुन ले।‡"
17 जब यीसू ह भीड़ ला छोंड़के घर के भीतर गीस, तब ओकर चेलामन ये पटंतर के बारे म ओला पुछिन?
18 ओह कहिस, "का तुमन घलो नासमझ अव? का तुमन नइं जानव कि जऊन चीज ह बाहिर ले मनखे के
भीतर हमाथे, ओह ओला असुध नइं कर सकय।
19 काबरकि ओह मनखे के हिरदय म नइं, पर पेट म जाथे अऊ फेर संडास दुवारा देहें ले बाहिर निकल जाथे।"
ये कहे के दुवारा यीसू ह जम्मो खाय के चीजमन ला सुध ठहिराईस।
20 फेर ओह कहिस, "जऊन ह मनखे के भीतर ले निकलथे, ओहीच ह ओला असुध करथे।
21 काबरकि भीतर ले याने कि मनखे के हिरदय ले खराप बिचार—छिनारीपन, चोरी, हतिया,
22 बेभिचार, लोभ, दुस्टता, छल, उघरापन, जलन, निन्दा, अहंकार अऊ गंवारपन निकलथे।
23 ये जम्मो खराप चीज हिरदय के भीतर ले निकलथे अऊ मनखे ला असुध करथे।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 15:21-28)

24 यीसू ह ओ जगह§ ला छोंड़के सूर सहर के इलाका म गीस अऊ उहां ओह एक ठन घर म गीस अऊ चाहत
रिहिस कि ओकर बारे म कोनो झन जानय, पर ये बात ह छिपे नइं रहे सकिस।
25 ओतकीच बेर एक माईलोगन, जेकर नानकून बेटी म असुध आतमा रहय, ओकर मेर आईस। ओह यीसू के
बारे म सुने रहय अऊ अब आके ओकर गोड़ खाल्हे म गिरिस।
26 ओ माईलोगन ह यूनानी रिहिस अऊ सुरूफिनीकी जाति म जनमे रिहिस। ओह यीसू ले बिनती करके
कहिस कि परेत आतमा ला ओकर बेटी ले निकाल दे।

---

* **7:7** यसा 29:13 † **7:10** निर 20:12 ‡ **7:16** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय। § **7:24** या [illegible]

27 यीसू ह ओला कहिस, “पहिली लइकामन ला पेट भर खावन दे। काबरकि लइकामन के रोटी ला लेके
कुकुरमन ला देवई ठीक नो हय।”
28 तब ओ माईलोगन ह कहिस, “येह सही अय, परभू। तभो ले कुकुरमन घलो मेज के खाल्हे म लइकामन के
जूठा-काठा ला खा लेथें।”
29 यीसू ह ओला कहिस, “तेंह सही कहय। जा, परेत आतमा ह तोर बेटी ले निकल गे हवय।”
30 तब ओह अपन घर जाके देखिस कि ओकर लइका ह खटिया म लेटे हवय अऊ परेत आतमा निकल गे रहय।

[illegible]

31 तब यीसू ह सूर सहर के इलाका ले निकलके सीदोन होवत, गलील के झील के खाल्हे दिकापुलिस* के
इलाका म आईस।
32 उहां मनखेमन एक कोंदा अऊ भैंरा मनखे ला ओकर करा लानिन अऊ ओकर ले बिनती करिन कि ओह ओ
मनखे ऊपर अपन हांथ रखके ओला बने करय।
33 तब यीसू ह ओला भीड़ ले अलग ले जाके अपन अंगरी ला मनखे के कान म डारिस अऊ थूकिस, अऊ थूक
ला लेके ओकर जीभ ला छुईस।
34 अऊ स्वरग कोति निहारके सांस भरिस अऊ ओ मनखे ला कहिस, “*[illegible]*,” जेकर मतलब होथे “खुल
जा।”
35 ओतकीच बेर ओ मनखे के कानमन खुल गीन अऊ जीभ के रूकावट घलो ठीक हो गीस अऊ ओह
साफ-साफ सुने अऊ गोठियाय लगिस।
36 यीसू ह ओमन ला चेताके कहिस कि ये बात कोनो ला झन बतावव, पर जतका ओह ओमन ला चेताईस,
ओतका ओमन ओ बात ला अऊ जादा बताय लगिन।
37 मनखेमन बहुंत अचम्भो करके कहन लगिन, “जऊन कुछू ओह करथे, बहुंत बढ़िया करथे। इहां तक कि
ओह भैंरामन ला सुने के अऊ कोंदामन ला गोठियाय के सक्ति देथे।”

8

[illegible]
([illegible] 15:32-39)

1 ओ समय म फेर एक बड़े भीड़ जूर गीस अऊ ओमन करा खाय बर कुछू नइं रिहिस। एकरसेति यीसू ह अपन
चेलामन ला अपन करा बलाके कहिस,
2 “मोला ये मनखेमन ऊपर तरस आवत हवय। येमन तीन दिन ले मोर संग हवंय अऊ ओमन करा खाय बर
कुछू नइं ए।
3 यदि मेंह येमन ला भूखन पेट घर पठो दंव, त डहार म ही थकके गिर जाहीं, काबरकि येमन ले कतको झन
अब्बड़ दूरिहा ले आय हवंय।”
4 ओकर चेलामन कहिन, “ये सुनसान जगह म कोनो कहां ले अतेक रोटी पाही कि येमन पेट भर खा सकंय।”
5 यीसू ह पुछिस, “तुम्हर करा के ठन रोटी हवय?”
ओमन कहिन, “सात ठन।”
6 तब ओह मनखेमन ला भुइयां म बईठे बर कहिस अऊ सातों रोटी ला लेके परमेसर ला धनबाद दीस अऊ
रोटीमन ला टोर-टोरके अपन चेलामन ला देवत गीस कि ओमन मनखेमन ला परोसंय अऊ ओमन मनखेमन ला
परोसत गीन।
7 ओमन करा कुछू छोटे-छोटे मछरी घलो रिहिस, ओकर बर घलो यीसू ह परमेसर ला धनबाद दीस अऊ
चेलामन ला कहिस कि येला घलो मनखेमन ला बांट देवव।
8 मनखेमन खाके अघा गीन; ओकर बाद चेलामन बांचे-खुचे टुकड़ामन के सात टुकना भर के उठाईन।
9 उहां करीब चार हजार मनखे रिहिन। ओकर बाद ओह ओमन ला बिदा करिस।
10 एकर बाद, ओह तुरतेच अपन चेलामन संग डोंगा म चघिस अऊ दलमनूता के इलाका म चल दीस।
11 तब फरीसीमन आके ओकर संग बहस करन लगिन अऊ ओला परखे खातिर स्वरग ले कोनो चिनहां देखाय
बर कहिन।

---

* **7:31** दस सहर

12 ओह गहरई ले आतमा म दुखित होके कहिस, “काबर ये पीढ़ी के मनखेमन एक चिनहां के मांग करथें? मेंह
तुमन ला सच कहत हंव कि येमन ला कोनो चिनहां नइं दिये जावय।”
13 तब ओह ओमन ला छोंड़के फेर डोंगा म चघिस अऊ ओ पार चल दीस।

[illegible]
(मत्ती 16:5-12)

14 चेलामन रोटी लाने बर भुला गे रिहिन अऊ डोंगा म ओमन करा सिरिप एके ठन रोटी रिहिस।
15 यीसू ह ओमन ला चेताके कहिस, “फरीसीमन के खमीर अऊ हेरोदेस के खमीर ले सचेत रहव।”
16 ओमन एक-दूसर ले एकर बारे म बिचार करिन अऊ कहिन, “हमन रोटी लाने बर भुला गे हवन, तेकर बारे म
ओह गोठियावत होही।”
17 ओमन के सोच-बिचार ला जानके यीसू ह ओमन ले पुछिस, “तुमन काबर अइसने गोठियावत हव कि तुम्हर
करा रोटी नइं ए? का तुमन अभी तक ले नइं देखत अऊ समझत हवव? का तुम्हर हिरदय ह कठोर हो गे हवय?
18 का तुमन आंखी के रहत नइं देखत हवव अऊ कान के रहत नइं सुनत हवव? का तुमन ला कुछू सुरता नइं
ए?
19 जब मेंह पांच ठन रोटी ला टोरके पांच हजार मनखेमन ला खवाय रहेंव, त तुमन, कतेक ठन टुकना भरके
टुकड़ामन ला उठाय रहेव?”
ओमन कहिन, “बारह टुकना।”
20 “अऊ जब मेंह सात ठन रोटी म ले चार हजार मनखेमन ला खवाय रहेंव, त तुमन, के ठन टुकना भरके
टुकड़ामन ला उठाय रहेव?”
ओमन कहिन, “सात टुकना।”
21 ओह ओमन ला कहिस, “का तुमन अब तक नइं समझत हवव?”

[illegible]

22 जब ओमन बैतसैदा गांव म आईन, त मनखेमन एक अंधरा ला लानिन अऊ यीसू ले बिनती करिन कि
ओला छूके बने करय।
23 ओह ओ अंधरा मनखे के हांथ ला धरके गांव के बाहिर ले गीस अऊ ओकर आंखी म थूकके ओकर ऊपर
अपन हांथ रखिस अऊ ओकर ले पुछिस, “का तोला कुछू दिखत हे?”
24 ओह आंखी ला उठाके कहिस, “मेंह मनखेमन ला देखत हंव; ओमन मोला एती-ओती चलत-फिरत रूख
सहीं दिखत हवंय।”
25 एक बार फेर यीसू ह अपन हांथ ला ओकर आंखी ऊपर रखिस, तब ओ मनखे ह निहारे लगिस अऊ ओकर
आंखीमन बने हो गीन अऊ ओह जम्मो ला साफ-साफ देखन लगिस।
26 यीसू ह ओला ये कहिके घर पठोईस, “गांव म झन जाबे।”

[illegible]
(मत्ती 16:13-20; लूका 9:18-21)

27 यीसू अऊ ओकर चेलामन कैसरिया-फिलिप्पी के गांवमन म गीन। डहार म ओह अपन चेलामन ले पुछिस,
“मनखेमन मोला कोन ए कहिथें?”
28 ओमन कहिन, “कुछू मन कहिथें—यूहन्ना बतिसमा देवइया, कोनो-कोनो एलियाह ए कहिथें अऊ कुछू मन
तोला अगमजानीमन ले एक झन ए कहिथें।”
29 ओह ओमन ले पुछिस, “पर तुमन मोला का कहिथव?”
पतरस ह कहिस, “तेंह मसीह अस।”
30 पर यीसू ह ओमन ला चेताके कहिस कि ओकर बारे म कोनो ला झन बतावंय।

[illegible]
(मत्ती 16:21-23; लूका 9:22)

31 तब ओह ओमन ला सिखोय के सुरू करिस कि मनखे के बेटा के खातिर ये जरूरी अय कि ओह बहुंत दुख
उठावय, अऊ अगुवा, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन के दुवारा तिरस्कार करे जावय अऊ जरूरी ए कि
ओह मार डारे जावय, पर तीन दिन के पाछू ओह फेर जी उठय।

32 ओह ये बात ला साफ-साफ कहिस। एकर खातिर पतरस ह ओला अलग ले जाके डांटे लगिस।

[illegible]

33 पर यीसू ह मुड़के अपन चेलामन कोति देखिस अऊ पतरस ला दबकारके कहिस, "मोर नजर ले दूर हट,
सैतान! काबरकि तोर मन म परमेसर के बात नइं, पर मनखेमन के बात हवय।"
34 तब ओह भीड़ ला अपन चेलामन संग लकठा म बलाके कहिस, "जऊन कोनो मोर चेला बने चाहत हे, त
येह जरूरी ए कि ओह अपन ईछा ला मारय अऊ दुख उठाय बर तियार रहय। अऊ तब मोर पाछू हो लेवय।
35 काबरकि जऊन कोनो अपन परान ला बचाय चाहथे, ओह सदाकाल के जिनगी ला गंवाही, पर जऊन कोनो
मोर अऊ सुघर संदेस के खातिर अपन परान ला गंवाथे, ओह ओला बचाही।
36 यदि मनखे ह जम्मो संसार ला पा जावय, पर अपन परान ला गंवा दे, त ओला का फायदा?
37 या कोनो मनखे अपन परान के बदले का दे सकथे?
38 जऊन कोनो ये छिनारी अऊ पापी पीढ़ी के मनखेमन के आघू म मोर अऊ मोर संदेस ले लजाथे, त मनखे
के बेटा ह घलो ओकर ले लजाही, जब ओह अपन ददा के महिमा म पबितर स्वरगदूतमन संग आही।"

9

1 यीसू ह ओमन ला ये घलो कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि कुछू झन, जऊन मन इहां ठाढ़े हवंय,
तब तक नइं मरंय जब तक कि ओमन परमेसर के राज ला सामर्थ के संग आवत नइं देख लीहीं।"

[illegible]
([illegible] 17:1-13; [illegible] 9:28-36)

2 छै दिन के बाद, यीसू ह पतरस, याकूब अऊ यूहन्ना ला एक ठन ऊंचहा पहाड़ ऊपर ले गीस। उहां ओमन के
छोंड़ अऊ कोनो नइं रिहिस। तब ओमन के आघू म यीसू के रूप ह बदल गीस।
3 ओकर ओनहा ह झक पंर्रा हो गे अऊ अइसने चमके लगिस कि संसार म कोनो अइसने उज्जर नइं कर
सकय।
4 अऊ उहां ओमन ला एलियाह अऊ मूसा दिखिन, जऊन मन यीसू के संग गोठियावत रहंय।*
5 तब पतरस ह यीसू ला कहिस, "हे गुरू! हमन के इहां रहई बने अय। एकरसेति हमन तीन ठन मंडप
बनाथन—एक ठन तोर बर, एक मूसा बर अऊ एक एलियाह बर।"
6 (ओह नइं जानत रहय कि का कहे जावय, काबरकि ओमन अब्बड़ डरा गे रहंय।)
7 तब एक ठन बादर ओमन ला ढांप लीस अऊ ओ बादर म ले ये अवाज आईस, "येह मोर मयारू बेटा ए,
एकर बात ला सुनव।"
8 तब अचानक जब ओमन चारों कोति देखिन, त यीसू के छोंड़ अऊ कोनो ला अपन संग नइं देखिन।
9 जब ओमन पहाड़ ले उतरत रिहिन, त यीसू ह ओमन ला हुकूम दीस कि जब तक मनखे के बेटा ह मरे म ले
नइं जी उठय, तब तक जऊन कुछू तुमन देखे हवव, कोनो ला झन बतावव।
10 ओमन ये बात ला अपन मन म रखिन अऊ ये बिचार करन लगिन कि "मरे म ले जी उठे" के का मतलब
होथे?
11 तब ओमन यीसू ले पुछिन, "कानून के गुरूमन काबर कहिथें कि पहिली एलियाह के अवई जरूरी अय।"
12 यीसू ह ओमन ला ये जबाब दीस, "ये बात सही अय कि एलियाह पहिली आही, अऊ जम्मो चीज ला ठीक
करही। पर मनखे के बेटा के बारे म ये काबर लिखे हवय कि ओह अब्बड़ दुख उठाही अऊ तुछ समझे जाही?
13 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि एलियाह ह आ चुके हवय अऊ जइसने कि ओकर बारे म लिखे
हवय—ओमन जइसने चाहिन, वइसने ओकर संग बरताव करिन†।"

[illegible]
([illegible] 17:14-21; [illegible] 9:37-43)

14 जब ओमन बाकि चेलामन करा आईन, त देखिन एक भारी भीड़ ओमन के चारों खूंट जूरे रहय अऊ कानून
के गुरूमन ओमन के संग बहस करत रहंय।
15 यीसू ला देखके मनखेमन चकित हो गीन अऊ ओकर से मिले बर दऊड़े लगिन।

---

* **9:4** बहुंत पहिली एलियाह ह एक अगमजानी रिहिस अऊ मूसा ह यहूदीमन के एक खास अगुवा। † **9:13** इहां जब यीसू ह एलियाह के नांव लेथे, त ओकर मतलब यूहन्ना बतिसमा देवइया अय, जऊन ह एलियाह सहीं रिहिस। (मत्ती 11:13-14; 17:10-13)

16 यीसू ह ओमन ले पुछिस, “तुमन येमन संग का बहस करत हव?”
17 भीड़ म ले एक झन जबाब दीस, “हे गुरू, मेंह अपन बेटा ला जऊन म कोंदा आतमा हमा गे हवय, तोर करा
लाने रहेंव।
18 जब भी ओ आतमा ओला धरथे, ओला भुइयां म पटकथे, अऊ ओकर मुहूं ले झाग निकलथे अऊ दांतमन
ला किटकिटाथे अऊ अकड़ जाथे। मेंह तोर चेलामन ला कहेंव कि ओ आतमा ला निकाल देवंय, पर ओमन
निकाले नइं सकिन।”
19 यीसू ह कहिस, “हे अबिसवासी पीढ़ी के मनखेमन! कब तक मेंह तुम्हर संग रहिहूं, अऊ कब तक तुम्हर
सहत रहिहूं? ओ छोकरा ला मोर करा लानव।”
20 तब ओमन ओ छोकरा ला ओकर करा लानिन। जब ओ आतमा ह यीसू ला देखिस, त तुरते ओह छोकरा
ला मुरेरिस। ओ छोकरा ह भुइयां म गिरके घोलड़न लगिस अऊ ओकर मुहूं ले झाग निकलत रहय।
21 यीसू ह ओ छोकरा के ददा ले पुछिस, “येला कब ले अइसने होवत हे?”
ओह कहिस, “लइकापन ले।
22 परेत आतमा ह येला मारे बर कभू आगी अऊ कभू पानी म गिराथे। पर कहूं तेंह कुछू कर सकथस, त हमर
ऊपर दया करके हमर मदद कर।”
23 यीसू ह कहिस, “कहूं तेंह कुछू कर सकथस, एकर का मतलब? का तेंह नइं जानथस कि जऊन ह बिसवास
करथे, ओकर बर हर बात हो सकथे।”
24 छोकरा के ददा ह तुरते गुलगुला होके कहिस, “मेंह बिसवास करत हंव, परभू! मोर अबिसवास ला दूर करे
बर मोर मदद कर।”
25 जब यीसू ह देखिस कि भीड़ ह बढ़त हे, त ओह असुध आतमा ला दबकारके कहिस, “हे भैंरा अऊ कोंदा
आतमा! मेंह तोला हुकूम देवत हंव कि ओमा ले निकल जा अऊ ओमा फेर कभू झन हमाबे।”
26 ओ आतमा ह चिचियाके छोकरा ला अब्बड़ मुरेरिस अऊ ओमा ले निकल गीस। तब ओ छोकरा ह मरे सहीं
हो गे, अऊ बहुंत झन कहन लगिन, “ओह मर गीस।”
27 पर यीसू ह ओकर हांथ ला धरके ओला उठाईस अऊ ओह ठाढ़ हो गीस।
28 यीसू के घर के भीतर जाय के पाछू, अकेला म ओकर चेलामन ओकर ले पुछिन, “हमन काबर ओ परेत
आतमा ला निकाल नइं सकेंन?”
29 ओह कहिस, “ये किसम के आतमा ह पराथना के छोंड़ अऊ कोनो उपाय ले नइं निकलय।”

[illegible]

30 ओमन ओ जगह ला छोंड़के गलील प्रदेस म ले होके जावत रिहिन अऊ यीसू नइं चाहत रिहिस कि कोनो
ओमन के ठिकाना के बारे म जानंय।
31 काबरकि ओह अपन चेलामन ला सिखोवत रिहिस। ओह ओमन ला कहिस, “मनखे के बेटा ह मनखेमन के
हांथ म पकड़वाय जाही। ओमन ओला मार डारहीं अऊ मरे के तीन दिन के पाछू ओह जी उठही।”
32 पर ये गोठ ह ओमन के समझ म नइं आईस अऊ ओमन एकर बारे म ओकर ले पुछे बर डरावत रिहिन।

[illegible]
([illegible] 18:1-5; [illegible] 9:46-48)

33 फेर ओमन कफरनहूम सहर म आईन अऊ घर म आके यीसू ह चेलामन ले पुछिस, “रसता म तुमन का
गोठ ला लेके बहस करत रहेव?”
34 पर ओमन चुपेचाप रिहिन, काबरकि डहार म ओमन एक-दूसर ले ये बहस करत रिहिन कि ओमन के बीच म
सबले बड़े कोन ए।
35 बईठे के पाछू, यीसू ह बारह चेलामन ला बलाके कहिस, “कहूं कोनो सबले बड़े होय चाहथे, त ओह सबले
छोटे अऊ सब के सेवक बनय।”
36 तब ओह एक छोटे लइका ला लेके ओमन के बीच म ठाढ़ करिस अऊ ओला अपन कोरा म पाके ओमन ला
कहिस,
37 “जऊन कोनो मोर नांव म अइसने छोटे लइका ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे, अऊ जऊन
कोनो मोला गरहन करथे ओह सिरिप मोला नइं, पर मोर पठोइया ला घलो गरहन करथे।”

[illegible]
([illegible] 9:49-50)

38 यूहन्ना ह यीसू ला कहिस, “गुरूजी! हमन एक मनखे ला तोर नांव म परेत आतमामन ला निकालत देखेंन,
अऊ हमन ओला कहेंन कि ओह अइसने झन करय। काबरकि ओह हमन म ले नो हय।”
39 यीसू ह कहिस, “ओला झन रोकव,” “अइसने कोनो नइं ए जऊन ह मोर नांव म चमतकार के काम करे अऊ
तुरते मोर बारे म खराप बात बोल सकय,
40 काबरकि जऊन ह हमर बिरोध म नइं ए, ओह हमर कोति हवय।
41 कहूं कोनो तुमन ला मोर नांव म, मसीह के मनखे जानके एक गिलास पानी देथे, त मेंह तुमन ला सच कहत
हंव, ओह एकर ईनाम जरूर पाही।

[illegible]
([illegible] 18:6-9; [illegible] 17:1-2)

42 “अऊ कोनो मनखे मोर ऊपर बिसवास करइया ये छोटे मन ले कोनो के पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओकर
बर बने होतिस कि एक ठन बड़े जांता के पथरा ला ओकर घेंच म बांधके ओला समुंदर म फटिक दिये जावय।
43 कहूं तोर हांथ ह तोर पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओला काट डार। तोर बर लूलवा होके सदाकाल के
जिनगी म प्रवेस करई ह बने अय, एकर बनिस्पत कि दूनों हांथ के रहत, तोला नरक के आगी म डारे जावय,
जऊन ह कभू नइं बुतावय।
44 जिहां,
“ ‘जऊन कीरामन ओमन ला खाथें, ओमन नइं मरंय,
अऊ आगी ह कभू नइं बुतावय।’‡
45 अऊ कहूं तोर गोड़ ह तोर पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओला काट डार। तोर बर येह बने अय कि खोरवा
होके सदाकाल के जिनगी म प्रवेस कर, एकर बनिस्पत कि दूनों गोड़ के रहत, तोला नरक म डारे जावय।
46 जिहां,
“ ‘जऊन कीरामन ओमन ला खाथें, ओमन नइं मरंय,
अऊ आगी ह कभू नइं बुतावय।’§
47 अऊ कहूं तोर आंखी ह तोर पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओला निकाल दे। तोर बर येह बने अय कि एक
आंखी ले कनवां होके परमेसर के राज म प्रवेस कर, एकर बनिस्पत कि दूनों आंखी के रहत, तोला नरक म डार
दिये जावय,
48 जिहां,
“ ‘जऊन कीरामन ओमन ला खाथें, ओमन नइं मरंय,
अऊ आगी ह कभू नइं बुतावय।’*
49 हर एक मनखे आगी के दुवारा नूनचूर करे जाही।
50 “नून ह बने ए। पर कहूं येह अपन सुवाद ला गंवा देथे, त तुमन कइसने येला फेर नूनचूर कर सकथव?
अपन म नून के सुवाद रखव, अऊ एक-दूसर के संग मिल जूरके रहव।”

10

[illegible]
([illegible] 19:1-12; [illegible] 16:18)

1 तब यीसू ह ओ जगह ला छोंड़के यहूदिया प्रदेस के इलाका अऊ यरदन नदी के ओ पार गीस। अऊ मनखेमन
के भीड़ ह फेर ओकर करा जूर गीस, अऊ अपन रीति के मुताबिक ओह ओमन ला उपदेस देवन लगिस।
2 तब कुछू फरीसीमन आके ओला परखे बर पुछन लगिन, “कहूं कोनो आदमी अपन घरवाली ला तियाग
देथे,* त का येह कानून के मुताबिक सही अय?”
3 ओह ओमन ला कहिस, “मूसा ह तुमन ला का हुकूम दे हवय?”
4 ओमन कहिन, “मूसा ह मरद ला तियाग पतर लिखके अपन घरवाली ला छोंड़े के हुकूम दे हवय।”

‡ **9:44** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय। § **9:46** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय। * **9:48** यसा 66:24 * **10:2** तलाक देथे

5 यीसू ह कहिस, “तुम्हर हिरदय के कठोरता के कारन मूसा ह अइसने हुकूम तुम्हर बर लिखे हवय।
6 पर ये संसार के सुरू म परमेसर ह ओमन ला नर अऊ नारी करके बनाईस।†
7 एकरे कारन मरद ह अपन दाई-ददा ले अलग होके अपन घरवाली संग मिले रहिही।
8 अऊ ओ दूनों एक तन होहीं।‡ ओमन अब दू नइं, पर एक अंय।
9 एकरसेति, जऊन ला परमेसर ह जोड़े हवय, ओला कोनो मनखे अलग झन करय।”
10 जब ओमन घर के भीतर आईन, त चेलामन एकर बारे म यीसू ले फेर पुछिन।
11 ओह कहिस, “जऊन कोनो अपन घरवाली ला छोंड़के आने माईलोगन ले बिहाव करथे, त ओह पहिली घरवाली के बिरोध म छिनारी करथे।
12 अऊ कहूं, कोनो माईलोगन ह अपन घरवाला ला छोंड़के आने मनखे ले बिहाव करथे, त ओह घलो छिनारी करथे।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 19:13-15; [illegible] 18:15-17*)

13 मनखेमन छोटे लइकामन ला यीसू करा लाने लगिन कि ओह ओमन ऊपर अपन हांथ रखय, पर चेलामन मनखेमन ला दबकारे लगिन।
14 जब यीसू ह येला देखिस, त नराज होके ओमन ला कहिस, “छोटे लइकामन ला मोर करा आवन दव; ओमन ला झन रोकव, काबरकि परमेसर के राज ह अइसने मन बर अय।
15 मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह परमेसर के राज ला एक छोटे लइका सहीं गरहन नइं करही, ओह परमेसर के राज म कभू जाय नइं पाही।”
16 अऊ ओह लइकामन ला अपन कोरा म पाईस अऊ ओमन ऊपर अपन हांथ रखके ओमन ला आसीस दीस।

[illegible] [illegible]
(*[illegible] 19:16-30; [illegible] 18:18-30*)

17 जब यीसू ह फेर डहार म जावत रिहिस, त एक मनखे दऊड़के आईस अऊ ओकर गोड़ खाल्हे माड़ी के भार गिरके ओकर ले पुछिस, “हे बने गुरू! सदाकाल के जिनगी पाय बर मेंह का करंव?”
18 यीसू ह ओला कहिस, “तेंह मोला काबर बने कहत हवस? सिरिप परमेसर के छोंड़, अऊ कोनो बने नो हंय।
19 तेंह हुकूममन ला त जानत हवस: ‘हतिया झन करव, छिनारी झन करव, चोरी झन करव, लबारी गवाही झन देवव, कोनो ला झन ठगव, अपन दाई-ददा के आदरमान करव।’§”
20 ओ मनखे ह कहिस, “हे गुरू! ये जम्मो ला मेंह अपन लइकापन ले मानत आवत हंव।”
21 ओला देखके, यीसू ला ओकर ऊपर मया आईस। यीसू ह ओला कहिस, “तोर म एक बात के कमी हवय। जा, जऊन कुछू तोर करा हवय, ओ जम्मो ला बेचके गरीबमन ला देय दे, अऊ तोला स्वरग म धन मिलही। तब आ अऊ मोर पाछू हो ले।”
22 ये बचन सुनके ओ मनखे के चेहरा ह उतर गे अऊ ओह उदास होके उहां ले चल दीस, काबरकि ओकर मेर अब्बड़ संपत्ति रिहिस।
23 यीसू ह चारों कोति देखके अपन चेलामन ला कहिस, “धनवान मनखे के परमेसर के राज म जवई कतेक कठिन ए।”
24 चेलामन ओकर बात ला सुनके चकित हो गीन। पर यीसू ह फेर कहिस, “हे लइकामन हो! परमेसर के राज म जवई कतेक कठिन ए।
25 परमेसर के राज म धनवान मनखे के जाय के बनिस्पत सूजी के छेदा म ले ऊंट के निकल जवई सरल अय।”
26 चेलामन अऊ जादा चकित होके एक-दूसर ला कहिन, “त फेर कोन ह उद्धार पा सकथे?”
27 यीसू ह ओमन कोति देखिस अऊ कहिस, “ये बात ह मनखे के दुवारा संभव नो हय, पर परमेसर के दुवारा जम्मो बात ह संभव अय।”
28 पतरस ह ओला कहिस, “देख, हमन तो जम्मो कुछू ला छोंड़के तोर पाछू हो ले हवन।”
29 यीसू ह कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन कोनो, मोर अऊ सुघर संदेस बर अपन घर या भाई या बहिनी या दाई या ददा या लइकामन या खेत-खार ला छोंड़ दे हवय,

† **10:6** उत 1:27 ‡ **10:8** उत 2:24 § **10:19** निर 20:12

30 ओह ये समय म ये चीजमन ला सौ गुना पाही: घर, भाई, बहिनी, दाई, लइका अऊ खेत-खार—अऊ संग
म सतावा अऊ अवइया जुग म ओला सदाकाल के जिनगी मिलही।
31 पर कतको झन जऊन मन अभी आघू म हवंय, ओमन आखिरी म हो जाहीं अऊ जऊन मन आखिरी म
हवंय, ओमन आघू हो जाहीं।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 20:17-19; [illegible] 18:31-34*)

32 ओमन यरूसलेम के डहार म रिहिन अऊ यीसू ह आघू-आघू रेंगत रहय। चेलामन घबरा गे रहंय अऊ पाछू
रेंगइयामन डरा गे रहंय। यीसू ह फेर बारहों झन ला अलग ले जाके ओमन ला बताय लगिस कि ओकर संग का
होवइया हवय।
33 ओह कहिस, "देखव, हमन यरूसलेम जावत हन अऊ हां मनखे के बेटा ला पकड़के मुखिया पुरोहितमन
अऊ कानून के गुरूमन के हांथ म सऊंपे जाही, अऊ ओमन ओला मार डारे के सजा दीहीं अऊ ओला
आनजातमन के हांथ म सऊंप दीहीं।
34 जऊन मन ओकर हंसी उड़ाहीं अऊ ओकर ऊपर थूकहीं अऊ ओला कोर्रा म मारहीं अऊ ओला मार
डारहीं। पर तीन दिन के पाछू ओह जी उठही।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 20:20-28*)

35 तब जबदी के बेटा याकूब अऊ यूहन्ना ओकर करा आके कहिन, "हे गुरू, हमन चाहथन कि जऊन कुछू
हमन तोर ले मांगबो, ओही ला तेंह हमर बर कर।"
36 ओह पुछिस, "तुमन का चाहथव कि मेंह तुम्हर बर करंव?"
37 ओमन कहिन, "तोर राज म जब तेंह सिंघासन म बईठबे, त हमर दूनों म के एक झन ला तोर जेवनी अऊ
दूसर ला तोर डेरी कोति बईठन देबे।"
38 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "तुमन नइं जानत हव कि तुमन का मांगत हव? जऊन दुख के कटोरा म ले
मेंह पीवइया हवंव, का तुमन ओला पी सकथव? या जऊन बतिसमा ला मेंह लेवइया हवंव, का तुमन ओ
बतिसमा ला ले सकहू?"
39 ओमन कहिन, "हमर ले ये हो सकथे।"
तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "जऊन कटोरा म ले मेंह पीहूं, ओमा ले तुमन पीहू अऊ जऊन बतिसमा मेंह
लूहूं, ओला तुमन लूहू,
40 पर मोर जेवनी या डेरी कोति बईठाय के मोला अधिकार नइं ए। ये जगह ओमन के अय, जेमन बर येला
तियार करे गे हवय।"
41 जब आने दस चेलामन ये बात ला सुनिन, त ओमन याकूब अऊ यूहन्ना ऊपर गुस्सा करिन।
42 एकरसेति यीसू ह ओमन ला एक संग अपन लकठा म बलाके कहिस, "जइसने कि तुमन जानथव, जऊन
मन आनजातमन के हाकिम समझे जाथें, ओमन आनजातमन ऊपर परभूता करथें अऊ ओमन के बड़े
अधिकारीमन ओमन ऊपर अधिकार जमाथें।
43 तुमन के संग अइसने नइं होवय। पर जऊन ह तुमन म बड़े होय चाहथे, ओह तुम्हर सेवक बनय,
44 अऊ जऊन ह सबले पहिली होय चाहथे, ओह जम्मो झन के गुलाम बनय।
45 काबरकि मनखे के बेटा ह अपन सेवा करवाय बर नइं आईस, पर एकर खातिर आईस कि ओह आने मन के
सेवा करय अऊ बहुंत झन के छुड़ौती बर अपन परान ला देवय।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 20:29-34; [illegible] 18:35-43*)

46 तब यीसू अऊ ओकर चेलामन यरीहो सहर म आईन अऊ जब ओमन एक बड़े भीड़ के संग यरीहो ले
निकलके जावत रिहिन, त बरतिमाई (जेकर मतलब होथे "तिमाई के बेटा") नांव के एक अंधरा मनखे सड़क के
तीर म बईठके भीख मांगत रहय।
47 ओह ये सुनके कि नासरत के यीसू अय, चिचियाके कहिस, "हे यीसू, दाऊद के संतान, मोर ऊपर दया कर!"

48 कतको झन ओला दबकारके कहिन, “चुपे रह।” पर ओह अऊ चिचियाके कहिस, “हे दाऊद के संतान! मोर
ऊपर दया कर।”
49 जब यीसू ह सुनिस, त ठाढ़ होके कहिस, “ओला इहां बलावव।”
तब मनखेमन ओ अंधरा ला बलाके कहिन, “खुसी मना अऊ उठ। ओह तोला बलावत हवय।”
50 ओह अपन ओढ़ना ला फटिक दीस अऊ कूदके ठाढ़ हो गीस अऊ यीसू करा आईस।
51 यीसू ह ओकर ले पुछिस, “तेंह का चाहत हस कि मेंह तोर बर करंव?”
ओ अंधरा ह कहिस, “हे गुरू! मेंह देखे बर चाहत हंव।”
52 यीसू ह कहिस, “जा, तोर बिसवास ह तोला बने करे हवय।” अऊ तुरते ओह देखे लगिस अऊ डहार म यीसू
के पाछू हो लीस।

11

[illegible]
(मत्ती 21:1-11; लूका 19:28-40; [illegible] 12:12-19)

1 जब ओमन यरूसलेम के लकठा म हबरिन अऊ जैतून पहाड़ के बैतफगे अऊ बैतनियाह गांव करा आईन, त
यीसू ह अपन चेलामन ले दू झन ला ये कहिके पठोईस,
2 “तुमन आघू के गांव म जावव, अऊ जइसने ही तुमन उहां हबरहू, तुमन ला उहां एक ठन गदही के बछेड़ा
बंधाय मिलही, जेकर ऊपर कभू कोनो सवारी नइं करे हवंय। ओला ढीलके इहां ले आवव।
3 कहूं कोनो तुम्हर ले पुछय कि अइसने काबर करत हव? त ओला कहव कि परभू ला एकर जरूरत हवय, अऊ
ओह जल्दी ओला इहां पठो दीही।”
4 ओमन गीन अऊ एक ठन गदही के पीला ला गली म, एक ठन घर के दुवार म बंधाय पाईन, अऊ ओमन जब
ओला ढीलन लगिन,
5 त जऊन मन उहां ठाढ़े रहंय, ओमन पुछिन, “ये गदही के पीला ला काबर ढीलत हवव?”
6 जइसने यीसू ह ओमन ला कहे रिहिस, ओमन वइसनेच कहिन। तब मनखेमन ओमन ला जावन दीन।
7 ओमन गदही के बछेड़ा ला यीसू करा लानके, ओकर ऊपर अपन ओनहामन ला डालिन अऊ यीसू ह ओकर
ऊपर बईठ गीस।
8 अऊ कतको झन अपन ओनहा ला ओकर आघू, डहार म दसा दीन अऊ कतको झन खेतमन के डारामन ला
काटके डहार म दसा दीन।
9 जऊन मन ओकर आघू-आघू जावत अऊ जऊन मन पाछू-पाछू आवत रहंय, ओमन चिचिया-चिचियाके
कहत रिहिन,
“होसाना!*”

“धइन ए ओ, जऊन ह परभू के नांव म आथे।”†

10 “धइन ए हमर पुरखा दाऊद राजा के अवइया राज के!”

“सबले ऊंच स्वरग म होसाना!”
11 यीसू ह यरूसलेम म आके यहूदीमन के मंदिर म गीस अऊ चारों खूंट जम्मो चीजमन ला देखके अपन
बारहों चेलामन संग बैतनियाह चल दीस, काबरकि सांझ हो गे रहय।

[illegible]
(मत्ती 21:18-19)

12 ओकर दूसर दिन जब ओमन बैतनियाह ले जावत रिहिन, त यीसू ला भूख लगिस।
13 थोरकन दूरिहा म, एक ठन हरियर अंजीर के रूख ला देखके, यीसू ह ये सोचके उहां गीस कि ओ रूख म कुछू
फर होही, पर ओह जब उहां गीस, त ओला उहां पान के छोंड़ कुछू नइं मिलिस, काबरकि ओह फर के मौसम नइं
रिहिस।

---

* **11:9** *[illegible]* येकर मतलब होथे *[illegible]* पर बाद म येकर उपयोग परसंसा करई म होय लगिस † **11:9** भजन 118:25, 26

14 तब ओह रूख ला कहिस, “अब ले फेर तोर म फर कभू झन लगय।” अऊ ओकर चेलामन ये गोठ ला सुनत
रिहिन।
15 ओमन यरूसलेम सहर म आईन। अऊ यीसू ह मंदिर म गीस, अऊ जऊन मन उहां बेचे अऊ बिसाय के
काम करत रहंय, ओमन ला बाहिर निकाले के सुरू करिस। ओह रूपिया-पईसा के अदला-बदली करइयामन के
मेज अऊ पंड़की बेचइयामन के बेंचमन ला खपल दीस,
16 अऊ मंदिर के सीमना म कोनो ला लेन-देन करे के सामान लेके आवन-जावन नइं दीस।
17 ओह ओमन ला उपदेस देके कहिस, “का परमेसर के बचन म ये नइं लिखे हवय: ‘मोर घर ह जम्मो जाति के
मनखेमन बर पराथना के घर होही? पर तुमन येला डाकूमन के अड्डा बना दे हवव।’‡”
18 येला सुनके, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन ओला मार डारे के मऊका खोजन लगिन, पर ओमन
ओकर ले डरावत रिहिन, काबरकि भीड़ के जम्मो मनखेमन ओकर उपदेस ला सुनके चकित होवत रिहिन।
19 जब सांझ होईस, त यीसू अऊ ओकर चेलामन सहर ले बाहिर चल दीन।

[illegible]
(मत्ती 21:20-22)

20 बिहनियां, जब ओमन जावत रिहिन, त देखिन कि ओ अंजीर के रूख ह जरमूर ले सूखा गे रहय।
21 तब पतरस ह ओ गोठ ला सुरता करके यीसू ला कहिस, “हे गुरू! देख, ये अंजीर के रूख जऊन ला तेंह
सराप दे रहय, सूखा गे हवय।”
22 यीसू ह ओमन ला कहिस, “परमेसर ऊपर बिसवास रखव।
23 मेंह तुमन ला सच कहत हंव, कहूं कोनो ये पहाड़ ले कहय कि जा अऊ समुंदर म गिर जा, अऊ ओह अपन
मन म संका झन करय, पर परमेसर के ऊपर बिसवास करय कि जऊन बात ओह कहत हवय, ओह हो जाही, त
ओकर बर वइसनेच करे जाही।
24 एकरसेति, मेंह तुमन ला कहत हंव, जऊन कुछू तुमन पराथना म मांगथव, बिसवास करव कि ओह तुमन
ला मिलही अऊ ओह तुम्हर बर हो जाही।
25 जब तुमन ठाढ़ होके पराथना करव, त कहूं तुम्हर मन म काकरो बर कुछू बिरोध हवय, त ओला माफ करव,
ये खातिर कि तुम्हर ददा जऊन ह स्वरग म हवय, तुम्हर अपराध ला छेमा करही।
26 अऊ कहूं तुमन माफ नइं करव, त तुम्हर ददा परमेसर घलो जऊन ह स्वरग म हवय, तुम्हर अपराध ला
छेमा नइं करही।§”

[illegible]
(मत्ती 21:23-27; लूका 20:1-8)

27 ओमन फेर यरूसलेम म आईन अऊ यीसू ह जब मंदिर के अंगना म रेंगत रिहिस, तब मुखिया पुरोहितमन,
कानून के गुरूमन अऊ अगुवामन ओकर करा आईन
28 अऊ पुछिन, “कोन अधिकार ले तेंह ये चीजमन ला करत हवस? अऊ ये करे के अधिकार कोन ह तोला दे
हवय?”
29 यीसू ह जबाब दीस, “मेंह घलो तुमन ले एक सवाल पुछत हंव, ओकर मोला जबाब देवव, त मेंह तुमन ला
बताहूं कि कोन अधिकार ले मेंह ये काममन ला करत हवंव।
30 यूहन्ना के बतिसमा देवई ह, स्वरग ले रिहिस या मनखे कोति ले? मोला बतावव।”
31 ओमन आपस म सोच-बिचार करिन अऊ कहिन, “यदि हमन कहन, ‘स्वरग ले,’ त ओह कहिही, ‘तब तुमन
ओकर ऊपर बिसवास काबर नइं करेव?’
32 पर यदि हमन कहन कि मनखे कोति ले,” त मनखेमन के डर हवय, काबरकि जम्मो मनखेमन के बिसवास
रहय कि यूहन्ना ह सही म अगमजानी रिहिस।
33 एकरसेति ओमन यीसू ला जबाब दीन, “हमन नइं जानन।”
यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह घलो तुमन ला नइं बतावंव कि कोन अधिकार ले मेंह ये काममन करत हवंव।”

‡ **11:17** यसा 56:7 § **11:26** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

12

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:33-46; [illegible] 20:9-19)

1 तब यीसू ह ओमन ले पटंतर म गोठियाय लगिस अऊ कहिस, “एक मनखे ह अंगूर के बारी लगाईस अऊ
बारी के चारों खूंट बाड़ा बांधिस अऊ रसकुंड बर एक ठन खंचवा कोड़िस, अऊ एक ठन मचान घलो बनाईस।
तब ओह ओ अंगूर के बारी ला कुछू किसानमन ला रेगहा म देके आने देस चल दीस।
2 जब फर के समय आईस, त ओह अपन एक सेवक ला किसानमन करा पठोईस कि ओह अंगूर के बारी ले
ओकर बांटा के फर लानय।
3 पर किसानमन ओला धरके मारिन-पीटिन अऊ ओला जुच्छा हांथ लहुंटा दीन।
4 तब बारी के मालिक ह एक आने सेवक ला ओमन करा पठोईस, पर ओमन ओकर मुड़ ला फोर दीन अऊ
ओकर बेजत्ती करिन।
5 बारी के मालिक ह अऊ एक झन ला पठोईस, पर ओमन ओला मार डारिन। ओह अऊ बहुंत झन ला
पठोईस, पर ओमन कतको झन ला पीटिन अऊ कतको झन ला मार डारिन।
6 “अब ओकर करा सिरिप एक झन बांचिस, ओकर एके मयारू बेटा! आखिर म ओह ये सोचके ओला पठोईस
कि ओमन मोर बेटा के आदर करहीं।
7 “पर जब ओ किसानमन ओला आवत देखिन, त एक-दूसर ला कहिन, ‘येह वारिस ए। आवव, हमन येला मार
डालन, तब एकर संपत्ति ह हमर हो जाही।’
8 अऊ ओमन ओला पकड़िन अऊ मार डारिन अऊ अंगूर के बारी के बाहिर फटिक दीन।
9 “तब अंगूर के बारी के मालिक ह का करही? ओह आही अऊ ओ किसानमन ला मार डारही अऊ अंगूर के
बारी ला आने मन ला दे दीही।
10 का तुमन परमेसर के ये बचन ला नइं पढ़े हवव:
“ ‘जऊन पथरा ला घर के बनइयामन बेकार समझे रिहिन,
ओहीच ह कोना के मुख पथरा हो गीस।
11 येह परभू के दुवारा होईस
अऊ येह हमर नजर म अद्भूत ए’*?”
12 तब मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ अगुवामन यीसू ला पकड़े के उपाय सोचे लगिन काबरकि ओमन
समझ गे रहंय कि ओह ये पटंतर ओमन के बिरोध म कहे हवय। पर ओमन मनखेमन के भीड़ ले डरावत रिहिन;
एकरसेति ओमन ओला छोंड़के चल दीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 22:15-22; [illegible] 20:20-26)

13 बाद म, ओमन यीसू ला गोठ म फंसाय बर कुछू फरीसी अऊ हेरोदीमन ला ओकर करा पठोईन।
14 ओमन आके ओकर ले कहिन, “हे गुरू! हमन जानत हवन कि तेंह सच्चा अस। अऊ काकरो परवाह नइं
करस, काबरकि तेंह मनखे के मुहूं देखके नइं गोठियावस, पर सच्चई के संग परमेसर के रसता के सिकछा देथस।
हमन ये जाने बर चाहथन कि का महाराजा ला लगान देवई कानून के मुताबिक ठीक अय कि नइं?
15 हमन ला लगान देना चाही या नइं देना चाही?”
यीसू ह ओमन के कपट ला जानके ओमन ला कहिस, “तुमन काबर मोला फंसाय के कोसिस करत हव? मोर
करा एक ठन चिल्हर पईसा लानव कि में ओला देखंव।”
16 ओमन पईसा ला लानिन अऊ ओह ओमन ले पुछिस, “येमा काकर मूरती अऊ नांव लिखाय हवय?”
ओमन कहिन, “महाराजा के।”
17 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “जऊन ह महाराजा के अय, ओला महाराजा ला देवव अऊ जऊन ह
परमेसर के अय, ओला परमेसर ला देवव।” येला सुनके ओमन चकित हो गीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]—[illegible]
([illegible] 22:23-33; [illegible] 20:27-40)

---

* **12:11** भजन 118:22, 23

18 तब सदूकीमन आईन, जऊन मन ये कहिथंय कि मरे मनखेमन फेर नइं जी उठंय। ओमन यीसू ले आके
पुछिन,
19 “हे गुरू! मूसा ह हमर बर लिखे हवय कि यदि कोनो मनखे के भाई ह अपन घरवाली के रहत बिगर संतान
के मर जावय, त येह जरूरी ए कि ओ मनखे ह अपन भाई के ओ बिधवा ले बिहाव कर ले, अऊ अपन भाई बर
संतान पईदा करे।
20 सात झन भाई रिहिन। पहिला भाई ह बिहाव करिस अऊ बिगर संतान के मर गीस।
21 तब दूसर भाई ह ओकर बिधवा ले बिहाव करिस अऊ ओह घलो बिगर संतान के मर गीस, अऊ वइसनेच
तीसरा भाई घलो।
22 अइसने होईस कि सातों म के काकरो संतान नइं होईस अऊ ओमन मर गीन। आखिर म ओ माईलोगन
घलो मर गीस।
23 तब मरे मनखेमन के जी उठे के बाद, ओह काकर घरवाली होही? काबरकि ओह सातों भाईमन ले बिहाव
करे रिहिस।”
24 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “का तुमन गलत नइं समझत हव काबरकि तुमन परमेसर के बचन या
परमेसर के सामर्थ ला नइं जानत हव?
25 जब मरे मन जी उठहीं, त ओमन न तो बिहाव करहीं अऊ न ही ओमन ला बिहाव म दिये जाही; ओमन
स्वरग म स्वरगदूतमन सहीं होहीं।
26 मरे मन के जी उठे के बारे म, का तुमन मूसा के किताब म बरत झाड़ी के बारे म नइं पढ़ेव? जिहां परमेसर ह
मूसा ले कहिस, ‘मेंह अब्राहम के परमेसर अऊ इसहाक के परमेसर अऊ याकूब के परमेसर अंव।’
27 परमेसर ह मुरदामन के नइं, पर जीयतमन के परमेसर अय। तुमन भारी गलती म परे हवव।”

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 22:34-40; [illegible] 10:25-28)

28 कानून के गुरूमन ले एक झन आके ओमन ला बहस करत सुनिस अऊ ये जानके कि यीसू ह ओमन ला सही
जबाब दे हवय, ओह यीसू ले पुछिस, “सबले बड़े हुकूम कते ह अय?”
29 यीसू ह कहिस, “सबले बड़े हुकूम ये अय: हे इसरायलीमन सुनव! परभू हमर परमेसर ह एके झन परभू अय।
30 परभू अपन परमेसर ले अपन पूरा हिरदय अऊ अपन पूरा परान अऊ अपन पूरा मन अऊ अपन पूरा
सक्ति ले मया करव।†
31 अऊ दूसरा हुकूम ये अय कि तेंह अपन परोसी ले अपन सहीं मया कर।‡ एकर ले बड़े अऊ कोनो हुकूम नइं
ए।”
32 ओ मनखे ह कहिस, “तेंह बने कहे, गुरू! तोर ये कहई सही अय कि परमेसर एके झन अय अऊ ओला छोंड़
कोनो दूसर परमेसर नइं ए।
33 ओला अपन पूरा मन अऊ अपन पूरा बुद्धि अऊ अपन पूरा सक्ति सहित मया करई अऊ अपन परोसी ला
अपन सहीं मया करई, जम्मो होम-बलिदान अऊ चढ़ावा ले बढ़के अय।”
34 जब यीसू ह देखिस कि ओ मनखे ह समझके जबाब दे हवय, तब ओह ओला कहिस, “तेंह परमेसर के राज के
लकठा म हवस।” अऊ ओकर बाद कोनो ओला कुछू पुछे के हिम्मत नइं करिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?
([illegible] 22:41-46; [illegible] 20:41-44)

35 जब यीसू ह मंदिर म उपदेस करत रिहिस, त पुछिस, “कानून के गुरूमन काबर कहिथें कि मसीह ह दाऊद
के बेटा अय?
36 दाऊद ह खुदे पबितर आतमा म होके कहे हवय:
“ ‘परभू ह मोर परभू ले कहिस,
“मोर जेवनी हांथ कोति बईठ,
जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला तोर गोड़ खाल्हे नइं कर देवंव।” ’§
37 दाऊद ह खुदे ओला परभू कहत हवय। तब मसीह ह ओकर बेटा कइसने होईस?”
भीड़ के मनखेमन ओकर गोठ ला बड़े खुसी से सुनत रिहिन।

---

† **12:30** ब्यव 6:4, 5 ‡ **12:31** लैव्य 19:18 § **12:36** भजन 110:1

[illegible]

38 यीसू ह अपन उपदेस म कहिस, “कानून के गुरूमन ले सचेत रहव। ओमन लम्बा-लम्बा ओनहा पहिरके
एती-ओती घुमई पसंद करथें अऊ ओमन ला बजार के जगह म आदर के संग जोहार झोंकई,
39 यहूदीमन के सभा-घर म सबले बने आसन अऊ जेवनार म आदर के ठऊर म बईठई बने लगथे।
40 ओमन बिधवामन के घर ला हड़प लेथें, अऊ देखाय बर लम्बा-लम्बा पराथना करथें। अइसने मनखेमन
बहुंत दंड पाहीं।”

[illegible]
([illegible] 21:1-4)

41 यीसू ह दान चघाय के जगह के आघू म बईठके मनखेमन ला मंदिर के खजाना म अपन दान चघावत देखत
रिहिस। कतको धनवान मनखेमन अब्बड़ अकन पईसा ओमा डारिन।
42 अतकी म एक गरीब बिधवा आईस अऊ तांबा के दू ठन छोटे सिक्का डालिस जेकर मूल्य कुछू पईसा
रिहिस।
43 यीसू ह अपन चेलामन ला बलाके कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि ये गरीब बिधवा ह आने जम्मो
झन ले मंदिर के खजाना म जादा दान दे हवय।
44 ओ जम्मो झन अपन बढ़त धन म ले दे हवंय, पर येह अपन गरीबी म ले जम्मो ला देय दे हवय, जेमा
ओकर गुजारा होय रहितिस।”

13

[illegible]
([illegible] *24:1-2;* [illegible] *21:5-6)*

1 जब यीसू ह मंदिर ले निकलत रिहिस, तब ओकर चेलामन ले एक झन ओला कहिस, “हे गुरू! देख, कइसने
बड़े-बड़े पथरा अऊ ओमा ले बने सुघर-सुघर भवन।”
2 यीसू ह ओला कहिस, “तेंह जऊन बड़े-बड़े भवन ला देखत हवस? इहां एको ठन पथरा अपन जगह म नइं
बांचय; जम्मो ला गिरा दिये जाही।”
3 जब यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर मंदिर कोति मुहूं करके बईठे रिहिस, तब पतरस, याकूब, यूहन्ना अऊ
अन्द्रियास अलग म ओकर ले पुछिन,
4 “हमन ला बता कि ये बातमन कब होही? अऊ जब ये बातमन पूरा होय के समय आही, तब ओ बखत का
चिनहां दिखही?”
5 यीसू ह ओमन ला कहिस, “सचेत रहव कि कोनो तुमन ला धोखा झन देवय।
6 कतको झन मोर नांव म आहीं अऊ कहिहीं मेंह मसीह अंव, अऊ बहुंते झन ला भरमाहीं।
7 जब तुमन लड़ई अऊ लड़ई होय के अफवाह सुनव, त झन घबरावव। अइसने बात के होवई जरूरी अय, पर
ओ बखत अन्त नइं होवय।
8 एक देस ह दूसर देस ऊपर अऊ एक राज ह दूसर राज ऊपर चढ़ई करही। कतको जगह म दुकाल पड़ही
अऊ भुइंडोल होही। ये जम्मो ह छेवारी होय के पीरा के सुरूआत के सहीं अय।
9 “अपन बारे म सचेत रहव काबरकि मनखेमन तुमन ला धरके अदालत म ले जाहीं अऊ तुमन ला यहूदीमन
के सभा-घर म पीटहीं। मोर खातिर तुमन हाकिम अऊ राजामन के आघू म ठाढ़ होहू कि ओमन ला मोर गवाही
देवव।
10 अऊ येह जरूरी ए कि पहिली जम्मो जातिमन के मनखेमन ला सुघर संदेस के परचार करे जावय।
11 जब ओमन तुमन ला पकड़के अदालत म ले जावंय, तब आघू ले फिकर झन करहू कि तुमन ला का कहना
हे। पर जऊन कुछू तुमन ला ओ घड़ी बताय जाथे, ओही कहव काबरकि बोलइया तुमन नइं, पर पबितर आतमा
अय।
12 “भाई ह अपन भाई ला अऊ ददा ह अपन लइका ला मार डारे बर सऊंप दीही। लइकामन अपन दाई-ददा
के बिरोध म खड़े होहीं अऊ ओमन ला मरवा डारहीं।
13 मोर कारन, जम्मो मनखेमन तुम्हर ले नफरत करहीं, पर जऊन ह आखिरी तक अडिग बने रहिही, ओकरेच
उद्धार होही।

14 “जब तुमन बिनासकारी घिन चीज* ला उहां ठाढ़े देखव जिहां ओकर होना उचित नो हय—त पढ़इया ह
समझ जावय—तब जऊन मन यहूदिया म होवंय, ओमन पहाड़ ऊपर भाग जावंय।
15 जऊन ह अपन घर के छानी ऊपर होवय, ओह अपन घर के चीजमन ला लेय बर खाल्हे झन उतरय।
16 जऊन ह खेत म होवय, ओह अपन कपड़ा लेय बर पाछू झन लहुंटय।
17 ओ माईलोगनमन बर कतेक भयानक बात होही, जऊन मन ओ दिन म देहें म होहीं अऊ जऊन दाईमन
लइकामन ला दूध पीयावत होहीं!
18 परमेसर ले बिनती करत रहव कि येह जड़काला म झन होवय।
19 काबरकि ओ दिनमन म अइसने बिपत्ति आही कि जब ले परमेसर ह संसार ला रचे हवय, तब ले लेके अब
तक न तो अइसने होय हवय अऊ न कभू फेर होही।
20 “यदि परभू ह ओ दिनमन ला कम नइं करे रहितिस, त कोनो मनखे नइं बांचतिन; पर चुने गय मनखेमन के
कारन, परमेसर ह ओ दिनमन ला कम करिस।
21 ओ बखत कहूं कोनो तुमन ला ये कहय कि देखव मसीह ह इहां हवय, या देखव, ओह उहां हवय, त बिसवास
झन करव।
22 काबरकि लबरा मसीह अऊ लबरा अगमजानीमन परगट होहीं अऊ अइसने चिनहां अऊ चमतकार देखाहीं
कि कहूं हो सकय, त चुने गय मनखेमन ला घलो भरमा देवंय।
23 एकरसेति सचेत रहव। मेंह तुमन ला जम्मो बात पहिली ले बता चुके हवंव।

[illegible]
([illegible] 24:29-31; [illegible] 21:25-28)

24 “ओ दिनमन म बिपत पड़े के बाद,
“ ‘सूरज ह अंधियार हो जाही
अऊ चंदा ह अपन अंजोर नइं दीही;
25 तारामन अकास ले गिर जाहीं,
अऊ अकास के सक्तिमन हलाय जाहीं।’†
26 “तब मनखेमन मनखे के बेटा ला अब्बड़ सक्ति अऊ महिमा के संग बादर म आवत देखहीं।
27 अऊ ओह अपन स्वरगदूतमन ला पठोके धरती के ये छोर ले लेके अकास के ओ छोर तक—चारों दिग ले,
अपन चुने मनखेमन ला संकेलही।
28 “अब अंजीर के रूख ले ये बात ला सीखव: जब एकर छोटे डारामन कोअंर बन जाथें अऊ ओमा पानमन
निकले लगथें, त तुमन जान लेथव कि घाम के महिना ह अवइया हवय।
29 ओहीच किसम ले, जब तुमन ये जम्मो घटनामन ला देखव, त जान लेवव कि ओ समय ह लकठा म हवय,
पर दुवारी म आ गे हवय।
30 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जब तक ये बातमन नइं हो जाहीं, तब तक ये पीढ़ी के मनखेमन नइं मरंय।
31 अकास अऊ धरती ह टर जाही, पर मोर बचन ह कभू नइं टरय।

[illegible]
([illegible] 24:36-44)

32 “ओ दिन या समय के बारे म कोनो नइं जानंय; न तो स्वरग के दूत अऊ न ही बेटा, पर सिरिप ददा ह येला
जानथे।
33 सचेत अऊ सावधान रहव काबरकि तुमन नइं जानव कि ओ समय ह कब आही।
34 येह ओ मनखे के सहीं अय, जऊन ह परदेस जाथे अऊ जाय के पहिली अपन घर ला अपन सेवकमन के
अधिकार म छोंड़के ओमन ला अपन-अपन काम बता देथे अऊ घर के चौकीदार ला सचेत रहे के हुकूम देथे।
35 “एकरसेति सचेत रहव काबरकि तुमन नइं जानत हव कि घर के मालिक ह कब आ जाही, संझा बखत या
आधा रथिया या कुकरा बासत या बड़े बिहनियां।
36 अइसने झन होवय कि ओह अचानक आवय अऊ तुमन ला सुतत पावय।
37 जऊन बात मेंह तुमन ला कहत हंव, ओहीच बात मेंह जम्मो झन ला कहत हंव—सचेत रहव।”

---

* **13:14** दानि 9:27; 11:31; 12:11 † **13:25** यसा 13:10; 34:4

14

[illegible]
([illegible] 26:1-5; [illegible] 22:1-2; [illegible] 11:45-53)

1 दू दिन के बाद, फसह अऊ बिगर खमीर के रोटी के तिहार होवइया रिहिस, अऊ ओ समय मुखिया पुरोहित
अऊ कानून के गुरूमन ये ताक म रिहिन कि यीसू ला कइसने चुपेचाप पकड़के मार डारंय।
2 ओमन कहिन, "तिहार के बखत म अइसने नइं करन। कहूं अइसने झन होवय कि मनखेमन म हुड़दंग हो
जावय।"
3 ओ समय म, जब यीसू बैतनियाह म सिमोन कोढ़ी के घर म खाना खावत रिहिस, तब एक झन माईलोगन ह
संगमरमर के पथरा के चुकिया म सुध गुलमेंहदी के अब्बड़ मंहगा इतर तेल लेके आईस, अऊ ओह चुकिया ला
फोरके इतर ला यीसू के मुड़ ऊपर रितोईस।
4 उहां कुछू मनखेमन खिसियाके एक-दूसर ला कहन लगिन, "ये इतर ला काबर बरबाद कर दीस?
5 येला बेचे रहे ले लगभग एक साल के बनी* ले घलो जादा पईसा मिले रहितिस, जऊन ला गरीबमन म बांटे
जा सकत रिहिस।" अऊ ओमन ओला अब्बड़ डांटिन।
6 यीसू ह कहिस, "ओला छोंड़ दव। ओला काबर सतावत हवव? ओह तो मोर संग सुघर बुता करे हवय।
7 गरीबमन तुम्हर संग हमेसा रहिहीं अऊ तुमन जब चाहव, तब ओमन के मदद कर सकत हव, पर मेंह तुम्हर
संग हमेसा नइं रहंव।
8 जऊन कुछू ओह कर सकत रिहिस, ओह करिस। मोर गड़ियाय जाय के तियारी म ओह आघू ले मोर देहें
ऊपर इतर लगाय हवय।
9 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जम्मो संसार म जिहां-जिहां मोर सुघर संदेस के परचार करे जाही, उहां
ओकर ये काम के चरचा घलो ओकर सुरता म करे जाही।"
10 तब यहूदा इस्करियोती जऊन ह बारह चेलामन ले एक झन रिहिस, मुखिया पुरोहितमन करा गीस कि ओह
यीसू ला ओमन के हांथ म पकड़वा देवय।
11 ओमन ये सुनके बहुंत खुस होईन, अऊ ओला रूपिया दे बर राजी होईन। एकरसेति ओह यीसू ला
पकड़वाय बर मऊका खोजन लगिस।

[illegible]
([illegible] 26:17-25; [illegible] 22:7-14, 21-23; [illegible] 13:21-30)

12 बिन खमीर के रोटी के तिहार के पहिली दिन, ये रिवाज रिहिस कि फसह के मेढ़ा-पीला के बलिदान करे
जावय; त यीसू के चेलामन ओकर ले पुछिन, "तेंह कहां चाहथस कि हमन जाके तोर बर फसह के भोज खाय के
तियारी करन?"
13 ओह अपन चेलामन ले दू झन ला, ये कहिके पठोईस, "सहर म जावव अऊ तुमन ला एक मनखे घघरी म
पानी ले जावत मिलही। ओकर पाछू-पाछू जावव।
14 ओह जऊन घर म जाही, ओ घर के मालिक ले कहव, 'गुरू ह पुछत हवय कि ओकर पहुना कमरा कहां
हवय, जिहां ओह अपन चेलामन संग फसह के भोज खा सकय।'
15 ओह तुमन ला अटारी म सजे-सजाय अऊ तियार एक ठन बड़े कमरा देखाही। उहां हमर भोज खातिर
तियारी करव।"
16 तब चेलामन सहर म गीन अऊ जइसने यीसू ह ओमन ला कहे रिहिस, वइसनेच पाईन अऊ ओमन फसह
के भोज तियार करिन।
17 जब सांझ होईस, त यीसू ह बारहों चेलामन संग आईस।
18 जब ओमन बईठके खावत रिहिन, त यीसू ह कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहत हंव—तुमन म ले एक झन
मोर संग बिसवासघात करही—ओ जऊन ह मोर संग खाना खावत हे।"
19 चेलामन उदास होके एक-एक करके पुछन लगिन, "का ओह में अंव?"
20 यीसू ह ओमन ला कहिस, "ओह तुमन बारहों म ले एक झन अय, जऊन ह मोर संग कटोरा म हांथ डारत
हवय।

---

* **14:5** यूनानी म लगभग [illegible]

21 मनखे के बेटा ह मरही, जइसने परमेसर के बचन म ओकर बारे म लिखे हवय, पर धिक्कार ए, ओ मनखे
ऊपर, जऊन ह मनखे के बेटा संग बिसवासघात करत हे! ओ मनखे बर बने होतिस, यदि ओकर जनम ही नइं
होय रहितिस।"

[illegible] [illegible]
(*[illegible] 26:26-30; [illegible] 22:14-20; 1 [illegible] 11:23-25)*

22 जब ओमन खावत रिहिन, तब यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओला टोरिस अऊ
अपन चेलामन ला देके कहिस, "लेवव, येह मोर देहें अय।"
23 तब ओह कटोरा ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओमन ला दीस, अऊ ओमन जम्मो झन ओमा ले
पीईन।
24 यीसू ह ओमन ला कहिस, "येह करार के मोर लहू ए, जऊन ह बहुंते जन बर ढारे जावत हे।
25 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि अंगूर के मंद ला ओ दिन तक फेर नइं पीयंव, जब तक परमेसर के राज म
नवां ला नइं पी लूहूं।"
26 तब ओमन एक भजन गाय के बाद, जैतून पहाड़ ऊपर चल दीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 26:31-35; [illegible] 22:31-34; [illegible] 13:36-38)*

27 यीसू ह चेलामन ला कहिस, "तुमन जम्मो झन मोला छोंड़के भाग जाहू, काबरकि परमेसर के बचन म
लिखे हवय,
" 'मेंह चरवाहा ला मारहूं,
अऊ भेड़मन तितिर-बितिर हो जाहीं।'†
28 पर मेंह जी उठे के बाद तुम्हर ले पहिली गलील प्रदेस जाहूं।"
29 पतरस ह ओला कहिस, "कहूं जम्मो झन तोला छोंड़ दीहीं त छोंड़ दीहीं, पर मेंह तोला कभू नइं छोड़ंव।"
30 यीसू ह पतरस ला कहिस, "मेंह तोला सच कहत हंव कि आजेच रथिया कुकरा के दू बार बासे के पहिली,
तेंह तीन बार ये बात ले इनकार करबे कि तेंह मोला जानथस।"
31 पर पतरस जोर देके कहिस, "कहूं मोला तोर संग मरना घलो पड़य, तभो ले मेंह तोर कभू इनकार नइं
करंव।" अऊ आने जम्मो चेलामन घलो अइसनेच कहिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 26:36-46; [illegible] 22:39-46)*

32 तब ओमन गतसमनी नांव के एक ठऊर म आईन। यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, "इहां बईठे रहव, जब
तक कि मेंह पराथना करत हंव।"
33 ओह पतरस, याकूब अऊ यूहन्ना ला अपन संग लीस, अऊ अब्बड़ घबराईस अऊ बियाकुल होईस।
34 अऊ ओह ओमन ला कहिस, "मोर परान ह अतकी उदास हवय कि मेंह मर जावंव सहीं लगत हवय। तुमन
इहां ठहिरव अऊ जागत रहव।"
35 थोरकन आघू जाके, ओह भुइयां म गिरके पराथना करन लगिस कि कहूं हो सकय, त ये दुख के बेरा ह ओकर
ले टर जावय।
36 ओह कहिस, "अब्बा,‡ हे ददा! तोर दुवारा जम्मो बात हो सकथे। ये दुख के कटोरा ला मोर म ले टार दे।
तभो ले जइसने मेंह चाहत हवंव वइसने नइं, पर जइसने तेंह चाहत हवस, वइसने होवय।"
37 तब ओह अपन चेलामन करा आईस अऊ ओमन ला सुतत देखके, पतरस ला कहिस, "हे सिमोन! तेंह
सुतत हवस। का तेंह एक घंटा घलो नइं जाग सकय?
38 जागत रहव अऊ पराथना करव, ताकि तुमन परिछा म झन पड़व। आतमा त तियार हवय, फेर देहें ह
दुरबल अय।"
39 ओह फेर चले गीस अऊ ओहीच बात ला कहिके पराथना करिस।
40 जब ओह चेलामन करा लहुंटिस, त ओमन ला फेर सुतत पाईस, काबरकि ओमन के आंखीमन नींद के मारे
बंद होवत रहंय, अऊ ओमन नइं जानत रहंय कि ओला का कहंय।

---

† **14:27** जकर 13:7 ‡ **14:36** [illegible] अरामिक भासा म येकर मतलब होथे [illegible]

41 तब तीसरा बार आके, ओह ओमन ला कहिस, “का तुमन अभी तक ले सुतत अऊ अराम करत हवव? बहुंत
हो गे। घरी ह आ गे हवय। देखव, मनखे के बेटा ह पापीमन के हांथ म पकड़वाय जावथे।
42 उठव! आवव, हमन चलन! देखव, मोर संग बिसवासघात करइया ह लकठा आ गे हवय!”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 26:47-56; [illegible] 22:47-53; [illegible] 18:3-12)

43 यीसू ह ये कहितेच रिहिस, तभे यहूदा जऊन ह बारह चेलामन ले एक झन रिहिस, एक बड़े भीड़ ला लेके
पहुंचिस। भीड़ के मनखेमन तलवार अऊ लउठी धरे रहंय अऊ येमन ला मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ
अगुवामन पठोय रिहिन।
44 बिसवासघात करइया ह ओमन ला पहिली ले ये संकेत बता दे रिहिस, “जऊन ला मेंह चूमहूं, ओहीच मनखे
अय; ओला पकड़ लूहू अऊ होसियारी के संग ले जाहू।”
45 यहूदा ह तुरते यीसू करा आईस अऊ कहिस, “हे गुरू!” अऊ ओह यीसू ला चूमिस।
46 तब मनखेमन ओकर ऊपर हांथ लगाके ओला कसके पकड़ लीन।
47 ओकर लकठा म ठाढ़े मनखेमन ले एक झन अपन तलवार ला निकालिस अऊ महा पुरोहित के सेवक ऊपर
चलाके ओकर कान ला काट डारिस।
48 यीसू ह ओमन ला कहिस, “का मेंह डाकू अंव कि तुमन तलवार अऊ लउठी लेके मोला पकड़े बर आय हवव?
49 मेंह तुम्हर संग रहिके रोज मंदिर म उपदेस देवत रहेंव, तब तुमन मोला नइं पकड़ेव। पर येह एकर खातिर
होईस कि पबितर बचन ह पूरा होवय।”
50 तब जम्मो चेलामन ओला छोंड़के भाग गीन।
51 तब एक जवान ह अपन उघरा देहें ऊपर सिरिप मलमल के चादर ला ओढ़के यीसू के पाछू हो लीस अऊ
जब मनखेमन ओला पकड़े लगिन,
52 त ओह चादर ला छोंड़के उघरा देहें भाग गीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 26:57-68; [illegible] 22:54-55, 63-71; [illegible] 18:13-14, 19-24)

53 तब ओमन यीसू ला महा पुरोहित करा ले गीन अऊ जम्मो मुखिया पुरोहित, अगुवा अऊ कानून के
गुरूमन उहां जूर गीन।
54 पतरस ह कुछू दूरिहा म रहत ओकर पाछू-पाछू महा पुरोहित के अंगना भीतर गीस, अऊ उहां पहरेदारमन
के संग बईठके आगी तापन लगिस।
55 मुखिया पुरोहितमन अऊ धरम महासभा के जम्मो मनखेमन यीसू के बिरूध म गवाही खोजत रहंय, ताकि
ओमन ओला मार डारंय, पर ओमन ला एको झन नइं मिलिन।
56 बहुंते झन ओकर बिरूध लबारी गवाही दीन, पर ओमन के गोठ एक-दूसर के संग मेल नइं खाईस।
57 तब कतको झन उठके ओकर बिरूध ये लबारी गवाही दीन,
58 “हमन येला ये कहत सुने हवन कि येह मनखे के बनाय मंदिर ला गिरा दीही अऊ तीन दिन म दूसर बना
दीही, जऊन ह मनखे के हांथ के बनाय नइं होवय।”
59 तभो ले ओमन के गवाही मेल नइं खाईस।
60 तब महा पुरोहित ह ओमन के आघू म ठाढ़ होके यीसू ले पुछिस, “ये मनखेमन तोर बिरूध जऊन गवाही
देवत हवंय, का तेंह ओकर कोनो जबाब नइं देवस?”
61 पर यीसू ह चुपेचाप रिहिस अऊ कुछू जबाब नइं दीस।
महा पुरोहित ह ओला फेर पुछिस, “का तेंह महिमामय परमेसर के बेटा मसीह अस?”
62 यीसू ह कहिस, “हां, मेंह अंव। अऊ तुमन मनखे के बेटा ला सर्वसक्तिमान परमेसर के जेवनी हांथ कोति
बईठे अऊ अकास के बादरमन ऊपर आवत देखहू।”
63 तब महा पुरोहित ह अपन कपड़ा ला चीरके कहिस, “हमन ला अऊ कोनो गवाह के जरूरत नइं ए?
64 तुमन ये निन्दा ला सुने हवव। तुम्हर का बिचार हवय?”
ओमन जम्मो ओला मिरतू-दंड के दोसी ठहिराईन।

65 तब ओमन ले कुछ्छू झन ओकर ऊपर थूकिन। ओमन ओकर आंखी ला ढांपके ओला मुक्का मारिन अऊ
कहिन, “बता, तोला कोन मारिस?” अऊ रखवारमन घलो ओला लेके मुहूं म थपरा मारिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 26:69-75; लूका 22:56-62; यूहन्ना 18:15-18, 25-27)

66 जब पतरस ह खाल्हे अंगना म रिहिस, त महा पुरोहित के एक नौकरानी छोकरी आईस,
67 अऊ पतरस ला आगी तापत देखके, ओला एकटक देखिस अऊ कहिस, “तहूं घलो त ओ यीसू नासरी के
संग रहय।”
68 पतरस ह इनकार करके कहिस, “मेंह नइं जानंव कि तेंह का गोठियावत हस।” अइसने कहिके, ओह बाहिर
दुवारी म चल दीस अऊ ओतकीच बेरा कुकरा ह बासिस।
69 जब नौकरानी छोकरी ओला उहां देखिस, त ओह जऊन मन उहां ठाढ़े रहंय, ओमन ला फेर कहिस, “ये
मनखे ह ओमन म ले एक झन अय।”
70 पतरस ह फेर इनकार करिस।
थोरकन देर बाद, जऊन मन लकठा म ठाढ़े रहंय, ओमन पतरस ला कहिन, “सही म, तेंह ओमन ले एक झन
अस, काबरकि तहूं घलो गलील के अस।”
71 तब ओह अपनआप ला कोसन लगिस अऊ किरिया खाके कहिस, “जेकर बारे म तुमन गोठियावत हवव,
ओला में नइं जानव।”
72 तुरते कुकरा ह दूसर बेर बासिस। तब पतरस ह यीसू के कहे बात ला सुरता करिस कि कुकरा के दू बखत
बासे के पहिली, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे। अऊ ओह कलप-कलपके रोवन लगिस।

15

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 27:1-2, 11-14; लूका 23:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

1 बड़े बिहनियां मुखिया पुरोहित, अगुवा, कानून के गुरूमन अऊ जम्मो महासभा मिलके फैसला करिन, अऊ
ओमन यीसू ला बांधिन अऊ ओला ले जाके पीलातुस के हांथ म सऊंप दीन।
2 पीलातुस ह यीसू ले पुछिस, “का तेंह यहूदीमन के राजा अस?”
यीसू ह कहिस, “हव जी, जइसने कि तेंह कहथस।”
3 मुखिया पुरोहितमन ओकर ऊपर बहुंत अकन दोस लगाईन
4 पीलातुस ह ओकर ले फेर पुछिस, “का तेंह कोनो जबाब नइं देवस? देख येमन तोर ऊपर कतेक दोस
लगावत हवंय।”
5 तभो ले यीसू ह कोनो जबाब नइं दीस। येला देखके पीलातुस ह अब्बड़ अचम्भो करिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 27:15-26; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39–19:16)

6 ये रिवाज रिहिस कि फसह तिहार के समय म, पीलातुस ह कोनो एक झन कैदी, जऊन ला मनखेमन चाहंय,
छोंड़ देवय।
7 बरब्बा नांव के एक मनखे जेल म आने मन संग बंदी रिहिस, जऊन ह सरकार के बिरोध म बलवा करके
हतिया करे रिहिस।
8 मनखे के भीड़ ह ऊपर आके पीलातुस ले बिनती करिस, “जइसने तेंह हमर खातिर करत आय हवस, वइसने
कर।”
9 पीलातुस ह कहिस, “का तुमन चाहत हव कि मेंह तुम्हर खातिर यहूदीमन के राजा ला छोंड़ देवंव?”
10 काबरकि ओह जानत रिहिस कि मुखिया पुरोहितमन यीसू ला जलन के कारन पकड़वाय रिहिन।
11 पर मुखिया पुरोहितमन भीड़ ला भड़काईन कि पीलातुस ह यीसू के जगह म बरब्बा ला छोंड़ देवय।
12 येला सुनके पीलातुस ह ओमन ले पुछिस, “त फेर मेंह ये मनखे के का करंव, जऊन ला तुमन यहूदीमन के
राजा कहत हवव।”
13 ओमन फेर चिचियाके कहिन, “ओला कुरूस ऊपर चघाके मार डार।”
14 पीलातुस ह ओमन ले पुछिस, “काबर? ओह का अपराध करे हवय?”

पर ओमन अऊ जादा चिचियाके कहिन, “येला कुरूस ऊपर चघाय जावय।”
15 तब भीड़ ला खुस करे बर पीलातुस ह ओमन खातिर बरब्बा ला छोंड़ दीस अऊ यीसू ला कोर्रा म
पीटवाईस, अऊ ओला कुरूस ऊपर चघाय बर सऊंप दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:27-31; [illegible] 19:2-3)

16 सिपाहीमन यीसू ला किला के भीतर अंगना म ले गीन अऊ सिपाहीमन के जम्मो दल ला बलाईन।
17 ओमन बैंगनी रंग के कपड़ा ओला पहिराईन अऊ कांटा के मुकुट गुंथके ओकर मुड़ ऊपर रखिन।
18 अऊ ओमन ओकर हंसी उड़ाके कहिन, “हे यहूदीमन के राजा, जोहार।”
19 बार-बार ओमन ओकर मुड़ ला लउठी म मारंय, अऊ ओकर ऊपर थूकंय अऊ माड़ी टेकके ओला जोहार
करंय।
20 जब ओमन ओकर हंसी उड़ा चुकिन, त बैंगनी रंग के कपड़ा ला ओकर ऊपर ले उतारके ओला ओकरेच
कपड़ा ला पहिराईन अऊ तब ओमन कुरूस ऊपर चघाय बर ओला बाहिर ले गीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:32-44; [illegible] 23:26-43; [illegible] 19:17-27)

21 सिकन्दर अऊ रूफुस के ददा सिमोन नांव के कुरेन के रहइया एक मनखे गांव ले आवत रिहिस। ओह
ओहीच डहार ले जावत रिहिस। ओमन ओकर ले जबरन कुरूस ला उठवाके ले गीन।
22 ओमन यीसू ला गुलगुता नांव के ठऊर म लानिन, जेकर मतलब होथे “खोपड़ी के ठऊर।”
23 तब ओमन ओला लोबान म मिले अंगूर के मंद देवन लगिन, पर ओह ओला नइं लीस।
24 तब ओमन ओला कुरूस ऊपर चघाईन। अऊ ओकर ओनहा बर चिट्ठी डालके फैसला करिन कि कोन ला का
मिलही, अऊ ओकर हिसाब ले ओला बांट लीन।
25 दिन के करीब 9 बजे के समय होही, जब ओमन यीसू ला कुरूस ऊपर चघाईन।
26 अऊ ओकर ऊपर म ये दोस-पतर लिखके टांग दीन:

यहूदीमन के राजा।

27 ओमन ओकर संग दू झन डाकूमन ला घलो कुरूस ऊपर चघाईन; एक झन ला ओकर जेवनी कोति अऊ
दूसर ला ओकर डेरी कोति।
28 तब परमेसर के ओ बचन कि ओह पापीमन के संग गने जाही, पूरा होईस।*
29 उहां ले अवइया-जवइयामन यीसू के ठट्ठा करंय अऊ अपन मुड़ ला डोला-डोला के ये कहंय, “तेंह तो
मंदिर ला गिराके ओला तीन दिन म बनइया अस।
30 कुरूस ऊपर ले उतर आ अऊ अपनआप ला बचा ले!”
31 अइसनेच मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन घलो आपस म ये कहिके ठट्ठा करत रिहिन, “येह आने
मन ला बचाईस, पर अपनआप ला नइं बचा सकय।
32 ये इसरायल के राजा, मसीह, अब कुरूस ले उतर आवय कि हमन देखके बिसवास करन।” जऊन मन ओकर
संग कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिन, ओमन घलो ओकर ठट्ठा करत रहंय।

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:45-56; [illegible] 23:44-49; [illegible] 19:28-30)

33 मंझनियां के बखत तीन बजे तक जम्मो देस म अंधियार छाय रिहिस।
34 तब तीन बजे यीसू ह जोर से नरियाके कहिस, *“[illegible], [illegible], [illegible] [illegible]?”* (जेकर मतलब होथे—“हे
मोर परमेसर, हे मोर परमेसर, तेंह मोला काबर छोंड़ देय?”)†
35 जब लकठा म ठाढ़े मनखेमन ले कुछू झन येला सुनिन, त ओमन कहिन, “सुनव, येह एलियाह ला बलावत
हवय।”
36 ओमा के एक झन दऊड़के गीस अऊ पनसोखवा रबर ला सिरका म बोरिस अऊ ओला एक ठन लउठी म
रखके यीसू ला पीये बर दीस अऊ कहिस, “अब ओला रहन दव, आवव, हमन देखन, एलियाह ह ओला उतारे बर
आथे कि नइं।”

---

* **15:28** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय। † **15:34** भजन 22:1

37 तब यीसू ह अब्बड़ जोर से नरियाके अपन परान ला तियाग दीस।
38 मंदिर के परदा ह ऊपर ले खाल्हे तक चीराके दू कुटा हो गीस।
39 सिपाहीमन के अधिकारी ह यीसू के आघू म ठाढ़े रिहिस। जब ओह यीसू ला अइसने गोहार पारके परान
तियागत देखिस, त कहिस, "सिरतों म येह परमेसर के बेटा रिहिस।"
40 उहां कुछू माईलोगन घलो दूरिहा ले देखत रहंय। ओमा मरियम मगदलिनी, अऊ छोटे याकूब अऊ योसेस
के दाई मरियम अऊ सलोमी रिहिन।
41 जब यीसू ह गलील म रिहिस, त येमन ओकर पाछू हो ले रिहिन अऊ ओकर सेवा करत रिहिन। बहुंत अऊ
माईलोगनमन उहां रिहिन, जऊन मन ओकर संग यरूसलेम आय रिहिन।

[illegible]
([illegible] 27:57-61; [illegible] 23:50-56; [illegible] 19:38-42)

42 ओह तियारी के दिन रिहिस जऊन ह कि बिसराम दिन के पहिले आथे। जब संझा होईस,
43 त अरमतिया के रहइया यूसुफ ह आईस, जऊन ह कि महासभा के नामी सदस्य रिहिस अऊ खुदे परमेसर
के राज के बाट जोहत रिहिस। ओह हिम्मत करके पीलातुस करा गीस अऊ यीसू के लास ला मांगिस।
44 पीलातुस ह ये सुनके अचम्भो करिस कि यीसू ह अतेक जल्दी मर गीस अऊ ओह सिपाहीमन के अधिकारी
ला बलाके पुछिस, "का यीसू ह मर गीस?"
45 जब ओह अधिकारी ले यीसू के मरे के खबर ला जान लीस, त ओकर लास यूसुफ ला देवा दीस।
46 तब यूसुफ ह कुछू मलमल के कपड़ा बिसोईस अऊ यीसू के लास ला उतारके ओ ओनहा म लपेटिस अऊ
एक कबर म जऊन ह पथरा म खोदे गे रहय, रखिस, अऊ कबर के मुंहाटी म एक ठन बड़े पथरा ला टेका दीस।
47 मरियम मगदलिनी अऊ योसेस के दाई मरियम देखत रिहिन कि यीसू के लास ला कहां रखे गे हवय।

16

[illegible]
([illegible] 28:1-8; [illegible] 24:1-12; [illegible] 20:1-10)

1 जब बिसराम दिन ह बीत गे, तब मरियम मगदलिनी अऊ याकूब के दाई मरियम अऊ सलोमी, यीसू के देहें
म चुपरे बर खुसबूदार मसाला बिसोईन।
2 हप्ता के पहिली दिन, बड़े बिहनियां जब सूरज ह निकलेच रिहिस, तब ओमन कबर म आईन,
3 अऊ ओमन एक-दूसर ला कहत रिहिन, "हमर बर कबर के मुंहाटी ले पथरा ला कोन ह टारही?"
4 जब ओमन आंखी उठाके देखिन, त पथरा जऊन ह बहुंत बड़े रिहिस, अपन ठऊर ले ढुनंग गे रहय।
5 जब ओमन कबर के भीतर गीन, त एक जवान ला सफेद ओनहा पहिरे जेवनी कोति बईठे देखिन अऊ अब्बड़
चकित होईन।
6 ओ जवान ह ओमन ला कहिस, "तुमन चकित झन होवव। यीसू नासरी जऊन ला कुरूस ऊपर चघाय गे
रिहिस, ओला तुमन खोजत हवव। ओह जी उठे हवय, अऊ इहां नइं ए। देखव, एही ओ ठऊर ए, जिहां ओमन
ओला रखे रिहिन।
7 पर तुमन जावव, अऊ ओकर चेलामन अऊ पतरस ला बतावव कि ओह तुम्हर ले आघू गलील प्रदेस जावत
हवय, उहां तुमन ओला देखहू जइसने कि ओह तुमन ला कहे रिहिस।"
8 ओ माईलोगनमन घबराके, कांपत यीसू के कबर ले भागिन अऊ कोनो ला कुछू नइं कहिन काबरकि ओमन
डरा गे रिहिन।

[illegible]
([illegible] 28:9-10; [illegible] 20:11-18)

9 जब यीसू ह हप्ता के पहिली दिन बिहनियां होतेच ही जी उठिस, त ओह पहिली मरियम मगदलिनी ला
दिखिस, जऊन म ले ओह सात परेत आतमामन ला निकाले रिहिस।
10 ओह जाके यीसू के चेलामन ला ये खबर दीस, जऊन मन दुखी होके रोवत रहंय।
11 जब ओमन ये सुनिन कि यीसू ह जी उठे हवय अऊ ओला दरसन दे हवय, त ओमन बिसवास नइं करिन।
12 एकर बाद, यीसू ह आने रूप म ओमा के दू झन ला तब दरसन दीस, जब ओमन गांव कोति जावत रिहिन।

13 ओमन घलो जाके बाकि चेलामन ला बताईन, पर चेलामन ओमन के घलो बिसवास नइं करिन।
14 बाद म, यीसू ह गियारह चेलामन ला घलो, जब ओमन खाय बर बईठे रिहिन, दरसन दीस अऊ ओमन के
कम बिसवास अऊ ओमन के ढीठपन ला देखके ओमन ला दबकारिस, काबरकि ओमन ओ मनखेमन के बात ला
बिसवास नइं करिन, जऊन मन यीसू ला जी उठे बाद देखे रिहिन।
15 यीसू ह ओमन ला कहिस, "तुमन जम्मो संसार म जाके जम्मो सिरिस्टी ला सुघर संदेस सुनावव।
16 जऊन ह बिसवास करही अऊ बतिसमा लीही, ओह उद्धार पाही। पर जऊन ह बिसवास नइं करही, ओह
दोसी ठहिराय जाही।
17 अऊ बिसवास करइयामन म ये चिनहां होही कि ओमन मोर नांव म परेत आतमामन ला निकालहीं, अऊ
ओमन नवां-नवां भासा बोलहीं।
18 ओमन सांप ला अपन हांथ म उठा लीहीं, अऊ ओमन कहूं जहर घलो पी लीहीं, तभो ले ओमन ला कुछू
हानि नइं होवय। ओमन बेमार मनखे ऊपर हांथ रखहीं, त ओमन बने हो जाहीं।"
19 ये बात, ओमन ला कहे के पाछू, परभू यीसू ह स्वरग म उठा लिये गीस। अऊ ओह परमेसर के जेवनी हांथ
कोति बईठ गीस।
20 तब चेलामन जाके जम्मो जगह परचार करिन अऊ परभू ह ओमन के संग काम करत रिहिस अऊ बचन के
संग अचरज के चिनहांमन के दुवारा अपन बचन ला पक्का करिस। आमीन!*

* **16:20** सबले पहिली के हस्तलिपिमन म पद 9-20 नइं मिलय

लूका
के लिखे सुघर संदेस

??????

1 बहुंत आदरनीय थियुफिलुस! कतको झन ओ घटना के बारे म लिखे के काम ला करे हवंय, जऊन ह हमर
बीच म घटे हवय।
2 ओमन सुरू ले ये घटनामन ला अपन आंखी ले देखे रिहिन अऊ ओमन परमेसर के बचन के सेवक रिहिन।
ओमन ये घटनामन ला लिखके हमन ला सऊंप दीन।
3 एकरसेति, मेंह खुद सुरू ले हर एक बात ला धियान से जांच परताल करेंव अऊ मोला भी ये बने लगिस कि
मेंह सिलसिलेबार ये बातमन ला तोर बर लिखंव,
4 ताकि तेंह ओ बातमन के सच्चई ला जान सकस, जेकर सिकछा तोला मिले हवय।

?????? ?????? ?????? ?? ??? ?? ????? ? ??????

5 यहूदिया प्रदेस के राजा हेरोदेस के समय म एक पुरोहित रिहिस, जेकर नांव जकरयाह रिहिस; ओह
अबियाह के पुरोहिती दल के रिहिस; ओकर घरवाली घलो हारून के बंस के रिहिस जेकर नांव इलीसिबा रिहिस।
6 ओ दूनों झन परमेसर के नजर म धरमी रिहिन, अऊ ओमन परभू के जम्मो हुकूम अऊ नियममन ला साफ
मन ले मानत रिहिन।
7 पर ओ समय ओमन के कोनो लइका नइं रिहिस, काबरकि इलीसिबा ह बांझ रिहिस अऊ ओ दूनों
डोकरा-डोकरी हो गे रिहिन।
8 एक बार जब जकरयाह ह अपन दल के पारी म परमेसर के आघू म पुरोहित के रूप म सेवा करत रिहिस।
9 तब पुरोहितमन के रीति के मुताबिक चिट्ठी निकाले गीस अऊ चिट्ठी ह ओकर नांव म निकलिस कि ओह
परभू के मंदिर म जाके धूप जलावय।
10 अऊ धूप जलाय के समय म, मनखेमन के जम्मो भीड़ ह बाहिर म पराथना करत रहय।
11 तब उहां परभू के एक स्वरगदूत ह ओकर करा परगट होईस अऊ ओ स्वरगदूत ह धूप के बेदी के जेवनी
कोति ठाढ़े रहय।
12 जकरयाह ह ओला देखके घबरा गीस अऊ ओह डरा गीस।
13 पर स्वरगदूत ह ओला कहिस, "हे जकरयाह, झन डर! तोर पराथना ह सुने गे हवय। तोर घरवाली
इलीसिबा तोर बर एक बेटा जनमही, अऊ तें ओकर नांव यूहन्ना रखबे।
14 अऊ तोला आनंद अऊ खुसी होही, अऊ बहुंत झन ओकर जनम के खातिर आनंद मनाहीं,
15 काबरकि ओह परभू के नजर म एक महान मनखे होही। ओह अंगूर के मंद या आने किसम के मंद कभू नइं
पीही, अऊ ओह अपन दाई के पेट ले ही पबितर आतमा ले भरे होही।
16 इसरायली मनखेमन ले बहुंते झन ला, ओह परभू ओमन के परमेसर करा लहुंटाके लानही।
17 अऊ ओह अगमजानी एलियाह के आतमा अऊ सामर्थ म, परभू के आघू-आघू चलही ताकि ओह ददामन
के हिरदय ला ओमन के लइकामन कोति करय अऊ हुकूम नइं मनइयामन ला धरमी जन के बुद्धि कोति करय,
अऊ ये किसम ले ओह परभू खातिर काबिल मनखेमन ला तियार करय।"
18 जकरयाह ह स्वरगदूत ले पुछिस, "मेंह येला कइसने मान लेवंव? काबरकि मेंह एक डोकरा मनखे अंव अऊ
मोर घरवाली ह घलो डोकरी हो गे हवय।"
19 स्वरगदूत ह ओला जबाब दीस, "मेंह जिब्राएल अंव, अऊ मेंह परमेसर के आघू म ठाढ़े रहिथंव। मोला
एकर बर पठोय गे हवय कि मेंह तोर ले गोठियावंव अऊ तोला ये सुघर संदेस सुनावंव।
20 देख! जब तक ये बात पूरा नइं हो जाही, तब तक तेंह कोंदा रहिबे, अऊ गोठियाय नइं सकबे; काबरकि तेंह
मोर बात ला बिसवास नइं करे, जऊन ह अपन सही समय म पूरा होही।"
21 बाहिर मनखेमन जकरयाह के बाट जोहत रहंय अऊ अचम्भो करत रहंय कि ओह काबर अतेक बेर तक
मंदिर म रूके हवय।

22 जब ओह बाहिर आईस, त ओमन ले गोठियाय नइं सकिस। तब ओमन समझ गीन कि ओह मंदिर म कोनो
दरसन देखे होही, काबरकि ओह ओमन ला इसारा करत रहय, पर गोठियाय नइं सकय।
23 जब ओकर सेवा के समय ह पूरा हो गीस, त ओह अपन घर वापिस चल दीस।
24 एकर बाद ओकर घरवाली इलीसिबा ह देहें म होईस, अऊ ओह पांच महिना तक अपनआप ला मनखेमन
ले छुपाय रखिस।
25 ओह कहिस, "परभू ह मोर बर ये करे हवय। ये दिन म, ओह अपन दया देखाके मनखेमन के बीच ले मोर
कलंक ला दूर करे हवय।"

[illegible]

26 इलीसिबा के देहें म रहे के छठवां महिना म, परमेसर ह जिब्राएल स्वरगदूत ला गलील प्रदेस के नासरत
नांव के नगर म एक कुंवारी छोकरी करा पठोईस।
27 ओ छोकरी के मंगनी यूसुफ नांव के एक मनखे संग होय रिहिस, जऊन ह दाऊद राजा के बंस के रिहिस।
ओ कुंवारी के नांव मरियम रिहिस।
28 स्वरगदूत ह ओकर करा आके ओला कहिस, "जोहार लागी! तोर ऊपर बहुंत किरपा होय हवय। परभू ह तोर
संग हवय।"
29 मरियम ह स्वरगदूत के बात ले बहुंत घबरा गीस अऊ सोचे लगिस कि ओकर जोहार के का मतलब हो
सकथे।
30 पर स्वरगदूत ह ओला कहिस, "हे मरियम, झन डर! काबरकि परमेसर के दया तोर ऊपर होय हवय।
31 देख, तेंह देहें म होबे अऊ एक बेटा ला जनम देबे, अऊ तेंह ओकर नांव यीसू रखबे।
32 ओह महान होही अऊ सर्वोच्च परमेसर के बेटा कहाही। परभू परमेसर ह ओला ओकर पुरखा दाऊद राजा
के सिंघासन दीही,
33 अऊ ओह याकूब के बंस ऊपर सदाकाल तक राज करही; ओकर राज के अन्त कभू नइं होही।"
34 मरियम ह स्वरगदूत ले पुछिस, "मेंह तो एक कुंवारी छोकरी अंव। येह कइसने हो सकथे?"
35 स्वरगदूत ह जबाब दीस, "पबितर आतमा ह तोर ऊपर उतरही, अऊ सर्वोच्च परमेसर के सक्ति ह तोर
ऊपर छइहां करही। एकरसेति ओ पबितर जन जऊन ह जनमही, ओह परमेसर के बेटा कहाही।
36 अऊ त अऊ तोर रिस्तेदार इलीसिबा के ओकर बुढ़त काल म एक लइका होवइया हवय, ओला ठड़गी कहे
जावत रिहिस; छठवां महिना हो गे, ओह देहें म हवय।
37 काबरकि परमेसर के कहे कोनो बात असफल नइं होवय।"
38 मरियम ह कहिस, "देख, मेंह परभू के दासी अंव। तोर कहे बात के मुताबिक होवय।" तब स्वरगदूत ह ओकर
करा ले चले गीस।

[illegible]

39 कुछू समय के बाद, मरियम ह तियार होईस अऊ जल्दी-जल्दी यहूदा प्रदेस के पहाड़ी इलाका के एक नगर
म गीस,
40 अऊ ओह उहां जकरयाह के घर म जाके इलीसिबा ला जोहार करिस।
41 जब इलीसिबा ह मरियम के जोहार ला सुनिस, त लइका ह ओकर पेट म उछल पड़िस, अऊ इलीसिबा ह
पबितर आतमा ले भर गीस,
42 अऊ ओह चिचियाके कहिस, "माईलोगन म तेंह धइन अस, अऊ तोर पेट के लइका ह धइन ए!
43 पर अतेक जादा किरपा मोर ऊपर काबर होईस कि मोर परभू के दाई ह मोर करा आईस?
44 जइसने मेंह तोर जोहार के सबद ला सुनेंव, लइका ह मोर पेट म आनंद के मारे उछल पड़िस।
45 धइन अस तेंह, काबरकि तेंह बिसवास करय कि जऊन कुछू परभू ह तोला कहे हवय, ओह पूरा होही।"

[illegible]

46 तब मरियम ह कहिस:
"मोर मन ह परभू के बड़ई करत हवय;
47 अऊ मोर आतमा ह मोर उद्धार करइया परमेसर म आनंद मनावत हवय,
48 काबरकि ओह अपन दासी के दीन-हीन दसा ऊपर धियान दे हवय।

अब ले जम्मो पीढ़ी के मनखेमन मोला धइन कहिहीं,
49 काबरकि सामर्थी परमेसर ह मोर बर बड़े-बड़े काम करे हवय—
ओकर नांव पबितर ए।
50 ओकर दया ओमन ऊपर,
जऊन मन ओकर भय मानथें, पीढ़ी-पीढ़ी तक बने रहिथे।
51 ओह अपन हांथ ले बड़े-बड़े काम करे हवय;
ओह अभिमानीमन ला तितिर-बितिर कर दे हवय, जऊन मन अपन मन म घमंड करथें।
52 ओह सक्तिसाली राजामन ला ओमन के सिंघासन ले उतार दे हवय,
पर दीन-हीन मन ला ऊपर उठाय हवय।
53 ओह भूखहा मनखेमन ला सुघर चीज ले भर दे हवय,
पर धनवानमन ला जुच्छा हांथ निकाल दे हवय।
54 अपन दया ला सुरता करके,
ओह अपन सेवक इसरायल के मदद करे हवय,
55 जइसने ओह हमर पुरखामन ले कहे रिहिस कि ओह अब्राहम
अऊ ओकर बंस ऊपर सदाकाल तक दया करही।"
56 मरियम ह इलीसिबा के संग करीब तीन महिना रिहिस अऊ तब अपन घर वापिस चल दीस।

[illegible]

57 इलीसिबा के लइका जनमे के समय होईस अऊ ओह एक बेटा ला जनम दीस।
58 जब ओकर परोसी अऊ रिस्तेदारमन सुनिन कि परभू ह ओकर ऊपर बड़े दया करे हवय, त ओमन ओकर संग आनंद मनाईन।
59 आठवां दिन म, ओमन लइका के खतना करे बर आईन अऊ ओमन ओकर नांव ओकर ददा के नांव जकरयाह रखे बर चाहत रिहिन,
60 पर ओकर दाई ह कहिस, "नइं! ओकर नांव यूहन्ना होही।"
61 ओमन ओला कहिन, "पर तोर रिस्तेदारमन म काकरो ये नांव नइं ए।"
62 तब ओमन लइका के ददा ले इसारा करके पुछिन कि ओह लइका के का नांव रखे चाहथे।
63 ओह लिखे के एक पटिया लाने बर कहिस अऊ ओमा लिखिस, "एकर नांव यूहन्ना ए।" येला देखके ओ जम्मो झन अचम्भो करिन।
64 अऊ तुरते जकरयाह के मुहूं ह खुल गे अऊ ओह गोठियाय अऊ परमेसर के इस्तुति करे लगिस।
65 जम्मो पड़ोसीमन ऊपर डर हमा गे अऊ ये जम्मो बात यहूदिया प्रदेस के जम्मो पहाड़ी इलाका म फईल गीस।
66 अऊ ये बात के जम्मो सुनइयामन अपन-अपन मन म सोचिन अऊ कहिन, "ये लइका ह का बनही?" काबरकि परभू के हांथ ओकर संग रहय।

[illegible]

67 यूहन्ना के ददा जकरयाह ह पबितर आतमा ले भर गीस अऊ ये कहिके अगमबानी करिस:
68 "परभू, इसरायल के परमेसर के इस्तुति होवय,
काबरकि ओह आय हवय अऊ अपन मनखेमन के छुटकारा करे हवय।
69 ओह अपन सेवक दाऊद के बंस म हमर बर एक
सामर्थी उद्धार करइया दे हवय,
70 (जइसने ओह अपन पबितर अगमजानीमन के दुवारा बहुंत पहिली ले कहत आय हवय),
71 कि ओह हमर बईरीमन ले अऊ जऊन मन हमन ले घिन करथें,
ओमन ले हमन ला बचाही।
72 ओह हमर पुरखामन ऊपर दया करही
अऊ अपन पबितर करार ला सुरता करही।
73 ओह किरिया खाके हमर पुरखा अब्राहम ले कहे रिहिस:

74 ओह हमन ला हमर बईरीमन के हांथ ले बचाही,
ताकि हमन निडर होके
75 जिनगी भर पबितर अऊ धरमी बनके ओकर आघू म ओकर सेवा कर सकन।

76 "अऊ ए मोर लइका! तेंह सर्वोच्च परमेसर के अगमजानी कहाबे;
काबरकि तेंह परभू के रसता तियार करे बर ओकर आघू-आघू जाबे,
77 अऊ ओकर मनखेमन ला तेंह बताबे
कि ओमन के पाप छेमा होय के दुवारा ओमन के उद्धार होही।
78 येह हमर परमेसर के बड़े दया के कारन होही,
जब स्वरग ले बिहनियां के अंजोर हमर करा आही,
79 अऊ ओमन ऊपर चमकही जऊन मन अंधियार
अऊ मिरतू के छइहां म रहत हवंय,
अऊ हमर गोड़ ला सांति के रसता म ले चलही।"
80 अऊ ओ लइका ह बाढ़त अऊ आतमा म मजबूत होवत गीस अऊ ओह तब तक निरजन ठऊर म रिहिस, जब तक ओह इसरायली मनखेमन के आघू म खुलेआम नइं आईस।

2

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:18-25)

1 ओ समय म महाराजा अगस्तुस ये हुकूम निकालिस कि जम्मो रोमन राज म जनसंख्या के गनती करे जावय।
2 (जब ये पहिली जनसंख्या के गनती होईस, त ओ समय क्विरिनियुस ह सीरिया के राजपाल रिहिस)।
3 अऊ जम्मो मनखेमन नांव लिखवाय बर अपन-अपन सहर या गांव म गीन।
4 यूसुफ ह घलो गलील प्रदेस के नासरत सहर ले यहूदिया प्रदेस म दाऊद के गांव बैतलहम गीस, काबरकि ओह दाऊद के परिवार अऊ बंस के रिहिस।
5 ओह उहां मरियम के संग नांव लिखवाय बर गीस, जेकर संग ओकर मंगनी हो गे रिहिस। मरियम ह ओ समय देहें म रहय।
6 जब ओमन उहां रिहिन, त मरियम के लइका जने के समय पूरा होईस।
7 ओह अपन पहिलांत बेटा ला जनम दीस अऊ ओला कपड़ा म लपेटके कोटना म रखिस, काबरकि उहां ओमन बर धरमसाला म जगह नइं रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible]

8 उहां लकठा के मैदान म, कुछू चरवाहामन रथिया अपन भेड़ के झुंड के रखवारी करत रहंय।
9 तब परभू के एक स्वरगदूत ह ओमन करा परगट होईस, अऊ परभू के महिमा के तेज ओमन के चारों कोति चमकिस, अऊ ओमन डरा गीन।
10 पर स्वरगदूत ह ओमन ला कहिस, "झन डरव! मेंह तुम्हर बर बड़े आनंद के सुघर संदेस लाने हवंव, जऊन ह जम्मो मनखेमन बर होही।
11 आज राजा दाऊद के नगर म तुम्हर बर एक उद्धार करइया जनमे हवय; अऊ ओहीच ह मसीह परभू अय।
12 अऊ तुम्हर बर एकर ये चिनहां होही कि तुमन एक लइका ला कपड़ा म लपटाय अऊ कोटना म सुते पाहू।"
13 तब अचानक ओ स्वरगदूत के संग स्वरगदूतमन के एक बड़े दल परगट होईस अऊ ओमन परमेसर के महिमा करत ये कहत रहंय,
14 "सबले ऊंच स्वरग म परमेसर के महिमा
अऊ धरती म ओ मनखेमन ऊपर सांति होवय, जऊन मन ले ओह खुस हवय।"
15 जब स्वरगदूतमन ओमन करा ले स्वरग चले गीन, त चरवाहामन एक-दूसर ला कहिन, "आवव, हमन बैतलहम जाके ये बात ला देखन, जेकर बारे म परभू ह हमन ला बताय हवय।"

16 एकरसेति ओमन झटपट गीन अऊ मरियम अऊ यूसुफ ला अऊ ओ लइका ला देखिन, जऊन ह कोटना म
सुते रहय।
17 ओला देखे के बाद, चरवाहामन ओ बात बताय लगिन, जेला लइका के बारे म ओमन ला कहे गे रिहिस,
18 अऊ जम्मो मनखे चरवाहामन के बात ला सुनके अचम्भो करन लगिन।
19 पर मरियम ह ये जम्मो बात ला सोचत, येला अपन मन म रखिस।
20 जइसने चरवाहामन ला बताय गे रिहिस, वइसनेच ओमन जम्मो चीज ला सुनिन अऊ देखिन अऊ परमेसर
के महिमा अऊ बड़ई करत लहुंट गीन।
21 आठवां दिन म, जब लइका के खतना करे के समय आईस, त ओकर नांव "यीसू" रखे गीस। ए नांव ला
स्वरगदूत ह ओकर पेट म आय के पहिली ले देय रिहिस।

[illegible]

22 जब मूसा के कानून के मुताबिक ओमन के सुध होय के समय पूरा होईस, त यूसुफ अऊ मरियम लइका ला
परभू ला अरपन करे बर यरूसलेम सहर ले गीन।
23 (जइसने परभू के कानून म लिखे हवय, "हर एक पहिलांत बेटा परभू बर पबितर करे जावय"*),
24 अऊ परभू के कानून के मुताबिक पंड़की के एक जोड़ा या दू ठन परेवा पीला ला बलिदान करे जावय।†
25 यरूसलेम म सिमोन नांव के एक मनखे रहय। ओह धरमी अऊ परमेसर के भक्त रहय। ओह इसरायलीमन
बर सांति के बाट जोहत रहय अऊ पबितर आतमा ओकर संग रहय।
26 पबितर आतमा के दुवारा ओला ये बताय गे रहय कि जब तक ओह परभू के मसीह ला पहिली नइं देख
लीही, तब तक ओह नइं मरही।
27 ओहीच दिन पबितर आतमा के अगुवई ले, ओह मंदिर म गीस। जब दाई-ददा लइका यीसू ला भीतर लाईन
कि ओकर बर कानून के मुताबिक रीति-रिवाज ला पूरा करंय।
28 तब सिमोन ह लइका ला अपन कोरा म लीस अऊ परमेसर के इस्तुति करत कहिस,
29 "हे परमपरधान परभू, अपन परतिगियां के मुताबिक
अब तोर सेवक ला सांति के संग बिदा कर।
30 काबरकि मोर आंखीमन उद्धार करइया ला देख ले हवंय,
31 जऊन ला तेंह जम्मो मनखेमन ला दे हवस,
32 कि ओह आनजातमन बर अंजोर,
अऊ तोर इसरायली मनखेमन बर महिमा होवय।"
33 यीसू के बारे म जो कहे गीस, ओला सुनके ओकर ददा अऊ दाई अचम्भो करिन।
34 तब सिमोन ह ओमन ला आसीस दीस अऊ ओकर दाई मरियम ला कहिस, "ये लइका ह इसरायल म बहुंते
झन के बिनास अऊ उद्धार खातिर चुने गे हवय, अऊ येह परमेसर के एक चिनहां होही, जेकर बिरोध म बोले
जाही,
35 ताकि बहुंते झन के हिरदय के बिचार ह परगट हो जावय। अऊ एक तलवार तोर खुद के जीव ला घलो
छेदही।"
36 हन्ना नांव के एक अगमबानी करइया माईलोगन रिहिस। ओह पनूएल के बेटी अऊ आसेर के गोत्र के
रिहिस। ओह बहुंत डोकरी हो गे रहय। बिहाव होय के बाद ओह अपन घरवाला के संग सात साल तक रिहिस,
37 अऊ तब ले चौरासी बछर हो गे रहय, ओह बिधवा रिहिस। ओह मंदिर ला कभू नइं छोंड़य, पर उपास अऊ
पराथना करत, रात अऊ दिन अराधना करत रहय।
38 ओहीच बेरा ओमन करा आके, ओह परमेसर ला धनबाद दीस अऊ ओ जम्मो झन ला लइका के बारे म
बताय लगिस, जऊन मन यरूसलेम के छुटकारा के बाट जोहत रिहिन।
39 जब यूसुफ अऊ मरियम परभू के कानून के मुताबिक जम्मो बात ला पूरा कर लीन, त ओमन लइका ला
लेके गलील प्रदेस म अपन खुद के सहर नासरत ला लहुंट गीन।
40 अऊ लइका ह बाढ़त अऊ मजबूत होवत गीस; ओह बुद्धि ले भरे रहय, अऊ परमेसर के अनुग्रह ओकर
ऊपर रहय।

---

* **2:23** निर 13:2, 12 † **2:24** लैव्य 12:8

[illegible]

41 हर एक साल यीसू के दाई-ददा फसह के तिहार खातिर यरूसलेम जाय करत रिहिन।
42 जब यीसू ह बारह साल के होईस, त ओमन रीति-रिवाज के मुताबिक तिहार मनाय बर गीन।
43 जब तिहार ह सिरा गे, त ओमन वापिस घर लहुंटत रिहिन, पर बालक यीसू ह यरूसलेम म रूक गीस, अऊ ओकर दाई-ददा ये बात ला नइं जानत रहंय।
44 ये सोचत कि ओह मनखेमन के संग म होही, ओमन एक दिन के रसता चल दीन। तब ओमन ओला अपन सगा-संबंधी अऊ संगवारीमन के बीच म खोजे लगिन।
45 जब ओह नइं मिलिस, त ओमन ओला खोजत यरूसलेम वापिस चल दीन।
46 तीन दिन के बाद, ओमन ओला मंदिर के अंगना म गुरूमन के बीच म बईठे पाईन। ओह गुरूमन के बात ला सुनत अऊ ओमन ले सवाल पुछत रहय।
47 जऊन मन ओकर बात ला सुनत रहंय, ओ जम्मो झन ओकर समझ अऊ जबाब ले चकित होवत रहंय।
48 जब ओकर दाई-ददा ओला देखिन, त अचम्भो करिन। ओकर दाई ह कहिस, "बेटा, तेंह हमर संग अइसने काबर करे? देख! तोर ददा अऊ में फिकर म पड़के तोला खोजत रहेंन।"
49 ओह अपन दाई-ददा ले पुछिस, "तुमन मोला काबर खोजत रहेव? का तुमन ये नइं जानत रहेव कि मोला अपन ददा के घर म रहना जरूरी ए?"
50 पर ओमन ओकर बात ला नइं समझिन।
51 तब यीसू ह ओमन के संग नासरत गीस अऊ ओमन के अधीन म रिहिस। पर ओकर दाई ह ये जम्मो बात ला अपन मन म रखिस।
52 अऊ यीसू ह बुद्धि अऊ डीलडौल म, अऊ परमेसर अऊ मनखेमन के अनुग्रह म बढ़त गीस।

3

[illegible]
(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:1-8; [illegible] 1:19-28)

1 महाराजा तिबिरयुस के सासन के पंदरहवां बछर म, जब पुन्तियुस पीलातुस यहूदिया प्रदेस के राजपाल रिहिस; हेरोदेस ह गलील के राजपाल; ओकर भाई फिलिप्पुस ह इतूरिया अऊ त्रखोनितिस के राजपाल; अऊ लिसानियास ह अबिलेने के राजपाल रिहिस;
2 अऊ हन्ना अऊ काइफा महा पुरोहित रिहिन। तब ओ समय परमेसर के बचन ह निरजन जगह म जकरयाह के बेटा यूहन्ना करा पहुंचिस।
3 यूहन्ना ह यरदन नदी के आसपास के जम्मो इलाका म गीस अऊ पाप के छेमा खातिर मन-फिराय के बतिसमा के परचार करत रिहिस।
4 जइसने कि यसायाह अगमजानी के किताब म लिखे हवय:
"सुनसान जगह म एक झन अवाज देवत रिहिस,
'परभू बर डहार ला तियार करव,
ओकर डहार ला सीधा करव।
5 हर एक घाटी ला पाट दिये जाही,
अऊ हर एक पहाड़ अऊ पहाड़ी ला नीचे करे जाही।
टेड़गा सड़कमन सीधा
अऊ खंचवा-डीपरा रसतामन समतल हो जाहीं।
6 अऊ जम्मो मनखेमन परमेसर के उद्धार ला देखहीं।' "*
7 मनखेमन के भीड़ के भीड़ यूहन्ना ले बतिसमा ले बर आवत रिहिस। त यूहन्ना ह ओमन ला कहिस, "हे जहरिला सांप के पीलामन हो! तुमन ला कोन ह चेता दीस कि तुमन परमेसर के अवइया कोरोध ले भागव?
8 अपन काम के दुवारा देखाववव कि पाप ले पछतावा करे हववव। अऊ अपन मन म ये बात झन सोचव कि तुमन अब्राहम के संतान अव। मेंह तुमन ला बतावत हंव कि ये पथरामन ले परमेसर ह अब्राहम बर संतान पईदा कर सकथे।

---

* **3:6** यसा 40:3-5

9 टंगिया ला पहिले ही रूखमन के जरी म रखे जा चुके हवय, अऊ जऊन रूख म बने फर नइं फरय, ओह काटे
अऊ आगी म झोंके जाही।"
10 तब भीड़ के मनखेमन ओकर ले पुछिन, "त हमन ला का करना चाही।"
11 यूहन्ना ह जबाब दीस, "जेकर करा दू ठन कुरता हवय, ओह अपन एक कुरता ओला दे देवय, जेकर करा
एको ठन नइं ए, अऊ जेकर करा भोजन हवय, ओह घलो भूखहामन संग अइसनेच करय।"
12 लगान लेवइयामन घलो बतिसमा लेय बर आईन अऊ ओमन यूहन्ना ले पुछिन, "हे गुरू, हमन ला का
करना चाही?"
13 ओह ओमन ला कहिस, "जतकी ठहिराय गे हवय, ओकर ले जादा लगान झन लेवव।"
14 तब कुछू सैनिकमन ओकर ले पुछिन, "अऊ हमन ला का करना चाही?"
ओह ओमन ला कहिस, "काकरो ले जबरदस्ती पईसा झन लेवव अऊ न मनखेमन ऊपर लबारी दोस लगावव।
अपन तनखा म संतोस करव।"
15 मनखेमन आस लगाय बाट जोहत रिहिन अऊ जम्मो झन अपन मन म सोचत रिहिन कि कहूं यूहन्ना ह तो
मसीह नो हय।
16 यूहन्ना ह ओ जम्मो झन ला कहिस, "मेंह तुमन ला पानी ले बतिसमा देवत हंव। पर एक झन आवत हवय,
जऊन ह मोर ले अऊ सक्तिसाली ए। मेंह तो ये लईक घलो नो हंव कि ओकर पनही के बंधना ला खोलंव। ओह
तुमन ला पबितर आतमा अऊ आगी ले बतिसमा दीही।
17 ओकर सूपा ह ओकर हांथ म हवय ताकि अपन कोठार ला साफ करय अऊ गहूं ला अपन कोठा म कुढ़ोवय,
पर ओह भूंसा ला ओ आगी म बारही, जऊन ह कभू नइं बुतावय।"
18 अऊ बहुंते आने बचन के दुवारा यूहन्ना ह मनखेमन ला उत्साहित करिस अऊ ओमन ला सुघर संदेस के
परचार करिस।
19 यूहन्ना ह हेरोदेस राजा ला डांटिस काबरकि ओह अपन भाई के घरवाली हेरोदियास ला रखे रिहिस अऊ
बहुंते आने कुकरम करे रिहिस।
20 तब हेरोदेस ह अपन जम्मो कुकरम म एक कुकरम अऊ जोड़ लीस कि ओह यूहन्ना ला पकड़के जेल म डार
दीस।

[illegible]
(मत्ती 3:13-17; मरकुस 1:9-11; लूका 1:1-17)

21 जम्मो मनखेमन बतिसमा लेवत रिहिन, त यीसू ह घलो बतिसमा लीस। अऊ जब ओह पराथना करत
रहय, त अकास ह खुल गीस।
22 अऊ पबितर आतमा ह देहें के रूप म एक पंड़की सहीं ओकर ऊपर उतरिस, अऊ स्वरग ले ये अवाज
आईस: "तेंह मोर मयारू बेटा अस। तोर ले मेंह बहुंत खुस हवंव।"
23 जब यीसू ह अपन सेवा के काम ला सुरू करिस, त ओह करीब तीस साल के रिहिस। जइसने कि मनखेमन
समझत रिहिन, ओह यूसुफ के बेटा रिहिस,

अऊ यूसुफ ह हेली के बेटा,
24 हेली ह मत्तात के बेटा,
मत्तात ह लेवी के बेटा, लेवी ह मलकी के बेटा,
मलकी ह यन्नाई के बेटा, यन्नाई ह यूसुफ के बेटा,
25 यूसुफ ह मत्ततियाह के बेटा, मत्ततियाह ह आमोस के बेटा,
आमोस ह नहूम के बेटा, नहूम ह एसली के बेटा,
एसली ह नोगह के बेटा,
26 नोगह ह मात के बेटा,
मात ह मत्ततियाह के बेटा, मत्ततियाह ह सिमी के बेटा,
सिमी ह योसेख के बेटा, योसेख ह योदाह के बेटा,
27 योदाह ह योनान के बेटा, योनान ह रेसा के बेटा,

रेसा ह जरूब्बाबेल के बेटा, जरूब्बाबेल ह सालतीएल के बेटा,
सालतीएल ह नेरी के बेटा,
28 नेरी ह मलकी के बेटा,
मलकी ह अद्दी के बेटा, अद्दी ह कोसाम के बेटा,
कोसाम ह इलमोदाम के बेटा, इलमोदाम ह एर के बेटा,
29 एर ह यहोसू के बेटा, यहोसू ह एलिएजेर के बेटा,
एलिएजेर ह योरीम के बेटा, योरीम ह मत्तात के बेटा,
मत्तात ह लेवी के बेटा,
30 लेवी ह सिमोन के बेटा,
सिमोन ह यहूदा के बेटा, यहूदा ह यूसुफ के बेटा,
यूसुफ ह योनाम के बेटा, योनाम ह एलयाकीम के बेटा,
31 एलयाकीम ह मलेआह के बेटा, मलेआह ह मिन्नाह के बेटा,
मिन्नाह ह मत्तता के बेटा, मत्तता ह नातान के बेटा,
नातान ह दाऊद के बेटा,
32 दाऊद ह यिसै के बेटा,
यिसै ह ओबेद के बेटा, ओबेद ह बोअज के बेटा,
बोअज ह सलमोन के बेटा, सलमोन ह नहसोन के बेटा,
33 नहसोन ह अम्मीनादाब के बेटा, अम्मीनादाब ह अरनी† के बेटा,
अरनी ह हेसरोन के बेटा, हेसरोन ह पेरेस के बेटा,
पेरेस ह यहूदा के बेटा,
34 यहूदा ह याकूब के बेटा,
याकूब ह इसहाक के बेटा, इसहाक ह अब्राहम के बेटा,
अब्राहम ह तेरह के बेटा, तेरह ह नाहोर के बेटा,
35 नाहोर ह सरूग के बेटा, सरूग ह रू के बेटा,
रू ह फिलिग के बेटा, फिलिग ह एबेर के बेटा,
एबेर ह सेलह के बेटा,
36 सेलह ह केनान के बेटा,
केनान ह अर्पछद के बेटा, अर्पछद ह सेम के बेटा,
सेम ह नूह के बेटा, नूह ह लेमेक के बेटा,
37 लेमेक ह मतूसेलह के बेटा, मतूसेलह ह हनोक के बेटा,
हनोक ह येरेद के बेटा, येरेद ह महललेल के बेटा,
महललेल ह केनान के बेटा,
38 केनान ह एनोस के बेटा,
एनोस ह सेत के बेटा, सेत ह आदम के बेटा,
अऊ आदम ह परमेसर के बेटा रिहिस।

4

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 4:1-11; [illegible] 1:12-13)

1 यीसू ह पबितर आतमा ले भरे, यरदन नदी ले लहुंटिस अऊ पबितर आतमा के अगुवई म ओह निरजन जगह
म गीस,
2 जिहां सैतान ह चालीस दिन तक ओकर परिछा करिस। यीसू ह ओ चालीस दिन तक कुछू नइं खाईस, अऊ
तब ओला भूख लगिस।
3 तब सैतान ह यीसू ला कहिस, "यदि तेंह परमेसर के बेटा अस, त ये पथरा ले कह कि येह रोटी बन जावय।"

† **3:33** या [illegible]

4 यीसू ह जबाब दीस, “परमेसर के बचन म लिखे हवय: ‘मनखे ह सिरिप रोटी ले ही जीयत नइं रहय।’ ”*
5 सैतान ह यीसू ला एक ठन ऊंचहा ठऊर म ले गीस अऊ पल भर म ओला संसार के जम्मो राजपाट ला
देखाईस।
6 अऊ ओह यीसू ला कहिस, “मेंह ये जम्मो के अधिकार अऊ सान-सौकत तोला दे दूहूं, काबरकि येह मोला
दिये गे हवय, अऊ मेंह जऊन ला चाहंव ओला ये जम्मो दे सकत हंव।
7 यदि तेंह मोर अराधना करबे, त ये जम्मो ह तोर हो जाही।”
8 यीसू ह ओला ये जबाब दीस, “परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: ‘तेंह परभू अपन परमेसर के अराधना कर
अऊ सिरिप ओकरेच सेवा कर।’ ”
9 तब सैतान ह यीसू ला यरूसलेम म ले गीस अऊ ओला मंदिर के टीप म ठाढ़ करके कहिस, “कहूं तेंह परमेसर
के बेटा अस, त उहां ले खाल्हे कूद जा।
10 काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय:
“ ‘परमेसर ह तोर बारे म अपन स्वरगदूतमन ला
हुकूम दीही कि ओमन तोर रकछा करंय;
11 ओमन तोला अपन हांथ म उठा लीहीं,
ताकि तोर गोड़ म पथरा ले चोट झन लगय।’†”
12 यीसू ह ओला ये जबाब दीस, “परमेसर के बचन म ये घलो कहे गे हवय: ‘तें परभू अपन परमेसर के परिछा
झन कर।’‡”
13 जब सैतान ह ये जम्मो परिछा कर चुकिस, त ओह आने मऊका के मिलत तक यीसू ला छोंड़के चल दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 13:53-58; [illegible] 6:1-6)

14 यीसू ह पबितर आतमा के सक्ति ले भरे गलील प्रदेस लहुंटिस, अऊ आसपास के जम्मो इलाका म ओकर
बारे म खबर फईल गीस।
15 ओह यहूदीमन के सभा-घरमन म उपदेस दीस, अऊ जम्मो झन ओकर बड़ई करिन।
16 यीसू ह नासरत गांव म गीस, जिहां ओह पले-बढ़े रिहिस, अऊ अपन रीति के मुताबिक, ओह बिसराम के
दिन यहूदीमन के सभा-घर म गीस, अऊ ओह परमेसर के बचन ले पढ़े बर ठाढ़ होईस।
17 ओला यसायाह अगमजानी के किताब देय गीस। ओह किताब ला खोलिस अऊ ओ भाग ला निकालिस,
जिहां ये लिखे रहय:
18 “परभू के आतमा मोर ऊपर हवय,
काबरकि ओह गरीबमन ला
सुघर संदेस के परचार करे बर मोर अभिसेक करे हवय।
ओह मोला पठोय हवय,
ताकि मेंह कैदीमन ला छुटकारा के,
अऊ अंधरामन ला आंखी पाय के घोसना करंव,
अऊ दुखित-पीड़ितमन ला छोंड़ावंव,
19 अऊ परभू के किरपा-दिरिस्टी के बछर के घोसना करंव।”§
20 तब यीसू ह किताब ला बंद करके वापिस सेवक ला दे दीस अऊ बईठ गीस। सभा-घर म जम्मो झन ओला
एकटक देखत रिहिन।
21 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “आज परमेसर के ये बचन ह तुम्हर सुनत म पूरा होईस।”
22 जम्मो झन ओकर बड़ई करिन अऊ ओकर मुहूं ले निकले अनुग्रह के बात ला सुनके ओमन अचम्भो करिन
अऊ कहिन, “का येह यूसुफ के बेटा नो हय?”
23 यीसू ह ओमन ला कहिस, “तुमन मोर बर ये कहावत जरूर कहिहू, ‘ए डाक्टर, पहिली अपनआप ला चंगा
कर!’ अऊ तुमन ये कहिहू, ‘जऊन कुछू तेंह कफरनहूम म करे हवस, ओकर बारे म हमन सुने हवन, अब वइसनेच
तेंह इहां अपन नगर म घलो कर।’ ”

---

* **4:4** ब्यव 8:3 † **4:11** भजन 91:11, 12 ‡ **4:12** ब्यव 6:16 § **4:19** यसा 61:1, 2

24 यीसू ह फेर कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, कोनो अगमजानी अपन खुद के नगर म आदरमान नइं
पावय।
25 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि एलियाह के समय म जब साढ़े तीन साल तक अकास ले पानी नइं बरसिस
अऊ जम्मो इलाका म भयंकर अकाल पड़े रिहिस, तब इसरायल देस म बहुंत बिधवामन रिहिन।
26 पर एलियाह ला ओमन ले काकरो करा नइं पठोय गीस, पर सीदोन प्रदेस के सारपत सहर म एक बिधवा
करा ओला पठोय गीस।
27 अऊ एलीसा अगमजानी के समय म इसरायल देस म बहुंत कोढ़ीमन रिहिन, पर सीरिया देस के नामान*
ला छोंड़के ओमन ले कोनो सुध नइं करे गीस।”
28 ये बात ला सुनके सभा-घर के जम्मो मनखेमन कोरोध ले भर गीन।
29 ओमन उठिन अऊ यीसू ला सहर के बाहिर निकालिन। ओमन के सहर ह पहाड़ी ऊपर बसे रहय। ओमन
यीसू ला पहाड़ी के छोर म ले गीन ताकि ओला चट्टान म ले ढकेल देवंय।
30 पर ओह भीड़ के बीच म ले निकलके अपन रसता म चल दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 1:21-28)

31 तब यीसू ह गलील प्रदेस के कफरनहूम सहर म जाके, बिसराम के दिन मनखेमन ला उपदेस देवन लगिस।
32 मनखेमन यीसू के उपदेस ला सुनके चकित होवत रहंय, काबरकि ओह अधिकार के संग गोठियावत रहय।
33 सभा-घर म एक मनखे रिहिस जऊन म एक परेत आतमा रहय। ओह जोर से चिचियाके कहिस,
34 “हे नासरत के यीसू! हमर ले तोर का काम? का तेंह हमन ला नास करे बर आय हवस? मेंह जानत हंव, तेंह
कोन अस—तेंह परमेसर के पबितर जन अस!”
35 यीसू ह ओला दबकारके कहिस, “चुपे रह। अऊ ओमा ले निकल आ।” तब परेत आतमा ह ओ मनखे ला ओ
जम्मो झन के आघू म पटकिस अऊ ओला बिगर चोट पहुंचाय निकल गीस।
36 जम्मो मनखेमन अचम्भो करिन अऊ एक-दूसर ला कहिन, “येह का सिकछा अय? अधिकार अऊ सक्ति के
संग ओह असुध आतमामन ला हुकूम देथे अऊ ओमन निकल जाथें।”
37 अऊ आसपास के जम्मो इलाका म ओकर खबर फईल गीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 8:14-17; मरकुस 1:29-34)

38 यीसू ह सभा-घर ले निकलके सिमोन के घर म गीस। ओ समय सिमोन के सास ला बहुंत जर आवत रहय,
अऊ ओमन यीसू ले ओला बने करे बर बिनती करिन।
39 त यीसू ह ओकर बाजू म ठाढ़ होईस अऊ जर ला दबकारिस, अऊ ओकर जर ह उतर गीस। ओह तुरते
उठिस अऊ ओमन के सेवा-टहल करे लगिस।
40 जब बेर ह बुड़त रहय, त मनखेमन ओ जम्मो झन, जऊन मन ला कतको किसम के बेमारी रहय, यीसू करा
लानिन, अऊ ओह हर एक के ऊपर हांथ रखके ओमन ला बने करिस।
41 परेत आतमामन घलो बहुंत मनखेमन ले चिचियावत अऊ ये कहत निकल गीन कि तेंह परमेसर के बेटा
अस। पर यीसू ह ओमन ला दबकारिस अऊ ओमन ला गोठियावन नइं दीस, काबरकि ओमन जानत रिहिन कि
ओह मसीह अय।
42 जब बिहान होईस, त यीसू ह एक ठन सुनसान ठऊर म चले गीस। मनखेमन ओला खोजे लगिन, अऊ जब
ओमन ओला भेंटिन, त ओला रोके के कोसिस करिन अऊ कहिन कि हमर करा ले झन जा।
43 पर ओह कहिस, “मोला आने सहरमन म घलो परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करना जरूरी ए,
काबरकि एकर खातिर मोला पठोय गे हवय।”
44 अऊ ओह यहूदिया प्रदेस के यहूदीमन के सभा-घरमन म परचार करन लगिस।

---

* **4:27** सीरिया के नामान ह एक आनजात मनखे रिहिस।

5

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 4:18-22; [illegible] 1:16-20)

1 एक दिन यीसू गन्नेसरत झील* के तीर म ठाढ़े रहय अऊ परमेसर के बचन सुने बर मनखेमन के भीड़ ह
ओकर ऊपर गिरे पड़त रहय।
2 ओह दू ठन डोंगा पानी के तीर म देखिस, जऊन ला मछुआरमन छोंड़के अपन जालमन ला धोवत रहंय।
3 ओह ओमा के एक ठन डोंगा म चघिस, जऊन ह सिमोन के रिहिस अऊ यीसू ह ओला कहिस, "डोंगा ला
पानी के तीर ले थोरकन दूरिहा ले चल।" तब यीसू ह डोंगा म बईठ गीस अऊ उहां ले मनखेमन ला उपदेस देवन
लगिस।
4 जब ओह उपदेस दे चुकिस, त सिमोन ला कहिस, "डोंगा ला गहिरा पानी म ले चल अऊ मछरी पकड़े बर
अपन जाल ला डार।"
5 सिमोन ह कहिस, "हे मालिक, हमन रात भर बहुंत मेहनत करेंन, तभो ले कुछू नइं पायेंन। पर तोर कहे म
मेंह जाल ला फेर डारत हवंव।"
6 जब ओमन अइसने करिन, त जाल म अतकी जादा मछरी फंसिन कि जाल ह चीराय लगिस।
7 एकरसेति ओमन अपन संगवारीमन ला जऊन मन दूसर डोंगा म रहंय, इसारा करिन कि ओमन आके मदद
करंय; अऊ ओमन आईन अऊ दूनों डोंगा ला मछरी ले अतका भर लीन कि डोंगामन बुड़न लगिन।
8 जब सिमोन पतरस येला देखिस, त ओह यीसू के गोड़ खाल्हे गिरिस अऊ कहिस, "हे परभू! मोर करा ले चले
जा; मेंह एक पापी मनखे अंव।"
9 काबरकि अतका जादा मछरी फंसे के कारन, ओह अऊ ओकर जम्मो संगीमन अचम्भो करत रिहिन,
10 अऊ एहीच दसा जबदी के बेटा याकूब अऊ यूहन्ना के घलो रहय, जऊन मन सिमोन के संगवारी रिहिन।
तब यीसू ह सिमोन ला कहिस, "झन डरा; अब ले तेंह मनखेमन ला पकड़े करबे।"
11 ओमन डोंगामन ला पानी के तीर म लानिन अऊ जम्मो कुछू ला छोंड़के यीसू के पाछू हो लीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 8:1-4; [illegible] 1:40-45)

12 जब यीसू ह एक नगर म रिहिस, त उहां कोढ़ ले भरे एक मनखे आईस। जब ओह यीसू ला देखिस, त मुहूं के
भार भुइयां म गिरके ओकर ले बिनती करिस, "हे परभू, यदि तेंह चाहस, त मोला सुध कर सकथस।"
13 यीसू ह अपन हांथ ओ मनखे कोति बढ़ाईस अऊ ओला छूके कहिस, "मेंह चाहत हंव कि तेंह सुध हो जा!"
अऊ तुरते ओकर कोढ़ ह गायब हो गीस।
14 तब यीसू ह ओला हुकूम दीस, "ये बात कोनो ला झन बताबे, पर जा अऊ अपनआप ला पुरोहित ला देखा
अऊ सुध होय के बारे म मूसा ह जइसने हुकूम दे हवय, वइसने बलिदान चघा, ताकि मनखेमन म सबूत होवय
कि तेंह बेमारी ले ठीक हो गे हवस।"
15 तभो ले यीसू के बारे म अऊ खबर फईल गीस, अऊ मनखेमन के भीड़ के भीड़ यीसू के बात सुने बर अऊ
अपन बेमारी ले बने होय बर आय लगिन।
16 पर यीसू ह अकसर सुनसान जगह म जावय अऊ पराथना करय।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 9:1-8; [illegible] 2:1-12)

17 एक दिन जब यीसू ह उपदेस देवत रहय, त फरीसीमन अऊ कानून के गुरूमन उहां बईठे रहंय, जऊन मन
गलील अऊ यहूदिया प्रदेस के जम्मो गांव ले, अऊ यरूसलेम ले आय रहंय। अऊ परभू के सामर्थ बिमरहामन
ला बने करे बर यीसू के संग रहय।
18 कुछू मनखेमन लकवा के मारे एक मनखे ला खटिया म उठाके लानिन। ओमन ओला घर के भीतर ले जाय
के कोसिस करिन ताकि ओला यीसू के आघू म रख सकंय।
19 जब ओमन भीड़ के मारे ओला भीतर नइं ले जा सकिन, तब ओमन छानी के ऊपर चघिन अऊ खपरा ला
टारके ओमन ओला खटिया म, भीड़ के मांझा म, ठोका यीसू के आघू म उतारिन।

---

* **5:1** गलील के समुंदर

20 जब यीसू ह ओमन के बिसवास ला देखिस, त ओह लकवा के मारे मनखे ला कहिस, “संगी, तोर पाप ह
छेमा हो गे।”
21 फरीसीमन अऊ कानून के गुरूमन अपन मन म सोचे लगिन, “ये कोन मनखे ए, जऊन ह परमेसर के निन्दा
करत हवय? सिरिप परमेसर के छोंड़ अऊ कोन ह पाप ला छेमा कर सकथे?”
22 यीसू ह ओमन के मन के बात ला जानत रिहिस। ओह ओमन ले पुछिस, “तुमन ये बात अपन मन म काबर
सोचत हवव?
23 कते बात ह सरल ए? ये कहई, ‘तोर पाप ह छेमा हो गीस,’ या फेर ये कहई, ‘उठ, अऊ चल फिर।’
24 मेंह तुमन ला देखाहूं कि मनखे के बेटा ला धरती म पाप छेमा करे के अधिकार हवय।” तब ओह लकवा के
मारे ला कहिस, “उठ, अपन खटिया ला उठा अऊ घर जा।”
25 तुरते ओह ओमन के आघू म उठिस अऊ जऊन खटिया म ओह पड़े रिहिस, ओला उठाईस अऊ परमेसर के
इस्तुति करत अपन घर चल दीस।
26 तब ओ जम्मो झन चकित हो गीन अऊ परमेसर के महिमा करिन। ओमन म डर हमा गीस अऊ ओमन कहे
लगिन, “हमन आज चमतकार होवत देखे हवन।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 9:9-13; मरकुस 2:13-17)

27 एकर बाद, यीसू ह बाहिर निकलिस अऊ लेवी नांव के एक झन लगान लेवइया ला अपन नाका म बईठे
देखिस। यीसू ह ओला कहिस, “मोर पाछू हो ले।”
28 लेवी ह उठिस अऊ जम्मो कुछू ला छोंड़के ओकर पाछू हो लीस।
29 तब लेवी ह यीसू बर अपन घर म एक बड़े भोज के आयोजन करिस, अऊ लगान लेवइया अऊ आने
पहुनामन के एक बड़े भीड़ ह ओमन के संग म खावत रिहिस।
30 पर फरीसी अऊ कानून के गुरूमन यीसू के चेलामन ले ये कहिके सिकायत करन लगिन, “तुमन लगान
लेवइया अऊ पापीमन संग काबर खाथव अऊ पीथव?”
31 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “भला-चंगा मनखेमन ला डाक्टर के जरूरत नइं होवय, पर बिमरहामन ला
होथे।
32 मेंह धरमीमन ला नइं, पर पापीमन ला पछताप करे बर बलाय आय हवंव।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 9:14-17; मरकुस 2:18-22)

33 ओमन यीसू ले कहिन, “यूहन्ना बतिसमा देवइया के चेलामन अकसर उपास रखथें अऊ पराथना करथें,
अऊ अइसने फरीसीमन के चेलामन घलो करथें, पर तोर चेलामन खावत-पीयत रहिथंय।”
34 यीसू ह जबाब दीस, “का तुमन बरातीमन ले, जब तक दूल्हा ह ओमन के संग हवय, उपास करा सकथव?
35 पर ओ समय आही, जब दूल्हा ह ओमन ले अलग करे जाही, तब ओमन ओ दिनमन म उपास करहीं।”
36 यीसू ह ओमन ला ये पटंतर घलो सुनाईस, “कोनो मनखे नवां ओनहा ला चीरके ओकर खाप ला जुन्ना
ओनहा म नइं सिलय। कहूं ओह अइसने करथे, त नवां ओनहा ह चीरा जाही अऊ नवां ओनहा के खाप जुन्ना
ओनहा म नइं लगही।
37 अऊ कोनो मनखे नवां अंगूर के मंद ला जुन्ना चमड़ा के थैली म नइं भरय। कहूं कोनो अइसने करथे, त नवां
मंद ह ओ थैली ला चीर दीही, अऊ मंद ह ढर जाही अऊ थैली ह बरबाद हो जाही।
38 नवां अंगूर के मंद ला नवां चमड़ा के थैली म भरना चाही।
39 कोनो मनखे अंगूर के जुन्ना मंद पीये के बाद, नवां मंद पीये नइं चाहय। ओह कहिथे, ‘जुन्ना मंद ही बने
हवय।’ ”

6

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 12:1-8; मरकुस 2:23-28)

1 एक बिसराम के दिन यीसू ह खेत म ले होके जावत रिहिस, अऊ ओकर चेलामन अनाज के कुछू दाना ला
टोरत रिहिन अऊ ओला अपन हांथ म रमिंजके खावत जावत रिहिन।
2 तब कुछू फरीसीमन पुछिन, "तुमन अइसने काबर करत हवव, जेला बिसराम के दिन करई कानून के बिरूध
अय?"
3 यीसू ह ओमन ला ये जबाब दीस, "का तुमन परमेसर के बचन म कभू नइं पढ़ेव कि दाऊद ह का करिस, जब
ओला अऊ ओकर संगीमन ला भूख लगिस?
4 ओह परमेसर के घर म गीस, अऊ परमेसर ला भेंट चघाय रोटी ला लेके खाईस, जऊन ला पुरोहितमन के
छोंड़ आने मनखे के खवई कानून के बिरूध रिहिस। अऊ ओह अपन संगवारीमन ला घलो ओ रोटी म ले कुछू
खाय बर दीस।"
5 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "मनखे के बेटा ह बिसराम दिन के परभू अय।"
6 एक आने बिसराम के दिन यीसू ह सभा-घर म गीस अऊ उपदेस देवत रिहिस। उहां एक झन मनखे रिहिस
जेकर जेवनी हांथ ह सूखा गे रहय।
7 फरीसी अऊ कानून के गुरूमन यीसू ऊपर दोस लगाय के बहाना खोजत रहंय, एकरसेति ओमन धियान
लगाके देखत रहंय कि ओह सूखा हांथवाले मनखे ला बिसराम के दिन म बने करथे कि नइं।
8 पर यीसू ह ओमन के मन के बात ला जानत रिहिस अऊ ओह सूखा हांथवाले मनखे ला कहिस, "उठ अऊ
जम्मो झन के आघू म ठाढ़ हो जा।" ओ मनखे ह उठिस अऊ उहां ठाढ़ हो गीस।
9 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला पुछत हंव—बिसराम के दिन म का करना उचित ए—भलई
करई या बुरई करई, जिनगी बचई या जिनगी नास करई?"
10 यीसू ह चारों कोति ओ जम्मो झन ला देखिस अऊ तब ओ मनखे ला कहिस, "अपन हांथ ला लमा।" ओह
वइसने करिस, अऊ ओकर हांथ ह पूरा बने हो गीस।
11 पर फरीसीमन अऊ कानून के गुरूमन बहुंत नराज होईन अऊ एक-दूसर के संग बिचार करन लगिन कि
यीसू के संग का करे जावय।

[illegible]
([illegible] 10:1-4; [illegible] 3:13-19)

12 एक दिन यीसू ह पहाड़ ऊपर पराथना करे बर गीस, अऊ परमेसर ले पराथना करत पूरा रात बिताईस।
13 जब बिहान होईस, त ओह अपन चेलामन ला बलाईस अऊ ओमा के बारह झन ला चुन लीस अऊ ओमन
ला प्रेरित कहिस:

14 ओमन ये अंय—सिमोन (जेकर नांव यीसू ह पतरस रखिस) अऊ ओकर भाई अन्द्रियास,
याकूब,
यूहन्ना,
फिलिप्पुस,
बरतुलमै,
15 मत्ती,
थोमा,
हलफई के बेटा याकूब,
सिमोन जऊन ला जेलोतेस कहे गीस,
16 याकूब के बेटा यहूदा,
अऊ यहूदा इस्करियोती जऊन ह यीसू के संग बिसवासघात करिस।

[illegible]
([illegible] 5:1-12)

17 यीसू ह अपन चेलामन संग पहाड़ ले उतरिस अऊ एक समतल जगह म ठाढ़ हो गीस। उहां ओकर
चेलामन के एक बड़े भीड़ रहय अऊ जम्मो यहूदिया प्रदेस, यरूसलेम सहर, अऊ सूर अऊ सीदोन के समुंदर तीर
ले बहुंत मनखे जूरे रिहिन।

18 ओमन यीसू के उपदेस ला सुने बर अऊ अपन बेमारीमन ले छुटकारा पाय बर आय रिहिन। असुध आतमा
के सताय मनखेमन घलो बने हो गीन,
19 अऊ जम्मो मनखेमन यीसू ला छुए के कोसिस करत रिहिन, काबरकि ओकर ले सामर्थ निकलत रिहिस
अऊ ओ जम्मो ला बने करत रिहिस।
20 अपन चेलामन कोति देखके यीसू ह कहिस,
"धइन अव तुमन, जऊन मन गरीब अव,
काबरकि परमेसर के राज तुम्हर ए।
21 धइन अव तुमन, जऊन मन अभी भूखा हवव, काबरकि तुमन ला संतोस करे जाही।
धइन अव तुमन, जऊन मन अभी रोवत हव,
काबरकि तुमन हंसहू।
22 धइन अव तुमन, जब मनखे के बेटा के कारन मनखेमन तुम्हर ले घिन करथें,
अऊ तुमन ला निकाल देथें अऊ तुम्हर बेजत्ती करथें
अऊ तुम्हर नांव ला खराप जानके काट देथें।
23 "ओ दिन आनंद मनावव अऊ आनंद के मारे कूदव, काबरकि तुम्हर बर स्वरग म बड़े ईनाम रखे हवय।
ओमन के पुरखामन अगमजानीमन के संग अइसनेच बरताव करे रिहिन।
24 "पर हाय लगे तुमन ऊपर, जऊन मन धनवान अव,
काबरकि तुमन अपन सुख भोग चुके हवव।
25 हाय लगे तुमन ऊपर, जऊन मन अभी भरपेट खावथव,
काबरकि तुमन भूखा रहिहू।
हाय लगे तुमन ऊपर, जऊन मन अभी हंसत हव,
काबरकि तुमन सोक मनाहू अऊ रोहू।
26 हाय लगे तुमन ऊपर, जब जम्मो मनखे तुम्हर बड़ई करथें,
काबरकि ओमन के पुरखामन लबरा अगमजानीमन के संग अइसनेच करे रिहिन।

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 5:38-48; 7:12)

27 "पर मेंह तुमन ला जऊन मन मोर गोठ ला सुनत हव, ये कहत हंव: अपन बईरीमन ले मया करव; ओमन
के भलई करव, जऊन मन तुमन ले घिन करथें।
28 ओमन ला आसीस देवव, जऊन मन तुमन ला सराप देथें; ओमन बर पराथना करव, जऊन मन तुम्हर संग
गलत बरताव करथें।
29 कहूं कोनो तुम्हर एक गाल म थपरा मारथे, त ओकर कोति दूसर गाल ला घलो कर देवव। कहूं कोनो तुम्हर
ओढ़ना ला ले लेथे, त ओला तुम्हर कुरता लेय बर झन रोकव।
30 जऊन कोनो तुम्हर ले मांगथे, ओला देवव; अऊ कहूं कोनो तुम्हर चीज ला ले जावय, त ओला वापिस झन
मांगव।
31 जइसने तुमन चाहथव कि मनखेमन तुम्हर संग करंय, वइसने तुमन घलो ओमन के संग करव।
32 "यदि तुमन ओमन ले मया करथव, जऊन मन तुम्हर ले मया करथें, त तुम्हर का बड़ई? काबरकि पापीमन
घलो अपन ले मया करइयामन ले मया करथें।
33 अऊ यदि तुमन ओमन के भलई करथव, जऊन मन तुम्हर भलई करथें, त तुम्हर का बड़ई? काबरकि
पापीमन घलो अइसने करथें।
34 अऊ यदि तुमन ओमन ला उधार देथव, जऊन मन ले तुमन वापिस पाय के आसा करथव, त तुम्हर का
बड़ई? काबरकि पापीमन घलो पापीमन ला ये आसा म उधार देथें कि ओमन ला पूरा वापिस मिलही।
35 पर अपन बईरीमन ले मया करव, ओमन के भलई करव, अऊ बिगर कुछू चीज वापिस पाय के आसा म
ओमन ला उधार देवव। तभे तुमन ला बड़े ईनाम मिलही, अऊ तुमन सर्वोच्च परमेसर के संतान होहू, काबरकि
ओह गुन नइं चिनहइया अऊ दुस्ट मनखेमन ऊपर दया करथे।
36 दयालु बनव, जइसने स्वरग म रहइया तुम्हर ददा ह दयालु ए।

[illegible]
([illegible] 7:1-4)

37 “आने मन के गलती झन निकालव, ताकि तुम्हर घलो गलती झन निकाले जावय। आने मन ला दोसी झन
ठहिरावव, त तुमन ला घलो दोसी नइं ठहिराय जाही। आने मन ला छेमा करव, त तुमन ला घलो छेमा करे
जाही।
38 आने मन ला देवव, त तुमन ला घलो दिये जाही। बने ढंग ले नापके, दबा-दबाके, हला-हलाके, अऊ
छलकत तुम्हर कोरा म डारे जाही। काबरकि जऊन नाप ले तुमन नापथव, ओही नाप ले तुम्हर बर घलो नापे
जाही।”
39 यीसू ह ओमन ला ये पटंतर घलो कहिस, “का एक अंधरा ह दूसर अंधरा ला रसता देखा सकथे? का ओमन
दूनों खंचवा म नइं गिर जाहीं?
40 चेला ह अपन गुरू ले बड़े नइं होवय, पर पूरा सिकछा पाय के बाद ओह अपन गुरू सहीं हो जाथे।
41 “तेंह काबर अपन भाई के आंखी के छोटे कचरा ला देखथस, जबकि अपन खुद के आंखी के बड़े कचरा ला
धियान नइं देवस?
42 जब तुम्हर खुद के आंखी म लकरी के लट्ठा हवय, त तुमन अपन भाई ला कइसने कह सकथव, ‘लान मेंह
तोर आंखी के छोटे कचरा ला निकाल दंव?’ हे ढोंगीमन हो, पहिली अपन खुद के आंखी के लट्ठा ला निकालव,
तभे तुमन अपन भाई के आंखी के छोटे कचरा ला साफ-साफ देखहू अऊ ओला निकाल सकहू।

[illegible]
([illegible] 7:16-20)

43 “बने रूख म खराप फर नइं फरय, अऊ न ही खराप रूख म बने फर फरथे।
44 हर एक रूख ह ओकर फर ले पहिचाने जाथे। काबरकि मनखेमन कंटिली झाड़ीमन ले अंजीर के फर नइं
टोरंय, अऊ न ही झरबेरी रूख ले अंगूर।
45 बने मनखे ह अपन दिल के बने भंडार ले बने बातमन ला निकालथे, अऊ खराप मनखे ह अपन दिल के
खराप भंडार ले खराप बात ला निकालथे। काबरकि जऊन बात ले दिल ह भरे रहिथे, ओहीच ह मुहूं ले निकलथे।

[illegible]
([illegible] 7:24-27)

46 “जब तुमन मोर कहे ला नइं मानव, त मोला काबर ‘हे परभू, हे परभू’ कहिथव?
47 जऊन ह मोर करा आथे, अऊ मोर गोठमन ला सुनथे अऊ ओला मानथे—मेंह तुमन ला बतावत हंव कि
ओह काकर सहीं अय।
48 ओह ओ घर बनइया मनखे सहीं अय, जऊन ह भुइयां ला गहिरा कोड़िस अऊ चट्टान ऊपर नीव डारिस।
जब बाढ़ आईस अऊ पानी ओ घर ले टकराईस, त ओला हलाय नइं सकिस, काबरकि ओ घर ह मजबूत बने
रिहिस।
49 पर जऊन ह मोर गोठ ला सुनथे अऊ ओला नइं मानय, ओह ओ मनखे के सहीं अय, जऊन ह भुइयां म
बिगर नीव डारे घर बनाईस, अऊ जब बाढ़ के पानी ओ घर ले टकराईस, त ओह गिरके बरबाद हो गीस।”

7

[illegible]
([illegible] 8:5-13)

1 जब यीसू ह सुनइयामन ला ये जम्मो बात कह चुकिस, तब ओह कफरनहूम सहर म गीस।
2 उहां सेना के अधिकारी के एक सेवक ह बेमारी ले मरइयाच रहय। ओ सेवक ला सेना के अधिकारी ह बहुंत
मया करय।
3 सेना के अधिकारी ह यीसू के बारे म सुनिस अऊ यहूदीमन के कुछू अगुवामन ला ओकर करा ये बिनती के
संग पठोईस कि ओह आके ओकर सेवक ला बेमारी ले चंगा करय।
4 जब ओमन यीसू करा आईन, त बहुंत बिनती करके ओकर ले कहिन, “ओ अधिकारी ह एकर काबिल अय कि
तेंह ओकर बर येला कर,
5 काबरकि ओह हमर जाति ले मया करथे अऊ हमर सभा-घर ला बनवाय हवय।”

6 एकरसेति यीसू ह ओमन के संग गीस।
पर जब यीसू ह ओकर घर के लकठा म हबरेच रिहिस, तभे सेना के अधिकारी ह अपन संगवारीमन के हांथ म
ओकर करा ये खबर पठोईस, "हे परभू, अपनआप ला तकलीफ झन दे, काबरकि मेंह एकर लईक नो हंव कि तेंह
मोर घर म आ।
7 एकरे कारन मेंह अपनआप ला ये काबिल नइं समझेंव कि तोर करा आवंव। पर सिरिप अपन मुहूं ले कहि दे,
त मोर सेवक ह ठीक हो जाही।
8 काबरकि मेंह खुद हाकिम के अधीन म हवंव अऊ सैनिकमन मोर अधीन म हवंय। मेंह एक झन ला कहिथंव,
'जा', त ओह जाथे अऊ दूसर ला कहिथंव, 'आ', त ओह आथे। मेंह अपन सेवक ला कहिथंव, 'येला कर, त ओह
ओला करथे।' "
9 येला सुनके यीसू ह चकित हो गीस, अऊ अपन पाछू-पाछू आवत भीड़ कोति मुहूं करके कहिस, "मेंह तुमन
ला कहत हंव, इसरायल म घलो मोला अइसने बड़े बिसवास देखे बर नइं मिलिस।"
10 तब जऊन मनखेमन ला पठोय गे रिहिस, ओमन घर लहुंटिन अऊ देखिन कि सेवक ह बने हो गे रहय।

[illegible]

11 एकर बाद, यीसू ह नाइन नांव के एक सहर म गीस, अऊ ओकर संग ओकर चेलामन अऊ एक बड़े भीड़
घलो गीस।
12 जब यीसू ह सहर म जाय के दुवारी करा हबरिस, त देखिस कि मनखेमन एक मुरदा ला बाहिर ले जावत
रहंय। ओह अपन दाई के एके झन बेटा रिहिस, अऊ ओकर दाई ह बिधवा रिहिस। सहर के मनखेमन के एक बड़े
भीड़ ओ बिधवा के संग रिहिस।
13 जब परभू ह ओला देखिस, त ओला ओकर ऊपर अब्बड़ दया आईस अऊ ओह ओला कहिस, "झन रो।"
14 तब यीसू ह आके अरथी ला छुईस, अऊ अरथी ला कंधा देवइयामन ठाढ़ हो गीन। यीसू ह कहिस, "हे
जवान! मेंह तोला कहत हंव, उठ।"
15 मरे मनखे ह उठ बईठिस अऊ गोठियाय लगिस, अऊ यीसू ह ओला ओकर दाई ला सऊंप दीस।
16 ओ जम्मो झन ऊपर डर छा गे, अऊ ओमन परमेसर के महिमा करके कहिन, "हमर बीच म एक महान
अगमजानी परगट होय हवय। परमेसर ह अपन मनखेमन के मदद करे बर आय हवय।"
17 यीसू के बारे म ये समाचार जम्मो यहूदिया प्रदेस अऊ आसपास के इलाका म फईल गीस।

[illegible]
([illegible] 11:2-19)

18 यूहन्ना बतिसमा देवइया के चेलामन ओला ये जम्मो बात बताईन। तब यूहन्ना बतिसमा देवइया अपन
चेलामन के दू झन ला बलाईस
19 अऊ ओमन ला परभू करा ये पुछे बर पठोईस, "का तेंह ओही अस, जऊन ह अवइया रिहिस या फेर हमन
कोनो आने के बाट जोहन?"
20 जब ओ मनखेमन यीसू करा आईन, त ओमन कहिन, "यूहन्ना बतिसमा देवइया ह हमन ला तोर मेर ये पुछे
बर पठोय हवय, 'का तेंह ओही अस, जऊन ह अवइया रिहिस या फेर हमन कोनो आने के बाट जोहन?' "
21 ओही बेरा यीसू ह बहुंत मनखेमन ला रोग, बेमारी अऊ दुस्ट आतमामन ले बने करिस अऊ कतको
अंधरामन ला आंखी दीस।
22 तब यीसू ह यूहन्ना के मनखेमन ला कहिस, "तुमन वापिस जावव अऊ जऊन कुछू तुमन देखे अऊ सुने
हवव, ओला यूहन्ना ला बतावव: अंधरामन देखथें, खोरवामन रेंगथें, कोढ़ीमन सुध करे जावथें, भैंरा मनखेमन
सुनथें, मुरदामन जी उठथें, अऊ गरीबमन ला सुघर संदेस के परचार करे जाथे।
23 धइन ए ओह जऊन ह मोर ऊपर संदेह नइं करय।"
24 यूहन्ना के संदेसियामन के जाय के बाद, यीसू ह मनखेमन ला यूहन्ना के बारे म कहन लगिस, "जब तुमन
सुनसान जगह म यूहन्ना करा गेव, त तुमन का देखे के आसा करत रहेव? का हवा म डोलत बड़े घांस के पऊधा
ला?
25 यदि नइं, त फेर तुमन का देखे बर गे रहेव? का सुघर कपड़ा पहिरे एक मनखे ला? देखव, जऊन मन मंहगा
कपड़ा पहिरथें अऊ भोग-बिलास म जिनगी बिताथें, ओमन महल म रहिथें।

26 पर तुमन का देखे बर गे रहेव? एक अगमजानी ला? हव! मेंह तुमन ला कहत हंव—तुमन एक अगमजानी
ले घलो बड़े मनखे ला देखेव।
27 येह ओ मनखे अय, जेकर बारे म परमेसर के बचन म लिखे हवय:
" 'मेंह अपन संदेसिया ला तोर आघू पठोवत हंव,
जऊन ह तोर आघू तोर रसता तियार करही।'*
28 मेंह तुमन ला बतावत हंव, जऊन मन माईलोगनमन ले जनमे हवंय, ओमन म यूहन्ना ले बड़े कोनो नो हंय;
पर जऊन ह परमेसर के राज म सबले छोटे अय, ओह यूहन्ना ले घलो बड़े अय।"
29 (जम्मो मनखेमन, इहां तक कि लगान लेवइयामन घलो जब यीसू के बात ला सुनिन, त ओमन यूहन्ना ले
बतिसमा लेके परमेसर के रसता ला सही मान लीन।
30 पर फरीसी अऊ कानून के जानकारमन परमेसर के मनसा ला अपन बर स्वीकार नइं करिन, काबरकि ओमन
यूहन्ना के बतिसमा नइं लीन।)
31 यीसू ह फेर कहिस, "तब मेंह ये पीढ़ी के मनखेमन के तुलना काकर ले करंव? येमन काकर सहीं अंय?
32 येमन ओ लइकामन सहीं अंय, जऊन मन हाट-बजार म बईठके एक-दूसर ला कहिथें,
" 'हमन तुम्हर बर बांसुरी बजाएंन,
अऊ तुमन नइं नाचेव;
हमन बिलाप करेंन,
अऊ तुमन नइं रोएव।'
33 यूहन्ना बतिसमा देवइया ह आईस, जऊन ह न तो रोटी खाईस अऊ न ही मंद पीईस, अऊ तुमन कहिथव,
'ओमा परेत आतमा हवय।'
34 मनखे के बेटा ह आईस, जऊन ह खाथे अऊ पीथे, अऊ तुमन कहिथव, 'देखव, ओह पेटहा अऊ पियक्कड़
अय, अऊ लगान लेवइया अऊ पापीमन के संगवारी अय।'
35 पर बुद्धि ह ओकर जम्मो लइकामन के दुवारा सही ठहिरथे।"

[illegible]

36 एक फरीसी मनखे यीसू ला अपन संग खाना खाय बर नेवता दीस। यीसू ह ओ फरीसी के घर म गीस अऊ
खाना खाय बर बईठिस।
37 ओ सहर के एक माईलोगन ला, जऊन ह पापमय जिनगी बिताय रिहिस, ये पता चलिस कि यीसू ह ओ
फरीसी के घर म खाना खावत हे, त ओह एक संगमरमर के बरतन म इतर तेल लेके आईस,
38 अऊ ओह यीसू के पाछू ओकर गोड़ करा रोवत ठाढ़ हो गीस अऊ अपन आंसू ले ओकर गोड़मन ला
भिगोय लगिस अऊ ओह अपन मुड़ के चुंदी ले ओमन ला पोंछिस अऊ ओकर गोड़मन ला चूमिस अऊ ओमा
इतर तेल ला ढारिस।
39 येला देखके, ओ फरीसी जऊन ह यीसू ला खाय बर बलाय रिहिस, अपन मन म कहिस, "कहूं ये मनखे ह
अगमजानी होतिस, त जान लेतिस कि ओला कोन छूवत हवय अऊ ओह का किसम के माईलोगन ए। ओह तो
एक पापिन अय।"
40 तब यीसू ह ओला जबाब देवत कहिस, "हे सिमोन, मोला तोर ले कुछू कहना हे।"
ओह कहिस, "हे गुरू, कह।"
41 यीसू ह कहिस, "दू झन मनखे एक साहूकार के करजा लगत रिहिन। एक झन ओकर पांच सौ दीनार लगत
रिहिस अऊ दूसर झन पचास दीनार†।
42 ओ दूनों म के काकरो करा करजा पटाय बर पईसा नइं रिहिस, त साहूकार ह ओ दूनों के करजा ला माफ कर
दीस। तब ओ दूनों म ले कोन ह साहूकार ले जादा मया करही?"
43 सिमोन ह जबाब दीस, "मोर समझ म ओह, जेकर जादा करजा माफ करे गीस।"
यीसू ह कहिस, "तेंह सही कहय।"

* **7:27** मला 3:1 † **7:41** एक दीनार ह एक चांदी के सिक्का रहय अऊ एकर कीमत एक दिन के बनी के बरोबर होवय (देखव मत्ती 20:2)

44 तब यीसू ह ओ माईलोगन कोति अपन मुहूं ला करके सिमोन ला कहिस, “का तेंह ये माईलोगन ला देखत
हस? मेंह तोर घर म आएंव, अऊ तेंह मोर गोड़ धोय बर पानी नइं देय, पर ये माईलोगन ह अपन आंसू ले मोर
गोड़मन ला भिगोईस अऊ अपन चुंदी ले ओमन ला पोंछिस।
45 तेंह मोला नइं चूमे, पर जब ले मेंह इहां आय हवंव, तब ले येह मोर गोड़ ला चूमतेच हवय।
46 तेंह मोर मुड़ म चुपरे बर कोनो तेल नइं देय, पर येह मोर गोड़मन म इतर तेल चुपरे हवय।
47 एकरसेति मेंह तोला कहत हंव, ओकर बहुंत पाप छेमा करे गे हवय; ये बात ह ओकर बहुंत मया ले साबित
होवत हे। पर जेकर थोरकन छेमा करे गीस, ओह थोरकन मया करथे।”
48 तब यीसू ह ओ माईलोगन ले कहिस, “तोर पाप छेमा हो गीस।”
49 तब जऊन मन यीसू के संग खाय बर बईठे रिहिन, ओमन अपन बीच म कहे लगिन, “येह कोन ए, जऊन ह
पाप ला घलो छेमा करथे।”
50 यीसू ह ओ माईलोगन ले कहिस, “तोर बिसवास ह तोर उद्धार करे हवय, सांति म जा।”

8

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 13:1-9; [illegible] 4:1-9)

1 एकर बाद, यीसू ह बारह चेलामन संग सहर-सहर अऊ गांव-गंवई मन म जाके परमेसर के राज के सुघर
संदेस के परचार करिस।
2 ओकर बारह चेलामन ओकर संग रिहिन, अऊ कुछू माईलोगनमन घलो जऊन मन ला दुस्ट आतमा अऊ
बेमारीमन ले ठीक करे गे रिहिस, ओकर संग रिहिन। ओमन ये रिहिन: मरियम जऊन ला मगदलिनी कहे
जावय—जेमा ले सात ठन परेत आतमा निकाले गे रिहिस;
3 हेरोदेस के घर के देखरेख करइया खोजा के घरवाली—योअन्ना, सूसन्ना अऊ बहुंत आने माईलोगनमन। ये
माईलोगनमन अपन साधन ले यीसू अऊ ओकर चेलामन के मदद करत रिहिन।
4 जब एक बड़े भीड़ ह जूरत रिहिस अऊ आने सहर ले मनखेमन यीसू करा आवत रिहिन, तब ओह ये पटंतर
कहिस:
5 “एक किसान ह बीज बोय बर निकलिस। जब ओह बोवत रिहिस, त कुछू बीजामन रसता के तीर म गिरिन;
ओमन गोड़ खाल्हे कुचरे गीन, अऊ अकास के चिरईमन ओला खा लीन।
6 कुछू बीजामन पथर्री भुइयां ऊपर गिरिन अऊ ओमन जामिन, पर ओमन पानी के नमी नइं मिले के कारन
सूख गीन।
7 कुछू बीजामन कंटिली झाड़ीमन के बीच म गिरिन अऊ ओ झाड़ीमन बढ़के ओमन ला दबा दीन।
8 अऊ कुछू बीजामन बने भुइयां म गिरिन। ओमन बाढ़िन अऊ जतेक बोय गे रिहिस ओकर ले सौ गुना जादा
फसल लाईन।”
ये कहे के बाद, यीसू ह चिचियाके कहिस, “जेकर सुने के कान हवय, ओह सुन ले।”
9 ओकर चेलामन ओकर ले पुछिन, “ये पटंतर के का मतलब होथे?”
10 ओह कहिस, “तुमन ला परमेसर के राज के भेद के गियान देय गे हवय, पर आने मन ले मेंह पटंतर म
गोठियाथंव, ताकि,
“ ‘देखत ले घलो, ओमन झन देख सकंय;
अऊ सुनत ले घलो, ओमन झन समझ सकंय।’*
11 “पटंतर के ये मतलब अय: बीजा ह परमेसर के बचन ए।
12 डहार के तीर म गिरे बीजा ह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला सुनथें; पर सैतान ह आथे, अऊ ओमन के
हिरदय ले बचन ला ले जाथे, ताकि ओमन बिसवास नइं कर सकंय अऊ ओमन के उद्धार नइं होवय।
13 पथर्री भुइयां के ऊपर गिरे बीजा ह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला आनंद सहित गरहन करथें जब ओमन
येला सुनथें, पर ओमन म जरी नइं रहय। ओमन कुछू समय बर बिसवास करथें, पर परखे जाय के समय म ओमन
गिर जाथें।

* **8:10** यसा 6:9

14 ओ बीजा जऊन ह कंटिली झाड़ीमन के बीच म गिरिस, ओह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला सुनथें, पर
आघू चलके ओमन ये जिनगी के चिंता, धन अऊ भोग-बिलास म फंस जाथें, अऊ ओमन विकसित नइं होवंय।
15 पर ओ बीजा जऊन ह बने भुइयां म गिरिस, ओह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला सुनथें, अऊ येला
सच्चा अऊ बने हिरदय म रखथें, अऊ लगातार फर लाथें।

[illegible]
([illegible] 4:21-25)

16 "कोनो मनखे दीया ला बारके ओला बड़े कटोरा म नइं ढांपय या खटिया के खाल्हे म नइं मढ़ाय। पर ओह
दीया ला दीवट ऊपर रखथे, ताकि जऊन मन भीतर आवंय, ओमन अंजोर ला देखंय।
17 काबरकि कुछू भी बात छिपे नइं ए, जऊन ला उघारे नइं जाही, अऊ कुछू भी ढंके नइं ए, जऊन ला बताय
नइं जाही या जेकर खुलासा नइं करे जाही।
18 एकरसेति, सचेत रहव कि तुमन कइसने सुनथव। जेकर करा हवय, ओला अऊ दिये जाही; अऊ जेकर करा
नइं ए, ओकर ले ओला घलो ले लिये जाही, जऊन ला ओह अपन समझथे।"

[illegible]
([illegible] 12:46-50; [illegible] 3:31-35)

19 यीसू के दाई अऊ भाईमन ओला देखे बर आईन, पर भीड़ के मारे ओमन ओकर करा नइं जा सकिन।
20 एक झन ह यीसू ला कहिस, "तोर दाई अऊ भाईमन बाहिर ठाढ़े हवंय, अऊ तोला देखे बर चाहथें।"
21 यीसू ह ओ जम्मो झन ला कहिस, "मोर दाई अऊ भाई ओमन अंय, जऊन मन परमेसर के बचन ला सुनथें
अऊ ओला मानथें।"

[illegible]
([illegible] 8:23-27; [illegible] 4:35-41)

22 एक दिन यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, "आवव, हमन झील के ओ पार चलन।" तब ओमन डोंगा म
चघिन अऊ जाय लगिन।
23 जब ओमन डोंगा ला खेवत रिहिन, त यीसू ह सुत भुलाईस। तब झील के ऊपर एक आंधी चलिस, अऊ
डोंगा ह पानी ले भरे लगिस, अऊ ओमन बड़े जोखिम म पड़ गीन।
24 चेलामन यीसू करा गीन अऊ ओला उठाके कहिन, "मालिक, मालिक, हमन पानी म बुड़इया हवन।"
यीसू ह उठिस, अऊ आंधी अऊ उफनत पानी ला दबकारिस। ओमन थम गीन अऊ जम्मो ह सांत हो गीस।
25 तब यीसू ह अपन चेलामन ले कहिस, "तुम्हर बिसवास ह कहां हवय?"
ओमन म डर हमा गे अऊ अचम्भो करके एक-दूसर ला कहिन, "येह कोन ए? येह आंधी अऊ पानी ला घलो
हुकूम देथे अऊ ओमन एकर हुकूम मानथें।"

[illegible]
([illegible] 8:28-34; [illegible] 5:1-20)

26 ओमन डोंगा ला खेवत गिरासेनीमन के इलाका म हबरिन, जऊन ह झील के ओ पार, गलील के उल्टा दिग
म हवय।
27 जब यीसू ह झील के तीर म उतरिस, त ओला ओ सहर के एक मनखे मिलिस, जऊन म परेत आतमामन
रिहिन। ओ मनखे ह कतको दिन ले कपड़ा नइं पहिरत रिहिस अऊ न ही घर म रहत रिहिस, पर ओह मरघटी म
रहत रहय।
28 जब ओह यीसू ला देखिस, त नरियाईस अऊ यीसू के गोड़ खाल्हे गिरिस, अऊ अब्बड़ चिचियाके कहिस,
"हे यीसू, सर्वोच्च परमेसर के बेटा! मोर ले तोला का काम? मेंह तोर ले बिनती करत हंव कि मोला पीरा झन दे।"
29 काबरकि यीसू ह असुध आतमा ला ओ मनखे म ले बाहिर निकले के हुकूम देय रिहिस। कतको बार ले परेत
आतमा ह ओला पटके रिहिस, अऊ ओकर हांथ अऊ गोड़मन संकली म बंधाय रिहिन अऊ ओह निगरानी म
रहय, पर ओह संकलीमन ला टोर देवत रहय अऊ परेत आतमा के दुवारा ओह निरजन जगह म भगाय गे रहय।
30 यीसू ह ओकर ले पुछिस, "तोर का नांव ए?"
ओह कहिस, "एक बड़े सेना," काबरकि बहुंत परेत आतमामन ओमा हमाय रहंय।
31 ओ परेत आतमामन यीसू ले बिनती करिन कि ओह ओमन ला अथाह कुन्ड† म जाय के हुकूम झन देवय।

† **8:31** *[illegible]* ओ जगह अय, जिहां परेत आतमामन ला सजा दिये जाही।

32 उहां पठार कोति सुरामन के एक बड़े खेरखा ह चरत रहय। परेत आतमामन यीसू ले बिनती करिन कि ओह
ओमन ला सुरामन म जावन दे अऊ ओह ओमन ला जावन दीस।
33 तब परेत आतमामन ओ मनखे ले बाहिर निकलिन, अऊ सुरामन म हमा गीन, अऊ सुरामन के जम्मो झुंड
ह तीर म निकले पथरा ले झील म झपटके कूदिस अऊ बुड़ मरिस।
34 जब सूरा चरइयामन ये घटना ला देखिन, त ओमन भाग गीन, अऊ सहर अऊ गांव-गंवई म ये बात ला
बताईन।
35 तब जऊन कुछू होय रिहिस, ओला देखे बर मनखेमन बाहिर निकलिन। जब ओमन यीसू करा आईन, त
ओमन ओ मनखे ला, जऊन म ले परेत आतमामन निकले रिहिन, यीसू के गोड़ करा बईठे देखिन। ओह कपड़ा
पहिरे अपन सही हालत म रहय; अऊ ओमन डरा गीन।
36 जऊन मन येला अपन आंखी ले देखे रिहिन, ओमन मनखेमन ला बताईन कि परेत आतमा के धरे मनखे ह
कइसने चंगा होईस।
37 तब गिरासेनी इलाका के जम्मो मनखेमन यीसू ला कहिन कि ओह उहां ले चले जावय, काबरकि ओमन
बहुंत डरा गे रिहिन। एकरसेति ओह डोंगा में चघिस अऊ चले गीस।
38 जऊन मनखे ले परेत आतमामन निकले रिहिन, ओह यीसू ले बिनती करिस, "मोला तोर संग जावन दे।"
पर यीसू ह ओला ये कहिके बिदा करिस,
39 "अपन घर ला लहुंट जा, अऊ मनखेमन ला बता कि परमेसर ह तोर बर कतेक बड़े काम करे हवय।" ओ
मनखे ह चले गीस अऊ जम्मो सहर म बताईस कि यीसू ह ओकर बर कतेक बड़े काम करिस।

[illegible]
(मत्ती 9:18-26; मरकुस 5:21-43)

40 जब यीसू ह झील के ओ पार वापिस लहुंटिस, त मनखेमन के एक भीड़ ह ओकर सुवागत करिस, काबरकि
ओ जम्मो झन ओकर बाट जोहत रिहिन।
41 तभे, याईर नांव के सभा-घर के एक अधिकारी आईस अऊ यीसू के गोड़ खाल्हे गिरके बिनती करिस कि
यीसू ह ओकर घर म आवय,
42 काबरकि ओकर बारह बछर के एके झन बेटी ह मरइया रिहिस।
जब यीसू ह जावत रिहिस, त ओह भीड़ के मारे दबे जावत रहय।
43 अऊ उहां एक झन माईलोगन रहय, जऊन ला बारह बछर ले लहू बहे के बेमारी रिहिस,‡ पर ओला कोनो
बईद बने नइं कर सके रिहिन।
44 ओह यीसू के पाछू ले आईस अऊ ओकर कपड़ा के छोर ला छुईस, अऊ तुरते ओकर लहू बहई बंद हो गीस।
45 यीसू ह पुछिस, "मोला कोन ह छुईस?" जब ओ जम्मो झन इनकार करिन, तब पतरस ह कहिस, "हे
मालिक, मनखेमन के भीड़ तोर चारों कोति हवय अऊ तोर ऊपर गिरे पड़त हवय।"
46 पर यीसू ह कहिस, "कोनो मोला छुए हवय, काबरकि मेंह जानत हंव कि मोर म ले सामर्थ निकले हवय।"
47 जब ओ माईलोगन ह देखिस कि ओह छिपे नइं रह सकय, तब ओह कांपत आईस अऊ यीसू के गोड़ खाल्हे
गिरिस। अऊ जम्मो मनखेमन के आघू म ओह कारन बताईस कि काबर ओह यीसू ला छुईस अऊ कइसने ओह
तुरते चंगा हो गीस।
48 तब यीसू ह ओला कहिस, "बेटी, तोर बिसवास ह तोला ठीक करे हवय। सांति म जा।"
49 जब यीसू ह ये बात कहत रिहिस, तभे सभा-घर के अधिकारी याईर के घर ले एक झन मनखे आईस अऊ
कहिस, "तोर बेटी ह काल कर दारिस, गुरू ला अऊ तकलीफ झन दे।"
50 येला सुनके, यीसू ह याईर ला कहिस, "झन डर; सिरिप बिसवास रख, त ओह बच जाही।"
51 जब यीसू ह याईर के घर म आईस, त ओह पतरस, यूहन्ना, याकूब अऊ लइका के दाई-ददा ला छोंड़के
अऊ एको झन ला अपन संग भीतर नइं आवन दीस।
52 जम्मो मनखेमन ओ लइका बर रोवत अऊ दुख मनावत रहंय। यीसू ह कहिस, "झन रोवव, काबरकि
लइका ह मरे नइं ए, पर ओह सुतत हवय।"

‡ **8:43** बहुंते हस्तलिपि म *[illegible]*

53 ओमन ये बात ला जानत रिहिन कि ओ छोकरी ह मर गे हवय, एकरसेति ओमन यीसू के ऊपर हंसे लगिन।
54 पर यीसू ह छोकरी के हांथ ला पकड़िस अऊ कहिस, "हे मोर लइका, उठ!"
55 ओ छोकरी के परान लहुंट आईस, अऊ तुरते ओह ठाढ़ हो गीस। तब यीसू ह ओमन ला कहिस कि ओला कुछू खाय बर देवंय।
56 ओकर दाई-ददा चकित हो गीन, पर यीसू ह ओमन ला ये हुकूम दीस कि जऊन कुछू होय रिहिस, ओकर बारे म कोनो ला झन बतावंय।

9

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 10:5-15; [illegible] 6:7-13)

1 यीसू ह अपन बारह चेलामन ला एक संग बलाईस, अऊ ओह ओमन ला जम्मो परेत आतमामन ला निकाले अऊ बेमारीमन ला ठीक करे के सामर्थ अऊ अधिकार दीस,
2 अऊ ओह ओमन ला परमेसर के राज के परचार करे बर अऊ बिमरहामन ला बने करे बर पठोईस।
3 ओह ओमन ला कहिस, "डहार बर कुछू झन लेवव—न चले के लउठी, न झोला, न रोटी, न रूपिया-पईसा, अऊ न अतकिहा कुरता रखव।
4 जऊन भी घर म तुमन जावव, त ओ सहर ला छोंड़त तक ओहीच घर म ठहिरव।
5 जिहां मनखेमन तुमन ला गरहन नइं करंय, त जब ओ नगर ले जावव, त अपन गोड़ के धुर्रा ला झर्रा देवव ताकि येह ओमन के बिरूध एक गवाही होवय।"
6 तब चेलामन उहां ले चल दीन, अऊ ओमन गांव-गांव म सुघर संदेस के परचार करत अऊ हर एक जगह मनखेमन ला बेमारी ले ठीक करत गीन।
7 गलील म राज-करइया हेरोदेस ह जऊन कुछू होवत रहय, ओ जम्मो के बारे म सुनिस, त ओह दुबिधा म पड़ गीस, काबरकि कुछू मनखेमन कहत रिहिन कि यूहन्ना ह मरे मन ले जी उठे हवय;
8 आने मन कहत रिहिन कि एलियाह ह परगट होय हवय, जबकि अऊ आने मन कहंय कि बहुंत पहिली के अगमजानीमन ले एक झन जी उठे हवय।
9 पर हेरोदेस ह कहिस, "यूहन्ना के मुड़ ला तो मेंह कटवा दे रहेंव। पर ये मनखे कोन ए, जेकर बारे म मेंह अइसने बात सुनत हवंव।" अऊ ओह यीसू ला देखे के कोसिस करिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:13-21; [illegible] 6:30-44; [illegible] 6:1-14)

10 जब प्रेरितमन लहुंटके आईन, त जऊन कुछू ओमन करे रिहिन, ओ जम्मो बात यीसू ला बताईन। तब यीसू ह ओमन ला अपन संग लीस अऊ ओमन बैतसैदा नांव के एक नगर म चल दीन।
11 पर मनखेमन के भीड़ ला ये बात के पता चल गीस अऊ ओमन ओकर पाछू गीन। यीसू ह ओमन के सुवागत करिस अऊ ओमन ले परमेसर के राज के बारे म गोठियाय लगिस अऊ जऊन मन बेमारी ले बने होय चाहत रिहिन, ओमन ला चंगा करिस।
12 जब बेरा ह ढरक गे, तब बारहों चेलामन यीसू करा आके कहिन, "ये भीड़ ला जावन दे ताकि ओमन आसपास के गांव अऊ बस्ती म जावंय, अऊ अपन खाय अऊ रहे के परबंध करंय, काबरकि हमन इहां सुनसान जगह म हवन।"
13 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, "तुमन ओमन ला कुछू खाय बर देवव।"
ओमन कहिन, "हमर करा सिरिप पांच ठन रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय। यदि हमन जाके ये जम्मो भीड़ बर खाना बिसोवन, त येह हो सकथे।"
14 (उहां करीब पांच हजार आदमीमन रिहिन।)
पर यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, "हर एक मनखेमन ला करीब पचास-पचास के दल बनाके बईठा देवव।"
15 चेलामन अइसनेच करिन अऊ ओमन जम्मो झन ला बईठा दीन।
16 तब यीसू ह पांचों रोटी अऊ दूनों मछरी ला लीस अऊ स्वरग कोति देखके ओह परमेसर ला धनबाद दीस, अऊ रोटी अऊ मछरीमन ला टोरिस अऊ चेलामन ला देवत गीस कि ओमन मनखेमन ला परोसंय।

17 ओ जम्मो झन खाईन अऊ खाके अघा गीन। चेलामन बांचे-खुचे टुकड़ा के बारह टुकना भर के उठाईन।

[illegible]
(मत्ती 16:13-20; मरकुस 8:27-30)

18 एक दिन यीसू ह एके झन पराथना करत रिहिस अऊ ओकर चेलामन ओकर संग रिहिन, त ओह ओमन ले
पुछिस, "मनखेमन मोला कोन ए कहिथें?"
19 ओमन जबाब दीन, "कुछू मनखेमन कहिथें—यूहन्ना बतिसमा देवइया; पर आने मन कहिथें—एलियाह;
जबकि अऊ आने मन कहिथें कि बहुंत पहिली के अगमजानीमन ले एक झन जी उठे हवय।"
20 यीसू ह ओमन ले पुछिस, "पर तुमन मोला कोन ए कहिथव?"
पतरस ह जबाब दीस, "तेंह परमेसर के मसीह अस।"

[illegible]

21 यीसू ह ओमन ला बने करके चेताके कहिस कि ओमन ये बात कोनो ला झन बतावंय।
22 अऊ ओह कहिस, "येह जरूरी ए कि मनखे के बेटा ह बहुंत दुख भोगय अऊ अगुवा, मुखिया पुरोहित अऊ
कानून के गुरूमन के दुवारा तिरस्कार करे जावय, अऊ जरूरी ए कि ओह मार डारे जावय अऊ तीसरा दिन जी
उठय।"
23 अऊ ओह ओ जम्मो झन ला कहिस: "यदि कोनो मोर पाछू आय चाहथे, त येह जरूरी ए कि ओह अपन
ईछा ला मारय अऊ हर दिन दुख उठाय बर तियार रहय अऊ तब मोर पाछू हो लेवय।
24 काबरकि जऊन कोनो अपन जिनगी ला बचाय चाहथे, ओह ओला गंवाही, पर जऊन कोनो मोर खातिर
अपन जिनगी ला गंवाथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाही।
25 यदि एक मनखे ह जम्मो संसार ला पा जाथे, पर अपन जिनगी ला गंवा देथे या अपन परान के हानि उठाथे,
त ओला का लाभ?
26 यदि कोनो मोर ले अऊ मोर बचन ले लजाथे, त मनखे के बेटा ह घलो ओकर ले लजाही, जब ओह अपन
महिमा अऊ ददा अऊ पबितर स्वरगदूतमन के महिमा संग आही।
27 "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि कुछू झन, जऊन मन इहां ठाढ़े हवंय, तब तक नइं मरंय, जब तक कि
ओमन परमेसर के राज ला नइं देख लीहीं।"

[illegible]
(मत्ती 17:1-8; मरकुस 9:2-8)

28 यीसू के ये कहे के करीब आठ दिन के बाद, ओह पतरस, यूहन्ना, अऊ याकूब ला अपन संग लीस अऊ एक
ठन पहाड़ म पराथना करे बर गीस।
29 जब ओह पराथना करत रिहिस, त ओकर चेहरा के रूप ह बदल गीस अऊ ओकर कपड़ा ह पंर्रा होके बहुंत
चमके लगिस।
30 अऊ दू झन मनखे मूसा अऊ एलियाह महिमा म परगट होईन अऊ यीसू संग गोठियावत रिहिन।
31 ओमन यीसू के मरे के समय के बारे म बातचीत करत रिहिन, जऊन ला यीसू ह यरूसलेम म पूरा करइया
रिहिस।
32 पतरस अऊ ओकर संगवारीमन बहुंत नींद म रहंय, पर जब ओमन जागिन, त ओमन यीसू के महिमा अऊ
दू झन मनखे ला ओकर संग ठाढ़े देखिन।
33 जब दूनों मनखे ओकर करा ले जाय लगिन, तब पतरस ह यीसू ला कहिस, "हे मालिक, हमन के इहां रहई
बने अय। हमन तीन ठन मंडप बनाथन—एक तोर बर, एक मूसा बर अऊ एक ठन एलियाह बर।" (ओह नइं
जानत रहय कि ओह का कहत रिहिस।)
34 जब ओह गोठियावत रिहिस, त एक बादर ह आईस अऊ ओमन ला ढांप लीस अऊ ओमन डरा गीन जब
ओमन बादर म हमाईन।
35 बादर म ले ये अवाज आईस, "येह मोर बेटा ए, जऊन ला मेंह चुने हवंव; एकर बात ला सुनव।"
36 जब अवाज ह बंद हो गीस, त ओमन यीसू ला एके झन पाईन। चेलामन ये बात ला चुप होके अपन म
रखिन, अऊ जऊन कुछू ओमन देखे रिहिन, ओला ओ समय कोनो ला नइं बताईन।

[illegible]
([illegible] 17:14-18; [illegible] 9:14-27)

37 दूसर दिन जब ओमन पहाड़ ले उतरिन, त एक बड़े भीड़ ह यीसू ले मिलिस।
38 भीड़ म ले एक मनखे ह चिचियाके कहिस, "हे गुरू, मेंह तोर ले बिनती करत हंव कि मोर बेटा ला देख; ओह
मोर एके झन लइका ए।
39 एक परेत आतमा ओला पकड़थे अऊ ओह अचानक चिचियाथे; ओह ओला अइसने अइंठथे कि ओकर मुहूं
ले झाग निकलथे; ओह ओला मुसकुल से छोंड़थे अऊ ओह ओला नास करत हवय।
40 मेंह तोर चेलामन ले बिनती करंव कि ओमन ओला निकाल देवंय, पर ओमन ओला नइं निकाल सकिन।"
41 यीसू ह जबाब दीस, "हे अबिसवासी अऊ ढीठ पीढ़ी के मनखेमन, कब तक मेंह तुम्हर संग रहिहूं अऊ
तुम्हर सहत रहिहूं? तोर बेटा ला इहां लान।"
42 जब छोकरा ह आवत रिहिस, त परेत आतमा ह ओला भुइयां म पटकके अइंठिस। पर यीसू ह असुध
आतमा ला दबकारिस अऊ ओ छोकरा ला बने करिस अऊ ओला ओकर ददा ला सऊंप दीस।
43 अऊ ओमन जम्मो झन परमेसर के महान सामर्थ ला देखके चकित हो गीन।
जब जम्मो झन यीसू के काम ला देखके अचम्भो करत रिहिन, त ओह अपन चेलामन ला कहिस,
44 "जऊन बात मेंह तुमन ला कहइया हंव, ओला धियान देके सुनव: मनखे के बेटा ह मनखेमन के हांथ म
पकड़वाय जाही।"
45 पर ओमन नइं जानिन कि ये बात के का मतलब ए। येला ओमन ले छुपाय गे रिहिस, ताकि ओमन येला
झन समझंय अऊ ओमन एकर बारे म यीसू ले पुछे बर डरावत रिहिन।

[illegible]?
([illegible] 18:1-5; [illegible] 9:33-37)

46 चेलामन के बीच म ये बहस होय लगिस कि ओमन म सबले बड़े कोन होही?
47 यीसू ह ओमन के मन के बिचार ला जानके, एक छोटे लइका ला लीस अऊ अपन बाजू म ठाढ़ करिस
48 अऊ ओमन ला कहिस, "जऊन कोनो ये छोटे लइका ला मोर नांव म गरहन करथे, ओह मोला गरहन
करथे; अऊ जऊन कोनो मोला गरहन करथे, ओह ओला गरहन करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। काबरकि
जऊन ह तुम्हर जम्मो झन के बीच म सबले छोटे ए, ओही ह सबले बड़े ए।"
49 यूहन्ना ह यीसू ला कहिस, "हे परभू, हमन एक मनखे ला तोर नांव म परेत आतमामन ला निकालत देखेंन
अऊ हमन ओला अइसने करे बर मना करेंन, काबरकि ओह हमन म ले नो हय।"
50 यीसू ह कहिस, "ओला झन रोकव, काबरकि जऊन ह तुम्हर बिरोध म नइं ए, ओह तुम्हर कोति हवय।"

[illegible]

51 जब यीसू के स्वरग म उठाय जाय के दिन ह लकठा आईस, त ओह यरूसलेम जाय बर पूरा ठान लीस,
52 अऊ ओह अपन आघू संदेसियामन ला पठोईस। ओमन सामरीमन के एक ठन गांव म गीन कि यीसू बर
जम्मो चीज ला तियार करंय,
53 पर मनखेमन उहां यीसू ला स्वीकार नइं करिन, काबरकि ओह यरूसलेम जावत रिहिस।
54 जब यीसू के चेला याकूब अऊ यूहन्ना येला देखिन, त ओमन कहिन, "हे परभू, का तेंह चाहथस कि हमन
हुकूम देवन कि अकास ले आगी गिरय अऊ ये सामरीमन ला नास कर देवय।"
55 पर यीसू ह पलटिस अऊ ओमन ला दबकारिस।
56 तब ओमन आने गांव ला चल दीन।

[illegible]
([illegible] 8:19-22)

57 जब ओमन डहार म जावत रिहिन, त एक मनखे ह यीसू ला कहिस, "तेंह जिहां कहूं घलो जाबे, मेंह तोर
पाछू-पाछू चलहूं।"
58 यीसू ह ओला कहिस, "कोलिहामन बर रहे के बिल हवय अऊ अकास के चिरईमन के बसेरा हवय, पर मनखे
के बेटा के मुड़ ला थेबे बर घलो कोनो जगह नइं ए।"
59 यीसू ह आने मनखे ला कहिस, "मोर पाछू हो ले।"

पर ओ मनखे ह जबाब दीस, “हे परभू, पहिली मोला जावन दे कि मेंह अपन मरे ददा ला माटी दे दंव।”
60 यीसू ह ओला कहिस, “मुरदामन ला अपन मुरदा गाड़न दे, पर तेंह जा अऊ परमेसर के राज के परचार
कर।”
61 एक अऊ मनखे ह कहिस, “मेंह तोर पाछू चलहूं, परभू; पर पहिली मोला जावन दे कि मेंह अपन परिवार के
मनखेमन ले बिदा होके आवंव।”
62 यीसू ह ओला कहिस, “जऊन कोनो हांथ ले मुठिया पकड़के नांगर जोते के सुरू करथे अऊ बार-बार मुड़के
पाछू ला देखथे, ओह परमेसर के राज के लईक नो हय।”

10

[illegible]

1 एकर बाद, परभू ह अऊ आने बहत्तर मनखेमन ला चुनिस। जऊन-जऊन सहर अऊ जगह म ओह खुदे
जवइया रिहिस, उहां ओमन ला दू-दू झन करके अपन आघू पठोईस।
2 यीसू ह ओमन ला कहिस, “खेत म फसल तो बहुंते हवय, पर बनिहारमन थोरकन हवंय। एकरसेति, फसल के
मालिक ले बिनती करव कि ओह अपन फसल ला लुए बर बनिहारमन ला पठोवय।
3 जावव! मेंह तुमन ला मेढ़ा-पीलामन सहीं भेड़ियामन के बीच म पठोवत हंव।
4 अपन संग म पईसा रखे के थैली या झोला या पनही झन लेवव; अऊ डहार म कोनो ला जोहार झन करव।
5 “जब तुमन कोनो घर म जावव, त पहिली ये कहव, ‘ये घर म सांति होवय,’
6 यदि उहां कोनो सांति के लईक होही, त तुम्हर सांति ह ओकर ऊपर ठहिरही, नइं तो येह तुम्हर करा लहुंट
आही।
7 ओहीच घर म ठहिरव, अऊ जऊन कुछू ओमन तुमन ला देथें—खावव अऊ पीयव, काबरकि बनिहार ला
ओकर बनी मिलना चाही। घर-घर झन फिरत रहव।
8 “जब तुमन कोनो सहर म जावव अऊ मनखेमन उहां तुम्हर सुवागत करथें, त जऊन कुछू तुमन ला परोसे
जावय, ओला खावव।
9 उहां के बेमार मनखेमन ला बने करव अऊ ओमन ला कहव, ‘परमेसर के राज ह तुम्हर लकठा म आ गे हवय।’
10 पर जब तुमन कोनो सहर म जावव अऊ मनखेमन उहां तुम्हर सुवागत नइं करंय, त उहां के सड़कमन म
जावव अऊ कहव,
11 ‘अऊ त अऊ तुम्हर सहर के धुर्रा ला घलो जऊन ह हमर गोड़ म लगे हवय, हमन तुमन ला चेतउनी के रूप
म झर्रा देवत हन। तभो ले तुमन येला निस्चित रूप से जान लेवव कि परमेसर के राज ह लकठा म आ गे हवय।’
12 मेंह तुमन ला कहत हंव कि नियाय के दिन म परमेसर ह सदोम सहर के ऊपर जादा दया करही, एकर
बनिस्पत कि ओ सहर ऊपर।
13 “धिक्कार ए तोला, खुराजीन! धिक्कार ए तोला, बैतसैदा। जऊन चमतकार के काम तुमन म करे गीस,
यदि ओ काम सूर अऊ सीदोन सहर म करे गे होतिस, त ओमन बहुंत पहिली टाट के कपड़ा ओढ़के अऊ राख म
बईठके पछ्ताप कर चुके होतिन।
14 पर परमेसर ह नियाय के दिन सूर अऊ सीदोन सहर के मनखेमन ऊपर जादा दया करही, एकर बनिस्पत कि
तुम्हर ऊपर।
15 अऊ तें कफरनहूम! का तेंह अकास तक ऊंचा उठाय जाबे! नइं! तेंह खाल्हे पाताल-लोक* ला चले जाबे।
16 “जऊन कोनो तुम्हर बात ला सुनथे, ओह मोर बात ला सुनथे। जऊन कोनो तुमन ला स्वीकार नइं करय,
ओह मोला स्वीकार नइं करय; अऊ जऊन कोनो मोला स्वीकार नइं करय, ओह परमेसर ला स्वीकार नइं करय,
जऊन ह मोला पठोय हवय।”
17 बाद म, जब ओ बहत्तर मनखेमन आनंद सहित लहुंटिन अऊ कहिन, “हे परभू, अऊ त अऊ परेत
आतमामन हमर बस म हो गीन, जब हमन ओमन ला तोर नांव म हुकूम देंन।”
18 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह सैतान ला बिजली सहीं स्वरग ले गिरत देखेंव।

* **10:15** मिरतू-लोक

19 सुनव! मेंह तुमन ला अधिकार दे हवंव कि तुमन सांप अऊ बिच्छूमन ला गोड़ ले कुचरव अऊ सैतान के
जम्मो सक्ति ऊपर जय पावव, अऊ कोनो चीज ले तुम्हर हानि नइं होही।
20 पर ये बात खातिर आनंद झन मनावव कि परेत आतमामन तुम्हर बस म हो जाथें, पर ये बात खातिर आनंद
मनावव कि तुम्हर नांव ह स्वरग म परमेसर के किताब म लिखाय हवय।"
21 ओही बेरा यीसू ह पबितर आतमा के दुवारा आनंद ले भर गीस अऊ कहिस, "हे ददा, स्वरग अऊ धरती के
परभू, मेंह तोर धनबाद करत हंव, काबरकि तेंह ये बातमन ला बुद्धिमान अऊ गियानी मनखेमन ले छुपाय रखय,
पर येला छोटे लइकामन ऊपर परगट करय। हव, ददा, ये काम करे म तोला खुसी होईस।
22 "मोर ददा ह मोला जम्मो चीज ला सऊंप दे हवय। ददा के छोंड़ अऊ कोनो बेटा ला नइं जानंय, अऊ ददा
ला कोनो नइं जानंय, सिरिप बेटा ह जानथे अऊ ओमन घलो जानथें, जऊन मन ला बेटा ह चुनथे कि ओमन
ऊपर ददा ला उजागर करे।"
23 तब यीसू ह अपन चेलामन कोति मुहूं करके ओमन ला चुपेचाप कहिस, "धइन अंय ओ मनखेमन, जऊन
मन ये चीजमन ला देखथें, जऊन ला तुमन देखत हवव।
24 काबरकि मेंह तुमन ला कहथंव कि कतको अगमजानी अऊ राजामन चाहिन कि जऊन चीज ला तुमन
देखत हवव, ओला देखंय, पर देख नइं सकिन, अऊ ओमन चाहिन कि जऊन बात ला तुमन सुनत हव, ओला
सुनंय, पर ओमन सुन नइं सकिन।"

[illegible]

25 एक बार अइसने होईस कि मूसा के कानून के एक जानकार ह ठाढ़ होईस अऊ यीसू ला परखे बर ओह
कहिस, "हे गुरू, परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाय बर मेंह का करंव।"
26 यीसू ह ओला कहिस, "मूसा के दुवारा लिखे कानून ह का कहिथे? तेंह येला कइसने समझथस?"
27 ओ मनखे ह जबाब दीस, "परभू अपन परमेसर ले अपन पूरा हिरदय अऊ अपन पूरा परान अऊ अपन पूरा
सक्ति अऊ अपन पूरा मन ले मया करव† अऊ अपन परोसी ला अपन सहीं मया करव।"‡
28 यीसू ह कहिस, "तेंह सही जबाब दे हवस, अइसनेच कर, त तेंह जीयत रहिबे।"
29 पर ओ मनखे ह अपनआप ला सही ठहिराय चाहत रिहिस, एकरसेति ओह यीसू ले पुछिस, "मोर परोसी
कोन ए?"
30 यीसू ह ये जबाब दीस, "एक मनखे ह यरूसलेम सहर ले यरीहो सहर जावत रिहिस अऊ डहार म ओह
डाकूमन के हांथ म पड़ गीस। डाकूमन ओकर कपड़ा ला उतार लीन, ओला मारिन-पीटिन अऊ ओला अधमरहा
छोंड़के चले गीन।
31 अइसने होईस कि एक पुरोहित ह ओहीच डहार म जावत रहय, अऊ जब ओह ओ मनखे ला उहां पड़े
देखिस, त ओह आने कोति ले कतरा के निकल गीस।
32 अइसनेच एक लेवी घलो उहां आईस अऊ ओ मनखे ला देखिस, अऊ आने कोति ले कतरा के चल दीस।
33 पर एक सामरी मनखे जऊन ह ओ डहार म जावत रिहिस; ओ मनखे करा हबरिस, अऊ जब ओला देखिस,
त ओ सामरी मनखे ला ओकर ऊपर दया आईस।
34 ओह ओकर करा गीस अऊ ओकर घावमन म तेल अऊ अंगूर के मंद डारके ओमा पट्टी बांधिस। तब ओह
ओ मनखे ला अपन खुद के गदहा ऊपर चघाईस अऊ ओला एक ठन धरमसाला म ले गीस अऊ ओकर देखभाल
करिस।
35 दूसर दिन ओह दू ठन दीनार निकालिस अऊ ओला धरमसाला के रखवार ला देके कहिस, 'तें एकर देखभाल
कर, अऊ जब मेंह लहुंटके आहूं, त तोर जऊन अतकिहा खरचा ओकर ऊपर होही, तोला वापिस कर दूहूं।' "
36 अब यीसू ह कानून के जानकार ले पुछिस, "तोर बिचार म, ओ तीनों म ले कोन ह ओ मनखे के परोसी
होईस, जऊन ह डाकूमन के हांथ म पड़ गे रिहिस?"
37 कानून के जानकार ह कहिस, "ओ मनखे जऊन ह ओकर ऊपर दया करिस।" यीसू ह ओला कहिस, "तेंह जा
अऊ वइसनेच कर।"

[illegible]

† **10:27** ब्यव 6:5 ‡ **10:27** लैव्य 19:18

38 यीसू अऊ ओकर चेलामन जावत रिहिन, त ओमन एक गांव म आईन। उहां मारथा नांव के एक माईलोगन
ह ओला अपन घर म ठहिराईस।
39 ओकर मरियम नांव के एक बहिनी रिहिस, जऊन ह परभू के गोड़ खाल्हे बईठके ओकर उपदेस ला सुनत
रिहिस।
40 पर मारथा ह बहुंत काम करत बिचलित हो गीस; अऊ ओह परभू करा आके कहिस, "हे परभू, का तोला
कुछू धियान नइं ए कि मोर बहिनी ह मोला काम करे बर एके झन छोंड़ दे हवय? ओला कह कि ओह मोर मदद
करय।"
41 परभू ह ओला जबाब दीस, "मारथा, हे मारथा, तेंह बहुंते बातमन के बिसय म चिंता करथस अऊ परेसान
होथस,
42 पर सिरिप एके ठन बात के जरूरत हवय। मरियम ह उत्तम भाग ला चुन ले हवय, अऊ येला ओकर ले
अलग नइं करे जावय।"

11

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 6:9-13)

1 एक दिन यीसू ह एक जगह म पराथना करत रिहिस। जब ओह पराथना कर लीस, त ओकर एक झन चेला
ह ओला कहिस, "हे परभू, जइसने यूहन्ना बतिसमा देवइया ह अपन चेलामन ला पराथना करे बर सिखोय
रिहिस, वइसने तेंह घलो हमन ला पराथना करे बर सिखा।"
2 यीसू ह ओमन ला कहिस, "जब तुमन पराथना करव, त अइसने कहव:
" 'हे ददा,*
तोर नांव ह पबितर माने जावय,
तोर राज आवय।
3 हमन ला हर दिन हमर भोजन दे।
4 हमर पापमन ला छेमा कर दे,
काबरकि जऊन मन हमर बिरूध पाप करथें, ओमन ला हमन छेमा करथन।
अऊ हमन ला परिछा म झन पड़न दे।†' "
5 तब यीसू ह अपन चेलामन ले कहिस, "मान लव, तुमन ले एक झन के एक संगवारी हवय अऊ ओह अपन
संगवारी करा आधा रथिया जाके कहिथे, 'ए संगवारी, मोला तीन ठन रोटी उधार देय दे,
6 काबरकि एक झन मोर संगवारी ह कहीं जावथे अऊ ओह अभीच मोर करा आय हवय, अऊ मोर करा ओला
खवाय बर कुछू नइं ए।'
7 तब भीतर ले ओह जबाब देथे, 'मोला परेसान झन कर। कपाट म ताला लग चुके हवय, अऊ मोर लइकामन
मोर संग खटिया म हवंय। एकरसेति मेंह उठके तोला कुछू नइं दे सकंव।'
8 मेंह तुमन ला कहत हंव, हालाकि एक संगवारी के रूप म ओह उठके ओला रोटी नइं दीही, पर लाज-सरम
ला छोंड़के ओकर मांगे के कारन, ओह उठही अऊ ओकर जरूरत के मुताबिक ओला दीही।
9 "एकरसेति, मेंह तुमन ला कहत हंव: मांगव, त तुमन ला दिये जाही; खोजव, त तुमन पाहू; खटखटावव, त
कपाट ह तुम्हर बर खोले जाही।
10 काबरकि जऊन ह मांगथे, ओला मिलथे; जऊन ह खोजथे, ओह पाथे; अऊ जऊन ह खटखटाथे, ओकर बर
कपाट ह खोले जाथे।
11 "तुमन ले अइसने कोन ददा होही कि कहूं ओकर बेटा ह एक ठन मछरी मांगथे, त ओला सांप देथे?
12 या कहूं ओह एक ठन अंडा मांगय, त ओह ओला बिच्छू दीही?
13 जब तुम्हर सहीं खराप मनखेमन अपन लइकामन ला बने चीज के भेंट देय बर जानथव, त स्वरग म रहइया
तुम्हर ददा ह कतेक जादा ओमन ला पबितर आतमा दीही, जऊन मन ओकर ले मांगथें!"

---

* **11:2** कुछू हस्तलिपि म *[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]*
† **11:4** कुछू हस्तलिपि म *[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]*

[illegible]
([illegible] 12:22-30; [illegible] 3:20-27)

14 यीसू ह एक कोंदा परेत आतमा ला निकालत रिहिस। जब परेत आतमा ह निकल गीस, त कोंदा मनखे ह
गोठियाय लगिस, अऊ मनखेमन अचम्भो करिन।
15 पर ओमा ले कुछू झन कहिन, "येह परेत आतमामन के सरदार बालजबूल के मदद ले परेत आतमामन ला
निकालत हवय।"
16 आने मन ओला परखे खातिर स्वरग ले कोनो चिनहां देखाय बर कहिन।
17 यीसू ह ओमन के मन के बात ला जानत रिहिस, एकरसेति ओह ओमन ला कहिस, "कोनो राज म फूट पड़
जावय, त ओह नास हो जाही, अऊ वइसनेच कोनो परिवार म फूट पड़ जावय, त ओह अलग-अलग हो जाही।
18 एकरसेति कहूं सैतान ह अपन खुद के बिरोधी हो गे हवय, तब ओकर राज ह कइसने बने रह सकथे? मेंह ये
बात कहत हंव काबरकि तुमन कहिथव कि मेंह बालजबूल के सक्ति ले परेत आतमामन ला निकालथंव।
19 यदि मेंह बालजबूल के मदद ले परेत आतमामन ला निकालथंव, त फेर तुम्हर चेलामन काकर मदद ले
ओमन ला निकालथें? एकरसेति, ओही मन तुम्हर नियाय करहीं।
20 पर यदि मेंह परमेसर के सामर्थ ले परेत आतमामन ला निकालथंव, त फेर परमेसर के राज ह तुम्हर करा आ
गे हवय।
21 "जब एक बलवान मनखे, अपन जम्मो हथियार सहित अपन घर के रखवारी करथे, तब ओकर संपत्ति ह
सही-सलामत रहिथे।
22 पर जब कोनो ओकर ले बलवान मनखे ओकर ऊपर चढ़ई करथे अऊ ओला काबू म कर लेथे, तब ओह ओ
घरवाला के जम्मो हथियार जेकर ऊपर ओकर भरोसा रिहिस, छीन लेथे, अऊ ओह लूटके संपत्ति ला बांट देथे।
23 "जऊन ह मोर संग नइं ए, ओह मोर बिरोध म हवय, अऊ जऊन ह मोर संग नइं संकेलय, ओह बगराथे।
24 "जब एक असुध आतमा ह कोनो मनखे म ले बाहिर निकलथे, त ओह सुरताय के ठिकाना खोजत सूखा
ठऊरमन म जाथे, पर ओला कोनो जगह नइं मिलय। तब ओह कहिथे, 'जऊन घर ला मेंह छोंड़के आय रहेंव,
मेंह ओहीच घर म लहुंट जाहूं।'
25 अऊ जब ओह लहुंटके आथे, त ओह ओ घर ला सूना, झाड़े-बहारे अऊ सजे-धजे पाथे।
26 तब ओह जाथे अऊ अपन ले घलो जादा खराप सात ठन आने आतमामन ला ले आथे, अऊ ओमन ओ
मनखे म जाथें अऊ उहां बस जाथें। अऊ ओ मनखे के आखिरी दसा ह पहिली ले अऊ खराप हो जाथे।"
27 जब यीसू ह ये बातमन ला कहत रिहिस, त भीड़ म ले एक माईलोगन ह उठके चिचियाके कहिस, "धइन ए
ओ दाई, जऊन ह तोला अपन पेट ले जनम दीस अऊ तोला अपन छाती के दूध पीयाईस।"
28 पर यीसू ह कहिस, "हव! पर जादा धइन ओ मनखेमन अंय, जऊन मन परमेसर के बचन ला सुनथें अऊ
ओकर पालन करथें।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 12:38-42)

29 जब भीड़ ह बढ़त गीस, त यीसू ह कहिस, "ये पीढ़ी के मनखेमन दुस्ट अंय। येमन चिनहां के मांग करथें, पर
येमन ला योना अगमजानी के चिनहां के छोंड़ अऊ कोनो चिनहां नइं दिये जावय।
30 जइसने योना अगमजानी नीनवे सहर के मनखेमन बर एक ठन चिनहां रिहिस, वइसने मनखे के बेटा ह ये
पीढ़ी के मनखेमन बर एक ठन चिनहां होही।
31 नियाय के दिन दक्खिन दिग के रानी ह ये पीढ़ी के मनखेमन संग ठाढ़ होही अऊ येमन ऊपर दोस लगाही,
काबरकि ओ रानी ह राजा सुलेमान के गियान के बात ला सुने बर धरती के छोर ले आय रिहिस। पर देखव! इहां
एक झन हवय, जऊन ह राजा सुलेमान ले घलो बड़के हवय।
32 नियाय के दिन नीनवे सहर के मनखेमन, ये पीढ़ी के मनखेमन संग ठाढ़ होहीं, अऊ येमन ऊपर दोस
लगाहीं, काबरकि ओमन योना के संदेस ला सुनके मन फिराईन। पर देखव! इहां एक झन हवय, जऊन ह योना
ले घलो बड़के अय।

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 5:15; 6:22-23)

33 “कोनो घलो मनखे दीया ला बारके अइसन जगह म नइं रखय, जिहां ओह छुप जावय या ओला बड़े कटोरा
के खाल्हे म नइं रखय। पर ओह दीया ला दीवट ऊपर रखथे, ताकि जऊन मन भीतर आवंय, ओमन अंजोर ला
देखंय।
34 तोर आंखी ह तोर देहें के दीया अय। जब तोर आंखीमन ठीक हवंय, त तोर जम्मो देहें ह घलो अंजोर ले भरे
हवय। पर जब तोर आंखीमन खराप हवंय, त तोर देहें ह घलो पूरा अंधियार ले भरे हवय।
35 एकरसेति धियान रहय कि जऊन अंजोर तुमन म हवय, ओह अंधियार नो हय।
36 यदि तोर जम्मो देहें ह अंजोर ले भरे हवय, अऊ एकर कोनो भाग अंधियार म नइं ए, त तोर जम्मो देहें ह
अइसने पूरा अंजोर हो जाही, जइसने जब कोनो दीया के अंजोर ह तोर ऊपर चमकथे।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 23:1-36; [illegible] 12:38-40)

37 जब यीसू ह गोठिया चुकिस, त एक फरीसी ह ओला अपन संग खाना खाय बर नेवता दीस। यीसू ह ओकर
घर म गीस अऊ खाय बर बईठिस।
38 फरीसी ह ये देखके अचम्भो करिस कि यीसू ह खाना खाय के पहिली अपन हांथ ला नइं धोईस।
39 तब परभू ह ओला कहिस, “तुम फरीसीमन कटोरा अऊ थाली के बाहिर ला तो मांजथव, पर तुम्हर भीतर
म लालच अऊ बुरई भरे हवय।
40 हे मुरूख मनखेमन! परमेसर, जऊन ह बाहिर भाग ला बनाईस, का ओह भीतरी भाग ला घलो नइं बनाईस?
41 पर जहां तक ओ चीज के बात ए, जऊन ह तुम्हर भीतर म हवय—ओकर बारे म गरीबमन बर उदार बनव,
अऊ हर एक चीज तुम्हर बर साफ हो जाही।
42 “हे फरीसीमन! तुम्हर ऊपर धिक्कार ए, काबरकि तुमन परमेसर ला अपन पोदीना, सुदाब, अऊ बारी के
जम्मो किसम के साग-भाजी के दसवां भाग ला देथव, पर तुमन नियाय अऊ परमेसर के मया ला टार देथव।
तुमन ला चाही कि ये दूसर काम ला करव अऊ पहिली ला घलो झन छोंड़व।
43 “हे फरीसीमन, तुमन ला धिक्कार ए, काबरकि तुमन ला यहूदीमन के सभा-घर म सबले बने आसन म
बईठई अऊ बजार के जगह म आदर के संग जोहार झोंकई, बने लगथे।
44 “तुमन ला धिक्कार ए, काबरकि तुमन बिगर चिनहां लगाय कबरमन सहीं अव, जेकर ऊपर मनखेमन बिगर
जाने चलथें।”
45 कानून के एक जानकार ह यीसू ला कहिस, “हे गुरू, ये बातमन ला कहिके, तेंह हमर घलो बेजत्ती करत
हस।”
46 यीसू ह कहिस, “अऊ हे कानून के जानकारमन! तुमन ला धिक्कार ए, काबरकि तुमन मनखेमन ला बोझा
ले लाद देथव, जऊन ला ओमन बहुंत मुसकुल से उठा सकथें, पर तुमन खुद ओमन के मदद करे बर अपन एक
ठन अंगरी घलो नइं उठाववव।
47 “तुमन ला धिक्कार ए, काबरकि तुमन ओ अगमजानीमन के कबर बनाथव, जऊन मन ला तुम्हर पुरखामन
मार डारे रिहिन।
48 ये किसम ले तुमन खुदे मान लेथव कि जऊन कुछू तुम्हर पुरखामन करिन, ओह सही रिहिस; काबरकि
ओमन अगमजानीमन ला मार डारिन, अऊ तुमन ओमन के कबर बनाथव।
49 एकर कारन, परमेसर ह अपन बुद्धि म कहिस, ‘मेंह ओमन करा अगमजानी अऊ प्रेरितमन ला पठोहूं। ओमा
ले कुछू झन ला ओमन मार डारहीं अऊ आने मन ला सताहीं।’
50 एकर खातिर, ये पीढ़ी के मनखेमन ओ जम्मो अगमजानीमन के खून के जिम्मेदार ठहिराय जाहीं, जऊन
मन ला संसार के सुरू ले मार डारे गे हवय,
51 हाबिल के खून ले लेके जकरयाह के खून तक, जऊन ला बेदी अऊ पबितर-स्थान के बीच म मारे गे रिहिस।
हव, मेंह तुमन ला कहत हंव, ये पीढ़ी के मनखेमन ये जम्मो बात के जिम्मेदार ठहिराय जाहीं।
52 “कानून के जानकारमन! तुमन ला धिक्कार ए, काबरकि तुमन गियान के कुंची ला ले लेय हव। तुमन खुद
ओकर भीतर नइं गेव, अऊ तुमन ओमन ला घलो रोक दे हवव, जऊन मन भीतर जावत रिहिन।”
53 जब यीसू ह बाहिर निकल गीस, त फरीसी अऊ कानून के गुरूमन ओकर पाछू पड़के बहुंत बिरोध करे
लगिन अऊ ओकर ले बहुंते चीज के बारे म सवाल करे लगिन।

54 असल म ओमन ये ताक म रहंय कि यीसू के मुहूं ले कोनो गलत बात निकले अऊ ओमन ओला पकड़ लें।

12

[illegible]
([illegible] 10:26-27)

1 इही दौरान हजारों मनखेमन के भीड़ लग गीस अऊ ओमन एक-दूसर ऊपर गिरे पड़त रिहिन, त यीसू ह
पहिली अपन चेलामन ला कहे के सुरू करिस, "फरीसीमन के खमीर ले सचेत रहव, मतलब कि ओमन के
ढोंगीपन ले सचेत रहव।
2 कुछू घलो बात ढंके नइं ए, जऊन ला उघारे नइं जाही या कुछू भी बात छिपे नइं ए, जऊन ला बताय नइं
जाही।
3 एकरसेति, जऊन बात तुमन अंधियार म कहे हवव, ओह दिन के अंजोर म सुने जाही, अऊ जऊन बात तुमन
भीतर के खोली म मनखेमन के कान म चुपेचाप कहे हवय, ओला घर के छानी ऊपर ले खुलेआम बताय जाही।
4 "मोर संगवारीमन, मेंह तुमन ला कहत हंव कि ओमन ले झन डरव, जऊन मन देहें ला घात करथें अऊ
ओकर बाद ओमन अऊ कुछू नइं कर सकंय।
5 पर मेंह तुमन ला बतावत हंव कि तुमन ला काकर ले डरना चाही। ओकर ले डरव, जेकर करा तुमन ला मारे
के बाद नरक म डारे के अधिकार हवय। हव, मेंह तुमन ला कहत हंव, ओकरेच ले डरव।
6 पांच ठन गौरइया चिरई कतेक म बेचाथे? दू पईसा ले जादा म नइं बेचावय। तभो ले परमेसर ह ओमा ले
एको ठन ला नइं भुलावय।
7 अऊ त अऊ तुम्हर मुड़ के जम्मो चुंदीमन गने गे हवंय। झन डरव; तुमन गौरइया चिरईमन ले जादा कीमत
के अव।
8 "मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन कोनो मोला मनखेमन के आघू म स्वीकार करथे, ओला मनखे के बेटा
घलो परमेसर के स्वरगदूतमन के आघू म स्वीकार करही।
9 पर जऊन ह मोला मनखेमन के आघू म इनकार करथे, ओला मनखे के बेटा घलो परमेसर के स्वरगदूतमन के
आघू म इनकार करही।
10 अऊ जऊन ह मनखे के बेटा के बिरोध म कोनो बात कहिथे, त ओला माफ करे जाही, पर जऊन ह पबितर
आतमा के बिरोध म निन्दा करथे, ओला माफ नइं करे जावय।
11 "जब मनखेमन तुमन ला यहूदीमन के सभा-घर, सासन करइया अऊ अधिकारीमन के आघू म लानथें, त ये
बात के चिंता झन करव कि तुमन अपन बचाव कइसने करहू या ओमन के आघू म का कहिहू,
12 काबरकि पबितर आतमा ह ओहीच बेरा तुमन ला ये बात ला सिखा दीही कि तुमन ला का कहना चाही।"

[illegible]

13 भीड़ म ले एक मनखे ह यीसू ला कहिस, "हे गुरू, मोर भाई ले कह कि ओह मोर संग ओ संपत्ति के बंटवारा
करय, जऊन ला हमर ददा हमर बर छोंड़ गे हवय।"
14 यीसू ह ओला कहिस, "हे मनखे, कोन ह मोला तुम्हर नियायधीस या तुम्हर बीच म संपत्ति के बंटवारा
करइया ठहिराईस?"
15 तब ओह ओमन ला कहिस, "सचेत रहव! अपनआप ला जम्मो किसम के लालच ले दूर रखव; काबरकि
मनखे के जिनगी ह ये बात ले नइं बनय कि ओकर करा कतेक जादा संपत्ति हवय।"
16 तब यीसू ह ओमन ला ये पटंतर कहिस, "एक धनवान मनखे के खेत म बहुंत फसल होईस।
17 ओह अपन मन म सोचिस, 'अब मेंह का करंव? मोर करा मोर फसल ला कुढ़ोय के जगह नइं ए।'
18 "ओह कहिस, 'मेंह अइसने करहूं—मेंह अपन कोठारमन ला टोरके ओकर ले बड़े-बड़े कोठार बनाहूं, अऊ
उहां मेंह अपन जम्मो अनाज अऊ दूसर माल-मत्ता ला रखहूं।'
19 तब में अपनआप ले कहिहूं, 'तोर करा बहुंत संपत्ति हवय, जऊन ह बहुंते साल तक चलही। अपन जिनगी
के चिंता झन कर; खा, पी अऊ खुसी मना।'
20 "पर परमेसर ह ओला कहिस, 'हे मुरूख मनखे! इहीच रथिया तोर परान ला ले लिये जाही; तब ये जम्मो
चीज काकर होही, जऊन ला तेंह अपन बर रखे हवस।'

21 “अइसनेच हर एक ओ मनखे के संग होही, जऊन ह अपन बर धन संकेलथे, पर परमेसर के नजर म धनवान नो हय।”

[illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 6:25-34*)

22 तब यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, “एकरसेति मेंह तुमन ला कहत हंव, अपन जिनगी के बारे म चिंता झन करव कि तुमन का खाहू, या अपन देहें के बारे म चिंता झन करव कि तुमन का पहिरहू।
23 जिनगी ह भोजन ले जादा महत्व के अय, अऊ देहें ह ओनहा ले जादा महत्व रखथे।
24 कऊआ चिरईमन के बारे सोचव: ओमन न कुछू बोवंय अऊ न लुवंय; ओमन करा न भंडारघर हवय न ही कोठार; तभो ले परमेसर ओमन ला खवाथे। तुमन तो चिरईमन ले जादा महत्व के अव।
25 तुमन म अइसने कोनो हवय, जऊन ह चिंता करे के दुवारा अपन जिनगी के एको घरी ला घलो बढ़ा सकथे?
26 जब तुमन ये बहुंत छोटे चीज ला नइं कर सकव, त तुमन आने बड़े चीजमन के बारे म चिंता काबर करथव?
27 “सोचव कि जंगली फूलमन कइसने बाढ़थें; ओमन न मेहनत करंय अऊ न ही अपन बर ओनहा बिनंय। पर मेंह तुमन ला बतावत हंव, अऊ त अऊ सुलेमान सहीं धनी राजा घलो येमन ले काकरो सहीं सुघर कपड़ा नइं पहिरे रिहिस।
28 जब परमेसर ह भुइयां के कांदी ला अइसने ओनहा पहिराथे, जऊन ह आज इहां हवय अऊ कल आगी म झोंक दिये जाही, त हे अल्प बिसवासीमन, का ओह तुमन ला अऊ बने ओनहा नइं पहिराही।
29 अऊ एकर धियान म झन रहव कि तुमन का खाहू या का पीहू; एकर चिंता झन करव।
30 काबरकि ये संसार म मूरती-पूजा करइयामन ये जम्मो चीज के खोज म रहिथें, अऊ तुम्हर ददा परमेसर ह जानथे कि तुमन ला ये चीजमन के जरूरत हवय।
31 परमेसर के राज के खोज म रहव, त संग म ये चीजमन घलो तुमन ला दिये जाही।
32 “हे छोटे झुंड! झन डर, काबरकि तोर ददा परमेसर ह तोला राज देके खुस हवय।
33 अपन संपत्ति ला बेच अऊ गरीबमन ला दे। अपन बर अइसने बटुवा बनाववव, जऊन ह जुन्ना नइं होवय, याने स्वरग म अपन धन जमा करव, जऊन ह कभू नइं घटय; जेकर लकठा म चोर नइं आ सकय अऊ जऊन ला कीरा घलो नास नइं कर सकय।
34 काबरकि जिहां तुम्हर धन हवय, उहां तुम्हर मन घलो लगे रहिही।

[illegible] [illegible]

35 “तुमन सेवा करे बर हमेसा तियार रहव अऊ अपन दीया ला बारे रखव;
36 ओ सेवकमन सहीं, जऊन मन अपन मालिक के एक बिहाव भोज ले लहुंटे के बाट जोहत हवंय, ताकि जब ओह आवय अऊ कपाट ला खटखटावय, त ओमन तुरते ओकर बर कपाट ला खोल सकंय।
37 ओ सेवकमन बर येह खुसी के बात होही, जब ओमन के मालिक लहुंटके आथे, त ओमन ला जागत पाथे। मेंह तुमन ला सच कहत हंव—ओह खुदे सेवा करे बर सेवक के कपड़ा पहिरही; ओह ओमन ला खाना खवाय बर बईठाही अऊ आके ओमन के सेवा करही।
38 ओ सेवकमन बर येह बने बात होही, यदि ओमन के मालिक रथिया के दूसर या तीसरा पहर म आवय अऊ ओमन ला सचेत पावय।
39 पर ये बात ला समझ लेवव: यदि घर के मालिक ला मालूम होतिस कि चोर ह कतेक बेरा आही, त ओह अपन घर म सेंध नइं लगन देतिस।
40 तुमन घलो हमेसा तियार रहव, काबरकि मनखे के बेटा ह अइसने बेरा म आ जाही, जब तुमन ओकर आय के आसा नइं करत होहू।”
41 पतरस ह पुछिस, “हे परभू, ये पटंतर ला का तेंह हमर बर कहत हवस या फेर जम्मो झन बर?”
42 परभू ह जबाब देके कहिस, “तब ओ बिसवासयोग्य अऊ बुद्धिमान परबंधक कोन ए, जऊन ला मालिक ह अपन सेवकमन ऊपर मुखिया ठहिराथे, ताकि ओह सेवकमन ला सही समय म ओमन के खाना के भत्ता देवय।
43 येह ओ सेवक बर खुसी के बात होही कि जब ओकर मालिक ह आथे, त ओला अइसने करत पाथे।
44 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि मालिक ह ओ सेवक ला अपन जम्मो संपत्ति के जिम्मेदारी दे दीही।

45 पर यदि ओ सेवक ह अपन मन म ये कहय, मोर मालिक ह आय म अब्बड़ देरी करत हवय। अऊ अइसने
सोचके ओह आने सेवक अऊ सेविकामन ला मारन-पीटन लगय, अऊ खावय-पीयय अऊ मतवार हो जावय।
46 तब ओ सेवक के मालिक ह एक अइसने दिन म आ जाही, जब ओह ओकर आय के आसा नइं करत होही
अऊ ओकर आय के बेरा ला घलो नइं जानत होही। तब मालिक ह ओला कठोर सजा दीही अऊ ओला
अबिसवासीमन के संग म रखही।
47 "ओ सेवक जऊन ह अपन मालिक के ईछा ला जानथे, पर तियार नइं रहय या जऊन बात ला ओकर
मालिक चाहथे ओला नइं करय, त ओ सेवक ह बहुंत मार खाही।
48 पर जऊन सेवक ह अपन मालिक के ईछा ला नइं जानत हवय, अऊ बिगर जाने ओह गलत काम करथे, त
ओह कम मार खाही। जऊन ला बहुंत दिये गे हवय, ओकर ले बहुंत मांगे जाही, अऊ जऊन ला बहुंत सऊंपे गे
हवय, ओकर ले बहुंत लिये जाही।

[illegible]
([illegible] 10:34-36)

49 "मेंह धरती म आगी लगाय बर आय हवंव, अऊ मेंह ये चाहत हंव कि बने होतिस कि येमा पहिली ले
आगी लगे होतिस।
50 मोला एक बतिसमा म ले होके जाना हवय, अऊ जब तक ओह पूरा नइं हो जावय, मेंह बहुंत बियाकुल
हवंव।
51 का तुमन ये सोचत हव कि मेंह धरती म सांति लाने बर आय हवंव। नइं, मेंह तुमन ला कहत हंव कि मेंह
फूट डारे बर आय हवंव।
52 अब ले जब एक परिवार म पांच झन होहीं, त ओमन म फूट पड़ही; तीन झन ह दू झन के बिरोध म अऊ दू
झन ह तीन झन के बिरोध म रहिहीं।
53 ददा ह अपन बेटा के बिरूध होही, त बेटा ह अपन ददा के बिरूध। दाई ह अपन बेटी के बिरूध होही, त
बेटी ह अपन दाई के बिरूध; अऊ सास ह अपन बहू के बिरूध होही, त बहू ह अपन सास के बिरूध।"

[illegible]
([illegible] 16:2-3)

54 यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला घलो कहिस, "जब तुमन पछिम दिग म एक बादर उठत देखथव, त तुरते
तुमन कहिथव कि 'बारिस होवइया हवय;' अऊ अइसनेच होथे।
55 अऊ जब दक्खिन दिग के हवा चलथे, 'त तुमन कहिथव कि गरमी बढ़इया हवय,' अऊ अइसनेच होथे।
56 हे ढोंगी मनखेमन! धरती अऊ अकास ला तुमन देखके जान लेथव कि एकर का मतलब होथे; तब तुमन ये
समय के मतलब ला काबर नइं जानव?
57 "तुमन खुदे काबर फैसला नइं कर लेवव कि का सही ए?
58 यदि कोनो मनखे तुम्हर बिरोध म नालिस करय अऊ तुमन ला कचहरी म ले जावय, त तुमन भरसक
कोसिस करव कि ओकर संग डहार म ही मामला के निपटारा हो जावय, नइं तो ओह तुमन ला नियायधीस करा
खींचके ले जाही, अऊ नियायधीस ह तुमन ला पुलिस अधिकारी ला सऊंप दीही, अऊ पुलिस ह तुमन ला जेल
म डार दीही।
59 मेंह तुमन ला कहत हंव कि जब तक तुमन कौड़ी-कौड़ी नइं चुका दूहू, तब तक उहां ले नइं छूट सकव।"

13

[illegible]

1 ओ समय उहां कुछू मनखेमन रिहिन। ओमन यीसू ला ओ गलील के मनखेमन के बारे म बताईन, जेमन ला
पीलातुस ह मरवाय रिहिस, जब ओमन परमेसर ला बलिदान चघावत रिहिन।
2 ये सुनके यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, "का तुमन ये सोचथव कि ये गलीलीमन आने जम्मो गलीली
मनखेमन ले जादा पापी रिहिन, काबरकि ओमन ये किसम ले मारे गीन?
3 नइं! पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि यदि तुमन अपन पाप ले पछताप नइं करहू, त तुमन जम्मो झन घलो
ओमन सहीं नास होहू।

4 या ओ अठारह झन के बारे म का सोचथव, जऊन मन मर गीन, जब ओमन के ऊपर सीलोम म गुम्मट ह
गिरिस, का ओमन यरूसलेम म रहइया अऊ आने जम्मो झन ले जादा कसूरदार रिहिन?
5 नइं! मेंह तुमन ला कहत हंव कि यदि तुमन अपन पाप ले पछ्ताप नइं करहू, त तुमन जम्मो झन घलो
ओमन सहीं नास होहू।"
6 तब यीसू ह ये पटंतर कहिस, "एक मनखे के अंगूर के बारी म एक ठन अंजीर के रूख रिहिस। एक दिन ओ
मनखे ह ओ रूख म फर देखे बर गीस, पर ओह एको ठन फर नइं पाईस।
7 एकरसेति ओह अपन बारी के माली ला कहिस, 'देख, तीन साल ले मेंह ये अंजीर के रूख म फर देखे बर
आवत हवंव पर एको ठन नइं पाय हवंव। ये रूख ला काट डार। येह काबर भुइयां ला घेरे रहिही।'
8 "पर बारी के माली ह कहिस, 'हे मालिक, येला एक बछ्र अऊ रहन दे; मेंह एकर चारों कोति माटी ला
कोड़हूं अऊ ओमा खातू डालहूं।
9 कहूं येह अगले साल फरही, त ठीक। कहूं नइं फरही, त येला काट डारबे।' "

[illegible]

10 एक बिसराम के दिन, यीसू ह एक ठन यहूदीमन के सभा-घर म उपदेस देवत रिहिस।
11 उहां एक माईलोगन रिहिस, जऊन ला परेत आतमा ह अठारह साल ले अपंग कर दे रिहिस। ओह कुबड़ी
हो गे रिहिस अऊ कइसने करके घलो पूरा ठाढ़ नइं हो सकत रिहिस।
12 जब यीसू ह ओला देखिस, त ओला आघू म बलाईस अऊ ओकर ले कहिस, "हे नारी! तोर दुरबलता ह दूर
हो जावय।"
13 तब यीसू ह ओकर ऊपर अपन हांथ रखिस, अऊ तुरते ओ माईलोगन ह सीधा ठाढ़ हो गीस अऊ परमेसर
के महिमा करिस।
14 काबरकि यीसू ह ओ माईलोगन ला बिसराम दिन म बने करे रिहिस, एकरसेति सभा-घर के अधिकारी ह
खिसियाईस अऊ मनखेमन ला कहिस, "काम करे बर छै दिन हवय। एकरसेति ओ दिनमन म आवव अऊ बने
होवव, पर बिसराम दिन म नइं।"
15 परभू ह ओला ये जबाब दीस, "हे ढोंगी मनखेमन, का तुमन ले हर एक मनखे बिसराम दिन म अपन बईला
या गदहा ला कोठा ले ढीलके पानी पीयाय बर नइं ले जावय?
16 तब ये माईलोगन जऊन ह अब्राहम के संतान अय, अऊ जऊन ला सैतान ह अठारह साल ले बांधके रखे
रिहिस। का येह ठीक नो हय कि ओला बिसराम दिन म ये बंधन ले छुटकारा मिलय?"
17 जब यीसू ह ये बात कहिस, त ओकर जम्मो बिरोधीमन के बेजत्ती होईस, पर जऊन अद्भूत काम ओह
करत रिहिस, ओकर ले मनखेमन खुस होईन।

[illegible]
(लूका 13:31-32, 33; [illegible] 4:30-32)

18 तब यीसू ह पुछ्सि, "परमेसर के राज ह काकर सहीं अय? मेंह एकर तुलना काकर संग करंव?
19 येह ओकर सहीं अय, जब एक मनखे ह एक ठन सरसों के बीजा ला लीस अऊ अपन बारी म बोईस। ओह
बाढ़िस, अऊ बाढ़के एक ठन रूख हो गीस, अऊ अकास के चिरईमन एकर डारामन म बसेरा करिन।"
20 यीसू ह फेर पुछ्सि, "मेंह परमेसर के राज के तुलना काकर संग करंव?
21 येह खमीर सहीं अय, जऊन ला एक माईलोगन ह लीस अऊ ओला तीन पसेरी* पीसान म मिलाके तब तक
गुंथिस, जब तक कि जम्मो पीसान ह खमीर नइं हो गीस।"

[illegible] [illegible]
(लूका 7:13-14, 21-23)

22 यीसू ह यरूसलेम सहर जावत बेरा, डहार म ओह सहर अऊ गांवमन म उपदेस करत गीस।
23 एक झन ओकर ले पुछ्सि, "हे परभू, का सिरिप थोरकन मनखेमन उद्धार पाहीं?"
यीसू ह ओमन ला कहिस,

---

* **13:21** लगभग 27 किलोग्राम

24 “संकरा कपाट ले होके जाय के भरसक कोसिस करव; काबरकि मेंह तुमन ला कहत हंव कि बहुंते मनखेमन
येमा ले जाय के कोसिस करहीं, पर जाय नइं सकहीं।
25 जब एक बार घर के मालिक ह उठही अऊ कपाट ला बंद कर दीही, त तुमन बाहिर म ठाढ़े रही जाहू अऊ
कपाट ला खटखटावत ये बिनती करहू, ‘हे परभू, हमर बर कपाट ला खोल दे।’
“पर ओह तुमन ला ये जबाब दीही, ‘मेंह नइं जानंव कि तुमन कहां ले आय हवव।’
26 “तब तुमन कहिहू, ‘हमन तोर संग खाय-पीये रहेंन, अऊ तेंह हमर गली म उपदेस दे हवस।’
27 “पर ओह जबाब दीही, मेंह नइं जानंव कि तुमन कहां ले आय हवव। हे कुकरमीमन! तुमन जम्मो झन मोर
ले दूरिहा हटव।
28 “जब तुमन उहां अब्राहम, इसहाक, याकूब अऊ जम्मो अगमजानीमन ला परमेसर के राज म बईठे अऊ
अपनआप ला बाहिर फेंके हुए देखहू, त तुमन रोहू अऊ अपन दांत पीसहू।
29 मनखेमन पूरब, पछिम अऊ उत्तर, दक्खिन, चारों दिग ले आहीं अऊ परमेसर के राज के भोज म सामिल
होहीं।
30 अऊ देखव! जऊन मन आखिरी म हवंय, ओमन पहिली हो जाहीं; अऊ जऊन मन पहिली हवंय, ओमन
आखिरी म हो जाहीं।”

[illegible]
([illegible] 23:37-39)

31 ओतकी बेरा कुछू फरीसीमन यीसू करा आईन अऊ ओला कहिन, “तेंह ये जगह ला छोंड़के कहीं अऊ चल
दे; काबरकि हेरोदेस राजा ह तोला मार डारे बर चाहथे।”
32 यीसू ह ओमन ला कहिस, “जावव अऊ ओ कोलिहा ले कहव, ‘आज अऊ कल मेंह परेत आतमामन ला
निकालहूं अऊ बेमार मनखेमन ला बने करहूं, अऊ तीसरा दिन मोर काम ह पूरा हो जाही।’
33 कुछू घलो होवय, मोला आज, कल अऊ परसों चलते रहना जरूरी ए—काबरकि येह नइं हो सकय कि एक
अगमजानी ह यरूसलेम सहर के बाहिर म मरय।
34 “हे यरूसलेम सहर! हे यरूसलेम सहर! तेंह अगमजानीमन ला मार डारथस अऊ जेमन ला तोर करा
पठोय जाथे, ओमन ला तेंह पथरा ले मारथस। मेंह कतेक बार चाहेंव कि तोर लइकामन ला वइसने संकेलंव,
जइसने कुकरी ह अपन चियांमन ला अपन डेना खाल्हे संकेलथे, पर तेंह ये नइं चाहय।
35 देख, तोर घर ह उजाड़ पड़े हवय। मेंह तोला कहत हंव कि तेंह मोला तब तक फेर नइं देख सकस, जब तक
कि तेंह ये नइं कहस, ‘धइन ए ओह, जऊन ह परभू के नांव म आथे।’†”

14

[illegible]

1 एक बिसराम के दिन, यीसू ह एक मुखिया फरीसी के घर म खाना खाय बर गीस, अऊ मनखेमन ओला
धियान से देखत रहंय।
2 उहां ओकर आघू म एक झन मनखे रहय, जऊन ला जलोदर के बेमारी रिहिस।
3 यीसू ह फरीसी अऊ कानून के जानकारमन ले पुछिस, “बिसराम दिन म कोनो ला बेमारी ले ठीक करे के
अनुमति कानून ह देथे कि नइं देवय?”
4 पर ओमन चुपेचाप रिहिन। तब यीसू ह ओ बिमरहा मनखे के हांथ ला धरके ओला बने करिस, अऊ ओला
जावन दीस।
5 तब यीसू ह ओमन ले कहिस, “यदि तुमन के काकरो एक बेटा* या एक बईला हवय अऊ ओह बिसराम के
दिन एक ठन कुआं म गिर जाथे, त का तुमन तुरते ओला खींचके बाहिर नइं निकालहू।”
6 अऊ ओमन एकर कोनो जबाब नइं दे सकिन।
7 जब यीसू ह देखिस कि नेवताहारीमन कइसने चुन-चुनके बढ़िया जगह म बईठत हवंय, त ओह ओमन ला ये
पटंतर कहिस,

† **13:35** भजन 118:26 * **14:5** कुछू हस्तलिपि म *[illegible]*

8 “जब कोनो तुमन ला बिहाव के भोज बर नेवता देथे, त उहां जाके सबले बढ़िया जगह म झन बईठव,
काबरकि हो सकथे कि उहां तोर ले घलो जादा बड़े मनखे ला नेवता देय गे होही,
9 यदि अइसने अय, तब ओ मनखे जऊन ह तुमन दूनों ला नेवता देय हवय, आही अऊ तोला कहिही, ‘तोर
जगह ये मनखे ला देय दे।’ तब तोर बेजत्ती होही अऊ तोला छोटे जगह म बईठना पड़ही।
10 एकरसेति जब तोला नेवता दिये जाथे, त जाके छोटे जगह म बईठ, ताकि जब नेवता देवइया ह आवय, त
ओह तोर ले कहय, ‘हे संगवारी, जाके बने जगह म बईठ।’ तब आने जम्मो संगी पहुनामन के आघू म तोर
आदरमान होही।
11 काबरकि जऊन ह अपनआप ला बड़े समझथे, ओला दीन-हीन करे जाही अऊ जऊन ह अपनआप ला
दीन-हीन करथे, ओला बड़े करे जाही।”
12 तब यीसू ह अपन नेवता देवइया ला कहिस, “जब तेंह मंझन या रथिया कोनो भोज देथस, त अपन
संगवारी या अपन भाई या अपन रिस्तेदार या अपन धनी परोसीमन ला झन नेवता दे; यदि तेंह ओमन ला
नेवता देथस, त ओमन घलो बदले म तोला नेवता दे सकथें, अऊ ये किसम ले जऊन कुछू तेंह करे हवस, ओकर
भरपई हो जाही।
13 पर जब तेंह कोनो भोज देथस, त गरीब, अपंग, खोरवा अऊ अंधरामन ला बलाय कर।
14 तब परमेसर ह तोला आसीस दीही। हालाकि ओमन बदले म तोला कुछू नइं दे सकंय, पर तोला एकर
परतिफल ओ समय मिलही, जब धरमी मनखेमन फेर जी उठहीं।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 22:1-10)

15 जऊन मन यीसू के संग खाय बर बईठे रिहिन, ओमा ले एक झन जब येला सुनिस, त ओह यीसू ले कहिस,
“धइन ए ओ मनखे जऊन ह ओ भोज म खाही, जऊन ह परमेसर के राज म होही।”
16 यीसू ह ओला कहिस, “एक बार एक मनखे ह एक बड़े भोज करिस, अऊ बहुंत मनखेमन ला नेवता दीस।
17 जब भोज ह तियार हो गीस, त ओह अपन सेवक ला नेवताहारीमन करा ये कहे बर पठोईस, ‘आवव, जम्मो
चीज तियार हो गे हवय।’
18 “पर ओमन जम्मो झन बहाना करे लगिन। पहिली मनखे ह ओ सेवक ला कहिस, ‘मेंह अभी एक ठन खेत
बिसोय हवंव, अऊ मोर उहां जाना अऊ ओला देखना जरूरी ए। मेंह तोर ले बिनती करत हंव कि मोला माफ कर
दे।’
19 “आने झन ह कहिस, ‘मेंह अभी पांच जोड़ी बईला बिसोय हवंव, अऊ मेंह ओमन ला परखे बर जावत हंव।
मेंह तोर ले बिनती करत हंव कि मोला माफ कर दे।’
20 “अऊ एक झन ह कहिस, ‘मेंह अभी बिहाव करे हवंव, एकरसेति मेंह नइं आ सकंव।’
21 “ओ सेवक ह वापिस आईस अऊ ये बात अपन मालिक ला बताईस। तब घर के मालिक ह गुस्सा होईस
अऊ अपन सेवक ला हुकूम दीस, ‘सहर के सड़क अऊ गलीमन म तुरते जा अऊ गरीब, अपंग, अंधरा अऊ
खोरवामन ला ले आ।’
22 “ओ सेवक ह कहिस, ‘हे मालिक, जइसने तेंह कहे रहय, वइसने करे गे हवय, पर तभो ले जगह खाली
हवय।’
23 “तब मालिक ह अपन सेवक ला कहिस, ‘बाहिर सड़क अऊ गांव तरफ के गलीमन म जा अऊ कइसने
करके मनखेमन ला ले आ, ताकि मोर घर ह भर जावय।
24 मेंह तोला कहत हंव कि ओ नेवताहारी मनखेमन ले एको झन घलो मोर भोज के सुवाद ला चखे नइं
पाहीं।’ ”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 10:37-38)

25 एक बड़े भीड़ ह यीसू के संग जावत रिहिस, अऊ यीसू ह मनखेमन कोति मुहूं करके कहिस,
26 “यदि कोनो मोर करा आथे, त ये जरूरी ए कि ओह अपन ददा अऊ दाई, अपन घरवाली अऊ लइका,
अपन भाई अऊ बहिनी अऊ इहां तक कि अपन जिनगी ले घलो जादा मोला मया करय, नइं तो ओह मोर चेला
नइं हो सकय।
27 अऊ जऊन ह अपन कुरूस ला उठाके मोर पाछू नइं आवय, ओह मोर चेला नइं हो सकय।

28 “मान लव, तुमन ले कोनो मनखे एक भवन बनाय चाहथे। त का ओह पहिली बईठके खरचा के हिसाब नइं
करही, ये देखे बर कि काम ला पूरा करे बर ओकर करा पईसा हवय कि नइं?
29 काबरकि यदि ओह नीव धरथे अऊ काम ला पूरा नइं कर सकय, त येला जम्मो देखइयामन ये कहिके
ओकर हंसी उड़ाहीं,
30 ‘ये मनखे ह भवन बनाय के सुरू त करिस, पर काम ला पूरा नइं कर सकिस।’
31 “या मान लव, एक राजा ह आने राजा के बिरूध लड़ई म जवइया हवय, त का ओह पहिली बईठके ये नइं
सोचही कि का ओह अपन दस हजार मनखेमन के संग ओकर सामना कर सकथे, जऊन ह बीस हजार मनखे लेके
ओकर बिरोध म आवथे?
32 यदि ओह सामना नइं कर सकय, त ओह आने राजा करा, जऊन ह अभी दूरिहा म हवय, अपन दूतमन ला
पठोही अऊ मेल-मिलाप करे बर बिनती करही।
33 ओही किसम ले, तुमन ले जऊन ह जब तक अपन जम्मो चीज ला नइं छोंड़ दीही, तब तक ओह मोर चेला
नइं हो सकय।
34 “नून ह बने ए, पर कहूं येह अपन सुवाद ला गंवा देथे, त कोनो किसम ले येला फेर नूनचूर नइं करे जा
सकय।
35 येह न तो माटी के काम आवय अऊ न तो खातू के। येला बाहिर फटिक दिये जाथे।
“जेकर सुने के कान हवय, ओह सुन ले।”

15

[illegible]
([illegible] 18:12-14)

1 एक बार जम्मो लगान लेवइया अऊ पापी मनखेमन यीसू करा जूरत रिहिन कि ओमन ओकर बात ला
सुनंय।
2 पर फरीसी अऊ कानून के गुरूमन ये कहिके कुड़कुड़ाय लगिन, “ये मनखे ह पापीमन के सुवागत करथे अऊ
ओमन के संग खाथे।”
3 एकरसेति यीसू ह ओमन ला ये पटंतर कहिस,
4 “मान लव, तुमन ले एक झन करा सौ ठन भेड़ हवंय अऊ ओमा के एक ठन गंवा जाथे, त का ओह निनानबे
भेड़मन ला मैदान म छोंड़के ओ गंवाय भेड़ ला तब तक नइं खोजही, जब तक कि ओह मिल नइं जावय?
5 अऊ जब भेड़ ह ओला मिल जाथे, त ओह ओला खुसी के मारे अपन कंधा म उठा लेथे,
6 अऊ अपन घर जाथे। अऊ तब ओह अपन संगवारी अऊ परोसीमन ला एक संग बलाथे अऊ कहिथे, ‘मोर
संग आनंद मनावव, काबरकि मोर गंवाय भेड़ ह मोला मिल गे हवय।’
7 मेंह तुमन ला कहत हंव कि ओही किसम ले एक पापी मनखे के पछ्ताप करे ले स्वरग म बहुंत आनंद मनाय
जाथे, जतेक कि निनानबे धरमी मनखेमन बर नइं मनाय जावय, जऊन मन ला पछ्ताप करे के जरूरत नइं ए।

[illegible]

8 “या मान लव, एक माईलोगन करा दस ठन चांदी के सिक्का* हवय अऊ ओमा ले एक ठन गंवा जाथे, त का
ओह दीया बारके घर ला नइं बहारे अऊ मन लगाके खोजय, जब तक कि ओह मिल न जावय।
9 अऊ जब ओला सिक्का ह मिल जाथे, त ओह अपन संगवारी अऊ परोसीमन ला बलाथे अऊ कहिथे, ‘मोर
संग आनंद मनावव, काबरकि मोर गंवाय सिक्का ह मोला मिल गे हवय।’
10 मेंह तुमन ला कहत हंव कि ओही किसम ले, जब एक पापी मनखे पछ्ताप करथे, त उहां स्वरग म परमेसर
के स्वरगदूतमन के आघू म आनंद मनाय जाथे।”

[illegible]

11 यीसू ह ये घलो कहिस, “एक मनखे के दू झन बेटा रिहिन।
12 छोटे बेटा ह अपन ददा ला कहिस, ‘ददा! मोर बांटा के संपत्ति मोला देय दे।’ अऊ ओ मनखे ह अपन दूनों
बेटा के बीच म संपत्ति के बंटवारा कर दीस।

---

* **15:8** यूनानी म [illegible] एक ड्राचमास ह एक दिन के बनी

13 “कुछू दिन के बाद, छोटे बेटा ह अपन बांटा के जम्मो संपत्ति ला संकेलके एक दूरिहा के देस म चल दीस
अऊ उहां ओह फालतू काम म जिनगी बितात अपन संपत्ति ला उड़ा दीस।
14 जब ओह जम्मो ला खरचा कर डारिस, त उहां ओ जम्मो देस म एक भयंकर दुकाल पड़िस, अऊ ओकर
करा कुछू नइं बचिस।
15 एकरसेति ओह ओ देस के रहइया एक मनखे करा काम करे बर गीस, जऊन ह ओला अपन खेत म, सुरामन
ला चराय बर पठोईस।
16 ओकर ईछा होवय कि ओह ओ फली ले अपन पेट भरय, जऊन ला सुरामन खावत रहंय, पर कोनो ओला
खाय बर कुछू नइं देवंय।
17 “जब ओह अपन होस म आईस, त कहन लगिस, ‘मोर ददा के घर म कतेक बनी-भूती करइयामन करा
जरूरत ले जादा खाय बर हवय, अऊ इहां मेंह भूखन मरत हंव।
18 मेंह उठके अपन ददा करा वापिस जाहूं अऊ ओला ये कहिहूं: हे ददा, मेंह स्वरग के परमेसर के बिरोध अऊ
तोर बिरोध म पाप करे हवंव।
19 मेंह तोर बेटा कहाय के लईक नो हंव; मोला अपन एक बनिहार मनखे सहीं रख ले।’
20 अऊ ओह उठिस अऊ अपन ददा करा जाय बर निकलिस।
“पर जब ओह अभी दूरिहाच म ही रिहिस, त ओकर ददा ह ओला देख डारिस, अऊ ओकर हिरदय ह दया ले
भर गे। ओह अपन बेटा करा दऊड़के गीस अऊ ओला अपन बाहां म पोटारके चूमिस।
21 “बेटा ह ओला कहिस, ‘हे ददा, मेंह स्वरग के परमेसर के बिरोध अऊ तोर बिरोध म पाप करे हवंव। मेंह तोर
बेटा कहाय के लईक नो हंव।’
22 “पर ददा ह अपन सेवकमन ला कहिस, ‘जल्दी करव। सबले बढ़िया ओनहा लानव अऊ येला पहिरावव।
एकर अंगरी म मुंदरी अऊ एकर गोड़ म पनही पहिरावव।
23 मोटा-ताजा बछवा लानके काटव, ताकि हमन खावन अऊ खुसी मनावन।
24 काबरकि मोर ये बेटा ह मर गे रिहिस, पर अब जी गे हवय; येह गंवा गे रिहिस, पर अब मिल गे हवय।’
अऊ ओमन खुसी मनाय लगिन।
25 “ओ बेरा म, ओकर बड़े बेटा ह खेत म रिहिस। जब ओह उहां ले घर के लकठा म आईस, त ओह
गाय-बजाय अऊ नाचे के अवाज सुनिस।
26 ओह एक सेवक ला बलाईस अऊ ओकर ले पुछिस, ‘का होवत हवय?’
27 ओ सेवक ह कहिस, ‘तोर भाई ह आय हवय, अऊ तोर ददा ह मोटा-ताजा बछवा कटवाय हवय, काबरकि
ओह ओला सही-सलामत पाय हवय।’
28 “येला सुनके बड़े भाई ह गुस्सा करिस अऊ घर के भीतर जाय नइं चाहिस। एकरसेति ओकर ददा ह बाहिर
आईस अऊ भीतर आय बर ओकर ले बिनती करे लगिस।
29 पर ओह अपन ददा ला जबाब दीस, ‘देख, अतेक साल तक मेंह तोर गुलाम के सहीं काम करे हवंव अऊ मेंह
तोर हुकूम ला कभू नइं टारेंव। तभो ले तेंह मोला एक बोकरा के पीला तक कभू नइं देय कि मेंह अपन
संगवारीमन संग आनंद मना सकंव।
30 पर जब तोर ये बेटा ह घर आईस, जऊन ह कि तोर संपत्ति ला बेस्यामन संग उड़ा दे हवय, त तेंह ओकर बर
मोटा-ताजा बछवा कटवाय हवस!’
31 “तब ददा ह ओला कहिस, ‘हे मोर बेटा! तेंह सदा मोर संग हवस, अऊ जऊन कुछू मोर करा हवय, ओ
जम्मो तोर ए।
32 पर हमन ला आनंद मनाना अऊ खुस होना चाही, काबरकि तोर ये भाई ह मर गे रिहिस, पर अब जी उठे
हवय; येह गंवा गे रिहिस, पर अब मिल गे हवय।’ ”

16

[illegible]

1 यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, “एक धनी मनखे रिहिस। ओह अपन संपत्ति के देखरेख करे बर एक
परबंधकर्ता रखे रिहिस, अऊ ओला ये बताय गीस कि ओकर परबंधकर्ता ह ओकर संपत्ति ला बरबाद करत हवय।

2 एकरसेति ओह अपन परबंधकर्ता ला बलाईस अऊ कहिस, 'मेंह तोर बारे म ये का सुनत हवंव? अपन काम
के हिसाब-किताब मोला दे, काबरकि तेंह अब मोर परबंधकर्ता नइं रह सकस।'
3 "परबंधकर्ता ह अपनआप ले कहिस, 'अब मेंह का करंव? मोर मालिक ह मोला मोर काम ले छुट्टी करइया
हवय। मोर अतकी ताकत नइं ए कि माटी कोड़ सकंव, अऊ भीख मांगे म मोला सरम आथे।
4 अब मेंह समझ गेंव कि मोला का करना चाही, ताकि जब इहां ले मोला काम ले निकाल दिये जावय, त
मनखेमन अपन घर म मोर सुवागत करंय।'
5 "एकरसेति ओह ओ जम्मो मनखेमन ला बलाईस, जऊन मन ओकर मालिक के उधारी लगत रहंय। ओह
पहिली मनखे ले पुछिस, 'तोर ऊपर मोर मालिक के कतेक उधारी हवय?'
6 "ओह कहिस, 'करीब तीन हजार लीटर जैतून के तेल।'
"तब परबंधकर्ता ह ओला कहिस, 'अपन खाता-बही ला लेके बईठ अऊ तुरते येला डेड़ हजार लीटर लिख दे।'
7 "तब ओह दूसरा मनखे ले पुछिस, 'तोर ऊपर कतेक उधारी हवय?'
"ओह कहिस, 'एक सौ मन गहूं।'
"तब परबंधकर्ता ह ओला कहिस, 'अपन खाता-बही ला ले अऊ येला अस्सी लिख दे।'
8 "मालिक ह ओ बेईमान परबंधकर्ता के बड़ई करिस, काबरकि ओह चतुरई ले काम करे रिहिस। अऊ येह सच
ए कि ये संसार के मनखेमन अपन मामला के निपटारा करे म परमेसर के मनखेमन ले जादा चतुर अंय।
9 मेंह तुमन ला कहत हंव कि संसारिक धन ले अपन बर संगवारी बना लेवव, ताकि जब ओ धन ह सिरा
जावय, त तुम्हर सुवागत सदाकाल के घर म होवय।
10 "जऊन ह बहुंत छोटे चीज म ईमानदार रहिथे, ओह बहुंत म घलो ईमानदार रहिही; अऊ जऊन ह बहुंत
छोटे चीज म बेईमान ए, ओह बहुंत चीज म घलो बेईमान होही।
11 एकरसेति यदि तुमन संसारिक धन म बिसवासयोग्य नइं ठहिरे हव, त तुमन ला स्वरग के सच्चा धन कोन
सऊंपही?
12 अऊ यदि तुमन पराय संपत्ति म ईमानदार नइं ठहिरेव, त तुम्हर खुद के संपत्ति तुमन ला कोन दीही?
13 "कोनो भी मनखे दू झन मालिक के सेवा नइं कर सकय। या तो ओह एक झन ले नफरत करही अऊ दूसर
झन ले मया, या फेर ओह एक झन बर समरपित रहिही अऊ दूसर झन ला तुछ जानही। तुमन परमेसर अऊ
धन दूनों के सेवा नइं कर सकव।"
14 ओ फरीसी जऊन मन पईसा के लोभी रिहिन, ओमन ये जम्मो ला सुनके यीसू के हंसी उड़ाय लगिन।
15 यीसू ह ओमन ला कहिस, "तुमन ओ मनखे अव, जऊन मन अपनआप ला आने मनखेमन के आघू म सही
ठहिराथव, पर परमेसर ह तुम्हर मन के बात ला जानथे। काबरकि जऊन चीज ला मनखेमन बहुंत कीमती
समझथें, ओह परमेसर के नजर म तुछ ए।
16 "मूसा के कानून अऊ अगमजानीमन के लिखे बचन के परचार यूहन्ना बतिसमा देवइया तक करे गीस।
ओकर बाद ले परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करे जावथे, अऊ हर एक झन येमा जाय के भरसक
कोसिस करत हवय।
17 अकास अऊ धरती के मिट जवई सरल ए, पर मूसा के कानून के एक ठन बिन्दू घलो नइं मिटय।
18 "जऊन ह अपन घरवाली ला छोंड़के आने माईलोगन ले बिहाव करथे, ओह छिनारी करथे, अऊ जऊन
मनखे एक छोंड़े गे माईलोगन ले बिहाव करथे, ओह छिनारी करथे।

[illegible]

19 "एक धनवान मनखे रिहिस, जऊन ह बने अऊ बहुंत मंहगा कपड़ा पहिरे अऊ हर दिन सुख-सुबिधा म
जिनगी बितावय।
20 लाजर नांव के एक भिखमंगा घलो रिहिस, जेकर जम्मो देहें ह घाव ले भर गे रहय, अऊ ओह धनवान मनखे
के दुवार म पड़े रहय,
21 अऊ ये आसा करय कि धनवान मनखे के मेज ले गिरे जूठा खाना ले अपन पेट भरय। अऊ त अऊ
कुकुरमन आके ओकर घावमन ला चाटंय।

22 “एक समय आईस, जब ओ भिखमंगा ह मर गीस अऊ स्वरगदूतमन ओला अब्राहम के तरफ ले गीन। ओ
धनवान मनखे घलो मर गीस अऊ ओला माटी दिये गीस।
23 मरे के बाद, ओह पाताल-लोक म पीरा भोगत रहय, अऊ जब ओह अपन आंखी उठाके देखिस, त बहुंत
दूरिहा म अब्राहम अऊ ओकर बाजू म लाजर रहय।
24 तब ओह नरियाके कहिस, ‘हे ददा अब्राहम, मोर ऊपर दया कर अऊ लाजर ला मोर करा पठो दे कि ओह
अपन अंगरी के टीप ला पानी म भिगोवय अऊ मोर जीभ ला ठंडा करय, काबरकि मेंह ये आगी के जुवाला म
बहुंत पीरा भोगत हवंव।’
25 “पर अब्राहम ह कहिस, ‘ए बेटा, सुरता कर कि तोला तोर जिनगी म जम्मो बने चीज मिले रिहिस, जबकि
लाजर ला खराप चीज मिले रिहिस, पर अब ओह इहां सांति पावथे, अऊ तेंह दुख भोगत हस।
26 अऊ एकर अलावा, हमर अऊ तोर बीच म एक बहुंत गहिरा खंचवा बनाय गे हवय, ताकि जऊन मन इहां
ले तोर करा जाना चाहंय घलो, त नइं जा सकंय अऊ न ही उहां ले हमर करा कोनो पार होके आ सकय।’
27 “ओ मनखे ह कहिस, ‘तब मेंह तोर ले बिनती करत हंव, ददा; लाजर ला मोर ददा के घर म पठो दे,
28 काबरकि मोर पांच झन भाई हवंय। ओह जाके ओमन ला चेतावय, ताकि ओमन पीरा भोगे के ये जगह म
झन आवंय।’
29 “पर अब्राहम ह कहिस, ‘ओमन करा मूसा अऊ अगमजानीमन के किताब हवय। ओमन ओ किताब म लिखे
संदेस ला सुनंय।’
30 “ओ मनखे ह कहिस, ‘नइं, हे ददा अब्राहम, यदि मरे मनखे म ले कोनो उठके ओमन करा जावय, त ओमन
अपन पाप के पछ्ताप करहीं।’
31 “पर अब्राहम ह ओला कहिस, ‘यदि ओमन मूसा अऊ अगमजानीमन के बात ला नइं सुनंय, त कहूं कोनो
मरे म ले जी घलो उठय, तभो ले ओमन ओकर बात ला नइं मानहीं।’ ”

17

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 18:6-7, 21-22; [illegible] 9:42)

1 यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, “जऊन चीजमन मनखेमन के पाप म पड़े के कारन बनथें, ओमन जरूर
आहीं, पर धिक्कार अय ओ मनखे ला, जेकर दुवारा ओमन आथें।
2 कोनो मनखे ये छोटे मन ले कोनो के पाप म गिरे के कारन बनथे, त ओकर बर बने होतिस कि ओकर घेंच म
एक ठन चक्की के पाटा ला बांधे जातिस अऊ ओला समुंदर म फटिक दिये जातिस।
3 एकरसेति, सचेत रहव।
“यदि तुम्हर भाई ह पाप करथे, त ओला दबकारव, अऊ यदि ओह पछ्ताप करे, त ओला माफ कर देवव।
4 यदि दिन म, ओह सात बार ले तुम्हर बिरोध म पाप करय अऊ सातों बार तुम्हर करा वापिस आके कहय,
‘मेंह पछ्तावत हंव,’ त ओला जरूर माफ कर देवव।”
5 प्रेरितमन परभू ला कहिन, “हमर बिसवास ला बढ़ा!”
6 परभू ह कहिस, “यदि तुम्हर बिसवास ह सरसों के एक छोटे बीजा बरोबर घलो हवय, त तुमन ये सहतूत के
रूख ला कह सकथव, ‘अपनआप जरी सहित उखनके समुंदर म लग जा,’ अऊ येह तुम्हर हुकूम ला मानही।
7 “मान लव, तुमन ले एक झन के एक सेवक हवय, जऊन ह खेत म नांगर जोतथे या मेढ़ामन ला चराथे। जब
ओह खेत ले आवय, त का तुमन ओला ये कहिहू, ‘जल्दी आ अऊ खाय बर बईठ’?
8 नइं! बल्कि तुमन ओला ये कहिहू, ‘मोर बर खाना तियार कर; जब तक मेंह खावत-पीयत हवंव, तेंह तियार
रह अऊ मोर सेवा कर, अऊ ओकर बाद तेंह घलो खा-पी ले’?
9 का तुमन अपन ओ सेवक ला धनबाद दूहू काबरकि ओह ओ काम ला करिस, जऊन ला ओला करे बर कहे
गीस?
10 एही बात तुम्हर बर घलो लागू होथे। जब तुमन ओ जम्मो काम ला कर चुकव, जऊन ला करे बर तुमन ला
कहे गे रिहिस, तब ये कहव, ‘हमन अयोग्य सेवक अन; हमन सिरिप हमर बुता ला करे हवन।’ ”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

11 यीसू ह यरूसलेम सहर जावत बखत, सामरिया अऊ गलील प्रदेस के बीच ले होवत गीस।
12 जब ओह एक गांव म हबरिस, त ओला दस आदमी मिलिन, जेमन ला कोढ़ के बेमारी रहय। ओमन दूरिहा
म ठाढ़ हो गीन
13 अऊ चिचियाके कहिन, "हे यीसू, हे मालिक! हमर ऊपर दया कर!"
14 जब यीसू ह ओमन ला देखिस, त कहिस, "जावव, अऊ अपनआप ला पुरोहितमन ला देखावव।" अऊ
ओमन जावत-जावत बेमारी ले सुध हो गीन।
15 ओमा ले एक झन, जब अपनआप ला देखिस कि ओह बने हो गे हवय, त ओह चिचिया-चिचियाके परमेसर
के महिमा करत वापिस लहुंटके आईस,
16 ओह यीसू के गोड़ खाल्हे गिरिस अऊ ओला धनबाद दीस—अऊ ओह एक सामरी मनखे रिहिस।
17 यीसू ह कहिस, "दस मनखेमन कोढ़ ले बने होईन, त फेर ओ नौ झन कहां हवंय?
18 का ये परदेसी के छोंड़ अऊ कोनो नइं आईन कि परमेसर के बड़ई करंय।"
19 अऊ यीसू ह ओला कहिस, "उठ अऊ जा; तोर बिसवास ह तोला बने करे हवय।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 24:23-28, 37-41)

20 एक बार, फरीसीमन यीसू ले पुछिन कि परमेसर के राज ह कब आही, त ओह जबाब दीस, "परमेसर के राज
ह अइसने नइं आवय कि ओला तुमन देख सकव,
21 अऊ न कोनो कह सकंय, 'देखव, ओह इहां हवय,' या 'ओह उहां हवय,' काबरकि परमेसर के राज ह तुम्हर
बीच म हवय।"
22 तब ओह अपन चेलामन ला कहिस, "ओ समय ह आवत हवय, जब तुमन मनखे के बेटा के एक दिन ला
देखे के ईछा करहू, पर ओह तुमन ला देखे बर नइं मिलही।
23 मनखेमन तुमन ला कहिहीं, 'ओह उहां हवय' या 'ओह इहां हवय!' पर तुमन ओमन के पाछू झन जावव।
24 काबरकि मनखे के बेटा ह अपन दिन म ओ बिजली के सहीं होही, जऊन ह अकास म एक छोर ले दूसर
छोर तक चमकथे अऊ अंजोर देथे।
25 पर पहिली ये जरूरी ए कि ओह बहुंत दुख भोगय अऊ ये पीढ़ी के मनखेमन के दुवारा अस्वीकार करे
जावय।
26 "जइसने नूह के समय म होय रिहिस, वइसनेच मनखे के बेटा के समय म घलो होही।
27 नूह के पानी जहाज के भीतर जावत तक, मनखेमन खावत-पीयत रिहिन, अऊ ओमन के बीच सादी-बिहाव
होवत रिहिस, पर नूह के जहाज म चघे के बाद पानी के बाढ़ आईस अऊ ओ जम्मो झन ला नास कर दीस।
28 "अइसनेच, लूत के समय म घलो होईस। मनखेमन खावत-पीयत रहंय, लेन-देन करत रहंय, रूख लगावत
रहंय अऊ घर बनावत रहंय।
29 पर जऊन दिन लूत ह सदोम सहर ला छोंड़के चल दीस, ओहीच दिन अकास ले आगी अऊ गंधक गिरिस
अऊ ओ जम्मो झन ला नास कर दीस।
30 "जऊन दिन मनखे के बेटा ह परगट होही, ओ दिन घलो बिलकुल अइसनेच होही।
31 ओ दिन जऊन ह अपन घर के छानी म होवय, ओह घर ले अपन सामान लेय बर छानी से झन उतरय।
ओही किसम ले जऊन ह बाहिर खेत म होवय, ओह कोनो चीज बर घर ला झन लहुंटय।
32 लूत के घरवाली ला सुरता करव।
33 जऊन ह अपन जिनगी ला बचाय के कोसिस करथे, ओह ओला गंवाही अऊ जऊन ह अपन जिनगी ला
गंवाथे, ओह ओला बचाही।
34 मेंह तुमन ला कहत हंव, ओ रथिया दू झन मनखे एक ठन खटिया म सुते होहीं, ओमा ले एक झन ला ले
लिये जाही, अऊ दूसर ला छोंड़ दिये जाही।
35 दू माईलोगनमन एक संग पीसान पीसत होहीं, ओमा ले एक झन ला ले लिये जाही, अऊ दूसर ला छोंड़
दिये जाही।
36 दू झन खेत म होहीं, ओमा ले एक झन ला ले लिये जाही, अऊ दूसर झन ला छोंड़ दिये जाही।*"

* **17:36** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

37 चेलामन ओकर ले पुछिन, “हे परभू, ओमन ला कहां ले लिये जाही?”
यीसू ह ओमन ला कहिस, “जिहां लास हवय, उहां गिधवामन जूरहीं।”

18

[illegible]

1 तब यीसू ह अपन चेलामन ला ये सिखोय बर एक पटंतर कहिस कि ओमन हमेसा पराथना करंय अऊ
हिम्मत रखंय।
2 ओह कहिस, “एक सहर म एक नियायधीस रिहिस, जऊन ह न परमेसर ले डरय अऊ न ही मनखेमन के
परवाह करय।
3 ओहीच सहर म एक बिधवा रहय, जऊन ह ओ नियायधीस करा बार-बार आके बिनती करय, ‘मोर बईरी के
बिरोध म मोर नियाय कर।’
4 “कुछू समय तक तो ओह बिधवा के बात ला नइं मानिस। पर आखिर म ओह अपन मन म कहिस, ‘हालाकि
मेंह परमेसर ले नइं डरंव या मनखेमन के परवाह नइं करंव,
5 पर ये बिधवा ह बार-बार आके मोला तकलीफ देवत हे, मेंह देखहूं कि येला नियाय मिलय, ताकि येह
बार-बार आके मोला परेसान झन करय।’ ”
6 अऊ परभू ह कहिस, “सुनव, ये अधरमी नियायधीस ह का कहिथे?
7 त का परमेसर ह अपन चुने मनखेमन के नियाय नइं करही, जऊन मन दिन अऊ रात ओकर से गोहार
पारथें? का ओह ओमन के बारे म देरी करही?
8 मेंह तुमन ला कहत हंव, ओह देखही कि ओमन ला नियाय मिलय अऊ जल्दी मिलय। पर जब मनखे के
बेटा ह आही, त का ओह धरती म अपन ऊपर बिसवास करइया मनखेमन ला पाही।”

[illegible]

9 यीसू ह ये पटंतर ओमन बर कहिस, जऊन मन अपनआप ला बहुंत धरमी अऊ आने मन ला तुछ समझंय।
10 “दू झन मनखे मंदिर म पराथना करे बर गीन; ओमा के एक झन फरीसी रिहिस अऊ एक झन लगान
लेवइया।
11 फरीसी ह ठाढ़ होईस अऊ अइसने पराथना करन लगिस, ‘हे परमेसर, मेंह तोर धनबाद करत हंव कि मेंह
आने मनखेमन सहीं लालची, बेईमान अऊ बेभिचारी नो हंव, अऊ मेंह ये लगान लेवइया के सहीं घलो नो हंव।
12 मेंह हप्ता म दू दिन उपास रखथंव अऊ मेंह अपन जम्मो कमई के दसवां भाग तोला देथंव।’
13 “पर लगान लेवइया ह दूरिहा म ठाढ़ होईस। अऊ त अऊ ओह स्वरग कोति आंखी उठाके देखे के हिम्मत
घलो नइं करिस, पर ओह अपन छाती ला पीट-पीटके कहिस, ‘हे परमेसर, मोर ऊपर दया कर, मेंह एक पापी
मनखे अंव।’
14 “मेंह तुमन ला कहत हंव कि ओ फरीसी ह नइं, पर ये लगान लेवइया ह परमेसर के आघू म धरमी गने गीस,
जब ओह अपन घर गीस। काबरकि जऊन ह अपनआप ला बड़े समझथे, ओला दीन-हीन करे जाही, अऊ जऊन
ह अपनआप ला दीन-हीन करथे, ओला बड़े करे जाही।”

[illegible]
([illegible] *19:13-15;* [illegible] *10:13-16)*

15 मनखेमन छोटे लइकामन ला यीसू करा लानत रहंय, ताकि ओह ओमन के ऊपर अपन हांथ रखय। पर जब
चेलामन येला देखिन, त ओमन मनखेमन ला दबकारे लगिन।
16 पर यीसू ह लइकामन ला अपन करा बलाईस अऊ कहिस, “छोटे लइकामन ला मोर करा आवन दव, अऊ
ओमन ला झन रोकव, काबरकि परमेसर के राज ह अइसने मन बर अय।
17 मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह परमेसर के राज ला एक छोटे लइका सहीं गरहन नइं करही, ओह
परमेसर के राज म कभू जाय नइं पाही।”

[illegible]
([illegible] *19:1-30;* [illegible] *10:17-31)*

18 एक यहूदी अधिकारी ह यीसू ले पुछिस, “हे बने गुरू! परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाय बर मोला
का करना पड़ही?”

19 यीसू ह ओला कहिस, “तेंह मोला काबर बने कहत हवस? सिरिप परमेसर के छोंड़, अऊ कोनो बने नो हंय।
20 तेंह हुकूममन ला त जानत हवस: ‘हतिया झन करव, छिनारी झन करव, चोरी झन करव, लबारी गवाही
झन देवव, कोनो ला झन ठगव, अपन दाई-ददा के आदरमान करव।’*”
21 ओ मनखे ह कहिस, “ये जम्मो बात ला मेंह अपन लइकापन ले मानत आवत हंव।”
22 ये सुनके यीसू ह ओला कहिस, “तोर म अभी घलो एक बात के कमी हवय। जऊन कुछू तोर करा हवय, ओ
जम्मो ला बेचके गरीबमन ला देय दे; अऊ तोला स्वरग म धन मिलही। तब आ अऊ मोर पाछू हो ले।”
23 ये बात ला सुनके ओह बहुंत उदास होईस, काबरकि ओह एक बहुंत धनवान मनखे रिहिस।
24 यीसू ह ओला देखके कहिस, “धनवान मनखे के परमेसर के राज म जवई कतेक कठिन अय,
25 वास्तव म, एक धनवान मनखे के परमेसर के राज म जाय के बनिस्पत सूजी के छेदा म ले ऊंट के निकल
जवई सरल अय।”
26 जऊन मन येला सुनत रिहिन, ओमन पुछिन, “त फेर कोन ह उद्धार पा सकथे?”
27 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन बात ह मनखे के दुवारा संभव नो हय, ओह परमेसर के दुवारा संभव अय।”
28 तब पतरस ह ओला कहिस, “देख! हमन हमर जम्मो चीज ला छोंड़के तोर पाछू हो ले हवन।”
29 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह परमेसर के राज के हित म, घर या
घरवाली या भाई या दाई-ददा या लइकामन ला छोंड़ देय हवय,
30 ओह इही जुग म कतको गुना अधिक पाही, अऊ अवइया जुग म सदाकाल के जिनगी घलो पाही।”

[illegible] (मत्ती 20:17-19; मरकुस 10:32-34)

31 यीसू ह अपन बारह चेलामन ला एक तरफ ले गीस अऊ ओमन ला कहिस, “सुनव, हमन यरूसलेम जावत
हवन, अऊ मनखे के बेटा के बारे म अगमजानीमन के दुवारा लिखे हर एक बात ह पूरा होही।
32 ओला आनजातमन के हांथ म सऊंपे जाही। ओमन ओकर हंसी उड़ाहीं, ओकर बेजत्ती करहीं, ओकर ऊपर
थूकहीं,
33 ओला कोर्रा म मारहीं अऊ ओला मार डारहीं। पर ओह तीसरा दिन फेर जी उठही।”
34 चेलामन यीसू के बात ला नइं समझिन। ये बात के मतलब ह ओमन ले छिपे रिहिस, अऊ ओमन नइं
जानिन कि ओह काकर बारे म गोठियावत रिहिस।

[illegible] (मत्ती 20:29-34; मरकुस 10:46-52)

35 जब यीसू ह यरीहो सहर के लकठा म हबरिस, त उहां एक अंधरा मनखे ह सड़क-तीर म बईठके भीख मांगत
रहय।
36 जब ओह मनखेमन के भीड़ के रेंगे के अवाज सुनिस, त पुछिस, “का होवत हवय?”
37 मनखेमन ओला बताईन, “नासरत के यीसू ह जावत हवय।”
38 तब ओह चिचियाके कहिस, “हे यीसू, दाऊद के संतान, मोर ऊपर दया कर।”
39 जऊन मन यीसू के आघू म जावत रिहिन, ओमन ओला दबकारे लगिन अऊ ओला चुपेचाप रहे बर कहिन,
पर ओह अऊ जोर से चिचियाके कहिस, “हे दाऊद के संतान, मोर ऊपर दया कर।”
40 तब यीसू ह उहां ठाढ़ हो गीस अऊ हुकूम दीस, “ओ मनखे ला मोर करा लानव।” जब ओह लकठा म
आईस, त यीसू ह ओकर ले पुछिस,
41 “तेंह का चाहथस कि मेंह तोर बर करंव?”
ओह कहिस, “हे परभू, मेंह देखे बर चाहत हंव।”
42 यीसू ह ओला कहिस, “तेंह देखन लग; तोर बिसवास ह तोला बने करे हवय।”
43 अऊ तुरते ओह देखे लगिस अऊ परमेसर के महिमा करत ओह यीसू के पाछू हो लीस। जब जम्मो
मनखेमन येला देखिन, त ओमन घलो परमेसर के महिमा करिन।

---

* **18:20** निर 20:12-16; ब्यव 5:16-20

19

[illegible] [illegible]—[illegible]

1 यीसू ह यरीहो सहर म ले होके जावत रिहिस।
2 उहां जक्कई नांव के एक मनखे रहय। ओह लगान लेवइयामन के मुखिया रहय अऊ धनी मनखे रहय।
3 ओह ये देखे चाहत रहय कि यीसू ह कोन ए, पर बुटरा होय के कारन भीड़ के मारे ओह यीसू ला नइं देखे सकत रिहिस।
4 एकरसेति ओह भीड़ के आघू दऊड़िस अऊ यीसू ला देखे बर एक ठन डूमर रूख म चघ गीस, काबरकि यीसू ह ओही डहार म आवत रहय।
5 जब यीसू ह ओ जगह म हबरिस, त ओह ऊपर देखिस अऊ जक्कई ला कहिस, "हे जक्कई, तुरते खाल्हे उतर आ काबरकि आज मोला तोर घर म रूकना जरूरी ए।"
6 ओह तुरते खाल्हे उतरिस अऊ खुस होके यीसू ला अपन घर ले गीस।
7 येला देखके जम्मो मनखेमन कुड़कुड़ाय लगिन अऊ कहिन, "यीसू ह एक पापी मनखे के घर म पहुना होय बर गे हवय।"
8 पर जक्कई ह ठाढ़ होईस अऊ परभू ला कहिस, "हे परभू, अब मेंह अपन आधा संपत्ति गरीबमन ला देवत हवंव, अऊ यदि मेंह काकरो ले कुछू ठगके ले लेय हवंव, त मेंह ओकर चार गुना लहुंटाहूं।"
9 यीसू ह ओला कहिस, "आज परमेसर ह ये मनखे अऊ एकर परिवार ला उद्धार दे हवय, काबरकि ये मनखे ह घलो अब्राहम के एक संतान ए।
10 मनखे के बेटा ह एकर सहीं गंवायमन ला खोजे बर अऊ ओमन के उद्धार करे बर आय हवय।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(*[illegible] 25:14-30*)

11 जब मनखेमन ये बात ला सुनत रहंय, तब यीसू ह ओमन ला एक पटंतर कहिस, काबरकि ओह यरूसलेम सहर के लकठा म हबर गे रिहिस अऊ मनखेमन सोचत रहंय कि परमेसर के राज ह तुरते सुरू होवइया हवय।
12 एकरसेति ओह कहिस, "एक ऊंच कुल के मनखे ह एक बहुंत दूरिहा देस ला गीस कि ओह उहां राजपद पावय अऊ फेर लहुंटके आवय।
13 जाय के पहिली, ओह अपन दस झन सेवक ला बलाईस अऊ ओमन ला दस ठन सोन के सिक्का* देके कहिस, 'मोर वापिस लहुंटत तक ये पईसा ले बेपार करत रहव।'
14 "पर ओ देस के मनखेमन ओला बिलकुल ही पसंद नइं करत रिहिन, एकरसेति ओमन कुछू झन ला ओकर पाछू ये कहे बर पठोईन, 'हमन नइं चाहत हवन कि ये मनखे ह हमर राजा बनय।'
15 "तभो ले, ओह राजा बनाय गीस अऊ फेर घर लहुंटिस। तब ओह जऊन सेवकमन ला पईसा दे रिहिस, ओमन ला बलाईस अऊ ये जाने चाहिस कि ओमन कतेक कमाय हवंय।
16 "पहिली सेवक ह आईस अऊ कहिस, 'मालिक, तोर दिये सोन के सिक्का ले मेंह दस ठन अऊ सोन के सिक्का कमाय हवंव।'
17 "ओकर मालिक ह कहिस, 'बहुंत बने करय। तेंह बने सेवक अस, काबरकि तेंह थोरकन चीज म ईमानदार रहय, मेंह तोला दस ठन सहर के अधिकारी बनावत हंव।'
18 "दूसरा सेवक ह आईस अऊ कहिस, 'मालिक, तोर दिये सिक्का ले मेंह पांच ठन अऊ सोन के सिक्का कमाय हवंव।'
19 "ओकर मालिक ह कहिस, 'मेंह तोला पांच ठन सहर के अधिकारी बनावत हंव।'
20 "तब एक आने सेवक आईस अऊ कहिस, 'मालिक, ये हवय तोर सोन के सिक्का, मेंह येला एक ठन कपड़ा के टुकड़ा म छुपाके रखे रहेंव।
21 मेंह तोर ले डरत रहेंव, काबरकि तेंह एक कठोर मनखे अस। तेंह ओला ले लेथस, जऊन ह तोर नो हय, अऊ जऊन ला तेंह नइं बोय रहस, ओला लूथस।'

---

* **19:13** या मीना, एक मीना ह लगभग तीन महिना के मजदूरी

22 “ओकर मालिक ह कहिस, ‘हे दुस्ट सेवक! मेंह तोर नियाय तोर कहे बचन के मुताबिक करहूं। तेंह जानत
रहय कि मेंह एक कठोर मनखे अंव; मेंह ओला ले लेथंव, जऊन ह मोर नो हय, अऊ ओला लू लेथंव, जऊन ला
मेंह नइं बोय रहंव।
23 तब तेंह मोर पईसा ला बैंक म काबर जमा नइं कर देवय, ताकि जब मेंह वापिस आयेंव, त ओला बियाज
सहित ले लेतेंव?’
24 “तब जऊन मन उहां ठाढ़े रिहिन, ओमन ला ओह कहिस, ‘एकर ले सोन के सिक्का ला लेय लव अऊ ओला
दे दव, जेकर करा दस ठन सिक्का हवय।’
25 “ओमन कहिन, ‘हे मालिक, ओकर करा तो आघू ले दस ठन सिक्का हवय।’
26 “ओह जबाब देवत कहिस, ‘मेंह तुमन ले कहत हंव कि हर एक झन जेकर करा हवय, ओला अऊ दिये
जाही, पर जेकर करा नइं ए, ओकर ले ओ चीज घलो ले लिये जाही, जऊन ह ओकर करा बांचे हवय।
27 पर मोर ओ बईरीमन ला इहां लानव, जऊन मन नइं चाहत रिहिन कि मेंह ओमन के राजा बनंव अऊ
ओमन ला मोर आघू म मार डारव।’ ”

[illegible]
([illegible] 21:1-11; [illegible] 11:1-11; [illegible] 12:12-19)

28 जब यीसू ह ये कह चुकिस, त ओह यरूसलेम कोति ओमन के आघू-आघू गीस।
29 जब यीसू ह जैतून पहाड़ करा बैतफगे अऊ बैतनियाह गांव के लकठा म आईस, त ओह अपन चेलामन ले
दू झन ला ये कहिके पठोईस,
30 “अपन आघू के गांव म जावव, अऊ जइसने ही तुमन गांव म हबरहू, तुमन ला उहां एक ठन गदही के
बछेड़ा बंधाय मिलही, जेकर ऊपर कभू कोनो सवारी नइं करे हवंय। ओला ढीलके इहां ले आवव।
31 कहूं कोनो तुम्हर ले पुछय, ‘येला काबर ढीलत हवव?’ त ओला कहव, ‘परभू ला एकर जरूरत हवय।’ ”
32 जऊन चेलामन यीसू के दुवारा पठोय गे रिहिन, ओमन उहां जाके वइसनेच पाईन, जइसने यीसू ह ओमन
ला कहे रिहिस।
33 जब ओमन गदही के बछेड़ा ला ढीलत रिहिन, त ओकर मालिकमन ओमन ले पुछिन, “तुमन ये गदही के
बछेड़ा ला काबर ढीलत हवव?”
34 ओमन कहिन, “परभू ला एकर जरूरत हवय।”
35 ओमन गदही के बछेड़ा ला यीसू करा लानिन। तब ओमन अपन ओनहामन ला गदही के बछेड़ा ऊपर
डालिन अऊ यीसू ला ओकर ऊपर बईठा दीन।
36 जब यीसू ह गदही के बछेड़ा म बईठके जावत रिहिस, त मनखेमन अपन ओनहा ला डहार म दसावत
जावत रहंय।
37 जब यीसू ह ओ जगह के लकठा म आईस, जिहां सड़क ह खाल्हे जैतून पहाड़ कोति जावत रिहिस, त
ओकर चेलामन के जम्मो भीड़ ह आनंद मनाय लगिस अऊ ओमन जऊन चमतकार के काम देखे रिहिन, ओकर
सेति चिचिया-चिचियाके परमेसर के महिमा करके कहिन:
38 “धइन ए ओ राजा, जऊन ह परभू के नांव म आथे!”†

“स्वरग म सांति अऊ सबले ऊंच म परमेसर के महिमा होवय!”
39 भीड़ म के कुछू फरीसीमन यीसू ला कहिन, “हे गुरू! अपन चेलामन ला दबकार।”
40 “यीसू ह कहिस,” “मेंह तुमन ला कहत हंव कि यदि येमन चुप रहिहीं, त पथरामन चिचिया उठहीं।”
41 जब यीसू ह यरूसलेम सहर के लकठा म आईस, त ओह सहर ला देखके रोईस,
42 अऊ कहिस, “बने होतिस कि कहूं तेंह आज के दिन सिरिप ये जान गे रहितय कि का बात म तोला सांति
मिलही। पर अब ओ चीजमन तोर आंखी ले छुपाय गे हवंय।
43 ओ समय ह तोर ऊपर आही, जब तोर बईरीमन तोर चारों कोति घेरा बनाहीं अऊ तोला घेरहीं अऊ तोला
जम्मो कोति ले बंद कर दीहीं।

† **19:38** भजन 118:26

44 ओमन तोला अऊ तोर घेरा के भीतर रहइया मनखेमन ला पूरा नास कर दीहीं; ओमन एको ठन पथरा ला
अपन जगह म नइं छोड़हीं, काबरकि तेंह ओ समय ला नइं चिनहय, जब परमेसर ह तोर करा आईस।”

[illegible]
([illegible] 21:12-17; [illegible] 11:15-19; [illegible] 2:13-22)

45 तब यीसू ह मंदिर म गीस अऊ ओमन ला निकाले के सुरू करिस, जऊन मन उहां सामान बेचत रिहिन,
46 अऊ ओह ओमन ला कहिस, “परमेसर के बचन म ये लिखे हवय, ‘मोर घर ह पराथना के घर होही।’‡ पर
तुमन येला डाकूमन के अड्डा बना दे हवव।”
47 यीसू ह हर दिन मंदिर म उपदेस करत रिहिस। अऊ मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ मनखेमन के
अगुवामन ओला मार डारे के कोसिस करत रिहिन।
48 पर ओमन ला अइसने करे बर कोनो उपाय नइं मिलिस, काबरकि जम्मो मनखेमन बड़े लगन से यीसू के
बात ला सुनंय।

20

[illegible]
([illegible] *21:23-27;* [illegible] *11:27-33)*

1 एक दिन जब यीसू ह मंदिर के अंगना म मनखेमन ला उपदेस देवत रिहिस अऊ सुघर संदेस के परचार करत
रिहिस, त मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन अगुवामन के संग ओकर करा आईन,
2 अऊ ओमन यीसू ले पुछिन, “हमन ला बता, कोन अधिकार ले तेंह ये चीजमन ला करत हवस? कोन ह
तोला ये अधिकार दे हवय?”
3 ओह ओमन ला जबाब देवत कहिस, “मेंह घलो तुमन ले एक सवाल पुछत हंव। मोला बतावव,
4 यूहन्ना के बतिसमा देवई ह स्वरग* ले रिहिस या मनखे कोति ले?”
5 ओमन आपस म सोच-बिचार करिन अऊ कहिन, “यदि हमन कहन, ‘स्वरग ले,’ त ओह कहिही, ‘तब तुमन
ओकर ऊपर बिसवास काबर नइं करेव?’
6 पर यदि हमन कहन, ‘मनखेमन ले,’ त जम्मो मनखे हमन ला पथरा फेंकके मारहीं, काबरकि ओमन बिसवास
करथें कि यूहन्ना ह एक अगमजानी रिहिस।”
7 एकरसेति ओमन जबाब दीन, “हमन नइं जानन कि ओह काकर कोति ले रिहिस।”
8 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “त मेंह घलो तुमन ला नइं बतावंव कि कोन अधिकार ले मेंह ये काममन ला
करत हवंव।”

[illegible]
([illegible] *21:33-46;* [illegible] *12:1-12)*

9 तब यीसू ह मनखेमन ला ये पटंतर कहिस, “एक मनखे ह एक अंगूर के बारी लगाईस, अऊ ओला कुछू
किसानमन ला रेगहा म दे दीस अऊ बहुंत दिन बर परदेस चल दीस।
10 जब अंगूर के फसल के समय आईस, त ओह अपन एक सेवक ला ओ किसानमन करा पठोईस ताकि ओमन
अंगूर के बारी के कुछू फर ओला देवंय। पर किसानमन ओ सेवक ला मारिन-पीटिन अऊ ओला जुच्छा हांथ
लहुंटा दीन।
11 तब ओह दूसर सेवक ला पठोईस, पर किसानमन ओला घलो मारिन-पीटिन; ओकर बेजत्ती करिन अऊ
ओला जुच्छा हांथ वापिस पठो दीन।
12 फेर ओह तीसरा सेवक ला पठोईस, अऊ किसानमन ओला घायल करके बारी के बाहिर फटिक दीन।
13 “तब अंगूर के बारी के मालिक ह कहिस, ‘मेंह का करंव? मेंह अपन मयारू बेटा ला पठोहूं। हो सकथे कि
ओमन ओकर आदर करंय।’
14 “पर जब किसानमन मालिक के बेटा ला देखिन, त ओमन आपस म बात करिन अऊ कहिन, ‘येह तो बारी
के वारिस ए। आवव, हमन येला मार डालन, तब एकर संपत्ति ह हमर हो जाही।’
15 अऊ ओमन ओला अंगूर के बारी के बाहिर फटिक दीन अऊ ओला मार डारिन।
“तब अंगूर के बारी के मालिक ह ओमन के संग का करही?

‡ **19:46** यसा 56:7 * **20:4** या *[illegible]*

16 ओह आही अऊ ओ किसानमन ला मार डारही अऊ अंगूर के बारी ला आने मन ला दे दीही।”
जब मनखेमन येला सुनिन, त ओमन कहिन, “अइसने कभू झन होवय।”
17 यीसू ह ओमन ला देखके कहिस, “तब परमेसर के बचन म लिखे ये बात के का मतलब होथे:
“ ‘जऊन पथरा ला घर के बनइयामन बेकार समझे रिहिन,
ओहीच ह कोना के मुख पथरा हो गीस’†?
18 जऊन कोनो ओ पथरा ऊपर गिरही, ओह कुटा-कुटा हो जाही, पर जेकर ऊपर ये पथरा ह गिरही, ओह पीसा जाही।”
19 कानून के गुरू अऊ मुखिया पुरोहितमन ओतकीच बेरा यीसू ला पकड़े के उपाय सोचे लगिन, काबरकि ओमन जानत रिहिन कि ओह ये पटंतर ला ओमन के बिरोध म कहे हवय। पर ओमन मनखेमन ले डर्राईन।

[illegible]
(मत्ती 22:15-22; मरकुस 12:13-17)

20 ओमन यीसू ऊपर नजर रखे रहंय अऊ ओमन भेदियामन ला पठोईन, जऊन मन ईमानदार होय के ढोंग करत रहंय। ओमन ये आसा करत रहंय कि यीसू के मुहूं ले कोनो अइसने बात निकले, जेकर ले ओला ओमन पकड़ंय अऊ राजपाल के हांथ अऊ अधिकार म सऊंप देंय।
21 एकरसेति ओ भेदियामन यीसू ले पुछिन, “हे गुरू, हमन जानथन कि तेंह ओ बात ला कहिथस अऊ सिखोथस जऊन ह सही ए, अऊ तेंह मुहूं देखके नइं गोठियावस, पर सच्चई के संग परमेसर के बात ला सिखोथस।
22 हमन ला बता कि महाराजा ला लगान पटाना हमर बर ठीक अय कि नइं?”
23 पर यीसू ह ओमन के चाल ला समझ गीस अऊ कहिस,
24 “मोला एक ठन सिक्का देखावव। एकर ऊपर काकर मूरती अऊ नांव हवय?”
ओमन कहिन, “महाराजा के।”
25 यीसू ह ओमन ला कहिस, “जऊन ह महाराजा के अय, ओला महाराजा ला देवव, अऊ जऊन ह परमेसर के अय, ओला परमेसर ला देवव।”
26 जऊन बात, ओह मनखेमन के आघू म कहिस, ओमा ओमन ओला फंसाय नइं सकिन। अऊ ओकर जबाब ले चकित होके, ओमन चुप हो गीन।

[illegible]
(मत्ती 22:23-33; मरकुस 12:18-27)

27 सदूकीमन कहिथंय कि मरे मनखेमन के जी उठई, नइं होवय, ओमा के कुछू झन यीसू करा आईन अऊ ओकर ले पुछिन,
28 “हे गुरू, मूसा ह हमर बर लिखे हवय कि यदि कोनो मनखे के भाई ह अपन घरवाली के रहत बिगर संतान के मर जावय, त येह जरूरी ए कि ओ मनखे ह अपन भाई के बिधवा ले बिहाव कर ले अऊ अपन भाई बर संतान पईदा करय।
29 एक जगह सात झन भाई रिहिन। पहिला भाई ह एक माईलोगन ले बिहाव करिस अऊ बिगर कोनो लइका के मर गीस।
30 तब दूसरा भाई ह ओ माईलोगन ले बिहाव करिस,
31 अऊ तब तीसरा भाई ह ओकर ले बिहाव करिस, अऊ इही किसम ले सातों भाई बिगर कोनो संतान के मर गीन।
32 आखिर म ओ माईलोगन घलो मर गीस।
33 तब मरे मनखेमन के जी उठे के बाद, ओह काकर घरवाली होही? काबरकि ओह सातों भाईमन ले बिहाव करे रिहिस?”
34 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “ये जुग के आदमी अऊ माईलोगनमन सादी-बिहाव करथें,
35 पर जऊन मन ये लईक ठहिरथें कि ओमन अवइया जुग अऊ मरे मनखेमन के जी उठई म भाग लेवंय, त ओमन न तो बिहाव करहीं अऊ न ही ओमन ला बिहाव म दिये जाही।

† **20:17** भजन 118:22

36 अऊ ओमन फेर कभू नइं मरंय; काबरकि ओमन स्वरगदूतमन सहीं अंय। ओमन परमेसर के संतान अंय,
काबरकि ओमन मरे मनखेमन ले जी उठे हवंय।
37 मरे मन जी उठथें, येला मूसा ह घलो जरत झाड़ी के घटना म बताथे, जिहां ओह परभू ला 'अब्राहम के
परमेसर, अऊ इसहाक के परमेसर, अऊ याकूब के परमेसर,' कहिथे‡।
38 एकर मतलब होथे कि ओह मरे मन के नइं, पर जीयतमन के परमेसर अय, काबरकि ओकर बर जम्मो झन
जीयत हवंय।"
39 कुछू कानून के गुरूमन कहिन, "हे गुरू, तेंह बने कहे!"
40 एकर बाद ओमन ओला अऊ कोनो सवाल करे के हिम्मत नइं करिन।

[illegible] 22:41-46; [illegible] 12:35-37)

41 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "ओमन कइसने कह सकथें कि मसीह ह दाऊद के संतान अय?
42 काबरकि दाऊद ह खुदे भजन-संहिता के किताब म कहिथे:
" 'परभू ह मोर परभू ले कहिस:
"मोर जेवनी हांथ कोति बईठ,
43 जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला
तोर गोड़ रखे के चउकी नइं बना देवंव।" '§
44 जब दाऊद ह ओला 'परभू' कहिथे, तब मसीह ह दाऊद के संतान कइसने हो सकथे?"

[illegible]

45 जब जम्मो मनखेमन यीसू के बात ला सुनत रिहिन, त यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस,
46 "कानून के गुरूमन ले सचेत रहव। ओमन लम्बा-लम्बा ओनहा पहिरके एती-ओती घुमई पसंद करथें अऊ
ओमन ला बजार के जगह म आदर के संग जोहार झोंकई, यहूदीमन के सभा-घर म सबले बने आसन अऊ
जेवनार म आदर के ठऊर म बईठई बने लगथे।
47 ओमन बिधवामन के घर ला हड़प लेथें, अऊ देखाय बर लम्बा-लम्बा पराथना करथें। अइसने मनखेमन
बहुंत दंड पाहीं।"

21

[illegible] 12:41-44)

1 यीसू ह देखिस कि धनी मनखेमन अपन दान ला मंदिर के खजाना म डारत रहंय।
2 ओह उहां एक गरीब बिधवा ला घलो ओमा दू ठन तांबा के छोटे सिक्का डारत देखिस।
3 यीसू ह कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि ये गरीब बिधवा ह आने जम्मो झन ले जादा दान दे हवय।
4 काबरकि ओ जम्मो मनखे अपन बढ़त धन ले दान दे हवंय; पर येह अपन गरीबी म ले जम्मो ला देय दे हवय,
जेमा ओकर गुजारा होय रहितिस।"

[illegible] 24:1-2; [illegible] 13:1-2)

5 यीसू के कुछू चेलामन मंदिर के बारे म गोठियावत रिहिन कि मंदिर ह कइसने सुघर पथरामन ले अऊ
परमेसर ला चघाय दान ले सजाय-संवारे गे हवय। पर यीसू ह कहिस,
6 "ओ चीज जऊन ला तुमन इहां देखत हवव, एक समय आही, जब एको ठन पथरा उहां अपन जगह म नइं
बांचही; हर एक पथरा ला गिरा दिये जाही।"
7 ओमन पुछिन, "हे गुरू, ये बातमन कब होही? अऊ ये बातमन के होय के पहिली, का चिनहां दिखही?"
8 यीसू ह कहिस, "सचेत रहव कि तुमन धोखा झन खावव। काबरकि कतको झन मोर नांव म आहीं अऊ
कहिहीं 'मेंह मसीह अंव' अऊ 'समय ह लकठा आ गे हवय।' पर ओमन के पाछू झन जावव।

---

‡ **20:37** निर 3:6 § **20:43** भजन 110:1

9 जब तुमन लड़ई अऊ उपदरव के बात सुनव, त झन डरव। पहिली ये बातमन के होना जरूरी अय, पर ओ
समय तुरते अन्त नइं होवय।”
10 तब यीसू ह ओमन ला कहिस: “एक देस ह दूसर देस ऊपर अऊ एक राज ह दूसर राज ऊपर चढ़ई करही।
11 कतको जगह म भयंकर भुइंडोल, अकाल अऊ महामारी होही, अऊ अकास ले भयंकर घटना अऊ बड़े-बड़े
चिनहां परगट होहीं।
12 “पर ये जम्मो होय के पहिली, मनखेमन तुमन ला पकड़हीं अऊ सताहीं। ओमन तुमन ला यहूदीमन के
सभा-घर म सऊंप दीहीं अऊ तुमन ला जेल म डार दीहीं। तुमन ला राजा अऊ हाकिममन के आघू म लाने जाही
अऊ ये जम्मो बात मोर नांव के कारन होही।
13 येह तुम्हर बर मोर गवाही देय के मऊका होही।
14 अपन मन म ठान लेवव कि एकर बारे म आघू ले फिकर करे के जरूरत नइं ए कि अपन बचाव कइसने करहू।
15 काबरकि मेंह तुमन ला बचन अऊ बुद्धि दूहूं कि तुम्हर कोनो घलो बईरी तुम्हर बिरोध या खंडन नइं कर
सकहीं।
16 अऊ त अऊ तुम्हर दाई-ददा, भाई, रिस्तेदार अऊ संगवारीमन तुमन ला पकड़वाहीं अऊ ओमन तुमन म
ले कुछू झन ला मरवा डारहीं।
17 मोर कारन, जम्मो मनखेमन तुम्हर ले घिन करहीं।
18 पर तुम्हर मुड़ के कोनो बाल घलो बांका नइं होवय।
19 मोर बिसवास म मजबूत रहे के दुवारा तुमन अपन जिनगी ला बचाहू।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 24:15-21; [illegible] 13:14-19)

20 “जब तुमन यरूसलेम ला सेनामन ले चारों कोति घेराय देखव, त तुमन जान लेवव कि एकर बिनास
होवइया हवय।
21 तब जऊन मन यहूदिया प्रदेस म हवंय, ओमन पहाड़ ऊपर भाग जावंय; जऊन मन सहर म हवंय, ओमन
सहर ले निकल जावंय, अऊ जऊन मन सहर के बाहिर हवंय, ओमन सहर के भीतर झन जावंय।
22 काबरकि येह दंड के समय होही। ये किसम ले परमेसर के बचन म लिखे ओ जम्मो बात पूरा होही।
23 ओ माईलोगनमन बर कतेक भयानक बात होही, जऊन मन ओ दिन म देहें म होहीं अऊ जऊन दाईमन
लइकामन ला दूध पीयावत होहीं! देस म भयंकर बिपत्ति पड़ही अऊ परमेसर के कोरोध ये मनखेमन ऊपर
भड़कही।
24 ओमन तलवार ले मारे जाहीं अऊ मनखेमन ला बंदी के रूप म जम्मो देस म पहुंचाय जाही। यरूसलेम
सहर ला आनजातमन तब तक कुचरहीं, जब तक कि आनजातमन के समय ह पूरा नइं हो जावय।
25 “सूरज, चंदा अऊ तारामन म चिनहां दिखहीं। धरती म, जम्मो देस के मनखेमन दुख भोगहीं अऊ ओमन
समुंदर के गरजन अऊ भयंकर लहरा ले घबराहीं।
26 भय अऊ संसार म अवइया संकट के कारन मनखेमन के जी म जी नइं रहिही, काबरकि अकास के
सक्तिमन हलाय जाहीं।
27 ओ समय मनखेमन ‘मनखे के बेटा’ ला एक बादर म सक्ति अऊ बड़े महिमा के संग आवत देखहीं।
28 जब ये बातमन होवन लगय, त ठाढ़ हो जावव अऊ अपन मुड़ ला ऊपर करव, काबरकि तुम्हर उद्धार ह
लकठा म होही।”
29 तब यीसू ह ओमन ला ये पटंतर कहिस, “अंजीर के रूख अऊ जम्मो आने रूखमन ला देखव।
30 जब ओमा पान निकलथे, त तुमन देखके खुदे जान लेथव कि घाम के महिना अवइया हवय।
31 ओहीच किसम ले, जब तुमन ये जम्मो घटनामन ला देखव, त जान लेवव कि परमेसर के राज ह अवइया
हवय।
32 “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जब तक ये जम्मो बातमन नइं हो जाहीं, तब तक ये पीढ़ी के मनखेमन
नइं मरंय।
33 अकास अऊ धरती ह टर जाही, पर मोर बचन ह कभू नइं टरय।

34 “सचेत रहव, नइं तो तुम्हर हिरदय ह खराप जिनगी, मतवारपन अऊ जिनगी के चिंता करे म लग जाही,
अऊ ओ दिन ह एक ठन फांदा के सहीं अचानक तुम्हर ऊपर आ जाही।
35 फांदा ह ओ जम्मो झन के ऊपर आही, जऊन मन धरती म रहिथें।
36 हमेसा सचेत रहव अऊ पराथना करत रहव कि तुमन ओ जम्मो अवइया संकट ले बच सकव, अऊ तुमन
‘मनखे के बेटा’ के आघू म ठाढ़ होय के लईक बन सकव।”
37 हर एक दिन यीसू ह मंदिर म उपदेस करय, अऊ हर संझा ओह बाहिर जैतून नांव के पहाड़ म रात बिताय
बर चले जावय,
38 अऊ जम्मो मनखेमन बड़े बिहनियां ले ओकर बात सुने बर मंदिर म आवंय।

22

[illegible] ? [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:14-16; [illegible] 14:10-11)

1 यहूदीमन के बिन खमीर के रोटी के तिहार जऊन ला फसह तिहार कहे जाथे, लकठा आवत रहय,
2 अऊ मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन चुपेचाप यीसू ला मार डारे के कुछू उपाय खोजत रहंय, पर
ओमन मनखेमन ले डरावत रहंय।
3 तब सैतान ह यहूदा के भीतर म हमाईस, जऊन ला इस्करियोती घलो कहे जावय, अऊ जऊन ह यीसू के
बारह चेलामन ले एक झन रिहिस।
4 यहूदा ह मुखिया पुरोहित अऊ मंदिर के रखवारमन के अधिकारीमन करा गीस अऊ ओमन के संग बातचीत
करिस कि ओह यीसू ला कइसने ओमन के हांथ म पकड़वाही।
5 ओमन खुस होईन अऊ ओला पईसा देय बर राजी हो गीन।
6 यहूदा घलो तियार हो गीस, अऊ मऊका खोजे लगिस कि जब उहां भीड़ झन रहय, तब ओह यीसू ला
ओमन के हांथ म पकड़वा देवय।

[illegible] [illegible]
([illegible] 26:17-25; [illegible] 14:12-21; [illegible] 13:21-30)

7 तब यहूदीमन के बिन खमीर के रोटी के दिन ह आईस अऊ ये दिन म फसह के मेढ़ा-पीला ला बलिदान
करना जरूरी रहय।
8 यीसू ह पतरस अऊ यूहन्ना ला ये कहिके पठोईस, “जावव अऊ हमर बर फसह तिहार के भोजन के तियारी
करव।”
9 ओमन पुछिन, “तेंह कहां चाहथस कि हमन एकर तियारी करन?”
10 यीसू ह ओमन ला कहिस, “जब तुमन सहर म जाहू, त तुमन ला एक मनखे घघरी म पानी ले जावत
मिलही। जऊन घर म ओह जावय, तुमन ओकर पाछू-पाछू जावव,
11 अऊ ओ घर के मालिक ले कहव, ‘गुरू ह पुछत हवय कि ओ पहुना कमरा कहां हवय, जिहां ओह अपन
चेलामन संग फसह के भोज खा सकय?’
12 ओह तुमन ला अटारी म सजे-सजाय अऊ तियार एक ठन बड़े कमरा देखा दीही। उहां तुमन तियारी करव।”
13 ओमन गीन अऊ हर चीज ला वइसनेच पाईन, जइसने यीसू ह ओमन ला कहे रिहिस, अऊ ओमन फसह
तिहार के भोजन के तियारी करिन।
14 जब समय आईस, त यीसू अऊ ओकर प्रेरितमन खाय बर बईठिन।
15 अऊ ओह ओमन ला कहिस, “एकर पहिली कि मेंह दुख भोगंव, मोर बहुंत ईछा रिहिस कि मेंह तुम्हर संग
ये फसह के भोजन ला खावंव।
16 काबरकि मेंह तुमन ला कहत हंव, जब तक जम्मो बात परमेसर के राज म पूरा नइं हो जावय, तब तक मेंह
येला फेर नइं खावंव।”
17 तब यीसू ह अंगूर के मंद के कटोरा ला लेके परमेसर ला धनबाद दीस अऊ कहिस, “येला लेवव अऊ
आपस म बांट लेवव।

18 काबरकि मेंह तुमन ला कहत हंव कि जब तक परमेसर के राज नइं आ जावय, तब तक मेंह अंगूर के मंद ला
फेर नइं पीयंव।”
19 तब ओह कुछू रोटी लीस, अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओला टोरिस अऊ अपन चेलामन ला देके कहिस,
“येह मोर देहें ए, जऊन ह तुम्हर बर देय जावत हवय; मोर सुरता म एही करे करव।”
20 ओही किसम ले भोजन के पाछू, यीसू ह कटोरा ला लीस अऊ कहिस, “ये कटोरा ह मोर लहू म परमेसर के
नवां करार ए, जऊन ह तुम्हर बर ढारे जावथे।
21 पर जऊन ह मोला धोखा दीही, ओकर हांथ ह मोर संग मेज म हवय।
22 मनखे के बेटा ह मरही, जइसने परमेसर ह ठहिराय हवय; पर धिक्कार ए, ओ मनखे ऊपर, जऊन ह ओकर
संग बिसवासघात करत हे!”
23 तब चेलामन आपस म पुछे लगिन, “हमन म ओह कोन हो सकथे, जऊन ह ये काम करही।”

[illegible]

24 ओमन म ये बिवाद घलो होय लगिस कि ओमन के बीच म कोन चेला सबले बड़े माने जाही।
25 यीसू ह ओमन ला कहिस, “आनजातमन के राजामन अपन मनखेमन ऊपर हुकूम चलाथें; अऊ जऊन मन
ओमन के ऊपर अधिकार रखथें, ओमन अपनआप ला भलई करइया कहिथें।
26 पर तुमन ला वइसने नइं बनना हवय। एकर बदले, जऊन ह तुम्हर बीच म सबले बड़े ए, ओह सबले छोटे
सहीं बनय, अऊ जऊन ह हुकूम चलाथे, ओह सेवक के सहीं बनय।
27 कोन ह बड़े ए, ओ जऊन ह खाय बर बईठथे या ओ जऊन ह ओकर सेवा करथे? ओही जऊन ह खाय बर
बईठथे। पर मेंह तुम्हर बीच म एक सेवक के सहीं अंव।
28 तुमन ओ मनखे अव, जऊन मन मोर दुख के समय म मोर संग रहेव।
29 अऊ मेंह तुमन ला एक राज के ऊपर सासन करे के अधिकार देवत हंव, जइसने मोर ददा ह मोला एक राज
के ऊपर सासन करे के अधिकार दे हवय,
30 ताकि तुमन मोर राज म मोर संग बईठके खावव अऊ पीयव अऊ सिंघासनमन म बईठके, इसरायल के
बारह गोत्र के नियाय करव।
31 “हे सिमोन, सिमोन, सुन! सैतान ह तुमन ला परखे बर अनुमति मांगे हवय कि जइसने किसान ह गहूं ला
भूंसी से अलग करथे, वइसने ओह तुमन ला अलग करय।
32 पर मेंह तोर बर पराथना करे हवंव, सिमोन! ताकि तोर बिसवास ह बने रहय। अऊ जब तेंह मोर करा
लहुंटके आ जाबे, त अपन भाईमन ला बिसवास म मजबूत करबे।”
33 पर सिमोन पतरस ह यीसू ला कहिस, “हे परभू, मेंह तोर संग जेल जाय बर तियार हवंव अऊ मरे बर घलो
तियार हवंव।”
34 यीसू ह कहिस, “पतरस, मेंह तोला कहत हंव कि आज कुकरा के बासे के पहिली, तेंह तीन बार इनकार करबे
कि तेंह मोला जानथस।”
35 तब यीसू ह ओमन ले पुछिस, “जब मेंह तुमन ला बिगर पईसा, झोला या पनही के पठोय रहेंव, त का
तुमन ला कोनो चीज के कमी होईस?”
ओमन कहिन, “कोनो चीज के कमी नइं होईस।”
36 यीसू ह ओमन ला कहिस, “पर अब जेकर करा पईसा हवय, ओह ओला ले लेय, अऊ झोला घलो धर ले;
अऊ जेकर करा तलवार नइं ए, ओह अपन ओनहा ला बेचके एक ठन तलवार बिसो ले।
37 परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: ‘अऊ ओह अपराधीमन संग गने गीस’*; अऊ मेंह तुमन ला कहथंव कि
ये बात के मोर ऊपर पूरा होना जरूरी ए। काबरकि जऊन बात ह मोर बारे म लिखे गे हवय, ओह पूरा होवत
हवय।”
38 चेलामन कहिन, “हे परभू, देख, इहां दू ठन तलवार हवय।”
ओह कहिस, “ओह परयाप्त अय।”

[illegible]
([illegible] 26:36-46; [illegible] 14:32-42)

---

* **22:37** यसा 53:12

39 यीसू ह घर के बाहिर निकलिस अऊ अपन रीति के मुताबिक ओह जैतून पहाड़ ला गीस अऊ ओकर
चेलामन ओकर पाछू-पाछू गीन।
40 ओ जगह म हबरके यीसू ह ओमन ला कहिस, "पराथना करव ताकि तुमन परिछा म झन पड़व।"
41 तब ओह ओमन ले करीब पथरा फेंके के दूरिहा तक गीस अऊ माड़ी टेकके ये पराथना करे लगिस,
42 "हे ददा, कहूं तोर ईछा हवय, त ये दुख के कटोरा ला मोर करा ले टार दे; तभो ले मोर नइं, पर तोर ईछा
पूरा होवय।"
43 तब स्वरग ले एक स्वरगदूत ओकर करा आईस अऊ ओला मजबूत करिस।
44 अऊ ओह बहुंते बियाकुल होके, अऊ लगन से पराथना करे लगिस, अऊ ओकर पसीना ह लहू के बूंद सहीं
भुइयां म गिरत रहय।
45 जब ओह पराथना करके उठिस, अऊ चेलामन करा गीस, त ओह ओमन ला दुख के मारे सोवत अऊ थके
पाईस।
46 ओह ओमन ला कहिस, "तुमन काबर सुतत हवव? उठव अऊ पराथना करव ताकि तुमन परिछा म झन
पड़व।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:47-56; [illegible] 14:43-50; [illegible] 18:3-12)

47 जब यीसू ह ये बात कहितेच रिहिस, तभे मनखेमन के एक भीड़ आईस; अऊ यहूदा जऊन ह यीसू के बारह
चेलामन ले एक झन रिहिस, ओमन के आघू-आघू चलत रहय। ओह यीसू करा ओला चूमे बर आईस।
48 पर यीसू ह ओला कहिस, "हे यहूदा, चूमा देके, का तेंह मनखे के बेटा ला पकड़वावत हस?"
49 यीसू के चेलामन जब देखिन कि का होवइया हवय, त ओमन कहिन, "हे परभू, का हमन अपन तलवार
चलावन?"
50 अऊ ओमन ले एक झन महा पुरोहित के सेवक ऊपर तलवार चलाके ओकर जेवनी कान ला काट दीस।
51 तब यीसू ह कहिस, "येला बंद करव।" अऊ ओह मनखे के कान ला छुईस अऊ ओला बने कर दीस।
52 तब यीसू ह ओ मुखिया पुरोहित, मंदिर के रखवारमन के अधिकारी अऊ अगुवामन ला कहिस, जऊन मन
ओला पकड़े बर आय रिहिन, "का मेंह डाकू अंव कि तुमन तलवार अऊ बड़े-बड़े लउठी लेके आय हवव?
53 मेंह हर दिन तुम्हर संग मंदिर म रहेंव, अऊ तुमन मोला नइं पकड़ेव। पर येह तुम्हर समय ए, जब अंधियार
के सक्ति ह राज करथे।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:57-58, 69-75; [illegible] 14:53-54, 66-72; [illegible] 18:12-18, 25-27)

54 तब ओमन यीसू ला पकड़िन अऊ ओला महा पुरोहित के घर ले गीन। पतरस ह कुछू दूरिहा म रहत ओकर
पाछू-पाछू गीस।
55 पर जब ओमन मांझा अंगना म आगी बारके चारों अंग बईठ गीन, त पतरस ह ओमन के संग जाके बईठ
गीस।
56 एक झन नौकरानी छोकरी ओला आगी के अंजोर म उहां बईठे देखिस। ओ छोकरी ह ओला टक लगाके
देखिस अऊ कहिस, "ये मनखे ह यीसू के संग रिहिस।"
57 पर पतरस ह इनकार करिस अऊ कहिस, "ए छोकरी, मेंह ओला नइं जानंव।"
58 थोरकन देर बाद, एक आने मनखे ओला देखिस अऊ कहिस, "तेंह घलो ओमन ले एक झन अस।"
पर पतरस ह कहिस, "ए मनखे, मेंह नो हंव।"
59 करीब एक घंटा के बाद, एक आने मनखे ह जोर देके कहिस, "सही म, ये मनखे ह ओकर संग रिहिस,
काबरकि येह घलो गलील प्रदेस के रहइया ए।"
60 पतरस ह जबाब देके कहिस, "ए मनखे, मेंह नइं जानंव कि तेंह का कहथस।" जब ओह ये कहितेच रिहिस
कि तुरते कुकरा ह बासिस।
61 अऊ परभू ह लहुंटके पतरस ला सीधा देखिस, तब पतरस ह परभू के कहे ओ बात ला सुरता करिस, "एकर
पहिली कि आज कुकरा ह बासे, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे।"
62 अऊ ओह बाहिर गीस अऊ फूट-फूटके रोय लगिस।

[illegible]
([illegible] 26:67-68; [illegible] 14:65)

63 जऊन मनखेमन यीसू के रखवारी करत रहंय, ओमन यीसू के ठट्ठा करिन अऊ ओला मारे-पीटे लगिन।
64 ओमन यीसू के आंखी ला ढांपके ओकर ले पुछिन, "अगमबानी करके हमन ला बता कि तोला कोन
मारिस?"
65 ओमन अऊ बहुंत बेजत्ती के बात ओला कहिन।

[illegible]
([illegible] 26:59-66; [illegible] 14:55-64; [illegible] 18:19-24)

66 जब दिन होईस, त मनखेमन के अगुवामन के एक सभा होईस, जेमा मुखिया पुरोहित अऊ कानून के
गुरूमन रिहिन, अऊ यीसू ला ओमन के आघू म लाने गीस।
67 ओमन यीसू ले पुछिन, "यदि तेंह मसीह अस, त हमन ला बता?"
यीसू ह जबाब दीस, "यदि मेंह तुमन ला बताहूं, त तुमन मोर ऊपर बिसवास नइं करहू,
68 अऊ यदि मेंह तुमन ले पुछहूं, त तुमन जबाब नइं दूहू।
69 पर अब ले, मनखे के बेटा ह सर्वसक्तिमान परमेसर के जेवनी हांथ कोति बईठही।"
70 ओमन जम्मो झन पुछिन, "त का तेंह परमेसर के बेटा अस?"
ओह ओमन ला जबाब दीस, "तुमन कहत हव, काबरकि मेंह अंव।"
71 तब ओमन कहिन, "हमन ला अऊ कोनो गवाह के जरूरत नइं ए। हमन खुदे ओकर मुहूं ले सुन लेय हवन।"

23

[illegible]
([illegible] 27:1-2, 11-14; [illegible] 15:1-5; [illegible] 18:28-38)

1 तब मनखेमन के जम्मो सभा ह उठिस अऊ यीसू ला पीलातुस करा ले गीस।
2 अऊ उहां ओमन ओकर ऊपर ये कहिके दोस लगाय लगिन, "हमन देखे हन कि ये आदमी ह हमर जाति के
मनखेमन ला बहकावत रिहिस। ओह मनखेमन ला महाराजा ला लगान पटाय बर मना करथे अऊ अपनआप ला
मसीह—एक राजा कहिथे।"
3 पीलातुस ह यीसू ले पुछिस, "का तेंह यहूदीमन के राजा अस?"
यीसू ह ओला जबाब दीस, "हव जी, जइसने तेंह कहत हस।"
4 तब पीलातुस ह मुखिया पुरोहित अऊ मनखेमन के भीड़ ला कहिस, "मोला ये मनखे ऊपर दोस लगाय के
कोनो आधार नइं मिलिस।"
5 पर ओमन अऊ जोर देके कहिन, "ओह जम्मो यहूदिया प्रदेस म अपन उपदेस के दुवारा मनखेमन ला
भड़काय हवय। ओह गलील प्रदेस म सुरू करिस अऊ अब इहां तक आ गे हवय।"
6 ये सुनके पीलातुस ह पुछिस, "का ये मनखे ह गलील प्रदेस के रहइया ए?"
7 जब ओह ये जानिस कि यीसू ह हेरोदेस के अधिकार म आथे, त ओह यीसू ला हेरोदेस राजा करा पठो दीस।
ओ समय म हेरोदेस राजा घलो यरूसलेम सहर म रिहिस।
8 जब हेरोदेस ह यीसू ला देखिस, त ओह बहुंत खुस होईस, काबरकि ओह बहुंत समय ले ओला देखे चाहत
रिहिस। ओह यीसू के बारे म सुने रिहिस अऊ ओह आसा करत रिहिस कि यीसू ह कुछू चमतकार के काम देखाही।
9 एकरसेति, ओह यीसू ले बहुंत सवाल करिस, पर यीसू ह ओला कोनो जबाब नइं दीस।
10 मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन उहां ठाढ़े रहंय, अऊ ओमन तन-मन ले यीसू ऊपर दोस लगावत
रहंय।
11 तब हेरोदेस अऊ ओकर सैनिकमन यीसू के ठट्ठा करिन अऊ हंसी उड़ाईन, अऊ ओमन ओला भड़कीला
कपड़ा पहिराके पीलातुस करा वापिस पठो दीन।
12 अऊ ओही दिन ले हेरोदेस अऊ पीलातुस एक-दूसर के संगवारी बन गीन; एकर पहिली ओमन एक-दूसर के
बईरी रिहिन।
13 पीलातुस ह मुखिया पुरोहित, अधिकारी अऊ मनखेमन ला बलाईस

14 अऊ ओमन ला कहिस, “तुमन ये मनखे ला मोर करा लानके ये कहेव कि येह मनखेमन ला भड़कावत
रिहिस। मेंह तुम्हर आघू म एकर जांच करेंव, पर तुमन जऊन बात के दोस ओकर ऊपर लगावत हव, ओमा मेंह
ओला दोसी नइं पायेंव।
15 अऊ न हेरोदेस ओमा कोनो दोस पाईस काबरकि ओह येला हमर करा वापिस पठो दे हवय। देखव, येह
अइसने कुछू नइं करे हवय कि येह मार डारे जावय।
16 एकरसेति, मेंह येला पीटवाके छोंड़ दूहूं।”
17 यहूदीमन के हर फसह के तिहार के समय म, पीलातुस ह ओमन बर एक कैदी ला छोंड़य।*
18 पर मनखेमन एक संग चिचियाके कहिन, “ओला मार डार अऊ हमर बर बरब्बा ला छोंड़ दे।”
19 (बरब्बा ला सहर म दंगा करे के कारन अऊ हतिया के दोस म जेल म डारे गे रिहिस।)
20 पीलातुस ह यीसू ला छोंड़े बर चाहत रिहिस, एकरसेति, ओह मनखेमन ला फेर समझाईस।
21 पर ओमन ये कहिके चिचियावत रहंय, “येला कुरूस ऊपर चघावव! येला कुरूस ऊपर चघावव!”
22 पीलातुस ह ओमन ला तीसरा बार कहिस, “काबर? ये मनखे ह का अपराध करे हवय? मेंह ओमा अइसने
कोनो बात नइं पायेंव कि ओह मार डारे जावय। एकरसेति, मेंह येला पीटवाके छोंड़ दूहूं।”
23 पर ओमन जोर देके अऊ चिचियाके मांग करिन कि यीसू ला कुरूस ऊपर चघाय जावय; अऊ आखिरी म,
ओमन के चिचियाय के जीत होईस।
24 पीलातुस ह ओमन के मांग ला मान लीस।
25 ओमन जऊन मनखे ला चाहत रिहिन, ओह ओला छोंड़ दीस, जऊन ह दंगा अऊ हतिया के दोस म जेल म
डारे गे रिहिस, जऊन ला ओमन छोंड़े के मांग करत रिहिन अऊ पीलातुस ह ओमन के ईछा के मुताबिक यीसू
ला ओमन के हांथ म सऊंप दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:32-44; [illegible] 15:21-32; [illegible] 19:17-27)

26 जब सैनिकमन यीसू ला ले जावत रिहिन, त डहार म, ओमन ला सिमोन नांव के एक झन मनखे मिलिस,
जऊन ह कुरेन के रहइया रिहिस अऊ गांव ले आवत रिहिस। ओमन ओला पकड़िन अऊ कुरूस ला ओकर ऊपर
लाद दीन, ताकि ओह ओला उठाके यीसू के पाछू-पाछू चलय।
27 मनखेमन के एक बहुंत बड़े भीड़ यीसू के पाछू-पाछू चलत रहय; ओमा कुछू माईलोगन घलो रहंय, जऊन
मन यीसू बर रोवत अऊ बिलाप करत रहंय।
28 यीसू ह ओमन कोति मुहूं करके कहिस, “हे यरूसलेम के बेटीमन, मोर बर झन रोवव, पर अपनआप अऊ
अपन लइकामन बर रोवव।
29 काबरकि ओ समय ह आवत हवय, जब मनखेमन कहिहीं, ‘धइन एं ओ बांझ माईलोगनमन, जऊन मन
अपन कोख ले कभू लइका नइं जनमाईन अऊ अपन छाती से कभू दूध नइं पीयाईन!’
30 “ ‘तब ओमन पहाड़मन ले कहिहीं, “हमर ऊपर गिर जावव!”
अऊ पहाड़ीमन ले कहिहीं, “हमन ला ढांप लेवव!” ’†
31 जब मनखेमन हरियर रूख के संग अइसने करथें, तब सूखा रूख के संग का कुछू नइं करहीं?”
32 ओमन दू झन अऊ मनखे ला घलो जऊन मन बदमास रिहिन, यीसू के संग मार डारे बर ले गीन।
33 जब ओमन ओ जगह म आईन, जऊन ला खोपड़ी कहिथें, त उहां ओमन यीसू ला अऊ ओ दू झन बदमास
ला अलग-अलग कुरूस ऊपर चघा दीन। एक बदमास ला यीसू के जेवनी कोति अऊ दूसर ला यीसू के डेरी कोति
कुरूस ऊपर चघाईन।
34 यीसू ह कहिस, “हे ददा, ये मनखेमन ला माफ कर दे, काबरकि येमन नइं जानथें कि येमन का करत हवंय।”
अऊ ओमन चिट्ठी डालके ओकर मुताबिक यीसू के कपड़ा ला अपन म बांट लीन।
35 मनखेमन उहां ठाढ़ होके ये जम्मो ला देखत रिहिन, अऊ अधिकारीमन ये कहिके ओकर हंसी उड़ाईन, “येह
आने मन ला बचाईस, अब अपनआप ला बचावय, यदि येह परमेसर के मसीह अऊ चुने हुए जन अय त।”
36 सैनिकमन घलो आईन अऊ ओकर ठट्ठा करिन। ओमन यीसू ला सिरका ला देके कहिन,

---

* **23:17** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय। † **23:30** होसे 10:8

37 “अपनआप ला बचा, यदि तेंह यहूदीमन के राजा अस त।”
38 यीसू के कुरूस ऊपर ये लिखाय रहय: “येह यहूदीमन के राजा अय।”
39 जऊन दू झन बदमास उहां कुरूस म लटकाय गे रिहिन, ओमा ले एक झन यीसू के बेजत्ती करत कहिस,
“का तेंह मसीह नो हस? त फेर अपनआप ला अऊ हमन ला बचा।”
40 पर आने बदमास ह ओला दबकारके कहिस, “का तेंह परमेसर ले नइं डरस? तेंह घलो तो ओहीच दंड भोगत
हवस।
41 हमन सही सजा पावत हन, काबरकि हमन जइसने काम करे हवन, वइसने सजा पावत हन। पर ये मनखे ह
कुछू गलती नइं करे हवय।”
42 तब ओह यीसू ला कहिस, “हे यीसू, जब तेंह अपन राज म आबे, त मोला सुरता करबे।”
43 यीसू ह ओला कहिस, “मेंह तोला सच कहथंव कि आजेच तेंह मोर संग स्वरग-लोक म होबे।”

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:45-56; [illegible] 15:33-41; [illegible] 19:28-30)
44 मंझन के करीब बारह बजे ले लेके तीन बजे तक जम्मो देस म अंधियार छा गीस,
45 काबरकि सूरज ह अंजोर दे बर बंद कर दीस। अऊ मंदिर के परदा ह चीराके दू कुटा हो गीस।
46 यीसू ह जोर से चिचियाके कहिस, “हे ददा, तोर हांथ म मेंह अपन आतमा ला सऊंपत हवंव।”‡ अऊ ये
कहिके ओह अपन परान ला तियाग दीस।
47 जऊन कुछू होईस, ओला देखके, सिपाहीमन के अधिकारी ह परमेसर के महिमा करिस अऊ कहिस, “सही
म, येह एक धरमी मनखे रिहिस।”
48 मनखेमन के एक भीड़ ह उहां कुरूस म चघाय जाय के घटना ला देखे बर जूरे रिहिस। जऊन कुछू उहां
होईस, ओला जब ओ जम्मो झन देखिन, त ओमन दुख के मारे अपन छाती पीटत घर लहुंट गीन।
49 पर यीसू के जम्मो जान-पहिचान के मनखे अऊ ओ माईलोगन जऊन मन गलील प्रदेस ले यीसू के
पाछू-पाछू आय रिहिन, ओ जम्मो झन दूरिहा म ठाढ़ होके ये जम्मो बात ला देखत रिहिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:57-61; [illegible] 15:42-47; [illegible] 19:38-42)
50 यूसुफ नांव के एक मनखे रिहिस, जऊन ह महासभा के एक सदस्य रिहिस। ओह एक बने अऊ धरमी मनखे
रिहिस।
51 हालाकि ओह यहूदीमन के धरम महासभा के एक सदस्य रिहिस, पर ओह ओमन के फैसला अऊ काम म
सहमत नइं रिहिस। ओह अरमतिया नांव के यहूदी सहर के रहइया रिहिस अऊ ओह परमेसर के राज के बाट
जोहत रिहिस।
52 ओह पीलातुस करा गीस अऊ यीसू के लास ला मांगिस।
53 तब ओह यीसू के लास ला कुरूस ले उतारिस अऊ ओला मलमल के कपड़ा म लपेटिस, अऊ ओला एक
ठन कबर म रखिस, जऊन ह चट्टान ला काटके बनाय गे रिहिस अऊ ओमा कभू कोनो लास नइं रखाय रिहिस।
54 येह बिसराम दिन बर तियारी करे के दिन रिहिस, अऊ बिसराम के दिन ह सुरू होवइया रिहिस।
55 ओ माईलोगन, जऊन मन यीसू के संग गलील प्रदेस ले आय रिहिन, ओमन यूसुफ के पाछू-पाछू गीन अऊ
ओ कबर ला देखिन अऊ ओमन ये घलो देखिन कि यीसू के देहें ह उहां कइसने रखाय रहय।
56 तब ओमन घर वापिस गीन अऊ यीसू के देहें बर मसाला के लेप अऊ खुसबूदार तेल तियार करिन। पर
ओमन कानून के मुताबिक बिसराम के दिन सुरताईन।

24

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 28:1-10; [illegible] 16:1-8; [illegible] 20:1-10)
1 हप्ता के पहिली दिन बड़े बिहनियां, ओ माईलोगनमन जऊन मसाला के लेप तियार करे रिहिन, ओला लेके
यीसू के कबर करा गीन।

‡ **23:46** भजन 31:5

2 ओमन पथरा ला कबर के मुंहाटी ले ढलंगे पाईन।
3 पर जब ओमन कबर के भीतर गीन, त ओमन उहां परभू यीसू के देहें ला नइं पाईन।
4 जब ओमन ये बात ला देखके अचम्भो करत रिहिन, त अचानक दू झन मनखे चमकीला कपड़ा पहिरे ओमन
करा आके ठाढ़ हो गीन।
5 ओमन बहुंत डरा गीन अऊ अपन चेहरा ला तरी करके ठाढ़ हो गीन, तब ओ मनखेमन ओमन ला कहिन,
"जऊन ह जीयत हवय, ओला तुमन मरे मन के बीच म काबर खोजत हवव?
6 ओह इहां नइं ए। ओह जी उठे हवय। सुरता करव, जब ओह तुम्हर संग गलील प्रदेस म रिहिस, त तुमन ला
का कहे रिहिस:
7 'मनखे के बेटा ह पापी मनखेमन के हांथ म सऊंपे जाही अऊ ओह कुरूस ऊपर चघाय जाही, पर तीसरा दिन
ओह फेर जी उठही।' "
8 तब ओ माईलोगनमन यीसू के बात ला सुरता करिन।
9 जब ओमन कबर ले वापिस आईन, त ओमन ये जम्मो बात गियारह चेला अऊ दूसर जम्मो झन ला
बताईन।
10 ये माईलोगनमन मरियम मगदलिनी, योअन्ना अऊ याकूब के दाई मरियम रिहिन। येमन अऊ आने
माईलोगनमन ये बात प्रेरितमन ला बताईन।
11 पर ओमन माईलोगनमन के बात ला बिसवास नइं करिन काबरकि ओमन ला येह बेकार के बात लगिस।
12 पर पतरस ह उठिस अऊ दऊड़त कबर म गीस। जब ओह निहरके देखिस, त उहां सिरिप मलमल के कपड़ा
ह पड़े रहय। तब जऊन कुछू होय रिहिस, ओकर बारे म अचम्भो करत, ओह अपन घर लहुंट गीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 16:12-13)

13 ओहीच दिन, यीसू के चेलामन ले दू झन इम्माऊस नांव के एक गांव ला जावत रिहिन, जऊन ह यरूसलेम
सहर ले करीब गियारह किलोमीटर दूरिहा रिहिस।
14 जऊन कुछू होय रिहिस, ओकर बारे म ओ दूनों गोठियावत जावत रिहिन।
15 जब ओमन आपस म गोठियावत अऊ बिचार करत जावत रिहिन, त यीसू ह खुदे आईस अऊ ओमन के
संग हो लीस;
16 पर ओमन ओला चिनहे नइं सकिन।
17 यीसू ह ओमन ले पुछिस, "तुमन रेंगत-रेंगत दूनों झन काकर बारे म गोठियावत हवव?"
उदास होके ओमन ठाढ़े रह गीन।
18 ओमा ले एक झन के नांव क्लियुपास रिहिस, ओह कहिस, "का तेंह यरूसलेम म रहइया एके झन मनखे
अस, जऊन ह नइं जानस कि ये दिनमन म यरूसलेम म का होय हवय?"
19 यीसू ह पुछिस, "का होय हवय?"
ओमन यीसू ला कहिन, "नासरत के यीसू के बारे म। ओह एक अगमजानी रिहिस अऊ ओकर बात अऊ
काममन परमेसर अऊ जम्मो मनखेमन के नजर म बहुंत सामर्थी रिहिन।
20 मुखिया पुरोहित अऊ हमर अधिकारीमन मिरतू-दंड बर यीसू ला सऊंप दीन, अऊ ओमन ओला कुरूस
ऊपर चघा दीन।
21 पर हमन ला आसा रिहिस कि येह ओहीच ए, जऊन ह इसरायलीमन ला छुड़ाही। ये जम्मो के अलावा एक
बात अऊ ए कि ये बात ला होवय आज तीसरा दिन ए।
22 हमर संग के कुछू माईलोगनमन हमन ला अचम्भो म डार दे हवंय। ओमन आज बड़े बिहनियां कबर म गे
रिहिन।
23 पर ओमन ला उहां यीसू के देहें ह नइं मिलिस। ओमन आके हमन ला बताईन कि ओमन ला स्वरगदूतमन
दरसन देके कहिन कि यीसू ह जी उठे हवय।
24 तब हमर कुछू संगवारीमन कबर म गीन अऊ जइसने माईलोगनमन कहे रिहिन, वइसनेच पाईन; पर
ओमन यीसू ला उहां नइं देखिन।"

25 यीसू ह ओमन ला कहिस, “तुमन बहुंत मुरूख मनखे अव। अगमजानीमन जऊन बात कहे हवंय, ओ जम्मो
ला बिसवास करे म तुमन बहुंत मंदमति अव।
26 का येह जरूरी नइं रिहिस कि मसीह ह ये जम्मो दुख भोगय अऊ तब परमेसर ओकर बहुंत महिमा करय।”
27 मूसा अऊ जम्मो अगमजानीमन के किताबमन ले सुरू करके परमेसर के जम्मो बचन म ओकर खुद के बारे
म का कहे गे हवय—यीसू ह ओ जम्मो बात ओमन ला समझाईस।
28 जब ओमन ओ गांव म हबरिन, जिहां ओमन ला जाना रिहिस, त यीसू ह अइसने देखाईस, जइसने ओला
अऊ आघू जाना हवय।
29 पर ओमन ओकर ले बहुंत बिनती करके कहिन, “हमर संग रूक जा, काबरकि दिन ह बहुंत ढर गे हवय, अऊ
सांझ होवइया हे।” एकरसेति यीसू ह ओमन के संग रूके बर भीतर गीस।
30 जब यीसू ह ओमन के संग खाय बर बईठिस, त ओह रोटी लीस अऊ परमेसर ला धनबाद दीस; अऊ रोटी
ला टोरके ओमन ला देय लगिस।
31 तब ओमन के आंखीमन खुल गीन अऊ ओमन यीसू ला चिन डारिन; पर ओह ओमन के नजर ले गायब हो
गीस।
32 ओमन एक-दूसर ला कहिन, “का हमर मन म एक किसम के उत्साह नइं होवत रिहिस, जब ओह डहार म
हमर ले गोठियावत रिहिस अऊ हमन ला परमेसर के बचन समझावत रिहिस?”
33 ओमन उठिन अऊ तुरते यरूसलेम वापिस चल दीन। उहां ओमन गियारह चेला अऊ आने मन ला एके
ठऊर म पाईन,
34 अऊ ओमन ये कहत रिहिन, “येह सच ए! परभू ह जी उठे हवय अऊ ओह सिमोन ला दिखे हवय।”
35 तब ओ दूनों झन बताईन कि डहार म का होईस, अऊ ओमन कइसने यीसू ला चिन्हिन, जब ओह रोटी
टोरत रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 28:16-20; [illegible] 16:14-18; [illegible] 20:19-23; [illegible] [illegible] 1:6-8)

36 जब ओमन एकर बारे म गोठियावत रिहिन, त यीसू ह खुद ओमन के बीच आके ठाढ़ हो गीस अऊ ओमन
ला कहिस, “तुमन ला सांति मिलय।”
37 ओमन घबरा गीन अऊ डर गीन। ओमन समझिन कि ओमन कोनो भूत ला देखत हवंय।
38 यीसू ह ओमन ला कहिस, “तुमन काबर घबरावत हव, अऊ तुम्हर मन म काबर संका होवत हवय?
39 मोर हांथ अऊ गोड़मन ला देखव। इहां मेंह खुदे ठाढ़े हवंव। मोला छूके देखव। भूत के हाड़ा अऊ मांस नइं
होवय, जइसने कि तुमन देखत हव, मोर हवय।”
40 ये कहिके, यीसू ह ओमन ला अपन हांथ अऊ गोड़मन ला देखाईस।
41 अऊ जब आनंद अऊ अचम्भो के मारे ओमन अभी घलो बिसवास नइं करत रिहिन, त यीसू ह ओमन ले
पुछिस, “का तुम्हर करा इहां कुछू खाय बर हवय?”
42 ओमन ओला आगी म भूंजाय मछरी के एक टुकड़ा दीन।
43 यीसू ह ओला लीस अऊ ओमन के आघू म खाईस।
44 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “जब मेंह तुम्हर संग रहत रहेंव, त मेंह तुमन ला ये बातमन ला कहे रहेंव।
मोर बारे म जऊन बातमन मूसा के कानून, अगमजानीमन के किताब अऊ भजन-संहिता म लिखे हवय, ये
जरूरी अय कि ओ जम्मो बात पूरा होवय।”
45 तब यीसू ह ओमन के दिमाग ला खोल दीस ताकि ओमन परमेसर के बचन ला समझ सकंय।
46 ओह ओमन ला कहिस, “परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: ‘मसीह ह दुख भोगही अऊ तीसरा दिन मरे म
ले जी उठही,
47 अऊ ओकर नांव म पछताप अऊ पाप छेमा के परचार जम्मो देस म करे जाही अऊ ये काम यरूसलेम ले
सुरू होही।’
48 तुमन ये जम्मो बात के गवाह अव।
49 मेंह तुम्हर करा ओला पठोहूं, जेकर वायदा मोर ददा ह करे हवय; पर तुमन ये सहर म ठहिरे रहव, जब तक
कि तुमन ला स्वरग ले सामर्थ नइं मिल जावय।”

[illegible]
([illegible] 16:19-20; [illegible] 1:9-11)

50 तब यीसू ह ओमन ला बाहिर बैतनियाह गांव के लकठा म ले गीस अऊ उहां ओह अपन हांथ उठाके ओमन
ला आसीस दीस।
51 यीसू ह आसीस देवत ओमन ले अलग हो गीस अऊ स्वरग म उठा लेय गीस।
52 तब ओमन ओकर अराधना करिन अऊ बहुंत आनंद के संग यरूसलेम लहुंट गीन।
53 अऊ परमेसर के इस्तुति करत, ओमन अपन पूरा समय मंदिर म बिताय करत रिहिन।

यूहन्ना
के लिखे सुघर संदेस

[illegible]

1 सुरू* म बचन ह रिहिस, अऊ ओ बचन ह परमेसर के संग रिहिस, अऊ ओही बचन ह परमेसर रिहिस।
2 ओह सुरू ले परमेसर के संग रिहिस।
3 ओकरे जरिये, परमेसर ह संसार के जम्मो चीजमन ला बनाईस, अऊ जऊन कुछू परमेसर ह बनाईस, ओमा
एको ठन चीज अइसने नइं ए, जऊन ह ओकर बिगर बनाय गे रिहिस।
4 ओ बचन म जिनगी रिहिस, अऊ ओ जिनगी ह मनखेमन बर अंजोर लानिस।
5 ओ अंजोर ह अंधियार म चमकथे, अऊ अंधियार ह ओकर ऊपर जय† नइं पा सकिस।
6 परमेसर ह एक मनखे ला पठोईस, जेकर नांव यूहन्ना रिहिस।
7 यूहन्ना ह ओ अंजोर के बारे म गवाही दे बर आईस, ताकि जम्मो मनखेमन ओकर गवाही के जरिये ओ
अंजोर ऊपर बिसवास करंय।
8 यूहन्ना ह खुद तो अंजोर नइं रिहिस, पर ओह अंजोर के बारे म गवाही दे बर आय रिहिस।
9 ओ सही अंजोर जऊन ह जम्मो मनखे ला अंजोर देथे, संसार म अवइया रिहिस।
10 ओह संसार म रिहिस, अऊ ओकरे जरिये, परमेसर ह संसार ला बनाईस, पर संसार के मनखेमन ओला नइं
चिन्हिन।
11 ओह अपन खुद के मनखेमन करा आईस, पर ओकर मनखेमन ओला गरहन नइं करिन।
12 पर जतेक झन ओला गरहन करिन अऊ ओकर नांव ऊपर बिसवास करिन, ओमन ला ओह परमेसर के
संतान होय के अधिकार दीस।
13 ये संतानमन न तो सुभाविक बंस ले, न देहें के ईछा ले, अऊ न कोनो मनखे के ईछा ले, पर परमेसर के ईछा
ले जनमिन।
14 ओ बचन ह मनखे के देहें धारन करिस, अऊ हमर बीच म कुछू समय बर डेरा करिस। हमन ओकर महिमा
देखे हवन, ओ एकलऊता बेटा के महिमा, जऊन ह अनुग्रह अऊ सच्चई ले भरपूर होके स्वरगीय ददा करा ले
आईस।
15 यूहन्ना ह ओकर बारे म गवाही देथे। ओह पुकारके कहिथे, "येह ओही अय, जेकर बारे म मेंह कहे रहेंव,
जऊन ह मोर पाछू आवत हवय, ओह मोर ले बड़े अय, काबरकि ओह मोर जनमे के पहिली ले रिहिस।"
16 ओकर अनुग्रह के भरपूरी ले, हमन जम्मो झन आसीस के ऊपर आसीस पाय हवन।
17 काबरकि परमेसर ह कानून ला मूसा के दुवारा दीस; पर अनुग्रह अऊ सच्चई यीसू मसीह के दुवारा आईस।
18 परमेसर ला कोनो कभू नइं देखे हवंय, पर सिरिप एकलऊता बेटा, जऊन ह खुदे परमेसर अय, अऊ जऊन
ह ददा के कोरा म हवय, ओही ह ओला परगट करे हवय।

[illegible]
([illegible] 3:1-12; [illegible] 1:1-8; [illegible] 3:1-18)

19 यूहन्ना के ये गवाही ए, जब यरूसलेम सहर के यहूदी अगुवामन कुछू पुरोहित अऊ लेवीमन ला यूहन्ना
करा ये पुछे बर पठोईन कि ओह कोन ए?
20 त यूहन्ना ह जबाब दे बर आनाकानी नइं करिस, पर साफ-साफ मान लीस अऊ कहिस, "मेंह मसीह नो हंव।"
21 तब ओमन यूहन्ना ले पुछिन, "त फेर तेंह कोन अस? का तेंह एलियाह अस?"
ओह कहिस, "नइं।"
ओमन पुछिन, "त फेर का तेंह अगमजानी अस?"
ओह जबाब दीस, "नइं।"
22 आखिर म ओमन कहिन, "त फेर तेंह कोन अस? हमन ला बता ताकि जऊन मन हमन ला पठोय हवंय,
ओमन ला हमन जाके जबाब दे सकन। तेंह अपन बारे म का कहत हवस?"

---

* **1:1** या [illegible] † **1:5** या [illegible]

23 यूहन्ना ह जबाब दीस, “जइसने यसायाह अगमजानी ह ये कहे रिहिस, मेंह सुनसान जगह म एक झन
अवाज देवइया अंव, ‘परभू बर डहार ला तियार करव, अऊ ओकर डहार ला सीधा करव।’ ”‡
24 जऊन मनखेमन फरीसीमन के दुवारा पठोय गे रिहिन।
25 ओमन यूहन्ना ले पुछिन, “यदि तेंह मसीह नो हस, न एलियाह अऊ न अगमजानी अस, त फेर तेंह काबर
बतिसमा देवत हस?”
26 यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, “मेंह तो पानी म बतिसमा देवत हंव, पर तुम्हर बीच म एक झन ठाढ़े
हवय, जऊन ला तुमन नइं जानव।
27 येह ओ अय, जऊन ह मोर पाछू आवत हवय। मेंह ओकर पनही के बंधना ला खोले के लईक घलो नो हंव।”
28 ये जम्मो बात यरदन नदी के ओ पार बैतनियाह गांव म होईस, जिहां यूहन्ना ह मनखेमन ला बतिसमा देवत
रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible]—[illegible]

29 ओकर दूसर दिन यूहन्ना ह यीसू ला अपन कोति आवत देखिस, त कहिस, “देखव, परमेसर के मेढ़ा-पीला,
जऊन ह संसार के पाप ला उठा ले जाथे।
30 येह ओही अय, जेकर बारे म मेंह कहे रहेंव, ‘जऊन ह मोर पाछू आवत हवय, ओह मोर ले बड़े अय,
काबरकि ओह मोर जनमे के पहिली ले रिहिस।’
31 मेंह खुदे ओला नइं जानत रहेंव, पर मेंह ये खातिर पानी ले बतिसमा देवत आयेंव ताकि ओह इसरायली
मनखेमन ऊपर परगट हो जावय।”
32 तब यूहन्ना ह ये गवाही दीस, “मेंह देखेंव कि पबितर आतमा ह स्वरग ले एक पंड़की सहीं उतरिस अऊ
ओकर ऊपर ठहर गीस।
33 मेंह ओला नइं जाने रहितेंव, पर परमेसर, जऊन ह मोला पानी ले बतिसमा दे बर पठोय हवय, मोला
कहिस, ‘तेंह पबितर आतमा ला उतरत अऊ एक झन मनखे ऊपर ठहिरत देखबे, ओहीच ह पबितर आतमा ले
बतिसमा दीही।’
34 मेंह येला देखेंव अऊ मेंह गवाही देवत हंव कि एहीच ह परमेसर के बेटा अय।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

35 ओकर दूसर दिन, यूहन्ना ह फेर उहां अपन दू झन चेलामन संग ठाढ़े रहय।
36 अऊ जब यूहन्ना ह यीसू ला जावत देखिस, त ओह कहिस, “देखव, येह परमेसर के मेढ़ा-पीला ए।”
37 जब ओ दूनों चेलामन यूहन्ना ला ये कहत सुनिन, त ओमन यीसू के पाछू हो लीन।
38 यीसू ह लहुंटके देखिस कि ओमन ओकर पाछू-पाछू आवत हवंय, त ओह ओमन ले पुछिस, “तुमन कोन ला
खोजत हवव?”
ओमन कहिन, “हे रब्बी” (जेकर मतलब होथे “गुरू”), “तेंह कहां रहिथस?”
39 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर संग आवव अऊ देख लेवव।”
तब ओमन ओकर संग गीन अऊ ओकर रहे के ठऊर ला देखिन, अऊ ओ दिन भर ओकरे संग बिताईन। ओह
करीब सांझ के चार बजे के समय रिहिस।
40 जऊन दू झन चेला, यूहन्ना ला कहत सुनिन अऊ यीसू के पाछू हो ले रिहिन, ओमा ले एक झन सिमोन
पतरस के भाई अन्द्रियास रिहिस।
41 पहिली काम अन्द्रियास ह ये करिस कि ओह अपन भाई सिमोन ले जाके मिलिस अऊ ओला बताईस,
“हमन ला मसीह मिल गे हवय।”
42 तब अन्द्रियास ह सिमोन ला यीसू करा लानिस।
यीसू ह ओला देखिस अऊ कहिस, “तेंह यूहन्ना के बेटा सिमोन अस। तेंह कैफा कहाबे।” (कैफा के अनुवाद
पतरस§ करे गे हवय)।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

‡ **1:23** यसा 40:3 § **1:42** [illegible] अरामिक म अऊ [illegible] यूनानी म दूनों के मतलब होथे [illegible]

43 दूसर दिन यीसू ह गलील प्रदेस जाय के मन बनाईस। जाय के पहिली ओह फिलिप्पुस ले मिलिस अऊ
ओला कहिस, "मोर पाछू हो ले।"
44 फिलिप्पुस ह बैतसैदा सहर के रहइया रिहिस। अन्द्रियास अऊ पतरस घलो ओहीच सहर के रहइया
रिहिन।
45 फिलिप्पुस ह नतनएल ले मिलिस अऊ ओला बताईस, "हमन ला ओह मिल गे हवय, जेकर बारे म मूसा ह
कानून के किताब म लिखे हवय अऊ जेकर बारे म अगमजानीमन घलो लिखे हवंय। ओह यूसुफ के बेटा, नासरत
गांव के यीसू अय।"
46 नतनएल ह ओकर ले पुछिस, "का कोनो बने चीज नासरत ले आ सकथे?"
फिलिप्पुस ह कहिस, "तेंह आके खुद देख ले।"
47 जब यीसू ह नतनएल ला अपन कोति आवत देखिस, त ओह ओकर बारे म कहिस, "येह एक सच्चा
इसरायली अय; येमा कोनो छल-कपट नइं ए।"
48 नतनएल ह यीसू ले पुछिस, "तेंह मोला कइसने जानत हवस?"
त यीसू ह ओला जबाब दीस, "एकर पहिली कि फिलिप्पुस ह तोला बलाईस, जब तेंह अंजीर के रूख के खाल्हे
म रहय, त मेंह तोला देखे रहेंव।"
49 नतनएल ह कहिस, "हे रब्बी, तेंह परमेसर के बेटा अस; तेंह इसरायल के राजा अस।"
50 यीसू ह कहिस, "का तेंह एकरसेति बिसवास करत हस, कि मेंह तोला ये कहेंव कि तोला अंजीर के रूख के
खाल्हे म देखे रहेंव। तेंह एकर ले घलो बड़े-बड़े काम देखबे।"
51 यीसू ह ये घलो कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव कि तुमन स्वरग ला खुला अऊ परमेसर के स्वरगदूतमन
ला मनखे के बेटा* बर उतरत अऊ चघत देखहू।"

2

[illegible]

1 ओकर तीसरा दिन, गलील प्रदेस के काना नगर म एक बिहाव होवत रहय। यीसू के दाई ह उहां रिहिस।
2 यीसू अऊ ओकर चेलामन ला घलो बिहाव के नेवता मिले रिहिस।
3 जब अंगूर के मंद ह सिरा गीस, त यीसू के दाई ह ओला कहिस, "ओमन करा अऊ अंगूर के मंद नइं ए।"
4 त यीसू ह ओला कहिस, "हे नारी, तेंह मोला ये बात काबर बतावत हस? अभी मोर कुछू करे के समय नइं
आय हवय।"
5 तब यीसू के दाई ह सेवकमन ला कहिस, "जऊन कुछू ओह तुमन ला कहिथे, वइसने करव।"
6 उहां पानी धरे के छै ठन पथरा के मटका माढ़े रहंय ताकि यहूदीमन सुध होय के धारमिक संस्कार ला कर
सकंय। हर एक मटका म करीब सत्तर ले लेके एक सौ दस लीटर तक पानी धरय।
7 यीसू ह सेवकमन ला कहिस, "मटकामन म पानी भर देवव।" ओमन मटकामन के मुहूं तक ले पानी भर दीन।
8 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "अब तुमन ओमा ले थोरकून निकालके भोज के मुखिया करा ले जावव," अऊ
ओमन अइसनेच करिन।
9 जब भोज के मुखिया ह ओला चिखिस, त पानी ह अब अंगूर के मंद बन गे रहय, अऊ ओह नइं जानत रिहिस
कि ये अंगूर के मंद ह कहां ले आईस, पर ओ सेवक जऊन मन पानी निकाले रिहिन, ओमन येला जानत रिहिन।
तब भोज के मुखिया ह दूल्हा ला बलाईस,
10 अऊ ओला कहिस, "हर एक झन ह पहिली बढ़िया मंद ला देथे, अऊ जब पहुनामन पीके छक जाथें, तब
सस्ता मंद ला देथे, पर तेंह तो बढ़िया मंद ला अब तक बंचाके रखे हवस।"
11 यीसू ह गलील प्रदेस के काना नगर म ये पहिली चमतकार करिस अऊ ओह ये किसम ले अपन महिमा
देखाईस, अऊ ओकर चेलामन ओकर ऊपर बिसवास करिन।
12 एकर बाद यीसू, ओकर दाई, भाई अऊ ओकर चेलामन कफरनहूम सहर गीन अऊ उहां कुछू दिन ठहिरिन।

---

* **1:51** [illegible] यीसू ह ये सबद के उपयोग अपनआप बर करथे।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:12-13; [illegible] 11:15-17; [illegible] 19:45-46)

13 जब यहूदीमन के फसह* तिहार अवइया रिहिस, त यीसू ह यरूसलेम सहर गीस।
14 उहां ओह देखिस कि मंदिर के अंगना म, मनखेमन बईला, भेड़, अऊ पंड़की चिरई बेचत रहंय अऊ आने मन मेज करा बईठके रूपिया-पईसा के लेन-देन करत रहंय।
15 तब यीसू ह डोरी के एक कोर्रा बनाईस अऊ जम्मो भेड़ अऊ बईलामन ला मंदिर के सीमना ले बाहिर खेद दीस अऊ रूपिया-पईसा के अदला-बदली करइयामन के सिक्कामन ला छितिर-बितिर कर दीस अऊ ओमन के मेजमन ला खपल दीस।
16 पंड़की बेचइयामन ला ओह कहिस, "येमन ला इहां ले निकालव। मोर ददा परमेसर के घर ला बजार झन बनावव।"
17 तब यीसू के चेलामन सुरता करिन कि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: "तोर घर के उत्साह ह मोर हिरदय म आगी सहीं बरथे।"†
18 तब यहूदीमन यीसू ले पुछिन, "तोला ये जम्मो करे के अधिकार हवय, ये बात ला साबित करे बर तेंह हमन ला का चिनहां देखा सकथस?"
19 यीसू ह ओमन ला ये जबाब दीस, "तुमन ये मंदिर ला गिरा देवव, अऊ मेंह येला तीन दिन म फेर ठाढ़ कर दूहूं।"
20 यहूदीमन कहिन, "ये मंदिर ला बनाय म छियालीस साल लगे हवय, अऊ का तेंह येला तीन दिन म फेर ठाढ़ कर देबे?"
21 पर यीसू ह जऊन मंदिर के बारे म गोठियावत रिहिस ओह ओकर देहें रिहिस।
22 जब यीसू ह मरे म ले जी उठिस, तब ओकर चेलामन ला सुरता आईस कि यीसू ह ये कहे रिहिस। तब ओमन परमेसर के बचन अऊ यीसू के कहे बात ऊपर बिसवास करिन।
23 जब यीसू ह फसह तिहार के समय यरूसलेम म रिहिस, त जऊन चमतकार के काम उहां ओह करत रिहिस, ओला देखके बहुंत मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करिन।
24 पर यीसू ह अपनआप ला ओमन के भरोसा म नइं छोंड़िस, काबरकि ओह जम्मो झन ला जानत रिहिस।
25 ओला एकर जरूरत नइं रिहिस कि कोनो मनखे ह कोनो मनखे के बारे म गवाही देवय, काबरकि यीसू ह खुद जानत रिहिस कि कोन मनखे के मन म का हवय।

3

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 निकुदेमुस नांव के एक मनखे रिहिस। ओह फरीसी मत के रिहिस अऊ यहूदी महासभा के एक सदस्य रिहिस।
2 ओह रथिया यीसू करा आईस अऊ कहिस, "हे गुरू, हमन जानत हन कि तेंह एक गुरू अस अऊ परमेसर करा ले आय हवस। काबरकि जऊन चमतकार के काम तेंह करथस, ओला कोनो नइं कर सकंय, जब तक कि परमेसर ह ओकर संग नइं रहय।"
3 यीसू ह ओला ये जबाब दीस, "मेंह तोला सच-सच बतावत हंव, जब तक कोनो मनखे के नवां जनम नइं होवय, तब तक ओह परमेसर के राज ला नइं देख सकय।"
4 निकुदेमुस ह कहिस, "पर जब एक मनखे ह डोकरा हो गीस, त ओह फेर कइसने जनम ले सकथे? निस्चित रूप ले, ओह दूसर बार अपन दाई के कोख म जाके फेर जनम नइं ले सकय।"
5 त यीसू ह कहिस, "मेंह तोला सच-सच बतावत हंव कि जब तक कोनो मनखे पानी अऊ पबितर आतमा ले नइं जनमे, तब तक ओह परमेसर के राज म नइं जा सकय।
6 मनखे ह मनखे ला जनम देथे, पर पबितर आतमा ह नवां आतमा ला जनम देथे।
7 तोला मोर ये बात ले अचरज नइं होना चाही कि तोर नवां जनम होना जरूरी अय।
8 हवा ह जेति चाहथे ओती चलथे। तेंह सिरिप एकर आरो भर ला सुनथस, पर तेंह नइं बता सकस कि येह कहां ले आथे या येह कहां जाथे। हर ओ मनखे जऊन ह पबितर आतमा ले जनम लेथे, ओकर संग घलो अइसनेच होथे।"

---

* **2:13** *[illegible]* मिसर देस ले छुटकारा पाय के सुरता म यहूदीमन फसह तिहार मनाथें। † **2:17** भजन 69:9

9 निकुदेमुस ह पुछिस, “येह कइसने हो सकथे?”
10 यीसू ह जबाब दीस, “तेंह इसरायली मनखेमन के एक गुरू अस, अऊ का तेंह ये बातमन ला नइं समझत
हस?
11 मेंह तोला सच कहत हंव, जऊन बात ला हमन जानथन, ओकरे बारे म हमन गोठियाथन, अऊ जऊन ला
हमन देखे हवन, ओकर गवाही देथन, पर तुमन हमर गवाही ला नइं मानव।
12 मेंह तुमन ला ये धरती के बातमन ला बताएंव अऊ तुमन बिसवास नइं करत हव, पर कहूं मेंह स्वरग के
बातमन ला बताहूं, त तुमन कइसने बिसवास करहू।
13 कभू कोनो स्वरग ला नइं गे हवय, सिरिप एक झन के छोंड़, जऊन ह स्वरग ले आईस याने कि मनखे के
बेटा।
14 जइसने मूसा ह निरजन जगह म पीतल के सांप ला ऊपर चघाईस, वइसने मनखे के बेटा बर घलो जरूरी
अय कि ओला ऊपर चघाय जावय,
15 ताकि जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करय, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पावय।
16 “काबरकि परमेसर ह संसार ले अइसने मया करिस कि ओह अपन एकलऊता बेटा ला दे दीस, ताकि जऊन
कोनो ओकर बेटा ऊपर बिसवास करय, ओह नास नइं होवय, पर परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पावय।
17 परमेसर ह अपन बेटा ला एकर खातिर नइं पठोईस कि ओह संसार ला दोसी ठहिरावय, पर ये खातिर
पठोईस कि ओकर जरिये संसार के उद्धार करे।
18 जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करथे, ओह दोसी नइं ठहिरय, पर जऊन ह बिसवास नइं करय, ओह
पहिले ले दोसी ठहर चुकिस, काबरकि ओह परमेसर के एकलऊता बेटा ऊपर बिसवास नइं करिस।
19 नियाय करइया के फैसला ये अय: अंजोर ह संसार म आईस, पर मनखेमन अंजोर के बदले अंधियार ले
मया करिन, काबरकि ओमन के काम खराप रिहिन।
20 जऊन ह खराप काम करथे, ओह अंजोर ले घिन करथे अऊ ओह अंजोर म नइं आवय, काबरकि ओला डर
रहिथे कि ओकर खराप काममन उजागर हो जाहीं।
21 पर जऊन ह सही काम ला करथे, ओह अंजोर म आथे, ताकि ये साफ दिख जावय कि ओकर काम ह
परमेसर के जरिये करे गे हवय।”

[illegible]

22 एकर बाद, यीसू अऊ ओकर चेलामन यहूदिया प्रदेस के गंवई इलाका म गीन। उहां ओह ओमन के संग
कुछू समय तक रिहिस अऊ मनखेमन ला बतिसमा दीस।
23 यूहन्ना ह घलो सलीम के लकठा म एनोन म बतिसमा देवत रिहिस, काबरकि उहां बहुंत पानी रिहिस अऊ
मनखेमन उहां आके ओकर ले बतिसमा लेवत रिहिन।
24 यूहन्ना ह अभी तक जेल म नइं डारे गे रिहिस।
25 यूहन्ना के कुछू चेलामन के, एक यहूदी संग सुध होय के बारे म बहस होय लगिस।
26 ओमन यूहन्ना करा जाके कहिन, “हे गुरूजी, ओ मनखे जऊन ह यरदन नदी के ओ पार तोर संग रिहिस अऊ
जेकर बारे म तेंह गवाही दे रहय—देख, ओह घलो बतिसमा देवत हवय, अऊ जम्मो मनखे ओकर करा जावत
हवंय।”
27 यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, “मनखे ह कुछू नइं पा सकय, जब तक कि परमेसर ह स्वरग ले ओला नइं
देवय।
28 तुमन खुदे मोर गवाह हव कि मेंह कहे रहेंव, ‘मेंह मसीह नो हंव, पर मेंह ओकर आघू पठोय गे हवंव।’
29 दुलहिन ह दूल्हा के होथे। दूल्हा के संगवारी ह तीर म ठाढ़े रहिथे अऊ ओकर सुनथे अऊ जब ओह दूल्हा
के अवाज ला सुनथे, त ओह बहुंत खुस होथे। ओही किसम के खुसी मोर अय, जऊन ह अब पूरा हो गे।
30 ये जरूरी अय कि ओह बाढ़े अऊ मेंह घटंव।”
31 जऊन ह ऊपर* ले आथे, ओह सबले बड़े होथे। जऊन ह धरती ले आथे, ओह धरती के होथे अऊ ओह
धरती के बात गोठियाथे। जऊन ह स्वरग ले आथे, ओह जम्मो के ऊपर होथे।
32 ओह ओ बात ला बताथे, जऊन ला ओह देखे अऊ सुने रहिथे, पर ओकर गवाही ला कोनो नइं मानंय।

---

* **3:31** या [illegible]

33 जऊन ह ओकर गवाही ला मानथे, ओह ये साबित करथे कि परमेसर ह सच्चा ए।
34 काबरकि जऊन ला परमेसर ह पठोय हवय, ओह परमेसर के गोठ गोठियाथे। परमेसर ह ओला अपन
आतमा ले भर देथे।
35 ददा ह अपन बेटा ले मया करथे अऊ ओह जम्मो चीज ला ओकर हांथ म कर दे हवय।
36 जऊन ह बेटा के ऊपर बिसवास करथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय, पर जऊन ह
बेटा के बात ला नइं मानय, ओह ओ सदाकाल के जिनगी के अनुभव कभू नइं करही, काबरकि परमेसर के कोरोध
ह ओकर ऊपर बने रहिथे।

4

[illegible]

1 फरीसीमन सुनिन कि यीसू ह यूहन्ना ले घलो जादा मनखेमन ला चेला बनाथे अऊ बतिसमा देवत हवय।
2 असल म, यीसू ह खुद कोनो ला बतिसमा नइं देवत रिहिस, पर ओकर चेलामन बतिसमा देवत रिहिन।
3 तब ओह यहूदिया प्रदेस ला छोंड़के गलील प्रदेस म फेर वापिस चल दीस।
4 जब यीसू ह गलील ला वापिस जावत रिहिस, त ओला सामरिया प्रदेस ले होके जाय ला पड़िस।
5 ओह सामरिया प्रदेस के सूखार नांव के एक सहर म आईस। ये सहर ह ओ भुइयां के लकठा म रिहिस, जऊन
ला याकूब ह अपन बेटा यूसुफ ला देय रिहिस।
6 उहां याकूब के कुआं रहय; यीसू ह रेंगत-रेंगत थक गे रहय, एकरसेति ओह ओ कुआं के लकठा म बईठ गीस।
येह करीब मंझन के बेरा रिहिस।
7 ओतकीच बेरा, एक सामरी माईलोगन ह ओ कुआं ले पानी भरे बर आईस, त यीसू ह ओला कहिस, "मोला,
पीये बर थोरकन पानी दे ओ।"
8 (यीसू के चेलामन खाय के चीज बिसोय बर सहर गे रहंय।)
9 ओ सामरी माईलोगन ह ओला कहिस, "यहूदी जात के होके, तेंह मोर ले पानी काबर मांगत हस? मेंह एक
सामरी माईलोगन अंव।" (यहूदीमन सामरीमन के संग कोनो संबंध नइं रखत रिहिन।)
10 यीसू ह जबाब दीस, "कहूं तेंह परमेसर के बरदान ला जानते अऊ ये घलो जानते कि जऊन ह तोर ले पीये
के पानी मांगत हवय, ओह कोन ए, त तेंह ओकर ले मांगते अऊ ओह तोला जिनगी के पानी देतिस।"
11 ओ माईलोगन ह कहिस, "ए महाराज, पानी भरे बर तो तोर करा कोनो बाल्टी नइं ए, अऊ ये कुआं ह
गहिरा हवय। त फेर तोर करा ओ जिनगी के पानी कहां ले आही?
12 का तेंह हमर पुरखा याकूब ले बड़े अस, जऊन ह हमन ला ये कुआं देय हवय। अऊ ओह खुद अऊ ओकर
बेटामन अऊ ओकर पसुमन घलो ये कुआं ले पानी पीये हवंय।"
13 यीसू ह जबाब दीस, "जऊन ह ये पानी ला पीही, ओह फेर पीयासन होही,
14 पर जऊन ह ओ पानी ला पीही, जऊन ला मेंह दूहूं, ओह फेर कभू पीयासन नइं होही। जऊन पानी मेंह
ओला दूहूं, ओह ओमा सोता के पानी सहीं होही, जऊन ह हर समय बहते रहिथे, अऊ येह ओला परमेसर के संग
सदाकाल के जिनगी देथे।"
15 तब ओ माईलोगन ह यीसू ला कहिस, "हे महाराज, मोला ओ पानी दे ताकि मेंह फेर पीयासन झन होवंव
अऊ न ही मोला इहां पानी भरे बर फेर आना पड़य।"
16 यीसू ह ओला कहिस, "जा, अऊ अपन घरवाला ला इहां बलाके ले आ।"
17 ओ माईलोगन ह कहिस, "मोर कोनो घरवाला नइं ए।"
यीसू ह कहिस, "तेंह सही कहथस कि तोर कोनो घरवाला नइं ए।
18 काबरकि तेंह पांच घरवाला बना चुके हवस, अऊ जऊन मनखे के संग अभी तेंह रहत हवस, ओह घलो तोर
घरवाला नो हय। अभी तेंह जऊन बात कहय, ओह बिलकुल सही ए।"
19 ओ माईलोगन ह कहिस, "महाराज, मोला अइसने लगथे कि तेंह एक अगमजानी अस।
20 हमर पुरखामन ये पहाड़ ऊपर परमेसर के अराधना करत रिहिन, पर तुम यहूदीमन ये कहिथव कि ओ जगह
यरूसलेम म हवय, जिहां हमन ला परमेसर के अराधना करना चाही।"

21 यीसू ह ओला कहिस, “हे नारी, मोर ऊपर बिसवास कर। ओ समय ह आही, जब मनखेमन परमेसर ददा के
अराधना न तो ये पहाड़ ऊपर करहीं अऊ न ही यरूसलेम म।
22 तुमन सामरीमन जेकर अराधना करथव, ओला तुमन नइं जानव; हमन यहूदीमन जेकर अराधना करथन,
ओला हमन जानथन, काबरकि उद्धार के संदेस ह यहूदीमन के जरिये आही।
23 पर ओ समय ह आवत हवय, अऊ अब आ गे हवय, जब सही भक्ति करइयामन परमेसर ददा के भक्ति
आतमा अऊ सच्चई ले करहीं। काबरकि परमेसर ददा ह अइसने भक्ति करइयामन ला चाहथे।
24 परमेसर ह आतमा अय, अऊ ये जरूरी अय कि ओकर भक्ति करइयामन आतमा अऊ सच्चई ले ओकर
भक्ति करंय।”
25 तब ओ माईलोगन ह कहिस, “मेंह जानत हंव कि मसीह (जऊन ला ख्रिस्त कहे जाथे) अवइया हवय। जब
ओह आही, त हमन ला जम्मो बातमन ला बताही।”
26 तब यीसू ह ओला कहिस, “में जऊन ह तोर ले गोठियावत हंव, ओहीच अंव।”
27 ओतकी बेरा यीसू के चेलामन लहुंटके आईन अऊ ये देखके अचरज करे लगिन कि यीसू ह एक माईलोगन
ले गोठियावत हवय। पर एको झन ओकर ले ये नइं पुछिन, “तेंह का चाहथस?” या “तेंह ओकर ले काबर
गोठियावत हस?”
28 तब ओ माईलोगन ह अपन घघरी ला उहां छोंड़ दीस अऊ सहर म वापिस जाके मनखेमन ला कहिस,
29 “आवव, अऊ ओ मनखे ला देखव, जऊन ह ओ जम्मो बात बता दीस, जेला मेंह करे हवंव। ओह मसीह हो
सकथे।”
30 मनखेमन सहर ले निकलके यीसू करा आवन लगिन।
31 ये दरमियान यीसू के चेलामन ओकर ले बिनती करिन, “हे रब्बी, कुछू खा ले।”
32 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर करा खाय बर अइसने भोजन हवय, जेकर बारे म तुमन कुछू नइं जानत
हव।”
33 तब चेलामन एक-दूसर ले पुछे लगिन, “का कोनो एकर बर कुछू खाय बर लाय हवय?”
34 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर भोजन ये अय कि मेंह अपन पठोइया परमेसर के ईछा ला पूरा करंव अऊ
ओ काम ला पूरा करंव, जऊन ला ओह मोला दे हवय।
35 का तुमन ये नइं कहव, ‘फसल ला पके बर अभी चार महिना बांचे हवय, तब लुवई सुरू होही।’ अपन चारों
कोति देखव—मनखेमन के आतमा के खेत ला, जऊन ह लुवई बर तियार हवय।
36 ओ मनखे जऊन ह फसल लूथे, ओला ओकर बनी मिलथे अऊ ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी
बर फर संकेलथे, ताकि बोवइया अऊ लुवइया दूनों मिलके खुसी मनावंय।
37 एकरसेति ये कहावत ह सही ए, ‘कोनो बोथे, त कोनो आने ओला लूथे।’
38 मेंह तुमन ला उहां फसल लुए बर पठोएंव, जिहां तुमन नइं बोए रहेव; आने मन उहां कठोर मेहनत करिन,
अऊ तुमन ला ओमन के मेहनत के फर मिलिस।”

[illegible]

39 ओ सहर के बहुंत सामरी मनखेमन यीसू ऊपर बिसवास करिन, काबरकि ओ माईलोगन ह ये बताय रिहिस,
“ओह मोला ओ जम्मो बात बता दीस, जेला मेंह करे हवंव।”
40 एकरसेति जब ओ सामरी मनखेमन यीसू करा आईन, त ओमन यीसू ले बिनती करिन, “हमर संग रही जा।”
अऊ यीसू ह उहां दू दिन रिहिस।
41 ओकर बचन ला सुनके अऊ बहुंत झन ओकर ऊपर बिसवास करिन।
42 ओमन ओ माईलोगन ला कहिन, “अब हमन सिरिप तोर कहे ले ही बिसवास नइं करथन, पर हमन खुदे
ओकर बात ला सुने हवन, अऊ हमन जान गे हवन कि ओह सही म संसार के उद्धार करइया अय।”

[illegible]

43 दू दिन के बाद, यीसू ह उहां ले गलील प्रदेस ला चल दीस।
44 (काबरकि यीसू खुदे कहे रिहिस कि एक अगमजानी ला ओकर खुद के देस म आदरमान नइं मिलय।)

45 जब ओह गलील प्रदेस म आईस, त गलील के मनखेमन ओकर सुवागत करिन, काबरकि ओमन फसह
तिहार के बखत यरूसलेम गे रिहिन अऊ ओमन ओ जम्मो बात ला देखे रिहिन, जऊन ला यीसू ह उहां तिहार के
बखत करे रिहिस।
46 यीसू ह एक बार फेर गलील के काना सहर म गीस, जिहां ओह पानी ला अंगूर के मंद बनाय रिहिस। एक
साही अधिकारी रिहिस, जेकर बेटा ह कफरनहूम सहर म बेमार पड़े रहय।
47 जब ये अधिकारी ह सुनिस कि यीसू ह यहूदिया प्रदेस ले गलील म आय हवय, त ओह ओकर करा गीस
अऊ बिनती करिस कि ओह आके ओकर बेटा ला चंगा कर देवय, जऊन ह मरइया रिहिस।
48 यीसू ह ओला कहिस, "जब तक तुमन चिनहां अऊ चमतकार नइं देखहू, तब तक बिसवास नइं करव।"
49 ओ अधिकारी ह कहिस, "हे महाराज, एकर पहिली कि मोर लइका ह मर जावय, तेंह जल्दी चल।"
50 यीसू ह ओला कहिस, "तेंह जा। तोर बेटा ह जीयत हवय।"
ओ मनखे ह यीसू के बात ला बिसवास करके उहां ले चल दीस।
51 जब ओह अपन घर जावत रिहिस, त रसता म ओकर सेवकमन मिलिन अऊ ओला बताईन, "तोर बेटा ह
जीयत हवय।"
52 ओह ओमन ले पुछिस, "कतेक बेरा ओह बने होईस?" ओमन कहिन, "कल मंझन के एक बजे ओकर जर ह
उतर गीस।"
53 तब ओ लइका के ददा ह सुरता करिस कि येह तो ओहीच बेरा ए, जब यीसू ह ओला कहे रिहिस, "तोर बेटा
ह जीयत हवय।" तब ओह अऊ ओकर घराना के जम्मो झन यीसू ऊपर बिसवास करिन।
54 येह दूसरा अचरज के चिनहां रिहिस जऊन ला यीसू यहूदिया प्रदेस ले आके गलील प्रदेस म करिस।

5

[illegible]

1 एकर बाद, यहूदीमन के एक तिहार होईस, जेकर कारन यीसू ह यरूसलेम गीस।
2 यरूसलेम म भेड़ दुवार के लकठा म एक ठन पानी के कुन्ड हवय, जऊन ला इबरानी म बेतहसदा* कहिथें।
ओकर चारों कोति पांच ठन खुला परछी हवय†।
3 ओमा कतको बेमार, अंधरा, खोरवा अऊ लूलवा मनखेमन (पानी के हाले के आसा म) पड़े रहंय।
4 एक ठहिराय समय म परभू के स्वरगदूत ह खाल्हे उतरय अऊ पानी ला हलाय करय। पानी के हालते ही
जऊन बिमरहा ह सबले पहिली ओ कुन्ड म उतरे, ओह चंगा हो जावय, चाहे ओकर कोनो भी बेमारी होवय।‡
5 उहां एक मनखे रहय, जऊन ह अड़तीस साल ले बेमारी म पड़े रहय।
6 जब यीसू ह ओला उहां पड़े देखिस अऊ ये जानिस कि ओह बहुंत दिन ले ये दसा म हवय, त यीसू ह ओकर
ले पुछिस, "का तेंह बने होय बर चाहथस?"
7 ओ बिमरहा मनखे ह यीसू ला कहिस, "हे परभू! मोर करा इहां कोनो नइं ए कि जब पानी ह हलाय जाथे, त
मोला कुन्ड म उतारे, अऊ जब मेंह उतरे के कोसिस करथंव, त कोनो आने मोर ले आघू कुन्ड म उतर जाथे।"
8 तब यीसू ह ओला कहिस, "उठ! अपन खटिया ला उठा अऊ रेंग।"
9 तुरते ओ मनखे ह बने हो गीस; ओह अपन खटिया ला उठाईस अऊ चले-फिरे लगिस।
जऊन दिन ये काम होईस, ओह यहूदीमन के बिसराम दिन रिहिस।
10 एकरसेति यहूदी अगुवामन ओ मनखे, जऊन ह बने होय रिहिस, ओला कहिन, "आज बिसराम के दिन ए,
अऊ आज के दिन खटिया ला उठई हमर कानून के बिरूध ए।"
11 पर ओह ओमन ला ये जबाब दीस, "जऊन ह मोला बने करिस, ओह मोला कहिस, 'अपन खटिया ला उठा
अऊ रेंग।' "
12 ओमन ओकर ले पुछिन, "ओह कोन मनखे ए, जऊन ह तोला कहिस कि अपन खटिया उठा अऊ रेंग?"
13 पर जऊन मनखे ह बने होय रिहिस, ओह ये नइं जानत रिहिस कि ओला कोन ह बने करिस, काबरकि ओ
जगह म मनखेमन के भीड़ रहय अऊ यीसू ह उहां ले निकल गे रहय।

---

* **5:2** कुछू हस्तलिपि म *[illegible]* लिखाय हवय † **5:2** *[illegible]* ये सबद के मतलब होथे *[illegible]* ‡ **5:4** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

14 बाद म, यीसू ओला मंदिर म भेंटिस, त ओला कहिस, “देख, तेंह अब बने हो गे हवस। अब पाप झन करबे,
नइं तो एकर ले भारी बिपत्ति तोर ऊपर पड़ सकथे।”
15 ओ मनखे ह जाके यहूदी अगुवामन ला बताईस कि जऊन मनखे ह मोला बने करिस, ओह यीसू ए।

[illegible]

16 यीसू ह ये काममन ला यहूदीमन के बिसराम दिन म करत रिहिस, एकरसेति यहूदी अगुवामन यीसू ला
सताय लगिन।
17 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर ददा ह हमेसा अपन काम करत हवय, अऊ मेंह घलो काम करत हवंव।”
18 एकरे कारन यहूदीमन यीसू ला मार डारे के अऊ कतको उपाय करे लगिन, काबरकि यीसू ह न सिरिप
बिसराम दिन के कानून ला टोरत रिहिस, पर ओह परमेसर ला अपन खुद के ददा कहिके, अपनआप ला परमेसर
के बरोबर घलो रखत रिहिस।
19 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव; बेटा ह अपनआप ले कुछू नइं कर सकय; ओह
सिरिप ओही ला करथे, जऊन ला ओह अपन ददा ला करत देखथे। जऊन कुछू ददा ह करथे, बेटा ह घलो
वइसने करथे।
20 काबरकि ददा ह बेटा ला मया करथे अऊ जऊन कुछू ओह करथे, ओ जम्मो ला अपन बेटा ला देखाथे।
एकर ले घलो बड़े काम ओह ओला देखाही ताकि तुमन अचम्भो करव।
21 काबरकि जइसने ददा ह मरे मनखे ला जियाथे अऊ ओमन ला जिनगी देथे, वइसनेच बेटा ह घलो जऊन
ला चाहथे, ओला जिनगी देथे।
22 ददा ह काकरो नियाय नइं करय, पर ओह नियाय करे के जम्मो अधिकार अपन बेटा ला सऊंप दे हवय,
23 ताकि जम्मो मनखे जइसने ददा के आदर करथें, वइसनेच बेटा के घलो आदर करंय। जऊन ह बेटा के आदर
नइं करय, ओह ददा के घलो आदर नइं करय, जऊन ह बेटा ला पठोय हवय।
24 “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह मोर बचन ला सुनथे, अऊ मोर पठोइया के ऊपर बिसवास करथे,
ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय; ओह दंड के भागी नइं होवय; ओह मिरतू ले पार होके
जिनगी पा चुके हवय।
25 मेंह तुमन ला सच कहत हंव, ओ समय ह आवत हे, अऊ आ गे हवय, जब मरे मनखेमन परमेसर के बेटा के
अवाज ला सुनहीं, अऊ जऊन मन येला सुनहीं, ओमन जिनगी पाहीं।
26 काबरकि जइसने ददा ह अपन म जिनगी रखथे; ओही किसम ले, ओह बेटा ला घलो अधिकार दे हवय कि
ओह अपन म जिनगी रखय।
27 अऊ मनखे के बेटा होय के कारन, ओला नियाय करे के अधिकार घलो दे हवय।
28 “ये बात ले अचम्भो झन करव, काबरकि ओ समय ह आवत हे, जब कबर के जम्मो मरे मनखेमन ओकर
अवाज ला सुनहीं
29 अऊ बाहिर निकल आहीं; जऊन मन भलई करे हवंय, ओमन जिनगी पाय बर जी उठहीं, अऊ जऊन मन
कुकरम करे हवंय, ओमन सजा पाय बर जी उठहीं।
30 मेंह अपनआप ले कुछू नइं कर सकंव। जइसने परमेसर ह मोला कहिथे, वइसने मेंह नियाय करथंव, अऊ
मोर नियाय ह सही अय, काबरकि मेंह अपनआप ला खुस करे के कोसिस नइं करंव, पर ओला खुस करथंव,
जऊन ह मोला पठोय हवय।

[illegible]

31 “यदि मेंह अपन बारे म खुद गवाही देथंव, त मोर गवाही ह सही नो हय।
32 पर एक झन अऊ हवय, जऊन ह मोर बारे म गवाही देथे, अऊ मेंह जानत हंव कि मोर बारे म ओकर
गवाही ह सही ए।
33 “तुमन यूहन्ना करा अपन संदेसियामन ला पठोय रहेव अऊ ओह सच्चई के गवाही दे हवय।
34 अइसने बात नो हय कि मेंह मनखे के गवाही चाहत हंव; पर मेंह ये बात एकरसेति कहत हंव कि तुम्हर
उद्धार होवय।
35 यूहन्ना ह एक ठन दीया के सहीं रिहिस, जऊन ह बरिस अऊ अंजोर दीस, अऊ तुमन ला ओकर अंजोर म
कुछू समय तक आनंद मनई बने लगिस।

36 “पर मोर करा यूहन्ना के देय गवाही ले घलो बड़े गवाही हवय। जऊन काम ला ददा ह मोला पूरा करे बर
देय हवय, अऊ जऊन ला मेंह करत हवंव, ओ काममन खुदे गवाही देथें कि ददा ह मोला पठोय हवय।
37 ददा, जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह खुद मोर बारे म गवाही देय हवय। तुमन ओकर अवाज ला कभू नइं
सुनेव अऊ न ही ओकर रूप ला देखे हवव,
38 अऊ न ही ओकर बचन तुम्हर हिरदय म रहिथे, काबरकि जऊन ला ओह पठोईस, ओकर ऊपर तुमन
बिसवास नइं करेव।
39 तुमन परमेसर के बचन ला लगन ले पढ़थव, काबरकि तुमन सोचथव कि ओमा तुमन ला परमेसर के संग
सदाकाल के जिनगी मिलही; येह परमेसर के ओही बचन अय, जऊन ह मोर बारे म गवाही देथे।
40 तभो ले तुमन जिनगी पाय बर मोर करा नइं आय चाहव।
41 “मेंह मनखेमन ले महिमा पाय बर नइं चाहंव,
42 पर मेंह जानत हंव कि तुम्हर हिरदय म परमेसर बर मया नइं ए।
43 मेंह अपन ददा परमेसर के नांव म आय हवंव, अऊ तुमन मोला गरहन नइं करव; पर यदि कोनो आने मनखे
अपन खुद के नांव म आही, त तुमन ओला गरहन कर लूहू।
44 तुमन एक-दूसर ले महिमा पाय बर चाहथव, अऊ ओ महिमा जऊन ह सिरिप परमेसर करा ले आथे, ओला
पाय के कोनो कोसिस नइं करव; तब तुमन कइसने बिसवास कर सकथव?
45 “ये झन सोचव कि मेंह ददा के आघू म तुम्हर ऊपर दोस लगाहूं। ओह मूसा ए, जऊन ह तुम्हर ऊपर दोस
लगाथे, जेकर ऊपर तुमन अपन आसा रखे हवव।
46 यदि तुमन मूसा ऊपर बिसवास करे होतेव, त मोर ऊपर घलो बिसवास करतेव, काबरकि ओह मोर बारे म
लिखे हवय।
47 जब तुमन मूसा के लिखे ओ बातमन ला बिसवास नइं करव, तब तुमन मोर बात ला कइसने बिसवास
करहू?”

6

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17)

1 एकर बाद, यीसू ह गलील के झील के ओ पार गीस। (गलील के झील ला तिबिरियास के झील घलो कहिथें।)
2 अऊ एक बड़े भीड़ ओकर पाछू हो लीस, काबरकि मनखेमन ओ अचरज के चिनहांमन ला देखे रिहिन, जऊन
ला ओह बिमरहामन ला बने करे के दुवारा देखाय रिहिस।
3 तब यीसू ह पहाड़ी ऊपर गीस अऊ अपन चेलामन संग उहां बईठ गीस।
4 यहूदीमन के फसह तिहार ह लकठा आवत रहय।
5 जब यीसू ह आंखी उठाके देखिस, त मनखेमन के एक बड़े भीड़ ओकर कोति आवत रहय। तब ओह
फिलिप्पुस ला कहिस, “ये मनखेमन ला खवाय बर हमन कहां ले रोटी बिसोबो?”
6 यीसू ह ओला सिरिप परखे बर ये बात ला पुछिस, काबरकि ओह पहिली ले जानत रहय कि ओह का करइया
रिहिस।
7 फिलिप्पुस ह जबाब देके कहिस, “यदि दू सौ दीनार* के रोटी बिसोथन, तभो ले येमा के हर एक मनखे ला
मुसकुल से एक-एक कऊंरा मिलही।”
8 ओकर एक आने चेला, सिमोन पतरस के भाई अन्द्रियास ह ओला कहिस,
9 “इहां एक झन छोकरा हवय, जेकर करा जवांर के पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय; पर अतेक झन बर
येह कुछू नो हय?”
10 यीसू ह कहिस, “मनखेमन ला बईठा देवव।” ओ जगह म अब्बड़ कांदी रहय। तब जम्मो मनखेमन बईठ
गीन; उहां करीब पांच हजार आदमीमन रिहिन।
11 तब यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके उहां बईठे मनखेमन ला बांट दीस, अऊ वइसनेच
ओह मछरीमन ला घलो बांट दीस। ओमन जतकी चाहिन, ओह ओमन ला ओतकी दीस।

* **6:7** एक दीनार याने एक दिन के बनी।

12 जब ओ जम्मो झन खाके अघा गीन, त यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, “बांचे-खुचे टुकड़ामन ला संकेल
लेवव, ताकि कुछू ह बरबाद झन होवय।”
13 तब ओमन बांचे ला संकेलिन अऊ बारह ठन टुकना ओ पांच ठन जवांर के रोटी के टुकड़ा ले भर गीस,
जऊन ला खवइयामन उहां छोंड़ दे रिहिन।
14 जब मनखेमन यीसू के ओ अचरज के चिनहां ला देखिन, त कहे लगिन, “येह सही म ओ अगमजानी अय,
जऊन ह संसार म अवइया रिहिस।”
15 ओमन आके यीसू ला जबरदस्ती राजा बनाय के इरादा करत रिहिन; ये बात ला जानके, यीसू ह फेर एके
झन पहाड़ ऊपर चल दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 14:22-33; [illegible] 6:45-52)

16 जब सांझ होईस, त यीसू के चेलामन उतरके झील के तीर म गीन,
17 अऊ उहां झील के ओ पार कफरनहूम जाय बर, एक ठन डोंगा म बईठ गीन। जब ओमन जावत रिहिन, त
अंधियार हो गे रहय, अऊ यीसू ह अभी तक ले ओमन करा नइं आय रहय।
18 तब एक बड़े आंधी झील के ऊपर चले लगिस, जेकर कारन पानी के बड़े-बड़े लहरा उठिस।
19 जब ओमन समुंदर म डोंगा ला खेवत-खेवत पांच-छै किलोमीटर चल दीन, त ओमन यीसू ला अपन डोंगा
कोति आवत देखिन; ओह पानी ऊपर चलत रहय, अऊ ओमन डरा गीन।
20 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, “येह में अंव, झन डरव।”
21 तब ओमन ओला डोंगा म चघाय बर चाहत रिहिन कि डोंगा ह ओ तीर म पहुंच गीस, जिहां ओमन जवइया
रिहिन।
22 दूसर दिन, ओ मनखेमन के भीड़, जऊन ह समुंदर के ओ पार तीर म रूके रहय, ये देखिस कि उहां सिरिप एक
ठन डोंगा रिहिस, अऊ ओमन जानत रिहिन कि यीसू ह अपन चेलामन संग ओ डोंगा म नइं गे हवय, पर
चेलामन यीसू के बिगर डोंगा म चल दे रिहिन।
23 तब कुछू आने डोंगामन तिबिरियास ले ओ जगह के लकठा म आईन, जिहां परभू के धनबाद करे के बाद
मनखेमन रोटी खाय रिहिन।
24 जब भीड़ ह ये देखिस कि उहां न तो यीसू हवय अऊ न ही ओकर चेलामन, त ओमन डोंगामन म चघिन
अऊ यीसू के खोज म कफरनहूम गीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

25 जब ओ मनखेमन ला यीसू ह समुंदर के ओ पार मिलिस, त ओमन ओकर ले पुछिन, “हे गुरू! तेंह इहां कब
आय?”
26 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, तुमन मोला एकरसेति नइं खोजत हव कि तुमन
अचरज के चिनहां ला देखेव, पर एकरसेति कि तुमन छकके रोटी खाय रहेव।
27 ओ भोजन बर मेहनत झन करव, जऊन ह नास हो जाथे, पर ओ भोजन बर मेहनत करव, जऊन ह परमेसर
के संग सदाकाल के जिनगी तक ठहिरथे, जऊन ला मनखे के बेटा ह तुमन ला दीही। काबरकि परमेसर ददा ह
ओकर ऊपर अपन मंजूरी के मुहर लगाय हवय।”
28 तब ओमन ओकर ले पुछिन, “परमेसर के काम करे बर, हमन का करन?”
29 यीसू ह ये जबाब दीस, “परमेसर के काम ये अय कि जऊन ला ओह पठोय हवय, ओकर ऊपर बिसवास
करव।”
30 तब ओमन ओकर ले पुछिन, “तेंह हमन ला का अचरज के चिनहां देखाबे कि हमन ओला देखके तोर ऊपर
बिसवास करन? तेंह का काम करबे?
31 हमर पुरखामन निरजन जगह म मन्ना खाय रिहिन; जइसने परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: ‘ओह ओमन
ला खाय बर स्वरग ले रोटी दीस†।’ ”
32 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव कि मूसा ह तुमन ला स्वरग ले ओ रोटी नइं देय
रिहिस, पर ओह मोर ददा ए, जऊन ह तुमन ला स्वरग ले सच्चई के रोटी देथे।

† **6:31** निर 16:4; नहे 9:15; भजन 78:24, 25

33 काबरकि परमेसर के रोटी ओह् अय, जऊन ह स्वरग ले उतरथे अऊ संसार ला जिनगी देथे।”
34 ओमन कहिन, “हे महाराज, ओ रोटी हमन ला हमेसा देय कर।”
35 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “जिनगी के रोटी मेंह अंव। जऊन ह मोर करा आथे, ओह कभू भूखन नइं होवय अऊ जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह कभू पीयासन नइं होवय।
36 पर जइसने मेंह तुमन ला कहेंव कि तुमन मोला देख भी ले हवव, अऊ तभो ले तुमन बिसवास नइं करथव।
37 जऊन कुछू ददा ह मोला देथे, ओ जम्मो ह मोर करा आही अऊ जऊन कोनो मोर करा आथे, मेंह ओला कभू नइं निकालंव।
38 काबरकि मेंह अपन ईछा ला नइं, पर अपन पठोइया के ईछा ला पूरा करे बर स्वरग ले उतरे हवंव।
39 अऊ मोर पठोइया के ईछा ये अय कि जऊन कुछू ओह मोला देय हवय, ओमा ले कोनो ला घलो मेंह झन गंवांवंव, पर आखिरी दिन म ओमन ला जियावंव।
40 काबरकि मोर ददा के ईछा ये अय कि जऊन कोनो बेटा ला देखथे अऊ ओकर ऊपर बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाही, अऊ मेंह आखिरी दिन म ओला जियाहूं।”
41 तब यहूदीमन यीसू ऊपर बड़बड़ाय लगिन, काबरकि ओह ये कहे रिहिस, “मेंह ओ रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले उतरिस।”
42 ओमन कहिन, “का येह यूसुफ के बेटा यीसू नो हय, जेकर दाई-ददा ला हमन जानथन? तब ओह कइसने कह सकथे कि ओह स्वरग ले उतरे हवय?”
43 यीसू ह ओमन ला ये जबाब दीस, “आपस म बड़बड़ाय बर बंद करव।
44 मोर करा कोनो नइं आ सकय, जब तक ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओला मोर तरफ नइं खींचय; अऊ मेंह ओला आखिरी दिन म जियाहूं।
45 अगमजानीमन के किताब म ये लिखे हवय: ‘ओ जम्मो झन परमेसर के दुवारा सिखोय जाहीं।’‡ जऊन कोनो ददा के सुनथे अऊ ओकर ले सीखथे, ओह मोर करा आथे।
46 कोनो भी ददा ला नइं देखे हवंय, सिरिप ओकर छोंड़, जऊन ह परमेसर कोति ले आय हवय, सिरिप ओहीच ह ददा ला देखे हवय।
47 मेंह तुमन ला सच कहथंव, जऊन ह बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाथे।
48 जिनगी के रोटी मेंह अंव।
49 तुम्हर पुरखामन निरजन जगह म मन्ना खाईन, पर ओमन मर गीन।
50 पर येह ओ रोटी अय, जऊन ह स्वरग ले उतरे हवय ताकि मनखे ह येला खावय अऊ झन मरय।
51 मेंह ओ जीयत रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले उतरिस। यदि कोनो ये रोटी म ले खाही, त ओह सदाकाल तक जीयत रहिही। ओ रोटी जऊन ला मेंह संसार के जिनगी बर दूहूं, ओह मोर मांस ए।”
52 येला सुनके यहूदीमन आपस म ये कहिके बहस करे लगिन, “ये मनखे ह हमन ला अपन मांस खाय बर कइसने दे सकथे?”
53 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, जब तक तुमन मनखे के बेटा के मांस ला नइं खावव अऊ ओकर लहू ला नइं पीयव, तब तक तुमन म जिनगी नइं ए।
54 जऊन कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लहू पीथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय, अऊ मेंह ओला आखिरी दिन म जियाहूं।
55 काबरकि मोर मांस ह सही भोजन अय अऊ मोर लहू ह सही म पीये के चीज अय।
56 जऊन कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लहू पीथे, ओह मोर म बने रहिथे, अऊ मेंह ओमा बने रहिथंव।
57 जइसने जीयत ददा ह मोला पठोईस अऊ ददा के कारन मेंह जीयत हवंव, ओहीच किसम ले जऊन ह मोला खाही, ओह मोर कारन जीयत रहिही।
58 येह ओ रोटी ए, जऊन ह स्वरग ले उतरिस। हमर पुरखामन मन्ना खाईन अऊ मर गीन, पर जऊन ह ये रोटी ला खाही, ओह सदाकाल तक जीयत रहिही।”
59 यीसू ह ये बातमन ला कफरनहूम के एक सभा-घर म उपदेस देवत कहिस।

‡ **6:45** यसा 54:13

[illegible]

60 येला सुनके, यीसू के कतको चेलामन कहिन, “ये उपदेस ला गरहन करई कठिन ए।”

61 यीसू ह अपन मन म जान डारिस कि ओकर चेलामन कुड़कुड़ावत हवंय; एकरसेति ओह ओमन ला कहिस, “का ये बात ले तुमन ला ठेस लगथे?

62 तब तुम्हर का होही, यदि तुमन मनखे के बेटा ला जिहां ओह पहिली रिहिस, उहां ऊपर जावत देखहू त?

63 पबितर आतमा ह जिनगी देथे; मांस ले कोनो फायदा नइं होवय। जऊन बात मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओमन आतमा अऊ जिनगी अंय।

64 पर तुमन म कुछू मनखे हवंय, जऊन मन ये बातमन ला बिसवास नइं करंय।” काबरकि यीसू ह सुरू ले जानत रिहिस कि ओमा ले कोन बिसवास नइं करंय अऊ कोन ह ओला धोखा दीही।

65 यीसू ह ये घलो कहिस, “एकरे कारन मेंह तुमन ला कहेंव कि जब तक ददा कोति ले बरदान नइं मिलय, तब तक कोनो मोर करा नइं आ सकय।”

66 एकर बाद, यीसू के कतको चेलामन ओला छोंड़के वापिस चल दीन अऊ ओकर पाछू नइं गीन।

67 तब यीसू ह बारह चेलामन ले पुछिस, “का तुमन घलो मोला छोंड़के जाय चाहत हव?”

68 सिमोन पतरस ह जबाब देके कहिस, “हे परभू, हमन काकर करा जाबो? परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी के बात तो तोर करा हवय।

69 हमन बिसवास करथन अऊ जानत हवन कि तेंह परमेसर के पबितर बेटा अस।”

70 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “का मेंह तुमन बारहों झन ला नइं चुने हवंव? तभो ले तुमन ले एक झन सैतान ए?”

71 (यीसू ह ये बात सिमोन इस्करियोती के बेटा यहूदा के बारे म कहिस, काबरकि ओह ओ बारहों म ले ओ मनखे रहय, जऊन ह बाद म यीसू ला धोखा देवइया रिहिस।)

7

[illegible]

1 एकर बाद, यीसू ह गलील प्रदेस म एती-ओती गीस। ओह यहूदिया प्रदेस ला नइं जाय चाहत रिहिस, काबरकि यहूदीमन उहां ओला मार डारे बर बाट जोहत रिहिन।

2 पर जब यहूदीमन के पबितर-तम्बूमन के तिहार ह लकठा आईस*,

3 त यीसू के भाईमन ओला कहिन, “तेंह ये जगह ला छोंड़के यहूदिया प्रदेस म चले जा, ताकि जऊन काम तेंह करथस, ओला तोर चेलामन घलो देखंय।

4 काबरकि जऊन मनखे ह नांव कमाय चाहथे, ओह गुपत म काम नइं करय। जब तेंह ये काम करथस, त अपनआप ला संसार के मनखेमन ला देखा।”

5 अऊ त अऊ ओकर खुद के भाईमन ओकर ऊपर बिसवास नइं करत रिहिन।

6 तब यीसू ह अपन भाईमन ला कहिस, “मोर बर सही समय अभी तक नइं आय हवय। तुम्हर बर कोनो घलो समय ह सही ए।

7 संसार ह तुम्हर ले बईरता नइं कर सकय, पर मोर ले बईरता रखथे, काबरकि मेंह एकर बिरोध म गवाही देथंव कि एकर काममन खराप अंय।

8 तुमन ये तिहार म जावव। मेंह अभी ये तिहार म नइं जावंव, काबरकि मोर बर अभी तक सही समय नइं आय हवय।”

9 ये कहिके, ओह गलील प्रदेस म रूक गीस।

10 पर जब यीसू के भाईमन तिहार मनाय बर चल दीन, त ओह घलो गीस, पर ओह खुलेआम नइं जाके गुपत ढंग ले उहां गीस।

11 तिहार के बखत यहूदीमन ओला खोजत रिहिन अऊ ये पुछत रिहिन, “ओ मनखे ह कहां हवय?”

12 मनखेमन के भीड़ म ओकर बारे म बहुंत कानाफूसी होवत रहय। कुछू मनखेमन कहत रिहिन, “ओह बने मनखे ए।”

---

* **7:2** लैव्य 23:33-36, 39-43; ब्यव 16:13-16

पर कुछू मनखेमन कहंय, “नइं, ओह मनखेमन ला धोखा देथे।”
13 पर यहूदीमन के डर के कारन, यीसू के बारे म कोनो मनखे खुलेआम कुछू नइं कहत रिहिन।

[illegible]

14 जब तिहार के आधा समय बीत गे, तब यीसू ह मंदिर म जाके उपदेस देवन लगिस।
15 यहूदीमन अचम्भो करके कहन लगिन, “बिगर सीखे ये मनखे ह अतेक जादा कइसने जानथे?”
16 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “जऊन उपदेस मेंह देवत हंव, ओह मोर खुद के नो हय। येह ओकर करा ले आथे, जऊन ह मोला पठोय हवय।
17 जऊन ह परमेसर के ईछा म चले बर चाहथे, ओह जान डारही कि मोर उपदेस ह परमेसर कोति ले आथे या फेर मेंह अपन खुद के अधिकार ले गोठियावत हंव।
18 जऊन ह अपन खुद के अधिकार ले गोठियाथे, ओह अपन खुद के महिमा चाहथे, पर जऊन ह अपन पठोइया के महिमा चाहथे, ओह सच्चा मनखे ए, अऊ ओमा कुछू भी गलत बात नइं ए।
19 का मूसा ह तुमन ला कानून नइं देय हवय? तभो ले तुमन ले एको झन घलो ओ कानून ला नइं मानय। तुमन काबर मोला मार डारे के कोसिस करत हव?”
20 भीड़ के मनखेमन ओला जबाब दीन, “तोर म परेत आतमा हवय। कोन ह तोला मार डारे के कोसिस करत हे?”
21 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह एक ठन अचरज के काम करेंव, अऊ तुमन जम्मो झन अचम्भो करत हव।
22 मूसा ह तुमन ला खतना करे के हुकूम दीस, (असल म येह मूसा करा ले नइं आईस, पर येह कुल के मुखियामन ले चले आवत हवय), अऊ तुमन बिसराम के दिन म घलो लइका के खतना करथव।
23 यदि बिसराम के दिन म एक लइका के खतना करे जा सकथे, अऊ मूसा के कानून ह नइं टूटय, त तुमन मोर ऊपर काबर नराज होवत हव कि मेंह बिसराम के दिन म एक मनखे ला बेमारी ले पूरा ठीक कर दे हवंव?
24 मुहूं देखके नियाय झन करव। पर सही-सही नियाय करव।”

[illegible]?

25 तब यरूसलेम के कुछू मनखेमन कहन लगिन, “का येह ओ मनखे नो हय, जऊन ला मनखेमन मार डारे बर खोजत हवंय?
26 ओह इहां हवय अऊ खुल्लम-खुल्ला गोठियावत हवय, अऊ ओमन ओला कुछू नइं कहत हवंय। हो सकथे कि अधिकारीमन सही म जान गे हवंय कि एहीच ह मसीह अय?
27 पर हमन तो जानथन कि ये मनखे ह कहां के अय; जब मसीह ह आही, त कोनो ला पता नइं चलही कि ओह कहां के अय।”
28 तब यीसू ह मंदिर म उपदेस देवत पुकारके कहिस, “तुमन मोला जानथव अऊ तुमन ये घलो जानथव कि मेंह कहां के अंव। मेंह इहां खुद नइं आय हवंव, पर जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह सच्चा ए। तुमन ओला नइं जानव।
29 पर मेंह ओला जानथंव काबरकि मेंह ओकर करा ले आय हवंव अऊ ओह मोला पठोय हवय।”
30 तब ओमन ओला पकड़े के कोसिस करिन, पर कोनो ओकर ऊपर हांथ नइं लगाईन, काबरकि ओकर समय ह अब तक नइं आय रिहिस।
31 तभो ले भीड़ म ले बहुंत झन ओकर ऊपर बिसवास करिन। ओमन कहिन, “जब मसीह ह आही, त का ओह ये मनखे ले बड़के अचरज के चिनहां देखाही?”
32 फरीसीमन मनखेमन ला यीसू के बारे म अइसने कानाफूसी करत सुनिन, त मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन यीसू ला पकड़े बर मंदिर के सिपाहीमन ला पठोईन।
33 तब यीसू ह कहिस, “मेंह तुम्हर संग सिरिप थोरकन समय तक हवंव, तब मेंह ओकर करा चले जाहूं, जऊन ह मोला पठोय हवय।
34 तुमन मोला खोजहू, पर मोला नइं पाहू, अऊ जिहां मेंह हवंव, उहां तुमन नइं आ सकव।”
35 यहूदीमन एक-दूसर ले कहिन, “ये मनखे ह कहां जाही कि हमन ओला नइं पाबो? का येह हमर ओ मनखेमन करा जाही, जऊन मन यूनानीमन के बीच म तितिर-बितिर होके रहिथें, अऊ यूनानीमन ला घलो उपदेस दीही?

36 ओकर ये कहे के का मतलब ए, 'तुमन मोला खोजहू, पर मोला नइं पाहू,' अऊ 'जिहां मेंह हवंव, उहां तुमन
नइं आ सकव?' "
37 तिहार के आखिरी दिन जऊन ह सबले जादा महत्व के दिन रिहिस, यीसू ह ठाढ़ होईस अऊ चिचियाके
कहिस, "कहूं कोनो पीयासन हवय, त ओह मोर करा आके पीयय।
38 जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, परमेसर के बचन के कहे के मुताबिक ओकर हिरदय ले जीयत पानी के
नदी बहे लगही।"
39 यीसू ह येला ओ पबितर आतमा के बारे म कहिस, जऊन ह यीसू ऊपर बिसवास करइयामन ला बाद म
मिलने वाला रिहिस। ओ समय तक पबितर आतमा ह नइं दिये गे रिहिस, काबरकि यीसू ह अब तक अपन
महिमा म नइं पहुंचे रिहिस।
40 ओकर ये बात ला सुनके कुछू मनखेमन कहिन, "सही म ये मनखे ह ओ अगमजानी ए, जऊन ह अवइया
रिहिस।"
41 आने मन कहिन, "येह मसीह अय।"
पर कुछू अऊ मनखेमन कहिन, "गलील प्रदेस ले मसीह ह कइसने आ सकथे?
42 का परमेसर के बचन म ये नइं लिखे हवय कि मसीह ह दाऊद के बंस अऊ बैतलहम गांव ले आही, जिहां
दाऊद रहत रिहिस?"
43 ये किसम ले यीसू के कारन मनखेमन म मतभेद हो गीस।
44 ओमा ले कुछू झन ओला पकड़े चाहत रिहिन, पर कोनो ओकर ऊपर हांथ नइं डारिन।

[illegible]

45 आखिर म, मंदिर के सिपाहीमन मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन करा वापिस चल दीन। तब ओमन मंदिर
के सिपाहीमन ले पुछिन, "तुमन यीसू ला पकड़के काबर नइं लानेव?"
46 सिपाहीमन जबाब दीन, "जऊन किसम ले ये मनखे ह गोठियाथे, वइसने आज तक कोनो नइं गोठियाय
हवय।"
47 फरीसीमन ओमन ला कहिन, "का ओह तुमन ला घलो भरमा दीस?
48 का अधिकारी या फरीसीमन ले कोनो ओकर ऊपर बिसवास करे हवंय?
49 नइं न! पर ये भीड़ के मनखे, जऊन मन कानून के बारे म कुछू नइं जानंय, ओमन सरापित अंय।"
50 निकुदेमुस जऊन ह यीसू करा पहिली गे रिहिस अऊ अगुवामन ले एक झन रिहिस, ओमन ला कहिस,
51 "हमर कानून के मुताबिक, हमन कोनो मनखे ला दोसी नइं ठहिरा सकन, जब तक कि पहिली ओकर बात
ला नइं सुन लेवन अऊ ये नइं जान लेवन कि ओह का करे हवय?"
52 ओमन कहिन, "का तेंह घलो गलील प्रदेस के अस? परमेसर के बचन म खोज, त तेंह पाबे कि गलील प्रदेस
ले कोनो अगमजानी नइं आवय।"
53 तब ओमन जम्मो झन अपन-अपन घर चल दीन।

8

1 पर यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर गीस।
2 अऊ बड़े बिहनियां ओह फेर मंदिर म आईस। उहां जम्मो मनखेमन ओकर चारों खूंट जूर गीन; अऊ ओह
बईठके ओमन ला उपदेस देवन लगिस।
3 तब कानून के गुरू अऊ फरीसीमन एक माईलोगन ला लानिन, जऊन ह छिनारी म पकड़े गे रिहिस। ओमन
ओला ओ जम्मो झन के आघू म ठाढ़ करिन अऊ यीसू ला कहिन,
4 "हे गुरू, ये माईलोगन ह छिनारी करत पकड़े गे हवय।
5 हमर कानून म, मूसा ह हमन ला हुकूम दे हवय कि अइसने माईलोगन ला पथरा फटिक-फटिक के मार
डारव। पर तेंह एकर बारे म का कहिथस?"
6 ओमन ये सवाल यीसू ला फंसाय खातिर पुछत रिहिन, ताकि ओमन ला ओकर ऊपर दोस लगाय बर एक
बहाना मिल जावय।
पर यीसू ह झुकिस अऊ अपन अंगरी ले भुइयां ऊपर लिखे लगिस।

7 जब ओमन ओकर ले बार-बार पुछे लगिन, त ओह सीधा ठाढ़ होईस अऊ ओमन ला कहिस, "यदि तुमन के
बीच म कोनो बिगर पाप के हवय, त ओही ह ओला पहिली पथरा मारय।"
8 अऊ ओह फेर झुकके अपन अंगरी ले भुइयां ऊपर लिखे लगिस।
9 जब ओमन येला सुनिन, त जम्मो झन बड़े ले लेके छोटे तक, एक-एक करके उहां ले चल दीन। सिरिप यीसू
अऊ ओ माईलोगन जऊन ह ओकर आघू म ठाढ़े रहय, उहां रही गीन।
10 तब यीसू ह सीधा ठाढ़ होईस अऊ ओ माईलोगन ले पुछिस, "हे नारी, ओमन कहां गीन? का कोनो तोला
दंड नइं दीन?"
11 ओह कहिस, "हे परभू, कोनो नइं।" तब यीसू ह कहिस, "मेंह घलो तोला दंड नइं देवंव। जा अऊ फेर पाप
झन करबे।"*

[illegible]

12 यीसू ह मनखेमन ले फेर कहिस, "मेंह संसार के अंजोर अंव। जऊन कोनो मोर पाछू आही, ओह अंधियार
म कभू नइं चलही, पर ओह जिनगी के अंजोर ला पाही।"
13 फरीसीमन ओला कहिन, "तेंह अपन गवाही खुद देथस; तोर गवाही सच नो हय।"
14 यीसू ह जबाब दीस, "यदि मेंह अपन गवाही खुद देथंव, तभो ले मोर गवाही सच ए काबरकि मेंह जानथंव
कि मेंह कहां ले आय हवंव अऊ मेंह कहां जावत हंव। पर तुमन नइं जानव कि मेंह कहां ले आय हवंव अऊ मेंह
कहां जावत हंव।
15 तुमन अपन मनखे बुद्धि के मुताबिक नियाय करथव; मेंह खुद काकरो नियाय नइं करंव।
16 अऊ कहूं मेंह नियाय करंव घलो, त मोर नियाय ह सही ए, काबरकि मेंह एके झन नियाय नइं करंव, पर ददा
ह मोर संग रहिथे, जऊन ह मोला पठोय हवय।
17 तुम्हर खुद के कानून म ये बात लिखे हवय कि दू झन के गवाही ह सच माने जाथे।
18 मेंह अपन गवाही खुद देथंव, अऊ मोर आने गवाह ददा ए, जऊन ह मोला पठोय हवय।"
19 तब ओमन ओकर ले पुछिन, "तोर ददा कहां हवय?"
यीसू ह जबाब देके कहिस, "तुमन न तो मोला जानथव अऊ न ही मोर ददा ला। यदि तुमन मोला जानतेव, त
मोर ददा ला घलो जान जातेव।"
20 यीसू ह ये बात मंदिर के अंगना म उपदेस देवत समय उहां कहिस जिहां दान के सन्दूकमन रखे रहंय। तभो
ले ओला कोनो नइं पकड़िन, काबरकि ओकर समय अब तक नइं आय रिहिस।

[illegible]

21 यीसू ह फेर ओमन ला कहिस, "मेंह जावत हंव। तुमन मोला खोजहू अऊ अपन पाप म मरहू। जिहां मेंह
जावत हंव, उहां तुमन नइं आ सकव।"
22 तब यहूदीमन कहिन, "का ओह अपनआप ला मार डारही, काबरकि ओह कहत हवय, जिहां मेंह जावत
हंव, उहां तुमन नइं आ सकव?"
23 यीसू ह ओमन ला कहिस, "तुमन खाल्हे के अव, अऊ मेंह ऊपर के अंव। तुमन ये संसार के अव, पर मेंह ये
संसार के नो हंव।
24 एकरसेति मेंह तुमन ला कहेंव कि तुमन अपन पाप म मरहू; यदि तुमन बिसवास नइं करव कि मेंह ओही
अंव, त तुमन सही म अपन पाप म मरहू।"
25 ओमन ओकर ले पुछिन, "तेंह कोन अस?"
यीसू ह जबाब दीस, "मेंह ओही अंव, जऊन ला सुरू ले मेंह तुमन ला कहत आय हवंव।
26 मोला तुम्हर बारे म बहुंत बात कहना हे, अऊ तुम्हर फैसला करना हे; पर जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह
सच्चा ए, अऊ जऊन कुछू मेंह ओकर ले सुने हवंव, ओहीच बात मेंह संसार ला बताथंव।"
27 पर ओमन नइं समझिन कि यीसू ह ओमन ला अपन ददा परमेसर के बारे म कहत रिहिस।
28 तब यीसू ह कहिस, "जब तुमन मनखे के बेटा ला ऊपर चघाहू, तभे तुमन जानहू कि मेंह कोन अंव, अऊ
मेंह अपनआप ले कुछू नइं करंव, पर जइसने ददा ह मोला सिखोय हवय, ओहीच बात गोठियाथंव।

* **8:11** पुराना हस्तलिपि अऊ कतको आने गवाहमन के लेख म यूहन्ना 7:53 ले 8:11 नइं मिलय

29 जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह मोर संग हवय, ओह मोला अकेला नइं छोंड़ दे हवय, काबरकि मेंह
हमेसा ओही काम करथंव, जेकर ले ओह खुस होथे।"
30 जब ओह ये बात कहिस, त बहुंत मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करिन।

[illegible]

31 जऊन यहूदीमन यीसू ऊपर बिसवास करे रिहिन, ओमन ला यीसू ह कहिस, "यदि तुमन मोर उपदेस के
मुताबिक चलथव, त तुमन सही म मोर चेला अव।
32 तब तुमन सच ला जानहू अऊ सच ह तुमन ला सुतंतर करही।"
33 ओमन ओला जबाब दीन, "हमन तो अब्राहम के संतान अन अऊ कभू काकरो गुलाम नइं रहेंन। तोर ये कहे
के का मतलब ए कि हमन सुतंतर हो जाबो?"
34 यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन ह पाप करथे, ओह पाप के गुलाम ए।
35 गुलाम ह हमेसा घर म नइं रहय, पर बेटा ह हमेसा घर म रहिथे।
36 एकरसेति यदि बेटा ह तुमन ला सुतंतर करही, त सही म तुमन सुतंतर हो जाहू।
37 मेंह जानथंव कि तुमन अब्राहम के संतान अव। तभो ले तुमन मोला मार डारे चाहत हव, काबरकि मोर
बचन बर तुम्हर हिरदय म कोनो जगह नइं ए।
38 मेंह तुमन ला ओहीच बात कहत हंव, जऊन ला मेंह अपन ददा के इहां देखे हवंव अऊ तुमन ओही करथव,
जऊन ला तुमन अपन ददा ले सुने हवव।"
39 ओमन यीसू ला कहिन, "हमर पुरखा तो अब्राहम ए।"
तब यीसू ह कहिस, "यदि तुमन अब्राहम के संतान होतेव, त तुमन अब्राहम के सहीं काम घलो करतेव।
40 पर अब तुमन मोर सहीं मनखे ला मार डारे चाहथव, जऊन ह परमेसर ले सुने सच बात तुमन ला बता
दीस। अब्राहम ह अइसने नइं करिस।
41 तुमन अपन ददा के सहीं काम करत हव।"
ओमन ओला कहिन, "हमन बेभिचार ले नइं जनमे हवन। हमर सिरिप एके झन ददा हवय, अऊ ओह खुद
परमेसर ए।"

[illegible]

42 यीसू ह ओमन ला कहिस, "यदि परमेसर ह तुम्हर ददा होतिस, त तुमन मोर ले मया करतेव, काबरकि मेंह
परमेसर म ले आय हवंव अऊ अब इहां हवंव। मेंह अपन खुद होके नइं आय हवंव, पर ओही ह मोला पठोय
हवय।
43 तुमन मोर बात ला काबर नइं समझव? काबरकि जऊन बात मेंह कहथंव, ओला सुन नइं सकव।
44 तुमन तो अपन ददा सैतान के अव, अऊ तुमन अपन ददा के ईछा ला पूरा करे चाहथव। ओह तो सुरूच ले
हतियारा रिहिस। ओह सच के रसता म नइं चलिस, काबरकि ओमा सच हवेच नइं। जब ओह लबारी गोठियाथे,
त ओह अपन आदत के मुताबिक गोठियाथे, काबरकि ओह लबरा ए अऊ लबारी के ददा ए।
45 पर मेंह सच कहिथंव, तुमन मोर ऊपर बिसवास नइं करव।
46 का तुमन ले कोनो मोला पापी ठहिरा सकथे? यदि मेंह सच कहत हंव, तब तुमन मोर ऊपर काबर बिसवास
नइं करव?
47 जऊन ह परमेसर के अय, ओह परमेसर के बात ला सुनथे। तुमन परमेसर के नो हव, एकरसेति तुमन ओकर
बात ला नइं सुनव।"

[illegible]

48 यहूदीमन ओला जबाब दीन, "का हमन सही नइं कहिथन कि तेंह एक सामरी मनखे अस, अऊ तोर म परेत
आतमा हवय।"
49 यीसू ह कहिस, "मोर म परेत आतमा नइं ए, पर मेंह अपन ददा के आदर करथंव, अऊ तुमन मोर निरादर
करथव।
50 मेंह अपन महिमा नइं चाहंव, पर परमेसर ह मोर महिमा करे चाहथे अऊ ओही ह नियाय करथे।
51 मेंह तुमन ला सच कहथंव, यदि कोनो मोर बात ला मानही, त ओह कभू नइं मरही।"

52 तब यहूदीमन ओला कहिन, “अब हमन सही म जान डारेंन कि तोर म परेत आतमा हवय। अब्राहम ह मर
गीस अऊ अगमजानीमन घलो मर गीन, पर तेंह कहिथस कि यदि कोनो तोर बात ला मानही, त ओह कभू नइं
मरय।
53 का तेंह हमर पुरखा अब्राहम ले बड़े अस? ओह मर गीस, अऊ अगमजानीमन घलो मर गीन। तेंह
अपनआप ला का समझथस?”
54 यीसू ह जबाब दीस, “यदि मेंह अपनआप के महिमा करंव, त मोर महिमा के कुछू मतलब नो हय। पर मोर
ददा ह मोर महिमा करथे, जऊन ला तुमन अपन परमेसर कहिथव।
55 तुमन ओला नइं जानव, पर मेंह ओला जानथंव। यदि मेंह कहंव कि मेंह ओला नइं जानंव, त मेंह घलो
तुम्हर सहीं लबरा ठहिरहूं, पर मेंह ओला जानथंव अऊ ओकर बात ला मानथंव।
56 तुम्हर पुरखा अब्राहम ह मोर दिन ला देखे के आसा म आनंद मनाईस, अऊ ओह येला देखिस अऊ खुस
होईस।”
57 यहूदीमन ओला कहिन, “तेंह अभी तो पचास साल के घलो नइं होय हवस, अऊ तेंह कइसने कह सकथस
कि तेंह अब्राहम ला देखे हवस।”
58 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव, अब्राहम के जनम होय के पहिली ले मेंह हवंव।”
59 येला सुनके, ओमन यीसू ला मार डारे बर पथरा उठाईन; पर यीसू ह लुकाके मंदिर ले निकल गीस।

9

[illegible]

1 जब यीसू ह जावत रिहिस, त रसता म ओह एक जनम के अंधरा मनखे ला देखिस।
2 तब ओकर चेलामन ओकर ले पुछिन, “हे गुरू, कोन ह पाप करे रिहिस कि ये मनखे ह अंधरा जनमिस, खुद ये
मनखे या फेर ओकर दाई-ददा?”
3 यीसू ह कहिस, “येह एकर या एकर दाई-ददा के पाप के कारन नो हय; पर येह एकरसेति होईस कि परमेसर
के काम ह एकर जिनगी म परगट होवय।
4 जऊन ह मोला पठोय हवय, ओकर काम ला दिन के रहिते-रहत हमन ला करना जरूरी ए। रात आवत हे,
जब कोनो मनखे काम नइं कर सकंय।
5 जब तक मेंह संसार म हवंव, तब तक मेंह संसार के अंजोर अंव।”
6 ये कहिके यीसू ह भुइयां म थूकिस, अऊ थूक ले माटी ला सानिस अऊ ओला ओ अंधरा के आंखीमन म
लगाईस,
7 अऊ ओला कहिस, “जा अऊ सीलोम (एकर मतलब होथे—पठोय गेय) के कुन्ड म धो ले।” तब ओ मनखे ह
कुन्ड म जाके अपन आंखीमन ला धोईस, अऊ ओह देखे लगिस, अऊ देखत वापिस आईस।
8 ओकर परोसीमन अऊ जऊन मन ओला पहिली भीख मांगत देखे रिहिन, ओमन कहिन, “का येह ओहीच
मनखे नो हय, जऊन ह बईठके भीख मांगे करत रिहिस?”
9 कुछू मनखेमन कहिन, “हव, येह ओहीच अय।”
आने मन कहिन, “नइं, ओह सिरिप ओकर सहीं दिखथे।”
पर ओ मनखे ह कहिस, “मेंह ओहीच मनखे अंव।”
10 ओमन ओकर ले पुछिन, “तब तोर आंखीमन के अंधरापन ह कइसे ठीक हो गे?”
11 ओह जबाब दीस, “ओ मनखे जऊन ला यीसू कहिथें, ओह थोरकन माटी ला सानिस अऊ ओला मोर
आंखीमन म लगाईस, अऊ मोला कहिस कि सीलोम के कुन्ड म जाके धो ले। तब मेंह उहां जाके अपन आंखीमन
ला धोएंव अऊ तब देखन लगेंव।”
12 ओमन ओकर ले पुछिन, “ओह कहां हवय?”
ओह कहिस, “मेंह नइं जानंव।”

[illegible]

13 ओमन ओ मनखे जऊन ह पहिली अंधरा रिहिस, ओला फरीसीमन करा लानिन।
14 जऊन दिन यीसू ह माटी सानके ओ मनखे के आंखीमन ला ठीक करे रिहिस, ओह बिसराम के दिन रिहिस।

15 एकरसेति फरीसीमन घलो ओ मनखे ले पुछिन कि कइसने ओकर आंखीमन ठीक हो गीन। ओ मनखे ह
ओमन ला कहिस, “ओह मोर आंखीमन म माटी ला सानके लगाईस, अऊ मेंह आंखीमन ला धोएंव अऊ अब
देखत हंव।”
16 कुछू फरीसीमन कहिन, “ओ मनखे ह परमेसर करा ले नइं आय हवय, काबरकि ओह बिसराम दिन के कानून
ला नइं मानय।”
पर आने मन कहिन, “एक पापी मनखे ह अइसने चमतकार के काम कइसने कर सकथे?” अऊ ओमन के बीच
म फूट पड़ गीस।
17 आखिर म, ओमन फेर एक बार ओ अंधरा मनखे ले पुछिन, “ओ मनखे जऊन ह तोर आंखीमन ला ठीक
करिस, ओकर बारे म तेंह का कहिथस?”
ओ मनखे ह कहिस, “ओह एक अगमजानी ए।”
18 यहूदीमन अभी तक ले बिसवास नइं करत रिहिन कि ओह अंधरा रिहिस अऊ अब देखत हवय; एकरसेति
ओमन ओकर दाई-ददा ला बलाके पुछिन,
19 “का येह तुम्हर बेटा ए, जऊन ला तुमन कहिथव कि येह अंधरा जनमे रिहिस? पर येह कइसने होईस कि
ओह अब देखत हवय?”
20 ओकर दाई-ददा जबाब दीन, “हमन जानथन कि येह हमर बेटा ए, अऊ येह अंधरा जनमे रिहिस।
21 पर येह अब कइसने देखे लगिस या कोन ह एकर आंखीमन ला ठीक करिस, हमन नइं जानन। एकरे ले
पुछव। येह लइका नो हय; येह अपन बारे म खुद बताही।”
22 ओकर दाई-ददा ये बात एकर खातिर कहिन, काबरकि ओमन ओ यहूदीमन ले डरावत रिहिन, जेमन पहिली
ले ठान ले रिहिन कि यदि कोनो यीसू ला मसीह मान लीही, त ओला सभा-घर ले निकाल दिये जाही।
23 एकरसेति ओकर दाई-ददा कहिन, “येह लइका नो हय; एकरे ले पुछव।”
24 तब ओमन दूसर बार ओ मनखे ला बलाईन जऊन ह पहिली अंधरा रिहिस, अऊ ओला कहिन, “परमेसर के
महिमा कर। हमन जानथन कि ओ मनखे ह पापी ए।”
25 ओह जबाब दीस, “ओह पापी ए या नो हय, मेंह नइं जानंव। पर मेंह एक बात ला जानथंव कि मेंह अंधरा
रहेंव, पर अब देखत हंव।”
26 तब ओमन ओकर ले पुछिन, “ओह तोर संग का करिस? ओह तोर आंखीमन ला कइसने ठीक करिस?”
27 ओह जबाब दीस, “मेंह तुमन ला पहिलेच बता डारे हवंव अऊ तुमन नइं सुनेव। तुमन येला फेर काबर सुने
चाहत हव? का तुमन घलो ओकर चेला बने बर चाहत हव?”
28 तब ओमन ओकर बेजत्ती करके कहिन, “तेंह ओकर चेला अस! हमन तो मूसा के चेला अन!
29 हमन जानथन कि परमेसर ह मूसा ले गोठियाईस, पर जहां तक ओ मनखे के बात ए, हमन ये घलो नइं
जानन कि ओह कहां के अय।”
30 ओ मनखे ह जबाब दीस, “येह अचम्भो के बात ए। तुमन नइं जानव कि ओह कहां के अय, जबकि ओह मोर
आंखीमन ला ठीक कर दे हवय।
31 हमन जानथन कि परमेसर ह पापीमन के नइं सुनय, पर जऊन मनखे ह परमेसर के भक्ति करथे अऊ ओकर
ईच्छा के मुताबिक चलथे, परमेसर ह ओकर सुनथे।
32 संसार के सुरू ले लेके आज तक, ये कभू सुने म नइं आईस कि कोनो जनम के अंधरा मनखे के आंखीमन ला
ठीक करिस।
33 यदि ये मनखे ह परमेसर करा ले नइं आय होतिस, त ओह कुछू नइं कर सकतिस।”
34 ओमन ओला कहिन, “तेंह तो पूरा पाप म जनमे हवस, अऊ तेंह हमन ला का सिखोथस!” अऊ ओमन
ओला सभा-घर ले बाहिर निकाल दीन।

????? ????????

35 यीसू ह सुनिस कि ओमन ओ मनखे ला बाहिर निकाल दे हवंय, अऊ जब ओह ओला भेंटिस त कहिस, “का
तेंह मनखे के बेटा ऊपर बिसवास करथस?”
36 ओ मनखे ह पुछिस, “ए महाराज, ओह कोन ए? मोला बता, ताकि मेंह ओकर ऊपर बिसवास करंव।”
37 यीसू ह ओला कहिस, “तेंह ओला देख डारे हस। येह ओहीच अय, जऊन ह तोर संग गोठियावत हवय।”

38 तब ओ मनखे ह कहिस, “हे परभू, मेंह बिसवास करथंव।” अऊ ओह ओकर दंडवत करिस।
39 यीसू ह कहिस, “मेंह ये संसार म मनखेमन के नियाय करे बर आय हवंव, ताकि जऊन मन अंधरा अंय,
ओमन देखंय अऊ जऊन मन देखत हवंय, ओमन अंधरा हो जावंय।”
40 कुछू फरीसी, जऊन मन यीसू के संग रिहिन, जब ओमन यीसू के ये गोठ ला सुनिन, त ओकर ले पुछिन,
“का तेंह ये कहिथस कि हमन घलो अंधरा अन?”
41 यीसू ह ओमन ला कहिस, “यदि तुमन अंधरा होतेव, त तुमन पाप के दोसीदार नइं होतेव, पर जब तुमन ये
कहिथव कि तुमन देख सकत हव, त तुम्हर दोस ह तुमन म बने रहिथे।”

10

[illegible]

1 “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भेड़ के कोठा म नइं आवय, पर कोनो आने
कोति ले चघके आथे, ओह चोर अऊ डाकू अय।
2 जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भीतर जाथे, ओह अपन भेड़मन के चरवाहा अय।
3 ओकर बर रखवार ह दुवारी ला खोल देथे अऊ भेड़मन ओकर अवाज ला सुनथें। ओह अपन भेड़मन ला नांव
लेके बलाथे अऊ ओमन ला बाहिर ले जाथे।
4 जब ओह अपन जम्मो भेड़मन ला बाहिर निकाल लेथे, तब ओह ओमन के आघू-आघू जाथे अऊ ओकर
भेड़मन ओकर पाछू-पाछू चलथें, काबरकि ओमन ओकर अवाज ला चिनथें।
5 ओमन कोनो अनजान मनखे के पाछू नइं जावंय, पर ओमन ओकर ले दूरिहा भाग जाथें, काबरकि ओमन
अनजान मनखे के अवाज ला नइं चिनहें।”
6 यीसू ह ओमन ला ये पटंतर कहिस, पर ओमन नइं समझिन कि ओह का कहत रिहिस।
7 एकरसेति यीसू ह ओमन ला फेर कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि भेड़मन बर मेंह दुवारी अंव।
8 ओ जम्मो जऊन मन मोर पहिली आईन, ओमन चोर अऊ डाकू रिहिन, अऊ भेड़मन ओमन के नइं सुनिन।
9 दुवारी मेंह अंव, जऊन ह मोर ले होके भीतर जाही, ओह उद्धार पाही। ओह भीतर-बाहिर आय-जाय करही
अऊ चारा पाही।
10 चोर ह सिरिप चोरी करे बर, हतिया करे बर अऊ नास करे बर आथे, पर मेंह एकरसेति आय हवंव, ताकि
ओमन जिनगी पावंय अऊ भरपूर जिनगी पावंय।
11 “मेंं ही बने चरवाहा अंव। बने चरवाहा ह भेड़मन बर अपन परान देथे।
12 बनिहार ह न तो चरवाहा अय अऊ न तो भेड़मन के मालिक। एकरसेति जब ओह भेड़िया ला आवत देखथे,
त ओह भेड़मन ला छोंड़के भाग जाथे। तब भेड़िया ह भेड़मन ऊपर झपटथे अऊ ओमन ला तितिर-बितिर कर
देथे।
13 ओ मनखे ह भाग जाथे काबरकि ओह एक बनिहार ए अऊ ओला भेड़मन के कोनो फिकर नइं रहय।
14 “मेंं ही बने चरवाहा अंव; मेंह अपन भेड़मन ला जानथंव, अऊ मोर भेड़मन मोला जानथें—
15 जइसने ददा ह मोला जानथे अऊ मेंह ददा ला जानथंव—अऊ मेंह भेड़मन बर अपन परान देथंव।
16 मोर अऊ घलो भेड़ हवंय, जऊन मन ये भेड़ के कोठा म नइं एं। मोला ओमन ला घलो लाना जरूरी ए।
ओमन घलो मोर अवाज ला सुनहीं; तब एके ठन झुंड अऊ एके झन चरवाहा होही।
17 मोर ददा ह मोर ले एकरसेति मया करथे, काबरकि मेंह अपन परान ला देथंव कि मेंह ओला फेर लेय लंव।
18 कोनो मोर परान नइं ले सकय; पर मेंह अपन खुद के ईछा ले येला देथंव। मोर करा ये अधिकार हवय कि
मेंह अपन परान ला दे दंव अऊ ओला फेर लेय लंव। ये हुकूम मोला मोर ददा ले मिले हवय।”
19 यीसू के ये गोठ के खातिर, यहूदीमन के बीच म फेर फूट पर गीस।
20 ओमन ले कतको झन कहिन, “ओमा परेत आतमा हवय अऊ ओह बइहा ए। ओकर गोठ ला काबर सुनबो?”
21 पर आने मन कहिन, “एक परेत आतमा के धरे मनखे ह अइसने नइं गोठियावय। का एक परेत आतमा ह
अंधरा के आंखीमन ला बने कर सकथे?”

[illegible]

22 जड़काला के समय रहय, अऊ ओ समय यरूसलेम सहर म अरपन के तिहार मनाय जावत रहय।

23 यीसू ह मंदिर के इलाका म रहय अऊ ओह सुलेमान के परछी म टहलत रहय।
24 यहूदीमन ओकर चारों खूंट जूरके ओला कहिन, "तेंह कब तक हमन ला दुबिधा म रखबे? यदि तेंह मसीह
अस, त हमन ला साफ-साफ बता दे।"
25 यीसू ह जबाब देके कहिस, "मेंह तुमन ला बता डारे हवंव, पर तुमन बिसवास नइं करव। जऊन काममन ला
मेंह अपन ददा के नांव म करथंव, ओही काममन मोर गवाह हवंय,
26 पर तुमन बिसवास नइं करव, काबरकि तुमन मोर भेड़ नो हव।
27 मोर भेड़मन मोर अवाज ला सुनथें; मेंह ओमन ला जानथंव, अऊ ओमन मोर पाछू-पाछू चलथें।
28 मेंह ओमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी देथंव, अऊ ओमन कभू नास नइं होहीं; अऊ ओमन ला
कोनो मोर हांथ ले छीनके नइं ले जा सकय।
29 मोर ददा जऊन ह ओमन ला मोला दे हवय, ओह सबले बड़े अय, अऊ कोनो ओमन ला मोर ददा के हांथ
ले छीन नइं सकय।
30 मेंह अऊ मोर ददा एकेच अन।"
31 यहूदीमन यीसू ला मारे बर फेर पथरा उठाईन।
32 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला ददा कोति ले बहुंते बने काम देखाय हवंव। येमा के कोन काम
के सेति तुमन मोर ऊपर पथरा फेंकथव?"
33 यहूदीमन ओला ये जबाब दीन, "कोनो बने काम बर हमन तोला पथरा नइं मारत हवन, पर परमेसर के
निन्दा करे के कारन अइसने करथन, काबरकि तेंह एक मनखे होके अपनआप ला परमेसर बनावत हस।"
34 यीसू ह जबाब दीस, "का तुम्हर कानून म ये नइं लिखे हवय, जिहां परमेसर ह कहिस, 'तुमन ईस्वर अव?'*
35 ओह ओमन ला ईस्वर कहिस, जेमन करा परमेसर के बचन आईस अऊ परमेसर के बचन गलत नइं हो
सकय।
36 ओकर बारे म तुमन का कहिथव, जऊन ला ददा ह अपन खुद के रूप म अलग करिस अऊ ओला संसार म
पठोईस? तुमन ओकर ले कहिथव कि तेंह परमेसर के निन्दा करथस, काबरकि मेंह ये कहेंव कि मेंह परमेसर के
बेटा अंव।
37 यदि मेंह अपन ददा के काममन ला नइं करत हंव, त मोर ऊपर बिसवास झन करव।
38 पर यदि मेंह ओ काममन ला करथंव, त चाहे तुमन मोर ऊपर बिसवास झन करव, पर मोर काम ऊपर तो
बिसवास करव, ताकि तुमन जान सकव अऊ समझ सकव कि ददा ह मोर म हवय अऊ मेंह ददा म हवंव।"
39 तब ओमन फेर यीसू ला पकड़े के कोसिस करिन, पर ओह ओमन के हांथ ले बचके निकल गीस।
40 तब यीसू ह यरदन नदी के ओ पार वापिस ओ जगह म गीस, जिहां यूहन्ना ह पहिली बतिसमा देवत रिहिस।
अऊ ओह उहां रूक गीस।
41 बहुंते मनखेमन ओकर करा आईन अऊ ओमन कहिन, "हालाकि यूहन्ना ह कोनो चमतकार के काम नइं
देखाईस, पर जऊन बात यूहन्ना ह ये मनखे के बारे म कहिस, ओ जम्मो बात सच रिहिस।"
42 अऊ उहां बहुंते मनखेमन यीसू ऊपर बिसवास करिन।

11

[illegible]

1 लाजर नांव के एक मनखे बेमार रहय। ओह, मरियम अऊ ओकर बहिनी मारथा के गांव बैतनियाह के रहय।
2 येह ओहीच मरियम रिहिस, जऊन ह परभू ऊपर इतर तेल ला ढारके ओकर गोड़मन ला अपन बाल ले पोंछे
रिहिस; एकरे भाई लाजर ह बेमार रहय।
3 एकरसेति ओ दूनों बहिनी यीसू करा ये खबर पठोईन, "हे परभू, जेकर ले तेंह मया करथस, ओह बेमार हवय।"
4 जब यीसू ह येला सुनिस, त ओह कहिस, "ये बेमारी ले ओकर मिरतू नइं होवय। ये बेमारी ह परमेसर के
महिमा खातिर अय, ताकि एकर दुवारा परमेसर के बेटा के महिमा होवय।"
5 यीसू ह मारथा अऊ ओकर बहिनी मरियम, अऊ लाजर ले मया करय।
6 तभो ले जब ओह सुनिस कि लाजर ह बेमार हवय, त ओह जिहां रहय, उहां दू दिन अऊ रूक गीस,

* **10:34** भजन 82:6

7 अऊ तब ओह अपन चेलामन ला कहिस, “आवव, हमन यहूदिया प्रदेस ला वापिस चलन।”
8 चेलामन ओला कहिन, “हे गुरू, थोरकन देर पहिली यहूदीमन तोर ऊपर पथरा फेंके बर चाहत रिहिन, अऊ
तभो ले तेंह उहां वापिस जावत हस।”
9 यीसू ह जबाब दीस, “का दिन म बारह घंटा नइं होवय? यदि कोनो मनखे दिन म चलय, त ओह ठोकर नइं
खावय, काबरकि ओह ये संसार के अंजोर ला देखथे।
10 पर यदि कोनो मनखे रात म चलथे, त ओह ठोकर खाथे, काबरकि ओकर करा अंजोर नइं रहय।”
11 ये कहे के बाद, यीसू ह ओमन ला ये घलो कहिस, “हमर संगी लाजर ह सुत गे हवय; पर मेंह उहां ओला
जगाय बर जावत हवंव।”
12 ओकर चेलामन कहिन, “हे परभू, यदि ओह सुतत हवय, त ओह बने हो जाही।”
13 यीसू ह ये बात लाजर के मिरतू के बारे म कहत रिहिस, पर ओकर चेलामन ये समझिन कि ओह नींद म
सोय के बारे म कहत हवय।
14 तब यीसू ह ओमन ला साफ-साफ बताईस, “लाजर ह मर गे हवय।
15 तुम्हर हित म, मोला खुसी हवय कि मेंह उहां नइं रहंय। एकरे कारन तुमन मोर ऊपर बिसवास करे बर
सीखहू। पर अब आवव, हमन ओकर करा चलन।”
16 तब थोमा जऊन ला दिदुमुस* घलो कहे जावय, अपन संगी चेलामन ला कहिस, “आवव, हमन घलो
चलके ओकर संग मरन।”

[illegible]

17 जब यीसू उहां हबरिस, त ओला पता चलिस कि लाजर के लास ला कबर म रखे चार दिन हो गे हवय।
18 बैतनियाह गांव ह यरूसलेम सहर ले लगभग तीन किलोमीटर के दूरिहा म रहय।
19 अऊ कतको यहूदीमन मारथा अऊ मरियम ला ढाढ़स बंधाय बर आय रहंय, काबरकि ओ दूनों के भाई ह
मर गे रहय।
20 जब मारथा ह सुनिस कि यीसू ह आवत हवय, त ओह ओकर ले भेंट करे बर गीस, पर मरियम ह घरेच म
बईठे रहय।
21 मारथा ह यीसू ला कहिस, “हे परभू, कहूं तेंह इहां होते, त मोर भाई ह नइं मरतिस।
22 पर अभी घलो मेंह जानथंव कि जऊन कुछू तेंह परमेसर ले मांगबे, ओह तोला दीही।”
23 यीसू ह ओला कहिस, “तोर भाई ह फेर जी उठही।”
24 त मारथा ह कहिस, “मेंह जानथंव कि आखिरी दिन म, जब मरे मनखेमन जी उठहीं, त ओह घलो जी
उठही।”
25 यीसू ह ओला कहिस, “मेंह मरे मन ला जियाथंव अऊ जिनगी देथंव। जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे,
कहूं ओह मर घलो जावय, तभो ले ओह जीयत रहिही,
26 अऊ जऊन ह जीयथे अऊ मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल तक जीही। का तेंह ये
बात ला बिसवास करथस?”
27 मारथा ह ओला कहिस, “हां परभू, मेंह बिसवास करथंव कि तेंह परमेसर के बेटा मसीह अस, जऊन ह
संसार म अवइया रिहिस।”
28 ये कहे के बाद, मारथा ह वापिस चल दीस अऊ अपन बहिनी मरियम ला बलाके चुपेचाप कहिस, “गुरूजी
ह इहां हवय अऊ तोला बलावत हवय।”
29 येला सुनके, मरियम ह तुरते उठिस अऊ यीसू करा गीस।
30 यीसू ह अभी तक ले गांव के भीतर नइं आय रिहिस, पर ओह ओही ठऊर म रहय, जिहां मारथा ह ओकर ले
भेंट करे रिहिस।
31 ओ यहूदी जऊन मन मरियम के संग घर म रिहिन अऊ ओला ढाढ़स देवत रिहिन, जब ओमन उहां ये
देखिन कि कइसने ओह तुरते उठिस अऊ बाहिर चल दीस, त ओमन ये सोचके ओकर पाछू-पाछू गीन कि ओह
कबर म रोये बर जावत होही।

---

* **11:16** [illegible] (अरामिक) अऊ [illegible] (यूनानी) दूनों सबद के मतलब होथे [illegible]

32 जब मरियम ह ओ ठऊर म आईस जिहां यीसू ह रिहिस अऊ ओला देखिस, त ओह यीसू के गोड़ खाल्हे
गिरके कहिस, "हे परभू, यदि तेंह इहां होते, त मोर भाई ह नइं मरतिस।"
33 जब यीसू ह ओला अऊ जऊन यहूदीमन ओकर संग आय रिहिन, ओमन ला घलो रोवत देखिस, त आतमा
म बहुंत उदास अऊ बियाकुल होईस,
34 अऊ ओह ओमन ले पुछिस, "तुमन ओला कहां रखे हवव?"
ओमन ओला कहिन, "हे परभू, चलके देख ले।"
35 यीसू ह रोवन लगिस।
36 तब यहूदीमन कहिन, "देखव, ओह ओकर ले कतेक मया करत रिहिस!"
37 पर ओमा ले कुछू मनखेमन कहिन, "येह अंधरा के आंखी ला बने करिस, पर येह का अतका नइं कर सकिस
कि ये मनखे ह नइं मरतिस?"

[illegible]

38 यीसू ह फेर बहुंत उदास होके कबर करा आईस। ओ कबर ह एक खोड़रा म रिहिस, जेकर मुंहाटी म एक ठन
बड़े पथरा रखे रहय।
39 यीसू ह कहिस, "पथरा ला टारव।"
तब मरे मनखे के बहिनी मारथा ह कहिस, "पर हे परभू, अब ओमा ले बास आवत होही, काबरकि ओला कबर
म रखे चार दिन हो गे हवय।"
40 तब यीसू ह कहिस, "का मेंह तोला नइं कहे रहेंव कि यदि तेंह बिसवास करबे, त परमेसर के महिमा ला
देखबे?"
41 तब मनखेमन ओ पथरा ला टारिन अऊ यीसू ह ऊपर कोति देखिस अऊ कहिस, "हे ददा, मेंह तोला
धनबाद देवत हंव कि तेंह मोर पराथना ला सुन ले हवस।
42 मेंह जानथंव कि तेंह हमेसा मोर पराथना ला सुनथस, पर मेंह ये बात इहां ठाढ़े मनखेमन के सेति कहेंव कि
ओमन बिसवास करंय कि तेंह मोला पठोय हवस।"
43 ये कहे बाद, यीसू ह चिचियाके कहिस, "हे लाजर, बाहिर निकल आ।"
44 ओ मरे मनखे ह कबर ले बाहिर निकल आईस। ओकर हांथ अऊ गोड़मन म मलमल कपड़ा के पट्टी लपटाय
रहय अऊ ओकर चेहरा म घलो एक कपड़ा लपटाय रहय।
यीसू ह मनखेमन ला कहिस, "ओकर कबर के कपड़ा ला खोल दव अऊ ओला जावन देवव।"

[illegible]
([illegible] 26:1-5; [illegible] 14:1-2; [illegible] 22:1-2)

45 यहूदीमन ले बहुंते झन, जऊन मन मरियम करा आय रिहिन अऊ यीसू के ये काम ला देखिन, यीसू ऊपर
बिसवास करिन।
46 पर ओमा ले कुछू झन फरीसीमन करा गीन अऊ यीसू ह जऊन कुछू करे रिहिस, ओमन ला बताईन।
47 तब मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन धरम महासभा बलाईन अऊ सभा म ओमन पुछिन,
"हमन का करत हवन? इहां ये मनखे ह बहुंते चमतकार के काम देखावत हवय।
48 यदि हमन ओला अइसनेच छोंड़ देबो, त जम्मो मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करे लगहीं अऊ तब रोमी
मनखेमन आके हमर जगह अऊ हमर देस दूनों ला ले लीहीं।"
49 तब ओमा ले काइफा नांव के एक झन मनखे, जऊन ह ओ बछर के महा पुरोहित रिहिस, ओमन ले कहिस,
"तुमन कुछू नइं जानव।
50 तुमन नइं समझत हव कि तुम्हर बर ये उचित ए कि मनखेमन खातिर एक आदमी ह मरय अऊ पूरा देस ह
नास झन होवय।"
51 ओह ये बात ला अपन कोति ले नइं कहिस, पर ओ बछर के महा पुरोहित के रूप म, ओह अगमबानी करिस
कि यीसू ह यहूदी जाति खातिर मरही।
52 अऊ न सिरिप यहूदी जाति खातिर पर परमेसर के तितिर-बितिर होय संतानमन खातिर घलो, कि ओमन
ला संकेलके एक कर देवय।

53 ओही दिन ले ओमन यीसू ला मार डारे के उपाय करे लगिन।
54 एकर खातिर, यीसू ह यहूदीमन के बीच म खुलेआम आय-जाय ला बंद कर दीस, अऊ उहां ले निरजन प्रदेस
के लकठा के एपरैम नांव के एक गांव म चल दीस अऊ उहां अपन चेलामन संग रहे लगिस।
55 जब यहूदीमन के फसह तिहार लकठा आईस, त बहुंत मनखेमन देहात ले यरूसलेम सहर ला गीन, ताकि
ओमन उहां अपनआप ला फसह तिहार के पहिली सुध करंय।
56 ओमन यीसू ला खोजत रहंय अऊ मंदिर के अंगना म ठाढ़ होके एक-दूसर ला कहे लगिन, "तोर का बिचार
ए? का ओह तिहार म नइं आही?"
57 पर मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन ये हुकूम दे रिहिन कि कहूं कोनो ला ये पता चलथे कि यीसू ह कहां
हवय, त ओह आके बतावय ताकि ओमन यीसू ला पकड़ सकंय।

12

[illegible] [illegible] ? [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:6-13; [illegible] 14:3-9)

1 फसह तिहार के छै दिन पहिली यीसू ह बैतनियाह गांव म आईस, जिहां लाजर ह रहत रहय, जऊन ला यीसू
ह मरे म ले जियाय रिहिस।
2 उहां यीसू के आदर म एक भोज तियार करे गीस। मारथा ह सेवा करत रहय, अऊ लाजर ह ओमन ले एक
झन रहय, जऊन ह यीसू के संग खावत रहय।
3 तब मरियम ह सुध गुलमेंहदी* के करीब आधा लीटर बहुंत मंहगा इतर तेल लीस अऊ यीसू के गोड़मन
ऊपर ढारिस, अऊ ओह ओकर गोड़मन ला अपन बाल ले पोंछिस। ओ घर ह इतर के महक ले भर गीस।
4 पर यहूदा इस्करियोती नांव के यीसू के एक चेला, जऊन ह पाछू ओला दगा देवइया रहय, कहिस,
5 "ये इतर तेल ला बेचके, पईसा ला गरीबमन ला काबर नइं बांटे गीस? येह तीन सौ दीनार† के होय
रहितिस।"
6 ओह ये बात एकरसेति नइं कहिस कि ओह गरीबमन के फिकर करय, पर ओह एकरसेति कहिस, काबरकि
ओह चोर रिहिस। ओकर करा रूपिया-पईसा के थैली रहय, अऊ जऊन कुछू ओमा डाले जावय, ओमा ले ओह
निकाल लेवत रिहिस।
7 यीसू ह कहिस, "ओला छोंड़ देवव। ओह मोर गाड़े जाय के दिन बर इतर तेल ला लगाय हवय।
8 गरीबमन तो हमेसा तुम्हर संग रहिहीं, पर मेंह हमेसा तुम्हर संग नइं रहंव।"
9 इही बीच म, यहूदीमन के एक बड़े भीड़ ला पता चलिस कि यीसू ह बैतनियाह गांव म हवय, त ओमन सिरिप
ओकर खातिर ही नइं, पर लाजर ला देखे बर घलो आईन, जऊन ला यीसू ह मरे म ले जियाय रिहिस।
10 तब मुखिया पुरोहितमन लाजर ला घलो मार डारे के उपाय करन लगिन।
11 काबरकि ओकर खातिर कतको यहूदीमन ओमन ला छोंड़के यीसू करा जावत रिहिन अऊ यीसू ऊपर
बिसवास करत रिहिन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:1-11; [illegible] 11:1-11; [illegible] 19:28-40)

12 ओकर दूसर दिन, एक बड़े भीड़ जऊन ह तिहार मनाय बर आय रिहिस, ये सुनिस कि यीसू ह यरूसलेम
आवत हवय।
13 त ओमन खजूर के डालीमन ला लेके ओकर ले भेंट करे बर गीन अऊ चिचिया-चिचियाके कहत रिहिन,
"होसाना!‡"

"धइन ए ओ, जऊन ह परभू के नांव म आथे!"

"धइन ए, इसरायल के राजा!"

---

* **12:3** या [illegible] † **12:5** तीन सौ दीनार ह करीब एक साल के बनी के बरोबर रिहिस। ‡ **12:13** [illegible] इबरानी म येकर मतलब होथे [illegible] पर बाद म ये सबद के उपयोग परसंसा करे बर होय लगिस

14 यीसू ला एक ठन गदही के बछरू मिलिस अऊ ओह ओकर ऊपर बईठ गीस, जइसने कि परमेसर के बचन म
लिखे हवय:
15 “हे बेटी सियोन, झन डर;
देख, तोर राजा ह गदही के बछेड़ा ऊपर
बईठके आवत हवय।”
16 ओकर चेलामन पहिली ये बात ला नइं समझिन। पर जब यीसू के महिमा होईस, त ओमन सुरता करिन कि
ये बातमन यीसू के बारे म लिखे गे रिहिस अऊ मनखेमन ओकर संग बचन के मुताबिक करिन।
17 मनखेमन के ओ भीड़ जऊन ह यीसू के संग ओ बखत रिहिस, जब यीसू ह लाजर ला कबर म ले बलाईस
अऊ ओला मरे म ले जियाईस, ओमन ये बात के गवाही देवत रिहिन।
18 ये खातिर, बहुंते मनखेमन यीसू ले भेंट करे बर गीन, काबरकि ओमन सुने रहंय कि ओह ये चमतकार के
काम करे हवय।
19 तब फरीसीमन एक-दूसर ले कहिन, “हमन कुछू नइं कर सकत हन। देखव, जम्मो संसार ह ओकर पाछू हो
गे हवय।”

[illegible]

20 जऊन मन तिहार के समय म अराधना करे बर गे रिहिन, ओमन म कुछू यूनानी मनखे रिहिन।
21 ओमन फिलिप्पुस करा आईन, जऊन ह गलील प्रदेस के बैतसैदा सहर के रिहिस, अऊ ओकर ले बिनती
करिन, “हे महाराज, हमन यीसू ला देखे बर चाहथन।”
22 फिलिप्पुस ह जाके अन्द्रियास ला कहिस, तब अन्द्रियास अऊ फिलिप्पुस जाके यीसू ला कहिन।
23 यीसू ह कहिस, “ओ समय ह आ गे हवय, जब मनखे के बेटा के महिमा होवय।
24 मेंह तुमन ला सच-सच कहथंव कि जब तक गहूं के बीजा ह भुइयां म गिरके मर नइं जावय, तब तक ओ
बीजा ह सिरिप अकेला रहिथे, पर जब येह मर जाथे, त बहुंत फर देथे।
25 जऊन ह अपन परान ले मया करथे, ओह ओला गंवाही, पर जऊन ह ये संसार म अपन परान ला जादा
महत्व नइं देवय, ओह ओला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी बर बंचाके रखही।
26 यदि कोनो मोर सेवा करथे, त ओह मोर पाछू जरूर हो लेवय; जिहां मेंह हवंव, उहां मोर सेवक ह घलो
होही। यदि कोनो मोर सेवा करथे, त मोर ददा ह ओकर आदर करही।
27 “अब मोर परान ह बहुंते बियाकुल होवथे अऊ मेंह का कहंव? हे ददा, मोला ये घरी ले बचा। पर एहीच
कारन बर तो मेंह ये घरी म पहुंचे हवंव।
28 हे ददा, अपन नांव के महिमा कर!”
तब स्वरग ले ये अवाज आईस, “मेंह एकर महिमा करे हवंव अऊ एकर महिमा फेर करहूं।”
29 मनखेमन के जऊन भीड़ उहां ठाढ़े रिहिस, जब ओमन येला सुनिन, त कहिन कि येह बादर के गरजन
रिहिस, अऊ आने मन कहिन, “एक स्वरगदूत ह ओकर ले गोठियाईस।”
30 यीसू ह कहिस, “ये अवाज ह मोर बर नइं, पर तुम्हर भलई बर होईस।
31 अब ये संसार के नियाय के समय ए; अब ये संसार के राजकुमार ला निकाल दिये जाही।
32 पर जब मेंह धरती ले ऊपर उठाय जाहूं, त जम्मो झन ला मेंह अपन तरफ खींच लूहूं।”
33 यीसू ह ये कहे के दुवारा इसारा करिस कि ओह कोन किसम ले मरइया रिहिस।
34 भीड़ के मनखेमन कहिन, “हमन मूसा के कानून ले ये बात सुने हवन कि मसीह ह सदाकाल तक रहिही। तब
तेंह कइसने कहथस कि मनखे के बेटा के ऊपर उठाय जाना जरूरी ए। ये मनखे के बेटा कोन ए?”
35 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “अंजोर ह थोरकन समय तक तुम्हर संग म रहिही। जब तक तुम्हर करा
अंजोर हवय, रेंगत रहव, नइं तो अंधियार ह तुमन ला घेर लीही। जऊन ह अंधियार म रेंगथे, ओह नइं जानय
कि ओह कहां जावथे।
36 जब तक तुम्हर करा अंजोर हवय, ओमा अपन बिसवास रखव, ताकि तुमन अंजोर के संतान बन जावव।”
ये कहे के बाद, यीसू ह उहां ले चल दीस अऊ अपनआप ला ओमन ले छुपाय रखिस।

[illegible]

37 हालाकि यीसू ह बहुंते चमतकार के काम ओमन के आघू म करे रिहिस, तभो ले ओमन ओकर ऊपर बिसवास
नइं करिन।
38 जेकर ले यसायाह अगमजानी के ये बचन ह पूरा होईस:
"हे परभू, हमर संदेस ऊपर कोन ह बिसवास करिस
अऊ परभू के भुजबल काकर ऊपर परगट होईस?"
39 एकर कारन ओमन बिसवास नइं कर सकिन, काबरकि यसायाह ये घलो कहे हवय:
40 "परमेसर ह ओमन के आंखीमन ला अंधरा कर दे हवय,
अऊ ओमन के मन ला कठोर कर दे हवय,
ताकि ओमन न तो अपन आंखी ले देख सकंय,
अऊ न तो अपन मन ले समझ सकंय,
अऊ ओमन मोर तरफ नइं फिरंय कि मेंह ओमन ला चंगा करंव।"§
41 यसायाह ये बात एकरसेति कहिस काबरकि ओह यीसू के महिमा ला देखिस अऊ ओह ओकर बारे म
गोठियाईस।
42 तभो ले अगुवामन ले बहुंते झन यीसू ऊपर बिसवास करिन। पर फरीसीमन के कारन ओमन अपन बिसवास
ला खुलेआम नइं मानिन। ओमन डरत रहंय कि ओमन ला यहूदीमन के सभा-घर ले निकाल दिये जाही।
43 ओमन ला परमेसर के परसंसा करई ले मनखे के परसंसा करई जादा बने लगिस।
44 तब यीसू ह चिचियाके कहिस, "जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह न सिरिप मोर ऊपर बिसवास
करथे, पर ओह ओकर ऊपर घलो बिसवास करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय।
45 अऊ जब ओह मोला देखथे, त ओह ओला देखथे जऊन ह मोला पठोय हवय।
46 मेंह संसार म अंजोर के रूप म आय हवंव, ताकि जऊन कोनो मोर ऊपर बिसवास करय, ओह अंधियार म
झन रहय।
47 "यदि कोनो मोर बचन ला सुनथे, अऊ ओकर मुताबिक नइं चलय, त मेंह ओकर नियाय नइं करंव। काबरकि
मेंह संसार के नियाय करे बर नइं, पर संसार के उद्धार करे बर आय हवंव।
48 जऊन ह मोर तिरस्कार करथे अऊ मोर बचन ला गरहन नइं करय, ओकर एक नियाय करइया हवय। जऊन
बचन मेंह कहे हवंव, ओहीच बचन ह आखिरी दिन म ओला दोसी ठहिराही।
49 काबरकि मेंह अपन कोति ले कुछू नइं कहेंव, पर ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह खुद मोला हुकूम दे
हवय कि मेंह का कहंव अऊ कइसने कहंव।
50 मेंह जानथंव कि ओकर हुकूम ह सदाकाल के जिनगी करा ले जाथे, एकरसेति जऊन कुछू मेंह कहिथंव,
ओला वइसनेच कहिथंव, जइसने ददा ह मोला कहे हवय।"

13

[illegible]

1 फसह तिहार के ठीक पहिली, यीसू ह जान लीस कि ओकर समय ह आ गे हवय, अऊ ओला ये संसार ला
छोंड़के ददा करा जाना हवय, त ओह अपन मनखेमन ले जऊन मन संसार म रिहिन, जइसने मया करत रिहिस,
आखिरी तक ओह ओमन ले वइसनेच मया करिस।
2 रात के भोजन परोसे जावत रहय, अऊ सैतान ह सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के मन ला पहिली ले
उकसाय रहय कि ओह यीसू ला दगा देवय।
3 यीसू ह जानत रहय कि ददा ह हर चीज ला ओकर हांथ म कर दे हवय, अऊ ये घलो कि ओह परमेसर करा
ले आय हवय अऊ परमेसर करा जावत हवय।
4 एकरसेति ओह भोजन ले उठिस अऊ अपन बाहिरी कपड़ा ला उतारिस अऊ अपन कनिहां म एक ठन
गमछा लपेटिस।
5 तब ओह एक ठन परात म पानी डारिस अऊ अपन चेलामन के गोड़ ला धोवन लगिस, अऊ अपन कनिहां
म लपटाय गमछा ले ओमन के गोड़ ला पोंछन लगिस।

§ **12:40** यसा 6:9-10 म लिखे ये बचन ला यीसू ह मत्ती 13:15; मर 4:12; लूका 8:10 म घलो कहिथे। प्रेरि 28:26-27 ला घलो देखव।

6 जब ओह सिमोन पतरस करा आईस, तब पतरस ह ओला कहिस, “हे परभू, का तेंह मोर गोड़ ला धोवन
जावत हस?”
7 यीसू ह जबाब दीस, “तेंह अभी नइं समझस कि मेंह का करत हवंव, पर पाछू तेंह समझबे।”
8 तब पतरस ह कहिस, “नइं, मेंह तोला मोर गोड़ ला कभू नइं धोवन देवंव।”
ये सुनके यीसू ह कहिस, “यदि मेंह तोर गोड़ ला नइं धोवंव, त मोर संग तोर कुछू संबंध नइं ए।”
9 सिमोन पतरस ह ओला कहिस, “तब हे परभू, सिरिप मोर गोड़ ला ही नइं, पर मोर हांथ अऊ मुड़ ला घलो
धो दे।”
10 यीसू ह ओला कहिस, “जऊन ह नहा डारे हवय, ओला सिरिप अपन गोड़ ला धोय के जरूरत होथे। ओकर
जम्मो देहें ह साफ होथे। तुमन ह साफ हवव, पर तुमन म हर एक झन साफ नइं ए।”
11 काबरकि ओह जानत रहय कि कोन ह ओला दगा देवइया रिहिस, एकरसेति ओह कहिस, “हर एक झन
साफ नइं ए।”
12 जब यीसू ह अपन चेलामन के गोड़ ला धो डारिस, त ओह अपन कपड़ा ला पहिरके अपन जगह म वापिस
आईस अऊ खाय बर बईठिस, तब ओह ओमन ले पुछिस, “का तुमन समझत हव कि मेंह तुम्हर बर का करेंव?
13 तुमन मोला गुरू अऊ परभू कहिथव अऊ येह सही ए, काबरकि मेंह एहीच अंव।
14 जब मेंह तुम्हर परभू अऊ गुरू होके तुम्हर गोड़ ला धोएंव, तब तुमन ला घलो एक-दूसर के गोड़ धोना
चाही।
15 मेंह तुम्हर आघू म एक नमूना रखे हवंव कि जइसने मेंह तुम्हर बर करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो करव।
16 मेंह तुमन ला सच कहथंव कि एक सेवक ह अपन मालिक ले बड़े नइं होवय, अऊ न ही संदेसिया ह अपन
पठोइया ले बड़े होथे।
17 अब तुमन ये बातमन ला जानथव; यदि तुमन अइसने करहू, त तुमन ला आसीस मिलही।

[illegible] 26:20-25; [illegible] 14:17-21; [illegible] 22:21-23)

18 “मेंह तुमन जम्मो झन के बारे म नइं कहत हंव; जऊन मन ला मेंह चुने हवंव, ओमन ला मेंह जानथंव। पर
येह एकरसेति होवत हवय, ताकि परमेसर के ये बचन ह पूरा होवय: ‘जऊन ह मोर संग खाना खावत रिहिस,
ओह मोर बिरूध हो गे हवय।’*
19 “ये बात होय के पहिली, मेंह तुमन ला अभी बता देवत हंव, ताकि जब ये बात ह होवय, तब तुमन
बिसवास करव कि मेंह ओही अंव।
20 मेंह तुमन ला सच कहथंव, जऊन कोनो मोर पठोय मनखे ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे; अऊ
जऊन कोनो मोला गरहन करथे, ओह ओला गरहन करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय।”
21 ये कहे के बाद, यीसू ह आतमा म बहुंत बियाकुल होईस अऊ ये गवाही दीस, “मेंह तुमन ला सच कहथंव,
तुमन म ले एक झन मोर संग बिसवासघात करही।”
22 ये सुनके, ओकर चेलामन दुबिधा म पड़ गीन कि ओह काकर बारे म कहत हवय, अऊ ओमन एक-दूसर के
मुहूं ताके लगिन।
23 ओकर चेलामन ले एक झन जऊन ला यीसू मया करय, यीसू के छाती कोति झुकके बईठे रिहिस।
24 सिमोन पतरस ह ओ चेला कोति इसारा करिस अऊ कहिस, “ओकर ले पुछ कि ओह काकर बारे म कहत
हवय।”
25 ओ चेला ह वइसनेच यीसू कोति छाती के भार झुकके पुछिस, “हे परभू, ओह कोन ए?”
26 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन ला मेंह ये रोटी के कुटा ला बरतन म बोरके दूहूं, ओहीच ह ओ मनखे अय।”
तब ओह रोटी के टुकड़ा ला बोरके सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती ला दीस।
27 यहूदा के रोटी के कुटा ला लेतेच ही सैतान ह ओमा हमा गीस।
तब यीसू ह ओला कहिस, “जऊन काम तेंह करइया हवस, ओला जल्दी कर।”
28 पर उहां जतेक झन खाना खाय बर बईठे रिहिन, ओमन ले एको झन घलो नइं समझिन कि यीसू ह ओला
काबर ये बात कहिस।

---

* **13:18** भजन 41:9

29 यहूदा करा रूपिया-पईसा के थैली के जिम्मेदारी रहय, त कुछू झन ये समझिन कि यीसू ह ओला कहत
होही कि जऊन कुछू के, हमन ला तिहार बर जरूरत हवय, ओला बिसा ले या फेर गरीबमन ला कुछू देय दे।
30 यहूदा ह रोटी के कुटा ला लेके तुरते बाहिर चल दीस। अऊ ओह रथिया के बेरा रहय।

[illegible]
(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34)

31 जब यहूदा इस्करियोती ह चल दीस, तब यीसू ह कहिस, "अब मनखे के बेटा के महिमा होईस अऊ ओकर
दुवारा परमेसर के महिमा होईस।
32 अऊ जब ओकर दुवारा परमेसर के महिमा होईस, त परमेसर ह घलो अपन म बेटा के महिमा करही अऊ
तुरते ओकर महिमा करही।
33 "हे मोर लइकामन हो, अऊ थोरकन बेर मेंह तुम्हर संग रहिहूं। तुमन मोला खोजहू अऊ जइसने मेंह
यहूदीमन ला कहे हवंव, वइसने अब मेंह तुमन ला घलो कहत हंव: जिहां मेंह जावत हंव, उहां तुमन नइं आ
सकव।
34 "एक नवां हुकूम मेंह तुमन ला देवत हंव: एक-दूसर ले मया करव। जइसने मेंह तुमन ला मया करे हवंव,
वइसने तुमन घलो एक-दूसर ले मया करव।
35 यदि तुमन एक-दूसर ले मया करहू, त एकर ले जम्मो मनखेमन जान लीहीं कि तुमन मोर चेला अव।"
36 सिमोन पतरस ह यीसू ले पुछिस, "हे परभू, तेंह कहां जावत हस?"
यीसू ह जबाब दीस, "जिहां मेंह जावत हंव, उहां तेंह अभी मोर पाछू नइं आ सकस, पर बाद म तेंह आबे।"
37 पतरस ह ओला कहिस, "हे परभू, अभी मेंह तोर पाछू काबर नइं आ सकंव? मेंह तोर बर अपन परान ला
घलो दे दूहूं।"
38 तब यीसू ह जबाब दीस, "का सही म, तेंह मोर बर अपन परान देबे? मेंह तोला सच कहथंव, कुकरा के बासे
के पहिली, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे।"

14

[illegible]

1 यीसू ह कहिस, "तुम्हर हिरदय बियाकुल झन होवय। परमेसर ऊपर बिसवास करव अऊ मोर ऊपर घलो
बिसवास करव।
2 मोर ददा के घर म बहुंत जगह हवय; यदि नइं होतिस, त मेंह तुमन ला बता देतेंव। मेंह उहां तुम्हर बर जगह
तियार करे बर जावत हंव।
3 अऊ जब मेंह जाके तुम्हर बर जगह तियार कर लूहूं, त मेंह फेर आहूं अऊ तुमन ला मोर इहां ले जाहूं ताकि
जिहां में रहंव उहां तुमन घलो रहव।
4 जिहां मेंह जावत हंव, तुमन ओ जगह के रसता ला जानत हव।"

[illegible]

5 थोमा ह यीसू ला कहिस, "हे परभू, हमन नइं जानन कि तेंह कहां जावत हस, त फेर हमन रसता ला कइसने
जानबो?"
6 यीसू ह ओला जबाब दीस, "रसता, सत अऊ जिनगी मेंहीच अंव। मोर बिगर कोनो ददा करा नइं आ सकय।
7 यदि तुमन मोला जाने होतेव, त मोर ददा ला घलो जानतेव। फेर अब ले तुमन ओला जानत हव अऊ ओला
देखे घलो हवव।"
8 फिलिप्पुस ह ओला कहिस, "हे परभू, हमन ला ददा के दरसन करा दे। हमर बर अतका ह बहुंत होही।"
9 यीसू ह जबाब दीस, "हे फिलिप्पुस, मेंह अतेक दिन ले तुम्हर संग म हवंव अऊ तभो ले का तेंह मोला नइं
जानस? जऊन ह मोला देखिस, ओह ददा ला घलो देख डारिस। फेर तेंह कइसने कह सकथस कि हमन ला ददा
के दरसन करा दे।
10 का तेंह बिसवास नइं करस कि मेंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय? जऊन बचन मेंह तुमन ला
कहिथंव, ओह मोर अपन कोति ले नो हय। पर ददा जऊन ह मोर म रहिथे; ओह अपन काम करत हवय।

11 मोर बिसवास करव कि मेंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय। या फेर मोर चमतकार के काममन के
सेति मोर बिसवास करव।
12 मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह ओ काममन ला करही, जऊन ला
मेंह करत हवंव। अऊ त अऊ ओह येमन ले घलो बड़े-बड़े काम करही, काबरकि मेंह ददा करा जावत हंव।
13 जऊन कुछू तुमन मोर नांव म मांगहू, ओला मेंह पूरा करहूं ताकि बेटा के दुवारा ददा के महिमा होवय।
14 यदि तुमन मोर नांव म मोर ले कुछू मांगहू, त मेंह ओला पूरा करहूं।

[illegible]

15 "यदि तुमन मोर ले मया करथव, त मोर हुकूममन ला मानव।
16 मेंह ददा ले पराथना करहूं, अऊ ओह तुमन ला एक आने मददगार दीही, ओह हमेसा तुम्हर संग रहिही।
17 जऊन ला सत के आतमा कहे जाथे। संसार ह ये मददगार ला गरहन नइं कर सकय, काबरकि संसार ह न
तो ओला देखे हवय अऊ न ही ओला जानय। पर तुमन ओला जानथव, काबरकि ओह तुम्हर संग रहिथे अऊ
तुमन म रहिही।
18 मेंह तुमन ला अनाथ नइं छोड़ंव; मेंह तुम्हर करा आहूं।
19 थोरकन देर अऊ हवय, तब संसार ह मोला फेर नइं देखही, पर तुमन मोला देखहू। काबरकि मेंह जीयत
हंव; तुमन घलो जीयत रहिहू।
20 ओ दिन तुमन जानहू कि मेंह अपन ददा म हवंव, अऊ तुमन मोर म हवव, अऊ मेंह तुमन म हवंव।
21 जेकर करा मोर हुकूम हवय, अऊ ओह ओमन ला मानथे, ओहीच ह मोर ले मया करथे। अऊ जऊन ह मोर
ले मया करथे, ओकर ले मोर ददा ह मया करही, अऊ मेंह घलो ओकर ले मया करहूं अऊ ओला अपन दरसन
दूहूं।"
22 तब यहूदा (जऊन ह यहूदा इस्करियोती नइं रिहिस) यीसू ला कहिस, "हे परभू, का बात ए कि तेंह हमन ला
अपन दरसन देबे, पर संसार के मनखेमन ला नइं।"
23 यीसू ह ओला जबाब दीस, "यदि कोनो मनखे ह मोर ले मया करथे, त ओह मोर बचन ला मानही। अऊ मोर
ददा ह ओकर ले मया करही, अऊ हमन ओकर करा आबो अऊ ओकर संग रहिबो।
24 जऊन ह मोला मया नइं करय, ओह मोर बचन ला नइं मानय। ये बचन जऊन ला तुमन सुनत हव, येमन
मोर नो हंय; येमन ददा के अंय, जऊन ह मोला पठोय हवय।
25 "तुम्हर संग रहत मेंह तुमन ला ये बात कहे हवंव।
26 पर मददगार याने पबितर आतमा जऊन ला ददा ह मोर नांव म पठोही, ओह तुमन ला जम्मो बात
सिखाही अऊ ओ हर एक बात तुमन ला सुरता कराही, जऊन ला मेंह तुमन ला कहे हवंव।
27 मेंह अपन सांति तुम्हर संग छोंड़त हवंव; अपन सांति मेंह तुमन ला देवत हंव। मेंह तुमन ला वइसने नइं
देवंव जइसने संसार ह देथे। तुम्हर हिरदय बियाकुल झन होवय अऊ झन डरव।
28 "तुमन मोला ये कहत सुने हवव, 'मेंह जावत हंव अऊ मेंह तुम्हर करा फेर आहूं।' यदि तुमन मोर ले मया
करतेव, त तुमन खुस होतेव कि मेंह ददा करा जावत हंव, काबरकि ददा ह मोर ले महान ए।
29 ये बात होय के पहिली मेंह तुमन ला बता दे हवंव, ताकि जब ये बात होवय, त तुमन बिसवास करव।
30 मेंह तुम्हर संग अऊ जादा देर तक नइं गोठियावंव, काबरकि ये संसार के राजकुमार ह आवत हवय। ओकर
मोर ऊपर कोनो अधिकार नइं ए।
31 पर जइसने ददा ह मोला हुकूम दे हवय, वइसने मेंह करथंव, ताकि संसार ह ये जान लेवय कि मेंह ददा ले
मया करथंव।
"अब आवव, इहां ले चलन।

15

[illegible]

1 "सही अंगूर के नार मेंह अंव अऊ मोर ददा ह किसान ए।

2 ओ डंगाल जऊन ह मोर म हवय अऊ नइं फरय, ओह ओला काट डारथे; अऊ ओ डंगाल जऊन ह फरथे,
ओला ओह छांटथे, ताकि ओह अऊ फरय।
3 जऊन बचन मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओकर कारन तुमन पहिली ले सुध हो गे हवव।
4 तुमन मोर म बने रहव अऊ मेंह तुमन म बने रहिहूं। जइसने डंगाल ह यदि अंगूर के नार म बने नइं रहय, त
ओ डंगाल ह अपनआप म नइं फर सकय, वइसने यदि तुमन मोर म बने नइं रहव, त तुमन घलो नइं फर सकव।
5 "मेंह अंगूर के नार अंव अऊ तुमन डंगाल अव। जऊन मनखे ह मोर म बने रहिथे अऊ मेंह ओमा, त ओह
बहुंत फरथे, काबरकि मोर ले अलग होके तुमन कुछू नइं कर सकव।
6 कहूं कोनो मनखे मोर म बने नइं रहय, त ओह ओ डंगाल सहीं अय, जऊन ला फटिक दिये जाथे अऊ ओह
सूखा जाथे; अइसने डारामन ला मनखेमन संकेलथें अऊ आगी म झोंक के जरा देथें।
7 यदि तुमन मोर म बने रहव अऊ मोर बचन ह तुमन म बने रहय, त जऊन कुछू तुमन चाहव अऊ मांगव;
ओह तुमन ला दिये जाही।
8 मोर ददा के महिमा इही म होथे कि तुमन बहुंत फर लानव अऊ अपनआप ला देखा दव कि तुमन मोर चेला
अव।
9 "जइसने ददा ह मोला मया करिस, वइसने मेंह तुमन ले मया करे हवंव। अब तुमन मोर मया म बने रहव।
10 यदि तुमन मोर हुकूममन ला मानहू, त मोर मया म बने रहिहू; जइसने मेंह अपन ददा के हुकूममन ला माने
हवंव अऊ ओकर मया म बने रहिथंव।
11 मेंह ये बात तुमन ला ये खातिर कहे हवंव, ताकि मोर आनंद ह तुमन म रहय अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा हो
जावय।
12 मोर हुकूम ये अय: जइसने मेंह तुमन ला मया करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो एक-दूसर ले मया करव।
13 एकर ले बड़े मया अऊ काकरो नइं ए कि कोनो मनखे अपन संगवारीमन बर अपन परान देवय।
14 जऊन हुकूम मेंह देवत हंव, ओला यदि तुमन मानव, त तुमन मोर संगवारी अव।
15 अब ले मेंह तुमन ला सेवक नइं कहंव, काबरकि सेवक ह नइं जानय कि ओकर मालिक ह का करथे। पर मेंह
तुमन ला संगवारी कहे हवंव काबरकि जऊन कुछू मेंह अपन ददा ले सुनेंव, ओ जम्मो बात तुमन ला बता दे
हवंव।
16 तुमन मोला नइं चुनेव, पर मेंह तुमन ला चुने अऊ ठहिराय हवंव कि तुमन जावव अऊ फरव—अइसने फर
जऊन ह बने रहय। तब जऊन कुछू तुमन मोर नांव म ददा ले मांगहू, ओह तुमन ला दीही।
17 मोर हुकूम ये अय: एक-दूसर ले मया करव।

[illegible]

18 "यदि संसार ह तुम्हर ले घिन करथे, त ये बात ला जान लेवव कि येह तुम्हर ले पहिली मोर ले घिन करिस।
19 यदि तुमन संसार के होतेव, त संसार ह तुमन ला अपन समझके मया करतिस। पर तुमन संसार के नो हव,
पर मेंह तुमन ला संसार म ले चुन ले हवंव। एकरसेति संसार ह तुम्हर ले घिन करथे।
20 जऊन बचन मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओला सुरता रखव: 'एक सेवक ह अपन मालिक ले बड़े नइं होवय।'*
जब ओमन मोला सताईन, त तुमन ला घलो सताहीं। अऊ यदि ओमन मोर बचन ला मानिन, त तुम्हर बचन ला
घलो मानहीं।
21 मोर नांव के सेति ओमन तुम्हर संग अइसने बरताव करहीं, काबरकि ओमन ओला नइं जानंय, जऊन ह
मोला पठोय हवय।
22 कहूं मेंह नइं आतेंव अऊ ओमन ले नइं गोठियातेंव, त ओमन पाप के दोसीदार नइं होतिन, पर अब ओमन
करा अपन पाप के कोनो बहाना नइं ए।
23 जऊन ह मोर ले घिन करथे, ओह मोर ददा ले घलो घिन करथे।
24 ओमन पाप के दोसीदार नइं होतिन, कहूं मेंह ओमन के आघू म ओ काममन ला नइं करे होतेंव, जऊन ला
कोनो कभू नइं करिन। पर अब ओमन ये चमतकार के काममन ला देखके घलो मोर अऊ मोर ददा दूनों ले घिन
करे हवंय।

---

* **15:20** यूह 13:16

25 येह एकरसेति होईस ताकि ओमन के कानून म लिखे ये बचन ह पूरा होवय: 'ओमन मोर ले बिगर कोनो
कारन के घिन करिन।'†

[illegible]

26 "पर जब मददगार ह आही, जऊन ला मेंह ददा के इहां ले तुमन करा पठोहूं। ओह सत के आतमा ए, जऊन
ह ददा म ले निकलथे। ओह मोर बारे म गवाही दीही।
27 अऊ तुमन ला घलो मोर बारे म गवाही देना जरूरी ए, काबरकि तुमन सुरू ले मोर संग रहे हवव।

16

1 "मेंह तुमन ला ये जम्मो बात एकरसेति बताय हवंव कि तुम्हर बिसवास ह झन टूटय।
2 ओमन तुमन ला सभा-घर ले निकाल दीहीं। अऊ ओ समय ह आवत हवय, जब तुम्हर हतिया करइया ह ये
समझही कि ओह परमेसर के सेवा करत हवय।
3 ओमन ये काममन ला एकरसेति करहीं काबरकि ओमन न तो ददा ला जानंय अऊ न ही मोला।
4 पर मेंह तुमन ला ये बात एकरसेति बतांय ताकि जब ओ समय ह आवय, त तुमन ला सुरता रहय कि मेंह
तुमन ला चेताय रहेंव। मेंह तुमन ला ये बात सुरू म एकरसेति नइं बतांय काबरकि मेंह तुम्हर संग म रहेंव।
5 अब मेंह ओकर करा जावत हंव जऊन ह मोला पठोय हवय, पर तुमन ले कोनो नइं पुछत हव कि मेंह कहां
जावत हंव।
6 मेंह तुमन ला ये बात कहेंव, एकरसेति तुम्हर हिरदय ह दुख ले भर गे हवय।
7 पर मेंह तुमन ला सच कहथंव: येह तुम्हर बर बने ए कि मेंह जावत हंव; काबरकि यदि मेंह नइं जावंव, त
मददगार ह तुम्हर करा नइं आवय, पर यदि मेंह जाहूं, त मेंह ओला तुम्हर करा पठोहूं।
8 अऊ जब ओह आही, त संसार के मनखेमन ला पाप अऊ धरमीपन अऊ नियाय के बारे म दोसी ठहिराही।
9 ओह पाप के बारे म दोसी ठहिराही, काबरकि ओमन मोर ऊपर बिसवास नइं करंय।
10 ओह धरमीपन के बारे म दोसी ठहिराही, काबरकि मेंह ददा करा जावत हंव अऊ तुमन मोला फेर नइं देखहू।
11 अऊ ओह नियाय के बारे म दोसी ठहिराही, काबरकि ये संसार के राजकुमार* ला पहिली ले दोसी ठहिराय
गे हवय।
12 "तुमन ला कहे बर मोर करा बहुंत कुछू हवय, पर अभी तुमन ओ बातमन ला सहन नइं कर सकव।
13 पर जब ओ सत के आतमा ह आही, त ओह तुमन ला सत के जम्मो बात म अगुवई करही। ओह अपन
तरफ से कुछू नइं कहिही; जऊन कुछू ओह सुनही, सिरिप ओहीच बात ला कहिही, अऊ ओह तुमन ला ओ
बातमन ला बताही, जऊन ह अवइया हवय।
14 ओह मोर महिमा करही, काबरकि ओह मोर बातमन ला लीही अऊ ओला तुमन ला बताही।
15 जऊन कुछू ददा के अय, ओ जम्मो मोर अय। एकरसेति मेंह कहेंव कि आतमा ह मोर म ले लीही अऊ
ओला तुमन ला बताही।"

[illegible]

16 यीसू ह ये घलो कहिस, "थोरकन देर बाद तुमन मोला नइं देखहू अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला
देखहू।"
17 यीसू के कुछू चेलामन एक-दूसर ले कहिन, "ओकर ये कहे के का मतलब ए, 'थोरकन देर बाद तुमन मोला
नइं देखहू अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखहू,' अऊ 'काबरकि मेंह ददा करा जावत हंव?' "
18 चेलामन बार-बार पुछन लगिन, "ये थोरकन देर के का मतलब ए? हमन नइं समझत हन कि ओह का कहत
हवय।"
19 यीसू ह ये जानके कि ओमन ओकर ले पुछे चाहत हवंय, ओह ओमन ला कहिस, "का तुमन एक-दूसर ले
पुछत हव कि मोर ये कहे के का मतलब ए, 'थोरकन देर बाद तुमन मोला नइं देखहू अऊ फेर थोरकन देर बाद
तुमन मोला देखहू?'

---

† **15:25** भजन 35:19; 69:4 * **16:11** या [illegible]

20 मेंह तुमन ला सच-सच कहथंव, तुमन रोहू अऊ बिलाप करहू, जबकि संसार ह आनंद मनाही। तुमन ला
दुख होही, पर तुम्हर दुख ह आनंद म बदल जाही।
21 जब एक माईलोगन ह लइका जनथे, त ओला पीरा होथे काबरकि ओकर बेरा ह आ गे हवय; पर जब ओला
लइका हो जाथे, त आनंद के मारे कि एक लइका ह संसार म पईदा होईस, ओह पीरा ला भुला जाथे।
22 इही किसम ले, अभी तुमन ला दुख होवथे, पर मेंह तुमन ला फेर देखहूं, अऊ तुमन आनंद मनाहू, अऊ
तुम्हर हिरदय के आनंद ला कोनो नइं छीन सकही।
23 ओ दिन म तुमन मोर ले कुछू नइं पुछहू। मेंह तुमन ला सच-सच कहत हंव, जऊन कुछू तुमन मोर नांव म
मांगहू, ओ चीज ददा ह तुमन ला दीही।
24 अभी तक तुमन मोर नांव म कुछू नइं मांगे हवव। मांगव, त तुमन पाहू अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा हो जाही।
25 "मेंह तुमन ला ये बात पटंतर म कहे हवंव, पर ओ समय ह आवत हवय, जब मेंह तुम्हर ले पटंतर म नइं
गोठियावंव, पर मेंह तुमन ला अपन ददा के बारे म साफ-साफ बताहूं।
26 ओ दिन तुमन मोर नांव म मांगहू, अऊ मेंह ये नइं कहथंव कि मेंह तुम्हर बर ददा ले बिनती करहूं।
27 ददा ह खुदे तुम्हर ले मया करथे, काबरकि तुमन मोर ले मया करे हवव अऊ बिसवास करे हवव कि मेंह
परमेसर करा ले आय हवंव।
28 मेंह ददा म ले निकलके संसार म आय हवंव; अऊ अब मेंह संसार ला छोंड़के वापिस ददा करा जावत हंव।"
29 तब यीसू के चेलामन कहिन, "अब तेंह साफ-साफ बिगर पटंतर के गोठियावत हस।
30 अब हमन जान डारेंन कि तेंह जम्मो बात ला जानथस अऊ एकर जरूरत नइं ए कि कोनो तोर ले सवाल
पुछय। एकर दुवारा हमन बिसवास करथन कि तेंह परमेसर करा ले आय हवस।"
31 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, "आखिर म तुमन बिसवास करेव।
32 पर देखव, ओ बेरा ह आवत हवय अऊ आ घलो गे हवय, जब तुमन तितिर-बितिर हो जाहू; हर एक झन
अपन-अपन घर चल दीही। तुमन मोला एकदम अकेला छोंड़ दूहू। तभो ले मेंह अकेला नइं अंव, काबरकि मोर
ददा ह मोर संग हवय।
33 "मेंह तुमन ला ये बात एकरसेति कहेंव ताकि तुमन ला मोर म सांति मिलय। ये संसार म तुमन तकलीफ
पाहू। पर हिम्मत रखव! मेंह संसार ऊपर जय पाय हवंव।"

17

[illegible]

1 ये कहे के बाद, यीसू ह स्वरग कोति देखिस अऊ कहिस,
"हे ददा, बेरा ह आ गे हवय। अपन बेटा के महिमा कर कि तोर बेटा ह घलो तोर महिमा करय।
2 तेंह ओला जम्मो मनखेमन ऊपर अधिकार दे हवस, ताकि जऊन मन ला तेंह ओला दे हवस, ओ जम्मो
झन ला ओह तोर संग सदाकाल के जिनगी देवय।
3 अऊ तोर संग सदाकाल के जिनगी ये अय कि ओमन सिरिप तोला एकेच सत परमेसर के रूप म जानंय
अऊ यीसू मसीह ला जानंय, जऊन ला तेंह धरती म पठोय हवस।
4 जऊन काम तेंह मोला करे बर दे रहय, ओला पूरा करके, मेंह धरती म तोर महिमा करे हवंव।
5 अब, हे ददा, अपन आघू म मोर महिमा कर—ओ महिमा जऊन ह संसार ला बनाय के पहिली मोर, तोर
संग रिहिस।

[illegible]

6 "मेंह तोर नांव ला ओमन ऊपर परगट करे हवंव, जऊन मन ला तेंह मोला संसार म ले देय हवस। ओमन
तोर रिहिन; तेंह ओमन ला मोला देय हवस अऊ ओमन तोर बचन ला माने हवंय।
7 अब ओमन जानथें कि जऊन कुछू तेंह मोला देय हवस, ओ जम्मो चीज तोर करा ले आय हवय।
8 काबरकि मेंह ओमन ला ओ बचन दे हवंव, जऊन ला तेंह मोला देय रहय, अऊ ओमन ओला गरहन करे
हवंय। ओमन सही म जान गीन कि मेंह तोर करा ले आय हवंव अऊ ओमन बिसवास कर ले हवंय कि तेंह मोला
पठोय हवस।

9 मेंह ओमन बर पराथना करत हंव। मेंह संसार बर नइं, पर ओमन बर पराथना करत हंव, जऊन मन ला
तेंह मोला देय हवस, काबरकि ओमन तोर अंय।
10 जऊन कुछू मोर करा हवय, ओ जम्मो ह तोर अय अऊ जऊन कुछू तोर करा हवय, ओ जम्मो ह मोर
अय। अऊ येमन के दुवारा मोर महिमा होथे।
11 मेंह अब संसार म नइं रहंव, पर ओमन संसार म रहिहीं, अऊ मेंह तोर करा आवत हवंव। हे पबितर ददा,
ओमन ला जतन के रख अपन ओ नांव के सक्ति के दुवारा, जऊन नांव ला तेंह मोला देय हवस, ताकि ओमन
एक हो जावंय जइसने हमन एक हवन।
12 जब मेंह ओमन के संग रहेंव, त ओ नांव के दुवारा जऊन ला तेंह मोला देय हवस, ओमन ला जतन के
रखेंव अऊ ओमन ला सही-सलामत रखेंव। ओमा ले कोनो नइं गंवाईन, सिरिप बिनास के बेटा के छोंड़, ताकि
परमेसर के बचन ह पूरा होवय।
13 "अब मेंह तोर करा आवत हंव, पर मेंह ये बातमन ला संसार म रहत कहथंव, ताकि ओमन मोर आनंद ले
पूरा भर जावंय।
14 मेंह ओमन ला तोर बचन देय हवंव अऊ संसार ह ओमन ले नफरत करिस, काबरकि ओमन संसार के नो
हंय, जइसने मेंह संसार के नो हंव।
15 मेंह ये पराथना नइं करत हंव कि तेंह ओमन ला संसार ले निकाल ले, पर ये पराथना करत हंव कि ओमन
ला तेंह सैतान ले बचाय रख।
16 ओमन संसार के नो हंय, जइसने मेंह संसार के नो हंव।
17 सत के दुवारा ओमन ला पबितर कर, तोर बचन ह सत ए।
18 जइसने तेंह मोला संसार म पठोय, वइसने मेंह ओमन ला संसार म पठोय हवंव।
19 ओमन खातिर मेंह अपनआप ला तोर हांथ म अरपन करथंव ताकि ओमन घलो सही म अपनआप ला
तोला अरपन करंय।

[illegible]

20 "मेंह सिरिप ओमन खातिर ही पराथना नइं करथंव, पर ओमन बर घलो जऊन मन ओमन के संदेस के
दुवारा मोर ऊपर बिसवास करहीं,
21 कि ओ जम्मो झन एक हो जावंय। हे ददा, जइसने तेंह मोर म हवस अऊ मेंह तोर म हवंव। वइसने
ओमन घलो हमर म होवंय ताकि संसार ह बिसवास करय कि तेंह मोला पठोय हवस।
22 जऊन महिमा तेंह मोला देय हवस, ओही महिमा मेंह ओमन ला देय हवंव, ताकि ओमन एक हो जावंय,
जइसने हमन एक हवन।
23 मेंह ओमन म अऊ तेंह मोर म, कि ओमन पूरा एक हो जावंय, ताकि संसार ह जानय कि तेंह मोला
पठोय हवस अऊ जइसने तेंह मोर ले मया करे हवस, वइसने ओमन ले घलो मया करय।
24 "हे ददा मेंह चाहथंव कि जऊन मन ला तेंह मोला देय हवस, ओमन मोर संग उहां रहंय, जिहां में हवंव
अऊ ओमन मोर ओ महिमा ला देखंय, जऊन ला तेंह मोला देय हवस, काबरकि तेंह संसार के रचे के पहिली
मोर ले मया करय।"
25 "हे धरमी ददा, संसार ह तोला नइं जानय, पर मेंह तोला जानथंव, अऊ ओमन जानथें कि तेंह मोला
पठोय हवस।
26 मेंह ओमन ला तोर बारे म बताय हवंव अऊ बतावत रहिहूं, ताकि तोर ओ मया जऊन ह मोर बर हवय,
ओमन म घलो रहय अऊ मेंह खुद ओमन म रहंव।"

18

[illegible]
([illegible] 26:47-56; [illegible] 14:43-50; [illegible] 22:47-53)

1 ये पराथना करे के बाद, यीसू ह अपन चेलामन संग किदरोन घाटी के ओ पार गीस। उहां एक जैतून के बारी
रहय, जिहां ओ अऊ ओकर चेलामन गीन।
2 यहूदा जऊन ह यीसू ला धोखा दीस, ओ ठऊर ला जानत रिहिस, काबरकि यीसू ह हमेसा अपन चेलामन
संग उहां जूरय।

3 तब यहूदा ह कुछू सैनिक अऊ मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन के कुछू अधिकारीमन ला लेके उहां आईस।
ओमन मसाल, कंडिल अऊ हथियार धरे रहंय।
4 यीसू ह ओ जम्मो बात ला जानत रिहिस, जऊन ह ओकर संग होवइया रहय; एकरसेति ओह निकलिस
अऊ ओमन ले पुछिस, "तुमन कोन ला खोजत हव?"
5 ओमन जबाब दीन, "नासरत के यीसू ला।"
यीसू ह कहिस, "ओह में अंव।" (अऊ दगाबाज यहूदा ह उहां ओमन संग ठाढ़े रहय।)
6 जब यीसू ह ओमन ला ये कहिस, "ओह में अंव," त ओमन पाछू घुंचिन अऊ भुइयां म गिर पड़िन।
7 यीसू ह ओमन ले फेर पुछिस, "तुमन कोन ला खोजत हव?"
ओमन कहिन, "नासरत के यीसू ला।"
8 यीसू ह जबाब दीस, "मेंह तुमन ला कह चुके हंव कि ओह में अंव। यदि तुमन मोला खोजत हव, त ये
मनखेमन ला जावन दव।"
9 ये बात एकरसेति होईस, ताकि यीसू के कहे ये बचन ह पूरा होवय, "जऊन मन ला तेंह मोला देय रहय,
ओमा ले मेंह एको झन ला घलो नइं गंवांय।"
10 तब सिमोन पतरस जेकर करा एक ठन तलवार रहय, ओह ओला खींचके निकालिस अऊ महा पुरोहित के
सेवक ऊपर चलाके ओकर जेवनी कान ला काट दीस। ओ सेवक के नांव मलखुस रिहिस।
11 यीसू ह पतरस ला हुकूम दीस, "अपन तलवार ला मियान म रख। जऊन दुख के कटोरा ददा ह मोला दे
हवय, का ओला मेंह नइं पीयंव?"

[illegible]

12 तब सैनिकमन अऊ ओमन के कप्तान अऊ यहूदी अधिकारीमन यीसू ला पकड़के बांध लीन,
13 अऊ ओमन ओला पहिली हन्ना करा लानिन, जऊन ह ओ साल के महा पुरोहित काइफा के ससुर रिहिस।
14 येह ओहीच काइफा रिहिस, जऊन ह यहूदी अगुवामन ला ये सलाह देय रिहिस कि बने होतिस यदि एक
आदमी ह जम्मो मनखेमन खातिर मरय।

[illegible]
(मत्ती 26:69-70; मरकुस 14:66-68; लूका 22:55-57)

15 सिमोन पतरस अऊ एक आने चेला यीसू के पाछू-पाछू गीन। काबरकि ये चेला ह महा पुरोहित के पहिचान
के रिहिस; एकरसेति ओह घलो महा पुरोहित के अंगना म जाय सकिस, जिहां यीसू ला लेय गे रिहिन।
16 पर पतरस ह बाहिर कपाट करा ठाढ़े रहय। तब ओ आने चेला जऊन ह महा पुरोहित के पहिचान के
रिहिस, बाहिर आईस अऊ दुवारपालिन छोकरी ला कहिके पतरस ला भीतर ले गीस।
17 ओ दुवारपालिन छोकरी ह पतरस ले पुछिस, "का तेंह घलो त ये मनखे के चेलामन ले एक झन नो हस?"
ओह कहिस, "मेंह नो हंव।"
18 जाड़ के मारे सेवक अऊ अधिकारीमन कोइला ला जलाय रहंय अऊ ओकर चारों खूंट ठाढ़ होके आगी
तापत रहंय। पतरस ह घलो ओमन के संग उहां ठाढ़ होके आगी तापत रहय।

[illegible]
(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; लूका 22:66-71)

19 इही बीच म महा पुरोहित ह यीसू ले ओकर चेलामन अऊ ओकर उपदेस के बारे म पुछताछ करिस।
20 यीसू ह जबाब दीस, "मेंह संसार के मनखेमन ले खुलेआम बात करे हवंव। मेंह यहूदीमन के सभा-घर अऊ
मंदिर के अंगना म, जिहां जम्मो यहूदीमन जूरथें, हमेसा उपदेस देय हवंव। मेंह गुपत म कुछू नइं कहेंव।
21 तेंह मोर ले काबर पुछताछ करथस? ओमन ले पुछ जऊन मन मोर बात ला सुने हवंय। ओमन जानत
हवंय कि मेंह का कहे हवंव।"
22 जब यीसू ह ये कहिस, त ओकर लकठा म ठाढ़े एक अधिकारी ह यीसू ला एक थपरा मारिस अऊ कहिस,
"महा पुरोहित ला का तेंह अइसने जबाब देथस।"
23 यीसू ह ओला जबाब दीस, "यदि मेंह कुछू गलत बात कहे हवंव, त ओला बता। पर यदि मेंह सच बात कहे
हवंव, त तेंह मोला काबर मारथस?"

24 तब हन्ना ह यीसू ला वइसनेच बंधे-बंधाय महा पुरोहित काइफा करा पठो दीस।

[illegible]
([illegible] 26:71-75; [illegible] 14:69-72; [illegible] 22:58-62)

25 सिमोन पतरस ह उहां अंगना म ठाढ़े आगी तापत रहय, तब मनखेमन ओकर ले पुछिन, "का तेंह घलो ओकर चेलामन ले एक झन अस?"

ओह इनकार करके कहिस, "मेंह नो हंव।"

26 महा पुरोहित के एक सेवक जऊन ह ओ मनखे के रिस्तेदार रिहिस, जेकर कान ला पतरस काट दे रिहिस, पतरस ले पुछिस, "का मेंह तोला ओकर संग जैतून के बारी म नइं देखे रहेंव?"

27 पतरस ह फेर इनकार करिस अऊ तुरते कुकरा ह बासिस।

[illegible]
([illegible] 27:1-2, 11-14; [illegible] 15:1-5; [illegible] 23:1-5)

28 तब यहूदी अगुवामन यीसू ला काइफा करा ले रोमी राजपाल के महल म ले गीन अऊ ओह बड़े बिहनियां के बेरा रिहिस। यहूदीमन खुद महल के भीतर नइं गीन ताकि ओमन असुध झन होवंय अऊ फसह के भोज खा सकंय।*

29 एकरसेति पीलातुस ह बाहिर ओमन करा आईस अऊ पुछिस, "ये मनखे के ऊपर तुमन का दोस लगाथव?"

30 ओमन जबाब दीन, "यदि ये मनखे ह अपराधी नइं होतिस, त येला हमन तोर हांथ म नइं सऊंपतेंन।"

31 पीलातुस ह ओमन ला कहिस, "तुमन येला ले जावव अऊ अपन खुद के कानून के मुताबिक ओकर नियाय करव।"

यहूदीमन ओला कहिन, "हमन करा कोनो ला मिरतू-दंड देय के अधिकार नइं ए।"

32 येह एकरसेति होईस ताकि यीसू के ओ बचन ह पूरा होवय, जऊन ला यीसू ह इसारा म कहे रिहिस कि ओकर मिरतू कइसने होही।

33 तब पीलातुस फेर महल भीतर गीस अऊ यीसू ला बलाके ओकर ले पुछिस, "का तेंह यहूदीमन के राजा अस?"

34 यीसू ह जबाब देके कहिस, "का तेंह ये बात अपन कोति ले कहथस कि आने मन तोला ये बात मोर बारे म कहे हवंय?"

35 पीलातुस ह जबाब दीस, "का तेंह सोचथस कि मेंह एक यहूदी अंव? तोर खुद के मनखे अऊ मुखिया पुरोहितमन तोला मोर हांथ म सऊंपे हवंय। तेंह का करे हस?"

36 यीसू ह कहिस, "मोर राज ह ये संसार के नो हय। यदि मोर राज ह ये संसार के होतिस, त मोर सेवकमन लड़तिन अऊ मेंह यहूदी अगुवामन के हांथ म नइं सऊंपे जातेंव; पर मोर राज ह इहां के नो हय।"

37 पीलातुस ह यीसू ला कहिस, "त का तेंह एक राजा अस?"

यीसू ह जबाब दीस, "तेंह सही कहथस कि मेंह एक राजा अंव। मेंह ये खातिर जनम लेंव अऊ ये खातिर संसार म आयेंव कि सत के गवाही देवंव। जऊन ह सत के तरफ हवय, ओह मोर बात ला सुनथे।"

38 पीलातुस ह ओकर ले पुछिस, "का ह सत ए?" ये कहिके पीलातुस ह बाहिर यहूदीमन करा फेर गीस अऊ ओमन ला कहिस, "मेंह ओमा कोनो दोस नइं पायेंव।

39 पर येह तुम्हर रिवाज ए कि फसह के तिहार के बेरा म मेंह तुम्हर खातिर एक कैदी ला छोंड़ देवंव। का तुमन चाहथव कि मेंह यहूदीमन के राजा ला छोंड़ देवंव?"

40 ओमन फेर चिचियाके कहिन, "नइं, ये मनखे ला नइं, पर हमर बर बरब्बा ला छोंड़ दे।" अऊ बरब्बा ह एक डाकू रिहिस।

19

[illegible]

1 तब पीलातुस ह यीसू ला लेके ओला कोर्रा म पीटवाईस।

---

* **18:28** यहूदीमन के रिवाज के मुताबिक, यदि ओमन कोनो आनजात के घर म जाथें, त ओमन असुध हो जाथें।

2 सैनिकमन गुंथके कांटा के एक मुकुट बनाईन अऊ ओला यीसू के मुड़ ऊपर रखिन अऊ ओमन यीसू ला
बैंगनी कपड़ा पहिराईन,
3 अऊ ओमन ओकर मेर बार-बार आके कहिन, "हे यहूदीमन के राजा, जोहार लागी।" अऊ ओमन यीसू के
मुहूं म थपरा मारिन।
4 पीलातुस ह फेर महल ले बाहिर आईस अऊ उहां जूरे यहूदीमन ला कहिस, "देखव, मेंह ओला तुम्हर करा
बाहिर लानत हंव ताकि तुमन जान लेवव कि मेंह ओमा कुछू दोस नइं पायेंव।"
5 जब यीसू ह कांटा के मुकुट अऊ बैंगनी कपड़ा पहिरे बाहिर आईस, त पीलातुस ह ओमन ला कहिस,
"देखव, येह ओ मनखे ए।"
6 जब मुखिया पुरोहित अऊ अधिकारीमन यीसू ला देखिन, त ओमन चिचियाके कहिन, "येला कुरूस ऊपर
चघावव। येला कुरूस ऊपर चघावव।"
पर पीलातुस ह जबाब दीस, "तुमन येला ले जावव अऊ कुरूस ऊपर चघावव। काबरकि मेंह येमा कुछू दोस
नइं पायेंव।"
7 यहूदी अगुवामन जोर देके कहिन, "हमर एक ठन कानून हवय अऊ ओ कानून के मुताबिक एकर मरना
जरूरी ए, काबरकि येह अपनआप ला परमेसर के बेटा कहिथे।"
8 जब पीलातुस ह ये बात ला सुनिस, त ओह अब्बड़ डरा गीस,
9 अऊ ओह वापिस महल भीतर जाके यीसू ले पुछिस, "तेंह कहां के अस?" पर यीसू ह ओला कोनो जबाब नइं
दीस।
10 तब पीलातुस ह कहिस, "का तेंह मोर ले बात नइं करस? का तेंह नइं जानस कि मोर करा तोला छोंड़ देय
के या फेर तोला कुरूस ऊपर चघाय के अधिकार हवय?"
11 यीसू ह जबाब दीस, "यदि तोला ऊपर ले अधिकार नइं दिये जातिस, त मोर ऊपर तोर कुछू अधिकार नइं
होतिस। एकरसेति जऊन ह मोला तोर हांथ म सऊंपे हवय, ओह बड़े पाप के दोसीदार ए।"
12 एकर बाद पीलातुस ह यीसू ला छोंड़ देय के कोसिस करिस, पर यहूदी अगुवामन बार-बार चिचियाके
कहिन, "यदि तेंह ये मनखे ला छोंड़ देबे, त तेंह महाराजा के संगवारी नो हस। जऊन ह अपनआप ला राजा
कहिथे, ओह महाराजा के बिरोधी होथे।"
13 जब पीलातुस ह ये बात ला सुनिस, त ओह यीसू ला बाहिर लानिस अऊ नियाय आसन म बईठिस, जऊन
ह पथरा के चंउरा नांव के जगह म रहय अऊ ओ चंउरा ला इबरानी* भासा म गब्बता कहे जावय।
14 येह फसह तिहार के तियारी के दिन रहय अऊ दिन के करीब बारह बजे के समय रहय।
पीलातुस ह यहूदीमन ला कहिस, "देखव, एही अय तुम्हर राजा।"
15 पर ओमन चिचियाके कहिन, "येला ले जावव। येला ले जावव। येला कुरूस ऊपर चघाय जावय।"
पीलातुस ह ओमन ले पुछिस, "का मेंह तुम्हर राजा ला कुरूस ऊपर चघा देवंव?"
मुखिया पुरोहितमन जबाब दीन, "महाराजा के छोंड़ हमर अऊ कोनो राजा नइं ए।"
16 आखिर म पीलातुस ह यीसू ला कुरूस ऊपर चघाय बर ओमन के हांथ म सऊंप दीस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:32-44; [illegible] 15:21-32; [illegible] 23:26-43)

17 तब ओमन यीसू ला ले गीन अऊ ओह अपन कुरूस ला बोहके बाहिर निकलिस अऊ ओ ठऊर म गीस,
जऊन ला खोपड़ी के ठऊर कहे जावय अऊ इबरानी† भासा म येला गुलगुता घलो कहे जाथे।
18 उहां ओमन यीसू ला कुरूस ऊपर चघा दीन, अऊ ओकर संग अऊ दू झन ला घलो कुरूस ऊपर चघाईन,
एक झन ला ओकर जेवनी कोति अऊ दूसर झन ला ओकर डेरी कोति, अऊ यीसू ला मांझा म।
19 पीलातुस ह एक सूचना लिखके कुरूस ऊपर टंगवा दे रहय, जेमा ये लिखाय रहय,

नासरत के यीसू, यहूदीमन के राजा।

20 बहुंते यहूदीमन ये सूचना ला पढ़िन, काबरकि जऊन ठऊर म यीसू ला कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिस, ओह
सहर के लकठा म रहय अऊ ओ सूचना ह इबरानी, लतीनी अऊ यूनानी भासा म लिखाय रहय।

---

* **19:13** अरामिक † **19:17** अरामिक

21 तब यहूदीमन के मुखिया पुरोहितमन पीलातुस ला कहिन, “यहूदीमन के राजा झन लिख, पर ये लिख कि ये
मनखे ह कहिस, ‘मेंह यहूदीमन के राजा अंव।’ ”
22 पीलातुस ह जबाब दीस, “मेंह जऊन लिख देंव, त लिख देंव।”
23 जब सैनिकमन यीसू ला कुरूस ऊपर चघा लीन, त ओमन ओकर कपड़ामन ला लेके चार बांटा करिन अऊ
हर एक ह एक बांटा लीस। ओमन ओकर कुरता ला घलो लीन, पर ओ कुरता ह सिये नइं गे रहय। येह ऊपर ले
तरी तक एक ठन करके बुने गे रहय।
24 एकरसेति ओमन एक-दूसर ला कहिन, “येला हमन नइं चीरन, पर एकर बर चिट्ठी निकालबो अऊ देखबो कि
येह कोन ला मिलही।” येह एकरसेति होईस ताकि परमेसर के बचन म लिखे बात ह पूरा होवय,
“ओमन मोर ओनहा ला आपस म बांट लीन
अऊ मोर कुरता बर चिट्ठी निकालिन।”‡
एकरसेति सैनिकमन अइसने करिन।
25 यीसू के कुरूस के लकठा म ओकर दाई, अऊ ओकर दाई के बहिनी, क्लोपास के घरवाली मरियम, अऊ
मरियम मगदलिनी ठाढ़े रिहिन।
26 जब यीसू ह अपन दाई अऊ ओ चेला ला जेकर ले ओह मया करय, तीर म ठाढ़े देखिस, त ओह अपन दाई
ला कहिस, “हे नारी, येह तोर बेटा ए।”
27 अऊ ओ चेला ले कहिस, “येह तोर दाई ए।” ओही बखत ले ओ चेला ह यीसू के दाई ला अपन घर ले गीस।

[illegible]
(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49)

28 एकर बाद, यीसू ह ये जानके कि अब जम्मो बात पूरा हो चुके हवय, परमेसर के बचन ला पूरा करे बर
कहिस, “मेंह पीयासन हंव।”
29 उहां सिरका ले भरे एक ठन बरतन रखे रहय। ओमन पनसोखवा रबर ला ओ सिरका म भिगोईन अऊ ओ
पनसोखवा रबर ला एक ठन जूफा के डंडी म रखके यीसू के मुहूं ले लगाईन।
30 जब यीसू ह ओ सिरका ला ले लीस, त कहिस, “पूरा होईस।” अऊ ओह मुड़ ला नवाके अपन परान तियाग
दीस।
31 ओह तियारी के दिन रिहिस, अऊ ओकर दूसर दिन बिसेस बिसराम के दिन§ रिहिस। यहूदी अगुवामन नइं
चाहत रिहिन कि ओमन के देहेंमन बिसराम के दिन कुरूस म टंगे रहंय, एकरसेति ओमन पीलातुस ले बिनती
करिन कि कुरूस म चघाय मनखेमन के गोड़ ला टोर दिये जावय अऊ ओमन के देहें ला कुरूस ले उतार दिये
जावय।
32 एकरसेति सैनिकमन आईन अऊ ओमन पहिली मनखे के गोड़ ला टोरिन, अऊ तब दूसर मनखे के, जऊन
मन कि यीसू संग कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिन।
33 पर जब ओमन यीसू करा आईन अऊ देखिन कि ओह मर गे हवय, त ओमन ओकर गोड़ ला नइं टोरिन।
34 पर एक सैनिक ह यीसू के पंजरा ला बरछी म बेधिस अऊ तुरते ओमा ले लहू अऊ पानी निकलिस।
35 जऊन मनखे ह येला देखिस ओह गवाही दे हवय अऊ ओकर गवाही ह सच ए। ओह जानथे कि ओह सच
कहत हवय, अऊ ओह गवाही देथे ताकि तुमन घलो बिसवास करव।
36 ये बात एकरसेति होईस ताकि परमेसर के ये बचन ह पूरा होवय: “ओकर एको ठन हाड़ा टोरे नइं जाही।”
37 अऊ परमेसर के बचन म फेर आने जगह ये लिखे हवय, “ओमन ओला देखहीं, जेला ओमन छेदे-बेधे
हवंय।”

[illegible]
(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56)

38 एकर बाद अरमतिया सहर के यूसुफ जऊन ह यीसू के चेला रिहिस, पर ओह ये बात ला यहूदी अगुवामन
के डर के मारे छुपाके रखे रहय। ओह पीलातुस ले बिनती करिस, “का मेंह यीसू के लास ला ले जावंव?”
पीलातुस ह ओकर बिनती ला मान लीस। तब यूसुफ ह आईस अऊ यीसू के लास ला ले गीस।

---

‡ **19:24** भजन 22:18 § **19:31** बिसराम दिन के पहिली दिन ला तियारी के दिन कहे जावय। ओ साल यहूदीमन के फसह तिहार ह बिसराम दिन म पड़त रिहिस, एकर खातिर ओला “बिसेस बिसराम के दिन” कहे गीस।

39 निकुदेमुस जऊन ह पहिली यीसू करा एक बार रथिया आय रिहिस, करीब तैंतीस किलो गंधरस अऊ एलवा
के मिले मसाला लीस अऊ ओह घलो यूसुफ के संग गीस।
40 ओमन यीसू के लास ला लीन अऊ यहूदीमन के दफनाय के रीति के मुताबिक लास म ओ मसाला के लेप
ला लगाईन अऊ ओला मलमल के कपड़ा म लपेटिन।
41 जऊन जगह म यीसू ला कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिस, उहां एक ठन बारी रिहिस अऊ ओ बारी म एक ठन
नवां कबर रिहिस, जऊन म कभू कोनो ला नइं रखे गे रिहिस।
42 काबरकि ओह यहूदीमन के तियारी के दिन रहय अऊ ओ कबर ह लकठा म रहय; एकरसेति ओमन यीसू के
लास ला उहां रखिन।

20

[illegible] [illegible]
([illegible] 28:1-8; [illegible] 16:1-8; [illegible] 24:1-12)

1 हप्ता के पहिली दिन बड़े बिहनियां, जब अंधियार रहय, मरियम मगदलिनी कबर करा आईस अऊ देखिस
कि पथरा ह कबर के मुंहाटी ले हट गे हवय।
2 तब ओह दऊड़त सिमोन पतरस अऊ ओ आने चेला करा गीस, जेकर ले यीसू मया रखय, अऊ ओमन ला
कहिस, "ओमन परभू ला कबर ले निकालके ले गे हवंय अऊ हमन नइं जानन कि ओमन ओला कहां रखे हवंय।"
3 तब पतरस अऊ ओ आने चेला घर ले निकलिन अऊ कबर कोति गीन।
4 ओ दूनों दऊड़त गीन, पर ओ आने चेला ह तेज दऊड़के पतरस ले आघू निकल गीस अऊ कबर करा पहिली
हबरिस।
5 निहरके ओह कबर म देखिस, त मलमल के कपड़ा ह उहां माढ़े रहय, पर ओह कबर के भीतर नइं गीस।
6 तब ओकर पाछू सिमोन पतरस ह आईस अऊ कबर के भीतर गीस। ओह देखिस कि मलमल के कपड़ा ह उहां
माढ़े रहय।
7 ओह ये घलो देखिस कि ओ गमछा जऊन ला यीसू के मुड़ म लपेटे गे रिहिस, मलमल के कपड़ा ले अलग
मोड़ाके माढ़े रहय।
8 तब ओ आने चेला घलो जऊन ह कबर करा पहिली हबरे रिहिस, भीतर गीस अऊ देखके बिसवास करिस।
9 ओमन अभी तक ले परमेसर के बचन ले नइं समझे रिहिन कि यीसू ह मरे म ले जरूर जी उठही।
10 तब चेलामन वापिस अपन-अपन घर चल दीन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 28:9-10; [illegible] 16:9-11)

11 पर मरियम ह रोवत कबर के बाहिर ठाढ़े रिहिस। रोवत-रोवत ओह कबर के भीतर ला देखे बर झुकिस,
12 अऊ ओह देखिस कि दू झन स्वरगदूत सफेद कपड़ा पहिरे उहां बईठे रहंय, जिहां यीसू के देहें रखाय रिहिस;
एक झन मुड़ कोति बईठे रहय अऊ दूसर झन गोड़ कोति।
13 स्वरगदूतमन ओकर ले पुछिन, "हे नारी, तेंह काबर रोवत हवस?"
ओह कहिस, "ओमन मोर परभू ला ले गे हवंय, अऊ मेंह नइं जानव कि ओमन ओला कहां रखे हवंय।"
14 ये कहिके, ओह पाछू मुड़िस अऊ यीसू ला उहां ठाढ़े देखिस, पर ओह नइं चिन्हिस कि येह यीसू अय।
15 यीसू ह ओला कहिस, "हे नारी, तेंह काबर रोवत हवस? तेंह कोन ला खोजत हवस?"
ओह यीसू ला माली समझके कहिस, "हे महाराज, कहूं तेंह ओला ले गे हवस, त मोला बता कि तेंह ओला
कहां रखे हवस। मेंह ओला ले जाहूं।"
16 यीसू ह ओला कहिस, "मरियम!"
मरियम ह यीसू कोति मुड़िस, अऊ चिचियाके इबरानी म कहिस, *"[illegible]!"* (जेकर मतलब होथे
"गुरूजी")।
17 यीसू ह ओला कहिस, "मोला झन छू, काबरकि मेंह अभी तक ले ददा करा ऊपर नइं गे हवंव। पर मोर
भाईमन करा जा अऊ ओमन ला बता कि मेंह ओकर करा ऊपर जावत हंव, जऊन ह मोर ददा अऊ तुम्हर ददा,
मोर परमेसर अऊ तुम्हर परमेसर ए।"

18 मरियम मगदलिनी चेलामन करा जाके कहिस, “मेंह परभू ला देखे हवंव, अऊ ओह मोर ले ये बात कहे
हवय।”

[illegible]
([illegible] 28:16-20; [illegible] 16:14-18; [illegible] 24:36-49)

19 ओहीच दिन जऊन ह हप्ता के पहिली दिन रिहिस, संझा के बेरा, जब चेलामन एक जगह म जूरे रहंय अऊ
कपाटमन भीतर ले यहूदी अगुवामन के डर के मारे बंद रहंय, तब यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ़ होके
ओमन ला कहिस, “तुमन ला सांति मिलय।”
20 ये कहे के बाद यीसू ह अपन हांथ अऊ अपन पंजरा ओमन ला देखाईस। तब चेलामन परभू ला देखके बहुंत
खुस होईन।
21 यीसू ह ओमन ला फेर कहिस, “तुमन ला सांति मिलय। जइसने ददा ह मोला पठोय हवय, वइसने मेंह
तुमन ला पठोवत हवंव।”
22 ये कहिके, ओह ओमन ऊपर फूंकिस अऊ कहिस, “पबितर आतमा ला गरहन करव।
23 यदि तुमन काकरो पाप छेमा करहू, त ओ पाप छेमा हो जाही; यदि तुमन ओमन के पाप छेमा नइं करहू, त
ओमन छेमा नइं होवंय।”

[illegible]

24 जब यीसू ह आईस, त ओ बखत बारहों चेलामन ले एक झन थोमा ह (जऊन ला दिदुमुस घलो कहे जावय)
ओमन संग नइं रिहिस।
25 जब आने चेलामन ओला कहिन, “हमन परभू ला देखे हवन।”
त ओह ओमन ला कहिस, “जब तक मेंह ओकर हांथमन म खीला के चिनहांमन ला नइं देख लूहूं अऊ जिहां
खीलामन रिहिन, उहां अपन अंगरी नइं डार लूहूं अऊ ओकर पंजरा म अपन हांथ नइं डार लूहूं, तब तक मेंह
बिसवास नइं करंव।”
26 एक हप्ता के बाद यीसू के चेलामन फेर घर म रिहिन अऊ थोमा ह ओमन के संग म रिहिस। कपाटमन
भीतर ले बंद रहंय, तब फेर यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ़ होके कहिस, “तुमन ला सांति मिलय।”
27 तब ओह थोमा ला कहिस, “तोर अंगरी ला इहां रख अऊ मोर हांथमन ला देख। अपन हांथ ला लानके मोर
पंजरा म रख अऊ अबिसवासी नइं, पर बिसवासी बन।”
28 ये सुनके थोमा ह ओला कहिस, “हे मोर परभू, हे मोर परमेसर!”
29 तब यीसू ह कहिस, “तेंह मोला देखे के बाद बिसवास करय; पर धइन अंय ओमन, जऊन मन मोला बिगर
देखे बिसवास करथें।”

[illegible]

30 यीसू ह कतको आने अचरज के चिनहां अपन चेलामन के आघू म देखाईस, जऊन मन ये किताब म नइं
लिखे गे हवंय।
31 पर येमन एकरसेति लिखे गे हवंय कि तुमन बिसवास करव कि यीसू ह मसीह अऊ परमेसर के बेटा अय,
अऊ ये बिसवास करे के दुवारा तुमन ओकर नांव म जिनगी पावव।

21

[illegible]

1 एकर बाद यीसू ह अपन चेलामन ला तिबिरियास झील* के तीर म दरसन दीस अऊ ओह ये किसम ले
दरसन दीस:
2 सिमोन पतरस, थोमा (जऊन ला दिदुमुस कहे जाथे), नतनएल जऊन ह गलील प्रदेस के काना सहर के
रिहिस, जबदी के बेटामन अऊ दू झन आने चेलामन जूरे रिहिन।
3 सिमोन पतरस ह ओमन ला कहिस, “मेंह मछरी मारे बर जावत हंव,” त ओमन कहिन, “हमन घलो तोर संग
जाबो।” तब ओमन जाके डोंगा म चघिन, पर ओ रथिया ओमन एको ठन मछरी नइं पाईन।

---

* **21:1** *[illegible]* ला *[illegible]* घलो कहे जाथे।

4 बड़े बिहनियां, यीसू ह आके झील के तीर म ठाढ़ हो गीस, पर चेलामन पहिली नइं चिन्हिन कि ओह यीसू
अय।
5 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "ए संगवारी हो, का तुम्हर करा कोनो मछरी हवय?"
ओमन जबाब दीन, "नइं।"
6 ओह ओमन ला कहिस, "डोंगा के जेवनी कोति अपन जाल ला डारव, त तुमन ला मिलही।" जब ओमन
जाल ला डारिन, त जाल म अतेक मछरी फंस गीन कि ओमन जाल ला खींच नइं सकिन।
7 तब ओ चेला जेकर ले यीसू मया करय, पतरस ला कहिस, "येह तो परभू अय।" जब सिमोन पतरस सुनिस
कि येह परभू अय, त ओह अपन कपड़ा ला अपन कनिहां म लपेटिस (काबरकि ओह कुछू नइं पहिरे रिहिस) अऊ
झील म कूद पड़िस।
8 पर आने चेलामन मछरी ले भरे जाल ला खींचत डोंगा म आईन। ओमन पानी के तीर ले जादा दूरिहा म नइं
रिहिन। तीर ह करीब एक सौ मीटर दूरिहा रहय।
9 जब ओमन भुइयां म उतरिन, त देखिन कि उहां कोइला के आगी बरत रहय अऊ ओमा मछरी रखाय रहय
अऊ उहां कुछू रोटी घलो रहय।
10 यीसू ह ओमन ला कहिस, "जऊन मछरीमन ला तुमन अभी पकड़े हवव, ओमा के कुछू लानव।"
11 सिमोन पतरस ह डोंगा ऊपर चघिस अऊ मछरी ले भरे जाल ला पानी के तीर म खींचके लानिस; जाल म
153 बड़े मछरी रहंय, पर अतकी जादा मछरी होय के बावजूद जाल ह नइं चीराईस।
12 यीसू ह ओमन ला कहिस, "आवव अऊ नास्ता करव।" कोनो चेला ला हिम्मत नइं होईस कि ओकर ले ये
पुछय कि तेंह कोन अस? काबरकि ओमन जानत रिहिन कि येह परभू अय।
13 यीसू ह आईस अऊ रोटी ला लेके ओमन ला दीस, अऊ ओह मछरी ला घलो अइसनेच करिस।
14 येह तीसरा बार रिहिस, जब यीसू ह मरे म ले जी उठे के बाद अपन चेलामन ला दरसन दीस।

[illegible] [illegible] [illegible]

15 जब ओमन खा डारिन, त यीसू ह सिमोन पतरस ला कहिस, "हे सिमोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह येमन ले
बढ़के मोला मया करथस?"
ओह कहिस, "हव परभू, तेंह त जानथस कि मेंह तोर ले मया करथंव।"
यीसू ह कहिस, "मोर मेढ़ा-पीलामन ला चरा।"
16 यीसू ह ओला फेर कहिस, "हे सिमोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह मोला मया करथस?"
ओह जबाब दीस, "हव परभू, तेंह जानथस कि मेंह तोर ले मया करथंव।"
यीसू ह कहिस, "मोर भेड़मन के रखवारी कर।"
17 यीसू ह तीसरा बार ओला कहिस, "हे सिमोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह मोला मया करथस?"
पतरस ह उदास हो गीस काबरकि यीसू ह तीसरा बार ओकर ले पुछिस, "का तेंह मोला मया करथस?" पतरस
ह कहिस, "हे परभू, तेंह तो जम्मो बात ला जानथस; तेंह जानथस कि मेंह तोला मया करथंव।"
यीसू ह कहिस, "मोर भेड़मन ला चरा।
18 मेंह तोला सच कहथंव कि जब तेंह जवान रहय, त खुद कपड़ा पहिरके जिहां चाहय, उहां चल देवत रहय;
पर जब तेंह डोकरा हो जाबे, तब तेंह अपन हांथ ला लमाबे, अऊ कोनो आने मनखे तोला कपड़ा पहिराही, अऊ
जिहां तेंह जाय बर नइं चाहबे, उहां ओह तोला ले जाही।"
19 ये कहे के दुवारा यीसू ह इसारा कर दीस कि पतरस ह कोन किसम के मिरतू ले परमेसर के महिमा करही।
तब यीसू ह ओला कहिस, "मोर पाछू हो ले!"
20 पतरस ह मुड़के देखिस कि ओ चेला ह ओमन के पाछू-पाछू आवत रहय, जेकर ले यीसू मया करय, अऊ
येह ओही चेला रिहिस, जऊन ह खाना खाय के बखत यीसू कोति छाती के भार झुकके पुछे रिहिस, "हे परभू,
ओह कोन ए, जऊन ह तोला दगा दीही?"
21 जब पतरस ह ओला देखिस, त ओह यीसू ले पुछिस, "हे परभू, एकर का होही?"
22 यीसू ह जबाब दीस, "यदि में चाहंव, त ओह मोर लहुंटके आवत तक जीयत रहिही, एकर ले तोला का?
तेंह मोर पाछू हो ले।"

23 एकरसेति भाईमन के बीच म ये अफवाह फईल गीस कि ये चेला ह नइं मरही। पर यीसू ह ये नइं कहे
रिहिस कि ओह नइं मरही; ओह सिरिप ये कहिस, “यदि में चाहंव, त ओह मोर लहुंटके आवत तक जीयत रहिही,
एकर ले तोला का?”
24 येह ओही चेला अय, जऊन ह ये बातमन के गवाही देवत हवय अऊ जऊन ह ये बातमन ला लिखे हवय,
अऊ हमन जानत हवन कि ओकर गवाही ह सच ए।
25 यीसू ह आने अऊ कतको काम करिस, यदि ओमा के हर एक बात ला लिखे जातिस, त मेंह सोचथंव कि
जऊन किताबमन लिखे जातिन, ओमन ला रखे बर जम्मो संसार म जगह नइं होतिस।

प्रेरितमन के काम

[illegible]

1 हे थियुफिलुस, मेंह अपन पहिली किताब म ओ जम्मो गोठ के बारे म लिखे हवंव, जऊन ला यीसू ह अपन
सेवा के सुरूआत ले करे अऊ सिखोय रिहिस,
2 जब तक कि ओह पबितर आतमा के सामर्थ ले प्रेरितमन ला, जेमन ला ओह चुने रिहिस, हुकूम नइं दे लीस
अऊ परमेसर के दुवारा स्वरग म नइं उठाय गीस।
3 यीसू ह दुख सहे के बाद, ये मनखेमन ला दिखिस अऊ बहुंत अकन पक्का सबूत दीस कि ओह जीयत हवय।
ओह चालीस दिन तक ओमन ला दिखाई देते रिहिस अऊ परमेसर के राज के बारे म बताते रिहिस।
4 एक बार, जब ओह ओमन के संग खाना खावत रिहिस, त ओह ओमन ला ये हुकूम दीस, "यरूसलेम सहर ला
झन छोंड़व, पर ओ बरदान के बाट जोहव, जेकर वायदा मोर ददा ह करे हवय अऊ जेकर बारे म तुमन मोर ले
सुने हवव।
5 यूहन्ना तो पानी ले बतिसमा दीस, पर थोरकन दिन के बाद, तुमन पबितर आतमा ले बतिसमा पाहू।"
6 जब ओमन ओकर संग इकट्ठा रिहिन, त ओमन यीसू ले पुछिन, "हे परभू, का तेंह इही घड़ी इसरायलीमन
ला राज ला लहुंटा देबे?"
7 यीसू ह ओमन ला कहिस, "ओ बेरा या तारिख, जऊन ला ददा ह अपनेच अधिकार म रखे हवय, तुमन के
जाने के काम नो हय।
8 पर जब पबितर आतमा तुम्हर ऊपर आही, त तुमन सक्ति पाहू; अऊ यरूसलेम म, अऊ जम्मो यहूदिया
अऊ सामरिया म, अऊ धरती के छोर तक तुमन मोर गवाह होहू।"
9 ये जम्मो बात कहे के बाद, यीसू ह ओमन के देखते-देखत परमेसर के दुवारा स्वरग म उठा लिये गीस, अऊ
एक बादर ह ओला ओमन के नजर ले छिपा लीस।
10 जब ओमन यीसू के जावत बेरा ऊपर अकास कोति आंखी गड़ियाय देखत रिहिन, त अचानक दू झन मनखे
सफेद कपड़ा पहिरे ओमन के बाजू म ठाढ़ हो गीन,
11 अऊ ओमन कहिन, "हे गलील के मनखेमन, तुमन काबर अकास कोति देखत इहां ठाढ़े हवव? एही यीसू,
जऊन ह तुमन करा ले स्वरग म उठा लिये गीस, ओहीच ढंग ले ओह फेर आही, जऊन ढंग ले ओला तुमन
स्वरग कोति जावत देखे हवव।"

[illegible]

12 तब चेलामन जैतून पहाड़ ले यरूसलेम सहर लहुंट गीन। ये पहाड़ी ह यरूसलेम ले एक बिसराम दिन के
रेंगई के दूरिहा म हवय*।
13 जब ओमन यरूसलेम हबरिन, त ओमन ऊपर के कमरा म गीन जिहां ओमन ठहिरे रिहिन। उहां ये चेलामन
रिहिन:

पतरस, यूहन्ना, याकूब अऊ अन्द्रियास;
फिलिप्पुस अऊ थोमा;
बरतुलमै अऊ मत्ती;
हलफई के बेटा याकूब, सिमोन जेलोतेस अऊ याकूब के बेटा यहूदा।

14 ये जम्मो झन, माईलोगनमन अऊ यीसू के दाई मरियम, अऊ ओकर भाईमन के संग एक चित होके
पराथना करे म लगे रहंय।

---

* **1:12** यहूदी कानून के मुताबिक एक मनखे ला बिसराम के दिन म करीब एक किलोमीटर चले के अनुमति रिहिस।

15 तब कुछू दिन के बाद, पतरस ह बिसवासीमन के बीच म (ओमन करीब एक सौ बीस झन रिहिन) ठाढ़ होके
कहिस,
16 “हे भाईमन हो, ये जरूरी रिहिस कि परमेसर के बचन ह पूरा होवय, जऊन ला पबितर आतमा ह दाऊद के
मुहूं ले बहुंत पहिली यहूदा के बारे म कहे रिहिस, जऊन ह यीसू के पकड़वइयामन के अगुवा रिहिस।
17 ओह हमन के संग गने गीस अऊ ये सेवा के काम म भागीदार होईस।”
18 (ओह पाप के कमई ले एक ठन खेत बिसाईस; उहां ओह मुड़ के भार गिरिस; ओकर देहें ह बीच ले फाटके
खुल गे अऊ ओकर जम्मो पोटा ह बाहिर निकल गीस।
19 यरूसलेम म जम्मो झन एकर बारे म सुनिन, एकरसेति ओमन ओ खेत के नांव अपन भासा म हकलदमा
रखिन, जेकर मतलब होथे—लहू के खेत।)
20 पतरस ह आगे कहिस, “काबरकि भजन-संहिता के किताब म ये लिखे हवय:
“ ‘ओकर घर ह खाली हो जावय;
ओमा रहइया कोनो झन होवंय,’†
अऊ,
“ ‘ओकर अगुवई के पद ला कोनो अऊ ले लेवय।’‡
21 एकरसेति जतेक दिन तक परभू यीसू ह हमर संग आवत-जावत रिहिस,
22 याने कि यूहन्ना के बतिसमा ले लेके यीसू के हमर करा ले ऊपर उठाय जावत तक—जऊन मनखेमन बरोबर
हमर संग रिहिन; बने होतिस कि ओ मनखेमन ले एक झन ह हमर संग, यीसू के जी उठे के गवाह बन जातिस।”
23 एकरसेति ओमन दू झन के नांव लीन, यूसुफ जऊन ला बरसबा कहे जाथे (ओला युसतुस घलो कहे जावय)
अऊ दूसर झन मत्तियाह।
24 तब ओमन ये पराथना करिन, “हे परभू, तेंह हर एक झन के मन ला जानथस। हमन ला देखा कि ये दूनों म
ले कोन ला तेंह चुने हवस
25 कि ओह ये प्रेरितई सेवा के पद ला लेवय, जऊन ला यहूदा ह छोंड़के ओ जगह म चले गीस जिहां ओला
जाना चाही।”
26 तब ओमन दूनों झन के नांव म चिट्ठी डारिन, अऊ चिट्ठी ह मत्तियाह के नांव म निकलिस अऊ ओह
गियारह प्रेरितमन के संग म गने गीस।

2

[illegible]

1 जब पिनतेकुस्त तिहार* के दिन आईस, त जम्मो चेलामन एक ठऊर म जूरे रिहिन।
2 अचानक अकास ले एक बड़े गरेर सहीं सनसनाहट के अवाज होईस, अऊ ओ अवाज ले जम्मो घर ह, जिहां
ओमन बईठे रिहिन, गूंज गीस।
3 ओमन ला आगी के जीभमन सहीं दिखिस अऊ ओह अलग होके ओमन के हर एक झन के ऊपर आके ठहर
गीस।
4 अऊ ओमन जम्मो झन पबितर आतमा ले भर गीन अऊ जइसने पबितर आतमा ह ओमन ला बोले के
सामर्थ दीस, ओमन आने-आने भासा म गोठियाय लगिन।
5 ओ घरी धरती के हर एक देस ले आय परमेसर के भक्त यहूदीमन यरूसलेम सहर म ठहिरे रिहिन।
6 जब ओमन ये अवाज सुनिन, त उहां एक भीड़ जूर गीस अऊ मनखेमन घबरा गीन, काबरकि हर एक झन ला
ये सुनई देवत रिहिस कि येमन मोरेच भासा म गोठियावत हवंय।
7 ओ जम्मो झन अचम्भो म पड़के पुछे लगिन, “देखव, ये जम्मो मनखे जऊन मन गोठियावत हवंय, का
येमन गलील प्रदेस के नो हंय?
8 त फेर कइसने हमन जम्मो मनखेमन अपन-अपन जनम भुइयां के भासा सुनत हवन?
9 हमन के बीच म पारथी, मेदी, एलामी मनखे हवंय; अऊ हमन म ले कोनो-कोनो मेसोपोटामिया, यहूदिया
अऊ कप्पदुकिया, पुनतुस, एसिया,

† **1:20** भजन 69:25 ‡ **1:20** भजन 109:8 * **2:1** फसल के तिहार, निर 34:22; लैव्य 23:15-16

10 फ्रूगिया, पंफूलिया, मिसर अऊ लिबिया देस जऊन ह कुरेन के लकठा म हवय, के रहइया अंय। रोम ले
आय मनखेमन
11 (यहूदी अऊ यहूदी मत म चलइया, दूनों), क्रेती अऊ अरबी घलो हवंय। पर हमन जम्मो झन अपन-अपन
भासा म येमन ले परमेसर के बड़े-बड़े काम के चरचा सुनत हवन।"
12 ओ जम्मो झन अचम्भो म पड़के अऊ घबराके एक-दूसर ला पुछे लगिन, "एकर का मतलब ए?"
13 पर कुछू मनखेमन, चेलामन के ठट्ठा करिन अऊ ये कहिन, "येमन तो अंगूर के मंद के नसा म हवंय।"

[illegible]

14 तब पतरस ह गियारह प्रेरितमन के संग ठाढ़ होईस अऊ ऊंचहा अवाज म भीड़ ला ये कहिस, "हे संगी
यहूदी अऊ यरूसलेम के जम्मो रहइयामन, मोर गोठ ला कान लगाके सुनव अऊ समझव।
15 हमन नसा म नइं अन, जइसने कि तुमन समझत हवव, काबरकि अभी तो बिहान के नौ बजे हवय।
16 पर येह ओ बात ए, जऊन ला योएल अगमजानी के दुवारा कहे गे रिहिस:
17 " 'परमेसर ह कहिथे,
आखिरी के दिन म अइसने होही कि मेंह अपन आतमा ला जम्मो मनखेमन ऊपर उंडेलहूं।
तुम्हर बेटा अऊ बेटीमन अगमबानी करहीं।
तुम्हर जवानमन दरसन देखहीं,
अऊ तुम्हर सियानमन सपना देखहीं।
18 मेंह अपन दास अऊ अपन दासीमन ऊपर घलो ओ दिन म अपन आतमा उंडेलहूं
अऊ ओमन अगमबानी करहीं।
19 मेंह ऊपर अकास म अद्भूत काम
अऊ खाल्हे धरती म चिनहां,
याने कि लहू, आगी अऊ धुआं के बादर देखाहूं।
20 परभू के महान अऊ महिमामय दिन के आय के पहिली सूरज ह अंधियार
अऊ चंदा ह लहू सहीं हो जाही।
21 अऊ हर एक, जऊन ह परभू के नांव लीही, ओह उद्धार पाही।'†
22 "हे इसरायलीमन हो, ए बात ला सुनव: यीसू ह नासरत के रहइया एक मनखे रिहिस। ओह परमेसर कोति
ले आय रिहिस। ये बात के सबूत ओकर सामर्थ के काम, चमतकार के काम अऊ चिनहां ले परगट होथे, जऊन
ला परमेसर ह तुमन के बीच म ओकर दुवारा करिस, जइसने कि तुमन खुदे जानत हवव।
23 जब ओह परमेसर के ठहिराय योजना अऊ पूर्व गियान के मुताबिक तुम्हर हांथ म पकड़वाय गीस, त तुमन
अधरमीमन के मदद ले ओला कुरूस म चघाके मार डारेव।
24 पर ओला परमेसर ह मिरतू के बंधना ले छोंड़ाके जियाईस, काबरकि येह असंभव रिहिस कि ओह मिरतू के
बस म रहय।
25 दाऊद ह ओकर बारे म कहिस,
" 'मेंह परभू ला हमेसा अपन आघू म देखत रहेंव, काबरकि ओह मोर जेवनी हांथ कोति हवय;
मेंह नइं डोलंव।
26 एकरसेति मोर मन ह खुस हवय, अऊ मोर मुहूं ह आनंद मनाथे;
मोर देहें घलो आसा म अराम करही,
27 काबरकि तेंह मोला मरे मनखेमन के लोक म नइं छोंड़बे,
अऊ न अपन पबितर जन ला तेंह सड़न देबे।
28 तेंह मोला जिनगी के रसता बताय हवस;
तेंह अपन आघू म मोला आनंद ले भर देबे।'
29 "हे भाईमन हो, मेंह ओ कुल के मुखिया दाऊद के बारे म तुमन ला बिसवास के संग ये कह सकत हंव कि
ओह तो मर गीस, अऊ दफनाय घलो गीस अऊ ओकर कबर ह आज तक इहां हवय।

† **2:21** योए 2:28-32

30 पर ओह अगमजानी रिहिस अऊ ओह ये जानत रिहिस कि परमेसर ह ओकर ले ये कसम खाय रिहिस, 'मेंह
तोर बंस म ले एक झन ला तोर सिंघासन म बईठाहूं।'
31 ओह, का होवइया हवय येला जानके, मसीह के जी उठे के बारे म अगमबानी करिस, 'ओकर जीव ला मरे
मनखेमन के लोक म नइं छोंड़े गीस अऊ न ओकर देहें ह सड़े पाईस।'
32 एही यीसू ला परमेसर ह जियाईस, जेकर हमन जम्मो झन गवाह हवन।
33 इहीच ढंग ले ओह परमेसर के जेवनी हांथ कोति जम्मो ले बड़े पद पाईस। ददा ले ओह पबितर आतमा
पाके, जेकर परतिगियां करे गे रिहिस, ओह हमर ऊपर येला उंड़ेर दीस, जऊन ला तुमन देखत अऊ सुनत हवव।
34 काबरकि दाऊद ह तो स्वरग म नइं चघिस, पर ओह ये कहिस,
" 'परभू ह मोर परभू ले कहिस:
"मोर जेवनी हांथ कोति बईठ
35 जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला
तोर गोड़ रखे के चउकी नइं बना देवंव।" '‡
36 "एकरसेति जम्मो इसरायली मनखेमन ये जरूर जान लेवंय कि ओही यीसू, जऊन ला तुमन कुरूस ऊपर
चघाय रहेव, परमेसर ह ओला परभू अऊ मसीह दूनों ठहिराईस।"
37 तब सुनइयामन के हिरदय ह कलपे लगिस, अऊ ओमन पतरस अऊ बाकि प्रेरितमन ले पुछे लगिन, "हे
भाईमन हो, हमन का करन?"
38 पतरस ह ओमन ला कहिस, "अपन पाप के पछ्ताप करव, अऊ तुमन म ले, हर एक झन अपन-अपन पाप
के छेमा खातिर यीसू मसीह के नांव म बतिसमा लेवव, अऊ तुमन पबितर आतमा के दान पाहू।
39 काबरकि ये परतिगियां ह तुम्हर अऊ तुम्हर संतान बर अऊ ओ जम्मो दूरिहा-दूरिहा के मनखेमन के खातिर
घलो अय, जऊन मन ला परभू हमर परमेसर ह अपन लकठा म बलाही।"
40 पतरस ह अऊ बहुंते बात के दुवारा समझाईस अऊ ओमन ले बिनती करिस, "अपनआप ला ये खराप पीढ़ी
के मनखेमन ले बचावव।"
41 तब जऊन मन पतरस के बात ला मानिन, ओमन बतिसमा लीन, अऊ ओहीच दिन करीब तीन हजार
मनखेमन ओमन के संग मिल गीन।

?????????? ?? ?????

42 ओमन प्रेरितमन ले सिकछा पाय लगिन, अऊ अपनआप ला संगति रखे म, परभू भोज के रोटी टोरे म अऊ
पराथना करे म मगन रखिन।
43 जम्मो मनखेमन म डर हमा गे अऊ बहुंते चमतकार के काम अऊ अद्भूत काम प्रेरितमन के दुवारा होवत
रिहिस।
44 ओ जम्मो बिसवास करइयामन लगातार एक संग संगति करत रिहिन अऊ ओमन के जम्मो चीज म जम्मो
झन के हक रिहिस।
45 ओमन अपन-अपन संपत्ति अऊ सामान ला बेच-बेचके, जेकर जइसने जरूरत रहय वइसने ओला बांट
देवंय।
46 ओमन हर एक दिन एक मन होके मंदिर के अंगना म जूरंय, अऊ ओमन घर-घर म रोटी टोरत, खुसी अऊ
निस्कपट मन ले एक संग खावत रिहिन।
47 ओमन परमेसर के भजन करंय अऊ जम्मो मनखेमन के किरपा ओमन के ऊपर रिहिस। अऊ जऊन मन
उद्धार पावंय, ओमन ला परभू ह हर दिन ओमन के संग मिला देवत रिहिस।

3

???? ? ?? ?? ????? ???????? ?? ??? ????

1 एक दिन पतरस अऊ यूहन्ना मंझनियां के तीन बजे पराथना के बेरा मंदिर जावत रिहिन।
2 मनखेमन एक जनम के खोरवा ला लावत रिहिन। ओमन ओला हर दिन मंदिर के सुघर नांव के दुवारी म
बईठा देवंय कि ओह मंदिर म जवइयामन ले भीख मांगय।
3 जब ओह पतरस अऊ यूहन्ना ला मंदिर म जावत देखिस, त ओमन ले भीख मांगिस।

‡ **2:35** भजन 110:1

4 पतरस ह यूहन्ना के संग ओकर कोति एकटक देखके कहिस, “हमर कोति देख!”
5 ओह ओमन ले कुछू पाय के आसा म ओमन कोति ताके लगिस।
6 तब पतरस ह कहिस, “सोन अऊ चांदी तो मोर करा नइं ए, पर जऊन चीज मोर करा हवय, मेंह तोला देवत हंव। यीसू मसीह नासरी के नांव म, तेंह उठ अऊ रेंग।”
7 पतरस ह ओकर जेवनी हांथ ला धरके ओला ठाढ़ होय म मदद करिस अऊ तुरते खोरवा के गोड़ अऊ एड़ीमन म बल आ गीस।
8 ओह कूदके ठाढ़ हो गीस अऊ चले-फिरे लगिस। ओह चलत, कूदत अऊ परमेसर के भजन करत ओमन के संग मंदिर म गीस।
9 जब जम्मो मनखेमन ओला चलत-फिरत अऊ परमेसर के भजन करत देखिन,
10 त ओमन ओला चिन डारिन कि येह ओहीच ए, जऊन ह मंदिर के सुघर नांव के दुवारी म बईठके भीख मांगे करत रिहिस, अऊ ओमन ओकर संग जऊन कुछू होय रिहिस, ओला देखके अचरज अऊ अचम्भो करिन।

[illegible]

11 जब ओ भिखमंगा ह पतरस अऊ यूहन्ना के संग रहय, त जम्मो मनखेमन बहुंत अचरज करत सुलेमान के मंडप म ओमन करा दऊड़त आईन।
12 येला देखके पतरस ह मनखेमन ला कहिस, “हे इसरायलीमन, तुमन ये मनखे ला देखके काबर अचरज करत हव? तुमन हमर कोति अइसने एकटक काबर देखत हव कि मानो हमीचमन अपन सक्ति या भक्ति ले येला चले-फिरे के लईक बना दे हवन?
13 अब्राहम, इसहाक, अऊ याकूब के परमेसर, हमर बाप-ददामन के परमेसर ह अपन दास यीसू के महिमा करिस, जऊन ला तुमन मरवाय बर पकड़वाय रहेव। अऊ जब पीलातुस ह ओला छोंड़ देके फैसला करिस, त तुमन ओकर आघू म यीसू के इनकार करेव।
14 तुमन ओ पबितर अऊ धरमी जन के इनकार करेव, अऊ पीलातुस ले ये बिनती करेव कि एक हतियारा ला तुम्हर खातिर छोंड़ देवय।
15 तुमन जिनगी के देवइया ला मार डारेव, जऊन ला परमेसर ह मरे मन ले जियाईस, अऊ हमन ये बात के गवाह हवन।
16 ओहीच यीसू के नांव म बिसवास के दुवारा, ये मनखे ह सक्ति पाईस, जऊन ला तुमन देखत अऊ जानत हवव। येह यीसू के नांव अऊ बिसवास, जऊन ह यीसू के दुवारा आथे, येला एकदम भला-चंगा कर दे हवय जइसने कि तुमन जम्मो देखत हवव।
17 “हे भाईमन हो, मेंह जानत हंव कि ये काम ला तुमन अगियानता म करेव अऊ वइसनेच तुम्हर अगुवामन घलो करिन।
18 पर जऊन बातमन ला परमेसर ह जम्मो अगमजानीमन के दुवारा आघू ले बताय रिहिस कि ओकर मसीह ह दुख उठाही, ओ बातमन ला ओह अइसने पूरा करिस।
19 एकरसेति, अब तुमन अपन पापमन ले मन फिरावव अऊ परमेसर करा लहुंटव कि तुम्हर पापमन मिटाय जावंय, अऊ परभू करा ले आनंद मिलय,
20 अऊ ओह ओ मसीह यीसू ला पठोवय, जऊन ह तुम्हर बर आघूच ले ठहिराय गे हवय।
21 ये जरूरी ए कि ओह स्वरग म ओ बखत तक रहय, जब तक कि ओह जम्मो बातमन के सुधार नइं कर लेवय, जेकर बारे म परमेसर ह अपन पबितर अगमजानीमन के दुवारा बहुंत पहिली कहे रिहिस।
22 जइसने मूसा ह कहे रिहिस, ‘परभू तुम्हर परमेसर ह तुम्हर बर तुम्हर अपन मनखेमन के बीच ले मोर सहीं एक अगमजानी ठाढ़ करही; जऊन कुछू ओह तुम्हर ले कहय, तुमन ओकर जरूर सुनव।
23 पर जऊन मनखे ओ अगमजानी के बात ला नइं सुनही, ओला अपन मनखेमन ले पूरा अलग करे जाही।’*
24 “वास्तव म, समूएल अगमजानी ले लेके ओकर बाद अवइया जम्मो अगमजानीमन परमेसर के जऊन बचन कहे हवंय, ओ जम्मो झन इहीच दिनमन के बारे म कहे हवंय।
25 तुमन अगमजानीमन के संतान अऊ ओ करार के संतान अव, जऊन ला परमेसर ह तुम्हर बाप-ददा संग करे रिहिस। ओह अब्राहम ले कहे रिहिस, ‘तोर बंस के दुवारा धरती के जम्मो मनखेमन आसीस पाहीं।’†

* **3:23** ब्यव 18:15, 18, 19 † **3:25** उत 22:18; 26:4

26 जब परमेसर ह अपन दास ला जियाईस, त ओह ओला पहिली तुम्हर करा पठोईस कि ओह तुमन ले हर
एक ला ओकर बुरई ले बचाय के दुवारा आसीस देवय।”

4

[illegible]

1 जब पतरस अऊ यूहन्ना मनखेमन ले गोठियावत रिहिन, त पुरोहितमन, अऊ मंदिर के रखवारमन के
अधिकारी अऊ सदूकीमन ओमन करा आईन।
2 ओमन बहुंते गुस्सा करिन, काबरकि पतरस अऊ यूहन्ना मनखेमन ला सिखोवत रिहिन अऊ यीसू म मरे
मनखेमन के जी उठे के बारे म परचार करत रिहिन।
3 ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला धरके दूसर दिन तक हवालात म रखिन, काबरकि संझा हो गे रिहिस।
4 पर संदेस के सुनइया बहुंत झन बिसवास करिन, अऊ ओमन के गनती बढ़के पांच हजार मनखे के आसपास
हो गीस।
5 दूसर दिन अधिकारी, अगुवा अऊ कानून के गुरूमन यरूसलेम म जूरे रिहिन।
6 महा पुरोहित हन्ना ह उहां रिहिस, अऊ काइफा, यूहन्ना, सिकन्दर अऊ महा पुरोहित के घर के जम्मो झन
घलो उहां जूरे रिहिन।
7 ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला मांझा म ठाढ़ करके ओमन ले पुछिन, “तुमन ये काम ला कोन सक्ति या
काकर नांव ले करे हवव?”
8 तब पतरस ह पबितर आतमा ले भरके ओमन ला कहिस, “हे मनखेमन के अधिकारी अऊ अगुवामन!
9 ये खोरवा मनखे संग जऊन भलई करे गे हवय, आज हमन ले ओकर बारे म पुछताछ करे जावत हवय कि
ओह कइसने बने होईस,
10 त तुमन अऊ जम्मो इसरायली मनखेमन येला जान लेवव कि यीसू मसीह नासरी, जऊन ला तुमन कुरूस
ऊपर चघाय रहेव, पर परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस, ओकरे नांव म ये मनखे ह तुम्हर आघू म चंगा होके
ठाढ़े हवय।
11 यीसू ह ओही पथरा ए,
“ ‘जऊन ला तुम घर के बनइयामन बेकार समझेव,
ओह कोना के मुख पथरा बन गीस।’*
12 कोनो आने के दुवारा उद्धार नइं मिलय, काबरकि स्वरग के खाल्हे, मनखेमन ला अऊ कोनो आने नांव नइं दिये
गीस, जेकर दुवारा हमन उद्धार पा सकन।”
13 जब ओमन पतरस अऊ यूहन्ना के हिम्मत ला देखिन अऊ ये जानिन कि येमन अनपढ़ अऊ सधारन मनखे
अंय, त ओमन अचरज करिन। अऊ ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला चिन डारिन कि येमन यीसू के संग म रिहिन।
14 पर ओमन ओ मनखे ला जऊन ह चंगा होय रिहिस, ओमन के संग ठाढ़े देखके बिरोध म कुछू नइं कह
सकिन।
15 पर ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला धरम महासभा ले बाहिर जाय के हुकूम दीन अऊ फेर ओमन आपस म
बिचार करन लगिन,
16 “हमन ये मनखेमन के संग का करन? काबरकि यरूसलेम के जम्मो रहइयामन जानत हवंय कि येमन एक
बहुंत बड़े चमतकार के काम करे हवंय, अऊ हमन येला इनकार नइं कर सकन।
17 पर ये बात ह मनखेमन म अऊ जादा झन फईले, एकरसेति हमन येमन ला चेता देवन कि येमन फेर कोनो
मनखे ले ये नांव लेके झन गोठियावंय।”
18 तब ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला फेर भीतर बलाके हुकूम दीन कि यीसू के नांव म न तो कुछू बोलव अऊ
न कुछू सिखोवव।
19 पर पतरस अऊ यूहन्ना ओमन ला जबाब दीन, “तुहीच मन नियाय करव कि का येह परमेसर के नजर म
ठीक ए कि हमन परमेसर के बात ला छोंड़के तुम्हर बात ला मानन।
20 ये हमर ले नइं हो सकय कि जऊन ला हमन देखे अऊ सुने हवन, ओकर बारे म झन गोठियावन।”

---

* **4:11** भजन 118:22

21 तब ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला धमकाके छोंड़ दीन। ओमन दंड देय के बारे म कुछू फईसला नइं कर
सकिन, काबरकि जऊन घटना होय रिहिस, ओकर खातिर जम्मो मनखेमन परमेसर के इस्तुति करत रिहिन।
22 ओ मनखे जऊन ह अद्भूत ढंग ले बने होय रिहिस, ओह चालीस साल ले जादा उमर के रिहिस।

[illegible]

23 पतरस अऊ यूहन्ना उहां ले छूटके अपन संगीमन करा आईन अऊ मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन के कहे
ओ जम्मो बात ओमन ला बताईन।
24 येला सुनके ओमन के संगीमन एक मन होके, चिचिया-चिचियाके परमेसर ले ये पराथना करिन, "हे
परमपरधान परभू, तेंह अकास अऊ धरती अऊ समुंदर अऊ जऊन कुछू ओमा हवय, ओ जम्मो ला बनाय हवस।
25 तेंह पबितर आतमा के दुवारा अपन दास हमर पुरखा दाऊद के मुहूं ले ये कहय:
" 'जाति-जाति के मनखेमन काबर हो-हल्ला मचाथें
अऊ मनखेमन काबर बेकार म सडयंत्र रचथें?
26 परभू के बिरूध
अऊ ओकर अभिसिक्त जन के बिरूध
धरती के राजामन ठाढ़ होथें
अऊ सासन करइयामन एक संग जूरथें।†'
27 सही म, तोर पबितर सेवक यीसू, जऊन ला तेंह अभिसेक करे हवस, ओकर बिरोध म, हेरोदेस अऊ पुन्तियुस
पीलातुस, आनजात अऊ इसरायलीमन के संग ये सहर म सडयंत्र करे बर जूरिन,
28 अऊ ओमन ओहीच काम करिन जऊन ह पहिली ले तोर सामर्थ अऊ ईछा म ठहिराय गे रिहिस।
29 अब हे परभू, ओमन के धमकी ला धियान दे अऊ अपन दासमन के मदद कर कि तोर बचन ला बड़े हिम्मत के
संग बोलंय।
30 चंगा करे बर अपन हांथ ला लमा अऊ अद्भूत चिनहां अऊ चमतकार के काम तोर पबितर सेवक यीसू के नांव
म देखा।"
31 जब ओमन पराथना कर चुकिन, त ओ जगह जिहां ओमन जूरे रिहिन, डोल गीस, अऊ ओमन जम्मो झन
पबितर आतमा ले भर गीन अऊ परमेसर के बचन ला हिम्मत के संग सुनाईन।

[illegible]

32 जम्मो बिसवास करइयामन एक हिरदय अऊ एक चित के रहंय। इहां तक कि कोनो अपन संपत्ति ला अपन
नइं कहय, पर जम्मो झन के संपत्ति म जम्मो झन के हक रहय।
33 प्रेरितमन बड़े सामर्थ ले परभू यीसू के जी उठे के गवाही देवत रिहिन अऊ ओ जम्मो के ऊपर परभू के
अब्बड़ अनुग्रह रिहिस।
34 ओमन म कोनो जरूरतमंद नइं रिहिन, काबरकि जेमन जमीन या घर के मालिक रिहिन, ओमन ओला
समय-समय म बेचके, ओकर दाम ला लानंय
35 अऊ ओला प्रेरितमन के गोड़ म मढ़ा देवंय, अऊ जेकर जइसने जरूरत रहय, वइसने ओला बांट देवंय।
36 यूसुफ नांव के एक मनखे रिहिस; ओह लेवी बंस के रिहिस, अऊ साइप्रस दीप के रहइया रिहिस। प्रेरितमन
ओकर नांव बरनबास (जेकर मतलब उत्साहित करइया के बेटा होथे) रखे रिहिन।
37 ओह अपन एक ठन खेत ला बेचिस अऊ ओ रकम ला लानके प्रेरितमन के गोड़ म मढ़ा दीस।

5

[illegible]

1 हनन्याह नांव के एक मनखे रिहिस। ओह अऊ ओकर घरवाली सफीरा अपन कुछू भुइयां ला बेचिन।
2 हनन्याह ह ओकर दाम म ले कुछू रकम अपन करा रख लीस अऊ ये बात ला ओकर घरवाली घलो जानत
रिहिस। ओह रकम के एक भाग ला लानके प्रेरितमन के गोड़ करा मढ़ा दीस।
3 तब पतरस ह कहिस, "हे हनन्याह, सैतान ह तोर मन म, ये बात ला डारिस कि तेंह पबितर आतमा ले लबारी
मारय अऊ जमीन म ले मिले कुछू रकम ला अपन करा रख ले हवस।

† **4:26** भजन 2:1, 2

4 जब जमीन ह नइं बेचाय रिहिस, त का ओह तोर नइं रिहिस? अऊ जब बेचा गे, त पईसा ह का तोर
अधिकार म नइं रिहिस? अइसन काम करे के बिचार तोर मन म कइसे आईस? तेंह मनखे ले नइं, पर परमेसर ले
लबारी मारे हवस।"
5 ये बात ला सुनतेच ही हनन्याह ह गिर पड़िस अऊ मर गीस। येला देखके जम्मो सुनइयामन अब्बड़ डरा
गीन।
6 पर जवानमन उठके ओकर लास ला कपड़ा म लपेटिन अऊ बाहिर म ले जाके ओला माटी दे दीन।
7 लगभग तीन घंटा के बाद ओकर घरवाली ह पतरस करा घर के भीतर आईस। जऊन कुछू होय रिहिस, ओह
ओला नइं जानत रिहिस।
8 पतरस ह ओकर ले पुछिस, "मोला बता, का तें अऊ तोर घरवाला ओ जमीन ला अतकेच म बेचे रहेव?"
त ओह कहिस, "हां, अतकेच म बेचे रहेंन।"
9 पतरस ह ओला कहिस, "ये का बात ए कि तुमन दूनों परभू के आतमा ला परखे बर एका करे रहेव? देख, तोर
घरवाला ला माटी देवइयामन दुवारीच म ठाढ़े हवंय, अऊ ओमन तोला घलो बाहिर ले जाहीं।"
10 तब ओह तुरते ओकर गोड़ तरी गिर पड़िस अऊ ओह घलो मर गीस। तब जवानमन भीतर आके ओला मरे
पाईन, अऊ बाहिर ले जाके ओला ओकर घरवाला के लकठा म माटी दे दीन।
11 अऊ जम्मो कलीसिया ऊपर अऊ ये बात के जम्मो सुनइयामन ऊपर अब्बड़ डर हमा गे।

[illegible]

12 प्रेरितमन बहुंते चमतकार अऊ अचरज के काम मनखेमन के बीच म करत रिहिन। अऊ जम्मो बिसवासीमन
एक दल होके राजा सुलेमान के मंडप म जूरंय।
13 पर आने मनखेमन ले काकरो ये हिम्मत नइं होवत रिहिस कि आके ओमन के संग मिल जावंय। तभो ले
मनखेमन ओमन के बहुंत बड़ई करत रिहिन।
14 परभू म बिसवास करइया अब्बड़ मनखे अऊ माईलोगनमन कलीसिया म मिलत रिहिन।
15 इहां तक कि मनखेमन बिमरहामन ला सड़क ऊपर लान-लानके खटिया अऊ चटई मन म सुता देवत रिहिन
कि जब पतरस ह आवय, त कम से कम ओकर छइहां ह ओमन के कुछू झन ऊपर पड़ जावय।
16 यरूसलेम के आसपास के नगर ले घलो कतको मनखेमन बिमरहा अऊ असुध आतमा के सताय मन ला
लानय, अऊ ओ जम्मो झन बने हो जावत रिहिन।

[illegible]

17 तब महा पुरोहित अऊ ओकर जम्मो संगवारी जऊन मन सदूकीमन के दल के रिहिन, जलन करे लगिन।
18 ओमन प्रेरितमन ला पकड़के जेल म डाल दीन।
19 पर ओ रथिया परभू के एक स्वरगदूत ह जेल के कपाटमन ला खोलके ओमन ला बाहिर ले आईस,
20 अऊ ओमन ला कहिस, "जावव, मंदिर म ठाढ़ होके ये नवां जिनगी के जम्मो बात मनखेमन ला सुनावव।"
21 जइसने ओमन ला कहे गे रिहिस, ओमन बिहनियां होतेच ही मंदिर म जाके मनखेमन ला उपदेस देवन
लगिन।
जब महा पुरोहित अऊ ओकर संगीमन आईन, त ओमन धरम महासभा जऊन ह इसरायलीमन के मुखियामन
के पंचायत रिहिस, बलाईन अऊ जेल ला संदेस पठोईन कि प्रेरितमन ला ओमन करा लाने जावय।
22 पर जब सिपाहीमन जेल म हबरिन, त ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला उहां नइं पाईन। तब ओमन लहुंटके
बताईन,
23 "हमन जेल ला बड़े हिफाजत ले बंद अऊ पहरेदारमन ला बाहिर कपाटमन म ठाढ़े पायेंन, पर जब हमन
कपाटमन ला खोलेंन, त भीतर म हमन ला कोनो नइं मिलिन।"
24 जब मंदिर के सिपाहीमन के अधिकारी अऊ मुखिया पुरोहितमन ये बात ला सुनिन, त चिंता करके सोचे
लगिन कि ये का होवइया हवय?
25 तब एक झन आके ओमन ला बताईस, "देखव! जऊन मन ला तुमन जेल म बंद करे रहेव, ओमन मंदिर के
अंगना म ठाढ़ होके मनखेमन ला उपदेस देवत हवंय।"
26 तब अधिकारी ह अपन सिपाहीमन संग गीस अऊ प्रेरितमन ला ले आईस। ओमन बल के उपयोग नइं
करिन, काबरकि ओमन डरावत रिहिन कि कहूं मनखेमन ओमन ला पथरा फेंकके मार झन डारंय।

27 ओमन प्रेरितमन ला लानके धरम महासभा के आघू म ठाढ़ करिन। तब महा पुरोहित ह ओमन ले पुछिस,
28 “का हमन तुमन ला चेतउनी देके ये हुकूम नइं दे रहेंन कि तुमन ये नांव म उपदेस झन देवव? तभो ले,
तुमन जम्मो यरूसलेम सहर ला अपन उपदेस ले भर दे हवव, अऊ ओ मनखे के हतिया के दोस हमर ऊपर लाने
चाहत हव।”
29 तब पतरस अऊ आने प्रेरितमन जबाब दीन: “मनखेमन के हुकूम ले बढ़के परमेसर के हुकूम ला मानना हमर
काम ए।
30 हमर पुरखामन के परमेसर ह यीसू ला मरे म ले जियाईस, जऊन ला तुमन कुरूस म लटकाके मार डारे
रहेव।
31 ओहीच ला परमेसर ह अगुवा अऊ उद्धार करइया ठहिराके अपन जेवनी हांथ कोति सबले बड़े जगह दीस,
ताकि ओह इसरायलीमन ला ओमन के पाप ले मन-फिराय के सक्ति अऊ ओमन के पाप के छेमा देवय।
32 हमन ये बातमन के गवाह हवन अऊ पबितर आतमा घलो गवाह हवय, जऊन ला परमेसर ह ओ मनखेमन
ला दे हवय, जऊन मन ओकर हुकूम मानथें।”
33 येला सुनके ओमन अब्बड़ गुस्सा करिन अऊ ओमन प्रेरितमन ला मार डारे चाहिन।
34 पर गमलीएल नांव के एक फरीसी, जऊन ह कानून के गुरू रिहिस अऊ जम्मो मनखेमन ओकर आदर
करंय। ओह धरम महासभा म ठाढ़ होके प्रेरितमन ला थोरकन देर बर बाहिर कर देय के हुकूम दीस
35 अऊ ओह धरम महासभा ले कहिस, “हे इसरायलीमन, जऊन कुछू तुमन ये मनखेमन के संग करे चाहत
हव, ओला सोच-समझके करव।
36 कुछू समय पहिली थियूदास ह ये कहत उठे रिहिस कि ओह घलो कुछू अय अऊ करीब चार सौ मनखेमन
ओकर संग हो लीन। पर ओह मार डारे गीस, अऊ ओकर पाछू चलइया जम्मो झन एती-ओती हो गीन, अऊ
कुछू नइं होईस।
37 ओकर बाद जनसंख्या के गनती होय के दिन म गलील प्रदेस के यहूदा ह उठिस। ओह घलो कुछू मनखेमन
ला अपन संग कर लीस। पर ओह घलो मार डारे गीस, अऊ ओकर पाछू चलइया जम्मो झन एती-ओती हो
गीन।
38 एकरसेति मेंह तुमन ला कहत हंव कि ये मनखेमन ले दूरिहा रहव, अऊ ओमन ला अकेला छोंड़ देवव,
काबरकि कहूं ओमन के ये काम मनखेमन कोति ले अय, त आपे-आप बंद हो जाही।
39 पर कहूं येह परमेसर कोति ले अय, तब तुमन ओमन ला कइसने घलो करके नइं रोक सकव; अइसने झन
होवय कि तुमन परमेसर ले अपनआप ला लड़त पावव।”
40 तब ओमन गमलीएल के बात ला मान लीन। ओमन प्रेरितमन ला बलाईन अऊ ओमन ला कोर्रा म
पीटवाईन, अऊ ये हुकूम देके छोंड़ दीन कि यीसू के नांव म फेर कभू बात झन करिहव।
41 प्रेरितमन ये बात म खुस होईन कि ओमन यीसू के नांव के खातिर निरादर होय के काबिल ठहिरिन, अऊ
ओमन खुसी मनावत धरम महासभा ले बाहिर चले गीन।
42 पर ओमन हर एक दिन मंदिर म अऊ घर-घर म उपदेस करे बर, अऊ ये बात के सुघर संदेस सुनाय बर बंद
नइं करिन कि यीसू ह मसीह अय।

6

[illegible]

1 ओ दिन म जब चेलामन के गनती ह अब्बड़ बढ़त रिहिस, तब यूनानी भासा बोलइया यहूदीमन इबरानी
भासा बोलइया यहूदीमन के सिकायत करे लगिन। ओमन कहिन, “हर दिन के भोजन बंटई म हमर बिधवामन के
धियान नइं दिये जावत हवय।”
2 एकरसेति ओ बारह प्रेरितमन जम्मो चेलामन के सभा ला अपन करा बलाके कहिन, “येह ठीक नो हय कि
हमन परमेसर के बचन के सेवा ला छोंड़के, खवाय-पीयाय के काम म लगे रहन।
3 एकरसेति हे भाईमन! अपन बीच म ले सात झन मनखे ला जऊन मन पबितर आतमा अऊ बुद्धि ले भरपूर
हवंय, चुन लेवव कि हमन ओमन के हांथ म ये बुता ला सऊंप देवन।

4 पर हमन तो पराथना अऊ परमेसर के बचन के सेवा म लगे रहिबो।”
5 ये बात जम्मो सभा ला बने लगिस अऊ ओमन स्तिफनुस नांव के एक मनखे ला चुनिन, जऊन ह बिसवास
अऊ पबितर आतमा ले भरपूर रहय; एकर संग ओमन फिलिप्पुस, प्रखुरूस, नीकानोर, तीमोन, परमिनास अऊ
अंताकिया के रहइया नीकुलाउस ला जऊन ह यहूदी बिसवास म आ गे रिहिस, चुन लीन।
6 ओमन येमन ला प्रेरितमन के आघू म लानिन अऊ प्रेरितमन पराथना करके ओमन ऊपर हांथ रखिन।
7 अऊ परमेसर के बचन बगरत गीस अऊ यरूसलेम सहर म चेलामन के गनती अब्बड़ बाढ़त गीस।
पुरोहितमन घलो बहुंत बड़े संखिया म ये बिसवास म चलनेवाला हो गीन।

[illegible]

8 स्तिफनुस ह परमेसर के अनुग्रह अऊ सक्ति ले भरपूर होके मनखेमन के बीच म बड़े-बड़े अचरज के काम
अऊ चमतकार के चिनहां देखावत रिहिस।
9 तभो ले सुतंतर मनखेमन के सभा-घर के सदस्यमन ओकर बिरोध करिन। ओमन ये रिहिन—कुरेन,
सिकन्दरिया अऊ संग म किलिकिया अऊ एसिया प्रदेस के यहूदीमन। ये मनखेमन स्तिफनुस के संग बिवाद
करन लगिन*।
10 पर ओमन ओकर गियान अऊ पबितर आतमा के सामना नइं कर सकिन, जेकर सक्ति ले ओह गोठियावत
रिहिस।
11 तब ओमन कुछू मनखेमन ला चुपेचाप अपन कोति कर लीन, जऊन मन ये कहे लगिन, “हमन येला मूसा
अऊ परमेसर के बिरोध म निन्दा करत सुने हवन।”
12 ये किसम ले ओमन मनखेमन ला अऊ अगुवामन ला अऊ कानून के गुरूमन ला भड़काईन अऊ ओमन
स्तिफनुस ला पकड़के धरम महासभा म ले गीन।
13 ओमन लबरा गवाह खड़े करिन, जऊन मन ये कहिन, “ये मनखे ह ये पबितर जगह अऊ मूसा के कानून के
बिरोध म हमेसा बोलत रहिथे।
14 हमन येला ये कहत सुने हवन कि नासरत के यीसू ह ये मंदिर ला गिरा दीही अऊ ओ रीति-रिवाजमन ला
बदल दीही, जऊन ला मूसा ह हमन ला सऊंपे हवय।”
15 तब धरम महासभा म बईठे जम्मो झन स्तिफनुस ला टकटकी लगाके देखिन अऊ ओमन ला ओकर चेहरा
ह स्वरगदूत के चेहरा सहीं दिखत रिहिस।

7

[illegible]

1 तब महा पुरोहित ह स्तिफनुस ले पुछिस, “का तोर ऊपर लगाय गे दोसमन सच अंय?”
2 स्तिफनुस ह जबाब दीस, “हे भाई अऊ ददामन हो, सुनव! हमर पुरखा अब्राहम ह हारान देस म रहे के
पहिली मेसोपोटामिया म रहत रिहिस, तब महिमामय परमेसर ह ओला दरसन दीस,
3 अऊ अब्राहम ला कहिस, ‘तें अपन देस अऊ अपन मनखेमन ला छोंड़के ओ देस म चले जा, जेला मेंह
तोला देखाहूं।’*
4 “तब ओह कसदीमन के देस ले निकलके हारान म जाके बस गीस। ओकर ददा के मरे के बाद, परमेसर ह
ओला उहां ले लानके ये देस म बसाईस, जिहां अब तुमन रहत हव।
5 परमेसर ह इहां अब्राहम ला कुछू जायदाद नइं दीस। इहां तक कि गोड़ मढ़ाय के ठऊर घलो नइं। पर
परमेसर ह ओकर ले वायदा करिस, ‘मेंह ये देस ला, तोर अऊ तोर पाछू तोर बंस के अधिकार म कर दूहूं।’ जबकि
ओ समय अब्राहम के कोनो लइका नइं रिहिस।
6 परमेसर ह ओला ये घलो कहिस, ‘तोर संतानमन आने देस म परदेसी होहीं, अऊ ओमन गुलाम बनाय जाहीं
अऊ चार सौ साल तक ओमन के ऊपर अतियाचार करे जाही।’
7 फेर परमेसर ह कहिस, ‘जऊन देस के ओमन गुलाम के रूप म सेवा करहीं, ओ देस ला में दंड दूहूं, अऊ
ओकर बाद ओमन ओ देस ले निकलके इही ठऊर म मोर सेवा करहीं।’†

* **6:9** सुतंतर मनखेमन यहूदी बंस के रिहिन, जऊन मन ला रोमीमन 63 बी सी म लड़ई के कैदी के रूप म ले गे रिहिन अऊ गुलाम के रूप म बेच दे रिहिन, पर बाद म, येमन सुतंतर हो गीन। * **7:3** उत 12:1 † **7:7** उत 15:13, 14

8 तब परमेसर ह अब्राहम ले खतना कराय के करार करिस। अऊ अब्राहम के बेटा इसहाक पईदा होईस।
ओकर जनम के आठ दिन के पाछू ओकर खतना करे गीस। इसहाक ले याकूब अऊ याकूब ले बारह कुल के
मुखियामन पईदा होईन।
9 "याकूब के बड़े बेटामन छोटे बेटा यूसुफ ले जलन रखे लगिन अऊ ओला मिसर देस जवइयामन के हांथ म
गुलाम के रूप में बेच दीन। पर परमेसर ह यूसुफ के संग रहय।
10 अऊ परमेसर ह ओला, ओकर जम्मो दुख-तकलीफ ले छुड़ाके, बुद्धि दीस अऊ मिसर के राजा फिरौन के
मन जीते के काबिल बनाईस। फिरौन राजा ह ओला मिसर देस अऊ अपन जम्मो महल ऊपर सासन करइया
ठहिराईस।
11 "तब जम्मो मिसर अऊ कनान देस म अकाल पड़िस, जेकर खातिर मनखेमन के ऊपर भारी संकट आ गीस,
अऊ हमर पुरखामन ला खाय बर अन्न नइं मिलिस।
12 जब याकूब ह ये सुनिस कि मिसर देस म अनाज हवय, त ओह हमर पुरखामन ला पहिली बार पठोईस।
13 जब ओमन दूसर बार आईन, त यूसुफ ह अपन भाईमन ला बताईस कि ओह कोन ए अऊ फिरौन राजा ह
यूसुफ के कुटुम्ब के बारे म जानिस।
14 एकर बाद, यूसुफ ह अपन ददा याकूब अऊ अपन जम्मो कुटुम्ब ला, जऊन मन पचहत्तर मनखे रिहिन,
अपन करा मिसर देस म बलाईस।
15 तब याकूब ह मिसर देस गीस, जिहां ओह अऊ हमर पुरखामन मर गीन।
16 ओमन के लासमन ला सकेम सहर म वापिस लाने गीस अऊ ओ कबर म रखे गीस, जऊन ला अब्राहम ह
सकेम म हमोर के बेटामन ले पईसा देके बिसाय रिहिस।
17 "जब ओ परतिगियां के पूरा होय के समय लकठा आईस, जऊन ला परमेसर ह अब्राहम ले करे रिहिस, त
ओ समय मिसर देस म हमर मनखेमन के संखिया बहुंत बाढ़ गे रहय।
18 तब मिसर देस म एक नवां राजा ह राज करन लगिस, जऊन ह यूसुफ ला नइं जानत रिहिस।‡
19 ओह हमर मनखेमन ले छल-कपट करिस अऊ हमर पुरखामन के ऊपर बहुंत अतियाचार करिस अऊ दबाव
डालिस कि ओमन अपन नवां जनमे लइकामन ला मरे बर बाहिर फटिक देवंय।
20 "ओही समय म मूसा के जनम होईस अऊ ओह परमेसर के नजर म बहुंत सुघर रिहिस। ओह तीन महिना
तक ले अपन ददा के घर म पाले-पोसे गीस।
21 पर जब ओला बाहिर रख दिये गीस, त फिरौन के बेटी ह ओला ले लीस, अऊ अपन बेटा बनाके ओला
पालिस-पोसिस।
22 मूसा ला मिसर देस के जम्मो गियान सिखोय-पढ़ोय गीस। ओह बात अऊ काम करे म सामर्थी रिहिस।
23 "जब मूसा ह चालीस साल के होईस, त अपन मन म कहिस कि मेंह अपन इसरायली भाईमन ले मुलाकात
करंव।
24 मूसा ह अपन एक जाति-भाई के ऊपर अनियाय होवत देखके ओला बचाईस अऊ ओ मिसरी मनखे ला
मारके बदला लीस, जऊन ह अनियाय करत रहय।
25 मूसा ह सोचिस कि मोर जाति-भाईमन समझहीं कि परमेसर ह मोर दुवारा ओमन के जान बचाही, पर
ओमन नइं समझिन।
26 दूसर दिन जब दू झन इसरायलीमन आपस म लड़त रिहिन, त मूसा ह उहां आईस अऊ ये कहिके ओमन म
मेल-मिलाप कराय के कोसिस करिस, 'ए मनखेमन! तुमन त भाई-भाई अव; एक-दूसर ला काबर हानि पहुंचाय
चाहत हव?'
27 "पर जऊन इसरायली ह दूसर ऊपर अनियाय करत रिहिस, ओह ये कहिके मूसा ला हटा दीस कि तोला
कोन ह हमर ऊपर हाकिम अऊ नियाय करइया ठहिराय हवय।
28 कल जइसने तेंह ओ मिसरी मनखे ला मार डारे रहय, वइसने का तेंह मोला घलो मार डारे चाहत हस।
29 ये बात ला सुनके मूसा ह उहां ले भाग गीस अऊ मिदयान देस म आके परदेसी सहीं रहे लगिस। उहां
ओकर दू झन बेटा पईदा होईन।
30 "जब चालीस साल बीत गे, तब एक स्वरगदूत ह सीनय पहाड़ के लकठा म निरजन प्रदेस म मूसा करा बरत
झाड़ी के आगी म परगट होईस।

‡ **7:18** निर 1:8

31 मूसा ह ओ दरसन ला देखके अचम्भो करिस। जब ओह ओला देखे बर अऊ लकठा म गीस, तब ओह परभू
के ये अवाज सुनिस:
32 'मेंह तोर पुरखा—अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब के परमेसर अंव।' येला सुनके मूसा ह डर के मारे कांपे
लगिस, अऊ ओह ऊपर देखे के घलो हिम्मत नइं करिस।
33 "तब परभू ह मूसा ला कहिस, 'अपन पांव के पनही ला उतार ले, काबरकि जऊन ठऊर म तेंह ठाढ़े हस,
ओह पबितर भुइयां ए।
34 मेंह सही म मिसर देस म अपन मनखेमन के दुरदसा ला देखे हवंव। मेंह ओमन के कलहरई अऊ रोवई सुने
हवंव। एकरसेति, मेंह ओमन ला छोंड़ाय बर उतरे हवंव। अब तेंह आ, मेंह तोला मिसर देस वापिस पठोहूं।'
35 "जऊन मूसा ला ओमन ये कहिके नकारे रिहिन कि तोला कोन ह हमर ऊपर हाकिम अऊ नियाय करइया
ठहिराय हवय? ओही मूसा ला परमेसर ह हाकिम अऊ उबार करइया ठहिराके, ओ स्वरगदूत के दुवारा ओला
पठोईस, जऊन ह ओला झाड़ी म दरसन दे रिहिस,
36 एही मनखे मूसा ह मिसर देस म अऊ लाल-समुंदर अऊ निरजन प्रदेस म चालीस साल तक अचरज के
काम अऊ चमतकार के चिनहां देखा-देखाके ओमन ला गुलामी ले निकालके ले आईस।
37 "येह ओही मूसा ए, जऊन ह इसरायलीमन ले कहे रिहिस, 'परमेसर ह तुम्हर बर तुम्हर अपन मनखेमन ले
मोर सहीं एक अगमजानी ठाढ़ करही।'§
38 येह ओही मूसा ए, जऊन ह निरजन प्रदेस म सभा म ओ स्वरगदूत संग रिहिस, जऊन ह सीनय पहाड़ ऊपर
ओकर ले गोठियाईस। ओह हमर पुरखामन के संग रिहिस। ओही मूसा ला परमेसर के जीयत बचन मिलिस कि
ओह ओ जीयत बचन ला हमर करा अमरावय।
39 "पर हमर पुरखामन मूसा के बात ला नइं मानिन। ओमन मूसा ला नकारके अपन हिरदय ला फेर मिसर देस
कोति लगाईन।
40 ओमन हारून ला कहिन, 'हमर बर अइसन देवता बना, जऊन ह हमर आघू-आघू चलही, काबरकि ये मूसा
जऊन ह हमन ला मिसर देस ले निकालके लानिस, हमन नइं जानन कि ओला का होईस?'*
41 ओ दिन म ओमन एक ठन बछवा के मूरती बनाईन अऊ ओ मूरती के आघू म बलिदान चघाईन। अइसने
किसम ले ओमन अपन हांथ के काम म खुस होय लगिन।
42 तब परमेसर ह मुहूं मोड़के ओमन ला छोंड़ दीस कि ओमन अकास के तारामन के पूजा करंय, जइसने कि
अगमजानीमन के किताब म लिखे हवय:
" 'हे इसरायल के मनखेमन, निरजन जगह म चालीस साल तक का तुमन मोर बर बलिदान
अऊ भेंट लानेव?
43 नइं, तुमन मोलेक के तम्बू
अऊ अपन रिफान देवता के तारा ला लेके फिरत रहेव,
याने कि ओ मूरतीमन जऊन ला तुमन पूजा करे बर बनाय रहेव।
एकरसेति, मेंह तुमन ला बेबिलोन ले बाहिर बंधुवई म पठो दूहूं।'†
44 "करार कानून के पबितर-तम्बू ह निरजन प्रदेस म हमर पुरखामन के संग रिहिस। परमेसर ह मूसा ला कहे
रिहिस, 'जऊन नमूना ला तेंह देखे हवस, ओकरे मुताबिक ओला बना।'
45 ओह ओही नमूना के मुताबिक बनाय गीस। ओहीच पबितर-तम्बू ला हमर पुरखामन पाछू यहोसू के संग ये
ठऊर म लानिन जब ओमन आनजातमन के देस म अधिकार पाईन, जऊन मन ला परमेसर ह हमर पुरखामन के
आघू ले निकाल दीस। अऊ ओह दाऊद के समय तक देस म रिहिस।
46 दाऊद के ऊपर परमेसर के दया रिहिस अऊ दाऊद ह बिनती करिस, 'मेंह याकूब के परमेसर बर रहे के एक
ठऊर बनाहूं।'
47 पर येह सुलेमान रिहिस, जऊन ह परमेसर खातिर घर बनाईस।
48 "पर सर्वोच्च परमेसर ह मनखे के बनाय घरमन म नइं रहय, जइसने कि अगमजानी ह कहिथे:
49 " 'परभू ह कहिथे—स्वरग ह मोर सिंघासन

§ **7:37** ब्यव 18:15 * **7:40** निर 32:1 † **7:43** आमो 5:25-27

अऊ धरती ह मोर गोड़ रखे के चउकी अय।
मोर बर तुमन कोन किसम के घर बनाहू?
या मोर बिसराम के ठऊर कहां होही?
50 का ये जम्मो चीज ला मोर हांथ ह नइं बनाय हे?'‡
51 "हे ढीठ मनखेमन! तुमन हिरदय म परमेसर के संदेस ला सुने नइं चाहत हव। तुमन हमेसा पबितर आतमा के बिरोध करथव, जइसने तुम्हर पुरखामन करत रिहिन।
52 अगमजानीमन ले कोन ला तुम्हर पुरखामन नइं सताय हवंय? ओमन ओ संदेसियामन ला मार डारिन, जऊन मन ओ धरमी जन के आय के खबर बहुंत पहिली दे रिहिन। अऊ अब तुमन घलो ओला धोखा दे हवव अऊ मार डारे हवव।
53 तुमन स्वरगदूत के दुवारा लाने कानून ला त पाय हवव, पर ओकर पालन नइं करेव।"

[illegible]
54 ये बात ला सुनके ओमन अब्बड़ गुस्सा करिन अऊ ओकर ऊपर दांत पीसन लगिन।
55 पर स्तिफनुस ह पबितर आतमा ले भरके, स्वरग कोति देखिस अऊ ओह परमेसर के महिमा, अऊ यीसू ला परमेसर के जेवनी कोति ठाढ़े देखिस।
56 अऊ ओह कहिस, "देखव! मेंह स्वरग ला खुला, अऊ मनखे के बेटा ला परमेसर के जेवनी कोति ठाढ़े देखत हवंव।"
57 तब ओमन अब्बड़ चिचियाके अपन कान ला बंद कर लीन, अऊ ओ जम्मो झन ओकर ऊपर लपकिन,
58 अऊ ओला घसीटत नगर के बाहिर ले गीन, अऊ उहां ओला पथरवाह करे लगिन। अऊ गवाहमन अपन-अपन ओनहा ला साऊल नांव के एक जवान के जिम्मा म उतारके रख दीन।
59 जब ओमन स्तिफनुस ला पथरवाह करत रहंय, त ओह ये कहिके पराथना करिस, "हे परभू यीसू! मोर आतमा ला गरहन कर।"
60 तब ओह माड़ी टेकिस अऊ पुकारके कहिस, "हे परभू! ये पाप ला ओमन ऊपर झन लगा।" ये कहिके ओह मर गीस।

8

1 अऊ ओमन के दुवारा ओकर मारे जाय म साऊल के सहमती रिहिस।

[illegible]
ओहीच दिन यरूसलेम म कलीसिया ऊपर भारी अतियाचार होईस, अऊ प्रेरितमन ला छोंड़के जम्मो बिसवासीमन, यहूदिया अऊ सामरिया प्रदेस म तितिर-बितिर हो गीन।
2 परमेसर के भक्तमन स्तिफनुस के लास ला माटी दीन अऊ ओकर बर अब्बड़ बिलाप करिन।
3 पर साऊल ह कलीसिया ला उजारत रिहिस। ओह घर-घर घुसरके मरद अऊ माईलोगनमन ला घसीट-घसीटके लानय अऊ जेल म डाल देवय।

[illegible]
4 जऊन बिसवासीमन तितिर-बितिर हो गे रिहिन, ओमन जिहां-जिहां भी गीन, उहां सुघर संदेस के परचार करिन।
5 फिलिप्पुस ह सामरिया के एक सहर म गीस अऊ उहां मनखेमन ला यीसू मसीह के परचार करे लगिस।
6 जब भीड़ के मनखेमन फिलिप्पुस के बात ला सुनिन अऊ ओकर चमतकार के काममन ला देखिन, त एक मन होके ओकर बात म धियान लगाईन।
7 काबरकि कतको झन म ले असुध आतमामन अब्बड़ चिचियावत निकल गीन, अऊ कतको लकवा के मारे अऊ खोरवामन बने हो गीन।
8 एकरसेति ओ सहर के मनखेमन अब्बड़ खुस होईन।

[illegible]
9 ओ सहर म सिमोन नांव के एक झन मनखे रहय। ओह जादू-टोना करके सामरी मनखेमन ला चकित करय, अऊ अपनआप ला बहुंत बड़े मनखे बतावय।

‡ **7:50** यसा 66:1, 2

10 अऊ जम्मो—छोटे ले लेके बड़े तक ओकर बात ऊपर धियान देवंय अऊ ए कहंय, “ये मनखे ह परमेसर के
ओ सक्ति ए, जऊन ला महान सक्ति कहे जाथे।”
11 ओह अब्बड़ दिन तक ओमन ला अपन जादू-टोना के काम ले चकित करके रखे रिहिस। एकरसेति, ओमन
ओला अब्बड़ मानत रिहिन।
12 पर जब ओमन फिलिप्पुस के बात ला बिसवास करिन, जऊन ह परमेसर के राज के सुघर संदेस अऊ यीसू
मसीह के नांव के परचार करत रिहिस, तब ओमन—का मनखे, का माईलोगन, जम्मो झन बतिसमा लेय लगिन।
13 तब सिमोन ह खुदे बिसवास करिस अऊ बतिसमा लेके फिलिप्पुस के पाछू चले लगिस। ओह चिनहां अऊ
चमतकार के काममन ला देखके चकित होवत रिहिस।
14 जऊन प्रेरितमन यरूसलेम म रिहिन, जब ओमन सुनिन कि सामरिया के मनखेमन परमेसर के बचन ला
मान ले हवंय, त ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला ओमन करा पठोईन।
15 पतरस अऊ यूहन्ना उहां गीन अऊ ओ मनखेमन बर पराथना करिन कि ओमन पबितर आतमा पावंय,
16 काबरकि पबितर आतमा अभी तक ले ओमन म के काकरो ऊपर नइं आय रिहिस। ओमन सिरिप परभू यीसू
के नांव म बतिसमा ले रिहिन।
17 तब पतरस अऊ यूहन्ना ओमन ऊपर अपन हांथ रखिन अऊ ओमन पबितर आतमा पाईन।
18 जब सिमोन ह देखिस कि प्रेरितमन के हांथ रखे ले पबितर आतमा मिलथे, त ओह ओमन करा रूपिया
लानके कहिस,
19 “ये अधिकार मोला घलो देवव ताकि जेकर ऊपर मेंह हांथ रखंव, ओह पबितर आतमा पावय।”
20 पतरस ह ओला कहिस, “तोर रूपिया ह तोर संग नास होवय, काबरकि तेंह परमेसर के दान ला रूपिया म
बिसाय के सोचे हवस।
21 हमर काम म, न तोर हिस्सा हवय अऊ न बांटा, काबरकि तोर मन ह परमेसर के आघू म सही नइं ए।
22 एकरसेति अपन ये बुरई ले पछ्ताप करके परभू ले पराथना कर। हो सकथे ओह तोर मन के अइसने बिचार
ला माफ कर दीही।
23 मेंह देखत हंव कि तेंह कड़ुवाहट ले भरे अऊ पाप के बंधना म पड़े हवस।”
24 सिमोन ह जबाब दीस, “तेंह मोर बर परभू ले पराथना कर कि जऊन बात तेंह कहे हवस, ओमा ले कोनो भी
बात मोर ऊपर झन होवय।”
25 पतरस अऊ यूहन्ना गवाही देके अऊ परभू के बचन सुनाके यरूसलेम वापिस लहुंट गीन। ओमन लहुंटत
बेरा सामरिया के कतको गांव म सुघर संदेस सुनावत गीन।

[illegible]

26 परभू के एक स्वरगदूत ह फिलिप्पुस ला कहिस, “उठ, अऊ दक्खिन कोति ओ रसता म जा, जऊन ह
यरूसलेम ले गाजा ला जाथे, अऊ जऊन ह निरजन जगह म हवय।”
27 तब ओह उठके चल दीस अऊ देखिस कि इथोपिया देस के एक झन मनखे आवत रहय। ओह एक खोजा
रिहिस अऊ इथोपिया देस के रानी कन्दाके के एक खास अधिकारी अऊ खजांची रिहिस। ओह अराधना करे बर
यरूसलेम गे रिहिस,
28 अऊ ओह अपन रथ म बईठके, यसायाह अगमजानी के किताब ला पढ़त अपन घर लहुंटत रहय।
29 तब पबितर आतमा ह फिलिप्पुस ला कहिस, “लकठा म जाके ओ रथ के संग हो ले।”
30 फिलिप्पुस ह खोजा कोति दऊड़के गीस अऊ ओह ओला यसायाह अगमजानी के किताब ला पढ़त सुनिस,
त ओकर ले पुछ्सि, “तेंह जऊन ला पढ़त हवस, का ओला समझत घलो हवस?”
31 खोजा ह कहिस, “जब तक कोनो मोला नइं समझाही, तब तक मेंह कइसने समझहूं?” ओह फिलिप्पुस ले
बिनती करिस कि ओह रथ म चघके ओकर संग बईठे।
32 परमेसर के बचन के जऊन पाठ ला ओ खोजा पढ़त रिहिस, ओह ये रिहिस:
“ओला बध करे बर ले जाय भेड़ सहीं ले गीन,
अऊ जइसने ऊन कतरइयामन के आघू म मेढ़ा-पीला ह चुपेचाप रहिथे,
वइसने ओह घलो अपन मुहूं ला नइं खोलिस।
33 ओकर बेजत्ती करे गीस अऊ ओकर नियाय नइं होईस।

ओकर बंस के मनखेमन के बखान कोन कर सकथे?
काबरकि धरती ले ओकर जीव ला ले लिये गीस।"*
34 खोजा ह फिलिप्पुस ले पुछिस, "मेंह तोर ले बिनती करत हंव, मोला बता कि अगमजानी ह येला काकर
बारे म कहे हवय, अपन बारे म या कोनो आने के बारे म?"
35 तब फिलिप्पुस ह कहे के सुरू करिस अऊ परमेसर के बचन के ये पाठ ले सुरू करके ओला यीसू के बारे म
सुघर संदेस सुनाईस।
36 रसता म चलत-चलत ओमन एक ठन पानी के ठऊर म हबरिन, त खोजा ह कहिस, "देख, इहां पानी हवय,
अब मोला बतिसमा लेय म का अड़चन हवय?"
37 फिलिप्पुस ह कहिस, "कहूं तेंह पूरा हिरदय ले बिसवास करत हवस, त येह हो सकथे।"
ओह जबाब दीस, "मेंह बिसवास करत हंव कि यीसू मसीह ह परमेसर के बेटा ए।"†
38 अऊ ओह रथ ला ठाढ़ करे के हुकूम दीस। तब फिलिप्पुस अऊ खोजा दूनों पानी म उतर गीन अऊ
फिलिप्पुस ह ओला बतिसमा दीस।
39 जब ओमन पानी ले बाहिर निकलके ऊपर आईन, तब परभू के आतमा ह अचानक फिलिप्पुस ला कहीं ले
गीस अऊ खोजा ह ओला फेर नइं देखिस, पर ओह आनंद मनावत अपन रसता म चल दीस।
40 फिलिप्पुस ह असदोद म परगट होईस अऊ कैसरिया ला हबरत तक, ओह नगर-नगर सुघर संदेस सुनावत
गीस।

9

[illegible]

1 साऊल ह अब तक परभू के चेलामन ला डराय-धमकाय अऊ ओमन ला मार डारे के धुन म रहय। ओह महा
पुरोहित करा गीस
2 अऊ दमिस्क के यहूदीमन के सभा-घरमन के नांव म ये खातिर चिट्ठी मांगिस कि आदमी या माईलोगन
जऊन ला घलो, ओह मसीह के बिसवास म पावय, त ओला बंदी बनाके यरूसलेम म ले आवय।
3 जब ओह चलते-चलत दमिस्क के लकठा म हबरिस, त अचानक अकास म ले ओकर चारों कोति एक अंजोर
चमकिस।
4 ओह भुइयां म गिर पड़िस अऊ एक अवाज ला ये कहत सुनिस, "हे साऊल! हे साऊल! तेंह मोला काबर
सतावत हस।"
5 साऊल ह पुछिस, "हे परभू! तेंह कोन अस?"
ओह कहिस, "मेंह यीसू अंव, जऊन ला तेंह सतावत हस।
6 पर अब उठ अऊ सहर म जा। जऊन काम तोला करना हवय, ओला उहां तोला बताय जाही।"
7 जऊन मनखेमन ओकर संग म रिहिन, ओमन हक्का-बक्का हो गीन, काबरकि ओमन अवाज ला तो सुनिन,
पर कोनो ला नइं देखिन।
8 साऊल भुइयां ले उठिस, फेर जब ओह अपन आंखी ला खोलिस, त ओला कुछू दिखाई नइं दीस। एकर
खातिर ओकर संगीमन ओकर हांथ ला धरके दमिस्क सहर ले गीन।
9 ओह तीन दिन तक नइं देखे सकिस अऊ ओह न कुछू खाईस न पीईस।
10 दमिस्क म हनन्याह नांव के एक झन चेला रहय। परभू ह ओला दरसन म कहिस, "हे हनन्याह!"
ओह कहिस, "हां, परभू।"
11 त परभू ह ओला कहिस, "उठ, अऊ ओ गली म जा, जऊन ला 'सीधा' कहे जाथे। उहां यहूदा के घर म
साऊल नांव के एक झन तरसुस के रहइया मनखे के बारे पुछबे। देख, ओह पराथना करत हवय।
12 ओह दरसन म हनन्याह नांव के एक मनखे ला घर के भीतर आवत अऊ अपन ऊपर हांथ रखत देखे हवय
कि ओह फेर देखे लगय।"
13 हनन्याह ह कहिस, "हे परभू! मेंह ये मनखे के बारे म बहुंते झन ले सुने हवंव कि येह यरूसलेम म तोर
पबितर मनखेमन ऊपर भारी अतियाचार करे हवय।

* **8:33** यसा 53:7, 8 † **8:37** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

14 अऊ इहां दमिस्क म घलो ओह मुखिया पुरोहितमन ले अधिकार लेके आय हवय कि जऊन मनखेमन तोर
नांव लेथें, ओ जम्मो झन ला बंदी बनाके यरूसलेम ले जावय।"
15 पर परभू ह हनन्याह ला कहिस, "तेंह उहां जा, काबरकि ओह आनजातमन के अऊ ओमन के राजामन के
अऊ इसरायली मनखेमन के आघू म मोर नांव के परचार करे बर मोर दुवारा चुने गे साधन अय।
16 अऊ मेंह ओला देखाहूं कि मोर नांव के खातिर ओला कतेक दुख उठाय बर पड़ही।"
17 तब हनन्याह ह उठके ओ घर म गीस। उहां ओह साऊल ऊपर अपन हांथ ला रखके कहिस, "हे भाई
साऊल! परभू याने यीसू, जऊन ह तोला ओ रसता म आवत बेरा दिखाई दे रिहिस, ओही ह मोला पठोय हवय
कि तेंह फेर देखे लग अऊ पबितर आतमा ले भर जा।"
18 तुरते साऊल के आंखीमन ले कुछू छिलका सहीं गिरिस अऊ ओह फेर देखे लगिस। ओह उठके बतिसमा
लीस,
19 अऊ खाना खाके फेर बल पाईस।

[illegible]

साऊल ह कुछू दिन तक चेलामन के संग दमिस्क म रिहिस।
20 ओह तुरते यहूदीमन के सभा-घरमन म परचार करे लगिस कि यीसू ह परमेसर के बेटा अय।
21 जम्मो सुनइयामन चकित होके कहे लगिन, "का येह ओही मनखे नो हय, जऊन ह यरूसलेम म यीसू के
नांव लेवइयामन ला नास करत रिहिस? अऊ का ओह इहां घलो एकर बर नइं आय रिहिस कि यीसू के नांव
लेवइयामन ला बंदी बनाके मुखिया पुरोहितमन करा ले जावय?"
22 पर साऊल ह अऊ सामर्थी होवत गीस। ओह ये बात के सबूत दे देके कि यीसू ही मसीह अय, दमिस्क म
रहइया यहूदीमन के मुहूं बंद कर दीस।
23 जब बहुंत दिन बीत गे, तब यहूदीमन मिलके साऊल ला मार डारे के उपाय करिन।
24 पर ओमन के उपाय ला साऊल जान डारिस। यहूदीमन साऊल ला मार डारे खातिर रात-दिन दमिस्क के
दुवारी म घात लगाके बईठे रहंय।
25 पर रथिया साऊल के चेलामन ओला एक ठन टुकना म बईठाईन अऊ भीथी के छेदा ले लटकाके ओला
सहर के बाहिर उतार दीन।
26 जब साऊल ह यरूसलेम म आईस, त ओह चेलामन संग मिले के कोसिस करिस, पर ओ जम्मो झन ओकर
ले डरावत रिहिन, काबरकि ओमन ला बिसवास नइं होवत रहय कि ओह घलो यीसू के चेला बन गे हवय।
27 पर बरनबास ह ओला अपन संग प्रेरितमन करा ले गीस अऊ ओमन ला बताईस कि साऊल ह कइसने
रसता म परभू ला देखिस अऊ परभू ह ओकर ले बात करिस अऊ दमिस्क म ओह कइसने हिम्मत के संग यीसू के
नांव के परचार करिस।
28 तब साऊल ह ओमन के संग रहिके यरूसलेम म जम्मो जगह आवत-जावत रिहिस। ओह निडर होके परभू
के नांव के परचार करत रिहिस।
29 ओह यूनानी भासा बोलइया यहूदीमन के संग बातचीत अऊ बाद-बिबाद करय, पर ओमन ओला मार डारे
के कोसिस करिन।
30 जब बिसवासी भाईमन ला ये बात के पता चलिस, त ओमन ओला कैसरिया ले गीन अऊ उहां ले ओला
तरसुस पठो दीन।
31 तब जम्मो यहूदिया, गलील अऊ सामरिया प्रदेस म कलीसिया ला सांति मिलिस अऊ कलीसिया ह
मजबूत होवत गीस अऊ पबितर आतमा के मदद ले परभू के डर म रहत गनती म बढ़त गीस।

[illegible]

32 पतरस ह जम्मो जगह होवत, परमेसर के ओ मनखेमन करा गीस, जऊन मन लुद्दा नगर म रहत रिहिन।
33 उहां पतरस ला एनियास नांव के लकवा के मारे एक झन मनखे मिलिस। ओह आठ साल ले खटिया म पड़े
रहय।
34 पतरस ह ओला कहिस, "हे एनियास! यीसू मसीह ह तोला बने करत हवय। उठ, अपन बिछौना ला
संभाल।" एनियास तुरते उठके ठाढ़ हो गीस।
35 लुद्दा अऊ सारोन के जम्मो रहइयामन ओला चंगा देखके परभू ऊपर बिसवास करिन।

36 यापा म तबीता नांव के एक बिसवासी माईलोगन रहय (तबीता ला यूनानी म दोरकास कहे जाथे, जेकर
मतलब हिरन होथे)। ओह हमेसा भलई करय अऊ गरीबमन के मदद करय।
37 ओही दिन म, ओह बेमार पड़िस अऊ मर गीस। मनखेमन ओकर लास ला नहवाके ऊपर के कमरा म रख
दीन।
38 लुद्दा नगर यापा के लकठा म रिहिस। चेलामन जब ये सुनिन कि पतरस ह लुद्दा म हवय, त ओमन दू झन
ला पठोके ओकर ले बिनती करिन, "हमर करा तुरते आ!"
39 तब पतरस ह उठके ओमन के संग यापा गीस अऊ जब ओह उहां हबरिस, त मनखेमन ओला ऊपर के कमरा
म ले गीन। जम्मो बिधवामन रोवत पतरस करा आके ठाढ़ हो गीन अऊ जऊन कुरता अऊ आने कपड़ामन ला
दोरकास ह ओमन के संग रहत बनाय रहय, ओ जम्मो ला पतरस ला देखाय लगिन।
40 तब पतरस ह जम्मो झन ला कमरा ले बाहिर कर दीस अऊ माड़ी टेकके पराथना करिस अऊ लास कोति
देखके कहिस, "हे तबीता, उठ।" ओह अपन आंखी ला उघारिस अऊ पतरस ला देखके उठ बईठिस।
41 पतरस ह ओकर हांथ ला सहारा देके ओला उठाईस। तब पतरस ह बिसवासी मनखे अऊ खास करके
बिधवामन ला बलाईस अऊ ओला जीयत-जागत देखाईस।
42 ये बात ह जम्मो यापा सहर म फईल गीस अऊ बहुंते मनखेमन परभू ऊपर बिसवास करिन।
43 पतरस ह यापा म सिमोन नांव के चमड़ा के धंधा करइया एक मनखे के इहां कुछू दिन रिहिस।

10

[illegible]

1 कैसरिया सहर म कुरनेलियुस नांव के एक मनखे रिहिस। ओह इतालियानी रेजिमेन्ट नांव के रोमन सेना के
अधिकारी रिहिस।
2 ओह परमेसर के भक्त रिहिस अऊ अपन जम्मो परिवार के संग परमेसर के भय मानय। ओह जरूरतमंद ला
उदार मन से दान देवय अऊ परमेसर ले हमेसा पराथना करय।
3 ओह एक दिन-मंझनियां, तीन बजे एक दरसन देखिस। दरसन म ओह साफ देखिस कि परमेसर के एक
स्वरगदूत ह ओकर करा आके कहिस, "हे कुरनेलियुस!"
4 कुरनेलियुस ह डरा गीस अऊ ओला एकटक देखके कहिस, "हे परभू, का ए?"
स्वरगदूत ह ओला कहिस, "तोर पराथना अऊ गरीबमन बर तोर दान ह परमेसर करा हबरे हवय।
5 अब यापा सहर म कुछू मनखेमन ला भेज अऊ सिमोन नांव के एक मनखे, जऊन ला पतरस कहे जाथे, बला
ले।
6 ओह उहां चमड़ा के धंधा करइया सिमोन के इहां ठहिरे हवय, जेकर घर समुंदर के तीर म हवय।"
7 जब ओकर ले बात करइया स्वरगदूत ह चले गीस, तब ओह अपन दू झन सेवक अऊ अपन सेना के एक
सिपाही ला जऊन ह परमेसर के भक्त रिहिस, बलाईस,
8 अऊ ओमन ला जम्मो बात बताके यापा सहर पठोईस।

[illegible]

9 दूसर दिन लगभग मंझन के बेरा, जब ओमन सहर के लकठा म हबरत रहंय, त पतरस ह छानी ऊपर
पराथना करे बर चघिस।
10 ओही घरी ओला भूख लगिस अऊ ओह कुछू खाय बर चाहत रिहिस अऊ जब खाना ह बनत रहय, त ओह
अचेत हो गीस।
11 ओह देखिस कि स्वरग ह खुल गे हवय अऊ एक ठन बड़े चादर सहीं चीज ह चारों खूंट ले ओरमत धरती
कोति उतरत हवय।
12 ओमा धरती के जम्मो किसम के चरगोड़िया, पेट के बल रेंगइया जीव-जन्तु अऊ अकास के चिरईमन
रहंय।
13 तब पतरस ह ये अवाज सुनिस, "हे पतरस! उठ! मार अऊ खा।"
14 पर पतरस ह कहिस, "नइं परभू, कभू नइं। मेंह कभू कुछू असुध अऊ मईलाहा चीज नइं खाय हवंव।"
15 फेर दूसर बार पतरस ओ अवाज सुनिस, "जऊन कुछू ला परमेसर ह सुध करे हवय, ओला तेंह असुध झन
कह।"

16 तीन बार ले अइसनेच होईस, तब तुरते ओ चादर ला स्वरग म वापिस उठा लिये गीस।
17 जब पतरस ह ये दरसन के मतलब के बारे म सोचत रिहिस, तभे ओ मनखेमन, जेमन ला कुरनेलियुस ह
पठोय रिहिस, सिमोन के घर के पता लगावत दुवारी म आके ठाढ़ होईन।
18 ओमन अवाज देके पुछिन, "का सिमोन जऊन ला पतरस कहे जाथे, इहां हवय?"
19 पतरस ह ओ दरसन के बारे म सोचत रहय, तब परमेसर के आतमा ह ओला कहिस, "देख, तीन* झन
मनखेमन तोला खोजत हवंय।
20 एकरसेति उठ अऊ खाल्हे उतर अऊ ओमन के संग बिगर झिझके चले जा, काबरकि मेंह ओमन ला पठोय
हवंव।"
21 तब पतरस ह छानी ले उतरिस अऊ ओ मनखेमन ला कहिस, "देखव, जऊन ला तुमन खोजत हवव, ओह
में अंव। तुम्हर आय के का कारन ए?"
22 ओ मनखेमन कहिन, "हमन ला कुरनेलियुस सूबेदार ह पठोय हवय। ओह धरमी अऊ परमेसर के भय
मनइया मनखे ए अऊ जम्मो यहूदी मनखेमन ओकर आदर करथें। ओला एक पबितर स्वरगदूत ले ये हुकूम मिले
हवय कि ओह तोला अपन घर म बलाके तोर ले परमेसर के बचन सुनय।"
23 तब पतरस ह ओमन ला घर म बलाईस अऊ ओमन के पहुनई करिस।

[illegible]

दूसर दिन पतरस ह ओमन के संग गीस अऊ यापा के कुछू भाईमन घलो ओकर संग गीन।
24 ओकर दूसर दिन ओमन कैसरिया हबरिन। उहां कुरनेलियुस ह अपन रिस्तेदार अऊ मयारू संगीमन संग
ओमन के बाट जोहत रहय।
25 जब पतरस ह घर भीतर आवत रिहिस, त कुरनेलियुस ह ओकर ले भेंट करिस अऊ ओकर गोड़ खाल्हे
गिरके ओकर आदर करिस।
26 पर पतरस ह ओला उठाके कहिस, "ठाढ़ हो जा, मेंह घलो एक मनखे अंव।"
27 पतरस ह ओकर संग गोठियावत भीतर गीस अऊ उहां अब्बड़ मनखेमन ला देखके कहिस,
28 "तुमन जानत हव कि येह हमर यहूदी कानून के बिरोध म अय कि एक यहूदी ह आनजात के संगति करय
या ओकर इहां जावय। पर परमेसर ह मोला देखाय हवय कि मेंह कोनो मनखे ला असुध या मईलाहा झन कहंव।
29 एकरसेति जब मोला बलाय गीस, त बिगर कुछू आपत्ति के मेंह आ गेंव। अब मेंह पुछत हंव कि तेंह मोला
काबर बलाय हवस?"
30 तब कुरनेलियुस ह जबाब दीस, "चार दिन पहिली, मेंह इहीच बेरा मंझनियां के तीन बजे, अपन घर म
पराथना करत रहेंव कि अचानक एक झन मनखे चिकमिकी कपड़ा पहिरे मोर आघू म आके ठाढ़ हो गीस
31 अऊ ओह कहिस, 'हे कुरनेलियुस! परमेसर ह तोर पराथना ला सुने हवय अऊ तोर दान, जऊन ला
गरीबमन ला देथस, ओला सुरता करे हवय।
32 एकरसेति अब कोनो ला यापा सहर पठोके उहां ले सिमोन जऊन ला पतरस कहे जाथे, बला ले। ओह
चमड़ा के धंधा करइया सिमोन के घर म पहुना हवय, जऊन ह समुंदर के तीर म रहिथे।'
33 तब मेंह तुरते तोर करा मनखेमन ला पठोएंव। तेंह बने करय कि इहां आ गय। अब हमन जम्मो झन इहां
परमेसर के आघू म हवन कि ओ हर बात ला सुनन, जऊन ला परभू ह तोला सुनाय के हुकूम दे हवय।"
34 तब पतरस ह कहे के सुरू करिस: "अब मेंह जान गेंव कि येह सच ए कि परमेसर ह काकरो पखियपात नइं
करय,
35 पर हर जाति के मनखेमन ला गरहन करथे, जऊन मन ओकर भय मानथें अऊ सही काम करथें।
36 परमेसर ह इसरायलीमन करा संदेस पठोईस; ओमन ला यीसू मसीह के जरिये, जऊन ह जम्मो झन के
परभू ए, सांति के सुघर संदेस सुनाईस।
37 ओ बात ला तुमन जानत हव, जऊन ह यूहन्ना के बतिसमा के परचार के पाछू गलील प्रदेस ले सुरू होके
पूरा यहूदिया प्रदेस म फईल गे हवय—

---

* **10:19** एक पुराना हस्तलिपि म [illegible]

38 कि कइसने परमेसर ह नासरत के यीसू ला पबितर आतमा अऊ सामर्थ ले अभिसेक करिस, अऊ यीसू ह हर
जगह भलई करत अऊ सैतान के सताय जम्मो मनखेमन ला बने करत रिहिस, काबरकि परमेसर ह ओकर संग म
रिहिस।
39 "हमन ओ जम्मो काम के गवाह अन, जऊन ला ओह यहूदीमन के देस म अऊ यरूसलेम म करिस। ओमन
ओला एक ठन कुरूस म लटकाके मार डारिन,
40 पर ओला परमेसर ह तीसरा दिन मरे म ले जियाईस अऊ ओला परगट घलो करिस कि मनखेमन ओला
देखंय।
41 ओह जम्मो मनखेमन ला देखई नइं दीस, पर ओ गवाहमन ला देखई दीस, जऊन मन ला परमेसर ह पहिली
ले चुन ले रिहिस; याने कि हमन ला, जऊन मन ओकर मरे म ले जी उठे के पाछू ओकर संग खायेंन-पीयेंन।
42 परभू यीसू ह हमन ला हुकूम दीस कि हमन जम्मो मनखेमन म परचार करन अऊ गवाही देवन कि येह
ओही ए, जऊन ला परमेसर ह जीयत अऊ मरे मन के नियाय करइया ठहिराईस।
43 जम्मो अगमजानीमन ओकर बारे गवाही देथें कि जऊन कोनो यीसू ऊपर बिसवास करही, ओला यीसू के
नांव म पाप के छेमा मिलही।"
44 जब पतरस ह ये बचन कहत रिहिस, तभे पबितर आतमा ओ जम्मो झन ऊपर उतरिस, जऊन मन संदेस
ला सुनत रहंय।
45 जऊन खतना करवाय बिसवासीमन पतरस के संग आय रिहिन, ओमन ये देखके चकित होईन कि पबितर
आतमा के दान ह आनजातमन ऊपर घलो उंडेरे गीस।
46 काबरकि ओमन आनजातमन ला आने-आने भासा बोलत अऊ परमेसर के महिमा करत सुनिन।
तब पतरस ह कहिस,
47 "का कोनो अब ये मनखेमन ला पानी ले बतिसमा ले बर मना कर सकथे? येमन घलो हमर सहीं पबितर
आतमा पाय हवंय।"
48 एकरसेति ओह हुकूम दीस कि ओमन ला यीसू मसीह के नांव म बतिसमा देय जावय। तब ओमन पतरस ले
बिनती करिन कि ओह कुछू दिन ओमन के संग रहय।

11

[illegible]

1 प्रेरितमन अऊ जम्मो यहूदिया म रहइया भाईमन सुनिन कि आनजातमन घलो परमेसर के बचन ला गरहन
कर ले हवंय।
2 एकरसेति जब पतरस ह यरूसलेम म आईस, त खतना करवाय बिसवासीमन ओकर आलोचना करे लगिन
3 अऊ कहिन, "तेंह बिगर खतना वाले मनखेमन के घर गे रहय अऊ ओमन के संग खाना खाय हवस।"
4 तब पतरस ह ओमन ला जऊन बात होय रिहिस, ओला सुरू ले एक-एक करके बताय लगिस:
5 "मेंह यापा सहर म पराथना करत रहेंव अऊ बेसुध हो गेंव अऊ ओ दसा म एक दरसन देखेंव कि एक ठन
बड़े चादर के सहीं चीज ह चारों खूंट ले ओरमत स्वरग ले मोर करा उतरिस।
6 जब मेंह ओमा धियान देवंय, त ओमा मेंह धरती के चरगोड़िया पसु, जंगली पसु, रेंगइया जीव-जन्तु अऊ
अकास के चिरईमन ला देखेंव।
7 तब मेंह एक अवाज सुनेंव जऊन ह मोला ये कहत रहय, 'हे पतरस! उठ! मार अऊ खा।'
8 "मेंह कहेंव, 'नइं परभू, कभू नइं! काबरकि कुछू असुध या मईलाहा चीज मोर मुहूं म आज तक कभू नइं गे
हवय।'
9 "तब अकास ले दूसर बार ये अवाज आईस, 'जऊन कुछू ला परमेसर ह सुध करे हवय, ओला तेंह असुध झन
कह।'
10 तीन बार ले अइसनेच होईस, अऊ तब ओ जम्मो चादर ला स्वरग म फेर खींच लिये गीस।
11 "ठीक ओतकीच बेरा, तीन झन मनखे जऊन मन ला कैसरिया सहर ले मोर करा पठोय गे रिहिस, ओ घर म
आके ठाढ़ होईन, जिहां मेंह रहेंव।
12 तब आतमा ह मोला ओमन के संग बेखटके चले जाय बर कहिस। यापा के ये छै भाईमन घलो मोर संग हो
लीन अऊ हमन कुरनेलियुस के घर म गेंन,

13 जऊन ह हमन ला बताईस कि कइसने ओह एक स्वरगदूत ला ओकर घर म परगट होवत देखिस, अऊ
कहिस, 'यापा सहर म मनखे भेज अऊ सिमोन जऊन ला पतरस कहे जाथे, बला ले।
14 ओह तोर खातिर एक संदेस लानही, जेकर दुवारा तें अऊ तोर पूरा घराना उद्धार पाही।'
15 "जब मेंह कहे के सुरू करेंव, त पबितर आतमा ओमन ऊपर उतरिस, जइसने सुरू म हमर ऊपर उतरे रिहिस।
16 तब मोला परभू के कहे ओ बचन सुरता आईस, 'यूहन्ना ह तो पानी ले बतिसमा दीस, पर तुमन पबितर
आतमा ले बतिसमा पाहू।'
17 जब परमेसर ह ओमन ला घलो ओहीच दान दीस, जऊन ह हमन ला परभू यीसू मसीह के ऊपर बिसवास
करे ले मिले रिहिस, त मेंह कोन होथंव कि परमेसर के काम म रूकावट करे के सोच सकतेंव?"
18 जब ओमन ये सुनिन, त चुप हो गीन अऊ परमेसर के महिमा करके कहिन, "परमेसर ह आनजातमन ला
घलो जिनगी पाय बर, मन-फिराय के मऊका दे हवय।"

[illegible]

19 स्तिफनुस के कारन बिसवासीमन ला सताय गीस, जेकर कारन ओमन तितिर-बितिर हो गीन। ओमन
फिरते-फिरत फीनीके, साइप्रस अऊ अंताकिया म हबरिन अऊ ओमन यहूदीमन के छोंड़ अऊ कोनो ला संदेस
नइं सुनावत रिहिन।
20 ओमन ले कुछू झन साइप्रस अऊ कुरेन के रहइया रिहिन, जऊन मन अंताकिया म आके यूनानीमन ला
घलो परभू यीसू के सुघर संदेस सुनाय लगिन।
21 परभू के सामर्थ ओमन के संग रिहिस अऊ बहुंते मनखेमन बिसवास करके परभू करा आईन।
22 ये संदेस ह यरूसलेम के कलीसिया के मनखेमन करा पहुंचिस, त ओमन बरनबास ला अंताकिया पठोईन।
23 जब ओह उहां हबरिस अऊ परमेसर के अनुग्रह के काम ला देखिस, त ओह खुस होईस अऊ जम्मो झन ला
उत्साहित करिस कि ओमन अपन पूरा हिरदय ले परभू के बिसवास म ईमानदार बने रहंय।
24 बरनबास ह एक बने मनखे रिहिस। ओह पबितर आतमा अऊ बिसवास ले भरे रिहिस अऊ बहुंते मनखेमन
परभू करा आईन।
25 तब बरनबास ह साऊल ला खोजे बर तरसुस सहर गीस,
26 अऊ जब ओला साऊल मिलिस, त ओह ओला अंताकिया म ले आईस। बरनबास अऊ साऊल एक साल
तक कलीसिया के संग मिलते रिहिन अऊ बहुंते मनखेमन ला उपदेस दीन। चेलामन ला सबले पहिली
अंताकिया म ही मसीही कहे गीस।
27 ओही दिन म कुछू अगमजानीमन यरूसलेम ले अंताकिया म आईन।
28 ओमा ले एक अगमजानी जेकर नांव अगबुस रिहिस, ठाढ़ होईस अऊ आतमा के अगुवई म, ये बताईस कि
जम्मो रोमन राज म भारी अकाल पड़ही (ओ अकाल ह क्लौदियुस राजा के समय म पड़िस)।
29 तब चेलामन, हर एक अपन सक्ति के मुताबिक यहूदिया प्रदेस म रहइया भाईमन के मदद करे के ठानिन।
30 अऊ ओकरे मुताबिक ओमन बरनबास अऊ साऊल के हांथ म अगुवामन करा अपन दान पठो दीन।

12

[illegible]

1 ओही समय हेरोदेस राजा ह कलीसिया के कुछू मनखेमन ला सताय बर ओमन ला बंदी बनाईस।
2 ओह यूहन्ना के भाई याकूब ला तलवार ले मरवा दीस।
3 जब ओह देखिस कि यहूदीमन अइसने करे ले खुस होवत हवंय, त ओह पतरस ला घलो पकड़ लीस अऊ
ओह फसह तिहार के समय रहय।
4 पतरस ला पकड़े के बाद, ओह ओला जेल म डार दीस अऊ रखवारी करे बर चार-चार सिपाहीमन ला
पारी-पारी चारों पहर पहरा म लगा दीस। हेरोदेस राजा चाहत रिहिस कि फसह तिहार के पाछू पतरस ला
मनखेमन के आघू म पुछताछ करे बर लानय।
5 पतरस ला जेल म रखे गे रहय, पर कलीसिया ह ओकर बर लगन से परमेसर ले पराथना करत रहय।

6 जऊन दिन हेरोदेस ह पतरस ला यहूदीमन के आघू म पुछताछ करे बर लवइया रिहिस, ओकर पहिली
रथिया पतरस ह दू ठन सांकर म बंधाय दू झन सिपाही के मांझा म सुतत रहय अऊ पहरेदारमन दुवारी म जेल
के रखवारी करत रहंय।
7 तभे अचानक परभू के एक स्वरगदूत परगट होईस अऊ पतरस के कोठरी म अंजोर हो गीस। स्वरगदूत ह
पतरस के बाजू म हांथ मारके ओला उठाईस अऊ कहिस, "उठ, जल्दी कर।" अऊ पतरस के हांथ ले सांकर ह
खुलके गिर गीस।
8 तब स्वरगदूत ह ओला कहिस, "अपन कपड़ा अऊ पनही ला पहिर ले।" पतरस ह वइसनेच करिस।
स्वरगदूत ह फेर कहिस, "अपन ओढ़ना ला ओढ़ ले अऊ मोर पाछू-पाछू आ।"
9 पतरस ह ओकर पाछू-पाछू हो लीस, पर ओह नइं जानत रहय कि जऊन कुछू स्वरगदूत ह करत हवय, ओह
सही म होवत हवय। ओह सोचिस कि ओह कोनो दरसन देखत हवय।
10 तब ओमन पहिली अऊ दूसर पहरेदार ले निकलके लोहा के दुवारी म हबरिन, जिहां ले सहर कोति रसता
जावय। दुवार ह ओमन बर आपे-आप खुल गीस; अऊ ओमन बाहिर निकल गीन; जब ओमन एक गली के बरोबर
दूरिहा गे होहीं, त अचानक स्वरगदूत ह पतरस ला छोंड़के चले गीस।
11 तब पतरस ह चेत म आईस अऊ कहिस, "अब मेंह सही म जान डारेंव कि परभू ह अपन स्वरगदूत ला
पठोके मोला हेरोदेस के हांथ ले छोंड़ाय हवय अऊ यहूदीमन के आसा ला टोर दे हवय।"
12 जब ओह ये बात ला जानिस, त ओह यूहन्ना के दाई मरियम के घर गीस। यूहन्ना ला मरकुस घलो कहे
जाथे। उहां बहुंत मनखेमन जूरके पराथना करत रहंय।
13 पतरस ह बाहिर के कपाट ला खटखटाईस, त रूदे नांव के एक नौकरानी छोकरी ह अवाज सुनके कपाट
करा आईस।
14 जब ओह पतरस के अवाज ला चिन्हिस, त ओह खुसी के मारे कपाट ला खोले बर भुला गीस। ओह दऊड़के
भीतर गीस अऊ मनखेमन ला बताईस कि पतरस ह कपाट करा ठाढ़े हवय।
15 ओमन ओला कहिन, "तेंह बही हो गे हवस।" जब ओह जोर देके कहितेच रहय कि पतरस ह कपाट करा
हवय। त ओमन कहिन, "येह जरूर पतरस के स्वरगदूत होही।"
16 फेर पतरस ह कपाट ला खटखटातेच रहय अऊ जब ओमन कपाट ला खोलिन अऊ पतरस ला देखिन, त
ओमन चकित हो गीन।
17 पतरस ह ओमन ला चुपेचाप रहे बर इसारा करिस अऊ बताईस कि कइसने परभू ह ओला जेल ले बाहिर
निकालिस। ओह कहिस, "याकूब अऊ आने भाईमन ला ये बात बता देवव।" तब ओह निकलके आने जगह चले
गीस।
18 बिहनियां, सिपाहीमन म भारी हलचल मच गे अऊ ओमन पुछे लगिन, "पतरस के का होईस?"
19 हेरोदेस राजा ह पतरस के बहुंत खोज कराईस अऊ जब ओह नइं मिलिस, त हेरोदेस ह पहरेदारमन के
जांच-पड़ताल कराईस अऊ ओमन ला मार डारे के हुकूम दीस।

[illegible]

एकर बाद, हेरोदेस राजा यहूदिया ले कैसरिया चल दीस अऊ उहां कुछू समय तक रिहिस।
20 हेरोदेस के, सूर अऊ सीदोन के मनखेमन संग झगरा चलत रहय। एकरसेति ओ मनखेमन एक दल बनाके
ओकर करा आईन। पहिली ओमन बलास्तुस ला मनाईन, जऊन ह राजा के एक नजदीकी सेवक रिहिस अऊ तब
ओकर जरिये राजा ले मेल-मिलाप करे चाहिन, काबरकि राजा के देस ले ओमन के पालन-पोसन होवत रिहिस।
21 एक ठहिराय गे दिन म हेरोदेस ह राजवस्त्र पहिरके अपन सिंघासन म बईठिस अऊ ओमन ला भासन देवन
लगिस।
22 तब मनखेमन चिचिया उठिन, "येह मनखे के नइं, पर परमेसर के अवाज ए।"
23 ओहीच बेरा परभू के एक स्वरगदूत ह ओला मारिस अऊ ओला कीरा पर गे अऊ ओह मर गीस काबरकि
ओह परमेसर के महिमा नइं करिस।
24 पर परमेसर के बचन ह लगातार बाढ़त अऊ बगरत गीस।

[illegible]

25 जब बरनबास अऊ साऊल अपन सेवा ला पूरा कर लीन, त ओमन यूहन्ना ला जऊन ह मरकुस घलो
कहाथे, अपन संग लेके यरूसलेम ले लहुंटिन।

13

1 अंताकिया के कलीसिया म कुछू अगमजानी अऊ गुरूमन रहंय, जेमन के नांव रिहिस—बरनबास, सिमोन
जऊन ला नीगर कहे जाथे, कुरेन के रहइया लूकियुस, मनायेन (जऊन ह हेरोदेस राजपाल के संग पले-बढ़े
रिहिस), अऊ साऊल।
2 जब ओमन उपास अऊ परभू के अराधना करत रहंय, त पबितर आतमा ह कहिस, "मोर बर बरनबास अऊ
साऊल ला ओ काम बर अलग करव, जेकर बर मेंह ओमन ला चुने हवंव।"
3 तब ओमन उपास अऊ पराथना करिन, अऊ बरनबास अऊ साऊल ऊपर अपन हांथ रखके ओमन ला बिदा
करिन।

[illegible]

4 पबितर आतमा के पठोय बरनबास अऊ साऊल सिलूकिया म गीन अऊ उहां ले ओमन पानी जहाज म
चघके साइप्रस दीप चल दीन।
5 जब ओमन सलमीस सहर म हबरिन, त उहां परमेसर के बचन ला यहूदीमन के सभा-घर म सुनाईन। यूहन्ना
ह ओमन के संग म एक सहायक के रूप म रहय।
6 ओ जम्मो दीप म ले होवत ओमन पाफुस सहर आईन। उहां ओमन ला बार-यीसू नांव के एक यहूदी टोनहा
अऊ लबरा अगमजानी मिलिस।
7 ओह दीप के राजपाल सिरगियुस पौलुस के सेवक रिहिस। सिरगियुस ह एक बुद्धिमान मनखे रहय। ओह
बरनबास अऊ साऊल ला अपन करा बलाईस काबरकि ओह परमेसर के बचन सुने चाहत रिहिस।
8 पर बार-यीसू जऊन ला यूनानी भासा म इलीमास टोनहा कहे जावय, ओमन के बिरोध करिस अऊ राजपाल
सिरगियुस ला बिसवास करे ले रोके के कोसिस करिस।
9 तब साऊल जेकर नांव पौलुस घलो अय, पबितर आतमा ले भरके इलीमास ला एकटक देखिस अऊ कहिस,
10 "तेंह सैतान के संतान अस अऊ जम्मो बने चीज के बईरी अस। तेंह जम्मो किसम के कपट अऊ धोखा ले
भरे हवस। का तेंह परभू के सीधा रसता ला टेढ़ा करे बर कभू नइं छोंड़स?
11 अब परभू के हांथ ह तोर बिरोध म उठे हवय। तेंह अंधरा हो जाबे अऊ कुछू समय तक सूरज के अंजोर ला
नइं देख सकबे।"
तुरते ओकर आंखी म धुंध अऊ अंधियार छा गे, अऊ ओह एती-ओती टमड़े लगिस ताकि कोनो ओकर हांथ
ला धरके ओला ले जावंय।
12 जब राजपाल ह ये घटना ला देखिस, त ओह मसीह ऊपर बिसवास करिस, काबरकि ओह परभू के बारे म
उपदेस सुनके चकित हो गे रिहिस।

[illegible]

13 पौलुस अऊ ओकर संगीमन पाफुस ले पानी जहाज खोलके पंफूलिया प्रदेस के पिरगा म आईन, जिहां
यूहन्ना ओमन ला छोड़के यरूसलेम लहुंट गीस।
14 ओमन पिरगा ले आघू बढ़िन अऊ पिसिदिया प्रदेस के अंताकिया सहर म आईन। बिसराम के दिन, ओमन
सभा-घर म जाके बईठिन।
15 मूसा के कानून के किताब अऊ अगमजानीमन के किताब म ले पढ़े के बाद, सभा-घर के अधिकारीमन ओमन
करा ये संदेस पठोईन, "हे भाईमन, यदि तुम्हर करा मनखेमन बर कोनो उत्साह के संदेस हवय, त सुनावव।"
16 तब पौलुस ह ठाढ़ होईस अऊ हांथ ले इसारा करके कहिस, हे इसरायली अऊ परमेसर के अराधना
करइया—आनजात के मनखेमन, मोर बात ला सुनव!
17 इसरायली मनखेमन के परमेसर ह हमर पुरखामन ला चुनिस अऊ जब ओमन मिसर देस म परदेसी के सहीं
रहत रिहिन, त ओमन ला बढ़ाईस अऊ अपन अपार बाहुबल ले ओमन ला ओ देस ले बाहिर निकाल लानिस।
18 अऊ चालीस साल तक निरजन जगह म ओमन के गलत बरताव ला सहत रिहिस।

19 ओह कनान देस म सात ठन जात के मनखेमन ला उखान फेंकिस अऊ ओमन के जमीन ला अपन मनखेमन
के अधिकार म दे दीस।
20 ए जम्मो काम म लगभग चार सौ पचास बछर लगिस।
"एकर बाद, समूएल अगमजानी के आवत तक, परमेसर ह ओमन के बीच म नियाय करइया मनखेमन ला
ठहिराईस।
21 तब ओमन अपन बर एक राजा मांगिन। परमेसर ह साऊल ला राजा ठहिराईस, जऊन ह बिनयामीन के
गोत्र म ले कीस के बेटा रिहिस। ओह चालीस साल तक राज करिस।
22 साऊल ला हटाय के बाद, ओह दाऊद ला ओमन के राजा बनाईस। दाऊद के बारे म परमेसर ह ये गवाही
दीस: 'मोला मोर मन के मुताबिक एक मनखे, यिसै के बेटा दाऊद मिल गे हवय। ओह ओ जम्मो काम करही,
जऊन ला मेंह चाहथंव।'
23 "ओही दाऊद के बंस म ले परमेसर ह अपन परतिगियां के मुताबिक इसरायली मनखेमन बर उद्धार करइया
यीसू ला पठोईस।
24 यीसू के आय के पहिली यूहन्ना ह जम्मो इसरायली मनखेमन ला मन-फिराय अऊ बतिसमा के परचार
करिस।
25 जब यूहन्ना ह अपन काम पूरा करइया रिहिस, त ओह कहिस, 'तुमन मोला कोन ए समझत हव? मेंह ओ
नो हंव जऊन ला परमेसर ह पठोय के परतिगियां करे हवय। पर मोर बाद, ओह आवत हवय, जेकर गोड़ के
पनही घलो खोले के काबिल मेंह नो हंव।'
26 "हे भाईमन हो! अब्राहम के संतान अऊ परमेसर ले डरइया आनजातमन, हमर करा ये उद्धार के संदेस
पठोय गे हवय।
27 यरूसलेम के मनखे अऊ ओकर अधिकारीमन यीसू ला नइं चिन्हिन अऊ न ही ओमन अगमजानीमन के
बचन ला समझिन, जऊन ह हर बिसराम के दिन पढ़े जाथे। एकरसेति ओमन यीसू ला दोसी ठहिराके ओ बातमन
ला पूरा करिन।
28 हालाकि ओमन मार डारे जाय के लईक कोनो दोस ओमा नइं पाईन, तभो ले ओमन पीलातुस ले मांग
करिन कि ओह मार डारे जावय।
29 जब ओमन ओकर बारे म लिखे जम्मो बात ला पूरा कर लीन, तब ओला कुरूस ले उतारके एक कबर म
रखिन।
30 पर परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस।
31 अऊ ओह ओमन ला जऊन मन ओकर संग गलील ले यरूसलेम आय रिहिन, बहुंत दिन तक देखई देवत
रिहिस। ओमन अब हमर मनखेमन के आघू म ओकर गवाह अंय।
32 "हमन तुमन ला सुघर संदेस सुनावत हवन, जेकर वायदा परमेसर ह हमर पुरखामन ले करे रिहिस।
33 परमेसर ह यीसू ला जियाके, ओ वायदा ला अपन संतान, हमर बर पूरा करिस। जइसने कि भजन दू म लिखे
हवय:
" 'तेंह मोर बेटा अस;
आज मेंह तोर ददा बन गे हवंव।'*
34 परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस ताकि ओह कभू झन सड़य। ये बात ला बचन म अइसने कहे गे हवय,
" 'तोला पबितर अऊ अटल आसीस दूहूं, जेकर वायदा मेंह दाऊद ले करे रहेंव।'†
35 ओह भजन के एक अऊ जगह म घलो अइसने कहिस:
" 'अपन पबितर जन ला तेंह सड़न नइं देबे।'‡
36 "दाऊद ह अपन समय म परमेसर के ईछा मुताबिक सेवा करिस अऊ ओह मर गीस। ओला ओकर
पुरखामन के संग माटी दिये गीस अऊ ओकर देहें ह सड़ गीस।
37 पर जऊन ला परमेसर ह मरे म ले जियाईस, ओह सड़े नइं पाईस।
38 "एकरसेति हे मोर भाईमन! मेंह चाहत हंव कि तुमन जान लेवव कि यीसू के दुवारा पाप के छेमा के संदेस
तुमन ला दिये जावत हवय।

* **13:33** भजन 2:7 † **13:34** यसा 55:3 ‡ **13:35** भजन 16:10 (देखव सेप्टाजिन्ट)

39 ओकर जरिये ही हर ओ मनखे ला पाप ले मुक्त करे जाथे, जऊन ह बिसवास करथे, ओला ओ नियाय
मिलथे, जेला तुमन मूसा के कानून के अधीन रहिके नइं पा सकत रहेव।
40 एकरसेति सचेत रहव कि जऊन बात ला अगमजानीमन कहे हवंय, ओह तुम्हर ऊपर झन आ पड़य:
41 " 'हे निन्दा करइयामन! देखव!
चकित होवव अऊ मिट जावव,
काबरकि मेंह तुम्हर समय म कुछू अइसन करे बर जावत हंव,
यदि ओकर बारे म कोनो तुमन ला बतावय,
तभो ले तुमन कभू बिसवास नइं करहू।'§"
42 जब पौलुस अऊ बरनबास सभा के घर ले निकलके बाहिर जावत रिहिन, त मनखेमन ओमन ले बिनती
करिन कि अवइया बिसराम के दिन हमन ला एकर बारे म अऊ बतावव।
43 जब सभा ह उसल गीस, त बहुंते यहूदीमन अऊ यहूदी मत म आय भक्तमन पौलुस अऊ बरनबास के पाछू
हो लीन। ओ दूनों ओमन ले बात करके ओमन ला उत्साहित करिन कि ओमन परमेसर के अनुग्रह म बने रहंय।
44 ओकर आने बिसराम के दिन लगभग जम्मो सहर के मनखेमन परमेसर के बचन सुने बर जूर गीन।
45 जब यहूदीमन मनखेमन के भीड़ ला देखिन, त जलन ले भर उठिन अऊ ओमन पौलुस के बात के बिरोध
करके ओकर बेजत्ती करिन।
46 तब पौलुस अऊ बरनबास निडर होके ओमन ला कहिन, "हमन के दुवारा पहिली परमेसर के बचन तुमन ला
सुनाना जरूरी रिहिस, पर तुमन ओला गरहन नइं करेव अऊ अपनआप ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी
के काबिल नइं समझेव। एकरसेति, हमन आनजातमन कोति जावत हन।
47 काबरकि परभू ह हमन ला ये हुकूम दे हवय,
" 'मेंह तोला आनजातमन बर एक अंजोर ठहिराय हवंव
ताकि तेंह जम्मो धरती के छोर तक उद्धार के रसता बन।'*"
48 जब आनजातमन येला सुनिन, त ओमन खुस होईन अऊ परभू के बचन के महिमा करिन अऊ जतेक
मनखेमन परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी बर चुने गे रिहिन, ओमन बिसवास करिन।
49 परभू के बचन ह ओ जम्मो इलाका म फईल गीस।
50 पर यहूदीमन, परमेसर ले डरइया बड़े घराना के माईलोगन ला अऊ सहर के बड़े मनखेमन ला भड़काईन,
अऊ ओमन पौलुस अऊ बरनबास के बिरोध म उपदरव करवाके ओमन ला अपन इलाका ले निकाल दीन।
51 एकरसेति पौलुस अऊ बरनबास ओमन ला चेतउनी के रूप म अपन गोड़ के धुर्रा ला झर्राके इकुनियुम सहर
चल दीन।
52 अऊ चेलामन आनंद अऊ पबितर आतमा ले भरपूर होवत गीन।

14

[illegible]

1 अपन आदत के मुताबिक, इकुनियुम म घलो पौलुस अऊ बरनबास यहूदीमन के सभा-घर म गीन। उहां
ओमन अइसने परभावसाली ढंग ले गोठियाईन कि बहुंते यहूदी अऊ आनजातमन बिसवास करिन।
2 पर बिसवास नइं करइया यहूदीमन आनजातमन ला भड़काईन अऊ ये भाईमन के बिरोध म ओमन के मन म
जहर भरिन।
3 पौलुस अऊ बरनबास उहां बहुंत दिन तक रिहिन, अऊ परभू के सेवा बड़े हिम्मत के संग करिन। परभू ह
ओमन के दुवारा चिनहां-चमतकार अऊ अचरज के काम देखाके अपन अनुग्रह के संदेस ला मजबूत करत गीस।
4 पर सहर के मनखेमन म फूट पड़ गे; कुछू मनखेमन यहूदीमन कोति अऊ कुछू मनखेमन प्रेरितमन कोति हो
गीन।
5 आनजातमन अऊ यहूदीमन अपन अगुवामन संग प्रेरितमन ला सताय बर अऊ ओमन के ऊपर पथरवाह
करे बर सडयंत्र करिन।

§ **13:41** हब 1:5 * **13:47** यसा 49:6

6 पर प्रेरितमन ला ये बात के पता चल गीस, अऊ उहां ले ओमन लुकाउनिया छेत्र के लुस्त्रा अऊ दिरबे सहर
म अऊ आसपास के जगह म भाग गीन,
7 अऊ उहां सुघर संदेस सुनाय लगिन।

[illegible]

8 लुस्त्रा सहर म एक खोरवा मनखे बईठे रिहिस, जेकर गोड़मन जनम ले दुरबल रिहिन अऊ ओह कभू नइं रेंगे
रिहिस।
9 ओह पौलुस के गोठ ला सुनत रिहिस। पौलुस ह ओला टकटकी लगाके देखिस अऊ जान गीस कि ओला बने
होय के बिसवास हवय।
10 तब पौलुस ह ऊंचहा अवाज म ओला कहिस, "अपन गोड़ म सीधा ठाढ़ हो जा!" अतकी म ओ मनखे ह
कूदके ठाढ़ हो गीस अऊ चले-फिरे लगिस।
11 जब मनखेमन पौलुस के ये काम ला देखिन, त ओमन लुकाउनिया भासा म चिचियाके कहिन, "देवतामन
मनखेमन के रूप म हमर करा उतर आय हवंय।"
12 ओमन बरनबास ला ज्यूस देवता अऊ पौलुस ला हिरमेस देवता कहिन, काबरकि पौलुस ह गोठ-बात करे
म मुखिया रिहिस*।
13 ज्यूस देवता के मंदिर ओमन के सहर के बाहिरेच म रिहिस। ओ मंदिर के पुजारी ह बईला अऊ फूलमाला
धरके सहर के कपाट म गीस, काबरकि ओह अऊ भीड़ के मनखेमन बरनबास अऊ पौलुस ला देवता समझके
ओमन के आघू म बलि चघाय चाहत रिहिन।
14 जब प्रेरित बरनबास अऊ पौलुस ये बात ला सुनिन, त दुखी होके अपन कपड़ा ला चीरिन अऊ भीड़ के
भीतर दऊड़के गीन अऊ चिचियाके ये कहिन,
15 "हे मनखेमन हो! तुमन ये का करत हव? हमन घलो तुम्हर सहीं मनखे अन। हमन तुमन ला सुघर संदेस
सुनावत हन ताकि तुमन ये बेकार चीजमन ला छोंड़के जीयत परमेसर कोति फिरव, जऊन ह अकास, धरती,
समुंदर अऊ जऊन कुछू ओमा हवय, ओ जम्मो ला बनाय हवय।
16 बीते जमाना म, ओह जम्मो जाति के मनखेमन ला अपन-अपन रसता म चलन दीस।
17 तभो ले ओह अपन उपस्थिति के सबूत देवत रिहिस; ओह अकास ले बारिस अऊ सही समय म फसल देके
तुम्हर ऊपर दया देखाईस; ओह तुमन ला बहुंतायत ले भोजन देथे अऊ तुम्हर हिरदय ला आनंद ले भर देथे।"
18 ये कहे के बाद घलो, ओमन मनखेमन ला ओमन बर बलि चघाय ले मुसकुल से रोकिन।
19 तब कुछू यहूदीमन अंताकिया अऊ इकुनियुम सहर ले आईन अऊ ओमन मनखे के भीड़ ला अपन कोति
राजी कर लीन। ओमन पौलुस ऊपर पथरवाह करिन अऊ ओला मरे समझके सहर के बाहिर घसीटके ले गीन।
20 पर जब चेलामन पौलुस के चारों कोति जूरिन, त ओह उठिस अऊ सहर ला वापिस चल दीस। दूसर दिन
ओह अऊ बरनबास दिरबे सहर ला चल दीन।

[illegible]

21 ओमन ओ सहर के मनखेमन ला सुघर संदेस सुनाईन, अऊ उहां बहुंत चेला बनाईन। ओकर बाद ओमन
लुस्त्रा, इकुनियुम अऊ अंताकिया ला लहुंट गीन।
22 अऊ ओमन चेलामन ला मजबूत करत अऊ बिसवास म बने रहे बर उत्साहित करत गीन। ओमन ये कहंय,
"हमन ला परमेसर के राज म प्रवेस करे बर बहुंत तकलीफ उठाना पड़ही।"
23 पौलुस अऊ बरनबास हर एक कलीसिया म अगुवा ठहिराईन अऊ उपास अऊ पराथना करके ओमन ला
परभू के हांथ म सऊंप दीन, जेकर ऊपर ओमन बिसवास करे रिहिन।
24 ओमन पिसिदिया ले होवत पंफूलिया म आईन
25 अऊ पिरगा सहर म परमेसर के बचन सुनाय के बाद, ओमन अत्तलिया चल दीन।
26 अत्तलिया ले ओमन पानी जहाज म चघके अंताकिया म वापिस आईन, जिहां ओमन ला परमेसर के
अनुग्रह म ओ काम सऊंपे गे रिहिस, जऊन ला ओमन अब पूरा करिन।

---

* **14:12** [illegible] ह यूनानी मनखेमन के देवतामन के मुखिया रिहिस; [illegible] ह ज्यूस के बेटा रिहिस अऊ ओह, ज्यूस अऊ आने देवतामन कोति ले गोठ-बात करय।

27 उहां हबरे के बाद, ओमन कलीसिया के मनखेमन ला इकट्ठा करिन अऊ ओ जम्मो काम, जऊन ला परमेसर
ह ओमन के दुवारा करे रिहिस, ओ मनखेमन ला बताईन, अऊ ये घलो बताईन कि कइसने परमेसर ह
आनजातमन बर बिसवास के रसता खोलिस।
28 अऊ ओमन उहां चेलामन के संग बहुंत दिन तक रिहिन।

15

[illegible]

1 कुछू मनखेमन यहूदिया ले अंताकिया म आईन अऊ ओमन भाईमन ला ये सिखोय लगिन, "यदि मूसा के
सिखोय रीति के मुताबिक तुम्हर खतना नइं होय हवय, त तुम्हर उद्धार नइं हो सकय।"
2 एकर बारे म पौलुस अऊ बरनबास के, ओमन के संग बहुंत झगरा अऊ बाद-बिबाद होईस। एकरसेति ये
ठहिराय गीस कि पौलुस अऊ बरनबास कुछू अऊ बिसवासीमन के संग, ये बिसय के बारे म चरचा करे बर प्रेरित
अऊ अगुवामन करा यरूसलेम जावंय।
3 कलीसिया के मनखेमन ओमन ला यरूसलेम पठोईन। ओमन फीनीके अऊ सामरिया होवत गीन, अऊ
ओमन ये बतावत गीन कि कइसने आनजातमन परमेसर कोति लहुंटिन। ये बात ला सुनके जम्मो भाईमन बहुंत
खुस होईन।
4 जब ओमन यरूसलेम हबरिन; त कलीसिया, प्रेरित अऊ अगुवामन ओमन के सुवागत करिन। ओमन
कलीसिया, प्रेरित अऊ अगुवामन ला बताईन कि परमेसर ह कइसने ओमन के दुवारा बड़े-बड़े काम करे हवय।
5 तब फरीसीमन के दल ले जऊन मन बिसवास करे रिहिन, ओमा ले कुछू झन उठके कहिन, "आनजातमन बर
खतना करवाना अऊ मूसा के कानून ला मानना जरूरी ए।"
6 तब प्रेरित अऊ अगुवामन ये बिसय के बारे म बिचार करे बर जूरिन।
7 बहुंत बिचार करे के बाद, पतरस ह ठाढ़ होके कहिस, "हे भाईमन हो! तुमन जानत हव कि कुछू समय पहिली
परमेसर ह तुमन ले मोला चुनिस ताकि मोर मुहूं ले आनजातमन सुघर संदेस सुनंय अऊ बिसवास करंय।
8 परमेसर ह मनखे के मन के बिचार ला जानथे अऊ ओह हमन ला देखाईस कि ओह आनजातमन ला घलो
हमर सहीं पबितर आतमा देके गरहन करे हवय।
9 ओह बिसवास के दुवारा ओमन के हिरदय ला सुध करके, हमन अऊ ओमन के बीच म कुछू फरक नइं करिस।
10 अब तुमन काबर परमेसर ला परखे के कोसिस करत हवव? तुमन चेलामन के खांधा म अइसने जुआड़ी
रखत हवव, जऊन ला न तो हमन अऊ न ही हमर पुरखामन उठा सकिन।
11 हमन बिसवास करथन कि हमर परभू यीसू के अनुग्रह के दुवारा हमन उद्धार पाय हवन, वइसने ओमन घलो
उद्धार पाय हवंय।"
12 एकर बाद, जम्मो सभा के मनखेमन चुपेचाप बरनबास अऊ पौलुस के बात ला सुने लगिन कि परमेसर ह
कइसने ओमन के दुवारा आनजातमन के बीच म अद्भूत चिनहां अऊ चमतकार के काम करिस।
13 जब ओमन अपन बात खतम कर लीन, त याकूब ह कहिस, हे भाईमन, मोर बात ला सुनव।
14 सिमोन ह हमन ला बताईस कि कइसने परमेसर ह पहिली-पहल आनजातमन ऊपर दया करिस कि ओमन
ले मनखेमन के एक दल ला अपन बर ले लीस।
15 ये बात ह अगमजानीमन के बचन के मुताबिक होईस, जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:
16 " 'एकर बाद मेंह वापिस आहूं,
अऊ दाऊद के गिरे घर ला फेर बनाहूं,
येकर खंडहरमन ला मेंह फेर बनाहूं,
अऊ मेंह येला पहिले के सहीं कर दूहूं,
17 ताकि बांचे मनखेमन
अऊ जम्मो आनजात जऊन मन मोर नांव के कहे जाथें, परभू ला खोजंय।
येला ओही परभू कहत हवय, जऊन ह ये चीजमन ला करथे'*—

* **15:17** आमो 1:5

18 ओ चीज जेमन ला ओह बहुंत पहिली ले बतावत आय हवय।
19 “एकरसेति मोर ये बिचार ए कि आनजात म ले जऊन मनखेमन परमेसर कोति लहुंटत हवंय, हमन ओमन
ऊपर कानून के बोझ ला डारके ओमन ला दुख झन देवन।
20 बल्कि हमन ओमन ला लिखके पठोवन कि ओमन मूरतीमन ला चघाय खाय के चीज, छिनारी काम, गला
घोंटके मारे पसु के मांस अऊ लहू ले दूरिहा रहंय।
21 काबरकि बहुंत पहिली ले हर एक सहर म मूसा के कानून के परचार होवत आवत हवय अऊ येला हर
बिसराम दिन यहूदीमन के सभा-घर म पढ़े जाथे।”

[illegible]

22 तब प्रेरित अऊ अगुवामन जम्मो कलीसिया के संग फैसला करिन कि अपन म ले कुछू मनखे ला चुनंय
अऊ ओमन ला पौलुस अऊ बरनबास के संग अंताकिया पठोवंय। ओमन यहूदा जऊन ला बरसबा कहे जाथे
अऊ सीलास ला चुनिन। ये दूनों झन भाईमन म मुखिया रिहिन।
23 ओमन के हांथ म ये चिट्ठी पठोईन:
अंताकिया सहर अऊ सीरिया अऊ किलिकिया प्रदेस के रहइया आनजात बिसवासी भाईमन ला,
हमन प्रेरित अऊ अगुवामन ले जऊन मन कि तुम्हर भाई अन,
जोहार मिलय।
24 हमन सुने हवन कि हमन ले कुछू झन उहां जाके अपन बात ले तुम्हर हिरदय ला बिचलित करके तुमन
ला दुबिधा म डार दे हवंय। पर हमन ओमन ला ये हुकूम नइं देय रहेंन।
25 एकरसेति हमन एक मन होके ये ठीक समझेंन कि कुछू मनखेमन ला चुनके अपन मयारू भाई बरनबास
अऊ पौलुस के संग तुम्हर करा पठोवन।
26 येमन अइसने मनखे अंय, जऊन मन हमर परभू यीसू मसीह खातिर अपन जिनगी ला जोखिम म डारे
हवंय।
27 एकरसेति हमन यहूदा अऊ सीलास ला पठोय हवन, जऊन मन अपन मुहूं ले घलो हमर लिखे बात ला
बताहीं।
28 पबितर आतमा अऊ हमन ला ये ठीक लगिस कि ये जरूरी बातमन ला छोंड़के अऊ कुछू बोझा तुम्हर
ऊपर झन लादे जावय:
29 तुमन मूरती ला चघाय खाना ले, लहू ले, गला घोंटके मारे पसु के मांस ले अऊ छिनारी काम ले दूरिहा
रहव। येमन ले बांचे रहे म तुम्हर भलई हवय।
खुसी रहव।
30 तब पठोय गे मनखेमन बिदा होके अंताकिया म गीन, जिहां ओमन कलीसिया के सभा बलाके ओमन ला ओ
चिट्ठी दीन।
31 मनखेमन चिट्ठी ला पढ़िन अऊ ओमा लिखे उत्साह देवइया संदेस ला सुनके खुस होईन।
32 यहूदा अऊ सीलास जऊन मन खुद अगमजानी रिहिन, ओमन घलो कतको बात कहिके भाईमन ला
उत्साहित अऊ मजबूत करिन।
33 ओमन उहां कुछू दिन बिताके भाईमन ले सांति के संग बिदा होईन, अऊ अपन पठोइयामन करा वापिस
लहुंट गीन।
34 पर सीलास ह उहां रूके के फैसला करिस।†
35 पौलुस अऊ बरनबास अंताकिया म रूक गीन, जिहां ओमन अऊ कतको आने मन परभू के बचन ला
सिखाईन अऊ परचार करिन।

[illegible]

36 कुछू दिन के बाद पौलुस ह बरनबास ला कहिस, “आ, जऊन-जऊन सहर म हमन परभू के बचन सुनाय
रहेंन, हमन फेर उहां चलके अपन भाईमन ला देखन कि ओमन कइसने हवंय।”

† **15:34** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

37 बरनबास ह यूहन्ना ला जऊन ह मरकुस कहाथे, अपन संग म ले गे बर चाहिस,
38 पर पौलुस ह यूहन्ना ला अपन संग ले जाना ठीक नइं समझिस, काबरकि ओह पंफूलिया म ओमन ला छोंड़
दे रिहिस अऊ ओमन के संग काम म नइं गे रिहिस।
39 एकर बारे म ओमन म अतेक मतभेद हो गीस कि ओमन एक-दूसर ले अलग हो गीन। बरनबास ह मरकुस
ला लेके पानी जहाज म साइप्रस चल दीस।
40 पर पौलुस ह सीलास ला अपन संग ले बर चुनिस अऊ भाईमन परभू के अनुग्रह म ओमन ला सऊंपिन।
41 ओह कलीसियामन ला मजबूत करत सीरिया अऊ किलिकिया होवत गीस।

16

[illegible]

1 पौलुस ह दिरबे अऊ ओकर बाद लुस्त्रा नगर म आईस, जिहां तीमुथियुस नांव के एक चेला रहय। ओकर
दाई ह यहूदी रिहिस अऊ यीसू मसीह के एक बिसवासिनी रिहिस, पर तीमुथियुस के ददा ह यूनानी रिहिस।
2 लुस्त्रा अऊ इकुनियुम के जम्मो भाईमन तीमुथियुस के बारे म बने गोठियावंय।
3 पौलुस ह तीमुथियुस ला अपन संग ले जाय बर चाहिस। जऊन यहूदीमन ओ छेत्र म रहत रिहिन, ओमन के
कारन पौलुस ह ओकर खतना कराईस काबरकि ओ जम्मो यहूदीमन जानत रहंय कि तीमुथियुस के ददा ह
यूनानी रिहिस।
4 तब सहर-सहर जा-जाके ओमन ओ नियममन ला मनखेमन ला माने बर कहिन, जऊन ला यरूसलेम के
प्रेरित अऊ अगुवामन ठहिराय रिहिन।
5 ये किसम ले कलीसियामन बिसवास म मजबूत होवत गीन अऊ हर दिन गनती म बढ़त गीन।

[illegible]

6 पौलुस अऊ ओकर संगीमन फ्रूगिया अऊ गलातिया के इलाका ले होवत गीन। पबितर आतमा ह ओमन ला
एसिया प्रदेस म परमेसर के बचन सुनाय बर मना करिस।
7 जब ओमन मूसिया के सीमना म आईन, त उहां ले ओमन बितूनिया जाय के कोसिस करिन, पर यीसू के
आतमा ह ओमन ला उहां जाय बर मना करिस।
8 एकरसेति ओमन मूसिया ले होवत त्रोआस सहर म आईन।
9 पौलुस ह रथिया एक दरसन देखिस कि मकिदुनिया के एक मनखे ह ठाढ़ होके ओकर ले ये बिनती करत रहय,
"मकिदुनिया म आके हमर मदद कर।"
10 पौलुस के दरसन देखे के बाद, हमन तुरते मकिदुनिया जाय बर तियार हो गेंन, ये समझके कि परमेसर ह
हमन ला उहां के मनखेमन ला सुघर संदेस सुनाय बर बलावत हवय।

[illegible]

11 त्रोआस ले पानी जहाज म चघके हमन सीधा सुमात्राके दीप पहुंचेंन अऊ उहां ले दूसर दिन नियापुलिस
सहर म आयेंन।
12 उहां ले हमन फिलिप्पी हबरेंन, जऊन ह एक रोमन बस्ती ए अऊ मकिदुनिया प्रदेस के एक खास सहर ए
अऊ हमन उहां कुछू दिन रहेंन।
13 बिसराम के दिन, हमन सहर के दुवारी के बाहिर नदी करा गेंन। हमन ये सोचत रहेंन कि उहां पराथना करे
के ठऊर होही। उहां कुछू माईलोगनमन जूरे रिहिन। हमन बईठके ओमन के संग गोठियाय लगेंन।
14 हमर बात ला सुनइयामन म लुदिया नांव के थुआतीरा सहर के बैंगनी कपड़ा बेचइया एक माईलोगन
रिहिस, जऊन ह परमेसर के भक्त रिहिस। ओह हमर बात ला सुनत रहय। परभू ह ओकर हिरदय ला खोलिस कि
ओह पौलुस के संदेस म धियान लगावय।
15 जब ओह अऊ ओकर घर के मन बतिसमा लीन, त ओह हमन ला नेवता देके कहिस, "यदि तुमन मोला
परभू के बिसवासिनी समझत हव, त आवव अऊ मोर घर म रहव।" अऊ ओह हमन ला राजी करके ले गीस।

[illegible]

16 एक बार जब हमन पराथना करे के जगह ला जावत रहेंन, त हमन ला एक गुलाम छोकरी मिलिस, जऊन
म अगम के बात बताय के आतमा रिहिस। ओह अगम के बात बताके अपन मालिकमन बर अब्बड़ पईसा
कमावत रिहिस।
17 ओ छोकरी ह पौलुस अऊ हमर पाछू आईस अऊ चिचियाके कहिस, "ये मनखेमन सर्वोच्च परमेसर के
सेवक अंय अऊ तुमन ला उद्धार पाय के रसता बतावत हवंय।"
18 ओह बहुंत दिन तक अइसनेच करते रिहिस। आखिर म, पौलुस ह बहुंत चिढ़ गीस अऊ पाछू मुड़के ओ
छोकरी म हमाय आतमा ला कहिस, "यीसू मसीह के नांव म मेंह तोला हुकूम देवत हंव कि ओमा ले निकल
आ।" अऊ ओही घरी आतमा ह ओमा ले निकल गीस।
19 जब ओकर मालिकमन देखिन कि ओमन के कमई करे के आसा ह चले गीस, त ओमन पौलुस अऊ सीलास
ला पकड़के बजार के ठऊर म अधिकारीमन करा घसीटके लानिन।
20 ओमन ओ दूनों ला नियायधीसमन के आघू म लानके कहिन, "ये मनखेमन यहूदी अंय अऊ हमर सहर म
भारी गड़बड़ी करत हवंय।
21 येमन अइसने रीति-बिधि बतावत हवंय, जऊन ला स्वीकार करना या मानना, हमन रोमी मनखेमन बर
उचित नो हय।"
22 तब भीड़ के मनखेमन पौलुस अऊ सीलास के ऊपर चढ़ बईठिन अऊ नियायधीसमन ओमन के कपड़ा
उतारके ओमन ला पीटवाय के हुकूम दीन।
23 ओमन ला कोर्रा म बहुंत मारे के बाद, जेल म डार दीन अऊ जेलर ला हुकूम दीन कि सचेत होके ओमन के
रखवारी करय।
24 जेलर ह हुकूम के मुताबिक ओमन ला भीतर के खोली म रखिस अऊ ओमन के गोड़ म लकड़ी के बेड़ी
जकड़ दीस।
25 लगभग आधा रथिया, पौलुस अऊ सीलास पराथना करत अऊ परमेसर के भजन गावत रहंय अऊ आने
कैदीमन येला सुनत रहंय।
26 अतकी म अचानक एक भारी भुइंडोल होईस। इहां तक कि जेल के नीव घलो डोलन लगिस। तुरते जेल के
जम्मो कपाटमन खुल गीन अऊ जम्मो कैदीमन के बेड़ीमन घलो खुल गीन।
27 जेलर ह जागिस अऊ जब ओह देखिस कि जेल के कपाटमन खुल गे हवंय, त अपन तलवार ला खींचके
अपनआप ला मार डारे चाहिस, काबरकि ओह सोचत रिहिस कि कैदीमन भाग गे हवंय।
28 पर पौलुस ह चिचियाके जेलर ला कहिस, "अपनआप ला नुकसान झन पहुंचा। हमन जम्मो झन इहां
हवन।"
29 तब जेलर ह दीया मंगाके तेजी से भीतर गीस अऊ कांपत पौलुस अऊ सीलास के गोड़ खाल्हे गिरिस।
30 ओह तब ओमन ला बाहिर लानिस अऊ पुछिस, "हे महाराजमन, उद्धार पाय बर मेंह का करंव?"
31 ओमन कहिन, "परभू यीसू ऊपर बिसवास कर, त तें अऊ तोर घर के मन उद्धार पाहीं।"
32 तब ओमन ओला अऊ ओकर घर के जम्मो मनखेमन ला परभू के बचन सुनाईन।
33 ओहीच घरी रथिया, जेलर ह ओमन ला ले जाके ओमन के घाव धोईस अऊ तब तुरते ओह अऊ ओकर घर
के जम्मो मनखेमन बतिसमा लीन।
34 ओह पौलुस अऊ सीलास ला अपन घर म लानिस अऊ ओमन ला जेवन कराईस अऊ घर के जम्मो झन
आनंद मनाईन, काबरकि ओमन परमेसर ऊपर बिसवास करे रिहिन।
35 जब बिहान होईस, त नियायधीसमन अपन सिपाहीमन के हांथ जेलर करा ये हुकूम पठोईन कि ओ
मनखेमन ला छोंड़ देवय।
36 जेलर ह पौलुस ला कहिस, "नियायधीसमन तोला अऊ सीलास ला छोंड़ देय के हुकूम दे हवंय। अब तुमन
सांति से जा सकत हव।"
37 पर पौलुस ह सिपाहीमन ला कहिस, "ओमन बिगर जांच करे हमन ला मनखेमन के आघू म मारिन, जबकि
हमन रोमी नागरिक अन अऊ हमन ला जेल म डारिन। अऊ अब ओमन हमन ला चुपेचाप छोंड़ देय चाहत
हवंय। अइसने नइं हो सकय। ओमन खुदे इहां आवंय अऊ हमन ला जेल ले बाहिर ले जावंय।"

38 सिपाहीमन वापिस जाके ये बात नियायधीसमन ला बताईन; तब ओमन ये सुनके डरा गीन कि पौलुस अऊ
सीलास रोमी नागरिक अंय।
39 तब ओमन आके ओमन ला मनाईन अऊ ओमन ला जेल ले बाहिर ले जाके बिनती करिन कि ओमन सहर
ले चले जावंय।
40 जेल ले निकले के बाद, पौलुस अऊ सीलास लुदिया के घर गीन, अऊ उहां ओमन भाईमन ले मिलिन अऊ
ओमन ला ढाढ़स बंधाके उहां ले चल दीन।

17

[illegible]

1 पौलुस अऊ सीलास अमफिपुलिस अऊ अपुलोनिया सहर ले होवत थिस्सलुनीके सहर म आईन, जिहां
यहूदीमन के एक सभा-घर रिहिस।
2 जइसने कि पौलुस के आदत रिहिस, ओह सभा-घर म गीस अऊ तीन बिसराम के दिन तक ओमन के संग
परमेसर के बचन म ले तर्क देके बताईस।
3 ओह ये साबित करत ओमन ला समझाईस कि मसीह ला दुख उठाना अऊ मरे म ले जी उठना जरूरी
रिहिस। एहीच यीसू जेकर बारे, मेंह तुमन ला बतावत हंव, मसीह अय।
4 तब उहां के कुछू यहूदी अऊ परमेसर के भय मनइया कतको यूनानी मनखे अऊ नामी माईलोगनमन ओकर
बात ला मान लीन अऊ ओमन पौलुस अऊ सीलास के संग मिल गीन।
5 पर यहूदीमन जलन ले भर गीन। एकरसेति ओमन बजार ले कुछू खराप मनखेमन ला अपन संग मिला लीन
अऊ भीड़ लगाके सहर म हो-हल्ला मचाय लगिन। पौलुस अऊ सीलास के खोज म ओमन यासोन के घर आईन
ताकि ओमन ला भीड़* के आघू म लानंय।
6 पर जब ओमन ला पौलुस अऊ सीलास उहां नइं मिलिन, त यासोन अऊ कुछू आने भाईमन ला घसीटत
सहर के अधिकारीमन करा लानिन अऊ चिचियाके कहिन, "ये मनखे जऊन मन जम्मो संसार म समस्या खड़े करे
हवंय, अब इहां आय हवंय।
7 अऊ यासोन ह ओमन ला अपन घर म रखे हवय अऊ ये जम्मो झन महाराजा के हुकूम के बिरोध करके
कहत हवंय कि यीसू नांव के एक आने राजा हवय।"
8 जब भीड़ के मनखे अऊ सहर के अधिकारीमन ये बात ला सुनिन, त ओमन म कोलाहल मच गीस।
9 तब ओमन यासोन अऊ बाकि भाईमन ले जमानत लेके ओमन ला छोंड़ दीन।

[illegible]

10 रथिया होतेच ही, भाईमन पौलुस अऊ सीलास ला बिरिया सहर पठो दीन। उहां हबरके ओमन यहूदीमन
के सभा-घर म गीन।
11 बिरिया के मनखेमन थिस्सलुनीके सहर के मनखेमन ले जादा बने सुभाव के रिहिन, काबरकि ओमन बड़े
उत्साह के संग परमेसर के बचन ला गरहन करिन अऊ हर एक दिन ये जाने बर परमेसर के बचन म ले खोजंय कि
पौलुस जऊन बात कहत हवय, ओह सच ए कि नइं।
12 उहां के बहुंते यहूदीमन बिसवास करिन अऊ बहुंत संखिया म नामी यूनानी माईलोगन अऊ यूनानी
मनखेमन घलो बिसवास करिन।
13 जब थिस्सलुनीके के यहूदीमन ला ये पता चलिस कि पौलुस ह बिरिया म परमेसर के बचन के परचार करत
हवय, त ओमन उहां घलो पहुंच गीन अऊ मनखेमन के भीड़ ला भड़काईन अऊ हो-हल्ला मचाय लगिन।
14 तब भाईमन तुरते पौलुस ला समुंदर तीर म पठो दीन, पर सीलास अऊ तीमुथियुस बिरिया म रूक गीन।
15 ओ मनखे जऊन मन पौलुस ला पहुंचाय गे रिहिन, ओमन ओला अथेने सहर म ले आईन अऊ सीलास
अऊ तीमुथियुस बर पौलुस के ये संदेस लेके लहुंटिन कि ओमन जतकी जल्दी हो सके, पौलुस करा आ जावंय।

[illegible]

16 जब पौलुस ह अथेने म सीलास अऊ तीमुथियुस के बाट जोहत रिहिस, तब सहर ला मूरतीमन ले भरे
देखके ओह आतमा म बहुंत उदास होईस।

---

* **17:5** या [illegible]

17 एकरसेति ओह सभा-घर म यहूदीमन ले अऊ परमेसर के भक्त यूनानीमन ले अऊ बजार म जऊन कोनो
मिलंय, ओमन ले हर दिन बहस करय।
18 कुछू इपिकूरी अऊ इस्तोईकी पंडितमन ओकर ले बिवाद करन लगिन। ओमन ले कुछू झन कहिन, "ये
बकवादी ह का कहे चाहत हवय?" आने मन कहिन, "अइसने जान पड़थे कि ओह बिदेसी देवतामन के बारे म
गोठियावत हवय।" काबरकि पौलुस ह यीसू के अऊ ओकर मरे म ले जी उठे के परचार करत रहय।
19 तब ओमन पौलुस ला ले गीन अऊ ओला अरियुपगुस† के सभा म लानिन अऊ ओकर ले पुछिन, "का
हमन जान सकथन कि ये जो नवां बात तेंह बतावत हवस, येह का ए?
20 तेंह हमन ला भाला रकम के बात बतावत हस। हमन जाने बर चाहथन कि येमन के का मतलब होथे?"
21 (अथेने सहर के जम्मो रहइया अऊ परदेसी जऊन मन उहां रहत रिहिन, ओमन नवां-नवां बात कहे अऊ
सुने के छोंड़ अऊ कोनो काम म समय नइं बितावत रिहिन।)
22 तब पौलुस ह अरियुपगुस के सभा के बीच म ठाढ़ होके कहिस, "हे अथेने सहर के मनखेमन, मेंह देखत हंव
कि तुमन हर बात म बहुंत धारमिक अव।
23 काबरकि जब मेंह घुमत-घुमत तुम्हर पूजा-पाठ के चीजमन ला धियान लगाके देखत रहेंव, त मोला एक
ठन अइसने बेदी दिखिस, जऊन म ये लिखाय रहय:

एक अनजान परमेसर खातिर।

जऊन ला तुमन बिगर जाने पूजा करत हव, मेंह ओकरेच सुघर संदेस तुमन ला सुनाय चाहत हवंव।
24 "जऊन परमेसर ह संसार अऊ ओमा के जम्मो चीजमन ला बनाईस, ओह स्वरग अऊ धरती के परभू ए
अऊ ओह मनखे के बनाय मंदिरमन म नइं रहय।
25 अऊ न तो ओला कोनो चीज के घटी हवय कि मनखे ह काम करके ओकर पूरती कर सकय, काबरकि ओह
खुद जम्मो झन ला जिनगी अऊ परान अऊ जम्मो कुछू देथे।
26 ओह एकेच मनखे ले जम्मो जात के मनखेमन ला बनाईस कि ओमन जम्मो धरती म रहंय। ओह ओमन बर
समय अऊ रहे-बसे के जगह ठहिराईस।
27 परमेसर ह अइसने करिस ताकि ओमन परमेसर के खोज म रहंय अऊ ओकर करा पहुंचके ओला पा जावंय।
तभो ले, ओह हमन ले कोनो ले दूरिहा नइं ए।
28 काबरकि ओही म हमन जीयत अऊ चलत-फिरत हवन अऊ हमर जिनगी हवय। जइसने कि तुम्हर कुछू
कबिमन कहे हवंय, 'हमन ओकर संतान अन।'
29 "एकरसेति जब हमन परमेसर के संतान अन, त हमन ला ये नइं सोचना चाही कि ईस्वर ह सोन या चांदी
या पथरा के मूरती सहीं ए, जऊन ह मनखे के कारीगरी अऊ सोच ले बनाय जाथे।
30 पहिली समय म, परमेसर ह ये किसम के मनखे के अगियानता ला धियान नइं दीस, पर अब ओह हर जगह
जम्मो मनखेमन ला पाप ले मन फिराय के हुकूम देवत हवय।
31 काबरकि ओह एक ठन दिन ठहिराय हवय, जब ओह अपन ठहिराय मनखे के दुवारा संसार के नियाय
सही-सही करही। परमेसर ह ओ मनखे ला मरे म ले जियाके ये बात के सबूत जम्मो मनखेमन ला दे हवय।"
32 जब ओमन मरे मनखेमन के जी उठे के बात ला सुनिन, त कुछू मनखेमन पौलुस के हंसी उड़ाईन, पर आने
मन कहिन, "एकर बारे म हमन तोर ले फेर कभू सुनबो।"
33 एकरसेति पौलुस ह सभा के बीच ले निकलके चले गीस।
34 तभो ले कुछू मनखेमन पौलुस के बात ला मानिन अऊ बिसवास करिन। ओमन म दियुनुसियुस जऊन ह
अरियुपगुस सभा के सदस्य रिहिस अऊ दमरिस नांव के एक माईलोगन घलो रिहिस। ओमन के संग अऊ
कतको मनखेमन घलो रिहिन।

18

[illegible]

1 एकर बाद पौलुस ह अथेने ला छोंड़के कुरिन्थुस सहर म गीस।

† **17:19** अरियुपगुस, मार्स पहाड़ी अऊ अथेने सहर के खास अदालत ला दरसाथे अऊ ये अदालत के काम ह ओ पहाड़ी ऊपर होवय।

2 उहां ओला अक्विला नांव के एक यहूदी मिलिस, जेकर जनम पुनतुस म होय रिहिस। ओह हाल ही म अपन
घरवाली प्रिसकिल्ला के संग नवां-नवां इटली देस ले आय रिहिस, काबरकि महाराजा क्लौदियुस ह जम्मो
यहूदीमन ला रोम ले चले जाय के हुकूम दे रिहिस। पौलुस ह ओमन ला देखे बर गीस,
3 अऊ काबरकि पौलुस ह तम्बू बनाय के धंधा करय अऊ ओमन घलो ओहीच धंधा करंय, एकरसेति ओह उहां
ओमन के संग रूक गीस अऊ काम करे लगिस।
4 पौलुस ह हर बिसराम के दिन, सभा-घर म बाद-बिबाद करय अऊ यहूदी अऊ यूनानीमन ला मनाय के
कोसिस करय।
5 जब सीलास अऊ तीमुथियुस मकिदुनिया ले आईन, त पौलुस ह पूरा संदेस सुनाय के काम म लग गीस
अऊ ओह यहूदीमन ला ये गवाही देवत रिहिस कि यीसू ह मसीह अय।
6 पर जब यहूदीमन बिरोध करिन अऊ ओकर बारे खराप बात कहे लगिन, त पौलुस ह बिरोध म अपन कपड़ा
ला झारके ओमन ला कहिस, "तुम्हर लहू ह तुम्हर मुड़ ऊपर होवय। मेंह निरदोस अंव। अब ले मेंह आनजातमन
करा जाहूं।"
7 तब पौलुस ह सभा-घर ला छोंड़के तीतुस युसतुस नांव के परमेसर के भक्त के घर म गीस, जेकर घर
सभा-घर के बाजूच म रहय।
8 सभा-घर के अधिकारी क्रिसपुस अऊ ओकर जम्मो घराना परभू म बिसवास करिन; कुरिन्थुस सहर के मनखे
अऊ बहुंते झन घलो पौलुस के बात ला सुनके बिसवास करिन अऊ बतिसमा लीन।
9 एक रथिया, परभू ह दरसन म पौलुस ला कहिस, "झन डर, पर कहे जा अऊ चुप झन रह।
10 काबरकि मेंह तोर संग हवंव, अऊ कोनो हमला करके तोर कुछू नइं बिगाड़ सकंय, काबरकि ये सहर म मोर
बहुंत मनखे हवंय।"
11 एकरसेति पौलुस ह डेड़ साल तक उहां रिहिस, अऊ ओमन ला परमेसर के बचन सिखोवत रिहिस।
12 जब गल्लियो ह अखया प्रदेस के राजपाल रिहिस, तब यहूदीमन पौलुस ऊपर एक संग हमला करके ओला
कचहरी म लानिन,
13 अऊ ये कहिके ओकर ऊपर दोस लगाईन, "ये मनखे ह कानून के मुताबिक नइं, पर ओकर खिलाप परमेसर
के अराधना करे बर मनखेमन ला सिखोवत हवय।"
14 जब पौलुस ह बोलनेच वाला रिहिस, त राजपाल गल्लियो ह यहूदीमन ला कहिस, "कहूं येह कुछू दुराचार
या अपराध के बात होतिस, त मेंह तुम्हर बात ला सुनतेंव।
15 पर जब ये बिवाद ह गोठ अऊ नांव अऊ तुमन के खुद के कानून के बारे म अय, त तुमन खुद ये मामला ला
निपटाव। मेंह अइसने बात के नियाय नइं करंव।"
16 अऊ ओह ओमन ला कचहरी ले चले जाय के हुकूम दीस।
17 तब जम्मो मनखेमन सभा-घर के अधिकारी सोसथिनेस ला पकड़िन अऊ ओला कचहरी के आघू म
मारिन-पीटिन। पर गल्लियो ह ये बात के कुछू चिंता नइं करिस।

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

18 पौलुस ह कुछू दिन कुरिन्थुस म रिहिस, तब ओह भाईमन ला छोंड़के पानी जहाज म प्रिसकिल्ला अऊ
अक्विला के संग सीरिया चल दीस। पर जाय के पहिली ओह किंखिया म अपन मुड़ मुड़ाईस, काबरकि ओह
मन्नत माने रिहिस।
19 जब ओमन इफिसुस सहर म हबरिन, त पौलुस ह प्रिसकिल्ला अऊ अक्विला ला उहां छोंड़ दीस अऊ ओह
खुद सभा-घर म जाके यहूदीमन के संग बहस करे लगिस।
20 जब ओमन पौलुस ला कहिन कि ओह ओमन के संग कुछू अऊ समय तक रहय, त ओह नइं मानिस।
21 पर ओह ओमन ले ये वायदा करके गीस, "कहूं परमेसर के ईछा होही, त मेंह तुम्हर करा फेर आहूं।" तब
ओह पानी जहाज म चघके इफिसुस ले चल दीस।
22 जब ओह कैसरिया नगर म उतरिस, त ओह जाके कलीसिया के मनखेमन ले भेंट करिस अऊ तब उहां ले
अंताकिया नगर चल दीस।

23 कुछ्छू समय अंताकिया म बिताय के बाद, पौलुस ह उहां ले चल दीस अऊ गलातिया अऊ फ्रूगिया के
इलाका म जगह-जगह जाके, ओह जम्मो चेलामन ला बिसवास म मजबूत करत गीस।
24 अपुल्लोस नांव के एक झन यहूदी रहय, जेकर जनम सिकन्दरिया सहर म होय रिहिस। ओह एक बिद्वान
मनखे रिहिस अऊ परमेसर के बचन के बने जानकार रिहिस। ओह इफिसुस सहर म आईस।
25 ओह परभू के बारे म सिकछा पाय रिहिस, अऊ ओह भारी उत्साह ले बात करय अऊ यीसू के बारे म
एकदम सही-सही सिखोवय, पर ओह सिरिप यूहन्ना के बतिसमा के बात ला जानत रिहिस।
26 ओह सभा-घर म बेधड़क गोठियाय लगिस। जब प्रिसकिल्ला अऊ अक्विला ओकर बात ला सुनिन, त
ओमन ओला अपन घर ले गीन अऊ ओला परमेसर के रसता के बारे म अऊ सही-सही बताईन।
27 जब अपुल्लोस ह अखया जाय बर चाहिस, त भाईमन ओला उत्साहित करिन अऊ उहां के चेलामन ला
चिट्ठी लिखिन कि ओमन ओकर सुवागत करंय। अखया पहुंचके, अपुल्लोस उहां ओ मनखेमन के अब्बड़ मदद
करिस, जऊन मन परमेसर के अनुग्रह के दुवारा बिसवासी बने रिहिन।
28 ओह परमेसर के बचन ले सबूत दे देके कि यीसू ह मसीह अय, भारी मेहनत करके यहूदीमन ला जम्मो
मनखेमन के आघू म लबरा साबित करय।

19

[illegible]

1 जब अपुल्लोस ह कुरिन्थुस सहर म रिहिस, त पौलुस ह प्रदेस के भीतरी भाग के सहरमन ले होवत इफिसुस
म आईस। उहां पौलुस ला कुछ्छू चेलामन मिलिन।
2 पौलुस ह ओमन ले पुछिस, "बिसवास करत बखत का तुमन पबितर आतमा पाय हवव?"
ओमन कहिन, "नइं! हमन सुने घलो नइं अन कि कोनो पबितर आतमा भी होथे।"
3 तब पौलुस ह ओमन ले पुछिस, "त तुमन काकर बतिसमा पाय हवव?"
ओमन कहिन, "यूहन्ना के बतिसमा।"
4 पौलुस ह कहिस, "यूहन्ना तो पाप ले पछ्ताप करे के बतिसमा दीस अऊ मनखेमन ला कहिस कि जऊन ह
ओकर बाद अवइया हवय, ओकर ऊपर याने कि यीसू ऊपर बिसवास करव।"
5 ये सुनके ओमन परभू यीसू के नांव म बतिसमा लीन।
6 जब पौलुस ह ओमन ऊपर अपन हांथ रखिस, त ओमन ऊपर पबितर आतमा उतरिस, अऊ ओमन
आने-आने भासा बोले अऊ अगमबानी करे लगिन।
7 ओमन जम्मो झन लगभग बारह मनखे रिहिन।
8 पौलुस ह सभा-घर म जाके उहां तीन महिना तक बेधड़क गोठियाईस। ओह मनखेमन ला परमेसर के राज के
बारे म समझाय बर बहस करय।
9 पर कुछ्छू मनखेमन हठ म आके ओकर बात ला बिसवास नइं करिन अऊ मनखेमन के आघू म परभू के रसता
के बारे म खराप बात कहिन। एकरसेति पौलुस ह ओमन ला छोंड़ दीस अऊ बिसवासीमन ला अपन संग लेके हर
दिन तरन्नुस के भासन-घर म बिचार-बिमर्स करे लगिस।
10 दू बछर तक ले एहीच होते रिहिस। एकरे कारन एसिया प्रदेस म रहइया जम्मो यहूदी अऊ यूनानीमन
परभू के बचन ला सुनिन।
11 परमेसर ह पौलुस के दुवारा असधारन चमतकार करय।
12 मनखेमन रूमाल अऊ अंगछ्ा मन ला पौलुस के देहें म छुआ के बिमरहामन करा ले जावंय अऊ ओमन के
बेमारी ठीक हो जावय अऊ दुस्ट आतमामन ओमन ले निकल जावंय।
13 कुछ्छू यहूदी ओझा जऊन मन एती-ओती जाके दुस्ट आतमामन ला निकालंय, ओमन घलो परभू यीसू के
नांव लेके अइसने करे के कोसिस करिन। ओमन परेत आतमामन ला कहंय, "यीसू के नांव म, जेकर परचार
पौलुस ह करथे, मेंह तोला हुकूम देवत हंव कि निकल आ।"
14 स्किवा नांव के एक यहूदी मुखिया पुरोहित के सात झन बेटा रहंय अऊ ओमन घलो अइसने करंय।

15 एक दुस्ट आतमा ह ओमन ला कहिस, “यीसू ला मेंह जानथंव अऊ पौलुस ला घलो जानथंव; पर तुमन
कोन अव?”
16 तब ओ मनखे जऊन म दुस्ट आतमा रिहिस, ओमन ऊपर झपटिस अऊ ओ जम्मो झन ला बस म कर लीस
अऊ ओह ओमन ला अइसने मारिस कि ओमन नंगरा अऊ घायल होके ओ घर ले भाग निकलिन।
17 जब इफिसुस के रहइया यहूदी अऊ यूनानीमन ला ये बात के पता चलिस, त ओमन जम्मो डरा गीन अऊ
परभू यीसू के नांव के अब्बड़ बड़ई होईस।
18 जऊन मन बिसवास करे रिहिन, ओमा के कतको झन आके खुल्लम-खुल्ला अपन खराप काममन ला मान
लीन।
19 जादू-टोना करइयामन ले कतको झन अपन पोथीमन ला संकेलिन अऊ मनखेमन के आघू म ओ
किताबमन ला आगी म बार दीन। जब ओ किताबमन के दाम के हिसाब करे गीस, त ओह लगभग पचास हजार
ड्राचमास के बराबर रिहिस।*
20 ये किसम ले परभू के बचन ह चारों खूंट फईलत गीस अऊ एकर परभाव बाढ़त गीस।
21 ये जम्मो घटना ला देखे के बाद, पौलुस ह मकिदुनिया अऊ अखया प्रदेस होवत यरूसलेम जाय के फैसला
करिस। ओह कहिस, “उहां जाय के बाद, मोला रोम घलो जाना जरूरी ए।”
22 पौलुस ह अपन मदद करइयामन ले दू झन—तीमुथियुस अऊ इरासतुस ला मकिदुनिया पठो दीस अऊ
खुदे कुछू दिन बर एसिया प्रदेस म रूक गीस।

[illegible]

23 ओही समय परभू के रसता के बारे म बहुंत बड़े दंगा होईस।
24 देमेतिरियुस नांव के एक झन सुनार रहय। ओह अरतिमिस देवी के चांदी के छोटे-छोटे मंदिर बनाके
कारीगरमन संग बड़े बेपार करय।
25 ओह ओमन ला अऊ आने चीज के कारीगरमन ला एक संग बलाईस अऊ ओमन ला कहिस, “हे मनखेमन
हो! तुमन जानत हव कि ये धंधा ले हमन ला बने आमदनी होवथे।
26 पर तुमन देखत अऊ सुनत हव कि ये मनखे पौलुस ह सिरिप इफिसुस म ही नइं, पर जम्मो एसिया प्रदेस म
कतको मनखेमन ला समझाके ओमन ला भरमा दे हवय। ओह कहिथे कि मनखे के बनाय मूरतीमन ईस्वर नो हंय।
27 अब सिरिप ये बात के ही खतरा नइं ए कि हमर धंधा के परतिस्ठा चले जाही बल्कि ये घलो कि महान देवी
अरतिमिस के मंदिर तुछ समझे जाही अऊ देवी जऊन ला कि पूरा एसिया प्रदेस अऊ संसार म पूजे जाथे,
ओकर जस खतम हो जाही।”
28 जब ओमन ये सुनिन, त अब्बड़ गुस्सा होईन अऊ चिचिया-चिचियाके कहिन, “इफिसीमन के अरतिमिस
देवी महान ए।”
29 अऊ जम्मो सहर म कोलाहल मच गीस। मनखेमन मकिदुनिया के गयुस अऊ अरिसतर्खुस ला, जऊन मन
पौलुस के संगी यातरी रिहिन, पकड़ लीन, अऊ एक संग नाचा-घर म दऊड़ गीन।
30 पौलुस ह भीड़ करा जाय बर चाहत रिहिस, पर चेलामन ओला जावन नइं दीन।
31 ओ प्रदेस के कुछू अधिकारीमन पौलुस के संगी रिहिन। ओमन ओकर करा बिनती करके ये खबर पठोईन
कि ओह नाचा-घर म झन जावय।
32 सभा म गड़बड़ी होवत रिहिस। कोनो मन एक बात बर चिचियावत रहंय, त कोनो मन कुछू आने बात बर।
जादा मनखेमन तो ये नइं जानत रहंय कि ओमन उहां काबर जूरे रिहिन।
33 भीड़ के कुछू मनखेमन सिकन्दर ला उकसाईन, जऊन ला यहूदीमन आघू म कर दे रहंय। सिकन्दर ह हांथ
ले इसारा करिस कि जम्मो चुप हो जावंय ताकि ओह मनखेमन के आघू म जबाब दे सकय।
34 पर जब मनखेमन ये जानिन कि ओह यहूदी अय, त ओमन जम्मो झन लगभग दू घंटा तक ये कहिके
चिचियाईन, “इफिसीमन के अरतिमिस महान ए।”
35 तब सहर के बाबू साहेब ह भीड़ ला सांत करके कहिस, “हे संगी इफिसीमन! जम्मो संसार ह जानत हवय
कि इफिसुस सहर ह महान अरतिमिस के मंदिर अऊ अकास ले गिरे ओकर मूरती के संरछक ए।

* **19:19** एक ड्राचमास ह एक दिन के बनी के बरोबर होवय।

36 ये बात ला कोनो इनकार नइं कर सकंय, त तुमन सांत रहव अऊ बिगर सोचे-बिचारे उतावलापन म कुछू
झन करव।
37 तुमन ये मनखेमन ला इहां लाने हवव, जऊन मन न मंदिर ला लूटे हवंय अऊ न हमर देवी के निन्दा करे
हवंय।
38 यदि देमेतिरियुस अऊ ओकर संगी कारीगरमन ला काकरो बिरोध म कोनो सिकायत हवय, त कचहरी खुला
हवय अऊ उहां हाकिममन हवंय। ओमन उहां जाके नालिस कर सकथें।
39 यदि तुमन कोनो अऊ बात के बारे म पुछे चाहत हव, त ओकर फैसला ठहिराय गे सभा म करे जाही।
40 आज के घटना के कारन हमर ऊपर दंगा करवाय के दोस लगे के खतरा हवय। ये हो-हल्ला करे के, हमर
करा कोनो कारन नइं ए। हमन एकर बारे म कोनो जबाब नइं दे सकन।"
41 ये कहे के बाद, ओह सभा ला बिदा कर दीस।

20

[illegible]

1 जब हुल्लड़ ह सांत हो गे, त पौलुस ह चेलामन ला बलाके ओमन ला उत्साहित करिस अऊ तब ओमन ले
बिदा लेके मकिदुनिया चल दीस।
2 ओह ओ इलाका म होवत, मनखेमन ला उत्साहित करत गीस अऊ आखिर म यूनान देस हबरिस।
3 ओह उहां तीन महिना तक रिहिस। ओह पानी जहाज म सीरिया जवइयाच रिहिस कि यहूदीमन ओकर
बिरोध म सडयंत्र करे लगिन। एकरसेति पौलुस ह मकिदुनिया होवत लहुंट जाय के फैसला करिस।
4 ओकर संग बिरिया के पुर्रूस के बेटा सोपत्रुस, थिस्सलुनीके के अरिसतर्खुस अऊ सिकुन्दुस, दिरबे के गयुस
अऊ तीमुथियुस, अऊ एसिया प्रदेस के तुखिकुस अऊ त्रुफिमुस घलो गीन।
5 येमन हमर ले आघू जाके, त्रोआस म हमर बाट जोहत रिहिन।
6 पर हमन बिन खमीर के रोटी के तिहार के बाद, फिलिप्पी म पानी जहाज चघेंन अऊ पांच दिन के बाद,
त्रोआस म ओमन करा हबरेंन अऊ हमन उहां सात दिन तक रहेंन।

[illegible]

7 हप्ता के पहिली दिन जब हमन रोटी टोरे बर जूरेंन, त पौलुस ह मनखेमन ले गोठियाय लगिस। दूसर दिन,
ओह त्रोआस सहर ले जवइया रिहिस, एकरसेति ओह आधा रथिया तक गोठियाते रिहिस।
8 जऊन ऊपर के कमरा म हमन जूरे रहेंन, उहां बहुंत दीयामन बरत रहंय।
9 यूतुखुस नांव के एक जवान ह खिड़की म बईठे रहय अऊ ओह बहुंत नींद म झुमरत रहय। जब पौलुस ह
बहुंत देर तक गोठियातेच रहय, त ओ जवान भारी नींद के कारन तीसरा मंजिल ले भुइयां म गिर पड़िस, अऊ
मनखेमन ओला मरे हुए उठाईन।
10 पौलुस ह खाल्हे उतरिस अऊ ओ मरे जवान ऊपर पसर गीस अऊ ओला पोटारके कहिस, "घबरावव झन,
येह जीयथे।"
11 तब ओह फेर ऊपर के कमरा म गीस अऊ रोटी टोरके ओमन के संग खाईस अऊ बिहनियां होवत तक, ओह
ओमन ले गोठियाते रिहिस, तब ओह चले गीस।
12 मनखेमन ओ जवान ला जीयत घर ले गीन अऊ बहुंत सांति पाईन।

[illegible]

13 हमन पहिली ले पानी जहाज म चघके अस्सुस सहर म गेंन, जिहां पौलुस ह हमर संग जहाज म चघइया
रहय। पौलुस ह ये परबंध करे रहय, काबरकि ओह उहां रेंगत जवइया रिहिस।
14 जब ओह हमन ला अस्सुस म मिलिस, त ओला हमन पानी जहाज म लेके मितिलेने सहर चल देंन।
15 अऊ ओकर दूसर दिन हमन उहां ले जहाज खोलके खियुस टापू के आघू म हबरेंन। ओकर दूसर दिन हमन
सामुस दीप ला पार करेंन, अऊ ओकर दूसर दिन हमन मिलेतुस नगर पहुंचेंन।
16 पौलुस ह इफिसुस ले निकल जाय के फैसला करिस, काबरकि ओह एसिया प्रदेस म समय बिताय नइं चाहत
रहय। ओह यरूसलेम जल्दी हबरे के कोसिस म रहय, ताकि ओह पिनतेकुस्त तिहार के दिन यरूसलेम म रहय।
17 मिलेतुस ले पौलुस ह इफिसुस म खबर भेजिस कि कलीसिया के अगुवामन ओकर ले भेंट करंय।

18 जब ओमन आईन, त पौलुस ह ओमन ला कहिस, “तुमन जानत हव कि जब मेंह एसिया प्रदेस म आएंव, त
पहिली ही दिन ले, मेंह तुम्हर संग पूरा समय कइसने रहंय।
19 मेंह परभू के सेवा बहुंत दीन होके अऊ आंसू बहा-बहाके करेंव, हालाकि यहूदीमन के सडयंत्र के कारन मोर
ऊपर बहुंत समस्या आईस।
20 तुमन जानत हव कि जऊन बातमन तुम्हर फायदा के रिहिस, ओकर परचार करे बर मेंह संकोच नइं करेंव।
पर मेंह तुमन ला मनखेमन के आघू म अऊ घर-घर जाके सिखोएंव।
21 मेंह यहूदी अऊ यूनानीमन ला जोर देके कहेंव कि ओमन पछ्ताप करके परमेसर कोति लहुंटंय अऊ हमर
परभू यीसू ऊपर बिसवास करंय।
22 “अब, मेंह पबितर आतमा के दुवारा बाध्य होके यरूसलेम जावत हंव। मेंह नइं जानंव कि उहां मोर ऊपर
का बीतही।
23 मेंह सिरिप ये जानथंव कि हर सहर म पबितर आतमा ह मोला चेताथे कि जेल अऊ दुख-तकलीफ तोर बर
तियार हवंय।
24 पर मेंह अपन परान के कुछू फिकर नइं करंव; मेंह सिरिप अपन जिनगी के दऊड़ ला अऊ ओ काम जऊन
ला परभू यीसू ह मोला दे हवय, याने कि परमेसर के अनुग्रह के सुघर संदेस के गवाही के काम ला पूरा करे
चाहथंव।
25 “मेंह तुमन जम्मो के बीच म परमेसर के राज के परचार करे हवंव। अऊ अब मेंह जानत हंव कि तुमन कोनो
मोर मुहूं फेर कभू नइं देख पाहू।
26 एकरसेति मेंह आज तुम्हर आघू म ये बात कहत हंव कि मेंह तुमन जम्मो झन के लहू ले निरदोस अंव।
27 काबरकि मेंह परमेसर के जम्मो ईछा ला तुमन ला बताय म संकोच नइं करेंव।
28 एकरसेति तुमन अपन अऊ अपन ओ झुंड के रखवारी करव, जेकर ऊपर पबितर आतमा ह तुमन ला अगुवा
ठहिराय हवय। अऊ परमेसर के कलीसिया के खियाल रखव, जऊन ला ओह अपन खुद के लहू* ले बिसाय हवय।
29 मेंह जानत हंव कि मोर जाय के पाछू जंगली भेड़ियामन तुम्हर बीच म आहीं, अऊ ओमन झुंड ला नास
करहीं।
30 अइसने समय आही, जब तुमन ले कुछू मनखेमन उठहीं अऊ भरमा के चेलामन ला अपन पाछू कर लीहीं।
31 एकरसेति सचेत रहव! अऊ सुरता करव कि मेंह तीन साल ले रात अऊ दिन आंसू बहा-बहाके तुमन ले हर
एक ला चेताय बर कभू नइं छोंड़ंय।
32 “अब मेंह तुमन ला परमेसर के हांथ अऊ ओकर अनुग्रह के बचन म सऊंपत हवंव, जऊन ह बिसवास म
तुम्हर उन्नति कर सकथे, अऊ अपन बर अलग करे गय जम्मो मनखेमन संग तुमन ला उत्तराधिकार दे सकथे।
33 मेंह काकरो चांदी या सोन या कपड़ा के लोभ नइं करे हवंव।
34 तुमन खुद जानथव कि मोर इही हांथमन मोर घटी अऊ मोर संगीमन के घटी ला पूरा करे हवंय।
35 मेंह जम्मो चीज म तुमन ला नमूना देखाय हवंव कि अइसने कठोर मेहनत करके हमन निरबल मनखेमन के
मदद जरूर करन, अऊ परभू यीसू के कहे ये बचन ला सुरता करन: ‘लेना ले देना ह जादा धइन ए।’ ”
36 ये कहे बाद, पौलुस ह ओ जम्मो झन संग माड़ी टेकके पराथना करिस।
37 ओ जम्मो झन बहुंत रोईन अऊ पौलुस ला पोटारके ओला चूमे लगिन।
38 खास करके, ओमन पौलुस के कहे ये बात ले दुखी होईन कि तुमन मोर मुहूं ला फेर कभू नइं देखहू। तब
ओमन ओला पानी जहाज तक छोंड़े बर आईन।

21

[illegible]

1 हमन ओमन ले अलग होय के बाद, पानी जहाज म चघके सीधा कोस दीप म आयेंन। ओकर दूसर दिन हमन
रूदुस दीप गेंन अऊ फेर उहां ले पतरा नगर गेंन।

---

* **20:28** या [illegible]

2 उहां हमन ला एक पानी जहाज पार करत मिलिस, जऊन ह फीनीके प्रदेस जावत रिहिस। हमन ओही
जहाज म चघके चल देंन।
3 जब हमन ला साइप्रस दीप दिखिस, त हमन ओकर दक्खिन दिग ले होवत सीरिया कोति बढ़ेंन अऊ सूर म
उतरेंन, जिहां पानी जहाज ले माल उतारे बर रिहिस।
4 उहां कुछू चेलामन ला पाके, हमन ओमन के संग सात दिन रहेंन। ओमन पबितर आतमा के सामर्थ म होके
पौलुस ले बिनती करिन कि ओह यरूसलेम झन जावय।
5 पर जब उहां हमर ठहिरे के दिन पूरा होईस, त हमन उहां ले चल देंन। अऊ जम्मो चेला अऊ ओमन के
घरवाली अऊ लइकामन हमन ला सहर के बाहिर तक अमराय बर आईन, अऊ उहां समुंदर तीर म, हमन माड़ी
टेकके पराथना करेंन।
6 अऊ ओमन ले बिदा होय के बाद, हमन पानी जहाज म चघेंन अऊ ओमन अपन-अपन घर लहुंट गीन।
7 हमन सूर ले समुंदर म यातरा करत पतुलिमयिस पहुंचेंन; उहां हमन भाईमन ले जोहार-भेंट करेंन अऊ
ओमन के संग एक दिन रहेंन।
8 दूसर दिन हमन उहां ले चलके कैसरिया सहर म पहुंचेंन अऊ उहां सुघर संदेस के परचारक फिलिप्पुस के घर
म रूकेंन। ओह यरूसलेम म चुने गे सात सेवक म ले एक झन रिहिस।
9 ओकर चार कुंवारी बेटी रिहिन, जऊन मन ला अगमबानी करे के बरदान मिले रिहिस।
10 हमर उहां कतको दिन रहे के बाद, अगबुस नांव के एक अगमजानी यहूदिया प्रदेस ले आईस।
11 ओह हमर करा आके पौलुस के कमरपट्टा ला लीस अऊ अपन हांथ-गोड़ ला बांधके कहिस, "पबितर
आतमा ह कहत हवय कि जऊन मनखे के ये कमरपट्टा अय, ओला यरूसलेम म यहूदीमन अइसने बांधहीं अऊ
ओला आनजातमन ला सऊंप दीहीं।"
12 जब हमन ये बात ला सुनेंन, त हमन अऊ उहां के मनखेमन पौलुस ले बिनती करेंन कि ओह यरूसलेम झन
जावय।
13 तब पौलुस ह जबाब दीस, "तुमन काबर रोवत अऊ मोर हिरदय ला टोरत हवव? मेंह तो परभू यीसू के नांव
खातिर यरूसलेम म न सिरिप बंदी बने बर, पर मरे बर घलो तियार हवंव।"
14 जब हमन पौलुस ला मनाय नइं सकेंन, त कहेंन, "परभू के ईछा पूरा होवय।"
15 कुछू दिन के बाद, हमन तियार होके यरूसलेम सहर चल देंन।
16 कैसरिया के कुछू चेलामन घलो हमर संग गीन अऊ हमन ला मनासोन के घर ले गीन, जिहां हमन ला
ठहरना रिहिस। मनासोन ह साइप्रस दीप के रहइया एक बहुंत पुराना चेला रिहिस।

[illegible]

17 जब हमन यरूसलेम हबरेंन, त भाईमन बड़े आनंद सहित हमर ले मिलिन।
18 दूसर दिन पौलुस ह हमर संग याकूब ले मिले बर गीस, जिहां जम्मो अगुवामन जूरे रहंय।
19 पौलुस ह ओमन ला जोहार करिस अऊ परमेसर ह ओकर सेवा के दुवारा जऊन कुछू काम आनजातमन के
बीच म करे रिहिस, ओह एक-एक करके ओमन ला बताईस।
20 जब ओमन ये सुनिन, त परमेसर के महिमा करिन। पर ओमन पौलुस ला कहिन, "तेंह देखत हवस, भाई!
हजारों यहूदीमन बिसवास करे हवंय अऊ ओ जम्मो झन मूसा के कानून ला माने के धुन म हवंय।
21 ओमन ला तोर बारे म, ये बताय गे हवय कि तेंह आनजातमन के बीच म रहइया जम्मो यहूदीमन ला मूसा
के कानून ला नइं माने के सिकछा देथस। तेंह कहिथस कि अपन लड़कामन के खतना झन करावव या यहूदी
रीति-रिवाज के मुताबिक झन चलव।
22 ओमन ला जरूर पता चल जाही कि तेंह इहां आय हवस। अब हमन का करन?
23 एकरसेति जऊन कुछू हमन तोला कहत हवन, वइसनेच कर। हमर संग चार झन मनखे हवंय, जऊन मन
एक मन्नत माने हवंय।
24 ये मनखेमन ला ले जा अऊ ओमन के संग अपन ला घलो सुध कर अऊ ओमन के खरचा दे, ताकि ओमन
अपन मुड़ मुड़वावंय। तब जम्मो झन जान जाहीं कि जऊन बात तोर बारे म बताय गे हवय, ओह सच नो हय,
अऊ तेंह खुद मूसा के कानून के पालन करथस।

25 आनजात बिसवासीमन बर हमन ये फैसला करके लिख भेजे हवन कि ओमन मूरती ला चघाय खाना ले,
लहू ले, गला घोंटके मारे पसु के मांस ले अऊ छिनारी काम ले दूरिहा रहंय।"

26 दूसर दिन पौलुस ह ओ मनखेमन ला लीस अऊ ओमन के संग अपनआप ला घलो सुध करिस। तब ओह
मंदिर म गीस अऊ उहां बताईस कि सुध होय के दिन ह कब पूरा होही अऊ ओमन म के हर एक के खातिर दान
चघाय जाही।

[illegible]

27 जब सात दिन पूरा होवइया रिहिस, तब एसिया प्रदेस के कुछू यहूदीमन पौलुस ला मंदिर म देखिन। ओमन
जम्मो मनखेमन ला भड़काके पौलुस ला पकड़ लीन,

28 अऊ चिचियाके ये कहे लगिन, "हे संगी इसरायलीमन हो, हमर मदद करव। येह ओही मनखे ए, जऊन ह
हर जगह जम्मो मनखेमन ला हमर यहूदी जात, हमर कानून अऊ ये मंदिर के बिरोध म सिखोथे। इहां तक कि
ओह यूनानीमन ला मंदिर के भीतर लानके, ये पबितर स्थान ला असुध कर दे हवय।"

29 (ओमन एकर पहिली इफिसी त्रुफिमुस ला पौलुस के संग सहर म देखे रिहिन। एकरसेति ओमन ये समझिन
कि पौलुस ह ओला मंदिर म लाने हवय।)

30 तब जम्मो सहर म खलबली मच गीस। मनखेमन जम्मो कोति ले दऊड़के आईन अऊ पौलुस ला पकड़
लीन, अऊ ओला घसीटत मंदिर के बाहिर ले गीन अऊ तुरते कपाटमन ला बंद कर दीन।

31 जब ओमन ओला मार डारे के कोसिस करत रिहिन, तभे रोमी सेनापति ला ये संदेस मिलिस कि जम्मो
यरूसलेम सहर म खलबली मच गे हवय।

32 तब ओह तुरते कुछू अधिकारी अऊ सैनिकमन ला लीस अऊ दऊड़के भीड़ करा खाल्हे आईस। जब
मनखेमन सेनापति अऊ ओकर सैनिकमन ला देखिन, त ओमन पौलुस ला मारे-पीटे ला छोंड़ दीन।

33 तब सेनापति ह लकठा म आके पौलुस ला बंदी बना लीस अऊ ओला दू ठन संकली म बांधे के हुकूम दीस
अऊ ये पुछिस, "येह कोन ए अऊ येह का करे हवय?"

34 भीड़ म कोनो मन एक बात बर, त कोनो मन कुछू आने बात बर चिचियावन लगिन, अऊ जब हो-हल्ला के
मारे सेनापति ह सच बात ला नइं जान सकिस, त ओह पौलुस ला गढ़ म ले जाय के हुकूम दीस।

35 जब पौलुस ह सीढ़ीमन करा हबरिस, त भीड़ के उपदरव के कारन सैनिकमन ओला उठाके ले गीन।

36 भीड़ के जऊन मनखेमन ओकर पाछू-पाछू आवत रिहिन, ओमन चिचिया-चिचियाके ये कहत रहंय, "येला
मार डारव।"

[illegible]

37 जब सैनिकमन पौलुस ला गढ़ म ले जवइया रिहिन, त ओह सेनापति ले पुछिस, "का मोला कुछू कहे बर
हुकूम मिलही?"

सेनापति ह कहिस, "का तेंह यूनानी भासा जानथस?

38 का तेंह मिसर के रहइया ओ मनखे नो हस, जऊन ह कुछू समय पहिली बिदरोह करके चार हजार
उग्रवादीमन ला निरजन प्रदेस म ले गे रिहिस?"

39 पौलुस ह कहिस, "मेंह एक यहूदी अंव अऊ किलिकिया के नामी सहर तरसुस के निवासी अंव। मेंह तोर ले
बिनती करत हंव कि मोला मनखेमन ले बात करन दे।"

40 सेनापति ले हुकूम पाके, पौलुस ह सीढ़ी के ऊपर ठाढ़ होईस अऊ भीड़ ला अपन हांथ ले इसारा करिस।
जब ओमन सांत हो गीन, त पौलुस ह ओमन ला इबरानी म कहे लगिस।

22

1 "हे भाई अऊ ददामन हो, अब तुमन मोर जबाब ला सुनव।"

2 जब ओमन ओला इबरानी म गोठियावत सुनिन, त ओमन चुप हो गीन।

तब पौलुस ह कहिस,

3 “मेंह एक यहूदी अंव अऊ किलिकिया के तरसुस म पईदा होएंव, पर ये सहर म पले-बढ़े हवंव। गमलीएल के
अधीन म रहिके हमर पुरखामन के कानून ला सही ढंग ले सीखेंव, अऊ परमेसर के अइसने धुन म रहेंव, जइसने
आज तुमन हवव।
4 मेंह मरद अऊ माईलोगनमन ला बंदी बना-बनाके जेल म डारेंव, अऊ ये पंथ के बिसवासीमन ला इहां तक
सताएंव कि ओमन ला मरवा घलो डारेंव।
5 मोर ये बात के, महा पुरोहित अऊ जम्मो महासभा गवाह हवय। अऊ त अऊ ओमन ले चिट्ठी लेके, मेंह
दमिस्क म रहइया यहूदी भाईमन करा जावत रहेंव ताकि मेंह उहां ये मनखेमन ला सजा देवाय बर बंदी बनाके
यरूसलेम म लानंव।
6 “लगभग मंझन के बेरा, जब मेंह दमिस्क के लकठा हबरेंव, त अचानक एक बड़े अंजोर अकास ले मोर चारों
खूंट चमकिस।
7 मेंह भुइयां म गिर पड़ेंव अऊ मोर ले ये कहत एक अवाज सुनेंव, ‘हे साऊल! हे साऊल! तेंह मोला काबर
सतावत हस?’
8 “मेंह पुछेंव, ‘हे परभू! तेंह कोन अस?’
“ओह कहिस, ‘मेंह नासरत के यीसू अंव, जऊन ला तेंह सतावत हस।’
9 मोर संगीमन ओ अंजोर ला तो देखिन, पर जऊन ह मोर ले गोठियावत रहय, ओकर बात ला नइं समझिन।
10 “मेंह कहेंव, ‘हे परभू! मेंह का करंव?’
“त परभू ह कहिस, ‘उठ अऊ दमिस्क सहर म जा अऊ जऊन कुछू तोला करे बर हवय, उहां ओ जम्मो बात
तोला बताय जाही।’
11 मोर संगीमन मोर हांथ ला धरके दमिस्क सहर ले गीन। काबरकि अंजोर के चमक के मारे मेंह अंधरा हो गे
रहेंव।
12 “उहां हनन्याह नांव के एक मनखे मोर करा आईस। ओह मूसा के कानून के मुताबिक एक बने भक्त रिहिस
अऊ उहां रहइया यहूदीमन ओकर बहुंत आदर करंय।
13 ओह मोर बाजू म ठाढ़ होके कहिस, ‘हे भाई साऊल! तेंह फेर देखे लग।’ अऊ ओहीच बेरा मेंह देखे लगेंव
अऊ मेंह ओला देखेंव।
14 “तब हनन्याह ह कहिस, ‘हमर पुरखामन के परमेसर ह तोला चुने हवय कि तेंह ओकर ईछा ला जान अऊ
ओ धरमी जन ला देख अऊ ओकर मुहूं के बात ला सुन।
15 तेंह जम्मो मनखेमन के आघू म, ओकर ओ बातमन के गवाह होबे, जऊन ला तेंह देखे अऊ सुने हवस।
16 अब तेंह काबर देरी करथस? उठ! बतिसमा ले अऊ ओकर नांव लेके अपन पापमन ला धो डार।’
17 “एकर बाद, मेंह यरूसलेम लहुंटंय अऊ जब मंदिर म पराथना करत रहेंव, त मेंह एक दरसन देखेंव।
18 मेंह परभू ला देखेंव अऊ ओह मोला कहिस, ‘जल्दी कर अऊ यरूसलेम ले तुरते निकल जा, काबरकि
ओमन मोर बारे म तोर गवाही ला नइं मानंय।’
19 “मेंह कहेंव, ‘हे परभू! ओमन तो खुद जानत हवंय कि मेंह सभा-घरमन म जा-जाके तोर ऊपर बिसवास
करइयामन ला जेल म डारत अऊ मारत रहेंव।
20 जब तोर गवाह स्तिफनुस के लहू बहाय जावत रिहिस, त मेंह घलो उहां ठाढ़े रहेंव अऊ ओ बात म राजी
रहेंव अऊ मेंह उहां हतियारामन के कपड़ा के रखवारी करत रहेंव।’
21 “तब परभू ह मोला कहिस, ‘जा! मेंह तोला आनजातमन करा बहुंत दूरिहा-दूरिहा पठोहूं।’ ”

[illegible]

22 मनखेमन अब तक पौलुस के बात ला सुनत रिहिन। तब ओमन उठके चिचियाके कहिन, “धरती ले एकर
नामोनिसान मिटा देवव। ओह जीयत रहे के लईक नो हय।”
23 जब ओमन चिचियावत अऊ अपन-अपन कपड़ा फेंकत अऊ हवा म धुर्रा उड़ावत रहंय,
24 तब सेनापति ह हुकूम दीस, “येला, गढ़ म ले जावव अऊ येला कोर्रा मारके पुछव कि मनखेमन काबर एकर
बिरोध म अइसने चिचियावत हवंय।”
25 जब ओमन पौलुस ला कोर्रा मारे बर बांधे लगिन, त ओह उहां ठाढ़े अधिकारी ले कहिस, “का ये उचित ए
कि तुमन एक रोमी नागरिक ला कोर्रा म मारव अऊ ओ भी ओला बिगर दोसी ठहिराय?”

26 जब अधिकारी ह ये सुनिस, त ओह सेनापति करा जाके कहिस, “तेंह ये का करथस? ये मनखे ह तो रोमी
नागरिक ए।”
27 तब सेनापति ह पौलुस करा आईस अऊ ओकर ले पुछिस, “मोला बता, का तेंह रोमी नागरिक अस?”
पौलुस ह कहिस, “हव जी।”
28 सेनापति ह कहिस, “मेंह अपन रोमी नागरिक के पद ला बहुंत पईसा देके पाय हवंव।”
त पौलुस ह कहिस, “मेंह तो जनम ले रोमी नागरिक अंव।”
29 तब जऊन मन पौलुस के जांच करइया रिहिन, ओमन तुरते उहां ले हट गीन। सेनापति खुद ये सोचके डरा
गीस कि पौलुस ह रोमी नागरिक ए अऊ ओह ओला संकली म बंधवाय हवय।

[illegible]

30 ओकर आने दिन, सही-सही बात ला जाने बर कि यहूदीमन पौलुस ऊपर काबर दोस लगावत हवंय,
सेनापति ह ओकर संकली ला खुलवा दीस अऊ मुखिया पुरोहितमन ला अऊ जम्मो धरम महासभा के मनखेमन
ला जूरे के हुकूम दीस। तब ओह पौलुस ला लानके ओमन के आघू म ठाढ़ करिस।

23

1 पौलुस ह धरम महासभा कोति एकटक देखिस अऊ कहिस, “हे मोर भाईमन हो! मेंह आज तक परमेसर
खातिर सही बिबेक से काम करे हवंव।”
2 अतकी म महा पुरोहित हनन्याह ह ओमन ला, जऊन मन पौलुस के लकठा म ठाढ़े रहंय, ओकर मुहूं म मारे
के हुकूम दीस।
3 तब पौलुस ह ओला कहिस, “हे चूना पोताय भीथी! परमेसर ह तोला मारही। तेंह इहां कानून के मुताबिक
मोर नियाय करे बर बईठे हवस, पर कानून के उल्टा मोला मारे के हुकूम देवत हस।”
4 पौलुस के लकठा म ठाढ़े मनखेमन ओला कहिन, “तेंह परमेसर के महा पुरोहित के बेजत्ती करत हस।”
5 पौलुस ह कहिस, “हे भाईमन हो! मेंह नइं जानत रहेंव कि येह महा पुरोहित ए, काबरकि परमेसर के बचन ह
कहिथे, ‘अपन मनखेमन के हाकिम के बारे म खराप बात झन कह।’*”
6 तब पौलुस ह ये जानके कि इहां कुछू सदूकी अऊ फरीसीमन घलो हवंय, ओह महासभा म चिचियाके कहिस,
“हे मोर भाईमन! मेंह एक फरीसी अंव अऊ एक फरीसी के बेटा अंव। मरे मनखेमन के जी उठे के मोर आसा के
बारे म मोर ऊपर मुकदमा चलत हवय।”
7 जब पौलुस ह ये बात कहिस, त फरीसी अऊ सदूकीमन म झगरा होय लगिस अऊ सभा म फूट पड़ गे।
8 (काबरकि सदूकीमन बिसवास करथें कि मरे मनखेमन नइं जी उठंय अऊ न स्वरगदूत हवय, न आतमा; पर
फरीसीमन ये जम्मो बात म बिसवास करथें।)
9 तब अब्बड़ हो-हल्ला होईस अऊ फरीसी दल के कानून के कुछू गुरूमन ठाढ़ होके जोरदार बहस करन लगिन
अऊ कहिन, “हमन ये मनखे म कोनो खराप बात नइं पावत हवन। कहूं कोनो आतमा या स्वरगदूत येला कुछू
कहे हवय, त का होईस?”
10 जब बहुंत झगरा होय लगिस, त सेनापति ह डरा गे कि कहूं ओमन पौलुस के कुटा-कुटा झन कर डारंय।
एकरसेति, ओह सैनिकमन ला हुकूम दीस कि ओमन उतरके पौलुस ला मनखेमन के बीच ले निकाल लें अऊ
ओला गढ़ म ले जावंय।
11 ओ रथिया परभू ह पौलुस के लकठा म ठाढ़ होके कहिस, “हिम्मत रख। जइसने तेंह यरूसलेम म मोर
गवाही दे हवस, वइसने तोला रोम म घलो मोर गवाही दे बर पड़ही।”

[illegible]

12 ओकर दूसर दिन, बिहनियां, यहूदीमन एक सडयंत्र करिन अऊ ये कसम खाईन कि जब तक हमन पौलुस
ला नइं मार डारबो, तब तक हमन न तो कुछू खाबो, न पीबो।
13 चालीस ले जादा मनखे ये सडयंत्र म सामिल रिहिन।

---

* **23:5** निर 22:28

14 ओमन मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन करा गीन अऊ कहिन, “हमन कसम खाय हवन कि जब तक हमन
पौलुस ला नइं मार डारन, तब तक हमन कुछू नइं खावन।
15 अब तुमन अऊ धरम महासभा के सदस्यमन सेनापति ला समझावव कि ओह पौलुस ला तुम्हर आघू म
लानय, ये ढोंग करव कि तुमन ओकर बारे म अऊ सही-सही बात जाने चाहत हव। पर ओकर इहां आय के
पहिली हमन ओला मार डारे बर तियार हवन।”
16 पर जब पौलुस के भांचा ह ये सडयंत्र के बारे सुनिस, त ओह गढ़ म जाके पौलुस ला बताईस।
17 तब पौलुस ह एक अधिकारी ला बलाके कहिस, “ये जवान ला सेनापति करा ले जावव। येह ओला कुछू
बताय चाहत हवय।”
18 ओ अधिकारी ह पौलुस के भांचा ला सेनापति करा ले जाके कहिस, “ओ कैदी पौलुस ह मोला बलाके
कहिस कि ये जवान ला तोर करा ले आवंव। येह तोला कुछू बताय चाहत हवय।”
19 सेनापति ह जवान के हांथ ला धरके अलग ले गीस अऊ ओकर ले पुछिस, “तेंह मोला का बताय चाहत
हस?”
20 ओह कहिस: “कुछू यहूदीमन एका करे हवंय कि ओमन तोर ले बिनती करहीं कि कल पौलुस ला धरम
महासभा म लाने जावय, मानो धरम महासभा ह ओकर बारे म अऊ सही-सही बात जाने चाहत हवय।
21 पर तेंह ओमन के बात ला झन मानबे, काबरकि ओमा ले चालीस ले जादा मनखेमन पौलुस के घात म
हवंय। ओमन ये कसम खाय हवंय कि जब तक ओमन पौलुस ला नइं मार डारहीं, तब तक ओमन न तो खाहीं
अऊ न पीहीं। ओमन अभी तियार हवंय अऊ तोर हुकूम के बाट जोहत हवंय।”
22 तब सेनापति ह पौलुस के भांचा ला बिदा करिस, पर ओला चेताके कहिस, “कोनो ला झन कहिबे कि तेंह
मोला ये बात बताय हवस।”

[illegible]

23 तब सेनापति अपन दू झन अधिकारीमन ला बलाके हुकूम दीस, “दू सौ सैनिक, सत्तर घुड़सवार अऊ दू सौ
बरछीधारी मनखेमन ला आज रथिया लगभग नौ बजे कैसरिया जाय बर तियार रखव।
24 पौलुस के सवारी बर घोड़ा रखव कि ओला राजपाल फेलिक्स करा सही-सलामत पहुंचा दिये जावय।”
25 ओह ये चिट्ठी घलो लिखिस:
26 महा परतापी,
राजपाल फेलिक्स ला क्लौदियुस लुसियास के जोहार।
27 ये मनखे ला यहूदीमन धरके के मार डारे चाहत रिहिन। पर जब मोला पता चलिस कि येह रोमी
नागरिक ए, त मेंह सेना ले जाके येला छुड़ाके ले आएंव।
28 मेंह ये जाने बर चाहत रहेंव कि ओमन एकर ऊपर काबर दोस लगावत रिहिन। एकरसेति येला ओमन के
धरम महासभा म ले गेंव।
29 तब मोला पता चलिस कि ओमन अपन कानून के बारे म कतको ठन सवाल ला लेके ओकर ऊपर दोस
लगावत हवंय। पर मार डारे जावय या जेल म डारे जावय लईक ओमा कोनो दोस नइं ए।
30 जब मोला ये बताय गीस कि कुछू यहूदीमन ओकर बिरोध म एक सडयंत्र रचे हवंय, त मेंह तुरते ओला
तोर करा पठो देंव। मेंह ओकर ऊपर दोस लगइयामन ला घलो हुकूम दे हवंव कि ओमन तोर आघू म एकर ऊपर
नालिस करंय।
31 सैनिकमन ला जइसने हुकूम दिये गे रिहिस, ओमन वइसने करिन। ओमन पौलुस ला रातों-रात
अंतिपतरिस सहर ले आईन।
32 ओकर आने दिन, ओमन घुड़सवारमन ला पौलुस के संग जाय बर छोंड़के, खुद गढ़ म लहुंट गीन।
33 घुड़सवारमन कैसरिया पहुंचके राजपाल फेलिक्स ला चिट्ठी दीन अऊ पौलुस ला घलो ओला सऊंप दीन।
34 राजपाल ह चिट्ठी ला पढ़के पुछिस, “ओह कोन प्रदेस के अय?” जब ओह जानिस कि पौलुस ह किलिकिया
के अय,
35 त राजपाल ह ओला कहिस, “जब तोर ऊपर दोस लगइयामन इहां आहीं, तब मेंह तोर मामला ला सुनहूं।”
तब ओह हुकूम दीस कि पौलुस ला हेरोदेस के महल म पहरा म रखे जावय।

24

[illegible]

1 पांच दिन के बाद महा पुरोहित हनन्याह ह कुछू अगुवा अऊ तिरतुल्लुस नांव के एक वकील ला लेके
कैसरिया आईस। ओमन राजपाल फेलिक्स के आघू म, पौलुस के बिरोध म दोस लगाईन।
2 जब पौलुस ला बलाय गीस, तब वकील तिरतुल्लुस ह फेलिक्स के आघू म दोस लगाके कहिस: "तोर सासन
म हमन ला अब्बड़ सांति मिले हवय, अऊ तोर कुसल परबंध के कारन ये देस म कतको सुधार के काम होय हवय।
3 हे महा परतापी फेलिक्स! ये बात ला हमन हर जगह अऊ हर किसम ले धनबाद के संग सुवागत करत
हवन।
4 मेंह तोर अऊ समय नइं लेय चाहत हवंव, पर मेंह तोर ले बिनती करत हंव कि दया करके हमर दू-एक
बातमन ला सुन ले।
5 "हमन ये मनखे ला उपदरव करइया अऊ संसार के जम्मो यहूदीमन म बलवा करइया पाय हवन। येह
नासरीमन के दल के मुखिया ए।
6 अऊ त अऊ येह मंदिर ला असुध करे के कोसिस करे हवय, एकरसेति हमन येला बंदी बना लेंन।
7 हमन अपन कानून के मुताबिक एकर नियाय करे चाहत रहेंन, पर सेनापति लुसियास ह आके येला जबरन
हमर करा ले लेय गीस अऊ एकर ऊपर दोस लगइयामन ला तोर करा पठोय हवय।*
8 ये जम्मो बात ला, जेकर बारे म हमन एकर ऊपर दोस लगावत हन, तेंह खुद एकर जांच करके सच ला जान
लेबे।"
9 आने यहूदीमन घलो वकील के संग सहमत होके कहिन कि ये जम्मो बात सही ए।
10 जब राजपाल ह पौलुस ला बोले बर इसारा करिस, त पौलुस ह जबाब दीस: "मेंह जानत हंव कि तेंह बहुंत
साल ले ये देस के नियायधीस अस; एकरसेति, खुसी से मेंह अपन सफई देवत हंव।
11 तेंह आसानी से जान सकत हस कि बारह दिन ले जादा नइं होवत हवय, जब मेंह यरूसलेम ला अराधना
करे बर गेंव।
12 यहूदीमन मोला न तो मंदिर म, न ओमन के सभा-घर म, न सहर म काकरो संग बिवाद करत या भीड़
लगावत पाईन।
13 अब ओमन जऊन बात के दोस मोर ऊपर लगावत हवंय, ओला तोर आघू म सच साबित नइं कर सकंय।
14 तभो ले मेंह मान लेवत हंव कि जऊन पंथ ला, ओमन कुपंथ कहत हवंय, ओकरे मुताबिक मेंह हमर
पुरखामन के परमेसर के अराधना करथंव। जऊन बातमन कानून ले मेल खाथें अऊ अगमजानीमन के किताब म
लिखे हवंय, ओ जम्मो बात ऊपर मेंह बिसवास करथंव,
15 अऊ मोर घलो ओमन सहीं परमेसर म आसा हवय कि धरमी अऊ अधरमी दूनों मरे के बाद फेर जी उठहीं।
16 एकरसेति मेंह हमेसा ये कोसिस करथंव कि परमेसर अऊ मनखेमन के आघू म मोर बिबेक ह साफ रहय।
17 "बहुंत साल के बाद, मेंह गरीबमन बर अपन मनखेमन के दान पहुंचाय अऊ मंदिर म भेंट चघाय बर
यरूसलेम आय रहेंव।
18 जब यहूदीमन मंदिर म मोला ये करत पाईन, त रीति-बिधि के मुताबिक मेंह सुध रहेंव। मोर संग कोनो
भीड़ नइं रिहिस अऊ मेंह कोनो दंगा नइं करत रहेंव।
19 पर एसिया प्रदेस के कुछू यहूदीमन रिहिन; यदि ओमन ला मोर बिरोध म कुछू कहना रिहिस, त इहां तोर
आघू म आके ओमन ला मोर ऊपर दोस लगाना चाही।
20 या आज जऊन मन इहां हाजिर हवंय, ओमन खुद बतावंय कि जब मेंह धरम महासभा के आघू म ठाढ़े
रहेंव, त ओमन मोर म का दोस पाईन?
21 एके ठन बात के छोंड़, जऊन ला मेंह ओमन के बीच म ठाढ़ होके चिचियाके कहे रहेंव कि मरे मनखेमन के
जी उठे के बारे म, आज मोर तुम्हर आघू म मुकदमा चलत हवय।"
22 राजपाल फेलिक्स ह ये पंथ के बात ला ठीक-ठीक जानत रहय। ओह ओ मुकदमा ला टालके कहिस, "जब
सेनापति लुसियास ह आही, त तुम्हर मामला के फैसला करहूं।"

---

* **24:7** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

23 ओह सेना के अधिकारी ला हुकूम दीस कि पौलुस ला हवालात म रखे जावय, पर ओला कुछू सुतंतरता
दिये जावय अऊ ओकर संगीमन ला ओकर जरूरत के चीजमन के पूरती करे के अनुमति दिये जावय।
24 कुछू दिन के बाद, फेलिक्स ह अपन घरवाली दुरसिल्ला के संग आईस। दुरसिल्ला ह एक यहूदी रिहिस।
फेलिक्स ह पौलुस ला बलाईस अऊ ओकर ले ओ बिसवास के बारे म सुनिस, जऊन ह मसीह यीसू म हवय।
25 पर जब पौलुस ह धरमीपन, संयम अऊ अवइया नियाय के बारे म चरचा करिस, त फेलिक्स ह डरा गीस
अऊ कहिस, "अब तेंह जा। जब मऊका मिलही, त मेंह तोला फेर बलाहूं।"
26 फेलिक्स ला पौलुस ले घूस म कुछू रूपिया मिले के आसा घलो रहय, एकरसेति, ओह पौलुस ला घेरी-बेरी
बलाय अऊ ओकर ले बात करय।
27 जब दू साल बीत गे, त फेलिक्स के जगह म पुरकियुस फेसतुस राजपाल बनिस। पर फेलिक्स ह यहूदीमन
ला खुस करे चाहत रहय, ओकर सेति ओह पौलुस ला जेल म ही बंदी के रूप म छोंड़ गीस।

25

[illegible]

1 ओ प्रदेस म आय के तीन दिन के बाद, फेसतुस ह कैसरिया ले यरूसलेम सहर गीस?
2 जिहां मुखिया पुरोहितमन अऊ यहूदीमन के अगुवामन ओकर आघू म पौलुस के बिरोध म नालिस करिन।
3 ओमन फेसतुस ले बिनती करके, ये किरपा करे बर कहिन कि ओह पौलुस ला यरूसलेम सहर लाने के परबंध
करवाय, काबरकि ओमन रसता म ही ओला मार डारे के उपाय करे रिहिन।
4 तब फेसतुस ह जबाब दीस, "पौलुस ला कैसरिया म एक कैदी के रूप म रखे गे हवय, अऊ मेंह खुद उहां
जल्दी जवइया हंव।
5 तुम्हर कुछू अगुवामन मोर संग चलंय अऊ कहूं ओ मनखे ह कुछू गलत काम करे हवय, त ओकर ऊपर उहां
दोस लगावंय।"
6 आठ-दस दिन ओमन के संग रहे के बाद, फेसतुस ह कैसरिया गीस। दूसर दिन ओह नियाय आसन म
बईठिस अऊ पौलुस ला लाने के हुकूम दीस।
7 जब पौलुस ह आईस, त ओ यहूदी जऊन मन यरूसलेम ले आय रिहिन, ओमन ओकर आसपास ठाढ़ हो
गीन अऊ ओकर ऊपर कतको किसम के दोस लगाईन, पर ओकर सबूत ओमन नइं दे सकिन।
8 तब पौलुस ह जबाब देके कहिस, "मेंह न तो यहूदीमन के कानून के अऊ न मंदिर के, अऊ न रोम के
महाराजा के बिरोध म कुछू गलत काम करे हवंव।"
9 यहूदीमन ला खुस करे के बिचार ले, फेसतुस ह पौलुस ला कहिस, "का तोर यरूसलेम जाय के ईछा हवय कि
उहां मोर आघू म, तोर ये मामला निपटाय जावय।"
10 पौलुस ह कहिस, "मेंह महाराजा के नियाय आसन के आघू म ठाढ़े हवंव। मोर मुकदमा के फैसला इहां होना
चाही। मेंह यहूदीमन के बिरोध म कोनो गलत काम नइं करे हवंव, जऊन ला तेंह खुद जानथस।
11 तभो ले, कहूं मेंह दोसी अंव अऊ मार डारे जाय के लईक कुछू काम करे हवंव, त मेंह मरे बर नइं डर्रावंव,
पर जऊन बातमन के येमन मोर ऊपर दोस लगावत हंय, यदि ओ बातमन सच नो हंय, त काकरो करा ये
अधिकार नइं ए कि ओह मोला येमन के हांथ म सऊंप देवय। मेंह महाराजा करा अपील करत हंव।"
12 तब फेसतुस ह अपन सलाहकारमन के संग बिचार करे के बाद, पौलुस ला जबाब दीस, "तेंह महाराजा करा
अपील करे हवस, त तेंह महाराजा करा जाबे।"

[illegible]

13 कुछू दिन के बाद, राजा अगरिप्पा अऊ बिरनीके, कैसरिया म आईन अऊ फेसतुस ले भेंट करिन।
14 जब ओमन ला उहां रहे बहुंत दिन हो गे, तब फेसतुस ह पौलुस के बारे म राजा अगरिप्पा ला बताईस, इहां
एक मनखे हवय, जऊन ला फेलिक्स ह कैदी छोंड़ गे हवय।
15 जब मेंह यरूसलेम गेंव, त मुखिया पुरोहितमन अऊ यहूदीमन के अगुवामन ओकर ऊपर दोस लगाईन
अऊ मांग करिन कि ओला दंड दिये जावय।

16 “मेंह ओमन ला कहेंव कि येह रोमीमन के रिवाज नो हय कि कोनो मनखे ला दंड के खातिर सऊंप दिये
जावय, जब तक कि ओला पहिली अपन ऊपर दोस लगइयामन के आघू म ठाढ़ होके अपन ऊपर लगे दोस के
बारे म बयान देय के मऊका नइं मिल जावय।
17 जब ओमन इहां मोर संग आईन, तब मेंह बिगर देरी करे, ओकर आने दिन नियाय आसन म बईठें अऊ ओ
मनखे ला लाने के हुकूम देंय।
18 जब ओकर ऊपर दोस लगइयामन बोले बर ठाढ़ होईन, त ओमन अइसने कोनो दोस नइं लगाईन, जइसने
कि मेंह समझत रहेंव।
19 ओमन अपन धरम के बारे अऊ यीसू नांव के कोनो मनखे के बारे म बहस करत रिहिन, जऊन ह मर गे
रिहिस, पर पौलुस ओला जीयत बतावत रिहिस।
20 मेंह उलझन म रहेंव कि ये बातमन के कइसने पता लगावंव, एकरसेति मेंह पौलुस ले पुछेंव, का तेंह
यरूसलेम जाय के ईछा करथस कि उहां ये बातमन के फैसला हो सकय।
21 पर पौलुस ह अपन मुकदमा के फैसला महाराजा के इहां करे के अपील करिस। एकरसेति, मेंह हुकूम देवंय
कि जब तक मेंह ओला महाराजा करा नइं पठोवंव, तब तक ओला पहरा म रखे जावय।”
22 राजा अगरिप्पा ह फेसतुस ला कहिस, “मेंह खुद ये मनखे के बात ला सुने चाहत हंव।” फेसतुस ह कहिस,
“तेंह कल ओकर बात ला सुन सकथस।”

[illegible]

23 दूसर दिन अगरिप्पा अऊ बिरनीके बड़े ठाट-बाट के संग दरबार म आईन। ओमन के संग बड़े अधिकारी
अऊ सहर के बड़े-बड़े मनखेमन रहंय। फेसतुस ह पौलुस ला लाने के हुकूम दीस।
24 फेसतुस ह कहिस, “हे राजा अगरिप्पा अऊ इहां हाजिर जम्मो मनखेमन! तुमन ये मनखे ला देखत हव,
जेकर बारे म जम्मो यहूदीमन यरूसलेम म अऊ इहां कैसरिया म घलो चिचिया-चिचियाके मोर करा नालिस करे
हवंय कि एकर अऊ जीयत रहई ठीक नो हय।
25 पर मेंह पता लगाके ये पायेंव कि येह अइसने कुछू नइं करे हवय कि येला मार डारे जावय। पर येह
महाराजा करा अपील करे हवय, एकरसेति मेंह येला रोम पठोय के फैसला करेंव।
26 पर एकर बारे म मेंह महाराजा ला का लिखंव? मोला अइसने कोनो बात नइं सुझिस। एकरसेति मेंह येला
तुम्हर जम्मो के आघू म अऊ बिसेस करके, हे राजा अगरिप्पा, तोर आघू म लाने हवंव ताकि येला जांचे के बाद,
मोला लिखे बर कुछू मिलय।
27 काबरकि कैदी ला अइसने पठोना अऊ ओकर खिलाप लगे दोस ला नइं लिखना, मोला नियाय-संगत नइं
लगत हे।”

26

1 राजा अगरिप्पा ह पौलुस ला कहिस, “तोला अपन बारे म बोले के अनुमति हवय।”
तब पौलुस ह अपन हांथ ले इसारा करिस अऊ अपन बचाव म ये किसम ले जबाब दीस,
2 “हे राजा अगरिप्पा! यहूदीमन जऊन बात के मोर ऊपर दोस लगावथें, आज तोर आघू म ओकर जबाब देय
म, मेंह अपनआप ला भाग्यवान समझत हंव।
3 अऊ बिसेस करके एकरसेति कि तेंह यहूदीमन के जम्मो रीति-रिवाज अऊ बिवादमन ला बने करके
जानथस। मेंह तोर ले बिनती करत हंव कि धीरज धरके मोर बात ला सुन।
4 “मेंह लइकापन ले, अपन जिनगी के सुरूआत ले अब तक कइसने अपन देस म अऊ यरूसलेम म जीये
हवंव, यहूदीमन ओ जम्मो ला जानत हवंय।
5 ओमन बहुंत समय ले मोला जानत हवंय, अऊ कहूं चाहंय, त ओमन गवाही घलो दे सकत हें कि मेंह एक
फरीसी के रूप म हमर धरम के सबले कठोर पंथ के मुताबिक जिनगी बिताय हवंव।
6 अऊ अब येह मोर ओ आसा के कारन जेकर वायदा परमेसर ह हमर पुरखामन ले करे रिहिस, मोर ऊपर
मुकदमा चलत हवय।
7 ओहीच वायदा के पूरा होय के आसा म, हमर बारह गोत्र के मनखेमन अपन जम्मो हिरदय ले दिन अऊ रात
परमेसर के सेवा करत आय हवंय। हे राजा! इही आसा के कारन, यहूदीमन मोर ऊपर दोस लगावत हवंय।

8 तुमन येला काबर अबिसवास के बात समझत हव कि परमेसर ह मरे मनखे ला जियाथे?
9 “मेंह घलो ये समझत रहेंव कि यीसू नासरी के नांव के बिरोध म, जऊन कुछू हो सकथे, मोला करना चाही।
10 अऊ मेंह यरूसलेम म अइसनेच करेंव। मेंह मुखिया पुरोहितमन ले अधिकार पाके परमेसर के बहुंते मनखेमन ला जेल म डारेंव, अऊ जब ओमन मार डारे जावंय, त मेंह ओमन के बिरोध म अपन सहमती देवत रहेंव।
11 कतको बार मेंह ओमन ला सजा देवाय बर एक सभा-घर ले दूसर सभा-घर म गेंव, अऊ ओमन ले जबरन यीसू के निन्दा करवाय के कोसिस करेंव। ओमन के बिरोध म गुस्सा के मारे, मेंह ओमन ला सताय बर इहां तक कि दूसर देस के सहरमन म घलो गेंव।
12 “एही काम खातिर, मेंह मुखिया पुरोहितमन ले अधिकार अऊ हुकूम पाके दमिस्क सहर ला जावत रहेंव।
13 तब हे राजा! मंझन के बेरा, रसता म मेंह अकास ले एक अंजोर देखेंव, जऊन ह सूरज ले जादा चमकत रहय अऊ ओह मोर अऊ मोर संगीमन के चारों खूंट चमकिस।
14 हमन जम्मो भुइयां म गिर पड़ेंन, अऊ मेंह इबरानी म मोर ले ये कहत एक अवाज सुनेंव, ‘हे साऊल, हे साऊल, तेंह मोला काबर सतावत हस? नुकीला छड़ी म लात मारना तोर बर कठिन ए।’
15 “तब मेंह पुछेंव, ‘हे परभू, तेंह कोन अस?’
“त परभू ह कहिस, ‘मेंह यीसू अंव, जऊन ला तेंह सतावत हस।
16 अब उठ अऊ अपन गोड़ म ठाढ़ हो जा। मेंह तोला एकर खातिर दरसन दे हवंव कि मेंह तोला ओ बातमन के सेवक अऊ गवाह बनावंव, जऊन ला तेंह मोर म देखे हवस अऊ जऊन ला मेंह तोला देखाहूं।
17 मेंह तोला इसरायली अऊ आनजातमन ले बचाहूं, जेमन करा मेंह तोला पठोवत हवंव।
18 मेंह तोला एकरसेति पठोवत हवंव कि तेंह ओमन के आंखी ला उघार अऊ ओमन ला अंधियार ले अंजोर कोति अऊ सैतान के सक्ति ले परमेसर कोति बहुर के लान, ताकि मोर ऊपर बिसवास करे के दुवारा ओमन ला पाप के माफी मिलय अऊ परमेसर के चुने मनखेमन के बीच म ओमन जगह पावंय।’
19 “एकरसेति, हे राजा अगरिप्पा, मेंह ओ स्वरगीय दरसन के बात ला नइं टारंय।
20 पहिली मेंह दमिस्क म, तब यरूसलेम म अऊ जम्मो यहूदिया प्रदेस म, यहूदीमन ला अऊ आनजातमन ला घलो परचार करंय कि ओमन पाप ले मन फिरावंय अऊ परमेसर कोति लहुंटंय अऊ अपन काम के दुवारा मन-फिराय के सबूत देवंय।
21 एकरे कारन यहूदीमन मोला मंदिर म पकड़के मार डारे के कोसिस करिन।
22 पर परमेसर के मदद ले, मेंह आज इहां ठाढ़े हवंव अऊ छोटे-बड़े जम्मो ला बरोबर गवाही देवत हवंव। मेंह ओ बातमन ला छोंड़के, अऊ कुछू नइं कहत हंव जऊन ला अगमजानीमन अऊ मूसा ह घलो कहिस कि ये बातमन पूरा होवइया हवय—
23 कि मसीह ला दुख उठाय बर पड़ही, अऊ ओह सबले पहिली मरे मन ले जी उठही अऊ अपन यहूदी मनखे अऊ आनजातमन ला उद्धार के संदेस के परचार करही।”
24 जब पौलुस ह अपन बारे म अइसने जबाब देवत रिहिस, त फेसतुस ह ओला चिचियाके कहिस, “हे पौलुस, तेंह बइहा गे हवस। तोर बहुंते गियान ह तोला बइहा कर दे हवय।”
25 पौलुस ह कहिस, “हे महा परतापी फेसतुस, मेंह बइहा नो हंव। मेंह सच अऊ गंभीर बात कहत हंव।
26 राजा अगरिप्पा घलो ये बातमन ला जानत हवय। मेंह बिगर डरे ओला कह सकत हंव। मोला बिसवास हवय कि ये बातमन ओकर ले छुपे नइं एं, काबरकि ये बात ह अंधियार म नइं होय हवय।
27 हे राजा अगरिप्पा! का तेंह अगमजानीमन ऊपर बिसवास करथस? मेंह जानत हंव कि तेंह करथस।”
28 तब राजा अगरिप्पा ह पौलुस ला कहिस, “का तेंह सोचथस कि ये थोरकन समय म मोला मसीही बने बर राजी कर लेबे?”
29 पौलुस ह कहिस, “थोरकन समय या बहुंते समय म—मेंह परमेसर ले पराथना करत हंव कि तें ही नइं, पर जम्मो झन जऊन मन मोर बात ला सुनत हवंय, आज ही मोर सहीं बन जावंय। पर मेंह ये नइं चाहंव कि ओमन मोर सहीं कैदी बनंय।”

30 तब राजा अगरिप्पा, राजपाल, बिरनीके अऊ जऊन मन ओमन के संग बईठे रहंय, ओ जम्मो झन ठाढ़ हो
गीन।
31 अऊ कमरा ले निकलके एक-दूसर ले गोठियावत ये कहिन, "ये मनखे ह अइसने कुछू नइं करे हवय, जेकर
कारन येला मार डारे जावय या येला जेल म रखे जावय।"
32 तब राजा अगरिप्पा ह फेसतुस ला कहिस, "यदि ये मनखे ह रोमी महाराजा करा अपील नइं करे होतिस, त
येला छोंड़े जा सकत रिहिस।"

27

[illegible]

1 जब ये फैसला होईस कि हमन पानी जहाज म इटली देस जाबो, तब ओमन पौलुस अऊ कुछू आने कैदीमन
ला यूलियुस नांव के एक सेना के अधिकारी के हांथ म सऊंप दीन, जऊन ह रोमी पलटन के रिहिस।
2 हमन अद्रमुतियुम के एक पानी जहाज म चघेंन, जऊन ह एसिया प्रदेस के तीर के बंदरगाहमन म जवइया
रहय। हमन जहाज के लंगर ला समुंदर म खोल देंन। थिस्सलुनीके के एक मकिदूनी मनखे अरिसतर्खुस घलो
हमर संग म रिहिस।
3 ओकर आने दिन हमन सीदोन म उतरेंन, अऊ यूलियुस ह पौलुस ऊपर दया करके ओला ओकर संगीमन
करा जाय बर हुकूम दीस ताकि ओमन पौलुस के जरूरत के चीजमन के पूरती करंय।
4 तब उहां ले हमन फेर जहाज म चघेंन अऊ हवा ह हमर उल्टा दिग म बहे के कारन, हमन साइप्रस दीप के
आड़ म होवत गेंन।
5 हमन किलिकिया अऊ पंफूलिया टापू के समुंदर तीर म ले होवत लूसिया प्रदेस के मूरा म उतरेंन।
6 सेना के अधिकारी ला उहां सिकन्दरिया के एक पानी जहाज मिलिस, जऊन ह इटली जावत रहय। ओह
हमन ला ओही जहाज म चघा दीस।
7 हमन बहुंत दिन तक धीरे-धीरे चलत बड़े मुसकुल म कनिदुस नगर हबरेंन। हवा ह हमन ला आघू बढ़न नइं
देवत रहय। एकरसेति, हमन सलमोने टापू के आघू म ले होवत क्रेते दीप के आड़ म चलेंन।
8 हमन तीरे-तीर चलत बड़े मुसकुल म सुभ लंगरबारी नांव के एक जगह म हबरेंन, जऊन ह लसया सहर के
लकठा म रहय।
9 बहुंत दिन हो गे रिहिस अऊ समुंदर के यातरा के जोखिम बढ़ गे रहय, अऊ तब तक उपास के दिन घलो बीत
गे रिहिस। एकरसेति पौलुस ह ओमन ला ये सलाह दीस,
10 "हे मनखेमन, मेंह देखत हंव कि हमर ये यातरा म बिपत्ति अवइया हवय अऊ न सिरिप जहाज अऊ माल
के बहुंत नुकसान होही, पर हमन ला हमर परान के घलो हानि उठाना पड़ही।"
11 पर सेना के अधिकारी ह पौलुस के बात ला माने के बदले, कप्तान के बात अऊ जहाज के मालिक के बात
ला मानिस।
12 ओ बंदरगाह ह जड़काला काटे बर ठीक नइं रिहिस, एकरसेति बहुंते मनखेमन ये कहिन कि जहाज ला
खोलके यदि हो सकय, त फीनिक्स तक पहुंचे के कोसिस करे जावय अऊ उहां जड़काला काटे जावय। फीनिक्स
ह क्रेते के एक बंदरगाह रिहिस, जऊन ह दक्खिन-पछिम अऊ उत्तर-पछिम अंग खुलथे।

[illegible]

13 जब हवा ह दक्खिन कोति ले धीरे-धीरे चले के सुरू होईस, त ओमन सोचिन कि ओमन जो चाहथें, ओह
पूरा होही। ओमन जहाज ला खोल दीन अऊ क्रेते के तीरे-तीर चले लगिन।
14 पर थोरकन देर म, दीप ले एक बड़े आंधी उठिस जऊन ह उत्तर-पूरबी आंधी कहाथे।
15 आंधी ह जहाज ले टकराईस अऊ जब हवा के उल्टा जहाज ला चलाना असंभव हो गीस, त हमन कोसिस
करे बर छोंड़ देंन, अऊ अइसने हवा म बोहावत चले गेंन।
16 कौदा नांव के एक छोटकन टापू के आड़ म जावत-जावत, हमन बड़े मुसकुल म जहाज के डोंगी ला
संभालेंन।
17 मनखेमन ओला जहाज म रखिन अऊ जहाज ला संभाले बर ओकर चारों कोति दऊंरा बांध दीन। सुरतिस
के बालू म जहाज के फंस जाय के डर म, ओमन जहाज के लंगर ला खाल्हे उतारिन अऊ जहाज ला अइसने हवा
म चलन दीन।

18 आंधी ह भयंकर रूप से जहाज म टकराय लगिस, त दूसर दिन ओमन जहाज के माल ला फटिके लगिन।
19 तीसरा दिन ओमन अपन हांथ ले जहाज म लदे वजन नापे के मसीन ला फटिक दीन।
20 जब हमन ला कुछू दिन तक न सूरज अऊ न तारामन दिखिन अऊ लगातार भारी आंधी चलत रहय, त आखिर म हमन हमर बांचे के जम्मो आसा छोंड़ देंन।
21 जब मनखेमन बहुंत दिन तक खाना नइं खाईन, त पौलुस ह ओमन के आघू म ठाढ़ होके कहिस, "हे मनखेमन, यदि तुमन मोर बात ला सुनके जहाज ला क्रेते ले नइं खोले रहितेव, तब हमन ला ये बिपत अऊ हानि नइं उठाय पड़तिस।
22 पर अब मेंह तुमन ले बिनती करत हंव कि हिम्मत करव, काबरकि तुमन के काकरो परान के हानि नइं होवय, सिरिप जहाज ह नास होही।
23 काबरकि जऊन परमेसर के मेंह अंव अऊ जेकर मेंह सेवा करथंव, ओकर एक स्वरगदूत ह बीते रथिया मोर करा आके कहिस,
24 'हे पौलुस, झन डर। तोला महाराजा के आघू म ठाढ़ होना जरूरी ए, अऊ परमेसर ह अपन दया ले, ये जम्मो झन के जिनगी ला, जऊन मन तोर संग जावत हवंय, तोला दे हवय।'
25 एकरसेति, हे मनखेमन हो, हिम्मत करव, काबरकि मोला परमेसर ऊपर बिसवास हवय कि जइसने ओह मोला कहे हवय, वइसनेच होही।
26 पर हमन ला कोनो टापू म पहुंचे बर पड़ही।"

[illegible]

27 चौदह रात हो गे, हमन अद्रिया समुंदर म भटकत फिरत रहेंन, तब आधा रथिया के करीब मांझीमन ला लगिस कि ओमन भुइयां के लकठा म आ गे हवंय।
28 ओमन पानी के थाह लगाईन, त ओमन एक सौ बीस फीट गहिरा पाईन। थोरकन देर बाद, ओमन फेर गहरई नापिन, त नब्बे फीट गहिरा पाईन।
29 तब ये डरके कि कहूं जहाज ह पथरा ले टकरा जाही, ओमन जहाज के पाछू के भाग म चार ठन लंगर डारिन अऊ दिन के अंजोर बर पराथना करे लगिन।
30 मांझीमन पानी जहाज ले भागे चाहत रहंय, एकरसेति ओमन जहाज के आघू म कुछू लंगर डारे के ओढ़र म, डोंगी ला समुंदर म उतार दीन।
31 तब पौलुस ह सेना के अधिकारी अऊ सैनिकमन ला कहिस, "कहूं ये मनखेमन जहाज ला छोंड़ दीन, त तुमन नइं बांचव।"
32 तब सैनिकमन डोंगी ले बंधे डोर ला काटके डोंगी ला गिरा दीन।
33 बिहान होय के पहिली, पौलुस ह ओ जम्मो झन ला खाना खाय बर समझाईस। ओह कहिस, "आज चौदह दिन हो गे, तुमन आस लगाय हवव अऊ अभी तक ले कुछू नइं खाय हवव।
34 मेंह तुमन ले बिनती करत हंव कि कुछू खा लेवव। जीयत रहे बर तुमन ला कुछू खाना जरूरी ए। तुमन के काकरो मुड़ के एको ठन बाल घलो बांका नइं होवय।"
35 ये कहिके पौलुस ह कुछू रोटी लीस अऊ जम्मो के आघू म परमेसर ला धनबाद दीस अऊ टोरके खावन लगिस।
36 ओमन जम्मो झन उत्साहित होईन अऊ कुछू खाना खाईन।
37 हमन जम्मो झन मिलके पानी जहाज म दू सौ छिहत्तर मनखे रहेंन।
38 जब खाना खाके ओमन के मन ह भर गे, त अनाज ला समुंदर म फटिकके जहाज ला हरू करन लगिन।
39 जब बिहनियां होईस, त ओमन ओ देस ला नइं चिन्हिन, पर ओमन ला एक रेतिला समुंदर के खाड़ी दिखिस, तब ओमन उहां जहाज ला टिकोय के फैसला करिन।
40 अऊ ओमन लंगरमन ला खोलके समुंदर म ओमन ला छोंड़ दीन अऊ संग म पतवारमन के डोर ला घलो खोल दीन अऊ हवा के आघू म पाल ला चघाके, ओमन समुंदर के तीर कोति चले लगिन।
41 जहाज ह बालू म फंसके अटक गे। जहाज के आघू के भाग ह बालू म धंस गीस अऊ आघू नइं बढ़िस, जबकि पाछू के भाग ह समुंदर के भयंकर लहरा ले टूटके कुटा-कुटा हो गीस।
42 तब सैनिकमन कैदीमन ला मार डारे के बिचार करिन, ताकि ओमा ले कोनो पानी म उतरके झन भाग सकय।

43 पर सेना के अधिकारी ह पौलुस ला बंचाय बर चाहत रहय, एकरसेति ओह ओमन ला अइसने करे बर मना
करिस। ओह ये हुकूम दीस कि जऊन मन तउंर सकथें, ओमन पहिली जहाज ले कूदके तीर म हबरंय।
44 बांचे मनखेमन लकड़ी के पटिया या जहाज के टूटे चीजमन के सहारा लेके उहां हबरंय। ये किसम ले जम्मो
झन भांठा म पहुंचके बांच गीन।

28

[illegible]

1 जब हमन बांचके तीर म आ गेंन, तब हमन ला पता चलिस कि ये दीप ला मिलिते कहे जाथे।
2 दीप के रहइया मनखेमन हमर ऊपर अब्बड़ दया करिन। पानी गिरत रहय अऊ जाड़ घलो लगत रहय,
एकरसेति ओमन आगी बारिन अऊ हमर सुवागत करिन।
3 पौलुस ह लकड़ी के बोझा बटोरिस अऊ जब ओला आगी म डारत रिहिस, त एक ठन जहरिला सांप आगी
के आंच पाके निकलिस अऊ पौलुस के हांथ म लपट गीस।
4 जब दीप के रहइया मनखेमन ओकर हांथ म सांप ला लपटे देखिन, त ओमन एक-दूसर ले कहिन, "ये मनखे
ह सही म हतियारा ए। हालाकि येह समुंदर ले बांच तो गीस, पर नियाय ह ओला जीयन नइं दीस।"
5 पर पौलुस ह सांप ला आगी म झटकार दीस अऊ ओला कुछू नइं होईस।
6 मनखेमन ये आसा करत रहंय कि पौलुस के देहें ह फूल जाही या ओह अचानक गिरके मर जाही। पर बहुंत
देर तक देखे के बाद घलो ओला कुछू नइं होईस, त ओमन के मन के बिचार बदल गीस अऊ ओमन कहिन, "येह
तो कोनो देवता ए।"
7 लकठा म, ओ दीप के मुखिया के कुछू खेत रहय। मुखिया के नांव पुबलियुस रिहिस। ओह हमन ला अपन
घर ले गीस अऊ तीन दिन तक हमर पहुनई करिस।
8 पुबलियुस के ददा ह बेमार रहय। ओला जर आवत रहय अऊ अब्बड़ बहिर फिरत रहय। पौलुस ह ओला
देखे बर गीस अऊ पराथना करे के बाद ओकर ऊपर अपन हांथ रखिस अऊ ओला चंगा कर दीस।
9 जब अइसने होईस, त दीप के बाकि बिमरहामन घलो आईन अऊ चंगा हो गीन।
10 ओमन हमर बहुंत आदरमान करिन अऊ जब हमन जाय बर तियार होएंन, त यातरा बर हमन ला जऊन
कुछू चीज के जरूरत रिहिस, ओ जम्मो चीज ओमन दीन।

[illegible]

11 तीन महिना के बाद हमन सिकन्दरिया के एक पानी जहाज म चघेंन, जेकर आघू के भाग म जुड़वां-देवता
दियुसकूरी के छाप रिहिस। ये जहाज ह ओ दीप म जड़काला काटत रिहिस।
12 हमन सुरकूसा सहर म हबरेंन अऊ उहां तीन दिन तक रूके रहेंन।
13 उहां ले हमन पानी जहाज म रेगियुम सहर पहुंचेंन। दूसर दिन दक्खिन दिग ले हवा चले लगिस अऊ
ओकर आने दिन हमन पुतियुली सहर म आयेंन।
14 उहां हमन ला कुछू भाईमन मिलिन, जऊन मन हमन ला ओमन के संग एक हप्ता रूके बर कहिन। एकर
बाद, हमन रोम सहर गेंन।
15 जब रोम म भाईमन हमर आय के बारे म सुनिन, त ओमन हमर ले भेंट करे बर अप्पियुस के बजार अऊ
तीन-सराय तक आईन। पौलुस ह ओ भाईमन ला देखके परमेसर ला धनबाद दीस अऊ उत्साहित होईस।
16 जब हमन रोम हबरेंन, त पौलुस ला एके झन रहे के अनुमति मिल गीस, पर एक झन सैनिक ओकर
रखवारी करय।

[illegible]

17 तीन दिन के बाद पौलुस ह यहूदीमन के अगुवामन ला बलाईस अऊ जब ओमन जूरिन, त ओमन ला
कहिस, "ए मोर संगी यहूदीमन, मेंह हमर मनखेमन के बिरोध म या हमर पुरखामन के रीति-रिवाज के बिरोध म
कुछू नइं करे हवंव। तभो ले मोला यरूसलेम म बंदी बनाके रोमीमन के हांथ म सऊंप दे गे हवय।
18 ओमन मोर ले पुछताछ करिन अऊ मोला छोंड़ दे बर चाहिन, काबरकि ओमन मिरतू-दंड के लईक मोर म
कोनो दोस नइं पाईन।

19 पर जब यहूदीमन बिरोध करिन, त मेंह बाध्य होके महाराजा करा अपील करेंव, अइसने बात नो हय कि
मेंह अपन मनखेमन ऊपर कोनो दोस लगाय चाहत रहेंव।
20 एकरे कारन मेंह तुमन ला बलाय हवंव कि तुमन ले मिलंव अऊ बातचीत करंव। काबरकि जेकर ऊपर
इसरायल के मनखेमन आसा रखथें, ओकर खातिर मेंह ये संकली म जकड़े गे हवंव।"
21 ओमन पौलुस ला कहिन, "हमन ला तोर बारे म यहूदिया ले कोनो चिट्ठी नइं मिले हवय, अऊ न तो हमर
संगी यहूदीमन ले कोनो इहां आके तोर बारे म कुछू बताय हवंय, अऊ न ही कुछू खराप बात कहे हवंय।
22 पर तोर का बिचार ए, हमन जाने बर चाहथन, काबरकि हमन जानथन कि जम्मो जगह मनखेमन ये पंथ के
बिरोध म गोठियावत हवंय।"
23 तब ओमन पौलुस बर एक दिन ठहिराईन अऊ ओ दिन बहुंत मनखेमन ओ जगह म आईन जिहां पौलुस ह
ठहिरे रिहिस। बिहनियां ले सांझ तक, ओह ओमन ला समझाईस अऊ परमेसर के राज के बारे म संदेस दीस।
ओह मूसा के कानून अऊ अगमजानीमन के किताबमन ले यीसू के बारे म बतावत ओमन ला मनाय के कोसिस
करिस।
24 कुछू मनखेमन ओकर बात ला मान लीन, पर कुछू मनखेमन बिसवास नइं करिन।
25 ओमन आपस म एक मत नइं होईन अऊ उहां ले जावन लगिन, जब पौलुस ह ये आखिरी बात कह लीस:
"पबितर आतमा ह यसायाह अगमजानी के दुवारा तुम्हर पुरखामन ला सच कहे हवय:
26 " 'जा अऊ ये मनखेमन ला कह,
"तुमन सुनत तो रहिहू, फेर कभू नइं समझहू;
तुमन देखत तो रहिहू, फेर कभू नइं बुझहू।"
27 काबरकि ये मनखेमन के हिरदय ह कठोर हो गे हवय,
येमन अपन कान ला बंद कर ले हवंय,
अऊ अपन आंखी ला मुंद ले हवंय।
नइं तो येमन अपन आंखीमन ले देखतिन,
अपन कानमन ले सुनतिन, अपन हिरदय ले समझतिन,
अऊ येमन मोर कोति फिरतिन
अऊ मेंह ओमन ला चंगा कर देतेंव।'*
28 "एकरसेति, मेंह चाहथंव कि तुमन जान लेवव कि परमेसर के उद्धार के संदेस आनजातमन करा पठोय गे
हवय, अऊ ओमन येला सुनहीं!"
29 पौलुस के अइसने कहे के बाद, यहूदीमन आपस म बहुंत बिवाद करत उहां ले चल दीन।†
30 पौलुस ह उहां पूरा दू साल‡ तक किराय के घर म रिहिस, अऊ ओह ओ जम्मो झन के सुवागत करय,
जऊन मन ओकर ले मिले बर आवंय।
31 ओह निधड़क होके अऊ बिगर रोक-टोक के परमेसर के राज के परचार करय अऊ परभू यीसू मसीह के बारे
म सिखोवय!

* **28:27** यसा 6:9, 10 † **28:29** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय। ‡ **28:30** ये दू साल (ए डी 60-62) के दौरान, पौलुस ह कतको चिट्ठी लिखिस, जऊन म इफिसी, कुलुस्सी अऊ फिलिप्पी सहर के कलीसियामन ला लिखे चिट्ठी हवंय। येमा फिलेमोन ला लिखे चिट्ठी घलो हवय।

रोमीमन
ला पौलुस के लिखे चिट्ठी

1 ये चिट्ठी ह मसीह यीसू के सेवक पौलुस के तरफ ले अय, जऊन ह प्रेरित होय बर बलाय गीस, अऊ
परमेसर के सुघर संदेस के परचार करे बर अलग करे गे हवय।
2 परमेसर ह बहुंत पहिली ले अपन अगमजानीमन के जरिये अपन पबितर बचन म ये सुघर संदेस के
वायदा करे रिहिस।
3 ये सुघर संदेस ह ओकर बेटा हमर परभू यीसू मसीह के बारे म अय, जऊन ह मनखे रूप धरके दाऊद के
बंस म पईदा होईस,
4 अऊ पबितर आतमा के मुताबिक, ओह सामर्थ के संग परमेसर के बेटा ठहिरिस, जब परमेसर ह यीसू
मसीह ला मरे म ले जियाईस।
5 ओकरे जरिये हमन ला अनुग्रह अऊ प्रेरित के पद मिलिस, ताकि ओकर नांव के हित म, हमन जम्मो
जाति के मनखेमन ला बलावन कि ओमन बिसवास करंय अऊ ओकर हुकूम ला मानंय।
6 अऊ तुम्हर घलो गनती ओमन म होथे, जऊन मन यीसू मसीह के होय बर बलाय गे हवंय।
7 ये चिट्ठी ह ओ जम्मो झन ला लिखे जावत हे, जऊन मन रोम सहर म हवंय अऊ परमेसर के मयारू अंय
अऊ पबितर होय बर बलाय गे हवंय।
हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले, तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलत रहय।

[illegible]
8 सबले पहिली, मेंह तुमन जम्मो झन बर यीसू मसीह के दुवारा अपन परमेसर के धनबाद करत हंव, काबरकि
तुम्हर बिसवास के चरचा जम्मो संसार म होवत हवय।
9 परमेसर, जेकर सेवा मेंह अपन आतमा ले, ओकर बेटा के सुघर संदेस के परचार करे के दुवारा करथंव; ओह
मोर गवाह हवय कि मेंह अपन पराथना म हमेसा तुमन ला सुरता करथंव
10 अऊ पराथना करथंव कि कोनो किसम ले, परमेसर के ईछा ले, मोला तुम्हर करा आय के मऊका मिलय।
11 तुमन ला देखे के, मोर बहुंत ईछा हवय ताकि मेंह तुम्हर संग कुछू आतमिक बरदान बांट सकंव कि तुमन
बिसवास म मजबूत होवव।
12 मोर कहे के मतलब ये अय कि तुमन अऊ में आपस म एक-दूसर के बिसवास ले उत्साहित होवन।
13 हे भाईमन हो! मेंह तुमन ला बताय चाहथंव कि कतको बार मेंह तुम्हर करा आय के सोचेंव ताकि मोला
तुम्हर बीच म परभावसाली रूप से काम करे के मऊका मिलय, जइसने आने आनजातमन के बीच म मोला
मिलिस। पर अभी तक ले, मोला तुम्हर करा आय बर रोके गे हवय।
14 मेंह यूनानी अऊ गैर यूनानी के अऊ बुद्धिमान अऊ मुरूख दूनों मनखेमन बर बचनबद्ध हंव।
15 एकरसेति, मेंह तुमन ला घलो जऊन मन रोम म रहत हवव, सुघर संदेस सुनाय बर उत्सुक हवंव।
16 मेंह सुघर संदेस सुनाय बर नइं लजावंव, काबरकि जऊन मन एकर ऊपर बिसवास करथें, ओमन के उद्धार
बर येह परमेसर के सामर्थ अय: पहिली यहूदीमन बर, तब फेर आनजातमन बर।
17 काबरकि सुघर संदेस म, परमेसर के धरमीपन ह बिसवास के दुवारा सुरू ले आखिरी तक परगट होथे,
जइसने परमेसर के बचन म लिखे हवय: "धरमी मनखे ह बिसवास के दुवारा जीयत रहिही।"*

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
18 परमेसर के कोरोध ह स्वरग ले ओ मनखेमन के जम्मो अभक्ति अऊ बुरई ऊपर परगट होवत हवय, जऊन
मन सत ला अपन बुरई के दुवारा दबाय रखथें।
19 परमेसर के बारे म जऊन बात जानना चाही, ओ बात साफ हवय, काबरकि परमेसर ह ओ बात ओमन ऊपर
परगट करे हवय।

---

* **1:17** हब 2:4

20 जब ले संसार के सिरिस्टी होईस, तब ले परमेसर के अनदेखे गुन, ओकर सनातन सक्ति अऊ ईस्वरीय
सुभाव ला साफ-साफ देखे गे हवय अऊ ओकर बनाय चीजमन के दुवारा येला समझे जावत हवय। एकरसेति
मनखेमन करा कोनो बहाना नइं ए।
21 हालाकि ओमन परमेसर ला जानत रिहिन, पर ओमन परमेसर के न तो महिमा करिन अऊ न ही ओला
धनबाद दीन; ओमन के सोच-बिचार ह बेकार हो गीस अऊ ओमन के मुरूख हिरदय ह अंधियार हो गीस।
22 ओमन अपनआप ला बुद्धिमान जताईन, पर ओमन मुरूख बन गीन,
23 अऊ अजर-अमर परमेसर के महिमा करे के बदले, ओमन नासमान मनखे, चिरई, पसु अऊ रेंगइया
जीव-जन्तुमन के मूरती बनाके ओमन के महिमा करिन।
24 एकरसेति परमेसर ह ओमन ला ओमन के हिरदय के पापमय ईछा म छोंड़ दीस ताकि ओमन बेभिचार
करके असुध हो जावंय अऊ आपस म अपन देहें के अनादर करंय।
25 ओमन परमेसर के सच्चई ला लबारी म बदल दीन, अऊ सिरिस्टी के पूजा अऊ सेवा करिन, न कि ओ
सिरजनहार के, जेकर बड़ई सदाकाल ले होवत हवय। आमीन।
26 एकरे कारन, परमेसर ह ओमन ला निरलज वासना म छोंड़ दीस। इहां तक कि ओमन के माईलोगनमन
सुभाविक संबंध ला छोंड़के असुभाविक वासना करन लगिन।
27 वइसने मरदमन घलो माईलोगनमन संग सुभाविक संबंध ला छोंड़के एक-दूसर के संग काम-वासना म
जरन लगिन; मरदमन दूसर मरद संग निरलज काम करिन अऊ अपन खराप काम के सजा खुदे भोगिन।
28 जब ओमन परमेसर के गियान म बने रहना उचित नइं समझिन, त परमेसर ह ओमन ला एक नीच
मानसिकता म छोंड़ दीस ताकि ओमन अनुचित चाल चलंय।
29 ओमन जम्मो किसम के दुस्टता, बुरई, लोभ अऊ नीचता ले भर गे हवंय। ओमन जलन, हतिया, झगरा,
छल अऊ दुरभाव ले भरे हवंय। ओमन बकवादी,
30 बदनाम करइया, परमेसर ले घिन करइया, बेजत्ती करइया, घमंडी अऊ डींगमार अंय। ओमन खराप काम
करे के उपाय खोजथें। ओमन अपन दाई-ददा के बात नइं मानंय।
31 ओमन मुरूख, बिगर बिसवास के, बिगर मया के अऊ निरदयी अंय।
32 हालाकि ओमन परमेसर के ये फैसला ला जानत हवंय कि जऊन मन अइसने कुकरम करथें, ओमन मिरतू
के भागी होहीं, तभो ले ओमन न सिरिप खुदे अइसने काम करथें, पर अइसने काम करइयामन के ओमन समरथन
करथें।

2

[illegible] [illegible] [illegible]

1 एकरसेति, हे आने ऊपर दोस लगइया मनखे, तेंह चाहे कोनो होवस, तोर करा कोनो बहाना नइं ए। आने
ऊपर दोस लगाय के दुवारा, तेंह अपनआप ला दोसी ठहिराथस, काबरकि तेंह आने ऊपर दोस लगाथस अऊ
ओहीच गलती तेंह खुदे करथस।
2 हमन जानथन कि जऊन मन अइसने काम करथें, ओमन के बिरोध म परमेसर के नियाय ह सच्चई के आधार
म होथे।
3 जब तेंह एक मनखे होके, ओमन के ऊपर दोस लगाथस अऊ ओहीच काम खुदे करथस, त का तेंह परमेसर के
नियाय ले बच जाबे?
4 का तेंह परमेसर के दया, सहनसीलता अऊ धीरज रूपी धन ला तुछ समझथस? का तेंह ये नइं जानस कि
परमेसर के दया ह तोला पछताप करे बर सिखोथे?
5 पर तेंह ढीठ अऊ हिरदय म कठोर हो गे हवस अऊ एकर कारन ले परमेसर के कोरोध के दिन बर, जब ओकर
सही नियाय ह परगट होही, तेंह अपन बिरोध म कोरोध बटोरत हवस।
6 परमेसर ह हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबिक फर दीही।*
7 जऊन मन धीरज धरके बने काम करथें अऊ महिमा, आदर अऊ अमरता के खोज म रहिथें, ओमन ला ओह
सदाकाल के जिनगी दीही।

* **2:6** भजन 62:12; नीति 24:12

8 पर जऊन मन सुवारथी अंय अऊ सच्चई ला नइं मानंय, पर बुरई के पाछू चलथें, ओमन ऊपर परमेसर के
कोप अऊ कोरोध ह भड़कही।
9 हर एक मनखे जऊन ह खराप काम करथे, ओकर ऊपर दुख अऊ बिपत्ति आही: पहिली यहूदी, तब फेर
आनजात ऊपर;
10 पर जऊन ह भलई के काम करथे, ओला महिमा, आदर अऊ सांति मिलही: पहिली यहूदी ला, तब फेर
आनजात ला।
11 काबरकि परमेसर ह काकरो पखियपात नइं करय।
12 ओ जम्मो झन, जऊन मन मूसा के कानून ला बिगर जाने पाप करिन, ओमन बिगर कानून के नास होहीं,
अऊ ओ जम्मो झन, जऊन मन मूसा के कानून ला जानके पाप करिन, ओमन के नियाय कानून के मुताबिक
होही।
13 काबरकि परमेसर के आघू म, मूसा के कानून के सुनइयामन धरमी नइं ठहिरंय, पर मूसा के कानून म
चलइयामन धरमी ठहिराय जाहीं।
14 आनजातमन, जेमन करा मूसा के कानून नइं ए, जब ओमन सुभाव ले मूसा के कानून के मुताबिक चलथें, त
ओमन करा कानून नइं होवत घलो, ओमन खुदे अपन बर एक कानून अंय।
15 ओमन मूसा के कानून ला अपन चालचलन के दुवारा परगट करथें; ओमन के बिबेक ह घलो गवाही देथे,
अऊ ओमन के सोच-बिचार ह कभू ओमन ला दोसी ठहिराथे, त कभू ओमन के बचाव करथे।
16 मोर सुघर संदेस के मुताबिक ये बात ह ओ दिन परगट होही, जब परमेसर ह मनखेमन के गुपत बात के
नियाय यीसू मसीह के जरिये करही।

[illegible]

17 यदि तेंह अपनआप ला यहूदी कहिथस अऊ मूसा के कानून ऊपर भरोसा रखथस अऊ तेंह परमेसर के बारे
म घमंड करथस,
18 यदि तेंह परमेसर के ईछा ला जानथस अऊ सही बात के पहिचान रखथस, काबरकि तोला मूसा के कानून
के सिकछा मिले हवय;
19 यदि तोला भरोसा हवय कि तेंह अंधरामन बर डहार दिखइया, अंधियार म परे मनखेमन बर अंजोर,
20 मुरूखमन के सिखोइया अऊ लइकामन के गुरू अस, काबरकि तोला मूसा के कानून के पूरा गियान अऊ
सत मिले हवय—
21 तब, जब तेंह आने मन ला सिखोथस, त का अपनआप ला नइं सिखोवस? तेंह उपदेस देथस कि चोरी झन
करव, त का तेंह खुदे चोरी करथस?
22 तेंह कहिथस कि छिनारी झन करव अऊ का तेंह खुदे छिनारी करथस? तेंह मूरतीमन ले घिन करथस अऊ
का तेंह खुदे मंदिरमन ला लूटथस?
23 तेंह मूसा के कानून के बारे म घमंड करथस अऊ का तेंहीच ह कानून ला टोरके परमेसर के अनादर करथस?
24 जइसने परमेसर के बचन म लिखे हवय: "तुम्हर कारन आनजातमन के बीच म परमेसर के नांव के निन्दा
होवत हवय।"†
25 यदि तेंह मूसा के कानून के पालन करथस, त तोर खतना के मतलब हवय, पर यदि तेंह कानून के पालन नइं
करस, त तोर खतना ह बिगर खतना के सहीं हो जाथे।
26 ओ मनखे जऊन मन खतना नइं करवाय हवंय, यदि ओमन कानून के मुताबिक चलथें, त का ओमन खतना
करवाय मनखे सहीं नइं माने जाहीं?
27 तब जऊन मन सारीरिक रूप ले खतना नइं करवाय हवंय, ओमन तुमन ला दोसी ठहिराहीं, काबरकि ओमन
कानून ला मानथें, पर तुमन कानून ला नइं मानव, हालाकि तुम्हर करा लिखित कानून हवय अऊ तुमन खतना
करवाय हवव।
28 ओ मनखे ह सही के यहूदी नो हय, जऊन ह सिरिप बाहिरी रूप ले यहूदी अय, अऊ ओ खतना ह सही
खतना नो हय जऊन ह सिरिप बाहिरी अऊ सारीरिक अय।

† **2:24** यसा 52:5 (देखव सेप्टाजिन्ट); यहे 36:20, 22

29 पर सही यहूदी ओ मनखे अय, जऊन ह भीतरी रूप ले यहूदी अय अऊ सही खतना ओह अय, जऊन ह
हिरदय म पबितर आतमा के लिखे के दुवारा होथे, सरीर म नइं होवय। अइसने मनखे के बड़ई मनखेमन के दुवारा
नइं, पर परमेसर के दुवारा होथे।

3

?????? ??????????? ??

1 तब यहूदी होय के का फायदा या खतना करवाय के का महत्व हवय?
2 हर किसम ले बहुंत फायदा हवय। सबले पहिली यहूदीमन ला परमेसर के बचन सऊंपे गीस।
3 यदि ओमा ले कुछू झन बिसवासघाती निकलिन, त का होईस? का ओमन के बिसवासघाती होय ले परमेसर
ह बिसवास के लईक नइं रहय?
4 बिलकुल ही नइं! परमेसर ह सच्चा अऊ जम्मो मनखेमन लबरा अंय। जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे
हवय:
"ताकि तेंह अपन बात म सही साबित हो जा,
अऊ जब नियाय करथस, त तोला जीत मिलय।"*
5 पर यदि हमर अधरम ह परमेसर के धरमीपन ला जादा साफ-साफ देखाथे, त हमन का कहन? का ये कहन,
कि परमेसर ह हमर ऊपर कोरोध करके अनियाय करथे? (मेंह येला मनखे के सोच के मुताबिक कहत हंव।)
6 बिलकुल ही नइं! यदि परमेसर ह अनियायी होतिस, त ओह संसार के नियाय कइसने कर सकही?
7 यदि मोर लबारी के कारन परमेसर के सच्चई अऊ महिमा ह बढ़थे, त फेर मेंह काबर एक पापी के सहीं दोसी
ठहिराय जावत हंव?
8 "तब आवव, हमन बुरई करन कि भलई होवय"—जइसने कि कुछू मनखेमन हमर ऊपर दोस लगाके कहिथें
कि हमन अइसने कहिथन। अइसने मनखेमन ला दोसी ठहिराय जाना उचित अय।

???? ???? ???? ?? ???

9 त फेर हमन का कहन? का हमन यहूदीमन आने मन ले बने हवन? बिलकुल नइं! काबरकि हमन पहिली ये
दोस लगा चुके हवन कि यहूदी अऊ आनजात जम्मो मनखेमन पाप के अधीन हवंय।
10 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:
"कोनो धरमी नो हंय, एको झन घलो नइं।
11 कोनो नइं समझंय, कोनो परमेसर के खोज नइं करंय।
12 जम्मो झन भटक गे हवंय
अऊ एक संग ओमन बेकार हो गे हवंय;
अइसे कोनो नइं ए, जऊन ह भलई करथे,
एको झन घलो नइं।"†
13 "ओमन के टोंटा ह खुले कबर अय,
ओमन के जीभ ह छल-कपट के बात करथे।"‡
"ओमन के ओंठ म करैत सांप के जहर हवय।"
14 "ओमन के मुहूं ह सराप अऊ करूपन ले भरे हवय।"
15 "ओमन के गोड़ ह लहू बोहाय बर तेज भागथे,
16 ओमन के डहार म नास अऊ दुरगति हवय,
17 अऊ सांति के डहार ला ओमन नइं जानंय।"
18 "ओमन के आंखी के आघू म परमेसर के डर नइं अय।"§
19 हमन जानत हवन कि मूसा के कानून ह जऊन कुछू कहिथे, ओह ओमन ला कहिथे जऊन मन कानून के
अधीन हवंय, ताकि हर एक के मुहूं ह बंद हो जावय अऊ जम्मो संसार ह परमेसर के दंड के अधीन रहय।

---

* **3:4** भजन 51:4 † **3:12** भजन 14:1-3; भजन 53:1-3; सभो 7:20 ‡ **3:13** भजन 5:9 § **3:18** भजन 36:1

20 एकरसेति मूसा के कानून ला माने के दुवारा कोनो परमेसर के नजर म धरमी नइं ठहिरंय, पर कानून के
जरिये मनखे ह पाप के पहिचान करथे।

[illegible]

21 पर अब परमेसर ह परगट करे हवय कि मनखेमन ओकर नजर म बिगर कानून के कइसने धरमी हो सकथें;
एकर गवाही, मूसा के कानून अऊ अगमजानीमन देथें।
22 परमेसर के ये धरमीपन ओ जम्मो झन ऊपर यीसू मसीह म बिसवास के दुवारा आथे, जऊन मन ओकर
ऊपर बिसवास करथें। येमा कुछू भेदभाव नइं ए।
23 काबरकि जम्मो झन पाप करे हवंय अऊ ओमन परमेसर के महिमा ले अलग हवंय,
24 अऊ परमेसर ह सेंतमेंत म अपन अनुग्रह ले मनखेमन ला धरमी ठहिराईस अऊ ओमन ला पाप ले मुक्ति
दीस, अऊ पाप ले ये मुक्ति ह मसीह यीसू के दुवारा आईस।
25 परमेसर ह यीसू ला एक बलिदान के रूप म दे दीस, जऊन ह अपन लहू बहाय के दुवारा पाप के पछताप
करिस अऊ जऊन ह ये बात ला बिसवास करथे, ओकर पाप ह छेमा होथे। ये किसम ले परमेसर ह अपन
धरमीपन ला देखाईस, काबरकि अपन धीरज धरे के कारन, परमेसर ह ओ पापमन के दंड नइं दीस, जऊन ला
पहिली जुग म करे गे रिहिस।
26 परमेसर ह ये काम ला एकरसेति करिस, ताकि ये समय म, ये साबित हो जावय कि ओह धरमी अय अऊ
ओह ओ मनखे ला सही ठहिराथे, जऊन ह यीसू ऊपर बिसवास करथे।
27 तब हमर घमंड करई कहां रिहिस? एकर बर तो जगह नइं ए। कोन नियम के आधार म? का कानून ला माने
के आधार म? नइं, पर बिसवास के आधार म।
28 काबरकि हमन ये मानथन कि मनखे ह कानून ला माने के दुवारा नइं, पर मसीह यीसू म बिसवास करे के
दुवारा सही ठहिरथे।
29 का परमेसर ह सिरिप यहूदीमन के परमेसर अय? का ओह आनजातमन के घलो परमेसर नो हय? हव, ओह
आनजातमन के घलो परमेसर अय।
30 जब सिरिप एक परमेसर हवय, जऊन ह खतना करइयामन ला बिसवास के दुवारा अऊ बिगर खतना
करइयामन ला घलो ओहीच बिसवास के दुवारा सही ठहिराही,
31 त का हमन ये बिसवास के दुवारा कानून ला बेकार कर देवन? बिलकुल नइं! पर, हमन कानून ला बनाय
रखथन।

4

[illegible]

1 तब हमन का कहन—हमर पुरखा अब्राहम के ये बिसय म का अनुभव रिहिस?
2 यदि अब्राहम ह अपन काम के दुवारा सही ठहिराय जातिस, त ओकर करा घमंड करे के कुछू बात होतिस,
पर परमेसर के आघू म ओह घमंड नइं कर सकय।
3 परमेसर के बचन ह का कहिथे? "अब्राहम ह परमेसर के ऊपर बिसवास करिस अऊ ये बात ह ओकर बर
धरमीपन गने गीस।"*
4 जब कोनो मनखे ह बुता करथे, त ओला बनी देना, दान नइं समझे जावय, पर येला ओकर हक समझे जाथे।
5 पर जऊन मनखे ह काम नइं करय, पर परमेसर के ऊपर बिसवास करथे जऊन ह अधरमी ला सही ठहिराथे,
ओ मनखे बर ओकर बिसवास ह धरमीपन के रूप म गने जाथे।
6 जऊन मनखे ला परमेसर ह बिगर करम के धरमी ठहिराथे, ओला दाऊद राजा घलो धइन कहिथे:
7 "धइन अंय ओमन, जऊन मन के अपराध छेमा करे जाथे,
अऊ जऊन मन के पाप तोपे जाथे।
8 धइन अय ओ मनखे,
जेकर पाप के हिसाब परभू ह नइं करय।"†
9 ये धइन कहई—का सिरिप खतना करइयामन बर अय, या फेर बिगर खतना करइयामन बर घलो? हमन
कहिथन कि अब्राहम के बिसवास ह ओकर बर धरमीपन गने गीस।

* **4:3** उत 15:6 † **4:8** भजन 32:1, 2

10 तब ओह कोन दसा म धरमी गने गीस? ओकर खतना के बाद या फेर ओकर खतना के पहिली? खतना के
बाद नइं, पर खतना के पहिली ओह धरमी गने गीस।
11 अब्राहम के खतना ह ओकर धरमीपन के एक चिनहां या मुहर के रूप म रिहिस, पर ओह अपन बिसवास के
कारन धरमी ठहिराय गीस, जब ओह बिगर खतना के दसा म रिहिस। एकरसेति, ओह ओ जम्मो झन के ददा ए,
जऊन मन बिगर खतना करवाय बिसवास करथें, अऊ ये किसम ले ओमन घलो धरमी ठहिरथें।
12 अऊ ओह ओ खतना करइयामन के घलो ददा ए, जऊन मन न सिरिप खतना कराय हवंय, पर ओ बिसवास
के रसता म चलथें, जऊन म हमर ददा अब्राहम ह अपन खतना के पहिली चलिस।
13 जब परमेसर ह अब्राहम अऊ ओकर बंस ले परतिगियां करिस कि ओमन संसार के वारिस होहीं, त येह
मूसा के कानून के दुवारा नइं मिलिस, पर येह अब्राहम के बिसवास के धरमीपन के दुवारा मिलिस।
14 जऊन मन कानून के पालन करथें, यदि ओमन वारिस अंय, त फेर बिसवास ह बिन मतलब के अय अऊ
परतिगियां ह बेकार अय।
15 काबरकि कानून ह परमेसर के कोरोध ला पईदा करथे। अऊ जिहां कानून नइं ए, उहां कानून ला माने के
सवाल ही नइं ए।
16 एकरसेति, परतिगियां ह बिसवास ऊपर अधारित हवय, ताकि येह अनुग्रह के दुवारा होवय अऊ अब्राहम
के जम्मो संतानमन येला जरूर पावंय, अऊ न सिरिप ओमन जऊन मन कानून के पालन करथें, पर ओमन घलो
पावंय जऊन मन अब्राहम के सहीं बिसवास करथें। ओह हमन जम्मो झन के ददा अय।
17 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: "मेंह तोला बहुंते जाति के मनखेमन के ददा ठहिराय हंव।"
अब्राहम ह परमेसर के नजर म हमर ददा अय; ओ परमेसर जेकर ऊपर अब्राहम ह बिसवास करिस, ओ परमेसर
जऊन ह मुरदामन ला जियाथे अऊ ओ चीजमन ला बनाथे, जेमन के असतित्व नइं ए।
18 अब्राहम ह निरासा म घलो आसा रखके बिसवास करिस अऊ एकरसेति, ओह बहुंते जाति के मनखेमन के
ददा बन गीस, जइसने कि परमेसर के बचन म ओकर बारे म ये कहे गे हवय, "तोर संतान ह अइसने होही।"‡
19 अब्राहम ह करीब एक सौ साल के रिहिस, तभो ले ओह अपन मरे सहीं सरीर अऊ सारा के बांझपन ला
जानके घलो अपन बिसवास म कमजोर नइं होईस।
20 ओह अपन बिसवास म नइं डगमगाईस अऊ परमेसर के परतिगियां के बारे म ओह संदेह नइं करिस। पर
ओह अपन बिसवास म मजबूत होईस अऊ परमेसर के महिमा करिस।
21 अऊ ओह पूरा जानत रिहिस कि जऊन बात के परतिगियां परमेसर ह करे हवय, ओला पूरा करे के ओह
सामर्थ रखथे।
22 एकरसेति ये बात ह ओकर बर धरमीपन गने गीस।
23 "ओह धरमी माने गीस", ये बचन ह सिरिप ओकरे बर ही नइं लिखे गीस,
24 पर हमर बर घलो। परमेसर ह हमन ला घलो धरमी गनही, जऊन मन ओकर ऊपर बिसवास करथन, जऊन
ह हमर परभू यीसू ला मरे म ले जियाईस।
25 यीसू ह हमर पाप के खातिर मार डारे गीस अऊ हमर सही नियाय बर ओला मरे म ले जियाय गीस।

5

[illegible]

1 एकरसेति, जब हमन बिसवास के दुवारा सही ठहिराय गे हवन, त हमर अपन परभू यीसू मसीह के जरिये
परमेसर के संग सांति हवय।
2 मसीह के जरिये बिसवास के दुवारा हमन ये अनुग्रह ला पाय हवन, जऊन म हमन अब रहिथन। अऊ हमन
ये आसा म आनंद मनाथन कि हमन परमेसर के महिमा के भागी होबो।
3 सिरिप एही भर नइं, पर हमन दुख-पीरा म घलो आनंद मनाथन, काबरकि हमन जानथन कि दुख-पीरा ले
सहनसीलता,
4 सहनसीलता ले बने चालचलन अऊ बने चालचलन ले आसा पईदा होथे।
5 अऊ आसा ह हमन ला निरास नइं करय, काबरकि परमेसर ह हमन ला पबितर आतमा दे हवय, अऊ ये
पबितर आतमा के जरिये ओह अपन मया ला हमर हिरदय म डारे हवय।

‡ **4:18** उत 15:5

6 जब हमन निरबल ही रहेंन, तभे सही समय म मसीह ह भक्तिहीन मनखेमन बर मरिस।
7 येह मुसकुल अय कि एक धरमी मनखे बर कोनो मरय, सायद ये हो सकथे कि एक बने मनखे बर कोनो मरे के हिम्मत करय।
8 पर परमेसर ह हमर बर अपन मया ला ये किसम ले देखाथे: जब हमन पापी ही रहेंन, तभे मसीह ह हमर बर मरिस।
9 जब हमन मसीह के लहू के कारन सही ठहिराय गे हवन, त फेर ओकर दुवारा हमन परमेसर के कोरोध ले काबर नइं बांचबो?
10 काबरकि जब हमन परमेसर के बईरी रहेंन, त ओकर बेटा के मिरतू के दुवारा ओकर संग हमर मेल-मिलाप होईस, त फेर मेल-मिलाप होय के बाद, मसीह के जिनगी के दुवारा हमन उद्धार काबर नइं पाबो?
11 सिरिप एहीच नइं, पर हमन परमेसर म घलो, हमर परभू यीसू मसीह के जरिये आनंद मनाथन, जेकर दुवारा अब परमेसर के संग हमर मेल-मिलाप होय हवय।

[illegible]

12 जइसने कि एक मनखे के दुवारा पाप ह संसार म आईस, अऊ पाप के दुवारा मिरतू आईस, अऊ ये किसम ले मिरतू ह जम्मो मनखे ऊपर बगर गीस, काबरकि जम्मो झन पाप करिन।
13 मूसा के कानून ला देय जाय के पहिली, पाप ह संसार म रिहिस; पर जिहां कानून नइं ए, उहां पाप नइं गने जावय।
14 तभो ले आदम ले लेके मूसा तक मिरतू ह जम्मो मनखे ऊपर आईस, इहां तक कि ओमन ऊपर घलो मिरतू आईस, जऊन मन आदम सहीं हुकूम ला टोरे के पाप नइं करे रिहिन। आदम ह ओ मनखे के एक नमूना रिहिस, जऊन ह अवइया रहय।*
15 पर परमेसर के बरदान ह पाप के सहीं नो हय। काबरकि यदि एक मनखे के पाप के कारन बहुंते झन मरिन, त परमेसर के अनुग्रह अऊ बरदान ह बहुंते मनखेमन ऊपर बहुंतायत ले आईस। अऊ ये बरदान ह एक मनखे याने कि यीसू मसीह के अनुग्रह के दुवारा आईस।
16 परमेसर के बरदान अऊ एक मनखे के पाप के परतिफल एक सहीं नो हय। एक पाप के पाछू परमेसर के फैसला आईस अऊ येह दंड लानिस, पर बहुंत पाप होय के पाछू, बरदान आईस अऊ येह नियाय लानिस।
17 काबरकि यदि एक मनखे के पाप के कारन मिरतू ह ओ एक मनखे के दुवारा राज करिस, त जऊन मन परमेसर के अधिकाधिक अनुग्रह अऊ धरमीपन के बरदान ला बहुंतायत म पाईन, ओमन एक मनखे याने कि यीसू मसीह के जरिये जिनगी म जरूर राज करहीं।
18 एकरसेति, जइसने एक पाप ह जम्मो मनखेमन बर दंड के कारन बनिस, वइसनेच धरमीपन के एक काम ह घलो नियाय दीस अऊ ओह जम्मो मनखेमन बर जिनगी लानिस।
19 जइसने एक मनखे के हुकूम नइं माने के कारन बहुंते मनखेमन पापी ठहिरिन, वइसनेच एक मनखे के हुकूम माने के कारन बहुंते मनखेमन धरमी ठहिरहीं।
20 मूसा के कानून ह दिये गीस, ताकि पाप ह बढ़य। पर जिहां पाप अधिक होईस, उहां अनुग्रह ओकर ले अऊ जादा होईस,
21 ताकि जइसने पाप ह मिरतू के दुवारा राज करिस, वइसने परमेसर के अनुग्रह ह घलो धरमीपन के दुवारा राज करय, कि यीसू मसीह हमर परभू के दुवारा हमन ला सदाकाल के जिनगी मिलय।

6

[illegible]

1 तब हमन का कहन? का हमन पाप करतेच रहन ताकि अनुग्रह अऊ होवय?
2 बिलकुल नइं! हमन पाप खातिर मर गे हवन; त फेर हमन येमा अऊ कइसने जिनगी बीता सकथन?
3 का तुमन नइं जानव कि हमन जम्मो झन जऊन मन मसीह यीसू के बतिसमा ले हवन, त हमन ओकर मिरतू के बतिसमा ले हवन?

* **5:14** जऊन मनखे अवइया रिहिस, ओह मसीह अय।

4 एकरसेति, हमन मिरतू के बतिसमा के दुवारा मसीह के संग गड़ियाय गेंन ताकि जइसने मसीह ह ददा के
महिमा के दुवारा मरे म ले जी उठिस, वइसने हमन घलो एक नवां जिनगी जीयन।
5 यदि हमन यीसू के मिरतू म ओकर संग एक हो गे हवन, त निस्चित रूप ले, ओकर जी उठे के समानता म
घलो हमन एक हो जाबो।
6 हमन जानथन कि हमर पुराना सुभाव मसीह के संग कुरूस ऊपर चघाय गे हवय, ताकि पाप के देहें ह नास
हो जावय, अऊ हमन फेर पाप के गुलाम झन होवन।
7 काबरकि जऊन ह मर गीस, ओह पाप ले मुक्त हो गीस।
8 यदि हमन मसीह के संग मर गेंन, त हमन ला बिसवास हवय कि हमन ओकर संग जीयबो घलो।
9 काबरकि हमन जानथन कि जब मसीह ह मरे म ले जी उठिस, त ओह अऊ कभू नइं मरय। ओकर ऊपर
मिरतू के अऊ कोनो अधिकार नइं ए।
10 जऊन मिरतू ओह मरिस, त ओह पाप बर एकेच बार जम्मो झन खातिर मर गीस। पर जऊन जिनगी ओह
जीयथे, ओह परमेसर बर जीयथे।
11 ओही किसम ले, तुमन घलो अपनआप ला पाप बर मरे समझव, पर मसीह यीसू म परमेसर बर जीयत
समझव।
12 एकरसेति, पाप ला अपन नासमान देहें ऊपर अधिकार झन करन देवव अऊ तुमन एकर खराप ईछा ला
झन मानव।
13 अपन देहें के कोनो अंग ला एक साधन के रूप म अधरमी काम करे बर पाप ला झन सऊंपव, पर अपनआप
ला मरे म ले जीयत जानके परमेसर ला सऊंप देवव अऊ अपन देहें के अंगमन ला धरमी काम करे बर ओला देय
दव।
14 तब पाप के परभूता तुम्हर ऊपर नइं होवय, काबरकि तुमन मूसा के कानून के अधीन नइं, पर परमेसर के
अनुग्रह के अधीन हवव।

[illegible]

15 त का होईस? का हमन पाप करन काबरकि हमन मूसा के कानून के अधीन नइं पर अनुग्रह के अधीन म
हवन? बिलकुल नइं!
16 का तुमन नइं जानव कि जब तुमन अपनआप ला गुलाम के रूप म, जेकर हुकूम माने बर सऊंप देथव, त
तुमन ओकर गुलाम अव, जेकर हुकूम तुमन मानथव—चाहे पाप के गुलाम, जेकर अन्त मिरतू अय, या फेर
परमेसर के हुकूम माने के गुलाम, जेकर अन्त धरमीपन अय।
17 पर परमेसर के धनबाद होवय कि हालाकि एक समय तुमन पाप के गुलाम रहेव, पर अब तुमन जम्मो
हिरदय ले परमेसर के उपदेस के मनइया हो गे हवव, जेकर बर तुमन ला सऊंपे गे हवय।
18 तुमन ला पाप के गुलामी ले छोंड़ाय गे हवय अऊ तुमन धरमीपन के गुलाम हो गे हवव।
19 तुम्हर सुभाविक कमजोरी के कारन मेंह मनखे के रीति म गोठियावत हंव। एक समय तुमन अपन देहें के
अंगमन ला असुधता अऊ बढ़त कुकरम के गुलाम बना दे रहेव; पर अब अपन सरीर के अंगमन ला पबितरता
बर धरमीपन के गुलाम बनावव।
20 जब तुमन पाप के गुलाम रहेव, त तुमन धरमीपन के अधीन नइं रहेव।
21 जऊन बातमन ले तुमन अब लजाथव, ओ बातमन ले तुमन ला पहिली का फायदा होईस? ओ बातमन के
नतीजा तो मिरतू अय।
22 पर अब तुमन पाप ले छोंड़ाय गे हवव अऊ परमेसर के गुलाम बन गे हवव। एकर ले जऊन फायदा तुमन
ला मिलथे, ओह पबितरता अय, अऊ एकर नतीजा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी अय।
23 काबरकि पाप के मजदूरी त मिरतू अय, पर परमेसर के बरदान हमर परभू मसीह यीसू म सदाकाल के
जिनगी अय।

7

[illegible]

1 हे भाईमन! का तुमन नइं जानव, मेंह ओमन ला कहत हंव, जऊन मन मूसा के कानून ला जानथें—कि जब
तक मनखे ह जीयत रहिथे, तब तक ओकर ऊपर कानून के अधिकार रहिथे?

2 उदाहरन के रूप म—एक बिहाता माईलोगन कानून के दुवारा अपन घरवाला ले बंधे रहिथे जब तक कि
ओकर घरवाला जीयत रहिथे, पर यदि ओकर घरवाला ह मर जावय, त ओ माईलोगन ह बिहाव के कानून ले
छूट जाथे।
3 यदि ओ माईलोगन ह अपन घरवाला के जीयत-जीयत, कोनो आने मनखे ले बिहाव कर लेथे, त ओला
छिनार कहे जाही। पर यदि ओकर घरवाला ह मर जावय, त ओ माईलोगन ह कानून के बंधना ले छूट जाथे।
तब यदि ओह कोनो आने मनखे ले बिहाव घलो कर लेथे, तभो ले ओला छिनार नइं कहे जावय।
4 अइसनेच, हे भाईमन हो! तुमन घलो मसीह के देहें के जरिये कानून बर मर गे हवव, ताकि ओ आने के हो
जावव, जऊन ह मरे म ले जी उठिस कि हमन परमेसर बर फर लानन।
5 जब हमन हमर पापमय देहें के अधीन रहेंन, त पापमय लालसा कानून के दुवारा पईदा होवय अऊ हमर देहें
म काम करय, जेकर परतिफल मिरतू रिहिस।
6 पर अब हमन कानून ले छूट गे हवन, अऊ जेकर बंधना म हमन रहेंन, ओकर बर मर गे हवन, ताकि लिखित
कानून के पुराना रीति म नइं, पर पबितर आतमा के नवां रीति के मुताबिक सेवा करन।

[illegible]

7 तब हमन का कहन? का मूसा के कानून ह पाप अय? बिलकुल नइं! वास्तव म, कानून के बिगर, मेंह पाप ला
नइं जाने रहितेंव। काबरकि यदि कानून ह नइं कहितिस, "लालच झन करव"*, त लालच का ए, मेंह नइं
जानतेंव।
8 पर पाप ह हुकूम के दुवारा दिये गय मऊका ला लीस अऊ मोर भीतर म जम्मो किसम के लालच ला पईदा
करिस, काबरकि बिगर कानून के पाप ह मुरदा अय।
9 एक समय, मेंह बिगर कानून के जीयत रहेंव, पर जब हुकूम ह आईस, त पाप ह जीवित हो गीस अऊ मेंह
मर गेंव।
10 अऊ ओही हुकूम जऊन ला जिनगी बर लाने गे रिहिस, मोर बर मिरतू के कारन बनिस।
11 काबरकि पाप ह हुकूम के दुवारा दिये गय मऊका ला पाके, मोला धोखा दीस, अऊ हुकूम के जरिये मोला
मार डारिस।
12 एकरसेति, कानून ह पबितर अय, अऊ हुकूम ह घलो पबितर, धरमी अऊ बने अय।
13 त कानून जऊन ह कि बने अय, का ओह मोर बर मिरतू के कारन होईस? बिलकुल नइं! येह एकरसेति
होईस ताकि पाप ह पाप के रूप म पहिचाने जावय। पाप ह ओकर जरिये मोर बर मिरतू लानिस, जऊन ह बने
अय, ताकि हुकूम के दुवारा पाप ह बहुंते पापमय ठहिरय।
14 हमन जानथन कि मूसा के कानून ह आतमिक अय; पर मेंह संसारिक मनखे अंव अऊ गुलाम के रूप म पाप
के हांथ म बेचे गे हवंव।
15 जऊन काम मेंह करथंव, मेंह ओला नइं समझंव। काबरकि जऊन बुता ला, मेंह करे बर चाहथंव, ओला नइं
करंव, पर जऊन चीज ले मोला घिन आथे, ओहीच ला करथंव।
16 अऊ यदि मेंह ओ बुता ला करथंव, जऊन ला मेंह नइं चाहंव, त मेंह ये बात ला मान लेथंव कि मूसा के
कानून ह सही अय।
17 त अइसने दसा म, ओ चीज ला करइया, सही म मेंह नो हंव, पर जऊन पाप मोर म बसे हवय, ओह अय।
18 मेंह जानथंव कि मोर म याने कि मोर पापी सरीर म एको ठन बने चीज नइं ए। काबरकि जऊन ह सही अय,
ओला करे के ईछा तो मोर म हवय, पर ओला मेंह नइं करंव।
19 काबरकि जऊन भलई करे के मेंह ईछा करथंव, ओला नइं करंव, पर जऊन बुरई के ईछा मेंह नइं करंव,
ओहीच ला करते रहिथंव।
20 एकरसेति यदि मेंह ओ बुता ला करथंव, जऊन ला मेंह नइं चाहंव, त ओकर करइया मेंह नो हंव, पर ओकर
करइया ओ पाप ए, जऊन ह मोर म बसे हवय।
21 तब मेंह ये कानून ला काम करत पाथंव: जब मेंह भलई करे चाहथंव, तभेच बुरई ह मोर करा आथे।
22 मेंह अपन अंतस म परमेसर के कानून ले खुस रहिथंव,

---

* **7:7** निर 20:17; ब्यव 5:21

23 पर मेंह अपन देहें म एक आने कानून ला काम करत देखथंव, जऊन ह मोर बुद्धि के कानून ले लड़थे अऊ
येह मोला पाप के कानून के गुलाम बनाथे, जऊन ह मोर देहें के अंग म बसे हवय।
24 मोर कइसने दयनीय दसा हवय! मोला कोन ह मिरतू के ये देहें ले छोंड़ाही?
25 परमेसर के धनबाद होवय, जऊन ह मोला हमर परभू यीसू मसीह के जरिये छुड़ाथे।
एकरसेति तब, मेंह खुद अपन मन म परमेसर के कानून के गुलाम अंव, पर अपन पापमय सुभाव म पाप के
कानून ला मानथंव।

8

[illegible]

1 एकरसेति, अब जऊन मन मसीह यीसू के अंय, ओमन बर दंड के हुकूम नइं होवय।
2 काबरकि, जिनगी देवइया पबितर आतमा के कानून ह मसीह यीसू के दुवारा मोला, पाप अऊ मिरतू के
कानून ले सुतंतर कर दे हवय।
3 काबरकि जऊन बुता ला मूसा के कानून ह हमर पापी सुभाव के कारन कमजोर होके नइं कर सकिस; ओ बुता
ला परमेसर ह अपन खुद के बेटा ला पठोके करिस, जऊन ह पापी मनखे के रूप म संसार म आईस अऊ
अपनआप ला हमर खातिर पाप बलि के रूप म चघाईस। अऊ ये किसम ले परमेसर ह पापी मनखे म पाप ला
सजा दीस,
4 ताकि मूसा के कानून के धरमीपन के मांग ह हमन म पूरा होवय, जऊन मन पापी सुभाव के मुताबिक नइं,
पर पबितर आतमा के मुताबिक जिनगी बिताथन।
5 जऊन मन सारीरिक ईच्छा के मुताबिक जिनगी बिताथें, ओमन सरीर के बात म अपन चित लगाथें, पर
जऊन मन पबितर आतमा के मुताबिक चलथें, ओमन पबितर आतमा के बात म चित लगाथें।
6 सरीर के ऊपर चित लगई ह मिरतू अय, पर पबितर आतमा के ऊपर चित लगई ह हमन ला जिनगी अऊ
सांति देथे,
7 काबरकि जऊन ह सरीर के बात म चित लगाथे, ओह परमेसर ले बईरता रखथे। ओह परमेसर के कानून ला
नइं मानय; वास्तव म ओह अइसने कर ही नइं सकय।
8 जऊन मन अपन सरीर के बात ला मानथें, ओमन परमेसर ला खुस नइं कर सकंय।
9 पर यदि परमेसर के आतमा ह तुमन म बसथे, त तुमन पबितर आतमा के चलाय चलथव, अपन सरीर के
चलाय नइं। अऊ यदि काकरो करा मसीह के आतमा नइं ए, त ओह मसीह के नो हय।
10 पर यदि मसीह तुम्हर जिनगी म हवय, त तुम्हर सरीर ह पाप के कारन मर गे हवय, पर तुम्हर आतमा ह
धरमीपन के कारन जीयत हवय।
11 परमेसर जऊन ह यीसू ला मरे म ले जियाईस, यदि ओकर आतमा तुमन म रहिथे, त ओ जऊन ह मसीह
ला मरे म ले जियाईस, ओह तुम्हर नासमान सरीर ला घलो अपन आतमा के दुवारा जिनगी दीही अऊ ये
आतमा ह तुमन म बसे हवय।
12 एकरसेति, हे भाईमन हो! हमर बर ये जरूरी अय कि हमन अपन सरीर के सुभाव के मुताबिक जिनगी झन
बितावन।
13 काबरकि यदि तुमन सरीर के सुभाव के मुताबिक जिनगी बिताथव, त मरहू, पर यदि पबितर आतमा के
दुवारा तुमन सरीर के काममन ला मारथव, त तुमन जीयत रहिहू।
14 काबरकि जऊन मन परमेसर के आतमा के अगुवई म चलथें, ओमन परमेसर के संतान अंय।
15 तुमन ला गुलामी के आतमा नइं मिले हवय कि तुमन फेर डर म पड़व; पर तुमन ला पबितर आतमा मिले
हवय, जऊन ह तुमन ला परमेसर के संतान बनाथे। अऊ ओकरे दुवारा हमन परमेसर ला ये कहिके पुकारथन, "हे
[illegible], हे ददा!"
16 पबितर आतमा ह खुद हमर आतमा के संग गवाही देथे कि हमन परमेसर के संतान अन।
17 अऊ यदि हमन परमेसर के संतान अन, त हमन परमेसर के वारिस अऊ मसीह के संगी वारिस अन; यदि
हमन ओकर दुख म भागी होथन, त ओकर महिमा म घलो भागी होबो।

[illegible]

18 मेंह ये समझथंव कि जऊन महिमा हमर ऊपर परगट होही, ओकर तुलना म, हमर अभी के दुख ह कुछू नो
हय।
19 ये सिरिस्टी ह बड़े आसा भरे नजर ले परमेसर के संतानमन के परगट होय के बाट जोहथे।
20 काबरकि ये सिरिस्टी ला बेकार कर दिये गीस, अऊ येह एकर खुद के ईछा ले नइं, पर परमेसर के ईछा ले ये
आसा म करे गीस
21 कि सिरिस्टी ह खुद बिनास के अपन गुलामी ले छुटकारा पावय अऊ परमेसर के संतानमन के महिमा के
सुतंतरता के भागीदार होवय।
22 हमन जानथन कि जम्मो सिरिस्टी ह अभी तक ले छेवारी होय के पीरा सहीं कलहरत हवय।
23 अऊ सिरिप सिरिस्टी ही नइं, पर हमन करा पबितर आतमा के पहिली फर हवय अऊ हमन खुदे
भीतरे-भीतर कलहरत हवन, अऊ ये बात के बाट जोहथन कि परमेसर ह हमन ला अपन बेटा के रूप म गोद
लीही, याने कि हमन ला हमर सरीर ले छुटकारा दीही।
24 काबरकि ये आसा म हमर उद्धार होय हवय, पर जऊन चीज के हमन आसा करथन, यदि ओह हमन ला
दिख जावय, त ओ आसा के अन्त हो जाथे। कोनो मनखे कोनो अइसने चीज के आसा नइं करय, जऊन ह पहिली
ले ओकर करा हवय।
25 पर यदि हमन ओ चीज के आसा करथन, जऊन ह हमर करा नइं ए, त हमन धीर धरके ओकर बर बाट
जोहथन।
26 ओही किसम ले, पबितर आतमा ह हमर दुरबलता म हमर मदद करथे। हमन नइं जानन कि हमन ला
कइसने पराथना करना चाही, पर पबितर आतमा ह खुद अइसने कल्हर-कल्हरके बिनती करथे, जेकर बयान नइं
करे जा सकय।
27 अऊ जऊन ह मनखेमन के हिरदय ला जांचथे, ओह जानथे कि पबितर आतमा के का मनसा हवय, काबरकि
पबितर आतमा ह परमेसर के मनसा के मुताबिक पबितर मनखेमन बर बिनती करथे।
28 हमन जानथन कि जऊन मन परमेसर ले मया करथें अऊ ओकर ईछा के मुताबिक बलाय गे हवंय, ओमन
बर परमेसर ह जम्मो बात म भलई पईदा करथे।
29 काबरकि जऊन मन ला परमेसर ह पहिली ले जानत हवय, ओमन ला ओह चुने घलो हवय कि ओमन
ओकर बेटा के सरूप म होवंय अऊ ओकर बेटा ह बहुंते भाईमन म पहिलांत ठहिरय।
30 अऊ जऊन मन ला ओह पहिली ले चुन लीस, ओमन ला ओह बलाईस घलो; अऊ जऊन मन ला ओह
बलाईस, ओमन ला धरमी घलो ठहिराईस; अऊ जऊन मन ला ओह धरमी ठहिराईस, ओमन के महिमा घलो
करिस।
31 तब एकर बारे म हमन का कहन? यदि परमेसर ह हमर संग हवय, त हमर बिरोधी कोन हो सकथे?
32 जऊन ह अपन खुद के बेटा ला घलो नइं रख छोंड़िस, पर हमन जम्मो के खातिर ओला दे दीस; त ओह
हमन ला अपन बेटा संग अऊ जम्मो चीज काबर नइं दीही?
33 ओमन ऊपर कोन दोस लगाही, जऊन मन ला परमेसर ह चुने हवय? येह परमेसर अय, जऊन ह ओमन
ला धरमी ठहिराथे।
34 ओह कोन ए, जऊन ह सजा देथे? येह मसीह यीसू अय, जऊन ह मर गीस अऊ एकर बाद मरे म ले जी
उठिस अऊ ओह परमेसर के जेवनी हांथ कोति हवय, अऊ हमर बर बिनती घलो करत हवय।
35 तब कोन ह हमन ला मसीह के मया ले अलग कर सकथे? का संकट या बिपत्ति या सतावा या अकाल या
गरीबी या जोखिम या तलवार के भय?
36 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:
"तोर बर, हमन दिन भर मिरतू के जोखिम म रहिथन;
हमन ओ भेड़ सहीं समझे जाथन, जऊन मन के बध होवइया हवय।"*
37 ये जम्मो चीज म, हमन मसीह यीसू के जरिये बिजयी होथन, जऊन ह हमर ले मया करिस।
38 काबरकि मोला पूरा भरोसा हवय कि न तो मिरतू, न जिनगी, न स्वरगदूतमन, न परेत आतमामन, न तो
बर्तमान न भविस्य, न कोनो सक्ति,

* **8:36** भजन 44:22

39 न तो ऊंचई न गहरई अऊ न जम्मो सिरिस्टी म कोनो आने चीज हमन ला परमेसर के मया ले अलग कर
सकथे, जऊन ह हमर परभू मसीह यीसू म हवय।

9

[illegible]

1 मेंह मसीह म होके सच कहत हंव; मेंह लबारी नइं मारत हंव। मोर बिबेक घलो पबितर आतमा म होके
गवाही देवत हवय—
2 कि मोला बहुंते दुख हवय अऊ मोर हिरदय ह हमेसा दुख ले भरे हवय।
3 मेंह चाहत रहेंव कि मोर मनखेमन बर जऊन मन मोर खुद के बंस के अंय, ओमन के हित म मेंह खुदे
सरापित हो जातेंव अऊ मसीह ले अलग हो जातेंव।
4 ओमन इसरायली मनखे अंय। परमेसर ह ओमन ला गोद लेके बेटा बनाईस; ओमन के ऊपर महिमा परगट
करिस; ओमन के संग करार करिस; ओमन ला मूसा के कानून दीस। ओमन ला बताईस कि मंदिर म ओकर
अराधना कइसने करे जावय अऊ ओह ओमन ले परतिगियां करिस।
5 कुल के मुखियामन येमन के पुरखा रिहिन अऊ मसीह ह मनखे के रूप म येमन के बंस ले आईस, जऊन ह
जम्मो के ऊपर परमेसर अय, ओकर परसंसा सदा होवय! आमीन।
6 अइसने नो हय कि परमेसर के बचन ह सच नइं होईस। काबरकि ओ जम्मो, जऊन मन इसरायल के बंस म
जनम ले हवंय, जम्मो के जम्मो इसरायली नो हंय,
7 अऊ ओ जम्मो अब्राहम के संतान नो हंय, जऊन मन ओकर बंस म जनम लीन, काबरकि परमेसर के बचन
ह कहिथे, "इसहाक के जरिये तोर बंस ह चलही।"*
8 एकर मतलब ये अय कि मनखे के ईछा के मुताबिक जनमे लइकामन परमेसर के संतान नो हंय, पर परमेसर
के परतिगियां के मुताबिक जनमे लइकामन सही बंसज समझे जाथें।
9 काबरकि परमेसर के बचन म ये किसम ले परतिगियां के बचन कहे गे हवय, "ठहिराय समय म, मेंह फेर आहूं,
अऊ सारा के एक बेटा होही।"†
10 अऊ सिरिप अतका ही नइं, पर रिबका के दूनों लइकामन के एके ददा रिहिस, याने कि हमर पुरखा इसहाक।
11 पर जब ओ जुड़वां लइकामन जनमे घलो नइं रिहिन अऊ कुछू भला-बुरा घलो नइं करे रिहिन, ताकि
परमेसर के चुनाव के उदेस्य ह बने रहय:
12 येह ओमन के कुछू करम के कारन नइं, पर परमेसर के बुलाहट के कारन होईस—रिबका ला कहे गीस,
"बड़खा बेटा ह छोटे के सेवा करही।"‡
13 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: "याकूब ले मेंह मया करेंव पर एसाव ला अप्रिय जानेंव।"§
14 तब हमन का कहन? का परमेसर ह अनियाय करथे? बिलकुल नइं!
15 काबरकि ओह मूसा ले कहिस,
"जेकर ऊपर मेंह दया करे चाहंव, ओकर ऊपर दया करहूं,
अऊ जेकर ऊपर मेंह तरस खाय चाहंव, ओकर ऊपर तरस खाहूं।"*
16 एकरसेति येह मनखे के ईछा या काम के ऊपर निरभर नइं करय, पर परमेसर के दया ऊपर निरभर करथे।
17 काबरकि परमेसर के बचन म फिरौन राजा ला ये कहे गे हवय, "मेंह तोला एकरसेति राजा बनाके उठाय हवंव
ताकि मेंह तोर ऊपर अपन सामर्थ ला देखावंव अऊ धरती भर म मोर नांव के परचार होवय।"
18 एकरसेति परमेसर ह जेकर ऊपर दया करे चाहथे, ओकर ऊपर दया करथे, अऊ जेकर हिरदय ला कठोर करे
चाहथे, ओला कठोर कर देथे।
19 तब तुमन मोला कहिहू, "त फेर परमेसर ह मनखे ऊपर काबर दोस लगाथे? कोन ह ओकर ईछा के बिरोध
कर सकथे?"
20 हे मनखे! तेंह कोन अस कि परमेसर ला जबाब देथस? का गढ़े गे चीज ह अपन गढ़इया ला कह सकथे,
"तेंह मोला अइसने काबर बनाय हवस?"

---

* **9:7** उत 21:12 † **9:9** उत 18:10, 14 ‡ **9:12** उत 25:23 § **9:13** मला 1:2, 3 * **9:15** निर 33:19

21 का कुम्हार ला ये अधिकार नइं ए कि माटी के एके लोंदा ले, ओह कुछू बरतन ला बिसेस उपयोग खातिर
अऊ कुछू बरतन ला सधारन उपयोग खातिर बनावय?
22 येह कोनो अचरज के बात नो हय, यदि परमेसर ह अपन कोरोध अऊ सक्ति देखाय के ईछा करिस अऊ
ओमन ला बड़े धीर धरके सहिस जऊन मन कोरोध के पात्र रिहिन अऊ बिनास खातिर बनाय गे रिहिन।
23 येह कोनो अचरज के बात नो हय, यदि परमेसर ह ये करे के दुवारा, अपन बड़े महिमा के धन ला ओमन ला
देखाय चाहिस, जऊन मन दया के पात्र रिहिन अऊ महिमा के खातिर पहिली ले तियार करे गे रिहिन।
24 अऊ त अऊ हमन ला घलो ओह बलाईस, न सिरिप यहूदी जात म ले, पर आनजात म ले घलो बलाईस।
25 जइसने कि ओह होसे के किताब म कहिथे:
"जऊन मन मोर मनखे नो हंय, ओमन ला मेंह अपन मनखे कहिहूं;
अऊ जऊन ह मोर मयारू नो हय, ओला मेंह अपन मयारू कहिहूं,"
26 अऊ,
"जऊन ठऊर म ओमन ला ये कहे गे रिहिस,
'तुमन मोर मनखे नो हव,'
ओही जगह म, ओमन ला जीयत परमेसर के संतान कहे जाही।"†
27 यसायाह अगमजानी ह इसरायलीमन के बारे म पुकारके कहिथे,
"हालाकि इसरायलीमन के गनती ह समुंदर के बालू सहीं होही,
पर ओमा ले थोरकन मनखे ही बचाय जाहीं।
28 काबरकि परभू ह अपन फैसला ला
धरती म जल्दी अऊ कड़ई से लागू करही।"
29 जइसने कि यसायाह अगमजानी ह पहिली कहे रिहिस:
"यदि सर्वसक्तिमान परभू ह
हमर बर बंस ला नइं छोंड़े होतिस,
त हमन घलो सदोम अऊ अमोरा सहरमन सहीं
पूरा नास हो गे रहितेंन।"

?????????? ?? ??????

30 तब, हमन का कहन? कि आनजात के मनखे जऊन मन परमेसर के धरमीपन के खोज नइं करत रिहिन,
ओमन धरमीपन ला पा गीन, याने कि ओ धरमीपन जऊन ह बिसवास करे के दुवारा मिलथे;
31 पर इसरायलीमन ओ धरमीपन के खोज मूसा के कानून ला माने के आधार म करिन, पर ओ धरमीपन ओमन
ला नइं मिलिस।
32 ओमन ला काबर नइं मिलिस? काबरकि ओमन ओ धरमीपन के खोज बिसवास के दुवारा नइं, पर अपन
काम के आधार म करिन। ओमन ठोकर के पथरा म हपट के गिरिन।
33 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:
"देखव, मेंह सियोन म एक ठन पथरा मढ़ावत हवंव, जऊन ह मनखेमन के लड़खड़ाय के
अऊ एक चट्टान, जऊन ह ओमन के गिरे के कारन बनही,
पर जऊन ह ओकर ऊपर बिसवास करथे, ओह कभू लज्जित नइं होही।"‡

10

1 हे भाईमन हो! इसरायलीमन बर मोर दिल के ईछा अऊ परमेसर ले पराथना हवय कि ओमन उद्धार पावंय।
2 काबरकि मेंह ओमन बर गवाही दे सकथंव कि ओमन के हिरदय म परमेसर खातिर उत्साह हवय, पर ओमन
के उत्साह ह गियान के ऊपर अधारित नइं ए।
3 ओमन ओ बात ला नइं जानिन कि कइसने परमेसर ह मनखे ला धरमी बनाथे, पर ओमन मूसा के कानून ला
माने के दुवारा खुद धरमी बने के कोसिस करिन। ओमन परमेसर के मुताबिक धरमी बने नइं चाहिन।
4 मसीह ह मूसा के कानून के अन्त अय, ताकि जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करय, ओह परमेसर के नजर
म धरमी ठहिरय।

† **9:26** होसे 1:10 ‡ **9:33** यसा 8:14; 28:16

5 कानून ला माने के दुवारा जऊन धरमीपन होथे, ओकर बारे म मूसा ह ये किसम ले लिखथे, “जऊन मनखे ह
कानूनमन के पालन करही, ओह ओमन के दुवारा जीयत रहिही।”
6 पर जऊन धरमीपन ह बिसवास ऊपर अधारित अय, ओकर बारे म ये कहे गे हवय, “तुमन अपन हिरदय म
ये झन कहव, कि कोन ह अकास ऊपर जाही।”* (कि ओह मसीह ला उहां ले उतार लानय)
7 या अइसने घलो झन कहव, “गहरई म कोन उतरही।” (कि ओह मसीह ला मरे म ले जियाके ऊपर लानय)।
8 पर येह का कहिथे? “परमेसर के बचन ह तुम्हर लकठा म हवय; येह तुम्हर मुहूं म अऊ तुम्हर मन म हवय।”
येह ओही बिसवास के बचन अय, जेकर परचार हमन करथन।
9 यदि तेंह अपन मुहूं ले कबूल करथस कि यीसू ह परभू अय अऊ अपन हिरदय म बिसवास करथस कि
परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस, त तेंह उद्धार पाबे।
10 काबरकि मनखे ह अपन हिरदय म बिसवास करे के दुवारा परमेसर के नजर म सही ठहिरथे अऊ मुहूं ले
कबूल करे के दुवारा उद्धार पाथे।
11 परमेसर के बचन ह ये कहिथे, “जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करही, ओह कभू लज्जित नइं होही।”
12 यहूदी अऊ आनजात म कोनो फरक नइं ए। ओही परभू ह जम्मो झन के परभू अय, अऊ ओह ओमन ला
बहुंते आसीस देथे, जऊन मन ओकर नांव लेथें,
13 काबरकि “हर एक, जऊन ह परभू के नांव लीही, ओह उद्धार पाही।”†
14 पर जब ओमन ओकर ऊपर बिसवास नइं करे हवंय, त ओकर नांव कइसने ले सकथें? अऊ ओमन ओकर
ऊपर कइसने बिसवास कर सकथें, जब ओमन ओकर बारे म कभू नइं सुने हवंय? अऊ ओमन ओकर बारे म
कइसने सुनंय, जब तक कि कोनो ओमन ला नइं बतावय?
15 अऊ ओमन ओकर परचार कइसने कर सकथें, जब तक ओमन ला पठोय नइं जावय? जइसने कि परमेसर
के बचन म लिखे हवय, “कतेक सुघर होथे ओमन के अवई ह, जऊन मन के पांव सुघर संदेस लेके आथें।”‡
16 पर जम्मो इसरायलीमन सुघर संदेस ला नइं मानिन। यसायाह अगमजानी ह कहे हवय, “हे परभू! कोन ह
हमर संदेस ऊपर बिसवास करिस?”§
17 येह साफ ए कि बिसवास ह संदेस के सुने ले होथे, अऊ संदेस के सुनई ह मसीह के बचन ले होथे।
18 पर मेंह पुछत हंव: का ओमन नइं सुनिन? ओमन जरूर सुनिन:
“ओमन के अवाज ह जम्मो धरती म,
अऊ ओमन के बचन ह संसार के छोर तक हबर गे हवय।”*
19 मेंह फेर पुछत हंव—का इसरायलीमन नइं समझिन? पहिली मूसा ह कहिस,
“मेंह तुमन म ओमन के दुवारा जलन पईदा करहूं, जेमन एक जाति नो हंय;
मेंह तुमन ला एक अइसे जाति के दुवारा गुस्सा देवाहूं, जेमन म समझ नइं ए।”†
20 यसायाह अगमजानी ह बहुंत हिम्मत के संग कहिथे,
“जऊन मन मोला नइं खोजत रिहिन,
ओमन मोला पा गीन;
जऊन मन मोर बारे म नइं पुछिन,
ओमन ऊपर मेंह अपनआप ला परगट करेंव।”‡
21 पर इसरायलीमन के बारे म, ओह कहिथे,
“मेंह दिन भर अइसने मनखेमन कोति अपन हांथ ला पसारे रहेंव,
जऊन मन हुकूम मनइया नो हंय अऊ ढीठ अंय।”

11

[illegible]

1 तब मेंह ये पुछत हंव: का परमेसर ह अपन मनखेमन ला तियाग दीस? बिलकुल नइं! मेंह खुद एक
इसरायली मनखे अंव, अऊ मेंह अब्राहम के बंस अऊ बिनयामीन के गोत्र के अंव।

---

* **10:6** ब्यव 30:12 † **10:13** योए 2:32 ‡ **10:15** यसा 52:7 § **10:16** यसा 53:1 * **10:18** भजन 19:4 † **10:19** ब्यव 32:21
‡ **10:20** यसा 65:1

2 परमेसर ह अपन मनखेमन ला नइं तियागे हवय, जऊन मन ला ओह सुरू ले चुनिस। का तुमन नइं जानव
कि परमेसर के बचन ह एलियाह अगमजानी के बारे म का कहिथे? ओह इसरायलीमन के बिरोध म परमेसर ले
बिनती करिस:
3 "हे परभू, ओमन तोर अगमजानीमन ला मार डारिन अऊ तोर बेदीमन ला गिरा दे हवंय। सिरिप मेंह भर
बांचे हवंव, अऊ ओमन मोला घलो मार डारे के कोसिस म हवंय।"*
4 अऊ परमेसर ह ओला का जबाब दीस? ओह कहिस, "मेंह अपन बर सात हजार मनखेमन ला बंचाके रखे
हवंव, जऊन मन बाल देवता के आघू म माड़ी नइं टेके हवंय।"
5 एही किसम ले, ये समय म घलो मनखेमन के एक बांचे भाग हवय, जेमन ला परमेसर के अनुग्रह के दुवारा
चुने गे हवय।
6 अऊ यदि येह परमेसर के अनुग्रह ले होईस, त फेर येह बने करम करे के आधार म नो हय। यदि येह बने
करम करे के आधार म होतिस, त फेर अनुग्रह के कोनो मतलब नइं होतिस।
7 तब एकर का मतलब ए? इसरायली मनखेमन जेकर खोज म रिहिन, ओह ओमन ला नइं मिलिस, पर ओह
चुने गय मनखेमन ला मिलिस। आने मनखेमन के हिरदय ला कठोर करे गीस,
8 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:
"परमेसर ह ओमन ला जड़ के आतमा दे हवय,
ओह ओमन ला अइसने आंखी दे हवय, जऊन ह देखय नइं,
अऊ अइसने कान दे हवय, जऊन ह सुनय नइं;
ओमन के दसा आज तक अइसनेच हवय।"
9 अऊ दाऊद राजा ह कहिथे:
"ओमन के जेवन ह ओमन बर फांदा अऊ जाल बन जावय;
ओह ओमन बर ठोकर अऊ सजा के कारन बन जावय।
10 ओमन के आंखी म अंधियार छा जावय, ताकि ओमन झन देख सकंय,
अऊ ओमन के कनिहां ह हमेसा बर मुड़ जावय।"

[illegible]

11 मेंह फेर पुछत हंव, का इसरायलीमन एकरसेति ठोकर खाईन कि ओमन हमेसा के खातिर गिर पड़ंय?
बिलकुल नइं! पर इसरायलीमन के पाप के कारन आनजातमन ला उद्धार मिलिस कि इसरायलीमन ला जलन
होवय।
12 यदि इसरायलीमन के पाप ह संसार बर आसीस के धन लानथे, अऊ ओमन के नुकसान ह आनजातमन बर
आसीस के कारन बनथे, त फेर जब जम्मो इसरायलीमन परमेसर करा लहुंटके आहीं, त आनजातमन ला अऊ
कतेक आसीस मिलही।
13 अब मेंह तुमन ले गोठियावत हंव, आनजातमन हो! जब तक मेंह तुमन खातिर प्रेरित अंव, तब तक मेंह
अपन सेवा ला बढ़ावत हंव,
14 ताकि कोनो भी किसम ले, मेंह अपन यहूदी मनखेमन म जलन पईदा करंव अऊ ओमा के कुछू झन के
उद्धार होवय।
15 काबरकि यदि ओमन के तियागे जवई ह परमेसर के संग संसार के मेल-मिलाप के कारन बनिस, त ओमन के
गरहन करे जवई के मतलब ओमन बर जिनगी होही, जऊन मन मर गे हवंय।
16 यदि पहिली फर के रूप म, परमेसर ला चघाय गुंथे पीसान के कुछू भाग ह पबितर अय, त फेर जम्मो गुंथे
पीसान ह घलो पबितर अय, अऊ यदि रूख के जरी ह पबितर अय, त फेर ओ रूख के डारामन घलो पबितर अंय।
17 यदि जैतून रूख के कुछू डारामन ला टोर देय गे हवय; अऊ ओमन के जगह म, तुमन ला जऊन मन
जंगली जैतून रूख के पीका सहीं अव, जोड़े गे हवय अऊ तुम्हर पालन-पोसन ओ जैतून रूख के जरी ले होवत
हवय, याने कि तुम आनजातमन यहूदीमन के आसीस म भागीदार हो गे हवव,
18 त ओ डारामन ऊपर घमंड झन कर। यदि तेंह घमंड करथस, त ये बात ला सुरता रख कि तेंह जरी ला नइं
संभाले हवस, पर जरी ह तोला संभाले हवय।

* **11:3** 1 राजा 19:10, 14

19 तब तेंह कहिबे, “डारामन ला टोरे गीस ताकि मेंह ओमन के जगह म जोड़े जावंव।”
20 येह सही ए। ओमन ला ओमन के अबिसवास के कारन टोरे गीस, पर तेंह बिसवास के दुवारा ओमा बने
हवस। एकरसेति, घमंड झन कर, पर परमेसर के भय मानके चल।
21 काबरकि यदि परमेसर ह यहूदीमन ला नइं छोंड़िस, जऊन मन असली डारा अंय, त ओह तोला घलो नइं
छोंड़य।
22 एकरसेति, परमेसर के दया अऊ कठोरता के बारे म सोच। जऊन मन गिर गीन, ओमन ऊपर ओह कठोरता
देखाईस, पर तोर ऊपर ओह दया देखाईस, त तेंह ओकर दया म बने रह। नइं तो ओह तोला घलो काटके अलग
कर दीही।
23 अऊ यदि ओ यहूदीमन अपन अबिसवास ला छोंड़ देथें, त ओमन घलो जोड़े जाहीं, काबरकि परमेसर करा
ओमन ला फेर जोड़े के सामर्थ हवय।
24 जब तुम आनजातमन सुभाव ले जंगली जैतून के डंगाली अव, अऊ सुभाव के उल्टा, तुमन ला काटके
असली जैतून रूख म जोड़े गे हवय, त फेर ये यहूदी जऊन मन सुभाविक डंगाली अंय, अपन ही जैतून रूख म
काबर अऊ बने ढंग ले जोड़े नइं जाहीं?

[illegible]

25 हे भाईमन हो, अइसन झन होवय कि तुमन घमंडी हो जावव, एकरसेति मेंह चाहत हंव कि तुमन ये भेद ला
जानव: जब तक आनजात म ले चुने जम्मो मनखेमन परमेसर करा नइं आ जावंय, तब तक इसरायलीमन के एक
भाग ह अइसनेच अपन हिरदय ला कठोर बनाय रखही।
26 अऊ ये किसम ले जम्मो इसरायलीमन उद्धार पाहीं, जइसने परमेसर के बचन म लिखे हवय:
“मुक्ति देवइया ह सियोन ले आही;
ओह याकूब के बंस ले अभक्ति ला दूरिहा कर दीही।
27 अऊ ओमन के संग मोर ये करार होही,
जब मेंह ओमन के पाप ला दूरिहा कर दूहूं।”
28 जहां तक सुघर संदेस के बात ए, त ओमन तुम्हर हित म परमेसर के बईरी अंय; पर जहां तक चुने गय
मनखेमन के बात ए, त ओमन अपन कुल के मुखियामन के कारन परमेसर के मयारू अंय।
29 काबरकि जब परमेसर ह कोनो ला बरदान देथे अऊ चुनथे, त ओह अपन बिचार ला फेर नइं बदलय।
30 एक समय रिहिस, जब तुम आनजातमन परमेसर के हुकूम ला नइं मानेव, पर अब यहूदीमन के दुवारा
हुकूम नइं माने के कारन, तुम्हर ऊपर परमेसर के दया होईस।
31 तुम्हर ऊपर परमेसर के दया होय के कारन अब यहूदीमन परमेसर के हुकूम नइं मानथें, ताकि ओमन के
ऊपर घलो परमेसर के दया होवय।
32 काबरकि परमेसर ह जम्मो मनखेमन ला हुकूम नइं माने के पाप म बांधके रखे हवय ताकि ओह जम्मो झन
के ऊपर दया देखावय।

[illegible]

33 अहा! परमेसर के बुद्धि अऊ गियान के धन के गहरई ह कतेक अथाह अय!
ओकर सहीं नियाय कोनो नइं कर सकंय,
अऊ ओकर काम करे के तरीका ला कोनो नइं जान सकंय!
34 “परभू के मन ला कोन ह जाने हवय?
अऊ कोनो ओला सलाह देय के लईक नो हंय।”†
35 “कोन ह आज तक परमेसर ला कभू कुछू दे हवय
कि परमेसर ह ओला वापिस देवय?”‡
36 काबरकि जम्मो चीज ह परमेसर ले आय हवय,
अऊ ओकर दुवारा बनाय गे हवय अऊ ओकर खातिर बनाय गे हवय।
ओकर महिमा सदाकाल तक होवत रहय! आमीन।

† **11:34** यसा 40:13 ‡ **11:35** अयू 41:11

12

[illegible]

1 एकरसेति, हे भाईमन हो! परमेसर के दया के कारन, मेंह तुम्हर ले बिनती करत हंव कि अपन देहें ला जीयत
बलिदान के रूप म परमेसर ला दे दव अऊ अपनआप ला निस्कलंक बनाके परमेसर के अइसने सेवा करव कि
ओह खुस होवय—एहीच ह परमेसर बर तुम्हर सही अराधना अय।
2 तुमन ये संसार के मनखेमन सहीं झन बनव, पर तुमन के मन ह नवां हो जाय के कारन, तुम्हर चालचलन
घलो बदल जावय। तब तुमन परमेसर के ओ ईछा ला परखके जान सकहू जऊन ह बने, मनभावन अऊ सिद्ध
अय।
3 परमेसर के दुवारा मोला दिये गय अनुग्रह के कारन, मेंह तुमन जम्मो झन ला ये कहत हंव: अपनआप ला
जतेक समझना चाही, ओकर ले जादा झन समझव, पर परमेसर के दुवारा दिये गय बिसवास के तदाद के
मुताबिक अपनआप ला समझव।
4 जइसने हमर एक देहें हवय अऊ ओकर बहुंते अंग हवंय अऊ हर एक अंग के अलग-अलग काम हवय।
5 वइसने, हालाकि हमन बहुंते हवन, पर मसीह म हमन एक देहें के सहीं अन अऊ हर एक सदस्य एक-दूसर ले
जुड़े हवन।
6 परमेसर के दुवारा दिये गय अनुग्रह के मुताबिक हमन ला अलग-अलग किसम के बरदान मिले हवय। जऊन
ला अगमबानी करे के बरदान मिले हवय, त ओह परमेसर म अपन बिसवास के मुताबिक ओकर उपयोग करय।
7 कहूं कोनो ला सेवा करे के बरदान मिले हवय, त ओह सेवा करय। जऊन ला सिकछा देय के बरदान हवय,
ओह सिखोय म लगे रहय।
8 जऊन ला उत्साहित करे के बरदान मिले हवय, ओह आने मन ला उत्साहित करय। जऊन ला दान देय के
बरदान मिले हवय, त ओह दिल खोलके दान करय। जऊन ला अगुवई करे के बरदान हवय, त ओह उत्साह से
अगुवई करय, अऊ जऊन ला दया करे के बरदान मिले हवय, ओह खुसी से आने ऊपर दया करय।

[illegible]

9 आने मन ला निस्कपट मया करव। बुरई ले घिन करव; भलई करे म लगे रहव।
10 भाई-चारा के मया करत एक-दूसर बर समरपित रहव। एक-दूसर ला अपन ले बढ़के आदर देवव।
11 काम-बुता करे म अलाली झन करव; पर परभू के सेवा करत अपन आतमिक उत्साह ला बनाय रखव।
12 परभू के ऊपर आसा म आनंदित रहव; दुख-तकलीफ के समय धीरज धरे रहव; पराथना म हमेसा लगे रहव।
13 परमेसर के मनखेमन ला, ओमन के जरूरत के मुताबिक मदद करव, अऊ पहुनई करे म लगे रहव।
14 जऊन मन तुमन ला सताथें, ओमन ला आसीस देवव, हां! आसीस देवव, सराप झन देवव।
15 आनंद मनइयामन के संग आनंद मनावव अऊ रोवइयामन के संग रोवव।
16 एक-दूसर के संग संगति रखव; घमंडी झन बनव, पर दीन-हीन मन के संग संगति रखव; अपन नजर म
बुद्धिमान झन बनव।
17 कहूं कोनो तुम्हर बुरई करथे, त बदले म, ओकर बुरई झन करव। ओ काम करे के कोसिस करव, जऊन ला
जम्मो झन सही समझथें।
18 जिहां तक हो सकय, तुमन जम्मो झन के संग सांति के साथ रहे के भरसक कोसिस करव।
19 हे मोर मयारू संगवारीमन! काकरो ले बदला झन लेवव, पर येला परमेसर के ऊपर छोंड़ देवव; परमेसर के
कोरोध ओकर ऊपर भड़कही। काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय, "परभू ह कहिथे, 'बदला लेवई मोर
काम ए, मेंह बदला लूहूं।'*"
20 परमेसर के बचन म ये घलो लिखे हवय,
"यदि तोर बईरी ह भूखा हवय,
त ओला खाना खवा, यदि ओह पीयासन हवय, त ओला पीये बर कुछू दे।
अइसने करे ले, ओह लज्जित होही।"†
21 बुरई ले झन हारव, पर भलई करे के दुवारा बुरई ला जीत लेवव।

---

* **12:19** ब्यव 32:35 † **12:20** नीति 25:21, 22

13

[illegible]

1 हर एक मनखे सासन करइया अधिकारीमन के अधीन रहय, काबरकि परमेसर कोति ले अधिकार दिये जाथे।
अभी जऊन अधिकार हवय, ओह परमेसर के दुवारा दिये गे हवय।
2 एकरसेति, जऊन ह अधिकार के बिरोध करथे, ओह परमेसर के ठहिराय अधिकार के बिरोध करथे अऊ
अइसने मनखे ह अपन ऊपर दंड लानथे।
3 जऊन ह सही काम करथे, ओकर ऊपर अधिकारी के भय नइं रहय, पर जऊन ह गलत काम करथे, ओकर
ऊपर अधिकारी के डर बने रहिथे। का तुमन अधिकारी के भय ले मुक्त होय चाहथव? त फेर सही काम करव
अऊ ओह तुम्हर बड़ई करही।
4 काबरकि ओह तुम्हर भलई खातिर परमेसर के सेवक अय। पर यदि तुमन गलत करथव, त ओकर ले डरव,
काबरकि ओला बेकार म अधिकार नइं दिये गे हवय। ओह परमेसर के दास ए अऊ कुकरमीमन ला दंड देथे।
5 एकरसेति, न सिरिप दंड ले बांचे खातिर, पर अपन बिबेक के खातिर घलो, अधिकारीमन के अधीन रहना
जरूरी अय।
6 एकरे कारन, तुमन लगान घलो पटाथव, काबरकि अधिकारीमन परमेसर के सेवक अंय, जऊन मन अपन
पूरा समय अइसने काम बर देथें।
7 हर ओ मनखे के चुकता कर देवव, जेकर तुमन लगत हवव; जऊन ला लगान पटाना हवय, ओला लगान
पटावव; जऊन ला मालगुजारी देना हवय, ओला मालगुजारी देवव; जेकर ले डरना चाही, ओकर ले डरव अऊ
जेकर आदरमान करना चाही, ओकर आदरमान करव।

[illegible]-[illegible]

8 आपस म मया रखव अऊ मया के छोंड़ अऊ कोनो चीज म काकरो करजदार झन बनव। जऊन ह अपन
संगी मनखे ला मया करथे, ओह मूसा के कानून ला मनइया समझे जाथे।
9 "छिनारी झन करव," "हतिया झन करव," "चोरी झन करव," "लालच झन करव।"* ये हुकूम अऊ जऊन
आने हुकूम हवंय, ये जम्मो के सार ये अय: "अपन परोसी ले अपन सहीं मया कर।"†
10 जऊन ह मया करथे ओह अपन परोसी के कोनो नुकसान नइं करय। एकरसेति, जऊन ह मया करथे, ओह
मूसा के कानून ला पूरा करथे।

[illegible]

11 अभी के समय ला जानके, तुमन अइसनेच करव। तुम्हर नींद ले जागे के बेरा ह आ गे हवय। काबरकि जब
हमन यीसू के ऊपर पहिली बिसवास करे रहेंन, ओ समय के बनिस्पत अब हमर उद्धार ह अऊ लकठा म हवय।
12 रात ह लगभग बीत गे हवय, अऊ दिन ह निकलइया हवय। एकरसेति, आवव, हमन अंधियार के गलत
काममन ला छोंड़ देवन अऊ अंजोर के हथियारमन ला बांध लेवन।
13 जइसने दिन के समय उचित ए, आवव, हमन सही चालचलन म रहन अऊ अपनआप ला रंगरेली,
पियक्कड़पन, छिनारी, दुराचार, लड़ई-झगरा, अऊ जलन ले दूरिहा रखन।
14 तुम्हर चालचलन ह परभू यीसू मसीह के चालचलन सहीं होवय अऊ तुमन अपन पापी हिरदय के ईछा ला
पूरा करे के बिचार ला छोंड़ देवव।

14

[illegible]

1 जऊन ह बिसवास म कमजोर हवय, ओला अपन संगति म ले लव, पर ओकर अलग बिचार के ऊपर ओकर
संग बहस झन करव।
2 एक झन बिसवास करथे कि ओह जम्मो चीज ला खा सकथे, पर जऊन मनखे ह बिसवास म कमजोर हवय,
ओह सोचथे कि सिरिप साग-भाजी खाना उचित ए।

---

* **13:9** निर 20:13-15, 17; ब्यव 5:17-19, 21 † **13:9** लैव्य 19:18

3 जऊन मनखे ह जम्मो चीज ला खाथे, ओह साग-भाजी खवइया ला तुछ झन समझय, अऊ जऊन ह सिरिप
साग-भाजी खाथे, ओह जम्मो चीज खवइया मनखे ला दोसी झन ठहिरावय, काबरकि परमेसर ह ओला गरहन
करे हवय।
4 तेंह कोन अस कि आने के सेवक ऊपर दोस लगाथस? ओह सफल होथे या असफल हो जाथे, ये बात ओकर
मालिक ले संबंध रखथे। अऊ ओ सेवक ह बिसवास म बने रहिही, काबरकि परभू ह ओला बिसवास म स्थिर कर
सकथे।
5 कोनो मनखे ह एक दिन ला आने दिन ले जादा महत्व के समझथे, त कोनो मनखे ह जम्मो दिन ला एके
बरोबर समझथे। हर एक मनखे ला अपन सोच के बारे म निस्चय होना चाही।
6 जऊन ह कोनो दिन ला बिसेस दिन समझथे, त ओह परभू बर अइसने समझथे। जऊन ह कुछू चीज ला
खाथे, त ओह परभू के आदर म खाथे, काबरकि ओह परमेसर ला धनबाद देके खाथे, अऊ जऊन ह कुछू चीज ला
खाय म परहेज करथे, ओह परभू के आदर म अइसने करथे अऊ परमेसर ला धनबाद देथे।
7 काबरकि हमन ले कोनो न तो अपन खातिर जीथे, अऊ न कोनो अपन खातिर मरथे।
8 यदि हमन जीयत हवन, त परभू खातिर जीयत हवन, अऊ यदि हमन मरथन, त परभू के खातिर मरथन।
एकरसेति चाहे हमन जीयन या मरन, हमन परभू के अन।
9 मसीह ह एकर कारन मरिस अऊ फेर जी उठिस कि ओह जीयत अऊ मरे दूनों मनखेमन के परभू होवय।
10 तब तुमन काबर अपन भाई ऊपर दोस लगाथव? या अपन भाई ला काबर तुछ समझथव? हमन जम्मो
झन ला परमेसर के नियाय आसन के आघू म ठाढ़ होना पड़ही।
11 काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय,
"परभू ह कहिथे, 'मोर जिनगी के कसम
हर एक मनखे ह मोर आघू म माड़ी टेकही;
हर एक मनखे ह परमेसर ला मानही।' "*
12 एकरसेति, हमन ले हर एक झन परमेसर ला अपन काम के लेखा-जोखा दीही।

[illegible]

13 एकरसेति, हमन एक-दूसर के ऊपर दोस झन लगावन। पर अपन मन म, ये ठान लेवन कि हमन न तो
अपन भाई के रसता म कोनो बाधा डालन अऊ न ही ओकर पाप म पड़े के कारन बनन।
14 मेंह जानत हंव अऊ परभू यीसू के संगति म रहे के कारन मोला पूरा बिसवास हवय कि कोनो चीज ह
अपनआप म असुध नइं होवय। पर कहूं कोनो मनखे कोनो चीज ला असुध समझथे, त फेर ओकर बर ओह असुध
अय।
15 कहूं तेंह कुछू अइसने खाना खाथस, जेकर ले तोर भाई ह उदास होथे, त फेर तेंह अपन भाई ले मया नइं
करथस। अइसने खाना ला झन खा, जऊन ह कोनो मनखे के पाप म पड़े के कारन बनथे, जेकर बर मसीह ह
मरिस।
16 जऊन बात ला तुमन सही समझथव, ओकर बारे म कोनो मनखे ला खराप गोठियाय के मऊका झन देवव।
17 काबरकि परमेसर के राज ह खाना अऊ पीना नो हय, पर येह धरमीपन, सांति अऊ आनंद के बात अय,
जऊन ह पबितर आतमा ले मिलथे।
18 जऊन ह अइसने मसीह के सेवा करथे, ओकर ले परमेसर ह खुस होथे अऊ मनखेमन घलो ओला सही
समझथें।
19 एकरसेति हमन ओ बातमन के ऊपर धियान लगावन, जेकर ले सांति होथे अऊ एक-दूसर के चालचलन ह
सुधरथे।
20 भोजन के खातिर परमेसर के काम ला झन बिगाड़व। वास्तव म, जम्मो भोजन ह सुध अय, पर यदि कोनो
मनखे ह अइसने चीज ला खाथे, जऊन ला देखके आने मनखे ह पाप म गिरथे, त ओ खवइया ह गलत करथे।
21 बने बात तो ये अय कि तुमन न तो मांस खावव, अऊ न ही मंद पीयव, अऊ न ही अइसने कोनो काम
करव, जेकर ले तुम्हर भाई ह पाप म गिरय।
22 अइसने चीजमन के बारे म, तोर जऊन बिसवास हवय, ओला अपन अऊ परमेसर के बीच म रहन दे। धइन
ए ओ मनखे, जऊन ह कोनो चीज ला सही समझथे अऊ ओकर बारे म अपनआप ला दोसी नइं मानय।

* **14:11** यसा 45:23

23 पर जऊन ह कुछू चीज ला संका करके खाथे, त ओला परमेसर ह दोसी ठहिराथे, काबरकि ओह बिसवास के
संग नइं खावय; अऊ हर ओ काम जऊन ह बिसवास के संग नइं करे जावय, ओह पाप अय।

15

1 हमन ला जऊन मन बिसवास म मजबूत हवन, ओमन के कमजोरी ला सहन करना चाही, जऊन मन
बिसवास म कमजोर हवंय अऊ हमन ला अपनआप ला खुस नइं करना चाही।
2 हमन ले हर एक झन ला अपन परोसी ला खुस करना चाही, ताकि ओकर भलई होवय अऊ ओह बिसवास म
बढ़य।
3 काबरकि मसीह ह अपनआप ला खुस नइं करिस, पर जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय, "मनखेमन
तोर जऊन बेजत्ती करिन, ओ बेजत्ती ह मोर ऊपर आ गीस।"*
4 परमेसर के बचन म जऊन बातमन पहिली ले लिखे गे हवंय, ओमन हमर सिकछा बर अंय, ताकि हमन
धीरता अऊ बचन के उत्साह के जरिये मसीह यीसू के आसा म बने रहन।
5 परमेसर जऊन ह हमन ला धीरज अऊ उत्साह देथे, तुमन ला अइसने सोच देवय कि तुमन मसीह यीसू के
हुकूम ला मानत एकता म बने रहव,
6 ताकि एक संग तुमन एक स्वर म हमर परभू यीसू मसीह के ददा परमेसर के इस्तुति कर सकव।
7 जइसने मसीह ह तुमन ला परमेसर के महिमा खातिर गरहन करिस, वइसने तुमन घलो एक-दूसर ला गरहन
करव।
8 काबरकि मेंह तुमन ला बतावत हंव कि मसीह ह परमेसर के सच्चई ला परगट करे बर यहूदीमन के सेवक
बनिस, ताकि ओह परमेसर के दुवारा हमर कुल के मुखियामन ला दिये गय परतिगियां ला पूरा करय,
9 अऊ आनजातमन के ऊपर परमेसर के दया होवय अऊ ओमन परमेसर के महिमा करंय, जइसने कि परमेसर
के बचन म लिखे हवय:
"एकरसेति आनजातमन के बीच म, मेंह तोर परसंसा करहूं;
मेंह तोर नांव के परसंसा के भजन गाहूं।"†
10 परमेसर के बचन म ये घलो कहे गे हवय,
"हे आनजातमन, तुमन परमेसर के मनखेमन के संग आनंद मनावव।"
11 परमेसर के बचन म ये घलो कहे गे हवय,
"हे आनजात के जम्मो मनखेमन, परभू के परसंसा करव;
जम्मो मनखेमन ओकर बहुंत परसंसा करंय।"
12 अऊ यसायाह अगमजानी ह घलो कहे हवय,
"यिसै के जरी म ले एक झन आही,
ओह जम्मो जाति के मनखेमन ऊपर राज करे बर उठही;
अऊ आनजातमन ओकर ऊपर अपन आसा रखहीं।"‡
13 परमेसर जऊन ह आसा देथे, तुम्हर बिसवास के कारन तुमन ला पूरा आनंद अऊ सांति ले भर देवय, ताकि
पबितर आतमा के सामर्थ के दुवारा मसीह म तुम्हर आसा अऊ बढ़ते रहय।

[illegible] [illegible] [illegible]—[illegible]

14 हे मोर भाईमन हो! मोला पूरा बिसवास हवय कि तुमन म भलई के बात भरे हवय अऊ तुम्हर करा परमेसर
के बारे म जम्मो गियान हवय अऊ तुमन एक-दूसर ला सिखोय के काबिल हवव।
15 पर कुछू बातमन ला मेंह फेर सुरता कराय बर तुमन ला बड़े हिम्मत के साथ लिखे हवंव। परमेसर ह मोला
अनुग्रह दीस
16 कि आनजातमन बर मेंह मसीह यीसू के सेवक बनंव अऊ एक पुरोहित के सहीं परमेसर के सुघर संदेस के
परचार करंव, ताकि आनजातमन परमेसर ला गरहनयोग्य अइसने बलिदान बन जावंय, जऊन ह पबितर आतमा
के दुवारा सुध करे गे हवय।

---

* **15:3** भजन 69:9 † **15:9** 2 समू 22:50; भजन 18:49 ‡ **15:12** यसा 11:10

17 तब मेंह मसीह यीसू के संगति म रहिके परमेसर बर मोर जऊन सेवा हवय, ओकर ऊपर घमंड कर सकत
हंव।
18 जऊन काम ला मसीह मोर जरिये करे हवय, ओकर छोंड़ मेंह अऊ कोनो बिसय म गोठियाय के हिम्मत
नइं करंव। मसीह ह आनजातमन ला परमेसर करा लाने बर मोर उपयोग करिस—ओह ये बुता ला मोर बचन
अऊ काम के दुवारा करिस;
19 मोर दुवारा परमेसर के आतमा के सामर्थ म चिनहां अऊ चमतकार होईस। ये किसम ले, मेंह यरूसलेम
सहर ले लेके इल्लुरिकुम प्रदेस तक, मसीह के सुघर संदेस के पूरा परचार करे हवंव।
20 येह हमेसा मोर ईच्छा अय कि मेंह सुघर संदेस के परचार उहां करंव, जिहां मनखेमन मसीह के बारे म नइं
सुने हवंय। मेंह नइं चाहथंव कि जिहां सुघर संदेस के परचार हो गे हवय, उहां जाके मेंह कलीसिया के इस्थापना
करंव।
21 पर जइसने परमेसर के बचन म लिखे हवय:
"जऊन मन ला ओकर सुघर संदेस के परचार नइं करे गीस, ओमन ओकर दरसन करहीं,
अऊ जऊन मन सुघर संदेस नइं सुने हवंय, ओमन समझहीं।"§
22 एकरे कारन कतको बार ले बाधा डाले गीस अऊ मेंह तुम्हर करा नइं आ सकंय।

[illegible]

23 पर अब, ये इलाका म मोर काम करे बर अऊ कोनो जगह नइं बचे हवय। कतेक साल ले तुम्हर करा आय के
मोर मन हवय,
24 एकरसेति जब मेंह स्पेन देस जाहूं, त तुम्हर इहां ले होवत जाहूं। मोला आसा हवय कि तुम्हर संग कुछू
समय बिताके मोला आनंद मिलही, अऊ तुमन आघू के मोर यातरा म मदद करहू।
25 अभी तो मेंह संतमन के सेवा करे बर यरूसलेम सहर जावत हंव।
26 काबरकि मकिदुनिया अऊ अखया के कलीसिया के मनखेमन ला ये बने लगिस कि यरूसलेम के गरीब
संतमन बर कुछू दान पठोवंय।
27 ओमन दान पठोके खुस हवंय अऊ वास्तव म, ओमन यरूसलेम के संतमन के करजदार अंय। काबरकि जब
आनजातमन यहूदीमन के आतमिक आसीस म भागीदार होय हवंय, त आनजातमन बर ये उचित अय कि ओमन
अपन संसारिक धन के दुवारा यहूदीमन के मदद करंय।
28 ये बुता ला पूरा करके अऊ ये बात ला निस्चित करके कि ये चंदा ह ओमन ला मिल गे हवय, तब मेंह उहां
ले स्पेन देस जाहूं, अऊ उहां जावत बेरा डहार म तुम्हर करा आहूं।
29 मोला बिसवास हवय कि जब मेंह तुम्हर करा आहूं, त मसीह के जम्मो आसीस के संग आहूं।
30 हे भाईमन हो! हमर परभू यीसू मसीह अऊ पबितर आतमा के मया के सुरता कराके, मेंह तुम्हर ले बिनती
करत हंव कि मोर खातिर परमेसर ले पराथना करे म उत्साह के संग मोर साथ देवव।
31 पराथना करव कि मोला यहूदिया प्रदेस म अबिसवासीमन ले कोनो हानि झन होवय, अऊ जऊन सेवा,
मेंह यरूसलेम म करंव ओकर ले उहां के संतमन खुस होवंय।
32 तब परमेसर के ईच्छा के मुताबिक, मेंह तुम्हर करा आनंद सहित आ सकंव अऊ तुम्हर संगति पाके
तरो-ताजा होवंव।
33 सांति के देवइया परमेसर तुमन जम्मो झन संग रहय। आमीन।

16

[illegible]

1 मेंह हमर बहिनी फीबे बर तुम्हर ले बिनती करत हंव, जऊन ह किंख्रिया के कलीसिया म एक सेविका* ए।
2 परभू म एक संत सहीं ओला गरहन करव अऊ यदि ओला कोनो चीज के जरूरत हवय, त ओमा ओकर मदद
करव, काबरकि ओह कतको मनखेमन के मदद करे हवय अऊ संग म मोर घलो मदद करे हवय।

§ **15:21** यसा 52:15 * **16:1** या [illegible]

3 प्रिसकिल्ला अऊ अक्विला ला मोर जोहार दे दव; मसीह यीसू के सेवा करे म ओमन मोर सहकरमी अंय।
4 ओमन मोर खातिर अपन जान ला जोखिम म डार दे रिहिन। ओमन ला सिरिप में ही नइं, पर आनजातमन के
जम्मो कलीसियामन घलो धनबाद देवत हवंय।
5 ओ कलीसिया ला घलो मोर जोहार कहव, जऊन ह ओमन के घर म जूरथे।
मोर मयारू संगी इपैनितुस ला मोर जोहार कहव, जऊन ह एसिया प्रदेस म सबले पहिली मसीह के ऊपर
बिसवास करिस।
6 मरियम ला जोहार दे दव, जऊन ह तुम्हर खातिर कठिन मेहनत करे हवय।
7 अन्द्रुनीकुस अऊ यूनियास ला मोर जोहार मिलय। ओमन मोर रिस्तेदार अंय अऊ ओमन मोर संग जेल म
रिहिन। प्रेरितमन के बीच म ओमन नामी अंय अऊ ओमन मोर ले पहिली मसीह के ऊपर बिसवास करिन।
8 अम्पलियातुस ला जोहार कहव, जऊन ह परभू म मोर मयारू ए।
9 उरबानुस ला मोर जोहार मिलय, जऊन ह मसीह के सेवा म हमर सहकरमी अय, अऊ मोर मयारू संगी
इस्तखुस ला मोर जोहार कहव।
10 अपिल्लेस ला जोहार कहव, जेकर मसीह म बिसवास ह साबित हो गे हवय।
अरिसतुबुलस के घराना ला मोर जोहार कहव।
11 मोर रिस्तेदार हेरोदियोन ला मोर जोहार।
नरकीसुस के घराना के जऊन मन परभू के ऊपर बिसवास करथें, ओमन ला मोर जोहार।
12 त्रुफेना अऊ त्रुफोसा ला मोर जोहार मिलय। ये माईलोगनमन परभू खातिर कठिन मेहनत करथें।
आने माईलोगन पिरसिस ला मोर जोहार। ओह मोर मयारू संगी ए अऊ परभू खातिर अब्बड़ मेहनत करे
हवय।
13 रूफुस ला मोर जोहार कहव, जऊन ला परभू ह चुने हवय, अऊ ओकर दाई ला जऊन ह मोर दाई सहीं
अय, ओला मोर जोहार।
14 असुक्रितुस, फिलगोन, हिरमेस, पत्रुबास, हिरमास अऊ जऊन भाईमन ओमन के संग हवंय ओ जम्मो झन
ला मोर जोहार।
15 फिलुलुगुस, यूलिया, नेरयुस, अऊ ओकर बहिनी अऊ उलुम्पास अऊ जम्मो संत, जऊन मन येमन के संग
हवंय, ओमन ला मोर जोहार कहव।
16 पबितर चूमा लेके एक-दूसर ला जोहार करव।
इहां मसीह के जम्मो कलीसियामन तुमन ला जोहार कहथें।

17 हे मोर भाईमन हो! मेंह तुम्हर ले बिनती करत हंव कि तुमन ओ मनखेमन ले सचेत रहव, जऊन मन तुम्हर
बीच म फूट डारथें अऊ तुम्हर आतमिक जिनगी के बढ़ोतरी म बाधा डारथें। येह ओ सिकछा ले मेल नइं खावय,
जऊन ह तुमन ला दिये गे हवय। अइसने मनखेमन ले दूरिहा रहव।
18 काबरकि अइसने मनखेमन हमर परभू यीसू मसीह के सेवा नइं करंय, पर येमन अपन मन के ईछा ला पूरा
करथें। येमन गुरतूर बोली अऊ चापलूसी करके सीधा-साधा मनखेमन ला भरमा देथें।
19 तुमन के, परभू यीसू के हुकूम माने के चरचा ह जम्मो मनखेमन के बीच म बगर गे हवय, एकरसेति मेंह
तुम्हर बारे म बहुंत आनंदित हंव। पर मेंह चाहत हंव कि तुमन बुद्धिमानी के संग दूसर के भलई करव अऊ
अपनआप ला बुरई करे ले दूरिहा रखव।

20 सांति देवइया परमेसर ह जल्दी सैतान ला तुम्हर गोड़ खाल्हे कुचरही।

हमर परभू यीसू के अनुग्रह तुम्हर ऊपर होवत रहय।

21 मोर सहकरमी तीमुथियुस ह तुमन ला जोहार कहत हवय अऊ वइसने मोर रिस्तेदार लूकियुस, यासोन
अऊ सोसीपत्रुस घलो तुमन ला जोहार कहत हवंय।
22 में, तिरतियुस ये चिट्ठी के लिखइया तुमन ला परभू म जोहार कहत हंव।
23 गयुस, जेकर पहुनई के, में अऊ जम्मो कलीसिया आनंद उठाथन, ओह तुमन ला जोहार कहत हे।

इरासतुस, जऊन ह सहर म मनखेमन ले संबंधित काम के संचालक ए, ओह अऊ हमर भाई क्वारतुस घलो
तुमन ला जोहार कहत हवंय।

24 हमर परभू यीसू के अनुग्रह, तुमन जम्मो झन ऊपर होवय। आमीन।†

25 ओ परमेसर के इस्तुति होवय, जऊन ह तुमन ला मसीह के बिसवास म मजबूत कर सकथे—यदि तुमन मोर
दुवारा सुनाय गय यीसू मसीह के सुघर संदेस के परचार ऊपर बिसवास करहू त। परमेसर के उद्धार के योजना के
भेद ह कतेक जुग ले छिपे रिहिस,
26 पर अब अनादि-अनंत परमेसर के हुकूम के मुताबिक, अगमजानीमन के लिखे बचन के जरिये, येह परगट
होईस अऊ येला संसार के जम्मो जाति के मनखेमन ला बताय जावत हवय, ताकि ओमन मसीह ऊपर बिसवास
करंय अऊ ओकर हुकूम ला मानंय।
27 सिरिप परमेसर एके झन बुद्धिमान ए; ओकर महिमा यीसू मसीह के जरिये सदाकाल तक होवत रहय!
आमीन।

† **16:24** कुछू पुराना हस्तलिपि म ये पद नइं मिलय।

कुरिन्थुस
के कलीसिया ला पौलुस के लिखे पहिली चिट्ठी

1 पौलुस कोति ले जऊन ह परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के प्रेरित होय बर बलाय गे हवय अऊ हमर
भाई सोसथिनेस कोति ले ये चिट्ठी,
2 परमेसर के ओ कलीसिया ला जऊन ह कुरिन्थुस सहर म हवय; कलीसिया याने कि ओमन जऊन मन कि
मसीह यीसू म पबितर करे गे हवंय अऊ पबितर होय बर बलाय गे हवंय; अऊ संग म ओ जम्मो झन जऊन
मन हर जगह हमर परभू यीसू मसीह के नांव लेथें। ओह ओमन के परभू अऊ हमर परभू घलो अय।
3 हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलय।

[illegible]

4 मेंह तुम्हर बर हमेसा परमेसर के धनबाद करथंव काबरकि ओह मसीह यीसू के जरिये तुमन ला अनुग्रह दे
हवय।
5 मसीह म तुम्हर बिसवास के कारन तुमन ला हर एक बात म सम्पन्न करे गे हवय याने कि बचन बोले म अऊ
जम्मो गियान म।
6 काबरकि मसीह के बारे म हमन जऊन गवाही दे हवन, ओह तुमन म पक्का हो गे हवय।
7 एकरसेति तुमन म कोनो आतमिक बरदान के घटी नइं ए, जब तुमन हमर परभू यीसू मसीह के परगट होय के
बाट जोहथव।
8 ओह तुमन ला आखिरी तक मजबूत बनाय रखही, ताकि तुमन हमर परभू यीसू मसीह के दिन म निरदोस
ठहिरव।
9 परमेसर ह बिसवासयोग्य अय अऊ ओह तुमन ला अपन बेटा याने हमर परभू यीसू मसीह के संगति म
बलाय हवय।

[illegible]

10 हे भाईमन हो, मेंह तुमन ले हमर परभू यीसू मसीह के नांव म बिनती करत हंव कि तुमन जम्मो झन
एक-दूसर के बात म सहमती रखव, ताकि तुम्हर बीच म फूट झन पड़य अऊ तुमन म एक मन अऊ एक बिचार
के संग पूरा एकता रहय।
11 हे मोर भाईमन हो, खलोए के परिवार के कुछू मनखेमन मोला बताय हवंय कि तुम्हर बीच म झगरा होवत
हवय।
12 मोर कहे के मतलब ये अय कि तुमन ले कोनो ये कहिथे, "मेंह पौलुस के अंव"; त कोनो कहिथे, "मेंह
अपुल्लोस के अंव"; त कोनो कहिथे, "मेंह कैफा* के अंव"; अऊ कोनो कहिथे, "मेंह मसीह के अंव।"
13 का मसीह के बांटा हो गे हवय? का पौलुस ह तुम्हर बर कुरूस ऊपर चघाय गीस? का तुमन पौलुस के नांव
में बतिसमा ले हवव?
14 मेंह परमेसर के धनबाद करथंव कि क्रिसपुस अऊ गयुस के छोंड़, मेंह तुमन ले कोनो ला बतिसमा नइं दे
हवंव।
15 एकरसेति कोनो नइं कह सकय कि तुमन मोर नांव म बतिसमा ले हवव।
16 (अऊ हां, मेंह स्तिफनास के परिवार ला घलो बतिसमा दे हवंव; एकर छोंड़, मोला सुरता नइं ए कि मेंह
अऊ कोनो ला बतिसमा दे हवंव।)
17 काबरकि मसीह ह मोला बतिसमा दे बर नइं, पर सुघर संदेस के परचार करे बर पठोईस; अऊ ये सुघर संदेस
के परचार मेंह संसारिक बुद्धि ले नइं करंय, ताकि मसीह के कुरूस के सक्ति ह बेकार झन होवय।

[illegible]

18 काबरकि जऊन मन भटक गे हवंय, ओमन बर कुरूस म मसीह के मिरतू के संदेस ह मुरूखता ए, पर हमन
उद्धार पवइयामन बर येह परमेसर के सामर्थ ए।

---

* **1:12** याने कि, पतरस

19 काबरकि परमेसर के बचन म ए लिखे हवय:
“मेंह बुद्धिमान के बुद्धि ला नास करहूं;
अऊ होसियारमन के होसियारी ला मेंह बेकार कर दूहूं।”†
20 कहां गीन गियानी मनखेमन? कहां गीन कानून के गुरूमन? अऊ ये पीढ़ी के बाद-बिबाद करइयामन कहां हवंय? परमेसर ह संसार के गियान ला मुरूख साबित कर दे हवय।
21 काबरकि परमेसर के गियान म ये बात साफ ए कि संसार के मनखेमन अपन गियान के दुवारा परमेसर ला नइं जानिन। परमेसर ह ओ मुरूखता के संदेस म खुस होईस, जेकर परचार हमन ओमन के उद्धार बर करथन, जऊन मन बिसवास करथें।
22 यहूदीमन चमतकार के काम देखाय के मांग करथें अऊ यूनानीमन गियान के खोज म रहिथें।
23 पर हमन तो मसीह के परचार करथन, जऊन ह कुरूस ऊपर चघाय गीस। येह अइसने संदेस ए, जऊन ह यहूदीमन बर ठोकर के कारन अऊ आनजातमन बर मुरूखता ए।
24 पर जऊन मन ला परमेसर ह बलाय हवय, चाहे ओमन यहूदी होवंय या यूनानी, ओमन बर मसीह ह परमेसर के सामर्थ अऊ परमेसर के बुद्धि अय।
25 काबरकि परमेसर के मुरूखता ह मनखेमन के गियान ले जादा बुद्धि के बात ए अऊ परमेसर के कमजोरी ह मनखेमन के बल ले जादा बलवान ए।
26 हे भाईमन हो, जरा सोचव, जब परमेसर ह तुमन ला बलाईस, त तुमन के का स्थिति रिहिस। तुमन ले बहुंत झन, मनखेमन के नजर म न तो बुद्धिमान रिहिन, न बहुंते मन परभावसाली अऊ न ही बहुंते मन ऊंच घराना के रिहिन।
27 पर परमेसर ह संसार के मुरूखमन ला चुनिस ताकि गियानी मनखेमन लज्जित होवंय; परमेसर ह दुरबलमन ला चुनिस ताकि बलवानमन लज्जित होवंय।
28 परमेसर ह संसार के नीच अऊ तुछ चीजमन ला चुनिस अऊ ओह ओ चीजमन ला चुनिस, जऊन मन कुछू नो हंय, ताकि ओह ओ चीजमन ला बेकार ठहिराय, जऊन ला मनखेमन बड़े महत्व के समझथें,
29 ताकि कोनो मनखे परमेसर के आघू म घमंड झन कर सकय।
30 परमेसर के कारन ही हमर संगति मसीह यीसू म हवय, जऊन ह हमर बर परमेसर ले बुद्धि बन गे हवय, जेकर दुवारा हमन धरमी अऊ पबितर ठहिरथन अऊ ओकर दुवारा हमर छुटकारा होथे।
31 एकरसेति, जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: “जऊन ह घमंड करथे, ओह परभू के काम ऊपर घमंड करय।”‡

2

1 हे भाईमन हो, जब मेंह तुम्हर करा परमेसर के गवाही के परचार करत आएंव, त मेंह एक बने बक्ता के रूप म या उत्तम गियान के संग नइं आएंव।
2 काबरकि जब मेंह तुम्हर संग रहेंव, त मेंह ये ठान ले रहेंव कि यीसू मसीह अऊ ओकर कुरूस ऊपर चघाय जाय के बात ला छोंड़ अऊ कोनो बात ला नइं जानंव।
3 मेंह तुम्हर करा निरबल मनखे के रूप म भय के संग अऊ बहुंत कांपत आएंव।
4 मोर संदेस अऊ परचार म गियान अऊ मोह लेवइया बात नइं रिहिस, पर येमा परमेसर के आतमा के सामर्थ के सबूत रिहिस,
5 ताकि तुम्हर बिसवास ह मनखेमन के बुद्धि के ऊपर नइं, पर परमेसर के सामर्थ ऊपर निरभर रहय।

[illegible]

6 तभो ले, हमन समझदार मनखेमन के बीच म गियान के बात जरूर बताथन, पर येह ये जुग के गियान या ये जुग म ओ सासन करइयामन के गियान नो हय, जऊन मन खतम हो जाहीं।
7 पर हमन परमेसर के गुपत बुद्धि के बारे म गोठियाथन, जऊन ह लुकाय गे रिहिस अऊ जऊन ला परमेसर ह संसार ला बनाय के पहिली हमर महिमा बर ठहिराय रिहिस।

---

† **1:19** यसा 29:14 ‡ **1:31** यर 9:24

8 ये जुग म सासन करइया कोनो घलो येला नइं समझिन, काबरकि यदि ओमन येला समझे रहितिन, त
ओमन ओ महिमामय परभू ला कुरूस ऊपर चघाके नइं मारे होतिन।
9 पर जइसने परमेसर के बचन म ये लिखे हवय:
"जऊन चीज ला कोनो मनखे नइं देखे हवंय,
जऊन बात ला कोनो मनखे नइं सुने हवंय,
अऊ जऊन बात ला कोनो मनखे समझ नइं सकिन,"*
ओहीच बात ला परमेसर ह ओमन बर तियार करे हवय, जऊन मन ओकर ले मया करथें।
10 पर परमेसर ह ये बात ला अपन आतमा के दुवारा हमन ला बताय हवय।
आतमा ह हर एक चीज ला खोज लेथे, अऊ त अऊ परमेसर के गहरई के बातमन ला घलो।
11 मनखेमन म कोन ए जऊन ह कोनो आने मनखे के मन के बात ला जानथे? सिरिप ओ मनखे के आतमा ही
ओकरेच मन के बात ला जानथे। ओही किसम ले परमेसर के बातमन ला कोनो नइं जानय। सिरिप परमेसर के
आतमा ही येला जानथे।
12 हमन संसार के आतमा नइं पाय हवन, पर हमन परमेसर के पठोय आतमा ला पाय हवन, ताकि हमन ओ
बात ला समझ सकन, जऊन ला परमेसर ह हमन ला मुफत म दे हवय।
13 जऊन मन करा पबितर आतमा हवय, ओमन ला जब हमन आतमिक सच ला बताथन, त हमन मनखे के
बुद्धि के दुवारा सिखोय बात ला नइं, पर पबितर आतमा के दुवारा सिखोय बातमन ला बताथन।
14 जऊन मनखे करा पबितर आतमा नइं ए, ओह ओ बातमन ला गरहन नइं करय, जऊन ह परमेसर के
आतमा करा ले आथे, काबरकि ओ बातमन ओकर बर मुरूखता के बात अंय, अऊ ओमन ला ओह नइं समझ
सकय, काबरकि ओ बातमन ला सिरिप ओह समझ सकथे, जेकर करा पबितर आतमा हवय।
15 जऊन मनखे करा पबितर आतमा हवय, ओह हर एक चीज ला सही या गलत रूप म परखथे, पर कोनो आने
मनखे ओला परखे नइं सकंय।
16 काबरकि,
"परभू के मन ला कोन ह जाने हवय
कि ओह ओला सिखोवय?"†
पर हमन करा मसीह के मन हवय।

3

[illegible]

1 हे भाईमन हो, मेंह तुमन ले वइसने बात नइं कर सकेंव, जइसने मेंह आतमिक मनखेमन ले करथंव, पर मेंह
तुमन ले वइसने बात करेंव, जइसने कि संसारिक मनखे अऊ जऊन मन मसीह के बिसवास म लइका एं, ओमन
ले करे जाथे।
2 मेंह तुमन ला दूध पीयांय, ठोस आहार नइं खवांय, काबरकि तुमन एकर बर तियार नइं रहेव। वास्तव म,
तुमन अभी घलो ठोस आहार बर तियार नइं अव।
3 तुमन अभी घलो संसारिक मनखे हव। जब तुमन एक-दूसर ले जलन रखथव अऊ तुमन एक-दूसर ले झगरा
करथव, त का तुमन संसारिक मनखे नो हव? का तुमन सधारन मनखेमन सहीं नइं चलथव?
4 काबरकि जब एक झन कहिथे, "मेंह पौलुस के अंव" अऊ दूसर झन कहिथे, "मेंह अपुल्लोस के अंव", त का
तुमन सधारन मनखे नो हव?
5 अपुल्लोस ह कोन ए? अऊ पौलुस ह कोन ए? सिरिप परमेसर के सेवक, जेमन के दुवारा तुमन बिसवास म
आय हवव, जइसने कि परभू ह हर एक ला ओकर काम सऊंपे हवय।
6 मेंह बीजा ला बोएंव, अपुल्लोस ह येमा पानी डारिस, पर परमेसर ह येला बढ़ाईस।
7 एकरसेति, न तो बोवइया अऊ न तो पानी डलइया कुछू अंय, पर सिरिप परमेसर के महत्व हवय, जऊन ह
पऊधा ला बढ़ाथे।
8 जऊन ह बोथे अऊ जऊन ह पानी डारथे, ये दूनों के एकेच उदेस्य ए। परमेसर ह हर एक ला ओकर मेहनत
के हिसाब ले ईनाम दीही।

---

* **2:9** यसा 64:4 † **2:16** यसा 40:13

9 काबरकि हमन परमेसर के सेवा म सहकरमी अन; तुमन परमेसर के खेत अऊ परमेसर के भवन अव।
10 परमेसर ह मोला अनुग्रह दीस अऊ ओ अनुग्रह के मुताबिक, मेंह एक कुसल घर बनइया के रूप म नीव
डारेंव, अऊ आने मन ओकर ऊपर घर बनावत हवंय। पर हर एक झन सचेत रहय कि ओह कइसने घर बनावत
हवय।
11 काबरकि पहिली ले एक नीव डारे गे हवय, जऊन ह यीसू मसीह ए, अऊ ये नीव के छोंड़ कोनो अऊ आने
नीव नइं डार सकंय।
12 कहूं कोनो मनखे ये नीव ऊपर सोन, चांदी, कीमती पथरा, कठवा, कांदी या पैंरा डारके घर बनाथे,
13 त ओकर काम ह उजागर हो जाही; मसीह ह येला ओ दिन अंजोर म लानही, जब ओह लहुंटके आही। येह
आगी के संग परगट करे जाही, अऊ आगी ह हर एक मनखे के काम ला परखही कि ओह कइसने हवय।
14 ये जांच म, कहूं ओ मनखे के काम ह बने रहिथे, त ओह ईनाम पाही।
15 पर कहूं ओकर काम ह जर जाथे, त ओला नुकसान होही; ओह खुद तो बच जाही, पर अइसने बचही,
जइसने कोनो आगी म जरत-जरत बचथे।
16 का तुमन नइं जानव कि तुमन खुद परमेसर के मंदिर अव अऊ परमेसर के आतमा तुमन म बसथे।
17 यदि कोनो परमेसर के मंदिर ला नास करथे, त परमेसर ह ओला नास करही; काबरकि परमेसर के मंदिर ह
तो पबितर ए, अऊ तुमन ओ मंदिर अव।
18 अपनआप ला धोखा झन देवव। कहूं तुमन ले कोनो ये संसार के सोच के मुताबिक अपनआप ला बुद्धिमान
समझथे, त ओला मुरूख बन जाना चाही ताकि ओह सही म बुद्धिमान बन सकय।
19 काबरकि ये संसार के बुद्धि ह परमेसर के नजर म मुरूखता ए। जइसने कि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय,
"परमेसर ह बुद्धिमानमन ला ओहीचमन के चतुरई म फंसो देथे।"*
20 अऊ ये घलो लिखे हवय, "परभू ह जानथे कि बुद्धिमानमन के बिचार ह बेकार अंय।"†
21 एकरसेति मनखेमन ऊपर कोनो घमंड झन करय। जम्मो चीज ह तुम्हर ए,
22 चाहे ओह पौलुस ए या अपुल्लोस या कैफा‡ या ये संसार या जिनगी या मिरतू या ये जुग या अवइया
जुग—ये जम्मो ह तुम्हर ए,
23 अऊ तुमन मसीह के अव अऊ मसीह परमेसर के अय।

4

[illegible]

1 एकरसेति, मनखेमन हमन ला मसीह के सेवक अऊ परमेसर के भेद के बातमन के रखवार के रूप म जानंय।
2 अब ये बात के जरूरत हवय कि जऊन मन ला ये जिम्मेदारी देय गे हवय, ओमन अपनआप ला बिसवास के
लईक साबित करंय।
3 यदि तुमन या कोनो अदालत मोला परखथे, त मेंह जादा धियान नइं देवंव। वास्तव म, मेंह खुद अपनआप
ला नइं परखंव।
4 मोर बिबेक ह साफ हवय, पर एकर मतलब ये नो हय कि मेंह निरदोस अंव, काबरकि मोला परखइया तो
परभू ए।
5 एकरसेति, ठहिराय गे समय के पहिली कोनो भी चीज ला झन परखव। परभू के आवत तक इंतजार करव।
ओह अंधियार म छुपे बातमन ला अंजोर म लानही अऊ ओह मनखेमन के हिरदय के बात ला परगट करही।
ओतकी बेरा हर एक झन परमेसर ले परसंसा पाही।
6 हे भाईमन, तुम्हर लाभ खातिर, मेंह ये बातमन म अपन अऊ अपुल्लोस के चरचा उदाहरन के रूप म करे
हवंव, ताकि तुमन हमर ले ये कहावत के मतलब ला समझव, "परमेसर के बचन म लिखे बातमन ले बाहिर झन
जावव।" तब तुमन एक मनखे ला छोंड़के आने के ऊपर घमंड नइं करहू।
7 कोन ह तुमन ला आने ले फरक करके बने मनखे बनाथे? तुम्हर करा जऊन कुछू हवय, ओह परमेसर के
दुवारा दिये गे हवय। अऊ जब तुमन ला ये चीजमन मिले हवय, त तुमन काबर अइसने घमंड करथव, जइसने
येमन परमेसर के दान नो हंय?

---

* **3:19** अयू 5:13 † **3:20** भजन 94:11 ‡ **3:22** याने कि, पतरस

8 तुमन जऊन कुछू चाहथव, ओ जम्मो चीज तुम्हर करा पहिली ले हवय। तुमन पहिले ही धनी बन गे हवव।
तुमन हमर बिगर राजा बन गे हवव। बने होतिस कि तुमन सहीच म राजा बन जातेव, ताकि हमन घलो तुम्हर
संग राजा बन जातेंन।
9 काबरकि मोला अइसने लगथे कि परमेसर ह हमन ला सबले आखिरी म प्रेरित ठहिराय हवय अऊ ओ भी ओ
मनखेमन सहीं, जऊन मन ला खुलेआम मिरतू-दंड के सजा सुनाय गे हवय। हमन स्वरगदूत अऊ मनखेमन के
जम्मो संसार बर एक तमासा बन गे हवन।
10 हमन मसीह के खातिर मुरूख अन, पर तुमन मसीह म बहुंत बुद्धिमान अव। हमन दुरबल अन, पर तुमन
बलवान अव। तुमन आदर पाथव, पर हमर अपमान होथे।
11 हमन ये बखत घलो भूखन अऊ पीयासन हवन, हमन फटहा-चीरहा कपड़ा पहिरे हवन, हमन मार खावथन,
हमर करा रहे बर घर नइं ए।
12 हमन अपन हांथ ले कठोर मेहनत करथन। जब मनखेमन हमन ला गाली बकथें, त हमन ओमन ला
आसीस देथन। जब हमर ऊपर अतियाचार करे जाथे, त हमन सह लेथन।
13 जब मनखेमन हमर बदनामी करथें, त हमन नरम अऊ सांत मन होके जबाब देथन। अभी हमन धरती के
कुड़ा-कचरा सहीं संसार के बेकार चीज अन।
14 मेंह तुम्हर बेजत्ती करे बर ये बात नइं लिखत हवंव, पर अपन मयारू लइका जानके तुमन ला चेतावत
हवंव।
15 हालाकि मसीह म तुम्हर संरछकमन हजारों मनखे हो सकथें, पर तुम्हर बहुंते ददा नइं एं, काबरकि सुघर
संदेस के परचार करे के दुवारा मसीह यीसू म, मेंह तुम्हर ददा बन गेंव।
16 एकरसेति, मेंह तुम्हर ले बिनती करथंव कि तुमन मोर सहीं चाल चलव।
17 एकरे कारन, मेंह अपन मयारू बेटा तीमुथियुस ला तुम्हर करा पठोवत हवंव। ओह परभू म बिसवास के
लईक अय। ओह तुमन ला, मसीह यीसू म मोर चालचलन के सुरता कराही अऊ जऊन बात, मेंह हर जगह
कलीसिया म सिखोथंव, ओह मोर चालचलन ले मेल खाथे।
18 तुमन ले कुछू झन घमंडी हो गे हवंय, जइसने कि मेंह अब तुम्हर करा आबेच नइं करंव।
19 पर कहूं परभू के ईछा होही, त मेंह तुम्हर करा बहुंत जल्दी आहूं अऊ तब मेंह देखहूं कि ये घमंडी मनखेमन
का गोठियावत हवंय अऊ ओमन करा का सक्ति हवय।
20 काबरकि परमेसर के राज ह बात करे के चीज नो हय, पर येह सामर्थ के बात ए।
21 तुमन का चाहथव? का मेंह तुमन बर सुंटी लेके सजा दे बर आवंव? या फेर मेंह तुम्हर करा मया अऊ
दयालु आतमा म होके आवंव?

5

[illegible]

1 ये बात बताय गे हवय कि तुम्हर बीच म छिनारी होवथे अऊ ओ भी अइसने किसम के छिनारी, जऊन ह
आनजातमन म घलो नइं होवय: एक मनखे ह अपन ददा के घरवाली ला रख ले हवय।
2 अऊ तुमन घमंड करथव। तुमन ला तो एकर कारन ले दुखी होना चाही अऊ जऊन मनखे ह अइसने काम
करे हवय, ओला अपन संगति ले निकाल बाहिर करना चाही।
3 हालाकि मेंह सारीरिक रूप म तुम्हर संग नइं अंव, पर आतमा म मेंह तुम्हर संग हाजिर हवंव अऊ अइसने
सोचव कि मेंह उहां हाजिर होके, ओ मनखे के बिरोध म फैसला सुना चुके हवंव, जऊन ह अइसने काम करे हवय।
4 जब तुमन हमर परभू यीसू के नांव म जूरथव अऊ मेंह तुम्हर संग आतमा म हवंव अऊ हमर परभू यीसू के
सामर्थ उहां हवय,
5 त ये मनखे ला सैतान के हांथ म सऊंप देवव, ताकि ओकर देहें ह नास हो जावय अऊ परभू के दिन म ओकर
आतमा ह बच जावय।
6 तुम्हर घमंड करई ह ठीक नो हय। का तुमन नइं जानव कि थोरकन खमीर ह जम्मो गुंथाय पीसान ला खमीर
कर देथे?

7 जुन्ना खमीर सहीं पाप ला अपन म ले निकाल दव, ताकि तुमन बिगर खमीर के नवां गुंथाय पीसान सहीं
बिगर पाप के हो जावव—जइसने कि सही म तुमन हवव। काबरकि मसीह ह हमर बर बलिदान हो गे हवय,
जऊन ह फसह के मेढ़ा-पीला ए।
8 एकरसेति आवव, हमन तिहार ला, ये जुन्ना खमीर के रोटी के संग झन मनई, काबरकि ये जुन्ना खमीर ह पाप
अऊ दुस्टता ए। पर आवव, हमन बिगर खमीर के रोटी के संग तिहार ला मनई, काबरकि बिगर खमीर के रोटी ह
ईमानदारी अऊ सच्चई ए।
9 मेंह अपन चिट्ठी म तुमन ला लिखे हवंव कि छिनार मनखेमन संग संगति झन करव।
10 मोर कहे के मतलब ये संसार के ओ मनखेमन नो हंय, जऊन मन अनैतिक, या लोभी अऊ धोखेबाज या
मूरती-पूजा करइया अंय। काबरकि अइसने दसा म तो तुमन ला ये संसार ला छोड़ना पड़ जाही।
11 पर मोर लिखे के मतलब ये अय कि तुमन ओ मनखे के संग संगति झन करव, जऊन ह अपनआप ला भाई*
कहिथे, पर ओह छिनार या लोभी, मूरती-पूजा करइया या बदनामी करइया, पियक्कड़ या धोखेबाज ए। अइसने
मनखे संग खाना घलो झन खावव।
12 कलीसिया के बाहिर के मनखेमन के बारे म नियाय करई मोर काम नो हय। पर कलीसिया के मनखेमन के
नियाय करई तुम्हर काम ए।
13 परमेसर ह बाहिर के मनखेमन के नियाय करही। परमेसर के बचन म लिखे हवय, "कुकरमी मनखे ला अपन
बीच ले निकाल दव।"†

6

?????????? ?? ??? ? ??????

1 यदि तुमन ले काकरो, अपन संगी बिसवासी के संग कोनो बिवाद हवय, त ओह अबिसवासीमन करा नियाय
बर जाय के हिम्मत कइसने करथे, एकर बनिस्पत कि ओह संतमन* ले ये झगरा के निपटारा करवाय?
2 का तुमन नइं जानव कि परमेसर के मनखेमन संसार के नियाय करहीं? अऊ जबकि तुमन ला संसार के
नियाय करना हवय, त का तुमन छोटे-छोटे झगरा के निपटारा करे के लईक नो हव?
3 का तुमन नइं जानव कि हमन स्वरगदूतमन के नियाय करबो? त ये जिनगी के समस्या ला तुमन ला आसानी
से निपटाना चाही।
4 एकरसेति, यदि तुम्हर बीच म अइसने बिवाद हवय, त का तुमन नियाय करे बर ओमन ला कहिहू, जेमन के
चालचलन कलीसिया म सही नइं ए।
5 मेंह ये बात एकरसेति कहथंव कि तुमन ला कुछू तो सरम होवय। का ये हालत हो गे हवय कि तुम्हर बीच म
अइसने कोनो बुद्धिमान मनखे नइं ए, जऊन ह बिसवासी भाईमन म झगरा के निपटारा कर सकय?
6 पर एकर बदले एक भाई ह दूसर भाई के बिरोध म अदालत जाथे अऊ अबिसवासीमन एकर नियाय करथें।
7 तुम्हर बीच म मुकदमा होथे; एकर मतलब ये अय कि तुमन पूरा हार मान ले हवव। असल म तुमन खुद
अनियाय काबर नइं सहव? तुमन खुद हानि काबर नइं उठावव?
8 एकर बदले कि तुमन खुद अनियाय करथव अऊ हानि पहुंचाथव, अऊ ओ भी अपन भाईमन ला।
9 का तुमन नइं जानव कि दुस्ट मनखेमन परमेसर के राज के वारिस नइं हो सकंय? धोखा झन खावव। न तो
छिनारी करइया, न मूरती-पूजा करइया, न दूसर के माईलोगन संग बेभिचार करइया, न पुरूस बेस्या, न
समलैंगिक,
10 न चोर, न लोभी, न मतवार, न बदनामी करइया अऊ न तो धोखेबाजमन परमेसर के राज के वारिस होहीं।
11 तुमन ले कुछू मनखेमन अइसने रिहिन। पर परभू यीसू मसीह के नांव म अऊ हमर परमेसर के आतमा के
दुवारा तुमन ला धोय गे हवय, तुमन ला पाप ले सुध करे गे हवय अऊ तुमन ला धरमी ठहिराय गे हवय।

????????

12 "मोला कुछू भी चीज करे के अनुमति हवय"—पर हर चीज ह लाभ के नो हय। "मोला कुछू भी चीज करे के
अनुमति हवय"—पर मेंह कोनो भी चीज के गुलाम नइं बनंव।

---

* **5:11** मसीह ऊपर बिसवास करइया † **5:13** ब्यव 13:5; 17:7; 19:19; 21:21; 22:21, 24; 24:7 * **6:1** परमेसर के मनखेमन या बिसवासीमन

13 “भोजन ह पेट खातिर अऊ पेट ह भोजन खातिर अय”—पर परमेसर ह ये दूनों ला नास करही। देहें ह
बेभिचार करे बर नो हय, पर परभू के सेवा करे बर अय अऊ परभू ह देहें के खियाल रखथे।
14 परमेसर ह अपन सामर्थ ले परभू ला मरे म ले जियाईस, अऊ ओह हमन ला घलो जियाही।
15 का तुमन नइं जानव कि तुम्हर देहें ह मसीह के अंग ए? त का मेंह मसीह के अंग ला लेके बेस्या के संग
जोड़ंव? अइसने कभू नइं होवय।
16 का तुमन नइं जानव कि जऊन ह अपनआप ला एक बेस्या के संग जोड़थे, ओह ओकर संग म एकेच तन हो
जाथे? काबरकि परमेसर के बचन ह कहिथे, “ओ दूनों एक तन होहीं।”†
17 पर जऊन ह अपनआप ला परभू के संग जोड़थे, ओह ओकर संग आतमा म एक हो जाथे।
18 एकरसेति छिनारी करई ले दूर रहव। आने जम्मो पाप जऊन ला मनखे ह करथे, ओह ओकर देहें के बाहिर
होथे, पर जऊन ह छिनारी करथे, ओह अपन खुद के देहें के बिरोध म पाप करथे।
19 का तुमन नइं जानव कि तुम्हर देहें ह पबितर आतमा के मंदिर ए, जऊन ह तुमन म रहिथे अऊ जऊन ला
परमेसर ह तुमन ला दे हवय? तुमन अपन खुद के नो हव।
20 परमेसर ह दाम देके तुमन ला बिसाय हवय। एकरसेति, अपन देहें के दुवारा परमेसर के आदर करव।

7

[illegible]

1 अब मेंह ओ बातमन ला लिखत हंव, जेकर बारे म तुमन अपन चिट्ठी म पुछे हवव: एक आदमी बर येह बने
बात ए कि ओह कोनो माईलोगन के संग सारीरिक संबंध झन बनावय।
2 पर छिनारी ले बचे बर, हर एक मनखे के अपन घरवाली अऊ हर एक माईलोगन के अपन घरवाला होवय।
3 घरवाला ह अपन घरवाली के बिहाव हक ला पूरा करय, अऊ वइसने घरवाली ह अपन घरवाला के हक ला
पूरा करय।
4 घरवाली के देहें ऊपर सिरिप ओकर ही अधिकार नइं रहय, फेर येह ओकर घरवाला के घलो अय। ओही
किसम ले घरवाला के देहें ह सिरिप ओकर अपन के ही नो हय, फेर येह ओकर घरवाली के घलो अय।
5 एक-दूसर के बिहाव हक ला झन मारव, पर सिरिप एक-दूसर के सहमती ले कुछू समय बर सारीरिक संबंध
ला बंद रखव, ताकि तुमन अपन ओ समय ला पराथना म बीता सकव। तब फेर एक संग हो जावव ताकि तुम्हर
धीरज म कमी के कारन, सैतान ह तुमन ला झन परख सकय।
6 मेंह ये बात तुम्हर भलई खातिर कहथंव, येह हुकूम नो हय।
7 मेंह चाहथंव कि जइसने मेंह हवंव, वइसने जम्मो मनखेमन रहंय। पर परमेसर ह हर एक मनखे ला
अलग-अलग बरदान दे हवय; कोनो ला ये बरदान, त कोनो ला ओ बरदान।
8 पर मेंह अबिवाहित* अऊ बिधवामन ला ये कहथंव कि येह ओमन बर बने अय कि ओमन मोर सहीं
अबिवाहित रहंय।
9 पर कहूं ओमन अपनआप ला संभाल नइं सकंय, त ओमन ला बिहाव कर लेना चाही, काबरकि कामातुर रहे
के बदले बिहाव कर लेना उचित ए।
10 सादी-सुदा मनखेमन ला मेंह ये हुकूम देवत हंव (मेंह नइं, पर परभू ह हुकूम देवत हवय): घरवाली ह अपन
घरवाला ला झन छोंड़य।
11 पर यदि ओह अपन घरवाला ला छोंड़ देथे, त ओह दूसर बिहाव झन करय या फेर ओह अपन घरवाला ले
फेर मेल-मिलाप कर ले। अऊ घरवाला ह अपन घरवाली ला झन छोंड़य।
12 बाकि मनखेमन ला परभू ह नइं, पर मेंह कहथंव कि यदि कोनो भाई के घरवाली ह परभू ऊपर बिसवास नइं
करय, पर ओह ओ भाई के संग रहे चाहथे, त ओ भाई ह ओला झन छोंड़य।
13 अऊ यदि कोनो माईलोगन के घरवाला ह परभू ऊपर बिसवास नइं करय, पर ओह ओ माईलोगन के संग
रहे चाहथे, त ओ माईलोगन ह ओला झन छोंड़य।

---

† **6:16** उत 2:24 * **7:8** या *[illegible]*

14 काबरकि जऊन घरवाला ह परभू के ऊपर बिसवास नइं करय, ओह अपन बिसवासी घरवाली के जरिये
पबितर हो जाथे, अऊ जऊन घरवाली ह परभू ऊपर बिसवास नइं करय, ओह अपन बिसवासी घरवाला के जरिये
पबितर हो जाथे। नइं तो तुम्हर लइकामन असुध होतिन, पर अब ओमन पबितर हवंय।
15 पर जऊन मनखे ह परभू के ऊपर बिसवास नइं करय, यदि ओह छोंड़के चल देथे, त ओला जावन दव।
अइसने दसा म बिसवासी भाई या बहिनी ऊपर कोनो बंधन नइं ए। परमेसर ह हमन ला सांति से रहे बर बलाय
हवय।
16 हे घरवाली, तेंह कइसे जानत हस कि तेंह अपन घरवाला के उद्धार करा लेबे? या हे घरवाला, तेंह कइसे
जानत हस कि तेंह अपन घरवाली के उद्धार करा लेबे?
17 हर एक मनखे ह जिनगी म वइसने ही चलय, जइसने परभू ह ओला दे हवय अऊ जइसे कि परमेसर ह
ओला बलाय हवय। एहीच नियम ला मेंह जम्मो कलीसिया म बताथंव।
18 परमेसर के बलाय के पहिली जेकर खतना हो गे रिहिस, ओह खतनारहित झन बनय; अऊ परमेसर के
बलाय के पहिली जेकर खतना नइं होय रिहिस, ओह खतना झन करावय।
19 न तो खतना ह कुछू अय अऊ न ही खतनारहित; पर परमेसर के हुकूम ला मानना ही जम्मो कुछू अय।
20 हर एक मनखे ला ओहीच दसा म रहना चाही, जऊन दसा म, ओह परमेसर के बलाय के बेरा म रिहिस।
21 यदि तेंह गुलाम रहय, जब परमेसर ह तोला बलाईस, त एकर फिकर झन कर। पर यदि तेंह गुलामी ले
छुटकारा पा सकथस, त ओकर उपाय कर।
22 काबरकि जऊन ला परभू ह ओकर गुलामी के दसा म बलाईस, ओह परभू के दुवारा सुतंतर करे गे मनखे
अय। ओहीच किसम ले जऊन ला सुतंतर दसा म बलाय गीस, ओह मसीह के गुलाम ए।
23 दाम देके तुमन ला बिसाय गे हवय; मनखेमन के गुलाम झन बनव।
24 हे भाईमन हो, हर एक मनखे परमेसर के संग ओ दसा म रहय, जऊन दसा म ओला बलाय गे रिहिस।

[illegible]

25 कुंवारीमन के बारे म, मोला परभू ले कोनो हुकूम नइं मिले हवय, पर परभू के दया ले एक बिसवासयोग्य
मनखे के रूप म, मेंह अपन बिचार ला बतावत हंव।
26 अभी के संकट के कारन मेंह सोचथंव कि तुम्हर बर येह बने होही कि जइसने तुमन हवव, वइसने रहव।
27 कहूं तुमन सादी-सुदा अव, त अपन घरवाली ला छोंड़े के कोसिस झन करव, अऊ कहूं तुमन बिहाव नइं
करे हवव, त बिहाव करे के बारे म झन सोचव।
28 पर कहूं तुमन बिहाव करथव, त येह पाप नो हय; अऊ कहूं कोनो कुंवारी कन्या ह बिहाव करथे, त ओह
पाप नो हय। पर जऊन मन बिहाव करथें, ओमन ये जिनगी म बहुंत समस्या म पड़हीं, अऊ मेंह तुमन ला ये
समस्या ले बचाय चाहथंव।
29 हे भाईमन हो, मोर कहे के मतलब ये अय कि जादा समय नइं ए। एकरसेति अब ले, जऊन मन सादी-सुदा
अंय, ओमन अइसने रहंय जइसने कि ओमन के बिहाव नइं होय रिहिस।
30 जऊन मन दुख मनाथें; ओमन अइसने रहंय, जइसने ओमन ला कोनो दुख नइं रिहिस। जऊन मन खुस
हवंय, ओमन अइसने रहंय जइसने ओमन खुस नइं रिहिन। जऊन मन कुछू बिसाथें, ओमन अइसने देखावंय
जइसने कि ओ सामान ह ओमन के नो हय।
31 जऊन मन संसार के चीजमन के उपयोग करथें, ओमन अइसने रहंय जइसने कि ओमन ये चीजमन म मगन
नइं रिहिन। काबरकि ये संसार के अभी जऊन दसा हवय, ओह बदलत जावत हवय।
32 में चाहथंव कि तुमन कोनो किसम के चिंता झन करव। जेकर बिहाव नइं होय हवय, ओह परभू के काम के
फिकर म रहिथे कि ओह परभू ला कइसने खुस करय।
33 पर एक सादी-सुदा मनखे, ये संसार के काम के फिकर म रहिथे कि ओह अपन घरवाली ला कइसने खुस
रखय,
34 अऊ ओकर मन ह एती-ओती होवत रहिथे। जऊन माईलोगन के बिहाव नइं होय हवय, ओह या एक
कुंवारी ह परभू के काम के फिकर म रहिथे। ओकर उदेस्य ये रहिथे कि ओह अपन देहें अऊ आतमा दूनों के दुवारा
परभू के सेवा म लगे रहय। पर सादी-सुदा माईलोगन ह ये संसार के काम के फिकर म रहिथे कि ओह अपन
घरवाला ला कइसने खुस रखय।

35 मेंह ये बात तुम्हर भलई खातिर कहथंव, तुमन म बंधना डाले बर नइं। मेंह चाहथंव कि तुमन सही अऊ
बने काम करव अऊ अपन हिरदय ला बिगर एती-ओती लगाय, पूरा अपनआप ला परभू के सेवा म दे दव।
36 यदि काकरो मंगनी हो गे हवय अऊ ओकर हाव-भाव ह ओ कुंवारी छोकरी के प्रति उचित नइं ए, अऊ यदि
ओ छोकरी के जवानी ह ढरत जावथे अऊ ओ मनखे ह महसूस करथे कि ओला बिहाव कर लेना चाही, त ओला
अइसनेच करना चाही। येह पाप नो हय। ओमन ला बिहाव कर लेना चाही।
37 पर ओ मनखे जऊन ह अपन मन म अटल बिचार कर ले हवय, अऊ ओला जरूरत नइं ए, अऊ ओह अपन
ईछा ला काबू म रखथे, अऊ ओह अपन मन म ठान ले हवय कि ओह लड़की ले अभी बिहाव नइं करय, त ये
मनखे घलो सही काम करथे।
38 एकरसेति, जऊन ह लड़की ले बिहाव करथे, ओह बने करथे, पर जऊन ह लड़की ले बिहाव नइं करय, ओह
अऊ घलो बने करथे।
39 जब तक कोनो माईलोगन के घरवाला ह जीयत हवय, तब तक ओह ओकर ले बंधे हवय। पर यदि ओकर
घरवाला ह मर जावय, त ओह जेकर ले चाहय, ओकर ले बिहाव करे बर सुतंतर ए, पर ओह परभू के ही मनखे
होना चाही।
40 मोर बिचार म, ओह जादा खुस रहिही, यदि ओह जइसने हवय वइसनेच रहय, अऊ में सोचथंव कि
परमेसर के आतमा ह मोर म घलो हवय।

8

[illegible]

1 अब मूरतीमन ला चघाय गे जेवन के बारे म: हमन जानथन कि हमन जम्मो झन करा गियान हवय। गियान
ह घमंड ला लाथे, पर मया के दुवारा बढ़ती होथे।
2 यदि कोनो सोचथे कि ओह कुछू जानथे, त ओला जइसने जानना चाही, ओह अभी तक ले नइं जानथे।
3 पर जऊन ह परमेसर ले मया करथे, ओला परमेसर ह जानथे।
4 एकरसेति, मूरतीमन ला चघाय गे जेवन ला खाय के बारे म: हमन जानथन कि संसार म मूरती के कोनो
सच्चई नइं ए, अऊ एके झन परमेसर ला छोंड़के अऊ कोनो परमेसर नइं ए।
5 हालाकि अकास म या धरती ऊपर बहुंते मन देवता कहाथें (अऊ जइसे कि वास्तव म ये किसम के बहुंते
"देवता" अऊ बहुंते "परभू" हवंय),
6 पर हमर बर तो सिरिप एकेच परमेसर हवय याने कि परमेसर ददा जऊन ह जम्मो चीज ला बनाईस अऊ
जेकर बर हमन जीयत हवन; अऊ सिरिप एकेच परभू हवय याने कि यीसू मसीह जेकर जरिये जम्मो चीजमन
बनाय गीन अऊ जेकर जरिये हमन जीयत हवन।
7 पर हर एक झन ये बात ला नइं जानय। कुछू मनखेमन ला मूरतीमन के अइसने आदत हो गे हवय कि जब
ओमन ये किसम के खाना ला खाथें, त येला मूरती ला चघाय खाना समझथें, अऊ ओमन के बिबेक ह कमजोर
होय के कारन येह असुध ठहिरथे।
8 खाना ह हमन ला परमेसर के लकठा म नइं लानय। यदि हमन येला नइं खाथन, त कोनो नुकसान नइं होवय,
अऊ यदि खाथन, त कुछू फायदा नइं होवय।
9 सचेत रहव, ताकि तुम्हर ये सुतंतरता के अधिकार ह बिसवास म कमजोर मनखे के पाप म गिरे के कारन झन
बनय।
10 तुमन ला मूरती के मंदिर म खाय के बारे म गियान हवय, पर यदि कोनो कमजोर बिबेक वाला तुमन ला
उहां खावत देखथे, त का ओह मूरती ला चघाय खाना ला खाय बर उत्साहित नइं होही।
11 ये किसम ले, ये भाई ह जेकर बिबेक ह कमजोर हवय अऊ जेकर बर मसीह ह मरिस, ओह तुम्हर गियान के
कारन नास हो जाही।
12 जब तुमन ये किसम ले अपन भाई के बिरोध म पाप करथव अऊ ओमन के कमजोर बिबेक ला चोट
पहुंचाथव, त तुमन मसीह के बिरोध म पाप करथव।
13 एकरसेति, यदि मोर कुछू खाय के कारन मोर भाई ह पाप म गिरथे, त मेंह मांस ला फेर कभू नइं खावंव
ताकि मेंह ओकर पाप म गिरे के कारन झन बनंव।

9

[illegible]

1 का मेंह सुतंतर नइं अंव? का मेंह प्रेरित नो हंव? का मेंह हमर परभू यीसू ला नइं देखे हवंव? का तुमन परभू
म मोर काम के फर नो हव?
2 भले ही मेंह आने मन बर प्रेरित नो हंव, पर तुम्हर बर तो प्रेरित अंव। काबरकि एक प्रेरित के रूप म मेंह
जऊन काम, परभू म करे हवंव, तुमन ओकर छाप अव।
3 जऊन मन मोला परखत हवंय, ओमन बर मोर ये जबाब अय।
4 का हमन ला खाय-पीये के अधिकार नइं ए?
5 का हमन ला ये अधिकार नइं ए कि कोनो बिसवासी बहिनी ले बिहाव करके, ओला अपन संग यातरा म लेके
चलन, जइसने कि आने प्रेरित अऊ परभू के भाईमन अऊ कैफा* करत हवंय?
6 या फेर सिरिप मोर अऊ बरनबास बर ये जरूरी अय कि हमन अपन भरन-पोसन बर काम करन?
7 कोन ह अपन खुद के खरचा ले सेना म सैनिक के काम करथे? कोन ह अंगूर के बारी लगाथे अऊ ओकर
अंगूर ला नइं खावय? कोन ह पसुमन के झुंड के देखरेख करथे अऊ ओमन के दूध नइं पीयय?
8 का मेंह ये बात सिरिप मनखे के सोच के मुताबिक कहथंव? का मूसा के कानून घलो एहीच बात नइं कहय?
9 काबरकि मूसा के कानून म ये लिखे हवय: "दंवरी म चलत बईला के मुहूं ला झन बांधव।"† का येह बईला ए,
जेकर बारे म परमेसर ह फिकर करथे?
10 का ओह हमर बारे म नइं कहत हवय? निस्चित रूप ले, येह हमर बर लिखे गे हवय, काबरकि नांगर
जोतइया अऊ दंवरी चलइयामन ला, ये आसा म अपन काम ला करना चाही कि ओमन ला फसल के बांटा
मिलही।
11 यदि हमन तुम्हर बीच म आतमिक बीज बोय हवन, अऊ तुम्हर ले संसारिक मदद लेथन, त का येह
जादाती ए?
12 यदि आने मन तुम्हर ले ये मदद लेय के अधिकार रखथें, त का हमर अऊ घलो जादा हक नइं बनय?
पर हमन ये अधिकार के उपयोग नइं करेंन। एकर बदले, हमन जम्मो बात ला सहे हवन ताकि हमन मसीह के
सुघर संदेस के परचार म कोनो बाधा झन होवन।
13 का तुमन नइं जानव कि जऊन मन मंदिर म काम करथें, ओमन ला मंदिर म ले खाना मिलथे, अऊ जऊन
मन बेदी म सेवा करथें, ओमन ला बेदी म चघाय गे चीज म ले बांटा मिलथे?
14 ओहीच किसम ले, परभू ह हुकूम दे हवय कि जऊन मन सुघर संदेस के परचार करथें, ओमन के भरन-पोसन
सुघर संदेस म ले होवय।
15 पर मेंह येमा ले कोनो भी अधिकार के उपयोग नइं करेंव। अऊ मोर लिखे के ये मतलब नो हय कि तुमन मोर
बर अइसने करव। काबरकि मेंह मर जाना पसंद करहूं, एकर बनिस्पत कि कोनो मोर ये घमंड ला बेकार समझय।
16 तभो ले जब मेंह सुघर संदेस के परचार करथंव, त येह मोर बर कुछू घमंड के बात नो हय, काबरकि परचार
करे बर, मेंह बाध्य अंव। यदि मेंह सुघर संदेस के परचार नइं करंव, त मोर ऊपर धिक्कार ए।
17 यदि मेंह अपन ईछा ले परचार करथंव, त मोर बर एक ईनाम रखे हवय; पर यदि मेंह अपन ईछा ले येला
नइं करंव, त मेंह सिरिप ओ जिम्मेदारी ला पूरा करत हंव, जऊन ला परभू ह मोला सऊंपे हवय।
18 तब का ए मोर ईनाम? सिरिप ये कि मेंह सुघर संदेस के परचार मुफत म करंव, अऊ एकर परचार करे म
अपन अधिकार के उपयोग नइं करंव।

[illegible]

19 हालाकि मेंह कोनो मनखे के अधीन म नइं अंव, तभो ले मेंह अपनआप ला हर एक जन के दास बना ले हंव,
ताकि जादा से जादा मनखेमन ला मेंह परभू बर जीत सकंव।
20 यहूदीमन बर मेंह यहूदी सहीं बन गेंव, ताकि यहूदीमन ला जीत सकंव। जऊन मन मूसा के कानून के
अधीन म हवंय, ओमन बर मेंह मूसा के कानून के अधीन म रहे सहीं बनेंव (हालाकि मेंह कानून के अधीन नइं
अंव), ताकि जऊन मन मूसा के कानून के अधीन म हवंय, ओमन ला परभू बर जीत सकंव।

---

* **9:5** याने कि, पतरस † **9:9** ब्यव 25:4

21 जेमन करा मूसा के कानून नइं ए याने कि आनजातमन बर, मेंह आनजात सहीं बन गेंव ताकि मेंह
आनजातमन ला परभू बर जीत सकंव। एकर मतलब ये नो हय कि मेंह परमेसर के कानून ला नइं मानंव; मेंह
मसीह के कानून के अधीन म हवंव।
22 बिसवास म कमजोर मनखेमन बर, मेंह कमजोर बनेंव, ताकि कमजोर मनखेमन ला परभू बर जीत सकंव।
मेंह जम्मो मनखे बर जम्मो कुछू बनेंव, ताकि कोनो भी किसम ले ओमा के कुछू मनखे के उद्धार करा सकंव।
23 मेंह सुघर संदेस के हित म, ये जम्मो काम करथंव ताकि एकर आसीस म भागीदार हो सकंव।
24 का तुमन नइं जानव कि दऊड़ म जम्मो झन दऊड़थें, पर सिरिप एके झन ला ईनाम मिलथे? एकरसेति
अइसने दऊड़व कि तुमन ला ईनाम मिलय।
25 हर खिलाड़ी ह सीखे के समय म अपनआप ला बहुंत अनुसासन म रखथे। ओमन एक नासमान मुकुट ला
पाय बर, अइसने करथें, पर हमन तो ओ मुकुट ला पाय बर काम करथन, जऊन ह सदाकाल तक रहिही।
26 एकरसेति, मेंह ओ मनखे सहीं नइं दऊड़ंव, जऊन ह बिगर कोनो उदेस्य के दऊड़थे; मेंह ओ मनखे सहीं नइं
लड़ंव, जऊन ह हवा म मुक्का मारथे।
27 पर मेंह अपन देहें ला तकलीफ देथंव अऊ येला अपन बस म रखथंव, ताकि आने मन ला परचार करे के
बाद, मेंह खुद ईनाम ले बंचित झन होवंव।

10

[illegible]

1 हे भाईमन हो, मेंह नइं चाहत हंव कि तुमन ये बात ले अनजान रहव कि हमर पुरखामन बादर के छइहां म
रिहिन अऊ ओ जम्मो झन समुंदर के बीच म ले पार हो गीन।
2 मूसा के पाछू चलइया के रूप म, ओमन बादर म अऊ समुंदर म बतिसमा लीन।
3 ओ जम्मो झन एकेच आतमिक भोजन करिन;
4 अऊ जम्मो झन एकेच आतमिक पानी ला पीईन; काबरकि ओमन ओ आतमिक चट्टान म ले पीयत रिहिन,
जऊन ह ओमन के संगे-संग चलत रिहिस अऊ ओ चट्टान ह मसीह रिहिस।
5 तभो ले परमेसर ह ओमा के जादातर मनखेमन ले खुस नइं रिहिस, एकरसेति ओमन सुनसान जगह म
एती-ओती होके मर गीन।
6 ये बातमन हमर बर एक चेतउनी के रूप म अय, ताकि हमन, ओमन सहीं अपन मन ला खराप बात म झन
लगावन।
7 मूरती-पूजा करइया झन बनव, जइसने कि ओमा के कुछू मनखेमन रिहिन। परमेसर के बचन म लिखे हवय:
"मनखेमन खाय-पीये बर बईठिन अऊ उठके उछल-मंगल करे लगिन।"*
8 हमन छिनारी झन करन जइसने कि ओमा के कुछू मनखेमन करिन अऊ एके दिन म ओमा ले तेईस हजार
मनखे मर गीन।
9 हमन मसीह ला झन परखन, जइसने कि ओमा के कुछू मनखेमन करिन अऊ सांपमन के चाबे ले मर गीन।
10 तुमन झन कुड़कुड़ावव जइसने कि ओमा के कुछू मनखेमन करिन अऊ नास करइया स्वरगदूत के दुवारा
मारे गीन।
11 जऊन बातमन ओमन के ऊपर होईस, ओह उदाहरन के रूप म रिहिस अऊ ओ बातमन ला हमर बर
चेतउनी के रूप म लिखे गीस, काबरकि हमन ओ जुग म रहत हवन, जब संसार के अन्त होवइया हवय।
12 एकरसेति, यदि तुमन ये सोचथव कि तुमन बिसवास म मजबूत हवव, त सचेत रहव, ताकि तुमन पाप म
झन गिर पड़व।
13 तुमन कोनो अइसने परिछा म नइं पड़े हवव, जऊन ह मनखे के सहे के बाहिर ए। परमेसर ह बिसवासयोग्य
अय अऊ ओह तुमन ला तुम्हर सक्ति ले बाहिर परिछा म पड़न नइं देवय। पर जब तुमन परिछा म पड़ जावव,
त ओह तुमन ला परिछा ले बाहिर निकले के उपाय घलो बताही, ताकि तुमन ओला सह सकव।

[illegible]

14 एकरसेति, हे मोर मयारू संगीमन हो! मूरती-पूजा ले दूरिहा रहव।

---

* **10:7** निर 32:6

15 मेंह तुमन ला बुद्धिमान मनखे जानके कहथंव; जऊन बात मेंह कहथंव, ओला तुमन खुदे परखव।
16 ओ धनबाद के कटोरा, जेकर बर हमन परमेसर ला धनबाद देथन, का येह मसीह के लहू म भागीदारी नो
हय? अऊ जऊन रोटी ला हमन टोरथन, का येह मसीह के देहें म भागीदारी नो हय?
17 काबरकि एकेच रोटी ए; हमन हालाकि बहुंत झन हवन, पर हमन एकेच देहें अन, काबरकि हमन जम्मो झन
ओ एकेच रोटी म भागी होथन।
18 इसरायली मनखेमन ला देखव: जऊन मन बलिदान म चघाय गे चीज ला खाथें, का ओमन बेदी म भागी
नइं होवंय?
19 तब मोर कहे के का मतलब ए? का मूरती ला चघाय खाना ह कुछू ए, या मूरती ह कुछू ए?
20 कुछू घलो नइं। पर में कहथंव कि मूरती-पूजा करइयामन जऊन बलिदान चघाथें, ओमन परेत आतमामन
ला चघाथें, परमेसर ला नइं, अऊ मेंह नइं चाहंव कि तुमन परेत आतमामन के संग भागीदार होवव।
21 तुमन परभू के कटोरा अऊ परेत आतमामन के कटोरा, दूनों म ले नइं पी सकव। तुमन परभू के भोज अऊ
परेत आतमामन के भोज, दूनों म सामिल नइं हो सकव।
22 का हमन परमेसर के जलन ला भड़काय के कोसिस करत हन? का हमन ओकर ले जादा बलवान अन?

[illegible]

23 "मोला हर चीज करे के अनुमति हवय," तुमन कहिथव—पर हर चीज ह लाभ के नो हय। "मोला हर चीज
करे के अनुमति हवय"—पर हर चीज ले उन्नति नइं होवय।
24 हमन ला सिरिप अपन भलई ही नइं, पर आने मन के भलई घलो देखना चाही।
25 बजार म जऊन मांस बिकथे, ओला खावव अऊ बिबेक के कारन कोनो सवाल झन पुछव,
26 काबरकि परमेसर के बचन ह कहिथे, "धरती अऊ येमा के हर एक चीज परभू के अय।"†
27 यदि कोनो अबिसवासी तुमन ला खाय बर बलाथे, अऊ तुमन जाय बर चाहथव, त जऊन कुछू तुम्हर आघू
म परोसे जाथे, ओला खावव अऊ बिबेक के कारन कोनो सवाल झन पुछव।
28 पर यदि कोनो तुमन ला बता देथे कि येह बलिदान म चघाय गे खाना अय; त ओ बतइया के सेति अऊ
बिबेक के सेति, ओ खाना ला झन खावव।
29 मोर कहे के मतलब तुम्हर बिबेक नइं, पर आने मनखे के बिबेक। काबरकि मोर सुतंतरता ह आने मनखे के
बिबेक दुवारा काबर परखे जावय?
30 यदि मेंह परमेसर ला धनबाद देके ओ खाना म सामिल होथंव, त ओकर बर मोर ऊपर काबर दोस लगना
चाही?
31 एकरसेति, चाहे तुमन खावव या पीयव या जऊन कुछू घलो करव, ये जम्मो काम परमेसर के महिमा बर
करव।
32 तुमन काकरो पाप म गिरे के कारन झन बनव, चाहे ओह यहूदी होवय या यूनानी होवय या परमेसर के
कलीसिया।
33 जऊन कुछू मेंह करथंव, ओकर दुवारा मेंह हर एक मनखे ला खुस रखे के कोसिस करथंव। काबरकि मेंह
अपन खुद के भलई नइं, पर बहुंते झन के भलई ला देखथंव कि ओमन उद्धार पावंय।

11

1 मोर चालचलन के नकल करव, जइसने मेंह मसीह के चालचलन के नकल करथंव।

[illegible]

2 मेंह तुम्हर परसंसा करत हंव काबरकि तुमन हर एक बात म मोला सुरता करथव अऊ जऊन सिकछा मेंह
तुमन ला देय रहेंव, ओकर मुताबिक चलथव।
3 अब मेंह चाहथंव कि तुमन ये बात ला जान लेवव कि हर आदमी के मुड़ मसीह ए, अऊ माईलोगन के मुड़ ह
ओकर घरवाला ए अऊ मसीह के मुड़ ह परमेसर ए।
4 ओ मनखे जऊन ह अपन मुड़ ला ढांकके पराथना या अगमबानी करथे, ओह अपन मुड़ के अपमान करथे।
5 अऊ ओ माईलोगन जऊन ह अपन मुड़ ला बिगर ढांके पराथना या अगमबानी करथे, ओह अपन मुड़ के
अपमान करथे—ये बात ह अइसने अय मानो ओह अपन बाल ला मुड़वा ले हवय।

† **10:26** भजन 24:1

6 यदि कोनो माईलोगन अपन मुड़ ला नइं ढांकय, त ओला अपन मुड़ ला मुड़वा लेना चाही; अऊ यदि
माईलोगन बर ओकर बाल कटई या बाल मुड़वई कलंक के बात ए, त ओला अपन मुड़ ढांकना चाही।
7 आदमी ला अपन मुड़ नइं ढांकना चाही, काबरकि ओह परमेसर के सरूप अऊ महिमा ए, पर माईलोगन ह
आदमी के महिमा ए।
8 आदमी ह माईलोगन ले बनाय नइं गीस, पर माईलोगन ह आदमी ले बनाय गीस;
9 अऊ आदमी ह माईलोगन बर बनाय नइं गीस, पर माईलोगन ह आदमी बर बनाय गीस।
10 एकरे कारन, अऊ स्वरगदूतमन के कारन, माईलोगन ला अपन मुड़ म अधिकार के चिनहां होना चाही।
11 तभो ले परभू म न तो माईलोगन ह आदमी ले अलग अय अऊ न ही आदमी ह माईलोगन ले अलग अय।
12 काबरकि जइसने माईलोगन ह आदमी ले बनाय गीस, वइसने आदमी ह घलो माईलोगन ले जनमे हवय।
पर हर चीज परमेसर करा ले आथे।
13 तुमन खुदे फैसला करव: का कोनो माईलोगन बर येह उचित ए कि ओह बिगर मुड़ ढांके परमेसर ले
पराथना करय?
14 सुभाविक रूप ले का तुमन नइं जानव कि यदि कोनो आदमी ह लम्बा बाल रखथे, त येह ओकर बर कलंक
के बात ए,
15 पर यदि कोनो माईलोगन ह लम्बा बाल रखथे, त येह ओकर सोभा ए? काबरकि लम्बा बाल, ओला ढांके
बर दिये गे हवय।
16 यदि कोनो एकर बारे म बहस करे चाहथे, त मेंह सिरिप ये कह सकथंव कि न तो हमर अऊ न ही परमेसर के
कलीसियामन के कोनो आने रीति-रिवाज हवय।

[illegible]

17 अब जऊन बात मेंह तुमन ला लिखत हवंव, ओमा मेंह तुम्हर बड़ई नइं करंव, काबरकि कलीसिया के सभा
म तुमन जूरथव, त भलई करे के बदले जादा नुकसान करथव।
18 पहिली बात, मेंह ये सुने हवंव कि जब तुमन एक कलीसिया के रूप म जूरथव, त तुम्हर बीच म दलबंदी
दिखथे; अऊ मेंह ये बात ला कुछू हद तक बिसवास घलो करथंव।
19 येह जरूरी ए कि तुमन म दलबंदी होवय ताकि तुमन के बीच म जऊन मन सही अंय, ओमन के पहिचान
होवय।
20 जब तुमन एक संग जूरथव अऊ जऊन चीज ला खाथव, ओह परभू भोज नो हय,
21 काबरकि हर मनखे ह दूसर ला अगोरे बिगर खा लेथे। कोनो तो भूखन रही जाथे अऊ कोनो मतवार हो
जाथे।
22 खाय-पीये बर का तुम्हर घर नइं ए? या फेर तुमन परमेसर के कलीसिया ला तुछ समझथव अऊ जऊन
मन करा कुछू नइं ए, ओमन के अपमान करथव। मेंह तुमन ला का कहंव? ये बात बर का मेंह तुम्हर बड़ई करंव?
बिलकुल नइं।
23 काबरकि जऊन बात परभू ह मोला बताईस, ओला मेंह तुमन ला घलो बता देंव: जऊन रथिया परभू यीसू
ला पकड़े गीस, ओ रथिया ओह रोटी लीस
24 अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओला टोरिस अऊ कहिस, "येह मोर देहें अय, जऊन ह तुम्हर बर अय। मोर
सुरता म एही करे करव।"
25 खाना खाय के बाद, ओही किसम ले परभू ह कटोरा ला लीस अऊ कहिस, "ये कटोरा ह मोर लहू म नवां
करार ए; जब कभू तुमन येला पीयव, त ये काम ला मोर सुरता म करे करव।"
26 काबरकि जब कभू तुमन ये रोटी ला खाथव अऊ ये कटोरा म ले पीथव, त तुमन परभू के मिरतू के परचार
तब तक करथव, जब तक कि ओह फेर नइं आ जावय।
27 एकरसेति, जऊन ह गलत ढंग ले परभू के रोटी ला खाथे या ओकर कटोरा म ले पीथे, त ओह परभू के देहें
अऊ लहू के बिरोध म पाप करे के दोसी ठहिरथे।
28 एकरसेति, हर एक झन रोटी ला खाय अऊ कटोरा म ले पीये के पहिली अपनआप ला जांचय।
29 काबरकि जऊन ह परभू के देहें के महत्व ला समझे बिगर, रोटी ला खाथे अऊ कटोरा म ले पीथे, ओह
अपन ऊपर दंड लाथे।

30 एकरे कारन तुमन ले कतको झन दुरबल अऊ बेमार पड़े हवंय अऊ कतको झन तो मर घलो गे हवंय।
31 पर यदि हमन अपनआप ला जांचबो, त हमन सजा के भागी नइं होबो।
32 जब परभू ह हमन ला जांचथे-परखथे, त ओह हमर ताड़ना करथे ताकि हमन संसार के मनखेमन संग दोसी झन ठहिरन।
33 एकरसेति, हे मोर भाईमन हो, जब तुमन परभू भोज खाय बर जूरथव, त एक-दूसर खातिर अगोरव।
34 यदि कोनो ला भूख लगथे, त ओला घर म खा लेना चाही, ताकि जब तुमन जूरव, त ये बात ह दंड के कारन झन बनय।
अऊ जब मेंह आहूं, त अऊ आने चीजमन के बारे म बताहूं।

12

[illegible]

1 हे भाईमन हो, मेंह चाहथंव कि तुमन ओ बरदानमन के बारे म जानव, जऊन ला पबितर आतमा देथे।
2 तुमन जानथव कि जब तुमन आनजात रहेव, त कोनो न कोनो किसम ले तुमन मूरतीमन के परभाव म रहेव अऊ ओमन के पाछू चलत रहेव, जऊन मन कि गोठियाय नइं सकंय।
3 एकरसेति, तुमन ये बात ला जान लेवव कि जऊन ह परमेसर के आतमा म होके गोठियाथे, ओह ये नइं कहय, "यीसू ह सरापित ए।" अऊ पबितर आतमा के अगुवई के बिगर कोनो ये नइं कह सकय, "यीसू ह परभू ए।"
4 कतको किसम के आतमिक बरदान हवय, पर एकेच पबितर आतमा हवय, जऊन ह ये बरदान देथे।
5 कतको किसम के सेवा हवय, पर एकेच परभू ए, जेकर सेवा हमन करथन।
6 काम करे के कतको तरीका हवय, पर एकेच परमेसर ह जम्मो काम ला करे के काबिल जम्मो मनखेमन ला बनाथे।
7 हर एक मनखे ला जम्मो के भलई करे बर पबितर आतमा के बरदान दिये जाथे।
8 एक झन ला पबितर आतमा ह बुद्धि के बात देथे, त ओहीच आतमा ह दूसर ला गियान के बात देथे।
9 कोनो ला ओहीच आतमा ह बिसवास, त कोनो ला ओहीच आतमा ले चंगा करे के बरदान मिलथे।
10 कोनो ला चमतकार के काम करे के, त कोनो ला अगमबानी करे के, त कोनो ला आतमामन ला परखे के, त कोनो ला अनजान भासा म गोठियाय के अऊ कोनो ला अनजान भासामन के अनुवाद करे के बरदान मिलथे।
11 ये जम्मो काम ला एकेच अऊ ओहीच पबितर आतमा ह करथे अऊ ओह जइसने चाहथे, वइसने हर एक मनखे ला ये बरदान बांट देथे।

[illegible]

12 जइसने कि देहें ह एक अय अऊ एकर बहुंते अंग हवंय, अऊ ये जम्मो अंग मिलके एकेच देहें बनथे। वइसनेच बात, मसीह के संग घलो अय।
13 काबरकि हमन जम्मो झन ला एकेच पबितर आतमा के दुवारा, एकेच देहें होय बर बतिसमा मिलिस—चाहे ओमन यहूदी होवंय या यूनानी, चाहे गुलाम होवंय या सुतंतर मनखे; हमन जम्मो झन ला ओहीच पबितर आतमा दिये गे हवय।
14 देहें ह एक अंग ले नइं, फेर बहुंते अंग ले मिलके बने हवय।
15 कहूं गोड़ ह कहय, "मेंह हांथ नो हंव, एकरसेति मेंह देहें के नो हंव," त एकर मतलब ये नइं होवय कि गोड़ ह देहें ले अलग हो जाथे।
16 अऊ कहूं कान ह कहय, "मेंह आंखी नो हंव, एकरसेति मेंह देहें के नो हंव," त एकर मतलब ये नइं होवय कि कान ह देहें ले अलग हो जाथे।
17 कहूं जम्मो देहें ह एक ठन आंखी होतिस, त सुने के काम कइसने होतिस? यदि जम्मो देहें ह एक ठन कान होतिस, त फेर सुंघे के काम कइसने होतिस?
18 पर परमेसर ह जइसने उचित समझिस, वइसने हर अलग-अलग अंग ला देहें म रखिस।
19 कहूं ये जम्मो ह एके ठन अंग होतिस, त फेर देहें ह कहां होतिस?
20 पर जइसने कि येह हवय, अंग तो बहुंते हवंय, पर देहें ह एक अय।

21 आंखी ह हांथ ला नइं कहे सकय, “मोला तोर जरूरत नइं ए।” अऊ मुड़ ह गोड़ ला नइं कहे सकय, “मोला
तोर जरूरत नइं ए।”
22 एकर उल्टा, देहें के जऊन अंगमन आने ले कमजोर दिखथें, ओमन बहुंत जरूरी अंय,
23 अऊ जऊन अंगमन ला हमन कम महत्व के समझथन, ओमन ला हमन जादा महत्व देथन। अऊ देहें के
जऊन अंगमन जादा बने नइं दिखंय, हमन ओमन ला जादा धियान देथन,
24 जबकि हमर देहें के सुघर अंगमन ला जादा धियान देके जरूरत नइं ए। पर परमेसर ह देहें के अंगमन ला
एक संग जोड़े हवय, अऊ जऊन अंगमन कम महत्व के रिहिन, ओमन ला ओह जादा महत्व दे हवय,
25 ताकि देहें के अंगमन म फूट झन पड़य, पर एकर अंगमन एक-दूसर बर बरोबर चिंता करंय।
26 कहूं एक अंग ह दुख पाथे, त ओकर संग जम्मो अंगमन दुख पाथें; अऊ कहूं एक अंग के बड़ई होथे, त
जम्मो अंगमन ओकर संग खुसी मनाथें।
27 अब तुमन मसीह के देहें अव, अऊ तुमन के हर एक एकर अंग अय।
28 अऊ परमेसर ह कलीसिया म अलग-अलग मनखेमन ला ठहिराय हवय: पहिली प्रेरितमन ला, दूसरा
अगमजानीमन ला, तीसरा गुरूमन, तब चमतकार के काम करइयामन, तब ओमन ला, जऊन मन करा चंगा करे
के बरदान हवय, अऊ आने के मदद करइयामन, अऊ तब ओमन ला, जऊन मन ला सासन-परबंध करे के बरदान
हवय अऊ आखिरी म नाना किसम के भासा बोलइयामन।
29 का जम्मो झन प्रेरित अंय? का जम्मो झन अगमजानी अंय? का जम्मो झन गुरू अंय? का जम्मो झन
चमतकार के काम करथें?
30 का जम्मो झन करा चंगा करे के बरदान हवय? का जम्मो झन नाना किसम के भासा म गोठियाथें? का
जम्मो झन नाना किसम के भासा के अनुवाद करथें?
31 पर तुमन बड़े ले बड़े बरदान पाय के धुन म रहव।
पर अब मेंह तुमन ला सबले उत्तम बात बतावत हंव।

13

???

1 कहूं मेंह मनखेमन अऊ स्वरगदूतमन के भासा म गोठियावंव, पर मया नइं रखंव, त मेंह सिरिप टनटनावत
घंटा या फेर झनझनावत झांझ सहीं अंव।
2 कहूं मोर करा अगमबानी करे के बरदान हवय, अऊ मेंह जम्मो भेद अऊ जम्मो गियान के बात ला
समझथंव, अऊ कहूं मोला इहां तक बिसवास हवय कि मेंह पहाड़मन ला घलो हटा सकथंव; पर मया नइं रखंव,
त मेंह कुछूच नो हंव।
3 कहूं मेंह अपन जम्मो संपत्ति गरीबमन ला बांट देवंव अऊ अपन देहें ला जलाय बर दे दंव; पर मया नइं
रखंव, त मोला कुछू फायदा नइं।
4 मया ह धीरज धरथे अऊ येह दयालु ए। मया ह जलन नइं रखय, येह डींग नइं मारय, अऊ येह घमंड नइं
करय।
5 मया ह खराप बरताव नइं करय; येह अपन खुद के भलई नइं देखय, येह जल्दी गुस्सा नइं होवय; येह काकरो
बात के बुरा नइं मानय।
6 मया ह कुकरम ले खुस नइं होवय, पर सच बात ले खुस होथे।
7 मया ह जम्मो बात ला सह लेथे, जम्मो बात ऊपर बिसवास करथे, जम्मो बात के आसा रखथे अऊ जम्मो
बात म धीरज धरे रहिथे।
8 मया ह कभू खतम नइं होवय। अगमबानी बंद हो जाही; आने-आने भासा म गोठियाई बंद हो जाही; गियान
ह खतम हो जाही।
9 काबरकि हमर गियान ह अधूरा हवय अऊ हमर अगमबानी ह अधूरा हवय,
10 पर जब सर्वसिद्ध आही, त अधूरापन ह मिट जाही।
11 जब मेंह लइका रहेंव, त लइकामन सहीं गोठियावत रहेंव, लइकामन सहीं सोचत रहेंव, अऊ मोर समझ ह
लइकामन सहीं रिहिस। पर जब मेंह सियाना हो गेंव, त मेंह लइकापन के बात ला छोंड़ देंव।

12 अभी हमन ला दरपन म धुंधला दिखथे, पर बाद म हमन आमने-सामने देखबो। अभी मेंह पूरा नइं जानत
हंव, पर बाद म मेंह पूरा जानहूं, जइसने कि परमेसर ह मोला पूरा जान गे हवय।
13 पर अब ये तीनों बचे हवंय: बिसवास, आसा अऊ मया। पर ये तीनों म सबले बड़े मया ए।

14

[illegible]

1 मया म चलव अऊ आतमिक बरदानमन के धुन म रहव, खास करके अगमबानी करे के बरदान पाय के धुन म
रहव।
2 कहूं कोनो अनजान भासा म बोलथे, त ओह मनखेमन ले नइं, पर परमेसर ले गोठियाथे, काबरकि ओकर बात
ला कोनो नइं समझंय; ओह अपन आतमा म भेद के बात गोठियाथे।
3 पर जऊन ह अगमबानी करथे, ओह मनखेमन ले ओमन के उन्नति, उत्साह अऊ सांति के बात करथे।
4 जऊन ह अनजान भासा म गोठियाथे, ओह अपन खुद के मदद करथे, पर जऊन ह अगमबानी करथे, ओह
कलीसिया के उन्नति म मदद करथे।
5 मेंह चाहथंव कि तुमन जम्मो झन अनजान भासा म गोठियावव, पर ओकर ले घलो जादा मेंह ये चाहथंव
कि तुमन अगमबानी करव। काबरकि जऊन ह अनजान भासा म गोठियाथे, यदि ओह कलीसिया के उन्नति बर
अनुवाद नइं करय, त फेर अगमबानी करइया के महत्व ओकर ले बढ़के अय।
6 एकरसेति, हे भाईमन हो, कहूं मेंह तुम्हर करा आके अनजान भासामन म गोठियावंव, अऊ तुम्हर ले नवां
बात, या गियान या अगमबानी या उपदेस के बात नइं करंव, त फेर मोर ले तुमन ला का फायदा होही?
7 एहीच किसम ले ओ निरजीव बाजामन, जेमन ले अवाज निकलथे, जइसने कि बांसुरी या बीना; यदि येमन
के स्वर म फरक नइं ए, त कोनो कइसने जानही कि का बाजा ह बजत हवय?
8 अऊ यदि बिगुल के अवाज ह साफ सुनई नइं देवय, त फेर कोन ह लड़ई बर तियार होही?
9 वइसनेच बात, तुम्हर संग घलो अय। यदि तुमन साफ-साफ बात नइं कहिथव, त फेर कोनो कइसने जानही
कि तुमन का गोठियावत हव? तुमन तो हवा ले बात करइया होहू।
10 संसार म कतको किसम के भासा हवय; पर ओमा के कोनो घलो भासा बिगर अर्थ के नइं ए।
11 यदि कोनो गोठियावत हवय अऊ मेंह ओकर भासा ला नइं समझत हवंव, त मेंह ओकर नजर म परदेसी
ठहिरहूं अऊ ओह मोर नजर म परदेसी ठहिरही।
12 वइसनेच बात तुम्हर संग घलो अय। जब तुमन आतमिक बरदान के धुन म हवव, त ये कोसिस करव कि ये
बरदानमन के जादा से जादा उपयोग कलीसिया के उन्नति बर होवय।
13 एकरे कारन, जऊन मनखे ह अनजान भासा बोलथे, त ओला पराथना करना चाही कि ओह ओ भासा के
अर्थ घलो बता सकय।
14 काबरकि यदि मेंह अनजान भासा म पराथना करथंव, त मोर आतमा ह पराथना करथे, पर मोर बुद्धि के
येमा कोनो काम नइं ए।
15 तब मोला का करना चाही? मेंह अपन आतमा ले पराथना करहूं, पर मेंह अपन समझ ले घलो पराथना
करहूं; मेंह अपन आतमा ले गीत गाहूं, पर मेंह अपन समझ ले घलो गीत गाहूं।
16 यदि तुमन अपन आतमा म परमेसर के इस्तुति करत हव, त जऊन ह तुम्हर भासा ला नइं समझय, ओह
तुम्हर धनबाद के बात म कइसने "आमीन" कहिही, काबरकि ओह नइं जानय कि तुमन का कहत हवव?
17 तुमन तो परमेसर ला बने करके धनबाद देवत होहू, पर एकर ले आने मनखे ला कोनो फायदा नइं होवय।
18 मेंह परमेसर के धनबाद करथंव कि मेंह तुमन जम्मो झन ले अधिक अनजान भासामन म गोठियाथंव।
19 पर कलीसिया म, अनजान भासा म दस हजार सबद कहे के बदले, आने मन ला सिखोय बर, मेंह समझ म
अवइया पांच सबद कहना जादा बने समझथंव।
20 हे भाईमन हो, अपन सोच-समझ म, लइकामन सहीं झन बनव। बुरई के बात म छोटे लइका सहीं बने
रहव, पर अपन सोच-समझ म सियान बनव।
21 मूसा के कानून म लिखे हवय:
"परभू ह कहिथे,

‘अनजान भासा बोलइया मनखे के जरिये
अऊ परदेसी मनखेमन के जरिये
मेंह ये मनखेमन ले गोठियाहूं,
तभो ले ओमन मोर नइं सुनहीं।’ ”*

22 अनजान भासा ह बिसवासीमन बर नइं, पर अबिसवासीमन बर एक चिनहां अय, जबकि अगमबानी ह
अबिसवासीमन बर नइं, पर बिसवासीमन बर चिनहां ए।
23 एकरसेति कहूं जम्मो कलीसिया एक जगह जूरथे अऊ हर एक जन अनजान भासा म गोठियाय लगथे; तब
कहूं कुछू बाहिर के मनखे या फेर कुछू अबिसवासी मनखे उहां आथें, त का ओमन ये नइं कहिहीं कि तुम्हर
दिमाग ह खराप हो गे हवय?
24 पर यदि जम्मो झन अगमबानी करे लगंय अऊ कोनो अबिसवासी या फेर कोनो बाहिर के मनखे उहां आ
जावय, त उहां जऊन कुछू सुनथे, ओकर दुवारा ओला बिसवास हो जाही कि ओह एक पापी मनखे ए, अऊ
जऊन कुछू ओह सुनथे, ओकर दुवारा ओह परखे जाही,
25 अऊ ओकर मन के भेद ह खुल जाही। तब ओह माड़ी के भार गिरके परमेसर के अराधना करही अऊ
चिचियाके कहिही, “परमेसर ह सही म तुम्हर बीच म हवय।”

[illegible]

26 हे भाईमन हो, तब हमन ला का करना चाही? जब तुमन एक जगह म जूरथव, त हर एक जन करा एक
भजन या निरदेस, परमेसर के बात के परकासन, अनजान भासा या अनजान भासा के अर्थ बताय के गुन रहिथे।
ये जम्मो चीज कलीसिया के बढ़ोतरी बर होना चाही।
27 यदि कोनो अनजान भासा म गोठियाथे, त दू झन या जादा से जादा तीन झन एक-एक करके बोलंय, अऊ
कोनो एक झन ओकर अर्थ ला जरूर बतावय।
28 यदि कोनो अर्थ बतइया नइं ए, त अनजान भासा म बात करइया ला कलीसिया म चुप रहना चाही, अऊ
ओला अपनआप ले अऊ परमेसर ले बात करना चाही।
29 अगमजानीमन के दू या तीन झन बोलंय अऊ आने मन ओमन के बात ला परखें।
30 अऊ जऊन मन उहां बईठे हवंय, यदि ओमा के कोनो ला परमेसर ले कोनो संदेस मिलथे, त जऊन ह
गोठियावत हवय, ओह चुप हो जावय।
31 काबरकि तुमन जम्मो झन एक-एक करके अगमबानी कर सकथव ताकि हर एक जन ह सीखय अऊ
उत्साहित होवय।
32 अगमजानीमन के आतमा ला अगमजानीमन के अधीन रहना चाही।
33 काबरकि परमेसर ह गड़बड़ी के परमेसर नो हय, पर सांति के परमेसर अय, जइसने कि पबितर मनखेमन के
जम्मो कलीसिया म हवय।
34 माईलोगनमन ला कलीसिया म चुप रहना चाही। ओमन ला बोले के अनुमति नइं ए, पर ओमन अधीन म
रहंय जइसने कि मूसा के कानून म लिखे हवय।
35 यदि ओमन कुछू चीज के बारे म जाने बर चाहथें, त ओमन ला घर म अपन-अपन घरवाला ले पुछना
चाही; काबरकि कलीसिया म एक माईलोगन के गोठियाना सरम के बात ए।
36 का परमेसर के बचन ह तुमन ले सुरू होईस? या परमेसर के बचन ह का सिरिप तुम्हर करा ही हबरिस?
37 यदि कोनो ये सोचथे कि ओह एक अगमजानी ए या फेर ओला पबितर आतमा ले बरदान मिले हवय, त
ओह ये बात ला मान ले कि जऊन कुछू मेंह तुमन ला लिखत हवंव, ओह परभू के हुकूम ए।
38 कहूं ओह ये बात ला धियान नइं देवय, त ओकर कोति घलो धियान नइं दिये जाही।
39 एकरसेति, हे मोर भाईमन हो, अगमबानी करे बर उत्सुक रहव, अऊ जऊन ह अनजान भासा म गोठियाथे,
ओला मना झन करव।
40 पर हर एक चीज उचित ढंग अऊ तरीका ले करे जावय।

---

* **14:21** यसा 28:11, 12

15

[illegible]

1 अब हे भाईमन हो, मेंह तुमन ला ओ सुघर संदेस के सुरता कराय चाहथंव, जऊन ला मेंह तुमन ला सुनाय
हवंव, जेला तुमन गरहन करेव अऊ जेकर ऊपर तुम्हर बिसवास ह मजबूत हवय।
2 एहीच सुघर संदेस ह तुम्हर उद्धार करथे, यदि तुमन ओ बचन म अटल बने रहव, जऊन ला मेंह तुमन ला
सुनाय हवंव। नइं तो तुम्हर बिसवास करई ह बेकार होही।
3 एकरे कारन जऊन बात मोला मिलिस, ओला सबले जादा महत्व के बात समझके, मेंह तुमन ला सऊंप देंव,
अऊ ओह ये अय—परमेसर के बचन के मुताबिक मसीह ह हमर पाप खातिर मरिस
4 अऊ गाड़े गीस, अऊ परमेसर के बचन के मुताबिक, ओह तीसरा दिन जी उठिस,
5 अऊ ओह कैफा ला दिखाई दीस अऊ तब ओह बारहों चेलामन करा परगट होईस।
6 ओकर बाद, ओह पांच सौ ले जादा भाईमन ला एक संग दिखाई दीस, जऊन म ले कतको झन अभी घलो
जीयत हवंय, पर कुछू झन मर चुके हवंय।
7 तब ओह याकूब ला दिखाई दीस, अऊ तब जम्मो प्रेरितमन ला दिखिस
8 अऊ सबले आखिरी म ओह मोला घलो दिखाई दीस, जइसने कि मेंह असामान्य रूप म जनमे हवंव।
9 मेंह प्रेरितमन म सबले छोटे अंव, अऊ प्रेरित कहाय के लईक घलो नो हंव, काबरकि मेंह परमेसर के
कलीसिया ला दुख दे हवंव।
10 पर मेंह जऊन कुछू घलो अंव, परमेसर के अनुग्रह के कारन से अंव, अऊ ओकर अनुग्रह मोर म बेकार नइं
गीस। एकर उल्टा, मेंह ओ जम्मो झन ले जादा मेहनत करेंव, पर येह मोर खुद के ताकत ले नइं, पर परमेसर के
अनुग्रह ले होईस, जऊन ह मोला दिये गे रिहिस।
11 तब, चाहे येह मेंह अंव या ओमन, ओहीच बात के हमन परचार करथन अऊ ओहीच बात म तुमन बिसवास
करे हवव।

[illegible]

12 अब जबकि ये परचार करे जावथे कि मसीह ह मरे म ले जी उठिस, तब तुमन ले कुछू झन कइसने कहिथव
कि मरे मनखेमन फेर नइं जी उठंय?
13 कहूं मरे मनखेमन नइं जी उठंय, त फेर मसीह घलो जी नइं उठिस।
14 अऊ कहूं मसीह ह नइं जी उठिस, त फेर हमर परचार करई ह बेकार ए, अऊ तुम्हर बिसवास ह घलो बेकार
ए।
15 यदि येह सच ए कि मरे मनखेमन जी नइं उठंय, त फेर परमेसर ह मसीह ला मरे म ले नइं जियाईस अऊ
तब परमेसर के बारे म हमर गवाही ह लबारी हो गीस, काबरकि हमन परमेसर के बारे म ए गवाही दे हवन कि
ओह मसीह ला मरे म ले जियाईस।
16 अऊ कहूं मरे मनखेमन नइं जी उठंय, त फेर मसीह घलो जी नइं उठिस।
17 अऊ कहूं मसीह ह नइं जी उठिस, त फेर तुम्हर बिसवास ह बिन मतलब के ए, अऊ तुमन अभी तक अपन
पाप म पड़े हवव।
18 एकर मतलब ये घलो होईस कि जऊन मन मसीह म मरे हवंय, ओमन घलो नास हो गीन।
19 कहूं सिरिप एहीच जिनगी बर हमर आसा मसीह म हवय, तब हमन ला आने जम्मो मनखेमन ले जादा दया
के जरूरत हवय।
20 पर येह सच बात अय कि मसीह ह मरे म ले जी उठिस, अऊ ओह ओमन म पहिला फर ए, जऊन मन मर
गे हवंय।
21 जइसने मिरतू ह एक मनखे के दुवारा आईस, वइसनेच मरे मनखेमन के जी उठई ह घलो एक मनखे के
दुवारा आईस।
22 जइसने आदम म जम्मो मनखे मरथें, वइसनेच मसीह म जम्मो झन जियाय जाहीं।
23 पर हर एक झन अपन-अपन पारी म जियाय जाही; मसीह जऊन ह पहिली जियाय गीस, जब ओह वापिस
आही, त ओमन जियाय जाहीं, जऊन मन मसीह के अंय।

24 अऊ जब मसीह ह सैतान के जम्मो राज, अधिकार अऊ सक्ति ला नास कर चुकही, त ओह ओ राज ला
परमेसर ददा के हांथ म सऊंप दीही, तब संसार के अन्त हो जाही।
25 काबरकि जब तक परमेसर ह जम्मो बईरीमन ला ओकर गोड़ खाल्हे नइं कर दीही, तब तक मसीह के राज
करना जरूरी ए।
26 सबले आखिरी बईरी, जऊन ला नास करे जाही, ओह मिरतू ए।
27 परमेसर के बचन ह कहिथे, "परमेसर ह हर एक चीज ला ओकर गोड़ खाल्हे कर दीस।"* हर एक चीज ला
ओकर अधीन करे गीस, एकर मतलब ह साफ ए कि ये "हर एक चीज" म परमेसर खुद नइं गने जावय, जऊन ह
जम्मो चीज ला मसीह के अधीन करिस।
28 जब परमेसर ह ये जम्मो कर चुकही, तब बेटा ह खुदे परमेसर के अधीन हो जाही, जऊन ह कि जम्मो चीज
ला बेटा के अधीन करिस, ताकि परमेसर ह जम्मो चीज के ऊपर होवय।
29 यदि मरे मनखेमन नइं जी उठंय, तब ओमन का करहीं, जऊन मन मरे मनखे खातिर बतिसमा लेथें? यदि
मरे मनखेमन बिलकुल ही नइं जियाय जावंय, तब मनखेमन काबर ओमन बर बतिसमा लेथें।
30 अऊ हमन काबर हर समय अपनआप ला जोखिम म डारथन?
31 मेंह हर दिन मिरतू के सामना करथंव—हे भाईमन हो, मेंह दावा के संग कह सकथंव कि तुमन हमर परभू
मसीह यीसू म मोर घमंड अव।
32 यदि सिरिप मनखे के सोच के कारन, मेंह इफिसुस नगर म जंगली पसुमन ले लड़ेंव, त फेर मोला का फायदा
होईस? यदि मरे मन नइं जियाय जावंय,
"त आवव, हमन खावन अऊ पीयन,
काबरकि कल तो हमन ला मरना हे।"†
33 धोखा झन खावव: "खराप संगति ह बने चालचलन ला नास कर देथे।"
34 अपन होस म आवव, अऊ अपन पाप के काम ला बंद करव; काबरकि कुछू अइसने मनखे हवंय, जऊन मन
परमेसर ला नइं जानंय। मेंह ये बात तुम्हर सरम खातिर कहत हंव।

[illegible]

35 पर कोनो ये बात पुछ सकथे, "मरे मनखेमन कइसने जी उठथें? ओमन के देहें ह कइसने ढंग के होही?"
36 तुमन मुरूख अव! जऊन बीजा ला तुमन बोथव, जब तक ओह मर नइं जावय, तब तक ओह नइं जामय।
37 जब तुमन बोथव, त सइघो पऊधा ला नइं बोवव, पर सिरिप बीजा ला बोथव—जइसने कि गहूं के बीजा
या कोनो अऊ बीजा।
38 पर परमेसर ह अपन ईछा के मुताबिक ओला आकार देथे, अऊ हर किसम के बीजा ला ओह ओ बीजा के
मुताबिक आकार देथे।
39 जम्मो के देहें ह एक जइसने नइं होवय—मनखे, पसु, चिरई या मछरी; ये जम्मो के अलग-अलग किसम के
देहें होथे।
40 स्वरगीय देहें होथे, अऊ संसारिक देहें घलो हवय, पर स्वरगीय देहें के सोभा ह एक किसम के होथे, त
संसारिक देहें के सोभा कुछू अऊ किसम के।
41 सूरज के सोभा एक किसम के हवय, त चंदा के सोभा आने किसम के, अऊ तारामन के कुछू अऊ किसम के
हवय। अऊ हर तारा के सोभा अलग-अलग होथे।
42 अइसनेच मरे म ले जी उठइयामन के संग होही। जऊन देहें ला बोय जाथे, ओह नासमान ए, पर येह
अबिनासी दसा म जी उठथे।
43 येह अनादर म बोय जाथे, पर येह महिमा के संग जी उठही। येह दुरबलता म बोय जाथे, पर येह सामर्थ के
संग जी उठही।
44 येह सारीरिक देहें के रूप म बोय जाथे, पर येह एक आतमिक देहें के रूप म जी उठही।
जब सारीरिक देहें हवय, त फेर आतमिक देहें घलो हवय।
45 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: "पहिला मनखे आदम ह एक जीयत परानी बन गीस", पर
आखिरी आदम ह जिनगी देवइया आतमा बनिस।

---

* **15:27** भजन 8:6 † **15:32** यसा 22:13

46 आतमिक ह पहिले नइं आईस, पर सारीरिक ह पहिले आईस, अऊ तब आतमिक ह आईस।
47 पहिला मनखे ह धरती के धुर्रा म ले बनाय गीस, पर दूसरा मनखे ह स्वरग ले आईस।
48 जऊन मन धरती के अंय, ओमन ओकर सहीं अंय जऊन ह धरती म ले बनाय गे रिहिस, पर जऊन मन
स्वरग के अंय, ओमन ओकर सहीं अंय जऊन ह स्वरग ले आईस।
49 जइसने हमन धरती के मनखे के रूप ला धारन करे हवन, वइसने हमन ओ स्वरग के मनखे के रूप ला घलो
धारन करबो।
50 हे भाईमन हो, मेंह तुमन ला ये बात बतावत हंव; जऊन ह मांस अऊ लहू के बने हवय, ओह परमेसर के
राज के भागी नइं हो सकय, अऊ न ही नासमान ह अमरता ला पा सकथे।
51 सुनव, मेंह तुमन ला एक भेद के बात बतावत हंव: हमन जम्मो झन नइं मरन, पर हमन जम्मो झन बदल
जाबो,
52 अऊ येह एक पल म, पलक झपकत, आखिरी तुरही फूंकते ही हो जाही। काबरकि जब तुरही ह फूंके जाही,
त मरे मनखेमन अबिनासी रूप म जी उठहीं अऊ हमन बदल जाबो।
53 काबरकि ये जरूरी अय कि ये नासमान सुभाव ह अबिनासी सुभाव ला पहिर ले अऊ ये मरनहार सुभाव ह
अमरता ला पहिर ले।
54 जब नासमान ह अबिनासी ला अऊ मरनहार ह अमरता ला पहिर लीही, तब परमेसर के बचन म लिखे ये
बात ह सही होही: "मिरतू ला नास करे गीस, अऊ जीत ह पूरा होईस।"‡
55 "हे मिरतू, तोर जीत कहां हवय?
हे मिरतू, तोर डंक कहां हवय?"§
56 मिरतू के डंक तो पाप ए, अऊ पाप के ताकत मूसा के कानून ए।
57 पर परमेसर के धनबाद होवय! ओह हमन ला हमर परभू यीसू मसीह के दुवारा जीतवाथे।
58 एकरसेति, हे मोर मयारू भाईमन हो, मजबूत अऊ अटल रहव। परभू के काम बर अपनआप ला हमेसा पूरा
दे दव, काबरकि तुमन जानथव कि जऊन मेहनत तुमन परभू बर करथव, ओह बेकार नइं होवय।

16

[illegible]

1 अब ओ दान के बारे म बतावत हवंव, जऊन ला परमेसर के मनखेमन बर दिये जाथे—एकर बारे म जऊन
बात मेंह गलातिया के कलीसियामन ला करे बर कहे हवंव, तुमन घलो वइसनेच करव।
2 हर हप्ता के पहिली दिन, तुमन ले हर एक झन अपन कमई के मुताबिक कुछू पईसा अलग रखव, अऊ येला
बचाके रखव, ताकि जब मेंह आवंव, त तुमन ला पईसा जमा करना झन पड़य।
3 अऊ जब मेंह आहूं, त जऊन मन ला तुमन चुनहू, ओमन ला मेंह परिचय के चिट्ठी दे दूहूं, ताकि ओमन
तुम्हर दान ला यरूसलेम पहुंचा देवंय।
4 यदि ये उचित जान पड़ही कि मेंह घलो जावंव, त ओमन मोर संग जाहीं।

[illegible]

5 मकिदुनिया ले होवत, मेंह तुम्हर करा आहूं काबरकि मेंह मकिदुनिया होवत जाहूं।
6 सायद मेंह तुम्हर संग कुछू समय तक ठहिरहूं, अऊ हो सकय, त मेंह जाड़ा के समय म तुम्हर संग रहंव,
ताकि जिहां भी मेंह जावंव, तुमन मोर आघू के यातरा म मदद कर सकव।
7 अभी मेंह नइं चाहथंव कि मेंह आवंव अऊ सिरिप तुमन ला देखके चल दंव। मोला आसा हवय कि यदि परभू
के ईछा होही, त मेंह कुछू समय तक तुम्हर संग रहिहूं।
8 पर मेंह पिनतेकुस्त के तिहार तक इफिसुस म रहिहूं।
9 काबरकि परभू के काम करे बर, मोला एक बहुंत अछा मऊका मिले हवय अऊ मोर बिरोध करइया कतको
हवंय।
10 कहूं तीमुथियुस तुम्हर करा आथे, त तुमन ये बात के खियाल रखव कि तुम्हर संग रहत ओला कोनो बात के
चिंता झन होवय, काबरकि ओह घलो मोर सहीं परभू के काम करत हवय।

‡ **15:54** यसा 25:8 § **15:55** होसे 13:14

11 एकरसेति कोनो ओला तुछ झन समझय। ओला सांति के संग बिदा करव, ताकि ओह मोर करा वापिस
आवय। काबरकि मेंह ओकर बाट जोहत हवंव कि ओह आने भाईमन संग आही।
12 अब हमर भाई अपुल्लोस के बारे म: मेंह ओकर ले अब्बड़ बिनती करेंव कि ओह भाईमन के संग तुम्हर करा
जावय। ओह अभी बिलकुल नइं जाय चाहिस, पर जब ओला मऊका मिलही, त ओह जाही।
13 सचेत रहव; बिसवास म मजबूत बनव; साहसी बनव; बलवान बनव।
14 जऊन कुछू तुमन करथव, मया ले करव।
15 तुमन जानत हव कि स्तिफनास के परिवारवाले अखया म सबले पहिली मसीह के बिसवास म आईन अऊ
ओमन अपनआप ला संतमन के सेवा म लगा दे हवंय। हे भाईमन हो! मेंह तुमन ले बिनती करथंव
16 कि तुमन अइसने मनखेमन के बात ला मानव अऊ हर ओ मनखे के बात मानव, जऊन ह ये काम म मदद
करथे अऊ मेहनत करथे।
17 मेंह स्तिफनास, फूरतूनातुस अऊ अखइकुस के आय ले खुस हवंव, काबरकि ओमन तुम्हर कमी ला पूरा करे
हवंय।
18 ओमन मोर आतमा अऊ संगे-संग तुम्हर आतमा ला घलो तरो-ताजा करे हवंय। अइसने मनखेमन के
सम्मान करव।

[illegible] [illegible]

19 एसिया प्रदेस के कलीसियामन तुमन ला जोहार कहत हवंय।
अक्विला अऊ प्रिसकिल्ला ह परभू म तुमन ला बहुंते-बहुंत जोहार कहत हवंय, अऊ वइसने ओ कलीसिया
के मनखेमन घलो जोहार कहथें, जऊन मन ओमन के घर म जूरथें।
20 इहां जम्मो भाईमन तुमन ला जोहार कहत हवंय।
एक-दूसर ला पबितर चूमा देके जोहार करव।

21 में, पौलुस ह अपन हांथ ले ये लिखके जोहार कहथंव।

22 यदि कोनो परभू ले मया नइं करय, त ओकर ऊपर सराप लगय। हे परभू, आ!

23 परभू यीसू के अनुग्रह तुम्हर ऊपर होवय।

24 मसीह यीसू म मोर मया तुमन जम्मो झन ला मिलय। आमीन।*

* **16:24** कुछू हस्तलिपि म [illegible] सबद नइं मिलय

कुरिन्थुस
के कलीसिया ला पौलुस के दूसरा चिट्ठी

1 में, पौलुस, जऊन ह परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के एक प्रेरित अंव, हमर भाई तीमुथियुस के संग मेंह
कुरिन्थुस सहर के परमेसर के कलीसिया अऊ अखया के जम्मो संतमन ला, ये चिट्ठी लिखत हवंव।
2 तुमन ला, परमेसर हमर ददा अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले अनुग्रह अऊ सांति मिलत रहय।

[illegible]

3 परमेसर जऊन ह हमर परभू यीसू मसीह के ददा ए, दयालु ददा अऊ जम्मो किसम के सांति के परमेसर ए,
ओकर महिमा होवय।
4 परमेसर ह हमन ला हर दुख-तकलीफ म सांति देथे, ताकि ये सांति के कारन हमन ओमन ला सांति दे सकन,
जऊन मन तकलीफ म हवंय।
5 काबरकि जइसने हमन मसीह के दुख म पूरा भागीदार होथन, वइसने हमन मसीह के संग सांति म घलो पूरा
भागीदार होथन।
6 यदि हमन दुख सहथन, त येह तुम्हर सांति अऊ उद्धार खातिर ए; यदि हमन ला सांति मिलथे, त येह तुम्हर
सांति खातिर ए, ताकि तुमन ओ दुख ला धीर धरके सह सकव, जऊन ला हमन घलो सहथन।
7 हमर आसा ह तुम्हर बारे म मजबूत हवय, काबरकि हमन जानथन कि जइसने तुमन हमर दुख म भागीदार
हवव, वइसने तुमन हमर सांति म घलो भागीदार हवव।
8 हे भाईमन, हमन नइं चाहथन कि तुमन ओ दुख के बारे म अनजान रहव, जऊन ह हमर ऊपर एसिया प्रदेस
म पड़े रिहिस। ओह बहुंत भारी अऊ हमर सहे के बाहिर हो गे रिहिस अऊ हमन जीये के आसा छोंड़ दे रहेंन।
9 वास्तव म, हमन ये महसूस करेंन कि हमर मिरतू के हुकूम दिये गे हवय। पर येह एकरसेति होईस, ताकि
हमन अपन ऊपर भरोसा झन रखन, पर परमेसर ऊपर भरोसा रखन, जऊन ह मुरदामन ला फेर जियाथे।
10 ओह हमन ला अइसने भयंकर मिरतू के संकट ले बचाईस, अऊ ओह हमन ला आघू घलो बचाही। ओकर
ऊपर हमर आसा हवय कि ओह हमेसा हमन ला बचाते रहिही,
11 जइसने कि तुमन पराथना के दुवारा हमर मदद करथव। तब बहुंते झन के पराथना के कारन, जऊन आसीस
हमन पाय हवन, ओकर बर कतको झन परमेसर ला हमर कोति ले धनबाद दीहीं।

[illegible]

12 अब हमर घमंड के बात ये अय: हमर बिबेक ह हमन ला बिसवास देवाथे कि ये संसार म हमर आचरन,
खास करके तुम्हर संग हमर संबंध ह पबितरता अऊ ईमानदारी के संग रिहिस अऊ येह परमेसर कोति ले अय।
अइसने हमन संसारिक बुद्धि ले नइं करेंन, पर परमेसर के अनुग्रह के मुताबिक करे हवन।
13 हमन तुमन ला अइसने कुछू नइं लिखथन, जऊन ला तुमन पढ़े या समझे नइं सकव। अऊ मोला आसा
हवय कि,
14 जइसने तुमन अभी हमर कुछू भाग ला समझे हवव, बाद म ओला पूरा समझहू ताकि तुमन हमर ऊपर
घमंड कर सकव, जइसने हमन घलो परभू यीसू के आय के दिन तुम्हर ऊपर घमंड करबो।
15 काबरकि मोला ये बात के भरोसा रिहिस तेकर खातिर, मेंह पहिली तुम्हर करा आय के योजना बनाएंव
ताकि तुमन ला दूबारा फायदा होवय।
16 मोर ये योजना रिहिस कि मकिदुनिया जावत बेरा मेंह तुम्हर करा आवंव। अऊ मकिदुनिया ले लहुंटके
तुम्हर करा फेर आवंव, अऊ तब तुमन मोला यहूदिया जाय बर मोर मदद करव।
17 जब मेंह ये योजना बनाएंव, त का में येला अइसनेच हल्का समझेंव? या का मेंह अपन योजना ला
संसारिक ढंग ले बनाएंव ताकि कभू "हां हां" कहंव अऊ कभू "नइं नइं" घलो कहंव?
18 पर जइसे कि परमेसर ह बिसवासयोग्य अय, तुम्हर बर हमर संदेस ह "हां" अऊ "नइं" दूनों नो हय।

19 काबरकि परमेसर के बेटा यीसू मसीह, जेकर परचार में अऊ सीलास अऊ तीमुथियुस तुम्हर बीच म करेंन,
ओह “हां” अऊ “नइं” दूनों नइं रिहिस; पर येह हमेसा “हां” रिहिस।
20 काबरकि परमेसर के जम्मो परतिगियां ह मसीह म “हां” अय। अऊ एकरसेति, ओकर जरिये, हमन परमेसर
के महिमा म, “आमीन”* कहिथन।
21 येह परमेसर ए जऊन ह हमन ला अऊ तुमन ला मसीह म मजबूत बनाय रखथे अऊ ओह हमर अभिसेक
करे हवय।
22 ओह हमर ऊपर मालिकाना हक के अपन मुहर लगाय हवय अऊ अमानत के रूप म अपन आतमा ला हमर
हिरदय म दे हवय, जऊन ह कि ओकर बात के गारंटी अय।
23 मेंह आतमा म परमेसर ला अपन गवाह मानके कहत हंव कि तुमन ला दुख ले बचाय खातिर, मेंह कुरिन्थुस
सहर ला लहुंटके नइं आयेंव।
24 ये बात नो हय कि हमन तुम्हर बिसवास ऊपर परभूता करे चाहथन, पर तुम्हर आनंद के खातिर हमन तुम्हर
संग काम करथन, काबरकि बिसवास के दुवारा ही तुमन मजबूत बने रहिथव।

2

1 एकरसेति, मेंह अपन मन म ठान ले हंव कि मेंह फेर तुमन ला दुखी करे बर नइं आवंव।
2 काबरकि यदि मेंह तुमन ला दुखी करथंव, त फेर मोला खुसी देवइया कोन होही? सिरिप तुमन जऊन मन
ला मेंह दुखी करेंव।
3 एकरसेति मेंह ओ चिट्ठी लिखेंव ताकि जब मेंह आवंव, त ओमन के दुवारा मोला दुख झन मिलय, जऊन मन
के दुवारा मोला आनंद मिलना चाही। मोला तुमन जम्मो झन ऊपर भरोसा हवय कि तुमन मोर आनंद म
भागीदार होहू।
4 मेंह तुमन ला बड़े दुखी अऊ पीरा भरे मन ले अऊ आंसू बहा-बहाके लिखे रहेंव; मेंह तुमन ला दुखी करे बर
नइं लिखेंव, पर तुमन ला ये बताय बर कि मेंह तुमन ला कतेक जादा मया करथंव।

[illegible]

5 यदि कोनो मनखे ह दुख दे हवय, त ओह मोला जादा नइं, पर तुमन जम्मो झन ला दुख दे हवय। मेंह ओकर
संग जादा कठोर बरताव नइं करे चाहथंव।
6 जऊन सजा बहुंते झन के दुवारा ओला मिले हवय, ओह ओकर बर बहुंत ए।
7 अब एकर बदले, तुमन ओला छेमा करव अऊ ढाढ़स बंधावव, ताकि ओह जादा दुख म झन बुड़ जावय।
8 एकरसेति, मेंह तुम्हर ले बिनती करथंव कि ओला अपन मया के सबूत देवव।
9 मेंह एकरसेति घलो लिखे रहेंव कि तुमन ला परखंव अऊ जान लेवंव कि तुमन जम्मो बात म हुकूम मानथव
कि नइं।
10 यदि तुमन कोनो ला छेमा करथव, त मेंह घलो ओला छेमा करथंव। अऊ जऊन कुछू ला मेंह छेमा करे
हवंव—त मेंह मसीह ला हाजिर जानके तुम्हर हित म छेमा करे हवंव—यदि छेमा के लईक कोनो बात रिहिस त,
11 ताकि सैतान के कोनो चाल हमर ऊपर सफल झन होवय। काबरकि हमन ओकर योजनामन ला जानथन।

[illegible]

12 जब मेंह मसीह के सुघर संदेस सुनाय बर त्रोआस सहर ला गेंव अऊ ये जानेंव कि परभू ह मोर काम खातिर
एक रसता खोल दे हवय,
13 तभो ले मोर मन म सांति नइं रिहिस, काबरकि मोला उहां मोर भाई तीतुस नइं मिलिस। एकरसेति ओमन
ले बिदा होके मेंह मकिदुनिया ला चल देंव।
14 पर परमेसर के धनबाद होवय, जऊन ह मसीह म हमेसा हमन ला जय देवाथे अऊ ओह हमर जरिये, हर
जगह मसीह के गियान के खुसबू ला बगराथे।
15 काबरकि हमन परमेसर के खातिर नास होवइयामन अऊ उद्धार पवइयामन के बीच म मसीह के खुसबू सहीं
अन।

---

* **1:20** [illegible] ह इबरानी भासा के एक सबद ए, जेकर मतलब होथे [illegible] या [illegible]

16 एक झन बर हमन मिरतू के दुरगंध अन, त आने बर हमन जिनगी के खुसबू। कोन ह अइसने काम करे के
लईक हवय?
17 हमन ओ बहुंते मनखेमन सहीं नो हन, जऊन मन अपन फायदा बर परमेसर के बचन के काम ला
फेरीवालामन सहीं करथें। पर एकर उल्टा, ईमानदारी के संग, परमेसर ले पठोय गय मनखे सहीं, हमन मसीह के
सेवक के रूप म परमेसर ला हाजिर जानके मनखेमन के आघू म गोठियाथन।

3

1 का हमन फेर अपन बड़ई करत हवन? या आने मनखेमन सहीं, हमन ला तुम्हर करा सिफारिसी चिट्ठी लाने
या तुम्हर करा ले, ले जाय के जरूरत हवय?
2 तुमन खुद हमर चिट्ठी अव, जऊन ह हमर हिरदय म लिखाय हवय अऊ जऊन ला जम्मो झन जानथें अऊ
पढ़थें।
3 तुम्हर जिनगी ह देखाथे कि तुमन मसीह के चिट्ठी अव अऊ हमर सेवा के फर अव अऊ ये चिट्ठी ह सियाही
ले नइं, पर जीयत परमेसर के आतमा ले लिखे गे हवय अऊ येह पथरा के पटिया म नइं, पर मनखेमन के हिरदय
रूपी पटिया म लिखे गे हवय।
4 मसीह के जरिये, परमेसर के ऊपर हमर अइसनेच भरोसा हवय।
5 हमन म अइसने कुछू नइं ए कि हमन कह सकन कि हमन ये काम करे के लईक हवन। हमर काबिलियत
परमेसर करा ले आथे।
6 ओह हमन ला एक नवां करार के सेवक होय के लईक बनाय हवय अऊ ये नवां करार ह लिखित म नइं ए, पर
येह पबितर आतमा म हवय; काबरकि लिखित कानून ह मिरतू लानथे, पर पबितर आतमा ह जिनगी देथे।

[illegible]

7 यदि लिखित कानून, जऊन ह मिरतू लानिस, अऊ जऊन ह पथरा के पटिया म लिखे गे रिहिस; अइसने
महिमा के संग आईस, कि एकर तेज के कारन इसरायलीमन मूसा के चेहरा ला एकटक नइं देख सकिन, हालाकि
ओ तेज ह कम होवत जावत रिहिस;
8 त का पबितर आतमा के सेवा ह ओकर ले जादा महिमामय नइं होही?
9 यदि लिखित कानून के सेवा ह महिमामय रिहिस, जऊन ह मनखेमन ला दोसी ठहिराथे, त फेर ओ सेवा ह
कतेक जादा महिमामय होही, जऊन ह मनखेमन ला धरमी ठहिराथे।
10 वास्तव म, पहिली जऊन ह महिमामय रिहिस, ओमा अऊ तेज नइं ए, काबरकि अभी के महिमा के तेज ह
ओकर ले बढ़के हवय।
11 जऊन तेज ह कम होवत जावत रिहिस, ओह अतेक महिमा के संग आईस, त फेर जऊन ह हमेसा रहिथे,
ओकर महिमा ह कतेक जादा बढ़के होही!
12 एकरसेति, जब हमन करा अइसने आसा हवय, त हमन बहुंत हिम्मती अन।
13 हमन मूसा सहीं नो हन, जऊन ह अपन चेहरा म परदा डाले रिहिस ताकि इसरायलीमन ओ तेज ला झन
देख सकंय, जऊन ह फीका पड़त जावत रिहिस।
14 पर इसरायलीमन के बुद्धि ला कमजोर कर दिये गे रिहिस, अऊ आज घलो, जब ओमन ओ पुराना करार ला
पढ़थें, त ओमन के मन म ओ परदा पड़े रहिथे। ये परदा ह टारे नइं गे हवय; पर जब कोनो मसीह ला गरहन
करथे, तभे ये परदा ह टरथे।
15 आज घलो जब मूसा के किताब ला पढ़े जाथे, त ओमन के मन म एक परदा पड़े रहिथे।
16 पर जब भी कोनो परभू करा लहुंटके आथे, त ओ परदा ला टार दिये जाथे।
17 परभू ह तो आतमा ए, अऊ जिहां परभू के आतमा हवय, उहां सुतंतरता हवय।
18 अऊ हमर चेहरा ले परदा हट गे हवय अऊ हमन जम्मो परभू के महिमा ला परगट करथन, अऊ बढ़त
महिमा के संग हमन ओकर रूप म बदलत जावत हन, अऊ ये बढ़त महिमा ह परभू करा ले आथे, जऊन ह
आतमा ए।

4

[illegible]

1 एकरसेति, जब हमन ला परमेसर के दया ले ओकर सेवा के काम मिले हवय, त हमन हिम्मत नइं हारन।
2 हमन गुपत अऊ लज्जा के काममन ला छोंड़ दे हवन; हमन ठगी नइं करन अऊ न ही परमेसर के बचन ला
तोड़-मरोड़ के बतावन। एकर उल्टा सच्चई ला साफ-साफ बताय के दुवारा, हमन अपनआप ला परमेसर के आघू
म हर मनखे के बिबेक के ऊपर छोंड़ देथन।
3 अऊ यदि मनखेमन के दिमाग म परदा पड़े हवय, जब हमन सुघर संदेस सुनाथन, त ये परदा ह सिरिप
ओमन के ऊपर हवय, जऊन मन नास होवत हवंय।
4 ये जुग के देवता* ह अबिसवासीमन के बुद्धि ला अंधरा कर दे हवय; ताकि ओमन परमेसर के रूप याने
मसीह के अंजोर ला झन देख सकंय, अऊ ये अंजोर ह मसीह के महिमा के सुघर संदेस ले आथे।
5 हमन अपन परचार नइं करन, पर ये परचार करथन कि यीसू मसीह ह परभू ए अऊ हमन यीसू के हित म
तुम्हर सेवक अन।
6 काबरकि येह परमेसर ए, जऊन ह कहिस, "अंधियार म ले अंजोर चमकय।"† ओहीच परमेसर ह अपन
अंजोर ला हमर हिरदय म चमकाईस ताकि हमन ओकर महिमा के गियान के अंजोर ला पा सकन, जऊन ह यीसू
मसीह के चेहरा म हवय।
7 पर हमर करा माटी के बरतन म ये आतमिक धन ह ये दिखाथे, कि ये महान सामर्थ ह हमर नो हय, पर
परमेसर के अय।
8 हमन जम्मो कोति ले दुख तो भोगथन, पर टूटन नइं; बियाकुल तो होथन, पर निरास नइं होवन।
9 हमन सताय तो जाथन, पर तियागे नइं जावन; मार तो खाथन, पर नास नइं होवन।
10 हमन हमेसा अपन देहें म यीसू के मिरतू ला अनुभव करथन, ताकि यीसू के जिनगी घलो हमर देहें म दिखय।
11 काबरकि हमन, जऊन मन जीयत हन, हमन हमेसा यीसू खातिर मिरतू के खतरा म रहिथन, ताकि ओकर
जिनगी ह हमर नासमान सरीर म दिखय।
12 ये किसम ले, मिरतू ह हमन म काम करत हवय, पर जिनगी ह तुमन म काम करत हवय।
13 परमेसर के बचन म ये लिखे हवय, "मेंह बिसवास करेंव; एकरसेति मेंह गोठियाएंव।"‡ बिसवास के ओहीच
आतमा के संग हमन घलो बिसवास करथन अऊ एकरसेति हमन गोठियाथन।
14 हमन जानथन कि परमेसर जऊन ह परभू यीसू ला मरे म ले जियाईस; ओह हमन ला घलो यीसू के संग
जियाही अऊ तुम्हर संग हमन ला अपन आघू म लानही।
15 ये जम्मो ह तुम्हर फायदा बर ए, ताकि जऊन अनुग्रह ह जादा से जादा मनखेमन करा हबरत हवय, ओ
अनुग्रह के कारन मनखेमन परमेसर के महिमा बर अऊ जादा धनबाद देवंय।
16 एकरसेति, हमन हिम्मत नइं हारन। हालाकि हमर देहें के बल ह धीरे-धीरे कमजोर होवत जावत हवय, पर
आतमिक रूप ले दिन ब दिन हमन नवां होवत जावत हन।
17 काबरकि हमर ये छोटे अऊ पल भर के समस्या ह हमर बर एक अनंत महिमा लावत हवय, जऊन ह
सदाकाल तक बने रहिही।
18 एकरसेति, हमन ओ चीज ऊपर धियान नइं देवन, जऊन ह दिखत हवय, पर हमन ओ चीज ऊपर धियान
लगाथन, जऊन ह नइं दिखत हवय। काबरकि जऊन चीज ह दिखत हवय, ओह सिरिप कुछू समय बर अय, पर
जऊन चीज ह नइं दिखय, ओह सदाकाल तक बने रहिथे।

5

[illegible]

1 हमन जानथन कि ये संसारिक देहें जऊन म हमन रहिथन, जब नास करे जाही, तब परमेसर कोति ले हमन
ला एक भवन मिलही; अऊ येह स्वरग म सदाकाल के घर ए, जऊन ह मनखे के हांथ के बनाय नो हय।
2 इहां रहत हमन दुख म कलहरत हवन अऊ हमर स्वरगीय घर ला पहिरे के ईछा रखथन।
3 अऊ जब हमन येला पहिरबो, त हमन नंगरा नइं पाय जाबो।
4 ये देहें म रहे के दौरान, हमन कलहरत रहिथन अऊ बोझ ले दबे रहिथन, काबरकि हमन बिगर कपड़ा पहिरे
नइं रहे चाहन, पर हमन स्वरगीय घर ला पहिरे चाहथन, ताकि नासमान देहें ह सदाकाल के जिनगी म बदल
दिये जावय।

---

* **4:4** या *[illegible]* † **4:6** उत 1:3 ‡ **4:13** भजन 116:10

5 ये उदेस्य खातिर जऊन ह हमन ला बनाय हवय, ओह खुद परमेसर ए अऊ ओह हमन ला सदाकाल के घर
के गारंटी के रूप म पबितर आतमा दे हवय।
6 एकरसेति, हमन हमेसा भरोसा करथन अऊ जानथन कि जब तक हमन ये देहें के घर म रहिथन, तब तक
हमन परभू ले दूरिहा हवन।
7 अब हमन कोनो चीज ला देखके नइं, पर बिसवास के दुवारा चलथन।
8 हमन ला भरोसा हवय अऊ हमन ये देहें के घर ले अलग होके परभू के संग रहई अऊ बढ़िया समझथन।
9 एकरसेति, चाहे हमन ये देहें के घर म रहन या एकर ले अलग रहन, हमर उदेस्य ये अय कि हमन परभू ला
खुस रखन।
10 काबरकि हमन जम्मो झन ला मसीह के नियाय आसन के आघू म जाना जरूरी ए, ताकि हर एक मनखे
सरीर म रहत, जऊन काम करे हवय, चाहे भलई के काम होवय या बुरई के, ओला ओकर परतिफल मिलय।

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

11 एकरसेति, परभू के भय ला जानके, हमन मनखेमन ला मनाय के कोसिस करथन। हमन का अन, येला
परमेसर ह जानथे अऊ मोला आसा हवय कि तुम्हर बिबेक घलो येला जानथे।
12 हमन तुम्हर आघू म फेर अपनआप के बड़ई करे के कोसिस नइं करथन, पर हमन तुमन ला हमर बारे म
घमंड करे के एक मऊका देवत हवन; ताकि तुमन ओमन ला जबाब दे सकव, जऊन मन मनखे के सुघर
चालचलन ऊपर नइं, पर मनखे के पद ऊपर घमंड करथें।
13 यदि हमन सुध-बुध खो दे हवन, त येह परमेसर खातिर ए, अऊ यदि हमन सुध-बुध म हवन, त येह तुम्हर
खातिर ए।
14 मसीह के मया ह हमन ला बाध्य करथे। हमन समझ गे हवन कि एक झन ह जम्मो झन बर मरिस अऊ
एकरसेति जम्मो झन मर गीन।
15 अऊ ओह जम्मो झन बर मरिस ताकि जऊन मन जीयथें, ओमन अब अपन बर नइं, पर मसीह बर जीयंय,
जऊन ह ओमन बर मरिस अऊ फेर जी उठिस।
16 एकरसेति, हमन अब संसारिक नजर ले काकरो बारे म अपन बिचार नइं रखन। हालाकि एक समय रिहिस
जब मसीह के बारे म, हमर ये किसम के बिचार रिहिस, पर हमन अब अइसने नइं करन।
17 यदि कोनो मनखे मसीह म हवय, त ओह एक नवां सिरिस्टी ए। पुराना बात खतम हो गीस, अऊ जम्मो
बात ह नवां हो गे हवय।
18 ये जम्मो ह परमेसर के दुवारा होईस, जऊन ह मसीह के जरिये अपन संग हमर मेल-मिलाप करिस अऊ
हमन ला मेल-मिलाप के सेवा दीस।
19 एकर मतलब ए कि परमेसर ह मसीह के जरिये अपन संग संसार के जम्मो मनखेमन के मेल-मिलाप करिस
अऊ ओह मनखेमन ऊपर ओमन के पाप के दोस नइं लगाईस। अऊ ओह मेल-मिलाप के संदेस के परचार के
जिम्मेदारी हमन ला दीस।
20 एकरसेति, हमन मसीह के राजदूत अन, मानो परमेसर ह हमर जरिये तुमन ले बिनती करत हवय। मसीह
कोति ले, हमन तुम्हर ले बिनती करथन कि परमेसर के संग मेल-मिलाप कर लेवव।
21 मसीह ह कोनो पाप नइं करे रिहिस, पर हमर हित म, परमेसर ह हमर पाप ला ओकर ऊपर डार दीस ताकि
मसीह के जरिये परमेसर के धरमीपन ह हमन म आ जावय।

6

1 हमन परमेसर के संगी करमी के रूप म, तुमन ले बिनती करत हन कि परमेसर ले मिले अनुग्रह ला बेकार
झन होवन देवव।
2 काबरकि परमेसर ह कहिथे,
"मोर दया के समय म मेंह तुम्हर पराथना ला सुनेंव,
अऊ उद्धार के दिन म मेंह तुम्हर मदद करेंव।"*
मेंह तुमन ला बतावत हंव, देखव, येह सही समय ए, येह उद्धार के दिन ए।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

* **6:2** यसा 49:8

3 हमन काकरो रसता म बाधा नइं डालन, ताकि कोनो हमर सेवा म दोस झन पावय।
4 पर हर बात म हमन अपनआप ला परमेसर के सेवक जताथन—सहन करे म, समस्या, दुख, अऊ बिपत्ति म,
5 मार खाय, जेल जाय म अऊ मनखेमन के हंगामा करे म; कठोर मेहनत, रात-रात भर जगई अऊ भूख म;
6 सुधता, समझ, धीरज अऊ दयालुता म; पबितर आतमा म अऊ निस्कपट मया म;
7 सच बात गोठियाय म, अऊ परमेसर के सामर्थ म; धरमीपन के हथियार जऊन ह डेरी अऊ जेवनी हांथ म हवय लड़े म अऊ बचाव करे म;
8 आदर अऊ अनादर म, बड़ई अऊ बदनामी म। हमन सच गोठियाथन, तभो ले हमर संग लबरामन सहीं बरताव करे जाथे।
9 हमन ला जम्मो झन जानथें, तभो ले हमर संग अनजानमन सहीं बरताव करे जाथे। हमन मरे सहीं रहिथन, पर हमन जीयत हवन। हमन मार खाथन, पर मार डारे नइं जावन।
10 हमन दुखी तो हवन, पर हमेसा आनंद मनावत रहिथन। हमन गरीब अन, पर बहुंत झन ला धनवान बनाथन। हमर करा कुछू नइं ए, तभो ले हमन जम्मो चीज ऊपर अधिकार रखथन।
11 हे कुरिन्थुस सहर के मनखेमन, हमन तुमन ले खुलके गोठियाय हवन अऊ हमर हिरदय तुम्हर बर खुला हवय।
12 तुम्हर बर हमन अपन मया ला नइं रोकत हवन, पर हमर बर तुमन अपन मया ला रोकत हवव।
13 मेंह तुमन ला अपन लइका जानके कहथंव कि एकर बदला म, तुमन घलो अपन हिरदय ला खोल देवव।

[illegible]

14 अबिसवासीमन के संग साझीदार झन बनव। काबरकि धरमीपन अऊ अधरम म का समानता? या अंजोर अऊ अंधियार के का संगति?
15 मसीह अऊ सैतान के बीच म का मेल हवय? एक बिसवासी के एक अबिसवासी संग का समानता?
16 परमेसर के मंदिर अऊ मूरतीमन के बीच म का सहमती? काबरकि हमन जीयत परमेसर के मंदिर अन; जइसने कि परमेसर ह कहे हवय:
"मेंह ओमन के संग रहिहूं
अऊ ओमन के बीच चलहूं-फिरहूं,
अऊ मेंह ओमन के परमेसर होहूं,
अऊ ओमन मोर मनखे होहीं।"†
17 एकरसेति,
"ओमन के बीच म ले निकल आवव
अऊ अलग रहव,
परभू ह कहिथे।
असुध चीज ला झन छुववव,
त मेंह तुमन ला गरहन करहूं।"‡
18 अऊ,
"मेंह तुम्हर ददा होहूं,
अऊ तुमन मोर बेटा अऊ बेटी होहू,
सर्वसक्तिमान परभू ह कहिथे।"§

7

1 एकरसेति, हे मयारू संगवारीमन, जब हमर संग परमेसर ह ये परतिगियां करे हवय, त आवव, हमन अपन देहें अऊ आतमा ला जम्मो गंदगी ले सुध करन, अऊ परमेसर के भय म रहत अपनआप ला पूरा पबितर करन।

[illegible]

2 हमर बर अपन हिरदय ला खोलव। हमन काकरो अनियाय नइं करे हवन; हमन काकरो नइं बिगाड़े हवन अऊ हमन काकरो ले कोनो फायदा नइं उठाय हवन।

---

† **6:16** लैव्य 26:12; यर 32:38; यहे 37:27 ‡ **6:17** यसा 52:11; यहे 20:34, 41 § **6:18** 2 समू 7:14; 7:8

3 मेंह तुमन ला दोसी ठहिराय बर, ये नइं कहत हवंव। काबरकि मेंह पहिली ले कह चुके हवंव कि तुमन हमर
हिरदय म अइसने बस गे हवव कि हमन तुम्हर संग जीये या मरे बर घलो तियार हवन।
4 मेंह तुम्हर ले बहुंत खुले मन से गोठियाय हवंव; मोला तुम्हर ऊपर बहुंत घमंड हवय। मेंह बहुंत उत्साहित
हवंव। अपन जम्मो समस्या म घलो, मेंह बहुंत आनंदित हवंव।
5 काबरकि जब हमन मकिदुनिया म आयेंन, त हमन ला कोनो अराम नइं मिलिस, पर हमन हर तरफ ले दुख
पायेंन—बाहिर म झगरा होवत रहय अऊ हमर हिरदय म डर बने रहय।
6 पर परमेसर जऊन ह उदास मनखेमन ला सांति देथे, तीतुस के आय के दुवारा हमन ला सांति दीस,
7 अऊ सिरिप ओकर आय के दुवारा ही नइं, पर जऊन सांति ओला तुमन दे हवव, ओकर दुवारा घलो। ओह
हमन ला तुम्हर मया, तुम्हर दुख अऊ मोर बर तुम्हर चिंता के बारे बताईस, जेकर ले मेंह अऊ आनंदित होवत
हवंव।
8 हालाकि मोर चिट्ठी के दुवारा तुमन ला दुख पहुंचिस, पर मेंह ओकर बर नइं पछतावत हंव, जइसने कि
पहिली पछतावत रहेंव; काबरकि मेंह देखत हंव कि मोर चिट्ठी ले तुमन ला दुख तो पहुंचिस, पर ओह थोरकन
समय बर रिहिस।
9 पर अब मेंह खुस हवंव। मोर खुसी ह एकरसेति नो हय कि तुमन ला दुख पहुंचिस, पर एकरसेति अय कि ओ
दुख के कारन तुमन पछताप करेव। परमेसर के ईछा के मुताबिक तुमन ला दुख पहुंचिस अऊ ये किसम ले तुमन
ला हमर कोति ले कोनो नुकसान नइं होईस।
10 काबरकि परमेसर के ईछा के मुताबिक दुख सहे ले पछतावा होथे, जेकर ले उद्धार मिलथे अऊ एकर ले दुख
नइं होवय, पर संसारिक दुख ह मिरतू लाथे।
11 देखव, ये दुख, जऊन ह तुमन ला परमेसर के ईछा के मुताबिक मिलिस, तुमन म कतेक उत्सुकता अऊ
अपनआप ला निरदोस साबित करे बर उत्साह, कोरोध, भय, लालसा, बियाकुलता अऊ नियाय देवाय बर
तत्परता लानिस। हर किसम ले तुमन अपनआप ला ये बात म निरदोस साबित करे हवव।
12 मेंह तुमन ला ओ चिट्ठी एकरसेति नइं लिखेंव कि मोला अनियाय करइया या अनियाय सहइया के चिंता
रिहिस, पर एकरसेति लिखेंव कि परमेसर के आघू म तुमन खुद जान लेवव कि हमर बर तुम्हर कतेक लगाव हवय।
13 ये जम्मो के दुवारा हमन ला उत्साह मिलिस।
अऊ हमन सिरिप उत्साहित ही नइं होएंन, पर हमन ला ये देखके खुसी होईस कि जऊन मदद तुमन तीतुस
ला दे रहेव, ओकर सेति ओह बड़े खुस हवय।
14 मेंह तीतुस के आघू म तुम्हर बड़ई करे रहेंव अऊ तुमन एकर बारे म मोला सरमिंदा नइं करेव। पर जइसने
हमन तुम्हर ले हमेसा सच गोठियाय हवन, वइसने तुम्हर बारे म हमर बड़ई ह तीतुस के आघू म सच साबित होय
हवय।
15 जब ओह सुरता करथे कि कइसने तुमन जम्मो झन हुकूम ला मानत रहेव अऊ कइसने तुमन डरत अऊ
कांपत ओला गरहन करेव, त तुम्हर बर ओकर मया ह अऊ बढ़ जाथे।
16 मोला खुसी हवय कि मेंह तुम्हर ऊपर पूरा भरोसा कर सकथंव।

8

[illegible]

1 हे भाईमन हो, हमन चाहथन कि तुमन ओ अनुग्रह के बारे म जानव, जऊन ला परमेसर ह मकिदुनिया के
कलीसियामन ला दे हवय।
2 दुख के भारी परिछा म ओमन बड़े आनंद मनावत हवंय अऊ भयंकर गरीबी म ओमन अब्बड़ दानी हो गे
हवंय।
3 काबरकि मेंह गवाही दे सकथंव कि अपन सक्ति के मुताबिक ओमन जतकी जादा हो सकिस, दे हवंय; अऊ
त अऊ ओमन अपन सक्ति ले बाहिर घलो दे हवंय। अऊ अपन पूरा ईछा ले दे हवंय।
4 ओमन बार-बार हमर ले बिनती करिन कि ओमन ला संतमन के सेवा म मदद करे बर मऊका मिलय।
5 अऊ ओमन हमर आसा ले बढ़के करिन: ओमन पहिली अपनआप ला परभू ला दे दीन अऊ तब परमेसर के
ईछा के मुताबिक अपनआप ला हमर अधीन कर दीन।

6 तीतुस ह पहिली ये काम ला सुरू करे रिहिस, एकरसेति हमन ओकर ले बिनती करेंन कि ओह अनुग्रह के ये
काम ला तुम्हर बीच म पूरा घलो करय।
7 पर जइसने तुमन हर बात म बढ़त जावत हव—बिसवास म, बचन बोलई म, गियान म, उत्साह से काम
करई म अऊ हमर बर तुम्हर मया म—वइसने ही तुमन दान देय के अनुग्रह म घलो बढ़त जावव।
8 मेंह तुमन ला हुकूम नइं देवत हंव, पर आने मन के उत्साह के तुलना म, मेंह परखे चाहथंव कि तुम्हर मया म
कतेक सच्चई हवय।
9 काबरकि तुमन हमर परभू यीसू मसीह के अनुग्रह ला जानत हव। हालाकि ओह धनी रिहिस, पर तुम्हर हित
म ओह गरीब बन गीस, ताकि ओकर गरीबी के जरिये तुमन धनवान हो जावव।
10 इहां मेंह तुमन ला एकर बारे म सलाह देवत हंव कि तुम्हर बर का बुता ह सबले बने होही। पऊर साल,
तुमन सिरिप देय के मामला म ही पहिली नइं रहेव, पर तुम्हर अइसने करे के ईछा घलो रिहिस।
11 अब ओ काम ला पूरा करव ताकि येला करे के तुम्हर जऊन उत्सुकता हवय, ओह काम के पूरा करे म मेल
खावय, अऊ जऊन कुछू तुम्हर करा हवय, ओकर मुताबिक येला करव।
12 काबरकि यदि तुम्हर देय के ईछा हवय, त जऊन कुछू तुम्हर करा हवय, ओकर आधार म तुम्हर दान ह
गरहन होही, जऊन ह तुम्हर करा नइं ए, ओकर आधार म नइं।
13 येह हमर ईछा नो हय कि आने मन ला अराम मिलय अऊ तुम्हर ऊपर बोझ पड़य, पर हमन चाहथन कि
बरोबरी के बात होवय।
14 अभी तुम्हर करा बहुंत हवय, त तुमन ओमन के जरूरत म देवव, ताकि बदले म, जब ओमन करा बहुंत
होही, त ओमन तुम्हर जरूरत म दीहीं। तभे बरोबरी होही।
15 जइसने कि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: "जऊन ह जादा संकेले रिहिस, ओकर करा बहुंत जादा नइं
रिहिस, अऊ जऊन ह थोरकन संकेले रिहिस, ओकर करा कम नइं रिहिस।"*

[illegible]

16 मेंह परमेसर ला धनबाद देथंव कि ओह तीतुस के मन म ओहीच चिंता डाल दीस, जऊन ह मोर मन म
तुम्हर बर हवय।
17 तीतुस ह सिरिप हमर बात ला ही नइं मानिस, पर ओह अपन ईछा ले बहुंत उत्साह के संग तुम्हर करा
आवत हवय।
18 अऊ हमन ओकर संग ओ भाई ला पठोवत हन, जेकर बड़ई जम्मो कलीसिया के मन सुघर संदेस के ओकर
सेवा खातिर करथें।
19 एकर अलावा, ओह कलीसियामन के दुवारा चुने गे हवय ताकि ओह हमर संग जावय, जब हमन दान लेके
जाथन। हमन ये सेवा ला परभू के महिमा बर करथन अऊ ये देखाय बर करथन कि हमन आने के मदद करे बर
उत्सुक हवन।
20 हमन ये धियान रखथन कि उदारता के दान के हमर जऊन सेवा हवय, ओकर बारे म कोनो हमर ऊपर दोस
झन लगावंय।
21 हमर उदेस्य ये अय कि हमन सही काम करन, सिरिप परभू के नजर म ही नइं, पर मनखेमन के नजर म घलो।
22 एकरसेति, ओमन के संग हमन अपन भाई ला पठोवत हन, जऊन ला हमन कतको बार परखे हवन अऊ ये
पायेंन कि ओह तुम्हर मदद करे बर हमेसा उत्सुक रहिथे, अऊ अब ओह अऊ घलो उत्सुक हवय, काबरकि तुम्हर
ऊपर ओला बहुंत भरोसा हवय।
23 यदि कोनो तीतुस के बारे म पुछथे, त बतावव कि ओह मोर भागीदार अऊ तुम्हर बीच म मोर सहकरमी
अय; अऊ यदि कोनो हमर भाईमन के बारे म पुछथे, त बतावव कि ओमन कलीसिया के परतिनिधि अऊ मसीह
के महिमा अंय।
24 एकरसेति तुम्हर मया अऊ तुम्हर बारे म हमर जऊन घमंड हवय, ओला ये मनखेमन के आघू म साबित
करव, ताकि जम्मो कलीसियामन येला देख सकंय।

9

1 संतमन बर जऊन सेवा करे जाथे, ओकर बारे म तुमन ला लिखे के जरूरत नइं ए।

* **8:15** निर 16:18

2 काबरकि मेंह जानथंव कि तुमन मदद करे बर उत्सुक रहिथव अऊ मेंह मकिदुनिया के मनखेमन के आघू म
तुम्हर बारे म डींग हांकके ये कहे हवंव कि पऊर साल ले तुमन, जऊन मन अखया म रहिथव, मदद करे बर
तियार हवव अऊ तुम्हर उत्साह ह ओमा के बहुंते झन ला उत्साहित करे हवय।
3 पर मेंह ये भाईमन ला एकरसेति पठोवत हवंव ताकि ये बिसय म तुम्हर बारे, हमन जऊन घमंड करे हवन,
ओह लबरा साबित झन होवय, पर जइसने मेंह कहे हवंव, तुमन तियार रहव।
4 काबरकि यदि कोनो मकिदुनिया के मनखे ह मोर संग आथे अऊ ये देखथे कि तुमन तियार नइं अव, त हमन
तुम्हर बारे म कुछू कहे नइं सकबो, अऊ तुम्हर ऊपर अतेक भरोसा करे के बाद हमर बेजत्ती होही।
5 एकरसेति, मेंह भाईमन ले ये बिनती करई जरूरी समझेंव कि ओमन पहिली ले तुम्हर करा जावंय अऊ ओ
दान के परबंध करंय, जऊन ला तुमन देय के वायदा करे हवव। तब येह दबाव म दिये गय दान नइं, पर उदार मन
ले दिये गय दान होही।

[illegible]

6 ये बात ला सुरता रखव: जऊन ह थोरकन बोथे, ओह थोरकन काटही घलो, अऊ जऊन ह बहुंत बोथे, ओह
बहुंते काटही घलो।
7 हर एक मनखे वइसने ही दान करय, जइसने ओह अपन मन म ठाने हवय; न अनिच्छा ले अऊ न ही दबाव
ले, काबरकि परमेसर ह ओकर ले मया करथे, जऊन ह खुसी मन ले देथे।
8 परमेसर ह तुमन ला जम्मो किसम के आसीस बहुंतायत ले देय म सामर्थी अय, ताकि तुम्हर करा जरूरत के
हर चीज हमेसा बहुंतायत म रहय अऊ तुमन हर एक बने काम म बहुंतायत से दे सकव।
9 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:
"ओमन गरीबमन ला दिल खोलके दान दे हवंय;
ओमन के धरमीपन ह सदाकाल तक बने रहिथे।"*
10 जऊन परमेसर ह बोवइया ला बीजा अऊ खाय बर रोटी देथे, ओह तुमन ला घलो बीजा अऊ खाय बर रोटी
दीही अऊ तुम्हर बीजा के भंडार ला बढ़ाही अऊ तुम्हर धरमीपन के काम ला बगराही।
11 तुमन ला हर किसम ले धनवान बनाय जाही, ताकि तुमन हर समय उदार बनव अऊ हमर जरिये तुमन जऊन
उदारता ले देथव, ओकरे कारन बहुंते झन परमेसर ला धनबाद दीहीं।
12 तुम्हर ये सेवा के कारन, परमेसर के मनखेमन के सिरिप जरूरत ही पूरा नइं होवत हवय, पर कतेक किसम
ले बहुंतायत ले परमेसर के धनबाद घलो होवत हवय।
13 ये सेवा के दुवारा तुमन अपनआप ला साबित कर चुके हवव, एकरसेति मनखेमन परमेसर के महिमा करहीं,
काबरकि तुमन मसीह के सुघर संदेस ला गरहन करके ओकर मुताबिक चलत हवव अऊ दिल खोलके तुमन
ओमन ला अऊ आने जम्मो झन ला दान देवत हवव।
14 ओमन तुम्हर बर पराथना करथें अऊ ओमन के मन ह तुमन म लगे रहिथे, काबरकि परमेसर के अनुग्रह
तुम्हर ऊपर बहुंतायत ले होय हवय।
15 परमेसर के धनबाद होवय ओकर ओ दान खातिर, जेकर बयान नइं करे जा सकय!

10

[illegible]

1 में, पौलुस ह मसीह के कोमलता अऊ नमरता के कारन तुमन ले बिनती करत हंव—जब मेंह तुम्हर आघू म
रहिथंव, त डरपोक हो जाथंव, पर जब तुम्हर ले दूरिहा रहिथंव, त साहसी हो जाथंव।
2 मेंह तुम्हर ले बिनती करथंव कि तुमन अइसने काम करव कि जब मेंह आवंव, त मोला तुम्हर संग कड़ई झन
करना पड़य, जइसने कि मोला ओमन के संग करना चाही, जऊन मन ये समझथें कि हमन ये संसार के मुताबिक
आचरन करथन।
3 हालाकि हमन संसार म रहिथन, पर हमन संसारिक उदेस्य बर नइं लड़न।
4 हमर लड़ई के हथियारमन संसारिक नो हंय, पर येमन परमेसर के सामर्थी हथियार अंय, जेमन सैतान के गढ़
ला नास कर देथें।

* **9:9** भजन 112:9

5 हमन बहस अऊ ओ हर एक घमंड ले भरे बात ला नास कर देथन, जऊन ह परमेसर के गियान के बिरोध म
ठाढ़ होथे अऊ हमन मनखेमन के हर एक बिरोध के बात ला कैद कर लेथन ताकि ओमन मसीह के बात ला
मानंय।
6 अऊ जब तुम्हर हुकूम माने के बात ह साबित हो जाही, त हमन हर एक ओ हुकूम नइं मनइयामन ला सजा
दे बर तियार रहिबो।
7 तुमन सिरिप बाहिर के चीज ला देखत हवव। यदि कोनो ला ये भरोसा हवय कि ओह मसीह के अय, त ओला
फेर बिचार करना चाही कि जइसने ओह मसीह के अय, वइसने हमन घलो मसीह के अन।
8 काबरकि यदि मेंह हमर अधिकार के बारे म कुछू घमंड करथंव, त येह मोर बर सरम के बात नो हय, काबरकि
ये अधिकार, परभू ह हमन ला तुम्हर उन्नति बर दे हवय, तुमन ला नास करे बर नइं।
9 मेंह नइं चाहत हंव कि तुमन ये समझव कि मेंह अपन चिट्ठी के दुवारा तुमन ला डराय के कोसिस करत हंव।
10 काबरकि कुछू मनखेमन कहिथें, "पौलुस के चिट्ठी ह असरदार अऊ कठोर होथे, पर जब ओह हमर संग
रहिथे, त ओह मनखे के रूप म कमजोर अऊ ओकर बातचीत ह हल्का जान पड़थे।"
11 अइसने मनखेमन ये बात ला जान लेवंय कि पीठ पाछू जइसने हमन अपन चिट्ठी म लिखथन, वइसनेच
हमर काम घलो होही, जब हमन तुम्हर करा आबो।
12 जऊन मन खुद के बड़ई करथें, हमन अपन ला ओ मनखेमन के बरोबर रखे के या ओमन के संग अपन
तुलना करे के हिम्मत नइं करन। जब ओमन अपन ला एक-दूसर के संग नापथें अऊ अपन तुलना एक-दूसर के
संग करथें, त ओमन नासमझ एं।
13 पर हमन हद के बाहिर घमंड नइं करन। हमर घमंड ह परमेसर के ठहिराय हद के भीतर होही, अऊ ये हद म
तुमन घलो आथव।
14 हमन जादा घमंड नइं करत हवन, यदि हमन तुम्हर करा नइं आय रहितेंन, त ये मामला होतिस; पर हमन
सबले पहिली मनखे रहेंन, जऊन मन तुम्हर करा मसीह के सुघर संदेस लेके आयेंन।
15 आने मन के मेहनत ऊपर हमन सीमना के बाहिर घमंड नइं करन। पर हमन ला आसा हवय कि
जइसने-जइसने मसीह म तुम्हर बिसवास ह बढ़त जाही, त हमर काम के इलाका ह घलो तुम्हर बीच म बहुंत
बाढ़त जाही।
16 अऊ हमन तुम्हर इलाका के बाहिर सुघर संदेस के परचार कर सकबो। काबरकि आने मनखे के इलाका म
पहिली ले करे गे काम के बारे म, हमन घमंड करे नइं चाहन।
17 पर जऊन ह घमंड करथे, ओह परभू ऊपर घमंड करय।*
18 काबरकि जऊन ह अपन बड़ई आप करथे, ओला सही मनखे नइं समझे जावय, पर जऊन मनखे के बड़ई
परभू ह करथे, ओह सही मनखे समझे जाथे।

11

[illegible]

1 मोला आसा हवय कि तुमन मोर थोरकन मुरूखता ला सह लूहू, अऊ हां तुमन येला सहत घलो हवव।
2 मेंह तुम्हर बर ईस्वरीय धुन रखथंव। मेंह तुम्हर ले सिरिप एकेच घरवाला के वायदा करे हवंव, जऊन ह
मसीह अय, ताकि मेंह तुमन ला एक पबितर कुंवारी के रूप म ओला दे सकंव।
3 पर मेंह डरत हवंव कि मसीह म तुम्हर जऊन ईमानदारी अऊ सुध भक्ति हवय, तुमन ओकर ले भटक झन
जावव, जइसने हवा ह सांप के छल-कपट ले धोखा खाय रिहिस।
4 काबरकि यदि कोनो तुम्हर करा आथे अऊ आने यीसू के परचार करथे, जेकर परचार हमन नइं करे हवन या
फेर जऊन आतमा तुमन ला पहिली मिले हवय, ओला छोंड़के कोनो अऊ आतमा के बारे म गोठियाथे या फेर
कोनो अऊ किसम के सुघर संदेस सुनाथे, जऊन ला तुमन नइं सुने रहेव, त तुमन ओला आसानी से मान लेथव।
5 पर मेंह अपनआप ला ओ बड़े प्रेरितमन ले कोनो बात म कम नइं समझंव।
6 मेंह गोठियाय म अनाड़ी अंव, पर मोर करा गियान हवय। हर किसम ले, हमन ये बात ला तुम्हर आघू म
साफ कर दे हवन।

---

* **10:17** यर 9:24

7 का मेंह कोनो पाप करेंव कि तुमन ला परमेसर के सुघर संदेस बिगर कोनो दाम लिये सुनांय, अऊ अपनआप
ला दीन-हीन करेंव ताकि तुमन ऊपर उठाय जावव।
8 तुम्हर बीच म सेवा करे बर, मेंह आने कलीसियामन ले मदद लेंव, ताकि तुम्हर सेवा कर सकंव।
9 जब मेंह तुम्हर संग रहेंव अऊ मोला कोनो चीज के जरूरत होईस, त मेंह काकरो ऊपर बोझ नइं बनेंव,
काबरकि जऊन भाईमन मकिदुनिया ले आईन, ओमन मोर जरूरत के चीज ला पूरा करिन। मेंह अब तक तुम्हर
ऊपर कोनो बोझ नइं बने हवंव, अऊ भविस्य म घलो, मेंह तुम्हर ऊपर कोनो किसम ले बोझ नइं बनंव।
10 जब तक मसीह के सच्चई मोर म हवय, तब तक अखया छेत्र म कोनो मोर ये घमंड करई ला नइं रोकय।
11 काबर? का एकरसेति कि मेंह तुम्हर ले मया नइं करंव? परमेसर ह जानत हवय कि मेंह तुम्हर ले मया
करथंव।
12 जऊन काम मेंह करत हवंव, ओला मेंह करतेच रहिहूं, ताकि ओ लबरा प्रेरितमन के घमंड करे अऊ ये कहे
के मऊका ला लबरा साबित करंव कि ओमन घलो ओहीच किसम के काम करथें, जइसने हमन करथन।
13 काबरकि अइसने मनखेमन लबरा प्रेरित, छल-कपट ले काम करइया अऊ मसीह के प्रेरित के सहीं रूप धरे
हवंय।
14 अऊ येह कोनो अचम्भो करे के बात नो हय, काबरकि सैतान ह खुद ज्योतिमय स्वरगदूत सहीं रूप धरथे।
15 एकरसेति यदि ओकर सेवकमन घलो धरमीपन के सेवक सहीं रूप धरंय, त कोनो बड़े बात नो हय, पर
ओमन के अन्त ह ओमन के काम के मुताबिक होही।

[illegible]

16 मेंह फेर कहत हंव, कोनो मोला मुरूख झन समझय। पर यदि तुमन मोला मुरूख समझथव, त मोला एक
मुरूख के रूप म ही गरहन करव, ताकि मेंह घलो थोरकन घमंड कर सकंव।
17 घमंड के ये बात म, मेंह एक मुरूख मनखे के सहीं बेधड़क गोठियावत हंव, मेंह वइसने नइं गोठियावत
हवंव, जइसने परभू ह गोठियाही।
18 जब कतको झन संसारिक बात के घमंड करथें, त मेंह घलो घमंड करहूं।
19 तुमन खुसी ले मुरूखमन के सह लेथव, काबरकि तुमन बहुंत समझदार अव।
20 अऊ त अऊ, कहूं कोनो तुमन ला गुलाम बना लेथे, या तुमन ला ठगथे या तुम्हर ले फायदा उठाथे या
तुम्हर आघू म अपनआप ला बड़े बनाथे या फेर तुम्हर गाल म थपरा मारथे, तभो ले तुमन ओकर सह लेथव।
21 मोला ये कहत सरम आथे कि हमन ओ जम्मो काम म बहुंत कमजोर रहेंन।

पर यदि कोनो मनखे कोनो बात म घमंड करे के हिम्मत करथे, त मेंह एक मुरूख मनखे के सहीं कहत हंव कि
मेंह घलो ओ बात म घमंड करे के हिम्मत कर सकथंव।
22 का ओमन इबरी अंय? मेंह घलो अंव। का ओमन इसरायली अंय? मेंह घलो अंव। का ओमन अब्राहम के
बंस के अंय? मेंह घलो अंव।
23 का ओमन मसीह के सेवक अंय? मेंह ओमन ले जादा बने सेवक अंव—मेंह ये बात एक पागल मनखे के
सहीं कहत हंव। मेंह जादा मेहनत करे हवंव, अऊ जादा बार ले जेल गे हवंव, मोला जादा कोर्रा म मारे गे हवय
अऊ मेंह बार-बार मिरतू के जोखिम म पड़े हंव।
24 पांच बार मेंह यहूदीमन के हांथ ले एक कम चालीस कोर्रा खाय हवंव।
25 तीन बार मोला लउठी ले मारे गीस, एक बार मोर ऊपर पथरवाह करे गीस, तीन बार पानी जहाजमन टूट
गीन, जऊन म मेंह जावत रहेंव, एक रात अऊ एक दिन मेंह खुला समुंदर म काटेंव।
26 मेंह बार-बार एती-ओती होवत रहेंव। मेंह नदी के खतरा म, डाकूमन के खतरा म, मोर अपन देस के
मनखेमन के खतरा म, आनजातमन के खतरा म, सहर के खतरा म, उजरे जंगल के खतरा म, समुंदर के खतरा म
अऊ लबरा बिसवासीमन के खतरा म ले गुजर चुके हवंव।
27 मेंह मेहनत करे हंव अऊ कठिन मेहनत करे हवंव अऊ कतको रथिया ले उसनिंदा रहे हवंव, मेंह भूख अऊ
पीयास ला जानत हंव अऊ अकसर बिगर खाय भूख ला सहे हवंव, मेंह जाड़ा म कम कपड़ा म रहे हवंव।
28 ये जम्मो बातमन के अलावा, हर दिन, जम्मो कलीसियामन बर मोला चिंता खाय जावथे।

29 जब कोनो कमजोर होथे, त मेंह घलो ओकर कमजोरी महसूस करथंव; जब कोनो पाप म गिरथे, त मोला
दुख होथे।
30 यदि मोला घमंड करना जरूरी ए, त मेंह ओ बात बर घमंड करहूं, जऊन ह मोर कमजोरी ला देखाथे।
31 परभू यीसू के ददा परमेसर जेकर महिमा सदा होवय, ओह जानत हवय कि मेंह लबारी नइं मारत हवंव।
32 दमिस्क म अरितास राजा के अधीन म जऊन राजपाल रिहिस, ओह मोला पकड़े बर दमिस्क सहर म
पहरेदार लगाय रिहिस।
33 पर मनखेमन मोला एक ठन टुकना म बईठारके, सहर के दीवार म बने एक खिड़की म ले खाल्हे उतार दीन
अऊ मेंह ओकर हांथ ले बांच गेंव।

12

[illegible]

1 मेंह घमंड जरूर करहूं, हालाकि एकर ले कुछू लाभ नइं होवय। पर मेंह परभू के दुवारा दिये गय दरसन अऊ
परकासन के बारे म गोठियाहूं।
2 मेंह मसीह म एक मनखे ला जानत हंव, जऊन ह चौदह बछर पहिली तीसरा स्वरग म उठा लिये गे रिहिस।
मेंह नइं जानंव, पर परमेसर ह जानथे कि ओह देहें म उठाय गीस या बिगर देहें के।
3 अऊ मेंह जानत हंव कि ये मनखे ह स्वरग-लोक म लाने गीस। मेंह नइं जानंव, पर परमेसर ह जानथे कि
ओह देहें म लाने गीस या बिगर देहें के।
4 ओह अइसने बातमन ला सुनिस, जेकर बयान नइं करे जा सकय, अइसने बातमन जेला बताय के अनुमति
मनखे ला नइं दे गे हवय।
5 मेंह अइसने मनखे के ऊपर घमंड करहूं, पर अपन कमजोरी के छोंड़ मेंह अपन ऊपर अऊ कोनो बात म
घमंड नइं करंव।
6 पर कहूं मेंह घमंड करे चाहंव घलो, त येह मोर मुरूखता नइं होही, काबरकि मेंह सच गोठियाहूं। पर मेंह
घमंड नइं करंव, ताकि जऊन कुछू मेंह करथंव या कहिथंव, कोनो मोला ओकर ले बढ़के झन समझय।
7 ये अद्भूत चीजमन ला देखे के कारन, मेंह घमंडी झन हो जावंव, एकरसेति मोर देहें म एक कांटा गड़ाय
गीस, याने कि सैतान के एक दूत ह मोला परेसान करे बर आईस।
8 तीन बार मेंह परभू ले बिनती करेंव कि ओह येला मोर ले हटा देवय।
9 पर ओह मोला कहिस, "मोर अनुग्रह ह तोर बर बहुंते ए, काबरकि मोर सामर्थ ह दुरबलता म सिद्ध होथे।"
एकरसेति खुसी ले, मेंह अपन दुरबलता के ऊपर अऊ घमंड करहूं, ताकि मसीह के सामर्थ ह मोर ऊपर बने रहय।
10 एकर कारन मसीह के हित म मेंह दुरबलता म, बेजत्ती म, तकलीफ म, सतावा म अऊ कठिनई म खुस
रहिथंव। काबरकि जब मेंह दुरबल हंव, तभे मेंह बलवान अंव।

[illegible]

11 मेंह अपनआप ला मुरूख बनाएंव, पर तुमन मोला एकर बर लाचार करे हवव। तुमन ला तो मोर परसंसा
करना रिहिस। हालाकि मेंह कुछू नो हंव, तभो ले ओ बड़े प्रेरितमन ले मेंह कोनो बात म कम नो हंव।
12 जऊन बातमन कोनो ला एक प्रेरित के रूप म साबित करथे, ओमन चिनहां, अचरज अऊ चमतकार के काम
अंय अऊ ये बातमन तुम्हर बीच म बड़े धीरज के साथ करे गीस।
13 तुमन कोन बात म आने कलीसिया ले कम रहेव, सिवाय ये कि मेंह तुम्हर ऊपर कभू बोझ नइं बनेंव। तुमन
मोला ये गलती बर छेमा करव!
14 अब मेंह तीसरा बार तुम्हर करा आय बर तियार हवंव, अऊ मेंह तुम्हर ऊपर कोनो बोझ नइं बनंव, काबरकि
मेंह तुम्हर संपत्ति नइं, पर तुमन ला चाहथंव। काबरकि लइकामन ला अपन दाई-ददा खातिर धन नइं जमा
करना चाही, पर दाई-ददामन ला अपन लइकामन खातिर धन जमा करना चाही।
15 एकरसेति, जऊन कुछू मोर करा हवय, ओला मेंह खुसी ले तुम्हर बर खरचा कर दूहूं, अऊ मेंह खुद
अपनआप ला घलो दे दूहूं। यदि मेंह तुमन ला जादा मया करथंव, त का तुमन मोला कम मया करहू?

16 तब तुमन मान लेथव कि मेंह तुम्हर ऊपर बोझ नइं बनेंव। पर तुमन कह सकत हव कि मेंह चालबाज अंव
अऊ छल करके मेंह तुम्हर ले मदद ले हवंव।
17 जऊन मन ला मेंह तुम्हर करा पठोंय, का ओमन के दुवारा मेंह तुम्हर ले फायदा उठांय?
18 मेंह तीतुस ले बिनती करेंव कि ओह तुम्हर करा जावय अऊ मेंह हमर भाई ला घलो ओकर संग पठोंय। का
तीतुस ह तुम्हर ले फायदा उठाईस। नइं ना। का हमन एकेच आतमा म होके काम नइं करेंन? का हमर
चालचलन ह एक सहीं नइं रिहिस?
19 का तुमन अभी तक ये सोचत हव कि हमन तुम्हर आघू म अपन सफई देवत हवन? परमेसर ला हाजिर
जानके, हमन मसीह म होके गोठियावत हवन। हे मयारू संगवारीमन हो! जऊन कुछू हमन करथन, तुम्हर
उन्नति बर करथन।
20 काबरकि मोला डर हवय कि जब मेंह उहां आवंव, त मेंह तुमन ला वइसने नइं पावंव, जइसने कि मेंह
चाहथंव, अऊ तुमन मोला वइसने झन पावव, जइसने तुमन चाहथव। मोला डर हवय कि उहां झगरा, जलन,
कोरोध, सुवारथीपन, निन्दा, अफवाह, घमंड अऊ हंगामा होवत होही।
21 मोला डर हवय कि जब मेंह फेर आवंव, त मोर परमेसर ह मोला तुम्हर आघू म नम्र करय अऊ मोला ओ
बहुंते मनखेमन बर दुखी होना पड़य, जऊन मन पहिली पाप करिन अऊ अपन असुधता, अनैतिकता अऊ
छिनारीपन ले पछताप नइं करे हवंय, जऊन म ओमन सामिल रिहिन।

13

[illegible]

1 मेंह तीसरा बार तुम्हर करा आवत हंव। परमेसर के बचन म लिखे हवय, "हर एक बात के पुस्टि करे बर दू या
तीन गवाह के गवाही जरूरी अय।"*
2 जब मेंह दूसर बार तुम्हर करा आय रहेंव, त तुमन ला चेताय रहेंव। जब मेंह तुम्हर बीच म नइं अंव, त मेंह
ओ बात ला फेर कहत हंव: जब मेंह आहूं, त ओमन ला नइं छोड़ंव, जऊन मन पहिली पाप करे रिहिन।
3 तुमन एकर सबूत चाहथव कि मसीह ह मोर दुवारा गोठियाथे। मसीह ह तुम्हर बर निरबल नो हय, पर ओह
तुम्हर बीच म अपन सामर्थ ला देखाथे।
4 ये बात तो सच ए कि ओह निरबलता म कुरूस ऊपर चघाय गीस, पर ओह परमेसर के सामर्थ के दुवारा
जीयत हवय। वइसनेच हमन ओमा निरबल हवन, पर परमेसर के सामर्थ ले तुम्हर सेवा करे बर हमन ओकर संग
जीयत रहिबो।
5 तुमन अपनआप ला परखव अऊ देखव कि तुमन बिसवास के मुताबिक चलत हवव कि नइं। अपनआप ला
जांचव। का तुमन नइं जानव कि मसीह यीसू ह तुमन म हवय? यदि नइं ए, त फेर तुमन जांच म फेल हो गे हवव।
6 पर मोला बिसवास हवय कि तुमन जान जाहू कि हमन जांच म पास हो गे हवन।
7 अब हमन परमेसर ले पराथना करत हवन कि तुमन कोनो गलत काम झन करव। एकरसेति नइं कि हमन
जांच म पास हो गे हवन, पर एकरसेति कि तुमन ओ काम करव जऊन ह सही ए, चाहे हमन फेल हो गे हवन
सहीं भले ही लगय।
8 काबरकि हमन सच के बिरोध म कुछू नइं कर सकन, पर हमन सिरिप सच के खातिर ही कर सकथन।
9 हमन ला खुसी हवय कि जब भी हमन निरबल हवन, त तुमन मजबूत हवव अऊ हमन पराथना करथन कि
तुमन पूरा सिद्ध बनव।
10 एकरे कारन, जब मेंह तुम्हर संग नइं अंव, त ये बातमन ला लिखत हवंव, ताकि जब मेंह तुम्हर करा आवंव,
त मोला अपन अधिकार के उपयोग करे म कठोर झन होना पड़य; काबरकि परभू ह मोला ये अधिकार तुम्हर
आतमिक उन्नति बर दे हवय, तुम्हर बिनास बर नइं।

[illegible]

11 आखिर म, हे भाई-बहिनीमन हो, आनंदित रहव! सिद्ध बने के कोसिस म रहव; एक-दूसर ला उत्साहित
करव; एक मत होके रहव अऊ सांति बनाय रखव। तभे मया अऊ सांति देवइया परमेसर ह तुम्हर संग रहिही।

---

* **13:1** ब्यव 19:15

12 पबितर चूमा के संग एक-दूसर ला जोहार करव।
13 इहां के जम्मो संत मनखेमन तुमन ला अपन जोहार कहत हवंय।

14 परभू यीसू मसीह के अनुग्रह, अऊ परमेसर के मया, अऊ पबितर आतमा के संगति तुमन जम्मो झन संग रहय।

गलातिया
के कलीसिया ला पौलुस के चिट्ठी

1 में, पौलुस एक प्रेरित अंव अऊ मेंह मनखेमन कोति ले या कोनो मनखे के दुवारा पठोय नइं गे हवंव, पर
मेंह यीसू मसीह अऊ परमेसर ददा के दुवारा पठोय गे हवंव, जऊन ह यीसू मसीह ला मरे म ले जियाईस—
2 मोर अऊ ओ जम्मो भाई जऊन मन मोर संग हवंय, हमर जम्मो कोति ले,
गलातिया के कलीसियामन ला ये चिट्ठी मिलय:
3 परमेसर हमर ददा अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलय।
4 एहीच परभू यीसू ह अपनआप ला हमर पाप खातिर दे दीस ताकि ओह हमर परमेसर अऊ ददा के ईछा के
मुताबिक हमन ला ये जुग के पापी संसार ले बचावय।
5 परमेसर के महिमा जुग-जुग होवत रहय। आमीन।

[illegible]

6 मोला अचरज होवत हवय कि जऊन ह तुमन ला मसीह के अनुग्रह के दुवारा बलाईस, ओला तुमन अतेक
जल्दी छोंड़ देवत हव, अऊ आने किसम के सुघर संदेस कोति जावत हवव।
7 असल म, अऊ आने किसम के सुघर संदेस हवय ही नइं। पर कुछू मनखेमन तुम्हर बीच म गड़बड़ी करत
हवंय अऊ ओमन तुमन ला मसीह के सुघर संदेस ले हटाय के कोसिस करत हवंय।
8 पर कहूं हमन या स्वरग ले कोनो दूत घलो ओ सुघर संदेस ला छोंड़, जऊन ला हमन तुमन ला सुनाय हवन,
कोनो आने किसम के सुघर संदेस सुनाथे, त ओह परमेसर के दुवारा सरापित होवय!
9 जइसने कि हमन पहिले बताय हवन, ओ बात ला, मेंह फेर कहत हंव: जऊन सुघर संदेस ला तुमन गरहन
करे हवव ओला छोंड़, यदि कोनो अऊ आने किसम के सुघर संदेस के परचार करथे, त ओह परमेसर के दुवारा
सरापित होवय!
10 का मेंह अब मनखे के मन ला जीते के कोसिस करत हवंव या फेर परमेसर के? या का मेंह मनखेमन ला खुस
करे के कोसिस करत हवंव? यदि मेंह अभी तक ले मनखेमन ला खुस करे के कोसिस करत रहितेंव, त मेंह मसीह
के सेवक नइं होतेंव।

[illegible]

11 हे भाईमन हो, मेंह चाहथंव कि तुमन जानव कि जऊन सुघर संदेस के परचार मेंह करेंव, ओह मनखे के
बनाय नो ह्य।
12 येह मोला कोनो मनखे ले नइं मिलिस अऊ न ही मोला येह सिखोय गीस, पर यीसू मसीह खुद येला मोर
ऊपर परगट करिस।
13 यहूदी मत म मोर जऊन पहिली के जिनगी रिहिस, ओकर बारे म तुमन सुन डारे हवव; मेंह कइसने परमेसर
के कलीसिया ऊपर घोर अतियाचार करत रहेंव अऊ ओला नास करे के कोसिस करत रहेंव।
14 यहूदी मत म, मेंह अपन उमर के कतको यहूदीमन ले बहुंते आघू रहेंव अऊ मोर पुरखामन के रीति-रिवाज
बर मेंह बहुंते समरपित रहेंव।
15 पर जब परमेसर, जऊन ह मोला मोर दाई के पेट ले ही चुन ले रिहिस अऊ अपन अनुग्रह के दुवारा मोला
बलाईस,
16 ओला ये बने लगिस कि ओह अपन बेटा ला मोर ऊपर परगट करय, ताकि मेंह ओकर परचार आनजातमन
के बीच म करंव। एकर बर, मेंह तुरते न तो कोनो मनखे ले सलाह लेंव,
17 अऊ न ही में यरूसलेम म ओमन करा गेंव, जऊन मन मोर ले पहिले प्रेरित रिहिन, पर मेंह तुरते अरब देस
चले गेंव अऊ बाद म दमिस्क सहर लहुंटके आएंव।
18 तब तीन साल के बाद, मेंह कैफा* ले मिले बर यरूसलेम सहर गेंव अऊ ओकर संग पंदरह दिन तक रहेंव।
19 पर उहां मेंह परभू के भाई याकूब ला छोंड़ अऊ कोनो प्रेरित ला नइं देखेंव।

---

* **1:18** याने कि, पतरस

20 मेंह परमेसर के आघू म तुमन ला भरोसा दिलाके कहथंव कि जऊन कुछू मेंह तुमन ला लिखत हवंव, ओह
कोनो लबारी गोठ नो हय।
21 बाद म, मेंह सीरिया अऊ किलिकिया देसमन म गेंव।
22 यहूदिया प्रदेस के कलीसिया के मनखे जऊन मन मसीह म हवंय, मोला नइं देखे रिहिन।
23 ओमन सिरिप ये सुने रिहिन: "जऊन मनखे ह हमर ऊपर पहिले अतियाचार करत रिहिस, अब ओह ओहीच
बिसवास के परचार करत हवय, जऊन ला ओह एक बार नास करे के कोसिस करत रिहिस।"
24 अऊ मोर कारन ले, ओमन परमेसर के महिमा करिन।

2

[illegible]

1 तब चौदह साल के बाद, मेंह बरनबास के संग फेर यरूसलेम सहर गेंव। मेंह अपन संग तीतुस ला घलो ले
गेंव।
2 मेंह उहां गेंव काबरकि परमेसर ह अगुवई करिस कि मेंह उहां जावंव अऊ ओमन ला, ओ सुघर संदेस
बतावंव, जेकर परचार मेंह आनजातमन के बीच म करथंव। पर मेंह ये सुघर संदेस सिरिप ओमन ला निजी तौर
म बताएंव, जऊन मन मोला मुखिया सहीं लगिन, काबरकि मेंह नइं चाहत रहेंव कि मोर पहिली के या अभी के
काम ह बेकार हो जावय।
3 पर अऊ त अऊ तीतुस, जऊन ह एक यूनानी मनखे रिहिस अऊ मोर संग रिहिस, ओकर ऊपर खतना कराय
बर दबाव नइं डाले गीस।
4 ये बात ह उठिस काबरकि कुछू लबरा भाईमन हमर बीच म चुपेचाप आ गे रिहिन, ताकि मसीह यीसू म हमर
जऊन सुतंतरता हवय, ओमन ओकर बारे म पता लगावंय अऊ हमन ला यहूदी रीति-रिवाज अऊ कानून के
गुलाम बना लेवंय।
5 ओमन के अधीन होवई बर हमन एक छिन बर घलो तियार नइं रहेंन, ताकि सुघर संदेस के सच्चई ह तुमन
म बने रहय।
6 पर जऊन मन बड़े मनखे जान पड़त रिहिन, ओमन जऊन कुछू घलो रिहिन, एकर ले मोला कोनो फरक नइं
पड़य; परमेसर ह भेदभाव नइं करय—ओ बड़े मनखेमन ले मोला कोनो नवां बात नइं मिलिस।
7 एकर उल्टा, ओमन देखिन कि जइसने यहूदीमन ला सुघर संदेस सुनाय के काम पतरस ला सऊंपे गे रिहिस,
वइसने आनजातमन ला सुघर संदेस सुनाय के काम मोला दिये गे हवय।
8 काबरकि परमेसर, जऊन ह पतरस के सेवा के जरिये काम करिस, ओह मोर सेवा के जरिये घलो काम करिस।
पतरस ह यहूदीमन बर प्रेरित ए अऊ मेंह आनजातमन बर।
9 याकूब, कैफा अऊ यूहन्ना के खियाती, कलीसिया के खंभा के रूप म रिहिस। जब ओमन मोला दिये गय
परमेसर के अनुग्रह ला जानिन, त ओमन बरनबास अऊ मोला संगति के जेवनी हांथ दीन, अऊ हमर बीच म ये
सहमती होईस कि हमन आनजातमन करा जावन अऊ ओमन यहूदीमन करा।
10 ओमन हमन ला सिरिप ये सलाह दीन कि हमन गरीबमन ला हमेसा सुरता करत रहन, अऊ एहीच काम
ला करे बर, मेंह खुद उत्सुक रहेंव।

[illegible]

11 जब कैफा ह अंताकिया सहर म आईस, त मेंह ओकर सामने ही ओकर बिरोध करंय, काबरकि ओह गलत
करत रिहिस।
12 याकूब के इहां ले कुछू मनखेमन के आय के पहिली, ओह आनजातमन के संग खाय करत रिहिस। पर जब
ओमन आईन, त ओह पाछू हटे लगिस अऊ अपनआप ला आनजातमन ले अलग करे लगिस, काबरकि ओह
ओमन ले डरत रिहिस, जऊन मन ये कहत रिहिन कि खतना करवाना जम्मो बिसवासी बर जरूरी ए।
13 आने यहूदीमन घलो ओकर ढोंग म सामिल हो गीन। अऊ त अऊ बरनबास घलो ओमन के ढोंग के कारन,
बहकावा म आ गीस।

14 जब मेंह देखेंव कि ओमन सुघर संदेस के सच्चई के मुताबिक सही बरताव नइं करत हवंय, त मेंह जम्मो
झन के आघू म कैफा ला कहेंव, "तेंह एक यहूदी अस, पर तेंह एक आनजात सहीं जिनगी जीथस, यहूदी सहीं
नइं। तब तेंह कइसने आनजातमन ऊपर यहूदी रीति-रिवाज ला माने बर दबाव डालथस?
15 "हमन जनम ले यहूदी अन अऊ पापी आनजात के नो हन।
16 हमन जानथन कि मनखे ह मूसा के कानून ला पालन करे के दुवारा सही नइं ठहिरय, पर ओह यीसू मसीह
म बिसवास करे के दुवारा सही ठहिरथे। एकरसेति, हमन घलो मसीह यीसू ऊपर अपन बिसवास रखे हवन, ताकि
हमन मसीह म हमर बिसवास के दुवारा सही ठहिरन, मूसा के कानून ला पालन करे के दुवारा नइं। काबरकि मूसा
के कानून ला पालन करे के दुवारा कोनो सही नइं ठहिरय।
17 "पर यदि हमन मसीह म सही ठहिरे के खोज म रहिथन, त येह साबित करथे कि हमन खुदे पापी अन, त का
एकर मतलब ये अय कि मसीह ह पाप ला बढ़ावा देथे? बिलकुल नइं!
18 ओ चीज जऊन ला मेंह नास कर दे हवंव, यदि मेंह ओला फेर बनाथंव, त मेंह ये साबित करथंव कि मेंह
एक कानून टोरइया अंव।
19 "काबरकि कानून के जरिये, मेंह कानून बर मर गेंव, ताकि मेंह परमेसर बर जीयंव।
20 मेंह मसीह के संग कुरूस म चघाय जा चुके हवंव अऊ अब मेंह जीयत नइं अंव, पर मसीह ह मोर म
जीयत हवय। ओ जिनगी जऊन ला मेंह देहें म जीयत हवंव, ओला मेंह परमेसर के बेटा म बिसवास के दुवारा
जीयत हवंव, जऊन ह मोर ले मया करिस अऊ अपनआप ला मोर बर दे दीस।
21 मेंह परमेसर के अनुग्रह ला खारिज नइं करथंव, काबरकि कहूं मूसा के कानून के जरिये मनखे ह धरमी
ठहिरतिस, त मसीह के मिरतू ह बेकार होतिस!"

3

[illegible]

1 हे मुरूख गलातीमन हो! तुमन ला कोन ह मोह ले हवय? तुम्हर आंखी के आघू म यीसू मसीह ला कुरूस
ऊपर चघाय साफ-साफ देखाय गे रिहिस।
2 मेंह तुम्हर ले सिरिप एक बात जाने चाहत हंव: का तुमन ला मूसा के कानून ला पालन करे दुवारा, पबितर
आतमा मिलिस या फेर जऊन बात तुमन सुनेव, ओकर ऊपर बिसवास करे दुवारा।
3 का तुमन अतेक मुरूख अव? पबितर आतमा के संग सुरू करके, का अब अपन खुद के सक्ति ले सिद्ध बने के
कोसिस करत हवव?
4 का तुम्हर अतेक दुख उठई बेकार म गीस? मोला बिसवास नइं होवत हवय।
5 जब परमेसर ह तुमन ला अपन आतमा देथे अऊ तुम्हर बीच म चमतकार के काम करथे, त का येह तुमन
मूसा के कानून ला पालन करथव, ओकर सेति ए, या फेर जऊन बात तुमन सुनेव अऊ ओकर ऊपर बिसवास
करेव, ओकर कारन ए?
6 वइसने ही अब्राहम ह घलो "परमेसर के ऊपर बिसवास करिस अऊ ये बात ह ओकर बर धरमीपन गने
गीस।"*
7 तब तुमन ये बात ला जान लेवव कि जऊन मन परमेसर ऊपर बिसवास करथें, ओमन अब्राहम के संतान
अंय।
8 परमेसर के बचन ह पहिली ले बता दीस कि परमेसर ह आनजातमन ला बिसवास के दुवारा सही ठहिराही,
अऊ पहिली ले ही अब्राहम ला सुघर संदेस बता दीस: "तोर जरिये जम्मो जाति के मनखेमन आसीस पाहीं।"†
9 एकरसेति जऊन मन बिसवास करथें, ओमन अब्राहम याने कि बिसवास के पुरूस के संग आसीस पाथें।
10 ओ जम्मो झन, जऊन मन मूसा के कानून ला पालन करे म भरोसा रखथें, ओमन एक सराप के अधीन
हवंय, काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: "हर ओ मनखे ह सरापित ए, जऊन ह मूसा के कानून के
किताब म लिखे जम्मो बात के पालन नइं करय।"‡
11 ये बात साफ ए कि परमेसर के आघू म, मूसा के कानून के दुवारा कोनो सही नइं ठहिरंय, काबरकि परमेसर
के बचन ह कहिथे, "धरमी मनखे ह बिसवास के दुवारा जीयत रहिही।"§

* **3:6** उत 15:6 † **3:8** उत 12:3; 18:18; 22:18 ‡ **3:10** ब्यव 27:26 § **3:11** हब 2:4

12 मूसा के कानून ह बिसवास के ऊपर अधारित नइं ए; पर जऊन मनखे ह कानूनमन के पालन करही, ओह
ओमन के दुवारा जीयत रहिही।
13 मसीह ह हमर बर सरापित होईस अऊ हमन ला मूसा के कानून के सराप ले दाम देके छोंड़ाईस, काबरकि
परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: "हर ओ मनखे ह सरापित ए, जेला खंभा म टांगे जाथे।"*
14 ओह हमन ला दाम देके छोंड़ाईस ताकि अब्राहम ला दिये गे आसीस, मसीह यीसू के जरिये आनजातमन
ला मिलय, अऊ बिसवास के दुवारा हमन ला ओ पबितर आतमा मिलय, जेकर वायदा परमेसर ह करे रिहिस।

[illegible]

15 हे भाईमन हो, मेंह मनखे के जिनगी ले एक उदाहरन देवत हवंव। जब दू झन मनखे करार करके ओला
पक्का करथें, त ओला कोनो न तो रद्द कर सकंय अऊ ओमा न कुछ्छू जोड़ सकंय। अइसने बात येमा घलो अय।
16 परतिगियां के बात अब्राहम ले अऊ ओकर संतान ले करे गे रिहिस। परमेसर के बचन ये नइं कहय, "अऊ
संतानमन ला" जेकर मतलब होथे—बहुंत मनखे; पर परमेसर के बचन ये कहिथे, "अऊ तोर संतान ला"† जेकर
मतलब होथे—एक झन, जऊन ह मसीह अय।
17 मोर कहे के मतलब ये अय: परमेसर ह करार करिस अऊ ओला पूरा करे बर परतिगियां करिस। मूसा के
कानून ह एकर 430 साल के बाद आईस अऊ ये कानून परमेसर के करार ला रद्द नइं कर सकय अऊ ओकर
परतिगियां ला बेकार नइं कर सकय।
18 काबरकि यदि उत्तराधिकार ह मूसा के कानून के दुवारा मिलथे, त फेर येह परतिगियां के दुवारा नइं मिल
सकय; पर परमेसर ह येला एक परतिगियां के दुवारा अब्राहम ला दीस।
19 तब, मूसा के कानून के का उदेस्य रिहिस? येला तो पाप के कारन जोड़े गे रिहिस कि येह अब्राहम के ओ
बंस के आवत तक रहय, जेकर परतिगियां परमेसर ह करे रिहिस। मूसा के कानून ह स्वरगदूतमन के जरिये एक
बिचवई के दुवारा दिये गीस।
20 बिचवई तो दू झन या दू ठन दल के बीच म ठहिराय जाथे; पर परमेसर ह एके झन अय।
21 तब का मूसा के कानून ह परमेसर के परतिगियां के बिरोध म हवय? बिलकुल नइं! काबरकि यदि अइसने
कानून दिये गे होतिस, जऊन ह मनखेमन ला जिनगी दे सकथे; तब सही म धरमीपन ह मूसा के कानून के दुवारा
होतिस।
22 पर परमेसर के बचन ह कहिथे कि जम्मो संसार ह पाप के अधीन हवय, ताकि यीसू मसीह म बिसवास के
जरिये, जऊन चीज ला दिये जाय के परतिगियां करे गे रिहिस, ओ चीज ह ओमन ला दिये जा सकय, जऊन मन
बिसवास करथें।

[illegible]

23 ये बिसवास के आय के पहिली, हमन मूसा के कानून के दुवारा कैदी के सहीं रखे गे रहेंन अऊ बिसवास के
परगट होवत तक हमन बंद रहेंन।
24 ये किसम ले, मूसा के कानून ह मसीह के आवत तक हमर देखरेख करिस कि हमन बिसवास के दुवारा सही
ठहिरन।
25 अब बिसवास के समय ह आ गे हवय, अऊ हमन अब मूसा के कानून के अधीन नइं अन।
26 मसीह यीसू म बिसवास करे के सेति, तुमन जम्मो झन परमेसर के संतान अव,
27 काबरकि तुमन ले जतेक झन मसीह म एक होय बर बतिसमा ले हवव, तुमन मसीह के सुभाव ला अपना ले
हवव।
28 अब न कोनो यहूदी ए अऊ न ही यूनानी, न कोनो गुलाम न सुतंतर, न कोनो नर न नारी, काबरकि तुमन
जम्मो झन मसीह यीसू म एक अव।
29 यदि तुमन मसीह के अव, त तुमन अब्राहम के बंस अव अऊ परमेसर के परतिगियां के मुताबिक वारिस
अव।

4

1 मोर कहे के मतलब ए कि जब तक वारिस ह नबालिक हवय, तब तक ओमा अऊ गुलाम म कोनो अंतर नइं
ए, हालाकि ओह जम्मो संपत्ति के मालिक ए।

* **3:13** ब्यव 21:23 † **3:16** उत 12:7; 13:15; 24:7

2 ओह अपन ददा के ठहिराय समय तक संरछक अऊ संपत्ति के देखरेख करइयामन के अधीन रहिथे।
3 ओही किसम ले जब हमन लइका रहेंन, त हमन संसार के अंधियार के सक्ति के गुलाम रहेंन।
4 पर जब आखिर म सही समय आईस, त परमेसर ह अपन बेटा ला पठोईस, जऊन ह एक माईलोगन ले
जनमिस अऊ ओह मूसा के कानून के अधीन पईदा होईस,
5 ताकि जऊन मन मूसा के कानून के अधीन हवंय, ओमन ला दाम देके छोंड़ावय अऊ हमन ला बेटा के पूरा
अधिकार मिलय।
6 काबरकि तुमन ओकर बेटा अव, परमेसर ह अपन बेटा के आतमा ला हमर हिरदय म पठोय हवय अऊ ये
आतमा ह ऊंचहा अवाज म कहिथे, "हे ??????, हे ददा।"
7 एकरसेति अब तुमन गुलाम नो हव, पर तुमन बेटा अव, अऊ जब तुमन बेटा अव, त परमेसर ह तुमन ला
वारिस घलो बनाय हवय।

??????? ?? ????? ?? ????

8 पहिली जब तुमन परमेसर ला नइं जानत रहेव, त तुमन ओमन के गुलाम रहेव, जऊन मन बिलकुल ही
परमेसर नो हंय।
9 पर अब तुमन परमेसर ला जानथव, या फेर मोला ये कहना चाही कि परमेसर ह तुमन ला जानथे, त का
बात ए कि तुमन ओ निरबल अऊ दयनीय अंधियार के सक्तिमन कोति फेर वापिस लहुंटत हवव? का तुमन
ओमन के फेर गुलाम बने चाहथव?
10 तुमन बिसेस दिन, महिना, मौसम अऊ सालमन ला मानथव।
11 मेंह तुम्हर बारे म डरत हवंव कि तुम्हर बर जऊन मेहनत मेंह करे हवंव, ओह बेकार झन हो जावय।
12 हे भाईमन हो, में तुमन ले बिनती करत हंव, तुमन मोर सहीं बन जावव, काबरकि मेंह तुम्हर सहीं बन गे
हवंव। तुमन मोर कुछू गलत नइं करे हवव।
13 जइसने कि तुमन जानथव कि पहिली बार एक बेमारी के कारन, मेंह तुमन ला सुघर संदेस सुनाय रहेंव,
14 अऊ हालाकि मोर बेमारी ह तुम्हर बर एक परिछा के बेरा रिहिस, फेर तुमन मोर अनादर या अपमान नइं
करेव। एकर बदले, तुमन मोर अइसने सुवागत करेव जइसने कि मेंह परमेसर के एक स्वरगदूत रहेंव या फेर मेंह
खुद मसीह यीसू रहेंव।
15 तुम्हर ओ जम्मो आनंद ला का होईस? मेंह तुम्हर बर गवाही दे सकथंव कि यदि संभव होतिस, त तुमन
अपन आंखी निकालके मोला दे देतेव।
16 तुमन ला सच कहे के कारन, का अब मेंह तुम्हर बईरी हो गे हवंव?
17 ओ आने मनखेमन तुम्हर बर बहुंत लगाव रखथें, पर ओमन के मनसा ठीक नइं ए। ओमन तुमन ला हमर ले
अलग करे चाहथें, ताकि तुमन ओमन के प्रति लगाव बनाय रखव।
18 कहूं उदेस्य ह सही हवय, त लगाव रखई हमेसा बने बात होथे, अऊ हमेसा अइसने होना चाही, ये नइं कि
जब मेंह तुम्हर संग रहिथंव, सिरिप ओही समय तुमन लगाव बनाय रखव।
19 हे मोर मयारू लइकामन हो, जब तक मसीह के सुभाव ह तुमन म नइं बन जावय, मेंह फेर ओ पीरा ला
सहथंव, जइसने एक दाई ह लइका जनमे के बेरा पीरा सहथे।
20 मोर बहुंत ईछा हवय कि अब मेंह तुम्हर संग रहंव अऊ तुम्हर बर अपन बोले के ढंग ला बदलंव, काबरकि
मेंह तुम्हर बारे म दुबिधा म हवंव!

??????? ?? ????

21 जऊन मन मूसा के कानून के अधीन रहे चाहथव, मोला बताववव, का तुमन नइं जानव कि मूसा के कानून ह
का कहिथे?
22 ओमा ये लिखे हवय कि अब्राहम के दू झन बेटा रिहिन; एक झन ह गुलाम माईलोगन हाजिरा ले अऊ
दूसर झन ह सुतंतर माईलोगन सारा ले।
23 गुलाम माईलोगन ले ओकर बेटा ह सधारन तरीका ले जनमे रिहिस, पर सुतंतर माईलोगन ले ओकर बेटा
ह परमेसर के परतिगियां के मुताबिक जनमे रिहिस।
24 ये बातमन ला एक पटंतर के रूप म लिये जा सकथे: ये माईलोगनमन दू ठन करार सहीं अंय। एक करार ह
सीनय पहाड़ ले अय, जेकर ले गुलाम लइकामन पईदा होथें, अऊ येह हाजिरा ए।

25 हाजिरा ह अरब देस के सीनय पहाड़ सहीं अय अऊ येह अभी के यरूसलेम सहर ला दरसाथे, काबरकि
ओह अपन लइकामन संग गुलामी म हवय।
26 पर जऊन यरूसलेम स्वरग म हवय, ओह सुतंतर हवय अऊ ओह हमर दाई ए।
27 काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय:
"हे ठड़गी माईलोगन, खुसी मना,
तें, जऊन ह कभू लइका नइं जनमाय;
आनंद के मारे चिचिया अऊ जोर से पुकार,
तें, जेला लइका जनमे के पीरा कभू नइं होईस;
काबरकि तियागे माईलोगन के लइकामन
बिहाता माईलोगन के लइकामन ले जादा हवंय।"*
28 अब, हे भाईमन हो, तुमन इसहाक के सहीं परमेसर के परतिगियां के संतान अव।
29 ओ समय, सधारन तरीका ले जनमे बेटा ह परमेसर के आतमा के मुताबिक जनमे बेटा ऊपर अतियाचार
करत रिहिस, अऊ अभी घलो वइसनेच होवत हवय।
30 पर परमेसर के बचन ह का कहिथे? "गुलाम माईलोगन अऊ ओकर बेटा ला घर ले निकाल दे, काबरकि
गुलाम माईलोगन के बेटा ह सुतंतर नारी के बेटा संग पुरखा के संपत्ति म कभू भागी नइं होही।"†
31 एकरसेति, हे भाईमन हो, हमन गुलाम माईलोगन के संतान नो हन, पर हमन सुतंतर माईलोगन के संतान
अन।

5

[illegible]

1 सुतंतर रहे खातिर, मसीह ह हमन ला सुतंतर करे हवय। इही म मजबूती से बने रहव अऊ अपनआप ला
फेर गुलाम झन बनावव।
2 मोर बातमन ला धियान देवव! में, पौलुस, तुमन ला कहत हंव कि यदि तुमन अपन खतना करवाथव, तब
मसीह ह तुम्हर बर कोनो मतलब के नइं होही।
3 मेंह हर एक झन ला फेर बता देवत हंव कि जऊन ह अपन खतना करवाथे, ओकर बर ये जरूरी अय कि ओह
मूसा के जम्मो कानून के पालन करय।
4 तुमन जऊन मन मूसा के कानून के दुवारा सही ठहिरे के कोसिस करत हवव, तुमन मसीह ले दूरिहा हो गे
हवव, अऊ तुमन अनुग्रह ले घलो दूरिहा हो गे हवव।
5 पर हमन धरमीपन के आसा करथन अऊ बिसवास के दुवारा, हमन पबितर आतमा के जरिये, ये धरमीपन के
बाट जोहथन।
6 काबरकि मसीह यीसू म, न तो खतना के अऊ न ही बिगर खतना के कोनो मतलब हवय। सिरिप एक बात के
महत्व हवय, अऊ ओह बिसवास अय, जऊन ह मया के जरिये परगट होथे।
7 तुमन बहुंत बढ़िया चलत रहेव। सच ला माने बर तुम्हर रसता म कोन ह बाधा डारिस?
8 ये किसम के सिकछा परमेसर कोति ले नइं होवय, जऊन ह तुमन ला बलाथे।
9 "थोरकन खमीर ह जम्मो गुंथाय पीसान ला खमीर कर देथे।"
10 परभू म मोला भरोसा हवय कि मोर ले अलग तुम्हर अऊ कोनो आने बिचार नइं होही। जऊन ह तुमन ला
संका म डारथे, ओह चाहे कोनो होवय, अपन सजा ला पाही।
11 हे भाईमन हो, कहूं मेंह अभी घलो खतना करवाय के परचार करत हवंव, त फेर काबर मोर ऊपर अब तक
अतियाचार करे जावत हवय? ओ स्थिति म, कुरूस म मसीह के मिरतू के बारे म परचार करे म कोनो बाधा नइं
होही।
12 बने होतिस कि जऊन मन तुमन ला भड़कावथें, ओमन जाके अपनआप ला नपुंसक बना डारतिन!

[illegible]

13 हे मोर भाईमन हो, तुमन सुतंतर होय बर बलाय गे रहेव। पर अपन सुतंतरता के उपयोग पाप के काम करे
बर झन करव, पर नम्र होके मया के संग एक-दूसर के सेवा करव।

---

* **4:27** यसा 54:1 † **4:30** उत 21:10

14 काबरकि मूसा के जम्मो कानून ह एकेच हुकूम म पूरा हो जाथे: “तें अपन परोसी ले अपन सहीं मया कर।”*
15 यदि तुमन एक-दूसर ला चोट पहुंचाथव अऊ एक-दूसर के नुकसान करथव, तब सचेत रहव, नइं तो तुमन
एक-दूसर के दुवारा नास हो जाहू।
16 एकरसेति, मेंह कहत हंव कि पबितर आतमा के अगुवई म चलव, त तुमन अपन पापी सुभाव के ईछा ला
पूरा करे ले बचे रहिहू।
17 काबरकि पापी सुभाव के ईछा ह पबितर आतमा के बिरोध म होथे, अऊ पबितर आतमा के ईछा ह पापी
सुभाव के बिरोध म होथे। येमन एक-दूसर के बिरोधी अंय, ताकि तुमन ओ काम ला झन कर सकव, जऊन ला
तुमन करे चाहथव।
18 पर, कहूं पबितर आतमा ह तुम्हर अगुवई करथे, तब तुमन मूसा के कानून के अधीन नइं अव।
19 देहें के काममन तो साफ अंय: छिनारी, असुधता, दुराचार,
20 मूरती-पूजा, जादू-टोना, बईरता, झगरा, जलन, कोरोध, सुवारथीपन, फूट, गुटबंदी,
21 डाह, मतवारपन, रंगरेली मनई अऊ ये किसम के आने काम। मेंह तुमन ला चेतावत हवंव, जइसने मेंह
पहिली घलो चेताय रहेंव कि जऊन मन ये किसम के काम ला करथें, ओमन परमेसर के राज के भागीदार नइं
होवंय।
22 पर पबितर आतमा के फर ह मया, आनंद, सांति, धीरज, दया, भलई, बिसवास,
23 नमरता अऊ संयम अय। अइसने-अइसने बात के बिरोध म कोनो कानून नइं ए।
24 जऊन मन मसीह यीसू के अंय, ओमन अपन देहें ला एकर लालसा अऊ ईछा सहित कुरूस ऊपर चघा दे
हवंय।
25 जब हमन पबितर आतमा के दुवारा जिनगी जीयथन, त आवव, हमन पबितर आतमा के मुताबिक चलन
घलो।
26 हमन घमंडी झन होवन, एक-दूसर ला झन भड़कावन अऊ हमन एक-दूसर ले डाह झन करन।

6

[illegible]

1 हे भाईमन हो, यदि कोनो मनखे ह कोनो पाप म पड़ जाथे, त तुमन जऊन मन पबितर आतमा के चलाय
चलथव, ओला नमरता से संभालव। पर अपन धियान रखव कि कहूं तुमन घलो परिछा म झन पड़ जावव।
2 तुमन एक-दूसर के बोझा उठावव, तब ये किसम ले तुमन मसीह के कानून ला पूरा करहू।
3 कहूं कोनो मनखे ह ये सोचथे कि ओह कुछू अय, जबकि सही म ओह कुछू नो हय, त ओह अपनआप ला
धोखा देथे।
4 हर एक झन अपन खुद के चालचलन ला जांचय, तब ओह आने मनखे संग तुलना करे बिगर, अपन
चालचलन के ऊपर घमंड करय।
5 काबरकि हर एक मनखे ला अपन बोझा खुद उठाय बर पड़ही।
6 तुमन अपन जम्मो सुघर चीज ला ओकर संग बांटव, जऊन ह तुमन ला परमेसर के बचन के सिकछा देथे।
7 धोखा झन खावव: परमेसर के ठट्ठा नइं करे जा सकय। मनखे ह जऊन कुछू बोथे, ओहीच ला लूथे।
8 जऊन ह अपन पापी सुभाव ला खुस करे बर बोथे, ओह ओ पापी सुभाव ले बिनास के फसल लूथे; अऊ
जऊन ह पबितर आतमा ला खुस करे बर बोथे, ओह पबितर आतमा के दुवारा परमेसर के संग सदाकाल के
जिनगी के फसल ला काटही।
9 आवव, हमन भलई के काम करे बर झन छोंड़न। काबरकि यदि हमन हिम्मत नइं हारन, त सही मऊका म
फसल ला लूबो।
10 एकरसेति, आवव, जिहां तक हो सकय, हमन जम्मो मनखे के भलई करन, खास करके ओमन के भलई करन,
जऊन मन मसीह ऊपर बिसवास करइया परिवार ले आथें।

[illegible]

* **5:14** लैव्य 19:18

11 देखव, मेंह कइसने बड़े-बड़े अकछर म तुमन ला अपन हांथ ले लिखत हवंव!

12 जऊन मन बाहिरी रूप ले परभाव जमाय चाहथें, ओमन तुम्हर ऊपर दबाव डारे के कोसिस करथें कि तुमन
खतना करवाव। ओमन ये काम सिरिप एकरसेति करथें, ताकि मसीह के कुरूस के कारन ओमन के ऊपर सतावा
झन आवय।
13 अऊ त अऊ जऊन मन खतना करवाथें, ओमन मूसा के कानून ला नइं मानंय, तभो ले ओमन चाहथें कि
तुमन खतना करवाव, ताकि ओमन तुम्हर देहें के बारे म डींग मार सकंय।
14 ये बात ह मोर ले दूरिहा रहय कि मेंह अऊ काकरो ऊपर घमंड करंव, सिरिप हमर परभू यीसू मसीह के कुरूस
के छोंड़, जेकर दुवारा संसार ह मोर बर कुरूस ऊपर चघाय गीस अऊ मेंह संसार बर कुरूस ऊपर चघाय गेंव।
15 न तो खतना के अऊ न ही बिगर खतना के कोनो मतलब हवय; सिरिप नवां सिरिस्टी होना ही जम्मो कुछू
अय।
16 जऊन मन ये नियम म चलथें, ओ जम्मो झन ऊपर अऊ परमेसर के इसरायल ऊपर सांति अऊ दया होवय।

17 आखिरी बात ये अय कि कोनो मोर बर समस्या झन ठाढ़ करय, काबरकि जऊन दागमन मोर देहें म हवंय,
ओमन साबित करथें कि मेंह यीसू के गुलाम अंव।

18 हे भाईमन हो, हमर परभू यीसू मसीह के अनुग्रह तुम्हर आतमा ऊपर बने रहय। आमीन।

इफिसुस
के कलीसिया ला पौलुस के चिट्ठी

1 में, पौलुस जऊन ह कि परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के एक प्रेरित अंव,
इफिसुस सहर के परमेसर के ओ संतमन ला ये चिट्ठी लिखत हंव, जऊन मन मसीह यीसू म बिसवासयोग्य मनखे अंय:
2 तुमन ला, हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह ले अनुग्रह अऊ सांति मिलय।

[illegible]

3 परमेसर अऊ हमर परभू यीसू मसीह के ददा के परसंसा होवय, जऊन ह हमन ला स्वरगीय ठऊर म मसीह म हर एक आतमिक आसीस दे हवय।
4 काबरकि परमेसर ह हमन ला संसार ला रचे के पहिली मसीह म चुन लीस कि हमन ओकर नजर म पबितर अऊ निरदोस ठहिरन।
5 अपन खुसी अऊ ईछा मुताबिक, मया म, ओह पहिलेच ले ये फैसला करे रिहिस कि हमन यीसू मसीह के दुवारा ओकर बेटा बनबो,
6 ताकि ओकर महिमामय अनुग्रह के परसंसा होवय, जेला ओह अपन मयारू बेटा म हमन ला मुफत म दे हवय।
7 यीसू मसीह म हमन ला ओकर लहू के दुवारा पाप ले मुक्ति मिलिस—याने कि पाप के छेमा परमेसर के बहुंतायत अनुग्रह के मुताबिक होईस,
8 जऊन ला ओह जम्मो बुद्धि अऊ समझ सहित हमर ऊपर बहुंतायत ले खरचा करिस।
9 अऊ ओह अपन ईछा के भेद ला, अपन सुमति के मुताबिक हमन ला बताईस; जऊन ला ओह मसीह म ठान ले रिहिस।
10 ताकि जब समय ह पूरा होही, त परमेसर ह अपन ये योजना ला पूरा करही—याने कि ओह स्वरग म अऊ धरती म जम्मो चीजमन ला एक संग एके झन मसीह के अधिकार म कर दीही।
11 परमेसर के योजना के मुताबिक, येह पहिली ले फैसला करे गे हवय कि ओमा हमन घलो चुने गे हवन। ओह हर एक चीज ला अपन ईछा के उदेस्य के संग पूरा करथे,
12 ताकि हमन जऊन मन कि पहिली मसीह ऊपर आसा रखे रहेंन, ओकर महिमा के इस्तुति के कारन बनन।
13 अऊ तुमन घलो मसीह म मिलाय गे रहेव, जब तुमन सत के बचन ला सुनेव, जऊन ह उद्धार के सुघर संदेस अय। ओमा, जब तुमन बिसवास करेव, त परतिगियां करे गय पबितर आतमा के मुहर तुमन म लगिस।
14 अऊ ये पबितर आतमा ह हमर उत्तराधिकारी बने के गारंटी ए, जब तक कि परमेसर ह ओमन ला जऊन मन ओकर संपत्ति अंय, पाप ले मुक्ति नइं दे देवय, जेकर ले ओकर महिमा के इस्तुति होवय।

[illegible]

15 एकरसेति, जब ले मेंह परभू यीसू म तुम्हर बिसवास के बारे अऊ जम्मो संतमन बर तुम्हर मया के बारे म सुने हवंव,
16 तब ले मेंह तुमन ला अपन पराथना म सुरता करत, तुम्हर बर धनबाद देवई बंद नइं करे हवंव।
17 मेंह हमेसा बिनती करथंव कि हमर परभू यीसू मसीह के परमेसर, महिमामय ददा ह तुमन ला बुद्धि अऊ आतमिक परकासन के आतमा देवय, ताकि तुमन ओला अऊ बने करके जानव।
18 मेंह ये घलो पराथना करथंव कि तुम्हर हिरदय के आंखीमन अंजोर होवंय, ताकि तुमन ओ आसा ला जानव, जेकर बर ओह तुमन ला बलाय हवय अऊ ये घलो जानव कि संतमन म ओकर उत्तराधिकार के महिमा के धन का अय,
19 अऊ हमन बर जऊन मन कि बिसवास करथन, ओकर अतुलनीय महान सक्ति का अय। ओ सक्ति ह ओकर सक्तिसाली बल के सहीं अय, जऊन ह काम करत हवय,

20 जेकर उपयोग ओह तब करिस, जब ओह मसीह ला मरे म ले जियाईस अऊ ओला स्वरगीय ठऊर म अपन
जेवनी हांथ कोति बईठाईस।
21 मसीह ह जम्मो नियम, अधिकार, सक्ति अऊ परभूता के बहुंत ऊपर हवय अऊ ओह ओ हर एक नांव के
ऊपर हवय, जऊन ला कि ये समय या अवइया समय म दिये जा सकथे।
22 अऊ परमेसर ह जम्मो चीजमन ला ओकर गोड़ खाल्हे कर दीस अऊ ओला जम्मो चीजमन के ऊपर
कलीसिया बर मुखिया ठहिराईस,
23 अऊ ये कलीसिया ह ओकर देहें अय अऊ येह ओकर परिपूर्नता अय, जऊन ह हर एक चीज ला हर किसम
ले पूरा करथे।

2

[illegible]

1 पहिली तुमन अपन अपराध अऊ पाप के कारन मर गे रहेव।
2 ये अपराध अऊ पाप म रहत, तुमन ये संसार के रीति अऊ सैतान के पाछू चलत रहेव, जऊन ह अकास के
सासन करइया ए अऊ येह ओ आतमा अय, जऊन ह अब ओमन म काम करथे, जऊन मन परमेसर के हुकूम नइं
मानंय।
3 हमन जम्मो झन एक समय येमन के बीच, हमर देहें के लालसा म दिन बितावत रहेंन अऊ देहें अऊ मन के
ईच्छा ला पूरा करत रहेंन, अऊ ये किसम ले बाकि मानव-जाति सहीं, सुभाव ले कोरोध के संतान रहेंन।
4 पर परमेसर जऊन ह कि दया के धनी अय, हमर बर अपन बड़े मया के कारन,
5 ओह हमन ला मसीह के संग जियाईस, जब हमन अपराध म मर गे रहेंन—अनुग्रह के दुवारा तुम्हर उद्धार
होईस।
6 अऊ परमेसर ह हमन ला मसीह के संग जियाईस अऊ मसीह यीसू म स्वरगीय राज म हमन ला ओकर संग
बईठाईस,
7 ताकि अवइया समय म, ओह अपन अनुग्रह के असीम धन ला देखावय, जऊन ला ओह अपन दया ले
मसीह यीसू म हमर ऊपर परगट करिस।
8 काबरकि अनुग्रह ले, बिसवास के दुवारा, तुम्हर उद्धार होईस। अऊ येह तुम्हर अपन कोति ले नइं, फेर येह
परमेसर के दान ए।
9 अऊ येह मनखे के करम करे के कारन नो हय, ताकि कोनो घमंड झन करंय।
10 काबरकि परमेसर ह हमन ला बनाईस अऊ मसीह यीसू म ओ बने करम करे बर गढ़िस, जऊन ला परमेसर
ह पहिली ले हमर बर तियार करे हवय कि हमन ओ काममन ला करन।

[illegible]

11 एकरसेति, सुरता रखव कि तुमन जनम ले आनजात अव। अऊ जऊन मन अपनआप ला खतना वाले
कहिथें (ओमन के खतना, देहें म मनखेमन के हांथ ले करे गीस), ओमन तुमन ला बिगर खतना वाले कहिथें—
12 सुरता रखव, ओ समय तुमन बिगर मसीह के अऊ परमेसर के मनखे इसरायलीमन ले अलग रहेव अऊ
परतिगियां के करार ले अनजान रहेव, अऊ बिगर आसा के अऊ संसार म बिगर परमेसर के रहेव।
13 मसीह यीसू म, तुमन एक समय बहुंत दूरिहा रहेव, पर अब मसीह के लहू के दुवारा तुमन लकठा म लाय गे
हवव।
14 काबरकि मसीह ह खुद हमर सांति ए अऊ ओह यहूदी अऊ आनजातमन के बीच बईरता के ओ दीवार ला
नास कर दे हवय, जऊन ह ओमन ला अलग कर दे रिहिस अऊ ओह दूनों दल ला एक कर दे हवय।
15 मसीह ह अपन देहें म यहूदी कानून ला, हुकूम अऊ नियम सहित खतम कर दीस, ताकि ये दूनों जाति म ले
ओह अपन खुद म एक नवां मनखे बनावय अऊ ये किसम ले सांति के इस्थापना करय।
16 कुरूस म अपन मिरतू के दुवारा, मसीह ह ओमन के बईरता ला नास करिस अऊ ये किसम ले एक देहें म,
ओह दूनों दल के मेल-मिलाप परमेसर करा कुरूस के दुवारा कराईस।
17 मसीह ह आईस अऊ तुमन ला जऊन मन बहुंत दूरिहा रहेव अऊ ओमन ला जऊन मन लकठा म रिहिन,
दूनों ला सांति के परचार करिस।

18 काबरकि मसीह के दुवारा, हमन यहूदी अऊ आनजात, दूनों पबितर आतमा के जरिये परमेसर ददा करा आ
सकथन।
19 एकरसेति, तुमन अब परदेसी अऊ अजनबी नो हव, पर तुमन परमेसर के मनखेमन संग रहइया अऊ
परमेसर के परिवार के सदस्य अव।
20 अऊ तुमन प्रेरित अऊ अगमजानीमन के नीव के ऊपर बनाय गे हवव, जेकर कोना के पथरा खुद मसीह
यीसू अय।
21 ओमा जम्मो भवन ह एक संग जुड़े हवय अऊ परभू म एक पबितर मंदिर के रूप म बाढ़त जावत हवय।
22 अऊ ओमा तुमन घलो एक संग एक घर के रूप म बनाय जावत हवव, जऊन म परमेसर ह अपन आतमा म
होके रहिथे।

3

[illegible]

1 एकरे कारन, में पौलुस, तुम आनजातमन के हित म मसीह यीसू के कैदी अंव।
2 तुमन परमेसर के ओ अनुग्रह के काम के बारे म जरूर सुने हवव, जऊन ला परमेसर ह तुम्हर बर मोला करे
बर दे हवय।
3 अऊ ओ काम ये अय कि परमेसर ह अपन भेद ला परगट करिस अऊ मोला बताईस, जइसने कि मेंह
पहिली थोरकन लिखे हवंव।
4 जब तुमन येला पढ़हू, तब तुमन मसीह के भेद के बारे म मोर गियान ला समझहू,
5 जऊन ला आने पीढ़ी के मनखेमन ला नइं बताय गीस, जइसने येह अब पबितर आतमा के दुवारा परमेसर के
पबितर प्रेरित अऊ अगमजानीमन ऊपर परगट करे गे हवय।
6 अऊ भेद ह ये अय—कि आनजातमन, सुघर संदेस के दुवारा इसरायलीमन के संग वारिस, एकेच देहें के अंग
अऊ मसीह यीसू म परतिगियां के भागी अंय।
7 मेंह ये सुघर संदेस के सेवक, परमेसर के अनुग्रह के दान के दुवारा बने हवंव, जऊन ला कि ओकर सामर्थ के
परभाव के दुवारा मोला दिये गीस।
8 हालाकि मेंह परमेसर के जम्मो पबितर मनखे म सबले छोटे अंव, तभो ले ये अनुग्रह मोला दिये गीस कि
मेंह आनजातमन ला मसीह के अगम धन के परचार करंव,
9 अऊ येला अइसने साफ-साफ बतावंव कि हर एक झन ये भेद के बात ला देख सकंय, जऊन ह कि जम्मो
चीज के गढ़इया परमेसर म जुग-जुग ले लुकाय रिहिस।
10 ताकि अब कलीसिया के दुवारा परमेसर के नाना किसम के बुद्धि ला ओ सासन करइया अऊ अधिकारीमन
ला बताय जावय, जऊन मन स्वरगीय जगह म हवंय।
11 येह ओकर सदाकाल के मनसा के मुताबिक रिहिस, जऊन ला ओह हमर परभू मसीह यीसू म पूरा करिस।
12 अऊ मसीह म हमर संगति अऊ मसीह म हमर बिसवास के दुवारा, हमन निधड़क अऊ भरोसा के संग
परमेसर करा आ सकथन।
13 एकरसेति, मेंह तुम्हर ले बिनती करत हंव कि जऊन दुख-तकलीफ तुम्हर बर मेंह सहथंव, ओकर कारन
तुमन हिम्मत झन हारव। येह तुम्हर महिमा अय।

[illegible]

14 एकरे कारन मेंह ददा परमेसर के आघू म माड़ी टेकथंव,
15 जेकर ले स्वरग म अऊ धरती ऊपर, बिसवासीमन के हर एक घराना के नांव रखे जाथे।
16 मेंह पराथना करथंव कि अपन महिमा के धन के मुताबिक, ओह तुम्हर अंतस ला अपन आतमा के दुवारा,
सामर्थ के संग मजबूत करय,
17 ताकि मसीह ह तुम्हर हिरदय म बिसवास के दुवारा रहय। अऊ मेंह पराथना करथंव कि तुमन मया म जरी
पकड़त अऊ बढ़त जावव,
18 ताकि संतमन संग तुम्हर करा घलो समझे के ये सक्ति होवय कि मसीह के मया ह कतेक लम्बा अऊ चाकर
अऊ ऊंचहा अऊ गहिरा अय,

19 अऊ तुमन जान सकव कि मसीह के मया ह हमर गियान ले बढ़के होथे, ताकि तुमन परमेसर के जम्मो
भरपूरी ले भर जावव।
20 अब ओ, जऊन ह अइसने सामर्थी अय कि हमन जतकी मांगथन या सोचथन, ओकर ले घलो बहुंत जादा
कर सकथे, अऊ येह ओकर ओ सामर्थ के मुताबिक होथे, जऊन ह हमन म काम करथे।
21 ओकर महिमा, कलीसिया म अऊ मसीह यीसू म पीढ़ी दर पीढ़ी, जुग-जुग होवत रहय। आमीन।

4

[illegible]

1 तब परभू खातिर एक कैदी के रूप म, मेंह तुमन ले बिनती करथंव कि ओ बुलावा के लईक जिनगी जीयव,
जेकर बर तुमन बलाय गे हवव।
2 पूरा दीन अऊ नम्र बनव अऊ धीर धरके मया म एक-दूसर के सह लेवव।
3 सांति के बंधन म बंधाके पबितर आतमा के एकता ला बनाय रखे के पूरा कोसिस करव।
4 एक देहें अऊ एक पबितर आतमा हवय, जइसने कि एके आसा हवय, जेकर बर परमेसर ह तुमन ला बलाय
हवय।
5 एक परभू, एक बिसवास अऊ एक बतिसमा अय।
6 अऊ जम्मो झन के एके परमेसर अऊ ददा अय, जऊन ह जम्मो के ऊपर अऊ जम्मो के बीच म अऊ जम्मो
म हवय।
7 मसीह के ईछा के मुताबिक, हमन ले हर एक झन ला अनुग्रह दिये गे हवय।
8 एकरसेति परमेसर के बचन ह कहिथे:
"जब ओह ऊंचहा जगह म गीस,
ओह अपन संग बहुंत बंधुवामन ला ले गीस
अऊ मनखेमन ला बरदान दीस।"*
9 (ओह ऊपर चघिस—एकर मतलब होथे कि ओह पहिली, धरती के खाल्हे भागमन म उतरिस।
10 जऊन ह खाल्हे उतरिस, येह ओहीच अय, जऊन ह अकासमन ले घलो बहुंत ऊपर चघिस, ताकि जम्मो
संसार ला अपन उपस्थिति ले भर देवय।)
11 येह ओ अय, जऊन ह कुछू झन ला प्रेरित, कुछू झन ला अगमजानी, कुछू झन ला सुघर संदेस के परचारक
अऊ कुछू झन ला पास्टर अऊ गुरूजी होय के बरदान दीस,
12 ताकि परमेसर के मनखेमन सेवा के काम खातिर तियार करे जावंय अऊ मसीह के देहें† ह बढ़त जावय,
13 जब तक कि हमन जम्मो झन बिसवास म अऊ परमेसर के बेटा के गियान म एक सहीं नइं होवन, अऊ
परिपक्व मनखे बनके ओ पूरा सिद्धता ला नइं पा लेवन, जऊन ह मसीह म पाय जाथे।
14 तब हमन लइकामन सहीं नइं रहिबो, जऊन मन मनखेमन के धूर्तता अऊ चतुरई के दुवारा ओमन के धोखा
देवइया योजना म पड़ जाथें अऊ ओमन के उपदेस के झोंका ले डावांडोल होके एती-ओती बहकाय जाथें।
15 पर मया म सच ला गोठियाबो अऊ हमन जम्मो बात म, ओमा बाढ़त जाबो जऊन ह मुड़‡ अय याने कि
मसीह।
16 अऊ ओकर ले जम्मो देहें जुड़े रहिथे, अऊ ओमा हर एक जोड़ के दुवारा जम्मो देहें ह एक संग बंधे रहिथे;
अऊ जब हर भाग ह अपन काम करथे, त येह अपनआप मया म बढ़त अऊ बनत जाथे।

[illegible]

17 एकरसेति, मेंह तुमन ला कहत हंव अऊ परभू म जोर देवत हंव कि जइसने आनजातमन अपन मन के
बेकार सोच म चलथें, वइसने तुमन बिलकुल झन चलव।
18 ओमन के मन ह अंधियार म हवय। ओमन अपन हिरदय ला कठोर कर ले हवंय, जेकर कारन ओमन म
अगियानता हवय अऊ अगियानता के कारन ओमन परमेसर के जिनगी ले अलग हो गे हवंय।
19 ओमन ला कोनो सरम नइं ए, ओमन अपनआप ला दुराचार के काम बर दे देय हवंय, ताकि हर किसम के
असुध काम म हमेसा देहें के वासना म बने रहंय।

---

* **4:8** भजन 68:18 † **4:12** या [illegible] ‡ **4:15** या [illegible]

20 पर तुमन मसीह के अइसने सिकछा नइं पाय हवव।
21 तुमन सही रूप म, ओकर सुने हवव अऊ ओ सच्चई के सिकछा पाय हवव, जऊन ह यीसू म हवय।
22 एकरसेति अपन पुराना चालचलन ला छोंड़ देवव, जऊन ह तुम्हर पहिली के जिनगी ले संबंध रखथे अऊ
अपन धोखा देवइया लालसा के दुवारा बिगड़त जाथे;
23 अऊ अपन मन के आतमा म नवां बन जावव;
24 अऊ नवां चालचलन ला धर लेवव, जऊन ह सही के धरमीपन अऊ पबितरता म, परमेसर के सरूप म
सिरजे गे हवय।
25 एकरसेति, लबारी गोठियाय ला छोंड़ देवव अऊ तुमन ले हर एक झन अपन परोसी ले सच गोठियावय,
काबरकि हमन जम्मो झन एके देहें के सदस्य अन।
26 गुस्सा त करव, फेर पाप झन करव;§ सूरज के बुड़त के पहिली अपन गुस्सा ला थूक देवव।
27 अऊ सैतान ला कोनो मऊका झन देवव।
28 जऊन ह चोरी करथे, ओह अब चोरी झन करय, पर ईमानदारी के काम म अपन हांथ ले मेहनत करय;
ताकि जऊन मन ला जरूरत हवय, ओमन ला देय बर ओकर करा कुछू रहय।
29 तुम्हर मुहूं ले कोनो खराप बात झन निकलय, पर सिरिप ओहीच बात निकलय, जऊन ह जरूरत के
मुताबिक आने मन के बढ़ती म मददगार होथे, ताकि जऊन मन सुनंय, ओमन ला एकर ले फायदा होवय।
30 अऊ परमेसर के पबितर आतमा ला उदास झन करव, जेकर दुवारा तुम्हर ऊपर ओ दिन बर मुहर लगे हवय,
जब पाप ले मुक्ति होही।
31 जम्मो किसम के करू बात, रोस, गुस्सा, कलह, निन्दा अऊ जम्मो किसम के बईरता ला छोंड़ देवव।
32 एक-दूसर के ऊपर दया अऊ किरपा करव, अऊ जइसने परमेसर ह मसीह म तुमन ला छेमा करिस, वइसने
तुमन घलो एक-दूसर ला छेमा करव।

5

1 एकरसेति, मयारू लइकामन सहीं परमेसर के अनुसरन करव,
2 अऊ मया के जिनगी जीयव, जइसने मसीह ह हमन ला मया करिस अऊ अपनआप ला हमर बर महकत
भेंट अऊ बलिदान के रूप म परमेसर ला दे दीस।
3 पर तुम्हर बीच म छिनारी या कोनो किसम के असुध बात या लालच के चरचा तक झन होवय, काबरकि ये
बातमन परमेसर के पबितर मनखेमन बर उचित नो हंय।
4 अऊ तुम्हर बीच म न खराप बात, न मुरूखता के बात अऊ न खराप हंसी-ठट्ठा होवय, काबरकि ये बातमन
तुम्हर बर ठीक नो हंय, पर तुम्हर बीच म धनबाद के बात होवय।
5 तुमन ये निस्चित जानव कि जऊन ह छिनार, असुध या लालची मनखे अय, ओह एक मूरती-पूजा करइया
के सहीं अय अऊ अइसने मनखे बर मसीह के अऊ परमेसर के राज म कोनो भाग नइं ए।
6 कोनो तुमन ला बेकार के बात करके धोखा झन देवय, काबरकि अइसने बात के कारन परमेसर के परकोप
ओमन ऊपर भड़कथे, जऊन मन ओकर बात नइं मानंय।
7 एकरसेति, ओमन के संग कोनो नाता झन रखव।
8 काबरकि एक समय रिहिस, जब तुमन अंधियार म रहेव, पर अब तुमन परभू के चेला बने के कारन अंजोर म
हवव। एकरसेति अंजोर के संतान सहीं जिनगी बितावव,
9 (काबरकि जिहां अंजोर हवय, उहां जम्मो किसम के भलई, धरमीपन अऊ सच्चई होथे)
10 अऊ ये पता लगावव कि परभू ह कोन बात ले खुस होथे।
11 अंधियार के बेकार के काम म भागी झन होवव; फेर ओमन के खरापी ला परगट करव।
12 काबरकि जऊन काम ओमन गुपत म करथें, ओकर बारे म चरचा करई घलो सरम के बात अय।
13 पर हर ओ चीज जऊन ह अंजोर के दुवारा परगट करे जाथे, ओह दिखे लगथे—अऊ हर ओ चीज जेला
अंजोर करे जाथे, ओह एक अंजोर बन जाथे।
14 एकरे कारन, ये कहे गे हवय:
"हे सोवइया, जाग,

§ **4:26** भजन 4:4

मरे मन ले जी उठ,
अऊ मसीह ह तोर ऊपर चमकन लगही।”
15 एकरसेति बहुंत सचेत रहव कि तुमन जिनगी म कइसने चलत हव—मुरूख मनखे सहीं नइं, पर
बुद्धिमानमन सहीं चलव।
16 तुमन ला मिले हर मऊका के जादा से जादा फायदा उठाववव, काबरकि समय ह खराप हवय।
17 एकरसेति, मुरूख झन बनव, पर जानव कि परभू के मनसा का हवय।
18 मंद पीके मतवार झन बनव, काबरकि एकर ले बहुंत खराप काममन होथें। एकर बदले अपनआप ला पबितर
आतमा ले भर लेवव।
19 एक-दूसर ले परमेसर के भजन, इस्तुति अऊ आतमिक गीत के संग गोठियाववव। परभू बर अपन जम्मो
हिरदय ले गाववव अऊ बजाववव।
20 अऊ हमेसा, हर एक बात बर, हमर परभू यीसू मसीह के नांव म परमेसर ददा ला धनबाद देववव।

[illegible] [illegible] [illegible]

21 मसीह के आदर म, एक-दूसर के अधीन रहव।
22 हे घरवालीमन, अपन-अपन घरवाला के अधीन रहव, जइसने कि परभू के अधीन रहिथव।
23 काबरकि घरवाला ह घरवाली के मुड़ अय, जइसने मसीह ह कलीसिया के मुड़ अय। कलीसिया ह ओकर
देहें अऊ ओह कलीसिया के उद्धार करइया ए।
24 जइसने कलीसिया ह मसीह के अधीन रहिथे, वइसने घरवालीमन घलो हर एक बात म अपन घरवालामन
के अधीन रहंय।
25 हे घरवालामन, अपन-अपन घरवाली ला मया करव, जइसने मसीह ह कलीसिया ला मया करिस अऊ
अपनआप ला ओकर बर दे दीस,
26 ताकि बचन के परचार के जरिये ओला पानी म धोके साफ करय अऊ ओला पबितर बनावय;
27 अऊ ओला एक अइसने महिमामय कलीसिया के रूप म अपनआप ला पेस करय, जऊन म न कोनो दाग,
न झुर्री, न कोनो आने दोस रहय। पर ओह पबितर अऊ निरदोस होवय।
28 एही किसम ले घरवालामन बर उचित ए कि अपन-अपन घरवालीमन ले अपन खुद के देहें सहीं मया करंय।
जऊन ह अपन घरवाली ले मया करथे, ओह अपनआप ले मया करथे।
29 कोनो मनखे अपन खुद के देहें ले घिन नइं करय, पर ओह ओकर पालन-पोसन करथे अऊ देखरेख करथे,
जइसने कि मसीह ह कलीसिया के संग करथे;
30 काबरकि हमन ओकर देहें के अंग अन।
31 “एकरे कारन मरद ह अपन दाई-ददा ले अलग होके अपन घरवाली संग मिले रहिही। अऊ ओ दूनों एक
तन होहीं।”*
32 येह एक बड़े भेद के बात अय—पर मेंह मसीह अऊ कलीसिया के बारे म कहत हवंव।
33 पर जइसने घलो होवय, तुमन ले हर एक झन अपन घरवाली ला अपन सहीं मया करय, अऊ घरवाली ह
अपन घरवाला के आदरमान करय।

6

[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

1 हे लइकामन हो, परभू म अपन दाई-ददा के बात मानव, काबरकि येह उचित अय।
2 “अपन दाई अऊ ददा के आदर करव”, जऊन ह एक परतिगियां के संग पहिली हुकूम ए,
3 “ताकि तुम्हर भलई होवय अऊ तुमन धरती म बहुंत दिन तक जीयत रहव।”*
4 हे ददामन† हो, अपन लइकामन ला गुस्सा झन दिलाववव, पर परभू के अनुसासन अऊ सिकछा के मुताबिक
ओमन के पालन-पोसन करव।

[illegible] [illegible] [illegible]

* **5:31** उत 2:24 * **6:3** ब्यव 5:16 † **6:4** या [illegible]-[illegible]

5 हे गुलाममन हो, जइसने तुमन मसीह के बात मानथव, वइसने आदर, भय, अऊ निस्कपट हिरदय ले अपन
संसारिक मालिकमन के बात ला मानव।
6 जब ओमन तुमन ला देखत रहिथें, त सिरिप ओमन के दिल जीते बर ही ओमन के बात नइं मानव, पर मसीह
के गुलाम सहीं अपन हिरदय ले परमेसर के ईच्छा म चलव।
7 पूरा हिरदय ले सेवा करव, ये समझके कि तुमन मनखेमन के नइं, पर परभू के सेवा करत हव,
8 काबरकि तुमन जानथव कि हर एक झन चाहे ओह गुलाम होवय या सुतंतर मनखे, जऊन भलई के काम
ओह करथे, परभू ह ओला ओकर ईनाम दीही।
9 हे मालिकमन हो, ओहीच किसम ले तुमन अपन गुलाममन संग बरताव करव। ओमन ला झन
डरावव-धमकावव, काबरकि तुमन जानथव कि ओमन के मालिक अऊ तुम्हर मालिक ओहीच अय, जऊन ह
स्वरग म हवय, अऊ ओह काकरो संग पखियपात नइं करय।

[illegible] [illegible]

10 आखिरी बात ये अय कि परभू म अऊ ओकर बड़े सामर्थ के परभाव म मजबूत बनव।
11 परमेसर के जम्मो हथियार ला बांध लेवव ताकि तुमन सैतान के छल-कपट के मुकाबला कर सकव।
12 काबरकि हमर लड़ई हाड़ा अऊ मांस ले बने मनखे के बिरोध म नो हय, पर हमर लड़ई ह ये अंधियार संसार
के सासन करइयामन ले, अधिकारीमन ले अऊ अंधियार संसार के सक्तिमन के बिरोध म अय अऊ हमर लड़ई
ह अकास म सैतान के आतमिक सेनामन के बिरोध म अय।
13 एकरसेति, परमेसर के जम्मो हथियार ले लव ताकि जब सैतान ह हमला करय, त तुमन अपन जगह म
मजबूत ठाढ़े रह सकव, अऊ मजबूत ठाढ़े रहे बर जम्मो चीज करे के बाद,
14 सच के कमरपट्टा ले अपन कनिहां ला कस लेवव। धरमीपन के झिलम पहिर लेवव,
15 अऊ अपन गोड़मन म सांति के सुघर संदेस के तियारी के पनही पहिर लव।
16 ये जम्मो चीज के अलावा बिसवास के ढाल ले लव, जेकर ले तुमन ओ दुस्ट के जम्मो अगनी बान ला बुझा
सकव।
17 उद्धार के टोप अऊ आतमा के तलवार जऊन ह कि परमेसर के बचन ए, ले लव।
18 जम्मो किसम के पराथना अऊ बिनती के संग हर समय आतमा म पराथना करव। मन म येला रखके सचेत
रहव अऊ जम्मो संत मनखेमन बर हमेसा पराथना करत रहव।
19 मोर बर घलो पराथना करव कि जब भी मेंह गोठियावंव, परमेसर ह मोला बचन देवय, ताकि निडर होके
मेंह सुघर संदेस के भेद ला खोलके बता सकंव,
20 जेकर खातिर मेंह कैद म, एक राजदूत अंव। पराथना करव कि मेंह ये बात ला निधड़क बोलंव, जइसने कि
मोला करना चाही।

[illegible] [illegible]

21 तुखिकुस ह हमर मयारू भाई अऊ परभू म बिसवासयोग्य सेवक ए। ओह तुमन ला हर एक बात बताही
ताकि तुमन घलो जान लेवव कि मेंह कइसने हवंव अऊ का करत हवंव।
22 मेंह ओला तुम्हर करा एकर खातिर पठोवत हवंव कि तुमन जान लेवव कि हमन कइसने हवन अऊ ये घलो
कि ओह तुमन के हिरदय ला उत्साहित करय।

23 परमेसर ददा अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले भाईमन ला सांति अऊ बिसवास के संग मया मिलय।

24 ओ जम्मो झन ला अनुग्रह मिलय, जऊन मन हमर परभू यीसू मसीह ले अइसने मया करथें, जऊन ह कभू
खतम नइं होवय।

फिलिप्पी
के कलीसिया ला पौलुस के चिट्ठी

1 मसीह यीसू म फिलिप्पी सहर के जम्मो संत, कलीसिया के अगुवा अऊ डीकनमन ला,
मसीह यीसू के सेवक पौलुस अऊ तीमुथियुस कोति ले ये चिट्ठी मिलय।
2 हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलय।

[illegible]

3 जब भी मेंह तुमन ला सुरता करथंव, मेंह अपन परमेसर ला धनबाद देथंव।
4 मेंह हमेसा अपन जम्मो पराथना म तुमन जम्मो झन बर आनंद के संग पराथना करथंव।
5 काबरकि सुरू ले लेके अब तक तुमन सुघर संदेस के परचार म सहभागी रहे हवव।
6 अऊ मोला ये बात के भरोसा हवय कि जऊन ह तुमन म ये बने काम सुरू करे हवय, ओह येला मसीह यीसू के आय के दिन तक पूरा करही।
7 येह मोर बर उचित ए कि मेंह तुमन जम्मो झन के बारे म ये किसम ले सोचंव, काबरकि तुमन मोर हिरदय म बसे हवव; अऊ चाहे मेंह जेल म रहंव या सुघर संदेस के बचाव अऊ सुघर संदेस ला मजबूत करे म रहंव, तुमन जम्मो झन मोर संग परमेसर के अनुग्रह म भागीदार हवव।
8 परमेसर ह मोर गवाह ए कि कइसने मेंह मसीह यीसू के मया के संग, तुमन जम्मो झन ला चाहथंव।
9 मोर ये पराथना अय कि तुम्हर मया ह गियान अऊ समझ के संग अऊ बढ़त जावय,
10 ताकि तुमन समझ सकव कि का ह सबले बने ए अऊ तुमन मसीह के आय के दिन तक सुध अऊ निरदोस बने रहव,
11 अऊ धरमीपन के ओ फर ले भर जावव, जऊन ह यीसू मसीह के जरिये आथे, अऊ ये किसम ले परमेसर के महिमा अऊ परसंसा होवय।

[illegible]

12 हे भाईमन हो, मेंह चाहथंव कि तुमन जानव कि जऊन कुछू मोर ऊपर बीते हवय, ओह सही म सुघर संदेस के बढ़ती म मददगार होईस।
13 एकर नतीजा ये होईस कि महल के जम्मो सिपाही* अऊ आने जम्मो झन म ये बात ह साफ हो गे हवय कि मेंह मसीह खातिर जेल म हवंव।
14 मोर जेल म रहे के कारन, बहुंते भाईमन के परभू ऊपर बिसवास ह बढ़ गे हवय अऊ ओमन परमेसर के बचन ला अऊ साहसी अऊ निडर होके सुनावत हवंय।
15 येह सच ए कि कुछू झन जलन अऊ झगरा के कारन मसीह के परचार करथें, पर आने मन भले मनसा ले परचार करथें।
16 ये मनखेमन मया म अइसने करथें, काबरकि येमन जानथें कि सुघर संदेस के बचाव खातिर मेंह जेल म रखे गे हवंव।
17 पहिलेवाले मनखेमन ईमानदारी से नइं, पर सुवारथी भावना ले मसीह के परचार करथें। ओमन सोचथें कि जब मेंह जेल म हवंव, त मोर बर ओमन समस्या खड़े कर सकथें।
18 पर कोनो बात नइं! बने बात ये अय कि हर किसम ले, चाहे गलत मनसा ले या सही मनसा ले, मसीह के परचार होवथे। अऊ एकरे कारन मेंह आनंदित हवंव।
हव, मेंह हमेसा आनंदित रहिहूं।
19 काबरकि मेंह जानत हंव कि तुम्हर पराथना के जरिये अऊ यीसू मसीह के आतमा के मदद के दुवारा, मेंह छूट जाहूं।†

---

* **1:13** या [illegible] † **1:19** [illegible] के मतलब [illegible] या [illegible] घलो हो सकथे।

20 मोर दिली ईछा अऊ आसा हवय कि मेंह बिलकुल झन लजावंव, पर मोर करा पूरा हिम्मत रहय, ताकि
मोर देहें म हमेसा मसीह के बड़ई होवत रहय, चाहे मोर जिनगी रहय या मर जावंव।
21 काबरकि मोर बर जीयत रहई मसीह अय अऊ मर जवई फायदा के बात अय।
22 यदि मेंह सरीर म होके जीयत रहिथंव, त एकर मतलब मोर मेहनत ह फर लानही, तभो ले मेंह नइं जानत
हंव कि मेंह कते ला चुनंव?
23 मेंह दूनों के मांझा म अधर म लटके हवंव। मोर जी ह तो चाहथे कि मेंह जावंव अऊ मसीह के संग रहंव,
जऊन ह बहुंत बने बात अय,
24 पर येह तुम्हर बर जादा जरूरी अय कि मेंह देहें म जीयत रहंव।
25 मोला एकर भरोसा हवय कि मेंह बने रहिहूं, अऊ मेंह तुमन जम्मो झन संग बिसवास म तुम्हर बढ़ती अऊ
आनंद खातिर जीयत रहिहूं।
26 ताकि तुम्हर संग मोर फेर रहे के दुवारा, मसीह यीसू म तुम्हर आनंद ह मोर कारन अऊ बढ़ जावय।
27 कुछू भी होवय, तुम्हर चालचलन ह मसीह के सुघर संदेस के लईक रहय। तब चाहे, मेंह आके तुमन ला
देखंव, चाहे झन आवंव, पर मेंह तुम्हर बारे म सिरिप ये सुनंव कि तुमन एके आतमा म अटल खड़े हवव अऊ एक
मन होके, सुघर संदेस के बिसवास खातिर बहुंत मेहनत करत हवव।
28 तुमन कोनो भी किसम ले, ओमन ले झन डरव, जऊन मन तुम्हर बिरोध करथें। येह ओमन बर एक चिनहां
ए कि ओमन नास हो जाहीं अऊ तुमन उद्धार पाहू। अऊ येह परमेसर के दुवारा होही।
29 काबरकि मसीह कोति ले, तुमन ला ये मऊका देय गे हवय कि न सिरिप तुमन ओकर ऊपर बिसवास करव,
पर ओकर बर दुख घलो उठावव।
30 तुमन घलो ओहीच लड़ई लड़त हवव, जऊन ला तुमन पहिली मोला लड़त देख चुके हवव, अऊ जइसने
कि तुमन सुनत हवव, मेंह अभी घलो लड़त हवंव।

2

[illegible]

1 एकरसेति, कहूं मसीह म तुम्हर करा कोनो उत्साह हवय, कहूं ओकर मया म तुमन ला कोनो सांति मिले
हवय, कहूं पबितर आतमा के संग तुम्हर कोनो संगति हवय, कहूं तुमन म कोनो दया अऊ सहानुभूति हवय,
2 त तुमन ये बातमन ला करे के दुवारा मोर आनंद ला पूरा करव कि तुमन एके मन के रहव, तुमन म एके मया
रहय अऊ तुमन आतमा म एक होके एके उदेस्य बर जीयव।
3 सुवारथीपन या बेकार के घमंड म पड़के कुछू झन करव, पर नमरता से आने मन ला अपनआप ले उत्तम
समझव।
4 तुमन ले हर एक झन सिरिप अपन हित के ही नइं, पर आने मन के हित के घलो खियाल रखय।
5 जइसने मसीह यीसू के सुभाव रिहिस, वइसने तुम्हर सुभाव घलो होवय।
6 मसीह करा परमेसर के जम्मो सुभाव रिहिस,
फेर ओह अपनआप ला परमेसर के बरोबर रखे के काबिल नइं समझिस,
7 पर, ओह जम्मो चीज ला तियाग दीस,
अऊ सेवक के जम्मो सुभाव ला लीस
अऊ मनखे के रूप धरके जनमिस।
8 अऊ ओह मनखे के रूप म परगट होके
अपनआप ला दीन-हीन करिस,
अऊ इहां तक हुकूम मानिस कि मिरतू,
हां ओह कुरूस के मिरतू ला घलो सह लीस।

9 एकरसेति, परमेसर ह ओला अति महान करिस,
अऊ ओला ओ नांव दीस, जऊन ह जम्मो नांव ले उत्तम ए।
10 ताकि स्वरग अऊ धरती अऊ धरती के खाल्हे म,

हर एक झन यीसू के नांव म माड़ी टेकंय,
11 अऊ परमेसर ददा के महिमा खातिर,
हर एक झन ये मान लेवय कि यीसू मसीह ह परभू ए।

[illegible]

12 एकरसेति, मोर मयारू संगवारीमन हो, जइसने तुमन हमेसा हुकूम मानत आय हवव, जब मेंह तुम्हर संग
रहेंव, पर अब, जब मेंह तुम्हर ले दूरिहा हवंव, त तुमन डरत अऊ कांपत, अऊ जादा अपन उद्धार के काम म लगे
रहव।
13 काबरकि येह परमेसर ही अय, जऊन ह तुमन म काम करथे कि तुमन ओकर सही उदेस्य के मुताबिक ईछा
करव अऊ काम करव।
14 बिगर कुड़कुड़ाय या बिगर बहस करे, जम्मो काम ला करव,
15 ताकि तुमन निरदोस, अऊ सही मनखे बनव अऊ बेईमान अऊ भ्रस्ट मनखेमन के ये संसार म परमेसर के
निरदोस संतान बने रहव।* ओमन के बीच म, तुमन अकास के तारामन के सहीं चमकव।
16 जिनगी के बचन ला कसके थामे रहव, ताकि मसीह के दिन म, मेंह घमंड कर सकंव कि मोर दऊड़ या मोर
मेहनत ह बेकार नइं गीस।
17 पर कहूं बलिदान म, मोर खून ह एक भेंट के रूप म ढारे जाथे अऊ तुम्हर बिसवास ले परमेसर के सेवा होथे,
त मेंह खुस हवंव अऊ तुमन जम्मो झन के संग आनंद मनाथंव।
18 वइसने तुमन घलो खुस होवव अऊ मोर संग आनंद मनावव।

[illegible]

19 परभू यीसू म मोला आसा हवय कि मेंह तीमुथियुस ला तुम्हर करा जल्दी पठोहूं, ताकि जब मोला तुम्हर
खबर मिलय, त मेंह घलो आनंदित होवंव।
20 मोर करा ओकर सहीं अऊ कोनो नइं ए, जऊन ह सही म तुम्हर मामला म रूचि रखथे।
21 काबरकि हर एक झन अपन खुद के खियाल रखथें, यीसू मसीह के बारे म नइं।
22 पर तुमन जानथव कि तीमुथियुस ह ये साबित कर चुके हवय अऊ जइसने एक बेटा ह अपन ददा संग सेवा
करथे, वइसने ओह मोर संग सुघर संदेस के काम म सेवा करे हवय।
23 एकरसेति, जतेक जल्दी मोला ये मालूम होही कि मोर संग का होवइया हवय, मेंह ओला तुम्हर करा पठोय
के आसा करथंव।
24 अऊ मोला परभू म भरोसा हवय कि मेंह घलो जल्दी आहूं।
25 पर में सोचथंव कि इपफ्रुदीतुस ला तुम्हर करा वापिस पठोना जरूरी ए, जऊन ह कि मोर भाई, सहकरमी
अऊ संगी योद्धा ए अऊ ओह तुम्हर संदेसिया घलो ए, जऊन ला तुमन मोर सेवा-टहल करे बर पठोय रहेव।
26 ओकर मन ह तुमन जम्मो झन म लगे रहिथे अऊ ओह बियाकुल हवय काबरकि तुमन सुने रहेव कि ओह
बेमार रिहिस।
27 सही म, ओह बेमार रिहिस, इहां तक कि ओह लगभग मरइया रिहिस। पर परमेसर ह ओकर ऊपर दया
करिस, अऊ सिरिप ओकर ऊपर ही नइं, पर मोर ऊपर घलो दया करिस कि मोला दुख के ऊपर दुख झन होवय।
28 एकरसेति, मेंह ओला तुम्हर करा पठोय बर अऊ जादा उत्सुक हवंव, ताकि जब तुमन ओला फेर देखव, त
खुस होवव अऊ मोर फिकर घलो कम होवय।
29 परभू म, बड़े आनंद सहित, ओकर सुवागत करव, अऊ ओकर सहीं मनखेमन के आदर करव,
30 काबरकि मसीह के काम खातिर, अपन जिनगी ला जोखिम म डालके, ओह मरे सहीं हो गे रिहिस, ताकि
ओह मोर ओ जरूरत ला पूरा करय, जऊन ला तुमन नइं कर सकेव।

3

[illegible]

1 कुछू घलो होवय, हे मोर भाईमन हो, परभू म आनंदित रहव। तुमन ला ओहीच बात फेर लिखे म, मोला
कोनो तकलीफ नइं होवय अऊ येमा तुम्हर भलई हवय।

---

* **2:15** ब्यव 32:5

2 ओ कुकुरमन ले सचेत रहव। येमन ओ मनखे अंय, जऊन मन खराप काम करथें अऊ देहें के अंगमन ला
काट-छांट करथें।
3 काबरकि खतना वाले मनखे तो सिरिप हमन अन, जऊन मन परमेसर के अराधना पबितर आतमा के दुवारा
करथन अऊ मसीह यीसू म महिमा करथन अऊ देहें के ऊपर भरोसा नइं करन—
4 हालाकि मोर करा अइसने भरोसा करे के कारन हवय।
कहूं कोनो ये सोचथे कि ओकर करा देहें के ऊपर भरोसा करे के कारन हवय, त मोर करा जादा कारन हवय:
5 जनम के आठवां दिन म मोर खतना होईस। मेंह इसरायल के बंस अऊ बिनयामीन के गोत्र के अंव। मेंह
इबरीमन के इबरी अंव। मूसा के कानून के मुताबिक मेंह एक फरीसी अंव।
6 यदि तुमन जोस के बारे कहिथव, त मेंह कलीसिया के एक सतानेवाला रहेंव। मूसा के कानून के धरमीपन के
बारे यदि तुमन कहिथव, त मेंह निरदोस अंव।
7 पर जऊन कुछू घलो मोर फायदा के रिहिस, मेंह अब ओला मसीह के हित म हानि समझथंव।
8 वास्तव म, मसीह यीसू, मोर परभू ला जाने के महानता के तुलना म, मेंह हर एक बात ला एक हानि
समझथंव। मसीह यीसू, मोर परभू के हित म, मेंह जम्मो बात के हानि उठाय हवंव अऊ मेंह ओ बातमन ला
कचरा समझथंव, ताकि मेंह मसीह ला पा जावंव,
9 अऊ ओकर संग एक हो जावंव अऊ येह मोर खुद के धरमीपन ले नइं, जऊन ह कि मूसा के कानून ला
पालन करे ले आथे, पर येह मसीह म बिसवास के जरिये—ओ धरमीपन ले अय, जऊन ह परमेसर करा ले आथे
अऊ येह बिसवास के दुवारा अय।
10 मेंह मसीह ला अऊ ओकर फेर जी उठे के सामर्थ ला जाने चाहथंव अऊ मेंह ओकर दुख-पीरा म भागी होय
चाहथंव अऊ मेंह ओकर मिरतू म ओकर सहीं बने चाहथंव,
11 ताकि कोनो घलो किसम ले, मेंह घलो मरे मन ले जी उठंव।

[illegible]

12 मेंह ये नइं कहंव, कि ये जम्मो ला पहिले ही पा चुके हवंव या मेंह सिद्ध हो चुके हवंव, पर मेंह ओला पाय
बर आघू बढ़त हवंव, जेकर खातिर मसीह यीसू ह मोला अपन बनाय हवय।
13 हे भाईमन हो, मेंह ये नइं सोचत हंव कि मेंह येला पा चुके हवंव। पर मेंह एक काम करथंव: पाछू के
बातमन ला भुला के, मेंह आघू के चीज ला पाय बर बढ़त जावत हंव।
14 निसाना के तरफ मेंह दऊड़े चले जावत हंव, ताकि ओ ईनाम ला जीतंव, जेकर खातिर परमेसर ह मोला
मसीह यीसू म ऊपर स्वरग म बलाय हवय।
15 हमन म जतेक झन आतमिक रूप ले समझदार हवन, एहीच बिचार रखना चाही। अऊ कहूं कोनो बात म
तुम्हर अलग बिचार हवय, त ओ बात ला घलो, परमेसर ह तुम्हर बर परगट कर दीही।
16 जऊन ला हमन पा चुके हवन, आवव, हमन सिरिप ओकरे मुताबिक जिनगी बितावन।
17 हे भाईमन हो, आने मन के संग मिलके मोर नकल करव, अऊ ओमन ऊपर धियान देवव, जऊन मन ओ
नमूना के मुताबिक जिनगी बितावत हवंय, जऊन ला हमन तुमन ला देय हवन।
18 काबरकि, जइसने मेंह तुमन ला पहिली अकसर कहे हवंव अऊ अब फेर मेंह रो-रोके कहथंव कि कतको
झन मसीह के कुरूस के बईरी सहीं जिनगी जीयथें।
19 ओमन के अन्त ह बिनास अय। ओमन के ईस्वर ह ओमन के पेट अय, अऊ ओमन अपन कलंक के काम ला
अपन महिमा समझथें। ओमन के मन ह संसारिक बात म लगे रहिथे।
20 पर हमर देस ह स्वरग अय। अऊ हमन उत्साह के संग उहां ले एक उद्धार करइया याने परभू यीसू मसीह के
बाट जोहथन,
21 जऊन ह सामर्थ के दुवारा हमर नासमान देहें ला बदल दीही अऊ ओमन ओकर महिमामय देहें सहीं हो
जाहीं। अऊ येह ओहीच सामर्थ ए, जेकर दुवारा, ओह हर एक चीज ला अपन अधीन कर लेथे।

4

1 एकरसेति, हे मोर भाईमन हो! तुमन ले मेंह मया करथंव अऊ तुमन म मोर जी लगे रहिथे। तुमन मोर
आनंद अऊ मोर मुकुट अव। हे मयारू संगवारीमन, अइसनेच तुमन परभू के बिसवास म मजबूत बने रहव।

[illegible]

2 मेंह यूओदिया ले बिनती करथंव अऊ सुन्तुखे ले घलो बिनती करथंव कि तुमन परभू म एक-दूसर के संग एक
मन होके रहव।
3 अऊ हे सच्चा सहकरमी, मेंह तोर ले घलो कहथंव कि तेंह ये माईलोगनमन के मदद कर, काबरकि येमन मोर
संग सुघर संदेस ला फईलाय म, क्लेमेंस अऊ मोर ओ जम्मो सहकरमीमन संग मेहनत करे हवंय, जेमन के नांव
जिनगी के किताब म लिखे हवय।
4 परभू म सदा आनंदित रहव। मेंह येला फेर कहथंव: आनंदित रहव!
5 जम्मो झन जान जावंय कि तुमन नम्र मनखे अव। परभू ह लकठा म हवय।
6 कोनो बात के फिकर झन करव, पर हर एक बात म, पराथना अऊ निबेदन के दुवारा, धनबाद के संग तुमन
अपन बिनती ला परमेसर के आघू म रखव।
7 तब परमेसर के सांति, जऊन ह मनखे के समझ के बाहिर अय, तुम्हर हिरदय अऊ मन के रखवारी मसीह
यीसू म करही।
8 आखिर म, हे भाईमन हो, जऊन बात ह सच ए, जऊन बात ह आदर के लईक ए, जऊन बात ह सही ए,
जऊन बात ह निरमल ए, जऊन बात ह मयारू ए, जऊन बात ह मन ला भाथे—यदि कोनो बात ह उत्तम या
परसंसा के लईक ए, त अइसने बात के बारे म सोचव।
9 जऊन बात तुमन मोर ले सीखे हवव या मोर ले पाय हवव या मोर ले सुने हवव या मोर म देखे हवव,
ओकरेच मुताबिक चलव। अऊ सांति के परमेसर ह तुमन के संग रहिही।

[illegible]

10 मेंह परभू म बहुंत आनंदित हवंव कि आखिर म, तुमन फेर एक बार मोर फिकर करे हवव। वास्तव म, तुमन
मोर फिकर करत तो रहेव, पर येला परगट करे के तुमन ला मऊका नइं मिलत रिहिस।
11 मेंह ये बात एकरसेति नइं कहथंव कि मोला कोनो चीज के घटी हवय, काबरकि कोनो घलो दसा म मेंह
संतोस रहना सीख ले हवंव।
12 मेंह जानथंव कि घटी म रहे के मतलब का होथे। मेंह ये घलो जानथंव कि बेसी म रहे के का मतलब होथे।
मेंह कोनो भी दसा म संतोस रहे के भेद ला सीख गे हवंव; चाहे मेंह भरपेट खावंव या भूखा रहंव, चाहे मोर करा
बहुंत रहय या मेंह घटी म रहंव।
13 जऊन ह मोला ताकत देथे, ओकर जरिये, मेंह हर चीज ला कर सकथंव।
14 तभो ले, तुमन बने करेव कि मोर तकलीफ म मदद करेव।
15 हे फिलिप्पीमन, जइसने कि तुमन जानथव कि सुघर संदेस के परचार के सुरूआती दिन म, जब मेंह
मकिदुनिया प्रदेस ले चलेंव, त सिरिप तुम्हर छोंड़ अऊ कोनो घलो कलीसिया देय अऊ लेय के मामला म मोर
मदद नइं करिस।
16 अऊ त अऊ जब मेंह थिस्सलुनीके सहर म रहेंव अऊ मोला घटी रिहिस, त तुमन बार-बार मोर करा मदद
पठोय रहेव।
17 अइसने बात नो हय कि मेंह दान चाहथंव, पर मेंह चाहथंव कि तुमन अइसने काम करव, जऊन ह तुम्हर
जिनगी के खाता म जोड़े जावय।
18 मेंह जम्मो चीज ला पा गे हवंव, बल्कि मोला जरूरत ले जादा मिल गे हवय। तुमन इपफ्रुदीतुस के हांथ म
जऊन भेंट ला पठोय रहेव, ओला पाके मोर मन ह संतोस हो गे हवय। ओमन एक खुसबूदार भेंट, गरहन करे
लईक बलिदान अंय, जेकर ले परमेसर ला खुसी होथे।
19 अऊ मोर परमेसर ह मसीह यीसू म अपन महिमामय धन के मुताबिक तुम्हर जम्मो जरूरत ला पूरा करही।
20 परमेसर, हमर ददा के महिमा जुग-जुग होवय। आमीन।

[illegible]

21 जम्मो संतमन ला, जऊन मन मसीह यीसू म हवंय, जोहार कहव।
जऊन भाईमन मोर संग इहां हवंय, ओमन तुमन ला जोहार कहत हवंय।
22 इहां के जम्मो संत, खास करके जऊन मन महाराजा के घराना के अंय, तुमन ला जोहार कहत हवंय।

23 परभू यीसू मसीह के अनुग्रह तुम्हर आतमा के संग रहय। आमीन।*

* **4:23** कुछू हस्तलिपि म [illegible] सबद नइं ए

कुलुस्सी
के कलीसिया ला पौलुस के चिट्ठी

1 में पौलुस, जऊन ह कि परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के एक प्रेरित अंव, हमर भाई तीमुथियुस के संग,
2 कुलुस्सी सहर के परमेसर के ओ पबितर भाईमन ला ये चिट्ठी लिखत हंव, जऊन मन मसीह म
बिसवासयोग्य अंय:
तुमन ला, हमर ददा परमेसर ले अनुग्रह अऊ सांति मिलय।

[illegible]

3 जब हमन तुम्हर बर पराथना करथन, त हमन हमेसा परमेसर, हमर परभू यीसू मसीह के ददा ला धनबाद
देथन।
4 काबरकि हमन सुने हवन कि मसीह यीसू म तुम्हर बिसवास हवय अऊ तुमन परमेसर के जम्मो संतमन ला
मया करथव।
5 तुम्हर ये बिसवास अऊ मया ओ आसा के कारन हवय, जऊन ह स्वरग म रखे हवय अऊ जेकर बारे म तुमन
पहिली ले सच के बचन याने कि सुघर संदेस म सुन चुके हवव,
6 जऊन ह तुम्हर करा आय हवय। जम्मो संसार म ये सुघर संदेस ह फर लानथे अऊ बढ़त जावत हवय,
जइसने कि येह तुम्हर बीच म ओ दिन ले फरत अऊ बाढ़त जावत हवय, जऊन दिन तुमन येला सुनेव अऊ
एकर जम्मो सच्चई के संग परमेसर के अनुग्रह ला समझेव।
7 तुमन ला ये सिकछा, हमर मयारू संगी सेवक इपफ्रास ले मिले हवय, जऊन ह हमर तरफ ले मसीह के एक
बिसवासयोग्य सेवक अय,
8 अऊ ओह हमन ला तुम्हर मया के बारे म बताईस, जऊन ह पबितर आतमा के दुवारा देय गे हवय।
9 एकर कारन, जऊन दिन ले हमन तुम्हर बारे म सुने हवन, ओ दिन ले हमन तुम्हर बर हमेसा पराथना करत
हवन अऊ परमेसर ले बिनती करथन कि ओह तुमन ला जम्मो आतमिक बुद्धि अऊ समझ के जरिये अपन ईछा
के गियान ले भर देवय,
10 ताकि तुमन परभू के लईक जिनगी जीयव अऊ ओला हर किसम ले खुस रखव: तुमन हर एक बने काम के
दुवारा फर लानव, अऊ परमेसर के गियान म बाढ़त जावव,
11 अऊ ओकर महिमामय सामर्थ के मुताबिक जम्मो किसम के सक्ति म मजबूत होवत जावव, ताकि तुमन म
जादा सहन सक्ति अऊ धीरज होवय,
12 अऊ आनंद सहित परमेसर ददा के धनबाद करव, जऊन ह कि तुमन ला एकर लईक बनाईस कि तुमन
अंजोर के राज म ओकर संतमन के संग वारिस होवव।
13 काबरकि परमेसर ह हमन ला अंधियार के सक्ति ले छोंड़ाईस अऊ अपन मयारू बेटा के राज म लानिस,
14 जेकर दुवारा हमन ला पाप ले मुक्ति याने कि पाप के छेमा मिलथे।

[illegible]

15 मसीह ह अदृस्य परमेसर के सरूप अऊ जम्मो सिरिस्टी म पहिलांत अय।
16 काबरकि ओकरे दुवारा जम्मो चीज सिरजे गीस: ओ जम्मो चीज जऊन ह स्वरग अऊ धरती म हवय, देखे
अऊ अनदेखे चीज; चाहे सिंघासन हो या राज; सासन करइया हो या अधिकारी; जम्मो चीज ह ओकरे दुवारा
सिरजे गीस अऊ ओकरे बर सिरजे गीस।
17 ओह जम्मो चीज ला सिरजे के पहिली रिहिस अऊ ओमा जम्मो चीज एक संग टिके रहिथें।
18 अऊ ओह देहें याने कि कलीसिया के मुड़ अय। ओहीच ह सुरू ए अऊ मरे मनखे म ले पहिली जी उठइया
घलो, ताकि हर एक बात म ओह मुखिया ठहिरय।
19 काबरकि परमेसर ला ये बात म खुसी होईस कि ओकर जम्मो सुभाव ओमा रहय,
20 अऊ कुरूस म बहे ओकर लहू के दुवारा सांति स्थापित करय अऊ ये किसम ले अपन संग ओ जम्मो
चीजमन के मेल-मिलाप करय; चाहे ओ चीज धरती म के होवय या फेर स्वरग म के।

21 एक समय रिहिस, जब तुमन परमेसर ले बहुंत दूरिहा हो गे रहेव अऊ अपन मन म खराप बरताव के कारन
ओकर बईरी रहेव।
22 पर अब परमेसर ह, मसीह के सारीरिक मिरतू के दुवारा तुम्हर मेल-मिलाप करे हवय, ताकि ओह तुमन ला
अपन आघू म पबितर, निस्कलंक अऊ निरदोस करके लानय—
23 यदि तुमन अपन बिसवास म स्थिर अऊ अटल बने रहव अऊ सुघर संदेस के आसा ले नइं डिगव त। येह
ओ सुघर संदेस ए, जऊन ला तुमन सुनेव अऊ जेकर परचार अकास के खाल्हे म हर एक जीव ला करे गे हवय,
अऊ जेकर में पौलुस ह सेवक बने हवंव।

[illegible]

24 तुम्हर हित म, मेंह जऊन दुख उठाय हवंव, अब मेंह ओकर बर आनंद मनावत हंव। अऊ मसीह के दुख म
जऊन कमी हवय, ओला मेंह अपन देहें म पूरा करथंव। मेंह येला मसीह के देहें के हित म करथंव अऊ ओकर
देहें ह कलीसिया अय।
25 परमेसर के दिये हुकूम के दुवारा मेंह ये कलीसिया के सेवक बने हवंव, ताकि परमेसर के बचन ला मेंह तुमन
ला पूरा-पूरा बता सकंव—
26 येह ओ भेद ए, जऊन ला ओह जुग-जुग अऊ पीढ़ी-पीढ़ी तक लुकाके रखे रिहिस, पर अब येला ओकर
संतमन के ऊपर परगट करे गे हवय।
27 ओमन ला परमेसर ह चुनिस ताकि ओमन ये भेद के महिमामय धन ला आनजातमन के बीच म बतावंय।
अऊ भेद ये अय कि मसीह ह तुमन म रहिथे अऊ ओह महिमा के आसा अय।
28 हमन ओकर परचार करथन। हमन जम्मो गियान के संग हर एक झन ला चेताथन अऊ सिखोथन, ताकि
हमन हर एक झन ला सिद्ध करके मसीह म ला सकन।
29 एकरसेति, मेंह पूरा ताकत सहित मेहनत अऊ संघर्स करथंव, अऊ ये ताकत मोला मसीह ले मिलथे अऊ
मोला उत्साहित करथे।

2

1 मेंह चाहथंव कि तुमन जान लेवव कि तुमन बर अऊ जऊन मन लौदीकिया सहर म हवंय, ओमन बर अऊ
ओ जम्मो झन जऊन मन मोर चेहरा नइं देखे हवंय ओमन बर, मेंह कतेक कठोर मेहनत करत हवंव।
2 मेंह ये मेहनत एकरसेति करत हवंव, ताकि ओमन हिरदय म उत्साहित होवंय अऊ मया म एक होके रहंय,
अऊ ओमन ला पूरा समझ के जम्मो धन मिलय; अऊ ओमन परमेसर के भेद ला जानंय, अऊ ओ भेद ह मसीह
अय,
3 जऊन म बुद्धि अऊ गियान के जम्मो भंडार छुपे हवय।
4 मेंह तुमन ला ये बात एकरसेति कहत हंव, ताकि कोनो तुमन ला, भरमाने वाला बात करके धोखा झन देवय।
5 हालाकि मेंह देहें के मुताबिक तुमन ले दूरिहा हवंव, पर आतमा म मेंह तुम्हर संग हवंव, अऊ मेंह ये देखके
खुस हवंव कि तुमन सही जिनगी जीयत हवव अऊ मसीह म तुम्हर बिसवास ह मजबूत हवय।

[illegible]

6 जब तुमन मसीह यीसू ला परभू मान ले हवव, त ओहीच म अपन जिनगी बितावव।
7 ओमा जरी धरत अऊ बढ़त जावव, अऊ जइसने तुमन ला सिखोय गे हवय, बिसवास म मजबूत होवत
जावव, अऊ धनबादी हिरदय ले भरे रहव।
8 सचेत रहव कि कोनो बेकार के गियान अऊ चापलूसी गोठ के दुवारा तुमन ला अपन बस म झन कर लेवय,
जऊन ह मनखे के रीति अऊ ये संसार के मूल नियम के ऊपर निरभर रहिथे, पर मसीह के ऊपर निरभर नइं रहय।
9 काबरकि मसीह म जम्मो ईस्वरीय सुभाव ह देहें के रूप म वास करथे,
10 अऊ ये परिपूर्नता मसीह म तुम्हर करा हवय, जऊन ह हर सक्ति अऊ अधिकार के ऊपर मुखिया ए।
11 तुम्हर पापी सुभाव ला अलग करके, मसीह म तुम्हर घलो खतना करे गे हवय। ये खतना अइसने नो हय,
जऊन ह मनखेमन के हांथ ले करे जाथे, पर ये खतना मसीह के दुवारा करे गे हवय।
12 मसीह संग तुमन बतिसमा म दफनाय गेव अऊ अपन बिसवास के जरिये ओकर संग जी उठेव, अऊ येह
परमेसर के सामर्थ के दुवारा होईस, जऊन ह मसीह ला मरे म ले जियाईस।

13 जब तुमन अपन पाप म अऊ अपन देहें के बिगर खतना के दसा म मर गे रहेव; तभे परमेसर ह मसीह के
संग तुमन ला जियाईस। ओह हमर जम्मो पाप ला छेमा करिस।
14 अऊ ओ लिखित बंधक नामा, जऊन ह हमर बिरोध म रिहिस अऊ जेकर बिधि-बिधान घलो रिहिस; ओह
ओ जम्मो ला खारिज कर दीस। ओह ओला कुरूस म खीला ठोंकके हटा दीस।
15 ओह अपनआप ला सक्ति अऊ अधिकार के बंधन ले मुक्त करिस अऊ कुरूस के दुवारा ओमन के ऊपर
जय पाईस अऊ ओह ओमन के खुल्लम-खुल्ला तमासा बनाईस।

[illegible]

16 एकरसेति, तुम्हर खाना-पीना या धारमिक तिहार या नवां चंदा के उत्सव या बिसराम दिन के बारे म कोनो
ला तुम्हर ऊपर दोस लगाय के कोनो मऊका झन देवव।
17 ये जम्मो ह अवइया बातमन के सिरिप एक छइहां अय। पर सही बात ह मसीह म मिलथे।
18 सचेत रहव कि जऊन ह झूठ-मूठ के दीनता अऊ स्वरगदूतमन के पूजा म खुस रहिथे, ओह तुमन ला ईनाम
ले अलग झन कर देवय। अइसने मनखे ह जऊन चीज ला देखथे, ओहीच म अपन मन ला लगाथे अऊ बिगर
कारन के अपन सोच-बिचार म घमंड करके फूलथे।
19 ओह मुड़ याने मसीह ले जूरे नइं रहय, जेकर ले जम्मो देहें के पालन-पोसन होथे अऊ देहें के जोड़ अऊ
नसमन ले एक संग जुड़े रहिथे अऊ जइसने परमेसर चाहथे, वइसने बाढ़त जाथे।
20 यदि तुमन मसीह के संग मर गेव अऊ ये संसार के अंधियार के सक्ति ले छुटकारा पा गे हवव, त फेर तुमन
काबर अइसने जिनगी बितावत हव, जइसने कि अभी घलो तुमन संसार के अव? तुमन काबर एकर बिधि-बिधान
ला मानथव?
21 एकर ले दूरिहा रहव! येला झन चखव! येला झन छुवव।
22 ये जम्मो चीजमन काम म आवत नास हो जाहीं, काबरकि येमन मनखे के बनाय नियम अऊ उपदेस अंय।
23 वास्तव म, अइसने बिधि-बिधान म बुद्धि के एक दिखावा हवय। ये नियम म ओमन के खुद के गढ़े भक्ति,
झूठ-मूठ के दीनता अऊ ओमन के देहें के कठोर अभियास घलो हवय, पर देहें के लालसा ला रोके बर, येमन
कोनो काम के नो हंय।

3

[illegible]

1 जब तुमन मसीह के संग जियाय गे हवव, त अपन मन ला ऊपर, स्वरगीय बातमन म लगावव, जिहां मसीह
ह परमेसर के जेवनी हांथ कोति बईठे हवय।
2 अपन मन ला ऊपर, स्वरगीय बातमन म लगावव, धरती के बात म नइं।
3 काबरकि तुमन मर गे हवव, अऊ तुम्हर जिनगी ह अब मसीह के संग परमेसर म लुकाय हवय।
4 जब मसीह, जऊन ह तुम्हर* जिनगी ए, परगट होही, तब तुमन घलो ओकर संग महिमा म परगट होहू।
5 एकरसेति, अपन ओ सुभावमन ला मार डारव, जऊन मन संसारिक अंय—जइसने कि बेभिचार, असुधता,
काम-वासना, खराप लालसा अऊ लोभ जऊन ह मूरती-पूजा सहीं अय।
6 एकरे कारन परमेसर के परकोप ओमन ऊपर आथे, जऊन मन ओकर हुकूम नइं मानय।
7 एक समय रिहिस, जब तुमन घलो अइसने जिनगी जीयत रहेव, अऊ ये किसम के बात म चले के तुम्हर
आदत रिहिस।
8 पर अब ये जरूरी अय कि तुमन अइसने जम्मो बात ला छोंड़ दव, याने कोरोध, रोस, बईरता, निन्दा अऊ
अपन मुहूं ले खराप गोठ करई।
9 एक-दूसर के संग लबारी झन मारव, काबरकि तुमन अपन जुन्ना सुभाव ला ओकर आदत सहित निकाल दे
हवव,
10 अऊ नवां सुभाव ला पहिर ले हवव, जऊन ह गियान म नवां बनत जावत हवय अऊ येह अपन
सिरजनहार के सरूप म होवथे।

---

* **3:4** कुछू हस्तलिपि म [illegible]

11 ये नवां जिनगी म, न तो कोनो यूनानी ए अऊ न यहूदी, न खतनावाला अऊ न खतनारहित, न जंगली, न
असभ्य, न गुलाम अऊ न सुतंतर। पर मसीह ह जम्मो कुछू ए, अऊ ओह जम्मो म हवय।
12 तुमन पबितर अऊ बहुंते मयारू अव। एकरसेति, परमेसर के चुने मनखेमन सहीं, अपनआप ला करूना,
दया, दीनता, नमरता अऊ धीरज ले भर लेवव।
13 एक-दूसर के सहन करव अऊ एक-दूसर ला छेमा करव, चाहे एक-दूसर के बिरोध म कोनो घलो किसम के
सिकायत होवय। छेमा करव, जइसने परभू ह तुमन ला छेमा करिस।
14 अऊ ये जम्मो बात के ऊपर मया ला बनाय रखव, जऊन ह तुमन ला सही एकता म एक संग बांधके रखथे।
15 मसीह के सांति तुम्हर हिरदय म बने रहय, जइसने कि तुमन एक देहें के अंग के रूप म बलाय गे हवव।
अऊ धनबाद देवइया बने रहव।
16 मसीह के बचन ह तुमन म बहुंतायत से बने रहय, जइसने कि तुमन बड़े समझदारी के संग एक-दूसर ला
सिखोथव अऊ सलाह देथव, अऊ जइसने कि अपन हिरदय म धनबाद सहित परमेसर बर भजन, इस्तुति अऊ
आतमिक गीत गाथव।
17 अऊ जऊन कुछू घलो तुमन कहिथव अऊ करथव, ये जम्मो बात परभू यीसू के नांव म करव अऊ परभू
यीसू के जरिये परमेसर ददा ला धनबाद देवव।

[illegible]

18 हे घरवालीमन हो, अपन-अपन घरवाला के अधीन रहव, जइसने कि येह परभू म उचित अय।
19 हे घरवालामन हो, अपन-अपन घरवाली ला मया करव अऊ ओमन के संग कठोर बरताव झन करव।
20 हे लइकामन हो, हर एक बात म अपन-अपन दाई-ददा के बात मानव, काबरकि परभू ह एकर ले खुस होथे।
21 हे ददामन† हो, अपन लइकामन ला तंग झन करव, नइं तो ओमन हतास हो जाहीं।
22 हे गुलाममन हो, हर एक बात म अपन-अपन मालिक के हुकूम मानव। सिरिप जब ओमन तुमन ला देखत
रहिथें या सिरिप मनखेमन के दिल जीते बर ही ये काम झन करव, पर निस्कपट हिरदय ले परभू के आदर खातिर
ये काम करव।
23 जऊन कुछू घलो तुमन करथव, अपन पूरा मन लगाके करव। ये समझके कि तुमन परभू खातिर करथव,
मनखेमन खातिर नइं।
24 तुमन जानथव कि ईनाम के रूप म, तुमन ला परभू ले एक बिरासत मिलही। काबरकि ओह परभू मसीह ए,
जेकर सेवा तुमन करत हव।
25 जऊन ह खराप काम करथे, ओह अपन खराप काम के परतिफल पाही, काबरकि परमेसर ह काकरो संग
पखियपात नइं करय।

4

1 हे मालिकमन हो, अपन गुलाममन के संग सही अऊ बने बरताव करव, काबरकि तुमन जानत हव कि स्वरग
म तुम्हर घलो एक मालिक हवय।
2 सचेत होके, धनबाद सहित पराथना म लगे रहव।
3 अऊ संगे-संग हमर बर घलो पराथना करव कि परमेसर ह सुघर संदेस सुनाय खातिर हमर बर दुवार खोलय,
ताकि हमन मसीह के ओ भेद के परचार कर सकन, जेकर खातिर मेंह जेल म बंदी हवंव।
4 पराथना करव कि मेंह येला साफ-साफ बता सकंव, जइसने कि मोला करना चाही।
5 अबिसवासीमन के संग बुद्धिमानी ले बरताव करव। दिये गय हर एक मऊका के सही उपयोग करव।
6 तुम्हर गोठ ह हमेसा अनुग्रह ले भरे रहय अऊ मनभावन होवय, ताकि तुमन ये जानव कि हर एक झन ला
सही जबाब कइसने दिये जावय।

[illegible]

7 तुखिकुस ह तुमन ला, मोर बारे म जम्मो बात बताही। ओह एक मयारू भाई ए अऊ परभू म एक
बिसवासयोग्य अऊ संगी सेवक ए।

---

† **3:21** या [illegible]

8 एकरे कारन, मेंह ओला तुम्हर करा पठोवत हवंव, ताकि तुमन जानव कि हमन कइसने हवन अऊ ये घलो कि
ओह तुमन के हिरदय ला ढाढ़स बंधावय।
9 ओह हमर बिसवासयोग्य अऊ मयारू भाई उनेसिमुस के संग आवत हवय, जऊन ह तुमन ले ही एक झन
अय। इहां के जम्मो हालचाल, ओमन तुमन ला बताहीं।

10 अरिसतर्खुस, जऊन ह मोर संग जेल म हवय, तुमन ला अपन जोहार कहिथे, अऊ वइसने मरकुस घलो,
जऊन ह बरनबास के (चचेरा या ममेरा) भाई ए, तुमन ला अपन जोहार कहिथे। (जेकर बारे म तुमन ला ये
संदेस भेजे गे रिहिस कि यदि ओह तुम्हर करा आथे, त ओकर सुवागत करव)।
11 यीसू घलो, जऊन ला युसतुस कहिथें, तुमन ला जोहार कहत हवय। यहूदीमन ले सिरिप येमन परमेसर के
राज खातिर, मोर सहकरमी अंय, अऊ येमन के कारन मोला सांति मिलथे।
12 इपफ्रास, जऊन ह तुमन ले एक झन अय, अऊ मसीह यीसू के एक सेवक अय, तुमन ला जोहार कहत
हवय। ओह हमेसा बड़े उत्साह के संग तुम्हर बर पराथना करथे, ताकि तुमन परमेसर के जम्मो ईछा म मजबूत
अऊ समझदार रहव अऊ ओमा पूरा भरोसा रखव।
13 मेंह ओकर गवाह अंव कि ओह तुम्हर बर अऊ जऊन मन लौदीकिया अऊ हियरापुलिस म हवंय, ओ
जम्मो बर कठोर मेहनत करत हवय।
14 लूका, हमर मयारू संगी अऊ डाक्टर घलो अय, ओह अऊ देमास तुमन ला जोहार कहत हवंय।
15 लौदीकिया के भाईमन ला अऊ बहिनी नुमफास अऊ ओ कलीसिया, जऊन ह ओकर घर म जूरथे, ओ
जम्मो झन ला मोर जोहार कहव।

16 ये चिट्ठी ला पढ़े के बाद, येला लौदीकिया के कलीसिया म पहुंचा देवव, ताकि ओमन घलो येला पढ़ेंय अऊ
बदले म ओ चिट्ठी जऊन ह लौदीकिया ले आथे, ओला तुमन पढ़व।

17 अरखिप्पुस ला कहव: "देख जऊन सेवा, परभू म तोला मिले हवय, ओला तें जरूर पूरा कर।"

18 में, पौलुस ह अपन हांथ ले ये लिखके जोहार कहथंव। सुरता रखव कि मेंह जेल म हवंव। तुम्हर ऊपर
अनुग्रह होवत रहय।

थिस्सलुनीके
के कलीसिया ला पौलुस के पहिली चिट्ठी

1 थिस्सलुनीके सहर के कलीसिया ला, जऊन ह परमेसर ददा अऊ परभू यीसू मसीह म बिसवास करथे,
पौलुस, सीलास अऊ तीमुथियुस कोति ले ये चिट्ठी मिलय:
परमेसर ह तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति देवत रहय।

[illegible]

2 जब भी हमन तुमन बर पराथना करथन, हमन हमेसा तुमन जम्मो बर परमेसर ला धनबाद देथन।
3 हमन अपन परमेसर ददा के आघू म तुम्हर बिसवास के काम, मया के मेहनत अऊ हमर परभू यीसू मसीह म तुम्हर आसा के धीरज ला हमेसा सुरता करत रहिथन।
4 हे भाईमन हो, तुमन परमेसर के मयारू अव; हमन जानथन कि परमेसर ह तुमन ला चुने हवय,
5 काबरकि हमर सुघर संदेस ह तुम्हर करा न सिरिप बचन के संग, पर सामर्थ अऊ पबितर आतमा के अगुवई म, पूरा बिसवास के संग आईस। तुमन जानथव कि तुम्हर हित म, हमन कइसने रहत रहेंन, जब हमन तुम्हर संग रहेंन।
6 तुम्हर चालचलन हमर अऊ हमर परभू के चालचलन सहीं हो गीस; बहुंत दुख-तकलीफ सहे के बावजूद तुमन संदेस ला आनंद के संग गरहन करेव, जऊन ह पबितर आतमा के दुवारा दिये गे रिहिस।
7 ये किसम ले, तुमन मकिदुनिया अऊ अखया प्रदेस के जम्मो बिसवासीमन बर एक नमूना बन गे हवव।
8 परभू के संदेस ह तुम्हर दुवारा सिरिप मकिदुनिया अऊ अखया प्रदेस म ही नइं गीस, पर परमेसर म तुम्हर बिसवास के संदेस ह बहुंते जगह म चल दे हवय। एकरसेति हमन ला परमेसर म तुम्हर बिसवास के बारे म, कुछू कहे के जरूरत नइं ए।
9 काबरकि ये जम्मो जगह के मनखेमन खुदे बताथें कि कइसने सुघर ढंग ले तुमन हमन ला गरहन करेव। ओमन बताथें कि कइसने तुमन मूरतीमन ला छोंड़के परमेसर कोति लहुंटे हवव कि जीयत अऊ सच्चा परमेसर के सेवा करव,
10 अऊ ओकर बेटा के स्वरग ले आय के बाट जोहव, जऊन ला ओह मरे म ले जियाईस—याने कि यीसू जऊन ह हमन ला परमेसर के अवइया परकोप ले बचाथे।

2

[illegible]

1 हे भाईमन हो, तुमन जानत हव कि हमन के तुम्हर करा अवई ह बेकार नइं होईस।
2 तुमन खुदे जानत हव कि हमन फिलिप्पी म पहिली दुख भोगे रहेंन अऊ हमर बेजत्ती करे गे रिहिस, फेर भारी बिरोध के बावजूद, परमेसर के मदद ले हमन तुमन ला ओकर सुघर संदेस सुनाय के हिम्मत करेंन।
3 काबरकि जऊन अपील हमन तुम्हर ले करथन, ओह न तो गलती से या असुध उदेस्य से अय, अऊ न ही हमन तुमन ला छले के कोसिस करथन।
4 एकर बदले, हमन जइसने परमेसर चाहथे, वइसने गोठियाथन, काबरकि ओह हमन ला ठहिराय हवय अऊ हमन ला सुघर संदेस सऊंपे हवय, कि हमन येला आने मन ला बतावन। हमन मनखेमन ला नइं, पर परमेसर ला खुस करे के कोसिस करथन, जऊन ह हमर हिरदय ला जांचथे।
5 तुमन तो जानथव कि हमन कभू चापलूसी नइं करेंन, अऊ न ही हमन लालच खातिर बहाना करेंन—परमेसर ह एकर बारे म हमर गवाह हवय।
6 हमन मनखेमन ले परसंसा नइं चाहेंन, न तुम्हर ले या अऊ कोनो दूसर ले। मसीह के प्रेरित के रूप म, हमन तुम्हर ले अपन हक के मांग कर सकत रहेंन।
7 पर जब हमन तुम्हर संग रहेंन, त नम्र बनके रहेंन।
जइसने एक दाई ह अपन छोटे लइकामन के देखरेख करथे,

8 वइसने हमन तुम्हर देखरेख करेंन। हमन तुमन ला अतेक जादा मया करेंन कि हमन खुसी ले तुमन ला
सिरिप परमेसर के सुघर संदेस ही नइं सुनायेंन, पर हमन अपन जिनगी घलो तुम्हर संग बांटेंन।
9 हे भाईमन हो, तुमन हमर मेहनत अऊ तकलीफ ला जरूर सुरता करथव; जब हमन परमेसर के सुघर संदेस
के परचार तुमन ला करत रहेंन, त हमन रात अऊ दिन काम घलो करेंन, ताकि हमन काकरो ऊपर बोझा झन
होवन।
10 तुमन हमर गवाह अव अऊ परमेसर घलो गवाह हवय कि हमर चालचलन ह तुम बिसवासीमन के संग
कतेक पबितर, धरमी अऊ निरदोस रिहिस।
11 तुमन जानत हव कि हमन तुमन ले हर एक के संग अइसने बरताव करेंन, जइसने एक ददा ह अपन खुद के
लइकामन संग करथे।
12 हमन तुमन ला उत्साहित करेंन, ढाढ़स बंधायेंन अऊ तुमन ले बिनती करेंन, ताकि तुमन ओ परमेसर ला
भाय के लईक जिनगी जीयव, जऊन ह तुमन ला अपन राज म ओकर महिमा के भागी होय बर बलाथे।
13 अऊ हमन घलो परमेसर ला हमेसा धनबाद देथन कि जब तुमन परमेसर के बचन ला पायेव, जऊन ला कि
तुमन हमर ले सुनेव, त तुमन येला मनखे के बचन सहीं नइं, पर परमेसर के बचन (येह सही म अइसनेच अय)
जानके गरहन करेव, अऊ ये बचन ह तुमन म जऊन मन बिसवास करथव, काम करत हवय।
14 काबरकि हे भाईमन हो, तुमन के चालचलन परमेसर के ओ कलीसियामन सहीं हो गीस, जऊन मन
यहूदिया प्रदेस म मसीह यीसू म हवंय। तुमन अपन खुद के मनखेमन ले वइसनेच दुख पायेव, जइसने ओ
कलीसियामन यहूदीमन ले पाय रिहिन।
15 ये यहूदीमन परभू यीसू अऊ अगमजानीमन ला मार डारिन अऊ हमन ला घलो सताईन। ओमन परमेसर
ला नराज करथें, अऊ जम्मो मनखेमन के बिरोध करथें।
16 इहां तक कि ओमन हमन ला रोके के कोसिस करिन कि हमन आनजातमन ला सुघर संदेस के परचार झन
कर सकन, जेकर दुवारा कि ओमन ला उद्धार मिलही। ये किसम ले ओमन हमेसा अपन पाप के घघरी ला भरत
रहिथें। फेर आखिर म, परमेसर के परकोप ह ओमन ऊपर आ गे हवय।

[illegible]

17 पर हे भाईमन हो, जब हमन तुम्हर ले कुछू समय बर अलग हो गे रहेंन, हिरदय ले नइं, पर सरीर म, त हमर
ईछा के कारन, हमन तुम्हर ले मिले के बहुंते कोसिस करेंन।
18 हमन तुम्हर करा आय बर चाहत रहेंन—में पौलुस ह बार-बार कोसिस करेंव, पर सैतान ह हमन ला हर एक
बार रोकिस।
19 हमर आसा, हमर आनंद या हमर घमंड के मुकुट का ए कि जब हमर परभू यीसू आवय, त ओकर आघू म
घमंड करन? का येह तुमन नो हव?
20 सही म, हमर महिमा अऊ आनंद तो तुमन अव।

3

1 एकरसेति, जब हमर ले अऊ नइं सहे गीस, त हमन अथेने म अकेला रहे के फैसला करेंन,
2 अऊ हमन तीमुथियुस ला तुम्हर करा पठोएंन, जऊन ह परमेसर के सेवा, मसीह के सुघर संदेस फईलाय म,
हमर भाई अऊ सहकरमी ए, ताकि ओह तुमन ला तुम्हर बिसवास म मजबूत अऊ उत्साहित करय।
3 अऊ तुमन ले कोनो ये दुख-तकलीफ के कारन अपन बिसवास ले झन फिरय। तुमन खुदे जानत हव कि ये
दुख-तकलीफ ह हमर बर परमेसर के ईछा के एक भाग ए।
4 काबरकि जब हमन तुम्हर संग रहत रहेंन, त हमन तुमन ला कहे रहेंन कि हमर ऊपर सतावा आही। अऊ
वइसनेच होईस, जइसने हमन तुमन ला कहे रहेंन।
5 एकर कारन जब मोर ले अऊ नइं सहे गीस, त मेंह तुम्हर बिसवास के बारे म जाने बर तीमुथियुस ला
पठोएंव। मेंह डरत रहेंव कि कोनो किसम ले लालच देवइया* ह तुमन ला लालच देय होही अऊ हमर मेहनत ह
बेकार हो गे होही।

[illegible]

* **3:5** या [illegible]

6 पर तीमुथियुस ह अभीचे तुम्हर इहां ले हमर करा आय हवय अऊ तुम्हर बिसवास अऊ मया के बारे म हमन
ला बढ़िया खबर दे हवय। ओह हमन ला बताईस कि तुमन हमेसा हमन ला खुसी ले सुरता करथव अऊ हमन
ला देखे के ईछा करथव, जइसने कि हमन घलो तुमन ला देखे के ईछा करथन।
7 एकरसेति हे भाईमन, हमन ला हमर जम्मो बिपत अऊ दुख-तकलीफ म, तुम्हर बिसवास के कारन खुसी
मिले हवय,
8 काबरकि ये जानके हमन म, अब नवां जिनगी के संचार होय हवय कि तुमन परभू के बिसवास म मजबूत
हवव।
9 तुम्हर कारन ले, हमन ला हमर परमेसर के आघू म जऊन आनंद मिले हवय, ओ जम्मो के सेति, हमन
परमेसर के कइसने धनबाद करन।
10 रात अऊ दिन हमन ईमानदारी ले पराथना करथन कि हमन फेर तुम्हर मुहूं देख सकन अऊ तुम्हर बिसवास
म जऊन कमी हवय, ओकर पूरती कर सकन।
11 हमन पराथना करथन कि हमर ददा परमेसर ह खुदे, अऊ हमर परभू यीसू ह तुम्हर करा आय बर हमर
खातिर डहार खोलय।
12 जइसने हमर मया तुम्हर बर हवय, परभू करय कि वइसनेच तुम्हर मया एक-दूसर बर अऊ जम्मो झन बर
बढ़य अऊ बढ़के छलकय।
13 ओह तुम्हर हिरदय ला मजबूत करय ताकि जब हमर परभू यीसू अपन जम्मो पबितर मनखेमन† संग
आवय, त तुमन हमर ददा परमेसर के आघू म निरदोस अऊ पबितर बने रहव।

4

[illegible]

1 आखिर म, हे भाईमन, जइसने तुमन हमर ले सीखे हवव कि परमेसर ला खुस करे बर कइसने जिनगी जीना
चाही; वास्तव म, तुमन वइसने जिनगी जीयत हवव घलो। पर हमन परभू यीसू म तुमन ले बिनती करत अऊ
समझावत हवन कि ओमा अऊ बढ़त जावव।
2 तुमन जानत हव कि परभू यीसू कोति ले हमन तुमन ला का हुकूम दे हवन।
3 येह परमेसर के ईछा ए कि तुमन पबितर बनव—तुमन बेभिचार ले दूर रहव;
4 तुमन ले हर एक मनखे सीखय कि अपन देहें ला कइसने बस म करके, ओला पबितर अऊ आदर के लईक रखे
जावय।
5 ये काम मूरती-पूजा करइयामन सहीं काम-वासना ले नइं होवय, जऊन मन परमेसर ला नइं जानंय;
6 अऊ ये बिसय म, कोनो अपन भाई के बिरोध म गलत काम झन करय या ओकर ले कोनो लाभ झन
उठावय। परभू ह ओमन ला सजा दीही, जऊन मन अइसने पाप करथें, जइसने कि हमन पहिली ले, तुमन ला
बताय हवन अऊ चेतउनी दे हवन।
7 काबरकि परमेसर ह हमन ला असुध होय बर नइं, पर पबितर जिनगी जीये बर बलाय हवय।
8 एकरसेति जऊन कोनो ये हुकूम ला नइं मानय, ओह मनखे के नइं, पर परमेसर के अनादर करथे, जऊन ह
तुमन ला अपन पबितर आतमा देथे।
9 अब संगी बिसवासीमन बर, मया के बारे म तुमन ला लिखे के जरूरत नइं ए, काबरकि एक-दूसर ले मया
करई तुमन खुद परमेसर ले सीखे हवव।
10 अऊ वास्तव म, मकिदुनिया के जम्मो भाईमन ला तुमन मया करथव। तभो ले, हे भाईमन हो, हमन तुम्हर
ले बिनती करथन कि अइसने अऊ करते रहव।
11 सांति ले जिनगी जीयई, अपन खुद के काम ले मतलब रखई, अऊ अपन हांथ ले मेहनत करई—ये बातमन
ला अपन उदेस्य बना लेवव, जइसने कि हमन तुमन ला कहे हवन,
12 ताकि अबिसवासी मनखेमन तुम्हर आदर करंय अऊ तुमन काकरो ऊपर बोझा झन बनव।

[illegible]

13 हे भाईमन हो, हमन नइं चाहत हन कि तुमन ओमन के बारे म अनजान रहव, जऊन मन मरे के पहिली
बिसवासी रिहिन, ताकि तुमन ला ओमन सहीं दुखी होना झन पड़य, जेमन करा कोनो आसा नइं ए।

---

† **3:13** [illegible] के मतलब [illegible] घलो हो सकथे।

14 हमन तो बिसवास करथन कि यीसू ह मर गीस अऊ फेर जी उठिस अऊ अइसनेच हमन ये घलो बिसवास
करथन कि परमेसर ह यीसू के संग ओमन ला जिनगी दीही, जऊन मन यीसू म बिसवास करत मर गे हवंय।
15 परभू के बचन के मुताबिक, हमन तुमन ला बतावत हन कि हमन जऊन मन जीयत हवन, परभू के आय के
दिन, हमन ओमन ले आघू नइं जावन, जऊन मन मर गे हवंय।
16 काबरकि परभू ह खुद स्वरग ले उतरही। ओकर आय के बेरा म ऊंचहा अवाज म हुकूम दिये जाही, परधान
स्वरगदूत के अवाज होही अऊ परमेसर के तुरही बजही अऊ जऊन मन मसीह म बिसवास करके मर गे हवंय,
ओमन पहिली जी उठहीं।
17 ओकर बाद, हमन बिसवासीमन जऊन मन जीयत हवन अऊ बांचे हवन, ओमन के संग बादर म उठा लिये
जाबो ताकि परभू के संग हवा म भेंट करन। अऊ ये किसम ले हमन हमेसा परभू के संग रहिबो।
18 एकरसेति, एक-दूसर ला, ये बातमन के दुवारा उत्साहित करव।

5

[illegible]

1 अब हे भाईमन हो, परभू के आय के समय अऊ तारिख के बारे म तुमन ला लिखे के जरूरत नइं ए?
2 काबरकि तुमन खुद जानत हव कि परभू के दिन ह अइसने आही, जइसने चोर ह रथिया आथे।
3 जब मनखेमन कहत होहीं कि सांति हवय अऊ जम्मो बने हवय, तभे जइसने देहें बोहे माईलोगन ला छेवारी
होय के पीरा होथे, वइसने अचानक बिनास ह ओमन के ऊपर आ पड़ही अऊ ओमन बिनास ले बच नइं सकहीं।
4 पर हे भाईमन हो, तुमन तो अंधियार म नइं अव कि ये दिन ह तुमन ला एक चोर के सहीं अचम्भो म डारय।
5 तुमन जम्मो झन अंजोर के संतान अऊ दिन के संतान अव। हमन रथिया या अंधियार के संतान नो हन।
6 एकरसेति, आवव, हमन आने मन सहीं सोवत नइं रहन, पर जागत अऊ सचेत रहन।
7 काबरकि जऊन मन सुतथें, ओमन रथिया सुतथें अऊ जऊन मन पीके मतवार बनथें, ओमन रथिया पीके
मतवार बनथें।
8 पर जब हमन दिन के अन, त आवव, हमन छाती के कवच के रूप म बिसवास अऊ मया ला पहिरके अऊ
टोप के रूप म उद्धार के आसा ला पहिरके सचेत रहन।
9 काबरकि परमेसर ह हमन ला दंड भोगे बर नइं, पर हमर परभू यीसू मसीह के दुवारा उद्धार पाय बर ठहिराय
हवय।
10 मसीह ह हमर खातिर मर गीस, ताकि चाहे हमन जीयत रहन या मर जावन, हमन ओकरे संग रहन।
11 एकर खातिर, एक-दूसर ला उत्साहित करव अऊ एक-दूसर के बढ़ती म मदद करव, जइसने कि तुमन अभी
करत घलो हवव।

[illegible]

12 अब हे भाईमन हो, हमन तुम्हर ले बिनती करथन कि ओमन के आदर करव, जऊन मन तुम्हर बीच म कठोर
मेहनत करथें, जऊन मन परभू म तुम्हर अगुवा अंय अऊ जऊन मन तुमन ला सचेत करत रहिथें।
13 ओमन के काम के कारन, मया के संग ओमन के बहुंत आदर करव। एक-दूसर के संग सांति से रहव।
14 अऊ हे भाईमन, हमन तुम्हर ले बिनती करथन कि आलसी मनखेमन ला चेतउनी देवव; डरपोकमन ला
उत्साहित करव; निरबलमन के मदद करव; जम्मो झन के संग सहनसीलता के बरताव करव।
15 ये बात के धियान रखव कि तुमन ले कोनो बुरई के बदले बुरई झन करय, पर हमेसा एक-दूसर के अऊ
जम्मो झन के भलई करे के कोसिस करव।
16 हमेसा आनंदित रहव,
17 लगातार पराथना करत रहव,
18 हर परिस्थिति म धनबाद देवव; काबरकि तुम्हर बर मसीह यीसू म परमेसर के एहीच ईछा अय।
19 पबितर आतमा के काम ला रोके के कोसिस झन करव।
20 अगमबानी के बात ला तुछ झन समझव
21 हर बात ला परखव; जऊन ह बने बात ए, ओहीच म बने रहव।
22 हर किसम के बुरई ले अलग रहव।

23 सांति देवइया परमेसर ह खुद तुमन ला हर किसम ले पबितर करय। हमर परभू यीसू मसीह के आवत तक,
तुम्हर जम्मो आतमा, जीव अऊ देहें ह निरदोस रहय।
24 परमेसर ह तुमन ला बलाय हवय; ओह बिसवासयोग्य अय अऊ ओह येला करही।

25 हे भाईमन, हमर बर पराथना करव।

26 पबितर चूमा के संग जम्मो भाईमन ला जोहार करव।

27 परभू के नांव म, मेंह तुमन ला ये जिम्मेदारी देवत हंव कि ये चिट्ठी ला जम्मो भाईमन ला पढ़के सुनाय
जावय।

28 हमर परभू यीसू मसीह के अनुग्रह तुम्हर ऊपर होवत रहय।

थिस्सलुनीके
के कलीसिया ला पौलुस के दूसरा चिट्ठी

1 थिस्सलुनीके सहर के कलीसिया ला,
जऊन ह परमेसर हमर ददा अऊ परभू यीसू मसीह म हवय, पौलुस, सीलास अऊ तीमुथियुस कोति ले ये
चिट्ठी मिलय:
2 परमेसर ददा अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलत रहय।

[illegible]
3 हे भाईमन, तुम्हर बर हमन हमेसा परमेसर के धनबाद करथन अऊ अइसने करई उचित घलो अय, काबरकि
तुम्हर बिसवास ह बहुंत बढ़त जावत हवय अऊ तुमन जम्मो झन के मया एक-दूसर बर बढ़त जावत हवय।
4 एकरसेति हमन परमेसर के कलीसियामन म तुम्हर बर घमंड करथन कि जम्मो सतावा अऊ तकलीफ ला
सहत तुमन स्थिर रहिथव अऊ बिसवास म बने रहिथव।
5 ये जम्मो ह परमेसर के सही नियाय के सबूत ए अऊ एकर नतीजा के रूप म तुमन परमेसर के राज के लईक
समझे जाहू, जेकर बर तुमन दुख भोगत हवव।
6 परमेसर ह नियायी ए: ओह ओमन ला तकलीफ दीही, जऊन मन तुमन ला तकलीफ देथें
7 अऊ ओह तुमन ला, जऊन मन तकलीफ उठावत हवव, अराम दीही, अऊ संग म हमन ला घलो। येह तभे
होही, जब परभू यीसू ह अपन सक्तिसाली स्वरगदूतमन संग धधकत आगी म स्वरग ले परगट होही।
8 ओह ओमन ला सजा दीही, जऊन मन परमेसर ला गरहन नइं करंय अऊ हमर परभू यीसू के सुघर संदेस ला
नइं मानंय।
9 ओमन सदाकाल के बिनास के सजा पाहीं अऊ ओमन परभू के आघू ले अऊ ओकर सामर्थ के तेज ले दूरिहा
करे जाहीं।
10 येह ओ दिन होही, जब ओह अपन पबितर मनखेमन म महिमा पाय बर अऊ जऊन मन बिसवास करे
हवंय, ओ जम्मो के बीच म आदर पाय बर आही। येमा तुमन घलो सामिल हवव, काबरकि तुमन हमर गवाही ला
बिसवास करे हवव।
11 एकरे कारन, हमन हमेसा तुम्हर बर पराथना करथन कि हमर परमेसर ह तुमन ला अपन बुलाहट के काबिल
समझय अऊ ओह तुम्हर हर बने ईछा ला अऊ बिसवास के काम ला, अपन सामर्थ के दुवारा पूरा करय।
12 हमन ये पराथना करथन, ताकि हमर परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह के अनुग्रह के मुताबिक, हमर परभू
यीसू के नांव ह तुमन म महिमा पावय अऊ तुमन ओमा महिमा पावव।

2

[illegible]
1 हे भाईमन, हमर परभू यीसू मसीह के फेर आय के बारे म अऊ ओकर करा हमर जूरे के बिसय म हमन तुम्हर
ले बिनती करथन
2 कि कोनो आतमा के दुवारा या बचन के दुवारा या कोनो चिट्ठी के दुवारा ये कहे जाथे कि परभू के दिन ह
पहिली ही आ गे हवय अऊ ये बात ह हमर इहां ले आय हवय सहीं लगथे, त तुमन आसानी ले दुबिधा म झन
पड़व अऊ झन घबरावव।
3 कोनो तुमन ला कोनो घलो किसम ले धोखा झन देवन पावय, काबरकि ओ दिन ह तब तक नइं आवय, जब
तक कि परमेसर के बिरोध म पहिली बिदरोह नइं होवय, अऊ अधरम* के मनखे ह परगट नइं होवय, जेकर
बिनास ह तय हवय।
4 ओह हर ओ चीज के बिरोध करही अऊ ओ चीज ले अपनआप ला बड़े करही, जऊन ला परमेसर कहे जाथे
या जेकर अराधना करे जाथे। अऊ त अऊ ओह अपनआप ला परमेसर कहत, परमेसर के मंदिर म बईठही।
5 का तुमन ला सुरता नइं ए कि जब मेंह तुम्हर संग रहेंव, त मेंह तुमन ला ये बातमन ला बताय करत रहेंव?

---

* **2:3** कुछू हस्तलिपि म [illegible]

6 अब तुमन जानत हव कि कोनो सक्ति ह ओला रोकत हवय, ताकि ओह परमेसर के ठहिराय समय म परगट
होवय।
7 काबरकि अधरम के भेद भरे सक्ति ह पहिली ले काम करत हवय, पर जऊन ह अब ओला रोके हवय, सिरिप
ओह तब तक रोके रहिही, जब तक कि ओला रसता ले हटाय नइं जाही।
8 अऊ तब ओ अधरमी ह परगट होही, जऊन ला परभू यीसू ह अपन मुहूं के फूंक ले मार डारही अऊ अपन
परगट होय के तेज ले ओला नास कर दीही।
9 अधरमी ह सैतान के सक्ति के संग आही अऊ जम्मो किसम के चमतकार, लबरा चिनहां अऊ अचरज के
काम करही,
10 अऊ नास होवइयामन ला जम्मो किसम के धोखा देवइया खराप काम म डारही। ओमन नास हो जाहीं
काबरकि ओमन सत ले मया करे बर नइं चाहिन, जेकर दुवारा ओमन के उद्धार होय रहितिस।
11 एकर कारन, परमेसर ह ओमन ऊपर एक भरमइया सक्ति ला पठोही, ताकि ओमन लबारी ऊपर बिसवास
करंय।
12 अऊ ओ जम्मो झन सजा पाहीं, जऊन मन सत ऊपर बिसवास नइं करिन अऊ अधरम म खुस होईन।

[illegible]

13 पर हे भाईमन, तुमन ला परभू मया करथे; तुम्हर खातिर हमन ला हमेसा परमेसर के धनबाद करना चाही,
काबरकि सिरिस्टी के सुरू ले, परमेसर ह तुमन ला चुन लीस कि पबितर आतमा के पबितर काम के दुवारा अऊ
सत म तुम्हर बिसवास करे के दुवारा तुमन उद्धार पावव।
14 एकर खातिर, ओह तुमन ला हमर सुघर संदेस के दुवारा बलाईस, ताकि तुमन हमर परभू यीसू मसीह के
महिमा म भागी होवव।
15 एकरसेति, हे भाईमन, बिसवास म मजबूत बनव अऊ ओ सिकछा के बातमन ला थामे रहव, जऊन ला
हमन चाहे मुहूं के बचन ले या चिट्ठी के दुवारा तुमन ला सिखोय हवन।
16 खुद हमर परभू यीसू मसीह अऊ परमेसर हमर ददा, जऊन ह हमर ले मया करिस अऊ अपन अनुग्रह के
दुवारा हमन ला सदाकाल के उत्साह अऊ उत्तम आसा दे हवय,
17 तुम्हर हर एक सुघर काम अऊ बचन म तुम्हर मन ला उत्साहित अऊ मजबूत करय।

3

[illegible]

1 आखिर म, हे भाईमन हो, हमर बर पराथना करव कि परभू के संदेस ह तेजी से बगरय अऊ आदर के संग
गरहन करे जावय, जइसने कि तुम्हर बीच म होय हवय।
2 अऊ पराथना करव कि परमेसर ह हमन ला खराप अऊ दुस्ट मनखेमन ले बचावय, काबरकि जम्मो झन
हमर संदेस ला बिसवास नइं करंय।
3 पर परभू ह बिसवासयोग्य अय, अऊ ओह तुमन ला बिसवास म मजबूत करही अऊ दुस्ट जन ले बचाही।
4 तुम्हर बारे म, परभू के ऊपर हमन ला भरोसा हवय कि जऊन बात के हमन तुमन ला हुकूम देथन, ओकर
तुमन पालन करत हव अऊ हमेसा करत रहिहू।
5 परमेसर के मया अऊ मसीह के धीरज म, परभू ह तुम्हर हिरदय ला लगाय रखय।

[illegible]

6 हे भाईमन हो, हमन तुमन ला परभू यीसू मसीह के नांव म हुकूम देवत हन कि हर ओ भाई ले अलग रहव,
जऊन ह आलसी ए अऊ ओ सिकछा के मुताबिक नइं चलय, जऊन ला तुमन हमर ले पाय हवव।
7 काबरकि तुमन खुदे जानत हव कि तुमन ला कइसने हमर चालचलन के नकल करना चाही। जब हमन तुम्हर
संग रहेंन, त आलसी बनके नइं रहेंन,
8 अऊ बिगर दाम चुकाय मुफत म हमन काकरो इहां खाना नइं खायेंन। पर हमन लगन अऊ मेहनत ले रात
अऊ दिन काम करेंन, ताकि तुमन के काकरो ऊपर हमन बोझा झन होवन।
9 ये बात नो हय कि हमन ला ये किसम के मदद पाय के हक नइं ए, पर हमन तुम्हर आघू म एक नमूना पेस करे
बर वइसने करेंन कि तुमन ओकर नकल करव।

10 जब हमन तुम्हर संग रहेंन, त तुमन ला हुकूम देय रहेंन कि कहूं कोनो मनखे काम नइं करय, त ओह खाय
घलो झन पावय।
11 हमर सुनई म आवत हवय कि तुम्हर बीच म कुछू झन आलसी हवंय। ओमन कुछू बुता नइं करंय, पर आने
मन के काम म बाधा डारथें।
12 परभू यीसू मसीह के नांव म, हमन अइसने मनखेमन ला हुकूम देवत हन अऊ बिनती करत हन कि ओमन
चुपेचाप अपन काम करंय अऊ अपन कमई के रोटी खावंय।
13 अऊ हे भाईमन हो, तुमन भलई के काम करे म कभू झन थकव।
14 यदि कोनो, ये चिट्ठी म बताय हमर बात ला नइं मानय, त ओकर ऊपर बिसेस धियान रखव। ओकर संग
संगति झन करव ताकि ओह बेजत्ती महसूस करय।
15 तभो ले ओला बईरी सहीं झन समझव, पर एक भाई जानके ओला चेतउनी देवव।

[illegible]

16 अब, सांति के परभू ह खुद तुमन ला हर समय अऊ हर किसम ले सांति देवय। परभू तुमन जम्मो झन के
संग रहय।

17 में, पौलुस ह अपन हांथ ले ये लिखके जोहार कहथंव, जऊन ह कि मोर हर चिट्ठी के अलग पहिचान ए।
एहीच किसम ले, मेंह लिखथंव।

18 हमर परभू यीसू मसीह के अनुग्रह तुमन जम्मो झन ऊपर बने रहय।

तीमुथियुस
के नांव पौलुस के पहिली चिट्ठी

1 में, पौलुस ह हमर उद्धार करइया परमेसर अऊ हमर आसा मसीह यीसू के हुकूम ले मसीह यीसू के प्रेरित
अंव,
2 बिसवास म मोर पक्का बेटा तीमुथियुस, तोला मेंह ये चिट्ठी लिखत हवंव:
हमर ददा परमेसर अऊ हमर परभू मसीह यीसू ले तोला अनुग्रह, दया अऊ सांति मिलत रहय।

[illegible]

3 जइसने कि मेंह मकिदुनिया जावत बेरा तोर ले बिनती करे रहेंव कि तें इफिसुस म रहिके ओ कुछू मनखेमन
ला हुकूम दे कि ओमन गलत बात झन सिखोवंय,
4 अऊ न ही ओमन कथा-कहानी अऊ अन्तहीन बंसावलीमन म मन लगावंय, जेकर ले बिवाद होथे। अइसने
बात ले परमेसर के काम, जऊन ह बिसवास म अधारित हवय, नइं होवय।
5 ये हुकूम के उदेस्य ह मया अय, जऊन ह साफ मन, बने बिबेक अऊ निस्कपट बिसवास ले पईदा होथे।
6 कुछू मनखेमन ये बातमन ले भटकके बेकार के बात म मन लगाय हवंय।
7 ओमन चाहत हवंय कि मनखेमन ओमन ला मूसा के कानून के गुरू के रूप म जानंय, पर ओमन अपनेच
बातमन ला नइं समझंय या ओ बात ला नइं जानंय, जेकर बारे म ओमन बहुंत जोर देके गोठियाथें।
8 हमन जानत हन कि मूसा के कानून ह बने ए, यदि मनखे ह ओकर सही उपयोग करय त।
9 हमन ये घलो जानत हन कि कानून ह बने मनखेमन बर नो हय, पर येह कानून टोरइया, निरंकुस, भक्तिहीन,
पापी, अपबितर मनखे अऊ अधरमी, दाई-ददा के हतिया करइया, हतियारा,
10 छिनारी करइया, बेभिचारी, गुलाममन ला बेचइया या बिसोइया, लबरा अऊ लबरा गवाही देवइया अऊ
सही उपदेस के बिरोध करइयामन बर अय।
11 एहीच ह परमधन्य परमेसर के महिमामय सुघर संदेस के मुताबिक ए, जऊन ला मोला सऊंपे गे हवय।

[illegible]

12 मेंह अपन परभू मसीह यीसू के धनबाद करत हंव, जऊन ह मोला ताकत दे हवय अऊ मोला बिसवास के
लईक समझके अपन सेवा बर ठहिराय हवय।
13 मेंह तो पहिली ओकर निन्दा करइया, अतियाचारी अऊ ओकर बेजत्ती करइया रहेंव, तभो ले परमेसर के
दया मोर ऊपर होईस काबरकि मेंह ये जम्मो ला नासमझी अऊ अबिसवास म करेंव।
14 हमर परभू के अनुग्रह, ओ बिसवास अऊ मया के संग, जऊन ह मसीह यीसू म हवय, मोर ऊपर बहुंत अकन
होईस।
15 ये बात सच ए अऊ पूरा माने अऊ बिसवास करे के लईक अय कि मसीह यीसू ह ये संसार म पापीमन के
उद्धार करे बर आईस, जेमा सबले बड़े पापी मेंह अंव।
16 पर मोर ऊपर एकरसेति दया होईस कि मोर म, जऊन ह कि सबले बड़े पापी अंव, मसीह यीसू ह अपन पूरा
सहनसीलता देखावय, ताकि जऊन मनखेमन मसीह ऊपर बिसवास करहीं अऊ परमेसर के संग सदाकाल के
जिनगी पाहीं, ओमन बर मेंह एक नमूना बनंव।
17 सदाकाल के राजा, अबिनासी, अनदेखे, सिरिप एकेच परमेसर के आदर अऊ महिमा जुग-जुग होवत रहय।
आमीन।
18 हे बेटा तीमुथियुस, ओ अगम बात के मुताबिक, जऊन ह पहिली तोर बारे म कहे गे रिहिस, मेंह तोला ये
हुकूम देवत हंव कि ओकर मुताबिक सही जिनगी म चलत रह,
19 अऊ बिसवास अऊ सही बिबेक म बने रह। कुछू मनखेमन येला नइं मानिन अऊ एकरसेति ओमन के
बिसवास ह खतम हो गीस।

20 ओमन म हुमिनयुस अऊ सिकन्दर अंय, जेमन ला मेंह सैतान ला सऊंप दे हवंव, ताकि ओमन सीखंय अऊ
परमेसर के निन्दा झन करंय।

2

[illegible]

1 एकरसेति, सबले पहिली ये अनुरोध करत हंव कि बिनती, पराथना, निबेदन अऊ धनबाद जम्मो मनखे बर
करे जावय—
2 राजा अऊ जम्मो ऊंच पद के मनखे बर ये करे जावय, ताकि हमन सांत अऊ सुख के जिनगी भक्ति अऊ
पबितरता के संग जीयन।
3 येह बने बात ए अऊ येह हमर उद्धार करइया परमेसर ला भाथे।
4 ओह चाहथे कि जम्मो मनखेमन के उद्धार होवय अऊ ओमन सत के गियान ला जानंय।
5 काबरकि सिरिप एके परमेसर हवय अऊ परमेसर अऊ मनखेमन के बीच म एकेच बिचवई हवय, याने ओ
मनखे मसीह यीसू,
6 जऊन ह जम्मो मनखेमन के पाप के छुटकारा खातिर अपनआप ला दे दीस अऊ ये गवाही ह ठीक समय म
दिये गीस।
7 मेंह सच कहत हंव, लबारी नइं मारत हंव। एकरे खातिर, मेंह सुघर संदेस के परचारक, प्रेरित अऊ
आनजातमन बर एक सच्चा अऊ बिसवासयोग्य गुरू ठहिराय गे हवंव।
8 एकरसेति मेंह चाहत हंव कि जम्मो जगह मनखेमन बिगर गुस्सा या बिवाद के, पबितरता के संग अपन हांथ
ऊपर उठाके पराथना करंय।
9 मेंह ये घलो चाहत हंव कि माईलोगनमन संकोच अऊ बने आचरन के संग ठीक से कपड़ा पहिरंय, न कि
बाल गुंथके या सोन या मोती या मंहगा कपड़ा ले अपनआप ला संवारंय,
10 पर भलई के काम करंय, जइसने कि ओ माईलोगनमन ला सोभा देथे, जऊन मन परमेसर के अराधना करे
के घोसना करथें।
11 माईलोगन* ला चुपेचाप अऊ पूरा अधीनता म रहिके सीखना चाही।
12 मेंह कोनो माईलोगन ला ये अनुमति नइं देवंव कि ओह सिखोय या मरद† के ऊपर अधिकार रखय, पर ओह
एकदम चुपेचाप रहय।
13 काबरकि आदम ह पहिली बनाय गीस अऊ ओकर बाद हवा बनाय गीस।
14 अऊ आदम ह बहकाय नइं गीस, पर माईलोगन ह बहकाय गीस अऊ पापिन बनिस।
15 पर माईलोगनमन लइका जने के दुवारा उद्धार पाहीं, यदि ओमन बने आचरन के संग बिसवास, मया अऊ
पबितरता म बने रहंय।

3

[illegible]

1 ए बात सही ए: कहूं कोनो मनखे पास्टर बने चाहथे, त ओह बहुंत बढ़िया काम करे के ईछा करथे।
2 पास्टर ला बिलकुल निरदोस होना चाही। ओकर सिरिप एकेच घरवाली होवय। ओह संयमी, सुसील, सभ्य,
पहुनई करइया अऊ बने गुरू होवय।
3 ओह पियक्कड़ या मारपीट करइया झन होवय, पर नम्र सुभाव के होवय। ओह न झगरा करइया अऊ न
रूपिया-पईसा के लोभी होवय।
4 ओह अपन परिवार के सुघर परबंध करइया होवय, अऊ ओह ये देखय कि ओकर लइकामन पूरा आदरमान
के संग ओकर बात मानंय।
5 (कहूं कोनो अपन खुद के परिवार के परबंध नइं कर सकय, त फेर ओह परमेसर के कलीसिया के खियाल
कइसने रख सकथे?)
6 ओह नवां मसीही झन होवय, नइं तो ओला घमंड हो सकथे अऊ सैतान के सहीं दंड पा सकथे।
7 कलीसिया के बाहिर के मनखेमन म घलो ओकर बने नांव होना चाही, ताकि ओकर निन्दा झन होवय अऊ
ओह सैतान के फांदा म झन फंसय।

---

* **2:11** या *[illegible]* † **2:12** या *[illegible]*

8 एही किसम ले, डीकनमन ला घलो आदर के लईक होना चाही। ओमन ईमानदार होवंय अऊ पियक्कड़ अऊ
नीच कमई के लोभी झन होवंय।
9 ओमन बिसवास के गहिरा सच ला सही बिबेक के संग थामे रहंय।
10 ओमन पहिली जरूर परखे जावंय अऊ यदि निरदोस निकलंय, त ओमन डीकन के रूप म सेवा करंय।
11 ओही किसम ले, डीकनमन के घरवालीमन* ला घलो आदर के लईक होना चाही। ओमन बक-बक करइया
झन होवंय, पर संयमी अऊ जम्मो बात म बिसवास के लईक होवंय।
12 डीकन के सिरिप एक घरवाली होवय अऊ ओह अपन लइकामन के अऊ घर के सुघर परबंध करय।
13 जऊन मन बने सेवा करे हवंय, ओमन बने आदरमान पाथें अऊ मसीह यीसू म अपन बिसवास के दुवारा
भरोसा के लईक समझे जाथें।
14 हालाकि मेंह तोर करा जल्दी आय के आसा करत हंव, तभो ले तोला ये बात लिखत हवंव,
15 ताकि कहूं मोर आय म देरी होवय, त तोला जानकारी होना चाही कि मनखेमन परमेसर के घराना म
कइसने बरताव करंय अऊ ये परिवार ह जीयत परमेसर के कलीसिया ए, अऊ येह सच्चई के खंभा अऊ नीव ए।
16 ये बात म कोनो संका नइं ए कि परमेसर के भक्ति के भेद ह महान ए:
ओह मनखे के रूप म परगट होईस,
पबितर आतमा के दुवारा साबित करे गीस,
स्वरगदूतमन ला दिखाई दीस,
जाति-जाति म ओकर परचार होईस,
जम्मो संसार म मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करिन,
अऊ ओह महिमा म स्वरग ऊपर उठा लिये गीस।

4

[illegible]

1 पबितर आतमा ह साफ-साफ कहिथे कि अवइया समय म कुछू मनखेमन बिसवास ला छोंड़ दीहीं अऊ
धोखा देवइया आतमा अऊ परेत आतमामन के सिखोय बात ला मानहीं।
2 ये बातमन ढोंगी मनखेमन ले आथे, जऊन मन लबारी मारथें अऊ जेमन के बिबेक ह मर गे हवय, मानो ओह
गरम लोहा ले दागे गे हवय।
3 ओमन मनखेमन ला बिहाव करे बर मना करथें अऊ कुछू खाय के चीजमन ला खाय बर मना करथें जऊन ला
परमेसर ह एकरसेति बनाईस कि सत ला जाननेवाला बिसवासीमन, ये भोजन-बस्तु बर धनबाद के पराथना करंय
अऊ ओला खावंय।
4 परमेसर के बनाय हर चीज ह बने ए, अऊ कोनो घलो चीज अस्वीकार करे के लईक नो हय, यदि ओला
परमेसर ला धनबाद देके खाय जाथे।
5 काबरकि ओह परमेसर के बचन अऊ पराथना के दुवारा सुध हो जाथे।
6 कहूं तेंह बिसवासी भाईमन ला ये बातमन के सुरता कराथस, त तेंह मसीह यीसू के बने सेवक बनबे, जइसने
कि तेंह परमेसर के बचन के बिसवास म पले-बढ़े अऊ सही सिकछा म चले हवस।
7 अपनआप ला अधरमी अऊ डोकरीमन के कथा-कहानी ले दूरिहा रख अऊ अपनआप ला आतमिक बात म
अनुसासित कर।
8 सारीरिक कसरत करे ले कुछू फायदा होथे, पर भक्ति के साधना ले जम्मो बात म फायदा होथे, काबरकि येह
ये जिनगी अऊ अवइया जिनगी दूनों के वायदा करथे।
9 ये बात सच ए अऊ हर किसम ले माने अऊ बिसवास करे के लईक ए।
10 एकरसेति हमन मेहनत अऊ संघर्स करथन, काबरकि हमर आसा ओ जीयत परमेसर ऊपर हवय, जऊन ह
जम्मो मनखेमन के, अऊ बिसेस करके बिसवासीमन के उद्धार करइया अय।
11 ये बातमन के हुकूम दे अऊ सिखोय कर।
12 अइसने कर कि कोनो मनखे तोर जवानी के कारन, तोला तुछ झन समझय, पर बिसवासीमन खातिर अपन
गोठ-बात, अपन जिनगी, अपन मया, बिसवास अऊ सुधता के दुवारा एक नमूना पेस कर।

* **3:11** यूनानी भासा के सबद "गुनाइका" (डीकन के घरवाली) के मतलब "माईलोगन" या "घरवाली" हो सकथे।

13 जब तक मेंह नइं आ जावंव, तब तक अपनआप ला मनखेमन के आघू म परमेसर के बचन पढ़े, उपदेस करे
अऊ सिखोय म लगाय रख।
14 अपन बरदान के खियाल रख, जऊन ह तोला एक अगमबानी के जरिये दिये गे रिहिस, जब अगुवामन
अपन हांथ ला तोर ऊपर रखिन।
15 ये काममन ला करते रह; अऊ येमन खातिर अपनआप ला पूरा लगा दे, ताकि हर एक झन तोर बढ़ती ला
देख सकंय।
16 अपन जिनगी अऊ अपन सिकछा ला बिसेस धियान दे। ओमा लगे रह, काबरकि यदि तेंह अइसने करबे, त
तेंह, तोर अऊ तोर बात सुनइया, दूनों के उद्धार करबे।

5

[illegible]

1 कोनो सियान मनखे ला झन डांट, पर ओला अपन ददा सहीं जानके समझा दे। जवानमन ला भाई,
2 डोकरी माईलोगनमन ला दाई अऊ जवान माईलोगनमन ला पूरा सुध मन ले बहिनी जानके ओमन के संग
बरताव कर।
3 ओ बिधवामन के आदर कर, जऊन मन ला सही म मदद के जरूरत हवय।
4 कहूं कोनो बिधवा के लइका अऊ नाती-नतनीन हवंय, त ओमन ला अपन परिवार के देखरेख करे के दुवारा
पहिली अपन धरम के काम ला पूरा करना चाही। ये किसम ले ओमन अपन दाई-ददा अऊ डोकरी-डोकरा
दाई-ददामन के बदला चुकावंय, काबरकि ये काम ह परमेसर ला भाथे।
5 ओह सही बिधवा ए, जेकर कोनो नइं ए अऊ जऊन ह परमेसर ऊपर भरोसा रखथे अऊ रात-दिन पराथना म
लगे रहिथे अऊ परमेसर ले मदद मांगथे।
6 पर ओ बिधवा, जऊन ह भोग-बिलास म जिनगी बिताथे, ओह जीते-जीयत मर गीस।
7 ओमन ला हुकूम दे, ताकि ओमन निरदोस जिनगी जीयंय।
8 यदि कोनो अपन रिस्तेदार अऊ बिसेस करके अपन परिवार के देखरेख नइं करय, त एकर ले पता चलथे कि
ओह मसीह के ऊपर बिसवास करे बर छोंड़ दे हवय, अऊ एक अबिसवासी ले घलो खराप हो गे हवय।
9 बिधवामन के सूची म, ओ बिधवा के नांव लिखे जावय, जेकर उमर साठ साल ले ऊपर हवय अऊ जऊन ह
एके झन मनखे के घरवाली रहे हवय।
10 अऊ भलई के काम करे म ओकर बने नांव होवय—जइसने कि अपन लइकामन के पालन-पोसन करई,
पहुनई करई, परमेसर के मनखेमन के गोड़ धोवई, जऊन मन मुसीबत म हवंय, ओमन के मदद करई अऊ
अपनआप ला जम्मो किसम के बने काम म लगाय रखई।
11 पर जवान बिधवामन ला अइसने सूची म झन रख, काबरकि जब ओमन के सारीरिक भोग-बिलास के ईछा
ह ओमन ला मसीह ले दूरिहा ले जाथे, त ओमन बिहाव करे चाहथें।
12 ये किसम ले ओमन दोसी होथें, काबरकि ओमन मसीह के संग करे अपन पहिली परतिगियां ला टोर देथें।
13 एकर अलावा, ओमन घर-घर जाके आलसी बन जाथें। अऊ सिरिप आलसी ही नइं बनंय, पर बक-बक करथें
अऊ आने मन के काम म दखल देथें, ओ बातमन ला कहिके जऊन ला कि नइं कहना चाही।
14 एकरसेति, बने होतिस कि जवान बिधवामन बिहाव करंय अऊ लइका जनमावंय, अपन घर-बार ला
संभालंय अऊ बईरी ला बदनाम करे के कोनो मऊका झन देवंय।
15 काबरकि कुछू बिधवामन पहिले ही बहकके सैतान के पाछू चलत हवंय।
16 कहूं कोनो बिसवासी माईलोगन के अइसने रिस्तेदार हवंय, जऊन मन बिधवा अंय, त ओह ओमन के मदद
करय ताकि ओमन के बोझा कलीसिया ऊपर झन होवय अऊ कलीसिया ह आने मन के मदद कर सकय, जऊन
मन सही म बिधवा अंय।
17 ओ अगुवा जऊन मन कलीसिया के बने काम करथें, ओमन दू गुना आदर के लईक समझे जावंय, बिसेस
करके जऊन मन परमेसर के बचन के परचार अऊ सिखोय के काम करथें।
18 काबरकि परमेसर के बचन ह कहिथे, "दंवरी म चलत बईला के मुहूं ला झन बांधव"* अऊ "बनिहार ला
ओकर बनी मिलना चाही।"†

* **5:18** ब्यव 25:4 † **5:18** लूका 10:7

19 कहूं कोनो मनखे ह कोनो अगुवा ऊपर दोस लगाथे, त बिगर दू या तीन गवाह के ओकर झन सुने कर।
20 जऊन मन पाप करथें, ओमन ला जम्मो के आघू म डांट, ताकि आने मन पाप करे बर डरंय।
21 परमेसर, मसीह यीसू अऊ चुने स्वरगदूतमन ला हाजिर जानके, मेंह तोला हुकूम देवत हंव कि ये बातमन ला बिगर काकरो तरफदारी के माने कर अऊ कोनो काम म पखियपात झन कर।
22 कोनो मनखे ला परभू के सेवा खातिर चुने म जल्दबाजी करके ओकर ऊपर हांथ झन रख अऊ आने मन के पाप म भागीदार झन हो। अपनआप ला सुध बनाय रख।
23 सिरिप पानी झन पीये कर, पर अपन पेट खातिर अऊ बार-बार बेमार पड़े के कारन, थोरकन अंगूर के मंद घलो पीये कर।
24 कुछू मनखेमन के पाप ह साफ-साफ दिख जाथे अऊ ओमन के पाप ह ओमन ले पहिले नियाय बर पहुंच जाथे; पर आने मन के पाप ह बाद म दिखथे।
25 वइसनेच बने काममन साफ-साफ दिखथें अऊ कहूं साफ नइं घलो दिखंय, त ओमन सदाकाल तक छुपे नइं रह सकंय।

6

1 जऊन मन गुलाम अंय, ओमन अपन मालिक ला बड़े आदर के लईक समझंय, ताकि परमेसर के नांव अऊ हमर सिकछा के निन्दा झन होवय।
2 जेमन के मालिकमन बिसवासी अंय, एकर खातिर ओमन अपन मालिक के आदर करे म कमी झन करंय कि ओमन संगी बिसवासी अंय। बल्कि ओमन ला अपन मालिकमन के अऊ बने सेवा करना चाही काबरकि जऊन मन सेवा के लाभ उठाथें, ओ मालिकमन संगी बिसवासी अऊ ओमन के मयारू अंय अऊ अपन गुलाममन के खुसी के खियाल रखथें। ये बात तेंह ओमन ला सिखोय अऊ समझाय कर।

[illegible]

ये बातमन ला, तें सिखोय अऊ समझाय कर।
3 कहूं कोनो आने किसम के उपदेस देथे अऊ हमर परभू यीसू मसीह के सही निरदेस अऊ परमेसर के सिकछा ले सहमत नइं ए,
4 त ओह घमंडी हो गे हवय अऊ कुछू नइं जानय। ओह बाद-बिबाद अऊ परमेसर के बचन के बारे झगरा करे म बेकार के रूचि रखथे, जेकर ले जलन, झगरा, निन्दा के बात, खराप भरम,
5 अऊ बिगड़े बुद्धि वाले मनखेमन के बीच म लगातार मतभेद पईदा होथे, जेमन कि सत ले दूरिहा हो गे हवंय। अऊ ओमन सोचथें कि परमेसर के भक्ति ह पईसा कमाय के रसता ए।
6 पर संतोस सहित परमेसर के भक्ति म जिनगी बितई ह बहुंत बड़े कमई ए।
7 काबरकि हमन ये संसार म कुछू नइं लाने हवन अऊ हमन इहां ले कुछू नइं ले जा सकन।
8 एकरसेति कहूं हमर करा भोजन अऊ कपड़ा हवय, त हमन ला ओहीच म संतोस रहना चाही।
9 जऊन मन धनी होय चाहथें, ओमन लालच म, अऊ फांदा म अऊ कतको किसम के मुरूख अऊ हानिकारक ईछा म फंसथें, जऊन ह मनखेमन ला बरबादी अऊ बिनास म बुड़ो देथे।
10 काबरकि रूपिया-पईसा ले मया करई ह जम्मो बुरई के जरी अय। कुछू मनखेमन रूपिया-पईसा के लोभ म पड़के बिसवास ले भटक गे हवंय अऊ अपनआप ला नाना किसम के दुख म डार दे हवंय।

[illegible]

11 पर, हे परमेसर के जन, तेंह ये जम्मो चीज ले दूरिहा रह अऊ धरमीपन, भक्ति, बिसवास, मया, सहनसीलता अऊ नमरता के काम म अपन मन ला लगाय रख।
12 बिसवास के बने लड़ई लड़त रह अऊ परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी ला थामे रह, काबरकि एकरे बर तोला बलाय गे रिहिस, जब तेंह कतको गवाहमन के आघू म अपन बिसवास के सही गवाही देय रहय।
13 परमेसर ला हाजिर जानके, जऊन ह जम्मो ला जिनगी देथे अऊ मसीह यीसू ला हाजिर जानके, जऊन ह पुन्तियुस पीलातुस के आघू म निडर होके गवाही दीस, मेंह तोला हुकूम देवत हंव
14 कि तेंह हमर परभू यीसू मसीह के परगट होवत तक, ये हुकूम ला निस्कलंक अऊ सही-सही मानत रह।

15 यीसू ला परमेसर ह अपन सही समय म परगट करही। परमेसर ह परमधन्य अऊ सिरिप एके सासक,
राजामन के राजा अऊ परभूमन के परभू अय।
16 ओह एके झन अमर अय, ओह अगम-अपार अंजोर म रहिथे, जेला कोनो नइं देखे हवंय अऊ न कोनो
ओला देख सकंय। ओकर आदर अऊ पराकरम जुग-जुग होवत रहय। आमीन।
17 ये संसार के धनवानमन ला हुकूम दे कि ओमन घमंडी झन होवंय अऊ नासमान धन ऊपर आसा झन
रखंय, पर परमेसर ऊपर आसा रखंय, जऊन ह हमन ला आनंद मनाय बर हर चीज उदार मन ले देथे।
18 ओमन ला हुकूम दे कि ओमन भलई करंय अऊ भलई के काम म धनी बनंय अऊ ओमन उदार बनंय अऊ
मदद करे बर तियार रहंय।
19 ये किसम ले ओमन अपन बर खजाना बटोरहीं, जऊन ह अवइया समय बर एक मजबूत नीव होही, अऊ
तब ओमन ओ जिनगी म बने रह सकथें, जऊन ह कि सही के जिनगी ए।
20 हे तीमुथियुस, जऊन चीज ला तोर देखरेख म दिये गे हवय, ओकर रखवारी कर। अऊ जऊन गियान ला
गियान कहना ही गलत ए, ओकर बिरोध के बात अऊ भक्तिहीन बातचीत ले दूरिहा रह।
21 काबरकि कुछू मनखेमन ये गियान ला मानके बिसवास ले दूरिहा हो गे हवंय।

तोर ऊपर अनुग्रह होवत रहय।

तीमुथियुस
के नांव पौलुस के दूसरा चिट्ठी

1 में पौलुस, ओ जिनगी के वायदा के मुताबिक, जऊन ह मसीह यीसू म हवय, परमेसर के ईछा ले मसीह
यीसू के प्रेरित अंव,
2 ये चिट्ठी मोर मयारू बेटा तीमुथियुस ला लिखत हंव:
परमेसर ददा अऊ हमर परभू मसीह यीसू के तरफ ले तोला अनुग्रह, दया अऊ सांति मिलत रहय।

[illegible]

3 मेंह हमेसा तोला रात अऊ दिन अपन पराथना म सुरता करत, परमेसर के धनबाद करथंव, जेकर सेवा मेंह
साफ मन ले करथंव जइसने कि मोर पुरखामन घलो करत रिहिन।
4 तोर आंखी के आंसू ला सुरता करके, मेंह तोला देखे के ईछा करथंव, ताकि मेंह आनंद ले भर जावंव।
5 मेंह तोर निस्कपट बिसवास ला सुरता करथंव, जऊन ह कि पहिली तोर ममा दाई लोइस अऊ तोर दाई
यूनीके म रिहिस, अऊ मोला भरोसा हवय कि एहीच बिसवास तोर म घलो हवय।

[illegible]

6 एकर कारन मेंह तोला सुरता करावत हंव कि परमेसर के ओ बरदान के उपयोग जादा से जादा कर, जऊन ह
तोला मोर हांथ रखे के जरिये मिले रिहिस।
7 काबरकि परमेसर ह हमन ला डर के आतमा नइं, पर ओह सामर्थ, मया अऊ संयम बरते के आतमा दे हवय।
8 एकरसेति, हमर परभू के गवाही दे बर झन लजा अऊ न मोर बर लजा, जऊन ह परभू खातिर कैदी अंव। पर
परमेसर के सामर्थ के दुवारा सुघर संदेस बर दुख उठाय म मोर संग हो ले।
9 परमेसर ह हमर उद्धार करे हवय अऊ हमन ला एक पबितर जिनगी जीये बर बलाय हवय। परमेसर ह येला
हमर बने करम के कारन नइं, पर ओह येला अपन उदेस्य अऊ अनुग्रह के कारन करे हवय। ओह ये अनुग्रह ला
समय के सुरू होय के पहिली ले मसीह यीसू के जरिये हमन ला दे हवय,
10 पर ये अनुग्रह अब हमर उद्धार करइया मसीह यीसू के आय के दुवारा परगट होय हवय। ओह मिरतू के
सक्ति ला नास करिस, अऊ सुघर संदेस के दुवारा जिनगी अऊ अमर जिनगी ला अंजोर म लानिस।
11 मेंह एही सुघर संदेस के परचारक, प्रेरित अऊ गुरू ठहिराय गे हवंव।
12 एकर कारन मेंह ये दुख सहत हवंव। पर मेंह नइं लजावंव काबरकि मेंह जानथंव कि काकर ऊपर मेंह
बिसवास रखे हवंव अऊ मेंह ये निस्चय जानत हंव कि ओह ओ चीज के रखवारी कर सकथे, जऊन ला मेंह ओकर
आय के दिन तक ओला सऊंपे हवंव।
13 ओ बने बात, जऊन ला मेंह तोला सिखोय हवंव, ओला अपन जिनगी म एक नमूना के रूप म ले अऊ
संगे-संग मसीह यीसू के बिसवास अऊ मया म बने रह।
14 ओ बने चीजमन के रखवारी कर, जऊन ह तोला सऊंपे गे हवय। ये बने चीजमन के रखवारी पबितर आतमा
के मदद ले कर, जऊन ह कि हमन म रहिथे।

[illegible]

15 तेंह जानथस कि एसिया प्रदेस म जम्मो झन मोला छोंड़ दे हवंय, ओमन म फूगिलुस अऊ हिरमुगिनेस
घलो हवंय।
16 उनेसिफुरूस के परिवार ऊपर परभू दया करय, काबरकि ओह अकसर मोर मदद करे हवय अऊ ओह मोर
जेल म रहे के कारन नइं लजाईस।
17 पर जब ओह रोम सहर म आईस, त ओह मोला तब तक खोजते रिहिस, जब तक कि ओह मोला नइं पा
गीस।
18 परभू करय कि परभू के आय के दिन ओकर ऊपर परभू के दया होवय। तेंह येला बने करके जानथस कि ओह
इफिसुस म मोर कतेक जादा मदद करिस।

2

1 एकरसेति, हे मोर बेटा, ओ अनुग्रह म मजबूत हो जा, जऊन ह मसीह यीसू म हवय।
2 जऊन बातमन ला, मेंह तोला कतको गवाहमन के आघू म कहे हवंव, ओ बातमन ला बिसवासयोग्य
मनखेमन ला सऊंप दे, जऊन मन आने मन ला घलो सिखोय म काबिल हवंय।
3 मसीह यीसू के एक बने सैनिक के सहीं, हमर संग दुख सहे कर।
4 एक सैनिक ह सेवा करत आम आदमी के रोज के जिनगी के मामला म दखल नइं देवय, पर ओह अपन हुकूम
देवइया अधिकारी ला खुस करे चाहथे।
5 ओही किसम ले, जब एक खिलाड़ी ह खेल-कूद म भाग लेथे, त ओला तब तक ईनाम नइं मिलय, जब तक कि
ओह खेल के नियम के मुताबिक नइं खेलय।
6 कठोर मेहनत करइया किसान ला फसल के बांटा पहिली मिलना चाही।
7 जऊन बात मेंह कहत हंव, ओकर बारे म सोच-बिचार कर, काबरकि परभू ह जम्मो चीज ला समझे म तोर
मदद करही।
8 यीसू मसीह ला सुरता कर, जऊन ह मरे म ले जी उठिस अऊ जऊन ह दाऊद राजा के बंस के रिहिस। येह
मोर सुघर संदेस ए, जेकर परचार मेंह करत हंव,
9 अऊ एकरे कारन मेंह दुख उठावत हंव, इहां तक कि एक अपराधी के सहीं मेंह जेल म हवंव। पर परमेसर के
बचन ह सुतंतर हवय।
10 एकरसेति, मेंह चुने मनखेमन खातिर हर चीज ला सहत हवंव कि ओमन घलो सदाकाल के महिमा के संग
ओ उद्धार ला पावंय, जऊन ह मसीह यीसू के जरिये मिलथे।
11 ये कहावत ह बिलकुल सही ए:
यदि हमन ओकर संग मरथन,
त हमन ओकर संग जीयबो घलो;
12 यदि हमन दुख सहथन,
त हमन ओकर संग राज घलो करबो।
यदि हमन ओकर इनकार करथन,
त ओह घलो हमर इनकार करही;
13 यदि हमन बिसवास के लईक नइं रहन,
तभो ले ओह बिसवास के लईक रहिही,
काबरकि ओह अपन बात ले कभू नइं मुकरय।

[illegible]

14 मनखेमन ला ये बातमन के सुरता करावत रह, अऊ परमेसर के आघू म ओमन ला चेतउनी दे कि ओमन
कोनो बचन के बारे म झगरा झन करंय, जेकर ले कोनो फायदा नइं होवय, बल्कि येह सुनइयामन के बिनास होय
के कारन बनथे।
15 अपनआप ला परमेसर के गरहन करे लईक अऊ अइसन काम करइया बनाय के कोसिस कर, जऊन ला
लजाय के जरूरत नइं होवय अऊ जऊन ह सत के बचन ला सही ढंग ले बताथे।
16 अभक्ति अऊ मुरूखता के बातचीत ले दूरिहा रहे कर, काबरकि जऊन मन अइसने बातचीत म सामिल
होथें, ओमन परमेसर ले अऊ दूरिहा होवत जाथें।
17 ओमन के सिकछा ह सरहा घाव सहीं बगरत जाथे। हुमिनयुस अऊ फिलेतुस इही मन ले अंय
18 अऊ येमन सत के बचन ले दूरिहा हो गे हवंय। येमन कहिथें कि मरे मनखेमन के जी उठई त पहिले ही हो
चुके हवय अऊ अइसने कहिके, येमन कुछू मनखेमन के बिसवास ला नास कर देथें।
19 पर परमेसर के पक्का नींव ह मजबूत हवय अऊ ओमा ये बचन के मुहर लगे हवय: "परभू ह अपन मनखेमन
ला जानथे" अऊ "हर ओ मनखे, जऊन ह परभू ऊपर बिसवास करथे, ओह बुरई ले दूरिहा रहय।"
20 एक बड़े घर म सिरिप सोन अऊ चांदी के ही नइं, पर उहां कठवा अऊ माटी के बरतन घलो रहिथें, कुछू
बरतन बिसेस उपयोग खातिर अऊ कुछू बरतन सधारन उपयोग खातिर।

21 यदि कोनो अपनआप ला ये जम्मो बुरई ले दूरिहा रखही, त ओह खास काम म उपयोग होही अऊ पबितर
होही अऊ ओह अपन मालिक के काम आही अऊ कोनो भी बने काम करे बर तियार रहिही।
22 तेंह जवानी के वासना ले दूरिहा रह, अऊ जऊन मन साफ मन ले परभू के नांव लेथें, ओमन संग धरमीपन,
बिसवास, मया अऊ सांति के साधना म लगे रह।
23 पर मुरूखता अऊ अगियानता के बहस ले दूरिहा रह, काबरकि तेंह जानथस, एकर ले झगरा होथे।
24 परभू के सेवक ला झगरहा नइं होना चाही, पर ओला हर एक के ऊपर दया करइया, सिखोय म माहिर अऊ
सहनसील होना चाही।
25 ओह अपन बिरोधीमन ला ये आसा म नमरता ले समझावय कि परमेसर ह ओमन ला मन-फिराय के
मऊका दीही अऊ ओमन सच ला जानहीं,
26 अऊ तब ओमन अपन चेत म आके, ओ सैतान के फांदा ले बचहीं, जऊन ह अपन ईछा पूरा करे बर ओमन
ला पकड़े हवय।

3

[illegible]

1 ये बात ला जान ले कि संसार के आखिरी दिनमन म कठिन समय आही।
2 मनखेमन अपनआप ले अऊ पईसा ले मया करइया, डींगमार, घमंडी, गाली-गलौच करइया, दाई-ददा के
कहना नइं मनइया, गुन नइं चिनहइया, अपबितर,
3 बिगर मया के, छेमा नइं करइया, निन्दा करइया, असंयमी, निरदयी, भलई के बईरी,
4 बिसवासघात करइया, उतावला, अभिमानी अऊ परमेसर ले नइं, पर भोग-बिलास ले मया करइया होहीं।
5 ओमन भक्ति के भेस धरहीं, पर एकर सामर्थ ला नइं मानहीं। अइसने मनखेमन ले दूरिहा रहे कर।
6 ओमन अइसने मनखे अंय, जऊन मन घर म कलेचुप घुसरथें अऊ ओ छिछोरी माईलोगनमन ला बस म
कर लेथें, जऊन मन पाप ले दबे अऊ जम्मो किसम के वासना के बस म हवंय।
7 ये माईलोगनमन हमेसा सीखत तो रहिथें, पर सच्चई के पहिचान कभू नइं कर सकंय।
8 जइसने यन्नेस अऊ यम्ब्रेस, मूसा के बिरोध करिन, वइसने ये मनखेमन घलो सच्चई के बिरोध करथें। येमन
अइसने मनखे अंय, जेमन के दिमाग ह खराप हो गे हवय अऊ येमन बिसवास ला छोंड़ दे हवंय।
9 पर येमन जादा आघू नइं जा सकंय, काबरकि जम्मो झन ओमन के मुरूखता ला जान लीहीं, जइसने कि
मूसा के बिरोधीमन संग होय रिहिस।

[illegible]

10 पर तेंह मोर जम्मो उपदेस, मोर चालचलन, मोर उदेस्य, बिसवास, धीरज, मया, सहनसीलता,
11 सताय जवई अऊ मोर दुख उठई ला जानथस। तेंह जानथस कि अंताकिया, इकुनियुम अऊ लुस्त्रा सहर
म, मेंह कतेक दुख-तकलीफ सहे हवंव। पर परभू ह मोला ओ जम्मो ले बचाईस।
12 येह सच ए कि जऊन ह मसीह यीसू म भक्ति के जिनगी जीये चाहथे, ओला सताय जाही।
13 जबकि दुस्ट मनखे अऊ धोखेबाजमन धोखा देवत अऊ खुदे धोखा खावत अऊ बिगड़त जाहीं।
14 पर तेंह जऊन बातमन ला सीखे अऊ अटल बिसवास करे हवस, ओमा मजबूत होवत जा, काबरकि तेंह
ओमन ला जानथस, जेमन ले तेंह ये बातमन ला सीखे हवस,
15 अऊ सुरता रख कि कइसने लइकापन ले, तेंह परमेसर के पबितर बचन ला जाने हवस, जऊन ह तोला
मसीह यीसू म बिसवास के दुवारा, उद्धार पाय खातिर सिकछा दे सकथे।
16 परमेसर के जम्मो बचन ह परमेसर के परेरना ले लिखे गे हवय अऊ येह उपदेस देय बर, गलती म डांटे बर,
सुधारे बर अऊ धरमीपन के सिकछा देय बर उपयोगी ए,
17 ताकि परमेसर के जन ह सिद्ध बनय अऊ हर बने काम बर पूरा तियार हो सकय।

4

1 परमेसर ला हाजिर जानके अऊ मसीह यीसू ला हाजिर जानके, जऊन ह जीयत अऊ मरे मन के नियाय
करही, अऊ मसीह के परगट होय अऊ ओकर राज करे के संबंध म, मेंह तोला ये जिम्मा देवत हंव:

2 तेंह बचन के परचार कर; समय अऊ बेसमय तियार रहे कर। बड़े धीरज अऊ सही सिकछा के संग मनखेमन
ला समझा, डांट अऊ उत्साहित कर।
3 काबरकि अइसने समय आही, जब मनखेमन सही सिकछा ला नइं सुनहीं अऊ अपन ईछा ला पूरा करहीं।
ओमन अपन बर अइसने गुरूमन ला बलाहीं, जऊन मन ओमन के ईछा के मुताबिक सिकछा दीहीं।
4 ओमन सच बात ला नइं सुनहीं पर कथा-कहानी म अपन मन लगाहीं।
5 पर तेंह ये जम्मो बात म सचेत रहे कर; दुख ला सहे कर, सुघर संदेस के परचार कर, अऊ परमेसर के सेवक
के रूप म अपन जम्मो सेवा ला कर।
6 मेंह पहिले से ही पेय-बलिदान के सहीं ढारे जावत हंव, अऊ मोर मरे के बेरा आ गे हवय।
7 मेंह अपन परभू बर बने लड़ई लड़े हवंव। मेंह अपन दऊड़ ला पूरा कर ले हवंव। मेंह परभू ऊपर बिसवास
रखे हवंव।
8 मोर बर धरमीपन के ओ मुकुट रखे हवय, जऊन ला धरमी नियायी परभू ह मोला नियाय के दिन दीही, अऊ
सिरिप मोला ही नइं, पर ओ जम्मो झन ला घलो दीही, जऊन मन लालसा से ओकर परगट होय के बाट जोहथें।

?????? ???

9 मोर करा जल्दी आय के कोसिस कर,
10 काबरकि अब देमास ह ये संसार के मया म पड़के मोला छोंड़ दे हवय अऊ ओह थिस्सलुनीके सहर चले गे
हवय। क्रेसकेंस ह गलातिया अऊ तीतुस ह दलमतिया चले गे हवय।
11 सिरिप लूका ह मोर संग हवय। मरकुस ला लेके मोर करा आ, काबरकि ओह परभू के सेवा म मोर बहुंत मदद
करथे।
12 तुखिकुस ला मेंह इफिसुस सहर पठोय हवंव।
13 जब तेंह आबे, त जऊन कोट ला मेंह त्रोआस म करपुस के इहां छोंड़ आय रहेंव, ओला अऊ किताबमन ला
घलो, खास करके चमड़ा के बने किताब ला लेके आबे।
14 धातु के काम करइया सिकन्दर ह मोर बहुंत नुकसान करे हवय। परभू ह ओकर करम के बदला ओला दीही।
15 तेंह घलो ओकर ले सचेत रहे कर, काबरकि ओह हमर संदेस के बहुंत बिरोध करे हवय।
16 अदालत म, जब मेंह पहिली बार अपन सफई पेस करत रहेंव, तब कोनो मोर संग नइं दीस, जम्मो झन
मोला छोंड़ दे रिहिन। अइसने होवय कि परमेसर ह ये बात ला ओमन के बिरोध म झन लेवय।
17 पर परभू ह मोर मदद करिस अऊ मोला बल दीस ताकि मोर दुवारा संदेस के पूरा परचार होवय अऊ जम्मो
आनजातमन येला सुनंय। मेंह सिंह के मुहूं ले बचाय गे हवंव।
18 परभू ह मोला जम्मो बुरई के काम ले बचाही अऊ अपन स्वरगीय राज म मोला सही-सलामत ले जाही।
ओकर महिमा जुग-जुग होवत रहय। आमीन।

?????? ??????

19 प्रिसकिल्ला अऊ अक्विला ला अऊ उनेसिफुरूस के घराना के मनखेमन ला मोर जोहार कहि देबे।

20 इरासतुस ह कुरिन्थुस सहर म रूक गीस अऊ मेंह त्रुफिमुस ला मिलेतुस म छोंड़ दे हवंव, काबरकि ओह
बेमार हवय।
21 जड़काला आय के पहिली, तेंह इहां आय के कोसिस कर।

यूबूलुस ह तोला जोहार कहत हे, अऊ वइसने ही पुदेंस, लीनुस, क्लौदिया अऊ जम्मो भाईमन तोला जोहार
कहत हवंय।

22 परभू तोर आतमा के संग रहय। तोर ऊपर परमेसर के अनुग्रह होवत रहय।

तीतुस
के नांव पौलुस के चिट्ठी

1 पौलुस कोति ले, जऊन ह परमेसर के सेवक अऊ यीसू मसीह के प्रेरित ए, परमेसर के चुने मनखेमन के
बिसवास खातिर अऊ ओ सच के गियान खातिर जऊन ह भक्ति के रसता म ले जाथे,
2 सदाकाल के जिनगी के आसा म, जेकर परतिगियां परमेसर ह समय के सुरू होय के पहिली ले करे हवय
अऊ ओह लबारी नइं मारय,
3 अऊ ओह ठहिराय समय म अपन बचन ला परचार के दुवारा साफ बताईस, अऊ ये परचार के
जिम्मेदारी, हमर उद्धार करइया परमेसर के हुकूम ले मोला सऊंपे गे हवय,
4 मेंह तीतुस ला ए चिट्ठी लिखत हवंव। तेंह मोर सच के बेटा सहीं अस, काबरकि तेंह मसीह ऊपर वइसने
बिसवास करथस, जइसने मेंह करथंव:
परमेसर ददा अऊ हमर उद्धार करइया मसीह यीसू ले तोला अनुग्रह अऊ सांति मिलत रहय।

[illegible]
5 मेंह एकर खातिर तोला क्रेते दीप म छोंड़ आय रहेंव कि तेंह उहां बांचे काम ला पूरा कर, अऊ मोर बताय
मुताबिक नगर-नगर म अगुवामन ला ठहिरा।
6 अगुवा ह निरदोस अऊ ओकर एकेच घरवाली होवय। ओकर लइकामन बिसवासी रहंय अऊ ओमन
लुच्चा-लफंगा अऊ हुकूम नइं मनइया झन होवंय।
7 काबरकि पास्टर के ऊपर परमेसर के काम के जिम्मेदारी होय के कारन, ओला निरदोस होना चाही—ओह
मनमानी करइया, कोरोधी, पियक्कड़, मारपीट करइया अऊ नीच कमई के लोभी झन होवय।
8 पर ओह पहुनई करइया, भलई करइया, संयमी, नियायी, पबितर अऊ अनुसासन म रहइया होवय।
9 ओह सिखोय गय बिसवास के बचन म स्थिर रहय, ताकि ओह आने मन ला सही सिकछा देय के दुवारा
उत्साहित करय, अऊ बिरोधीमन के मुहूं ला बंद कर सकय।
10 काबरकि बहुंते मनखेमन बिदरोही, बकवास करइया अऊ धोखा देवइया अंय, खास करके खतना वाले
मनखेमन।
11 येमन के मुहूं ला बंद करे जावय, काबरकि ये मनखेमन नीच कमई ले पईसा बनाय खातिर गलत सिकछा
देथें अऊ परिवारमन ला बिगाड़ देथें।
12 ओमन के खुद के एक अगमजानी ह ये कहे हवय: "क्रेतीमन हमेसा लबरा, दुस्ट पसु के सहीं अऊ अलाल
पेटहा होथें।"
13 ओकर ये गवाही ह सही ए। एकरसेति ओमन ला बने करके चेता दे कि ओमन बिसवास म मजबूत हो
जावंय।
14 अऊ ओमन यहूदीमन के कथा-कहानी अऊ ओ मनखेमन के हुकूम ला धियान झन देवंय, जऊन मन सत
के बिरोध करथें।
15 आतमिक रूप ले सुध मनखे खातिर जम्मो चीज ह सुध ए, पर आतमिक रूप ले असुध अऊ अबिसवासी
मनखे खातिर कोनो चीज ह सुध नो हय। ओमन के मन अऊ बिबेक दूनों ह खराप हो गे हवय।
16 ओमन कहिथें कि ओमन परमेसर ला जानथें, पर अपन काम के दुवारा ओकर इनकार करथें। ओमन घिन
करे लईक अऊ हुकूम नइं मनइया मनखे अंय अऊ ओमन कोनो बने काम करे के लईक नो हंय।

2

[illegible]
1 पर तेंह अइसने बातमन ला सिखोय कर, जऊन ह जिनगी बर सही अय।
2 सियानमन ला संयमी, आदर के लईक अऊ समझदार होय के सिकछा दे अऊ ओमन बिसवास, मया अऊ
धीरज म पक्का होवंय।

3 इही किसम ले सियानीनमन ला ये सिखोय कर कि अपन चालचलन म पबितर मनखे सहीं रहंय; ओमन
निन्दा करइया अऊ पियक्कड़ झन होवंय, पर सही बात के सिखोइया होवंय
4 ताकि ओमन जवान माईलोगनमन ला ये सिखोय सकंय कि ओमन अपन-अपन घरवाला अऊ लइकामन
ला मया करंय,
5 अऊ ओमन समझदार, पतिबरता, घर के कामकाज करइया, दयालु अऊ अपन-अपन घरवाला के बस म
रहइया होवंय, ताकि परमेसर के बचन के निन्दा झन होवय।
6 अइसनेच जवान मनखेमन ला घलो उत्साहित कर कि ओमन संयमी होवंय।
7 जम्मो बात म सही काम करे के दुवारा, अपनआप ला ओमन के आघू म एक नमूना बना। तोर उपदेस म
ईमानदारी, गंभीरता
8 अऊ अइसने बने बात रहय कि कोनो ओला खराप नइं कह सकय, ताकि बिरोध करइयामन हमर ऊपर कोनो
दोस नइं पाके लज्जित होवंय।
9 गुलाममन ला सिखा कि ओमन अपन-अपन मालिक के अधीन रहंय, अऊ जम्मो बात म ओमन ला खुस
रखंय, अऊ उलटके जबाब झन देवंय,
10 अऊ ओमन चोरी-चलाकी झन करंय, पर अपनआप ला पूरा बिसवास के लईक साबित करंय। अइसने करे
के दुवारा ओमन जम्मो बात म हमर उद्धार करइया परमेसर के उपदेस के सोभा बढ़ाहीं।
11 काबरकि परमेसर के अनुग्रह जम्मो मनखेमन ऊपर परगट होईस कि ओमन के उद्धार होवय।
12 अब येह हमन ला सिखोथे कि हमन अभक्ति अऊ संसारिक लालसा ला छोंड़के, ये संसार म संयम अऊ
ईमानदारी अऊ भक्ति म जिनगी बितावन,
13 अऊ हमन धइन आसा के याने हमर महान परमेसर अऊ उद्धार करइया यीसू मसीह के महिमा के परगट
होय के बाट जोहत रहन।
14 यीसू ह अपन परान ला हमर खातिर दे दीस कि हमन ला जम्मो किसम के अधरम ले छुड़ा लेवय अऊ
अपन बर अइसने सुध मनखे बनावय, जऊन मन भलई के काम करे बर उत्सुक रहंय।
15 तेंह ये बातमन ला सिखोय कर। उत्साहित कर अऊ पूरा अधिकार के संग मनखेमन ला डांट। कोनो तोला
तुछ झन समझंय।

3

[illegible]

1 मनखेमन ला सुरता देवा कि ओमन हाकिम अऊ अधिकारीमन के अधीन रहंय, अऊ ओमन के हुकूम
मानंय, अऊ जम्मो किसम के भलई के काम करे बर तियार रहंय।
2 कोनो ला बदनाम झन करंय; झगरा करइया झन होवंय, पर नम्र सुभाव के रहंय अऊ जम्मो मनखे के संग
पूरा नमरता ले बरताव करंय।
3 एक समय रिहिस, जब हमन घलो मुरूख अऊ परमेसर के हुकूम नइं मनइया रहेंन अऊ धोखा म पड़के हर
किसम के लालसा अऊ सुख-बिलास के गुलामी म रहेंन। हमन बईरता अऊ जलन म जिनगी बितावत रहेंन
अऊ एक-दूसर ले घिन करत रहेंन।
4 पर हमर उद्धार करइया परमेसर ह अपन दया अऊ मया ला परगट करिस,
5 अऊ ओह हमर उद्धार करिस, अऊ येह हमर कोनो धरमी काम के कारन नइं, पर ओह अपन दया के कारन
करिस। ओह हमर पाप ला धोके हमर उद्धार करिस अऊ पबितर आतमा के दुवारा नवां जिनगी दीस।
6 परमेसर ह ये पबितर आतमा ला हमर उद्धार करइया यीसू मसीह के दुवारा हमन ला बहुंतायत ले दीस,
7 ताकि हमन ओकर अनुग्रह ले धरमी ठहिरके सदाकाल के जिनगी के आसा म ओकर वारिस बनन।
8 ये कहावत ह सही ए। अऊ मेंह चाहत हंव कि तेंह ये बातमन ला जोर देके बताय कर, ताकि जऊन मन
परमेसर ऊपर बिसवास करे हवंय, ओमन भलई के काम म अपन धियान लगावंय। ये बातमन बहुंत बढ़िया अऊ
मनखेमन के फायदा के अंय।
9 पर मुरूखता के बिवाद अऊ बंसावली अऊ बहस अऊ झगरा मन ले बचके रह; ये चीजमन यहूदीमन के
कानून के बिसय म अंय अऊ येमन बिगर फायदा के अऊ बेकार अंय।
10 मनखेमन के बीच म फूट करइया ला, एक या दू बार समझा-बुझा दे, ओकर बाद ओकर ले दूरिहा रह,

11 ये बात ह निस्चित ए, कि अइसने मनखे ह सत ले भटक गे हवय अऊ पापी ए अऊ अपनआप ला दोसी
ठहिराथे।

?????? ???

12 जब मेंह अरतिमास या तुखिकुस ला तोर करा पठोहूं, त तेंह मोर करा नीकुपुलिस सहर आय के भरसक
कोसिस कर, काबरकि मेंह उहां जाड़ा काटे के फैसला करे हवंव।
13 जेनास वकील अऊ अपुल्लोस के आघू के यातरा बर, तोर ले जो भी हो सकथे, ओमन के मदद कर अऊ
देख कि ओमन ला कोनो चीज के कमी झन होवय।

14 जरूरी अय कि हमर मनखेमन भलई के काम म लगे रहे बर सीखंय, ताकि जऊन मन ला मदद के जरूरत
हवय, ओमन के जरूर मदद करे जा सकय, अऊ ओमन के जिनगी ह बिरथा झन होवय।

15 मोर संग इहां रहइया जम्मो झन तोला जोहार कहथें।
जऊन मन मसीह यीसू म बिसवास के कारन हमर ले मया रखथें, ओमन ला हमर जोहार कहि दे।

तुमन जम्मो झन ऊपर परमेसर के अनुग्रह होवत रहय।

फिलेमोन
के नांव पौलुस के चिट्ठी

1 ये चिट्ठी पौलुस कोति ले, जऊन ह मसीह यीसू के एक कैदी ए अऊ हमर भाई तीमुथियुस कोति ले,
हमर मयारू संगी अऊ सहकरमी फिलेमोन, 2 अऊ ओ कलीसिया, जऊन ह ओकर घर म जूरथे, अऊ हमर
बहिनी अपफिया, अऊ हमर संगी योद्धा अरखिप्पुस ला लिखे जावत हवय:
3 हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलत रहय।

[illegible]

4 भाई फिलेमोन, जब मेंह अपन पराथना म तोला सुरता करथंव, त अपन परमेसर ला हमेसा धनबाद देथंव,
5 काबरकि मेंह परभू यीसू ऊपर तोर बिसवास अऊ परमेसर के जम्मो पबितर मनखेमन बर तोर मया के बारे म
सुनत रहिथंव।
6 मेंह पराथना करत हंव कि परभू यीसू ऊपर बिसवास म हमर संग तोर सहभागी होवई ह परभावसाली होवय
ताकि मसीह खातिर जऊन भलई के काम हमन करथन, ओकर तोला पूरा समझ होवय।
7 हे मोर भाई, तोर मया ह मोला अब्बड़ आनंद अऊ उत्साह दे हवय, काबरकि तेंह परमेसर के मनखेमन के
हिरदय ला ताजा कर दे हवस।

[illegible]

8 एकरसेति, हालाकि मेंह मसीह के सेवक के रूप म, हिम्मत के संग तोला हुकूम दे सकत हंव कि तोला का
करना चाही,
9 पर मया के कारन, मेंह तोर ले बिनती करत हंव। में पौलुस, एक सियान मनखे अंव अऊ अब मसीह यीसू
खातिर एक कैदी घलो अंव—
10 मेंह तोर ले, मोर बेटा उनेसिमुस* बर बिनती करत हंव, जऊन ह जेल म रहे के बखत, मोर सुनाय सुघर
संदेस ऊपर बिसवास करिस अऊ मोर बेटा सहीं हो गीस।
11 ओह पहिली तोर कुछू काम के नइं रिहिस, पर अब ओह तोर अऊ मोर दूनों बर बड़े काम के हो गे हवय।
12 मेंह ओला, जऊन ह मोर हिरदय के एक टुकड़ा सहीं अय, तोर करा वापिस पठोवत हंव।
13 मेंह ओला मोर संग रखे चाहत रहेंव, ताकि ओह तोर बदले म मोर मदद कर सकय, जब मेंह इहां सुघर
संदेस के परचार करे के कारन जेल म हवंव।
14 पर मेंह बिगर तोर सहमती के कुछू नइं करे चाहेंव, ताकि जऊन भलई तेंह करथस, ओह कोनो दबाव ले
नइं, पर तोर खुद के ईछा ले होवय।
15 उनेसिमुस ह थोरकन समय बर तोर ले अलग होय रिहिस, एकर कारन सायद ये हो सकथे कि ओह तोर संग
हमेसा रहय।
16 पर अब एक गुलाम के रूप म नइं, पर एक गुलाम ले घलो बड़के एक मयारू भाई के रूप म रहय। ओह मोर
बहुंत मयारू ए, पर एक मनखे के रूप म अऊ संगे-संग परभू म एक भाई के रूप म, ओह तोर अऊ मयारू ए।
17 एकरसेति, यदि तेंह मोला अपन सहभागी समझथस, त ओला अइसने गरहन कर, जइसने तेंह मोला
गरहन करबे।
18 कहूं ओह तोर कुछू नुकसान करे हवय या ओह तोर कुछू उधार लगथे, त ओला मोर नांव म लिख ले।
19 में, पौलुस ह अपन हांथ ले ये लिखत हंव कि मेंह तोला ओकर चुकता कर दूहूं, पर ये कहे के जरूरत नइं ए
कि मोर जऊन करजा तोर ऊपर हवय, ओ करजा तेंह खुद अस।
20 हे भाई, मेंह चाहत हंव कि परभू खातिर, तेंह मोर ऊपर ये भलई कर; मसीह म मोर हिरदय ला ताजा कर दे।
21 मेंह पूरा भरोसा करके लिखत हंव कि तेंह मोर बात ला मानबे, अऊ मेंह जानत हंव कि जऊन कुछू भी मेंह
तोला करे बर कहत हंव, तेंह ओकर ले घलो जादा करबे।

---

* **1:10** [illegible] के मतलब होथे [illegible]

22 अऊ हां, एक बात अऊ हवय: मोर ठहिरे बर एक कमरा तियार रख, काबरकि मोला आसा हवय कि तुम्हर
पराथना के जबाब म, परमेसर ह मोला तुम्हर करा दूबारा लानही।

23 इपफ्रास, जऊन ह मसीह यीसू म मोर संगी कैदी ए, तोला अपन जोहार कहत हे।
24 अऊ वइसने मोर सहकरमी मरकुस, अरिसतर्खुस, देमास अऊ लूका घलो तोला अपन जोहार कहत हें।

25 परभू यीसू मसीह के अनुग्रह तुम्हर आतमा के संग रहय।

इबरीमन
के नांव के चिट्ठी

[illegible]

1 पहिली जमाना म, परमेसर ह हमर पुरखामन ले, कतको बार अऊ कतको किसम ले अगमजानीमन के
दुवारा गोठियाईस,
2 पर ये आखिरी दिन म, ओह हमर ले अपन बेटा के दुवारा गोठियाईस, जऊन ला ओह जम्मो चीज के ऊपर
वारिस ठहिराईस अऊ ओकरे दुवारा, ओह संसार ला बनाईस।
3 बेटा ही परमेसर के महिमा के अंजोर ए अऊ ओह परमेसर के रूप के एकदम सही परतिनिधि ए अऊ ओह
अपन सामर्थी बचन के दुवारा जम्मो चीजमन ला संभालके रखथे। ओह मनखेमन के पाप ला सुध करे के बाद,
स्वरग म महामहिम परमेसर के जेवनी हांथ कोति जा बईठिस।
4 एकरसेति ओह स्वरगदूतमन ले जादा उत्तम ठहिरिस, जइसने कि परमेसर ह ओला स्वरगदूतमन ले उत्तम
नांव घलो दे रिहिस।

[illegible]

5 काबरकि परमेसर ह कोनो स्वरगदूत ला कभू ये नइं कहिस,
"तेंह मोर बेटा अस;
आज मेंह तोर ददा बन गे हवंव।"*
या फेर ये नइं कहिस,
"मेंह ओकर ददा होहूं,
अऊ ओह मोर बेटा होही।"†
6 पर जब परमेसर ह अपन पहिलांत बेटा ला संसार म लानथे, त कहिथे,
"परमेसर के जम्मो स्वरगदूतमन ओकर अराधना करंय।"
7 स्वरगदूतमन के बारे म परमेसर ह ये कहिथे,
"परमेसर ह अपन स्वरगदूतमन ला आतमा,
अऊ अपन सेवकमन ला आगी के जुवाला बनाथे।"‡
8 पर बेटा के बारे म ओह कहिथे,
"हे परमेसर, तोर सिंघासन ह सदाकाल तक बने रहिही,
अऊ धरमीपन के राजदंड ह तोर राज के राजदंड होही।
9 तेंह धरमीपन ले मया करय अऊ दुस्टता ले घिन करय;
एकरसेति, परमेसर, तोर परमेसर ह
आनंद के तेल ले तोर अभिसेक करे के दुवारा तोला तोर संगीमन ले ऊपर करे हवय।"§
10 ओह ये घलो कहिथे,
"हे परभू, सुरूआत म, तेंह धरती के नीव रखे,
अऊ अकास ह तोर हांथ के दुवारा बनाय गे हवय।
11 ओमन तो नास हो जाहीं, पर तेंह बने रहिबे;
ओमन जम्मो, पहिरे के कपड़ा सहीं जुन्ना हो जाहीं।
12 तेंह ओमन ला चादर सहीं घरियाबे;
कपड़ा के सहीं ओमन बदल दिये जाहीं।
पर तेंह वइसनेच के वइसने रहिथस,
अऊ तोर समय ह कभू अन्त नइं होवय।"*
13 परमेसर ह कभू कोनो स्वरगदूत ला ये नइं कहिस,

---

* **1:5** भजन 2:7 † **1:5** 2 समू 7:14; 1 इति 17:13 ‡ **1:7** भजन 104:4 § **1:9** भजन 45:6, 7 * **1:12** भजन 102:25-27

“मोर जेवनी हांथ कोति बईठ,
जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला
तोर गोड़ रखे के चउकी नइं बना देवंव।”†
14 का जम्मो स्वरगदूतमन सेवा करइया आतमा नो हंय? हव, ओमन अंय। अऊ ये स्वरगदूतमन ओमन के सेवा
करे खातिर पठोय जाथें, जऊन मन उद्धार पाहीं।

2

[illegible]

1 एकरसेति, जऊन बातमन ला हमन सुने हवन, ओकर ऊपर हमन अऊ जादा धियान देवन, ताकि हमन ओ
बातमन ले झन भटक जावन।
2 काबरकि स्वरगदूतमन के दुवारा कहे गे संदेस ह सच रिहिस अऊ जऊन कोनो ओकर पाछू नइं चलिस या
ओला नइं मानिस, ओला ओकर उचित दंड मिलिस।
3 यदि हमन अइसने बड़े उद्धार ला धियान नइं देवन, त हमन कइसने बच सकथन। ये उद्धार के बखान पहिली
परभू के दुवारा करे गीस, अऊ जऊन मन येला सुनिन, ओमन के दुवारा हमन ला एकर निस्चय होईस।
4 परमेसर ह घलो चिनहां, अद्भूत काम अऊ कतको किसम के चमतकार के दुवारा एकर गवाही दीस अऊ
ओह पबितर आतमा के बरदान के दुवारा घलो एकर गवाही दीस, जऊन ला कि ओह अपन ईछा के मुताबिक
मनखेमन ला दे दीस।

[illegible]

5 अवइया संसार, जेकर बारे म हमन चरचा करत हवन, परमेसर ह ओला स्वरगदूतमन के अधीन म नइं
करिस।
6 परमेसर के बचन म एक झन एक जगह गवाही दे हवय:
“मनखे ह का ए कि तेंह ओकर ऊपर धियान देथस,
या मनखे के बेटा* ह का ए कि तेंह ओकर खियाल रखथस?
7 तेंह ओला स्वरगदूतमन ले थोरकन† कम करके बनाय,
तेंह ओला महिमा अऊ आदर के मुकुट पहिराय।
8 अऊ हर एक चीज ला ओकर गोड़ खाल्हे कर देय।”
हर एक चीज ला ओकर अधीन करके, परमेसर ह अइसने कोनो चीज ला नइं छोंड़िस, जऊन ह ओकर अधिकार
म नइं ए। पर अभी हमन हर एक चीज ला ओकर अधीन म नइं देखथन।
9 पर हमन यीसू ला देखथन, जऊन ह स्वरगदूतमन ले थोरकन समय बर थोरकन कम करके बनाय गीस अऊ
अब मिरतू के दुख उठाय के कारन, ओह महिमा अऊ आदर के मुकुट पहिरे हवय, ताकि परमेसर के अनुग्रह के
दुवारा ओह जम्मो मनखे बर मर जावय।
10 येह उचित रिहिस कि परमेसर, जेकर दुवारा अऊ जेकर बर हर एक चीज बनाय गीस, ओह यीसू ला दुख
उठाय के जरिये सिद्ध करय, ताकि ओह बहुंते बेटामन ला लानय अऊ यीसू के महिमा म भागी बनावय।
काबरकि यीसू ह ओ जन ए, जेकर दुवारा ओमन उद्धार पाथें।
11 जऊन ह मनखेमन ला पबितर करथे अऊ जऊन मन पबितर करे जाथें; ये दूनों एक ही परिवार के अंय।
एकरसेति, यीसू ह ओमन ला अपन भाई कहे ले नइं लजावय।
12 ओह कहिथे,
“हे परमेसर, मेंह अपन भाईमन ला तोर बारे म बताहूं;
सभा के आघू म तोर परसंसा के गीत गाहूं।”‡
13 ओह फेर कहिथे,
“मेंह ओकर ऊपर अपन भरोसा रखहूं।”
अऊ ओह फेर कहिथे,
“मेंह इहां हवंव, अऊ जऊन लइकामन ला परमेसर ह मोला देय हवय, ओमन घलो हवंय।”§

† **1:13** भजन 110:1 * **2:6** इहां [illegible] के मतलब घलो [illegible] हो सकथे। † **2:7** थोरकन समय बर ‡ **2:12** भजन 22:22
§ **2:13** यसा 8:18

14 जब लइकामन मांस अऊ लहू के बने हवंय, त यीसू ह खुद ओमन के सहीं बनिस अऊ ओमन के मनखे
सुभाव म भागी होईस, ताकि अपन मिरतू के दुवारा, ओह सैतान के नास करय, जेकर करा मिरतू के सक्ति
हवय—
15 अऊ ओह ओमन ला छोंड़ावय, जऊन मन अपन मिरतू के डर के कारन जिनगी भर गुलामी म रिहिन।
16 काबरकि ये बात ह पक्का ए कि ओह स्वरगदूतमन के नइं, पर अब्राहम के संतानमन के मदद करथे।
17 एकरसेति, ओला हर किसम ले अपन भाईमन सहीं बने बर पड़िस, ताकि ओह परमेसर के सेवा म, एक
दयालु अऊ बिसवास लईक महा पुरोहित बनय अऊ ओह मनखेमन के पाप के पछ्ताप करय।
18 काबरकि जब ओकर परिछा करे गीस, त ओह खुद दुख उठाईस, एकरसेति ओह ओमन के मदद कर सकथे,
जऊन मन परिछा म पड़थें।

3

[illegible]

1 एकरसेति, हे पबितर भाईमन, जऊन मन स्वरगीय बुलावा म सहभागी हवव, अपन धियान यीसू ऊपर
लगावव, जऊन ला हमन प्रेरित अऊ महा पुरोहित मानथन।
2 परमेसर ह ओला चुने रिहिस, अऊ ओह परमेसर के बिसवासयोग्य रिहिस, जइसने कि मूसा ह परमेसर के
जम्मो घराना म बिसवासयोग्य रिहिस।
3 घर के बनइया ह घर ले जादा आदर पाथे, वइसनेच यीसू ह मूसा ले बढ़के आदर पाय के लईक समझे गीस।
4 काबरकि हर एक घर के कोनो न कोनो बनइया होथे। पर जऊन ह जम्मो चीज ला बनाईस, ओह परमेसर ए।
5 "एक सेवक के रूप म मूसा ह परमेसर के जम्मो घराना म बिसवासयोग्य रिहिस,"* अऊ ओह ओ बात के
गवाही दीस, जऊन ला परमेसर ह अवइया समय म बतानेवाला रिहिस।
6 पर मसीह ह एक बेटा के रूप म, परमेसर के घराना ऊपर बिसवासयोग्य अय। अऊ हमन ओकर घराना अन,
यदि हमन अपन बिसवास अऊ आसा म मजबूती से बने रहिथन, जेकर कि हमन ला घमंड हवय।

[illegible]

7 एकरसेति, जइसने कि पबितर आतमा ह कहिथे:
"यदि आज, तुमन ओकर अवाज ला सुनथव,
8 त अपन हिरदय ला कठोर झन करव,
जइसने कि तुम्हर पुरखामन निरजन प्रदेस म,
बिदरोही होके परखे जाय के बेरा परमेसर के बिरोध म करे रिहिन।
9 ओमन उहां मोला परखिन अऊ जांचिन,
हालाकि ओमन चालीस साल तक मोर काममन ला देखिन।
10 एकरे कारन, मेंह ओ पीढ़ी के मनखेमन ले नराज रहेंव,
अऊ मेंह कहेंव, 'ओमन के मन ह हमेसा भटकत रहिथे,
अऊ ओमन मोर रसता ला नइं जानंय।'
11 एकरसेति, मेंह कोरोध म कसम खाके कहेंव,
'ओमन ओ ठऊर म कभू नइं जा सकहीं, जिहां मेंह ओमन ला अराम देवइया रहेंव।' "†
12 हे भाईमन हो, एकर धियान रखव कि तुमन ले काकरो पापमय अऊ अबिसवासी हिरदय झन होवय, जऊन
ह कि जीयत परमेसर ले दूरिहा हो जाथे।
13 पर हर एक दिन, एक-दूसर ला ढाढ़स बंधावव, जब तक कि येला आज कहे जाथे, ताकि तुमन कोनो घलो
पाप के छल म पड़के कठोर झन होवव।
14 जऊन बिसवास, हमर करा सुरू म रिहिस, यदि हमन ओमा आखिरी तक मजबूत बने रहन, तभे मसीह के
काम म हमर बांटा हवय।
15 जइसने कि परमेसर के बचन म ये कहे गे हवय:
"यदि आज तुमन ओकर अवाज ला सुनथव,
त अपन हिरदय ला कठोर झन करव,

* **3:5** गन 12:7 † **3:11** भजन 95:7-11

जइसने कि तुम्हर पुरखामन परमेसर के बिरोध म बिदरोही होके करिन।”‡
16 ओमन कोन रिहिन, जऊन मन परमेसर के अवाज ला सुनिन, अऊ ओकर बिरोध म बिदरोह करिन? का
ओमन ओ जम्मो मनखे नइं रिहिन, जऊन मन ला मूसा ह मिसर देस ले निकालके लानिस?
17 अऊ काकर ले परमेसर ह चालीस साल तक नराज रिहिस? का ओमन ले नो हय, जऊन मन पाप करिन
अऊ निरजन प्रदेस म गिरके मर गीन?
18 अऊ परमेसर ह कसम खाके कोन ला कहिस कि ओमन ओकर बिसराम म कभू नइं जा सकहीं? सिरिप
ओमन ला, जऊन मन ओकर हुकूम नइं मानिन।
19 ये किसम ले, हमन देखथन कि ओमन अपन अबिसवास के कारन ओ देस म नइं जा सकिन।

4

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 एकरसेति, जब परमेसर के बिसराम म जाय के वायदा ह अभी तक कायम हवय, त हमन ला सचेत रहना
चाही ताकि तुमन ले कोनो घलो ओ बिसराम म जाय बर नकाबिल झन होवव।
2 काबरकि हमन ला घलो सुघर संदेस सुनाय गीस, जइसने ओमन ला सुनाय गे रिहिस, पर जऊन संदेस
ओमन सुनिन, ओकर ले ओमन ला कोनो फायदा नइं होईस, काबरकि जऊन मन येला सुनिन, ओमन बिसवास के
संग येला गरहन नइं करिन।
3 हमन जऊन मन कि बिसवास करे हवन, ओ बिसराम म जाथन, जइसने कि परमेसर ह कहे हवय,
“एकरसेति मेंह नराज होके कसम खाएंव,
ओमन मोर बिसराम म कभू नइं जा सकहीं।”*
हालाकि ओकर काम ह ओ समय पूरा हो गे रिहिस, जब ओह संसार ला बनाईस।
4 काबरकि कोनो मेर, ओह सातवां दिन के बारे म अइसने कहे हवय, “अऊ सातवां दिन, परमेसर ह अपन जम्मो
काम ले बिसराम करिस।”†
5 अऊ फेर, ओही बिसय म, ओह ये कहिथे, “ओमन मोर बिसराम म कभू नइं जा सकहीं।”
6 येह अभी तक लागू हवय कि कुछू मनखे, ओ बिसराम म जा सकहीं अऊ जऊन मन ला पहिली सुघर संदेस
सुनाय गे रिहिस, ओमन येमा नइं जा सकिन, काबरकि ओमन परमेसर के हुकूम ला नइं मानिन।
7 एकरसेति, परमेसर ह एक आने दिन ला तय करथे, जऊन ला “आज” कहे जाथे। बहुंत समय के बाद, ओह
दाऊद राजा के जरिये एकर बारे म कहिस, जइसने कि परमेसर के बचन म लिखाय हवय:
“यदि आज तुमन ओकर अवाज ला सुनथव,
त अपन हिरदय ला कठोर झन करव।”
8 काबरकि, यदि यहोसू ह ओमन ला बिसराम दे रिहिस, त परमेसर ह बाद म, आने दिन के बारे म नइं गोठियाय
रहितिस।
9 एकरसेति, परमेसर के मनखेमन बर, एक बिसराम बचे हवय;
10 काबरकि जऊन ह परमेसर के बिसराम म जाथे, ओह अपन काम ले घलो बिसराम करथे, जइसने परमेसर ह
अपन काम ले बिसराम करिस।
11 एकरसेति, आवव, हमन ओ बिसराम म जाय के पूरा कोसिस करन, ताकि अइसने झन होवय कि कोनो मनखे
ओमन सहीं हुकूम नइं मानके मर जावंय।
12 परमेसर के बचन ह जीयत अऊ काम करत हवय। येह दू धारवाले तलवार ले घलो जादा चोख हवय। येह
जीव अऊ आतमा, जोड़ अऊ गुदा मन ला अलग-अलग करके आर-पार छेदथे। येह मनखे के मन के बिचार
अऊ ईछा ला जांचथे।
13 संसार के कोनो घलो चीज परमेसर के नजर ले छिपे नइं ए। ओकर आंखी के आघू म जम्मो चीजमन खुला
अऊ बिगर परदा के हवंय अऊ हमर बर ये जरूरी अय कि हमन ओला अपन लेखा देवन।

[illegible]—[illegible] [illegible] [illegible]

‡ **3:15** भजन 95:7, 8 * **4:3** भजन 95:11 † **4:4** उत 2:2

14 एकरसेति, जब हमर एक बड़े महा पुरोहित हवय, जऊन ह स्वरगमन ले होके गे हवय। ओह परमेसर के
बेटा यीसू ए; त आवव, हमन ओ बिसवास म मजबूत बने रहन, जऊन ला हमन अंगीकार करथन।
15 काबरकि हमर महा पुरोहित अइसने नो हय, जऊन ह हमर कमजोरी म, हमर संग सहानुभूति नइं रखय, पर
हमर महा पुरोहित हमर सहीं हर किसम ले परखे गीस, पर ओह पाप नइं करिस।
16 एकरसेति आवव, हमन बिसवास के संग अनुग्रह के सिंघासन करा चलन, ताकि हमर ऊपर दया होवय अऊ
जरूरत के बखत, हमन ला मदद करे बर अनुग्रह मिलय।

5

1 हर एक महा पुरोहित ह मनखेमन ले चुने जाथे अऊ ओह मनखेमन कोति ले परमेसर के सेवा करे बर
ठहिराय जाथे कि ओह परमेसर ला पाप खातिर भेंट अऊ बलिदान चघावय।
2 ओह अगियानी अऊ भटके मनखेमन ले नरमी से बरताव करे के योग्य अय, काबरकि ओह खुद एक निरबल
मनखे ए।
3 एकरे कारन, ओला खुद के पाप खातिर अऊ संगे-संग मनखेमन के पाप खातिर बलिदान चघाना जरूरी ए।
4 कोनो खुद होके आदर के ये पद ला नइं लेवय; ओकर बुलाहट परमेसर के दुवारा होना जरूरी ए, जइसने कि
हारून ह बलाय गे रिहिस।
5 एकरसेति, मसीह घलो महा पुरोहित बने के महिमा ला अपन ऊपर नइं लीस। पर परमेसर ह ओला कहिस,
"तेंह मोर बेटा अस;
आज मेंह तोर ददा बन गे हवंव।"*
6 ओह दूसर जगह म घलो कहिथे,
"तेंह मलकिसिदक के सहीं
सदाकाल बर एक पुरोहित अस।"†
7 धरती म जब यीसू ह सरीर म रिहिस, त ओह चिचिया-चिचियाके अऊ आंसू बोहाके परमेसर ले पराथना
अऊ बिनती करिस, जऊन ह ओला मिरतू ले बचा सकत रिहिस, अऊ ओकर भक्ति के कारन, परमेसर ह ओकर
बात ला सुनिस।
8 ओह परमेसर के बेटा रिहिस, पर दुख सहे के दुवारा, ओह हुकूम माने बर सिखिस,
9 अऊ जब ओह सिद्ध हो गीस, त ओह ओ जम्मो मन बर सदाकाल के उद्धार के जरिया बन गीस, जऊन मन
ओकर हुकूम ला मानथें,
10 अऊ मलकिसिदक के सहीं, परमेसर ह ओला महा पुरोहित के पद दीस।

[illegible]

11 एकर बारे म कहे बर, हमर करा कतको बात हवय, पर येला समझाना कठिन ए, काबरकि तुमन अब समझे
के कोसिस नइं करव।
12 वास्तव म, अब तक तुमन ला गुरू जरूर बन जाना रिहिस, पर अभी घलो ये बात के जरूरत हवय कि कोनो
तुमन ला फेर परमेसर के बचन के सुरू के बातमन ला सिखोवय। ठोस भोजन के बदले, तुमन ला अभी घलो दूध
के जरूरत हवय।
13 जऊन ह दूध पीके जीथे, ओला धरमीपन के पहिचान नइं रहय, काबरकि ओह अभी तक लइका हवय।
14 पर ठोस भोजन ह सियाना मनखेमन बर अय, जऊन मन लगातार अभियास के दुवारा भलई अऊ बुरई के
पहिचान करे म, अपनआप ला पक्का कर ले हवंय।

6

1 एकरसेति आवव, मसीह के बारे म जऊन सुरू के सिकछा ए, ओला छोंड़के हमन ओकर सिकछा म सियान
होवत जावन। हमन ये बातमन के नीव फेर झन रखन—जइसने कि ओ काम ले पछतावा करई, जऊन ह हमन
ला मिरतू कोति ले जाथे, परमेसर के ऊपर बिसवास करई,
2 बतिसमा, हांथ रखई, मरे मनखेमन के जी उठई अऊ सदाकाल के नियाय के बारे निरदेस।
3 अऊ कहूं परमेसर के अनुमति होही, त हमन ये काम घलो करबो।

---

* **5:5** भजन 2:7 † **5:6** भजन 110:4

4 जऊन मन एक बार परमेसर के अंजोर म आ गे हवंय, स्वरगीय बरदान के सुवाद ला चिख ले हवंय, जऊन
मन पबितर आतमा के भागीदार हो गे हवंय,
5 जऊन मन परमेसर के बचन के भलई अऊ अवइया समय के सक्ति ला जान गे हवंय,
6 कहूं ओमन बिसवास ले भटक जावंय, त ओमन ला पछताप करे बर वापिस लाना असंभव ए, काबरकि अपन
नुकसान करके, ओमन परमेसर के बेटा ला फेर कुरूस म चघावत हवंय अऊ खुलेआम ओकर ऊपर कलंक
लगावथें।
7 परमेसर ह ओ भुइयां ला आसीस देथे, जऊन ह अकसर अपन ऊपर गिरइया बरसात के पानी ला सोंख लेथे
अऊ ओमन बर बने फसल उपजाथे, जऊन मन येमा खेती-बारी करथें।
8 पर ओ भुइयां, जऊन ह कांटा अऊ कंटिली झाड़ी उपजाथे, ओह बेकार ए, अऊ ओकर ऊपर परमेसर ले
सराप पाय के खतरा हवय। आखिरी म, येह आगी म बारे जाही।
9 मयारू संगवारी हो, हालाकि हमन अइसने गोठियावत हन, पर हमन ला तुम्हर बारे म अऊ बने बातमन के
भरोसा हवय, जेमन के संबंध उद्धार से हवय।
10 परमेसर ह अनियायी नो हय; ओह तुम्हर काम ला नइं भुलावय, अऊ ओ मया ला नइं भुलावय, जऊन ला
तुमन ओकर मनखेमन के मदद करे के दुवारा ओला देखाय हवव अऊ तुमन अभी घलो ओमन के मदद करत
हवव।
11 हमन चाहथन कि तुमन ले हर एक झन आखिरी तक अइसनेच उत्साह से मेहनत करते रहय, ताकि तुम्हर
आसा ह पक्का होवय।
12 हमन नइं चाहथन कि तुमन आलसी बनव, पर ओमन के नकल करव, जऊन मन बिसवास अऊ धीरज के
दुवारा ओ चीज के वारिस बनथें, जेकर वायदा परमेसर ह करे हवय।

[illegible]

13 जब परमेसर ह अब्राहम ले परतिगियां करिस, त ओकर ले बड़े अऊ कोनो नइं रिहिन, जेकर ओह किरिया
खा सकय, एकरसेति ओह अपनेच ही किरिया खाके
14 कहिस, "ये बात पक्का अय कि मेंह तोला जरूर आसीस दूहूं अऊ तोर बंस म बहुंत संतान होहीं।"*
15 अब्राहम ह धीरज धरके बाट जोहिस; अऊ तब ओह ओ चीजमन ला पाईस, जेकर परतिगियां परमेसर ह
करे रिहिस।
16 मनखेमन अपन ले कोनो बड़े के कसम खाथें, अऊ कसम ह कहे गे बात ला पक्का करथे अऊ जम्मो बिवाद
के निपटारा करथे।
17 काबरकि परमेसर ह अपन परतिगियां के वारिसमन ला, ये साफ-साफ बता दे बर चाहिस कि ओकर उदेस्य
ह कभू नइं बदलय; एकरसेति ओह कसम खाय के दुवारा येला पक्का करिस।
18 परमेसर ह ये करिस, ताकि नइं बदलइया दू ठन बात के जरिये परमेसर ला लबरा साबित करना असंभव
होवय, अऊ हमन ला, जऊन मन कि सरन पाय बर भागे हवन, बहुंते उत्साह मिलय, अऊ हमन ओ आसा ला पा
सकन, जऊन ला हमर आघू म रखे गे हवय।
19 हमर करा ये आसा ह हमर जीव बर पानी जहाज के एक लंगर सहीं अय—मजबूत अऊ सुरकछित। येह
पबितर-स्थान के भीतरी भाग म जाथे, जऊन ह परदा के पाछू म हवय,
20 जिहां यीसू ह हमर ले पहिली, हमर कोति ले गे हवय। ओह मलकिसिदक के सहीं सदाकाल बर एक महा
पुरोहित बन गे हवय।

7

[illegible]

1 ये मलकिसिदक सालेम के राजा अऊ सर्वोच्च परमेसर के पुरोहित रिहिस। जब अब्राहम ह राजामन ला
हराके लहुंटत रिहिस, त ओह अब्राहम ले भेंट करिस अऊ ओला आसीस दीस,
2 अऊ अब्राहम ह ओला हर एक चीज के दसवां भाग दीस। मलकिसिदक नांव के पहिली मतलब होथे
"धरमीपन के राजा" तब ये नांव के मतलब "सालेम के राजा" याने कि "सांति के राजा" घलो होथे।

* **6:14** उत 22:17

3 मलकिसिदक के दाई या ददा या ओकर पुरखा के कोनो पता नइं ए। ओकर जनम अऊ ओकर जिनगी के
अन्त के घलो कोनो लेखा नइं ए। ओह परमेसर के बेटा के सहीं सदाकाल बर एक पुरोहित अय।
4 तुमन सोचव कि ओह कतेक महान रिहिस: अऊ त अऊ कुल के मुखिया अब्राहम ह ओला लड़ई म लूटे गय
माल के दसवां भाग दीस।
5 लेवी के बंस म ले जऊन मन पुरोहित बनथें, ओमन ला मूसा के कानून ह हुकूम देथे कि ओमन मनखेमन ले
दसवां भाग जमा करंय, अऊ ये मनखेमन ओमन के भाई अंय, हालाकि ये भाईमन घलो अब्राहम के बंस अंय।
6 पर मलकिसिदक ह लेवी के बंस के नइं रिहिस, तभो ले ओह अब्राहम ले दसवां भाग लीस अऊ ओला
आसीस दीस, जेकर करा परमेसर के परतिगियां रिहिस।
7 अऊ ये बात म कोनो संदेह नइं ए कि छोटे मनखे ह बड़े मनखे ले आसीस पाथे।
8 पुरोहितमन के मामला म, दसवां भाग ओ मनखेमन के दुवारा लिये जाथे, जऊन मन मर जाथें, पर
मलकिसिदक के मामला म, दसवां भाग ओकर दुवारा लिये गीस, जेकर बारे म ये गवाही दे गे हवय कि ओह
जीयथे।
9 त हमन ये कह सकथन कि लेवी जऊन ह दसवां भाग लेथे, ओह अब्राहम के जरिये दसवां भाग दीस।
10 काबरकि जब मलकिसिदक ह अब्राहम ले मिलिस, त ओ समय लेवी ह अपन पुरखा अब्राहम के सरीर म ही
रिहिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

11 यदि लेवीमन के पुरोहित पद के जरिये सिद्धता मिलतिस—अऊ वास्तव म ओ पुरोहित पद ला बनाय रखे
बर मनखेमन ला कानून दिये गीस—त फेर एकर का जरूरत रिहिस कि एक आने पुरोहित ह हारून के जाति म
ले नइं, पर मलकिसिदक के जाति म ले आवय?
12 काबरकि जब पुरोहित पद ह बदले जाथे, तब मूसा के कानून घलो बदलना जरूरी ए।
13 हमर परभू जेकर बारे म ये जम्मो बात कहे जाथे, ओह एक आने गोत्र के अय अऊ ओ गोत्र म ले, कोनो
अभी तक बेदी म पुरोहित के रूप म सेवा नइं करे हवंय।
14 काबरकि ये बात ह साफ ए कि हमर परभू ह यहूदा के गोत्र म ले आईस अऊ ये गोत्र के बिसय म मूसा ह
पुरोहित पद के कुछू चरचा नइं करे हवय।
15 अऊ जऊन बात हमन कहे हवन, ओह अऊ साफ हवय कि मलकिसिदक के सहीं एक आने पुरोहित परगट
होईस,
16 जऊन ह अपन पुरखामन के नियम के आधार म पुरोहित नइं बनिस, पर ओह अमर जिनगी के सामर्थ के
आधार म पुरोहित बनिस।
17 काबरकि ओकर बारे म ये कहे गे हवय:
"तेंह मलकिसिदक के सहीं
सदाकाल बर एक पुरोहित अस।"*
18 पहिली के नियम ला अलग कर दिये गीस, काबरकि येह कमजोर अऊ बेकार रिहिस।
19 (काबरकि मूसा के कानून ह कोनो भी चीज ला सिद्ध नइं बनाईस), अऊ अब एक उत्तम आसा दिये गे हवय,
जेकर दुवारा हमन परमेसर के लकठा म जाथन।
20 अऊ येह बिगर कसम खाय नइं होईस! आने मन बिगर कोनो कसम के पुरोहित बनिन,
21 पर ओह† एक कसम के संग पुरोहित बनिस, जब परमेसर ह ओला कहिस:
"परभू ह कसम खाईस
अऊ ओह अपन मन ला नइं बदलय:
'तेंह सदाकाल बर एक पुरोहित अस।' "‡
22 ये कसम के कारन, यीसू ह अऊ बने करार के जमानतदार हो गीस।
23 पहिली बहुंत पुरोहितमन रिहिन, पर ओमन अपन सेवा ला पूरा नइं कर सकिन काबरकि ओमन मर गीन;
24 पर यीसू ह सदाकाल बर जीयथे; ओकर पुरोहित पद ह सदाकाल बर ए।

---

* **7:17** भजन 110:4 † **7:21** या [illegible] ‡ **7:21** भजन 110:4

25 एकरसेति, ओह ओमन के पूरा उद्धार कर सकथे, जऊन मन ओकर जरिये परमेसर करा आथें, काबरकि ओह
ओमन खातिर बिनती करे बर हमेसा जीयत हवय।
26 अइसने महा पुरोहित ह हमर जरूरत ला पूरा करथे, जऊन ह पबितर, निरदोस अऊ सुध ए; ओह पापीमन
ले अलग करे गे हवय अऊ स्वरगमन ले ऊंचा उठाय गे हवय।
27 आने महा पुरोहितमन सहीं, ओला दिन-प्रतिदिन पहिली अपन खुद के पाप खातिर अऊ तब मनखेमन के
पाप खातिर बलिदान चघाय के जरूरत नइं ए। ओह अपनआप ला ओमन के पाप बर बलिदान चघाके, ये काम
ला सदाकाल बर एकेच बार म पूरा कर दीस।
28 काबरकि मूसा के कानून ह ओ मनखेमन ला महा पुरोहित के रूप म ठहिराथे, जऊन मन सिद्ध नो हंय; पर
परमेसर के कसम, जऊन ह मूसा के कानून के बाद आईस, ओ बेटा ला ठहिराईस, जऊन ह सदाकाल के खातिर
सिद्ध बनाय गे हवय।

8

[illegible]

1 हमर कहे के सार बात ये अय: हमर करा एक अइसने महा पुरोहित हवय, जऊन ह स्वरग म महामहिम
परमेसर के सिंघासन के जेवनी हांथ कोति जा बईठिस,
2 अऊ ओह ओ पबितर-स्थान म सेवा करथे, जऊन ह सही के पबितर-तम्बू ए अऊ येह मनखे के दुवारा नइं,
पर परभू के दुवारा खड़े करे गे हवय।
3 हर एक महा पुरोहित ह भेंट अऊ बलिदान चघाय बर ठहिराय जाथे, एकरसेति ये महा पुरोहित बर घलो
जरूरी रिहिस कि ओकर करा चघाय बर कुछू रहय।
4 यदि ओह धरती म होतिस, त ओह एक पुरोहित नइं होतिस, काबरकि मूसा के कानून के मुताबिक भेंट
चघाय बर पहिले से पुरोहितमन हवंय।
5 जऊन सेवा ओमन पुरोहित के रूप म पबितर-स्थान म करथें, ओह ओकर एक नकल अऊ छइहां ए, जऊन
ह स्वरग म हवय। एकरसेति जब मूसा ह पबितर-तम्बू ला बनइया रिहिस, त ओला ये चेतउनी मिले रिहिस:
"धियान रहय कि जऊन नमूना तोला पहाड़ ऊपर देखाय गीस, ओकरे मुताबिक ही तेंह हर एक चीज ला
बनाबे।"*
6 पर जऊन सेवकई यीसू ला मिले हवय, ओह अऊ उत्तम अय, जइसने कि ओ करार जेकर मध्यस्थ यीसू
अय, जुन्ना करार ले अऊ उत्तम अय, काबरकि येह अऊ उत्तम परतिगियां ऊपर अधारित हवय।
7 यदि पहिली करार म कुछू गलती नइं होतिस, त दूसर करार के जरूरत नइं होतिस।
8 पर परमेसर ह मनखेमन ला दोसी पाईस अऊ कहिस:
"ओ दिनमन आवत हें, परभू ह घोसना करत हे,
जब मेंह इसरायल के मनखेमन संग
अऊ यहूदा के मनखेमन संग
एक नवां करार करहूं।
9 येह ओ करार सहीं नइं होही,
जेला मेंह ओमन के पुरखामन संग करे रहेंव,
जब मेंह ओमन के हांथ धरके ओमन ला
मिसर देस ले निकाल लानेंव,
काबरकि ओमन मोर करार के पालन नइं करिन,
एकर खातिर मेंह ओमन के खियाल नइं रखेंव,
परभू ह घोसना करत हे।
10 ओ समय के बाद, मेंह इसरायल के मनखेमन संग ये करार करहूं,
परभू ह घोसना करत हे।
मेंह अपन कानून ला ओमन के मन म डालहूं

* **8:5** निर 25:40

अऊ ओमन ला ओमन के हिरदय म लिखहूं।
मेंह ओमन के परमेसर होहूं
अऊ ओमन मोर मनखे होहीं।
11 ओमन अपन परोसी ला फेर ये कभू नइं सिखोहीं,
या एक-दूसर ला ये नइं कहिहीं, 'परभू ला जानव,'
काबरकि छोटे ले लेके बड़े तक,
ओ जम्मो झन मोला जानहीं।
12 काबरकि मेंह ओमन के अधरम ला छेमा करहूं,
अऊ ओमन के पाप ला फेर सुरता नइं करहूं।"†

13 ये करार ला "नवां करार" कहे के दुवारा, परमेसर ह पहिली के करार ला बिगर काम के ठहिराईस; अऊ जऊन चीज ह बिगर काम के अऊ जुन्ना हो जाथे, ओह जल्दी लोप हो जाही।

9

[illegible]

1 पहिली करार म, अराधना के नियम रिहिस अऊ अराधना के एक संसारिक पबितर-स्थान घलो रिहिस, जऊन ह ये धरती म रिहिस।
2 एक पबितर-तम्बू बनाय गीस। एकर पहिली कमरा म दीवट, मेज अऊ परमेसर ला चघाय गे रोटी रहय; येला पबितर स्थान कहे जावय।
3 दूसरा परदा के पाछू एक ठन कमरा रहय, जऊन ला महा पबितर स्थान कहे जावय,
4 उहां धूप जलाय बर सोन के बेदी अऊ सोन ले मढ़े गय करार के सन्दूक रहय। ये सन्दूक म मन्ना ले भरे सोन के कटोरा, हारून के लउठी, जऊन म पीका आ गे रहय अऊ ओमा करार के पथरा के पटियामन घलो रहंय।
5 सन्दूक के ऊपर म महिमा के करूबमन रहंय, जेमन पछताप के ढपना ला छइहां करे रहंय। पर हमन अभी ये जम्मो बातमन के चरचा नइं कर सकन।
6 ये किसम ले, जब हर एक चीजमन ला रखे जा चुकिस, त पुरोहितमन बाहिर के कमरा म जावंय अऊ अपन सेवा ला करंय।
7 पर सिरिप महा पुरोहित ह भीतर के कमरा म जावय अऊ ओ घलो साल म सिरिप एक बार खून लेके उहां जावय अऊ ओ खून ला, ओह खुद के अऊ मनखेमन के ओ पाप के खातिर परमेसर ला चघावय, जऊन ला ओमन बिगर जाने करे रहंय।
8 एकर दुवारा पबितर आतमा ह ये बतावत रिहिस कि जब तक पहिली पबितर-तम्बू ह खड़े रिहिस, तब तक महा पबितर स्थान के रसता ह नइं खोले गे रिहिस।
9 येह आज के समय बर एक नमूना ए, जऊन ह ये बताथे कि जऊन भेंट अऊ बलिदानमन चघाय जावत रिहिन, ओमन अराधना करइयामन के बिबेक ला साफ नइं कर सकंय।
10 ओमन सिरिप खाय-पीये के चीज अऊ नाना किसम के सुध होय के रीति-रिवाज अंय। येमन बाहिरी नियम अंय, जऊन ह नवां हुकूम के आवत तक लागू रहिथे।

[illegible]

11 जब मसीह ह बने चीजमन के महा पुरोहित के रूप म आईस, जऊन मन पहिली ले इहां हवंय, त ओह अऊ बड़े अऊ जादा सिद्ध पबितर-तम्बू म ले होके गीस, जऊन ह मनखे के बनाय नो हय, याने कि ओ तम्बू ह ये संसार के नो हय।
12 ओह महा पबितर स्थान म बोकरा अऊ बछवामन के लहू के संग नइं गीस, पर ओह उहां जम्मो के सेति एकेच बार अपन खुद के लहू के दुवारा गीस अऊ हमर बर सदाकाल के छुटकारा लानिस।
13 बोकरा अऊ बईलामन के लहू अऊ जरे बछवा के राख ला, ओमन के ऊपर छिंचे जाथे, जऊन मन रिवाज के मुताबिक असुध रहिथें। येह ओमन ला पबितर करथे अऊ ओमन बाहिरी रूप ले सुध हो जाथें।

† **8:12** यर 31:31-34

14 तब मसीह, जऊन ह निरदोस रिहिस, सदाकाल के आतमा के जरिये अपनआप ला परमेसर ला भेंट चघा
दीस। ओकर लहू ह हमर बिबेक ला बेकार के काममन ले बहुंत जादा सुध करथे, ताकि हमन जीयत परमेसर के
सेवा कर सकन!
15 एकरे खातिर मसीह ह एक नवां करार के मध्यस्थ ए, ताकि जऊन मन बलाय गे हवंय, ओमन ओ सदाकाल
के वारिस बन जावंय, जेकर वायदा परमेसर ह करे हवय। अब मसीह अपन मिरतू के दुवारा एक छुड़ौती के
कीमत दीस, ताकि ओह ओमन ला छोंड़ा सकय, जऊन मन पहिली करार के समय पाप करे रिहिन।
16 जब कोनो वसीयत* लिखथे अऊ मर जाथे, तब ओकर वारिस बर येह जरूरी ए कि ओह वसीयत करइया
के मिरतू ला साबित करय।
17 काबरकि वसीयत ह तभे लागू होथे, जब वसीयत करइया ह मर जाथे। जब तक कि ओह जीयत हवय, तब
तक वसीयत के कोनो मतलब नइं रहय।
18 एकरे कारन, पहिली करार ह घलो बिगर लहू के परभावी नइं रिहिस।
19 जब मूसा ह जम्मो मनखेमन ला कानून म बताय जम्मो हुकूम ला पढ़के सुना चुकिस, तब ओह पानी के
संग बछवामन के लहू, सिन्दूरी लाल रंग के ऊन अऊ जूफा के डारा लीस अऊ ये चीजमन ला कानून के किताब
अऊ जम्मो मनखेमन ऊपर छिंचिस,
20 अऊ ओह कहिस, "येह ओ करार के लहू ए, जऊन ला पालन करे के हुकूम, परमेसर ह तुमन ला देय
हवय।"†
21 एहीच किसम ले, मूसा ह पबितर-तम्बू अऊ येकर संस्कार म उपयोग होवइया जम्मो चीज ऊपर लहू
छिंचिस।
22 वास्तव म, मूसा के कानून के मुताबिक लगभग हर एक चीज लहू के दुवारा सुध करे जाथे अऊ बिगर लहू
बोहाय पाप के छेमा नइं होवय।
23 तब येह जरूरी रिहिस कि स्वरगीय चीजमन के नकल ह ये बलिदानमन के दुवारा सुध करे जावय, पर
स्वरग के चीजमन खुद एकर ले अऊ बने बलिदान के दुवारा सुध करे जाथें।
24 काबरकि मसीह ह मनखे के बनाय ओ पबितर-स्थान म नइं गीस, जऊन ह सही के पबितर-स्थान के नमूना
रिहिस, पर ओह स्वरग म गीस कि अब हमर बर, ओह परमेसर के आघू म परगट होवय।
25 मसीह ह स्वरग म अपनआप ला बार-बार भेंट चघाय बर नइं गीस, जइसने महा पुरोहित ह हर साल महा
पबितर स्थान म ओ लहू लेके जाथे, जऊन ह ओकर खुद के नो हय।
26 नइं तो जब ले संसार ह रचे गे हवय, तब ले अब तक, मसीह ला कतको बार दुख उठाना पड़तिस। पर अब
ओह ये जुग के आखिरी म, जम्मो के सेति एकेच बार परगट होईस, ताकि अपन खुद के बलिदान के दुवारा पाप
ला दूर करय।
27 जइसने मनखे के एक बार मरई अऊ ओकर बाद ओकर नियाय होवई तय हवय,
28 ओहीच किसम ले, मसीह घलो अपनआप ला एक बार बलिदान कर दीस कि ओह बहुंते मनखे के पाप ला
दूर करय; अऊ ओह दूसर बार परगट होही, पर पाप के भार उठाय बर नइं, पर ओमन के उद्धार करे बर, जऊन
मन ओकर बाट जोहत हवंय।

10

[illegible]

1 मूसा के कानून ह अवइया बने चीजमन के सिरिप एक छइहां ए। येमन अपनआप म सही के चीज नो हंय।
कानून के मुताबिक, एकेच किसम के बलिदान नियमित रूप ले हर साल चघाय जाथे, अऊ येह ओमन ला कभू
सिद्ध नइं कर सकय, जऊन मन अराधना करे बर आथें।
2 यदि ये बलिदानमन के दुवारा मनखेमन सिद्ध हो जातिन, त ओमन के बलिदान चघई बंद हो जातिस।
काबरकि अराधना करइयामन जम्मो के सेति एकेच बार म सुध हो जातिन अऊ ओमन अपन पाप के दोसी नइं
होतिन।
3 पर ओ बलिदानमन हर साल ओमन के पाप के सुरता कराथें।

---

* **9:16** यूनानी म [illegible]; पद 17 म घलो † **9:20** निर 24:8

4 काबरकि बईला अऊ बोकरामन के लहू ह पाप ला कभू दूरिहा नइं कर सकय।
5 एकरसेति, जब मसीह ह संसार म आईस, त ओह कहिस:
“बलिदान अऊ भेंट तेंह नइं चाहय,
पर तेंह एक ठन देहें, मोर बर तियार करय;
6 तेंह होम-बलिदान अऊ पाप-बलिदान चघाय ले
खुस नइं होवय।
7 तब मेंह कहेंव, ‘मेंह इहां हंव—जइसने पबितर बचन म मोर बारे म लिखे हवय—
हे मोर परमेसर, मेंह तोर ईछा ला पूरा करे बर आय हवंव।’ ”*
8 पहिली मसीह ह कहिस, “न तो तेंह बलिदान अऊ भेंट, होम-बलिदान अऊ पाप-बलिदान ला चाहय, अऊ न ही ओमन ले खुस होवय,” हालाकि ये जम्मो बलिदान, मूसा के कानून के मुताबिक चघाय जाथें।
9 तब ओह कहिस, “मेंह इहां हंव, मेंह तोर ईछा ला पूरा करे बर आय हवंव।” ओह पहिली के बात ला छोंड़ देथे ताकि दूसर बात ला स्थापित करय।
10 अऊ ओहीच ईछा के दुवारा हमन यीसू मसीह के देहें के बलिदान के जरिये पबितर करे गे हवन अऊ ये बलिदान ह जम्मो के सेति एकेच बार करे गीस।
11 हर एक पुरोहित ह दिन-प्रतिदिन ठाढ़ होके अपन धारमिक सेवा ला करथे। ओह बार-बार ओहीच बलिदान ला चघाथे, जऊन ह पाप ला कभू दूरिहा नइं कर सकय।
12 पर मसीह ह पाप के खातिर एकेच बलिदान सदाकाल के सेति चघाईस अऊ ओह परमेसर के जेवनी हांथ कोति जा बईठिस।
13 ओहीच बेरा ले, ओह इंतजार करथे कि परमेसर ह ओकर बईरीमन ला ओकर गोड़ रखे के चउकी बना देवय।
14 काबरकि एकेच बलिदान के दुवारा, ओह ओमन ला सदाकाल बर सिद्ध कर दे हवय, जऊन मन पाप ले पबितर करे जावत हें।
15 पबितर आतमा घलो हमन ला एकर बारे म गवाही देथे। पहिली ओह कहिथे:
16 “परभू ह कहिथे
कि ओ समय के बाद मेंह ओमन के संग ये करार करहूं,
मेंह अपन कानून ला ओमन के हिरदय म धरहूं
अऊ मेंह ओमन ला ओमन के मन म लिखहूं।”†
17 तब ओह ये घलो कहिथे:
“ओमन के पाप अऊ अधरम के काम ला
मेंह फेर सुरता नइं करहूं।”‡
18 अऊ जब एकर छेमा हो गे हवय, त फेर पाप खातिर अऊ कोनो बलिदान के जरूरत नइं ए।

[illegible]

19 एकरसेति, हे भाईमन हो, जब हमन ला भरोसा हवय कि यीसू के लहू के दुवारा हमन महा पबितर स्थान म जाबो,
20 ओह हमर बर एक नवां अऊ जीयत रसता खोलिस, जऊन ह ओ परदा म ले होके जाथे, जऊन ह ओकर देहें अय,
21 अऊ जब हमर करा एक बड़े पुरोहित हवय, जेकर ऊपर परमेसर के घर के जिम्मा हवय,
22 त आवव, हमन परमेसर के लकठा म साफ हिरदय अऊ पूरा बिसवास के संग जावन। एक अइसने हिरदय, जऊन म पाप भावना नइं ए अऊ अइसने देहें, जऊन ह सुध पानी म धोय गे हवय।
23 आवव, हमन ओ आसा ला मजबूती ले धरे रहन, जऊन ला हमन स्वीकार करथन, काबरकि जऊन ह वायदा करे हवय, ओह बिसवासयोग्य अय।
24 अऊ आवव, हमन ये बिचार करन कि कइसने हमन एक-दूसर ला मया म अऊ बने काम म उत्साहित कर सकथन।

---

* **10:7** भजन 40:6-8 (देखव सेप्टाजिन्ट) † **10:16** यर 31:33 ‡ **10:17** यर 31:34

25 आवव, हमन एक-दूसर के संग मिले बर नइं छोंड़न, जइसने कि कुछू झन के ये आदत बन गे हवय, पर
आवव, हमन एक-दूसर ला अऊ जादा उत्साहित करन, जइसने कि तुमन देखत हववव कि परभू के दिन ह लकठा
आवत हवय।
26 सत के गियान ला पाय के बाद, कहूं हमन जानबूझके पाप करते रहिथन, त फेर कोनो घलो बलिदान हमर
पाप ला दूरिहा नइं कर सकय,
27 पर सिरिप नियाय के एक भयानक बाट जोहई अऊ भयंकर आगी ह बांचही, जऊन ह परमेसर के
बिरोधीमन ला जलाके भसम कर दीही।
28 जऊन कोनो मूसा के कानून ला नइं मानिस, ओह बिगर दया के दू या तीन मनखे के गवाही ले मारे गीस।
29 त तुमन सोचव कि ओ मनखे ह कतेक कठोर सजा के भागी ए, जऊन ह परमेसर के बेटा ला गोड़ खाल्हे
कुचरे हवय अऊ करार के ओ लहू ला तुछ जाने हवय, जेकर दुवारा ओह पबितर करे गे रिहिस, अऊ जऊन ह
अनुग्रह के आतमा के बेजत्ती करे हवय।
30 काबरकि हमन ओला जानथन, जऊन ह ये कहिस, "बदला लेवई मोर काम ए; मेंह बदला लूहूं"§ अऊ ओह
फेर ये कहिस, "परभू ह अपन मनखेमन के नियाय करही।"
31 जीयत परमेसर के हांथ म पड़ई बहुंत भयानक बात ए।
32 सुरू के ओ दिनमन ला सुरता करव, परमेसर के अंजोर ला पाय के बाद, जब तुमन कतको दुख सहत घलो
स्थिर रहेव।
33 कभू तुम्हर खुलेआम बेजत्ती करे गीस अऊ तुमन ला सताय गीस, त कभू तुमन हर किसम ले ओमन के
मदद करेव, जऊन मन के संग ये किसम के गलत बरताव करे जावत रिहिस।
34 तुमन कैदीमन बर सहानुभूति रखेव अऊ जब तुम्हर धन-संपत्ति ला लूटे गीस, त तुमन येला आनंद के संग
स्वीकार करेव, काबरकि तुमन जानत रहेव कि तुम्हर करा एकर ले घलो उत्तम अऊ सदा बने रहइया संपत्ति
हवय।
35 एकरसेति अपन भरोसा ला झन छोंड़व, काबरकि तुमन ला एकर एक बड़े ईनाम मिलही।
36 तुमन ला धीरज धरई जरूरी ए, ताकि जब तुमन परमेसर के ईछा ला पूरा कर लेवव, त तुमन ला ओ ईनाम
मिलय, जेकर वायदा परमेसर ह तुम्हर ले करे हवय।
37 काबरकि परमेसर के बचन ह कहिथे,
"अब बहुंते कम समय बचे हवय;
जऊन ह अवइया हवय,
ओह आही अऊ ओह देरी नइं करय।"*
38 अऊ,
"पर मोर धरमी मनखे ह बिसवास के दुवारा जीयत रहिही।
अऊ कहूं ओह पाछू हटथे,
त मेंह ओकर ले खुस नइं होवंव।"†
39 पर हमन ओ मनखे नो हन, जऊन मन पाछू हट जाथें अऊ नास हो जाथें, पर हमन ओ मनखे अन, जऊन मन
बिसवास करथें अऊ बचाय जाथें।

11

??????

1 बिसवास करे के मतलब ये अय कि ओ बात ह निस्चय होही, जेकर आसा हमन करथन अऊ बिसवास करे के
मतलब ओ बात के निस्चयता घलो अय, जऊन ला हमन नइं देखन।
2 बिसवास के कारन ही पुराना जमाना के मनखेमन के परमेसर ह परसंसा करिस।
3 बिसवास के दुवारा, हमन जानथन कि जम्मो संसार ह परमेसर के हुकूम ले सिरजे गीस, अऊ जऊन चीज ह
दिखथे, ओह दिखत चीज ले बनाय नइं गीस।

§ **10:30** ब्यव 32:35 * **10:37** यसा 26:20; हब 2:3 † **10:38** हब 2:4

4 बिसवास के दुवारा, हाबिल ह कैन ले उत्तम बलिदान परमेसर ला चघाईस। बिसवास के दुवारा, हाबिल ह
एक धरमी मनखे समझे गीस, काबरकि परमेसर ह ओकर भेंट के बारे म बने बात कहिस। अऊ बिसवास के दुवारा,
ओह अभी घलो गोठियाथे, हालाकि ओह मर गे हवय।
5 बिसवास के दुवारा, हनोक ह उठा लिये गीस, जेकर ले ओला मिरतू के अनुभव नइं होईस: "ओह फेर कोनो
ला नइं दिखिस, काबरकि परमेसर ह ओला उठा लीस।"* हनोक के उठाय जाय के पहिली, ओकर बारे म, ये कहे
गे रिहिस कि ओह परमेसर ला खुस करिस।
6 बिगर बिसवास के परमेसर ला खुस करई असंभव ए, काबरकि जऊन ह परमेसर करा आथे, ओला ये बिसवास
करना जरूरी ए कि परमेसर हवय अऊ ओह ओमन ला ईनाम देथे, जऊन मन सही मन ले ओला खोजथें।
7 जब परमेसर ह नूह ला ओ बातमन के बारे म चेतउनी दीस, जऊन मन ओ समय नइं दिखत रिहिन, त
बिसवास के दुवारा, परमेसर के पबितर भय म, नूह ह अपन परिवार ला बचाय बर पानी जहाज बनाईस। अपन
बिसवास के दुवारा, ओह संसार ला दोसी ठहिराईस अऊ ओ धरमीपन के वारिस बन गीस, जऊन ह बिसवास के
दुवारा होथे।
8 जब परमेसर ह अब्राहम ला एक ठन जगह ला जाय बर कहिस, जऊन ला ओह बाद म वारिस के रूप म
पवइया रिहिस, त बिसवास के दुवारा, अब्राहम ह परमेसर के बात ला मानिस अऊ चल दीस, हालाकि ओला ये
बात मालूम नइं रिहिस कि ओह कहां जावत रिहिस।
9 बिसवास के दुवारा, ओह परतिगियां के भुइयां म अपन घर बनाईस अऊ एक अजनबी के सहीं, ओह एक
आने देस म रिहिस। ओह तम्बूमन म रहय अऊ वइसने इसहाक अऊ याकूब घलो करिन, जऊन मन अब्राहम के
संग ओहीच परतिगियां के वारिस रिहिन।
10 काबरकि अब्राहम ह ओ सहर के बाट जोहत रिहिस, जेकर नीव हवय अऊ जेकर नक्सा बनइया अऊ
गढ़इया परमेसर ए।
11 हालाकि सारा ह लइका जनमाय के उमर ला पार कर ले रिहिस, पर बिसवास के दुवारा, ओह लइका
जनमाईस, काबरकि ओह परमेसर ला बिसवासयोग्य जानिस, जऊन ह येकर वायदा करे रिहिस।
12 अऊ ये किसम ले, ये एक झन ले, जऊन ह मुरदा सहीं रिहिस, अतेक संतान होईन कि ओमन अकास के
तारामन अऊ समुंदर तीर के बालू सहीं अनगिनत हो गीन।
13 ये जम्मो मनखे बिसवास म रहत मर गीन। ओमन ओ चीजमन ला नइं पाईन, जेकर वायदा परमेसर ह
ओमन ले करे रिहिस, पर ओमन ओ चीजमन ला सिरिप देखिन अऊ दूरिहा ले ओमन के सुवागत करिन। अऊ
ओमन ये बात ला मान लीन कि ओमन ये धरती म परदेसी अऊ अजनबी रिहिन।
14 जऊन मनखेमन अइसने बात कहिथें, ओमन ये परगट करथें कि ओमन अपन खुद के एक देस के खोज म
हवंय।
15 यदि ओमन ओ देस के बारे म सोचे होतिन, जऊन ला छोंड़के ओमन आ गे रिहिन, त ओमन करा वापिस
जाय के मऊका रिहिस।
16 पर ओमन एक उत्तम देस, याने कि स्वरगीय देस के खोज म रिहिन। एकरसेति परमेसर ह नइं लजावय, जब
ओमन ओला अपन परमेसर कहिथें काबरकि ओह ओमन बर एक सहर तियार करे हवय।
17 जब परमेसर ह अब्राहम ला परखिस, त बिसवास के दुवारा, अब्राहम ह इसहाक ला बलिदान के रूप म
चघाईस। अब्राहम ह ओ मनखे रिहिस, जऊन ह परमेसर ले परतिगियां पाय रिहिस, पर ओह अपन एकलऊता
बेटा ला बलिदान चघाय बर तियार रिहिस,
18 हालाकि परमेसर ह ओला ये कहे रिहिस, "इसहाक के जरिये तोर बंस ह चलही।"†
19 अब्राहम ह बिसवास करिस कि परमेसर ह मरे मनखे ला जियाय सकथे। हमन एक रीति म कह सकथन कि
अब्राहम ह इसहाक ला मिरतू म ले फेर पा गीस।
20 बिसवास के दुवारा, इसहाक ह याकूब अऊ एसाव ला ओमन के भविस्य बर आसीस दीस।
21 बिसवास के दुवारा, याकूब ह अपन मरत समय यूसुफ के दूनों बेटा ला आसीस दीस, अऊ अपन लउठी के
मुठ के ऊपर निहरके परमेसर के अराधना करिस।

---

* **11:5** उत 5:24 † **11:18** उत 21:12

22 जब यूसुफ ह मरइया रिहिस, त बिसवास ही के दुवारा, ओह इसरायलीमन के बारे म कहिस कि ओमन
मिसर देस के गुलामी से निकल जाहीं अऊ ये हुकूम घलो दीस कि ओकर मरे के बाद, ओकर हाड़ामन के का करे
जावय।
23 जब मूसा ह जनमिस, त बिसवास के दुवारा, ओकर दाई-ददा ओला तीन महिना तक छुपाय रखिन,
काबरकि ओमन देखिन कि लइका ह सुघर हवय अऊ ओमन राजा के हुकूम ले नइं डर्राईन।
24 जब मूसा ह बड़े हो गीस, त बिसवास के दुवारा ही, ओह फिरौन राजा के बेटी के बेटा कहाय बर इनकार
करिस।
25 थोरकन दिन पाप के सुख भोगे के बदले, ओह परमेसर के मनखेमन संग दुख भोगई ला बने समझिस।
26 मूसा ह मसीह के हित म कलंकित होवई ला बड़े धन समझिस, एकर बनिस्पत कि मिसर देस के खजाना के
उपयोग करई, काबरकि ओह अवइया समय म अपन ईनाम के बाट जोहत रिहिस।
27 बिसवास ही के दुवारा, ओह राजा के कोरोध के चिंता नइं करिस अऊ मिसर देस ला छोंड़ दीस। ओह
बिसवास म बने रिहिस, काबरकि ओह ओ परमेसर ला देखिस, जऊन ह नइं दिखय।
28 बिसवास ही के दुवारा, ओह फसह तिहार ला मानिस अऊ कपाटमन म लहू छिंचे के हुकूम दीस ताकि
मिरतू के दूत ह इसरायलीमन के पहिलांत बेटामन ला झन मार डारय।
29 बिसवास के दुवारा ही, इसरायली मनखेमन लाल-समुंदर म ले अइसने पार हो गीन, जइसने कि सूखा
भुइयां म पार होथें; पर जब मिसर देस के मनखेमन पार होय के कोसिस करिन, त ओ जम्मो झन बुड़ मरिन।
30 बिसवास ही के दुवारा, जब इसरायलीमन सात दिन तक यरीहो के दीवार के चक्कर लगाईन, त ओ दीवार
ह गिर गीस।
31 बिसवास ही के कारन, राहाब नांव के बेस्या ह ओमन के संग मारे नइं गीस, जऊन मन परमेसर के हुकूम
नइं मानिन। ओह भेदियामन ला छुपाय रखिस।
32 मेंह अऊ का कहंव? गिदोन, बाराक, सिमसोन, यिप्तह, दाऊद, समूएल अऊ अगमजानीमन के बारे म
बताय बर, मोर करा समय नइं ए।
33 बिसवास ही के दुवारा, ओमन देसमन ला जीतिन, नियाय के मुताबिक काम करिन अऊ ओ चीज ला पाईन,
जेकर वायदा परमेसर ह करे रिहिस। ओमन सिंहमन के मुहूं ला बंद कर दीन,
34 धधकत आगी ला बुझा दीन, अऊ तलवार के मार ले बच निकलिन। ओमन के कमजोरी ह ताकत म बदल
गीस। ओमन लड़ई म बीरता देखाईन अऊ बिदेसी सेनामन ला मार भगाईन।
35 माईलोगनमन अपन मरे लोगनमन ला फेर जीयत पा गीन। अनेक बिसवासीमन अब्बड़ दुख अऊ पीरा
सहिन, पर ओमन एकर ले छूटे बर नइं चाहिन, ताकि ओमन ला जी उठे के बाद एक उत्तम जिनगी मिलय।
36 कुछू बिसवासीमन के ठट्ठा करे गीस अऊ ओमन ला कोर्रा म मारे गीस, जबकि कतको झन ला संकली म
बांधके जेल म डार दिये गीस।
37 ओमन ला पथरवाह करे गीस; ओमन के देहें ला आरी म चीरके दू भाग कर दिये गीस; ओमन तलवार ले
मार डारे गीन। ओमन मेढ़ा अऊ बोकरा के चाम के कपड़ा पहिरे एती-ओती मारे-मारे फिरिन; ओमन खंगी म
रिहिन अऊ सताय गीन अऊ ओमन के संग गलत बरताव करे गीस।
38 संसार ह ओमन के लईक नइं रिहिस। ओमन उजाड़ जगह अऊ पहाड़ अऊ भुइयां के खोह अऊ गड्ढामन म
भटकत फिरिन।
39 ये जम्मो झन अपन बिसवास के कारन परसंसा पाईन, पर ओमा ले कोनो ला ओ चीज नइं मिलिस, जेकर
वायदा परमेसर ह करे रिहिस।
40 परमेसर ह हमर खातिर अऊ उत्तम योजना बनाय रिहिस, ताकि ओमन हमर संग ही एक साथ सिद्ध बनाय
जावंय।

12

1 एकरसेति, जब हमर चारों कोति अइसने बहुंते गवाहमन के बड़े दल हवय, त आवव, हमन हर ओ बाधा
देवइया चीज अऊ फंसा लेवइया पाप ले दूरिहा रहन अऊ ओ दऊड़ ला मन लगाके दऊड़न, जऊन ह हमर
आघू म रखे हवय।

2 आवव, हमन यीसू कोति अपन धियान लगाय रखन, जऊन ह सुरू ले लेके आखिरी तक हमर बिसवास के
आधार ए अऊ जऊन ह अपन आघू म रखे आनंद खातिर कुरूस के मिरतू ला सहिस। ओह एकर दुवारा बेजत्ती
होय के चिंता नइं करिस अऊ परमेसर के सिंघासन के जेवनी हांथ कोति बईठ गीस।
3 एकरसेति, यीसू ऊपर अपन मन लगावव, जऊन ह पापी मनखेमन ले अइसने बिरोध सहिस, ताकि तुमन
निरास झन होवव अऊ हिम्मत झन हारव।

[illegible]

4 पाप के बिरूध लड़ई म, तुमन अभी तक ओ जगह म नइं आय हवव, जिहां तुमन ला अपन खून बहाना पड़े।
5 अऊ का तुमन उत्साह के ओ बचन ला भुला गे हवव, जऊन म परमेसर ह तुमन ला बेटा कहिके संबोधित
करथे? येह कहिथे,
"हे मोर बेटा, परभू के ताड़ना ला हल्का झन समझ,
अऊ जब ओह तोला दबकारथे, त हिम्मत झन हार,
6 काबरकि परभू ह ओकर ताड़ना करथे, जऊन ला ओह मया करथे,
अऊ ओह हर ओ मनखे ला दंड देथे, जऊन ला ओह बेटा बना लेथे।"*
7 दुख-तकलीफ ला ताड़ना समझके सह लेवव; परमेसर ह तुमन ला अपन बेटा जानके तुम्हर संग बरताव
करत हवय। काबरकि का अइसने कोनो बेटा हवय, जेकर ताड़ना ओकर ददा ह नइं करय?
8 हर एक झन के ताड़ना होथे, पर कहूं तुम्हर ताड़ना नइं होईस, त तुमन नजायज संतान अव, अऊ सही के
बेटा नो हव।
9 हमन के हर एक के सारीरिक ददा हवंय, जऊन मन हमर ताड़ना करथें अऊ हमन एकर खातिर ओमन के
आदर करथन। तब हमन ला हमर आतमा के ददा के अधीन, अऊ जादा रहना चाही ताकि हमन जीयत रहन।
10 हमर ददामन थोरकन समय बर हमर ताड़ना करथें, जइसने ओमन उचित समझथें; पर परमेसर ह हमर
भलई बर ताड़ना करथे ताकि हमन ओकर पबितरता म भागीदार होवन।
11 ओतकीच बेरा, कोनो घलो किसम के ताड़ना बने नइं लगय, पर पीरा देथे। पर बाद म, येह ओमन के
जिनगी म धरमीपन अऊ सांति के फर लाथे, जऊन मन ये ताड़ना म ले होके गुजर चुके होथें।
12 एकरसेति, अपन कमजोर हांथ अऊ कमजोर माड़ीमन ला मजबूत करव।
13 "अपन गोड़ खातिर डहारमन ला समतल करव,"† ताकि खोरवा ह अपंग झन होवय, पर ओह चंगा हो
जावय।

[illegible]

14 जम्मो मनखेमन संग सांति ले रहे के पूरा कोसिस करव अऊ पबितर बने बर घलो पूरा कोसिस करव,
काबरकि बिगर पबितरता के, कोनो परभू ला नइं देख सकय।
15 एकर ऊपर धियान रखव कि हर एक झन ला परमेसर के अनुग्रह मिलय अऊ ओमन म कोनो किसम के
कड़ुवाहट झन पनपे, जऊन ह समस्या खड़े करथे अऊ बहुंते झन ला असुध करथे।
16 एकर घलो धियान रखव कि कोनो छिनारी झन करय या एसाव के सहीं भक्तिहीन झन होवय, जऊन ह
एक बखत के जेवन खातिर अपन पहिलांत के अधिकार ला बेच दीस।
17 जइसने कि तुमन जानत हव, बाद म, जब ओह ये आसीस ला पाय चाहिस, त ओला अस्वीकार करे गीस।
हालाकि ओह रो-रोके ओ आसीस ला पाय के कोसिस करिस, पर ओकर करा अपन ददा के मन ला बदले के अऊ
कोनो आने उपाय नइं रिहिस।

[illegible]

18 तुमन अब तक ओ जगह म नइं आय हवव अऊ अनुभव नइं करे हवव, जइसने इसरायलीमन सीनय पहाड़
म अनुभव करे रिहिन, जिहां आगी बरत रिहिस; अंधियार, धुंधलापन अऊ आंधी-तूफान रिहिस;
19 अऊ जिहां तुरही के अवाज अऊ एक झन के अइसने गोठियाय के अवाज आवत रिहिस, जऊन ला सुनके
मनखेमन बिनती करे लगिन कि ओमन ले अऊ कोनो बात झन कहे जावय
20 काबरकि ओमन ओ हुकूम ले घबरा गीन, जेमा ये कहे गे रिहिस, "अऊ त अऊ कहूं कोनो पसु घलो पहाड़
ला छुवय, त ओला पथरवाह करके मार डारे जावय।"‡

* **12:6** नीति 3:11, 12 † **12:13** नीति 4:26 ‡ **12:20** निर 19:12, 13

21 ओ दरसन ह अइसने भयानक रिहिस कि मूसा ह कहिस, “मेंह डर के मारे कांपत हवंव।”§
22 पर तुमन सियोन पहाड़, जीयत परमेसर के सहर, स्वरगीय यरूसलेम करा आ गे हवव। तुमन हजारों-हजार
स्वरगदूतमन के संग आनंद के सभा,
23 अऊ पहिलांतमन के कलीसिया म आय हवव, जेमन के नांव स्वरग म लिखे गे हवय। तुमन परमेसर करा
आय हवव, जऊन ह जम्मो मनखेमन के नियाय करथे, अऊ तुमन ओ धरमीमन के आतमामन करा आ गे हवव,
जऊन मन सिद्ध बनाय गे हवंय।
24 तुमन यीसू करा आ गे हवव, जऊन ह एक नवां करार के मध्यस्थ ए अऊ तुमन ओ छिड़काय लहू करा आ
गे हवव, जऊन ह हाबिल के लहू ले घलो अऊ उत्तम बात कहिथे।
25 ये बात ला धियान देवव कि जऊन ह गोठियाथे, ओकर बात ला सुनव। काबरकि ओ मनखेमन बच नइं
सकिन, जऊन मन ओकर बात ला नइं सुनिन, जऊन ह धरती म ओमन ला चेतउनी देवत रिहिस, त फेर हमन
कइसने बच सकबो, कहूं हमन ओकर बात ला नइं सुनन, जऊन ह हमन ला स्वरग ले चेतउनी देथे?
26 ओ समय ओकर अवाज ह धरती ला कंपा दीस, पर अब ओह ये वायदा करे हवय, “एक बार फेर, मेंह सिरिप
धरती ला ही नइं, पर अकासमन ला घलो हलाहूं।”*
27 ये सबद “एक बार फेर” ये बात ला बताथे कि जऊन चीजमन हलाय जा सकथें, ओमन ला हटाय जाही,
काबरकि येमन सिरजे गय चीज अंय, ताकि जऊन चीजमन हलाय नइं जा सकंय, ओमन अटल बने रहंय।
28 एकरसेति, जब हमन ला एक अइसने राज मिलत हवय, जऊन ला हलाय नइं जा सकय, त आवव, हमन
धनबाद देवन, अऊ आदर अऊ भय के संग परमेसर के अइसने अराधना करन, जेकर ले ओह खुस होवय,
29 काबरकि हमर “परमेसर ह एक भसम करइया आगी अय।”†

13

[illegible]

1 भाईमन सहीं एक-दूसर ले मया करते रहव।
2 अनजान मनखेमन के आव-भगत करे बर झन भूलव, काबरकि अइसने करे के दुवारा कुछू मनखेमन अनजाने
म स्वरगदूतमन के आव-भगत करे हवंय।
3 जऊन मन जेल म हवंय, ओमन के खियाल रखव, ये सोचके कि मानो तुमन घलो ओमन संग कैद म हवव,
अऊ जऊन मन के संग गलत बरताव करे जाथे, ओमन के घलो खियाल रखव, ये सोचके कि मानो तुमन खुद दुख
उठावत हवव।
4 बिहाव ह जम्मो मनखे म आदर के बात समझे जावय। बिहाव के बिछौना ह सुध रहय, काबरकि परमेसर ह
ओ जम्मो झन के नियाय करही, जऊन मन बेभिचारी अंय अऊ आने के संग गलत संबंध रखथें।
5 तुमन अपन जिनगी ला रूपिया-पईसा के मोह-मया ले दूर रखव अऊ जऊन कुछू तुम्हर करा हवय, ओमा
संतोस रहव, काबरकि परमेसर ह कहे हवय,
“मेंह तोला कभू नइं छोड़ंव;
मेंह तोला कभू नइं तियागंव।”*
6 एकरसेति हमन बेधड़क कहिथन,
“परभू ह मोर सहायक ए; मेंह नइं डरंव।
मनखे ह मोर का कर सकथे?”†
7 अपन ओ अगुवामन के खियाल रखव, जऊन मन तुमन ला परमेसर के बचन सुनाईन। ओमन के जिनगी के
जम्मो बने बात के बारे म सोचव अऊ ओमन के बिसवास के नकल करव।
8 यीसू मसीह ह कल, आज अऊ सदाकाल बर उसनेच ए।
9 नाना किसम के अनजान उपदेस के दुवारा धोखा झन खावव। येह बने अय कि हमर हिरदय ह परमेसर के
अनुग्रह ले मजबूत होवय, न कि ओ रीति-रिवाज के भोजन ले, जऊन ला खाय ले कोनो फायदा नइं होवय।
10 हमर एक बेदी हवय, जिहां ले पबितर-तम्बू म सेवा करइयामन ला खाय के अधिकार नइं ए।

§ **12:21** देखव ब्यव 9:19 * **12:26** हाग्गै 2:6 † **12:29** ब्यव 4:24 * **13:5** ब्यव 31:6 † **13:6** भजन 118:6, 7

11 महा पुरोहित ह पसुमन के लहू ला पाप-बलिदान के रूप म महा पबितर स्थान म ले जाथे, पर ओमन के देहें
ह डेरा के बाहिर म जलाय जाथे।
12 एकर खातिर, यीसू घलो सहर के दुवार के बाहिर दुख भोगिस, ताकि ओह अपन खुद के लहू ले मनखेमन ला
पबितर करय।
13 त आवव, हमन डेरा के बाहिर ओकर करा चलन अऊ ओ कलंक म भागी होवन जऊन ला ओह सहिस।
14 काबरकि इहां, हमर कोनो स्थायी सहर नइं ए, पर हमन ओ सहर के बाट जोहथन, जऊन ह अवइया हवय।
15 एकरसेति आवव, हमन यीसू के जरिये परमेसर ला लगातार इस्तुति के बलिदान चघावन अऊ ये बलिदान
ह हमर मुहूं के ओ बचन ए, जऊन ह ओकर नांव ला मानथे।
16 अऊ भलई करे बर अऊ आने मन के मदद करे बर झन भूलव, काबरकि अइसने बलिदान परमेसर ला भाथे।
17 अपन अगुवामन के ऊपर भरोसा रखव अऊ ओमन के अधीन म रहव। ओमन तुम्हर खियाल ओ मनखेमन
सहीं रखथें, जऊन मन ला अपन काम के लेखा देना जरूरी ए। ओमन के बात मानव, ताकि ओमन के काम ह एक
बोझा सही नइं, पर एक आनंद के बात होवय, नइं तो ओह तुम्हर कुछू फायदा के नइं होही।
18 हमर बर पराथना करव। हमन ला भरोसा हवय कि हमर बिबेक ह साफ हवय अऊ हर किसम ले, आदर के
जिनगी जीये के ईछा हवय।
19 मेंह तुमन ले खास करके बिनती करत हवंव कि तुमन पराथना करव, ताकि मेंह तुम्हर करा जल्दी वापिस
आ सकंव।

[illegible]

20 सदाकाल के करार के लहू के जरिये, सांति के परमेसर ह हमर परभू यीसू ला मरे म ले जियाईस, जऊन ह
भेड़मन के महान चरवाहा ए।
21 सांति के ओ परमेसर ह तुम्हर जिनगी ला जम्मो बने चीजमन ले भर देवय, ताकि तुमन ओकर ईछा ला
पूरा करव अऊ जऊन बात ओला बने लगथे, ओह ओ बात ला यीसू मसीह के जरिये हमर जिनगी म पूरा करय।
यीसू मसीह के महिमा सदाकाल तक होवत रहय। आमीन।

22 हे भाईमन हो, मेंह तुम्हर ले बिनती करत हंव कि उत्साह के मोर ये बचन ला धीर धरके सुनव, काबरकि ये
चिट्ठी म मेंह जादा नइं लिखे हवंव।

23 मेंह तुमन ला बताय चाहथंव कि हमर भाई तीमुथियुस ह जेल ले छूट गे हवय। यदि ओह इहां जल्दी
आथे, त मेंह ओकर संग तुम्हर ले भेंट-घाट करे बर आहूं।

24 अपन जम्मो अगुवा अऊ परमेसर के जम्मो मनखेमन ला हमर जोहार कहव।
इटली देस के मनखेमन तुमन ला जोहार कहत हें।

25 तुमन जम्मो झन ऊपर परमेसर के अनुग्रह होवत रहय।

याकूब
के चिट्ठी

1 परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह के सेवक याकूब कोति ले,
ये चिट्ठी ओ बारह गोत्र के मनखेमन ला लिखे जावत हवय, जऊन मन संसार म एती-ओती बगर गे हवंय:
तुमन जम्मो झन ला जोहार मिलय।

[illegible]

2 हे मोर भाईमन, जब तुम्हर ऊपर नाना किसम के परिछा आथे, त येला बड़े आनंद के बात समझव,
3 काबरकि तुमन जानत हव कि तुम्हर बिसवास के परखे जाय ले तुम्हर धीरज ह बढ़थे।
4 पर धीरज ला अपन काम करन दव कि तुमन परिपक्व अऊ सिद्ध हो जावव अऊ तुमन म कोनो बने बात के कमी झन रहय।
5 कहूं तुमन ले कोनो म बुद्धि के कमी हवय, त ओह परमेसर ले मांगय, जऊन ह बिगर दोस लगाय जम्मो झन ला उदार मन से देथे अऊ येह ओला दिये जाही।
6 पर ओह बिसवास के संग मांगय अऊ ओकर मन म कुछू संका झन रहय, काबरकि संका करइया ह समुंदर के लहरा के सहीं अय, जऊन ह हवा ले एती-ओती बहथे अऊ उछलथे।
7 अइसने मनखे ह ये झन सोचय कि ओला परभू ले कुछू मिलही।
8 ओह दुचित्ता मनखे ए अऊ ओह अपन जम्मो काम म स्थिर नइं ए।
9 बिसवासीमन नम्र होके अपन ऊंच पद ऊपर घमंड करंय।
10 अऊ धनवान मनखे ह ये बात म घमंड करे कि परमेसर ह ओला दीन-हीन करे हवय। काबरकि ओह जंगली फूल सहीं खतम हो जाही।
11 जब सूरज ह निकलथे, त अब्बड़ घाम पड़थे अऊ पऊधा ला मुरझा देथे; ओकर फूल ह झर जाथे अऊ ओकर सुघरपन ह खतम हो जाथे। ओहीच किसम ले, धनवान घलो अपन काम ला करत नास हो जाही।
12 धइन ए ओ मनखे, जऊन ह जिनगी के परिछा म डोले नइं; काबरकि ओह चोखा निकलके जिनगी के ओ मुकुट ला पाही, जेकर वायदा परभू ह अपन मया करइयामन ले करे हवय।
13 जब काकरो परिछा होथे, त ओह ये झन कहय कि मोर परिछा परमेसर ह करत हवय, काबरकि न तो खराप बात ले परमेसर के परिछा हो सकथे अऊ न ही ओह काकरो परिछा खुद करथे।
14 पर हर एक मनखे अपनेच खराप ईछा के कारन फंसथे अऊ परिछा म पड़थे।
15 तब खराप ईछा ह बढ़के पाप ला जनमथे अऊ जब पाप ह बढ़ जाथे, त मनखे के मिरतू हो जाथे।
16 हे मोर मयारू भाईमन, भोरहा म झन रहव।
17 काबरकि हर एक बने अऊ उत्तम बरदान स्वरग ले आथे अऊ परमेसर ददा, जऊन ह अंजोर ला बनाईस, ओकर कोति ले, ये बरदान ह मिलथे, अऊ ओह बदलत छइहां सहीं नइं बदलय।
18 ओह अपन ईछा ले हमन ला सुघर संदेस के दुवारा नवां जिनगी दीस, ताकि हमन परमेसर बर ओकर बनाय जम्मो चीजमन ले पहिली फर हो जावन।

[illegible]

19 हे मोर मयारू भाईमन, ये गोठ ला तुमन जान लेवव: हर एक मनखे पहिली धियान देके सुनय अऊ धीर धरके बोलय अऊ तुरते गुस्सा झन होवय,
20 काबरकि मनखे के गुस्सा ह परमेसर के धरमीपन नइं लाने सकय।
21 एकरसेति, जम्मो गंदगी अऊ बईरता ला छोंड़ देवव, अऊ दीन-हीन होके ओ बचन ला गरहन कर लेवव, जऊन ह तुम्हर हिरदय म बोय गे हवय अऊ तुम्हर उद्धार कर सकथे।
22 बचन के मुताबिक चलइया बनव अऊ बचन के सिरिप सुनइया बनके अपनआप ला धोखा झन देवव।
23 जऊन ह बचन ला सुनथे अऊ ओकर मुताबिक नइं चलय, त ओह ओ मनखे सहीं अय, जऊन ह अपन चेहरा ला दरपन म देखथे

24 अऊ ओह अपनआप ला देखके चल देथे अऊ तुरते भुला जाथे कि ओह कइसने दिखथे।
25 पर जऊन मनखे ह ओ सिद्ध कानून ऊपर धियान लगाय रहिथे, जऊन ह हमन ला सुतंतर करथे, ओ मनखे
ह अपन काम म एकरसेति आसीस पाही, काबरकि ओह सुनके भूलय नइं, पर ओकर मुताबिक चलथे।
26 कहूं कोनो अपनआप ला धारमिक समझथे अऊ अपन जीभ ला अपन बस म नइं रखय, त ओह अपनआप
ला धोखा देथे अऊ ओकर धरम ह बेकार ए।
27 हमर परमेसर ददा के नजर म सही अऊ बने धरम ये अय कि दुख म अनाथ अऊ बिधवामन के देखरेख
करय, अऊ अपनआप ला संसार के बुरई ले अलग रखय।

2

[illegible]

1 हे मोर भाईमन हो, जब तुमन हमर महिमामय परभू यीसू मसीह ऊपर बिसवास करथव, त काकरो संग
भेदभाव झन करव।
2 कहूं कोनो मनखे सोन के मुंदरी अऊ सुघर कपड़ा पहिरके तुम्हर सभा म आवय अऊ एक गरीब मनखे घलो
चिरहा-फटहा कपड़ा पहिरके आवय,
3 अऊ कहूं तुमन ओ सुघर कपड़ा पहिरे मनखे के मुहूं देखके कहव, "तेंह इहां बने ठऊर म बईठ" अऊ ओ
गरीब मनखे ला कहव, "तेंह इहां खड़े रह या मोर गोड़ करा भुइयां म बईठ।"
4 त का तुमन आपस म भेदभाव नइं करेव अऊ खराप बिचार ले नियाय करइया नइं ठहिरेव?
5 हे मोर मयारू भाईमन, सुनव: का परमेसर ह ये संसार के गरीबमन ला नइं चुनिस कि ओमन बिसवास म
धनी, अऊ ओ स्वरग राज के भागीदार बनंय, जेकर वायदा परमेसर ह ओमन ले करिस, जऊन मन ओकर ले
मया करथें।
6 पर तुमन ओ गरीब के बेजत्ती करेव। का धनी मनखे तुम्हर ऊपर अतियाचार नइं करंय अऊ का ओमन तुमन
ला कचहरी म घसीटके नइं ले जावंय?
7 का ओमन परमेसर के सुघर नांव के निन्दा नइं करंय, जेकर तुमन अव?
8 कहूं तुमन परमेसर के बचन म लिखाय ये राजकीय कानून ला पूरा करथव, "तें अपन परोसी ले अपन सहीं
मया कर,"* त सही म बने करथव।
9 पर कहूं तुमन भेदभाव करथव, त पाप करथव अऊ परमेसर के कानून ह तुमन ला दोसी ठहिराथे।
10 काबरकि जऊन कोनो जम्मो कानून के पालन करथे, पर एकेच बात म चूक जाथे, त ओह जम्मो बात म
दोसी ठहिरही।
11 काबरकि परमेसर ह ये कहे हवय, "छिनारी झन करव।"† ओही परमेसर ह ये घलो कहे हवय, "हतिया झन
करव।"‡ कहूं तुमन छिनारी नइं करव, पर काकरो हतिया करथव, त तुमन कानून म दोसी ठहिरेव।
12 तुमन ओ मनखेमन सहीं गोठियावव, अऊ काम करव, जऊन मन के नियाय ओ कानून के मुताबिक होही,
जऊन ह सुतंतर करथे,
13 काबरकि जऊन ह दया नइं करय, ओकर नियाय परमेसर ह बिगर दया के करही। दया ह नियाय ऊपर जय
पाथे।

[illegible]

14 हे मोर भाईमन हो, कहूं कोनो कहय कि ओह बिसवास करथे, पर ओह बिसवास के मुताबिक काम नइं करय,
त एकर ले का फायदा? का अइसने बिसवास ह कभू ओकर उद्धार कर सकथे?
15 कहूं कोनो भाई या बहिनी उघरा हवय अऊ ओला रोज खाय बर नइं मिलथे
16 अऊ तुमन ले कोनो ओला कहय, "सांति से जा, गरम रह अऊ तोला भरपेट खाना मिलय।" पर जऊन
चीजमन देहें बर जरूरी अंय, ओमन ला नइं देवय, त का फायदा?
17 वइसनेच बिसवास घलो करम के बिगर मरे सहीं होथे।
18 पर कोनो ये कहय, "तोर करा बिसवास हवय अऊ मोर करा करम हवय।"

---

* **2:8** लैव्य 19:18 † **2:11** निर 20:14; ब्यव 5:18 ‡ **2:11** निर 20:13; ब्यव 5:17

तेंह अपन बिसवास ला मोला करम के बिगर तो देखा, अऊ मेंह अपन बिसवास ला मोर करम के दुवारा तोला देखाहूं।
19 तेंह बिसवास करथस कि एकेच परमेसर हवय। बने करथस! परेत आतमामन घलो अइसनेच बिसवास रखथें अऊ कांपथें।
20 पर हे मुरूख मनखे, का तेंह सबूत चाहत हस कि करम बिगर बिसवास ह बेकार ए।
21 जब हमर पुरखा अब्राहम ह अपन बेटा इसहाक ला बेदी ऊपर चघाईस, त का ओह अपन करम के दुवारा परमेसर के नजर म धरमी नइं ठहिरिस?
22 तेंह देखे कि ओकर करम ह बिसवास के मुताबिक रिहिस अऊ करम के दुवारा ओकर बिसवास ह पूरा होईस।
23 अऊ परमेसर के ये बचन ह पूरा होईस, "अब्राहम ह परमेसर के ऊपर बिसवास करिस अऊ ये बात ह ओकर बर धरमीपन गने गीस,"§ अऊ ओला परमेसर के संगवारी कहे गीस।
24 तुमन देख डारेव कि मनखेमन सिरिप बिसवास के दुवारा ही नइं, पर संग म करम के दुवारा धरमी ठहिरथें।
25 वइसनेच, का राहाब बेस्या ह घलो अपन करम के दुवारा धरमी नइं ठहिरिस, जब ओह इसरायली भेदियामन ला अपन घर म ठऊर दीस, अऊ आने रसता ले ओमन ला बिदा कर दीस?
26 जइसने देहें ह आतमा के बिगर मरे हवय, वइसनेच बिसवास ह घलो करम के बिगर मरे हवय।

3

1 हे मोर भाईमन हो, तुमन ले बहुंत झन गुरू झन बनव, काबरकि तुमन जानत हव कि गुरूमन के अऊ कड़ई ले नियाय होही।
2 हमन जम्मो झन अकसर गलती करथन। जऊन कोनो अपन गोठ म कभू गलती नइं करय, ओह सिद्ध मनखे ए; अऊ ओह अपन देहें ला बस म कर सकथे।
3 जब हमन अपन गोठ ला मनवाय बर घोड़ामन के मुहूं म लगाम लगाथन, त हमन ओकर पूरा देहें ला घलो अपन बस म कर लेथन।
4 देखव, पानी जहाज घलो, जऊन ह बहुंत बड़े होथे अऊ तेज हवा के दुवारा चलथे, तभो ले एक नानकून पतवार के दुवारा मांझी ह अपन ईछा के मुताबिक ओला जिहां चाहथे उहां ले जाथे।
5 वइसनेच जीभ ह घलो देहें के एक नानकून अंग ए, पर ओह बहुंते डींग मारथे। देखव, एक नानकून आगी के चिनगारी ले कतेक बड़े जंगल म आगी लग जाथे।
6 जीभ ह घलो आगी सहीं अय। येह हमर देहें म अधरम के एक संसार ए। येह एक अइसने आगी ए, जऊन ला नरक कुन्ड के आगी ले बारे गे हवय अऊ पूरा जिनगी म आगी लगाके मनखे ला बरबाद कर देथे।
7 हर एक किसम के जीव-जन्तु, चिरई अऊ पेट के भार रेंगइया जीव-जन्तु अऊ पानी के जीव-जन्तु, मनखेमन के बस म हो सकथें अऊ ओमन बस म हो घलो गे हवंय।
8 पर जीभ ला कोनो मनखे अपन बस म नइं कर सकय। ओह अइसने सैतान ए, जऊन ह कभू चुप नइं रहय। ओह अइसने जहर ले भरे हवय, जऊन ह परान ले लेथे।
9 जीभ ले हमन परभू अऊ ददा के महिमा करथन अऊ इही जीभ ले मनखेमन ला सराप घलो देथन, जऊन मन परमेसर के सरूप म बनाय गे हवंय।
10 ओहीच मुहूं ले महिमा अऊ सराप दूनों निकलथे। हे मोर भाईमन हो, अइसने नइं होना चाही।
11 का मीठा अऊ नूनचूर पानी झरना के एकेच मुहूं ले निकल सकथे?
12 हे मोर भाईमन, का अंजीर के रूख म जैतून या अंगूर के नार म अंजीर फर सकथे? वइसने ही नूनचूर झरना ले मीठा पानी नइं निकल सकय।

[illegible]

13 तुमन म बुद्धिमान अऊ समझदार कोन ए? ओह अपन काम अऊ बने चालचलन के दुवारा येला नमरता सहित देखावय, जऊन ह बुद्धि ले उपजथे।
14 पर कहूं तुमन अपन मन म भारी जलन अऊ सुवारथ रखथव, त एकर बर घमंड झन करव अऊ सत के बिरोध झन करव।
15 अइसने बुद्धि ह स्वरग ले नइं आवय, पर येह संसारिक, सारीरिक अऊ सैतान के अय।

§ **2:23** उत 15:6

16 काबरकि जिहां जलन अऊ सुवारथ होथे, उहां झंझट अऊ हर किसम के बुरई पाय जाथे।
17 पर जऊन बुद्धि ह स्वरग ले आथे, ओह सबले पहिली सुध, ओकर बाद मिलनसार, कोमल, नम्र सुभाव, दया
अऊ बने फर ले भरे रहिथे अऊ ओमा भेदभाव अऊ कपट नइं रहय।
18 जऊन मेल-मिलाप करइयामन मेल-मिलाप करवाथें, ओमन धरमीपन के फर उपजाथें।

4

[illegible]

1 तुमन म लड़ई अऊ झगरा कहां ले आ गीस? का येमन तुम्हर संसारिक ईछा ले नइं आवंय, जऊन मन
तुम्हर भीतर लड़त-भिड़त रहिथें?
2 तुमन कुछू चीज ला पाय के आसा रखथव, पर तुमन ला नइं मिलय। तुमन मनखे के हतिया करथव अऊ
लालच करथव, अऊ जऊन कुछू के ईछा रखथव, ओह तुमन ला नइं मिलय। तुमन लड़थव-झगरथव। तुमन ला
नइं मिलय, काबरकि तुमन परमेसर ले नइं मांगव।
3 जब तुमन मांगथव, त तुमन ला नइं मिलय, काबरकि तुमन गलत मनसा ले मांगथव कि ओला अपन
भोग-बिलास म उड़ा देवव।
4 हे छिनारी करइया मनखेमन, का तुमन नइं जानव कि संसार ले मितानी करई के मतलब परमेसर ले बईरता
करई ए? जऊन कोनो संसार के संगवारी होय चाहथे, ओह अपनआप ला परमेसर के बईरी बनाथे।
5 का तुमन ये समझथव कि परमेसर के बचन ह बिगर कारन के कहिथे कि जऊन आतमा ला ओह हमन म
बसाय हवय, ओकर दुवारा जलन पईदा होवय।
6 ओह अऊ जादा अनुग्रह देथे। एकर कारन परमेसर के बचन ह कहिथे:
"परमेसर ह घमंडी मनखे के बिरोध करथे,
पर नम्र मनखेमन ऊपर अनुग्रह करथे।"*
7 एकरसेति तुमन परमेसर के बस म रहव, अऊ सैतान के सामना करव, त सैतान ह तुम्हर करा ले भाग जाही।
8 परमेसर के लकठा म आवव, त ओह घलो तुम्हर लकठा म आही। हे पापी मनखेमन, अपन हांथ ला धोवव,
अऊ हे ढोंगी मनखेमन, अपन हिरदय ला सुध करव।
9 दुखी होवव, सोक मनावव अऊ बिलाप करव। तुम्हर हंसई ह सोक म अऊ तुम्हर आनंद ह उदासी म बदल
जावय।
10 परभू के आघू म दीन-हीन बनव, त ओह तुमन ला बढ़ाही।
11 हे भाईमन हो, एक-दूसर ला बदनाम झन करव। जऊन ह अपन भाई के बदनामी करथे अऊ अपन भाई
ऊपर दोस लगाथे, ओह परमेसर के कानून ला बदनाम करथे अऊ कानून ऊपर दोस लगाथे। जब तेंह कानून
ऊपर दोस लगाथस, त तेंह कानून म चलइया नइं, पर ओकर ऊपर हाकिम ठहिरे।
12 कानून के देवइया अऊ नियाय करइया एकेच झन अय अऊ ओह परमेसर ए, जेकर करा बचाय अऊ नास
करे के सामर्थ हवय। पर तेंह कोन अस कि अपन परोसी ऊपर दोस लगाथस?

[illegible]

13 सुनव, तुमन जऊन मन ये कहिथव कि आज या कल हमन कोनो अऊ सहर म जाके उहां एक बछर रहिबो,
अऊ काम-धंधा करके पईसा कमाबो।
14 तुमन ये नइं जानत हव कि कल का होही। तुम्हर जिनगी ह का ए? तुमन त भाप के सहीं अव, जऊन ह
छिन भर दिखथे, अऊ तब लोप हो जाथे।
15 एकर बदले, तुमन ला ये कहना चाही कि कहूं परभू के ईछा होही, त हमन जीयत रहिबो अऊ ये या ओ
बुता ला करबो।
16 पर तुमन अपन डींग मारथव अऊ घमंड करथव। अइसने जम्मो घमंड के बात ह गलत ए।
17 एकरसेति, जऊन मनखे ह भलई करे ला जानथे अऊ नइं करय, ओकर बर येह पाप ए।

5

[illegible]

* **4:6** नीति 3:34

1 हे धनवान मनखेमन, अब मोर बात ला सुनव, तुमन अपन ऊपर अवइया बिपत के कारन रोवव अऊ बिलाप
करव।
2 तुम्हर धन-दौलत ह सड़ गे हवय अऊ तुम्हर कपड़ामन ला कीरा खा गे हवय।
3 तुम्हर सोन अऊ चांदी म जंक लग गे हवय, अऊ ये जंक ह तुम्हर बिरूध गवाही दीही अऊ येह तुम्हर देहें
ला आगी सहीं जला दीही। तुमन संसार के आखिरी समय म धन बटोरे हवव।
4 देखव! जऊन बनिहारमन तुम्हर खेत के फसल ला लुईन, ओमन के बनी ला तुमन धोखा देके रख ले हवव,
एकरसेति ओमन रोवत हवंय, अऊ ओमन के रोवई ह सर्वसक्तिमान परभू के कान तक पहुंच गे हवय।
5 तुमन धरती म भोग-बिलास अऊ सुख के जिनगी बिताय हवव। तुमन बध होय के दिन खातिर अपनआप
ला मोटा-ताजा कर ले हवव।
6 तुमन धरमी मनखे ऊपर दोस लगाके ओला मार डारेव। ओह तुम्हर बिरोध नइं करत रिहिस।

[illegible]

7 एकरसेति, हे भाईमन, परभू यीसू के वापिस आवत तक ले धीरज धरे रहव। देखव, किसान ह कइसने खेत के
कीमती फसल के बाट जोहथे अऊ कइसने पहिली अऊ आखिरी बरसा होवत तक धीरज धरे रहिथे।
8 तुमन घलो धीरज धरव, अऊ अपन हिरदय ला मजबूत करव, काबरकि परभू के अवई लकठा म हवय।
9 हे भाईमन, एक-दूसर ऊपर दोस झन लगावव ताकि परमेसर तुमन ला दोसी झन ठहिरावय। देखव, मसीह
ह नियाय करे बर बहुंत जल्दी अवइया हवय। ओह दुवारी म ठाढ़े हे सहीं समझव!
10 हे भाईमन, ओ अगमजानीमन ला सुरता करव, जऊन मन परभू के नांव म तुम्हर ले गोठियाईन। दुख के
बेरा म ओमन जऊन धीरज धरिन, ओला एक उदाहरन के रूप म लेवव।
11 जइसने कि तुमन जानत हव कि धीरज धरइयामन ला हमन आसीसित मनखे समझथन। तुमन अयूब के
धीरज के बारे म तो सुने हवव अऊ परभू ह आखिरी म कइसने ओकर धीरज के परतिफल दीस, ओला घलो
जानत हव। परभू ह अब्बड़ किरपालु अऊ दयालु अय।
12 हे मोर भाईमन, जम्मो ले बड़े बात ये अय कि कोनो बात म, तुमन कसम झन खावव—न स्वरग के, न
धरती के, अऊ न कोनो आने चीज के। पर तुम्हर गोठ ह "हां" के "हां", अऊ "नइं" के "नइं" होवय, ताकि तुमन
दंड के भागीदार झन होवव।

[illegible]

13 कहूं तुमन म कोनो दुखी हवय, त ओह पराथना करय, अऊ कहूं कोनो खुस हवय, त ओह परभू के भजन
गावय।
14 कहूं तुमन म कोनो बेमार हवय, त ओह कलीसिया के अगुवामन ला बलावय कि ओमन परभू के नांव म
ओकर ऊपर तेल लगाके ओकर बर पराथना करंय।
15 अऊ बिसवास के पराथना ले बिमरहा ह बने हो जाही, अऊ परभू ह ओला ठाढ़ कर दीही। अऊ कहूं ओह
पाप घलो करे होही, त ओकर छेमा हो जाही।
16 एकरसेति, तुमन एक-दूसर के आघू म अपन-अपन पाप ला मान लेवव अऊ एक-दूसर बर पराथना करव,
ताकि तुम्हर बेमारी ह ठीक हो जावय। धरमी मनखे के पराथना ह सक्तिसाली अऊ परभावी होथे।
17 एलियाह घलो हमरेच सहीं दुख-सुख भोगी मनखे रिहिस। ओह गिड़गिड़ाके पराथना करिस कि पानी झन
बरसय, अऊ साढ़े तीन बछर तक ले धरती म पानी नइं गिरिस।
18 तब ओह फेर पराथना करिस कि बरसा होवय, त अकास ले बरसा होईस, अऊ भुइयां म फेर फसल होईस।
19 हे मोर भाईमन, कहूं तुमन ले कोनो सत के रसता ले भटक जावय, अऊ कोनो ओला सही रसता म फेर
वापिस ले आवय,
20 त येला जान लेवव कि जऊन कोनो भटके पापी ला सही रसता म फेर वापिस ले आही, ओह ओकर परान
ला मिरतू ले बचाही, अऊ बहुंते पाप के छेमा के कारन बनही।

पतरस
के पहिली चिट्ठी

1 पतरस कोति ले, जऊन ह यीसू मसीह के प्रेरित ए,
परमेसर के चुने, बंधुवई म गय ओ मनखे ला ये चिट्ठी मिलय, जऊन मन पुनतुस, गलातिया, कप्पदुकिया,
एसिया अऊ बितूनिया म एती-ओती बगर गे हवंय, 2 जऊन मन परमेसर ददा के पूर्व गियान के मुताबिक
पबितर आतमा के पबितर करे के दुवारा, यीसू मसीह के हुकूम माने बर अऊ ओकर लहू के छिड़के जाय बर
चुने गे हवंय:
तुमन ला बहुंतायत ले अनुग्रह अऊ सांति मिलते रहय।

[illegible]

3 हमर परभू यीसू मसीह के ददा अऊ परमेसर के धनबाद होवय! ओह यीसू मसीह के मरे म ले जी उठे के
दुवारा, अपन बड़े दया के कारन, हमन ला जीयत आसा खातिर नवां जनम दे हवय,
4 ताकि तुमन ला ओ वारिस के अधिकार मिलय, जऊन ह तुमन बर स्वरग म रखे गे हवय, अऊ ओह कभू
नास नइं होवय, खराप नइं होवय या मुरझावय नइं।
5 तुमन बिसवास के दुवारा, परमेसर के सामर्थ ले, ओ उद्धार खातिर, जऊन ह आखिरी समय म परगट होय बर
तियार हवय, सही रखे गे हवव।
6 येमा तुमन बहुंत आनंद मनावव, हालाकि अब कुछू समय बर, तुमन ला जम्मो किसम के परिछा के कारन
दुख सहे बर पड़त हवय।
7 येह एकरसेति होईस ताकि तुम्हर बिसवास के असली परख हो सकय, जऊन ह सोन ले घलो जादा कीमती
अय; सोन ह आगी म परखे जाय के बाद घलो नास हो सकथे; अऊ जब यीसू मसीह ह परगट होथे, तब तुम्हर ये
बिसवास के नतीजा ह इस्तुति, बड़ई अऊ आदर म होवय।
8 हालाकि तुमन ओला नइं देखे हवव, तभो ले तुमन ओला मया करथव, अऊ हालाकि तुमन ओला अब नइं
देखत हवव, पर ओकर ऊपर बिसवास करत हवव अऊ आनंद मनावत हवव, जेकर बखान नइं करे जा सकय अऊ
जऊन ह महिमा ले भरे हवय,
9 काबरकि तुमन, अपन बिसवास के मकसद ला पावत हवव, जेकर मतलब होथे—तुम्हर आतमा के उद्धार।
10 एही उद्धार के बिसय म, अगमजानीमन बहुंत खोजिन। ओमन ओ अनुग्रह के बारे म कहिन, जऊन ह तुमन
करा अवइया रिहिस अऊ बहुंत धियान लगाके,
11 ओमन ओ समय अऊ हालत ला जाने के कोसिस करिन, जऊन ला मसीह के आतमा, जऊन ह कि ओमन
म हवय, इसारा करत रिहिस, जब ओह मसीह के दुख उठाय अऊ ओकर तुरते बाद ओकर आय के महिमा के बारे
म अगमबानी करिस।
12 परमेसर ह येला अगमजानीमन ला बताईस कि ओमन अपन खुद के सेवा नइं करत रिहिन, पर ओमन
तुम्हर सेवा करत रिहिन, जब ओमन ओ बातमन के बारे म कहिन, जऊन ला अब तुमन ओमन ले सुने हवव,
जऊन मन स्वरग ले पठोय पबितर आतमा के दुवारा तुमन ला सुघर संदेस के परचार करे हवंय। अऊ त अऊ
स्वरगदूतमन ये चीजमन ला देखे के ईछा करथें।

[illegible]

13 एकरसेति, अपन मन ला काम करे बर तियार करव; संयमी बनव; ओ अनुग्रह ऊपर अपन पूरा आसा रखव,
जऊन ह तुमन ला यीसू मसीह के परगट होय के समय दिये जाही।
14 परमेसर के लइकामन सहीं हुकूम ला मानव अऊ जब तुमन अगियानता म रहत रहेव, ओ समय के खराप
ईछा के मुताबिक आचरन झन करव।
15 पर जऊन ह तुमन ला बलाय हवय, ओह पबितर ए, त तुमन घलो अपन जम्मो काम म पबितर बनव।
16 काबरकि परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: "पबितर बनव, काबरकि मेंह पबितर अंव।"*

* **1:16** लैव्य 11:44, 45; 19:2

17 जब तुमन अपन पराथना म, ओला "हे ददा" कहिथव, जऊन ह हर एक मनखे के काम के नियाय बिगर
पखियपात के करथे, त तुमन अपन जिनगी ला इहां परदेसी के सहीं ओकर भय म बितावव।
18 काबरकि तुमन जानत हव कि तुम्हर खोखला जिनगी, जऊन ह तुम्हर पुरखामन ले चले आवथे, ओकर
छुटकारा सोन या चांदी जइसने नासमान चीज के दुवारा नइं होय हवय,
19 पर तुम्हर जिनगी के उद्धार एक निरदोस अऊ निस्कलंक मेढ़ा-पीला याने कि मसीह के कीमती लहू के
दुवारा होय हवय।
20 ओह संसार के सिरिस्टी के पहिली ले चुने गे रिहिस, पर तुम्हर खातिर, ये आखिरी समय म ओह परगट
होईस।
21 तुमन ओकर दुवारा, ओ परमेसर ऊपर बिसवास करथव, जऊन ह ओला मरे म ले जियाईस अऊ ओकर
महिमा करिस, अऊ एकरसेति तुम्हर बिसवास अऊ आसा परमेसर ऊपर हवय।
22 अब सत ला माने के दुवारा, तुमन अपनआप ला सुध करे हवव अऊ तुमन म अपन भाईमन बर निस्कपट
मया हवय, त अपन जम्मो हिरदय के संग एक-दूसर ला गहरई ले मया करव।
23 तुमन नासमान नइं, पर अबिनासी बीजा ले परमेसर के जीयत अऊ सदा ठहरइया बचन के दुवारा नवां
जनम पाय हवव।
24 काबरकि,
"जम्मो मनखेमन कांदी के सहीं अंय,
अऊ ओमन के जम्मो महिमा ह जंगली फूल सहीं अय;
कांदी ह मुरझा जाथे अऊ फूलमन झर जाथें,
25 पर परभू के बचन सदाकाल तक बने रहिथे।"†
अऊ येह ओही सुघर संदेस के बचन ए, जऊन ह तुमन ला सुनाय गे हवय।

2

1 एकरसेति, अपनआप ला जम्मो किसम के बईरता, छल-कपट, ढोंगीपन, जलन, अऊ बदनामी ले दूर रखव।
2 नवां जनमे लइकामन सहीं सुध आतमिक दूध के लालसा करव, ताकि एकर दुवारा अपन उद्धार म बढ़ सकव,
3 अब तुमन ये जान गे हवव कि परभू ह बने अय।

[illegible]

4 जब तुमन ओकर करा, जऊन ह जीयत पथरा ए, आथव, जऊन ला मनखेमन अस्वीकार करिन, पर ओह
परमेसर के नजर म चुने हुए अऊ कीमती अय—
5 त तुमन घलो जीयत पथरामन सहीं एक ठन आतमिक घर* बनत जावत हव, जेकर ले पबितर पुरोहित
बनके अइसने आतमिक बलिदान चघावव, जऊन ह यीसू मसीह के दुवारा परमेसर ला गरहन लईक होवय।
6 काबरकि परमेसर के बचन ह ये कहिथे:
"देखव, मेंह सियोन म एक ठन पथरा रखत हवंव,
ओह चुने हुए अऊ कीमती कोना के पथरा ए,
अऊ जऊन ह ओकर ऊपर बिसवास करथे,
ओह कभू लज्जित नइं होही।"†
7 अब तुमन बर, जऊन मन बिसवास करथव, ये पथरा ह कीमती ए। पर जऊन मन बिसवास नइं करंय, ओमन
बर,
"जऊन पथरा ला घर बनइयामन बेकार समझे रिहिन,
ओहीच ह कोना के पथरा हो गे हवय।"‡
8 अऊ,
"एक ठन पथरा मनखेमन के लड़खड़ाय के
अऊ एक ठन चट्टान, जऊन ह ओमन के गिरे के कारन बनही।"§
ओमन लड़खड़ाथें, काबरकि ओमन ओ संदेस ला नइं मानंय, जेकर बर ओमन ठहिराय गे रिहिन।

† **1:25** यसा 40:6-8 * **2:5** या [illegible] † **2:6** यसा 28:16 ‡ **2:7** भजन 118:22 § **2:8** यसा 8:14

9 पर तुमन एक चुने बंस, राज-पदधारी पुरोहित, पबितर जाति अऊ परमेसर के खुद के मनखे अव, ताकि
तुमन ओकर परसंसा करव, जऊन ह तुमन ला अंधियार म ले अपन अद्भूत अंजोर म बलाय हवय।
10 पहिली तुमन परमेसर के मनखे नइं रहेव, पर अब तुमन परमेसर के मनखे अव; एक समय रिहिस, जब
तुमन परमेसर के दया ला नइं पाय रहेव, पर अब तुमन ओकर दया ला पा गे हवव।
11 मयारू संगवारीमन हो, मेंह तुमन ले बिनती करत हंव कि अपनआप ला, ये संसार म परदेसी अऊ अजनबी
जानके, पापी ईच्छा ले बचाय रखव, जऊन ह कि तुम्हर आतमा के बिरोध म लड़थे।
12 मूरती-पूजा करइयामन के बीच म तुम्हर चालचलन ह सही रहय, ताकि कहूं ओमन तुम्हर ऊपर गलत काम
करे के दोस लगाथें, त ओ दिन, जब परमेसर ह हमर करा आही, त ओमन हमर बने काममन ला देख सकंय अऊ
परमेसर के महिमा करंय।

[illegible]

13 परभू के हित म, अपनआप ला मनखेमन के बीच ठहिराय हर हाकिम के अधीन रखव; चाहे परधान हाकिम
के रूप म राजा के अधीन होवय,
14 या राजपाल के अधीन होवय, काबरकि ओमन कुकरमीमन ला दंड दे बर अऊ बने काम करइयामन के
परसंसा करे बर राजा के दुवारा ठहिराय जाथें।
15 काबरकि येह परमेसर के ईच्छा ए कि भलई करे के दुवारा तुमन मुरूख मनखेमन के अगियानता के बात ला
बंद कर देवव।
16 सुतंतर मनखेमन सहीं रहव, पर अपन सुतंतरता के आड़ म बुरई ला तोपे के काम झन करव; परमेसर के
सेवकमन सहीं रहव।
17 जम्मो झन के आदर करव; संगी बिसवासीमन ला मया करव; परमेसर के भय मानव अऊ राजा के आदर
करव।
18 हे गुलाममन हो, पूरा आदर के संग अपन मालिकमन के अधीन रहव, न सिरिप बने अऊ समझदार
मालिक के, पर निरदयी मालिक के भी अधीन रहव।
19 काबरकि यदि कोनो परमेसर ला जानके, अनियाय के दुख-तकलीफ सहथे, त येह परसंसा के बात अय।
20 कहूं तुमन गलत काम करे के कारन मार खाथव अऊ ओला सहथव, त तुम्हर बर येह कोनो बड़ई के बात नो
हय। पर कहूं तुमन भलई करे के कारन दुख सहथव, त येह परमेसर के आघू म बड़ई के बात अय।
21 तुमन ला एकरे खातिर बलाय गे रिहिस, काबरकि मसीह ह तुम्हर खातिर दुख भोगिस अऊ तुम्हर बर एक
नमूना रखे हवय कि तुमन ओकर मुताबिक चलव।
22 "ओह कोनो पाप नइं करिस,
अऊ ओकर मुहूं ले कोनो कपट के बात नइं निकलिस।"*
23 जब मनखेमन मसीह के बेजत्ती करिन, त ओकर जबाब म ओह ओमन के बेजत्ती नइं करिस; जब ओह दुख
उठाईस, त ओह कोनो धमकी नइं दीस; पर बदले म, ओह अपन आसा परमेसर ऊपर रखिस, जऊन ह धरमी
नियायी अय।
24 "ओह खुद हमर पापमन" ला अपन देहें म कुरूस ऊपर उठा लीस, ताकि हमन पाप खातिर मर जावन अऊ
धरमीपन खातिर जीयन। "ओकर घावमन के दुवारा तुमन चंगा होय हवव।"
25 काबरकि "तुमन भटके भेड़मन सहीं रहेव,"† पर अब तुमन चरवाहा अऊ अपन आतमा के रखवार करा लहुंटके
आ गे हवव।

3

[illegible],

1 हे घरवालीमन हो, तुमन अपन-अपन घरवाला के अधीन रहव, ताकि कहूं ओमन ले कोनो परमेसर के बचन
ऊपर बिसवास नइं करय, त ओमन घरवाली के सुघर बरताव के दुवारा जीते जा सकंय,
2 जब ओमन तुमन के सुधता अऊ बने चालचलन ला देखंय।

---

* **2:22** यसा 53:9 † **2:25** यसा 53:4, 5, 6

3 तुमन के सुघरता बाहिरी सिंगार के दुवारा झन होवय, जइसने कि बाल गुंथई, अऊ सोन के जेवर अऊ
आने-आने किसम के कपड़ा पहिरई।
4 एकर बदले, तुमन म मनखे के भीतरी गुन, नमरता अऊ सांत सुभाव के आतमा होना चाही, जऊन ह नइं
मुरझावय अऊ अइसने बातमन परमेसर के नजर म बहुंत कीमती होथें।
5 एही किसम ले, पहिली जमाना के पबितर माईलोगनमन, जऊन मन अपन आसा परमेसर के ऊपर रखत
रिहिन, अपनआप ला सुघर बनाय करत रिहिन। ओमन अपन घरवालामन के अधीन रहत रिहिन।
6 जइसने कि सारा ह अब्राहम के बात मानय अऊ ओला अपन सुवामी कहय। कहूं तुमन सही काम करव अऊ
कोनो चीज ले झन डरव, त तुमन ओकर बेटी अव।
7 हे घरवालामन हो, ओही किसम ले अपन-अपन घरवाली के संग रहत समझदार बनव अऊ ओला निरबल
संगी जानके अऊ अपन संग ओला जिनगी के अनुग्रह के बरदान के वारिस जानके ओकर आदर करव, ताकि
तुम्हर पराथना म कोनो बाधा झन पड़य।

??? ??? ? ??? ???

8 आखिरी म, तुमन जम्मो एक मन होके रहव; सहानुभूति रखव; एक-दूसर ले मया करव; दयालु अऊ नम्र
बनव।
9 बुरई के बदले बुरई या बेजत्ती के बदले बेजत्ती झन करव, पर बदले म आसीस देवव काबरकि तुमन एकरे बर
बलाय गे हवव, ताकि तुमन ला आसीस मिलय।
10 जइसने कि परमेसर के बचन ह कहिथे,
"जऊन कोनो, जिनगी ले मया करे चाहथे
अऊ सुघर दिन देखे के ईछा करथे,
ओकर बर जरूरी अय कि ओह अपन जीभ ला बुरई ले
अऊ अपन ओंठ ला छल-कपट के बात ले दूरिहा रखय।
11 ये जरूरी अय कि ओह बुरई ला छोंड़के भलई करय;
अऊ ये घलो जरूरी अय कि ओह सांति के खोज करय अऊ ओकर पाछू लगे रहय।
12 काबरकि परभू के नजर ह धरमीमन ऊपर लगे रहिथे
अऊ ओकर कान ह ओमन के पराथना के तरफ लगे रहिथे,
पर परभू ह बुरई करइयामन के बिरोध करथे।"*
13 यदि तुमन भलई करे बर उत्सुक हवव, त तुम्हर हानि कोन करही?
14 पर कहूं तुमन बने काम करे के कारन दुख उठाथव, त तुमन आसीस पाहू। मनखेमन ले झन डरव अऊ न
घबरावव।†
15 पर अपन हिरदय म मसीह ला परभू के रूप म आदर देवव। जऊन कोनो तुमन ला तुम्हर आसा के बिसय म
कुछू पुछय, त ओला जबाब देय बर हमेसा तियार रहव।
16 पर ये काम ला सुध बिबेक म, नमरता अऊ आदर के संग करव ताकि मसीह म तुम्हर बने चालचलन के
बिरोध म, जऊन मन खराप बात कहिथें, ओमन अपन बात ले सरमिंदा होवंय।
17 कहूं ये परमेसर के ईछा अय, त बुरई करके दुख भोगे के बदले, भलई करके दुख भोगे ह बने अय।
18 काबरकि मसीह ह याने धरमी ह अधरमीमन खातिर या तुम्हर पाप खातिर जम्मो के सेति एकेच बार मरिस
कि ओह तुमन ला परमेसर करा लानय। ओह देहें म मारे गीस, पर आतमा के दुवारा जियाय गीस,
19 अऊ आतमिक दसा म, ओह जाके कैदी आतमामन ला परचार करिस,
20 जऊन मन बहुंत पहिली परमेसर के हुकूम नइं मानिन, जब परमेसर ह नूह के दिन म धीर धरके इंतजार
करत रहय, अऊ पानी जहाज ह बनत रहय। जहाज म सिरिप थोरकन मनखे याने जम्मो मिलाके आठ झन पानी
ले बांचिन,
21 अऊ ये पानी ह बतिसमा के चिनहां अय, जऊन ह अब तुमन ला घलो बचाथे। येह देहें के मईल धोवई नो
हय, पर येह सुध बिबेक म परमेसर ले एक वायदा करई अय। यीसू मसीह के फेर जी उठे के दुवारा, ये बतिसमा ह
तुमन ला बचाथे।

---

* **3:12** भजन 34:12-16 † **3:14** यसा 8:12

22 यीसू मसीह ह स्वरग चले गीस, अऊ ओह परमेसर के जेवनी हांथ कोति हवय अऊ जम्मो स्वरगदूत,
अधिकार अऊ सामर्थ ओकर अधीन म हवंय।

4

[illegible]

1 एकरसेति, जब मसीह ह देहें म दुख भोगिस, त तुमन घलो ओहीच सोच के मुताबिक अपनआप ला मजबूत
करव, काबरकि जऊन ह देहें म दुख भोगिस, ओह पाप ले छूट गीस।
2 एकर नतीजा ये होथे कि ओह बांचे संसारिक जिनगी मनखेमन के खराप ईछा मुताबिक नइं, पर परमेसर के
ईछा मुताबिक जीथे।
3 काबरकि तुमन ओ काम म पहिली बहुंत समय बीता चुके हवव, जऊन ला मूरती-पूजा करइयामन पसंद
करथें। तुमन अपन जिनगी ला छिनारीपन, काम-वासना, मतवारपन, भोग-बिलास, खाय-पीये, अऊ घिन-घिन
मूरती-पूजा म बिताय हवव।
4 मूरती-पूजा करइयामन अचरज करथें, जब तुमन ओमन के संग जंगली अऊ लापरवाही के जिनगी म
सामिल नइं होवव, अऊ ओमन तुम्हर बेजत्ती करथें।
5 पर ओमन परमेसर ला लेखा दीहीं, जऊन ह जीयत अऊ मरे मन के नियाय करे बर तियार हवय।
6 एकरे कारन मरे मन ला घलो सुघर संदेस के परचार करे गीस, ताकि मनखेमन के मुताबिक ओमन के देहें म
नियाय होवय, पर ओमन आतमा म परमेसर के मुताबिक जीयंय।
7 जम्मो चीजमन के अन्त जल्दी होवइया हवय। एकरसेति, साफ मन अऊ संयमी होवव, ताकि तुमन
पराथना कर सकव।
8 जम्मो ले बड़े बात ये अय कि एक-दूसर ला बहुंते मया करव, काबरकि मया ह बहुंते पापमन ला तोप देथे।
9 बिगर कुड़कुड़ाय एक-दूसर के पहुनई करव।
10 हर एक झन आने मन के सेवा करे बर, जऊन आतमिक बरदान पाय हवय, ओकर उपयोग ओह
बिसवासयोग्य सेवक के रूप म परमेसर के अनुग्रह म रहत अनेक किसम ले करय।
11 कहूं कोनो गोठियावय, त अइसने गोठियावय मानो परमेसर के बचन ओकर मुहूं ले निकलथे। कहूं कोनो
सेवा करय, त ओह ओ ताकत ले करय, जऊन ला परमेसर देथे, ताकि जम्मो बात म, यीसू मसीह के दुवारा
परमेसर के परसंसा हो सकय। महिमा अऊ सामर्थ जुग-जुग ओकर होवय। आमीन।

[illegible]

12 मयारू संगवारीमन, जऊन पीरा भरे दुख, परखे बर तुम्हर ऊपर पड़े हवय, ओकर ले अचम्भो झन करव कि
कोनो अनहोनी बात तुम्हर ऊपर होवत हवय।
13 पर आनंद मनावव कि तुमन मसीह के दुख म सामिल हवव, ताकि जब ओकर महिमा परगट होवय, त
तुमन आनंद ले मगन हो जावव।
14 कहूं मसीह के नांव के कारन तुम्हर बेजत्ती होथे, त अपनआप ला धइन समझव, काबरकि महिमा अऊ
परमेसर के आतमा तुम्हर ऊपर छइहां करथे।
15 कहूं तुमन दुख भोगव, त ये दुख भोगई ह एक हतियारा या चोर या कोनो आने किसम के अपराधी के रूप म
झन होवय, अऊ येह आने मन के काम म बाधा डलइया के रूप म घलो झन होवय।
16 पर कहूं तुमन एक मसीही के रूप म दुख भोगथव, त एकर बर झन लजावव, पर परमेसर के इस्तुति करव
कि मसीह के नांव तुम्हर संग हवय।
17 नियाय के समय आ गे हवय अऊ परमेसर के घराना के नियाय पहिली करे जाही, अऊ कहूं एकर सुरूआत
हमर ले होथे, त ओमन के अन्त कइसने होही, जऊन मन परमेसर के सुघर संदेस ला नइं मानंय?
18 अऊ,
"यदि धरमी मनखे बर उद्धार पाना कठिन ए,
त भक्तिहीन अऊ पापी के का होही?"*

* **4:18** नीति 11:31

19 एकरसेति, जऊन मन परमेसर के ईछा के मुताबिक दुख उठाथें, ओमन अपनआप ला अपन बिसवासयोग्य
सिरिस्टी करइया परमेसर के हांथ म सऊंप देवंय, अऊ बने काम करे म लगे रहंय।

5

[illegible]

1 तुमन म जऊन मन अगुवा अंय, ओमन ला मेंह एक संगी अगुवा के रूप म, अऊ मसीह के दुख उठाय के
एक गवाह के रूप म अऊ परगट होवइया महिमा म सामिल होवइया के रूप म बिनती करत हंव:
2 परमेसर के ओ झुंड के, जऊन ह तुम्हर अधीन हवय, ओकर देखरेख करत ओ झुंड के चरवाहा बनव। येह
दबाव ले नइं, पर जइसने परमेसर तुमन ले चाहथे, अपन ईछा ले करव; पईसा के लालच म नइं, पर सेवा-भाव
ले करव।
3 जऊन मनखेमन तुमन ला सऊंपे गे हवंय, ओमन ऊपर हुकूम झन चलावव, पर झुंड खातिर एक नमूना
बनव।
4 अऊ जब मुखिया चरवाहा परगट होही, त तुमन महिमा के ओ मुकुट पाहू, जऊन ह अपन चमक कभू नइं
खोवय।
5 हे जवानमन, तुमन घलो ओही किसम ले सियानमन के अधीन रहव। एक-दूसर के संग नमरता ले बरताव
करव, काबरकि,
"परमेसर ह घमंडी मनखे के बिरोध करथे,
पर नम्र मनखेमन ऊपर अनुग्रह करथे।"*
6 एकरसेति, परमेसर के सामर्थी हांथ के तरी अपनआप ला नम्र करव, ताकि ओह तुमन ला उचित समय म
बढ़ावय।
7 अपन जम्मो चिंता ला ओकर ऊपर छोंड़ देवव, काबरकि ओह तुम्हर खियाल रखथे।
8 तुमन संयमी अऊ सचेत रहव। काबरकि तुम्हर बईरी सैतान ह एक गरजत सिंह के सहीं एती-ओती गिंजरथे
अऊ ये फिराक म रहिथे कि कोनो ला चीरके खावय।
9 बिसवास म मजबूत होके ओकर मुकाबला करव, काबरकि तुमन जानत हव कि तुम्हर संगी बिसवासीमन,
जम्मो संसार म एही किसम के दुख भोगत हवंय।
10 अऊ तुम्हर थोरकन समय तक दुख भोगे के बाद, जम्मो अनुग्रह के परमेसर, जऊन ह तुमन ला मसीह म
अपन सदाकाल के महिमा बर बलाय हवय, ओह खुद तुमन ला संभालही, अऊ तुमन ला, बलवान, मजबूत अऊ
स्थिर करही।
11 ओकर सामर्थ जुग-जुग तक बने रहय। आमीन।

[illegible]

12 सीलास† ला मेंह एक बिसवासयोग्य भाई समझथंव अऊ ओकरे मदद ले मेंह तुमन ला ये थोरकन बात
लिखत हवंव। मेंह तुमन ला उत्साहित करे चाहथंव अऊ अपन गवाही देवत हंव कि येह परमेसर के सच्चा
अनुग्रह अय। येमा मजबूत बने रहव।

13 ओ कलीसिया, जऊन ह बेबिलोन सहर म हवय अऊ एक साथ तुम्हर संग चुने गे हवय, तुमन ला अपन
जोहार कहत हवय अऊ अइसनेच मरकुस घलो जऊन ह मोर बेटा सहीं अय, तुमन ला जोहार कहत हवय।
14 मसीही मया म एक-दूसर के चूमा लेके जोहार कहव।

तुमन जम्मो झन ला, जऊन मन मसीह म हवव, सांति मिलय।

---

* **5:5** नीति 3:34 † **5:12** यूनानी म [illegible] जऊन ह [illegible] के आने नांव ए

पतरस
के दूसरा चिट्ठी

1 ये चिट्ठी सिमोन पतरस के तरफ ले, जऊन ह यीसू मसीह के एक सेवक अऊ प्रेरित ए,
ओमन ला मिलय, जऊन मन हमर परमेसर अऊ उद्धार करइया यीसू मसीह के धरमीपन के दुवारा हमरेच
सहीं कीमती बिसवास ला पाय हवंय:
2 तुमन ला परमेसर अऊ यीसू हमर परभू के गियान के जरिये, अनुग्रह अऊ सांति बहुंतायत ले मिलय।

[illegible]

3 परमेसर के ईस्वरीय सामर्थ ह हमन ला ओ जम्मो चीज दे हवय, जेकर जरूरत हमन ला जिनगी अऊ भक्ति
खातिर होथे अऊ येह हमन ला ओकर बारे म हमर गियान के जरिये मिले हवय, जऊन ह हमन ला अपन खुद के
महिमा अऊ भलई के दुवारा बलाय हवय।
4 येमन के जरिये, ओह हमन ला अपन बहुंत महान अऊ कीमती परतिगियां दे हवय, ताकि ओमन के जरिये,
तुमन ईस्वरीय सुभाव म सहभागी होवव, अऊ ओ बुरई के काम ले बच जावव, जऊन ह संसार म हवय अऊ
खराप लालसा ले आथे।
5 एकरे कारन, तुमन हर किसम ले कोसिस करके अपन बिसवास म भलई, अऊ भलई म गियान,
6 अऊ गियान म संयम, अऊ संयम म भक्ति,
7 अऊ भक्ति म भाई-चारा के दया, अऊ भाई-चारा के दया म मया जोड़त जावव।
8 काबरकि कहूं ये गुन तुमन म रहिथें अऊ येमन बढ़त जाथें, त येमन तुमन ला हमर परभू यीसू मसीह के
गियान म निठल्ला अऊ असफल नइं होवन देवंय।
9 पर जेकर म ये गुन नइं ए, ओला धुंधला दिखथे अऊ ओह अंधरा ए, अऊ ओह भुला गे हवय कि ओह अपन
पहिली के पाप ले धोवाके साफ हो गे हवय।
10 एकरसेति, हे मोर भाईमन, अपन बुलावा अऊ चुनाव ला निस्चित करे बर अऊ उत्सुक रहव, काबरकि कहूं
तुमन अइसने करहू, त तुमन अपन बिसवास ले कभू नइं हटहू,
11 अऊ हमर परभू अऊ उद्धार करइया यीसू मसीह के सदाकाल के राज म तुम्हर जोरदार सुवागत होही।

[illegible]

12 एकरसेति, मेंह तुमन ला हमेसा ये बातमन के सुरता करावत रहिहूं, हालाकि तुमन येमन ला जानथव अऊ
ओ सच, जऊन ह तुम्हर करा हवय, ओमा तुमन मजबूत हो गे हवव।
13 मेंह सोचथंव कि मोर बर येह उचित ए कि जब तक मेंह ये देहें के तम्बू म रहत हवंव, तुम्हर सुरता ला ताजा
करत रहंव,
14 काबरकि मेंह जानथंव कि मेंह ये देहें ला जल्दी छोंड़ दूहूं जइसने कि हमर परभू यीसू मसीह ह मोला बताय
हवय।
15 अऊ मेंह ये बात के पूरा कोसिस करहूं कि मोर मरे के बाद, तुमन ये बातमन ला हमेसा सुरता करव।
16 जब हमन तुमन ला हमर परभू यीसू मसीह के सामर्थ अऊ अवई के बारे बताएंन, त हमन चतुरई ले गढ़े
गय कहानीमन के नकल नइं करेंन, पर हमन यीसू के महिमा ला अपन आंखी ले देखे रहेंन।
17 काबरकि ओह, परमेसर ददा ले आदर अऊ महिमा पाईस, जब वैभवसाली महिमा ले ओकर करा ये कहिके
अवाज आईस, "येह मोर मयारू बेटा ए; एकर ले मेंह बहुंत खुस हवंव।"*
18 जब हमन पबितर पहाड़ ऊपर ओकर संग रहेंन, त हमन खुद ये अवाज ला सुनेंन, जऊन ह स्वरग ले आवत
रिहिस।
19 अऊ हमर करा अगमजानीमन के बचन हवय, जऊन ह ये बात ला अऊ मजबूत करिस। तुमन एकर ऊपर
धियान देके बने करहू। काबरकि येह एक दीया सहीं अय, जऊन ह एक अंधियार जगह म चमकत हवय, अऊ
येह तब तक चमकथे, जब तक कि दिन नइं निकलय अऊ तुम्हर हिरदय म बिहनियां के तारा नइं निकल आवय।

---

* **1:17** मत्ती 17:5; मर 9:7; लूका 9:35

20 सबले पहिली, तुमन ये बात ला जरूर समझ लेवव कि परमेसर के बचन म बताय अगम के बात ह काकरो
खुद के बचन के बखान नो हय।
21 काबरकि अगमबानी के सुरूआत मनखे के ईछा ले कभू नइं होईस, पर मनखेमन पबितर आतमा के अगुवई
म, परमेसर कोति ले बोलिन।

2

[illegible]

1 पर मनखेमन के बीच म लबरा अगमजानीमन घलो रिहिन अऊ ओही किसम ले तुम्हर बीच म लबरा गुरूमन
होहीं। ओमन गुपत रूप ले बिनासकारी लबारी सिकछा ला तुम्हर बीच म लानहीं, अऊ त अऊ ओमन
परमपरधान परभू के इनकार करहीं, जऊन ह ओमन ला बिसाय हवय अऊ ये किसम ले ओमन अपन ऊपर
अचानक बिनास लानहीं।
2 बहुंते झन ओमन के खराप जिनगी के नकल करहीं, अऊ ओमन के कारन, सत के रसता के अनादर होही।
3 अपन लालच म, ये गुरूमन अपन खुद के बनाय कथा-कहानी के दुवारा तुम्हर ले फायदा उठाहीं। ओमन के
दंड के फैसला बहुंत पहिली हो चुके हवय, अऊ ओमन के बिनास जरूर होही।
4 जब परमेसर ह ओ स्वरगदूतमन ला नइं छोंड़िस, जऊन मन पाप करे रिहिन, पर ओमन ला अंधियार के
बंधना म रखके नरक पठो दीस, ताकि ओमन नियाय बर उहां बंदी रहंय।
5 जब परमेसर ह पहिली जुग के संसार ला नइं छोंड़िस, जब ओह जल-परलय ले भक्तिहीन मनखेमन ला
नास करिस, पर ओह धरमीपन के परचारक—नूह अऊ सात झन आने मनखेमन ला बचाईस;
6 अऊ जब सजा के रूप म, परमेसर ह सदोम अऊ अमोरा सहरमन ला जलाके राख कर दीस, अऊ येला एक
नमूना के रूप म रखिस—ये देखाय बर कि भक्तिहीन मनखेमन के का होवइया हवय;
7 अऊ जब ओह धरमी मनखे लूत ला बचाईस, जऊन ह दुस्ट मनखेमन के खराप चालचलन के कारन बहुंत
दुखी रिहिस
8 (काबरकि ओ धरमी जन ह ओमन के बीच म रहत रिहिस अऊ ओमन के अधरम के काम ला देखके अऊ
सुनके दिन ब दिन, अपन मन म पीरा के अनुभव करत रिहिस)—
9 जब अइसने बात ए, तब परभू ह जानथे कि धरमी मनखेमन ला परिछा म ले कइसने निकालथें अऊ
अधरमीमन ला कइसने सजा देवत नियाय के दिन बर रखथें।
10 येह खास करके, ओमन बर सही ए, जऊन मन अपन पापमय सुभाव के खराप ईछा के मुताबिक चलथें अऊ
अधिकारीमन ला तुछ समझथें।
ये मनखेमन हिम्मती अऊ ढीठ अंय अऊ ओमन स्वरगीय जीवमन के बदनामी करे बर नइं डरंय;
11 जबकि स्वरगदूत, जऊन मन जादा बलवान अऊ सक्तिसाली अंय, परभू के आघू म अइसने जीवमन के
बिरोध म बदनामी के दोस नइं लगावंय।
12 पर ये मनखेमन ओ बात के बदनामी करथें, जेला येमन समझंय नइं। येमन जंगली पसुमन सहीं बिगर बुद्धि
के जीव अंय, जऊन मन कि सिरिप पकड़े जाय बर अऊ नास होय बर जनमे हवंय, अऊ ओमन पसु के सहीं नास
घलो होहीं।
13 जऊन हानि येमन करे हवंय, ओकर परतिफल येमन ला मिलही। दिन-मंझनियां म खा-पीके मऊज करई,
येमन ला बने लगथे। येमन कलंकित अऊ दूसित अंय अऊ जब येमन तुम्हर संग जेवनार करथें, त अपन खुसी
म मऊज-मस्ती करथें।
14 येमन के आंखीमन छिनारीपन ले भरे हवंय; येमन पाप करई कभू बंद नइं करंय; येमन चंचल मनखेमन ला
बहका लेथें; येमन के हिरदय ह लालच म महारथ हासिल करे हवय; येमन परमेसर दुवारा सरापित अंय।
15 येमन सही रसता ला छोंड़ दे हवंय अऊ भटकके येमन बओर के बेटा बिलाम के रसता म हो ले हवंय,
जऊन ह गलत काम के बनी ला पसंद करिस।
16 पर ओला ओकर गलत काम बर एक गदही ह दबकारिस। गदही जऊन ह एक पसु अय अऊ गोठियाय नइं
सकय, पर ओ गदही ह मनखे के अवाज म गोठियाईस अऊ ओ अगमजानी के बईहापन ला रोकिस।
17 ये मनखेमन बिगर पानी के सोता अऊ गरेर ले उड़ाय गय बादर अंय। घोर अंधियार ह येमन बर रखे गे
हवय।

18 काबरकि येमन जुच्छा अऊ घमंड ले भरे बात करथें अऊ अपन पापी सुभाव के छिनारी ईछा के दुवारा ओ
मनखेमन ला फंसाथें, जऊन मन गलत काम करइयामन के संगति ला मुसकिल ले छोंड़के आय हवंय।
19 येमन ओमन ले सुतंतरता के वायदा करथें, जबकि येमन खुद भ्रस्ट जिनगी के गुलाम अंय, काबरकि जऊन
चीज ह मनखे ऊपर काबू पा लेथे, मनखे ह ओ चीज के गुलाम हो जाथे।
20 कहूं ओमन हमर परभू अऊ उद्धार करइया यीसू मसीह ला जाने के दुवारा संसार के असुधता ले बच गे
हवंय, पर ओमन फेर ओमा फंसके ओकर बस म हो जाथें, त ओमन के दसा ह आखिरी म, ओमन के सुरू के दसा
ले घलो अऊ खराप हो जाही।
21 ओमन बर बने होतिस कि ओमन धरमीपन के रसता ला नइं जाने रहितिन, एकर बदले कि ओला जाने के
बाद, पबितर हुकूम के पालन नइं करई, जऊन ह ओमन ला दिये गे रिहिस।
22 ओमन बर ये कहावत सही बईठथे: "कुकुर ह अपन उछरे चीज ला खाय बर फेर लहुंटके आथे,"* अऊ
"नहलाय-धूलाय माई सूरा ह चीखला म लोटे बर फेर चले जाथे।"

3

[illegible]

1 हे मयारू संगवारीमन हो, येह दूसरा चिट्ठी ए, जऊन ला मेंह तुमन ला लिखत हवंव। मेंह दूनों चिट्ठी ये
सुरता कराय बर लिखे हवंव कि तुमन सही सोच-बिचार म बढ़त जावव।
2 मेंह चाहथंव कि तुमन ओ बचनमन ला सुरता करव, जऊन ह बहुंत पहिली पबितर अगमजानीमन के दुवारा
कहे गे रिहिस अऊ हमर परभू अऊ उद्धार करइया के हुकूम ला सुरता करव, जऊन ह तुमन ला प्रेरितमन के
जरिये दिये गे रिहिस।
3 सबले पहिली, तुमन ये जरूर समझ लेवव कि आखिरी के दिन म ठट्ठा करइयामन आहीं अऊ ठट्ठा करत
अपन खुद के खराप ईछा ला पूरा करहीं।
4 ओमन कहिहीं, "ओह आय के वायदा करे रिहिस, पर का होईस ओकर अवई के? हमर पुरखामन के मरे के
समय ले, हर एक चीज ह वइसनेच हवय, जइसने ये संसार के सुरू ले रिहिस।"
5 पर ओमन जानबूझके ये बात ला भुला जाथें कि बहुंत पहिली, परमेसर के बचन के दुवारा अकासमन बनाय
गीन अऊ धरती ह पानी म ले अऊ पानी के संग बनाय गीस।
6 पानी के दुवारा ही ओ समय के संसार म भयंकर बाढ़ आईस अऊ ओह नास हो गीस।
7 ओहीच बचन के दुवारा, ये समय के अकासमन अऊ धरती ला आगी म नास करे बर बचाके रखे गे हवय।
ओमन नियाय के दिन बर अऊ भक्तिहीन मनखेमन के बिनास बर रखे गे हवंय।
8 पर हे मयारू संगवारीमन हो, ये बात ला झन भूलव: परभू के नजर म एक दिन ह एक हजार साल सहीं अय,
अऊ एक हजार साल ह एक दिन सहीं अय।
9 परभू ह अपन वायदा ला पूरा करे बर देरी नइं करय, जइसने कि कुछू मनखेमन समझत हवंय। पर ओह
तुम्हर संग धीरज धरे हवय, अऊ नइं चाहथे कि कोनो नास होवंय, पर ओह चाहथे कि हर एक झन ला पछताप
करे के मऊका मिलय।
10 पर परभू के दिन ह चोर के सहीं अचानक आ जाही। अकासमन एक गरजन के संग गायब हो जाहीं।
सार-तत्व मन आगी के दुवारा नास हो जाहीं। धरती अऊ येमा करे गय जम्मो काम ला जला दिये जाही।
11 जब हर चीज ह, ये किसम ले नास करे जाही, त तुमन ला चाही कि पबितर अऊ भक्तिमय जिनगी जीयव,
12 जइसने कि तुमन परमेसर के दिन के बाट जोहथव अऊ भरसक कोसिस करथव कि येह जल्दी आवय। ओ
दिन, अकासमन आगी म जरके नास हो जाहीं, अऊ सार-तत्व मन गरमी के मारे टघल जाहीं।
13 पर परमेसर के परतिगियां के मुताबिक, हमन एक नवां अकास अऊ नवां धरती के बाट जोहथन, जिहां
सिरिप धरमीपन होही।
14 एकरसेति, हे मयारू संगवारीमन हो, जब तुमन ये बात के बाट जोहथव, त भरसक कोसिस करव कि तुमन
निस्कलंक अऊ निरदोस पाय जावव अऊ तुमन ला ओकर संग सांति मिलय।

---

* **2:22** नीति 26:11

15 अपन मन म ये समझ लेवव कि हमर परभू के धीरज के मतलब उद्धार होथे, जइसने कि हमर मयारू भाई
पौलुस घलो परमेसर के दुवारा दिये बुद्धि के मुताबिक तुमन ला लिखे हवय।
16 ओह अपन जम्मो चिट्ठी म, ये बातमन ला बतावत ओही किसम ले लिखथे। ओकर चिट्ठीमन म कुछू
अइसने बातमन हवंय, जऊन ला समझना कठिन ए। अगियानी अऊ अस्थिर मनखेमन एकर गलत मतलब
निकालथें, जइसने कि ओमन परमेसर के बचन के आने भागमन ला घलो करथें, अऊ ये किसम ले ओमन अपन
बिनास करथें।
17 एकरसेति, हे मयारू संगवारीमन हो, जब तुमन ला पहिले ही चेताय गे हवय, त सचेत रहव ताकि तुमन
दुस्ट मनखेमन के बहकावा म झन आवव अऊ अपन बिसवास के स्थिरता ला झन गंवावव।
18 पर हमर परभू अऊ उद्धार करइया यीसू मसीह के अनुग्रह अऊ गियान म बाढ़त जावव।

ओकर महिमा अभी अऊ सदाकाल तक होवत रहय! आमीन।

यूहन्ना
के पहिली चिट्ठी

[illegible]

1 जिनगी के ओ बचन, जऊन ह संसार के रचे के पहिली ले रिहिस; ओला हमन सुने हवन; ओला हमन अपन
आंखी ले देखे हवन, ओला धियान लगाके देखे हवन अऊ हमर हांथ ले छुए हवन—ओहीच जिनगी के बचन के
बारे म, हमन तुमन ला बतावत हन।
2 ये जिनगी ह परगट होईस, अऊ हमन ओला देखे हवन अऊ ओकर गवाही देथन, अऊ हमन तुमन ला, ओ
सदाकाल के जिनगी के बारे म बतावत हन, जऊन ह ददा के संग रिहिस अऊ हमर करा परगट होईस।
3 जऊन ला हमन देखे हवन अऊ सुने हवन, ओकरे बारे म हमन तुमन ला बतावत हन, ताकि तुमन ला घलो
हमर संग संगति मिलय। अऊ हमर संगति ह ददा के संग अऊ ओकर बेटा यीसू मसीह के संग हवय।
4 ये बातमन ला हमन एकरसेति लिखत हवन, ताकि हमर* आनंद ह पूरा हो जावय।

[illegible]

5 ओ संदेस जऊन ला हमन ओकर बेटा यीसू ले सुने हवन अऊ तुमन ला सुनावत हवन; ओह ये
अय—परमेसर ह अंजोर अय; अऊ ओमा कुछू घलो अंधियार नइं ए।
6 कहूं हमन ये कहन कि हमर संगति ओकर संग हवय अऊ हमन अंधियार म चलथन, तब हमन लबारी
मारथन, अऊ सच के मुताबिक नइं चलन।
7 पर कहूं हमन अंजोर म चलथन, जइसने परमेसर ह अंजोर म हवय, त हमर संगति एक-दूसर के संग हवय,
अऊ ओकर बेटा यीसू के लहू ह हमन ला जम्मो पाप ले सुध करथे।
8 कहूं हमन कहिथन कि हमन म कुछू पाप नइं ए, त हमन अपनआप ला धोखा देथन अऊ हमन म सत नइं ए।
9 कहूं हमन अपन पापमन ला मान लेथन, त परमेसर ह हमर पाप ला छेमा करही अऊ हमन ला जम्मो
अधरम ले सुध करही, काबरकि ओह बिसवासयोग्य अऊ धरमी अय।
10 कहूं हमन ये कहिथन कि हमन पाप नइं करे हवन, त हमन ओला लबरा ठहिराथन, अऊ ओकर बचन ह
हमन म नइं ए।

2

1 हे मोर मयारू लइकामन हो, मेंह ये बात तुमन ला एकरसेति लिखत हंव, ताकि तुमन पाप झन करव। पर
कहूं कोनो पाप करथे, त हमर करा एक मददगार हवय, जऊन ह हमर बचाव म परमेसर ददा ले गोठियाथे, अऊ
ओ धरमी जन ह यीसू मसीह अय।
2 अऊ ओहीच ह हमर पाप खातिर पछतावा के बलिदान ए, अऊ सिरिप हमर पाप ही नइं, पर जम्मो संसार के
पाप बर घलो।
3 कहूं हमन ओकर हुकूममन ला मानथन, त एकर दुवारा हमन ला भरोसा हो जाही कि हमन ओला जानथन।
4 जऊन मनखे ह ये कहिथे, "मेंह ओला जानथंव।" पर ओकर हुकूममन ला नइं मानय, त ओह लबरा अय,
अऊ ओमा सत नइं ए।
5 पर जऊन ह ओकर बचन ला मानथे, त सही म परमेसर के मया ह ओमा पूरा होथे। ये किसम ले, हमन
जानथन कि हमन परमेसर म हवन:
6 जऊन मनखे ह ये कहिथे कि ओह परमेसर म होके जिनगी बिताथे, त ओला अइसने जिनगी जीना चाही,
जइसने यीसू ह ये संसार म रहत, जिनगी बिताईस।

[illegible]

---

* **1:4** कुछू हस्तलिपि म [illegible]

7 हे मयारू भाईमन हो, मेंह तुमन ला कोनो नवां हुकूम नइं लिखत हंव, पर ओहीच जुन्ना हुकूम, जऊन ह
तुमन ला सुरू ले मिले हवय। ये जुन्ना हुकूम ओ संदेस अय, जऊन ला तुमन सुने हवव।
8 तभो ले मेंह तुमन ला एक नवां हुकूम लिखत हंव। एकर सच्चई ह ओमा अऊ तुमन म दिखथे, काबरकि
अंधियार ह छंटत जावथे, अऊ सच के अंजोर ह अब चमकत हवय।
9 जऊन ह ये कहिथे कि ओह अंजोर म हवय अऊ अपन भाई ले बईरता रखथे, त ओह अभी तक ले अंधियार
म हवय।
10 जऊन ह अपन भाई ले मया करथे, ओह अंजोर म चलथे, अऊ ओमा अइसने कुछू नइं ए, जऊन ह ओला
ठोकर खवाही।
11 फेर जऊन ह अपन भाई ले बईरता रखथे, ओह अंधियार म हवय, अऊ अंधियार म रेंगथे अऊ ओह नइं
जानय कि ओह कहां जावत हवय, काबरकि अंधियार ह ओकर आंखीमन ला अंधरा कर दे हवय।
12 हे मोर लइकामन हो, मेंह तुमन ला लिखत हंव,
काबरकि तुम्हर पाप ह मसीह के नांव खातिर छेमा हो गे हवय।
13 हे ददामन हो, मेंह तुमन ला लिखत हंव,
काबरकि तुमन ओला जानथव, जऊन ह सुरूच ले हवय।
हे जवानमन हो, मेंह तुमन ला लिखत हंव,
काबरकि तुमन ओ दुस्ट ऊपर जय पाय हवव।
हे मोर लइकामन हो, मेंह तुमन ला लिखत हंव,
काबरकि तुमन ददा परमेसर ला जानथव।

14 हे ददामन हो, मेंह तुमन ला लिखत हंव,
काबरकि तुमन ओला जानथव, जऊन ह संसार के रचे के पहिली ले हवय।
हे जवानमन हो, मेंह तुमन ला लिखत हंव,
काबरकि तुमन मजबूत हवव,
अऊ परमेसर के बचन ह तुमन म बने रहिथे,
अऊ तुमन ओ दुस्ट ऊपर जय पाय हवव।

[illegible]

15 तुमन न तो संसार ले अऊ न संसार के कोनो चीज ले मया करव। कहूं कोनो संसार ले मया करथे, त ओह
परमेसर ददा ले मया नइं करय।
16 काबरकि संसार के हर एक चीज जइसने कि—मनखे के देहें के लालसा, आंखी के लालसा अऊ जिनगी के
घमंड—ये जम्मो चीज परमेसर ददा के नो हय, पर येह संसार के अय।
17 संसार अऊ एकर लालसा ह खतम हो जाही, पर जऊन मनखे ह परमेसर के मनसा ला पूरा करथे, ओह
सदाकाल तक परमेसर के संग रहिथे।

[illegible]

18 हे मोर लइकामन हो, येह अन्त के बेरा अय; अऊ जइसने कि तुमन सुने हवव कि मसीह के बिरोधी ह आवत
हवय, पर अब मसीह के कतको बिरोधीमन आ गे हवंय। एकरसेति, हमन जानथन कि येह अन्त के बेरा अय।
19 ओमन हमन ले निकलके गीन, पर ओमन सही म हमन के नो हंय। काबरकि यदि ओमन हमर बीच के
होतिन, त ओमन हमर संग बने रहितिन; पर ओमन के चले जाना, ये साबित करथे कि ओमा ले कोनो हमन के नो
हंय।
20 पर तुम्हर अभिसेक पबितर जन के दुवारा करे गे हवय, अऊ तुमन जम्मो झन सच ला जानथव।
21 मेंह तुमन ला एकरसेति नइं लिखत हंव कि तुमन सच ला नइं जानव, पर मेंह एकरसेति लिखत हंव कि
तुमन सच ला जानथव, अऊ ये घलो जानथव कि कोनो लबारी बात सत के तरफ ले नइं आवय।
22 कोन ह लबरा ए? ओ मनखे, जऊन ह यीसू ला मसीह नइं मानय। अइसने मनखे ह मसीह के बिरोधी अय।
ओह ददा अऊ बेटा दूनों के इनकार करथे।

23 जऊन ह परमेसर के बेटा के इनकार करथे, ओह परमेसर ददा ला नइं जानय, अऊ जऊन ह बेटा ला मान
लेथे, ओह परमेसर ददा ला घलो जानथे।
24 देखव, जऊन कुछू तुमन सुरू ले सुने हवव, ओह तुमन म बने रहय। कहूं ओह तुमन म बने रहिही, त तुमन
घलो बेटा अऊ ददा दूनों म बने रहिहू।
25 अऊ ओह हमर ले जऊन बात के वायदा करे हवय—ओह "परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी" अय।
26 मेंह ये बात तुमन ला ओमन के बारे म लिखत हंव, जऊन मन तुमन ला धोखा देय के कोसिस करथें।
27 पर ओ अभिसेक, जऊन ला तुमन ओकर ले पाय हवव, ओह तुमन म बने रहिथे, अऊ तुमन ला एकर
जरूरत नइं ए कि कोनो तुमन ला सिखोवय। मसीह के अभिसेक ह तुमन ला जम्मो बात सिखोथे, अऊ ओ
अभिसेक ह सही अय, लबारी नो हय। जइसने येह तुमन ला सिखोय हवय, वइसने तुमन ओमा बने रहव।

[illegible]

28 अब हे मोर लइकामन हो, मसीह म बने रहव, ताकि जब ओह परगट होवय, त ओकर आय के बेरा ओकर
आघू म, हमन बिसवास ले भरे रहन अऊ हमन ला लजाय ला झन पड़य।
29 कहूं तुमन जानथव कि ओह धरमी अय, त तुमन ये घलो जानथव कि जऊन ह भलई के काम करथे, ओह
परमेसर ले जनमे हवय।

3

[illegible]

1 देखव, परमेसर ददा ह हमन ला कतेक मया करे हवय कि हमन परमेसर के संतान कहाथन, अऊ सही म
हमन परमेसर के संतान अन। संसार ह एकरसेति हमन ला नइं जानय, काबरकि ओह परमेसर ला नइं जानिस।
2 हे मयारू संगवारीमन हो, अब हमन परमेसर के संतान अन अऊ अभी तक ले, ये पता नइं चले हवय कि
हमन का बनबो। पर हमन ये जानथन कि जब मसीह ह परगट होही, त हमन घलो ओकर सहीं बन जाबो,
काबरकि हमन ओला वइसनेच देखबो, जइसने ओह हवय।
3 हर एक मनखे, जऊन ह मसीह ऊपर ये आसा रखथे, ओह अपनआप ला वइसने सुध करथे, जइसने मसीह ह
सुध हवय।
4 हर एक मनखे, जऊन ह पाप करथे, ओह परमेसर के कानून ला टोरथे; काबरकि पाप करे के मतलब परमेसर
के कानून टोरई अय।
5 पर तुमन जानथव कि मसीह ह एकरसेति परगट होईस, ताकि ओह हमर पापमन ला ले जावय। अऊ ओमा
कोनो पाप नइं ए।
6 जऊन मनखे मसीह म जीयथे, ओह पाप करते नइं रहय, पर जऊन मनखे ह पाप करथे, ओह न तो ओला
देखे हवय, अऊ न ही ओला जानथे।
7 हे लइकामन हो, काकरो बहकावा म झन आवव। जऊन ह परमेसर के नजर म सही काम करथे, ओह धरमी
अय, जइसने कि मसीह ह धरमी अय।
8 जऊन ह पाप करते रहिथे, ओह सैतान कोति ले अय, काबरकि सैतान ह सुरूच ले पाप करत आय हवय।
परमेसर के बेटा ह एकरसेति परगट होईस कि ओह सैतान के काम ला नास करय।
9 जऊन ह परमेसर ले जनमथे, ओह पाप करतेच नइं रहय, काबरकि परमेसर के सुभाव ओमा बने रहिथे। ओह
पाप नइं कर सकय, काबरकि ओह परमेसर ले जनमे हवय।
10 ये किसम ले, हमन जानथन कि कोन ह परमेसर के संतान अय अऊ कोन ह सैतान के संतान अय। जऊन ह
सही काम नइं करय, ओह परमेसर के संतान नो हय; अऊ ओह घलो परमेसर के संतान नो हय, जऊन ह अपन
भाई ले मया नइं करय।

[illegible]

11 ओ संदेस, जऊन ला तुमन सुरूच ले सुने हवव, ओह ये अय कि हमन एक-दूसर ले मया करन।
12 हमन कैन के सहीं झन बनन, जऊन ह दुस्ट जन के तरफ ले रिहिस अऊ अपन भाई ला मार डारिस। अऊ
ओह ओला काबर मार डारिस? काबरकि ओकर अपन के काममन खराप रिहिन, अऊ ओकर भाई के काममन
परमेसर के नजर म सही रिहिन।
13 हे भाईमन हो, कहूं संसार के मनखेमन तुम्हर ले बईरता रखथें, त अचरज झन करव।

14 हमन जानथन कि हमन मिरतू ले पार होके जिनगी म आ गे हवन, काबरकि हमन अपन भाईमन ला मया
करथन। जऊन ह मया नइं करय, ओह मिरतू म बने रहिथे।
15 जऊन ह अपन भाई ले बईरता रखथे, ओह हतियारा अय, अऊ तुमन जानथव कि कोनो हतियारा करा
परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी नइं रहय।
16 मया के मतलब ला हमन अइसने जानथन: यीसू मसीह ह हमर खातिर अपन जिनगी ला दे दीस। अऊ
हमन ला घलो अपन भाईमन खातिर अपन जिनगी ला देना चाही।
17 यदि काकरो करा संसार के संपत्ति हवय अऊ ओह देखथे कि ओकर भाई ला कोनो चीज के जरूरत हवय,
पर ओकर ऊपर दया नइं करय, त परमेसर के मया ओमा नइं रह सकय।
18 हे लइकामन हो, आवव, हमन सिरिप अपन गोठ अऊ मुहूं ले ही मया नइं करन, पर अपन काम अऊ सत
के दुवारा घलो मया करन।
19 एकर दुवारा हमन जानबो कि हमन सत म हवन अऊ परमेसर के आघू म हमर हिरदय ला भरोसा होही,
20 चाहे जब भी हमर हिरदय ह हमन ला दोसी ठहिराय। काबरकि परमेसर ह हमर हिरदय ले बड़े अय अऊ
ओह हर एक बात ला जानथे।
21 हे मयारू संगवारीमन हो, यदि हमर हिरदय ह हमन ला दोसी नइं ठहिराय, त हमन ला परमेसर के आघू म
भरोसा होथे,
22 अऊ जऊन कुछू घलो हमन ओकर ले मांगथन, ओह हमन ला देथे, काबरकि हमन ओकर हुकूम ला
मानथन अऊ ओहीच काम करथन, जेकर ले ओला खुसी होथे।
23 अऊ परमेसर के हुकूम ये अय कि हमन ओकर बेटा यीसू मसीह के नांव म बिसवास करन, अऊ एक-दूसर
ला मया करन, जइसने कि ओह हमन ला हुकूम दे हवय।
24 जऊन मन परमेसर के हुकूम ला मानथें, ओमन परमेसर म अऊ परमेसर ह ओमन म बने रहिथें अऊ ये
किसम ले, हमन जानथन कि ओह हमन म रहिथे: हमन येला ओ पबितर आतमा के दुवारा जानथन, जऊन ला
ओह हमन ला दे हवय।

4

[illegible]

1 हे मयारू संगवारीमन हो, हर एक आतमा ऊपर बिसवास झन करव, पर आतमामन ला परखव कि ओमन
परमेसर कोति ले अंय कि नइं, काबरकि कतको लबरा अगमजानीमन संसार म आ गे हवंय।
2 परमेसर के आतमा ला तुमन ये किसम ले पहिचान सकत हव: हर ओ मनखे जऊन ह मान लेथे कि यीसू
मसीह ह देहें धारन करके आईस, ओमा परमेसर के आतमा हवय,
3 पर हर ओ मनखे जऊन ह यीसू ला नइं मानय, ओमा परमेसर के आतमा नइं ए। येह ओ मनखे ए, जऊन म
मसीह के बिरोधी के आतमा हवय, जेकर बारे म तुमन सुने हवव कि ओह अवइया हवय, अऊ अब ओह संसार म
आ चुके हवय।
4 हे मोर लइकामन हो, तुमन परमेसर के अव अऊ तुमन ये लबरा अगमजानीमन ऊपर जय पाय हवव,
काबरकि जऊन ह तुमन म हवय, ओह ओकर ले बड़े अय, जऊन ह संसार म हवय।
5 ओमन संसार के अंय, अऊ एकरसेति ओमन संसार के गोठ गोठियाथें, अऊ संसार ह ओमन के सुनथे।
6 हमन परमेसर के अन, अऊ जऊन ह परमेसर ला जानथे, ओह हमर सुनथे; पर जऊन ह परमेसर के नो हय,
ओह हमर बात ला नइं सुनय। ये किसम ले हमन मनखेमन के पहिचान करथन कि काकर करा सत के आतमा
हवय अऊ काकर करा लबारी आतमा हवय।

[illegible]

7 हे मयारू संगवारीमन हो, हमन एक-दूसर ले मया करन, काबरकि मया ह परमेसर करा ले आथे। जऊन ह
मया करथे, ओह परमेसर ले जनमे हवय, अऊ ओह परमेसर ला जानथे।
8 जऊन ह मया नइं करय, ओह परमेसर ला नइं जानय, काबरकि परमेसर ह मया अय।
9 परमेसर ह ये किसम ले अपन मया ला हमर बीच म परगट करिस: ओह अपन एकलऊता बेटा ला ये संसार
म पठोईस, ताकि हमन ला ओकर दुवारा सदाकाल के जिनगी मिलय।

10 मया येमा नइं अय कि हमन परमेसर ले मया करेंन, पर मया येमा हवय कि परमेसर ह हमर ले मया करिस,
अऊ अपन बेटा ला पठोईस कि ओह कुरूस म मरे के दुवारा हमर पाप के सजा ला अपन ऊपर ले लेवय।
11 हे मयारू संगवारीमन हो, जब परमेसर ह हमर ले अइसने मया करिस, त हमन ला घलो एक-दूसर ले मया
करना चाही।
12 परमेसर ला कभू कोनो नइं देखे हवंय; पर यदि हमन एक-दूसर ले मया करन, त परमेसर ह हमन म रहिथे
अऊ ओकर मया ह हमन म पूरा हो जाथे।
13 हमन जानथन कि हमन परमेसर म रहिथन अऊ ओह हमन म, काबरकि ओह अपन आतमा हमन ला दे
हवय।
14 अऊ हमन देख घलो डारेंन अऊ गवाही देवत हन कि परमेसर ददा ह अपन बेटा ला संसार के उद्धार
करइया के रूप म पठोय हवय।
15 कहूं कोनो ये मान लेथे कि यीसू ह परमेसर के बेटा अय, त परमेसर ह ओमा रहिथे अऊ ओह परमेसर म।
16 अऊ हमन जानथन अऊ बिसवास करथन कि परमेसर ह हमन ला मया करथे।
परमेसर ह मया अय। जऊन ह मया करते रहिथे, ओह परमेसर म बने रहिथे अऊ परमेसर ह ओमा।
17 मया ला हमर बीच म पूरा करे गीस, ताकि हमन ला नियाय के दिन भरोसा होवय कि ये संसार म हमन
वइसने जिनगी जीये हवन, जइसने यीसू ह जीये रिहिस।
18 मया म डर नइं होवय। पर सही के मया ह डर ला निकाल देथे, काबरकि डर के संबंध, सजा के संग होथे।
जऊन ह डरथे, ओमा सही के मया नइं ए।
19 हमन एकरसेति मया करथन, काबरकि पहिली परमेसर ह हमर ले मया करिस।
20 कहूं कोनो ये कहिथे, "मेंह परमेसर ले मया करथंव," अऊ ओह अपन भाई ले बईरता रखथे, त ओह लबरा
अय। काबरकि जऊन ह अपन ओ भाई ले मया नइं करय, जऊन ला ओह देखे हवय, त ओह परमेसर ले मया नइं
कर सकय, जऊन ला ओह देखे नइं हवय।
21 अऊ परमेसर ह हमन ला, ये हुकूम दे हवय: जऊन ह परमेसर ले मया करथे, ओला अपन भाई ले घलो
मया करना जरूरी अय।

5

[illegible]

1 जऊन ह ये बिसवास करथे कि यीसू ह मसीह अय, ओह परमेसर के लइका अय, अऊ जऊन ह परमेसर ददा
ले मया करथे, ओह ओकर लइका ले घलो मया करथे।
2 जब हमन परमेसर ले मया करथन अऊ ओकर हुकूममन ला मानथन, त एकर ले हमन जानथन कि हमन
परमेसर के लइकामन ले घलो मया करथन।
3 परमेसर बर हमर मया ये अय कि हमन ओकर हुकूममन ला मानन। अऊ ओकर हुकूममन ला मानना कठिन
नो हय।
4 काबरकि जऊन ह परमेसर ले जनमथे, ओह संसार ऊपर जय पाथे। हमन यीसू मसीह ऊपर बिसवास करे के
दुवारा संसार ऊपर जय पाथन।
5 संसार ऊपर कोन ह जय पाथे? सिरिप ओहीच, जऊन ह ये बिसवास करथे कि यीसू ह परमेसर के बेटा अय।
6 यीसू मसीह ह ओ अय, जऊन ह पानी अऊ लहू के दुवारा आईस। ओह सिरिप पानी के दुवारा ही नइं
आईस, पर पानी अऊ लहू दूनों के दुवारा आईस। अऊ ये पबितर आतमा अय, जऊन ह एकर बारे म गवाही
देथे, काबरकि पबितर आतमा ह सत अय।
7 गवाही देवइयामन तीन हवंय:
8 पबितर आतमा, पानी अऊ लहू; अऊ ये तीनों म सहमती हवय।
9 हमन मनखेमन के गवाही ला मान लेथन, पर परमेसर के गवाही त, ओकर ले बढ़के अय; काबरकि परमेसर
के गवाही ये अय कि ओह अपन बेटा के बारे म गवाही दे हवय।
10 जऊन ह परमेसर के बेटा के ऊपर बिसवास करथे, ओह अपन हिरदय म ये गवाही रखथे। जऊन ह परमेसर
ऊपर बिसवास नइं करय, ओह परमेसर ला लबरा बनाथे, काबरकि ओह ओ गवाही ऊपर बिसवास नइं करिस,
जऊन ला परमेसर ह अपन बेटा के बारे म दे हवय।

11 अऊ ओ गवाही ये अय: परमेसर ह हमन ला सदाकाल के जिनगी दे हवय, अऊ ये जिनगी ओकर बेटा म
हवय।
12 जेकर करा परमेसर के बेटा हवय, ओकर करा जिनगी हवय; अऊ जेकर करा परमेसर के बेटा नइं ए, ओकर
करा जिनगी घलो नइं ए।

?????? ?? ?????

13 मेंह तुमन ला, जऊन मन परमेसर के बेटा ऊपर बिसवास करथव, ये बात लिखत हंव, ताकि तुमन जानव
कि तुम्हर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय।
14 हमन ला परमेसर ऊपर ये बिसवास हवय कि यदि हमन ओकर मन मुताबिक कुछू मांगथन, त ओह हमर
सुनथे।
15 अऊ जब हमन जानथन कि जऊन कुछू हमन मांगथन, ओह हमर सुनथे, तब हमन ये घलो जानथन कि
जऊन कुछू हमन ओकर ले मांगे हवन, ओ चीज हमन ला मिल गे हवय।
16 यदि कोनो अपन भाई ला ओ पाप करत देखथे, जेकर नतीजा मिरतू नो हय, त ओह पराथना करय अऊ
परमेसर ह ओला जिनगी दीही। मेंह ओमन के बारे म कहत हवंव, जऊन मन ओ पाप करथें, जेकर नतीजा मिरतू
नो हय। एक अइसने पाप घलो हवय, जेकर नतीजा मिरतू होथे। मेंह ये नइं कहत हंव कि ओह ओकर बारे म
पराथना करय।
17 जम्मो गलत काम ह पाप अय, पर अइसने पाप घलो हवय, जेकर नतीजा मिरतू नो हय।*
18 हमन जानथन कि जऊन ह परमेसर ले जनमे हवय, ओह पाप करतेच नइं रहय; परमेसर के बेटा ह ओकर
बचाव करथे, अऊ दुस्ट जन ह ओला छू नइं सकय।
19 हमन जानथन कि हमन परमेसर के लइका अन, अऊ जम्मो संसार ह ओ दुस्ट के अधीन म हवय।
20 हमन ये घलो जानथन कि परमेसर के बेटा ह आ गे हवय, अऊ ओह हमन ला ये समझ दे हवय कि हमन
ओला चिनहे सकन, जऊन ह सत ए। अऊ हमन ओमा हवन, जऊन ह सत अय, याने कि ओकर बेटा यीसू
मसीह। एहीच ह सच्चा परमेसर अऊ सदाकाल के जिनगी अय।

21 हे मोर लइकामन हो, अपनआप ला मूरतीमन ले बचाय रखव।

---

* **5:17** पद 16-17 म "मिरतू" के मतलब सदाकाल के दंड या परमेसर ले सदाकाल के अलगाव ए।

यूहन्ना
के दूसरा चिट्ठी

1 कलीसिया के अगुवा कोति ले,
परमेसर के चुने माईलोगन अऊ ओकर लइकामन, जेमन ला मेंह सच्चा मया करथंव—अऊ न सिरिप में,
पर ओ जम्मो झन घलो मया करथें, जऊन मन सत ला जानथें— 2 काबरकि सत ह हमन म रहिथे अऊ हमर
संग सदाकाल तक रहिही:
3 परमेसर ददा अऊ ओकर बेटा यीसू मसीह कोति ले अनुग्रह, दया अऊ सांति हमर संग सत अऊ मया के
संग बने रहिही।

[illegible]

4 मेंह ये जानके अब्बड़ आनंद मनावत हवंव कि तोर कुछू लइकामन सत म चलत हवंय, जइसने कि परमेसर
ददा ह हमन ला हुकूम दे हवय।
5 अब हे मयारू माईलोगन, मेंह तोला कोनो नवां हुकूम नइं लिखत हंव, पर ओहीच हुकूम, जऊन ह हमन ला
सुरू म मिले रिहिस। मेंह कहत हंव कि हमन एक-दूसर ले मया करन।
6 अऊ मया के मतलब ये अय कि हमन परमेसर के हुकूम के मुताबिक चलन। जइसने कि तेंह सुरू ले सुने हस,
ओकर हुकूम ये अय कि तें मया के जिनगी जी।
7 कतको धोखा देवइयामन ये संसार म आ गे हवंय, जऊन मन ये नइं मानंय कि यीसू मसीह ह मनखे के देहें
धरके आईस। ये किसम के मनखेमन आने मन ला धोखा देथें अऊ मसीह के बिरोधी अंय।
8 सचेत रहव कि तुमन ओ चीज ला झन गंवावव, जेकर खातिर हमन* मेहनत करे हवन, अऊ तुमन ला
ओकर पूरा ईनाम मिलय।
9 ओ मनखे जऊन ह मसीह के उपदेस ले भटक जाथे अऊ ओमा बने नइं रहय, ओकर करा परमेसर नइं ए। पर
जऊन ह ओकर उपदेस म बने रहिथे, ओकर करा परमेसर ददा अऊ बेटा दूनों हवंय।
10 कहूं कोनो तुम्हर करा आथे अऊ ये सिकछा नइं देवय, त ओला न तो अपन घर ले जावव अऊ न ही ओकर
सुवागत करव।
11 जऊन ह अइसने मनखे के सुवागत करथे, ओह ओकर गलत काम म भागीदार होथे।

12 मोर करा तुमन ला लिखे बर कतको बात हवय, पर मेंह कागज अऊ सियाही के उपयोग नइं करे चाहत
हवंव। मोला आसा हवय कि मेंह तुम्हर करा आहूं अऊ तुम्हर संग बईठके गोठियाहूं, ताकि हमर आनंद ह पूरा
हो जावय।

13 परमेसर के दुवारा चुने तोर बहिनी के लइकामन तोला जोहार कहत हवंय।

---

* **1:8** कुछू हस्तलिपि म *[illegible]*

यूहन्ना
के तीसरा चिट्ठी

1 कलीसिया के अगुवा कोति ले,
मोर मयारू संगवारी गयुस ला, जेला मेंह सही म मया करथंव।

2 हे मयारू संगी, मेंह पराथना करत हंव कि तेंह भला-चंगा रह अऊ हर एक बात म तोर भलई होवय, जइसने
कि तेंह आतमा म उन्नति करत हस।
3 मेंह अब्बड़ आनंद ले भर गेंव, जब कुछू भाईमन आईन अऊ ये गवाही दीन कि तेंह परमेसर के सत बचन म
चलत हस। ओमन बताईन कि तेंह कइसने परमेसर के सत बचन के मुताबिक जिनगी बितावत हस।
4 एकर ले बड़के मोर करा अऊ कोनो आनंद के बात नइं हो सकय कि मेंह ये सुनंव कि मोर लइकामन परमेसर
के सत बचन के मुताबिक चलत हवंय।
5 हे मयारू संगी, तेंह ओ काम म बिसवासयोग्य ठहिरे हस, जऊन ला तेंह भाईमन बर करत हवस, खास करके
जब ओमन तोर बर अनजान अंय।
6 ओमन कलीसिया ला तोर मया के बारे म बताय हवंय। तेंह अइसने कर: ओमन के आघू के यातरा के अइसने
परबंध कर कि परमेसर ह खुस होवय।
7 काबरकि ओमन मसीह के सेवा म निकले हवंय अऊ मसीह ऊपर बिसवास नइं करइयामन ले येमन कुछू नइं
लेवंय।
8 एकरसेति हमन ला अइसने मनखेमन के सेवा-सतकार करना चाही, ताकि हमन परमेसर के सत बचन
खातिर एक संग काम कर सकन।
9 मेंह कलीसिया ला लिखे हवंव, पर दियुत्रिफेस, जऊन ह ओमन के मुखिया बने चाहत हवय, हमर बात ला
नइं मानय।
10 एकरसेति जब मेंह आहूं, त ओ बातमन ला बताहूं जेला ओह करत हवय। ओह हमर बदनामी करत हवय।
ओला एकर ले संतोस नइं होईस, त ओह आने भाईमन ला घलो गरहन नइं करय, अऊ जऊन मन भाईमन ला
गरहन करे चाहथें, ओह ओमन ला मना करथे अऊ ओमन ला कलीसिया ले निकाल देथे।
11 हे मयारू संगी, बुरई के नइं पर भलई के नकल कर। जऊन ह भलई के काम करथे, ओह परमेसर के अय,
अऊ जऊन ह बुरई के काम करथे, ओह परमेसर ला नइं देखे हवय।
12 देमेतिरियुस के बारे म जम्मो झन बने बात कहिथें—अऊ त अऊ सत ह खुद एही कहिथे। हमन घलो
ओकर बारे म बने बात कहिथन, अऊ तेंह जानथस कि हमर गवाही ह सही ए।

13 मोर करा तोला लिखे बर कतको बात हवय, पर मेंह कलम अऊ सियाही ले लिखे नइं चाहत हंव।
14 मोला आसा हवय कि तोर संग जल्दी भेंट होही अऊ तब हमन एक संग बईठके गोठियाबो।

15 तोला सांति मिलय।

इहां के संगवारीमन तोला जोहार कहत हवंय। उहां संगवारीमन ला नांव ले-लेके मोर जोहार कहि देबे।

यहूदा
के चिट्ठी

1 ये चिट्ठी ह यीसू मसीह के सेवक अऊ याकूब के भाई यहूदा के तरफ ले,
ओमन ला लिखे जावत हे, जऊन मन परमेसर के दुवारा बलाय गे हवंय, जऊन मन परमेसर ददा के मयारू
अंय अऊ जऊन मन यीसू मसीह खातिर रखे गे हवंय:
2 तुमन ला परमेसर के दया, सांति अऊ मया बहुंतायत ले मिलय।

[illegible]

3 हे मयारू संगीमन हो, हालाकि मेंह तुमन ला उद्धार के बारे म लिखे बर बहुंत उत्सुक रहेंव, जऊन म हमन
सहभागी हवन, पर मेंह ये जरूरी समझेंव कि तुमन ला लिखंव अऊ बिनती करंव कि तुमन ओ बिसवास खातिर
पूरा मेहनत करव, जऊन ला परमेसर ह अपन पबितर मनखेमन ला जम्मो के सेति एकेच बार म दे हवय।
4 काबरकि कुछू मनखेमन गुपत रूप ले तुमन म आके मिल गे हवंय, जऊन मन के दंड के हुकूम बहुंत पहिली
ले लिखे गे हवय। ओमन अधरमी मनखे अंय। ओमन हमर परमेसर के अनुग्रह ला दुराचार म बदल देथें अऊ
हमर एकेच परमपरधान परभू यीसू मसीह के इनकार करथें।
5 हालाकि तुमन ये जम्मो बात ला पहिली ले जानत हव, पर मेंह सुरता कराय चाहत हंव कि परभू* ह अपन
मनखेमन ला मिसर देस ले एक बार छोंड़ाईस, पर बाद म ओमन ला नास कर दीस, जऊन मन बिसवास नइं
करिन।
6 अऊ ओ स्वरगदूत, जऊन मन अपन अधिकार के सीमना म नइं रिहिन अऊ स्वरग म अपन खुद के घर ला
तियाग दीन—ओमन ला परमेसर ह नियाय के महान दिन खातिर अंधियार म, सदाकाल के बेड़ी म बांधके रखे
हवय।
7 एही किसम ले सदोम, अमोरा अऊ आसपास के सहर के मनखेमन अपनआप ला छिनारी काम अऊ खराप
चालचलन म लगाईन। येमन ओमन बर एक नमूना ठहिरिन, जऊन मन सदाकाल के आगी के सजा भोगत
हवंय।
8 ओहीच किसम ले, ये मनखेमन सपना म अपन खुद के देहें ला असुध करथें; परमेसर के परभूता के इनकार
करथें, अऊ स्वरगीय जीवमन ला बदनाम करथें।
9 अऊ त अऊ परधान स्वरगदूत मिकाएल ह जब सैतान के संग अगमजानी मूसा के लास के बारे म बिवाद
करत रिहिस, त ओह सैतान ऊपर बदनामी के दोस लगाय के हिम्मत नइं करिस, पर ये कहिस, "परभू ह तोला
दबकारय।"
10 पर ये मनखेमन, जऊन बातमन ला नइं समझंय, ओकर बारे म खराप गोठ गोठियाथें, अऊ जऊन बातमन
ला, येमन जंगली पसुमन के सहीं सरल रूप म जानथें, ओहीच बातमन येमन ला नास कर दीहीं।
11 येमन ऊपर हाय! काबरकि येमन कैन के डहार म चलथें; येमन फायदा खातिर, बिलाम के सहीं गलती
करथें; येमन कोरह के सहीं बिदरोह करथें, अऊ ओकरे सहीं नास हो जाथें।
12 ये मनखेमन तुम्हर मया के जेवनार म गंदगी के सहीं अंय, येमन तुम्हर संग बेसरम सहीं खाथें-पीथें अऊ
सिरिप अपनआप के खियाल रखथें। येमन बिगर पानी के बादर अंय, जऊन ला हवा उड़ा ले जाथे। येमन
पतझड़ के ओ रूख सहीं अंय, जऊन म फर नइं लगय अऊ उखाने जाथें अऊ दूबारा मर जाथें।
13 येमन समुंदर के भयानक लहरा सहीं अंय, जऊन मन अपन लाज के फेन ला निकालथें। येमन किंदरत
तारामन सहीं अंय, जेमन खातिर परमेसर ह सदाकाल बर घोर अंधियार ठहिराय हवय।
14 हनोक, जऊन ह आदम के सातवां पीढ़ी के रिहिस, ये मनखेमन के बारे म ये अगमबानी करे रिहिस, "देखव,
परभू ह हजारों-हजार अपन पबितर स्वरगदूतमन संग आवत हवय
15 ताकि हर एक के नियाय करय, अऊ ओ जम्मो अधरमीमन ला दोसी ठहिराय, जऊन मन कुकरम करके
अधरम के काम करे हवंय, अऊ परमेसर के बिरोध म ओ जम्मो कठोर बचन, ये अधरमी पापीमन कहे हवंय।"

---

* **1:5** कुछू सुरू के हस्तलिपि म [illegible] लिखाय हवय

16 ये मनखेमन कुड़कुड़ावत अऊ आने ऊपर दोस लगावत रहिथें; येमन अपन खुद के खराप ईछा के मुताबिक
चलथें; येमन अपन खुद के बड़ई मारथें अऊ अपन खुद के फायदा बर दूसर के चापलूसी करथें।

[illegible]

17 पर, हे मयारू संगवारीमन हो, तुमन ओ बातमन ला सुरता करव, जऊन ला हमर परभू यीसू मसीह के
प्रेरितमन तुमन ला पहिली कहे रिहिन।
18 ओमन तुमन ला कहे रिहिन, "आखिरी समय म, ठट्ठा करइयामन होहीं, जऊन मन अपन खुद के खराप
ईछा के मुताबिक चलहीं।"
19 येमन ओ मनखे अंय, जऊन मन तुम्हर बीच म फूट डारथें; येमन अपन संसारिक ईछा के मुताबिक चलथें
अऊ येमन करा पबितर आतमा नइं ए।
20 पर हे मयारू संगवारीमन, तुमन अपनआप ला अपन परम पबितर बिसवास म बढ़ावव, अऊ पबितर
आतमा के सामर्थ म पराथना करव।
21 अपनआप ला परमेसर के मया म बनाय रखव, अऊ हमर परभू यीसू मसीह के दया के बाट जोहत रहव,
जऊन ह तुमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी दीही।
22 जऊन मन बचन ऊपर संका करथें, ओमन ऊपर दया करव;
23 आने मन ला लबरा गुरूमन के सिकछा ले बचावव, जइसने तुमन कोनो ला आगी ले खींचके बचाथव; भय
के संग आने मन ऊपर दया करव; पर ओ मनखेमन के ओ ओनहा ले घलो घिन करव, जऊन म ओमन के पापी
सरीर के दाग लगे हवय।

24 अब जऊन ह तुमन ला गिरे ले बचा सकथे अऊ तुमन ला निरदोस अऊ बड़े आनंद के संग ओकर महिमा
ला देखा सकथे—
25 ओहीच एके परमेसर, हमर उद्धार करइया के महिमा, गौरव, पराकरम अऊ अधिकार, हमर परभू यीसू
मसीह के जरिये सनातन काल, अब अऊ सदाकाल तक होवत रहय। आमीन।

दरसन
के किताब

[illegible]

1 ये किताब ह यीसू मसीह के दिब्य परकासन के बारे म अय, जऊन ला परमेसर ह ओला दीस कि ओह अपन
सेवकमन ला निकट भविस्य म होवइया घटनामन ला देखावय। मसीह ह अपन स्वरगदूत ला पठोके ये दिब्य
परकासन के बात ला अपन सेवक यूहन्ना ला बताईस।
2 यूहन्ना ओ जम्मो बात के गवाही देवत हवय, जऊन ला ओह देखिस—कि येह परमेसर के संदेस अऊ यीसू
मसीह के गवाही ए।
3 ओ मनखे ह आसीस पाही, जऊन ह ये अगमबानी के बचन ला पढ़थे अऊ ओमन आसीस पाहीं, जऊन मन
येला सुनथें अऊ येमा लिखे बात ला मानथें, काबरकि ये बातमन के पूरा होय के समय ह लकठा आ गे हवय।

[illegible]

4 में यूहन्ना,
एसिया प्रदेस के सात कलीसिया के मनखेमन ला ये बात लिखत हंव:
परमेसर जऊन ह हवय, जऊन ह रिहिस, अऊ जऊन ह अवइया हवय, ओकर कोति ले; अऊ ओकर
सिंघासन के आघू म हाजिर सात आतमामन कोति ले, 5 अऊ यीसू मसीह, जऊन ह बिसवासयोग्य गवाह ए,
अऊ मरे म ले जी उठे म पहिलांत ए अऊ धरती के राजामन ऊपर सासन करइया ए, ओकर कोति ले तुमन
ला अनुग्रह अऊ सांति मिलय।

यीसू, जऊन ह हमन ला मया करथे अऊ हमन ला अपन लहू के दुवारा हमर पाप ले छुटकारा दे हवय,
6 अऊ हमन ला एक देस अऊ पुरोहित बनाय हवय, ताकि हमन ओकर परमेसर अऊ ददा के सेवा करन—ओ
यीसू के महिमा अऊ सामर्थ जुग-जुग होवय! आमीन।
7 "देखव, ओह बादर म आवत हवय,"*
अऊ "जम्मो झन ओला देखहीं,
अऊ त अऊ जऊन मन ओला छेदे-बेधे रिहिन, ओमन घलो ओला देखहीं";
अऊ धरती के जम्मो मनखेमन "ओकर बर सोक मनाहीं।"†
अइसने ही होही! आमीन।
8 परभू परमेसर ह कहिथे, "मेंह अलफा‡ अऊ ओमेगा§ अंव। मेंह ओ सर्वसक्तिमान अंव, जऊन ह हवय, अऊ
जऊन ह रिहिस, अऊ जऊन ह अवइया हवय।"

[illegible]

9 मेंह तुम्हर भाई यूहन्ना अंव अऊ यीसू के दुख, परमेसर के राज अऊ धीरज सहित सहन करे म तुम्हर संग
भागीदार अंव। परमेसर के बचन अऊ यीसू के बारे म गवाही देय के कारन मेंह पतमुस नांव के टापू म बंदी रहेंव।
10 परभू के दिन, मेंह पबितर आतमा ले भर गेंव अऊ मेंह अपन पाछू कोति तुरही के सहीं एक ऊंचहा अवाज
सुनेंव,
11 जऊन ह ये कहिस: "जऊन कुछू तेंह देखत हवस, ओला एक ठन किताब म लिख अऊ ओला सात
कलीसिया—इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलाडेलफिया अऊ लौदीकिया ला पठो दे।"
12 जऊन ह मोर ले गोठियावत रहय, ओला देखे बर जब मेंह पाछू कोति किंजरेंव, त मोला दीया ला मढ़ाय के
सात ठन सोन के दीवटमन दिखिन,
13 अऊ दीवटमन के मांझा म मनखे के बेटा सहीं एक झन मनखे ला देखेंव, जऊन ह गोड़ तक लम्बा पोसाक
पहिरे रहय अऊ ओकर छाती ऊपर चौरस सुनहरा पट्टा रहय।

---

* **1:7** दानि 7:13 † **1:7** जकर 12:10 ‡ **1:8** या *[illegible]* § **1:8** या *[illegible]*

14 ओकर मुड़ अऊ चुंदी ह ऊन अऊ बरफ सहीं एकदम पंर्रा रहय अऊ ओकर आंखीमन धधकत आगी सहीं
रिहिन।
15 ओकर गोड़मन भट्ठी म तिपोय कांसा सहीं चमकत रहंय अऊ ओकर अवाज ह गरजत पानी सहीं रहय।
16 ओह अपन जेवनी हांथ म सात ठन तारामन ला धरे रहय अऊ ओकर मुहूं ले एक ठन चोखा, दूधारी तलवार
ह निकलत रहय। ओकर चेहरा ह अइसने चमकत रहय, जइसने सूरज ह भरे मंझनियां के बखत चमकथे।
17 जब मेंह ओला देखेंव, त मरे मनखे सहीं ओकर गोड़ करा गिर पड़ेंव। तब ओह अपन जेवनी हांथ ला मोर
ऊपर रखके कहिस: "झन डर। मेंहीच ह पहिली अऊ आखिरी अंव।
18 मेंह जीयत हवंव। मेंह मर गे रहेंव, पर देख, अब मेंह सदाकाल बर जीयत हवंव! अऊ मोर करा मिरतू अऊ
पाताल-लोक ऊपर अधिकार हवय।
19 "एकरसेति, जऊन कुछू तेंह देखे हवस, जऊन ह अभी होवत हवय, अऊ जऊन ह एकर बाद होवइया
हवय, ओ जम्मो बात ला लिख ले।
20 जऊन सात ठन तारा, तेंह मोर जेवनी हांथ म देखे, ओ सातों तारा अऊ सोन के सात दीवटमन के मतलब
ये अय: ओ सात तारामन सात ठन कलीसिया के दूत* अंय, अऊ ओ सात दीवटमन सात ठन कलीसिया अंय।

2

[illegible]

1 "इफिसुस के कलीसिया के दूत* ला ये लिख:

जऊन ह जेवनी हांथ म सात ठन तारा धरे हवय अऊ सोन के सात ठन दीवट के बीच म चलते-फिरथे,
ओकर ये बचन अय:

2 मेंह तुम्हर काम, तुम्हर कठोर मेहनत अऊ तुम्हर धीरज ला जानत हंव। मेंह जानत हंव कि तुमन दुस्ट
मनखेमन ला सहे नइं सकव। जऊन मन अपनआप ला प्रेरित कहिथें, पर अंय नइं, तुमन ओमन ला परखे
हवव अऊ ओमन ला लबरा पाय हवव।
3 तुमन धीरज धरे हवव अऊ मोर नांव खातिर तुमन दुख सहे हवव अऊ हिम्मत नइं हारे हवव।
4 तभो ले मेंह तुम्हर बिरोध म, ये कहत हंव: तुमन अब मोला वइसने मया नइं करव, जइसने
पहिली-पहिली करत रहेव।
5 सोचव कि तुमन कतेक गिर गे हवव। पछ्ताप करव अऊ ओ काम करव, जऊन ला तुमन पहिली करत
रहेव। यदि तुमन पछ्ताप नइं करहू, त मेंह तुम्हर करा आके तुम्हर दीवट ला ओकर जगह ले टार दूहूं।
6 पर तुमन म एक बने बात ये हवय कि मोर सहीं, तुमन घलो नीकुलईमन के काम ले घिन करथव।†
7 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे। जऊन ह बिजयी होही,
ओला मेंह जिनगी के रूख के फर खाय बर अधिकार दूहूं, जऊन ह परमेसर के स्वरग-लोक के बगीचा म हवय।

[illegible]

8 "स्मुरना के कलीसिया के दूत ला ये लिख:

जऊन ह पहिली अऊ आखिरी ए, जऊन ह मर गे रिहिस अऊ फेर जी उठिस, ओकर ये बचन अय:

9 मेंह तुम्हर दुख-तकलीफ अऊ तुम्हर गरीबी ला जानथंव—तभो ले तुमन धनवान अव! मेंह जानथंव कि
ओमन तुम्हर बदनामी करथें, जऊन मन अपनआप ला यहूदी कहिथें, पर अंय नइं। ओमन सैतान के सभा-घर
अंय।
10 तुम्हर ऊपर जऊन दुख-तकलीफ अवइया हवय, ओकर ले झन डरव। मेंह तुमन ला बतावत हंव, सैतान
ह तुमन ला परखे बर, तुमन ले कतको झन ला जेल म डारही, अऊ तुमन दस दिन तक दुख भोगहू। मरते दम
तक मोर बिसवासी रहव अऊ मेंह तुमन ला जिनगी के मुकुट दूहूं।

---

* **1:20** या [illegible] * **2:1** या [illegible] † **2:6** नीकुलईमन ये कहंय कि मनखे के जीव अऊ जिनगी ला कोनो नुकसान नइं होवय, यदि ओह कोनो घलो कुकरम करथे तभो ले।

11 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे। जऊन ह बिजयी
होही, ओला दूसरा मिरतू ले कोनो नुकसान नइं होवय।‡

[illegible]

12 “पिरगमुन के कलीसिया के दूत ला ये लिख:

जेकर करा तेज दूधारी तलवार हवय, ओकर ये बचन अय।

13 मेंह जानथंव कि तेंह कहां रहिथस—तेंह उहां रहिथस, जिहां सैतान के सिंघासन हवय। तभो ले तेंह मोर
ऊपर अपन बिसवास म स्थिर हवस। तेंह ओ दिन म घलो मोर ऊपर अपन बिसवास ला नइं तियागे, जब मोर
बिसवासयोग्य गवाह अंतिपास ह तुम्हर सहर म मारे गीस—जिहां सैतान रहिथे।
14 तभो ले, मोर करा तुम्हर बिरोध म कहे बर कुछू हवय: तुम्हर बीच म कुछू मनखेमन हवंय, जऊन मन
बिलाम के सिकछा ला मानथें। बिलाम ह बालाक ला सिखोय रिहिस कि ओह इसरायलीमन ला ठोकर के
रसता म ले जावय, ताकि ओमन मूरती ला चघाय खाना ला खावंय अऊ छिनारी करंय।
15 तुम्हर बीच म कुछू अइसने मनखेमन घलो हवंय, जऊन मन नीकुलईमन के सिकछा ला मानथें।
16 एकरसेति, पछताप करव! नइं त मेंह तुम्हर करा जल्दी आहूं अऊ अपन मुहूं के तलवार ले ओमन के
बिरूध लड़हूं।
17 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे। जऊन ह बिजयी
होही, ओला मेंह लुकाय मन्ना म ले कुछू दूहूं। मेंह ओला एक ठन सफेद पथरा घलो दूहूं, जऊन म एक नवां
नांव लिखाय होही, जेला सिरिप ओहीच जानही, जऊन ह ओला पाही।

[illegible]

18 “थुआतीरा के कलीसिया के दूत ला ये लिख:

येह परमेसर के बेटा के बचन ए, जेकर आंखी ह धधकत आगी सहीं हवय अऊ जेकर गोड़मन पालीस करे
कांसा सहीं चमकत हवंय।

19 मेंह तुम्हर काम, तुम्हर मया, तुम्हर बिसवास, तुम्हर सेवा अऊ तुम्हर धीरज ला जानत हंव। मेंह ये घलो
जानत हंव कि तुम्हर अभी के काम ह पहिली के काम ले बढ़के हवय।
20 तभो ले मोला तुम्हर बिरोध म ये कहना हवय: तुमन ओ माईलोगन ईजेबेल ला कुछू नइं कहव, जऊन
ह अपनआप ला अगमजानी कहिथे अऊ अपन सिकछा के दुवारा मोर सेवकमन ला छिनारी करे बर अऊ
मूरती ला चघाय खाना ला खाय बर बहकाथे।
21 मेंह ओला अपन पाप ले पछताप करे के मऊका देय हवंव, पर ओह बेभिचार ले पछताप नइं करे चाहथे।
22 एकरसेति, मेंह ओला तकलीफ के खटिया म डालहूं अऊ जऊन मन ओकर संग छिनारी करथें, कहूं
ओमन अपन पाप ला छोंड़के पछताप नइं करहीं, त मेंह ओमन ऊपर घोर दुख-तकलीफ डालहूं।
23 मेंह ओ माईलोगन के लइकामन ला मार डालहूं। तब जम्मो कलीसियामन जान लीहीं कि मेंह ओ अंव,
जऊन ह मनखे के हिरदय अऊ मन ला जांचथे, अऊ मेंह तुमन ले हर एक ला तुम्हर काम के मुताबिक परतिफल
दूहूं।
24 अब थुआतीरा के ओ बांचे मनखेमन, जऊन मन ओ माईलोगन के सिकछा ला नइं मानव अऊ ओ बात
ला नइं सीखेव, जऊन ला कुछू मनखेमन सैतान के गहिरा भेद कहिथें, मेंह तुमन ला कहत हंव कि मेंह तुम्हर
ऊपर अऊ कोनो आने बोझ नइं डालंव।
25 पर जऊन सिकछा तुम्हर करा हवय, मोर आवत तक सिरिप ओहीच म बने रहव।
26 जऊन ह बिजयी होही, अऊ मोर ईछा मुताबिक आखिरी तक चलते रहिही, मेंह ओला जम्मो जाति के
मनखे ऊपर अधिकार दूहूं।

‡ **2:11** [illegible] के मतलब [illegible]

27 ओह ओमन ऊपर लोहा के राजदंड ले राज करही, अऊ ओह ओमन ला माटी के बरतन सहीं टोर-फोर
दीही§—जइसने कि मोर ददा ह ओमन ऊपर राज करे बर मोला अधिकार दे हवय।
28 मेंह ओला बिहनियां के तारा घलो दूहूं।
29 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे।

3

[illegible]

1 "सरदीस के कलीसिया के दूत ला ये लिख:

जऊन ह परमेसर के सात आतमा अऊ सात तारामन ला धरे हवय, ओकर ये बचन अय:

मेंह तुम्हर काममन ला जानत हंव; तुमन जीयत कलीसिया कहिलाथव, पर असल म तुमन मर गे हवव।
2 जागव! ओ चीज जऊन ह बांचे हवय अऊ मरइयाच हवय, ओला मजबूत करव, काबरकि मेंह तुम्हर काम
ला अपन परमेसर के नजर म सही नइं पाय हवंव।
3 जऊन सिकछा तुमन पाय हवव अऊ सुने हवव, ओला सुरता रखव; ओकर पालन करव अऊ पाप ले
पछताप करव। पर कहूं तुमन नइं जागहू, त मेंह चोर के सहीं आ जाहूं, अऊ तुमन ला पता नइं चलही कि कते
बेरा मेंह तुम्हर करा आ जाहूं।
4 तभो ले सरदीस सहर म, तुम्हर इहां कुछू मनखे हवंय, जऊन मन अपन जिनगी ला असुध नइं करे हवंय।
ओमन सफेद कपड़ा पहिरके मोर संग चलहीं, काबरकि ओमन एकर काबिल हवंय।
5 जऊन ह बिजयी होही, ओला येमन के सहीं सफेद कपड़ा पहिराय जाही। मेंह ओकर नांव ला जिनगी के
किताब ले कभू नइं मिटावंव, पर अपन ददा अऊ ओकर स्वरगदूतमन के आघू म ओला गरहन करहूं।
6 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे।

[illegible]

7 "फिलाडेलफिया के कलीसिया के दूत ला ये लिख:

जऊन ह पबितर अऊ सत ए अऊ जेकर करा दाऊद राजा के कुची हवय। जऊन ला ओह खोलथे, ओला
कोनो बंद नइं कर सकंय, अऊ जऊन ला ओह बंद करथे, ओला कोनो खोल नइं सकंय, ओकर ये बचन अय।

8 मेंह तुम्हर काममन ला जानथंव। देखव, मेंह तुम्हर आघू म एक कपाट खोलके रखे हवंव, जऊन ला कोनो
बंद नइं कर सकंय। मेंह जानथंव कि तुम्हर ताकत थोरकन हवय, तभो ले तुमन मोर बचन माने हवव अऊ मोर
बिसवास म बने हवव।
9 जऊन मन सैतान के सभा-घर के अंय अऊ अपनआप ला यहूदी कहिथें, पर अंय नइं, ओमन लबारी
मारथें। मेंह अइसने करहूं कि ओमन तुम्हर करा आके तुम्हर गोड़ खाल्हे गिरहीं अऊ मान लीहीं कि मेंह तुमन ले
मया करथंव।
10 काबरकि तुमन मोर हुकूम ला धीरज धरके माने हवव, त मेंह घलो तुमन ला ओ परिछा के घड़ी ले बंचाके
रखहूं, जऊन ह जम्मो संसार ऊपर अवइया हवय। एकर दुवारा ये धरती म रहइया मनखेमन परखे जाहीं।
11 मेंह जल्दी अवइया हवंव। जऊन सिकछा तुम्हर करा हवय, ओहीच म बने रहव, ताकि तुम्हर मुकुट ला
कोनो झन ले सकय।
12 जऊन ह बिजयी होही, मेंह ओला अपन परमेसर के मंदिर म खंभा बनाहूं। ओह एकर ले कभू बाहिर नइं
जाही। मेंह अपन परमेसर के नांव, अपन परमेसर के सहर के नांव—नवां यरूसलेम, जऊन ह मोर परमेसर करा
ले स्वरग ले उतरही ओकर ऊपर लिखहूं; अऊ मेंह अपन नवां नांव ला घलो ओकर ऊपर लिखहूं।
13 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे।

[illegible]

14 "लौदीकिया के कलीसिया के दूत ला ये लिख:

§ **2:27** भजन 2:9

येह आमीन के बचन अय, जऊन ह बिसवासयोग्य अऊ सच्चा गवाह अऊ परमेसर के सिरिस्टी के अधिकारी ए।

15 मेंह तुम्हर काममन ला जानत हंव। तुमन न तो ठंडा हवव अऊ न तात। बने होतिस कि तुमन या तो
ठंडा रहितेव या फेर तात।
16 काबरकि तुमन कुनकुना हवव, न ठंडा अऊ न तात; एकरसेति मेंह तुमन ला अपन मुहूं ले उछर दूहूं।
17 तुमन कहिथव कि तुमन धनवान अव; तुम्हर करा संपत्ति हवय, अऊ तुमन ला कोनो चीज के जरूरत
नइं ए। पर तुमन ये नइं जानत हव कि तुमन अभागा, दयनीय, गरीब, अंधरा अऊ नंगरा अव।
18 मेंह तुमन ला सलाह देवत हंव कि आगी म सुध करे गेय सोन मोर करा ले बिसोवव अऊ धनवान हो
जावव। तुमन मोर करा ले सफेद कपड़ा पहिरे बर बिसावव कि अपन नंगरई के लाज ला ढांक सकव अऊ अपन
आंखी म लगाय बर मरहम बिसावव कि तुमन देख सकव।
19 जऊन मन ला मेंह मया करथंव, ओमन ला मेंह दबकारथंव अऊ दंड देथंव। एकरसेति ईमानदार बनव
अऊ अपन पाप ले पछ्ताप करव।
20 देखव! मेंह कपाट के आघू म ठाढ़ होके खटखटावत हंव। कहूं कोनो मोर अवाज ला सुनके कपाट ला
खोलही, त मेंह ओकर करा भीतर आके ओकर संग खाना खाहूं अऊ ओह मोर संग खाही।
21 जऊन ह बिजयी होही, ओला मेंह मोर संग सिंघासन म बईठे के अधिकार दूहूं, जइसने कि मेंह जय पाके
अपन ददा के संग ओकर सिंघासन म बईठे हवंव।
22 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे।"

4

[illegible]

1 एकर बाद, मेंह स्वरग म एक उघरे कपाट ला देखेंव। अऊ ओ तुरही के सहीं अवाज, जऊन ला मेंह पहिली
अपन ले गोठियावत सुने रहेंव, मोला कहिस, "इहां ऊपर आ, अऊ मेंह तोला देखाहूं कि एकर बाद का होवइया
हवय।"
2 मेंह तुरते पबितर आतमा ले भर गेंव अऊ देखेंव कि स्वरग म एक सिंघासन रखे हवय अऊ ओमा एक झन
बईठे रहय।
3 अऊ जऊन ह ओमा बईठे रहय, ओकर रूप ह मानिक्य अऊ यसब सहीं रहय अऊ सिंघासन के चारों कोति
एक मेघ-धनुस रहय, जऊन ह पन्ना सहीं दिखय।
4 ओ सिंघासन के चारों कोति अऊ चौबीस ठन सिंघासन रहंय, जेमा चौबीस झन धरम अगुवामन बईठे
रहंय। ओमन सफेद कपड़ा पहिरे रहंय अऊ ओमन के मुड़ म सोन के मुकुट रहय।
5 ओ सिंघासन म ले बिजली, गड़गड़ाहट के अवाज अऊ बादर के गरजन निकलत रहय। अऊ ओ सिंघासन
के आघू म सात ठन मसाल बरत रहंय, जऊन मन परमेसर के सात आतमा अंय।
6 ओ सिंघासन के आघू म कांच के समुंदर सहीं घलो कुछू रहय, जेकर आर-पार जम्मो चीज साफ-साफ दिखय।
सिंघासन के चारों कोति, एकर चारों किनारा म चार जीयत परानी रहंय, जेमन के आघू अऊ पाछू म आंखीच
आंखी रहय।
7 पहिली जीयत परानी ह सिंह के सहीं रहय; दूसरा परानी ह बईला सहीं; तीसरा परानी के चेहरा ह मनखे
सहीं रहय अऊ चौथा परानी ह उड़त गिधवा सहीं रहय।
8 चारों जीयत परानीमन ले हर एक के छै-छै ठन डेना रहय अऊ ओमन जम्मो अंग, डेना के भीतर घलो
आंखीमन ले भरे रहंय। रात अऊ दिन, ओमन लगातार ये कहत रहंय:

" 'सर्वसक्तिमान परभू परमेसर ह
पबितर, पबितर, पबितर ए,'*
जऊन ह रिहिस, जऊन ह हवय अऊ जऊन ह अवइया हवय।"

9 जब-जब ओ जीयत परानीमन ओकर महिमा, आदर अऊ धनबाद करंय, जऊन ह सिंघासन म बिराजे रहय
अऊ जुग-जुग ले जीयत हवय,

* **4:8** यसा 6:3

10 तब-तब ओ चौबीस धरम अगुवामन ओकर आघू म माड़ी टेकंय, जऊन ह सिंघासन म बिराजे रहय, अऊ
ओकर अराधना करंय, जऊन ह जुग-जुग ले जीयत हवय। ओमन अपन-अपन मुकुट ला सिंघासन के आघू म
मढ़ाके ये कहंय:
11 "हमर परभू अऊ परमेसर!
तेंह महिमा, आदर अऊ सामर्थ पाय के काबिल अस,
काबरकि तेंह जम्मो चीज ला बनाय हवस,
अऊ तोर ईछा के दुवारा ओमन बनाय गीन
अऊ ओमन के असतित्व हवय।"

5

[illegible]

1 तब मेंह देखेंव कि जऊन ह सिंघासन म बिराजे रहय, ओकर जेवनी हांथ म एक ठन किताब रहय, जेकर दूनों
कोति लिखाय रहय अऊ ओला सात ठन मुहर लगाके बंद करे गे रहय।
2 अऊ मेंह देखेंव कि एक सक्तिसाली स्वरगदूत ह ऊंचहा अवाज म ये घोसना करत रहय, "मुहर ला टोरके
किताब ला खोले के काबिल कोन ए?"
3 पर स्वरग म या धरती ऊपर या धरती के खाल्हे म कोनो घलो ओ किताब ला खोले के या ओला देखे के
काबिल नइं रिहिस।
4 मेंह अब्बड़ रोवंय काबरकि अइसने कोनो नइं मिलिस, जऊन ह किताब ला खोले या ओला देखे के काबिल
होवय।
5 तब ओ अगुवामन ले एक झन ह मोला कहिस, "झन रो! देख, जऊन ह यहूदा गोत्र के सिंह ए, अऊ दाऊद
राजा के बंसज ए, ओह जय पाय हवय अऊ ओह सातों मुहर ला टोरे अऊ किताब ला खोले के काबिल हवय।*"
6 तब मेंह एक ठन मेढ़ा-पीला ला देखेंव, जऊन ह अइसने दिखत रहय, मानो ओकर बध करे गे हवय। ओ
मेढ़ा-पीला ह सिंघासन के आघू म चारों जीयत परानी अऊ अगुवामन के बीच म ठाढ़े रहय। ओकर सात ठन
सींग अऊ सात ठन आंखी रिहिस, जऊन मन परमेसर के सात आतमा अंय अऊ येमन ला जम्मो धरती म
पठोय गे हवय।
7 तब मेढ़ा-पीला ह आईस अऊ जऊन ह सिंघासन म बिराजे रहय, ओकर जेवनी हांथ ले ओह किताब ला ले
लीस।
8 अऊ जब मेढ़ा-पीला ह किताब ला ले लीस, त ओ चारों जीयत परानी अऊ ओ चौबीस अगुवामन
मेढ़ा-पीला के आघू म गिर पड़िन। हर एक के हांथ म बीना अऊ धूप ले भरे सोन के कटोरा रहय, जऊन ह
पबितर मनखेमन के पराथना अय।
9 अऊ ओमन एक नवां गीत गाईन:
"तेंह किताब ला लेय के
अऊ ओकर मुहरमन ला खोले के काबिल अस,
काबरकि तोर बध करे गीस,
अऊ अपन लहू के दुवारा तेंह जम्मो जाति,
भासा, देस अऊ गोत्र के मनखेमन ला परमेसर बर बिसाय हवस।
10 तेंह ओमन ला एक ठन देस अऊ पुरोहित बना दे हवस कि ओमन हमर परमेसर के सेवा करंय,
अऊ ओमन धरती ऊपर राज करहीं।"
11 तब मेंह लाखों-करोड़ों स्वरगदूतमन ला देखेंव अऊ ओमन के अवाज सुनेंव। ओमन सिंघासन, जीयत
परानी अऊ अगुवामन के चारों कोति रहंय।
12 ओमन ऊंचहा अवाज म गावत रहंय:
"जऊन मेढ़ा-पीला के बध करे गीस,
ओह सामर्थ, धन, बुद्धि, बल, आदर,
महिमा अऊ परसंसा पाय के काबिल अय!"

---

* **5:5** [illegible] अऊ [illegible] ये दूनों के मतलब [illegible] अय

13 तब मेंह अकास, धरती अऊ धरती के खाल्हे अऊ समुंदर के जम्मो परानीमन ला अइसने गावत सुनेंव:
“जऊन ह सिंघासन म बईठथे,
ओकर अऊ ओ मेढ़ा-पीला के परसंसा, आदर, महिमा अऊ सामर्थ
जुग-जुग होवय!”
14 चारों जीयत परानीमन कहिन, “आमीन,” अऊ अगुवामन माड़ी के भार गिरके अराधना करिन।

6

[illegible]

1 मेंह देखेंव कि मेढ़ा-पीला ह जब ओ सात ठन मुहर ले पहिली मुहर ला टोरिस, त मेंह ओ चार जीयत
परानीमन ले एक झन ला बादर के गरजन सहीं अवाज म, ये कहत सुनेंव, “आ!”
2 अऊ मेंह देखेंव कि उहां एक सफेद घोड़ा रहय। ओ घोड़ा के सवार ह एक ठन धनुस धरे रहय! ओला एक ठन
मुकुट दिये गीस अऊ ओह एक बिजयी योद्धा सहीं जय पाय बर निकल गीस।
3 जब मेढ़ा-पीला ह दूसरा मुहर ला टोरिस, त मेंह दूसरा जीयत परानी ला ये कहत सुनेंव, “आ!”
4 तब एक आने घोड़ा निकलिस। ओकर लाल रंग रहय। ओकर सवार ला ये सामर्थ दिये गीस कि ओह धरती
के सांति ला लेय ले, ताकि मनखेमन एक-दूसर ला मार डारंय। ओला एक बड़े तलवार दिये गीस।
5 जब मेढ़ा-पीला ह तीसरा मुहर ला टोरिस, त मेंह तीसरा जीयत परानी ला ये कहत सुनेंव, “आ!” मेंह देखेंव
कि उहां एक ठन करिया घोड़ा रहय! ओकर सवार के हांथ म एक तराजू रहय।
6 तब मेंह ओ चारों जीयत परानी के बीच म ले, ये अवाज आवत सुनेंव, “एक दिन के बनी के एक किलो गहूं
अऊ एक दिन के बनी के तीन किलो जवांर। पर तेल अऊ अंगूर के मंद ला नुकसान झन करव!”
7 जब मेढ़ा-पीला ह चौथा मुहर ला टोरिस, त मेंह चौथा जीयत परानी ला ये कहत सुनेंव, “आ!”
8 अऊ मेंह देखेंव कि उहां एक ठन पिंवरा रंग के घोड़ा रहय! ओकर सवार के नांव मिरतू रहय, अऊ ओकर
पाछू-पाछू पाताल-लोक ह आवत रहय। ओमन ला धरती के एक चौथाई भाग ऊपर अधिकार दिये गे रिहिस कि
ओमन तलवार, अकाल, महामारी अऊ धरती के जंगली पसुमन के दुवारा मनखेमन ला मार डारंय।
9 जब मेढ़ा-पीला ह पांचवां मुहर ला टोरिस, त मेंह बेदी के खाल्हे म ओमन के जीव ला देखेंव, जऊन मन
परमेसर के बचन अऊ मसीह के गवाही देय के कारन मार डारे गे रिहिन।
10 ओमन ऊंचहा अवाज म कहत रहंय, “हे परमपरधान परभू! तेंह पबितर अऊ सत अस। तेंह धरती ऊपर
रहइयामन ला कब सजा देबे अऊ ओमन ले हमर लहू के बदला लेबे?”
11 ओमन ले हर एक ला एक सफेद ओनहा दिये गीस अऊ ओमन ला अऊ थोरकन इंतजार करे बर कहे गीस,
जब तक कि ओमन के संगी सेवक अऊ भाईमन के गनती ह पूरा नइं हो लेवय, जऊन मन ओकरेच मन सहीं मार
डारे जवइया रिहिन।
12 जब मेढ़ा-पीला ह छठवां मुहर ला टोरिस, त मेंह देखेंव कि उहां एक भारी भुइंडोल होईस। सूरज ह बोकरा
के रूआं ले बने बोरा सहीं करिया हो गीस अऊ चंदा ह पूरा लहू सहीं लाल हो गीस,
13 अऊ अकास के तारामन धरती ऊपर अइसने गिर पड़िन, जइसने गरेर म अंजीर के रूख के डोले ले
अंजीरमन गिरथें।
14 अकास ह अइसने लोप हो गीस, जइसने कागज के पुलिंदा ला कोनो लपेट लेथे, अऊ जम्मो पहाड़ अऊ
टापू मन ला ओमन के जगह ले हटा दिये गीस।
15 तब धरती के राजा, अऊ बड़े मनखे, सेनापति, धनवान, सक्तिसाली अऊ गुलाम अऊ सुतंतर मनखेमन
गुफा अऊ पहाड़मन के चट्टानमन के बीच म लुका गीन।
16 ओमन पहाड़ अऊ चट्टानमन ले कहे लगिन, “हमर ऊपर गिर पड़व अऊ ओकर नजर ले हमन ला छिपा
लेवव,* जऊन ह सिंघासन म बिराजे हवय अऊ मेढ़ा-पीला के कोरोध ले हमन ला बचा लेवव।
17 काबरकि ओमन† के कोरोध के भयानक दिन ह आ गे हवय, अऊ कोन ह येमन के सामना कर सकथे?”

* **6:16** होसे 10:8 † **6:17** कुछू हस्तलिपि म *[illegible]*

7

[illegible] [illegible] 1,44,000 [illegible] [illegible] [illegible]

1 एकर बाद मेंह धरती के चारों कोना म चार स्वरगदूतमन ला ठाढ़े देखेंव। ओमन धरती के चारों दिग के हवा
ला थामे रिहिन, ताकि धरती या समुंदर या रूख ऊपर हवा झन चलय।
2 तब मेंह एक अऊ स्वरगदूत ला पूरब दिग ले आवत देखेंव। ओह जीयत परमेसर के मुहर ला धरे रहय। ओह
ओ चारों स्वरगदूत ले, जऊन मन ला धरती अऊ समुंदर के नुकसान करे के अधिकार दिये गे रिहिस, पुकारके
कहिस,
3 "जब तक हमन अपन परमेसर के सेवकमन के माथा म मुहर नइं लगा लेवन, तब तक धरती या समुंदर या
रूखमन के नुकसान झन करव।"
4 तब मेंह मुहर लगे मनखेमन के गनती ला सुनेंव। येमन इसरायल के जम्मो गोत्र म ले 1,44,000 रिहिन।

5 यहूदा के गोत्र के 12,000;
रूबेन के गोत्र के 12,000;
गाद के गोत्र के 12,000;
6 आसेर के गोत्र के 12,000;
नपताली के गोत्र के 12,000;
मनस्से के गोत्र के 12,000;
7 सिमोन के गोत्र के 12,000;
लेवी के गोत्र के 12,000;
इस्साकार के गोत्र के 12,000;
8 जबूलून के गोत्र के 12,000;
यूसुफ के गोत्र के 12,000;
अऊ बिनयामीन के गोत्र के 12,000 मनखेमन म मुहर लगिस।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

9 एकर बाद मेंह जम्मो देस, गोत्र, जाति अऊ भासा के मनखेमन के एक बड़े भीड़ ला देखेंव, जेकर गनती
कोनो नइं कर सकत रिहिन। ओमन सफेद ओनहा पहिरे अऊ हांथ म खजूर के डालीमन ला धरके सिंघासन अऊ
मेढ़ा-पीला के आघू म ठाढ़े रिहिन।
10 अऊ ओमन ऊंचहा अवाज म चिचियाके कहत रिहिन:
"सिंघासन म बिराजे
हमर परमेसर
अऊ मेढ़ा-पीला के दुवारा उद्धार होथे।"
11 सिंघासन, अगुवा अऊ चारों जीयत परानी के चारों कोति जम्मो स्वरगदूतमन ठाढ़े रहंय। ओमन सिंघासन के
आघू म मुहूं के भार गिरिन अऊ ये कहत परमेसर के अराधना करिन:
12 "आमीन!
हमर परमेसर के इस्तुति, महिमा
बुद्धि, धनबाद, आदर
सामर्थ अऊ बल
जुग-जुग तक होवय।
आमीन!"
13 तब अगुवामन ले एक झन मोर ले पुछिस, "जऊन मन सफेद ओनहा पहिरे हवंय, ओमन कोन अंय, अऊ
ओमन कहां ले आय हवंय?"
14 मेंह कहेंव, "हे महाराज, तेंह जानथस।"
अऊ ओह कहिस, "येमन ओ मनखे अंय, जऊन मन भारी सतावा म ले होके आय हवंय। येमन मेढ़ा-पीला के
लहू म अपन ओनहा ला धोके सफेद कर ले हवंय।
15 एकरसेति,

"येमन परमेसर के सिंघासन के आघू म ठाढ़े हवंय
अऊ रात-दिन परमेसर के सेवा ओकर मंदिर म करथें;
अऊ जऊन ह सिंघासन म बिराजे हवय,
ओह ओमन के संग रहिके ओमन के रकछा करही।
16 'येमन ला न तो कभू भूख लगही,
अऊ न कभू पीयास।
सूरज के घाम ह येमन के कुछू नइं कर सकय,'*
अऊ तीपत गरमी के कुछू असर येमन ऊपर नइं होवय।
17 काबरकि जऊन मेढ़ा-पीला ह सिंघासन के मांझा म हवय,
ओह ओमन के चरवाहा होही;
'ओह ओमन ला जिनगी के पानी के सोतामन करा ले जाही।'
'अऊ परमेसर ह ओमन के आंखी के जम्मो आंसू ला पोंछही।'†"

8

[illegible]

1 जब मेढ़ा-पीला ह सातवां मुहर ला टोरिस, त करीब आधा घंटा तक स्वरग म सन्नाटा छा गीस।
2 तब मेंह ओ सात स्वरगदूतमन ला देखेंव जऊन मन परमेसर के आघू म ठाढ़े रहिथें। ओमन ला सात ठन
तुरही दिये गीस।
3 तब एक आने स्वरगदूत, जऊन ह सोन के धूपदान धरे रहय, आईस अऊ बेदी करा ठाढ़ हो गीस। ओला
अब्बड़ अकन धूप दिये गीस कि ओह ओला जम्मो पबितर मनखेमन के पराथना के संग सिंघासन के आघू म सोन
के बेदी ऊपर चघावय।
4 अऊ स्वरगदूत के हांथ ले धूप के धुआं ह पबितर मनखेमन के पराथना के संग ऊपर उठिस अऊ परमेसर के
आघू म हबरिस।
5 तब स्वरगदूत ह धूपदान ला लीस अऊ ओला बेदी के आगी ले भरिस अऊ ओला धरती ऊपर फटिक दीस,
त बादर के गरजन, गड़गड़ाहट, बिजली के कड़क अऊ भुइंडोल होईस।

[illegible]

6 तब ओ सात स्वरगदूत, जेमन करा सात ठन तुरही रिहिस, अपन-अपन तुरही ला फूंके के तियारी करिन।
7 पहिली स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त लहू म मिले करा अऊ आगी आईस अऊ येला धरती ऊपर
डारे गीस। येमा एक तिहाई धरती ह जर गीस, एक तिहाई रूखमन जर गीन, अऊ जम्मो हरियर कांदी घलो जर
गीस।
8 दूसरा स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त आगी म जरत एक बड़े पहाड़ सहीं चीज ला समुंदर म फटिके
गीस; अऊ एक तिहाई पानी ह लहू हो गीस,
9 समुंदर के एक तिहाई जीयत परानीमन मर गीन, अऊ एक तिहाई पानी जहाजमन नास हो गीन।
10 तब तीसरा स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त मसाल के सहीं बरत एक बड़े तारा ह अकास ले एक
तिहाई नदीमन ऊपर अऊ पानी के सोतामन ऊपर गिरिस।
11 ओ तारा के नांव नागदऊना* ए। अऊ धरती के एक तिहाई पानी ह करू हो गीस, अऊ ओ करू पानी ला
पीके कतको मनखेमन मर गीन।
12 तब चौथा स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त एक तिहाई सूरज अऊ एक तिहाई चंदा अऊ एक तिहाई
तारामन ऊपर बिपत पड़िस, जेकर ले ओमन के एक तिहाई भाग ह अंधियार हो गीस अऊ दिन के एक तिहाई
भाग म अंजोर नइं होईस, अऊ रात के एक तिहाई भाग म घलो अंजोर नइं होईस।
13 तब मेंह देखेंव अऊ सुनेंव कि ऊंच अकास म उड़त एक गिधवा ह ऊंचहा अवाज म ये कहत रहय: "बाकि
बचे तीन स्वरगदूतमन जऊन तुरही फूंकइया हवंय, ओकर कारन धरती के रहइयामन ऊपर हाय! हाय! हाय!"

* **7:16** यसा 49:10 † **7:17** यसा 25:8 * **8:11** *[illegible]* एक पऊधा ए। एकर पान के रस ह करू रहिथे।

9

1 तब पांचवां स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, अऊ मेंह एक तारा ला देखेंव, जऊन ह अकास ले धरती
ऊपर गिरे रिहिस। ओ तारा ला अथाह कुन्ड के कुची दिये गीस।
2 जब ओह अथाह कुन्ड ला खोलिस, त उहां ले अइसने धुआं निकलिस, जइसने कि एक बड़े भट्ठी ले
निकलथे। ओ कुन्ड के धुआं ले सूरज अऊ अकास अंधियार हो गीन।
3 अऊ ओ धुआं म ले धरती ऊपर फांफामन आईन अऊ ओमन ला धरती के बिच्छूमन सहीं सक्ति दिये गीस।
4 ओमन ला ये कहे गीस कि धरती के कांदी, या कोनो पऊधा या रूख ला हानि झन पहुंचावंय, पर सिरिप ओ
मनखेमन ला नुकसान पहुंचावंय, जेमन के माथा म परमेसर के मुहर नइं लगे हवय।
5 फांफामन ला ये सक्ति नइं दिये गीस कि ओमन मनखेमन ला मार डारें, पर ओमन ला ये सक्ति दिये गीस
कि ओमन पांच महिना तक मनखेमन ला पीरा देवंय। ओ पीरा ह अइसने रिहिस, जइसने बिच्छू के डंक मारे ले
मनखे ला पीरा होथे।
6 ओ दिनमन म मनखेमन मिरतू ला खोजहीं, पर ओमन ला ओह नइं मिलही। ओमन मरे के ईछा करहीं, पर
मिरतू ह ओमन ले दूर भागही।
7 ओ फांफामन लड़ई बर तियार घोड़ामन सहीं दिखत रहंय। अपन मुड़ म, ओमन सोन के मुकुट सहीं कुछू
पहिरे रहंय अऊ ओमन के मुहूं मनखेमन के मुहूं सहीं रहय।
8 ओमन के चुंदी ह माईलोगन के चुंदी सहीं रहय अऊ ओमन के दांतमन सिंह के दांत सहीं रिहिस।
9 ओमन के छाती ह लोहा के कवच सहीं चीज ले ढंकाय रिहिस अऊ ओमन के डेना के अवाज ह लड़ई म
दऊड़त बहुंते घोड़ा अऊ रथमन के अवाज सहीं रिहिस।
10 ओमन के पुंछी अऊ डंक ह बिच्छूमन के पुंछी अऊ डंक सहीं रहय अऊ ओमन के पुंछी म मनखेमन ला
पांच महिना तक पीरा देय के सक्ति रहय।
11 अथाह कुन्ड के दूत ह ओमन के राजा रिहिस। ओकर नांव इबरानी म "अबद्दोन" अऊ यूनानी भासा म
"अपुल्लयोन" ए।*
12 पहिली बिपत्ति पड़ चुके हवय; एकर बाद दू अऊ बिपत्ति अवइया हवंय।
13 तब छठवां स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त मेंह एक अवाज सुनेंव, जऊन ह परमेसर के आघू म
रखाय सोन के बेदी के चारों कोना म ले आवत रहय।
14 ओ अवाज छठवां स्वरगदूत ला जेकर करा तुरही रिहिस, ये कहत रहय, "ओ चारों स्वरगदूत ला छोंड़ दे,
जऊन मन महान नदी फरात करा बंधाय हवंय।"
15 अऊ ओ चारों स्वरगदूतमन ला छोंड़ दिये गीस। ओमन ला एही घरी अऊ दिन अऊ महिना अऊ साल बर
तियार रखे गे रिहिस कि ओमन एक तिहाई मनखेमन ला मार डारें।
16 घुड़सवार सेनामन के गनती ह बीस करोड़ रिहिस। मेंह ओमन के गनती ला सुनेंव।
17 मेंह अपन दरसन म देखेंव कि घोड़ामन अऊ ओकर सवारमन अइसने दिखत रहंय: घुड़सवारमन के कवच
ह आगी सहीं लाल, गहिरा नीला अऊ गंधक के सहीं पीला रंग के रहय। घोड़ामन के मुड़ ह सिंहमन के मुड़ सहीं
रहय अऊ ओमन के मुहूं ले आगी, धुआं अऊ गंधक निकलत रहय।
18 एक तिहाई मनखेमन ये तीन महामारी के दुवारा मार डारे गीन—याने कि आगी, धुआं अऊ गंधक के
दुवारा, जऊन ह घोड़ामन के मुहूं ले निकलत रहय।
19 घोड़ामन के सक्ति ह ओमन के मुहूं अऊ ओमन के पुंछी म रहय; काबरकि ओमन के पुंछीमन सांपमन सहीं
रहय, जेमा मुड़ीमन रहंय अऊ मुड़ ले ओमन मनखेमन ला चाबके पीरा देवत रिहिन।
20 बाकि बचे मनखे, जऊन मन ये महामारी म नइं मारे गीन, ओमन अपन गलत काम ले नइं मन फिराईन।
ओमन परेत आतमामन के, अऊ सोन, चांदी, कांसा, पथरा, अऊ कठवा के मूरतीमन के पूजा करे बर नइं
छोंड़िन, जऊन मन न तो देख सकंय, न सुन सकंय अऊ न तो रेंग सकंय।
21 जऊन हतिया, जादू टोनहा, छिनारीपन अऊ चोरी ओमन करे रिहिन; ओमन ओकर बर घलो पछताप नइं
करिन।

---

* **9:11** [illegible] अऊ [illegible] ये दूनों सबद के मतलब [illegible] होथे।

10

[illegible]

1 तब मेंह एक अऊ सक्तिसाली स्वरगदूत ला स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह चारों कोति ले बादर ले घेराय
रहय अऊ ओकर मुड़ ऊपर मेघ-धनुस रहय। ओकर चेहरा ह सूरज सहीं रहय अऊ ओकर गोड़मन आगी के
खंभा सहीं रहंय।
2 ओह अपन हांथ म एक छोटे किताब धरे रहय, जऊन ह खुला रहय। ओह अपन जेवनी गोड़ समुंदर ऊपर
अऊ डेरी गोड़ ला भुइयां ऊपर रखिस,
3 अऊ सिंह के गरजन सहीं ओह ऊंचहा अवाज म चिचियाईस। जब ओह चिचियाईस, त सात ठन बादर के
गरजन मन गोठियाईन।
4 अऊ जब सात ठन बादर के गरजन मन गोठियाईन, त ओला मेंह लिखनेच वाला रहेंव कि मेंह स्वरग ले एक
अवाज ला ये कहत सुनेंव, "जऊन बात सात ठन बादर के गरजन मन कहिन, ओला गुपत म रख अऊ ओला
झन लिख।"
5 तब जऊन स्वरगदूत ला मेंह समुंदर अऊ भुइयां ऊपर ठाढ़े देखे रहेंव, ओह अपन जेवनी हांथ ला स्वरग
कोति उठाईस।
6 अऊ ओह ओकर किरिया खाईस, जऊन ह सदाकाल तक जीयत हवय, जऊन ह स्वरग अऊ ओमा जऊन
कुछू हवय, धरती अऊ ओमा जऊन कुछू हवय अऊ समुंदर अऊ ओमा जऊन कुछू हवय, ओ जम्मो ला गढ़िस,
अऊ ओ स्वरगदूत ह कहिस, "अब अऊ देरी नइं होवय!
7 पर जऊन दिन सातवां स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकही, ओ दिन परमेसर के गुपत योजना ह पूरा हो
जाही, जइसने कि ओह अपन अगमजानी सेवकमन ला कहे रिहिस।"
8 तब स्वरग ले जऊन अवाज ला मेंह गोठियावत सुने रहेंव, ओह फेर एक बार मोर ले कहिस, "जा, अऊ
जऊन स्वरगदूत ह समुंदर अऊ भुइयां ऊपर ठाढ़े हवय, ओकर हांथ ले ओ खुला किताब ला लेय ले।"
9 एकरसेति, ओ स्वरगदूत करा जाके मेंह ओला कहेंव, "मोला ओ छोटे किताब ला देय दे।" ओह मोला
कहिस, "येला ले अऊ खा ले। येह तोर पेट ला करू कर दीही, पर तोर मुहूं म येह मंधरस सहीं मीठ लगही।"*
10 स्वरगदूत के हांथ ले मेंह ओ छोटे किताब ला लेके, ओला खा लेंव। ओह मोर मुहूं म मंधरस के सहीं मीठ
लगिस, पर जब मेंह ओला खा चुकेंव, त मोर पेट ह करू हो गीस।
11 तब मोला ये कहे गीस, "तोला फेर बहुंते मनखे, देस, भासा अऊ राजामन के बारे म अगमबानी करना
जरूरी ए।"

11

[illegible]

1 तब मोला एक झन नापे के एक ठन लउठी दीस अऊ कहिस, "जा अऊ परमेसर के मंदिर अऊ बेदी ला नाप
अऊ जऊन मन उहां अराधना करत हवंय, ओमन के गनती कर।
2 पर बाहिरी अंगना ला छोंड़ दे; ओला झन नाप, काबरकि ओला आनजातमन ला दिये गे हवय, अऊ ओमन
42 महिना तक पबितर सहर ला रऊंदत रहिहीं।
3 अऊ मेंह अपन दू झन गवाह ला सक्ति दूहूं, अऊ ओमन 1,260 दिन तक बोरा के कपड़ा* पहिरके
अगमबानी करहीं।"
4 ये दू गवाहमन दू ठन जैतून के रूख अऊ दू ठन दीवट अंय, जऊन मन धरती के परभू के आघू म ठाढ़े रहिथें।†
5 कहूं कोनो ओमन ला हानि पहुंचाय के कोसिस करथे, त ओमन के मुहूं ले आगी निकलथे अऊ ओमन के
बईरीमन ला भसम कर देथे। जऊन कोनो येमन के हानि करे के कोसिस करथे, ओह अइसने मरही।
6 ये दूनों झन करा अकास के कपाटमन ला बंद करे के सक्ति हवय, ताकि जब ओमन अगमबानी करंय, त
पानी झन गिरय, अऊ येमन करा ये सक्ति घलो हवय कि पानी ला लहू म बदल दें अऊ जब कभू चाहंय, तब
धरती ऊपर जम्मो किसम के महामारी लानंय।

---

* **10:9** यहे 3:3 * **11:3** ओ समय म कोनो "बोरा के कपड़ा पहिरे", त एकर मतलब होवय कि ओह कोनो *[illegible]* † **11:4** जकर 4:3, 11, 14

7 जब येमन अपन गवाही दे चुकहीं, त ओ पसु जऊन ह अथाह कुन्ड ले निकलही, येमन ले लड़ही, अऊ ओह
येमन ला हराके मार डारही।
8 येमन के लासमन ओ महान सहर के गली म पड़े रहिहीं, जिहां ओमन के परभू ला कुरूस ऊपर चघाय गे
रिहिस। ये महान सहर ला सांकेतिक रूप म सदोम अऊ मिसर कहे जाथे।
9 साढ़े तीन दिन तक जम्मो जाति, भासा, देस अऊ बंस के मनखेमन येमन के लास ला देखहीं, पर ओमा के
कोनो घलो ओमन ला माटी नइं दीहीं।
10 धरती के मनखेमन येमन के मरे ले आनंद मनाहीं अऊ खुस होवत एक-दूसर करा भेंट पठोहीं, काबरकि ये
दूनों अगमजानीमन धरती के रहइयामन ला अब्बड़ दुख देय रिहिन।
11 पर साढ़े तीन दिन के बाद, परमेसर के जिनगी देवइया सांस, ये दूनों म हमाईस अऊ ओमन अपन गोड़ म
ठाढ़ हो गीन, अऊ जऊन मन ओमन ला देखिन, ओमन म बहुंते भय छा गीस।
12 तब ओमन स्वरग ले एक ऊंचहा अवाज सुनिन, जऊन ह ओमन ला ये कहत रहय, "इहां ऊपर आ जावव।"
अऊ ओमन अपन बईरीमन के देखते-देखत एक बादर म स्वरग चले गीन।
13 ओहीच बेरा एक भारी भुइंडोल होईस अऊ सहर के दसवां भाग ह भरभरा के गिर गीस। सात हजार
मनखेमन ओ भुइंडोल म मारे गीन अऊ जऊन मन बच गीन, ओमन डरा गीन अऊ स्वरग के परमेसर के महिमा
करिन।
14 दूसरा बिपत्ति बीत गीस, पर देखव! तीसरा बिपत्ति ह जल्दी अवइया हवय।

[illegible] [illegible]

15 तब सातवां स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, अऊ स्वरग म ऊंचहा अवाज सुनई पड़िस, जऊन ह ये
कहत रहय:
"संसार के राज ह हमर परभू
अऊ ओकर मसीह के राज बन गे हवय,
अऊ ओह सदाकाल तक राज करही।"
16 अऊ चौबीस झन अगुवा, जऊन मन परमेसर के आघू म अपन सिंघासन ऊपर बिराजे रिहिन, मुहूं के भार
गिरिन अऊ ये कहत परमेसर के अराधना करिन:
17 "हे सर्वसक्तिमान परभू परमेसर, ओ जऊन ह हवय,
अऊ जऊन ह रिहिस; हमन तोला धनबाद देवत हवन,
काबरकि तेंह अपन बड़े सामर्थ ला उपयोग करके
राज करे के सुरू करे हवस।
18 देसमन गुस्सा करत रिहिन
अऊ तोर परकोप ह आ गे हवय।
मरे मनखेमन के नियाय करे के बेरा आ गे हवय,
अऊ ओ बेरा घलो आ गे हवय कि तोर सेवक अगमजानी
अऊ तोर पबितर मनखे, जऊन मन तोर भय मानथें,
छोटे अऊ बड़े दूनों ला ईनाम दिये जावय—
अऊ जऊन मन धरती ला नास करथें, ओमन ला नास करे जावय।"
19 तब स्वरग म परमेसर के मंदिर ह खुल गीस, अऊ ओकर मंदिर म ओकर करार के सन्दूक ह दिखाई दीस।
अऊ उहां बिजली के चमक, अवाज, बादर के गरजन अऊ भुइंडोल होईस अऊ भारी करा गिरिस।

12

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

1 अकास म एक बड़े चिनहां परगट होईस: एक झन माईलोगन ह सूरज ला पहिरे रहय। ओकर गोड़ के खाल्हे
म चंदा रहय अऊ ओकर मुड़ म बारह ठन तारामन के मुकुट रहय।
2 ओह पेट म रिहिस, अऊ लइका जनमे के पीरा ले कलपत रिहिस।
3 तब एक अऊ चिनहां अकास म परगट होईस: एक बड़े लाल रंग के सांप सहीं पसु रहय। ओकर सात ठन
मुड़ अऊ दस ठन सींग रहंय अऊ सातों मुड़ म सात ठन मुकुट रहंय।

4 ओकर पुंछी ह अकास के एक तिहाई तारामन ला खींचके धरती ऊपर फटिक दीस। सांप सहीं पसु ह ओ
माईलोगन के आघू म ठाढ़ हो गीस, जेकर लइका होवइया रहय, ताकि ओह लइका के जनमतेच ही ओ लइका
ला लील सकय।
5 ओ माईलोगन ह एक बेटा ला जनमिस, जऊन ह लोहा के राजदंड ले जम्मो देस ऊपर राज करही।* अऊ
ओ लइका ला झपटके परमेसर अऊ ओकर सिंघासन करा लाने गीस।
6 तब ओ माईलोगन ह सुनसान जगह ला भाग गीस, उहां परमेसर ह ओकर बर एक जगह तियार करे रिहिस,
जिहां 1,260 दिन तक ओकर देखभाल करे जा सकय।
7 तब स्वरग म लड़ई होय लगिस। मिकाएल† अऊ ओकर दूतमन सांप सहीं पसु के संग लड़िन, अऊ सांप
सहीं पसु अऊ ओकर दूतमन येमन के संग लड़िन।
8 पर सांप सहीं पसु ह हार गीस, अऊ ओला अऊ ओकर दूतमन ला स्वरग म अपन जगह ला छोड़ना पड़िस।
9 ओ सांप सहीं पसु ला फटिक दिये गीस। ये सांप सहीं पसु ह ओ पुराना सांप ए, जऊन ला इबलीस या
सैतान कहे जाथे अऊ जऊन ह संसार के जम्मो मनखेमन ला धोखा देथे। ओला अऊ ओकर दूतमन ला धरती म
फटिक दिये गीस।
10 तब मेंह स्वरग ले एक ऊंचहा अवाज आवत सुनेंव, जऊन ह ये कहत रहय:
"अब हमर परमेसर के उद्धार अऊ सामर्थ
अऊ परमेसर के राज,
अऊ ओकर मसीह के अधिकार आ गे हवय।
काबरकि हमर भाईमन ऊपर ओ दोस लगइया ला
स्वरग ले फटिक दे गे हवय,
जऊन ह दिन-रात हमर परमेसर के आघू म ओमन ऊपर दोस लगावत रिहिस।
11 हमर भाईमन मेढ़ा-पीला के लहू
अऊ अपन गवाही के बचन के दुवारा
ओ सैतान ऊपर जय पाईन;
ओमन अपन जिनगी ले मया नइं करिन
अऊ मरे बर तियार रिहिन।
12 एकरसेति, हे स्वरग
अऊ ओमा रहइयामन, आनंद मनावव!
पर हे धरती अऊ समुंदर, तुमन ला धिक्कार ए,
काबरकि सैतान ह उतरके तुम्हर करा आय हवय!
ओह बड़े कोरोध ले भरे हवय,
काबरकि ओह जानथे कि ओकर करा थोरकन समय बचे हवय।"
13 जब ओ सांप सहीं पसु ह देखिस कि ओला धरती ऊपर फटिक दिये गे हवय, त ओह ओ माईलोगन के पाछू
पड़ गीस, जऊन ह एक बेटा ला जनमे रिहिस।
14 ओ माईलोगन ला एक बड़े गिधवा के दू ठन डेना दिये गीस, ताकि ओह सुनसान जगह म ओ ठऊर ला
उड़के जा सकय, जिहां सांप के पहुंच ले बाहिर, ओकर साढ़े तीन साल तक देखभाल करे जावय।
15 तब सांप ह अपन मुहूं ले ओ माईलोगन कोति नदी सहीं पानी के धार छोंड़िस, ताकि माईलोगन ह पानी के
धार म बोहा जावय।
16 पर धरती ह ओ माईलोगन के मदद करिस। धरती ह अपन मुहूं ला खोलके ओ पानी ला पी गीस, जऊन ह
ओ सांप सहीं पसु के मुहूं ले निकलत रिहिस।
17 तब ओ सांप सहीं पसु ह ओ माईलोगन ऊपर गुस्सा करिस अऊ ओह माईलोगन के बांचे संतानमन ले
लड़ई करे बर निकलिस—याने कि ओ मनखेमन ले, जऊन मन परमेसर के हुकूम ला मानथें अऊ यीसू के गवाह
अऊ ओकर ऊपर बिसवास म अटल रहिथें।

---

* **12:5** भजन 2:9 † **12:7** [illegible] ह परमेसर के एक मुखिया स्वरगदूत अय।

13

[illegible]

1 ओ सांप सहीं पसु ह समुंदर तीर म ठाढ़ हो गीस। अऊ मेंह एक ठन पसु ला समुंदर ले निकलत देखेंव।
ओकर दस ठन सींग अऊ सात ठन मुड़ रिहिस। ओकर दस ठन सींग म दस ठन मुकुट रहंय अऊ ओकर हर एक
मुड़ म एक-एक निन्दा करइया नांव लिखाय रहय।
2 जऊन पसु ला मेंह देखेंव, ओह चीतवा के सहीं रहय, पर ओकर गोड़मन भालू के गोड़ सहीं रहंय अऊ ओकर
मुहूं ह सिंह के मुहूं सहीं रहय। सांप सहीं पसु ह ये पसु ला अपन सक्ति, अपन सिंघासन अऊ बहुंते अधिकार
दीस।
3 अइसने लगत रहय कि ओ पसु के एक ठन मुड़ म एक बड़े घाव होय रिहिस, पर ओ बड़े घाव ह बने हो गे
रिहिस। जम्मो संसार के मनखेमन अचरज करिन अऊ ओ पसु के पाछू हो लीन।
4 मनखेमन सांप सहीं पसु के पूजा करिन, काबरकि ओह पसु ला अधिकार दे रिहिस, अऊ ओमन ये कहत पसु
के घलो पूजा करिन, "ये पसु के सहीं कोन हवय? एकर संग कोन लड़ई कर सकथे?"
5 ओ पसु ला डींग मारे के अऊ निन्दा करे के अनुमति दिये गीस। ओला बियालीस महिना तक अपन
अधिकार के उपयोग करे के अनुमति घलो दिये गीस।
6 ओह परमेसर के निन्दा करिस। ओह परमेसर के नांव अऊ ओकर निवास के अऊ ओ मनखेमन के निन्दा
करिस, जऊन मन स्वरग म रहिथें।
7 ओला अनुमति दिये गीस कि ओह पबितर मनखेमन संग लड़ई करय अऊ ओमन ऊपर जय पावय। अऊ
ओला हर एक जाति, मनखे, भासा अऊ देस ऊपर अधिकार दिये गीस।
8 धरती के रहइया जम्मो मनखेमन ओ पसु के पूजा करहीं—याने कि ओ जम्मो मनखे, जेमन के नांव ह ओ
मेढ़ा-पीला के जिनगी के किताब म नइं लिखाय हवय, जऊन ह संसार के रचे के समय ले मार डारे गीस।
9 जेकर कान हवय, ओह सुन ले!
10 "कहूं कोनो ला कैद म जाना हवय,
त ओह कैद म जाही।
कहूं कोनो ला तलवार ले मरना हवय,
त ओह तलवार ले मारे जाही।"*
एकर खातिर पबितर मनखेमन ला धीरज अऊ बिसवासयोग्यता के जरूरत हवय।

[illegible]

11 तब मेंह एक ठन अऊ पसु ला देखेंव, जऊन ह धरती म ले निकलत रहय। ओकर, मेढ़ा-पीला के सींग सहीं
दू ठन सींग रहय, पर ओह सांप सहीं पसु जइसने गोठियावय।
12 ओह पहिली पसु कोति ले ओकर जम्मो अधिकार के उपयोग करथे। ओह धरती अऊ ओकर रहइयामन ला
बाध्य करथे कि ओमन ओ पहिली पसु के पूजा करंय, जेकर एक बड़े घाव ह बने हो गे रिहिस।
13 ये दूसरा पसु ह बड़े-बड़े चमतकार देखाईस, अऊ त अऊ ओह मनखेमन के देखत म अकास ले धरती ऊपर
आगी बरसा देवत रिहिस।
14 पहिली पसु कोति ले, ओला जऊन चमतकार देखाय के अधिकार मिले रिहिस, ओ चमतकार के दुवारा ओह
धरती के मनखेमन ला भरमा दीस। ओह मनखेमन ला हुकूम दीस कि ओमन ओ पसु के आदर म एक मूरती
बनावंय, जऊन ह तलवार ले घात करे के बाद घलो जीयत रिहिस।
15 ओला पहिली पसु के मूरती ला जियाय के सक्ति दिये गीस, ताकि ओ मूरती ह गोठियावय, अऊ ओ जम्मो
झन ला मरवा देवय, जऊन मन ओ मूरती के पूजा नइं करिन।
16 ओह छोटे या बड़े, धनी या गरीब, सुतंतर या गुलाम, जम्मो मनखेमन ला बाध्य करथे कि ओमन जेवनी
हांथ या अपन माथा म एक छाप लगावंय।
17 बिगर ओ छाप के, कोनो घलो मनखे लेन-देन नइं कर सकंय। ओ छाप म पसु के नांव या ओकर नांव के
संखिया लिखाय रहय।

---

* **13:10** यर 15:2

18 एकर खातिर बुद्धि के जरूरत हवय। ओ मनखे, जेकर करा बुद्धि हवय, त ओह ये पसु के संखिया के हिसाब
कर ले, काबरकि येह एक मनखे के संखिया ए। एकर संखिया 666 ए।

14

[illegible]-[illegible] [illegible] 1,44,000 [illegible]

1 तब मेंह देखेंव कि मेढ़ा-पीला ह सियोन पहाड़ ऊपर ठाढ़े हवय अऊ ओकर संग 1,44,000 ओ मनखेमन
रहंय, जेमन के माथा म ओकर नांव अऊ ओकर ददा के नांव लिखाय रहय।
2 तब मेंह स्वरग ले एक अवाज सुनेंव, जऊन ह तेजी से बोहावत पानी के अवाज अऊ बादर के भयंकर गरजन
सहीं रहय। जऊन अवाज ला मेंह सुनेंव, ओह अइसने रिहिस, मानो बीना बजइयामन बीना बजावत हवंय।
3 ओ मनखेमन सिंघासन अऊ चार जीयत परानी अऊ अगुवामन के आघू म एक नवां गीत गावत रहंय। ओ
1,44,000 मनखे, जऊन मन ला धरती म ले दाम देके छोंड़ाय गे रिहिस, ओमन के छोंड़, अऊ कोनो ओ गीत
ला सीख नइं सकिन।
4 येमन ओ मनखे रिहिन, जेमन के सारीरिक संबंध माईलोगनमन संग नइं रिहिस अऊ ओमन अपनआप ला
असुध नइं करे रिहिन। अऊ जिहां कहूं मेढ़ा-पीला ह जाथे; येमन ओकर पाछू-पाछू चलथें। येमन ला मनखेमन
ले बिसाय गे रिहिस अऊ येमन ला परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला करा पहिली फर के रूप म चघाय गे रिहिस।
5 येमन कभू लबारी नइं मारिन; येमन म कोनो किसम के दोस नइं ए।

[illegible] [illegible]

6 तब मेंह एक अऊ स्वरगदूत ला अकास म उड़त देखेंव। ओकर करा धरती के जम्मो देस, जाति अऊ भासा
के मनखेमन ला सुनाय बर एक सदाकाल के सुघर संदेस रहय।
7 ओह ऊंचहा अवाज म कहिस, "परमेसर के भय मानव अऊ ओकर महिमा करव, काबरकि ओकर नियाय करे
के बेरा ह आ गे हवय। जऊन ह स्वरग, धरती, समुंदर अऊ पानी के सोतमन ला बनाईस, ओकर अराधना करव।"
8 एकर बाद एक दूसरा स्वरगदूत ह पाछू हो लीस अऊ कहिस, "सतियानास हो गीस। बड़े सहर बेबिलोन के
सतियानास हो गीस,* जऊन ह अपन छिनारीपन के पागल करइया मंद जम्मो जाति के मनखेमन ला पीयाय
रिहिस।"
9 एकर बाद, एक तीसरा स्वरगदूत ह पाछू हो लीस अऊ ऊंचहा अवाज म कहिस, "कहूं कोनो ओ पसु या
ओकर मूरती के पूजा करथे अऊ अपन माथा म या अपन हांथ म ओ पसु के छाप ला लेथे,
10 त ओला घलो परमेसर के कोरोध रूपी मंद ला पीये पड़ही, जऊन ला ओकर कोरोध रूपी कटोरा म पूरा
बल सहित ढारे गे हवय। ओह पबितर स्वरगदूतमन के अऊ मेढ़ा-पीला के आघू म आगी अऊ गंधक के पीरा ला
भोगही।
11 जऊन मन ओ पसु अऊ ओकर मूरती के पूजा करथें या ओकर नांव के छाप ला लेथें, ओमन के पीरा के
धुआं ह जुग-जुग तक उठते रहिही; अऊ ओमन ला रात अऊ दिन कभू चैन नइं मिलही।"
12 एकर खातिर, ओ पबितर मनखेमन ला धीरज के जरूरत हवय, जऊन मन परमेसर के हुकूम ला मानथें अऊ
यीसू म अपन बिसवास ला बनाय रखथें।
13 तब मेंह स्वरग ले एक अवाज सुनेंव, जऊन ह मोला ये कहत रहय, "लिख! धइन एं ओ मनखेमन, जऊन
मन अब ले परभू म बिसवास करत मरथें।"
पबितर आतमा ह कहिथे, "हव, ओमन धइन अंय। ओमन अपन मेहनत के बाद अराम पाहीं, काबरकि ओमन
के भलई के काममन ओमन के संग जाही।"

[illegible] [illegible] [illegible]

14 तब मोला उहां एक सफेद बादर दिखिस अऊ ओ बादर ऊपर मनखे के बेटा† सहीं कोनो बईठे रहय। ओकर
मुड़ म सोन के मुकुट अऊ ओकर हांथ म तेज धारदार हंसिया रहय।
15 तब एक आने स्वरगदूत मंदिर म ले निकलिस अऊ ऊंचहा अवाज म बादर ऊपर बईठे मनखे ला कहिस,
"अपन हंसिया ला ले अऊ लुवई कर, काबरकि लुवई के बेरा आ गे हवय, अऊ धरती के फसल ह पक चुके हवय।"

---

* **14:8** यसा 21:9 † **14:14** देखव दानि 7:13

16 तब जऊन ह बादर ऊपर बईठे रिहिस, ओह अपन हंसिया ला धरती ऊपर चलाईस, अऊ धरती के फसल ह
लुवा गे।
17 तब एक अऊ स्वरगदूत स्वरग के मंदिर म ले निकलिस, अऊ ओकर करा घलो एक तेज धारदार हंसिया
रहय।
18 तब एक अऊ स्वरगदूत, जऊन ला आगी ऊपर अधिकार दिये गे रिहिस, बेदी म ले आईस अऊ ऊंचहा
अवाज म ओ स्वरगदूत ला कहिस, जेकर करा तेज धारदार हंसिया रहय, "अपन हंसिया ला ले अऊ धरती के
अंगूर के नार के गुच्छामन ला काट अऊ अंगूर ला संकेल ले, काबरकि ओकर अंगूरमन पाक गे हवंय।"
19 तब ओ स्वरगदूत ह अपन हंसिया ला धरती के अंगूर के नारमन म चलाईस अऊ अंगूर ला संकेलिस अऊ
ओला परमेसर के कोरोध रूपी अंगूर के बड़े कुन्ड‡ म झोंक दीस।
20 ओमन ला सहर के बाहिर अंगूर के कुन्ड म कुचरे गीस अऊ ओ कुन्ड ले जऊन लहू निकलिस, ओह घोड़ा
के लगाम के करीब पांच फीट ऊंच होके तीन सौ किलोमीटर तक बोहाईस।

15

[illegible]

1 तब मेंह अकास म एक ठन अऊ महान अऊ अद्भूत चिनहां देखेंव: सात स्वरगदूत सात ठन महामारी ला
धरे रहंय। येमन आखिरी बिपत्ति अंय, काबरकि एकर बाद परमेसर के कोरोध ह पूरा हो जाही।
2 अऊ मेंह अइसने चीज देखेंव, जऊन ह आगी म मिले कांच के एक समुंदर सहीं दिखत रहय अऊ ओ कांच
के समुंदर के तीर म ओ मनखेमन ठाढ़े रिहिन, जऊन मन ओ पसु अऊ ओकर मूरती अऊ ओकर नांव के संखिया
ऊपर जय पाय रिहिन। ओमन परमेसर के दुवारा दिये गय बीनामन ला धरे रहंय
3 अऊ ओमन परमेसर के सेवक मूसा के गीत अऊ मेढ़ा-पीला के ये गीत गावत रहंय:
"हे सर्वसक्तिमान परभू परमेसर!
तोर काम महान अऊ अद्भूत ए।
हे जाति-जाति के राजा!
तोर रसता ह सही अऊ सच्चा ए।
4 हे परभू! जम्मो झन तोर भय मानहीं,
अऊ तोर नांव के महिमा करहीं।
काबरकि तेंहीच ह पबितर अस।
जम्मो देस के मनखेमन आहीं
अऊ तोर अराधना करहीं,
काबरकि तोर धरमी काममन परगट हो गे हवंय।"*
5 एकर बाद मेंह स्वरग म मंदिर ला याने कि करार कानून के पबितर-तम्बू ला देखेंव, जऊन ला खोले गीस।
6 अऊ ओ मंदिर म ले सात स्वरगदूत निकलिन, जेमन करा सात ठन महामारी रहय। ओ स्वरगदूतमन साफ
अऊ चमकत सन के कपड़ा पहिरे रहंय अऊ ओमन के छाती म सुनहरा पट्टा बंधाय रहय।
7 तब ओ चार जीयत परानी म ले एक झन ओ सातों स्वरगदूतमन ला सात ठन सोन के कटोरा दीस, जऊन म
जुग-जुग तक जीयत रहइया परमेसर के कोरोध भराय रहय।
8 अऊ परमेसर के महिमा अऊ ओकर सामर्थ के कारन मंदिर ह धुआं ले भर गीस अऊ कोनो ओ मंदिर भीतर
नइं जा सकिन, जब तक कि ओ सात स्वरगदूतमन के सात महामारीमन पूरा नइं हो गीन।

16

[illegible]

1 तब मंदिर म ले मोला एक ऊंचहा अवाज सुनई पड़िस, जऊन ह सातों स्वरगदूतमन ले ये कहत रहय,
"जावव, अऊ परमेसर के कोरोध के सातों कटोरा ला धरती ऊपर उंड़ेर दव।"

---

‡ **14:19** *[illegible]* ह एक खंचवा होथे, जिहां अंगूर ला कुचरके ओकर रस निकालथें अऊ तब मंद बनाथें। * **15:4** भजन 111:2, 3; ब्यव 32:4; यर 10:7; भजन 86:9; 98:2

2 पहिला स्वरगदूत ह गीस अऊ धरती ऊपर अपन कटोरा ला उंड़ेर दीस। जऊन मनखेमन ऊपर पसु के छाप
लगे रिहिस अऊ जऊन मन ओकर मूरती के पूजा करे रिहिन, ओमन के ऊपर घिनौना अऊ पीरा देवइया फोड़ा
निकल आईस।
3 दूसरा स्वरगदूत ह समुंदर ऊपर अपन कटोरा ला ढारिस अऊ समुंदर के पानी ह मरे मनखे के लहू सहीं हो
गीस अऊ समुंदर के जम्मो जीव मर गीन।
4 तीसरा स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला नदी अऊ पानी के सोतामन ऊपर ढारिस अऊ ओमन के पानी ह लहू
बन गीस।
5 तब मेंह ओ स्वरगदूत, जेकर करा पानी के ऊपर अधिकार रिहिस, ये कहत सुनेंव:
"हे परम पबितर! तेंह जीयत हवस अऊ तेंह हमेसा जीयत रहय;
तेंह नियाय करे म धरमी अस,
काबरकि तेंह अइसने नियाय करे हवस।
6 मनखेमन तोर पबितर मनखे अऊ अगमजानीमन के लहू बहाय हवंय,
अऊ तेंह ओमन ला पीये बर लहू दे हवस, काबरकि ओमन एकरे लईक अंय।"
7 अऊ बेदी ला मेंह ये कहत सुनेंव:
"हव, हे सर्वसक्तिमान परभू परमेसर,
तोर नियाय ह सच्चा अऊ सही अय।"
8 तब चौथा स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला सूरज ऊपर ढारिस, अऊ सूरज ला मनखेमन ला आगी ले लेसे के
अनुमति दिये गीस।
9 मनखेमन भारी गरमी ले लेसा गीन अऊ ओमन परमेसर के नांव ला सराप दीन, जऊन ह कि ये महामारी
ऊपर अधिकार रखथे, पर ओमन पछ्ताप नइं करिन अऊ परमेसर के महिमा करे नइं चाहिन।
10 तब पांचवां स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला पसु के सिंघासन ऊपर ढारिस, अऊ पसु के राज म अंधियार छा
गीस। मनखेमन पीरा के मारे अपन जीभ चबाय लगिन,
11 अऊ अपन पीरा अऊ फोड़ामन के कारन स्वरग के परमेसर ला सराप देय लगिन, पर ओमन अपन कुकरम
खातिर पछ्ताप नइं करिन।
12 तब छठवां स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला महान नदी फरात ऊपर ढारिस, नदी के पानी ह सूखा गीस, ताकि
पूरब दिग ले अवइया राजामन बर रसता बन जावय।
13 तब मेंह सांप सहीं पसु के मुहूं ले, अऊ ओ पसु के मुहूं ले अऊ लबरा अगमजानी के मुहूं ले तीन असुध
आतमामन ला निकलत देखेंव। ये असुध आतमामन मेचका के रूप म रहंय।
14 येमन परेत आतमा अंय, जऊन मन चमतकार देखाथें। येमन जम्मो संसार के राजामन करा जाथें अऊ
ओमन ला ओ लड़ई बर संकेलथें, जऊन ह सर्वसक्तिमान परमेसर के महान दिन म होही।

15 "देख! मेंह एक चोर के सहीं आवत हंव! धइन ए ओह, जऊन ह जागत रहिथे, अऊ अपन कपड़ा ला पहिरे
रहिथे, ताकि ओह नंगरा होके झन जावय, अऊ मनखेमन के आघू म ओकर बेजत्ती झन होवय।"

16 तब आतमामन राजामन ला ओ ठऊर म संकेलिन, जऊन ला इबरानी म हरमगिदोन कहे जाथे।
17 तब सातवां स्वरगदूत ह हवा म अपन कटोरा ला ढारिस, अऊ मंदिर के सिंघासन म ले एक ऊंचहा अवाज
आईस, जऊन ह ये कहत रिहिस, "पूरा हो गीस!"
18 तब बिजली के चमक, अवाज, बादर के गरजन अऊ भारी भुइंडोल होईस। अइसने भारी भुइंडोल मनखे के
गढ़े जाय के समय ले अब तक कभू नइं होय रिहिस।
19 बड़े सहर के तीन भाग हो गीस अऊ देसमन के सहरमन नास हो गीन। परमेसर ह बड़े सहर बेबिलोन ला
सुरता करिस अऊ ओला अपन भयंकर कोरोध ले भरे मंद के कटोरा ला पीये बर दीस।
20 जम्मो टापू अऊ पहाड़मन गायब हो गीन।
21 अकास ले करीब पैंतालीस-पैंतालीस किलो के बड़े-बड़े करा मनखेमन ऊपर गिरिस, अऊ ये करा के
महामारी के कारन मनखेमन परमेसर ला सराप दीन, काबरकि ये महामारी ह बहुंत भयंकर रिहिस।

17

?????? ???? ??????

1 तब जऊन सात स्वरगदूतमन सात ठन कटोरा धरे रिहिन, ओमा के एक झन मोर करा आईस अऊ कहिस,
"आ, मेंह तोला ओ बड़े बेस्या के दंड ला देखाहूं, जऊन ह कतको पानीमन ऊपर बईठे हवय।
2 ओकर संग धरती के राजामन छिनारी करे हवंय अऊ धरती के मनखेमन ओकर छिनारीपन के मंद ला पीके
मतवाला हो गे हवंय।"
3 तब ओ स्वरगदूत ह मोला आतमा म एक ठन सुनसान जगह म ले गीस। उहां मेंह एक झन माईलोगन ला
सिन्दूरी लाल रंग के एक पसु ऊपर बईठे देखेंव। पसु के जम्मो देहें म खराप नांवमन लिखाय रहंय, अऊ ओकर
सात ठन मुड़ अऊ दस ठन सींग रहय।
4 ओ माईलोगन ह बैंगनी अऊ सिन्दूरी लाल रंग के कपड़ा पहिरे रहय अऊ सोन, कीमती पथरा अऊ
मोतीमन ले सजे रहय। ओह अपन हांथ म एक ठन सोन के कटोरा धरे रहय। ओ कटोरा ह घिन-घिन चीज अऊ
ओकर छिनारीपन के गंदगी ले भरे रहय।
5 अऊ ओकर माथा म एक भेद के नांव लिखाय रहय:

महान बेबिलोन,
धरती के बेस्यामन के
अऊ घिन-घिन चीजमन के दाई।

6 मेंह देखेंव कि ओ माईलोगन ह पबितर मनखेमन के लहू अऊ यीसू के बिसवासयोग्य गवाहमन के लहू ला पीके
माते हवय।
जब मेंह ओला देखेंव, त बहुंत अचरज म पड़ गेंव।
7 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस: "तेंह काबर अचम्भो करत हवस? मेंह तोला ओ माईलोगन के भेद ला बताहूं
अऊ ओ पसु के भेद ला घलो बताहूं, जेकर ऊपर ओ माईलोगन ह सवारी करे हवय अऊ जेकर सात ठन मुड़
अऊ दस ठन सींग हवय।
8 जऊन पसु ला तेंह देखे, ओह पहिली रिहिस, पर अब नइं ए; ओह अथाह कुन्ड ले निकलके आही अऊ ओह
नास हो जाही। धरती के ओ मनखेमन, जेमन के नांव संसार के रचे के समय ले जिनगी के किताब म नइं लिखे
हवय, ओमन पसु ला देखके अचम्भो करहीं, काबरकि ओह पहिली रिहिस, पर अब नइं ए, पर ओह फेर आही।
9 "येला समझे बर बुद्धि के जरूरत हवय। ओ सात ठन मुड़ीमन सात ठन पहाड़ अंय, जेकर ऊपर ओ
माईलोगन ह बईठे हवय।
10 ओमन सात झन राजा घलो अंय। ओमा ले पांच झन गिर गे हवंय; एक झन अभी राज करत हवय, अऊ
दूसर ह अभी तक नइं आय हवय; पर जब ओह आही, त थोरकन समय तक राज करही।
11 ओ पसु जऊन ह पहिली रिहिस, पर अब नइं ए, ओह आठवां राजा ए। असल म, ओह ओ सातों म ले अय
अऊ ओह नास हो जाही।
12 "जऊन दस ठन सींग तेंह देखे, ओमन दस राजा अंय। ओमन ला अभी तक राज नइं मिले हवय, पर ओमन
ला एक घंटा बर पसु के संग म राजामन सहीं अधिकार मिलही।
13 ओमन के एकेच उदेस्य हवय अऊ ओमन अपन सक्ति अऊ अधिकार पसु ला दे दीहीं।
14 ओमन मेढ़ा-पीला के बिरोध म लड़ई करहीं, पर मेढ़ा-पीला ह ओमन ऊपर जय पाही, काबरकि ओह
परभूमन के परभू अऊ राजामन के राजा अय, अऊ जऊन मन ओकर संग रहिहीं, ओमन बलाय गे हवंय अऊ
चुने गे हवंय अऊ ओमन बिसवासयोग्य अंय।"
15 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, "जऊन पानी ला तेंह देखे, जिहां ओ बेस्या ह बईठे हवय, ओ पानी ह
मनखेमन के भीड़, देस अऊ भासामन अंय।
16 जऊन पसु अऊ दस सींगमन ला तेंह देखे, ओमन ओ बेस्या ले घिन करहीं। ओमन ओला नंगरी करके
अकेला छोंड़ दीहीं। ओमन ओकर मांस ला खाहीं अऊ ओला आगी म जला दीहीं।
17 काबरकि परमेसर ह ओमन के मन म ये बात ला डाले हवय कि ओमन ओकर उदेस्य ला पूरा करंय अऊ जब
तक परमेसर के बचन ह पूरा नइं हो जावय, तब तक ओमन एक मत होके अपन राज करे के अधिकार ला ओ पसु
ला दे देवंय।

18 जऊन माईलोगन ला तेंह देखे, ओह ओ महान सहर ए, जऊन ह धरती के राजामन ऊपर राज करथे।”

18

[illegible]

1 एकर बाद मेंह एक अऊ स्वरगदूत ला स्वरग ले उतरत देखेंव। ओकर करा बड़े अधिकार रिहिस अऊ धरती
ह ओकर सोभा ले जगमगा गीस।
2 ओह ऊंचहा अवाज म चिचियाके कहिस:
“ ‘गिर परिस! बड़े सहर बेबिलोन ह गिर परिस!’*
ओह परेत आतमामन के, जम्मो असुध आतमामन के,
जम्मो असुध चिरईमन के,
जम्मो असुध अऊ घिनौना पसुमन के
डेरा हो गे हवय।
3 काबरकि जम्मो देस के मनखेमन
ओकर छिनारीपन के पागल करइया मंद ला पीये हवंय।
धरती के राजामन ओकर संग छिनारी करिन,
अऊ धरती के बेपारीमन ओकर बिलासिता के धन ले धनवान हो गे हवंय।”

[illegible]

4 तब मेंह स्वरग ले एक अऊ अवाज सुनेंव, जऊन ह ये कहत रहय:
“ ‘हे मोर मनखेमन, ओ सहर म ले निकल आवव,’†
ताकि तुमन ओकर पाप के भागी झन होवव,
अऊ ओकर कोनो बिपत्ति तुम्हर ऊपर झन पड़य;
5 काबरकि ओकर पाप के घघरी ह भर गे हवय,
अऊ परमेसर ह ओकर अपराधमन ला सुरता करे हवय।
6 ओकर संग वइसने करव, जइसने ओह तुम्हर संग करे हवय;
ओकर कुकरम के दू गुना बदला चुकावव।
जऊन कटोरा म ओह भरे हवय, ओ कटोरा म ओकर बर दू गुना भर देवव।
7 ओह जतेक डींग मारे हवय अऊ जतेक भोग-बिलास करे हवय,
ओला ओतेक दुख अऊ तकलीफ देवव।
ओह अपन मन म घमंड करके कहिथे,
‘मेंह रानी सहीं बईठथंव।
मेंह बिधवा नो हंव;‡
अऊ मेंह कभू दुख नइं मनाहूं।’
8 एकरसेति एकेच दिन म ओकर ऊपर मिरतू,
सोक अऊ दुकाल के बिपत्ति आ पड़ही।
ओह आगी म भसम हो जाही,
काबरकि जऊन ह ओकर नियाय करथे, ओह सक्तिमान परभू परमेसर ए।
9 “धरती के जऊन राजामन ओकर संग छिनारी अऊ भोग-बिलास करिन, ओमन जब ओकर जरे के धुआं ला
देखहीं, त ओमन रोहीं अऊ ओकर बर सोक मनाहीं।
10 ओमन ओकर पीरा ले डरके दूरिहा म ठाढ़ होहीं अऊ ये कहिहीं,
“ ‘हे महान सहर! हाय! तोर ऊपर हाय!
हे बेबिलोन, सक्तिसाली सहर!
एकेच घंटा म तोला तोर दंड मिल गीस!’
11 “धरती के बेपारीमन ओकर बर रोहीं अऊ कलपहीं, काबरकि अब कोनो ओमन के ये मालमन ला नइं
बिसाही—

* **18:2** यसा 21:9 † **18:4** यर 51:45 ‡ **18:7** देखव यसा 47:7, 8

12 पानी जहाज म लदे सोन, चांदी, कीमती पथरा, मोती; सुघर मलमल, बैंगनी, रेसमी अऊ सिन्दूरी लाल
कपड़ा; जम्मो किसम के महकत कठवा, अऊ हाथी-दांत, कीमती कठवा, कांसा, लोहा अऊ संगमरमर के बने
जम्मो किसम के चीज;
13 पानी जहाज म लदे दालचीनी, मसाला, धूप, इतर, लोबान, अंगूर के मंद, जैतून के तेल, सुघर पीसान अऊ
गहूं; पसु-धन अऊ भेड़; घोड़ा अऊ रथ; अऊ गुलाम के रूप म बेचे गय मनखेमन।
14 "बेपारीमन कहिहीं, 'जऊन फर के लालसा तेंह करत रहय, ओह तोर ले दूरिहा हो गे हवय। तोर जम्मो
धन-संपत्ति अऊ तड़क-भड़क खतम हो गीस, अऊ ओह तोला फेर कभू नइं मिलय।'
15 जऊन बेपारीमन ये चीजमन ला बेचके बेबिलोन सहर ले धन कमाय रिहिन, ओमन ओकर पीरा ले डरके
दूरिहा म ठाढ़ होहीं। ओमन रोहीं अऊ सोक मनाहीं
16 अऊ कलपत ये कहिहीं:
" 'हे महान सहर! हाय! तोर ऊपर हाय!
तेंह सुघर मलमल, बैंगनी अऊ सिन्दूरी लाल कपड़ा पहिरे रहय,
अऊ सोन, कीमती पथरा अऊ मोती ले सजे रहय!
17 एकेच घंटा म ये जम्मो धन ह नास हो गीस!'
"पानी जहाज के हर कप्तान, पानी जहाज म हर यातरा करइया, हर डोंगा खेवइया अऊ हर ओ मनखे, जऊन
ह समुंदर ले अपन जिनगी चलाथे, ये जम्मो के जम्मो दूरिहा म ठाढ़े रहिहीं।
18 जब ओमन ओकर जरे के धुआं ला देखहीं, त ओमन चिचियाके कहिहीं, 'का ये महान सहर सहीं कभू कोनो
सहर रिहिस?'
19 ओमन अपन मुड़ ऊपर धुर्रा ला डारहीं, अऊ रोवत अऊ कलपत ओमन चिचिया-चिचियाके कहिहीं:
" 'हे महान सहर! हाय! तोर ऊपर हाय!
येह ओ सहर ए,
जेकर धन के जरिये समुंदर के जम्मो जहाज के मालिकमन धनी हो गीन!
एकेच घंटा म, ओह नास हो गीस!'

20 "हे स्वरग म रहइयामन, ओकर ऊपर आनंद मनावव!
हे पबितर मनखेमन आनंद मनावव!
हे प्रेरित अऊ अगमजानीमन, आनंद मनावव!
काबरकि ओह तुम्हर संग जइसने बरताव करे रिहिस,
परमेसर ह ओला ओकर सजा दे हवय।"

[illegible]

21 तब एक सक्तिसाली स्वरगदूत ह चक्की के एक बड़े पाट सहीं पथरा ला उठाईस अऊ ये कहत ओला
समुंदर म फटिक दीस:
"महान सहर बेबिलोन ह
अइसने बेरहमी ले फटिक दिये जाही,
अऊ ओकर फेर कभू पता नइं चलही।
22 बीना बजइया अऊ संगीतकार, बांसुरी बजइया अऊ तुरही बजइयामन के संगीत के अवाज,
ये सहर म फेर कभू सुनई नइं पड़ही।
कोनो काम के कोनो घलो कारीगर,
ये सहर म फेर कभू नइं मिलही।
जांता चले के अवाज,
ये सहर म फेर कभू सुनई नइं पड़ही।
23 दीया के अंजोर,
ये सहर म फेर कभू नइं चमकही।
दूल्हा अऊ दुलहिन के अवाज,
ये सहर म फेर कभू सुनई नइं पड़ही।

ये सहर के बेपारीमन संसार के खास मनखे रिहिन।
ये सहर ह अपन जादू के दुवारा जम्मो देस के मनखेमन ला बहकाय रिहिस।
24 ये सहर म अगमजानी अऊ परमेसर के पबितर मनखेमन के लहू पाय गीस,
अऊ धरती ऊपर जऊन मनखेमन मार डारे गीन, ओ जम्मो के लहू ये सहर म पाय गीस।"

19

[illegible]

1 एकर बाद मेंह स्वरग म, एक बड़े भीड़ के गरजन सहीं अवाज सुनेंव, जऊन ह चिचियाके ये कहत रहय:
"हलिलूयाह!
उद्धार, महिमा अऊ सामर्थ हमर परमेसर के अय,
2 काबरकि ओकर नियाय सच्चा अऊ सही अय।
ओह ओ बड़े बेस्या ला दंड दे हवय,
जऊन ह अपन छिनारीपन ले धरती के मनखेमन ला खराप करत रिहिस।
परमेसर ह ओकर ले अपन सेवकमन के लहू के बदला ले हवय।"
3 ओमन फेर चिचियाके कहिन:
"हलिलूयाह!
ओ बड़े सहर के जरे के धुआं जुग-जुग तक उठत रहिथे।"
4 चौबीस अगुवा अऊ चारों जीयत परानीमन माड़ी के भार गिरिन अऊ ओमन सिंघासन ऊपर बिराजे परमेसर के अराधना करिन। अऊ ओमन ऊंचहा अवाज म कहिन:
"आमीन, हलिलूयाह!"
5 तब सिंघासन ले ये कहत एक अवाज आईस:
"तुमन जम्मो परमेसर के सेवकमन,
का छोटे का बड़े तुमन,
जऊन मन ओकर भय मानथव,
हमर परमेसर के परसंसा करव!"
6 तब मेंह एक बड़े भीड़ के अवाज ला सुनेंव, जऊन ह पानी के लहरामन सहीं अऊ बादर के बड़े गरजन सहीं रहय; भीड़ ह चिचियाके ये कहत रहय:
"हलिलूयाह!
काबरकि हमर सर्वसक्तिमान परभू परमेसर ह राज करत हवय।
7 आवव! हमन आनंद अऊ खुसी मनावन,
अऊ परमेसर के महिमा करन!
काबरकि मेढ़ा-पीला के बिहाव के बेरा ह आ गे हवय,
अऊ ओकर दुलहिन ह अपनआप ला तियार कर ले हवय।
8 सुघर, चमकत अऊ साफ मलमल के कपड़ा,
ओला पहिरे बर दिये गे हवय।"
(सुघर मलमल कपड़ा ह पबितर मनखेमन के धरमी काम के चिनहां ए।)

9 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, "येला लिख: धइन अंय ओमन, जऊन मन मेढ़ा-पीला के बिहाव भोज के नेवता पाथें।" अऊ स्वरगदूत ह ये घलो कहिस, "येमन परमेसर के सत बचन अंय।"
10 तब मेंह ओकर अराधना करे बर ओकर गोड़ खाल्हे गिरेंव। पर ओह मोला कहिस, "अइसने झन कर! मेंह घलो तोर अऊ तोर ओ भाईमन संग एक संगी सेवक अंव, जऊन मन यीसू के गवाही रखथें। परमेसर के अराधना कर! काबरकि यीसू के गवाही ह अगमबानी के आतमा ए।"

[illegible]

11 तब मेंह स्वरग ला खुले हुए देखेंव अऊ उहां एक सफेद घोड़ा रहय, अऊ जऊन ह ओ घोड़ा ऊपर सवारी
करे रहय, ओला बिसवासयोग्य अऊ सच कहे जाथे। ओह धरमीपन के संग नियाय करथे अऊ लड़ई करथे।
12 ओकर आंखीमन आगी सहीं धधकत रहंय, अऊ ओकर मुड़ म कतको मुकुटमन रहंय। ओकर देहें म एक
नांव लिखाय रहय, जऊन ला ओकर छोंड़ अऊ कोनो नइं जानंय।
13 ओह लहू म डुबोय कपड़ा पहिरे रहय, अऊ ओकर नांव परमेसर के बचन ए।
14 स्वरग के सेनामन सुघर, सफेद अऊ साफ मलमल के कपड़ा पहिरे अऊ सफेद घोड़ामन म सवार होके
ओकर पाछू-पाछू आवत रहंय।
15 ओकर मुहूं ले एक तेज धारदार तलवार निकलत रहय, जेकर दुवारा ओह देस-देस के मनखेमन ला मारही।
ओह लोहा के राजदंड ले ओमन ऊपर राज करही।* ओह सर्वसक्तिमान परमेसर के भयानक कोरोध रूपी मंद के
कुन्ड ला रऊंदही।
16 ओकर कपड़ा अऊ ओकर जांघ म ये नांव लिखाय रहय:

राजामन के राजा अऊ परभूमन के परभू।

17 तब मेंह एक स्वरगदूत ला सूरज ऊपर ठाढ़े देखेंव। ओह ऊंचहा अवाज म अकास म उड़त जम्मो चिरईमन
ला पुकारके कहिस, “आवव! परमेसर के बड़े भोज म सामिल होय बर जूरव,
18 ताकि तुमन राजा, सेनापति, सक्तिसाली मनखे, घोड़ा अऊ ओकर सवारमन के मांस, अऊ सुतंतर अऊ
गुलाम, छोटे अऊ बड़े जम्मो झन के मांस खा सकव।”
19 तब मेंह देखेंव कि ओ पसु अऊ धरती के राजामन अपन सेनामन संग, घोड़ा म बईठे ओ घुड़सवार अऊ
ओकर सेना ले लड़े बर जूरे रहंय।
20 पर ओ पसु ह पकड़े गीस अऊ ओकर संग ओ लबरा अगमजानी घलो पकड़े गीस, जऊन ह पसु के आघू म
अचरज के चिनहां देखाके, ओ मनखेमन ला बहकाय रिहिस, जऊन मन ओ पसु के छाप लेय रिहिन अऊ ओकर
मूरती के पूजा करे रिहिन। ओ दूनों जीयते-जीयत धधकत गंधक के आगी के कुन्ड म झोंक दिये गीन।
21 ओमा के बांचे मनखेमन घोड़ा म बईठे घुड़सवार के मुहूं ले निकले तलवार ले मारे गीन, अऊ जम्मो
चिरईमन ओमन के मांस खाके अघा गीन।

20

[illegible]

1 तब मेंह एक स्वरगदूत ला स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह अपन हांथ म अथाह कुन्ड के कुंची अऊ एक बड़े
सांकर धरे रहय।
2 ओह ओ सांप सहीं पसु याने कि पुराना सांप ला पकड़िस, जऊन ह इबलीस या सैतान ए, अऊ ओला एक
हजार साल बर सांकर म बांध दीस।
3 स्वरगदूत ह ओला अथाह कुन्ड म डार दीस अऊ ओमा ताला लगाके ओकर ऊपर मुहर लगा दीस, ताकि
ओ पुराना सांप ह एक हजार साल के पूरा होवत तक, देसमन के मनखेमन ला बहकाय झन सकय। ओकर बाद,
ये जरूरी अय कि ओला थोरकन समय बर छोंड़े जावय।
4 तब मेंह सिंघासनमन ला देखेंव, जऊन म ओ मनखेमन बईठे रहंय, जऊन मन ला नियाय करे के अधिकार
देय गे रिहिस। मेंह ओ मनखेमन के आतमामन ला घलो देखेंव, जेमन के मुड़ ला यीसू के गवाही देय के कारन
अऊ परमेसर के बचन म बने रहे के कारन काट डारे गे रिहिस। ओमन पसु या ओकर मूरती के अराधना नइं करे
रिहिन अऊ ओमन अपन माथा या अपन हांथ म ओकर छाप नइं लेय रिहिन। ओमन जी उठिन अऊ मसीह के
संग म एक हजार साल तक राज करिन।
5 बाकि मरे मनखेमन एक हजार साल के पूरा होवत तक जी नइं उठिन। येह मरे मनखेमन के पहिली जी उठई
अय।
6 धइन अऊ पबितर अंय ओ मनखेमन, जऊन मन ये पहिली जी उठई म भागीदार होथें। येमन ऊपर दूसरा
मिरतू के कोनो अधिकार नइं रहय। येमन परमेसर अऊ मसीह के पुरोहित होहीं अऊ ओकर संग एक हजार
साल तक राज करहीं।

---

* **19:15** भजन 2:9

[illegible]

7 जब एक हजार साल पूरा हो जाही, त सैतान ला कैद ले छोंड़ दिये जाही
8 अऊ ओह धरती के जम्मो देस के मनखेमन ला बहकाय बर निकलही; ये देसमन याजूज अऊ माजूज अंय।
सैतान ह ओमन ला लड़ई बर संकेलही। ओमन समुंदर तीर के बालू सहीं अनगिनत होहीं।
9 ओमन जम्मो धरती ऊपर बगर गीन। ओमन पबितर मनखेमन के डेरा अऊ परमेसर के मयारू सहर ला घेर
लीन, पर स्वरग ले आगी उतरिस अऊ ओमन ला भसम कर दीस।
10 तब ओमन ला बहकवइया सैतान ला आगी अऊ गंधक के कुन्ड म डार दिये गीस, जिहां ओ पसु अऊ
लबरा अगमजानी ला डारे गे रिहिस। ओमन सदाकाल तक दिन-रात पीरा भोगहीं।

[illegible]

11 तब मेंह एक बड़े सफेद सिंघासन अऊ ओकर ऊपर बिराजे एक मनखे ला देखेंव। धरती अऊ अकास ओकर
आघू ले भाग गीन, अऊ ओमन बर कोनो जगह नइं बांचिस।
12 अऊ मेंह छोटे-बड़े जम्मो मरे मनखेमन ला सिंघासन के आघू म ठाढ़े देखेंव, अऊ किताबमन खोले गीन।
तब एक आने किताब खोले गीस, जऊन ह जिनगी के किताब ए। किताबमन म लिखाय मरे मनखेमन के काम के
मुताबिक ओमन के नियाय करे गीस।
13 तब समुंदर ह अपन मरे मनखेमन ला दे दीस। मिरतू अऊ पाताल-लोक अपन मरे मनखेमन ला दे दीन,
अऊ हर एक के नियाय ओकर काम के मुताबिक करे गीस।
14 तब मिरतू अऊ पाताल-लोक ला आगी के झील म डार दिये गीस। आगी के झील ह दूसरा मिरतू ए।
15 जेमन के नांव जिनगी के किताब म लिखाय नइं मिलिस, ओमन आगी के झील म डार दिये गीन।

21

[illegible]

1 तब मेंह एक नवां अकास अऊ एक नवां धरती देखेंव।* पहिली अकास अऊ पहिली धरती दूनों लोप हो गे
रिहिन, अऊ कोनो समुंदर घलो नइं रिहिस।
2 अऊ मेंह पबितर सहर नवां यरूसलेम ला परमेसर के इहां ले स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह अपन घरवाला
खातिर दुलहिन के सहीं सुघर सजे रहय।
3 अऊ मेंह सिंघासन ले ऊंचहा अवाज म, ये कहत सुनेंव, "देखव! अब परमेसर के निवास मनखेमन के बीच
हवय, अऊ ओह ओमन के संग रहिही। ओमन ओकर मनखे होहीं, अऊ परमेसर ह खुद ओमन के संग रहिही।
4 ओह ओमन के आंखी के जम्मो आंसू ला पोंछही। उहां न मिरतू होही,† न कोनो सोक मनाही या रोही, अऊ
न ही कोनो ला कोनो किसम के पीरा होही, काबरकि पुराना बातमन खतम हो गे हवंय।"
5 जऊन ह सिंघासन म बिराजे रिहिस ओह कहिस, "मेंह हर एक चीज ला नवां बनावत हवंव।" तब ओह
कहिस, "येला लिख ले, काबरकि ये बात ह बिसवास लईक अऊ सत ए।"
6 ओह मोला कहिस, "येह पूरा होईस। मेंह अलफा अऊ ओमेगा, आदि अऊ अन्त अंव। जऊन ह पीयासा
हवय, ओला मेंह जिनगी के पानी के सोता म ले मुफत म पीये बर दूहूं।
7 जऊन ह जय पाही, ओला ये जम्मो चीज मिलही, अऊ मेंह ओकर परमेसर होहूं, अऊ ओह मोर बेटा होही।
8 पर डरपोक, अबिसवासी, दुस्ट, हतियारा, छिनारी करइया, जादू-टोना करइया, मूरती-पूजा करइया अऊ
जम्मो लबरामन ओ झील म जगह पाहीं, जऊन ह आगी अऊ गंधक ले धधकत हवय। येह दूसरा मिरतू ए।"
9 तब ओ सात स्वरगदूतमन, जेमन करा सात ठन आखिरी महामारी ले भरे सात ठन कटोरा रहंय, ओमा ले
एक झन मोर करा आईस अऊ कहिस, "आ, मेंह तोला दुलहिन याने कि मेढ़ा-पीला के घरवाली ला देखाहूं।"
10 ओ स्वरगदूत ह आतमा के सामर्थ ले मोला एक बड़े अऊ ऊंच पहाड़ ऊपर ले गीस, अऊ ओ पबितर
सहर—यरूसलेम ला देखाईस, जऊन ह स्वरग ले परमेसर के इहां ले उतरत रहय।
11 ओह परमेसर के महिमा ले चमकत रहय अऊ ओकर चमक ह एक बहुंत मंहगा पथरा—मनि सहीं एकदम
साफ रहय।

---

* **21:1** यसा 65:17 † **21:4** यसा 25:8

12 ओकर चारों कोति एक बड़े अऊ ऊंच दीवार रहय। दीवार म बारह ठन कपाट रहंय अऊ ये कपाटमन म
बारह झन स्वरगदूत ठाढ़े रहंय। ये कपाटमन म इसरायल के बारह गोत्र के नांव लिखाय रहय—हर कपाट म एक
नांव।
13 पूरब म तीन, उत्तर म तीन, दक्खिन म तीन अऊ पछिम म तीन कपाट रिहिन।
14 सहर के दीवार के बारह ठन नीव के पथरामन रहंय अऊ ओमन म मेढ़ा-पीला के बारह प्रेरितमन के नांव
लिखाय रहय—हर पथरा म एक नांव।
15 जऊन स्वरगदूत ह मोर ले गोठियावत रिहिस, ओकर करा सहर, ओकर कपाट अऊ दीवार ला नापे बर नापे
के सोन के एक छड़ रहय।
16 ओ सहर ह चौखट्टा आकार म बसे रिहिस। ओकर लम्बई ह ओकर चौड़ई के बरोबर रहय। स्वरगदूत ह सहर
ला छड़ म नापिस, त ओह करीब 12,000 सटेडिया‡ निकलिस। ओकर लम्बई, चौड़ई अऊ ऊंचई बरोबर रिहिस।
17 ओह सहर के दीवार ला घलो नापिस। स्वरगदूत ह मनखे के नाप के हिसाब म नापिस, अऊ सहर के दीवार
के ऊंचई ह करीब 65 मीटर निकलिस।
18 सहर के दीवार ह मनि के बने रिहिस अऊ सहर ह चोखा सोन के बने रिहिस, जऊन ह कांच सहीं सुध
रिहिस।
19 सहर के दीवार के नीव ह जम्मो किसम के कीमती पथरा ले सजे रहय। पहिली नीव ह मनि के रिहिस,
दूसरा ह नीलम, तीसरा ह सुलेमानी, चौथा ह पन्ना,
20 पांचवां ह गोमेदक, छठवां ह मानिक्य, सातवां ह पीतमनी, आठवां ह फिरोजा, नौवां ह पुखराज, दसवां ह
लहसनिये, गियारहवां ह नगीना अऊ बारहवां ह नीलमनि के बने रिहिस।§
21 बारह कपाटमन बारह मोतीमन ले बने रिहिन। एक-एक कपाट ह एक-एक मोती के बने रिहिस। सहर के
गली ह आर-पार दिखइया साफ कांच सहीं चोखा सोन के बने रिहिस।
22 मेंह सहर म कोनो मंदिर नइं देखेंव, काबरकि सर्वसक्तिमान परभू परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला एकर मंदिर अंय।
23 अऊ सहर ला सूरज या चंदा के अंजोर के जरूरत नइं रिहिस, काबरकि परमेसर के महिमा ओला अंजोर
देवत रिहिस अऊ मेढ़ा-पीला ओकर दीया रिहिस।
24 संसार के मनखेमन ओकर अंजोर म रेंगही अऊ संसार के राजामन ओमा अपन सोभा लानहीं।
25 ओ सहर के कपाटमन कभू बंद नइं होहीं, अऊ उहां कभू रात नइं होही।
26 जम्मो देस के महिमा अऊ आदर ओमा लाने जाही।
27 कोनो असुध चीज कभू ओ सहर म घुसरे नइं पाही अऊ न ही ओ मनखे, जऊन ह लज्जा के काम करथे या
धोखा देवइया काम करथे, पर सिरिप ओमन घुसरे पाहीं, जेमन के नांव मेढ़ा-पीला के जिनगी के किताब म
लिखाय हवय।

22

[illegible]

1 तब स्वरगदूत ह मोला जिनगी देवइया पानी के नदी ला देखाईस, जेकर पानी ह इसफटिक के सहीं साफ
रिहिस। ओ नदी ह परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला के सिंघासन ले निकलके
2 सहर के बड़े गली के बीचों-बीच बोहावत रिहिस। नदी के दूनों तीर म जिनगी के रूख रिहिस, जऊन म एक
साल म बारह किसम के फर धरय—याने कि हर एक महिना ओमा फर धरय अऊ ओ रूख के पान ले देस-देस के
मनखेमन ला चंगई मिलत रिहिस।
3 अब ले उहां कोनो किसम के सराप नइं होही। ओ सहर म परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला के सिंघासन होही, अऊ
ओकर सेवकमन ओकर अराधना करहीं।
4 ओमन ओकर चेहरा ला देखहीं अऊ ओकर नांव ह ओमन के माथा म लिखाय होही।
5 उहां अब कभू रात नइं होही। ओमन ला दीया या सूरज के अंजोर के जरूरत नइं पड़ही, काबरकि परभू
परमेसर ह ओमन ला अंजोर दीही, अऊ ओमन सदाकाल तक राज करहीं।

‡ **21:16** या 2,200 किलोमीटर § **21:20** येमा के कुछू कीमती चीजमन के सही जानकारी नइं ए

6 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, “ये बातमन बिसवास के लईक अऊ सच अंय। परभू, परमेसर जऊन ह
अगमजानीमन के आतमा ला उभारथे, ओह अपन स्वरगदूत ला अपन सेवकमन करा ओ बातमन ला देखाय बर
पठोय हवय, जऊन ह निकट भविस्य म होवइया हवय।”

[illegible]

7 यीसू ह कहिस, “देखव! मेंह जल्दी आवत हंव। धइन ए ओ, जऊन ह ये किताब म लिखे अगम के बातमन
ला मानथे।”

8 में, यूहन्ना ये बातमन ला सुने अऊ देखे हवंव। अऊ जब मेंह येमन ला सुन अऊ देख चुकेंव, त जऊन
स्वरगदूत ह मोला ये बातमन ला देखाईस, ओकर गोड़ खाल्हे मेंह ओकर अराधना करे बर गिरेंव।
9 पर ओह मोला कहिस, “अइसने झन कर। मेंह घलो तोर सहीं अऊ तोर भाई अगमजानीमन सहीं अऊ ओ
जम्मो झन जऊन मन ये किताब के बात ला मानथें, ओमन सहीं एक संगी सेवक अंव। परमेसर के अराधना कर!”
10 अऊ ओह मोला फेर कहिस, “तेंह ये किताब के अगम के बातमन ला मुहर लगाके बंद झन कर, काबरकि
समय ह लकठा आ गे हवय।
11 जऊन ह अधरम करथे, ओह अधरम करते रहय। जऊन ह दुस्ट मनखे ए, ओह दुस्ट मनखे बने रहय।
जऊन ह धरमी ए, ओह भलई करते रहय; अऊ जऊन ह पबितर ए, ओह पबितर बने रहय।”

[illegible]: [illegible]

12 यीसू ह कहिस, “देखव! मेंह जल्दी आवत हंव। मेंह अपन ईनाम ला अपन संग लेके आहूं अऊ हर एक
मनखे ला ओकर काम के मुताबिक ईनाम दूहूं।
13 मेंह अलफा अऊ ओमेगा, पहिली अऊ आखिरी, आदि अऊ अन्त अंव।

14 “धइन अंय ओमन, जऊन मन अपन ओनहा ला धोथें ताकि ओमन ला जिनगी के रूख म ले फर खाय के
अधिकार अऊ कपाट म ले होके सहर के भीतर जाय के अधिकार मिलय।
15 पर कुकुर, जादू-टोना करइया, छिनारी करइया, हतियारा, मूरती-पूजा करइया अऊ हर ओ मनखे, जऊन
ला लबरा बात अऊ लबरा काम करई बने लगथे, ये जम्मो के जम्मो सहर ले बाहिर रहिहीं।

16 “में यीसू ह, अपन स्वरगदूत ला तुम्हर करा पठोय हवंव कि ओह कलीसियामन ला ये बात बतावय। मेंह
दाऊद राजा के मूल अऊ बंसज अंव, अऊ मेंह बिहनियां के चमकत तारा अंव।”

17 पबितर आतमा अऊ दुलहिन कहिथें, “आवव!” अऊ जऊन ह सुनथे, ओह कहय, “आवव!” जऊन ह
पीयासा हवय, ओह आवय; अऊ जऊन ह चाहथे, ओह जिनगी के पानी ला बिगर कोनो दाम के ले लेवय।

18 में यूहन्ना ओ जम्मो मनखे ला चेतावत हंव, जऊन मन ये किताब के अगम के बात ला सुनथें: कहूं कोनो
येमा कुछू जोड़ही, त परमेसर ह ये किताब म लिखाय महामारीमन ला ओकर ऊपर लानही।
19 अऊ कहूं कोनो अगमबानी के ये किताब म ले कुछू बात ला निकालही, त परमेसर ह ये किताब म लिखाय
जिनगी के रूख अऊ पबितर सहर म ले ओकर बांटा ला निकाल दीही।

20 जऊन ह ये बातमन के गवाही देथे, ओह कहिथे, “हव, मेंह जल्दी आवत हंव।”
आमीन! हे परभू यीसू, आ।

21 परभू यीसू के अनुग्रह परमेसर के मनखेमन ऊपर होवय। आमीन।